भजन १४४ दाऊद के भजन छै, जे विजय, सुरक्षा आरू समृद्धि के प्रार्थना छै।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वरक स्तुति करैत छथि जे हुनका सभक शक्ति आ रक्षक छथि।
शत्रु के सामने परमेश् वर के देखभाल आरू उद्धार के स्वीकार करै छै। ओ सभ अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि जे परमेश् वर स् वर्ग सँ उतरि हुनका सभ केँ उद्धार करथि (भजन संहिता १४४:१-८)।

2nd पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वर स आग्रह करैत छथि जे हुनका सब के अपन दुश्मन पर जीत दियौन, परमेश्वर के हस्तक्षेप के विनाशकारी शक्ति के वर्णन करैत छैथ। ओ सभ अपन भूमि मे समृद्धि, सुरक्षा आ प्रचुरताक लेल प्रार्थना करैत छथि (भजन संहिता 144:9-15)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ चौवालीस प्रस्तुत
दिव्य विजयक प्रार्थना, २.
रक्षा आ समृद्धि के इच्छा पर जोर दैत दिव्य शक्ति के स्वीकार के माध्यम स प्राप्त निर्भरता के उजागर करब |

भगवान् के बल आ सुरक्षा के स्रोत के रूप में पहचानै के संबंध में व्यक्त स्तुति पर जोर दैत |
द्वंद्व के समय ईश्वरीय देखभाल एवं मुक्ति के संबंध में दिखाई गई स्वीकृति का उल्लेख |
बचाव के मांग करैत ईश्वरीय हस्तक्षेप के इच्छा के संबंध में प्रस्तुत याचना व्यक्त करब |
भूमि में प्रचुरता, सुरक्षा, आ समृद्धि के प्रार्थना करैत प्रतिद्वंदी पर विजय के खोज के संबंध में व्यक्त अनुरोध के स्वीकार करैत |

भजन 144:1 हमर सामर्थ् य परमेश् वर केँ धन्य होउ, जे हमर हाथ केँ युद्ध करबाक लेल सिखाबैत छथि आ हमर आँगुर केँ लड़बाक लेल सिखाबैत छथि।

भजन 144:1 मे परमेश् वरक स्तुति कयल गेल अछि जे ओ वक्ता केँ लड़बाक तरीका सिखाबैत छथि।

1. द्वंद्वक समय मे भगवान् हमर सभक ताकत छथि

2. भगवान् पर विश्वास के साथ लड़ना सीखना

1. भजन 144:1 - हमर सामर्थ् य परमेश् वर केँ धन्य होउ, जे हमर हाथ केँ युद्ध करबाक लेल सिखाबैत छथि आ हमर आँगुर केँ लड़बाक लेल सिखाबैत छथि।

2. इफिसियों 6:10-18 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। भगवानक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन रुख राखि सकब।

भजन 144:2 हमर भलाई आ हमर किला। हमर ऊँच बुर्ज आ हमर उद्धारकर्ता। हमर ढाल, आ जकरा पर हम भरोसा करैत छी। जे हमर लोक केँ हमरा अधीन करैत अछि।

प्रभु सद्भाव, बल, रक्षा आ मोक्ष के स्रोत छैथ।

1. प्रभु हमरा सभक गढ़ छथि विपत्तिक समय मे।

2. प्रभु पर भरोसा करू जे ओ अहाँक ढाल आ उद्धारकर्ता बनथि।

1. यशायाह 33:2 "हे प्रभु, हमरा सभ पर कृपा करू; हम सभ अहाँक लेल तरसैत छी। सभ दिन भोरे- भोर हमर सभक सामर्थ्य बनू, विपत्तिक समय मे हमर सभक उद्धार बनू।"

2. भजन 18:2 "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़।"

भजन 144:3 प्रभु, मनुष्य की होइत अछि जे अहाँ ओकरा चिन्हैत छी! वा मनुष्यक बेटा, जे अहाँ ओकर हिसाब-किताब करू!

भगवान् मनुष्य केरऽ महानता पर आश्चर्यचकित होय जाय छै ।

1. मानवता के आश्चर्य: भगवान के सृष्टि के उत्सव

2. मनुष्यक विनम्रता: भगवानक संसार मे अपन स्थान केँ चिन्हब

1. उत्पत्ति 1:27 - तेँ परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर आ स्त्री बनौलनि ओ हुनका सभ केँ।

2. भजन 8:3-4 - जखन हम अहाँक आकाश, अहाँक आँगुरक काज, चान आ तारा पर विचार करब, जे अहाँ निर्धारित केने छी। मनुख की होइत छैक, जे अहाँ ओकरा मोन पाड़ैत छी? आ मनुष् यक पुत्र, जे अहाँ ओकरा पर पहुँचैत छी?

भजन 144:4 मनुष्य व्यर्थ जकाँ अछि, ओकर दिन बीतय बला छाया जकाँ अछि।

मनुष्य नश्वर अछि आ ओकर जीवन क्षणिक अछि।

1: अपन जीवन के बेसी स बेसी फायदा उठाउ आ ओकरा पूरा तरह स जीबू।

2: आडंबर मे भस्म नहि होउ, बल्कि प्रभु मे आनन्द पाउ।

1: उपदेशक 12:13-14 - आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

2: याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

भजन 144:5 हे प्रभु, अपन आकाश केँ झुकि क’ उतरू, पहाड़ केँ छूउ, तखन ओ धुँआ उड़त।

भगवान् के लेल एकटा गुहार जे ओ नीचा आबि दुनिया मे हस्तक्षेप करथि।

1. प्रार्थना के शक्ति: भगवान हमर सबहक मदद के पुकार के कोना जवाब दैत छथि

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: ओ अपन शक्तिक उपयोग कोना करैत छथि जे हमरा सभक परीक्षा मे हमरा सभक मददि करैत छथि

1. यशायाह 64:1-3 - "ओह, जँ अहाँ आकाश केँ फाड़ि क' उतरि जाइतहुँ, जँ अहाँ सभक सोझाँ पहाड़ काँपि जाइत!"

2. याकूब 4:8 - "परमेश् वरक लग आबि जाउ आ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी लोकनि, अहाँ सभक हाथ धोउ आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू।"

भजन 144:6 बिजली फेकि कऽ ओकरा छिड़िया दियौक, अपन बाण सभ निकालि कऽ ओकरा सभ केँ नष्ट करू।

भगवान् केरऽ रक्षा शक्तिशाली आरू दूरगामी छै ।

1: हमरा सभकेँ डरबाक नहि चाही, कारण भगवान् हमरा सभक रक्षा करताह।

2: हमरा सभ केँ अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त करबाक लेल परमेश् वरक पराक्रमी शक्ति पर भरोसा करबाक चाही।

1: भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले पृथ् वी हटि जायत, आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाओल जायत; यद्यपि... ओकर पानि गर्जैत अछि आ त्रस्त भ' जाइत अछि, यद्यपि ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।"

2: यशायाह 41:10-13 "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब हमर धार्मिकताक हाथ। देखू, जे सभ अहाँ पर क्रोधित छल, से सभ लज्जित आ लज्जित होयत, ओ सभ किछुओ नहि होयत, आ जे अहाँ सँ झगड़ा करैत अछि, से नाश भ’ जायत तोरा संग, जे तोरा विरुद्ध लड़ै छै, वू सब कुछ भी नै, आरो व्यर्थ के समान होय जैतै।”

भजन 144:7 ऊपर सँ अपन हाथ पठाउ। हमरा मुक्त करू आ हमरा परदेशी बच्चा सभक हाथ सँ पैघ पानि सँ मुक्त करू।

भगवान् हमर सभक रक्षक छथि आ हमरा सभ केँ खतरा सँ बचा लेताह।

1: भगवान् सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि आ कोनो तरहक खतरा सँ हमरा सभक रक्षा करताह।

2: हम सब भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के कोनो कठिनाई स मुक्त करथि।

1: भजन 46:1 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2: यशायाह 41:13 किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक दहिना हाथ पकड़ि कऽ कहब जे, “डरब नहि।” हम तोहर मदति करब।

भजन 144:8 जकर मुँह व्यर्थ बजैत अछि, आ ओकर दहिना हाथ झूठक दहिना हाथ अछि।

भगवान् ओहि लोकक निन्दा करैत छथि जिनकर वचन आ कर्म सत्य नहि होइत छैक |

1. सत्यक शक्ति: ईमानदार जीवन कोना जीबी

2. बेईमानी के खतरा: धोखा स कोना बचल जाय

1. नीतिवचन 12:17-19 जे कियो सत्य बजैत अछि, से ईमानदार गवाही दैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल। एकटा एहन अछि जकर दाना-दोषी बात तलवारक ठोकर जकाँ होइत छैक, मुदा बुद्धिमानक जीह सँ चंगाई होइत छैक | सत्यक ठोर सदाक लेल टिकैत अछि, मुदा झूठ बाजल जीह मात्र क्षण भरि लेल।

2. इब्रानियों 10:24-25 आओर विचार करी जे एक दोसरा केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाओल जा सकैत अछि, एक दोसरा केँ मिलय मे कोताही नहि करब, जेना किछु गोटेक आदति अछि, बल्कि एक दोसरा केँ प्रोत्साहित करब, आओर ओहि सँ बेसी जेना अहाँ सभ देखैत छी दिन नजदीक आबि रहल अछि।

भजन 144:9 हे परमेश् वर, हम अहाँक लेल एकटा नव गीत गाबब, हम अहाँक स्तुति गीत आ दस तारक वाद्ययंत्र पर गाबब।

भजनहार भगवानक स्तुति करैत छथि आ हुनका एकटा नव गीत गबैत छथि, जकर संग मे एकटा भजन आ दस तारक वाद्ययंत्र सेहो अछि |

1. एकटा नव गीत: भगवानक स्तुति गाबय

2. पूजा मे संगीतक शक्ति

1. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

2. भजन 33:3 - ओकरा एकटा नव गीत गाउ। जोर-जोर स आवाज मे कुशलता स खेलू।

भजन 144:10 ओ राजा सभ केँ उद्धार दैत अछि।

परमेश् वर राजा सभ केँ उद्धार दैत छथि आ अपन सेवक दाऊद केँ हानि सँ मुक्त करैत छथि।

1. भगवान् मोक्ष आ रक्षाक स्रोत छथि
3

2. खतरा सँ मुक्ति लेल भगवान् पर भरोसा करू

1. भजन 121:7-8 - परमेश् वर तोरा सभटा अधलाह सँ बचाओत, ओ तोहर प्राण केँ बचाओत। परमेश् वर अहाँक बाहर निकलब आ अहाँक प्रवेश केँ एखन धरि आ अनन्त काल धरि सुरक्षित रखताह।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच लऽ कऽ चलि जायत, तखनो हम सभ डरब नहि।

भजन 144:11 हमरा मुक्त करू आ हमरा परदेशी बच्चा सभक हाथ सँ बचाउ, जकर मुँह व्यर्थ बजैत अछि, आ ओकर दहिना हाथ झूठक दहिना हाथ अछि।

झूठ आ छलसँ मुक्ति।

1: धोखा स भगवान के मुक्ति

2: झूठ आ आडंबर पर काबू करब

1: भजन 12:2 - ओ सभ एक दोसरा सँ झूठ बाजैत अछि; चापलूसी करय बला ठोर आ दोहरी हृदय सँ बजैत छथि ।

2: यूहन्ना 8:44 - अहाँ अपन पिता शैतान सँ छी, आ अपन पिताक इच्छा जे अहाँ करय चाहैत छी। ओ शुरूए सँ हत्यारा छल, आ सत्य मे ठाढ़ नहि अछि, कारण ओकरा मे कोनो सच्चाई नहि छैक। जखन ओ झूठ बजैत अछि तऽ ओ अपन संसाधन सँ बजैत अछि, कारण ओ झूठ बाजैत अछि आ ओकर पिता अछि ।

भजन 144:12 जाहि सँ हमर सभक बेटा सभ जवानी मे पलल-बढ़ल पौधा जकाँ होथि। जाहि सँ हमर सभक बेटी सभ कोन-कोनक पाथर जकाँ हो, जे महल जकाँ पालिश कयल जाय।

भजनहार अपन बच्चा सभक लेल प्रार्थना करैत छथि जे ओ मजबूत आ बुद्धिमान होथि, जेना कोनो मजबूत नींव पर बनल महल।

1. "एकटा दृढ़ नींव के निर्माण: एकटा ईश्वरीय परिवार के आशीर्वाद"।

2. "अपन आस्था मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ बच्चा सभक पालन-पोषण"।

1. नीतिवचन 22:6 - "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही; जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखनो ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

2. इफिसियों 6:4 - "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।"

भजन 144:13 जाहि सँ हमर सभक भेँड़ा सभ भरल भ’ जाय आ सभ तरहक भंडार भेटय, जाहि सँ हमर सभक भेँड़ा सभ हमरा सभक गली-गली मे हजार-दस हजार लोक पैदा करय।

ई भजन परमेश् वरक प्रचुर संसाधनक आशीषक बात करैत अछि।

1: "भगवान के प्रचुर आशीर्वाद"।

2: "पूर्णता के जीवन जीना"।

1: यूहन्ना 10:10 - "चोर केवल चोरी आ हत्या आ नष्ट करबाक लेल अबैत अछि; हम एहि लेल आयल छी जे ओकरा सभ केँ जीवन भेटय आ ओकरा सभ केँ पूरा तरहेँ भेटय।"

2: इफिसियों 3:20 - "आब ओकरा लेल जे हमरा सभक भीतर काज करय बला सामर्थ्यक अनुसार हमरा सभक माँग वा कल्पना सँ बेसी अथाह काज क' सकैत अछि।"

4

भजन 144:14 जाहि सँ हमर सभक बैल सभ श्रम करबाक लेल मजबूत हो। कि कोनो तरहक भीतर घुसब आ ने बाहर निकलब। कि हमरा सभक गली-गली मे कोनो शिकायत नहि हो।

भजनहार श्रम में ताकत आरू शांतिपूर्ण आरू संतुष्ट समाज के लेलऽ प्रार्थना करै छै ।

1: परमेश् वर हमरा सभक श्रम मे हमरा सभक संग छथि आ हमरा सभ केँ संतोष आ शांति प्राप्त करबा मे मदद करैत छथि।

2: हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ अपन काज पूरा करबाक लेल जे ताकत चाही से प्रदान करथि।

1: फिलिप्पियों 4:11-13 "ई नहि जे हम जरूरतमंद होयबाक बात क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो आ।" हर परिस्थिति में, हम बहुत आ भूख, प्रचुरता आ जरूरत के सामना करय के रहस्य सीख लेने छी। हम ओहि के माध्यम स सब काज क सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

2: भजन 23:1-4 "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर प्राण केँ पुनर्स्थापित करैत छथि। ओ हमरा अपन लेल धार्मिकताक बाट पर ल' जाइत छथि।" नामक लेल।, भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक छड़ी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

भजन 144:15 धन्य अछि ओ लोक, जे एहन स्थिति मे अछि, धन्य अछि ओ लोक, जकर परमेश् वर प्रभु छथि।

भगवान् सच्चा सुख के स्रोत छैथ।

1: प्रभु पर भरोसा करबा मे आनन्द भेटैत अछि।

2: भगवान् संतोष आ आनन्दक परम स्रोत छथि।

1: यिर्मयाह 17:7-8 "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जिनकर भरोसा प्रभु अछि।
ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि केँ धार मे पठाबैत अछि, आ गर्मी अबैत काल नहि डरैत अछि।" , कारण एकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे चिंतित नहि होइत अछि, कारण एकर फल देबय सँ नहि रुकैत अछि |

2: भजन 37:3-4 प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक काज करू। भूमि मे रहू आ निष्ठा सँ दोस्ती करू।
प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

भजन १४५ स्तुति आ धन्यवादक भजन अछि, जे परमेश् वरक महानता, भलाई आ निष्ठा केँ ऊपर उठबैत अछि।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार अपन इरादा के घोषणा करैत छथि जे ओ सभ परमेश् वरक स्तुति सदा-सदा लेल करथि। ओ सभ हुनकर महानताक प्रशंसा करैत छथि, हुनकर अद्भुत काज सभक मनन करबाक आ हुनकर पराक्रमी काजक घोषणा करबाक अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि (भजन संहिता १४५:१-६)।

दोसर पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वरक भलाई आ हुनकर सभक सृष्टि के प्रति करुणा पर चिंतन करैत छथि। ओ सभ परमेश् वरक प्रावधान, दया आ निष्ठा केँ स्वीकार करैत छथि। ओ सभ घोषणा करैत छथि जे सभ प्राणी हुनकर काज सभक लेल हुनकर प्रशंसा करत (भजन संहिता १४५:७-१३)।

3 वां पैराग्राफ: भजनहार परमेश् वरक स्तुति करैत छथि जे हुनकर धार्मिकता आ हुनका सभक समीपता जे हुनका सत् य मे पुकारैत छथि। ओ सभ परमेश् वरक आशंका केँ पूरा करबाक क्षमता पर अपन विश् वास व्यक्त करैत छथि जे हुनका सँ भयभीत करैत छथि। ओ सभ एहि बातक पुष्टि करैत छथि जे ओ सभ प्रभु केँ सदाक लेल आशीर्वाद आ स्तुति करताह (भजन संहिता 145:14-21)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ पैंतालीस प्रस्तुत

स्तुतिक एकटा स्तोत्र, २.
ईश्वरीय महानता के स्वीकार के माध्यम स प्राप्त आराधना के उजागर करब आ संगहि भलाई आ निष्ठा के प्रति कृतज्ञता पर जोर दैत |

भगवान् के निरंतर स्तुति करबाक शाश्वत इरादा के संबंध में व्यक्त घोषणा पर जोर दैत |
अद्भुत कृति के ध्यान के इच्छा करते हुए दिव्य महानता की पहचान के सम्बन्ध में दिखाए गए चिंतन का उल्लेख |
ईश्वरीय भलाई, करुणा, प्रावधान, दया, आ निष्ठा के प्रशंसा के संबंध में प्रस्तुत स्वीकृति व्यक्त करब |
सच्चा उपासक के निकटता के पुष्टि करते हुए परमेश् वर के धार्मिकता में विश्वास के संबंध में व्यक्त विश्वास के स्वीकार करना |
भगवान् केरऽ शाश्वत आशीर्वाद आरू स्तुति के प्रति प्रतिबद्धता के साथ-साथ प्रभु केरऽ भय करै वाला के लेलऽ इच्छा केरऽ पूर्ति म॑ भरोसा के संबंध म॑ प्रस्तुत पुष्टि प॑ प्रकाश डालना ।

भजन 145:1 हे राजा, हमर परमेश् वर, हम अहाँक प्रशंसा करब। आ हम तोहर नाम केँ अनन्त काल धरि आशीर्वाद देब।”

भजनहार भगवान् के प्रति अपन स्तुति आ भक्ति व्यक्त करैत छथि, हुनकर स्तुति पूरा हृदय सँ करैत छथि |

1. भगवान् के स्तुति आ भक्ति हमर जीवन के कोना बदलि सकैत अछि

2. भगवान् पर भरोसा करब सीखब

1. रोमियो 10:11-13 - किएक तँ धर्मशास् त्र कहैत अछि जे, जे कियो हुनका पर विश् वास करत से लाज नहि करत। कारण, यहूदी आ यूनानी मे कोनो भेद नहि अछि। कारण, वैह प्रभु सभक प्रभु छथि, जे हुनका पुकारनिहार सभ केँ अपन धन प्रदान करैत छथि।

2. भजन 118:1 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि; कारण, ओकर अडिग प्रेम सदा-सदा टिकैत अछि!

भजन 145:2 हम अहाँ केँ सभ दिन आशीर्वाद देब। हम तोहर नामक स्तुति अनन्त काल धरि करब।”

हर दिन भगवान के सब आशीर्वाद के स्तुति में बिताबय के चाही।

1. दैनिक आशीर्वादक शक्ति: प्रशंसा आ कृतज्ञताक शक्ति केँ बुझब

2. प्रचुर प्रेम: भगवान् के बिना शर्त प्रेम आ क्षमा के उत्सव मनाबय के

1. भजन 100:4-5 धन्यवादक संग ओकर फाटक मे आ स्तुति क’ क’ ओकर आँगन मे प्रवेश करू। कारण, परमेश् वर नीक छथि। ओकर दया अनन्त अछि, आ ओकर सत्य सभ पीढ़ी धरि टिकैत छैक।

2. कुलुस्सी 3:15-17 परमेश् वरक शान् ति अहाँ सभक हृदय मे राज करऽ, जकरा लेल अहाँ सभ एक शरीर मे बजाओल गेल छी। आ अहाँ सभ धन्य रहू। मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि सँ भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी। अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से सभ प्रभु यीशुक नाम पर करू आ हुनका द्वारा पिता परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दियौक।

भजन 145:3 प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही। आ ओकर महानता अनजान अछि।

भगवान् हमर सभक स्तुति आ महिमा के पात्र छथि, कारण हुनकर महानता जे हमरा सभक समझ सँ परे अछि।

1. भगवान् केर अनजान महानताक स्तुति करू

2. प्रभु मे हुनक अथाह महिमा लेल आनन्दित रहू

1. यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि।

2. अय्यूब 11:7 - की अहाँ परमेश् वरक गहींर बात सभक पता लगा सकैत छी? की अहाँ सर्वशक्तिमान के सीमा के पता लगा सकैत छी?

भजन 145:4 एक पीढ़ी दोसर पीढ़ी अहाँक काजक प्रशंसा करत आ अहाँक पराक्रमी काजक प्रचार करत।

एक पीढ़ी भगवान केरऽ काम केरऽ महानता क॑ अगला पीढ़ी तक पहुँचा सकै छै ।

1. प्रशंसा के शक्ति: अपन विश्वास के आबै वाला पीढ़ी तक कोना पहुंचाबी

2. भगवान् के पराक्रमी कार्य के घोषणा: हुनकर महानता के अपन अनुभव के साझा करब

1. भजन 78:4 हम सभ ओकरा सभ केँ ओकर बच्चा सभ सँ नहि नुका देब, बल् कि आबै बला पीढ़ी केँ परमेश् वरक गौरवशाली काज, हुनकर पराक्रम आ हुनकर कयल गेल चमत् कार सभ केँ कहब।

2. मत्ती 28:18-20 यीशु आबि हुनका सभ केँ कहलथिन, “स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि।” तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष् य बनाउ आ ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करऽ। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

भजन 145:5 हम अहाँक महिमा आ अहाँक अद्भुत काजक गौरवशाली आदरक गप्प करब।

भजनहार परमेश् वरक गौरवशाली महिमा आ अद्भुत काजक घोषणा करैत छथि।

1. भगवान् के महिमा के घोषणा

2. भगवानक अद्भुत काजक लेल धन्यवाद देब

1. भजन 145:5

2. यशायाह 6:3 - "एकटा दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि। समस्त पृथ्वी हुनकर महिमा सँ भरल अछि।"

भजन 145:6 लोक अहाँक भयंकर काजक पराक्रमक बात करत, आ हम अहाँक महानताक घोषणा करब।

भगवान् केरऽ महानता आरू पराक्रमी केरऽ स्तुति आरू घोषणा करलऽ जाय ।

1: हमरा सभ केँ अपन आवाजक उपयोग परमेश्वरक महानताक घोषणा करबाक लेल करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ परमेश् वरक आराधना करबाक सामर्थ् यसँ प्रेरित हेबाक चाही।

1: कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत, परमेश् वरक प्रति अपन हृदय मे धन्यवादक संग।

2: इफिसियों 5:19-20 - भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ संबोधित करू, अपन प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ प्रभु केँ सदिखन आ सभ किछुक लेल धन्यवाद दैत रहू।

भजन 145:7 ओ सभ अहाँक महान भलाईक स्मरण प्रचुर मात्रा मे बाजत आ अहाँक धार्मिकताक गाबय।

भजन 145:7 हमरा सभ केँ परमेश्वरक महान भलाई आ धार्मिकताक लेल स्तुति करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. परमेश् वरक धार्मिकताक स्तुति करब
2. भगवान् के महान भलाई के उत्सव मनना
1. भजन 145:7
2. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन पैघ प्रेम देखौलनि जे मसीह केँ हमरा सभक लेल मरबाक लेल पठा देलनि, जखन कि हम सभ पापी रही।
भजन 145:8 प्रभु कृपालु छथि, आ दया सँ भरल छथि। क्रोध मे मंद, आ बहुत दयालु।
प्रभु दयालु, सहानुभूति आ दयालु छथि।
1: हमर भगवान दया, करुणा आ दया के भगवान छथि।
2: भगवान् के धैर्य आ दया असीम अछि।
1: इफिसियों 2:4-5 - मुदा परमेश् वर दया मे धनी रहलाह, जाहि सँ ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि, ताहि कारणेँ, जखन हम सभ अपन अपराध मे मरि गेल रही, तखनो हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि।
2: लूका 6:36 - दयालु रहू, जेना अहाँक पिता दयालु छथि।
भजन 145:9 प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर कोमल दया हुनकर सभ काज पर छनि।
प्रभु नीक छथि आ हुनकर दया सब पर अछि।
1: परमेश् वरक दया अनन्त अछि आ हुनकर खोज करय बला सभ केँ उपलब्ध अछि।
2: प्रभु के दया आ भलाई के लेल हमरा सब के विनम्र आ कृतज्ञ रहबाक चाही।
1: इफिसियों 2:4-5 मुदा परमेश् वर दया मे धनी रहलाह, जाहि सँ ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि, तखनो जखन हम सभ अपन अपराध मे मरि गेल रही, तखनो हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि
2: रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।
भजन 145:10 हे प्रभु, तोहर सभ काज तोहर स्तुति करत। आ तोहर संत सभ तोरा आशीर्वाद देथिन।” प्रभु केरऽ काम केरऽ स्तुति करलऽ जाय छै, आरू हुनकऽ संत हुनका आशीर्वाद देतै ।
1. स्तुतिक शक्ति: प्रभुक कर्म केँ चिन्हब
2. संत के आशीर्वाद: विश्वास के शक्ति के सराहना
1. भजन 103:1-5
2. याकूब 1:17-18
भजन 145:11 ओ सभ अहाँक राज्यक महिमाक गप्प करत आ अहाँक सामर्थ्यक गप्प करत। प्रभुक राज्य आ सामर्थ्यक महिमा होयत।
1. प्रभु के राज्य के भव्यता
2. प्रभुक अधिकारक शक्ति
8

1. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि। थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. प्रकाशितवाक्य 19:11-16 - हम स्वर्ग केँ खुजल ठाढ़ देखलहुँ आ हमरा सोझाँ एकटा उज्जर घोड़ा छल, जकर सवार केँ विश्वासी आ सच्चा कहल जाइत छैक। न्याय के साथ न्याय करै छै आरू युद्ध करै छै । ओकर आँखि धधकैत आगि जकाँ अछि आ माथ पर अनेक मुकुट। हुनका पर एकटा एहन नाम लिखल छनि जे हुनका छोड़ि कियो नहि जनैत छथि । खून मे डूबल वस्त्र पहिरने छथि, आ हुनकर नाम परमेश् वरक वचन अछि। स्वर्गक सेना सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ उज्जर घोड़ा पर सवार आ महीन लिनेन, उज्जर आ साफ-सुथरा कपड़ा पहिरने छल। ओकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत छैक जाहि सँ जाति-जाति केँ मारल जा सकैत छैक। लोहाक राजदंडसँ हुनका सभ पर राज करताह। ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक क्रोधक क्रोधक दारू-कुंड पर चलैत अछि। ओकर वस्त्र आ जाँघ पर ई नाम लिखल छैक- राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु।

भजन 145:12 मनुष्यक पुत्र सभ केँ हुनकर पराक्रम आ अपन राज्यक गौरवशाली महिमा केँ ज्ञात करबाक लेल।

भगवान् अपन पराक्रमी काज आ गौरवशाली महिमा केँ समस्त मानव जाति केँ प्रकट करय चाहैत छथि |

1. परमेश् वरक पराक्रमी काज पर चिंतन करब

2. भगवान् के गौरवशाली महिमा

1. यशायाह 43:10-12 - "अहाँ सभ हमर गवाह छी," प्रभु कहैत छथि, "आ हमर सेवक जिनका हम चुनने छी, जाहि सँ अहाँ सभ हमरा चिन्हब आ विश्वास करब आ बुझब जे हम ओ छी। हमरा सँ पहिने कोनो देवता नहि बनल छल। आ ने हमरा बाद केओ होयत। हम, हम प्रभु छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि। हम घोषणा केलहुँ आ उद्धार आ घोषणा केलहुँ, जखन अहाँ सभ मे कोनो विदेशी देवता नहि छल, आ अहाँ सभ हमर गवाह छी," प्रभु कहैत छथि।

2. दानियल 4:34-35 - दिनक अंत मे हम नबूकदनेस्सर अपन नजरि स्वर्ग दिस उठौलहुँ, आ हमर तर्क हमरा दिस घुरि गेल, आ हम परमात्मा केँ आशीर्वाद देलहुँ, आ जे अनन्त काल धरि जीबैत छथि, हुनकर प्रशंसा आ सम्मान केलहुँ, हुनकर लेल प्रभु एकटा अनन्त शासन अछि, आ ओकर राज्य पीढ़ी- दर-पीढ़ी टिकैत अछि। पृथ्वी पर रहनिहार सभ केँ किछुओ नहि मानल जाइत छैक, आ ओ स् वर्गक सेना आ पृथ् वीक निवासी सभक बीच अपन इच्छाक अनुसार काज करैत अछि। आ कियो ओकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने ओकरा कहि सकैत अछि जे “अहाँ की केलहुँ?”

भजन 145:13 तोहर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ तोहर प्रभु सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अछि।

ई अंश परमेश् वरक अनन्त राज्य आ प्रभुत्वक बात करैत अछि जे सभ पीढ़ी धरि चलैत अछि।

1. हमरा सभ केँ परमेश् वरक राज् यक अनन्त सामर्थ् य पर भरोसा करैत अपन जीवन जीबाक चाही।

2. परमेश् वरक राज्य अनन्त अछि आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी सँ परे अछि, तेँ हमरा सभ केँ विश्वास भ' सकैत अछि जे ओ सदिखन हमरा सभक संग रहताह।

1. भजन 145:13

2. यशायाह 9:7 - "हुनकर शासन बढ़बाक आ शान्तिक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ हुनकर राज्य पर, एकरा व्यवस्थित करबाक लेल, आ आगू सँ न्याय आ न्याय सँ एकरा स्थापित करबाक लेल।" सदा। सेना के प्रभु के उत्साह ई काज पूरा करत।"

भजन 145:14 परमेश् वर सभ खसला केँ सहारा दैत छथि आ सभ प्रणाम कयलनिहार केँ ठाढ़ करैत छथि।

भगवान् खसनिहार सभक सहारा दैत छथि आ प्रणाम कयलनि केँ ऊपर उठबैत छथि |

1. कमजोर के लेल भगवान के देखभाल - प्रभु हमरा सब के कोना सहारा दैत छथि आ ऊपर उठबैत छथि

2. कठिन समय मे भगवान् के ताकत - प्रभु के सहारा हाथ पर भरोसा

1. भजन 55:22 - अपन भार प्रभु पर राखू, तखन ओ अहाँ केँ सहारा देत; ओ कहियो धर्मी केँ हिलाबय नहि देत।

2. इब्रानी 4:15-16 - किएक तँ हमरा सभक एहन महापुरोहित नहि अछि जे हमरा सभक कमजोरी सभक प्रति सहानुभूति नहि राखि सकैत अछि, बल् कि एहन अछि जे हमरा सभ जकाँ सभ तरहेँ परीक्षा मे पड़ल अछि, मुदा पाप नहि। तखन हम सभ विश्वासपूर्वक अनुग्रहक सिंहासन लग आबि जाउ, जाहि सँ हमरा सभ केँ दया भेटय आ आवश्यकताक समय मे सहायता करबाक लेल कृपा भेटि जाय।

भजन 145:15 सभक नजरि अहाँक प्रतीक्षा मे अछि। आ अहाँ ओकरा सभक भोजन उचित समय पर दऽ दैत छी।

प्रभु अपनऽ सही समय में अपनऽ लोगऽ के प्रबंध करै छै ।

1: भगवान् सदिखन अपन पूर्ण समय मे प्रावधान करैत छथि।

2: अपन सभ आवश्यकताक लेल प्रभु पर भरोसा करू।

1: फिलिप्पियों 4:6-7 "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत आ।" मसीह यीशु मे अहाँ सभक मोन राखू।”

2: याकूब 1:17 "हर नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।"

भजन 145:16 अहाँ अपन हाथ खोलैत छी आ सभ जीवक इच्छा केँ पूरा करैत छी।

भगवान् अपन सब प्राणी के प्रबंध करै छैथ।

1: भगवान् हमर सभक प्रदाता आ पोषक छथि

2: भगवान् के देखभाल में रहना

1: फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

2: मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि?

भजन 145:17 प्रभु अपन सभ मार्ग मे धर्मी छथि, आ अपन सभ काज मे पवित्र छथि।

प्रभु अपन सभ काज मे न्यायी आ पवित्र छथि।

1. प्रभु के धार्मिकता - भजन 145:17 के अध्ययन

2. प्रभु के पवित्रता - भजन 145:17 के निहितार्थ के अन्वेषण

1. यशायाह 45:21 - अपन मामला घोषित करू आ प्रस्तुत करू; दुनू गोटे मिलिकय सलाह-मशवरा करथि! ई बात बहुत पहिने के कहने छल? एकरा पुरान के घोषणा केलकै? की हम परमेश् वर नहि छलहुँ?

2. 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तेना अहाँ सभ सेहो अपन सभ आचरण मे पवित्र रहू, किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, “अहाँ सभ पवित्र रहब, किएक तँ हम पवित्र छी।”

भजन 145:18 परमेश् वर सभ हुनका पुकारनिहार सभ लग छथि आ जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

भगवान् ओहि सभ लोकक नजदीक छथि जे हुनका ईमानदारी सँ पुकारैत छथि ।

1. प्रार्थनाक शक्ति: परमेश् वरक आह्वान करबा काल असली विश्वासक महत्व

2. भगवान लग छथि: हुनका तकनिहार लेल भगवानक उपस्थितिक आश्वासन

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. याकूब 4:8 - "परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, तखन ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जेताह।"

भजन 145:19 ओ हुनका सँ डरय बला सभक इच्छा पूरा करताह, ओ हुनका सभक पुकार सुनत आ ओकरा सभ केँ बचाओत।

भगवान् हुनका सँ डरय वाला के इच्छा सुनैत छथि आ पूरा करैत छथि |

1: भगवान् हमरा सभक बात सदिखन सुनताह जखन हम सभ हुनका भय आ विश्वास मे पुकारब।

2: जखन हम सब अपन जरूरत के समय में भगवान के आवाज देब त ओ हमरा सब के जवाब देताह आ उद्धार प्रदान करताह।

1: 1 यूहन्ना 5:14-15 - हमरा सभ केँ हुनका पर ई भरोसा अछि जे जँ हम सभ हुनकर इच्छाक अनुसार कोनो बात माँगैत छी तँ ओ हमरा सभक बात सुनैत छथि। हम सभ जनैत छी जे हमरा सभ लग ओ याचिका सभ अछि जे हम सभ हुनकासँ चाहैत छलहुँ।

2: भजन 116:1-2 - हम प्रभु सँ प्रेम करैत छी, कारण ओ हमर आवाज आ हमर विनती सुनने छथि। ओ हमरा दिस कान झुकौने छथि, तेँ हम जा धरि जीबैत रहब, हुनका पुकारब।

भजन 145:20 परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करयवला सभ केँ बचाबैत छथि, मुदा सभ दुष्ट केँ ओ नष्ट कऽ देताह।

परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करयवला सभक रक्षा करैत छथि आ दुष् ट सभक नाश करैत छथि।

1. प्रेमक शक्ति: प्रभु प्रेम करब कोना रक्षा आ प्रावधान आनि सकैत अछि

2. दुष्टताक परिणाम: अधर्मक विनाश

1. 1 यूहन्ना 4:18-19 - प्रेम मे कोनो डर नहि होइत छैक, मुदा सिद्ध प्रेम भय केँ बाहर निकालि दैत छैक। कारण डर के संबंध सजा स छै, आ जे डरै छै, ओकरा प्रेम में सिद्ध नै भेलै। हम सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने हमरा सभसँ प्रेम केलनि।

2. व्यवस्था 28:15-68 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि मानब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करबा मे सावधान रहब जे आइ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तखन ई सभ शाप अहाँ सभ पर आबि अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत.

भजन 145:21 हमर मुँह परमेश् वरक स्तुति करत, आ सभ प्राणी हुनकर पवित्र नाम केँ अनन्त काल धरि आशीर्वाद दैत रहथि।

हमर मुँह प्रभुक स्तुति करत आ सब लोक केँ हुनकर पवित्र नाम केँ सदाक लेल आशीर्वाद देबाक चाही।

1: प्रभुक स्तुति करबाक लेल अपन मुँहक प्रयोग करब

2: सब लोक भगवान के पवित्र नाम के स्तुति करैत

1: यशायाह 43:21 - हम एहि लोक केँ अपना लेल बनौने छी; ओ सभ हमर प्रशंसा करत।

2: भजन 103:1 - हे हमर आत्मा, प्रभुक आशीष करू, आ जे किछु हमरा भीतर अछि, ओकर पवित्र नामक आशीर्वाद करू।

भजन १४६ परमेश् वरक स्तुति आ भरोसाक भजन अछि, जाहि मे हुनकर शक्ति, निष्ठा आ उत्पीड़ित लोकक देखभाल पर जोर देल गेल अछि।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वर के ऊंचाई दैत छथि आ जीवन भरि हुनकर स्तुति करबाक प्रण करैत छथि। ओ सभ दोसरो केँ प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ सभ मानवीय नेता सभ पर भरोसा नहि करथि बल्कि असगर परमेश् वर पर भरोसा करथि, जे अनन्त काल धरि वफादार छथि (भजन संहिता 146:1-6)।

2nd पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वर के चरित्र के सब चीज के सृष्टिकर्ता आरू पोषण करै वाला के रूप में वर्णन करै छै। ओ सभ उत्पीड़ित लोकक लेल हुनकर न्याय, भूखल लोकक लेल प्रावधान, बीमार सभक चंगाई आ जरूरतमंदक देखभाल पर प्रकाश दैत छथि | ओ सभ एहि बात पर जोर दैत छथि जे परमेश् वर अनन्त काल धरि राज करैत छथि (भजन संहिता १४६:७-१०)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ छियालीस प्रस्तुत
स्तुतिक एकटा स्तोत्र, २.
ईश्वर केरऽ निष्ठा आरू देखभाल प॑ भरोसा प॑ जोर दै के साथ-साथ ईश्वरीय शक्ति क॑ स्वीकार करै के माध्यम स॑ प्राप्त ऊंचाई प॑ प्रकाश डालना ।

भगवान् के आजीवन स्तुति करने के व्रत के संबंध में व्यक्त उदात्तता पर जोर देते हुए | भगवान केरऽ शाश्वत निष्ठा पर भरोसा के पुष्टि करतें हुअ॑ मानव नेता सिनी प॑ भरोसा करै के खिलाफ सलाह दै के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ प्रोत्साहन के उल्लेख करना ।
उत्पीड़ित के लेल न्याय, भूखल के लेल प्रावधान, बीमार के चंगाई, आ जरूरतमंद के देखभाल पर प्रकाश दैत सृष्टिकर्ता आ धारक के रूप में ईश्वरीय भूमिका के मान्यता के संबंध में प्रस्तुत वर्णन व्यक्त करब |
भगवान् के शाश्वत शासन में विश्वास के संबंध में व्यक्त जोर को स्वीकार करते हुए |

भजन 146:1 अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। हे हमर प्राण, प्रभुक स्तुति करू।

भजन 146 आत्मा के साथ प्रभु के स्तुति के आह्वान करै छै।

1. अपन आत्मा सँ प्रभुक स्तुति करब

2. स्तुतिक शक्ति

1. इफिसियों 5:19-20 - भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ संबोधित करू, अपन प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ सभ किछुक लेल पिता परमेश् वर केँ सदिखन धन्यवाद दैत रहू.

2. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू, कष्ट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे अडिग रहू।

भजन 146:2 जाबत हम जीवित रहब ताबत हम प्रभुक स्तुति करब, हम अपन परमेश् वरक स्तुति गाबब जाबत धरि हमरा लग कोनो प्राणी रहत।

जीवन भरि भगवानक स्तुति करू आ हुनकर स्तुति गाउ जाबत हमरा सभकेँ मौका भेटैत अछि।

1. जीवनक उत्सव मनाबय - भगवानक स्तुति करबाक आनन्द

2. कृतज्ञता मे जीना - हर क्षण के अधिकतम उपयोग करब

1. भजन 100:4 - धन्यवादक संग ओकर फाटक मे आ स्तुति क’ क’ ओकर आँगन मे प्रवेश करू।

2. कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत।

भजन 146:3 अपन भरोसा नहि करू जे राजकुमार सभ पर आ ने मनुष्यक पुत्र पर, जिनका सभ मे कोनो सहायता नहि अछि।

लोक पर भरोसा नहि करू, कारण ओ अविश्वसनीय अछि।

1. भगवान् पर भरोसा करब: सच्चा सहायताक एकमात्र स्रोत

2. लोकक माध्यमे सुरक्षाक भ्रम

1. यशायाह 40:31: "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, ओ दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 4:13-15: "हे सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ एहन नगर मे जायब, आ ओतय एक साल रहब, कीनब-बेचब आ लाभ पाबब काल्हि की होयत।अहाँ सभक जीवन की अछि, ई वाष्प अछि, जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि, वा से।"

भजन 146:4 ओकर साँस निकलैत छैक, ओ अपन पृथ्वी पर घुरि जाइत छैक। ओही दिन ओकर विचार नष्ट भ' जाइत छैक।

जीवनक साँस क्षणिक होइत अछि आ पृथ्वी पर घुरला पर हमर सभक विचार हमरा सभक संग मरि जाइत अछि ।

1. जीवनक क्षणिकता: प्रत्येक क्षणक मूल्यांकन

2. मानव विचारक अनित्यता

1. याकूब 4:14, अहाँक जीवन की अछि? ई एकटा वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

2. उपदेशक 9:5, किएक तँ जीवित लोक सभ जनैत अछि जे ओ मरत, मुदा मृतक सभ किछु नहि जनैत अछि आ ने ओकरा आब कोनो इनाम भेटैत छैक। किएक तँ हुनका सभक स्मृति बिसरि जाइत अछि।

भजन 146:5 धन्य अछि जे याकूबक परमेश् वर अपन सहायताक लेल रखैत अछि, जकर आशा अपन परमेश् वर परमेश् वर पर अछि।

जे प्रभु पर भरोसा रखैत छथि हुनका आशीर्वाद भेटतनि।

1. परमेश् वरक वफादारी: प्रभुक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब।

2. भगवान् पर निर्भरताक आशीर्वाद।

1. यिर्मयाह 17:7-8 धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु पर अछि।
ओ पानि लग रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि, आ गर्मी आबि गेला पर डरैत नहि अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे बेचैन नहि होइत अछि, कारण ओ फल देब नहि छोड़ैत अछि.

2. इब्रानी 13:5-6 अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

भजन 146:6 ओ आकाश, पृथ् वी, समुद्र आ ओहि मे जे किछु अछि, तकरा बनौलक।

भगवान् सब वस्तु के सृष्टिकर्ता छैथ आ ओ सत्य के सदा के लेल सुरक्षित रखैत छैथ।

1. हमर विश्वासी सृष्टिकर्ता: हमरा सभक लेल भगवानक कहियो खत्म नहि होमय बला प्रावधान।

2. परमेश्वरक सत्य पर भरोसा करब: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करब।

1. उत्पत्ति 1:1-2: शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि। पृथ्वी बिना रूप आ शून्य छल, आ गहींरक मुँह पर अन्हार छल। परमेश् वरक आत् मा पानि पर मंडरा रहल छल।

2. यशायाह 40:28: की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि।

भजन 146:7 ओ दबलल लोकक लेल न्याय करैत अछि, जे भूखल केँ भोजन दैत अछि। परमेश् वर कैदी सभ केँ ढीला करैत छथि।

परमेश् वर न्याय अनैत छथि आ जरूरतमंद सभक भरण-पोषण करैत छथि।

1: हमर प्रभु न्याय आ करुणाक भगवान छथि

2: जरूरतमंद के लेल भगवान के प्रावधान

1: यशायाह 58:10, "जँ अहाँ अपना केँ भूखल लोकक हाथ मे द' क' पीड़ित सभक इच्छा केँ पूरा करब, तखन अहाँक इजोत अन्हार मे उठत आ अहाँक उदासी मध्याह्न जकाँ भ' जायत।"

2: मत्ती 25:35-36, "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा भोजन देलहुँ; हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा पीबैत छलहुँ; हम परदेशी छलहुँ आ अहाँ हमरा अपना भीतर ल' लेलहुँ; हम नंगटे छलहुँ आ अहाँ हमरा कपड़ा पहिरने छलहुँ; हम बीमार छलहुँ।" अहाँ हमरा लग आबि गेलहुँ, हम जेल मे छलहुँ आ अहाँ हमरा लग आबि गेलहुँ।”

भजन 146:8 परमेश् वर आन्हर सभक आँखि खोलैत छथि, प्रभु झुकल लोक सभ केँ उठबैत छथि।

परमेश् वर जरूरतमंद सभक चिन्ता करैत छथि, हुनकर दृष्टि ठीक करैत छथि आ दुख मे झुकल लोक केँ ऊपर उठबैत छथि।

1. विपत्तिक समय मे हमरा सभक आशा आ शक्तिक स्रोत भगवान छथि।

2. भगवान् धर्मात्माक प्रति प्रेम आ दयालु छथि।

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।
हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम कोमल आ नीच हृदय मे छी, आ अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत। हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

भजन 146:9 परमेश् वर परदेशी सभक रक्षा करैत छथि। ओ अनाथ आ विधवा केँ मुक्ति दैत अछि, मुदा दुष्टक बाट उल्टा-पुल्टा करैत अछि।

प्रभु कमजोर के रक्षा करै छै आरू जरूरतमंद के मदद करै छै, जबकि दुष्ट के रास्ता उल्टा करी दै छै।

1. जरूरत के समय में भगवान हमर रक्षक छैथ।

2. भगवान कमजोर लोकक लेल न्यायक समर्थन करैत छथि।

1. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध धर्म आ निर्मल धर्म ई अछि, जे पितामह आ विधवा सभक क्लेश मे विदा करब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

भजन 146:10 हे सियोन, तोहर परमेश् वर, सभ पीढ़ी धरि प्रभु अनन्त काल धरि राज करताह। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू।

प्रभु सार्वभौम छथि आ सभ पीढ़ी धरि सदिखन राज करैत छथि। प्रभुक स्तुति करू!

1. भगवान् के अनन्त शासन

2. भगवान् के अंतहीन स्तुति

1. यशायाह 40:28 - "की अहाँ नहि जनलहुँ? की अहाँ नहि सुनलहुँ? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि।"

2. भजन 90:2 - "पर्वत सभक जन्म सँ पहिने, वा अहाँ पृथ्वी आ संसारक निर्माण करबा सँ पहिने, अहाँ अनन्त सँ अनन्त धरि परमेश् वर छी।"

भजन १४७ स्तुति के भजन छै, जे परमेश्वर के शक्ति, प्रावधान आरू ओकरऽ लोगऽ के देखभाल के उत्सव मनाबै छै।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार लोक सभ केँ आह्वान करैत छथि जे ओ परमेश्वरक स्तुति करू आ हुनकर भलाई मे आनन्दित होथि। ओ सभ परमेश्वरक शक्ति आ ज्ञान केँ स्वीकार करैत छथि, टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करबाक आ ओकर घाव केँ बान्हि देबाक हुनकर क्षमता केँ नोट करैत छथि (भजन संहिता १४७:१-६)।

दोसर पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वरक स्तुति करैत छथि जे हुनकर प्रावधान आ भरण-पोषणक लेल। ओ सभ वर्णन करैत छथि जे कोना ओ पृथ्वीक लेल वर्षा के व्यवस्था करैत छथि, जानवर के भोजन करैत छथि आ हुनका सँ डरय बला लोक मे प्रसन्नता करैत छथि | ओ सभ एहि बात पर जोर दैत छथि जे परमेश् वरक आनन्द मनुखक सामर्थ् य मे नहि अपितु हुनकर अटूट प्रेम मे आशा रखनिहार मे अछि (भजन संहिता 147:7-11)।

तेसर पैराग्राफ: भजनहार घोषणा करैत छथि जे यरूशलेम ओकर विनाशक बाद परमेश् वर द्वारा पुनर्निर्माण कयल जायत। ई सब ई बात पर प्रकाश डालै छै कि भगवान कोना शहर के फाटक के मजबूत करै छै आरू ओकरऽ निवासी के आशीर्वाद दै छै। ओ सभ प्रभुक पराक्रमी शक्ति आ बुद्धिक लेल उदात्त कए समाप्त करैत छथि (भजन संहिता १४७:१२-२०)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ सत्तालीस उपहार
स्तुतिक एकटा स्तोत्र, २.
ईश्वरीय शक्ति के स्वीकार करला के माध्यम स॑ प्राप्त उत्सव प॑ प्रकाश डालना आरू साथ ही साथ प्रावधान आरू देखभाल के प्रति कृतज्ञता प॑ जोर देना ।

ईश्वरीय भलाई में आनन्दित होबय के आमंत्रण के संबंध में व्यक्त स्तुति के आह्वान पर जोर दैत |
टूटल-फूटल हृदयक व्यक्तिक चिकित्सा पर प्रकाश दैत ईश्वरीय शक्ति आ ज्ञानक मान्यताक संबंध मे देखाओल गेल स्वीकृतिक उल्लेख |
वर्षा के दिव्य प्रावधान, पशु के लेलऽ रोजी-रोटी, आरू हुनका स॑ भयभीत करै वाला म॑ लेलऽ गेलऽ सुख के संबंध म॑ प्रस्तुत प्रशंसा व्यक्त करना ।

15

परमेश् वर द्वारा यरूशलेम के पुनर्निर्माण के संबंध में व्यक्त जोर के स्वीकार करतें हुअय शहर के फाटक के मजबूती आरू ओकरो निवासी सिनी पर आशीर्वाद के पहचान करतें हुअय।
दिव्य पराक्रम के साथ-साथ बुद्धि के स्वीकृति के संबंध में प्रस्तुत उदात्तता के साथ समापन |

भजन 147:1 अहाँ सभ परमेश् वरक स्तुति करू, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वरक स्तुति गाबय नीक अछि। किएक तँ ई सुखद अछि। आ प्रशंसा सुन्दर अछि।

प्रभु के स्तुति करू कियाक त ओ नीक छथि आ हमरा सबहक स्तुति के योग्य छथि।

1. प्रभुक उत्सव मनाउ: हुनक स्तुति हर्षक संग गाउ

2. प्रभु मे आनन्दित रहू: स्तुति आ धन्यवाद अहाँक हृदय मे भरय दियौक

1. फिलिप्पियों 4:4-8 "प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; हम फेर कहब जे आनन्दित होउ। अहाँक कोमलता सभ केँ ज्ञात हो। प्रभु लग छथि। कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग।" अहाँ सभक आग्रह परमेश् वर केँ बुझा देल जाय।आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत, जे किछु प्रिय अछि, जे प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा योग्य अछि त' एहि सभ बात पर सोचू."

2. कुलुस्सी 3:15-17 "आ अहाँ सभक हृदय मे मसीहक शान्ति शासन करू, जकरा लेल अहाँ सभ एक शरीर मे बजाओल गेल छी। आ धन्य रहू। मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत।" सब बुद्धि, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत, अपन हृदय मे परमेश् वरक प्रति धन्यवादक संग। आ जे किछु करब, वचन वा काज मे, सभ किछु प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।"

भजन 147:2 परमेश् वर यरूशलेमक निर्माण करैत छथि आ इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ एक ठाम जमा करैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल के बहिष्कृत लोगऽ के चिंता करै छै आरू यरूशलेम के निर्माण करै छै।

1. बहिष्कृत लोकक प्रति भगवानक प्रेम आ देखभाल

2. परमेश् वरक सहायता सँ यरूशलेमक निर्माण

1. यशायाह 54:5 - "किएक तँ तोहर निर्माता तोहर पति छथि, सेना सभक प्रभु ओकर नाम अछि; आ इस्राएलक पवित्र अहाँक मुक्तिदाता छथि, समस्त पृथ्वीक परमेश् वर हुनका कहल गेल छथि।"

2. यशायाह 62:1-12 - "हम सिय्योन के लेल चुप नहि रहब, आ यरूशलेम के लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत तक ओकर धार्मिकता चमक के रूप मे नहि निकलत आ ओकर उद्धार जरैत मशाल जकाँ नहि निकलत।"

भजन 147:3 ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

भगवान् जे टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

1. भगवान हमर टूटल हृदयक महान चिकित्सक छथि

2. परमेश् वरक चंगाईक प्रेमक शक्ति

1. यशायाह 61:1 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; कारण, प्रभु हमरा नम्र लोक सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

16

भजन 147:4 ओ तारा सभक संख्या कहैत छथि। ओ सभ केँ नाम सँ बजबैत छथि।

भगवान् केरऽ महानता केरऽ प्रदर्शन हुनकऽ ज्ञान आरू तारा केरऽ नियंत्रण के माध्यम स॑ होय छै ।

1: भगवानक महानता हमरा सभक समझ सँ बाहर अछि

2: भगवान् के शक्ति हुनकर बनाओल तारा के माध्यम स देखल जाइत अछि

1: अय्यूब 26:7 ओ उत्तर दिस खाली जगह पर पसारि दैत छथि आ पृथ्वी केँ कोनो चीज पर नहि लटकबैत छथि।

2: यशायाह 40:26 अपन नजरि ऊँच पर उठाउ, आ देखू जे ई सभ के बनौने अछि जे ओकर सेना केँ संख्या मे बाहर निकालैत अछि, ओ अपन शक्तिक महानता सँ सभ केँ नाम सँ बजबैत अछि, कारण ओ सामर्थ्य मे बलवान अछि। कियो असफल नहि होइत अछि।

भजन 147:5 हमर प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि, हुनकर समझ अनंत अछि।

भगवान् सब शक्तिशाली आ बुद्धिमान छथि अथाह।

1: हम प्रभु पर भरोसा क सकैत छी, कियाक त ओ शक्तिशाली आ बुद्धिमान छथि।

2: हम सब एहि बात स सान्त्वना ल सकैत छी जे भगवान के शक्ति आ समझ अनंत अछि।

1: यिर्मयाह 32:17 आह, प्रभु परमेश् वर! अहाँ छी जे अपन महान शक्ति आ पसरल बाँहि सँ आकाश आ पृथ्वी के बनौने छी! अहाँक लेल कोनो बात बेसी कठिन नहि अछि।

2: यशायाह 40:28 की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि।

भजन 147:6 प्रभु नम्र लोक केँ ऊपर उठबैत छथि, दुष्ट केँ जमीन पर फेकि दैत छथि।

परमेश् वर विनम्र आ नम्र लोक केँ ऊपर उठबैत छथि मुदा दुष्ट केँ नीचाँ फेकि दैत छथि।

1: विनम्र आ नम्र लोकक प्रति परमेश् वरक प्रेम

2: दुष्टताक परिणाम

1: याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।

2: नीतिवचन 16:5 - जे केओ हृदय मे अहंकारी अछि, ओ प्रभुक लेल घृणित अछि; निश्चिंत रहू, ओ अदण्डित नहि रहत।

भजन 147:7 धन्यवादक संग प्रभुक लेल गाउ। हमरा सभक परमेश् वरक वीणा पर स्तुति गाउ।

भगवान् केरऽ स्तुति गाना हुनका धन्यवाद दै के तरीका छै ।

1. धन्यवादक शक्ति: भजन 147 पर एक नजरि

2. संगीत बनेनाइ: भगवानक स्तुति गानब

1. भजन 147:7

2. कुलुस्सी 3:16-17 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत रहू, आ अहाँ सभक हृदय मे परमेश् वरक धन्यवादक संग।"

भजन 147:8 ओ आकाश केँ मेघ सँ झाँपि दैत छथि, पृथ्वीक लेल बरखा तैयार करैत छथि, पहाड़ पर घास उगबैत छथि।

भगवान् सब चीज के प्रदाता छै, आरू वू हमरा आरो पृथ्वी के चिंता करै छै।

1: भगवान एकटा प्रदाता छथि जिनका परवाह छनि

2: भगवान् के पूर्ण प्रावधान

1: मत्ती 5:45, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे अपन पिताक संतान बनि जायब। किएक तँ ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक लोक पर उगबैत छथि आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत छथि।

2: यिर्मयाह 29:11, कारण हम जनैत छी जे अहाँक लेल हमर योजना अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

भजन 147:9 ओ जानवर केँ अपन भोजन दैत अछि आ कानय बला काग केँ।

भगवान् अपनऽ सब सृष्टि केरऽ प्रबंध करै छै, जेकरा म॑ जानवर आरू चिड़िया भी शामिल छै ।

1: भगवान् के अपन सब सृष्टि के प्रति प्रेम

2: भगवान् के प्रावधान

1: मत्ती 6:26-27 "आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू; ओ सभ नहि बोबैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा करैत अछि, मुदा तइयो अहाँक स्वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँ सभ ओकरा सभ सँ बेसी कीमती नहि छी? की अहाँ सभ मे सँ कियो क' सकैत अछि।" अहाँ चिंतित भ' क' अपन जीवन मे एक घंटा जोड़ि दैत छी?"

2: भजन 104:27-28 "ई सभ अहाँ दिस तकैत छथि जे अहाँ हुनका सभ केँ अपन भोजन उचित समय पर द' दिअ। जखन अहाँ हुनका सभ केँ दैत छी त' ओ सभ ओकरा जमा क' लैत छथि; जखन अहाँ अपन हाथ खोलैत छी त' नीक चीज सँ तृप्त भ' जाइत छथि।"

भजन 147:10 ओ घोड़ाक शक्ति मे प्रसन्न नहि होइत अछि, ओकरा मनुक्खक टांग मे प्रसन्नता नहि होइत अछि।

मनुष्यक बल मे आ ने पशुक शक्ति मे प्रसन्नता नहि करैत अछि ।

1. भगवान् शारीरिक शक्ति आ शक्ति केँ महत्व नहि दैत छथि, बल्कि हृदय आ आत्माक शक्ति केँ महत्व दैत छथि।

2. हमरा सभकेँ अपन शरीरक बलसँ नहि, अपितु अपन विश्वासक बलसँ प्रेरित हेबाक चाही।

1. इफिसियों 6:10-18 परमेश् वरक पूरा कवच पहिरब।

2. मत्ती 16:24-26 अपना केँ नकारब आ अपन क्रूस उठाब।

भजन 147:11 परमेश् वर हुनका सँ डरय बला सभ मे प्रसन्न होइत छथि, जे हुनकर दयाक आशा रखैत छथि।

भगवान् ओहि मे प्रसन्न होइत छथि जे हुनकर दया सँ डरैत छथि आ आशा करैत छथि |

1: परमेश् वर ओहि सभ सँ प्रेम करैत छथि आ पोसैत छथि जे आज्ञाकारी छथि आ हुनकर प्रेमक दया पर भरोसा करैत छथि।

2: भगवान् के प्रति विश्वास आ श्रद्धा के जीवन हुनका आनन्द आ प्रसन्नता दैत छनि।

1: यशायाह 66:2 हम ई मानैत छी जे नम्र आ पश्चाताप करयवला आ हमर वचन पर काँपि रहल अछि।

2: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

भजन 147:12 हे यरूशलेम, प्रभुक स्तुति करू। हे सियोन, अपन परमेश् वरक स्तुति करू।

ई भजन यरूशलेम आ सियोन के परमेश्वर के स्तुति करै के आह्वान करै छै।

1. स्तुति के शक्ति: भगवान के नजदीक आबय लेल स्तुति के शक्ति के उपयोग कोना कयल जाय

2. स्तुति करबाक आह्वान: भगवानक स्तुतिक जीवन कोना जीबी

1. इब्रानी 13:15 - "तखन हम सभ हुनका द्वारा परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान दैत रहू, अर्थात् हुनकर नाम केँ स्वीकार करय बला ठोर सभक फल।"

2. प्रकाशितवाक्य 5:13 - हम स्वर्ग, पृथ्वी, पृथ्वीक नीचाँ, समुद्र मे, आ ओहि मे जे किछु अछि, सभ प्राणी केँ ई कहैत सुनलहुँ जे, “जे सिंहासन पर बैसल अछि आ मेमना केँ आशीर्वाद आ सम्मान भेटय।” आ महिमा आ पराक्रम सदा-सदा!

भजन 147:13 किएक तँ ओ अहाँक फाटक सभक सलाख सभ केँ मजबूत कयलनि। ओ अहाँक भीतर अहाँक सन्तान सभ केँ आशीर्वाद देने छथि।

भगवान् ओकरा आशीर्वाद दै छै जेकरा हुनका पर विश्वास छै, आरू ओकरा आसपास के बाधा के मजबूत करै छै।

1. विश्वासक ताकत - जखन हम हुनका पर भरोसा करैत छी तखन भगवानक शक्ति हमरा सभक जीवन मे कोना देखल जा सकैत अछि।

2. रक्षाक आशीर्वाद - भगवान् हमरा सभक रक्षा कोना करैत छथि जखन हम सभ हुनका पर अपन विश्वास रखैत छी।

1. नीतिवचन 18:10 - प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि; धर्मी लोक ओहि मे दौड़ि जाइत अछि आ सुरक्षित रहैत अछि।

2. भजन 91:11 - किएक तँ ओ अहाँ सभ पर अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन जे ओ अहाँ सभक सभ बाट मे राखथि।

भजन 147:14 ओ अहाँक सीमा मे शान्ति करैत छथि आ अहाँ केँ गहूम मे सँ नीक सँ भरैत छथि।

ओ हमरा सभक जीवन मे शांति प्रदान करैत छथि आ हमरा सभ केँ उत्तम आशीर्वाद सँ प्रचुर मात्रा मे भरैत छथि |

1. भगवान् के बिना शर्त प्रेम में शांति पाना

2. एकटा प्रचुर भगवानक प्रचुर आशीर्वाद

1. भजन 37:4 - प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू, ओ तोहर हृदयक इच्छा देथिन।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

19

भजन 147:15 ओ अपन आज्ञा पृथ्वी पर पठबैत छथि, हुनकर वचन बहुत तेजी सँ दौड़ैत अछि।

परमेश् वरक वचन शक्तिशाली आ प्रभावी अछि।

1: परमेश् वरक वचन त्वरित आ प्रभावी अछि।

2: परमेश् वरक वचनक शक्ति।

1: यशायाह 55:11 - हमर मुँह सँ निकलल हमर वचन तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2: इब्रानी 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन कोनो दुधारी तलवार सँ तेज, शक्तिशाली आ तेज अछि, जे आत् मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ विभाजित करबा धरि बेधैत अछि, आ विचारक बोध करऽ वला अछि आ हृदयक मंशा।

भजन 147:16 ओ ऊन जकाँ बर्फ दैत अछि, ठंढा केँ राख जकाँ छिड़िया दैत अछि।

भगवान् मे हमरा सभक भरण-पोषण करबाक आ रक्षा करबाक सामर्थ्य छनि।

1. परमेश् वरक प्रबंध - परमेश् वरक प्रचुर संसाधन हमरा सभक प्रबंध आ रक्षा कोना कऽ सकैत अछि।

2. भगवानक सार्वभौमिकता - कोना भगवानक नियंत्रण मौसम सहित सभ किछु पर अछि।

1. यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि।

2. मत्ती 6:25-32 तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे आ की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँक मोल हुनका सभसँ बेसी नहि अछि? आ अहाँ मे सँ के बेचैन भ' क' ओकर जीवन काल मे एक घंटा जोड़ि सकैत अछि? आ कपड़ाक चिन्ता किएक अछि? खेतक कुमुद पर विचार करू जे ओ कोना बढ़ैत अछि, ओ सभ ने मेहनत करैत अछि आ ने घुमैत अछि, तइयो हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ नहि सजल छलाह। मुदा जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ जीवित अछि आ काल्हि भंडार मे फेकल गेल अछि, तखन की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत, हे कम विश्वासक लोक? तेँ चिन्ता नहि करू जे हम सभ की खाएब? वा की पीब? वा की पहिरब? कारण, गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज मे लागल छथि, आ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभक आवश्यकता अछि। मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ बात अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

भजन 147:17 ओ अपन बर्फ केँ टुकड़ी जकाँ फेकि दैत अछि, ओकर जाड़क आगू के ठाढ़ भ’ सकैत अछि?

ओ शक्तिशाली आ अरोपित छथि।

1. प्रभु सर्वशक्तिमान छथि आ हुनकर जाड़ अदम्य अछि

2. हम प्रभुक पराक्रमक कोनो मिलान नहि छी

1. यशायाह 43:2, "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

2. 2 इतिहास 20:17, "अहाँ केँ एहि युद्ध मे लड़बाक आवश्यकता नहि होयत। हे यहूदा आ यरूशलेम, दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू, अपन स्थिति मे ठाढ़ रहू, आ अहाँ सभक दिस सँ प्रभुक

उद्धार देखू। हे यहूदा आ यरूशलेम निराश।काल्हि हुनका सभक विरुद्ध निकलू, आ प्रभु अहाँ सभक संग रहताह।

भजन 147:18 ओ अपन वचन पठा दैत अछि आ ओकरा सभ केँ पिघला दैत अछि, ओ अपन हवा बहबैत अछि आ पानि बहबैत अछि।

ओ अपन वचन पठाबैत छथि जे कष्ट पिघल जाय आ अपन हवा पठाबैत छथि जे पानि बहय।

1: परमेश् वरक वचन शक्तिशाली आ टिकय बला अछि

2: परेशानी स उबरबाक लेल परमेश् वरक वचन पर निर्भर रहू

1: यशायाह 55:10-11 - "जहिना बरखा आ बर्फ स् वर्ग सँ नीचाँ अबैत अछि आ ओत' नहि घुरि जाइत अछि, बल् कि पृथ्वी केँ पानि दैत अछि, ओकरा उपजबैत अछि आ अंकुरित करैत अछि, बीज बजनिहार केँ बीया दैत अछि आ भोजन करयवला केँ रोटी दैत अछि, तहिना।" की हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे किछु हम चाहैत छी से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।”

2: मत्ती 7:24-25 - "तखन जे कियो हमर ई बात सुनत आ ओकरा पूरा करत, ओ ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ होयत जे चट्टान पर अपन घर बनौलक। तखन बरखा भेल, बाढ़ि आबि गेल, आ हवा बहल आ।" ओहि घर पर मारि देलक, मुदा ओ नहि खसल, कारण ओकर नींव चट्टान पर भ' गेल छलैक।

भजन 147:19 ओ याकूब केँ अपन वचन, अपन नियम आ न्याय इस्राएल केँ देखाबैत छथि।

ओ याकूब केँ अपन वचन आ इस्राएल केँ अपन नियम आ फरमान प्रकट करैत छथि।

1. प्रभु हमरा सभक समक्ष अपन वचन कोना प्रकट करैत छथि

2. प्रभुक दया अपन लोक पर

1. भजन 147:19

2. रोमियो 3:21-22 - मुदा आब परमेश् वरक धार्मिकता व्यवस्था सँ अलग प्रगट भ’ गेल अछि, यद्यपि व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ एकर गवाही दैत अछि जे यीशु मसीह मे विश्वास करबाक द्वारा परमेश् वरक धार्मिकताक गवाही दैत अछि जे सभ विश् वास करैत अछि।

भजन 147:20 ओ कोनो जाति के संग एहन व्यवहार नहि केने छथि, आ हुनकर न्याय के बारे मे ओ सभ ओकरा नहि चिन्हलनि। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू।

ओ कोनो राष्ट्रक संग ओहिना व्यवहार नहि केने छथि जेना ओ अपन लोकक संग केने छथि, आ हुनका सभ केँ हुनकर निर्णय नहि बुझल छनि। प्रभुक स्तुति करू!

1. परमेश् वरक अपन लोकक संग कोन तरहक अद्वितीय व्यवहार हमरा सभ केँ हुनकर स्तुति करबाक लेल प्रेरित करबाक चाही

2. परमेश् वरक न्याय केँ चिन्हब आ हुनकर दयाक लेल कृतज्ञ रहब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इफिसियों 2:4-5 - मुदा हमरा सभक प्रति अपन बहुत प्रेमक कारणेँ परमेश् वर, जे दया सँ भरपूर छथि, हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि, जखन कि हम सभ अपराध मे मरि गेल रही, ई कृपा सँ अहाँ सभक उद्धार भेल अछि।

भजन १४८ सार्वभौमिक स्तुति के भजन छै, जे सब सृष्टि के परमेश्वर के आराधना आरू ऊंचाई दै लेली आह्वान करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: भजनहार स्वर्ग, आकाशीय प्राणी आ स्वर्गदूत केँ प्रभुक स्तुति करबाक लेल बजबैत छथि। ओ सभ एहि बात पर जोर दैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभक सृष्टि पर आज्ञा देलनि आ हुनका सभ केँ सदाक लेल स्थापित कयलनि। ओ सभ प्रकृतिक तत्व, जेना सूर्य, चन्द्रमा, तारा आ पानि केँ परमेश्वरक स्तुति मे शामिल हेबाक लेल आह्वान करैत छथि (भजन संहिता १४८:१-६)।

2nd पैराग्राफ: भजनहार स्तुति के आह्वान सब पार्थिव प्राणी तक के विस्तार करैत छथि - समुद्री जीव स ल क पहाड़, फलदार गाछ स ल क जंगली जानवर तक। ओ सभ पृथ्वीक राजा आ लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ सभ परमेश् वरक नामक स्तुति मे शामिल होथि। ओ सभ एहि बातक पुष्टि करैत छथि जे हुनकर नाम मात्र ऊँच कयल गेल अछि (भजन संहिता १४८:७-१४)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ अड़तालीस प्रस्तुत
सार्वभौमिक स्तुति के एक स्तोत्र, २.
भगवान के नाम के ऊंचाई पर जोर दैत सब सृष्टि के बजाबय के माध्यम स प्राप्त आमंत्रण के उजागर करब |

स्वर्ग, आकाशीय प्राणी, आरू स्वर्गदूत के स्तुति करै लेली आह्वान करै के संबंध में व्यक्त करलऽ गेलऽ आह्वान पर जोर देना ।
सृष्टि पर दिव्य आज्ञा के संबंध में दिखाई गई मान्यता का उल्लेख करते हुए सृष्टि के स्थापना पर प्रकाश डालते हुए |
प्रकृति के तत्व के साथ-साथ समुद्री जीव, पहाड़, फलदार गाछ, जंगली जानवर के साथ-साथ राजा आरू लोग सहित पार्थिव जीव के आमंत्रण के संबंध में प्रस्तुत विस्तार व्यक्त करना |
भगवान् के नाम के अनन्य उन्नयन के संबंध में व्यक्त पुष्टि को स्वीकार करते हुए |

भजन 148:1 अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। स्वर्ग सँ प्रभुक स्तुति करू, ऊँच-ऊँच पर हुनकर स्तुति करू।

स्वर्ग आ ऊँचाई मे भगवान् केर महानताक स्तुति करू।

1. प्रभु के पारलौकिक महिमा: स्वर्ग आ पृथ्वी सँ भगवान् के स्तुति करब

2. पूजा के आमंत्रण: स्तुति के माध्यम स भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करब

1. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ आवाज दैत कहलथिन, “पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि सेना सभक प्रभु। पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि!

2. प्रकाशितवाक्य 5:13 - हम स्वर्ग, पृथ्वी, पृथ्वीक नीचाँ, समुद्र मे, आ ओहि मे जे किछु अछि, सभ प्राणी केँ ई कहैत सुनलहुँ जे, “जे सिंहासन पर बैसल अछि आ मेमना केँ आशीर्वाद आ सम्मान भेटय।” आ महिमा आ पराक्रम सदा-सदा!

भजन 148:2 हे ओकर सभ स् वर्गदूत, ओकर स्तुति करू, ओकर सभ सेना, ओकर स्तुति करू।

ई अंश हमरा सिनी कॅ परमेश् वर आरू हुनको सब स्वर्गीय सेना के स्तुति करै के आह्वान करै छै।

1. जीवनक कठिनाइक बीच भगवानक स्तुति कोना कयल जाय

2. भगवान् केर स्तुति करबाक शक्ति

1. रोमियो 15:11 - आओर फेर, "हे सभ गैर-यहूदी, प्रभुक स्तुति करू, आ अहाँ सभ लोक हुनकर स्तुति गाउ।"

2. यशायाह 12:4-5 - आ अहाँ ओहि दिन कहब जे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, हुनकर नाम पुकारू, हुनकर काज केँ जाति-जाति मे बताउ, घोषणा करू जे हुनकर नाम उच्च अछि। प्रभुक स्तुति गाउ, कारण ओ महिमापूर्ण काज कयलनि। ई बात समस्त पृथ्वी पर प्रगट होअय।

भजन 148:3 अहाँ सभ सूर्य आ चान, हुनकर स्तुति करू, अहाँ सभ प्रकाशक तारा, हुनकर स्तुति करू।

ई अंश परमेश् वरक महिमा आ हुनकर स्तुति करबाक आवश्यकताक गप्प करैत अछि।

1. स्तुति के अदम्य शक्ति: हम सब परिस्थिति में भगवान के आराधना कोना क सकैत छी

2. आकाशीय सिम्फनी: स्वर्ग भगवानक महिमा के कोना घोषणा करैत अछि

1. यशायाह 55:12 - किएक तँ अहाँ सभ खुशी-खुशी बाहर निकलब आ शान्तिपूर्वक आगू बढ़ब। अहाँक आगूक पहाड़ आ पहाड़ी सभ गान मे फूटि जायत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।

2. भजन 19:1-4 - आकाश परमेश्वरक महिमा के घोषणा करैत अछि, आ ऊपर आकाश हुनकर हाथक काज के घोषणा करैत अछि। दिन-दिन वाणीक उझिलैत अछि, आ राति-राति ज्ञानक प्रगट होइत अछि। ने वाणी छै, ने शब्द छै, जेकरऽ आवाज नै सुनलऽ जाय छै । हुनका लोकनिक आवाज समस्त पृथ्वी मे, आ हुनकर सभक वचन संसारक अंत धरि बजैत अछि।

भजन 148:4 हे आकाशक आकाश आ आकाश सँ ऊपरक पानि, हुनकर स्तुति करू।

भजनहार सृष्टि के सब के परमेश्वर के स्तुति करय लेल बजबैत छथि।

1. सृष्टि के आह्वान: भगवान के सृष्टि हुनकर महिमा के कोना उत्थान करैत अछि

2. स्वर्गक महिमा: स्वर्गीय पिंड भगवान् के कोना स्तुति करैत अछि

1. यशायाह 55:12 - "किएक तँ अहाँ सभ हर्षोल्लास सँ बाहर निकलब आ शान्ति सँ आगू बढ़ब। अहाँ सभक सोझाँ पहाड़ आ पहाड़ी सभ गाबय लेल फाटि जायत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।"

2. अय्यूब 38:4-7 - "जखन हम पृथ्वीक नींव रखलहुँ तखन अहाँ कतय छलहुँ? जँ अहाँ केँ बुद्धि अछि त' घोषणा करू। जँ अहाँ जनैत छी त' एकर नाप के रखलक? वा ओकरा पर रेखा के बढ़ेलक? एहि पर।" की एकर नींव बान्हल अछि वा एकर कोनक पाथर के रखलक, जखन भोरक तारा सभ एक संग गाबि रहल छल आ परमेश् वरक सभ पुत्र सभ खुशी सँ चिचियाइत छल?”

भजन 148:5 ओ सभ परमेश् वरक नामक स्तुति करथि, किएक तँ ओ आज्ञा देलनि आ ओ सभ सृजित भेलाह।

सब सृष्टि के प्रभु के स्तुति करबाक चाही कियाक त ओ बजलाह आ संसार के निर्माण भेल |

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: सृष्टि कोना बनल

2. स्तुति के महिमा: हम भगवान् के आदर कियैक करैत छी

1. उत्पत्ति 1:1-2 शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ बनौलनि।

2. अय्यूब 26:7-9 ओ उत्तर दिस खाली जगह पर तानैत छथि आ पृथ्वी केँ कोनो चीज पर टांगैत नहि छथि।

भजन 148:6 ओ ओकरा सभ केँ अनन्त काल धरि स्थिर कयलनि।

भगवान् आकाश आ पृथ्वी के अनन्त काल के लेल स्थापित केने छथि आ ओकरा सदा के लेल एहने रहबाक लेल निर्धारित केने छथि |

1. भगवान् के शाश्वत स्वभाव: हुनकर सृष्टि के अपरिवर्तनीय स्वभाव

2. भगवान् केर अनन्त फरमान: हुनक अटूट संप्रभुता

1. भजन 148:6 - ओ ओकरा सभ केँ अनन्त काल धरि स्थिर कयलनि अछि।

2. यिर्मयाह 31:35-36 - प्रभु ई कहैत छथि जे दिन मे सूर्य केँ इजोत दैत छथि, आ राति मे चान आ तारा केर नियम केँ इजोत मे दैत छथि, जे समुद्र केँ बाँटि दैत छथि जखन ओकर लहरि गर्जैत अछि। सेना के प्रभु ओकर नाम छै: प्रभु कहै छै कि अगर वू नियम हमरा सामने सें हटी जाय छै, तबे इस्राएल के वंशज भी हमरा सामने जाति के रूप में हमेशा के लेलऽ छोड़ी देतै।
भजन 148:7 हे अजगर आ सभ गहींर मे, पृथ् वी सँ परमेश् वरक स्तुति करू।
भजनहार जमीन आ समुद्र मे जीव सभ केँ परमेश् वरक स्तुति करबाक लेल आह्वान करैत छथि।
1. स्तुति करबाक आह्वान: हम सभ परमेश् वरक महानताक कदर कोना देखा सकैत छी
2. सृष्टि पूजा के महत्व: हम सब भगवान के प्रति अपन कृतज्ञता कोना व्यक्त क सकैत छी
1. यशायाह 43:7 - "जे केओ हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।"
2. कुलुस्सी 1:16 - किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ वस्तु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।
भजन 148:8 आगि आ ओला। बर्फ, आ वाष्प; तूफानी हवा ओकर वचन पूरा करैत:
ई अंश प्रकृति के शक्ति पर भगवान के शक्ति आरू नियंत्रण के बात करै छै।
1. भगवान् के अदम्य शक्ति
2. प्रकृति भगवान् के महिमा के प्रतिबिंबित करैत अछि
1. अय्यूब 37:9-13
2. यशायाह 29:6-8
भजन 148:9 पहाड़, आ सभ पहाड़। फलदार गाछ आ सभ देवदार।
भजनहार परमेश्वर के स्तुति करै छै कि हुनी पहाड़, पहाड़ी, फलदायी गाछ आरो देवदार के सृष्टि करलकै।
1. भगवान् के सृष्टि: प्रकृति के राजसी सौन्दर्य
2. भगवान् के सृष्टि के वैभव
१.
2. भजन 8:3-4 - जखन हम अहाँक आकाश, अहाँक आँगुरक काज, चान आ तारा पर विचार करब, जे अहाँ निर्धारित केने छी। मनुख की होइत छैक, जे अहाँ ओकरा मोन पाड़ैत छी? आ मनुष् यक पुत्र, जे अहाँ ओकरा पर पहुँचैत छी?
भजन 148:10 जानवर आ सभ पशु। रेंगैत चीज आ उड़ैत चिड़ै।
भजनहार समस्त सृष्टि सँ परमेश् वरक स्तुति मनबैत छथि।
1. स्तुति के शक्ति: भगवान के प्राणी हमरा सब के कोना रास्ता देखाबैत छथि
2. सब किछु जकरा मे साँस होइत छैक: सृष्टि मे स्तुतिक एकीकृत शक्ति
1. उत्पत्ति 1:20-25 परमेश् वर सभ जीव-जन्तु केँ सृजित कयलनि आ ओकरा सभ केँ नीक घोषित कयलनि।

2. भजन 150:6 जे किछु साँस रखैत अछि, ओ प्रभुक स्तुति करय।

भजन 148:11 पृथ्वीक राजा आ सभ लोक। राजकुमार आ पृथ् वीक सभ न्यायाधीश।

भजनहार पृथ्वीक सभ राजा आ शासक आ सभ लोक केँ प्रभुक स्तुति करबाक लेल आह्वान करैत छथि।

1: हमरा सब के प्रभु के स्तुति करबाक चाही, चाहे हमर सामाजिक स्थिति कोनो हो, कियाक त ओ सब पर सर्वोच्च राज करैत छथि।

2: आउ, प्रभु केँ धन्यवाद आ स्तुति करी, कारण ओ राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु छथि।

1: प्रकाशितवाक्य 19:16 - "ओकर वस्त्र आ जाँघ पर ई नाम लिखल छनि: राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु।"

2: भजन 47:2 - "किएक तँ परमात्मा प्रभु भयभीत छथि, समस्त पृथ्वी पर महान राजा छथि।"

भजन 148:12 युवक आ कुमारि दुनू। बूढ़-पुरान, आ बच्चा सभ:

एहि अंश मे समाजक सभ सदस्य केँ छोट सँ बूढ़ धरि भगवानक स्तुति करबाक आह्वान कयल गेल अछि |

1. प्रभुक स्तुति करू: सब युगक लेल एकटा आह्वान

2. प्रभुक उत्सव: सब पीढ़ीक उत्सव

1. भजन 100:1-5

2. लूका 18:15-17

भजन 148:13 ओ सभ परमेश् वरक नामक स्तुति करथि, किएक तँ हुनकर नाम मात्र उत्तम अछि। ओकर महिमा पृथ्वी आ स्वर्ग सँ ऊपर अछि।

भजनहार प्रभु के स्तुति के आह्वान करै छै, कैन्हेंकि हुनकऽ नाम आरू महिमा पृथ्वी आरू स्वर्ग में सब सें ऊपर छै।

1. "भगवानक नामक उन्नयन"।

2. "ईश्वर के महिमा के महिमा"।

1. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ आवाज दैत कहलथिन, “पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि सेना सभक प्रभु; पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि!

2. इजकिएल 1:26-28 - हुनका सभक माथक विस्तारक ऊपर एकटा सिंहासनक समान छल, जे नीलमणि जकाँ देखाइत छल। आ सिंहासनक उपमाक ऊपर बैसल एकटा उपमा छल जे मनुक्खक रूप मे छल | आ ऊपर दिस जे ओकर कमरक रूप छलैक ताहि सँ हम देखलहुँ जेना ओ चमकैत धातु छलैक, जेना चारू कात आगि जकाँ घेरल छलैक । आ ओकर कमर जेकाँ छलैक ताहि सँ नीचाँ हम आगि जकाँ देखलहुँ आ चारू कात चमक छलैक। जेना बरखाक दिन मेघ मे धनुषक रूप होइत छैक, तहिना चारू कात चमकक रूप छलैक। प्रभुक महिमाक उपमाक एहन रूप छल। जखन हम देखलहुँ तँ मुँह पर खसि पड़लहुँ आ एकटा बजैत आवाज सुनलहुँ।

भजन 148:14 ओ अपन लोकक सींग केँ सेहो ऊपर उठबैत छथि, जे अपन सभ पवित्र लोकक स्तुति अछि। इस्राएलक सन् तान मे सँ जे हुनका लगक लोक छल। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू।

प्रभु अपनऽ लोगऽ क॑ ऊंचा करै छै आरू अपनऽ सब संत केरऽ प्रशंसा करै छै, जेकरा म॑ इस्राएल केरऽ संतान भी शामिल छै, जे ओकरऽ करीबी लोग छै ।

1. परमेश् वरक दया आ अपन लोकक प्रति प्रेम

2. भगवान् के निकट रहने का आशीर्वाद

1. भजन 103:17 - मुदा अनन्त सँ अनन्त धरि प्रभुक प्रेम हुनका सँ डरय बला सभक संग अछि आ हुनकर धार्मिकता हुनका सभक संतान सभक संग अछि

2. व्यवस्था 7:9 - तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर छथि। ओ विश्वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि, हुनका सभक हजार पीढ़ी धरि अपन प्रेमक वाचा केँ पालन करैत छथि।

भजन १४९ स्तुति आरू उत्सव के भजन छै, जेकरा म॑ लोगऽ क॑ परमेश् वर के जीत म॑ आनन्दित होय के आग्रह करलऽ गेलऽ छै आरू गायन आरू नृत्य के साथ हुनकऽ आराधना करै के आग्रह करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार लोक सभ केँ आह्वान करैत छथि जे ओ प्रभुक लेल एकटा नव गीत गाबय, हुनकर काज सभक लेल हुनकर स्तुति करैत छथि आ हुनकर लोक मे आनन्दित होथि। ओ सभ विश्वासी सभक मंडली केँ अपन राजा मे उल्लास करबाक लेल आ नृत्य आ वाद्ययंत्र सँ हुनकर स्तुति करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि (भजन संहिता १४९:१-३)।

दोसर पैराग्राफ: भजनहार घोषणा करैत छथि जे परमेश् वर अपन लोक सभ मे प्रसन्न होइत छथि, हुनका सभ केँ उद्धार आ विजय सँ सजाबैत छथि। ओ सभ एहि बातक पुष्टि करैत छथि जे परमेश् वरक न् याय जाति सभक विरुद्ध कयल जाइत अछि, जाहि सँ राजा सभ केँ दंडित कयल जाइत अछि आ ओकर शासक सभ केँ बान्हल जाइत अछि। एकरा हुनकऽ सब विश्वासी के लेलऽ एगो सम्मान के रूप म॑ देखलऽ जाय छै (भजन संहिता १४९:४-९)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ उनचालीस प्रस्तुत
स्तुतिक एकटा स्तोत्र, २.
भगवान केरऽ जीत म॑ आनन्दित होय प॑ जोर दै के साथ-साथ नया गीत गाबै के आह्वान के माध्यम स॑ प्राप्त उत्सव प॑ प्रकाश डालना ।

एकटा नव गीतक माध्यमे प्रशंसा अर्पित करबाक आमंत्रणक संबंध मे व्यक्त कयल गेल गाबय लेल आह्वान पर जोर दैत |
परमेश् वरक चुनल लोक मे उल्लासक संग-संग ईश्वरीय काजक मान्यताक संबंध मे देखाओल गेल प्रोत्साहनक उल्लेख |
अपनऽ लोगऽ म॑ लेलऽ गेलऽ दिव्य सुख के संबंध म॑ प्रस्तुत घोषणा व्यक्त करतें हुअ॑ ओकरा मोक्ष आरू विजय स॑ अलंकृत करै के बात क॑ स्वीकार करी क॑ ।
राजा सब के दंड सहित राष्ट्र के खिलाफ ईश्वरीय निर्णय के निष्पादन के संबंध में व्यक्त पुष्टि के स्वीकार करैत एकरा विश्वासी व्यक्ति के देल गेल सम्मान के रूप में उजागर करैत |

भजन 149:1 अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। पवित्र लोकक मंडली मे परमेश् वर केँ नव गीत गाउ आ हुनकर स्तुति करू।

गीत आ स्तुति के माध्यम स प्रभु के उत्सव मनाउ।

1. अपन स्तुति सँ प्रभुक आनन्द केँ चमकय दियौक

2. कृतज्ञता आ प्रशंसाक शक्ति

1. कुलुस्सी 3:16-17 मसीहक वचन अहाँ सभ मे समस्त बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

2. इफिसियों 5:19-20 भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे अपना सँ गप्प करू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे गाबि क’ धुन बनाउ। अपन प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ सभ किछुक लेल सदिखन परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत रहू।

भजन 149:2 इस्राएल ओकरा बनौनिहार मे आनन्दित होथि, सियोनक सन्तान अपन राजा मे आनन्दित होथि।

सियोनक सन्तान सभ केँ अपन राजा मे आनन्दित हेबाक चाही।

1: सियोन के राजा मे आनन्दित रहू

2: हमरा सभकेँ बनेबाक लेल भगवानक स्तुति करू

1: भजन 33:1, "हे धर्मी लोकनि, प्रभु मे आनन्दित रहू, किएक तँ सोझ लोकक लेल स्तुति उचित अछि।"

2: मत्ती 2:2, "ई कहैत अछि जे, जे यहूदी सभक राजा जन्मल अछि, ओ कतय अछि? किएक तँ हम सभ ओकर तारा पूरब दिस देखलहुँ आ ओकर आराधना करबाक लेल आयल छी।"

भजन 149:3 नाच मे हुनकर नामक स्तुति करथि, तान आ वीणा सँ हुनकर स्तुति गाबय।

आस्थावान लोकनि संगीत आ नृत्यक माध्यमे भगवानक पूजा करथि।

1. प्रभु मे आनन्दित होयब: संगीत आ नृत्यक माध्यमे विश्वासक अभिव्यक्ति

2. आत्मा आ सत्य मे प्रभुक आराधना करब: संगीत आ नृत्यक शक्ति

1. इफिसियों 5:19-20 - "भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत सँ एक-दोसर सँ गप्प करू, प्रभुक लेल अपन हृदय सँ गाबि रहल छी आ राग-गान करैत छी; सभ किछुक लेल पिता परमेश् वर केँ सदिखन धन्यवाद दैत छी, हमरा सभक प्रभुक नाम सँ।" यीशु मसीह।"

2. निष्कासन 15:20-21 - "तखन हारूनक बहिन मिरियम भविष्यवक्ता अपन हाथ मे एकटा टिम्बर ल' लेलनि, आ सभ स्त्रीगण टिम्बर ल' क' आ नाच-गान ल' क' हुनका पाछाँ निकलि गेलीह. आ मरियम हुनका सभ केँ ई गीत गबैत छलीह: 'गाओ' लेल।' प्रभु, किएक तँ ओ बहुत ऊँच छथि, घोड़ा आ ओकर सवार केँ समुद्र मे फेकि देलनि।'"

भजन 149:4 किएक तँ परमेश् वर अपन प्रजा मे प्रसन्न होइत छथि, ओ नम्र लोक केँ उद्धार सँ सुन्दर करताह।

परमेश् वर अपन लोक सभ मे आनन्दित होइत छथि आ विनम्र लोक सभ केँ उद्धार अनताह।

1. विनम्रताक शक्ति: परमेश् वरक प्रेमक लाभ काटब

2. परमेश् वरक प्रेम: मोक्षक सौन्दर्यक अनुभव

1. याकूब 4:6-10

2. 1 पत्रुस 5:5-7

भजन 149:5 पवित्र लोक सभ महिमा मे आनन्दित होथि, ओ सभ अपन बिछौन पर जोर-जोर सँ गाबय।

भजनहार संत सभ केँ हर्षित रहबाक लेल आ अपन बिछौन पर परमेश् वरक स्तुति गाबय लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. "सन्तक आनन्द आ स्तुति"।

2. "राति मे गायन"।

1. रोमियो 12:12 - "आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।"

2. प्रेरित 16:25 - "आधा राति मे पौलुस आ सिलास प्रार्थना कयलनि आ परमेश् वरक स्तुति गाबि गेलाह।"

भजन 149:6 हुनका सभक मुँह मे परमेश् वरक ऊँच स्तुति आ हाथ मे दूधारी तलवार रहय।

भजनहार हमरा सभ केँ अपन मुँह सँ परमेश् वरक स्तुति करबाक लेल आ हुनकर वचन केँ दूधारी तलवारक रूप मे प्रयोग करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. प्रभुक स्तुति आनन्द सँ करू: चुनौती सँ उबरबाक लेल स्तुतिक शक्तिक उपयोग

2. आत्मा के तलवार: जीवन बदलै के लेलऽ शास्त्र के शक्ति के लाभ उठाना

1. भजन 149:3, "ओ सभ हुनकर नामक प्रशंसा नाच-गान क' करथि, डफली आ वीणा सँ हुनका धुन बनाबथि!"

2. इफिसियों 6:17, "मुक्तिक टोपी आ आत्माक तलवार, जे परमेश् वरक वचन अछि, लऽ लिअ।"

भजन 149:7 गैर-यहूदी सभक प्रतिशोध आ लोक सभ पर सजा देबाक लेल।

परमेश् वर हमरा सभ केँ ई कर्तव्य देने छथि जे राष्ट्र सभ केँ न्याय आनब।

1: हमरा सभकेँ दुनियाँमे न्याय अनबाक लेल बजाओल गेल अछि।

2: परमेश् वर हमरा सभ केँ सौंपि देने छथि जे गलत काज केनिहार सभक प्रतिशोध आनब।

1: यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू, न्याय ताकू, अत्याचार केँ सुधारू, अनाथ केँ न्याय करू, विधवाक मुद्दा पर गुहार लगाउ।

2: याकूब 1:27 - जे धर्म हमर पिता परमेश् वर शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसार सँ प्रदूषित नहि होबय सँ बचाब।

भजन 149:8 अपन राजा सभ केँ जंजीर सँ बान्हि, आ अपन कुलीन लोक केँ लोहाक बेड़ी सँ बान्हिब।

भगवान् शक्तिशाली छथि आ राजा आ कुलीन लोकनि केँ लोहाक जंजीर आ बेड़ी सँ बान्हि सकैत छथि |

1. भगवानक शक्ति जे सबसँ शक्तिशाली मनुष्य केँ सेहो नियंत्रित क' सकैत छथि

2. राजा आ कुलीन लोक पर शासन करबाक लेल भगवानक सार्वभौमत्व

1. दानियल 2:21 - आ ओ [परमेश् वर] समय आ ऋतु बदलैत छथि; राजा सभ केँ हटाबैत छथि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत छथि। ज्ञानी के बुद्धि आरू समझ वाला के ज्ञान दै छै।"

2. नीतिवचन 21:1 - "राजाक हृदय पानिक नदी जकाँ प्रभुक हाथ मे अछि; ओ ओकरा जतय चाहैत अछि घुमा दैत अछि।"

भजन 149:9 हुनका सभ पर लिखल गेल न्याय केँ पूरा करबाक लेल: ई सम्मान हुनकर सभ संत केँ भेटैत छनि। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू।

प्रभु केरऽ संतऽ क॑ हुनकऽ लिखित न्याय केरऽ निष्पादन स॑ सम्मानित करलऽ जाय छै ।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक न्यायक आदर करबाक लेल बजाओल गेल अछि आ ओकरा लेल प्रशंसा कयल गेल अछि।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक न्याय आ हुनकर विश्वासी लोक केँ चिन्हबाक आ आदर करबाक अछि।

1: रोमियो 13:1-7 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू; कारण, परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे अधिकार अछि से परमेश् वर द्वारा स्थापित कयल गेल अछि।

2: 2 कोरिन्थी 5:10 - कारण, हमरा सभ केँ मसीहक न्यायपीठक समक्ष उपस्थित हेबाक चाही, जाहि सँ प्रत्येक केँ शरीर मे कयल गेल काजक प्रतिफल भेटय, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

भजन 150 उमंग भरल स्तुति के भजन अछि, जे सब किछु के आह्वान करैत अछि जे साँस रखैत अछि जे ओ परमेश्वर के आराधना आ स्तुति करय।

पहिल पैराग्राफ: भजनहार परमेश्वरक स्तुति करबाक आह्वान करैत छथि जे हुनकर पवित्र स्थान आ हुनकर पराक्रमी आकाशक विस्तार मे। ओ लोकनि विभिन्न वाद्ययंत्रक प्रयोग सँ आग्रह करैत छथि जाहि सँ हर्ष आ कुशल प्रशंसा कयल जाय । ओ सभ परमेश् वरक पराक्रमी कर्म आ महानता केँ पार करबाक लेल हुनकर स्तुति करबा पर जोर दैत छथि (भजन संहिता 150:1-2)।

द्वितीय पैराग्राफ: भजनहार प्रशंसा के आह्वान जारी रखै छै, जेकरा में तुरही, वीणा, वीणा, डफली, तार, पाइप, आरू झांझ के आवाज भी शामिल छै। ओ सभ ओहि सभ केँ आमंत्रित करैत छथि जेकरा मे साँस अछि जे ओ सभ प्रभुक स्तुति मे शामिल होथि (भजन संहिता 150:3-6)।

संक्षेप मे, २.
भजन एक सौ पचास उपहार
उमंग भरल स्तुतिक भजन, २.
वाद्ययंत्र के प्रयोग स आनन्दित पूजा पर जोर दैत समस्त सृष्टि के आह्वान के माध्यम स प्राप्त आमंत्रण के उजागर करब |

परमेश्वर के पवित्र स्थान के साथ-साथ स्वर्ग में भी स्तुति के अर्पित करै के आमंत्रण के संबंध में व्यक्त स्तुति के आह्वान पर जोर दै वाला।
प्रशंसा के हर्षित आ कुशल अभिव्यक्ति के आग्रह करैत विभिन्न वाद्ययंत्र के प्रयोग के संबंध में देखाओल गेल प्रोत्साहन के उल्लेख करैत |
महानता अतिक्रमण के साथ-साथ दिव्य पराक्रमी कर्मों की पहचान के संबंध में प्रस्तुत जोर व्यक्त करते हुए |
तुरही, वीणा, वीणा, डफली, तार, पाइप, आ झांझ सहित आगू वाद्य संगत के आह्वान के संबंध में व्यक्त निरंतरता के स्वीकार करैत |
भगवान् के आराधना स्तुति अर्पित करय में जे किछु सांस अछि ओकरा समावेश के संबंध में प्रस्तुत आमंत्रण के संग समाप्त करैत |

भजन 150:1 अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। हुनकर पवित्र स्थान मे परमेश् वरक स्तुति करू, हुनकर सामर्थ् यक आकाश मे हुनकर स्तुति करू।

हुनकर शक्ति आ महिमा लेल प्रभुक स्तुति करू।

1. भगवान् केर स्तुति करबाक शक्ति

2. स्तुति के अभयारण्य

1. भजन 145:3 - प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही; आ ओकर महानता अनजान अछि।

2. भजन 103:1 - हे हमर आत्मा, प्रभुक आशीष करू, आ जे किछु हमरा भीतर अछि, ओकर पवित्र नामक आशीर्वाद करू।

भजन 150:2 ओकर पराक्रमक काजक लेल ओकर प्रशंसा करू, ओकर उत्तम महानताक अनुसार ओकर प्रशंसा करू।

भजन 150:2 हमरा सभ केँ परमेश्वरक पराक्रमी काज आ उत्कृष्ट महानताक लेल स्तुति करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. स्तुति के शक्ति: भगवान के पराक्रमी कार्य के प्रशंसा करब

2. कृतज्ञता के जीवन जीना: भगवान के उत्कृष्ट महानता के जश्न मनना |

1. इफिसियों 1:15-19 विश्वासी सभक लेल पौलुसक प्रार्थना जे ओ परमेश् वरक बजाओल गेल आशा आ संत सभ मे हुनकर उत्तराधिकारक धन केँ जानथि।

2. रोमियो 11:33-36 परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञानक गहराई पर पौलुसक चिंतन, आ हुनकर निर्णय आ हुनकर बाट कतेक अनजान अछि।

भजन 150:3 तुरहीक आवाज सँ हुनकर स्तुति करू, भजन आ वीणा सँ हुनकर स्तुति करू।

संगीत आ वाद्ययंत्र सँ भगवानक स्तुति करू।

1: संगीत आ वाद्ययंत्रक संग भगवानक आराधना करू: स्तुतिक आमंत्रण

2: आऊ गाउ आ प्रभुक स्तुति बजाउ

1: इफिसियों 5:19 - "भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर सँ गप्प करू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे गाबैत आ धुन बजबैत रहू।"

2: कुलुस्सी 3:16 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे कृपा सँ गबैत रहू।"

भजन 150:4 ओकर स्तुति करू आ नाच सँ करू, तारबला वाद्ययंत्र आ अंग सँ ओकर स्तुति करू।

भजनहार हमरा सभ केँ संगीत, नृत्य आ वाद्ययंत्र सँ परमेश् वरक स्तुति करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. सृजनात्मकता के माध्यम स भगवान के आराधना: स्तुति के अभिव्यक्ति के अन्वेषण

2. संगीत आ गति: भजन 150:4 हमरा सभ केँ कोना परमेश्वरक प्रति अपन प्रेम व्यक्त करबाक लेल बजबैत अछि

२. एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2. कुलुस्सी 3:16 अहाँ सभक बीच मसीहक संदेश भरपूर रहय, जखन अहाँ सभ भजन, भजन आ आत् माक गीतक द्वारा एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत छी, अपन हृदय मे कृतज्ञताक संग परमेश् वर केँ गबैत छी।

भजन 150:5 जोर-जोर सँ झाँझ पर ओकर स्तुति करू।

हमरा सभ लग जे किछु अछि ताहि सँ परमेश् वरक स्तुति करू।

1. स्तुति के माध्यम स भगवान के प्रेम के उत्सव मनाबय के

2. परमेश् वरक स्तुति करबाक लेल अपन वरदानक उपयोग करब

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ।

2. कुलुस्सी 3:16-17 - मसीहक संदेश अहाँ सभक बीच भरपूर रहय, जखन अहाँ सभ भजन, भजन आ आत्माक गीतक माध्यमे सभ बुद्धि सँ एक-दोसर केँ सिखाब आ उपदेश दैत छी, अपन हृदय मे कृतज्ञताक संग परमेश् वर केँ गबैत छी। आ अहाँ सभ जे किछु करब, चाहे ओ वचन मे हो वा कर्म मे, ओ सभ प्रभु यीशुक नाम पर करू आ हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

भजन 150:6 जे किछु साँस रखैत अछि, ओ प्रभुक स्तुति करय। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू।

सब प्राणी भगवान के स्तुति करबाक चाही।

1. हुनकर स्तुति करू: भगवान् केँ धन्यवाद देब

2. प्रभु के उत्सव मनना: भगवान् के महिमा देना

1 मसीह।"

2. कुलुस्सी 3:16-17 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे समस्त बुद्धि मे भरपूर रहय, भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे कृपा सँ गबैत रहू।"

नीतिवचन अध्याय १ नीतिवचन के किताब के परिचय के काम करै छै, जेकरा में बुद्धि के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै आरू मूर्खता के मार्ग के खिलाफ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत पुस्तक केरऽ उद्देश्य स॑ होय छै, जे बुद्धि आरू समझ प्रदान करना छै । एहि मे ई बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे एहि शिक्षा सभक लाभ ज्ञानी आ ज्ञानक अभाव दुनू केँ भेटत। प्रभु केरऽ भय क॑ बुद्धि केरऽ आधार के रूप म॑ प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै (नीतिवचन १:१-७) ।

2nd Paragraph: अध्याय में पापी के लोभ के चेतावनी देल गेल अछि आ हुनका सब के दुष्ट तरीका में शामिल नै होबय के सलाह देल गेल अछि | एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे जे बुद्धि के अनदेखी करय के फैसला करताह हुनका नकारात्मक परिणाम के सामना करय पड़तनि. बुद्धि क॑ आवाज दै के रूप म॑ मूर्त रूप देलऽ जाय छै, लेकिन कुछ लोग सुनै स॑ मना करी दै छै (नीतिवचन १:८-३३)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय एक प्रस्तुत
पुस्तक के एक परिचय, 1999।
मूर्खता के आत्मसात करय के चेतावनी दैत बुद्धि पर जोर देबय के उजागर करब.

बुद्धिमान व्यक्ति आ ज्ञानक अभाव दुनूक लेल बुद्धि आ समझ प्रदान करबाक संबंध मे व्यक्त उद्देश्य पर जोर दैत |
बुद्धि प्राप्ति के आधार के रूप में प्रभु भय के संबंध में दिखाई गई मान्यता का उल्लेख |
पापी द्वारा प्रलोभन के संबंध में प्रस्तुत चेतावनी के साथ-साथ दुष्ट तरीका में शामिल नै होय के सलाह भी व्यक्त करना |
बुद्धि के आह्वान पर ध्यान नै देबै के संबंध में व्यक्त परिणाम के स्वीकार करना जबकि ऐन्हऽ विकल्प के परिणामस्वरूप नकारात्मक परिणाम के पहचान करना ।

नीतिवचन 1:1 इस्राएलक राजा दाऊदक पुत्र सुलेमानक कहावत।

सुलेमान के नीतिवचन में ईश्वरीय जीवन जीबै के बुद्धि आरू अंतर्दृष्टि मिलै छै।

1. "फकड़ाक बुद्धि: धर्मक जीवन जीब"।

2. "सुलेमानक कहावत: परमेश् वरक अंतर्दृष्टि आ मार्गदर्शनक वचन"।

1. नीतिवचन 1:1-7

2. भजन 19:7-11

नीतिवचन 1:2 बुद्धि आ शिक्षा केँ जानबाक लेल; समझ के शब्द के बोध करना;

अंश नीतिवचन 1:2 हमरा सभ केँ बुद्धि आ समझ सीखबाक लेल आ जे सुनैत छी ताहि पर ध्यान देबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. निर्देश के माध्यम स बुद्धि आ समझ प्राप्त करब

2. सुनबाक आ सीखबाक शक्ति

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2. भजन 119:97-98 - अरे हम अहाँक नियम सँ कतेक प्रेम करैत छी! भरि दिन हमर ध्यान अछि। अहाँक आज्ञा हमरा अपन शत्रु सभ सँ बेसी बुद्धिमान बना दैत अछि, कारण ई हमरा संग सदिखन रहैत अछि।

नीतिवचन 1:3 बुद्धि, न्याय, न्याय आ न्याय आ न्यायक शिक्षा प्राप्त करबाक लेल;

ई अंश हमरा सब क॑ बुद्धि, न्याय आरू न्याय के निर्देश खोजै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. बुद्धिक मूल्य: न्याय आ समानताक संग रहब सीखब

2. जीवन मे निर्देशक खोजक महत्व

1. नीतिवचन 3:13-19

2. याकूब 1:5-8

नीतिवचन 1:4 सरल लोक केँ सूक्ष्मता देब, युवक केँ ज्ञान आ विवेक देब।

ई अंश कम अनुभवी के बुद्धि आरू समझ प्रदान करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. शिक्षण आ मार्गदर्शन के शक्ति: हम अगिला पीढ़ी के कोना सुसज्जित क सकैत छी

2. बुद्धि आ विवेकक महत्व: ईश्वरीय जीवन जीब

1. नीतिवचन 4:7 - "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू।

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 1:5 बुद्धिमान लोक सुनत, आ शिक्षा मे वृद्धि करत। आ बुद्धिमान आदमी बुद्धिमानी सल्लाह प्राप्त करत।

नीतिवचन 1:5 बुद्धिमान सलाह ताकय आ अपन ज्ञान बढ़ेबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. बुद्धिमान सलाह के मूल्य: नीक सलाह के खोज आ सुनला के फायदा कोना उठाओल जाय

2. बुद्धिमान सलाह के माध्यम स सीखब आ बढ़ब: सुनला के माध्यम स ज्ञान आ समझ के कोना बढ़ायल जाय

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 2:1-5 - "हे हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करब आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग नुका देब; जाहि सँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाबी, आ अपन मोन केँ बुद्धि मे लगाबी। हँ, जँ अहाँ ज्ञानक लेल कानब।" , आ बुझबाक लेल अपन आवाज उठाउ, जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ ताकब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब, तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।”

नीतिवचन 1:6 कोनो लोकोक्ति केँ बुझबाक लेल, आ ओकर व्याख्या केँ बुझबाक लेल। ज्ञानी लोकनिक वचन आ हुनकर अन्हार बात।

ई श्लोक फकड़ा आ ओकर व्याख्या केँ बुझि बुद्धि आ ज्ञानक खोज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि |

1. भगवानक बुद्धि: लोकोक्तिक माध्यमे ज्ञानक खोज

2. लोकोक्ति आ ओकर व्याख्या बुझबाक लाभ

1. नीतिवचन 4:7 - बुद्धि प्रमुख बात अछि; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।

2. कुलुस्सी 2:3 - हुनका मे बुद्धि आ ज्ञानक सभटा खजाना नुकायल अछि।

नीतिवचन 1:7 प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

ज्ञान आ बुद्धि प्राप्त करबाक लेल प्रभुक भय आवश्यक अछि, जखन कि मूर्ख लोकनि शिक्षाक अवहेलना करैत छथि |

1: भगवान् के आदर करब आ हुनकर बुद्धि के बुझबाक महत्व।

2: भगवान् के शिक्षा आ निर्देश के अनदेखी करय के मूर्खता।

1: भजन 111:10 - प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक, हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक समझ छनि, हुनकर प्रशंसा अनन्त काल धरि रहैत छनि।

2: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

नीतिवचन 1:8 हे बेटा, अपन पिताक शिक्षा सुनू, आ अपन मायक नियम केँ नहि छोड़ू।

माता-पिता के पालन करबाक चाही आ हुनकर निर्देश के पालन करबाक चाही।

1. अपन माता-पिताक बुद्धिक पालन करब

2. अपन पिता आ माँ के सम्मान करबाक महत्व

1. इफिसियों 6:1-3 "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता-माँक आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि, एकटा प्रतिज्ञाक संग, जाहि सँ अहाँ सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभ केँ बहुत दिन धरि आनन्द भेटय।" पृथ्वी पर जीवन।

2. कुलुस्सी 3:20-21 "बच्चा सभ, सभ बात मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक त' ई प्रभु केँ नीक लगैत छनि। पिता लोकनि, अपन बच्चा सभ केँ कटु नहि करू, नहि त' ओ सभ हतोत्साहित भ' जेताह।"

नीतिवचन 1:9 किएक तँ ओ सभ अहाँक माथ पर अनुग्रहक आभूषण आ गला मे जंजीर बनत।

नीतिवचन 1:9 पाठक सभ केँ बुद्धिक खोज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, किएक तँ ई हुनका सभक माथ पर अनुग्रहक आभूषण आ गर्दन मे जंजीर होयत।

1. बुद्धिक कृपा प्रभु आ हुनकर बुद्धि पर भरोसा करबाक शक्ति आ प्रभाव।

2. बुद्धिक सौन्दर्य प्रभुक खोजक महिमा आ हुनक ज्ञान।

1. भजन 19:7-11 प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि। प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि।

2. यशायाह 11:2-3 प्रभुक आत् मा हुनका पर टिकल रहताह, बुद्धि आ समझक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ प्रभुक भय।

नीतिवचन 1:10 हमर बेटा, जँ पापी सभ अहाँ केँ लुभाबैत अछि तँ अहाँ सहमति नहि दिअ।

पापी सभक प्रलोभन मे हार नहि मानब।

1. प्रलोभन के विरोध करबाक मूल्य - नीतिवचन 1:10

2. प्रलोभन के सामने दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू - नीतिवचन 1:10

1. याकूब 1:13-15 - "केओ परीक्षा मे ई नहि कहय जे हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी, किएक तँ परमेश् वर बुराई सँ परीक्षा नहि लेल जा सकैत अछि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत अछि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति जखन लोभ मे पड़ैत अछि तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि।" आ अपन इच्छा सँ लोभित भ' जाइत अछि। तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पाप केँ जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्यु उत्पन्न करैत अछि।"

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - "अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश्वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो प्रदान करताह। जाहि सँ अहाँ एकरा सहि सकब।”

नीतिवचन 1:11 जँ ओ सभ कहैत छथि जे, “हमरा सभक संग आउ, हम सभ खूनक प्रतीक्षा करू, तँ हम सभ निर्दोष सभक लेल बेवजह गुप्त रूप सँ रहब।”

ई अंश हमरा सब क॑ चेतावनी दै छै कि जे निर्दोषऽ के खिलाफ हिंसा आरू अन्याय के साजिश रची रहलऽ छै, ओकरा म॑ शामिल नै होय ।

1. दुष्ट साथी द्वारा भटकला के खतरा

2. गलत काज चुनबाक लागत

1. नीतिवचन 1:11

2. भजन 1:1-2 - "धन्य अछि ओ आदमी जे दुष्टक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने उपहास करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि।"

नीतिवचन 1:12 हम सभ ओकरा सभ केँ कब्र जकाँ जीवित निगल ली। आ गड्ढा मे उतरय बला सभ जकाँ पूरा-पूरा।

ई अंश दुष्ट सलाह सुनला के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै।

1: हमरा सभ केँ दुष्ट सलाह सुनबाक प्रलोभनक विरोध करबाक चाही, कारण ई हमरा सभ केँ विनाश दिस ल' जायत।

2: हमरा सभ केँ बुद्धिमानी सँ चुनबाक चाही जे हम केकरा सँ सलाह लेब, आ अपन बुद्धिक बदला परमेश् वरक बुद्धि पर भरोसा करबाक चाही।

1: यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जिनकर आशा प्रभु छथि। किएक तँ ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, आ नदीक कात मे ओकर जड़ि पसारि दैत अछि, आ।" गर्मी के समय नै देखतै, लेकिन ओकरोॅ पात हरियर होय जैतै, आरु रौदी के साल में सावधान नै रहतै, आरो फल देना नै छोड़तै।”

2: मत्ती 6:24 - "कोनो दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, किएक त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, नहि त' एक केँ पकड़ि क' दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ सभ परमेश् वर आ धन-सम्पत्तिक सेवा नहि क' सकैत छी।"

नीतिवचन 1:13 हमरा सभ केँ सभटा अनमोल सम्पत्ति भेटत, हम सभ अपन घर केँ लूट-पाट सँ भरब।

एहि अंश मे धन आ सम्पत्तिक खोज मे प्रोत्साहन भेटैत अछि ।

1: हमरा सभकेँ भगवानक देल संसाधनक नीक भण्डारी बनबाक प्रयास करबाक चाही।

2: भौतिक सम्पत्ति हमर प्राथमिक लक्ष्य नहि होबाक चाही, बल्कि, हमर ध्यान भगवान आ हुनकर राज्य पर होबाक चाही।

1: मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2: उपदेशक 5:10-11 जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा कहियो पर्याप्त पाइ नहि भेटैत छैक; जे धन प्रेम करैत अछि से कहियो अपन आमदनी सँ संतुष्ट नहि होइत अछि । ईहो निरर्थक अछि। जेना- जेना माल बढ़ैत अछि, तेना-तेना ओकर उपभोग करयवला सेहो बढ़ैत अछि। आ मालिक के की फायदा छै सिवाय ओकर आँखि के भोज देबय के?

नीतिवचन 1:14 हमरा सभक बीच अपन भाग्य फेकि दियौक। हमरा सभक एकटा पर्स हो:

नीतिवचन 1:14 केरऽ अंश लोगऽ क॑ एक साथ आबी क॑ सब के फायदा लेली संसाधन साझा करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. भगवान हमरा सभकेँ एक संग आबि अपन संसाधन बाँटि कए एक-दोसरकेँ लाभ पहुँचेबाक लेल बजबैत छथि।

2. एक संग काज करला स एकता बनैत अछि आ समुदाय के मजबूत होइत अछि।

1. प्रेरित सभक काज 2:44-45 - "विश् वास करयवला सभ एक संग रहि गेल, आ सभ किछु समान छल। अपन सम् पत्ति आ सम् पत्ति बेचि कऽ सभ लोक केँ बाँटि देलक, जेना कि सभ लोकक आवश्यकता छल।"

2. गलाती 6:2 - "अहाँ सभ एक-दोसरक भार उठाउ, आ एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।"

नीतिवचन 1:15 हमर बेटा, अहाँ हुनका सभक संग बाट मे नहि चलू। अपन पएर हुनका सभक बाट सँ परहेज करू।

लेखक अपन बेटा के सलाह दैत छथिन जे दुष्ट के बाट पर नहि चलय, आ अपन जीवन पद्धति स बचय।

1. खराब प्रभावक पालन करबाक खतरा

2. जीवन मे सही मार्ग चुनब

1. 1 कोरिन्थी 15:33 - "धोखा नहि करू: खराब संगति नीक नैतिकता केँ भ्रष्ट करैत अछि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारतापूर्वक आ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 1:16 किएक तँ हुनका सभक पएर अधलाह दिस दौड़ैत अछि आ खून बहाबय मे जल्दबाजी करैत अछि।

लोक अधलाह करय लेल आ दोसर के नुकसान पहुंचाबय लेल आतुर रहैत अछि.

1. भगवान् के सत्य से मुँह मोड़ने का खतरा

2. दुष्ट इच्छाक शक्ति

1. याकूब 1:13-15 - जखन परीक्षा लेल जाइत अछि तखन ककरो ई नहि कहबाक चाही जे, "परमेश् वर हमरा परीक्षा मे छथि।" किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि पाबि सकैत छथि आ ने ककरो परीक्षा दैत छथि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन-अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि |

2. नीतिवचन 15:3 - प्रभुक नजरि सभ ठाम अछि, दुष्ट आ नीक लोक पर नजरि रखैत अछि।

नीतिवचन 1:17 निश्चित रूप सँ कोनो चिड़ै के नजरि मे जाल व्यर्थ मे पसरल रहैत अछि।

जे स्थिति स अवगत अछि ओकरा धोखा देबाक प्रयास करब व्यर्थ अछि।

1. ज्ञान रखनिहारक नजरि मे धोखा सँ सावधान रहू।

2. अपन परिवेश कें समझला सं कोनों संभावित योजना कें बारे मे जागरूक रहय मे मदद मिल सकय छै.

1. मत्ती 10:16 - "देखू, हम अहाँ सभ केँ भेड़ियाधसानक बीच मे भेँड़ा जकाँ पठा रहल छी, तेँ साँप जकाँ बुद्धिमान आ कबूतर जकाँ निर्दोष बनू।"

2. नीतिवचन 26:25 - "जखन ओ कृपापूर्वक बाजत तखन ओकरा पर विश्वास नहि करू, कारण ओकर हृदय मे सात टा घृणित बात छैक।"

नीतिवचन 1:18 ओ सभ अपन खूनक प्रतीक्षा मे लागल छल। अपन जानक लेल गुप्त रूपेँ लुकायल रहैत छथि ।

अंश सॅं ई पता चलैत अछि जे किछु लोक अपन जीवनक विरुद्ध साजिश रचैत छथि ।

1. "आत्मविनाशक खतरा"।

2. "आत्म तोड़फोड़ के खतरा"।

1. मत्ती 26:52 - "तखन यीशु हुनका कहलथिन, "अपन तलवार केँ फेर सँ ओकर स्थान पर राखि दियौक, किएक तँ तलवार पकड़निहार सभ तलवार सँ नष्ट भ' जेताह।"

2. प्रेरित 20:26-27 - "एहि लेल हम आइ अहाँ सभ केँ गवाही देबय लेल ल' जाइत छी जे हम सभ लोकक खून सँ शुद्ध छी। किएक तँ हम अहाँ सभ केँ परमेश् वरक सभ सलाह देबा सँ परहेज नहि केलहुँ।"

नीतिवचन 1:19 तहिना लाभक लोभी सभक बाट सेहो होइत छैक। जे ओकर मालिकक जान छीन लैत अछि।

लोभी अपना आ आसपासक लोक पर हानि आनि देत।

1: हमरा सभकेँ अपन लोभक प्रति ध्यान देबए पड़त, कारण एहिसँ हमरा सभकेँ आ जिनका सभसँ प्रेम करैत छी, हुनका सभकेँ कष्ट भऽ सकैत अछि।

2: लोभ हमरा सभक जीवन आ आसपासक लोकक जान छीनि सकैत अछि, तेँ हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे एकरा हमरा सभकेँ भस्म नहि होमय दियौक।

1: नीतिवचन 21:20 - "बुद्धिमानक निवास मे धन आ तेल होइत छैक, मुदा मूर्ख ओकरा खर्च क' दैत छैक।"

2: लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष्यक जीवन ओकर प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"

नीतिवचन 1:20 बुद्धि बाहर कानैत अछि। ओ गली-गली मे अपन आवाज बजबैत छथि।

बुद्धि सार्वजनिक चौक पर सुनबा लेल आवाज द रहल अछि।

1. बुद्धिक पुकार: भगवानक आवाज सुनब सीखब

2. नीतिवचन 1:20: बुद्धिक आवाज सुनब

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

नीतिवचन 1:21 ओ सभा-सभाक प्रमुख स्थान पर, फाटक सभक खुजली मे चिचियाइत अछि, शहर मे ओ अपन बात कहैत अछि।

अंश मे अपन बात कहबाक आ अपन विचार व्यक्त करबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि ।

1: हम सब अपन विश्वास आ विचार के बात कहय लेल आ साझा करय लेल बजाओल गेल छी।

2: सत्य आ धार्मिकता के प्रसार के लेल अपन आवाज के प्रयोग करब याद राखब।

1: इफिसियों 4:15 बल्कि, प्रेम मे सत् य बजैत, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ बढ़बाक चाही, जे सिर छथि, मसीह मे।

2: याकूब 1:19-20 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

नीतिवचन 1:22 हे साधारण लोक, अहाँ सभ कतेक दिन धरि सादगी सँ प्रेम करब? आ तिरस्कृत लोक सभ अपन तिरस्कार मे आनन्दित होइत अछि, आ मूर्ख सभ ज्ञान सँ घृणा करैत अछि?

ई अंश साधारण लोगऽ क॑ सादगी स॑ प्रेम करै के बारे म॑ चेतावनी दै छै आरू कोना तिरस्कार करै वाला क॑ मजाक उड़ाबै म॑ मजा आबै छै आरू मूर्ख ज्ञान क॑ नकारै छै ।

1. ज्ञानक खोजक महत्व

2. प्रेमपूर्ण सादगीक खतरा

1. याकूब 1:5-8

2. उपदेशक 7:25-26

नीतिवचन 1:23 हमर डाँट पर अहाँ सभ घुमि जाउ, देखू, हम अहाँ सभ मे अपन आत् मा उझलि देब, हम अहाँ सभ केँ अपन बात बता देब।

ई अंश श्रोता सिनी क॑ डांटऽ प॑ ध्यान दै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू परमेश् वर के इच्छा क॑ प्रकट करै के वादा करै छै ।

1: परमेश् वरक बुद्धि डाँट मे भेटैत अछि

2: विनम्रताक संग भगवानक इच्छा ग्रहण करी

1: याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक त' मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2: भजन 40:8 - "हे हमर परमेश् वर, हम अहाँक इच्छा पूरा करबा मे प्रसन्न छी। हँ, अहाँक व्यवस्था हमर हृदयक भीतर अछि।"

नीतिवचन 1:24 किएक तँ हम बजौलहुँ आ अहाँ सभ मना कऽ देलहुँ। हम अपन हाथ पसारि लेने छी, आ ककरो कोनो परवाह नहि।

भगवान् चाहैत छथि जे हम हुनकर दयाक प्रस्ताव स्वीकार करी, मुदा हमरा सभ केँ स्वेच्छा सँ स्वीकार करबाक चाही।

1. अवांछित आमंत्रण - भगवान् के दया के प्रस्ताव

2. भगवानक आह्वान पर ध्यान दियौक - हुनकर दया केँ गले लगाउ

1. यशायाह 55:6 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि, हुनका पुकारू जाबत ओ नजदीक छथि।

2. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत छथि, तकरा नाश नहि भऽ कऽ अनन्त जीवन भेटय। कारण, परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि, बल् कि एहि लेल जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।

नीतिवचन 1:25 मुदा अहाँ सभ हमर सभटा विश् वास केँ अमान्य कऽ देलहुँ आ हमर कोनो डाँट नहि चाहैत छी।

लोक परमेश् वरक सलाह केँ अनसुना क’ देलक अछि आ हुनकर डाँट स्वीकार करबा सँ मना क’ देने अछि।

1. परमेश् वरक वचनक पालन करब: हुनकर सलाह सुनला सँ फायदा

2. डाँट के अस्वीकार करब: परमेश् वरक सलाह पर ध्यान नहि देबाक परिणाम

1. नीतिवचन 4:5-7 - बुद्धि प्राप्त करू, समझ प्राप्त करू; एकरा बिसरि नहि जाउ; ने हमर मुँहक बातसँ ह्रास।

2. याकूब 1:19-20 - तेँ हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी, किएक त’ मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि बनबैत अछि।

नीतिवचन 1:26 हमहूँ अहाँक विपत्ति पर हँसब। जखन अहाँक डर आओत तखन हम उपहास करब।

भगवान् अपन बुद्धि के अस्वीकार करय वाला आओर गर्व के संग जीबय वाला के विनम्र बनाबैत छथिन्ह.

1. घमंड के खतरा: नीतिवचन 1:26 स एकटा चेतावनी

2. विनम्रताक आशीर्वाद: नीतिवचन 1:26 सँ एकटा प्रोत्साहन

1. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

2. 1 पत्रुस 5:5-6 - "परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ केँ कृपा करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ जाहि सँ उचित समय पर ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि।"

नीतिवचन 1:27 जखन अहाँक भय उजाड़ जकाँ आओत आ अहाँक विनाश बवंडर जकाँ आओत। जखन अहाँ सभ पर संकट आ पीड़ा आबि जायत।

जखन भय आ विनाशक सामना करय पड़ैत अछि तखन ओकरा संग आबय बला संकट आ पीड़ा केँ स्वीकार करबाक लेल तैयार रहय पड़त।

1. संकट आ पीड़ा केँ स्वीकार करब: नीतिवचन 1:27 हमरा सभ केँ की सिखाबैत अछि

2. भय आ विनाश पर विजय प्राप्त करब: नीतिवचन 1:27 सँ सीख

1. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. 1 पत्रुस 5:7 अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, किएक तँ ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

नीतिवचन 1:28 तखन ओ सभ हमरा पुकारत, मुदा हम कोनो उत्तर नहि देब। ओ सभ हमरा जल्दी खोजत, मुदा हमरा नहि भेटत।

लोक प्रभु के मदद के तलाश करत, लेकिन ओ ओकरा जवाब नै देतै, कियाकि ओ पहिने हुनका नै खोजने छल।

1. प्रभुक शीघ्र खोज करबाक महत्व।

2. प्रभुक खोज मे देरी करबाक परिणाम।

1. भजन 27:8 - जखन अहाँ कहलहुँ जे, हमर मुँह ताकू। हमर मोन तोरा कहलक, “हे प्रभु, हम तोहर मुँह तकब।”

2. यशायाह 55:6 - जाबत धरि ओ भेटत ता धरि प्रभु केँ ताकू, जाबत ओ लग मे रहत ताबत तक हुनका बजाउ।

नीतिवचन 1:29 किएक तँ ओ सभ ज्ञान सँ घृणा करैत छल आ प्रभुक भय नहि चुनैत छल।

ई अंश प्रभु के भय के उपेक्षा आरू ज्ञान स॑ घृणा करै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1. प्रभु के भय के मूल्य

2. ज्ञानक मार्ग चुनब

1. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. नीतिवचन 9:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ होइत छैक, आ पवित्र लोकक ज्ञान बुद्धि होइत छैक।"

नीतिवचन 1:30 ओ सभ हमर कोनो सलाह नहि मानैत छल, हमर सभटा डाँट केँ तुच्छ बुझैत छल।

लोक भगवानक सलाह केँ ठुकरा देलक आ हुनकर अनुशासन केँ अस्वीकार क' देलक।

1: भगवानक सलाह केँ अस्वीकार नहि करू

2: भगवान् के अनुशासन के अपनाना

1: यिर्मयाह 17:23 - मुदा ओ सभ नहि सुनलनि आ ने ध्यान देलनि; बल्कि अपन दुष्ट हृदयक जिद्दक पालन करैत छलाह |

2: इब्रानियों 12:5-6 - आ की अहाँ ई प्रोत्साहन वचन केँ एकदम बिसरि गेल छी जे अहाँ केँ ओहिना संबोधित करैत अछि जेना पिता अपन बेटा केँ संबोधित करैत अछि? कहैत अछि जे बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्का नहि करू, आ जखन ओ अहाँ केँ डाँटैत छथि तखन हिम्मत नहि करू, कारण प्रभु जे प्रेम करैत छथि, तकरा अनुशासित करैत छथि, आ जे कियो अपन बेटा स्वीकार करैत छथि, तकरा ओ सजा दैत छथि |

नीतिवचन 1:31 तेँ ओ सभ अपन-अपन तरीकाक फल खाओत आ अपन-अपन षड्यंत्र सँ भरल रहत।

अपन कर्मक परिणाम हुनका लोकनिक कर्मक परिणाम होयत ।

1. भगवान् हमरा सभसँ अपेक्षा करैत छथि जे हम सभ अपन काजक जिम्मेदारी ली आ ओकर परिणामकेँ स्वीकार करी।

2. हमरा सब के जे निर्णय लेब ताहि स सावधान रहबाक चाही कियाक त ओकर असर हमरा सबहक जीवन पर पड़त।

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

नीतिवचन 1:32 किएक तँ सरल लोकक मुँह घुमा देब ओकरा सभ केँ मारि देतैक, आ मूर्ख सभक समृद्धि ओकरा सभ केँ नष्ट क’ देतैक।

बुद्धि सँ मुँह मोड़निहार साधारण लोकक नाश भ' जेतै, आ मूर्खक समृद्धि ओकर पतन आनि देतैक।

1. बुद्धि केँ अस्वीकार करबाक खतरा

2. मूर्खताक मूल्य

1. नीतिवचन 14:1, "बुद्धिमान स्त्री अपन घर बनबैत अछि, मुदा मूर्ख ओकरा हाथ सँ उतारैत अछि।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 1:33 मुदा जे हमर बात मानत से सुरक्षित रहत आ अधलाहक भय सँ शान्त रहत।

जे बुद्धि सुनत से सुरक्षित रहत आ हानि के भय सँ मुक्त रहत।

1: परमेश् वरक वचन भय आ हानि सँ सुरक्षा आ सुरक्षा प्रदान करैत अछि।

2: भय सँ मुक्त जीवन जीबाक लेल हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक आज्ञाकारी रहबाक चाही।

1: भजन 27:1-3 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब?

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन अध्याय 2 बुद्धि आरू समझ के खोज के विषय क॑ जारी रखै छै, जेकरा म॑ ओकरऽ पीछा करला स॑ जे फायदा आरू फल मिलै छै ओकरा उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय पाठक के सक्रिय रूप स बुद्धि के खोज करय लेल प्रोत्साहित करैत अछि, ओकर तुलना नुकायल खजाना के खोज स करैत अछि। ई बात पर जोर दै छै कि जबे कोय लगन आरू पूरा दिल के साथ बुद्धि के खोज करतै, त ओकरा ज्ञान आरू समझ मिलतै (नीतिवचन 2:1-5)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे बुद्धि प्राप्ति के लाभ के वर्णन अछि | एहि मे ई रेखांकित कयल गेल अछि जे कोना बुद्धि कोनो व्यक्तिक रक्षा आ पहरा दैत अछि, ओकरा बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय लेबा मे मार्गदर्शन करैत अछि । ई दुष्टता आरू अन्हार में चलै वाला के रास्ता पर चलै के खिलाफ भी चेतावनी दै छै (नीतिवचन 2:6-22)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय दू प्रस्तुत

बुद्धिक खोज करबाक उपदेश,
लगनपूर्वक खोज के माध्यम स प्राप्त लाभ के उजागर करब।

बुद्धि के सक्रिय खोज के संबंध में व्यक्त प्रोत्साहन पर जोर दैत जे नुकायल खजाना के खोज स मिलैत जुलैत अछि |
लगनपूर्वक साधना के परिणामस्वरूप ज्ञान एवं समझ के प्राप्ति के संबंध में दिखाई गई मान्यता का उल्लेख |
बुद्धि के रक्षात्मक प्रकृति के संबंध में प्रस्तुत वर्णन व्यक्त करना जबकि व्यक्ति के बुद्धिमान विकल्प बनाने में मार्गदर्शन करना |
अन्हार बाट पर चलय वाला के पालन करय सं सावधानी के संग-संग दुष्टता के आत्मसात करय के खिलाफ व्यक्त चेतावनी के स्वीकार करब.

नीतिवचन 2:1 हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करब आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग नुका देब।

बुद्धि ग्रहण करू आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक राखू।

1. बुद्धिक शक्ति: परमेश् वरक वचन केँ ग्रहण आ नुका कऽ अहाँक विश् वास कोना मजबूत भऽ सकैत अछि

2. भगवान् केँ सबसँ पहिने राखब: परमेश् वरक संग स्वस्थ संबंधक लेल परमेश् वरक आज्ञाक पालन किएक आवश्यक अछि

1. नीतिवचन 4:7, "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू।

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 2:2 जाहि सँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाउ आ अपन मोन केँ बुझबाक लेल लगाउ।

ज्ञान आ समझ के माध्यम स बुद्धिमान निर्णय लेब।

1. बुद्धिक खोजक लाभ

2. ज्ञान आ समझ के प्रयोग स बुद्धिमान निर्णय लेब

1. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 2:3 हँ, जँ अहाँ ज्ञानक लेल चिचियाइत छी आ बुझबाक लेल अपन आवाज उठबैत छी।

ज्ञान आ समझ के लेल चिल्लाउ।

1. प्रार्थना: ज्ञान आ समझक मार्ग

2. आत्माक पुकार: ज्ञान आ समझक खोज

1. याकूब 1:5-6 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

2. नीतिवचन 3:13-15 "धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक तँ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक अछि आ ओकर लाभ सोना सँ नीक अछि। ओ गहना सँ बेसी कीमती अछि, आ... अहाँक इच्छाक कोनो वस्तुक तुलना हुनका सँ नहि भ' सकैत अछि."

नीतिवचन 2:4 जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकैत छी आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ तकैत छी।

जँ लगनसँ खोजब तँ बुद्धि भेटत।

1. बुद्धिक छिपल निधि

2. बुद्धिक खोज

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारतापूर्वक आ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 4:7 - "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू।

नीतिवचन 2:5 तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।

नीतिवचन 2:5 लोक सभ केँ प्रभुक भय केँ बुझबाक आ परमेश् वरक ज्ञानक खोज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. प्रभु सँ डरब सीखब: परमेश् वरक पवित्रताक कदर करब

2. भगवान् के ज्ञान के खोज: स्वर्ग के बुद्धि के पीछा करना

1. अय्यूब 28:28 - "ओ मनुष्य केँ कहलथिन, “देखू, प्रभुक भय, बुद्धि थिक, आ बुराई सँ हँटब बुद्धि थिक।"

2. भजन 111:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक। हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक बुझल छनि। हुनकर स्तुति अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

नीतिवचन 2:6 कारण, परमेश् वर बुद्धि दैत छथि, हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि।

भगवान् अपन वचन के माध्यम स बुद्धि आ ज्ञान दैत छथि।

1. भगवान् के बुद्धि के शक्ति

2. प्रभु सँ बुद्धिक खोज

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

नीतिवचन 2:7 ओ धर्मी लोकक लेल नीक बुद्धि जमा करैत छथि, ओ सोझ चलनिहार सभक लेल बकरी बनबैत छथि।

भगवान् अपन मानक के अनुसार जीबै वाला के बुद्धि आरू सुरक्षा प्रदान करै छै ।

1. धर्मी के ताकत आ सुरक्षा

2. सोझ रहबाक आशीर्वाद

1. भजन 91:1-2 - "जे परमात्माक गुप्त स्थान मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब जे, ओ हमर शरण आ किला छथि, हमर परमेश् वर, हुनका मे।" हम भरोसा करब।"

2. याकूब 1:5-6 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि। आ ओकरा देल जायत। मुदा ओ विश्वास सँ माँगय, किछु नहि डगमगाइत।" .किएक तँ जे डगमगाइत अछि से समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवासँ धकेलल जाइत अछि आ उछालल जाइत अछि |”

नीतिवचन 2:8 ओ न्यायक बाट केँ पालन करैत छथि आ अपन पवित्र लोकक बाट केँ सुरक्षित रखैत छथि।

ई श्लोक ई बात के बात करै छै कि कोना परमेश् वर अपनऽ वफादार अनुयायी सिनी के रक्षा आरू संरक्षण करी रहलऽ छै ।

1. भगवान हमर रक्षक छथि: कठिन समय मे हुनकर मार्गदर्शन पर कोना भरोसा कयल जाय

2. संतक जीवन जीब: भगवानक मार्ग पर चलबाक की अर्थ होइत छैक

1. भजन 91:3-4 - "ओ अहाँ केँ चिड़ै-चुनमुनीक जाल सँ आ शोरगुल सँ बचाओत। ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि देत आ ओकर पाँखिक नीचाँ अहाँ भरोसा करब।"

2. मत्ती 7:13-14 - "अहाँ सभ संकीर्ण फाटक पर प्रवेश करू। किएक तँ विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि, आ ओहि मे प्रवेश करय बला बहुतो लोक अछि। जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि, आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।”

नीतिवचन 2:9 तखन अहाँ धार्मिकता, न्याय आ न्याय केँ बुझब। हँ, हर नीक बाट।

नीतिवचन केरऽ ई श्लोक पाठकऽ क॑ धर्म, न्याय आरू न्याय केरऽ ज्ञान खोजै लेली आरू अच्छा मार्ग पर चलै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. धर्मक मार्ग: नीतिवचन 2:9 पर एकटा अध्ययन

2. धर्मक माध्यमे समानता खोजब: नीतिवचन 2:9

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

नीतिवचन 2:10 जखन अहाँक हृदय मे बुद्धि प्रवेश करत आ ज्ञान अहाँक प्राण केँ सुखद होयत।

बुद्धि आ ज्ञान जीवन मे आनन्द आ संतोषक स्रोत होइत अछि ।

1: जीवन मे सच्चा आनन्द आ संतुष्टि प्राप्त करबाक लेल भगवानक बुद्धि आ ज्ञानक खोज करबाक चाही।

2: बुद्धि आ ज्ञान हृदय आ आत्मा मे सच्चा आनन्द आ संतुष्टि दैत अछि जखन हम सब भगवान स ओकरा तकैत छी।

1: याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दऽ दैत छथि आ नहि डाँटैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: नीतिवचन 4:7 बुद्धि प्रमुख बात अछि; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।

नीतिवचन 2:11 विवेक अहाँक रक्षा करत, समझ अहाँ केँ राखत।

बुद्धि आ समझ हमरा सभक रक्षा करत आ सुरक्षित राखत।

1. विवेक के शक्ति: विवेक के उपयोग अपन रक्षा के लेल कोना कयल जाय

2. समझना: समझना अहां कें सुरक्षित रखनाय मे कोना मदद कयर सकय छै

43

1. भजन 19:7-9 - प्रभुक नियम सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ परिवर्तित करैत अछि: प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल केँ बुद्धिमान बना दैत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती सभक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

नीतिवचन 2:12 अहाँ केँ दुष् ट लोकक बाट सँ, भ्रष्ट बात बजनिहार सँ मुक्त करबाक लेल।

नीतिवचन 2:12 हमरा सभ केँ बुराईक बाट सँ मुक्ति भेटबाक लेल आओर विकृत बात बजनिहार लोक सभ सँ बचबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. दुष्टक प्रभावसँ बचब।

2. जीवन मे बुद्धिमानी सँ चुनाव करबाक महत्व।

1. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि, जे अन्हार केँ इजोतक बदला मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखि दैत अछि।

2. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ जे दुष्टक संग कदम मिला कए नहि चलैत अछि आ ने ओहि बाट पर ठाढ़ होइत अछि जे पापी सभ उपहास करयवला सभक संग मे जाइत अछि वा बैसैत अछि, मुदा जिनकर प्रसन्नता प्रभुक नियम मे होइत अछि।

नीतिवचन 2:13 जे सभ सोझताक बाट छोड़ि अन्हारक बाट पर चलैत छथि।

अंश मे ओहि लोकक गप्प कयल गेल अछि जे धर्म मार्ग छोड़ि अन्हारक बाट पर चलैत छथि |

1: हमरा सभकेँ धर्मक बाट नहि छोड़बाक चाही, अपितु प्रकाशक मार्ग पर दृढ़तापूर्वक रहबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ ओहि बाटसँ सावधान रहबाक चाही जे हम सभ चलैत छी, ई सुनिश्चित करबाक चाही जे ओ धर्मक बाट अछि आ अन्हारक बाट नहि।

1: यशायाह 5:20 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2: 1 पत्रुस 5:8 - सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत रहैत अछि आ ककरा खा सकैत अछि।

नीतिवचन 2:14 ओ सभ अधलाह काज करबा मे आनन्दित होइत छथि, आ दुष्टक फूहड़ता मे आनन्दित होइत छथि।

दुष्ट लोक अधलाह काज मे आनन्दित होइत अछि।

1. दुष्टता के प्रलोभन के प्रति जागरूक रहना

2. धर्म चुनू आ दुष्टता के अस्वीकार करू

1. भजन 37:27 - "बुराई सँ दूर भ' क' नीक काज करू; आ अनन्त काल धरि रहू।"

2. रोमियो 12:9 प्रेम पाखंड सँ रहित रहय। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू। जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू।

नीतिवचन 2:15 ओकर बाट टेढ़ अछि, आ ओ सभ अपन बाट मे खिसिया जाइत अछि।

1: भगवानक बाट सोझ आ सत्य अछि, तेँ सही बाट पर रहब सुनिश्चित करू।

2: [illegible]

1: [illegible] 40:3-5 - [illegible]

2: [illegible] 119:105 - [illegible]

[illegible] 2:16 [illegible]

[illegible] 2:16 [illegible]

1. [illegible]: [illegible] 2:16

2. [illegible]: [illegible] 2:16

1. [illegible] 1:14-15: [illegible] |

2. [illegible] 5:15-17: [illegible]

[illegible] 2:17 [illegible]

1. "[illegible]: [illegible]"[illegible]

2. "[illegible]: [illegible]"[illegible]

1. [illegible] 55:3 - "[illegible]"

2. [illegible] 4:8 - "[illegible]"

[illegible] 2:18 [illegible]

1: [illegible]

2: [illegible]

1: [illegible] 4:14-15 - "[illegible]"

2: रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन 2:19 जे कियो हुनका लग जाइत अछि से फेर नहि घुरि क’ आओत आ जीवनक बाट पर नहि पकड़ैत अछि।

नीतिवचन 2:19 जीवनक बाट सँ भटकि जेबाक चेतावनी दैत अछि, किएक त’ जे एहन करत से घुरि क’ नहि आओत।

1. "जहाँ जायब, सावधान रहू: नीतिवचन 2:19"।

2. "जीवनक मार्ग: नीतिवचन 2:19 सँ सीखब"।

1. मत्ती 7:13-14 - "संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण, विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि, आ ओहि मे सँ बहुतो लोक प्रवेश करैत अछि। मुदा फाटक छोट अछि आ जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि।" , आ किछुए गोटेकेँ भेटैत छनि।"

2. व्यवस्था 30:15-16 - "देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ जीवन, समृद्धि, मृत्यु आ विनाश राखि दैत छी। हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू, हुनकर आज्ञा मानैत रहू आ हुनकर आज्ञाक पालन करू। फरमान आ नियम, तखन अहाँ जीवित रहब आ बढ़ब, आ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ ओहि देश मे आशीर्वाद देथिन जाहि मे अहाँ अपन कब्जा मे आबि रहल छी।”

नीतिवचन 2:20 जाहि सँ अहाँ नीक लोकक बाट पर चलब आ धर्मी लोकक बाट पर चलब।

ई अंश व्यक्ति क॑ धर्मी केरऽ रास्ता पर चलै लेली आरू सही चुनाव करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. नीक लोकक बाट पर चलब - नीतिवचन 2:20

2. धर्मक जीवन जीब - नीतिवचन 2:20

1. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ आदमी जे दुष्टक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने उपहास करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि। मुदा प्रभुक नियम मे ओकर आनन्द होइत छैक आ ओकर व्यवस्था पर दिन-राति मनन करैत छैक।

2. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

नीतिवचन 2:21 कारण, सोझ लोक ओहि देश मे रहत आ सिद्ध लोक ओहि मे रहत।

धर्मात्मा के भूमि में सुरक्षित घर के पुरस्कार मिलतै।

1. धर्मपूर्वक जीला सँ सुरक्षा आ आशीर्वाद भेटैत अछि

2. सोझ जीवन जीबाक आशीर्वाद

1. भजन 37:29, धर्मी लोकनि एहि देशक उत्तराधिकारी बनताह आ ओहि पर अनन्त काल धरि रहताह।

2. 2 कोरिन्थी 5:17, तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि। बूढ़ सब गुजरि गेल अछि; देखू, नवका आबि गेल अछि।

नीतिवचन 2:22 मुदा दुष्ट सभ पृथ्वी सँ समाप्त भ’ जेताह, आ अपराधी सभ ओहि मे सँ उखाड़ि देल जेताह।

दुष्ट धरती स दूर भ जायत आ अपराधी के समाप्त भ जायत।

1. दुष्टताक परिणाम

2. धर्मक शक्ति

1. भजन 37:9-11 किएक तँ दुष् ट करऽ वला सभ केँ कटि देल जायत। मुदा जे प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, तकरा सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनत। किएक तँ कनेक काल मे दुष् ट लोक आब नहि रहत। सत्ते, अहाँ सभ हुनकर स्थान नीक जकाँ ताकब, मुदा आब ओ नहि रहत। मुदा नम्र लोक सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनताह आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित हेताह।

2. यशायाह 33:15-16 जे धार्मिक चलैत अछि आ सोझ बाजैत अछि, जे अत्याचारक लाभ केँ तुच्छ बुझैत अछि, जे हाथ सँ इशारा करैत अछि, घूस नहि दैत अछि, जे खून-खराबा सुनबा सँ कान रोकैत अछि आ बुराई देखबा सँ आँखि मुनि लैत अछि। ओ ऊँच पर रहताह; ओकर रक्षाक स्थान पाथरक किला होयत। रोटी देल जायत, ओकर पानि निश्चित होयत।

नीतिवचन अध्याय 3 में बुद्धिमान आरू धर्मी जीवन जीबै के लेलऽ व्यावहारिक सलाह आरू मार्गदर्शन देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में परमेश् वर पर भरोसा करला स॑ मिलै वाला आशीष पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय पाठक के बुद्धि आ समझ के पकड़य लेल प्रोत्साहित करैत अछि, ओकर मूल्य पर जोर दैत अछि। एहि मे निष्ठा आ दयालुता देखाबय के सलाह देल गेल अछि, जाहि सं भगवान आ लोक दुनू के अनुग्रह भेटैत अछि. ई प्रभु पर पूरा मन स॑ भरोसा करै के आग्रह करै छै आरू अपनऽ समझ प॑ भरोसा नै करै के आग्रह करै छै (नीतिवचन ३:१-८)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे अपन धन आ सम्पत्ति सँ भगवान् केर सम्मान करबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि, उदारता केँ प्रोत्साहित करब आ ई स्वीकार करब जे एहि सँ प्रचुरता भेटत। ई परमेश्वर के अनुशासन के तिरस्कार करै के खिलाफ चेतावनी दै छै आरू सुधार क हुनकऽ प्रेम के निशानी के रूप म॑ स्वीकार करै लेली प्रोत्साहित करै छै (नीतिवचन ३:९-१२)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय में बुद्धि के गुण के प्रशंसा करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में भौतिक धन स॑ भी अधिक मूल्यवान बतैलऽ गेलऽ छै । ई बुद्धि खोजै के फायदा पर जोर दै छै, जेकरा म॑ दीर्घायु, समृद्धि, सम्मान, मार्गदर्शन, सुख आरू सुरक्षा शामिल छै (नीतिवचन ३:१३-२६)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय मे कलह स बचैत दोसर के संग न्यायसंगत आ उदार व्यवहार करबाक सलाह देल गेल अछि। ईर्ष्या या दुष्ट लोगऽ के नकल करै के चेतावनी दै छै । ई आश्वस्त करै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी के शरण छै जे हुनका पर भरोसा करै छै लेकिन दुष्टऽ पर न्याय करै छै (नीतिवचन ३:२७-३५)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय तीन प्रस्तुत
धर्मी जीवन जीबाक लेल व्यावहारिक सलाह, २.
भगवान् पर भरोसा के माध्यम से प्राप्त आशीर्वाद पर प्रकाश डालते हुए |

बुद्धि के मूल्य के पहचान करैत ओकर पकड़ के संबंध में व्यक्त प्रोत्साहन पर जोर दैत | प्रभु पर पूर्ण विश्वास के साथ निष्ठा, दयालुता के संबंध में दिखाई गई सलाह के उल्लेख |
उदारता के माध्यम स भगवान के सम्मान के महत्व के संबंध में प्रस्तुत मान्यता व्यक्त करब जखन कि परिणामस्वरूप प्रचुरता के स्वीकार करब |
ईश्वरीय अनुशासन के तिरस्कार के खिलाफ व्यक्त सावधानी के स्वीकार के साथ-साथ सुधार के प्रेम के अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार करै के प्रोत्साहन।
दीर्घायु, समृद्धि, सम्मान, मार्गदर्शन सुख,और सुरक्षा जैसे संबद्ध लाभों पर प्रकाश डालते हुए बुद्धि के संबंध में जोर दिया गुणों का वर्णन |
दुष्ट व्यक्ति के ईर्ष्या या नकल के खिलाफ चेतावनी दै के साथ-साथ झगड़ा स॑ बचै के साथ-साथ दोसरऽ के साथ न्यायसंगत व्यवहार के सलाह देना ।
दुष्ट पर आसन्न न्याय के पहचान के साथ-साथ परमेश् वर द्वारा हुनका पर भरोसा करै वाला सिनी के आश्वासन देना शरण।

47

नीतिवचन 3:1 हमर बेटा, हमर व्यवस्था केँ नहि बिसरि जाउ। मुदा अहाँक मोन हमर आज्ञा सभक पालन करू।

हमरा सभ केँ परमेश् वरक नियम केँ नहि बिसरबाक चाही, आ ओकरा अपन हृदय मे राखबाक चाही।

1. परमेश् वरक आज्ञाक शक्ति: हुनकर इच्छाक संग अपन हृदय केँ तालमेल बैसाब।

2. प्रेमक नियम: अपन हृदय केँ परमेश् वरक नियमक अनुरूप राखब।

1. यूहन्ना 14:15 - जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करब तँ हमर आज्ञाक पालन करब।

2. व्यवस्था 6:5 - अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

नीतिवचन 3:2 कारण, ओ सभ अहाँ केँ दिन भरि, दीर्घ आयु आ शान्ति जोड़त।

ई अंश हमरा सब के दिन के लम्बाई, दीर्घ जीवन आ शांति के खोज करय लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. शांति के जीवन जीना: यीशु में आनन्द पाना

2. परमेश् वरक आशीर्वादक खोज: आज्ञापालनक फल

1. मत्ती 5:9 "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक सन् तान कहल जायत।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7 "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा द्वारा आ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष राखू। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ परे अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत।" आ अहाँ सभक मन मसीह यीशु मे राखू।”

नीतिवचन 3:3 दया आ सत्य अहाँ केँ नहि छोड़ि दियौक। अपन हृदयक मेज पर लिखू।

प्रेमपूर्ण दया आ सत्यता देखब नहि बिसरब; हुनका सब के अपन जीवन में प्राथमिकता बनाउ।

1: विश्वास आ आनन्दक जीवन जीबाक लेल प्रेम आ सत्य अनिवार्य अछि।

2: दयालु आ सच्चा रहू, भगवान अहाँक जीवन केँ आशीर्वाद देथिन।

1: इफिसियों 4:15 - प्रेम मे सत्य बजैत, हम सभ बढ़ि क’ हर तरहेँ ओकर परिपक्व शरीर बनि जायब जे माथ छथि, अर्थात मसीह।

2: यूहन्ना 15:13 - एहि सँ पैघ प्रेम केकरो नहि होइत छैक जे अपन मित्रक लेल अपन प्राण देब।

नीतिवचन 3:4 तेँ अहाँ परमेश् वर आ मनुष् यक नजरि मे अनुग्रह आ नीक समझ पाओत।

ई श्लोक हमरा सभ केँ परमेश् वर आ मनुखक नजरि मे अनुग्रह आ समझदारी ताकबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. "ईश्वर आ मनुष्यक दृष्टि मे अनुग्रह आ समझदारी ताकब"।

2. "अनुग्रह आ समझदारी के खोज के लाभ"।

1. यशायाह 66:2 - किएक तँ ओ सभ चीज हमर हाथ सँ बनौने छी आ ओ सभ किछु बनल अछि, प्रभु कहैत छथि, मुदा हम एहि आदमी दिस तकब, जे गरीब आ पश्चाताप करयवला आत्माक अछि आ ओकरा देखि काँपि रहल अछि हमर बात।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”
नीतिवचन 3:5 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ।
भगवान् पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू।
1. परमेश् वर पर भरोसा करबाक शक्ति - नीतिवचन 3:5
2. अपन समझ पर भरोसा करब - नीतिवचन 3:5
1. यिर्मयाह 17:5-10 प्रभु पर भरोसा करू, अपन समझ पर नहि
2. याकूब 1:5-7 परमेश् वर सँ बुद्धि माँगू आ हुनका पर भरोसा करू
नीतिवचन 3:6 अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करत।
हमरा सब के अपन सब निर्णय में भगवान के स्वीकार करबाक चाही, आ ओ हमर सबहक बाट के मार्गदर्शन में मदद करताह।
1. परमेश्वर के स्वीकार करला स मार्गदर्शन भेटैत अछि: नीतिवचन 3:6
2. परमेश् वरक आदर करय बला निर्णय कोना कयल जाय: नीतिवचन 3:6
1. यशायाह 30:21 - अहाँ दहिना दिस घुमि जाउ वा बामा दिस, अहाँक कान मे अहाँक पाछाँ एकटा आवाज सुनबा मे आओत जे ई बाट अछि। ओहि मे चलब।
2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।
नीतिवचन 3:7 अपन नजरि मे बुद्धिमान नहि बनू, प्रभु सँ डेराउ आ अधलाह सँ हटि जाउ।
अपना बारे मे बेसी ऊँच नहि सोचू आ ओकर बदला मे प्रभु सँ डेराउ आ बुराई सँ दूर रहू।
1. प्रभुक दृष्टि मे अपना केँ नम्र करबाक बुद्धि
2. बुराई स दूर रहब सच्चा बुद्धि के मार्ग अछि
1. याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब 14 तइयो अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । 15 बल् कि अहाँ सभ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ काज करब।”
2. भजन 34:14 - अधलाह सँ मुँह मोड़ू आ नीक काज करू; शांति खोजू आ ओकर पाछाँ लागू। नीतिवचन 3:8 ई अहाँक नाभिक स्वास्थ्य होयत, आ हड्डीक मज्जा।
ई श्लोक हमरा सब क॑ प्रभु आरू हुनकऽ बुद्धि प॑ भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ई शारीरिक आरू आध्यात्मिक स्वास्थ्य के तरफ ले जैतै ।
1. "प्रभु पर भरोसा करब: स्वास्थ्य आ सुखक मार्ग"।
2. "फकड़ाक बुद्धि मे बल आ आराम भेटब"।
1. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जिनकर भरोसा हुनका पर अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ होयत जे अपन जड़ि केँ धारक कात मे पठा दैत अछि।"
49

2. भजन 1:1-2 - "धन्य अछि ओ जे दुष्टक संग कदम मिला कए नहि चलैत अछि आ ने ओहि बाट पर ठाढ़ रहैत अछि जे पापी सभ केँ चलैत अछि वा उपहास करयवला सभक संग मे बैसैत अछि, मुदा जकरा प्रभुक नियम मे प्रसन्नता होइत अछि। आ जे दिन-राति अपन नियमक मनन करैत अछि।”

नीतिवचन 3:9 अपन सम्पत्ति आ अपन सभ उपजाक पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू।

अपन धन स उदारता स दान क भगवान क सम्मान करू।

1: उदारता विश्वासक निशानी अछि।

2: देब एकटा पूजा-अर्चना थिक।

1: 2 कोरिन्थी 9:7 - प्रत्येक केँ ओहिना देबाक चाही जेना ओ अपन हृदय मे निर्णय कएने अछि, अनिच्छा सँ वा मजबूरी मे नहि, कारण परमेश् वर एकटा हँसमुख दान करयवला सँ प्रेम करैत छथि।

2: व्यवस्था 15:10 - अहाँ ओकरा मुफ्त मे देब, आ जखन अहाँ ओकरा देब तखन अहाँक मोन मे कोनो आक्रोश नहि होयत, किएक त’ एहि लेल अहाँक परमेश् वर अहाँ सभक सभ काज मे आ अहाँक सभ काज मे आशीर्वाद देथिन।

नीतिवचन 3:10 तहिना तोहर कोठी सभ भरि भरि जायत आ तोहर कोठी सभ नव मदिरा सँ फटि जायत।

परमेश् वरक आशीर्वादक परिणाम प्रचुरता होयत।

1. "आज्ञाकारिता के माध्यम स प्रचुरता"।

2. "निष्ठा के फल"।

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

नीतिवचन 3:11 हमर बेटा, परमेश् वरक दंड केँ तिरस्कृत नहि करू। आ ने ओकर सुधार सँ थाकि जाउ।

भगवान् के अनुशासन आ सुधार के तिरस्कार या अवहेलना नै करबाक चाही।

1. दण्डक आवश्यकता: भगवान हमरा सभकेँ किएक अनुशासित करैत छथि

2. सुधारक आशीर्वाद: भगवानक अनुशासन कोना प्राप्त कयल जाय

1. इब्रानियों 12:5-11

2. याकूब 1:2-4

नीतिवचन 3:12 जकरा परमेश् वर प्रेम करैत छथि, ओ सुधारैत छथि। जेना पिता ओ पुत्र जकरा मे ओ प्रसन्न होइत अछि।

प्रभु जेकरा सुधारै छै, ओकरा सिनी सें प्रेम करै छै, जेना कि पिता अपनऽ प्रिय बेटा के सुधारै छै।

1: भगवान् के प्रेम अनुशासन के माध्यम स व्यक्त होइत अछि।

2: पिता-पुत्रक संबंध परमेश्वरक संग हमर सभक संबंधक लेल एकटा आदर्श अछि।

1: इब्रानी 12:5-11 "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटा सभक रूप मे सम्बोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु जकरा प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि।" , आ जकरा ओ पुत्र ग्रहण करैत अछि तकरा दंडित करैत अछि।

2: याकूब 1:12-18 धन्य अछि ओ आदमी जे परीक्षा मे अडिग रहत, कारण जखन ओ परीक्षा मे ठाढ़ रहत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि। जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वरक परीक्षा मे पड़ि रहल छी, किएक तँ परमेश् वर केँ अधलाह परीक्षा नहि देल जा सकैत अछि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा मे नहि दैत छथि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित होइत अछि । तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि | हमर प्रिय भाइ लोकनि धोखा नहि खाउ।

नीतिवचन 3:13 धन्य अछि जे बुद्धि भेटैत अछि आ जे बुद्धि भेटैत अछि।

बुद्धि आ समझ भेटला स सच्चा सुख भेटैत अछि।

१: सच्चा सुख के स्रोत

2: बुद्धि आ समझ के विकास

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: भजन 119:98-100 - "अहाँ अपन आज्ञा सभक द्वारा हमरा हमर शत्रु सभ सँ बेसी बुद्धिमान बना देलहुँ। किएक तँ ओ सभ सदिखन हमरा संग रहैत अछि। हमर सभ गुरु सभ सँ बेसी बुद्धि अछि। किएक तँ अहाँक गवाही हमर ध्यान अछि। हम एहि बात सँ बेसी बुझैत छी।" प्राचीन लोकनि, कारण हम अहाँक उपदेशक पालन करैत छी।”

नीतिवचन 3:14 किएक तँ चानीक वस्तुसँ ओकर माल आ ओकर लाभ महीन सोनासँ नीक अछि।

बुद्धि सँ प्राप्त लाभ कीमती धातु सँ बेसी मूल्यवान होइत छैक ।

1: बुद्धि के मूल्य

2: बुद्धि मे निवेश करब

1: याकूब 1:5-8 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: भजन 111:10 - प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक, हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक समझ छनि, हुनकर स्तुति अनन्त काल धरि रहैत छनि।

नीतिवचन 3:15 ओ माणिक सँ बेसी कीमती अछि, आ जे किछु अहाँ चाहैत छी से हुनका सँ तुलना नहि कयल जा सकैत अछि।

बुद्धि अमूल्य अछि आ कोनो पार्थिव निधि सँ बेसी ओकर खोज करबाक चाही।

1. बुद्धिक खोजक मूल्य

2. माणिकसँ बेसी कीमती: बुद्धिकेँ किएक अनमोल राखल जेबाक चाही

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 2:1-6 - "हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन केँ ग्रहण करैत छी आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग राखि दैत छी, अपन कान केँ बुद्धि दिस बढ़बैत छी आ अपन मोन केँ बुझबाक दिस झुकाबैत छी; बुझबाक लेल आवाज, जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब, तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।"

नीतिवचन 3:16 ओकर दहिना हाथ मे दिनक लम्बाई छैक। आ बामा हाथ मे धन-दौलत आ इज्जत।

नीतिवचन 3:16 सिखाबैत अछि जे परमेश् वरक बाट सभक आज्ञाकारी रहला सँ दीर्घायु आ समृद्धि भेटैत अछि।

1. दीर्घायु आ समृद्धिक भगवानक प्रतिज्ञा

2. धर्मक फल काटब

1. 1 यूहन्ना 5:3 - "परमेश् वरक प्रेम ई अछि जे हम सभ हुनकर आज्ञा सभक पालन करी। आ हुनकर आज्ञा सभ दुखद नहि अछि।"

2. याकूब 1:22-25 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ देखनिहारक समान अछि।" काँच मे ओकर स्वाभाविक चेहरा: किएक तँ ओ अपना केँ देखैत अछि आ अपन बाट पर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन मनुक्ख छल काज करनिहार, ई आदमी अपन काज मे धन्य होयत।"

नीतिवचन 3:17 ओकर बाट सुखद बाट अछि, आ ओकर सभ बाट शान्ति अछि।

प्रभु के अनुसरण के मार्ग शान्ति आ सुखदायकता दैत अछि |

1. प्रभुक मार्ग शान्तिपूर्ण आ सुखद अछि

2. प्रभुक पालन करबा मे आराम आ आनन्द भेटब

1. फिलिप्पियों 4:7 - परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. यशायाह 26:3 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मोन अहाँ पर रहैत अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।

नीतिवचन 3:18 जे ओकरा पकड़ने अछि, ओकरा लेल ओ जीवनक गाछ अछि, आ जे ओकरा पकड़ने अछि, से सभ धन्य अछि।

ई अंश बुद्धि स॑ चिपकलऽ लोगऽ क॑ मिलै वाला आशीर्वाद के बात करै छै ।

1: बुद्धि ताकू आ आशीर्वाद ताकू

2: देखू जीवनक गाछ

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: नीतिवचन 8:12 - "हम बुद्धि विवेकक संग रहैत छी, आ चुटीला आविष्कारक ज्ञान करैत छी।"

नीतिवचन 3:19 प्रभु बुद्धि सँ पृथ्वीक नींव बनौलनि। बुद्धि सँ ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि।

प्रभु बुद्धि आरू समझ के प्रयोग करी क॑ आकाश आरू पृथ्वी के निर्माण करलकै ।

1. "बुद्धि आ समझक शक्ति"।

2. "भगवानक बुद्धि आ समझक प्रयोग"।

1. भजन 104:24 - "हे प्रभु, तोहर काज कतेक तरहक अछि! अहाँ ओकरा सभ केँ बुद्धि सँ बनौने छी।
धरती तोहर धन सँ भरल अछि।"

2. अय्यूब 12:13 - "ओकरा संग बुद्धि आ सामर्थ्य अछि, हुनका मे सलाह आ समझ छनि।"

नीतिवचन 3:20 हुनकर ज्ञान सँ गहराई टूटि जाइत अछि आ मेघ ओस खसा दैत अछि।

नीतिवचन 3:20 मे कहल गेल अछि जे परमेश् वरक ज्ञानक द्वारा पृथ्वीक गहराई टूटि जाइत अछि आ मेघ ओस खसा दैत अछि।

1. "भगवानक ज्ञानक शक्ति"।

2. "भगवानक बुद्धिक आशीर्वाद"।

1. अय्यूब 28:11 ओ बाढ़ि केँ उमड़बा सँ बान्हि दैत छथि। जे चीज नुकायल अछि से ओकरा इजोत मे अनैत अछि।

2. भजन 66:6 ओ समुद्र केँ शुष्क भूमि मे बदलि देलनि, ओ सभ पैदले बाढ़ि मे गेलाह, ओतहि हम सभ हुनका पर आनन्दित भेलहुँ।

नीतिवचन 3:21 हमर बेटा, ओ सभ अहाँक आँखि सँ नहि हटय।

हमरा सभ केँ बुद्धिमान सलाह आ सुदृढ़ निर्णय केँ अपन हृदयक नजदीक राखबाक चाही।

1. बुद्धिमान सलाहक मूल्य - नीतिवचन 3:21

2. विवेक केँ अपन हृदयक नजदीक राखब - नीतिवचन 3:21

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. उपदेशक 7:19 - बुद्धि नगर मे रहनिहार दस पराक्रमी सँ बेसी बुद्धिमान केँ मजबूत करैत अछि।

नीतिवचन 3:22 तहिना ओ सभ अहाँक प्राणक लेल जीवन होयत आ अहाँक गर्दन पर अनुग्रह होयत।

ई श्लोक हमरा सिनी कॅ परमेश्वर पर भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू हमरा सिनी लेली जे आशीष दै छै, ओकरा प्राप्त करै छै, जे हमरा सिनी कॅ जीवन आरू अनुग्रह दै छै।

1. प्रभु पर भरोसा: भगवान् के आज्ञापालन के लाभ

2. भगवानक कृपा: प्रभुक आशीर्वाद प्राप्त करू

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि।

2. रोमियो 5:1-2 - तेँ जखन हम सभ विश्वासक द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति अछि, जिनका द्वारा हम सभ विश् वास द्वारा एहि अनुग्रह मे पहुँचि सकलहुँ जाहि मे हम सभ एखन ठाढ़ छी। आ हम सभ परमेश् वरक महिमाक आशा मे घमंड करैत छी।

नीतिवचन 3:23 तखन अहाँ अपन बाट पर सुरक्षित चलब, आ अहाँक पैर ठोकर नहि खाएत।

नीतिवचन के ई श्लोक हमरा सिनी कॅ परमेश्वर पर भरोसा करै लेली आरू हुनको रास्ता पर चलै लेली प्रोत्साहित करै छै ताकि हम्में सुरक्षित आरू बिना ठोकर खाय के चलै सकै छियै।

1. "भगवानक मार्ग पर भरोसा करब सीखब"।
2. "सुरक्षित यात्रा के लेल भगवान के प्रावधान"।
1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ पाँखि ल' क' गरुड़ जकाँ चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"
2. भजन 91:11-12 - "किएक तँ ओ अपन स् वर्गदूत सभ केँ अहाँक सभ बाट मे राखबाक आज्ञा देत। ओ सभ अहाँ केँ अपन हाथ मे उठा लेत, जाहि सँ अहाँ अपन पैर पाथर पर नहि ठोकि देब।"
नीतिवचन 3:24 जखन अहाँ लेटब तखन अहाँ डरब नहि, हँ, अहाँ पड़ल रहब आ अहाँक नींद मधुर होयत। नीतिवचन 3:24 हमरा सभ केँ डर सँ मुक्त रहबाक लेल आ मीठ नींदक अनुभव करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
1. डरब नहि, शांति सँ सुतब - नीतिवचन 3:24
2. प्रभुक आराम मे आराम करब - नीतिवचन 3:24
1. यशायाह 40:29-31 (ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि)
2. मत्ती 11:28-30 (हे सब मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आऊ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब) नीतिवचन 3:25 अचानक भय सँ नहि डेराउ आ ने दुष्टक उजाड़ सँ जखन ओ आओत।
अचानक भय सँ नहि डेराउ, बल्कि दुष्टताक सामना करैत परमेश् वर पर भरोसा करू।
1. विपत्तिक समय मे प्रभु पर भरोसा
2. प्रभु पर भरोसा के साथ भय पर काबू पाना
1. भजन 56:3-4 "जखन हम डरैत छी तखन हम अहाँ पर भरोसा करैत छी। हम परमेश् वर पर, जिनकर वचनक प्रशंसा करैत छी, परमेश् वर पर हम भरोसा करैत छी; हम नहि डरब।"
2. यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"
नीतिवचन 3:26 किएक तँ परमेश् वर अहाँक भरोसा बनौताह आ अहाँक पएर पकड़बा सँ रोकताह। नीतिवचन 3:26 हमरा सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक लेल आ सुरक्षाक लेल हुनका पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
1. "प्रभु हमर विश्वास छथि: भगवान् पर भरोसा करब सीखब"।
2. "भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा: कठिन समय मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब"।
1. फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"
2. भजन 91:9-10 - "किएक तँ अहाँ प्रभु केँ अपन निवास परमात्मा बना देलहुँ, जे हमर शरण छथि, अहाँ पर कोनो अधलाह नहि होमय देल जायत।"
नीतिवचन 3:27 जखन अहाँक हाथ मे ई काज करबाक अछि, हुनका सभ सँ नीक नहि रोकू।
जे नीक के हकदार छथि हुनका स नीक नहि रोकू जखन कि ई अहाँक सामर्थ्य मे अछि।

1: भगवान् हमरा सभ केँ बजबैत छथि जे हमरा सभ लग जे किछु अछि ओकर नीक भण्डारी बनू आ ओकर उपयोग दोसरक लाभ मे करू।

2: हमरा सभकेँ उदार रहबाक चाही आ ओहि नीक काजकेँ बाँटि देबाक चाही जे भगवान हमरा सभकेँ आशीर्वाद देने छथि, जाहिसँ दोसरोकेँ लाभ भेटय।

1: लूका 6:38 - दिअ, तखन अहाँ केँ देल जायत। नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल, दौड़ैत, अहाँक गोदी मे राखल जायत। कारण जे नाप अहाँ प्रयोग करब ताहि सँ ओ अहाँ केँ वापस नापल जायत।

2: गलाती 6:9-10 - नीक काज करबा सँ नहि थाकि जायब, कारण, जँ हम सभ हार नहि मानब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब। तखन जखन अवसर भेटैत अछि, आउ, सभक लेल, आ खास क' जे विश्वासक घरक लोक सभक संग भलाई करी।

नीतिवचन 3:28 अपन पड़ोसी केँ ई नहि कहब जे, जाउ, फेर आबि जाउ, आ काल्हि हम देब। जखन तोरा लग अछि।

कोनो एहन वादा नहि करू जकरा अहाँ नहि दऽ सकब।

1. अपन वचन के पालन करबाक शक्ति

2. ईमानदार रहबाक मूल्य

1. भजन 15:4 - "जेकर नजरि मे नीच व्यक्ति केँ तिरस्कृत कयल जाइत छैक, मुदा जे प्रभु सँ भयभीत करयवला केँ आदर करैत अछि; जे अपन आहत करबाक शपथ लैत अछि आ नहि बदलैत अछि।"

2. याकूब 5:12 - "मुदा हमर भाइ लोकनि, सभ सँ बेसी, स्वर्ग वा पृथ्वी वा कोनो आन शपथक शपथ नहि करू, बल् कि अहाँ सभक हाँ हाँ आ नहि हो, जाहि सँ अहाँ सभ एहि मे नहि पड़ब।" निंदा करब।"

नीतिवचन 3:29 अपन पड़ोसीक विरुद्ध अधलाह नहि सोचू, किएक तँ ओ अहाँक लग सुरक्षित रहैत अछि।

अपन पड़ोसी के खिलाफ कोनो नुकसान के योजना नहि बनाउ, कारण ओ सभ अहाँ पर भरोसा करैत छथि।

1: हमरा सभकेँ मोन राखब जे पड़ोसीक संग सम्मानपूर्वक व्यवहार करी, कारण हमरा सभक जिम्मेदारी अछि जे एक-दोसरकेँ देखब।

2: हमरा सब पर भरोसा करय वाला के कहियो फायदा नै उठाबय के चाही, कियाक त हमर सबहक काज हमर चरित्र के प्रतिबिंबित करैत अछि।

1: मत्ती 5:43-44 "अहाँ सभ सुनलहुँ जे ई कहल गेल छल जे, 'अहाँ अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू आ अपन शत्रु सँ घृणा करू।' मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

2: रोमियो 13:10 प्रेम पड़ोसी पर कोनो गलती नहि करैत अछि, तेँ प्रेम व्यवस्थाक पूर्ति अछि।

नीतिवचन 3:30 जँ मनुष्य अहाँक कोनो अधलाह नहि केलक तँ ओकरा संग बेवजह झगड़ा नहि करू।

जाबे तक ककरो स झगड़ा नहि उठाउ जाबे तक ओ कोनो एहन काज नै केने हो जे ओकर हकदार नै हो।

1. क्षमा करब आ बिसरिब सीखू।

2. अपन निर्णय पर क्रोध केँ राज नहि होमय दियौक।

55

1. मत्ती 5:38-39 अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे दुष्टक विरोध नहि करू। मुदा जँ केओ अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत तँ दोसर गाल सेहो ओकरा दिस घुमाउ।

2. इफिसियों 4:31-32 अहाँ सभ सँ सभ कटुता, क्रोध, क्रोध, हल्ला आ निन्दा आओर सभ दुर्भावना केँ दूर कयल जाय। एक-दोसर पर दयालु, कोमल हृदय आ एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना मसीह मे परमेश् वर अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।

नीतिवचन 3:31 अत्याचारी सँ ईर्ष्या नहि करू आ ओकर कोनो बाट नहि चुनू।

हमरा सभ केँ ओहि सँ ईर्ष्या नहि करबाक चाही जे अत्याचार करैत अछि आ ओकर बाट पर चलब नहि चुनबाक चाही।

1. ईर्ष्याक खतरा - हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे दोसर पर अन्याय वा अत्याचार करयवला लोकसँ ईर्ष्या नहि हो।

2. मार्गक चयन - अत्याचार करयवला के पदचिन्ह पर चलय के बजाय दया आ न्याय के मार्ग चुनबाक चाही।

1. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराईक बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे जे उदात्त अछि, ताहि पर विचार करू।

2. मत्ती 5:38-48 - अपन दुश्मन सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

नीतिवचन 3:32 किएक तँ कनखी परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा ओकर रहस्य धर्मी लोकक संग अछि।

प्रभु विकृत लोक सँ घृणा करैत छथि, मुदा धर्मात्मा केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि |

1. धर्मी लोकनि परमेश् वरक सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करैत छथि

2. विकृत रहबाक खतरा

1. इब्रानी 5:14 - मुदा ठोस भोजन परिपक्व लोकक लेल अछि, जे निरंतर उपयोग सँ नीक आ अधलाह मे भेद करबाक लेल अपना केँ प्रशिक्षित क' लेने छथि।

2. याकूब 3:17 - मुदा जे बुद्धि स् वर्ग सँ अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |

नीतिवचन 3:33 परमेश् वरक अभिशाप दुष्टक घर मे अछि, मुदा ओ धर्मी लोकक निवास केँ आशीर्वाद दैत छथि।

परमेश् वर दुष्टक घर केँ गारि पढ़ैत छथि मुदा धर्मी सभक घर केँ आशीर्वाद दैत छथि।

1. परमेश् वरक नियमक पालन करबाक आशीर्वाद

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञा नहि मानबाक खतरा

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

नीतिवचन 3:34 ओ तिरस्कृत करयवला केँ तिरस्कार करैत अछि, मुदा नीच लोक पर कृपा करैत अछि।

56

भगवान् अहंकारी के प्रति तिरस्कार के प्रदर्शन करतें हुवें विनम्र लोगऽ पर अनुग्रह करै छै ।

1. विनम्रता आशीर्वाद दैत अछि: नीचताक जीवन जीब

2. घमंड गिरबासँ पहिने अबैत अछि: अहंकारक खतरा

1. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”

2. लूका 14:11 - कारण जे कियो अपना केँ ऊपर उठबैत अछि, ओ विनम्र होयत, आ जे अपना केँ नम्र करैत अछि, से ऊँच कयल जायत।

नीतिवचन 3:35 बुद्धिमान केँ महिमा भेटतैक, मुदा लाज मूर्ख सभक प्रचार होयत।

ज्ञानी के प्रशंसा आ सम्मान होयत, मुदा मूर्खता के कारण बेइज्जती आ बेइज्जती होयत।

1. बुद्धिक फल - नीतिवचन 3:35

2. मूर्खता के परिणाम - नीतिवचन 3:35

1. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

2. नीतिवचन 13:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

नीतिवचन अध्याय 4 मे बुद्धि आ समझ के महत्व पर जोर देल गेल अछि, पाठक के आग्रह कयल गेल अछि जे ओ एकटा बुद्धिमान पिता के शिक्षा के सुनय आ अपनाबय।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा पिता के बेटा के निर्देश स होइत अछि, जाहि में हुनका ध्यान स सुनबाक आ अपन बात के पकड़य लेल आग्रह कयल गेल अछि। पिता बुद्धि प्रदान करै छै, ओकरऽ मूल्य पर प्रकाश डालै छै आरू अपनऽ बेटा क॑ समझ प्राप्त करै के प्राथमिकता दै लेली प्रोत्साहित करै छै (नीतिवचन ४:१-९)।

2nd Paragraph: अध्याय में धर्म के मार्ग पर जोर देल गेल अछि आ दुष्ट के रास्ता पर चलय के चेतावनी देल गेल अछि | एहि मे दुष्ट प्रभाव सँ बचबाक आ बुद्धिक पाछाँ लगन सँ करबाक सलाह देल गेल अछि | ई अपनऽ दिल के रक्षा करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ई जीवन के मार्ग निर्धारित करै छै (नीतिवचन ४:१०-२७)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय चार प्रस्तुत
एकटा बुद्धिमान पिता सँ निर्देश, .
सुनबाक महत्व पर प्रकाश दैत, बुद्धि केँ आत्मसात करबाक, आ धर्मक मार्ग चुनबाक |

एकटा पिता द्वारा ध्यानपूर्वक सुनबाक संबंध मे देल गेल निर्देश पर जोर देब आ संगहि अपन बात केँ पकड़बाक लेल प्रोत्साहन सेहो।
समझ के खोज पर जोर दैत बुद्धि पर राखल गेल मूल्य के संबंध में देखाओल गेल मान्यता के उल्लेख करब |
दुष्ट प्रभाव स॑ बचै लेली देलऽ गेलऽ सलाह के साथ-साथ दुष्ट तरीका के पालन करै के खिलाफ पेश करलऽ गेलऽ चेतावनी व्यक्त करना ।
जीवन के प्रक्षेपवक्र के आकार दै के साथ-साथ अपनऽ दिल के पहरा पर रखलऽ गेलऽ महत्व के उजागर करतें हुअ॑ बुद्धि के लगन स॑ खोज करै क॑ प्रोत्साहित करना ।

नीतिवचन 4:1 हे बच्चा सभ, पिताक शिक्षा सुनू, आ बुझबाक लेल ध्यान दियौक।

माता-पिता कें अपन बच्चाक कें उदाहरण द क सिखावाक चाही आ ओकरा बुद्धिमानी कें निर्देश देबाक चाही।

1. माता-पिता के मार्गदर्शन के शक्ति

2. अपन बच्चा सभकेँ बुद्धिक पालन करब सिखाब

1. नीतिवचन 22:6 बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जाहि पर ओ जेबाक चाही।

2. इफिसियों 6:4 हे पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक पालन-पोषण आ उपदेश मे ओकरा सभ केँ पालन-पोषण करू।

नीतिवचन 4:2 हम अहाँ सभ केँ नीक शिक्षा दैत छी, हमर व्यवस्था केँ नहि छोड़ू।

नीतिवचन 4:2 हमरा सभ केँ बुद्धिमान शिक्षा केँ सुनबाक आ ओकर पालन करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ परमेश्वरक व्यवस्था केँ नहि छोड़बाक लेल।

1. परमेश् वरक नियम केँ आत्मसात करबाक बुद्धि

2. नीक सिद्धांतक पालन करबाक लाभ

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. मत्ती 5:17-19, "ई नहि सोचू जे हम व्यवस्था वा भविष्यवक्ता सभ केँ समाप्त करबाक लेल आयल छी; हम ओकरा सभ केँ समाप्त करबाक लेल नहि आयल छी, बल्कि ओकरा पूरा करबाक लेल आयल छी। कारण, हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि स् वर्ग आ पृथ् वी नहि भऽ जायत।" दूर, एक आयोटा, एक बिन्दु नहि, व्यवस्था सँ गुजरत जा धरि सब किछु पूरा नहि भ' जायत, तेँ जे एहि मे सँ एकटा छोट आज्ञा केँ शिथिल करत आ दोसरो केँ सेहो एहने करबाक सिखाओत, ओकरा स्वर्गक राज्य मे कम कहल जायत, मुदा जे करत ओकरा सभ केँ आ सिखाबैत छैक जे स् वर्गक राज् य मे महान कहल जायत।”

नीतिवचन 4:3 हम अपन पिताक बेटा छलहुँ, कोमल आ मायक दृष्टि मे एकमात्र प्रिय छलहुँ।

नीतिवचन 4:3 एकटा पिता आ बेटाक बीच एकटा विशेष संबंधक बात करैत अछि, आओर कोना बेटा केँ अपन माय द्वारा कोमलता सँ प्रिय कयल जाइत अछि।

1. पिता-पुत्रक संबंध: एकटा विशेष बंधन

2. माँ-पुत्रक बीचक प्रेमक उत्सव मनाबय

1. व्यवस्था 6:4-7: "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई वचन सभ।" आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।’ अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ ओकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, आ बाट मे चलब, आ जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब.

2. मत्ती 7:11: "तखन अहाँ सभ, जे दुष्ट छी, अहाँ सभ अपन संतान सभ केँ नीक वरदान देबऽ जनैत छी तँ अहाँ सभक पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनका सभ केँ कतेक बेसी नीक चीज देथिन जे हुनका सँ माँगैत छथि!"

नीतिवचन 4:4 ओ हमरा सेहो सिखबैत कहलनि, “अपन हृदय हमर बात केँ बरकरार राखू।

नीतिवचन 4:4 के बुद्धि हमरा सब के सार्थक जीवन जीबै के लेल परमेश्वर के वचन आरू आज्ञा के पालन करै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. "आज्ञाकारिता के जीवन जीना"।
58

2. "भगवानक वचन केँ अपन हृदय मे राखब"।

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।
तखन अहाँ परमेश् वरक इच्छा जे हुनकर नीक, प्रसन्नता आ सिद्ध इच्छा अछि, तकरा परखबा आ अनुमोदन करबा मे सक्षम होयब।" " .

2. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब।"

नीतिवचन 4:5 बुद्धि प्राप्त करू, बुझू, ओकरा नहि बिसरि जाउ। ने हमर मुँहक बातसँ ह्रास।

बुद्धि आ समझ मूल्यवान वस्तु अछि जकरा बिसरल वा नजरअंदाज नहि करबाक चाही।

1: बुद्धि अनमोल रत्न आ समझ हीरा जकाँ होइत छैक। हमरा सभकेँ हुनका सभकेँ ताकबाक चाही आ कहियो नहि छोड़बाक चाही।

2: जीवन मे प्रगति करबाक लेल बुद्धि आ समझ के महत्व देबय के सीखय पड़त आ ओकरा कहियो नहि बिसरब।

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो अपमानित उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: कुलुस्सी 3:16 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत रहू, परमेश् वरक हृदय मे धन्यवादक संग।"

नीतिवचन 4:6 ओकरा नहि छोड़ू, आ ओ अहाँक रक्षा करत, ओकरा सँ प्रेम करू आ ओ अहाँक रक्षा करत।

ई अंश हमरा सब क॑ बुद्धि क॑ रखै आरू प्रेम करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ई हमरऽ सुरक्षा आरू संरक्षण के स्रोत होतै ।

1. प्रेमक शक्ति: बुद्धिक प्रति प्रेम हमरा सभक रक्षा आ संरक्षण कोना क' सकैत अछि

2. बुद्धि रक्षा थिक: अपना केँ ढाल बनेबाक लेल बुद्धि केँ आत्मसात करू

1. भजन 19:7-11 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 1:18-25 - किएक तँ क्रूसक वचन नाश भऽ रहल सभक लेल मूर्खता अछि, मुदा हमरा सभ जे उद्धार पाबि रहल छी, ओकरा लेल ई परमेश् वरक सामर्थ् य अछि।

नीतिवचन 4:7 बुद्धि प्रमुख बात अछि; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।

बुद्धि के प्राथमिकता देल जाय आ समझ के संग जोड़ल जाय।

1: जीवन मे बुद्धि आ समझ प्राप्त करबा पर ध्यान दियौ।

2: बुद्धि आ समझ के कोना प्राथमिकता देल जाय से सीखू।

1: याकूब 1:5-8 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

नीतिवचन 4:8 ओकरा ऊपर उठाउ, आ ओ तोरा बढ़ाओत, जखन अहाँ ओकरा गला लगा लेब तखन ओ तोरा आदर करत।

ई श्लोक हमरा सब के बुद्धि के सम्मान करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ई हमरा सब के सफलता आरू सम्मान के तरफ ले जैतै ।
1. बुद्धिक शक्ति: सफलता आ सम्मान कोना प्राप्त कयल जाय
2. बुद्धि केँ आत्मसात करब: सच्चा पूर्तिक मार्ग
1. याकूब 1:5-6 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।
2. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू।
नीतिवचन 4:9 ओ अहाँक माथ पर अनुग्रहक आभूषण देतीह, अहाँ केँ महिमाक मुकुट देतीह।
प्रभु अपन पाछाँ चलनिहार केँ आदर आ महिमा प्रदान करताह।
1. प्रभु हमर महिमा के मुकुट छथि
2. प्रभु के आदर करला स हमरा सब के सम्मान भेटैत अछि
1. यशायाह 62:3 - "अहाँ प्रभुक हाथ मे महिमा के मुकुट सेहो बनब आ अपन परमेश् वरक हाथ मे राजकी मुकुट सेहो बनब।"
2. भजन 8:5 - "तइयो अहाँ ओकरा स्वर्गीय प्राणी सँ कनेक नीचाँ बना देलियैक आ ओकरा महिमा आ सम्मानक मुकुट पहिरा देलियैक।"
नीतिवचन 4:10 हे हमर बेटा, सुनू, आ हमर बात ग्रहण करू। अहाँक जीवनक वर्ष बहुतो होयत।” दीर्घ आ समृद्ध जीवन जीबाक लेल बुद्धिमान सलाह पर ध्यान देबाक महत्व।
1. बुद्धिमान सलाह पर ध्यान देबाक आशीर्वाद
2. सलाह सुनबाक मूल्य
1. भजन 19:7-11
2. नीतिवचन 1:5-7
नीतिवचन 4:11 हम अहाँ केँ बुद्धिक मार्ग मे सिखबैत छी। हम अहाँकेँ सही बाट पर लऽ गेलहुँ। भगवान् हमरा सभ केँ बुद्धिक बाट सिखाबैत छथि आ सही बाट पर मार्गदर्शन करैत छथि।
1. बुद्धिक मार्ग: ईश्वरीय जीवन कोना जीबी
2. परमेश् वरक मार्ग पर चलब: आज्ञापालनक लाभ
1. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।
2. भजन 23:3 ओ हमरा अपन नामक लेल धार्मिकताक बाट पर मार्गदर्शन करैत छथि।
नीतिवचन 4:12 जखन अहाँ जायब तखन अहाँक डेग संकुचित नहि होयत। जखन दौड़ब तखन ठोकर नहि खाएब।
ई अंश हमरा सब क॑ जीवन केरऽ चुनौती क॑ बिना कोनो डर या संकोच के सामना करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. अपना पर विश्वास करू आ सही मार्ग खुलत

2. जीवन केँ साहस आ आत्मविश्वास सँ ग्रहण करू

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. फिलिप्पियों 4:13 - जे हमरा मजबूत करैत अछि, हम सभ किछु क’ सकैत छी।

नीतिवचन 4:13 शिक्षा केँ जोर सँ पकड़ू। ओकरा नहि जाय दियौक: ओकरा राखू। किएक तँ ओ अहाँक प्राण छथि।

ई अंश हमरा सब क॑ निर्देश क॑ कस क॑ पकड़ै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ई जीवन प्रदान करै छै ।

1. शिक्षाक जीवनदायी शक्ति

2. निर्देशक पालन करबाक लाभ

1. व्यवस्था 6:6-9 - "आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, से अहाँक हृदय मे रहत: आ अहाँ ओकरा सभ केँ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ सिखाबह, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब तखन हुनका सभक गप्प करब जखन अहाँ बाट मे चलब, जखन अहाँ लेटब आ जखन उठब तखन अहाँ ओकरा सभ केँ अपन हाथ पर चिन्हक रूप मे बान्हि देब, आ ओ सभ अहाँक आँखिक बीचक मोर्चा जकाँ होयत तोहर घर आ तोहर फाटक पर।

2. नीतिवचन 2:1-5 - "हे हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करब आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग नुका देब; जाहि सँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाबी, आ अपन मोन केँ बुद्धि मे लगाबी। हँ, जँ अहाँ ज्ञानक लेल कानब।" , आ बुझबाक लेल अपन आवाज उठाउ, जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ ताकब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब, तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।”

नीतिवचन 4:14 दुष्टक बाट मे नहि जाउ, आ दुष्ट लोकक बाट पर नहि जाउ।

दुष्टता आ अधलाहक बाट पर नहि भटकब।

1: अपन बाट पर अडिग रहू - नीतिवचन 4:14

2: धर्मक मार्ग - नीतिवचन 4:14

1: इफिसियों 5:15-17 तखन ध्यान सँ देखू जे अहाँ कोना अबुद्धिमान नहि बल् कि बुद्धिमान जकाँ चलैत छी, समयक सदुपयोग करैत, किएक तँ दिन अधलाह अछि। तेँ मूर्ख नहि बनू, बल् कि प्रभुक इच्छा की होइत छैक से बुझू।

2: रोमियो 12:2 एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

नीतिवचन 4:15 एकरा सँ बचू, एकरा सँ नहि गुजरू, एकरा सँ मुड़ू आ चलि जाउ।

नीतिवचन 4:15 पाप के खिलाफ चेतावनी दैत अछि आओर ओकरा स’ बचबाक लेल, ओकरा स’ नहि गुजरबाक लेल आओर ओकरा स’ मुँह मोड़बाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. प्रलोभन स बचबाक लेल समय निकालब

2. पापपूर्ण व्यवहारसँ मुड़ब

61

1. याकूब 1:14-15, प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित भ’ जाइत अछि। तखन इच्छाक गर्भधारणक बाद पापक जन्म होइत छैक; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

2. यशायाह 55:7, दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ सभ प्रभु दिस घुरथि, तखन ओ हुनका सभ पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करताह, किएक तँ ओ मुफ्त मे क्षमा करताह।

नीतिवचन 4:16 किएक तँ ओ सभ सुतैत नहि अछि, जाबत ओ सभ कुकर्म नहि करैत अछि। आ जाबत धरि किछु गोटे केँ खसि नहि दैत छथि ताबत धरि हुनका सभक नींद हटि जाइत छनि।

गलत काज करय वाला लोक जा धरि दोसर के नुकसान नहि पहुंचाओत ता धरि शांति सं सुतय नहि सकय छथिन्ह.

1. "पाप के परिणाम"।

2. "गलत करबाक प्रलोभन"।

1. याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि।" , मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन 4:17 किएक तँ ओ सभ दुष्टताक रोटी खाइत अछि आ हिंसाक मदिरा पीबैत अछि।

दुष्टताक रोटी खायब आ हिंसाक मदिरा पीला सँ हानिकारक परिणाम होयत।

1. पापक लागत: दुष्टताक परिणाम बुझब

2. धर्मक चयन: पवित्र जीवन जीबाक लाभ

1. भजन 34:12-14 - "ओ कोन आदमी अछि जे जीवनक इच्छा करैत अछि आ बहुत दिन प्रेम करैत अछि, जाहि सँ ओ नीक देखय? अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ अपन ठोर केँ छल-प्रपंच सँ बचाउ। अधलाह सँ हटि क' नीक काज करू। शांति खोजू, आ ओकर पाछाँ लागू।”

2. गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोबैत अछि, से शरीर सँ विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि।" आत् मा आत् मा अनन्त जीवन काटि लेत।”

नीतिवचन 4:18 मुदा धर्मी लोकक बाट चमकैत इजोत जकाँ अछि, जे पूर्ण दिन धरि बेसी सँ बेसी चमकैत अछि।

धर्मी लोकनि अपन सिद्ध दिनक नजदीक बढ़ैत-बढ़ैत बेसी सँ बेसी चमकत।

1. न्यायी के बाट: बेसी स बेसी चमकैत

2. पूर्णता दिस प्रगति: अपन सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनब

1. भजन 19:8 प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि।

2. फिलिप्पियों 3:12-14 ई नहि जे हम पहिने सँ ई प्राप्त क’ लेने छी वा पहिने सँ सिद्ध छी, बल् कि हम एकरा अपन बनेबाक लेल आगू बढ़ैत छी, किएक तँ मसीह यीशु हमरा अपन बना लेलनि। भाइ लोकनि, हम ई नहि मानैत छी जे हम एकरा अपन बना लेने छी। मुदा एकटा काज हम करैत छी: जे पाछू अछि ओकरा बिसरि आ आगू जे अछि तकरा लेल आगू बढ़ैत छी, हम मसीह यीशु मे परमेश् वरक ऊपरक आह्वानक पुरस्कारक लेल लक्ष्य दिस बढ़ैत छी।
62

नीतिवचन 4:19 दुष्टक बाट अन्हार जकाँ होइत छैक, ओ सभ नहि जनैत अछि जे ओ की ठोकर खाइत अछि।

दुष्टक बाट अन्हार मे लऽ जाइत अछि, आ ओकरा सभ केँ ई नहि बुझल छैक जे ओ सभ कोन चीज मे ठोकर खा रहल अछि।

1. "दुष्टक पाछाँ चलबाक खतरा"।

2. "सत्य प्रकाशक मार्ग"।

1. यूहन्ना 8:12 - "यीशु फेर हुनका सभ सँ कहलथिन, "हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत, ओ अन्हार मे नहि चलत, बल् कि ओकरा जीवनक इजोत भेटत।"

2. नीतिवचन 2:13 - "किएक तँ प्रभु बुद्धि दैत छथि; हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि।"

नीतिवचन 4:20 हमर बेटा, हमर बात पर ध्यान दियौक। हमर बात पर कान झुकाउ।

1. परमेश् वरक वचन मे अपना केँ समर्पित करब

2. भगवानक बुद्धि सुनब आ ओकर प्रयोग करब

1. याकूब 1:19-21 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी करू, बाजबा मे देरी करू, क्रोध मे देरी करू, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि। तेँ सभ किछु दूर करू।" गंदगी आ प्रचंड दुष्टता आ नम्रता सँ रोपल गेल वचन केँ स्वीकार करू, जे अहाँ सभक आत्मा केँ बचाबय मे सक्षम अछि।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

नीतिवचन 4:21 ओ सभ अहाँक आँखि सँ नहि हटय। ओकरा सभ केँ अपन हृदयक बीच मे राखू।

परमेश् वरक वचन केँ अपन हृदय मे राखू आ हुनकर शिक्षा सँ कहियो नहि हटि जाउ।

1: परमेश् वरक वचन केँ अपन हृदयक केंद्र मे राखू

2: परमेश् वरक शिक्षा सँ हटि नहि जाउ

1: भजन 119:11 - हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका लेने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

2: यहोशू 1:8 - ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत। मुदा अहाँ ओहि मे दिन-राति मनन करब जाहि सँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करब।

नीतिवचन 4:22 किएक तँ ई सभ ओकरा पाबनिहारक लेल जीवन अछि आ ओकर सभ शरीरक लेल स्वास्थ्य अछि।

नीतिवचन 4:22 हमरा सभ केँ बुद्धिक खोज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, जे हमरा सभक शरीर मे जीवन आ स्वास्थ्य आनि सकैत अछि।

1. "बुद्धि के मार्ग: जीवन आ स्वास्थ्य के खोज"।

2. "बुद्धि के खोज के लाभ"।

1. भजन 34:8 - "चखू आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे हुनकर शरण मे रहैत छथि।"

2. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।"

नीतिवचन 4:23 अपन हृदय केँ पूरा लगन सँ राखू। कारण, ओहि मे सँ जीवनक मुद्दा निकलैत अछि। हमरा सब के अपन दिल के लगन स पहरा देबय पड़त, कियाक त सब जीवन ओहि स बहैत अछि।
1. पहरादार हृदयक महत्व
2. जीवनक स्रोत की होइत अछि?
1. मत्ती 15:18-20 - "मुदा जे बात मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि, आ ओ मनुष्य केँ अशुद्ध करैत अछि। कारण हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही निकलैत अछि।" , निन्दा:"
2. भजन 37:4 - "प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू, ओ तोहर हृदयक इच्छा केँ देत।"
नीतिवचन 4:24 अहाँ सँ एकटा खिसियाह मुँह दूर करू आ विकृत ठोर अहाँ सँ दूर राखू।
एहि अंश मे छल-प्रपंच वा विकृत मुँह सँ बजबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि |
1. जीभक शक्ति: शब्द जीवन वा मृत्यु कोना आनि सकैत अछि
2. बेकाबू मुँह पर काबू पाब: ईमानदारी के भाषण के खेती
1. याकूब 3:10 - "एकहि मुँह सँ स्तुति आ गारि निकलैत अछि। हमर भाइ-बहिन सभ, ई नहि हेबाक चाही।"
2. भजन 19:14 - "हे प्रभु, हमर चट्टान आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।"
नीतिवचन 4:25 अहाँक आँखि ठीक दिस देखू, आ पलक सोझे अहाँक सोझाँ देखू।
आशावाद आ दृढ़ संकल्पक संग भविष्य दिस देखू।
1. पुरस्कार पर नजरि राखब: अपन लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रहब।
2. आगू देखबाक महत्व: जीवनक प्रति सक्रिय दृष्टिकोण अपनाब।
1. भजन 119:105 "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।"
2. फिलिप्पियों 4:13 "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।" नीतिवचन 4:26 अपन पएरक बाट पर चिंतन करू, आ अपन सभ बाट स्थिर रहय।
हमरा सब के अपन काज पर ध्यान स विचार करबाक चाही आ ई सुनिश्चित करबाक चाही जे हमर बाट नीक जकाँ स्थापित अछि।
1. जीवन मे अपन बाट स्थापित करबाक महत्व।
2. जानि-बुझि कए अपन डेग आ काज पर विचार करब।
1. फिलिप्पियों 3:13-14 - भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि बुझैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी, पाछूक बात केँ बिसरि क’ आ पहिने जे बात अछि तकरा हाथ बढ़बैत छी, हम निशान दिस बढ़ैत छी मसीह यीशु मे परमेश् वरक उच्च आह्वानक पुरस्कार।
2. नीतिवचन 21:5 - मेहनती लोकक विचार मात्र प्रचुरता दिस बढ़ैत अछि; मुदा हर एक के जे केवल चाहत मे जल्दबाजी करैत अछि।

नीतिवचन 4:27 दहिना दिस नहि घुमू आ ने बामा दिस, अपन पैर केँ अधलाह सँ दूर करू।

पाप करबाक प्रलोभन नहि करू मुदा सही बाट पर रहू।

1. धर्मक मार्ग: भगवानक मार्ग पर रहब

2. प्रलोभन सँ बचब: पाप सँ दूर रहब

1. नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

नीतिवचन अध्याय ५ मे व्यभिचार के खतरा आरू विवाह में निष्ठा के महत्व के बारे में चेतावनी आरू मार्गदर्शन देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत व्यभिचारी महिला द्वारा बहकाबै के चेतावनी के साथ होय छै। एहि मे ओकर लोभनीय शब्द सँ दूर रहबाक आ विनाशक मार्ग सँ बचबाक सलाह देल गेल अछि । ई बात पर जोर दै छै कि व्यभिचार के परिणाम गंभीर होय छै (नीतिवचन 5:1-14)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में वैवाहिक निष्ठा के प्रोत्साहित कयल गेल अछि, जाहि में अपन जीवनसाथी के पोसला स जे आनन्द आ संतुष्टि भेटैत अछि ताहि पर जोर देल गेल अछि | ई विवाह स॑ बाहर कामुक इच्छाऽ स॑ मोहित होय स॑ चेतावनी दै छै, जेकरा म॑ एकरऽ जीवन प॑ पड़ै वाला विनाशकारी प्रभाव प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै (नीतिवचन ५:१५-२३)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय पांच प्रस्तुत
व्यभिचार के संबंध में चेतावनी
आ विवाह मे निष्ठा के महत्व पर जोर दैत अछि |

व्यभिचारी महिला द्वारा बहकाबै के खिलाफ व्यक्त सावधानी पर जोर देना के साथ-साथ विनाशकारी मार्ग स॑ बचै लेली देलऽ गेलऽ सलाह भी ।
व्यभिचार मे संलग्नताक परिणामस्वरूप गंभीर परिणामक संबंध मे देखाओल गेल मान्यताक उल्लेख |
वैवाहिक निष्ठा क॑ कायम रखै लेली प्रस्तुत प्रोत्साहन व्यक्त करना आरू साथ ही साथ अपनऽ जीवनसाथी क॑ पोसला के माध्यम स॑ मिलै वाला खुशी आरू संतुष्टि क॑ उजागर करना ।
विवाह स॑ बाहर कामुक इच्छा स॑ मोहित नै होय के चेतावनी के साथ-साथ ऐन्हऽ कर्म के परिणामस्वरूप अपनऽ जीवन प॑ हानिकारक प्रभाव के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ पहचान ।

नीतिवचन 5:1 हे बेटा, हमर बुद्धि पर ध्यान राखू, आ हमर समझ मे कान राखू।

नीतिवचन 5:1 पाठक केँ बुद्धि आ समझ पर ध्यान देबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1: हमर जीवन बहुत रास निर्णय स भरल अछि, मुदा हमरा सब के याद राखय पड़त जे पहिने भगवान के बुद्धि आ समझ के खोज करी।

2: हमरा सभ केँ परमेश्वरक बुद्धि केँ सुनबाक आ बुझबाक प्रयास करबाक चाही जँ हम सभ एहन जीवन जीबय चाहैत छी जे हुनका प्रसन्न करय।

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: भजन 111:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक। हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक समझ छनि। हुनकर स्तुति अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

नीतिवचन 5:2 जाहि सँ अहाँ विवेक केँ ध्यान राखब आ अहाँक ठोर ज्ञान केँ राखय।

ई श्लोक हमरा सब के विवेक के प्रयोग करै लेली आरू ज्ञान के हृदय में संग्रह करै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. विवेकक शक्ति: बुद्धिक उपयोग कोना बुद्धिमानी सँ चुनल जाय

2. ज्ञानक निधि: बुद्धि केँ हृदय मे कोना संग्रहित कयल जाय

1. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू।

२.

नीतिवचन 5:3 किएक तँ परदेशी स् त्रीक ठोर मधुक छत्ता जकाँ खसि पड़ैत अछि आ ओकर मुँह तेलसँ बेसी चिकना होइत छैक।

नीतिवचन 5:3 एकटा अनजान महिला के प्रलोभन के खिलाफ चेतावनी दैत अछि, ओकर बात के तुलना मधु के छत्ते स आ ओकर मुँह के तेल स चिकना स करैत अछि।

1. शब्दक शक्ति: नीतिवचन 5:3 सँ एकटा चेतावनी

2. एकटा अजनबी महिलाक प्रलोभन सँ सावधान रहू: नीतिवचन 5:3

1. याकूब 1:14-15 - "प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि। मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

.

नीतिवचन 5:4 मुदा ओकर अंत कृमि जकाँ कटु अछि, दूधारी तलवार जकाँ तेज अछि।

जे व्यक्ति भगवान स भटकैत अछि आ हुनकर चेतावनी पर ध्यान नहि दैत अछि ओकर अंत विनाशकारी भ सकैत अछि।

1. परमेश् वरक बुद्धि केँ अस्वीकार नहि करू: परमेश् वरक आज्ञा नहि मानबाक खतरा

2. परमेश् वरक वचन पर ध्यान दियौक: नहि सुनलाक परिणाम

1. याकूब 4:17 "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

2. नीतिवचन 1:7 "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

नीतिवचन 5:5 ओकर पएर मरि जाइत छैक। ओकर डेग नरक पर पकड़ि लैत छैक।

नीतिवचन 5:5 अनैतिक व्यवहार के परिणाम के खिलाफ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई मौत आरू नरक के तरफ ले जैतै।

1. "जीवन चुनू: अनैतिक व्यवहारक परिणाम"।

2. "विनाशक मार्ग: पापक जाल सँ बचब"।

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. याकूब 1:15 - "तखन इच्छा गर्भवती भेलाक बाद पापक जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।"

नीतिवचन 5:6 कहीं अहाँ जीवनक बाट पर चिंतन नहि करब, ओकर बाट चलैत अछि, जाहि सँ अहाँ ओकरा नहि जानि सकब।

जीवनक बाट अप्रत्याशित अछि आ ओकर बाट जानब असंभव अछि ।

1. जीवनक अप्रत्याशितता केँ बुझब

2. जीवनक अनिश्चितताक सराहना करब

1. याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब 14 तइयो अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । 15 बल् कि अहाँ सभ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ काज करब।”

2. अय्यूब 14:1-2 - जे आदमी स्त्री सँ जन्म लैत अछि, ओकर दिन कम होइत छैक आ परेशानी सँ भरल रहैत छैक। फूल जकाँ बाहर निकलि मुरझा जाइत अछि; छाया जकाँ भागि जाइत अछि आ नहि चलैत रहैत अछि ।

नीतिवचन 5:7 हे बच्चा सभ, आब हमर बात सुनू, आ हमर मुँहक बात सँ नहि हटि जाउ।

अपन माता-पिताक बुद्धिमान वचन ध्यान सँ सुनू।

1. माता-पिता के मार्गदर्शन के मूल्य

2. अपन माता-पिताक बुद्धि पर ध्यान दियौ

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। "अपन पिता-माँ के आदर करू"--जे एकटा प्रतिज्ञा के संग पहिल आज्ञा अछि-- "जे अहाँ के नीक लागय आ अहाँ पृथ्वी पर दीर्घायु के आनंद उठा सकब।"

2. कुलुस्सी 3:20 - बच्चा सभ, सभ किछु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई प्रभु केँ प्रसन्न करैत अछि।

नीतिवचन 5:8 ओकरा सँ दूर अपन बाट हटि जाउ, आ ओकर घरक दरबज्जा लग नहि आबि जाउ।

अनैतिक स्त्री द्वारा प्रलोभन नहि करू आ ओकरा सँ दूर रहू।

1. अपन हृदयक रक्षा करू: अनैतिकताक खतरा केँ बुझब

2. प्रलोभन सँ परहेज करू: पापपूर्ण इच्छा सँ दूर रहू

1. नीतिवचन 4:23 - अपन हृदय केँ पूरा लगन सँ राखू; कारण, ओहि मे सँ जीवनक मुद्दा निकलैत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु ईमानदार अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे किछु शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु नीक जकाँ अछि। जँ कोनो गुण अछि आ जँ कोनो प्रशंसा अछि तँ एहि सभ बात पर सोचू।

नीतिवचन 5:9 कहीं अहाँ अपन आदर दोसर केँ नहि देब आ अपन वर्ष क्रूर केँ नहि देब।

नीतिवचन 5:9 मे चेतावनी देल गेल अछि जे क्रूर लोक केँ अपन इज्जत आ वर्ष नहि दियौक।

1. अपन मर्यादाक बलिदान नहि करू: नीतिवचन 5:9 सँ सीख
67

2. अपन अखंडताक रक्षा करू: नीतिवचन 5:9 पर चिंतन

1. मत्ती 10:26-27 - तेँ हुनका सभ सँ नहि डेराउ, किएक तँ एहन कोनो बात नुकायल नहि अछि जे प्रकट नहि होयत, वा नुकायल नहि होयत जे नहि बताओल जायत। हम जे अन्हार मे कहैत छी, से दिनक इजोत मे बाजू; जे कान मे फुसफुसाइत अछि, छत पर सँ घोषणा करू।

2. 1 पत्रुस 5:5-7 - तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, अपन पैघ लोक सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, कारण, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ उचित समय पर ऊपर उठा सकय। अपन सभटा बेचैनी ओकरा पर फेकि दियौक, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

नीतिवचन 5:10 कहीं परदेशी लोक अहाँक धन सँ भरि नहि जाय। आ तोहर परिश्रम परदेसीक घर मे रहू।

एहि अंश मे चेतावनी देल गेल अछि जे धन के अनजान लोक छीनय दियौक, आ एकर बदला मे अपन घर मे काज करय दियौक।

1. अपन घर बनेबाक लेल लगन सँ काज करू, ककरो घर नहि।

2. जे किछु अहाँ एतेक मेहनति कएने छी से अनजान लोक छीनि लेबा सँ सावधान रहू।

1. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत तक बननिहार सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि।

2. 1 थिस्सलुनीकियों 4:11-12 - अपन महत्वाकांक्षा बनाउ जे अहाँ शांत जीवन जीब, अपन काज मे सोचब आ अपन हाथ सँ काज करब, जाहि सँ अहाँक दैनिक जीवन बाहरी लोकक सम्मान जीतय आ अहाँ नहि रहब ककरो पर निर्भर।

नीतिवचन 5:11 जखन अहाँक शरीर आ शरीर समाप्त भ’ जायत तखन अहाँ शोक करैत छी।

अनैतिक व्यवहार सँ सावधान रहब बुद्धिमानी अछि, जाहि सँ शरीर आ आत्मा भस्म नहि भ' जाय।

1. अनैतिक व्यवहारक खतरा

2. नैतिक पवित्रता के आशीर्वाद

1. नीतिवचन 5:15-20

2. रोमियो 6:19-20

नीतिवचन 5:12 आ कहू, “हम शिक्षा सँ कोना घृणा केलहुँ, आ हमर मोन डाँट केँ कोना तुच्छ बुझलक।

एहि अंश मे निर्देश आ डाँट स्वीकार करबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि, तखनो जखन ओ नहि चाहैत हो।

1. "निर्देश आ डाँट पर ध्यान देब: बुद्धिक मार्ग"।

2. "अनुशासनक मूल्य: नीतिवचन 5:12 सँ सीखब"।

1. इब्रानी 12:5-11 - "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ पुत्रक रूप मे संबोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु ओकरा अनुशासित करैत छथि।" प्रेम करै छै, आ जेकरा ग्रहण करै छै, ओकरा ताड़ना दै छै।

2. नीतिवचन 3:11-12 - "हे हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ तिरस्कार नहि करू आ ने हुनकर डाँट सँ थाकि जाउ, किएक त' प्रभु जकरा सँ प्रेम करैत छथि, ओकरा पिता जकाँ डाँटैत छथि, जकरा मे ओ प्रसन्न होइत छथि।"

नीतिवचन 5:13 हम अपन गुरु सभक आवाज नहि मानलहुँ आ ने हमरा शिक्षा देनिहार सभक कान झुकौलहुँ!

वक्ता अपनऽ गुरु के आज्ञा नै मानना आरू निर्देश सुनै के अनिच्छा पर चिंतन करै छै ।

1. बुद्धिमान सलाह सुनबाक महत्व।

2. शिक्षकक आवाज मानब आ निर्देश पर ध्यान देब।

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 19:20 - "सल्लाह सुनू आ शिक्षा स्वीकार करू, जाहि सँ भविष्य मे अहाँ बुद्धि प्राप्त क' सकब।"

नीतिवचन 5:14 हम मंडली आ सभाक बीच लगभग सभ दुष्टता मे छलहुँ।

ई अंश दोसरऽ के सान्निध्य में अनैतिक व्यवहार में शामिल नै होय के चेतावनी दै छै ।

1. "समुदाय के शक्ति: दोसर पर हमर कर्म के प्रभाव"।

2. "फकड़ाक बुद्धि: दोसरक संगति मे पाप सँ बचब"।

१.

2. मत्ती 5:16 - "ओहि तरहेँ, अहाँक इजोत दोसरक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ अहाँक नीक काज देखि स्वर्ग मे अहाँक पिताक महिमा करथि।"

नीतिवचन 5:15 अपन कुंड सँ पानि पीबू आ अपन इनार सँ बहैत पानि पीबू।

फकड़ा हमरा सब के अपन संसाधन पर निर्भर रहय लेल आ जे किछु अछि ताहि पर संतुष्ट रहय लेल प्रेरित करैत अछि।

1. अनिश्चित समय मे संतोष: परमेश्वर के प्रावधान में पूर्ति पाना

2. छोट-छोट बात मे प्रचुरता: अपन जीवन मे भगवानक आशीर्वाद केँ आत्मसात करब

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।

नीतिवचन 5:16 तोहर फव्वारा सभ चारू कात छिड़िया जाय आ गली-गली मे पानिक नदी।

ई श्लोक हमरा सभ केँ परमेश् वरक आशीर्वाद केँ दोसरो सभक संग बाँटबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. परमेश् वरक आशीष बाँटब: नीतिवचन 5:16

2. करुणा आ उदारता: सुखक मार्ग

1. मत्ती 25:35-36, "किएक त' हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाएलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ"।

2. लूका 6:38, "दाउ, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। एकटा नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल आ दौड़ैत, अहाँ सभक गोदी मे ढारल जायत। कारण जे नाप अहाँ सभ प्रयोग करब, ताहि सँ एकरा नापल जायत।" अहां."

नीतिवचन 5:17 ओ सभ मात्र अहाँक अपन रहय, आ अहाँक संग परदेशी नहि।

नीतिवचन 5:17 मे सलाह देल गेल अछि जे केवल अपन जीवनसाथी रहू आ ककरो नहि।

1. निष्ठा के मूल्य: नीतिवचन 5:17 के अध्ययन

2. नीतिवचन 5:17 के बुद्धि पर एकटा चिंतन

1. उपदेशक 9:9 - जाहि पत्नी सँ प्रेम करैत छी, ओकर संग जीवनक आनंद लिअ

2. 1 कोरिन्थी 7:2-3 - प्रत्येक पुरुषक अपन पत्नी होबाक चाही, आ प्रत्येक महिलाक अपन पति

नीतिवचन 5:18 अहाँक फव्वारा धन्य होउ, आ अपन जवानीक पत्नीक संग आनन्दित रहू।

ई अंश विश्वासी सिनी क॑ अपनऽ जीवनसाथी क॑ संजोगै लेली आरू एक साथ आनन्द के अनुभव करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. अपन जीवनसाथी केँ पोसब - नीतिवचन 5:18

2. अपन जीवनसाथीक संग आनन्दक उत्सव मनब - नीतिवचन 5:18

1. इफिसियों 5:25-28 - पति सभ, अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि

२.

नीतिवचन 5:19 ओ प्रेमी मृग आ सुखद रोड़ा जकाँ होथि। ओकर स्तन अहाँ केँ सदिखन तृप्त करय। आ अहाँ ओकर प्रेम सँ सदिखन लूटल रहू।

ई अंश अपनऽ जीवनसाथी के प्रेम स॑ संतुष्ट होय लेली आरू ओकरा स॑ मोहित आरू मोहित होय लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. विवाह मे प्रेम आ संतुष्टि

2. अपन जीवनसाथी के प्रेम के आनंद लेब

1. सुलेमानक गीत 2:3-4 "जहिना जंगलक गाछ मे नेबोक गाछ होइत अछि, तहिना युवक मे हमर प्रियतम होइत छथि। हम हुनकर छाया मे बहुत प्रसन्नता सँ बैसल रही, आ हुनकर फल हमर स्वाद मे मीठ छल।"

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 "प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या वा घमंड नहि करैत अछि; ओ अहंकारी आ अभद्र नहि होइत अछि। ओ अपन बाट पर जोर नहि दैत अछि; ओ चिड़चिड़ा वा आक्रोशित नहि होइत अछि; ओ आनन्दित नहि होइत अछि।" गलत काज मे, मुदा सत्य पर आनन्दित होइत अछि। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब किछु पर विश्वास करैत अछि, सब किछु पर आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।"

नीतिवचन 5:20 हमर बेटा, अहाँ परदेशी महिलाक संग किएक लूटल जायब आ परदेशी के कोरा मे किएक गला लगा लेब?

हमर बेटा, अनजान लोकक लोभ मे नहि प्रलोभित होउ।

1. प्रलोभनक खतरा: पापक लोभक विरोध करब

2.प्रलोभन पर विजय प्राप्त करबाक लेल भगवानक शक्ति

1. मत्ती 6:13 - आ हमरा सभ केँ परीक्षा मे नहि लऽ जाउ, बल् कि हमरा सभ केँ अधलाह सँ बचाउ।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

नीतिवचन 5:21 किएक तँ मनुष् यक बाट परमेश् वरक नजरि मे अछि आ ओ अपन सभ यात्रा पर चिंतन करैत अछि।

भगवान् मनुष्यक सभ कर्म देखैत छथि आ जनैत छथि ।

1: हमरा सभ केँ ई ध्यान राखय पड़त जे प्रभु सदिखन हमर सभक काज पर नजरि रखैत छथि आ हमरा सभक चुनावक लेल हमरा सभ केँ जवाबदेह ठहरबैत छथि।

2: हमरा सभ केँ एहन जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही जे प्रभु केँ प्रसन्न करय, ई बुझि जे ओ हमरा सभक सभ कर्म सँ अवगत छथि।

1: कुलुस्सी 3:17 - अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दियौक।

2: इब्रानियों 4:13 - आ ने कोनो एहन प्राणी अछि जे ओकर नजरि मे प्रकट नहि हो, मुदा सभ किछु नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे खुजल अछि, जकरा संग हमरा सभ केँ काज करबाक अछि।

नीतिवचन 5:22 ओकर अपन अधर्म दुष्ट केँ स्वयं पकड़ि लेत आ ओ अपन पापक डोरी सँ पकड़ल जायत।

दुष्ट केँ अपन पापक सजाय भेटतैक।

1: हमरा सभकेँ अपन काजक जिम्मेदारी स्वयं लेबाक चाही।

2: पापक परिणाम भयावह भ सकैत अछि।

1: इजकिएल 18:20- जे आत्मा पाप करत, ओ मरत।

2: गलाती 6:7- धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत।

नीतिवचन 5:23 ओ बिना शिक्षाक मरत। आ अपन मूर्खताक महानता मे ओ भटकत।

बिना शिक्षाक मनुष्य अपन मूर्खता मे मरि जायत आ भटकत।

1. भटकब नहि: निर्देशक महत्व।

2. मूर्खताक परिणाम: भगवानक योजनासँ भटकबाक खतरा।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. इफिसियों 4:14 - तखन हम सभ आब शिशु नहि रहब, जे लहरि सँ आगू-पाछू उछालल जायब, आ शिक्षाक हर हवा आ लोकक छल-कपट सभक धूर्तता आ चालाकी सँ एम्हर-ओम्हर उड़ल जायब।

नीतिवचन अध्याय 6 मे विभिन्न विषयक कें संबोधित कैल गेल छै, जाहि मे आर्थिक जिम्मेदारी, आलस्य कें खतरा, आ व्यभिचार कें परिणाम शामिल छै.

1 पैराग्राफ: अध्याय मे ककरो दोसर कें कर्ज कें जमानत बनय सं चेतावनी देल गेल छै आ अपन आर्थिक दायित्वक कें व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेवा कें सलाह देल गेल छै. ई अपनऽ संसाधनऽ के प्रबंधन म॑ लगन आरू सक्रिय होय के महत्व प॑ जोर दै छै (नीतिवचन ६:१-५) ।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे मेहनत के मूल्य पर प्रकाश देल गेल अछि आ आलस्य के निंदा कयल गेल अछि | ई चींटी के उदाहरण के प्रयोग करी क॑ मेहनती होना आरू टाल-मटोल स॑ बचै के महत्व क॑ दर्शाबै छै (नीतिवचन ६:६-११)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे व्यभिचार के विनाशकारी परिणाम के प्रति सख्त चेतावनी देल गेल अछि | एहि मे एकर जीवंत विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि जे एकर विनाशकारी प्रभाव ककरो जीवन, संबंध आ प्रतिष्ठा पर पड़ि सकैत अछि (नीतिवचन 6:20-35)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय छह संबोधन
आर्थिक जिम्मेदारी, २.
आलस्यक खतरा, २.
आ व्यभिचारसँ जुड़ल परिणाम।

व्यक्तिगत जवाबदेही के सलाह दैत दोसर के लेल आर्थिक दायित्व ग्रहण करय के संबंध में व्यक्त सावधानी पर जोर दैत.
सक्रिय व्यवहार कें लेल प्रोत्साहन कें साथ-साथ संसाधनक कें प्रबंधन मे लगन कें संबंध मे दिखायल गेल मान्यता कें उल्लेख करनाय.
चींटी के उदाहरण के रूप में प्रयोग क चित्रण के माध्यम स आलस्य के निंदा करैत मेहनत पर देल गेल मूल्य के उजागर करब।
व्यभिचार में शामिल होय के खिलाफ सख्त चेतावनी के साथ-साथ जीवन के विभिन्न पहलू जैना कि रिश्ता आरू प्रतिष्ठा पर विनाशकारी प्रभाव के संबंध में वर्णन भी देलऽ गेलऽ छै ।

नीतिवचन 6:1 हमर बेटा, जँ अहाँ अपन मित्रक लेल जमानत छी, जँ अहाँ अपन हाथ परदेशी सँ मारने छी।

अहाँ मित्रक ऋणक गारण्टी नहि बनू।

1. मित्रक लेल ऋणक जिम्मेदारी लेबाक खतरा

2. बेवकूफी भरल वित्तीय उद्यम के ना कहबाक शक्ति

1. नीतिवचन 22:26-27 - हाथ मारय बला मे सँ एक नहि बनू, आ ने कर्जक जमानत मे सँ एक नहि बनू।

2. मत्ती 6:24 - दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि। या त एक स घृणा करब आ दोसर स प्रेम करब, या एक के प्रति समर्पित रहब आ दोसर के तिरस्कार करब।

नीतिवचन 6:2 अहाँ मुँहक वचन सँ फँसल छी, मुँहक वचन सँ फँसल छी।

अहाँ अपनहि शब्द मे सहजहि फँसि सकैत छी।

1: अहाँ जे शब्द बजैत छी ताहि सँ सावधान रहू।

2: हमर सभक बातक परिणाम होइत छैक।

1: याकूब 3:5-6 "तहिना जीह एकटा छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लगाओल जाइत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार।" जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल गेल अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, पूरा जीवन काल मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि।"

2: कुलुस्सी 4:6 "अहाँ सभक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण रहू, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।"

नीतिवचन 6:3 हे बेटा, आब ई काज करू आ जखन अहाँ अपन मित्रक हाथ मे आबि जायब तखन अपना केँ बचाउ। जाउ, अपना केँ विनम्र बनाउ, आ अपन मित्र केँ सुनिश्चित करू।

नीतिवचन 6:3 हमरा सभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे हम सभ अपना केँ विनम्र बनाबी आ अपन मित्र सभक संग मेल-मिलाप चाहैत छी जखन हम सभ हुनका सभ सँ अन्याय केने छी।

1. "सुलह के शक्ति: अपन मित्र स क्षमा मांगब सीखब"।

2. "विनम्रता आ संगति: संबंध कोना बनाएब"।

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. इफिसियों 4:2-3 - "पूर्णतः विनम्र आ कोमल रहू; धैर्य राखू, प्रेम मे एक-दोसर केँ सहन करू। शांति केर बंधन सँ आत्माक एकता केँ कायम रखबाक पूरा प्रयास करू।"

नीतिवचन 6:4 अपन आँखि केँ नींद नहि दियौक आ ने पलक केँ नींद नहि दियौक।

आलसी नहि बनू; सतर्क आ उत्पादक रहू।

1: उठू आ चमकू - मेहनत आ लगन के महत्व।

2: सूर्य चमकैत काल काज करू - अपन दिनक सदुपयोग करू।

1: इफिसियों 5:15-16 - तखन ध्यान सँ देखू जे कोना अहाँ सभ अबुद्धिमान नहि बल् कि बुद्धिमान जकाँ चलैत छी, समयक सदुपयोग करैत, किएक तँ दिन अधलाह अछि।

2: कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ सभ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष्यक लेल नहि, ई जानि जे प्रभु सँ अहाँ सभ केँ ई उत्तराधिकारक रूप मे उत्तराधिकार भेटत। अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।

नीतिवचन 6:5 अपना केँ शिकारी के हाथ सँ मछरी जकाँ बचाउ, आ चिड़ै जकाँ मुर्गीक हाथ सँ बचाउ।

जे अहाँक नुकसान पहुँचाओत ओकर हाथसँ अपनाकेँ मुक्त करू।

1: दुश्मनक योजनाक शिकार नहि बनू। परमेश् वरक सेवा करू आ अपन हृदय केँ ओहि सभ सँ बचाउ जे अहाँ केँ भटकाबय।

2: सतर्क रहू आ बुद्धिमान रहू। प्रलोभन मे हार नहि मानब, मुदा ओकरा सँ भागि जाउ।

1: 2 कोरिन्थी 2:11; कहीं शैतान केँ हमरा सभ सँ कोनो फायदा नहि हो, किएक तँ हम सभ ओकर षड्यंत्र सँ अनभिज्ञ नहि छी।

२: भजन ११:५; प्रभु धर्मात्मा के परीक्षा दै छै, लेकिन ओकरऽ आत्मा दुष्ट आरू हिंसा के प्रेम करै वाला स॑ घृणा करै छै ।

नीतिवचन 6:6 हे सुस्त, चींटी लग जाउ। ओकर बाट पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू।

नीतिवचन 6:6 पाठक केँ मेहनती चींटीक अवलोकन आ बुद्धिमान बनबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. "मेहनत करब: चींटीक उदाहरण"।

73

2. "सुस्तक चेतावनी"।

1. मत्ती 6:25-34 - खेतक कुमुद पर विचार करू

2. नीतिवचन 24:30-34 - हम आलस्यक खेत आ बुद्धिहीन लोकक अंगूरक बगीचा लग गेलहुँ

नीतिवचन 6:7 जकरा मे कोनो मार्गदर्शक, पर्यवेक्षक आ शासक नहि अछि।

परमेश् वरक वचन निर्णय लेबा सँ पहिने बुद्धि आ योजना केँ प्रोत्साहित करैत अछि।

1. बुद्धि आ योजनाक जीवन जीब।

2. मार्गदर्शन आ निगरानीक महत्व।

1. नीतिवचन 11:14 - "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

2. नीतिवचन 14:15 - "साधारण लोक सभ किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।"

नीतिवचन 6:8 गर्मी मे ओकर भोजन भेटैत छैक आ फसल मे ओकर भोजन जुटाबैत छैक।

ई श्लोक हमरा सब क॑ भरपूर समय आरू जरूरत के समय लेली तैयार रहै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1: भविष्य के तैयारी: आगू के योजना बनाबय के हमर कर्तव्य

2: भगवान् के प्रावधान: हुनकर आशीर्वाद पर भरोसा करब

1: याकूब 4:13-15 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल धरि ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब 14 तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" .अहाँक जीवन की अछि, किएक तँ अहाँ सभ एकटा धुंध छी जे कनेक काल धरि प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भऽ जाइत अछि।15 बरु अहाँ सभ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ काज करब।

2: मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? 26 आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा अहाँ सभक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँक मोल हुनका सभसँ बेसी नहि अछि? 27 अहाँ सभ मे सँ के चिंतित भऽ कऽ अपन जीवन काल मे एक घंटा जोड़ि सकैत अछि? 28 अहाँ सभ वस्त्रक विषय मे किएक चिंतित छी? खेतक कुमुद पर विचार करू जे ओ सभ कोना बढ़ैत अछि, ओ सभ ने मेहनति करैत अछि आ ने घुमैत अछि, 29 तइयो हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ नहि सजल छलाह। 30 मुदा जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ जीवित अछि आ काल्हि भंडार मे फेकल गेल अछि, तखन की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत? 31 तेँ चिन्ता नहि करू जे, “हम सभ की खाएब?” वा की पीब? वा की पहिरब? 32 किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज मे लागल छथि, आ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभक आवश्यकता अछि। 33 मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत। 34 तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, किएक तँ काल्हि अपना लेल चिंतित होयत। दिनक लेल पर्याप्त अछि ओकर अपन परेशानी।

नीतिवचन 6:9 हे सुस्त, अहाँ कतेक दिन धरि सुतब? अहाँ अपन नींद सँ कहिया उठब?

नीतिवचन 6:9 आलसी के जागय आ उत्पादक बनय लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. सक्रियता के शक्ति: आलस्य पर कोना उबरल जाय

2. जागू आ जीबू: उद्देश्यपूर्ण कार्यक माध्यमे अपन जीवन केँ पुनः प्राप्त करब

1. इफिसियों 5:14-16; "हे सुतल, जागू, मृतक मे सँ उठू, तखन मसीह अहाँ पर चमकताह।"

2. कुलुस्सी 3:23-24; "जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल आ मनुक्खक लेल नहि।"

नीतिवचन 6:10 तइयो कनि नींद, कनि नींद, कनि हाथ मोड़ि क’ सुतब।

नींद एकटा एहन प्रलोभन भ सकएय छै जे आलस्य आ उत्पादकता कें कमी कें कारण बनएयत छै.

1. सुस्ती के खतरा: नींद आ नींद स किएक बचबाक चाही

2. लगन के लाभ : मेहनत करब आ फल काटब

1. उपदेशक 10:18: "बहुत आलस्य सँ भवन सड़ैत अछि, आ हाथक आलस्य सँ घर खसि पड़ैत अछि।"

2. नीतिवचन 12:24: "परिश्रमीक हाथ शासन धारण करत, मुदा आलसी केँ कर देल जायत।"

नीतिवचन 6:11 तहिना अहाँक गरीबी यात्रा करयवला जकाँ आओत आ अहाँक अभाव हथियारबंद आदमी जकाँ आओत।

ई फकड़ा आलस्यक परिणामक गप्प करैत अछि - गरीबी आ अभाव बटोही वा हथियारबंद जकाँ आओत ।

1. आलस्यक खतरा: आलस्यक परिणाम बुझब।

2. आब मेहनत करू: आलस्य के खतरा के विरुद्ध भगवान के चेतावनी।

1. गलाती 6:7-9 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत।

2. इजकिएल 18:4 - देखू, सभ प्राणी हमर अछि; पिताक आत्माक संग-संग पुत्रक आत्मा सेहो हमर अछि, पाप करयवला आत्मा मरि जायत।

नीतिवचन 6:12 नटखट, दुष्ट, मुखर मुँह सँ चलैत अछि।

नटखट आ दुष्ट लोक विकृत तरीका स बजैत अछि।

1. हमर वाणी मे विकृत रहबाक खतरा

2. शब्दक शक्ति: हमरा सभकेँ बुद्धिसँ किएक बाजबाक चाही

१.

2. याकूब 3:6-10 - आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल जाइत अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, जीवनक पूरा मार्ग मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि | कारण हर तरहक जानवर आ चिड़ै, सरीसृप आ समुद्री जीवक वश मे कयल जा सकैत अछि आ मनुष्य द्वारा वश मे कयल गेल अछि, मुदा कोनो मनुक्ख जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि । ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै । एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ गारि दैत छी जे परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।

नीतिवचन 6:13 ओ आँखि सँ आँखि मिड़ैत अछि, पैर सँ बजैत अछि, आंगुर सँ सिखाबैत अछि।

व्यक्ति बिना शब्द के प्रयोग क संवाद क सकैत अछि, बल्कि अपन आँखि, पैर आ आँगुर के प्रयोग क सकैत अछि ।

1. अमौखिक संचारक शक्ति

2. अपन शरीरक संग सुनब

1. याकूब 1:19 - हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहय।

2. कुलुस्सी 4: 6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

नीतिवचन 6:14 ओकर हृदय मे फूहड़पन होइत छैक, ओ नित्य दुष्टताक कल्पना करैत अछि। ओ विवादक बीज बोइछ।

नीतिवचन 6:14 पर ध्यान दियौ जे परेशानी आ विवाद पैदा करय बला लोकक विरुद्ध चेतावनी दैत अछि।

1: विवाद बोय के खतरा

2: नीतिवचन 6:14 पर ध्यान देबाक बुद्धि

1: याकूब 3:14-16 - मुदा जँ अहाँ सभक हृदय मे कटु ईर्ष्या आ स्वार्थी महत्वाकांक्षा अछि तँ घमंड नहि करू आ सत्यक प्रति झूठ नहि बाजू। ई ओ बुद्धि नहि अछि जे ऊपर सँ उतरैत अछि, अपितु सांसारिक, अआध्यात्मिक, आसुरी अछि | कारण जतय ईर्ष्या आ स्वार्थी महत्वाकांक्षा रहत ओतय अव्यवस्था आ हर नीच प्रथा होयत।

2: गलाती 5:19-21 - आब शरीरक काज सभ स्पष्ट अछि: यौन-अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, दुश्मनी, कलह, ईर्ष्या, क्रोध, प्रतिद्वंद्विता, विवाद, विभाजन, ईर्ष्या, नशा, नशा, नशा, आ एहि तरहक चीज। हम अहाँ सभ केँ ओहिना चेतावनी दैत छी जेना हम अहाँ सभ केँ पहिने चेतौने रही जे एहन काज करनिहार केँ परमेश् वरक राज् य नहि भेटतनि।

नीतिवचन 6:15 तेँ ओकर विपत्ति अचानक आबि जायत। अचानक बिना उपाय के टूटि जायत।

नीतिवचन 6:15 मे चेतावनी देल गेल अछि जे जे दुष्ट अछि ओकरा एकटा अप्रत्याशित विपत्ति सँ ग्रस्त होयत जकर निवारण नहि कयल जा सकैत अछि।

1. दुष्टताक परिणाम: नीतिवचन 6:15 आ ओकर निहितार्थ

2. ईश्वरीय जीवन जीब: नीतिवचन 6:15 के चेतावनी पर ध्यान देब

1. रोमियो 12:17-21: ककरो अधलाहक बदला मे अधलाह नहि दिअ, बल् कि सभक नजरि मे आदरणीय काज करबाक लेल सोचू। संभव हो तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सबहक संग शांतिपूर्वक रहू। प्रियतम, अहाँ सभ कहियो बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँक दुश्मन भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक। किएक तँ एना कऽ अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब। अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ अधलाह पर विजय प्राप्त करू।

2. याकूब 1:19-21: हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि। तेँ सभ गंदगी आ प्रचंड दुष्टता केँ दूर करू आ नम्रतापूर्वक ओहि प्रत्यारोपित वचन केँ ग्रहण करू जे अहाँ सभक प्राण केँ बचाबय मे सक्षम अछि।

नीतिवचन 6:16 एहि छह टा बात सँ परमेश् वर घृणा करैत छथि।

भगवान् पाप सँ घृणा करैत छथि आ ओकरा सँ घृणा करैत छथि।

76

1: भगवान् पाप सँ घृणा करैत छथि आ पवित्रताक इच्छा करैत छथि

2: भगवान् के सामने धर्म में चलना

1: नीतिवचन 11:20 - "जे कनखी मनक लोक सभ परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा जे सभ अपन बाट मे सोझ अछि, ओ सभ हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2: रोमियो 12:1-2 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ परमेश् वरक दयाक द्वारा विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू संसार, मुदा अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 6:17 एकटा घमंडी नजरि, झूठ बाजैत जीह आ हाथ जे निर्दोष खून बहबैत छल।

घमंड आ छलक कारणेँ हिंसा होइत छैक ।

1. घमंड आ छल: विनाशक मार्ग

2. गर्वित नजरि आ झूठ बाजबला जीह के खतरा

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यशायाह 59:2-3 - "मुदा तोहर अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग क' देलक अछि; अहाँक पाप हुनकर मुँह अहाँ सभ सँ नुका क' राखि देने अछि, जाहि सँ ओ नहि सुनत। कारण अहाँक हाथ खून सँ दागदार अछि, अहाँक आँगुर अपराधबोध सँ दागदार अछि। अहाँक ठोर झूठ बाजि रहल अछि, आ अहाँक जीह दुष्ट बात बड़बड़ाइत अछि।”

नीतिवचन 6:18 एहन हृदय जे दुष्ट कल्पनाक कल्पना करैत अछि, पैर जे दुष्टता मे दौड़ैत अछि।

ई अंश एहन हृदय के होय के चेतावनी दै छै जे दुष्ट योजना के तरफ झुकल होय आरू पैर जे बदमाशी करै में तेज होय।

1. दुष्ट कल्पनाक खतरा

2. धर्मी पैरक शक्ति

1. याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भवती भेला पर पापक जन्म दैत अछि, आ पाप पूर्ण रूप सँ बढ़ला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 6:19 एकटा झूठ गवाह जे झूठ बाजैत अछि आ जे भाइ सभक बीच विवादक बीज करैत अछि।

नीतिवचन 6:19 साथी विश्वासी के बीच झूठ आरू विवाद फैलाबै के खिलाफ चेतावनी दै छै।

1. गपशप आ विवादक बोवाईक खतरा

2. चर्च मे ईमानदारी आ एकता के महत्व

1. इफिसियों 4:25-32 - झूठ बाजब टालि दियौ आ प्रेम मे सच्चाई बाजब।

2. याकूब 3:1-18 - जीह केँ वश मे करब आ शांति केँ बढ़ावा देब।

नीतिवचन 6:20 हे बेटा, अपन पिताक आज्ञाक पालन करू आ अपन मायक नियम केँ नहि छोड़ू।

माता-पिता के बात मानबाक चाही आ हुनकर बुद्धि के सम्मान करबाक चाही।

1. अपन माता-पिताक आज्ञा मानू - नीतिवचन 6:20

2. अपन माता-पिताक आदर करब - नीतिवचन 6:20

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि।

2. कुलुस्सी 3:20 - बच्चा सभ, सभ बात मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई प्रभु केँ नीक लगैत छनि।

नीतिवचन 6:21 ओकरा सभ केँ निरंतर अपन हृदय मे बान्हि दियौक आ ओकरा सभ केँ अपन गरदनि मे बान्हि दियौक।

परमेश् वरक शिक्षा केँ अपन हृदय आ आत्मा सँ बान्हि दियौक।

1: परमेश् वरक वचन अहाँक जीवनक लेल मार्गदर्शक बनय

2: परमेश् वरक वचन केँ अहाँ केँ पूर्ण जीवन दिस लऽ जाय देब

1: भजन 119:11 - "हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका लेने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि क' सकब।"

2: कुलुस्सी 3:16 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे कृपा सँ गबैत रहू।"

नीतिवचन 6:22 जखन अहाँ जायब तखन ओ अहाँ केँ लऽ जायत। जखन अहाँ सुतब तखन ओ अहाँकेँ राखत। जखन अहाँ जागब तखन ओ अहाँ सँ गप्प करत।”

नीतिवचन 6:22 हमरा सभ केँ बुद्धि सँ मार्गदर्शन करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, जे जखन हम सभ सुतब तखन हमरा सभक देखभाल करत आ जखन हम सभ जागब तखन हमरा सभ सँ गप्प करत।

1. बुद्धि के शक्ति: बुद्धि हमरा सब के कोना मार्गदर्शन क सकैत अछि आ सुरक्षित राखि सकैत अछि।

2. बुद्धि मे मित्र: बुद्धि हमरा सभक लेल जीवनक सभ परिस्थिति मे कोना संगी बनि सकैत अछि।

1. भजन 119:105 अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट पर इजोत अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन 6:23 कारण आज्ञा एकटा दीप अछि। आ धर्म-नियम इजोत अछि। आ शिक्षाक डाँट जीवनक तरीका अछि।

शिक्षा केरऽ आज्ञा, नियम आरू डांट जीवन म॑ मार्गदर्शन आरू दिशा प्रदान करै छै ।

1. मार्गदर्शन के साथ जीना: आज्ञा के दीपक, व्यवस्था के प्रकाश, आरू शिक्षा के जीवन के तरीका

2. परमेश् वरक निर्देशक पालन करब: आज्ञा, नियम आ निर्देशक माध्यमे जीवनक मार्ग केँ प्रकाशित करब

1. भजन 119:105-106 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

2. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे समस्त बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।
नीतिवचन 6:24 अहाँ केँ दुष्ट स् त्री सँ, परदेशी स् त्रीक जीभक चापलूसी सँ बचाबय लेल। ई अंश कोनो अनजान महिला द्वारा मोहित होय के खतरा के चेतावनी दै छै ।
1. शब्दक शक्ति: धोखासँ अपन हृदयकेँ बचाउ
2. चापलूसी के खतरा: अजीब महिला स सावधान रहू
1. नीतिवचन 4:23, "सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, किएक तँ अहाँक सभ काज ओहिसँ बहैत अछि।"
2. 1 पत्रुस 5:8, "सतर्क आ सोझ मोन राखू। अहाँक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि जे ककरो खाय लेल तकैत अछि।"
नीतिवचन 6:25 अपन हृदय मे ओकर सौन्दर्यक इच्छा नहि करू। आ ने तोरा पलकसँ लऽ जाउ।
सौन्दर्य आ कामुकताक प्रलोभन नहि होउ।
1. सौन्दर्य क्षणिक होइत अछि, मुदा भगवानक प्रेम अनन्त अछि।
2. प्रलोभनक जालसँ सावधान रहू।
1. 1 यूहन्ना 2:15-17 - संसार आ संसारक वस्तु सभसँ प्रेम नहि करू।
2. याकूब 1:13-15 - अधलाह कामना सँ नहि जाउ, बल् कि आत् मा द्वारा लऽ जाउ।
नीतिवचन 6:26 वेश्या स्त्रीक द्वारा पुरुष केँ रोटीक टुकड़ी मे आनल जाइत छैक, आ व्यभिचारी अनमोल प्राणक शिकार करत।
व्यभिचार पुरुष केँ बर्बाद क’ देत, आ व्यभिचारी अपन पाछाँ मे अथक रहत।
1. व्यभिचारक परिणाम: लोकोक्तिक बुद्धि सँ सीखब
2. पापक खर्च: नीतिवचन 6 सँ एकटा चेतावनी
1. नीतिवचन 6:32 - मुदा जे केओ स् त्रीक संग व्यभिचार करैत अछि, ओकरा बुद्धिक अभाव होइत छैक।
2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।
नीतिवचन 6:27 की मनुष्य अपन कोरा मे आगि ल’ सकैत अछि, जखन कि ओकर कपड़ा नहि जरि सकैत अछि? सावधान रहबाक चाही जे अपना कें खतरनाक स्थिति मे नहि डालल जाय जे ओकरा नुकसान पहुंचा सकय छै.
1. जे चुनाव करब ताहि सँ सावधान रहू
2. अपन हृदय के रक्षा करू जे अहाँ के की नुकसान क सकैत अछि
1. इफिसियों 5:15-17 - तखन सावधान रहू जे अहाँ कोना जीबैत छी, अबुद्धिमान लोकक रूप मे नहि, बल्कि बुद्धिमानक रूप मे, समयक सदुपयोग करैत, किएक तँ दिन दुष्ट अछि। तेँ मूर्ख नहि बनू, बल् कि प्रभुक इच्छा की होइत छैक से बुझू।

2. नीतिवचन 4:23 - सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, कारण अहाँक सभ काज ओहि सँ बहैत अछि।

नीतिवचन 6:28 की केओ गरम कोयला पर जा सकैत अछि, जखन ओकर पैर नहि जरि सकैत अछि?

ई अंश पाप के परिणाम के बारे में बात करै छै आरू हमरा सिनी कॅ एकरा सें चेताबै छै।

1. पापक परिणामक प्रति सावधान रहू आ ओकर बदला मे धर्मक मार्ग चुनू।

2. प्रलोभन केँ अस्वीकार करू आ नीतिवचन 6:28 मे परमेश्वरक वचन पर ध्यान दियौक।

1. याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भवती भेला पर पापक जन्म दैत अछि, आ पाप पूर्ण रूप सँ बढ़ला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन 6:29 जे केओ अपन पड़ोसीक पत्नी लग जाइत अछि। जे ओकरा छूओत से निर्दोष नहि होयत।

ई श्लोक व्यभिचार के खिलाफ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई श्लोक में कहलऽ गेलऽ छै कि जे भी अपनऽ पड़ोसी के पत्नी के पास जाय छै, वू निर्दोष नै होतै ।

1. व्यभिचारक खतरा: मांसक प्रलोभन पर कोना उबरल जाय

2. विवाह मे वफादार रहब: निष्ठा के फल

1. निष्कासन 20:14 - अहाँ व्यभिचार नहि करू।

2. इब्रानी 13:4 - सभक बीच विवाहक आदर हो, आ विवाहक बिछौन अशुद्ध हो, किएक तँ परमेश् वर यौन-अनैतिक आ व्यभिचारी सभक न्याय करताह।

नीतिवचन 6:30 मनुष्य चोर केँ तिरस्कार नहि करैत अछि, जँ ओ भूखल रहला पर अपन प्राण केँ तृप्त करबाक लेल चोरी करैत अछि।

पुरुष के तिरस्कार नै करबाक चाही जँ ओकर आवश्यकता ओकरा चोरी करय लेल बाध्य करय।

1. "आवश्यकताक शक्ति: करुणा आ क्षमा केँ बुझब"।

2. "निराशा आ आशा: मानव इच्छाक शक्ति"।

1. नीतिवचन 19:17 - जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ प्रभु केँ उधार दैत अछि, आ ओ ओकरा जे काज केने अछि ओकर फल देत।

2. याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि, ओकरा पर न्याय निर्दय होयत; दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

नीतिवचन 6:31 मुदा जँ ओ भेटि जायत तँ ओ सात गुना सुधार करत। ओ अपन घरक सभटा सम्पत्ति देत।

जे दोसर पर अन्याय करैत अछि ओकरा सात गुना क्षतिपूर्ति करय पड़तैक।

1: हमरा सभकेँ जे उचित अछि से करबाक चाही आ जखन हम सभ दोसरसँ अन्याय केने छी तँ क्षतिपूर्ति करबाक चाही।

2: भगवान न्यायी छथि आ हमरा सभसँ जे कोनो गलती केलहुँ ओकरा ठीक करबाक आग्रह करताह।

1: इफिसियों 4:28 - जे चोरी केने छल से आब चोरी नहि करय, बल्कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज करय, जाहि सँ ओकरा किछु भेटय जे ओकरा जरूरत पड़य।

2: लूका 19:8-10 - मुदा जक्कै ठाढ़ भ’ क’ प्रभु केँ कहलथिन, “देखू, प्रभु, हम अपन आधा सम्पत्ति गरीब केँ दैत छी। आ जँ हम ककरोसँ किछु झूठ आरोप लगा कऽ लेने छी तँ चारि गुना पुनर्स्थापित करैत छी। यीशु हुनका कहलथिन, “आइ एहि घर मे उद्धार भऽ गेल अछि, किएक तँ ओ अब्राहमक पुत्र सेहो छथि।”

नीतिवचन 6:32 मुदा जे केओ स् त्रीक संग व्यभिचार करैत अछि, ओकरा बुद्धिक अभाव होइत छैक।

व्यभिचार अपन आत्माक लेल विनाशकारी होइत अछि आ समझदारीक अभाव होइत अछि ।

1. व्यभिचारक खतरा: पाप कोना विनाश दिस ल' सकैत अछि

2. अपन आत्माक मूल्य बुझब: प्रलोभनक विरोध किएक करबाक चाही

1. मत्ती 5:27-28 अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल छल जे, “अहाँ व्यभिचार नहि करू।” मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जे कियो कामुक नियत सँ स्त्री दिस तकैत अछि, ओ पहिने सँ हृदय मे ओकरा संग व्यभिचार क' चुकल अछि।

2. याकूब 1:14-15 मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छाक लोभ मे आ लोभित होइत अछि। तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि |

नीतिवचन 6:33 ओकरा घाव आ अपमान भेटतैक। ओकर निन्दा नहि मेटाओल जायत।

नीतिवचन 6:33 के ई श्लोक बताबै छै कि कोय व्यक्ति के बेइज्जती के काम के कारण गलत काम करै के प्रतिष्ठा मिलतै जेकरा बिसरलो नै जैतै।

१.

२.

1. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

2. रोमियो 12:21 - "बुराई सँ हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।"

नीतिवचन 6:34 ईर्ष्या मनुष् यक क्रोध अछि, तेँ ओ प्रतिशोधक दिन मे कोनो जुनून नहि करत।

ईर्ष्या खतरनाक होइत अछि आ एकर गंभीर परिणाम सेहो भ सकैत अछि ।

1: ईर्ष्या एकटा विनाशकारी भाव अछि, आ एकर भयावह परिणाम भ सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन ईर्ष्यालु भावनाक शक्तिक प्रति जागरूक रहबाक चाही आ ओकरा नियंत्रित करबाक प्रयास करबाक चाही।

1: याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”

2: नीतिवचन 14:30 - स्वस्थ हृदय शरीरक जीवन होइत छैक, मुदा हड्डीक सड़लपन सँ ईर्ष्या करू।

नीतिवचन 6:35 ओ कोनो फिरौतीक कोनो परवाह नहि करत। आ ने ओ संतुष्ट होयत, भले अहाँ बहुत रास वरदान दैत छी।

कोनो तरहक वरदान वा फिरौती सँ ककरो संतुष्ट नहि होयत जकरा पर अन्याय भेल हो।

1. लोकोक्तिक धार्मिकता: दोसरक संग कोना व्यवहार कयल जाय

2. धैर्यक शक्ति: क्षमा करब सीखब

1. मत्ती 5:44 मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभक शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

2. रोमियो 12:19 हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

नीतिवचन अध्याय 7 मे प्रलोभन आ यौन अनैतिकता के जाल में फंसला के खतरा के बारे में एकटा चेतावनी कथा प्रस्तुत कयल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय मे एकटा युवक के व्यभिचारी महिला द्वारा लोभित करबाक वर्णन अछि | एहि मे ओकरा धूर्त आ मोहक रूप मे चित्रित कयल गेल अछि, जे ओकरा लोभनीय शब्द सँ अपन घर मे लुभाबैत अछि (नीतिवचन 7:1-5)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय यौन प्रलोभन के आकर्षण के खिलाफ चेतावनी दैत अछि, पाठक के ओकर लोभ के विरोध करय के आग्रह करैत अछि. ई ऐन्हऽ प्रलोभन के सामने हार मानय वाला के बाद आबै वाला विनाशकारी परिणाम पर जोर दै छै (नीतिवचन 7:6-27)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति सातवाँ अध्याय में प्रावधान है
प्रलोभन आ यौन अनैतिकता के सामने झुकला के खतरा के बारे में एकटा चेतावनी कहानी।

एकटा युवक के व्यभिचारी महिला द्वारा लोभनीय शब्द के प्रयोग के माध्यम स लोभाबय के संबंध में प्रस्तुत चित्रण के वर्णन |
परिणामस्वरूप विनाशकारी परिणाम पर जोर दैत यौन प्रलोभन कें सामने झुकय कें खिलाफ चेतावनी देल गेल छै.

नीतिवचन 7:1 हमर बेटा, हमर वचनक पालन करू आ हमर आज्ञा अहाँक संग राखू।

नीतिवचन 7:1 पाठक केँ परमेश्वरक वचन आ आज्ञाक पालन आ संग्रहण करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. परमेश् वरक वचन केँ आत्मसात करब - परमेश् वरक इच्छा मे अपना केँ समर्पित करबाक महत्व।

2. बुद्धिक खजाना - परमेश् वरक आज्ञाक मूल्य आ ई हमरा सभक जीवन केँ कोना समृद्ध क' सकैत अछि।

1. भजन 119:11 - "हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका लेने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि क' सकब।"

2. याकूब 1:22-25 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ देखनिहारक समान अछि।" काँच मे ओकर स्वाभाविक चेहरा: किएक तँ ओ अपना केँ देखैत अछि आ अपन बाट पर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन मनुक्ख छल काज करनिहार, ई आदमी अपन काज मे धन्य होयत।"

नीतिवचन 7:2 हमर आज्ञाक पालन करू आ जीबैत रहू। आ हमर नियम अहाँक आँखिक नेबो जकाँ।

ई श्लोक हमरा सिनी कॅ परमेश् वर के आज्ञा के पालन करै लेली आरू हुनको व्यवस्था के अनुसार जीबै लेली प्रोत्साहित करै छै, जेना कि ई हमरा सिनी लेली सबसें कीमती चीज छै।

1. परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञापालनक जीवन जीब

2. परमेश् वरक नियमक अनमोलता

82

1. व्यवस्था 11:18-19 - ओकरा सभ केँ अपन हाथ पर प्रतीकक रूप मे बान्हि दियौक आ कपार पर बान्हि दियौक। अपन घरक दरबज्जा पर आ अपन फाटक पर लिखू।

2. भजन 119:11 - हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा कएने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

नीतिवचन 7:3 ओकरा सभ केँ अपन आँगुर पर बान्हि दियौक, ओकरा सभ केँ अपन हृदयक मेज पर लिखू।

ई अंश हमरा सब क॑ परमेश्वर केरऽ आज्ञा क॑ अपनऽ दिल म॑ संग्रहित करै लेली आरू ओकरा प्रति लगातार ध्यान रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. आज्ञाकारिता के जीवन जीना: परमेश्वर के आज्ञा के पालन कोना करलऽ जाय

2. परमेश् वरक बाट सभ केँ मोन राखब: परमेश् वरक नियम केँ अपन हृदय मे समाहित करब

1. भजन 119:9-11 - "युवक कोन तरहेँ अपन बाट केँ शुद्ध करत? अहाँक वचनक अनुसार सावधान भ' क'। हम अपन पूरा मोन सँ अहाँ केँ तकलहुँ। हे हमरा अहाँक आज्ञा सँ नहि भटकब। अहाँक वचन हमरा लग अछि।" हमर हृदय मे नुका गेल, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।”

2. याकूब 1:22-25 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ देखनिहारक समान अछि।" काँच मे ओकर स्वाभाविक चेहरा: किएक तँ ओ अपना केँ देखैत अछि आ अपन बाट पर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन मनुक्ख छल काज करनिहार, ई आदमी अपन काज मे धन्य होयत।"

नीतिवचन 7:4 बुद्धि केँ कहू, अहाँ हमर बहिन छी। आ अपन रिश्तेदार केँ बुझबाक लेल बजाउ।

बुद्धि आ समझ के परिवार के सदस्य के रूप में मानल जाय, जेकरा खोजल जाय आ ओकर मूल्य देल जाय।

1. "परिवारक बात: बुद्धि आ समझदारी के मूल्य"।

2. "बुद्धि केर आह्वान: समझदारी केर खोज"।

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. नीतिवचन 2:11, "विवेक तोरा बचाओत, बुद्धि तोरा राखत।"

नीतिवचन 7:5 जाहि सँ ओ सभ अहाँ केँ परदेशी स्त्री सँ, ओहि परदेशी सँ बचा सकय जे ओकर बात सँ चापलूसी करैत अछि।

एहि श्लोक मे व्यभिचारी स्त्री सँ दूर रहि ओकर प्रभाव सँ बचबाक बात कयल गेल अछि |

1: पापक प्रभाव सँ दूर रहू आ ओकर झूठ प्रतिज्ञा सँ नहि डोलब।

2: व्यभिचारी आ सब तरहक प्रलोभन सँ दूर रहू।

1: नीतिवचन 2:16-19, "अहाँ केँ ओहि परदेशी स्त्री सँ मुक्त करबाक लेल, ओहि परदेशी सँ जे अपन बातक चापलूसी करैत अछि; जे अपन युवावस्थाक मार्गदर्शक केँ छोड़ि दैत अछि आ अपन परमेश् वरक वाचा केँ बिसरि जाइत अछि।"

2: 1 कोरिन्थी 6:18, "व्यभिचार सँ पलायन करू। जे कोनो पाप करैत अछि से शरीर सँ बाहर अछि, मुदा जे व्यभिचार करैत अछि ओ अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि।"

नीतिवचन 7:6 हम अपन घरक खिड़की दिस अपन कोठली मे सँ देखैत छलहुँ।

एहि अंश मे प्रलोभन सँ सावधान रहबाक लेल सतर्क आ विवेकशील रहबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि |

1. ऊँच बाट पर चलब: फकड़ाक बुद्धि

2. प्रलोभनक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. याकूब 4:7 - "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

2. इफिसियों 6:11 - "परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

नीतिवचन 7:7 हम देखलहुँ जे सहज लोक सभक बीच एकटा एहन युवक केँ बुझल जे बुद्धिहीन छल।

अंश एकटा युवक के सरल आ युवा के बीच समझदारी के कमी देखल जाइत अछि |

1. जीवन मे समझ के महत्व

2. सरल आ ज्ञानी के अंतर के भेद करब

1. नीतिवचन 14:15 - "साधारण लोक सभ किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 7:8 ओकर कोन लग गली मे गुजरैत। ओ ओकर घर दिस विदा भेलाह।

गलीसँ गुजरैत एकटा आदमी एकटा महिलाक घर दिस रस्ता दिस बढ़ल।

1. भगवानक मार्ग पर चलब तखनो जखन ओ हमरा सभ केँ अप्रत्याशित स्थान पर ल' जाइत अछि

2. परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक बुद्धि

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचार।"

2. रोमियो 12:2 "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 7:9 गोधूलि बेला मे, साँझ मे, कारी आ अन्हार राति मे।

ई अंश रात में अन्हार के जगह पर रहला के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै।

1. राति के खतरा: प्रलोभन आ पाप स कोना बचल जाय।

2. भगवानक सान्निध्यक प्रकाश: कमजोरीक समय मे ताकत कोना भेटत।

1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

2. नीतिवचन 4:19 - "दुष्ट लोकक बाट अन्हार जकाँ होइत छैक, ओ सभ नहि जनैत अछि जे ओ की ठोकर खाइत अछि।"

नीतिवचन 7:10 देखू, एकटा वेश्या के वेशभूषा मे आ धूर्त हृदय मे एकटा महिला हुनका सँ भेंट कयलनि।

एहि लोकोक्ति मे एकटा एहन पुरुषक वर्णन अछि जकरा वेश्याक वस्त्र आ व्यवहारक संग महिला भेटैत अछि |

1: जे ईश्वरीय जीवन नहि जी रहल छथि हुनकर बाहरी रूप सँ धोखा नहि खाउ।

2: जे लोक अहाँ केँ भगवान सँ दूर करबाक प्रयास करैत छथि, हुनकर सूक्ष्मता सँ प्रलोभन मे नहि पड़ू।

1: रोमियो 12:2: एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2: 1 तीमुथियुस 6:11: मुदा हे परमेश् वरक आदमी, अहाँ एहि सभ सँ भागि जाउ। धर्म, भक्ति, विश्वास, प्रेम, दृढ़ता, सौम्यता के पाछाँ चलू।

नीतिवचन 7:11 (ओ जोरदार आ जिद्दी छथि, हुनकर पएर हुनकर घर मे नहि रहैत छनि।

ई अंश व्यभिचारी महिला सिनी के साथ संगत करै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1: खराब प्रभाव स बचैत प्रलोभन स दूर रहू।

2: पाप आ ओकर परिणाम सँ अपन हृदयक रक्षा करू।

1: 1 कोरिन्थी 6:18 - "अनैतिकता सँ भागू। आन सभ पाप जे व्यक्ति करैत अछि से शरीर सँ बाहर अछि, मुदा जे यौन पाप करैत अछि, ओ अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि।"

2: नीतिवचन 5:3-5 - "कियैक त' व्यभिचारीक ठोर सँ मधु टपकैत छैक, आ ओकर बाजब तेल सँ बेसी चिकना होइत छैक; मुदा अंत मे ओ पित्त जकाँ कटु, दुधारी तलवार जकाँ तेज होइत छैक। ओकर पैर नीचाँ चलि जाइत छैक।" मृत्यु; ओकर डेग सोझे चिता दिस ल' जाइत छैक।"

नीतिवचन 7:12 आब ओ बाहर अछि, आब सड़क पर अछि, आ कोन-कोन मे प्रतीक्षा मे पड़ल अछि।)

ओ एकटा मोहक छथि जे अपन सौन्दर्यक उपयोग पुरुष केँ घर सँ दूर लुभाबैत छथि ।

1: हमरा सभकेँ एहि संसारक प्रलोभनसँ अवगत रहबाक चाही आ ओकरासँ अपनाकेँ सावधान रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ नीतिवचन 7 केर उदाहरण सँ सीखबाक चाही आ पाप आ प्रलोभनक विरुद्ध चेतावनी केँ गंभीरता सँ लेबाक चाही।

1: मत्ती 6:13, "आ हमरा सभ केँ परीक्षा मे नहि लऽ जाउ, बल् कि हमरा सभ केँ बुराई सँ बचाउ।"

2: 1 पत्रुस 5:8, "सोझ रहू, सतर्क रहू, किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरा खा सकैत अछि तकरा खोजैत अछि।"

नीतिवचन 7:13 तखन ओ ओकरा पकड़ि कऽ चुम्मा लेलक आ अशुद्ध मुँह सँ ओकरा कहलथिन।

नीतिवचन 7:13 के ई अंश मोहक महिला के लोभ के खिलाफ चेतावनी दै छै।

1. अपन हृदय के प्रलोभन स बचाउ

2. कामुक इच्छाक खतरा

1. नीतिवचन 5:3-5 - "कहने व्यभिचारीक ठोर सँ मधु टपकैत अछि, आ ओकर बाजब तेल सँ बेसी चिकना होइत छैक; मुदा अंत मे ओ कृमि जकाँ तीत, दूधारी तलवार जकाँ तेज होइत छैक। ओकर पएर नीचाँ 85

चलि जाइत छैक।" मृत्यु, ओकर डेग सीओल दिसक बाट पर चलैत छैक, ओ जीवनक बाट पर चिंतन नहि करैत छैक, ओकर बाट भटकैत छैक, आ ओकरा नहि बुझल छैक।"

2. याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भवती भेला पर पापक जन्म दैत अछि, आ पाप पूर्ण रूप सँ बढ़ला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।"

नीतिवचन 7:14 हमरा संग शांति बलिदान अछि। आइ हम अपन व्रत पूरा कएने छी।

वक्ता अपन व्रत आ शान्तिक प्रसाद पूरा कएने छथि ।

1. शांति के व्रत आ प्रसाद के पालन के मूल्य

2. निष्ठावान पूर्तिक शक्ति

1. रूत 1:16-17 - "मुदा रूत कहलथिन, "हमरा सँ आग्रह नहि करू जे हम अहाँ केँ छोड़ि दिअ वा अहाँक पाछाँ-पाछाँ घुरब। किएक तँ अहाँ जतय जायब, हम ओतय जायब, आ अहाँ जतय रहब ओतय रहब। अहाँक लोक हमर लोक होयत।" , आ अहाँक परमेश् वर हमर परमेश् वर।”

2. उपदेशक 5:5 - "अहाँ व्रत नहि करब, एहि सँ नीक जे अहाँ व्रत करू आ ओकर भुगतान नहि करू।"

नीतिवचन 7:15 तेँ हम अहाँक मुँह तकबाक लेल अहाँ सँ भेंट करय लेल निकललहुँ, आ हम अहाँ केँ पाबि लेलहुँ।

व्यक्ति दोसरक मुँह तकैत अछि आ ओकरा ताकि लैत अछि ।

1. भगवान् हमरा सभसँ भेंट करबाक लेल सदिखन ठाढ़ रहैत छथि जखन हम सभ हुनका खोजैत छी।

2. भगवानक लगन सँ खोज करबाक शक्ति।

1. लूका 11:9-10 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। खोजू, तऽ पाबि जायब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत।” किएक तँ जे केओ माँगैत अछि, से भेटैत अछि। जे खोजै छै, से पाबै छै। जे खटखटाओत तकरा लेल ओ खोलल जायत।”

2. यिर्मयाह 29:13 जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

नीतिवचन 7:16 हम अपन बिछौन केँ टेपेस्ट्री केर आवरण सँ, नक्काशीदार काज सँ, मिस्र केर महीन लिनेन सँ सजाने छी।

ई श्लोक एकटा अलंकार के क्रिया के बात करै छै, जेकरा में ई सुझाव देलऽ गेलऽ छै कि व्यक्ति के समय निकाली क॑ कुछ खास आरू सुन्दर बनाबै के चाही ।

1. किछु खास बनेबाक लेल समय निकालबाक सौन्दर्य

2. श्रृंगार के माध्यम से सौन्दर्य बनाना

1. उपदेशक 3:11 - ओ सभ किछु केँ अपन समय मे सुन्दर बना देने छथि।

2. कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, वचन वा काज मे, सभ किछु प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

नीतिवचन 7:17 हम अपन बिछौन पर गंधक, मुसब्बर आ दालचीनी सँ सुगंधित केने छी।

नीतिवचन 7:17 मे एकटा महिला गंधक, मुसब्बर आ दालचीनी जेहन सुगंधित मसाला स अपन बिस्तर बनेबाक संदर्भ दैत अछि।

1. ईश्वरीय जीवनक सुगन्ध: पवित्रता आ पवित्रताक जीवन जीब
2. इत्रक शक्ति: अपन जीवन केँ अहाँक लेल बाज' देब
२.
2. 1 पत्रुस 1:16 - किएक तँ लिखल अछि जे पवित्र रहू, किएक तँ हम पवित्र छी। नीतिवचन 7:18 आउ, भोर धरि प्रेमक भरमार करी, प्रेम सँ अपना केँ सान्त्वना दैत छी। नीतिवचन 7:18 लोक केँ प्रेम मे आनन्द लेबय लेल आ ओहि मे अपना केँ सांत्वना देबय लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
1. प्रेम आ प्रेम करबाक आनन्द
2. संगति के आशीर्वाद
1. सुलेमानक गीत 8:4-7
2. उपदेशक 4:9-12
नीतिवचन 7:19 किएक तँ नीक लोक घर मे नहि अछि, ओ बहुत दूर धरि चलि गेल अछि।
ओ पाइक झोरा अपना संग लऽ कऽ गेल छथि, आ निर्धारित दिन घर आबि जेताह।
एक आदमी यात्रा पर चलि गेल अछि, संग मे पाइक झोरा ल' क' चलि गेल अछि आ एकटा निश्चित दिन घुरि जायत।
1. जीवन मे आगू सँ योजना बनेबाक महत्व
2. भविष्यक तैयारी आ समय आ संसाधनक बुद्धिमान भण्डारी बनबाक आवश्यकता
1. मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त
2. इफिसियों 5:15-17 - बुद्धि मे चलू
नीतिवचन 7:20 ओ अपन संग पाइक झोरा लऽ कऽ गेल छथि आ निर्धारित दिन पर घर आबि जेताह। प्रलोभन के खिलाफ चेतावनी पर ध्यान दियौ आ धर्म के मार्ग पर रहू।
1. मूर्ख नहि बनू: प्रलोभन सँ बचू आ धर्मक लाभ उठाउ
2. कोर्स मे रहब: धर्मक फल केँ आत्मसात करू
1. नीतिवचन 16:17 - सोझ लोकक राजमार्ग अधलाह सँ हटि जाइत अछि, जे अपन बाट पर चलैत अछि, ओ अपन प्राण केँ सुरक्षित रखैत अछि।
2. 1 कोरिन्थी 15:33 - धोखा नहि खाउ, दुष्ट संवाद नीक शिष्टाचार केँ भ्रष्ट करैत अछि। नीतिवचन 7:21 ओ अपन बहुत नीक बात सँ ओकरा झुका देलथिन, ठोरक चापलूसी सँ ओकरा जबरदस्ती कयलनि।
स्त्री अपन आकर्षण आ अपन बातक प्रयोग पुरुष केँ धोखा देबय लेल करैत अछि, ओकरा प्रभावित करैत अछि जे ओ अपन बोली पूरा करय ।
1. जीभसँ मोहित हेबाक खतरा

2. चापलूसी: प्रेमक भ्रम

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 20:19 - "जे कियो निंदा करबा मे घुमैत अछि, ओ रहस्य प्रकट करैत अछि; तेँ साधारण बकबक संग संगति नहि करू।"

नीतिवचन 7:22 ओ तुरन्त ओकर पाछाँ पड़ैत अछि, जेना बैल वध मे जाइत अछि, वा मूर्ख जकाँ गाछक सुधार मे जाइत अछि।

ई अंश कोनो व्यक्ति के विनाश के तरफ खींचै के बात करै छै जेना कि जानवर के वध में जाय या मूर्ख के स्टॉक के सुधार के तरफ जाय छै ।

1. प्रलोभनक खतरा आ ओकर विनाश दिस ल' जेबाक शक्तिक प्रति जागरूक रहू।

2. प्रलोभन सँ बचबाक आ भटकल नहि जेबाक दृढ़ संकल्प राखू।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू।

2. नीतिवचन 4:25-27 - अहाँक आँखि सोझे आगू दिस देखू, आ अहाँक नजरि सोझे सामने रहय। अपन चरणक बाट पर चिंतन करू; तखन अहाँक सभटा बाट निश्चित भ' जायत। दहिना वा बामा दिस नहि घुमू; अधलाहसँ पएर मोड़ि दियौक।

नीतिवचन 7:23 जाबत धरि ओकर यकृत मे बाण नहि खसि पड़तैक। जेना चिड़ै जल्दी-जल्दी जाल मे पहुँचि जाइत अछि, आ ई नहि जनैत अछि जे ई ओकर जानक लेल अछि।

जाबे देर नै भ जाय छै ताबे तक ओकरा अपन कर्म के खतरा के अहसास नै होइत छै।

1: बहुत देर होबय सं पहिने हमरा सभ के अपन काज के परिणाम के बारे मे जागरूक रहय पड़त.

2: हमरा सब के अपन पसंद आ ओहि खतरा के प्रति ध्यान देबय पड़त जे ओकर भीतर नुकायल भ सकैत अछि।

1: उपदेशक 8:11 - किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष् यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण टिकल अछि।

2: नीतिवचन 5:21-22 - कारण, मनुष्यक बाट परमेश् वरक नजरि मे अछि, आ ओ अपन सभ यात्रा पर चिंतन करैत अछि। ओकर अधर्म दुष्ट केँ स्वयं पकड़ि लेत आ ओकरा अपन पापक डोरी सँ पकड़ल जायत।

नीतिवचन 7:24 हे बच्चा सभ, आब हमर बात सुनू आ हमर मुँहक बात पर ध्यान दियौक।

ई अंश दोसरऽ के बुद्धिमानी के बातऽ पर ध्यान दै के याद दिलाबै छै ।

1. दोसरक बात सुनबा मे बुद्धि भेटैत अछि

2. शब्दक शक्ति

1. याकूब 1:19 - हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहय।

2. नीतिवचन 12:15 - मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा बुद्धिमान सलाह सुनैत अछि।

नीतिवचन 7:25 अहाँक मोन ओकर बाट पर नहि हटय, ओकर बाट मे नहि भटकय।

नीतिवचन 7:25 मे चेतावनी देल गेल अछि जे अपन हृदय केँ अनैतिक महिलाक बाट सँ भटकय नहि दियौक।

1. "गलत मोड़ नहि लिअ: दुष्ट महिलाक पालन करबाक खतरा"।

2. "नीतिवचन 7:25: धार्मिकताक बाट"।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. भजन 119:9 - युवक अपन बाट कोना शुद्ध राखि सकैत अछि? अपन वचनक अनुसार एकर पहरा क' क'।

नीतिवचन 7:26 किएक तँ ओ बहुतो घायल केँ नीचाँ खसा देलनि।

ओ लापरवाह आ विनाशकारी छथि, जाहि सँ बहुतो केँ पतन भ' जाइत छनि.

1: लापरवाह आ विनाशकारी व्यवहार विनाश दिस ल जाइत अछि

2: बुद्धि विनाश के विरुद्ध ढाल अछि

1: नीतिवचन 16:18 "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने जाइत अछि।"

2: नीतिवचन 22:3 "विवेकी आदमी अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ नुका लैत अछि, मुदा सरल लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।"

नीतिवचन 7:27 ओकर घर नरकक बाट अछि, जे मृत्युक कोठली मे उतरि जाइत अछि।

नीतिवचन 7:27 हमरा सभ केँ चेतावनी दैत अछि जे जँ हम सभ पापपूर्ण जीवन पद्धतिक पालन करैत छी तँ ओ मृत्यु आ विनाश दिस ल’ जाइत अछि।

1. पापक मार्ग सँ सावधान रहू

2. मृत्यु नहि, जीवन चुनू

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ जे दुष्टक संग कदम मिला कए नहि चलैत अछि आ ने ओहि बाट पर ठाढ़ होइत अछि जे पापी सभ उपहास करयवला सभक संग मे जाइत अछि वा बैसैत अछि, मुदा जिनकर प्रसन्नता प्रभुक नियम मे होइत अछि, आ... जे दिन-राति अपन नियमक ध्यान करैत अछि।

नीतिवचन अध्याय 8 मे बुद्धि के एकटा महिला के रूप में मूर्त रूप देल गेल अछि, जाहि में ओकर गुण आ ओकर पीछा करय के फायदा पर प्रकाश देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय मे बुद्धि के लोक के आवाज देबय वाला, समझ आ अंतर्दृष्टि के पेशकश करय के रूप मे चित्रित कएल गेल अछि. ई आदमी के जीवन में बुद्धि के मूल्य आरू महत्व पर जोर दै छै (नीतिवचन 8:1-11)।

2nd Paragraph: अध्याय में बुद्धि के वर्णन सृष्टि के आरंभ स, पृथ्वी के निर्माण स पहिने स मौजूद अछि। ई व्यवस्था स्थापित करै आरू मानवता के मार्गदर्शन करै म॑ बुद्धि के भूमिका प॑ प्रकाश डालै छै (नीतिवचन ८:२२-३१) ।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय पाठक के बुद्धि के निर्देश सुनय लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ ओकरा अस्वीकार करय सं चेतावनी दैत अछि. ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे जे बुद्धि पाबैत अछि ओकरा परमेश् वरक जीवन आ अनुग्रह भेटैत अछि (नीतिवचन 8:32-36)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय आठ मूर्त रूप दैत अछि
स्त्री जकाँ बुद्धि, २.
ओकर गुण पर प्रकाश दैत
आ ओकर पाछाँ पड़बाक लाभ पर जोर दैत।

समझ आरू अंतर्दृष्टि के पेशकश करतें हुअ॑ लोगऽ क॑ आवाज दै वाला बुद्धि के संबंध म॑ प्रस्तुत मूर्त रूप के चित्रण ।
अपन जीवन मे ओकर महत्वक संग-संग बुद्धि पर राखल गेल मूल्यक संबंध मे देखाओल गेल मान्यता पर जोर देब ।
सृष्टि केरऽ आरंभ स॑ ही बुद्धि केरऽ उपस्थिति के संबंध म॑ प्रस्तुत चित्रण के वर्णन करतें हुअ॑ व्यवस्था स्थापित करै म॑ ओकरऽ भूमिका प॑ प्रकाश डालतें हुअ॑ ।
श्रोता के बुद्धि द्वारा देल गेल निर्देश पर ध्यान देबय लेल प्रोत्साहित करब आ संगहि अस्वीकृति के खिलाफ चेतावनी देब.
बुद्धि पाबै वाला के भगवान के तरफऽ स॑ जीवन आरू अनुग्रह मिलै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ ।

नीतिवचन अध्याय 8 मे बुद्धि के एकटा महिला के रूप में मूर्त रूप देल गेल अछि, जाहि में ओकर गुण आ ओकर पीछा करय के फायदा पर प्रकाश देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय मे बुद्धि के लोक के आवाज देबय वाला, समझ आ अंतर्दृष्टि के पेशकश करय के रूप मे चित्रित कएल गेल अछि. ई आदमी के जीवन में बुद्धि के मूल्य आरू महत्व पर जोर दै छै (नीतिवचन 8:1-11)।

2nd Paragraph: अध्याय में बुद्धि के वर्णन सृष्टि के आरंभ स, पृथ्वी के निर्माण स पहिने स मौजूद अछि। ई व्यवस्था स्थापित करै आरू मानवता के मार्गदर्शन करै म॑ बुद्धि के भूमिका प॑ प्रकाश डालै छै (नीतिवचन ८:२२-३१) ।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय पाठक के बुद्धि के निर्देश सुनय लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ ओकरा अस्वीकार करय सं चेतावनी दैत अछि. ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे जे बुद्धि पाबैत अछि ओकरा परमेश् वरक जीवन आ अनुग्रह भेटैत अछि (नीतिवचन 8:32-36)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय आठ मूर्त रूप दैत अछि
स्त्री जकाँ बुद्धि, २.
ओकर गुण पर प्रकाश दैत
आ ओकर पाछाँ पड़बाक लाभ पर जोर दैत।

समझ आरू अंतर्दृष्टि के पेशकश करतें हुअ॑ लोगऽ क॑ आवाज दै वाला बुद्धि के संबंध म॑ प्रस्तुत मूर्त रूप के चित्रण ।
अपन जीवन मे ओकर महत्वक संग-संग बुद्धि पर राखल गेल मूल्यक संबंध मे देखाओल गेल मान्यता पर जोर देब ।
सृष्टि केरऽ आरंभ स॑ ही बुद्धि केरऽ उपस्थिति के संबंध म॑ प्रस्तुत चित्रण के वर्णन करतें हुअ॑ व्यवस्था स्थापित करै म॑ ओकरऽ भूमिका प॑ प्रकाश डालतें हुअ॑ ।
श्रोता के बुद्धि द्वारा देल गेल निर्देश पर ध्यान देबय लेल प्रोत्साहित करब आ संगहि अस्वीकृति के खिलाफ चेतावनी देब.
बुद्धि पाबै वाला के भगवान के तरफऽ स॑ जीवन आरू अनुग्रह मिलै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ ।

नीतिवचन 8:1 की बुद्धि नहि कानैत अछि? आ समझदारी ओकर आवाज बढ़बैत छलैक?

बुद्धि आ समझ सुनबा लेल आवाज द रहल अछि।

1. बुद्धि आ समझक शक्ति

2. [illegible]

1. [illegible] 11:2 - "[illegible]

2. [illegible] 1:5 - "[illegible]

[illegible] 8:2 [illegible]

[illegible]

1: [illegible]

2: [illegible]

1: [illegible] 18:33 [illegible]

2: 1 [illegible] 2:11 [illegible]

[illegible] 8:3 [illegible]

[illegible].

1: [illegible]

2: [illegible]

1: [illegible] 3:16 - [illegible]

2: [illegible] 1:5 - [illegible]

[illegible] 8:4 [illegible]

1. "[illegible]

2. "[illegible]

1. [illegible] 1:5, "[illegible]

2. [illegible] 119:105, "[illegible]

[illegible] 8:5 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. बुझबाक महत्व: बुझबाक प्रदर्शन कोना कयल जाय

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2. नीतिवचन 4:7 - बुद्धिक शुरुआत ई अछि जे बुद्धि प्राप्त करू, आ जे किछु भेटत, अंतर्दृष्टि प्राप्त करू।

नीतिवचन 8:6 सुनू; कारण, हम उत्तम बातक गप्प करब। आ हमर ठोर खुजब सही बात होयत।

नीतिवचन 8:6 हमरा सभ केँ सुनबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण बजनिहार उत्तम आ सही बात बाजत।

1. सुनबाक शक्ति: जे महत्व रखैत अछि से सुनब सीखब

2. लोकोक्तिक बुद्धि: सही आ उत्कृष्ट वस्तुक अन्वेषण

1. याकूब 1:19-20 - सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे मंद, क्रोध मे मंद रहू

2. 1 पत्रुस 4:10-11 - जेना प्रत्येक केँ कोनो वरदान भेटल अछि, एक दोसराक सेवा मे एकर उपयोग करू, परमेश्वरक विविध अनुग्रहक नीक भण्डारी के रूप मे

नीतिवचन 8:7 किएक तँ हमर मुँह सत् य बाजत। आ दुष्टता हमर ठोर पर घृणित अछि।

ई अंश ईमानदारी आ निष्ठा के महत्व के बात करै छै।

1. "झूठ नहि बाजू: हमर जीवन मे ईमानदारी आ ईमानदारी"।

2. "सत्यक शक्ति: सत्य किएक बजबाक चाही"।

1. कुलुस्सी 3:9-10 - "एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, किएक तँ अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर आचरणक संग छोड़ि देलियैक आ नव स्वभाव केँ पहिरि लेलहुँ, जे ओकर सृष्टिकर्ताक प्रतिरूपक अनुसार ज्ञान मे नवीनीकरण भ' रहल अछि।" " .

2. इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ सत् य बाजब, कारण, हम सभ एक-दोसरक अंग छी।"

नीतिवचन 8:8 हमर मुँहक सभ बात धार्मिकता मे अछि। एहि मे कोनो फूहड़ वा विकृत बात नहि छैक।

नीतिवचन 8:8 केवल धार्मिकता के शब्द बोलै के आरू विकृति स बचै के महत्व पर प्रकाश डालै छै।

1. "अपन वचनक शक्ति: धर्म बाजू"।

2. "अपन शब्द केँ बुद्धिमानी सँ चुनबाक महत्व"।

1. कुलुस्सी 4:6 - "अहाँ सभक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।"

2. याकूब 3:1-12 - "हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे शिक्षा दैत छी, हमरा सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत।"

नीतिवचन 8:9 ई सभ बुझनिहारक लेल स्पष्ट अछि आ ज्ञान पाबनिहारक लेल उचित अछि।

प्रभु केरऽ ज्ञान ओकरा समझै के कोशिश करै वाला के लेलऽ साफ छै ।
1: मात्र ज्ञान रहब पर्याप्त नहि, एकर उपयोग प्रभुक खोज मे करय पड़त।
2: प्रभुक बुद्धि ज्ञानक खोज करय बला लोकक लेल खुलल आ सुलभ अछि।
1: नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।
2: भजन 119:104 - अहाँक उपदेशक द्वारा हमरा समझ भेटैत अछि; तेँ हम सभ झूठ बाट सँ घृणा करैत छी।
नीतिवचन 8:10 हमर शिक्षा ग्रहण करू, चानी नहि। आ चुनिंदा सोना स बेसी ज्ञान।
धन के स्थान पर निर्देश, सोना के बजाय ज्ञान प्राप्त करे |
1. धन पर ज्ञानक मूल्य
2. धन पर बुद्धि चुनब
1. नीतिवचन 16:16 - सोना सँ कतेक नीक बुद्धि भेटब! समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।
2. उपदेशक 7:12 - किएक तँ बुद्धिक रक्षा पाइक रक्षा जकाँ अछि, आ ज्ञानक फायदा ई अछि जे बुद्धि ओकर जीवनक रक्षा करैत अछि जकरा लग अछि।
नीतिवचन 8:11 किएक तँ माणिकसँ नीक बुद्धि अछि। आ जे किछु वांछित भ' सकैत अछि, ओकर तुलना एहि सँ नहि कयल जा सकैत अछि।
धनसँ बेसी बुद्धिक मोल होइत छैक। एकर तुलना किछुओ नहि भ' सकैत अछि।
1. बुद्धिक मूल्य: जे सबसँ बेसी अनमोल अछि तकरा खोजब सीखब
2. धन वा बुद्धिक चुनाव: जे शाश्वत अछि ताहि मे निवेश करब
1. याकूब 3:17-18 - मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।
2. नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि भेटैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि। किएक तँ चानीक व्यवस्थासँ एकर व्यवस्था नीक अछि आ ओकर लाभ महीन सोनासँ नीक।
नीतिवचन 8:12 हम बुद्धि विवेकक संग रहैत छी, आ चुटीला आविष्कारक ज्ञान करैत छी।
बुद्धि विवेक के साथ निवास करै छै आरू ज्ञान चुटीला आविष्कार के माध्यम स॑ प्राप्त होय छै ।
1. "विवेक के बुद्धि"।
2. "ज्ञान के लाभ"।
1. नीतिवचन 3:13-15
2. नीतिवचन 9:10-12
नीतिवचन 8:13 परमेश् वरक भय अधलाह सँ घृणा करब अछि, घमंड, अहंकार, दुष्ट मार्ग आ खिसियाह मुँह सँ हम घृणा करैत छी।
प्रभु केरऽ भय बुराई आरू ओकरा स॑ जुड़लऽ व्यवहार स॑ घृणा करना छै ।

1. बुराई सँ घृणा करबाक शक्ति - बुराई सँ घृणा करबाक की अर्थ होइत छैक आ ई किएक महत्वपूर्ण अछि ।

2. अहंकार आ अहंकार के तिरस्कार करबाक लेल भगवान के आह्वान - अहंकार आ अहंकार के किएक नकारब।

1. भजन 97:10 - "हे सभ जे प्रभु सँ प्रेम करैत छी, अधलाह सँ घृणा करैत छी..."

2. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

नीतिवचन 8:14 सलाह हमर अछि आ नीक बुद्धि। हमरा मे ताकत अछि।

ई अंश ई बात के पुष्टि करै छै कि परमेश्वर के पास बुद्धि आरू समझ छै, आरू ओकरा साझा करै के ताकत छै।

1. परमेश् वरक सलाहक ताकत

2. भगवान् के बुद्धि को समझना

1. नीतिवचन 3:13-15 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, जे बुद्धि प्राप्त करैत अछि, कारण ओ चानी सँ बेसी लाभदायक अछि आ सोना सँ नीक लाभ दैत अछि। माणिकसँ बेसी कीमती छथि; अहाँक इच्छाक कोनो वस्तुक तुलना हुनकासँ नहि कएल जा सकैत अछि ।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीनीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

नीतिवचन 8:15 हमरा द्वारा राजा सभ राज करैत छथि, आ राजकुमार सभ न्यायक आदेश दैत छथि।

नीतिवचन 8:15 मे कहल गेल अछि जे राजा आ राजकुमार अपन शक्ति परमेश् वर सँ प्राप्त करैत छथि आ न्यायपूर्ण निर्णय लैत छथि।

1. परमेश् वर सभ अधिकारक स्रोत छथि - नीतिवचन 8:15

2. न्यायपूर्ण निर्णयक आवश्यकता - नीतिवचन 8:15

1. यशायाह 33:22 - कारण, प्रभु हमरा सभक न्यायाधीश छथि; प्रभु हमरा सभक व्यवस्था देनिहार छथि। प्रभु हमरा सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

2. दानियल 2:20-21 - दानियल उत्तर देलथिन आ कहलथिन: परमेश् वरक नाम अनन्त काल धरि धन्य हो, जिनकर बुद्धि आ पराक्रम अछि। ओ समय आ ऋतु बदलैत छथि; राजा सभ केँ हटा दैत अछि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत अछि। ज्ञानी के बुद्धि आ समझ वाला के ज्ञान दै छै।

नीतिवचन 8:16 हमरा द्वारा राजकुमार सभ शासन करैत छथि, आ कुलीन वर्ग, पृथ् वीक सभ न्यायाधीश।

नीतिवचन 8:16 सिखाबैत अछि जे पृथ्वीक शासक, कुलीन आ न्यायाधीश सभ परमेश् वरक अधिकार मे छथि।

1. "भगवानक सार्वभौमत्व"।

2. "मानव शासन मे भगवान् के अधिकार"।

1. कुलुस्सी 1:16-17 - किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ किछु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।

2. रोमियो 13:1-2 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो अधिकारि सभक विरोध करत, ओ परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल बातक विरोध करैत अछि, आ विरोध करयवला केँ न्यायक सामना करय पड़तैक।

नीतिवचन 8:17 हम ओहि सभ सँ प्रेम करैत छी जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि। जे हमरा जल्दी तकैत अछि, से हमरा पाबि लेत।”

जे हमरा स प्रेम करैत अछि ओकरा स प्रेम अछि आ जे हमरा लगन स तकैत अछि ओ हमरा पाबि लेत।

1: हमरा सभ केँ प्रभु केँ लगन सँ तकबाक चाही, कारण ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सँ प्रेम करैत छथि आ हुनका तकनिहार केँ भेटि जेताह।

2: प्रभु सँ पूरा मोन सँ प्रेम करू, कारण ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सँ प्रेम करैत छथि आ जे हुनका लगन सँ तकैत छथि हुनका भेटतनि।

1: व्यवस्था 4:29 - मुदा ओतहि सँ अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर केँ तकब आ हुनका पाबि लेब जँ अहाँ हुनका पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ तकब।

2: यिर्मयाह 29:13 - अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।

नीतिवचन 8:18 धन आ आदर हमरा संग अछि। हँ, टिकाऊ धन आ धर्म।

नीतिवचन 8:18 मे कहल गेल अछि जे धन आ इज्जत के संग-संग टिकाऊ धन आ धर्म के खोज करय वाला के लेल उपलब्ध अछि।

1. आस्थाक शक्ति: धन आ सम्मानक पाछाँ चलब सीखब

2. धर्मक आशीर्वाद: टिकाऊ धन आ सम्मान भेटब

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

नीतिवचन 8:19 हमर फल सोना सँ नीक अछि, नीक सोना सँ नीक अछि। आ हमर राजस्व पसंद चानी स बेसी।

सोना-चानी सँ बेसी मोली बुद्धिक फल होइत छैक।

1. बुद्धिक मूल्य: जीवन मे पूर्णता कोना भेटत

2. बुद्धिक लाभ : सदाक लेल रहय बला धन प्राप्त करब

1. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय।

2. याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, सौम्य आ सहज व्यवहार मे भरल, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात के आ बिना पाखंड के।

नीतिवचन 8:20 हम धार्मिकताक बाट मे, न्यायक बाट मे अबैत छी।

बुद्धि धर्म आ न्याय दिस लऽ जाइत अछि।

1. धर्मक मार्ग - नीतिवचन 8:20

2. बुद्धि के माध्यम स न्याय भेटब - नीतिवचन 8:20

1. यशायाह 33:15-16 - "जे धार्मिक चलैत अछि आ सोझ बाजैत अछि; जे अत्याचारक लाभ केँ तुच्छ बुझैत अछि, जे घूस पकड़बा सँ हाथ हिलाबैत अछि, जे खून सुनबा सँ कान रोकैत अछि आ आँखि मुनि लैत अछि।" अधलाह देखैत, ओ ऊँच पर रहत, ओकर रक्षाक स्थान पाथरक गोला-बारूद होयत, ओकरा रोटी देल जायत, ओकर पानि पक्का होयत।"

2. भजन 25:8-9 - "परमेश् वर नीक आ सोझ छथि, तेँ ओ पापी सभ केँ बाट मे सिखाओत। ओ नम्र केँ न्याय मे मार्गदर्शन करताह, आ नम्र केँ ओ अपन बाट सिखाओत।"

नीतिवचन 8:21 जाहि सँ हम जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि तकरा सभ केँ सम्पत्ति प्राप्त क’ सकब। आ हम हुनका सभक खजाना भरब।

ई अंश लोगऽ क॑ बुद्धि केरऽ पीछा करै लेली प्रोत्साहित करै छै जेकरा स॑ समृद्धि के रास्ता मिलै छै ।

1. बुद्धिक पाछाँ: प्रचुरताक मार्ग

2. बुद्धिमानी के विकल्प बनाना: धन के निर्माण के कुंजी

1. नीतिवचन 3:13-18

2. याकूब 1:5-8

नीतिवचन 8:22 परमेश् वर हमरा अपन बाटक प्रारंभ मे, अपन पुरान काजक पहिने अपना मे समेटि लेलनि।

नीतिवचन 8:22 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे सभ किछु सँ पहिने प्रभु हमरा सभक संग छलाह।

1. "परमेश् वर सदिखन हमरा सभक संग छथि: नीतिवचन 8:22 पर एकटा अध्ययन"।

2. "प्रभुक प्राथमिकता: नीतिवचन 8:22 क विश्लेषण"।

1. यशायाह 40:28 की अहाँ सभ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि।

2. यूहन्ना 1:1-3 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह। ओ शुरू मे भगवानक संग छलाह। हुनका द्वारा सभ किछु बनल अछि। हुनका बिना कोनो एहन चीज नहि बनल जे बनल अछि।

नीतिवचन 8:23 हम अनन्त काल सँ, शुरू सँ वा पृथ् वी पहिने सँ स्थापित छलहुँ।

नीतिवचन 8:23 मे ई बात कहल गेल अछि जे पृथ्वीक सृष्टि सँ पहिने बुद्धि मौजूद छल।

1. भगवान् के शाश्वत बुद्धि

2. बुद्धिक प्राथमिकता

1. कुलुस्सी 1:15-17 - मसीह अदृश्य परमेश्वरक प्रतिरूप छथि, जे सभ सृष्टिक जेठ छथि।

2. यूहन्ना 1:1-5 - शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह।

नीतिवचन 8:24 जखन गहींर नहि छल तखन हमरा सामने आनल गेल। जखन पानिसँ भरल कोनो फव्वारा नहि छल।

हम सृष्टि स पहिने सृष्टि भेल छी।

1: भगवान् के कृपा कालजयी आ नित्य उपस्थित अछि।

2: भगवान् के शक्ति असाधारण आ समझ स परे अछि।

1: कुलुस्सी 1:17 - ओ सभ किछु सँ पहिने छथि, आ हुनका मे सभ किछु एक संग रहैत छथि।

2: रोमियो 11:33-36 - हे, परमेश् वरक धन आ बुद्धि आ ज्ञानक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि आ ओकर बाट कतेक अविवेचनीय अछि!

नीतिवचन 8:25 पहाड़क बसबासँ पहिने, पहाड़ी सभसँ पहिने हमरा बाहर आनल गेल छल।

ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि भगवान केरऽ अस्तित्व सब कुछ स॑ पहल॑ छेलै आरू अनन्त छै ।

1. परमेश् वरक अनन्त काल हमरा सभ केँ कोना सहारा दैत अछि

2. सृष्टि सँ पहिने भगवानक शक्ति

1. यशायाह 48:12-13 "हे याकूब, हमर बात सुनू, जकरा हम बजौने रही! हम ओ छी; हम पहिल छी, आ हम अंतिम छी। हमर हाथ पृथ्वीक नींव आ हमर दहिना हाथ रखलक।" हाथ पसारि कऽ आकाश केँ पसरल अछि, जखन हम ओकरा सभ केँ बजबैत छी त’ ओ सभ एक संग ठाढ़ भ’ जाइत अछि।

2. यूहन्ना 1:1-3 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह। ओ शुरू मे भगवानक संग छलाह। सब किछु हुनका द्वारा बनल छल, आ हुनका बिना कोनो एहन चीज नहि बनल जे बनल छल।

नीतिवचन 8:26 जखन कि ओ एखन धरि पृथ् वी नहि बनौने छलाह, ने खेत, आ ने संसारक सभसँ ऊँच भाग।

नीतिवचन 8:26 परमेश्वर के शक्ति पर जोर दै छै, जेकरा स॑ ई बात के संकेत मिलै छै कि हुनी पृथ्वी आरू खेत के निर्माण स॑ पहल॑ ही दुनिया के रचना करलकै ।

1. भगवान् के सृष्टि के आश्चर्य: भगवान के शक्ति को समझना

2. नीतिवचन 8:26: ब्रह्माण्डक चमत्कारी आरम्भ पर चिंतन

1. कुलुस्सी 1:16-17: किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ किछु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।

2. उत्पत्ति 1:1-2: शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि। पृथ्वी बिना रूप आ शून्य छल, आ गहींरक मुँह पर अन्हार छल। परमेश् वरक आत् मा पानि पर मंडरा रहल छल।

नीतिवचन 8:27 जखन ओ आकाश केँ तैयार कयलनि तखन हम ओतय छलहुँ।

ई अंश ब्रह्माण्ड के सृजन आरू नियंत्रण करै के परमेश्वर के बुद्धि आरू शक्ति के बात करै छै ।

1. भगवान् के शक्ति के परिमाण: हुनक सृजनात्मक महिमा के सराहना करब

2. परमेश् वरक बुद्धि पर भरोसा करब: हुनकर सार्वभौमिक नियंत्रण पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 10:12 ओ अपन शक्ति सँ पृथ्वी केँ बनौलनि, अपन बुद्धि सँ संसार केँ स्थिर कयलनि, आ अपन विवेक सँ आकाश केँ पसारि देलनि।

2. भजन 33:6 प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल। आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ।

नीतिवचन 8:28 जखन ओ ऊपर मेघ केँ ठाढ़ कयलनि, जखन ओ गहींर मेघक फव्वारा केँ मजबूत कयलनि।

भगवान गहींरक मेघ आ फव्वारा के सृजित आ मजबूत केलनि।

1. भगवान् के सृजनात्मक शक्ति: हुनकर सृष्टि के आश्चर्य के अन्वेषण

2. भगवान् के ताकत: हुनकर अटूट प्रेम पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि?

2. भजन 95:4-5 - हुनका हाथ मे पृथ्वीक गहींर स्थान छनि, पहाड़ी सभक ताकत हुनकर सेहो छनि। समुद्र ओकरे छै आ ओकरा बनौलक, ओकर हाथ सूखल भूमि केँ बनौलकै।

नीतिवचन 8:29 जखन ओ समुद्र केँ अपन आज्ञा देलनि जे पानि हुनकर आज्ञा केँ पूरा नहि करय।

भगवान् अपन फरमान द्वारा समुद्रक सीमा आ पृथ्वीक नींव स्थापित कयलनि |

1. भगवानक सार्वभौमत्व: ओ जे सीमा स्थापित करैत छथि तकरा बुझब

2. जीवनक नींव: परमेश् वरक वचन पर बनल रहब

1. भजन 24:1-2 - पृथ्वी प्रभुक अछि, आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ। कारण, ओ एकरा समुद्र पर नींव रखने छथि, आ पानि पर स्थापित कएने छथि।

2. यशायाह 40:22 - ओ अछि जे पृथ्वीक घेरा सँ ऊपर बैसल अछि, आ ओकर निवासी टिड्डी जकाँ अछि, जे आकाश केँ पर्दा जकाँ पसारि दैत अछि, आ ओकरा रहबाक लेल डेरा जकाँ पसारि दैत अछि।

नीतिवचन 8:30 तखन हम हुनका संग छलहुँ, जेना कियो हुनका संग पलल-बढ़ल छल, आ हम हुनका संग नित्य आनन्दित होइत छलहुँ।

बुद्धि भगवान् के प्रसन्नता छल आ हुनका सामने नित्य आनन्दित होइत छल |

1. प्रभु मे आनन्दित रहब: परमेश् वरक भलाईक उत्सव मनब सीखब

2. बुद्धिक आनन्द: भगवानक आनन्दक अनुभव करब

1. यिर्मयाह 15:16 - अहाँक वचन भेटल, हम ओकरा खा गेलहुँ, आ अहाँक वचन हमरा लेल हमर हृदयक आनन्द आ आनन्द छल।

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट देखा देब; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि; अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

नीतिवचन 8:31 अपन पृथ्वीक रहबाक योग्य भाग मे आनन्दित होइत छथि। आ हमर आनन्द मनुष् यक पुत्र सभक संग छल।

संसार मे आ परमेश् वरक लोकक संग आनन्दित।

1. संगतिक आनन्द: भगवानक लोकक संग जीवनक उत्सव मनब

2. सृष्टिक आनन्द: संसारक आश्चर्यक अनुभव

98

1. भजन 16:11 अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी। अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि।
अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2. नहेमायाह 8:10 तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “जाउ।” मोट खाउ आ मीठ मदिरा पीबू आ जकरा लग किछु तैयार नहि छैक तकरा भाग पठाउ, कारण ई दिन हमरा सभक प्रभुक लेल पवित्र अछि। आ दुखी नहि होउ, कारण प्रभुक आनन्द अहाँक सामर्थ्य अछि।

नीतिवचन 8:32 हे बच्चा सभ, आब हमर बात सुनू, किएक तँ धन्य अछि जे हमर बाट पर चलैत अछि।

नीतिवचन 8 हमरा सभ केँ बुद्धि केँ सुनबाक आ ओकर आज्ञा मानबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण जे करत से धन्य होयत।

1. "आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: नीतिवचन 8 स सीख"।

2. "आशीर्वादक बाट: बुद्धिक जीबक मार्ग"

1. मत्ती 7:13-14 - "संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण, विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि, आ ओहि मे सँ बहुतो लोक प्रवेश करैत अछि। मुदा फाटक छोट अछि आ जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि।" , आ किछुए गोटेकेँ भेटैत छनि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

नीतिवचन 8:33 शिक्षा सुनू, आ बुद्धिमान बनू, आ ओकरा मना नहि करू।

नीतिवचन 8:33 हमरा सभ केँ निर्देश सुनबाक लेल आ बुद्धिमान बनबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, आ ओकरा अस्वीकार नहि करबाक लेल।

1. सुनबाक बुद्धि: दोसरसँ सीखब

2. निर्देशक शक्ति: सलाह केँ आत्मसात करब

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 11:14 - "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

नीतिवचन 8:34 धन्य अछि ओ आदमी जे हमर बात सुनैत अछि आ हमरा दरबज्जा पर प्रतिदिन देखैत अछि आ हमर दरबज्जाक खंभा पर प्रतीक्षा करैत अछि।

धन्य अछि ओ मनुष्य जे बुद्धि सुनैत अछि आ ओकरा नित्य देखैत रहैत अछि ।

1: परमेश् वरक बुद्धि एकटा एहन वरदान अछि जकरा पोसबाक चाही

2: बुद्धिक खोज सँ आशीर्वाद भेटैत अछि

1: याकूब 1:5-6 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2: भजन 119:97-98 - अरे हम अहाँक नियम सँ कतेक प्रेम करैत छी! भरि दिन हमर ध्यान अछि। अहाँक आज्ञा हमरा अपन शत्रु सभ सँ बेसी बुद्धिमान बना दैत अछि, कारण ई हमरा संग सदिखन रहैत अछि।

नीतिवचन 8:35 किएक तँ जे हमरा पाबि लैत अछि, ओकरा जीवन भेटैत छैक, आ ओकरा परमेश् वरक अनुग्रह भेटतैक।

नीतिवचन 8:35 हमरा सभ केँ परमेश्वरक खोज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण जे हुनका पाबि लेत, हुनका प्रभुक जीवन आ अनुग्रहक आशीर्वाद भेटतनि।

1. "जीवनक मार्ग: नीतिवचन 8:35 मे परमेश्वरक खोज"।

2. "प्रभुक आशीर्वाद: नीतिवचन 8:35 मे जीवन आ अनुग्रह पाबि"।

1. मत्ती 7:7-8 - माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तऽ पाबि लेब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत। जे कियो माँगैत अछि, तकरा भेटैत छैक, आ खोजनिहार केँ भेटैत छैक, आ जे खटखटबैत छैक तकरा लेल ओ खोलल जायत।

2. व्यवस्था 4:29 - मुदा ओतहि सँ अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर केँ तकब आ हुनका पाबि लेब, जँ अहाँ हुनकर पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ खोजब।

नीतिवचन 8:36 मुदा जे हमरा विरुद्ध पाप करैत अछि से अपन प्राण पर अन्याय करैत अछि।

भगवान् के खिलाफ पाप करला स॑ आदमी के आत्मा के नुकसान होय छै, जबकि भगवान स॑ घृणा करला स॑ मौत होय जाय छै ।

1. जीवनक बाट: घृणा पर प्रेम चुनब

2. पापी के लेल एकटा चेतावनी: अपन आत्मा के नुकसान स बचाबय के

1. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करत से नाश नहि भऽ जायत, बल् कि अनन् त जीवन पाबि सकय।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन अध्याय 9 में बुद्धि आरू मूर्खता के आमंत्रण के विपरीत छै, जेकरा में ओकरा दू महिला के रूप में चित्रित करलऽ गेलऽ छै जे ओकरऽ आह्वान पर ध्यान दै वाला के अलग-अलग रास्ता आरू परिणाम के पेशकश करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय में बुद्धि के वर्णन एक ज्ञानी महिला के रूप में करलऽ गेलऽ छै जे भोज के तैयारी करै छै आरू लोगऽ क॑ आबी क॑ अपनऽ ज्ञान के भाग लेबै लेली आमंत्रित करै छै । ओ समझ, अंतर्दृष्टि आ जीवनक बाट दैत छथि (नीतिवचन 9:1-6)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में मूर्खता के परिचय एकटा मूर्ख महिला के रूप में देल गेल अछि जे अपन घर के दरवाजा पर बैसल राहगीर के भीतर आबय लेल आमंत्रित करैत अछि।ओ चोरी के पानि आ गुप्त रूप स खायल रोटी चढ़बैत अछि, जाहि स मौत भ जाइत अछि (नीतिवचन 9:13-18)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय नौ प्रस्तुत
बुद्धि आ मूर्खता सँ विपरीत आमंत्रण,
अलग-अलग बाट अर्पित करय वाली दू टा महिला के रूप मे चित्रित करैत
आ ओकर पसंदक आधार पर परिणाम।

बुद्धि के आमंत्रण के संबंध में प्रस्तुत चित्रण के वर्णन जहाँ ओ ज्ञान, समझ, अंतर्दृष्टि, आ जीवन के मार्ग के अर्पित करैत भोज तैयार करैत छथि |
फोली के आमंत्रण के परिचय जतय ओ अपन घर के दरबज्जा पर बैसैत छथि आ चोरी के पानि, गुप्त रोटी चढ़बैत छथि, जाहि सं मौत भ' जाइत छनि.

नीतिवचन 9:1 बुद्धि अपन घर बनौलक, अपन सात खंभा उखाड़ि लेलक।

बुद्धि सात मजगूत खंभा वाला आवास के निर्माण केलक अछि।

1. बुद्धिक ताकत: बुद्धि सँ अपन जीवनक नींव कोना बनाबी

2. बुद्धिक खोजक लाभ : लोकोक्तिक बुद्धिक माध्यमे जीवनक लक्ष्य प्राप्त करब

1. नीतिवचन 9:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान बुद्धि होइत छैक।"

2. मत्ती 11:19 - "मनुष्य-पुत्र खाइत-पीबैत आबि गेलाह, आ ओ सभ कहैत छथि, “देखू, एकटा पेटू आ शराब पीनिहार, करदाता आ पापी सभक मित्र। मुदा बुद्धि ओकर संतान सभ सँ धर्मी ठहराओल गेल अछि।"

नीतिवचन 9:2 ओ अपन जानवर सभ केँ मारि देलक। ओ अपन मदिरा मिला देने छथि। ओ अपन टेबुल सेहो सजौने छथि।

नीतिवचन 9 मे ई श्लोक एकटा एहन महिलाक गप्प करैत अछि जे अपन अतिथि सभक लेल भोज तैयार केने छथि आ ओकरा सफल बनेबाक लेल कतेक मेहनत आ संसाधन पर जोर दैत छथि।

1. भोजक तैयारी: नीतिवचन 9 सँ एकटा पाठ

2. आतिथ्यक लागत: लोकोक्तिक विश्लेषण 9

1. लूका 14:12-14 - यीशुक दृष्टान्त महान भोजक

2. 1 पत्रुस 4:9 - बिना कोनो गुनगुनाहट केने एक-दोसर के सत्कार करू

नीतिवचन 9:3 ओ अपन कुमारि सभ केँ पठौने छथि, शहरक ऊँच स्थान पर चिचियाइत छथि।

ओ सब गोटे के आमंत्रित करैत छथि जे हुनका संग आबि क' भोजन करू, आ ओहि सत्य आ ज्ञान के अनुभव करू जे हुनका लग छनि.

1: आऊ आ बुद्धिक मेज पर भोजन करू आ जे सत्य आ ज्ञान अर्पित कयल गेल अछि ताहि मे भाग लिअ।

2: बुद्धि हमरा सभ केँ शहरक ऊँच-ऊँच स्थान पर हुनका संग जुड़बाक आह्वान क' रहल अछि जाहि सँ हम सभ अंतर्दृष्टि आ समझ प्राप्त क' सकब।

1: नीतिवचन 9:5-6 - "आउ, हमर रोटी खाउ, आ हम जे शराब मिला देने छी, से पीबू। मूर्ख केँ छोड़ि क' जीवित रहू। आ समझदारी केर बाट पर चलि जाउ।"

2: मत्ती 11:28-30 - "हे सब मेहनती आ बोझिल, हमरा लग आऊ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, किएक तँ हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी। अहाँ सभ केँ विश्राम भेटत।

नीतिवचन 9:4 जे केओ सरल अछि, से एतय आबि जाय।

बुद्धि सब भोलापन के आबय आ सीखय लेल आमंत्रित क रहल अछि, आ जेकरा समझ के कमी अछि ओकरा आबि क ज्ञान प्राप्त करय लेल आमंत्रित क रहल अछि।

1. बुद्धिक आमंत्रण: आह्वान पर ध्यान दियौक

2. सीखब आ बुझब: बुद्धिक मार्ग

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारतापूर्वक आ बिना कोनो निन्दा दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

नीतिवचन 9:5 आऊ, हमर रोटी खाउ आ हम जे शराब मिला देने छी, से पीबू।

नीतिवचन 9:5 लोक सभ केँ परमेश् वर द्वारा देल गेल भोजन मे भाग लेबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. भगवान् के आमंत्रण: हुनकर मेज के वरदान स्वीकार करब।

2. भगवानक बुद्धि पर भोजन करब: हुनका संग संबंधक खेती करब।

1. यूहन्ना 6:35 - "तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “हम जीवनक रोटी छी, जे हमरा लग आओत से कहियो भूख नहि लागत, आ जे हमरा पर विश्वास करत से कहियो प्यास नहि लागत।"

2. भजन 34:8 - "हे चखू आ देखू जे प्रभु नीक छथि। धन्य अछि जे मनुष् य हुनका पर भरोसा करैत अछि।"

नीतिवचन 9:6 मूर्ख केँ छोड़ि क’ जीवित रहू। आ बुझबाक बाट मे चलि जाउ।

मूर्खता छोड़ि अपन हितक लेल बुद्धिक पाछाँ लागू।

1. बुद्धिमानी के विकल्प बनाना: बुद्धि के पीछा करने के लाभ

2. मूर्खता केँ अस्वीकार करब: समझदारी चुनबाक आनन्द

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. भजन 119:105, "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट पर इजोत अछि।"

नीतिवचन 9:7 जे तिरस्कार करयवला केँ डाँटैत अछि, से अपना केँ लज्जित करैत अछि, आ जे दुष्ट केँ डाँटैत अछि, से अपना केँ धब्बा पाबि लैत अछि।

अहंकारी वा दुष्ट व्यक्ति केँ डाँट नहि देबाक चाही, कारण एहि सँ मात्र लाज वा धब्बा आओत।

1: प्रेम मे सत्य बाजू, कारण एहि सँ शान्ति आ समझदारी भेटत।

2: ई बूझू जे हम सभ पाप कएने छी आ परमेश् वरक महिमा सँ कम भऽ गेल छी, आ तेँ हमरा सभ केँ ओहि सभ पर अनुग्रह आ दया करबाक चाही जे हमरा सभ पर अन्याय केने छथि।

1: इफिसियों 4:15 - बल्कि, प्रेम मे सत् य बजैत, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ बढ़बाक चाही, जे माथ छथि, मसीह मे।

2: रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

नीतिवचन 9:8 तिरस्कार करयवला केँ डाँट नहि दियौक, जाहि सँ ओ अहाँ सँ घृणा नहि करत।

ई श्लोक हमरा सब क॑ अलग-अलग लोगऽ स॑ बात करतें समय अलग-अलग तरीका के प्रयोग करै लेली प्रोत्साहित करै छै । बुद्धिमान लोक सुधारक स्वागत करैत छथि, जखन कि उपहास करयवला केँ डाँट नहि देल जेबाक चाही।

1. बुद्धिमानी स बाजब सीखब: हमर वचन हमर बुद्धि के कोना उजागर करैत अछि

2. सुधारक प्रतिक्रिया: अनुग्रहक संग डाँट कोना ग्रहण कयल जाय

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. इफिसियों 4:29 - "अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।"

नीतिवचन 9:9 बुद्धिमान केँ शिक्षा दियौक, तखन ओ आओर बुद्धिमान होयत, धर्मी केँ सिखाउ, तखन ओ शिक्षा मे वृद्धि करत।

ई अंश विश्वासी सिनी क॑ अपनऽ बुद्धि आरू ज्ञान क॑ दोसरऽ के साथ साझा करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. ज्ञान के शक्ति: हम अपन बुद्धि के उपयोग दोसर के मदद करय लेल कोना क सकैत छी

2. शिक्षण एवं अध्ययन के लाभ : शिक्षा के माध्यम से बुद्धि में वृद्धि |

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

नीतिवचन 9:10 प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ अछि, आ पवित्र लोकक ज्ञान बुझनाई अछि।

प्रभुक भय बुद्धि आ समझक आधार अछि।

1. बुद्धिक शुरुआत प्रभुक भय सँ होइत अछि

2. ज्ञान के माध्यम से पवित्र को समझना

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखबैत आ उपदेश दैत, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत, परमेश् वरक प्रति अपन हृदय मे धन्यवादक संग।

नीतिवचन 9:11 किएक तँ हमरा द्वारा अहाँक जीवन बढ़ि जायत आ अहाँक जीवनक वर्ष बढ़ि जायत।

भगवान् हमरा सभ केँ विस्तारित जीवनक प्रस्ताव दैत छथि जँ हम सभ हुनकर बुद्धि केँ स्वीकार करी आ हुनका पर भरोसा करी।

1. नीतिवचन 9:11 के आशीर्वाद - परमेश् वरक बुद्धि हमरा सभक दिन कोना बढ़ा सकैत अछि

2. नीतिवचन 9:11 के बुद्धि में जीना - लम्बा जीवन के आनन्द के अनुभव

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. भजन 90:12 - "त' हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ जाहि सँ हमरा सभ केँ बुद्धिक हृदय भेटय।"

नीतिवचन 9:12 जँ अहाँ बुद्धिमान रहब तँ अपना लेल बुद्धिमान बनब।

नीतिवचन 9:12 चेतावनी दैत अछि जे जे बुद्धिमान अछि ओकरा अपना केँ फायदा होयत, जखन कि जे बुद्धि केँ ध्यान मे नहि राखत, ओकर परिणाम असगर चुकाओत।

103

1. बुद्धि आ मूर्खता के परिणाम: नीतिवचन 9:12।

2. परमेश्वरक बुद्धि पर ध्यान देबाक महत्व: नीतिवचन 9:12।

1. मत्ती 10:39 - "जे अपन प्राण पाबि लेत, ओ ओकरा गमा लेत, आ जे हमर लेल अपन प्राण गमा लेत, ओ ओकरा पाबि लेत।"

2. नीतिवचन 12:15 - "मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा जे सलाह मानैत अछि से बुद्धिमान होइत छैक।"

नीतिवचन 9:13 मूर्ख स्त्री हल्ला करैत अछि, ओ सरल अछि आ किछु नहि जनैत अछि।

ई अंश एकटा मूर्ख महिला के बात करै छै जे जोर-जोर स॑ बोलै छै आरू अपनऽ मूर्खता स॑ अनभिज्ञ छै ।

1. फकड़ासँ बुद्धि सीखब: कोलाहलक मूर्खता

2. अज्ञानताक खतरा बुझब: लोकोक्तिक मूर्ख स्त्री 9

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. याकूब 3:13-16, "अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ ज्ञान सँ सम्पन्न अछि? ओ नीक व्यवहार सँ अपन काज केँ नम्रताक संग देखाबथि। मुदा जँ अहाँ सभक हृदय मे कटु ईर्ष्या आ कलह अछि तँ महिमा।" नहि, आ सत्यक विरुद्ध झूठ नहि बाजू। ई बुद्धि ऊपर सँ नहि उतरैत अछि, बल्कि सांसारिक, कामुक, शैतानी अछि।

नीतिवचन 9:14 ओ अपन घरक दरबज्जा पर, शहरक ऊँच स्थान पर एकटा आसन पर बैसल छथि।

एहि अंश मे शहर मे उच्च अधिकारक स्थान पर बैसल एकटा महिलाक गप्प कयल गेल अछि |

1. समाज मे महिलाक अधिकार

2. नेतृत्व मे महिलाक शक्ति

1. भजन 45:9 - "राजा सभक बेटी सभ तोहर आदरणीय महिला सभक बीच अछि। तोहर दहिना हाथ मे ओफीरक सोना मे रानी ठाढ़ छलीह।"

2. 1 कोरिन्थी 11:3-5 - "मुदा हम चाहैत छी जे अहाँ सभ ई जानि ली जे सभ पुरुषक माथ मसीह छथि, आ स् त्रीक माथ पुरुष छथि, आ मसीहक माथ परमेश् वर छथि। सभ पुरुष प्रार्थना करैत छथि वा भविष्यवाणी करैत छथि।" , माथ झाँपि कऽ ओकर माथक अपमान करैत अछि।

नीतिवचन 9:15 जे यात्री ठीक बाट पर जाइत छथि हुनका सभ केँ बजाबय लेल।

अंश लोक के सही रास्ता पर रहय लेल प्रोत्साहित करैत अछि.

1. भगवान s मार्गदर्शन: सही मार्ग पर रहू

2. भगवान् के मार्ग पर चलने के फल

1. मत्ती 7:13-14 - संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू; कारण, फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि जे विनाश दिस जाइत अछि, आ ओहि मे सँ बहुतो लोक प्रवेश करैत अछि। कारण जे फाटक छोट अछि आ बाट संकीर्ण अछि जे जीवन दिस जाइत अछि, आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

नीतिवचन 9:16 जे केओ सरल अछि, से एतय आबि जाय।

नीतिवचन 9:16 ओहि लोक सभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे ओ सभ ज्ञानी सभ सँ बुद्धि ताकथि, आओर जेकरा सभ मे समझक कमी अछि, ओकरा सभ केँ आबि क' सीखय लेल।

1. "बुद्धिक आवश्यकता: ज्ञानी सँ मार्गदर्शन ताकब"।

2. "परमेश् वरक बुद्धिक आह्वान: नीतिवचन 9:16 मे समझक खोज"।

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

2. कुलुस्सी 2:3 - "ओहि मे बुद्धि आ ज्ञानक सभटा खजाना नुकायल अछि।"

नीतिवचन 9:17 चोरी कएल पानि मीठ होइत अछि, आ गुप्त रूपेँ खायल रोटी सुखद होइत अछि।

ई श्लोक पाप के सुख के बात करै छै, जे क्षणिक छै आरू अंततः विनाश लाबै छै ।

1: पाप सुखक वादा करैत अछि, मुदा अंततः विनाश दिस ल' जाइत अछि।

2: पापक क्षणभंगुर सुख मे नहि, परमेश् वरक वस्तुक आनन्द लिअ।

1: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कएल जा सकैत अछि। मनुष्य जे बोबैत अछि से काटि लैत अछि। जे कियो अपन मांस केँ प्रसन्न करबाक लेल बोइछ, से शरीर सँ विनाश काटि लेत। जे कियो आत् मा केँ प्रसन्न करबाक लेल बोओत, से आत् मा सँ अनन् त जीवनक फसल काटि लेत।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

नीतिवचन 9:18 मुदा ओ ई नहि जनैत अछि जे मृतक सभ ओतहि अछि। आ जे ओकर पाहुन नरकक गहींर मे अछि।

मृतक नरकक गहींर मे अछि आ ओकरा एकर बोध नहि होइत छैक ।

1: यीशु हमरा सभ केँ मृत्यु आ दण्ड सँ बचाबय लेल आयल छलाह।

2: मृत्यु आ न्यायक यथार्थक प्रति जागल रहबाक चाही।

1: यूहन्ना 1:1-5 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह। ओ शुरू मे भगवानक संग छलाह। सब किछु हुनका द्वारा बनल छल, आ हुनका बिना कोनो एहन चीज नहि बनल जे बनल छल। हुनका मे जीवन छल, आ जीवन मनुक्खक इजोत छल। अन्हार मे इजोत चमकैत अछि, आ अन्हार ओकरा पर विजय नहि पाबि सकल अछि।

2: इब्रानी 9:27 जेना मनुष्य केँ एक बेर मरब निर्धारित कयल गेल अछि, आ तकर बाद न्याय होयत।

नीतिवचन अध्याय १० मे विभिन्न व्यक्तिगत कहावत अछि जे बुद्धि, धर्म, आ दुष्टताक परिणाम सहित अनेक विषयक विषय मे अछि |

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत ज्ञानी आ मूर्ख के विशेषता आ परिणाम के विपरीत करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि बुद्धिमान वचन आशीर्वाद दै छै, जबकि मूर्खतापूर्ण शब्द विनाश के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन 10:1-8)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय विभिन्न लोकोक्ति के साथ आगू बढ़ै छै जे ईमानदारी, मेहनत, धर्म के माध्यम स॑ प्राप्त धन बनाम गलत तरीका स॑ मिललऽ लाभ, आरू शब्दऽ के बुद्धिमानी स॑ प्रयोग करै के महत्व (नीतिवचन १०:९-३२) जैसनऽ विषयऽ क॑ संबोधित करै छै ।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति दसवाँ अध्याय में
विविध विषय के कवर करय वाला व्यक्तिगत लोकोक्ति
जाहि मे बुद्धि, धर्म,
आ दुष्टतासँ जुड़ल परिणाम।

बुद्धिमान आरू मूर्ख व्यक्ति के संबंध म॑ प्रस्तुत विपरीत विशेषता के साथ-साथ ओकरऽ पसंद के परिणामस्वरूप परिणाम के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ पहचान भी ।
व्यक्तिगत फकड़ा के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जेना ईमानदारी, मेहनत, धर्मी धन बनाम कुरूप लाभ।
शब्दक बुद्धिमानीपूर्वक प्रयोग पर जोर देब।

नीतिवचन 10:1 सुलेमानक लोकोक्ति। बुद्धिमान बेटा बाप केँ प्रसन्न करैत अछि, मुदा मूर्ख बेटा अपन मायक भार होइत छैक।

सुलेमानक फकड़ा मे कहल गेल अछि जे बुद्धिमान बेटा अपन पिता पर आनन्द दैत अछि, मुदा मूर्ख बेटा ओकर माय पर बोझ अछि।

1. बुद्धिमान पुत्र हेबाक आनन्द

2. मूर्ख बेटा हेबाक भार

1. नीतिवचन 29:15 - छड़ी आ डाँट बुद्धि दैत अछि, मुदा अपना लेल छोड़ल बच्चा अपन माय केँ लज्जित क’ दैत अछि।

2. इफिसियों 6:1-4 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि। जाहि सँ तोहर नीक होअय आ तोँ पृथ् वी पर बेसी दिन जीबैत रहू। हे पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक पालन-पोषण आ उपदेश मे ओकरा सभ केँ पालन-पोषण करू।

नीतिवचन 10:2 दुष्टताक खजाना सँ कोनो फायदा नहि होइत छैक, मुदा धार्मिकता मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

दुष्टताक खजाना सँ दीर्घकालीन कोनो लाभ नहि होइत छैक, मुदा धर्म सँ जीवन भेटैत छैक |

1: धर्मक मार्ग जीवनक मार्ग थिक

2: दुष्टताक आकर्षण क्षणिक अछि

1: मत्ती 6:19-20 "पृथ्वी पर अपन लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर नहि अछि।" घुसि कऽ चोरी नहि करू।

2: इब्रानी 11:25-26 "ओ परमेश् वरक लोक सभक संग कष्ट भोगब पसिन करैत छथि, नहि कि एक समयक लेल पापक भोग मे रहब। मसीहक अपमान केँ मिस्र मे धन सँ बेसी धन मानैत छलाह पुरस्कार के प्रतिफल।"

नीतिवचन 10:3 परमेश् वर धार्मिक लोकक प्राण केँ भूख नहि मारय देथिन, बल् कि ओ दुष्टक सम् पत्ति केँ फेकि दैत छथि।

परमेश् वर धार्मिक लोकक भरण-पोषण करैत छथि आ दुष्ट केँ रोकैत छथि।

1: धर्मी के लेल भगवान के प्रावधान

2: दुष्टता के परिणाम

1: मत्ती 6:31-33 - तेँ कोनो विचार नहि करू जे हम सभ की खाएब? वा, हम सभ की पीब? वा, हम सभ कोन चीजक कपड़ा पहिरब? किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज करैत अछि, किएक तँ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभ वस्तुक आवश्यकता अछि।

2: भजन 37:25 - हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी; तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ।

नीतिवचन 10:4 ओ गरीब भ’ जाइत अछि जे सुस्त हाथक व्यवहार करैत अछि, मुदा मेहनतीक हाथ धनवान बनबैत अछि।

जे लगनसँ काज करत से धनिक भऽ जाएत, जखन कि आलसी गरीब भऽ जाएत।

1. लगन सँ काज करू आ सफलताक फल काटि लिअ।

2. बेकार नहि रहू, बल्कि अपन मेहनति सँ भगवानक सेवा करबाक प्रयास करू।

1. कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।

2. उपदेशक 9:10 - जे किछु अहाँक हाथ भेटय, से अपन पूरा ताकत सँ करू।

नीतिवचन 10:5 जे गर्मी मे जमा करैत अछि, ओ बुद्धिमान बेटा अछि, मुदा जे फसल काटि मे सुतल अछि, ओ लज्जित करय बला बेटा अछि।

बुधियार बेटा गर्मी मे मेहनत क' क' फसल जुटाबैत अछि, मुदा जे आलसी भ' क' फसल मे सुतैत अछि, ओकरा लज्जित होयत।

1. मेहनत के मूल्य

2. आलस्यक परिणाम

1. उपदेशक 11:4- "जे हवाक पालन करैत अछि, से बोन नहि करत, आ जे मेघ केँ देखैत अछि, से काटि नहि लेत।"

2. मत्ती 9:37-38- तखन ओ अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, “फसल बहुत अछि मुदा मजदूर कम अछि।” तेँ फसलक मालिक सँ माँगू जे ओ अपन फसल खेत मे मजदूर पठाबथि।

नीतिवचन 10:6 धर्मी लोकक माथ पर आशीर्वाद होइत छैक, मुदा दुष्टक मुँह पर हिंसा झाँपि दैत छैक।

आशीर्वाद न्यायपूर्ण जीवन के फल छै, जबकि हिंसा आरू दुष्टता पाप के परिणाम छै।

1. न्यायपूर्ण जीवन जीला स आशीर्वाद भेटैत अछि

2. दुष्टताक परिणाम होयत

1. भजन 112:1-3 - प्रभुक स्तुति करू। धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ डेराइत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत आनन्दित होइत अछि। हुनकर वंशज पृथ्वी पर पराक्रमी होयत, सोझ लोकक पीढ़ी धन्य होयत। ओकर घर मे धन आ धन-सम्पत्ति रहतैक।

2. मत्ती 5:3-12 - धन्य अछि जे आत् मा मे गरीब अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि। धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक। धन्य अछि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनत। धन्य छथि जे धार्मिकताक भूख-प्यास करैत छथि, किएक तँ ओ सभ तृप्त भऽ जेताह। धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका सभ पर दया भेटतनि। धन्य अछि जे शुद्ध हृदयक अछि, किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ देखताह। धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक सन् तान कहल जायत। धन्य अछि जे धार्मिकताक कारणेँ सताओल जाइत अछि,

किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि। अहाँ सभ धन्य छी, जखन लोक अहाँ सभ केँ गारि देत, अहाँ सभ केँ सताओत आ हमरा लेल अहाँ सभक विरुद्ध सभ तरहक दुष् ट बात कहत।

नीतिवचन 10:7 धर्मी लोकक स्मृति धन्य अछि, मुदा दुष्टक नाम सड़ि जायत।

धर्मात्मा केँ स्नेह सँ स्मरण कयल जाइत छैक, जखन कि दुष्ट केँ बिसरि जाइत छैक।

1. न्यायी व्यक्तिक स्मृति: सही कारण सँ स्मरण कयल जायब

2. दुष्ट व्यक्ति हेबाक त्रासदी: सबहक बिसरि गेल रहब

1. भजन 112:6 - धर्मी केँ सदाक लेल स्मरण कयल जायत।

2. उपदेशक 8:10-11 - जखन कोनो अपराधक सजा जल्दी नहि होइत छैक तखन लोकक हृदय गलत करबाक योजना सँ भरल रहैत छैक।

नीतिवचन 10:8 हृदयक बुद्धिमान आज्ञा ग्रहण करत, मुदा बकवास मूर्ख खसि पड़त।

बुद्धिमान बुद्धिमान सलाह पर ध्यान दैत अछि, जखन कि प्रैटिंग मूर्ख के कोनो फायदा नहि होयत।

1: बुद्धिमान सलाह सुनबाक महत्व।

2: मूर्खता के परिणाम।

1: याकूब 1:19-20 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी। किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकताक काज नहि करैत अछि।

2: नीतिवचन 12:15 - मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा जे सलाह सुनैत अछि से बुद्धिमान होइत छैक।

नीतिवचन 10:9 जे सोझ चलैत अछि, से निश्चिन्त चलैत अछि, मुदा जे अपन बाट तोड़ैत अछि, से चिन्हल जायत।

जे ईमानदारी के जीवन जीबै छै, वू सफल होतै, जबकि धोखा के जीवन जीबै वाला के पता चलतै।

1. ईमानदार जीवन जीबाक लाभ

2. छलपूर्ण जीवन जीबाक परिणाम

1. मीका 6:8: हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। प्रभु तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया प्रेम करै के आरो आपनो परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

2. नीतिवचन 11:3: सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभक मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

नीतिवचन 10:10 जे आँखि सँ आँखि मिड़ैत अछि से दुःख दैत अछि, मुदा व्यंग्य करयवला मूर्ख खसि पड़त।

शरारती आँखि मिचौनीक परिणाम दुखद भ' सकैत अछि, जखन कि मूर्ख गप्प करयवला केँ ओकर बातक परिणाम भोगय पड़तैक।

1. शब्दक शक्ति: हमर वाणीक परिणाम बुझब

2. शरारती आँखि मिचौनी: शरारती काजक दुखद परिणाम

108

1. नीतिवचन 10:10, "जे आँखि सँ आँखि मिड़बैत अछि, ओ दुःख दैत अछि, मुदा व्यंग्य करयवला मूर्ख खसि पड़त।"

2. याकूब 3:9-10, "हम सभ एहि सँ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आओर एहि सँ हम सभ परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल लोक सभ केँ श्राप दैत छी। ओही मुँह सँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि। हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात नहि करबाक चाही।" एना रहब।"

नीतिवचन 10:11 धर्मी आदमीक मुँह जीवनक इनार होइत छैक, मुदा दुष्टक मुँह पर हिंसा झाँपि दैत छैक।

धर्मात्मा अपन वचनक उपयोग जीवन अनबाक लेल करैत अछि, जखन कि दुष्ट अपन वचनक उपयोग विनाश अनबाक लेल करैत अछि |

1. शब्दक शक्ति: जीवन बजबाक आह्वान

2. हिंसा: विनाशकारी शब्दक विरुद्ध चेतावनी

1. कुलुस्सी 4:6 - अहाँ सभक बात सदिखन अनुग्रहक संग रहू, आ नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ ई जानि सकब जे अहाँ सभ केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

2. इफिसियों 4:29 - अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात सँ निकलय जे नीक बनय, जाहि सँ ओ सुननिहार सभक अनुग्रहक सेवा करय।

नीतिवचन 10:12 घृणा झगड़ा केँ भड़काबैत अछि, मुदा प्रेम सभ पाप केँ झाँपि दैत अछि।

घृणा सॅं द्वंद्व भ' सकैत अछि, मुदा प्रेम कोनो गलती केँ माफ क' सकैत अछि।

1. प्रेमक शक्ति: क्षमा करबाक तरीका बुझब

2. घृणा पर काबू पाब: द्वंद्व के खारिज करब सीखब

1. मत्ती 6:14-15 - "किएक तँ जँ अहाँ सभ दोसर लोक केँ पाप करबा काल क्षमा करब तँ अहाँक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देताह। मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक पाप नहि माफ करब तँ अहाँक पिता अहाँक पाप केँ क्षमा नहि करताह।"

2. 1 पत्रुस 4:8 - "सबसँ बेसी एक-दोसरसँ गहींर प्रेम करू, किएक तँ प्रेम बहुत पापकेँ झाँपि दैत अछि।"

नीतिवचन 10:13 बुद्धिमानक ठोर मे बुद्धि भेटैत छैक, मुदा बुद्धिहीनक पीठक लेल लाठी होइत छैक।

ज्ञानी के वचन में बुद्धि मिलै छै, जबकि मूर्खता के दंड से सुधारलऽ जाय छै ।

1. बुद्धिक मूल्य: बुद्धिमानक बात सुनब सीखब

2. निर्देश के अस्वीकार करय के परिणाम: सुधार के छड़ी

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. नीतिवचन 13:24, "जे कियो लाठी केँ बख्शैत अछि, से अपन बेटा सँ घृणा करैत अछि, मुदा जे ओकरा सँ प्रेम करैत अछि, से ओकरा अनुशासित करबा मे लगनशील अछि।"

नीतिवचन 10:14 बुद्धिमान लोक ज्ञान जमा करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह विनाशक समीप अछि।

बुद्धि ज्ञान सँ प्राप्त होइत छैक, जखन कि मूर्खता सँ विनाश होइत छैक |

1. बुद्धि मे निवेश: ज्ञान के लाभ

2. मूर्खता के खतरा: विनाश स बचब

1. उपदेशक 7:19 - बुद्धि एकटा ज्ञानी केँ शहर मे दस शासक सँ बेसी शक्तिशाली बना दैत अछि।

2. नीतिवचन 14:8 - बुद्धिमानक बुद्धि अछि जे ओ अपन बाट बुझथि, मुदा मूर्खक मूर्खता धोखा दैत अछि।

नीतिवचन 10:15 धनिकक धन ओकर मजबूत शहर होइत छैक, गरीबक विनाश ओकर गरीबी छैक।

धनिक लोकक रक्षा ओकर धनसँ होइत छैक, जखन कि गरीबकेँ ओकर अभावक कारणेँ कष्ट होइत छैक ।

1. धनक आशीर्वाद आ गरीबीक अभिशाप

2. प्रावधान करबाक शक्ति आ मदद करबाक आवश्यकता

1. याकूब 2:1-7 - दोसरक न्याय करबा मे पक्षपात

2. मत्ती 19:21-24 - अमीर युवकक दुविधा

नीतिवचन 10:16 धर्मी लोकक परिश्रम जीवन दिस बढ़ैत अछि, दुष्टक फल पाप दिस बढ़ैत अछि।

धर्मात्मा अपन मेहनतक फल काटि लेत, जखन कि दुष्ट अपन कर्मक परिणाम उठाओत।

1: दुष्टक सफलता सँ हतोत्साहित नहि होउ, कारण भगवान् अंततः ओहि लोक केँ पुरस्कृत करताह जे हुनका प्रति वफादार छथि।

2: हमरा सभ केँ धर्मी बनबाक प्रयास करबाक चाही आ मेहनत करबाक चाही, ई जानि जे परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन श्रमक फल सँ आशीर्वाद देथिन।

1: यूहन्ना 15:4-5 - हमरा मे रहू, आ हम अहाँ मे। जेना डारि अपन फल नहि दऽ सकैत अछि, जाबत ओ बेल मे नहि रहैत अछि। जँ अहाँ सभ हमरा मे नहि रहब ताबत अहाँ सभ आब नहि कऽ सकैत छी।” हम बेल छी, अहाँ सभ डारि छी।

2: मत्ती 16:27 - कारण मनुष्यक पुत्र अपन पिताक महिमा मे अपन स् वर्गदूत सभक संग आबि जायत। तखन ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार फल देथिन।

नीतिवचन 10:17 ओ जीवनक बाट मे अछि जे शिक्षाक पालन करैत अछि, मुदा जे डाँट सँ अस्वीकार करैत अछि, से भटकि जाइत अछि।

जे निर्देशक पालन करैत अछि ओ जीवनक मार्ग पर अछि, जखन कि सुधार केँ अस्वीकार करयवला ओहि सँ भटकत।

1. निम्नलिखित निर्देश: जीवन के मार्ग

2. सुधार के अस्वीकार करब: त्रुटि के रास्ता

1. नीतिवचन 3:5-6, "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2. इब्रानी 12:5-6, "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटा सभक रूप मे सम्बोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ नहि हुनका द्वारा डाँटल गेला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु ओकरा अनुशासित करैत छथि।" प्रेम करै छै, आ जेकरा ग्रहण करै छै, ओकरा ताड़ना दै छै।

नीतिवचन 10:18 जे घृणा केँ झूठ ठोर सँ नुकाबैत अछि आ जे निन्दा कहैत अछि, से मूर्ख अछि।

जे दुर्भावना बजैत अछि आ असत्य वचन सँ नुका दैत अछि ओ मूर्ख अछि ।

1: हमरा सभकेँ अपन बातसँ सावधान रहबाक चाही। भले ही ककरो प्रति घृणा महसूस होय, लेकिन ओकरा भेष बदलै लेली झूठ के प्रयोग नै करै के चाही।

2: हमरा सभकेँ हरदम सच्चाई बजबामे सावधान रहबाक चाही, ओहो तखन जखन हमरा सभकेँ ककरो वा कोनो चीजक विरुद्ध प्रबलता बुझाइत हो।

1: इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

2: कुलुस्सी 3:9 - एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, ई देखैत जे अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर व्यवहारक संग छोड़ि देने छी।

नीतिवचन 10:19 बहुत रास बात मे पापक अभाव नहि होइत छैक, मुदा जे अपन ठोर रोकैत अछि से बुद्धिमान अछि।

पाप के लेल शब्द के प्रयोग भ सकैत अछि, ताहि लेल अपना के संयम राखब बुद्धिमानी अछि।

1. शब्दक शक्ति: ओकर उपयोग नीक लेल कोना कयल जाय

2. पापपूर्ण वाणी सँ परहेज करबाक बुद्धि

1. याकूब 3:5-6 - "तहिना जीह एकटा छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लगाओल जाइत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार।" ।

2. भजन 141:3 - "हे प्रभु, हमर मुँह पर पहरेदार राखू; हमर ठोरक दरबज्जा पर पहरा राखू!"

नीतिवचन 10:20 धर्मी लोकक जीह चानी जकाँ होइत छैक, दुष्टक हृदयक मोल कम होइत छैक।

धर्मी के जीह एकटा बहुमूल्य औजार छै, जखन कि दुष्ट के हृदय के कोनो मोल नै छै।

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर चरित्र केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. धर्मात्मा आ दुष्टक बीचक विपरीत

1. याकूब 3:2-12 जीहक सामर्थ्य

2. नीतिवचन 12:18 बुद्धिमानक जीह चंगाई दैत अछि

नीतिवचन 10:21 धर्मी लोकक ठोर बहुतो केँ पोसैत अछि, मुदा मूर्ख बुद्धिक अभाव मे मरि जाइत अछि।

धर्मी लोकनि एहन सलाह आ मार्गदर्शन दैत छथि जकर लाभ बहुतो केँ होइत छैक, जखन कि मूर्ख मे बुद्धिक अभाव होइत छैक आ ओकर परिणाम भोगैत छैक |

1. धर्मक शक्ति: बुद्धिमान वचन कोना जीवन आ आशीर्वाद दैत अछि

2. पापक मूर्खता: अज्ञानता मृत्यु आ विनाश किएक अबैत अछि

1. नीतिवचन 15:7 - बुद्धिमानक ठोर ज्ञान पसारैत अछि; मूर्खक हृदय एहन नहि।

2. याकूब 3:13-18 - अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ समझदार अछि? एकरा अपन नीक जीवन सँ, बुद्धि सँ निकलय बला विनम्रता मे कयल गेल कर्म सँ देखाबथि।

नीतिवचन 10:22 परमेश् वरक आशीष अमीर बनबैत अछि, आ ओ ओकरा संग कोनो दुःख नहि जोड़ैत अछि।

नीतिवचन 10:22 सिखाबै छै कि जे प्रभु के आशीर्वाद पाबै छै, ओकरा बिना कोनो दुख के धनी बनैलऽ जाय छै।

1. प्रभुक आशीर्वाद सँ प्रचुरता भेटैत अछि

2. प्रभुक आशीर्वाद प्राप्त करू आ फल काटि लिअ

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. इफिसियों 1:3 - हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिताक स्तुति हो, जे हमरा सभ केँ स् वर्गीय क्षेत्र मे मसीह मे प्रत्येक आध्यात्मिक आशीर्वाद सँ आशीर्वाद देलनि।

नीतिवचन 10:23 मूर्खक लेल दुष्टता करब खेल जकाँ होइत छैक, मुदा बुद्धिमान आदमी मे बुद्धि होइत छैक।

शरारती बनब मूर्खता अछि, मुदा समझदारी के प्रयोग करब बुद्धिमानी अछि।

1. बुझबाक बुद्धि

2. शरारत के मूर्खता

1. याकूब 1:5-8, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवाक कारणेँ चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि।

2. भजन 32:8-9, "हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ अहाँ केँ सिखा देब। हम अहाँ केँ अपन नजरि सँ अहाँ केँ सलाह देब। घोड़ा वा खच्चर जकाँ नहि बनू, बिना बुझने, जकरा पर लगाम लगाओल जेबाक चाही।" बिट आ लगामक संग, नहि त' अहाँक लग मे नहि रहत।

नीतिवचन 10:24 दुष्टक भय ओकरा पर आबि जायत, मुदा धर्मी लोकक इच्छा पूरा होयत।

दुष्ट केँ डर सँ कष्ट भेटतैक, मुदा धर्मी केँ फल भेटतैक।

1. दुष्टक भय: भयभीत सोचक परिणाम

2. धर्मी के इच्छा: धर्मी व्यवहार के इनाम

1. यशायाह 32:17 - "आ धार्मिकताक प्रभाव शान्ति होयत, आ धार्मिकताक परिणाम, शान्तता आ विश्वास सदा-सदा लेल होयत।"

2. भजन 37:4 - "प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन।"

नीतिवचन 10:25 जेना बवंडर बीतैत अछि, तहिना दुष्ट आब नहि अछि, मुदा धर्मी अनन्त नींव अछि।

परमेश् वरक न्याय धर्मी केँ भेटैत अछि आ अनन्त अछि।

1: परमेश् वरक न्याय अनन्त अछि आ ई सभ धर्मी सभक लेल उपलब्ध अछि।

2: धर्म के खोज करू आ भगवान के न्याय अहाँ के अनन्त काल तक उपलब्ध रहत।

1: भजन 37:28, कारण प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि आ अपन विश्वासी केँ नहि छोड़ताह; सदाक लेल सुरक्षित रहैत अछि।

2: याकूब 2:13, दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

नीतिवचन 10:26 जेना दाँत धरि सिरका आ आँखि मे धुँआ, तेना सुस्त ओकरा पठेनिहारक लेल।

सुस्त पठनिहारक लेल बोझ आ उपद्रव होइत छैक ।

1: सुस्त: दोसर पर बोझ

2: सुस्त: पठेनिहार लेल एकटा उपद्रव

1: उपदेशक 10:18, "बहुत आलस्य सँ भवन सड़ैत अछि, आ हाथक आलस्य सँ घर खसि पड़ैत अछि।"

2: नीतिवचन 12:24, "परिश्रमीक हाथ शासन धारण करत, मुदा आलसी केँ कर देल जायत।"

नीतिवचन 10:27 प्रभुक भय दिन लम्बा करैत अछि, मुदा दुष्टक वर्ष छोट भ’ जायत।

प्रभुक भय जीवन लम्बा करैत अछि, मुदा दुष्टताक जीवन कम होइत अछि।

1. प्रभुक आज्ञा मानबाक आशीर्वाद: प्रभुक भय कोना दीर्घायु अबैत अछि।

2. प्रभुक आज्ञा नहि मानबाक अभिशाप: दुष्टता कोना जल्दी मृत्युक दिस लऽ जाइत अछि।

1. भजन 34:12-14 - ओ कोन आदमी अछि जे जीवनक इच्छा रखैत अछि आ बहुत दिन प्रेम करैत अछि, जाहि सँ ओ नीक देखय? अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ ठोर केँ धोखा बजबा सँ बचाउ। अधलाह सँ हटि कऽ नीक काज करू। शांति खोजू, आ ओकर पाछाँ लागू।

2. नीतिवचन 19:16 - जे आज्ञाक पालन करैत अछि, से अपन प्राणक पालन करैत अछि। मुदा जे ओकर बाट तिरस्कृत करत से मरत।”

नीतिवचन 10:28 धर्मी लोकक आशा आनन्द होयत, मुदा दुष्टक आशा नाश भ’ जायत।

धर्मात्माक आशा आनन्द आओत, मुदा दुष्टक अपेक्षा असफल भ' जायत।

1. प्रभु पर आशा: भगवान् पर भरोसा करब कतेक आनन्द आ संतुष्टि दैत अछि।

2. अपेक्षा मे रहब: सांसारिक वस्तु पर निर्भर रहला सँ निराशा कियैक होइत छैक।

1. भजन 40:1-3 - हम धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा केलहुँ; ओ हमरा दिस झुकि गेल आ हमर कानब सुनलक। ओ हमरा विनाशक गड्ढासँ, दलदली दलदलसँ बाहर निकालि लेलक आ हमर पएर एकटा चट्टान पर राखि देलक, जाहिसँ हमर डेग सुरक्षित भ’ गेल। हमर मुँह मे नव गीत लगा देलनि, हमरा सभक भगवानक स्तुति गीत।

२ परमेश् वरक संतानक।

नीतिवचन 10:29 परमेश् वरक बाट सोझ लोकक लेल सामर्थ् य अछि, मुदा अधर्मक काज करयवला सभक लेल विनाश होयत।

परमेश् वरक बाट ध़रमी सभ केँ सामर्थ् य दैत अछि, मुदा अधलाह काज करनिहार सभक लेल विनाशक प्रतीक्षा अछि।

1. धर्मक ताकत: प्रभुक बाट पर चलब सीखब

2. पापक परिणाम: अधर्मक प्रतीक्षा मे जे विनाश अछि

1. भजन 37:39 - मुदा धर्मी सभक उद्धार परमेश् वरक अछि, ओ विपत्तिक समय मे हुनका सभक सामर्थ्य छथि।

2. याकूब 1:12-15 - धन्य अछि जे परीक्षा सहैत अछि, किएक तँ जखन ओकरा परीक्षा मे आओत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटतैक, जे प्रभु ओकरा सँ प्रेम करय बला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

नीतिवचन 10:30 धर्मी कहियो दूर नहि होयत, मुदा दुष्ट पृथ्वी पर नहि रहत।

धर्मात्मा सदिखन सुरक्षित स्थिति मे रहत, जखन कि दुष्ट पृथ्वी पर नहि रहि सकैत अछि।

1. परमेश् वरक कृपा धर्मी लोकक लेल एकटा टिकय बला शक्ति अछि।

2. दुष्टक पृथ्वी पर कोनो स्थान नहि अछि।

1. भजन 37:10-11 - "कनि काल मे दुष्ट आब नहि रहत। जँ अहाँ सभ ओकर स्थान केँ ध्यान सँ देखब, ओ ओतय नहि रहत। मुदा नम्र लोक सभ एहि देशक उत्तराधिकारी होयत आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित होयत।" " .

2. रोमियो 12:21 - "बुराई सँ हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।"

नीतिवचन 10:31 धर्मी के मुँह सँ बुद्धि निकलैत छैक, मुदा कनफुसकी करय बला जीह काटि देल जायत।

न्यायी मुँहसँ बुद्धि सामने आनैत अछि, जखन कि फूहड़ जीह कटैत रहत।

1: शब्दक शक्ति - कोना हमर सभक शब्द या तऽ बुद्धि केँ सोझाँ आनि सकैत अछि या विनाश।

2: मौन के बुद्धि - कखन चुप रहब आ कखन बाजब से सीखबाक महत्व।

1: याकूब 3:2-12 - जीह मे जीवन आ मृत्युक शक्ति कोना होइत छैक से बुझबैत।

2: भजन 37:30-31 - जे अपन जीह केँ बुराई सँ आ अपन ठोर केँ छल-प्रपंच सँ बचाबैत छथि, हुनका सभक लेल इनामक व्याख्या करब।

नीतिवचन 10:32 धर्मी लोकक ठोर बुझैत अछि जे की स्वीकार्य अछि, मुदा दुष्टक मुँह फूहड़ बजैत अछि।

धर्मात्मा जनैत अछि जे की स्वीकार्य अछि, जखन कि दुष्ट दुष्ट बजैत अछि।

1: बुद्धिमानी आ धार्मिकतापूर्वक बाजू - नीतिवचन 10:32

2: अपन वचन केँ ध्यान सँ चुनू - नीतिवचन 10:32

1: याकूब 3:2-10 - हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी, आ जँ केओ अपन बात मे ठोकर नहि खाइत अछि तँ ओ सिद्ध आदमी अछि, जे अपन पूरा शरीर पर लगाम लगा सकैत अछि।

2: कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

नीतिवचन अध्याय 11 धर्म आरू दुष्टता के विशेषता आरू परिणाम के विपरीतता पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ धर्मी जीवन जीला स॑ मिलै वाला आशीर्वादऽ प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ईमानदारी, ईमानदारी आ विनम्रता के महत्व पर जोर दैत अछि। ई ई बात पर प्रकाश डालै छै कि जे धार्मिकता में चलै छै, ओकरा परमेश् वर के अनुग्रह मिलै छै (नीतिवचन 11:1-6)।

2nd Paragraph: अध्याय के आगू विभिन्न फकड़ा छै जे उदारता, दयालुता, भरोसेमंदता, आरू धोखा आरू दुष्टता के परिणाम जैसनऽ विषय के संबोधित करै छै । ई रेखांकित करै छै कि जे सीधा रहै छै ओकरा फल मिलतै जबकि दुष्ट के विनाश के सामना करना पड़तै (नीतिवचन ११:७-३१)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय ग्यारह विपरीत
धर्म आ दुष्टताक विशेषता आ परिणाम,
धर्मी जीवन जीबै स जुड़ल आशीर्वाद पर जोर दैत।

ईमानदारी, ईमानदारी, विनम्रता के साथ-साथ धर्म में चलै वाला के द्वारा भगवान से मिललऽ अनुग्रह पर देलऽ गेलऽ महत्व के पहचान करना ।
उदारता, दयालुता, भरोसेमंदता जेहन व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करैत छल आ दुष्टता स चेतावनी दैत।
विनाश सहित दुष्ट के सामना करय वाला परिणाम के नोट करैत सीधा जीवन के पुरस्कार पर प्रकाश डालब.

नीतिवचन 11:1 झूठ तराजू परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायपूर्ण वजन हुनका प्रसन्नता अछि।

न्यायसंगत वजन प्रभु के प्रसन्न करै छै, जबकि झूठा तराजू घृणित छै।

1: हमरा सभ केँ सदिखन दोसरक संग अपन व्यवहार मे निष्पक्ष आ न्यायपूर्ण रहबाक प्रयास करबाक चाही, कारण प्रभु झूठ संतुलन सँ घृणा करैत छथि।

2: अपन जीवनक परीक्षण करी जे हमर तराजू झूठ वजन सँ नहि टिपल जाय, कारण प्रभु न्याय मे आनन्दित होइत छथि।

1: नीतिवचन 16:11 - न्यायसंगत वजन आ संतुलन प्रभुक अछि; झोरा के सब वजन ओकर काज छै।

2: याकूब 2:1-13 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी, कोनो पक्षपात नहि करू।

नीतिवचन 11:2 जखन घमंड अबैत अछि तखन लाज अबैत अछि, मुदा नीच लोकक संग बुद्धि अछि।

घमंड सँ लाज होइत छैक, जखन कि विनम्रता सँ बुद्धि भेटैत छैक।

1. घमंड आ विनम्रता: बुद्धि आ लाजक बीचक विकल्प

2. विनम्रताक बुद्धि: नीतिवचन 11:2 पर एकटा चिंतन

1. याकूब 4:6-10

2. 1 पत्रुस 5:5-7

नीतिवचन 11:3 सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

सोझ लोकक अखंडता ओकरा सफलता दिस ल' जायत, जखन कि उल्लंघन करय बला गलत बाट पर विनाश भ' जायत।

1. अखंडता सफलताक कुंजी अछि

2. गलत बाट विनाश दिस ल जाइत अछि

1. नीतिवचन 11:3

2. भजन 37:23 - नीक आदमीक डेग प्रभु द्वारा क्रमबद्ध होइत छैक, आ ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि।

नीतिवचन 11:4 क्रोधक दिन धनक लाभ नहि होइत छैक, मुदा धार्मिकता मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

धन भगवानक क्रोध सँ उद्धार नहि थिक, मुदा धर्म हमरा सभ केँ मृत्यु सँ बचाओत।

1. धर्मक शक्ति: परमेश् वरक क्रोध सँ कोना बचि सकैत छी

2. धनक खोज: ई हमरा सभकेँ किएक नहि बचाओत

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. उपदेशक 5:10 - जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा कहियो पर्याप्त नहि होइत छैक; जे धन-दौलत स प्रेम करैत अछि, ओ अपन आमदनी स कहियो संतुष्ट नहि होइत अछि। ईहो निरर्थक अछि।

नीतिवचन 11:5 सिद्धक धार्मिकता ओकर बाट केँ निर्देशित करत, मुदा दुष्ट अपन दुष्टता सँ खसि पड़त।

सिद्ध लोक केँ धर्म सँ निर्देशित कयल जायत, जखन कि दुष्ट केँ अपन दुष्टता सँ नीचाँ उतारल जायत।

1: भगवान् हमरा सभ मे सँ प्रत्येकक लेल एकटा योजना बनौने छथि जे धर्मी आ न्यायी अछि। हमरा सभ केँ हुनकर बाट पर चलबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन दुष्टता सँ भटकब नहि।

2: भगवानक न्याय सिद्ध अछि आ सदिखन प्रबल रहत, तेँ हमरा सभ केँ हुनकर इच्छाक अनुरूप जीबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन इच्छाक अनुरूप नहि।

1: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे कियो सही काज बुझैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

नीतिवचन 11:6 सोझ लोकक धार्मिकता ओकरा सभ केँ बचाओत, मुदा अपराधी सभ केँ अपन नटखटता मे पकड़ल जायत।

धर्मी के उद्धार होयत, मुदा कानून तोड़य वाला के सजा भेटत।

1. आज्ञाकारिता के लेल प्रभु के इनाम

2. जे बोइ छी से काटि लेब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

नीतिवचन 11:7 जखन दुष्ट मरि जायत तखन ओकर आशा नष्ट भ’ जायत, आ अधर्मी लोकक आशा नष्ट भ’ जायत।

दुष्टक आशा मरला पर नष्ट भ' जेतै, आ अन्यायी लोकक आशा खतम भ' जेतै।

1. दुष्टताक आडंबर: बिना आशाक जीवन जीब

2. अन्यायी आदमीक पतन: फीका पड़ैत अपेक्षाक अनिवार्यता

1. रोमियो 3:23-25 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

2. भजन 37:7-9 - प्रभुक समक्ष शान्त रहू आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू; जखन लोक अपन बाट मे सफल होइत अछि, जखन ओ अपन दुष्ट योजना केँ अंजाम दैत अछि तखन चिंतित नहि होउ।

नीतिवचन 11:8 धर्मी विपत्ति सँ मुक्त भ’ जाइत अछि, आ दुष्ट ओकर बदला मे अबैत अछि।

धर्मात्मा विपत्ति सँ उद्धार होयत, जखन कि दुष्ट ओकर स्थान लेत।

1. भगवान् अपन लोकक रक्षा सदिखन विपत्तिक समय मे करताह।

2. दुष्ट अपन कर्मक परिणाम काटि लेत।

1. भजन 34:17-20 - "जखन धर्मी लोक सभ सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत् मा मे कुचलल लोक सभ केँ उद्धार करैत छथि। धर्मी लोकनिक बहुत दुःख होइत छनि।" , मुदा प्रभु ओकरा सभ मे सँ मुक्त करैत छथि। ओ अपन सभ हड्डी केँ राखैत छथि, एकोटा हड्डी नहि टूटैत अछि। क्लेश दुष्ट केँ मारि देत, आ जे धर्मी सँ घृणा करैत अछि, ओकरा दोषी ठहराओल जायत।"

2. भजन 37:39-40 - "धर्मी सभक उद्धार प्रभु सँ होइत छैक; ओ विपत्तिक समय मे ओकर गढ़ होइत छैक। प्रभु ओकरा सभक सहायता करैत छैक आ ओकरा सभ केँ उद्धार दैत छैक; ओ ओकरा सभ केँ दुष्ट सभ सँ मुक्त करैत छैक आ ओकरा सभ केँ उद्धार दैत छैक, कारण ओ सभ।" हुनकर शरण मे रहू।"

नीतिवचन 11:9 पाखंडी अपन मुँह सँ अपन पड़ोसी केँ नष्ट करैत अछि, मुदा धर्मी लोक केँ ज्ञानक द्वारा उद्धार कयल जायत।

न्यायी के ज्ञान के माध्यम स मुक्ति भेटत, जखन कि पाखंडी अपन पड़ोसी के मुँह स नष्ट क दैत अछि।

1. ज्ञान के शक्ति: सही मार्ग के जानला स कोना मुक्ति भेट सकैत अछि

2. पाखंडक खतरा: गलत शब्द बजला सँ संबंध कोना नष्ट भ' सकैत अछि

1. उपदेशक 10:12 - "बुद्धिमानक मुँहक वचन कृपालु होइत अछि; मुदा मूर्खक ठोर अपना केँ निगल जायत।"

2. नीतिवचन 18:21 - "मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि, ओकर फल खा लेत।"

नीतिवचन 11:10 जखन धर्मी लोकक नीक होइत छैक तखन शहर आनन्दित होइत छैक, आ जखन दुष्टक नाश होइत छैक तखन चिचियाहटि होइत छैक।

नगर तखन हर्षित होइत अछि जखन धर्मात्मा सभ नीक काज करैत अछि आ जखन दुष्ट केँ सजा भेटैत अछि तखन उत्सव मनाबैत अछि |

1. जखन धर्मी लोकनि आनन्दित होइत छथि तखन नगर आनन्दित होइत अछि

2. दुष्ट लोकनि अदण्डित नहि रहताह

1. नीतिवचन 29:2 जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत अछि तखन लोक आनन्दित होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट शासन करैत अछि तखन लोक शोक करैत अछि।

2. भजन 37:34 परमेश् वरक प्रतीक्षा करू, आ हुनकर बाट पर नजरि राखू, आ ओ अहाँ केँ एहि देशक उत्तराधिकारी बनबाक लेल ऊँच करताह, जखन दुष्ट सभ केँ नष्ट कयल जायत तखन अहाँ ओकरा देखब।

नीतिवचन 11:11 सोझ लोकक आशीर्वाद सँ नगर केँ ऊँच कयल जाइत छैक, मुदा दुष्टक मुँह सँ ओकरा उखाड़ि देल जाइत छैक।

सोझ लोक नगर मे आशीर्वाद दैत अछि, मुदा दुष्ट विनाश अनैत अछि।

1. आशीर्वाद के शक्ति: हम अपन शहर के कोना मजबूत क सकैत छी

2. दुष्टताक विनाश: हम अपन शहरक रक्षा कोना क' सकैत छी

1. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ जाति जकर परमेश् वर प्रभु छथि। आ ओहि लोक सभ केँ, जकरा ओ अपन उत्तराधिकारक लेल चुनने छथि।

2. यिर्मयाह 29:7 - जाहि नगर मे हम अहाँ सभ केँ बंदी बना लेने छी, ओहि नगर मे शान्ति ताकू, आ ओकरा लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू, किएक तँ ओकर शान्ति मे अहाँ सभ केँ शान्ति भेटत।

नीतिवचन 11:12 बुद्धिहीन लोक अपन पड़ोसी केँ तिरस्कार करैत अछि, मुदा बुद्धिमान लोक चुप रहैत अछि।

बुद्धि के कमी वाला व्यक्ति पड़ोसी के मजाक उड़ाओत, मुदा बुद्धिमान व्यक्ति चुप रहत।

1: मौन के शक्ति

2: बुद्धि के मूल्य

1: याकूब 1:19 - हर व्यक्ति जल्दी सुनय मे, बाजय मे देरी आ क्रोध मे देरी करय।

2: नीतिवचन 17:27-28 - जे अपन बात केँ रोकैत अछि, ओकरा ज्ञान होइत छैक, आ जकरा शीतल आत्मा छैक, से समझदार होइत छैक।

नीतिवचन 11:13 कथाकार रहस्य केँ प्रकट करैत अछि, मुदा जे विश्वासी आत् माक अछि, से बात नुका लैत अछि।

एकटा विश्वासी भावना गुप्त रखैत अछि, जखन कि एकटा कथाकार ओकरा उजागर करैत अछि ।

1. गोपनीयता के शक्ति: रहस्य रखला स हमर विश्वास कोना मजबूत भ सकैत अछि

2. जीभ केँ वश मे करब: चुप रहबाक महत्व

1. याकूब 3:1-18 - जीभ: ओकर शक्ति आ ओकर प्रभाव

2. नीतिवचन 10:19 - गपशप एकटा आत्मविश्वासक संग धोखा करैत अछि; तेँ बेसी गप्प करयवला सँ बचू।

नीतिवचन 11:14 जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

सलाह लेबाक महत्व एहि श्लोक मे रेखांकित कयल गेल अछि |

1: बुद्धिमान सलाह के शक्ति - सुरक्षा के लेल दोसर के बुद्धि के खोज करू।

2: भगवान् के बुद्धि - मार्गदर्शन आ दिशा के लेल प्रभु पर भरोसा करू।

1: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: भजन 32:8 - हम तोरा ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखाबब, जाहि बाट पर चलब, हम तोरा अपन आँखि सँ मार्गदर्शन करब।

नीतिवचन 11:15 जे परदेशी पर बंधक अछि से ओकरा लेल चतुर होयत।

जे अपन नहि चिन्हल व्यक्तिक लेल गारंटरक काज करत, ओकरा लेल कष्ट भोगय पड़तैक, जखन कि जे जमानत सँ बचैत छैक, ओ सुरक्षित रहत।

1. बुद्धिमान रहू आ जमानत के जोखिम के प्रति जागरूक रहू।

2. जीवन जोखिमसँ भरल अछि; ध्यान आ समझदारी सं चुनू जे अहां केकरा लेल जोखिम उठाबय लेल तैयार छी.

1. नीतिवचन 22:26-27 - हाथ मारय बला मे सँ एक नहि बनू, आ ने कर्जक जमानत मे सँ एक नहि बनू।
जँ अहाँकेँ किछु देबाक नहि अछि तँ ओ अहाँक नीचाँसँ अहाँक बिछाओन किएक छीनि लेत?

2. रोमियो 13:8 - एक दोसरा सँ प्रेम करबाक अतिरिक्त ककरो कोनो ऋण नहि राखू, किएक त’ जे दोसर सँ प्रेम करैत अछि, से व्यवस्था केँ पूरा कयलक।

नीतिवचन 11:16 कृपालु स्त्री आदर रखैत अछि, आ बलवान लोक धन केँ बरकरार रखैत अछि।

कृपालु स्त्री आदरणीय होइत छथि, आ बलवान पुरुष धनिक होइत छथि ।

1: कृपालु स्त्री बिना धनिक भेने सम्मानित भ सकैत अछि।

2: मजबूत आदमी बिना इज्जतदार के धनिक भ सकैत अछि।

1: नीतिवचन 19:1 - जे गरीब अपन निष्ठा मे चलैत अछि, ओहि सँ नीक अछि जे अपन ठोर मे विकृत आ मूर्ख अछि।

2: रोमियो 12:17-18 - ककरो अधलाह के बदला मे बुराई के बदला नहि दियौक। सब मनुष्य के नजर में ईमानदार चीज के व्यवस्था करू। जँ सम्भव हो तँ अहाँ सभ मे जतेक निहित अछि तँ सभ लोकक संग शान्तिपूर्वक रहू।

नीतिवचन 11:17 दयालु मनुष्य अपन प्राणक भलाई करैत अछि, मुदा क्रूर अपन शरीर केँ परेशान करैत अछि।

दयालु आदमी के आन्तरिक शांति के इनाम भेटैत छैक, जखन कि क्रूर आदमी अपना पर दुख अनैत छैक |

1. दयाक फल: करुणा कोना संतोष दैत अछि

2. क्रूरताक अभिशाप: अदयालुताक कटु फल

1. मत्ती 5:7 - "धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका दया भेटतनि।"

२.

नीतिवचन 11:18 दुष्ट धोखाधड़ीक काज करैत अछि, मुदा जे धार्मिकताक बोन करैत अछि ओकरा लेल निश्चित फल भेटत।

दुष्ट केँ ओकर छल-प्रपंचक फल नहि भेटतैक, मुदा धार्मिकताक बोननिहार केँ एकटा निश्चित फल भेटतैक।

1. धर्मक फल

2. छलक परिणाम

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर मे सँ विनाश काटि लेत। मुदा जे आत् माक लेल बोनि लेत से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

नीतिवचन 11:19 जेना धार्मिकता जीवन दिस बढ़ैत अछि, तहिना जे अधलाहक पाछाँ चलैत अछि, ओकर पाछाँ अपन मृत्यु धरि चलैत अछि।

जे बोबैत छी से काटि लैत छी। अधलाहक पाछाँ चलला सँ मृत्यु होइत छैक।

1: हम अपन पसंदक परिणाम काटि लैत छी।

2: मृत्यु नहि, जीवन चुनू।

1: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

नीतिवचन 11:20 जे सभ खिसियाह हृदयक अछि, से सभ परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा जे सभ अपन बाट मे सोझ रहैत अछि, से हुनकर प्रसन्नता अछि।

परमेश् वर सोझ रहनिहार सभ मे प्रसन्न होइत छथि, मुदा कनफुसकी करयवला हृदय सँ घृणा करैत छथि।

1. भगवान हमरा सभकेँ सोझ रहबाक लेल बजबैत छथि

2. फूहड़पन के परिणाम

1. नीतिवचन 11:20

2. इफिसियों 4:17-18 - तेँ हम अहाँ सभ केँ ई बात कहैत छी आ प्रभु मे एहि बात पर जोर दैत छी जे आब अहाँ सभ गैर-यहूदी सभक विचारक व्यर्थता मे नहि जीब। हृदय के कठोर होय के कारण जे अज्ञानता ओकरा में छै, ओकरऽ समझ में अन्हार होय जाय छै आरू भगवान के जीवन से अलग होय जाय छै ।

नीतिवचन 11:21 भलेँ हाथ हाथ जोड़ल हो, मुदा दुष्ट केँ दंड नहि भेटतैक।

दुष्ट अपन कर्म के सजा स नहि बचि सकैत अछि, जखन कि धर्मी के उद्धार होयत।

1: भगवान न्यायी आ नीक छथि: दुष्ट आ धर्मी के भाग्य

2: हम जे बोबैत छी से काटि लैत छी: हमर कर्म के परिणाम

1: रोमियो 2:6-10 - परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।

2: भजन 37:12-17 - दुष्ट के कटल जायत, मुदा धर्मी लोक के ओहि देश के उत्तराधिकार भेटत।

नीतिवचन 11:22 जेना सुग्गरक थूथन मे सोनाक गहना होइत छैक, तहिना गोरी स्त्री जे विवेकहीन होइत छैक।

स्त्रीक सौन्दर्यक कोनो मोल नहि होइत छैक जँ ओकरा मे विवेकक अभाव छैक ।

1. विवेकक शक्ति: रोजमर्राक जीवन मे बुद्धिक प्रयोग कोना कयल जाय

2. स्त्री के सौन्दर्य: ओकर ताकत आ मर्यादा के आत्मसात करब
120

1. नीतिवचन 4:5-7 बुद्धि प्राप्त करू, बुझू, ओकरा नहि बिसरि जाउ; ने हमर मुँहक बातसँ ह्रास। ओकरा नहि छोड़ू, आ ओ तोरा बचा लेत, ओकरा सँ प्रेम करू आ ओ तोहर राखत। बुद्धि प्रधान वस्तु थिक; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।

2. 1 पत्रुस 3:3-4 जकर श्रृंगार ओ बाहरी श्रृंगार नहि हो जे केश गुनब, सोना पहिरब आ परिधान पहिरब। मुदा ओ हृदयक नुकायल आदमी हो, जे नाश नहि भऽ सकैत अछि, ओ नम्र आ शान्त आत्माक आभूषण हो, जे परमेश् वरक नजरि मे बहुत कीमती अछि।

नीतिवचन 11:23 धर्मी लोकक इच्छा मात्र नीक होइत छैक, मुदा दुष्टक आशा क्रोध होइत छैक।

धर्मात्मा के केवल भलाई के इच्छा छै, जबकि दुष्ट के क्रोध के आशा छै।

1: भगवान् हमर सभक अंतिम न्यायाधीश छथि आ ओ हमरा सभक आन्तरिक इच्छाक आधार पर न्याय करताह।

2: हमरा सभकेँ अपन आन्तरिक इच्छाक प्रति सजग रहबाक चाही आ धर्मक लेल प्रयास करबाक चाही।

1: मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

2: रोमियो 2:4-5 - या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय? लेकिन तोरोॅ कठोर आरो पश्चाताप नै करै वाला दिल के कारण तोहें क्रोध के दिन अपना लेली क्रोध के संग्रह करी रहलोॅ छैं, जबे परमेश् वर के धार्मिक न्याय प्रकट होतै।

नीतिवचन 11:24 ओ अछि जे छिड़ियाबैत अछि, मुदा बढ़ैत अछि। आ एहन अछि जे उचित सँ बेसी रोकैत अछि, मुदा गरीबी दिस बढ़ैत अछि।

रोकैत काल बिखरब बढ़ला सं गरीबी भ सकैत अछि.

1. उदारता के आशीर्वाद

2. लोभक खतरा

1. 2 कोरिन्थी 9:6-8

2. लूका 12:13-21

नीतिवचन 11:25 उदार प्राणी मोट भ’ जायत, आ जे पानि दैत अछि, तकरा स्वयं पानि देल जायत।

उदार आत्मा के पुरस्कृत होयत, आ जे ओकर आशीर्वाद में भाग लेत ओकरा बदला में आशीर्वाद भेटत।

1. उदारता पुरस्कृत: देबाक आशीर्वाद

2. कृतज्ञताक शक्ति: हमरा सभ लग जे अछि ओकर सराहना करब

1. लूका 6:38 - "दाउ, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। एकटा नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल आ दौड़ैत, अहाँक गोदी मे ढारल जायत।"

२ मजबूरी, कारण भगवान् हँसमुख दाता सँ प्रेम करैत छथि |"

नीतिवचन 11:26 जे अनाज रोकैत अछि, से लोक ओकरा गारि पढ़त, मुदा ओकरा बेचनिहारक माथ पर आशीर्वाद भेटत।

अनाज रोकनिहार के लोक गारि देत, मुदा बेचनिहार के आशीर्वाद भेटत।

1. उदारता के आशीर्वाद: देबय वाला के लेल भगवान के आशीर्वाद

2. लोभक अभिशाप: रोकय बला लोकक लेल भगवानक न्याय

1. 2 कोरिन्थी 9:7-8 - "प्रत्येक मनुष् य अपन हृदय मे जेना चाहैत अछि, तेना देबाक चाही; अनिच्छा वा आवश्यकता सँ नहि। किएक तँ परमेश् वर हर्षित दान करयवला सँ प्रेम करैत छथि। आ परमेश् वर सभ कृपाक प्रचुरता करबा मे सक्षम छथि।" अहाँ सभ, जाहि सँ अहाँ सभ केँ सभ काज मे सदिखन पर्याप्तता राखि कऽ सभ नीक काज मे प्रचुरता भेटय।”

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

नीतिवचन 11:27 जे लगन सँ नीक चाहैत अछि, ओकरा अनुग्रह भेटैत छैक, मुदा जे अधलाह चाहैत अछि, से ओकरा पर भेटतैक।

नीकक खोजसँ अनुग्रह भेटैत अछि, मुदा अधलाहक खोजसँ दुर्दशा आओत।

1: नीक खोजला स अनुग्रह भेटैत अछि

2: बुराई के खोजला स दुर्दशा अबैत अछि

1: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2: मत्ती 5:45 - जाहि सँ अहाँ सभ अपन पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनकर संतान बनि सकब, किएक तँ ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक लोक पर उगबैत छथि आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत छथि।

नीतिवचन 11:28 जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त। मुदा धर्मी लोकनि डारि जकाँ पनपत।

जे अपन धनक भरोसे रहत ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी पनपत।

1. धन पर नहि, भगवान पर भरोसा करब आशीर्वाद दैत अछि

2. धनक मूर्ति बनेबाक खतरा

1. भजन 37:3-5 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।”

2. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग भ्रष्ट करैत अछि आ जतय चोर तोड़ि कऽ चोरा लैत अछि। आ जतऽ चोर नहि तोड़ि कऽ चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

नीतिवचन 11:29 जे अपन घर केँ परेशान करैत अछि, ओ हवाक उत्तराधिकारी होयत, आ मूर्ख हृदयक बुद्धिमानक दास होयत।

जे अपन परिवारक भीतर संकट उत्पन्न करत ओकरा बदला मे किछु नहि भेटतैक आ मूर्ख केँ ज्ञानी लोकनिक सेवा कयल जायत।

1. दोसरक सेवा करबाक बुद्धि: बुद्धिमान मूर्खक सेवा कोना करैत अछि

2. परेशानी पैदा करबाक व्यर्थता: नीतिवचन 11:29 के अनदेखी करबाक लागत

1. गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बीजत, ओ आत् मा सँ अनन्त जीवनक फसल काटत।”

122

2. याकूब 4:13-15 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा क' एक साल ओत' बितब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि, कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि, बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीब' आ ई वा ओ करब।

नीतिवचन 11:30 धर्मी लोकक फल जीवनक गाछ होइत छैक। जे प्राणी जीतैत अछि से बुद्धिमान अछि।

धर्मी जीवनक गाछक फल काटि लेत, आ जे दोसर केँ धर्म मे बदलि दैत अछि, ओ बुद्धिमान अछि।

1: जीतने वाली आत्माओं की बुद्धि

2: धर्मक फल काटब

1: याकूब 5:19-20 - हमर भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभ मे सँ केओ सत् य सँ भटकैत अछि आ कियो ओकरा घुरा दैत अछि तँ ओकरा ई बुझू जे जे कियो पापी केँ ओकर भटकला सँ वापस अनत, ओ ओकर प्राण केँ मृत्यु सँ बचाओत आ बहुतो लोक केँ झाँपि देत पाप।

2: मत्ती 28:19-20 - तेँ अहाँ सभ जाउ आ सभ जाति केँ सिखाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ दियौक। देखू, हम संसारक अन्त्य धरि सदिखन अहाँ सभक संग छी।” आमीन।

नीतिवचन 11:31 देखू, धर्मी केँ पृथ् वी मे प्रतिफल भेटतैक, दुष्ट आ पापी केँ बहुत बेसी।

धर्मात्मा केँ संसार मे फल भेटतैक, आ दुष्ट आ पापी केँ आर बेसी सजा भेटतैक।

1. परमेश् वरक न्याय: धर्मी सभक इनाम आ दुष्टक दंड

2. धर्मक आशीर्वाद आ पापक परिणाम

1. रोमियो 2:5-9

2. मत्ती 16:27-28

नीतिवचन अध्याय 12 में जीवन के विभिन्न पहलू पर व्यावहारिक ज्ञान देल गेल अछि, जाहि में धर्म के महत्व, बुद्धिमान सलाह आ शब्द के शक्ति शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत धर्मी आरू दुष्ट के विपरीत करला स॑ होय छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै कि धर्म परमेश्वर के तरफ स॑ स्थिरता आरू अनुग्रह दै छै, जबकि दुष्टता विनाश के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन १२:१-७)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे लगन, ईमानदारी, विवेकपूर्ण भाषण, आ बुद्धिमान सलाह के मूल्य जेहन विषय के संबोधित करैत अछि। ई बात पर जोर दै छै कि जे सच्चाई बोलै छै आरू बुद्धिमान सलाह लेतै, वू समृद्ध होतै (नीतिवचन 12:8-28)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय बारह प्रस्ताव
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक बुद्धि,
जाहि मे धर्म, बुद्धिमान सलाह,
आ शब्दक प्रभाव।

धर्मी आरू दुष्ट व्यक्ति के संबंध म॑ प्रस्तुत विपरीत विशेषता के साथ-साथ धर्म बनाम दुष्टता के परिणामस्वरूप विनाश स॑ जुड़लऽ स्थिरता आरू अनुग्रह के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ मान्यता ।
व्यक्तिगत लोकोक्ति जेना लगन, ईमानदारी, विवेकपूर्ण भाषण के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जखन कि बुद्धिमान सलाह लेबय पर देल गेल मूल्य पर जोर देब।

सत्य बात करय वाला आ बुद्धिमान सलाह लेबय वाला के लेल समृद्धि के उजागर करब.

नीतिवचन 12:1 जे शिक्षा प्रेम करैत अछि से ज्ञान सँ प्रेम करैत अछि, मुदा जे डाँट सँ घृणा करैत अछि से क्रूर अछि।

जे शिक्षा सँ प्रेम करैत अछि ओकरा ज्ञान भेटतैक, जखन कि सुधार केँ तिरस्कार करयवला मूर्ख अछि।

1. निर्देशक मूल्य

2. अज्ञानताक खतरा

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 9:9 - बुद्धिमान केँ शिक्षा दियौक, तखन ओ एखनो बुद्धिमान होयत; धर्मात्मा केँ सिखा दियौक, तखन ओ विद्या मे वृद्धि करत।

नीतिवचन 12:2 नीक लोक केँ परमेश् वरक अनुग्रह भेटैत छैक, मुदा दुष्ट षड्यंत्रक लोक केँ ओ दोषी ठहराओत।

नीक आचरण सँ प्रभुक अनुग्रह होइत छैक, जखन कि दुष्ट व्यवहार सँ निन्दा होइत छैक |

1. सद् आचरण के आशीर्वाद

2. दुष्ट व्यवहारक परिणाम

1. मत्ती 5:45 - "ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक लोक पर उगबैत छथि, आ धर्मी आ अधर्मी पर वर्षा करैत छथि।"

2. 1 पत्रुस 3:12 - "किएक तँ प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि आ हुनकर कान हुनकर प्रार्थना पर ध्यान दैत छनि, मुदा प्रभुक मुँह अधलाह लोकक विरुद्ध छनि।"

नीतिवचन 12:3 मनुष्य दुष्टता सँ स्थिर नहि होयत, मुदा धर्मी के जड़ि नहि हिलत।

दुष्ट काज कए केओ सफल नहि भ सकैत अछि, मुदा धर्मी मजबूत आ दृढ़ रहत।

1: खाली नीक करबाक प्रयास करब पर्याप्त नहि अछि, मुदा बुराई करबा स सेहो बचबाक चाही।

2: सच्चा सफलता धर्मी जीवन जीला स भेटैत अछि, दुष्ट जीवन जीबा स नहि।

1: रोमियो 6:15-16 - तखन की? की हम सभ पाप करब, कारण हम सभ व्यवस्थाक अधीन नहि छी, मुदा अनुग्रहक अधीन छी? कोनो तरहेँ नहि! की अहाँ सभ केँ ई बुझल अछि जे जखन अहाँ सभ ककरो आज्ञाकारी दासक रूप मे अपना केँ अर्पित करैत छी तखन अहाँ सभ जकर आज्ञा मानैत छी ओकर गुलाम छी चाहे अहाँ पापक गुलाम छी, जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि, वा आज्ञापालनक, जे धार्मिकता दिस लऽ जाइत अछि?

2: याकूब 1:21-22 - अतः, सभ नैतिक गंदगी आ बुराई सँ मुक्ति दियौक जे एतेक प्रचलित अछि आ विनम्रतापूर्वक अहाँ मे रोपल गेल वचन केँ स्वीकार करू, जे अहाँ केँ बचा सकैत अछि। खाली वचन नहि सुनू, आ तेँ अपना केँ धोखा दियौक। जे कहैत अछि से करू।

नीतिवचन 12:4 सद्गुणी स्त्री अपन पतिक लेल मुकुट होइत अछि, मुदा लज्जित करयवला ओकर हड्डी मे सड़लपन जकाँ होइत छैक।

सद्गुणी स्त्री पतिक लेल आशीर्वाद होइत अछि, जखन कि अनैतिक स्त्री लाज आ विनाश अनैत अछि ।
124

1. ईश्वरीय पत्नीक आशीर्वाद

2. अनैतिक स्त्रीक विनाश

1. नीतिवचन 31:10-12

2. इफिसियों 5:25-27

नीतिवचन 12:5 धर्मी लोकक विचार ठीक अछि, मुदा दुष्टक सलाह छल।

धर्मी के विचार सही छै आरू सच्चाई के तरफ ले जाय छै, जबकि दुष्ट के सलाह धोखा छै।

1. धर्म सोचक शक्ति: बुद्धिक मार्ग चुनब

2. दुष्टक पालन करबाक खतरा: छलसँ सावधान रहू

1. नीतिवचन 2:11-15, जाहि मे प्रभुक बुद्धि आ हुनकर वचन केँ बुझबाक लाभक चर्चा कयल गेल अछि।

2. रोमियो 12:2, जे हमरा सभ केँ अपन मोन केँ नवीनीकरण क’ क’ बदलबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

नीतिवचन 12:6 दुष्टक वचन खूनक प्रतीक्षा मे रहत, मुदा सोझ लोकक मुँह ओकरा सभ केँ बचाओत।

दुष्टक बात निर्दोष खून बहाबय के जाल अछि, मुदा धर्मी ओकरा बचा सकैत अछि।

1. दुष्टक हाथ मे शब्दक शक्ति

2. धर्मी के उद्धार

1. नीतिवचन 16:28 - फूहड़ आदमी झगड़ा बीजैत अछि, आ फुसफुसाहटि प्रमुख मित्र केँ अलग करैत अछि।

2. याकूब 3:5-8 - तहिना जीह छोट अंग अछि, आ पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कनेक आगि कतेक पैघ बात अछि! जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। आ ओकरा नरकक आगि लगा देल जाइत छैक। किएक तँ हर तरहक पशु-पक्षी, चिड़ै-चुनमुनी, साँप आ समुद्र मे वश मे कयल गेल अछि आ मनुष् य-जातिक वश मे कयल गेल अछि। ई एकटा बेकाबू बुराई अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि।

नीतिवचन 12:7 दुष्ट सभ उखाड़ि देल जाइत अछि, मुदा नहि अछि, मुदा धर्मी सभक घर ठाढ़ रहत।

भगवान् धर्मात्मा के पुरस्कृत करै छै आ दुष्ट के नाश करै छै।

1: धर्मक शक्ति - भगवान् ओहि लोक केँ पुरस्कृत करैत छथि जे सही काज करबाक लेल चुनैत छथि।

2: दुष्टताक परिणाम - परमेश् वर ओहि सभक लेल विनाश अनताह जे गलत काज करब चुनत।

1: भजन 37:35-36 हम एकटा दुष्ट, निर्दयी आदमी केँ देखलहुँ जे हरियर लॉरेल गाछ जकाँ अपना केँ पसरल अछि। मुदा ओ विदा भऽ गेलाह, आब ओ नहि रहि गेलाह। हम हुनका खोजने रही मुदा ओ नहि भेटल.

2: 2 पत्रुस 3:7 मुदा ओही वचन द्वारा आब जे आकाश आ पृथ्वी अछि, से आगि लेल संग्रहित कयल गेल अछि, आ अभक्त सभक न् याय आ विनाशक दिन धरि राखल गेल अछि।

नीतिवचन 12:8 मनुष्यक प्रशंसा ओकर बुद्धिक अनुसार कयल जायत, मुदा जे विकृत हृदयक अछि, ओकरा तिरस्कृत कयल जायत।

ज्ञानी के प्रशंसा करलऽ जाय छै, जबकि विकृत हृदय वाला के तिरस्कार करलऽ जाय छै ।

1. "बुद्धि के शक्ति: धर्म के फल काटना"।

2. "विकृतिक खतरा: अधर्मक जाल सँ बचब"।

1. याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।

2. भजन 18:26 - शुद्ध सँ अहाँ अपना केँ शुद्ध देखाएब। आ फूहड़ लोकक संग अहाँ अपना केँ खिसियाह देखाएब।

नीतिवचन 12:9 जे तिरस्कृत होइत अछि आ ओकर नोकर अछि, ओ ओहि सँ नीक अछि जे अपना केँ आदर करैत अछि आ ओकरा रोटीक अभाव अछि।

घमंड आ रोटी नहि रहबा सँ नीक जे विनम्र रहब आ सेवक रहब।

1. विनम्रताक शक्ति: जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहब सीखब

2. घमंड के खतरा: जिम्मेदारी कहिया लेब से जानब

1. नीतिवचन 16:18, घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6-10, मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।” तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। अहाँ सभ दोग-दोसर विचारक लोक सभ, अपन हृदय केँ शुद्ध करू। दुःखित रहू, शोक करू आ कानू, अहाँ सभक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँ सभक आनन्द केँ गंभीरता मे बदलि जाय। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, आ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

नीतिवचन 12:10 धर्मी अपन जानवरक जान केँ देखैत अछि, मुदा दुष्टक कोमल दया क्रूर होइत अछि।

धर्मात्मा अपन पशुक प्राणक विचार करैत अछि, जखन कि दुष्ट लोक कोनो दया नहि करैत अछि |

1. करुणाक मूल्य: धर्मी लोक जानवरक संग कोना व्यवहार करैत अछि

2. क्रूरताक खतरा: दुष्टक हृदय

1. मत्ती 12:7, "आ जँ अहाँ सभ ई जनैत रहितहुँ जे एकर की अर्थ अछि, 'हम दया चाहैत छी, बलिदान नहि,' तँ अहाँ निर्दोष सभक दोषी नहि ठहरौने रहितहुँ।"

2. नीतिवचन 21:3, "बलिदान सँ बेसी धर्म आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

नीतिवचन 12:11 जे अपन देशक खेती करैत अछि, से रोटी सँ तृप्त होयत, मुदा जे व्यर्थक पाछाँ चलैत अछि, से बुद्धिहीन अछि।

मेहनत करय वाला के फल भेटत, जखन कि मूर्ख लोक के पाछा करय वाला के बुद्धि के बिना रहय पड़त.

1. लगनक फल: मेहनतक मूल्य बुझब

2. बुद्धि सँ भटकब: मूर्खक पालन करबाक खतरा

1. नीतिवचन 13:11 - जल्दबाजी मे प्राप्त धन कम भ' जायत, मुदा जे कनि-मनि जमा करत से बढ़ि जायत।

2. नीतिवचन 14:15 - सरल लोक सब किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।

नीतिवचन 12:12 दुष्ट दुष्टक जाल चाहैत अछि, मुदा धार्मिकक जड़ि फल दैत अछि।

दुष्ट दुष्टता के सफलता के कामना करै छै, लेकिन धर्मात्मा के अपनऽ अच्छा काम के फल मिलतै।

1: नीक काज करब सच्चा सफलताक बाट अछि।

2: दुष्टता चुनला स असफलता आ निराशा होइत अछि।

1: गलाती 6:7-9 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कएल जा सकैत अछि। मनुष्य जे बोबैत अछि से काटि लैत अछि। जे कियो अपन मांस केँ प्रसन्न करबाक लेल बोइछ, से शरीर सँ विनाश काटि लेत। जे कियो आत् मा केँ प्रसन्न करबाक लेल बोओत, से आत् मा सँ अनन् त जीवनक फसल काटि लेत।

2: मत्ती 7:17-19 - तहिना नीक गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा अधलाह गाछ अधलाह फल दैत अछि। नीक गाछ खराब फल नहि दऽ सकैत अछि, आ अधलाह गाछ नीक फल नहि दऽ सकैत अछि । जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि ओकरा काटि कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि ।

नीतिवचन 12:13 दुष्ट अपन ठोरक अपराधक जाल मे फँसि जाइत अछि, मुदा धर्मी विपत्ति सँ बाहर निकलत।

दुष्ट अपन बात सँ फँसि जाइत अछि, जखन कि धर्मी विपत्ति सँ मुक्त भ' जाइत अछि।

1. शब्दक बुद्धि: पापक जाल सँ बचब

2. धर्म: स्वतंत्रताक मार्ग

1. नीतिवचन 17:12 आदमी अपन मूर्खता मे मूर्ख सँ नहि, ओकर बच्चा लूटल भालू सँ भेंट करय।

2. याकूब 3:2-12 सचमुच, हम सब बहुत गलती करैत छी। कारण जँ हम सभ अपन जीह पर काबू पाबि सकितहुँ तँ हम सभ सिद्ध रहितहुँ आ सभ आन तरहेँ अपना केँ सेहो सम्हारि सकितहुँ।

नीतिवचन 12:14 मनुष् य अपन मुँहक फल सँ नीक सँ तृप्त होयत, आ मनुष् यक हाथक प्रतिफल ओकरा देल जायत।

मनुख के नीक बात आ काज के फल भेटत।

1. वाणीक शक्ति - हमर शब्द मे सृजन आ विनाश करबाक शक्ति होइत छैक, तेँ हमरा सभ केँ ई ध्यान राखय पड़त जे हम सभ अपन शब्दक प्रयोग कोना करैत छी।

2. काजक फल - सफलता प्राप्त करबाक लेल मेहनत करब आवश्यक अछि, आ हमरा लोकनि केँ अपन प्रयासक फल भेटत।

1. मत्ती 12:36-37 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन लोक सभ लापरवाह बजबाक हरेक बातक हिसाब देत, किएक तँ अहाँक वचन सँ अहाँ धर्मी ठहराओल जायत आ अहाँक वचन सँ अहाँ केँ दोषी ठहराओल जायत।"

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

नीतिवचन 12:15 मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा जे सलाह सुनैत अछि से बुद्धिमान होइत छैक।

127

बुद्धिमान सलाह सुनैत अछि, जखन कि मूर्ख अपन विचार पर निर्भर रहैत अछि ।

1. ज्ञानी के मार्ग: सलाह सुनना

2. मूर्खता के अस्वीकार करब: बुद्धिमान सलाह लेब

1. याकूब 1:5 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय..."

2. नीतिवचन 19:20 "सलाह सुनू आ शिक्षा ग्रहण करू, जाहि सँ अहाँ अपन अंतिम अंत मे बुद्धिमान बनू।"

नीतिवचन 12:16 मूर्खक क्रोध एखन ज्ञात होइत अछि, मुदा बुद्धिमान लोक लाज केँ झाँपि दैत अछि।

मूर्खक क्रोध जल्दीए प्रदर्शित होइत अछि, जखन कि बुद्धिमान व्यक्ति ओकर आपा पर काबू पाबि सकैत अछि ।

1. अपन आक्रोश पर काबू करब: लोकोक्तिक बुद्धि

2. लाज झाँपब सीखब: विवेकक मूल्य

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:5-7 - अहाँक तर्कसंगतता सभ केँ बुझल जाय। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

नीतिवचन 12:17 जे सत् य बजैत अछि, से धार्मिकता देखाबैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल।

सत्य बाजला सँ धर्मक प्रगट होइत अछि; तथापि झूठ गवाह धोखा बजैत अछि।

1. प्रेम मे सत्य बाजू

2. झूठ गवाही देबाक खतरा

1. इफिसियों 4:15 - "बल् कि प्रेम मे सत् य बजैत, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ बढ़बाक चाही, जे सिर छथि, मसीह मे"।

2. निर्गमन 20:16 - "अहाँ अपन पड़ोसीक विरुद्ध झूठ गवाही नहि देब।"

नीतिवचन 12:18 एहन लोक अछि जे तलवारक छेद जकाँ बजैत अछि, मुदा बुद्धिमानक जीह स्वास्थ्य होइत अछि।

जीह के बुद्धिमान वचन चिकित्सा के आबै छै, जबकि कठोर शब्द पीड़ा आरू कष्ट पैदा करै छै।

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी कोना चंगाई वा नुकसान पहुँचा सकैत अछि

2. दयालुताक शक्ति: करुणाक संग बजबाक लाभ

1. नीतिवचन 15:4 - कोमल जीह जीवनक गाछ होइत अछि, मुदा ओहि मे विकृतता आत्मा केँ तोड़ि दैत अछि।

2. याकूब 3:6-12 - जीह एकटा छोट अंग अछि, मुदा ओ बहुत नुकसान पहुँचा सकैत अछि। घातक जहरसँ भरल अछि। एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल लोक सभ केँ श्राप दैत छी।

नीतिवचन 12:19 सत्यक ठोर अनन्त काल धरि स्थिर रहत, मुदा झूठ बाज’ बला जीह क्षण भरि लेल रहत।

सत्य टिकैत अछि; झूठ अस्थायी होइत अछि।

1. सत्यक ताकत: ठोस जमीन पर कोना ठाढ़ रहब

2. झूठ आ परिणाम: अल्पकालिक आ दीर्घकालिक लागत

1. यूहन्ना 8:31-32 तखन यीशु हुनका पर विश् वास करय बला यहूदी सभ केँ कहलथिन, “जँ अहाँ सभ हमर वचन मे रहैत छी तँ अहाँ सभ हमर शिष् य छी। अहाँ सभ सत् य केँ जानब आ सत् य अहाँ सभ केँ स्वतंत्र बना देत।

2. नीतिवचन 14:5 विश्वासी गवाह झूठ नहि बाजत, मुदा झूठ गवाह झूठ बाजत।

नीतिवचन 12:20 अधलाहक कल्पना करनिहार सभक हृदय मे छल अछि, मुदा शान्तिक सलाह देनिहार सभक लेल आनन्द अछि।

धोखाधड़ीक विचार विनाश दिस ल' जाइत अछि, जखन कि शांतिप्रिय सलाह आनन्द दैत अछि।

1. नीक सलाहक लाभ : शांतिपूर्ण सलाह मे आनन्द भेटब

2. दुष्ट आशय के खतरा: सुख पाबै के लेल छल स बचब

1. नीतिवचन 12:20-21 - "अधलाहक कल्पना करनिहार सभक हृदय मे छल अछि, मुदा शान्तिक सलाहकार सभक लेल आनन्द अछि। धर्मी लोकक कोनो अधलाह नहि होयत, मुदा दुष्ट सभ दुष्टता सँ भरल रहत।"

2. फिलिप्पियों 4:8-9 - "अन्त मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु ईमानदार अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे किछु शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु नीक जकाँ अछि, जँ कोनो बात अछि।" गुण, आ जँ कोनो प्रशंसा हो त' एहि सभ बात पर सोचू।"

नीतिवचन 12:21 धर्मी केँ कोनो अधलाह नहि होयत, मुदा दुष्ट केँ दुष्टता सँ भरल रहत।

धर्मी के कोनो बुराई नै आओत, मुदा दुष्ट के सजा के अनुभव होयत।

1. धर्मक आशीर्वाद

2. दुष्टताक परिणाम

1. भजन 37:25-26 - हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी; तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ। ओ सदिखन दयालु छथि, आ उधार दैत छथि। आ ओकर वंश धन्य अछि।

2. भजन 34:12-13 - ओ कोन आदमी अछि जे जीवनक इच्छा रखैत अछि आ बहुत दिन प्रेम करैत अछि, जाहि सँ ओ नीक देखय? अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ ठोर केँ धोखा बजबा सँ बचाउ।

नीतिवचन 12:22 झूठ बाज’ बला ठोर परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा जे सत् य काज करैत अछि, से हुनकर प्रसन्नता अछि।

झूठ बाजब प्रभुक लेल घृणित काज अछि, जखन कि जे ईमानदारी आ सत्य बजैत अछि, ओ हुनकर प्रसन्नता अछि।

1. ईमानदारी के सुंदरता: परमेश् वर के वचन के पालन करला के साथ जे आनन्द आबै छै
129

2. झूठ बाजबाक पाप: परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक खतरा

1. कुलुस्सी 3:9-10 - "एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, किएक तँ अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर आचरणक संग छोड़ि देलियैक आ नव स्वभाव केँ पहिरि लेलहुँ, जे ओकर सृष्टिकर्ताक प्रतिरूपक अनुसार ज्ञान मे नवीनीकरण भ' रहल अछि।" " .

2. इफिसियों 4:25 - "तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।"

नीतिवचन 12:23 बुद्धिमान आदमी ज्ञान नुका लैत अछि, मुदा मूर्खक हृदय मूर्खताक प्रचार करैत अछि।

विवेकी लोकनि ज्ञान अपना लग रखैत छथि, जखन कि मूर्ख लोकनि मूर्खता मे स्वतंत्र रूप सँ बाँटि लैत छथि ।

1. आत्मसंयमक शक्ति: हमरा लोकनि केँ अपन विचार केँ अपना मे किएक राखबाक चाही

2. मौन के बुद्धि: अपन ज्ञान के निजी रखबाक लाभ

1. याकूब 3:5-12 - जीह के शक्ति आ ओकरा कोना नियंत्रित कयल जाय

2. नीतिवचन 10:19 - बुद्धिक मूल्य आ कोना नीक बाजब दिस ल' जाइत अछि

नीतिवचन 12:24 मेहनती के हाथ शासन धारण करत, मुदा आलसी के कर देल जायत।

मेहनती के इनाम भेटत जखन कि आलसी के सजा भेटत।

1. लगन के लाभ : पूर्ण जीवन कोना जीबी

2. आलस्यक परिणाम: मेहनत किएक आवश्यक अछि

1. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

2. नीतिवचन 6:6-11 - हे सुस्त, चींटी लग जाउ; एकर रास्ता पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू! एकर कोनो सेनापति, कोनो पर्यवेक्षक वा शासक नहि, तइयो गर्मी मे अपन भोजन जमा करैत अछि आ फसल काटि मे अपन भोजन जमा करैत अछि |

नीतिवचन 12:25 मनुष् यक हृदय मे भारीपन ओकरा झुका दैत छैक, मुदा नीक वचन ओकरा आनन्दित करैत छैक।

मनुक्खक हृदय पर दुखक बोझ भ' सकैत अछि, मुदा एकटा दयालु शब्द ओकरा ऊपर उठा सकैत अछि।

1: दयालुताक शक्ति - एकटा शब्द कोना आत्मा केँ उठा सकैत अछि

2: दुखक बोझ - जीवनक परीक्षाक सामना कोना कयल जाय

1: 1 पत्रुस 5:7 - अपन सभटा चिन्ता हुनका पर फेकि दियौक, किएक तँ ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि

2: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे सभ किछु मे परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करय बला सभक भलाईक लेल काज करैत छथि।

नीतिवचन 12:26 धर्मी अपन पड़ोसी सँ बेसी श्रेष्ठ होइत अछि, मुदा दुष्टक बाट ओकरा बहकाबैत अछि।

धर्मात्मा अपन पड़ोसी सँ बेसी श्रेष्ठ होइत अछि, जखन कि दुष्टक बाट ओकरा भटकबैत अछि।

1. "धर्मात्माक उत्कृष्टता"।

2. "दुष्ट के खतरा"।

1. यशायाह 33:15-16 - "जे धार्मिक चलैत अछि आ सोझ बाजैत अछि; जे अत्याचारक लाभ केँ तुच्छ बुझैत अछि, जे घूस पकड़बा सँ हाथ हिलाबैत अछि, जे खून सुनबा सँ कान रोकैत अछि आ आँखि मुनि लैत अछि।" अधलाह देखैत।ओ ऊँच पर रहत, ओकर रक्षाक स्थान पाथरक गोला-बारूद होयत, ओकरा रोटी देल जायत, ओकर पानि पक्का होयत।"

2. भजन 15:1-2 - "प्रभु, तोहर तम्बू मे के रहत? तोहर पवित्र पहाड़ मे के रहत? जे सोझ चलैत अछि, धार्मिकता करैत अछि आ अपन हृदय मे सत्य बजैत अछि।"

नीतिवचन 12:27 आलसी आदमी जे किछु शिकार मे लेलक से नहि भुजैत अछि, मुदा मेहनती आदमीक सम्पत्ति बहुमूल्य होइत छैक।

लगनशील आदमीक मेहनतक फल भेटैत छैक आ ओकर पदार्थ मूल्यवान होइत छैक ।

1: मेहनत के फल भेटैत अछि!

2: आलसी नहि बनू, मुदा मेहनत करू।

1: इफिसियों 4:28 - "चोरी करय वाला आब चोरी नहि करय, बल्कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज क' क' मेहनत करय, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद केँ देबाक चाही।"

2: कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सँ करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष् यक लेल नहि।"

नीतिवचन 12:28 धार्मिकताक बाट मे जीवन अछि, आ ओकर बाट मे मृत्यु नहि होइत छैक।

जीवन धर्मक मार्ग मे भेटि सकैत अछि; एहि बाट मे कोनो मृत्यु नहि अछि।

1: जीवन पाबै आ मृत्यु सँ बचबाक लेल धर्मक मार्ग पर चलू।

2: जीवन आ मृत्यु सँ मुक्ति के अनुभव करबाक लेल धर्मी मार्ग चुनू।

1: मत्ती 16:24-25 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, “जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ नकारि कऽ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ लागय।” जे केओ अपन प्राण बचाबय चाहैत अछि, से ओकरा गमाओत।

2: नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

नीतिवचन अध्याय 13 में जीवन के विभिन्न पहलू के बारे में जानकारी देल गेल अछि, जाहि में बुद्धि के खोज, कर्म के परिणाम, आ अनुशासन के महत्व शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एहि बात पर प्रकाश दैत अछि जे बुद्धिमान पुत्र निर्देश सुनैत अछि आ ज्ञान के खोज करैत अछि, जखन कि मूर्ख सुधार के तिरस्कार करैत अछि | एहि मे जोर देल गेल अछि जे बुद्धि मे चलय वाला के इनाम भेटत (नीतिवचन 13:1-9)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे धन, गरीबी, ईमानदारी, आ शब्दक शक्ति सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि जे अपनऽ वचन के पहरा रखै छै आरू ईमानदारी के साथ काम करै छै, ओकरा आशीर्वाद के अनुभव होतै, जबकि धोखा विनाश के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन १३:१०-२५)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय तेरह मे अंतर्दृष्टि देल गेल अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं में,
बुद्धि के खोज सहित, २.
कर्म के परिणामस्वरूप परिणाम, 1.1.
आ अनुशासन पर राखल गेल महत्व।

निर्देश सुनला पर देल गेल मूल्य आ ज्ञान के खोज के संग बुद्धि में चलय के लेल पुरस्कार के संबंध में देखाओल गेल मान्यता पर जोर देब.
धन, गरीबी, ईमानदारी जेहन व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करैत शब्द स जुड़ल शक्ति के उजागर करब।
जे अपन बात के पहरा रखैत छथि आ छल के परिणामस्वरूप बर्बादी के नोट करैत ईमानदारी स काज करैत छथि हुनका लेल आशीर्वाद के रेखांकित करब।
अनुशासन पर देल गेल महत्व के पहचानैत।

नीतिवचन 13:1 बुद्धिमान बेटा अपन पिताक शिक्षा सुनैत अछि, मुदा तिरस्कार करयवला डाँट नहि सुनैत अछि।

बुद्धिमान बेटा अपन पिताक निर्देश सुनैत अछि जखन कि तिरस्कार करयवला डाँट-फटकार नहि सुनैत अछि ।

1. लोकोक्ति सँ जीवनक पाठ: निर्देश ग्रहण आ ध्यान देब

2. अनुशासनक शक्ति: भगवानक डाँट सँ सीखब

1. इफिसियों 6:1-4, "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता-माँक आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि, एकटा प्रतिज्ञाक संग, जाहि सँ अहाँ सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभ केँ नीक लागय।" पृथ्वी पर दीर्घायु।

2. याकूब 1:19-20, "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।"

नीतिवचन 13:2 मनुष् य अपन मुँहक फल सँ नीक खायत, मुदा अपराधी सभक प्राण हिंसा खायत।

अपन बातक फल नीक वस्तु आनि सकैत अछि, मुदा दुष्टक आत्मा हिंसाक शिकार होयत।

1. हमर शब्दक शक्ति आ ओ हमर यथार्थ केँ कोना परिभाषित करैत अछि

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: हमर कर्म के परिणाम

1. मत्ती 12:36-37 "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन सभ खाली बातक हिसाब देबऽ पड़त। किएक तँ अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब, आ अहाँक बात सभ सँ अहाँ सभ केँ दोषी ठहराओल जायत।" ."

2. याकूब 3:10 "एकहि मुँह सँ स्तुति आ गारि निकलैत अछि। हमर भाइ-बहिन सभ, ई नहि हेबाक चाही।"

नीतिवचन 13:3 जे अपन मुँह रखैत अछि, से अपन जान बचा लैत अछि, मुदा जे ठोर खोलत, तकरा विनाश होयत।

जे बुद्धिमान आ अपन बातक प्रति सजग छथि ओ अपन प्राणक रक्षा करबा मे सक्षम छथि, जखन कि जे अपन वाणी मे लापरवाह छथि हुनका परिणामक सामना करय पड़तनि ।

1. शब्दक शक्ति: जीवन मे बुद्धिमानी सँ कोना बाजब

2. अपन जीवनक रक्षा: मननशील भाषणक महत्व

1. याकूब 3:1-12 - जीभ केँ वश मे करब

2. नीतिवचन 10:19 - बहुत रास शब्द मे पापक अभाव नहि होइत छैक।

नीतिवचन 13:4 सुस्तक आत्मा चाहैत अछि, मुदा ओकरा लग किछु नहि अछि, मुदा मेहनतीक प्राण मोट भ’ जायत।

मेहनती के इनाम भेटत, जखन कि आलसी के कमी रहत।

1: मेहनत के फल भेटैत अछि - नीतिवचन 13:4

2: आलस्य शून्यता दिस लऽ जाइत अछि - नीतिवचन १३:४

1: कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, ओहि पर पूरा मोन सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करब।

2: उपदेशक 11:6 - भोरे अपन बीया बोउ, आ साँझ मे हाथ बेकार नहि रहू, कारण अहाँ नहि जनैत छी जे कोन सफल होयत, ई वा ओ, वा दुनू समान रूप सँ नीक काज करत।

नीतिवचन 13:5 धर्मी केँ झूठ बाज’ सँ घृणा होइत छैक, मुदा दुष्ट घृणित होइत छैक आ लज्जित होइत छैक।

धर्मात्मा केँ झूठ सँ घृणा होइत छैक, मुदा दुष्ट घृणित होइत छैक आ ओकरा लाज भोगय पड़तैक।

1: "सत्यक शक्ति: धर्मी जीवन जीबाक मार्गदर्शक"।

2: "झूठ के बुराई: दुष्टता के लागत"।

1: कुलुस्सी 3:9-10 एक दोसरा सँ झूठ नहि बाजू, किएक तँ अहाँ सभ बूढ़ आदमी केँ ओकर काज सँ उतारि देलियैक। आ नव मनुष् य केँ पहिरने छी, जे ओकरा सृष्टि करनिहारक प्रतिरूपक अनुसार ज्ञान मे नव होइत अछि।

2: यूहन्ना 8:44 अहाँ सभ अपन पिता शैतान सँ छी आ अपन पिताक वासना केँ पूरा करब। ओ शुरूए सँ हत्यारा छल, आ सत् य मे नहि रहैत छल, किएक तँ ओकरा मे कोनो सत् य नहि अछि। जखन ओ झूठ बाजैत अछि तँ ओ अपन बात कहैत अछि, किएक तँ ओ झूठ बाजनिहार अछि आ ओकर पिता अछि।

नीतिवचन 13:6 धर्म बाट मे सोझ रहनिहार केँ राखि दैत छैक, मुदा दुष्टता पापी केँ उखाड़ि दैत छैक।

धर्म सुरक्षित मार्ग पर पहुँचाबै छै, जबकि दुष्टता पापी के लेलऽ बर्बादी पैदा करै छै ।

1. परमेश् वरक धार्मिकता: सुरक्षाक बाट

2. दुष्टताक परिणाम

1. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।"

2. भजन 1:1-2 - "धन्य अछि ओ जे दुष्टक संग कदम मिला कए नहि चलैत अछि आ ने ओहि बाट पर ठाढ़ रहैत अछि जे पापी सभ केँ चलैत अछि वा उपहास करयवला सभक संग मे बैसैत अछि, मुदा जकरा प्रभुक नियम मे प्रसन्नता होइत अछि। आ जे दिन-राति अपन नियमक मनन करैत अछि।”

नीतिवचन 13:7 एहन अछि जे अपना केँ अमीर बनबैत अछि, मुदा ओकरा लग किछु नहि अछि, जे अपना केँ गरीब बनबैत अछि, मुदा ओकरा मे बहुत धन अछि।

ई श्लोक भौतिक धन के प्रति जुनूनी होय के आ आध्यात्मिक धन के अनदेखी करै के खतरा के बात करै छै ।

1. आध्यात्मिक धन पर भौतिक धन के पीछा करबाक खतरा

2. धनक विरोधाभास: किछु नहि सँ धनी बनब वा पैघ धन सँ गरीब बनब

1. मत्ती 6:19-21, जतय यीशु पृथ्वी पर खजाना नहि जमा करबाक बारे मे सिखाबैत छथि।

2. उपदेशक 5:10, जतय लेखक धनक पीछा करबाक व्यर्थताक बात करैत छथि।

नीतिवचन 13:8 मनुष् यक प्राणक फिरौती ओकर धन होइत छैक, मुदा गरीब डाँट नहि सुनैत छैक।

धन सुरक्षा आ सुरक्षा प्रदान करैत अछि, जखन कि गरीब के प्रायः अनदेखी कयल जाइत अछि ।

1. धनक शक्ति: धन कोना सुरक्षा आ सुरक्षा प्रदान क' सकैत अछि

2. गरीबी के अन्याय: गरीब के कोना अनदेखी आ अनसुना कयल जाइत अछि

1. भजन 112:1-3 - अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। धन्य अछि ओ मनुष् य जे परमेश् वर सँ डरैत अछि आ हुनकर आज्ञा मे बहुत आनन्दित होइत अछि। हुनकर वंशज पृथ्वी पर पराक्रमी होयत, सोझ लोकक पीढ़ी धन्य होयत। ओकर घर मे धन आ धन-सम्पत्ति रहतैक।

2. याकूब 2:5-7 - हमर प्रिय भाइ लोकनि, सुनू, की परमेश् वर एहि संसारक गरीब सभ केँ विश् वास मे धनिक आ ओहि राज् यक उत्तराधिकारी नहि चुनने छथि जे ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सभ केँ प्रतिज्ञा केने छथि? मुदा अहाँ सभ गरीब केँ तुच्छ बुझलहुँ। की धनिक लोक अहाँ सभ पर अत्याचार नहि करैत अछि आ अहाँ सभ केँ न्यायक आसन सभक समक्ष नहि खींचैत अछि? की ओ सभ ओहि योग्य नामक निन्दा नहि करैत छथि, जाहि नाम सँ अहाँ सभ बजाओल गेल छी?

नीतिवचन 13:9 धर्मी लोकक इजोत आनन्दित होइत अछि, मुदा दुष्टक दीप बुझा जायत।

धर्मात्मा आनन्द सँ भरल रहैत अछि, जखन कि दुष्ट बुझि जायत।

1: धर्मी लोकक प्रति परमेश् वरक प्रेम अनन्त अछि, जखन कि दुष्ट सभ अंततः ओकर अंत भ' जेताह।

2: परमेश् वरक पाछाँ चलनिहार सभ आनन्दसँ भरल रहताह, जखन कि दुष्टता चुननिहार सभ बुझि जेताह।

1: भजन 97:11 - "धर्मी लोकक लेल इजोत बोओल जाइत अछि, आ सोझ हृदयक लेल आनन्द।"

2: नीतिवचन 10:25 - "जहिना बवंडर बीतैत अछि, तहिना दुष्ट आब नहि अछि; मुदा धर्मी अनन्त नींव अछि।"

नीतिवचन 13:10 केवल घमंड सँ विवाद होइत अछि, मुदा नीक सलाह देल गेल लोकक संग बुद्धि होइत छैक।

घमंड सँ द्वंद्व होइत छैक, मुदा बुद्धि बुद्धिमान सलाह लेला सँ भेटैत छैक।

1. घमंड सँ द्वंद्व होइत छैक: अनियंत्रित अभिमानक परिणामक परीक्षण

2. बुद्धिमान सलाहक खोजक शक्ति: मार्गदर्शन ताकबाक लाभ केँ आत्मसात करब

1. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

134

2. नीतिवचन 15:22 - "योजना सलाहक अभाव मे असफल भ' जाइत अछि, मुदा बहुत रास सलाहकारक संग ओ सफल होइत अछि।"

नीतिवचन 13:11 व्यर्थता सँ भेटल धन कम भ’ जायत, मुदा जे श्रम सँ जुटाबैत अछि से बढ़ि जायत।

स्वार्थ आ अभिमान सँ प्राप्त धनक क्षय होयत, मुदा मेहनत आ लगन सँ प्राप्त धन बढ़ि जायत।

1. लगन आ मेहनतक आशीर्वाद

2. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

1. मत्ती 6:19 21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. उपदेशक 10:18 - आलस्यक कारणेँ छत डूबि जाइत अछि, आ आलस्यक कारणेँ घर लीक होइत अछि।

नीतिवचन 13:12 स्थगित आशा हृदय केँ बीमार करैत अछि, मुदा जखन इच्छा अबैत अछि तखन ओ जीवनक गाछ होइत अछि।

आशा जीवनक एकटा आवश्यक अंग अछि, मुदा जखन ओकरा मे देरी होइत छैक तखन ओ व्यक्ति केँ हतोत्साहित क' सकैत अछि । मुदा जखन इच्छा पूरा भ' जाइत छैक तखन ओ जीवन आ आनन्दक स्रोत भ' सकैत अछि ।

1. आशाक महत्व आ ई कोना जीवन आ आनन्द आनि सकैत अछि ताहि पर क।

2. आशा स्थगित भेला पर हतोत्साहित करबाक खतरा पर क।

1. रोमियो 5:3-5 - आ एतबे नहि, बल् कि हम सभ क्लेश मे सेहो घमंड करैत छी, ई जानि जे क्लेश सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि; आ दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा। आब आशा निराश नहि करैत अछि, कारण परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक हृदय मे ओहि पवित्र आत् मा द्वारा उझलि गेल अछि जे हमरा सभ केँ देल गेल छल।

2. भजन 42:5 - हे हमर प्राण, अहाँ किएक नीचाँ खसा देल गेल छी? आ हमरा भीतर अहाँ किएक बेचैन छी? भगवान् पर आशा करू, कारण हम एखनो हुनकर चेहराक सहायता लेल हुनकर प्रशंसा करब।

नीतिवचन 13:13 जे वचन केँ तिरस्कार करैत अछि, से नष्ट भ’ जायत, मुदा जे आज्ञा सँ डरैत अछि, ओकरा फल भेटत।

परमेश् वरक वचनक अवहेलना करनिहार सभ नष्ट भऽ जेताह, मुदा जे सभ एकर पालन करैत छथि हुनका सभक फल भेटतनि।

1. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक आशीर्वाद

2. परमेश् वरक वचनक अवहेलना करबाक परिणाम

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

नीतिवचन 13:14 बुद्धिमानक व्यवस्था जीवनक फव्वारा अछि, जे मृत्युक जाल सँ हटि सकैत अछि।

135

बुद्धिमान लोकनि मृत्युक जाल सँ बचाबय लेल कानून के पालन करैत छथि |

1. "बुद्धिमानक नियम: जीवनक एकटा फव्वारा"।

2. "मृत्यु के जाल स मुक्ति"।

1. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि।
अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2. यूहन्ना 10:10 - चोर केवल चोरी आ हत्या आ नष्ट करबाक लेल अबैत अछि। हम एहि लेल आयल छी जे हुनका सभ केँ जीवन भेटय आ प्रचुर मात्रा मे भेटय।

नीतिवचन 13:15 नीक बुझब अनुग्रह दैत अछि, मुदा अपराधी सभक बाट कठिन अछि।

नीक समझदारी सँ एहसान भेटैत छैक, जखन कि गलत काजक बाट कठिन होइत छैक।

1: नीक निर्णय आशीर्वाद दैत अछि, जखन कि अधलाह निर्णय कठिनाई दैत अछि।

2: अनुग्रह बुद्धिमान के भेटैत छैक, जखन कि बुद्धि के अनदेखी करय वाला अपना के कठिनाई में पाओत।

1: नीतिवचन 14:15 - सरल लोक सब किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।

2: नीतिवचन 3:5-7 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन 13:16 सभ बुद्धिमान लोक ज्ञानक संग काज करैत अछि, मुदा मूर्ख अपन मूर्खता केँ खोलैत अछि।

ज्ञान ज्ञानी के निशानी छै, लेकिन मूर्ख के विवेक के कमी सब के सामने स्पष्ट छै।

1: बुद्धि ज्ञान मे भेटैत अछि, आ मूर्खता मूर्खतापूर्ण कर्म मे प्रकट होइत अछि।

2: विवेक विवेकी व्यक्तिक निशानी होइत छैक, आ मूर्खता लापरवाहीक परिणाम होइत छैक।

1: नीतिवचन 1:7 - प्रभु के भय ज्ञान के शुरुआत छै, लेकिन मूर्ख बुद्धि आरू शिक्षा के तिरस्कार करै छै।

2: याकूब 3:13 - अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ समझदार अछि? एकरा अपन नीक जीवन सँ, बुद्धि सँ निकलय बला विनम्रता मे कयल गेल कर्म सँ देखाबथि।

नीतिवचन 13:17 दुष्ट दूत बदमाश मे पड़ि जाइत अछि, मुदा विश्वासी दूत स्वास्थ्य होइत अछि।

एकटा वफादार राजदूत स्वास्थ्य लऽ कऽ अबैत अछि, जखन कि दुष्ट दूत बदमाशी अनैत अछि ।

1: निष्ठा सँ स्वास्थ्य आ संभावना होइत छैक, जखन कि दुष्टता सँ विनाश होइत छैक।

2: एकटा वफादार राजदूत बनू आ दोसर के स्वास्थ्य लाउ, बदमाशी स बेसी।

1: नीतिवचन 10:17 ओ जीवनक बाट पर अछि जे शिक्षा पर ध्यान दैत अछि, मुदा जे डाँट केँ अनसुना करैत अछि से भटकैत अछि।

2: नीतिवचन 17:17 मित्र हरदम प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक लेल जन्म लैत अछि।

नीतिवचन 13:18 जे शिक्षा केँ अस्वीकार करैत अछि, तकरा गरीबी आ लाज होयत।

जे शिक्षा सुनैत अछि आ डाँट लैत अछि ओकरा सम्मान भेटतैक, जखन कि जे शिक्षा केँ अस्वीकार करत ओकरा नीचाँ राखल जायत।

1. निर्देशक मूल्य: एकरा कोना प्राप्त कयल जाय आ सम्मानित कयल जाय

2. निर्देश के अस्वीकार करय के खतरा

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

नीतिवचन 13:19 पूर्ण इच्छा आत्माक लेल मधुर होइत अछि, मुदा मूर्ख सभक लेल दुष्टता सँ हटब घृणित अछि।

ईमानदारी सॅं प्राप्त इच्छा फलदायी होइत छैक, मुदा मूर्ख दुष्टता दिस प्रेरित होइत छैक ।

1. ईमानदारी के आनन्द: धर्म के फल काटब

2. पापक धोखा: दुष्टक जाल सँ बचब

1. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ आदमी जे दुष्टक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने उपहास करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि।

2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ सही बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

नीतिवचन 13:20 जे बुद्धिमान लोकक संग चलत, ओ बुद्धिमान होयत, मुदा मूर्खक संगी नष्ट भ’ जायत।

बुद्धिमान लोकक संग चलला सँ बुद्धि होइत छैक, जखन कि मूर्खक संगति मे रहला सँ विनाश होइत छैक |

1. बुद्धिमान मित्रता सँ बुद्धि भेटैत अछि

2. अहाँ जे कंपनी रखैत छी ताहि सँ सावधान रहू

1. नीतिवचन 19:20 - सलाह सुनू आ निर्देश स्वीकार करू, जाहि सँ भविष्य मे अहाँ केँ बुद्धि भेटय।

2. यशायाह 33:15-16 - जे धर्मपूर्वक चलैत अछि आ सोझ बात करैत अछि, जे अत्याचारक लाभ केँ तिरस्कार करैत अछि, जे ओकर हाथ हिलाबैत अछि, जाहि सँ ओ सभ घूस नहि पकड़ि लैत अछि, जे ओकर कान केँ खून-खराबा सुनबा सँ रोकैत अछि आ ओकर आँखि केँ देखबा सँ बंद क' दैत अछि दुष्ट, ऊ ऊँचाई पर टिकत; ओकर रक्षाक स्थान पाथरक किला होयत।

नीतिवचन 13:21 अधलाह पापी सभक पाछाँ पड़ैत अछि, मुदा धर्मी केँ नीकक बदला भेटत।

पापी सभक पाछाँ अधलाह चलत, जखन कि धर्मी केँ नीकक फल भेटतैक।

1. पापक परिणाम: हमरा सभकेँ एकरासँ किएक बचबाक चाही

2. धर्मक फल: हमरा सभकेँ एकर पाछाँ किएक करबाक चाही

1. लूका 6:31-36 - दोसर के संग ओहिना करू जेना अहाँ चाहैत छी जे ओ अहाँ के संग करय।

2. उपदेशक 12:13-14 - परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष्यक पूरा कर्तव्य अछि।

नीतिवचन 13:22 नीक लोक अपन संतानक संतानक लेल उत्तराधिकार छोड़ि दैत अछि, आ पापीक धन धर्मी लोकक लेल जमा कयल जाइत अछि।

नीक आदमी अपन वंशज के उत्तराधिकार प्रदान क सकैत अछि, जखन कि पापी के धन अंततः न्यायी के देल जायत।

1. विरासत के आशीर्वाद: अपन वंशज के कोना विरासत छोड़ल जाय

2. अपन शाश्वत भविष्य मे निवेश करब: आइ बुद्धिमानीपूर्ण चुनाव करब

1. भजन 112:1-2 - "प्रभुक स्तुति करू! धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ भय मानैत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत प्रसन्न होइत अछि! ओकर संतान एहि देश मे पराक्रमी होयत"।

२, किएक तँ परमेश् वर एकटा हँसी-खुशी दाता सँ प्रेम करैत छथि। आ परमेश् वर अहाँ सभ पर सभ कृपाक प्रचुरता प्रदान करबा मे सक्षम छथि, जाहि सँ अहाँ सभ केँ सभ समय मे सभ किछु मे सभटा पर्याप्तता रहैत अछि, अहाँ सभ केँ हर नीक काज मे प्रचुरता भेटय"।

नीतिवचन 13:23 गरीबक खेती मे बहुत रास भोजन होइत छैक, मुदा एहन अछि जे न्यायक अभाव मे नष्ट भ’ जाइत छैक।

गरीबक जोतबासँ बहुत रास अन्न भेटैत अछि, मुदा निर्णयक अभाव एकर विनाश भ' सकैत अछि ।

1. संसाधनक प्रबंधन मे बुद्धिमान निर्णयक महत्व

2. जमीन जोतबा मे मेहनत आ लगन के आशीर्वाद

1. नीतिवचन 15:14 - "बुद्धि रखनिहारक हृदय ज्ञानक खोज करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता सँ पेट लैत अछि।"

2. गलाती 6:7-9 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, से मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि।" आत् माक आत् मा अनन्त जीवन काटि लेत। आ नीक काज करबा मे थाकि नहि जाइ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भऽ जायब तँ उचित समय पर काटि लेब।"

नीतिवचन 13:24 जे अपन लाठी छोड़ैत अछि, से अपन बेटा सँ घृणा करैत अछि, मुदा जे ओकरा सँ प्रेम करैत अछि, से ओकरा बेर-बेर दंडित करैत अछि।

जे अपन बच्चाक प्रति नम्रता वा दया देखबैत अछि ओ ओकरा प्रेम नहि देखाओत, मुदा ओकरा अनुशासित करयवला करत।

1. प्रेमक अनुशासन: अपन बच्चा केँ कोना देखाबी जे अहाँ परवाह करैत छी

2. लोकोक्तिक शक्ति: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचन पर किएक ध्यान देबाक चाही

1. इब्रानी 12:7-11 - अनुशासनक रूप मे कठिनाइ केँ सहू; भगवान् अहाँ सभ केँ अपन संतान जकाँ व्यवहार क' रहल छथि।

2. इफिसियों 6:1-4 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि।

नीतिवचन 13:25 धर्मी अपन प्राणक तृप्ति लेल भोजन करैत अछि, मुदा दुष्टक पेट कम भ’ जायत।

धर्मात्मा तृप्त होयत, जखन कि दुष्ट वंचित होयत।
138

1. सच्चा संतुष्टि धर्मी जीवन जीला सँ भेटैत अछि।

2. लोभ आ दुष्टता मात्र वंचितता दिस लऽ जायत।

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि कऽ चोरा लैत अछि, 20 बल् कि स् वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नाश करैत अछि, आ जतऽ चोर नहि तोड़त आ ने चोरी करैत अछि, 21 किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. भजन 34:9-10 - हे हुनकर पवित्र लोक सभ, प्रभु सँ डेराउ, किएक तँ हुनका डरय बला सभक कोनो अभाव नहि अछि। 10 सिंहक बच्चा सभक अभाव होइत छैक आ भूख सँ ग्रसित होइत छैक, मुदा जे सभ परमेश् वरक खोज करैत अछि, ओकरा सभ केँ कोनो नीक वस्तुक कमी नहि होयत।

नीतिवचन अध्याय १४ बुद्धि आरू मूर्खता के विशेषता आरू परिणाम के खोज करै छै, जेकरा म॑ विवेक, धर्म आरू दुष्टता के परिणाम के महत्व प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत बुद्धिमान आ मूर्ख के विपरीत कयल गेल अछि | एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे बुद्धि जीवन दिस लऽ जाइत अछि जखन कि मूर्खता विनाश अनैत अछि । ई इहो रेखांकित करै छै कि मूर्ख पाप के मजाक उड़ाबै छै, लेकिन सोझ लोग परमेश् वर के अनुग्रह पाबै छै (नीतिवचन 14:1-9)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे वाणी, विवेक, क्रोध प्रबंधन, आ शांतिपूर्ण घरक मूल्य सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि जे बुद्धिमानी स॑ बोलै छै आरू धर्मी जीवन जीबै छै, ओकरा आशीर्वाद के अनुभव होतै जबकि जे अपनऽ रास्ता पर चलै छै ओकरा बर्बादी के सामना करना पड़तै (नीतिवचन १४:१०-३५)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति चौदह अध्याय परखैत अछि
बुद्धि आ मूर्खता सँ जुड़ल विशेषता आ परिणाम,
विवेक, धर्म पर जोर दैत,
आ दुष्टताक परिणामस्वरूप परिणाम।

बुद्धिमान व्यक्ति बनाम मूर्ख के संबंध में प्रस्तुत विपरीत विशेषता के साथ-साथ बुद्धि बनाम मूर्खता के परिणामस्वरूप विनाश से जुड़े जीवन के संबंध में दिखाई गई पहचान | परमेश् वर दिस सँ सोझ लोक द्वारा भेटल अनुग्रहक संग पाप केँ चिन्हबा पर देल गेल महत्व केँ उजागर करब।
शांतिपूर्ण घर पर राखल गेल मूल्य के रेखांकित करैत व्यक्तिगत लोकोक्ति जेना वाणी, विवेक, क्रोध प्रबंधन के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब।
अपन रास्ता पर चलय वाला के सामना करय वाला बर्बादी के नोट करैत जे बुद्धिमानी स बजैत छथि आ धर्मी जीवन जीबैत छथि हुनका लेल आशीर्वाद के रेखांकित करब।

नीतिवचन 14:1 सभ बुद्धिमान स्त्री अपन घर बनबैत अछि, मुदा मूर्ख ओकरा हाथ सँ तोड़ि दैत अछि।

बुद्धि एकटा सफल घरक आधार होइत छैक।

1. घर मे बुद्धि की शक्ति

2. अबुद्धिमान निर्णयक मूर्खता

1. नीतिवचन 14:1

2. नीतिवचन 24:3-4 - "बुद्धिक द्वारा घर बनैत अछि; आ समझ सँ ओ स्थापित होइत अछि: आ ज्ञान सँ कोठली सभ अनमोल आ सुखद धन सँ भरल होयत।"

नीतिवचन 14:2 जे अपन सोझता मे चलैत अछि, ओ प्रभु सँ डेरैत अछि, मुदा जे अपन बाट मे विकृत अछि से ओकरा तिरस्कार करैत अछि।

प्रभुक भय बुद्धिक आधार थिक; जे हुनका अस्वीकार करैत छथि हुनका कष्ट होयतनि।

1: प्रभुक भय बुद्धिक मार्ग थिक

2: प्रभु के अस्वीकार करला स विनाश होइत अछि

1: भजन 111:10 - प्रभु के भय बुद्धि के शुरुआत छै; एकरऽ अभ्यास करै वाला सब के अच्छा समझ छै ।

2: यिर्मयाह 17:5 - प्रभु ई कहैत छथि: शापित ओ अछि जे मनुष्य पर भरोसा करैत अछि, जे अपन शक्तिक लेल मांस पर निर्भर अछि आ जकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ि लैत अछि।

नीतिवचन 14:3 मूर्खक मुँह मे घमंडक लाठी अछि, मुदा बुद्धिमानक ठोर ओकरा बचाओत।

मूर्खता मे घमंड होइत छैक, मुदा ज्ञानी केँ सुरक्षित राखल जाइत छैक।

1. अभिमानक खतरा आ बुद्धिक शक्ति

2. मूर्खता के जाल स कोना बचि सकैत छी

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 3:13-18 - अहाँ सभ मे के अछि बुद्धिमान आ ज्ञान सँ सम्पन्न? ओ नीक गप्प-सप्प सँ अपन काज केँ नम्रताक संग देखाबथि।

नीतिवचन 14:4 जतय बैल नहि अछि, ओतय पालना साफ होइत अछि, मुदा बैल केर बल सँ बहुत वृद्धि होइत अछि।

श्रम शक्ति के अभाव में एकटा साफ सुथरा वातावरण भ सकैत अछि, तथापि मेहनत के मदद सं बेसी सफलता भेटैत अछि.

1. मेहनत के फायदा

2. लगन के आशीर्वाद

1. उपदेशक 11:6 - भोरे अपन बीया बोउ, आ साँझ मे हाथ नहि रोकू, किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे कोन सफल होयत, ई वा ओ, वा दुनू एक समान नीक होयत।

2. कुलुस्सी 3:23 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सँ करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष् यक लेल नहि।

नीतिवचन 14:5 विश्वासी गवाह झूठ नहि बाजत, मुदा झूठ गवाह झूठ बाजत।

विश्वासी गवाह सत्य बजैत अछि, मुदा झूठ गवाह झूठ बजैत अछि।

1. सत्यक शक्ति: असत्यक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

2. निष्ठा के प्रकृति: प्रतिकूल परिस्थिति में मजबूती से खड़ा रहना

1. भजन 15:1-5

2. यूहन्ना 8:44-45

नीतिवचन 14:6 तिरस्कार करयवला बुद्धि तकैत अछि, मुदा ओकरा नहि भेटैत अछि, मुदा बुझनिहार लेल ज्ञान सहज अछि।

मूर्ख बुद्धि तकैत अछि, मुदा कोनो नहि भेटैत अछि। मुदा बुझलासँ ज्ञान सहजहि अबैत अछि।

1. बुद्धि आ समझ मे अंतर

2. ज्ञानक खोजक मूल्य

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 3:13 - "धन्य अछि जे बुद्धि भेटैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि।"

नीतिवचन 14:7 मूर्खक सोझाँ सँ जाउ, जखन अहाँ ओकरा मे ज्ञानक ठोर नहि बुझैत छी।

हमरा सभकेँ कोनो मूर्ख व्यक्तिक उपस्थितिसँ बचबाक चाही जखन ओ ज्ञानसँ नहि बजैत अछि ।

1. मूर्ख सँ बचबाक बुद्धि

2. विवेकक मूल्य

1. नीतिवचन 13:20 जे बुद्धिमान लोकक संग चलत, ओ बुद्धिमान होयत, मुदा मूर्खक संगी नष्ट भ’ जायत।

2. याकूब 1:5-6 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दऽ दैत छथि आ नहि डाँटैत छथि। आ ओकरा देल जेतै। मुदा विश्वास सँ माँगय, किछु नहि डगमगाइत। किएक तँ जे डगमगाइत अछि से समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवाक संग धकेलि कऽ उछालल जाइत अछि।

नीतिवचन 14:8 बुद्धिमानक बुद्धि होइत छैक जे ओ अपन बाट बुझथि, मुदा मूर्ख सभक मूर्खता छल।

बुद्धिमान अपन कर्म के मार्ग बुझैत अछि, जखन कि मूर्ख धोखा खाइत अछि।

1: बुद्धिमान बनू - नीतिवचन 14:8 हमरा सभ केँ बुद्धिमान बनबाक लेल आ जीवन मे अपन बाट केँ बुझबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

2: मूर्खता सँ बचू - हमरा सभ केँ मूर्खता सँ बचबाक प्रयास करबाक चाही, जाहि सँ छल आ हृदयक पीड़ा होइत अछि।

1: नीतिवचन 3:13-15 - धन्य अछि जे बुद्धि भेटैत अछि आ जे बुद्धि भेटैत अछि। किएक तँ चानीक व्यवस्थासँ एकर व्यवस्था नीक अछि आ ओकर लाभ महीन सोनासँ नीक। ओ माणिक सँ बेसी कीमती छथि, आ जे किछु अहाँ चाहैत छी से हुनका सँ तुलना नहि कयल जा सकैत अछि।

2: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

नीतिवचन 14:9 मूर्ख सभ पापक उपहास करैत अछि, मुदा धर्मी लोक मे अनुग्रह होइत छैक।

पाप के गंभीरता स लेबाक चाही आ ओकर उपहास नहि करबाक चाही; जे धर्मी छथि हुनका पर अनुग्रह भेटैत छनि।

1. पाप के गंभीरता: अपन पसंद के परिणाम के बुझब

2. धर्म अनुग्रह अनैत अछि

1. भजन 32:1-2 - धन्य ओ अछि जकर अपराध क्षमा कयल गेल अछि, जकर पाप झाँपल अछि। धन्य अछि ओ आदमी जकर पाप प्रभु ओकरा पर नहि गिनैत छथि आ जकर आत्मा मे कोनो छल नहि होइत छैक |

2. नीतिवचन 3:3-4 - दया आ सत्य अहाँ केँ नहि छोड़ि दियौक। ओकरा सभ केँ अपन हृदयक मेज पर लिखू, तेना अहाँ केँ परमेश् वर आ मनुष् य सभक नजरि मे अनुग्रह आ नीक समझ भेटत।”

नीतिवचन 14:10 हृदय अपन कटुता केँ जनैत अछि। आ परदेशी ओकर आनन्द मे हस्तक्षेप नहि करैत अछि।

हृदय अपन पीड़ा-दुख सँ नीक जकाँ बूझैत अछि, आ अनजान लोक ओकर आनन्द मे भाग नहि ल' पाबि रहल अछि।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे ई नहि मानल जाय जे हम सभ दोसरक सुख-दुखकेँ पूर्ण रूपेण बुझि सकैत छी।

2: हमरा सभकेँ अपन हृदय दोसरक लेल बुझबाक आ सहानुभूति मे खोलबाक चाही, नहि कि निर्णय वा आलोचना मे।

1: फिलिप्पियों 2:3-4, स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता में दोसर के अपना स बेसी महत्व दियौ, अपन हित के नै बल्कि अहाँ सब में स प्रत्येक के दोसर के हित के तरफ देखू।

2: रोमियो 12:15, जे आनन्दित होइत अछि, ओकर संग आनन्दित रहू; शोक करयवला सभक संग शोक करू।

नीतिवचन 14:11 दुष्टक घर उखाड़ि देल जायत, मुदा सोझ लोकक तम्बू पनपत।

दुष्टक घर नष्ट भऽ जायत, मुदा धर्मात्माक घर धन्य होयत।

1. धर्मी लोकक लेल परमेश् वरक आशीर्वादक प्रतिज्ञा

2. दुष्ट पर परमेश् वरक न्यायक निश्चय

1. भजन 112:1-2 "प्रभुक स्तुति करू! धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ भय मानैत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत प्रसन्न होइत अछि! ओकर संतान एहि देश मे पराक्रमी होयत; सोझ लोकक पीढ़ी धन्य होयत।"

2. भजन 37:20 "मुदा दुष्ट सभ नाश भ' जेताह; प्रभुक शत्रु चारागाहक महिमा जकाँ छथि; धुँआ जकाँ विलुप्त भ' जाइत छथि आ विलुप्त भ' जाइत छथि।"

नीतिवचन 14:12 एकटा एहन बाट अछि जे मनुष् य केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

जीवन मे जे बाट हम सब चलैत छी से सही बुझाइत होयत, मुदा अंततः मृत्यु तक पहुंचा सकैत अछि।

1: हमरा सभ केँ बुद्धिमान आ ईश्वरीय चुनाव करबाक प्रयास करबाक चाही, कारण जीवन मे जे चुनाव करैत छी ओकर शाश्वत निहितार्थ होइत छैक।

2: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे जे उचित बुझाइत अछि ताहिसँ भटकब नहि, कारण एहिसँ मृत्यु भ' सकैत अछि।

1: मत्ती 7:13-14 - "अहाँ सभ संकीर्ण फाटक पर प्रवेश करू, किएक तँ विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि आ ओहि मे प्रवेश करय बला बहुतो लोक अछि। जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि, आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।”

2: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 14:13 हँसी मे सेहो मोन दुखी होइत अछि। आ ओहि उल्लासक अंत भारीपन होइत छैक।

हृदय आनन्द आ हँसीक क्षण मे सेहो दुखी भ' सकैत अछि, जाहि सँ अंततः भारीपन भ' जाइत अछि ।

1. प्रभुक आनन्द सदिखन स्थायी आनन्द नहि होइत छैक

2. दुखक बीच आनन्द भेटब

1. उपदेशक 7:4 बुद्धिमानक हृदय शोकक घर मे होइत छैक, मुदा मूर्खक हृदय आनन्दक घर मे होइत छैक।

2. याकूब 4:9 दुःखी रहू, शोक करू आ कानू, अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द शोक मे बदलि जाय।

नीतिवचन 14:14 हृदय मे पछुआएल अपन बाट सँ भरल रहत, आ नीक लोक अपना सँ तृप्त होयत।

पछुआएल अपन पापक मार्गसँ भरल रहत, जखन कि नीक लोक अपन नीक काजसँ तृप्त होयत।

1: पाछू हटबाक परिणाम - नीतिवचन 14:14

2: नीक काजक फल - नीतिवचन 14:14

1: याकूब 1:22-25 - वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि।

2: फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू; मुदा सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अहाँ सभक निहोरा केँ ज्ञात कयल जाय।

नीतिवचन 14:15 सरल लोक सभ बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा बुद्धिमान लोक अपन जायब नीक जकाँ देखैत अछि।

साधारण लोक के अपन सुनल हर शब्द पर भरोसा भ सकैत अछि, मुदा ज्ञानी लोक अपन काज मे सावधान रहैत छथि।

1. भगवान् पर निर्भर रहू आ अपन कर्म मे सावधान रहू

2. भगवान पर भरोसा करू, मनुक्ख पर नहि

1. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. भजन 118:8 मनुष्य पर भरोसा करबा स’ नीक जे प्रभुक शरण मे रहब।

नीतिवचन 14:16 बुद्धिमान आदमी डरैत अछि आ अधलाह सँ हटि जाइत अछि, मुदा मूर्ख क्रोधित होइत अछि आ आत्मविश्वासी होइत अछि।

बुद्धिमान बुराई स डरैत अछि आ ओकरा स दूर रहैत अछि, जखन कि मूर्ख क्रोधित भ अपन विश्वास मे सुरक्षित रहैत अछि।

1. प्रभुक भय बुद्धिक प्रारम्भ थिक

2. ज्ञानी आ मूर्खक बीचक विपरीतता

1. नीतिवचन 9:10 प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ होइत अछि, आ पवित्र लोकक ज्ञान बुद्धि अछि।

2. याकूब 1:19-20 तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि बनबैत अछि।

नीतिवचन 14:17 जे जल्दिये क्रोधित होइत अछि, ओ मूर्खतापूर्वक काज करैत अछि, आ दुष्ट षड्यंत्रक लोक सँ घृणा कयल जाइत अछि।

जे व्यक्ति जल्दी क्रोधित होइत अछि ओ मूर्खतापूर्ण काज क' रहल अछि, आ दुष्ट योजनाक पालन करयवला केँ नापसंद कयल जाइत अछि।

1. अनियंत्रित आपाधापीक खतरा।

2. दुष्ट योजनाक पालन करबाक परिणाम।

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 16:29 - "हिंसक आदमी अपन पड़ोसी केँ लोभबैत अछि आ ओकरा एहन तरीका सँ लऽ जाइत अछि जे नीक नहि अछि।"

नीतिवचन 14:18 सरल लोक केँ मूर्खता भेटैत छैक, मुदा बुद्धिमान लोक केँ ज्ञानक मुकुट पहिराओल जाइत छैक।

सरल के विशेषता छै ओकरऽ मूर्खता जबकि विवेकी के ज्ञान के पुरस्कृत होय छै ।

1. विवेकक फल: बुद्धि आशीर्वाद कोना दैत अछि

2. मूर्खताक परिणाम: अज्ञानताक खतरा

1. नीतिवचन 2:1-5

2. याकूब 1:5-8

नीतिवचन 14:19 दुष्ट नीक लोकक आगू प्रणाम करैत अछि। आ दुष् ट लोक सभ धर्मी सभक फाटक पर।

धर्मात्मा के सही ठहराओल जायत जखन कि दुष्ट के न्याय के सामने आनल जायत।

1: जे उचित काज करैत अछि ओकरा लेल अंत मे न्याय होयत।

2: भगवान् के न्याय हावी होयत - दुष्ट के हिसाब लगाओल जायत आ धर्मी के इनाम भेटत।

1: भजन 37:27-28 - "बुराई सँ मुँह घुमा कऽ नीक काज करू। तहिना अहाँ सभ अनन्त काल धरि रहब।
किएक तँ प्रभु केँ न्याय सँ प्रेम छनि। ओ अपन पवित्र लोक सभ केँ नहि छोड़ताह। ओ सभ सदाक लेल सुरक्षित रहत, मुदा दुष्टक संतान रहत।" काटि देल गेल।"

2: रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

नीतिवचन 14:20 गरीब केँ अपन पड़ोसी सँ घृणा होइत छैक, मुदा धनिक केँ बहुत मित्र होइत छैक।

गरीब के आसपास के लोक के अनुग्रह नै छै, लेकिन धनिक के बहुत दोस्त छै।

1: हमरा सभकेँ गरीबसँ ईर्ष्या वा घृणा नहि करबाक चाही, बल्कि ओकरा प्रति दयालु आ उदार रहबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ जे आशीर्वाद भेटल अछि ओकर सराहना करबाक चाही, आ ई बूझबाक चाही जे पाइ आ सम्पत्ति सच्चा मित्रक नाप नहि होइत अछि।

144

1: उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।” पुनः जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहत तखन ओकरा सभ मे गर्मी छैक, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि? जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत तँ दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

2: याकूब 2:1-7 - हमर भाइ लोकनि, हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, जे महिमाक प्रभु छथि, पर विश् वास नहि करू। जँ अहाँ सभक सभा मे सोनाक अंगूठी ल' क' नीक वस्त्र पहिरने कोनो गरीब आदमी सेहो आबि जायत। अहाँ सभ ओहि समलैंगिक वस्त्र पहिरनिहार केँ आदर करैत छी आ ओकरा कहैत छी जे, “अहाँ एतय नीक जगह पर बैसू।” आ गरीब सभ केँ कहि दियौक जे, “अहाँ ठाढ़ रहू वा एतय हमर पैरक ठेहुनक नीचा बैसि जाउ। हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, सुनू, की परमेश् वर एहि संसारक गरीब सभ केँ विश् वास मे धनिक आ ओहि राज् यक उत्तराधिकारी नहि चुनने छथि जे ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सभ केँ प्रतिज्ञा केने छथि? मुदा अहाँ सभ गरीब केँ तुच्छ बुझलहुँ। की धनिक लोक अहाँ सभ पर अत्याचार नहि करैत अछि आ अहाँ सभ केँ न्यायक आसन सभक समक्ष नहि खींचैत अछि?

नीतिवचन 14:21 जे अपन पड़ोसी केँ तिरस्कार करैत अछि, ओ पाप करैत अछि, मुदा जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ धन्य अछि।

जे गरीब पर दया करैत अछि ओ धन्य होइत अछि।

1. दयाक शक्ति: करुणा देखब कोना सब सँ आगू बढ़ैत अछि

2. हमर पड़ोसी के अछि? रोजमर्रा के बातचीत में करुणा का महत्व

1. याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

2. मत्ती 6:14-15 - जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स्वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।

नीतिवचन 14:22 की ओ सभ गलती नहि करैत छथि जे बुराईक कल्पना करैत छथि? मुदा जे सभ नीक-नीक कल्पना करैत अछि, तकरा सभक लेल दया आ सत् य होयत।

अधलाहक कल्पना करनिहारक परिणाम अनुकूल नहि होइत छैक, मुदा नीकक कल्पना करयवला पर दया आ सत्य अबैत छैक |

1. दया आ सत्य: सद्कर्मक लाभ

2. बुराई के योजना बनेनिहार के त्रुटि

1. भजन 37:27 - अधलाह सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; आ अनन्त काल धरि रहू।

2. इफिसियों 4:28 - चोरी केनिहार आब चोरी नहि करय, बल् कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज क’ क’ मेहनति करय, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद केँ देबय पड़य।

नीतिवचन 14:23 सभ परिश्रम मे लाभ होइत छैक, मुदा ठोरक गप्प मात्र अभाव दिस होइत छैक।

श्रमसँ इनाम भेटैत छैक, मुदा बेकार गप्पसँ गरीबी होइत छैक ।

1: काज मे राखू - फकड़ा सँ एकटा पाठ

2: शब्दक शक्ति - अपन वाणीक अधिकतम लाभ उठाबय के

1: उपदेशक 10:19 - भोज हँसीक लेल बनैत अछि, आ मदिरा आनन्दित करैत अछि, मुदा पाइ सभ किछुक उत्तर दैत अछि।

2: याकूब 3:2-12 - कारण, हम सभ बहुत बात मे सभ केँ ठेस पहुँचबैत छी। जँ केओ वचन मे आपत्ति नहि करैत अछि तँ ओ सिद्ध आदमी अछि आ पूरा शरीर पर लगाम लगाबय मे सक्षम अछि।
नीतिवचन 14:24 बुद्धिमानक मुकुट ओकर धन थिक, मुदा मूर्खक मूर्खता मूर्खता थिक। ज्ञानी के धन के फल भेटैत छैक, जखन कि मूर्खता मूर्ख के फल होइत छैक |
1. ज्ञानी आ मूर्ख: बुद्धिक लाभ
2. धनक मूल्य: धनिक होयबाक की अर्थ होइत छैक?
1. नीतिवचन 16:16, "सोना सँ बुद्धि भेटब कतेक नीक! बुझब चानी सँ बेसी चुनल जायब।"
2. उपदेशक 5:19, "एतबे नहि, जखन परमेश् वर ककरो धन आ सम् पत्ति दैत छथि, आ ओकर भोग करबाक क्षमता दैत छथिन, तखन हुनकर भाग्य स्वीकार करबाक आ हुनकर परिश्रम मे सुखी रहबाक क्षमता दैत छथिन, ई परमेश् वरक वरदान अछि।"
नीतिवचन 14:25 सच्चा गवाह आत्मा केँ उद्धार करैत अछि, मुदा धोखा देबयवला गवाह झूठ बजैत अछि।
सच्चा गवाह मुक्ति आनि सकैत अछि, जखन कि धोखेबाज गवाह झूठ बाजैत अछि।
1. सत्यक शक्ति: हमरा सभकेँ ईमानदारीसँ किएक बाजबाक चाही
2. झूठ आ धोखा: हमरा सभकेँ सत्य किएक बाजबाक चाही
1. कुलुस्सी 3:9 - एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, ई देखैत जे अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर व्यवहारक संग छोड़ि देने छी
2. यूहन्ना 8:32 - आ अहाँ सभ सत् य केँ जानब, आ सत् य अहाँ सभ केँ मुक्त कऽ देत।
नीतिवचन 14:26 प्रभुक भय मे प्रबल भरोसा अछि, आ ओकर बच्चा सभ केँ शरण भेटत।
प्रभु केरऽ भय हुनकऽ संतानऽ लेली मजबूत विश्वास आरू सुरक्षा दै छै ।
1: प्रभु सँ डेराउ, कारण ओ अहाँक शरण आ बल छथि
2: प्रभु पर भरोसा करू आ आत्मविश्वास राखू
1: भजन 27:1-3 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक बल छथि; हम ककरासँ डरब?
2: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।
नीतिवचन 14:27 प्रभुक भय जीवनक फव्वारा अछि, जे मृत्युक जाल सँ हटि सकैत छी।
प्रभुक भय जीवन आ खतरा सँ सुरक्षा दैत अछि।
1. प्रभु के भय में जीने की शक्ति
2. प्रभु पर भरोसा करबाक लाभ
1. नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. भजन 91:2-3 हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि। हम हुनका पर भरोसा करब। ओ अहाँ केँ चिड़ै-चुनमुनीक जाल सँ आ शोर-शराबा सँ बचाओत।

नीतिवचन 14:28 लोकक भीड़ मे राजाक आदर होइत छैक, मुदा लोकक अभाव मे राजकुमारक विनाश होइत छैक।

राजाक इज्जत लोकक भीड़क संग अबैत छैक, मुदा राजकुमारक विनाश लोकक अभाव मे अबैत छैक |

1: भगवान् हमरा सभकेँ कोनो समुदायक हिस्सा बनबाक सौभाग्य देने छथि आ तकर संग इज्जत सेहो अबैत अछि।

2: हमर सफलता मात्र अपन काज पर निर्भर नै करैत अछि बल्कि आसपास के लोक पर सेहो निर्भर करैत अछि, आ हुनका सब स मजबूत संबंध बनेबाक प्रयास करबाक चाही।

1: उपदेशक 4:9-12 एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।”

2: 1 कोरिन्थी 12:14-27 किएक तँ शरीर एकटा अंग नहि, बल् कि बहुत अछि। जँ पएर कहत जे हम हाथ नहि छी तेँ हम शरीरक नहि छी। तेँ की ई शरीरक नहि अछि? जँ कान कहत जे हम आँखि नहि छी तेँ हम शरीरक नहि छी। तेँ की ई शरीरक नहि अछि?

नीतिवचन 14:29 जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से बहुत बुद्धिमान अछि, मुदा जे आत् मा मे जल्दबाजी करैत अछि, ओ मूर्खता केँ ऊपर उठबैत अछि।

धैर्यवान आ क्रोध मे मंद रहनिहार मे बुद्धि होइत छैक, जखन कि आवेगपूर्ण आ छोट स्वभावक लोक मूर्खता केँ उच्च करैत अछि।

1. धैर्य एकटा गुण अछि: नीतिवचन 14:29 के बुद्धि

2. आवेगक मूर्खता: नीतिवचन 14:29 के चेतावनी

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. इफिसियों 4:26-27 - क्रोधित रहू आ पाप नहि करू; अपन क्रोध पर सूर्यास्त नहि होउ, आ शैतान केँ कोनो अवसर नहि दियौक।

नीतिवचन 14:30 स्वस्थ हृदय शरीरक जीवन थिक, मुदा हड्डीक सड़लपन सँ ईर्ष्या करू।

सुदृढ़ हृदय जीवन दैत अछि, जखन कि ईर्ष्या विनाश दैत अछि।

1: ईर्ष्या के खतरा - ईर्ष्या के कारण हम सब जे किछु अछि ओकर आभारी रहबाक बजाय, जे किछु अछि ताहि पर ध्यान केंद्रित करैत छी।

2: ध्वनि हृदय के शक्ति - ध्वनि हृदय हमरा सब के भगवान के नजदीक लाबैत अछि आ नीक जीवन के तरफ ल जाइत अछि।

1: याकूब 3:16 - किएक तँ जतऽ ईर्ष्या आ झगड़ा होइत अछि, ओतहि भ्रम आ सभ दुष्कर्म होइत अछि।

2: 1 पत्रुस 5:8 - सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत रहैत अछि आ ककरा खा सकैत अछि।

नीतिवचन 14:31 जे गरीब पर अत्याचार करैत अछि, से अपन निर्माता केँ निन्दा करैत अछि, मुदा जे ओकर आदर करैत अछि, से गरीब पर दया करैत अछि।

147

जे गरीबक संग दुर्व्यवहार करैत अछि ओ प्रभुक अपमान करैत अछि, मुदा जे हुनका पर दया करैत अछि ओ दया करैत अछि।

1. हम सभ उदार बनू आ गरीब पर दया करू, जेना हम सभ प्रभुक आदर करैत छी।

2. गरीब पर अत्याचार नहि करू, किएक तँ एहन करब परमेश् वरक अपमान अछि।

1. याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

2. मत्ती 25:40 - राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी, जेना अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाय सभ मे सँ एकटा केँ केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा संग सेहो केलहुँ।

नीतिवचन 14:32 दुष्ट अपन दुष्टता मे भगा देल जाइत अछि, मुदा धर्मी केँ अपन मृत्यु पर आशा रहैत छैक।

दुष्ट अपन दुष्टता मे भगा देल जायत, मुदा धर्मी केँ मृत्यु मे सेहो आशा रहत।

1. स्वर्गक आशा: मृत्युसँ परे आशा

2. दुष्टताक सोझाँ कृपा: धर्मी लोकनिक विजय कोना होइत छनि

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. भजन 23:4 - भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

नीतिवचन 14:33 बुद्धि बुद्धि रखनिहारक हृदय मे रहैत छैक, मुदा मूर्खक बीच जे अछि से ज्ञात होइत छैक।

बुद्धि ज्ञानी के हृदय में निवास करै छै; तथापि मूर्खता सहजहि पता चलैत अछि ।

1: हमरा सभकेँ बुद्धिमान बनबाक प्रयास करबाक चाही आ बुद्धिमानी निर्णय करबाक चाही, जाहिसँ हमर सभक असली चरित्र प्रकट हो।

2: हमरा सभकेँ कोना व्यवहार आ बाजब ताहिमे सावधान रहबाक चाही, जाहिसँ हमर सभक मूर्खता सहजतासँ नहि देखल जा सकय।

1: नीतिवचन 17:27 जे ज्ञान रखैत अछि, ओ अपन बात केँ बख्शैत अछि, आ बुद्धिमान आदमी उत्तम आत् माक अछि।

2: याकूब 3:13-18 अहाँ सभक बीच के बुद्धिमान आ ज्ञान सँ सम्पन्न अछि? ओ नीक गप्प-सप्प सँ अपन काज केँ नम्रताक संग देखाबथि।

नीतिवचन 14:34 धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।

धर्म कोनो राष्ट्र के सम्मान आ सम्मान दैत अछि, जखन कि पाप लाज आ बेइज्जती दैत अछि |

1. धर्मक महत्व आ कोनो राष्ट्र पर ओकर प्रभाव

2. कोनो राष्ट्र पर पापक परिणाम

२.

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बना लेत, प्रार्थना करत, आ हमर मुँह तकत, आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ ओकरा सभ केँ क्षमा करब।" पाप करब, आ ओकरा सभक देश केँ ठीक करत।”

नीतिवचन 14:35 राजाक अनुग्रह बुद्धिमान नौकर पर होइत छैक, मुदा ओकर क्रोध ओहि पर होइत छैक जे लज्जित करैत अछि।

राजाक अनुग्रह बुद्धिमान सेवक पर देल जाइत छैक, जखन कि लाज अननिहार पर क्रोध देल जाइत छैक |

1. "बुद्धि अनुग्रह दिस लऽ जाइत अछि"।

2. "कोनो लाज नहि आनब"।

1. याकूब 3:13-18 - ऊपर सँ बुद्धि शांति आ दया दिस लऽ जाइत अछि।

2. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

नीतिवचन अध्याय १५ जीवन के विभिन्न पहलू के बारे में जानकारी दै छै, जेकरा में शब्दऽ के शक्ति, शांत आरू धर्मी मनोवृत्ति के महत्व, आरू बुद्धि के खोज स॑ मिलै वाला आशीर्वाद शामिल छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हमर जीवन पर शब्द के प्रभाव पर जोर दैत अछि। एहि मे ई रेखांकित कयल गेल अछि जे कोमल उत्तर क्रोध केँ मोड़ि दैत अछि, जखन कि कठोर शब्द क्रोध केँ भड़का दैत अछि । ई बात पर भी जोर दै छै कि जे बुद्धिमानी स॑ बोलै छै, वू चंगाई आरू समझदारी लानै छै (नीतिवचन 15:1-7)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे ज्ञान, अनुशासन, अखंडता, आ प्रभुक भय सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि जे बुद्धि के खोज करै छै आरू धर्मी जीवन जीबै छै, ओकरा परमेश् वर के आशीष आरू अनुग्रह के अनुभव होतै (नीतिवचन १५:८-३३)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा पन्द्रह अध्याय मे अंतर्दृष्टि देल गेल अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं में,
शब्दक शक्ति सहित, २.
शान्त आ धर्मी मनोवृत्ति पर महत्व देल गेल,
आ बुद्धिक खोजक परिणामस्वरूप आशीर्वाद।

शब्द के संबंध में दिखालऽ गेलऽ प्रभाव के पहचान के साथ-साथ क्रोध के मोड़ै वाला कोमल जवाब बनाम क्रोध के भड़काबै वाला कठोर शब्द पर जोर देना ।
बुद्धिमानी स बजनिहार द्वारा आनल गेल चिकित्सा आ समझ पर प्रकाश डालब।
ज्ञान, अनुशासन, अखंडता जैसनऽ व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स॑ विभिन्न विषयऽ क॑ संबोधित करना जबकि प्रभु केरऽ भय पर रखलऽ गेलऽ मूल्य क॑ रेखांकित करना ।
जे बुद्धि के खोज करै छै आरू भगवान स॑ मिललऽ अनुग्रह के साथ-साथ धर्मी जीवन जीबै छै, ओकरा लेली आशीर्वाद के रेखांकित करना ।

नीतिवचन 15:1 कोमल उत्तर क्रोध केँ दूर करैत अछि, मुदा दुखद बात क्रोध केँ भड़का दैत अछि।

कोमल प्रतिक्रिया कोनो स्थिति के कमजोर क सकैत अछि, जखन कि कठोर शब्द दुश्मनी बढ़ा सकैत अछि ।

1: दयालुतापूर्वक बाजू

2: शब्दक शक्ति

1: याकूब 3:5-10 - "जीह शरीरक छोट अंग अछि, मुदा ओ पैघ घमंड करैत अछि। विचार करू जे कोन पैघ जंगल मे छोट चिंगारी सँ आगि लगाओल जाइत अछि। जीह सेहो आगि अछि, एकटा संसार अछि।" शरीर के अंग के बीच बुराई। ई पूरा व्यक्ति के भ्रष्ट करी दै छै, ओकरोॅ पूरा जीवन के मार्ग में आगि लगाबै छै, आरो खुद नरक में आगि लगाय दै छै।"

2: कुलुस्सी 4:6 - "अहाँ सभक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहू, नून सँ भरल रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ उत्तर देबाक तरीका बुझि सकब।"

नीतिवचन 15:2 बुद्धिमानक जीह ज्ञानक सही उपयोग करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता बहाबैत अछि।

ज्ञानी ज्ञानक उपयोग बुद्धिमानी सँ करैत अछि, मुदा मूर्ख मूर्खता बजैत अछि।

1. शब्दक शक्ति: हम सभ अपन बुद्धि केँ प्रतिबिंबित करबाक लेल अपन शब्दक प्रयोग कोना करैत छी

2. मूर्ख आ ओकर मूर्खता: बिना सोचने बाजबाक खतरा

1. याकूब 3:5-6 - "तहिना जीह छोट अंग अछि आ पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कतेक पैघ बात छोट आगि जराबैत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। तहिना... हमरा सभक अंगक बीच जीह, जे समस्त शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि, प्रकृतिक मार्ग केँ आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि।”

2. नीतिवचन 18:21 - "मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि, ओकर फल खा लेत।"

नीतिवचन 15:3 परमेश् वरक नजरि सभ ठाम अछि, जे अधलाह आ नीक केँ देखैत अछि।

भगवान् सदिखन देखैत रहैत छथि आ नीक-बेजाय सब किछु जनैत छथि।

1. परमेश् वर सदिखन देखैत रहैत छथि - नीतिवचन 15:3

2. परमेश् वरक सर्वज्ञता - नीतिवचन 15:3

1. भजन 33:13-15 - परमेश् वर स् वर्ग सँ नीचाँ तकैत छथि आ सभ मनुष्य केँ देखैत छथि।

2. इब्रानी 4:13 - सभ सृष्टि मे कोनो बात परमेश् वरक नजरि सँ नुकायल नहि अछि। सब किछु ओकर आँखिक सोझाँ उघार आ उघार कयल गेल अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।

नीतिवचन 15:4 स्वस्थ जीह जीवनक गाछ होइत अछि, मुदा ओहि मे विकृतता आत् मा मे विकृति अछि।

स्वस्थ जीह जीवन दिस लऽ जाइत अछि, जखन कि विकृति आध्यात्मिक विनाश दिस लऽ जाइत अछि ।

1. दयालु शब्दक चिकित्सा शक्ति

2. अदयालु शब्दक संभावित क्षति

1. याकूब 3:5-10 - जीभ केँ वश मे करब

2. कुलुस्सी 4:6 - अहाँक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहय

नीतिवचन 15:5 मूर्ख अपन पिताक शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे डाँट पर ध्यान दैत अछि से विवेकी होइत अछि।

जे अपन पिताक सलाहक अवहेलना करैत अछि ओ मूर्ख अछि, मुदा सुधार स्वीकार करयवला बुद्धिमान होइत अछि।

150

1. सलाह पर ध्यान देबाक बुद्धि

2. मार्गदर्शन के अवहेलना के मूर्खता

1. याकूब 1:19-21 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू। किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकताक काज नहि करैत अछि। एहि लेल सभ गंदगी आ अशुद्धताक फालतूता केँ अलग करू आ कलमल वचन केँ नम्रता सँ ग्रहण करू जे अहाँ सभक प्राण केँ बचाबय मे सक्षम अछि।

2. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि। जाहि सँ तोहर नीक होअय आ तोँ पृथ् वी पर बेसी दिन जीबैत रहू।

नीतिवचन 15:6 धर्मी लोकक घर मे बहुत रास धन अछि, मुदा दुष्टक आमदनी मे संकट होइत छैक।

धर्मात्माक घर मे बहुत रास खजाना रहैत छैक, जखन कि दुष्टक राजस्व मे परेशानी होइत छैक |

1. धर्मक आशीर्वाद: धर्मी लोकनिक घर मे खजाना।

2. दुष्टताक परिणाम: दुष्टक राजस्व मे परेशानी।

1. भजन 112:3 - ओकर घर मे धन आ धन रहत, आ ओकर धार्मिकता अनन्त काल धरि रहत।

2. नीतिवचन 10:2 - दुष्टताक खजाना सँ कोनो फायदा नहि होइत छैक, मुदा धार्मिकता मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

नीतिवचन 15:7 बुद्धिमानक ठोर ज्ञान केँ तितर-बितर करैत अछि, मुदा मूर्खक हृदय एहन नहि करैत अछि।

ज्ञानी अपन ज्ञान बाँटि लैत अछि, जखन कि मूर्ख नहि।

1. ज्ञानक शक्ति: बुद्धिमानी सँ कोना साझा करी

2. अज्ञानताक मूर्खता: ज्ञान कोना प्राप्त कयल जाय

1. नीतिवचन 16:16: सोना स’ बेसी नीक बुद्धि भेटब! समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।

2. याकूब 1:5: जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

नीतिवचन 15:8 दुष्टक बलिदान परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा सोझ लोकक प्रार्थना हुनकर प्रसन्नता अछि।

प्रभु दुष्टक प्रसाद सँ घृणा करैत छथि, मुदा धर्मात्माक प्रार्थना मे प्रसन्न होइत छथि |

1: प्रार्थनाक शक्ति: धर्म कोना प्रबल होइत अछि

2: दुष्टताक व्यर्थता: पाप कोना छोट भ' जाइत अछि

1: यशायाह 1:11-17 - दुष्ट सभ सँ बलिदान केँ प्रभुक अस्वीकार

2: भजन 37:4 - प्रभुक शरण मे बैसल धर्मी लोकनिक आशीर्वाद।

नीतिवचन 15:9 दुष्टक बाट परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा ओ धार्मिकताक पाछाँ चलनिहार सँ प्रेम करैत अछि।

प्रभु दुष्टता सँ घृणा करै छै आरू धर्म के पीछू चलै वाला सँ प्रेम करै छै।
151

1. धर्मक शक्ति: सही मार्ग चुनला सँ परमेश्वरक प्रेम कोना भेटि सकैत अछि

2. दुष्टताक खतरा: प्रभुक मार्गसँ मुँह मोड़ब

1. भजन 1:1-2 - "धन्य अछि ओ आदमी जे अभक्तक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने तिरस्कार करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि। मुदा ओकर प्रसन्नता धर्म-नियम मे रहैत अछि।" प्रभु, आ अपन नियम मे दिन-राति मनन करैत छथि।”

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 15:10 जे बाट छोड़ि दैत अछि ओकरा लेल सुधार कष्ट होइत छैक, आ जे डाँट सँ घृणा करैत अछि से मरि जायत।

रास्ता छोड़ि डाँट-फटकार सँ घृणा करबाक परिणाम भयावह होइत छैक ।

1. पश्चाताप के आवश्यकता: नीतिवचन 15:10 के चेतावनी पर ध्यान देब

2. सुधार के मना करला के खतरा: नीतिवचन 15:10 के मानक के अनुसार जीना

1. यिर्मयाह 8:6-9; "हम सुनलहुँ आ सुनलहुँ, मुदा ओ सभ ठीक-ठाक नहि बाजल। ओकर दुष्टता पर केओ पश्चाताप नहि केलक जे हम की केलहुँ? सभ कियो अपन बाट दिस घुमि गेल, जेना घोड़ा युद्ध मे दौड़ैत अछि। हँ, स्वर्ग मे सारस जनैत अछि।" ओकर निर्धारित समय, कछुआ, क्रेन आ निगल अपन आगमनक समयक पालन करैत अछि, मुदा हमर लोक परमेश् वरक न् याय नहि जनैत अछि। देखू, ओ व्यर्थे बनौलनि, शास्त्री सभक कलम व्यर्थ अछि।”

2. याकूब 4:7-8; "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतान केँ विरोध करू, ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, आ ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जायत। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू, आ अहाँ सभक हृदय केँ शुद्ध करू।"

नीतिवचन 15:11 नरक आ विनाश परमेश् वरक समक्ष अछि, तखन मनुष् यक संतानक हृदय कतेक बेसी अछि?

प्रभु विनाशक पीड़ा सँ अवगत छथि आ मनुष्यक हृदय सँ अवगत छथि |

1: हमरा सभकेँ अपन जीवनमे प्रभुक उपस्थितिक प्रति सजग रहबाक चाही आ अपन काजक प्रति जागरूक रहबाक चाही।

2: प्रभु पर भरोसा राखू आ विनाशक सामना करैत हुनकर मार्गदर्शन ताकू।

1: भजन 46:1 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2: यिर्मयाह 17:9-10 हृदय सभ सँ बेसी छल, आ बहुत बीमार अछि। के बुझि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय के खोजैत छी आ मन के परीक्षा दैत छी जे प्रत्येक के अपन कर्म के फल के अनुसार अपन तरीका के अनुसार देब।

नीतिवचन 15:12 तिरस्कार करयवला ओकरा डाँटनिहार सँ प्रेम नहि करैत अछि, आ ने बुद्धिमानक लग जायत।

ज्ञानी केँ तिरस्कार करयवला नीक नहि लगैत छैक, आ डाँट-फटकार नहि सुनत।

1. बुद्धिक मूल्य आ तिरस्कार करयवला हेबाक खतरा

2. डाँट के अस्वीकार करब: घमंड के दाम

1. नीतिवचन 9:8 "उपहास करयवला केँ नहि डाँटब, नहि त' ओ अहाँ सँ घृणा करत; बुद्धिमान केँ डाँटब, तखन ओ अहाँ सँ प्रेम करत"।

2. याकूब 3:17 "मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि अछि ओ पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज विनती करयवला, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंड के बिना।"

नीतिवचन 15:13 प्रसन्न हृदय प्रसन्न चेहरा बनबैत अछि, मुदा हृदयक दुःख सँ आत्मा टूटि जाइत अछि।

हँसमुख हृदय मुँह पर आनन्द दैत अछि, मुदा टूटल-फूटल आत्मा दुखी भेला पर अबैत अछि ।

1. हँसमुख हृदयक आनन्द

2. टूटल आत्माक पीड़ा

1. भजन 30:11: अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ; अहाँ हमर बोरा ढीला कए हमरा खुशीक वस्त्र पहिरा देलहुँ।

2. याकूब 1:2-4: हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

नीतिवचन 15:14 बुद्धिमानक हृदय ज्ञानक खोज करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता सँ तृप्त होइत अछि।

ज्ञानी ज्ञानक खोज करैत अछि, जखन कि मूर्ख मूर्खता केँ खाइत अछि।

1: अपन मन के बुद्धि स पोसब

2: हमरा सभकेँ जे चाही से लेब

1: फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ-बहिन, जे किछु सत्य अछि, जे कुलीन अछि, जे उचित अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि जँ किछु उत्तम वा प्रशंसनीय अछि त' एहन बात पर सोचू।

2: यशायाह 55:2 - अहाँ अपन पाइ किएक खर्च करैत छी जे रोटी नहि अछि, आ अपन मेहनत ओहि लेल किएक खर्च करैत छी जे तृप्त नहि करैत अछि? हमर बात सुनू, आ जे नीक अछि से खाउ, आ समृद्ध भोजन मे आनन्दित होउ।

नीतिवचन 15:15 दुःखी सभक सभ दिन अधलाह होइत अछि, मुदा जे प्रसन्न हृदयक अछि, ओकरा नित्य भोज होइत छैक।

पीड़ितक दिन दुखसँ भरल रहैत अछि, मुदा जकर हृदय आनन्दित होइत अछि ओकरा जीवनमे सदिखन आनन्द भेटतैक।

1. कठिन समय मे आनन्द भेटब

2. प्रभु मे आनन्दित करबाक आनन्द

1. भजन 118:24 - ई ओ दिन अछि जे प्रभु बनौने छथि; हम सभ एहि मे आनन्दित आ आनन्दित होउ।

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि।
अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

नीतिवचन 15:16 परमेश् वरक भय मे पैघ धन आ संकट सँ नीक कम अछि।

153

धन आ तनाव स भरल जीवन स नीक जे प्रभु के प्रति श्रद्धा के विनम्र जीवन रहय।

1. मसीह मे संतोष: परमेश् वरक प्रचुर आशीष मे आनन्द पाबि

2. धन आ चिंता: चीजक पीछा करबाक खतरा

1. मत्ती 6:25-34 - चिन्ता आ चिंता पर यीशुक शिक्षा

2. फिलिप्पियों 4:11-13 - मसीह मे संतोष आ आनन्द पर पौलुसक शिक्षा

नीतिवचन 15:17 जड़ी-बूटीक भोजन जतय प्रेम हो, ओहि ठाम ठमकल बैल आ ओकरा सँ घृणा सँ नीक अछि।

क्रोध मे खायल भव्य भोज स नीक प्रेम मे बाँटल विनम्र भोजन।

1. प्रेम मे साझा करबाक आनन्द

2. क्षमाक शक्ति

1. यूहन्ना 13:34-35 - हम अहाँ सभ केँ एकटा नव आज्ञा दैत छी: एक-दोसर सँ प्रेम करू। जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ, तहिना अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करब। जँ अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करब तँ एहि सँ सभ जनत जे अहाँ सभ हमर शिष् य छी।

2. इफिसियों 4:2-3 - पूर्णतः विनम्र आ कोमल रहू; धैर्य राखू, प्रेम मे एक दोसरा के सहन करू। शांति के बंधन के माध्यम स आत्मा के एकता के कायम रखबाक हर संभव प्रयास करू।

नीतिवचन 15:18 क्रोधित लोक झगड़ा भड़का दैत अछि, मुदा जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से झगड़ा केँ शान्त करैत अछि।

द्वंद्व के शांतिपूर्ण समाधान के लेल धैर्यवान रवैया कुंजी छै.

1: द्वंद्व समाधान मे एकटा सौम्य भावना

2: धैर्यक शक्ति

1: याकूब 1:19-20 हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

2: नीतिवचन 16:32 शक्ति सँ धैर्य नीक अछि; शहर पर कब्जा करबा स नीक अछि जे अपन आपा पर नियंत्रण राखब।

नीतिवचन 15:19 आलस्यक बाट काँटक बाड़ जकाँ होइत छैक, मुदा धर्मी लोकक बाट साफ कयल जाइत छैक।

आलस्य सँ काँटदार बाट होइत छैक, जखन कि धर्मात्माक आगू स्पष्ट बाट होइत छैक |

1. बाद मे फल काटि लेबाक लेल एखनहि काज मे लगाउ।

2. धर्मक लाभ उठाउ आ आलस्यक काँटसँ दूर रहू।

1. गलाती 6:7-9 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत।

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

नीतिवचन 15:20 बुद्धिमान बेटा पिता केँ प्रसन्न करैत अछि, मुदा मूर्ख अपन माय केँ तिरस्कार करैत अछि।

बुद्धिमान पुत्र अपन पिता केँ आनन्द दैत अछि, जखन कि मूर्ख अपन माय केँ अनसुना करैत अछि।

1. बुद्धिमान विकल्प के शक्ति: अपन माता-पिता के प्रति अपन दायित्व के पूरा करब

2. पारिवारिक बंधन के महत्व: बुद्धिमान निर्णय लेबाक फल

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि। जाहि सँ तोहर नीक होअय आ तोँ पृथ् वी पर बेसी दिन जीबैत रहू।

2. निर्गमन 20:12 - अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश दैत छथि, ताहि पर अहाँक दिन लंबा रहय।

नीतिवचन 15:21 बुद्धि सँ वंचित लोकक लेल मूर्खता आनन्द अछि, मुदा बुद्धिमान लोक सोझ चलैत अछि।

बुद्धिहीन के मूर्खता आनन्द दै छै, लेकिन समझ वाला धर्मी जीवन जीबै छै।

1. बुद्धिक आनन्द: धर्म जीवनक आशीर्वाद केँ बुझब

2. मूर्खता के खतरा: अबुद्धिमान विकल्प स दूर रहब

1. नीतिवचन 3:13-15 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक। गहना सॅं बेसी कीमती छथि, आ अहाँक इच्छाक कोनो वस्तुक तुलना हुनका सॅं नहि भ' सकैत अछि ।

15. नीतिवचन 13:20 - जे बुद्धिमानक संग चलैत अछि से बुद्धिमान भ' जाइत अछि, मुदा मूर्खक संगी केँ नुकसान होयत।

नीतिवचन 15:22 बिना कोनो सलाह के उद्देश्य निराश भ’ जाइत अछि, मुदा सलाहकार के भीड़ मे ओ सभ स्थिर भ’ जाइत अछि।

एहि श्लोक मे सफलता प्राप्त करबाक लेल दोसर सँ सलाह लेबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि |

1. सलाह लेबय के शक्ति: दोसर स परामर्श क सफलता कोना प्राप्त कयल जाय

2. समुदायक आशीर्वाद: दोसरसँ सलाह लेबाक मूल्य

1. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारतापूर्वक आ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. उपदेशक 4:9-12, "एक सँ दू गोटे नीक छथि, किएक तँ हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ एक गोटे अपन संगी केँ ऊपर उठा लेत। मुदा धिक्कार जे खसला पर असगर रहैत अछि, किएक तँ।" ओकरा उठयबा मे कियो नहि छैक।पुनः जँ दू गोटे एक संग लेटत त' गर्म रहत, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि, भले एक पर दोसर पर हावी भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन क' सकैत अछि।आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटल."

नीतिवचन 15:23 मनुष् य अपन मुँहक उत्तर सँ आनन्दित होइत अछि, आ समय पर कहल गेल वचन कतेक नीक अछि!

सही समय पर शब्द बजला स आनन्द भेटैत अछि।

1. समय के शक्ति: भगवान सही समय पर बाजल गेल शब्द के कोना प्रयोग करैत छथि |

2. अपन वचनक माध्यमे प्रभुक आनन्द मे आनन्दित होयब

1. कुलुस्सी 4:6, "अहाँ सभक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहू, नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ उत्तर देबाक तरीका बुझि सकब।"

2. उपदेशक 3:7, "फाड़बाक समय आ सुधार करबाक समय, चुप रहबाक समय आ बजबाक समय।"

नीतिवचन 15:24 जीवनक मार्ग ज्ञानी सभक लेल ऊपर अछि, जाहि सँ ओ नीचाँक नरक सँ हटि सकय।

जे बुद्धिमान होयत ओ भगवान् केर तरीका सँ जीयत आ नरक मे जेबाक सँ बचि जायत।

1. जीवनक मार्ग - नीतिवचन 15:24

2. बुद्धि अनन्त जीवन दिस लऽ जाइत अछि - नीतिवचन 15:24

1. भजन 19:7-8 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रकाशित करैत अछि।"

2. मत्ती 7:13-14 - संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण, फाटक चौड़ा आ बाट सहज अछि जे विनाश दिस जाइत अछि, आ ओहि मे प्रवेश करय बला सभ बहुत अछि। कारण जे फाटक संकीर्ण आ बाट कठिन अछि जे जीवन दिस जाइत अछि, आ जे पाओत से कम अछि।

नीतिवचन 15:25 परमेश् वर घमंडी सभक घर केँ नष्ट कऽ देताह, मुदा विधवाक सीमा केँ स्थापित करताह।

प्रभु घमंडी के विनम्र करै छै आरू जरूरतमंद के मदद करै छै।

1: घमंड खसबा स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2: प्रभु के सामने विनम्रता के दिल आशीर्वाद दै छै - नीतिवचन 22:4

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: भजन 18:27 - "अहाँ विनम्र लोक सभ केँ बचाबैत छी; मुदा अहाँक नजरि घमंडी सभ पर अछि, जाहि सँ अहाँ ओकरा सभ केँ नीचाँ उतारि सकब।"

नीतिवचन 15:26 दुष्टक विचार परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा शुद्ध लोकक वचन सुखद वचन अछि।

दुष्टक विचार आ वचन प्रभुक लेल घृणित अछि, जखन कि शुद्ध लोकक वचन सुखद अछि।

1. हमर विचारक शक्ति: हमर विचार हमर जीवन पर कोना प्रभाव डाल सकैत अछि

2. हमर शब्दक शक्ति: हमर शब्द हमर जीवन पर कोना प्रभाव डाल सकैत अछि

1. कुलुस्सी 3:2 - अपन मोन पार्थिव चीज पर नहि, ऊपरक बात पर राखू।

2. मत्ती 12:37 - कारण, अहाँक वचन सँ अहाँ सभ निर्दोष भ’ जायब, आ अहाँक वचन सँ अहाँ केँ दोषी ठहराओल जायत।

नीतिवचन 15:27 जे लाभक लोभी अछि, से अपन घर केँ कष्ट दैत अछि। मुदा जे वरदान सँ घृणा करैत अछि से जीवित रहत।”

जे लोभसँ चलैत अछि ओ अपना आ अपन परिवार पर परेशानी आनत, मुदा घूससँ परहेज करयवलाकेँ दीर्घायु रहत।

1: लोभ सँ विनाश होइत छैक, मुदा विनम्रता सँ जीवन भेटत।

2: पाइक प्रेमसँ बर्बादी होइत अछि, मुदा विनम्रतासँ जीवन होइत अछि।

1: उपदेशक 5:10- जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, से पाइ सँ तृप्त नहि होयत, आ ने प्रचुरता केँ ओकर आमदनी सँ प्रेम करैत अछि।

2: मत्ती 6:24- दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि। या त एक स घृणा करब आ दोसर स प्रेम करब, या एक के प्रति समर्पित रहब आ दोसर के तिरस्कार करब।

नीतिवचन 15:28 धर्मी लोकक हृदय उत्तर देबाक लेल अध्ययन करैत अछि, मुदा दुष्टक मुँह अधलाह बात बहाबैत अछि।

धर्मी के हृदय चिंतन करै छै कि कोना प्रतिक्रिया देलऽ जाय, जबकि दुष्ट के मुँह बुराई बजै छै ।

1. शब्दक शक्ति: बुराई बजबाक खतरा

2. विवेकक शक्ति: प्रतिक्रियाक चिंतनक लाभ

१.

2. नीतिवचन 16:23 - बुद्धिमानक हृदय ओकर मुँह सिखाबैत अछि आ ओकर ठोर मे विद्या जोड़ैत अछि।

नीतिवचन 15:29 परमेश् वर दुष्ट सँ दूर छथि, मुदा धर्मी सभक प्रार्थना सुनैत छथि।

परमेश् वर धर्मी सभक प्रार्थना सुनैत छथि आ दुष्ट सभ सँ दूर छथि।

1. धर्मक शक्ति: प्रार्थना मे भगवान् केर खोज

2. धर्म आ दुष्टता मे अंतर: हमर प्रार्थना पर प्रभाव

1. याकूब 5:16 ख - एकटा धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे बहुत शक्ति होइत छैक जेना ओ काज क’ रहल अछि।

2. भजन 34:17 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ हुनकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

नीतिवचन 15:30 आँखिक इजोत हृदय केँ आनन्दित करैत अछि, आ नीक बात हड्डी केँ मोट करैत अछि।

आँखिक इजोत हृदय मे आनन्द आ सुसमाचार हड्डी मे ताकत आनि सकैत अछि ।

1. प्रसन्न हृदयक आनन्द: आँखिक इजोत मे कोना आनन्दित होयत

2. स्वस्थ शरीर के लेल नीक खबर: नीक रिपोर्ट के फायदा

1. भजन 19:8 प्रभुक नियम सही अछि, जे हृदय केँ आनन्दित करैत अछि।

2. यशायाह 52:7 पहाड़ पर ओकर पैर कतेक सुन्दर अछि जे शुभ समाचार अनैत अछि, शान्तिक प्रचार करैत अछि, जे नीक बातक शुभ समाचार दैत अछि।

नीतिवचन 15:31 जे कान जीवनक डाँट सुनैत अछि, ओ ज्ञानी सभक बीच रहैत अछि।

बुद्धिमान सलाह आ डाँट सुनला सँ बुद्धि भेटैत अछि।

1. बुद्धिक मार्ग: डाँट केँ हृदय मे लेब

2. बुद्धिमान सलाह पर ध्यान देब: धर्मक बाट

1. भजन 119:99-100 - हमरा अपन सभ गुरु सँ बेसी बुद्धि अछि, कारण अहाँक गवाही हमर ध्यान अछि। हम प्राचीन लोकनि सँ बेसी बुझैत छी कारण हम अहाँक उपदेशक पालन करैत छी ।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।

नीतिवचन 15:32 जे शिक्षा केँ अस्वीकार करैत अछि, से अपन प्राण केँ तिरस्कृत करैत अछि, मुदा जे डाँट सुनैत अछि, ओकरा बुद्धि भेटैत छैक।

जे डाँट सुनैत अछि, ओकरा समझ भेटैत छैक आ अपन आत्माक आदर करैत छैक; तथापि जे शिक्षा केँ अस्वीकार करैत अछि ओ अपना केँ तिरस्कार करैत अछि।

1. डाँट सुनला के फायदा

2. निर्देश स मना करबाक लागत

1. नीतिवचन 11:14 - जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

2. याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

नीतिवचन 15:33 प्रभुक भय बुद्धिक शिक्षा थिक। आ सम्मानक आगू विनम्रता होइत छैक।

प्रभु केरऽ भय स॑ बुद्धि आरू विनम्रता स॑ सम्मान मिलै छै ।

1: भय आ विनम्रताक अंतहीन लाभ

2: बुद्धि आ सम्मानक जीवन जीब

1: याकूब 4:6-10 - "परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।"

2: फिलिप्पियों 2:3-11 - "अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मे नहि, बल्कि दोसरक हित दिस सेहो देखू।"

नीतिवचन अध्याय 16 परमेश् वर के सार्वभौमिकता, बुद्धि के खोज के महत्व आरू ईमानदारी के साथ जीबै के फायदा पर केंद्रित छै।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ई बात स॑ करलऽ जाय छै कि मनुष्य योजना बनाबै सकै छै, लेकिन अंततः भगवान ही ओकरऽ कदम के निर्देशन करै छै । ई बात पर जोर दै छै कि हमरऽ योजना प्रभु के प्रति समर्पित करला स॑ सफलता मिलै छै (नीतिवचन १६:१-९)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे ईमानदारी, विनम्रता, धर्म, आ बुद्धिमानी स निर्णय लेब जेहन विषय कए संबोधित करैत अछि। ई ई बात पर प्रकाश डालै छै कि जे निष्ठा के साथ जीबै छै आरू बुद्धि के खोज करै छै, ओकरा परमेश् वर आरू लोग दोनों के अनुग्रह मिलै छै (नीतिवचन 16:10-33)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय सोलह अन्वेषण करैत अछि
परमेश् वरक सार्वभौमिकता, २.
बुद्धि के खोज पर महत्व देल गेल अछि,
आ ईमानदारी सं जीबय सं जुड़ल लाभ.

158

मानवीय योजना बनाम भगवान द्वारा प्रदान कयल गेल अंतिम दिशा के संबंध में देखाओल गेल मान्यता के स्वीकार करब आ संगहि हुनका लेल योजना के प्रतिबद्ध करय के परिणामस्वरूप सफलता सेहो |
ईमानदारी, विनम्रता, धर्म आदि व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करैत बुद्धिमान निर्णय लेबय पर देल गेल मूल्य पर जोर दैत |
ईमानदारी के साथ जीबै वाला आरू बुद्धि के खोज करै वाला के लेलऽ भगवान आरू लोगऽ के तरफऽ स॑ मिललऽ अनुग्रह पर प्रकाश डालना ।

नीतिवचन 16:1 मनुष्य मे हृदयक तैयारी आ जीहक उत्तर प्रभुक दिस सँ अछि।

हृदय के निर्णय आ जीह के वचन के मार्गदर्शन करय वाला प्रभु छैथ।

1. भगवान् परम अधिकार छथि: हम जे कहैत छी आ करैत छी से हुनका सँ होइत अछि

2. जीभक शक्ति: हमर सभक वचन हमर सभक हृदय केँ प्रकट करैत अछि

1. याकूब 3:5-10

2. मत्ती 12:34-37

नीतिवचन 16:2 मनुष्यक सभ बाट अपन नजरि मे शुद्ध होइत छैक। मुदा परमेश् वर आत् मा सभक तौलैत छथि।

मनुष्य अपन दोषक प्रति आन्हर भ' सकैत अछि, मुदा भगवान् सब किछु देखैत छथि।

1: हमरा सभकेँ अपना पर बेसी कठोर नहि करबाक चाही, मुदा भगवानकेँ न्यायाधीश बनय दियौक।

2: हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही आ ई स्वीकार करबाक चाही जे भगवान जनैत छथि जे हमरा सभक लेल की नीक अछि।

1: गलाती 6:4-5 मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन काज केँ परखय, तखन ओकरा असगर अपना मे आनन्दित होयत, दोसर मे नहि। किएक तँ प्रत्येक मनुष्य अपन भार उठाओत।

2: यशायाह 55:8 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

नीतिवचन 16:3 अपन काज परमेश् वरक हाथ मे राखू, तखन अहाँक विचार स्थिर भ’ जायत।

अपन काज प्रभु के समर्पित करू आ अहाँक योजना सफल होयत।

1. भगवान् पर भरोसा राखू आ अहाँक योजना धन्य होयत।

2. जखन अहाँ हुनका पर भरोसा करब तखन भगवान अहाँक मार्गदर्शन करताह।

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2. मत्ती 6:25-34 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब; वा अपन शरीरक चिन्ता नहि करू, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि आ शरीर बेसी।" कपड़ा सँ बेसी?हवाक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ नहि बोबैत अछि आ ने काटि नहि लैत अछि आ ने कोठी मे जमा करैत अछि, तखनो अहाँक स्वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि घंटा अहाँक जीवनक लेल?आ अहाँ कपड़ाक चिन्ता किएक करैत छी?देखू खेतक फूल कोना बढ़ैत अछि।ओ सभ मेहनति नहि करैत अछि आ ने घुमैत अछि।तइयो हम अहाँ केँ कहैत छी जे सुलेमान सेहो अपन समस्त वैभव मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ कपड़ा नहि पहिरने छलाह।जँ से अछि जे भगवान खेतक घास केँ कोना कपड़ा पहिरा दैत छथि, जे आइ एतय अछि आ काल्हि आगि मे फेकि देल गेल अछि, की ओ अहाँ सभ केँ कम विश्वासक कपड़ा नहि पहिराओत?तँ चिन्ता नहि करू जे हम सभ की खाएब?वा की करब पीबब?

वा हम सभ की पहिरब? किएक तँ बुतपरस्त सभ एहि सभ चीजक पाछाँ दौड़ैत अछि, आ अहाँक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एकर आवश्यकता अछि।”

नीतिवचन 16:4 परमेश् वर सभ किछु अपना लेल बनौलनि अछि।

प्रभु केरऽ सब चीजऽ के उद्देश्य छै, वू भी जे दुष्ट छै।

1: भगवान् सार्वभौम छथि आ हुनकर योजना विफल नहि भ' सकैत अछि

2: भगवान् के प्रेम आ दया दुष्ट के सेहो सहैत अछि

1: रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2: इजकिएल 18:32 किएक तँ हमरा ककरो मृत्यु मे प्रसन्नता नहि होइत अछि, से परमेश् वर प्रभु कहैत छथि। पश्चाताप करू आ जीबू!

नीतिवचन 16:5 जे केओ हृदय मे घमंडी अछि, से परमेश् वरक लेल घृणित अछि।

प्रभु घमंड स घृणा करैत छथि आ जे हृदय मे घमंडी छथि ओ अदण्डित नहि हेताह।

1: घमंड एकटा घृणित अछि - नीतिवचन 16:5

2: घमंड के परिणाम - नीतिवचन 16:5

1: याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।

2: 1 पत्रुस 5:5 - तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, पैघ सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।

नीतिवचन 16:6 दया आ सत्य सँ अधर्म शुद्ध होइत अछि, आ प्रभुक भय सँ लोक अधलाह सँ दूर भ’ जाइत अछि।

दया आरू सच्चाई गलत काम क॑ जड़ स॑ उखाड़ै म॑ मदद करी सकै छै, आरू प्रभु के प्रति श्रद्धा लोगऽ क॑ बुराई स॑ मुँह मोड़ै म॑ मदद करी सकै छै ।

1. दया आ सत्यक शक्ति

2. प्रभु के भय के आशीर्वाद

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. याकूब 4:7-8 - "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, ओ अहाँ सभक लग आबि जायत। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू। आ अपन सभ केँ शुद्ध करू।" हृदय, अहाँ दोहरी विचारक।”

नीतिवचन 16:7 जखन ककरो मार्ग परमेश् वर केँ नीक लगैत छैक तँ ओ अपन शत्रु सभ केँ सेहो ओकरा संग शान्ति मे राखि दैत छैक।

कोनो व्यक्ति के भगवान के आज्ञाकारिता स ओकर विरोध करय वाला के संग सेहो शांति भ सकैत अछि।

1: भगवानक मार्ग शान्ति दिस लऽ जाइत अछि

2: भगवान् के आज्ञा मानला स एकटा एहन शांति भेटैत अछि जे समझ स बेसी अछि

1: रोमियो 12:14-21 - जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, ओकरा सभ केँ आशीर्वाद दियौक। आशीर्वाद दियौक आ गारि नहि दियौक।

2: मत्ती 5:43-48 - अपन दुश्मन सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

नीतिवचन 16:8 बिना अधिकारक पैघ राजस्व सँ नीक जे किछु धार्मिकताक संग अछि।

बिना न्याय के पैघ रकम स बेसी नीक जे थोड़ेक धर्म हो।

1. धर्मक शक्ति: धनसँ पैघ

2. धर्मक मूल्य: धनसँ बेसी नीक

1. नीतिवचन 21:21 - जे धर्म आ प्रेमक पाछाँ लागैत अछि, ओकरा जीवन, समृद्धि आ सम्मान भेटैत छैक।

2. मत्ती 6:19 20 - पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट नहि करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करैत अछि।

नीतिवचन 16:9 मनुष् यक हृदय अपन बाट सोचैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ निर्देशित करैत छथि।

मनुष्यक हृदय अपन बाट के योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग के निर्देशन करैत छथि ।

1. मानव इच्छा एवं ईश्वरीय दिशा की शक्ति

2. भगवानक इच्छा पर कखन भरोसा करबाक चाही से जानब

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

नीतिवचन 16:10 राजाक ठोर मे एकटा ईश्वरीय वाक्य अछि, ओकर मुँह न्याय मे उल्लंघन नहि करैत अछि।

राजा बुद्धिमान आ न्यायपूर्ण निर्णय लेबय लेल ईश्वरीय प्रेरणा सँ भेटैत छथि |

1: बुद्धिमान राजा - नीतिवचन 16:10 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे राजा बुद्धिमान आ न्यायपूर्ण निर्णय लेबाक लेल ईश्वरीय प्रेरित छथि।

2: न्यायी राजा - नीतिवचन 16:10 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे राजा केँ न्यायसंगत निर्णय लेबाक जिम्मेदारी देल गेल अछि।

1: याकूब 3:17 - मुदा स् वर्ग सँ जे बुद्धि अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |

2: यशायाह 11:3-5 - आ ओ प्रभुक भय मे आनन्दित होयत। आँखि सँ जे देखैत अछि ताहि सँ न्याय नहि करत आ कान सँ जे सुनैत अछि ताहि सँ निर्णय नहि करत। मुदा ओ धार्मिकताक संग गरीब सभक न्याय करत, न्यायक संग ओ पृथ् वीक गरीब सभक लेल निर्णय करताह। मुँहक छड़ीसँ पृथ्वी पर प्रहार करत। ठोरक साँससँ ओ दुष्टकेँ मारि देत। धर्म ओकर बेल्ट आ निष्ठा ओकर कमर मे पट्टी होयत।

नीतिवचन 16:11 न्यायसंगत वजन आ संतुलन प्रभुक अछि, झोराक सभ तौल हुनकर काज अछि।

भगवान् निष्पक्षता आ न्याय चाहैत छथि; ओ सब सत्यक स्रोत छथि।

1: भगवान् हमरा सभक सभ व्यवहार मे न्याय आ निष्पक्षता चाहैत छथि।

2: प्रभु सब सत्य आ न्याय के स्रोत छथि।

1: यशायाह 33:22, कारण, प्रभु हमरा सभक न्यायाधीश छथि। परमेश् वर हमरा सभक नियम देनिहार छथि। प्रभु हमरा सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

2: भजन 19:9, प्रभुक भय शुद्ध अछि, अनन्त काल धरि चलैत अछि; प्रभुक नियम सत्य अछि, आ एकदम धर्मी अछि।

नीतिवचन 16:12 राजा सभक लेल दुष्टता करब घृणित अछि, किएक तँ सिंहासन धार्मिकताक द्वारा स्थापित होइत अछि।

राजा लोकनि केँ धर्म सँ काज करबाक चाही किएक तऽ इएह हुनक सिंहासन स्थापित करैत अछि |

1: परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ धर्म आ न्यायक संग काज करी जाहि सँ हम सभ हुनकर राज्य मे शासक बनि सकब।

2: हमरा सभकेँ धर्म आ न्यायक संग काज करबाक प्रयास करबाक चाही जाहिसँ हम सभ परमेश् वरक आदर कऽ सकब आ हुनकर आशीर्वाद पाबि सकब।

1: याकूब 3:17-18 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि। आ धार्मिकताक फसल शान्तिपूर्वक बोओल जाइत अछि जे शांति बनबैत अछि।

2: 1 यूहन्ना 3:7-8 - छोट-छोट बच्चा सभ, अहाँ सभ केँ कियो धोखा नहि दियौक। जे धार्मिकताक पालन करैत अछि, से धर्मी अछि, जेना ओ धर्मी अछि। जे पाप करबाक अभ्यास करैत अछि से शैतानक अछि, कारण शैतान शुरूए सँ पाप करैत आबि रहल अछि। परमेश् वरक पुत्रक प्रगट भेलाक कारण शैतानक काज सभ केँ नष्ट करबाक लेल छल।

नीतिवचन 16:13 धर्मी ठोर राजा सभक आनन्द दैत अछि। ओ सभ ओहि बात सँ प्रेम करैत अछि जे सही बाजैत अछि।

धार्मिक वाणी शासक के नीक लगैत छैक आ सत्य बजनिहार के प्रेम होइत छैक |

1. हमर शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर चरित्र केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. सत्य बाजू: हमर जीवन मे अखंडताक प्रभाव

1. नीतिवचन 10:31-32 - धर्मी के मुँह सँ बुद्धि निकलैत छैक, मुदा विकृत जीह काटि देल जायत। धर्मात्माक ठोर जनैत अछि जे स्वीकार्य अछि, मुदा दुष्टक मुँह, जे विकृत अछि।

2. याकूब 3:1-12 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे शिक्षा दैत छी, हुनका सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत। कारण, हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी। जँ केओ अपन बात मे ठोकर नहि खाइत अछि तँ ओ सिद्ध आदमी अछि, जे अपन पूरा शरीर पर लगाम लगा सकैत अछि। जँ घोड़ाक मुँह मे बिट लगा दैत छी जाहि सँ ओ हमरा सभक बात मानय तऽ ओकर पूरा शरीर केँ सेहो मार्गदर्शन करैत छी । जहाज सब कें सेहो देखू: भले ओ एतेक पैघ हो आ तेज हवा सं चलैत हो, मुदा पायलटक इच्छा जतय निर्देश दैत छैक, ओतय एकटा बहुत छोट पतवार सं निर्देशित होइत छैक. तहिना जीह सेहो छोट-छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लागि जाइत छैक! आ जीह आगि, अधर्मक संसार। जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल जाइत अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, जीवनक पूरा मार्ग मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि |

कारण हर तरहक जानवर आ चिड़ै, सरीसृप आ समुद्री जीवक वश मे कयल जा सकैत अछि आ मनुष्य द्वारा वश मे कयल गेल अछि, मुदा कोनो मनुक्ख जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि । ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै । एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ गारि दैत छी जे परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।
नीतिवचन 16:14 राजाक क्रोध मृत्युक दूत जकाँ होइत छैक, मुदा बुद्धिमान ओकरा शान्त करत। राजाक क्रोध खतरनाक भ' सकैत अछि, मुदा ज्ञानी ओकरा सफलतापूर्वक शान्त क' सकैत अछि ।
1. बुद्धिक शक्ति: द्वंद्व कोना प्रसारित कयल जाय
2. विनम्रताक ताकत: राजा लोकनि केँ तुष्ट करब
1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।
2. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।
नीतिवचन 16:15 राजाक मुँहक इजोत मे जीवन अछि। आ ओकर अनुग्रह बादक बरखाक मेघ जकाँ अछि।
राजाक अनुग्रहसँ जीवन आ आनन्द भेटैत अछि ।
१: राजाक अनुग्रह: जीवन आ आनन्दक स्रोत
2: राजाक अनुग्रह प्राप्त करब: जीवन आ आनन्दक अनुभव करब
1: याकूब 4:10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।
2: यशायाह 45:22 अहाँ सभ पृथ्वीक छोर, हमरा दिस देखू, आ उद्धार पाउ! किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि।
नीतिवचन 16:16 सोना सँ बुद्धि भेटब कतेक नीक अछि! आ चानी सँ बेसी चुनल जेबाक बजाय समझ प्राप्त करबाक लेल!
सोना स बेसी बुद्धि प्राप्त करब नीक आ चानी स बेसी बुझबाक कीमत।
1. बुद्धिक मूल्य: सोनासँ नीक किएक
2. चानीसँ बेसी मूल्यवान बुझब आ किएक
1. नीतिवचन 3:13-15
2. याकूब 3:13-18
नीतिवचन 16:17 सोझ लोकक बाट अधलाह सँ हटि जाइत अछि, जे अपन बाट पर चलैत अछि, ओ अपन प्राण केँ बचाबैत अछि।
बुराई स विदा भेला स संरक्षित आत्मा भेटैत अछि।
1. सीधापन के लाभ
2. सच्चा संरक्षणक मार्ग
1. भजन 37:27 - अधलाह सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; आ अनन्त काल धरि रहू।

2. 1 पत्रुस 3:11 - ओ अधलाह सँ बचय आ नीक काज करय। ओ शान्तिक खोज करय आ ओकर पाछाँ लागय।
नीतिवचन 16:18 घमंड विनाश सँ पहिने आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने जाइत अछि।
घमंड पतन के कारण भ सकैत अछि, आ घमंडी मनोवृत्ति के परिणाम बर्बादी भ सकैत अछि।
1. घमंड के खतरा: घमंड कोना अपमानित क सकैत अछि
2. विनम्रता: सफलताक बाट
1. नीतिवचन 16:18
2. याकूब 4:6-10 (परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि)
नीतिवचन 16:19 लूट केँ घमंडी लोकक संग बाँटि देबा सँ नीक अछि जे नीच लोकक संग विनम्र भावना राखब।
घमंड आ सांसारिक लाभक खोज करबासँ नीक जे विनम्र भऽ विनम्र लोकक सेवा करी।
1. विनम्रताक आशीर्वाद
2. लोभक अभिमान
1. याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।
2. मत्ती 23:12 - जे अपना केँ ऊँच करत, ओ विनम्र होयत, आ जे अपना केँ नम्र करत, ओ ऊँच होयत।
नीतिवचन 16:20 जे कोनो बात केँ बुद्धिमानी सँ सम्हारैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक।
ई अंश बात के बुद्धिमानी स निपटै आरू प्रभु पर भरोसा करै के प्रोत्साहित करै छै।
1. बात के बुद्धिमानी से निपटने के लाभ
2. प्रभु पर भरोसा करबाक आनन्द
1. नीतिवचन 14:15 - सरल लोक सभ बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी लोक अपन जायब नीक जकाँ देखैत अछि।
2. यशायाह 26:3 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।
नीतिवचन 16:21 हृदयक बुद्धिमान केँ विवेकी कहल जायत, आ ठोरक मिठास विद्या मे वृद्धि करैत अछि।
हृदय के ज्ञानी के विवेकी मानल जाइत अछि आ जे दयालु बजैत अछि ओ नीक सीखय वाला होइत अछि ।
1: बुद्धिमान बनू आ सदिखन दयापूर्वक बाजू।
2: अहाँक बात मधुर आ ज्ञान सँ भरल हो।
1: कुलुस्सी 4:6: अहाँक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहू, नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ उत्तर देबाक तरीका बुझि सकब।
2: याकूब 1:19: हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही।

नीतिवचन 16:22 समझदारक लेल जीवनक कुआँ होइत छैक, मुदा मूर्ख सभक शिक्षा मूर्खता थिक। बुद्धि जीवन दिस लऽ जाइत अछि, जखन कि मूर्खता मूर्खता दिस लऽ जाइत अछि ।
1. भगवानक बुद्धि: समझक माध्यमे जीवनक चयन
2. मूर्खता के खतरा: जीवन के जाल स बचब
1. याकूब 3:13-18
2. नीतिवचन 1:7-8
नीतिवचन 16:23 बुद्धिमानक हृदय ओकर मुँह सिखाबैत छैक आ ओकर ठोर मे विद्या जोड़ैत छैक। ज्ञानी के हृदय हुनकर बात के मार्गदर्शन करैत अछि आ हुनका अपन वाणी स ज्ञान प्राप्त होइत छनि |
1. अपन शब्द स सीखब: हमर सबहक वाणी हमर जीवन के कोना आकार द सकैत अछि
2. अपन जीह के शक्ति: अपन शब्द के कोना बुद्धिमानी स प्रयोग करी
1. याकूब 3:2-10 - एकटा नजरि जे जीह के उपयोग नीक या बेजाय के लेल कोना कयल जा सकैत अछि
2. भजन 19:14 - हे प्रभु, हमर सभक मुँहक वचन आ हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो नीतिवचन 16:24 सुखद वचन मधुक छत्ते जकाँ होइत अछि, आत्माक लेल मीठ आ हड्डीक लेल स्वास्थ्य।
सुखद शब्द आत्मा आ शरीर के लेल मधुर आ पौष्टिक भ सकैत अछि ।
1: दयालुतापूर्वक बाजू आ अपन आसपासक लोकक लेल मिठास आनि दियौक।
2: दयालु शब्दक स्थायी प्रभाव पड़ि सकैत अछि।
1: कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।
2: याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि।
नीतिवचन 16:25 एकटा एहन बाट अछि जे मनुष् य केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।
ई याद रखना जरूरी छै कि जे रास्ता हम्में सही मान॑ सकै छियै, वू अंततः मौत के तरफ ले जाय सकै छै ।
1. अपना पर भरोसा केला स विनाश होयत
2. हमर सभक तरीका सदिखन धर्मी नहि होइत अछि
1. यिर्मयाह 17:9 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?
2. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

नीतिवचन 16:26 जे परिश्रम करैत अछि, से अपना लेल परिश्रम करैत अछि। किएक तँ ओकर मुँह ओकरा लेल तरसैत छैक।

मेहनत करनाय व्यक्ति कें लेल फायदेमंद छै, कियाकि इ संतुष्टि आ पूर्ति प्रदान करएयत छै.

1. श्रमक फल: जे बोइ छी से काटि लेब

2. मेहनत करबाक आनन्द

1. उपदेशक 2:24-26 - "मनुष्य एहि सँ नीक किछु नहि क' सकैत अछि जे ओ खाइत-पीबैत अछि आ अपन काज मे तृप्ति पाबि सकैत अछि। ईहो, हम देखैत छी, परमेश् वरक हाथ सँ अछि, किएक तँ हुनका बिना के खा सकैत अछि वा पाबि सकैत अछि।" आनंद?"

2. कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।"

नीतिवचन 16:27 अभक्त आदमी अधलाह खोदैत अछि, आ ओकर ठोर मे जरैत आगि जकाँ अछि।

अभक्त व्यक्ति बुराई के खोज करैत अछि आ दुर्भावनापूर्ण शब्द बजैत अछि |

1. अभक्त वचनक खतरा: अपन जीभक रक्षा कोना कयल जाय

2. दुष्ट मार्गक पालन करबाक विरुद्ध परमेश् वरक चेतावनी

1. भजन 141:3 - हे प्रभु, हमर मुँह पर एकटा पहरेदार राखू। हमर ठोर के दरबज्जा पर नजरि राखू!

2. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

नीतिवचन 16:28 फूहड़ आदमी झगड़ा बीजैत अछि, आ फुसफुसाहटि मुखर मित्र केँ अलग करैत अछि।

फूहड़ आदमी बहस आ झगड़ा करैत अछि, जखन कि फुसफुसाहट करयवला घनिष्ठ मित्र केँ अलग क' दैत अछि ।

1: अपन शब्दक प्रभावक प्रति ध्यान राखू।

2: घमंड केँ मित्रताक बाट मे बाधा नहि बनय दियौक।

1: याकूब 3:5-6 "तहिना जीह छोट अंग अछि आ पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कतेक पैघ बात केँ छोट आगि जराबैत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। तहिना जीह सेहो अछि।" हमरा सभक अंग-अंग मे ई सभ शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि आ प्रकृतिक मार्ग केँ आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि।”

2: नीतिवचन 10:19 "बहुत रास बात मे पापक अभाव नहि होइत छैक, मुदा जे अपन ठोर रोकैत अछि से बुद्धिमान अछि।"

नीतिवचन 16:29 हिंसक आदमी अपन पड़ोसी केँ लुभाबैत अछि आ ओकरा नीक नहि बला बाट पर ल’ जाइत अछि।

हिंसक व्यक्ति अपन पड़ोसी के गलत काज करय लेल लुभा देत।

1: जे अहाँ केँ भटकबैत अछि, हुनका सभक प्रलोभन मे नहि पड़ू।

2: हिम्मत राखू जे ओहि लोकक विरुद्ध ठाढ़ भ' जाउ जे अहाँ केँ पाप मे ल' जेताह।

1: याकूब 1:13-14 - जखन परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन केओ ई नहि कहबाक चाही जे परमेश् वर हमरा परीक्षा मे छथि। किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि पाबि सकैत छथि आ ने ककरो परीक्षा दैत छथि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन-अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि |

2: गलाती 5:13 - अहाँ सभ, हमर भाइ-बहिन सभ, स्वतंत्र रहबाक लेल बजाओल गेल छलहुँ। मुदा अपन स्वतंत्रताक उपयोग मांस मे तृप्त करबाक लेल नहि करू। बल्कि प्रेम मे विनम्रतापूर्वक एक दोसराक सेवा करू।

नीतिवचन 16:30 ओ अपन आँखि मुनि क’ फूहड़ बातक कल्पना करैत अछि, अपन ठोर केँ हिलाबैत दुष्टता केँ पूरा करैत अछि।

जे अधलाह योजना बनबैत अछि ओ अंततः अपना आ दोसरो के कष्ट आनत।

1: हमरा सभ केँ अपन विचार आ कर्म पर सदिखन ध्यान राखय पड़त, कारण हमर सभक बात आ कर्म केर भयावह परिणाम भ' सकैत अछि।

2: भगवान् हमरा सभक हृदय केँ जनैत छथि आ हुनका वा दोसर केँ धोखा देबाक हमर सभक प्रयास सँ बेवकूफ नहि बनताह।

1: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2: नीतिवचन 19:1 - जे गरीब अपन निष्ठा मे चलैत अछि, ओहि सँ नीक अछि जे अपन ठोर मे विकृत आ मूर्ख अछि।

नीतिवचन 16:31 जँ धार्मिकताक बाट मे भेटैत अछि तँ महिमाक मुकुट अछि।

श्वेत-शरीर माथ बुद्धि आ सम्मानक निशानी अछि जँ धर्मी जीवन जीबैत अछि ।

1: बुद्धि आ सम्मान: महिमा के मुकुट प्राप्त करब

2: धर्म के मार्ग पर चलना: फल काटना

1: नीतिवचन 10:20 - धर्मी लोकनिक जीह चानीक अछि

2: 1 पत्रुस 5:5 - अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।

नीतिवचन 16:32 जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से पराक्रमी सँ नीक अछि। आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, से नगर पकड़निहार सँ बेसी।

क्रोध मे मंद रहब शारीरिक शक्ति सँ श्रेष्ठ अछि आ अपन आत्मा पर शासन करबा मे सक्षम होयब कोनो शहर पर विजय प्राप्त करबा सँ पैघ अछि ।

1. धैर्यक शक्ति: क्रोध मे मंद रहब पराक्रमी सँ नीक किएक

2. आत्मसंयम के शक्ति के सदुपयोग करू: अपन आत्मा पर कोना शासन करी

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. उपदेशक 7:9 - अपन आत् मा मे जल्दी-जल्दी क्रोध नहि करू, किएक तँ क्रोध मूर्ख सभक कोरा मे बैसि जाइत अछि।

नीतिवचन 16:33 चिट्ठी गोदी मे फेकल जाइत अछि। मुदा ओकर समस्त व्यवस्था परमेश् वरक अछि।

हर परिस्थिति के परिणाम पर प्रभु के नियंत्रण छै।

1. प्रभु नियंत्रण मे छथि: हमरा सभक जीवन मे परमेश्वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब

2. प्रभु पर भरोसा करब: हर परिस्थिति मे भगवान् पर भरोसा करब

1. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे उदात्त होयब, पृथ्वी पर हम ऊँच होयब!

2. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, भलाईक योजना अछि।

नीतिवचन अध्याय १७ मे संबंधक विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे ईमानदारी के महत्व, शांत भावना के मूल्य, आ कलह आ मूर्खता के परिणाम शामिल अछि।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत बेईमानी आ छल के विनाशकारी प्रकृति पर प्रकाश दैत अछि | ई बात पर जोर दै छै कि स्वस्थ संबंध के लेलऽ ईमानदारी आरू ईमानदारी बहुत जरूरी छै (नीतिवचन १७:१-९)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे क्षमा, वाणी मे बुद्धि, अनुशासन, आ कलहक परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि शांत भावना शांति के बढ़ावा दै छै जबकि मूर्खता विनाश के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन 17:10-28)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय सत्रह मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
संबंध के विभिन्न पहलुओं पर,
सहित ईमानदारी पर राखल गेल महत्व,
शान्त भावना सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ कलह आ मूर्खताक परिणामस्वरूप परिणाम।

बेईमानी आरू छल के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ विनाशकारी प्रकृति क॑ पहचानै के साथ-साथ स्वस्थ संबंध लेली ईमानदारी आरू ईमानदारी प॑ जोर देना ।
व्यक्तिगत लोकोक्ति जेना क्षमा, वाणी मे बुद्धि, अनुशासन के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जखन कि शांति के बढ़ावा देबय वाला शांत भावना पर देल गेल महत्व के रेखांकित करब।
कलह स जुड़ल परिणाम के संबंध में देखाओल गेल पहचान के संग-संग मूर्खता के परिणामस्वरूप बर्बादी के उजागर करब।
ईमानदारी, शांत व्यवहार, आ बुद्धिमान संवाद जैना गुणक कें माध्यम सं स्वस्थ संबंधक कें बनाए रखनाय कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय.

नीतिवचन 17:1 झगड़ाक संग बलिदान सँ भरल घर सँ नीक अछि, सुखल कटहर आ ओहि मे शान्तता।

कलह सँ धन आ सफलता प्राप्त करबा सँ नीक जे मामूली साधन सँ शांति आ संतोष हो।

1. संतोषक मूल्य

2. लोभ आ कलहक खतरा

1. फिलिप्पियों 4:11-12 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, किएक त’ हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब से सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. उपदेशक 5:10 - जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा कहियो पर्याप्त नहि होइत छैक; जे धन-दौलत स प्रेम करैत अछि, ओ अपन आमदनी स कहियो संतुष्ट नहि होइत अछि। ईहो निरर्थक अछि।

नीतिवचन 17:2 बुद्धिमान सेवक केँ लज्जित करयवला बेटा पर शासन होयत आ ओकरा भाइ सभक बीच उत्तराधिकारक किछु हिस्सा भेटत।

ज्ञानी लोकनि केँ सेवाक फल भेटतनि, भले ओ नोकर होथि, आ उत्तराधिकार मे उचित स्थान अर्जित करताह।

1. बुद्धि के लाभ : बुद्धि अहाँ के कोना सम्मान के स्थान अर्जित क सकैत अछि।

2. सेवा के फल: दोसर के सेवा करला स हमरा सब के आशीर्वाद कियैक भेटैत अछि।

1. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

2. नीतिवचन 13:22 - नीक लोक अपन संतानक संतानक लेल उत्तराधिकार छोड़ि दैत अछि, मुदा पापीक धन धर्मी लोकक लेल जमा कयल जाइत अछि।

नीतिवचन 17:3 चानीक लेल चानीक बर्तन आ सोनाक बदला भट्ठी, मुदा प्रभु हृदयक परीक्षण करैत छथि।

भगवान् लोकक हृदयक परीक्षा करैत छथि चाहे ओकर धन आ हैसियत किछुओ हो।

1. भगवानक प्रेम संसारक धनसँ आगू बढ़ि जाइत अछि

2. सच्चा धन हृदयक परीक्षा मे निहित अछि

1. नीतिवचन 17:3

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क' चोरी करैत अछि, आ जतऽ चोर सभ घुसि कऽ चोरी नहि करत।

नीतिवचन 17:4 दुष्ट कर्ता झूठ ठोर पर ध्यान दैत अछि। झूठ बाजनिहार नटखट जीह पर कान दैत अछि।

ई श्लोक हमरा सिनी क॑ सिखाबै छै कि दुष्ट लोगऽ क॑ झूठ आरू झूठा कथन स॑ सहजता स॑ झकझोरलऽ जाय छै, आरू झूठा लोग निंदा सुनै लेली तैयार होय जाय छै ।

1. झूठ सुनबाक खतरा

2. गपशप आ निंदाक खतरा

१.

2. कुलुस्सी 3:8 - "मुदा आब अहाँ सभ सेहो ई सभ बात छोड़ि दियौक, क्रोध, क्रोध, दुर्भावना, निन्दा, गंदा बात अहाँ सभक मुँह सँ।"

नीतिवचन 17:5 जे गरीबक उपहास करैत अछि, से अपन निर्माताक निन्दा करैत अछि, आ जे विपत्ति मे प्रसन्न अछि, तकरा दंडहीन नहि होयत।

जे गरीबक उपहास करैत अछि ओकरा अपन सृष्टिकर्ताक अनादर करबाक सजा भेटतैक, आ दोसरक दुर्भाग्य मे आनन्दित करयवला सेहो दंड सँ नहि बचि जायत।

1. भगवान् हमरा सभ पर नजरि राखि रहल छथि आ दोसरक प्रति हमर सभक काजक लेल हमरा सभ केँ जवाबदेह ठहराओताह।

2. हमर सभक काज परमेश् वर आ अपन संगी-साथीक प्रति हमर सभक आदर केँ दर्शाबैत अछि।

1. मत्ती 7:12 - तेँ जे किछु अहाँ चाहैत छी जे दोसर अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, कारण ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

2. याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

नीतिवचन 17:6 बच्चा सभक संतान बूढ़ लोकक मुकुट होइत छैक। आ संतानक महिमा ओकर बाप अछि।

बच्चा सब अपन माता-पिता के लेल आशीर्वाद आ गौरव के विषय छै।

1. बूढ़-पुरानक मुकुट: दादा-दादीक आनन्दक उत्सव

2. बच्चाक महिमा: अभिभावकत्वक आशीर्वाद केँ प्रोत्साहित करब

1. भजन 127:3-5 - "देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, गर्भक फल इनाम अछि। जहिना योद्धाक हाथ मे बाण अछि तहिना अपन युवावस्थाक संतान होइत अछि। धन्य अछि ओ आदमी जे अपन भरैत अछि।" ओकरा सभक संग काँपि जाउ, जखन ओ अपन शत्रु सभक संग फाटक मे गप्प करत तखन ओकरा लाज नहि होयत।”

2. मलाकी 4:6 - "ओ बाप सभक मोन हुनका सभक संतान दिस आ संतान सभक मोन हुनका सभक बाप दिस घुमा देताह, जाहि सँ हम आबि क' देश पर गारि नहि मारब।"

नीतिवचन 17:7 उत्तम बाजब मूर्ख नहि बनैत अछि, झूठ बाजबला ठोर राजकुमार सेहो कम होइत अछि।

ई अंश सिखाबै छै कि बुद्धिमानी के शब्द मूर्ख के तरफ से नै आबै के चाही, आरो झूठ बोलना कोनो नेता के तरफ से नै आबै के चाही।

1. वाणीक शक्ति: हम की कहैत छी से मायने रखैत अछि

2. नेतृत्वक जिम्मेदारी: ईमानदारी आ काज मे ईमानदारी

1. इफिसियों 4:29 अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।

2. याकूब 3:1-12 जँ हम घोड़ाक मुँह मे बिट लगाबी जाहि सँ ओ हमरा सभक बात मानय, त’ हम ओकर पूरा शरीर केँ सेहो मार्गदर्शन करैत छी...मुदा कोनो मनुक्ख जीह केँ वश मे नहि क’ सकैत अछि।

नीतिवचन 17:8 वरदान जकरा लग अछि, ओकर नजरि मे एकटा कीमती पाथर जकाँ होइत छैक।

उपहार एकटा अनमोल चीज होइत छैक जे जेकरा पास भेटैत छैक ओकरा सफलता भेटैत छैक ।

1. उदारताक शक्ति

2. देबाक आशीर्वाद

२.

2. मत्ती 6:21 - "जतय अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक हृदय सेहो रहत।"

नीतिवचन 17:9 जे अपराध केँ झाँपैत अछि, से प्रेमक खोज करैत अछि। मुदा जे कोनो बात दोहराबैत अछि से बहुत मित्र केँ अलग क' दैत अछि।

जे अपराध के क्षमा करय आ बिसरिय लेल तैयार रहैत अछि ओ प्रेम के खोज करैत अछि, मुदा जे ओकरा ऊपर लाबय के जिद करैत अछि ओ मित्र के बीच विभाजन पैदा करैत अछि |

1. प्रेम पापक भीड़ केँ झाँपि दैत अछि

2. क्षमाक शक्ति

1. 1 पत्रुस 4:8 - "आ सभ सँ बेसी अहाँ सभ मे गहन प्रेम करू, कारण प्रेम पापक भरमार केँ झाँपि देत।"

2. मत्ती 6:14-15 - "किएक तँ जँ अहाँ सभ मनुष् य सभक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा करताह।

नीतिवचन 17:10 बुद्धिमान मे डाँट बेसी होइत छैक, जखन कि मूर्ख मे सौ टा प्रहार होइत छैक।

बुद्धिमान व्यक्ति के आलोचना के ग्रहणशील होय के संभावना मूर्ख के अपेक्षा बेसी होय छै ।

1. विनम्रताक बुद्धि: आध्यात्मिक विकासक लेल आलोचना प्राप्त करब सीखब कोना आवश्यक अछि

2. घमंडक मूर्खता: डाँट स्वीकार करबा सँ मना करब आध्यात्मिक विकास मे कोना बाधा उत्पन्न करैत अछि

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 15:31-32 - जे कान जीवनदायी डाँट सुनैत अछि से ज्ञानी लोकनिक बीच रहत। जे निर्देशक अवहेलना करैत अछि ओ अपना केँ तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे डाँट सुनैत अछि से बुद्धि प्राप्त करैत अछि ।

नीतिवचन 17:11 दुष्ट आदमी मात्र विद्रोह चाहैत अछि, तेँ ओकरा पर क्रूर दूत पठाओल जायत।

ई श्लोक एकटा एहन व्यक्तिक बात करैत अछि जे कुकर्मक प्रवृत्ति रखैत अछि, आ भगवान ओकरा सजा देबाक लेल दूत पठाओताह |

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: नीतिवचन 17:11 सँ सीखब

2. परमेश्वरक न्याय: नीतिवचन 17:11 के अनुसार विद्रोह के खतरा

1. भजन 94:20-22 - "की अधर्मक सिंहासन अहाँक संगति राखत जे कोनो नियमक द्वारा दुष्टताक निर्माण करैत अछि? ओ सभ धर्मी लोकक प्राणक विरुद्ध अपना केँ एकत्रित करैत अछि आ निर्दोष खूनक दोषी ठहरबैत अछि। मुदा प्रभु हमर बचाव छथि।" ; आ हमर परमेश् वर हमर शरणक चट्टान छथि।"

2. रोमियो 13:1-2 - "प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। जे सामर्थ् य अछि से परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, ओ परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि। जे विरोध करत ओकरा अपना केँ दण्ड भेटतैक।”

नीतिवचन 17:12 अपन बच्चा सँ लूटल भालू अपन मूर्खता मे मूर्ख सँ नहि, आदमी सँ भेंट करय।

अपन मूर्खता मे मूर्ख व्यक्ति सँ बेसी जंगली जानवरक सामना करब नीक।

1. मूर्खता के खतरा

2. बुद्धिक महत्व

1. नीतिवचन 1:7 प्रभुक भय ज्ञानक आरंभ अछि; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. याकूब 3:13-18 अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ समझदार अछि? अपन नीक आचरण सँ बुद्धिक नम्रता मे अपन काज देखाबय। मुदा जँ अहाँक हृदय मे कटु ईर्ष्या आ स्वार्थी महत्वाकांक्षा अछि तऽ घमंड नहि करू आ सत्यक प्रति झूठ नहि बाजू। ई ओ बुद्धि नहि अछि जे ऊपर सँ उतरैत अछि, अपितु

सांसारिक, अआध्यात्मिक, आसुरी अछि | कारण जतय ईर्ष्या आ स्वार्थी महत्वाकांक्षा रहत ओतय अव्यवस्था आ हर नीच प्रथा होयत। मुदा ऊपर सँ भेटय बला बुद्धि पहिने शुद्ध, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल होइत अछि | आ धार्मिकताक फसल शान्तिपूर्वक बोओल जाइत अछि जे शांति बनबैत अछि।

नीतिवचन 17:13 जे केओ नीकक बदला मे अधलाहक बदला दैत अछि, ओकर घर सँ अधलाह नहि हटत।

नीकक बदला अधलाहक बदला नहि देबाक चाही, किएक त' जे करैत अछि ओकर घर सँ अधलाह नहि निकलत।

1. "नीक करबाक आशीर्वाद: नीक करबा सँ अंत मे अहाँ केँ बेसी नीक कोना भेटत"।

2. "बुराई करबाक अभिशाप: बुराई केला सँ अंत मे अहाँ केँ आओर बुराई कोना भेटत"।

1. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराईक बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे जे उदात्त अछि, ताहि पर विचार करू।

2. मत्ती 5:38-45 - अपन दुश्मन स प्रेम करू, जे अहाँ स घृणा करैत अछि ओकर भलाई करू, जे अहाँ स गारि पढ़ैत अछि ओकरा आशीर्वाद दिअ, जे अहाँ स दुर्व्यवहार करैत अछि ओकर लेल प्रार्थना करू।

नीतिवचन 17:14 झगड़ाक शुरुआत ओहिना होइत अछि जेना पानि छोड़ैत अछि, तेँ झगड़ा मे हस्तक्षेप करबा सँ पहिने ओकरा छोड़ि दियौक।

एहि अंश मे विवाद बढ़बा सँ पहिने ओकरा सँ बचबाक बात कयल गेल अछि ।

1. कलह शुरू हेबासँ पहिने ओकरासँ बचबाक महत्व

2. विवादसँ दूर चलबाक शक्ति

1. याकूब 4:1-2 - "अहाँ सभक बीच झगड़ा आ झगड़ा की होइत अछि? की ओ अहाँक इच्छा सँ अबैत अछि जे अहाँ सभक भीतर लड़ैत अछि? अहाँ सभ चाहैत छी मुदा नहि अछि, तेँ अहाँ सभ मारि दैत छी। अहाँ सभ लोभ करैत छी मुदा अहाँ सभ जे चाहैत छी से नहि पाबि सकैत छी।" , तेँ अहाँ झगड़ा आ झगड़ा करैत छी।"

2. नीतिवचन 15:18 - "गर्म स्वभावक लोक द्वंद्व भड़का दैत अछि, मुदा धैर्य रखनिहार झगड़ा केँ शान्त करैत अछि।"

नीतिवचन 17:15 जे दुष्ट केँ धर्मी ठहरबैत अछि आ जे धर्मी केँ दोषी ठहरबैत अछि, ओ दुनू परमेश् वरक लेल घृणित अछि।

ई श्लोक ई बात पर जोर दै छै कि परमेश् वर दुष्ट के गलत काम के सही ठहराबै वाला आरू धर्मी के सजा दै वाला सिनी स॑ घृणा करै छै ।

1. परमेश् वर सभ केँ देखैत छथि: परमेश् वर द्वारा बिना जवाबदेही केने केओ दुष्ट केँ धर्मी ठहरा सकैत अछि आ ने धर्मी केँ दोषी ठहरा सकैत अछि।

2. बुद्धिमानी सँ चुनाव करू: हमरा सभ केँ अपन वचन आ काज केँ ध्यान सँ चुनबाक चाही, कारण परमेश् वर हमरा सभक लेल ओकर न्याय करताह।

1. यशायाह 5:20-23 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. रोमियो 12:17-18 - ककरो अधलाह के बदला मे बुराई के बदला नहि दियौक। सब मनुष्य के नजर में ईमानदार चीज के व्यवस्था करू।

नीतिवचन 17:16 मूर्खक हाथ मे बुद्धि भेटबाक मोल किएक होइत छैक, जखन कि ओकरा एहि मे कोनो मोन नहि छैक?

बुद्धि के महत्व आ ओकर जीवन में मूल्य के फकड़ा में उजागर कयल गेल अछि, कारण ई कोनो एहन चीज नै छै जे पाइ स सेहो कीनल जा सकै छै, जेना मूर्ख के एकरा लेल कोनो दिल नै छै।

1. जीवन मे बुद्धि के मूल्य

2. बुद्धिक खोज मे हृदयक आवश्यकता होइत छैक

1. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. भजन 111:10, "प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक, हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक बुझल छनि। हुनकर प्रशंसा अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

नीतिवचन 17:17 मित्र हरदम प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्ति लेल जन्म लैत अछि।

दोस्ती एकटा मजबूत बंधन छै जे हमरा सब के सबस कठिन समय में सेहो टिकल रहि सकैत अछि।

1. दोस्ती के ताकत: स्थायी संबंध केना पोषण कयल जाय

2. भाईचारा के शक्ति: प्रतिकूलता के आत्मसात करब आ एक संग बढ़ब

1. 1 यूहन्ना 4:7-12 (परमेश् वर प्रेम छथि, आ जे प्रेम मे रहैत छथि, ओ परमेश् वर मे रहैत छथि, आ परमेश् वर हुनका मे रहैत छथि)

2. रोमियो 12:15 (आनन्दित रहनिहार सभक संग आनन्दित रहू, आ काननिहार सभक संग कानू)

नीतिवचन 17:18 बुद्धिहीन आदमी हाथ मारैत अछि आ अपन मित्रक सोझाँ जमानत बनैत अछि।

बुद्धिहीन आदमी जल्दीए खराब समझौता क' सकैत अछि आ मित्रक गारंटर बनि सकैत अछि ।

1. ककरो दोसरक गारंटर नहि बनू - नीतिवचन 17:18

2. बुद्धिक महत्व - नीतिवचन 17:18

1. नीतिवचन 11:15 - जे परदेशी के लेल जमानत रखैत अछि, से ओकरा लेल चतुर होयत, आ जे जमानत स घृणा करैत अछि, से निश्चित अछि।

2. मत्ती 5:25-26 - जाबत अहाँ ओकरा संग बाट मे रहब, ताबत अपन प्रतिद्वंदी सँ जल्दी सहमत भ’ जाउ। कहीं कहियो शत्रु अहाँ केँ न्यायाधीशक हाथ मे नहि सौंप दिअ आ न्यायाधीश अहाँ केँ अधिकारीक हाथ मे नहि सौंप दिअ आ अहाँ जेल मे नहि राखल जाय। हम अहाँ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि अहाँ सभटा फाँस नहि दऽ लेब ता धरि ओतऽ सँ कहियो नहि निकलब।”

नीतिवचन 17:19 ओ अपराध सँ प्रेम करैत अछि जे झगड़ा सँ प्रेम करैत अछि, आ जे अपन फाटक केँ ऊपर उठबैत अछि, ओ विनाशक खोज करैत अछि।

उल्लंघन आ कलह विनाश आ विनाश अबैत अछि।

1. उल्लंघन आ कलहक खतरा

2. विनम्रता आ आज्ञाकारिता के लाभ

1. याकूब 4:1-2 "अहाँ सभक बीच झगड़ा आ की झगड़ा होइत अछि? की ई नहि जे अहाँक वासना अहाँ सभक भीतर युद्ध मे अछि? अहाँ सभक इच्छा अछि आ नहि अछि, तेँ अहाँ सभ हत्या करैत छी। अहाँ सभ लोभ करैत छी आ नहि पाबि सकैत छी, तेँ अहाँ झगड़ा आ झगड़ा करैत छी।"

2. नीतिवचन 16:18 "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"
173

नीतिवचन 17:20 जे कनखी मोन रखैत अछि ओकरा कोनो नीक नहि भेटैत छैक।

विकृत हृदय आ जीह परेशानी के जन्म देत।

1. शब्दक शक्ति: हमर वाणीक प्रभाव बुझब

2. अपन हृदयक रक्षा: आत्मसंयमक आवश्यकता

1. नीतिवचन 18:21 मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि से ओकर फल खा लेत।

2. याकूब 3:1-12 हे भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे शिक्षक नहि बनब, ई जानि जे एहि तरहेँ हमरा सभ केँ एहि सँ कठोर न्याय होयत।

नीतिवचन 17:21 जे मूर्ख केँ जन्म दैत अछि से ओकर दुःखक लेल करैत अछि, आ मूर्खक पिता केँ कोनो आनन्द नहि होइत छैक।

मूर्खक पिता केँ कोनो आनन्द नहि होइत छैक, आ जे मूर्ख केँ जन्म दैत छैक से ओकर दुःखक लेल करैत छैक।

1: बच्चा सभकेँ एहि संसारमे अनबा काल सावधान रहबाक चाही, कारण एकर परिणाम दूरगामी आ दीर्घकालीन होइत अछि।

2: हम नीतिवचन 17:21 सँ सीख सकैत छी जे मूर्खक पिता केँ कोनो आनन्द नहि होइत छैक, तेँ परमेश्वरक वचनक अनुसार अपन बच्चा सभ केँ प्रशिक्षित आ अनुशासित करब जरूरी अछि।

1: इफिसियों 6:4 - पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू। बल्कि प्रभु के प्रशिक्षण आ निर्देश में हुनका सब के पालन-पोषण करू।

2: व्यवस्था 6:6-7 - ई आज्ञा जे हम आइ अहाँ सभ केँ दैत छी, से अहाँ सभक हृदय पर रहबाक चाही।
अपन बच्चा पर प्रभावित करू। घर मे बैसला पर आ सड़क पर चलला पर, लेटला पर आ उठला पर हुनका सबहक गप्प करू।

नीतिवचन 17:22 प्रसन्न हृदय दवाई जकाँ भलाई करैत अछि, मुदा टूटल-फूटल आत्मा हड्डी केँ सुखा दैत अछि।

आनन्दित हृदय मे चिकित्सा शक्ति होइत छैक, जखन कि दुखी हृदय मे शक्तिक क्षय होइत छैक ।

1. आनन्दक शक्ति: आनन्द सँ भरल जीवनक लाभ कोना काटि सकैत छी

2. हँसीक फायदा: रोजमर्राक जीवन मे आनन्द कोना भेटत

1. नहेम्याह 8:10 - तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “जाउ, चर्बी खाउ, मिठाई पीबू आ जिनका लेल किछु नहि तैयार कयल गेल अछि, हुनका सभ केँ भाग पठाउ। किएक तँ ई दिन हमरा सभक प्रभुक लेल पवित्र अछि। शोक नहि करू, कारण प्रभुक आनन्द अहाँक बल अछि।

2. भजन 30:11 - अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ; अहाँ हमर बोरा उतारि हमरा खुशीक वस्त्र पहिरा देलहुँ।

नीतिवचन 17:23 दुष्ट मनुष्य न्यायक बाट केँ विकृत करबाक लेल कोरा मे सँ वरदान निकालैत अछि।

दुष्ट आदमी कोर्ट के फैसला के प्रभावित करय के चक्कर में घूस लेत.

1. घूसखोरी आ भ्रष्ट न्यायक खतरा

2. अखंडता आ न्याय के कायम रखबाक महत्व

1. व्यवस्था 16:19-20 - अहाँ न्याय केँ विकृत नहि करू; अहाँ पक्षपात नहि करब आ घूस नहि लेब, कारण घूस ज्ञानी लोकनिक आँखि आन्हर क' दैत अछि आ धर्मी लोकनिक काज केँ उखाड़ि फेकैत अछि।

२. संभव हो तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सबहक संग शांतिपूर्वक रहू। प्रियतम, अहाँ सभ कहियो बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

नीतिवचन 17:24 बुद्धिमानक समक्ष अछि। मुदा मूर्खक नजरि पृथ्वीक छोर पर रहैत छैक।

बुद्धि बुझबाक परिणाम होइत छैक, जखन कि मूर्ख मे ज्ञानक अभाव होइत छैक |

1. "बुद्धि आ मूर्खता मे अंतर"।

2. "सदिखन बुझबाक खोज करू"।

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 9:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान अंतर्दृष्टि होइत छैक।"

नीतिवचन 17:25 मूर्ख बेटा अपन पिताक लेल दुःख होइत छैक आ ओकरा जन्म देनिहार लेल कटुता।

मूर्ख बेटा अपन माता-पिता मे दुःख आ कटुता अनैत अछि ।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: नीतिवचन 17:25 के अध्ययन

2. आज्ञा नहि मानबाक पीड़ा: नीतिवचन 17:25 सँ सीखब

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि।

2. कुलुस्सी 3:20-21 - बच्चा सभ, सभ बात मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई प्रभु केँ नीक लगैत छनि।

नीतिवचन 17:26 धर्मी केँ दंड देब सेहो नीक नहि, आ ने न्यायक लेल राजकुमार सभ केँ मारब।

निर्दोष के सजा देब या न्याय के लेल शासक पर प्रहार करब गलत अछि।

1. दयाक शक्ति: निर्दोष केँ सजा किएक नहि देबाक चाही

2. इक्विटी के कर्तव्य: हमरा सब के राजकुमार पर प्रहार किया नै करबाक चाही

1. भजन 103:8-9 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ दया मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि: आ ने अपन तामस केँ सदाक लेल राखत।

2. नीतिवचन 11:10 - जखन धर्मी लोकक संग नीक होइत छैक तखन शहर आनन्दित होइत छैक, आ जखन दुष्टक नाश होइत छैक तखन चिचियाहटि होइत छैक।

नीतिवचन 17:27 जे ज्ञान रखैत अछि, ओ अपन बात केँ बख्शैत अछि, आ बुद्धिमान आदमी उत्तम आत् माक अछि।

बुद्धिमान जखन जरूरत पड़ैत छैक तखने बजैत छैक आ समझदार मे उदात्त भावना होइत छैक |

1. बुद्धिमानी स बाजू: कखन बाजब से जानबाक शक्ति

2. बुझबाक महत्व: एकटा उदात्त आत्माक ताकत

1. नीतिवचन 15:4 - कोमल जीह जीवनक गाछ होइत अछि, मुदा ओहि मे विकृतता आत्मा केँ तोड़ि दैत अछि।

2. याकूब 1:19 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।

नीतिवचन 17:28 मूर्ख जखन चुप रहैत अछि त’ ओकरा बुद्धिमान मानल जाइत छैक।

ई श्लोक हमरा सब क॑ मौन केरऽ शक्ति के प्रति जागरूक होय लेली प्रोत्साहित करै छै, आरू एकरऽ उपयोग कोना बुद्धि आरू समझ के प्रदर्शन करै लेली करलऽ जाय सकै छै ।

1. मौन के शक्ति: अपन शब्द मे कोना बुद्धिमान बनब

2. चुप रहब: कखन बाजब आ कखन चुप रहब से बुझब

1. याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

2. उपदेशक 5:2 - मुँह सँ बेधड़क नहि करू आ परमेश् वरक समक्ष कोनो बात कहबा मे अहाँक मोन जल्दबाजी नहि करू, किएक तँ परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छथि, तेँ अहाँक वचन कम रहू।

नीतिवचन अध्याय 18 शब्द के शक्ति, बुद्धि के खोज के महत्व, आरू विनम्रता आरू विवेक के लाभ पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हमर जीवन पर शब्द के प्रभाव पर जोर दैत अछि। एहि मे ई रेखांकित कयल गेल अछि जे मूर्ख केँ बुझबा मे कोनो आनन्द नहि अपितु मात्र अपन विचार व्यक्त करबा मे नीक लगैत छैक । ई बात पर भी जोर दै छै कि बुद्धिमान वचन ताजा पानी के तरह छै आरू जीवन लानी सकै छै (नीतिवचन 18:1-8)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे विनम्रता, बुद्धिक खोज, दोस्ती, आ विवादित भावनाक परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई रेखांकित करै छै कि जे बुद्धि के खोज करै छै, ओकरा परमेश् वर आरू दोसरऽ के अनुग्रह मिलै छै जबकि घमंड पतन के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन १८:९-२४)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति अध्याय अठारह अन्वेषण
शब्दक शक्ति, २.
बुद्धि के खोज पर महत्व देल गेल अछि,
आ विनम्रता आ विवेक सँ जुड़ल लाभ।

अपनऽ जीवन प॑ शब्दऽ के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ प्रभाव क॑ पहचानै के साथ-साथ समझ बनाम राय व्यक्त करै प॑ जोर देना ।
जीवन लाबै वाला ताजा पानी के रूप में बुद्धिमान शब्दऽ स॑ जुड़लऽ मूल्य क॑ उजागर करना ।
विनम्रता, बुद्धिक खोज, मित्रता जेहन व्यक्तिगत लोकोक्तिक माध्यमे विभिन्न विषयक संबोधन करैत विवादित भावनाक परिणामस्वरूप परिणाम केँ रेखांकित करब |
घमंड के परिणामस्वरूप पतन के संबंध में दिखाई देलऽ गेलऽ मान्यता के साथ-साथ बुद्धि के खोज करै वाला के लेलऽ भगवान आरू अन्य लोगऽ स॑ मिललऽ अनुग्रह के रेखांकित करना ।
अपनऽ शब्दऽ के बुद्धिमानी स॑ प्रयोग करै के महत्व के बारे म॑ जानकारी देना, विनम्रता स॑ बुद्धि के खोज करना, दोस्ती के माध्यम स॑ स्वस्थ संबंध के पोषण करना, आरू विवादित भावना स॑ बचना ।

नीतिवचन 18:1 मनुष् य इच्छाक द्वारा अपना केँ अलग भ’ क’ सभ बुद्धिक खोज करैत अछि आ ओकर बीच मे हस्तक्षेप करैत अछि।

176

जे व्यक्ति ज्ञानक इच्छा रखैत अछि ओ ओकरा खोजबाक चक्कर मे दोसर लोक सँ अलग भ' जायत।

1. बुद्धि के खोज - ज्ञान के इच्छा हमरा सब के बढ़य में कोना मदद क सकैत अछि

2. ज्ञान धरि विरह - विचलित दुनिया मे बुद्धिक पाछाँ कोना कयल जाय

1. नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

नीतिवचन 18:2 मूर्ख केँ बुझबा मे कोनो आनन्द नहि होइत छैक, बल् कि ओकर हृदय अपना केँ पता चलय।

मूर्ख केँ बुझबा मे कोनो आनन्द नहि होइत छैक, बल्कि ओ देखाबटी करब पसिन करैत अछि ।

1: भगवान् के इच्छा के बारे में हमरा सब के समझ घमंड स नै, बल्कि विनम्रता आ सीखय के इच्छा स संचालित होबाक चाही।

2: भगवानक जे अंतर्दृष्टि भेटैत अछि, ओकरा प्राप्त करबाक लेल हमरा सभ केँ अपन घमंड केँ कम करय मे सावधान रहबाक चाही।

1: याकूब 1:5-6 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि। आ ओकरा देल जायत। मुदा ओ विश्वास सँ माँगय, जे किछु नहि डगमगाइत।" किएक तँ जे डगमगाइत अछि से समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवाक झोंक मे धकेलि कऽ उछालल जाइत अछि।”

2: नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

नीतिवचन 18:3 जखन दुष्ट अबैत अछि तखन तिरस्कार आ अपमानजनक अपमान सेहो अबैत अछि।

दुष्ट तिरस्कार आ निन्दा आनत।

1: प्रतिष्ठा के शक्ति - नीतिवचन 18:3

2: दुष्टता पर धार्मिकता - नीतिवचन 18:3

1: 1 कोरिन्थी 15:33 - धोखा नहि खाउ: खराब संगति नीक नैतिकता केँ बर्बाद क' दैत अछि।

2: नीतिवचन 13:20 - जे बुद्धिमानक संग चलैत अछि से बुद्धिमान भ' जाइत अछि, मुदा मूर्खक संगी केँ नुकसान होयत।

नीतिवचन 18:4 मनुष्यक मुँहक वचन गहींर पानि जकाँ होइत अछि आ बुद्धिक इनार जेना बहैत धार जकाँ होइत अछि।

मनुष्यक बात बहैत धार जकाँ गहींर आ बुद्धिमान भ' सकैत अछि ।

1: बुद्धिमानी आ विचारपूर्वक बजबाक महत्व।

2: हम जे शब्द बजैत छी ताहि मे भेटय बला बुद्धिक गहराई।

1: याकूब 3:1-12 - जीभक शक्ति आ ई कोना हमर सभक भीतरक चरित्र केँ दर्शाबैत अछि।

2: इफिसियों 4:29 - अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि मात्र एहन बात नहि निकलय जे अवसरक अनुकूल बनयबाक लेल नीक हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।
नीतिवचन 18:5 दुष्टक व्यक्ति केँ स्वीकार करब, न्याय मे धर्मी केँ उखाड़ि फेकब नीक नहि।
दरबार मे धर्मात्मा पर दुष्टक पक्षपात करब गलत अछि।
1. "अन्याय के कीमत: नीतिवचन 18:5 के परख"।
2. "परमेश् वरक न्याय: नीतिवचन 18:5 किएक मायने रखैत अछि"।
1. व्यवस्था 16:19-20 - "अहाँ न्याय केँ विकृत नहि करू; पक्षपात नहि करू, आ घूस नहि ली, कारण घूस ज्ञानी लोकनिक आँखि आन्हर क' दैत अछि आ धर्मी लोकनिक वचन केँ विकृत क' दैत अछि।
न्याय, आ।" केवल न्याय के पाछाँ चलब, जाहि सँ अहाँ सभ ओहि देश केँ जीबि सकब आ ओकर मालिक बनब जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ दऽ रहल छथि।”
२.
नीतिवचन 18:6 मूर्खक ठोर झगड़ा मे पड़ि जाइत छैक, आ ओकर मुँह चोट बजबैत छैक।
मूर्ख लोकनि बहस आ दंडक आमंत्रित करबाक प्रवृत्ति रखैत छथि ।
1. घमंड अहाँ केँ विवाद मे नहि खींचय दियौक।
2. मूर्ख नहि बनू आ सजाय आमंत्रित करू।
1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।
2. नीतिवचन 17:14 - झगड़ाक शुरुआत पानि छोड़ब जकाँ अछि, तेँ झगड़ा शुरू हेबासँ पहिने छोड़ि दियौक।
नीतिवचन 18:7 मूर्खक मुँह ओकर विनाश होइत छैक, आ ओकर ठोर ओकर आत्माक जाल होइत छैक।
हम जे शब्दक प्रयोग करैत छी से हमरा सभक अपन विनाश दिस ल' सकैत अछि।
1: शब्दक शक्ति - हम सभ अपन शब्दक कोना प्रयोग करैत छी तकर स्थायी प्रभाव पड़ि सकैत अछि ।
2: शब्दक बुद्धि - हमरा लोकनि केँ अपन शब्दक चयन बुद्धिमानी सँ करबाक चाही।
1: याकूब 3:5-10 - जीह मे जीवन आ मृत्युक शक्ति होइत छैक।
2: भजन 34:13-14 - अपन जीह केँ बुराई सँ आ अपन ठोर केँ धोखा बाजबा सँ बचाउ।
नीतिवचन 18:8 कथाकारक वचन घाव जकाँ होइत छैक, आ ओ पेटक भीतर धरि उतरि जाइत छैक।
गपशप कें शब्द शारीरिक घाव कें समान नुकसानदेह भ सकएयत छै, आ आहत बहुत दिन तइक चल सकएयत छै.
1: अपन शब्दक ख्याल राखब - अपन बातक शक्ति आ ओहि सँ जे आहत भ' सकैत अछि।
2: अहाँ जे शब्द बजैत छी ताहि सँ सावधान रहू - ओकर दूरगामी प्रभाव पड़ि सकैत अछि।
1: याकूब 3:5-8 - तहिना जीह शरीरक छोट अंग अछि, मुदा ओ बहुत घमंड करैत अछि। विचार करू जे केहन पैघ जंगल मे छोट सन चिंगारी सँ आगि लागि जाइत छैक। जीह सेहो आगि अछि, शरीरक अंगक बीच दुष्टताक संसार अछि । ई पूरा शरीर के भ्रष्ट क दैत अछि, जीवन के पूरा मार्ग के आगि लगा दैत

अछि, आ स्वयं नरक के आगि लगा दैत अछि | सब तरहक जानवर, चिड़ै, सरीसृप आ समुद्री जीव के वश में कयल जा रहल अछि आ मनुष्य द्वारा वश में कयल गेल अछि, मुदा कोनो मनुष्य जीह के वश में नै क सकैत अछि | ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै ।

2: नीतिवचन 15:1-4 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि। ज्ञानी के जीह ज्ञान के शोभा बढ़ाबै छै, लेकिन मूर्ख के मुँह से मूर्खता के झोंका निकलै छै। प्रभुक नजरि सभ ठाम अछि, जे अधलाह आ नीक पर नजरि रखैत अछि। कोमल जीह जीवनक गाछ होइत छैक, मुदा ओहि मे विकृति आत्मा केँ तोड़ि दैत छैक |

नीतिवचन 18:9 जे अपन काज मे आलसी अछि, ओ बहुत बर्बाद करय बला के भाई अछि।

काज मे सुस्ती के कारण बहुत बेकार भ सकैत अछि।

1: आलस्य सँ विनाश होयत।

2: अपन पूरा प्रयास करू आ भगवान अहाँ के पुरस्कृत करताह।

1: कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष्यक लेल नहि।

2: उपदेशक 9:10 - जे किछु अहाँक हाथ भेटय, से अपन सामर्थ्य सँ करू।

नीतिवचन 18:10 प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि, धर्मी लोक ओहि मे दौड़ैत अछि आ सुरक्षित रहैत अछि।

प्रभु के नाम धर्मी के सुरक्षा आरू सुरक्षा के स्रोत छै।

1. प्रभुक नामक आराम - प्रभुक नाम पर भरोसा कएला सँ भेटयवला आराम आ सुरक्षाक अन्वेषण।

2. धर्मी लोकनिक शरण - धर्मी लोकनिक लेल प्रभु मे भेटय बला सुरक्षा आ सुरक्षा पर एकटा।

1. भजन 9:9-10 - प्रभु दबल-कुचलल लोकक लेल गढ़ छथि, विपत्तिक समय मे गढ़ छथि। 10 जे सभ अहाँक नाम जनैत अछि, अहाँ पर भरोसा करैत अछि, किएक तँ हे परमेश् वर, अहाँ केँ तकनिहार सभ केँ नहि छोड़लहुँ।

2. यशायाह 25:4 - किएक तँ अहाँ गरीबक लेल गढ़, गरीबक विपत्ति मे गढ़, आंधी-तूफान सँ आश्रय आ गर्मी सँ छाहरि बनि गेलहुँ। कारण निर्दयी लोकक साँस देबाल पर टकराइत तूफान जकाँ होइत छैक।

नीतिवचन 18:11 धनिकक धन ओकर मजबूत शहर होइत छैक, आ अपन अभिमान मे ऊँच देबाल जकाँ।

धनिकक धन सुरक्षा आ गौरवक मजबूत किला थिक ।

1. धनक शक्ति: पाइ कोना सुरक्षा आ गौरव आनि सकैत अछि

2. धनक खतरा: लोभ कोना गलत जगह पर आत्मविश्वास उत्पन्न क' सकैत अछि

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग भस्म क’ दैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग भस्म करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. 1 तीमुथियुस 6:17-19 - रहल बात एहि वर्तमान युग मे धनिक लोकक त’ हुनका सभ केँ घमंड करबाक आज्ञा नहि दियौक, आ ने धनक अनिश्चितता पर अपन आशा राखू, बल् कि परमेश् वर पर, जे हमरा सभ केँ भोग करबाक लेल सभ किछु भरपूर उपलब्ध कराबैत छथि। नीक काज करबाक चाही, नीक काज मे धनी हेबाक चाही, उदार आ बाँटय लेल तैयार रहबाक चाही, एहि तरहेँ भविष्यक लेल नीक नींवक रूप मे अपना लेल खजाना जमा करबाक चाही, जाहि सँ ओ सभ ओहि चीज केँ पकड़ि सकथि जे वास्तव मे जीवन अछि।

नीतिवचन 18:12 विनाश सँ पहिने मनुष्यक हृदय घमंडी होइत अछि, आ आदर सँ पहिने विनम्रता।

मनुष्यक हृदय केँ सम्मान भेटबा सँ पहिने विनम्र हेबाक चाही, आ घमंड विनाशक कारण बनत।

1. पतनसँ पहिने घमंड अबैत अछि: हमरा सभक जीवनमे विनम्रताक महत्व।

2. घमंडी हृदयक परिणाम: नीतिवचन 18:12 सँ सीखब।

1. याकूब 4:6-10 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।

2. रोमियो 12:3 - अपना केँ ओहि सँ बेसी ऊँच नहि बुझू, बल्कि अपना केँ सोझ विवेक सँ सोचू।

नीतिवचन 18:13 जे कोनो बात केँ सुनबा सँ पहिने ओकर उत्तर दैत अछि, से ओकरा लेल मूर्खता आ लाज अछि।

सब तथ्य सुनबा स पहिने कोनो सवाल क जवाब देब मूर्खता आ शर्मनाक अछि।

1. बजबासँ पहिने सुनबाक बुद्धि

2. संचार मे धैर्यक शक्ति

1. याकूब 1:19 - हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहय।

2. नीतिवचन 16:32 - जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से पराक्रमी सँ नीक अछि, आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, ओहि सँ नीक अछि जे नगर पकड़ैत अछि।

नीतिवचन 18:14 मनुष् यक आत् मा ओकर दुर्बलता केँ सहन करत। मुदा घायल आत्मा के सहन क' सकैत अछि?

व्यक्ति के भावना ओकरा शारीरिक बीमारी पर काबू पाबै के ताकत द॑ सकै छै, लेकिन घायल आत्मा बहुत भारी बोझ होय छै जेकरा सहन नै करलऽ जाय छै ।

1. दुखक समय मे ताकत ताकब

2. प्रतिकूलताक सामना करबा मे लचीलापनक शक्ति

1. यशायाह 40:28-31 की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. 1 पत्रुस 5:6-7 तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ उचित समय पर अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि, आ अहाँ सभक सभटा चिन्ता हुनका पर राखि सकथि, किएक तँ ओ अहाँ सभक चिन्ता करैत छथि।

नीतिवचन 18:15 बुद्धिमानक हृदय केँ ज्ञान भेटैत छैक। बुद्धिमानक कान ज्ञानक खोज करैत अछि।

विवेकी के हृदय ज्ञान प्राप्त करै छै, ज्ञानी ओकरा खोजै छै।

1: ज्ञानक खोज करू, कारण तखने अहाँ बुद्धिमान होयब।

2: सदिखन विवेकशील रहबाक प्रयास करू, कारण तखनहि अहाँ केँ ज्ञान भेटत।

1: कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

2: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश् वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

नीतिवचन 18:16 मनुष् यक वरदान ओकरा लेल जगह बना दैत छैक आ ओकरा महान लोकक सोझाँ अनैत छैक।

कोनों व्यक्ति कें उपहार या प्रतिभा ओकरा लेल अवसर पैदा कयर सकय छै आ ओकरा प्रभावशाली लोगक कें पहुंच प्राप्त कयर सकय छै.

1. अपन लक्ष्य तक पहुँचबाक लेल अपन भगवान् द्वारा देल गेल उपहार के उजागर करब

2. अपन उपहार के माध्यम स अपना लेल जगह बनाबय के

1. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

2. मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त, यीशु हमरा सभक वरदानक तुलना सेवक सभ केँ देल गेल प्रतिभा सँ करैत छथि।

नीतिवचन 18:17 जे अपन काज मे पहिने रहैत अछि, से धर्मी बुझाइत अछि। मुदा ओकर पड़ोसी आबि कऽ ओकरा खोजै छै।

ई श्लोक हमरा सब के विनम्र आरू आलोचना के लेलऽ खुला रहै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि हमरऽ पड़ोसी हमरऽ दोष के ओर इशारा करी सकै छै ।

1. विनम्रता के शक्ति: विनम्र रहला स हमरा सब के बढ़य में कोना मदद भ सकैत अछि

2. आत्मचिंतनक आवश्यकता: खुलल मोन सँ अपना केँ परखब

1. याकूब 4:6-7 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. लूका 14:11 - कारण जे कियो अपना केँ ऊपर उठबैत अछि, ओ विनम्र होयत, आ जे अपना केँ नम्र करैत अछि, से ऊँच कयल जायत।

नीतिवचन 18:18 चिट्ठी झगड़ा समाप्त क’ दैत अछि आ पराक्रमी सभक बीच अलग भ’ जाइत अछि।

नीतिवचन 18:18 मे कहल गेल अछि जे चिट्ठी डालब शक्तिशाली लोकक बीच विवादक निपटारा मे मदद क सकैत अछि।

1. "चुटकुला डालबाक बुद्धि"।

2. "विवादित दुनिया मे शांति खोजब"।

1. याकूब 3:16-17 "जतय ईर्ष्या आ स्वार्थी होइत अछि, ओतय भ्रम आ सभ अधलाह बात अछि। मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, कोमल, हार मानय लेल तैयार, दया आ... नीक फल, बिना पक्षपात के आ बिना पाखंड के।"

2. रोमियो 12:18 "जँ संभव अछि, जतेक अहाँ सभ पर निर्भर करैत अछि, तँ सभ लोकक संग शांतिपूर्वक रहू।"
181

नीतिवचन 18:19 आहत भेल भाइ केँ मजबूत शहर सँ बेसी कठिन अछि, आ ओकर सभक विवाद महलक सलाख जकाँ होइत छैक।

आहत भाइ सँ मेल मिलाप करब कठिन आ हुनका लोकनिक तर्क केँ तोड़ब कठिन; जेना किलाक देबाल तोड़बाक प्रयास करब।

1. क्षमाक बल - आहत भेल भाइक संग मेल मिलाप करबाक कठिनाई कोना दूर कयल जाय।

2. एकताक मजबूती - भाइ-बहिनक बीच शांति आ समझदारी कोना कायम राखल जाय।

1. मत्ती 18:21-22 - "तखन पत्रुस यीशु लग आबि पुछलथिन, "प्रभु, हमरा कतेक बेर माफ करब जे हमरा पर पाप करैत अछि? सात बेर? नहि, सात बेर नहि, यीशु उत्तर देलथिन, मुदा सत्तरि बेर सात बेर!"

2. रोमियो 12:18 - "जँ संभव अछि, जतय धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, त' सभक संग शांति सँ रहू।"

नीतिवचन 18:20 मनुष् यक पेट मुँहक फल सँ तृप्त होयत। आ ओकर ठोर बढ़ला सँ ओ भरल रहत।

पुरुषक बात सँ संतोष आ संतोष भेटत।

1. आनन्द आ पूर्णता प्राप्त करबाक चक्कर मे इरादा आ उद्देश्य सँ बाजू।

2. शब्दक शक्ति जे आनन्द आ संतोष अनैत अछि।

1. मत्ती 12:34-37 - "किएक तँ हृदयक प्रचुरता सँ मुँह बजैत अछि। नीक लोक अपन नीक खजाना सँ नीक निकालैत अछि, आ अधलाह अपन अधलाह धन सँ अधलाह निकालैत अछि।"

2. याकूब 3:3-6 - "जँ हम सभ घोड़ा सभक मुँह मे बिट लगा दैत छी जाहि सँ ओ हमरा सभक आज्ञा मानैत अछि, तँ हम सभ ओकर पूरा शरीर केँ सेहो मार्गदर्शन करैत छी। जहाज सभ केँ सेहो देखू, पायलट के इच्छा जतय निर्देश दैत छैक, ओतय एकटा बहुत छोट पतवार सँ मार्गदर्शन कयल जाइत छैक। तहिना जीह सेहो छोट सदस्य होइत छैक, तइयो पैघ-पैघ बातक घमंड करैत छैक। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लागि जाइत छैक!"

नीतिवचन 18:21 मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि, ओकर फल खा लेत।

मृत्यु आ जीवन हमरा लोकनिक कहब शब्दसँ जुड़ल अछि । जेकरा बजै के शौक छै, वू अपनऽ बात के फल काटी लेतै ।

1. शब्द मायने रखैत अछि: हम जे बजैत छी ओकर वजन आ परिणाम होइत छैक

2. सही बातसँ प्रेम करू: जीवन बाजू आ जीवनक फसल काटि लिअ

1. याकूब 3:8-10 - "मुदा कोनो मनुष्य जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि। ई एकटा बेचैन बुराई अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि। एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ श्राप दैत छी जे सभ मे बनल अछि।" परमेश् वरक उपमा। एकहि मुँह सँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि। हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।"

2. कुलुस्सी 4:6 - "अहाँ सभक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।"

नीतिवचन 18:22 जे पत्नी पाबैत अछि, ओकरा नीक चीज भेटैत छैक आ ओकरा परमेश् वरक अनुग्रह भेटैत छैक।

पत्नी भेटब प्रभुक आशीर्वाद अछि।

1: विवाह प्रभुक पवित्र वाचा अछि, आ एकरा पोसब आ सम्मानित करबाक चाही।

2: नीतिवचन 18:22 हमरा सभ केँ जीवनसाथीक खोज करबा काल बुद्धिमान बनबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, ई जानि जे जँ हम सभ एहन करब तँ प्रभु हमरा सभ केँ अनुग्रहक आशीर्वाद देत।

1: इफिसियों 5:22-33 - पत्नी आ पति केँ एक-दोसर केँ आदर आ प्रेम करबाक चाही जेना मसीह कलीसिया सँ प्रेम करैत छथि।

2: 1 कोरिन्थी 7:2-5 - विवाह के सब के सम्मान में राखल जाय, आ प्रत्येक जीवनसाथी के दोसर के प्रति अपन वैवाहिक दायित्व के निर्वहन करबाक चाही।

नीतिवचन 18:23 गरीब सभ विनती करैत अछि। मुदा धनी लोक मोटा-मोटी जवाब दैत अछि।

गरीब विनती पर निर्भर रहैत अछि, जखन कि धनी लोक कठोर प्रतिक्रिया दैत अछि।

1. सामाजिक स्थिति मे अंतर आ ओकर प्रतिक्रिया केँ स्वीकार करब

2. कठोरता पर विनम्रता आ दयालुताक शक्ति

1. याकूब 2:1-7

2. मत्ती 6:24-34

नीतिवचन 18:24 जकर मित्र अछि ओकरा अपना केँ मित्रता देखाबय पड़तैक।

मित्र महत्वपूर्ण होइत अछि आ परिवार जकाँ नजदीक भ सकैत अछि ।

1: मित्र सचमुच जरूरतमंद मित्र होइत अछि

2: अपना के दोस्ताना देखाबय के पहिल डेग अछि दोस्त बनेबाक

1: उपदेशक 4:9-10 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।”

2: नीतिवचन 27:17 - लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि; तेँ मनुष् य अपन मित्रक मुँह तेज करैत अछि।

नीतिवचन अध्याय 19 जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि प्रदान करै छै, जेकरा में धर्म के खोज, निष्ठा के मूल्य, आरू मूर्खता के परिणाम शामिल छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत ईमानदारी के साथ जीना आरू बुद्धि के खोज के महत्व पर जोर दै के साथ करलऽ गेलऽ छै । एहि मे ई रेखांकित कयल गेल अछि जे टेढ़ हृदय सँ धनिक बनबा सँ नीक ईमानदारी सँ गरीब रहब। ई इहो रेखांकित करै छै कि जे धार्मिकता के पीछा करै छै, ओकरा परमेश् वर के अनुग्रह मिलै छै (नीतिवचन 19:1-12)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे अनुशासन, उदारता, ईमानदारी, आ मूर्खतापूर्ण व्यवहारक परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई जोर दै छै कि जे सलाह सुनै छै आरू सुधार स॑ सीखै छै ओकरा समझ आरू बुद्धि मिलतै (नीतिवचन १९:१३-२९)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय उन्नीस मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जाहि मे धर्मक खोज, २.
अखंडता से जुड़ल मान,
आ मूर्खताक परिणामस्वरूप परिणाम।

ईमानदारी के साथ जीना आरू बुद्धि के खोज के साथ-साथ धर्म के पीछू चलै वाला के लेलऽ परमेश् वर स॑ मिललऽ अनुग्रह के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ मान्यता के महत्व प॑ जोर देना ।
अनुशासन, उदारता, ईमानदारी जैसनऽ व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स॑ विभिन्न विषयऽ क॑ संबोधित करना आरू साथ ही साथ सलाह सुनना आरू सुधार स॑ सीखना प॑ देलऽ गेलऽ मूल्य क॑ रेखांकित करना ।
सलाह पर ध्यान देनिहार द्वारा प्राप्त समझ आ बुद्धि पर प्रकाश देब आ संगहि मूर्खतापूर्ण व्यवहार सँ जुड़ल परिणाम केँ चिन्हब।
ईमानदारी के साथ धर्मी जीवन जीबै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना, बुद्धिमान सलाह के महत्व देना, अनुशासन के अभ्यास करना, आरू मूर्खतापूर्ण काम स॑ बचना।

नीतिवचन 19:1 जे गरीब अपन निष्ठा मे चलैत अछि, से नीक अछि जे अपन ठोर पर विकृत आ मूर्ख अछि।

गरीब रहितो ईमानदारी स जीबय वाला, धोखा देबय वाला आ मूर्ख स नीक।

1. ईमानदारी के शक्ति: अपन परिस्थिति स ऊपर रहब

2. बुद्धिक मूल्य: मूर्खता केँ अस्वीकार करब

1. उपदेशक 10:2, बुद्धिमानक हृदय ओकर दहिना कात होइत छैक; मुदा बामा कात एकटा मूर्खक हृदय।

2. गलाती 6:7-8, धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

नीतिवचन 19:2 संगहि, जे प्राणी ज्ञानहीन रहय, से नीक नहि; जे पएर सँ जल्दबाजी करैत अछि से पाप करैत अछि।

आत्मा मे ज्ञानक अभाव नहि हेबाक चाही, कारण जल्दबाजी मे काज करबा सँ पाप होइत छैक।

1. बुद्धि के मूल्य: बेसी जानला स पाप स कोना बचैत अछि

2. सोचय लेल समय निकालब: जल्दबाजी मे पाप किएक होइत छैक

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. उपदेशक 5:2 - "अपन मुँह सँ बेधड़क नहि करू, आ अहाँक हृदय परमेश् वरक समक्ष कोनो बात कहबा मे जल्दबाजी नहि करू, किएक तँ परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छथि, तेँ अहाँक वचन कम होउ।"

नीतिवचन 19:3 मनुष् यक मूर्खता ओकर बाट केँ विकृत करैत अछि, आ ओकर हृदय परमेश् वरक विरुद्ध चिंतित होइत अछि।

मनुष्य केरऽ मूर्खता ओकरा भगवान स॑ दूर करी दै छै आरू ओकरा भगवान के प्रति आक्रोशित करै के कारण बनै छै ।

1. मूर्खता के खतरा

2. बहाली के मार्ग

1. नीतिवचन 14:12: "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

184

2. याकूब 4:7-10: "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, ओ अहाँ सभक लग आबि जायत। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू। आ अपन सभ केँ शुद्ध करू।" अहाँ सभ दोग-दोसर मोन राखू। दुखी होउ, शोक करू आ कानू।

नीतिवचन 19:4 धन सँ बहुतो मित्र बनैत अछि। मुदा गरीब अपन पड़ोसीसँ अलग भ’ जाइत अछि।

धन लोक के एक ठाम आनि सकैत अछि, जखन कि गरीबी अलगाव के भावना के आनि सकैत अछि.

1: धनक संग दोस्ती सेहो अबैत अछि, मुदा ई मोन राखब जरूरी जे धन मात्र एक ठाम नहि अनैत अछि।

2: सच्चा दोस्ती भौतिक सम्पत्ति पर नहि, अपितु एक दोसराक प्रति सच्चा देखभाल आ प्रेम पर आधारित होइत अछि।

1: उपदेशक 4:9-12 "एक सँ दू गोटे नीक छथि, किएक तँ हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ एक गोटे अपन संगी केँ ऊपर उठा लेत। मुदा धिक्कार ओहि पर जे असगर अछि जखन ओ खसैत अछि आ नहि खसल अछि।" दोसर ओकरा ऊपर उठाबय लेल! फेर जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहताह त' गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम रहत? आ असगर रहला पर मनुक्ख भले हावी भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक."

2: यूहन्ना 15:12-17 "हमर ई आज्ञा अछि जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ। एहि सँ पैघ प्रेम केओ नहि अछि जे कियो अपन मित्र सभक लेल अपन प्राण देब। जँ अहाँ सभ करब तँ हमर मित्र छी।" हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा दैत छी, आब हम अहाँ सभ केँ सेवक नहि कहैत छी, कारण सेवक केँ अपन मालिकक काज नहि बुझल छनि, बल् कि हम अहाँ सभ केँ मित्र कहलहुँ, कारण जे किछु हम अपन पिता सँ सुनलहुँ से अहाँ सभ केँ बुझा देलहुँ हमरा नहि चुनू, बल् कि हम अहाँ सभ केँ चुनलहुँ आ अहाँ सभ केँ नियुक्ति केलहुँ जे अहाँ सभ जा कऽ फल देबय आ अहाँक फल बनल रहय, जाहि सँ अहाँ सभ हमर नाम सँ पिता सँ जे किछु माँगब, ओ अहाँ सभ केँ दऽ देत कि अहाँ एक दोसरा सँ प्रेम करब।”

नीतिवचन 19:5 झूठ गवाहक दंड नहि भेटत, आ जे झूठ बाजत से नहि बचि सकैत अछि।

झूठ गवाही आ झूठ बेदर्द नहि रहत।

1: सत्य बाजू, कारण परमेश् वर झूठ केँ बिना सजाय नहि छोड़ताह।

2: झूठ बाजबाक प्रलोभन मे नहि पड़ू, कारण परमेश् वर हमरा सभ केँ जवाबदेह ठहरौताह।

1: याकूब 3:1-2, "हे भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे सिखबैत छी, ताहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत। किएक तँ हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी। आ जँ कियो ठोकर नहि खाइत छी।" जे कहै छै, से सिद्ध आदमी छै, जे अपनऽ पूरा शरीर पर लगाम लगाबै में भी सक्षम छै।"

2: भजन 51:6, "देखू, अहाँ भीतर मे सत्य मे आनन्दित होइत छी, आ गुप्त हृदय मे हमरा बुद्धि सिखाबैत छी।"

नीतिवचन 19:6 बहुतो लोक राजकुमार सँ अनुग्रह करत।

बहुतो शक्तिशाली लोकक अनुग्रह चाहैत छथि, मुदा जे उदार छथि हुनका संग दोस्ती भेटैत छनि।

1. उदारता: दोस्ती के कुंजी

2. एहसान आ उपहारक शक्ति

1. उपदेशक 3:13 - "ई परमेश् वरक वरदान अछि जे सभ कियो खा-पीब, आ अपन सभ परिश्रमक भलाईक भोग करय।"

2. 1 यूहन्ना 3:17-18 - "मुदा जकरा एहि संसारक भलाई अछि, आ अपन भाय केँ जरूरत पड़ल देखैत अछि, आ ओकरा सँ दयाक आंत बंद क' दैत अछि, ओकरा मे परमेश् वरक प्रेम कोना रहैत अछि? हमर 185

बच्चा सभ, चलू।" हम सभ वचन मे आ ने भाषा मे प्रेम नहि करैत छी, बल् कि काज आ सत् य मे प्रेम करैत छी।”

नीतिवचन 19:7 गरीबक सभ भाय हुनका सँ घृणा करैत छथि, हुनकर मित्र हुनका सँ कतेक बेसी दूर भ’ जाइत छथि? ओ ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ गप्प-सप्प करैत अछि, तइयो ओ सभ ओकर अभाव मे अछि।

गरीब के प्रायः ओकर घनिष्ठ मित्र तक उपेक्षा आ नकारल जाइत छैक । हुनका लोकनिक निहोरा आ निहोराक बादो प्रायः अनुत्तरित भ' जाइत छथि ।

1: सच्चा दोस्ती खाली शब्द के नै, बल्कि कर्म के छै। नीतिवचन 19:7 हमरा सभ केँ देखाबैत अछि जे गरीब सभ केँ प्रायः पाछू छोड़ि देल जाइत अछि आ छोड़ि देल जाइत अछि, ओहो ओहि लोक सभ द्वारा जे ओ सभ अपन मित्र बुझैत छथि।

2: हमरा सभकेँ अपन संसाधनक नीक भण्डारी बनबाक लेल आ गरीबक प्रति दया देखबाक लेल बजाओल गेल अछि। नीतिवचन 19:7 हमरा सभ केँ अपन बातक पाछू काज करबाक लेल कहैत अछि जाहि सँ सच्चा मित्रताक प्रदर्शन कयल जा सकय।

1: याकूब 2:14-17 हे भाइ लोकनि, जँ केओ कहैत अछि जे ओकरा विश्वास अछि मुदा ओकर काज नहि अछि? की विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि? जँ कोनो भाइ वा बहिन नंगटे छथि आ नित्य भोजन सँ वंचित छथि आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका सभ केँ कहथिन जे, “शांति सँ चलि जाउ, गरम आ तृप्त भ’ जाउ, मुदा अहाँ सभ ओकरा शरीरक लेल जे किछु आवश्यक अछि से नहि दैत छी तँ ओकरा की फायदा?

2: मत्ती 25:35-40 हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा भोजन देलहुँ। हमरा प्यास लागल छल आ अहाँ हमरा पीबि देलियैक; हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा अपना मे समेटि लेलहुँ; हम नंगटे छलहुँ आ अहाँ हमरा कपड़ा पहिरा देलहुँ; हम बीमार छलहुँ आ अहाँ हमरा लग आबि गेलहुँ; हम जेल मे छलहुँ आ अहाँ हमरा लग आबि गेलहुँ। तखन धर्मी लोकनि हुनका उत्तर देताह, प्रभु, हम सभ अहाँ केँ कहिया भूखल देखलहुँ आ अहाँ केँ खुआ देलियैक, वा प्यासल आ अहाँ केँ पीबि देलियैक? हम सभ अहाँकेँ कहिया पराया देखलहुँ आ अहाँकेँ अपना भीतर लऽ गेलहुँ, वा नंगटे आ अहाँकेँ कपड़ा पहिरि लेलहुँ? आकि हम सभ अहाँकेँ बीमार, वा जेलमे कहिया देखलहुँ आ अहाँक लग आबि गेलहुँ?

नीतिवचन 19:8 जे बुद्धि पाबैत अछि, ओ अपन प्राण सँ प्रेम करैत अछि, जे बुद्धि राखैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक।

बुद्धि भगवान के नजदीक आबै छै आरू समझ स॑ अच्छा काम होय जाय छै ।

1. अपन जीवन मे बुद्धि आ समझ के महत्व

2. बुद्धि आ समझ कोना प्राप्त कयल जाय

1. अय्यूब 28:28 - ओ मनुष्य केँ कहलथिन, “देखू, प्रभुक भय, ओ बुद्धि थिक। आ अधलाह सँ हटि जायब बुझनाई थिक।

2. नीतिवचन 2:1-5 - हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करब आ हमर आज्ञा केँ अपना संग नुका देब। एहि तरहेँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाउ आ अपन मोन केँ बुझबाक लेल लगाउ। हँ, जँ अहाँ ज्ञानक पाछाँ चिचियाइत छी आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी। जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकैत छी आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ तकैत छी। तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।

नीतिवचन 19:9 झूठ गवाहक दंड नहि भेटत, आ जे झूठ बाजत से नाश भ’ जायत।

भगवान झूठ आ झूठ गवाह के सजा दैत छथि।

1: हमरा सभ केँ हरदम सत्य आ ईमानदारी सँ बाजबाक चाही, कारण भगवान् झूठ आ झूठ गवाही केँ बिना सजाय नहि होमय देथिन।

186

2: हमरा सभ केँ अपन बाजब मे सावधान रहबाक चाही, कारण परमेश् वर झूठ बाजनिहार सभक न्याय करताह।

1: मत्ती 12:36-37, "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन सभ खाली बातक हिसाब देबऽ पड़त। किएक तँ अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब आ अपन बात सभ सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब।" निंदा कयल गेल।

2: याकूब 3:1-2, हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे शिक्षा दैत छी, हुनका सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत। कारण, हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी। जँ केओ अपन बात मे ठोकर नहि खाइत अछि तँ ओ सिद्ध आदमी अछि, जे अपन पूरा शरीर पर लगाम लगा सकैत अछि।

नीतिवचन 19:10 मूर्खक लेल आनन्द नीक नहि होइत छैक। एकटा नौकर के राजकुमार पर शासन करब बहुत कम।

जे मूर्ख अछि ओकरा लेल आनन्द उचित नहि होइत छैक आ ने कोनो नौकरक राजकुमार पर अधिकार रहब उचित छैक |

1. घमंड के खतरा: अपन स्थिति में विनम्र रहब

2. बुद्धिक महत्व: अपन वचन आ कर्म केँ बुद्धिमानी सँ चुनब

1. याकूब 3:13-17 - अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ समझदार अछि? अपन नीक आचरण सँ बुद्धिक नम्रता मे अपन काज देखाबय।

2. नीतिवचन 3:5-7 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन 19:11 मनुष्यक विवेक ओकर क्रोध केँ स्थगित करैत अछि। आ कोनो अपराध केँ पार करब हुनकर महिमा अछि।

विवेक आ क्षमा क्रोध के प्रबंधन के औजार छै।

1. क्षमा के शक्ति: विवेक हमरा सब के कोना क्रोध स उबरय में मदद क सकैत अछि

2. क्रोध प्रबंधन: विवेक के लाभ

1. इफिसियों 4:31-32: "अहाँ सभ सँ सभ कटुता, क्रोध, क्रोध, झगड़ा आ निन्दा, सभ दुर्भावनाक संग दूर करू, आ एक-दोसर पर दया करू, कोमल हृदय सँ एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना मसीह मे परमेश् वर अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि अछि।" ."

2. कुलुस्सी 3:13: "एक-दोसर केँ सहन करू आ जँ ककरो दोसर पर कोनो शिकायत हो त' एक-दोसर केँ क्षमा करू; जहिना प्रभु अहाँ सभ केँ क्षमा क' देलनि, तहिना अहाँ सभ केँ सेहो क्षमा करबाक चाही।"

नीतिवचन 19:12 राजाक क्रोध सिंहक गर्जना जकाँ अछि। मुदा ओकर अनुग्रह घास पर ओस जकाँ अछि।

परमेश् वरक क्रोध प्रबल अछि, मुदा हुनकर दया प्रचुर अछि।

1. सिंह के वश में करब: भगवान के क्रोध आ दया

2. घास पर ओस: भगवानक अनुग्रह आ रक्षा

1. भजन 103:8-14 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि।

187

2. रोमियो 9:14-15 - तखन हम की कहब? की भगवान् अन्यायी छथि? एकदम नहि! कारण, ओ मूसा केँ कहैत छथि, “हम जकरा पर दया करब, ओकरा पर दया करब, आ जकरा पर हम दया करब ओकरा पर दया करब।”

नीतिवचन 19:13 मूर्ख बेटा अपन पिताक विपत्ति होइत छैक, आ पत्नीक विवाद निरंतर बूंद होइत छैक।

मूर्ख बच्चा पिता कें बहुत दुख द सकएयत छै, आ पति-पत्नी कें बीच लगातार झगड़ा आ आगू कें मुद्दा पैदा कयर सकएयत छै.

1. धर्मात्मा पुत्रक आशीर्वाद: बुद्धिमान बच्चाक पालन-पोषण कोना कयल जाय

2. पति-पत्नी के बीच सकारात्मक संवाद के महत्व

1. इफिसियों 6:1-4 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। (जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि।) जाहि सँ अहाँक नीक होअय आ अहाँ पृथ् वी पर बेसी दिन जीवित रहब। हे पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक पालन-पोषण आ उपदेश मे ओकरा सभ केँ पालन-पोषण करू।

2. नीतिवचन 17:14 - झगड़ाक शुरुआत ओहिना होइत अछि जेना पानि छोड़ैत अछि, तेँ विवाद छोड़ि दियौक, ताहि सँ पहिने जे ओहि मे हस्तक्षेप भ' जाय।

नीतिवचन 19:14 घर आ धन-सम्पत्ति बाप-पिताक उत्तराधिकार थिक, आ बुद्धिमान पत्नी प्रभु सँ भेटैत अछि।

पिताक उत्तराधिकार घर आ धन होइत छैक, जखन कि विवेकी पत्नी प्रभु सँ होइत छैक |

1. एकटा विवेकी पत्नीक व्यवस्था करबा मे भगवानक बुद्धि

2. पिताक उत्तराधिकार आ भगवानक आशीर्वाद

1. इफिसियों 5:22-33

2. नीतिवचन 31:10-31

नीतिवचन 19:15 आलस्य गहींर नींद मे पड़ि जाइत अछि। आ निष्क्रिय प्राणी भूख भोगि लेत।

आलस्य के कारण पोषण के कमी होय छै, आध्यात्मिक आरू शारीरिक दोनों तरह के ।

1. लगन के फल काटि लिअ: परमेश् वरक आशीर्वाद प्राप्त करबाक लेल मेहनत करब

2. आलस्यक खतरा: आलस्यसँ अभाव होइत छैक

१.

2. कुलुस्सी 3:23-24 - "अहाँ सभ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुष्यक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ई।" ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क’ रहल छी।”

नीतिवचन 19:16 जे आज्ञाक पालन करैत अछि, से अपन प्राणक पालन करैत अछि। मुदा जे ओकर बाट तिरस्कृत करत से मरत।”

अपनऽ आत्मा के रक्षा लेली परमेश् वर के आज्ञा के पालन करना बहुत जरूरी छै, जबकि भगवान के रास्ता के नकारला स॑ मौत होय जैतै ।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: ई समझना कि परमेश्वर के आज्ञा हमरा सब के कोना सुरक्षित रखै छै

2. परमेश् वरक बाट केँ अस्वीकार करब: परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक परिणाम

1. मत्ती 22:37-40 - यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ पूरा मन सँ प्रेम करू।

2. व्यवस्था 30:19-20 - हम अहाँ सभक विरुद्ध आइ स् वर्ग आ पृथ्वी केँ ई गवाही दैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ श्राप दैत छी, तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज दुनू जीवित रहब।

नीतिवचन 19:17 जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ प्रभु केँ उधार दैत अछि। आ जे किछु देलक से ओकरा फेर सँ चुका देतैक।”

जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ प्रभु केँ उधार दैत अछि, आ ओ ओकरा भरपूर प्रतिफल देत।

1: परमेश् वरक दया प्रचुर अछि, आ जखन हम सभ अपन संगी-साथी पर दया करब तखन परमेश् वर हमरा सभक प्रतिफल देथिन।

2: जखन हम सभ जरूरतमंद केँ देब तखन भगवान् बदला मे हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: लूका 6:38 - दिअ, तखन अहाँ केँ देल जायत। नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल, दौड़ैत, अहाँक गोदी मे राखल जायत। कारण जे नाप अहाँ प्रयोग करब ताहि सँ ओ अहाँ केँ वापस नापल जायत।

2: मत्ती 10:42 - आ जे कियो एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एक केँ एक कप ठंढा पानि सेहो देत, कारण ओ शिष्य अछि, हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे ओ अपन इनाम केँ कोनो तरहेँ नहि गमाओत।

नीतिवचन 19:18 जखन आशा रहैत अछि ताबत धरि अपन बेटा केँ ताड़ि दियौक, आ ओकर कानब मे अपन प्राण नहि छोड़ि दियौक।

माता-पिता कें अपन बच्चाक कें अनुशासित करबाक चाही जखन तइक एखन समय नहि रहएयत छै आ सिर्फ अपन बच्चा कें कानएय कें कारण बेसि नम्र नहि होबाक चाही.

1. अभिभावकत्व मे अनुशासनक महत्व

2. बच्चा सभकेँ सीमाक सम्मान करब सिखाएब

1. इफिसियों 6:4 - पिता लोकनि, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।

2. नीतिवचन 22:15 - मूर्खता बच्चाक हृदय मे बान्हल रहैत छैक, मुदा अनुशासनक छड़ी ओकरा ओकरा सँ दूर भगा दैत छैक।

नीतिवचन 19:19 बहुत क्रोधित आदमी केँ सजा भेटतैक, किएक तँ जँ अहाँ ओकरा बचा लेब तँ फेर ओकरा फेर सँ करबाक चाही।

जे आदमी तमसाएल अछि ओकरा ओकर व्यवहारक परिणाम भोगय पड़तैक, आ जँ ओकरा उद्धार भ' गेलैक त' ओही चक्र दोहरा सकैत अछि।

1. क्रोधक परिणाम: अपन क्रोध पर कोना उबरल जाय

2. बहुत क्रोधक आदमी केँ मुक्त करब: क्षमाक शक्ति

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. कुलुस्सी 3:8 - "मुदा आब अहाँ सभ ओकरा सभ केँ दूर राखि दियौक: क्रोध, क्रोध, दुर्भावना, निन्दा आ अपन मुँह सँ अश्लील गप्प।"

नीतिवचन 19:20 सलाह सुनू आ शिक्षा ग्रहण करू, जाहि सँ अहाँ अपन अंतिम अंत मे बुद्धिमान बनू।

बुद्धिमान व्यक्ति सलाह लेत आ निर्देश प्राप्त करत जे ओकर भविष्य सुरक्षित हो।

1. सलाह लेबाक बुद्धि

2. निर्देशक लाभ

1. याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

2. नीतिवचन 16:20 - जे कोनो बात केँ बुद्धिमानी सँ सम्हारैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक, आ जे केओ प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ धन्य अछि।

नीतिवचन 19:21 मनुष्यक हृदय मे बहुत रास षड्यंत्र होइत छैक। तइयो परमेश् वरक सलाह जे ठाढ़ रहत।

हमरऽ बहुत योजना आरू इच्छा अनिश्चित छै, लेकिन भगवान केरऽ इच्छा हमेशा खड़ा रहै छै ।

1: भले हमर सभक योजना बदलि सकैत अछि, मुदा भगवानक इच्छा अपरिवर्तनीय अछि।

2: हमरा सभ केँ सदिखन भगवानक इच्छाक संग अपना केँ संरेखित करबाक चाही, कारण ई सदिखन पूरा होयत।

1: यशायाह 46:10-11 - "हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।"

2: याकूब 4:13-15 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, 'आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' बितब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब' - तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की की होयत।" आनत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि। बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीबि क' ई वा ओ काज करब।"

नीतिवचन 19:22 मनुष्यक इच्छा ओकर दया होइत छैक, आ गरीब आदमी झूठ बाजनिहार सँ नीक होइत छैक।

मनुष्यक इच्छा दयालुता हेबाक चाही, आ झूठ बाजबा सँ बेसी गरीब बनब नीक।

1. सच्चा धन दयालुता मे भेटैत अछि

2. सत्यक शक्ति बनाम झूठ बाजबाक खतरा

1. नीतिवचन 14:21 - जे अपन पड़ोसी केँ तिरस्कार करैत अछि, ओ पापी अछि, मुदा धन्य अछि जे गरीबक प्रति उदार अछि।

2. इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

नीतिवचन 19:23 परमेश् वरक भय जीवन दिस बढ़बैत अछि, आ जकरा लग अछि से तृप्त रहत। ओकरा पर अधलाह नहि होयतैक।

प्रभु के भय संतोषजनक जीवन के तरफ ले जाय छै, जे हमरा सब के बुराई स बचाबै छै।

1. भय आ संतोषक जीवन जीब

2. प्रभु मे रहब आ बुराई सँ बचब

1. भजन 34:9 - हे ओकर पवित्र लोक, प्रभु सँ डेराउ, किएक त’ जे हुनका सँ डरैत छथि हुनका सभ मे किछुओ कमी नहि छनि।

2. यशायाह 8:12-13 - षड्यंत्र केँ ओ सब किछु नहि कहब जे ई लोक षड्यंत्र कहैत अछि, आ जे डरैत अछि ताहि सँ नहि डेराउ, आ ने भय मे रहू। मुदा सेना-प्रभु, हुनका पवित्र बुझि आदर करू।
ओ अहाँक डर बनय, आ ओ अहाँक भय बनय।

नीतिवचन 19:24 आलसी आदमी अपन हाथ अपन कोरा मे नुका लैत अछि, आ ओकरा मुँह मे फेर सँ नहि अनैत अछि।

आलसी आदमी अपनहि हाथक उपयोग अपन भरण-पोषण करबा सँ मना क' दैत अछि ।

1. प्रभु के लेल मेहनत करब - नीतिवचन 19:24

2. सक्रिय रहब आ आलस्य नहि - नीतिवचन 19:24

1. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ सभ जे किछु करब, से हृदय सँ करू, जेना प्रभुक लेल करू, मनुष्यक लेल नहि।

2. उपदेशक 9:10 - अहाँक हाथ जे किछु करय चाहैत अछि, से अपन सामर्थ्य सँ करू।

नीतिवचन 19:25 तिरस्कार करयवला केँ मारि दियौक, तखन सहज लोक सावधान रहत, आ बुद्धि रखनिहार केँ डाँटि दियौक, तखन ओ ज्ञान बुझत।

साधारण लोक केँ तिरस्कार करयवला केँ सजा द' क' चेताओल जा सकैत अछि, आ समझदार केँ डांट सँ सिखाओल जा सकैत अछि।

1. दोसरक नेतृत्व करबा मे बुद्धिक महत्व

2. समझ सिखाबै मे डाँट के शक्ति

1. नीतिवचन 1:7, "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. इफिसियों 4:14-15, "जाहि सँ आब हम सभ लहरि सँ एम्हर-ओम्हर उछालल आ शिक्षाक हर हवा सँ, मनुष्यक धूर्तता सँ, छल-कपट मे धूर्तता सँ बहैत बच्चा नहि बनि सकब। बल्कि सत्य बजब।" प्रेम मे, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ ओहि मे बढ़बाक चाही, जे माथ छथि, मसीह मे।”

नीतिवचन 19:26 जे अपन पिता केँ बर्बाद करैत अछि आ अपन माय केँ भगा दैत अछि, ओ एकटा एहन बेटा अछि जे लाज दैत अछि आ अपमानित करैत अछि।

ई श्लोक एकटा एहन बेटाक बात करैत अछि जे अपन माता-पिताक अनादर करैत अछि, आ कोना ई लाज आ निन्दा अनैत अछि |

1. माता-पिता के सम्मान आ सम्मान के महत्व

2. माता-पिताक अनादर करबाक परिणाम

1. इफिसियों 6:1-3

2. निष्कासन 20:12-17

नीतिवचन 19:27 हे हमर बेटा, ओहि शिक्षा केँ सुनब छोड़ू जे ज्ञानक वचन सँ भटकबैत अछि।

माता-पिता कें अपन बच्चाक कें ओ निर्देश नहि सुनएय देबाक चाही जे ओकरा सही ज्ञान सं दूर करएयत छै.

1. "ज्ञान के प्रति सच्चा रहना: विवेक के आह्वान"।

2. "झूठा निर्देशक खतरा: माता-पिताक लेल एकटा चेतावनी"।

1. नीतिवचन 3:7, "अपन नजरि मे बुद्धिमान नहि बनू। प्रभु सँ डेराउ आ अधलाह सँ हटि जाउ।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 19:28 अभक्त गवाह न्याय केँ तिरस्कार करैत अछि, आ दुष्टक मुँह अधर्म केँ खा जाइत अछि।

अभक्त गवाह न्याय के मजाक उड़ाबै छै आरू दुष्ट मुँह बुराई के भस्म करी दै छै।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ धर्मी गवाह बनबाक लेल बजबैत छथि, न्यायक लेल ठाढ़ भ' क' अधलाह केँ अस्वीकार करबाक लेल।

2: हमरा सभकेँ अपन जीहक रक्षा करबाक चाही, कारण ओ सभ हमरा सभकेँ बुराईकेँ भस्म करबा आ न्यायक उपहास करबा लेल प्रेरित क' सकैत अछि।

1: नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

2: याकूब 3:6-8 - जीह शरीरक एकटा छोट अंग अछि, मुदा ओ बहुत पैघ घमंड करैत अछि। विचार करू जे केहन पैघ जंगल मे छोट सन चिंगारी सँ आगि लागि जाइत छैक। जीह सेहो आगि अछि, शरीरक अंगक बीच दुष्टताक संसार अछि । ई पूरा शरीर के भ्रष्ट क दैत अछि, जीवन के पूरा मार्ग के आगि लगा दैत अछि, आ स्वयं नरक के आगि लगा दैत अछि |

नीतिवचन 19:29 तिरस्कार करयवला सभक लेल न्याय आ मूर्ख सभक पीठ पर पट्टी तैयार कयल जाइत अछि।

मजाक उड़ाबै वाला के लेल न्याय तैयार छै आ उपहास करय वाला के सजा मिलत।

1. भगवान आ हुनकर वचन के प्रति श्रद्धा आ सम्मान के जीवन जीबाक महत्व।

2. परमेश् वर आ हुनकर वचनक उपहास आ तिरस्कार करबाक परिणाम।

1. रोमियो 2:4-5: या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय? लेकिन तोरोॅ कठोर आरो पश्चाताप नै करै वाला दिल के कारण तोहें क्रोध के दिन अपना लेली क्रोध के संग्रह करी रहलोॅ छैं, जबे परमेश् वर के धार्मिक न्याय प्रकट होतै।

2. इब्रानी 10:30-31: किएक तँ हम सभ ओहि बात केँ जनैत छी जे कहने छल जे, “प्रतिशोध हमर अछि।” हम चुका देब। आ फेर, प्रभु अपन लोकक न्याय करताह। जीवित भगवानक हाथ मे पड़ब भयावह बात थिक।

नीतिवचन अध्याय २० में जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि के जानकारी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ईमानदारी के महत्व, आत्मसंयम के मूल्य, आरू धोखा के परिणाम शामिल छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत ईमानदारी आ निष्ठा के महत्व पर जोर दैत अछि | ई बात पर प्रकाश डालै छै कि भले ही लोग शुद्ध मंशा के दावा करी सकै छै, लेकिन अंततः भगवान ही ओकरऽ दिल के जांच करै छै । ई इहो रेखांकित करै छै कि जे निष्ठा में चलै छै, वू धन्य छै (नीतिवचन 20:1-15)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे बुद्धिमान सलाह, आत्मसंयम, व्यापारिक व्यवहार मे निष्पक्षता, आ बेईमानी के परिणाम जेहन विषय के संबोधित करैत अछि। ई बात पर

जोर दै छै कि जे लगनशील छै आरू बुद्धि के खोज करै छै, ओकरा सफलता मिलतै जबकि धोखा वाला काम विनाश के तरफ ले जाय छै (नीतिवचन 20:16-30)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय बीस बुद्धि प्रदान करैत अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जाहि मे ईमानदारी पर देल गेल महत्व,
आत्मसंयम से जुड़ल मूल्य, २.
आ छलक परिणामस्वरूप परिणाम।

ईमानदारी आरू ईमानदारी के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ महत्व क॑ पहचानै के साथ-साथ भगवान द्वारा दिलऽ के जांच प॑ जोर देना ।
ईमानदारी स चलय वाला के प्राप्त आशीर्वाद के उजागर करब।
व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जेना बुद्धिमान सलाह, आत्मसंयम, व्यापारिक व्यवहार में निष्पक्षता आ संगहि लगन आ बुद्धि के खोज पर राखल गेल मूल्य के रेखांकित करब।
लगन के अभ्यास करय वाला आ बुद्धि के खोज करय वाला के भेटल सफलता के रेखांकित करब आ संगहि छल के काज के परिणामस्वरूप बर्बादी के संबंध में देखाओल गेल मान्यता.
ईमानदारी, आत्मसंयम के अभ्यास, बुद्धिमान सलाह लेब, धोखाधड़ी के व्यवहार स बचैत निष्पक्ष व्यापारिक व्यवहार करय के विशेषता वाला जीवन जीबय के अंतर्दृष्टि देबय के.

नीतिवचन 20:1 शराब उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।

शराब आ शराबी पेय पदार्थ मूर्खता कें कारण भ सकएयत छै आ एकरा सं बचबाक चाही.

1: परमेश् वरक वचन हमरा सभ केँ बुद्धिमानी सँ निर्णय लेबऽ आ शराब सँ परहेज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

2: बाइबिल हमरा सभ केँ चेतावनी दैत अछि जे शराबक लोभ सँ धोखा नहि खाउ; मूर्खता दिस ल' जायत।

1: रोमियो 13:13-14 - दिन मे जेकाँ ठीक सँ चलब, नंगा नाच आ नशा मे नहि, यौन अनैतिकता आ कामुकता मे नहि, झगड़ा आ ईर्ष्या मे नहि। मुदा प्रभु यीशु मसीह केँ धारण करू आ शरीरक इच्छा केँ पूरा करबाक लेल कोनो प्रबंध नहि करू।

2: कुलुस्सी 3:5-6 - तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा थिक। एहि सभक कारणेँ परमेश् वरक क्रोध आबि रहल अछि। एहि मे अहाँ सेहो एक बेर चलैत छलहुँ, जखन अहाँ एहि मे रहैत छलहुँ ।

नीतिवचन 20:2 राजाक भय सिंहक गर्जना जकाँ होइत अछि, जे ओकरा क्रोधित करैत अछि, से अपन प्राणक विरुद्ध पाप करैत अछि।

राजाक भय एकटा आवश्यक आ बुद्धिमान गुण अछि जकर पालन करबाक चाही ।

1. प्राधिकारीक उपस्थिति मे विस्मय के महत्व

2. राजा लोकनिक आज्ञा मानबाक बुद्धि

1. नीतिवचन 16:14-15, "बुद्धिमानक मन धर्मी लोकक बाट जकाँ अछि, भोरक इजोत जकाँ, जे पूर्ण दिन धरि बेसी सँ बेसी चमकैत अछि। दुष्टक बाट अन्हार जकाँ अछि। ओ सभ जनैत अछि।" जे ठोकर खाइत छथि ताहि पर नहि।”

2. रोमियो 13:1-7, "प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। जे सामर्थ् य अछि से परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, ओ परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि। विरोध करऽ वला सभ केँ अपना केँ दण्ड भेटतैक। ओ अहाँक भलाईक लेल परमेश् वरक सेवक छथि बुराई।एही लेल

अहाँ सभ केँ मात्र क्रोधक कारणेँ नहि, बल् कि विवेकक कारणेँ सेहो अधीन रहबाक आवश्यकता अछि।एहि लेल अहाँ सभ कर सेहो दियौक जकरा कर देबाक चाही, रीति जकरा रिवाज, डर जकरा डर, आदर जकरा आदर।"

नीतिवचन 20:3 मनुष् यक झगड़ा छोड़ब गौरवक बात अछि, मुदा सभ मूर्ख हस्तक्षेप करत।

पुरुषक लेल द्वंद्व सँ बचब इज्जतक बात थिक, मुदा मूर्ख सदिखन उपद्रव भड़काबैत रहत।

1. द्वंद्व सँ बचबाक बुद्धि

2. मूर्ख आ ओकर हस्तक्षेप करबाक तरीका

1. 1 पत्रुस 3:8-9 अंत मे, अहाँ सभक मन मे एकता, सहानुभूति, भाई-बहिनक प्रेम, कोमल हृदय आ विनम्र मन रहू। अधलाह के बदला मे अधलाह आ निन्दा के बदला मे निंदा नहि करू, बल् कि एकर विपरीत आशीर्वाद दियौक, कारण अहाँ सभ केँ एहि लेल बजाओल गेल छल, जाहि सँ अहाँ सभ आशीर्वाद पाबि सकब।

2. याकूब 3:16-17 कारण जतय ईर्ष्या आ स्वार्थी महत्वाकांक्षा रहत, ओतय अव्यवस्था आ हर नीच व्यवहार होयत। मुदा ऊपर सँ भेटय बला बुद्धि पहिने शुद्ध, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल होइत अछि |

नीतिवचन 20:4 सुस्त जाड़क कारणेँ जोत नहि करत। तेँ ओ फसल काटि मे भीख मांगत, मुदा ओकरा लग किछु नहि।”

एहि श्लोक मे आलस्यक परिणामक बात कयल गेल अछि | सुस्त लोक जाड़क कारण काज नहि करत, आ एहि तरहें फसलक मौसम मे अपन प्रयासक लेल किछु नहि देखाओत।

1. मेहनत के आशीर्वाद: लगन के फल के सराहना

2. आलस्यक खतरा: आलस्यक परिणाम बुझब

1. कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।

2. उपदेशक 9:10 - अहाँ जे किछु करब, अपन पूरा ताकत सँ करू, कारण मृतकक क्षेत्र मे, जतय अहाँ जा रहल छी, ओतय ने काज अछि आ ने योजना आ ने ज्ञान आ ने बुद्धि।

नीतिवचन 20:5 मनुष्यक हृदय मे सलाह गहींर पानि जकाँ होइत छैक। मुदा समझदार आदमी एकरा खींचत।

मनुष्यक भीतरक विचार बहुत गहींर भ' सकैत अछि, मुदा बुझला सँ ओकरा बुझल जा सकैत अछि ।

1. बुझबाक शक्ति: अपन हृदयक गहराई केँ कोना उजागर कयल जाय

2. एकटा गहींर नजरि: अपन विचारक रहस्य कोना खोलल जाय

1. नीतिवचन 16:23 - "बुद्धिमानक हृदय ओकर बात केँ विवेकपूर्ण बना दैत छैक आ ओकर ठोर मे मनाबय बलापन दैत छैक।"

2. भजन 139:23-24 - "हे परमेश् वर, हमरा खोजू आ हमर हृदय केँ जानि लिअ! हमरा परखल जाउ आ हमर विचार केँ जानि लिअ! आ देखू जे हमरा मे कोनो दुखद बाट अछि कि नहि, आ हमरा अनन्त बाट पर लऽ जाउ!"

नीतिवचन 20:6 बेसी लोक सभ अपन-अपन भलाईक प्रचार करत, मुदा विश् वासक लोक के पाबि सकैत अछि?

बहुत लोक नीक होयबाक दावा करैत छथि, मुदा विश्वासी व्यक्ति भेटब दुर्लभ अछि।
194

1. आत्म-प्रचारक दुनिया मे निष्ठा के महत्व
2. आत्म-प्रशंसा के दुनिया में निष्ठा के मूल्य को समझना
1. नीतिवचन 19:22 - "मनुष्य मे जे इच्छा होइत छैक से अछि अडिग प्रेम, आ गरीब झूठ बाजनिहार सँ नीक अछि।"
2. याकूब 1:22 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।" नीतिवचन 20:7 धर्मी अपन निष्ठा मे चलैत अछि, ओकर बाद ओकर संतान धन्य होइत अछि।
ई अंश धर्मी जीवन जीबै के महत्व पर जोर दै छै, कैन्हेंकि न्यायी आदमी के संतान धन्य होतै।
1. "धर्मी जीवन जीबाक शक्ति: पीढ़ी-दर-पीढ़ी लेल आशीर्वाद"।
2. "ईमानदारी के एक विरासत: भगवान के आशीर्वाद के संचरण"।
1. भजन 112:1-2 - "प्रभुक स्तुति करू! धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ डेराइत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत प्रसन्न होइत अछि!"
2. व्यवस्था 6:4-7 - "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई वचन सभ।" आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।’ अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ ओकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, आ बाट मे चलब, आ जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब."
नीतिवचन 20:8 न्यायक सिंहासन पर बैसल राजा अपन आँखि सँ सभ अधलाह केँ तितर-बितर करैत अछि। बुद्धिमान राजा मे अपन लोक केँ बुराई सँ बचाबय के सामर्थ्य होइत छैक।
1. धर्मी नेतृत्व के शक्ति
2. समाज मे राजाक भूमिका
1. भजन 72:2 - ओ अहाँक लोक सभक न्याय धार्मिकता सँ करताह, आ अहाँक गरीब सभक न्याय सँ।
2. नीतिवचन 16:10 - एकटा ईश्वरीय वाक्य राजाक ठोर मे अछि, ओकर मुँह न्याय मे उल्लंघन नहि करैत अछि।
नीतिवचन 20:9 के कहि सकैत अछि जे हम अपन हृदय केँ साफ कयलहुँ, हम अपन पाप सँ शुद्ध छी? पाप सँ पूर्णतः मुक्त होयबाक दावा कियो नहि क' सकैत अछि।
1. मनुष्यक त्रुटि: पाप रहित केओ किएक नहि अछि
2. विनम्रता आ अपन अपर्याप्तता केँ स्वीकार करब
1. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि
2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहै छै, भगवान घमंडी के विरोध करै छै, लेकिन विनम्र के कृपा करै छै।
नीतिवचन 20:10 गोताखोर तौल आ विविध नाप, दुनू प्रभुक लेल घृणित अछि।

दोसर के साथ व्यवहार करते समय अलग-अलग वजन आरू नाप के प्रयोग करना प्रभु के लेलऽ घृणित छै ।

1. निष्पक्षता के लेल प्रभु के मानक: नीतिवचन 20:10

2. दोसरक संग करब: निष्पक्षता आ समानताक अनिवार्यता

1. लेवीय 19:35-36 - अहाँ न्याय मे, लम्बाई वा वजन वा मात्राक नाप मे कोनो गलती नहि करू।
तोरा सभक पास उचित तराजू, उचित तौल, एक उचित एफा आ एक उचित हिन होयत।

२. संभव हो तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सबहक संग शांतिपूर्वक रहू।

नीतिवचन 20:11 बच्चा सेहो ओकर काज सँ जानल जाइत अछि जे ओकर काज शुद्ध अछि आ की ओ उचित अछि।

बच्चाक व्यवहार ओकर चरित्रक सूचक होइत छैक ।

1: हमरा सभकेँ अपन कर्म पर ध्यान देबए पड़त जेना ओ हमर चरित्रसँ गप्प करैत अछि।

2: हमर सबहक व्यवहार बहुत किछु बता सकैत अछि जे हम सब लोक के रूप में के छी।

1: याकूब 1:19-27 - जाहि मे हम सभ सीखैत छी जे हमर सभक काज हमर सभक हृदय सँ अबैत अछि।

2: मत्ती 7:15-20 - जाहि मे हम सभ झूठ भविष्यवक्ता सभ केँ ओकर फल सँ चिन्हब सीखैत छी।

नीतिवचन 20:12 सुनय बला कान आ देखय बला आँखि परमेश् वर दुनू केँ बनौलनि अछि।

प्रभु हमरा सभकेँ सुनबाक आ देखबाक दुनू क्षमता देने छथि ।

1: भगवान् हमरा सभकेँ अपन सृष्टिक सौन्दर्य सुनबाक आ देखबाक क्षमताक आशीर्वाद देने छथि।

2: भगवान् के पास ई शक्ति छै कि हम्में जे सुनै छियै आरो देखै छियै ओकरो व्याख्या करै के विवेक दै छै।

1: भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

2: मत्ती 6:33 - पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

नीतिवचन 20:13 नींद सँ प्रेम नहि करू, कहीं अहाँ गरीबी मे नहि आबि जाउ। आँखि खोलि कऽ रोटी सँ तृप्त भऽ जायब।”

जीवन मे आत्मसंतुष्ट नहि बनू, कारण एहि सँ गरीबी होयत; सतर्क रहू आ सफलता प्राप्त करबाक लेल मेहनत करू।

1: "मेहनत करू आ ओकर लाभ उठाउ"।

२: "संतुष्ट नहि बनू"।

1: कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।

2: नीतिवचन 10:4 - आलसी हाथ गरीबी बनबैत अछि, मुदा मेहनती हाथ धन-दौलत अनैत अछि।

नीतिवचन 20:14 खरीदनिहार कहैत अछि जे ई कोनो बात नहि, कोनो बात नहि, मुदा जखन ओ चलि जाइत अछि तखन ओ घमंड करैत अछि।

एहि लोकोक्तिक तात्पर्य ई अछि जे खरीददार प्रायः बेईमान, डींग मारैत अछि आ एक बेर गेलाक बाद अपन खरीददारी पर बड़ाई करैत अछि ।

1: बेईमान खरीदार नहि बनू बल्कि ओकर बदला मे अपन सब खरीदारी मे ईमानदार आ सच्चा रहू।

2: अपन सम्पत्ति पर घमंड नहि करू, बल्कि विनम्र रहू आ जे किछु अछि ताहि लेल धन्य रहू।

1: लूका 12:15 - तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “देखू! सब तरहक लोभ सँ सावधान रहू। जीवन सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक |

2: फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, किएक त’ हम जे कोनो परिस्थिति मे छी, हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी। जे हमरा मजबूत करैत छथि हुनका माध्यमे हम सभ काज क' सकैत छी।

नीतिवचन 20:15 सोना आ माणिकक भरमार अछि, मुदा ज्ञानक ठोर एकटा अनमोल गहना अछि।

ई श्लोक भौतिक सम्पत्ति सँ बेसी ज्ञान आ प्रज्ञाक महत्वक बात करैत अछि |

1. "ज्ञान के मूल्य"।

2. "बुद्धिक शक्ति"।

1. याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि।

2. नीतिवचन 4:7 - बुद्धिक शुरुआत ई अछि जे बुद्धि प्राप्त करू, आ जे किछु भेटत, अंतर्दृष्टि प्राप्त करू।

नीतिवचन 20:16 ओकर वस्त्र जे परदेशी लेल जमानत अछि, ओकरा ल’ लिअ, आ ओकरा परदेशी महिलाक लेल प्रतिज्ञा बनाउ।

नीतिवचन 20:16 लोक सभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे ओ कोनो अनजान लोक सँ प्रतिज्ञा लेबा सँ सावधान रहू।

1. "अजनबी सँ प्रतिज्ञा लैत काल सावधान रहू"।

2. "अजनबी सँ प्रण लेबाक खतरा"।

1. याकूब 1:14-15 "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि। मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

2. उपदेशक 5:4-5 "जखन अहाँ परमेश् वरक प्रति व्रत करब तखन ओकरा पूरा करबा मे देरी नहि करू। हुनका मूर्ख मे कोनो प्रसन्नता नहि छनि; अपन व्रत केँ पूरा करू। व्रत नहि करब एहि सँ नीक जे व्रत करब आ पूरा नहि करब।" ई."

नीतिवचन 20:17 धोखाक रोटी मनुक्खक लेल मीठ होइत छैक। मुदा बाद मे ओकर मुँह गिट्टी सँ भरि जायत।

छलक मिठास अल्पकालिक होइत अछि आ जल्दिये पछतावाक स्थान ल' लैत अछि ।

1. पापक मिठास अल्पकालिक होइत अछि

2. छलक कटु परिणाम

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट नहि करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करैत अछि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. इफिसियों 4:25-27 तेँ अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ झूठ बाजब छोड़ि अपन पड़ोसी सँ सत्य बात करू, कारण हम सभ एक शरीरक अंग छी। अपन क्रोध मे पाप नहि करू: क्रोध मे सूर्यास्त नहि होउ, आ शैतान केँ पैर नहि दियौक।

नीतिवचन 20:18 सभ उद्देश्य सलाह सँ स्थापित होइत अछि, आ नीक सलाह सँ युद्ध करू।

नीतिवचन 20:18 हमरा सभ केँ निर्णय लेबा सँ पहिने वा युद्ध मे लागबा सँ पहिने बुद्धिमान सलाह लेबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. नीक सलाहक शक्ति: बुद्धि सँ निर्णय कोना ली

2. शब्दक युद्ध: मूर्ख कोना दौड़ैत अछि जतय स्वर्गदूत केँ पैर रखबा सँ डर होइत छैक

1. नीतिवचन 11:14 - जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

नीतिवचन 20:19 जे किस्सा-कहानी जकाँ घुमैत अछि, से गुप्त बात सभ केँ प्रकट करैत अछि, तेँ जे अपन ठोर सँ चापलूसी करैत अछि, तकरा मे हस्तक्षेप नहि करू।

जे गपशप करैत छथि वा ठोर सँ चापलूसी करैत छथि हुनका संग संगति नहि करू।

1. गपशप के खतरा: नीतिवचन 20:19

2. चापलूसी स कोना बचल जाय: नीतिवचन 20:19

1. इफिसियों 4:29 अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।

2. लेवीय 19:16 अहाँ अपन लोकक बीच निन्दा करयवला बनि नहि घुमब आ अपन पड़ोसीक जानक विरुद्ध नहि ठाढ़ रहब, हम प्रभु छी।

नीतिवचन 20:20 जे केओ अपन पिता वा अपन माय केँ गारि दैत अछि, ओकर दीया अस्पष्ट अन्हार मे बुझाओल जायत।

अपन माता-पिता केँ गारि देला सँ अन्हार आ अस्पष्टता आबि जायत।

1. अपन माता-पिताक अनादर करबाक परिणाम।

2. अपन माता-पिता के सम्मान करबाक महत्व।

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन पिता-माँ के आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि वचन के संग।

3. कुलुस्सी 3:20-21 - बच्चा सभ, सभ बात मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई प्रभु केँ प्रसन्न करैत अछि। पिता लोकनि, अपन बच्चा सभ केँ कटु नहि करू, नहि त' ओ सभ हतोत्साहित भ' जेताह।

नीतिवचन 20:21 शुरू मे जल्दबाजी मे उत्तराधिकार भेटि सकैत अछि। मुदा ओकर अंत धन्य नहि होयत।

उत्तराधिकार जल्दी धन आनि सकैत अछि, मुदा स्थायी समृद्धिक गारंटी नहि दैत अछि ।

1: धन के अस्थायी सुख

2: स्थायी धन के आशीर्वाद

1: उपदेशक 5:10 जे चानी सँ प्रेम करैत अछि, से चानी सँ तृप्त नहि होयत। आ ने जे प्रचुरता सँ बढ़ैत-बढ़ैत प्रेम करैत अछि।

2: लूका 12:15 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष् यक जीवन ओकर प्रचुरता मे नहि होइत छैक।”

नीतिवचन 20:22 अहाँ ई नहि कहू जे हम अधलाहक बदला देब। मुदा परमेश् वरक प्रतीक्षा करू, तखन ओ अहाँ केँ उद्धार करताह।”

प्रभु न्याय केरऽ सर्वोत्तम रूप प्रदान करै छै, आरू हमरा सिनी क॑ खुद के बदला लेबै के कोशिश नै करै के चाही ।

1. "भगवान पर विश्वास के माध्यम स न्याय के खोज"।

2. "धैर्य आ भगवान पर भरोसा के शक्ति"।

1. रोमियो 12:19-21

2. याकूब 1:19-20

नीतिवचन 20:23 विविध वजन प्रभुक लेल घृणित अछि। आ झूठ संतुलन नीक नहि होइत छैक।

हमरा सब के अपन व्यवहार में धोखा नै देबाक चाही कियाक त भगवान एहन व्यवहार स घृणा करैत छथि।

1: हमरा सभ केँ अपन सभ व्यवहार मे ईमानदार रहबाक चाही, कारण भगवान् धोखा सँ घृणा करैत छथि।

2: हमरा सभ केँ अपन बात आ काज केँ सत्य आ न्याय सँ तौलबाक चाही, कारण भगवान् गोताखोर तौल आ झूठ संतुलन सँ घृणा करैत छथि।

1: यशायाह 11:3-5 - ओ जाति सभक बीच न्याय करत आ बहुतो लोक केँ डाँटत, आ ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटाईक हड़ मे, जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने करत आब युद्ध सीखैत छथि।

2: लूका 16:10 - जे छोट-छोट बात मे विश्वासी अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो विश् वास करैत अछि, आ जे छोट-छोट बात मे अन्यायी अछि से बहुत किछु मे सेहो अन्यायी अछि।

नीतिवचन 20:24 मनुष्यक यात्रा प्रभुक अछि। तखन मनुष्य अपन तरीका कोना बुझत?

नीतिवचन 20:24 मे कहल गेल अछि जे मनुक्खक डेग परमेश् वर द्वारा निर्धारित होइत अछि आ परिणामस्वरूप, मनुष्यक लेल अपन बाट केँ बुझब कठिन अछि।

1. जीवनक मार्ग: भगवानक योजना पर भरोसा करब

2. हमर व्यक्तिगत यात्रा केँ बुझब: हमरा सभक लेल भगवानक योजना

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।
199

2. याकूब 4:13-15 अहाँ सभ जे कहैत छी जे आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा कऽ एक साल ओतय बितब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब।

नीतिवचन 20:25 जे पवित्र वस्तु केँ खाइत अछि, आ पूछताछ करबाक व्रत करैत अछि, तकरा लेल ई जाल अछि।

जे पवित्र अछि ओकर लापरवाह सेवन जाल बनि सकैत अछि । प्रतिबद्धता लेबय सं पहिने वादा के ध्यान राखब जरूरी अछि.

1. लापरवाह सेवन के खतरा

2. व्रत आ प्रतिज्ञाक सम्मान करब

1. याकूब 1:14-15 - मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित होइत अछि। तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि |

2. उपदेशक 5:4-5 - जखन अहाँ परमेश्वरक प्रति व्रत करब तखन ओकरा पूरा करबा मे देरी नहि करू। मूर्ख मे ओकरा कोनो प्रसन्नता नहि छैक; अपन व्रत पूरा करू। व्रत नहि करब एहि सँ नीक जे व्रत करब आ ओकरा पूरा नहि करब।

नीतिवचन 20:26 बुद्धिमान राजा दुष्ट सभ केँ तितर-बितर करैत अछि आ ओकरा सभ पर चक्का केँ आनि दैत अछि।

बुद्धिमान राजा दुष्ट के दंडित करैत अछि आ ओकरा पर न्याय आनैत अछि |

1. न्याय के कायम रखबाक एकटा राजा के जिम्मेदारी

2. शासन करबा मे बुद्धिक आवश्यकता

1. नीतिवचन 16:12 - राजा सभक लेल अधलाह करब घृणित अछि, किएक तँ सिंहासन धर्म द्वारा स्थापित होइत अछि।

2. रोमियो 13:1-4 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो अधिकारि सभक विरोध करत, ओ परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल बातक विरोध करैत अछि, आ विरोध करयवला केँ न्यायक सामना करय पड़तैक। कारण शासक नीक आचरणक लेल आतंक नहि, बल् कि अधलाहक लेल आतंकित होइत अछि। जे अधिकार मे अछि ओकरा सँ अहाँ केँ कोनो डर नहि होयत? तखन नीक काज करू, तखन अहाँ हुनकर अनुमोदन पाबि लेब, कारण ओ अहाँक भलाईक लेल परमेश् वरक सेवक छथि। मुदा जँ अहाँ सभ अधलाह करब तँ डरू, किएक तँ ओ तलवार व्यर्थमे नहि धारण करैत अछि। किएक तँ ओ परमेश् वरक सेवक अछि, बदला लेनिहार अछि जे दुष् ट करनिहार पर परमेश् वरक क्रोध करैत अछि।

नीतिवचन 20:27 मनुष् यक आत् मा परमेश् वरक मोमबत्ती अछि, जे पेटक सभ भीतरक भाग मे जाँच करैत अछि।

मनुष्य के आत्मा प्रभु के इच्छा के प्रकट करै छै।

1: प्रभुक इच्छा मनुष्यक आत्माक माध्यमे प्रकट होइत अछि।

2: प्रभु हमरा सभक भीतरक अस्तित्वक खोज करैत छथि आ अपन इच्छा प्रकट करैत छथि।

1: भजन 139:23-24 - हे परमेश् वर, हमरा खोजू आ हमर हृदय केँ जानि लिअ, हमरा परीक्षण करू आ हमर विचार केँ जानि लिअ, आ देखू जे हमरा मे कोनो दुष्ट बाट अछि आ हमरा अनन्त बाट पर लऽ जाउ।

2: यिर्मयाह 17:10 - हम प्रभु हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन बाट आ कर्मक फलक अनुसार देब।

नीतिवचन 20:28 दया आ सत्य राजा केँ सुरक्षित रखैत अछि, आ हुनकर सिंहासन दया सँ ठाढ़ होइत अछि।

राजा के सत्ता में रहय लेल दया अनिवार्य अछि, कियाक त ओ हुनका आ हुनकर सिंहासन के सुरक्षित रखैत अछि |

1: दया के शक्ति - दया हमरा सब के कोना सत्ता में रहय में मदद क सकैत अछि आ नेतृत्व करैत रहब।

2: दया के सिंहासन - दया हमरा सब के भगवान स जुड़ल रहय आ धर्मी बनल रहय में कोना मदद क सकैत अछि।

1: इफिसियों 4:32 - "अहाँ सभ एक-दोसर पर दया करू, कोमल हृदय सँ एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना परमेश् वर मसीहक लेल अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।"

2: रोमियो 12:10 - "भाई-बहिनक प्रेम सँ एक-दोसर सँ दयालु स्नेह करू; आदर मे एक-दोसर केँ प्राथमिकता दियौक।"

नीतिवचन 20:29 युवक सभक महिमा ओकर बल होइत छैक, आ बुढ़-पुरान सभक सौन्दर्य धूसर माथ होइत छैक।

विभिन्न उम्र के अवस्था में लोक के ताकत आ सुंदरता भगवान के आशीर्वाद छै।

1: जीवन के सब चरण में भगवान के सौन्दर्य।

2: उम्र आ ताकत के जश्न मनाबय आ पोसब।

1: यशायाह 40:29-31 ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

2: याकूब 1:17 हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

नीतिवचन 20:30 घावक नील रंग अधलाह केँ साफ करैत अछि, तहिना पेटक भीतरक भाग पर पट्टीदार होइत अछि।

घाव केरऽ नीलापन बुराई क॑ साफ करी सकै छै, ठीक वैसने जइसे शारीरिक दंड भीतर सुधार लानी सकै छै ।

1. शुद्धि के शक्ति: घाव आ पट्टी कोना ठीक भ सकैत अछि

2. अनुशासनक गुण: शारीरिक दंड सकारात्मक परिवर्तन कोना आनि सकैत अछि

1. भजन 51:7 - हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, हम शुद्ध भ’ जायब, हमरा धोउ, हम बर्फ सँ उज्जर भ’ जायब।

2. इब्रानियों 12:11 - वर्तमान समयक लेल कोनो दण्ड आनन्ददायक नहि बुझाइत अछि, बल् कि दुखद बुझाइत अछि, मुदा तकर बाद ई धार्मिकताक शांतिपूर्ण फल दैत अछि जे सभ एहि द्वारा कयल जाइत अछि।

नीतिवचन अध्याय 21 जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि प्रदान करै छै, जेकरा में धर्म के महत्व, लगन के मूल्य, आरू दुष्टता के परिणाम शामिल छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एहि बात पर जोर दैत अछि जे परमेश् वर हृदयक परीक्षण करैत छथि आ हमरा सभक प्रेरणा केँ तौलैत छथि। एहि मे ई बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे धार्मिक संस्कार सँ बेसी धर्म आ न्याय भगवान् केँ प्रसन्न करयवला अछि | ई इहो रेखांकित करै छै कि जे धार्मिकता के पीछू चलै छै ओकरा जीवन मिलतै, जबकि दुष्टता के रास्ता पर चलै वाला के विनाश के सामना करना पड़तै (नीतिवचन 21:1-16)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे लगन, निर्णय लेबा मे बुद्धि, विनम्रता, आ मूर्खतापूर्ण व्यवहारक परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | एहि मे जोर देल गेल अछि जे जे अपन काज मे लगनशील छथि हुनका समृद्धि भेटतनि जखन कि जे जल्दबाजी मे वा अहंकार करैत छथि हुनका बर्बादीक सामना करय पड़तनि (नीतिवचन 21:17-31)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय एकइस मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जाहि मे धर्म पर महत्व देल गेल अछि,
लगन सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ दुष्टताक परिणामस्वरूप परिणाम।

हृदय के संबंध में दिखाई गेलऽ परीक्षा आरू भगवान द्वारा प्रेरणा के तौल के पहचान के साथ-साथ धार्मिक संस्कारऽ पर धर्म आरू न्याय पर जोर देना ।
दुष्टता के मार्ग पर चलला के परिणामस्वरूप विनाश के पहचान करते हुए धर्म के खोज के माध्यम से जीवन खोजना पर प्रकाश डालना |
व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जेना लगन, निर्णय लेबय में बुद्धि, विनम्रता आ समृद्धि के तरफ ले जाय वाला लगनशील काज पर देल गेल मूल्य के रेखांकित करब।
जल्दबाजी मे या अहंकार स काज करय वाला के सामना करय वाला बर्बादी के रेखांकित करय के संग-संग मूर्खतापूर्ण व्यवहार सं जुड़ल परिणाम के संबंध मे देखाओल गेल पहचान.
दुष्टता आरू ओकरऽ विनाशकारी परिणाम स॑ बचै के साथ-साथ लगन, बुद्धिमान निर्णय, विनम्रता के विशेषता वाला धर्मी जीवन जीबै के अंतर्दृष्टि पेश करना ।

नीतिवचन 21:1 राजाक हृदय परमेश् वरक हाथ मे अछि, जेना पानिक नदी, ओ ओकरा जतय चाहैत अछि, घुमा दैत अछि।

राजाक हृदय पर प्रभुक नियंत्रण छनि।

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि - नीतिवचन 21:1

2. भगवानक सार्वभौमत्व - प्रभुक हाथ मे राजाक हृदय

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

नीतिवचन 21:2 मनुष् यक सभ तरहक बाट अपन नजरि मे ठीक अछि, मुदा परमेश् वर हृदय पर चिंतन करैत छथि।

मनुष्यक हृदय सहजहि बुझल नहि जाइत छैक आ अंततः एकर न्याय करब प्रभु पर निर्भर करैत छैक |

1. मनुष्यक नुकायल स्वभाव: जे नहि देखि सकैत छी से बुझब

2. परमेश् वरक कृपा आ दया: हुनकर न्याय पर भरोसा करब सीखब

1. यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला आ अत्यंत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

2. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ। अहाँकेँ बुझल अछि जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचारकेँ दूरसँ बूझैत छी।

नीतिवचन 21:3 बलिदान सँ बेसी न्याय आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।

जे उचित आ न्यायसंगत अछि से करब प्रभु केँ बलि चढ़ाबय सँ बेसी नीक लगैत छनि।

1: बलिदान देबासँ बेसी जरूरी अछि परमेश् वरक इच्छा पूरा करब।

2: परमेश् वरक लेल न्याय आ धार्मिकता सभसँ बेसी जरूरी अछि।

1: मीका 6:8 "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की कहने छथि; आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि, सिवाय न्याय करबाक, दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?

2: यशायाह 1:11-17 "अहाँ सभक बलिदानक भरमार हमरा लेल की अछि? प्रभु कहैत छथि; हमरा मेढ़क होमबलि आ नीक पोसल जानवरक चर्बी पर्याप्त भ' गेल अछि; हम बैल सभक खून मे प्रसन्न नहि होइत छी।" , आकि मेमना, आकि बकरीक।जखन अहाँ सभ हमरा सोझाँ उपस्थित होबऽ अयलहुँ तँ हमर आँगनकेँ रौंदब अहाँ सभसँ के माँगने अछि, आब व्यर्थ बलिदान नहि आनब, धूप हमरा लेल घृणित अछि, अमावस्या आ विश्राम-दिन आ सभा-समारोहक आह्वान हम अधर्म आ गंभीर सभा नहि सहि सकैत छी। अहाँक अमावस्या आ अहाँक निर्धारित भोज सँ हमर आत्मा घृणा करैत अछि, ई सभ हमरा लेल बोझ बनि गेल अछि, हम ओकरा सहैत थाकि गेल छी।जखन अहाँ अपन हाथ पसारि देब तखन हम अहाँ सँ अपन नजरि नुका देब, एतय तक कि भले अहाँ सभ बहुत प्रार्थना करब, मुदा हम नहि सुनब, अहाँक हाथ खून सँ भरल अछि, अपना केँ धोउ, अपना केँ साफ करू, अपन काजक बुराई केँ हमर आँखिक सोझाँ सँ दूर करू, अधलाह करब छोड़ू।

नीतिवचन 21:4 ऊँच नजरि, घमंडी हृदय आ दुष्टक जोतब पाप अछि।

दुष्टक घमंडी मनोवृत्ति आ अहंकारी व्यवहार पाप दिस लऽ जायत।

1: घमंड पतन स पहिने जाइत अछि

2: विनम्र हृदय आशीर्वाद अछि

1: याकूब 4:6-10 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: फिलिप्पियों 2:3-8 - "स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू।"

नीतिवचन 21:5 मेहनती लोकक विचार मात्र प्रचुरता दिस बढ़ैत अछि। मुदा हर एक के जे केवल चाहत मे जल्दबाजी करैत अछि।

मेहनती के प्रचुरता के इनाम भेटैत छैक, जखन कि जल्दबाजी करय वाला के कमी के शिकार होयत।

1. प्रचुरता लगन आ धैर्यक माध्यमे होइत अछि।

2. जल्दबाजी मे अभाव होएत।

1. उपदेशक 9:10 - जे किछु अहाँक हाथ भेटय, से अपन पूरा ताकत सँ करू; कारण, जतय अहाँ जा रहल छी, ओहि चिता मे कोनो काज वा यंत्र वा ज्ञान वा बुद्धि नहि अछि।

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

नीतिवचन 21:6 झूठ बाजऽ बला जीह सँ धन-सम्पत्ति प्राप्त करब एकटा आडंबर अछि जे मृत्युक खोज करय बला सभक एम्हर-ओम्हर उछालल जाइत अछि।

छलक माध्यमे धनक खोज व्यर्थ होइत अछि आ विनाश दिस ल' जाइत अछि ।

1. असत्य साधन सँ प्राप्त धनक कोनो मोल नहि

2. धोखाक माध्यमे धनक पीछा करबाक खतरा

1. नीतिवचन 11:4 - क्रोधक दिन धनक लाभ नहि होइत छैक, मुदा धर्म मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

2. याकूब 4:13-15 - अहाँ सभ जे कहैत छी जे आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब 14 तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । 15 बल् कि अहाँ सभ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ काज करब।”

नीतिवचन 21:7 दुष्ट सभक डकैती ओकरा सभ केँ नष्ट क’ देतैक। कारण ओ सभ न्याय करबा सँ मना क' दैत छथि।

दुष्टक नाश भ' जेतै, कारण ओ सभ उचित काज करबा सँ मना क' दैत अछि।

1. सही काज करबा स मना करबाक खतरा

2. दुष्टताक परिणाम

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

नीतिवचन 21:8 मनुष्यक बाट फूहड़ आ विचित्र अछि, मुदा शुद्ध लोकक काज ठीक अछि।

मनुष्यक बाट टेढ़ आ अप्रत्याशित अछि, मुदा जे शुद्ध अछि से उचित काज करत।

1: शुद्ध रहब उचित काज करब थिक।

2: मनुष्यक व्यवहारक भविष्यवाणी कहियो नहि क' सकैत छी, मुदा भरोसा क' सकैत छी जे शुद्ध सदिखन सही काज करत।

1: मत्ती 5:8 - धन्य अछि जे शुद्ध हृदयक अछि, किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ देखत।

2: 1 पत्रुस 1:22 - चूँकि अहाँ सभ भाइ सभक प्रति निश्छल प्रेम मे आत् माक द्वारा सत्यक आज्ञा मानैत अपन आत्मा केँ शुद्ध कएने छी, तेँ एक-दोसर केँ शुद्ध हृदय सँ गंभीरता सँ प्रेम करू।

नीतिवचन 21:9 चौड़ा घर मे झगड़ा करय बला स्त्री सँ बेसी घरक चोटी पर कोनो कोन मे रहब नीक अछि।

झगड़ा करय बला पत्नीक संग असगरे रहब नीक।

1: शांतिपूर्ण घर रहबाक महत्व।

2: जीवनसाथी के संग शांति स कोना रहब।

1: इफिसियों 5:22-33: पत्नी अपन पतिक अधीन रहू आ पति अहाँक पत्नी सँ प्रेम करैत छथि।

2: 1 पत्रुस 3:7: पति सभ, अपन पत्नी सभक संग समझदार तरीका सँ रहू।

नीतिवचन 21:10 दुष्टक प्राण अधलाह चाहैत अछि, ओकर पड़ोसी ओकर नजरि मे कोनो अनुग्रह नहि पाबैत अछि।

दुष्ट अधलाहक इच्छा करैत अछि आ अपन पड़ोसी पर कोनो दया नहि करैत अछि।

1: हमरा सभ केँ दुष्टता केँ अपन हृदय मे जड़ि नहि बनय देबाक चाही आ ओकर बदला मे अपन आसपासक लोक पर दया करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे बुराईक इच्छा नहि करी, बल्कि अपन पड़ोसी पर दया आ दया करबाक प्रयास करी।

1: लूका 6:36 - "दयालु बनू, जेना तोहर पिता दयालु छथि।"

2: मत्ती 5:7 - "धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका सभ पर दया कयल जायत।"

नीतिवचन 21:11 जखन तिरस्कार करयवला केँ दंडित कयल जाइत छैक तखन सरल लोक केँ बुद्धिमान बनाओल जाइत छैक, आ जखन बुद्धिमान केँ शिक्षा देल जाइत छैक तखन ओकरा ज्ञान भेटैत छैक।

तिरस्कार करयवला के दण्ड सरल के बुद्धि दैत अछि, आ निर्देश ज्ञानी के ज्ञान दैत अछि |

1. निर्देशक बुद्धि: दंड हमरा सभ केँ कोना ज्ञानक खोज करब सिखाबैत अछि

2. लोकोक्तिक लाभ : दोसरक बुद्धिमान वचनसँ सीखब

1. नीतिवचन 19:20, "सलाह सुनू आ शिक्षा स्वीकार करू, जाहि सँ भविष्य मे अहाँ बुद्धि प्राप्त क' सकब।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 21:12 धर्मी आदमी दुष्टक घर पर बुद्धिमानी सँ विचार करैत अछि, मुदा परमेश् वर दुष्ट केँ ओकर दुष्टताक कारणेँ उखाड़ि फेकैत अछि।

धर्मी दुष्टक घर पर विचार करैत अछि, मुदा परमेश् वर दुष्ट केँ ओकर दुष्टताक कारणेँ उखाड़ि देत।

1. अन्त मे धर्मात्मा जीतत।

2. दुष्टक समृद्धि सँ धोखा नहि खाउ।

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. भजन 37:27-28 - अधलाह सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; आ अनन्त काल धरि रहू। कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि, आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि। ओ सभ सदा-सदा लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंश कटैत रहत।

नीतिवचन 21:13 जे गरीबक चीत्कार पर कान रोकैत अछि, से स्वयं कानत, मुदा सुनल नहि जायत।

एहि अंश मे गरीबक कानब सुनबाक आ जरूरतमंद लोकक मदद करबाक लेल तैयार रहबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि |

1. गरीबक देखभाल: नीतिवचन 21:13 केर पालन करबाक आह्वान

2. गरीबक पुकार पर हमर प्रतिक्रिया: नीतिवचन 21:13 के निर्देश पर ध्यान देब

1. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

2. मत्ती 25:31-46 - जखन मनुष् यक पुत्र अपन महिमा मे आओत, आ सभ पवित्र स् वर्गदूत हुनका संग आओत, तखन ओ अपन महिमाक सिंहासन पर बैसताह। सभ जाति हुनका सोझाँ जमा भ’ जेताह, आ ओ ओकरा सभ केँ एक-दोसर सँ अलग क’ देताह, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ बकरी सँ अलग करैत अछि। ओ बरद सभ केँ अपन दहिना कात राखि देत, मुदा बकरी सभ केँ बामा कात। तखन राजा अपन दहिना कात मे बैसल लोक सभ केँ कहताह, “हे हमर पिताक आशीर्वादित लोक सभ, आऊ, संसारक सृष्टि सँ अहाँ सभक लेल तैयार कयल गेल राज्यक उत्तराधिकारी बनू।”

नीतिवचन 21:14 गुप्त वरदान क्रोध केँ शान्त करैत अछि, आ कोरा मे प्रबल क्रोध केँ इनाम दैत अछि।

गुप्त उपहार क्रोधित व्यक्ति कें शांत करय मे मदद कयर सकय छै, जखन कि एकांत मे देल गेल इनाम प्रबल क्रोध कें कम करय मे मदद कयर सकय छै.

1. गुप्त दान के शक्ति: नीतिवचन 21:14 के बुद्धि के समझना

2. क्रोध स कोना निपटल जाय: गुप्त दान के फायदा

1. मत्ती 5:23-24, तेँ जँ अहाँ अपन बलि वेदी पर आनि रहल छी आ ओतय मोन राखू जे अहाँक भाय अहाँ पर किछु अछि, तँ अपन बलिदान ओतहि वेदीक आगू छोड़ि जाउ; पहिने अपन भाय सँ मेल मिलाप करू, तखन आबि कऽ अपन प्रसाद भेंट करू।

2. इफिसियों 4:26-27, क्रोधित रहू, मुदा पाप नहि करू; अपन क्रोध पर सूर्यास्त नहि होउ, आ शैतान केँ मौका नहि दियौक।

नीतिवचन 21:15 धर्मी लोकक लेल न्याय करब आनन्दक बात अछि, मुदा अधर्मक काज करयवला सभक लेल विनाश होयत।

उचित आ न्यायपूर्ण काज करबा सँ आनन्द भेटैत छैक, जखन कि गलत काज करय बला लोकक प्रतीक्षा मे विनाश होइत छैक।

1. जे उचित काज करब से आनन्द आ पूर्णता भेटैत अछि।

2. गलत काजक परिणाम गंभीर होइत अछि।

1. भजन 19:11 - "ओहि सभक द्वारा अहाँक सेवक चेताओल जाइत अछि, आ ओकरा सभक पालन करबा मे बहुत पैघ फल भेटैत अछि।"

2. रोमियो 6:23 - "किएक तँ पापक मजदूरी मृत्यु थिक; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन 21:16 जे मनुष् य बुझबाक बाट सँ भटकैत अछि, ओ मृतकक मंडली मे रहत।

आदमी के समझ से दूर भटकना ओकरा मृतक के मंडली में पहुँचाबै छै।

1. बुझबाक मार्ग: मृतकक मंडली सँ कोना बचल जाय

2. भटकबाक खतरा: भीड़क पाछाँ मृत्यु धरि नहि जाउ

1. नीतिवचन 10:17 - ओ जीवनक बाट पर अछि जे शिक्षा पर ध्यान दैत अछि, मुदा जे डाँट केँ अनसुना करैत अछि से भटकैत अछि।

206

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।
नीतिवचन 21:17 जे भोग-विलास प्रेम करैत अछि, ओ गरीब होयत, जे मदिरा आ तेल सँ प्रेम करैत अछि, से धनिक नहि होयत।
जे भोग प्रेम करैत अछि, ओ गरीब होयत; जे विलासितासँ प्रेम करैत अछि से धनिक नहि होयत।
1. प्रेमपूर्ण सुख आ विलासिताक खतरा
2. संतोष आ आत्मसंयमक लाभ
1. 1 तीमुथियुस 6:6-10
2. उपदेशक 5:10-12
नीतिवचन 21:18 दुष्ट धर्मात्माक मुक्तिदाता बनत, आ धर्मात्माक अपराधी।
दुष्ट के सजा भेटत आ धर्मी के उद्धार होयत।
1. पापपूर्ण संसार मे धर्मक महत्व
2. दुष्टताक परिणाम आ धर्मक फल
1. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत छथि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत छथि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत छथि!
2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।
नीतिवचन 21:19 विवादित आ क्रोधित महिलाक संग रहबा सँ नीक जे जंगल मे रहब।
द्वंद्व आ क्रोध उत्पन्न करय वाला के संग घर बांटय सं नीक जे असगर रहब.
1. एकांतक शांति: असगर रहबाक लाभ
2. द्वंद्व समाधान: संबंध मे मतभेदक सामंजस्य
1. उपदेशक 4:7-8 हम फेर सूर्यक नीचाँ आडंबर देखलहुँ: एकटा एहन व्यक्ति जकर दोसर नहि अछि, बेटा वा भाइ, तइयो ओकर सभ परिश्रमक अंत नहि होइत छैक, आ ओकर आँखि धन सँ कहियो तृप्त नहि होइत छैक, जाहि सँ ओ कहियो नहि पूछैत अछि जे हम ककरा लेल मेहनति क' रहल छी आ अपना केँ भोग सँ वंचित क' रहल छी? ईहो आडंबर आ दुखद कारोबार अछि।
2. नीतिवचन 17:1 झगड़ाक संग भोज-भात सँ भरल घर सँ नीक अछि जे एकटा सुखल कटाह अछि जे शांत अछि।
नीतिवचन 21:20 बुद्धिमानक निवास मे धन आ तेल अछि। मुदा मूर्ख ओकरा खर्च क’ दैत छैक।
ज्ञानी के घर में खजाना मिलै छै, जबकि मूर्ख ओकरा उड़ाबै छै।
1: "निवेश के बुद्धि: अपन संसाधन के अधिकतम उपयोग"।
2: "बेकार के मूर्खता: निवेश के बजाय मनोरंजन के चयन"।
1: लूका 12:15-21 - अमीर मूर्खक दृष्टान्त

2: मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त

नीतिवचन 21:21 जे धार्मिकता आ दयाक पाछाँ चलैत अछि, ओकरा जीवन, धार्मिकता आ आदर भेटैत छैक।

जे धर्म आ दयाक पाछाँ लागैत अछि, ओकरा जीवन, धर्म आ सम्मान भेटतैक।

1. धर्म आ दया करबाक फल

2. जीवन, धर्म, आ सम्मानक मार्ग

1. भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ विश्वासक संग मित्रता करू। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।"

2. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

नीतिवचन 21:22 बुद्धिमान आदमी पराक्रमी सभक नगर केँ स्केल करैत अछि आ ओकर विश्वासक सामर्थ्य केँ नीचाँ खसा दैत अछि।

ज्ञानी सब सशक्त शहर पर सेहो विजय प्राप्त क सकैत अछि।

1. "गढ़ जीतब: अपन जीवनक हर क्षेत्र पर अधिकार लेब"।

2. "विशाल बाधा पर काबू पाने के बुद्धि"।

1. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि गर्जैत अछि।" आ फेन आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि उठैत अछि।"

2. यशायाह 40:28-31 "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि बुझि सकैत अछि।" .ओ थकल केँ बल दैत छथि आ कमजोरक शक्ति बढ़बैत छथि, युवा सभ सेहो थाकि जाइत छथि आ थाकि जाइत छथि, नवतुरिया सभ ठोकर खाइत छथि आ खसि पड़ैत छथि, मुदा जे प्रभुक आशा रखैत छथि, हुनका सभक शक्ति नव होयत।ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त;ओ सभ दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

नीतिवचन 21:23 जे अपन मुँह आ जीह राखैत अछि, से अपन प्राण केँ विपत्ति सँ बचाबैत अछि।

अपन बात आ बाजब के नियंत्रण में रखला स परेशानी स बचल जा सकैत अछि।

1. जीभक शक्ति: हमर सभक शब्द हमर सभक जीवन पर कोना प्रभाव छोड़ैत अछि

2. भेद करब सीखब: हर परिस्थिति मे बुद्धि भेटब

1. याकूब 3:5-6 - "तहिना जीह एकटा छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लगाओल जाइत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार।" ।

2. इफिसियों 4:29 - "अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।"

नीतिवचन 21:24 घमंडी आ घमंडी तिरस्कार करयवला ओकर नाम अछि, जे घमंडी क्रोध मे काज करैत अछि।

घमंडी आ अभिमानी व्यक्ति तिरस्कार करयवला होइत अछि, जे क्रोध सँ भरल रहैत अछि ।

1. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

2. विनम्रता सर्वोत्तम गुण अछि
1. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"
2. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"
नीतिवचन 21:25 आलस्यक इच्छा ओकरा मारि दैत छैक। किएक तँ ओकर हाथ श्रम करबासँ मना कऽ दैत छैक।
आलसी लोकनि अपन इच्छा सँ मारल जाइत छथि, जेना ओ काज करबा सँ मना करैत छथि ।
1. आलस्यक खतरा: ई हमरा सभक जीवन केँ कोना नष्ट क' सकैत अछि
2. भगवानक महिमा लेल काज करब: हमरा लोकनि केँ अपन प्रतिभाक उपयोग किएक करबाक चाही
1. उपदेशक 9:10 - अहाँक हाथ जे किछु करबाक लेल भेटत, से अपन सामर्थ्य सँ करू, किएक तँ अहाँ जा रहल छी, ओहि मे कोनो काज वा विचार वा ज्ञान वा बुद्धि नहि अछि।
2. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल, मनुक्खक लेल नहि, ई जानि जे प्रभु सँ अहाँ केँ उत्तराधिकार भेटत। अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी। नीतिवचन 21:26 ओ दिन भरि लोभ मे लोभ करैत अछि, मुदा धर्मी दैत अछि आ नहि छोड़ैत अछि।
ई श्लोक लोभी आ धर्मी के अंतर के बारे में अछि | लोभी व्यक्ति के निरंतर बेसी के इच्छा आ इच्छा रहैत अछि, जखन कि धर्मात्मा उदारतापूर्वक दैत अछि आ नहि रोकैत अछि |
1. धर्मात्माक उदार हृदय
2. लोभ आ अपूर्ण हृदय
1. 2 कोरिन्थी 9:6-11
2. लूका 12:13-21
नीतिवचन 21:27 दुष्टक बलिदान घृणित अछि, जखन ओ दुष्ट मोन सँ ओकरा अनैत अछि तखन कतेक बेसी?
दुष्टक बलिदान भगवानक लेल घृणित अछि।
1. भगवान् के सामने सही हृदय के महत्व।
2. परमेश् वर लग अबैत काल अपन मंशाक परखबाक आवश्यकता।
1. भजन 51:17 हे परमेश् वर, हमर बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि। एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय जकरा अहाँ भगवान्, तिरस्कार नहि करब।
2. यशायाह 29:13 आ तेँ प्रभु कहैत छथि, ई लोक सभ कहैत अछि जे ओ सभ हमर अछि। अपन बात सँ हमरा सम्मान दैत छथि, मुदा हृदय हमरा सँ दूर अछि। आ हमरा प्रति हुनका लोकनिक पूजा किछु नहि अछि, सिवाय मानव निर्मित नियमक अतिरिक्त जे कण्ठस्थ रूपेँ सीखल गेल अछि ।
नीतिवचन 21:28 एकटा झूठ गवाह नाश भ’ जायत, मुदा जे सुनैत अछि, से नित्य बाजैत अछि।
झूठ गवाह टिकल नहि रहत, मुदा सत्य सुननिहार आदमी बजैत अछि।

1. जँ हमरा सभकेँ सुनल जाय चाहैत छी तँ सत्य सुनबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

2. सत्य बाजू आ सुनल जाउ - नीतिवचन 21:28।

1. नीतिवचन 12:17 - जे सत्य बजैत अछि से सही कहैत अछि, मुदा झूठ गवाह, छल।

2. मत्ती 15:19 - कारण हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, यौन अनैतिकता, चोरी, झूठ गवाही, निन्दा निकलैत अछि।

नीतिवचन 21:29 दुष्ट अपन मुँह कठोर करैत अछि, मुदा सोझ लोक अपन बाट देखबैत अछि।

दुष्ट आदमी बदलै सँ मना करै छै, लेकिन सोझ आदमी बुद्धिमानी के निर्णय लेतै।

1. दुष्ट आ सोझ आदमी मे अंतर।

2. सोझ व्यक्तिक लेल बुद्धिमान निर्णय लेब।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

नीतिवचन 21:30 प्रभुक विरुद्ध कोनो बुद्धि नहि अछि आ ने समझ आ ने कोनो सलाह।

कोनो बुद्धि, समझ, आ ने कोनो सलाह प्रभुक विरुद्ध ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि।

1. भगवान सर्वशक्तिमान छथि: हुनका विरुद्ध कियो ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि

2. प्रभु के समर्पण: मानवीय बुद्धि के कोनो मात्रा प्रबल नै होयत

1. यशायाह 40:28-31 "की अहाँ सभ नहि जनलहुँ? की अहाँ सभ नहि सुनलहुँ? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत छथि आ नहि थकैत छथि; हुनकर समझ अनजान अछि। ओ दैत छथि।" कमजोर लोक केँ शक्ति बढ़बैत छैक, जकरा मे सामर्थ्य नहि छैक, ओकरा लेल ओ शक्ति बढ़बैत छैक।युवक सभ बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, युवक सभ थकित भ’ क’ खसि पड़त, मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत, ओ सभ पाँखि जकाँ चढ़त गरुड़, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 46:10 "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

नीतिवचन 21:31 घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार अछि, मुदा सुरक्षा प्रभुक अछि।

घोड़ा पर नहि, सुरक्षाक लेल प्रभु पर भरोसा करबाक चाही।

1. प्रभु पर भरोसा: प्रभु के रक्षा पर भरोसा

2. सुरक्षा प्रभुक होइत छैक: घोड़ा वा कोनो आन पार्थिव सम्पत्तिक नहि

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. यशायाह 26:3-4 - "अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखू, जकर मन अहाँ पर टिकल अछि, किएक त' ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि। प्रभु पर सदिखन भरोसा करू, किएक त' परमेश् वर परमेश् वर एकटा अनन्त चट्टान छथि।"

नीतिवचन अध्याय 22 मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे नीक प्रतिष्ठा के मूल्य, अनुशासन के महत्व आ बेईमानी के परिणाम शामिल अछि।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत नीक प्रतिष्ठा आ ईमानदारी के महत्व पर जोर दैत अछि | एहि मे ई बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे धन सँ नीक नाम बेसी मूल्यवान होइत छैक आ जे विनम्र रहत आ प्रभु सँ डरैत अछि ओकरा बुद्धि आ सम्मान भेटतैक। ई इहो रेखांकित करै छै कि परमेश्वर गरीब आरू उत्पीड़ित के रक्षक छै (नीतिवचन 22:1-16)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा के संग जे अनुशासन, बुद्धिमान अभिभावकत्व, व्यापारिक व्यवहार में ईमानदारी, आ दुष्टता के परिणाम जेहन विषय के संबोधित करैत अछि | एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे अनुशासन सँ ज्ञान आ सुधार होइत छैक जखन कि बेईमानी सँ विनाश होइत छैक | ई गरम स्वभाव वाला व्यक्ति के साथ संगति के खिलाफ भी चेतावनी दै छै (नीतिवचन 22:17-29)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति बाइस अध्याय मे बुद्धिक प्रस्ताव अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जाहि मे नीक प्रतिष्ठा सँ जुड़ल मूल्य सेहो शामिल अछि,
अनुशासन पर महत्व देल गेल अछि, २.
आ बेईमानी के परिणामस्वरूप परिणाम।

एकटा नीक प्रतिष्ठा आ ईमानदारी के संबंध में देखाओल गेल महत्व के पहचान के संग संग विनम्रता पर जोर देल गेल, प्रभु के भय जे बुद्धि आ सम्मान के तरफ ल जाइत अछि |
गरीब आ उत्पीड़ित के रक्षक के रूप में भगवान के भूमिका पर प्रकाश डालैत।
अनुशासन, बुद्धिमान अभिभावकत्व, व्यापारिक व्यवहार मे ईमानदारी जेहन व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब आ संगहि अनुशासन के माध्यम स प्राप्त ज्ञान पर देल गेल मूल्य के रेखांकित करब के संग संग बेईमानी के परिणामस्वरूप विनाश के संबंध में देखाओल गेल मान्यता के सेहो।
दुष्टता स॑ जुड़लऽ परिणाम के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ पहचान के साथ-साथ गरम स्वभाव वाला व्यक्ति स॑ जुड़ै के खिलाफ सावधानी प॑ जोर देना ।
ईमानदारी कें माध्यम सं नीक प्रतिष्ठा कें खेती कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय, व्यक्तिगत विकास कें लेल अनुशासन कें अभ्यास करनाय, बेईमानी या हानिकारक व्यक्तियक सं जुड़ाव सं बचय कें साथ-साथ ईमानदार व्यवसायिक व्यवहार करनाय.

नीतिवचन 22:1 पैघ धन सँ नीक नाम चुनब नीक होइत छैक, आ चानी आ सोना सँ बेसी प्रेमपूर्ण अनुग्रह।

धनसँ नीक प्रतिष्ठा बेसी कीमती होइत छैक, आ पाइसँ प्रेम नीक।

1. नीक नामक मूल्य

2. प्रेमक शक्ति

1. नीतिवचन 22:1

2. 1 पत्रुस 3:8-12 - अंत मे, अहाँ सभक मन मे एकता, सहानुभूति, भाई-बहिनक प्रेम, कोमल हृदय आ विनम्र मोन हो। अधलाह के बदला मे अधलाह आ निन्दा के बदला मे निंदा नहि करू, बल् कि एकर विपरीत आशीर्वाद दियौक, कारण अहाँ सभ केँ एहि लेल बजाओल गेल छल, जाहि सँ अहाँ सभ आशीर्वाद पाबि सकब। कारण जे केओ जीवन प्रेम करऽ चाहैत अछि आ नीक दिन देखय चाहैत अछि, ओ अपन जीह केँ अधलाह आ ठोर केँ धोखा बाजबा सँ बचाबय। ओ अधलाह सँ मुँह घुमा कऽ नीक काज करय। ओ शान्तिक खोज करय आ ओकर पाछाँ लागय। कारण, प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि आ हुनकर कान हुनका सभक प्रार्थना पर खुजल छनि। मुदा प्रभुक मुँह अधलाह करनिहार सभक विरुद्ध अछि।

नीतिवचन 22:2 अमीर आ गरीब एक संग मिलैत अछि, ओकर सभक निर्माता प्रभु छथि।

धनिक आ गरीब प्रभुक समक्ष बराबर अछि, जे सभ केँ बनौने छथि।

211

1. हम सब भगवानक नजरि मे बराबर छी, चाहे हमर आर्थिक पृष्ठभूमि कोनो हो।

2. प्रभु परम अधिकार छथि आ ओ हमरा सभक रचना केने छथि।

1. याकूब 2:1-7 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु मे विश्वास केँ पकड़ने रहब तखन पक्षपात नहि करू। 2 जँ अहाँ सभक सभा मे सोनाक आँगुर पर सोनाक अंगूठी आ नीक कपड़ा पहिरने आदमी आबि जायत आ गंदा वस्त्र मे गरीब आदमी सेहो भीतर आबि जायत, 3 अहाँ सभ नीक वस्त्र पहिरने पर विशेष ध्यान दियौक आ कहैत छी जे, ‘एतय एक मे बैसि जाउ नीक जगह, जखन कि अहाँ गरीब केँ कहैत छी, ठाढ़ रहू, वा हमर पैरक ठेहुन लग फर्श पर बैसि जाउ, 4 की अहाँ सभ अपना मे भेद नहि कएने छी आ बुरा विचार सँ न्यायाधीश बनि गेल छी?

2. गलाती 3:28 - ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, ने पुरुष अछि आ ने स्त्री, किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।

नीतिवचन 22:3 बुद्धिमान लोक अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा सरल लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।

बुद्धिमान व्यक्ति खतरा के पूर्वानुमान लगाबैत अछि आ सावधानी बरतैत अछि, जखन कि भोला- भाला लापरवाह होइत अछि आ ओकर परिणाम भोगैत अछि ।

1. तैयार रहबाक महत्व: खतरा के पूर्वानुमान लगाबय आ बुद्धिमानी के विकल्प बनाबय के

2. दूरदर्शिता पाछूक दृष्टि सँ नीक अछि: विवेकक माध्यमे परेशानी सँ बचब

1. मत्ती 10:16 - "देखू, हम अहाँ सभ केँ भेड़ियाधसानक बीच मे भेँड़ा जकाँ पठा रहल छी, तेँ साँप जकाँ बुद्धिमान आ कबूतर जकाँ निर्दोष बनू।"

2. नीतिवचन 27:12 - "विवेकी आदमी अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक सभ आगू बढ़ि जाइत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।"

नीतिवचन 22:4 विनम्रता आ प्रभुक भय सँ धन, आदर आ जीवन भेटैत अछि।

प्रभु के प्रति विनम्रता आरू श्रद्धा स॑ धन, सम्मान आरू दीर्घायु मिलै छै ।

1. विनम्रता आ प्रभुक आदर करबाक आशीर्वाद

2. प्रभु के श्रद्धा के माध्यम से धन एवं सम्मान

1. याकूब 4:6-10

2. नीतिवचन 3:5-7

नीतिवचन 22:5 फूहड़ लोकक बाट मे काँट आ जाल अछि, जे अपन प्राण केँ राखैत अछि से ओकरा सभ सँ दूर रहत।

दुष्टक बाट खतरा सँ भरल अछि, मुदा जे अपन आत्माक रक्षा करैत अछि से सुरक्षित रहत।

1: हम अपन आत्मा के पहरा द क खतरा स बचि सकैत छी।

2: हम सब अपन आत्मा के रक्षा क पाप के परिणाम स अपना के बचा सकैत छी।

1: मत्ती 16:26 जँ मनुष् यक समस्त संसार केँ लाभान्वित करैत अछि आ अपन प्राण केँ गमा लैत अछि तँ ओकरा कोन फायदा?

2: भजन 37:37 निर्दोष आदमी केँ चिन्हू आ सोझ लोक केँ देखू। किएक तँ ओहि आदमीक शान्ति सत्ते शान्ति अछि।

नीतिवचन 22:6 बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही, आ जखन ओ बूढ़ भ’ जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।

बच्चा कें ईश्वरीय तरीका सं पालन-पोषण सं ओ वयस्क कें रूप मे ईश्वरीय जीवन जीनाय सुनिश्चित करतय.

1. बच्चा कें ओहि तरीका सं प्रशिक्षित करय कें महत्व ओकरा जेना जेबाक चाही

2. बच्चा के ईश्वरीय तरीका स कोना पालन-पोषण कयल जाय

1. इफिसियों 6:4 - पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू; बल्कि प्रभु के प्रशिक्षण आ निर्देश में हुनका सब के पालन-पोषण करू।

2. नीतिवचन 13:24 - जे कियो लाठी बख्शैत अछि से अपन बच्चा सँ घृणा करैत अछि, मुदा जे अपन बच्चा सँ प्रेम करैत अछि ओ ओकरा अनुशासित करबा मे सावधान रहैत अछि।

नीतिवचन 22:7 अमीर गरीब पर राज करैत अछि, आ उधार लेनिहार उधार देनिहारक सेवक होइत अछि।

धनिक लोकक गरीब पर सत्ता आ नियंत्रण होइत छैक, आ जे पाइ उधार लैत अछि से उधार देनिहारक गुलाम भ' जाइत छैक।

1. कर्ज के खतरा: कर्ज अहाँ के कोना गुलाम बना सकैत अछि

2. धनक शक्ति: धन दोसर पर कोना नियंत्रण दैत अछि

1. नीतिवचन 22:1 - "बड़का धन सँ नीक नाम चुनल जाय, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।"

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरी करैत अछि, बल् कि अपना लेल खजाना स्वर्ग मे जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ कतय।" चोर घुसि क' चोरी नहि करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।"

नीतिवचन 22:8 जे अधर्मक बोन करैत अछि, से व्यर्थ काटि लेत, आ ओकर क्रोधक छड़ी क्षीण भ’ जायत।

जे पाप बोएत से विनाश काटि लेत आ ओकर कर्मक परिणामक सामना करय पड़तैक।

1: पाप कहियो बेदंड नहि भ सकैत अछि।

2: जे बोबैत छी से काटि लैत छी।

1: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर मे सँ विनाश काटि लेत। मुदा जे आत् माक लेल बोनि लेत से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

नीतिवचन 22:9 जेकर आँखि प्रचुर अछि से धन्य होयत। किएक तँ ओ अपन रोटी गरीब सभ केँ दैत अछि।”

जे उदार होयत से धन्य होयत, कारण ओ जरूरतमंद केँ दान करैत अछि।

1: उदारता आशीर्वाद आ प्रेमक काज अछि।

2: जे किछु अछि ताहि मे उदार रहू, बदला मे अहाँ केँ आशीर्वाद भेटत।

1: लूका 6:38 - "दाउ, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। एकटा नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल आ दौड़ैत, अहाँ सभक गोदी मे ढारल जायत। कारण जे नाप अहाँ सभ प्रयोग करब, ताहि सँ ओ नाप कयल जायत।" अहां."

2: याकूब 1:17 - "सब नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।"

नीतिवचन 22:10 तिरस्कार करयवला केँ बाहर निकालू, तखन विवाद भ’ जायत। हँ, झगड़ा आ निन्दा समाप्त भ’ जायत।

ई श्लोक हमरा सब के याद दिलाबै छै कि कलह आरू निंदा पैदा करै वाला के हटाबै स॑ शांति आरू सौहार्द आबी सकै छै ।

1. क्षमाक शक्ति सँ कलह आ निन्दा पर विजय प्राप्त करब

2. द्वंद्वक सोझाँ विनम्रता आ धैर्यक लाभ

1. मत्ती 5:23-24 तेँ जँ अहाँ वेदी पर अपन वरदान चढ़ा रहल छी आ ओतय मोन राखू जे अहाँक भाइ वा बहिन अहाँक विरुद्ध किछु अछि, तँ अपन उपहार ओतहि वेदीक आगू छोड़ि दियौक। पहिने जाउ आ हुनका सभक संग मेल-मिलाप करू; तखन आबि अपन उपहार चढ़ाउ।

2. याकूब 1:19-20 हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

नीतिवचन 22:11 जे हृदयक शुद्धता प्रेम करैत अछि, ओकर ठोर पर कृपाक कारणेँ राजा ओकर मित्र बनत।

ई श्लोक हमरा सभ केँ हृदयक शुद्धताक पाछाँ चलबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि जाहि सँ हम सभ अपन ठोरक कृपा सँ आशीर्वादित भ' सकब आ राजाक अनुग्रह प्राप्त करी।

1. शुद्धताक खोज: शुद्ध हृदयक शक्ति

2. कृपाक आशीर्वाद: अपन वचनक माध्यमे अनुग्रह प्राप्त करब

1. मत्ती 5:8 - धन्य अछि जे शुद्ध हृदयक अछि, किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ देखत।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

नीतिवचन 22:12 परमेश् वरक नजरि ज्ञान केँ सुरक्षित रखैत अछि, आ ओ अपराधीक वचन केँ उखाड़ि फेकैत अछि।

प्रभु ज्ञान के संरक्षण करै छै आरू अपनऽ नियम के उल्लंघन करै वाला के वचन के नाश करै छै ।

1: प्रभु ज्ञान की शक्ति

2: उल्लंघन के परिणाम

1: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

नीतिवचन 22:13 आलसी आदमी कहैत अछि, “बाहर सिंह अछि, हम सड़क पर मारल जायब।”

आलसी आदमी खतरा स डरैत अछि आ आवश्यक जोखिम उठाबय स बचैत अछि।

1. भय पर विश्वास: आलस्य करबाक प्रलोभन पर काबू पाब

2. आवश्यक जोखिम लेब: भगवान पर भरोसा करब जे ओ हमरा सभक रक्षा करताह

1. मत्ती 10:28-31 - यीशुक आश्वासन जे परमेश्वर हमरा सभक रक्षा करताह जखन हम हुनका पर भरोसा करब

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - चिंतित नहि रहू बल्कि एकर बदला मे धन्यवादक संग प्रार्थना करू आ भरोसा करू जे प्रभु प्रबंध करताह।

नीतिवचन 22:14 परदेशी स्त्रीगणक मुँह गहींर गड्ढा होइत छैक, जे प्रभु सँ घृणा करैत अछि से ओहि मे खसि पड़त।

ई श्लोक भगवान केरऽ अनुग्रह नै करै वाला लोगऽ के साथ जुड़ै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1: एहन लोकक संग जुड़बाक गहींर जाल सँ सावधान रहू जिनका प्रभुक अनुग्रह नहि छनि।

2: भगवानक अनुग्रह नहि करय बला लोकक संग संबंध नहि बना क' अपन हृदय आ आत्माक रक्षा करू।

1: मत्ती 15:18-20 - "मुदा जे बात मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि, आ मनुष् य केँ अशुद्ध करैत अछि। कारण हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही निकलैत अछि।" , निन्दा: ई सभ मनुख केँ अशुद्ध करैत अछि, मुदा हाथ नहि धोओल गेल भोजन मनुष् य केँ अशुद्ध नहि करैत अछि।”

2: रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 22:15 बच्चाक हृदय मे मूर्खता बान्हल रहैत छैक। मुदा सुधारक छड़ी ओकरा ओकरासँ दूर भगा देतैक।

अनुशासनक छड़ी बच्चाक हृदयसँ मूर्खताकेँ भगा दैत अछि ।

1. परमेश् वरक अनुशासन: धार्मिकताक बाट

2. बच्चा सब के जिम्मेदारी सिखाबय के आशीर्वाद

1. नीतिवचन 13:24 - जे कियो लाठी बख्शैत अछि से अपन बेटा सँ घृणा करैत अछि, मुदा जे ओकरा सँ प्रेम करैत अछि से ओकरा अनुशासित करबाक लेल लगनशील अछि।

2. इब्रानी 12:5-11 - आ की अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटाक रूप मे संबोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ ने हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि आ जे पुत्र केँ ग्रहण करैत छथि तकरा दंडित करैत छथि। अनुशासन लेल अछि जे सहय पड़त। भगवान् अहाँ सभ केँ बेटा जकाँ व्यवहार क' रहल छथि। किएक तँ एहन कोन पुत्र अछि जकरा पिता अनुशासित नहि करैत अछि? जँ अहाँ अनुशासनहीन रहि गेल छी, जाहि मे सब भाग लेने छी, तखन अहाँ नाजायज संतान छी बेटा नहि। एकर अतिरिक्त हमरा सभक पार्थिव पिता सेहो रहल छथि जे हमरा सभकेँ अनुशासित करैत छलाह आ हम सभ हुनका सभक आदर करैत छलहुँ । की हम सभ एहि सँ बेसी आत् माक पिताक अधीन नहि रहब आ जीबैत रहब? कारण, ओ सभ हमरा सभ केँ कम समय लेल अनुशासित कयलनि जेना हुनका सभ केँ नीक लागल, मुदा ओ हमरा सभक भलाईक लेल अनुशासित करैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनकर पवित्रता मे भागि सकब। क्षण भरि लेल सभ अनुशासन सुखद नहि कष्टदायक बुझाइत अछि, मुदा बाद मे एहि सँ प्रशिक्षित लोक केँ धर्मक शांतिपूर्ण फल भेटैत छैक |

नीतिवचन 22:16 जे गरीब केँ अपन धन बढ़ेबाक लेल अत्याचार करैत अछि, आ जे धनी केँ दैत अछि, ओकर अभाव अवश्य होयत।

गरीबक अत्याचार आ धनिकक प्रति उदारता दुनू अभावक कारण बनैत अछि ।

1. लोभक खतरा

2. उदारता आ भोगक अंतर

1. नीतिवचन 21:13 - "जे गरीबक चीत्कार पर कान बंद करत, ओ स्वयं आवाज देत आ ओकर कोनो उत्तर नहि देल जायत।"

2. याकूब 2:14-17 - "हे भाइ लोकनि, जँ केओ कहैत अछि जे ओकरा विश्वास अछि, मुदा ओकर काज नहि अछि? की ओ विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि? जँ कोनो भाइ वा बहिन खराब कपड़ा पहिरने अछि आ ओकरा नित्य भोजनक अभाव अछि, तँ ओकर की फायदा? आ अहाँ सभ मे सँ एक गोटे हुनका सभ केँ कहैत छथि जे, "शांति सँ जाउ, गरम आ भरि जाउ, बिना हुनका सभ केँ शरीरक लेल आवश्यक वस्तु देने, तखन एकर कोन फायदा? तहिना विश्वास सेहो अपने आप मे, जँ ओकर काज नहि अछि त' मरि गेल अछि।"

नीतिवचन 22:17 कान झुकाउ, आ ज्ञानी लोकनिक वचन सुनू, आ अपन हृदय केँ हमर ज्ञान मे लगाउ।

ई अंश हमरा सब क॑ बुद्धिमान सलाह सुनै लेली आरू ओकरा अपनऽ जीवन म॑ लागू करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. सुनबा मे बुद्धि: ज्ञान कोना प्राप्त करी आ कोना लागू करी

2. बुद्धिमान सलाहक पालन करबाक लाभ

1. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 4:5-6 - बुद्धि प्राप्त करू; अंतर्दृष्टि प्राप्त करू; बिसरब नहि, आ हमर मुँहक बात सँ मुँह नहि घुमाउ। ओकरा नहि छोड़ू, ओ अहाँ केँ राखि लेतीह। ओकरासँ प्रेम करू, आ ओ अहाँक पहरा देत।

नीतिवचन 22:18 जँ अहाँ ओकरा सभ केँ अपन भीतर राखब तँ नीक बात होयत। ओ सभ तोहर ठोर मे फिट भ’ जायत।

ई श्लोक हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञा सभ पर चिंतन आ स्मरण करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि जाहि सँ ओ सभ सदिखन ठोर पर रहय।

1. लोकोक्ति सँ सीखब: परमेश् वरक वचन रटबाक मूल्य

2. अपन विश्वास के बाहर जीबय के: हमर जीवन में परमेश्वर के वचन बजबाक शक्ति

1. भजन 19:7-14

2. कुलुस्सी 3:16-17

नीतिवचन 22:19 जाहि सँ अहाँक भरोसा प्रभु पर रहय, हम आइ अहाँ केँ बुझा देलहुँ।

ई अंश हमरा सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक सलाह दैत अछि।

1. प्रभु पर अपन भरोसा राखू - नीतिवचन 22:19

2. परमेश् वर पर विश्वास राखू आ ओ प्रबंध करताह - नीतिवचन 22:19

1. यिर्मयाह 17:7-8 - धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जिनकर भरोसा प्रभु पर अछि। ओ पानि लग रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि, आ गर्मी आबि गेला

पर डरैत नहि अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे बेचैन नहि होइत अछि, कारण ओ फल देब नहि छोड़ैत अछि.

2. यशायाह 26:3-4 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखैत छी जकर मन अहाँ पर रहैत अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि। प्रभु पर सदाक लेल भरोसा करू, कारण प्रभु परमेश् वर एकटा अनन्त चट्टान छथि।

नीतिवचन 22:20 की हम अहाँ केँ सलाह आ ज्ञान मे उत्तम बात नहि लिखने छी।

ई अंश हमरा सिनी क॑ परमेश् वर स॑ ज्ञान आरू बुद्धि के खोज करै के महत्व सिखाबै छै ।

1. बुद्धि: भगवान् सँ ज्ञानक खोज

2. सलाह: भगवानक उत्तम वस्तु पर भरोसा करब

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

नीतिवचन 22:21 जाहि सँ हम अहाँ केँ सत्यक वचनक निश्चय केँ बुझा सकब। जाहि सँ अहाँ जे सभ अहाँ केँ पठौने छथि, तकरा सभ केँ सत् य-वचनक उत्तर दऽ सकब?

बुद्धि आ समझ प्राप्त करबाक लेल सदिखन सत्यक खोज करबाक चाही आ ओकर ईमानदारी सँ उत्तर देबाक चाही।

1. सदिखन सत्यक खोज करू आ अपन उत्तर मे ईमानदार रहू।

2. बुद्धि आ समझ सत्यक शब्द मे भेटि सकैत अछि।

1. नीतिवचन 22:21 - "जे हम अहाँ केँ सत्यक वचनक निश्चय क' सकब, जाहि सँ अहाँ अहाँ केँ पठेनिहार सभ केँ सत्यक वचनक उत्तर द' सकब?"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

नीतिवचन 22:22 गरीब केँ नहि लुटब, किएक तँ ओ गरीब अछि, आ ने दरबज्जा मे पीड़ित केँ अत्याचार करू।

गरीबक फायदा नहि उठाउ आ ने जरूरतमंद लोकक संग दुर्व्यवहार करू।

1. गरीबक प्रति धनिकक जिम्मेदारी

2. करुणा आ दयाक शक्ति

1. मत्ती 25:35-40 - किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाए लेल देलियैक, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय लेल देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।

2. याकूब 2:14-17 - हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त’ एकर की फायदा? की एहन विश्वास हुनका सभ केँ बचा सकैत अछि? मानि लिअ जे कोनो भाइ वा बहिन बिना कपड़ा आ नित्य भोजनक अभाव मे छथि । जँ अहाँ सभ मे सँ कियो ओकरा सभ केँ कहय जे, “शांति सँ जाउ।” गर्म रहू आ नीक सं भोजन कराउ, मुदा ओकर शारीरिक जरूरतक बारे मे किछु नहि करैत अछि, एकर की फायदा?

नीतिवचन 22:23 किएक तँ परमेश् वर हुनका सभक बातक पक्ष लेताह आ लूटनिहार सभक प्राण लूटि लेताह।

भगवान् जकरा पर अन्याय भेलैक ओकर रक्षा करत आ जे ओकरा संग अन्याय केलकै ओकरा सजाय देतैक।
1. भगवानक न्याय: गलत काज करयवला केँ भगवान कोना दंडित करैत छथि
2. भगवानक करुणा: भगवान उत्पीड़ितक रक्षा कोना करैत छथि
1. भजन 103:6 - परमेश् वर ओहि सभ लोकक लेल धार्मिक आ न्याय करैत छथि जे दबल अछि।
2. यशायाह 1:17 - सही काज करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।
नीतिवचन 22:24 क्रोधित आदमी सँ दोस्ती नहि करू। आक्रोशित आदमीक संग अहाँ नहि जायब।
जे सहजहि क्रोधित भ' जाइत अछि वा क्रोधक प्रकोप मे प्रवण रहैत अछि, ओकरा सँ दोस्ती करब बुद्धिमानी नहि।
1. "क्षमाक शक्ति: क्रोधित आ उग्र लोकक संग मित्रता किएक नहि बनबाक चाही"।
2. "धैर्य के लाभ: क्रोध के स्वस्थ तरीका स संभालब सीखब"।
१. जेना परमेश् वर मसीहक कारणेँ अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।”
2. याकूब 1:19-20 "तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी। किएक तँ मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि बनबैत अछि।" नीतिवचन 22:25 कहीं अहाँ ओकर बाट नहि सीखब आ अपन प्राण मे जाल नहि फँसि जायब।
ई अंश दुष्ट के रास्ता सीखै के चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई विनाश के तरफ ले जाय सकै छै।
1. "विवेकपूर्ण जीवन जीना"।
2. "बुद्धि के मार्ग"।
1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"
2. 1 कोरिन्थी 15:33 - "धोखा नहि करू। खराब संगति नीक नैतिकता केँ बर्बाद क' दैत अछि।" नीतिवचन 22:26 अहाँ हाथ मारय बला मे सँ नहि बनू आ ने कर्जक जमानत मे सँ एक नहि बनू। फकड़ा मे कर्ज पर सह-हस्ताक्षर करय या गारंटर बनय सं चेतावनी देल गेल अछि.
1. सह-हस्ताक्षर के खतरा: नीतिवचन 22:26 के चेतावनी
2. आर्थिक जिम्मेदारी के आशीर्वाद: नीतिवचन 22:26 के बुद्धि पर ध्यान देब
1. निर्गमन 22:25-27 - जँ अहाँ हमर लोक मे सँ कोनो गरीब केँ पाइ उधार देब तँ ओकरा लेल साहूकार जकाँ नहि बनब आ ओकरा सँ ब्याज नहि लेब।
2. भजन 37:21 - दुष्ट उधार लैत अछि मुदा चुका नहि दैत अछि, मुदा धर्मी उदार आ दैत अछि। नीतिवचन 22:27 जँ अहाँ लग किछु नहि अछि तँ ओ अहाँक नीचाँ सँ अहाँक बिछाओन किएक छीनि लेत? नीतिवचन 22:27 मे सलाह देल गेल अछि जे जँ ककरो पाइ नहि द' सकैत अछि त' ओकर बिछाओन नहि ल' जाउ।

1. "ऋणक परिणाम: बाइबिल की कहैत अछि?"

2. "नीतिवचन 22:27 के करुणा: जे किछु हम सब ऋणी छी से चुकाउ"।

1. लूका 14:28-30 "अहाँ सभ मे सँ के एकटा बुर्ज बनेबाक इच्छा रखैत अछि, पहिने बैसि क' एकर खर्च नहि गिनैत अछि जे ओकरा पूरा करबाक लेल पर्याप्त अछि की नहि? कहीं ओ नींव रखलाक बाद आ अछि।" एकरा पूरा नै कऽ सकलै, ओकरा देखै वाला सब ओकरा मजाक उड़ाबै लगै छै, ई कहै छै कि, “ई आदमी बनैना शुरू करी देलकै, आरो पूरा नै करी सकलै।”

2. निष्कासन 22:25-27 "जँ अहाँ हमर लोक मे सँ कोनो गरीब केँ पाइ उधार देब तँ ओकरा लेल सूदखोर नहि बनब आ ने ओकरा पर सूद देब। जँ अहाँ अपन पड़ोसीक वस्त्र लऽ लेब।" गिरवी रखबाक लेल, अहाँ ओकरा सूर्यास्त होइते ओकरा सौंप देब, कारण ओकर आवरण मात्र ओकर चमड़ाक लेल ओकर वस्त्र छैक, ओ कोन मे सुतत, आ जखन ओ हमरा चिचियाओत तखन होयत हम सुनब, कारण हम कृपालु छी।”

नीतिवचन 22:28 ओहि प्राचीन स्थल केँ नहि हटाउ, जे अहाँक पूर्वज सभ ठाढ़ केने छथि।

नीतिवचन 22:28 हमरा सभ केँ अपन पूर्वज द्वारा स्थापित सीमा आ नियमक आदर करबाक सलाह दैत अछि।

1. इतिहास आ परंपराक मूल्य

2. अपन पूर्वज के सम्मान करब

1. व्यवस्था 19:14 - अहाँ अपन पड़ोसीक ओहि स्थल केँ नहि हटाउ, जे ओ सभ पुरान समय मे अहाँक उत्तराधिकार मे राखने छलाह, जे अहाँ ओहि देश मे उत्तराधिकारी बनब जे अहाँ केँ प्रभु अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ ओहि देश पर कब्जा करबाक लेल देने छथि।

2. यहोशू 24:15 - जँ अहाँ सभ केँ प्रभुक सेवा करब अधलाह बुझाइत अछि तँ आइ अहाँ सभ केँ चुनू जकर सेवा करब। चाहे अहाँ सभक पूर्वज जलप्रलयक दोसर कात जे देवता सभ सेवा करैत छलाह, वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ रहैत छी।

नीतिवचन 22:29 की अहाँ अपन काज मे लगनशील आदमी केँ देखैत छी? राजा सभक समक्ष ठाढ़ हेताह।
ओ नीच लोकक समक्ष ठाढ़ नहि होयत।

जे लगन सँ काज करत ओकरा सफलता आ सम्मानक पुरस्कार भेटतैक।

1. लगन के मूल्य

2. मेहनत के लाभ काटब

1. कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ सभ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुष्यक लेल नहि।"

2. उपदेशक 9:10 - "जे किछु अहाँक हाथ भेटय, से अपन सामर्थ्य सँ करू, किएक तँ अहाँ जा रहल छी, ओहि मे कोनो काज वा विचार वा ज्ञान वा बुद्धि नहि अछि।"

नीतिवचन अध्याय २३ मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे आत्मसंयम के महत्व, बुद्धि के मूल्य, आ भोग आ बेईमानी के परिणाम शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भोजन आ पेय पदार्थ के बेसी मलिनता स चेतावनी स होइत अछि। ई आत्मसंयम के आवश्यकता पर जोर दै छै आरू धन के आकर्षण के बारे में चेतावनी दै छै । ई इहो रेखांकित करै छै कि सच्चा धन बुद्धि आरू समझ के खोज स॑ मिलै छै (नीतिवचन २३:१-१४)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे माता-पिताक अनुशासन, ज्ञानक खोज, खराब संगति सँ बचब, आ बेईमानी केर परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि। एहि मे बुद्धिमान सलाह सुनबाक आ माता-पिता केँ सम्मान देबाक महत्व केँ रेखांकित कयल गेल अछि। ई भी चेतावनी दै छै कि जे धोखेबाज या अनैतिक छै ओकरा साथ संगत नै करऽ (नीतिवचन २३:१५-३५)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति तेइस अध्याय मे बुद्धिक प्रस्ताव अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
सहित आत्मसंयम पर देल गेल महत्व,
बुद्धि सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ भोग-विलास आ बेईमानी के परिणामस्वरूप परिणाम।

आत्मसंयम पर जोर देबय के संग-संग भोजन आ पेय पदार्थ मे बेसी लीनता के संबंध मे देखाओल गेल सावधानी के पहचान करब.
धन के आकर्षण के बारे में चेतावनी दैत बुद्धि आ समझ के खोज के माध्यम स सच्चा धन के खोज के उजागर करब।
व्यक्तिगत कहावत के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जेना माता-पिता के अनुशासन, ज्ञान के खोज, खराब संगत स बचब जखन कि बुद्धिमान सलाह सुनला पर देल गेल मूल्य के रेखांकित करब आ संगहि बेईमानी स जुड़ल परिणाम के संबंध में देखाओल गेल मान्यता।
माता-पिता कें अनुशासन कें देल गेल महत्व कें रेखांकित करनाय, ज्ञान कें खोज करनाय, धोखेबाज या अनैतिक व्यक्तिक सं संगति सं बचनाय.
जीवन के विभिन्न क्षेत्रऽ म॑ आत्मसंयम के अभ्यास करै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना, भौतिक धन स॑ ऊपर बुद्धि के महत्व देना, हानिकारक प्रभाव स॑ बचै के साथ-साथ माता-पिता के मार्गदर्शन के सम्मान करना या बेईमान व्यवहार म॑ शामिल होना ।

नीतिवचन 23:1 जखन अहाँ कोनो शासकक संग भोजन करबाक लेल बैसब तखन अहाँक सोझाँ की अछि, ताहि पर पूरा विचार करू।

शासकक संग भोजन करबा काल अपन आसपास की भ' रहल अछि ताहि पर ध्यान राखब।

1. हमरा सब के सब परिस्थिति में ध्यान राखय पड़त, खास क जखन कोनो शासक के संग भोजन करब।

2. अधिकारक उपस्थितिक प्रति जागरूक रहू आ ओकरा सम्मान आ विनम्रता देखबाक अवसरक रूप मे उपयोग करू।

1. नीतिवचन 23:1 - "जखन अहाँ कोनो शासकक संग भोजन करबाक लेल बैसब तखन अहाँक सोझाँ की अछि ताहि पर लगन सँ विचार करू"।

2. फिलिप्पियों 2:3-4 - "स्वार्थक महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू। बल्कि, विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक, अपन हित दिस नहि बल्कि अहाँ मे सँ प्रत्येक केँ दोसरक हित दिस देखू।"

नीतिवचन 23:2 जँ अहाँ भूख मे डूबल छी तँ गला मे चाकू लगा दियौक।

नीतिवचन 23:2 ई सुझाव दैत अछि जे अपन भूख पर नियंत्रण राखब महत्वपूर्ण अछि, भोग मे बेसी लिप्त रहबाक चेतावनी दैत अछि।

1. "आत्मसंयम के शक्ति: अपन भूख में कोना महारत हासिल करी"।

2. "संतोषक मार्ग: हमरा सभ लग जे अछि ओकर सराहना करब सीखब"।

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो मे।" आ हर परिस्थिति मे, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. नीतिवचन 27:20 - "शियोल आ अबद्दोन कहियो तृप्त नहि होइत अछि, आ मनुष्यक आँखि कहियो तृप्त नहि होइत अछि।"

नीतिवचन 23:3 ओकर स्वादिष्ट भोजनक इच्छा नहि करू, कारण ओ सभ छल-प्रपंचक भोजन अछि।

भौतिक सम्पत्ति के इच्छा धोखा देबय वाला होइत अछि आ विनाश के कारण भ सकैत अछि.

1: भौतिक सम्पत्तिक धोखा देबयवला प्रकृति आ एहि सँ जे विनाश भ' सकैत अछि ताहि सँ सावधान रहू।

2: भगवान् जे सम्पत्ति अहाँ सभक लेल पहिने सँ उपलब्ध करा देने छथि ताहि सँ संतुष्ट रहू आ भौतिक सम्पत्तिक छल-प्रपंच सँ प्रलोभित नहि होउ।

1: मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2: 1 तीमुथियुस 6:6-10 मुदा संतोषक संग परमेश् वरक भक्ति बहुत लाभ अछि, किएक तँ हम सभ संसार मे किछु नहि अनलहुँ आ संसार सँ किछु नहि निकालि सकैत छी। मुदा जँ हमरा सभ लग भोजन आ वस्त्र रहत तँ एहि सभसँ हम सभ संतुष्ट रहब। मुदा जे धनिक बनबाक इच्छा रखैत छथि ओ प्रलोभन मे, जाल मे, अनेक बेमतलब आ हानिकारक इच्छा मे पड़ि जाइत छथि जे लोक केँ विनाश आ विनाश मे डूबा दैत अछि। किएक तँ पाइक प्रेम सभ तरहक अधलाहक जड़ि अछि। एही तृष्णा के माध्यम स किछु गोटे आस्था स भटकल छथि आ बहुत रास पीड़ा स अपना के बेधने छथि।

नीतिवचन 23:4 धनिक बनबाक लेल परिश्रम नहि करू, अपन बुद्धि सँ दूर रहू।

धन के लेल प्रयास नहि करू, बल्कि भगवान के बुद्धि पर भरोसा करू।

1. सभसँ बेसी धनक खोजक खतरा

2. प्रावधानक लेल भगवानक बुद्धि पर भरोसा करब

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर नहि घुसैत अछि आ ने चोरी करैत अछि। किएक तँ जतए अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

2. 1 तीमुथियुस 6:6-10 - मुदा भक्ति वास्तव मे बहुत लाभक साधन अछि जखन कि संतोषक संग होइत अछि। कारण, हम सभ संसार मे किछु नहि अनलहुँ, तेँ ओहि मे सँ सेहो किछु नहि निकालि सकैत छी। जँ हमरा सभ लग भोजन आ आवरण अछि तँ एहि सभसँ हम सभ संतुष्ट रहब। मुदा जे धनिक होबय चाहैत अछि ओ प्रलोभन आ जाल आ कतेको मूर्खतापूर्ण आ हानिकारक इच्छा मे पड़ि जाइत अछि जे मनुक्ख केँ विनाश आ विनाश मे डूबा दैत अछि | किएक तँ पाइक प्रेम सभ तरहक अधलाहक जड़ि अछि, आ किछु गोटे एकरा लेल तरसैत विश् वाससँ भटकि गेल छथि आ अनेक शोकसँ अपनाकेँ बेधि लेलनि।

नीतिवचन 23:5 की अहाँ अपन नजरि ओहि पर राखब जे नहि अछि? कारण धन-सम्पत्ति निश्चित रूप सँ अपना केँ पाँखि बनि जाइत अछि। गरुड़ जकाँ स्वर्ग दिस उड़ि जाइत छथि।

धन क्षणभंगुर होइत अछि आ जल्दीए गायब भ' सकैत अछि।

1. भगवानक निष्ठा बनाम धनक अविश्वसनीयता

2. जाहि अवस्था मे हम सब अपना केँ पाबि लैत छी ताहि मे संतुष्ट रहब सीखब

1. लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष्यक जीवन ओकर प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि क' चोरा लैत अछि, आ जतऽ चोर सभ चोरि नहि करैत अछि आ ने चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

नीतिवचन 23:6 जकरा खराब आँखि अछि ओकर रोटी नहि खाउ आ ओकर स्वादिष्ट भोजनक इच्छा नहि करू।

जेकरऽ मनोवृत्ति खराब छै या जेकरा ईर्ष्या होय छै, ओकरा स॑ भोजन नै स्वीकार करलऽ जाय, आरू ओकरऽ चढ़ै वाला भोजन लेली तरसऽ नै ।

1. परमेश् वरक प्रावधान: हमरा सभ लग पहिने सँ जे आशीर्वाद अछि ताहि लेल धन्य रहू आ सांसारिक इच्छाक प्रलोभनक विरोध करू।

2. विवेकक महत्व: हम जे निर्णय लैत छी ताहि मे बुद्धिमान रहू आ अपन पसंदक परिणाम केँ ध्यान मे राखब मोन राखू।

1. मत्ती 6:31-33 "तेँ चिन्ता नहि करू जे, हम सभ की खाएब? वा की पीब? वा की पहिरब? किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज करैत अछि, आ अहाँक स् वर्गीय पिता अहाँ सभ केँ जनैत अछि।" हुनका सभक आवश्यकता अछि।

2. रोमियो 12:2 "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 23:7 जेना ओ अपन मोन मे सोचैत अछि, तहिना ओ अहाँ सँ कहैत अछि जे खाउ-पीबू। मुदा ओकर मोन तोहर संग नहि छैक।

ओ जे सोचैत अछि से अछि; ओकर काज ओकर असली मंशा नहि देखा सकैत अछि ।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे हमर सभक काज हमर सभक विचार आ विश्वासक संग मेल खाइत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन विचारक प्रति सजग रहबाक चाही किएक तँ ओ एहि बातक सूचक अछि जे हम सभ केहेन व्यक्ति छी।

1: यिर्मयाह 17:9-10 - "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी, हम बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ ओकर मार्गक अनुसार द' दी, आ।" ओकर कर्म के फल के अनुसार।"

2: मत्ती 15:18-20 - "मुदा जे बात मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि, आ मनुष् य केँ अशुद्ध करैत अछि। कारण हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही निकलैत अछि।" , निन्दा: ई सभ मनुख केँ अशुद्ध करैत अछि, मुदा हाथ नहि धोओल गेल भोजन मनुष् य केँ अशुद्ध नहि करैत अछि।”

नीतिवचन 23:8 जे कटहर खा गेलहुँ से उल्टी कऽ देब आ अपन मधुर वचन गमा देब।

नीतिवचन 23:8 मे बेसी भोजन करय सं चेतावनी देल गेल अछि किएक त एकर परिणाम भोजन के उल्टी भ जायत आओर अपन दयालु शब्द गंवा देत.

1. आत्मसंयम के शक्ति: नीतिवचन 23:8 के पालन करब सीखब

2. संयम के आशीर्वाद: अतिरिक्त भोजन के जाल स बचब

1. इफिसियों 5:18 "आओर मदिरा मे नशा नहि करू, जाहि मे अतिशय अछि; बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।"

2. फिलिप्पियों 4:5 "अहाँ सभक संयम केँ सभ लोक केँ ज्ञात हो।"

नीतिवचन 23:9 मूर्खक कान मे नहि बाजू, किएक तँ ओ अहाँक बातक बुद्धि केँ तिरस्कार करत।

मूर्ख सँ बुद्धिक बात नहि बाजू, कारण ओ एकर कदर नहि करत।

1: हमरा सभ केँ एहि बात मे बुद्धिमान रहबाक चाही जे हम सभ ओहि लोक केँ कोना संबोधित करैत छी जे शायद हमर बुद्धि केँ नहि बुझैत छथि वा नहि कदर करैत छथि।
222

2: हमरा सभकेँ एहि बातक ध्यान राखबाक चाही जे हम सभ कोना ओहि लोकक संपर्क करैत छी जे शायद हमरा सभकेँ नहि बुझैत छथि, आ अपन शब्द सभकेँ ध्यानसँ चुनबाक चाही।

1: याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।

2: मत्ती 7:6 - जे पवित्र अछि से कुकुर सभ केँ नहि दियौक; आ ने अपन मोती सुग्गरक सोझाँ फेकि दियौक, जाहि सँ ओ ओकरा सभक पएर नीचाँ रौंदि कऽ घुमि कऽ अहाँ सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा नहि कऽ देत।

नीतिवचन 23:10 पुरान स्थलचिह्न केँ नहि हटाउ। आ पितामहक खेत मे नहि जाउ।

ई अंश संपत्ति के पुरानऽ स्थलचिह्न हटाय क॑ पिताहीन के खेत म॑ प्रवेश करै स॑ चेतावनी दै छै ।

1. पितामहक रक्षा आ भूमि सीमाक पवित्रता।

2. कानून के सम्मान के महत्व आ ओकर उल्लंघन के परिणाम।

1. यशायाह 1:17 - "नीक काज करब सीखू; न्यायक खोज करू, अत्याचार केँ सुधारू; अनाथ केँ न्याय करू, विधवाक पक्ष मे गुहार लगाउ।"

2. याकूब 2:13 - "किएक तँ जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। न्याय पर दया विजयी होइत छैक।"

नीतिवचन 23:11 कारण, हुनका सभक उद्धारकर्ता पराक्रमी छथि। ओ अहाँक समक्ष हुनका सभक पक्षक पक्ष लेताह।”

धर्मी के मुक्तिदाता पराक्रमी छै आरू ओकरा सिनी के न्याय के व्यवस्था करतै।

1: भगवान् धर्मात्माक गलती सुधारताह।

2: न्याय के लेल भगवान पर भरोसा करू।

1: भजन 103:6 प्रभु ओहि सभ लोकक लेल धर्म आ न्याय करैत छथि जे उत्पीड़ित छथि।

2: यशायाह 31:2 मुदा ओ अहाँक लेल सुरक्षाक अविराम स्रोत बनत, एकटा पराक्रमी उद्धारकर्ता होयत: अहाँ कहियो नहि पराजित होयब।

नीतिवचन 23:12 अपन हृदय केँ शिक्षा मे लगाउ आ कान केँ ज्ञानक वचन मे लगाउ।

समझ प्राप्त करने के लिये बुद्धि एवं ज्ञान का प्रयोग करे |

1: निर्देश आ बुद्धि के माध्यम स ज्ञान आ समझ के खोज करू।

2: ज्ञान प्राप्त करबाक लेल समझ आ बुद्धिक मार्ग पर चलू।

1: याकूब 1:5: "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: कुलुस्सी 3:16: "मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय, भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे कृपा सँ गबैत रहू।"

नीतिवचन 23:13 बच्चा केँ सुधारब नहि रोकू, कारण जँ अहाँ ओकरा लाठी सँ मारब तँ ओ नहि मरत।

बच्चाक कें मार्गदर्शन आ सुरक्षा कें लेल सुधार आवश्यक छै.
223

1. अनुशासन कें शक्ति: सुधार बच्चाक कें सफलता कें दिशा मे कोना मार्गदर्शन कयर सकय छै

2. प्रेमपूर्ण मार्गदर्शन: सुधारक माध्यमे करुणा कोना देखाओल जाय

1. इफिसियों 6:4 - पिता लोकनि, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।

2. इब्रानियों 12:11 - फिलहाल सब अनुशासन सुखद नहि बल्कि कष्टदायक बुझाइत अछि, मुदा बाद मे ओ धार्मिकताक शांतिपूर्ण फल दैत अछि जेकरा एहि सँ प्रशिक्षित कयल गेल अछि।

नीतिवचन 23:14 अहाँ ओकरा लाठी सँ मारब आ ओकर प्राण केँ नरक सँ मुक्त करब।

माता-पिता कें अपन बच्चाक कें विनाशकारी जीवनशैली सं बचाव कें लेल अनुशासित करबाक चाही.

1. अनुशासन कें शक्ति: माता-पिता अपन बच्चाक कें बेहतर भविष्य कें लेल कोना मार्गदर्शन कयर सकय छै

2. कहावत के मूल्य: भगवान के बुद्धि माता-पिता के अपन बच्चा के पालन-पोषण में कोना मार्गदर्शन क सकैत अछि

1. नीतिवचन 23:14

2. इफिसियों 6:4 - पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू; बल्कि प्रभु के प्रशिक्षण आ निर्देश में हुनका सब के पालन-पोषण करू।

नीतिवचन 23:15 हमर बेटा, जँ अहाँक हृदय बुद्धिमान होयत तँ हमर हृदय सेहो आनन्दित होयत।

नीतिवचन 23:15 माता-पिता केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे जखन हुनकर बच्चा बुद्धिमान होयत तखन आनन्दित होथि।

1. अभिभावकत्वक आनन्द: बुद्धिमान बच्चाक आशीर्वादक अनुभव

2. बुद्धिक मूल्य: हमरा लोकनि केँ अपन बच्चा सभ केँ बुद्धिमान बनब किएक सिखाबय पड़त

1. नीतिवचन 19:20, "सलाह सुनू आ शिक्षा स्वीकार करू, जाहि सँ भविष्य मे अहाँ बुद्धि प्राप्त क' सकब।"

2. इफिसियों 6:4, "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।"

नीतिवचन 23:16 हँ, जखन अहाँक ठोर सही बात कहत तखन हमर बागडोर आनन्दित होयत।

ई श्लोक लोक केँ धर्म आ आनन्दक वचन बजबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि |

1: धर्म आ आनन्दक वचन बाजू

2: हमर वचनक शक्ति

1: याकूब 3:5-10 - जीह शरीरक एकटा छोट अंग अछि, मुदा ई पैघ काज क’ सकैत अछि

2: कुलुस्सी 4:6 - अहाँक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहू, नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ उत्तर देबाक तरीका बुझि सकब।

नीतिवचन 23:17 अपन हृदय केँ पापी सभ सँ ईर्ष्या नहि करू, बल् कि भरि दिन परमेश् वरक भय मे रहू।

पापी सभ सँ ईर्ष्या नहि करू, बल् कि प्रभुक प्रति समर्पित रहू।

1. प्रभु पर आदरपूर्वक भरोसा करबाक महत्व।

2. सांसारिक इच्छा सँ बेसी प्रभु पर ध्यान देब।

1. यशायाह 9:7 ओकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ ओकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल। सेना के प्रभु के उत्साह एकरा पूरा करतै।

2. याकूब 4:7 तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

नीतिवचन 23:18 कारण, निश्चित रूप सँ एकर अंत अछि। आ अहाँक आशा नहि कटत।

ई श्लोक हमरा सब क॑ जीवन म॑ दृढ़ता स॑ काम करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कठिनाई के बावजूद, कैन्हेंकि अंततः हमरऽ उम्मीद नै कटतै ।

1. "कठिनाई के बीच आशा"।

2. "विपत्तिक सामना करैत दृढ़ता"।

1. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू।

2. इब्रानियों 10:35 - तेँ अपन भरोसा केँ नहि फेकि दियौक, जकर फलक बहुत पैघ फल भेटैत छैक।

नीतिवचन 23:19 हे हमर बेटा, सुनू, आ बुद्धिमान बनू, आ अपन हृदय केँ बाट मे मार्गदर्शन करू।

बुद्धिमान बनू आ धर्मी जीवन जीउ।

1: बुद्धिमान बनू आ धार्मिक जीवन जीबी।

2: बुद्धिमान बनबाक प्रयास करू आ धर्मक मार्ग पर सावधान रहू।

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2: कुलुस्सी 3:1-3 - तखन जखन अहाँ सभ मसीहक संग जीबि उठलहुँ अछि, तेँ ऊपरक बात सभ पर अपन मोन राखू, जतय मसीह परमेश् वरक दहिना कात बैसल छथि। अपन मोन पार्थिव वस्तु पर नहि, ऊपरक बात पर राखू। किएक तँ अहाँ मरि गेलहुँ, आब अहाँ सभक जीवन परमेश् वर मे मसीहक संग नुकायल अछि।

नीतिवचन 23:20 शराब पीबय वाला मे नहि रहू। उग्र मांसभक्षक मे:

शराबक अति वा पेटूपनक प्रलोभन नहि दियौक।

1: एहि संसारक भोगक इच्छा केँ दूर करू आ स्वर्गक आनन्दक खोज करू।

2: संयम कुंजी अछि - भोगक कारणेँ विनाश नहि होउ।

1: फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु सम्मानजनक अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि तऽ सोचू एहि सभ बातक विषय मे।

2: 1 कोरिन्थी 6:12 - हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा सभ किछु सहायक नहि अछि। हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा हमरा पर कोनो बातक हावी नहि होयत।

नीतिवचन 23:21 कारण, शराबी आ पेटू गरीबी मे आबि जायत, आ नींद आदमी केँ चीर-फाड़ पहिरा देत।

बाइबिल नशा आरू पेटूपन के खिलाफ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई गरीबी के तरफ ले जाय सकै छै।

1: नीतिवचन 23:21 मे नशा आ पेटूपन के खतरा।

2: नशा आ पेटूपन स बचैत अपन कर्म के जिम्मेदारी लेब।

1: 1 कोरिन्थी 6:19-20 की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँक शरीर अहाँ सभक भीतर पवित्र आत् माक मन्दिर अछि, जे अहाँ सभ परमेश् वर सँ भेटल अछि? अहाँ अपन नहि छी, किएक तँ अहाँकेँ दामसँ कीनल गेल छल। तेँ अपन शरीर मे परमेश् वरक महिमा करू।

2: फिलिप्पियों 4:5 अहाँक उचितता सभ केँ बुझल जाय। प्रभु हाथ मे छथि।

नीतिवचन 23:22 अपन पिताक बात सुनू जे अहाँ केँ जन्म देलनि, आ जखन ओ अपन माय केँ बूढ़ भ’ जायत तखन हुनका तिरस्कार नहि करू।

इ अंश बच्चाक कें अपन माता-पिता कें सम्मान आ सम्मान करएय कें लेल प्रोत्साहित करएयत छै, खासकर जखन ओ बुजुर्ग भ जायत छै.

1. "वृद्धावस्था मे माता-पिता के सम्मान"।

2. "अपन बुजुर्ग के सम्मान"।

1. इफिसियों 6:1-3 - "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता आ मायक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि, जाहि सँ अहाँ सभक नीक हो आ अहाँ जीवित रहब।" पृथ्वी पर लंबा समय तक।"

2. निर्गमन 20:12 - "अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश अहाँ केँ दैत छथि, ताहि पर अहाँक दिन लंबा रहय।"

नीतिवचन 23:23 सत्य केँ कीनू, आ बेचू नहि। बुद्धि, शिक्षा आ समझ सेहो।

सत्य, बुद्धि, निर्देश, आ समझ के बिना बेचने कीनू।

1. सत्य के मूल्य: सत्य के कोना खोजल जाय आ ओकरा कोना पकड़ल जाय

2. बुद्धि आ निर्देश: ज्ञानक खोज आ प्रयोगक लाभ

1. कुलुस्सी 2:2-3 - हमर उद्देश्य अछि जे ओ सभ हृदय मे प्रोत्साहित होथि आ प्रेम मे एकजुट भ’ जाथि, जाहि सँ हुनका सभ मे पूर्ण समझक पूरा धन होनि, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक रहस्य अर्थात मसीह केँ जानि सकथि.

2. यूहन्ना 8:32 - तखन अहाँ सभ सत् य केँ जानब, आ सत्य अहाँ सभ केँ मुक्त कऽ देत।

नीतिवचन 23:24 धर्मी के पिता बहुत आनन्दित होयत, आ जे बुद्धिमान संतान पैदा करत, ओकरा ओकरा पर आनन्दित होयत।

धर्मात्मा के पिता के अपन ज्ञानी संतान में बहुत आनन्द आ संतोष भेटतनि।

1. बुद्धिमान बच्चाक आनन्द

2. अपन संतानक धर्मक उत्सव मनाबय के

1. नीतिवचन 29:17, "अपन बेटा केँ अनुशासित करू, ओ अहाँ केँ शान्ति देत; ओ अहाँक प्राण केँ आनन्द देत।"

2. भजन 127:3, "देखू, संतान प्रभुक उत्तराधिकार अछि, गर्भक फल इनाम अछि।"

नीतिवचन 23:25 अहाँक पिता आ माय प्रसन्न हेताह आ जे अहाँ केँ जन्म देलनि से आनन्दित हेतीह।

अभिभावक के सराहना आ उत्सव मनाओल जाय।

1: अपन माता-पिता के जश्न मनाउ - नीतिवचन 23:25

2: अपन पिता आ मायक आदर करू - इफिसियों 6:2-3

1: निकासी 20:12 - अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश अहाँ केँ दैत छथि, ताहि मे अहाँक दिन लंबा रहय।

2: व्यवस्था 5:16 - अपन पिता आ मायक आदर करू, जेना अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ आज्ञा देने छथि। जाहि देश मे तोहर परमेश् वर अहाँ केँ जे देश दैत छथि, ताहि मे अहाँक दिन लंबा भ’ जाय आ अहाँ केँ नीक लागय।”

नीतिवचन 23:26 हमर बेटा, हमरा अपन हृदय दिअ, आ अहाँक आँखि हमर बाट पर नजरि राखय।

सुलेमान अपनऽ बेटा क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू ओकरऽ सलाह प॑ पूरा ध्यान दै, आरू ओकरा पूरा ध्यान आरू आज्ञाकारिता दै।

1. हमर सभक हृदय भगवानक अछि - हमर सभक पहिल प्राथमिकता अछि जे भगवान् केँ अपन हृदय देब, आ हुनकर बाट सभक पालन करब।

2. बुद्धिक मार्ग - बुद्धिमान जीब भगवान केँ अपन हृदय देब आ हुनकर बाट मानब मे भेटैत अछि।

1. मत्ती 6:21 - "जतय अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक हृदय सेहो रहत।"

2. कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।"

नीतिवचन 23:27 वेश्या गहींर खाई होइत छैक। आ पराया स्त्री एकटा संकीर्ण गड्ढा होइत अछि।

अनजान स्त्री एकटा खतरा अछि जकरा टालबाक चाही।

१: "अजनबी स्त्री के खतरा"।

२: "गहिर खाई सँ सावधान"।

1: 2 कोरिन्थी 6:14-18

2: नीतिवचन 5:3-7

नीतिवचन 23:28 ओ शिकारक समान प्रतीक्षा मे रहैत अछि, आ अपराधी केँ मनुष् य मे बढ़बैत अछि।

ई अंश बुराई के तरफ लुभाबै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि एकरा स॑ गलत काम बढ़ी सकै छै ।

1. अपन हृदयक रक्षा करू: प्रलोभन सँ भगवानक रक्षा पर भरोसा करू

2. पाप के परिणाम: प्रलोभन के जाल से बचना

1. इफिसियों 4:14-15 - "बल् कि प्रेम मे सत् य बजैत छी, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ ओहि मे बढ़बाक चाही जे माथ छथि, मसीह मे, जिनका सँ समस्त शरीर, एक-एकटा जोड़ सँ जुड़ल आ पकड़ल गेल अछि।" जेकरा ई सुसज्जित छै, जबेॅ हर अंग ठीक सें काम करी रहलऽ छै, तबेॅ शरीर केॅ बढ़ी जाय छै, जेकरा सें वू प्रेम में खुद के निर्माण करी लै छै।

2. याकूब 1:13-15 - जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी; कारण, परमेश् वर अधलाहक प्रलोभन नहि कऽ सकैत छथि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत छथि। मुदा प्रत्येक के प्रलोभन तखन होइत छैक जखन ओ अपन-अपन वासना सँ बहकि जाइत अछि आ लोभित भ' जाइत अछि। तखन जखन काम-वासना गर्भवती भ' जाइत छैक तखन ओ पापक जन्म दैत छैक। आ जखन पाप पूरा भ' जाइत छैक तखन ओ मृत्युक जन्म दैत छैक।

नीतिवचन 23:29 केकरा दुःख छैक? केकरा दुख छैक? केकरा विवाद होइत छैक? केकरा बकबक अछि? केकरा बेकार घाव छै? केकरा आँखि मे लाली होइत छैक?

जिनकर शराबक संग अस्वस्थ संबंध छनि।

1: शराबक लत के खिलाफ लड़ाई में मदद के लेल भगवान के तरफ मुड़ू।

2: शराबक परिणामसँ उबरबाक लेल भगवानक शक्तिक प्रयोग करू।

1: 1 पत्रुस 5:7 - "अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत छथि"।

2: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि"।

नीतिवचन 23:30 जे मदिरा पीबय मे बेसी काल तक टिकैत अछि। जे मिश्रित मदिरा ताकय जाइत अछि।

नीतिवचन 23:30 मे शराब मे बेसी मस्त रहबाक खतरा के बारे मे चेतावनी देल गेल अछि।

1. शराबक खतरा: अतिशय संस्कृति मे संयम भेटब

2. छोड़ू आ भगवान केँ छोड़ू: शराब एकर उत्तर किएक नहि अछि

1. इफिसियों 5:18 - "आओर मदिरा मे नशा नहि करू, कारण ओ व्यभिचार अछि, बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।"

2. नीतिवचन 20:1 - "मदिरा उपहास करयवला अछि, मद्यपान झगड़ा करय बला अछि, आ जे कियो एहि सँ भटकल अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।"

नीतिवचन 23:31 अहाँ मदिरा केँ नहि देखू जखन ओ लाल भ’ जाइत अछि, जखन ओ प्याला मे अपन रंग दैत अछि, जखन ओ अपना केँ ठीक-ठाक चलैत अछि।

मदिराक लोभ मे प्रलोभन मे नहि पड़ू।

1: शराब पीबाक खतरा

2: आत्मसंयम के शक्ति

1: गलाती 5:16-26 - आत्माक अनुसार चलब आ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करब

2: 1 कोरिन्थी 6:12 - अपन शरीर केँ परमेश् वरक लेल जीवित बलिदानक रूप मे उपयोग करू

नीतिवचन 23:32 अंत मे ओ साँप जकाँ काटि लैत अछि आ साँप जकाँ डंक मारैत अछि।

अंत मे कोनो खराब निर्णय या पाप ओतबे कष्टदायक भ सकैत अछि जतेक साँप के काटला पर।

1: जे छोट पाप बुझाइत अछि ओकर निर्णय लेबा मे देरी नहि करू एकर बहुत पैघ परिणाम भ सकैत अछि।

2: अहाँ जे चुनाव करब ताहि पर सतर्क आ ध्यान राखू, कारण ओकरा गंभीर डंक भ' सकैत अछि।

1: याकूब 1:14-15, मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित भ’ जाइत अछि। तखन इच्छाक गर्भधारणक बाद पापक जन्म होइत छैक; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

2: रोमियो 6:23, पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

नीतिवचन 23:33 अहाँक आँखि परदेशी स्त्रीगण केँ देखत, आ अहाँक हृदय विकृत बात बाजत।

अहाँ परदेशी स्त्रीगणक प्रलोभन मे पड़ब आ अस्वादक विचार करब।

1: विदेशी स्त्रीगणक प्रलोभन सँ सावधान रहू आ विकृत विचार सँ अपन हृदयक रक्षा करू।

2: प्रलोभन के शक्ति के प्रति सजग रहू आ शुद्ध हृदय के लेल प्रयास करू।

1: नीतिवचन 4:23 - सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, कारण अहाँक सभ काज ओहि सँ बहैत अछि।

2: मत्ती 5:27-28 - अहाँ सुनने छी जे कहल गेल छल जे, “अहाँ व्यभिचार नहि करू।” मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जे कियो स्त्री केँ कामुकता सँ तकैत अछि, ओ पहिने सँ हृदय मे ओकरा संग व्यभिचार क' चुकल अछि।

नीतिवचन 23:34 हँ, अहाँ समुद्रक बीच मे पड़ल लोक जकाँ बनब आ मस्तूलक चोटी पर पड़ल लोक जकाँ बनब।

नीतिवचन 23:34 सावधानी बरतय लेल प्रोत्साहित करैत अछि आओर एहन जोखिम उठाबय सं चेतावनी दैत अछि जे विपत्ति के कारण भ सकैत अछि.

1. बुद्धिमान रहू आ सावधान रहू

2. जोखिम उठाबय के खतरा

1. यशायाह 1:18-20 - आब आबि कऽ एक संग विचार-विमर्श करी, परमेश् वर कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै। जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन खाएब, मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ भस्म भऽ जायब।

2. भजन 91:11-12 - किएक तँ ओ अपन स् वर्गदूत सभ केँ अहाँक सभ बाट मे अहाँक रखबाक आज्ञा देत। ओ सभ अहाँ केँ अपन हाथ मे उठा लेत, जाहि सँ अहाँ अपन पैर पाथर पर नहि ठोकि देब।

नीतिवचन 23:35 अहाँ कहब जे ओ सभ हमरा मारि देलक, आ हम बीमार नहि छलहुँ। ओ सभ हमरा मारि देने अछि, आ हमरा ई नहि लागल: हम कहिया जागब? हम एखन धरि एकर खोज करब।

दुर्व्यवहार कें परिणाम ता धरि अनदेखा भ सकएयत छै, जखन तइक बहुत देर नहि भ जायत छै.

1: लचीलापन के शक्ति - प्रतिकूलता के सामना में कोना मजबूती स ठाढ़ होयब।

2: आत्म-जागरूकताक महत्व - जखन कोनो बात गलत अछि तखन चिन्हब आ मददि लेब।

1: यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2: इफिसियों 6:10-11 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

नीतिवचन अध्याय 24 मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे बुद्धि के महत्व, लगन के मूल्य आ दुष्टता के परिणाम शामिल अछि।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत बुद्धि आ समझ के महत्व पर जोर दैत अछि | एहि मे ई रेखांकित कयल गेल अछि जे बुद्धिक माध्यमे घर बनैत अछि आ स्थापित होइत अछि । ई सफल जीवन जीबै के लेलऽ ज्ञान के महत्व के भी रेखांकित करै छै (नीतिवचन २४:१-१४)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे बुद्धिमान सलाह, नेतृत्व मे ईमानदारी, दुश्मन स निपटब, आ आलस्य आ दुष्टता क परिणाम जेहन विषय कए संबोधित करैत अछि। ई बुद्धिमान सलाह लेबै के मूल्य पर जोर दै छै आरू दोसरऽ के पतन पर आनन्दित होय के चेतावनी दै छै । ई भी रेखांकित करै छै कि आलस गरीबी के तरफ ले जाय छै जबकि दुष्टता के गंभीर परिणाम होय छै (नीतिवचन 24:15-34)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय चौबीस मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जाहि मे बुद्धि पर देल गेल महत्व,
लगन सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ दुष्टताक परिणामस्वरूप परिणाम।

बुद्धि आरू समझ के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ महत्व क॑ पहचानै के साथ-साथ घर के निर्माण आरू स्थापना म॑ हुनकऽ भूमिका प॑ जोर देना ।
सफल जीवन जीबाक लेल ज्ञान के देल गेल महत्व के उजागर करब।
व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स॑ विभिन्न विषयऽ क॑ संबोधित करना जेना कि बुद्धिमान सलाह लेना, नेतृत्व म॑ ईमानदारी, दुश्मनऽ स॑ निपटना जबकि दोसरऽ के पतन प॑ हर्षित होय स॑ सावधानी के साथ-साथ बुद्धिमान सलाह लेबै प॑ देलऽ जाय वाला मूल्य क॑ रेखांकित करना । आलस्य के परिणामस्वरूप गरीबी के संबंध में दिखाया पहचान के रेखांकित करना के साथ-साथ दुष्टता स॑ जुड़लऽ गंभीर परिणाम भी ।
जीवन में ठोस नींव स्थापित करै लेली बुद्धि आरू समझ के मूल्यांकन के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करना, आलस्य स॑ बचै के साथ-साथ लगनशील कार्य नैतिकता के पालन करना या दुष्ट व्यवहार में संलग्न रहना ।

नीतिवचन 24:1 अहाँ दुष्ट लोकक प्रति ईर्ष्या नहि करू, आ हुनका सभक संग रहबाक इच्छा नहि करू।

जे अधलाह काज करैत अछि आ ओकर संगति नहि चाहैत अछि, ओकरा सँ ईर्ष्या नहि करू।

1. ईर्ष्या आ पापपूर्ण कंपनी के खोज के खतरा

2. अपन साथी के बुद्धिमानी स चुनब

1. याकूब 4:4-5 - "हे व्यभिचारी आ व्यभिचारी, अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे संसारक मित्रता परमेश् वरक संग वैरभाव थिक? तेँ जे संसारक मित्र बनय चाहैत छथि, ओ परमेश् वरक शत्रु छथि। की अहाँ सभ ई बुझैत छी जे धर्मशास्त्र मे लिखल अछि।" व्यर्थ कहैत अछि, “हमरा सभ मे जे आत्मा अछि, से ईर्ष्या करबाक इच्छा रखैत अछि?”

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

नीतिवचन 24:2 किएक तँ ओकर सभक हृदय विनाशक अध्ययन करैत अछि आ ओकर ठोर दुष् टताक गप्प करैत अछि।

ई श्लोक बुराई करै के साजिश करै वाला आरू दुर्भावनापूर्ण बात करै वाला के खिलाफ चेतावनी छै ।

1. धोखा के खतरा: सही आ गलत के कोना भेद कयल जाय

2. बजब जीवन: प्रोत्साहनक शक्ति

1. भजन 34:13-14 - अपन जीह केँ बुराई सँ आ अपन ठोर केँ धोखा बाजबा सँ बचाउ। अधलाह सँ मुँह मोड़ू आ नीक काज करू। शांति खोजू आ ओकर पाछाँ लागू।

2. याकूब 3:6-8 - आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल जाइत अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, जीवनक पूरा मार्ग मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि | कारण हर तरहक जानवर आ चिड़ै, सरीसृप आ समुद्री जीवक वश मे कयल जा सकैत अछि आ मनुष्य द्वारा वश मे कयल गेल अछि, मुदा कोनो मनुक्ख जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि ।
ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै ।

नीतिवचन 24:3 बुद्धिक द्वारा घर बनैत अछि। आ बुझला सँ ई स्थापित भ' जाइत अछि:

घर बनेबा मे बुद्धि आ समझदारी चाही।

1. "बुद्धि आ समझक आधार स्थापित करब"।

2. "घर निर्माण मे ज्ञानक शक्ति"।

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. कुलुस्सी 3:16 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभुक लेल अपन हृदय मे अनुग्रह सँ गबैत रहू।"

नीतिवचन 24:4 ज्ञानक द्वारा कोठली सभ अनमोल आ सुखद धन सँ भरल रहत।

ज्ञान एकटा बहुमूल्य संपत्ति अछि जे ओकरा रखनिहार के धन आनि देत।

1. ज्ञानक शक्ति: अनमोल धनक ताला कोना खोलल जाय

2. लोकोक्तिक बुद्धि: ज्ञानक लाभ काटब

1. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

नीतिवचन 24:5 बुद्धिमान आदमी बलवान होइत अछि। हँ, ज्ञानक लोक बल बढ़बैत अछि।

ज्ञानी बलवान होइत अछि आ ज्ञान सँ बल बढ़ैत अछि ।

1. बुद्धिक बल - ज्ञान रहला सँ हमरा सभक शक्ति आ भगवानक सेवा करबाक क्षमता कोना बढ़ैत अछि।

2. ज्ञानक शक्ति - बुद्धि आ समझ प्राप्त करबा सँ हमरा सभक विश्वास मे कोना बेसी ताकत भेटैत अछि।

1. इफिसियों 6:10-13 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन ठाढ़ भ’ सकब।

231

2. नीतिवचन 3:13-15 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।

नीतिवचन 24:6 किएक तँ अहाँ बुद्धिमानी सँ अपन युद्ध करब।

बुद्धि सब प्रयास में सफलता के तरफ ले जाय छै, आरो बहुतो के सलाह लेबै से सुरक्षा मिलै छै।

1. बुद्धिक शक्ति: सर्वोत्तम परिणाम कोना प्राप्त कयल जाय

2. अनेक परामर्शदाताक आशीर्वाद: मार्गदर्शन लेबाक सुरक्षा

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।” पुनः जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहत तखन ओकरा सभ मे गर्मी छैक, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि? जँ केओ असगरे लोक पर विजय प्राप्त कऽ सकैत अछि, मुदा दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

नीतिवचन 24:7 मूर्खक लेल बुद्धि बहुत ऊँच अछि, ओ फाटक मे अपन मुँह नहि खोलैत अछि।

बुद्धि एकटा एहन गुण अछि जकरा हल्का मे नहि लेबाक चाही, आ मूर्ख मे ओकरा बुझबाक क्षमताक अभाव होइत छैक ।

1: हमरा सभकेँ बुद्धिमान बनबाक प्रयास करबाक चाही, कारण बुद्धि बहुत रास दरबज्जाक ताला खोलबाक कुंजी अछि।

2: हमरा सभ केँ अपना केँ कहियो बेसी बुद्धिमान नहि बुझबाक चाही, कारण भगवानक सहायताक बिना कियो बुद्धिमान नहि भ' सकैत अछि।

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

नीतिवचन 24:8 जे अधलाह करबाक योजना बनबैत अछि, ओकरा दुष्ट कहल जायत।

बुराई केला स शरारती व्यक्ति के लेबल लागि जायत।

1. अधलाह काज सँ परहेज करू आ एहि संसार मे प्रकाशक दीपक बनू।

2. नीक काज करला सँ भगवानक महिमा आ अपना केँ सम्मान भेटत।

1. गलाती 6:7-9 (धोखा नहि करू; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि।

2. मत्ती 5:13-16 (अहाँ सभ पृथ् वीक नून छी, मुदा जँ नूनक सुगंध खतम भऽ गेल अछि तँ ओकरा कोन तरहेँ नून कएल जाएत? आब ई किछुओ नीक नहि अछि, सिवाय बाहर फेकि देल जाय आ ओकरा नीचाँ दबा देल जाय पुरुषक पैर।)

नीतिवचन 24:9 मूर्खताक विचार पाप अछि, आ तिरस्कार करयवला मनुष्यक लेल घृणित अछि।

ई श्लोक हमरा सिनी क॑ सिखाबै छै कि मूर्खतापूर्ण विचार पाप छै आरू दोसरऽ के तिरस्कार करना घृणित छै ।

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 3:8-11 - "[illegible]

2. [illegible] 12:14-18 - "[illegible]

[illegible] 24:10 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 5:3-5 - [illegible]

2. [illegible] 1:2-3 - [illegible]

[illegible] 24:11 [illegible]

[illegible]

1 - [illegible]

[illegible]

1 - [illegible] 22:21-24 - "[illegible]

2 - [illegible] 1:17 - "[illegible]

[illegible] 24:12 [illegible]

भगवान् हमरा सभक हृदयक रहस्य केँ जनैत छथि आ प्रत्येक व्यक्ति केँ ओकर काजक अनुसार प्रतिफल देताह।

1. भगवान् के सर्वज्ञता: हमर हृदय के जानब

2. भगवानक न्याय: हमर काजक अनुसार प्रस्तुत करब

1. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ!

2. प्रकाशितवाक्य 20:11-15 - तखन हम एकटा पैघ उज्जर सिंहासन आ ओहि पर बैसल लोक केँ देखलहुँ।

नीतिवचन 24:13 हमर बेटा, अहाँ मधु खाउ, कारण ओ नीक अछि। आ मधुक छत्ता जे तोहर स्वाद मे मीठ अछि।

मधु खाउ, कारण ई अहाँक लेल नीक अछि।

1: आत्मा के लेल मिठास भगवान के वचन के मिठास स अपन आध्यात्मिक जीवन के पोषण के महत्व

2: संतोषक मिठास भगवान जे किछु दैत छथि ताहि सँ संतुष्ट रहब सीखब चाहे ओ कतबो मीठ वा कटु किएक नहि हो

1: भजन 119:103 - अहाँक वचन हमर रुचि लेल कतेक मधुर अछि! हँ, हमर मुँह मे मधु सँ बेसी मीठ!

2: मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब आ की पीब, ताहि पर कोनो चिन्ता नहि करू। आ ने एखन धरि अपन शरीरक लेल जे पहिरब। की जीवन मांस सँ बेसी आ शरीर वस्त्र सँ बेसी नहि?

नीतिवचन 24:14 बुद्धिक ज्ञान अहाँक प्राणक लेल तहिना होयत, जखन अहाँ ओकरा पाबि लेब तखन फल भेटत आ अहाँक आशा नहि कटत।

बुद्धि के ज्ञान स फल आ पूर्ति भेटैत अछि।

1: बुद्धि आ ज्ञानक खोज करू आ अहाँक फल भेटत।

2: बुद्धि आ ज्ञानक खोज करयवला केँ भगवान् पुरस्कृत करैत छथि।

1: याकूब 1:5-6 "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

2: नीतिवचन 2:1-5 "हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करैत छी आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग राखि दैत छी, अपन कान केँ बुद्धि दिस बढ़बैत छी आ अपन मोन केँ बुझबाक दिस झुकाबैत छी; बुझबाक लेल जँ चानी जकाँ ओकरा खोजब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब तँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।”

नीतिवचन 24:15 हे दुष्ट लोक, धर्मी लोकक निवासक विरुद्ध प्रतीक्षा नहि करू। ओकर विश्राम स्थल नहि लूटब।

धर्मी लोकक विरुद्ध साजिश नहि करू। हुनका लोकनिक शांति नहि भंग करू।

1. धर्मी: आशीर्वाद वा अभिशाप?

2. धर्मी के भगवान के रक्षा के शक्ति।

1. यशायाह 54:17, "अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत, आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि," कहैत अछि भगवान्.

2. भजन 91:1-2, "जे परमात्माक गुप्त स्थान मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, 'ओ हमर शरण आ हमर किला छथि; हमर परमेश् वर, मे हुनका पर हम भरोसा करब।'"

नीतिवचन 24:16 किएक तँ धर्मी आदमी सात बेर खसि पड़ैत अछि आ जीबि उठैत अछि, मुदा दुष्ट बदमाश मे खसि पड़त।

न्यायी व्यक्ति ठोकर खा सकैत अछि आ तइयो फेर सँ उठि सकैत अछि, मुदा दुष्ट केँ अंततः अपन काजक परिणामक सामना करय पड़तैक।

1. लचीलापनक शक्ति: न्यायी आदमी जे फेर खसैत अछि आ उठैत अछि

2. दुष्टताक परिणाम: शरारतक मार्ग

1. भजन 37:23-24 - नीक आदमीक डेग प्रभु द्वारा क्रमबद्ध होइत छैक, आ ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि। जँ ओ खसि पड़त तँ ओ एकदम नीचाँ नहि फेकल जायत, किएक तँ प्रभु ओकरा हाथ सँ सहारा दैत छथि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

नीतिवचन 24:17 जखन अहाँक शत्रु खसि पड़त तखन आनन्दित नहि होउ, आ जखन ओ ठोकर खाइत अछि तखन अहाँक मोन प्रसन्न नहि होउ।

अपन शत्रु सभक पतन मे आनन्दित नहि होउ।

1. क्षमाक शक्ति: प्रतिकूलताक सामना करैत आनन्द भेटब

2. दोसर गाल घुमाबय के आशीर्वाद: अपन दुश्मन के आशीर्वाद आ गारि नहि देब

1. मत्ती 5:43 45 - अहाँ सुनने छी जे कहल गेल छल जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू आ अपन शत्रु सँ घृणा करू। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे रहनिहार पिताक पुत्र बनि सकब।

२. संभव हो तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सबहक संग शांतिपूर्वक रहू। प्रियतम, अहाँ सभ कहियो बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँक दुश्मन भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक। किएक तँ एना कऽ अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब। अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ अधलाह पर विजय प्राप्त करू।

नीतिवचन 24:18 कहीं परमेश् वर ई देखि कऽ ओकरा नाराज नहि करथि आ ओ अपन क्रोध ओकरा सँ दूर नहि करथि।

प्रभु हमरा सभक कर्म सँ नाराज भ' सकैत छथि, आ जँ हम सभ किछु गलत करब त' ओ अपन क्रोध केँ मोड़ि सकैत छथि।

1. प्रभु के क्रोध के शक्ति: हुनकर अप्रियता स कोना बचल जा सकैत अछि

2. धर्म आ पवित्रता मे रहब: परमेश् वरक अनुग्रह मे रहब

1. नीतिवचन 15:29 - "प्रभु दुष्ट सँ दूर छथि, मुदा धर्मी सभक प्रार्थना सुनैत छथि।"

235

2. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी करू, बाजबा मे देरी करू, क्रोध मे मंद रहू, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।"

नीतिवचन 24:19 दुष्ट लोकक कारणेँ अपना केँ चिंतित नहि होउ आ दुष्ट सँ ईर्ष्या नहि करू।

अधलाह लोक वा बात केँ अहाँ केँ परेशान नहि करय दियौक, आ दुष्ट सँ ईर्ष्या नहि करू।

1. दुनियाँक दुष्टता अहाँकेँ नीचाँ नहि घसीटय दियौक।

2. दुष्टसँ ईर्ष्या नहि करू, नीकक उदाहरण बनू।

1. भजन 37:1 दुष्टक कारणेँ अपना केँ चिंतित नहि होउ, आ अधर्म करनिहार सँ ईर्ष्या नहि करू।

2. 1 यूहन्ना 3:17-18 मुदा जे केओ एहि संसारक भलाई रखैत अछि, आ अपन भाय केँ जरूरतमंद देखैत अछि, आ ओकरा सँ दयाक आंत बंद क’ दैत अछि, ओकरा मे परमेश् वरक प्रेम कोना रहैत अछि? हमर छोट-छोट बच्चा सभ, हम सभ बात मे प्रेम नहि करी आ ने जीह मे। मुदा कर्म आ सत्य मे।

नीतिवचन 24:20 किएक तँ दुष्ट केँ कोनो इनाम नहि भेटतैक। दुष्टक मोमबत्ती बुझाओल जायत।

अधलाह काज करनिहार केँ कोनो इनाम नहि भेटतैक। दुष्ट केँ अन्हारक सामना करय पड़तैक।

1. पापक परिणाम: दुष्टक इजोत बुझि जायत

2. धर्मी जीवन: उचित काज करबाक फल काटि लेब

1. रोमियो 6:23 पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. भजन 37:23-24 मनुष्यक डेग प्रभु द्वारा स्थापित कयल जाइत अछि, जखन ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि। जँ खसि पड़तैक, मुदा ओकरा माथ नहि फेकल जायत, किएक तँ प्रभु ओकर हाथ ठाढ़ करैत छथि।

नीतिवचन 24:21 हमर बेटा, अहाँ प्रभु आ राजा सँ डेराउ।

भगवान् सँ डेराउ आ राजाक आज्ञा मानू। जे अविश्वसनीय छथि हुनका संग संगति नहि करू।

1: भगवान आ अपन नेता सभक प्रति वफादार रहू

2: अविश्वसनीय लोक पर भरोसा नहि करू

1: नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2: उपदेशक 4:9-10 "एक सँ दू गोटे नीक अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ अपन परिश्रमक नीक फल भेटैत छैक। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ एक गोटे अपन संगी केँ ऊपर उठाओत ओकरा उठय मे मदद करय बला दोसर नहि छैक।"

नीतिवचन 24:22 कारण, हुनका सभक विपत्ति अचानक उठि जायत। आ दुनूक विनाश के जनैत अछि?

नीतिवचन 24:22 चेतावनी दैत अछि जे विपत्ति अचानक आ अप्रत्याशित रूप सँ आबि सकैत अछि, आ एकर परिणामक भविष्यवाणी केओ नहि क’ सकैत अछि।

1. अप्रत्याशितक शक्ति: जीवनक आश्चर्यक तैयारी कोना कयल जाय

2. लोकोक्तिक बुद्धि: विवेकक जीवन कोना जीबी

1. याकूब 4:13-17 - "अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जाउ आ एक साल ओतय बितब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब 14 तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" .अहाँक जीवन की अछि, किएक तँ अहाँ सभ एकटा धुंध छी जे कनेक काल धरि प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भऽ जाइत अछि तोहर घमंड।

2. मत्ती 6:34 - "तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, किएक तँ काल्हि अपना लेल चिंतित होयत। दिनक लेल अपन परेशानी पर्याप्त अछि।"

नीतिवचन 24:23 ई सभ सेहो ज्ञानी सभक अछि। निर्णय मे व्यक्तिक सम्मान रहब नीक नहि।

निर्णय लैत काल पक्षपात देखब बुद्धिमानी नहि।

1. भगवानक न्याय निष्पक्ष अछि - न्याय करबा काल आ निर्णय लेबा काल निष्पक्षताक महत्व।

2. पक्षपात नहि करू - निर्णय मे व्यक्तिक सम्मान रखबाक खतरा।

1. याकूब 2:1-13 - कलीसिया मे कोनो पक्षपात या पक्षपात नहि देखबाक महत्व।

2. रोमियो 2:11 - कारण परमेश् वर कोनो पक्षपात नहि करैत छथि।

नीतिवचन 24:24 जे दुष्ट केँ कहैत अछि, “अहाँ धर्मी छी। लोक ओकरा गारि देतैक, जाति ओकरा घृणा करतैक।

नीतिवचन 24:24 मे कहल गेल अछि जे जे कियो दुष्ट केँ कहत जे ओ धर्मी अछि, ओकरा लोक द्वारा शापित कयल जायत आ जाति द्वारा घृणा कयल जायत।

1. प्रभुक समक्ष धार्मिकता परमेश् वरक दृष् टकोण मे धार्मिकतापूर्वक जीबाक महत्व आ दुष्ट केँ ई कहबाक परिणाम पर ध्यान देब जे ओ धर्मी छथि।

2. झूठ गवाहक मूल्य झूठ गवाही देबाक परिणाम आ एहि सँ कोना बचल जाय ताहि पर चर्चा करब।

1. रोमियो 3:10-12 जेना लिखल अछि जे, केओ धर्मी नहि अछि, एको नहि अछि। कियो नहि बुझैत अछि; केओ भगवान् के खोज नै करै छै। सब एक कात घुमि गेल अछि; दुनू गोटे मिलिकय बेकार भ' गेल छथि; केओ नीक नहि करैत अछि, एकटा सेहो नहि।

2. मत्ती 7:1-2 न्याय नहि करू, जाहि सँ अहाँ सभक न्याय नहि हो। कारण, अहाँ जाहि न् याय केँ सुनबैत छी, ताहि सँ अहाँ सभक न् याय कयल जायत, आ जे नाप अहाँ सभक प्रयोग कयल जायत, ताहि सँ अहाँ सभक लेल नापल जायत।

नीतिवचन 24:25 मुदा जे हुनका डाँटतनि, हुनका सभ केँ प्रसन्नता होयत आ हुनका सभ पर नीक आशीर्वाद भेटतनि।

दुष्ट के डाँटै में मस्त रहना दिव्य आशीर्वाद दै छै।

1: डांट के शक्ति के माध्यम स हमरा सब के ईश्वरीय आशीर्वाद भेटैत अछि

2: दुष्ट केँ डाँटबाक आशीर्वाद

1: नीतिवचन 9:8-9 "निंदा करयवला केँ डाँट नहि दियौक, कहीं ओ अहाँ सँ घृणा नहि करत। बुद्धिमान केँ डाँटि दियौक, तखन ओ अहाँ सँ प्रेम करत। बुद्धिमान केँ शिक्षा दियौक, तखन ओ आओर बुद्धिमान भ' जेतै। धर्मी आदमी केँ सिखाउ, आ।" ओ सीख मे वृद्धि करत।"

2: तीतुस 1:13 "ई गवाही सत् य अछि। तेँ ओकरा सभ केँ तीक्ष्ण डाँट दियौक, जाहि सँ ओ सभ विश् वास मे सत् य रहथि।"

नीतिवचन 24:26 जे कियो सही उत्तर देब’ बला ठोर पर चुम्मा लेत।

नीतिवचन 24:26 पाठक केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे ओ एहन व्यक्तिक सराहना करथि जे बुद्धिमानी उत्तर बजैत अछि।

1. हमर सभक बात मायने रखैत अछि: हम सभ एक दोसरासँ कोना गप्प करैत छी तकर परिणाम होइत अछि

2. प्रेम मे सत्य बाजब: बुद्धिमान वचनक शक्ति

1. भजन 19:14 - हे प्रभु, हमर चट्टान आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।

2. कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

नीतिवचन 24:27 बाहर अपन काज तैयार करू आ खेत मे अपना लेल उपयुक्त बनाउ। आ तकर बाद अपन घर बनाउ।

पहिने वर्तमान मे काजक ध्यान राखि भविष्यक तैयारी करू।

1. "पहिने जे घर बनबैत छी"।

2. "तइयारी के नींव के निर्माण"।

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. कुलुस्सी 3:23 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, से हृदय सँ करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष्यक लेल नहि।

नीतिवचन 24:28 अपन पड़ोसीक विरुद्ध बेवजह गवाह नहि बनू। आ अपन ठोर सँ धोखा नहि दियौक।

अपन पड़ोसी पर झूठ आरोप नहि लगाउ। सच कहू।

1. सत्यक शक्ति: ईमानदारी हमरा सभक संबंध केँ कोना मजबूत क' सकैत अछि

2. झूठ गवाही देब: धोखाक पाप

1. इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

2. निर्गमन 20:16 - अहाँ अपन पड़ोसीक विरुद्ध झूठ गवाही नहि देब।

नीतिवचन 24:29 ई नहि कहब जे हम ओकरा संग ओहिना करब जेना ओ हमरा संग केने अछि।

ई श्लोक हमरा सब क॑ प्रोत्साहित करै छै कि हम्में अपनऽ दुश्मनऽ स॑ बदला नै लेबै, बल्कि एकरऽ बदला म॑ उदार बनी क॑ सब प॑ दयालुता करबै ।

1. दयालुताक शक्ति - नीतिवचन 24:29

2. स्वर्णिम नियम के पालन करब - नीतिवचन 24:29

1. मत्ती 5:43-45 - अपन शत्रु सँ प्रेम करू आ ओहि सभक लेल प्रार्थना करू जे अहाँ केँ सताबैत अछि।

2. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराईक बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे जे उदात्त अछि, ताहि पर विचार करू।

नीतिवचन 24:30 हम आलस्यक खेत आ बुद्धिहीन लोकक अंगूरक बगीचा लग गेलहुँ।

साहित्यकार एकटा आलसी आदमीक खेत घुमबा लेल गेलाह तऽ ओ उपेक्षित पाबि गेलाह ।

1. आलस्यक खतरा

2. लगन के लाभ

1. कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि"।

2. नीतिवचन 6:6-8 - "हे सुस्त, चींटी लग जाउ; ओकर बाट पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू! ओकर कोनो सेनापति, कोनो पर्यवेक्षक आ शासक नहि अछि, तइयो ओ गर्मी मे अपन भोजन जमा करैत अछि आ फसल काटि मे अपन भोजन जमा करैत अछि"।

नीतिवचन 24:31 देखू, ओ सभ काँट-काँट सँ उगलि गेल छल आ ओकर मुँह पर बिछुआ झाँपि देने छल आ पाथरक देबाल टूटि गेल छल।

जमीन काँट-काँट-बिछुआसँ भरल छल आ पाथरक देबाल टुटि गेल छल।

1. परमेश् वरक मोक्ष - परमेश् वर कोना टूटल-फूटल जगह पर सेहो पुनर्स्थापन आ नवीकरण आनि सकैत छथि।

2. प्रतिकूलता सँ उबरब - कठिनाईक सामना करबा काल कोना अडिग रहब आ आशा पर केन्द्रित रहब।

1. यशायाह 58:12 - जे सभ अहाँ मे सँ बनत, ओ सभ पुरान उजाड़ सभ केँ बनाओत, अहाँ बहुतो पीढ़ीक नींव ठाढ़ करब। आ तोरा कहल जायब, “भंगक मरम्मत करयवला, रहबाक लेल बाट केँ पुनर्स्थापित करयवला।”

2. भजन 51:17 - परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि: एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।

नीतिवचन 24:32 तखन हम देखलहुँ आ नीक जकाँ सोचलहुँ, ओकरा देखलहुँ आ शिक्षा भेटल।

हमरा सब के अपन काज पर ध्यान स विचार करबाक चाही आ ओकर निहितार्थ पर विचारपूर्वक चिंतन करबाक चाही जाहि स अंतर्दृष्टि आ बुद्धि भेटय।

1. चिंतन के माध्यम स बुद्धि: नीतिवचन 24:32 के उपयोग कोना कयल जाय जाहि स हम सब सही तरीका स जीबी

2. आत्मनिरीक्षण के माध्यम स अंतर्दृष्टि के खोज: नीतिवचन 24:32 के जीवन के विकल्प पर लागू करब

1. याकूब 1:19-20 - जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे मंद रहू, क्रोध मे मंद रहू; कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे सम्मानजनक अछि, जे न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे प्रेमपूर्ण अछि, जे प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि, से सोचू एहि सभ बातक विषय मे।

नीतिवचन 24:33 तइयो कनि नींद, कनि नींद, कनि हाथ मोड़ि क’ सुतब।

कनि आराम करब फायदेमंद अछि, मुदा बेसी आराम करब हानिकारक भ सकैत अछि।

1. आराम के लाभ काटब: उत्पादकता आ ताजगी के संतुलन कोना बनाबी

2. सुस्ती के खतरा: उद्देश्य स काज करब सीखब

1. उपदेशक 4:6-8

2. लूका 5:16; ६:१२ मे; मरकुस 6:31-32

नीतिवचन 24:34 तेना अहाँक गरीबी ओहिना आओत जेना यात्रा करैत अछि। आ हथियारबंद आदमीक रूप मे तोहर अभाव।

गरीबी जल्दी आ अप्रत्याशित रूप स ठीक सशस्त्र आदमी क रूप मे आबि सकैत अछि।

1. अप्रत्याशित परिस्थितिक लेल तैयार रहू

2. आर्थिक रूप स जिम्मेदार हेबाक महत्व

1. मत्ती 6: 25-34 - चिन्ता नहि करू

2. लूका 12: 15-21 - परमेश् वरक प्रति धनिक रहू

नीतिवचन अध्याय 25 मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे विनम्रता के महत्व, आत्मसंयम के मूल्य, आ बुद्धिमान संवाद के लाभ शामिल अछि।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत घमंड दूर करय आ विनम्रता के अभ्यास करय के मूल्य पर जोर दैत अछि | एहि मे एहि बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे अपना पर घमंड करबा स बेसी नुकायल चीज क खोज करब सम्मानजनक अछि। ई द्वंद्व के निपटारा में आत्मसंयम के महत्व के भी रेखांकित करै छै (नीतिवचन 25:1-14)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे बुद्धिमान सलाह, संबंध मे ईमानदारी, आ अनुचित व्यवहारक परिणाम सन विषय केँ संबोधित करैत अछि। एहि मे सत्य बाजब आ गपशप या निंदा स बचबाक फायदा पर जोर देल गेल अछि। ई इहो रेखांकित करै छै कि दयालुता हमरा सिनी के साथ दुर्व्यवहार करै वाला के प्रति एगो सशक्त प्रतिक्रिया बनी सकै छै (नीतिवचन 25:15-28)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय पच्चीस मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
सहित विनम्रता पर देल गेल महत्व,
आत्मसंयम से जुड़ल मूल्य, २.
आ बुद्धिमान संवादक परिणामस्वरूप लाभ।

घमंड दूर करय के संबंध में देखाओल गेल महत्व के पहचान आ विनम्रता के अभ्यास के संग संग घमंड करय के बजाय नुकायल चीज के खोज पर जोर देल गेल.
द्वंद्व कें निपटारा मे आत्मसंयम कें देल गेल महत्व कें उजागर करनाय.
गपशप या निंदा के खिलाफ सावधानी के साथ-साथ सच्चा भाषण पर देल गेल मूल्य के रेखांकित करैत जेना बुद्धिमान सलाह, रिश्ता में ईमानदारी जेहन व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब।
दुर्व्यवहार कें एकटा सशक्त प्रतिक्रिया कें रूप मे दयालुता कें संबंध मे दिखाएल गेल मान्यता कें रेखांकित करनाय.
विनम्रता के खेती, संघर्ष के दौरान आत्मसंयम के प्रयोग, हानिकारक भाषण या कर्म स बचैत ईमानदार संवाद के अभ्यास के अंतर्दृष्टि प्रदान करब।

नीतिवचन 25:1 ई सभ सुलेमानक फकड़ा सेहो अछि, जकर नकल यहूदाक राजा हिजकियाहक लोक सभ कयलनि।

ई अंश सुलेमान के फकड़ा के बात करै छै, जेकरऽ नकल यहूदा के राजा हिजकियाह के आदमी सिनी करलकै।

1. सुलेमानक बुद्धि: परमेश् वरक बुद्धि मे कोना टैप कयल जाय

2. हिजकिय्याह के विरासत: हमर पूर्वज स सीखब

1. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. 2 इतिहास 30:1 - "हिजकियाह समस्त इस्राएल आ यहूदा केँ पठौलनि आ एप्रैम आ मनश्शे केँ सेहो पत्र लिखलनि जे ओ सभ यरूशलेम मे प्रभुक घर आबि इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वरक फसह मनाबथि।" ."

नीतिवचन 25:2 कोनो बात केँ नुका देब परमेश् वरक महिमा अछि, मुदा राजा सभक आदर अछि जे कोनो बातक खोज करब।

परमेश् वरक महिमा सत् य केँ नुकाबय सँ भेटैत अछि, जखन कि राजा सभ केँ ओकरा खोजबाक लेल आदर करबाक चाही।

1. परमेश् वरक बुद्धिक खोज - नीतिवचन 25:2

2. परमेश् वरक सत्य केँ नुकेबाक महिमा - नीतिवचन 25:2

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

नीतिवचन 25:3 ऊँचाईक लेल आकाश, गहींरताक लेल पृथ्वी, आ राजा सभक हृदय अनजान अछि।

पृथ्वीक गहींर आ आकाशक ऊँचाई अथाह अछि, आ राजाक हृदय गहींर रहस्यमयी होइत अछि ।

1. राजाक अनजान हृदय - नीतिवचन 25:3

2. पृथ्वी आ स्वर्गक गहराई आ ऊँचाई - नीतिवचन 25:3

1. यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय छल-प्रपंच आ बेमार बीमार अछि

2. भजन 139:1-2 - परमेश् वर हृदयक खोज करैत छथि आ जनैत छथि।

नीतिवचन 25:4 चानी मे सँ कचरा हटाउ, तखन महीन लोकक लेल एकटा बर्तन निकलत।

चानी सं अशुद्धि निकालला सं ओकरा बेसी मूल्यवान बनाओल जा सकैत अछि.

1. परिष्कार के शक्ति: हमरा सब के अपना के कोना शुद्ध करबाक चाही

2. अनुशासन के मूल्य: अपन जीवन स प्रलोभन के दूर करब सीखब

1. नीतिवचन 16:2 - मनुष्यक सभ बाट अपन नजरि मे शुद्ध होइत अछि, मुदा प्रभु आत् मा केँ तौलैत छथि।

2. भजन 66:10 - हे परमेश् वर, अहाँ हमरा सभक परीक्षा देलहुँ; अहाँ हमरा सभकेँ ओहिना परिष्कृत केलहुँ जेना चानी परिष्कृत होइत अछि ।

नीतिवचन 25:5 दुष्ट केँ राजाक सामने सँ दूर करू, तखन ओकर सिंहासन धार्मिकता मे स्थिर होयत।

दुष्ट व्यक्ति के उपस्थिति के राजा के सान्निध्य से हटा देना चाहिये, ताकि राज्य धर्म में स्थापित हो |

1. "राजाक धार्मिक शासन"।

2. "एकटा धर्मी राज्यक आशीर्वाद"।

1. भजन 72:1-2 "हे परमेश् वर, राजा केँ अपन न्याय आ अपन धार्मिकता राजाक पुत्र केँ दिअ। ओ अहाँक लोक सभक न्याय धार्मिकता सँ करताह, आ अहाँक गरीब सभक न्याय सँ।"

2. यशायाह 32:1 "देखू, एकटा राजा धार्मिकता मे राज करत, आ राजकुमार सभ न्याय मे राज करत।"

नीतिवचन 25:6 राजाक सोझाँ अपना केँ नहि राखू आ पैघ लोकक स्थान पर नहि ठाढ़ रहू।

राजसी या उच्च सामाजिक हैसियत के लोक के उपस्थिति में अपना के ऊंचाई देबय के कोशिश नहिं करू.

1. अधिकारक सान्निध्य मे विनम्रताक महत्व

2. महान के स्थान लेबय के अनुमान लगाबय के खतरा

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. 1 पत्रुस 5:5-6 -तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, पैघ सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।

नीतिवचन 25:7 एहि सँ नीक ई जे अहाँ केँ कहल जाय जे, “एतय चढ़ू।” एहि सँ बेसी अहाँ केँ ओहि राजकुमारक सोझाँ नीचाँ राखल जाय, जकरा अहाँक आँखि देखने अछि।

कोनो शासकक सान्निध्य मे निम्न पद पर राखय सँ नीक जे सम्मानक पद पर आमंत्रित कयल जाय।

1. विनम्रता आ सम्मानक मूल्य

2. आमंत्रित हेबाक शक्ति

1. फिलिप्पियों 2:3-4 स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक, 4 अपन हित दिस नहि बल्कि अहाँ मे सँ प्रत्येक केँ दोसरक हित दिस देखू।

2. नीतिवचन 16:18-19 घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने। शासक द्वारा सजाय सँ नीक जे विनम्र आ सम्मान हो।

नीतिवचन 25:8 जल्दबाजी मे संघर्ष करबाक लेल नहि जाउ, जाहि सँ अहाँ केँ ई नहि बुझल जा सकैत अछि जे जखन अहाँक पड़ोसी अहाँ केँ लज्जित क’ देत तखन की करब।

कोनो टकराव के संभावित परिणाम पर विचार केने बिना द्वंद्व मे हड़बड़ी नहि करब बुद्धिमानी होयत।

1. धैर्यक शक्ति: द्वंद्व मे जल्दबाजी नहि करू

2. काज करबा स पहिने सोचबा लेल समय निकालू

1. याकूब 1:19 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात बुझू: प्रत्येक व्यक्ति जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहय।

2. उपदेशक 5:2 - मुँह सँ बेधड़क नहि करू, आ नहिये अपन हृदय परमेश् वरक समक्ष कोनो वचन बाजबा मे जल्दबाजी करू, किएक तँ परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छी। तेँ अहाँक बात कम हो।

नीतिवचन 25:9 अपन पड़ोसी सँ स्वयं अपन मुद्दा पर बहस करू। आ दोसरक लेल कोनो रहस्यक खोज नहि करू:

कोनो रहस्य दोसर के नहि बताउ, बल्कि अपन मतभेद पर पड़ोसी स चर्चा करू।

1. रहस्य रखबाक शक्ति: विवेकक जीवन कोना जीबी

2. अपन विवादक समाधान प्रेम आ सम्मानसँ करू: फकड़ासँ द्वंद्व समाधान सीखब

1. मत्ती 5:25-26 - जखन अहाँ ओकरा संग कोर्ट जाइत छी तखन अपन आरोपक संग जल्दी-जल्दी समझौता करू, कहीं अहाँक आरोप लगाबय वाला अहाँ केँ न्यायाधीशक हाथ मे नहि सौंपी, आ न्यायाधीश केँ पहरेदारक हाथ मे नहि सौंपल जाय, आ अहाँ केँ जेल मे नहि राखल जाय। सच मे हम अहाँ केँ कहैत छी जे जा धरि अंतिम पाइ नहि दऽ देब ता धरि कहियो बाहर नहि निकलब।

2. कुलुस्सी 3:12-13 - तखन, परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे, पवित्र आ प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू, एक-दोसर केँ सहन करू आ जँ एक-दोसर पर कोनो शिकायत अछि तँ प्रत्येक केँ क्षमा करू दोसर; जेना प्रभु अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देने छथि, तहिना अहाँ सभ केँ सेहो क्षमा करबाक चाही।

नीतिवचन 25:10 कहीं ई बात सुननिहार अहाँ केँ लज्जित नहि करत आ अहाँक बदनामी नहि भ’ जाय।

ई फकड़ा लापरवाही या दुर्भावनापूर्ण तरीका स बजबा स चेतावनी दैत अछि, कियाक त एहि स शर्मिंदगी आ बेइज्जती भ सकैत अछि।

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर चरित्र केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. अपन हृदयक रक्षा: बाजबासँ पहिने सोचबाक महत्व

1. याकूब 3:1-12 - जीभ आगि भ’ सकैत अछि

2. मत्ती 12:36-37 - हमरा सभक हर बेकार शब्द पर न्याय कयल जायत

नीतिवचन 25:11 नीक जकाँ कहल गेल शब्द चानीक चित्र मे सोनाक सेब जकाँ होइत अछि।

ई फकड़ा सुभाषित शब्दक शक्तिक बात करैत अछि जे सही समय पर बाजल जाइत अछि |

1. सही शब्दक शक्ति: बुद्धिमानी सँ कोना बाजब

2. समयबद्धताक प्रभाव: कखन बाजब आ कखन चुप रहब

1. उपदेशक 3:7 - चुप रहबाक समय, आ बजबाक समय

2. कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

नीतिवचन 25:12 जेना सोनाक कनुआ आ महीन सोनाक आभूषण, तहिना आज्ञाकारी कान पर बुद्धिमान डांटनिहार होइत अछि।

ध्यानपूर्वक सुननिहार लेल बुद्धिमान डाँटनिहार अनमोल गहना जकाँ मूल्यवान होइत अछि ।

1: आज्ञाकारिता के साथ सुनने की शक्ति

2: एकटा बुद्धिमान डांटनिहारक मूल्य

1: याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक त' मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2: नीतिवचन 19:20 - "सल्लाह सुनू आ शिक्षा स्वीकार करू, जाहि सँ भविष्य मे अहाँ बुद्धि प्राप्त क' सकब।"

नीतिवचन 25:13 जेना फसल कटबाक समय मे बर्फक ठंढा होइत छैक, तहिना ओकरा पठेनिहार सभक लेल विश्वासी दूत होइत छैक, किएक तँ ओ अपन मालिक सभक प्राण केँ स्वस्थ करैत अछि।

विश्वासी दूत फसलक समय मे बर्फ जकाँ होइत अछि, अपन मालिकक आत्मा केँ ताजा करैत अछि।

1. वफादार दूत के मूल्य

2. वफादार दूत के माध्यम स आत्मा के ताजा करब

1. इब्रानी 13:7-8 - अपन नेता सभ केँ मोन पाड़ू, जे अहाँ सभ केँ परमेश् वरक वचन बजने छलाह।
हुनका लोकनिक जीवन पद्धतिक परिणाम पर विचार करू, आ हुनकर विश्वासक नकल करू। यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

2. 1 कोरिन्थी 4:1-2 - केओ हमरा सभ केँ मसीहक सेवक आ परमेश् वरक रहस्य सभक भण्डारी बुझू।
भण्डारी सभ मे ई सेहो जरूरी अछि जे मनुष् यक विश् वासयोग् य पाओल जाय।

नीतिवचन 25:14 जे कियो झूठ वरदानक घमंड करैत अछि, से मेघ आ हवा जकाँ अछि, जकरा बरखा नहि होइत अछि।

झूठ वरदानक घमंड करब बिना बरखाक मेघ आ हवा जकाँ अछि - ई खाली आ बेअसर अछि ।

1. झूठ उपहारक घमंड: फकड़ा सँ एकटा चेतावनी

2. बिना पदार्थ के घमंड के आडंबर

1. याकूब 4:13-17 - काल्हि के घमंड करब आ ई व्यर्थ किएक अछि

2. भजन 128:1-2 - धन्य ओ अछि जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ घमंडी वा घमंडी पर भरोसा नहि करैत अछि।

नीतिवचन 25:15 चिर सहनशीलता सँ राजकुमार केँ मनाओल जाइत छैक, आ कोमल जीह हड्डी केँ तोड़ि दैत छैक।

धैर्य आ दयालुताक शक्ति राजकुमार केँ सेहो मना सकैत अछि आ एकटा कोमल शब्द कठोरतम हड्डी केँ तोड़ि सकैत अछि ।

1. धैर्य आ दयालुताक शक्ति

2. सौम्य शब्दक ताकत

1. याकूब 1:19, "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।"

2. नीतिवचन 15:1, "कोमल उत्तर क्रोध केँ दूर करैत अछि, मुदा कठोर वचन क्रोध केँ भड़का दैत अछि।"

नीतिवचन 25:16 की अहाँ केँ मधु भेटल अछि? एतेक खाउ जे अहाँक लेल पर्याप्त होयत, जाहि सँ अहाँ ओहि सँ पेट नहि भरि कऽ उल्टी नहि कऽ लेब।

ओवर इन्डल्जेंस सं बचाव कें लेल संयम सं भोजन करनाय महत्वपूर्ण छै.

1. सब बात मे संयम

2. आत्मसंयम के आशीर्वाद

1. फिलिप्पियों 4:5 - अहाँ सभक संयम केँ सभ लोक केँ ज्ञात हो।

2. नीतिवचन 16:32 - जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से पराक्रमी सँ नीक अछि; आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, से नगर पकड़निहार सँ बेसी।

नीतिवचन 25:17 अपन पड़ोसीक घर सँ अपन पैर हटि जाउ। कहीं ओ अहाँ सँ थाकि जायत आ अहाँ सँ घृणा नहि करत।”

ई श्लोक हमरा सब के प्रोत्साहित करै छै कि हम्में अपनऽ पड़ोसी के सीमा के प्रति ध्यान केंद्रित करी क॑ ओकरऽ घरऽ में अपनऽ स्वागत स॑ अधिक नै रह॑ ।

1. "आदरणीय सीमाक शक्ति"।

2. "हमर स्वागत मे बेसी दिन रहबाक खतरा"।

1. रोमियो 12:10: "एक दोसरा सँ भाइ-बहिनक प्रेम सँ स्नेह करू, आदर मे एक-दोसर केँ प्राथमिकता दियौक।"

2. गलाती 6:2: "अहाँ सभ एक-दोसरक भार उठाउ, आओर एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।"

नीतिवचन 25:18 जे आदमी अपन पड़ोसी पर झूठ गवाही दैत अछि, ओ माउस, तलवार आ तेज बाण अछि।

ई अंश अपनऽ पड़ोसी के खिलाफ झूठा गवाही नै दै के चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई एगो विनाशकारी शक्ति छै ।

1. झूठ गवाही देबाक खतरा: नीतिवचन 25:18 सँ सीखब

2. शब्दक शक्ति: ई सुनिश्चित करब जे हम सभ सत्य बाजब

1. इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

2. कुलुस्सी 3:9-10 - एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, ई देखैत जे अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर आचरणक संग छोड़ि देलियैक आ नव आत्म केँ पहिरि लेलहुँ, जे ओकर सृष्टिकर्ताक प्रतिरूपक अनुसार ज्ञान मे नवीनीकरण भ’ रहल अछि।

नीतिवचन 25:19 विपत्ति मे अविश्वासी आदमी पर भरोसा करब टूटल दाँत आ पैरक जोड़ सँ निकलल जकाँ होइत छैक।

कठिन समय मे अविश्वसनीय व्यक्ति पर विश्वास करब गलती अछि।

1: अविश्वसनीय लोक पर भरोसा नहि करू।

2: जिनका पर भरोसा नहि कएल जा सकैत अछि हुनका पर अपन आशा राखब विपत्ति के कारण बनत।

1: यिर्मयाह 17:5-8 - प्रभु पर भरोसा करू आ मनुष्य पर नहि।

2: भजन 118:8 - मनुष्य पर भरोसा करबा स नीक प्रभु पर भरोसा करब।

नीतिवचन 25:20 जहिना ठंढा मे वस्त्र छीन लैत अछि आ नाइटर पर सिरका, तहिना भारी हृदय मे गीत गबैत अछि।

जे गीतसँ भारी हृदयकेँ उत्साहित करबाक प्रयास करैत अछि ओ ठंढामे वस्त्र छीनब वा नाइट्रेपर सिरका ढारि देब जकाँ होइत अछि ।

1. करुणाक शक्ति: भारी हृदय वाला के कोना सान्त्वना देल जाय

2. परेशान समय मे आनन्द भेटब: कठिन परिस्थिति मे आत्मा के कोना उठाओल जाय

1. मत्ती 11:28-30, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम कोमल आ नीच हृदय मे छी, आ अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत। हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

2. रोमियो 12:15 जे आनन्दित अछि, ओकर संग आनन्दित रहू, काननिहार सभक संग कानू।

नीतिवचन 25:21 जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा भोजन करबाक लेल रोटी दिअ। जँ प्यास लागल अछि तँ ओकरा पानि पीबऽ दियौक।

जेना अपन प्रियतम केँ दैत छी तहिना अपन दुश्मन केँ सेहो दियौक।

1. मतभेदक बादो दयालुताक शक्ति

2. अपन दुश्मनसँ प्रेम करब

२.

2. लूका 6:27-28 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे हमर बात सुनैत अछि: अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि, ओकर भलाई करू, जे अहाँ सभ केँ गारि पढ़ैत अछि, ओकरा सभ केँ आशीर्वाद दिअ, जे अहाँ सभक संग दुर्व्यवहार करैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।"

नीतिवचन 25:22 अहाँ ओकर माथ पर आगि के कोयला के ढेर लगा देब आ परमेश् वर तोरा इनाम देत।

ई श्लोक हमरा सभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे हम सभ हमरा सभ पर अन्याय करयवला सभक प्रति सेहो दयालु आ क्षमाशील रहू, कारण परमेश् वर हमरा सभ केँ एकर फल देथिन।

1: प्रभु दयालुता के पुरस्कृत करैत छथि

2: बिना शर्त मे क्षमा

1: कुलुस्सी 3:12-14 - तखन, परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे, पवित्र आ प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू।

2: मत्ती 5:43-48 - अहाँ सुनने छी जे कहल गेल छल जे, अहाँ अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू आ अपन शत्रु सँ घृणा करू। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

नीतिवचन 25:23 उत्तर दिसक हवा बरखा केँ भगा दैत अछि, तहिना क्रोधित चेहरा एकटा पागल जीह।

बकबक करय बला जीभ के क्रोधित चेहरा सॅं भगाओल जा सकैत अछि, ठीक ओहिना जेना उत्तरक हवा बरखा के भगा दैत अछि ।

1. हमर शब्दक शक्ति: हमरा लोकनि जे कहैत छी ताहि पर नियंत्रण करबाक आवश्यकता किएक

2. एक नजरि के शक्ति: हमर अमौखिक संकेत के प्रभाव

1. याकूब 3:1-12 - जीभक शक्ति

2. नीतिवचन 15:1 - एकटा कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि

नीतिवचन 25:24 झगड़ा करय बला महिलाक संग आ चौड़ा घर मे रहबा सँ नीक जे घरक कोन मे रहब।

एहि लोकोक्ति मे सलाह देल गेल अछि जे बड़का घर मे झगड़ा करय वाली महिला के संग रहय सं नीक जे छोट घर मे रहब नीक.

1: परमेश् वर जनैत छथि जे हमरा सभक लेल की नीक अछि, आ ओ हमरा सभ केँ अपन वचन मे बुद्धिमान सलाह दैत छथि।

2: भले ई सबसँ ग्लैमरस विकल्प नहि हो, मुदा भगवान हमरा सभ केँ एकटा सरल जीवन, झगड़ा सँ मुक्त जीवन मे बजा रहल होयत।

1: नीतिवचन 19:13, "मूर्ख बेटा अपन पिताक लेल बर्बादी होइत अछि, आ झगड़ा करय बला पत्नी लीक होइत छत जकाँ लगातार टपकैत अछि।"

2: 1 पत्रुस 3:7, "तहिना, पति सभ, अपन पत्नी सभक संग बुद्धिमानी सँ रहू, और स् त्री केँ कमजोर बर्तन जकाँ आदर करू, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभक संग जीवनक अनुग्रहक उत्तराधिकारी छथि, जाहि सँ अहाँ सभक प्रार्थना नहि हो।" बाधित रहब।"

नीतिवचन 25:25 जेना प्यासल प्राणी केँ ठंढा पानि भेटैत छैक, तहिना दूर देश सँ शुभ समाचार होइत छैक।

दूर देशक नीक खबरि प्यासल आत्मा केँ ठंढा पानि जकाँ ताजा करय बला होइत छैक।

1. सुसमाचारक शक्ति: सुसमाचार हमरा सभक आत्मा केँ कोना ताजा क' सकैत अछि

2. नीक समाचार सुनबाक महत्व: विदेश सँ कोना ताकत आ आराम भेटि सकैत अछि

1. यशायाह 55:1 - "जे कियो प्यासल अछि, पानि मे आबि जाउ; आ जकर पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना दाम के शराब आ दूध कीनू।"

2. भजन 107:9 - "किएक तँ ओ आकांक्षी आत्मा केँ तृप्त करैत अछि, आ भूखल आत्मा केँ नीक चीज सँ भरैत अछि।"

नीतिवचन 25:26 दुष्टक सोझाँ खसि पड़निहार धर्मात्मा एकटा घबराहटि भरल झरना आ भ्रष्ट झरना जकाँ होइत अछि।

दुष्टक सान्निध्य मे धर्मात्माक पतन दूषित जलक स्रोत जकाँ होइत छैक |

1. प्रभावक शक्ति आ दोसर पर हमर व्यवहारक प्रभावक प्रति जागरूक रहू।

2. भगवान् पर अपन विश्वास नहि छोड़ू आ परीक्षा के सामना करैत धर्मी बनू।

1. नीतिवचन 1:10-19, हमर बेटा, जँ पापी सभ अहाँ केँ लुभाबैत अछि तँ अहाँ सहमति नहि दिअ।

2. 1 कोरिन्थी 10:13, अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य अछि, मुदा परमेश् वर विश् वासी छथि, जे अहाँ सभ केँ परीक्षा मे नहि पड़य देताह जे अहाँ सभक सामर्थ् य अछि। मुदा परीक्षा सँ बचबाक बाट सेहो बनाओत जाहि सँ अहाँ सभ सहन कऽ सकब।”

नीतिवचन 25:27 बेसी मधु खायब नीक नहि, तेँ मनुष्यक लेल अपन महिमा केँ खोजब महिमा नहि अछि।

बेसी भोग ताकब बुद्धिमानी नहि, आ अपन महिमा ताकब महिमा नहि।

1. संयम मे सुख भेटब

2. आत्मवैभवक खोजक खतरा

1. फिलिप्पियों 2:3-4: "स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता सँ दोसर केँ अपना सँ नीक बुझू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ मात्र अपन हित नहि, बल्कि दोसरक हित दिस सेहो देखबाक चाही।"

2. मत्ती 6:1-4: "सावधान रहू जे दोसरक सोझाँ अपन धार्मिकताक पालन नहि करू जाहि सँ ओकरा देखय। जँ करब तँ अहाँ केँ स् वर्ग मे अपन पिता सँ कोनो इनाम नहि भेटत। तेँ जखन अहाँ सभ जरूरतमंद केँ देब तँ जेना पाखंडी सभ आराधनालय आ सड़क पर दोसर लोकक आदर करबाक लेल एकरा तुरही बजबैत नहि करू।हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ पूरा इनाम भेटि गेलनि बामा हाथ जानि लिअ जे अहाँक दहिना हाथ की क' रहल अछि, जाहि सँ अहाँक दान गुप्त रूप सँ हो। तखन अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ कयल गेल काज देखैत छथि, अहाँ केँ इनाम देथिन।"

नीतिवचन 25:28 जे अपन आत्मा पर कोनो शासन नहि करैत अछि, ओ एकटा नगर जकाँ अछि जे टूटल-फूटल अछि आ बिना देबाल के अछि।

आत्मसंयम के कमी ओतबे कमजोर अछि जतेक बिना देबाल के टूटल-फूटल शहर।

1. आउ हम अपन आत्मसंयम के दीवार के मजबूत करी

2. अपना पर प्रभार लेबाक महत्व

1. गलाती 5:22-23 - मुदा आत् माक फल अछि प्रेम, आनन्द, शान्ति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वास, कोमलता आ आत्मसंयम। एहन बातक विरुद्ध कोनो कानून नहि अछि।

2. 2 पत्रुस 1:5-7 - ठीक एहि कारणेँ, अपन विश्वास मे नीकता जोड़बाक पूरा प्रयास करू; आ भलाई मे ज्ञान; आ ज्ञानक लेल आत्मसंयम; आ आत्मसंयम, दृढ़ता; आ दृढ़ताक लेल, भक्ति; आ भक्ति के लेल आपसी स्नेह; आ आपसी स्नेह केँ प्रेम।

नीतिवचन अध्याय २६ मे जीवनक विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, विशेष रूप सँ मूर्ख आ सुस्त लोकक विशेषता आ परिणाम पर केंद्रित अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मूर्ख के जे अनर्गल सम्मान भेटैत छैक आ ओकर नुकसान के उजागर करैत अछि | ई मूर्खता के तुलना विभिन्न बेतुका कर्म स॑ करै छै, जेना कि लंगड़ा के टांग या शराबी के काँट के झाड़ी के हथियार के रूप म॑ प्रयोग करना । ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे मूर्ख सभक संग बहस करब व्यर्थ अछि (नीतिवचन 26:1-12)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे आलस्य, गपशप, आ छल जेहन विषय के संबोधित करैत अछि। ई सुस्त लोगऽ के व्यवहार के खिलाफ चेतावनी दै छै जे काम करै लेली बहुत आलसी होय जाय छै आरू ओकरऽ हरकत आरू ओकरऽ टिका चालू होय वाला दरवाजा के काम के तुलना करै छै । ई गपशप आरू धोखाधड़ी वाला शब्दऽ के विनाशकारी शक्ति के भी रेखांकित करै छै (नीतिवचन २६:१३-२८)।

संक्षेप मे, २.
लोकोक्ति छब्बीस अध्याय मे बुद्धि भेटैत अछि
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
विशेष रूप स मूर्ख आ सुस्त स जुड़ल विशेषता आ परिणाम पर ध्यान केंद्रित करब।

मूर्ख के प्राप्त अपात्र सम्मान के साथ-साथ ओकरऽ कर्म स॑ होय वाला नुकसान के पहचान करना ।
मूर्खता के तुलना बेतुका काज स करैत मूर्ख स बहस करबा मे व्यर्थता के उजागर करब।
आलस्य, गपशप, छल जेहन व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब आ एहि व्यवहार स जुड़ल विनाशकारी प्रकृति के संबंध में देखाओल गेल मान्यता के रेखांकित करब।
सुस्त लोगऽ द्वारा प्रदर्शित आलस्य के खिलाफ सावधानी के साथ-साथ ओकरऽ हरकत आरू ओकरऽ टिका पर घुमै वाला दरवाजा के बीच करलऽ गेलऽ तुलना के रेखांकित करना ।
मूर्ख के विशेषता के पहचानै के अंतर्दृष्टि देना, ओकरा साथ निष्फल बहस स॑ बचना, आलस्य, गपशप, आरू धोखाधड़ी के व्यवहार स॑ जुड़लऽ नकारात्मक परिणाम के समझना ।

नीतिवचन 26:1 जेना गर्मी मे बर्फ आ फसल मे बरखा होइत अछि, तहिना मूर्खक लेल आदर नीक नहि होइत छैक।

इज्जतक समय मे मूर्खताक कोनो स्थान नहि होइत छैक ।

1. सम्मान आ विनम्रताक मूल्य

2. मूर्खता केँ चिन्हब आ ओकरा अस्वीकार करब

1. याकूब 3:13-18 - ऊपर सँ बुद्धि शुद्ध, शांतिपूर्ण, सौम्य, उचित, दया आ नीक फल सँ भरल अछि

2. नीतिवचन 12:15-17 - मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा बुद्धिमान सलाह सुनैत अछि

नीतिवचन 26:2 जेना चिड़ै भटकैत अछि, जेना निगल उड़ैत अछि, तहिना निरर्थक अभिशाप नहि आओत।

बिना कारणक अभिशाप प्रभावी नहि होयत।

1: दोसरक अनुचित अभिशाप सँ भगवानक रक्षा।

2: शब्दक शक्ति आ बुद्धिमान वाणीक महत्व।

1: याकूब 3:5-12 - बुद्धि आ जीभक सामर्थ्य।

2: यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत।

नीतिवचन 26:3 घोड़ाक लेल कोड़ा, गांडक लेल लगाम आ मूर्खक पीठ पर लाठी।

मूर्ख के सही रास्ता पर रहय लेल मार्गदर्शन आ अनुशासन चाही.

1. धर्मक मार्ग: अनुशासन आ मार्गदर्शन

2. नीक नेतृत्वक महत्व: नीतिवचन 26:3

1. नीतिवचन 22:15 - मूर्खता बच्चाक हृदय मे बान्हल रहैत छैक; मुदा सुधारक छड़ी ओकरा ओकरासँ दूर भगा देतैक।

२.

नीतिवचन 26:4 मूर्ख केँ ओकर मूर्खताक अनुसार उत्तर नहि दियौक, जाहि सँ अहाँ सेहो ओकरा जकाँ नहि भ’ जायब।

मूर्ख केँ कोनो तरहक उत्तर नहि दियौक, कहीं अहाँ ओकरा जकाँ नहि भ' जायब।

1. मूर्खतापूर्ण व्यवहारक प्रति दयालुतापूर्वक प्रतिक्रिया देबाक खतरा

2. मूर्खता के प्रति ईश्वरीय तरीका स कोना प्रतिक्रिया देल जाय

1. मत्ती 5:39 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, दुष्टक विरोध नहि करू। मुदा जँ केओ अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत तँ दोसर गाल सेहो ओकरा दिस घुमाउ।"

2. 1 पत्रुस 3:9 - "अधलाहक बदला मे बुराई नहि दियौक आ निन्दाक बदला निन्दा नहि करू, बल् कि एकर विपरीत आशीर्वाद दिअ, किएक तँ अहाँ सभ केँ एहि लेल बजाओल गेल अछि, जाहि सँ अहाँ सभ आशीर्वाद पाबि सकब।"

नीतिवचन 26:5 मूर्ख केँ ओकर मूर्खताक अनुसार उत्तर दियौक, जाहि सँ ओ अपन अभिमान मे बुद्धिमान नहि भ’ जाय।

कोनो मूर्ख के बुद्धिमानी स जवाब दियौ ताकि ओकरा अपात्र विश्वास नै भेटय।

1: हमरा सब के ई ध्यान राखय के चाही जे हम सब मूर्ख के कोना प्रतिक्रिया दैत छी, कियाक त हमर प्रतिक्रिया के परिणाम भ सकैत अछि।

2: मूर्ख लोक के ओकर हकदार स बेसी भरोसा नै देबाक चाही, कियाक त एहि स ओकरा भटकल भ सकैत अछि।

1: याकूब 3:17-18 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि। आ धार्मिकताक फसल शान्तिपूर्वक बोओल जाइत अछि जे शांति बनबैत अछि।

2: नीतिवचन 14:29 - जे कियो क्रोध मे देरी करैत अछि, ओकर बहुत बुद्धि होइत छैक, मुदा जे जल्दबाजी मे आक्रोश करैत अछि, ओ मूर्खता केँ ऊपर उठबैत अछि।

नीतिवचन 26:6 जे मूर्खक हाथ सँ संदेश दैत अछि, ओ पैर काटि दैत अछि आ क्षति पीबैत अछि।

ई फकड़ा मूर्ख व्यक्ति के माध्यम स॑ संदेश नै भेजै स॑ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि एकरा स॑ खाली नुकसान आरू पछतावा ही होतै ।

1. अबुद्धिमान लोक केँ महत्वपूर्ण काज सौंपबाक खतरा

2. महत्वपूर्ण बातक लेल बुद्धिक खोज

1. नीतिवचन 16:20 - जे कोनो बात केँ बुद्धिमानी सँ सम्हारैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक, आ जे केओ प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ धन्य अछि।

2. नीतिवचन 19:20 - सलाह सुनू आ शिक्षा ग्रहण करू, जाहि सँ अहाँ अपन अंतिम अंत मे बुद्धिमान बनू।

नीतिवचन 26:7 लंगड़ाक टांग बराबर नहि होइत छैक, तहिना मूर्ख सभक मुँह मे दृष्टान्त सेहो होइत छैक।

लंगड़ाक टांग असमान होइत छैक, तहिना दृष्टान्त मूर्खक बाजल पर मूर्खतापूर्ण होइत छैक।

1. लंगड़ाक असमान पैर: भगवानक दयाक दृष्टान्त

2. मूर्खक मुँह मे दृष्टान्त: मूर्खताक विरुद्ध चेतावनी

1. मत्ती 11:25: "ओहि समय यीशु उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “हे पिता, स्वर्ग आ पृथ्वीक मालिक, हम अहाँ केँ धन्यवाद दैत छी, किएक तँ अहाँ ई सभ बात बुद्धिमान आ विवेकी लोक सभ सँ नुका कऽ बच्चा सभ केँ प्रगट कयलहुँ।"

2. नीतिवचन 14:15: "साधारण लोक सभ बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा बुद्धिमान लोक अपन जायब नीक जकाँ देखैत अछि।"

नीतिवचन 26:8 जेना पाथर केँ गोफन मे बान्हि दैत अछि, तहिना मूर्ख केँ आदर दैत अछि।

जे मूर्खक सम्मान करैत अछि, ओ ओहिना होइत अछि जेना कियो भारी पाथर केँ गोफन सँ ढोबय चाहैत अछि।

1: लोकक आदर करबाक तरीका मे हमरा सभ केँ मूर्ख नहि बनबाक चाही; हमरा सभकेँ बुद्धिमान आ सावधान रहबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ अपन प्रशंसामे विवेकशील रहबाक चाही आ अयोग्य लोककेँ सम्मान देबासँ परहेज करबाक चाही।

250

1: नीतिवचन 15:33 - प्रभुक भय बुद्धिक शिक्षा थिक; आ सम्मानक आगू विनम्रता होइत छैक।

2: याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

नीतिवचन 26:9 जेना काँट शराबी के हाथ मे चढ़ैत अछि, तहिना मूर्ख के मुँह मे दृष्टान्त होइत छैक।

मूर्खक मुँह मे दृष्टान्त ओतबे खतरनाक भ' सकैत अछि जतेक शराबी के हाथ मे काँट।

1. मूर्ख गप्प बजबाक खतरा

2. हमर वचन मे बुद्धि

1. नीतिवचन 12:18 - "एकटा एहन अछि जकर बेधड़क बात तलवारक ठोकर जकाँ अछि, मुदा बुद्धिमानक जीह चंगाई दैत अछि।"

2. याकूब 3:2-10 - "हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी। आ जँ केओ अपन बात मे ठोकर नहि खाइत अछि तँ ओ सिद्ध आदमी अछि, जे अपन पूरा शरीर पर लगाम लगा सकैत अछि।"

नीतिवचन 26:10 जे महान परमेश् वर सभ किछु बनौलनि, ओ मूर्ख केँ फल दैत छथि आ अपराधी केँ सेहो।

भगवान् मूर्ख आ पापी दुनू केँ पुरस्कृत करैत छथि।

1. भगवान् के दया के महानता

2. परमेश् वरक कृपा आ क्षमा

1. लूका 6:35-36 - "मुदा अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, हुनका सभक भलाई करू आ ओकरा सभ केँ उधार दिअ, बिना किछु वापस करबाक आशा केने। तखन अहाँक इनाम बहुत बेसी होयत, आ अहाँ सभ परमात्माक संतान बनब, किएक तँ ओ।" कृतघ्न आ दुष्ट पर दयालु होइत अछि।

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

नीतिवचन 26:11 जहिना कुकुर अपन उल्टी मे घुरि जाइत अछि, तहिना मूर्ख अपन मूर्खता मे घुरि जाइत अछि।

मूर्खक बुद्धिक अभाव मे बेर-बेर एके तरहक गलती करैत अछि ।

1: हमरा सभकेँ अपन गलतीसँ सीख लेबाक चाही आ बुद्धिक खोज करबाक चाही, जाहिसँ हम सभ ओही मूर्खतापूर्ण काजकेँ दोहराबैत नहि रहब।

2: हमरा सभ केँ अपन मूर्खताक परिणाम केँ चिन्हबाक चाही, आ बुद्धि मे बढ़बाक प्रयास करबाक चाही, जाहि सँ हम सभ अपन गलती केँ दोहराबय लेल बर्बाद नहि भ' जाय।

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो अपमानित उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: नीतिवचन 9:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान बोध होइत छैक।"

नीतिवचन 26:12 की अहाँ मनुष्य केँ अपन अभिमान मे बुद्धिमान देखैत छी? ओकरासँ बेसी मूर्खक आशा होइत छैक।

अपन नजरि मे बुद्धिमान बुझनिहार व्यक्ति सँ बेसी मूर्खक आशा होइत छैक ।

1: मूर्ख नहि बनू - नीतिवचन 26:12
2: परमेश् वर सँ बुद्धि ताकू - नीतिवचन 9:10
1: याकूब 3:17 - मुदा स् वर्ग सँ जे बुद्धि अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |
2: नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।
नीतिवचन 26:13 आलसी आदमी कहैत अछि, “बाट मे सिंह अछि। एकटा सिंह गली-गली मे अछि।
आलसी आदमी अपन जिम्मेदारी स बचबाक लेल बहाना बना लैत अछि।
1: भय आ बहाना अहाँ के ओ काज करबा स नहि रोकय दियौ जे भगवान अहाँ के ओ काज करय लेल बजौने छथि।
2: बाधाक सामना करैत लगनशील आ साहसी रहू।
1: फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।" 2: यहोशू 1:9 - "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।" नीतिवचन 26:14 जेना दरबज्जा ओकर टिका पर घुमैत अछि, तेना आलसी अपन पलंग पर घुमैत अछि।
आलसी जखन अवसर आबि जायत तखनो बेकार रहत।
1. आलस्य के अहाँ के देल गेल अवसर के लाभ उठाबय स नहि रोकय दियौ।
2. अपन भगवान् द्वारा देल गेल प्रतिभा के उपयोग करू जे अहाँ के देल गेल मौका के अधिकतम उपयोग करू।
1. मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त
2. उपदेशक 9:10 - जे किछु अहाँक हाथ भेटय, से अपन पूरा ताकत सँ करू।
नीतिवचन 26:15 आलसी अपन हाथ अपन कोरा मे नुका लैत अछि। एकरा मुँह मे फेर सँ अनबा मे ओकरा दुख होइत छैक।
आलसी व्यक्ति सफलताक लेल आवश्यक प्रयास करबा लेल तैयार नहि होइत अछि ।
1: आलस्य एकटा गंभीर कुरीति अछि जे जीवन मे असफलताक कारण बनत।
2: सफलता के लेल हमरा सब के मेहनत आ लगनशील रहबाक प्रयास करबाक चाही।
1: मत्ती 25:26-27 - "मुदा ओकर मालिक उत्तर देलथिन आ कहलथिन, 'हे दुष्ट आ आलसी सेवक, अहाँ जनैत छलहुँ जे हम जतय बोनि नहि केने छी ओतय काटि लैत छी आ जतय हम भूसा नहि केने छी ओतय जमा करैत छी। तेँ अहाँ केँ राखबाक चाही छल।' हमर पाइ आदान-प्रदान करयवला सभ केँ देल जाय, आ तखन हमरा अयला पर हमरा अपन पाइ सूदक संग भेटबाक चाही छल।'"
2: उपदेशक 10:18 - "आलस्य सँ छत डूबि जाइत अछि; आ हाथक आलस्य सँ घर लीक भ' जाइत अछि।" नीतिवचन 26:16 सुस्त अपन अभिमान मे सात आदमी सँ बेसी बुद्धिमान होइत अछि जे तर्क द’ सकैत अछि।

सुस्त ओकरा बुद्धिमान बुझि सकैत अछि मुदा यथार्थ मे ओ ओतेक बुद्धिमान नहि अछि जतेक सात गोटे जे ई बुझा सकैत अछि जे ओ एहन किएक सोचैत अछि ।

1. सुस्त के भ्रम: जे किछु सोचैत छी ताहि पर विश्वास नहि करू

2. आत्मनिर्भरताक मूर्खता: भगवानक बुद्धि पर निर्भर रहू

1. याकूब 1:5-7 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओकरा परमेश् वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई हुनका देल जायत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन 26:17 जे ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि आ अपन नहि अछि जे झगड़ा मे हस्तक्षेप करैत अछि, ओ कुकुरक कान पकड़निहार जकाँ अछि।

जे मामला स॑ संबंधित नै छै, ओकरा प॑ फैसला देला स॑ अवांछित परिणाम आबी सकै छै ।

1: अपन जीवनक ओहि क्षेत्र पर ध्यान दियौ जाहि पर ध्यान देबाक आवश्यकता अछि, आ एहन बहस मे शामिल होयबा सँ बचू जकर अहाँ सँ कोनो संबंध नहि हो।

2: एहन मामला मे हस्तक्षेप नहि करू जे अहाँक चिंता नहि, कारण एहि सँ परेशानी भ' सकैत अछि।

1: याकूब 4:11-12 भाइ लोकनि, एक-दोसरक विरुद्ध बुराई नहि करू। जे भाय के खिलाफ बात करै छै या भाय के न्याय करै छै, कानून के खिलाफ बुरा बोलै छै आरू कानून के न्याय करै छै। मुदा जँ अहाँ धर्म-नियमक न्याय करैत छी तँ अहाँ धर्म-नियमक पालन करयवला नहि, न्यायकर्ता छी।

2: नीतिवचन 19:11 सद्बुद्धि आदमी केँ क्रोध मे मंद बना दैत छैक, आ अपराध केँ अनदेखी करब ओकर महिमा छैक।

नीतिवचन 26:18 जेना पागल आदमी आगि, बाण आ मृत्यु फेकैत अछि।

ई अंश बिना बुद्धि के काम करै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै, एकरऽ तुलना एगो पागल आदमी के साथ करलऽ गेलऽ छै जे आगि के निशान, तीर आरू मौत फेंकै छै ।

1. बुद्धि जीवनक कुंजी अछि: आवेगक खतरा सँ बचब

2. बुद्धि सुरक्षा के मार्ग छै: नीतिवचन 26:18 के चेतावनी पर ध्यान देना

1. नीतिवचन 14:15 "साधारण लोक सभ किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।"

2. याकूब 1:5-8 "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि। किएक तँ ओहि व्यक्ति केँ ई नहि बुझबाक चाही जे ओकरा प्रभु सँ किछु भेटतैक, ओ दोहरी विचारक लोक अछि, अपन सभ बाट मे अस्थिर अछि।"

नीतिवचन 26:19 तखन की ओ आदमी अपन पड़ोसी केँ धोखा दैत कहैत अछि जे, “की हम खेल मे नहि छी?”

पड़ोसी के धोखा देब गलत अछि आ मजाक के रूप में नै करबाक चाही।

1. "दोसर के धोखा देबाक खतरा"।

2. "अपन पड़ोसी सँ प्रेम करब: ईमानदार आ सम्मानजनक रहू"।

1. मत्ती 5:44-45 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे अपन पिताक संतान बनि सकब।"

2. कुलुस्सी 3:9-10 - "एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, किएक त' अहाँ सभ अपन पुरान स्वभाव केँ ओकर व्यवहार सँ उतारि लेलहुँ आ नव स्वभाव केँ पहिरने छी, जे अपन सृष्टिकर्ताक प्रतिरूप मे ज्ञान मे नवीनीकरण भ' रहल अछि।"

नीतिवचन 26:20 जतय लकड़ी नहि अछि, ओतय आगि बुझि जाइत अछि।

जतए किस्साबाज नहि रहत ओतहि झगड़ा समाप्त भ जाएत।

1. मौनक शक्ति: बाजब आ कथा-कहानीक अंतर बुझब

2. बाइबिल केरऽ सलाह किस्सा-कहानी आरू ओकरा स॑ कोना बचलऽ जाय

1. नीतिवचन 26:20-22

2. मत्ती 5:9, 11-12

नीतिवचन 26:21 जेना कोयला जरैत कोयला आ लकड़ी आगि मे होइत अछि। तहिना विवादित आदमी झगड़ा भड़काबय लेल सेहो होइत छैक।

विवादित आदमी कलह भड़काबैत अछि आ विवाद अनैत अछि ।

1: द्वंद्व विनाशकारी भ सकैत अछि आ एकरा स बचबाक चाही।

2: अपन शब्द नीक जकाँ चुनू आ अपन सभ गप्प-सप्प मे शांति ताकू।

1: फिलिप्पियों 4:5-7 - "अहाँ सभक कोमलता सभ केँ स्पष्ट रहय। प्रभु लग मे छथि। कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ विनती सँ, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष राखू। आ।" परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।"

2: याकूब 3:17-18 - "मुदा स्वर्ग सँ जे बुद्धि अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि; तखन शान्ति प्रेमी, विचारशील, आज्ञाकारी, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल। शान्ति मे बोनियवला शान्तिकारक फसल कटैत अछि धर्मक फसल।”

नीतिवचन 26:22 कथाकारक वचन घाव जकाँ होइत छैक, आ ओ पेटक भीतर धरि उतरि जाइत छैक।

गपशप के शब्द बहुत नुकसान पहुंचा सकैत अछि, ठीक ओहिना जेना शारीरिक घाव।

1. हमर शब्दक शक्ति- हम जे शब्द बजैत छी ओकर बहुत पैघ प्रभाव हमरा सभक आसपासक लोक पर पड़ि सकैत अछि

2. गपशप के प्रभाव- गपशप कोना गहींर भावनात्मक आ आध्यात्मिक घाव पैदा क सकैत अछि

1. याकूब 3:5-12- जीह के शक्ति आ जीह के वश में करबाक विचार

2. नीतिवचन 18:8- शब्दक शक्ति आ कोना जीवन वा मृत्यु आनि सकैत अछि

नीतिवचन 26:23 जरैत ठोर आ दुष्ट हृदय चानीक कूड़ा सँ झाँपल घैल जकाँ अछि।

दुष्ट हृदयक मूल्य सबसँ बेसी मूल्यहीन वस्तु सँ कम होइत छैक ।

1: हमर सभक बात आ हृदय शुद्ध आ ईमानदार होबाक चाही।

2: पवित्रताक लेल प्रयास करबाक चाही आ छल-प्रपंच सँ बचबाक चाही।

1: भजन 15:2 जे निर्दोष चलैत अछि आ उचित काज करैत अछि आ अपन हृदय मे सत्य बजैत अछि।

2: याकूब 3:5-10 तहिना जीह सेहो छोट अंग अछि, मुदा ओ पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लागि जाइत छैक! आ जीह आगि, अधर्मक संसार। जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल जाइत अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, जीवनक पूरा मार्ग मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि | कारण हर तरहक जानवर आ चिड़ै, सरीसृप आ समुद्री जीवक वश मे कयल जा सकैत अछि आ मनुष्य द्वारा वश मे कयल गेल अछि, मुदा कोनो मनुक्ख जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि । ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै । एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ गारि दैत छी जे परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।

नीतिवचन 26:24 जे घृणा करैत अछि, से अपन ठोर सँ भेँट करैत अछि आ अपन भीतर छल-प्रपंच जमा करैत अछि।

जे घृणा के हृदय मे पनाह दैत अछि ओ ओकरा अपन बात मे नुका देत।

1. अपन हृदय मे घृणा नुकेबाक पाप

2. अपन ठोर स डिसेम्बल करबाक खतरा

1. मत्ती 15:18-19 - मुदा जे बात मनुष्यक मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि, आ ई सभ मनुष्य केँ अशुद्ध करैत अछि। किएक तँ हृदय सँ अधलाह विचार, हत्या, व्यभिचार, यौन-अभिचार, चोरी, झूठ गवाही आ निन्दा निकलैत अछि।

2. याकूब 3:5-6 - तहिना जीह शरीरक छोट अंग अछि, मुदा ओ बहुत घमंड करैत अछि। विचार करू जे केहन पैघ जंगल मे छोट सन चिंगारी सँ आगि लागि जाइत छैक। जीह सेहो आगि अछि, शरीरक अंगक बीच दुष्टताक संसार अछि । ई पूरा शरीर के भ्रष्ट क दैत अछि, जीवन के पूरा मार्ग के आगि लगा दैत अछि, आ स्वयं नरक के आगि लगा दैत अछि |

नीतिवचन 26:25 जखन ओ नीक बजैत छथि तखन हुनका पर विश्वास नहि करू, कारण हुनकर हृदय मे सात टा घृणित बात छनि।

धोखेबाजक हृदय अधलाह सँ भरल रहैत छैक।

1. छल के खतरा: झूठा के कोना स्पॉट कयल जाय

2. ईमानदारी के जीवन जीना: ईमानदारी के लाभ

1. नीतिवचन 12:22 झूठ बाजबऽ वला ठोर परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा जे निष्ठापूर्वक काज करैत अछि, ओ हुनका प्रसन्न करैत अछि।

2. इफिसियों 4:25 तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

नीतिवचन 26:26 जकर घृणा छल-प्रपंच सँ झाँपल अछि, ओकर दुष्टता पूरा मंडली के सामने देखाओल जायत।

जे अपन घृणा केँ छल सँ झाँपि रहल अछि ओकर दुष्टता सबहक देखय लेल उजागर होयत।

1. "धोखा के खतरा"।

2. "दुष्टताक प्रकटीकरण"।

1. भजन 32:2 - "धन्य अछि ओ जे ओकर अपराध क्षमा कयल गेल अछि, जकर पाप झाँपल गेल अछि।"

2. रोमियो 1:18 - "परमेश् वरक क्रोध स् वर्ग सँ प्रगट भ' रहल अछि, जे लोक सभक सभ अभक्ति आ दुष्टता पर प्रगट भ' रहल अछि, जे अपन दुष्टता सँ सत्य केँ दबा दैत अछि।"

नीतिवचन 26:27 जे गड्ढा खोदत से ओहि मे खसि पड़त, आ जे पाथर गुड़कबैत अछि से ओकरा पर घुरि जायत।

अपन कर्म के परिणाम गंभीर भ सकैत अछि।

1: जे काज करैत छी ताहि मे सावधान रहू, कारण जे घुमैत अछि से चारू कात आबि जाइत अछि

2: लापरवाही के दाम कठोर अछि

1: गलाती 6:7 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु मनुष् य बोओत, से ओ काटि सेहो लेत।"

2: उपदेशक 11:9 - "हे युवक, अपन जवानी मे आनन्दित होउ; आ जवानी मे अहाँक मोन अहाँक हर्षित रहू, आ अपन हृदयक बाट आ आँखिक नजरि मे चलब। मुदा जानू।" अहाँ एहि सभ बातक लेल परमेश् वर अहाँ केँ न् याय मे आनथिन।”

नीतिवचन 26:28 झूठ बाजनिहार जीह ओकरा द्वारा पीड़ित लोक सभ सँ घृणा करैत अछि। आ चापलूसी करय बला मुँह विनाश करैत अछि।

झूठ बाजबला जीह जेकरा धोखा दैत अछि ओकरा लेल विनाश आनि दैत छैक, जखन कि चापलूसी बर्बादी मे पहुँचा दैत छैक।

1: दोसरक संग व्यवहार मे ईमानदार रहू, कारण ई धर्मी जीवनक लेल सर्वोत्तम बाट अछि।

2: चापलूसी धोखा देबय वाला होइत अछि आ विनाश के तरफ ल जाइत अछि, ताहि लेल सावधान रहू जे अहाँ की कहैत छी आ केकरा।

1: इफिसियों 4:15-16 - बल्कि, प्रेम मे सत्य बजैत, हमरा सभ केँ सभ तरहेँ ओहि मे बढ़बाक चाही जे माथ छथि, मसीह मे, जिनका सँ पूरा शरीर, जे हर जोड़ सँ जुड़ल अछि आ एक दोसरा सँ पकड़ल गेल अछि ई सुसज्जित छै, जबेॅ हर अंग ठीक सें काम करी रहलऽ छै, तबे शरीर के बढ़ै छै ताकि प्रेम में खुद के निर्माण होय जाय छै।

2: कुलुस्सी 3:9-10 - एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, ई देखि जे अहाँ सभ पुरान स्वभाव केँ ओकर आचरणक संग छोड़ि देलियैक आ नव स्वयं केँ पहिरि लेलहुँ, जे ओकर सृष्टिकर्ताक प्रतिरूपक अनुसार ज्ञान मे नवीनीकरण भ’ रहल अछि।

नीतिवचन अध्याय 27 मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे संबंध के महत्व, विनम्रता के मूल्य, आ बुद्धिमान योजना के लाभ शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत संबंध के महत्व आ वास्तविक दोस्ती के आवश्यकता पर जोर दैत अछि | एहि मे ई बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे एकटा वफादार मित्र आराम आ सहयोगक स्रोत होइत अछि । ई ईमानदार प्रतिक्रिया आरू जवाबदेही के महत्व के भी रेखांकित करै छै (नीतिवचन 27:1-14)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे विनम्रता, द्वंद्वक निपटारा मे बुद्धि, आ अपन काजक प्रबंधन मे लगन सन विषय केँ संबोधित करैत अछि। एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे विनम्रता सँ सम्मान भेटैत छैक जखन कि अहंकार सँ विनाश होइत छैक | एहि मे पहिने सँ योजना बनेबाक आओर अपन काज मे लगनशील रहबाक फायदा पर सेहो प्रकाश देल गेल अछि (नीतिवचन 27:15-27)।

संक्षेप मे, २.
नीतिवचन सत्ताईस अध्याय मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,

जाहि मे संबंध पर देल गेल महत्व,
विनम्रता सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ बुद्धिमान योजनाक परिणामस्वरूप लाभ।

आराम आरू समर्थन के स्रोत के रूप म॑ वास्तविक दोस्ती प॑ जोर दै के साथ-साथ संबंधऽ के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ महत्व क॑ पहचानना ।
ईमानदार प्रतिक्रिया आ जवाबदेही कें देल गेल महत्व कें उजागर करनाय.
विनम्रता, द्वंद्व के निपटारा में बुद्धि जैसनऽ व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स॑ विभिन्न विषयऽ के संबोधित करना जबकि अहंकार के खिलाफ सावधानी के साथ-साथ सम्मान के तरफ ले जाय वाला विनम्रता पर डाललऽ जाय वाला मूल्य के रेखांकित करना ।
आगू सं योजना बनानाय आ काज मे लगन सं जुड़ल लाभक कें संबंध मे देखाएल गेल मान्यता कें रेखांकित करनाय.
सार्थक संबंध के खेती के अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय, विनम्र मनोवृत्ति के महत्व देनाय, संघर्ष के दौरान बुद्धिमान सलाह लेबय के संग-संग अहंकार या विनाशकारी व्यवहार सं बचनाय. एकर अतिरिक्त, सोचल-समझल योजना आ लगनशील प्रयासक कें माध्यम सं प्राप्त फायदा कें पहचान करनाय.

नीतिवचन 27:1 काल्हिक घमंड नहि करू। किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे एक दिन की पैदा कऽ सकैत अछि।”

भविष्यक योजना पर घमंड नहि करू, कारण अहाँ नहि जनैत छी जे जीवन की आनि सकैत अछि।

1. "भविष्य के योजना में विनम्र रहू"।

2. "जीवनक अनिश्चितताक प्रति सजग रहू"।

1. याकूब 4:13-17

2. लूका 12:13-21

नीतिवचन 27:2 दोसर केओ अहाँक प्रशंसा करय, अहाँक अपन मुँह नहि। परदेशी छी, आ अहाँक अपन ठोर नहि।

दोसर द्वारा प्रशंसा करबा स बेसी अपन प्रशंसा करब प्राथमिकता नहि देबाक चाही।

1. घमंड पतन सँ पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. सच्चा प्रशंसा केँ चिन्हब - रोमियो 12:3

1. नीतिवचन 15:2 - "बुद्धिमानक जीह ज्ञानक सही प्रयोग करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता बहबैत अछि।"

2. भजन 19:14 - "हे प्रभु, हमर चट्टान आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।"

नीतिवचन 27:3 पाथर भारी होइत अछि आ बालु भारी होइत अछि। मुदा मूर्खक क्रोध दुनू गोटेसँ बेसी भारी होइत छैक।

मूर्खक क्रोध पाथर आ बालु दुनूसँ बेसी भारी होइत छैक ।

1. अपन क्रोध के हमरा सब पर हावी होबय देबय के खतरा

2. क्रोध आ ओकर परिणाम

1. याकूब 1:19-20 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. इफिसियों 4:26-27 क्रोधित रहू आ पाप नहि करू; अपन क्रोध पर सूर्यास्त नहि होउ, आ शैतान केँ कोनो अवसर नहि दियौक।

नीतिवचन 27:4 क्रोध क्रूर अछि, आ क्रोध आक्रोशजनक अछि; मुदा ईर्ष्याक समक्ष के ठाढ़ भ' सकैत अछि?

नीतिवचन के ई अंश क्रोध, क्रोध आरू ईर्ष्या के विनाशकारी प्रकृति के उजागर करै छै।

1. अनियंत्रित भावनाक खतरा: अपन प्राकृतिक प्रतिक्रिया पर कोना नियंत्रण कयल जाय।

2. ईर्ष्या के शक्ति: ईर्ष्या के प्रभाव के पहचानना।

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. रोमियो 12:17-21 - "ककरो अधलाह के बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे आदरणीय काज करबाक लेल सोचू। जँ संभव हो, जहाँ धरि ई अहाँ सभ पर निर्भर अछि, सभक संग शान्तिपूर्वक रहू। प्रियतम, कहियो नहि।" बदला लिअ, मुदा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दियौक, किएक तँ लिखल अछि जे प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।उल्टा जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक, जँ ओ प्यासल अछि तँ ओकरा किछु दिअ पीबय लेल, किएक त’ अहाँ सभ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब।

नीतिवचन 27:5 गुप्त प्रेम स’ नीक अछि जे खुलेआम डांटब।

डाँट, जखन खुलि क' कयल जाय, त' गुप्त स्नेह सँ बेसी लाभकारी होइत छैक।

1. खुला डांट के फायदा

2. प्रेम आ डाँटक शक्ति

1. नीतिवचन 17:9 - "जे कोनो अपराध केँ झाँपैत अछि, ओ प्रेमक खोज करैत अछि, मुदा जे कोनो बात दोहराबैत अछि, ओ घनिष्ठ मित्र केँ अलग क' दैत अछि।"

2. मत्ती 18:15-17 - "तहूँ जँ अहाँक भाय अहाँक विरुद्ध पाप करैत अछि तँ जाउ आ हुनका असगरे हुनकर दोष बताउ। जँ ओ अहाँक बात सुनत तँ अहाँ अपन भाय केँ लाभ उठा लेने छी। मुदा जँ ओ नहि सुनत तँ ओकरा संग लऽ लिअ।" अहाँ एक-दू गोटे आओर, जाहि सँ दू-तीन गवाहक मुँह सँ एक-एकटा बात स्थापित भ' जाय।आ जँ ओ ओकरा सभ केँ सुनबा सँ मना क' दैत अछि त' मण् डली केँ कहि दियौक।मुदा जँ ओ मण् डली केँ सुनबा सँ सेहो मना क' दैत अछि त' ओ अहाँ सभक समक्ष रहय विधर्मी आ कर वसूलीक समान।"

नीतिवचन 27:6 मित्रक घाव विश्वासी होइत छैक। मुदा शत्रु के चुम्मा धोखा देबय वाला होइत छैक।

ई अंश हमरा सब क॑ अपनऽ संबंधऽ के प्रति सजग रहै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू ई बात क॑ स्वीकार करै लेली कि कखनी-कखनी कोनो भरोसेमंद दोस्त केरऽ दर्दनाक सच्चाई दुश्मन केरऽ झूठा प्रोत्साहन स॑ भी अधिक फायदेमंद होय छै ।

1. सच्चा दोस्ती के मूल्य

2. संबंध मे विवेक

1. नीतिवचन 17:17 - मित्र हर समय प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक लेल जन्म लैत अछि।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। कारण जँ खसि पड़त तँ कियो अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर

रहैत अछि, किएक तँ ओकरा उठयवला केओ नहि अछि। पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहताह तऽ गरम रहताह; मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि। भले एक पर दोसर पर हावी भ' सकय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन क' सकैत अछि. आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि ।
नीतिवचन 27:7 पूर्ण प्राणी मधुक छत्ते सँ घृणा करैत अछि। मुदा भूखल आत्माक लेल हर कटु बात मीठ होइत छैक।
आत्मा तृप्त भेला पर संतुष्ट रहैत अछि, आ नहि रहला पर बेसी के भूखल रहैत अछि ।
1: मसीह मे संतोष - कुलुस्सी 3:1-2
2: परमेश् वरक भूखक संतुष्टि - भजन 42:1-2
1: फिलिप्पियों 4:11-13
2: इब्रानी 13:5-6
नीतिवचन 27:8 जेना चिड़ै अपन खोंता सँ भटकैत अछि, तहिना मनुष्य अपन स्थान सँ भटकैत अछि। अपन स्थानसँ दूर भटकैत मनुक्खक तुलना अपन खोंतासँ दूर भटकैत चिड़ैसँ कएल जाइत अछि ।
1. अपन स्थान स भटकबाक खतरा - नीतिवचन 27:8
2. अपन स्थान पर रहब: प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करब - नीतिवचन 3:5-6
1. यिर्मयाह 29:11-14
2. नीतिवचन 3:5-6
नीतिवचन 27:9 मरहम आ सुगंध हृदय केँ आनन्दित करैत अछि, तहिना मनुष् यक मित्रक मिठास हृदय सँ सलाह दैत अछि।
मित्रक सलाहक मिठास हृदय मे आनन्द आनि सकैत अछि ।
1. मित्रताक आनन्द: नीक मित्र कोना सुख आनि सकैत अछि
2. प्रोत्साहनक शक्ति: दोसरक ताकत मे कोना आनन्दित होयब
1. नीतिवचन 18:24 - बहुत संगी के आदमी बर्बाद भ सकैत अछि, मुदा एकटा मित्र अछि जे भाई स बेसी नजदीक स चिपकल रहैत अछि।
2. यूहन्ना 15:13 - एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि होइत छैक जे अपन मित्रक लेल अपन प्राण देब। नीतिवचन 27:10 अपन मित्र आ अपन पिताक मित्र केँ नहि छोड़ू। आ ने अपन विपत्तिक दिन अपन भायक घर मे जाउ, किएक तँ दूरक भाय सँ नीक पड़ोसी जे नजदीक अछि।
ई अंश हमरा सब क॑ अपनऽ दोस्त आरू परिवार के साथ संबंध बनाबै लेली प्रोत्साहित करै छै, खास करी क॑ कठिन समय म॑ ।
1. दोस्ती के मूल्य: परेशान समय में संबंध केना बनाए रखल जाय
2. जरूरत के समय में हाथ बढ़ाना: पड़ोसी प्रेम के महत्व
1. उपदेशक 4:9 12
2. रोमियो 12:9 10

नीतिवचन 27:11 हमर बेटा, बुद्धिमान बनू आ हमर मोन केँ आनन्दित करू, जाहि सँ हम ओहि केँ उत्तर द’ सकब जे हमरा निन्दा करैत अछि।

वक्ता अपन बेटा के बुद्धिमान बनय लेल आ ओकरा खुश करय लेल प्रोत्साहित करैत छथि जाहि सं हुनकर आलोचना करय वाला के जवाब देल जा सकय.

1. विनम्रताक बुद्धि: आलोचनाक प्रतिक्रिया अनुग्रहक संग देब सीखब

2. बुद्धिमान हृदयक शक्ति: प्रतिकूलताक सामना करैत शक्ति प्राप्त करब

1. याकूब 1:19 - प्रत्येक व्यक्ति जल्दी सुनय मे, बाजय मे देरी आ क्रोध मे देरी करय।

2. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।

नीतिवचन 27:12 बुद्धिमान लोक अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि।
मुदा साधारण लोक आगू बढ़ि जाइत अछि, आ सजा भेटैत अछि।

विवेकी व्यक्ति खतरा के पूर्वानुमान लगाबै छै आरू ओकरा सें बचै के कदम उठाबै छै, जबकि भोला-भाला लोग बेचैन होय जाय छै आरू एकरऽ परिणाम भोगै छै ।

1. तैयारी के बुद्धि: सफलता के लेल आगू स योजना बनाबय के

2. विवेकक आशीर्वाद: अनावश्यक परेशानी सँ बचब

1. मत्ती 10:16- देखू, हम अहाँ सभ केँ भेड़ियाधसानक बीच मे भेँड़ा जकाँ पठा रहल छी, तेँ साँप जकाँ बुद्धिमान आ कबूतर जकाँ निर्दोष बनू।

2. नीतिवचन 19:11- सद्बुद्धि क्रोध मे मंद बना दैत छैक, आ अपराध केँ अनदेखी करब ओकर महिमा छैक।

नीतिवचन 27:13 ओकर वस्त्र जे परदेशी के लेल जमानत अछि, ओकरा ल’ लिअ आ ओकरा परदेशी महिलाक लेल प्रतिज्ञा ग्रहण करू।

एहि अंश मे अनजान लोकक संग व्यवहार करबा काल सावधान आ विवेकपूर्ण रहबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि ।

1. "सावधानी के बुद्धि: नीतिवचन 27:13 के सलाह पर ध्यान देब"।

2. "सावधानी के मूल्य: नीतिवचन 27:13 स सीखब"।

1. उपदेशक 5:4-5 जखन अहाँ परमेश् वरक प्रति व्रत करब तँ ओकरा पूरा करबा मे स्थगित नहि करू। कारण, ओकरा मूर्ख मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत छैक, जे अहाँ जे व्रत केने छी से पूरा करू।” अहाँ व्रत नहि करब, एहि सँ नीक जे अहाँ व्रत क' क' पूरा नहि करी।

2. मत्ती 5:33-37 फेर अहाँ सभ सुनने छी जे पुरान समयक लोक सभ कहैत छल जे, “अहाँ अपना केँ गलत शपथ नहि करू, बल् कि प्रभुक प्रति अपन शपथ पूरा करू। ने स्वर्गक द्वारा। कारण, ई परमेश् वरक सिंहासन अछि, आ ने पृथ् वीक द्वारा। किएक तँ ई ओकर पएरक ठेहुन अछि, आ ने यरूशलेम। कारण, ई महान राजाक नगर थिक। आ ने माथक शपथ खाउ, किएक तँ एक केशकेँ उज्जर वा कारी नहि बना सकैत छी। मुदा अहाँ सभक संवाद होउ, हँ, हँ। नहि, किएक तँ एहि सभ सँ बेसी जे किछु अछि से अधलाह सँ अबैत अछि।

नीतिवचन 27:14 जे अपन मित्र केँ भोरे-भोर उठि क’ जोर-जोर सँ आशीर्वाद दैत अछि, ओकरा ओकरा अभिशाप मानल जायत।

ई श्लोक दोसर के बेसी जोर स आ बेसी भोरे आशीर्वाद देबय स चेतावनी दैत अछि, कियाक त एकरा अभिशाप के रूप में देखल जा सकैत अछि।

1. सूक्ष्मताक शक्ति: अपन शब्दक गिनती करब

2. धैर्यक आशीर्वाद: मंद मंद बाजू आ समय निकालू

1. मत्ती 5:37 - "अहाँक 'हाँ' 'हाँ' हो, आ अहाँक 'नहि', 'नहि।' एहि सँ आगू जे किछु दुष्ट सँ होइत छैक |"

2. याकूब 1:19 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू।"

नीतिवचन 27:15 बहुत बरसातक दिन मे निरंतर बूंद आ विवादित स्त्री एक समान होइत अछि।

नीतिवचन 27:15 एकटा विवादित महिला के झुंझलाहट के तुलना बहुत बरसात के दिन में लगातार टपकला स करैत अछि।

1. परमेश् वरक बुद्धि: नीतिवचन 27:15 सँ सीखब

2. शब्दक शक्ति: विवादित महिला सँ कोना बचि सकैत छी

1. याकूब 3:5-10 - हमर सभक वचनक शक्ति आ ओकर उपयोग कोना निर्माण आ तोड़बा मे कयल जा सकैत अछि

2. नीतिवचन 16:24 - सुखद शब्द मधुक छत्ता जकाँ होइत अछि, आत्माक लेल मिठास आ शरीरक लेल स्वास्थ्य।

नीतिवचन 27:16 जे कियो ओकरा नुकाबैत अछि, ओ हवा आ ओकर दहिना हाथक मरहम केँ नुकाबैत अछि, जे अपना केँ नुका दैत अछि।

जे किछु नुकेबाक प्रयास करैत अछि ओ ओतबे व्यर्थ होइत अछि जतेक हवा आ दहिना हाथक मरहम नुकेबाक प्रयास।

1. भगवान सब देखैत छथि आ सब जनैत छथि, कोनो रहस्य नुकायल नहि जा सकैत अछि।

2. हमरा सभ केँ अपन सभ काज मे सावधान रहबाक चाही, कारण भगवान् सभ काज केँ प्रकट करताह।

1. भजन 139: 1-12

2. मत्ती 6:1-4

नीतिवचन 27:17 लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि। तेँ मनुष् य अपन मित्रक मुँह तेज करैत अछि।

ई लोकोक्ति संगतिक मूल्य आ दू गोटेक एक दोसरा केँ तेज करबाक लाभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि |

1. दोस्ती के शक्ति: प्रोत्साहन के माध्यम स अपना के कोना मजबूत करी

2. लोहा तेज करब लोहा: अपन नीक संस्करण बनब दोसर सँ सीखब

1. नीतिवचन 15:22 - "बिना परामर्शक उद्देश्य निराश भ' जाइत अछि, मुदा परामर्शदाताक भीड़ मे ओ सभ स्थिर भ' जाइत अछि।"

2. रोमियो 12:10 - "भाई-बहिनक प्रेम सँ एक-दोसर सँ दयालु स्नेह करू; आदर मे एक-दोसर केँ प्राथमिकता दियौक।"

नीतिवचन 27:18 जे अंजीरक गाछ राखत से ओकर फल खायत, तेँ जे अपन मालिकक प्रतीक्षा करैत अछि, ओकर आदर कयल जायत।

जे अपन काज मे धैर्य आ लगनशील रहत ओकरा फल भेटतैक।

1. लगन के फल

2. धैर्यक शक्ति

1. गलाती 6:9 - नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भ’ जायब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

2. कुलुस्सी 3:23-24 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सँ करू, जेना प्रभुक लेल करब। ई जानि कऽ जे अहाँ सभ केँ उत्तराधिकारक फल प्रभुक द्वारा भेटत, किएक तँ अहाँ सभ प्रभु मसीहक सेवा करैत छी।

नीतिवचन 27:19 जेना पानि मे चेहरा मुँह पर उत्तर दैत अछि, तहिना मनुष्यक हृदय मनुक्खक प्रति।

ई लोकोक्ति ई बतबैत अछि जे जहिना पानि मे ककरो परावर्तन ओकर चेहरा सँ मेल खाइत अछि तहिना एक आदमीक हृदय दोसरक हृदय सँ मेल खाइत अछि ।

1. हम सब जुड़ल छी, आ अपन आसपास के लोक स मजबूत संबंध बनेबाक प्रयास करबाक चाही।

2. हमर सभक हृदय एक दोसराक दर्पण अछि, आ एहि तरहें हमरा सभ केँ ई ध्यान राखबाक चाही जे हम सभ एक दोसराक संग कोना व्यवहार क' रहल छी।

1. नीतिवचन 17:17- "मित्र हर समय प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक समय लेल जन्म लैत अछि।"

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - "प्रेम धैर्य रखैत अछि, प्रेम दयालु होइत अछि। ईर्ष्या नहि करैत अछि, घमंड नहि करैत अछि, घमंड नहि करैत अछि। दोसरक अपमान नहि करैत अछि, स्वार्थी नहि अछि, नहि अछि।" सहजहि क्रोधित भ' क' गलतीक कोनो रिकार्ड नहि रखैत अछि. प्रेम बुराई मे मस्त नहि होइत अछि अपितु सत्य सँ आनन्दित होइत अछि. सदिखन रक्षा करैत अछि, सदिखन भरोसा करैत अछि, सदिखन आशा करैत अछि, सदिखन दृढ़ता रखैत अछि."

नीतिवचन 27:20 नरक आ विनाश कहियो पूर्ण नहि होइत अछि; तेँ मनुक्खक आँखि कहियो तृप्त नहि होइत छैक।

नरक आ विनाशक प्रचुरताक बादो मनुक्खक आँखि कहियो तृप्त नहि होइत अछि ।

1: जीवन मे जे आशीर्वाद भेटैत अछि ओकर कदर करू आ जे किछु अछि ताहि मे संतुष्ट रहू।

2: बेसी प्रयास करबाक परिणाम के प्रति जागरूक रहू आ नरक आ विनाश के रास्ता स दूर रहू।

1: भजन 37:4 - प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

2: 1 तीमुथियुस 6:6-8 - मुदा संतोषक संग परमेश् वरक भक्ति बहुत लाभ अछि, किएक तँ हम सभ संसार मे किछु नहि अनलहुँ आ संसार सँ किछु नहि निकालि सकैत छी। मुदा जँ हमरा सभ लग भोजन आ वस्त्र रहत तँ एहि सभसँ हम सभ संतुष्ट रहब।

नीतिवचन 27:21 जेना चानीक बदला मे चानीक बर्तन आ सोनाक बदला भट्ठी। तहिना मनुष्य ओकर प्रशंसा करबाक लेल होइत छैक।

मनुष्य केँ अपन प्रशंसा मे विनम्र रहबाक चाही।

1: घमंड सँ बचबाक चाही आ विनम्रता केँ आत्मसात करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सदिखन विनम्र बनबाक प्रयास करबाक चाही, घमंडी नहि।

1: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

नीतिवचन 27:22 जँ अहाँ मूर्ख केँ गहूमक बीच मे मोर्टार मे मूसल सँ चीत्कार करब, मुदा ओकर मूर्खता ओकरा सँ नहि हटत।

मूर्ख केँ ओकर मूर्खता सँ मुक्ति नहि भेटतैक, चाहे ओकरा सँ कतबो तर्क करबाक प्रयास कयल जाय।

1. अज्ञानताक खतरा: हमरा सभकेँ बुद्धिक खेती करबाक आवश्यकता किएक

2. मूर्खक संग बहस करबाक व्यर्थता: अपन सीमा केँ बुझब

1. मत्ती 7:6, "कुकुर केँ पवित्र नहि दियौक, आ अपन मोती केँ सुग्गरक आगू नहि फेकि दियौक, नहि त' ओ सभ ओकरा पएर नीचाँ रौंद क' अहाँ पर आक्रमण करबाक लेल नहि घुमि जाय।"

2. उपदेशक 5:2, "अपन मुँह सँ बेधड़क नहि करू, आ नहिये अपन हृदय परमेश् वरक समक्ष कोनो वचन बजबा मे जल्दबाजी करू, कारण परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छी। तेँ अहाँक वचन कम हो।"

नीतिवचन 27:23 अहाँ अपन भेँड़ाक स्थिति जानबाक लेल लगनशील रहू आ अपन भेँड़ा केँ नीक जकाँ देखू।

अपन संसाधनक प्रबंधन मे लगनशील रहू।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ जे किछु देल गेल अछि ओकर नीक भण्डारी बनबाक लेल बजबैत छथि।

2. हमरा सभकेँ अपन संसाधनक संबंधमे अपन जिम्मेदारीकेँ सजग रहबाक चाही।

1. लूका 12:48 मुदा जे नहि जनैत छल आ प्रहारक योग्य काज केलक, ओकरा कम प्रहार सँ मारल जायत। कारण, जकरा बहुत किछु देल जायत, ओकरा सँ बहुत किछु माँगल जायत।

2. उत्पत्ति 1:26-28 परमेश् वर कहलथिन, “हम सभ अपन प्रतिरूप मे मनुष् य केँ अपन प्रतिरूप मे बनाबी समस्त पृथ् वी पर आ पृथ् वी पर रेंगय बला सभ सरीस्त जीव पर। तेँ परमेश् वर मनुष् य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर आ स्त्री बनौलनि ओ हुनका सभ केँ। परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीष देलथिन आ परमेश् वर हुनका सभ केँ कहलथिन, “प्रजनन करू आ बढ़ू आ पृथ् वी केँ भरि कऽ ओकरा वश मे करू पृथ्वी पर चलैत अछि।

नीतिवचन 27:24 किएक तँ धन-सम्पत्ति अनन्त काल धरि नहि रहैत अछि, आ की मुकुट सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि?

धन शाश्वत नहि होइत छैक आ मुकुट सदाक लेल नहि रहैत छैक ।

1. धन आ सत्ताक अनित्यता - धन आ सत्ताक क्षणभंगुर प्रकृति पर चर्चा।

2. विनम्रताक मूल्य - धन आ शक्तिक अस्थायी प्रकृतिक विपरीत विनम्रताक महत्वक अन्वेषण।

1. याकूब 4:13-17 - सांसारिक साधना के क्षणभंगुर प्रकृति के परीक्षण।

2. मत्ती 6:19-21 - स्वर्ग मे खजाना जमा करबाक महत्वक खोज करब।

नीतिवचन 27:25 घास प्रकट होइत अछि, आ कोमल घास देखाइत अछि, आ पहाड़क जड़ी-बूटी जमा होइत अछि।

पहाड़ केरऽ घास, कोमल घास, आरू जड़ी-बूटी भगवान केरऽ प्रबंध केरऽ दृश्यमान संकेत छै ।

1: भगवान् के प्रावधान - हुनकर प्रेम के निशानी

2: भगवान् के सृष्टि में प्रचुरता

1: मत्ती 6:25-34 - यीशु हमरा सभ केँ सिखाबैत छथि जे चिन्ता नहि करू, बल्कि परमेश्वरक प्रावधान पर भरोसा करू।

2: भजन 104:10-14 - सृष्टि मे हुनकर प्रावधानक लेल परमेश् वरक स्तुति करब।

नीतिवचन 27:26 मेमना अहाँक वस्त्रक लेल अछि, आ बकरी खेतक दाम अछि।

मेमना कपड़ा उपलब्ध कराबैत अछि जखन कि बकरी खेतक दाम होइत अछि ।

1. आत्मनिर्भरता के मूल्य: आत्मनिर्भरता के लाभ के खोज के लेल नीतिवचन 27:26 के प्रयोग

2. प्रावधान के आशीर्वाद: नीतिवचन 27:26 परमेश्वर के उदारता के कोना इशारा करैत अछि

1. उत्पत्ति 3:21 - प्रभु परमेश् वर आदम आ हुनकर पत्नीक लेल चमड़ाक वस्त्र बनौलनि आ हुनका सभ केँ कपड़ा पहिरा देलनि।

2. मत्ती 6:25-34 - यीशु हमरा सभ केँ अपन प्रावधानक लेल प्रभु पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

नीतिवचन 27:27 अहाँक भोजन, घरक भोजन आ कुमारि सभक भरण-पोषणक लेल बकरीक दूध पर्याप्त होयत।

नीतिवचन 27:27 बकरीक दूध भोजनक लेल, अपन घरक लेल आ अपन देखभाल मे बैसल लोकक लेल पर्याप्त बकरीक दूध रखबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. प्रचुरता के आशीर्वाद: नीतिवचन 27:27 हमरा सब के कोना प्रचुरता के लेल सिखाबैत अछि

2. देखभालक कर्तव्य: नीतिवचन 27:27 हमरा सभ केँ कोना दोसरक भरण-पोषण करब सिखाबैत अछि

1. लूका 12:32-34 - "हे छोट झुंड, नहि डेराउ, किएक त' अहाँ सभक पिता अहाँ सभ केँ राज्य देब' मे प्रसन्नता अछि। अपन सम्पत्ति बेचि क' भिक्षा दिअ; अपना लेल पर्स जे बूढ़ नहि होइत अछि, से खजाना सेहो राखू।" आकाश मे जे क्षीण नहि होइत अछि, जतय चोर लग नहि अबैत अछि आ पतंग नष्ट नहि करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतय अहाँक हृदय सेहो रहत।"

2. 1 तीमुथियुस 5:8 - "मुदा जँ केओ अपन परिजन आ खास क' अपन घरक लोकक भरण-पोषण नहि करैत अछि, त' ओ विश्वास केँ अस्वीकार क' देने अछि आ अविश्वासी सँ बेसी खराब अछि।"

नीतिवचन अध्याय २८ मे जीवनक विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे दुष्टताक परिणाम, धर्मक मूल्य आ अखंडताक महत्व शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत दुष्टता आरू परमेश्वर के आज्ञा के अवज्ञा के साथ आबै वाला परिणाम के उजागर करी क करलौ गेलौ छै। एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे जे धर्मक पाछाँ लागल छथि हुनका सुरक्षा आ आशीर्वाद भेटतनि। ई बेईमानी आरू अत्याचार के खिलाफ भी चेतावनी दै छै (नीतिवचन 28:1-14)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा स जे गरीबी, नेतृत्व, आ ईमानदारी जेहन विषय कए संबोधित करैत अछि। ई आलस्य आरू बेईमान लाभ स॑ जुड़लऽ नकारात्मक परिणाम क॑ रेखांकित करै छै । ई न्याय आरू ईमानदारी प॑ आधारित बुद्धिमान नेतृत्व के महत्व प॑ प्रकाश डालै छै । ईमानदारी स’ जीबै स’ भेटय बला आशीर्वाद पर सेहो जोर देल गेल छै (नीतिवचन 28:15-28)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अड़इस अध्याय मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,

दुष्टता के परिणामस्वरूप परिणाम सहित,
धर्म सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ ईमानदारी पर महत्व देल गेल अछि।

दुष्टता के संबंध में दिखायल गेल परिणाम के पहचान के साथ-साथ सुरक्षा आ आशीर्वाद के लेल धर्म के पीछा करय पर जोर देल गेल।
बेईमानी आ उत्पीड़न के खिलाफ सावधानी पर प्रकाश डालैत।
गरीबी, नेतृत्व, ईमानदारी जैसनऽ व्यक्तिगत लोकोक्ति के माध्यम स॑ विभिन्न विषयऽ क॑ संबोधित करना जबकि आलस्य या दुर्बल लाभ स॑ जुड़लऽ नकारात्मक परिणाम के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ पहचान क॑ रेखांकित करना ।
न्याय आरू ईमानदारी प॑ आधारित बुद्धिमान नेतृत्व क॑ देलऽ जाय वाला महत्व के साथ-साथ ईमानदारी स॑ जीला स॑ मिलै वाला फायदा प॑ प्रकाश डालना ।
दुष्ट कर्म के प्रतिक्रिया के समझै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना, सुरक्षा आरू आशीर्वाद खोजै लेली धर्मी जीवनशैली के महत्व देना जबकि बेईमानी या दमनकारी व्यवहार स॑ बचना । एकरऽ अतिरिक्त जीवन केरऽ सब पहलू म॑ ईमानदारी क॑ अपनाबै के साथ-साथ न्याय आरू ईमानदारी म॑ जड़ जमाय क॑ बुद्धिमान नेतृत्व के महत्व क॑ पहचानना ।

नीतिवचन 28:1 दुष्ट तखन भागि जाइत अछि जखन कियो पीछा नहि करैत अछि, मुदा धर्मी सिंह जकाँ साहसी होइत अछि।

धर्मात्मा बहादुर आ निर्भीक होइत अछि, जखन कि दुष्ट कायर होइत अछि आ जखन कियो पीछा नहि रहल अछि तखन भागि जाइत अछि ।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत साहस आ विश्वासक महत्व।

2. दुष्टताक जीवन जीबाक परिणाम।

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी; त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब?

नीतिवचन 28:2 कोनो देशक अपराधक लेल बहुतो लोक ओकर राजकुमार होइत छथि, मुदा बुद्धि आ ज्ञानक लोकक द्वारा ओकर स्थिति दीर्घ भ’ जायत।

कोनो भूमिक अवस्था बुद्धिमान आ ज्ञानी पुरुषक सहायता सँ लम्बा कएल जा सकैत अछि ।

1: हम एहि अंश स सीख सकैत छी जे समृद्ध जीवन जीबा मे बुद्धि आ ज्ञान कुंजी अछि।

2: नीतिवचन 28:2 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे एकटा बुद्धिमान आ जानकार आदमी कोनो राष्ट्रक स्थिति मे दीर्घकालीन लाभ आनि सकैत अछि।

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

नीतिवचन 28:3 गरीब आदमी जे गरीब पर अत्याचार करैत अछि, ओ एकटा एहन बरखा जकाँ होइत अछि जे अन्न नहि छोड़ैत अछि।

कम भाग्यशाली पर अत्याचार करयवला बेचारा एकटा एहन तूफान जकाँ होइत छैक जकर कोनो लाभ ककरो नहि होइत छैक ।

1: कम भाग्यशाली के मदद करय लेल भगवान के देल संसाधन के संग उदार रहय पड़त।

265

2: गरीब आ दबल-कुचलल लोकक फायदा नहि उठाउ, बल्कि ओकरा पर करुणा आ दयालुता देखाउ।

1: याकूब 2:14-17 - हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त’ एकर की फायदा? की एहन विश्वास हुनका सभ केँ बचा सकैत अछि? मानि लिअ जे कोनो भाइ वा बहिन बिना कपड़ा आ नित्य भोजनक अभाव मे छथि । जँ अहाँ सभ मे सँ कियो ओकरा सभ केँ कहय जे, “शांति सँ जाउ।” गर्म रहू आ नीक सं भोजन कराउ, मुदा ओकर शारीरिक जरूरतक बारे मे किछु नहि करैत अछि, एकर की फायदा? तहिना विश्वास अपने आप मे जँ कर्मक संग नहि हो तँ मृत अछि ।

2: यशायाह 58:6-7 - की हम एहन उपवास नहि चुनने छी जे अन्यायक जंजीर खोलब आ जुआक डोरी खोलब, उत्पीड़ित केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन भोजन बाँटब आ नंगटे देखला पर गरीब भटकल केँ आश्रय देब, कपड़ा पहिरब आ अपन खून-मांस सँ मुँह नहि घुमब?

नीतिवचन 28:4 जे सभ व्यवस्था केँ छोड़ैत अछि, ओ सभ दुष्टक प्रशंसा करैत अछि, मुदा जे सभ व्यवस्थाक पालन करैत अछि, से ओकरा सभ सँ झगड़ा करैत अछि।

जे कानून के पालन नै करै छै, वू अक्सर दुष्ट के प्रशंसा करै छै, जबकि जे कानून के पालन करै छै, ओकरोॅ गलत काम के सामना करै छै।

1. परमेश् वरक नियमक पालन करबाक महत्व

2. दुष्टताक सोझाँ आत्मसंतोषक खतरा

1. रोमियो 6:16 - अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकर आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

नीतिवचन 28:5 दुष्ट लोक न्याय नहि बुझैत अछि, मुदा जे प्रभुक खोज करैत अछि, सभ किछु बुझैत अछि।

दुष्ट लोक सभ केँ न्यायक समझ मे कमी अछि, मुदा जे सभ परमेश् वर केँ तकैत अछि, सभ किछु बुझैत अछि।

1. भगवान् के खोज के शक्ति: सब बात के समझू

2. अधलाहक जाल मे नहि पड़ू: प्रभु केँ ताकू

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. यिर्मयाह 29:13 - जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

नीतिवचन 28:6 जे गरीब अपन सोझता मे चलैत अछि, से नीक अछि जे अपन बाट मे विकृत अछि, भले ओ धनिक हो।

धनिक आ दुष्ट सँ नीक जे धर्मी आ गरीब रहब।

1. सोझताक आशीर्वाद

2. विकृतिक खतरा

1. यशायाह 33:15-16 जे धार्मिक चलैत अछि आ सोझ बाजैत अछि। जे अत्याचारक लाभ केँ तिरस्कार करैत अछि, घूस पकड़बा सँ हाथ हिलाबैत अछि, खून सुनबा सँ कान रोकैत अछि आ बुराई देखबा सँ आँखि मुनि लैत अछि। ओ ऊँच पर रहत, ओकर रक्षाक स्थान पाथरक गोला-बारूद होयत, ओकरा रोटी देल जायत। ओकर पानि निश्चित रहत।
266

2. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि क’ चोरा लैत अछि जतय चोर नहि तोड़ैत अछि आ ने चोरी करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतय अहाँक मोन सेहो रहत।

नीतिवचन 28:7 जे केओ व्यवस्थाक पालन करैत अछि से बुद्धिमान बेटा अछि, मुदा जे उपद्रवी लोकक संगी अछि से अपन पिता केँ लज्जित करैत अछि।

कानून के पालन करब बुद्धिमानी अछि, मुदा अनैतिक लोकक संगति करब अपन परिवार के लाज दैत अछि।

1: बुद्धिमान बनू आ परमेश् वरक नियमक पालन करू।

2: अनैतिक लोकक संगति नहि करू आ अपन परिवार मे लाज नहि आनि दियौक।

1: इफिसियों 5:11-12 - अन्हारक निष्फल काज सँ कोनो लेना-देना नहि राखू, बल्कि ओकरा उजागर करू।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

नीतिवचन 28:8 जे सूद आ अन्यायक लाभ सँ अपन सम्पत्ति बढ़बैत अछि, ओ गरीब पर दया करयवला लेल ओकरा जमा करत।

धनिक लोकनि केँ अपन संसाधनक उपयोग गरीबी मे पड़ल लोकक मददि मे करबाक चाही।

1. "देबाक शक्ति"।

2. "गरीब के मदद करय वाला पर भगवान के आशीर्वाद"।

1. मत्ती 25:40 - "आ राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, 'हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे जेना अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाइ सभ मे सँ एकटा केँ केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा संग सेहो केलहुँ।"

2. 1 यूहन्ना 3:17-18 - "मुदा जँ केकरो लग संसारक सम्पत्ति अछि आ ओ अपन भाय केँ जरूरतमंद देखैत अछि, तैयो ओकरा प्रति अपन मोन बन्न क' दैत अछि, त' परमेश् वरक प्रेम ओकरा मे कोना टिकैत अछि? छोट-छोट बच्चा सभ, हम सभ वचन मे प्रेम नहि करी वा।" गप्प मुदा काज आ सत्य मे।"

नीतिवचन 28:9 जे कानून सुनबा सँ कान मोड़त, ओकर प्रार्थना सेहो घृणित होयत।

व्यवस्था सुनबा सँ मुँह मोड़ला सँ अपन प्रार्थना घृणित बनि जायत।

1. प्रभावी प्रार्थना करबाक लेल परमेश्वरक नियमक पालन करबाक महत्व।

2. ई बुझब जे परमेश् वर चाहैत छथि जे हमर सभक हृदय हुनकर वचनक संग संरेखित हो।

1. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, तखन ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह।

2. भजन 66:18-19 - जँ हम अपन हृदय मे पाप केँ पोसने रहितहुँ तँ प्रभु नहि सुनितथि; मुदा परमेश् वर अवश्य सुनने छथि आ प्रार्थना मे हमर आवाज सुनने छथि।

नीतिवचन 28:10 जे केओ धर्मी केँ अधलाह बाट मे भटकबैत अछि, ओ अपना केँ अपन गड्ढा मे खसि पड़त, मुदा सोझ लोक केँ नीक वस्तु भेटतैक।

जे धर्मात्मा के भटकबैत छथि हुनका अपन कर्म के परिणाम भोगय पड़तनि जखन कि धर्मी के नीक चीज के आशीर्वाद भेटतनि।

1. दोसर के भटकय के परिणाम

267

2. धर्मक फल

1. नीतिवचन 11:8 - धर्मी विपत्ति सँ मुक्त भ’ जाइत अछि, आ दुष्ट ओकर जगह पर अबैत अछि।

2. यशायाह 1:17 - नीक करब सीखू; न्याय ताकू, उत्पीड़ित के राहत दियौ, अनाथ के न्याय करू, विधवा के लेल निहोरा करू।

नीतिवचन 28:11 धनी लोक अपन अभिमान मे बुद्धिमान होइत अछि। मुदा बुद्धिमान गरीब ओकरा खोजि लैत अछि।

सेठ अपनाकेँ बुधियार बुझि सकैत अछि, मुदा जे बेचारा समझदार अछि से ओकरा पर्दाफाश करत।

1. घमंड के खतरा: अमीर आदमी के पतन

2. विनम्रताक शक्ति: गरीबकेँ ऊँच करब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. मत्ती 5:3 - धन्य अछि जे आत् मा मे गरीब अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि।

नीतिवचन 28:12 जखन धर्मी मनुष् य सभ आनन्दित होइत अछि तँ बहुत महिमा होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट उठैत अछि तँ मनुष् य नुकायल रहैत अछि।

जखन धर्मी लोकनि आनन्दित होइत छथि तखन परमेश् वरक महिमा अनैत छथि। तथापि जखन दुष्ट केँ आरोहण भेटैत छैक तखन धर्मात्मा केँ नुकाबय पड़तैक।

1. धर्मक आनन्द

2. दुष्टताक शक्ति

1. भजन 37:7-11 - प्रभुक समक्ष शान्त रहू आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू; जखन लोक अपन बाट मे सफल होइत अछि, जखन ओ अपन दुष्ट योजना केँ अंजाम दैत अछि तखन चिंतित नहि होउ।

2. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराई के बदला मे बुराई नहि दियौक। सबहक नजरि मे जे उचित अछि से करबा मे सावधान रहू। जँ संभव अछि तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि तऽ सबहक संग शांति सँ रहू।

नीतिवचन 28:13 जे अपन पाप केँ झाँपैत अछि, से सफल नहि होयत, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया कयल जायत।

ई श्लोक दया प्राप्त करै के चक्कर में पाप के कबूल करै आरू त्याग करै के प्रोत्साहित करै छै।

1. स्वीकारोक्ति आ दयाक संग जीब - सच्चा पश्चातापक जीवन कोना जीबी आ भगवानक दया कोना प्राप्त कयल जाय ताहि पर चर्चा।

2. पाप नुकेबाक खतरा - पाप नुकेबाक परिणाम आ ओकरा स्वीकार करबाक महत्वक अन्वेषण।

1. 1 यूहन्ना 1:9, "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

2. भजन 51:17, "परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि: एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कार नहि करब।"

नीतिवचन 28:14 धन्य अछि जे सदिखन डरैत अछि, मुदा जे अपन हृदय कठोर करैत अछि, ओ दुष्टता मे पड़ि जायत।

सुखी ओ व्यक्ति अछि जे सदिखन प्रभु सँ डेराइत अछि; मुदा जे मोन कठोर करैत अछि से विपत्ति मे पड़ि जायत।

1. अनजान सँ डेराउ नहि, प्रभु सँ डेराउ

2. अपन हृदय केँ कठोर नहि करू, प्रभु केँ नरम करू

1. यशायाह 8:12-13 "जे ई लोक षड्यंत्र कहैत अछि, तकरा सभटा षड्यंत्र केँ नहि कहब, आ जे किछु डरैत अछि, ताहि सँ नहि डेराउ, आ ने भय मे रहू। मुदा सेना सभक प्रभु केँ अहाँ सभ पवित्र मानब डरू, आ ओ अहाँक भयावह बनय।

2. भजन 34:8-9 हे, स्वाद करू आ देखू जे प्रभु नीक छथि! धन्य अछि ओ आदमी जे हुनकर शरण लैत अछि! हे, प्रभु सँ डेरा जाउ, अहाँ हुनकर संत लोकनि, किएक त' जे हुनका सँ डेराइत छथि हुनका कोनो कमी नहि छनि!

नीतिवचन 28:15 गर्जैत सिंह आ दूर-दूर धरि चलैत भालू जकाँ। तहिना गरीब लोक पर दुष्ट शासक सेहो होइत अछि।

दुष्ट शासक के गरीब लोक के प्रति गर्जैत सिंह आ रेंजिंग भालू जकाँ उग्र स्वभाव होइत छैक |

1: मसीही के रूप में हमरा सब के समाज में कमजोर के सुरक्षा के लेल काज करय पड़त आ दुष्ट शासक के सामने ठाढ़ होबय पड़त।

2: हमरा सब के उत्पीड़ित के न्याय देबय के प्रयास करय पड़त आ गरीब आ कमजोर के मदद करय लेल हमरा सब के पास जे शक्ति अछि ओकरा पहचानय पड़त।

1: यशायाह 58:6-7 की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी: दुष्टताक बंधन केँ ढीला करब, भारी बोझ केँ उतारब, दबलल लोक केँ मुक्त करब, आ अहाँ सभ हर जुआ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन रोटी बाँटि लेब, आ बाहर निकालल गेल गरीब केँ अपन घर मे अनब; जखन अहाँ नंगटे देखैत छी, जे ओकरा झाँपि दैत छी, आ अपन मांस सँ अपना केँ नहि नुका लैत छी?

2: याकूब 1:27 परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

नीतिवचन 28:16 जे राजकुमार बुद्धिक कमी करैत अछि, से सेहो पैघ अत्याचारी होइत अछि, मुदा जे लोभ सँ घृणा करैत अछि, ओ अपन जीवन दीर्घ करत।

बिना बुझने राजकुमार बड़का अत्याचारी होइत छथि; लोभसँ घृणा करलासँ दीर्घायु होइत अछि ।

1. समझ के शक्ति: बुद्धि हमरा सब के बेहतर जीवन जीबै में कोना मदद क सकैत अछि

2. लोभ बनाम उदारता: उदारता सँ दीर्घ जीवन कोना भेटि सकैत अछि

1. कुलुस्सी 3:5 - "तेँ जे किछु अहाँक पार्थिव स्वभावक अछि, तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धता, काम-वासना, दुष्टता आ लोभ, जे मूर्तिपूजा अछि।"

2. व्यवस्था 8:18 - "मुदा अहाँक परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन राखू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि आ अपन वाचा केँ एहि तरहेँ पुष्ट करैत छथि, जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।"

नीतिवचन 28:17 जे केओ ककरो खून पर हिंसा करैत अछि, ओ गड्ढा मे भागि जायत। ओकरा केओ नहि रोकय।

एहि श्लोक मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे हिंसा करय वाला के सजा भेटत आ ओकर रक्षा नहि करबाक चाही.

1. भगवान अंततः हिंसा करय वाला के सजा देथिन आ ओहि सजा के रास्ता मे ककरो बाधा नहि बनेबाक चाही।

2. हिंसा नहि, शांति आ न्यायक प्रसार करबाक प्रयास करबाक चाही।

1. मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक पुत्र कहल जायत।"

2. रोमियो 12:21 - "बुराई सँ हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।"

नीतिवचन 28:18 जे केओ सोझ चलत, ओकरा उद्धार भेटतैक, मुदा जे अपन बाट मे विकृत अछि से एके बेर खसि पड़त।

जे धर्मी जीवन जीबै के फैसला करतै, ओकरा उद्धार मिलतै, लेकिन जे अपनऽ रास्ता में जिद्दी बनना चुनतै, वू जल्दी गिरी जैतै।

1:भगवान सदिखन ओहि लोक के बचाबय लेल मौजूद रहैत छथि जे धर्मी जीवन जीबय के विकल्प चुनैत छथि, मुदा जे जिद्दी स अपन बाट चुनैत छथि हुनका बचाबय लेल नहि।

2: उद्धार पाबाक लेल हमरा सभ केँ धार्मिक जीवन जीबय के विकल्प चुनबाक चाही, नहि त' हम सभ जल्दी खसि पड़ब।

1: मत्ती 7:13-14, "संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू; कारण विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि, आ ओहि मे सँ बहुत लोक प्रवेश करैत अछि। किएक तँ फाटक संकीर्ण अछि आ कठिन अछि।" बाट जे जीवन दिस लऽ जाइत अछि, आ भेटय बला कम लोक छथि |"

2: गलाती 6:7-8, "धोखा नहि करू, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि; किएक तँ जे किछु बोओत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन मांसक लेल बोओत, ओ मांसक विनाश काटि लेत, मुदा जे बोओत।" आत् माक आत् माक लेल अनन् त जीवनक फसल काटि लेत।”

नीतिवचन 28:19 जे अपन जमीनक खेती करैत अछि ओकरा भरपूर रोटी भेटतैक, मुदा जे व्यर्थक पाछाँ चलत ओकरा गरीबी पर्याप्त होयत।

जे अपन भूमिक काज करत, ओकरा प्रचुरताक आशीर्वाद भेटतैक। मुदा जे खाली काज मे चलत ओकरा गरीबी छोड़ि किछु नहि भेटतैक।

1. मेहनत के आशीर्वाद

2. निष्क्रिय साधना के परिणाम

1. नीतिवचन 10:4, जेकर हाथ सुस्त अछि ओ गरीब भ’ जाइत अछि, मुदा मेहनती के हाथ धनवान बनबैत अछि।

2. भजन 128:2, अहाँ अपन मेहनतक फल खाएब; आशीर्वाद आ समृद्धि अहाँक होयत।

नीतिवचन 28:20 विश्वासी मनुष् यक आशीषक भरमार होयत, मुदा जे धनवान बनय मे जल्दबाजी करत से निर्दोष नहि होयत।

जे विश्वासी आदमी प्रभु पर भरोसा करै छै, ओकरा आशीर्वाद मिलतै, लेकिन जे जल्दी पैसा कमाबै छै, वू निर्दोष नै होतै।

1. निष्ठा आ ईमानदारी: आशीर्वादक जीवन कोना जीबी

2. लोभक खतरा: धनक खोजक जालसँ कोना बचि सकैत छी

1. नीतिवचन 11:28, "जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी हरियर पात जकाँ पनपत।"

2. उपदेशक 5:10, "जे पैसा सँ प्रेम करैत अछि, से पाइ सँ तृप्त नहि होयत, आ ने प्रचुरता सँ प्रेम करैत अछि।"

नीतिवचन 28:21 व्यक्तिक आदर करब नीक नहि, किएक तँ रोटीक टुकड़ीक लेल मनुष्य अपराध करत।

लोकक सामाजिक वा आर्थिक स्थितिक आधार पर ओकर सम्मान करब गलत अछि ।

1: हमरा सभकेँ अपन निर्णयकेँ धन वा सत्ताक सतहीपनसँ मेघ नहि पड़य देबाक चाही।

2: हमरा सब के सब लोक के प्रति प्रेम आ सम्मान देखाबय के चाही, चाहे ओकर हैसियत या सम्पत्ति कोनो हो।

1: याकूब 2:1-4 - लोकक सामाजिक आ आर्थिक स्थितिक आधार पर पक्षपात नहि करू।

2: गलाती 6:9-10 - बाहरी रूपक अनुसार एक दोसराक न्याय नहि करू, बल्कि सही निर्णय सँ न्याय करू।

नीतिवचन 28:22 जे धनिक बनबा मे जल्दबाजी करैत अछि, ओकर नजरि खराब अछि, आ ओ ई नहि बुझैत अछि जे ओकरा पर गरीबी आबि जायत।

धन जमा करय मे जल्दबाजी गरीबी के जन्म द सकैत अछि.

1. लोभ आ जल्दबाजीक खतरा

2. प्रभुक प्रावधान मे संतोष

1. नीतिवचन 10:4, "ओ सुस्त हाथक संग गरीब भ' जाइत अछि, मुदा मेहनतीक हाथ धनिक बनबैत अछि।"

2. फिलिप्पियों 4:11-13, "ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब आ प्रचुरता करब दुनू जनैत छी। हर जगह आ सब बात मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक निर्देश देल गेल अछि, प्रचुर मात्रा मे रहबाक आ जरूरत मे रहबाक सेहो। हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

नीतिवचन 28:23 जे बाद मे मनुष्य केँ डाँटत, ओकरा जीह सँ चापलूसी करयवला सँ बेसी अनुग्रह भेटतैक।

चापलूसी स बेसी डांटला स बेसी अनुग्रह भेटैत अछि।

1. झूठसँ बेसी सत्य बजबाक महत्व।

2. रचनात्मक आलोचनाक शक्ति।

1. नीतिवचन 15:1-2 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि। ज्ञानी के जीह ज्ञान के वितरण करै छै, लेकिन मूर्ख के मुँह मूर्खता के बहाबै छै।

2. याकूब 3:8-10 - मुदा कोनो मनुष्य जीह केँ वश मे नहि क' सकैत अछि। ई एकटा बेचैन बुराई छै, जे घातक जहर सॅं भरल छै । एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आ एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ गारि दैत छी जे परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ-बहिन लोकनि, ई एहन नहि हेबाक चाही।

नीतिवचन 28:24 जे केओ अपन पिता वा माय केँ लूटैत अछि आ कहैत अछि जे, “ई कोनो अपराध नहि अछि।” वएह विनाशक संगी होइत अछि।

अपन माता-पिताक लूटपाट पाप मानल जाइत अछि, आ जे ई अपराध करैत छथि हुनका विनाश सँ जोड़ल जाइत छनि |

1. "की अहाँक काज अहाँक बात सँ बेसी जोर सँ बजैत अछि?"

2. "अधर्म के दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम"।

1. निकासी 20:12 - "अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश अहाँ केँ दैत छथि, ताहि पर अहाँक जीवन लंबा रहय।"

2. इफिसियों 6:1-3 - "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता-माँक आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि, एहि प्रतिज्ञाक संग जे अहाँ सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभ बेसी दिन धरि भोग करी।" पृथ्वी पर जीवन। "

नीतिवचन 28:25 जे घमंडी हृदयक अछि से झगड़ा करैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, से मोट भ’ जायत।

घमंड सँ विवाद होइत छैक, मुदा प्रभु पर भरोसा केला सँ समृद्धि होइत छैक |

1: प्रभु पर भरोसा करब सीखय पड़त जाहि सँ हुनकर आशीर्वादक अनुभव कयल जा सकय।

2: हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही आ घमंडसँ बचबाक चाही जँ हम सभ शांति आ एकतासँ जीबए चाहैत छी।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: 1 पत्रुस 5:5-7 - तहिना अहाँ सभ छोट, जेठक अधीन रहू। हँ, अहाँ सभ एक-दोसरक अधीन रहू आ विनम्रताक वस्त्र पहिरि लिअ, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोक सभक विरोध करैत छथि आ विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ समय पर अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि।

नीतिवचन 28:26 जे अपन हृदय पर भरोसा करैत अछि से मूर्ख अछि, मुदा जे बुद्धिमानी सँ चलैत अछि, से मुक्त होयत।

अपन हृदय पर भरोसा केला सँ मूर्खता भेटैत छैक, मुदा बुद्धिक पालन करयवला केँ उद्धार भेटतैक।

1. बुद्धि के मार्ग: अपना के बजाय भगवान पर भरोसा करना सीखना

2. अपन हृदयक पालन करबाक परिणाम: आत्मविश्वासक मूर्खता केँ चिन्हब

1. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठाबैत अछि, आ गर्मी मे डरैत नहि अछि।" अबैत अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे चिंतित नहि होइत अछि, कारण ओकर फल देबय सँ नहि रुकैत अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

नीतिवचन 28:27 जे गरीब केँ दैत अछि, ओकर कमी नहि होयत, मुदा जे अपन आँखि नुकाबैत अछि, ओकरा बहुत शाप भेटत।

जे गरीब केँ दान दैत अछि, ओकरा कोनो जरूरत नहि पड़तैक। तथापि जे दोसरक आवश्यकता केँ अनसुना करत, ओकरा शाप भेटतैक।

1: भगवान् आशीर्वाद दैत छथिन जे गरीबक प्रति उदार छथि।

2: दोसर के जरूरत के अनदेखी करब एकटा अभिशाप ल क अबैत अछि।

1: याकूब 2:14-17 - हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त’ एकर की फायदा? की एहन विश्वास हुनका सभ केँ बचा सकैत अछि? 15 मानि लिअ जे कोनो

भाइ वा बहिनक कपड़ा आ नित्य भोजन नहि अछि। 16 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो ओकरा सभ केँ कहय जे, “शांति सँ जाउ।” गर्म रहू आ नीक सं भोजन कराउ, मुदा ओकर शारीरिक जरूरतक बारे मे किछु नहि करैत अछि, एकर की फायदा? 17 तहिना विश् वास अपने आप मे मरि गेल अछि।

2: गलाती 6:2 - एक दोसराक बोझ उठाउ, आ एहि तरहेँ अहाँ सभ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करब।

नीतिवचन 28:28 जखन दुष्ट उठैत अछि तखन मनुष्य नुका जाइत अछि, मुदा जखन ओ नष्ट भ’ जाइत अछि तखन धर्मी बढ़ैत अछि।

दुष्ट उठि कऽ लोककेँ नुका दैत अछि, मुदा जखन ओ सभ नाश भऽ जाइत अछि तँ धर्मी लोक सभ बढ़ि जाइत अछि।

1. धर्मी के ताकत: विश्वास भय पर कोना विजय प्राप्त करैत अछि

2. दृढ़ताक शक्ति: प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक मार्ग पर चलब

1. भजन 34:4-7 हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि, आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

2. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

नीतिवचन अध्याय २९ मे जीवन के विभिन्न पहलू पर बुद्धि देल गेल अछि, जाहि मे जिद्द के परिणाम, बुद्धि के मूल्य, आ अनुशासन के महत्व शामिल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत जिद्द आ विद्रोह के परिणाम पर प्रकाश दैत अछि | एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे जे अपन अवज्ञा पर अडिग रहत ओकरा विनाशक सामना करय पड़तैक। ई बुद्धिमानी के मार्गदर्शन आरू सुधार पर ध्यान देना के महत्व के भी रेखांकित करै छै (नीतिवचन 29:1-11)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि फकड़ा सँ जे नेतृत्व, न्याय, आ अनुशासन सन विषय केँ संबोधित करैत अछि | ई न्याय आरू निष्पक्षता क॑ बढ़ावा दै वाला धर्मी नेतृत्व के महत्व प॑ प्रकाश डालै छै । ई चरित्र के आकार दै आरू मूर्खता स॑ बचै म॑ अनुशासन के फायदा प॑ भी जोर दै छै (नीतिवचन २९:१२-२७)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय उनतीस मे बुद्धि प्रदान कयल गेल अछि |
जीवन के विभिन्न पहलुओं पर,
जिद्द के परिणामस्वरूप परिणाम सहित,
बुद्धि सँ जुड़ल मूल्य, २.
आ अनुशासन पर महत्व देल गेल।

जिद्द आरू विद्रोह के संबंध म॑ दिखालऽ गेलऽ परिणाम क॑ पहचानै के साथ-साथ आज्ञा नै मानला प॑ अडिग रहै वाला के सामना करना पड़ै वाला विनाश प॑ जोर देना ।
बुद्धिमान मार्गदर्शन आ सुधार पर ध्यान देबय के महत्व के उजागर करब।
व्यक्तिगत लोकोक्ति जेना नेतृत्व, न्याय, अनुशासन के माध्यम स विभिन्न विषय के संबोधित करब जखन कि न्याय के बढ़ावा देबय वाला धर्मी नेतृत्व स जुड़ल महत्व के संबंध में देखाओल गेल मान्यता के रेखांकित करब |
मूर्खतापूर्ण व्यवहार स बचैत चरित्र कए आकार देबा मे अनुशासन क परिणामस्वरूप लाभ कए देल गेल मान्यता कए रेखांकित करब ।
जिद्द आ विद्रोह के प्रतिकूलता के समझय के अंतर्दृष्टि देबय के, सुधार के अपनाबैत बुद्धिमान सलाह के महत्व देबय के. एकरऽ अतिरिक्त, व्यक्तिगत विकास लेली अनुशासन क॑ अपनाबै आरू मूर्खतापूर्ण काम स॑ बचै के साथ-साथ धर्म म॑ जड़ जमाय क॑ न्यायसंगत नेतृत्व के महत्व क॑ पहचानना ।

नीतिवचन 29:1 जे बेर-बेर डाँटल जाइत अछि, ओ अपन गरदनि कठोर करैत अछि, ओ अचानक नष्ट भ’ जायत आ बिना कोनो उपायक।

273

सुधार लेबय सं मना करय के परिणाम गंभीर अछि.

1. सुधार लेबऽ सँ मना करला पर विनाश आ बर्बादी होयत।

2. परमेश् वरक कृपा हमरा सभ केँ अपन पाप सँ मुँह मोड़बाक आ हुनकर सुधार केँ स्वीकार करबाक मौका दैत अछि।

1. इब्रानी 12:5-11 - "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ पुत्र सभक रूप मे कहैत अछि: हमर बेटा, प्रभुक दंड केँ तुच्छ नहि मानू, आ जखन अहाँ केँ हुनका द्वारा डाँटल जायत तखन हतोत्साहित नहि करू; जिनका लेल प्रभु।" प्रेम करै छै ओ ताड़ै छै, आ जे बेटा ग्रहण करै छै ओकरा कोड़ा मारै छै।

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत, प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत, आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ ओकर पाप क्षमा कऽ ठीक कऽ देब।" हुनका लोकनिक जमीन।"

नीतिवचन 29:2 जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत अछि तखन लोक आनन्दित होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट शासन करैत अछि तखन लोक शोक करैत अछि।

जखन धर्मी लोक नेतृत्व करैत अछि तखन लोक प्रसन्न होइत अछि; जखन दुष्ट लोक नेतृत्व करैत अछि तखन जनता दुखी होइत अछि।

1: भगवान् हमरा सभ सँ अपेक्षा करैत छथि जे हम सभ धर्मक संग नेतृत्व करी आ न्यायक खोज करी, स्वार्थ आ लोभ नहि।

2: हमरा सभकेँ अपन निर्णयक प्रभावक प्रति सजग रहबाक चाही आ परमेश्वरक इच्छाक अनुसार नेतृत्व करबाक चाही।

1: यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2: यिर्मयाह 22:3-4 - प्रभु ई कहैत छथि जे न्याय आ धार्मिकता करू, आ जेकरा लूटल गेल अछि ओकरा अत्याचारी के हाथ सँ बचाउ। आ निवासी परदेशी, पिताहीन आ विधवा पर कोनो अन्याय वा हिंसा नहि करू, आ ने एहि ठाम निर्दोष खून बहाउ।

नीतिवचन 29:3 जे बुद्धि प्रेम करैत अछि, से अपन पिता केँ आनन्दित होइत अछि, मुदा वेश्या सभक संग रहनिहार अपन सम्पत्ति खर्च करैत अछि।

जे बुद्धि चाहै छै, वू अपनऽ पिता के आनन्द देतै, जबकि जे अनैतिक स्त्री के साथ रहै छै, वू अपनऽ धन के बर्बाद करी दै छै।

1: बुद्धिक खोज करू, मूर्खता नहि।

2: अपन जीवनक चुनाव मे बुद्धिमान बनि अपन पिता आ मायक सम्मान करू।

1: नीतिवचन 4:7 - "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू।

2: इफिसियों 6:1-2 - "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि।"

नीतिवचन 29:4 राजा न्याय द्वारा देश केँ स्थापित करैत अछि, मुदा जे वरदान लैत अछि से ओकरा उखाड़ि दैत अछि।

राजाक बुद्धिमान निर्णय मे जमीन केँ मजबूत करबाक सामर्थ्य होइत छैक, जखन कि घूसक आधार पर निर्णय लेबयवला ओकरा कमजोर करैत छैक |

1. धार्मिक निर्णयक शक्ति: भ्रष्ट दुनिया मे न्यायक लेल ठाढ़ रहब
274

2. लोभक खतरा: घूसक प्रलोभन केँ अस्वीकार करब

1. नीतिवचन 8:15-16 - "हमरा द्वारा राजा सभ राज करैत छथि, आ शासक सभ न्यायक नियम बनबैत छथि; हमरा द्वारा राजकुमार सभ शासन करैत छथि, आ कुलीन लोक सभ, जे सभ न्यायपूर्वक शासन करैत छथि।"

2. यशायाह 11:2-5 - "प्रभुक आत् मा हुनका पर टिकल रहताह, बुद्धि आ समझक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ प्रभुक भय। आ हुनकर प्रसन्नता रहत।" प्रभुक भय मे रहू।ओ अपन आँखि जे देखैत अछि ताहि सँ न्याय नहि करत, आ कान जे सुनैत अछि ताहि सँ विवादक निर्णय नहि करत, बल् कि धार्मिकता सँ गरीबक न्याय करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक निर्णय करत ओकर मुँहक छड़ी सँ पृथ्वी पर प्रहार करू आ ठोरक साँस सँ ओ दुष्ट केँ मारि देतैक।

नीतिवचन 29:5 जे आदमी अपन पड़ोसी केँ चापलूसी करैत अछि, ओ अपन पैरक लेल जाल पसारि लैत अछि।

पड़ोसी कें चापलूसी खतरनाक भ सकएय छै आ ओकरा सं बचबाक चाही.

1. "चापलूसी स सावधान रहू"।

2. "दोसरक संग हेरफेर करबाक खतरा"।

1. याकूब 1:22 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।"

2. नीतिवचन 26:28 - "झूठबाज जीह ओकरा सँ पीड़ित लोक सँ घृणा करैत अछि, आ चापलूसी करय बला मुँह विनाश करैत अछि।"

नीतिवचन 29:6 दुष्टक अपराध मे जाल होइत छैक, मुदा धर्मी गाबैत अछि आ आनन्दित होइत अछि।

अधलाहक उल्लंघन जाल लाबैत अछि, मुदा धर्मी लोकनि आनन्दित होइत छथि आ गबैत छथि।

1. धर्मी लोकनिक आनन्द: प्रलोभनक बादो प्रभु मे आनन्दित रहब

2. पाप के जाल: पाप हमरा सब के कोना फँसाबैत अछि आ प्रभु स कोना दूर करैत अछि

1. भजन 32:1-2 - धन्य अछि जे ओकर अपराध क्षमा कयल गेल अछि, जकर पाप झाँपल गेल अछि। धन्य अछि ओ आदमी जकरा विरुद्ध प्रभु कोनो अधर्म नहि गिनैत छथि आ जकर आत् मा मे कोनो छल नहि अछि।

2. फिलिप्पियों 4:4 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; पुनः हम कहब, आनन्दित होउ!

नीतिवचन 29:7 धर्मी गरीबक काज पर विचार करैत अछि, मुदा दुष्ट ओकरा नहि जानि लैत अछि।

धर्मात्मा गरीबक जरूरत पर ध्यान दैत अछि, जखन कि दुष्ट ओकरा अनसुना करैत अछि।

1: हमरा लोकनि केँ सदिखन अपना सँ कम भाग्यशाली लोक केँ स्मरण करबाक चाही आ हुनका पर दया आ दया करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ एकटा धर्मी जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही, सक्रिय रूप सँ जरूरतमंद लोकक मदद करबाक प्रयास करबाक चाही, नहि कि ओकरा अनदेखी करबाक चाही।

1: याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

2: मत्ती 25:40 - NIV - आ राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, 'हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ जे किछु हमर एहि छोट-छोट भाइ-बहिन सभक लेल केलहुँ, से हमरा लेल केलहुँ।'

नीतिवचन 29:8 तिरस्कृत लोक शहर केँ जाल मे फँसा दैत अछि, मुदा बुद्धिमान लोक क्रोध केँ दूर क’ दैत अछि।

तिरस्कृत आदमी कोनो शहर के बर्बाद क सकैत अछि, जखन कि ज्ञानी लोक क्रोध के शांत क सकैत अछि आ द्वंद्व के रोकि सकैत अछि।

1: सद्विवेक आ बुद्धिमान वचनक शक्ति।

2: अहंकार आ उपहासक खतरा।

1: नीतिवचन 15:1 - "कोमल उत्तर क्रोध केँ दूर क' दैत अछि, मुदा दुखद बात क्रोध केँ भड़का दैत अछि।"

2: याकूब 3:17 - "मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि अबैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।"

नीतिवचन 29:9 जँ बुद्धिमान आदमी मूर्ख सँ विवाद करैत अछि, चाहे ओ क्रोधित हो वा हँसैत अछि, तखन कोनो विश्राम नहि होइत छैक।

बुद्धिमान केँ जँ मूर्ख आदमी सँ बहस करत तऽ कहियो शान्ति नहि भेटतैक, चाहे मूर्ख आदमी केहन प्रतिक्रिया किएक नहि हो।

1. शांति के पीछा करब: कृपा स असहमत रहब सीखब

2. मूर्खता के सामने बुद्धिमान सलाह के महत्व।

1. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।

2. याकूब 3:13-18 - अहाँ सभ मे के बुद्धिमान आ समझदार अछि? अपन नीक आचरण सँ बुद्धिक नम्रता मे अपन काज देखाबय।

नीतिवचन 29:10 खूनखराबा लोक सोझ लोक सँ घृणा करैत अछि, मुदा धर्मी लोक अपन प्राणक खोज करैत अछि।

न्यायी सोझ लोकक आत्मा तकैत अछि, जखन कि खूनखराबा ओकरासँ घृणा करैत अछि ।

1) घृणा पर प्रेमक शक्ति

2) न्याय के खोज के महत्व

1) मत्ती 5:44-45: मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे रहनिहार पिताक पुत्र बनि सकब। कारण, ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक लोक पर उगबैत छथि, आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत छथि।

2) रोमियो 12:19-21: प्रियतम, अहाँ सभक बदला कहियो नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँक दुश्मन भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक। किएक तँ एना कऽ अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब। अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ अधलाह पर विजय प्राप्त करू।

नीतिवचन 29:11 मूर्ख अपन समस्त विचार कहैत अछि, मुदा बुद्धिमान ओकरा बाद धरि राखैत अछि।

बुद्धिमान आदमी विवेक के जानैत अछि आ सही क्षण तक जीह के पकड़ने रहैत अछि, जेना कि बिना सोचने-विचारे बजनिहार मूर्ख।

1. बाजबाक समय आ चुप रहबाक समय: नीतिवचन 29:11

2. विवेक के शक्ति: नीतिवचन 29:11 के बुद्धि के समझना

1. उपदेशक 3:1-8

2. याकूब 1:19-20

नीतिवचन 29:12 जँ कोनो शासक झूठ सुनैत अछि तँ ओकर सभ सेवक दुष्ट अछि।

जे शासक झूठ सुनत, ओकर सभ सेवक दुष्ट बनत।

1. झूठ मानबाक खतरा

2. नीक नेताक शक्ति

1. भजन 101:7 - जे केओ छल, से हमर घर मे नहि रहत। झूठ बाजनिहार कियो हमर आँखिक सोझाँ नहि रहत।

2. याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि।

नीतिवचन 29:13 गरीब आ धोखेबाज एक संग मिलैत अछि, प्रभु हुनका दुनूक आँखि केँ रोशन करैत छथि।

प्रभु गरीब आ धोखेबाज दुनू के न्याय आ बोध कराबैत छथि |

1: हमरा सभ केँ ई कहियो नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् अंतिम न्यायकर्ता छथि आ जरूरतमंद आ गलत काज करय बला लोक पर प्रकाश अनताह।

2: हमरा सभकेँ भगवान् जकाँ बनबाक प्रयास करबाक चाही आ सभक संग न्याय आ दया देखबाक चाही, चाहे ओकर परिस्थिति आ ओकर काज किछुओ हो।

1: यशायाह 58:6-7 की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन रोटी बाँटि क' बेघर गरीब केँ अपन घर मे आनब; जखन अहाँ नंगटे देखब तखन ओकरा झाँपि देब आ अपन मांस सँ नुकाबय लेल?

2: मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

नीतिवचन 29:14 जे राजा गरीबक निष्ठापूर्वक न्याय करैत छथि, हुनकर सिंहासन अनन्त काल धरि स्थापित रहत।

गरीबक निष्ठापूर्वक न्याय करयवला राजा अनन्त काल धरि स्थापित होयत।

1. निष्ठावान नेतृत्व के शक्ति

2. गरीबक देखभाल करबाक आशीर्वाद

1. यशायाह 32:1-2 - "देखू, राजा धर्म मे राज करत, आ राजकुमार सभ न्याय मे राज करत। प्रत्येक हवा सँ शरण आ तूफान सँ आश्रय जकाँ होयत, जेना शुष्क देश मे पानिक धार।" , जेना सुखायल भूमि मे कोनो पैघ चट्टानक छाहरि होइत छैक |"

277

2. मत्ती 25:35-40 - "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाए लेल देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबाक लेल देलहुँ, हम परदेशी छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ, हमरा कपड़ाक आवश्यकता छल आ अहाँ हमरा कपड़ा पहिरा देलहुँ।" , हम बीमार छलहुँ आ अहाँ हमर देखभाल केलहुँ, जेल मे छलहुँ आ अहाँ हमरा लग आबि गेलहुँ |"

नीतिवचन 29:15 लाठी आ डाँट बुद्धि दैत अछि, मुदा अपना लेल छोड़ल गेल बच्चा अपन माय केँ लज्जित क’ दैत अछि।

छड़ी, डांट आ मार्गदर्शन बच्चा कें बुद्धि द सकएयत छै, जखन कि ओकरा अपन मर्जी पर छोड़ला सं लाज आओत.

1. माता-पिता के मार्गदर्शन के बुद्धि

2. अभिभावकत्व मे लोकोक्तिक शक्ति

1. इफिसियों 6:4 - पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू; बल्कि प्रभु के प्रशिक्षण आ निर्देश में हुनका सब के पालन-पोषण करू।

2. व्यवस्था 6:6-7 - ई आज्ञा जे हम आइ अहाँ सभ केँ दैत छी, से अहाँ सभक हृदय पर रहबाक चाही। अपन बच्चा पर प्रभावित करू। घर मे बैसला पर आ सड़क पर चलला पर, लेटला पर आ उठला पर हुनका सबहक गप्प करू।

नीतिवचन 29:16 जखन दुष्ट लोक बढ़ैत अछि तखन अपराध बढ़ैत अछि, मुदा धर्मी लोक ओकर पतन देखत।

जखन दुष्ट बढ़ैत अछि तखन पापक भरमार भ' जाइत अछि; मुदा धर्मी लोकनि न्याय होइत देखताह।

1: धर्मी लोकनि केँ ओकर विश्वासक फल भेटतनि, दुष्टताक उपस्थितिक बादो।

2: परमेश् वर धर्मी सभक लेल न्याय करताह, चाहे संसार मे दुष्ट लोकक संख्या किएक नहि हो।

1: यशायाह 3:10-11 - धर्मी लोकनि केँ कहि दियौन जे हुनका सभक नीक हेतनि, कारण ओ सभ अपन काजक फल खा लेत। दुष्टक धिक्कार! ओकरा बीमार पड़तैक, किएक तँ ओकर हाथक इनाम ओकरा देल जेतै।

2: रोमियो 2:7-8 जे सभ धैर्य सँ नीक काज करैत अछि, ओकरा सभ केँ ओ अनन्त जीवन देथिन। मुदा जे सभ स्वार्थी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, बल् कि अधर्मक आज्ञा मानैत छथि, हुनका लेल क्रोध आ क्रोध होयत।

नीतिवचन 29:17 अपन बेटा केँ सुधारू, ओ अहाँ केँ विश्राम देत। हँ, ओ अहाँक प्राण केँ आनन्द देत।

अपन बेटा के सुधारला स शांति आ सुख भेट सकैत अछि।

1: बच्चा सब के अनुशासन आ सम्मान सिखाबय स परिवार के आराम आ आनन्द भेटत।

2: अनुशासन आ निर्देशक शक्ति जे परिवार मे शांति आ आनन्द अनबाक चाही।

1: कुलुस्सी 3:21 पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, कहीं ओ सभ हतोत्साहित नहि भ’ जाय।

2: इफिसियों 6:4 हे पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक पालन-पोषण आ उपदेश मे ओकरा सभ केँ पालन-पोषण करू।

नीतिवचन 29:18 जतय दर्शन नहि होइत छैक, ओतय लोक नष्ट भ’ जाइत अछि, मुदा जे व्यवस्थाक पालन करैत अछि, से सुखी होइत अछि।

बिना कोनो दृष्टि के लोक आशा खत्म भ जायत आ हताश भ जायत; मुदा परमेश् वरक नियमक पालन करनिहार सभ आनन्दित हेताह।

1. भगवानक दृष्टि: सच्चा आनन्दक मार्ग

2. परमेश् वरक नियमक पालन करब: पूर्ण जीवनक कुंजी

1. भजन 19:7-11

2. रोमियो 12:1-2

नीतिवचन 29:19 नोकर केँ बात सँ सुधारल नहि जायत, किएक त’ ओ बुझि क’ सेहो कोनो उत्तर नहि देत।

कोनो नौकर मौखिक सुधारक कोनो प्रतिक्रिया नहि देत; भले बुझि जाथि मुदा कोनो प्रतिक्रिया नहि देथिन।

1. धर्म सुधारक शक्ति: शारीरिक दंड नहि, शब्द कोना सच्चा पश्चाताप दिस ल' सकैत अछि।

2. सुनबाक महत्व: अधिकार मे बैसल लोकक सलाह लेल खुलल रहबाक आवश्यकता केँ बुझब।

1. इब्रानियों 12:11 - फिलहाल सब अनुशासन सुखद नहि बल्कि कष्टदायक बुझाइत अछि, मुदा बाद मे ओ धार्मिकताक शांतिपूर्ण फल दैत अछि जेकरा एहि सँ प्रशिक्षित कयल गेल अछि।

2. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू। कारण, मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वरक आवश्यकता अछि।

नीतिवचन 29:20 की अहाँ एहन आदमी केँ देखैत छी जे अपन बात मे जल्दबाजी करैत अछि? ओकरासँ बेसी मूर्खक आशा होइत छैक।

ई अंश हमरा सब क॑ प्रोत्साहित करै छै कि हम्में जे शब्दऽ के प्रयोग करबै, ओकरा स॑ सावधान रहै, कैन्हेंकि जल्दबाजी म॑ बोलै वाला स॑ बेसी मूर्ख के सफलता के संभावना छै ।

1. "शब्दक शक्ति: हमरा सभकेँ अपन वाणीसँ सावधान किएक रहबाक चाही"।

2. "धैर्यक बुद्धि: नीतिवचन 29:20 क विश्लेषण"।

1. याकूब 1:19 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।"

2. नीतिवचन 15:2 - "बुद्धिमानक जीह ज्ञानक प्रशंसा करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता बहाबैत अछि।"

नीतिवचन 29:21 जे अपन दास केँ बच्चा सँ नीक जकाँ पालन-पोषण करैत अछि, ओकरा लंबा समय धरि अपन बेटा बनि जायत।

ई श्लोक हमरा सब क॑ अपनऽ देखभाल म॑ रहलऽ लोगऽ क॑ अनुशासित करै के समय धैर्य आरू प्रेमपूर्ण रहै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि एकरऽ दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव पड़॑ सकै छै ।

1. "प्रेम करब सीखब: रोगी अनुशासनक लाभ"।

2. "परिवार के निर्माण: अनुशासन के माध्यम स प्रेम के पोषण"।

1. इफिसियों 6:4 - "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू; बल्कि ओकरा सभ केँ प्रभुक प्रशिक्षण आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।"

279

2. कुलुस्सी 3:21 - "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ कटु नहि करू, नहि त' ओ सभ हतोत्साहित भ' जेताह।"

नीतिवचन 29:22 क्रोधित आदमी झगड़ा भड़का दैत अछि, आ क्रोधित लोक अपराध मे प्रचुरता दैत अछि।

क्रोधित आ क्रोधित आदमी द्वंद्व के प्रोत्साहित करत आ बहुत पाप करत।

1. क्रोध: पाप आ ओकर परिणाम

2. शांत रहब आ नियंत्रण मे रहब

1. याकूब 1:19-20 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 15:18 गरम स्वभावक लोक झगड़ा भड़का दैत अछि, मुदा जे क्रोध मे देरी करैत अछि, ओ विवाद केँ शान्त करैत अछि।

नीतिवचन 29:23 मनुष् यक घमंड ओकरा नीचाँ उतारत, मुदा आदर विनम्र लोक केँ आत् मा मे राखत।

अभिमान विनाश लानै छै जबकि विनम्रता सम्मान दै छै।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक चाही आ घमंड केँ अस्वीकार करबाक चाही, कारण तखनहि हमरा सभ केँ हुनकर सम्मान भेटि सकैत अछि।

2: एहि श्लोक सँ सीख सकैत छी जे घमंड सँ बर्बादी होइत छैक, जखन कि विनम्रता सँ फल भेटैत छैक।

1: याकूब 4:6 - मुदा ओ हमरा सभ पर बेसी अनुग्रह दैत छथि। यही लेली शास्त्र कहै छै कि भगवान घमंडी के विरोध करै छै लेकिन विनम्र के प्रति अनुग्रह करै छै।

2: भजन 138:6 - प्रभु भले ऊँच छथि, मुदा ओ नीच लोक केँ दयापूर्वक देखैत छथि; ऊँच रहितो दूरसँ देखैत छथि ।

नीतिवचन 29:24 जे चोरक संगी अछि, से अपन प्राण सँ घृणा करैत अछि, ओ गारि सुनैत अछि, मुदा ओकरा नहि कहैत अछि।

जे कियो चोर के संगति करत ओ अंततः अपन आत्मा के नुकसान पहुंचा देत। गारि सुनत आ प्रकट नहि करत।

1. गलत लोकक संग संगतिक खतरा

2. अपन मित्र के बुद्धिमानी स चुनब

1. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ जे दुष्टक संग कदम मिला कए नहि चलैत अछि आ ने ओहि बाट मे ठाढ़ अछि जे पापी सभ उपहास करयवला सभक संग मे जाइत अछि वा बैसैत अछि।

2. भजन 26:4-5 - हम धोखेबाज लोकक संग नहि बैसैत छी, आ ने पाखंडी सभक संगति करैत छी। हम दुष्टक सभासँ घृणा करैत छी आ दुष्टक संग बैसबासँ मना करैत छी ।

नीतिवचन 29:25 मनुष् यक भय जाल लऽ जाइत अछि, मुदा जे केओ प्रभु पर भरोसा करत से सुरक्षित रहत।

लोकक भय फँसबा मे पड़ि सकैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि ओ सुरक्षित अछि।

1. भगवान् मे सुरक्षा एवं सुरक्षा पाना

2. भय पर विजय प्राप्त करब आ प्रभु पर भरोसा करब

1. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

नीतिवचन 29:26 बहुतो लोक शासकक अनुग्रह चाहैत छथि; मुदा प्रत् येकक न् याय परमेश् वरक दिस सँ अबैत अछि।

बहुतो सत्ता मे बैसल लोकक अनुमोदन चाहैत छथि, मुदा अंततः न्याय करय बला भगवाने छथि।

1: ई मोन राखब जरूरी अछि जे सभ शक्ति भगवान् सँ भेटैत अछि, आ सत्ता मे बैसल लोकक अनुमोदन बेसी नहि लेब।

2: हमरा सभकेँ ई ध्यान राखबाक चाही जे भगवान अंतिम न्यायाधीश छथि, आ सभसँ पहिने हुनकर अनुमोदन लेबाक चाही।

1: भजन 75:6-7 - "किएक तँ ने पूबसँ, ने पश्चिमसँ आ ने दक्षिणसँ उन्नयन अबैत अछि। मुदा परमेश् वर न्यायाधीश छथि। ओ एकटाकेँ नीचाँ खसा दैत छथि आ दोसरकेँ ठाढ़ करैत छथि।"

2: दानियल 4:17 - "ई बात देखनिहार सभक फरमान आ पवित्र लोक सभक वचन द्वारा कयल गेल अछि जेकरा चाहै छै, ओकरा पर चाहै छै, आरो ओकरा पर सबसें नीच आदमी केॅ खड़ा करी दै छै।”

नीतिवचन 29:27 अधर्मी आदमी धर्मी लेल घृणित अछि, आ जे बाट मे सोझ रहैत अछि, ओ दुष्टक लेल घृणित अछि।

ई श्लोक धर्मी आरू दुष्ट के बीच के विपरीत के बात करै छै, आरू कोना एक-दूसरा के घृणित चीज के रूप में देखै छै।

1. परमेश् वरक न्याय: न्यायी आ दुष्टक बीचक विपरीत

2. सोझ जीवन जीब: दुष्टक लेल घृणित होयबाक आशीर्वाद

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. भजन 37:27 - अधलाह सँ मुँह मोड़ू आ नीक काज करू; तहिना अहाँ सभ अनन्त काल धरि रहब।

नीतिवचन अध्याय 30 एकटा अद्वितीय खंड अछि जाहि मे याकेह के पुत्र अगुर के बुद्धिमानी के बात अछि | ई विनम्रता, बुद्धि, आरू भगवान के भय के बारे म॑ जानकारी दै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अगुर भगवान् के सामने अपनऽ तुच्छता आरू विनम्रता के भाव व्यक्त करी क॑ शुरू करै छै । ओ स्वीकार करै छै कि ओकरा में बुद्धि आरू समझ के कमी छै लेकिन परमेश्वर के वचन के विश्वसनीयता आरू सिद्धता के पहचान करै छै (नीतिवचन ३०:१-६)।

द्वितीय अनुच्छेद: तखन अगुर संख्यात्मक कहावतक एकटा श्रृंखला प्रस्तुत करैत छथि जे मानव व्यवहार आ प्राकृतिक घटनाक विषय मे विभिन्न अवलोकन केँ उजागर करैत अछि | ई लोकोक्ति सभ ईमानदारी, संतोष आ अहंकार सँ बचबाक महत्व पर जोर दैत अछि (नीतिवचन 30:7-33)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय तीस बुद्धि प्रदान करैत अछि
अगुर के कथन के माध्यम से,

विनम्रता, 1.1.
बुद्धि, आ परमेश् वरक भय।

अगुर द्वारा व्यक्त विनम्रता के पहचान के साथ-साथ भगवान के बुद्धि के प्रति स्वीकृति |
संख्यात्मक कहावत के माध्यम स मानव व्यवहार के संबंध में कयल गेल अवलोकन के उजागर करब |
एहि लोकोक्ति सभक माध्यमे विभिन्न विषय जेना ईमानदारी, संतोष केँ संबोधित करब आ अहंकार सँ सावधानी केँ रेखांकित करब।
भगवान के सामने विनम्रता के आत्मसात करै के अंतर्दृष्टि पेश करना, जीवन में ईमानदारी आरू संतोष के महत्व दै के साथ-साथ हुनकऽ बुद्धि के पहचान करना । एकरऽ अतिरिक्त, दोसरऽ के साथ व्यवहार म॑ अहंकार स॑ बचै के महत्व क॑ पहचानना ।

नीतिवचन 30:1 याकेक पुत्र अगुरक वचन, भविष्यवाणी, ओ आदमी इथिएल, इथिएल आ उकाल सँ कहलक।

याकेहक पुत्र अगुर इथिएल आ उकाल केँ एकटा भविष्यवाणी करैत अछि।

1. भविष्यवाणीक शक्ति

2. अगुरक वचनक महत्व

1. हबक्कूक 2:2-3 - "तखन परमेश् वर हमरा उत्तर देलथिन, "दृष्टि लिखू आ पाटी पर साफ करू, जाहि सँ ओ पढ़निहार दौड़ि सकय। किएक तँ दर्शन एखन धरि निर्धारित समयक लेल अछि, मुदा आब।" अंत मे ओ बाजत, मुदा झूठ नहि बाजत, भले ओ देरी करत, मुदा ओकर प्रतीक्षा करू, किएक तँ ओ अवश्य आबि जायत, मुदा देरी नहि करत।”

२ सिखाबैत अछि, वा जे उपदेश दैत अछि, उपदेश दैत अछि, जे दैत अछि, ओ सादगी सँ करऽ, जे शासन करैत अछि, से लगन सँ, जे दया करैत अछि, हँसी-खुशी सँ।"

नीतिवचन 30:2 हम ककरो सँ बेसी क्रूर छी, आ मनुष् य जकाँ समझ नहि रखैत छी।

ई अंश मनुष्य के अपनऽ समझ के कमी के पहचानै में विनम्रता के बात करै छै ।

1. विनम्रताक बुद्धि: अपन सीमा केँ चिन्हब

2. अपन स्थान के बुझब: अपन मानवता के आत्मसात करब

1. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

नीतिवचन 30:3 हम ने बुद्धि सीखलहुँ आ ने पवित्र लोकक ज्ञान अछि।

हमरा ज्ञान आ बुद्धिक अभाव अछि।

1. बुद्धि के लिये भगवान् पर भरोसा करना

2. पवित्र के ज्ञान के खोज

1. याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निन्दाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2. भजन 119:66 हमरा नीक निर्णय आ ज्ञान सिखाउ, कारण हम अहाँक आज्ञा पर विश्वास करैत छी।

नीतिवचन 30:4 के स्वर्ग मे चढ़ल अछि आ कि उतरल अछि? हवा के मुट्ठी मे जमा केने अछि? पानि केँ के वस्त्र मे बान्हि देलक? पृथ्वीक समस्त छोर के स्थापित केने अछि? ओकर नाम की छैक आ बेटाक नाम की छैक, जँ अहाँ कहि सकैत छी?

ई अंश परमेश् वर के शक्ति के बारे में एक श्रृंखला के सवाल उठै छै, जेकरऽ अंत में हुनकऽ नाम आरू हुनकऽ बेटा के नाम के नाम लेबै के चुनौती के साथ होय छै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सर्वशक्तिमानक शक्ति

2. भगवानक नाम जानब: हुनकर आराधना करबाक आह्वान

1. भजन 24:1-2 - पृथ्वी प्रभुक अछि आ ओकर पूर्णता। संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ। किएक तँ ओ एकरा समुद्र सभ पर नींव बनौने छथि आ बाढ़ि पर ठाढ़ कऽ देने छथि।

2. यशायाह 40:12-14 - ओ अपन हाथक खोखला मे पानि नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ फाँसी सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक संतुलन मे? देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि।

नीतिवचन 30:5 परमेश् वरक सभ वचन शुद्ध अछि, जे हुनका पर भरोसा करैत छथि, हुनका लेल ओ ढाल छथि।

भगवान् केरऽ वचन शुद्ध आरू भरोसेमंद छै, आरू जे हुनका पर अपनऽ विश्वास रखै छै, ओकरा सुरक्षित छै ।

1. परमेश् वर पर अपन भरोसा राखब - नीतिवचन 30:5

2. परमेश् वरक वचनक शुद्धता - नीतिवचन 30:5

1. इब्रानी 4:12-13, "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदयक। आ ओकर नजरि सँ कोनो प्राणी नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।"

2. भजन 18:2, "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

नीतिवचन 30:6 अहाँ हुनकर बात मे जोड़ि नहि दियौक, जाहि सँ ओ अहाँ केँ डाँट नहि देत आ अहाँ झूठ बाजब।

परमेश् वरक वचन मे कोनो जोड़बाक प्रयास नहि करू, कारण ओ अहाँ केँ झूठ बाजबाक लेल डाँटताह।

1. परमेश् वरक वचनक सत्यता - नीतिवचन 30:6

2. परमेश् वरक वचन मे कोनो जोड़ नहि करू - नीतिवचन 30:6

1. भजन 119:160 - "अहाँक वचन शुरूए सँ सत्य अछि, आ अहाँक प्रत्येक धार्मिक न्याय अनन्त काल धरि टिकैत अछि।"

2. यूहन्ना 17:17 - "अपन सत्यक द्वारा हुनका सभ केँ पवित्र करू, अहाँक वचन सत्य अछि।"

नीतिवचन 30:7 हम अहाँ सँ दू टा बात माँगलहुँ। मरबासँ पहिने हमरा ओकरा सभसँ इनकार नहि करू।

ई श्लोक भगवान आरू हुनकऽ आज्ञा के प्रति समर्पित जीवन जीबै के महत्व पर प्रकाश डालै छै ।

1. भक्ति के जीवन जीना: भगवान् के पालन करय के की मतलब छै?

2. प्रार्थना के शक्ति: भगवान स जे चाही से मांगला स कोना सब फर्क आबि सकैत अछि

1. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करब तँ हमर आज्ञाक पालन करब"।

2. याकूब 1:5 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत"।

नीतिवचन 30:8 हमरा सँ आडंबर आ झूठ दूर करू, हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन। हमरा लेल सुविधाजनक भोजन हमरा खुआउ:

नीतिवचन 30:8 हमरा सभ केँ आडंबर आ झूठ सँ बचबाक लेल आ गरीबी वा धनक बिना संतुलित जीवन ताकबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. "असंतुलित दुनिया मे संतुलन खोजब: नीतिवचन 30:8 सँ बुद्धि"।

2. "व्यर्थता आ झूठक बारे मे सत्य: नीतिवचन 30:8 मे ताकत भेटब"।

1. मत्ती 6:24-34 - दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि।

2. व्यवस्था 8:18 - अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन पाड़ू, किएक तँ ओएह छथि जे अहाँ सभ केँ धन-सम् पत्ति पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि।

नीतिवचन 30:9 कहीं हम पेट नहि भरि क’ अहाँ केँ अस्वीकार क’ क’ कहब जे, “प्रभु के छथि?” कहीं हम गरीब नहि भ’ क’ चोरी क’ क’ अपन परमेश् वरक नाम व्यर्थ नहि ली।”

ई श्लोक हमरा सब क॑ प्रोत्साहित करै छै कि हम्में अपनऽ विश्वास क॑ मजबूत रखै छियै आरू प्रचुरता या गरीबी के समय म॑ प्रभु के अस्वीकार नै करबै, नै त॑ हुनकऽ नाम व्यर्थ नै लेबै ।

1. प्रचुरता आ गरीबी: हर मौसमक लेल विश्वास

2. प्रतिकूलताक माध्यमे मजबूत ठाढ़ रहब

1. भजन 119:45 - हम स्वतंत्रतापूर्वक चलब, कारण हम अहाँक उपदेशक खोज मे छी।

2. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

नीतिवचन 30:10 कोनो नौकर पर ओकर मालिक पर आरोप नहि लगाउ, नहि त’ ओ अहाँ केँ गारि नहि देत आ अहाँ दोषी नहि पाबि जायब।

कोनो नौकर पर ओकर मालिक पर झूठ आरोप नहि लगाउ, नहि त' अहाँ केँ शापित क' क' दोषी ठहराओल जायत।

1. एहि बातक ध्यान राखू जे अहाँक बात दोसर पर कोना प्रभावित आ नुकसान पहुँचा सकैत अछि।

2. मात्र सत्य बाजू आ दोसर पर झूठ आरोप लगेबा सँ सावधान रहू।

१. मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, कोनो तरहेँ शपथ नहि लिअ, आ ने स् वर्गक शपथ ग्रहण करू, किएक तँ ई परमेश् वरक सिंहासन अछि आ ने पृथ् वीक, किएक तँ ई हुनकर पैरक ठाठ अछि आ ने यरूशलेम, किएक तँ ई महान राजाक नगर अछि.आ माथ पकड़ि शपथ नहि लिअ, किएक तँ अहाँ एकटा केशकेँ उज्जर वा कारी नहि कऽ सकैत छी।अहाँ जे कहब से मात्र ‘हँ’ वा ‘नहि’ हो, एहिसँ बेसी किछु बुराईसँ होइत अछि।

2. याकूब 5:12 मुदा सभ सँ बेसी हे हमर भाइ लोकनि, स् वर्ग वा पृथ् वी वा कोनो आन शपथक शपथ नहि करू, बल् कि अहाँक हाँ हाँ आ नहि हो, जाहि सँ अहाँ सभ दोषी नहि पड़ब।

नीतिवचन 30:11 एकटा एहन पीढ़ी अछि जे अपन पिता केँ गारि दैत अछि आ अपन माय केँ आशीर्वाद नहि दैत अछि।

एहि श्लोक मे अपन माता-पिता के सम्मान आ सम्मान के महत्व पर जोर देल गेल अछि |

1: अपन माता-पिता के सम्मान आ सम्मान करू

2: माता-पिता के बात मानला के आशीर्वाद

1: निकासी 20:12 - अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश दऽ रहल छथि, ओहि देश मे अहाँक दिन लंबा रहय।

2: इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन पिता आ मायक आदर करू (ई पहिल आज्ञा अछि जे एकटा प्रतिज्ञाक संग अछि), जाहि सँ अहाँ केँ नीक लागय आ अहाँ एहि देश मे बेसी दिन जीबि सकब।

नीतिवचन 30:12 एकटा एहन पीढ़ी अछि जे अपन नजरि मे शुद्ध अछि, मुदा अपन गंदगी सँ नहि धोओल गेल अछि।

एकटा एहन पीढ़ी अछि जे अपना केँ निर्दोष बुझैत अछि तइयो एखनो अपन पाप सँ दागदार अछि ।

1. हमरा सब के अपन पाप के जिम्मेदारी लेबय पड़त

2. आत्म-धोखाक खतरा

1. गलाती 6:7-8 "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बीजत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा जे।" आत्मा के बोइला छै आत् मा स अनन्त जीवन के फसल काटत।"

2. नीतिवचन 16:2 "मनुष्यक सभ मार्ग अपन नजरि मे शुद्ध होइत अछि, मुदा प्रभु आत् मा केँ तौलैत छथि।"

नीतिवचन 30:13 एकटा पीढ़ी अछि, हे ओकर आँखि कतेक ऊँच अछि! आ पलक ऊपर उठि गेल अछि।

एहि पीढ़ीक लोक मे गर्व आ अहंकारी मनोवृत्ति होइत छैक ।

1. घमंड गिरला सँ पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. विनम्रता धन्य जीवनक कुंजी अछि - याकूब 4:6

1. अय्यूब 5:2-3

2. नीतिवचन 16:5

नीतिवचन 30:14 एकटा एहन पीढ़ी अछि, जकर दाँत तलवार जकाँ अछि आ ओकर जबड़ाक दाँत चाकू जकाँ अछि, जे पृथ् वी पर सँ गरीब आ मनुक्ख मे सँ गरीब केँ खा जायत।

एक पीढ़ी के वर्णन करलऽ गेलऽ छै कि ओकरऽ दांत तलवार आरू चाकू के तरह तेज आरू खतरनाक होय छै, जेकरऽ उपयोग वू गरीब आरू जरूरतमंद पर अत्याचार करै लेली करै छै ।

1. अत्याचारक खतरा: अन्याय सँ गरीब आ जरूरतमंद कोना प्रभावित होइत अछि

2. करुणाक शक्ति: जरूरतमंद तक पहुँचब

1. मत्ती 25:35-40 - किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाए लेल देलियैक, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय लेल देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ

2. लेवीय 19:10 - अपन अंगूरक बगीचा पर दोसर बेर नहि जाउ आ ने खसल अंगूर उठाउ। गरीब आ परदेशी लेल छोड़ि दियौक।

नीतिवचन 30:15 घोड़ाक दूटा बेटी अछि जे कानैत अछि, “देब, दिअ।” तीन बात एहन अछि जे कहियो तृप्त नहि होइत अछि, हँ, चारि बात नहि कहैत अछि जे, ई काफी अछि।

घोड़ाक दू टा बेटी अछि जे मांग क' रहल अछि, आ चारि टा बात जे कहियो तृप्त नहि होइत अछि ।

1. लोभक खतरा: कतेक पर्याप्त अछि?

2. अपन इच्छा के संतुष्ट करब: संतोष खोजब

1. उपदेशक 5:10 - "जे चानी सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा चानी सँ तृप्त नहि होयत, आ ने जे प्रचुरता सँ बढ़ैत अछि"।

2. फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब आ प्रचुरता करब दुनू जनैत छी। हर जगह आ सब बात मे हमरा पेट भरब आ भूखल दुनू तरहक निर्देश देल गेल अछि, प्रचुरता आ आवश्यकता भोगब दुनू।"

नीतिवचन 30:16 कब्र; आ बंजर गर्भ। जे धरती पानिसँ नहि भरल अछि। आ जे आगि नहि कहैत अछि जे, “बहुत अछि।”

एहि अंश मे चारि टा बात कहल गेल अछि - कब्र, बंजर गर्भ, पानि रहित धरती आ आगि जे नहि बुझल जा सकैत अछि।

1. अपूर्ण इच्छा मे भगवान् की शक्ति

2. मृत्युक सोझाँ आशा

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. भजन 139:13-14 - "किएक तँ अहाँ हमर भीतरक अंग बनौलहुँ; अहाँ हमरा मायक कोखि मे बुनलहुँ। हम अहाँक स्तुति करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी। अहाँक काज अद्भुत अछि; हमर आत्मा एकरा नीक जकाँ जनैत अछि।" " .

नीतिवचन 30:17 जे आँखि अपन पिताक उपहास करैत अछि आ अपन मायक आज्ञा मानबाक लेल तिरस्कार करैत अछि, से घाटी मे काग ओकरा तोड़त आ गरुड़क बच्चा सभ ओकरा खा जायत।

ई अंश अपनऽ माता-पिता केरऽ मजाक उड़ाबै आरू ओकरऽ आज्ञा नै मानला के परिणाम के बात करै छै कि परमेश्वर केरऽ न्याय कठोर होतै ।

1. "माता-पिता के आज्ञा नै मानय के लेल भगवान के न्याय"।

2. "अपन पिता आ माँ के सम्मान करू: आशीर्वाद आ परिणाम"।

1. इफिसियों 6:1-3, "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता-माँक आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि, एहि प्रतिज्ञाक संग जे अहाँ सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभक लेल बहुत दिन धरि भोगि सकब।" पृथ्वी पर जीवन।"

2. निर्गमन 20:12, "अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँ ओहि देश मे बेसी दिन धरि जीबि सकब जे अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ द' रहल छथि।"

नीतिवचन 30:18 हमरा लेल तीनटा एहन बात अछि जे हमरा लेल बहुत अद्भुत अछि, चारिटा बात जे हम नहि जनैत छी।

ई अंश भगवान केरऽ रहस्यमय बातऽ के बात करै छै जेकरा समझै लेली बहुत अद्भुत छै ।

1. भगवानक रहस्य: हम की नहि जनैत छी आ की जानि सकैत छी

2. भगवानक आश्चर्य: जे हम सभ नहि बुझैत छी से मनाब

1. अय्यूब 11:7-9 की अहाँ परमेश् वरक रहस्य सभ केँ बुझि सकैत छी? की अहाँ सर्वशक्तिमान के सीमा के जांच क सकैत छी? स्वर्गसँ ऊँच अछि अहाँ की कऽ सकैत छी? कबरक गहींरसँ गहींर अछि की बुझल अछि? एकर नाप पृथ्वीसँ नमहर आ समुद्रसँ चौड़ा होइत अछि ।

2. भजन 147:5 हमर प्रभु महान छथि आ शक्ति मे पराक्रमी छथि; ओकर समझक कोनो सीमा नहि छैक।

नीतिवचन 30:19 हवा मे गरुड़क बाट। चट्टान पर साँपक बाट। समुद्रक बीच मे जहाजक बाट; आ दासी बला आदमीक बाट।

ई अंश चारि अलग-अलग परिस्थिति के तुलना एक दोसरा स॑ करै छै, जेकरा स॑ ई दर्शायलऽ गेलऽ छै कि कोना मनुष्य प्रकृति के तरह शक्तिशाली नै छै ।

1. मानव शक्तिक सीमा: सर्वशक्तिमान भगवान हमरा सभसँ कोना आगू छथि

2. भगवानक इच्छाक समक्ष आत्मसमर्पण: अपन अपेक्षा केँ छोड़ब

1. यशायाह 40:27-31 - हे याकूब, अहाँ किएक कहैत छी, हे इस्राएल, हमर बाट प्रभु सँ नुकायल अछि, आ हमर अधिकार हमर परमेश् वर द्वारा अवहेलना कयल गेल अछि?

2. अय्यूब 40:15-24 - जे सभ घमंडी अछि तकरा देखू आ ओकरा नीचाँ उतारू आ दुष्ट केँ जतय ठाढ़ अछि ओतय रौदब।

नीतिवचन 30:20 व्यभिचारी महिलाक एहन तरीका होइत छैक। ओ खाइत अछि आ मुँह पोछैत अछि आ कहैत अछि जे, “हम कोनो दुष् ट काज नहि केलहुँ।”

ई श्लोक एकटा व्यभिचारी महिला के बात करै छै जे अपनऽ पाप के नुकाबै छै आरू ओकरा नकार दै छै ।

1. इनकार के खतरा: पाप के स्वीकार करब आ पश्चाताप करब सीखब

2. लोकोक्तिक शक्ति: अधर्मक पहिचान आ ओकरासँ बचब

1. लूका 11:4 - आ हमरा सभक पाप क्षमा करू; किएक तँ हम सभ सेहो क्षमा कऽ दैत छी जे हमरा सभक ऋणी अछि।

2. याकूब 5:16 - एक-दोसर सँ अपन दोष स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मी मनुष्यक प्रखर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।

नीतिवचन 30:21 पृथ् वी तीन बातक कारणेँ परेशान अछि आ चारिटा बात जे ओकरा सहन नहि कयल जा सकैत अछि।

पृथ्वी चारि टा बात सँ बेचैन अछि जे ओकरा सहन नहि क' सकैत अछि ।

1. पृथ्वीक बोझ: जे हम सभ सहन नहि क' सकैत छी

2. हमर दुनिया के वजन: हमर सीमा के बुझब

1. उपदेशक 4:8 - "एकटा आदमी असगर छल; ओकरा ने बेटा छलैक आ ने भाइ। ओकर मेहनतक कोनो अंत नहि छलैक, तइयो ओकर नजरि ओकर धन सँ संतुष्ट नहि छलैक।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

नीतिवचन 30:22 सेवक जखन राज करैत अछि। आ मूर्ख जखन भोजन सँ भरल रहैत अछि।

जखन कोनो नौकर अधिकारक पद पर रहैत अछि तखन ओ मूर्खतापूर्ण ढंग सँ काज क' सकैत अछि जखन ओकरा लग भरपूर भोजन होइत छैक ।

1. घमंड के खतरा: जखन आशीर्वाद भेटल अछि तखन मूर्ख बनय स कोना बचल जा सकैत अछि

2. संतोषक शक्ति: अधिकारक पद पर सेवक कोना बनब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 4:12-13 - हम नीच रहब दुनू जनैत छी आ प्रचुरता करब सेहो जनैत छी: हर जगह आ सभ किछु मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक निर्देश देल गेल अछि, प्रचुर रहब आ आवश्यकता भोगब।

नीतिवचन 30:23 घृणित महिलाक लेल जखन ओ विवाहित होइत अछि। आ एकटा दासी जे अपन मालकिनक उत्तराधिकारी अछि।

नीतिवचन 30:23 मे बेवफा महिला सँ विवाह करबाक आ मालकिनक दास केँ ओकर उत्तराधिकारी बनय देबाक चेतावनी देल गेल अछि।

1. विवाह मे बेवफाई के खतरा

2. स्वामित्व मे लोभक खतरा

1. नीतिवचन 31:10-31, आ सद्गुणी स्त्री के पाबि सकैत अछि? किएक तँ ओकर दाम माणिकसँ बहुत बेसी अछि।

2. लूका 12:15, ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष् यक जीवन ओहि वस्तुक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।

नीतिवचन 30:24 पृथ् वी पर चारिटा चीज छोट अछि, मुदा ओ सभ बहुत बुद्धिमान अछि।

25 चींटी सभ एहन लोक अछि जे बलवान नहि अछि, मुदा ओ सभ गर्मी मे अपन भोजन तैयार करैत अछि।

चारि टा जीव जे आकार मे छोट होइत अछि से बहुत बुद्धिमान होइत अछि, आ ओहि बुद्धिक उदाहरण चींटी मे देखल जाइत अछि, जे मजबूत नहि रहितो गर्मीक भोजन तैयार करैत अछि |

1. प्रतिकूलता मे स्थिरता: हमरा सभ मे सँ छोट-छोट सेहो पैघ काज कोना पूरा क' सकैत अछि

2. छोटकाक बुद्धि: कमजोर लोक सेहो पैघ काज कोना क' सकैत अछि

१.

2. लूका 16:10 - "जेकरा पर बहुत कम भरोसा कयल जा सकैत अछि, ओकरा पर बहुत भरोसा सेहो कयल जा सकैत अछि, आ जे बहुत कम मे बेईमान होयत, ओ बहुत किछु पर सेहो बेईमान होयत।"

नीतिवचन 30:25 चींटी एकटा एहन लोक अछि जे मजबूत नहि अछि, मुदा ओ सभ गर्मी मे अपन मांस तैयार करैत अछि।

चींटी छोट होइत अछि मुदा भविष्यक तैयारी करू।

1. तैयारी के शक्ति: चींटी हमरा सब के कोना रास्ता देखाबैत अछि

2. विनम्रताक ताकत: चींटीसँ सीखब

1. मत्ती 6:34 - "तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, कारण काल्हि अपन बातक चिन्ता करत। दिनक लेल अपन परेशानी पर्याप्त अछि।"

2. याकूब 4:13-15 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जायब, ओतय एक साल बिताब, कीनब-बेचब आ लाभ करब; जखन कि अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे की।" काल्हि होयत।कारण अहाँक जीवन की अछि, एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीबि क' ई वा ओ करब।

नीतिवचन 30:26 शंकु सभ कमजोर लोक अछि, मुदा ओ सभ पाथर मे अपन घर बना लैत अछि।

कोनी एकटा छोट, कमजोर जीव अछि, तइयो ओ चट्टान मे अपना लेल घर बनेबा मे सक्षम अछि।

1. कमजोरक ताकत: अपन कमजोरी मे शक्ति केँ चिन्हब

2. अपना लेल नींव बनेनाइ: अपरंपरागत स्थान पर ताकत ताकब

1. यशायाह 40:29-31: ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि।

2. भजन 18:2: प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर भगवान हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी।

नीतिवचन 30:27 टिड्डी सभक कोनो राजा नहि अछि, मुदा ओ सभटा पट्टी बनि क’ निकलैत अछि।

एहि अंश मे अपन पद वा उपाधि चाहे जे हो, एक संग काज करबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि ।

1: हम सभ मिलिकय बेसी हासिल करैत छी - नीतिवचन 30:27

2: समुदायक शक्ति - नीतिवचन 30:27

1: उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि।

2: फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।

नीतिवचन 30:28 मकड़ा अपन हाथ सँ पकड़ि लैत अछि आ राजा सभक महल मे रहैत अछि।

ई श्लोक हमरा सब के सिखाबै छै कि छोटऽ-छोटऽ जीव भी महान शक्ति आरू प्रभाव के स्थानऽ में अपनऽ रास्ता खोज॑ सकै छै ।

१.

2. "विनम्रताक बुद्धि" - ई श्लोक हमरा सभ केँ विनम्र रहबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ छोट-छोट प्राणीक सेहो महत्व केँ चिन्हबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण भगवान् ओकर उपयोग पैघ काज सभ केँ पूरा करबा मे करैत छथि।

1. याकूब 1:5-6 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निन्दाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

नीतिवचन 30:29 तीनटा बात नीक होइत छैक, चारि टा नीक होइत छैक।

चारि टा बात अछि जे हुनका लोकनिक चलबाक तरीका मे नीक लगैत अछि।

1. सही दिशा मे जेबाक सौन्दर्य

2. सही जीवन जीबाक शक्ति

1. मत्ती 5:16 - "अहाँ सभक इजोत मनुष् य सभक सोझाँ एना चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखथि आ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।"

2. नीतिवचन 4:25-27 - "अपन आँखि सोझे आगू देखू; अपन नजरि सोझे सामने राखू। अपन पएरक बाट पर नीक जकाँ विचार करू आ सभ बाट मे अडिग रहू। दहिना वा बामा दिस नहि घुमू।" ; अपन पैर केँ बुराई सँ बचाउ।"

नीतिवचन 30:30 सिंह जे जानवर मे सबसँ बेसी बलशाली अछि आ ककरो लेल नहि घुमैत अछि।

सिंह सब जानवर मे सबसँ मजबूत होइत अछि आ कोनो बात सँ डरैत नहि अछि ।

1. भगवान् हमरा सभ केँ ई साहस देने छथि जे सही बातक लेल ठाढ़ भ' सकब, ओहो डराबय बला शक्तिक सामना करबा काल।

2. विरोधक सामना करबा काल साहस आ ताकत बनौने रहबाक लेल सिंह सँ सबक ल' सकैत छी।

१.

2. इफिसियों 6:10-18 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। भगवानक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन रुख राखि सकब।

नीतिवचन 30:31 एकटा ग्रेहाउंड; आ ओ बकरी सेहो। आ एकटा राजा, जकरा विरुद्ध कोनो उठब नहि।

नीतिवचन 30:31 एकटा ग्रेहाउंड, एकटा बकरी आ एकटा राजाक तुलना करैत अछि, ई नोट करैत अछि जे राजाक विरुद्ध कियो ठाढ़ नहि भ’ सकैत अछि।

1. अधिकारक शक्ति: नीतिवचन 30:31 केँ बुझब

2. राजाक ताकत: नीतिवचन 30:31 मे आशा भेटब

1. 1 पत्रुस 2:13-17 - अधिकारक अधीनताक भूमिका केँ बुझब

2. यशायाह 9:6-7 - शास्त्र मे राजाक महिमा के अन्वेषण

नीतिवचन 30:32 जँ अहाँ अपना केँ उठाबय मे मूर्खतापूर्ण काज केलहुँ वा जँ अहाँ अधलाह सोचलहुँ तँ मुँह पर हाथ राखू।

ई श्लोक मूर्खता आरू बुरा विचारऽ के खिलाफ चेतावनी दै छै, जेकरा स॑ हमरा सब क॑ काम करै स॑ पहल॑ सोचै लेली प्रोत्साहित करलऽ गेलऽ छै ।

1: हमरा सभकेँ अपन बात आ काजक प्रति सदिखन ध्यान राखब चाही, आ काज करबासँ पहिने सोचब अवश्य चाही।

2: घमंड हमरा सभ केँ मूर्खता आ दुष्ट विचार दिस ल' जा सकैत अछि, तेँ कोनो निर्णय लेबा सँ पहिने अपना केँ विनम्रता आ भगवानक बुद्धि अवश्य ताकू।

1: याकूब 1:19 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

नीतिवचन 30:33 दूधक मथला सँ मक्खन निकलैत अछि आ नाक मरोड़ला सँ खून निकलैत अछि, तेँ क्रोधक जबरदस्ती झगड़ा उत्पन्न करैत अछि।

एहि श्लोक मे क्रोधक परिणामक बात कयल गेल अछि, आ कोना एहि सँ द्वंद्व भ' सकैत अछि।

1. क्रोधक शक्ति: हमर भावना कोना द्वंद्व उत्पन्न क' सकैत अछि

2. लोकोक्तिक बुद्धि: अपन क्रोध पर काबू करब सीखब

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. उपदेशक 7:9 - "अपन आत्मा मे जल्दी-जल्दी क्रोध नहि करू, किएक तँ क्रोध मूर्ख सभक कोरा मे बैसि जाइत अछि।"

नीतिवचन अध्याय ३१ एकटा प्रसिद्ध अंश अछि जे "सद्गुणी महिला" या "उदात्त चरित्रक पत्नी" के नाम सँ जानल जाइत अछि | उत्कृष्ट पत्नी आ उदात्त चरित्रक महिलाक गुण आ कर्म पर बुद्धि प्रदान करैत अछि |

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत राजा लेमुएल के द्वारा अपनऽ माय स॑ मिललऽ बुद्धिमान शिक्षा के बारे म॑ बतैला स॑ होय छै । ओ ओकरा बेसी शराब पीबय के खतरा के बारे में सलाह दैत छथिन आ कमजोर लोक के लेल न्याय के पक्षधरता के लेल प्रोत्साहित करैत छथि (नीतिवचन 31:1-9)।

द्वितीय अनुच्छेद: तखन अध्याय मे एकटा सद्गुणी स्त्री के गुण आ क्रियाकलाप के विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि | हुनका मेहनती, भरोसेमंद, साधन संपन्न आ दयालु के रूप में चित्रित कयल गेल अछि | ओ अपन घरक नीक जकाँ प्रबंधन करैत छथि, लाभदायक उद्यम मे संलग्न छथि, अपन परिवारक देखभाल करैत छथि, गरीबक मदद करैत छथि आ बुद्धि सँ बजैत छथि (नीतिवचन 31:10-31)।

संक्षेप मे, २.
फकड़ा अध्याय एकतीस मे बुद्धि अर्पित अछि
एक सद्गुणी स्त्री के वर्णन के माध्यम से,
उद्योग, 1.1.
भरोसेमंदता, साधनसंपन्नता, २.
आ करुणा।

न्याय के वकालत करतें हुवें राजा लेमुएल के माय द्वारा अधिक शराब सेवन से बचने के संबंध में देलऽ गेलऽ सलाह के पहचान करी क॑ ।
सद्गुणी स्त्री सँ जुड़ल गुण आ क्रियाकलाप के वर्णन।
एहि वर्णन के माध्यम सं विभिन्न पहलू के संबोधित करब जेना मेहनती, भरोसेमंदता आ संगहि साधन संपन्नता आ करुणा के रेखांकित करब.
कोनो उत्कृष्ट पत्नी या उदात्त चरित्र के महिला द्वारा प्रदर्शित गुण के मूल्यांकन के अंतर्दृष्टि प्रदान करब | एहि मे जिम्मेदारी के प्रबंधन मे लगन, संबंध मे भरोसेमंद रहब आ दोसर के प्रति साधन संपन्नता आ करुणा के प्रदर्शन शामिल अछि. एकरऽ अतिरिक्त, वाणी आरू कर्म म॑ बुद्धि केरऽ महत्व क॑ पहचानना ।

नीतिवचन 31:1 राजा लेमुएलक वचन, ओ भविष्यवाणी जे हुनकर माय हुनका सिखबैत छलीह।

राजा लेमुएलक माय हुनका एकटा भविष्यवाणी सिखबैत छलीह।

1. माँ के वचन के शक्ति

2. नीतिवचनक बुद्धि 31

1. नीतिवचन 31:1

291

2. व्यवस्था 6:6-7 आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय मे रहत। अहाँ सभ अपन धिया-पुता सभ केँ लगन सँ एकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, जखन अहाँ बाट मे चलब, जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब।

नीतिवचन 31:2 की, हमर बेटा? आ की, हमर कोखक बेटा? आ की, हमर व्रतक बेटा?

ई अंश राजा लेमुएल केरऽ माय द्वारा ओकरा बुद्धिमान सलाह दै के कोशिश में पूछलऽ गेलऽ अलंकारिक सवाल छेकै ।

1. "महिला के लेल भगवान के योजना: एकटा नीतिवचन 31 परिप्रेक्ष्य"।

2. "माँ के वचन के शक्ति: नीतिवचन 31:2 के अध्ययन"।

1. यशायाह 49:15 - "की स्त्री अपन दूध पियाबैत बच्चा केँ बिसरि सकैत अछि, जाहि सँ ओकरा अपन गर्भक बेटा पर कोनो दया नहि हो? ई सभ सेहो बिसरि सकैत अछि, तइयो हम अहाँ केँ नहि बिसरब।"

2. भजन 22:10 - "हम अपन जन्म सँ अहाँ पर फेकल गेलहुँ, आ हमर मायक कोखि सँ अहाँ हमर परमेश् वर छलहुँ।"

नीतिवचन 31:3 स्त्रीगण केँ अपन शक्ति नहि दियौक आ ने राजा सभक नाश करयवला केँ अपन बाट नहि दियौक।

जे ओकर दुरुपयोग करत ओकरा अपन शक्ति वा अधिकार नहि दियौक।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन शक्ति आ अधिकारक रक्षा करबाक लेल बजबैत छथि आ ओकरा ओहि लोकक हाथ मे नहि सौंपब जे एकर दुरुपयोग करत।

2: हमरा सभ केँ एहि बात मे बुद्धिमान रहबाक चाही जे हम सभ अपन शक्ति आ अधिकारक उपयोग कोना करैत छी, आ ओकरा दोहन करयवला केँ नहि देबाक चाही।

1: 1 पत्रुस 5:8-9 - सोझ विचार राखू; चौकस रहू। तोहर शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाइ लेल तकैत अछि। अपन विश्वास पर दृढ़तापूर्वक हुनकर विरोध करू, ई जानि जे दुनिया भरि मे अहाँक भाई-बहिन केँ सेहो एहने तरहक कष्ट भ' रहल अछि।

2: नीतिवचन 28:20 - विश्वासी आदमी मे आशीर्वादक भरमार रहत, मुदा जे धनिक बनय मे जल्दबाजी करत, ओ अदण्डित नहि होयत।

नीतिवचन 31:4 हे लेमुएल, राजा सभक लेल नहि अछि जे मदिरा पीब। आ ने राजकुमार सभक लेल मद्यपानक लेल।

राजा-राजकुमार केँ मदिरा वा मादक पेय नहि पीबाक चाही।

1. आत्मसंयम के शक्ति: नीतिवचन 31:4 के बुद्धि

2. संयम के सुख: नीतिवचन 31:4 के अध्ययन

1. इफिसियों 5:18 आ मदिरा मे नशा नहि करू, कारण ओ व्यभिचार अछि, बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।

2. 1 पत्रुस 4:7 सभ किछुक अंत नजदीक आबि गेल अछि। तेँ अपन प्रार्थनाक लेल संयम आ संयम राखू।

नीतिवचन 31:5 कहीं ओ सभ पीबि कऽ व्यवस्था केँ बिसरि नहि जाथि आ कोनो दुःखी लोकक न् याय केँ विकृत नहि करथि।

ई चेतावनी अछि जे बेसी नहि पीब, कहीं कानून बिसरि जाय वा ककरो जरूरतमंद पर अनुचित निर्णय नहि देल जाय।

1. न्याय करब मोन राखू: एकटा एहि पर जे हमरा सभ केँ अपन निर्णयक प्रति कोना ध्यान राखब चाही, खास क' जरूरतमंद लोकक प्रति।

2. नशा आ ओकर परिणाम: क बेसी शराब पीबाक खतरा आ कोना एहि सँ कानून के उल्लंघन भ सकैत अछि।

1. नीतिवचन 31:4-5 - "हे लेमुएल, राजा सभक लेल मदिरा पीनाइ नहि अछि, आ ने राजकुमार सभक लेल मद्यपान करब पीड़ित लोकनि केँ।"

2. यशायाह 5:11-12 - "धिक्कार अछि ओ सभ जे भोरे-भोर उठि कऽ नशाक पाछाँ चलैत अछि, जे राति धरि रहैत अछि जाबत धरि मदिरा ओकरा सभ केँ भड़का नहि देतैक! आ वीणा, वायोल, ताबट आ पाइप आ मदिरा हुनका सभक भोज मे होइत छैक, मुदा ओ सभ परमेश् वरक काज केँ परवाह नहि करैत अछि आ ने हुनकर हाथक काज पर विचार करैत अछि।”

नीतिवचन 31:6 जे नाश होबय बला अछि ओकरा मस्त पेय दियौ आ जे भारी हृदयक अछि ओकरा मदिरा दऽ दियौक।

जेकरा जरूरत छै, ओकरा खास करी क॑ जेकरा दुखी अवस्था म॑ छै, ओकरा शराब देलऽ जाय ।

1. "दर्द के कम करय में मदद करय वाला शराब के शक्ति"।

2. "दुःखक समय मे करुणाक आवश्यकता"।

1. यशायाह 38:15 - "हम की कहब? ओ हमरा सँ दुनू गोटे बजने छथि आ स्वयं केने छथि। हम अपन जीवन भरि अपन प्राणक कटुता मे मंद मंद चलब।"

2. रोमियो 12:15 - "आनन्द करनिहार सभक संग आनन्दित रहू, आ काननिहार सभक संग कानू।"

नीतिवचन 31:7 ओ पीबय, अपन गरीबी केँ बिसरि जाय, आ अपन दुख केँ आब मोन नहि राखय।

फकड़ा हमरा सब के दुख आ गरीबी स मुक्ति के लेल भगवान के तरफ मुड़य लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. भगवान् स्फूर्ति के स्रोत छथि

2. प्रभु पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 55:1-2 अहाँ सभ जे प्यासल छी, आउ, पानि मे आऊ। आ अहाँ जिनका लग पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना खर्च के शराब आ दूध कीनू।

2. भजन 107:9 किएक तँ ओ आकांक्षी आत्मा केँ तृप्त करैत अछि, आ भूखल आत्मा केँ नीक चीज सँ भरैत अछि।

नीतिवचन 31:8 विनाशक लेल निर्धारित सभ लोकक काज मे गूंगा सभक लेल मुँह खोलू।

जे आवाजहीन छथि आ विनाश भोगि रहल छथि हुनका लेल हमरा सभ केँ बजबाक चाही।

1. आवाजहीनक लेल बाजू

2. विनाश के लेल नियुक्त लोक के कोना मदद क सकैत छी

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

293

नीतिवचन 31:9 मुँह खोलू, धार्मिक न्याय करू आ गरीब आ गरीबक बात करू।

ई श्लोक हमरा सब क॑ प्रोत्साहित करै छै कि जे दबल-कुचललऽ छै आरू ओकरा मदद के जरूरत छै, ओकरा लेली बोलै के ।

1. हमर आवाजक शक्ति: सताओल आ उत्पीड़ित लोकक लेल ठाढ़ रहब

2. न्याय आ करुणाक वकालत करबाक आह्वान

1. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

2. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय ताकू, अत्याचारी केँ डाँटब। पिताहीनक रक्षा करू, विधवाक लेल गुहार करू।

नीतिवचन 31:10 सद्गुणी स्त्री के पाबि सकैत अछि? किएक तँ ओकर दाम माणिकसँ बहुत बेसी अछि।

एकटा सद्गुणी स्त्री के मूल्य सबसँ बेसी कीमती गहना सँ बेसी होइत छैक ।

1. सदाचारक मूल्य

2. स्त्री के औकात

1. तीतुस 2:3-5 पैघ महिला सभ केँ सेहो तहिना व्यवहार मे आदर करबाक चाही, निंदा करयवला वा बेसी शराबक गुलाम नहि। हुनका सभ केँ नीक बात सिखाबय पड़तनि, आ एहि तरहेँ युवती सभ केँ अपन पति आ बच्चा सभ सँ प्रेम करबाक प्रशिक्षित करबाक चाही, आत्मसंयम, शुद्ध, घर मे काज करयवला, दयालु आ अपन पतिक अधीन रहबाक प्रशिक्षित करबाक चाही, जाहि सँ परमेश् वरक वचन नहि हो गारि देलक।

2. नीतिवचन 31:30 आकर्षण छल, आ सौन्दर्य व्यर्थ, मुदा जे स्त्री प्रभु सँ डेराइत अछि, ओकर स्तुति करबाक चाही।

नीतिवचन 31:11 ओकर पतिक हृदय ओकरा पर सुरक्षित भरोसा करैत छैक, जाहि सँ ओकरा लूट’क कोनो आवश्यकता नहि पड़तैक।

पत्नी अपन पति लेल सुरक्षाक स्रोत होइत छथि, जे हुनका सफल हेबाक आत्मविश्वास दैत छथि ।

1. विवाहक ताकत: आपसी सहयोगक शक्तिक लाभ उठाबय

2. हेल्पमीट के शक्ति: ईश्वरीय साथी के मूल्य

1. 1 पत्रुस 3:1-7 - विवाह मे सम्मान आ सम्मान

2. नीतिवचन 18:22 - एकटा विश्वासी साथी के मूल्य

नीतिवचन 31:12 ओ अपन जीवन भरि ओकरा नीक काज करत आ अधलाह नहि।

उदात्त चरित्रक पत्नीक प्रशंसा होइत छैक जे जीवन भरि पतिक संग भलाई करैत अछि ।

1. नीक पत्नी: ईश्वरीय जीवनसाथीक उदात्त चरित्र

2. एकटा पत्नीक औकात: एकटा वफादार हेल्पमीट के आशीर्वाद

1. इफिसियों 5:22-33 - पति-पत्नी के संबंध

2. नीतिवचन 18:22 - उदात्त चरित्रक पत्नी भेटब

नीतिवचन 31:13 ओ ऊन आ सन तकैत छथि आ हाथ सँ स्वेच्छा सँ काज करैत छथि।
मेहनती आ साधन संपन्न महिला छथि ।
1: सफलताक लेल मेहनत करब अनिवार्य अछि।
2: मेहनती स्त्री के उत्सव मनाबय के।
1: निकासी 20:9 छह दिन परिश्रम करू आ अपन सभ काज करू।
2: इफिसियों 4:28 चोरी केनिहार आब चोरी नहि करय, बल् कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज क’ क’ मेहनति करय, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद केँ देबाक चाही।
नीतिवचन 31:14 ओ व्यापारी सभक जहाज जकाँ छथि। दूरसँ अपन भोजन अनैत छथि ।
स्त्री के तुलना व्यापारी के जहाज स कयल जाइत अछि, जे बहुत दूर स भोजन ल क अबैत अछि।
1. स्त्री के निष्ठा - नीतिवचन 31:14
2. परमेश् वर सँ प्रावधान - नीतिवचन 31:14
1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।
2. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु द्वारा महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।
नीतिवचन 31:15 ओ राति मे उठि क’ अपन घरक लोक केँ भोजन आ कुमारि सभ केँ भाग दैत छथि।
जल्दी उठि क' अपन परिवारक भरण-पोषण क' लगनक प्रदर्शन करैत छथि ।
1. लगन के शक्ति
2. कोनो प्रदाता के मूल्य
1. नीतिवचन 14:23 - सब मेहनत सँ लाभ भेटैत छैक, मुदा मात्र गप्प सँ मात्र गरीबी होइत छैक।
2. कुलुस्सी 3:23 - अहाँ सभ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल आ मनुष्यक लेल नहि।
नीतिवचन 31:16 ओ खेत पर विचार करैत अछि आ ओकरा कीनि लैत अछि, अपन हाथक फल सँ अंगूरक बगीचा रोपैत अछि।
ओ पहल करय वाली महिला छथिन्ह जे बुद्धिमानी सं निवेश करैत छथिन्ह.
1: भविष्य मे निवेश करब
2: अवसरक सदुपयोग करब
1: मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि आ जतय चोर तोड़ि कऽ चोरा लैत अछि। आ जतऽ चोर नहि तोड़ि कऽ चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।
2: उपदेशक 11:2 - सात गोटे केँ भाग दियौक, आ आठ गोटे केँ सेहो। किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे पृथ् वी पर की अधलाह होयत।”

नीतिवचन 31:17 ओ अपन कमर केँ बल सँ बान्हि लैत छथि आ अपन बाँहि केँ मजबूत करैत छथि।

एहि अंश मे स्त्री के ताकत के बात कयल गेल अछि, आ कोना ओ अपन कमर के कमरबंद करैत छथि आ अपन बाँहि के मजबूत करैत छथि |

1. "स्त्री के ताकत"।

2. "अपन कमर के ताकत स कमरबंद करब"।

1. नीतिवचन 31:25 - "शक्ति आ आदर ओकर वस्त्र अछि; आ आगामी समय मे ओ आनन्दित हेतीह।"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

नीतिवचन 31:18 ओ बुझैत छथि जे हुनकर माल नीक अछि, हुनकर मोमबत्ती राति मे नहि बुझैत अछि।

बुद्धिमान महिला के पता छै कि ओकरऽ व्यवसाय सफल छै आरू वू दिन-राति मेहनत करै छै ।

1. बुद्धिमान महिला - उत्पादकता आ विश्वासक जीवन जीब

2. दृढ़ताक शक्ति - मेहनत करब आ हार नहि मानब

1. नीतिवचन 14:23 - सब मेहनत सँ लाभ भेटैत छैक, मुदा मात्र गप्प सँ मात्र गरीबी होइत छैक।

2. मत्ती 5:16 - अहाँक इजोत दोसरक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ अहाँक नीक काज देखथि आ स् वर्ग मे अहाँक पिताक महिमा करथि।

नीतिवचन 31:19 ओ अपन हाथ धुरी पर राखैत छथि आ हुनकर हाथ डंडा पकड़ने छथि।

फकड़ा के ई श्लोक महिला सिनी क॑ अपनऽ हाथ के उपयोग उत्पादक काम लेली करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1: महिला के लेल भगवान के डिजाइन: हुनकर सेवा आ सम्मान के लेल अपन हाथ के उपयोग करब

2: उद्देश्यक संग काज करब: अपन हाथक प्रयोग मे पूर्णता ताकब

1: तीतुस 2:3-5 - पैघ महिला सभ केँ सेहो ओहिना व्यवहार मे आदर करबाक चाही, निंदा करय बला वा बेसी शराबक गुलाम नहि। हुनका सभ केँ नीक बात सिखाबय पड़तनि, आ एहि तरहेँ युवती सभ केँ अपन पति आ बच्चा सभ सँ प्रेम करबाक प्रशिक्षित करबाक चाही, आत्मसंयम, शुद्ध, घर मे काज करयवला, दयालु आ अपन पतिक अधीन रहबाक प्रशिक्षित करबाक चाही, जाहि सँ परमेश् वरक वचन नहि हो गारि देलक।

2: भजन 90:17 - हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक अनुग्रह हमरा सभ पर रहय आ हमरा सभक हाथक काज हमरा सभ पर स्थापित रहय। हँ, हमरा सभक हाथक काज स्थापित करू!

नीतिवचन 31:20 ओ गरीब सभक दिस हाथ बढ़बैत छथि। हँ, ओ जरूरतमंद लोकक हाथ बढ़बैत छथि।

जरूरतमंद पर करुणा देखबैत छथि।

1: हम नीतिवचन 31 मे सद्गुणी महिला के उदाहरण स सीख सकैत छी जे हमरा सब के जरूरतमंद के मदद करय के महत्व देखाबैत छथि।

2: करुणा आ दान महत्वपूर्ण गुण अछि जकरा हमरा लोकनि केँ अपन दैनिक जीवन मे समाहित करबाक प्रयास करबाक चाही।

1: मत्ती 25:35-40 किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाए लेल देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।

2: याकूब 1:27 जे धर्म हमरा सभक पिता परमेश् वर शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसारक द्वारा प्रदूषित नहि करब।

नीतिवचन 31:21 ओ अपन घरक लेल बर्फ सँ नहि डेराइत छथि, कारण हुनकर घरक सभ लोक लाल रंगक कपड़ा पहिरने छथि।

ओ एकटा ताकत आ साहस के महिला छथि जे अपन परिवार के सुरक्षा आ सुरक्षा प्रदान करैत छथि ।

1. ईश्वरीय स्त्री के अटल ताकत

2. अपन घरक सुरक्षा प्रदान करबाक महत्व

1. नीतिवचन 31:10-31

2. भजन 127:3-5

नीतिवचन 31:22 ओ अपना लेल कपड़ाक आवरण बनबैत छथि। ओकर वस्त्र रेशमी आ बैंगनी रंगक अछि।

बाहरी आ आन्तरिक दुनू तरहक शक्ति आ सौन्दर्यक महिला छथि ।

1: भगवान् स्त्रीगण केँ मजबूत आ सुन्दर बनेबाक लेल बनौलनि, आ ओ सौन्दर्य मात्र शारीरिक रूप सँ सीमित नहि अछि।

2: नीतिवचन 31 महिला के उदाहरण स सीख सकैत छी, जे ताकत आ सुंदरता के उदाहरण छथि।

1: 1 पत्रुस 3:3-4 - "अहाँक सौन्दर्य बाहरी श्रृंगार सँ नहि होबाक चाही, जेना विस्तृत केश-विन्यास आ सोनाक गहना वा महीन वस्त्र पहिरब। बल्कि ई अहाँक भीतरक, क सौम्य आ शान्त आत्मा, जे भगवानक दृष्टि मे बहुत मूल्यवान अछि |"

2: यशायाह 61:10 - "हम प्रभु मे बहुत आनन्दित छी; हमर आत्मा हमर परमेश् वर मे आनन्दित अछि। किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि आ हमरा अपन धार्मिकताक वस्त्र पहिरने छथि, जेना वर पुरोहित जकाँ अपन माथ सजबैत छथि।" , आ जेना कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि |"

नीतिवचन 31:23 ओकर पति जखन देशक बुजुर्ग सभक बीच बैसल छथि तखन फाटक मे चिन्हल जाइत छथि।

एहि श्लोक मे पत्नीक पति केँ समाज मे अधिकारिणी लोक द्वारा सम्मान आ सम्मान भेटबाक बात कयल गेल अछि |

1: दोसरक सम्मान धर्म सँ अर्जित होइत अछि

2: हमर कर्म हमर चरित्र के दर्शाबैत अछि

1: मत्ती 5:13-16 अहाँ सभ पृथ्वीक नून छी...अहाँ सभक इजोत दोसरक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि स्वर्ग मे अहाँक पिताक महिमा करथि।

2: तीतुस 2:7-8 सभ किछु मे नीक काज क’ क’ हुनका सभ केँ एकटा उदाहरण बनाउ। अपन शिक्षा मे ईमानदारी, गंभीरता आ सुदृढ़ता देखाउ जेकर निंदा नहि कयल जा सकैत अछि, जाहि सँ जे अहाँक विरोध करैत छथि हुनका लाज भ' सकय, कारण हुनका हमरा सभक बारे मे कोनो खराब बात नहि छनि।

नीतिवचन 31:24 ओ नीक लिनन बना क’ बेचैत छथि। आ व्यापारी केँ कमरबंद सौंपैत अछि।

मेहनती महिला छथि जे अपन व्यवसाय मे सफल छथि ।

1: अपन सपना स कहियो हार नहि मानब

2: उच्च लक्ष्य राखू आ सफलताक लेल पहुँचू
1: फिलिप्पियों 4:13 हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।
2: नीतिवचन 16:3 अपन काज प्रभुक हाथ मे राखू, तखन अहाँक विचार स्थिर भ’ जायत।
नीतिवचन 31:25 ओकर वस्त्र शक्ति आ आदर अछि। आगामी समय मे ओ आनन्दित हेतीह।
ओ बल आ सम्मानक वस्त्र पहिरने छथि आ भविष्य मे आनन्दित हेतीह ।
1. भविष्य मे आनन्दित रहू: कोना ताकत आ सम्मानक वस्त्र पहिरल जाय
2. ताकत आ सम्मानक परिधान: भविष्य मे आनन्दित
1. इफिसियों 6:10-18 (शक्ति आ सम्मानक वस्त्रक लेल)
2. यशायाह 40:31 (भविष्य मे आनन्दित हेबाक लेल)
नीतिवचन 31:26 ओ बुद्धि सँ मुँह खोलैत छथि। ओकर जीह मे दयाक नियम छैक।
बुद्धिपूर्वक बजैत छथि आ हुनकर बात दयालु होइत छनि ।
1. दयालु शब्दक शक्ति
2. बुद्धिक महत्व
1. कुलुस्सी 4:6 - "अहाँ सभक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।"
2. याकूब 3:17 - "मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल होइत अछि।"
नीतिवचन 31:27 ओ अपन घरक बाट पर नीक जकाँ देखैत छथि, आ आलस्यक रोटी नहि खाइत छथि। परिवारक देखभाल मे लगनशील आ मेहनती छथि आ आलस्य सँ बचैत छथि ।
1: लगन आ मेहनत के महत्व।
2: आलस्य आ आलस्यक खतरा।
1: कुलुस्सी 3:23-24 अहाँ सभ जे किछु करब, मनुष् यक लेल नहि, प्रभुक लेल नहि, हृदय सँ काज करू, ई जानि जे प्रभु सँ अहाँ सभ केँ ई उत्तराधिकारक रूप मे उत्तराधिकार भेटत। अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।
2: नीतिवचन 6:6-11 हे सुस्त, चींटी लग जाउ; ओकर बाट पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू। बिना कोनो मुखिया, अधिकारी, शासक के गर्मी में रोटी तैयार करैत छथि आ फसल में अपन भोजन जमा करैत छथि |
नीतिवचन 31:28 ओकर बच्चा सभ उठि कऽ ओकरा धन्य कहैत अछि। ओकर पति सेहो ओकर प्रशंसा करैत अछि।
नीतिवचन 31:28 उदात्त चरित्रक महिलाक प्रशंसा करैत अछि, ओकर संतान आ पति ओकरा धन्य कहैत अछि आ ओकर प्रशंसा करैत अछि।
1. एकटा कुलीन स्त्री के प्रशंसा - नीतिवचन 31:28 के उदाहरण

2. ईश्वरभक्त माँ के आशीर्वाद - आस्था के स्त्री के फल

1. नीतिवचन 31:28

2. इफिसियों 5: 22-33 - पत्नी सभ, अपन पतिक अधीन रहू जेना प्रभुक अधीन रहू।

नीतिवचन 31:29 बहुतो बेटी सभ सद्गुण कयलनि, मुदा अहाँ सभ सँ श्रेष्ठ छी।

स्त्री बहुत सद्कर्म क सकैत अछि, मुदा नीतिवचन 31:29 मे वर्णित महिला एहि सब स आगू अछि।

1. सद्गुणी महिला - उत्कृष्टताक जीवन कोना जीबी

2. स्त्री के औकात - लोकोक्ति के उत्सव 31 नारी

1. नीतिवचन 31:29

2. फिलिप्पियों 4:8-9 - अंत मे, भाइ-बहिन लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे कुलीन अछि, जे उचित अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे प्रशंसनीय अछि जँ किछु उत्तम वा प्रशंसनीय अछि त' एहन बात पर सोचू।

नीतिवचन 31:30 अनुग्रह छल, आ सौन्दर्य व्यर्थ अछि, मुदा जे स् त्री परमेश् वर सँ डरैत अछि, ओकर प्रशंसा कयल जायत।

प्रभु के भय स्त्री के सबसे महत्वपूर्ण गुण छै; सौन्दर्य आ अनुग्रह सतही अछि।

1. "ईश्वरीय महिला: असली सौन्दर्य"।

2. "प्रभु सँ भय: स्त्री के सबसँ पैघ गुण"।

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2. फिलिप्पियों 4:8 - "अन्त मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु आदरजनक अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि। एहि सभ बात पर सोचू।"

नीतिवचन 31:31 ओकर हाथक फल ओकरा द’ दियौक। आ ओकर अपन काज फाटक मे ओकर स्तुति करय। उपदेशक 1:1 यरूशलेम मे राजा दाऊदक पुत्र प्रचारकक वचन।

नीतिवचन 31:31 हमरा सभ केँ मेहनत केँ पुरस्कृत आ प्रशंसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. मेहनत के अपन बात बजय दियौ

2. मेहनत करय वाला के पुरस्कृत आ प्रशंसा करू

1. मत्ती 6:33 - "मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. इफिसियों 6:7-8 - "पूर्ण मोन सँ सेवा करू, जेना अहाँ लोकक सेवा नहि, बल्कि प्रभुक सेवा क' रहल छी, किएक त' अहाँ सभ जनैत छी जे प्रभु प्रत्येक केँ जे किछु नीक काज करत, चाहे ओ गुलाम हो वा स्वतंत्र हो, ओकर इनाम देथिन।"

उपदेशक अध्याय १ में मानवीय प्रयास के आडंबर या व्यर्थता आरू जीवन के चक्रीय प्रकृति के विषय के खोज करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्यायक शुरुआत एहि बात सँ होइत अछि जे सब किछु निरर्थक वा व्यर्थ अछि |
लेखक, जेकरा शिक्षक या प्रचारक कहलऽ जाय छै, जीवन के दोहराबै वाला प्रकृति आरू पीढ़ी केना आबै छै आरू जाय छै, पर चिंतन करै छै, लेकिन सही मायने म॑ कुछ भी नै बदलै छै (उपदेशक १:१-११)।

द्वितीय अनुच्छेद: मानवीय बुद्धि आ ज्ञानक सीमा पर प्रकाश दैत अध्याय आगू बढ़ैत अछि | प्रचारक अपनऽ समझ के खोज के वर्णन विभिन्न प्रयासऽ के माध्यम स॑ करै छै जेना कि भोग के खोज, धन के संचय, आरू बुद्धि प्राप्त करना । लेकिन, हुनकऽ निष्कर्ष छै कि ई सब खोज अंततः खाली होय जाय छै आरू स्थायी संतुष्टि नै दै छै (उपदेशक १:१२-१८)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय एक मे अन्वेषण कयल गेल अछि
आडंबर या व्यर्थता के विषय, २.
जीवन में पाये जाने वाले चक्रीय प्रकृति को उजागर करते हुए |

सब किछु निरर्थक हेबाक संबंध मे देल गेल कथन केँ चिन्हैत।
पीढ़ी-पीढ़ी के दौरान पर्याप्त परिवर्तन के कमी के रेखांकित करैत जीवन में देखल गेल दोहराबय वाला प्रकृति पर चिंतन करब.
मानवीय बुद्धि आ ज्ञानक संबंध मे देखाओल गेल सीमाक वर्णन।
प्रचारक द्वारा कयल गेल साधना पर प्रकाश देब जेना भोगक खोज, बुद्धि प्राप्त करैत धन संचय करब |
एहि साधना मे भेटय बला शून्यता केँ देल गेल समापन मान्यता बिना स्थायी संतुष्टि अनने ।
जीवन के साधना के क्षणिक प्रकृति के चिंतन आरू ओकरऽ अंतिम व्यर्थता के पहचान करै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । एकरऽ अतिरिक्त, अस्थायी सुख या भौतिक संपत्ति केरऽ अत्यधिक मूल्य नै दै स॑ चेतावनी दै के साथ-साथ मानवीय समझ म॑ सीमा क॑ स्वीकार करना ।

उपदेशक 1:2 व्यर्थक व्यर्थता, प्रचारक कहैत छथि, व्यर्थक व्यर्थता। सब आडंबर अछि।

सब पार्थिव वस्तु के आडंबर शून्यता आ व्यर्थता के जीवन के जन्म दैत अछि |

1: जीवन मे आनन्द लेबाक लेल सांसारिक वस्तु सँ बेसी किछु ताकय पड़त।

2: दुनियाँक साधना क्षणिक आ अंततः अपूर्ण अछि।

1: मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2: फिलिप्पियों 3:7-8 मुदा हमरा जे किछु लाभ छल, हम मसीहक लेल हानि मानल गेलहुँ। सचमुच, हम अपन प्रभु मसीह यीशु के जानय के अत्यधिक औकात के कारण सब किछु के नुकसान के रूप में गिनैत छी। हुनका लेल हम सभ वस्तुक हानि भऽ गेल छी आ ओकरा कचरा बुझैत छी, जाहि सँ हम मसीह केँ पाबि सकब।

उपदेशक 1:3 मनुष्य केँ अपन सभ मेहनति सँ की लाभ होइत छैक जे ओ सूर्यक नीचाँ लैत अछि?

उपदेशक 1:3 केरऽ अंश म॑ मनुष्य केरऽ श्रम केरऽ व्यर्थता के वर्णन करलऽ गेलऽ छै जब॑ ओकरा सांसारिक दृष्टिकोण स॑ देखलऽ जाय छै ।

1. अनन्त काल के दृष्टिकोण स अपन काज के मोक्ष देब

2. व्यर्थताक सोझाँ संतोषक आशीर्वाद

1. कुलुस्सी 3:17 अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनकर द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत।

2. यशायाह 55:8 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

उपदेशक 1:4 एक पीढ़ी बीतैत अछि, आ दोसर पीढ़ी अबैत अछि, मुदा पृथ्वी अनन्त काल धरि रहैत अछि।

ई अंश जीवन चक्र के अनिवार्यता के बात करै छै, जेकरा में एक पीढ़ी बीती जाय छै आरू दोसरऽ पीढ़ी आबै छै, लेकिन धरती हमेशा के लेलऽ वू ही रहतै ।

1. "जीवनक चक्र: क्षणिकता मे अर्थ आ आशाक खोज"।

2. "अनन्त पृथ्वी: बदलैत संसार मे भगवानक अपरिवर्तनीय उपस्थिति"।

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. भजन 104:5 - "ओ पृथ्वी केँ ओकर नींव पर राखि देलनि, जाहि सँ ओ कहियो नहि हिलय।"

उपदेशक 1:5 सूर्य सेहो उगैत अछि, आ सूर्य डूबि जाइत अछि आ जल्दी-जल्दी अपन स्थान पर पहुँचैत अछि जतय ओ उठल छल।

सूर्य उगैत आ अस्त होइत अछि, आ अपन स्थान पर घुरि जाइत अछि ।

1. जीवनक निरंतर चक्र

2. रोजमर्रा के जीवन में शांति कोना भेटत

1. उपदेशक 3:1-8

2. भजन 121:1-2

उपदेशक 1:6 हवा दक्षिण दिस जाइत अछि आ उत्तर दिस घुमैत अछि। ई निरंतर घुमड़ैत रहैत अछि, आ हवा अपन चक्कर के अनुसार फेर स वापस आबि जाइत अछि।

हवा लगातार अपन मार्ग बदलैत रहैत अछि, अपन चक्र मे कहियो नहि रुकैत अछि ।

1: जे चीज बदलि नहि सकैत छी ताहि पर चिंता करबाक कोनो मतलब नहि।

2: हम हवा स सीख सकैत छी जे परिवर्तन क सामना करबा मे लचीला आ अनुकूलनशील रहब।

1: नीतिवचन 19:21 - मनुष्यक मोन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।

2: याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

उपदेशक 1:7 सभ नदी समुद्र मे बहैत अछि। तैयो समुद्र भरि नहि गेल अछि। जाहि ठाम सँ नदी सभ अबैत अछि, ओतय फेर घुरि जाइत अछि।

नदी समुद्र मे बहैत रहैत अछि, तइयो समुद्र कहियो भरि नहि जाइत अछि, आ नदी अंततः अपन स्रोत पर वापस बहैत अछि ।

1. परमेश् वरक अनंत आपूर्ति: उपदेशक 1:7 क बुद्धि केँ बुझब

2. सब परिस्थिति मे भगवान् केर प्रचुरता पर भरोसा करब

301

1. यशायाह 40:28 - "की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, प्रभु, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि?"

2. भजन 23:1 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

उपदेशक 1:8 सभ किछु श्रम सँ भरल अछि। मनुष्य एकरा उच्चारण नहि क' सकैत अछि: आँखि देखि क' नहि तृप्त होइत अछि, आ ने कान सुनबा मे भरल अछि।

जीवन के सब मेहनत स भरल अछि आ कोनो चीज स सच्चा संतुष्टि नहि द सकैत अछि।

1. संतुष्टि के खोज के व्यर्थता

2. काजक दुनिया मे संतोष भेटब

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

उपदेशक 1:9 जे किछु अछि, से अछि जे होयत। जे काज होइत छैक से होयतैक।

कोनो चीज सही मायने में मौलिक नै छै, आरू हमरऽ सब उपलब्धि के जड़ अतीत में छै ।

1: प्रेरणा आ मार्गदर्शन के लेल हमरा सब के अपन पूर्ववर्ती के तरफ देखय पड़त, कियाक त हम सब जे किछु करैत छी ओ सही मायने में नव नै होइत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन उपलब्धि पर गर्व नहि करबाक चाही, मुदा ई स्वीकार करबाक चाही जे हम सभ जे किछु करैत छी से हमरा सभक सोझाँ जे किछु आयल अछि ओकर नींव पर बनल अछि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ' जाउ। तखन अहाँ परमेश् वरक इच्छा की अछि, ओकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा अछि, तकरा परखल आ अनुमोदन क' सकब।"

उपदेशक 1:10 की एहन कोनो बात अछि जकरा बारे मे कहल जा सकैत अछि जे, “देखू, ई नव अछि?” ई पहिनेसँ पुरान समयक अछि, जे हमरा सभसँ पहिने छल।

दुनियाँ सदिखन निरंतर परिवर्तन मे रहैत अछि आ तइयो वास्तव मे किछु नव नहि होइत अछि, कारण ई हमरा सभ सँ पहिने कोनो ने कोनो रूप मे पहिने सँ विद्यमान अछि ।

1. सब बात मे परमेश्वरक प्रभुत्व - उपदेशक 3:1-8

2. संतोषक महत्व - फिलिप्पियों 4:11-13

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. इब्रानी 13:8 - यीशु मसीह काल्हि, आइ, आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

उपदेशक 1:11 पूर्वक वस्तुक स्मरण नहि होइत अछि। आ ने बाद मे आबय बला बातक संग आबय बला बातक कोनो स्मरण नहि होयत।

ई श्लोक एहि बातक गप्प करैत अछि जे कोना अतीत अंततः बिसरि जायत आ भविष्यक कोनो ज्ञान नहि।

1. वर्तमान मे जीबय पड़त आ एक-एक दिनक अधिकतम लाभ उठाबय पड़त, कारण अतीत जल्दिये बिसरि जायत आ भविष्य अप्रत्याशित अछि।

2. हमरा सभकेँ उचित काज करबा आ अवसरक लाभ उठाबय पर ध्यान देबाक चाही, कारण एहि संसार मे हमर सभक समय अंततः समाप्त भ' जायत।

1. भजन 103:15-16 - रहल बात मनुष्यक तऽ ओकर दिन घास जकाँ अछि; खेतक फूल जकाँ पनपैत अछि; किएक तँ हवा ओकरा ऊपरसँ गुजरैत अछि आ ओ चलि गेल अछि आ ओकर स्थान ओकरा आब नहि चिन्हैत अछि।

2. याकूब 4:13-14 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

उपदेशक 1:12 हम प्रचारक यरूशलेम मे इस्राएल पर राजा छलहुँ।

प्रचारक जे यरूशलेम मे राजा छलाह, जीवन आ श्रमक व्यर्थता पर चिंतन करैत छथि।

1: किछुओ हमेशा लेल नहि रहैत अछि: जीवनक क्षणिकता

2: कोनो बात केँ हल्का मे नहि लिअ: जीवनक अनित्यता

1: याकूब 4:14 - "जखन कि अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत। अहाँ सभक जीवन की अछि? ई एकटा वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2: 2 कोरिन्थी 4:18 - "जखन तक हम सभ जे देखल जाइत अछि तकरा नहि देखैत छी, बल् कि जे नहि देखल जाइत अछि तकरा देखैत छी। किएक तँ जे देखल जाइत अछि से क्षणिक होइत अछि, मुदा जे नहि देखल जाइत अछि से अनन्त अछि।"

उपदेशक 1:13 हम अपन मोन केँ देलहुँ जे स् वर्गक नीचाँ जे किछु होइत अछि, ताहि मे बुद्धि सँ खोजब आ खोजब।

ई अंश जीवन केरऽ कठिनाई के बात करै छै जेकरा परमेश् वर मनुष्य क॑ अनुभव करै लेली आरू ओकरा स॑ सीखै लेली देल॑ छै ।

1: जीवनक कठिनाई आ दुख केँ आत्मसात करबाक चाही, कारण भगवान् एकरा हमरा सभ केँ बढ़बाक आ सीखबाक एकटा तरीकाक रूप मे देने छथि।

2: जीवन परीक्षा आ कष्ट स भरल अछि, मुदा भगवान हमरा सब के मजबूत बनेबाक लेल एहि कठिनाई के व्यवस्था केने छथि।

1: याकूब 1:2-4 "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ दृढ़ताक पूरा प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध होयब।" आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

2: रोमियो 5:3-5 "एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे कष्ट सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि, आ आशा हमरा सभ केँ शर्मिंदा नहि करैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक प्रेम भेल अछि।" हमरा सभ केँ देल गेल पवित्र आत् माक द्वारा हमरा सभक हृदय मे ढारल गेल अछि।”

उपदेशक 1:14 हम ओहि सभ काज केँ देखलहुँ जे सूर्यक नीचाँ होइत अछि। देखू, सभ किछु व्यर्थ आ आत् माक परेशानी अछि।

मानवीय सब कृति अंततः निरर्थक आ व्यर्थ अछि ।

1: मनुष्य के अपन सीमा के चिन्हय पड़त आ सांसारिक साधना के बजाय आध्यात्मिक साधना पर ध्यान देबय पड़त।

2: हमरा सभ केँ एहि संसारक अस्थायी काज मे नहि, परमेश् वरक योजना मे आनन्द आ उद्देश्य तकबाक प्रयास करबाक चाही।

1: रोमियो 8:18-21 हम ई बुझैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय जा रहल अछि। कारण सृष्टि परमेश् वरक पुत्र सभक प्रगट होयबाक आतुरतापूर्वक प्रतीक्षा करैत अछि। किएक तँ सृष्टि स्वेच्छा सँ नहि, बल् कि ओकरा अधीन केनिहारक कारणेँ व्यर्थताक अधीन भेल छल, एहि आशा मे जे सृष्टि स्वयं अपन भ्रष्टाचारक बंधन सँ मुक्त भ’ जायत आ परमेश् वरक सन् तान सभक महिमाक मुक्ति पाबि जायत। कारण, हम सभ जनैत छी जे एखन धरि समस्त सृष्टि प्रसवक पीड़ा मे एक संग कुहरैत रहल अछि।

2: फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक उचितता सब केँ ज्ञात हो। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

उपदेशक 1:15 जे टेढ़ अछि तकरा सोझ नहि कएल जा सकैत अछि, आ जे अभाव अछि तकरा गिनती नहि कएल जा सकैत अछि।

अतीत के बदलब आ अपन गलती के समायोजित करब असंभवता।

1. प्रभुक योजना आ सिद्धि: अपरिवर्तनीय केँ स्वीकार करब

2. अपन गलती सँ मेल मिलाप करब: भगवानक दया मे आराम भेटब

1. यशायाह 46:10 - हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

2. भजन 130:3 - हे प्रभु, जँ अहाँ अधर्मक निशान लगाबी, हे प्रभु, त’ के ठाढ़ भ’ सकैत छल?

उपदेशक 1:16 हम अपन हृदय सँ ई कहैत छलहुँ जे, “देखू, हम पैघ सम्पत्ति मे आबि गेल छी आ यरूशलेम मे हमरा सँ पहिने जे सभ छल, ताहि सँ बेसी बुद्धि भेटल अछि।

सुलेमान अपन बुद्धि आ ज्ञान पर चिंतन करैत छथि, जे यरूशलेम मे हुनका सँ पहिने आयल सभ लोक सँ बेसी अछि।

1. सुलेमान के बुद्धि - एकटा अन्वेषण जे सुलेमान के बुद्धि समकालीन विश्वासी के कोना मदद क सकैत अछि।

2. ज्ञानक मूल्य - ज्ञानक महत्व आ ओकर दैनिक जीवन पर कोन तरहक प्रभाव पड़ैत अछि से बुझब।

1. नीतिवचन 3:13-14 - बुद्धि माणिक सँ बेसी कीमती अछि, आ ओकरा सँ कोनो चीजक तुलना नहि कयल जा सकैत अछि।

2. नीतिवचन 18:15 - विवेकी के हृदय ज्ञान प्राप्त करैत अछि, आ ज्ञानी के कान ज्ञान तकैत अछि।

उपदेशक 1:17 हम अपन मोन केँ बुद्धि केँ जानबाक लेल आ पागलपन आ मूर्खता केँ जानबाक लेल देलहुँ।

304

उपदेशक के लेखक के पता चललै कि ज्ञान, बुद्धि, पागलपन आरू मूर्खता के खोज करना कुंठा के स्रोत छेकै।

1. परमेश् वरक ज्ञान हमरा सभसँ पैघ अछि: पहिने हुनका खोजू।

2. लोक प्रायः गलत स्थान पर बुद्धि आ ज्ञानक खोज करैत अछि ।

1. नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. रोमियो 11:33-34 हे, परमेश् वरक धन आ बुद्धि आ ज्ञानक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि आ ओकर बाट कतेक अविवेचनीय अछि! किएक तँ प्रभुक मन के के जनैत अछि आ के हुनकर सलाहकार रहल अछि?

उपदेशक 1:18 किएक तँ बहुत बुद्धि मे बहुत दुःख होइत छैक, आ जे ज्ञान बढ़बैत अछि से दुख बढ़बैत अछि।

बुद्धि आ ज्ञान शोक पैदा क' सकैत अछि, आ जतेक बेसी सीखैत अछि, ओतेक दुखी भ' जाइत अछि।

1. ज्ञानक दुःख: सीखबाक पीड़ाक सामना कोना कयल जाय

2. संतोषक बुद्धि: जे किछु अछि ओकर सराहना करब

1. रोमियो 12:15 - जे आनन्दित होइत अछि, ओकर संग आनन्दित रहू; कानय बला सभक संग कानब।

2. भजन 37:4 - प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

उपदेशक अध्याय 2 प्रचारक के विभिन्न साधना के निरर्थकता आरू मानवीय उपलब्धि के क्षणभंगुर प्रकृति के खोज में गहराई स॑ गहराई स॑ उतरै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत प्रचारक केरऽ भोग केरऽ खोज, शराब में लिप्त होय के, महान काम के निर्माण, धन केरऽ प्राप्ति, आरू भौतिक सम्पत्ति स॑ घेरना के वर्णन स॑ होय छै । तथापि, ओ निष्कर्ष निकालैत छथि जे ई सभ प्रयास अंततः खाली अछि आ स्थायी मूल्य सँ रहित अछि (उपदेशक 2:1-11)।

दोसर पैराग्राफ: तखन प्रचारक अपन ध्यान बुद्धि आ ज्ञान दिस घुमा दैत छथि। ओ मूर्खता पर बुद्धिक श्रेष्ठता केँ स्वीकार करैत छथि मुदा ई स्वीकार करैत छथि जे बुद्धि सेहो अंतिम संतुष्टि नहि द' सकैत अछि आ ने मृत्यु सँ बचा सकैत अछि । ओ देखैत छथि जे बुद्धिमान आ मूर्ख दुनूक अंततः एकहि भाग्य होइत छैक (उपदेशक 2:12-17)।

तेसर पैराग्राफ: प्रचारक एहि बात पर चिंतन करैत छथि जे जखन ई नहि बुझल रहैत अछि जे जे श्रम कयल गेल अछि ओकर उत्तराधिकार केकरा भेटतैक तखन मेहनत कतेक व्यर्थ भ' सकैत अछि। ओ सवाल उठबैत छथि जे की ई मेहनत करबाक लायक अछि, बिना ई जनने जे भविष्य मे एहि सँ अपना केँ वा दोसर केँ कोना फायदा होयत (उपदेशक 2:18-23)।

4 म पैराग्राफ: अंत मे ओ चिंतन करैत छथि जे सच्चा आनन्द केवल भगवानक हाथ सँ आबि सकैत अछि। ओ जीवन मे अपन भाग्य मे संतोष खोजबाक आ परमेश्वरक वरदानक रूप मे साधारण सुखक आनंद लेबाक सलाह दैत छथि (उपदेशक 2:24-26)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय दू अन्वेषण करैत अछि
विभिन्न साधना मे पाओल गेल निरर्थकता, २.
मानव उपलब्धि मे देखल गेल क्षणभंगुर प्रकृति केँ उजागर करैत।

प्रचारक द्वारा कयल गेल साधना जेना भोगक खोज, धन संचय करैत पैघ काजक निर्माण।
एहि प्रयास मे भेटय बला शून्यता केँ देल गेल निष्कर्षात्मक मान्यता बिना स्थायी मूल्य प्रदान केने ।

मूर्खता पर ओकर श्रेष्ठता स्वीकार करैत बुद्धि दिस ध्यान मोड़ब।
बुद्धिमान आ मूर्ख दुनूक सामना करय बला मृत्युक अनिवार्यताक संग बुद्धि द्वारा उपलब्ध कराओल गेल संतुष्टिक संबंध मे देखाओल गेल सीमाक अवलोकन |
श्रम के फल केकरा विरासत में भेटत से अनिश्चित रहला पर मेहनत स जुड़ल व्यर्थता पर चिंतन करब।
भविष्य के लाभ के संबंध में बिना स्पष्टता के मेहनत पर राखल गेल सवाल उठाबय के लायक. भगवान केरऽ हाथऽ स॑ प्राप्त सच्चा आनन्द के चिंतन करना जबकि भगवान केरऽ वरदान के रूप म॑ सरल सुखऽ स॑ प्राप्त भोग के साथ-साथ अपनऽ भाग्य म॑ मिलै वाला संतोष के सलाह देना । अस्थायी सुख या भौतिक संपत्ति के पीछा करय में निहित शून्यता के पहचान करय के अंतर्दृष्टि प्रदान करब. एकरऽ अतिरिक्त, बुद्धि के भीतर भी मौजूद सीमा के स्वीकार करना जबकि बाहरी उपलब्धि या धन के संचय के बजाय संतोष खोजै आरू भगवान के साथ संबंध स॑ आनन्द प्राप्त करै लेली प्रोत्साहित करना ।

उपदेशक 2:1 हम अपन मोन मे कहलियनि, “अखन जाउ, हम अहाँ केँ हँसी-खुशी सँ परखब, तेँ भोग-विलास करू।

ई अंश जीवन में असगरे सुख के खोज के व्यर्थता के बात करै छै ।

1: सच्चा पूर्तिक लेल मात्र भोग नहि, आनन्दक खोज करू।

2: अपन आशा भगवान पर राखू, संसारक क्षणभंगुर सुख मे नहि।

1: याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जायब, ओतय एक साल बिताब, कीनब-बेचब आ लाभ करब; जखन कि काल्हि की होयत से नहि बुझल अछि। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे ई एकटा वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ करब।

2: कुलुस्सी 3:1-2 - जँ अहाँ सभ मसीहक संग जीबि उठलहुँ तँ ऊपरक चीज सभक खोज करू, जतय मसीह परमेश् वरक दहिना कात बैसल छथि। अपन मोन पृथ्वी पर नहि, ऊपरक बात पर राखू।

उपदेशक 2:2 हम हँसीक विषय मे कहलियनि, “ई बताह अछि, आ हँसीक विषय मे, “ई की करैत अछि?”

ई अंश ई बात के बात करै छै कि आनन्द आरू हँसी कतेक क्षणभंगुर होय सकै छै आरू ओकरऽ औकात पर सवाल उठाबै छै ।

1. जीवनक आनन्द: भगवान् मे सच्चा पूर्ति भेटब

2. जीवनक आडंबर: शाश्वत संतुष्टिक पाछाँ

1. याकूब 4:14 - "जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की होयत। किएक तँ अहाँ सभक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।"

2. भजन 62:8 - "हर समय हुनका पर भरोसा करू; अहाँ सभ, हुनका सामने अपन मोन राखू। परमेश् वर हमरा सभक लेल शरण छथि।"

उपदेशक 2:3 हम अपन हृदय मे अपना केँ मदिरा मे देबय चाहैत छलहुँ, मुदा अपन हृदय केँ बुद्धि सँ परिचित करबैत छलहुँ। आ मूर्खता केँ ताबत धरि पकड़ि कऽ राखब जाबत धरि हम नहि देखि सकब जे मनुष् यक सन्तान सभक लेल की नीक छल, जे ओ सभ जीवन भरि स् वर्गक नीचाँ करथि।”

बुद्धि आ मूर्खता के बीच संतुलन के खोज करनाय जीवन के एकटा महत्वपूर्ण पहलू छै.

1: सब बात मे बुद्धि के खोज के महत्व।

2: बुद्धि आ मूर्खता के बीच संतुलन के आवश्यकता के बुझब।

1: नीतिवचन 3:13-18 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे समझ पाबैत अछि।

2: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

उपदेशक 2:4 हम हमरा लेल पैघ काज केलहुँ। हम हमरा घर बनौने रही; हम हमरा अंगूरक बाग रोपलहुँ:

ई अंश मनुष्य केरऽ उपलब्धि आरू सम्पत्ति केरऽ आडंबर के बात करै छै ।

1: पार्थिव सम्पत्तिक व्यर्थता - उपदेशक 2:4

2: मानव श्रमक व्यर्थता - उपदेशक 2:4

1: मत्ती 6:19-21, "पृथ्वी पर अपन लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि क' चोरी करैत अछि, आ जतऽ चोर नहि तोड़त आ ने चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

2: 1 तीमुथियुस 6:6-10, "मुदा संतोषक संग परमेश् वरक भक्ति बहुत लाभ अछि। किएक तँ हम सभ एहि संसार मे किछु नहि अनलहुँ, आ ई निश्चित अछि जे हम सभ किछुओ बाहर नहि ल' सकब। आ भोजन आ वस्त्रक संग हम सभ संतुष्ट रहू। मुदा ओ सभ।" जे धनी होयत, ओ परीक्षा आ जाल मे फँसि जायत, आ बहुत रास मूर्खतापूर्ण आ आहत करय बला कामना मे पड़ि जायत, जे मनुष्य केँ विनाश आ विनाश मे डूबा दैत अछि विश्वास, आ बहुत दुखक संग अपना केँ छेदि लेलक।"

उपदेशक 2:5 हम हमरा लेल गाछी आ बगीचा बनौलहुँ, आ ओहि मे सभ तरहक फलक गाछ रोपलहुँ।

लेखक गाछी-वृक्ष आ फल-बगीचा बनौलनि आ तरह-तरह के गाछ-बिरिछ आ फल रोपलनि।

1: भगवान् हमरा सभकेँ सौन्दर्य आ प्रचुरता प्रदान करैत छथि, जँ हम सभ मात्र समय निकालि एकर अवलोकन आ सराहना करी।

2: हमरऽ जीवन आशीर्वाद स॑ भरलऽ छै, आरू ओकरा पहचानै आरू ओकरा लेली धन्यवाद दै लेली समय निकालना चाहियऽ ।

1: फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु सम्मानजनक अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि तऽ सोचू एहि सभ बातक विषय मे।

2: याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

उपदेशक 2:6 हम हमरा लेल पानिक पोखरि बनेलहुँ, जाहि सँ गाछ-बिरिछ पैदा करय बला लकड़ी केँ पानि देल जाय।

उपदेशक 2:6 केरऽ अंश हमरा सिनी क॑ सिखाबै छै कि बढ़ै लेली पानी बहुत जरूरी छै ।

1. परमेश् वरक वरदान आ प्रावधान केँ चिन्हब - जे किछु हमरा सभ केँ बढ़य आ पनपबाक लेल अछि ओकर उपयोग कोना कयल जाय

2. जलक शक्ति - विकास आ परिवर्तनक लेल जल कोना आवश्यक अछि |

1. यूहन्ना 7:38-39 - यीशु कहलनि, "जे केओ हमरा पर विश्वास करत, जेना कि पवित्रशास्त्र कहैत अछि, 'ओकर हृदय सँ जीवित पानि केर नदी बहत।"

2. भजन 1:3 - ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे मौसम मे फल दैत अछि आ जकर पात नहि मुरझाइत अछि।

उपदेशक 2:7 हम हमरा लेल नौकर-चाकर आ कुमारि बना देलियैक, आ हमर घर मे नौकर-चाकर सभक जन्म भेल। हमरा सँ पहिने यरूशलेम मे जे किछु छल, ताहि सँ बेसी हमरा लग पैघ-पैघ माल-जाल छल।

उपदेशक 2:7 मे प्रचारक अपन पैघ धन आ सम्पत्तिक घमंड करैत छथि।

1. भौतिकवादक मूर्खता आ धनक आडंबर।

2. सरल जीवनक कदर करब आ भगवानक आशीर्वाद केँ चिन्हब।

1. नीतिवचन 30:8-9 - हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन; हमरा लेल जे भोजन चाही से खुआउ, जाहि सँ हम पेट भरि कऽ अहाँ केँ अस्वीकार कऽ कऽ कहब जे प्रभु के छथि? कहीं हम गरीब नहि भ' क' अपन परमेश् वरक नाम चोरा कऽ अपवित्र नहि क' देब।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

उपदेशक 2:8 हम हमरा लेल चानी आ सोना आ राजा आ प्रांतक विचित्र खजाना जमा केलहुँ, हमरा लेल पुरुष गायक आ स्त्री गायक, आ मनुष्यक पुत्र सभक आनन्द, वाद्ययंत्र आ सभ तरहक वाद्ययंत्रक रूप मे.

उपदेशक 2:8 के ई अंश धन आरू भोग जुटाबै के बात करै छै, लेकिन ऐसनऽ धन आरू भोग के व्यर्थता के चेतावनी दै छै।

1) धन आ भोगक व्यर्थता - उपदेशक 2:8

2) मसीह मे संतोष - फिलिप्पियों 4:11-13

1) यिर्मयाह 9:23-24 - "परमेश् वर ई कहैत छथि जे ज्ञानी अपन बुद्धि पर घमंड नहि करए आ पराक्रमी अपन सामर्थ्य पर घमंड नहि करए आ धनिक अपन धन पर घमंड नहि करए। मुदा जे घमंड करैत अछि।" एहि बात मे महिमा करू जे ओ हमरा बुझैत छथि आ जनैत छथि जे हम प्रभु छी जे पृथ् वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी, किएक तँ एहि सभ बात मे हमरा प्रसन्नता होइत अछि, प्रभु कहैत छथि।”

2) नीतिवचन 23:4-5 - "अमीर बनबाक लेल परिश्रम नहि करू। अपन बुद्धि सँ दूर रहू। की अहाँ अपन नजरि जे नहि अछि ताहि पर राखब? कारण धन-धन निश्चित रूप सँ पाँखि बनि जाइत अछि; ओ गरुड़ जकाँ स्वर्ग दिस उड़ि जाइत अछि।"

उपदेशक 2:9 हम महान छलहुँ आ यरूशलेम मे हमरा सँ पहिने जे सभ छल, ताहि सँ बेसी बढ़लहुँ।

सुलेमानक धन आ बुद्धि परमेश् वरक आज्ञापालनक परिणाम छल।

1: आज्ञाकारिता आशीर्वाद दैत अछि;

2: बुद्धि परमेश् वरक वरदान अछि;

1: नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: याकूब 1:5 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

उपदेशक 2:10 हमर आँखि जे किछु चाहैत छल से हम ओकरा सभ सँ नहि रोकलहुँ, हम अपन हृदय केँ कोनो आनन्द सँ नहि रोकलहुँ। किएक तँ हमर सभ परिश्रम मे हमर मोन आनन्दित छल।

लेखक हुनका लोकनिक मेहनति मे आनन्दित छलाह आ एहि सँ जे सब भौतिक लाभ भेटलनि से आनंद लेलनि ।

1. मेहनत करला स आनन्द भेटैत अछि - उपदेशक 2:10

2. अपन परिश्रम मे आनन्दित रहू - उपदेशक 2:10

1. नीतिवचन 14:23 - सभ श्रम मे लाभ होइत छैक, मुदा बेकार गप्प-सप्प मात्र गरीबी दिस ल' जाइत छैक।

2. कुलुस्सी 3:23 - अहाँ सभ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल आ मनुष्यक लेल नहि।

उपदेशक 2:11 तखन हम अपन हाथक सभ काज आ मेहनति केँ देखलहुँ जे सभ किछु व्यर्थ आ आत्माक परेशानी छल, आ सूर्यक नीचाँ कोनो लाभ नहि भेल।

सुलेमान के पता चललै कि ओकरऽ सब मेहनत आरू मेहनत बेमतलब छै आरू ओकरा कोनो स्थायी संतुष्टि नै आबै छै।

1. जीवनक आडंबर आ परमेश्वरक अनन्त राज्यक खोज करबाक आवश्यकता।

2. भगवान पर भरोसा करू आ संसारक अस्थायी फल पर नहि।

1. मत्ती 6:19-20 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि।

2. नीतिवचन 16:8 अन्यायक संग पैघ आमदनी सँ नीक धार्मिकताक संग कनि नीक।

उपदेशक 2:12 हम अपना केँ बुद्धि, पागलपन आ मूर्खता केँ देखबाक लेल घुमलहुँ, किएक तँ राजाक पाछाँ आबि रहल आदमी की क' सकैत अछि? एतय तक कि जे पहिने सँ कयल गेल अछि।

उपदेशक के लेखक बुद्धि, पागलपन आरू मूर्खता के बारे में चिंतन करै छै, ई बात पर चिंतन करै छै कि राजा के बाद आदमी की करी सकै छै, कैन्हेंकि सब कुछ होय चुकलऽ छै।

1. बुद्धि के अर्थ: उपदेशक 2:12 के अध्ययन

2. राजाक बाद उद्देश्य खोजब: उपदेशक 2:12 पर एकटा चिंतन

1. नीतिवचन 3:13-17 - बुद्धि आ समझ

2. रोमियो 8:28 - परमेश्वर सभ किछु केँ भलाईक लेल काज करैत छथि

उपदेशक 2:13 तखन हम देखलहुँ जे बुद्धि मूर्खता सँ बेसी अछि, जतेक इजोत अन्हार सँ बेसी अछि।

बुद्धि मूर्खता स कहीं श्रेष्ठ अछि।

1. बुद्धिक मूल्य: सच्चा सुखक मार्ग प्रकाशित करब

2. इजोत आ अन्हारक विपरीतता: बुद्धि आ मूर्खताक अंतर बुझब

1. नीतिवचन 3:13-18 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे समझ पाबैत अछि।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

उपदेशक 2:14 बुद्धिमानक आँखि ओकर माथ मे रहैत छैक। मुदा मूर्ख अन्हार मे चलैत अछि, आ हम स्वयं बुझि गेलहुँ जे हुनका सभक संग एकटा घटना घटित होइत छनि।

309

ज्ञानी अपन परिवेशक प्रति जागरूक अछि, जखन कि मूर्ख अन्हार मे अछि; सब लोक के एके तरहक परिणाम भेटैत छैक।

1. दृष्टिक बुद्धि: अपन परिवेशक प्रति कोना जागरूक रहब

2. अज्ञानताक मूर्खता: अन्हारसँ कोना बचि सकैत छी

1. नीतिवचन 15:14: "बुद्धि रखनिहारक हृदय ज्ञानक खोज करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता सँ पेट लैत अछि।"

2. नीतिवचन 12:15: "मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा जे सलाह मानैत अछि से बुद्धिमान होइत छैक।"

उपदेशक 2:15 तखन हम मोन मे कहलियनि, “जहिना मूर्खक संग होइत छैक, तहिना हमरा संग सेहो होइत छैक। तखन हम बेसी बुद्धिमान किएक छलहुँ? तखन हम मोने-मोन कहलियनि जे ईहो व्यर्थ अछि।

पार्थिव बुद्धि के खोज के आडंबर के चर्चा उपदेशक 2:15 में कयल गेल अछि |

1. पार्थिव बुद्धि के खोज के व्यर्थता

2. जीवनक आडंबरक साकार करब

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. नीतिवचन 15:16 प्रभुक भय सँ किछु नीक अछि, ओहि सँ पैघ धन आ संकट सँ नीक।

उपदेशक 2:16 किएक तँ मूर्खसँ बेसी बुद्धिमानक स्मरण सदाक लेल नहि होइत अछि। आब जे आब आबै बला दिन मे अछि से सब बिसरा जायत।” आ ज्ञानी कोना मरि जाइत अछि? मूर्ख के रूप में।

उपदेशक 2:16 मे बुद्धिमान आ मूर्ख मृत्यु मे बराबर अछि, कारण ओकर उपलब्धि समयक संग बिसरि जायत।

1. जीवनक कदर करब: उपदेशक 2:16 क बुद्धि

2. बुद्धिक विरोधाभास: उपदेशक 2:16 सँ सीखब

1. भजन 49:10-11: किएक तँ ओ देखैत छथि जे ज्ञानी लोक मरि जाइत छथि, तहिना मूर्ख आ क्रूर लोक सेहो नष्ट भ’ जाइत छथि आ अपन धन-दौलत दोसर पर छोड़ि दैत छथि।

2. यशायाह 40:6-8: आवाज बाजल, कानब। ओ पुछलथिन, “हम की कानब?” सभ मांस घास अछि, आ ओकर सभ भलाई खेतक फूल जकाँ अछि, घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका पड़ैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक आत् मा ओकरा पर उड़ैत अछि। घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका पड़ैत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

उपदेशक 2:17 तेँ हम जीवन सँ घृणा करैत छलहुँ। किएक तँ सूर्यक नीचाँ जे काज कयल जाइत अछि से हमरा लेल कष्टदायक अछि, किएक तँ सभ किछु व्यर्थ आ आत् माक परेशानी अछि।

जीवन बहुत निराशा आ कुंठा स भरल भ सकैत अछि।

1: जीवनक कष्टक बादो भगवानक आशा आ आनन्दक प्रतिज्ञा बनल अछि।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे एहि संसारक बात क्षणिक अछि, मुदा परमेश् वरक प्रेम अनन्त अछि।
310

1: रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

उपदेशक 2:18 हँ, हम अपन सभ परिश्रम केँ घृणा करैत छलहुँ जे हम सूर्यक नीचाँ कएने रही, किएक तँ हम ई काज हमरा बादक लोक पर छोड़ि देब।

ई अंश भविष्य के पीढ़ी पर एकरऽ प्रभाव के विचार के बिना करलऽ गेलऽ श्रम के व्यर्थता के बात करै छै ।

1. विरासत के अर्थ: हमर आजुक श्रम भविष्य के पीढ़ी पर कोना प्रभाव डाल सकैत अछि

2. आडंबरक आडंबर: असगर हमर प्रयास सफलताक गारंटी किएक नहि द' सकैत अछि

1. कुलुस्सी 3:23-24 अहाँ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकार भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

2. नीतिवचन 13:22 नीक लोक अपन संतानक लेल उत्तराधिकार छोड़ि दैत अछि, मुदा पापीक धन धर्मी लोकक लेल जमा कयल जाइत अछि।

उपदेशक 2:19 के जनैत अछि जे ओ बुद्धिमान होयत आकि मूर्ख? तइयो ओ हमर सभ परिश्रम पर राज करत, जाहि मे हम परिश्रम केलहुँ आ जाहि मे हम सूर्यक नीचाँ अपना केँ बुद्धिमानी देखौलहुँ। ईहो आडंबर अछि।

सुलेमान ई बात के आलोक में अपनऽ मेहनत आरू उपलब्धि के बुद्धि पर सवाल उठाबै छै कि ओकरऽ काम के फल केकरो विरासत में मिल॑ सकै छै आरू ओकरऽ कदर नै करी सकै छै।

1. जीवनक आडंबर: हमर श्रम आ उपलब्धिक परीक्षण

2. अनिश्चित समय मे परमेश् वर पर भरोसा करब: उपदेशकक बुद्धि

1. नीतिवचन 16:9 - "मनुष्य अपन हृदय मे अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर कदम केँ स्थापित करैत अछि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

उपदेशक 2:20 तेँ हम सूर्यक नीचाँ जे मेहनति केलहुँ ताहि सँ अपन मोन केँ निराश करबाक लेल चलि गेलहुँ।

उपदेशक के लेखक अपनऽ मेहनत के बारे में चिंतन करै छै आरू खुद क॑ निराशा के स्थिति में पाबै छै ।

1. पार्थिव श्रमक व्यर्थता - उपदेशक 2:20

2. निराशाक बीच आशा आ आनन्द भेटब - उपदेशक 2:20

1. यशायाह 55:2 - अहाँ अपन पाइ ओहि लेल किएक खर्च करैत छी जे रोटी नहि अछि, आ अपन मेहनत ओहि लेल किएक खर्च करैत छी जे तृप्त नहि करैत अछि?

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

उपदेशक 2:21 एकटा एहन आदमी अछि जकर परिश्रम बुद्धि, ज्ञान आ न्याय मे होइत छैक। तइयो जे मनुष्य एहि काज मे परिश्रम नहि केने अछि, तकरा ओ अपन भागक लेल छोड़ि देत। ईहो आडंबर आ पैघ बुराई अछि।

व्यक्ति के श्रम के परिणामस्वरूप बुद्धि, ज्ञान, आरू समानता पैदा होय सकै छै, लेकिन एक बार चली जाय के बाद वू ओकरा वू व्यक्ति पर छोड़ी सकै छै जे ओकरा लेली काम नै करलकै । ई आडंबर आ पैघ बुराई अछि।

1. अनर्जित धनक आडंबर: उपदेशक 2:21 पर क

2. श्रमक मूल्य: उपदेशक 2:21 पर क

1. नीतिवचन 13:22, "नीक लोक अपन संतानक लेल उत्तराधिकार छोड़ि दैत अछि, आ पापीक धन धर्मी लोकक लेल जमा कयल जाइत अछि।"

2. नीतिवचन 16:26, "जे परिश्रम करैत अछि, ओ अपना लेल परिश्रम करैत अछि, किएक तँ ओकर मुँह ओकरा लेल तरसैत अछि।"

उपदेशक 2:22 मनुष्य केँ अपन सभ परिश्रम आ हृदयक परेशानी सँ की भेटैत छैक, जाहि मे ओ सूर्यक नीचाँ परिश्रम केने अछि?

लोक अक्सर पूछै छै कि जीवन के उद्देश्य की छै, आरू एकरऽ जवाब ई छै कि जीवन म॑ जेतना मेहनत आरू मेहनत के अनुभव होय छै, वू हमरा सब क॑ कोनो स्थायी आनन्द नै द॑ सकै छै ।

1. जीवन मे अर्थ खोजब - प्रायः कठिन दुनिया मे आशा आ उद्देश्यक खोज करब।

2. पार्थिव साधनाक आडंबर - टिकय बला चीज मे मूल्य देब सीखब।

1. फिलिप्पियों 4:4-6 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू, आ फेर हम कहैत छी जे, आनन्दित रहू।
अहाँक सौम्यता सब मनुष्य केँ ज्ञात हो। प्रभु हाथ मे छथि। कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू, मुदा सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वरक समक्ष अपन विनती सभक जानकारी देल जाय।

2. याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे ई एकटा वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि ।

उपदेशक 2:23 किएक तँ ओकर सभ दिन दुःख आ कष्टक दुःख होइत छैक। हँ, ओकर हृदय राति मे आराम नहि करैत छैक। ईहो आडंबर अछि।

ई अंश जीवन के दुख के बात करै छै आरू आराम मिलना कतेक मुश्किल होय सकै छै ।

1. "दुःख मे हार नहि मानब: विपत्तिक समय मे आराम आ आशा भेटब"।

2. "अपन परेशानी के बावजूद जीवन के पूरा तरह स जीबय के"।

२.

.

उपदेशक 2:24 मनुक्खक लेल एहि सँ नीक किछु नहि जे ओ खा-पीब आ अपन परिश्रम मे अपन प्राण केँ भलाई-भोग करय। हम ईहो देखलहुँ जे ई परमेश् वरक हाथ सँ आयल अछि।

उपदेशक 2:24 के लेखक श्रम के द्वारा कमायल गेल नीक चीज के आनंद लेबय में सक्षम होय के आशीर्वाद पर चिंतन करैत छथि, जे परमेश् वर के वरदान अछि।

1. श्रमक आनन्दक खोज: अपन काजक अधिकतम उपयोग

2. अपन काज मे संतोष: अपन श्रम स पूर्ति कोना भेटत

1. उत्पत्ति 2:15 - "परमेश् वर परमेश् वर ओहि आदमी केँ लऽ कऽ अदन बगीचा मे राखि देलथिन जे ओ ओकरा सजाबय आ ओकरा रखबाक लेल।"

2. 1 थिस्सलुनीकियों 4:11-12 - "अहाँ सभ चुप रहबाक लेल, अपन काज करबाक लेल आ अपन हाथ सँ काज करबाक लेल, जेना हम सभ अहाँ सभ केँ आज्ञा देने रही, ताहि लेल अहाँ सभ बाहरक लोक सभक प्रति ईमानदारी सँ चलब। आ एहि लेल जे अहाँ सभ केँ किछुओक अभाव नहि हो।”

उपदेशक 2:25 किएक तँ हमरा सँ बेसी के खा सकैत अछि आ कि एहि मे जल्दबाजी क’ सकैत अछि?

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना जीवन में व्यक्ति के संतुष्टि आरू आनन्द सीमित आरू अप्राप्य होय छै ।

1. "सुखक खोज: जीवन मे आनन्द कोना भेटत"।

2. "भगवानक प्रावधान: हमरा सभक इच्छा सँ परे जे आशीर्वाद ओ दैत छथि"।

1. भजन 37:4, प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन।

2. फिलिप्पियों 4:12-13, हम जनैत छी जे जरूरतमंद रहब की होइत छैक, आ हम जनैत छी जे भरपूर रहब की होइत छैक। कोनो आ हर परिस्थिति मे संतुष्ट रहबाक रहस्य हम सीखलहुँ अछि, चाहे ओ नीक जकाँ पोसल हो वा भूखल, चाहे ओ भरपूर रहब वा अभाव मे। ई सब हम हुनकर माध्यम स क सकैत छी जे हमरा ताकत दैत छथि।

उपदेशक 2:26 किएक तँ परमेश् वर अपन नजरि मे नीक लोक केँ बुद्धि, ज्ञान आ आनन्द दैत छथिन, मुदा पापी केँ ओ प्रसव, जमा करबाक आ ढेर करबाक लेल प्रसव दैत छथि, जाहि सँ ओ परमेश् वरक समक्ष नीक लोक केँ दऽ सकथि. ईहो आडंबर आ आत्माक परेशानी थिक।

ई अंश हमरा सिनी क॑ सिखाबै छै कि परमेश् वर अपनऽ आज्ञाकारी सिनी क॑ बुद्धि, ज्ञान आरू आनन्द स॑ पुरस्कृत करै छै, जबकि जे आज्ञा नै करै छै ओकरा श्रम आरू मेहनत देलऽ जाय छै ।

1. भगवान् के आज्ञापालन के लाभ

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

उपदेशक अध्याय 3 समय के अवधारणा आरू जीवन के मौसम के खोज करै छै, जेकरा में परिवर्तन के अनिवार्यता आरू सब चीजऽ पर परमेश्वर के सार्वभौमिक नियंत्रण के रहस्य के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत एगो प्रसिद्ध अंश प्रस्तुत करी क॑ करलऽ गेलऽ छै जेकरा म॑ जीवन केरऽ अलग-अलग मौसम आरू गतिविधि के विपरीत छै । ई जोर दै छै कि स्वर्ग के नीचे हर उद्देश्य के लेलऽ एक समय छै, जेकरा म॑ जन्म, मृत्यु, रोपनी, कटाई, कानना, हँसी आदि शामिल छै (उपदेशक ३:१-८)।

दोसर पैराग्राफ: प्रचारक परमेश् वरक काजक शाश्वत प्रकृति पर चिंतन करैत छथि आ कोना मनुष्य हुनकर योजना केँ पूर्ण रूप सँ नहि बुझि सकैत अछि। ओ स्वीकार करैत छथि जे जीवन मे मेहनत आ प्रयासक बादो सभ किछुक अपन निर्धारित समय परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि (उपदेशक 3:9-15)।

तेसर पैराग्राफ: प्रचारक देखैत छथि जे मनुक्ख अपन समझ मे सीमित अछि आ भगवान की क' रहल छथि तकर पैघ तस्वीर नहि पकड़ि सकैत अछि। ओ संसार मे देखैत अन्याय पर चिंतन करैत छथि मुदा अंततः ई निष्कर्ष निकालैत छथि जे जीवनक साधारण सुख केँ परमेश्वरक वरदानक रूप मे भोगब सर्वोत्तम अछि (उपदेशक 3:16-22)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय तीन अन्वेषण करैत अछि
समय के अवधारणा, २.
परिवर्तन मे भेटय वाला अपरिहार्यता के उजागर करैत
आरू भगवान केरऽ सार्वभौमिकता स॑ जुड़लऽ रहस्य क॑ पहचानना ।

जीवन भर में देखल गेल विभिन्न ऋतु आ गतिविधि के विपरीत प्रसिद्ध अंश प्रस्तुत करब | विभिन्न उद्देश्य या गतिविधि के देल गेल मान्यता पर जोर देब जे अपन निर्धारित समय निर्धारित कयल गेल अछि |
भगवान केरऽ काम के भीतर दिखालऽ गेलऽ शाश्वत स्वभाव पर चिंतन करना जबकि हुनकऽ योजना क॑ समझै के संबंध म॑ मानवीय सीमा क॑ स्वीकार करना ।
भगवान के वरदान के रूप में सरल सुख के भोग पर महत्व के निष्कर्ष निकालते हुए दुनिया के भीतर अन्याय के उपस्थिति को पहचानना |
सब चीज पर ईश्वरीय संप्रभुता के स्वीकार करैत जीवन में बदलैत मौसम के यथार्थ के आत्मसात करय के अंतर्दृष्टि प्रदान करब | एकरऽ अतिरिक्त, परमेश्वर केरऽ उद्देश्य क॑ समझै म॑ मानवीय सीमा क॑ पहचानना जबकि हुनका द्वारा देलऽ गेलऽ रोजमर्रा के आशीर्वाद के सराहना करै म॑ संतोष पाना ।

उपदेशक 3:1 सभ वस्तुक समय होइत छैक आ स्वर्गक नीचाँ सभ काजक समय होइत छैक।

सब चीजक लेल उचित समय आ स्थान होइत छैक।

1. अपना लेल सही समय आ स्थान तकब

2. स्वर्गक नीचाँ अपन उद्देश्य केँ जानब

1. प्रेरित सभक काज 17:26-27 - परमेश् वर सभ लोक केँ हुनका तकबाक आ तकबाक लेल बनौलनि।

2. मत्ती 6:33 - अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू।

उपदेशक 3:2 जन्मक समय आ मरबाक समय अछि। रोपबाक समय आ जे रोपल गेल अछि तकरा तोड़बाक समय अछि।

जन्मसँ मृत्यु धरि सभ वस्तुक समय।

1: हमरा सभकेँ ई स्वीकार करबाक चाही जे जीवनक उतार-चढ़ाव होइत छैक; जीवन के हर मौसम के संजोय के आ आत्मसात करय के अछि.

2: भगवान् जीवन मे एकदम सही संतुलन बनौने छथि, रोपनी के शुरुआत स ल क उखाड़बाक अंत तक।

1: याकूब 4:14 - "अहाँक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि, जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2: उपदेशक 12:1 - "जौवानीक दिन मे अपन सृष्टिकर्ता केँ मोन पाड़ू, जखन कि अधलाह दिन नहि आबि रहल अछि, आ ने वर्ष नजदीक आबि रहल अछि, जखन अहाँ कहब जे, हमरा एहि मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि।"

उपदेशक 3:3 मारबाक समय आ ठीक करबाक समय अछि। तोड़बाक समय आ निर्माण करबाक समय।

स्वर्ग के नीचा हर उद्देश्य के लेल एकटा समय।

1: जीवनक मौसम केँ स्वीकार करबाक चाही आ ओकर उपयोग एक दोसराक निर्माण मे करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ अपन समयक उपयोग नीक जकाँ करबाक चाही आ ई बुझबाक चाही जे जीवनक उतार-चढ़ाव होइत छैक।

1: गलाती 6:9 - नीक काज करबा सँ नहि थाकि जायब, कारण, जँ हम सभ हार नहि मानब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

2: याकूब 4:13-17 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतहि व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब। जेना अछि, अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि। तेँ जे कियो सही काज जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल भ' जाइत अछि, ओकरा लेल ई पाप अछि।

उपदेशक 3:4 कानबाक समय आ हँसबाक समय अछि। शोकक समय आ नाचबाक समय।

जीवन अबैत-जाइत ऋतुसँ भरल रहैत अछि आ प्रत्येक ऋतु आनन्द-दुख लऽ कऽ अबैत अछि ।

1: हम सब अपन जीवन के सब मौसम में आनन्द पाबि सकैत छी।

2: कठिन समय मे आशा आ आनन्द भेटब।

1: याकूब 1:2-4 - जखन अहाँ परीक्षा के सामना करब तखन ई सब खुशी के गिनती करू।

2: यशायाह 40:29-31 - थकान मे सेहो परमेश् वर ताकत दैत छथि।

उपदेशक 3:5 पाथर फेकबाक समय आ पाथर जमा करबाक समय अछि। गले मिलै के समय, आ गले मिलै से परहेज करै के समय;

जमा होयब आ फेंकब दुनूक समय होइत छैक, गले मिलब आ गले लगाबय सँ परहेज करब।

1. "जीवनक ऋतु: कखन काज करबाक चाही से जानब"।

2. "विवेक शक्ति: निर्णय जे नीक अछि"।

1. मत्ती 6:34 - "तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, किएक तँ काल्हि अपना लेल चिंतित होयत। दिनक लेल अपन परेशानी पर्याप्त अछि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

उपदेशक 3:6 पाबय के समय आ हारय के समय; रखबाक समय आ फेकबाक समय।

जीवन विपरीत आ द्वैत स भरल अछि जेकरा स्वीकार करब आ प्रबंधित करब सीखय पड़त।

1: भगवान हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि, आ जीवनक भाग्यक लाभ आ हानि दुनूक माध्यमे हुनका पर भरोसा करब सिखाबैत छथि।

2: उपदेशकक बुद्धि हमरा सभ केँ जीवनक संतुलन केँ कदर करब सिखाबैत अछि, नीक आ कठिन दुनू समय मे।

1: यिर्मयाह 29:11 "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2: याकूब 1:2-4 "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्

315

वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। धैर्य अपन काज पूरा करू जाहि सँ अहाँ सभ परिपक्व भ' सकब।" आ पूर्ण, कोनो चीजक कमी नहि।"

उपदेशक 3:7 फाड़बाक समय आ सिलाई करबाक समय अछि। चुप रहबाक समय आ बजबाक समय।

सब बातक समय: नोचब, सुधारब, चुप रहब आ बाजब।

1: भगवान के हमर जीवन के हर मौसम के लेल एकटा योजना छैन्ह।

2: हमरा सभकेँ ई बुझब सीखबाक चाही जे कखन बाजबाक समय अछि आ कखन चुप रहबाक समय अछि।

1: याकूब 1:19 - 19 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।

2: उपदेशक 5:2 - 2 अपन मुँह सँ बेधड़क नहि करू, आ ने परमेश् वरक समक्ष कोनो वचन बजबा मे हृदय केँ जल्दबाजी नहि करू, किएक तँ परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छी। तेँ अहाँक बात कम हो।

उपदेशक 3:8 प्रेम करबाक समय आ घृणा करबाक समय अछि। युद्धक समय आ शान्तिक समय।

स्वर्ग के नीचा हर उद्देश्य के लेल एकटा समय।

1. जीवन के संतुलन: अपन रोजमर्रा के जीवन में शांति आ प्रेम कोना भेटत

2. युद्ध आ शांति: कठिन परिस्थिति मे सही विकल्प बनेनाइ सीखब

1. रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू। प्रेम मे एक दोसरा के प्रति समर्पित रहू। एक दोसरा के अपना स बेसी आदर करू।

2. मत्ती 5:44 - मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ केँ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

उपदेशक 3:9 जाहि काज मे ओ परिश्रम करैत अछि, ओकरा की फायदा?

एहि अंश मे श्रमक मूल्य आ ओकर पुरस्कार पर सवाल ठाढ़ कयल गेल अछि ।

1. सार्थक कार्यक खोज

2. काज आ पूजा: श्रम मे भगवानक सेवा करब

1. कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, वचन वा काज मे, सभ किछु प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

2. नीतिवचन 16:3 - अपन काज प्रभु पर सौंपि दियौक, तखन अहाँक योजना स्थापित भ’ जायत।

उपदेशक 3:10 हम ओहि प्रसव केँ देखलहुँ, जे परमेश् वर मनुष् यक पुत्र सभ केँ ओहि प्रसव मे प्रसव करबाक लेल देने छथि।

भगवान् सब लोक के जीवन में संघर्ष के अनुभव करय के मांग करैत छथि।

1. "संघर्षक वरदान: जीवन मे आबय बला चुनौती केँ आत्मसात करब"।

2. "संघर्ष सँ जे ताकत भेटैत अछि"।

1. रोमियो 5:3-5 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे सेहो घमंड करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

316

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। दृढ़ता अपन काज समाप्त करू जाहि सँ अहाँ परिपक्व आ पूर्ण भ' सकब, कोनो चीजक कमी नहि।

उपदेशक 3:11 ओ अपन समय मे सभ किछु केँ सुन्दर बना देलनि, संगहि ओ संसार केँ हुनका सभक हृदय मे राखि देलनि, जाहि सँ परमेश् वर जे काज शुरू सँ अन् त धरि बनबैत छथि से केओ नहि बुझि सकय।

भगवान् सब किछु केँ अपन समय मे सुन्दर बना देने छथि, आ हमरा सभक हृदय मे अनन्तता केँ राखि देने छथि जाहि सँ मनुष्य अपन काज केँ कहियो पूर्ण रूप सँ नहि बुझि सकय।

1. परमेश् वरक समय एकदम सही अछि: उपदेशक 3:11

2. परमेश् वरक योजनाक रहस्य: उपदेशक 3:11

1. रोमियो 11:33-36 - हे, परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञान दुनूक धनक गहराई! हुनकर निर्णय कतेक अनजान अछि आ हुनकर बाट कतेक अथाह अछि!

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

उपदेशक 3:12 हम जनैत छी जे ओकरा सभ मे कोनो नीक नहि, सिवाय मनुखक लेल जे ओ आनन्दित होथि आ अपन जीवन मे नीक काज करथि।

उपदेशक के लेखक ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि जीवन संघर्ष आरू कठिनाई स॑ भरलऽ छै, लेकिन जीवन म॑ जे अच्छा-खासा मिल॑ सकै छै, ओकरा प॑ ध्यान केंद्रित करै के सलाह दै छै ।

1. जीवन के संघर्ष में आनन्द पाना

2. हर परिस्थिति मे नीक के खोज करब

1. फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक सौम्यता सब मनुष्य केँ ज्ञात हो। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

उपदेशक 3:13 ईहो परमेश् वरक वरदान अछि जे प्रत्येक मनुख खा-पीब आ अपन सभ परिश्रमक भलाई-भोगक भोग करय।

प्रत्येक व्यक्ति के अपन श्रम के भलाई के आनंद लेबाक चाही, कियाक त ई भगवान के वरदान अछि |

1. श्रमक वरदान - मेहनतक आशीर्वादक कदर करब सीखब

2. अपन मेहनत के फल के आनंद लेब - अपन प्रयास में भगवान के आशीर्वाद के पहचानब

1. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ सभ जे किछु करब, मनुष् यक लेल नहि, प्रभुक लेल नहि, हृदय सँ काज करू, ई जानि जे प्रभु सँ अहाँ सभ केँ उत्तराधिकार भेटत। अहाँ सभ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।
317

2. नीतिवचन 13:11-12 - जल्दबाजी मे प्राप्त धन कम भ’ जायत, मुदा जे धीरे-धीरे जमा करत से बढ़ि जायत। आशा स्थगित हृदय के बीमार क दैत अछि, मुदा पूरा भेल इच्छा जीवन के गाछ अछि।

उपदेशक 3:14 हम जनैत छी जे परमेश् वर जे किछु करताह, से अनन् त काल धरि रहत।

भगवान् के कर्म शाश्वत छै आरू एकरऽ सम्मान आरू भय केरऽ होना चाहियऽ ।

1. भगवानक काज अनन्त आ अपरिवर्तनीय अछि, तेँ हमरा सभ केँ अपन कर्म सँ हुनकर सम्मान करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ प्रभु सँ डरबाक चाही आ हुनकर अनन्त काजक आदर करबाक चाही।

1. निष्कासन 20:3-6 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपना लेल मूर्ति नहि बनाउ। प्रणाम नहि करू।" हुनका सभक समक्ष उतरि कऽ आराधना करू, किएक तँ हम, अहाँ सभक परमेश् वर, ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि पिता-पिताक पापक लेल संतान सभ केँ सजा दैत छी जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि आ हमर आज्ञाक पालन करैत अछि।

2. व्यवस्था 10:12-13 - आ आब, हे इस्राएल, अहाँक परमेश् वर अहाँ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँक परमेश् वर सँ भय, हुनकर आज्ञा मानैत चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ, आ प्रभुक आज्ञा आ फरमानक पालन करबाक लेल।

उपदेशक 3:15 जे किछु छल से एखन अछि। आ जे होबय बला अछि से पहिने सँ अछि। आ परमेश् वर ओहि बातक माँग करैत छथि जे बीतल अछि।

ई अंश जीवन के चक्रीय प्रकृति के बात करै छै आरू कोना भगवान हमरा सब स॑ अतीत स॑ सीखै के मांग करै छै ।

1. अतीत सँ सीखब: अपन पूर्वजक बुद्धि केँ आधुनिक जीवन मे कोना लागू कयल जाय।

2. उपदेशकक वरदान: ई बुझब जे कोना समयक उपयोग परमेश्वरक महिमा करबाक लेल कयल जा सकैत अछि।

1. यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी; आब ओ उगैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी?"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

उपदेशक 3:16 आओर हम सूर्यक नीचाँ न्यायक स्थान देखलहुँ जे ओतय दुष्टता अछि। आ धर्मक स्थान, ओ अधर्म ओतहि छल।

उपदेशक 3:16 कहैत अछि जे दुष्टता आ अधर्म न्यायक स्थान आ धार्मिकताक स्थान दुनू मे विद्यमान अछि।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया: उपदेशक 3:16 क अध्ययन

2. धर्म आ दुष्टता: उपदेशक 3:16 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 45:19 - "हम पृथ्वीक अन्हार मे गुप्त रूप सँ नहि बाजल छी। हम याकूबक वंशज केँ नहि कहलियनि जे, अहाँ सभ हमरा व्यर्थ मे खोजू। हम प्रभु धार्मिक बात कहैत छी, हम उचित बात कहैत छी।" ."

2. भजन 89:14 - "न्याय आ न्याय तोहर सिंहासनक निवास अछि। दया आ सत्य अहाँक सोझाँ जायत।"

उपदेशक 3:17 हम अपन मोन मे कहलहुँ जे, परमेश् वर धर्मी आ दुष् ट सभक न्याय करताह, किएक तँ ओतय सभ काज आ सभ काजक लेल समय होइत छैक।

भगवान् परम न्यायाधीश छथि, आ सब किछुक समय आ उद्देश्य होइत छैक |

1: परमेश् वरक सिद्ध समय - उपदेशक 3:17

2: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब - उपदेशक 3:17

1: रोमियो 2:16 - जाहि दिन परमेश् वर हमर सुसमाचारक अनुसार यीशु मसीहक द्वारा मनुष् यक रहस्य सभक न्याय करताह।

2: 1 पत्रुस 4:17-18 - कारण समय आबि गेल अछि जे न्याय परमेश् वरक घर मे शुरू होयत, आ जँ पहिने हमरा सभ सँ शुरू होयत तँ परमेश् वरक सुसमाचार नहि माननिहार सभक अंत की होयत? जँ धर्मी लोकक उद्धार बहुत कम भेटतैक तँ अभक्त आ पापी कतय प्रगट होयत?

उपदेशक 3:18 हम मनुष् यक पुत्र सभक सम्पत्तिक विषय मे अपन हृदय मे कहलहुँ जे परमेश् वर ओकरा सभ केँ प्रगट करथि आ ओ सभ देखथि जे ओ सभ स्वयं पशु अछि।

सुलेमान क॑ ई अहसास छै कि मनुष्य क॑ ई समझै के जरूरत छै कि परमेश् वर के तुलना म॑ वू नश्वर आरू सीमित छै ।

1. अपन मानवताक सराहना: भगवानक शक्तिक आलोक मे अपन सीमा केँ बुझब

2. अपन नश्वरता केँ आत्मसात करब: अपन जीवन मे परमेश्वरक संप्रभुताक सराहना करब

1. अय्यूब 41:11 - हमरा के रोकने अछि जे हम ओकरा प्रतिफल देब? जे किछु समस्त आकाशक नीचाँ अछि से हमर अछि।

2. भजन 8:4 - मनुख की अछि, जे अहाँ ओकरा पर मोन राखू? आ मनुष् यक पुत्र, जे अहाँ ओकरा पर पहुँचैत छी?

उपदेशक 3:19 किएक तँ जे मनुष् यक सन् तान पर होइत छैक से पशु पर होइत छैक। एकटा बात हुनका सभक संग होइत छनि। हँ, हुनका सभक एके साँस छनि; एहि तरहेँ मनुखक पशुसँ बेसी कोनो आधिपत्य नहि होइत छैक, किएक तँ सभ किछु व्यर्थ अछि।

ई अंश सिखाबै छै कि मृत्यु में सब लोग आरू जानवर बराबर छै, आरू ककरो दोसरऽ पर कोनो श्रेष्ठता नै छै ।

1: जीवन क्षणभंगुर होइत अछि, आ भगवानक प्रेम एकमात्र एहन वस्तु अछि जे अनन्त काल धरि रहत।

2: भगवानक नजरि मे हम सब बराबर छी आ एक दोसरा पर प्रधानता बनेबाक प्रयास नहि करबाक चाही।

1: याकूब 4:14: "जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। किएक तँ अहाँक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि, जे किछु काल लेल प्रकट होइत अछि आ तखन गायब भ' जाइत अछि।"

2: उपदेशक 8:13: "तखन हम देखलहुँ जे बुद्धि मूर्खता सँ बेसी अछि, जतेक इजोत अन्हार सँ बेसी अछि।"

उपदेशक 3:20 सभ एक ठाम जाइत छथि। सब धूरा के अछि, आ सभ फेर धूरा बनि जाइत अछि।

सब मनुष्य अंततः एकहि अंत पर पहुँचि जाइत अछि, चाहे ओकर पार्थिव सफलता कोनो हो।

1: एतय पृथ्वी पर हमर सभक जीवन क्षणिक अछि, आ महत्व एतबे जे हम सभ अनन्त काल धरि कोना जीबैत छी।

2: स्वर्ग मे हमरा सभक लेल राखल जीवनक तुलना मे हमर सभक पार्थिव उपलब्धि अंततः बेमतलब अछि।

1: मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट नहि करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करैत अछि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2: याकूब 4:14 किएक, अहाँ सभ केँ ईहो नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि ।

उपदेशक 3:21 के जनैत अछि जे मनुष्यक आत् मा जे ऊपर जाइत अछि आ ओहि जानवरक आत् मा जे नीचाँ पृथ् वी पर जाइत अछि?

ई अंश जीवन आरू मृत्यु के रहस्य पर चिंतन करै छै, ई पूछै छै कि स्वर्ग में उठै वाला मनुष्य के आत्मा आरू पृथ्वी पर उतरै वाला जानवर के आत्मा के के समझी सकै छै।

1. जीवन आ मृत्युक रहस्य: उपदेशक 3:21 क अन्वेषण

2. भगवानक आश्चर्य: मनुष्यक आध्यात्मिक स्वभावक परीक्षण

1. यशायाह 55:8-9: किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 8:38-39: किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, ने वर्तमान वस्तु, ने आगामी वस्तु, ने ऊँचाई, ने गहींर, आ ने कोनो आन प्राणी। हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकब, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

उपदेशक 3:22 तेँ हम बुझैत छी जे एहि सँ नीक किछु नहि अछि जे मनुष्य अपन काज मे आनन्दित हो। किएक तँ ओकर भाग यैह छैक।

आदमी के लेलऽ सबसे अच्छा काम छै कि वू अपनऽ काम में आनन्द लेतै, कैन्हेंकि ई एकमात्र काम ओकरा साथ रहतै ।

1. "अपन कृति मे आनन्द: पूर्तिक मार्ग"।

2. "एतय आ आब मे आनन्द भेटब"।

1. कुलुस्सी 3:23-24 - "अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सभक लेल नहि, प्रभुक काज जकाँ हृदय सँ करू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभ केँ उत्तराधिकारक फल प्रभु सँ भेटत, किएक तँ अहाँ सभ प्रभु मसीहक सेवा करैत छी।" " .

2. उपदेशक 9:10 - "अहाँक हाथ जे किछु करय चाहैत अछि, से अपन सामर्थ्य सँ करू, किएक त' जतय जा रहल छी, ओहि मे कोनो काज, ने षड्यंत्र, ने ज्ञान, आ ने बुद्धि अछि।"

उपदेशक अध्याय 4 जीवन के कठिनाइ के आलोक में उत्पीड़न, अलगाव, आरू साथ के मूल्य के विषय के खोज करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत समाज में व्याप्त उत्पीड़न आ अन्याय के वर्णन स होइत अछि | प्रचारक उत्पीड़ित के नोर आरू ओकरऽ आराम के कमी के अवलोकन करै छै, जबकि ई नोट करै छै कि सत्ता में बैठलऽ लोग भी ईर्ष्या आरू लोभ के कारण प्रेरित होय छै (उपदेशक 4:1-3)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक एकांत श्रम के व्यर्थता पर चिंतन करैत छथि आ कोना ई शून्यता के तरफ ल जाइत अछि | ओ संगति के फायदा पर प्रकाश दैत छथि, ई कहैत छथि जे दू गोटे एक स’ नीक अछि

320

किएक त’ ओ एक दोसरा के संग द’ सकैत छथि, गर्मजोशी द’ सकैत छथि, सुरक्षा द’ सकैत छथि आ जरूरत के समय एक दोसरा के मदद क’ सकैत छथि (उपदेशक 4:4-12)।

तृतीय अनुच्छेद: प्रचारक यश आ शक्तिक क्षणभंगुर प्रकृति पर चिंतन करैत छथि | ओ स्वीकार करैत छथि जे धन आ सफलता बेमतलब भ’ सकैत अछि जँ ओकरा संग संतोष नहि हो वा जँ दोसरक कीमत पर ओकर पीछा कयल जाय (उपदेशक 4:13-16)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय चार मे गहराई स उतरल अछि
उत्पीड़न, 1.1.
अलगाव, आ संगति पर राखल गेल मूल्य।

समाज के भीतर देखल गेल प्रचलित उत्पीड़न के वर्णन के संग संग उत्पीड़ित द्वारा अनुभव कयल गेल आराम के अभाव |
एकांत श्रम स जुड़ल व्यर्थता पर चिंतन करब जखन कि संगति स प्राप्त लाभ पर जोर देब।
आपसी सहयोग कें देल गेल महत्व कें पहचान करयत, जरूरत कें समय देल गेल सहायता कें साथ-साथ संबंधक कें माध्यम सं देल गेल गर्मजोशी.
यश या शक्ति के भीतर पाये जाने वाले क्षणिक प्रकृति के चिंतन |
संतोष के कमी या दोसर के कीमत पर प्राप्त भेला पर धन या सफलता सं जुड़ल संभावित निरर्थकता के स्वीकार करनाय.
सामाजिक अन्याय कें पहचान करय कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय आ साथ ही साथ समर्थन, आराम, आ सहायता कें लेल दोसरक कें साथ सार्थक संबंधक कें महत्व देनाय. एकरऽ अतिरिक्त, बिना संतोष पाने या प्रक्रिया म॑ दोसरऽ के शोषण करलऽ भौतिक लाभ के पीछा करै स॑ चेतावनी देना ।

उपदेशक 4:1 तखन हम घुरलहुँ आ सूर्यक नीचाँ कयल जायवला सभ अत्याचार पर विचार केलहुँ। आ ओकरा सभक अत्याचारी सभक पक्ष मे शक्ति छलैक। मुदा हुनका सभ लग कोनो दिलासा देबयवला नहि छलनि।

अत्याचारक शक्ति स्पष्ट अछि, आ जे अत्याचार कयल जाइत अछि ओकरा दिलासा देबय बला कियो नहि अछि।

1: उत्पीड़न के बोझ उठाना

2: अत्याचारक पीड़ा छोड़ब

1: यशायाह 1:17 सही काज करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।

2: याकूब 1:27 जे धर्म हमरा सभक पिता परमेश् वर शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसारक द्वारा प्रदूषित नहि करब।

उपदेशक 4:2 एहि लेल हम जीवित लोक सँ बेसी मृतकक प्रशंसा केलहुँ जे पहिने सँ मरि गेल अछि।

जे मृतक पहिने सँ गुजरि गेल छथि, हुनका सँ बेसी प्रशंसा के पात्र छथि जे एखनो जीवित छथि ।

1. कृतज्ञताक शक्ति: एखन जे हमरा सभ लग अछि ओकरा चिन्हब

2. जीवन के पूर्ण रूप स जीबय के: पृथ्वी पर अपन समय के अधिकतम उपयोग करब

२ एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप बनू, मुदा अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क' सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा अछि."

2. भजन 90:12 "हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ बुद्धिक हृदय प्राप्त क' सकब।"

उपदेशक 4:3 हँ, ओ दुनू गोटे सँ नीक छथि, जे एखन धरि नहि भेल अछि, जे सूर्यक नीचाँ कयल गेल दुष्ट काज नहि देखने अछि।

एकांत व्यक्तिक स्थिति दू गोटेसँ नीक होइत छैक जे कुकर्म होइत देखने अछि ।

1. एकांतक शक्ति: ताकत आ अखंडताक संग रहब

2. उपदेशकक बुद्धि: एकटा जुड़ल दुनिया मे जीवनक पाठ

1. नीतिवचन 24:1 2 दुष्ट सँ ईर्ष्या नहि करू, हुनकर संगति नहि चाहैत छी। कारण, हुनका लोकनिक हृदय हिंसाक साजिश रचैत अछि, आ ठोर उपद्रव करबाक गप्प करैत अछि।

2. भजन 51:10 हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय बनाउ, आ हमरा भीतर एकटा सही आत्मा केँ नव बनाउ।

उपदेशक 4:4 हम फेर सँ सभ प्रसव आ सभ उचित काज केँ बुझलहुँ जे एहि लेल मनुष् य अपन पड़ोसी सँ ईर्ष्या करैत अछि। ईहो आडंबर आ आत्माक परेशानी थिक।

पड़ोसी सं ईर्ष्या सं बहुत तनाव आ पीड़ा भ सकैत अछि, आ अंततः किछुओ नहिं भ सकैत अछि.

1: अपन पड़ोसी सँ ईर्ष्या नहि करी, बल्कि ओकरा प्रेम आ समझदारी देखाउ।

2: हमरा सभकेँ अपन जीवन पर ध्यान देबाक चाही आ अपनाकेँ खुश करबाक प्रयास करबाक चाही, नहि कि अपन आसपासक लोकसँ ईर्ष्या करबाक चाही।

1: मत्ती 22:37-39 - "ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त मन सँ प्रेम करू। ई महान आ पहिल आज्ञा अछि। आ दोसर अछि।" जेना: अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।"

2: गलाती 5:13-14 - "हे भाइ लोकनि, अहाँ सभ स्वतंत्रताक लेल बजाओल गेल छी। मात्र अपन स्वतंत्रता केँ शरीरक लेल अवसर नहि बनाउ, बल् कि प्रेमक द्वारा एक-दोसरक सेवा करू। किएक तँ पूरा व्यवस्था एकहि शब्द मे पूरा होइत अछि। अहाँ सभ।" अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करब।"

उपदेशक 4:5 मूर्ख अपन हाथ जोड़ि क’ अपन मांस खाइत अछि।

ज्ञानी अपन हाथक उपयोग काज आ अपन भरण-पोषण मे करैत अछि, जखन कि मूर्ख किछु नहि करैत अछि आ ओकर परिणाम भोगैत अछि।

1. मेहनत करबाक बुद्धि

2. आलस्यक मूर्खता

1. नीतिवचन 14:23 - सभ मेहनत मे लाभ होइत छैक, मुदा मात्र गप्प मात्र गरीबी दिस बढ़ैत छैक।

2. उपदेशक 11:6 - भोरे अपन बीया बोउ, आ साँझ मे हाथ नहि रोकू, कारण अहाँ नहि जनैत छी जे कोन सफल होयत, ई वा ओ, वा दुनू एक समान नीक होयत।

उपदेशक 4:6 एकटा मुट्ठी भरि चुपचाप नीक अछि, जखन कि दुनू हाथ कष्ट आ आत्माक परेशानी सँ भरल अछि।

चिंता स बेसी स बेसी संतोष स कम रहब नीक।

1: प्रभु मे संतोष शान्ति दैत अछि

2: संतोषक मूल्य

1: फिलिप्पियों 4:12-13 हम जनैत छी जे जरूरतमंद रहब की होइत छैक, आ हम जनैत छी जे बहुत किछु भेटब की होइत छैक। कोनो आ हर परिस्थिति मे संतुष्ट रहबाक रहस्य हम सीखलहुँ अछि, चाहे ओ नीक जकाँ पोसल हो वा भूखल, चाहे ओ भरपूर रहब वा अभाव मे।

2: भजन 131:2 मुदा हम अपना केँ शान्त आ शान्त कएने छी, हम अपन मायक संग दुध छुड़ाओल बच्चा जकाँ छी। दुधमुँहा बच्चा जकाँ हम संतुष्ट छी।

उपदेशक 4:7 तखन हम घुरलहुँ आ सूर्यक नीचाँ आडंबर देखलहुँ।

सुलेमान देखलनि जे सूर्यक नीचाँक जीवन आडंबर आ शून्यता सँ भरल अछि |

1. जीवनक आडंबर: प्रभु मे अर्थ आ पूर्तिक खोज

2. जीवन के आडंबर के पार करब: पुनरुत्थान के आशा में जीना

1. गलाती 6:14 - "मुदा हमरा सँ घमंड करब दूर अछि, सिवाय अपन प्रभु यीशु मसीहक क्रूस पर, जकरा द्वारा संसार हमरा लेल क्रूस पर चढ़ाओल गेल अछि आ हम संसारक लेल।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

उपदेशक 4:8 एकटा असगर अछि, आओर दोसर नहि अछि; हँ, ओकरा ने संतान छैक आ ने भाय, तैयो ओकर समस्त परिश्रमक अंत नहि छैक। आ ने ओकर आँखि धन-दौलत सँ तृप्त होइत छैक। आ ने ओ कहैत छथि, “हम ककरा लेल परिश्रम करैत छी आ अपन प्राण केँ भलाई छोड़ि दैत छी?” ईहो आडंबर थिक, हँ, ई एकटा दर्दनाक प्रसव थिक।

एक व्यक्ति बिना परिवार के अंतहीन काज क सकैत अछि, मुदा ई एकटा अपूर्ण आ थकाऊ श्रम अछि।

1. अन्तहीन श्रमक व्यर्थता: उपदेशक सँ सबक

2. परिवारक आशीर्वाद: उपदेशक सँ हम सभ की सीख सकैत छी

1. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ कतय।" चोर घुसि क' चोरी नहि करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।"

2. नीतिवचन 27:10 - "अपन मित्र आ अपन पिताक मित्र केँ नहि छोड़ू, आ अपन विपत्तिक दिन अपन भाइक घर नहि जाउ; दूरक भाइ सँ नीक पड़ोसी जे नजदीक अछि।"

उपदेशक 4:9 एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि।

एक स दूटा नीक अछि कियाक त ओ एक दोसर कए बेसी हासिल करबा मे मदद क सकैत अछि।

1: असगर रहला स बेसी हम सब एक संग मजबूत छी।

2: एक संग काज करबा स इनाम भेटैत अछि।

1: नीतिवचन 27:17 - लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि, आ एक आदमी दोसर केँ तेज करैत अछि।

2: फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

उपदेशक 4:10 जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।”

323

संगति रहब नीक, कारण संख्या मे ताकत होइत छैक आ खसला पर कियो मदद करय वाला।

1. एक संग रहबाक शक्ति: समुदायक महत्व केँ बुझब

2. दोस्ती के आशीर्वाद: संगति हमरा सब के संघर्ष स उबरय में कोना मदद क सकैत अछि

1. नीतिवचन 18:24 - जे आदमी के दोस्त छै ओकरा अपना के दोस्ताना देखाबै के चाही, आरू एक दोस्त छै जे भाय स बेसी करीबी छै।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।” पुनः जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहत तखन ओकरा सभ मे गर्मी छैक, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि? जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत, मुदा दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

उपदेशक 4:11 फेर जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तँ हुनका सभ मे गर्मी होइत छनि, मुदा असगरे कोना गरम भ’ सकैत अछि?

ई अंश हमरा सब क॑ साथी के मूल्य क॑ पहचानै लेली आरू मिल क॑ काम करै लेली प्रोत्साहित करै छै कि हम्में असगरे स॑ भी अधिक काम पूरा करी सकै छियै ।

१: "समुदाय के शक्ति"।

२: "एकजुटताक ताकत"।

1: नीतिवचन 27:17- "जहिना लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि, तहिना एक व्यक्ति दोसर केँ तेज करैत अछि।"

2: उपदेशक 4:9-12 - "एक सँ दू गोटे नीक अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ अपन परिश्रमक नीक प्रतिफल भेटैत छैक: जँ दुनू मे सँ कियो खसि पड़य तँ एक दोसर केँ उठय मे मददि क' सकैत अछि। मुदा जे खसैत अछि आ ओकरा लग ककरो नहि छैक तकरा पर दया करू।" ओकरा सभ केँ उठय मे मदद करू। संगहि, जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहताह त' गर्म रहताह. मुदा असगरे कोना गरम रहत? भले एकटा पर हावी भ' सकैत अछि, मुदा दू गोटे अपन बचाव क' सकैत छथि. तीन तारक डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि."

उपदेशक 4:12 जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत तँ दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

एहि श्लोक मे दू-तीन गोटेक एक संग काज करबाक ताकतक बात कयल गेल अछि, आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि |

1. दूक शक्ति: एकता मे एक संग काज करब

2. तीनक ताकत: एकटा डोरी जे सहजहि नहि टूटल

1. भजन 133:1-3

2. रोमियो 12:9-12

उपदेशक 4:13 गरीब आ बुद्धिमान बच्चा बूढ़ आ मूर्ख राजा सँ नीक अछि, जे आब कोनो सलाह नहि देल जायत।

बूढ़ आ मूर्ख सँ नीक बुद्धिमान आ विनम्र बनब।

1: "बुद्धिमान रहू: विनम्रता आ विवेक स्थायी सफलता के तरफ ल जाइत अछि"।

2: "बुद्धि युग आ ओकर मूर्खता पर विजय प्राप्त करैत अछि"।

1: नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2: याकूब 3:17 - मुदा जे बुद्धि स् वर्ग सँ अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |

उपदेशक 4:14 किएक तँ ओ जेलसँ राज करऽ अबैत छथि। जखन कि अपन राज्य मे जन्म लेनिहार सेहो गरीब भ’ जाइत अछि।

ई अंश एक कैदी के बीच के विपरीत के बात करै छै जेकरा रिहा होय जाय छै आरू ओकरा अधिकार के पद देलऽ जाय छै आरू राजसी में पैदा होय वाला व्यक्ति जे संभवतः गरीब ही रहतै ।

1: अहाँक परिस्थिति चाहे जे हो, अहाँ महानताक स्थान पर विजय पाबि सकैत छी आ पहुँचि सकैत छी।

2: जीवन मे अपन स्टेशन के लेल विनम्र आ आभारी रहबाक चाही, चाहे ओ कतबो विशेषाधिकार प्राप्त हो वा अविशेषाधिकार प्राप्त।

1: फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब आ प्रचुरता करब दुनू जनैत छी। हर जगह आ सब बात मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक निर्देश देल गेल अछि, प्रचुर मात्रा मे रहबाक आ जरूरत मे रहबाक सेहो। हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

2: यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोहर संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम तोहर परमेश् वर छी। हम तोरा बल देबौक। हँ, हम तोहर सहायता करब। हँ, हम तोहर दहिना हाथ सँ सहारा लेब।" हमर धर्मक।”

उपदेशक 4:15 हम ओहि सभ जीवित लोक सभ पर विचार केलहुँ जे सूर्यक नीचाँ चलैत अछि, आओर दोसर बच्चाक संग जे ओकर बदला मे ठाढ़ होयत।

ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि जीवन क्षणभंगुर छै, आरो एक दिन हम सब ई धरती छोड़ी क॑ अपनऽ विरासत अपनऽ बच्चा सिनी के पास पहुँचाय देबै ।

1. हम जे विरासत छोड़ैत छी: अपन बच्चा के ओहि लेल तैयार करब जे हम सब पाछू छोड़ब

2. एतय अपन समय के जानब छोट अछि: जे किछु अछि ओकर बेसी स बेसी उपयोग करब

1. भजन 103:14-16 "ओ हमरा सभक फ्रेम केँ जनैत अछि; ओ मोन पाड़ैत अछि जे हम सभ धूरा छी। मनुष्यक दिन घास जकाँ होइत अछि; ओ खेतक फूल जकाँ पनपैत अछि, किएक तँ हवा ओकरा ऊपर सँ गुजरैत अछि आ ओ।" चलि गेल अछि, आ ओकर स्थान आब एकरा नहि जनैत अछि।"

2. याकूब 4:14 "तइयो अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

उपदेशक 4:16 सभ लोकक, हुनका सभ सँ पहिने जे सभ छल, ओकर कोनो अंत नहि अछि। निश्चित रूप सँ ईहो आडंबर आ आत्माक परेशानी थिक।

उपदेशक 4:16 श्लोक मे कहल गेल अछि जे सभ लोक, चाहे ओकरा सँ पहिने कतबो पीढ़ी आबि गेल हो, जीवन मे आनन्द नहि भेटत। ई सबटा आडंबर आ आत्माक परेशानी थिक।

1. जीवनक परेशानी: संघर्षक बादो आनन्द भेटब

2. आडंबर आ परेशानी: रोजमर्रा मे आनन्द भेटब सीखब

1. भजन 16:11 अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी। अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि।
अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2. उपदेशक 2:24-26 मनुष्य लेल एहि सँ नीक किछु नहि जे ओ खा-पीब आ अपन परिश्रम मे भोग पाबि। ईहो, हम देखलहुँ, भगवानक हाथ सँ अछि, कारण ओकरा छोड़ि के खा सकैत अछि वा के भोग क' सकैत अछि? किएक तँ जे ओकरा प्रसन्न करैत अछि तकरा परमेश् वर बुद्धि आ ज्ञान आ आनन्द देलनि अछि, मुदा पापी केँ जमा करबाक आ संग्रह करबाक काज देलनि अछि, मात्र परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला केँ देबाक लेल। ईहो आडंबर आ हवाक पाछाँ प्रयास अछि।

उपदेशक अध्याय 5 श्रद्धा, पूजा में निष्ठा, आरू धन आरू भौतिक संपत्ति के सीमा के विषय पर केंद्रित छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत में श्रद्धा आरू सावधानी के साथ भगवान के पास जाय के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै । प्रचारक सलाह दै छै कि परमेश्वर के सान्निध्य में प्रवेश करतें समय शब्दऽ के साथ सावधान रहना, जल्दबाजी में व्रत करै के बजाय ईमानदारी आरू आज्ञाकारिता के प्रोत्साहित करना (उपदेशक 5:1-3)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक धन आ भौतिक सम्पत्ति के बेसी मूल्य देबय के चेतावनी दैत छथि | ओ धनक क्षणभंगुर प्रकृति पर प्रकाश दैत छथि आ कोना संतोषक बदला चिन्ता आनि सकैत अछि । ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा संतोष परमेश् वर द्वारा देल गेल चीजक आनंद लेला सँ भेटैत अछि (उपदेशक 5:10-15)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रचारक मानव श्रम के सीमा पर चिंतन करैत छथि | ओ स्वीकार करैत छथि जे मेहनत बोझिल भ सकैत अछि आ लोक मरलाक बाद अपन धन अपना संग नहि ल' सकैत अछि । बल्कि, ओ परमेश्वर के वरदान के रूप में अपन काज में आनन्द पाबै के प्रोत्साहित करै छै (उपदेशक 5:18-20)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक पाँचम अध्याय मे अन्वेषण कयल गेल अछि
श्रद्धा, 1999 आदि विषय।
पूजा में अखंडता, धन से जुड़ी सीमाओं के साथ |

जल्दबाजी मे व्रत करबा स चेतावनी दैत श्रद्धापूर्वक भगवान् लग जेबाक महत्व पर जोर दैत।
केवल खाली शब्द पर भरोसा करय के बजाय पूजा में ईमानदारी आ आज्ञाकारिता के प्रोत्साहित करब।
धन या भौतिक संपत्ति पर अत्यधिक ध्यान देबाक चेतावनी।
संतुष्टि के बजाय चिंता के संभावना के साथ-साथ धन के भीतर पाये जाने वाले क्षणभंगुर प्रकृति को पहचानना |
भगवान् स प्राप्त आशीर्वाद के आनंद लेला स प्राप्त सच्चा संतोष के उजागर करब।
संचित धन के मृत्यु स आगू ल जेबा मे असमर्थता के स्वीकार करैत मानव श्रम के भीतर देखाओल गेल सीमा पर चिंतन करब।
भगवान द्वारा प्रदत्त वरदान के रूप में काम में आनन्द पाने को प्रोत्साहित करना |
सांसारिक सम्पत्ति के अस्थायी प्रकृति के पहचान करते हुए पूजा के निश्छलता एवं श्रद्धा से संपर्क करने की अंतर्दृष्टि प्रदान करना | एकरऽ अतिरिक्त, लगातार अधिक भौतिक लाभ लेली प्रयास करै के बजाय या चिंता क॑ सही संतुष्टि प॑ छाया डालै के बजाय, जे कुछ देलऽ गेलऽ छै, ओकरा म॑ संतोष खोजै के महत्व क॑ स्वीकार करना ।

उपदेशक 5:1 जखन अहाँ परमेश् वरक घर जायब तँ अपन पैर राखू, आ मूर्ख सभक बलिदान देबा सँ बेसी सुनबाक लेल तैयार रहू, किएक तँ ओ सभ ई नहि बुझैत अछि जे ओ सभ अधलाह काज करैत अछि।

हमरा सभ केँ बलि चढ़ाबय सँ बेसी परमेश् वरक घर मे अबैत काल सुनबा पर बेसी ध्यान देबाक चाही, कारण मूर्खतापूर्ण प्रसाद एकटा दुष्टताक रूप थिक।

1. सुनबाक शक्ति: परमेश् वरक वचन केँ हुनकर घर मे कोना ग्रहण कयल जाय

2. यज्ञक मूर्खता: अज्ञानी प्रसादक बुराई बुझब

1. याकूब 1:19 - "तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी"।

2. मत्ती 15:7-9 - "हे पाखंडी सभ, यशायाह अहाँ सभक विषय मे नीक जकाँ भविष्यवाणी कयलनि जे, ई लोक सभ अपन मुँह सँ हमरा लग आबि रहल अछि आ अपन ठोर सँ हमरा आदर करैत अछि, मुदा ओकर सभक हृदय हमरा सँ दूर अछि"।

उपदेशक 5:2 अपन मुँह सँ जल्दबाजी नहि करू आ परमेश् वरक समक्ष कोनो बात कहबा मे अहाँक मोन जल्दबाजी नहि करू, किएक तँ परमेश् वर स् वर्ग मे छथि आ अहाँ पृथ् वी पर छथि, तेँ अहाँक वचन कम रहू।

हमरा सभ केँ परमेश् वरक समक्ष जे शब्द बजैत छी ताहि सँ सावधान रहबाक चाही, कारण ओ स् वर्ग मे छथि आ हम सभ पृथ्वी पर छी।

1. शब्दक शक्ति: भगवानक समक्ष अपन वचनक बुद्धिमानीपूर्वक प्रयोग किएक करबाक चाही

2. विनम्रताक महत्व: भगवानक समक्ष कोना बाजबाक चाही

1. याकूब 3:9-10 - एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आओर एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ श्राप दैत छी जे परमेश् वरक रूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।

2. नीतिवचन 10:19 - जखन वचन बेसी होइत अछि तखन अपराधक अभाव नहि होइत अछि, मुदा जे अपन ठोर पर रोक लगा दैत अछि से विवेकी होइत अछि।

उपदेशक 5:3 किएक तँ एकटा सपना बहुत रास कारोबारक कारणेँ अबैत अछि। आ मूर्खक आवाज अनेक शब्द सँ ज्ञात होइत छैक |

ई श्लोक हमरा सब के चेताबै छै कि हम्में अपनऽ बात के प्रति सजग रहना आरू अपनऽ व्यापारिक व्यवहार में सावधान रहना।

1: अपन बात आ कर्म के प्रति ध्यान राखू, कारण ओकर परिणाम अहाँ के जतेक बुझल अछि ओहि स बेसी भ सकैत अछि।

2: अपन काजक परिणाम पर विचार करू, कारण ओकर प्रभाव अहाँक सोच सँ बेसी भ' सकैत अछि।

1: नीतिवचन 10:19 बहुत रास बात मे पापक अभाव नहि होइत छैक, मुदा जे अपन ठोर रोकैत अछि से बुद्धिमान अछि।

2: मत्ती 12:36-37 "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन मे लोक सभ जे बेकार बात बाजत, ओकर हिसाब देत। किएक तँ अहाँ सभक वचन सभ सँ अहाँ सभ धर्मी ठहराओल जायत आ अपन बात सभ सँ अहाँ सभ धर्मी ठहरब।" निंदा कयल जाय।"

उपदेशक 5:4 जखन अहाँ परमेश् वरक प्रति व्रत करब तँ ओकरा पूरा करबा मे देरी नहि करू। किएक तँ ओकरा मूर्ख मे कोनो प्रसन्नता नहि छैक, जे अहाँ जे प्रण केने छी से पूरा करू।”

ई श्लोक हमरा सब क॑ प्रोत्साहित करै छै कि हम्में परमेश्वर स॑ जे प्रतिज्ञा करै छियै ओकरा पूरा करी क॑ ओकरऽ सम्मान करै म॑ देरी नै करी क॑, कैन्हेंकि भगवान क॑ मूर्खऽ म॑ कोय प्रसन्नता नै होय छै ।

1. भगवान् सँ प्रतिज्ञा करब आ ओकर पालन करब

2. भगवान् के प्रति वफादार रहबाक आशीर्वाद

1. मलाकी 3:10 - अहाँ सभ सभ दसम भाग भंडार मे आनू, जाहि सँ हमर घर मे भोजन हो, आ हमरा एखन एहि सँ परीक्षण करू, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, जँ हम अहाँ सभ केँ स् वर्गक खिड़की नहि खोलब आ ढारि देब अहाँ सभ आशीर्वाद दिअ जे ओकरा ग्रहण करबाक लेल एतेक जगह नहि रहत।

2. याकूब 5:12 - मुदा, हमर भाइ लोकनि, सभ सँ ऊपर, ने आकाश, ने पृथ् वी, आ ने कोनो आन शपथक शपथ नहि करू। आ अहाँक नहि, नहि; कहीं अहाँ सभ दण्ड मे नहि पड़ि जायब।”

327

उपदेशक 5:5 ई नीक अछि जे अहाँ व्रत नहि करू, एहि सँ नीक जे अहाँ व्रत करू आ पूरा नहि करी।

व्रत नहि करब एहि सँ नीक जे व्रत करब आ ओकर पालन नहि करब।

1. अपन वादा पूरा करबाक मूल्य

2. कोनो शब्दक शक्ति

1. मत्ती 5:33-37 अहाँ सभ फेर सुनलहुँ जे पुरान लोक सभ सँ कहल गेल छल जे, “अहाँ झूठ शपथ नहि खाउ, बल् कि प्रभुक संग जे शपथ केने छी से पूरा करू।” मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, कोनो तरहेँ शपथ नहि लिअ, आ ने स् वर्गक शपथ ग्रहण करू, किएक तँ ई परमेश् वरक सिंहासन अछि आ ने पृथ् वीक, किएक तँ ई हुनकर पैरक ठाठ अछि आ ने यरूशलेम, किएक तँ ई महान राजाक नगर अछि. आ माथ पकड़ि शपथ नहि लिअ, किएक तँ एक केशकेँ उज्जर वा कारी नहि कऽ सकैत छी। अहाँ जे कहब से मात्र हाँ वा नहि हो; एहि सँ बेसी किछु बुराई सँ होइत छैक।

2. याकूब 5: 12 मुदा सभ सँ बेसी हे हमर भाइ लोकनि, स् वर्ग वा पृथ् वी वा कोनो आन शपथक शपथ नहि करू, बल् कि अहाँ सभक हाँ हाँ आ नहि हो, जाहि सँ अहाँ सभ दोषी नहि पड़ब।

उपदेशक 5:6 अपन मुँह सँ अपन शरीर केँ पाप नहि करय दियौक। आ ने अहाँ स् वर्गदूतक समक्ष ई कहू जे ई गलती छल।

हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे एहन नहि बाजब वा काज नहि करी जाहि सँ भगवान् क्रोधित भ' जाय आ हमरा सभक हाथक काज केँ नष्ट क' जाय।

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर सभक जीवन केँ कोना प्रभावित क' सकैत अछि

2. पापक परिणाम: भगवानक दण्ड केँ बुझब

1. नीतिवचन 18:21, मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

2. याकूब 3:5-6, तहिना जीह एकटा छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लागि जाइत छैक! आ जीह आगि, अधर्मक संसार। जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल जाइत अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, जीवनक पूरा मार्ग मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि |

उपदेशक 5:7 किएक तँ सपना आ बहुत रास वचन मे अनेक तरहक व्यर्थता सेहो होइत छैक, मुदा अहाँ परमेश् वर सँ डेराउ।

सपना के भीड़ आ बहुत रास शब्द मात्र विविधतापूर्ण आडंबर अछि, तेँ हमरा सभ केँ भगवान् सँ डरबाक चाही।

1. कोना सपना आ शब्द एतेक नहि अछि जे एकटा पूर्ण जीवन जीबय लेल

2. रोजमर्रा के जीवन में भगवान के भय के शक्ति

1. नीतिवचन 1:7: प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. नीतिवचन 9:10: प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक; हुनकर उपदेशक पालन करयवला सभ केँ नीक बुझल छनि।

उपदेशक 5:8 जँ अहाँ कोनो प्रदेश मे गरीबक अत्याचार आ न्याय आ न्याय केँ हिंसक रूप सँ विकृत करब देखैत छी तँ एहि बात पर आश्चर्य नहि करू। आ हुनका सभसँ ऊँच सेहो होथि।

उच्च अधिकारी उत्पीड़ित आ अन्यायी पर ध्यान दैत छथि, तेँ जे देखब ताहि सँ आश्चर्य नहि करू।

1. परमेश् वर सदिखन अन्याय पर नजरि रखैत छथि आ जागरूक रहैत छथि - उपदेशक 5:8

2. उत्पीड़ित लोक केँ परमेश् वर कहियो नहि बिसरैत छथि - उपदेशक 5:8

1. यशायाह 30:18 - तइयो प्रभु अहाँ सभ पर कृपा करबाक लेल तरसैत छथि; तेँ ओ उठि कऽ अहाँ सभ केँ दया देखाबय। कारण, प्रभु न्यायक परमेश् वर छथि। धन्य सब छथि जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि!

2. नीतिवचन 21:3 - जे उचित आ न्यायसंगत अछि से करब बलिदान सँ बेसी प्रभुक लेल स्वीकार्य अछि।

उपदेशक 5:9 पृथ् वीक लाभ सभक लेल होइत छैक, राजा केँ खेत मे सेवा कयल जाइत छैक।

ई श्लोक हमरा सब के याद दिलाबै छै कि सब सृष्टि के उद्देश्य साझा होय के छै, आरू राजा भी पृथ्वी के नियम के अधीन छै ।

1: भगवान् हमरा सभकेँ धरती देने छथि जे हम सभ बाँटि सकब आ देखभाल करी

2: भगवान् के नजर में हम सब बराबर छी, राजा तक

1: गलाती 3:28 - ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, कोनो पुरुष आ स्त्री नहि अछि, कारण अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।

2: याकूब 2:1-4 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी, कोनो पक्षपात नहि करू। जँ सोनाक अंगूठी आ नीक वस्त्र पहिरने लोक अहाँक सभा मे आबि जायत, आ जर्जर वस्त्र पहिरने गरीब सेहो भीतर आबि जायत, आ नीक वस्त्र पहिरनिहार पर ध्यान देब आ कहब जे अहाँ एतय नीक जगह पर बैसल छी, जखन कि अहाँ सभ बेचारा केँ कहैत छी जे, अहाँ ओम्हर ठाढ़ भ' जाउ, वा, हमर पएर पर बैसू, तखन की अहाँ सभ आपस मे भेद नहि क' क' दुष्ट विचार सँ न्यायाधीश नहि बनि गेलहुँ?

उपदेशक 5:10 जे चानी सँ प्रेम करैत अछि, से चानी सँ तृप्त नहि होयत। आ ने जे प्रचुरता सँ बढ़ैत-बढ़ैत प्रेम करैत अछि।

एहि संसारक वस्तु सभसँ हम सभ कहियो सही मायने मे संतुष्ट नहि भ' सकैत छी।

1: परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ पहिने हुनका आ हुनकर राज्यक खोज करी, एहि संसारक वस्तु सभ सँ बेसी।

मत्ती 6:33 मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2: हमरा सभकेँ जे किछु अछि ताहिसँ संतुष्ट रहबाक चाही आ बेसीक इच्छासँ भस्म नहि करबाक चाही।

फिलिप्पियों 4:11-13 ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ रहब दुनू जनैत छी, आ प्रचुर रहब सेहो जनैत छी: हर जगह आ सभ बात मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक, प्रचुर रहबाक आ आवश्यकता भोगबाक दुनू निर्देश देल गेल अछि। हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

1: उपदेशक 5:10 जे चानी सँ प्रेम करैत अछि, से चानी सँ तृप्त नहि होयत। आ ने जे प्रचुरता सँ बढ़ैत-बढ़ैत प्रेम करैत अछि।

2: 1 तीमुथियुस 6:10 किएक तँ पैसाक प्रेम सभ अधलाहक जड़ि अछि, जकर लालच किछु लोक करैत छल, मुदा ओ सभ विश् वास सँ भटकि गेल अछि आ बहुतो दुःख सँ अपना केँ छेदि लेलक।
329

उपदेशक 5:11 जखन माल बढ़ैत अछि त’ ओ बढ़ैत अछि जे ओकरा खाइत अछि, आ ओकर मालिक सभक की फायदा, जँ ओकरा आँखि सँ देखब?

ई अंश पार्थिव सम्पत्ति के आडंबर के बात करै छै, कैन्हेंकि जे अधिक धन प्राप्त करै छै, वू खाली ओकरऽ दर्शन के आनंद लेबै में सक्षम होय छै आरू कुछ नै ।

1. संतोषक मूल्य

2. भगवान् के प्रेम के माध्यम स पूर्ति पाना

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. इब्रानी 13:5-6 अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

उपदेशक 5:12 मजदूरक नींद मीठ होइत छैक, चाहे ओ कम खाइत अछि वा बेसी, मुदा धनिक लोकक प्रचुरता ओकरा सुतय नहि देतैक।

मेहनती व्यक्तिक नींद ताजा होइत छैक, चाहे ओकरा लग कतबो हो। ओना धनिकक धन-दौलत हुनका सभकेँ नीक रातिमे विश्राम नहि भेटि सकैत अछि ।

1. प्रभु मे संतोष: चुनौतीपूर्ण परिस्थितिक बीच शांति आ विश्राम भेटब।

2. मेहनत करब आ ओकर फल काटि लेब: दिन भरि मेहनतिक बाद ताजा नींदक आशीर्वाद।

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी। जे हमरा मजबूत करैत छथि हुनका माध्यमे हम सभ काज क' सकैत छी।

2. भजन 127:2 - ई व्यर्थ अछि जे अहाँ भोरे उठैत छी आ देर सँ आराम करैत छी, चिंतित परिश्रमक रोटी खाइत छी; किएक तँ ओ अपन प्रियतमकेँ नींद दैत अछि।

उपदेशक 5:13 एकटा घोर बुराई अछि जे हम सूर्यक नीचाँ देखलहुँ, से अछि धन-सम्पत्ति जे ओकर मालिक सभक लेल राखल गेल अछि जे ओकरा सभक आहत करबाक लेल राखल गेल अछि।

धन-दौलत ओकर मालिक पर बोझ बनि सकैत अछि जँ एकर उपयोग नीक जकाँ नहि कयल जाय।

1. धनक खतरा: अनियंत्रित लोभक खतरा

2. संतोषक मूल्य: जे किछु अछि ताहि सँ कोना संतुष्ट रहब

1. नीतिवचन 18:11 - "धनी के धन ओकर मजबूत शहर छै; गरीब के विनाश ओकर गरीबी छै"।

2. लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, 'सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ककरो जीवन ओकर प्रचुरता मे नहि होइत छैक।'

उपदेशक 5:14 मुदा ओ धन-दौलत दुष्ट प्रसव सँ नष्ट भ’ जाइत अछि, आ ओ एकटा बेटा पैदा करैत अछि, मुदा ओकर हाथ मे किछु नहि होइत छैक।

एहि अंश मे धनक क्षणिक प्रकृति पर प्रकाश देल गेल अछि, कारण दुर्भाग्यक कारणेँ ओकरा क्षणहि मे छीनि लेल जा सकैत अछि |

1. "जे अहाँक अछि से अहाँक नहि अछि: धनक अनित्यताक एहसास"।

2. "जीवनक अप्रत्याशितता: उपदेशक सँ सीखब"।

1. भजन 39:6 हम सभ मात्र चलैत छाया छी, आ हमर सभक व्यस्त दौड़-धूप किछुओ मे समाप्त नहि होइत अछि।

2. याकूब 4:14 किएक, अहाँ सभ केँ ईहो नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि ।

उपदेशक 5:15 जेना ओ अपन मायक पेट सँ निकलल, ओ नंगटे भ’ क’ ओहिना वापस आबि जायत जेना ओ आयल छल, आ अपन श्रम मे सँ किछु नहि लेत जे ओ अपन हाथ मे ल’ सकैत अछि।

एहि अंश मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे मरला पर हमर सभक सभ सम्पत्ति पाछू रहि जायत आ भौतिक सम्पत्ति सँ बेसी आसक्त नहि रहबाक चाही।

1. भौतिक सम्पत्तिक व्यर्थता

2. सामग्री सँ परे अर्थ खोजब

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. लूका 12:15 सावधान रहू आ सभ लोभ सँ सावधान रहू, किएक त’ ककरो जीवन ओकर सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।”

उपदेशक 5:16 ईहो एकटा घोर बुराई अछि जे जहिना ओ अयलाह, ओ सभ ओहिना जायत।

सुलेमान चेतावनी दै छै कि जे अस्थायी आरू क्षणिक छै ओकरा लेली मेहनत नै करऽ, कैन्हेंकि हमरा सिनी के साथ कुछ भी नै ल॑ जाय सकै छै आरू केवल परमेश्वर ही हमरा सिनी कॅ स्थायी इनाम द॑ सकै छै।

1. "जीवनक आडंबर: हवाक लेल परिश्रम"।

2. "जीवनक क्षणिकता: अनन्त काल मे निवेश"।

1. याकूब 4:14, "जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की होयत। किएक तँ अहाँ सभक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि, जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि आ तखन गायब भ' जाइत अछि।"

2. 1 तीमुथियुस 6:7, "किएक तँ हम सभ एहि संसार मे किछु नहि अनलहुँ, आ ई निश्चित अछि जे हम सभ किछुओ नहि ल' सकैत छी।"

उपदेशक 5:17 ओ अपन भरि दिन अन्हार मे भोजन करैत छथि, आओर हुनका अपन बीमारीक संग बहुत दुख आ क्रोध होइत छनि।

ई अंश बीमारी के कारण अन्हार, दुख आरू क्रोध स॑ भरलऽ जीवन के बात करै छै ।

1. अन्हार के समय में भगवान के चंगाई के कृपा

2. दुख मे ताकत ताकब

331

1. यशायाह 53:4-5 निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि आ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि। तैयो हम सभ हुनका मारल गेल, परमेश् वरक प्रहार आ दुःखित मानैत छलहुँ। मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह। हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। हुनका पर ओ दंड छल जे हमरा सभ केँ शान्ति अनलक आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

2. याकूब 5:13-15 की अहाँ सभ मे सँ कियो कष्ट उठा रहल अछि? ओ प्रार्थना करथि। कियो हँसमुख अछि की? स्तुति गाबय। अहाँ सभ मे कियो बीमार अछि की? ओ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजा कऽ हुनका पर प्रार्थना करथिन, प्रभुक नाम सँ हुनका तेल सँ अभिषेक करथिन। आ विश् वासक प्रार्थना बीमार केँ उद्धार करत आ प्रभु ओकरा जीबि लेताह। आ जँ पाप केने अछि तँ ओकरा क्षमा कयल जायत।

उपदेशक 5:18 देखू जे हम देखलहुँ, ई नीक आ सुन्दर अछि जे केओ अपन जीवन भरि सूर्यक नीचाँ जे मेहनति करैत अछि, से नीक आ नीक अछि जे ओ खाय-पीबैत अछि: किएक तँ ई ओकर भाग थिक।

ई अंश हमरऽ मेहनत के अच्छाई के भोग करै के महत्व पर जोर दै छै, जेना कि भगवान हमरा सब के देल॑ छै ।

1. भगवान् जे वरदान देने छथि, ओकर आनंद लिअ

2. समय निकालि कए अपन काजक सराहना करू

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँक मोल हुनका सभसँ बेसी नहि अछि?...

उपदेशक 5:19 जे केओ परमेश् वर धन-दौलत आ धन-दौलत देने छथिन, आ ओहि मे सँ भोजन करबाक आ अपन भाग लेबाक आ अपन परिश्रम मे आनन्दित रहबाक अधिकार देने छथि। ई भगवानक वरदान थिक।

भगवान् हमरा सभ केँ धन, शक्ति आ आनन्द सँ आशीर्वाद दैत छथि आ ई आशीर्वाद हुनके द्वारा देल गेल वरदान अछि |

: धन, शक्ति, और आनन्द के भगवान के वरदान

: कृतज्ञता के जीवन जीना

व्यवस्था 8:17-18 - अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ स्थापित करथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो भिन्नता वा छाया नहि अछि।

उपदेशक 5:20 किएक तँ ओ अपन जीवनक दिन बेसी मोन नहि राखत। किएक तँ परमेश् वर हुनका हृदयक आनन्द मे उत्तर दैत छथिन।

मनुष्य के जीवन के दिन क्षणभंगुर होय छै, आरू भगवान ओकरा याद करै वाला के आनन्द प्रदान करै छै ।

1: जे समय अछि ओकर सदुपयोग करू: जीवन मे भगवान् के याद करब

332

2: प्रभु के सान्निध्य में आनन्द: जीवन में संतोष पाना

1: भजन 90:12 - तेँ हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ अपन हृदय केँ बुद्धि मे लगा सकब।

2: याकूब 4:13-14 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतहि व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

उपदेशक अध्याय 6 में मानव अस्तित्व के सीमा आरू अनिश्चितता के विषय के खोज करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में सही संतुष्टि के बिना धन आरू सम्पत्ति के पीछा करै के व्यर्थता पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा एहन परिदृश्य स होइत अछि जतय कोनो व्यक्ति के धन, सम्पत्ति, आ असंख्य संतान के आशीर्वाद भेटैत अछि मुदा ओकर आनंद लेबय में असमर्थ अछि | प्रचारक सुझाव दैत छथि जे एहन व्यक्तिक स्थिति एहन व्यक्ति सँ नीक नहि अछि जे कहियो अस्तित्व मे नहि छल (उपदेशक 6:1-3)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक मृत्यु के अनिवार्यता पर चिंतन करैत छथि आ कोना ई जीवन के साधना के अंततः बेमतलब बना दैत अछि | ओ देखैत छथि जे लोक प्रायः बिना संतोष केने बेसी प्रयास करैत अछि, आ ओकर इच्छा अतृप्त रहैत अछि (उपदेशक 6:4-9)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रचारक अपन जीवन के आकार देबय में भाग्य या दिव्य प्रोविडेंस के भूमिका पर चिंतन करैत छथि | ओ स्वीकार करै छै कि मनुष्य के अपनऽ परिस्थिति पर सीमित नियंत्रण छै आरू परमेश् वर के रास्ता कॅ पूरा तरह सें नै समझी सकै छै। ओ सलाह दैत छथि जे जे किछु देल गेल अछि ताहि मे आनन्द पाबि सकय, नहि कि लगातार बेसी के लेल प्रयास करय (उपदेशक 6:10-12)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक छठम अध्याय मे गहराई स अछि
मानव अस्तित्व स जुड़ल सीमा आ अनिश्चितता,
बिना सच्चा संतुष्टि के धन के पीछा करय मे भेटय वाला व्यर्थता के उजागर करब.

एहन परिदृश्य प्रस्तुत करब जतय धन, सम्पत्ति के संग संग असंख्य बच्चा के मालिक रहब आनंद लाबय में असफल भ जायत अछि.
एहन व्यक्तिक तुलना मे लाभक अभावक सुझाव देब जे कहियो अस्तित्व मे नहि छल ।
जीवन के साधना के भीतर पाबै वाला निरर्थकता के पहचान करतें हुअय मृत्यु से जुड़लऽ अनिवार्यता पर चिंतन करना ।
संतोष या संतुष्टि के बिना लगातार बेसी के लेल प्रयास करय के मानवीय प्रवृत्ति के पालन करब.
अपन जीवन के आकार देबय में भाग्य या दिव्य प्रोविडेंस के भूमिका के चिंतन करब | परमेश् वर के रास्ता के पूरा तरह स समझै में असमर्थता के साथ-साथ परिस्थिति पर सीमित नियंत्रण के स्वीकार करना।
अतिरिक्त भौतिक लाभ या अपूर्ण इच्छा के निरंतर खोज करय के बजाय प्राप्त आशीर्वाद में आनन्द पाबय पर सलाह देबय के महत्व देल गेल.
मानव अस्तित्व में निहित सीमा के पहचानै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना आरू साथ ही साथ जे कुछ देलऽ गेलऽ छै ओकरा लेली संतोष आरू कृतज्ञता के महत्व पर जोर देना । एकरऽ अतिरिक्त, स्थायी पूर्ति के साधन के रूप म॑ सांसारिक उपलब्धि के अथक खोज स॑ चेतावनी दै के साथ-साथ ईश्वरीय प्रोविडेंस के आसपास के रहस्य क॑ स्वीकार करना ।

उपदेशक 6:1 एकटा एहन दुष्टता अछि जे हम सूर्यक नीचाँ देखलहुँ, आ ई मनुष् य मे आम अछि।

उद्देश्यहीन जीवन पुरुषक बीच एकटा आम समस्या अछि ।

1: भगवान् के सेवा क अपन जीवन के उद्देश्य पूरा करू

2: सार्थक जीवन धनसँ नीक किएक

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2: भजन 90:12 - हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ बुद्धिक हृदय प्राप्त करी।

उपदेशक 6:2 जकरा परमेश् वर धन, धन आ आदर देने छथि, जाहि सँ ओकरा अपन प्राणक लेल जे किछु चाहैत अछि, ताहि मे सँ किछु नहि चाहैत अछि, तइयो परमेश् वर ओकरा ओहि मे सँ भोजन करबाक अधिकार नहि दैत छथि, बल् कि परदेशी ओकरा खा लैत अछि आडंबर, आ ई एकटा दुष्ट रोग अछि।

भगवान् कोनो व्यक्ति के ओ सब भौतिक धन आ सम्मान प्रदान क सकैत छथि जे ओ कहियो चाह सकैत छल, मुदा जँ ओकरा मे ओकर भोग करबाक शक्तिक अभाव हो तऽ ई सब व्यर्थ अछि आ दुखक अतिरिक्त किछु नहि आनैत अछि ।

1. परमेश् वरक वरदान: अपन जीवन मे आशीर्वाद केँ पोसब

2. धनक आडंबर: हमरा सभ लग जे अछि ओकर आनंद लेब

1. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

2. नीतिवचन 30:8 - हमरा सँ आडंबर आ झूठ दूर करू, हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन। हमरा लेल सुविधाजनक भोजन हमरा खुआउ।

उपदेशक 6:3 जँ केओ सौ संतान पैदा क’ क’ बहुत साल जीबैत अछि, जाहि सँ ओकर वर्षक दिन बेसी भ’ जायत, आ ओकर प्राण नीक सँ नहि भरि जायत, आओर ओकरा कोनो दफन नहि भ’ जायत। हम कहैत छी, जे असमय जन्म हुनका सँ नीक होइत छैक ।

ई अंश ई बात के बात करै छै कि बहुत संतान पैदा करै स॑ आरू पूरा जीवन नै होय स॑ अच्छा छै कि एक असमय जन्म होय जाय ।

1. पूर्तिक जीवन: पृथ्वी पर अपन समयक सदुपयोग करब

2. अपूर्ण इच्छाक आशीर्वाद: ई जानि क' आराम भेटब जे हम सभ नियंत्रण मे नहि छी

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. उपदेशक 3:1-8 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक हर वस्तुक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक। रोपबाक समय, आ रोपल गेल चीज केँ तोड़बाक समय; मारबाक समय आ ठीक करबाक समय। तोड़बाक समय आ निर्माण करबाक समय। कानबाक समय आ हँसबाक समय। शोकक समय आ नाचबाक समय। पाथर फेकबाक समय आ पाथर जमा करबाक समय। गले मिलै के समय, आ गले मिलै से परहेज करै के समय; खोजबाक समय आ हारबाक समय। रखबाक समय आ फेकबाक समय।

उपदेशक 6:4 किएक तँ ओ व्यर्थ मे अबैत छथि आ अन्हार मे चलि जाइत छथि, आ हुनकर नाम अन्हार सँ झाँपल जायत।

उपदेशक मे प्रचारक एकटा एहन आदमीक गप्प करैत अछि जे आडंबरक संग संसार मे अबैत अछि आ अन्हार मे चलि जाइत अछि, ओकर नाम बिसरि जाइत अछि।

1. आडंबरक विलुप्त होयब

2. जीवनक अनित्यता

1. भजन 39:4-5 प्रभु, हमरा मोन पाड़ू जे हमर पृथ्वी पर समय कतेक संक्षिप्त होयत। हमरा मोन पाड़ू जे हमर जीवन हवाक साँस जकाँ अछि। मनुक्खक जीवन एकटा छाया जकाँ अछि जे जल्दीए विलुप्त भ' जाइत अछि ।

2. यशायाह 40:6-8 एकटा आवाज कहैत अछि, चिचियाउ! हम पुछलियनि, की चिचियाबी? चिचियाउ जे लोक घास जकाँ अछि। खेत मे फूल जेकाँ जल्दी फीका पड़ि जाइत छैक हिनका लोकनिक सौन्दर्य। घास सुखि जाइत अछि आ फूल खसि पड़ैत अछि, जखन प्रभुक साँस ओकरा सभ पर उड़ैत अछि । लोकक जिनगी घास जकाँ होइत छैक। खेत मे फूल जकाँ पनपैत अछि। मुदा जखन हवा ओकरा सभ पर सँ गुजरैत अछि तऽ ओ सभ एना चलि जाइत अछि जेना कहियो अस्तित्व मे नहि छल ।

उपदेशक 6:5 ओ सूर्य केँ नहि देखने छथि आ ने किछु जनैत छथि।

एहि श्लोक मे ककरो स्वर्गवासी के ज्ञान आ जागरूकता के कमी के बात कयल गेल अछि, आ ई सुझाव देल गेल अछि जे ओहि व्यक्ति के विश्राम ओहि व्यक्ति स बेसी अछि जे जीबैत अछि |

1. मृत्युक आराम - मृत्यु मे भेटयवला परम विश्राम केँ बुझब आ आत्मसात करब।

2. प्रभुक बुद्धि - हमरा सभक लेल परमेश्वरक योजनाक सराहना करब जेना उपदेशक 6:5 मे प्रकट कयल गेल अछि।

1. भजन 116:15 - प्रभुक दृष्टि मे हुनकर संत लोकनिक मृत्यु अनमोल अछि।

2. यशायाह 57:1-2 - धर्मी नष्ट भ’ जाइत छथि, आ कियो एकरा हृदय मे नहि लैत अछि; भक्त सभ केँ छीन लेल जाइत अछि, आ कियो ई नहि बुझैत अछि जे धर्मी लोकनि केँ बुराई सँ बँचबाक लेल लऽ जाइत अछि।

उपदेशक 6:6 हँ, भले ओ दू बेर कहल गेल अछि जे हजार वर्ष धरि जीबैत छथि, मुदा की ओ कोनो नीक नहि देखलहुँ, की सभ एक ठाम नहि जाइत छथि?

लोक जीवन मे कोनो स्थायी आनन्द वा संतुष्टि के अनुभव नहि क सकैत अछि, चाहे ओ कतबो दिन जीबैत हो।

1. जीवन क्षणिक आ अनिश्चित होइत अछि - एकर अधिकतम लाभ उठाउ।

2. सच्चा आनन्द आ संतुष्टि प्राप्त करबाक लेल लौकिक सँ परे देखू।

1. रोमियो 8:18-25 अनन्त महिमा के आशा।

2. फिलिप्पियों 4:4-13 कोनो परिस्थिति मे संतोष।

उपदेशक 6:7 मनुष्यक सभ मेहनत ओकर मुँहक लेल होइत छैक, मुदा तइयो भूख नहि भरल छैक।

मनुष्यक श्रमक उद्देश्य रोजी-रोटीक व्यवस्था होइत छैक, तइयो भूख कहियो पूर्ण रूपेण तृप्त नहि होइत छैक ।

1. अतृप्त भूख: इच्छाक बीच संतोष सीखब

2. भगवान् के माध्यम से संतुष्टि: पूर्णता के लिये प्रभु पर भरोसा करना सीखना

1. फिलिप्पियों 4:11-13 "ई नहि जे हम जरूरतमंद होयबाक बात क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो आ।" हर परिस्थिति में, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ जरूरत के सामना करय के रहस्य सीख गेल छी."

2. मत्ती 6:33-34 "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ बात अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत। तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, किएक तँ काल्हि अपना लेल चिंतित होयत। दिनक लेल पर्याप्त।" अपन परेशानी अछि।"

उपदेशक 6:8 किएक तँ मूर्खसँ बेसी बुद्धिमानक की अछि? गरीबक की अछि जे जीवित लोकक आगू चलब जनैत अछि?

ज्ञानी आ गरीब दुनूक अंतिम परिणाम एके रंग होइत छैक, तेँ जीवन निरर्थक अछि ।

1: हमरा सबहक अंतिम परिणाम एके होइत अछि, चाहे हम सब कतबो बुद्धिमान आ सफल होइ, तेँ वर्तमान पर ध्यान देबाक चाही आ जा धरि संभव हो जीवनक आनंद लेबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन बुद्धि आ उपलब्धि पर बेसी गर्व नहि करबाक चाही, कारण अंततः एकर परिणाम ओहिना होइत छैक जेना कम सफल लोकक।

1: याकूब 4:13-14 अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ एहन शहर मे जाउ, आ ओतय एक साल रहब आ कीनब-बेचब आ लाभ पाबब काल्हि होएत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

2: फिलिप्पियों 4:6-7 कोनो बातक लेल सावधान नहि रहू। मुदा सभ बात मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वरक समक्ष अहाँ सभक निहोराक जानकारी देल जाय। 7 परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मन केँ सुरक्षित राखत।

उपदेशक 6:9 इच्छाक भटकब सँ आँखिक दृष्टि नीक अछि, ई व्यर्थता आ आत् माक परेशानी सेहो अछि।

एहि श्लोक मे जीवनक व्यर्थताक बात कयल गेल अछि जखन संतोष सँ पहिने इच्छा केँ राखल जाइत छैक |

1: संतोष सुखक कुंजी अछि

2: वर्तमान क्षण मे आनन्द पाओ

1: फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो मे।" आ हर परिस्थिति मे, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।"

2: भजन 37:4 - "प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन।"

उपदेशक 6:10 जे किछु अछि, ओकर नाम पहिने सँ राखल गेल अछि, आ ई जानि गेल अछि जे ओ मनुष् य अछि।

मनुष्य केरऽ एकरा स॑ भी पराक्रमी शक्ति के साथ बहस करै के प्रयास के व्यर्थता पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

1. हम सब हमरा सब स पैघ ताकत स लड़ि नहि सकैत छी।

2. भगवान् केर महानताक बोध करब आ हुनका पर भरोसा करब।

1. यशायाह 40:15-17 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

उपदेशक 6:11 ई देखि जे बहुत रास बात अछि जे आडंबर केँ बढ़ाबैत अछि, त’ मनुष्य एहि सँ नीक की अछि?

उपदेशक 6:11 केरऽ श्लोक बहुत सारा सम्पत्ति केरऽ फायदा पर सवाल उठाबै छै, कैन्हेंकि वू आडंबर के तरफ ले जाय सकै छै।

1. "संतोषक मूल्य"।

2. "सार्थक साधना मे संतुष्टि ताकब"।

1. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ कतय।" चोर घुसि क' चोरी नहि करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।"

2. फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम जरूरतमंद होयबाक बात क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो मे।" आ हर परिस्थिति मे, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी। हम ओहि माध्यमे सब काज क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

उपदेशक 6:12 किएक तँ के जनैत अछि जे एहि जीवन मे मनुष्यक लेल की नीक अछि, अपन व्यर्थ जीवनक सभ दिन जे ओ छाया जकाँ बिताबैत अछि? किएक तँ सूर्यक नीचाँ ओकर बाद की होयत से के कहि सकैत अछि?

जीवन केरऽ आडंबर आरू भविष्य प॑ ओकरऽ नियंत्रण के कमी क॑ उपदेशक ६:१२ म॑ उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

1. जीवनक आडंबर केँ बुझब

2. अनजान के सामने जीवन के अधिकतम उपयोग करब

1. याकूब 4:13-17 - बुद्धि आ विनम्रताक संग रहब

2. रोमियो 8:18-25 - परमेश् वरक सार्वभौमिकता पर भरोसा करब

उपदेशक अध्याय 7 में बुद्धि, प्रतिकूलता के मूल्य, विनम्रता के महत्व, आरू मानवीय समझ के सीमा सहित विभिन्न विषयऽ के खोज करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मूर्खता पर बुद्धि के मूल्य पर प्रकाश डाल क कयल गेल अछि | प्रचारक के सुझाव छै कि क्षणभंगुर सुख आरू मूर्खता के बजाय अच्छा प्रतिष्ठा आरू बुद्धि बेहतर छै । ओ मृत्युक दुखद स्वभाव पर सेहो चिंतन करैत छथि आ कोना ई आत्मनिरीक्षण दिस ल’ सकैत अछि (उपदेशक 7:1-4)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक प्रतिकूलता के फायदा के बारे में चिंतन करै छै आरू ई कोना व्यक्तिगत विकास के तरफ ले जाय सकै छै। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे चुनौती के सामना करब अपन चरित्र के परिष्कृत क सकैत अछि आ जीवन के बारे में महत्वपूर्ण सबक सिखा सकैत अछि (उपदेशक 7:5-14)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रचारक विनम्रता के महत्व के चर्चा करै छै, अत्यधिक आत्मधर्म या अहंकार के खिलाफ चेतावनी दै छै। ओ सब बात मे संयम के सलाह दैत छथि आ मानवीय गलती के स्वीकार करैत बुद्धि के खोज करय लेल प्रोत्साहित करैत छथि (उपदेशक 7:15-22)।

4 म पैराग्राफ: प्रचारक मानवीय समझ के गूढ़ प्रकृति पर चिंतन करैत छथि | ओ स्वीकार करैत छथि जे ज्ञानक खोजक बादो ओ सभ उत्तरक खोज नहि केने छथि आ ने परमेश् वरक बाट केँ पूरा तरहेँ नहि बुझने छथि (उपदेशक 7:23-29)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक सातवाँ अध्याय में गहराई से
बुद्धि जैसे विषय, २.
प्रतिकूलता मे भेटयवला मूल्य, विनम्रता पर महत्व देल गेल,

आ मानवीय समझ स जुड़ल सीमा।

क्षणभंगुर सुख या मूर्खता पर बुद्धि के देल गेल प्राथमिकता के उजागर करब।
आत्मनिरीक्षण के प्रेरणा दैत मृत्यु स जुड़ल दुखी स्वभाव पर चिंतन करब।
प्रतिकूलता कें सामना करय सं प्राप्त लाभक कें चिंतन करनाय जे व्यक्तिगत विकास कें साथ-साथ सीखल गेल मूल्यवान जीवन सबक.
आत्मधर्म या अहंकार के प्रति चेतावनी दैत विनम्रता द्वारा धारण कयल गेल महत्व पर चर्चा करब |
मानवीय त्रुटि के पहचान के साथ-साथ बुद्धि के खोज के साथ सब बात में संयम के सलाह देना | मानवीय समझ के घेरने रहस्यमय प्रकृति पर चिंतन।
ज्ञान के लेलऽ अपनऽ खोज के भीतर मिलै वाला सीमा के स्वीकार करना के साथ-साथ भगवान के रास्ता क॑ पूरा तरह स॑ समझै म॑ असमर्थता ।
अस्थायी भोग-विलास पर बुद्धि पर राखल गेल मूल्य कें पहचान करय कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय जखन कि चुनौतियक कें सामना करय सं प्राप्त व्यक्तिगत विकास पर जोर देनाय. एकरऽ अतिरिक्त, ईश्वरीय ज्ञान के तुलना म॑ मानवीय समझ के भीतर निहित सीमा क॑ स्वीकार करतें हुअ॑ अपनऽ कर्म म॑ विनम्रता आरू संयम प॑ देलऽ गेलऽ महत्व प॑ जोर देना ।

उपदेशक 7:1 अनमोल मरहम सँ नीक नाम नीक होइत छैक। आ जन्मक दिनसँ बेसी मृत्युक दिन।

सांसारिक सफलता सँ नीक नाम बेसी मूल्यवान होइत छैक, आ जन्मक दिन सँ मृत्युक दिन बेसी महत्वपूर्ण होइत छैक |

1. उद्देश्यक संग रहब: नीक नाम कोना अनमोल होइत छैक

2. मृत्युक दिन: एकर महत्व बुझब

1. नीतिवचन 22:1 - पैघ धन सँ नीक नाम चुनबाक चाही, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।

2. यशायाह 57:1-2 - धर्मी नष्ट भ’ जाइत छथि, आ कियो ओकरा हृदय मे नहि राखैत अछि; भक्त पुरुष छीन लेल जाइत अछि, जखन कि कियो नहि बुझैत अछि। कारण, धर्मी लोक विपत्ति सँ दूर भ’ जाइत छथि। ओ सभ शान्ति मे प्रवेश करैत छथि। अपन पलंग पर आराम करैत छथि जे अपन सोझ मे चलैत छथि |

उपदेशक 7:2 भोज-भोजक घर मे जेबा सँ नीक शोक घर जायब, किएक तँ सभ मनुष्यक अंत एतबे अछि। आ जीवित लोक ओकरा मोन मे राखि देत।

उत्सव मनाबय सं नीक शोक करब, कारण समस्त मानवताक लेल मृत्यु अंतिम अंत थिक।

1. सबहक अंत: अपन नश्वरता के आलोक में जीबय के सीखब

2. विनम्रता मे चलब: जीवनक उत्सव मनाबय, मृत्युक शोक करब

२ जतय व्यवस्था नहि अछि ओतय पापक गिनती नहि होइत अछि। तइयो आदम सँ मूसा धरि मृत्युक राज छल, ओहो ओहि लोक पर जिनकर पाप आदमक अपराध जकाँ नहि छल, जे आबय बला व्यक्तिक एकटा प्रतिरूप छल।

2. 1 कोरिन्थी 15:21 22 - जेना मनुष्यक द्वारा मृत्यु भेल अछि, तहिना मनुष्यक द्वारा मृतकक पुनरुत्थान सेहो भेल अछि। कारण, जहिना आदम मे सभ मरि जाइत अछि, तहिना मसीह मे सभ सभ जीवित होयत।

उपदेशक 7:3 हँसी सँ दुख नीक होइत छैक, कारण मुँहक उदासी सँ हृदय नीक भ’ जाइत छैक।

दुखक कारण नीक हृदय भ' सकैत अछि।

1: दुख के आध्यात्मिक विकास के तरफ ले जायब।

2: बुद्धि प्राप्त करबाक लेल उदासी के सामना करब।

1: याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

2: यशायाह 55:12 - किएक तँ अहाँ सभ खुशी-खुशी बाहर निकलब आ शान्तिपूर्वक आगू बढ़ब। अहाँक आगूक पहाड़ आ पहाड़ी सभ गान मे फूटि जायत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।

उपदेशक 7:4 ज्ञानी सभक हृदय शोकक घर मे रहैत अछि। मुदा मूर्खक हृदय आनन्दक घर मे होइत छैक।

ज्ञानी लोकनि शोकक महत्व बुझैत छथि, जखन कि मूर्ख लोकनि मस्ती मे आकर्षित होइत छथि ।

1. शोक आ शोकक बुद्धि

2. मूर्खता आ मस्तीक खतरा

1. रोमियो 12:15 - "आनन्दित रहनिहार सभक संग आनन्दित रहू, आ काननिहार सभक संग कानू।"

2. याकूब 4:13-14 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि? किएक त' अहाँ एकटा एहन धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि."

उपदेशक 7:5 मूर्ख सभक गीत सुनबा सँ नीक जे बुद्धिमान सभक डाँट सुनब।

मूर्खतापूर्ण प्रशंसा सँ नीक बुद्धिमान सलाह लेब।

1. बुद्धिमान सलाहक मूल्य

2. सकारात्मक सुधारक शक्ति

1. नीतिवचन 15:31-32 - "जे कान जीवनदायी डाँट सुनैत अछि, ओ ज्ञानी सभक बीच रहत। जे शिक्षा केँ अनसुना करैत अछि, ओ अपना केँ तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे डाँट सुनैत अछि, ओकरा बुद्धि भेटैत अछि।"

2. नीतिवचन 11:14 - "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

उपदेशक 7:6 जेना बर्तनक नीचाँ काँटक चकनाचूर होइत अछि, तेना मूर्खक हँसी होइत छैक।

आडंबर निरर्थक आ मूर्खतापूर्ण होइत छैक आ मूर्खक हँसी घैल तर काँटक खरखर जकाँ होइत छैक ।

1. जीवनक आडंबर: मूर्खतापूर्ण साधना मे अर्थक खोज

2. हँसीक मूर्खता: बुद्धिक माध्यमे निरर्थकता सँ बचब

1. नीतिवचन 14:13 - हँसी मे सेहो हृदय दर्द भ' सकैत अछि, आ आनन्दक अंत शोक मे भ' सकैत अछि।

2. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

उपदेशक 7:7 निश्चित रूप सँ अत्याचार बुद्धिमान केँ बताह बना दैत अछि। आ वरदान हृदय केँ नष्ट कऽ दैत अछि।

ई अंश ई दर्शाबै छै कि कोनो भी चीज केरऽ अधिक मात्रा, चाहे कुछ भी सकारात्मक भी होय, नुकसान पहुँचा सकै छै ।

1: हमरा सब के ई ध्यान राखय पड़त जे हम सब अपन जीवन के सब पहलू में कतेक संयम के अपनाबैत छी आ ओकर अभ्यास करैत छी।

2: जे किछु अछि ओकर आभारी रहबाक चाही, मुदा ई ध्यान राखब जे कोनो चीजक बेसी मात्रा नुकसान पहुँचा सकैत अछि।

1: नीतिवचन 30:7-9 हम अहाँ सँ दू टा बात माँगैत छी, हमरा मरबा सँ पहिने ओकरा सभ सँ इनकार नहि करू: हमरा सँ झूठ आ झूठ बाजब दूर करू। हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन। हमरा लेल जे भोजन चाही से खुआउ, जाहि सँ हम पेट भरि कऽ अहाँ केँ अस्वीकार कऽ कऽ कहब जे प्रभु के छथि? कहीं हम गरीब नहि भ' क' अपन परमेश् वरक नाम चोरा कऽ अपवित्र नहि क' देब।

2: उपदेशक 5:10-12 जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, से पाइ सँ तृप्त नहि होयत, आ ने जे धन सँ अपन आमदनी सँ प्रेम करैत अछि। ईहो आडंबर अछि। माल बढ़ला पर बढ़ैत अछि जे के खाइत अछि, आ ओकर मालिक के आँखि सँ देखबाक अतिरिक्त कोन फायदा? मजूरक नींद मीठ होइत छैक, चाहे ओ कम खाइत हो वा बेसी, मुदा धनिकक भरल पेट ओकरा सुतय नहि देतैक।

उपदेशक 7:8 कोनो बातक आरंभ सँ ओकर अंत नीक होइत छैक, आ आत्मा मे धैर्यवान आतमा मे घमंडी सँ नीक होइत छैक।

कोनो चीज के अंत शुरू स नीक आ धैर्य राखब गर्व स नीक।

1. "अंत आरंभ सँ नीक"।

2. "धैर्यक मूल्य"।

1. फिलिप्पियों 4:5-6 - "अहाँ सभक कोमलता सभ केँ स्पष्ट रहय। प्रभु लग मे छथि। कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा सँ, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष राखू।"

2. याकूब 1:19-20 - "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।"

उपदेशक 7:9 अपन आत् मा मे जल्दबाजी मे क्रोध नहि करू, किएक तँ क्रोध मूर्ख सभक कोरा मे रहैत अछि।

हमरा सभकेँ जल्दी क्रोधित नहि करबाक चाही, कारण ई मूर्खताक निशानी अछि।

1. बुद्धिमान शब्द: क्रोध पर प्रतिक्रिया देबय लेल धीमा करब

2. धैर्यक संग जीवनक नेविगेट करब: क्रोधक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।

उपदेशक 7:10 अहाँ ई नहि कहब जे पहिने के समय एहि सँ नीक छल? कारण, अहाँ एहि विषय मे बुद्धिमानी सँ पूछताछ नहि करैत छी।

पहिने के दिन वर्तमान समय स नीक छल से जरूरी नै, आ कियैक पूछब सेहो बुद्धिमानी के बात नै।

1. वर्तमान केँ आत्मसात करब: हर क्षण मे पूर्ति भेटब

2. आगू बढ़ब: अतीत केँ छोड़ि भविष्य केँ आत्मसात करब

1. फिलिप्पियों 3:13-14 - भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि बुझैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी जे पाछूक बात केँ बिसरि क’ आगूक बात धरि पहुँचि जाइत छी।

2. यशायाह 43:18-19 - अहाँ सभ पूर्वक बात केँ नहि मोन पाड़ू आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

उपदेशक 7:11 बुद्धि उत्तराधिकारक संग नीक होइत छैक, आ सूर्य देखनिहार केँ ओकर लाभ भेटैत छैक।

बुद्धि एकटा बहुमूल्य संपत्ति होइत छैक, खास क' जखन उत्तराधिकारक संग मिलैत छैक ।

1: नीतिवचन 3:13-18 - बुद्धि सच्चा सफलता के आधार छै।

2: नीतिवचन 8:11-14 - धन सँ बेसी बुद्धिक मोल होइत छैक।

1: फिलिप्पियों 4:8-9 - अपन मोन केँ बुद्धि आ सत्य सँ भरू।

2: कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय।

उपदेशक 7:12 किएक तँ बुद्धि एकटा रक्षा अछि, आ पाइ एकटा रक्षा अछि, मुदा ज्ञानक श्रेष्ठता ई अछि जे बुद्धि ओकरा सभ केँ जीवन दैत छैक।

ई श्लोक हमरा सभकेँ बुद्धिक खोज आ विकास करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण एहिसँ हमरा सभकेँ जीवन भेटत।

1. बुद्धि के मूल्य: बुद्धि के विकास स जीवन कोना अबैत अछि

2. पैसा आ बुद्धि: ज्ञानक महामहिम बेसी कीमती किएक अछि

1. नीतिवचन 3:13-14 - "धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त' ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।"

2. कुलुस्सी 3:16 - "मसीहक वचन अहाँ सभ मे भरपूर रहय, एक-दोसर केँ सभ बुद्धि सँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत गबैत छी, आ अहाँ सभक हृदय मे परमेश् वरक प्रति धन्यवादक संग।"

उपदेशक 7:13 परमेश् वरक काज पर विचार करू।

सुलेमान एहि बात पर जोर दैत छथि जे परमेश् वर जे टेढ़ बना देने छथि तकरा कियो सोझ नहि क' सकैत अछि।

1. परमेश् वरक इच्छा केँ स्वीकार करब: हुनकर योजना पर भरोसा करब सीखब

2. धैर्यक मूल्य: उपदेशक 7:13 सँ हम की सीख सकैत छी

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

उपदेशक 7:14 समृद्धिक दिन मे आनन्दित रहू, मुदा विपत्तिक दिन मे विचार करू, परमेश् वर सेहो एक केँ दोसरक विरुद्ध ठाढ़ कयलनि जाहि सँ मनुष्य केँ ओकर बाद किछु नहि भेटय।

ई अंश लोगऽ क॑ अच्छा समय म॑ आनन्दित होय लेली आरू खराब समय म॑ अपनऽ स्थिति प॑ विचार करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि परमेश् वर लोगऽ क॑ परखै लेली आरू ओकरा ओकरऽ असली उद्देश्य खोजै म॑ मदद करै लेली दोनों समय तय करी देल॑ छै ।

1. जीवनक दू पक्ष: प्रतिकूलता मे आनन्द आ ताकत भेटब

2. भगवानक प्रावधान: जीवनक उतार-चढ़ाव मे आनन्द आ आरामक अनुभव करब

1. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। दृढ़ता अपन काज समाप्त करू जाहि सँ अहाँ परिपक्व आ पूर्ण भ' सकब, कोनो चीजक कमी नहि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

उपदेशक 7:15 हम अपन व्यर्थताक दिन मे सभ किछु देखलहुँ, एकटा धार्मिक आदमी अछि जे अपन धार्मिकता मे नाश भ’ जाइत अछि, आ एकटा दुष्ट आदमी अछि जे अपन दुष्टता मे अपन जीवन लम्बा करैत अछि।

ई अंश हमरा सिनी क॑ सिखाबै छै कि न्यायी आरू दुष्ट दोनों लोगऽ क॑ अपनऽ-अपनऽ भाग्य के सामना करना पड़तै ।

1. धर्मक मार्ग: अंत धरि टिकब

2. दुष्टताक परिणाम: जे बोबैत छी से काटि लेब

1. मत्ती 24:13 - मुदा जे अन्त धरि सहन करत, से उद्धार पाओत।

2. नीतिवचन 11:19 - जेना धर्म जीवन दिस बढ़ैत अछि, तहिना जे अधलाहक पाछाँ चलैत अछि, ओकर पाछाँ अपन मृत्यु धरि चलैत अछि।

उपदेशक 7:16 बहुत किछु पर धर्मी नहि बनू। आ ने अपना केँ बेसी बुद्धिमान बनाउ, अहाँ अपना केँ किएक नष्ट करब?

बेसी धर्मी वा बुद्धिमान नहि हेबाक चाही, कारण एहि सँ विनाश भ' सकैत अछि।

1. अपन भलाई के लेल बेसी बुद्धिमान नहि बनू - उपदेशक 7:16

2. बेसी धर्मी बनबा स सावधान रहू - उपदेशक 7:16

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

उपदेशक 7:17 बेसी दुष्ट नहि बनू आ ने मूर्ख बनू, अहाँ अपन समय सँ पहिने किएक मरब?

ई अंश लोगऽ क॑ दुष्टता या मूर्खता के जीवन नै जीबै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ऐसनऽ करला स॑ ओकरा अपनऽ समय स॑ पहल॑ ही मौत होय जैतै ।

1. ईश्वरीय जीवन जीब दीर्घ जीवन सुनिश्चित करबाक सबसँ नीक तरीका अछि।

2. मूर्खतापूर्ण आ दुष्ट व्यवहार सँ बचू, कारण एहि सँ समय सँ पहिने मृत्यु भ' जाइत अछि।

342

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

2. मत्ती 7:13-14 - संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण, फाटक चौड़ा आ बाट सहज अछि जे विनाश दिस जाइत अछि, आ ओहि मे प्रवेश करय बला सभ बहुत अछि। कारण जे फाटक संकीर्ण आ बाट कठिन अछि जे जीवन दिस जाइत अछि, आ जे पाओत से कम अछि।

उपदेशक 7:18 ई नीक अछि जे अहाँ एहि बात केँ पकड़ि ली। हँ, एहि सँ सेहो अपन हाथ नहि हटि जाउ, किएक तँ जे परमेश् वर सँ डरैत अछि से सभ मे सँ निकलत।”

ई अंश पाठक क॑ अपनऽ विश्वास म॑ अडिग रहै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि भगवान स॑ डरै वाला ही अंत म॑ सफल होतै ।

1. विश्वास मे दृढ़ रहू: धर्मी लोकनिक यात्रा

2. एकटा अडिग विश्वास: भगवान् सँ डरबाक फल

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 112:7 - ओकरा अधलाह खबरि सँ कोनो डर नहि रहत; ओकर हृदय अडिग अछि, प्रभु पर भरोसा करैत अछि।

उपदेशक 7:19 बुद्धि नगर मे रहनिहार दस पराक्रमी सँ बेसी बुद्धिमान केँ मजबूत करैत अछि।

बल स बेसी बुद्धि शक्तिशाली होइत अछि।

1: आउ, हम सब प्रभु सँ बुद्धि ताकू, कारण ई पृथ्वी पर जे कोनो शक्ति भेटत ताहि सँ बेसी शक्तिशाली अछि।

2: हम कतबो मजबूत रही, जा धरि प्रभुक बुद्धि नहि भेटत ता धरि हमरा सभ लग कहियो सच्चा शक्ति नहि रहत।

1: नीतिवचन 3:13 - "धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे बुद्धि पाबैत अछि।"

2: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

उपदेशक 7:20 किएक तँ पृथ् वी पर एहन कोनो धर्मी आदमी नहि अछि जे नीक काज करैत अछि आ पाप नहि करैत अछि।

पृथ्वी पर कियो पूर्णतः धर्मी आ पाप रहित नहि अछि।

1. विनम्रताक शक्ति: उपदेशक 7:20 के आलोक मे हमर मानवता के बुझब

2. एकदम अपूर्ण: उपदेशक 7:20 के आलोक मे अपन पाप के संग कोना जीबी

1. भजन 14:1-3 - "मूर्ख अपन मोन मे कहैत अछि जे, "परमेश् वर नहि छथि। ओ सभ भ्रष्ट छथि, घृणित काज करैत छथि, नीक काज करयवला केओ नहि अछि।"

२ मिल क' बेकार भ' जाउ, नीक काज करयवला केओ नहि, एको नहि।"

उपदेशक 7:21 संगहि सभ बात पर ध्यान नहि दियौक। कहीं अहाँ अपन सेवक केँ अहाँ केँ गारि पढ़ैत नहि सुनब।

ई अंश सिखाबै छै कि जे भी शब्द बोललऽ जाय छै, ओकरा पर ध्यान नै देलऽ जाय, भले ही वू नोकर होय जे अपनऽ मालिक के गारी दै छै ।

1. अहाँ जे किछु सुनैत छी से सभटा सत्य नहि अछि

2. शब्दक शक्ति

1. नीतिवचन 18:21 - "मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि।"

2. याकूब 3:1-12 - "हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे शिक्षा दैत छी, हमरा सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत।"

उपदेशक 7:22 कारण, अहाँक हृदय सेहो बहुत बेर जनैत अछि जे अहाँ सेहो दोसरो केँ गारि देने छी।

उपदेशक केरऽ ई श्लोक ई बात के बात करै छै कि हम्में अक्सर अपनऽ बात स॑ दोसरऽ क॑ आहत करै छियै ।

1: शब्दक शक्ति - हमर सभक वाणी कोना जीवन वा विनाश आनि सकैत अछि

2: टूटल संबंध के पुनर्स्थापित करब - अपन बात के जिम्मेदारी लेब

1: याकूब 3:9-10 - एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आओर एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ श्राप दैत छी जे परमेश् वरक रूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।

2: नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

उपदेशक 7:23 हम एहि सभ बात केँ बुद्धि सँ परखलहुँ: हम कहलियनि जे, हम बुद्धिमान रहब। मुदा हमरासँ दूर छल।

ई श्लोक हमरा सब के सिखाबै छै कि बुद्धि के खोज करलऽ जाब॑ सकै छै, लेकिन अंततः ई ऐन्हऽ चीज नै छै जेकरा हमरऽ अपनऽ ताकत या समझ स॑ प्राप्त करलऽ जाब॑ सकै छै ।

1. बुद्धिक खोज: उपदेशक 7:23 हमरा सभ केँ की सिखाबैत अछि

2. भगवान् पर भरोसा करब सीखब: विश्वासक माध्यमे बुद्धि भेटब

1. नीतिवचन 3:5-7 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:5-8 - जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत। मुदा जखन पूछब तँ विश्वास अवश्य करू आ संदेह नहि करू, कारण जे संदेह करैत अछि ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि, हवाक उड़ाओल आ उछालल।

उपदेशक 7:24 जे दूर आ गहींर अछि, से के पता लगा सकैत अछि?

प्रचारक सोचै छै कि की दूर-दूर आरू गहरा छै, एकरऽ रहस्य के खोज कोय भी करी सकै छै ।

1. जीवनक गहराई: अपन यात्राक अज्ञातक अन्वेषण

2. रहस्य स्वीकार करबाक बुद्धि: ई जानब जे जखन हम सब नहि जानि सकैत छी

1. नीतिवचन 25:2, "कोनो बात केँ नुकाबय मे परमेश् वरक महिमा होइत छैक, मुदा राजा सभक आदर होइत छैक जे कोनो बातक खोज करब।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

उपदेशक 7:25 हम अपन मोन केँ जानबाक लेल, खोजबाक लेल, आ बुद्धि आ बातक कारण तकबाक लेल, आ मूर्खता आ पागलपनक दुष्टता केँ जानबाक लेल लगा देलहुँ।

लेखक बुद्धि प्राप्त करै लेली, चीजऽ क॑ समझै लेली, आरू दुष्टता आरू मूर्खता क॑ पहचानै लेली अपनऽ दिल के प्रयोग करै छै ।

1. बुद्धिक खोज: जीवन मे संतुलन ताकब

2. दुष्टता आ मूर्खता केँ बुझबाक महत्व

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. नीतिवचन 2:1-5 - हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करब आ हमर आज्ञा केँ अपना संग नुका देब। एहि तरहेँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाउ आ अपन मोन केँ बुझबाक लेल लगाउ। हँ, जँ अहाँ ज्ञानक पाछाँ चिचियाइत छी आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी। जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकैत छी आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ तकैत छी। तखन अहाँ प्रभुक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।

उपदेशक 7:26 हमरा ओ स् त्री केँ मृत्यु सँ बेसी कटु लगैत अछि, जकर हृदय जाल आ जाल अछि आ ओकर हाथ पट्टी जकाँ अछि। मुदा पापी ओकरा पकड़ि लेत।”

बुद्धि सिखाबै छै कि जे स्त्री भगवान् के खुश नै करै छै, वू पापी के लेलऽ जाल बनी सकै छै, जबकि जे भगवान के प्रसन्न करै छै, वू ओकरा सें बची सकै छै।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. भगवान् के आज्ञापालन के लाभ

1. नीतिवचन 6:24-26 अहाँ केँ दुष्ट स्त्री सँ, परदेशी महिलाक जीहक चापलूसी सँ बचाबय लेल। अपन हृदय मे ओकर सौन्दर्यक लालसा नहि करू। आ ने तोरा पलकसँ लऽ जाउ। वेश्या स्त्रीक द्वारा पुरुष केँ रोटीक टुकड़ी मे आनल जाइत छैक, आ व्यभिचारी अनमोल प्राणक शिकार करत।

2. नीतिवचन 5:1-5 हमर बेटा, हमर बुद्धि पर ध्यान राखू आ हमर समझ पर कान झुकाउ, जाहि सँ अहाँ विवेक केँ ध्यान राखब आ अहाँक ठोर ज्ञान राखय। किएक तँ अनजान स्त्रीक ठोर मधुक छत्ता जकाँ खसि पड़ैत छैक आ ओकर मुँह तेलसँ बेसी चिकना होइत छैक, मुदा ओकर छोर कृमि जकाँ तीत, दुधारी तलवार जकाँ तेज। ओकर पएर नीचाँ मरि जाइत छैक; ओकर डेग नरक पर पकड़ि लैत छैक।

उपदेशक 7:27 देखू, हम ई पाबि गेलहुँ, प्रचारक एक-एक कए गणना करैत कहैत छथि।

ई अंश निर्णय लैत काल गहन आ सावधानीपूर्वक रहबाक महत्व पर जोर दैत अछि |

1. निर्णय लेबय मे लगनशील रहबाक महत्व

2. बुद्धिमानी स निर्णय कोना ली

1. नीतिवचन 15:22 - बिना सलाह के योजना असफल भ जाइत अछि, मुदा बहुत रास सलाहकार के संग ओ सफल भ जाइत अछि।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

उपदेशक 7:28 हमर प्राण एखनो तकैत अछि, मुदा हमरा नहि भेटैत अछि। मुदा ओहि सभ मे एकटा स् त्री हमरा नहि भेटल अछि।

एहि श्लोक मे पुरुषक तुलना स्त्री सँ कयल गेल अछि, जाहि सँ ई बुझना जाइत अछि जे हजार मे सँ पुरुष भेटबाक संभावना स्त्री सँ बेसी होइत छैक |

1. विभाजन रेखा: लैंगिक प्रभाव हमर जीवन पर कोना पड़ैत अछि

2. मूल्य मे बराबर, डिजाइन मे भिन्न: पुरुष आ पुरुषक बाइबिल भूमिका केँ बुझब

1. गलाती 3:28- ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, कोनो स्त्री-पुरुष अछि, किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।

2. 1 पत्रुस 3:7- तहिना, पति सभ, अपन पत्नी सभक संग समझदार तरीका सँ रहू, स् त्री केँ कमजोर बर्तन जकाँ आदर करू, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभक संग जीवनक अनुग्रहक उत्तराधिकारी छथि, जाहि सँ अहाँ सभक प्रार्थना नहि हो बाधित।

उपदेशक 7:29 देखू, हम एतबे पाबि गेलहुँ जे परमेश् वर मनुष् य केँ सोझ बना देलनि। मुदा ओ सभ कतेको आविष्कार तकने छथि।

भगवान् मनुष्य केँ सोझ बनौलनि, मुदा मनुक्ख बहुत रास आविष्कारक खोज केलक अछि।

1: "धर्म के महत्व"।

२: "आविष्कार के खतरे"।

1: नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2: 2 तीमुथियुस 3:7 - "सदिखन सीखैत अछि आ सत्यक ज्ञान मे कहियो नहि पहुँचि सकैत अछि।"

उपदेशक अध्याय 8 में अधिकार, न्याय, आरू जीवन के परिणाम के गूढ़ प्रकृति के विषय के खोज करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत राजा केरऽ अधिकार आरू शासकऽ के आज्ञा मानला के महत्व क॑ स्वीकार करी क॑ करलऽ जाय छै । प्रचारक सत्ताधारी के आदर करै के सलाह दै छै लेकिन स्वीकार करै छै कि वू भी परमेश्वर के न्याय के अधीन छै (उपदेशक 8:1-5)।

दोसर पैराग्राफ: प्रचारक दुनिया मे जे प्रतीत होइत अन्याय देखैत छथि ताहि पर चिंतन करैत छथि | ओ नोट करैत छथि जे कखनो काल दुष्ट लोक समृद्ध होइत छथि जखन कि धर्मी लोकनि कष्ट भोगैत छथि, मुदा अंततः, परमेश् वर सभक कर्मक अनुसार न्याय करताह (उपदेशक 8:6-9)।

तेसर पैराग्राफ: प्रचारक जीवनक परिणामक आसपासक अप्रत्याशितता आ रहस्य पर चिंतन करैत छथि | ओ देखै छै कि मनुष्य अपनऽ परिस्थिति क॑ पूरा तरह स॑ नै समझी सकै छै या ओकरा नियंत्रित नै करी सकै छै आरू अनुत्तरित सवालऽ प॑ जुनूनी होय के बजाय साधारण सुख म॑ आनन्द पाबै के सलाह दै छै (उपदेशक ८:१०-१५)।

4 म पैराग्राफ: प्रचारक स्वीकार करैत छथि जे बुद्धिक फायदा होइत छैक, मुदा सफलता वा प्रतिकूलता सँ सुरक्षाक गारंटी नहि दैत छैक | ओ ई बूझैत छथि जे बुद्धिमान आ मूर्ख दुनू केँ जीवन मे समान अनिश्चितताक सामना करय पड़ैत छैक (उपदेशक 8:16-17)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय आठ मे गहराई स अछि
अधिकार, 1999 आदि विषय।
न्याय, जीवन के परिणाम के भीतर पाबै वाला गूढ़ प्रकृति के साथ-साथ |

शासक के आज्ञा मानला पर देल गेल महत्व के स्वीकार करब आ संगहि भगवान के सामने हुनकर जवाबदेही के देल गेल मान्यता सेहो।
दुनिया के भीतर देखल गेल प्रतीत अन्याय पर चिंतन।
एहन उदाहरण पर ध्यान दैत जतय दुष्ट व्यक्ति समृद्ध होइत छथि जखन कि धर्मी लोकनि कष्ट भोगैत छथि |
अपन कर्म के आधार पर भगवान द्वारा कयल गेल अंतिम निर्णय के पुष्टि करब |
जीवन के परिणाम से जुड़ी अप्रत्याशितता पर चिंतन।
मानवीय समझ या परिस्थिति पर नियंत्रण के भीतर निहित सीमाओं को पहचानना |
अनुत्तरित प्रश्न के भस्म होय के बजाय साधारण सुख में आनन्द पाबै पर सलाह देना महत्व देलऽ जाय छै ।
बुद्धि द्वारा धारण कयल गेल फायदा केँ स्वीकार करब जखन कि सफलताक गारंटी वा प्रतिकूलता सँ सुरक्षा देबा मे ओकर असमर्थता केँ स्वीकार करब ।
जीवन यात्रा के भीतर बुद्धिमान आरू मूर्ख दोनों व्यक्ति के सामने आबै वाला साझा अनिश्चितता के अवलोकन करना ।
सत्ता मे बैसल लोकक लेल ईश्वरीय जवाबदेही केँ स्वीकार करैत अधिकार संरचना केँ मान्यता देबाक अंतर्दृष्टि प्रदान करब | एकरऽ अतिरिक्त, परमेश्वर केरऽ अंतिम निर्णय प॑ भरोसा प॑ जोर दै के साथ-साथ स्पष्ट अन्याय केरऽ उपस्थिति क॑ स्वीकार करना । अनुत्तरित प्रश्नऽ स॑ अभिभूत होय के बजाय या पूर्ण समझ के प्रयास करै के बजाय साधारण सुखऽ म॑ आनन्द पाबै के माध्यम स॑ संतोष क॑ प्रोत्साहित करना ।

उपदेशक 8:1 बुद्धिमान आदमी जकाँ के अछि? आ कोनो बातक अर्थ के जनैत अछि? मनुष्यक बुद्धि ओकर मुँह चमकबैत छैक आ ओकर चेहराक साहस बदलि जायत।

ज्ञानी मनुष्य एहि लेल बुद्धिमान होइत अछि जे ओ वस्तुक अर्थ बुझैत अछि आ ओकर बुद्धि सँ ओकर चेहरा निर्भीकता सँ चमकैत छैक |

1. बुद्धि बुझबाक कुंजी अछि - उपदेशक 8:1

2. बुद्धिक माध्यमे चमकैत चमकब - उपदेशक 8:1

1. नीतिवचन 16:16 - "सोना सँ बुद्धि भेटब कतेक नीक! समझ प्राप्त करब चानी सँ बेसी चुनल जायब।"

2. भजन 19:8 - "प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि; प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रकाशित करैत अछि।"

उपदेशक 8:2 हम अहाँ केँ सलाह दैत छी जे राजाक आज्ञाक पालन करू, आ से परमेश् वरक शपथक विषय मे।

लेखक पाठक के सलाह दै छै कि अपनऽ राजा के आज्ञा के पालन करलऽ जाय, कैन्हेंकि ई आज्ञा भगवान के अधिकार में देलऽ गेलऽ छै ।

1. अपन नेता के आज्ञा के माध्यम स भगवान के आज्ञा मानब

2. संदेहक दुनिया मे शपथक शक्ति

1. रोमियो 13:1-7

2. मत्ती 5:33-37

उपदेशक 8:3 हुनकर नजरि सँ हटि जेबाक लेल जल्दबाजी नहि करू। किएक तँ ओ जे किछु नीक लगैत अछि से करैत अछि।”

हमरा सभ केँ एहन काज करबाक हड़बड़ी नहि करबाक चाही जे हमरा सभ केँ बुझल अछि जे गलत अछि वा भगवान् केँ अप्रिय अछि।

1. 'प्रभुक प्रतीक्षा: ईश्वरीय जीवन जीबा मे धैर्यक लाभ'।

2. 'आज्ञाकारिता के बुद्धि: भगवान के प्रति सम्मान आ सम्मान के जीवन कोना जीबी'।

२.

2. भजन 37:7 - प्रभु मे विश्राम करू, आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू; जे अपन बाट मे समृद्ध होइत अछि, ओकर कारणेँ चिंतित नहि होउ जे दुष्ट योजना केँ पूरा करैत अछि।

उपदेशक 8:4 जतय राजाक वचन होइत छैक, ओतय शक्ति छैक।

राजाक वचनक शक्ति निरपेक्ष आ निःसंदेह होइत छैक |

1: राजाक वचनक शक्ति आ अधिकार

2: अधिकारक सम्मान

1: नीतिवचन 16:10 - एकटा ईश्वरीय वाक्य राजाक ठोर मे अछि, ओकर मुँह न्याय मे उल्लंघन नहि करैत अछि।

2: रोमियो 13:1-2 - प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि।

उपदेशक 8:5 जे केओ आज्ञाक पालन करैत अछि, से कोनो अधलाह बात नहि बुझत, आ बुद्धिमानक हृदय समय आ निर्णय दुनू केँ बूझैत अछि।

ज्ञानी व्यक्ति भगवान के आज्ञा के पालन करै छै आरू बुराई के परिणाम के अनुभव नै करतै, जबकि बुद्धिमान हृदय सही समय आरू निर्णय के समझै में सक्षम छै।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक बुद्धि

2. समय आ निर्णय मे विवेकक महत्व

1. नीतिवचन 3:5-6, प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. नीतिवचन 14:15, साधारण लोक सभ बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी लोक अपन जायब नीक जकाँ देखैत अछि।

उपदेशक 8:6 किएक तँ सभ काजक लेल समय आ निर्णय होइत छैक, तेँ मनुष् यक दुःख ओकरा पर बहुत बेसी छैक।

समय आ निर्णय मनुष्यक पैघ दुर्दशा केँ निर्धारित करैत अछि ।

1: दुख आ न्याय के समय में भगवान में ताकत पाबि सकैत छी।

2: जीवन दुख स भरल अछि, मुदा भगवान हमरा सब के गुजर देखय लेल सदिखन हमरा सब के संग रहैत छथि।

1: भजन 28:7 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर मोन हुनका पर भरोसा करैत अछि, आ ओ हमरा मदद करैत छथि। हमर मोन हर्षसँ उछलि जाइत अछि, आ अपन गीतसँ हम हुनकर प्रशंसा करैत छी ।

2: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

उपदेशक 8:7 किएक तँ ओ की होयत से नहि जनैत अछि, किएक तँ ओकरा के कहि सकैत अछि जे ई कहिया होयत?

ई अंश परमेश् वर पर भरोसा करै के महत्व पर प्रकाश डालै छै, कैन्हेंकि भविष्य के की होतै, एकरऽ भविष्यवाणी कोय नै करी सकै छै ।

1. "भगवान पर भरोसा करब: अनिश्चितता मे आराम भेटब"।

2. "छोड़बाक बुद्धि: भगवानक योजना पर भरोसा करब"।

1. यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. भजन 112:7 - हुनका सभ केँ अधलाह खबरि सँ कोनो डर नहि रहतनि; हुनका सभक हृदय अडिग अछि, प्रभु पर भरोसा करैत अछि।

उपदेशक 8:8 एहन केओ नहि अछि जे आत् मा पर अधिकार रखैत अछि जे आत् मा केँ पकड़ि सकय। मृत्युक दिन ओकरा अधिकार नहि छैक। आ ने दुष्टता ओकरा सभ केँ बचाओत जे ओकरा देल गेल छैक।

ककरो आत्मा या मृत्यु पर नियंत्रण करै के शक्ति नै छै, आरो दुष्टता ओकरा सिनी के रक्षा नै करतै जे ओकरा सामने हार मानलकै।

1. मानव आत्मा के शक्ति: कठिन समय में प्रतिकूलता के कोना दूर कयल जाय आ लचीलापन कोना भेटत

2. मृत्युक अनिवार्यता: जीवनक अंतक तैयारी कोना करी आ ई जानि कऽ आराम भेटत जे अहाँ असगर नहि छी

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 8:38-39 किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, आ ने वर्तमान वस्तु, आ ने आबय बला वस्तु, ने ऊँचाई, ने गहींर, आ ने कोनो आन प्राणी हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकब, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

उपदेशक 8:9 हम ई सभ किछु देखलहुँ आ सूर्यक नीचाँ कयल जायवला सभ काज मे अपन मोन लगा देलहुँ।

एक समय एहन होइत अछि जखन एक व्यक्ति के दोसर पर नियंत्रण रहैत छैक, जे ओकर नुकसान भ सकैत छैक ।

1. सत्ताक खतरा: नियंत्रणक परिणामक परीक्षण।

2. अधिकारक सीमा: शक्ति आ जिम्मेदारीक संतुलन।

1. रोमियो 13:1-7: प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय।

2. नीतिवचन 16:18: घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

उपदेशक 8:10 हम ओहि दुष्ट केँ गाड़ल देखलहुँ, जे पवित्र स्थान सँ आबि क’ गेल छल, आ ओ सभ ओहि नगर मे बिसरि गेल छल जतय ओ सभ एहन काज केने छल।

दुष्ट सब अंततः बिसरा जाइत अछि, ओहो ओहि ठाम जतय ओ अपन दुष्टता केने छल। ई एकटा स्मरण अछि जे मानवीय सभ प्रयास अंततः व्यर्थ अछि ।

1. जीवनक आडंबरक स्मरण करब

349

2. दुष्टता के क्षणिकता के पहचानना

1. रोमियो 8:18-21 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक कष्ट सभक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय जा रहल अछि।

2. भजन 37:1-2 - दुष्टक कारणेँ अपना केँ चिंतित नहि करू; अपराधी सँ ईर्ष्या नहि करू! किएक तँ ओ सभ जल्दिये घास जकाँ फीका भऽ जाएत आ हरियर जड़ी-बूटी जकाँ मुरझाएत।

उपदेशक 8:11 किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि कयल जाइत अछि, तेँ मनुष् यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण टिकल अछि।

कुकर्म केरऽ शीघ्र सजा के अभाव लोगऽ क॑ गलत काम जारी रखै लेली प्रेरित करै छै ।

1. भगवानक न्याय निश्चित अछि, भले एहि मे समय लागय।

2. सच्चा पश्चाताप के लेल परिणाम के आवश्यकता होइत छैक।

1. रोमियो 6:23 पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. भजन 37:28 कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि आ अपन विश्वासी केँ नहि छोड़ताह। ओ ओकरा सभकेँ कहियो नहि छोड़त, मुदा ओकरा सभकेँ सदाक लेल राखत।

उपदेशक 8:12 जँ पापी सौ बेर अधलाह काज करैत अछि आ ओकर दिन लंबा भ’ जाइत अछि, मुदा हम निश्चित रूप सँ जनैत छी जे परमेश् वरक भय जे हुनका सामने डरैत अछि, हुनका सभक लेल नीक होयत।

धर्मी के परमेश् वर के प्रति वफादारी के फल मिलतै।

1: भगवान सदिखन देखैत रहैत छथि आ जे हुनका प्रति वफादार छथि हुनका पुरस्कृत करताह।

2: संसारक दुष्टता सँ हतोत्साहित नहि होउ, कारण परमेश् वर अपन लोकक प्रति सदिखन वफादार रहताह।

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2: भजन 103:17 - मुदा प्रभुक अडिग प्रेम अनन्त सँ अनन्त धरि अछि जे हुनका सँ डरैत छथि।

उपदेशक 8:13 मुदा दुष्टक नीक नहि होयत, आ ने ओ अपन जीवन केँ लम्बा करत, जे छाया जकाँ अछि।
किएक तँ ओ परमेश् वरक सामने नहि डेरैत अछि।

ई श्लोक हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे हमरा सभ केँ परमेश् वर सँ डरबाक चाही, किएक तँ जे नहि करत ओकरा नीक जीवन नहि भेटतैक, आ ओकर दिन क्षणिक होयत।

1: हमरा सभ केँ भगवान् सँ डरबाक चाही आ हुनकर बुद्धि पर भरोसा करबाक चाही, कारण ओ मात्र शांति आ आनन्दक जीवन प्रदान क' सकैत छथि।

2: परमेश् वरक नियम हमरा सभक हितक लेल देल गेल अछि, आ हमरा सभ केँ ओकरा नजरअंदाज नहि करबाक चाही, कारण आज्ञा नहि मानला सँ मात्र दुखक कारण बनत।

1: नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2: रोमियो 12:2 - आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

उपदेशक 8:14 एकटा व्यर्थ अछि जे पृथ् वी पर होइत अछि। जे धर्मी लोक सभ होथि, जिनका संग दुष्टक काजक अनुसार होइत छनि। फेर, दुष्ट लोक सभ सेहो छथि, जिनका संग धर्मात्माक काजक अनुसार ई घटना घटित होइत छनि।

अंश में कहलऽ गेलऽ छै कि ई अनुचित लगै सकै छै कि कखनी-कखनी अच्छा लोग असफल होय जाय छै आरू दुष्ट लोग सफल होय जाय छै । ई आडंबरक उदाहरण अछि।

1. जीवनक आडंबर - एहि बात पर ध्यान देब जे जीवन सदिखन ओहिना नहि निकलैत अछि जेना हम चाहैत छी आ ओकर सामना कोना कयल जाय।

2. धर्मी लोकनिक आशीर्वाद - एहि बात पर ध्यान केंद्रित करब जे कोना परमेश्वरक बाट हमरा सभक बाट सँ उच्च अछि आ धर्मक फल।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. याकूब 1:12 - धन्य अछि ओ जे परीक्षा मे दृढ़ रहत, किएक तँ परीक्षा मे ठाढ़ भ’ क’ ओ व्यक्ति जीवनक मुकुट पाबि लेत जे प्रभु हुनका सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

उपदेशक 8:15 तखन हम हँसी-खुशीक प्रशंसा केलहुँ, किएक त’ सूर्यक नीचाँ मनुष्य केँ भोजन-पान आ मस्ती सँ नीक किछु नहि छैक, किएक तँ ओ ओकर जीवनक दिन मे ओकर परिश्रमक संग रहत, जे परमेश् वर ओकरा सूर्यक नीचाँ दैत छैक।

उपदेशक 8:15 मे प्रचारक लोक केँ भोजन, पीब आ मस्ती करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि, कारण एहि सँ जीवन मे आनन्द आ संतुष्टि भेटत।

1. "जीवनक आनन्द: हमरा सभ लग जे अछि ताहि मे संतोष भेटब"।

2. "जीवन के जश्न मनाबय: कृतज्ञता आ आनंद के संग कोना जीबी"।

1. फिलिप्पियों 4:11-12 - "ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो मे।" आ हर परिस्थिति मे, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।"

2. लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, 'सावधान रहू आ सभ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ककरो जीवन ओकर सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"

उपदेशक 8:16 जखन हम अपन हृदय केँ बुद्धि केँ जानबाक लेल आ पृथ्वी पर कयल गेल काज केँ देखबाक लेल लगा देलहुँ।

उपदेशक ८:१६ मे लेखक बुद्धि आ अवलोकन केँ बुझबाक इच्छा व्यक्त करैत छथि जे कोना पृथ्वी पर जीवन ककरो लेल आराम नहि भेटैत अछि।

1. बुद्धिक खोज - अपन जीवन मे बुद्धिक खोज मे अपन हृदय केँ लागू करब सीखब।

2. आराम आवश्यक अछि - ई बुझब जे आरामक समय रहब हमर स्वास्थ्य आ भलाई लेल किएक आवश्यक अछि।

1. नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।

2. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।
हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम कोमल आ नीच हृदय मे छी, आ अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत। हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

351

उपदेशक 8:17 तखन हम परमेश् वरक सभ काज देखलहुँ जे सूर्यक नीचाँ जे काज होइत अछि से मनुष् य नहि बुझि सकैत अछि। हँ आओर दूर; जँ बुद्धिमान लोक एकरा जानबाक लेल सोचैत अछि, मुदा ओकरा नहि पाबि सकैत अछि।

भगवान् के काम रहस्यमय आ हमरा सब के लेल अज्ञात अछि।

1: भगवानक योजना पर भरोसा करू आ स्वीकार करू जे हम सभ ओकरा नहि बुझि सकैत छी।

2: ज्ञानक खोज मे हतोत्साहित नहि होउ, मुदा ई बूझू जे किछु बात हमरा सभक समझ सँ बाहर अछि।

1: मत्ती 6:25-34 - चिन्ता नहि करू, बल्कि परमेश्वरक योजना पर भरोसा करू।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

उपदेशक अध्याय 9 जीवन के अनिश्चितता, मृत्यु के अनिवार्यता, आरू वर्तमान के आनंद लेबै के महत्व के विषय के खोज करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत ई स्वीकार करी क॑ करलऽ जाय छै कि धर्मात्मा आरू दुष्ट दोनों के मृत्यु में एक जैसनऽ भाग्य के सामना करना पड़ै छै । प्रचारक एहि बात पर चिंतन करैत छथि जे कोना ई यथार्थ लोक केँ धार्मिकताक पाछाँ वा जीवनक आनंद लेबा सँ हतोत्साहित क’ सकैत अछि (उपदेशक 9:1-3)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक एहि बात पर जोर दैत छथि जे जीवन अनिश्चितता आ अप्रत्याशितता स भरल अछि। ओ एहि बात पर प्रकाश दैत छथि जे ककरो पता नहि छैक जे विपत्ति वा सफलता कहिया आओत, आओर अवसरक सदुपयोग करबाक सलाह दैत छथि जाबत धरि ओ रहत (उपदेशक 9:4-12)।

तृतीय अनुच्छेद: प्रचारक मानवीय बुद्धि आ शक्तिक सीमा पर चिंतन करैत छथि | ओ ई मानैत छथि जे बुद्धि सदिखन सफलताक गारंटी नहि दैत अछि, कारण अप्रत्याशित घटना बुद्धिमान योजना केँ सेहो कमजोर क’ सकैत अछि (उपदेशक 9:13-18)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक अध्याय नौ मे गहराई स अछि
जीवनक अनिश्चितता, २.
मृत्यु सँ जुड़ल अनिवार्यता, संगहि वर्तमान क्षणक आनंद लेबय पर देल गेल महत्व |

मृत्यु मे धर्मी आ दुष्ट दुनू व्यक्तिक सामना करय बला साझा भाग्य केँ स्वीकार करब |
एहि यथार्थ सँ उत्पन्न संभावित हतोत्साह पर चिंतन करब।
परिणाम के आसपास अप्रत्याशितता के साथ-साथ जीवन के भीतर पाया अनिश्चितता के उपस्थिति पर जोर देना |
अवसर उपलब्ध रहला पर जब्त करय पर राखल गेल महत्व कें उजागर करनाय.
मानवीय बुद्धि या शक्ति के भीतर निहित सीमाओं को पहचानना |
अप्रत्याशित परिस्थिति के कारण सदिखन सफलता सुनिश्चित करय में बुद्धि के लेल असमर्थता के स्वीकार करब।
सब व्यक्ति के सामना करय वाला साझा भाग्य के पहचान करय के अंतर्दृष्टि देबय के चाहे ओकर नैतिक स्थिति कोनो हो. जीवन के परिणाम के आसपास के अनिश्चितता स॑ निराश होय के बजाय वर्तमान क्षण क॑ आत्मसात करै लेली प्रोत्साहित करना । एकरऽ अतिरिक्त, मानवीय समझ के भीतर सीमा क॑ स्वीकार करना जबकि वांछित परिणाम प्राप्त करै के गारंटी के रूप म॑ केवल व्यक्तिगत बुद्धि या ताकत प॑ अत्यधिक निर्भरता नै रखै के चेतावनी देना ।

उपदेशक 9:1 एहि सभ बातक लेल हम अपन मोन मे ई सभ बात कहबाक लेल सोचलहुँ जे धर्मी, बुद्धिमान आ हुनकर काज परमेश् वरक हाथ मे अछि.

ई अंश परमेश् वर के शक्ति आरू हुनकऽ रास्ता के रहस्य पर जोर दै छै ।

1. अज्ञात पर भरोसा करब: भगवानक प्रोविडेंस मे आराम भेटब

2. भगवान् के बुद्धि: हुनकर मार्ग के अविवेकीपन के स्वीकार करब

1. रोमियो 11:33-36 - हे, परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञानक धनक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि, आ ओकर बाट सेहो पता नहि लगाबय सँ परे!

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

उपदेशक 9:2 सभ किछु सभक लेल एक समान होइत छैक, धर्मी आ दुष्टक लेल एकेटा घटना होइत छैक। नीक आ शुद्ध आ अशुद्ध केँ। जे बलिदान दैत अछि आ जे बलिदान नहि दैत अछि तकरा लेल। जे शपथ खाइत अछि से ओहिना शपथ सँ डरैत अछि।

उपदेशक 9:2 मे श्लोक मे कहल गेल अछि जे सभ घटना सभ लोकक लेल अबैत अछि, चाहे ओकर धार्मिकता वा पाप किएक नहि हो।

1. भगवान् के समक्ष सब लोक के समानता

2. भगवान् के न्याय के शक्ति

1. गलाती 3:28 - "ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, कोनो स्त्री-पुरुष अछि, किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।"

2. इजकिएल 18:20 - "पाप करय बला आत्मा मरत। पुत्र पिताक अधर्मक लेल कष्ट नहि उठाओत, आ ने पिता केँ पुत्रक अधर्मक लेल कष्ट होयत। धर्मी लोकक धार्मिकता अपना पर रहत, आ... दुष्टक दुष्टता अपना पर होयत।"

उपदेशक 9:3 सूर्यक नीचाँ जे किछु होइत अछि, ताहि मे ई एकटा अधलाह अछि जे सभक लेल एकेटा घटना होइत छैक: हँ, मनुक्खक बेटा सभक हृदय दुष्टता सँ भरल अछि, आ जीबैत काल ओकर हृदय मे पागलपन रहैत छैक, आ तकर बाद ओ सभ मृतक लग जाइत छथि।

ई श्लोक हमरा सब के सिखाबै छै कि सब लोग एक ही भाग्य के अधीन छै, चाहे ओकरऽ नैतिक पसंद केतना भी होय । 1. मृत्युक सार्वभौमिक यथार्थ: सार्थक जीवन जीबाक महत्व 2. मृत्युक अनिवार्यता: अपन नश्वरता केँ आत्मसात करब। 1. रोमियो 6:23: "पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।" 2. इब्रानियों 9:27: "आ जेना एक बेर आओर ओकर बाद लोक केँ मरब निर्धारित कयल गेल अछि, न्याय।"

उपदेशक 9:4 जे सभ जीवित लोकक संग जुड़ल अछि ओकरा लेल आशा छैक, किएक तँ मृत सिंह सँ जीवित कुकुर नीक होइत छैक।

एहि श्लोक मे ई व्यक्त कयल गेल अछि जे जे जीवित छथि हुनका आशा छनि, आ जीवन मृत्यु सँ बेसी मूल्यवान होइत छनि |

1: हमरा सब के जीवन के सदिखन महत्व देबय के चाही आ नीक के आशा करबाक चाही, चाहे परिस्थिति कोनो हो।

2: हमरा सभकेँ हार नहि मानबाक चाही, भले कोनो वस्तु मरि गेल बुझाइत हो, कारण ओकरा एखनो पुनर्जीवित कएल जा सकैत अछि।

1: यूहन्ना 11:25 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम पुनरुत्थान आ जीवन छी। जे हमरा पर विश् वास करत, मरि कऽ ओ जीवित रहत।

2: फिलिप्पियों 1:21 - किएक तँ हमरा लेल जीब मसीह अछि, आ मरब लाभ अछि।

उपदेशक 9:5 किएक तँ जीवित लोक सभ जनैत अछि जे ओ सभ मरत, मुदा मृतक सभ किछु नहि जनैत अछि आ ने ओकरा सभ केँ कोनो इनाम भेटैत छैक। किएक तँ हुनका सभक स्मृति बिसरि जाइत अछि।

जीवित लोक अपन नश्वरता के प्रति जागरूक रहैत छथि जखन कि मृतक के किछु नहि बुझल छनि आ बिसरि जाइत छथि |

1. जीवन केँ आत्मसात करू आ क्षण मे जीबू, कारण मृत्यु जल्दिये आबि जायत।

2. मोन राखू जे जीवन अनमोल अछि आ ओकर मोल होबाक चाही, कारण ई सदिखन नहि रहत।

1. फिलिप्पियों 4:4-5 प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक सौम्यता सब मनुष्य केँ ज्ञात हो। प्रभु हाथ मे छथि।

2. याकूब 4:14 जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

उपदेशक 9:6 हुनका सभक प्रेम, घृणा आ ईर्ष्या आब नष्ट भ’ गेल अछि। आ ने सूर्यक नीचाँ कयल गेल कोनो काज मे हुनका सभ केँ सदाक लेल भाग नहि भेटैत छनि।

सूर्यक नीचाँक जीवन क्षणिक आ स्थायित्वहीन होइत अछि ।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे पृथ्वी पर जीवन क्षणिक अछि आ हमरा सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर अनन्त प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ एतय पृथ्वी पर अपन समय आ संबंधकेँ संजोगबाक चाही, मुदा ई स्वीकार करबाक चाही जे ओ परिमित अछि आ सदाक लेल नहि रहि सकैत अछि।

1: याकूब 4:14 "तइयो अहाँ नहि जनैत छी जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2: भजन 90:12 "त' हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ जाहि सँ हमरा सभ केँ बुद्धिक हृदय भेटय।"

उपदेशक 9:7 जाउ, हँसी-खुशी सँ अपन रोटी खाउ आ प्रसन्न मोन सँ अपन मदिरा पीबू। किएक तँ परमेश् वर आब अहाँक काज केँ स्वीकार करैत छथि।”

खाइत-पीबैत जीवन केँ आनन्द सँ आनंद लिअ, कारण भगवान् अहाँक काज केँ स्वीकार करताह।

1. प्रभु मे आनन्दित रहू आ आनन्द सँ काज करू - उपदेशक 9:7

2. परमेश् वरक सेवा कए जीवन मे आनन्द पाउ - उपदेशक 9:7

1. भजन 100:2 - प्रसन्नता सँ प्रभुक सेवा करू, आनन्दित गीतक संग हुनकर सान्निध्य मे आऊ।

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

उपदेशक 9:8 अहाँक वस्त्र सदिखन उज्जर रहय। आ तोहर माथ मे कोनो मरहमक अभाव नहि होअय।

ई अंश जीवन के अनिश्चितता के बावजूद भी साफ-सुथरा आरू संवारल रहै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. अनिश्चित समय मे अपन ख्याल राखब

2. आस्था के निशानी के रूप में स्वच्छ आ संवारल रहब

1. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

2. 1 पत्रुस 5:6-7 - तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ समय पर ऊपर उठा सकय। अपन सभटा बेचैनी ओकरा पर फेकि दियौक, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

उपदेशक 9:9 जाहि पत्नी सँ अहाँ प्रेम करैत छी, ओहि पत्नीक संग अपन व्यर्थ जीवनक सभ दिन, जे ओ अहाँ केँ सूर्यक नीचा देने छथि, अहाँक व्यर्थताक भरि दिन मे, आनन्दपूर्वक रहू, कारण एहि जीवन मे आ अहाँक भाग मे सेहो इएह अछि श्रम जे अहाँ सूर्यक नीचाँ लैत छी।

हमरा सब क॑ अपनऽ पार्थिव जीवन के दौरान अपनऽ जीवनसाथी के साथ खुशी-खुशी जीबै लेली प्रोत्साहित करलऽ जाय छै, कैन्हेंकि ई जीवन म॑ हमरऽ हिस्सा यही छै ।

1. प्रतिबद्धता मे आनन्द भेटब: विवाह किएक मायने रखैत अछि

2. जीवन के उपहार में आनन्दित होना: यात्रा में आनन्द पाना |

1. यूहन्ना 15:11-12 - हम ई सभ बात अहाँ सभ सँ कहलहुँ जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे रहय आ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण हो। हमर ई आज्ञा अछि जे अहाँ सभ एक दोसरा सँ प्रेम करू जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ।

2. 1 कोरिन्थी 13:13 - आब विश्वास, आशा, प्रेम, ई तीनू अछि। मुदा एहि मे सबसँ पैघ दान अछि।

उपदेशक 9:10 अहाँक हाथ जे किछु करय चाहैत अछि, से अपन सामर्थ्य सँ करू। कारण, जतऽ अहाँ जाइ छी, ओहि मे कोनो काज, ने षड्यंत्र, ने ज्ञान आ ने बुद्धि अछि।

जीवन मे मेहनत करबाक चाही, कारण हमर काज, ज्ञान आ बुद्धि हमरा सभक पाछाँ चिता धरि नहि चलैत अछि।

1. पृथ्वी पर अपन समयक सदुपयोग करू - उपदेशक 9:10

2. आब मेहनत करू, बाद मे फल काटि लिअ - उपदेशक 9:10

1. कुलुस्सी 3:23 - "अहाँ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।"

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपन लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा नष्ट नहि करैत अछि।" , आ जतऽ चोर सभ घुसि कऽ चोरी नहि करत।

उपदेशक 9:11 हम घुरलहुँ आ रौदक नीचाँ देखलहुँ जे दौड़-धूप तेज लोकक लेल नहि अछि, बलवान सभक लेल युद्ध नहि अछि, बुद्धिमान लोकक लेल रोटी नहि अछि, बुद्धिमान लोकक लेल धन-दौलत नहि अछि, आ नहिये लोकक लेल अनुग्रह अछि गुण; मुदा समय आ संयोग हुनका सभक संग होइत छनि।

ई श्लोक हमरा सब के सिखाबै छै कि सब कियो संयोग आरू समय के एक ही नियम के अधीन छै, चाहे ओकरऽ क्षमता, कौशल, आरू बुद्धि केरऽ कोय भी बात होय ।

1. जीवनक अप्रत्याशित आ अनुचितता: उपदेशक 9:11

2. जीवन अप्रत्याशित अछि: हतोत्साहित नहि होउ, दृढ़तापूर्वक रहू

1. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

355

उपदेशक 9:12 किएक तँ मनुष्य अपन समय नहि जनैत अछि, जेना दुष्ट जाल मे पकड़ल गेल माछ आ जाल मे फँसल चिड़ै जकाँ। तहिना मनुष् य-पुत्र सभ अधलाह समय मे फँसि जाइत अछि, जखन ओ अचानक ओकरा सभ पर खसि पड़ैत अछि।

ई अंश ई दर्शाबै छै कि मानव जीवन अप्रत्याशित छै आरू ओकरा अचानक छीनी लेलऽ जाब॑ सकै छै ।

1. जीवनक अनिश्चितता केँ आत्मसात करू आ क्षण मे जीबू

2. जीवन मे अचानक अनुभवक लेल तैयार रहू

1. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2. मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू जे अहाँ की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? हवाक चिड़ै सभ देखू; ओ सभ नहि बोबैत छथि आ ने काटैत छथि आ ने कोठी मे जमा करैत छथि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभ केँ पोसैत छथि। की अहाँ हुनका सभसँ बेसी मूल्यवान नहि छी? की अहाँ मे सँ कियो चिंतित भ' क' अपन जीवन मे एक घंटा जोड़ि सकैत छी?

उपदेशक 9:13 ई बुद्धि हम सूर्यक नीचाँ सेहो देखलहुँ, आ हमरा ई बहुत पैघ लागल।

जीवन अनिश्चित अछि आ अप्रत्याशित भ सकैत अछि, तें जा धरि संभव भ सकय एकर अधिकतम लाभ उठाउ.

1: कार्पे डिएम - दिन जब्त करू

2: प्रत्येक दिन के अधिकतम लाभ उठाउ

1: याकूब 4:14 - किएक, अहाँ केँ ईहो नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि ।

2: भजन 118:24 - ई ओ दिन अछि जे परमेश् वर बनौने छथि। हम सभ एहि मे आनन्दित आ आनन्दित होउ।

उपदेशक 9:14 एकटा छोट सन शहर छल, आ ओहि मे कम आदमी छल। एकटा पैघ राजा ओकरा पर आबि कऽ ओकरा घेराबंदी कऽ लेलक आ ओकरा विरुद्ध पैघ-पैघ किल बनौलक।

एकटा पैघ राजा एकटा छोट शहरक घेराबंदी करैत अछि, ओकर विरुद्ध बुल्वार बनबैत अछि |

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ कठिन परिस्थिति मे राखि दैत छथि जे हमरा सभ केँ परखय आ हमर सभक विश्वासक निर्माण करय।

2. हमरा सभकेँ विपत्ति आ कठिनाइक समयमे भगवान् पर भरोसा करबाक चाही।

1. रोमियो 5:3-5 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि, आ आशा हमरा सभ केँ लाज नहि दैत अछि।

2. मत्ती 6:34 - तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, कारण काल्हि अपना लेल चिंतित रहत। दिनक लेल पर्याप्त अछि ओकर अपन परेशानी।

उपदेशक 9:15 ओहि मे एकटा गरीब ज्ञानी भेटल, आ ओ अपन बुद्धि सँ नगर केँ बचा लेलक। तइयो ओहि गरीब आदमी केँ कोनो आदमी मोन नहि पाड़लक।

एकटा गरीब ज्ञानी एकटा शहर मे भेटल आ ओ अपन बुद्धि के उपयोग शहर के बचाबय लेल केलक, मुदा ओकर प्रयास के लेल ओकरा याद नहि कयल गेल।

1. धनसँ बेसी बुद्धिक मोल होइत छैक।

2. पहिने जे अहाँक मदद केने छथि हुनकर सराहना करू।

1. नीतिवचन 4:7-9 - बुद्धि प्रमुख बात अछि; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।
ओकरा ऊँच करू, ओ तोरा बढ़ाओत, जखन अहाँ ओकरा गला लगा लेब तखन ओ तोरा आदर मे आनतीह। ओ अहाँक माथ पर कृपाक आभूषण देतीह, अहाँ केँ महिमाक मुकुट सौंपतीह।

2. लूका 17:11-19 - जखन ओ यरूशलेम जाइत छलाह तखन ओ सामरिया आ गलीलक बीच सँ गुजरि गेलाह। एक गाम मे प्रवेश करैत काल दूर ठाढ़ दस गोट कोढ़ी आदमी हुनका सँ भेंट कयलनि। ओ ओकरा सभ केँ देखि कहलथिन, “जाउ, पुरोहित सभक समक्ष अपना केँ देखाउ।” जखन ओ सभ जाइत-जाइत शुद्ध भऽ गेलाह। एक गोटे हुनका ठीक भऽ गेल देखि पाछू घुमि कऽ जोर-जोर सँ परमेश् वरक महिमा कयलनि, आ हुनका परमेश् वरक पएर पर मुँह पर खसि कऽ हुनका धन् यवाद देलनि। यीशु उत्तर देलथिन, “की दस गोटे शुद्ध नहि भेलाह?” मुदा नौ कतय अछि? एहन नहि भेटैत अछि जे भगवानक महिमा करबाक लेल वापस आबि गेल हो, एहि पराया केँ छोड़ि। ओ ओकरा कहलथिन, “उठू, जाउ।”

उपदेशक 9:16 तखन हम कहलियनि, “बल सँ बुद्धि नीक होइत छैक, तइयो गरीबक बुद्धि तुच्छ बुझल जाइत छैक आ ओकर बात नहि सुनल जाइत छैक।”

शारीरिक शक्ति सँ बेसी बुद्धिक मूल्य होइत छैक, मुदा गरीबक बुद्धि केँ प्रायः अनदेखी आ अवहेलना कयल जाइत छैक |

1: बुद्धि के मूल्य

2: गरीबक बुद्धि केँ नजरअंदाज नहि करू

1: नीतिवचन 16:16, सोना स’ कतेक नीक बुद्धि भेटब! समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।

2: याकूब 1:5, जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

उपदेशक 9:17 मूर्ख सभक बीच शासन करयवला के चीत्कार सँ बेसी बुद्धिमान लोकक वचन चुपचाप सुनल जाइत अछि।

बुद्धि अराजक वातावरण मे नहि, शांतिपूर्ण वातावरण मे सुनबा मे नीक लगैत अछि।

1. बुद्धिक शांतिपूर्ण शक्ति

2. सुनबाक ताकत

1. नीतिवचन 1:5-7 - "बुद्धिमान सुनय आ विद्या मे बढ़य, आ जे बुझैत अछि, ओकरा मार्गदर्शन भेटय, जे ओ कोनो फकड़ा आ कोनो कहावत, बुद्धिमानक वचन आ ओकर पहेली केँ बुझय।"

2. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

उपदेशक 9:18 युद्धक हथियार सँ बुद्धि नीक होइत छैक, मुदा एकटा पापी बहुत नीक केँ नष्ट करैत अछि।

शारीरिक शक्ति या सैन्य शक्ति स बेसी बुद्धि मूल्यवान होइत अछि, मुदा एकटा गलत निर्णय बहुत नीक के बर्बाद क सकैत अछि।

1. बुद्धिक शक्ति - बुद्धि कोना युद्धक कोनो हथियार सँ बेसी शक्तिशाली भ' सकैत अछि।

2. पाप के प्रभाव - पाप कोना नीक नीयत के सेहो बर्बाद क सकैत अछि।

1. नीतिवचन 4:7 - "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू।

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

उपदेशक अध्याय 10 में बुद्धि, मूर्खता, आरू मूर्खतापूर्ण व्यवहार के परिणाम के विषय के खोज करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत मूर्खता पर बुद्धि के श्रेष्ठता पर जोर दैत अछि | प्रचारक व्यक्ति के प्रतिष्ठा पर बुद्धि आरू मूर्खता के प्रभाव के तुलना करै छै आरू मूर्ख के साथ संगत नै करै के सलाह दै छै (उपदेशक 10:1-3)।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक मूर्खतापूर्ण व्यवहार के संभावित खतरा आ परिणाम पर चिंतन करैत छथि | ओ विभिन्न उदाहरणक प्रयोग करैत छथि जे कोना मूर्खता विनाश दिस ल’ सकैत अछि, जखन कि बुद्धि सफलता आ सुरक्षा आनि सकैत अछि (उपदेशक 10:4-11)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रचारक समाज मे बुद्धिमान नेतृत्व के महत्व पर चर्चा करैत छथि | हुनी ई बात प॑ प्रकाश डालै छै कि जब॑ नेता सिनी म॑ बुद्धि के कमी होय छै या अनुचित काम करै छै त॑ एकरऽ नकारात्मक असर हुनकऽ लोगऽ प॑ पड़॑ सकै छै । ओ आन्हर निष्ठा सँ सावधान करैत अधिकारक आज्ञापालन करबाक सलाह दैत छथि (उपदेशक १०:१६-२०)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक दसवाँ अध्याय में गहराई से
बुद्धि जैसे विषय, २.
मूर्खता, संगहि मूर्खतापूर्ण व्यवहार सँ जुड़ल परिणाम सेहो।

मूर्खता पर बुद्धि द्वारा धारण कयल गेल श्रेष्ठता पर जोर देब।
संभावित नकारात्मक प्रभाव के कारण मूर्ख के संगति के खिलाफ सलाह देब।
मूर्खतापूर्ण काज सँ उत्पन्न खतरा वा प्रतिक्रिया पर चिंतन करब।
विभिन्न उदाहरण के माध्यम स॑ ई दर्शाना कि कोना मूर्खता बर्बादी के तरफ ले जाय सकै छै जबकि बुद्धि सफलता या सुरक्षा दै छै ।
समाज के भीतर बुद्धिमान नेतृत्व पर महत्व के चर्चा |
बुद्धि के कमी वाला या अपनऽ लोगऽ प॑ अनुचित व्यवहार करै वाला नेता सिनी के प्रभाव क॑ पहचानना ।
बिना आलोचनात्मक मूल्यांकन के आन्हर निष्ठा के खिलाफ चेतावनी दैत अधिकार के प्रति आज्ञाकारिता के सलाह देब।
मूर्खता के सामने झुकला के बजाय बुद्धि के आत्मसात करय पर देल गेल महत्व के पहचान करय के अंतर्दृष्टि देबय के. हानिकारक संघक कें खिलाफ चेतावनी जे व्यक्तिगत विकास या भलाई मे बाधा पहुंचा सकएय छै. एकरऽ अलावा, समुदायऽ के भीतर बुद्धिमान नेतृत्व द्वारा रखलऽ गेलऽ महत्व प॑ जोर देना जबकि प्रभावी शासन आरू सामाजिक प्रगति लेली प्राधिकरण केरऽ आंकड़ा के मूल्यांकन म॑ विवेक क॑ प्रोत्साहित करना ।

उपदेशक 10:1 मृत मक्खी दवाई बनौनिहारक मरहम सँ दुर्गन्ध उत्पन्न करैत अछि, तहिना बुद्धि आ आदरक लेल प्रतिष्ठित लोक केँ कनि मूर्खतापूर्ण बना दैत अछि।

मूर्खतापूर्ण कर्म केरऽ छोटऽ-छोटऽ कामऽ स॑ भी घातक परिणाम पैदा होय सकै छै, चाहे ओकरऽ बुद्धि आरू सम्मान केरऽ प्रतिष्ठा की नै हुअ॑ ।

1. मूर्खताक खतरा: कनि गलत निर्णयक लागत

2. प्रतिष्ठा के शक्ति: हमर सबहक काज हमरा सब के कोना परिभाषित करैत अछि

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।

उपदेशक 10:2 बुद्धिमानक हृदय ओकर दहिना कात रहैत छैक। मुदा बामा कात मूर्खक हृदय।

बुद्धिमानक हृदय बुद्धि सँ चलैत छैक, जखन कि मूर्खक हृदय भटकैत छैक |

1. बुद्धिक शक्ति: अपन हृदयक सही पालन कोना कयल जाय

2. मूर्खताक खतरा: बामा हाथक बाटसँ बचब

1. नीतिवचन 3:5-6, पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:5, जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

उपदेशक 10:3 हँ, जखन मूर्ख बाट पर चलैत अछि त’ ओकर बुद्धि ओकरा कमजोर क’ दैत छैक आ ओ सभ केँ कहैत छैक जे ओ मूर्ख अछि।

मूर्खक बुद्धिक अभाव हुनका लोकनिक व्यवहार आ बात मे स्पष्ट होइत छैक ।

1. अपना मे मूर्खता देखब: अपन वचन आ कर्म मे मूर्खता केँ चिन्हब

2. कर्म मे बुद्धि: रोजमर्रा के जीवन मे भगवान के बुद्धि के जीना

1. नीतिवचन 10:19, "जखन वचन बेसी होइत अछि तखन अपराधक अभाव नहि होइत अछि, मुदा जे अपन ठोर पर रोकैत अछि, से विवेकी होइत अछि।"

2. याकूब 3:17, "मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि।"

उपदेशक 10:4 जँ शासकक आत् मा अहाँक विरुद्ध उठत तँ अपन स्थान नहि छोड़ू। कारण, उपज देब पैघ अपराध केँ शान्त करैत अछि।

शासक केरऽ भावना क॑ चुनौती नै देलऽ जाय जब॑ वू हमरा सिनी के खिलाफ उठै छै, बल्कि हमरा सिनी क॑ अपनऽ जगह छोड़ी क॑ बड़ऽ अपराध क॑ शान्त करै लेली झुकना चाहियऽ ।

1. अतिरिक्त माइल जेनाइ: उपज अपराध के कोना शान्त क सकैत अछि

2. सबमिशन के शक्ति: अधिकार के कोना संभालल जाय

1. मत्ती 5:38-41 - "अहाँ सभ सुनलहुँ जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत।' मुदा हम कहैत छी जे कोनो दुष्ट व्यक्तिक विरोध नहि करू।मुदा जे अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत, ओ दोसर गाल ओकरा दिस सेहो घुमा दियौक, जँ कियो अहाँ पर मुकदमा करय चाहैत अछि आ अहाँक अंगरखा छीनय चाहैत अछि त' ओकरा अहाँक वस्त्र सेहो हो।आ जे अहाँ केँ मजबूर करत एक मील जेबाक लेल, हुनका संग दू टा।

2. इफिसियों 6:5-8 - दास सभ, अहाँ सभक आज्ञाकारी रहू जे शरीरक अनुसार अहाँ सभक मालिक छथि, भय आ काँपैत, हृदय सँ निश्छलता सँ, जेना मसीहक आज्ञाकारी रहू। आँखिक सेवा सँ नहि, मनुष्य केँ प्रसन्न करयवला जकाँ नहि, बल् कि मसीहक दास बनि, हृदय सँ परमेश् वरक इच्छा केँ पूरा करैत, सद्भावना सँ प्रभुक सेवा करैत, आ मनुष् यक नहि, ई जानि जे केओ जे किछु भलाई करत, ओकरा भेटत प्रभु सँ वैह, चाहे ओ दास हो वा स्वतंत्र।

उपदेशक 10:5 एकटा एहन दुष्टता अछि जे हम सूर्यक नीचाँ देखलहुँ, जेना कि शासक सँ निकलैत अछि।

शासकक गलतीसँ बुराई भऽ सकैए।

1: हमरा सभकेँ सदिखन बुद्धिमान नेता बनबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन निर्णय पर सजग रहबाक चाही।

2: हमर सभक काजक दूरगामी परिणाम भ' सकैत अछि, तेँ हमरा सभ केँ अपन निर्णय पर ध्यान देबाक चाही।

1: याकूब 3:1 - "हे हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे सिखबैत छी, हमरा सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत।"

2: नीतिवचन 11:14 - "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

उपदेशक 10:6 मूर्खता बहुत मर्यादा मे राखल गेल अछि, आ धनिक लोक नीचाँ बैसल रहैत छथि।

मूर्खता के प्रायः उच्च दर्जा के इनाम देल जाइत छैक जखन कि धनिक के कम सम्मान देल जाइत छैक |

1: हमरा सभकेँ ई झूठ विचारसँ मूर्ख नहि बनबाक चाही जे धन आ सत्ताक रहलासँ सच्चा इज्जत आ सम्मान भेटबाक एकमात्र उपाय अछि।

2: हमरा सभकेँ मोन राखब जे धन आ शक्तिसँ बेसी बुद्धि आ निष्ठा मूल्यवान होइत अछि।

1: 1 तीमुथियुस 6:10, कारण पैसाक प्रेम सभ तरहक बुराईक जड़ि अछि। पाइक लेल आतुर किछु लोक आस्थासँ भटकल छथि आ कतेको दुखसँ अपनाकेँ बेधने छथि ।

2: नीतिवचन 13:7, एक व्यक्ति धनिक होयबाक नाटक करैत अछि, तइयो ओकरा लग किछु नहि; दोसर गरीबक नाटक करैत अछि, तइयो ओकरा लग बहुत धन छैक।

उपदेशक 10:7 हम घोड़ा पर सवार सेवक सभ केँ देखलहुँ, आ राजकुमार सभ केँ पृथ्वी पर नोकर जकाँ चलैत देखलहुँ।

ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि पार्थिव धन आरू हैसियत क्षणभंगुर छै आरू भगवान के नजर में सब लोग बराबर छै।

१: "पृथ्वी स्थिति के आडंबर"।

2: "सत्ता के सामने विनम्रता"।

1: याकूब 2:1-7

2: मत्ती 20:20-28

उपदेशक 10:8 जे गड्ढा खोदत से ओहि मे खसि पड़त। जे बाड़ि तोड़त, ओकरा साँप काटि लेत।”

हमरऽ काम केरऽ परिणाम भयावह होय सकै छै, आरू जे लोग जोखिम उठाबै छै, ओकरा अक्सर एकरऽ गंभीर प्रतिक्रिया के सामना करना पड़ै छै ।

1. "लापरवाह जीवन जीबाक जोखिम"।

2. "सावधानी के बुद्धिमान विकल्प"।

1. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभक मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

उपदेशक 10:9 जे केओ पाथर हटाबैत अछि, ओकरा ओहि सँ चोट कयल जायत। जे लकड़ी काटि लेत से एहि सँ खतरा मे पड़ि जायत।

इ श्लोक हाथक श्रम कें संभावित खतरा आ खतरनाक सामग्री कें संभालएय कें समय सावधानी बरतय कें आवश्यकता कें चेतावनी देयत छै.

1. श्रम के छिपल खतरा: उपदेशक 10:9 हमरा सब के कोना सावधानी बरतय में मदद क सकैत अछि

2. तैयारी के बुद्धि: उपदेशक 10:9 के अध्ययन

1. नीतिवचन 22:3 - बुद्धिमान लोक अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।

2. उपदेशक 7:18 - ई नीक अछि जे अहाँ एहि बात केँ पकड़ि ली; हँ, एहि सँ सेहो अपन हाथ नहि हटि जाउ, किएक तँ जे परमेश् वर सँ डरैत अछि से सभ मे सँ निकलत।”

उपदेशक 10:10 जँ लोहा कुंद अछि, आ किनार केँ तेज नहि करैत अछि, तखन ओकरा बेसी बल देब’ पड़तैक।

सफलताक लेल बुद्धिक शक्ति अनिवार्य अछि; कोनो प्रयास मे बेसी ताकत देबा स बेसी निर्देशन करब बेसी फायदेमंद अछि।

1. बुद्धिक शक्ति: विवेकक माध्यमे सफलता प्राप्त करब

2. बुद्धिक बल सँ आगू बढ़ब

1. नीतिवचन 16:16 - सोना सँ कतेक नीक बुद्धि भेटब! समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।

2. नीतिवचन 9:9 - बुद्धिमान केँ शिक्षा दियौक, तखन ओ एखनो बुद्धिमान होयत; न्यायी आदमी के सिखा दियौक, त' ओ विद्या मे वृद्धि करत।

उपदेशक 10:11 निश्चित रूप सँ साँप बिना मोहित केने काटि लेत। आ बकबक करय बला कोनो नीक नहि।

साँप बिना कोनो चेतावनी के काटि लेत, आ गपशप सेहो ओतबे खतरनाक अछि।

1: गपशप के खतरा स सावधान रहबाक चाही, कियाक त ई दोसर के ओतबे आहत क सकैत अछि जतेक साँप के काटला स।

2: हमरा सभकेँ अपन बात आ ओकर परिणामक प्रति ध्यान देबाक चाही, किएक तँ ओ सभ नुकसान पहुँचा सकैत अछि तखनो जखन हमरा सभक मतलब नहि हो।

1: नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि।

2: याकूब 3:5-7 - जीह एकटा बेचैन बुराई अछि, जे घातक जहर स भरल अछि।

उपदेशक 10:12 बुद्धिमानक मुँहक वचन कृपालु होइत अछि। मुदा मूर्खक ठोर अपना केँ निगल जायत।

बुद्धिमानक बुद्धिमान वचन कृपा आ आनन्द आनि सकैत अछि, जखन कि मूर्खक वचन मात्र अपना पर विनाश आनि देत।

1. बुद्धिमानी सँ बाजू - शब्दक शक्ति जे जीवन वा विनाश अनबाक अछि

2. मूर्खक मूर्खता - कोना नहि जीब

1. नीतिवचन 12:18 - "एकटा एहन अछि जे तलवारक चोट जकाँ बेधड़क बजैत अछि, मुदा बुद्धिमानक जीह चंगाई दैत अछि।"

2. याकूब 3:1-12 - "हे भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे शिक्षक नहि बनू, ई जानि जे एहि तरहेँ हमरा सभ केँ एहि सँ कठोर न्याय होयत।"

उपदेशक 10:13 ओकर मुँहक बातक शुरुआत मूर्खता थिक, आ ओकर गप्पक अंत दुष्ट पागलपन थिक।

ई श्लोक मूर्खतापूर्ण आ शरारती वाणी सँ चेतावनी दैत अछि |

1. शब्दक शक्ति: हमर वाणी कोना सृजन वा विनाश क' सकैत अछि

2. हमर जीह के आशीर्वाद आ अभिशाप: हम सब जे कहब से बुद्धिमानी स चुनब

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि।

2. याकूब 3:6-8 - जीह एकटा बेचैन बुराई अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि।

उपदेशक 10:14 मूर्ख सेहो बात सँ भरल रहैत अछि, मनुष्य ई नहि कहि सकैत अछि जे की होयत। आ ओकर बाद की हेतै, ओकरा के कहि सकैत अछि?

ई श्लोक हमरा सब के याद दिलाबै छै कि भविष्य के भविष्यवाणी कोय नै करी सकै छै, आरू योजना बनाबै के समय मूर्खतापूर्वक आशावादी नै होना चाहियऽ ।

1: मूर्खतापूर्वक आशावादी नहि बनू: प्रभुक योजना पर भरोसा करू

2: जीवन के अनिश्चितता: प्रभु में आशा के साथ जीना सीखना

1: नीतिवचन 27:1 - "काल्हिक घमंड नहि करू, कारण अहाँ सभ नहि जनैत छी जे एक दिन की आनि सकैत अछि।"

2: याकूब 4:13-17 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब, तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि? किएक त' अहाँ एकटा एहन धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि."

उपदेशक 10:15 मूर्खक परिश्रम ओकरा सभ केँ थका दैत छैक, किएक तँ ओकरा शहर मे जेनाइ नहि बुझल छैक।

मूर्ख के श्रम थकाऊ छै कियाकि ओकरा शहर के सही रास्ता नै पता छै।

1. सही मार्ग सीखना - सोझ आ संकीर्ण मार्ग पर चलब।

2. बुद्धि के लाभ - बुद्धिमान निर्णय लेब।

1. नीतिवचन 14:15 - सरल लोक सब किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।

2. भजन 32:8 - हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखा देब; हम अहाँ पर नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।

उपदेशक 10:16 हे देश, तोहर धिक्कार अछि, जखन तोहर राजा बच्चा होयत, आ तोहर राजकुमार सभ भोर मे भोजन करैत छथि!

ई अंश लापरवाह सलाहकार वाला युवा आरू अनुभवहीन शासक के होय के परिणाम के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1. बच्चाक खतरा राजा आ लापरवाह सलाहकार

2. अनुभवी नेतृत्व के महत्व

1. नीतिवचन 29:2 - जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत अछि तखन लोक आनन्दित होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट शासन करैत अछि तखन लोक शोक करैत अछि।

2. नीतिवचन 11:14 - जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

उपदेशक 10:17 हे देश, अहाँ धन्य छी जखन अहाँक राजा कुलीन लोकक पुत्र छथि, आ अहाँक राजकुमार सभ समय पर भोजन करैत छथि, बलक लेल, नशाक लेल नहि!

कोनो भूमिक राजा आ राजकुमार जखन नशाक लेल नहि, संयम भोजन करैत छथि तखन आशीर्वाद होइत अछि ।

1. संयम के आशीर्वाद

2. जिम्मेदारी के आशीर्वाद

१. बेईमान लाभक पाछाँ नहि, सेवा करबाक लेल आतुर। अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक पर प्रभुत्व नहि, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।

2. नीतिवचन 23:1-3 - जखन अहाँ कोनो शासकक संग भोजन करय बैसब तखन अहाँक सोझाँ जे किछु अछि से नीक जकाँ नोट करू, आ जँ अहाँ पेटूपन मे पड़ि गेल छी तँ गला मे चाकू लगा दियौक। ओकर स्वादिष्ट भोजनक लालसा नहि करू, कारण ओ भोजन धोखा देबयवला अछि।

उपदेशक 10:18 बहुत आलस्य सँ भवन सड़ैत अछि। हाथक आलस्यक कारणेँ घर खसैत अछि।

आलस्य सँ विनाश होइत छैक जखन कि आलस्य सँ बर्बादी होइत छैक |

1: विनाश आ बर्बादी स बचबाक लेल हमरा सब कए अपन सब प्रयास मे लगनशील आ मेहनती रहबाक चाही।

2: विनाश आ बर्बादी स बचबाक लेल हमरा सब कए अपन हाथ कए भलाई क लेल उपयोग करबाक चाही आ बेकार नहि रहबाक चाही।

१: नीतिवचन १४:२३; सभ श्रम मे लाभ होइत छैक, मुदा ठोरक गप्प मात्र अभाव दिस होइत छैक।

2: कुलुस्सी 3:23; जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल आ मनुक्खक लेल नहि।

उपदेशक 10:19 भोज हँसीक लेल बनैत अछि, आ मदिरा आनन्दित करैत अछि, मुदा पाइ सभ किछुक उत्तर दैत अछि।

जिनगीक आनन्द भोज-भात, पीब आ पाइ-कौड़ी मे भेटैत अछि।

1. जीवनक आनन्द: भोज आ पीबाक माध्यमे उत्सव मनाबय के

2. पैसा सब बातक उत्तर दैत अछि: धनक शक्ति

1. नीतिवचन 22:7 - अमीर गरीब पर राज करैत अछि, आ उधार लेनिहार उधार देनिहारक सेवक होइत अछि।

2. उपदेशक 2:24 - मनुष्यक लेल एहि सँ नीक किछु नहि जे ओ खा-पीब आ अपन परिश्रम मे अपन आत्मा केँ नीक आनन्दित करय।

उपदेशक 10:20 राजा केँ शाप नहि दियौक, नहि अपन विचार मे। आ अपन पलंगक कोठली मे धनिक लोक केँ गारि नहि दियौक, किएक तँ हवाक चिड़ै आवाज केँ लऽ कऽ चलत आ जे पाँखि बला अछि से बात कहत।”

ई अंश हमरा सब क॑ सिखाबै छै कि अपनऽ बातऽ स॑ सावधान रहना आरू नेता आरू सत्ता म॑ बैठलऽ लोगऽ क॑ गारी दै स॑ बचै के ।

1. शब्दक शक्ति: हमर शब्द दोसर पर कोना प्रभाव डालैत अछि

2. उपदेशकक बुद्धि: विवेकक संग रहब

1. याकूब 3:5-8 - "तहिना जीह छोट अंग अछि, आ पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कतेक पैघ बात छोट आगि जराबैत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। तहिना... हमरा सभक अंग-अंगक बीच जीह, जे समस्त शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि आ प्रकृतिक मार्ग केँ आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि, वश मे कयल गेल अछि, आ मनुष्य केँ वश मे कयल गेल अछि, मुदा जीह केँ केओ वश मे नहि क' सकैत अछि, ई एकटा बेकाबू बुराई अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि।"

2. नीतिवचन 10:19 - "बहुत रास बात मे पापक अभाव नहि होइत छैक, मुदा जे अपन ठोर रोकैत अछि से बुद्धिमान अछि।"

उपदेशक अध्याय 11 में जोखिम उठाना, उदारता, आरू जीवन के अप्रत्याशितता के विषय के खोज करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय कें शुरु आत साहसिक भावना कें प्रोत्साहित करनाय आ गणना कैल गेल जोखिम उठानाय सं होयत छै. प्रचारक अपन रोटी पानि पर फेंकबाक सलाह दैत छथि, बिना तत्काल वापसी के उम्मीद केने उदारता आ निवेश के काज के सुझाव दैत छथि (उपदेशक 11:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: प्रचारक जीवनक अनिश्चितता आ अप्रत्याशितता पर चिंतन करैत छथि | ओ स्वीकार करैत छथि जे मनुक्ख अपन काजक परिणाम केँ पूरा तरहेँ नहि बुझि सकैत अछि वा ओकरा नियंत्रित नहि क' सकैत अछि, ठीक ओहिना जेना मौसमक भविष्यवाणी नहि क' सकैत अछि । अतः ओ अवसर के अपनाबय आ उत्पादक काज मे संलग्न रहय लेल प्रोत्साहित करैत छथि (उपदेशक 11:3-6)।

तेसर पैराग्राफ: प्रचारक पाठक लोकनि केँ युवावस्थाक क्षणभंगुर स्वभावक स्मरण कराबैत छथि आ आग्रह करैत छथि जे जखन धरि ओ सक्षम छथि तखन जीवनक आनंद ली। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे बुढ़ापा सीमा आनत आ वर्तमान मे आनन्दपूर्वक जीबय लेल प्रोत्साहित करैत छथि (उपदेशक 11:7-10)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक ग्यारहवाँ अध्याय में गहराई से
जोखिम उठाबय, 1.1.
उदारता, संगहि जीवनक भीतर भेटय बला अप्रत्याशितता केँ देल गेल मान्यता |

गणना कैल गेल जोखिम कें वकालत करयत समय साहस कें विशेषता वाला प्रोत्साहित करय वाला भावना.
तत्काल रिटर्न के उम्मीद के बिना उदारता या निवेश के कार्य के सलाह देब।
जीवन के परिणाम से जुड़ी अनिश्चितता पर चिंतन करना |
मानव समझ के भीतर सीमा के स्वीकार करनाय या मौसम के पैटर्न के भविष्यवाणी करय में असमर्थता के समान परिस्थिति पर नियंत्रण.
उत्पादक काज मे संलग्न रहबाक संग-संग अवसरक जब्त करबाक महत्व पर जोर देब।
व्यक्ति के युवावस्था के साथ क्षणिक प्रकृति के बारे में याद दिलाबै के साथ-साथ वर्तमान क्षण के भीतर मिलै वाला आनंद के आग्रह करना |
वर्तमान मौसम मे हर्षोल्लास सं जीबय लेल देल गेल प्रोत्साहन के संग-संग बुढ़ापा के कारण आगामी सीमा के पहचान करब.
उदारता कें कार्यक कें बढ़ावा देयत गणना कैल गेल जोखिम लेवा पर राखल गेल मूल्य कें पहचान करय कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय. व्यक्ति क॑ डर या अत्यधिक सावधानी स॑ लकवाग्रस्त होय के बजाय जीवन केरऽ यात्रा के भीतर निहित अनिश्चितता क॑ अपनाबै लेली प्रोत्साहित करना । एकरऽ अतिरिक्त, वर्तमान क्षणऽ के आनंद ल॑ क॑ रखलऽ गेलऽ महत्व प॑ जोर देना जैसनऽ कि वू क्षणिक होय छै, उम्र बढ़ै के प्रक्रिया के साथ आबै वाला अपरिहार्य परिवर्तन क॑ स्वीकार करना जबकि जीवन केरऽ विभिन्न चरणऽ म॑ आनन्द पाबै प॑ देलऽ गेलऽ महत्व प॑ जोर देना ।

उपदेशक 11:1 अपन रोटी पानि पर फेकि दियौक, कारण अहाँ ओकरा बहुत दिनक बाद पाबि लेब।

ई श्लोक हमरा सब के अपन संसाधन के साथ उदारता के लेल प्रोत्साहित करै छै, ई भरोसा करै छै कि समय पर ई हमरा सब के पास वापस आबी जैतै।

1. आशीर्वाद बनू: उदारताक फल

2. भरोसा आ आज्ञापालन: निष्ठावान दानक यात्रा

1. मत्ती 6:33, मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ बात अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. नीतिवचन 19:17, जे गरीबक प्रति उदार अछि, ओ प्रभु केँ उधार दैत अछि, आ ओ ओकरा अपन काजक बदला देत।

उपदेशक 11:2 सात गोटे केँ आ आठ गोटे केँ सेहो भाग दिअ। किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे पृथ् वी पर की अधलाह होयत।”

ई अंश हमरा सब के उदार बनय लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ जखन परिणाम के बारे में हमरा सब के पता नै अछि तखनो देबय के लेल।

1. उदारता के शक्ति पर विश्वास करू: देब दुनिया के कोना बदलि सकैत अछि

2. दानक आनन्द: उदार हेबाक फल

1. नीतिवचन 11:25 - उदार व्यक्ति समृद्ध होयत; जे दोसर के ताजा करत से तरोताजा होयत।

२. अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ जे देबाक लेल अपन हृदय मे निर्णय कयल गेल अछि से देबाक चाही, अनिच्छा सँ वा मजबूरी मे नहि, कारण भगवान् हँसमुख दान करयवला सँ प्रेम करैत छथि।

उपदेशक 11:3 जँ मेघ बरखा सँ भरल रहत तँ ओ पृथ्वी पर खाली भ’ जाइत अछि, आ जँ गाछ दक्षिण वा उत्तर दिस, ओहि ठाम खसि पड़त जतय गाछ खसैत अछि, त’ ओतहि रहत।

मेघ भरला पर बरखा आनत, आ गाछ कोन दिशा खसैत अछि से ओकर चारू कातक बल द्वारा निर्धारित होइत छैक |

1. भगवान् के संप्रभुता: प्रकृति एवं दिव्य डिजाइन के चौराहे की जांच |

2. रोजमर्रा के जीवन में भगवान के हाथ देखना

1. रोमियो 8:28-30: आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि। हुनका सभ केँ ओ पहिने सँ जनैत छलाह जे ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्वनिर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय। ओ जिनका सभ केँ ओ पहिने सँ निर्धारित केने छलाह, तकरा सभ केँ सेहो बजौलनि, आ जिनका सभ केँ ओ धर्मी ठहरौलनि, तकरा सभ केँ सेहो धर्मी ठहरौलनि।

2. याकूब 1:17: हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

उपदेशक 11:4 जे हवाक पालन करैत अछि से बोनि नहि करत। मेघक परवाह केओ काटि नहि लेत।”

उचित समय के महत्व पर जोर देल गेल अछि; आवेगपूर्वक काज नहि करबाक चाही, बल्कि सही क्षणक प्रतीक्षा करबाक चाही।

1. हवा आ बादल: हमर जीवन मे समय

2. प्रभुक प्रतीक्षा: धैर्य आ बुद्धि

1. याकूब 5:7-8 तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू जे कोना किसान धरतीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि, ओकरा लेल धैर्य रखैत अछि, जाबत धरि ओकरा जल्दी आ देर सँ बरखा नहि भेटैत छैक। अहाँ सेहो, धैर्य राखू। अपन हृदय केँ स्थापित करू, कारण प्रभुक आगमन लग आबि गेल अछि।

2. नीतिवचन 16:9 मनुष्यक हृदय अपन बाट केँ योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ स्थापित करैत अछि।

उपदेशक 11:5 जेना अहाँ नहि जनैत छी जे आत् माक बाट की होइत छैक आ ने गर्भवतीक गर्भ मे हड्डी कोना बढ़ैत छैक, तहिना अहाँ सभ परमेश् वरक काज नहि जनैत छी जे सभ किछु बनबैत छथि।

हम आत्मा के तरीका या परमेश् वर केना काम करै छै, ओकरा नै समझी सकै छियै, कैन्हेंकि ओकरो काम हमरा सिनी लेली अज्ञात छै।

1: भगवानक रहस्यमयी तरीका पर भरोसा करबाक चाही, ओहो तखन जखन हम सभ ओकरा नहि बुझैत छी।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक योजना केँ स्वीकार करबाक चाही आ ओकरा पर विश्वास करबाक चाही, ओहो तखन जखन हुनकर काज हमरा सभ सँ नुकायल हो।

1: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2: यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

उपदेशक 11:6 भोरे अपन बीया बोउ, आ साँझ मे अपन हाथ नहि रोकू, किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे ई वा ओ, वा ओ दुनू एक समान नीक होयत।

बोवाई आ फसल काटब जीवनक चक्रक हिस्सा अछि। एकर परिणाम की होयत से नहि जानि सकैत छी, मुदा तइयो अपन बीया बोबय पड़त।

1: बोवाई के लाभ काटब

2: अनिश्चितताक बादो भगवान् पर भरोसा करब

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर मे सँ विनाश काटि लेत। मुदा जे आत् माक लेल बोनि लेत से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

2. 2 कोरिन्थी 9:6-8 - मुदा हम ई कहैत छी जे जे कम बोनि सकैत अछि, से कम फसल सेहो काटि लेत। जे बहुत रास बोनि लेत से भरपूर फसल सेहो काटि लेत। प्रत्येक केओ अपन मोन मे जेना चाहैत अछि, तेना देबाक चाही। अनिच्छा सँ आ आवश्यकता सँ नहि, किएक तँ परमेश् वर हँसी-खुशी दान करयवला सँ प्रेम करैत छथि। परमेश् वर अहाँ सभक प्रति सभ अनुग्रहक भरमार करबा मे सक्षम छथि। जाहि सँ अहाँ सभ केँ सदैव सभ काज मे पूरा-पूरा भ' क' सभ नीक काज मे प्रचुरता भेटय।

उपदेशक 11:7 सत्ते इजोत मीठ होइत अछि, आ आँखिक लेल सूर्य केँ देखब नीक लगैत अछि।

प्रकाश भगवान केरऽ वरदान छै जे आनन्द आरू आनन्द दै छै ।

1: भगवान् के प्रकाश के वरदान के आनंद लेब

2: प्रकृति के सौन्दर्य के सराहना

भजन 19:1-4 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आकाश ओकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

366

भजन 84:11 - कारण, प्रभु परमेश् वर एकटा सूर्य आ ढाल छथि। प्रभु अनुग्रह आ सम्मान प्रदान करैत छथि। जिनकर चलब निर्दोष अछि, हुनका सभ सँ कोनो नीक बात नहि रोकैत अछि।

उपदेशक 11:8 मुदा जँ केओ बहुत वर्ष जीवित रहैत अछि आ सभ मे आनन्दित होइत अछि। तैयो अन्हारक दिन मोन राखय। किएक तँ ओ सभ बेसी हेताह। जे किछु अबैत अछि से आडंबर अछि।

अन्हार या परेशानी के दिन जीवन भर में अनेक रूप में आबी सकै छै, लेकिन एकरा याद रखना चाहियऽ, कैन्हेंकि ई भरपूर होतै । जीवन मे सब किछु अंततः निरर्थक अछि।

1. जीवनक कष्टक माध्यमे भगवानक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करू।

2. जीवनक आशीर्वाद मे आनन्दित रहू, मुदा मोन राखू जे सब किछु क्षणिक होइत छैक।

1. यशायाह 53:3-5 - हुनका मनुष्य द्वारा तिरस्कृत आ अस्वीकार कयल गेल छल, एकटा दुखक आदमी आ दुख सँ परिचित। जहिना जेकरासँ लोक मुँह नुका लैत अछि ओकरा तिरस्कृत कएल जाइत छलैक, आ हम सभ ओकरा नीचाँ मानैत छलहुँ । निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक दुर्बलता केँ उठा कऽ हमरा सभक दुःख केँ धारण कयलनि, तइयो हम सभ हुनका परमेश् वर द्वारा प्रहारित, हुनका द्वारा मारल गेल आ पीड़ित बुझलहुँ। मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा मे दृढ़ताक विकास होइत अछि। दृढ़ता के अपन काज पूरा करय पड़त जाहि सं अहां परिपक्व आ पूर्ण भ सकय छी, कोनो चीज के कमी नहिं.

उपदेशक 11:9 हे युवक, अपन जवानी मे आनन्दित रहू। जवानीक दिन मे तोहर मोन केँ हौसला बढ़ाबैत रहू, आ अपन हृदयक बाट आ आँखिक नजरि मे चलैत रहू।

युवा सब के जीवन के आनंद लेबाक चाही, मुदा ई मोन राखय पड़त जे भगवान हुनकर कर्म के हिसाब स न्याय करताह।

1. "भगवानक न्यायक आलोक मे जीवन केँ पूर्ण रूप सँ जीब"।

2. "क्षण मे आनन्द भेटब, अनन्त काल दिस आँखि सँ"।

1. मत्ती 6:33 - "मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. रोमियो 14:12 - "तखन हमरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे परमेश् वरक समक्ष अपन हिसाब देब।"

उपदेशक 11:10 तेँ अपन हृदय सँ दुःख दूर करू आ अपन शरीर सँ बुराई दूर करू, कारण बचपन आ युवावस्था व्यर्थ अछि।

ई अंश बचपन आरू युवावस्था के क्षणभंगुर स्वभाव के उजागर करै छै आरू दुख के बजाय आनन्द पर ध्यान केंद्रित करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. यात्रा मे आनन्द: जीवनक क्षणभंगुर प्रकृति केँ आत्मसात करब

2. दुख छोड़ू: एतय आ एखन मे संतोष भेटब

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2. याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर

विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब।

उपदेशक अध्याय 12 में बुढ़ापा, परमेश्वर के भय, आरू जीवन के अंतिम उद्देश्य के बारे में चिंतन के साथ पुस्तक के समापन करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय कें शुरु आत बुढ़ापा कें साथ आवय वाला चुनौतियक आ शारीरिक पतन कें वर्णन सं कैल गेल छै. प्रचारक जीवन के विभिन्न पहलु पर एकरऽ प्रभाव क॑ उजागर करी क॑ उम्र बढ़ै के प्रक्रिया के चित्रण करै लेली काव्य भाषा के प्रयोग करै छै (उपदेशक १२:१-७) ।

2nd पैराग्राफ: प्रचारक युवा रहैत बुद्धि के आत्मसात करबाक आ ज्ञान के खोज करबाक सलाह दैत छथि | ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे बुद्धिक पाछाँ चलला सँ सार्थक आ पूर्ण जीवन भेटैत अछि (उपदेशक 12:8-9)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रचारक परमेश् वर सँ भय आ हुनकर आज्ञाक पालन करबाक महत्व पर जोर दैत समापन करैत छथि | ओ ई दावा करैत छथि जे ई हरेक व्यक्तिक कर्तव्य अछि किएक त’ परमेश् वर हर काज केँ न्याय मे अनताह (उपदेशक 12:10-14)।

संक्षेप मे, २.
उपदेशक बारह अध्याय समाप्त होइत अछि
उम्र बढ़ने पर चिंतन वाला पुस्तक,
भगवान् के भय, साथ ही जीवन के भीतर पाये जाने वाला अंतिम उद्देश्य |

बुढ़ापा सं जुड़ल शारीरिक गिरावट कें साथ चुनौतियक कें वर्णन करनाय.
जीवन के विभिन्न पहलू पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया द्वारा पड़े वाला प्रभाव के चित्रण के लिये काव्य भाषा का प्रयोग |
युवावस्था मे बुद्धि के साधना एवं ज्ञान प्राप्ति के सलाह देना |
सार्थक अस्तित्व के तरफ ले जाय वाला बुद्धि के आलिंगन पर महत्व पर जोर देना |
समापन पर भगवान् के आज्ञा के प्रति आज्ञापालन के साथ-साथ परमेश् वर के भय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।
हर व्यक्ति के कर्म या कर्म के प्रतीक्षा में दिव्य निर्णय के देल गेल मान्यता के पुष्टि करब |
युवावस्था कें दौरान बुद्धि कें पीछा करय कें प्रोत्साहित करय कें साथ-साथ उम्र बढ़य कें प्रक्रिया कें साथ आवय वाला अपरिहार्य परिवर्तनक कें पहचान करय कें अंतर्दृष्टि प्रदान करनाय. भगवान् के प्रति आदरपूर्ण भय के साथ-साथ उद्देश्यपूर्ण जीवन के लेलऽ हुनकऽ आज्ञा के पालन के महत्व पर जोर देना । एकरऽ अतिरिक्त, व्यक्ति क॑ ईश्वरीय सिद्धांतऽ के अनुसार जीबै लेली प्रोत्साहित करतें हुअ॑ अपनऽ पूरा यात्रा म॑ करलऽ गेलऽ सब कर्म या कर्म केरऽ ईश्वरीय जवाबदेही क॑ स्वीकार करना ।

उपदेशक 12:1 अपन जवानी मे अपन सृष्टिकर्ता केँ मोन पाड़ू, जखन कि अधलाह दिन नहि आबि रहल अछि आ ने वर्ष नजदीक आबि रहल अछि जखन अहाँ कहब जे, “हमरा एहि मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि।”

जीवन के कठिन समय आबै स पहिने हमरा सब के अपन युवावस्था में भगवान के याद करबाक चाही।

1. बहुत देर तक इंतजार नै करू: अपन युवावस्था में भगवान के सेवा के फायदा

2. दिन जब्त करब: हमरा सभ लग जे समय अछि ओकर सदुपयोग करब

1. भजन 90:12 - तेँ हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ अपन हृदय केँ बुद्धि मे लगा सकब।

2. याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

उपदेशक 12:2 जाबत धरि सूर्य वा इजोत वा चान आ तारा सभ अन्हार नहि होइत अछि आ ने मेघ बरखाक बाद घुरि जाइत अछि।

उपदेशक 12:2 प्रकृति केरऽ नित्य मौजूद सुंदरता पर जोर दै छै, जेकरऽ अलग-अलग रूपऽ में, बरसात बीतला के बाद भी।

1. प्रकृतिक अटूट महिमा: भगवानक सृष्टिक सौन्दर्यक उत्सव

2. प्रकृतिक अपरिवर्तनीय स्वभाव: सृष्टिक शाश्वत वैभव मे आनन्दित

1. भजन 19:1-4 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ ऊपर आकाश हुनकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।"

2. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

उपदेशक 12:3 जाहि दिन घरक रखवाला सभ काँपत, बलवान लोक सभ प्रणाम करत, आ पीसनिहार सभ कम हेबाक कारणेँ रुकि जायत, आ खिड़की सँ बाहर देखनिहार सभ अन्हार भ’ जायत।

अंश एकटा एहन अनिवार्य समयक गप्प करैत अछि जखन बलवान लोकनि प्रणाम करताह आ सतर्कतम लोक सेहो आन्हर भ' जेताह ।

1. परिवर्तनक अनिवार्यता: अनिश्चितताक तैयारी कोना कयल जाय

2. विनम्रताक ताकत: अपन अनिवार्य कमजोरी केँ स्वीकार करब

1. भजन 90:12 - तेँ हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ अपन हृदय केँ बुद्धि मे लगा सकब।

2. याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

उपदेशक 12:4 जखन पीसबाक आवाज कम होयत तखन सड़क पर दरबज्जा बंद भ’ जायत, आ ओ चिड़ै के आवाज पर उठत आ संगीतक सभ बेटी केँ नीचाँ उतारल जायत।

जीवन क्षणभंगुर आ क्षणिक होइत अछि।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे पृथ्वी पर जीवन क्षणिक होइत अछि आ जखन हम सभ अपन जीवन भगवान मे लगाबी तखनहि अनन्त काल सुरक्षित होइत अछि।

2: हमरा सभकेँ ई नहि बिसरबाक चाही जे पृथ्वी पर जीवन क्षणिक अछि आ हमरा सभकेँ मात्र एतय आ एखनक लेल नहि अपितु अनन्त काल धरि जीबय पड़त।

1: मत्ती 6:19-20 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट नहि करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करैत अछि।

2: फिलिप्पियों 3:19-20 ओकर सभक भाग्य विनाश छैक, ओकर देवता ओकर पेट छैक, आ ओकर महिमा ओकरा सभक लाज मे छैक। हुनका लोकनिक मन पार्थिव वस्तु पर रहैत छनि। मुदा हमर सभक नागरिकता स्वर्ग मे अछि। आ हम सभ ओतय सँ एकटा उद्धारकर्ता, प्रभु यीशु मसीहक बेसब्री सँ प्रतीक्षा करैत छी।

उपदेशक 12:5 जखन ओ सभ ऊँच चीज सँ डरताह, आ बाट मे भय रहत, आ बादामक गाछ पनपत, आ टिड्डी बोझ बनि जायत, आ इच्छा खत्म भ’ जायत घर, आ शोक संतप्त लोक सड़क पर घुमैत छथि।

एहि अंश मे जीवनक क्षणभंगुर प्रकृति पर चिंतन कयल गेल अछि आ कोना मृत्यु जीवनक एकटा निश्चित, अपरिहार्य अंग अछि |

1. पृथ्वी पर हमर समय सीमित अछि, ताहि लेल हमरा सब के अपन जीवन के अधिकतम उपयोग करय पड़त।

2. समय निकालि क' जे बीतल छथि हुनका मोन पाड़ू आ वर्तमान मे जीबि रहल लोकक संग जे समय बिताओल अछि ओकर सराहना करू।

1. उपदेशक 3:1-8 - सब किछु के लेल समय छै, आ आकाश के नीचा हर काज के लेल एकटा मौसम छै।

2. भजन 90:12 - हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ बुद्धिक हृदय प्राप्त करी।

उपदेशक 12:6 या फेर चानीक डोरी ढीला भ’ जाय, वा सोनाक बासन टूटि जाय, वा फव्वारा पर घैल टूटि जाय, वा कुँहा पर चक्का टूटि जाय।

चानीक डोरी, सोनाक कटोरा, घैल आ चक्का सब जीवनक क्षणभंगुर स्वभावक प्रतीक थिक ।

1. "अनित्यता के जीवन: अपन समय के सदुपयोग"।

2. "चांदीक डोरी: हमर मृत्यु दर पर एकटा चिंतन"।

1. यशायाह 40:6-8 - "सब लोक घास जकाँ अछि, आ ओकर सभ विश् वास खेतक फूल जकाँ अछि। घास मुरझा जाइत अछि आ फूल खसि पड़ैत अछि, कारण प्रभुक साँस ओकरा सभ पर बहैत अछि। निश्चय लोक सभ अछि।" घास।घास मुरझा जाइत अछि आ फूल खसि पड़ैत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल टिकैत अछि।

2. याकूब 4:14 - अहाँक जीवन की अछि? अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि ।

उपदेशक 12:7 तखन धूरा पृथ्वी पर ओहिना वापस आबि जायत जेना पहिने छल, आ आत्मा ओकरा देलनिहार परमेश् वर दिस घुरि जायत।

सुलेमान सिखाबै छै कि जबे कोय आदमी मरै छै, तबे ओकरो आत्मा परमेश् वर के पास वापस आबी जाय छै, जे ओकरा देलकै।

1. पृथ्वी पर अपन समय के संजोब: एतय अहाँ की करब से मायने रखैत अछि

2. जीवनक बाद की होइत छैक से जानबाक आराम केँ आत्मसात करू

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. अय्यूब 14:14 - जँ केओ मरि जायत तँ की ओ फेर जीवित रहत? हमर निर्धारित समयक सभ दिन प्रतीक्षा करब, जा धरि हमर बदलाव नहि आबि जायत।

उपदेशक 12:8 व्यर्थताक व्यर्थता, प्रचारक कहैत छथि। सब आडंबर अछि।

उपदेशक घोषणा करैत अछि जे सब किछु आडंबर अछि।

1. आडंबर स ऊपर जीवन जीब

2. व्यर्थ संसार मे आनन्द भेटब

1. रोमियो 8: 18-19 - कारण हम मानैत छी जे एहि वर्तमान समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

2. फिलिप्पियों 4: 11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ।

370

उपदेशक 12:9 आ ताहू मे, प्रचारक बुद्धिमान रहबाक कारणेँ ओ लोक सभ केँ ज्ञान सिखबैत छलाह।
हँ, ओ नीक जकाँ ध्यान देलनि, आ बहुत रास फकड़ा सभ केँ खोजि लेलनि आ व्यवस्थित कयलनि।

उपदेशक 12:9 मे प्रचारक बुद्धिमान छलाह आ बहुत रास फकड़ा के खोजि क’ आ व्यवस्थित क’ क’ लोक सभ केँ ज्ञान सिखबैत छलाह।

1. नीतिवचन के शक्ति: उपदेशक 12:9 के अध्ययन

2. प्रचारक के बुद्धि: उपदेशक 12:9 के प्रतिबिंब

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. नीतिवचन 18:15 - बुद्धिमानक हृदय केँ ज्ञान भेटैत छैक। बुद्धिमानक कान ज्ञानक खोज करैत अछि।

उपदेशक 12:10 प्रचारक स्वीकार्य वचन सभक खोज करबाक प्रयास कयलनि, आ जे किछु लिखल गेल छल से सोझ छल, सत्यक वचन।

प्रचारक एहन शब्द खोजलक जे परमेश् वर केँ नीक लागत, आ ओकरा ईमानदार आ सच्चा पाबि लेलक।

1. सोझ वाणीक शक्ति

2. भगवान् केँ प्रसन्न करयवला वचनक खोज

1. कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

2. याकूब 3:17 - मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शांतिपूर्ण, कोमल, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल अछि।

उपदेशक 12:11 ज्ञानी सभक वचन सभटाक मालिक सभक द्वारा बान्हल कील जकाँ अछि, जे एक चरबाह सँ देल जाइत अछि।

एहि अंश मे चरबाहक बुद्धिमान वचनक गप्प कयल गेल अछि जे गोड आ कील जकाँ होइत अछि, जे सभाक मालिक द्वारा बान्हल जाइत अछि |

1. चरबाह के शक्ति: चरबाह के बुद्धिमान वचन हमरा सब के कोना पूरा जीवन में ल जा सकैत अछि

2. सभाक महत्व: आस्थावान लोकनिक सभा हमरा सभ केँ कोना आध्यात्मिक आत्मज्ञान दिस ल' जाइत अछि

1. नीतिवचन 9:8, उपहास करयवला केँ नहि डाँटब, नहि त’ ओ अहाँ सँ घृणा करत; बुद्धिमान केँ डाँटि दियौक, ओ अहाँ सँ प्रेम करत।

2. भजन 23:1-2, प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।

उपदेशक 12:12 हमर बेटा, एहि सभ सँ उपदेश दिअ जे, बहुतो पुस्तक बनेबाक कोनो अंत नहि अछि। आ बहुत अध्ययन मांसक थकान थिक।

सुलेमान अपनऽ बेटा क॑ सलाह दै छै कि बेसी पढ़ै-लिखै के परिणाम के बारे म॑ जागरूक रहै ।

1. अपन जीवनक संतुलन बनाउ: सुलेमानक बुद्धि

2. संयम के लाभ

371

1. नीतिवचन 23:4-5 - धनिक बनबाक लेल अपना केँ थकान नहि करू; अपन चतुराई पर भरोसा नहि करू। धन-दौलत पर एक नजरि दियौक, तखन ओ सभ चलि गेल, कारण ओ सभ पाँखि अंकुरित कए गरुड़ जकाँ आकाश दिस उड़ि जायत।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

उपदेशक 12:13 आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि।

मनुष्य के पूरा कर्तव्य छै कि भगवान के भय आरू हुनकऽ आज्ञा के पालन करना ।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

2. भगवान् के सच्चा भय के अर्थ समझना

पार करनाइ-

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. भजन 111:10 - प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत थिक; एकरऽ अभ्यास करै वाला सब के अच्छा समझ छै ।

उपदेशक 12:14 किएक तँ परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि परमेश्वर हमरऽ काम आरू यहां तक कि हमरऽ गुप्त विचार के न्याय करतै।

1: हमरा सभ केँ सदिखन भगवानक नजरि मे उचित करबाक प्रयास करबाक चाही, कारण ओ हमरा सभक नीक-बेजाय दुनू काजक लेल न्याय करताह।

2: हमरा सभकेँ मोन राखबाक चाही जे प्रभुसँ कोनो बात नुकायल नहि अछि, तेँ हमरा सभकेँ अपन विचार आ कर्मसँ सदिखन सजग रहबाक चाही।

1: नीतिवचन 16:2 - मनुष्यक सभ बाट ओकरा सही बुझाइत छैक, मुदा प्रभु एकर उद्देश्यक मूल्यांकन करैत छथि।

2: रोमियो 2:16 - ई ओहि दिन होयत जखन परमेश् वर यीशु मसीहक द्वारा लोकक रहस्यक न्याय करताह, जेना कि हमर सुसमाचार घोषणा करैत अछि।

सोलोमन के गीत अध्याय 1 में एक कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच के भावुक आरू काव्यात्मक प्रेम के परिचय देलऽ गेलऽ छै । एक दोसरा के प्रति हुनकऽ लालसा, इच्छा आरू प्रशंसा के मंच तैयार करै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत कनियाँ अपन प्रियतम के प्रति अपन गहींर स्नेह के अभिव्यक्ति स होइत अछि | ओ ओकरा नजदीक रहबाक इच्छा रखैत छथि, हुनकर प्रेमक तुलना उत्तम सुगंध सँ करैत छथि (गीत 1:1-4)।

द्वितीय अनुच्छेद: कनियाँ अपना केँ अन्हार मुदा प्यारा बतबैत छथि, ई स्वीकार करैत छथि जे हुनकर शारीरिक रूप हुनकर औकात वा आकर्षण मे कोनो कमी नहि करैत अछि । ओ अपन प्रियतमक आलिंगन लेल तरसैत छथि आ हुनका संग रहबाक प्रबल इच्छा व्यक्त करैत छथि (गीत 1:5-7)।

तृतीय पैराग्राफ: कनियाँ यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत छथि, अपन प्रियतम के खोजय में हुनकर सहायता के आग्रह करैत छथि। ओ हुनका चमकैत शब्द मे वर्णन करैत छथि, हुनकर आकर्षण आ आकर्षण केँ उजागर करैत छथि (गीत 1:8-11)।

4 म पैराग्राफ: प्रियतम कनियाँक प्रेमक अभिव्यक्तिक प्रतिक्रिया दैत छथिन हुनकर सौन्दर्यक प्रशंसा आ ओकर तुलना विभिन्न प्राकृतिक तत्व सँ करैत छथि | ओ ओकरा प्रति अपन भक्ति के पुष्टि करैत छथि आ हुनकर संबंध के पनपबाक इच्छा व्यक्त करैत छथि (गीत 1:12-17)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय एक प्रस्तुत
कनियाँक बीच बाँटल भावुक प्रेम
आ काव्यात्मक अभिव्यक्तिक माध्यमे ओकर प्रियतम।

कनियाँ द्वारा अपन प्रियतम प्रति धारण कयल गेल गहींर स्नेहक अभिव्यक्ति।
अपन प्रेमक तुलना बेहतरीन सुगंधसँ करैत निकटताक इच्छा।
व्यक्तिगत औकात या आकर्षण पर जोर दैत स्व-अनुमानित शारीरिक गुण के स्वीकार करब।
संयोग के प्रति प्रबल इच्छा व्यक्त करय के संग संग अंतरंग आलिंगन के लेल तरसब।
यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत जे प्रियतम के खोजय में सहायता के मांग करैत छल।
आकर्षण या आकर्षण के धारण करय वाला चमकैत शब्द के प्रयोग क प्रिय के वर्णन करब |
कनियाँ के भीतर भेटय बला सौन्दर्य के विभिन्न प्राकृतिक तत्व स तुलना करैत ओकर प्रशंसा करैत प्रतिक्रिया देबय वाला प्रिय |
कनियाँ के प्रति आयोजित भक्ति के पुष्टि के साथ-साथ फलैत-फूलैत संबंध के इच्छा व्यक्त करब |

काव्य भाषा के माध्यम स॑ व्यक्त रोमांटिक प्रेम स॑ जुड़लऽ तीव्र भावना क॑ पहचानै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । रोमांटिक रिश्ता के भीतर आपसी प्रशंसा के साथ-साथ शारीरिक आकर्षण पर भी जोर देना | एकरऽ अतिरिक्त, प्रेम या संबंधऽ स॑ संबंधित मामला म॑ नेविगेट करतें समय दोसरऽ स॑ समर्थन लेबै के साथ-साथ खुला संवाद द्वारा रखलऽ गेलऽ महत्व क॑ उजागर करना ।

गीतक गीत 1:1 गीतक गीत, जे सुलेमानक अछि।

गीतक गीत सुलेमान द्वारा लिखल गेल प्रेम कविता अछि |

1: प्रेम परमेश् वरक एकटा सुन्दर वरदान अछि आ सुलेमानक गीत गीत सँ हम सभ बहुत किछु सीख सकैत छी।

2: भगवान हमरा सभकेँ एक दोसरासँ गहींर प्रेम करबाक लेल बजबैत छथि आ प्रेमक वरदानकेँ आनन्द आ कृतज्ञताक संग मनाबी।

1: 1 कोरिन्थी 13:4-7 - "प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या वा घमंड नहि करैत अछि; ओ अहंकारी आ अभद्र नहि होइत अछि। ओ अपन बाट पर जोर नहि दैत अछि; ओ चिड़चिड़ा वा आक्रोशित नहि होइत अछि; नहि करैत अछि।" अधलाह काज मे आनन्दित रहू, मुदा सत्य पर आनन्दित होउ। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब किछु पर विश्वास करैत अछि, सब किछु पर आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।"

2: यूहन्ना 15:12-13 - "हमर ई आज्ञा अछि जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केने छी। एहि सँ पैघ प्रेम केओ नहि अछि जे कियो अपन मित्र सभक लेल अपन प्राण देब।"

गीत 1:2 ओ हमरा अपन मुँहक चुम्मा सँ चुम्मा लेथि, किएक तँ अहाँक प्रेम मदिरा सँ नीक अछि।

प्रेमिका अपन प्रियतम प्रेमक मिठासक प्रशंसा करैत अछि, ओकरा शराब सँ नीक बतबैत अछि ।

1. प्रेमक मिठास: गीतक गीत मे आत्मीयताक सौन्दर्यक अन्वेषण

2. प्रेमक दिव्य वरदान: भगवानक प्रचुरता आ पूर्तिक अनुभव

1. 1 यूहन्ना 4:7-8 - "प्रिय लोकनि, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि। आ प्रेम करयवला केओ परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर छथि।" प्रेम."

2. रोमियो 13:10 - "प्रेम अपन पड़ोसी पर कोनो अधलाह काज नहि करैत अछि, तेँ प्रेम व्यवस्थाक पूर्ति अछि।"

गीत 1:3 तोहर नीक मरहमक सुगन्धक कारणेँ तोहर नाम ढारल गेल मरहम जकाँ अछि, तेँ कुमारि सभ तोरा सँ प्रेम करैत अछि।

भगवान् के भलाई के मधुर सुगंध के प्रसिद्धि छै, आ विश्वासी के हृदय में हुनकऽ नाम के प्रशंसा होय छै ।

1. स्तुति के शक्ति: भगवान के भलाई के कोना पहचानल जाइत अछि

2. भक्ति के आकर्षण: कुमारि सब भगवान स कियैक प्रेम करैत छथि

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि।

2. 1 पत्रुस 2:2 - नवजात शिशु जकाँ शुद्ध आध्यात्मिक दूधक लेल तरसैत रहू, जाहि सँ अहाँ सभ उद्धार मे बढ़ि सकब।

गीत 1:4 हमरा खींचू, हम सभ अहाँक पाछाँ दौड़ब, राजा हमरा अपन कोठली मे ल’ गेलाह, हम सभ अहाँ मे आनन्दित होयब आ आनन्दित होयब, हम सभ मदिरा सँ बेसी अहाँक प्रेम केँ मोन पाड़ब।

हमरा अपन नजदीक आनि दिअ प्रभु, हम जतय ल' जायब, हम ओकर पाछू-पाछू चलब। अहाँक प्रेम कोनो पार्थिव सुख सँ नीक अछि।

1: भगवानक प्रेम कोनो चीजसँ नीक अछि

2: भगवान् सँ निकटता ताकू आ हुनकर प्रेम अहाँ केँ पूरा करत

1: यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने सँ प्रकट भेलाह जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2: सपन्याह 3:17 - "तोहर बीच मे परमेश् वर परमेश् वर पराक्रमी छथि; ओ उद्धार करताह, ओ अहाँ पर हर्षित भ' क' आनन्दित हेताह; ओ अपन प्रेम मे विश्राम करताह, ओ अहाँ पर गाबय मे आनन्दित हेताह।"

गीत 1:5 हे यरूशलेमक बेटी सभ, हम कारी छी, मुदा सुन्दर छी, केदारक डेरा जकाँ, सुलेमानक पर्दा जकाँ।

कनियाँ कारी चमड़ी रहितो सुन्दर अछि, आ ओकर सौन्दर्यक तुलना केदारक डेरा आ सुलेमानक पर्दा सँ कयल जाइत अछि |

1. सौन्दर्य सब आकार आ रंग मे अबैत अछि

2. विविधताक सौन्दर्यक सराहना करब

१ एकटा कोमल आ शान्त आत्मा, जे भगवानक नजरि मे बहुत अनमोल अछि।

2. नीतिवचन 31:30 - आकर्षण छल, आ सौन्दर्य व्यर्थ, मुदा जे स्त्री प्रभु सँ डेराइत अछि, ओकर प्रशंसा करबाक चाही।

गीत 1:6 हमरा दिस नहि देखू, किएक तँ हम कारी छी, किएक तँ सूर्य हमरा दिस तकलक। ओ सभ हमरा अंगूरक बागक रखवाला बनौलनि। मुदा हम अपन अंगूरक बगीचा नहि रखलहुँ।

गीत 1:6 मे वक्ता व्यक्त करैत छथि जे कोना ओ अपन त्वचाक रंगक कारणेँ अपना केँ पराया आ अनादर महसूस करैत छथि, आ कोना हुनका सभ केँ एहन काज देल गेल छनि जे ओ पूरा नहि क’ सकलाह अछि।

1. भेदभाव के सामने लचीलापन की शक्ति |

2. प्रतिकूलताक बीच आस्थाक ताकत

1. यशायाह 54:17 - "अहाँ सभक विरुद्ध बनल कोनो शस्त्र सफल नहि होयत, आ जे कोनो जीह अहाँ सभक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ सभ दोषी ठहराउ। ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि, आ हुनकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि," कहैत अछि भगवान्.

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन ई सभटा आनन्द मानू, ई जानि जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि। मुदा धैर्य केँ अपन सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे किछुक अभाव नहि हो।

गीतक गीत 1:7 हे हमरा कहू जे हमर प्राणी प्रेम करैत अछि, अहाँ कतय पोसैत छी, दुपहर मे अपन भेँड़ा केँ कतय आराम दैत छी, किएक तँ हम अहाँक संगी सभक झुंडक झुंडक कात मे घुमैत लोक जकाँ किएक बनब?

वक्ता अपन प्रियतमक संग रहबाक लेल तरसैत छथि आ अपन संगतिक लालसा साझा करैत छथि ।

1. प्रेमक लालसा: रिश्ता मे संतोषक खोज

2. चरबाहक देखभाल: चरबाहक उपस्थिति मे आराम भेटब

1. भजन 23:2 - ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शांत पानि के कात मे ल' जाइत छथि।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ चरबैत छथि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत छथि आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक ल’ जाइत छथि; जेकरा बच्चा छै, ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करै छै।

गीत 1:8 हे स्त्रीगण मे सुन्दर, जँ अहाँ नहि जनैत छी, तँ भेँड़ाक पदचिह्न पर चलि जाउ आ चरबाह सभक डेराक कात मे अपन बच्चा सभ केँ पोसब।

गीतक गीत महिला मे सबसँ गोरी केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे बाहर जा क' पता चलय जे झुंड कतय जा रहल अछि, आ फेर चरबाह सभक डेराक बगल मे अपन बच्चा सभ केँ खुआबय लेल।

1. "चरबाह के बात सुनू: अनिश्चितता के समय में यीशु के पालन करब"।

2. "एकटा नव यात्रा: कठिन समय मे विश्वास आ आशाक खोज"।

1. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत, ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत, आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ जायत आ जे बच्चा सभक संग अछि, ओकरा सभ केँ मंद-मंद नेतृत्व करत।

2. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।

गीत 1:9 हे हमर प्रेमी, हम तोहर तुलना फिरौनक रथ मे बैसल घोड़ाक दल सँ केने छी।

वक्ता अपन प्रियतमक तुलना फिरौनक रथ मे बैसल घोड़ाक समूह सँ करैत छथि |

1. प्रेमक सौन्दर्य: गीतक गीतक पाछूक अर्थक अन्वेषण

2. संख्या मे ताकत खोजब: दोसर सँ ताकत निकालब

1. नीतिवचन 18:24 बहुतो संगी के आदमी बर्बाद भ सकैत अछि, मुदा एकटा मित्र अछि जे भाई स बेसी नजदीक स चिपकल रहैत अछि।

2. रोमियो 12:5 तेँ मसीह मे हम सभ, यद्यपि बहुतो, एक शरीर बनबैत छी, आ प्रत्येक अंग दोसर सभक अछि।

गीत 1:10 तोहर गाल गहना के पाँति सँ सुन्दर अछि, गरदनि सोनाक जंजीर सँ।

वक्ता हुनका लोकनिक प्रेमक प्रशंसा क' रहल छथि, गहना सँ सजल गाल आ सोनाक जंजीर सँ सजल गर्दन केँ उजागर क' रहल छथि ।

1. प्रेमक सौन्दर्य: गीतक गीत 1:10 पर एकटा चिंतन

2. प्रेम सँ अपना केँ सजब: गीतक अन्वेषण 1:10

१."

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 "प्रेम बहुत दिन धरि कष्ट करैत अछि, दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या नहि करैत अछि, प्रेम अपना केँ घमंड नहि करैत अछि, नहि उमड़ैत अछि, अपना केँ अयोग्य व्यवहार नहि करैत अछि, अपन नहि चाहैत अछि, सहजता सँ क्रोधित नहि होइत अछि, नहि सोचैत अछि।" अधलाह, अधर्म मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत् य मे आनन्दित होइत अछि, सभ किछु सहैत अछि, सभ बात पर विश्वास करैत अछि, सभ किछुक आशा करैत अछि, सभ किछु सहैत अछि।"

गीत 1:11 हम तोरा सोनाक सीमा चानीक ठूंठ बना देब।

ई श्लोक हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेमक सौन्दर्य आ समृद्धिक बात करैत अछि।

1: भगवान् के प्रेम अनमोल आ शुद्ध अछि

2: भगवान् के प्रेम के वैभव

1: यशायाह 43:4 "चूंकि अहाँ हमरा नजरि मे बहुमूल्य आ सम्मानित छी, आ हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी, तेँ हम अहाँक बदला मे लोक केँ, अहाँक प्राणक बदला मे जाति-जाति देब"।

2: 1 यूहन्ना 4:9-10 "परमेश् वर हमरा सभक बीच अपन प्रेम एहि तरहेँ देखौलनि: ओ अपन एकलौता पुत्र केँ संसार मे पठौलनि जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा जीबि सकब। ई प्रेम अछि हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि आ अपन पुत्र केँ हमरा सभक पापक प्रायश्चित बलिदानक रूप मे पठौलनि।”

गीत 1:12 जाबत राजा अपन टेबुल पर बैसल छथि, तखन हमर चील ओकर गंध पठबैत अछि।

गीत गीत मे कथाकार राजाक टेबुल पर बैसल अपन प्रियतमक सुखद गंधक वर्णन करैत छथि |

1. प्रेमक मिठास: अपन संबंधक सुगंधक सराहना करब सीखब

2. निष्ठा के सुगंध: विश्वास आ निष्ठा के संबंध के खेती

1. नीतिवचन 16:24 - सुखद शब्द मधुक छत्ता जकाँ होइत अछि, आत्माक लेल मिठास आ हड्डीक लेल स्वास्थ्य।

2. रोमियो 12:9-10 - प्रेम असली हो। जे अधलाह अछि तकरा घृणा करू; जे नीक अछि ओकरा पकड़ि कऽ राखू। भाई-बहिनक स्नेहसँ एक-दोसरसँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

गीत 1:13 हमरा लेल गन्धक गठरी हमर प्रिय अछि। ओ भरि राति हमर छातीक बीच मे पड़ल रहत।

एहि अंश मे प्रेमी आ प्रियतमक बीचक अंतरंग संबंधक वर्णन अछि |

1. "प्रेम के आत्मीयता: संबंध के ओहिना पोषण जेना भगवान हमरा सब के पोसैत छथि"।

2. "एकटा प्रेम जे संतुष्ट करैत अछि: पूर्ण भक्ति के आनन्द के अनुभव"।

1. यूहन्ना 15:9-17 - यीशुक आज्ञा जे एक दोसरा सँ प्रेम करू जेना ओ हमरा सभ सँ प्रेम केने छथि।

2. 1 यूहन्ना 4:7-12 - परमेश् वरक आज्ञा जे एक-दोसर सँ प्रेम करू, आओर कोना पूर्ण प्रेम भय केँ बाहर निकालैत अछि।

गीत 1:14 हमर प्रियतम हमरा लेल एन्गेदीक अंगूरक बगीचा मे कम्फरक गुच्छा जकाँ छथि।

प्रियतम के तुलना एंगेडी के अंगूर के बगीचा में कम्फर के गुच्छा, सुगंधित फूल से करलऽ जाय छै ।

1. प्रेमक सौन्दर्य: प्रियतमक तुलना सुगन्धित फूलसँ करब

2. एन्गेडीक मिठास: एन्गेडीक अंगूरक बाग पर एकटा चिंतन

1. उत्पत्ति 16:13-14 (ओ हुनका सँ बाजनिहार प्रभुक नाम लेलनि, “अहाँ परमेश् वर हमरा देखैत छी, किएक तँ ओ कहलथिन, ‘की हमहूँ एतय हमरा देखनिहारक देखभाल केलहुँ? तेँ एहि इनार केँ बेयर-लहाइ कहल गेल।” -roi;देखू, ई कादेश आ बेरेदक बीच अछि।)

2. यशायाह 5:1-2 (आब हम अपन प्रियजन केँ ओकर अंगूरक बगीचा केँ छुबैत गीत गाबय। हमर प्रियतमक एकटा बहुत फलदार पहाड़ी पर अंगूरक बगीचा अछि ओहि मे नीक-नीक बेल सँ एकटा बुर्ज बनौलनि आ ओहि मे एकटा दारू-कुंड सेहो बनौलनि।

गीत 1:15 देखू, अहाँ सुन्दर छी, हमर प्रेमी। देखू, अहाँ सुन्दर छी। तोरा कबूतरक आँखि अछि।

गीत गीत प्रियतमक सौन्दर्यक प्रशंसा करैत अछि ।

1. भगवान हमरा सभकेँ सौन्दर्यक कदर करबाक लेल बनौलनि

2. गीतक गीतक पाछूक अर्थ

1. उत्पत्ति 1:27 - तेँ परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर-स्त्री ओ ओकरा सभकेँ सृजित केलथि।

2. भजन 34:5 - जे हुनका दिस तकैत छथि, ओ चमकैत छथि; हुनका लोकनिक चेहरा पर कहियो लाज नहि पड़ैत छनि।

गीत 1:16 देखू, अहाँ सुन्दर छी, हमर प्रियतम, हँ, सुखद छी, हमर सभक बिछाओन सेहो हरियर अछि।

वक्ता अपन प्रियतमक प्रशंसा व्यक्त करैत छथि, हुनका सुन्दर आ सुखद बतबैत छथि । ओ सभ अपन साझा हरियर पलंगक सेहो जिक्र करैत छथि ।

1. अपन प्रियतम मे सौन्दर्य देखब

2. प्रकृतिक संग सामंजस्य मे रहब

1. 1 यूहन्ना 4:7-8 - प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वरक अछि। जे प्रेम करैत अछि से परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश्वर केँ नहि जनैत अछि। किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

2. फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु ईमानदार अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे किछु शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु नीक जकाँ अछि। जँ कोनो गुण अछि आ जँ कोनो प्रशंसा अछि तँ एहि सभ बात पर सोचू।

गीत 1:17 हमरा सभक घरक बीम देवदारक अछि, आ हमर सभक छत देवदारक अछि।

गीतक गीत मे देवदारक बीम आ देवदारक छप्पर सँ बनल घरक वर्णन अछि |

1. ठोस नींव पर घर बनेनाइ - गीतक गीत केँ विश्वास आ प्रेम मे मजबूत नींवक उदाहरणक रूप मे प्रयोग करब।

2. ताकत आ सौंदर्य - देवदारक बीम आ फर राफ्टरक उपयोग घर मे कोना ताकत आ सुंदरता आनि सकैत अछि तकर खोज करब।

१.

2. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत धरि निर्माण करयवला सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि।

सोलोमन के गीत अध्याय 2 में कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच प्रेम के काव्यात्मक अभिव्यक्ति जारी छै । एहि मे हुनका लोकनिक खिलल संबंध आ हुनका लोकनिक जुड़ावक सौन्दर्यक चित्रण कयल गेल अछि ।

प्रथम अनुच्छेद: कनियाँ अपना केँ काँटक बीच कुमुद सँ तुलना करैत छथि, अपन प्रियतमक प्रति अपन विशिष्टता आ वांछनीयता केँ व्यक्त करैत छथि | ओ बेसब्री सँ ओकर आगमनक प्रतीक्षा करैत छथि, दुनूक अंतरंग मिलनक लेल तरसैत छथि (गीत २:१-३)।

2 म पैराग्राफ: कनियाँ सपना देखैत छथि जे अपन प्रियतम हुनका लग गजल वा हरणक बच्चा जकाँ आबि रहल छथि | ओ ओकरा प्रकृति के आलिंगन में प्रेम के सुख के आनंद लेबय लेल आमंत्रित करैत छथि, हुनकर भावुक इच्छा के संप्रेषित करय लेल जीवंत बिम्ब के प्रयोग करैत छथि (गीत 2:4-7)।

३ पैराग्राफ: कनियाँ यरूशलेम के बेटी सब स बात करैत आग्रह करैत छथि जे प्रेम के समय स पहिने नै जगाउ बल्कि ओकर उचित समय के इंतजार करू। ओ अपन प्रियजन के प्रति अपन स्नेह व्यक्त करैत छथि आ हुनका गजरा या हरन के बच्चा के रूप में वर्णित करैत छथि (गीत 2:8-9)।

4 म पैराग्राफ: प्रियतम कनियाँक सौन्दर्यक प्रशंसा सँ भरल शब्द सँ जवाब दैत छथि | ओकर आँखिक तुलना कबूतरसँ करैत अछि आ ओकर समग्र आकर्षणक प्रशंसा करैत अछि । ओ ओकरा लग रहबाक आ एक संग समयक आनंद लेबाक अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि (गीत 2:10-14)।

5 म पैराग्राफ: कनियाँ अपन प्रियतम केँ प्रकृति मे एकटा रमणीय परिवेश मे आमंत्रित करैत छथि, जतय दुनू एक दोसराक संगति मे आनन्दित भ' सकैत छथि। ओ खिलल फूल, गाबैत चिड़ै, आ ओकरा घेरने सुखद सुगंधक वर्णन करैत छथि (गीत 2:15-17)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय दू में चित्रित कयल गेल अछि
बीच के खिलल रोमांस
काव्यात्मक अभिव्यक्तिक माध्यमे कनियाँ आ ओकर प्रियतम।

वांछनीयता व्यक्त करैत काँट के बीच अद्वितीय कुमुद के रूप में आत्म की तुलना |
अंतरंग मिलन के लालसा के साथ आगमन के बेसब्री से इंतजार।
प्रियतम गजल वा हरणक बच्चा जकाँ नजदीक आबय के सपना देखब।
जीवंत बिम्ब के प्रयोग स प्रेम स जुड़ल सुख के भीतर भेटय वाला आनंद के आमंत्रित करय वाला. यरूशलेम के बेटी सब स आग्रह करब जे प्रेम के समय स पहिने नै जगाउ बल्कि ओकर उचित समय के इंतजार करथि।
प्रियतम के गजल या हरन के बच्चा बताबैत काल ओकरा प्रति पकड़ल गेल स्नेह व्यक्त करब ।
निकटता के प्रति इच्छा व्यक्त करते हुए कनियाँ के भीतर पाया सौन्दर्य के प्रशंसा करके प्रतिक्रिया देना प्रिय |

प्रियतम के रमणीय प्राकृतिक परिवेश में आमंत्रित करब जतय ओ एक दोसर के संगत में आनन्दित भ सकय.
खिलल फूलक वर्णन, गाबैत चिड़ै सभक संग-संग ओकरा घेरने सुखद सुगंध।

काव्य भाषा के माध्यम स॑ चित्रित रोमांटिक संबंधऽ के भीतर अनुभव करलऽ गेलऽ गहरी भावनात्मक संबंध क॑ पहचानै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । प्रेम या रिश्ता सं जुड़ल मामला मे धैर्य आ समय पर देल गेल महत्व पर जोर देनाय. एकरऽ अतिरिक्त, एक जोड़ी के रूप म॑ साझा अनुभव के भीतर आनन्द पाबै के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य के सराहना करी क॑ रखलऽ गेलऽ महत्व प॑ प्रकाश डालना ।

गीत 2:1 हम शेरोनक गुलाब छी, आ घाटी सभक कुमुद छी।

गीत 2:1 सौन्दर्य आ औकात के घोषणा अछि।

1. "शेरोन के गुलाब: मसीह में अपन औकात खोजबाक लेल एकटा उपदेश"।

2. "उपत्यकक कुमुद: भगवान् मे सौन्दर्यक खोज करबाक प्रोत्साहन"।

1. यशायाह 53:2 - "किएक तँ ओ ओकरा सोझाँ कोमल पौधा जकाँ बढ़ि जायत, आ शुष्क जमीन सँ जड़ि जकाँ बढ़ि जायत। ओकर कोनो रूप आ ने सुन्दरता नहि छैक, आ जखन हम सभ ओकरा देखब तँ कोनो एहन सौन्दर्य नहि छैक जे हम सभ।" ओकरा इच्छा करबाक चाही।"

2. रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

गीत 2:2 जेना काँट मे कुमुद अछि, तहिना बेटी सभक बीच हमर प्रेम अछि।

कठिन परिवेशक बीच प्रेमक सौन्दर्य उभरैत अछि ।

1. "विपत्तिक बीच प्रेम"।

2. "काँटक झाड़ी मे एकटा सुगन्धित फूल"।

1. रूत 3:11 - "आब हे हमर बेटी, डरब नहि। हम अहाँक लेल जे किछु माँगब से करब, कारण हमर सभ नगरवासी जनैत अछि जे अहाँ एकटा योग्य महिला छी।"

2. भजन 45:13-14 - "राजकुमारी अपन कोठली मे सभ गौरवशाली अछि; ओकर वस्त्र सोना सँ गुंथल अछि। कढ़ाई कयल वस्त्र मे ओकरा राजा लग लऽ जाइत छैक; ओकर कुमारि संगी सभ ओकर पाछू-पाछू आनल जाइत छैक। " .

गीत 2:3 जहिना लकड़ीक गाछक बीच नेबोक गाछ होइत अछि, तहिना बेटा सभक बीच हमर प्रियतम छथि। हम हुनकर छायाक नीचाँ बहुत प्रसन्नता सँ बैसि गेलहुँ, आ हुनकर फल हमरा स्वाद मे मीठ छल ।

प्रियतम आन सभ मे विशिष्ट होइत छथि, आ वक्ता केँ प्रियतमक संगति मे आनन्द भेटैत छनि |

1. भेदक आनन्द: अपन प्रियतम मे आनन्द पाबि

2. प्रेमक मिठास: संगतिक फलक अनुभव

1. भजन 1:1-3

2. यूहन्ना 15:1-8

गीत 2:4 ओ हमरा भोज-भात मे अनलनि, आ हमरा ऊपर हुनकर झंडा प्रेम छल।

गीत गीत मे वर-वधूक आपसी प्रेमक आनन्दक उत्सव मनाओल जाइत अछि |
1: प्रेम के बैनर: भगवान के विश्वासी आ अपरिवर्तनीय प्रेम के जश्न मनाबय के।
2: वर-वधूक आनन्द: भगवान् द्वारा देल गेल संयोगक सौन्दर्य केँ आत्मसात करब।
1: इफिसियों 5:25-33 - पति के पत्नी के प्रति त्यागपूर्ण प्रेम।
2: गीतक गीत 8:6-7 - विवाह मे संबंधात्मक आत्मीयताक आनन्द।
गीत 2:5 हमरा झंडा सँ राखू, सेब सँ हमरा सान्त्वना दिअ, कारण हम प्रेम सँ बीमार छी।
गीतक गीत दू प्रेमी-प्रेमिकाक बीचक अंतरंग प्रेमक अभिव्यक्ति करैत अछि ।
1: सच्चा प्रेम जश्न मनाबय योग्य अछि
2: प्रेमक जुनून एकटा उपहार अछि
1: 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब किछु के आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।
2: मत्ती 22:37-40 - तखन ओ हुनका कहलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ पूरा मोन सँ प्रेम करू।” ई महान आ पहिल आज्ञा अछि। आ एकटा दोसर सेहो एहने अछि जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू। एहि दुनू आज्ञा पर सभ व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ निर्भर अछि।
गीत 2:6 हुनकर बामा हाथ हमर माथक नीचाँ अछि, आ हुनकर दहिना हाथ हमरा गला लगा रहल अछि। प्रभु हमरा सब के अपन दहिना हाथ स गले लगा लैत छथि।
1: परमेश् वरक अनन्त प्रेम सँ, हम सभ सुरक्षित छी
2: भगवानक दहिना हाथ सँ गले लगाओल गेल: हुनक आराम मे आराम करू
1: भजन 139:5 - अहाँ हमरा पाछू आ आगू मे राखि दैत छी, आ हमरा पर हाथ राखैत छी।
2: यशायाह 41:13 - हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी जे अहाँक दहिना हाथ पकड़ि कऽ कहैत छी जे, “डरब नहि।” हम अहाँक मदद करब।
गीत 2:7 हे यरूशलेमक बेटी सभ, हम अहाँ सभ केँ रोष आ खेतक मछरी सँ आज्ञा दैत छी जे जाबत धरि ओ चाहैत अछि, ता धरि अहाँ सभ हमर प्रेम केँ नहि हलचल करू आ नहि जगाउ।
ई अंश वक्ता केरऽ निहोरा छै कि ओकरा सिनी के प्रेम में अविचलित रहना छै ।
1. रिश्ता मे धैर्य के शक्ति
2. प्रेम मे आदरपूर्ण संवादक महत्व
1. 1 कोरिन्थी 13:4-7
2. याकूब 1:19-20
गीत 2:8 हमर प्रियतमक आवाज! देखू, पहाड़ पर उछलि क' पहाड़ पर कूदि क' आबि रहल छथि।

प्रियतम आबि रहल छथि, पहाड़ आ पहाड़ी पर हर्षपूर्वक उछलि रहल छथि ।

1:भगवानक प्रेम आनन्द आ आनन्द सँ भरल अछि।

2:भगवान हमरा सब लग आनन्द आ उत्सव मे आबि रहल छथि।

1: भजन 16:11 - "अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि; अहाँक दहिना कात अनन्त काल धरि भोग अछि।"

2: यशायाह 55:12 - "किएक तँ अहाँ हँसी-खुशीसँ बाहर निकलब आ शान्तिसँ बाहर लऽ जायब। अहाँक आगूक पहाड़ आ पहाड़ गान मे फूटत, आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।"

गीत 2:9 हमर प्रिय बछड़ा वा कटहर जकाँ अछि।

प्रियतमक तुलना मृग सँ कयल जाइत छैक, जे देबालक पाछू ठाढ़ भ' क' खिड़कीसँ अवलोकन करैत अछि ।

1. भेद्यता मे ताकत खोजब

2. भगवान् के बिना शर्त प्रेम

1. भजन 27:4 - हम प्रभु सँ एकटा बात माँगि लेने छी जे हम ताकब जे हम अपन जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब, प्रभुक सौन्दर्य केँ देखैत रहब आ पूछताछ करब अपन मंदिर मे।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ रखताह; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत। ओ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ कऽ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।

गीत 2:10 हमर प्रियतम हमरा कहलथिन, “हे हमर प्रियतम, उठू, आ जाउ।”

प्रियतम दोसरसँ गप्प करैत अछि, ओकरा सभकेँ अपना संग विदा हेबाक लेल आमंत्रित करैत अछि ।

1. प्रेमक आमंत्रण: अपन प्रियतमक आह्वानक पालन करब सीखब

2. अधीनताक सौन्दर्य: अपन प्रियतमक आमंत्रण पर प्रतिक्रिया देबय सीखब

1. यूहन्ना 15:9-17; यीशु अपन शिष् य सभ केँ अपन प्रेम मे रहबाक आ एक-दोसर सँ प्रेम करबाक आज्ञा देलनि।

2. मत्ती 11:28-30; थाकल लोक सभ केँ यीशुक आमंत्रण जे ओ हुनका लग आबि आराम करथि।

गीत 2:11 किएक तँ देखू, जाड़ बीति गेल, बरखा समाप्त भ’ गेल।

जाड़ समाप्त भ गेल आ नव बढ़बाक वादा एतय आबि गेल अछि।

1. नव शुरुआत: वसंत ऋतुक प्रतिज्ञा केँ आत्मसात करब

2. नवीकरणक शक्ति: जाड़क अन्हार दिन पर काबू पाबब

1. यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी; आब ओ उगैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी?"

२.

गीत 2:12 फूल पृथ्वी पर प्रकट होइत अछि; चिड़ै-चुनमुनीक गायनक समय आबि गेल अछि, आ हमरा सभक देश मे कछुआक आवाज सुनबा मे आबि रहल अछि;

वसंत ऋतुक आगमनसँ सौन्दर्य आ चिड़ै-चुनमुनीक गीतक कोरस अबैत अछि ।

1. भगवानक सृष्टि: वसंत आ ओकर सौन्दर्यक उत्सव

2. प्रकृतिक आनन्द: सृष्टिक वैभवक अनुभव

1. उत्पत्ति 1:31 - परमेश् वर अपन बनाओल सभ किछु देखलनि, आ देखू, ओ बहुत नीक छल।

2. भजन 19:1-2 - आकाश परमेश्वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आ आकाश ओकर हाथक काज देखाबैत अछि। दिन-प्रतिदिन बाजब बजैत अछि, आ राति-राति ज्ञान देखाबैत अछि।

गीत 2:13 अंजीरक गाछ अपन हरियर अंजीर निकालैत अछि आ कोमल अंगूरक संग बेल नीक गंध दैत अछि। उठू हमर प्रेमी, हमर गोरी, आ दूर आबि जाउ।

प्रेमक आनन्द फुलाएल अछि।

1: प्रेम एकटा सुन्दर वस्तु अछि जकरा पोसब आ खेती करबाक चाही।

2: प्रेमक आनन्दक अनुभव करबाक लेल हमरा सभकेँ सामने जे अवसर अछि ओकर लाभ उठाबए चाही।

1: 1 कोरिन्थी 13:4-7 प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि।

2: इफिसियों 5:21-33 मसीहक प्रति आदर करबाक कारणेँ एक-दोसरक अधीन रहू। पत्नी सभ, प्रभुक समान अपन पतिक अधीन रहू। किएक तँ पति पत्नीक माथ छथि जेना मसीह मण् डलीक सिर छथि, हुनकर शरीर आ स्वयं ओकर उद्धारकर्ता छथि। आब जेना मण् डली मसीहक अधीन होइत अछि, तहिना पत्नी सभ केँ सेहो सभ किछु मे अपन पतिक अधीन रहबाक चाही।

गीत 2:14 हे हमर कबूतर, जे चट्टानक फाँक मे, सीढ़ीक गुप्त स्थान मे छी, हम अहाँक चेहरा देखब, अहाँक आवाज सुनब। किएक तँ अहाँक आवाज मधुर अछि आ अहाँक चेहरा सुन्दर अछि।

गीतक गीत दू गोटेक बीच रोमांटिक प्रेमक उत्सव थिक ।

1: भगवानक प्रेम सबसँ असंभावित स्थान पर भेटि सकैत अछि।

2: सच्चा प्रेमक सौन्दर्य शब्द आ कर्म दुनू मे व्यक्त होइत अछि।

1: 1 यूहन्ना 4:7-8: प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि। जे प्रेम करैत अछि से परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश्वर केँ नहि जनैत अछि। किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

2: मत्ती 22:36-40: गुरु, व्यवस्था मे कोन पैघ आज्ञा अछि? यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ पूरा मन सँ प्रेम करू।” ई पहिल आ पैघ आज्ञा अछि। दोसर एहि तरहक अछि जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।” एहि दुनू आज्ञा पर सभ धर्म-नियम आ भविष्यवक्ता सभ लटकल अछि।

गीत 2:15 हमरा सभ केँ लोमड़ी, छोट-छोट लोमड़ी सभ केँ ल’ जाउ जे बेल केँ लूटैत अछि, कारण हमरा सभक बेल मे कोमल अंगूर अछि।

ई श्लोक हमरा सब क॑ कोनो भी विकर्षण के खिलाफ कार्रवाई करै लेली प्रोत्साहित करै छै जे हमरा भगवान के प्रति भक्ति के जीवन जीबै स॑ रोक॑ सकै छै ।

1. "निष्ठ जीवन जीना: विकर्षण के विरुद्ध कार्रवाई"।

2. "जीवन के छोट-छोट लोमड़ी: भगवान के प्रति हमर भक्ति के रक्षा"।

1. फिलिप्पियों 3:13-14 - " भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि मानैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी, पाछूक बात सभ केँ बिसरि क' आ आगूक बात सभ दिस बढ़ि क' निशान दिस बढ़ैत छी।" मसीह यीशु मे परमेश् वरक उच्च आह्वानक पुरस्कार।”

2. भजन 119:9-10 - "युवक कोन तरहेँ अपन बाट शुद्ध करत? अहाँक वचनक अनुसार सावधान भ' क'। हम अपन पूरा मोन सँ अहाँ केँ तकलहुँ। हे हमरा अहाँक आज्ञा सँ नहि भटकय दिअ।"

गीत 2:16 हमर प्रिय हमर छथि, आ हम हुनकर छी, ओ कुमुदक गाछक बीच भोजन करैत छथि।

वक्ता के प्रियतम ओकरे होइत छैक आ ओ बदला मे ओकर प्रियतमक होइत छैक, जे कुमुदक बीच भोजन करैत छैक |

1. अपनत्वक अर्थ: भगवान आ अपन प्रेमक अन्वेषण

2. रिश्ता मे रहब: निष्ठावान संबंधक खेती कोना कयल जाय

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. कुलुस्सी 3:12-14 - तखन, परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे, पवित्र आ प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू, एक-दोसर केँ सहन करू आ जँ एक-दोसर पर कोनो शिकायत अछि तँ प्रत्येक केँ क्षमा करू दोसर; जेना प्रभु अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देने छथि, तहिना अहाँ सभ केँ सेहो क्षमा करबाक चाही। आ एहि सभसँ ऊपर प्रेम पहिरि लिअ, जे सभ किछुकेँ एकदम तालमेलसँ बान्हि दैत अछि ।

गीत 2:17 जा धरि दिन भोर नहि भ’ जायत आ छाया नहि भागि जायत, ता धरि घुमि जाउ, हे हमर प्रियतम, आ अहाँ बेथरक पहाड़ पर एकटा बछड़ा वा बछड़ा जकाँ बनि जाउ।

प्रियतम अपन प्रेमी सँ आग्रह करैत छथि जे भोर धरि हुनका सभक संग भागि जाय ।

1. भगवान् दिस भागब: दुनियाँ सँ पलायन करबाक आह्वानक रूप मे गीतक गीत

2. भगवान् मे शरण भेटब: बेथरक पहाड़क शक्ति

1. यशायाह 2:2-5 - प्रभुक घरक पहाड़ पहाड़क चोटी पर स्थापित होयत आ सभ जाति ओहि दिस बहत।

2. भजन 23:4 - भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

सोलोमन के गीत अध्याय 3 में कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच प्रेम के काव्यात्मक अभिव्यक्ति जारी छै । एहि मे कनियाँक अपन प्रियतमक लालसा आ खोजक चित्रण अछि, जाहि सँ दुनूक आनन्दमय पुनर्मिलन होइत छैक |

प्रथम अनुच्छेद: कनियाँ कोनो सपना वा दर्शनक वर्णन करैत छथि जाहि मे ओ अपन प्रियतमक खोज करैत छथि | हुनका प्रति अपन गहींर लालसा व्यक्त करैत छथि आ हुनका कोना भेटलनि से बतबैत छथि । ओ ओकरा कस क’ पकड़ि लैत अछि, ओकरा छोड़बा सँ मना क’ दैत अछि (गीत 3:1-4)।

2nd Paragraph: कनियाँ यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत आग्रह करैत छथि जे जाबे तक प्रेम तैयार नै भ जायत ताबे तक प्रेम के परेशान नै करू आ नै जगाबी। ओ एकटा भव्य जुलूस के वर्णन करैत छथि, जाहि मे राजा सुलेमान स्वयं एकटा आलीशान गाड़ी पर ल' जाइत छथि (गीत 3:5-11)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय तीन में चित्रित
कनियाँक लालसा आ खोज
काव्यात्मक अभिव्यक्तिक माध्यमे अपन प्रियतम।

सपना या दर्शन के वर्णन जतय कनियाँ प्रियतम के खोज करैत छथि |
प्रियजन के प्रति पकड़ल गेल गहींर लालसा के अभिव्यक्ति करैत अपन आनन्दमय पुनर्मिलन के बखान करैत।
यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत प्रेम जागृत करय में धैर्य के आग्रह करैत।
राजा सुलेमान के साथ भव्य जुलूस के वर्णन आलीशान गाड़ी पर |

काव्य भाषा के माध्यम स॑ चित्रित रोमांटिक संबंधऽ के भीतर अनुभव करलऽ गेलऽ तीव्र तड़प क॑ पहचानै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । प्रेम या संबंध स संबंधित मामला मे धैर्य आ उचित समय पर देल गेल महत्व पर जोर देब। एकरऽ अतिरिक्त, साझा अनुभव के भीतर मिलै वाला सुंदरता के साथ-साथ गहराई स॑ प्रेम म॑ डूबी गेलऽ दू व्यक्ति के बीच एगो आनन्ददायक पुनर्मिलन के तरफ ले जाय वाला प्रत्याशा क॑ उजागर करना ।

गीत 3:1 राति मे हम अपन बिछाओन पर ओहि आदमी केँ तकलहुँ जकरा सँ हमर प्राण प्रेम करैत अछि, हम ओकरा तकलहुँ, मुदा ओकरा नहि भेटल।

वक्ता राति मे जेकरा प्रेम करैत छथि तकरा खोजि रहल छथि मुदा सफलता नहि भेटलनि ।

1. संबंध मे आत्मीयताक लालसा

2. सार्थक प्रेमक खोज

1. यिर्मयाह 29:13 - अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।

2. लूका 11:9-10 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे माँगू आ अहाँ सभ केँ देल जायत। खोजू आ भेटत; खटखटाबय के बाद दरबज्जा खुजि जायत। कारण जे कियो माँगैत अछि, ओकरा भेटैत छैक; जे खोजै छै, ओकरा पाबै छै; आ जे खटखटाओत तकरा लेल दरबज्जा खुजि जायत।

गीत 3:2 हम एखन उठि क’ शहर मे गली-गली मे घुमब, आ चौड़ा बाट पर ओहि आदमी केँ तकब, जकरा हमर प्राण प्रेम करैत अछि, हम ओकरा तकलहुँ, मुदा ओकरा नहि भेटल।

वक्ता अपन प्रियतम केँ शहर भरि मे ताकि रहल छथि, मुदा हुनका सभ केँ नहि भेटि रहल छनि।

1: हम सब ओहि अनुभव स संबंधित भ सकैत छी जे हम सब एहन चीज के खोजैत छी जेकर हम सब गहींर इच्छा रखैत छी मुदा ओकरा नहि पाबि सकैत छी।

2: हम भरोसा क सकैत छी जे भगवान सदिखन नजदीक रहैत छथि, तखनो जखन हमरा सभ केँ ई नहि लागैत अछि जे हम हुनका लग पहुँचि सकैत छी।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे उदात्त होयब, पृथ्वी पर हम ऊँच होयब!

गीत 3:3 नगर मे घुमैत चौकीदार सभ हमरा पाबि गेल, जकरा हम कहलियनि, “अहाँ सभ ओहि व्यक्ति केँ देखलहुँ जकरा सँ हमर प्राण प्रेम करैत अछि?”

वक्ता अपन प्रियतम के खोजि रहल छथि आ शहर के चौकीदार सब स पूछने छथि जे देखलौं की नै।

1. एकाकीपनक समय मे आशा - कठिन समय मे भगवानक उपस्थिति ताकब सीखब।

2. प्रेमक खोज - असली प्रेमक पाछाँ लागबाक महत्व।

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

384

2. उपदेशक 3:11 - ओ सभ किछु केँ अपन समयक अनुकूल बना देने छथि; ततबे नहि ओ हुनका सभक मोन मे भूत आ भविष्यक बोध राखि देने छथि, तइयो ओ सभ ई नहि बुझि पबैत छथि जे भगवान् शुरू सँ अंत धरि की केने छथि |

गीत 3:4 हम हुनका सभ सँ कनेक काल मे गुजरि गेलहुँ, मुदा हम ओ पाबि गेलहुँ जकरा सँ हमर प्राण प्रेम करैत अछि, हम ओकरा पकड़ि लेलहुँ आ ओकरा नहि छोड़ि देलहुँ, जाबत हम ओकरा अपन मायक घर आ घर मे नहि अनलहुँ ओकर कोठरी जे हमरा गर्भधारण केलक।

वक्ता जे प्रेम करैत छथि से पाबि गेलाह आ जा धरि मायक घर मे नहि अनलनि ता धरि हुनका सभ केँ छोड़य सँ मना क' देलनि।

1. प्रेम आ प्रतिबद्धता: पकड़बाक शक्ति

2. अपन व्रत पूरा करब: गीतक गीत 3:4 पर एकटा चिंतन

1. इफिसियों 5:25-33 - पति सभ, अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि।

गीत 3:5 हे यरूशलेमक बेटी सभ, हम अहाँ सभ केँ रोष आ खेतक मछरी सँ आज्ञा दैत छी जे जाबत धरि ओ चाहैत अछि, ता धरि अहाँ सभ हमर प्रेम केँ नहि हलचल करू आ नहि जगाउ।

ई श्लोक हमरा सभ केँ प्रभुक समयक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ हुनका सँ आगू नहि हड़बड़ाबी।

1. धैर्य एकटा गुण अछि: भगवानक प्रतीक्षा करबाक शक्ति

2. एकटा प्रेमकथा: भगवानक समयक प्रतीक्षा करब सीखब

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू, आ अपन मोन केँ साहस होउ। प्रभुक प्रतीक्षा करू!

2. विलाप 3:25 - प्रभु हुनकर प्रतीक्षा करय वाला के लेल, हुनकर खोज करय वाला आत्मा के लेल नीक छथि।

गीत 3:6 ई के अछि जे जंगल सँ धुँआक खंभा जकाँ निकलैत अछि, जे गंधक आ लोबान सँ सुगन्धित अछि, व्यापारी सभक सभ चूर्णक संग?

गीतक गीत मे दू गोटेक बीच एकटा तीव्र प्रेमक वर्णन अछि, आ 3:6 मे एकटा रहस्यमयी आकृतिक वर्णन अछि जे जंगल सँ निकलल अछि, जकरा गंधक, लोबान आ व्यापारी केर सभ पाउडर सँ सुगंधित अछि।

1. "प्रेम के रहस्यमयी आकृति: हमर आत्मा के प्रेमी के जानब"।

2. "प्रेम के सुगंध: भगवान् के साथ आत्मीयता के सुगंध"।

1. सुलेमानक गीत 5:16 - "हुनकर मुँह अति मीठ अछि: हँ, ओ एकदम प्रिय छथि। ई हमर प्रिय छथि, आ ई हमर मित्र छथि, हे यरूशलेमक बेटी सभ।"

2. भजन 45:8 - "तोहर सभ वस्त्र हाथीदांतक महल सँ निकलल गंधक, मुसब्बर आ कैसियाक गंध अबैत अछि, जाहि सँ ओ सभ तोरा प्रसन्न केने अछि।"

गीत 3:7 देखू हुनकर बिछौन जे सुलेमानक अछि। साठ वीर आदमी एकरा बारे में छै, इस्राएल के वीर के।

385

गीत के गीत सुलेमान के पलंग के सुंदरता आरू प्रेम के प्रशंसा करै छै, जेकरा चारो तरफ इस्राएल के मजबूत आरू वीर आदमी छै।

1. प्रेमक ताकत: सुलेमानक प्रेमक शक्ति आ इस्राएलक वीर पुरुष द्वारा ओकर रक्षा पर एक नजरि।

2. प्रेमक योद्धा: जकरासँ प्रेम करैत छी ओकर लेल लड़ब आ ओकर रक्षा कोना करब तकर परीक्षण करब।

1. नीतिवचन 18:22 - "जेकरा पत्नी भेटैत छैक, ओकरा नीक चीज भेटैत छैक आ प्रभु सँ अनुग्रह भेटैत छैक।"

2. इफिसियों 5:25-33 - "पति सभ, अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि।"

गीत 3:8 ओ सभ तलवार पकड़ने छथि, जे युद्ध मे निपुण छथि, राति मे डर सँ प्रत्येक के अपन जाँघ पर तलवार राखल रहैत छनि।

गीत गीतक ई श्लोक तलवारक उपस्थितिक गप्प करैत अछि आ कोना भयक कारणेँ पुरुष ओकरा नजदीक रखैत अछि |

1. भय के शक्ति: ओहि भय के कोना दूर कयल जाय जे हमरा सब के मुक्त रहय स रोकैत अछि

2. आत्माक तलवार: भय सँ लड़बाक लेल परमेश्वरक वचनक उपयोग कोना कयल जाय

1. यशायाह 11:4-5 - मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत, आ ओ पृथ्वी केँ मुँहक छड़ी सँ मारत आ ठोरक साँस सँ ओ दुष्ट केँ मारि दैत अछि। धर्म ओकर कमरक पट्टी बनत आ विश्वास ओकर लगामक पट्टी बनत।

2. इब्रानियों 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन कोनो दू धारबला तलवार सँ तेज, शक्तिशाली आ तेज अछि, जे प्राण आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ विभाजित करबा धरि बेधैत अछि, आ ई विवेकशील अछि हृदय के विचार आ मंशा।

गीत 3:9 राजा सुलेमान अपना केँ लेबनानक लकड़ी सँ रथ बनौलनि।

राजा सुलेमान लेबनानक लकड़ीसँ रथ बनौलनि।

1. सुलेमानक ताकत: राजा अपन विरासत कोना बनौलनि

2. अपन जीवन के शिल्प बनाना: राजा सुलेमान के उदाहरण स सीखब

1. 1 राजा 10:17-22

2. नीतिवचन 16:9

गीत 3:10 ओ यरूशलेमक बेटी सभक लेल चानीक खंभा सभ चानीक, नीचाँ सोनाक आ आवरण बैंगनी रंगक आ बीच मे प्रेम सँ पक्का बनौलनि।

प्रभु यरूशलेम के बेटी सिनी के प्रति प्रेम के संरचना के निर्माण लेली बेहतरीन सामग्री उपलब्ध कराय देलकै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: प्रभु अपन प्रेमी केँ कोना सर्वोत्तम दैत छथि

2. प्रेमक मूल्य: प्रेम कोना अमूल्य आ अमूल्य होइत अछि

386

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करत से नाश नहि भऽ जायत, बल् कि अनन् त जीवन पाओत।

2. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

गीत 3:11 हे सियोनक बेटी सभ, आगू जाउ, आ देखू राजा सुलेमान केँ ओहि मुकुट पर, जाहि सँ हुनकर माय हुनकर विवाहक दिन आ हृदयक आनन्दक दिन हुनका मुकुट पहिरने छलीह।

सुलेमान क॑ सियोन केरऽ बेटी सिनी न॑ राजा के रूप म॑ मनाबै छै, जे ओकरऽ शादी-बियाह के कारण आरू ओकरऽ दिल म॑ आनन्द के कारण ओकरा ताज पहनै छै ।

1. ताजपोशी के क्षण: अपन जीवन में भगवान के आशीर्वाद के जश्न मनाबय के

2. अपन राजाक सेवा करबाक आनन्द: भगवान् मे सच्चा पूर्तिक अनुभव करब

1. भजन 21:2-4 - अहाँ ओकरा हृदयक इच्छा पूरा क’ देलहुँ आ ओकर ठोरक आग्रह नहि रोकलहुँ। सेलाह 3 अहाँ सिनै पहाड़ पर उतरलहुँ। अहाँ स् वर्ग सँ हुनका सभ सँ गप्प केलहुँ। अहाँ हुनका सभकेँ सही नियम आ सच्चा कानून, नीक विधान आ आज्ञा देलियनि। 4 अहाँ हुनका सभ केँ अपन पवित्र विश्राम-दिनक जानकारी देलियनि आ अपन सेवक मूसा द्वारा हुनका सभ केँ आज्ञा, फरमान आ नियम देलहुँ।

2. उपदेशक 3:1-8 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ आकाशक नीचाँ हर काजक लेल एकटा ऋतु होइत छैक: 2 जन्मक समय आ मरबाक समय, रोपबाक समय आ उखाड़बाक समय, 3 क मारबाक समय आ ठीक करबाक समय, तोड़बाक समय आ निर्माण करबाक समय, ४ कानबाक समय आ हँसबाक समय, शोक करबाक समय आ नाचबाक समय, ५ पाथर छिड़कबाक समय आ एक समय ओकरा सभकेँ जमा करबाक समय, आलिंगनसँ परहेज करबाक समय, ६ खोजबाक समय आ हार मानबाक समय, रखबाक समय आ फेकबाक समय, ७ फाड़बाक समय आ सुधारबाक समय, चुप रहबाक समय आ बाजबाक समय, 8 प्रेमक समय आ घृणा करबाक समय, युद्धक समय आ शांतिक समय।

सोलोमन के गीत अध्याय 4 में कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच प्रेम के काव्यात्मक अभिव्यक्ति जारी छै । ई कनियाँ केरऽ सुंदरता आरू आकर्षण प॑ केंद्रित छै, जेकरा म॑ ओकरऽ शारीरिक विशेषता आरू ओकरऽ प्रियतम प॑ ओकरऽ प्रभाव प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: प्रियतम कनियाँक शारीरिक सौन्दर्यक प्रशंसा करैत छथि, हुनकर रूपक विभिन्न पक्षक प्रशंसा करैत छथि | ओ ओकर आँखिक तुलना कबूतर सँ करैत छथि, केशक तुलना बकरीक झुंड सँ करैत छथि आ ओकर दाँत केँ नव काटल भेँड़ा जकाँ उज्जर वर्णन करैत छथि (गीत ४:१-५)।

दोसर पैराग्राफ: प्रियतम कनियाँक सौन्दर्यक गुणगान करैत रहैत छथि, हुनकर ठोर केँ लाल धागा आ मुँहक तुलना अनार केर एकटा प्यारा टुकड़ा सँ करैत रहैत छथि | ओ ओकर वस्त्र सँ निकलय बला सुगंधक प्रशंसा करैत छथि (गीत 4:6-7)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रियतम कनियाँ के तालाबला गाछी के रूप में वर्णित करैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे ओ असगर हुनका लेल आरक्षित छथि | ओ एहि बगीचा के भीतर फल के स्वाद लेबय आ ओकर ताजा पानि पीबय के इच्छा व्यक्त करैत छथि (गीत 4:8-15)।

4 म पैराग्राफ: कनियाँ अपन प्रियतमक प्रति पारस्परिक प्रशंसा व्यक्त करैत प्रतिक्रिया दैत छथि | ओ ओकरा अपन अंगूरक बगीचा मे मेहदीक फूलक झुंड कहैत छथि आ हुनका अपन निजी स्थान मे आमंत्रित करैत छथि (गीत 4:16)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय चार में चित्रित
कनियाँक शारीरिक सौन्दर्यक प्रशंसा
आ बीचक आपसी अभिव्यक्ति
कनियाँ आ ओकर प्रियतम काव्य भाषाक माध्यमे।

कनियाँ के शारीरिक रूप के भीतर पाये जाने वाले विभिन्न पक्षों की प्रशंसा करते प्रिय |

आँखिक तुलना कबूतरसँ, केशसँ बकरीक झुंडक संग-संग दाँतकेँ उज्जर वर्णन करब।
ठोर के तुलना लाल धागा या अनार के टुकड़ा स क सुंदरता के आओर प्रशंसा करब।
कनियाँ द्वारा पहिरल गेल वस्त्र सँ निकलय बला सुगंधक प्रशंसा।
कनियाँ के विशेष रूप स प्रियतम के लेल आरक्षित तालाबला बगीचा के रूप में वर्णित।
गाछी के भीतर फल के स्वाद लेबै के प्रति इच्छा व्यक्त करै के साथ-साथ ओकरऽ ताजा पानी पीबै के ।
प्रियतम के निजी स्थान में आमंत्रित करते हुए प्रशंसा के प्रतिकार करते हुए कनियाँ |

काव्य भाषा के माध्यम स॑ चित्रित रोमांटिक संबंधऽ के भीतर मिलै वाला शारीरिक गुणऽ के प्रति धारण करलऽ गेलऽ गहरी सराहना के पहचान करै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । रोमांटिक रिश्ता के भीतर विशिष्टता या प्रतिबद्धता पर देल गेल महत्व पर जोर देब. एकरऽ अतिरिक्त, एक-दूसरा स॑ गहराई स॑ प्रेम करै वाला दू व्यक्ति के बीच अंतरंग माहौल बनाबै के साथ-साथ आपसी स्नेह के अभिव्यक्ति क॑ उजागर करना ।

गीत 4:1 देखू, अहाँ सुन्दर छी, हमर प्रेमी। देखू, अहाँ सुन्दर छी। तोहर कोरा मे कबूतरक आँखि अछि, तोहर केश बकरीक झुंड जकाँ अछि जे गिलिआद पहाड़ सँ निकलैत अछि।

एहि अंश मे प्रियतमक सौन्दर्यक वर्णन अछि ।

1. परमेश् वरक सृष्टि सुन्दर अछि - गीतक गीत 4:1

2. प्रेम सुन्दर तरीका स व्यक्त होइत अछि - गीतक गीत 4:1

1. भजन 90:17 - हमरा सभक परमेश् वर प्रभुक सौन्दर्य हमरा सभ पर रहय आ हमरा सभक लेल हमर सभक हाथक काज केँ स्थापित करऽ। हँ, हमरा सभक हाथक काज स्थापित करू।

2. कुलुस्सी 3:12 - तेँ परमेश् वरक चुनल लोक, पवित्र आ प्रिय प्रिय लोकक रूप मे, दया, दया, विनम्रता, कोमलता आ धैर्यक कपड़ा पहिराउ।

गीत 4:2 तोहर दाँत ओहि भेँड़ाक झुंड जकाँ अछि जे भेँड़ाक झुंड जकाँ अछि जे भेँड़ाक झुंड जकाँ अछि जे भेँड़ाक झुंड जकाँ अछि जे धोओल गेल अछि। जाहि मे सँ प्रत्येक जुड़वाँ बच्चा पैदा करैत अछि, आ ओकरा मे सँ कियो बंजर नहि अछि।

ई श्लोक ककरो दाँत भेड़क झुंडसँ काव्यात्मक तुलना अछि, जकरा धोआ नीक जकाँ सजाओल गेल अछि ।

1. सफाई के सुंदरता: हमर रोजमर्रा के ग्रूमिंग आदत में आनंद भेटब

2. समुदायक आनन्द: एक संग काज करब हमरा सभकेँ कोना नीक बनबैत अछि

1. नीतिवचन 27:17, लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि; तेँ मनुष् य अपन मित्रक मुँह तेज करैत अछि।

2. उपदेशक 4:9-10, एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।”

गीत 4:3 तोहर ठोर लाल रंगक सूत जकाँ अछि, आ तोहर बाजब सुन्दर अछि, तोहर मन्दिर तोहर ताला मे अनारक टुकड़ी जकाँ अछि।

प्रियतम के वर्णन सुन्दर रूप के रूप में करलऽ गेलऽ छै ।

1. मसीह मे अपन पहिचान जानब: परमेश् वरक सृष्टिक सौन्दर्यक जश्न मनब

2. भगवान् के हस्तकला के आराधना के माध्यम स हुनकर नजदीक आबय के

१.

2. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि। हुनका सभ केँ ओ पहिने सँ जनैत छलाह जे ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्वनिर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय। ओ जिनका सभ केँ ओ पहिने सँ निर्धारित केने छलाह, तकरा सभ केँ सेहो बजौलनि, आ जिनका सभ केँ ओ धर्मी ठहरौलनि, तकरा सभ केँ सेहो धर्मी ठहरौलनि।

गीत 4:4 तोहर गर्दन दाऊदक बुर्ज जकाँ अछि जे शस्त्र भंडारक लेल बनौने छल, जाहि पर हजार बकरी लटकल अछि, सभटा पराक्रमी लोकक ढाल।

प्रियतमक गर्दन मजबूत आ शक्तिशाली होइत छैक, जेना दाऊदक बुर्ज जाहि मे पराक्रमी लोकक कवच आ ढाल रहैत छैक |

1: प्रियतमक बल आ प्रभुक सामर्थ्य।

2: प्रियतमक सौन्दर्य आ प्रभुक रक्षा।

1: भजन 28:7 "प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर हृदय हुनका पर भरोसा केलक, आ हमरा सहायता भेटैत अछि; तेँ हमर हृदय बहुत आनन्दित अछि; आ हम अपन गीत सँ हुनकर स्तुति करब।"

2: यशायाह 59:17 "किएक तँ ओ धार्मिकता केँ छाती जकाँ पहिरने छलाह, आ माथ पर उद्धारक हेलमेट पहिरने छलाह, आ वस्त्रक बदला मे प्रतिशोधक वस्त्र पहिरने छलाह, आ वस्त्र जकाँ उत्साह पहिरने छलाह।"

गीत 4:5 तोहर दुनू स्तन दू टा रोड़ा जकाँ अछि जे जुड़वाँ बच्चा अछि, जे कुमुदक बीच मे भोजन करैत अछि।

गीत गीत मे प्रियतमक सौन्दर्यक प्रशंसा कयल गेल अछि, ओकर स्तन केँ दू टा रोड़ाक बच्चाक रूप मे वर्णित कयल गेल अछि जे जुड़वाँ बच्चा अछि, जे कुमुदक बीच भोजन करैत अछि |

1. भगवानक सृष्टिक सौन्दर्य: गीतक गीत मे एकटा अध्ययन

2. प्रेमक शक्ति: गीतक गीतक अन्वेषण

1. भजन 139:14 - हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी।

2. यशायाह 43:7 - जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

गीत 4:6 जा धरि दिन भोर नहि भ’ जायत, आ छाया नहि भागि जायत, हम हमरा गंधक पहाड़ आ लोबानक पहाड़ी पर पहुँचा देब।

वक्ता राति के छाया सॅं दूर सुगंध आ सौन्दर्यक स्थान पर भागबाक लेल तरसैत छथि ।

1. हर्षित पीछा के माध्यम स अन्हार पर काबू पाना

2. निष्ठावान भक्ति के सौन्दर्य आ सुगंध

1. भजन 139:11-12 - "जँ हम कहब जे अन्हार हमरा झाँपि देत आ हमरा चारूकातक इजोत राति रहत, तँ अन्हार सेहो अहाँ सभक लेल अन्हार नहि अछि; राति दिन जकाँ उज्ज्वल अछि, किएक तँ अन्हार जेना अछि।" अहाँक संग इजोत।"

2. यशायाह 60:1-2 - "उठू, चमकू, किएक तँ अहाँक इजोत आबि गेल अछि, आ प्रभुक महिमा अहाँ सभ पर उठि गेल अछि। देखू, पृथ् वी केँ अन्हार आ जाति सभ केँ घनघोर अन्हार झाँपि देत; मुदा प्रभु करथि।" अहाँ सभ पर उठू, हुनकर महिमा अहाँ सभ पर देखल जायत।”

गीत 4:7 अहाँ सभ गोरी छी, हमर प्रेमी। अहाँ मे कोनो दाग नहि अछि।

गीत गीत प्रियतमक सौन्दर्यक प्रशंसा करैत अछि, घोषणा करैत अछि जे हुनका मे कोनो दोष नहि अछि ।

1. बिना शर्त प्रेम: अपन प्रियतम के सौन्दर्य के जश्न मनाबय के

2. निर्दोष: भगवान् के सृष्टि के सिद्धता पर चिंतन

1. नीतिवचन 31:10 - "एकटा उत्तम पत्नी जे पाबि सकैत अछि? ओ गहना सँ कहीं बेसी कीमती अछि।"

2. उत्पत्ति 1:31 - "परमेश् वर अपन सभ किछु देखि कऽ देखलनि जे ओ बहुत नीक छल।"

गीत 4:8 लेबनान सँ हमरा संग आऊ, हमर जीवनसाथी, हमरा संग लेबनान सँ।

वक्ता अपनऽ जीवनसाथी क॑ लेबनान स॑ हुनका सिनी के साथ आबै लेली आमंत्रित करै छै, आरू अमाना, शेनीर, हरमोन केरऽ सुन्दर क्षेत्र आरू शेर आरू तेंदुआ के भूमि देखै छै ।

1. प्रेमक आमंत्रण: एक बनबाक लेल भगवानक आह्वान

2. एक संग साहसिक काज: अन्वेषण आ खोज करबाक लेल भगवानक आमंत्रण

1. इफिसियों 5:31-32 - "तेँ आदमी अपन बाप-माँ केँ छोड़ि अपन पत्नी केँ पकड़ि लेत, आ दुनू एक शरीर बनि जायत। ई रहस्य गहींर अछि, आ हम कहि रहल छी जे ई मसीह आ मसीहक संदर्भ दैत अछि।" चर्च.

2. भजन 104:19 - ओ चान केँ मौसमक निशानी बनेबाक लेल बनौलनि; सूर्य अपन डूबबाक समय जनैत अछि।

गीत 4:9 अहाँ हमर हृदय केँ लूटि लेलहुँ, हमर बहिन, हमर जीवनसाथी; अहाँ हमर हृदय केँ अपन एक आँखि सँ, अपन गरदनिक एक जंजीर सँ लूटि लेलहुँ।

प्रियतम अपन प्रियतमक सौन्दर्य देखि मोहित भ' जाइत छथि ।

1. प्रेम प्रायः सौन्दर्य आ प्रशंसाक माध्यमे व्यक्त होइत अछि ।

2. सौन्दर्यक शक्ति आ ओकर हृदय केँ पकड़बाक क्षमता।

1. नीतिवचन 5:19 - ओ प्रेमी मृग आ सुखद रोड़ा जकाँ होथि; ओकर स्तन अहाँ केँ सदिखन तृप्त करय। आ अहाँ ओकर प्रेम सँ सदिखन लूटल रहू।

2. 1 यूहन्ना 4:18 - प्रेम मे कोनो डर नहि होइत छैक; मुदा पूर्ण प्रेम भय केँ बाहर निकालैत अछि, कारण भय सँ यातना होइत छैक। जे डरैत अछि से प्रेम मे सिद्ध नहि होइत अछि।

गीत 4:10 अहाँक प्रेम कतेक सुन्दर अछि, हमर बहिन, हमर जीवनसाथी! अहाँक प्रेम मदिरासँ कतेक नीक अछि! आ सभ मसाला सँ बेसी तोहर मरहमक गंध!

जीवनक सबसँ नीक चीजसँ जीवनसाथीक प्रेम नीक होइत छैक ।

1. अपन जीवनसाथी के प्रेम के सब किछु स बेसी कदर करब सीखू।

2. प्रेम भगवान् द्वारा देल गेल सबसँ पैघ वरदान अछि।

1. 1 यूहन्ना 4:8 - "जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।"

2. मरकुस 12:30-31 - "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ, पूरा मन सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू। दोसर ई अछि जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।" .एहि सभसँ पैघ कोनो आज्ञा नहि अछि।

गीत 4:11 हे हमर जीवनसाथी, अहाँक ठोर मधुक छत्ते जकाँ खसि पड़ैत अछि, अहाँक जीहक नीचाँ मधु आ दूध अछि। आ तोहर वस्त्रक गंध लेबनानक गंध जकाँ अछि।

गीत गीत मे प्रियतम के वर्णन मधुर शब्द वाला, आ गंध में नीक लागय वाला के रूप में कयल गेल अछि |

1: मधुर शब्दक शक्ति

2: धर्मक मधुर गंध

1: नीतिवचन 16:24 - सुखद शब्द मधुक छत्ता जकाँ होइत अछि, आत्माक लेल मिठास आ हड्डीक लेल स्वास्थ्य।

2: 2 कोरिन्थी 2:14-15 - मुदा परमेश् वर केँ धन्यवाद जे मसीह मे हमरा सभ केँ सदिखन विजय जुलूस मे अगुवाई करैत छथि आ हमरा सभक द्वारा हुनकर ज्ञानक सुगन्ध सभ ठाम पसारि दैत छथि।
कारण, उद्धार पाबि रहल लोक आ नाश भऽ रहल सभक बीच हम सभ परमेश् वरक लेल मसीहक सुगन्ध छी।

गीत 4:12 एकटा गाछी बंद अछि हमर बहिन, हमर जीवनसाथी। एकटा झरना चुप, एकटा फव्वारा सील।

एहि अंश मे प्रियतमक प्रेमक सौन्दर्य आ अनन्यताक बात कयल गेल अछि |

१: प्रियतमक प्रेमक सौन्दर्य

2: प्रियतम प्रेमक अनन्यता

1: यशायाह 62:4-5 "अहाँ सभ केँ आब परित्यक्त नहि कहल जायत, आ अहाँक देश केँ आब उजाड़ नहि कहल जायत, बल् कि अहाँ सभ केँ हमर आनन्द ओहि मे अछि आ अहाँक देश विवाहित कहल जायत, कारण प्रभु अहाँ सभ मे प्रसन्न छथि। आ अहाँक जमीन विवाहित भऽ जायत।

2: यिर्मयाह 31:3 "प्रभु हुनका लग दूर सँ प्रकट भेलाह। हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; तेँ हम अहाँक प्रति अपन वफादारी बनौने छी।"

गीत 4:13 अहाँक पौधा अनारक बगीचा अछि, जाहि मे नीक फल भेटैत अछि। कम्फायर, स्पाइकनार्ड के साथ, 1999।

सुलेमान के गीत प्रेम आरू विवाह के आनन्द के उत्सव मनाबै छै।

1: प्रेम अनार जकाँ सुन्दर आ मधुर होइत अछि।

2: विवाह एकटा अनमोल उपहार अछि जकरा संजोगबाक चाही।

1: कुलुस्सी 3:12-14 - तेँ परमेश् वरक चुनल लोक, पवित्र आ प्रिय सभ जकाँ दया, दया, विनम्रता, नम्रता, धैर्यक आंत पहिरू। जँ केओ ककरो सँ झगड़ा करैत अछि तँ एक-दोसर केँ सहन करू आ एक-दोसर केँ क्षमा करू। आ एहि सभ बात सँ ऊपर दान-प्रदान पहिरू, जे सिद्धताक बंधन अछि।

2: इफिसियों 5:22-33 - पत्नी सभ, प्रभुक समान अपन पतिक अधीन रहू। पति पत्नीक सिर होइत छथि, जेना मसीह मण् डलीक सिर छथि। एहि लेल जेना मण् डली मसीहक अधीन अछि, तहिना स् त्री सभ सभ काज मे अपन पतिक अधीन रहथि। पति सभ, अहाँ सभ अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि। जाहि सँ ओ वचन सँ पानि सँ धो कऽ ओकरा पवित्र आ शुद्ध करथि।

391

गीत 4:14 स्पाइकनार्ड आ केसर; लोबानक सभ गाछक संग कैलमस आ दालचीनी। गंधक आ मुसब्बर, सभटा प्रमुख मसाला सभक संग।

गीत गीत दू गोटेक बीच प्रेमक सौन्दर्यक उत्सव मनाबैत अछि ।

1: सच्चा प्रेम एकटा बहुमूल्य आ सुगन्धित उपहार अछि, ठीक ओहिना जेना एहि श्लोक मे उल्लेखित मसाला अछि।

2: प्रेम कोनो भौतिक वस्तु वा भोग सँ बेसी कीमती होइत अछि, जकर वर्णन एहि अंश मे मसाला द्वारा कयल गेल अछि।

1: 1 कोरिन्थी 13:1-8 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि।

2: 1 यूहन्ना 4:16 - परमेश् वर प्रेम छथि, आ जे प्रेम मे रहैत छथि, ओ परमेश् वर मे रहैत छथि, आ परमेश् वर हुनका मे रहैत छथि।

गीत 4:15 लेबनान सँ बगीचा सभक फव्वारा, जीवित पानिक इनार आ धार।

ई अंश प्रकृति केरऽ सौन्दर्य आरू ओकरऽ जीवनदायी संसाधन केरऽ प्रचुरता के वर्णन छै ।

1. "जीवित जल: अपन जीवन के ताजा आ नवीनीकरण"।

2. "प्रकृतिक सौन्दर्य: भगवानक एकटा उपहार"।

1. यूहन्ना 4:14 मुदा जे पानि हम देब से पीबैत अछि, से कहियो प्यास नहि लागत। मुदा हम जे पानि ओकरा देबनि से हुनका मे अनन्त जीवनक लेल झरैत पानिक इनार बनि जायत।”

2. भजन 104:10-12 अहाँ घाटी मे झरना बहबैत छी। पहाड़क बीच बहैत अछि; खेतक हरेक जानवर केँ पीबैत छथि। जंगली गदहा सभ अपन प्यास बुझबैत अछि। हुनका सभक बगल मे आकाशक चिड़ै सभ रहैत अछि। डारि सभक बीच गाबैत छथि। अपन ऊँच निवास सँ पहाड़ केँ पानि दैत छी। अहाँक काजक फलसँ धरती तृप्त अछि।

गीत 4:16 हे उत्तर हवा, जागू। आ आऊ, अहाँ दक्षिण। हमर गाछी पर उड़ाउ, जाहि सँ ओकर मसाला बहय। हमर प्रियतम अपन गाछी मे आबि अपन सुखद फल खाय।

प्रियतम के गाछी में प्रवेश आ ओकर सुखद फल के आनंद लेबय लेल आमंत्रित कयल गेल अछि |

1: हमरा सभ केँ प्रभुक बगीचा मे प्रवेश करबाक लेल आ हुनकर आत्माक फल मे भाग लेबाक लेल आमंत्रित कयल गेल अछि।

2: प्रभु के आशीर्वाद के माध्यम स हुनकर बगीचा में आनन्द आ आनन्द के अनुभव क सकैत छी।

1: भजन 1:3 - ओ पानिक नदीक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत जे अपन समय मे फल दैत अछि। ओकर पात सेहो मुरझाएब नहि। ओ जे किछु करताह से फलित होयत।

2: यशायाह 61:11 - किएक तँ जहिना धरती अपन कली पैदा करैत अछि आ जेना बगीचा ओहि मे बोओल गेल वस्तु सभ केँ उगबैत अछि। तेँ प्रभु परमेश् वर सभ जाति सभक समक्ष धार्मिकता आ स्तुति उगताह।

सोलोमन के गीत अध्याय 5 में कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच प्रेम के काव्यात्मक अभिव्यक्ति जारी छै । एहि मे क्षणिक विरह आ तकर बाद दुनूक बीचक लालसा आ पुनर्मिलनक चित्रण अछि ।

पहिल पैराग्राफ: कनियाँ एकटा एहन सपना के वर्णन करैत छथि जाहि मे ओ अपन प्रियतम खटखटबैत अबैत छथि त हुनका लेल दरवाजा खोलय मे संकोच करैत छथि | जाबे ओ ओकरा भीतर जाए देबाक निर्णय लैत छथि ताबे ओ चलि चुकल अछि । ओ ओकरा तकैत अछि मुदा ओकरा नहि पाबि सकैत अछि (गीत 5:1-6)।

2 पैराग्राफ: यरूशलेम के बेटी सब कनियाँ स ओकर प्रियतम के विशेषता के बारे में पूछै छै, जेकरा स॑ ओकरा ओकरऽ शारीरिक विशेषता के वर्णन करै लेली प्रेरित होय छै आरू ओकरा प्रति ओकरऽ गहरी स्नेह व्यक्त करलऽ जाय छै (गीत के गीत 5:7-8)।

तृतीय पैराग्राफ: कनियाँ अपन प्रियतम केँ शहर भरि मे खोजैत रहैत छथि, दोसर सँ पूछैत रहैत छथि जे अहाँ हुनका देखलहुँ अछि की नहि। ओकरा पहरेदारऽ के सामना करना पड़ै छै जे ओकरा साथ दुर्व्यवहार करै छै, लेकिन वू अपनऽ पीछा करै में अडिग रहै छै (गीत ५:९-१६)।

4 म पैराग्राफ: अंत मे कनियाँ अपन प्रियतम केँ ताकि लैत छथि आ व्यक्त करैत छथि जे हुनकर उपस्थितिक कतेक इच्छा छनि। ओ ओकर शारीरिक सौन्दर्यक वर्णन करैत छथि आ हुनका प्रति अपन प्रेम व्यक्त करैत छथि (गीत 5:17)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय पांच में चित्रित
के बीच अस्थायी विरह
कनियाँ आ ओकर प्रियतम,
तकर बाद हुनका लोकनिक लालसा आ अंततः काव्यात्मक अभिव्यक्तिक माध्यमे पुनर्मिलन |

सपना के वर्णन जतय कनियाँ दरबज्जा खोलबा मे संकोच करैत छथि जखन प्रियतम खटखटबैत अबैत छथि ।
प्रियतम प्रवेश के अनुमति स पहिने प्रस्थान करैत जे कनिया द्वारा संचालित खोजबीन के तरफ ल जाइत अछि |
पीछा करय के दौरान दृढ़ संकल्पित रहैत गार्ड के दुर्व्यवहार के सामना करब.
प्रियतम के खोजना अंततः ओकर उपस्थिति के प्रति इच्छा व्यक्त करैत |
प्रेमक अभिव्यक्तिक संग प्रियजन द्वारा धारण कयल गेल शारीरिक सौन्दर्यक वर्णन |

काव्य भाषा के माध्यम स॑ चित्रित रोमांटिक संबंधऽ के भीतर सामने आबै वाला अस्थायी चुनौती के पहचान करै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, साथ ही साथ कोनो रिश्ता के भीतर अलगाव या दूरी के क्षण के दौरान सामना करलऽ जाय वाला बाधा के पार करै पर महत्व देना । एकरऽ अतिरिक्त, अपनऽ प्रियजन के साथ मिलला प॑ अनुभव करलऽ गेलऽ आनन्द क॑ उजागर करै के साथ-साथ ओकरा प्रति धारण करलऽ गेलऽ गहरी स्नेह व्यक्त करै के ।

गीत 5:1 हम अपन बगीचा मे आबि गेल छी, हमर बहिन, हमर जीवनसाथी। हम अपन मधुक छत्ता अपन मधुक संग खा लेलहुँ; हम अपन मदिरा अपन दूधक संग पीने छी, हे मित्र लोकनि, खाउ; पीब, हँ, प्रचुर मात्रा मे पीब, हे प्रियतम।

गीत गीत वैवाहिक प्रेमक आनन्दक काव्यात्मक अभिव्यक्ति थिक । विवाहक आध्यात्मिक आ शारीरिक आनन्द मे भाग लेबाक आमंत्रण अछि ।

1. वैवाहिक प्रेमक आनन्द: आध्यात्मिक आ शारीरिक पूर्तिक अनुभव करबाक आमंत्रण

2. आध्यात्मिक आ शारीरिक आत्मीयताक संग अपन विवाहक पोषण करू

1. 1 कोरिन्थी 7:2-5 - पौलुस विवाहित दंपति केँ एक-दोसर केँ यौन रूप सँ संतुष्ट करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

2. इफिसियों 5:21-33 - पौलुस पति-पत्नी केँ एक-दोसर केँ बिना शर्त प्रेम सँ सम्मान करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

गीत 5:2 हम सुतल छी, मुदा हमर मोन जागल अछि, हमर प्रियतमक आवाज अछि जे खटखटबैत अछि, “हे हमर बहिन, हमर प्रेमी, हमर कबूतर, हमर अशुद्ध, हमरा लेल खोलू, कारण हमर माथ ओस सँ भरल अछि।
आ रातिक बूंदसँ हमर ताला।

प्रियतम अपन प्रियतम केँ आवाज दैत अछि जे ओकरा भीतर जाय दियौक।

1: प्रेमक शक्ति आ कोना सीमा पार करैत अछि।

2: प्रेम मे निर्मल रहबाक की अर्थ होइत छैक।

1: 1 यूहन्ना 4:7-8 प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि, आ जे प्रेम करैत अछि, ओ परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि से भगवान् केँ नहि जनैत अछि, कारण भगवान् प्रेम छथि।

2: रोमियो 12:9-10 प्रेम असली हो। जे अधलाह अछि तकरा घृणा करू; जे नीक अछि ओकरा पकड़ि कऽ राखू। भाई-बहिनक स्नेहसँ एक-दोसरसँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

गीत 5:3 हम अपन कोट उतारने छी; कोना पहिरब? हम अपन पएर धो लेने छी; हम ओकरा सभ केँ कोना अशुद्ध करब?

गीत गीत मे वक्ता सवाल ठाढ़ क रहल छथि जे कोना ओ सब अपन कोट पहिरि सकैत छथि आ पैर उतारलाक बाद कोना अशुद्ध क सकैत छथि।

1. विचार आ कर्म मे पवित्र आ शुद्ध रहबाक महत्व।

2. भौतिक आ आध्यात्मिक के बीच संतुलन बनेबाक चुनौती।

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, हम सभ एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंग जकाँ होयत, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, किरमिजी जकाँ लाल भ' जायत, मुदा ऊन जकाँ भ' जायत।"

2. 1 कोरिन्थी 6:19-20 - "की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँक शरीर अहाँ सभक भीतर पवित्र आत् माक मन्दिर अछि, जे अहाँ सभ परमेश् वर सँ भेटल अछि? अहाँ सभ अपन नहि छी, किएक तँ अहाँ सभ दाम सँ कीनल गेल छी। तेँ।" अपन शरीर मे परमेश् वरक महिमा करू।"

गीत 5:4 हमर प्रियतम दरबज्जाक छेदक कात मे हुनका हाथ मे राखि देलनि, आ हुनका लेल हमर आंत हिल गेलनि।

कथाकार अपन प्रियतमक प्रति अपन प्रेमक अभिव्यक्ति करैत छथि, जे कोना दरबज्जासँ हाथ घुसाबैत छथि तँ हुनकर भाव हलचल होइत छनि ।

1. विरह के समय में प्रेम: सामाजिक दूरी के दौरान आत्मीयता के पुनः खोज

2. अदृश्य स्पर्शक शक्ति: दूरीक समय मे निष्ठावान प्रेम केँ प्रोत्साहित करब

1. यशायाह 49:16 - "देखू, हम तोरा अपन हाथक हथेली पर उकेरने छी; तोहर देबाल हमरा सोझाँ सदिखन रहैत अछि।"

2. रोमियो 5:5 - "आ आशा लाज नहि दैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक प्रेम हमरा सभ केँ देल गेल पवित्र आत् मा द्वारा हमरा सभक हृदय मे बहि गेल अछि।"

गीतक गीत 5:5 हम अपन प्रियतमक सामने खोलबाक लेल उठलहुँ; आ हमर हाथ गंधकसँ खसि पड़ल आ हमर आँगुर मीठ गंधक गंधकसँ, तालाक हैंडल पर।

प्रियतम अपन प्रियतमक दरबज्जा खोलबाक लेल उठि गेल छथि । हाथ गंधकसँ झाँपल आ आँगुर मधुर गंधक गंधकसँ सुगन्धित अछि ।

1: हमरा सभकेँ प्रभुक समक्ष अपन हृदय खोलबाक चाही आ हुनकर प्रेम हमरा सभकेँ भरय दियौक।

2: जखन हम सब भगवान् के समर्पण करब तखन ओ हमरा सब के अपन कृपा आ प्रेम स भरताह।

1: यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करत से नाश नहि भऽ जायत, बल् कि अनन् त जीवन पाओत।

2: इफिसियों 3:17-19 - जाहि सँ मसीह विश्वासक द्वारा अहाँ सभक हृदय मे रहथि। आरू हम्में प्रार्थना करै छियै कि तोरा सिनी, प्रेम में जड़ जमाय कॅ आरू स्थापित होय के, प्रभु के सब

पवित्र लोग के साथ मिल क, ई समझै के शक्ति मिलै कि मसीह के प्रेम कतेक चौड़ा आरू लम्बा आरू ऊंचऽ आरू गहरा छै, आरू ई प्रेम के जानै के जे ज्ञान स॑ भी अधिक छै जाहि सँ अहाँ सभ परमेश् वरक सम्पूर्ण पूर्णताक नाप मे पूर्ण भऽ जायब।”

गीत 5:6 हम अपन प्रियतम केँ खोललहुँ; मुदा हमर प्रियतम अपना केँ हटि गेल छल आ चलि गेल छल। हम हुनका फोन केलियनि, मुदा ओ हमरा कोनो जवाब नहि देलनि।

प्रियतम चलि गेल छलाह आ वक्ता हुनका सभकेँ ताकि रहल छथि ।

1. निराशा के समय में भगवान के आराम

2. हानि के समय में आशा

1. विलाप 3:21-23 "हम ई बात मोन मे मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि। प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।" " .

2. भजन 34:18 "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि, आ पश्चाताप करयवला केँ उद्धार दैत छथि।"

गीत 5:7 नगर मे घुमैत चौकीदार सभ हमरा पाबि गेल, हमरा मारि देलक, घायल क’ देलक। देबालक रखबार सभ हमरासँ हमर घूंघट छीनि लेलक।

शहर मे घुमैत चौकीदार सभ अपन घूंघट छीनि क' वक्ता पर हमला क' देलक।

1: हमरा सब के दुनिया के खतरा के प्रति सदिखन जागरूक रहबाक चाही आ अपन रक्षा के लेल सतर्क रहबाक चाही।

2: विपत्तिक समय मे भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि, ओहो तखन जखन हमरा सभ केँ लगैत अछि जे हम सभ छोड़ि देल गेल छी।

1: भजन 91:9-10 "किएक तँ अहाँ प्रभु केँ, जे हमर शरण छथि, परम सर्वोच्च केँ अपन निवास बना देलहुँ; अहाँ पर कोनो दुष् टता नहि होयत आ ने कोनो विपत्ति अहाँक निवास लग आबि जायत।"

2: यशायाह 41:10 "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोहर संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम तोहर परमेश् वर छी। हम तोरा बल देबौक। हँ, हम तोहर सहायता करब हमर धर्म।"

गीत 5:8 हे यरूशलेमक बेटी सभ, हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी जे जँ अहाँ सभ हमर प्रियजन केँ पाबि लैत छी तँ ओकरा कहि दिअ जे हम प्रेम सँ बीमार छी।

प्रियतम के खोजै के आज्ञा छै आरू ओकरऽ प्रेम के बारे में बताबै के ।

1: प्रेम एकटा प्रबल भाव अछि जे भारी पड़ि सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन प्रेम सदिखन दोसरसँ बाँटबाक चाही, भले ई करब कठिन हो।

1: 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि।

2: रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू। प्रेम मे एक दोसरा के प्रति समर्पित रहू। एक दोसरा के अपना स बेसी आदर करू।

गीत 5:9 हे स्त्रीगण मे सुन्दरतम, अहाँक प्रियतम दोसर प्रियतम सँ बेसी की अछि? दोसर प्रियतम सँ बेसी अहाँक प्रियतम की अछि जे अहाँ हमरा सभ केँ एना आज्ञा दैत छी?

395

गीतक ई अंश पूछि रहल अछि जे कोनो प्रियतम सँ पैघ प्रियतम छथि की नहि |

1. प्रेमक विशिष्टता: प्रियतम कोनो आनसँ कोना पैघ होइत अछि तकर परीक्षण

2. प्रेम मे आराम भेटब: कठिन समय मे प्रेमक शक्तिक अन्वेषण

1. 1 यूहन्ना 4:19, हम सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7, प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि।
प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब किछु के आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।

गीत 5:10 हमर प्रिय गोर आ सुर्ख छथि, दस हजार मे सबसँ पैघ छथि।

प्रियतम के गोर आ सुर्ख के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जे सब में सबसें उत्कृष्ट छै ।

1. भगवान् के प्रेम के विशिष्टता

2. पवित्रताक सौन्दर्य

1. 1 यूहन्ना 4:7-12

2. भजन 90:17

गीत 5:11 ओकर माथ सबसँ महीन सोना जकाँ अछि, ओकर ताला झाड़ीदार अछि आ काग जकाँ कारी अछि।

गीत गीत मे प्रियतमक सौन्दर्यक उत्सव मनाओल गेल अछि, ओकर माथ केँ बेहतरीन सोनाक आ ओकर ताला केँ झाड़ीदार आ काग जकाँ कारी वर्णित कयल गेल अछि |

1. प्रियतमक सौन्दर्य: भगवानक सृष्टिक सौन्दर्यक उत्सव

2. सच्चा प्रेमक शक्ति: प्रेम कोना पार करैत अछि आ कोना परिवर्तित होइत अछि

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

२. जँ हमरा लग भविष्यवाणी करबाक वरदान अछि, आ सभ रहस्य आ सभ ज्ञान बुझैत छी। जँ हमरा लग सभटा विश् वास अछि, जाहि सँ हम पहाड़ सभ केँ हटि सकितहुँ, मुदा प्रेम नहि अछि, मुदा हम किछु नहि छी। जँ हम अपन सभटा सम् पत्ति गरीब सभक पेट भरबाक लेल दऽ दैत छी आ अपन शरीर केँ जरेबाक लेल दऽ दैत छी आ प्रेम नहि करैत छी तँ हमरा किछुओ लाभ नहि होइत अछि।

गीत 5:12 हुनकर आँखि पानिक नदीक कात मे कबूतरक आँखि जकाँ अछि, जे दूध सँ धोओल गेल अछि आ नीक जकाँ ठाढ़ अछि।

प्रियतमक आँखिक उपमा जलक नदीक कात मे कबूतरक आँखि सँ कयल गेल अछि, शुद्ध आ सुन्दर |

1: प्रेमक आँखि सँ देखब।

2: शुद्धताक सौन्दर्य आ शक्ति।

1: मत्ती 6:22 - शरीरक इजोत आँखि अछि, तेँ जँ अहाँक आँखि एकल रहत तँ अहाँक पूरा शरीर इजोत सँ भरल रहत।

2: नीतिवचन 20:11 - बच्चा सेहो ओकर काज सँ जानल जाइत अछि, ओकर काज शुद्ध अछि कि नहि, आ सही अछि।

गीत 5:13 ओकर गाल मसाला के बिछौन जकाँ छै, मीठ फूल जकाँ छै: ओकर ठोर कुमुद जकाँ छै, मीठ गंधक गंधक खसैत छै।

ई अंश प्रियतमक सौन्दर्यक वर्णन अछि |

1. भगवानक सृष्टि मे प्रेमक सौन्दर्य

2. छोट-छोट बात मे आनन्द भेटब

1. भजन 45:2 - अहाँ मनुष्यक संतान मे सबसँ सुन्दर छी; कृपा तोहर ठोर पर ढारल अछि।

2. नीतिवचन 17:22 - हँसमुख हृदय नीक दवाई होइत छैक, मुदा कुचलल आत्मा हड्डी केँ सुखा दैत छैक।

गीत 5:14 हुनकर हाथ बेरिल सँ राखल सोनाक अंगूठी जकाँ अछि, हुनकर पेट नीलमणि सँ आच्छादित चमकैत हाथीक दांत जकाँ अछि।

ई अंश एक प्रिय केरऽ सुंदरता के बात करै छै, जेकरा में ओकरऽ हाथऽ के वर्णन बेरिल के साथ सेट करलऽ सोना के अंगूठी के रूप में करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरऽ पेट के नीलम के साथ आच्छादित चमकदार हाथीदांत के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै ।

1. प्रेमक सौन्दर्य: गीतक गीतक अन्वेषण 5:14

2. परमेश् वरक प्रेमक शक्ति: परमेश् वरक प्रेम हमरा सभ केँ कोना बदलि दैत अछि

1. यशायाह 53:2 - किएक तँ ओ ओकरा सामने कोमल पौधा जकाँ बढ़त आ शुष्क जमीनक जड़ि जकाँ। आ जखन हुनका देखबनि तखन कोनो एहन सौन्दर्य नहि अछि जे हम सभ हुनकर इच्छा करी।

2. 1 पत्रुस 1:24 - किएक तँ सभ प्राणी घास जकाँ अछि, आ मनुष् यक समस्त महिमा घासक फूल जकाँ अछि। घास मुरझा जाइत अछि आ ओकर फूल खसि पड़ैत अछि।

गीत 5:15 हुनकर टांग संगमरमर के खंभा जकाँ अछि, जे महीन सोनाक कुंड पर राखल अछि, हुनकर चेहरा लेबनान जकाँ अछि, देवदारक गाछ जकाँ उत्तम अछि।

प्रियतम के वर्णन भव्यता में करलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ टांग के उपमा महीन सोना के कुंडली पर रखलऽ संगमरमर के खंभा स॑ करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरऽ चेहरा लेबनान के राजसी देवदार के तरह छै ।

1. प्रियतमक सौन्दर्य देखब: भगवानक महिमाक प्रशंसा करब

2. वैभव मे रहब: भगवानक कृपाक समृद्धिक अनुभव करब

1. भजन 45:2 - "अहाँ मनुष्यक सन्तान सँ बेसी सुन्दर छी। अहाँक ठोर मे अनुग्रह ढारल गेल अछि; तेँ परमेश् वर अहाँ केँ अनन्त काल धरि आशीर्वाद देलनि।"

2. यशायाह 61:10 - "हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धार्मिकताक वस्त्र सँ झाँपि देलनि, जेना वर कनैत छथि।" अपना केँ आभूषण सँ आ जहिना कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि |”

गीत 5:16 हुनकर मुँह बहुत मीठ अछि, हँ, ओ एकदम प्रिय छथि। ई हमर प्रियतम छथि, आ ई हमर मित्र छथि, हे यरूशलेमक बेटी सभ।

एहि अंश मे प्रियतम केँ मधुर आ आनन्ददायक वर्णन कयल गेल अछि |

1: हमर प्रिय मीठ आ प्रिय छथि - भजन 34:8

2: प्रेम सर्वोच्च अछि - 1 कोरिन्थी 13

1: भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि।

2: 1 कोरिन्थी 13 - प्रेम धैर्य रखैत अछि, प्रेम दयालु होइत अछि। ईर्ष्या नै करै छै, घमंड नै करै छै, घमंड नै करै छै।

सोलोमन के गीत अध्याय 6 में कनियाँ आ ओकर प्रियतम के बीच काव्यात्मक संवाद के आगू बढ़ाओल गेल अछि | एकरा म॑ एक-दूसरा के प्रति हुनकऽ गहरी प्रेम आरू इच्छा के अभिव्यक्ति करै वाला भावुक आदान-प्रदान के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत कनियाँ अपन प्रियतम के खोजैत, ओकरा तकबाक लेल तरसैत। ओ हुनका प्रति अपन प्रशंसा व्यक्त करैत छथि, हुनकर सुंदरताक वर्णन करैत छथि आ हुनकर तुलना दोसर सँ करैत छथि (गीत 6:1-3)।

2nd Paragraph : प्रियतम कनियाँ के खोज के प्रतिक्रिया दैत हुनकर सुंदरता के स्वीकार करैत छथि आ हुनका प्रति अपन प्रेम के पुष्टि करैत छथि | ओ ओकर गुणक प्रशंसा करैत छथि आ ओकर तुलना एकटा सुन्दर शहर सँ करैत छथि (गीत 6:4-7)।

तृतीय पैराग्राफ: कनियाँक मित्र लोकनि सेहो हुनकर सौन्दर्यक प्रशंसा करैत छथि आ पूछैत छथि जे ओ कतय चलि गेलीह । ओ सभ ओकरा वापस आबय लेल प्रोत्साहित करैत छथि जाहि सँ ओ सभ अपन प्रेमक उत्सव मनाबैत रहथि (गीत 6:8-10)।

4 म पैराग्राफ: कनियाँ अपन प्रियतमक उपस्थिति सँ कोना अभिभूत छलीह तकर वर्णन करैत प्रतिक्रिया दैत छथि, एक संग दुनूक अंतरंग क्षणक वर्णन करैत छथि | ओ व्यक्त करैत छथि जे ओ आन सभ मे विशिष्ट छथि (गीत 6:11-13)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय छह में खुलासा
पुनर्मिलन के लालसा, २.
एक दोसराक सौन्दर्यक प्रशंसा, २.
आ अपन अद्वितीय प्रेमक उत्सव।

प्रियतमक खोज मे कनियाँ; प्रशंसा व्यक्त कयल गेल।
प्रेमक पुष्टि करैत प्रिय; कनियाँ के लिये स्तुति।
प्रशंसा मे जुड़ैत मित्र लोकनि; प्रोत्साहन देब।
उपस्थिति सँ अभिभूत कनियाँ; अद्वितीय प्रेम पुष्टि की।

एहि अध्याय मे वर-वधूक बीच भावुक आदान-प्रदानक चित्रण कयल गेल अछि, जाहि मे एक दोसराक प्रति हुनकर गहींर लालसा व्यक्त कयल गेल अछि | एक दोसरा के सौन्दर्य आरू गुण के वर्णन करतें हुअ॑ हुनकऽ आपसी प्रशंसा क॑ उजागर करै छै । दोस्त सब अपनऽ प्रेम के जश्न मनाबै में शामिल होय जाय छै, ओकरा एक साथ मिलै लेली प्रोत्साहित करै छै ताकि दोनों एक साथ आनन्दित रह॑ सक॑ । अध्याय के अंत में कनियाँ अपनऽ प्रियतम के साथ साझा करलऽ गेलऽ अंतरंग क्षण के याद करी क॑ ओकरऽ सब के बीच ओकरऽ विशिष्टता के पुष्टि करै छै । कुल मिला क॑ ई एक-दूसरा के प्रति गहराई स॑ समर्पित दू व्यक्ति के बीच रोमांटिक प्रेम के संदर्भ के भीतर तीव्र इच्छा, स्नेह आरू उत्सव के भाव के संप्रेषण करै छै

गीत 6:1 हे स्त्रीगण मे सबसँ सुन्दर, अहाँक प्रियतम कतय चलि गेल? तोहर प्रियतम कतय घुमि गेल अछि? जाहि सँ हम सभ हुनका अहाँक संग ताकब।”

स्त्रीगण मे सुन्दरतमक प्रियतम चलि गेल छथि, आ ओ सभ हुनका खोजि रहल छथि ।

1. "प्रियक खोज"।

2. "प्रेमक खोज"।

398

1. मत्ती 7:7-8 - "माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, आ अहाँ सभ केँ भेटत; खटखटाउ, आ अहाँ सभक लेल खुजल जायत जे खटखटाओत तकरा लेल खुजल रहत।”

2. नीतिवचन 8:17 - "हम ओहि सभ सँ प्रेम करैत छी जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि, आ जे हमरा जल्दी तकैत अछि, से हमरा पाबि लेत।"

गीत 6:2 हमर प्रियतम अपन गाछी मे, मसाला के बिछौन पर, गाछी मे भोजन करय लेल आ कुमुद जमा करय लेल उतरि गेल छथि।

हमर प्रियतम अपन गाछी मे गेल छथि एकर सौन्दर्यक आनंद लेबय लेल आ कुमुद संग्रह करय लेल।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन सृष्टिक सौन्दर्यक सराहना करबाक लेल समय निकालबाक लेल बजबैत छथि।

2: जीवनक साधारण बात मे हमरा लोकनि केँ आनन्द भेटि सकैत अछि, जेना कुमुदक गाछी।

1: भजन 37:4 - प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

2: मत्ती 6:25-33 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू जे अहाँ की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? हवाक चिड़ै सभ देखू; ओ सभ नहि बोबैत छथि आ ने काटैत छथि आ ने कोठी मे जमा करैत छथि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभ केँ पोसैत छथि। की अहाँ हुनका सभसँ बेसी मूल्यवान नहि छी?

गीत 6:3 हम अपन प्रियतमक छी, आ हमर प्रियतम हमर अछि।

हम आ हमर प्रिय एक दोसरा के प्रति समर्पित छी आ ईश्वरीय प्रेरित संबंध साझा करैत छी।

1. विवाह मे भक्ति के आनन्द

2. प्रेमक फल काटब

1. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि! पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तऽ गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम रहत। आ असगर रहल आदमी पर भले जीत भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब किछु के आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।

गीत 6:4 हे हमर प्रेमी, अहाँ तिरज़ा जकाँ सुन्दर छी, यरूशलेम जकाँ सुन्दर छी, बैनर बला सेना जकाँ भयावह छी।

प्रियतमक प्रशंसा ओकर सौन्दर्यक लेल होइत छैक, जकर उपमा शक्तिशाली सेना सँ कयल जाइत छैक |

1. प्रियतमक सौन्दर्य: प्रेमक ताकतक उत्सव

2. प्रेमक ताकत: सौन्दर्य मे शक्ति भेटब

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

399

2. रोमियो 8:38-39 किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, आ ने वर्तमान वस्तु, आ ने आबय बला वस्तु, ने ऊँचाई, ने गहींर, आ ने कोनो आन प्राणी हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकब, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

गीत 6:5 हमरा सँ नजरि हटाउ, किएक तँ ओ सभ हमरा पर विजय पाबि गेल अछि।

प्रियतम प्रियतमक दृष्टिक अंत माँगि रहल छथि, कारण ई अभिभूत रहल अछि ।

1. प्रेमक शक्ति: आत्मीयताक ताकत केँ आत्मसात करब

2. स्वीकृतिक सौन्दर्य: पूर्णताक दबाव छोड़ब

1. रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू। प्रेम मे एक दोसरा के प्रति समर्पित रहू। एक दोसरा के अपना स बेसी आदर करू।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य रखैत अछि, प्रेम दयालु होइत अछि। ईर्ष्या नै करै छै, घमंड नै करै छै, घमंड नै करै छै। दोसरक बेइज्जती नहि करैत अछि, स्वार्थी नहि अछि, सहजहि क्रोधित नहि होइत अछि, गलतीक कोनो अभिलेख नहि रखैत अछि । प्रेम बुराई मे आनन्दित नहि होइत अछि अपितु सत्यक संग आनन्दित होइत अछि । ई सदिखन रक्षा करैत अछि, सदिखन भरोसा करैत अछि, सदिखन आशा करैत अछि, सदिखन दृढ़ता रखैत अछि ।

गीत 6:6 तोहर दाँत ओहि बरदक झुंड जकाँ अछि जे धोआ कऽ चढ़ैत अछि, जकरा सभ गोटे जुड़वाँ बच्चा पैदा करैत अछि, आ ओकरा सभ मे एको बंजर नहि अछि।

एहि अंश मे प्रियतमक सौन्दर्य पर जोर देल गेल अछि, जिनकर दाँत भेड़क झुंड सँ तुलना कयल गेल अछि |

1. प्रियतमक सौन्दर्य: भगवानक सृष्टि मे आनन्द भेटब

2. भगवान् के सृष्टि के सिद्धता: हुनकर वरदान के उत्सव मनाबय के

1. भजन 119:71 - हमरा लेल ई नीक अछि जे हम दुखी भेलहुँ, जाहि सँ हम अहाँक नियम सभ सीख सकब।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

गीत 6:7 अनारक टुकड़ी जकाँ अहाँक मंदिर अहाँक ताला मे अछि।

ई अंश स्त्री केरऽ सुंदरता आरू अनार केरऽ सुंदरता के बीच के तुलना के दर्शाबै छै ।

1. भगवान् के सृष्टि के सौन्दर्य - अपन आसपास के दुनिया के सुंदरता के खोज करब, आ ई कोना भगवान के महिमा के प्रतिबिंबित करैत अछि।

2. आन्तरिक सौन्दर्यक मूल्य - महिलाक आत्माक सौन्दर्यक उत्सव मनाबय, आ कोना ई ओकर शारीरिक सौन्दर्यसँ कहीं बेसी अछि।

1. भजन 139:14 - "हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी।"

2. 1 पत्रुस 3:3-4 - "अपन श्रृंगार बाहरी केशक लोट आ सोनाक गहना पहिरब, वा पहिरल कपड़ा नहि होउ बल् कि अहाँक श्रृंगार अविनाशी सौन्दर्यक संग हृदयक नुकायल व्यक्ति हो।" सौम्य आ शान्त आत्मा के, जे भगवान के नजर में बहुत अनमोल छै।"

गीत 6:8 साठि रानी, साठि उपपत्नी आ अनगिनत कुमारि छथि।

400

गीत गीत प्रियतमक सौन्दर्य आ मूल्यक प्रशंसा करैत अछि, ई नोट करैत अछि जे ओ कोनो आन महिला सँ बेसी वांछनीय छथि ।

1. प्रियतमक मूल्य देखब: गीतक गीत 6:8 मे एकटा अध्ययन

2. सच्चा सौन्दर्यक सराहना: गीतक गीत 6:8 पर एकटा चिंतन

1. नीतिवचन 31:10-31 - आदर्श स्त्री के वर्णन।

2. भजन 45:10-17 - रानी के सौन्दर्य के प्रशंसा करय वाला भजन।

गीत 6:9 हमर कबूतर, हमर अशुद्ध मात्र एक अछि। ओ अपन मायक एकमात्र छथि, ओ हुनकर चुनिंदा छथि जे हुनका उघार केलनि। बेटी सभ ओकरा देखि आशीर्वाद देलक। हँ, रानी आ उपपत्नी सभ ओकर प्रशंसा केलक।

गीतक गीत 6:9 मे एकटा एहन महिलाक वर्णन अछि जकरा सभ देखनिहार द्वारा प्रशंसा आ आशीर्वाद भेटैत अछि।

1. "भगवानक प्रेमक सौन्दर्य: सद्गुणक स्त्री केँ मनाब"।

2. "सबक आशीर्वाद: धर्मक फल"।

1. नीतिवचन 31:10 - "उदात्त चरित्रक पत्नी जे पाबि सकैत अछि? ओकर कीमत माणिक सँ कहीं बेसी अछि।"

2. भजन 19:7-8 - "प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, आत्मा केँ ताजा करैत अछि। प्रभुक नियम भरोसेमंद अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बनबैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्द दैत अछि। द... प्रभु के आज्ञा चमकैत अछि, आँखि के प्रकाश दैत अछि |"

गीत 6:10 ओ के छथि जे भोर जकाँ देखैत छथि, चान जकाँ गोरी, सूर्य जकाँ साफ आ बैनर बला सेना जकाँ भयावह?

ई अंश पूछि रहल अछि जे ओ महिला के छथि जे एतेक सुन्दर छथि ।

1: भगवान हमरा सब के अद्वितीय सुंदरता के संग बनौने छथि आ हमरा सब के गर्व करबाक चाही जे हम के छी।

2: भगवान् के सौन्दर्य हमरा सब में झलकैत अछि आ हमरा सब के समय निकालि क ओकर सराहना करबाक चाही।

1: 1 पत्रुस 3:3-4 - "अपन श्रृंगार बाहरी केशक लोट आ सोनाक गहना पहिरब, वा पहिरल कपड़ा नहि होउ बल् कि अहाँक श्रृंगार अविनाशी सौन्दर्यक संग हृदयक नुकायल व्यक्ति हो।" सौम्य आ शान्त आत्मा के, जे भगवान के नजर में बहुत अनमोल छै।"

2: भजन 139:14 - "हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, किएक तँ हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी। अहाँक काज अद्भुत अछि; हमर आत्मा एकरा नीक जकाँ जनैत अछि।"

गीत 6:11 हम घाटी के फल देखय लेल आ ई देखय लेल जे बेल के गाछ पनपैत अछि आ अनार के कलम निकलैत अछि से देखय लेल अखरोट के बगीचा मे उतरलहुं।

वक्ता घाटी के फल आ वनस्पति के अवलोकन करय लेल नट के गाछी में जाइत छथि ।

1. जे किछु हमरा सभ लग अछि आ जे भगवान हमरा सभ केँ देने छथि ताहि मे संतुष्ट रहब सीखब।

2. प्रकृतिक सौन्दर्यक सराहना आ कृतज्ञताक खेती करब।

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. भजन 65:9-13 - अहाँ पृथ्वी पर जा कऽ ओकरा पानि दियौक; अहाँ एकरा बहुत समृद्ध करैत छी; परमेश् वरक नदी पानि सँ भरल अछि। अहाँ हुनका सभक अनाज उपलब्ध कराबैत छी, कारण अहाँ ओकरा एना तैयार केने छी। अहाँ एकर खरिहान मे प्रचुर मात्रा मे पानि दैत छी, एकर ढाल केँ बसबैत छी, बौछार सँ एकरा नरम करैत छी, आ एकर बढ़बाक आशीर्वाद दैत छी । अहाँ अपन इनाम सँ सालक मुकुट पहिरबैत छी; अहाँक वैगनक पटरी प्रचुरतासँ उमड़ि जाइत अछि । जंगलक चारागाह उमड़ि जाइत अछि, पहाड़ी सभ हर्षसँ कमरबंद अछि, घास-पात झुंडक कपड़ा पहिरैत अछि, घाटी अनाजसँ सजाबैत अछि, आनन्दसँ एक संग चिचियाइत आ गाबैत अछि ।

गीत 6:12 या कहियो हम जागरूक छलहुँ, हमर आत्मा हमरा अम्मीनादीबक रथ जकाँ बना देलक।

गीत 6:12 मे कथाकार ककरो प्रति अपन प्रेम व्यक्त क’ रहल छथि आ कोना एहि सँ हुनका अचानक आ अप्रत्याशित रूप सँ अनुभूति भेलनि।

1. प्रेमक ताकत: प्रेम सँ कोना बहल जायब।

2. बिना शर्त प्रेम करब चुनब: अम्मीनादीबक रथ जकाँ कोना बनब।

1. 1 यूहन्ना 4:7-8 प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वरक अछि। आ जे कियो प्रेम करैत अछि से परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 प्रेम बहुत दिन धरि कष्ट रखैत अछि आ दयालु होइत अछि; प्रेम मे ईर्ष्या नहि होइत छैक; प्रेम स्वयं परेड नहि करैत अछि, फुलाएल नहि होइत अछि; अभद्र व्यवहार नहि करैत अछि, अपन नहि खोजैत अछि, नहि उकसैत अछि, कोनो अधलाह नहि सोचैत अछि; अधर्म मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत् य मे आनन्दित होइत अछि। सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब किछु के आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।

गीत 6:13 हे शुलामी, घुरि कऽ घुरि कऽ आबि जाउ। घुरि जाउ, घुरि जाउ, जाहि सँ हम सभ अहाँ दिस तकैत रही। अहाँ सभ शूलामी मे की देखब? जेना दू सेनाक संगति।

गीत 6:13 के ई अंश शुलामी के सुंदरता के बारे में बात करै छै, जेकरा में ओकरा ऐन्हऽ वर्णन करलऽ गेलऽ छै जेना कि वू दू लोगऽ के सेना होय।

1. शूलामीक सौन्दर्य आ परमेश् वरक सृष्टिक सामर्थ् य

2. शूलामीक वैभव आ प्रभुक महिमा

1. भजन 45:11 "तहिना राजा अहाँक सौन्दर्यक बहुत इच्छा करताह, कारण ओ अहाँक प्रभु छथि; आ अहाँ हुनकर आराधना करू।"

२.

सोलोमन के गीत अध्याय 7 में कनियाँ आ ओकर प्रियतम के बीच काव्यात्मक संवाद जारी अछि | एकरा म॑ कामुक आरू अंतरंग आदान-प्रदान के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एक-दूसरा के प्रति हुनकऽ शारीरिक सौंदर्य आरू इच्छा के उत्सव मनाबै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रियतम कनियाँ के शारीरिक सौन्दर्य के प्रशंसा स करैत अछि, ओकर सुन्दर रूप आ मनमोहक विशेषता पर केंद्रित अछि | ओ ओकर आँखि, केश, दाँत, ठोर आ गर्दनक प्रशंसा करैत छथि (गीत 7:1-5)।

2nd Paragraph: कनियाँ अपन प्रियतमक बात पर अपन इच्छा व्यक्त क' क' प्रतिक्रिया दैत छथि । ओ ओकरा अपन प्रेमक सुखक आनंद लेबय लेल आमंत्रित करैत छथि जे एकटा एहन बगीचा मे आनन्ददायक सुगंध सँ भरल अछि (गीत 7:6-9)।

तृतीय पैराग्राफ: प्रियतम अपन कनियाँक कद, कमर, पेट, आ जाँघ पर ध्यान दैत अपन सुन्दरताक प्रशंसा करैत रहैत छथि | ओ ओकर तुलना विभिन्न प्राकृतिक तत्व जेना ताड़क गाछ वा अंगूरक बगीचा सँ करैत छथि (गीत 7:10-13)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत सातवाँ अध्याय में प्रकट होता है |
एक दोसरा के शारीरिक सौन्दर्य के प्रशंसा,
प्रेमक सुखक अनुभव करबाक आमंत्रण, २.
आ प्राकृतिक तत्वक संग तुलना।

कनियाँ के सौन्दर्य के गुणगान करते प्रियतम।
इच्छा व्यक्त करैत कनियाँ; निमंत्रण.
प्रिय निरंतर प्रशंसा; तुलना.

ई अध्याय में वर-वधू के बीच एक दोसरा के शारीरिक आकर्षण के उत्सव मनाबै के अंतरंग आदान-प्रदान के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । शरीरक विशिष्ट अंग आ विशेषताक काव्यात्मक वर्णनक माध्यमे एक दोसराक प्रति अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि | प्रियतम अपन प्रियतमक तुलना विभिन्न प्राकृतिक तत्व सँ करैत अछि जे उर्वरता आ प्रचुरताक प्रतीक अछि | संवेदी आनन्द स भरल रूपक उद्यान परिवेश क भीतर भावुक प्रेम मे संलग्न हेबाक लेल कनियाँ दिस स आमंत्रण भेटैत अछि । कुल मिला क॑ ई एक-दूसरा के प्रति गहराई स॑ आकर्षित दू व्यक्ति के बीच रोमांटिक प्रेम के संदर्भ के भीतर कामुकता के उत्सव के चित्रण करै छै ।

गीत 7:1 हे राजकुमारक बेटी, अहाँक पैर जूताक संग कतेक सुन्दर अछि! तोहर जाँघक जोड़ गहना जकाँ अछि, जे धूर्त मजदूरक हाथक काज अछि।

राजकुमारक बेटीक सौन्दर्यक प्रशंसा होइत छनि आ कुशल शिल्पकलाक प्रशंसा होइत छनि |

1. सौन्दर्य त्वचा गहींर होइत अछि: एकटा कुशल कारीगरक आंतरिक सौन्दर्य

2. भगवानक सृष्टिक प्रशंसा: कुशल कारीगरक सौन्दर्यक उत्सव

1. नीतिवचन 31:10-31 -सक्षम पत्नीक गुण

2. भजन 139:14 -परमेश् वरक मानवता आ ओकर सौन्दर्यक सृष्टि

गीत 7:2 तोहर नाभि गोल प्याला जकाँ अछि, जकरा मे शराबक कमी नहि अछि, तोहर पेट कुमुद सँ चारू कात गहूमक ढेर जकाँ अछि।

एहि श्लोक मे प्रियतमक सौन्दर्यक वर्णन काव्य भाषा मे कयल गेल अछि, ओकर नाभिक तुलना प्याला आ पेट केँ कुमुद सँ घेरल गहूमक ढेर सँ कयल गेल अछि |

1. प्रियतमक सौन्दर्य: प्रत्येक व्यक्तिक विशिष्टताक सराहना

2. प्रेमक मूल्य: शारीरिक आकर्षणसँ परे देखब

1. 1 कोरिन्थी 6:18-20 - यौन अनैतिकता सँ भागू। मनुष्य केरऽ हर दोसरऽ पाप शरीर स॑ बाहर होय छै, लेकिन यौन-अनैतिक व्यक्ति अपनऽ शरीर के खिलाफ पाप करै छै ।

2. भजन 139:14 - हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी। अद्भुत अछि अहाँक काज; हमर आत्मा एकरा नीक जकाँ जनैत अछि।

गीत 7:3 तोहर दुनू स्तन दू टा रोड़ा जकाँ अछि जे जुड़वाँ बच्चा अछि।

गीतक गीत मे वक्ता के सुंदरता के तुलना दू टा बच्चा रो हिरण जुड़वाँ बच्चा सं कयल गेल अछि.

1. प्रभुक सौन्दर्य: गीतक गीत 7:3 पर चिंतन

2. परमेश् वरक सृष्टि देखब: गीतक गीत 7:3 मे प्रकृतिक वैभव

1. भजन 104:19-20 - ओ चान केँ मौसमक निशानी बनेबाक लेल बनौलनि; सूर्य अपन डूबब जनैत अछि। अहाँ अन्हार अनैत छी, राति अछि, जखन जंगलक सभ जानवर रेंगैत अछि।

2. अय्यूब 39:1-4 - की अहाँ जनैत छी जे पहाड़क बकरी केहन समय होइत छैक? मृगक बछड़ाक पालन करैत छी? की अहाँ ओकरा सभक मास पूरा करैत अछि, आ की अहाँ जनैत छी जे ओ सभ ओहि समय केँ जनैत अछि, जखन ओ सभ अपन बच्चा पैदा करबाक लेल कुहरैत अछि आ अपन श्रम सँ मुक्त भ' जाइत अछि?

गीत 7:4 तोहर गरदनि हाथीक दांतक बुर्ज जकाँ अछि। तोहर आँखि हेशबोन मे बत्रबीमक फाटक लग माछक कुंड जकाँ अछि, तोहर नाक लेबनानक बुर्ज जकाँ अछि जे दमिश्क दिस तकैत अछि।

हाथीदांत केरऽ टावर केरऽ राजसी गर्दन स॑ ल॑ क॑ हेशबोन केरऽ मछली केरऽ कुंड केरऽ मनमोहक आँख तक भगवान केरऽ सृष्टि केरऽ सुंदरता अतुलनीय छै ।

1. सौन्दर्य: भगवानक सृष्टिक अदृश्य सौन्दर्य

2. तुलना: भगवानक सृष्टिक सौन्दर्य सँ अपना केँ तुलना करब

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. भजन 19:1-2 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि; आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि। दिन-दिन बाजब बजैत अछि, आ राति-राति ज्ञान देखाबैत अछि।"

गीत 7:5 तोहर माथ करमेल जकाँ अछि आ माथक केश बैंगनी रंग जकाँ अछि। राजा गैलरी मे राखल जाइत अछि।

प्रियतमक सौन्दर्यक तुलना करमेलक रसीलापन आ बैंगनी रंगक जीवंतता सँ कयल जाइत अछि |

1. भगवानक प्रेम सुन्दर, जीवंत आ रसीला होइत अछि।

2. राजाक सान्निध्य मे संतोष भेटब।

1. भजन 16:11 - "अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि; अहाँक दहिना कात अनन्त काल धरि भोग अछि।"

2. यशायाह 33:17 - "अहाँ सभक आँखि राजा केँ ओकर सौन्दर्य मे देखत; ओ सभ एकटा एहन देश देखत जे दूर धरि पसरल अछि।"

गीत 7:6 हे प्रेम, अहाँ कतेक सुन्दर आ कतेक सुखद छी, आनन्दक लेल!

गीत 7:6 मे वक्ता अपन प्रियजन के प्रशंसा व्यक्त करैत छथि, हुनका "गोरी आ सुखद" आ आनन्द सँ भरल वर्णन करैत छथि |

1. प्रेमक सौन्दर्य: संबंधक आश्चर्यक उत्सव

2. भगवान् सँ प्रेम करब आ दोसर सँ प्रेम करब: आपसी आनन्द मे आनन्द पाबब

1. फिलिप्पियों 2:3-4 स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

2. 1 यूहन्ना 4:7-8 प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि, आ जे प्रेम करैत अछि, ओ परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि से भगवान् केँ नहि जनैत अछि, कारण भगवान् प्रेम छथि।

गीत 7:7 ई अहाँक कद ताड़क गाछ जकाँ अछि आ अहाँक छाती अंगूरक गुच्छा जकाँ अछि।

गीत गीत अपन प्रियतमक सौन्दर्यक प्रशंसा क' रहल अछि, ओकर कदक तुलना ताड़क गाछ आ स्तनक तुलना अंगूरक गुच्छा सँ क' रहल अछि ।

1. प्रेमक सौन्दर्य: गीतक गीत 7:7 पर एकटा चिंतन

2. मानव प्रेम मे परमेश्वरक वैभव देखब: गीतक अर्थक अन्वेषण 7:7

1. यशायाह 61:3 - "ओकरा सभ केँ राखक बदला सौन्दर्यक मुकुट, शोकक बदला आनन्दक तेल, आ निराशाक बदला मे स्तुतिक वस्त्र। ओ सभ धर्मक ओक, रोपनी कहल जायत।" प्रभु के वैभव के प्रदर्शन के लिये |”

2. भजन 90:17 - "हमर सभक परमेश् वरक कृपा हमरा सभ पर रहय; हमरा सभक लेल हमर सभक हाथक काज स्थापित करू हाँ, हमरा सभक हाथक काज केँ स्थापित करू।"

गीत 7:8 हम कहलियनि, “हम ताड़क गाछ पर चढ़ब, ओकर डारि केँ पकड़ब।

प्रियतम अपन साथी के सौन्दर्य के प्रति प्रेम आ प्रशंसा व्यक्त करैत छथि ।

1. भगवान् के प्रेम बिना शर्त आ सिद्ध अछि

2. संबंध मे आत्मीयता के सौन्दर्य

१.

2. गीत 4:7 - "अहाँ एकदम सुन्दर छी, हमर प्रेमी; अहाँ मे कोनो दोष नहि अछि।"

गीत 7:9 अहाँक मुँहक छत हमर प्रियतमक लेल सभसँ नीक मदिरा जकाँ अछि, जे मीठ-मीठ नीचाँ उतरैत अछि आ सुतल लोकक ठोर बजबैत अछि।

प्रियतम के मुँह के वर्णन छै कि ई सबसे अच्छा मदिरा जैसनऽ होय छै, जे मीठऽ नीचें जाय छै आरू जे सुतल छै, ओकरा बजै के कारण बनै छै ।

1. शब्दक शक्ति: हमर शब्दक प्रभाव हमरा सभक आसपासक लोक पर कोना पड़ैत अछि

2. दयालुताक मिठास: हमर सभक शब्द कोना नीक दुनियाँ बनेबा मे मददि क' सकैत अछि

1. नीतिवचन 16:24 - सुखद शब्द मधुक छत्ता जकाँ होइत अछि, आत्माक लेल मिठास आ हड्डीक लेल स्वास्थ्य।

2. भजन 19:14 - हे प्रभु, हमर चट्टान आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।

गीत 7:10 हम अपन प्रियतमक छी, आ ओकर इच्छा हमरा दिस अछि।

प्रियतम एक दोसरा के प्रति आपसी प्रेम आ इच्छा में आनन्द व्यक्त करैत छथि |

1. प्रेम करब सीखब: गीतक गीतक अर्थ

2. विवाह मे प्रेमक खेती: आपसी इच्छाक शक्ति

1. रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू। प्रेम मे एक दोसरा के प्रति समर्पित रहू। एक दोसरा के अपना स बेसी आदर करू।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-8 - प्रेम धैर्य रखैत अछि, प्रेम दयालु होइत अछि। ईर्ष्या नै करै छै, घमंड नै करै छै, घमंड नै करै छै। दोसरक बेइज्जती नहि करैत अछि, स्वार्थी नहि अछि, सहजहि क्रोधित नहि होइत अछि, गलतीक कोनो अभिलेख नहि रखैत अछि । प्रेम बुराई मे आनन्दित नहि होइत अछि अपितु सत्यक संग आनन्दित होइत अछि । ई सदिखन रक्षा करैत अछि, सदिखन भरोसा करैत अछि, सदिखन आशा करैत अछि, सदिखन दृढ़ता रखैत अछि ।

गीत 7:11 हे हमर प्रियतम, आउ, हम सभ खेत मे जाइ। गाम-गाम मे ठहरब।

गीत 7:11 मे वक्ता अपन प्रियजन केँ खेत मे निकलि गाम मे समय बिताबय लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. भगवान् के प्रेम हमरा सब के एक साथ लाबै छै आरू दुनिया में बाहर निकालै छै ताकि खोज आरू खोज करलऽ जाय।

2. प्रकृति आ समुदायक सौन्दर्यक अनुभव ओकरा संग मिलिकय करबाक चाही जकरा हम सभ प्रेम करैत छी।

1. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि! पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तऽ गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम रहत। आ असगर रहल आदमी पर भले जीत भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक।

2. रोमियो 12:9-10 - प्रेम असली हो। जे अधलाह अछि तकरा घृणा करू; जे नीक अछि ओकरा पकड़ि कऽ राखू। भाई-बहिनक स्नेहसँ एक-दोसरसँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

गीत 7:12 हम सभ भोरे उठि कऽ अंगूरक बगीचा मे जाउ। देखब जे बेल पनपैत अछि कि नहि, कोमल अंगूर निकलैत अछि आ अनारक कली निकलैत अछि, हम ओतहि अहाँ केँ अपन प्रेम देब।

गीत 7:12 मे प्रेमी-प्रेमिका केँ प्रोत्साहित कयल गेल अछि जे अंगूरक बाग मे जा क’ देखू जे बेल पनपैत अछि आ फल अंकुरित अछि कि नहि।

1. प्रेमक आनन्द: भगवानक प्रेम मे ताकत भेटब

2. प्रेम खिलल: अपन जीवन मे प्रेमक फल के खेती करब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. 1 यूहन्ना 4:19 - हम सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने हमरा सभसँ प्रेम केलनि।

गीत 7:13 मन्द्रक गंध दैत अछि, आ हमरा सभक फाटक पर नव-पुरान सभ तरहक सुखद फल अछि, जे हम अहाँक लेल राखि देने छी, हे हमर प्रियजन।

ई अंश प्रियजन के जे प्रचुरता के ताजगी आरू आनन्द दै छै, ओकरऽ बात करै छै ।

1. भगवान् केरऽ प्रचुरता दोसरऽ के साथ बाँटी जाय वाला वरदान छै ।

2. देबाक आनन्द एकटा एहन आनन्द अछि जे भगवान हमरा सभक लेल चाहैत छथि।

406

1. यूहन्ना 15:11 - "हम अहाँ सभ सँ ई बात कहलहुँ जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे रहय आ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण हो।"

2. नीतिवचन 11:25 - "जे आशीर्वाद अनत, ओ समृद्ध होयत, आ जे पानि दैत अछि, ओकरा पानि देल जायत।"

सोलोमन के गीत अध्याय 8 में कनियाँ आरू ओकरऽ प्रियतम के बीच प्रेम के काव्यात्मक अभिव्यक्ति के समापन करलऽ गेलऽ छै । ई हुनकऽ स्थायी बंधन, गहरा स्नेह, आरू प्रेम के शक्ति के उत्सव मनाबै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: कनियाँ अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि जे अपन प्रियतम केँ एकटा एहन भाइ के रूप मे भेटय जे ओकरा बिना कोनो लाज के सार्वजनिक रूप सँ पाबि सकय। ओ हुनका लोकनिक प्रारंभिक मुठभेड़ केँ मोन पाड़ैत छथि आ हुनका प्रति अपन अटूट प्रेमक पुष्टि करैत छथि (गीत 8:1-4)।

2nd Paragraph: कनियाँ यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत आग्रह करैत छथि जे जाबे तक प्रेम तैयार नै भ जायत ताबे तक प्रेम के जगाब या परेशान नै करब। ओ घोषणा करैत छथि जे प्रेम मृत्यु जकाँ मजबूत आ कब्र जकाँ अदम्य अछि (गीत 8:5-7)।

तृतीय पैराग्राफ: कनियाँ एकटा एहन समयक स्मरण करैत छथि जखन हुनका अपन प्रियजन नेबोक गाछक नीचाँ भेटल छलनि | ओ दुनू गोटेक संग साझा कयल गेल आनन्दक क्षण केँ मोन पाड़ैत छथि आ हुनकर गले मिलबाक लेल अपन लालसा व्यक्त करैत छथि (गीत 8:8-10)।

4 म पैराग्राफ: कनियाँ अपन प्रियतम स गप्प करैत छथि, हुनकर इच्छा व्यक्त करैत छथि जे हुनकर प्रेम पर स्थायी प्रतिबद्धता स मुहर लागय। ओ हुनका लोकनिक प्रेमक तुलना एकटा एहन लौ सँ करैत छथि जे बुझाओल नहि जा सकैत अछि आ ई दावा करैत छथि जे बहुत रास पानि ओकरा बुझा नहि सकैत अछि (गीत 8:11-14)।

संक्षेप मे, २.
सोलोमन के गीत अध्याय आठ में मनाया जाता है
स्थायी बंधन आ गहींर स्नेह
काव्यात्मक अभिव्यक्तिक माध्यमे कनियाँ आ ओकर प्रियतमक बीच।

शुरुआती मुठभेड़ के याद करय के संग-संग भाई के रूप में प्रियतम रहय के प्रति इच्छा व्यक्त करब.
प्रियतम के प्रति धारण अटल प्रेम के पुष्टि।
यरूशलेम के बेटी सब के संबोधित करैत प्रेम के जागृत या परेशान करय में धैर्य के आग्रह करैत।
प्रेमक भीतर भेटय बला शक्तिक घोषणा मृत्यु वा गंभीर सँ कयल जाइत अछि |
नेबोक गाछक नीचाँ साझा कयल गेल आनन्दक क्षणक स्मरणक संग-संग आलिंगनक लालसा व्यक्त करब ।
अपन प्रेमक तुलना एकटा अमिट लौ सँ करैत स्थायी प्रतिबद्धताक इच्छा।

काव्य भाषा के माध्यम स॑ चित्रित सच्चा रोमांटिक प्रेम स॑ जुड़लऽ गहराई, ताकत आरू दीर्घायु क॑ पहचानै के अंतर्दृष्टि प्रदान करना । कोनो रिश्ता के भीतर प्रतिबद्धता, विश्वास, आ अटूट भक्ति पर देल गेल महत्व पर जोर देब. एकरऽ अतिरिक्त, समय के साथ पैदा होय सकै वाला चुनौती या बाहरी प्रभाव के सामना करै के ओकरऽ क्षमता के साथ-साथ वास्तविक स्नेह के पास रखलऽ गेलऽ शक्ति के उजागर करना ।

गीत 8:1 हे जँ अहाँ हमर भाइ जकाँ रहितहुँ, जे हमर मायक स्तन चूसि लेने रही! जखन अहाँ केँ बाहर भेटि जायब तखन हम अहाँ केँ चुम्मा लैतहुँ। हँ, हमरा तिरस्कृत नहि करबाक चाही।

वक्ता अपन प्रियतमक संग गहींर जुड़ावक कामना करैत छथि, ई कामना करैत छथि जे ओ सभ भाइ जकाँ घनिष्ठ रहितथि ।

1. आत्मीयताक शक्ति: जुडल प्रेमक गहराईक अन्वेषण

2. परिवार स परे प्रेम: अपरंपरागत स्थान पर पोषित संबंध खोजब

1. यूहन्ना 15:13, "एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि छैक जे कियो अपन मित्रक लेल अपन प्राण दऽ दैत अछि।"

2. 1 यूहन्ना 4:7-8, "प्रिय लोकनि, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, कारण प्रेम परमेश् वर सँ अछि, आ जे प्रेम करैत अछि, ओ परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर छथि।" प्रेम."

गीत 8:2 हम तोरा नेतृत्व करितहुँ आ अपन मायक घर मे अनितहुँ, जे हमरा शिक्षा देथिन, हम तोरा अपन अनारक रस सँ मसालेदार मदिरा पीबैत रहब।

गीत गीत में वक्ता अपन प्रियतम के अपन घर में लाबय के इच्छा व्यक्त करैत छथि आ हुनका सब के संग अपन अनार के मसालेदार शराब आ रस बांटय के इच्छा व्यक्त करैत छथि |

1. भगवानक प्रेम: आतिथ्यक माध्यमे एकरा कोना व्यक्त कयल जाय

2. आतिथ्य आ दोसर के आशीर्वाद देबय के बाइबिल के दृष्टिकोण

1. रोमियो 12:13: संत सभक जरूरत मे योगदान दियौ आ सत्कार करबाक प्रयास करू।

2. 1 पत्रुस 4:9: बिना कोनो गुनगुनाहने एक-दोसरक संग सत्कार करू।

गीत 8:3 हुनकर बामा हाथ हमर माथक नीचाँ रहबाक चाही, आ हुनकर दहिना हाथ हमरा गला लगा लेत।

गीत 8:3 दू आदमी के बीच के अंतरंग संबंध पर जोर दै छै, शारीरिक निकटता के इच्छा व्यक्त करै छै।

1. "प्रेम के आत्मीयता: रिश्ता में निकटता के पुनः खोज"।

2. "स्पर्शक शक्ति: प्रेम मे आत्मीयताक अर्थ"।

1. रोमियो 12:10, "प्रेम मे एक-दोसर केँ समर्पित रहू। एक-दोसर केँ अपना सँ बेसी आदर करू।"

2. इफिसियों 5:21, "मसीह के आदर के कारण एक दोसरा के अधीन रहू।"

गीत 8:4 हे यरूशलेमक बेटी सभ, हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी जे जाबत धरि ओ चाहैत छथि, ताबत धरि अहाँ सभ हमर प्रेम केँ नहि जगाउ।

ई अंश ककरो इच्छा के सम्मान करै के बात करै छै आरू ओकरा पर प्रेम के जबरदस्ती नै करै के बात करै छै ।

1. प्रियजन के सम्मान करू: जाबे तक ओ तैयार नै भ जायत ताबे तक इंतजार करू

2. धैर्यक संग प्रेम: प्रेमक विकास होबय देब

1. मत्ती 7:12 - "तेँ अहाँ सभ जे चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि"।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - "प्रेम बहुत दिन धरि कष्ट सहैत अछि आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या नहि करैत अछि; प्रेम अपना केँ परेड नहि करैत अछि, नहि उमड़ैत अछि; अभद्र व्यवहार नहि करैत अछि, अपन नहि खोजैत अछि, नहि उकसैत अछि, सोचैत अछि।" कोनो अधलाह नहि, अधर्म मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत् य मे आनन्दित होइत अछि, सभ किछु सहैत अछि, सभ बात पर विश्वास करैत अछि, सभ किछुक आशा करैत अछि, सभ किछु सहैत अछि।"

गीत 8:5 ई के अछि जे अपन प्रियतम पर झुकि क’ जंगल सँ ऊपर आबि रहल अछि? हम तोरा नेबोक गाछक नीचाँ उठौलहुँ, ओतहि तोहर माय तोरा जन्म देलनि।

ई अंश गीत 8:5 के अंश छै जेकरा में ई बात के बात करलऽ गेलऽ छै कि कोना प्रियतम अपनऽ प्रेम पर झुकी क॑ सेब के गाछ के नीचें उठाय देलऽ जाय रहलऽ छै ।

1. भगवानक अटूट प्रेम - कोना हुनकर प्रेम हमरा सभ केँ ऊपर उठबैत अछि आ कठिन समय मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत अछि

2. प्रियतमक ताकत - अपन प्रियजन पर भरोसा करब कठिन समय मे कोना मदद क सकैत अछि

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

गीत 8:6 हमरा अपन हृदय पर मोहर जकाँ राखू, अपन बाँहि पर मोहर जकाँ राखू, कारण प्रेम मृत्यु जकाँ मजबूत अछि। ईर्ष्या कब्र जकाँ क्रूर अछि, ओकर कोयला आगि के कोयला अछि, जकर लौ बहुत तेज अछि।

प्रेम मृत्यु स बेसी मजबूत होइत अछि।

1: प्रेमक ताकत - प्रेम मे मृत्यु पर विजय प्राप्त करबाक शक्ति कोना होइत छैक।

2: ईर्ष्या के शक्ति - ईर्ष्या कोना विनाशकारी शक्ति भ सकैत अछि।

1: 1 कोरिन्थी 13:13 - तेँ आब ई तीनू विश्वास, आशा आ प्रेम बनल अछि। मुदा एहि मे सबसँ पैघ प्रेम अछि।

2: रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

गीत 8:7 बहुत रास पानि प्रेम केँ नहि बुझा सकैत अछि आ ने बाढ़ि ओकरा डूबा सकैत अछि, जँ प्रेमक लेल अपन घरक सभटा वस्तु दऽ दैत तँ ओकरा एकदम तिरस्कार कयल जायत।

प्रेम अदम्य अछि आ कीनल नहि जा सकैत अछि।

1. प्रेमक शक्ति आ ओकर मूल्य हमरा सभक जीवन मे

2. प्रेम के संजोय के महत्व आ ओकरा हल्का में नै लेब

१ गलत काज मे आनन्दित रहू, मुदा सत्य पर आनन्दित होउ। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब बात पर आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि। प्रेम कहियो खत्म नहि होइत अछि।"

२.

गीत 8:8 हमरा सभक एकटा छोट बहिन अछि, मुदा ओकर स्तन नहि अछि, जाहि दिन हम सभ अपन बहिनक लेल की करब?

गीतक ई अंश प्रेम आ परिवारक मूल्यक गप्प करैत अछि |

1.प्रेम उम्र या शारीरिक विशेषता स बान्हल नहि अछि, बल्कि जुड़ाव के ताकत स बान्हल रहैत अछि।

2.परिवार हमर जीवनक आधार अछि आ एकर खजाना आ रक्षा करबाक चाही।

1.इफिसियों 5:25 - पति सभ, अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ हुनका लेल अपना केँ समर्पित कयलनि।

2.नीतिवचन 18:24 - बहुत संगी के आदमी बर्बाद भ सकैत अछि, मुदा एकटा मित्र अछि जे भाई स बेसी नजदीक स चिपकल रहैत अछि।

गीत 8:9 जँ ओ देबाल हेतीह तँ हम सभ ओकरा पर चानीक महल बना देब, आ जँ ओ दरबज्जा बनतीह तँ देवदारक फलक सभसँ ओकरा घेरब।

गीत गीत एकटा काव्यात्मक पाठ अछि जतय एकटा वक्ता अपन प्रियतमक प्रति प्रेमक अभिव्यक्ति करैत छथि | 8:9 मे ओ सभ सुझाव दैत छथि जे हुनकर प्रिय चाहे जे होउ, हुनका सभ केँ चानीक महल बनाओत वा देवदारक फलक सँ घेरताह।

1. प्रेम बिना शर्त होइत छैक, चाहे कोनो परिस्थिति हो।

2. हमरा सभक प्रति भगवानक प्रेम एकटा मजबूत किला जकाँ अछि।

1. रोमियो 8:38-39 "हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।”

2. भजन 91:14 "किएक त' ओ हमरा प्रेम मे पकड़ने अछि, हम ओकरा बचा लेब; हम ओकर रक्षा करब, किएक त' ओ हमर नाम जनैत अछि।"

गीत 8:10 हम एकटा देबाल छी, आ हमर छाती बुर्ज जकाँ, तखन हम हुनकर नजरि मे एहन लोक जकाँ छलहुँ जे अनुग्रह पाबि रहल छलहुँ।

एहि श्लोक मे प्रिय व्यक्तिक पक्ष मे रहबाक भाव व्यक्त कयल गेल अछि |

1. प्रियजन द्वारा मूल्यवान आ अनुकूल हेबाक सौन्दर्य

2. सच्चा प्रेम आ स्वीकृतिक अनुभव करबाक आनन्द

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इजकिएल 16:8 - जखन हम फेर अहाँक लगसँ गुजरलहुँ आ अहाँ दिस तकलहुँ तँ देखलहुँ जे अहाँक समय प्रेमक समय छल। आ हम अपन स्कर्ट अहाँ पर पसारि देलियैक आ अहाँक नंगटेपन झाँपि देलियैक। हम अहाँ सभक संग एकटा वाचा केलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, आ अहाँ हमर बनि गेलहुँ।

गीत 8:11 सुलेमानक बालहमोन मे अंगूरक बगीचा छलनि। ओ अंगूरक बगीचा रखनिहार सभक लेल छोड़ि देलनि। ओकर फल लेल एक-एकटा हजार चानीक टुकड़ी अनबाक छल।

एहि अंश मे बालहमोन मे सुलेमानक अंगूरक बगीचा आ ओहि रखनिहार सभक वर्णन अछि जे अपन मेहनतक फल लेल हजार चानीक टुकड़ी अनबाक छल।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन अंगूरक बगीचाक वफादार भंडारी बनबाक लेल बजबैत छथि।

2. विश्वासी लोकनि केँ परमेश् वरक प्रचुरताक इनाम भेटतनि।

1. मत्ती 21:33-41, दुष्ट किरायेदारक दृष्टान्त।

2. उपदेशक 2:4-11, श्रम पर प्रचारकक चिंतन।

गीत 8:12 हमर अंगूरक बगीचा जे हमर अछि, हमरा सोझाँ मे अछि, हे सुलेमान, तोरा एक हजार आ ओकर फल रखनिहार केँ दू सय लोक हेबाक चाही।

गीत 8:12 मे वक्ता सुलेमान केँ कहि रहल छथि जे ओ अपन संसाधनक उपयोग बुद्धिमानी सँ करथि आ ओकरा पर संचालन करथि।

1. भंडारी के बुद्धि

2. संसाधन प्रबंधन के मूल्य

1. मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त

2. लूका 16:1-13 - चतुर प्रबंधक के दृष्टान्त

गीत 8:13 हे गाछी मे रहनिहार, संगी सभ अहाँक आवाज सुनैत अछि।

गीत गीत प्रियजन के अपन साथी के आवाज सुनय लेल आमंत्रित करैत अछि |

1. संगी के आवाज सुनबाक महत्व।

2. सुनबाक माध्यमे संवादक शक्ति।

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 18:13 - "जँ कियो सुनबा सँ पहिने उत्तर दैत अछि तँ ओकर मूर्खता आ लाज अछि।"

गीत 8:14 हे हमर प्रियतम, जल्दबाजी करू, आ मसाला के पहाड़ पर एकटा मगड़ा वा कटहर जकाँ बनू।

प्रियतम केँ मसालाक पहाड़ पर मृग जकाँ भेंट करबाक लेल जल्दी करबाक चाही।

1. प्रेमक तात्कालिकता: रिश्ता मे जल्दबाजी किएक आवश्यक अछि।

2. प्रियतमक पाछाँ लागब: भगवानक पाछाँ-पाछाँ चलब सीखब आ हुनकर पाछाँ लागब।

1. भजन 42:1 जेना मृग पानिक धारक लेल हाँफैत अछि, तहिना हमर प्राण अहाँक लेल हाँफैत अछि, हे परमेश् वर।

2. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह अध्याय १ केरऽ शुरुआत यहूदा आरू यरूशलेम केरऽ विद्रोही राज्य के वर्णन स॑ होय छै । यशायाह भविष्यवक्ता परमेश्वर के तरफऽ स॑ एगो संदेश दै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ पापपूर्ण व्यवहार के निंदा करै छै आरू ओकरा पश्चाताप करै लेली बोलै छै।

1 पैराग्राफ: यशायाह अपना के ई संदेश देबय वाला भविष्यवक्ता के रूप में पहचानै छै। ओ अपन वचन केँ आकाश आ पृथ्वी केँ संबोधित करैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे प्रकृति सेहो परमेश्वरक अधिकार केँ चिन्हैत अछि (यशायाह 1:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: भगवान् अपन लोक मे अपन निराशा व्यक्त करैत छथि, हुनका पर आरोप लगाबैत छथि जे ओ हुनका विरुद्ध विद्रोह केलक आ हुनका संग अपन संबंध छोड़ि देलक। ओ हुनका सभक तुलना घाव सँ झाँपल बीमार शरीर सँ करैत छथि (यशायाह 1:3-6)।

तृतीय पैराग्राफ: परमेश् वर अपन लोक द्वारा देल गेल बलिदानक भीड़ केँ अस्वीकार करैत छथि, कारण ओहि मे निश्छलताक अभाव अछि आ दुष्टताक संग होइत अछि | ओ हुनका सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ न्यायक खोज करथि, अत्याचार केँ सुधारथि आ कमजोर लोकक देखभाल करथि (यशायाह 1:10-17)।

4 म पैराग्राफ: परमेश् वर यहूदा केँ ओकर भ्रष्ट प्रथाक लेल सलाह दैत छथि, हुनकर नेता सभ केँ "सदोमक शासक" आ हुनकर लोक सभ केँ "अमोराक लोक" कहैत छथि। ओ हुनका सभ केँ अपन वर्तमान बाट पर चलबाक परिणामक बारे मे चेतावनी दैत छथि (यशायाह 1:18-23)।

5 म पैराग्राफ: हुनका लोकनिक पापक बादो भगवान क्षमा दैत छथि जँ ओ सभ पश्चाताप करैत छथि |
मुदा, जँ ओ सभ विद्रोह मे अडिग रहताह तऽ जड़ल शहर जकाँ विनाशक सामना करय पड़तनि । विश्वासी अवशेष सुरक्षित रहत (यशायाह 1:24-31)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय एक मे चित्रित कयल गेल अछि
यहूदा के विद्रोह के परमेश् वर के निंदा
आरू यशायाह के भविष्यवाणी संदेश के माध्यम स॑ पश्चाताप के लेलऽ हुनकऽ आह्वान।

यशायाह के ई संदेश देबय वाला भविष्यवक्ता के रूप में पहचानना।
यहूदा द्वारा प्रदर्शित विद्रोही व्यवहार के प्रति निराशा व्यक्त करते हुए |
पाप अवस्था के तुलना घाव में आच्छादित बीमार शरीर से |
कमजोर के देखभाल के साथ-साथ न्याय के खोज के आग्रह करते हुए बेईमान बलिदान के नकारना।
वर्तमान मार्ग जारी रहला पर सामना करय वाला परिणाम के बारे मे चेतावनी के संग-संग भ्रष्ट प्रथा के सलाह देब.
पश्चाताप पर क्षमा अर्पित करब जखन कि अन्यथा सामना करय बला संभावित विनाश पर जोर देब।
न्याय के बीच विश्वासी अवशेष के संरक्षण।

ई अध्याय खाली धार्मिक संस्कार के बजाय परमेश्वर के वास्तविक आराधना आरू धर्म के इच्छा के उजागर करी क यशायाह के किताब के परिचय के काम करै छै। ई परमेश्वर के साथ संबंध बनाबै में न्याय, करुणा आरू निश्छल पश्चाताप के महत्व पर जोर दै छै।

यशायाह 1:1 अमोजक पुत्र यशायाहक ओ दर्शन जे ओ यहूदाक राजा उजियाह, योथाम, अहाज आ हिजकियाहक समय मे यहूदा आ यरूशलेमक विषय मे देखलनि।

यशायाह केरऽ दर्शन यहूदा आरू यरूशलेम के बारे में ओकरऽ राजा सिनी के समय में।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ हुनका प्रति कोना वफादार रहब चाहे कोनो परिस्थिति हो।

2. भगवान् के आज्ञापालन आ कोना आशीर्वाद भेटैत अछि।

1. व्यवस्था 6:5 - "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, भलाईक योजना अछि।"

यशायाह 1:2 हे आकाश, सुनू, हे धरती, सुनू, किएक त’ परमेश् वर कहने छथि, हम बच्चा सभक पोषण आ पालन-पोषण केलहुँ, आ ओ सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक।

प्रभु ई बात करै छै कि कोना हुनी अपनऽ बच्चा सिनी क॑ पोसलकै आरू पालन-पोषण करलकै, तभियो वू सब विद्रोह करलकै ।

1: विद्रोहक बादो एकटा पिताक प्रेम

2: आज्ञा आज्ञा नहि आज्ञाक सामना मे भगवानक कृपा

रोमियो 5:8- मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

भजन 103:13-14 -जहिना पिता अपन संतान पर दया करैत छथि, तहिना परमेश् वर हुनका डरय बला पर दया करैत छथि। कारण, ओ जनैत अछि जे हम सभ कोना बनल छी, ओकरा मोन पड़ैत अछि जे हम सभ धूरा छी।

यशायाह 1:3 बैल अपन मालिक केँ चिन्हैत अछि आ गदहा अपन मालिकक पालना केँ, मुदा इस्राएल नहि जनैत अछि, हमर लोक विचार नहि करैत अछि।

परमेश् वर ई निर्धारित केने छथि जे जानवरो अपन मालिक केँ चिन्ह सकैत अछि, तइयो इस्राएलक लोक हुनका नहि जनैत अछि आ नहिये मानैत अछि।

1. परमेश् वरक प्रेम अविचल अछि, तखनो जखन हुनकर लोक ओकरा नहि चिन्हैत अछि

2. अपन मालिक केँ चिन्हब: यशायाह 1:3 केर परीक्षा

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भेलाह जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. 1 यूहन्ना 4:19 - "हम सभ हुनका सँ प्रेम करैत छी, कारण ओ पहिने हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।"

यशायाह 1:4 हे पापी जाति, अधर्म सँ लदल लोक, दुष्टक वंश, भ्रष्ट बच्चा, ओ सभ प्रभु केँ छोड़ि देलक, इस्राएलक पवित्र केँ क्रोधित क’ देलक, ओ सभ पाछू चलि गेल।

पापी राष्ट्र परमेश् वरक क्रोध भड़का देने अछि जे हुनका छोड़ि हुनकर शिक्षा सँ दूर भऽ गेल अछि।

1: परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ हुनकर शिक्षाक पालन करी आ हुनकर आज्ञाकारी रहब।

2: हमरा सभकेँ अपन काजक प्रति सजग रहबाक चाही आ एहन जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही जे भगवान् केँ प्रसन्न करय।

1: इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ अपन सभ अपराध केँ दूर कऽ दियौक। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

2: मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ तोरा नीक बात देखा देलनि। और परमेश् वर तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया करै के आरु आपने परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

यशायाह 1:5 अहाँ सभ केँ आब किएक मारल जायत? अहाँ सभ बेसी सँ बेसी विद्रोह करब, पूरा माथ बीमार अछि आ पूरा मोन बेहोश अछि।

इस्राएल के लोग बार-बार परमेश् वर के चेतावनी आरो आज्ञा के अनदेखी करी कॅ परमेश् वर सें मुँह मोड़ै छेलै। विद्रोह आ सजाक चक्र मे छलाह ।

1. विद्रोहक चक्र तोड़ब: इस्राएलक लोकसँ सीखब

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

1. यिर्मयाह 2:19 "तोहर अपन दुष्टता तोरा सुधारत, आ तोहर पाछू हटब तोरा डाँटत। तेँ ई जानि लिअ जे ई दुष्ट आ कटु बात अछि, जे अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ छोड़ि देलहुँ आ हमर भय नहि अछि।" अहाँ, सेना सभक परमेश् वर प्रभु कहैत छथि।”

2. होशे 4:6 "हमर लोक ज्ञानक अभाव मे नष्ट भ' गेल अछि, कारण अहाँ ज्ञान केँ अस्वीकार क' देलहुँ, हमहूँ अहाँ केँ अस्वीकार करब, जाहि सँ अहाँ हमरा लेल पुरोहित नहि बनब। अहाँ अपन परमेश् वरक नियम केँ बिसरि गेलहुँ, हमहूँ।" अपन बच्चा सभकेँ बिसरि जाउ।"

यशायाह 1:6 पैरक तलवा सँ माथ धरि ओहि मे कोनो स्वस्थता नहि अछि। मुदा घाव, चोट आ सड़ैत घाव, ओ सभ नहि बंद भेल अछि, ने बान्हल गेल अछि आ ने मरहम सँ नरम कएल गेल अछि।

ई अंश परमेश् वर के लोगऽ के शारीरिक आरू आध्यात्मिक बीमारी के चर्चा करै छै आरू एकरऽ उपेक्षा केना करलऽ गेलऽ छै ।

1: भगवान बीमार के देखभाल करै छै - भगवान के प्रेमपूर्ण देखभाल के याद दिलाबै छै, भले ही हम शारीरिक आरू आध्यात्मिक रूप स बीमार होय।

2: परमेश् वरक प्रेम सँ ठीक भेल - परमेश् वरक प्रेमक चंगाईक शक्तिक स्मरण आ कोना ई हमरा सभ केँ हुनका लग अनैत अछि।

1: यिर्मयाह 30:17 - किएक तँ हम तोरा स्वस्थ करब, आ तोहर घाव सभसँ ठीक करब, परमेश् वर कहैत छथि। कारण, ओ सभ अहाँ केँ बहिष्कृत कहैत छल, “ई सिय्योन अछि, जकर खोज केओ नहि करैत अछि।”

2: याकूब 5:14-15 - की अहाँ सभ मे कियो बीमार अछि? ओ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजाबय। प्रभुक नाम सँ ओकरा तेल सँ अभिषेक करैत ओकरा पर प्रार्थना करथिन। आ जँ ओ पाप केने अछि तँ ओकरा क्षमा कयल जायत।

यशायाह 1:7 तोहर देश उजाड़ अछि, तोहर शहर आगि मे जरि गेल अछि, तोहर भूमि, परदेशी लोक ओकरा खा जाइत अछि, आ ओ उजाड़ अछि, जेना परदेशी ओकरा उखाड़ि देने अछि।

इस्राएल केरऽ देश ओकरऽ शहर आरू लोगऽ के विनाश के कारण उजाड़ होय गेलऽ छै, जेकरऽ कारण छै कि परदेशी लोगऽ के आक्रमण करलऽ गेलऽ छै ।

1. उजाड़ मे भगवानक दया: दुखक समय मे सेहो भगवानक प्रेम केँ बुझब

2. पश्चाताप आ विश्वास के माध्यम स उजाड़ पर काबू पाब

1. विलाप 1:1-2 ओ शहर कतेक असगर बैसल अछि जे लोक सँ भरल छल! ओ ओहि विधवा जकाँ भ' गेल छथि जे कहियो जाति-जाति मे महान छलीह! जे प्रांतक बीच राजकुमारी छलीह ओ वसीयत बनि गेल छथि ।

2. यशायाह 58:12 अहाँ सभ मे सँ जे लोक सभ पुरान उजाड़ सभ केँ बनाओत, अहाँ सभ कतेको पीढ़ीक नींव ठाढ़ करब। आ अहाँ सभ केँ कहल जायत, भंगक मरम्मत करयवला, रहबाक लेल बाट केँ पुनर्स्थापित करयवला।

यशायाह 1:8 सियोन के बेटी अंगूर के बगीचा में कुटी के रूप में, खीरा के बगीचा में ठहरना के रूप में, घेराबंदी वाला शहर के तरह छोड़ी गेलऽ छै।

सियोन शहर उजाड़ आ परित्यक्त छोड़ि देल गेल अछि, जे अंगूरक बगीचा मे कुटी वा खीराक बगीचा मे लॉज जकाँ अछि।

1. कठिनाई के समय में परमेश् वर के वफादारी - यशायाह 1:8

2. हमरऽ वफादार प्रतिक्रिया कोना पुनर्स्थापन के तरफ ले जाय छै - यशायाह 1:8

1. विलाप 5:1-2 - हे प्रभु, हमरा सभ पर की आयल अछि, से मोन राखू। देखू, आ देखू, हमरा सभक निन्दा! हमर सभक धरोहर एलियन के सौंपल गेल अछि, आ हमर घर परदेशी के।

2. यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यशायाह 1:9 जँ सेना सभक परमेश् वर हमरा सभक लेल बहुत छोट अवशेष नहि छोड़ने रहितथि तँ हम सभ सदोम जकाँ रहितहुँ आ अमोरा जकाँ रहितहुँ।

परमेश् वरक दया हमरा सभ केँ सदोम आ अमोरा पर जे विनाश भेल छल, ताहि सँ बचि गेल अछि।

1: भगवानक दयाक लेल धन्यवाद देबाक चाही आ ओकरा कहियो हल्का मे नहि लेबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन कर्म पर सजग रहबाक चाही आ भगवानक दया केँ बचाबय लेल धर्मक लेल प्रयास करबाक चाही।

1: भजन 51:1-2 - हे परमेश् वर, अपन दयाक अनुसार हमरा पर दया करू। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू।

2: विलाप 3:22-23 - प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत छनि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यशायाह 1:10 हे सदोमक शासक सभ, परमेश् वरक वचन सुनू। हे अमोरा के लोक, हमरा सभक परमेश् वरक नियम पर कान करू।

प्रभु सदोम आ अमोराक शासक सभ केँ अपन व्यवस्था सुनबाक लेल बजबैत छथि।

1. परमेश् वरक नियमक पालन करबाक महत्व

2. प्रभुक वचन पर ध्यान देबाक तात्कालिकता

1. याकूब 1:22 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।"

2. व्यवस्था 6:4-6 - "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई वचन।" जे आइ हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।”

यशायाह 1:11 अहाँ सभक बलिदानक भरमार हमरा लेल की अछि? परमेश् वर कहैत छथि, “हम मेढ़क होमबलि आ पोसल जानवरक चर्बी सँ भरल छी। हम बैल, मेमना आ बकरीक खून मे आनन्दित नहि छी।

परमेश् वर हुनका लेल कयल गेल बलिदानक बहुलता केँ महत्व नहि दैत छथि, बल्कि एकर बदला मे सच्चा पश्चाताप करबाक इच्छा रखैत छथि |

1: भगवान् के प्रति हमर सभक बलिदान ताबत धरि निरर्थक अछि जाबत धरि हम सभ अपन पाप सँ पश्चाताप नहि करब।

2: भगवान् हमरा सभ सँ सच्चा पश्चाताप चाहैत छथि, मात्र निरर्थक बलिदान नहि।

1: यिर्मयाह 7:21-23 - सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन होमबलि अपन बलिदान मे राखू आ मांस खाउ। जहिया हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर अनलहुँ ताहि दिन मे होमबलि वा बलिदानक विषय मे अहाँ सभक पूर्वज सभ सँ नहि बजलहुँ आ ने हुनका सभ केँ आज्ञा देलहुँ, आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब, आ अहाँ सभ ओहि सभ बाट पर चलब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा देने छी, जाहि सँ अहाँ सभक नीक हो।”

2: मीका 6:6-8 - हम कोन तरहेँ प्रभुक समक्ष आबि कऽ उच्च परमेश् वरक समक्ष प्रणाम करब? की हम होमबलि, एक वर्षक बछड़ा ल' क' हुनका सोझाँ आबि जायब? की परमेश् वर हजारो मेढ़ा सँ प्रसन्न हेताह आ कि दस हजार तेल नदी सँ? की हम अपन अपराधक लेल अपन जेठ बच्चा केँ, अपन प्राणक पापक बदला मे अपन शरीरक फल देब? हे मनुख, ओ अहाँ केँ नीक बात देखौलनि अछि। और परमेश् वर तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया करै के आरु आपने परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

यशायाह 1:12 जखन अहाँ सभ हमरा सोझाँ उपस्थित होबऽ अबैत छी तँ हमर आँगन मे रौदबाक लेल अहाँ सभक हाथ सँ ई के माँग केलक अछि?

ई अंश परमेश् वर के ई बात के बात करै छै कि हुनी सवाल उठाबै छै कि जबे हुनी ओकरा सिनी कॅ ऐसनऽ नै कहने छै, तभिये लोग हुनका सामने कियैक आबै छै।

1. परमेश् वरक आज्ञा सुनब आ ओकर पालन करब सीखब

2. आज्ञाकारिता के अर्थ समझना

1. मत्ती 4:4 - मुदा ओ उत्तर देलथिन, “धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, “मनुष् य मात्र रोटी सँ नहि, बल् कि परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात सँ जीवित रहत।”

2. रोमियो 6:16 - अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकर आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

यशायाह 1:13 आब व्यर्थ बलिदान नहि आनब। धूप हमरा लेल घृणित अछि। अमावस्या आ विश्राम-दिन, सभाक आह्वान, हम दूर नहि क' सकैत छी। ई अधर्म अछि, गंभीर सभा धरि।

ई अंश व्यर्थ बलिदान, धूप, आरू सभा आरू अन्य धार्मिक सभा में भाग लेना के निंदा करै छै, कैन्हेंकि ई सब परमेश् वर के लेलऽ घृणित छै ।

1: सत्य आराधना के अर्थ - भगवान के सच्चा पूजा व्यर्थ प्रसाद, धूप, आ धार्मिक सभा में नै भेटैत अछि, बल्कि आज्ञाकारिता आ पवित्रता के जीवन जीबय में भेटैत अछि |

2: मिथ्या पूजा के खतरा - मिथ्या पूजा भगवान के लेल घृणित अछि आ विनाश आ विनाश के कारण भ सकैत अछि |

1: मत्ती 15:7-9 - अहाँ सभ पाखंडी सभ! यशायाह अहाँ सभक विषय मे नीक भविष्यवाणी केने छलाह, जखन ओ कहलनि जे, ई लोक हमरा अपन ठोर सँ आदर करैत अछि, मुदा ओकर हृदय हमरा सँ दूर अछि। व्यर्थ मे ओ सभ हमर आराधना करैत छथि, मनुष् यक आज्ञा केँ शिक्षाक रूप मे सिखाबैत छथि।

2: यिर्मयाह 7:4-7 - एहि धोखा देबय बला शब्द पर भरोसा नहि करू: ई प्रभुक मंदिर अछि, प्रभुक मंदिर अछि, प्रभुक मंदिर अछि। जँ अहाँ सभ अपन बाट आ कर्म मे सही ढंग सँ सुधार करब, जँ कोनो आदमी आ ओकर पड़ोसीक बीच सही मे न्याय करब, जँ अहाँ परदेशी, अनाथ, वा विधवा पर अत्याचार नहि करब आ एहि ठाम निर्दोष खून नहि बहबैत छी आ नहि चलब दोसर देवताक पाछाँ अहाँक अपन हानि लेल, तखन हम अहाँ केँ एहि स्थान पर रहय देब।

यशायाह 1:14 अहाँक अमावस्या आ अहाँक निर्धारित भोज सँ हमर प्राण घृणा करैत अछि। हम ओकरा सभकेँ सहैत थाकि गेल छी।

परमेश् वर झूठ आराधना केँ अस्वीकार करैत छथि आ हृदय सँ आज्ञापालन करबाक इच्छा रखैत छथि।

1. सच्चा आराधना: परमेश् वरक हृदय सँ आज्ञापालन

2. संस्कारक परेशानी: भगवान् वास्तविक पूजाक इच्छा रखैत छथि

1. व्यवस्था 10:12-13 - "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभ सँ की चाहैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ मार्ग पर चलबाक आ हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक।" पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ।

२. एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क' सकब जे परमेश् वरक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि।

यशायाह 1:15 जखन अहाँ सभ अपन हाथ पसारि देब तखन हम अहाँ सभ सँ अपन आँखि नुका देब।

ई अंश धर्म आरू न्याय के महत्व पर जोर दै छै, आरू चेतावनी दै छै कि अगर हम्में हुनकऽ इच्छा के अनुसार नै जीबै छियै त॑ परमेश् वर प्रार्थना नै सुनतै।

1. हमर जीवन मे धर्म आ न्यायक आवश्यकता

2. परमेश् वरक लेल हमर सभक प्रार्थनाक की अर्थ अछि

1. मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. याकूब 4:3 - जखन अहाँ माँगैत छी तखन अहाँ केँ नहि भेटैत अछि, कारण अहाँ गलत उद्देश्य सँ माँगैत छी, जाहि सँ अहाँ जे किछु भेटैत अछि से अपन भोग मे खर्च क' सकब।

यशायाह 1:16 अहाँ सभ केँ धोउ, अहाँ केँ साफ करू। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक अधलाह केँ दूर करू। अधलाह करब छोड़ि दियौक।

परमेश् वर लोक सभ केँ अपन पापपूर्ण बाट सँ पश्चाताप करबाक आ हुनका दिस घुरबाक लेल बजबैत छथि।

1. "पश्चाताप के आह्वान"।

2. "पाप सँ शुद्धि: एकटा नव प्रतिबद्धता"।

1. इजकिएल 18:30-32; तेँ पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत।

2. भजन 51:7; हमरा हिसोप सँ साफ करू, हम शुद्ध भ’ जायब। हमरा धोउ, हम बर्फसँ उज्जर भ’ जायब।

यशायाह 1:17 नीक काज करब सीखू; न्याय ताकू, उत्पीड़ित के राहत दियौ, अनाथ के न्याय करू, विधवा के लेल निहोरा करू।

ई अंश हमरा सब क॑ जरूरतमंद लोगऽ के मदद करै लेली आरू न्याय के वकालत करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. "न्याय के लेल एकटा आह्वान: नीक करब आ कमजोर लोक के लेल न्याय के तलाश"।

2. "अपन पड़ोसी स प्रेम करब: जरूरतमंद के देखभाल"।

1. मत्ती 25:35-40 - "किएक त' हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाय लेल देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय लेलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ..."

2. याकूब 1:27 - "हमर सभक पिता परमेश् वर जे धर्म शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ संसार सँ अपना केँ दूषित नहि होमय सँ बचाब।"

यशायाह 1:18 आब आबि क’ एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै।

परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका सँ गप्प करबाक आ पश्चाताप करबाक लेल आमंत्रित करैत छथि जाहि सँ हमर सभक पाप क्षमा कयल जा सकय आ दूर कयल जा सकय।

1. भगवान् के साथ तर्क करने के आमंत्रण

2. हमर पापक क्षमा

1. इजकिएल 18:30-32 - "एहि लेल हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ि लिअ। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।" .अपन सभटा अपराध, जाहि सँ अहाँ सभ अपराध केलहुँ, ओकरा सभ केँ दूर करू, आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक लोक, अहाँ सभ किएक मरब?

2. मत्ती 11:28 - "हे सब मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

यशायाह 1:19 जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।

अंश मे कहल गेल अछि जे जँ हम सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ भूमिक भलाईक आनंद ल' सकब।

1. "आज्ञापालन के आशीर्वाद"।

2. "इच्छा आ आज्ञाकारिता: आशीर्वादक मार्ग"।

1. यिर्मयाह 7:23 - "हमर आवाज मानू, हम अहाँक परमेश् वर बनब, आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब। आ अहाँ सभ ओहि सभ बाट पर चलब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा देने छी, जाहि सँ अहाँ सभक नीक हो।"

2. याकूब 1:22-25 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ देखनिहारक समान अछि।" काँच मे ओकर स्वाभाविक चेहरा: किएक तँ ओ अपना केँ देखैत अछि आ अपन बाट पर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन मनुक्ख छल काज करनिहार, ई आदमी अपन काज मे धन्य होयत।"

यशायाह 1:20 मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ खा जायब, किएक तँ ई बात परमेश् वरक मुँह बजने छथि।

भगवान् के आज्ञाकारिता के आवश्यकता छै आरू आज्ञा नै मानला के सजा देतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यशायाह 1:20 सँ सीखब

2. सच्चा आज्ञाकारिता के समझना: यशायाह 1:20 में एक अध्ययन

1. रोमियो 6:16-17 की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकर आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

2. व्यवस्था 28:15-19 मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सभ शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

यशायाह 1:21 विश्वासी नगर कोना वेश्या बनि गेल अछि! ई न्याय सँ भरल छल; धर्म ओहि मे बैसल छल। मुदा आब हत्यारा।

विश्वासी नगर न्याय आ धार्मिकताक प्रति अपन प्रतिबद्धता छोड़ि वेश्या बनि गेल अछि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक न्याय आ धार्मिकताक आह्वानक प्रति वफादार रहबाक चाही, ओहो तखन जखन ई कठिन हो।

2: हमरा सभ केँ पापक लोभ सँ धोखा नहि होमय देबाक चाही, बल्कि धार्मिकताक प्रति प्रतिबद्धता मे अडिग रहबाक चाही।

1: याकूब 4:17 - "अतः जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

2: मत्ती 6:33 - "मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

यशायाह 1:22 तोहर चानी गंदगी बनि गेल अछि, तोहर शराब पानि मे मिलाओल गेल अछि।

अंश ई बात के बात करै छै कि कोना परमेश् वर के लोग परमेश् वर सं॑ भटकलो छै।

1. "भगवान सँ मुँह मोड़बाक परिणाम"।

2. "भगवान केँ अपन जीवन मे रखबाक महत्व"।

1. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, ओ अहाँ सभक नजदीक आओत।

2. नीतिवचन 9:10 - प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ होइत अछि, आ पवित्र लोकक ज्ञान बुद्धि थिक।

यशायाह 1:23 तोहर राजकुमार सभ विद्रोही आ चोर सभक संगी छथि, सभ केओ वरदान सँ प्रेम करैत अछि आ फलक पालन करैत अछि, ओ सभ अनाथ सभक न्याय नहि करैत अछि आ ने विधवाक काज ओकरा सभ लग अबैत अछि।

जनता के शासक कमजोर आ कमजोर के न्यायसंगत नै छैथ आ ओकर कोनो परवाह नै करै छैथ।

1. "न्याय के आह्वान: उत्पीड़ित के गलती के सुधार"।

2. "प्रेम के शक्ति: पितृसत्तात्मक आ विधवा के देखभाल"।

1. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

2. भजन 82:3-4 - गरीब आ अनाथक रक्षा करू, पीड़ित आ गरीबक संग न्याय करू। गरीब आ जरूरतमंद केँ उद्धार करू, ओकरा दुष्टक हाथ सँ मुक्त करू।

यशायाह 1:24 एहि लेल सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक पराक्रमी परमेश् वर कहैत छथि जे आह, हम अपन शत्रु सभ सँ हमरा मुक्त करब आ अपन शत्रु सभक बदला लेब।

सेना केरऽ प्रभु, इस्राएल केरऽ पराक्रमी, घोषणा करै छै कि वू अपनऽ दुश्मनऽ के बदला लेतै ।

1. परमेश् वरक न्याय आ प्रतिशोध - रोमियो 12:19-21

2. परमेश् वरक प्रेम आ दया - लूका 6:27-36

1. भजन 94:1-2

2. रोमियो 12:17-21

यशायाह 1:25 हम अहाँ पर हाथ घुमा देब, आ अहाँक कूड़ा-करकट शुद्ध क’ क’ शुद्ध क’ देब आ अहाँक सभटा टीन छीन लेब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ पाप आ बुराई सँ शुद्ध करैत छथि, आ ओकर स्थान पर धार्मिकता दैत छथि।

1. परमेश् वरक शुद्धिकरण शक्ति - कोना भगवान् हमरा सभ केँ पाप सँ शुद्ध करैत छथि आ ओकर स्थान पर नीक काज करैत छथि

2. हमर आत्मा के परिष्कृत करब - भगवान हमरा सब के कोना अपन प्रतिरूप में ढालैत छथि

1. 1 यूहन्ना 1:8-9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

2. भजन 51:7 - हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, तखन हम शुद्ध भ’ जायब। हमरा धोउ, हम बर्फसँ उज्जर भ’ जायब।

यशायाह 1:26 हम अहाँक न्यायाधीश सभ केँ पहिने जकाँ आ अहाँक सलाहकार सभ केँ शुरू मे जकाँ पुनर्स्थापित करब, बाद मे अहाँ केँ धार्मिकताक नगर, विश्वासी नगर कहल जायत।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ न्याय आ धार्मिकता केँ पुनर्स्थापित करबाक, आ ओकरा सभ केँ एकटा विश्वासी आ धार्मिक शहर बनेबाक वादा करैत छथि।

1. अपन लोकक पुनर्स्थापन मे परमेश् वरक निष्ठा

2. भगवानक नगर मे धर्मपूर्वक रहब

1. भजन 146:7-8 - "जे उत्पीड़ित लोकक लेल न्याय करैत अछि, जे भूखल केँ भोजन दैत अछि। परमेश् वर कैदी सभ केँ ढीला करैत छथि। परमेश् वर आन्हर सभक आँखि खोलैत छथि, प्रभु झुकल लोक सभ केँ उठबैत छथि"।

2. इब्रानी 11:10 - "किएक तँ ओ एकटा एहन नगरक प्रतीक्षा करैत छलाह जकर नींव अछि, जकर निर्माता आ निर्माता परमेश्वर छथि।"

यशायाह 1:27 सिय्योन केँ न्याय सँ मुक्त कयल जायत, आ ओकर धर्म परिवर्तन करयवला लोक केँ धार्मिकता सँ मुक्त कयल जायत।

सिय्योन न्याय के द्वारा पुनर्स्थापित होयत आ ओकर लोक धर्म के द्वारा उद्धार होयत।

1. धर्मक शक्ति: सिय्योन केँ कोना बहाल कयल जाय

2. न्याय आ मोक्ष: अनन्त मोक्षक मार्ग

1. इजकिएल 36:22-23 - "तेँ इस्राएलक घराना केँ ई कहू जे प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे, हे इस्राएलक घराना, हम अहाँक लेल नहि, बल् कि अपन पवित्र लोकक लेल काज करय बला छी।" नाम, जकरा अहाँ जाहि जाति मे आयल छी, ओहि जाति सभक बीच अपवित्र कएने छी।आ हम अपन महान नामक पवित्रता केँ सही ठहराएब, जे जाति सभक बीच अपवित्र कयल गेल अछि आ जकरा अहाँ ओकरा सभक बीच अपवित्र केने छी परमेश् वर, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, जखन हम अहाँक द्वारा हुनका सभक नजरि मे अपन पवित्रता केँ सही ठहराबैत छी।

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, ओ अपना केँ नम्र बना लेत, आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि जायत, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब आ ओकर पाप क्षमा करब आ ओकर देश केँ ठीक करब।" " .

यशायाह 1:28 अपराधी आ पापी सभक विनाश एक संग होयत आ जे सभ परमेश् वर केँ छोड़ि देत, तकरा समाप्त भऽ जायत।

जे भगवान् के इच्छा के अस्वीकार करै छै आरू हुनकऽ आज्ञा के अवहेलना करै छै, वू नष्ट होय जैतै ।

1. "भगवानक इच्छा केँ अस्वीकार करबाक परिणाम"।

2. "भगवान के आज्ञाकारिता स आशीर्वाद भेटैत अछि, आज्ञा आज्ञा नहि देला स विनाश होइत अछि"।

1. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

2. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे सही बुझाइत अछि, मुदा अंत मे ओ मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि।"

यशायाह 1:29 किएक तँ ओ सभ ओहि ओक गाछ पर लजत जे अहाँ सभ चाहैत छी आ अहाँ सभ ओहि गाछ सभक लेल लज्जित होयब जे अहाँ सभ चुनने छी।

मूर्तिपूजा के लेल जे जगह खोजने छैथ ताहि पर लोक के लाज होयत आ अपन चुनल गाछी के लेल लज्जित होयत।

1. भगवानक अनुमोदन ताकब आ मनुक्खक नहि

2. मूर्तिपूजाक लाज

1. इजकिएल 20:7-8 - "तखन हम हुनका सभ केँ कहलियनि, 'अहाँ सभ अपन आँखिक घृणित बात सभ केँ फेकि दियौक आ मिस्रक मूर्ति सभ सँ अपना केँ अशुद्ध नहि करू। हम अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु छी। मुदा ओ सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह कयलनि। आ हमर बात नहि मानय चाहैत छल, ओ सभ अपन आँखिक घृणित बात केँ नहि फेकि देलक आ ने मिस्रक मूर्ति सभ केँ छोड़ि देलक मिस्र देशक बीच मे।”

2. यिर्मयाह 17:5-6 - "प्रभु ई कहैत छथि, जे मनुष्य पर भरोसा करैत अछि, आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि, आ जकर हृदय प्रभु सँ हटि जाइत अछि, ओ अभिशप्त हो जखन नीक आओत तखन नहि देखत, बल् कि जंगल मे शुष्क स्थान पर, नमकीन देश मे रहैत रहत, जाहि मे आब लोक नहि रहैत अछि।”

यशायाह 1:30 किएक तँ अहाँ सभ ओ गाछ जकाँ रहब जकर पात फीका पड़ि जाइत अछि आ एहन गाछ जकाँ रहब जकर पानि नहि अछि।

ई अंश एहि बातक गप्प करैत अछि जे बिना पानि के जीवन कोना मुरझा जायत आ फीका भ' जायत।

1. आध्यात्मिक आ शारीरिक रूप स हाइड्रेटेड रहबाक महत्व।

2. भगवान् सँ सुसंगत सम्बन्ध रखबाक महत्व।

1. मत्ती 5:6 - "धन्य छथि ओ सभ जे धार्मिकताक भूखल आ प्यासल छथि, किएक तँ ओ सभ तृप्त भ' जेताह।"

2. भजन 1:3 - "ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि जे अपन समय मे फल दैत अछि, आ ओकर पात नहि मुरझाइत अछि। ओ जे किछु करैत अछि, ओ समृद्ध होइत अछि।"

यशायाह 1:31 बलवान लोक टोक जकाँ होयत, आ ओकरा बनौनिहार चिंगारी जकाँ होयत, आ दुनू एक संग जरि जायत, आ कियो ओकरा नहि बुझाओत।

ई श्लोक एकटा प्रबल आ प्रबल शक्तिक बात करैत अछि जे सहजहि नष्ट भ' जायत।

1. भगवानक शक्ति: हुनक पराक्रमक बल बुझब

2. आज्ञापालन के फल: परमेश्वर के रक्षा के प्रतिज्ञा

1. मत्ती 5:3-5 "धन्य अछि आत् मा मे गरीब, किएक तँ स् वर्गक राज् य ओकर सभक अछि। धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक। धन्य अछि जे नम्र लोक सभ, किएक तँ ओ सभ पृथ् वीक उत्तराधिकारी अछि।"

2. भजन 91:1-2 "जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब जे, हमर शरण आ हमर किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।"

यशायाह अध्याय 2 में यरूशलेम के भविष्य के ऊंचाई आरू पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य के स्थापना के दर्शन के वर्णन छै। ई ऐन्हऽ समय के चित्रण करै छै जब॑ सब जाति परमेश्वर के मार्गदर्शन लेतै आरू हुनकऽ शासन के तहत शांति स॑ रहतै ।

1 पैराग्राफ: यशायाह यहूदा आरू यरूशलेम के बारे में अपनऽ दर्शन के साझा करै छै, ई वर्णन करै छै कि कोना अंतिम समय में, प्रभु के घर के पहाड़ सब पहाड़ऽ में सबसें ऊँचऽ के रूप में स्थापित होतै। सब जाति परमेश् वरक निर्देशक मांग करैत एहि दिस बहत (यशायाह 2:1-4)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवक्ता एहि बात पर जोर दैत छथि जे एहि दौरान युद्धक हथियार शांति के साधन मे बदलि जायत। राष्ट्र आब द्वंद्व मे नहि रहत बल्कि ओकर बदला मे परमेश्वर स सीखय आ हुनकर रास्ता पर चलय पर ध्यान देत (यशायाह 2:5-9)।

तेसर पैराग्राफ: यशायाह ओहि सभ केँ संबोधित करैत छथि जे घमंडी छथि आ हुनका सभ केँ परमेश् वर द्वारा हुनकर आसन्न निर्णयक बारे मे चेताबैत छथि। मानवताक ऊँच नजरि नीचाँ आनल जायत, जखन कि केवल प्रभु केँ ऊँच कयल जायत (यशायाह 2:10-17)।

4 म पैराग्राफ: भविष्यवक्ता लोक स आह्वान करैत छथि जे मूर्ति आ मानवीय शक्ति पर भरोसा करब छोड़ि दियौक, कियाक त ई सब व्यर्थ अछि। बल्कि, ओकरा केवल परमेश्वर के सामने खुद क॑ नम्र होना चाहियऽ, जे घमंडी सब कुछ गिराय देतै (यशायाह २:१८-२२)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय दू प्रस्तुत
यरूशलेम के लेल भविष्य के ऊंचाई के दर्शन
आ पृथ्वी पर परमेश् वरक राज्यक स्थापना।

अंतिम समय मे यहूदा आ यरूशलेम के संबंध मे दर्शन साझा करब।
भगवान् के घर के पहाड़ के अन्य से ऊपर स्थापित होने का वर्णन |
द्वंद्व के बजाय शांति पर ध्यान केंद्रित करते हुए ईश्वरीय शिक्षा के तलाश में राष्ट्र |
परिवर्तन जतय होइत अछि जतय हथियार शांति के साधन बनि जाइत अछि |
आसन्न निर्णय के बारे में चेतावनी के साथ-साथ घमंडी व्यक्ति के संबोधित करना |
मूर्ति या मानव शक्ति के बजाय केवल भगवान पर भरोसा के आह्वान |

ई अध्याय भविष्य के आशा प्रदान करै छै, जहाँ राष्ट्र परमेश्वर के शासन के तहत एक साथ आबै छै, शांति के अपनाबै छै आरू ईश्वरीय मार्गदर्शन के मांग करै छै। ई परमेश् वर के सामने विनम्रता पर जोर दै छै आरू सांसारिक शक्ति या झूठा देवता पर भरोसा करै के चेतावनी दै छै।
अंततः ई एकटा एहन समय दिस इशारा करैत अछि जखन धर्मक प्रबलता आ मानवता केँ प्रभुक शासनकाल मे एकता भेटैत अछि |

यशायाह 2:1 अमोजक पुत्र यशायाह यहूदा आ यरूशलेमक विषय मे जे वचन देखलनि।

ई अंश यशायाह के यहूदा आरू यरूशलेम के भविष्यवाणी के दर्शन के वर्णन करै छै।

1. परमेश् वरक भविष्यवाणीक दर्शन पर भरोसा करबाक महत्व।

2. यहूदा आ यरूशलेम के लेल यशायाह के भविष्यवाणी संदेश के महत्व।

1. यिर्मयाह 29:11, कारण हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. रोमियो 8:28, आ हम सभ जनैत छी जे सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि जे परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यशायाह 2:2 अंतिम समय मे परमेश् वरक घरक पहाड़ पहाड़क चोटी मे स्थिर होयत आ पहाड़ सँ ऊपर उठत। आ सभ जाति ओहि दिस बहत।

ई अंश अंतिम समय में प्रभु के घर के स्थापना के बात करै छै, आरू कोना सब जाति ओकरा पास आबै वाला छै।

1. "प्रभु द्वारा स्थापित एक घर: सुसमाचार के शक्ति"।

2. "अंतिम दिन: प्रभुक घरक माध्यमे एकीकरणक समय"।

1. प्रेरित 17:26-27 "ओ एक आदमी सँ मनुष् यक सभ जाति केँ पूरा पृथ् वी पर रहबाक लेल बनौलनि, आ अपन निवास स्थानक सीमा निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक खोज करथि आ शायद ई अनुभव करथि।" हुनका दिस अपन बाट आ हुनका ताकि लैत छथि। तइयो ओ वास्तव मे हमरा सभ मे सँ प्रत्येक सँ दूर नहि छथि"।

422

2. प्रेरित सभक काज 10:34-35 "तखन पत्रुस अपन मुँह खोलि कऽ कहलथिन: हम सत्ते बुझैत छी जे परमेश् वर कोनो पक्षपात नहि करैत छथि, मुदा हर जाति मे जे कियो हुनका सँ डरैत अछि आ उचित काज करैत अछि, से हुनका स्वीकार्य अछि।"

यशायाह 2:3 बहुतो लोक जा क’ कहत जे, “आउ, हम सभ परमेश् वरक पहाड़ पर, याकूबक परमेश् वरक घर दिस चलि जाउ।” ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाओत आ हम सभ ओकर बाट पर चलब, किएक तँ सिय्योन सँ धर्म-नियम आ यरूशलेम सँ परमेश् वरक वचन निकलत।

ई अंश बहुत लोगऽ के बात करै छै कि भगवान के घर जाय क॑ हुनकऽ रास्ता सीखै आरू हुनकऽ रास्ता पर चलै छै ।

1: हमरा सभ केँ परमेश्वरक खोज करबाक लेल आ हुनकर बाट सीखबाक लेल बजाओल गेल अछि।

2: भगवान् के मार्ग पर चलना ही सच्चा पूर्ति के एकमात्र रास्ता छै।

1: भजन 37:3-5 प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; तेँ अहाँ भूमि मे रहब आ सुरक्षाक आनंद लेब। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा करू आ ओ ई काज करत।

2: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 2:4 ओ जाति सभक बीच न्याय करत आ बहुतो लोक केँ डाँटत, आ ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे आ भाला केँ छंटाई मे फँसा देत, जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने युद्ध सीखत।

यशायाह भविष्यवाणी केलकै कि परमेश् वर जाति सिनी के न्याय करतै, आरु वू युद्ध के हथियार कॅ शांति के औजार में बदली देतै।

1. शांति के शक्ति: हमर सबहक पसंद दुनिया के कोना प्रभावित करैत अछि

2. तलवारसँ हल धरि: सामंजस्य आ एकतामे रहबाक की अर्थ होइत छैक

1. मीका 4:3 - "ओ बहुतो लोकक बीच न्याय करत, दूर सँ बलवान जाति सभ केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फँसाओत, आ अपन भाला केँ छंटाई मे फँसाओत। जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत आ ने करत।" ओ सभ आब युद्ध सीखैत अछि।"

2. रोमियो 12:18 - "जँ संभव हो, अहाँ सभ मे जे किछु अछि, तँ सभ लोकक संग शान्तिपूर्वक रहू।"

यशायाह 2:5 हे याकूबक घराना, अहाँ सभ आऊ, आ हम सभ प्रभुक इजोत मे चलब।

यशायाह के ई अंश याकूब के लोग सिनी कॅ प्रभु के इजोत में चलै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. प्रकाश मे चलबाक लेल परमेश्वरक आह्वान

2. प्रभु के मार्ग पर चलना

1. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल नगर नुकाओल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा क' टोकरीक नीचा नहि राखि दैत अछि, बल् कि ठाढ़ि पर राखि दैत अछि, आ ओ इजोत दैत अछि।" घर मे सभ केँ।ओहि तरहेँ अहाँ सभक इजोत दोसर सभक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।

2. 1 यूहन्ना 1:5-7 - ई संदेश हम सभ हुनका सँ सुनने छी आ अहाँ सभ केँ घोषणा करैत छी जे परमेश् वर इजोत छथि, आ हुनका मे कोनो अन्हार नहि अछि। जँ हम सभ कहैत छी जे अन्हार मे चलैत काल हुनका संग संगति अछि तँ हम सभ झूठ बाजैत छी आ सत्यक अभ्यास नहि करैत छी । मुदा जँ हम सभ इजोत मे चलब, जेना ओ इजोत मे छथि, तँ हमरा सभ केँ एक-दोसरक संगति अछि आ हुनकर पुत्र यीशुक खून हमरा सभ केँ सभ पाप सँ शुद्ध करैत अछि।
423

यशायाह 2:6 तेँ अहाँ अपन लोक केँ याकूबक घर छोड़ि देलहुँ, किएक तँ ओ सभ पूरब दिस सँ भरि गेल अछि, आ पलिस्ती सभ जकाँ भविखवाचक अछि आ परदेशी सभक संतान मे अपना केँ प्रसन्न करैत अछि।

प्रभु अपन लोक याकूबक घराना केँ छोड़ि देलनि अछि, कारण ओ सभ हुनका पर भरोसा करबाक बदला पूर्व दिसक भविष्यवक्ता पर भरोसा करब चुनने छथि।

1. भगवान् पर भरोसा करब सुरक्षा आ शक्तिक एकमात्र सच्चा स्रोत अछि।

2. हमर सभक काजक परिणाम होइत छैक, आ जखन हम सभ भगवानक अतिरिक्त कोनो आन चीज पर भरोसा करब चुनब तखन हम सभ हुनका द्वारा छोड़ि देल जायब।

1. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत तक बननिहार सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि।

2. यिर्मयाह 17:5-7 - "शापित अछि ओ मनुष्य पर भरोसा करैत अछि, जे मात्र मांस सँ सामर्थ्य लैत अछि आ जकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ि लैत अछि। ओ व्यक्ति उजाड़ मे झाड़ी जकाँ होयत; ओकरा सभ केँ समृद्धि नहि भेटतैक।" जखन आओत। ओ सभ मरुभूमिक सुखायल जगह मे, नमकीन भूमि मे रहताह जतय कियो नहि रहत।"

यशायाह 2:7 हुनका सभक देश चानी आ सोना सँ भरल अछि, आ ने हुनका सभक धनक कोनो अंत नहि अछि।
ओकर सभक देश सेहो घोड़ा सँ भरल अछि आ ओकर सभक रथक कोनो छोर नहि छैक।

भूमि धन आ संसाधनसँ भरल अछि, जकर प्रचुरताक खजाना, घोड़ा आ रथक कोनो अंत नहि अछि ।

1: भगवान् हमरा सभ केँ प्रचुरता आ भरपूर आशीर्वाद दैत छथि।

2: भगवान् जे संसाधन हमरा सभकेँ उपलब्ध करौलनि अछि, ताहिसँ विनम्र आ निष्ठापूर्वक रहू।

1: याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2: उपदेशक 5:10 - जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा लग कहियो पर्याप्त पाइ नहि होइत छैक; जे धन प्रेम करैत अछि से कहियो अपन आमदनी सँ संतुष्ट नहि होइत अछि । ईहो निरर्थक अछि।

यशायाह 2:8 हुनका सभक देश मूर्ति सभ सँ भरल अछि। ओ सभ अपन हाथक काजक आराधना करैत छथि जे अपन आँगुर सँ बनौने छथि।

यशायाह के समय के लोग परमेश् वर सें मुँह मोड़लोॅ छेलै आरो ओकरो बदला में अपनऽ बनावलऽ मूर्ति के पूजा करी रहलऽ छेलै।

1. "हम जे मूर्ति के पूजा करैत छी"।

2. "अभिमानक शक्ति: भगवान् सँ मुँह मोड़ब"।

1. यशायाह 2:8

2. रोमियो 1:21-25 - "ओ सभ भले परमेश् वर केँ जनैत छल, मुदा ओ सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे महिमा नहि करैत छल आ ने हुनकर धन्यवाद दैत छल, बल् कि हुनकर सभक सोच व्यर्थ भऽ गेल आ हुनकर सभक मूर्ख हृदय अन्हार भऽ गेल। यद्यपि ओ सभ अपना केँ बुद्धिमानक दावा करैत छल, मुदा ओ सभ मूर्ख बनि गेल।" आ अमर भगवानक महिमा केँ नश्वर मनुक्ख आ चिड़ै-चुनमुनी आ जानवर आ सरीसृप जकाँ बनाओल मूर्तिक बदला मे बदलि देलक |"

यशायाह 2:9 नीच लोक प्रणाम करैत अछि, आ महान लोक अपना केँ नम्र भ’ जाइत अछि, तेँ ओकरा सभ केँ माफ नहि करू।

अंश मे कहल गेल अछि जे नीच आ पैघ लोक केँ अपना केँ विनम्र करबाक चाही, आ ओकरा माफ नहि करबाक चाही।

1. विनम्रता: क्षमा करबाक एकटा पूर्व शर्त

2. घमंड: क्षमा मे बाधा

1. याकूब 4:6-10 मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।” तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। अहाँ सभ दोग-दोसर विचारक लोक सभ, अपन हृदय केँ शुद्ध करू। दुःखित रहू, शोक करू आ कानू, अहाँ सभक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँ सभक आनन्द केँ गंभीरता मे बदलि जाय। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, आ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. नीतिवचन 16:18-19 घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने। नीच लोकक संग विनम्र भावनाक रहब नीक, घमंडी लोकक संग लूट केँ बाँटि देब।

यशायाह 2:10 परमेश् वरक भय आ हुनकर महिमाक महिमाक लेल, चट्टान मे जाउ आ धूरा मे नुका जाउ।

ई अंश प्रभु के सामने विनम्रता आरू श्रद्धा के आह्वान छै ।

1. "विनम्रताक शक्ति"।

2. "प्रभु आ महामहिम सँ भय"।

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. भजन 34:11 - "हे बच्चा सभ, आऊ, हमर बात सुनू; हम अहाँ सभ केँ प्रभुक भय सिखाएब।"

यशायाह 2:11 मनुष्यक ऊँच नजरि नम्र भ’ जायत, आ मनुष्यक घमंड प्रणाम कयल जायत, आ ओहि दिन असगरे प्रभु केँ ऊँच कयल जायत।

प्रभु के उदात्त करै लेली विनम्रता के जरूरत छै।

1: भगवानक महिमा: विनम्रताक आह्वान

2: विनम्र आ उदात्त: यशायाह सँ एकटा पाठ

1: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2: फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

यशायाह 2:12 किएक तँ सेना सभक परमेश् वरक दिन सभ घमंडी आ ऊँच-ऊँच लोक पर होयत। ओकरा नीचाँ उतारल जेतै।

प्रभुक दिन घमंडी केँ विनम्र करबाक दिन होयत।

1: घमंड भगवान् के साथ हमरऽ आध्यात्मिक चलै के एगो बड़ऽ दुश्मन बनी सकै छै, कैन्हेंकि ई हमरा सब के अपनऽ खामी आरू कमजोरी के प्रति आन्हर होय सकै छै।

2: प्रभु न्यायक परमेश् वर छथि, आ ओ घमंडी केँ विनम्र करताह जे अपना केँ नम्र नहि करबाक प्रयास करैत छथि।

1: याकूब 4:6-10 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”

425

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।
यशायाह 2:13 लेबनानक सभ देवदारक गाछ सभ पर, जे ऊँच आ ऊँच अछि, आ बाशानक सभ ओम गाछ पर।
भगवान् ओहि सभक न्याय करताह जे घमंडी आ अहंकारी छथि।
1. घमंड पतन सँ पहिने अबैत अछि - रोमियो 12:3
2. परमेश् वरक समक्ष अपना केँ विनम्र बनाउ - याकूब 4:10
1. लूका 18:14 - "किएक तँ जे कियो अपना केँ ऊपर उठबैत अछि, ओकरा नम्र कयल जायत, आ जे अपना केँ नम्र करैत अछि, से ऊँच कयल जायत।"
2. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"
यशायाह 2:14 आ सभ ऊँच पहाड़ आ सभ ऊँच पहाड़ पर।
ई अंश परमेश् वर के महिमा के बात करै छै जे सबसें ऊँचऽ पहाड़ आरू पहाड़ी पर प्रकट होय छै ।
1: भगवानक महिमा सर्वोच्च स्थान पर प्रकट होइत अछि।
2: भगवानक भव्यता ऊँच-ऊँच पहाड़ पर सेहो प्रकट होइत अछि।
1: भजन 29:4 - प्रभुक आवाज शक्तिशाली अछि; परमेश् वरक आवाज महिमा सँ भरल अछि।
2: हबक्कूक 3:3-4 - परमेश् वर तेमन सँ अयलाह, आ पवित्र परान पर्वत सँ। ओकर महिमा आकाश केँ झाँपि देलकैक, आ पृथ्वी ओकर स्तुति सँ भरल छलैक। सेला ओकर चमक इजोत जकाँ छलैक; हाथसँ किरण चमकैत छलैक; आ ओतहि ओ अपन सामर्थ्य पर पर्दा लगा देलनि।
यशायाह 2:15 आ सभ ऊँच बुर्ज आ सभ बाड़ल देबाल पर।
ई अंश मानव निर्मित उपकरण, जेना कि ऊँच-ऊँच टावर आरू बाड़ वाला देवाल, के बजाय परमेश्वर पर भरोसा करै आरू सुरक्षा लेली हुनका पर भरोसा करै के महत्व के बात करै छै।
1. "प्रभु की सुरक्षा: केवल भगवान् में सच्चा रक्षा पाना"।
2. "विश्वास के बल: सब स बेसी प्रभु पर भरोसा"।
1. भजन 62:8 - "हे लोक सभ, हुनका पर सदिखन भरोसा करू; हुनका सामने अपन मोन केँ उझलि दियौक; परमेश् वर हमरा सभक लेल शरण छथि।"
2. इजकिएल 33:11 - "हुनका सभ केँ कहि दियौक जे हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट सँ मुड़ि कऽ जीबि जाउ; पाछू घुमि जाउ, अहाँ सभ सँ पाछू भ' जाउ।" अधलाह रास्ता, हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब?”
यशायाह 2:16 तर्शीशक सभ जहाज पर आ सभ सुखद चित्र पर।
ई अंश तर्शीश के सब जहाज आरू सब सुखद चित्र पर परमेश्वर के न्याय के बात करै छै।
1: भगवानक न्याय सर्वव्यापी अछि आ दुष्ट केँ कहियो नहि बख्शैत अछि।
2: हमरा सभ केँ अपन सम्पत्ति आ सम्पत्तिक उपयोग बुद्धिमानी सँ करबाक चाही, कारण परमेश् वर हमरा सभक सभ किछुक लेल न्याय करताह।

1: यशायाह 1:2-3 - हे आकाश, सुनू, आ हे पृथ्वी, कान करू; कारण, प्रभु कहने छथि, “हम बच्चा सभक पालन-पोषण आ पालन-पोषण केलहुँ, मुदा ओ सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक।”

2: याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

यशायाह 2:17 मनुष् यक ऊँचाई झुकल रहत आ मनुष् यक घमंड नीचाँ कयल जायत, आ ओहि दिन परमेश् वर मात्र ऊँच कयल जायत।

प्रभुक उदात्तता आ मनुष्यक घमंड विनम्र होयत।

1. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

2. भगवान् परम छथि आ हमरा सभकेँ अधीनता करबाक चाही

1. नीतिवचन 16:18 "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा"।

2. फिलिप्पियों 2:5-11 "अपना बीच ई विचार राखू, जे मसीह यीशु मे अहाँ सभक अछि, जे परमेश् वरक रूप मे रहितो परमेश् वरक संग समानता केँ पकड़बाक बात नहि मानलनि, बल् कि अपना केँ खाली कयलनि।" सेवक के रूप धारण करी क॑ मनुष्य के उपमा में पैदा होय क॑ मनुष्य के रूप में मिलला के बाद मृत्यु के हद तक आज्ञाकारी होय क॑ खुद क॑ नम्र करी लेलकै, यहां तक कि क्रूस पर मृत्यु तक होय गेलै ओ नाम जे सभ नाम सँ ऊपर अछि, जाहि सँ यीशुक नाम पर सभ ठेहुन झुकि सकय, स् वर्ग मे, पृथ् वी पर आ पृथ् वी मे, आ सभ जीह स्वीकार करय जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ पिता परमेश् वरक महिमा होयत।”

यशायाह 2:18 आ मूर्ति सभ केँ ओ एकदम समाप्त क’ देत।

अंश भगवान् मूर्ति के समाप्त करय के बात करै छै।

1. आध्यात्मिक नवीकरणक आवश्यकता: एहि संसारक झूठ मूर्ति केँ अस्वीकार करब

2. मूर्ति के हटा क जीवन के परिवर्तित करय के भगवान के शक्ति

1. 1 कोरिन्थी 10:14-15 - "तेँ, हमर प्रिय मित्र लोकनि, मूर्तिपूजा सँ भागू। हम बुद्धिमान लोक सभ सँ बात करैत छी; हम जे कहैत छी से अहाँ सभ स्वयं न्याय करू।"

.

यशायाह 2:19 जखन ओ पृथ्वी केँ भयंकर रूप सँ हिलाबय लेल उठताह तखन ओ सभ परमेश् वरक भय आ हुनकर महिमाक महिमा लेल चट्टान सभक खधिया आ पृथ्वीक गुफा सभ मे जायत।

लोक प्रभु केरऽ भय आरू भय स॑ भरलऽ रहै छै जब॑ हुनी न्याय के पास आबै छै ।

1. डर नहि - यशायाह 2:19

2. प्रभुक महिमा आ महिमा - यशायाह 2:19

1. भजन 27:1 "प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक सामर्थ्य छथि; हम ककरा सँ डरब?"

2. प्रकाशितवाक्य 6:16 "ओ पहाड़ आ चट्टान सभ केँ कहलथिन, “हमरा सभ पर खसि जाउ आ सिंहासन पर बैसल लोकक मुँह सँ आ मेमनाक क्रोध सँ हमरा सभ केँ नुका दियौक"।

यशायाह 2:20 ओहि दिन केओ अपन चानीक मूर्ति आ सोनाक मूर्ति, जे प्रत्येक केँ अपन पूजा करबाक लेल बनौने छल, तिल आ चमगादड़ मे फेकि देत।

यशायाह के समय में मूर्ति पूजा के प्रचलन छेलै आरू लोग पूजा करै लेली अपनऽ मूर्ति बनाबै छेलै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: यशायाहक किताब सँ सीखब

2. मूर्तिपूजाक झूठ वादा: भविष्यवक्ता लोकनिक चेतावनी

1. व्यवस्था 5:8 - "अहाँ अपन लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि, वा पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि।"

2. कुलुस्सी 3:5 - "तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा अछि।"

यशायाह 2:21 जखन ओ उठि कऽ पृथ् वी केँ भयंकर रूप सँ हिलायब तखन प्रभुक भय आ हुनकर महिमाक महिमाक कारणेँ चट्टान सभक फाँट आ चीर-फाड़ चट्टान सभक चोटी मे जायब।

एहि अंश मे लोकक प्रभु सँ भय आ हुनकर महिमा के महिमा के बात कयल गेल अछि, जे तखन प्रकट होयत जखन ओ पृथ्वी के हिलाबय लेल आओताह |

1. "प्रभुक भय: एकटा आशीर्वाद आ एकटा अभिशाप"।

2. "भगवानक महिमा: भयावह तरीका सँ प्रकट भेल"।

1. भजन 33:8 - समस्त पृथ्वी प्रभु सँ डेराय; संसारक सभ निवासी हुनका प्रति आदर-सत्कार मे ठाढ़ रहथि।

2. नीतिवचन 9:10 - प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान अंतर्दृष्टि थिक।

यशायाह 2:22 अहाँ सभ मनुख सँ रुकू, जकर साँस ओकर नाकक छेद मे अछि, किएक तँ ओकर हिसाब कोन तरहेँ हेबाक चाही?

लोक के मदद के लेल मनुष्य पर भरोसा नै करबाक चाही कियाक त मनुष्य अपूर्ण अछि आ सही समाधान नै दैत अछि।

1. मनुष्य पर नहि, बल्कि प्रभु पर भरोसा करू - यशायाह 2:22

2. विनम्रताक शक्ति - याकूब 4:10

1. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. भजन 118:8 - मनुष्य पर भरोसा करबा स’ नीक जे प्रभु पर भरोसा करब।

यशायाह अध्याय 3 यहूदा के सामाजिक भ्रष्टाचार आरू नैतिक क्षय के परिणाम के चित्रण करै छै। भविष्यवक्ता परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह के कारण राष्ट्र के सामने आबै वाला आसन्न न्याय के वर्णन करै छै।

1 पैराग्राफ: यशायाह घोषणा करै छै कि प्रभु यहूदा स॑ समर्थन के आवश्यक स्तंभऽ क॑ हटाबै वाला छै, जेकरा म॑ सक्षम नेता, वीर योद्धा, न्यायाधीश आरू भविष्यवक्ता शामिल छै। लोक अराजकता आ उत्पीड़न के अनुभव करत (यशायाह 3:1-5)।

2nd पैराग्राफ: यशायाह यहूदा के भीतर सामाजिक व्यवस्था आरू मूल्यऽ के टूटना पर प्रकाश डालै छै । ओ वर्णन करैत छथि जे कोना अनुभवहीन शासक आ अपरिपक्व नेता शासन करत, जाहि सँ भ्रम आ अस्थिरताक स्थिति उत्पन्न होयत (यशायाह 3:6-7)।

तेसर पैराग्राफ: भविष्यवक्ता यरूशलेम मे महिलाक बीच प्रचलित अहंकार आ भौतिकवादक निंदा करैत छथि | ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे हुनका लोकनिक अत्यधिक श्रृंगारक स्थान शोक लेत किएक त’ हुनका सभ केँ आगामी न्यायक दौरान नुकसान होयतनि (यशायाह 3:16-26)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करैत छथि जे दुर्लभता आ उजाड़ समाजक विभिन्न पहलू पर कोना प्रभावित होयत, जाहि मे कृषि, वाणिज्य, फैशन, आ व्यक्तिगत संबंध शामिल अछि। राष्ट्र केरऽ घमंड ईश्वरीय न्याय के माध्यम स॑ विनम्र होय जैतै (यशायाह ३:२६)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय तीन चित्रित अछि
यहूदा के सामने आबै वाला परिणाम
सामाजिक भ्रष्टाचार के कारण
आ भविष्यवाणीक चेतावनी के माध्यम स नैतिक क्षय।

यहूदा के भीतर समाज के समर्थन करै वाला खंभा के हटाबै के घोषणा।
सामाजिक व्यवस्था में टूटना के साथ-साथ अनुभवहीन शासक के शासन पर प्रकाश डालना |
महिला द्वारा प्रदर्शित भौतिकवादी प्रवृत्ति के साथ-साथ अहंकार के निंदा।
आसन्न निर्णय के कारण अत्यधिक श्रृंगार के स्थान पर शोक के भविष्यवाणी |
कृषि, वाणिज्य, फैशन पर प्रभाव के वर्णन के साथ-साथ व्यक्तिगत संबंध |
दिव्य निर्णय के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव के विनम्रता पर जोर देते हुए |

ई अध्याय परमेश्वर के सिद्धांत के खिलाफ विद्रोह के विशेषता वाला समाज के लेलऽ जे परिणाम के इंतजार करी रहलऽ छै, ओकरा बारे में कड़ा चेतावनी के काम करै छै । ई भ्रष्ट नेतृत्व, समाज के टूटना, भौतिकवाद, आरू अहंकार के हानिकारक प्रभाव के उजागर करै छै । परमेश्वर के रास्ता के आज्ञा नै मानला के कारण यहूदा पर आसन्न न्याय के ई भविष्यवाणी के माध्यम स॑ यशायाह पश्चाताप आरू धर्म में वापसी के आह्वान करै छै।

यशायाह 3:1 किएक तँ देखू, सेना सभक परमेश् वर, यरूशलेम आ यहूदा सँ स् थान आ लाठी, पूरा रोटी आ पूरा पानि केँ छीन लैत छथि।

प्रभु यरूशलेम आ यहूदा सँ रोटी-पानि केर भरण-पोषण छीनि रहल छथि।

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब आ ओकरा पर भरोसा करब

2. प्रभु मे रोजी-रोटी खोजना: आवश्यकता के समय भगवान् पर भरोसा करना |

1. भजन 23:1-6

2. मत्ती 6:25-34

यशायाह 3:2 पराक्रमी, युद्धकर्मी, न्यायाधीश, भविष्यवक्ता, बुद्धिमान आ प्राचीन।

भगवान् शक्ति, बुद्धि, आ मार्गदर्शन के अंतिम स्रोत छैथ।

1: भगवानक ताकत: युद्धक समय मे भगवानक ताकत पर भरोसा करब

2: परमेश् वरक बुद्धि: निर्णयक समय मे परमेश् वरक मार्गदर्शन ताकब

1: भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

2: याकूब 1:5-6 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत। मुदा ओ विश् वास सँ माँगय, कोनो संदेह नहि, कारण जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवाक कारणेँ धकेलल आ उछालल जाइत अछि।

429

यशायाह 3:3 पचास के कप्तान, आदरणीय आदमी, सलाहकार, धूर्त कारीगर आ वाक्पटुता।

एहि अंश मे समाज मे नेता आ ओकर महत्वपूर्ण भूमिकाक गप्प कयल गेल अछि ।

1: हमरा सब के अपन समाज के नेता आ हुनकर मार्गदर्शन के क्षमता के लेल धन्यवाद देबय के चाही।

2: अपन समाज मे नेता के प्रभाव के सराहना करब हमर आध्यात्मिक विकास के लेल महत्वपूर्ण अछि।

1: नीतिवचन 11:14 - जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

2: 1 तीमुथियुस 3:1-7 - ई सत् य कहब अछि, जँ केओ बिशप के पद के इच्छा रखैत अछि त’ ओ नीक काज चाहैत अछि।

यशायाह 3:4 हम बच्चा सभ केँ ओकर राजकुमार बनेबाक लेल देब, आ बच्चा सभ ओकरा सभ पर शासन करत।

भगवान वर्तमान नेता के जगह बच्चा आ शिशु के राखताह।

1. "भगवानक शक्ति: अधिकारक स्थान पर बच्चा आ बेबस"।

2. "नेतृत्व आ भगवानक योजना: युवा लोकनि केँ अधिकार हस्तांतरित करब"।

1. याकूब 3:1-10 - नेतृत्व मे बुद्धि के उपयोग करय के बारे मे एकटा चर्चा।

2. नीतिवचन 29:2 - जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत छथि तखन लोक आनन्दित होइत छथि।

यशायाह 3:5 लोक सभ केँ एक-दोसर सँ आ सभ अपन पड़ोसी द्वारा दमन कयल जायत, बच्चा प्राचीन लोकक विरुद्ध घमंडी व्यवहार करत आ आदरणीय लोकक विरुद्ध नीचाँक व्यवहार करत।

यशायाह के समय के लोग एक दोसरा पर अत्याचार करी रहलऽ छेलै, जेकरा में युवा घमंडी छेलै आरो नीच लोग आदरणीय के बेइज्जत करी रहलऽ छेलै।

1. घमंड गिरबासँ पहिने जाइत अछि: अपनाकेँ दोसरसँ ऊपर उठेबाक खतरा

2. समाज मे उत्पीड़न: सबहक गरिमा के कायम रखबाक आवश्यकता

1. नीतिवचन 16:18: घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 2: 1-9: हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी, कोनो पक्षपात नहि करू। जँ सोनाक अंगूठी आ नीक वस्त्र पहिरने लोक अहाँक सभा मे आबि जायत, आ जर्जर वस्त्र पहिरने गरीब सेहो भीतर आबि जायत, आ नीक वस्त्र पहिरनिहार पर ध्यान देब आ कहब जे अहाँ एतय नीक जगह पर बैसल छी, जखन कि अहाँ सभ बेचारा केँ कहैत छी जे, अहाँ ओम्हर ठाढ़ भ' जाउ, वा, हमर पएर पर बैसू, तखन की अहाँ सभ आपस मे भेद नहि क' क' दुष्ट विचार सँ न्यायाधीश नहि बनि गेलहुँ?

यशायाह 3:6 जखन केओ अपन पिताक घर मे अपन भाय केँ पकड़ि क’ कहत जे, “अहाँ लग कपड़ा अछि, अहाँ हमरा सभक शासक बनू, आ ई खंडहर अहाँक हाथ मे रहय।”

सारांश - लोक निर्णय लेबय आ प्रभार लेबय लेल एक दोसरा पर निर्भर अछि, भले ओ योग्य नहि हो.

1. विनम्रताक आशीर्वाद - याकूब 4:10

2. आत्मनिर्भरताक खतरा - नीतिवचन 3:5-6

1. मत्ती 23:8-10 - यीशु ककरो ‘शासक’ नहि कहबाक चेतावनी दैत छथि।

2. 1 पत्रुस 5:5 - एक दोसराक विनम्रता आ अधीनताक महत्व

यशायाह 3:7 ओहि दिन ओ शपथ खा क’ कहताह जे, “हम चिकित्सक नहि बनब।” किएक तँ हमर घर मे ने रोटी अछि आ ने वस्त्र।

भगवान् ओहि सभ सँ चेतावनी दैत छथि जे अपन परिवारक लेल भोजन आ वस्त्रक व्यवस्था नहि कएने लोकक शासक बनबाक प्रयास करताह।

1. "सेवा करबाक आह्वान: परमेश्वरक राज्य केँ पहिल स्थान पर राखब"।

2. "अपन परिवारक देखभाल: एकटा पवित्र प्राथमिकता"।

1. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. नीतिवचन 19:14 - "घर आ धन पिता सँ भेटैत अछि, मुदा विवेकी पत्नी प्रभु सँ भेटैत अछि।"

यशायाह 3:8 यरूशलेम बर्बाद भ’ गेल अछि, आ यहूदा पतित भ’ गेल अछि, किएक तँ ओकर सभक जीह आ ओकर सभक काज परमेश् वरक विरोध मे अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा केँ आक्रोशित कयल जा सकय।

यरूशलेम आ यहूदाक लोक सभ प्रभु सँ भटकि गेल अछि आ ओकर सभक एहि काज सँ हुनकर क्रोध भड़कि गेल अछि।

1: भगवानक दया तखनो टिकैत अछि जखन हम सभ मुँह घुमा लैत छी

2: विद्रोह के परिणाम

रोमियो 2:4 - या की अहाँ हुनकर दया, सहनशीलता आ धैर्यक धनक प्रति तिरस्कार करैत छी, ई नहि बुझैत छी जे परमेश्वरक दयालुता अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय? , मत्ती १५:३ - ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “आ अहाँ सभ अपन परंपराक लेल परमेश् वरक आज्ञा केँ किएक तोड़ैत छी?

यशायाह 3:9 हुनका सभक चेहराक दर्शन हुनका सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि। ओ सभ अपन पाप केँ सदोम जकाँ कहैत अछि, ओकरा नुकाबैत नहि अछि। धिक्कार हुनका सभक आत् मा! किएक तँ ओ सभ अपना लेल अधलाहक फल दऽ देने छथि।

मनुष्यक दुष्टता हुनका सभक चेहरा पर स्पष्ट अछि, आ ओ सभ सदोम जकाँ अपन पाप सँ निर्लज्ज छथि। धिक्कार हुनका सभक लेल! किएक तँ ओ सभ अपना पर विपत्ति अनने छथि।

1. दुष्टताक प्रमाण: पाप हमरा सभक जीवन मे कोना प्रकट होइत अछि

2. पाप के परिणाम: हम अपन कर्म के कीमत कोना चुकाबैत छी

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

यशायाह 3:10 अहाँ सभ धर्मी केँ कहि दियौक जे ओकर नीक हेतैक, किएक तँ ओ सभ अपन काजक फल खा लेत।

ई श्लोक धर्मात्मा के भलाई करै लेली आरू ओकरऽ प्रयास के फल मिलै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. भलाई करब फलदायी होइत अछि: धर्म कर्मक आशीर्वाद

2. जे बोबैत छी से काटि लिअ: धर्म जीवनक लाभ

1. नीतिवचन 11:18 - दुष्ट आदमी धोखा देबय वाला मजदूरी कमाबैत अछि, मुदा धर्म के बोनिहार के निश्चित फल भेटैत अछि।

2. गलाती 6:7-9 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत। आ नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ उचित समय मे काटि लेब, जँ हम सभ हार नहि मानब।

यशायाह 3:11 दुष्टक धिक्कार! ओकरा बीमार पड़तैक, किएक तँ ओकर हाथक इनाम ओकरा देल जेतै।”

दुष्ट के अपन कर्म के परिणाम भेटत।

1: दुष्ट नहि बनू, कारण अहाँ अपन कर्मक परिणाम भोगब।

2: भगवान् दुष्टता के बिना दंडित नै रहय देताह, ताहि लेल धर्म के जीवन अवश्य जीउ।

1: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि लेत।

2: नीतिवचन 11:21 - अपन बाट पर निश्चिंत रहू, कारण धर्मी केँ फल भेटतनि, मुदा दुष्टक नाश भ' जेताह।

यशायाह 3:12 हमर लोकक बात त’ बच्चा सभ ओकर अत्याचारी अछि, आ स्त्रीगण ओकरा सभ पर राज करैत अछि। हे हमर प्रजा, जे अहाँ केँ अगुवाई करैत अछि, से सभ अहाँ केँ भटका दैत अछि आ अहाँक बाट केँ नष्ट करैत अछि।

इस्राएल के लोग अपनऽ बच्चा आरू महिला सिनी के द्वारा दबलाय रहलऽ छै, आरू ओकरऽ नेता सिनी ओकरा भटकाय क॑ धार्मिकता के रास्ता नष्ट करी रहलऽ छै ।

1. "धर्मक मार्ग आ इस्राएलक लोकक उत्पीड़न"।

2. "अधिकार के विरुद्ध विद्रोह आ धर्म के मार्ग के विनाश"।

1. नीतिवचन 16:25 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. नीतिवचन 4:18-19 - "मुदा धर्मी लोकक बाट भोरक इजोत जकाँ होइत अछि, जे पूरा दिन धरि उज्ज्वल आ उज्ज्वल होइत अछि। दुष्टक बाट अन्हार जकाँ अछि; ओ सभ नहि जनैत अछि जे ओकरा की ठोकर खाइत छैक।" ."

यशायाह 3:13 परमेश् वर निहोरा करबाक लेल ठाढ़ छथि आ लोक सभक न्याय करबाक लेल ठाढ़ छथि।

परमेश् वर लोक सभक न् याय करबाक लेल आ ओकरा सभक दिस सँ निहोरा करबाक लेल ठाढ़ भऽ जाइत छथि।

1. "न्याय आ दया: प्रभुक निहोरा पर हमर प्रतिक्रिया"।

2. "प्रभुक दयालु न्याय"।

1. मीका 6:1-8

2. भजन 50:1-15
432

यशायाह 3:14 परमेश् वर अपन प्रजाक प्राचीन आ ओकर मुखिया सभक संग न् याय करताह, किएक तँ अहाँ सभ अंगूरक बगीचा खा गेलहुँ। गरीबक लूट अहाँक घर मे अछि।

प्रभु अपन लोकक नेता सभक न्याय करताह जे ओ गरीब सभक फायदा उठाबैत छथि आ हुनकर अंगूरक बगीचा केँ नष्ट क' रहल छथि।

1. भगवान् देखैत छथि आ एहि बातक परवाह करैत छथि जे हम सभ दोसरक संग कोना व्यवहार करैत छी

2. लोभ आ स्वार्थक परिणाम

1. नीतिवचन 22:22-23 - "गरीब केँ गरीब हेबाक कारणेँ लूट नहि करू आ दरबज्जा पर पीड़ित केँ कुचल नहि दियौक, किएक तँ परमेश् वर ओकर सभक पक्ष मे मुकदमा करताह आ ओकरा लूटनिहार सभक जान ल' लेताह।"

2. याकूब 5:1-5 - "हे धनिक, आब आऊ, अहाँ सभ पर आबि रहल दुर्दशाक लेल कानब आ कुहरब। अहाँक धन सड़ि गेल अछि आ अहाँक वस्त्र पतंग खा गेल अछि। अहाँक सोना-चानी जंग भ' गेल अछि आ ओकर जंग लागि गेल अछि।" अहाँ सभक विरुद्ध सबूत बनत आ अहाँक मांस आगि जकाँ खा जायत।अंतिम दिन मे अहाँ सभ खजाना जमा कएने छी।देखू, अहाँक खेत मे काटनिहार मजदूर सभक मजदूरी अहाँ सभक विरुद्ध चिचिया रहल अछि आ अहाँ सभक संग... कटनी करयवला सभक चीत्कार सेना सभक प्रभुक कान मे पहुँचि गेल अछि |”

यशायाह 3:15 अहाँ सभक की मतलब अछि जे अहाँ हमर लोक सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ दैत छी आ गरीब सभक मुँह पीसैत छी? सेना सभक परमेश् वर प्रभु कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के अपनऽ लोग आरू गरीबऽ के साथ दुर्व्यवहार के क्रोध के बात करै छै ।

1. भगवान गरीब आ उत्पीड़ितक चिन्ता करैत छथि

2. दोसर पर अत्याचार करबाक परिणाम

1. याकूब 1:27 - हमरा सभक पिता परमेश् वर जे धर्म शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसार सँ प्रदूषित नहि करब।

2. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

यशायाह 3:16 परमेश् वर कहैत छथि, “किएक तँ सियोनक बेटी सभ घमंडी छथि, आ गरदनि पसारि आ बेशर्म आँखि सँ चलैत छथि, चलैत-चलैत चलैत छथि आ चीर-फाड़ करैत छथि आ पैर सँ चीत्कार करैत छथि।

सियोन के बेटी सब अपन व्यवहार में घमंडी आ व्यर्थ छै।

1: पतन सँ पहिने घमंड - नीतिवचन 16:18

2: परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलू - मीका 6:8

1: भजन 119:51 - "अहंकारी हमरा लेल गड्ढा खोदने अछि, जे अहाँक व्यवस्थाक अनुसार नहि अछि।"

2: याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

यशायाह 3:17 तेँ परमेश् वर सियोनक बेटी सभक माथक मुकुट केँ पपड़ी सँ मारि देताह, आ परमेश् वर हुनका सभक गुप्त अंग सभ केँ पता लगा लेताह।

परमेश् वर सिय्योनक बेटी सभ केँ दंड देथिन, जे हुनकर लाज आ अपराधबोध केँ प्रगट करताह।
1. पापक परिणाम: परमेश् वरक सत्यक प्रकाश मे चलब
2. घमंड के खतरा: भगवान् के सामने अपना के विनम्र बनाउ
1. यशायाह 5:21-24
2. याकूब 4:6-10
यशायाह 3:18 ओहि दिन परमेश् वर हुनका सभक पएरक गुनगुनाइत आभूषण आ चान जकाँ गोल टायरक शौर्य केँ दूर कऽ देताह।
भगवान न्याय के दिन लोक के शारीरिक सौन्दर्य आ गहना छीन लेताह।
1. शारीरिक सौन्दर्यक आडंबर: यशायाह 3:18 क अध्ययन
2. पार्थिव अलंकार के सतहीपन के उजागर करब: यशायाह 3:18 के प्रतिबिंब
1. 1 पत्रुस 3:3-4 - "अहाँक सौन्दर्य बाहरी श्रृंगार सँ नहि होबाक चाही, जेना विस्तृत केश-विन्यास आ सोनाक गहना वा महीन वस्त्र पहिरब। बल्कि ई अहाँक भीतरक, क सौम्य आ शान्त आत्मा, जे भगवानक दृष्टि मे बहुत मूल्यवान अछि |"
2. नीतिवचन 31:30 - "मोह धोखा देबयवला होइत छैक, आ सौन्दर्य क्षणिक होइत छैक; मुदा जे स्त्री प्रभु सँ डेराइत अछि, ओकर स्तुति करबाक चाही।"
यशायाह 3:19 जंजीर, कंगन आ मफलर।
ई अंश में चेन, कंगन आरू मफलर के बात करलऽ गेलऽ छै जे प्राचीन इस्राएल में ड्रेस कोड के एगो हिस्सा छेलै।
1. परमेश् वरक नियम आ परिधानक पालन करबाक महत्व।
2. बाइबिल मे वस्त्रक प्रतीकात्मकता केँ बुझब।
१ भक्ति के दावा करय वाली महिला।
2. नीतिवचन 31:30 - आकर्षण छल आ सौन्दर्य क्षणिक होइत अछि, मुदा जे स्त्री प्रभु सँ डेराइत अछि ओकर प्रशंसा करबाक चाही।
यशायाह 3:20 बोनट, पैरक आभूषण, माथक पट्टी, पाटी आ झुमका।
एहि अंश मे यशायाहक समय मे लोक द्वारा पहिरल गेल कपड़ाक किछु वस्तुक वर्णन कयल गेल अछि |
1: भगवान् केँ एहि बातक चिन्ता छनि जे हम सभ अपना केँ कोना व्यक्त करैत छी आ कोना अपना केँ सजाबैत छी।
2: अपन पहिरन-ओढ़न मे सेहो भगवानक महिमा करबाक प्रयास करबाक चाही।
1: 1 पत्रुस 3:3-4 - "अहाँक सौन्दर्य बाहरी श्रृंगार सँ नहि होबाक चाही, जेना विस्तृत केश-विन्यास आ सोनाक गहना वा महीन वस्त्र पहिरब। बल्कि ई अहाँक भीतरक, क सौम्य आ शान्त आत्मा, जे भगवानक दृष्टि मे बहुत मूल्यवान अछि |"
2: नीतिवचन 31:30 - "मोह धोखा दैत अछि, आ सौन्दर्य क्षणभंगुर होइत अछि; मुदा जे स्त्री प्रभु सँ डेराइत अछि, ओकर स्तुति करबाक चाही।"
यशायाह 3:21 अंगूठी आ नाकक गहना।

आ परिवर्तनशील परिधानक सूट, आ मेंटल, आ विम्पल, आ कुरकुरे पिन।

अंश अत्यधिक अलंकरणक आडंबरक बात करैत अछि ।

1: हमरा लोकनि केँ अपन वेशभूषा आ श्रृंगार मे विनम्र आ विनम्र रहबाक चाही, नहि कि आडंबर मे बेसी लीन रहबाक चाही।

2: भौतिक धनक बाहरी प्रदर्शन पर नहि, अपन आंतरिक सौन्दर्य पर ध्यान देबाक चाही।

1: मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा नष्ट नहि करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करैत अछि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत

2: 1 पत्रुस 3:3-4 अहाँक सौन्दर्य बाहरी श्रृंगार सँ नहि होबाक चाही, जेना विस्तृत केश-विन्यास आ सोनाक गहना वा नीक कपड़ा पहिरब। बल्कि ई अहाँक भीतरक स्वभावक हेबाक चाही, सौम्य आ शान्त आत्माक अविनाशी सौन्दर्य, जे भगवानक दृष्टि मे बहुत मूल्यवान अछि |

यशायाह 3:22 बदलैत वस्त्र, आवरण, चीर आ कुरकुरे पिन।

एहि अंश मे प्राचीन संसार मे पहिरल जायवला विभिन्न प्रकारक वस्त्रक व्याख्या कयल गेल अछि |

1. हमर जीवन परमेश् वरक वैभवक प्रतिबिंब हेबाक चाही आ सांसारिक सम्पत्तिक नहि।

2. हमरा सभकेँ विनम्र आ जे किछु भेटल अछि ताहिसँ संतुष्ट रहबाक प्रयास करबाक चाही।

1. मत्ती 6:24-34 - दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि।

2. याकूब 4:13-17 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, "आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा क' एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब" - अहाँ सभ केँ ईहो नहि बुझल अछि जे काल्हि की होयत लाउ.

यशायाह 3:23 चश्मा, महीन लिनन, फूड आ पर्दा।

एहि अंश मे यशायाहक समय मे लोक द्वारा पहिरल गेल विभिन्न वस्त्रक चर्चा कयल गेल अछि, जेना चश्मा, महीन लिनन, हुड आ घूंघट।

1. वस्त्र हमर विश्वासक बाहरी अभिव्यक्ति भ' सकैत अछि, आ हमर आन्तरिक आध्यात्मिक स्थिति केँ दर्शा सकैत अछि।

2. हम यशायाहक समयक वस्त्र सँ सीख सकैत छी जे संसार मे अपन स्थान केँ नीक सँ बुझल जा सकैत अछि।

१ भक्ति) नीक काजक संग।"

2. याकूब 2:1-4 - "हमर भाइ लोकनि, हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास नहि करू, जे महिमा के प्रभु छथि, आ एकटा गरीब आदमी सेहो नीच वस्त्र पहिरने भीतर अबैत अछि, आ अहाँ सभ समलैंगिक वस्त्र पहिरनिहारक आदर करैत छी आ ओकरा कहैत छी जे, ‘अहाँ एतय नीक जगह पर बैसू, आ गरीब केँ कहैत छी, ‘अहाँ ठाढ़ रहू वा बैसू।’ एतय हमर पैरक ठेहुनक नीचाँ: की अहाँ सभ अपना मे पक्षपातपूर्ण नहि छी आ दुष्ट विचारक न्यायाधीश बनि गेल छी?”

यशायाह 3:24 एहन होयत जे मधुर गंधक बदला मे दुर्गन्ध होयत। आ करधनीक बदला किराया; आ नीक जकाँ सेट केशक गंजापनक बदला मे; आ पेट रखनिहारक बदला बोराक पट्टी। आ सौन्दर्यक बदला जरैत।

सुखद गंध आरू आकर्षक वस्त्र के बजाय यशायाह ३:२४ अप्रिय गंध आरू बोरा के कपड़ा के समय के भविष्यवाणी करै छै।

1. "परमेश् वरक वचनक शक्ति: यशायाह 3:24 पर एकटा चिंतन"।

2. "विनम्रता के मूल्य: यशायाह 3:24 के अध्ययन"।

1. नीतिवचन 16:19 - "नीच लोकक संग विनम्र भावनाक रहब नीक अछि, जखन कि लूट केँ घमंडी सभक संग बाँटि देब।"

2. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

यशायाह 3:25 तोहर आदमी तलवार सँ मारि जायत, आ तोहर पराक्रमी युद्ध मे।

ई अंश युद्ध में मनुष्य आ पराक्रमी के पतन के बारे में छै।

1. हमरा सभ मे सँ बलशाली लोक सेहो प्रभुक समक्ष कमजोर छी।

2. हमरा सभकेँ सतर्क रहबाक चाही आ रक्षाक लेल प्रभु पर भरोसा करबाक चाही।

1. याकूब 4:13-15 अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा कऽ एक साल ओतऽ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब - तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब।

2. नीतिवचन 21:31 घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार कयल जाइत अछि, मुदा विजय प्रभुक अछि।

यशायाह 3:26 ओकर फाटक विलाप आ शोक करत। ओ उजाड़ भऽ कऽ जमीन पर बैसि जायत।

यरूशलेम नगर उजाड़ भऽ जायत आ ओकर फाटक विलाप आ शोक मनाओत।

1. पापक परिणाम: नगरक विलाप

2. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: उजाड़ लोकक लेल आशा

1. यिर्मयाह 29:10-14 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापना करत

2. भजन 137:1-6 - यरूशलेम के विनाश के विलाप

यशायाह अध्याय 4 मे पिछला अध्याय मे वर्णित न्याय के बाद बहाली आ मोक्ष के दर्शन देल गेल अछि। ई भविष्य के समय के चित्रण करै छै जबे परमेश् वर के महिमा यरूशलेम में रहतै, जेकरा सें हुनको लोग सिनी कॅ शुद्धि आरो सुरक्षा आबी जैतै।

पहिल पैराग्राफ: यशायाह एकटा एहन दिनक वर्णन करैत छथि जखन सातटा महिला एकटा पुरुष सँ चिपकल रहतीह, अपन इज्जतक लेल विवाहक मांग करत। ओ सभ बेइज्जती केँ दूर करबाक बात स्वीकार करैत छथि आ हुनकर नाम सँ बजाओल जेबाक इच्छा रखैत छथि (यशायाह 4:1)।

2 पैराग्राफ: भविष्यवक्ता एकटा शुद्ध आ परिवर्तित यरूशलेम के कल्पना करैत छथि, जतय परमेश् वर के महिमा दिन मे हुनकर लोक पर एकटा छतरी के काज करत आ राति मे तूफान स आश्रय के काज करत (यशायाह 4:2-6)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय चार प्रस्तुत
बहाली आ मोक्षक दृष्टि
पहिने वर्णित निर्णय के पालन करैत।

भविष्य के परिदृश्य के वर्णन जहाँ एकाधिक महिला सम्मान के लेल विवाह के मांग करैत छथि |
परमेश् वर के महिमा के साथ शुद्ध यरूशलेम के कल्पना करना जे सुरक्षात्मक छतरी के रूप में काम करै छै।
दिन आ राति दुनू मे देल गेल आश्रय स्थल पर प्रकाश डालब।

ई अध्याय यरूशलेम में नवीकरण आरू ईश्वरीय उपस्थिति के भविष्य के स्थिति के आशा प्रदान करै छै। ई परमेश्वर केरऽ परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दै छै कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ ओकरऽ पापऽ स॑ शुद्ध करै छै आरू ओकरा अपनऽ सुरक्षात्मक देखभाल के तहत सुरक्षा प्रदान करै छै । प्रयुक्त बिम्ब चुनौतीपूर्ण समय के बीच आराम, स्थिरता, आरू दिव्य प्रावधान के संप्रेषण करै छै ।

यशायाह 4:1 ओहि दिन सात महिला एक आदमी केँ पकड़ि क’ कहत जे, “हम सभ अपन रोटी खा लेब आ अपन वस्त्र पहिरब।”

यशायाह 4:1 मे परमेश् वर प्रकट करैत छथि जे आगामी दिन मे सात महिला एक पुरुष सँ निहोरा करतीह जे हुनका सभ केँ ओकर नाम सँ जानल जाय जाहि सँ हुनकर लाज सँ बचल जा सकय।

1. नामक शक्ति: यीशुक नाम अहाँक जीवन केँ कोना बदलि सकैत अछि

2. निन्दा आ मोक्ष: यीशु हमरा सभक लाज पर कोना विजय प्राप्त करैत छथि

1. फिलिप्पियों 2:9-10 - "एहि लेल परमेश् वर हुनका सर्वोच्च स्थान पर ऊपर उठौलनि आ सभ नाम सँ ऊपर जे नाम देलनि, जाहि सँ यीशुक नाम पर सभ ठेहुन प्रणाम करय, स् वर्ग मे, पृथ् वी पर आ पृथ् वी मे।" " .

2. रोमियो 8:1 - "अतः आब मसीह यीशु मे जे लोक छथि हुनका सभक लेल कोनो दोषी नहि अछि।"

यशायाह 4:2 ओहि दिन परमेश् वरक डारि सुन्दर आ गौरवशाली होयत, आ इस्राएल सँ बचल लोक सभक लेल पृथ् वीक फल उत्तम आ सुन्दर होयत।

परमेश् वरक डारि महिमामंडित होयत आ इस्राएलक लोक सभक लेल उत्तम फल देत।

1: भगवान् हमरा सभक संग छथि, आ हमरा सभ केँ सफलता आ सौन्दर्य अनताह।

2: परमेश् वरक सामर्थ् य आ महिमा हमरा सभ केँ कठिनाईक समय मे जे चाही से उपलब्ध कराओत।

1: भजन 33:18-19 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर अडिग प्रेम मे आशा रखैत छथि, जाहि सँ ओ हुनका सभक प्राण केँ मृत्यु सँ बचाबथि आ हुनका सभ केँ अकाल मे जीवित राखथि।

2: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यशायाह 4:3 जे सिय्योन मे बचल रहत आ जे यरूशलेम मे रहत, ओकरा पवित्र कहल जायत, जे यरूशलेम मे जीवित लोकक बीच लिखल अछि।

सियोन आ यरूशलेम के शेष निवासी पवित्र कहल जायत।

1: यरूशलेम मे जीवित लोकक माध्यमे परमेश् वर हमरा सभ केँ पवित्र बनबाक अवसर देलनि अछि।

2: सियोन आ यरूशलेम मे रहि कऽ हम सभ परमेश् वरक आदर कऽ सकैत छी आ पवित्र भऽ सकैत छी।

1: रोमियो 8:29 जकरा ओ पहिने सँ जनैत छलाह, ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्व निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय।

2: इब्रानी 12:14 सभ लोकक संग शान्ति आ पवित्रताक पालन करू, जकरा बिना केओ प्रभु केँ नहि देखि सकैत अछि।

यशायाह 4:4 जखन प्रभु सिय्योनक बेटी सभक गंदगी केँ धो देताह आ यरूशलेमक खून केँ ओकर बीच सँ न्यायक आत् मा आ जरेबाक आत् मा द्वारा शुद्ध कऽ लेताह।

परमेश् वर अपन न् याय आ जरि कऽ सिय्योन आ यरूशलेमक लोक सभ केँ ओकर अपराध आ पाप सँ शुद्ध करताह।

1. परमेश् वरक प्रेम आ क्षमा: लोक केँ बदलबाक शक्ति

2. भगवान् के शुद्धिकरण अग्नि: पवित्रता के आमंत्रण

1. इजकिएल 36:25-27 - हम अहाँ पर शुद्ध पानि छिड़कि देब, आ अहाँ अपन सभ अशुद्धि सँ शुद्ध होयब, आ अहाँक सभ मूर्ति सँ हम अहाँ केँ शुद्ध करब।

2. भजन 51:7-8 - हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, तखन हम शुद्ध भ’ जायब। हमरा धोउ, हम बर्फसँ उज्जर भ’ जायब।

यशायाह 4:5 परमेश् वर सियोन पर्वत आ ओकर सभा सभ पर दिन मे मेघ आ धुँआ आ राति मे ज्वालामुखी आगि केर चमक बनौताह, कारण, समस्त महिमा पर रक्षा होयत।

परमेश् वर सियोन पहाड़क लोक आ ओकर सभा सभक रक्षा दिन मे मेघ आ धुँआ आ राति मे ज्वालामुखी आगि सँ करताह।

1. प्रभु हमर रक्षक आ रक्षक छथि

2. रक्षाक लेल भगवान् पर भरोसा करब

1. भजन 91:3-7

2. भजन 34:7-8

यशायाह 4:6 दिन मे गर्मी सँ छायाक लेल, शरणक स्थान आ तूफान आ बरखा सँ गुप्त रहबाक लेल एकटा तम्बू रहत।

यशायाह 4:6 एकटा एहन तम्बू के बात करैत अछि जे गर्मी स’ आश्रय देत, शरण के स्थान आ तूफान आ बरखा स’ सुरक्षा प्रदान करत।

1. भगवान हमरा सभक आवश्यकताक समय मे आश्रय दैत छथि।

2. परमेश् वरक तम्बू ओहि सभ चीज सँ शरणक स्थान अछि जे हमरा सभ पर भारी पड़ि सकैत अछि।

1. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत।

2. इब्रानी 6:18 - जाहि सँ दू टा अपरिवर्तनीय बात द्वारा, जाहि मे परमेश् वरक लेल झूठ बाजब असंभव अछि, हमरा सभ जे शरण मे भागि गेल छी, हमरा सभ केँ मजबूत प्रोत्साहन भेटय जे हमरा सभक सोझाँ राखल आशा केँ मजबूती सँ पकड़ि सकब।

यशायाह अध्याय ५ मे एकटा काव्य गीत अछि जे "अंगूरक बगीचा के गीत" के नाम सँ जानल जाइत अछि | ई इस्राएल के बेवफाई के साथ परमेश् वर के निराशा के चित्रण करै छै आरू ओकरा सिनी पर ओकरो दुष्टता के कारण न्याय के घोषणा करै छै।

पहिल पैराग्राफ: भविष्यवक्ता अपन लोकक प्रति परमेश् वरक देखभालक वर्णन करैत छथि, इस्राएलक तुलना एकटा अंगूरक बगीचा सँ करैत छथि जकर देखभाल ओ सावधानीपूर्वक करैत छलाह। मुदा, अंगूरक बगीचा मे नीक अंगूर पैदा करबाक बदला जंगली अंगूर निकलैत छल (यशायाह 5:1-2)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएल के खिलाफ अपनऽ मामला क॑ एक श्रृंखला के माध्यम स॑ पेश करै छै, जेकरा म॑ ई पूछलऽ जाय छै कि हुनी ओकरा सिनी लेली आरू की करी सकै छेलै । हुनकऽ

प्रयास के बावजूद भी हुनी हुनका स॑ मुँह मोड़लकै आरू अन्याय आरू हिंसा म॑ शामिल होय गेलै (यशायाह ५:३-७)।

3 पैराग्राफ: यशायाह समाज में प्रचलित विशिष्ट पाप पर छह "दुःख" के उच्चारण करैत छथि, जाहि में लोभ, भोगवाद, आत्म-अनुग्रह, न्याय के विकृति, अहंकार, आ नशा (यशायाह 5:8-23) शामिल अछि।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के क्रोध आ न्याय के चित्रण के संग होइत अछि | ओ विदेशी जाति सभक आज्ञा नहि मानबाक परिणामस्वरूप इस्राएल पर विनाश अनबाक लेल ठाढ़ करत (यशायाह 5:24-30)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पाँच अध्याय प्रस्तुत
"अंगूर के बगीचा के गीत"।
भगवान् के निराशा के चित्रण
आ इस्राएल पर न्याय करब।

जंगली अंगूर पैदा करै वाला अंगूर के बगीचा के तुलना में इस्राएल के प्रति परमेश् वर के देखभाल के वर्णन करना।
इजरायल द्वारा प्रदर्शित बेवफाई पर प्रकाश डालने वाला अलंकारिक प्रश्न प्रस्तुत |
प्रचलित सामाजिक पाप पर छह "दुःख" के उच्चारण |
भगवान् केरऽ क्रोध आरू न्याय के चित्रण जेकरऽ परिणामस्वरूप विदेशी राष्ट्रऽ द्वारा लानलऽ गेलऽ विनाश होय छै ।

ई अध्याय परमेश् वर सँ मुँह मोड़ला आरू दुष्टता में संलग्न होय के परिणाम के बारे में चेतावनी के काम करै छै। ई परमेश् वर के अपनऽ लोगऽ के बीच धार्मिकता के इच्छा के प्रकट करै छै आरू हुनकऽ धार्मिक न्याय के चित्रण करै छै जब॑ वू हुनकऽ मानक के पालन करै म॑ विफल रहै छै । ई काव्य गीत के माध्यम स॑ यशायाह आसन्न विनाश स॑ बचै लेली पश्चाताप आरू पुनर्स्थापन के जरूरत प॑ जोर दै छै ।

यशायाह 5:1 आब हम अपन प्रियतम केँ अपन प्रियतमक अंगूरक बगीचा केँ स्पर्श करबाक गीत गाबय। हमर प्रियतमक एकटा अंगूरक बगीचा बहुत फलदार पहाड़ी पर अछि।

भगवान के प्रिय लोक के लेल प्रेम आ आशा के गीत।

1. प्रेम आ आशाक हृदयक खेती करब

2. भगवान् के आनन्द आ स्तुति के गीत

1. रोमियो 8:18-39 - मसीहक कष्ट मे हमर सभक आशा

2. भजन 119:105 - परमेश् वरक वचन हमरा सभक बाट लेल इजोत अछि

यशायाह 5:2 ओ ओकरा बाड़ि लगौलनि, ओकर पाथर सभ जमा क’ क’ ओकरा नीक-नीक बेल केर गाछ रोपि देलथिन, आ ओकर बीच मे एकटा बुर्ज बनौलनि आ ओहि मे एकटा दारू-प्रेस सेहो बनौलनि, आ ओहि मे जंगली अंगूर निकलल।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना प्रभु एकटा अंगूरक बगीचा लगा देलनि जाहि मे सबसँ नीक बेल छल आ ओकर बीच मे एकटा टावर बनौलनि, मुदा ओहि सँ मात्र जंगली अंगूर निकलैत छल |

1. परमेश् वरक योजना आ हमर प्रतिक्रिया - जे परिणाम देखैत छी तकर बादो परमेश् वर पर भरोसा करबाक विचारक खोज करब।

2. अंगूर के बगीचा के खेती - अंगूर के बगीचा के देखभाल के महत्व पर ध्यान केंद्रित करब आ भगवान चाहैत छथि जे हम सब एकर निष्ठापूर्वक प्रबंधन कोना करी।

1. भजन 80:8, 9 - "अहाँ मिस्र सँ एकटा बेल के गाछ अनलहुँ। अहाँ जाति-जाति सभ केँ बाहर निकालि कऽ रोपलहुँ। ओकरा आगू मे जगह तैयार केलहुँ आ ओकरा गहींर जड़ि जमा लेलहुँ आ ओ देश भरि देलक।" ."

2. लूका 6:43-45 - "किएक तँ नीक गाछ नष्ट फल नहि दैत अछि; ने खराब गाछ नीक फल दैत अछि। किएक तँ प्रत्येक गाछ अपन फल सँ चिन्हल जाइत अछि। किएक तँ काँट सँ लोक अंजीर नहि जुटाबैत अछि आ ने।" एकटा काँट के झाड़ी के ओ अंगूर जुटाबैत छथि।"

यशायाह 5:3 आब, हे यरूशलेमक निवासी आ यहूदाक लोक सभ, हमरा आ हमर अंगूरक बगीचा मे न्याय करू।

परमेश् वर यरूशलेम आ यहूदाक लोक सभ केँ कहैत छथि जे ओ हुनका आ हुनकर अंगूरक बगीचा मे न्याय करथि।

1. प्रभुक न्यायक आह्वान: परमेश् वरक अंगूरक बगीचा मे अपन स्थान ताकब।

2. विश्वासी भंडारी: परमेश् वरक न्यायक आह्वान केँ पूरा करब।

1. आमोस 5:24 - मुदा न्याय पानि जकाँ आ धार्मिकता सदिखन बहैत धार जकाँ गुड़कि जाय।

2. याकूब 2:12-13 - एहि तरहेँ बाजू आ एना काज करू जेना ओहि लोकक रूप मे जे स्वतंत्रताक नियमक तहत न्याय कयल जेबाक अछि। कारण, जे कोनो दया नहि केने अछि, ओकरा पर न् याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

यशायाह 5:4 हमर अंगूरक बगीचा मे एहि सँ बेसी की भ’ सकैत छल, जे हम ओहि मे नहि केलहुँ? एहि लेल जखन हम देखलहुँ जे ई अंगूर पैदा करत, तखन ओकरा जंगली अंगूर निकलल?

भगवान् अपन अंगूरक बगीचा लेल जतेक संभव भ' सकैत छलाह, मुदा ओहि मे वांछित अंगूरक बदला जंगली अंगूर मात्र निकलैत छल।

1: भगवानक निष्ठा व्यर्थ नहि होइत अछि, ओहो तखन जखन हमर सभक प्रयास हुनकर अपेक्षाक अनुसार नहि हो।

2: भगवानक कृपा पर्याप्त अछि, तखनो जखन हमर सभक आज्ञाकारिता कम भ' जाइत अछि।

1: विलाप 3:22-23 - "हुनकर दया अनन्त अछि, आ हुनकर विश्वास सभ पीढ़ी धरि अछि।"

2: रोमियो 5:20 - "तहूँ धर्म-नियम सेहो प्रवेश कयलक जाहि सँ अपराधक भरमार भ' जाय। मुदा जतय पापक प्रचुरता छल, ओतय अनुग्रह बहुत बेसी छल।"

यशायाह 5:5 आब जाउ; हम अहाँ सभ केँ कहब जे हम अपन अंगूरक बगीचा केँ की करब। ओकर देबाल तोड़ि दियौक आ ओकरा दबा देल जायत।

परमेश् वर अपन अंगूरक बगीचाक चारूकातक रक्षात्मक हेज आ देबाल केँ नष्ट कऽ अपन लोक सभ केँ सजा देबाक योजना बनौने छथि।

1. परमेश् वरक दंड न्यायसंगत अछि - यशायाह 5:5

2. परमेश् वरक प्रेम आ अनुशासन - यशायाह 5:5

1. नीतिवचन 15:10 - "जे बाट छोड़ि दैत अछि तकरा कष्ट दंड अछि; जे डाँट सँ घृणा करैत अछि, ओ मरि जायत।"

2. इब्रानी 12:5-11 - "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ पुत्र सभक रूप मे कहैत अछि: हमर बेटा, प्रभुक दंड केँ तुच्छ नहि मानू, आ जखन अहाँ केँ हुनका द्वारा डाँटल जायत तखन हतोत्साहित नहि करू; जिनका लेल प्रभु।" प्रेम करै छै ओ ताड़ै छै, आ जे बेटा ग्रहण करै छै ओकरा कोड़ा मारै छै।

यशायाह 5:6 हम एकरा उजाड़ि देब, एकरा छंटनी नहि कयल जायत आ ने खोदल जायत। मुदा काँट आ काँट उठत, हम मेघ सभ केँ सेहो आज्ञा देब जे ओकरा पर बरखा नहि हो।

जे अपन संसाधन के बुद्धिमानी स उपयोग नै करत ओकरा भगवान बर्बाद क देत आ ओकरा बरखा स वंचित करत।

1. अविवेकी संसाधन प्रबंधन के परिणाम

2. भगवान् के आज्ञापालन के आशीर्वाद

1. नीतिवचन 21:20 - ज्ञानी लोकनिक निवास मे धन आ तेल अछि;

2. मत्ती 5:45 - जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे अपन पिताक पुत्र बनि जायब। कारण ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक लोक पर उगबैत छथि आ धर्मी आ अधर्मी पर वर्षा करैत छथि |

यशायाह 5:7 किएक तँ सेना सभक परमेश् वरक अंगूरक बगीचा इस्राएलक घर अछि आ यहूदाक लोक सभ हुनकर सुखद पौधा अछि। धार्मिकताक लेल, मुदा एकटा चीत्कार देखू।

सेना केरऽ परमेश् वर न्याय आरू धार्मिकता के खोज करै छै, लेकिन ओकरा अत्याचार आरू एक चिल्लाहट मिलै छै।

1. परमेश् वर हमरा सभसँ ई अपेक्षा करैत छथि जे हम सभ धर्मी रही आ न्यायक खोज करी, मुदा प्रायः हम सभ असफल भऽ जाइत छी आ ओकर बदलामे दुख उत्पन्न करैत छी।

2. हमरा सभ केँ न्याय आ धार्मिकताक संसार बनेबाक प्रयास करबाक चाही, जेना परमेश् वरक इरादा छलनि।

1. याकूब 1:22-25 - अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।

2. गलाती 6:7-8 - किएक तँ मनुष् य जे किछु बोओत, से काटि सेहो काटि लेत।

यशायाह 5:8 धिक्कार अछि जे घर-घर मे जुटैत अछि, जे खेत-पथार मे खेत-पथार मे काज करैत अछि, जाबत धरि कोनो जगह नहि रहत, जाहि सँ ओ सभ पृथ् वीक बीच मे असगर राखल जा सकय!

एहि अंश मे लोभ आ बेसी धन आ संसाधन प्राप्त करबाक खतरा के चेतावनी देल गेल अछि |

1. "लोभक खतरा: यशायाह 5:8 के चेतावनी"।

2. "संतोषक आशीर्वाद: पृथ्वीक बीच आनन्द भेटब"।

1. लूका 12:15-21 - धनिक मूर्खक यीशुक दृष्टान्त

2. उपदेशक 5:10-12 - जे किछु अछि ओकर आनंद लेब आ लोभ सँ बचबाक चेतावनी

यशायाह 5:9 हमर कान मे सेना सभक परमेश् वर कहलथिन, “सत्ते बहुतो घर उजाड़ भ’ जायत, पैघ आ सुन्दर, बिना कोनो निवासीक।”

परमेश् वरक न् याय कतेको पैघ आ सुन्दर घर केँ विनाश मे आनि देत।

1: घमंड आ आत्मसंतोष सँ सावधान रहू, कारण जे पश्चाताप नहि करत, ओकर न्याय परमेश् वर करताह।

2: जीवन मे आत्मसंतुष्ट नहि बनू, कारण जे भगवान हुनका बिसरि जाइत छथि हुनका पर न्याय करैत छथि।

1: नीतिवचन 16:18, "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2: इब्रानी 10:31, "जीबैत परमेश्वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।"

यशायाह 5:10 हँ, दस एकड़ अंगूरक बगीचा मे एक स्नान होयत, आ होमरक बीया एक एफा पैदा करत।

यशायाह 5:10 मे चर्चा कयल गेल अछि जे कोना दस एकड़ अंगूरक बगीचा मे मात्र एक स्नान भेटत, आ कोना होमरक बीज सँ एक एफा उपज होयत।

1. विश्वासक शक्ति - कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा कोना कयल जाय

2. आशीर्वादक प्रचुरता - भगवान् द्वारा देल गेल सब किछुक लेल कोना कृतज्ञ रहब

1. रोमियो 4:20-21 - ओ अविश्वासक कारणेँ परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर डगमगाइत नहि छलाह; मुदा परमेश् वरक महिमा करैत विश् वास मे मजगूत रहलाह। आ ई पूर्ण विश्वास भऽ गेल जे, जे प्रतिज्ञा केने छलाह, से ओ पूरा करबा मे सेहो सक्षम छलाह।

2. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

यशायाह 5:11 धिक्कार अछि जे सभ भोरे-भोर उठि कऽ नशाक पाछाँ लागय। जे राति धरि चलैत अछि, जाबत धरि शराब ओकरा सभ केँ भड़का नहि देत!

लोक के शराब के सेवन मे दिन बिताबय सं चेतावनी देल गेल अछि.

1. शराब पीबय के खतरा: स्वस्थ जीवन के लेल शराब स परहेज करब

2. सब चीज मे संयम: जीवन मे संतुलन खोजब

1. नीतिवचन 20:1 शराब उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।

2. गलाती 5:21 ईर्ष्या, हत्या, नशा, मस्ती आ एहन तरहक बात, हम अहाँ सभ केँ पहिने कहैत छी, जेना हम अहाँ सभ केँ पहिने सेहो कहने रही जे एहन काज करयवला सभ परमेश् वरक राज्यक उत्तराधिकारी नहि होयत।

यशायाह 5:12 अपन भोज मे वीणा, वायोल, ताबट, पाइप आ मदिरा होइत अछि, मुदा ओ सभ परमेश् वरक काज पर कोनो ध्यान नहि दैत छथि आ ने हुनकर हाथक काज पर विचार करैत छथि।

यशायाह के समय के लोग प्रभु के काम या हुनको हाथ के संचालन पर नै विचार करै छेलै, बल्कि शराब आरू मस्ती के पक्षधर छेलै।

1. प्रभु के कार्य पर विचार करने का महत्व

2. सुख आ अवकाश पर निर्भर रहबाक खतरा

1. उपदेशक 9:7-10

2. याकूब 4:13-17

यशायाह 5:13 तेँ हमर लोक बंदी मे चलि गेल अछि, कारण ओकरा सभ केँ कोनो ज्ञान नहि छैक, आ ओकर आदरणीय लोक भूखल अछि आ ओकर भीड़ प्यास सँ सुखि गेल अछि।

भगवान् के लोक के ज्ञान के कमी के कारण बंदी बना लेल गेल अछि | हुनका लोकनिक नेता भुखमरी मे छथि आ जनमानस प्यास सँ सुखायल अछि ।

1. बंदी मे भगवानक लोक - ज्ञान किएक महत्वपूर्ण अछि

2. अज्ञानताक परिणाम - जखन ज्ञानक अभाव मे विपत्ति होइत छैक |

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. होशे 4:6 - हमर लोक ज्ञानक अभाव मे नष्ट भ’ गेल अछि, कारण अहाँ ज्ञान केँ अस्वीकार क’ देलहुँ, हमहूँ अहाँ केँ अस्वीकार करब, जाहि सँ अहाँ हमरा लेल पुरोहित नहि बनब अपन बच्चा सभकेँ बिसरि जाउ।

यशायाह 5:14 तेँ नरक अपना केँ बढ़ि गेल अछि आ ओकर मुँह बिना नापने खोलि लेलक, आ ओकर महिमा, ओकर भीड़, ओकर धूमधाम आ जे आनन्दित अछि, ओ ओहि मे उतरत।

नरक एकटा एहन पैघ दुखक स्थान अछि जकर नापल नहि जा सकैत अछि, आ जे भगवानक पाछाँ नहि चलत ओकरा ओतय पठाओल जायत।

1. "नरकक यथार्थ: भगवानक चेतावनी केँ गंभीरता सँ लेब"।

2. "आस्था के जीवन जीना: नरक के जाल स बचना"।

1. लूका 12:5, "मुदा हम अहाँ सभ केँ देखा देब जे अहाँ केँ केकरा सँ डरबाक चाही: ओहि सँ डरू जे शरीर केँ मारलाक बाद अहाँ केँ नरक मे फेकबाक सामर्थ्य रखैत अछि। हँ, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, ओकरा सँ डरू।"

2. याकूब 4:17, "तेँ, जे सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

यशायाह 5:15 नीच आदमी केँ नीचाँ खसा देल जायत, आ पराक्रमी नम्र भ’ जायत, आ ऊँच लोकक आँखि नम्र भ’ जायत।

परमेश् वर घमंडी आ शक्तिशाली लोक सभ केँ विनम्र करैत छथि, हमरा सभ केँ अपन नश्वरता आ हुनका पर हमर सभक निर्भरताक स्मरण कराबैत छथि।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. परमेश् वरक विनम्रताक आह्वान - याकूब 4:10

1. अय्यूब 22:29 - जखन मनुष्य केँ नीचाँ फेकल जायत तखन अहाँ कहब जे, उठब अछि। आ विनम्र व्यक्ति केँ उद्धार करत।

2. भजन 149:4 - कारण प्रभु अपन लोक मे प्रसन्न होइत छथि, ओ नम्र लोक केँ उद्धार सँ सुन्दर करताह।

यशायाह 5:16 मुदा सेना सभक परमेश् वर न् याय मे उदात्त होयत आ पवित्र परमेश् वर धार्मिकता मे पवित्र कयल जायत।

सेना के प्रभु के न् याय में महिमा होय जैतै, आरु परमेश् वर धार्मिकता में पवित्र होय जैतै।

1. भगवान् के अविफल चरित्र

2. भगवान् के पवित्रता

1. भजन 145:17 - "प्रभु अपन सभ मार्ग मे धर्मी छथि, आ अपन सभ काज मे पवित्र छथि।"

2. यशायाह 6:3 - "एकटा दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि। समस्त पृथ्वी हुनकर महिमा सँ भरल अछि।"

यशायाह 5:17 तखन मेमना सभ अपन-अपन ढंग सँ चरत, आ मोटका सभक उजाड़ मे परदेशी लोक सभ खा जायत।

भगवान घमंडी होय के परिणाम के खिलाफ चेतावनी दै छै आरू ओकरऽ चेतावनी के अवहेलना करै छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक चाही आ हुनकर चेतावनी सुनबाक चाही जाहि सँ हम सभ हुनकर आशीर्वादक पूर्णताक अनुभव क' सकब।

2: हम सभ मोट लोक जकाँ नहि बनू जे भगवानक चेतावनी केँ अवहेलना केलक आ परिणाम भोगलक, बल्कि एकर बदला मे परमेश् वरक पूर्ण बुद्धि पर भरोसा करबाक लेल तैयार रही।

1: याकूब 4:6-7 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहै छै, भगवान घमंडी के विरोध करै छै, लेकिन विनम्र के कृपा करै छै। तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

यशायाह 5:18 धिक्कार अछि ओ सभ जे व्यर्थक डोरी सँ अधर्म केँ खींचैत अछि आ पाप जेना गाड़ीक रस्सी सँ खींचैत अछि।

लोक के बुराई आ पाप के परिणाम के लेल चेताओल जाइत अछि।

1. आडंबरक डोरीसँ अधर्म खींचबाक खतरा

2. पाप करबाक परिणाम

1. याकूब 1:15 - "तखन इच्छा गर्भवती भेलाक बाद पाप केँ जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।"

2. इजकिएल 18:4 - "देखू, सभ प्राण हमर अछि; पिताक प्राण आ बेटाक प्राण सेहो हमर अछि, जे पाप करैत अछि, ओ मरि जायत।"

यशायाह 5:19 ई कहब जे, “ओ अपन काज केँ तेज करय आ अपन काज केँ जल्दी करय, जाहि सँ हम सभ ओकरा देखि सकब।”

लोक भगवान स कहि रहल छथि जे जल्दी स काज करथि आ हुनकर योजना कए प्रकट करथि ताकि ओ एकरा बुझि सकथि।

1. भगवानक समय एकदम सही अछि - हुनकर योजना पर भरोसा करब सीखब

2. विश्वासक शक्ति - भगवानक इच्छाक रहस्य केँ आत्मसात करब

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यशायाह 5:20 धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

यशायाह बुराई क॑ अच्छा आरू अच्छा क॑ बुरा नै कहै के साथ-साथ अन्हार क॑ प्रकाश आरू कटुता क॑ मिठास के बदला म॑ बदलै स॑ चेतावनी दै छै ।

1. नैतिक सापेक्षतावाद के विरुद्ध एक चेतावनी

2. [illegible]

1. [illegible] 14:12 - [illegible]

2. [illegible] 12:2 - [illegible]

[illegible] 5:21 [illegible]!

[illegible] |

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 4:6 - "[illegible]"

2. [illegible] 16:18 - [illegible]

[illegible] 5:22 [illegible]

[illegible]

1. "[illegible]"

2. "[illegible]"

1. [illegible] 20:1 - "[illegible]"

2. [illegible] 5:19-21 - "[illegible]" , [illegible]

[illegible] 5:23 [illegible]!

[illegible] |

1. [illegible] - [illegible] 5:23

2. [illegible] - [illegible] 5:23

1. [illegible] 11:3 - [illegible]

2. [illegible] 37:3 - [illegible]

[illegible] 5:24 [illegible]

परमेश् वरक न्याय ओहि सभ पर कठोर होयत जे हुनकर नियम आ वचन केँ अस्वीकार करैत छथि।

1. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक परिणाम 2. ठूंठ आ भूसाक विनाश

1. नीतिवचन 15:29 - "प्रभु दुष्ट सँ दूर छथि, मुदा धर्मी सभक प्रार्थना सुनैत छथि।" 2. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि क' रहल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

यशायाह 5:25 तेँ परमेश् वरक क्रोध अपन लोक सभक विरुद्ध भड़कि गेल अछि, आ ओ ओकरा सभक विरुद्ध हाथ बढ़ौलनि आ ओकरा सभ केँ मारि देलनि। एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।

परमेश् वरक क्रोध अपन लोक सभ पर भड़कि गेल अछि आ ओ ओकरा सभ केँ मारि देने छथि, जाहि सँ पहाड़ी सभ काँपि उठल अछि। ओकर तामस एखनो नहि घुमल छैक आ ओकर हाथ एखनो पसारि गेल छैक ।

1. भगवानक इच्छाक पालन करबाक महत्व

2. भगवानक दया आ क्रोध

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. होशे 11:8 - एप्रैम, हम अहाँ केँ कोना छोड़ि देब? हे इस्राएल, हम तोरा कोना उद्धार करब? हम अहाँ केँ अदमाह कोना बनाबी? हम तोरा जबोइम के रूप मे कोना राखब? हमर हृदय हमरा भीतर घुमि गेल अछि, हमर पश्चाताप एक संग प्रज्वलित अछि।

यशायाह 5:26 ओ दूर सँ जाति सभक लेल एकटा झंडा उठाओत आ पृथ् वीक छोर सँ ओकरा सभ केँ सिसकी मारत।

यशायाह के ई अंश परमेश् वर जाति सिनी के सामने एगो झंडा उठाबै के बात करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ हुनका पास आबै लेली बोलै छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश्वरक आह्वानक उत्तर देबाक लेल बजाओल गेल अछि आ हुनकर पालन करबाक लेल जतय ओ ल’ जाथि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आह्वानक उत्तर देबाक लेल तैयार रहबाक चाही आ जतय ओ हमरा सभ केँ मार्गदर्शन करैत छथि, ओतय जेबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1: रोमियो 10:15 - आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत ता धरि कियो कोना प्रचार क’ सकैत अछि? जेना लिखल अछि: "सुसमाचार अननिहारक पैर कतेक सुन्दर अछि!"

2: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यशायाह 5:27 ओकरा सभक बीच मे कियो थाकि जायत आ ने ठोकर खायत। केओ नींद नहि करत आ ने सुतत। ने हुनका लोकनिक कमरक पट्टी ढीला होयत आ ने जूताक पट्टी टूटि जायत।

भगवान् अपन लोक केँ कोनो तरहक शारीरिक क्षति सँ बचाओत, आ ओकरा सभ केँ ताकत आ सुरक्षा प्रदान करताह।

1. परमेश् वरक ताकत आ सुरक्षा - यशायाह 5:27

2. परमेश् वरक रक्षा - यशायाह 5:27

1. फिलिप्पियों 4:13 - जे हमरा मजबूत करैत अछि, ओकर द्वारा हम सभ किछु क’ सकैत छी।"

2. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पिण्डी सँ झाँपि देत, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा ढाल आ बकसुआ अछि।

यशायाह 5:28 जकर तीर तेज अछि आ ओकर सभ धनुष झुकल अछि, ओकर घोड़ाक खुर चकमक पत्थर जकाँ आ पहिया बवंडर जकाँ गिनल जायत।

ई अंश परमेश् वर के शत्रु सिनी पर कड़ा न्याय के बारे में छै।

1. परमेश् वरक धार्मिकता आ न्याय: हुनकर धार्मिक न्याय पर भरोसा करब

2. भगवान् के हमर लड़ाई लड़य देब: हुनकर ताकत आ शक्ति पर भरोसा करब

1. भजन 9:7-9 - मुदा प्रभु सदा-सदा लेल सिंहासन पर बैसल रहैत छथि; ओ न्यायक लेल अपन सिंहासन ठाढ़ कएने छथि आ संसारक न्याय धार्मिकताक संग करैत छथि। ओ लोक सभक न्याय सोझतापूर्वक करैत छथि। परमेश् वर दबल-कुचलल लोकक लेल गढ़ छथि, विपत्तिक समय मे गढ़ छथि। जे सभ अहाँक नाम जनैत अछि, अहाँ पर भरोसा करैत अछि, किएक तँ हे परमेश् वर, अहाँ केँ तकनिहार केँ नहि छोड़लहुँ।

2. यशायाह 59:15-16 - सत्यक अभाव अछि, आ जे बुराई सँ हटि जाइत अछि, ओ अपना केँ शिकार बना लैत अछि। परमेश् वर ई देखि कऽ ओकरा अप्रसन्न भेल जे कोनो न्याय नहि भेल। ओ देखलक जे कोनो आदमी नहि अछि, आ आश्चर्यचकित भेल जे बिनती करय बला कियो नहि अछि। तखन ओकर अपन बाँहि ओकरा उद्धार आनि देलकैक आ ओकर धार्मिकता ओकरा समर्थन देलकैक।

यशायाह 5:29 ओकर गर्जना सिंह जकाँ होयत, ओ सभ सिंहक बच्चा जकाँ गर्जत, हँ, ओ सभ गर्जत, आ शिकार केँ पकड़ि लेत आ ओकरा सुरक्षित लऽ जायत, आ कियो ओकरा नहि बचाओत।

भगवान् केरऽ लोगऽ के तुलना सिंह स॑ करलऽ जाय छै, जेकरा म॑ ओकरऽ जे छै ओकरा लेबै के ताकत आरू शक्ति छै आरू ओकरा कोय नै रोकी सकै छै ।

1. "प्रभुक लोकक बल"।

2. "भगवान हमर रक्षक छथि"।

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. रोमियो 8:37 - "नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम केलक।"

यशायाह 5:30 ओहि दिन ओ सभ समुद्रक गर्जना जकाँ ओकरा सभक विरुद्ध गर्जना करत, आ जँ कियो देश दिस तकत तँ देखैत अछि जे अन्हार आ शोक अछि आ ओकर आकाश मे इजोत अन्हार भ’ गेल अछि।

न्यायक दिन लोक दुख सँ भरल रहत आ आकाश अन्हार भ' जायत।

1. स्वर्गक अन्हार: कठिन समय मे आशा भेटब

2. न्यायक आतंक: संसार मे परमेश्वरक न्याय देखब

1. प्रकाशितवाक्य 6:12-17 - आकाश अन्हार भ’ गेल आ पैघ न्यायक आगमन।

2. भजन 107:23-30 - विपत्ति के समय मे परमेश्वर के मुक्ति के लेल धन्यवाद देब।

यशायाह अध्याय 6 मे भविष्यवक्ता के परमेश्वर के साथ एकटा दर्शन में भय पैदा करय वाला मुठभेड़ के बारे में बतायल गेल अछि। ई परमेश् वर के पवित्रता, यशायाह के अयोग्यता आरू एक विद्रोही लोगऽ के बीच परमेश् वर के संदेश पहुँचै के हुनको आज्ञा पर जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: यशायाह प्रभु के एकटा ऊँच आ ऊँच सिंहासन पर बैसल देखबाक वर्णन करैत छथि, जकर चारू कात सराफिम नामक स्वर्गीय प्राणी अछि। ओ सभ परमेश् वरक पवित्रताक स्तुति करैत छथि, आ हुनकर आवाज अपन आराधना सँ मंदिर केँ हिला दैत छथि (यशायाह 6:1-4)।

2 पैराग्राफ: परमेश्वर के महिमा के दर्शन स अभिभूत यशायाह अपन पाप के प्रति तीव्रता स अवगत भ जायत छैथ आ अपना के परमेश्वर के सान्निध्य में रहय के अयोग्य घोषित करैत छैथ (यशायाह 6:5)।

3 पैराग्राफ: एकटा सेराफिम यशायाह के ठोर के वेदी सॅं जरैत कोयला सॅं छूबैत छथि, जे प्रतीकात्मक रूप सॅं हुनका अपन पाप सॅं शुद्ध करैत छथि । तखन सेराफीम परमेश् वरक आह्वान केँ संप्रेषित करैत अछि जे कियो हुनकर तरफ सँ जाय (यशायाह 6:6-8)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह सेवाक लेल अपना केँ अर्पित क' जवाब दैत छथि, ई जानि क' जे हुनकर संदेश केँ बहुतो लोक अस्वीकार क' देताह। हुनका निर्भीकतापूर्वक बजबाक आज्ञा देल गेल छनि मुदा पहिने सँ चेतावनी देल गेल छनि जे इस्राएल केँ अपन कठोर हृदयक कारण न्याय आ निर्वासनक सामना करय पड़तनि (यशायाह 6:9-13)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छठम अध्याय मे पुनर्कथन कयल गेल अछि
भविष्यवक्ता के विस्मयकारी दर्शन
भगवान् के पवित्र उपस्थिति के सामना करने के।

सेराफीम द्वारा स्तुति करते हुए ऊंच सिंहासन पर बैठे प्रभु का वर्णन |
यशायाह के व्यक्तिगत पाप के एहसास पर प्रकाश डालना।
कोयला जरला के माध्यम स प्राप्त प्रतीकात्मक शुद्धि।
संप्रेषण कमीशन देल गेल संगहि भविष्यवाणी अस्वीकृति के सामना करय पड़ल.
इजरायल के भीतर कठोर दिल के कारण आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी |

ई अध्याय में भगवान के पारलौकिकता आरू पवित्रता के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै जबकि हुनकऽ उपस्थिति में मानवीय अयोग्यता के रेखांकित करलऽ गेलऽ छै । ई व्यक्तिगत पश्चाताप आरू ईश्वरीय आह्वान दूनू पर जोर दै छै, कैन्हेंकि यशायाह ई जानला के बावजूद कि बहुत लोग हुनको बात के अस्वीकार करी देतै, विनम्रता स॑ खुद क॑ दूत के रूप म॑ पेश करै छै । अध्याय हमरऽ अपनऽ पापपूर्णता क॑ पहचानै के महत्व के याद दिलाबै के काम करै छै, परमेश्वर के आह्वान के आज्ञाकारी प्रतिक्रिया दै के, आरू चुनौतीपूर्ण परिस्थिति म॑ भी हुनकऽ सच्चाई के घोषणा करै के।

यशायाह 6:1 जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि ताहि वर्ष मे हम परमेश् वर केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल, आ हुनकर रेल मंदिर मे भरि गेलनि।

राजा उजियाह के मृत्यु के साल में यशायाह के एक दर्शन देलऽ गेलै कि प्रभु अपनऽ सिंहासन पर बैठलऽ छै, जेकरा में ओकरऽ ट्रेन मंदिर में भरलऽ छेलै।

1: भगवान् सब पर सार्वभौमिक छथि, दुखक समय मे सेहो।

2: प्रभु के महानता आ शक्ति के लेल स्तुति करबाक चाही।

1: यूहन्ना 14:6 - यीशु कहलनि, "हम बाट, सत्य आ जीवन छी। हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।"

2: भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।

यशायाह 6:2 एकर ऊपर सेराफिम सभ ठाढ़ छल, प्रत्येकक छह टा पाँखि छल। दू टा सँ मुँह झाँपि लेलक, आ दू टा सँ पएर झाँपि लेलक, आ दू टा सँ उड़ि गेल।

यशायाह 6:2 मे सेराफीम के छह पाँखि छै, जाहि मे सँ दू टा पाँखि ओकर चेहरा आ पैर झाँपबाक लेल होइत छैक, आ दू टा उड़बाक लेल।

1. आराधना के शक्ति: यशायाह 6:2 मे सेराफीम के परखना

2. परमेश् वरक सान्निध्य मे अपना केँ ढकब: यशायाह 6:2 मे सेराफीक अर्थ

1. इजकिएल 1:5-6 - करूबक वर्णन

2. प्रकाशितवाक्य 4:8 - परमेश् वरक सिंहासनक चारू कात चारि जीवक वर्णन

यशायाह 6:3 एक गोटे दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि।

सेना के प्रभु पवित्र छै, आरो ओकरो महिमा पूरा धरती पर भरलो छै।

1: हमर भगवान पवित्र आ स्तुति योग्य छथि

2: हमरा सभकेँ एहन लोक बनबाक चाही जे अपन पवित्र भगवानक आराधना करैत अछि

1: प्रकाशितवाक्य 4:8 - चारू जीवित प्राणी, जाहि मे सँ प्रत्येक के छह टा पाँखि अछि, चारू कात आ भीतर आँखि सँ भरल अछि, आ दिन-राति ई कहब कहियो नहि छोड़ैत अछि जे, पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर छथि, जे छल आ अछि आ आबय बला अछि!

2: भजन 29:2 - प्रभु के नाम के महिमा दियौन; पवित्रता के वैभव में प्रभु की पूजा करें |

यशायाह 6:4 तखन दरबज्जाक खंभा सभ चिचियाबय बला आवाज पर हिलैत गेल आ घर धुँआ सँ भरि गेल।

एकटा आवाज चिचिया उठल आ घरक दरबज्जाक खंभा हिलैत घर मे धुँआ भरि गेल।

1. भगवानक आवाजक शक्ति

2. प्रभुक बल पर भरोसा करब

1. भजन 29:3-9 - प्रभुक आवाज पानि पर अछि; महिमा के परमेश् वर, प्रभु, अनेक पानि पर गरजैत छथि।

2. इब्रानी 12:25-28 - देखू जे बजनिहार केँ अस्वीकार नहि करू। जँ पृथ् वी पर बजनिहार केँ अस्वीकार केनिहार जँ ओ सभ नहि बचि सकलाह तँ हम सभ स् वर्ग सँ बजनिहार सँ दूर भऽ कऽ नहि बचि सकब।

यशायाह 6:5 तखन हम कहलियनि, “हाय हम छी! किएक तँ हम क्षीण छी। किएक तँ हम अशुद्ध ठोर बला लोक छी आ अशुद्ध ठोर बला लोकक बीच मे रहैत छी, किएक तँ हमर आँखि सेना सभक परमेश् वर राजा केँ देखलक अछि।”

यशायाह प्रभु के महिमा के साक्षी बनला के बाद अभिभूत होय जाय छै आरू ओकरा अपनऽ आध्यात्मिक अयोग्यता के अहसास होय जाय छै।

1. "अशुद्ध ठोर: हमर आध्यात्मिक अयोग्यता के पहचान"।

2. "प्रभुक महिमा: परमेश् वरक पवित्रता केँ दर्शन"।

1. रोमियो 3:23 - "किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।"

2. भजन 51:17 - "हे परमेश् वर, हमर बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि; एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ अहाँ, परमेश् वर, तिरस्कार नहि करब।"

यशायाह 6:6 तखन एकटा सेराफिम हमरा लग उड़ि गेल, हाथ मे एकटा जीवित कोयला छल, जे वेदी पर सँ चिमटा सँ लऽ गेल छल।

परमेश् वर यशायाह के पाप के शुद्ध करै लेली एगो जीवित कोयला के साथ एगो स्वर्गदूत भेजै छै।

1. ईश्वरीय क्षमाक शक्ति

2. भगवान् के दयालु प्रेम

1. यशायाह 1:18 आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै।

2. 2 कोरिन्थी 5:21 किएक तँ ओ हुनका हमरा सभक लेल पाप बना देलनि, जे पाप नहि जनैत छल। जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा परमेश् वरक धार्मिकता बनि सकब।

यशायाह 6:7 ओ हमरा मुँह पर राखि कहलथिन, “देखू, ई अहाँक ठोर केँ छूबि गेल अछि। अहाँक अधर्म दूर भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप शुद्ध भऽ गेल अछि।”

यशायाह क॑ भविष्यवाणी के दर्शन देलऽ जाय छै आरू ओकरा कहलऽ जाय छै कि ओकरऽ पाप हटाय देलऽ गेलऽ छै आरू ओकरऽ अपराध शुद्ध होय गेलऽ छै ।

1. क्षमाक शक्ति - भगवानक कृपा हमरा सभक स्थिति केँ कोना बहाल क' सकैत अछि

2. स्वच्छ विवेकक संग रहब - अपराधबोध आ निर्दोषताक अंतर बुझब

1. भजन 103:12 - पश्चिम सँ जतेक दूर अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर क’ देलनि।

2. मीका 7:18-19 - तोरा सन के परमेश् वर छथि जे अधर्म केँ क्षमा करैत छथि आ अपन धरोहरक शेष लोकक अपराध सँ गुजरैत छथि? ओ अपन क्रोध अनन्त काल धरि नहि राखैत अछि, कारण ओ दया मे रमैत अछि। ओ फेर घुमि जेताह, हमरा सभ पर दया करत; ओ हमरा सभक अधर्म केँ वश मे क’ देत। आ अहाँ हुनका सभक सभ पाप केँ समुद्रक गहींर मे फेकि देबनि।

यशायाह 6:8 हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम केकरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, “हम एतय छी। हमरा पठाउ।

परमेश् वर लोक सभ केँ अपन वचनक दूतक रूप मे पठाओल जेबाक आह्वान क' रहल छथि।

1: भगवान जतय कहैत छथि ओतय जेबाक लेल तैयार रहू

2: भगवानक आह्वानक उत्तर देब: एतय हम छी, हमरा पठाउ

1: यिर्मयाह 1:4-10

2: लूका 4:18-19

यशायाह 6:9 ओ कहलनि, “जाउ आ एहि लोक सभ केँ कहि दियौक जे, अहाँ सभ सत्ते सुनू, मुदा नहि बुझू। अहाँ सभ सत्ते देखब, मुदा बूझि नहि जाउ।”

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन संदेशक लेल अपन हृदय खोलबाक लेल बजा रहल छथि, भले हम सभ ओकरा पूरा तरहेँ नहि बुझि सकब।

1: परमेश् वरक इच्छा केँ बुझबाक लेल हमरा सभ केँ विश्वास हेबाक चाही।

2: भगवान् हमरा सभसँ रहस्यमयी तरीकासँ गप्प करैत छथि, आ हमरा सभकेँ सुनबाक लेल खुलल रहबाक चाही।

450

1: यूहन्ना 14:27 - "हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी; हम अहाँ सभ केँ अपन शान्ति दैत छी। हम अहाँ सभ केँ ओहिना नहि दैत छी जेना संसार दैत अछि। अहाँ सभक मोन केँ परेशान नहि होउ आ नहि डरू।"

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यशायाह 6:10 एहि लोकक हृदय केँ मोट करू, आ ओकर कान केँ भारी करू आ ओकर आँखि मुनि दियौक। कहीं ओ सभ आँखि सँ देखि कऽ कान सँ नहि सुनत आ हृदय सँ बुझि नहि सकैत अछि आ फेर सँ धर्म परिवर्तन नहि कऽ कऽ ठीक नहि भऽ जाय।”

यशायाह 6:10 के ई अंश लोगऽ क॑ परमेश्वर के तरफ मुड़ै लेली आरू हुनकऽ चंगाई लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. विश्वासक शक्ति: परमेश् वरक चंगाई ग्रहण करब

2. धर्म परिवर्तनक लेल परमेश्वरक आह्वान: पश्चाताप करू आ ठीक होउ

1. मत्ती 11:28 -, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

२.

यशायाह 6:11 तखन हम कहलियनि, “प्रभु, कतेक दिन धरि? ओ उत्तर देलथिन, “जखन धरि नगर सभ बिना रहनिहारक उजाड़ नहि भऽ जायत, घर-घर सभ लोकक अभाव मे नहि भऽ जायत आ देश सभ उजाड़ नहि भऽ जायत।

प्रभु ताबत धरि विनाश होबय देत जाबत धरि भूमि एकदम उजाड़ नहि भ' जायत।

1: हमरा सभकेँ एतय पृथ्वी पर अपन जीवन आ समयक उपयोग परमेश्वरक महिमा लेल करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ ई मोन राखबाक चाही जे भगवानक नियंत्रण छनि आ दुनियाँक योजना छनि, भले हम सभ ओकरा नहि देखि सकब।

1: रोमियो 12:2, आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण द्वारा परिवर्तित भ’ जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक ओ नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध इच्छा की अछि।

2: उपदेशक 3:1, सब किछु के लेल समय छै, आ आकाश के नीचा हर काज के लेल एकटा मौसम छै।

यशायाह 6:12 प्रभु मनुष्य केँ दूर दूर क’ देलनि, आ देशक बीच मे बहुत पैघ परित्याग भ’ गेल।

प्रभु लोक के भूमि स हटा रहल छथि, जकर परिणाम अछि जे एकटा पैघ परित्याग भ रहल अछि।

1. परमेश् वरक योजना अनदेखल अछि: यशायाह 6:12 क अन्वेषण

2. परमेश् वरक संप्रभुता: परिस्थितिक बादो हुनक योजना पर भरोसा करब

1. रोमियो 11:33-36 - हे, परमेश् वरक धन आ बुद्धि आ ज्ञानक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि आ ओकर बाट कतेक अविवेचनीय अछि! किएक तँ प्रभुक मन के के जनैत अछि आ के हुनकर सलाहकार रहल अछि? आकि ओकरा के वरदान देने छैक जे ओकर बदला भेटि जाय? किएक तँ सभ किछु हुनका सँ आ हुनका द्वारा आ हुनका लेल अछि। हुनकर महिमा सदा-सदा लेल रहय। आमीन।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

यशायाह 6:13 मुदा तैयो ओहि मे दसम भाग होयत, आ ओ घुरि क’ खायल जायत, जेना तेल गाछ आ ओक गाछ जकाँ, जकर सम्पत्ति ओकरा मे रहैत छैक, जखन ओ अपन पात फेकैत छैक ओकर पदार्थ हो।

लोकक दसम भाग जमीन मे रहत, आ ओ सभ तेल गाछ आ ओक जकाँ भ' जेतै जे अपन पात गमा क' सेहो अपन पदार्थ केँ बरकरार रखैत अछि। पवित्र बीज लोकक द्रव्य होयत।

1. परमेश् वरक एकटा अवशेषक प्रतिज्ञा - यशायाह 6:13

2. परमेश् वरक लोकक पदार्थ - यशायाह 6:13

1. रोमियो 9:27 - "यशायाह सेहो इस्राएलक विषय मे चिचियाइत छथि, “इस्राएलक संतानक संख्या समुद्रक बालु जकाँ हो, मुदा शेष लोक उद्धार होयत।"

2. मत्ती 13:31-32 - "ओ हुनका सभ केँ एकटा आओर दृष्टान्त दैत कहलथिन, “स्वर्गक राज्य सरसोकक दाना जकाँ अछि, जकरा मनुष् य अपन खेत मे बोनि लेलक सब बीया, मुदा जखन ओ बढ़ि जाइत अछि तखन ओ जड़ी-बूटी मे सबसँ पैघ होइत अछि आ गाछ बनि जाइत अछि, जाहि सँ आकाशक चिड़ै सभ आबि कऽ ओकर डारि मे ठहरि जाइत अछि।”

यशायाह अध्याय 7 में राजनीतिक संकट के समय में यहूदा के राजा आहाज के देलऽ गेलऽ एगो महत्वपूर्ण भविष्यवाणी के आसपास के घटना के बारे में बतैलऽ गेलऽ छै । अध्याय में परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भरोसा आरू अविश्वास के परिणाम के विषय पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: युद्धक संदर्भ मे यशायाह केँ परमेश् वर द्वारा राजा आहाज सँ भेंट करबाक लेल पठाओल गेल अछि आ ओकरा आश्वस्त करबाक लेल जे ओकर शत्रु सभ विजयी नहि होयत। यशायाह आहाज के निर्देश दै छै कि वू पुष्टि के रूप में एगो चिन्ह माँगै (यशायाह 7:1-9)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर सँ पुष्टि लेबऽ के मौका मिलला के बावजूद आहाज अपनऽ विश्वास के कमी के प्रदर्शन करी क॑ मना करी दै छै । तखन परमेश् वर स्वयं एकटा संकेत अर्पित करैत छथि जे एकटा कुमारि कन्या के गर्भधारण आ इम्मानुएल के जन्म दैत अछि (यशायाह 7:10-16)।

3 पैराग्राफ: यशायाह आहाज के आबै वाला अश्शूर आक्रमण आरू ओकरऽ अविश्वास के कारण यहूदा के लेलऽ एकरऽ विनाशकारी परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै। ओ आश्वस्त करैत छथि जे आसन्न विनाशक बादो परमेश् वर अपन अवशेषक रक्षा करताह (यशायाह 7:17-25)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह सात अध्याय प्रस्तुत
राजा आहाज केँ देल गेल भविष्यवाणी
राजनीतिक संकट के समय में।

राजा आहाज के लेलऽ आश्वासन के साथ परमेश्वर द्वारा भेजलऽ गेलऽ यशायाह के वर्णन करना।
आहाज परमेश् वर सँ पुष्टि सँ मना करैत, विश्वासक अभावक प्रदर्शन करैत।
कुमारी गर्भवती इमैनुएल के संबंध में भविष्यवाणी।
अवशेष के लेल आश्वासन के साथ-साथ अश्शूर के आक्रमण के बारे में चेतावनी।

ई अध्याय चुनौतीपूर्ण समय में भी परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भरोसा करै के महत्व के रेखांकित करै छै। ई राजा आहाज द्वारा प्रदर्शित अविश्वास के परिणाम आरू ईश्वरीय भविष्यवाणी के माध्यम स॑ देलऽ गेलऽ आश्वासन दूनू के उजागर करै छै । इम्मानुएल के उल्लेख भविष्य के मसीही पूर्ति के तरफ इशारा करै छै आरू ई याद दिलाबै के काम करै छै कि कठिन परिस्थिति के बीच भी परमेश्वर अपनऽ लोगऽ के साथ छै।

यशायाह 7:1 यहूदाक राजा उजियाहक पुत्र योथामक पुत्र आहाजक समय मे अरामक राजा रेजीन आ इस्राएलक राजा रेमालियाक पुत्र पेका यरूशलेम दिस बढ़लाह ओकरा विरुद्ध युद्ध करबाक लेल, मुदा ओकरा पर हावी नहि भ' सकल।

यहूदा के राजा आहाज के समय में अराम आ इस्राएल के राजा यरूशलेम पर हमला करै के कोशिश करलकै लेकिन असफल रहलै।

452

1. विश्वास के शक्ति: यरूशलेम के घेराबंदी के अध्ययन

2. आज्ञाकारिता के मूल्य: आहाज के शासनकाल के विश्लेषण

1. 2 इतिहास 28:5-15

2. यशायाह 8:1-4

यशायाह 7:2 तखन दाऊदक घराना केँ कहल गेलनि जे, “सीरिया एफ्राइम सँ मिलिकय अछि।” ओकर मोन आ ओकर लोकक हृदय ओहिना हिल गेलै जेना जंगलक गाछ हवाक संग हिलैत छैक।

दाऊद के घराना के सूचित करलऽ गेलै कि सीरिया एफ्राइम के साथ गठजोड़ करी लेलकै, जेकरा चलतें लोगऽ में भय आरू चिंता पैदा होय गेलै।

1. भय आ चिन्ता के समय में भगवान हमर सबहक दृढ़ नींव छथि।

2. जखन कठिन परिस्थितिक सामना करब तखन भगवानक रक्षा आ प्रावधान पर भरोसा करू।

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।
तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

2. यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यशायाह 7:3 तखन परमेश् वर यशायाह केँ कहलथिन, “अहाँ आहाज आ अहाँक बेटा शेरयाशुब सँ भेंट करबाक लेल निकलू।

प्रभु यशायाह कॅ आज्ञा दै छै कि आहाज आरू ओकरो बेटा शेरजाशुब सें एक नहर के छोर पर एक कुंड के पास मिलै, जे एक फुलर के खेत के कात में स्थित छै।

1. प्रभु हमरा सभ केँ सभ परिस्थिति मे हुनकर सेवा करबाक लेल बजबैत छथि।

2. हमरा सभ केँ प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करबाक लेल आ ओकर प्रतिक्रिया देबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ नुकायल बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छलहुँ।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यशायाह 7:4 ओकरा कहि दियौक, “सावधान रहू आ चुप रहू। एहि धुँआधार अग्निकुंडक दूनू पूँछक कारणेँ, अराम आ रेमालियाक पुत्रक प्रति रेजिनक भयंकर क्रोधक कारणेँ, नहि डेराउ।

यशायाह 7:4 के ई अंश भय के खिलाफ चेतावनी दै छै आरू रेजिन आरू सीरिया के क्रोध के खिलाफ परमेश्वर के सुरक्षा पर चुपचाप भरोसा के प्रोत्साहित करै छै।

1: भगवानक रक्षा आ शक्ति कोनो भय सँ बेसी अछि

2: कोनो भी भय स उबरबाक लेल भगवान पर भरोसा करू

1: भजन 34:4 - हम प्रभु केँ तकलहुँ, आ ओ हमरा उत्तर देलनि। ओ हमरा हमर सभटा भय सँ मुक्त क’ देलनि।

453

2: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यशायाह 7:5 किएक तँ सीरिया, एप्रैम आ रेमालियाक पुत्र अहाँक विरुद्ध दुष् ट योजना बना कऽ कहैत छथि।

सीरिया, एफ्राइम आ रेमालियाक बेटा परमेश् वरक विरुद्ध साजिश रचने अछि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करब

1. रोमियो 12:19-21 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत। जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक, जँ ओकरा प्यासल अछि तँ ओकरा किछु पीबय दियौक, एहि काज मे अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब।

2. मत्ती 10:16 - "देखू, हम अहाँ सभ केँ भेड़ियाक बीच मे भेँड़ा जकाँ पठा रहल छी, तेँ साँप जकाँ बुद्धिमान आ कबूतर जकाँ निर्दोष बनू।"

यशायाह 7:6 हम सभ यहूदा पर चढ़ि कऽ ओकरा परेशान करी, आ ओकरा बीच मे एकटा राजा बनाबी, जे ताबेलक बेटा अछि।

यहूदा के शत्रु सिनी नगर पर हमला करै के योजना बनाबै छै आरो ओकरोॅ बीच में एगो नया राजा, ताबेल के बेटा के स्थापना करै छै।

1. प्रतिकूलताक विरुद्ध एकजुटताक शक्ति

2. प्रलोभन के प्रतिरोध के महत्व

1. उपदेशक 4:12 "भले एक पर हावी भ' सकैत अछि, मुदा दू गोटे अपन रक्षा क' सकैत छथि। तीन तारक डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।"

2. याकूब 4:7 "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

यशायाह 7:7 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि, “ई ठाढ़ नहि होयत आ ने होयत।”

प्रभु भगवान घोषणा करै छै कि कोनो खास घटना नै होतै ।

1. भगवान नियंत्रण मे छथि: हुनकर योजना पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. नीतिवचन 19:21 - मनुष्यक मोन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।

2. इफिसियों 3:20 - आब ओ हुनका लेल जे हमरा सभक भीतर काज करय बला शक्तिक अनुसार जे किछु माँगैत छी वा सोचैत छी ताहि सँ कहीं बेसी क’ सकैत अछि।

यशायाह 7:8 किएक तँ सीरियाक सिर दमिश्क अछि आ दमिश्कक सिर रेजिन अछि। असठि वर्षक भीतर एप्रैम टूटि जायत, जाहि सँ ओ कोनो प्रजा नहि बनत।

यशायाह 7:8 मे परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे 65 वर्ष मे एफ्राइम टूटि जायत आ एकटा लोकक रूप मे अस्तित्व समाप्त भ’ जायत।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम

2. भगवानक संप्रभुता: अपरिवर्तनीय योजना

1. यिर्मयाह 50:17-18 "इस्राएल एकटा छिड़ियाएल भेँड़ा अछि; सिंह सभ ओकरा भगा देलक। पहिने अश्शूरक राजा ओकरा खा गेल; आ अंत मे ई बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर ओकर हड्डी तोड़ि देलक। तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि।" , इस्राएलक परमेश् वर;

2. यशायाह 10:5-6 "हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि। हम ओकरा पाखंडी जाति पर पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आरोप लगा देब।" , लूटपाट लऽ कऽ, आ शिकार लऽ कऽ सड़कक दलदल जकाँ नीचाँ खसाबऽ लेल।"

यशायाह 7:9 एप्रैमक सिर सामरिया अछि आ सामरियाक सिर रेमालियाक बेटा। जँ अहाँ सभ विश् वास नहि करब तँ निश्चित रूप सँ अहाँ सभ स्थिर नहि होयब।

यशायाह 7:9 चेतावनी दै छै कि जे विश्वास नै करै छै, वू स्थापित नै होतै।

1. एकटा मजबूत नींव स्थापित करबा मे आस्थाक महत्व।

2. भगवान् मे विश्वास नहि करबाक परिणाम।

1. याकूब 2:17-20, "एहि तरहेँ विश् वास जँ काज नहि अछि तँ असगर रहला पर मरि गेल अछि। हम अहाँ केँ अपन कर्म सँ अपन विश् वास देखा देब।अहाँ विश् वास करैत छी जे परमेश् वर एके छथि, अहाँ नीक काज करैत छी, शैतान सभ सेहो विश् वास करैत अछि आ काँपि रहल अछि हमर सभक पिता अपन पुत्र इसहाक केँ वेदी पर चढ़ा कऽ कऽ कऽ धर्मी ठहरौलनि?”

2. भजन 37:3-5, "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; तेना अहाँ देश मे रहब आ सत्ते पोसल जायब। प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ अहाँ केँ अहाँक इच्छा प्रदान करताह।" हृदय। अपन बाट प्रभु पर सौंपि दियौक, हुनका पर सेहो भरोसा करू, ओ एकरा पूरा क' देताह।"

यशायाह 7:10 परमेश् वर फेर आहाज सँ कहलथिन।

प्रभु राजा आहाज सँ बात करै छै कि ओकरा परमेश् वर के वफादारी के याद दिलाबै लेली, आरू ओकरा प्रभु पर अपनऽ भरोसा में दृढ़ रहै लेली प्रोत्साहित करै लेली।

1: हमरा सभ केँ सदिखन मोन पाड़ल जाइत अछि जे प्रभु पर भरोसा करू आ ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

2: कठिनाई या कठिनाई चाहे जे हो, हम सब विश्वास के साथ प्रभु के तरफ देख सकैत छी आ ओ हमरा सब के संग रहताह।

1: मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू जे अहाँ की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि?

2: व्यवस्था 31:8 - प्रभु स्वयं अहाँ सभक आगू जा कऽ अहाँ सभक संग रहताह। ओ अहाँकेँ कहियो नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ।

यशायाह 7:11 अहाँ सँ अपन परमेश् वर यहोवा सँ एकटा चिन् ह माँगू। या त गहराई मे पूछू, या ऊपर ऊँचाई मे।

भगवान् लोक सँ कहि रहल छथि जे हुनका सँ हुनकर प्रेम आ निष्ठा के प्रमाण के रूप मे एकटा चिन्ह माँगू।

1. भगवान् के प्रति निष्ठावान आज्ञाकारिता के जीवन कोना जीबी

2. परमेश् वरक अटूट प्रेम आ प्रतिज्ञा पर भरोसा करब
455

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

2. यशायाह 33:6 - आ ओ अहाँक समयक स्थिरता, उद्धार, बुद्धि आ ज्ञानक प्रचुरता होयत; प्रभुक भय सिय्योनक खजाना अछि।

यशायाह 7:12 मुदा आहाज कहलथिन, “हम नहि माँगब आ ने प्रभु सँ परीक्षा लेब।”

आहाज परमेश् वर सँ माँगय वा प्रलोभन करबा सँ मना क' दैत अछि।

1. भगवान् अपन समय आ तरीका सँ प्रबंध करताह।

2. विनम्र आ भगवानक आज्ञाकारी रहू, ओहो जखन कठिन हो।

1. याकूब 1:5-7 "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि।

2. अय्यूब 1:21 "ओ कहलनि, 'हम अपन मायक कोखि सँ नंगटे आबि गेलहुँ, आ नंगटे घुरि जायब। परमेश् वर देलनि, आ परमेश् वर छीनि लेलनि। परमेश् वरक नाम धन्य हो।'

यशायाह 7:13 ओ कहलनि, “हे दाऊदक घराना, आब सुनू। की अहाँ सभक लेल मनुख केँ थकब छोट बात अछि, मुदा की अहाँ सभ हमर परमेश् वर केँ सेहो थकब?

परमेश् वर दाऊदक घराना केँ चेताबैत छथि जे मनुष् यक परेशानी नहि करू, किएक तँ एहन करब परमेश् वरक लेल सेहो थकान होयत।

1. धैर्य के भगवान: अपन प्रभु के कोना नै थकब

2. दाऊदक घरक पदचिन्ह पर चलब: भगवान् केँ नहि थकबाक स्मरण करब

1. गलाती 6:9 नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ हम सभ बेहोश नहि होयब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

2. कुलुस्सी 3:23 आ अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सँ करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष् यक लेल नहि।

यशायाह 7:14 तेँ प्रभु स्वयं अहाँ सभ केँ एकटा संकेत देताह। देखू, कुमारि गर्भवती भऽ कऽ एकटा पुत्र पैदा करत आ ओकर नाम इम्मानुएल राखत।

ई अंश परमेश् वरक प्रतिज्ञाक बारे मे कहैत अछि जे ओ अपन लोक सभ केँ एकटा संकेत देथिन; एकटा कुमारि गर्भवती भऽ कऽ एकटा बेटा पैदा करत, जकर नाम इम्मानुएल राखल जायत।

1: इम्मानुएल के परमेश् वर के प्रतिज्ञा - परमेश् वर के वफादारी के आशा आरू आनन्द के जश्न मनाना।

२: कुमारि जन्मक चमत्कार - भगवानक चमत्कारी शक्तिक उत्सव।

1: लूका 1:26-37 - जिब्राईल स्वर्गदूत मरियम के पास जा क यीशु के गर्भधारण के बारे में बताबै छै।

2: मत्ती 1:18-25 - यूसुफ केँ यीशुक कुमारि जन्मक बारे मे कहल गेल अछि।

यशायाह 7:15 ओ मक्खन आ मधु खा लेत, जाहि सँ ओ अधलाह केँ अस्वीकार करब आ नीक केँ चुनब जानि।

यशायाह केरऽ ई अंश हमरा सिनी क॑ याद दिलाबै छै कि हमरा सिनी क॑ स्वस्थ रहै लेली आरू अच्छा विकल्प चुनै लेली सही खाद्य पदार्थ खाय के चाही ।

1: हमरा सभकेँ अपन शरीरकेँ भगवानक वरदान जेना मक्खन आ मधुसँ पोषण करबाक चाही आ ओहि शक्तिक उपयोग नीक चीज चुनबामे करबाक चाही।

2: भोजन मात्र हमर शरीरक पोषण नहि अछि, बल्कि ई एकटा स्मरण सेहो भ' सकैत अछि जे भगवान हमरा सभ केँ की चुनबाक लेल कहलनि - नीक।

1: फिलिप्पियों 4:8 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु सम्मानजनक अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि तऽ सोचू एहि सभ बातक विषय मे।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 7:16 किएक तँ जखन बच्चा अधलाह केँ अस्वीकार करब आ नीक केँ चुनब बुझत, ताहि सँ पहिने जे देश अहाँ घृणा करैत छी, से ओकर दुनू राजा छोड़ि देल जायत।

बच्चाक उम्र नीक आ अधलाह मे भेद करबा सँ पहिने ओहि भूमि केँ ओकर दुनू राजा छोड़ि देत।

1. पसंद के शक्ति: हमर निर्णय हमर जीवन के कोना प्रभावित करैत अछि

2. मानव स्वतन्त्र इच्छाक बीच भगवानक संप्रभुता

1. व्यवस्था 30:19 - "हम आकाश आ पृथ्वी केँ बजाबैत छी जे आइ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ श्राप दैत छी। तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज दुनू जीवित रहब।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।"

यशायाह 7:17 प्रभु अहाँ पर, अहाँक लोक पर आ अहाँक पिताक घर पर एहन दिन अनताह जे एप्रैम यहूदा सँ विदा भेलाक दिन सँ नहि आयल अछि। अश्शूरक राजा सेहो।

प्रभु यहूदा के लोग आरू एप्रैम के घराना पर अश्शूर के राजा के माध्यम सें यहूदा सें निकलै के कारण दंड आरो कष्ट के दिन लानी देतै।

1. अवज्ञा के परिणाम: अपन पसंद के परिणाम के स्वीकार करब

2. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक धार्मिक न्याय केँ बुझब

1. यिर्मयाह 2:17-18 की अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ छोड़ि कऽ अपना पर ई बात नहि अनलहुँ? आब तखन नील नदीक पानि पीबय लेल मिस्र जा क' अहाँ केँ की फायदा होयत? यूफ्रेटिस नदीक पानि पीबय लेल अश्शूर जा कए अहाँ केँ की फायदा होइत अछि?

2. इजकिएल 18:20-22 जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

यशायाह 7:18 ओहि दिन परमेश् वर मिस्रक नदी सभक अन्त भाग मे जे मक्खी अछि आ अश्शूर देश मे मधुमाछी सभक लेल सिसकी मारत।

परमेश् वर अश्शूर देश आ मिस्रक नदीक अन्त भाग मे मक्खी आ मधुमाछी केँ बजाओत।

1. भगवान् के चौकस देखभाल: भगवान सब प्राणी के कोना परवाह करैत छथि

2. कमजोरीक ताकत: छोट आ तुच्छ मे भगवानक शक्ति कोना प्रकट होइत अछि

1. भजन 145:9 - प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर कोमल दया हुनकर सभ काज पर छनि।

2. नीतिवचन 30:24-28 - पृथ्वी पर चारि टा चीज छोट अछि, तइयो ओ सभ अत्यंत बुद्धिमान अछि: चींटी सभ एकटा एहन लोक अछि जे मजबूत नहि अछि, तइयो ओ सभ गर्मी मे अपन भोजनक व्यवस्था करैत अछि।

यशायाह 7:19 ओ सभ आबि कऽ सभ केँ उजाड़ घाटी मे, चट्टान सभक छेद मे, सभ काँट आ सभ झाड़ी पर आराम करत।

लोक उजाड़ घाटी मे आबि पाथरक छेद मे आ काँट-झाड़ीक बीच आराम करय लेल आओत।

1. अप्रत्याशित स्थान पर आराम भेटब

2. असहज परिस्थिति मे आराम

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ पाँखि ल' क' गरुड़ जकाँ चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 23:1-4 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि। ओ हमरा शान्त पानि मे ल' जाइत छथि। ओ हमर प्राण केँ पुनर्स्थापित करैत छथि। ओ हमरा बाट मे लऽ जाइत छथि।" ओकर नामक लेल धार्मिकताक लेल।

यशायाह 7:20 ओही दिन प्रभु एकटा उस्तरा सँ मुंडन करताह जे नदीक ओहि पार, अश्शूरक राजा द्वारा किराया पर लेल गेल अछि, माथ आ पैरक केश, आ ओ दाढ़ी केँ सेहो भस्म क’ देत.

ई अंश अश्शूर के माध्यम स॑ परमेश् वर के न्याय के वर्णन करै छै, जेकरा स॑ वू लोगऽ के माथा आरू पैर मुंडन करलऽ जैतै जे हुनका प्रति वफादार नै रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक की अर्थ होइत छैक?

2. परमेश् वरक न्यायक अनुभव करबाक की अर्थ होइत छैक?

1. यशायाह 10:5 7

2. रोमियो 12:19 21

यशायाह 7:21 ओहि दिन एकटा आदमी एकटा गाय आ दूटा भेँड़ा केँ पोसत।

यशायाह 7:21 मे परमेश् वर वादा करैत छथि जे एक दिन लोकक पास जानवरक देखभाल करबाक लेल पर्याप्त संसाधन होयत।

1. भगवानक प्रावधान: अभावक समय मे प्रचुरता

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करू: ओ हमरा सभक आवश्यकताक पूर्ति करैत छथि

1. भजन 34:8-9: स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि। हे ओकर पवित्र लोक सभ, प्रभु सँ डेराउ, किएक तँ जे सभ हुनका सँ डरैत छथि, हुनका सभ केँ किछुओ कमी नहि छनि।

2. मत्ती 6:25-34: तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू जे अहाँ की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? हवाक चिड़ै सभ देखू; ओ सभ नहि बोबैत छथि आ ने काटैत छथि आ ने कोठी मे जमा करैत छथि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभ केँ पोसैत छथि। की अहाँ हुनका सभसँ बेसी मूल्यवान नहि छी? की अहाँ मे सँ कियो चिंतित भ' क' अपन जीवन मे एक घंटा जोड़ि सकैत छी?

यशायाह 7:22 एहन होयत जे ओ सभ जे दूध देत, ताहि लेल ओ मक्खन खा लेत, किएक तँ ओहि देश मे जे किछु बचल अछि से सभ मक्खन आ मधु खायत।

ई अंश भूमि में प्रचुरता के समय के बात करै छै, जबेॅ लोगऽ के पास मक्खन बनाबै लेली पर्याप्त दूध आरू आनंद लेली पर्याप्त मधु मिलतै ।

1. भगवान् के प्रावधान में प्रचुरता

2. भगवानक प्रचुरता मे अपना केँ पोषण करब

1. भजन 23:5 अहाँ हमर शत्रु सभक सोझाँ हमरा सोझाँ एकटा टेबुल तैयार करैत छी। अहाँ हमर माथ पर तेल लगाबैत छी। हमर कप उमड़ि जाइत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:19 हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

यशायाह 7:23 ओहि दिन सभ ठाम, जतय एक हजार चानीक गाछ मे हजार बेल छल, ओ काँट-काँट आ काँट-काँटक लेल सेहो होयत।

यशायाहक भविष्यवाणीक दिन पहिने उपजाऊ खेत मे काँट-काँट आ काँट-काँट उगय लागत।

1. काँट छंटाई: निष्ठा के फल काटब

2. हजारक शक्ति: भगवान् सँ अपन सम्बन्धक खेती करब

1. मत्ती 7:15-20: बुद्धिमान आ मूर्ख निर्माता सभक दृष्टान्त

2. याकूब 1:2-4: परीक्षा केँ आनन्ददायक अवसरक रूप मे गिनब

यशायाह 7:24 मनुष् य बाण आ धनुष ल’ क’ ओतय आबि जायत। कारण, समस्त देश काँट आ काँट बनि जायत।

सबटा जमीन काँट-काँट स भरल भ जायत, आ ओहि स गुजरबा लेल लोक कए तीर-धनुष क उपयोग करय पड़त।

1. परमेश् वरक निर्णय प्रायः एहन तरीका सँ अबैत अछि जकर आशा हमरा सभ केँ नहि होइत अछि।

2. पैघ चुनौती के समय में सेहो भगवान के नियंत्रण एखनो अछि।

1. यशायाह 35:7 - आ सुखायल जमीन एकटा पोखरि बनि जायत, आ प्यासल भूमि पानिक झरना बनि जायत, जाहि ठाम अजगरक निवास स्थान पर, जतय प्रत्येक पड़ल अछि, खढ़ आ खरपतवारक संग घास होयत।

2. लूका 8:7 - किछु काँट मे खसि पड़ल, आ काँट बढ़ि क’ ओकर गला दबा देलक, आ ओ कोनो फल नहि देलक।

यशायाह 7:25 जे सभ पहाड़ी पर मटका सँ खोदल जायत, ओहि पर काँट आ काँटक डर नहि आओत, मुदा ई बैल केँ पठेबाक लेल आ छोट-छोट पशु केँ रौदबाक लेल होयत।

यशायाह 7:25 में पहाड़ी के खटखट के साथ खोदलऽ जाय के बात करलऽ गेलऽ छै आरू ई एगो सुरक्षित जगह छै, जहाँ कोय चोटी या काँट नै मिलतै, बल्कि, ई एगो ऐन्हऽ जगह होतै जहाँ बैल आरू अन्य जानवर सुरक्षित रूप सें चर सकै छै।

1. "भय के सामने प्रभु के रक्षा"।

2. "कठिन समय मे प्रभु के आशीर्वाद"।

1. भजन 91:4 ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत।
ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह अध्याय 8 यहूदा के राजनीतिक स्थिति के संबोधित करना जारी रखै छै आरू अविश्वास के परिणाम आरू परमेश्वर के उद्देश्य के अंतिम विजय के संबंध में आगू के भविष्यवाणी प्रदान करै छै।

पहिल पैराग्राफ: यशायाह के बेटा महेर-शालाल-हश-बाज के जन्म यहूदा के लेलऽ चिन्ह के रूप में भेलऽ छै । भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करै छै कि बच्चा अपनऽ पहिलऽ शब्द बोलै स॑ पहल॑ अश्शूर सीरिया आरू इस्राएल प॑ आक्रमण करतै, जेकरा स॑ तबाही आबी जैतै (यशायाह ८:१-४)।

2nd Paragraph: यशायाह यहूदा के लोग सिनी कॅ आग्रह करै छै कि वू दोसरो जाति के रास्ता पर नै चलै आरू नै डरै। बल्कि हुनका सब स आग्रह कयल गेल अछि जे ओ अपन पवित्र स्थान आ सुरक्षा के स्रोत के रूप मे परमेश् वर पर भरोसा करथि (यशायाह 8:11-15)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवक्ता माध्यम आ आत्मा स मार्गदर्शन लेबा स चेतावनी दैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे लोक के बुद्धि के लेल परमेश्वर के नियम स परामर्श करबाक चाही। ओ घोषणा करैत छथि जे परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करनिहार सभ केँ अन्हार आ संकटक सामना करय पड़तनि (यशायाह 8:19-22)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय आठ संबोधन
यहूदा के राजनीतिक स्थिति
आ अविश्वास के संबंध में भविष्यवाणी प्रदान करै छै
आ भगवानक उद्देश्यक विजय।

यशायाह के बेटा के जन्म के संकेत के रूप में वर्णित करना।
विनाशकारी परिणाम के साथ अश्शूर आक्रमण के भविष्यवाणी |
दोसर जाति के पालन करय स बेसी परमेश् वर पर भरोसा करबाक आग्रह करब।
माध्यम स मार्गदर्शन लेबा स चेतावनी।
बुद्धि के लेल परमेश्वर के नियम के परामर्श के महत्व पर जोर दैत।

ई अध्याय चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के बीच परमेश् वर पर निष्ठा आरू भरोसा के जरूरत पर जोर दै छै। ई मार्गदर्शन के गलत स्रोत के तरफ मुड़ै के चेतावनी दै छै आरू केवल भगवान पर भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करै छै। अश्शूर के संबंध में भविष्यवाणी एक याद दिलाबै के काम करै छै कि आज्ञा नै मानला स॑ न्याय के तरफ ले जाय छै, जबकि परमेश्वर पर भरोसा करला स॑ मुक्ति मिलै छै । अंततः ई मानवीय अविश्वास या बाहरी खतरा के बावजूद भगवान के संप्रभुता आरू निष्ठा के उजागर करै छै ।

यशायाह 8:1 परमेश् वर हमरा कहलथिन, “एकटा पैघ रोल लऽ कऽ ओहि मे महेरशालहशबाजक विषय मे एकटा आदमीक कलम सँ लिखू।”

प्रभु यशायाह के आज्ञा दै छै कि महेरशालहशबाज के बारे में एगो बड़ऽ रोल लिखै।

1. "आज्ञाकारिता के आह्वान: परमेश्वर के आज्ञा के पालन"।

2. "लेखन के शक्ति: आस्था के एक अभ्यास"।

1. यहोशू 1:8 - "ई धर्म-नियमक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत; बल् कि अहाँ दिन-राति एहि पर चिंतन करू, जाहि सँ अहाँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार पालन करब। किएक तँ तखन अहाँ अपन बना लेब।" रास्ता समृद्ध, तखन अहाँ केँ नीक सफलता भेटत।"

2. यशायाह 30:21 - "तोहर कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ सभ दहिना दिस घुमब आ जखन बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।"

यशायाह 8:2 हम अपना लग गवाही देबाक लेल वफादार गवाह सभ केँ ल’ लेलहुँ, जे पुरोहित उरियाह आ यबेरेकियाक पुत्र जकरयाह।

यशायाह अपन बात लिखबाक लेल दूटा विश्वासी गवाह, उरियाह याजक आ यबेरेकियाक पुत्र जकरयाह केँ लऽ गेलाह।

460

1. विश्वासी गवाहक शक्ति

2. हमर शब्द रिकॉर्ड करबाक महत्व

1. 2 कोरिन्थी 5:10-11 (किएक तँ हमरा सभ केँ मसीहक न्यायक आसनक समक्ष उपस्थित हेबाक चाही, जाहि सँ प्रत्येक केँ शरीर मे जे किछु कयल गेल अछि, से नीक हो वा अधलाह)

2. इब्रानी 12:1 (अतः, जखन कि हमरा सभ केँ एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो सभ भार आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ अपना सभक सोझाँ राखल दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू)

यशायाह 8:3 हम भविष्यवक्ता लग गेलहुँ। ओ गर्भवती भेलीह आ एकटा बेटा भेलनि। तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “ओकर नाम महेरशालहशबाज राखू।”

यशायाह भविष्यवक्ता केँ प्रभु द्वारा निर्देश देल गेलनि जे ओ अपन पुत्रक नाम महेशलहशबाज राखथि।

1. प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करब - यशायाह 8:3

2. एकटा नामक शक्ति - यशायाह 8:3

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. मत्ती 1:21 - ओ एकटा बेटा पैदा करत, आ अहाँ ओकर नाम यीशु राखब, कारण ओ अपन लोक केँ ओकर पाप सँ बचाओत।

यशायाह 8:4 किएक तँ एहि सँ पहिने जे बच्चा केँ “हमर पिता आ हमर माय” कानबाक ज्ञान होयत, तखनहि दमिश्कक धन आ सामरियाक लूट अश्शूरक राजाक समक्ष चलि जायत।

ई अंश परमेश् वर के शक्ति पर जोर दै छै, जे अश्शूर के राजा के सामने दमिश्क आरू सामरिया के धन के छीन लेतै, तभियो भी कि बच्चा मदद के लेलऽ चिल्लाय स॑ पहल॑।

1. भगवान् के पराक्रमी शक्ति

2. भगवानक समय एकदम सही अछि

1. विलाप 3:37-39 - के बाजल आ ई भेल, जाबत धरि प्रभु एकर आज्ञा नहि देने होथि?

2. भजन 62:11 - परमेश् वर एक बेर, दू बेर ई बात सुनने छी जे शक्ति परमेश् वरक अछि।

यशायाह 8:5 परमेश् वर हमरा सँ फेर कहलथिन।

प्रभु यशायाह सँ आबै वाला न्याय के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि

2. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. यशायाह 8:11 - "किएक तँ प्रभु हमरा सँ ई बात एकटा मजबूत हाथ सँ कहलनि, आ हमरा एहि लोकक बाट पर नहि चलबाक निर्देश देलनि।"

2. रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

461

यशायाह 8:6 किएक तँ ई लोक शिलोआक पानि केँ अस्वीकार करैत अछि जे मंद-मंद जाइत अछि आ रेजिन आ रेमालियाक पुत्र मे आनन्दित होइत अछि।

ई अंश इस्राएल के लोगऽ के विद्रोही स्वभाव के वर्णन करै छै जे शिलोह के पानी के अस्वीकार करै छै आरू एकरऽ बदला में पार्थिव राजा सिनी के ऊंचाई दै छै।

1: हमरा सभकेँ अपन सुरक्षा आ सुरक्षाक लेल सांसारिक शासक सभसँ बेसी भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व कहियो नहि बिसरबाक चाही।

2: भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ हुनकर कृपाक इनार सँ पीबी, नहि कि मानवीय शक्तिक टूटल कुंड पर भरोसा करी।

1: यिर्मयाह 17:5-7 - प्रभु ई कहैत छथि; जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि आ जकर हृदय प्रभु सँ हटि जाइत अछि, तकरा अभिशप्त होअय।

2: भजन 146:3 - अपन भरोसा नहि राखू जे राजकुमार सभ पर आ ने मनुष्यक पुत्र पर, जिनका मे कोनो सहायता नहि अछि।

यशायाह 8:7 आब देखू, प्रभु ओकरा सभ पर नदीक पानि, मजबूत आ बहुत रास, अश्शूरक राजा आ अपन समस्त महिमा केँ ऊपर अनैत छथि ओकर बैंक: १.

प्रभु हुनका पर अन्याय केनिहार सभक विरुद्ध एकटा शक्तिशाली बल अनताह, अर्थात अश्शूरक राजा आ ओकर समस्त महिमा।

1. प्रभुक न्याय - एकटा एहि बात पर जे कोना भगवान गलत काज करय बला लोकक संग सदिखन न्याय आनताह।

2. प्रभुक शक्ति - एकटा एहि पर जे भगवान कोना शक्तिशाली छथि आ सदिखन प्रबल रहताह।

1. यशायाह 8:7 - "एखन देखू, प्रभु ओकरा सभ पर नदीक पानि, मजबूत आ बेसी, अश्शूरक राजा आ अपन समस्त महिमा अनैत छथि। आ ओकर सभ किनार पर जाउ:"

२.

यशायाह 8:8 ओ यहूदा सँ गुजरत। ओ उमड़ि कऽ ओहि पार चलि जायत, गरदनि धरि पहुँचत। हे इम्मानुएल, ओकर पाँखिक पसरल अहाँक देशक चौड़ाई भरि देत।”

परमेश् वर इम्मानुएलक देश केँ अपन उपस्थिति आ रक्षा सँ भरि देताह।

1. भगवानक रक्षा अटल अछि

2. भगवान् के सान्निध्य के प्रतिज्ञा

1. यशायाह 26:3-4 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि। अहाँ सभ सदिखन परमेश् वर पर भरोसा करू, किएक तँ परमेश् वर परमेश् वर मे अनन्त सामर्थ् य अछि।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच लऽ कऽ चलि जायत, तखनो हम सभ डरब नहि।

यशायाह 8:9 हे लोक, अपना केँ संगत करू, तखन अहाँ सभ टूटि-फूटल भ’ जायब। अहाँ सभ दूर-दूरक लोक सभ, कान करू। अहाँ सभ अपना केँ कमरबंद करू, तखन अहाँ सभ टुकड़-टुकड़ भ’ जायब।”

यशायाह लोक सभ केँ चेतावनी द' रहल छथि जे एक संग संगति करू आ प्रभुक बात सुनू, नहि त' ओ सभ टूटि जेताह।

1. एक संग एकजुट भेला स हमरा सब के विश्वास मे कोना मजबूती भेटैत अछि

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक शक्ति

1. भजन 133:1 "देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!"

2. रोमियो 15:5-6 "आब धैर्य आ सान्त्वना देबयवला परमेश् वर अहाँ सभ केँ मसीह यीशुक अनुसार एक-दोसरक प्रति समान विचार करबाक अनुमति दैत छथिन। जाहि सँ अहाँ सभ एक-मन आ एक मुँह सँ परमेश् वर, हमर प्रभु यीशुक पिताक महिमा कऽ सकब।" मसीह।"

यशायाह 8:10 एक संग विचार करू, तखन ओ अन्त्य भ’ जायत। वचन बाजू, तँ ओ ठाढ़ नहि होयत, किएक तँ परमेश् वर हमरा सभक संग छथि।”

भगवानक विरुद्ध जेबाक प्रयास करयवला लोक केँ कोनो सफलता नहि भेटतैक, कारण भगवान् सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि।

1. भगवानक ताकत: ई जानि जे भगवान सदिखन हमरा सभक संग छथि

2. भगवान् पर भरोसा करब: अपन जीवन मे भगवानक उपस्थिति पर भरोसा करब

1. यूहन्ना 15:5 - "हम बेल छी; अहाँ सभ डारि छी। जँ अहाँ हमरा मे रहब आ हम अहाँ मे रहब तँ अहाँ बहुत फल देब; हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यशायाह 8:11 किएक तँ परमेश् वर हमरा ई बात एकटा बलशाली हाथ सँ कहलनि आ हमरा ई निर्देश देलनि जे हम एहि लोकक बाट पर नहि चलब।

प्रभु यशायाह सँ मजगूत हाथ सँ बात कयलनि आ हुनका निर्देश देलनि जे ओ लोकक बाट पर नहि चलथि।

1. प्रभु के मार्गदर्शन: परमेश् वर के आवाज के भेद करना सीखना।

2. आज्ञाकारिता के ताकत: भगवान के मार्ग पर चलना।

1. यिर्मयाह 6:16-19 - प्रभु ई कहैत छथि, सड़कक कात मे ठाढ़ भ’ क’ देखू, आ प्राचीन बाट सभ केँ माँगू, जतय नीक बाट अछि। आ ओहि मे चलू, आ अपन प्राणक लेल विश्राम पाबि। मुदा ओ सभ कहलथिन, “हम सभ ओहि मे नहि चलब।”

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 8:12 अहाँ सभ ई नहि कहब जे, “एकटा संघ, ओहि सभ केँ, जिनका ई लोक कहत जे, “एकटा संघ”। आ ने हुनका सभक डर सँ डरू आ ने डेराउ।

दोसरक डर मे हार नहि मानब; बल्कि अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू।

1. विश्वास मे भय पर काबू पाना

2. परमेश् वरक वचन मे ताकत भेटब

1. यशायाह 8:12

2. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

यशायाह 8:13 सेना सभक प्रभु केँ स्वयं पवित्र करू। ओ अहाँक डर बनय, आ ओ अहाँक डर बनय।

463

यशायाह 8:13 सेना के प्रभु के आदर करै के आरू हुनका भय आरू भय के वस्तु के रूप में उपयोग करै के आह्वान छै।

1. प्रभु के आदर करब: विश्वास में भय के शक्ति

2. सेना के प्रभु के पवित्र करब: अपन जीवन में भय & भय के खोज

1. व्यवस्था 10:12-13 - आ आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ प्रभुक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दऽ रहल छी?

2. यिर्मयाह 33:9 - ई शहर हमरा लेल आनन्दक नाम होयत, स्तुति आ महिमा होयत पृथ्वीक समस्त जाति सभक समक्ष जे हम हुनका सभक लेल जे किछु भलाई करैत छी से सुनत। हम जे सभ नीक आ ओकरा लेल जे शान्ति दैत छी, ताहि सँ ओ सभ डरैत आ काँपि उठत।

यशायाह 8:14 ओ पवित्र स्थानक लेल होयत। मुदा इस्राएलक दुनू घरानाक लेल ठोकर आ पाथरक रूप मे, यरूशलेमक निवासी सभक लेल एकटा जिन आ जालक रूप मे।

ई अंश परमेश्वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के सुरक्षा के बात करै छै, जबकि ओकरा अपनऽ काम के परिणाम के बारे में भी चेतावनी दै छै ।

1. "शरण के एकटा रास्ता: भगवान के सुरक्षा कोना उद्धार के तरफ ल जा सकैत अछि"।

2. " ठोकर के पाथर: हमर पसंद के कोना परिणाम होइत अछि"।

1. मत्ती 13:14-15 - "जे एहि पाथर पर खसत, से टूटि जायत; मुदा जखन ई ककरो पर खसत तखन ओकरा कुचलत।"

2. यहूदा 1:24-25 - "आब जे अहाँ सभ केँ ठोकर खाय सँ बचा सकैत अछि आ अहाँ सभ केँ अपन गौरवशाली सान्निध्यक समक्ष निर्दोष आ बहुत हर्षक संग प्रस्तुत कऽ सकैत अछि, हमरा सभक उद्धारकर्ता एकमात्र परमेश् वरक समक्ष महिमा, महिमा, सामर्थ् य आ अधिकार हो। हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा, सभ युग सँ पहिने, एखन आ अनन्त काल धरि!

यशायाह 8:15 ओकरा सभ मे सँ बहुतो लोक ठोकर खा क’ खसि पड़त, टूटत, जाल मे फँसि जायत आ फँसि जायत।

बहुत लोक ठोकर खा क खसि पड़त, जाहि स ओकरा पकड़ि जेल मे बंद भ जाएत।

1. "भगवानक चेतावनी: ठोकर आ खसब सँ सावधान रहू"।

2. "कठिन समय के माध्यम स ताकत खोजब"।

1. मत्ती 5:5 - धन्य छथि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी हेताह।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यशायाह 8:16 गवाही केँ बान्हि दियौक, हमर शिष् य सभक बीच धर्म-नियम पर मोहर लगाउ।

ई अंश चेला सिनी के बीच परमेश् वर के नियम के रखना के महत्व पर जोर दै छै।

1: परमेश् वरक नियम एकटा शक्तिशाली वरदान अछि यशायाह 8:16

2: परमेश् वरक नियमक पालन करब आशीषक स्रोत यशायाह 8:16

1: याकूब 1:22 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।" 464

2: व्यवस्था 6:4-5 - "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।"

यशायाह 8:17 हम यहोवाक प्रतीक्षा करब, जे याकूबक घराना सँ अपन मुँह नुकाबैत छथि, आ हम हुनका ताकब।

यशायाह 8:17 प्रभु पर भरोसा आ प्रतीक्षा के बात करैत अछि, ओहो तखन जखन ओ दूर या नुकायल बुझाइत होथि।

1. "भगवान के निष्ठा पर भरोसा"।

2. "कठिनक समय मे प्रभुक प्रतीक्षा"।

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 62:5-6 - हमर प्राण, अहाँ मात्र परमेश् वरक प्रतीक्षा करू। किएक तँ हमर अपेक्षा हुनकासँ अछि। ओ मात्र हमर चट्टान आ हमर उद्धार छथि, ओ हमर रक्षा छथि। हम हिलब नहि।

यशायाह 8:18 देखू, हम आ जे बच्चा सभ परमेश् वर हमरा देने छथि, सेना सभक परमेश् वर, जे सियोन पहाड़ पर रहैत छथि, से इस्राएल मे चिन् त्र आ चमत् कारक काज छी।

यशायाह आरू प्रभु द्वारा ओकरा देलऽ गेलऽ बच्चा सिनी सियोन पहाड़ पर निवास करै वाला सेना के प्रभु के चिन्हार आरू चमत्कार छै।

1. परमेश् वरक अद्भुत वरदान: यशायाह आ हुनकर संतानक चमत्कारक परीक्षण

2. विश्वास के शक्ति: सेना के प्रभु के चमत्कार के अनुभव

1. व्यवस्था 32:39 - आब देखू जे हम, हमहूँ ओ छी, आ हमरा संग कोनो देवता नहि छथि। हम घाव करैत छी आ ठीक करैत छी, आ ने कियो एहन अछि जे हमरा हाथ सँ बचा सकैत अछि।

2. भजन 78:4 - हम सभ हुनका सभ केँ हुनका सभक संतान सभ सँ नहि नुका देब, जे आगामी पीढ़ी केँ परमेश् वरक स्तुति, हुनकर सामर्थ् य आ हुनकर कयल गेल अद्भुत काज सभ केँ देखा देब।

यशायाह 8:19 जखन ओ सभ अहाँ सभ केँ कहत जे, “जादूगरक आत्मा सभ केँ खोजू जे झांकैत अछि आ बड़बड़ाइत अछि।” जीवित लोकक लेल मृतक धरि?

लोक के परिचित भावना आ जादू-टोना के अभ्यास करय वाला के खोजय सं बेसी भगवान के खोजय के चाही.

1. जीवित भगवान बनाम मृतक: प्रभु मे आशा आ आराम भेटब

2. प्रभु पर भरोसा करू आ परिचित आत्मा आ जादू टोना के प्रलोभन के अस्वीकार करू

1. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 8:20 धर्म-नियम आ गवाही केँ, जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

ई अंश सच्चा आध्यात्मिक आत्मज्ञान प्राप्त करै लेली परमेश्वर के नियम आरू गवाही के पालन करै के महत्व पर जोर दै छै।

1. परमेश् वर के बाट के रोशन करना: परमेश् वर के नियम आरू गवाही के पालन करना सीखना

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालनक माध्यमे हुनकर नजदीक आनब

1. भजन 119:105, "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

2. याकूब 1:25 मुदा जे स्वतंत्रताक सिद्ध नियम केँ ध्यान सँ देखैत अछि आ ओहि मे दृढ़ता सँ काज करैत अछि, आ बिसरनिहार सुननिहार नहि अपितु सक्रिय कर्मकर्ता अछि, ओ व्यक्ति जे काज करैत अछि ताहि मे धन्य होयत।

यशायाह 8:21 ओ सभ ओहि मे सँ गुजरत, कठिन आ भूखल, आ एहन होयत जे जखन ओ सभ भूखल होयत तखन ओ सभ चिंतित होयत, आ अपन राजा आ अपन परमेश् वर केँ गारि पढ़त आ ऊपर दिस तकत।

लोक कठिन आ भूखल परिस्थिति स गुजरत आ अपन नेता आ भगवान पर क्रोधित भ जायत।

1. "परीक्षा के आशीर्वाद: कठिन परिस्थिति में ताकत केना खोजल जाय"।

2. "अकाल आ चाहत के समय मे अनुग्रह आ धैर्य"।

1. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि। धैर्य अपन काज पूरा करू जाहि सँ अहाँ सभ रहब।" परिपक्व आ पूर्ण, कोनो चीजक कमी नहि।"

2. मत्ती 5:6 - "धन्य छथि ओ सभ जे धार्मिकताक भूखल आ प्यासल छथि, किएक तँ ओ सभ तृप्त भ' जेताह।"

यशायाह 8:22 ओ सभ पृथ्वी दिस तकत। आ देखू विपत्ति आ अन्हार, पीड़ाक मद्धिम। ओ सभ अन्हार मे धकेलल जेताह।

लोक धरती दिस तकत आ मात्र विपत्ति, अन्हार आ पीड़ा भेटत, आ ओकरा अन्हार मे धकेलि देल जायत।

1. अन्हार मे भगवानक इजोत

2. परेशान समय मे आशा आ आराम भेटब

1. यशायाह 9:2 - अन्हार मे चलैत लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक अछि; गहींर अन्हारक भूमि मे रहनिहार पर एकटा इजोत भोर भ' गेल अछि।

2. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यशायाह अध्याय ९ मे आशा आ मुक्ति के भविष्यवाणी अछि, जे एकटा एहन बच्चा के जन्म पर केंद्रित अछि जे इस्राएल राष्ट्र के लेल प्रकाश आ शांति आनत।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत आनन्द के संदेश स होइत अछि, जाहि में घोषणा कयल गेल अछि जे जे अन्हार में चलल छल ओकरा एकटा पैघ इजोत देखाय देत। ई भविष्य में उत्पीड़न स॑ मुक्ति आरू बच्चा के जन्म के माध्यम स॑ आनन्द म॑ वृद्धि के भविष्यवाणी करै छै (यशायाह ९:१-५)।

2nd Paragraph: बच्चा कें जन्म कें भगवान कें हस्तक्षेप कें निशानी कें रूप मे वर्णित कैल गेल छै. हुनका अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी भगवान, अनन्त पिता, आरू शांति के

राजकुमार जैसनऽ उपाधि मिलतै । हुनकर राज्य न्याय आ धार्मिकताक संग स्थापित होयत (यशायाह 9:6-7)।

3 पैराग्राफ: ई वादा के बावजूद यशायाह चेतावनी दै छै कि इजरायल के घमंड आरू अहंकार के कारण न्याय के समय आसन्न छै। लोक युद्ध आ अकाल के माध्यम स विनाश के अनुभव करत (यशायाह 9:8-21)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय नौ प्रस्तुत
आशासँ भरल भविष्यवाणी
बच्चा के जन्म के संबंध में
जे इजोत आ शान्ति अनैत अछि।

अन्हार के बीच आनन्द के घोषणा।
उत्पीड़न से मुक्ति की भविष्यवाणी।
दिव्य उपाधि के साथ बाल का वर्णन।
न्यायपूर्ण राज्य के आशाजनक स्थापना।
घमंड के कारण आसन्न निर्णय के बारे में चेतावनी।

ई अध्याय आबै वाला मसीहा के बारे में भविष्यवाणी करी क कठिनाई के समय में आश्वासन दै छै जे प्रकाश, बुद्धि आरू शांति लानै छै। ई मानवीय असफलता के बावजूद भी परमेश्वर के प्रतिज्ञा पूरा करै में निष्ठा पर जोर दै छै। आज्ञा नै मानला के लेलऽ आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी दैत॑ हुअ॑, ई अंततः यीशु मसीह के माध्यम स॑ परमेश्वर के मोक्षदायक योजना म॑ मिलै वाला अंतिम आशा के तरफ इशारा करै छै ।

यशायाह 9:1 तथापि ओ मंदता एहन नहि होयत जेना ओकर परेशानी मे छलैक, जखन ओ पहिने जबूलून आ नफ्ताली देश केँ हल्का कष्ट देलक आ बाद मे यरदन नदीक ओहि पार समुद्रक बाट मे ओकरा आओर बेसी कष्ट देलक, राष्ट्रक गलील मे।

इस्राएल क॑ जे अन्हार के सामना करना पड़लै, वू ओतना गंभीर नै होतै, जेतना कि ओकरा सिनी क॑ पहलऽ बार जबूलून आरू नफ्ताली स॑ हटाय देलऽ गेलऽ छेलै आरू समुद्र के बीच स॑ आरू गलील म॑ यरदन के पार जाय के दौरान ओकरा सिनी क॑ आरू कठोरता स॑ पीड़ित करलऽ गेलऽ छेलै ।

1. अन्हार समय मे भगवानक प्रकाश चमकैत अछि

2. भगवानक अपन लोकक प्रति स्नेह बिना शर्त अछि

1. यशायाह 42:6-7 "हम प्रभु छी, हम अहाँ केँ धार्मिकता मे बजौने छी, हम अहाँक हाथ पकड़ि क' अहाँ पर नजरि राखब, आ अहाँ केँ लोक सभक लेल वाचा बना देब, इजोतक रूप मे।" जाति सभ केँ आँखि मुनि क' खोलबाक लेल, कालकोठरी सँ कैदी सभ केँ बाहर निकालबाक लेल आ जे अन्हार मे रहनिहार सभ केँ जेल सँ बाहर निकालबाक लेल।

2. यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी मे ओ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ केँ नहि झुलसि जायत, आ ने लौ अहाँ केँ जराओत।" ."

यशायाह 9:2 जे लोक सभ अन्हार मे चलैत छल, ओ सभ एकटा पैघ इजोत देखलक, जे सभ मृत्युक छायाक देश मे रहैत अछि, ओकरा सभ पर इजोत चमकि गेल अछि।

अन्हार आ निराशा मे रहनिहार इस्राएलक लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक अछि जे आशा आ आनन्द दैत अछि।

1. प्रकाशक शक्ति: भगवानक प्रकाश कोना आशा आ आनन्द दैत अछि

2. अन्हार मे चलब: विश्वासक माध्यमे जीवनक संघर्ष पर काबू पाबब

1. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब?

2. यूहन्ना 8:12 - यीशु फेर हुनका सभ सँ बजलाह, “हम संसारक इजोत छी।” जे हमरा पाछाँ चलत, ओ अन्हार मे नहि चलत, बल्कि ओकरा जीवनक इजोत भेटतैक।

यशायाह 9:3 अहाँ जाति केँ बढ़ा देलहुँ, मुदा आनन्द नहि बढ़ेलहुँ, ओ सभ अहाँक सोझाँ फसलक आनन्दक अनुसार आनन्दित होइत अछि आ जेना मनुष्य लूट बाँटि कऽ आनन्दित होइत अछि।

भगवान् लोकक संख्या बढ़ौने छथि, मुदा तदनुरूप आनन्द मे वृद्धि नहि होइत छैक । आनन्द तखने होइत छैक जखन भगवान् उपस्थित रहैत छथि, आ एकर तुलना फसलक आनन्द आ लूट मे भाग लेबाक आनन्द सँ कयल जा सकैत अछि |

1. फसलक आनन्द: यशायाह 9:3 पर चिंतन

2. प्रभुक आनन्द: अपन जीवन मे परमेश्वरक उपस्थितिक अनुभव करब

1. याकूब 1:2-3 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़य, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

3. रोमियो 15:13 - आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य द्वारा आशा सँ उमड़ि सकब।

यशायाह 9:4 किएक तँ अहाँ ओकर बोझक जुआ आ ओकर कान्हक लाठी, ओकर दमनकारीक लाठी, जेना मिद्यानक समय मे तोड़ि देलहुँ।

भगवान् हमरा सभ केँ अपन बोझ आ अत्याचारी सभ सँ मुक्त क' देलनि अछि।

1. "स्वतंत्रता के शक्ति: परमेश्वर के मुक्ति के मतलब इस्राएल के लेल की छल आ आइ हमरा सब लेल एकर की मतलब छल"।

2. "मुक्तिक आनन्द: अत्याचारी के जुआ तोड़ला पर आनन्दित होयब"।

1. निष्कासन 6:6-7 - "तेँ इस्राएली सभ केँ कहू जे हम प्रभु छी, आ हम अहाँ सभ केँ मिस्रक जुआ सँ बाहर निकालब। हम अहाँ सभ केँ हुनका सभक गुलाम बनबा सँ मुक्त कऽ देब।' अहाँ सभ केँ पसरल बाँहि आ न्यायक पराक्रमी काज सँ मुक्त करू।हम अहाँ सभ केँ अपन प्रजा बुझब, आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।तखन अहाँ सभ बुझब जे हम अहाँक परमेश् वर यहोवा छी, जे अहाँ सभ केँ जूआक नीचाँ सँ बाहर निकालने छी मिस्र के लोग।"

2. लूका 1:68-69 - "इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वरक स्तुति हो, किएक तँ ओ अपन प्रजा लग आबि कऽ ओकरा सभ केँ छुड़ा देलनि। ओ हमरा सभक लेल उद्धारक सींग अपन सेवक दाऊदक घर मे ठाढ़ कयलनि।" " .

यशायाह 9:5 किएक तँ योद्धा सभक हर युद्ध भ्रमित शोर-शराबा आ खून मे गुड़कल वस्त्र होइत अछि। मुदा ई जड़ि आ आगि के ईंधन के संग होयत।

यशायाह भविष्यवाणी करै छै कि भविष्य में योद्धा के लड़ाई भ्रमित शोर आरो खून में लुढ़कलोॅ वस्त्र के बजाय जलन आरू आगि के ईंधन के साथ लड़लो जैतै।

1. परमेश्वर के वचन के शक्ति: यशायाह 9:5 के खोज

2. परमेश् वरक भविष्यवाणीक प्रभाव: यशायाह 9:5 क संदेश केँ बुझब

1. यिर्मयाह 5:14 - "तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “अहाँ सभ ई बात बजबाक कारणेँ देखू, हम अहाँक मुँह मे अपन बात केँ आगि बना देब आ एहि लोक सभ केँ लकड़ी बना देब, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ खा जायत।"

2. इफिसियों 6:12-13 - "किएक तँ हम सभ मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल् कि रियासत सभक विरुद्ध, अधिकार सभक विरुद्ध, एहि संसारक अन्हारक शासक सभक विरुद्ध, ऊँच स्थान पर आत्

मिक दुष्टता सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी। तेँ अहाँ सभ पूरा कवच लऽ लिअ।" परमेश् वरक, जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन मे सामना कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ ठाढ़ भऽ सकब।”
यशायाह 9:6 किएक तँ हमरा सभक लेल एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन होयत, आ ओकर नाम अद्भुत, सलाहकार, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत.
यशायाह भविष्यवक्ता एकटा आबै बला बच्चा के बात करै छै जेकरा कान्ह पर सरकार रहतै। हुनकऽ नाम अद्भुत, परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त पिता आरू शांति के राजकुमार होतै ।
1. एकटा अद्भुत प्रतिज्ञा: मसीह मे आशाक परमेश्वरक प्रतिज्ञा
2. शांति के राजकुमार: परमेश्वर के प्रतिज्ञा में आराम पाना
1. यशायाह 11:1-5 - यिशै के ठूंठ सॅं एकटा अंकुर निकलत आ ओकर जड़ि सॅं एकटा डारि फल देत। २.
यशायाह 9:7 ओकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ ओकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल। सेना सभक परमेश् वरक उत्साह एहि काज केँ पूरा करत।
परमेश् वर दाऊद आ ओकर राज् य केँ न्याय आ धार्मिकताक संग सदाक लेल स्थापित करबाक लेल बढ़ा देताह। प्रभुक उत्साह एकरा पूरा करत।
1. परमेश् वरक अन्त निष्ठा
2. प्रभुक उत्साहक शक्ति
1. रोमियो 2:5-10 - धार्मिक न्याय करबा मे परमेश् वरक न्याय
2. भजन 103:17-18 - प्रभु केरऽ अपनऽ वाचा के प्रति निष्ठा आरू सब पीढ़ी के प्रति दया यशायाह 9:8 प्रभु याकूब मे एकटा वचन पठौलनि, आ ओ इस्राएल पर प्रकाश देलनि।
ई अंश परमेश् वर के वचन के इस्राएल में आबै आरू प्रकाश लानै के बात करै छै।
1: परमेश् वरक वचनक प्रकाश - यशायाह 9:8
2: परमेश् वरक वचनक इजोत अहाँक जीवन केँ रोशन करू - यशायाह 9:8
1: भजन 119:105 - तोहर वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।
2: यूहन्ना 1:4-5 - हुनका मे जीवन छल, आ जीवन मनुष् यक इजोत छल। अन्हार मे इजोत चमकैत अछि, आ अन्हार ओकरा पर विजय नहि पाबि सकल अछि।
यशायाह 9:9 एप्रैम आ सामरिया मे रहनिहार सभ लोक केँ बुझल हेतनि जे घमंड आ दृढ़ता मे कहैत छथि।
एप्रैम आ सामरियाक लोक सभ घमंडी अछि आ अपन हृदयक घमंड करैत अछि।
1. घमंड पतन स पहिने जाइत अछि - नीतिवचन 16:18
2. विनम्रता आ प्रभु मे आनन्दित रहब - याकूब 4:6-10
1. यशायाह 5:21 - धिक्कार अछि जे सभ अपन नजरि मे बुद्धिमान छथि आ अपन नजरि मे विवेकी छथि!

2. नीतिवचन 16:5 - जे केओ हृदय मे घमंडी अछि, ओ परमेश् वरक लेल घृणित अछि, भले हाथ जोड़ि कऽ ओ दंड नहि पाओल जायत।

यशायाह 9:10 ईंट सभ खसि पड़ल अछि, मुदा हम सभ कटल पाथर सँ निर्माण करब, सिकोमोर सभ काटि देल गेल अछि, मुदा हम सभ ओकरा देवदार मे बदलि देब।

खंडहर देखि जनता हतोत्साहित नहि होयत, कारण ओ बेसी ताकत सँ पुनर्निर्माण आ पुनर्रोपण करत।

1: हम सब कोनो बाधा के पार क सकैत छी यदि हम सब पुनर्निर्माण आ पुनर्रोपण के लेल इच्छुक आ दृढ़ संकल्पित छी।

2: हम सब कोनो कठिनाई स ऊपर उठि सकैत छी जँ हम सब एकाग्र आ मजबूत इच्छाशक्ति के रहब।

1: 2 कोरिन्थी 4:8-9 "हम सभ सभ दिस परेशान छी, मुदा व्यथित नहि छी; हम सभ भ्रमित छी, मुदा निराश नहि छी; सताओल गेल, मुदा छोड़ल नहि गेल; नीचाँ फेकल गेल, मुदा नष्ट नहि भेल"।

2: यिर्मयाह 29:11 "किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।"

यशायाह 9:11 तेँ परमेश् वर रेजिनक विरोधी सभ केँ हुनका विरुद्ध ठाढ़ करताह आ हुनकर शत्रु सभ केँ एक संग जोड़ताह।

रेजिन के विरोध करय वाला के प्रभु विरोध करताह।

1: प्रभु हमरा सभक लेल विपत्तिक समय मे सदिखन रहताह।

2: हमरा सभकेँ सदिखन प्रभुक आज्ञाकारी रहबाक चाही, ओहो अपन शत्रु सभक सामना करबा काल।

1: यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।
तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

यशायाह 9:12 आगू अरामी आ पाछू मे पलिस्ती। ओ सभ इस्राएल केँ मुंह खोलि कऽ खा जायत।” एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।

इस्राएल के खिलाफ परमेश् वर के क्रोध अखनी भी मौजूद छै, बावजूद एकरऽ सामने के सीरियाई आरू ओकरा सिनी के पीछू के पलिस्ती सिनी ओकरा सिनी कॅ खुललो मुँह सें खाबै छै।

1. परमेश् वरक क्रोध आ अविराम न्याय

2. चेतावनी संकेत पर ध्यान नहि देबाक खतरा

1. यिर्मयाह 5:9-10 - की हम एहि सभक लेल घुमब नहि? परमेश् वर कहैत छथि, की हमर प्राण एहि तरहक जाति सँ बदला नहि लेत? भूमि मे एकटा अद्भुत आ भयावह काज भ' रहल अछि;

2. हबक्कूक 1:5-6 - अहाँ सभ जाति-जाति मे देखू, आ आश्चर्य करू आ आश्चर्यचकित भऽ जाउ, किएक तँ हम अहाँक समय मे एहन काज करब, जकरा पर अहाँ सभ विश्वास नहि करब, यद्यपि अहाँ सभ केँ ई बात कहल जाय। हम कल्दी सभ केँ उठबैत छी, जे कटु आ जल्दबाजी मे चलैत अछि, जे देशक चौड़ाई मे घुमि कऽ ओहि निवास स्थान सभ पर कब्जा कऽ लेत जे ओकर सभक नहि अछि।”

यशायाह 9:13 किएक तँ लोक सभ ओकरा मारि देनिहार दिस नहि घुरैत अछि आ ने सेना सभक प्रभु केँ तकैत अछि।

इस्राएल के लोग नै पश्चाताप करी कॅ परमेश् वर के तरफ मुड़लऽ छै, नै ही प्रभु के मदद के मांग करलकै।
1. पश्चाताप करू आ प्रभुक खोज करू: परमेश् वरक घुरबाक आह्वान
2. विपत्तिक बीच भगवानक प्रेम
1. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”
2. लूका 13:3 नहि, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी; मुदा जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत अहाँ सभ तहिना नष्ट भऽ जायब।
यशायाह 9:14 तेँ परमेश् वर एकहि दिन मे इस्राएलक माथ आ पूँछ, डारि आ दौड़-धूप केँ काटि देत।
प्रभु इस्राएल क॑ एक दिन म॑ ओकरऽ नेता आरू लोगऽ क॑ हटाय क॑ सजा देतै ।
1. प्रभु न्यायी छथि आ हुनकर न्याय निश्चित अछि
2. आजीवन पाप के लेल एक दिन के परिणाम
1. रोमियो 2:5-11 - परमेश् वरक धार्मिक न्याय
2. इजकिएल 18:20 - पाप करय बला आत्मा मरि जायत
यशायाह 9:15 प्राचीन आ आदरणीय, ओ माथ छथि। जे भविष्यवक्ता झूठ सिखाबैत अछि, ओ पूँछ अछि। प्राचीन आ आदरणीय नेता होइत छथि, जखन कि झूठ सिखाबनिहार अनुयायी होइत छथि ।
1. भगवान् के सत्य के पालन करब - सही आ गलत के कोना भेद कयल जाय
2. माननीय नेतृत्व के शक्ति - ईमानदारी के साथ नेतृत्व कैसे करे |
1. नीतिवचन 12:17 - जे सत्य बजैत अछि से सही कहैत अछि, मुदा झूठ गवाह, छल।
2. नीतिवचन 14:25 - सच्चा गवाही जान बचाबैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल छल।
यशायाह 9:16 किएक तँ एहि लोकक नेता सभ ओकरा सभ केँ गलती करैत अछि। जे सभ ओकरा सभक नेतृत्व मे रहैत अछि, से सभ नष्ट भऽ जाइत अछि।
नेता अपन लोक के भटकबैत छथि जकर परिणाम विनाश होइत अछि |
1. गलत नेताक पालन करबाक खतरा
2. गलत मार्गदर्शन के पालन के परिणाम
1. नीतिवचन 11:14 - जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।
2. मत्ती 15:14 - ओकरा सभ केँ छोड़ू: ओ सभ आन्हर सभक आन्हर नेता बनू। आन्हर जँ आन्हर केँ आगू बढ़बैत अछि तँ दुनू खाधि मे खसि पड़त।

यशायाह 9:17 तेँ परमेश् वर हुनका सभक युवक सभ पर कोनो आनन्द नहि लेताह आ ने हुनका सभक अनाथ आ विधवा सभ पर दया करताह, किएक तँ सभ पाखंडी आ दुष् ट करऽ वला अछि आ सभ मुँह मूर्खता बजैत अछि। एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।

जे पिताहीन आ विधवा छथि, हुनका सभ पर प्रभु दया नहि करताह, जेना ओ सभ पाखंडी आ दुष्कर्मी छथि आ मूर्खतापूर्ण बजैत छथि। एकर बादो प्रभुक क्रोध कम नहि भेल अछि आ ओकर हाथ एखनो पसरल अछि ।

1. भगवान दयालु आ न्यायी छथि

2. सब पाप कए भगवानक महिमा स कम भ गेल अछि

1. भजन 145:8 - प्रभु कृपालु छथि, आ दया सँ भरल छथि; क्रोध मे मंद, आ बहुत दयालु।

2. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

यशायाह 9:18 किएक तँ दुष्टता आगि जकाँ जड़ैत अछि, ओ काँट-काँट आ काँट-काँट केँ खा जायत, आ जंगलक झाड़ी मे जरि जायत, आ ओ सभ धुँआ उठैत जेना चढ़त।

दुष्टताक तुलना भस्म करय बला आगि सँ कयल जाइत अछि, जे काँट-काँट खाइत अछि, आ जंगल मे धुँआ जकाँ उठैत अछि |

1. दुष्टताक खतरा आ आत्मसंयमक आवश्यकता

2. प्रभुक अनुशासन आ पापक परिणाम

1. नीतिवचन 16:32 - जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से पराक्रमी सँ नीक अछि; आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, से नगर पकड़निहार सँ बेसी।

2. गलाती 5:19-21 - आब शरीरक काज सभ स्पष्ट अछि: यौन अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, वैरभाव, कलह, ईर्ष्या, क्रोधक झटका, प्रतिद्वंद्विता, विवाद, विभाजन, ईर्ष्या, नशा, नशा, नंगा नाच, आ एहि तरहक चीज। हम अहाँ सभ केँ ओहिना चेतावनी दैत छी जेना हम अहाँ सभ केँ पहिने चेतौने रही जे एहन काज करनिहार केँ परमेश् वरक राज् य नहि भेटतनि।

यशायाह 9:19 सेना सभक प्रभुक क्रोध सँ देश अन्हार भ’ गेल अछि, आ लोक आगि केर ईंधन जकाँ भ’ जायत।

परमेश् वरक क्रोध सँ देश अन् हार भऽ गेल अछि आ लोक सभ आगि मे ईंधन जकाँ बनि गेल अछि, जकरा कियो दोसर केँ नहि छोड़लक।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यशायाह 9:19 केँ बुझब

2. क्षमाक शक्ति: यशायाह 9:19 सँ सीखब

२.

2. इफिसियों 2:4-5 - मुदा हमरा सभक प्रति अपन बहुत प्रेमक कारणेँ परमेश् वर, जे दया सँ भरपूर छथि, हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि, जखन कि हम सभ अपराध मे मरि गेल रही, ई कृपा सँ अहाँ सभक उद्धार भेल अछि।

यशायाह 9:20 ओ दहिना हाथ छीनि लेत आ भूखल रहत। ओ बामा हाथ मे खा लेत, मुदा ओ सभ तृप्त नहि होयत।

लोक अकाल के शिकार होयत आ जीबय लेल नरभक्षण के सहारा लेत।

1. हमर शारीरिक आवश्यकता आ भगवानक प्रावधान

2. विद्रोहक परिणाम

1. यशायाह 10:3, दंडक दिन, दूर सँ आबय बला विनाश मे अहाँ की करब? केकरा लग सहायताक लेल भागब, आ अपन धन कतय छोड़ब?

2. यिर्मयाह 5:3, हे प्रभु, की अहाँक आँखि सत्य केँ नहि तकैत अछि? अहाँ ओकरा सभ केँ मारि देलियैक, मुदा ओकरा सभ केँ कोनो पीड़ा नहि भेलैक। अहाँ सभ ओकर सेवन क' लेने छी, मुदा ओ सभ सुधार लेब' सँ मना क' देलक। ओ सभ अपन मुँह चट्टानसँ कठोर बना देने छथि; ओ सभ पश्चाताप करबा सँ मना क' देने छथि।

यशायाह 9:21 मनश्शे, एप्रैम; एप्रैम मनश्शे, ओ सभ मिलिकय यहूदाक विरुद्ध होयत। एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।

भगवानक क्रोध नहि मोड़ल गेल अछि आ हुनकर हाथ एखनो पसरल अछि ।

1: हमरा सभ केँ भगवान् दिस घुमबाक चाही जे हुनका संग कोना मेल मिलाप कयल जाय आ हुनकर अनुग्रह मे पुनर्स्थापित कयल जाय।

2: भगवान् सँ मेल मिलाप करबाक लेल हमरा सभ केँ क्षमा करबाक लेल तैयार रहबाक चाही आ जे हमरा सभ पर अन्याय केने छथि हुनका सभ सँ क्षमा मँगबाक चाही।

1: यशायाह 55:6-7 जाबत धरि प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकू। जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2: मत्ती 6:14-15 जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा करताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।

यशायाह अध्याय १० न्याय आरू बहाली के विषय क॑ संबोधित करना जारी रखै छै, जेकरा म॑ अश्शूर क॑ ओकरऽ अहंकार आरू उत्पीड़न के लेलऽ परमेश् वर द्वारा दंडित करै के साथ-साथ इस्राएल क॑ ओकरऽ दुश्मनऽ स॑ मुक्त करै के हुनकऽ प्रतिज्ञा प॑ भी ध्यान देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत अन्यायपूर्ण कानून आ दमनकारी फरमान बनेनिहार के खिलाफ चेतावनी स होइत अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अश्शूर पर न्याय आनताह, जकरा ओ अपन क्रोधक साधनक रूप मे प्रयोग केलनि मुदा जे घमंड सँ काज केलनि (यशायाह 10:1-4)।

2 पैराग्राफ: यशायाह अश्शूर के विजय के विस्तार के वर्णन करै छै आरू ओकरऽ ई विश्वास के वर्णन करै छै कि ओकरऽ शक्ति केवल ओकरऽ अपनऽ ताकत के कारण छै । तथापि, परमेश् वर ई बात पर जोर दैत छथि जे ओ हुनका सभक अहंकारक सजा देताह (यशायाह 10:5-19)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवक्ता इस्राएल के आश्वस्त करै छै कि भले ही ओकरा अश्शूर के आक्रमण के खतरा के सामना करना पड़॑ छै, लेकिन परमेश् वर ओकरा सिनी के रक्षा करतै। ओ एकटा अवशेष केँ वापस सिय्योन पठेबाक वादा करैत छथि आ हुनका सभ केँ अपन वफादारीक आश्वासन दैत छथि (यशायाह 10:20-34)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय दस संबोधन
अश्शूर के भगवान के दंड
अपन अहंकार आ अत्याचारक लेल।

अन्यायपूर्ण कानून आ दमनकारी फरमान के खिलाफ चेतावनी।
अश्शूर पर आसन्न न्याय के घोषणा।
अश्शूर विजय के विस्तार के वर्णन।
इस्राएल के सुरक्षा आ निष्ठा के आश्वस्त करब।

ई अध्याय में घमंड आरू उत्पीड़न के परिणाम पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै जबकि जाति सिनी के साथ व्यवहार करै में परमेश् वर के न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई इस्राएल क॑ ई आश्वासन द॑ क॑ दिलासा दै छै कि आबै वाला खतरा के बावजूद, परमेश् वर अंततः अपनऽ लोगऽ के रक्षा करतै आरू एक अवशेष क॑ बचाबै छै । ई एगो याद दिलाबै के काम करै छै कि वू समय में भी जबेॅ लगै छै कि बुरा शक्ति के प्रचलन छै, परमेश् वर सब जाति पर सार्वभौमिक रहै छै आरू न्याय आरू मोक्ष के लेलऽ अपनऽ उद्देश्य के काम करै छै।

यशायाह 10:1 धिक्कार अछि ओ सभ जे अधर्मक नियम बनबैत छथि आ जे दुःखक नियम लिखने छथि, तकरा सभक लेल।

ई अंश वू लोगऽ के बात करै छै जे अधर्म के नियम बनाबै छै आरू दुख लिखै छै, ओकरा अपनऽ काम के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै।

1. "अधर्मक नियमक खतरा"।

2. "लेखन शोक के गंभीर परिणाम"।

1. नीतिवचन 12:2 - "नीक आदमी प्रभु सँ अनुग्रह पाबैत अछि, मुदा दुष्ट नीयत वाला के ओ दोषी ठहराओत।"

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

यशायाह 10:2 जरूरतमंद सभ केँ न्याय सँ दूर करबाक लेल आ हमर लोकक गरीब सभक अधिकार छीनबाक लेल, जाहि सँ विधवा सभ ओकर शिकार बनि जाय आ अनाथ सभ केँ लूटि सकय!

ई अंश जरूरतमंद पर अत्याचार आरू न्याय के अधिकार छीनै के अन्याय के बात करै छै ।

1. भगवानक न्याय: जरूरतमंदक लेल निष्पक्षताक खोज

2. गरीबक देखभाल: ई हमर सभक जिम्मेदारी अछि

1. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

2. व्यवस्था 10:18-19 - ओ अनाथ आ विधवा सभक लेल न्याय करैत छथि, आ प्रवासी सँ प्रेम करैत छथि, हुनका भोजन आ वस्त्र दैत छथि। तेँ प्रवासी सँ प्रेम करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे प्रवासी छलहुँ।

यशायाह 10:3 आ दूर सँ आबय बला उजाड़ मे अहाँ सभ की करब? अहाँ सभ ककरा लग सहायताक लेल भागब? आ अहाँ सभ अपन महिमा कतय छोड़ब?

परमेश् वर हमरा सभ सँ पूछि रहल छथि जे जखन ओ हमरा सभ लग आओत आ विनाश अनताह तखन हम सभ की करब, आ हम सभ मददि लेल कतय जायब।

1. उजाड़ के समय में भगवान के मदद मांगू

2. परमेश् वरक दर्शनक तैयारी करू

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब। तखन अहाँ सभ हमरा पुकारब, आ अहाँ सभ जा कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँ सभक बात सुनब।” अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ मोन सँ हमरा खोजब।

यशायाह 10:4 हमरा बिना ओ सभ कैदी सभक नीचाँ प्रणाम करत आ मारल गेल लोकक नीचाँ खसि पड़त।
एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।

प्रभु केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति क्रोध कम नै होय सकलऽ छै आरू ओकरऽ हाथ अखनी भी न्याय में पसरलऽ छै ।

1. प्रभुक शाश्वत क्रोध - भगवानक क्रोध कोना कम नहि भेल अछि

2. प्रभुक अंतहीन दया - भगवानक हाथ एखनो कोना पसरल अछि

1. यिर्मयाह 23:5-6 - "देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, प्रभु कहैत छथि, जखन हम दाऊदक लेल एकटा धर्मी डारि ठाढ़ करब, आ ओ राजाक रूप मे राज करताह आ बुद्धिमानी सँ व्यवहार करताह, आ न्याय आ धार्मिकता केँ निर्वहन करताह।" देश।हुनकर समय मे यहूदा उद्धार होयत, आ इस्राएल सुरक्षित रहत।

2. भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि। पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतबे ऊँच अछि, ततेक ओकर भयभीत करयवला सभक प्रति ओकर अडिग प्रेम अछि।

यशायाह 10:5 हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथक लाठी हमर क्रोध अछि।

भगवान् अश्शूर पर क्रोधित छथि आ ओकरा सभ केँ आक्रोशक लाठी सँ सजा देताह।

1. "भगवानक न्याय आ दया: अश्शूरक कथा"।

2. "आज्ञाकारिता के जीवन जीना: अश्शूर स सबक"।

1. यशायाह 48:22 "दुष्ट लोकक लेल शान्ति नहि अछि, प्रभु कहैत छथि।"

2. नीतिवचन 16:4 "प्रभु सभ किछु अपना लेल बनौलनि अछि। हँ, दुष्ट केँ सेहो अधलाह दिनक लेल।"

यशायाह 10:6 हम ओकरा एकटा पाखंडी जातिक विरुद्ध पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा देब जे ओ लूट-लूट केँ ल’ क’ पकड़ि लेबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

प्रभु एकटा दुष्ट आ पाखंडी राष्ट्रक विरुद्ध एकटा नेता पठौताह जे ओकरा सभ पर विजय प्राप्त करत आ ओकरा सभ केँ न्यायक सोझाँ अनताह।

1. परमेश् वरक न्याय केँ बुझब: यशायाह 10:6 केर अध्ययन

2. भगवानक क्रोध आ दया: पाखंडक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

1. रोमियो 12:19 हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 37:12-13 दुष्ट सभ धर्मी सभक विरुद्ध साजिश रचैत अछि आ ओकरा सभ पर दाँत कटैत अछि। मुदा प्रभु दुष्ट सभ पर हँसैत छथि, किएक तँ ओ जनैत छथि जे हुनकर सभक दिन आबि रहल अछि।

यशायाह 10:7 मुदा ओकर मतलब एहन नहि छैक आ ओकर हृदय सेहो एहन नहि सोचैत छैक। मुदा ओकर हृदय मे ई अछि जे ओ किछुए नहि जाति केँ नष्ट आ काटि देथि।

ई अंश परमेश् वर के शक्ति आरू इरादा के बात करै छै कि वू जाति सिनी कॅ ओकरो पाप के सजा दै छै।

1: हमरा सभकेँ पश्चाताप करबाक चाही आ बहुत देर हेबासँ पहिने भगवान् दिस घुमबाक चाही।

475

2: भगवान् सार्वभौम आ न्यायी छथि आ अपन समय मे दुष्टता केँ सजा देताह।

1: इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ अपन सभ अपराध केँ दूर कऽ दियौक। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

2: नीतिवचन 16:5 - जे केओ हृदय मे घमंडी अछि, से परमेश् वरक लेल घृणित अछि, भले हाथ जोड़ि कऽ ओ दंड नहि पाओल जायत।

यशायाह 10:8 किएक तँ ओ कहैत छथि, “की हमर राजकुमार सभ एकदम राजा नहि छथि?”

यशायाह 10:8 केरऽ ई श्लोक परमेश् वर केरऽ अपनऽ शासकऽ स॑ ई सवाल के चर्चा करै छै कि की वू सब राजा छै ।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: पृथ्वीक राजा लोकनिक परीक्षण

2. शासक के उद्देश्य: यशायाह 10:8 के अध्ययन

1. यिर्मयाह 23:5-6; भगवान् सब जाति के सच्चा राजा छैथ

2. रोमियो 13:1-7; भगवान् द्वारा नियुक्त शासक प्राधिकारी

यशायाह 10:9 की काल्नो कर्केमिश जकाँ नहि अछि? हमत अरपद जकाँ नहि अछि? की सामरिया दमिश्क जकाँ नहि अछि?

यशायाह भविष्यवक्ता प्रश्न उठबैत छथि जे की काल्नो, हमत आ सामरिया क्रमशः कर्केमिश, अर्पद आ दमिश्क जकाँ शक्तिशाली अछि।

1. विश्वासक शक्ति: परमेश् वर पर भरोसा करब हमरा सभ केँ कोनो पार्थिव शक्ति सँ कोना मजबूत बना सकैत अछि।

2. समुदाय के शक्ति: एकता में मिल क काज करब हमरा सब के कोना कोनो व्यक्ति स मजबूत बना सकैत अछि।

1. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि।

2. रोमियो 12:10 - एक दोसरा सँ भाई-बहिनक स्नेह सँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

यशायाह 10:10 जेना हमर हाथ मूर्ति सभक राज्य पाबि गेल अछि, जकर उकेरल मूर्ति यरूशलेम आ सामरिया सँ बेसी छल।

भगवान् शक्तिशाली छथि आ मूर्तिक राज्य पर विजय पाबि सकैत छथि |

1. भगवानक ताकत: मूर्ति आ झूठ देवता पर विजय प्राप्त करब

2. कठिन समय मे भगवानक शक्ति पर भरोसा करब

1. व्यवस्था 4:15-19 - सावधान रहू आ अपना पर बहुत ध्यान राखू, जाहि सँ जा धरि अहाँ सभ जीबैत छी, तकरा अपन आँखि सँ देखल बात केँ ने बिसरि जाउ आ ने ओकरा अपन हृदय सँ फिसलय दियौक, बल् कि ओकरा अपन बच्चा सभ केँ बुझा दियौक आ अहाँक बच्चा सभक बच्चा सभ।

२.

यशायाह 10:11 की हम जेना सामरिया आ ओकर मूर्ति सभक संग केने छी, तेना यरूशलेम आ ओकर मूर्ति सभक संग नहि करब?

ई अंश सामरिया आरू यरूशलेम के मूर्तिपूजा के लेलऽ परमेश् वर के न्याय के बात करै छै।

1: कोनो मूर्तिपूजा भगवान के न्याय के लेल बहुत पैघ या बहुत छोट नै छै

2: परमेश् वर न्यायी छथि आ हुनकर नियम तोड़निहार सभक न्याय करताह

1: रोमियो 2:12-16 - कारण जे सभ व्यवस्थाक बिना पाप केने छथि, से सभ व्यवस्थाक बिना पाप केनिहार सभ सेहो व्यवस्थाक आधार पर नष्ट भ’ जेताह।

2: इजकिएल 14:3-5 - मनुष्यक बेटा, ई लोकनि अपन हृदय मे मूर्ति ठाढ़ कएने छथि आ मुँहक सोझाँ दुष्ट ठोकर लगा देने छथि। की हम हुनका सभकेँ हमरासँ बिल्कुल पूछताछ करए दिअ?

यशायाह 10:12 एहि लेल ई होयत जे जखन प्रभु सियोन पर्वत आ यरूशलेम पर अपन पूरा काज क’ लेताह, तखन हम अश्शूरक राजाक मोट हृदयक फल आ हुनकर ऊँच दृष्टिक महिमा केँ सजा देब।

परमेश् वर अश्शूरक राजाक घमंड केँ सजा देताह, जखन ओ सिय्योन आ यरूशलेम मे अपन काज पूरा कए लेताह।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि: यशायाह 10:12 स अश्शूर के राजा के अध्ययन

2. परमेश् वरक न्यायक प्रतिज्ञा: यशायाह 10:12 केँ संदर्भ मे परखब

1. नीतिवचन 16:18, "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2. रोमियो 12:19, "प्रिय प्रियतम, अपना सँ बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि; हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि।"

यशायाह 10:13 ओ कहैत छथि, “हम अपन हाथक बल आ अपन बुद्धि सँ ई काज केलहुँ। हम बुद्धिमान छी।

भगवान् अपन शक्ति आ बुद्धि के उपयोग लोक के सीमा के हटाबय आ ओकर खजाना लेबय लेल केने छथि |

1. भगवान् के बल आ बुद्धि के शक्ति

2. डकैती आ अत्याचारक प्रभाव

1. नीतिवचन 3:19-20 - "प्रभु बुद्धि सँ पृथ्वीक नींव बनौलनि; बुद्धि सँ आकाश केँ स्थापित कयलनि। हुनकर ज्ञान सँ गहराई टूटि गेल अछि आ मेघ ओस खसा दैत अछि।"

2. यशायाह 11:4 - "मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकता सँ करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत दुष्ट केँ मारि दियौक।"

यशायाह 10:14 हमर हाथ लोकक धन केँ खोंता जकाँ भेटल अछि, आ जेना कियो बचल अंडा जमा करैत अछि, तहिना हम समस्त पृथ्वी केँ जमा क’ लेने छी। आ कियो एहन नहि छल जे पाँखि हिलाबैत छल, आ ने मुँह खोलैत छल, आ ने झाँकैत छल।

भगवानक हाथ लोकक धन भेटि गेल अछि, ओकरा ओहिना जमा क' लेलक जेना कियो अंडा बचल अछि। भगवान् के चुनौती देबय लेल कियो नहि हिलल आ ने बाजल।

1. भगवानक सार्वभौमत्व केँ विनम्रता आ श्रद्धापूर्वक स्वीकार कयल जाय।

2. भगवान् केर शक्ति आ प्रावधान केँ कृतज्ञताक संग मनाओल जाय।

1. भजन 8:4-6 - मनुख की होइत छैक जे अहाँ ओकरा बारे मे मोन राखैत छी, आ मनुष्यक बेटा जे अहाँ ओकरा देखय चाहैत छी? किएक तँ अहाँ ओकरा स् वर्गीय प्राणी सभसँ कनेक नीचाँ बना कऽ महिमा आ आदरक मुकुट पहिरा देलियैक। अहाँ ओकरा अपन हाथक काज पर प्रभुत्व दऽ देलहुँ। अहाँ सभ किछु ओकर पएरक नीचाँ राखि देलहुँ।

2. भजन 24:1 - पृथ्वी प्रभुक अछि आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार लोक।

यशायाह 10:15 की कुल्हाड़ी ओहि पर घमंड करत जे ओकरा काटि रहल अछि? की आरा ओकरा हिलाबै वाला के विरुद्ध अपना के बड़ाई करतै? जेना छड़ी ओकरा ऊपर उठाबय बला लोक पर अपना केँ हिलाबय, वा जेना लाठी अपना केँ ऊपर उठाबय, जेना कोनो लकड़ी नहि हो।

भगवान् प्रकृति पर मनुष्य केरऽ शक्ति स॑ प्रभावित नै होतै, कैन्हेंकि वू कोनो भी औजार स॑ भी बड़ऽ छै ।

1. मानव शक्तिक सीमा

2. भगवान् के अप्रतिम शक्ति

1. अय्यूब 12:7-10 - मुदा जानवर सभ सँ पूछू, ओ सभ अहाँ केँ सिखाओत; हवाक चिड़ै सभ, आ ओ सभ अहाँ सभ केँ कहत। 8 वा पृथ् वी सँ बात करू, तँ ओ अहाँ सभ केँ सिखाओत। समुद्रक माछ अहाँकेँ सूचित करय। 9 एहि सभ मे सँ के ई नहि जनैत अछि जे प्रभुक हाथ ई काज केने छथि? 10 हुनकर हाथ मे प्रत्येक प्राणी आ समस्त मनुष्यक साँस अछि।

2. भजन 135:7-8 - ओ पृथ्वीक छोर सँ मेघ उठबैत छथि; बरखाक संग बिजली पठा दैत छथि आ अपन भंडारसँ हवा निकालैत छथि । 8 ओ मिस्र देशक जेठ बच्चा सभ केँ मारि देलथिन, जे लोक आ पशु सभक जेठ बच्चा सभ केँ मारि देलनि।

यशायाह 10:16 तेँ सेना सभक प्रभु प्रभु अपन मोट लोक सभक बीच दुबलापन पठौताह। आ अपन महिमाक नीचाँ ओ आगि जकाँ जरैत आगि केँ जरा देत।

प्रभु मोटका लोकक बीच दुबलापन पठौताह आ अपन महिमा मे आगि जकाँ जड़ि देताह।

1. प्रभु प्रबंध करताह: प्रभुक प्रावधान पर भरोसा करब

2. प्रभुक अग्नि: प्रभुक शुद्धिकरण शक्ति केँ बुझब

1. मत्ती 7:24-27 - जे कियो एहि बात सभ केँ सुनैत अछि आ ओकरा व्यवहार मे उतारैत अछि, से ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ अछि जे चट्टान पर अपन घर बनौलक।

2. याकूब 1:12 - धन्य अछि ओ जे परीक्षा मे दृढ़ रहत, किएक तँ परीक्षा मे ठाढ़ भ’ क’ ओ व्यक्ति जीवनक मुकुट पाबि लेत जे प्रभु हुनका सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

यशायाह 10:17 इस्राएल के इजोत आगि के रूप में होयत, आ ओकर पवित्र लोक लौ के रूप में होयत, आ एक दिन में ओकर काँट आ काँट के जरि क’ भस्म क’ देत।

इस्राएल के इजोत पाप के परिवर्तन आरू विनाश लाबै वाला छै।

1: इस्राएल के प्रकाश परिवर्तन लाबै छै

2: इस्राएल के इजोत के माध्यम स पाप के विनाश

1: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2: 1 कोरिन्थी 15:33-34 - "धोखा नहि खाउ। अधलाह संगति नीक नैतिकता केँ बर्बाद क' दैत अछि। जेना उचित अछि, अपन नशा मे धुत्त स्तब्धता सँ जागू, आ पाप नहि करैत रहू। किएक त' किछु गोटे केँ परमेश् वरक कोनो ज्ञान नहि छनि। हम कहैत छी।" ई अहाँक लाजक लेल।"

यशायाह 10:18 ओ अपन जंगल आ अपन फलदार खेतक महिमा केँ, प्राण आ शरीर दुनू केँ भस्म क’ देत।

भगवान् हुनक विरोध करयवला के शरीर आ आत्मा दुनू के भस्म क देताह, हुनका कमजोर आ असहाय छोड़ि देताह |

1. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति - यशायाह 10:18

2. पापक परिणाम - यशायाह 10:18

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. मत्ती 10:28 - ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारि दैत छथि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत छथि। बल्कि ओहि सँ डरू जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।

यशायाह 10:19 ओकर जंगलक शेष गाछ कम होयत, जाहि सँ एकटा बच्चा ओकरा लिखि सकय।

यशायाह 10:19 एकटा जंगलक बात करैत अछि जकर आकार बहुत कम भ’ गेल अछि, एतेक धरि जे बच्चा सभ गाछ लिखि सकैत अछि।

1. निराशाक समय मे भगवानक कृपा पर्याप्त होइत छैक।

2. भगवानक योजना हमरा सभसँ पैघ अछि जे हम सभ बुझि सकैत छी।

1. 2 कोरिन्थी 12:9 - "ओ हमरा कहलनि जे, हमर कृपा अहाँक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ' जाइत अछि।"

2. अय्यूब 42:2 - "हम जनैत छी जे अहाँ सभ किछु क' सकैत छी, आओर अहाँ सँ कोनो विचार नहि रोकल जा सकैत अछि।"

यशायाह 10:20 ओहि दिन इस्राएलक शेष लोक आ याकूबक घराना सँ बचल लोक सभ आब फेर ओहि पर नहि रहत जे ओकरा सभ केँ मारि देलक। मुदा सत्य मे इस्राएलक पवित्र परमेश् वर पर रहत।

याकूबक घर सँ बचल इस्राएलक शेष आब ओकरा सभ पर भरोसा नहि करत जे ओकरा सभ केँ चोट पहुँचाबैत छल, बल् कि इस्राएलक पवित्र प्रभु पर भरोसा करत।

1. भगवान् मे ताकत प्राप्त करब: कठिन समय मे प्रभु पर कोना भरोसा कयल जाय

2. भगवान् पर विश्वास करब सीखब: प्रभु पर भरोसा करबाक आशीर्वाद

1. भजन 31:14-15 मुदा, हे प्रभु, हम अहाँ पर भरोसा करैत छी। हम कहैत छी, अहाँ हमर भगवान छी। हमर समय अहाँक हाथ मे अछि; हमरा हमर शत्रु सभक हाथ सँ आ हमर सताओनिहार सभ सँ बचाउ!

२. कारण, हम सभ अपन सामर्थ्य सँ बेसी बोझिल भ' गेल छलहुँ जे जीवन सँ स्वयं निराश भ' गेल छलहुँ। सत्ते हमरा सभकेँ लागल जे हमरा सभकेँ फाँसीक सजा भेटि गेल अछि । मुदा से हमरा सभ केँ अपना पर नहि अपितु मृतक केँ जीबि उठयनिहार परमेश् वर पर भरोसा करबाक लेल छल।

यशायाह 10:21 शेष लोक याकूबक शेष लोक पराक्रमी परमेश् वर लग घुरि जायत।

याकूबक शेष लोक पराक्रमी परमेश् वर लग घुरि जेताह।

1. भगवान् पराक्रमी छथि आ जे हुनका लग घुरि जेताह हुनका आशीर्वाद भेटतनि।

2. कतबो छोट हो, भगवानक अवशेष बिसरल नहि जायत।

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु केँ ताबत तक खोजू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि, जाबत ओ नजदीक छथि ताबत हुनका पुकारू।

2. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर भगवान, हमर शक्ति, जिनका पर हम भरोसा करब।

यशायाह 10:22 किएक तँ अहाँक प्रजा इस्राएल समुद्रक बालु जकाँ भ’ जायत, मुदा ओकरा सभक किछु शेष घुरि कऽ आओत।

प्रभु इस्राएलक शेष लोक केँ उद्धार करताह आ धार्मिकताक भरमार रहत।

1: परमेश् वरक वफादारी हुनकर प्रतिज्ञा मे देखल जाइत अछि जे ओ इस्राएलक एकटा अवशेष केँ बचाओत।

2: परमेश् वरक न्याय हुनकर धार्मिकताक फरमान मे देखल जाइत अछि।

1: रोमियो 9:27-28 - आ यशायाह इस्राएलक विषय मे चिचियाइत छथि, “भले इस्राएलक संतानक संख्या समुद्रक बालु जकाँ हो, मुदा हुनका सभक किछु शेष लोकक उद्धार होयत, किएक तँ प्रभु अपन सजा केँ पूरा करताह पृथ्वी पूर्णतः आ बिना देरी केने।

2: रोमियो 11:5-6 - तहिना वर्तमान समय मे सेहो एकटा अवशेष अछि, जे अनुग्रह सँ चुनल गेल अछि। आ जँ कृपा सँ अछि तँ आब काजक आधार पर नहि अछि; अन्यथा अनुग्रह आब अनुग्रह नहि होइत।

यशायाह 10:23 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर प्रभु समस्त देशक बीच मे एकटा विनाश कऽ देताह।

प्रभु परमेश् वर ककरो छोड़ने बिना देश पर विनाश लाओता।

1. भगवानक दया आ न्याय: संतुलन केँ बुझब

2. परमेश् वरक निर्णय: हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक आवश्यकता किएक

1. यिर्मयाह 9:24 - मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बात पर गर्व करय जे ओ हमरा बुझैत अछि आ जनैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ्वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी भगवान्.

2. रोमियो 2:4 - की अहाँ ओकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी। ई नहि जानि जे परमेश् वरक भलाई अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाइत अछि?

यशायाह 10:24 तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “हे हमर प्रजा जे सियोन मे रहैत छी, अश्शूर सँ नहि डेराउ, ओ अहाँ केँ छड़ी सँ मारि देत आ मिस्रक तरीका जकाँ अहाँ पर अपन लाठी उठाओत।” .

परमेश् वर सियोन मे अपन लोक सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे अश्शूर हुनका सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचाओत, हालांकि ओ एहन करबाक धमकी दऽ सकैत छथि।

1. प्रभुक रक्षा: परमेश् वरक प्रतिज्ञा अपन लोक सभ सँ

2. अपन वचनक प्रति वफादार: परमेश् वरक अपन लोकक प्रति अडिग प्रेम

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

480

यशायाह 10:25 किएक तँ एखन बहुत कम समय मे आक्रोश समाप्त भ’ जायत आ हमर क्रोध ओकरा सभक विनाश मे समाप्त भ’ जायत।

भगवान् केरऽ क्रोध कुछ समय के बाद खतम होय जैतै, जेकरऽ परिणामस्वरूप वू लोगऽ के नाश होय जैतै जेकरा पर वू क्रोधित छै ।

1. क्रोधक सोझाँ धैर्यक शक्ति

2. अपन क्रोध छोड़ब सीखब

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 16:32 - "जे क्रोध मे देरी करैत अछि, से पराक्रमी सँ नीक होइत अछि, आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, ओहि सँ नीक अछि जे नगर पकड़ैत अछि।"

यशायाह 10:26 सेना सभक परमेश् वर ओकरा लेल ओरेबक चट्टान पर मिद्यानक वधक अनुसार कोड़ा चलाओत, आ जेना ओकर लाठी समुद्र पर छलैक, तेना ओ ओकरा मिस्रक प्रथाक अनुसार ऊपर उठाओत।

ई अंश प्रभु केरऽ अपनऽ लोगऽ पर कोड़ा या दंड के माध्यम सें न्याय के बात करै छै, जेना कि वू मिद्यानी सिनी पर ओरेब के चट्टान पर आबी गेलऽ छेली आरू मिस्र में समुद्र के ऊपर उठाय के छड़ी के तरह।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया केँ बुझब

2. प्रभु के आज्ञाकारिता में जीना

1. निष्कासन 7:20-21 - मूसा आ हारून एना केलनि, जेना परमेश् वरक आज्ञा छलनि। ओ लाठी उठा कऽ नदी मे जे पानि छल, ओकरा फारो आ ओकर नोकर सभक नजरि मे मारि देलक। नदी मे जे पानि छल से खून मे बदलि गेल।

2. न्यायाधीश 7:25 - ओ सभ मिद्यानीक दूटा राजकुमार ओरेब आ ज़ीब केँ पकड़ि लेलक। ओरेबक चट्टान ओरेब पर ओरेब केँ मारि देलक आ ज़ीब केँ ज़ीबक दारू-कुंड मे मारि देलक आ मिद्यानक पीछा कयलक आ ओरेब आ ज़ीबक सिर केँ यरदनक ओहि पार गिदोन लग पहुँचा देलक।

यशायाह 10:27 ओहि दिन ओकर भार तोहर कान्ह पर सँ हटि जायत आ ओकर जुआ तोहर गरदनि सँ हटि जायत आ जुआ अभिषेकक कारणेँ नष्ट भ’ जायत।

प्रभु के दिन में अभिषेक के कारण पाप के बोझ लोक सब स दूर भ जायत आ अत्याचार के जुआ टूटि जायत।

1. अभिषेक के शक्ति: अत्याचार के तोड़ब आ हमरा सब के मुक्त करब

2. पाप के बोझ: प्रभु के अभिषेक के माध्यम से स्वतंत्रता पाना

1. भजन 55:22 - अपन भार प्रभु पर राखू, आ ओ अहाँ केँ सहारा देताह, ओ कहियो धर्मी केँ हिलब नहि देताह।

2. यशायाह 58:6 - की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलब, भारी बोझ उतारब, आ दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब, आ अहाँ सभ हर जुआ तोड़ब?

यशायाह 10:28 ओ ऐत आबि गेल छथि, मिग्रोन चलि गेल छथि। मिचमाश मे ओ अपन गाड़ी सभ राखि लेने छथि।

परमेश् वर वफादार आ शक्तिशाली छथि, ओहो विपत्तिक सामना करैत।

481

1. भगवान् के अटल निष्ठा

2. कठिन समय मे भगवान् के ताकत

1. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि क' सकैत अछि।" फथम।थकल लोक के ताकत दैत अछि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत अछि, युवा सब सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, आ युवक ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि, मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ अपन शक्ति के नवीनीकरण करत।ओ सब गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. रोमियो 8:35-37 - "हमरा सभ केँ मसीहक प्रेम सँ के अलग करत? की संकट वा कष्ट वा सताओत वा अकाल वा नग्नता वा खतरा वा तलवार? जेना कि लिखल अछि: "अहाँ सभक लेल हम सभ दिन भरि मृत्युक सामना करैत छी।" ; हमरा सभ केँ वध करबाक लेल बरद जकाँ मानल जाइत अछि।" नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि द्वारा विजयी सँ बेसी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम केलक।"

यशायाह 10:29 ओ सभ ओहि बाट पर चलि गेल छथि, ओ सभ गेबा मे अपन ठहरल भ’ गेल छथि। रामह डरैत छथि; साउलक गिबिया भागि गेल अछि।

इस्राएल के लोग सीमा पार करी कॅ गेबा में निवास करी लेलकै, जेकरा चलतें रामा में भय पैदा होय गेलै आरू साउल के गिबिया से भागी गेलै।

1: परिवर्तन आ अनजान सँ नहि डेराउ, कारण भगवान सदिखन अहाँक संग रहैत छथि।

2: जाहि बात मे विश्वास करैत छी ताहि लेल ठाढ़ रहू, चाहे ओकर परिणाम किछुओ हो।

1: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: दानियल 3:17-18 - "जँ एहन अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ' क' बचा सकैत छथि, आओर ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा। मुदा जँ नहि त' से हो।" हे राजा, तोरा पता छै कि हम्में तोरऽ देवता सिनी के सेवा नै करबै, नै तोहें जे सोना के मूर्ति के पूजा करबै।”

यशायाह 10:30 हे गलीमक बेटी, अपन आवाज उठाउ, हे बेचारा अनाथोथ, लैश केँ सुनाउ।

ई अंश गलीम के बेटी के प्रोत्साहित करै छै कि वू अपनऽ आवाज सुनै, चाहे वू लैश आरू अनाथोथ के कठिन परिस्थिति में भी होय ।

1. एक आवाजक शक्ति: एकटा आवाज दुनियाँ के कोना बदलि सकैत अछि

2. प्रतिकूलता स उबरब: कठिन परिस्थिति स ऊपर उठब

1. रोमियो 10:14-15 - तखन ओ सभ ओकरा कोना बजाओत जकरा पर ओ सभ विश्वास नहि केने अछि? आ जिनकर बारे मे ओ सभ कहियो नहि सुनने छथि, हुनका पर कोना विश्वास करताह? आ बिना ककरो प्रचार केने कोना सुनत?

2. यशायाह 58:12 - आ अहाँक प्राचीन खंडहरक पुनर्निर्माण होयत; अहाँ कतेको पीढ़ीक नींव ठाढ़ करब। अहाँ केँ भंगक मरम्मत करयवला, रहबाक लेल सड़कक पुनर्स्थापन करयवला कहल जायब।

यशायाह 10:31 उन्माद हटा देल गेल अछि; गेबीम के निवासी भागै लेली जमा होय जाय छै।

मडमेना आ गेबिम के निवासी भागि रहल अछि।

1. संकट के समय में भगवान के रक्षा

2. विपत्तिक सामना मे मजबूती सँ ठाढ़ रहब

1. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

2. 2 तीमुथियुस 1:7 - किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ डरपोक आत् मा नहि, बल् कि सामर्थ् य, प्रेम आ आत्म-अनुशासनक आत् मा देलनि।

यशायाह 10:32 ओ ओहि दिन नोब मे रहत, ओ यरूशलेमक पहाड़ी सियोनक बेटीक पहाड़ पर हाथ हिलाओत।

ई अंश यरूशलेम के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के बात करै छै।

1. परमेश् वरक न्याय: परमेश् वरक धार्मिकता आ क्रोध केँ बुझब

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक शक्ति आ अधिकार केँ बुझब

1. यशायाह 11:4-5 - "मुदा ओ गरीब सभक न्याय करत, आ पृथ् वीक नम्र लोक सभक लेल न्यायपूर्वक डाँटत ओ दुष्ट केँ मारि देत। आ धार्मिकता ओकर कमर मे पट्टी बनत आ विश्वास ओकर लगामक पट्टी बनत।”

2. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की देखौलनि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

यशायाह 10:33 देखू, सेना सभक प्रभु, आतंकित भ’ क’ डारि केँ काटि लेताह, आ ऊँच-ऊँच लोक सभ केँ काटि देल जायत, आ घमंडी लोक सभ केँ नम्र कयल जायत।

प्रभु घमंडी आ शक्तिशाली लोक केँ बहुत शक्ति आ बल सँ उतारताह।

1. प्रभु के सामने विनम्रता: सर्वशक्तिमान के शक्ति को समझना

2. पतनसँ पहिने घमंड अबैत अछि: अहंकारक परिणाम

1. फिलिप्पियों 2:3-4 "स्वार्थक महत्वाकांक्षा आ अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व राखू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अपन हित मात्र नहि, बल्कि दोसरक हित दिस सेहो देखू।"

2. याकूब 4:6-7 "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक केँ अनुग्रह दैत छथि। तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

यशायाह 10:34 ओ लोहा सँ जंगलक झाड़ी केँ काटि देत, आ लेबनान एकटा पराक्रमी द्वारा खसि पड़त।

भगवान एकटा पराक्रमी के उपयोग जंगल के झाड़ी काटय लेल करत आ लेबनान खसि पड़त।

1: भगवानक शक्ति असीमित अछि आ ओकर उपयोग अपन बाट मे कोनो वस्तु केँ नीचाँ उतारबा मे कयल जा सकैत अछि।

2: हमरा सभ केँ एहि संसारक वस्तु सभ पर भरोसा नहि करबाक चाही, कारण एकमात्र भगवान् छथि जे हमरा सभ केँ सच्चा आ स्थायी विजय द' सकैत छथि।

1: भजन 20:7 "किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम मोन पाड़ब।"

2: इब्रानियों 11:1 "आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।"

यशायाह अध्याय 11 भविष्य के मसीहा आरू हुनकऽ धर्मी शासन के भविष्यवाणी के दर्शन प्रस्तुत करै छै, जे इस्राएल आरू दुनिया के लेलऽ आशा आरू पुनर्स्थापना लानै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत आबै वाला मसीहा के गुण आरू गुण के वर्णन स॑ करलऽ गेलऽ छै, जेकरा यिशै के ठूंठ स॑ निकललऽ अंकुर के रूप म॑ संदर्भित करलऽ गेलऽ छै, जे प्रभु के आत्मा स॑ भरलऽ होतै (यशायाह ११:१-५)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे एहि धर्मी राजाक शासन मे शान्तिपूर्ण राज्यक चित्रण कयल गेल अछि | ई शिकारी आरू शिकार सहित सब प्राणी के बीच सामंजस्य के वर्णन करै छै आरू परमेश्वर के प्रति ज्ञान आरू श्रद्धा स॑ भरलऽ दुनिया के चित्रण करै छै (यशायाह ११:६-९)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर द्वारा अपन लोकक पुनर्स्थापनक भविष्यवाणी कयल गेल अछि | ओ इस्राएल केँ विभिन्न जाति मे निर्वासन सँ एकत्रित करत, ओकरा ओकर छिड़ियाएल भाइ सभक संग फेर सँ मिलाओत आ ओकर दुश्मन सभक अंत करत (यशायाह 11:10-16)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय एगारह पर अनावरण
भविष्यवाणी के दर्शन
भविष्य के मसीह के शासन के।

आने वाला मसीहा के गुणों का वर्णन।
हुनक शासन मे शांतिपूर्ण राज्यक चित्रण।
सब प्राणी के बीच सामंजस्य के चित्रण।
भगवान् के लोक के बहाली के भविष्यवाणी।

ई अध्याय भविष्य केरऽ शासक केरऽ दृष्टि प्रस्तुत करी क॑ आशा लानै छै जे धर्म आरू न्याय केरऽ मूर्त रूप दै छै । ई मसीह के माध्यम स॑ अपनऽ प्रतिज्ञा क॑ पूरा करै म॑ परमेश् वर केरऽ निष्ठा के बात करै छै । शांति, सृष्टि के बीच एकता आरू पुनर्स्थापन के चित्रण एक याद दिलाबै के काम करै छै कि अंततः परमेश्वर के मोक्ष के योजना पाप आरू टूटना पर हावी होतै। ई यीशु मसीह के तरफ ई भविष्यवाणी के पूर्ति के रूप में इशारा करै छै, जेकरा में उद्धारकर्ता आरू राजा के रूप में हुनकऽ भूमिका पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै जे हुनका पर विश्वास करै वाला सब के उद्धार दै छै ।

यशायाह 11:1 यिशैक डारि सँ एकटा छड़ी निकलत आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि उगत।

जेसी सँ एकटा छड़ी आओत, आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि उगत।

1. मोक्षक लेल परमेश् वरक योजना: यिशी के शाखा

2. ताकतक एकटा अप्रत्याशित स्रोत: जेसीक तनासँ

1. रोमियो 15:12 - "आ फेर यशायाह कहैत छथि, यिशैक जड़ि आओत, जे जाति-जाति पर शासन करबाक लेल उठत; गैर-यहूदी सभ हुनका पर आशा करत।"

2. प्रकाशितवाक्य 22:16 - "हम यीशु अपन स् वर्गदूत केँ पठौने छी जे अहाँ सभ केँ मण् डलीक गवाही देथि। हम दाऊदक जड़ि आ संतान छी, उज्ज्वल आ भोरका तारा।"

यशायाह 11:2 हुनका पर परमेश् वरक आत् मा, बुद्धि आ बुद्धिक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ परमेश् वरक भय।

प्रभु के आत्मा मसीह पर टिकल रहतै जे प्रभु के प्रति बुद्धि, समझ, सलाह, पराक्रम, ज्ञान आरू भय प्रदान करतै।

1. "मसीह के माध्यम स भगवान के बुद्धि के वरदान"।

2. "प्रभु के भय के शक्ति"।

1. अय्यूब 28:28 - "ओ मनुष्य केँ कहलथिन, “देखू, प्रभुक भय, बुद्धि थिक, आ बुराई सँ हँटब बुद्धि थिक।"

2. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

यशायाह 11:3 ओ ओकरा परमेश् वरक भय मे शीघ्र बुद्धिमान बनाओत।

मसीहा जल्दी समझै वाला बनतै आरू ओकरोॅ आँख के नजर के अनुसार नै, बल्कि प्रभु के भय के अनुसार न्याय करतै।

1. मसीहक बुद्धि: परमेश् वरक इच्छाक अनुसार न्याय कोना कयल जाय

2. प्रभु के भय के समझना: परमेश् वर के वचन के पालन करै के की मतलब छै

1. यूहन्ना 7:24 - देखबाक अनुसार न्याय नहि करू, बल् कि धार्मिक न्यायक न्याय करू।

2. भजन 111:10 - प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक: हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभ केँ नीक बुझल छनि।

यशायाह 11:4 मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ् वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत, आ अपन मुँहक छड़ी सँ पृथ्वी केँ मारि देत, आ अपन ठोरक साँस सँ दुष्ट केँ मारत।

परमेश् वर गरीब सभक न्याय धार्मिकता सँ करताह आ नम्र लोकक लेल न्यायक सेवा कयल जायत। दुष्ट केँ परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य सँ दंडित कयल जायत।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: अपन विश् वास मे कोना साहसी रहब

2. गरीब आ नम्र के लेल धर्म आ न्याय: भगवान के अटूट प्रेम

1. याकूब 3:1-12

2. मत्ती 12:36-37

यशायाह 11:5 धर्म ओकर कमरक पट्टी होयत आ विश्वास ओकर बागडोरक पट्टी होयत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ धार्मिकता आ निष्ठा के जीवन जीबाक लेल बजबैत छथि।

1. धर्म आ निष्ठा के जीवन जीना

2. धर्म आ निष्ठा के कमरबंद

1. भजन 119:172: हमर जीह अहाँक वचन पर बाजत, कारण अहाँक सभ आज्ञा सही अछि।

2. रोमियो 6:13: अपन कोनो हिस्सा केँ पाप मे दुष्टताक साधन नहि बनाउ, बल्कि अपना केँ परमेश् वरक समक्ष ओहि लोकक रूप मे अर्पित करू जे मृत्यु सँ जीवित कयल गेल अछि। आ अपन एक-एकटा अंग ओकरा धर्मक साधन बनि चढ़ा दियौक।

यशायाह 11:6 भेड़िया सेहो मेमना के संग रहत आ तेंदुआ बछड़ा के संग ओतैत रहत। बछड़ा आ सिंहक बच्चा आ मोटका बच्चा सभ एक संग। आ एकटा छोट बच्चा हुनका सभक नेतृत्व करत।

शांतिपूर्ण यूटोपिया के वर्णन करलऽ गेलऽ छै जेकरा म॑ अलग-अलग प्रजाति के जानवर शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व म॑ रहै छै, जेकरऽ नेतृत्व एगो छोटऽ बच्चा करै छै ।

1. "नेतृत्व के माध्यम स शांति: यशायाह 11:6 स सीखब"।

2. "शांति साझा करब: सह-अस्तित्वक महत्व"।

1. मत्ती 18:2-4, "ओ एकटा छोट बच्चा केँ बजा कऽ ओकरा सभक बीच मे बैसा देलथिन, आ कहलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे जाबत अहाँ सभ धर्म परिवर्तन नहि करब आ छोट-छोट बच्चा जकाँ नहि बनब।” स्वर्गक राज्य मे प्रवेश नहि करू। तेँ जे कियो एहि छोट बच्चा जकाँ अपना केँ नम्र करत, से स्वर्गक राज्य मे सबसँ पैघ अछि।”

2. 1 पत्रुस 5:5, "तहिना, अहाँ सभ छोट, जेठक अधीन रहू। हँ, अहाँ सभ एक-दोसरक अधीन रहू आ विनम्रताक वस्त्र पहिरि लिअ। किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोक सभक विरोध करैत छथि आ विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।" " .

यशायाह 11:7 गाय आ भालू भोजन करत। ओकर बच्चा सभ एक संग पड़ल रहत, सिंह बैल जकाँ भूसा खा जायत।

ई अंश जानवरऽ के बीच शांति आरू सौहार्द के समय के बात करै छै ।

1. शांति के शक्ति: जानवर स सीखब

2. शेर आ बैल: सामंजस्यक एकटा पाठ

1. भजन 34:14 - अधलाह सँ मुड़ू आ नीक काज करू; शांति खोजू आ ओकर पाछाँ लागू।

2. मत्ती 5:9 - धन्य अछि शांति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत।

यशायाह 11:8 दूध लऽ कऽ बच्चा बाधक छेद पर खेलत, आ दुध छुड़ाओल बच्चा कोकड़ीक मांद पर हाथ राखत।

अंश मे बच्चाक कें खतरनाक जानवरक कें साथ बिना कोनों डर कें खेलय मे सक्षम होय कें बात कैल गेल छै.

1. "आज्ञाकारिता के शक्ति: विश्वास के ताकत"।

2. "भय सँ मुक्त रहब: भगवान् पर विश्वास केँ आत्मसात करब"।

1. मत्ती 10:31-32 - "तेँ नहि डेराउ; अहाँ सभक मोल बहुतो गौरैया सँ बेसी अछि। तेँ जे कियो हमरा दोसर सँ पहिने स्वीकार करत, हमहूँ अपन स् वर्ग मे अपन पिताक समक्ष स्वीकार करब।"

२.

यशायाह 11:9 हमर समस्त पवित्र पहाड़ मे ओ सभ कोनो नुकसान नहि करत आ ने विनाश करत, कारण, पृथ्वी परमेश् वरक ज्ञान सँ भरल रहत, जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

पृथ्वी प्रभुक ज्ञान सँ भरल रहत, आ आब कोनो आहत वा विनाश नहि होयत।

1. शांति के प्रतिज्ञा: यशायाह 11:9 के अन्वेषण

2. ज्ञानक शक्ति: यशायाह 11:9 मे आराम भेटब

1. भजन 72:7 - हुनकर समय मे धर्मी लोक पनपत; आ जा धरि चान टिकैत रहत ता धरि शान्तिक प्रचुरता।

2. यशायाह 2:4 - ओ जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत, आ ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटनी मे फँसि जायत, जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने युद्ध सीखत आर किछ.

यशायाह 11:10 ओहि दिन यिशै के एकटा जड़ि होयत जे लोकक झंडा बनत। गैर-यहूदी लोक सभ ओकरा खोजत आ ओकर विश्राम महिमामंडित होयत।

जेसीक जड़ि सभ लोकक लेल झंडा बनत, आ ओकर विश्राम महिमामंडित होयत।

1: यीशु यिशै के जड़ि छथि - सभ लोकक लेल आशाक निशानी।

2: जेसी के बाकी जड़ में आनन्दित रहू।

1: रोमियो 15:12 - आ फेर यशायाह कहैत छथि, यिशै के जड़ि उगताह, जे जाति पर शासन करबाक लेल उठत। गैर-यहूदी सभ हुनका पर आशा करत।

2: प्रकाशितवाक्य 22:16 - हम यीशु अपन स् वर्गदूत केँ पठौने छी जे अहाँ सभ केँ मण् डली सभक लेल ई गवाही देथि। हम दाऊदक जड़ि आ संतान छी, आ उज्ज्वल भोरका तारा छी।

यशायाह 11:11 ओहि दिन परमेश् वर दोसर बेर अपन हाथ राखताह जे अश्शूर, मिस्र, पथ्रोस आ पथरोस सँ बचल रहबाक लेल अपन लोकक शेष भाग केँ बरामद करथि कुश, एलाम, शिनार, हमत आ समुद्रक द्वीप सभ सँ।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के बात करै छै कि हुनी अपनऽ लोग सिनी कॅ निर्वासन स॑ बहाल करी दै ।

1: भगवान हमरा सब के कहियो नै बिसरताह, चाहे हम सब कतबो दूर महसूस करी।

2: भगवान् पर सदिखन भरोसा कयल जा सकैत अछि जे ओ अपन प्रतिज्ञा पूरा करताह।

1: इजकिएल 37:1-14 - इस्राएल राष्ट्र के निर्वासन में प्रतिनिधित्व करै लेली सूखल हड्डी के घाटी के दर्शन आरू ओकरा बहाल करै के परमेश्वर के प्रतिज्ञा।

2: यशायाह 43:1-7 - परमेश् वरक आराम आ सुरक्षाक प्रतिज्ञा, आओर हुनकर आश्वासन जे ओ अपन लोक सभ केँ मुक्त करताह।

यशायाह 11:12 ओ जाति सभक लेल एकटा झंडा लगाओत, आ इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ एकत्रित करत आ पृथ् वीक चारू कोन सँ यहूदाक तितर-बितर लोक सभ केँ एकत्रित करत।

ई अंश एकटा एहन चिन्हक बात करैत अछि जे जाति सभक लेल ठाढ़ कयल जायत, आ कोना परमेश् वर इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ एकत्रित करताह आ पृथ् वीक चारू कोन सँ यहूदाक तितर-बितर लोक सभ केँ एकत्रित करताह।

1. परमेश् वरक मोक्षक संकेत: परमेश् वरक प्रेम कोना हेरायल लोक केँ पुनर्स्थापित करैत अछि

2. परमेश् वरक लोकक पुनर्गठन: परमेश् वर अपन लोक केँ राष्ट्र सभ सँ कोना एकत्रित करैत छथि

1. लूका 15:11-32 - हेरायल भेड़क दृष्टान्त

2. इफिसियों 2:11-22 - मसीह मे यहूदी आ गैर-यहूदी सभक मेल-मिलाप

यशायाह 11:13 एप्रैमक ईर्ष्या सेहो चलि जायत, आ यहूदाक विरोधी सभ समाप्त भ’ जायत, एप्रैम यहूदा सँ ईर्ष्या नहि करत, आ यहूदा एप्रैम केँ परेशान नहि करत।

यशायाह 11:13 यहूदा आरू एप्रैम के बीच शांति के बात करै छै, कैन्हेंकि एप्रैम आब यहूदा स॑ ईर्ष्या नै करतै आरू यहूदा अब॑ एफ्राइम क॑ परेशान नै करतै।

1. "ईर्ष्या छोड़ि शांति लेल पहुँचब"।

2. "परस्पर सम्मान मे सामंजस्य खोजब"।

1. गलाती 5:22-23 - "मुदा आत् माक फल अछि प्रेम, आनन्द, शान्ति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वास, कोमलता आ आत्मसंयम। एहन बात सभक विरुद्ध कोनो व्यवस्था नहि अछि।"

2. इफिसियों 4:3 - "शांति के बंधन के द्वारा आत्मा के एकता के कायम रखै के पूरा प्रयास करू।"

यशायाह 11:14 मुदा ओ सभ पलिस्ती सभक कान्ह पर पश्चिम दिस उड़त। ओ सभ एक संग पूबक लोक सभ केँ लूटि लेत। अम्मोनक सन् तान सभ ओकर आज्ञा मानत।”

इस्राएलक लोक पश्चिम दिस पलिस्ती सभक कान्ह पर उड़ि कऽ पूब दिसक ओकरा सभ केँ लूटत, एदोम, मोआब आ अम्मोन पर सेहो हाथ राखत आ अम्मोनक लोक सभ ओकर आज्ञा मानत।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य हुनकर लोकक माध्यमे प्रकट होइत अछि

2. आज्ञाकारिता आशीर्वाद दैत अछि

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि हुनका नव शक्ति भेटतनि। ओ गरुड़ जकाँ पाँखि पर ऊँच उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. 1 शमूएल 15:22 - "मुदा शमूएल उत्तर देलथिन, "परमेश् वर केँ एहि सँ बेसी की नीक लगैत अछि: अहाँक होमबलि आ बलिदान वा हुनकर आवाजक आज्ञापालन? सुनू! आज्ञापालन बलिदान सँ नीक अछि, आ अधीनता बलिदान सँ नीक अछि।" मेढ़क।"

यशायाह 11:15 परमेश् वर मिस्रक समुद्रक जीह केँ एकदम सँ नष्ट कऽ देताह। ओ अपन प्रचंड हवा सँ नदी पर हाथ हिलाओत आ ओकरा सात धार मे मारि देत आ मनुष्य केँ सूखल पाँति पार कऽ देत।

प्रभु मिस्र के समुद्र के जीभ के नष्ट करी क॑ अपनऽ प्रचंड हवा के उपयोग करी क॑ नदी क॑ एतना उथला करी देतै कि लोगऽ क॑ बिना भीजले पार करी सक॑ ।

1: समुद्रक विभाजन करबाक परमेश् वरक सामर्थ् य हुनकर चमत् कार आ हमरा सभक भरण-पोषण करबाक क्षमताक स्मरण कराबैत अछि।

2: जखन पानि पार करबा लेल बेसी गहींर बुझाइत अछि तखनो भगवान् ओकरा अलग क' देताह आ हमरा सभक लेल एकटा बाट उपलब्ध करा देताह।

1: निष्कर्ष 14:21-22: तखन मूसा समुद्र पर हाथ बढ़ौलनि, आ ओहि भरि राति प्रभु समुद्र केँ पूरबक तेज हवा सँ पाछू भगा देलनि आ ओकरा शुष्क भूमि मे बदलि देलनि। पानि बँटि गेल आ इस्राएली सभ शुष्क जमीन पर समुद्रक बीचसँ गुजरल, जकर दहिना आ बामा कात पानिक देबाल छल।

2: यहोशू 3:15-17: आब यरदन नदी सभ फसल काटबाक समय मे बाढ़िक अवस्था मे अछि। तइयो जहिना जहाज लऽ कऽ चलय बला पुरोहित सभ यरदन नदी पर पहुँचलाह आ हुनकर सभक पएर पानिक किनार केँ छूबि गेलाह, ऊपर सँ पानि बहब बंद भऽ गेलनि। ई बहुत दूर, जरैतान के आसपास आदम नाम के एगो शहर में ढेर में ढेर होय गेलै, जबकि अरबा के समुद्र (नमकीन सागर) में नीचें बहय वाला पानी पूरा तरह सें कटलोॅ गेलै। तेँ लोक सभ यरीहोक सोझाँ पार भ’ गेल।

यशायाह 11:16 हुनकर लोकक शेष लोकक लेल एकटा राजमार्ग होयत जे अश्शूर सँ बचल रहत। जेना मिस्र देश सँ बाहर निकललाक दिन इस्राएलक संग भेल छल।

ई अंश एगो राजमार्ग के बात करै छै जेकरा परमेश् वर के अवशेष सिनी कॅ अश्शूर सें वापस आबै लेली बनालौ गेलौ छेलै, ठीक वैसने जइसे मिस्र छोड़ै के समय इस्राएली सिनी लेली छेलै।

1. "अवशेष के राजमार्ग: भगवान के घर के रास्ता खोजना"।

2. "मोक्षक मार्ग: धार्मिकताक परमेश् वरक बाट पर चलब"।

1. यशायाह 43:19 - "देखू, हम एकटा नव काज करब; आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे बाट तक बना देब आ मरुभूमि मे नदी।"

2. निर्गमन 13:17-22 - "तखन फारो लोक सभ केँ छोड़ि देलनि तखन परमेश् वर ओकरा सभ केँ पलिस्तीक देशक बाट सँ नहि लऽ गेलाह, यद्यपि ओ देश नजदीक छल, किएक तँ परमेश् वर कहलनि जे, कहीं कहीं एहन नहि हो।" लोक युद्ध देखि पश्चाताप करैत अछि आ मिस्र घुरि जाइत अछि।”

यशायाह अध्याय १२ परमेश्वर के उद्धार आरू उद्धार के लेलऽ स्तुति आरू धन्यवाद के गीत छेकै । ई इस्राएल के मुक्त लोगऽ के आनन्द आरू कृतज्ञता के अभिव्यक्ति करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश्वर पर भरोसा आरू विश्वास के घोषणा स॑ होय छै, जेकरा म॑ हुनकऽ क्रोध क॑ स्वीकार करलऽ जाय छै लेकिन हुनकऽ आराम आरू उद्धार क॑ भी पहचानलऽ जाय छै (यशायाह १२:१-२)।

2nd Paragraph: गीत में मोक्ष के इनार स पानि निकालबाक क्रिया पर जोर देल गेल अछि, जे भगवान स भेटल प्रचुर आशीर्वाद के प्रतीक अछि। ई हुनका धन्यवाद दै आरू जाति सिनी के बीच हुनकऽ काम के घोषणा करै लेली प्रोत्साहित करै छै (यशायाह १२:३-४)।

तृतीय पैराग्राफ: गीत आगू बढ़ैत अछि जे भगवानक स्तुति गाबय, हुनकर उपस्थिति मे आनन्दित होयब आ हुनकर महानता केँ स्वीकार करब। ई हुनकऽ पवित्र नाम क॑ प्रशंसा के योग्य के रूप म॑ उजागर करै छै (यशायाह १२:५-६)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बारह अध्याय प्रस्तुत
स्तुति आ धन्यवादक गीत
भगवान् के उद्धार के लिये।

परमेश् वर के आराम आ उद्धार पर भरोसा के घोषणा करब।
मोक्ष के इनार से पानी खींचने पर जोर देते हुए |
राष्ट्रक बीच कृतज्ञता आ घोषणा केँ प्रोत्साहित करब।
स्तुति गाबय के आग्रह करैत, भगवान के सान्निध्य में आनन्दित।

ई अध्याय परमेश्वर के उद्धार के अनुभव करै के प्रतिक्रिया के रूप में काम करै छै, जेकरा में हुनकऽ उद्धार के काम के लेलऽ गहरा आभार व्यक्त करलऽ जाय छै । हुनका संग मेल मिलाप भेला सँ जे आनन्द भेटैत अछि ताहि पर चिंतन करैत अछि । ई विश्वासी सिनी कॅ धन्यवाद दै लेली, सब जाति के बीच हुनको भलाई के घोषणा करै लेली आरू दिल के प्रशंसा के साथ हुनको पूजा करै लेली प्रोत्साहित करै छै। अंततः, ई हमरा सब के याद दिलाबै छै कि हमरऽ आनन्द, ताकत आरू उद्धार के अंतिम स्रोत परमेश्वर के साथ हमरऽ संबंध में मिलै छै ।

यशायाह 12:1 ओहि दिन अहाँ कहब जे, “हे प्रभु, हम अहाँक स्तुति करब।”

यशायाह 12:1 मे, वक्ता के प्रति परमेश् वर के क्रोध के जगह दिलासा देलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश्वरक प्रेम टिकैत अछि: यशायाह 12:1 पर चिंतन

2. परमेश् वरक क्षमा: यशायाह 12:1 मे आशा भेटब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 103:14 - "किएक तँ ओ जनैत छथि जे हम सभ कोना बनल छी; ओ मोन पाड़ैत छथि जे हम सभ धूरा छी।"

यशायाह 12:2 देखू, परमेश् वर हमर उद्धार छथि। हम भरोसा करब, नहि डरब, किएक तँ प्रभु यहोवा हमर सामर्थ् य आ गीत छथि। ओहो हमर उद्धार बनि गेल अछि।

यशायाह 12:2 श्रोता केँ भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि आ नहि डरय किएक त’ प्रभु हुनकर शक्ति आ उद्धार छथि।

1. प्रभु पर भरोसा करू आ डरू नहि

2. प्रभु हमर बल आ हमर उद्धार छथि

1. भजन 34:4 हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

2. रोमियो 10:11 किएक तँ धर्मशास् त्र कहैत अछि, “जे केओ ओकरा पर विश् वास करत, ओकरा लाज नहि होयत।”

यशायाह 12:3 तेँ अहाँ सभ उद्धारक इनार सभ सँ हर्षोल्लास सँ पानि निकालब।

यशायाह हमरा सभ केँ उद्धारक इनार सभ सँ हर्षोल्लास सँ खींचबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. प्रभु मे आनन्दित होउ: मोक्षक इनार सँ खींचब

2. आशा आ आनन्द: मोक्षक इनार मे शांति भेटब

1. यिर्मयाह 2:13 - किएक तँ हमर लोक दूटा बुराई केलक अछि; ओ सभ हमरा जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ कुँहा, टूटल-फूटल कुंड सभ केँ काटि देलक, जे पानि नहि राखि सकैत अछि।

2. यूहन्ना 4:13-14 - यीशु उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “जे कियो एहि पानि सँ पीबैत अछि, से फेर पियासत। मुदा हम जे पानि ओकरा देबनि से हुनका मे जलक इनार बनत जे अनन्त जीवन मे उगैत अछि।

यशायाह 12:4 ओहि दिन अहाँ सभ कहब जे, “प्रभुक स्तुति करू, हुनकर नाम पुकारू, हुनकर काज लोक सभक बीच सुनाउ, हुनकर नाम ऊँच अछि।”

लोक के भगवान के स्तुति करबाक चाही आ लोक के बीच हुनकर भलाई के घोषणा करबाक चाही, कियाक त हुनकर नाम उदात्त अछि |

1. प्रभु मे आनन्दित रहू - भगवानक सान्निध्यक आनन्द

2. भगवान् के भलाई के घोषणा - राष्ट्र के बीच हुनकर नाम घोषित करब

1. भजन 34:1-3 - "हम हरदम परमेश् वरक आशीष करब। हुनकर स्तुति हमरा मुँह मे सदिखन रहत। हमर प्राण ओकरा परमेश् वर मे घमंड करत हमरा संग परमेश् वर, आउ, हम सभ मिलिकय हुनकर नामक उच्चता करब।”

२ ओ सभ प्रचार करैत अछि, जाबत धरि ओकरा सभ केँ नहि पठाओल जायत?

यशायाह 12:5 प्रभुक लेल गाउ। किएक तँ ओ उत्तम काज कयलनि।

ई अंश हमरा सब क॑ प्रभु केरऽ उत्कृष्ट काम के स्तुति गाबै लेली प्रोत्साहित करै छै, जे पूरा दुनिया म॑ जानलऽ जाय छै ।

1. प्रभुक स्तुति करू: पूजा आ धन्यवादक आह्वान

2. प्रभु के उत्तम कर्म में आनन्दित होना

1. भजन 100:4-5 - धन्यवादक संग हुनकर फाटक मे प्रवेश करू, आ हुनकर आँगन मे स्तुति करू! हुनका धन्यवाद दियौन; हुनकर नाम के आशीर्वाद दियौन!

2. प्रकाशितवाक्य 5:12 - "ओ मेमना जे मारल गेल छल, ओ सामर्थ्य आ धन आ बुद्धि आ पराक्रम आ सम्मान, महिमा आ आशीर्वाद प्राप्त करबाक योग्य अछि!"

490

यशायाह 12:6 हे सियोन निवासी, चिचियाउ आ चिचियाउ, किएक तँ तोहर बीच मे इस्राएलक पवित्र परमेश् वर महान छथि।

ई अंश इस्राएल के पवित्र के महानता पर जोर दै छै आरू सिय्योन के लोगऽ क॑ हुनकऽ उपस्थिति म॑ आनन्दित होय लेली आमंत्रित करै छै ।

1. इस्राएलक पवित्रक सान्निध्य मे आनन्दित रहब

2. इस्राएल के पवित्र के महानता के उत्सव मनना

1. भजन 46:10 "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

2. यूहन्ना 14:27 "हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी, हम अहाँ सभ केँ अपन शान्ति दैत छी। हम अहाँ सभ केँ जेना संसार दैत अछि, नहि।

यशायाह अध्याय १३ मे बेबिलोन के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आसन्न विनाश आरू ओकरऽ अहंकार आरू उत्पीड़न के लेलऽ ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के आज्ञा के घोषणा स॑ होय छै कि पहाड़ प॑ एगो झंडा फहराबै के, जेकरा म॑ बेबिलोन के खिलाफ अपनऽ न्याय के निष्पादन करै लेली बहुत जाति के भीड़ बोलैलऽ जाय छै (यशायाह १३:१-५)।

2 पैराग्राफ: यशायाह प्रभु के दिन के वर्णन करै छै, जेकरा क्रोध आरू विनाश के दिन के रूप में चित्रित करै छै। प्रयोग करलऽ गेलऽ बिम्बऽ म॑ लोगऽ के बीच ब्रह्मांडीय गड़बड़ी, आतंक आरू पीड़ा के चित्रण करलऽ गेलऽ छै (यशायाह १३:६-१६)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवक्ता घोषणा करैत छथि जे बेबिलोन के महिमा बुझि जायत। ई उजाड़ भ' जायत, जाहि मे केवल जंगली जानवरक निवास होयत आ फेर कहियो पुनर्निर्माण नहि होयत। बेबिलोन पर परमेश् वरक न्याय अंतिम अछि (यशायाह 13:17-22)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेरह अध्याय प्रस्तुत अछि
बेबिलोन के विरुद्ध न्याय के भविष्यवाणी
अपन अहंकार आ अत्याचारक लेल।

न्याय के लेल राष्ट्र के बजाबय के घोषणा।
प्रभु के दिन को क्रोध के दिन बताते हुए |
ब्रह्माण्डीय गड़बड़ी आ आतंक के चित्रण।
बेबिलोन के महिमा के विलुप्त होय के घोषणा।

ई अध्याय ई याद दिलाबै के काम करै छै कि परमेश् वर सब जाति पर सार्वभौमिक छै आरू ओकरा सिनी कॅ ओकरोॅ काम के लेलऽ जवाबदेह ठहराबै छै। एहि मे ओहि परिणाम पर प्रकाश देल गेल अछि जे घमंड स काज करय वाला आ दोसर पर अत्याचार करय वाला के इंतजार मे अछि. अपनऽ ऐतिहासिक संदर्भ म॑ बेबिलोन क॑ विशेष रूप स॑ संबोधित करतें हुअ॑ ई ईश्वरीय न्याय स॑ संबंधित व्यापक विषयऽ के तरफ भी इशारा करै छै आरू परमेश्वर केरऽ अनन्त अधिकार के विपरीत मानव शक्ति के क्षणभंगुर प्रकृति के बारे म॑ चेतावनी दै छै ।

यशायाह 13:1 बाबुलक भार जे अमोजक पुत्र यशायाह देखलनि।

यशायाह के बाबुल के बारे में भविष्यवाणी के दर्शन छै।

1. बेबिलोन पर परमेश् वरक न्याय आ ओकर परिणाम

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति आ ओकर पूर्ति

1. यिर्मयाह 50:1 10

2. रोमियो 11:33 36

यशायाह 13:2 ऊँच पहाड़ पर एकटा झंडा उठाउ, हुनका सभक लेल आवाज बढ़ाउ, हाथ हिलाउ, जाहि सँ ओ सभ कुलीन सभक फाटक मे जाथि।

यशायाह लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे एकटा ऊँच पहाड़ पर एकटा झंडा उठा क' कुलीन लोक सभ केँ आवाज देथिन जाहि सँ ओ सभ अपन फाटक मे प्रवेश करथि।

1. "बैनर के शक्ति: एकता में ताकत खोजना"।

2. "परिवर्तनक आवाज: अपन आवाज सुनब"।

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

2. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

यशायाह 13:3 हम अपन पवित्र लोक सभ केँ आज्ञा देलहुँ, हम अपन पराक्रमी सभ केँ सेहो अपन क्रोधक लेल बजौलहुँ, जे सभ हमर उच्चता मे आनन्दित छथि।

भगवान् अपन क्रोध व्यक्त करबाक लेल अपन पवित्र आ पराक्रमी लोकनि केँ बजौने छथि |

1. भगवानक क्रोध: अपन क्रोध केँ धार्मिकताक संग व्यक्त करब

2. परमेश् वरक पवित्रता: हुनक पवित्र लोकनि जे काज करबाक लेल बजाओल गेल छथि

1. इफिसियों 5:6-7 - अहाँ सभ केँ केओ खाली बात सँ धोखा नहि दियौक, कारण एहि सभक कारणेँ परमेश् वरक क्रोध आज्ञा नहि मानय बला बेटा सभ पर अबैत अछि। तेँ हुनका सभक संग भागीदार नहि बनू।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दिअ। किएक तँ लिखल अछि, “प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब,” प्रभु कहैत छथि।

यशायाह 13:4 पहाड़ पर भीड़क हल्ला, जेना कोनो पैघ लोकक हल्ला। जाति-जाति सभक उथल-पुथल भरल हल्ला जमा भ’ गेल छल, सेना सभक परमेश् वर युद्धक सेना केँ जमा करैत छथि।

सेना केरऽ परमेश् वर युद्ध केरऽ सेना क॑ जमा करी क॑ भीड़ के जाति के सामना करै छै ।

1: प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। इफिसियों 6:10

2: शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ हेबाक लेल भगवानक पूरा कवच पहिरू। इफिसियों 6:11

1: किएक तँ हम सभ शरीरक अनुसार चलैत छी, मुदा शरीरक अनुसार युद्ध नहि कऽ रहल छी। कारण, हमरा सभक युद्धक हथियार शरीरक नहि अछि, अपितु गढ़ सभ केँ नष्ट करबाक ईश्वरीय शक्ति अछि। 2 कोरिन्थी 10:3-4

2: किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज, आत् मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ हृदयक विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि। इब्रानियों 4:12

यशायाह 13:5 ओ सभ दूरक देश सँ, स् वर्गक छोर सँ, प्रभु आ ओकर क्रोधक हथियार सभ सँ पूरा देश केँ नष्ट करबाक लेल अबैत छथि।

परमेश् वर स् वर्गक दूर-दूर धरि सँ आबि रहल छथि जे क्रोधक हथियार सँ देश केँ नष्ट करथि।

1. भगवान् के क्रोध के अपेक्षा में जीना

2. प्रभुक न्यायक प्रकृति

1. प्रकाशितवाक्य 19:11-21 - न्याय के हथियार के साथ प्रभु के आगमन

2. यशायाह 30:27-28 - प्रभुक क्रोध आ दया

यशायाह 13:6 अहाँ सभ कूदब। किएक तँ परमेश् वरक दिन लग आबि गेल अछि। ई सर्वशक्तिमान परमेश् वरक विनाशक रूप मे आओत।

परमेश् वरक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ परमेश् वरक दिस सँ विनाश आनि देत।

1. प्रभुक दिन: विनाशक तैयारी करब वा मोक्षक?

2. तैयार रहू: प्रभुक दिन आबि रहल अछि

1. योएल 2:31 - "प्रभुक महान आ भयावह दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।"

2. मत्ती 24:36 - "मुदा ओहि दिन आ घड़ीक विषय मे केओ नहि जनैत अछि, स् वर्गक स् वर्गदूत नहि, सिवाय हमर पिता मात्र।"

यशायाह 13:7 तेँ सभ हाथ क्षीण भ’ जायत, आ प्रत्येक लोकक हृदय पिघलि जायत।

परमेश् वरक आसन्न न्याय सभ लोक मे भय आ भय पैदा करत।

1: परमेश् वरक धार्मिक न्याय हमरा सभ केँ भय सँ काँपि देत।

2: आउ, हुनकर न्याय आबय सँ पहिने विनम्र पश्चाताप मे भगवान् दिस घुरि जाइ।

1: लूका 21:25-26 - सूर्य आ चान आ तारा मे चिन् ह आ पृथ्वी पर समुद्र आ लहरिक गर्जनाक कारणेँ जाति-जाति सभक विपत्ति होयत, लोक सभ भय सँ आ कीक पूर्वाभास दैत बेहोश भ’ जायत दुनियाँ पर आबि रहल अछि।

2: योएल 2:12-13 - तइयो एखनहु, प्रभु कहैत छथि, अपन पूरा मोन सँ, उपवास, कानब आ शोक संग हमरा लग घुरि जाउ। आ अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। आ विपत्ति पर नम्र भ' जाइत अछि।

यशायाह 13:8 ओ सभ डरि जेताह, पीड़ा आ दुख हुनका सभ केँ पकड़ि लेत। ओ सभ प्रसव करऽ वला स् त्री जकाँ पीड़ा मे पड़ि जेताह। हुनका लोकनिक मुँह ज्वाला जकाँ होयत।

लोक भय, पीड़ा आ दुख सँ भरि जायत जखन प्रभु ओकरा पर न्याय आनताह, आ ओ बहुत आश्चर्य सँ भरि जायत।

1. डर नहि: कठिन समय मे प्रभु पर भरोसा करब

2. मसीहक प्रेम आ शक्तिक माध्यमे चिंता आ भय पर काबू पाबब

1. रोमियो 8:38-39 - किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, ने वर्तमान वस्तु, ने आगामी वस्तु, ने ऊँचाई, ने गहींर, आ ने कोनो आन प्राणी। हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकब, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2. भजन 34:4 - हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि, आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

यशायाह 13:9 देखू, परमेश् वरक दिन आबि रहल अछि, क्रोध आ प्रचंड क्रोधक संग क्रूर, जे देश केँ उजड़ि देत, आ ओ ओहि मे सँ पापी सभ केँ नष्ट कऽ देत।

परमेश् वर क्रोध आ क्रोधक संग एहि देश केँ उजाड़ करबाक लेल आ पापी सभक नाश करबाक लेल आबि रहल छथि।

1. परमेश् वरक क्रोध आबि रहल अछि - यशायाह 13:9

2. प्रभु सँ भेंट करबाक तैयारी करू - यशायाह 13:9

1. रोमियो 2:5-6 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

6. यिर्मयाह 25:30-31 - तेँ हुनका सभक विरुद्ध ई सभ बात भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे परमेश् वर ऊपर सँ गर्जना करताह आ अपन पवित्र निवास सँ अपन आवाज बाजताह। ओ अपन झुंड पर जोर-जोर सँ गर्जत, आ अंगूर रौदनिहार जकाँ, पृथ् वीक सभ निवासीक विरुद्ध चिचियाओत।

यशायाह 13:10 किएक तँ आकाशक तारा आ ओकर नक्षत्र सभ अपन इजोत नहि देत, सूर्य निकलैत काल अन्हार भ’ जायत आ चान अपन इजोत नहि चमकाओत।

भगवान् ओहि देश पर अन्हार अनताह, जतय तारा आ सूर्य आब इजोत नहि आनि सकैत अछि।

1. परमेश् वरक शक्ति: सृष्टि पर परमेश् वरक संप्रभुता हुनकर पराक्रम केँ कोना प्रगट करैत अछि

2. अन्हार मे रहब: यशायाह 13:10 के आध्यात्मिक अर्थ के बुझब

1. प्रकाशितवाक्य 21:23-25 - "शहर केँ ओहि मे चमकबाक लेल सूर्यक आ ने चानक आवश्यकता नहि छलैक, कारण परमेश् वरक महिमा ओकरा रोशन क' देलकैक, आ मेमना ओकर इजोत छै।"

2. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा कहैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

यशायाह 13:11 हम संसार केँ ओकर दुष्टताक लेल, आ दुष्ट केँ ओकर अधर्मक लेल दंडित करब। हम घमंडी लोकक अहंकार केँ समाप्त क' देब, आ भयंकर लोकक घमंड केँ नीचाँ राखब।

ई अंश परमेश् वर के बुराई के दंड आरू दुष्ट के घमंड के चर्चा करै छै।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. प्रभु मनुष्यक हृदय केँ जनैत छथि - यिर्मयाह 17:10

1. नीतिवचन 6:16-17 - "प्रभु ई छह चीज सँ घृणा करैत छथि, हँ, सात टा हुनका लेल घृणित अछि: घमंडी नजरि, झूठ बाजब, निर्दोष खून बहाबय बला हाथ।"

2. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि: परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

यशायाह 13:12 हम मनुक्ख केँ नीक सोना सँ बेसी कीमती बना देब। ओफीरक सोनाक पच्चर सँ बेसी आदमी सेहो।

ई अंश मनुष्य के मूल्य पर जोर दै छै, जे सोना स॑ भी अधिक मूल्यवान छै ।

1: हम सब भगवान् के प्रतिरूप में बनल छी आ एहि तरहे एकर अनंत मूल्य अछि

2: भगवान् हमरा सभकेँ कोनो भौतिक वस्तुसँ बेसी महत्व दैत छथि

1: उत्पत्ति 1:26-27 - परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि

2: भजन 49:7 - कियो दोसरक जीवन नहि छुड़ा सकैत अछि आ ने परमेश्वर केँ ओकरा लेल फिरौती नहि दऽ सकैत अछि।

यशायाह 13:13 तेँ हम आकाश केँ हिला देब आ पृथ्वी अपन स्थान सँ हटि जायत, सेना सभक प्रभुक क्रोध मे आ हुनकर भयंकर क्रोधक दिन।

भगवान् अपन प्रचंड क्रोधक दिन अपन क्रोध छोड़ताह आ आकाश-पृथ्वी केँ हिला देताह।

1. हमर भगवान क्रोध आ न्यायक भगवान छथि

2. प्रभु के दिन: पश्चाताप के आह्वान

1. सफनिया 1:14-18

2. योएल 2:1-11

यशायाह 13:14 ई पीछा कएल गेल मछल आ भेँड़ा जकाँ होयत जकरा केओ नहि उठा सकैत अछि।

लोक अपन लोक दिस घुरि जायत आ खतरा के सामना करय पर अपन जमीन पर भागि जायत।

1. पीछा कयल गेल रो सँ सीख: भगवानक रक्षा पर भरोसा करब सीखब

2. शरण लेब: परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे सुरक्षा पाबब

1. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत, आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाओल जायत; यद्यपि... ओकर पानि गर्जैत अछि आ त्रस्त भ' जाइत अछि, यद्यपि ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।"

2. यशायाह 41:10 "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ; किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब; हँ, हम अहाँक दहिना हाथसँ सहारा लेब।" हमर धर्म।"

यशायाह 13:15 जे कियो भेटत, ओकरा धकेलि देल जायत। जे कियो हुनका सभक संग जुड़त, से तलवारक मारि कऽ खसि पड़त।”

यशायाह १३:१५ केरऽ ई श्लोक एकरऽ विरोध करै वाला सिनी के खिलाफ हिंसक आरू विनाशकारी हमला के वर्णन करै छै ।

1. परमेश् वरक न्याय निश्चित अछि आ हुनकर विरोध करय बला सभ पर आओत।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक प्रति सतर्क आ आज्ञाकारी रहबाक चाही जाहि सँ हुनकर निर्णय सँ बचि सकब।

1. इजकिएल 33:11 हुनका सभ केँ कहू, “हम जीवित छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि। मुदा दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीबैत रहू। किएक तँ अहाँ सभ किएक मरब?

2. रोमियो 6:23 पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

यशायाह 13:16 हुनका सभक बच्चा सभ सेहो हुनका सभक आँखिक सोझाँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल जेतनि। घर-घर लूट-पाट भ’ जेतै, आ पत्नी सभ लूटल जायत।

यशायाह 13:16 मे परिवारक विनाशक वर्णन अछि, जाहि मे बच्चा सभ केँ ओकर आँखिक सोझाँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल गेल अछि, ओकर घर तोड़ि देल गेल अछि आ ओकर पत्नी सभक लूट-पाट कयल गेल अछि।

1. "भगवानक अग्निमय क्रोध: आज्ञा आज्ञा नहि करबाक परिणाम केँ बुझब"।

2. "दुःख के सामने प्रेम के ताकत"।

1. होशे 9:7 दण्डक दिन आबि गेल अछि, प्रतिफलक दिन आबि गेल अछि; इस्राएल एकरा जानतै, भविष्यवक्ता मूर्ख छै, आत् मक आदमी पागल छै, तोरऽ अधर्म के भीड़ आरो बहुत घृणा के कारण।

2. रोमियो 8:18 किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।

यशायाह 13:17 देखू, हम मादी सभ केँ ओकरा सभक विरुद्ध भड़का देब, जे चानी केँ कोनो परवाह नहि करत। आ सोनाक बात तऽ ओ सभ ओहि मे प्रसन्न नहि हेताह।

परमेश् वर मादी सभक उपयोग लोक सभ केँ दंडित करबाक लेल करताह, आ ओकरा सभ केँ भौतिक सम्पत्ति मे कोनो रुचि नहि होयत।

1. भगवानक शक्ति: भगवान् अपन इच्छा पूरा करबाक लेल छोट-छोट शक्तिक उपयोग कोना क' सकैत छथि।

2. धनक आडंबर: भौतिक सम्पत्ति अंत मे कोना हमरा सभ केँ नहि बचा सकैत अछि।

1. याकूब 4:14 - तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

2. नीतिवचन 23:5 - धन पर एक नजरि दियौक, आ ओ सभ चलि गेल, किएक तँ ओ सभ पाँखि अंकुरित कए गरुड़ जकाँ आकाश दिस उड़ि जायत।

यशायाह 13:18 हुनका सभक धनुष सेहो युवक सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देत। गर्भक फल पर हुनका सभ केँ कोनो दया नहि होयतनि। ओकर आँखि बच्चा सभ केँ नहि छोड़त।

प्रभु अपन विरोध करनिहार पर कोनो दया नहि करताह। निर्दोष बच्चा सभकेँ सेहो नहि।

1. भगवान् के क्रोध के शक्ति

2. भगवान् के अथाह प्रेम

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत छनि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यशायाह 13:19 आ बेबिलोन, राज्यक महिमा, कसदी सभक श्रेष्ठताक सौन्दर्य, ओहिना होयत जखन परमेश् वर सदोम आ अमोरा केँ उखाड़ि फेकने छलाह।

बेबिलोन, जे कहियो महान आ गौरवशाली राज्य छल, सदोम आ अमोरा जकाँ नष्ट भ' जायत।

1. परमेश् वरक न्याय निश्चित अछि आ हुनका विरुद्ध विद्रोह करयवला सभ पर कयल जायत।

2. कोनो राज्य कतबो शक्तिशाली आ गौरवशाली देखाइत हो, मुदा ओ एखनो परमेश् वरक अधिकारक अधीन अछि।

1. यशायाह 14:22-24 - "किएक तँ हम हुनका सभक विरुद्ध उठब, सेना सभक प्रभु कहैत छथि, आ बाबुल सँ नाम आ अवशेष, संतान आ वंशज केँ काटि देब।" कारण, सुर्ग आ पानिक पोखरि, आ हम ओकरा विनाशक झाड़ू सँ झाड़ब, सेना सभक प्रभु कहैत छथि।

2. उत्पत्ति 19:24-25 - तखन प्रभु स्वर्ग सँ प्रभुक दिस सँ सदोम आ अमोरा पर गंधक आ आगि बरसा देलनि। तेँ ओ ओहि नगर सभ केँ, समस्त मैदान केँ, आ ओहि नगर सभ मे रहनिहार सभ केँ, आ जमीन पर जे किछु उपजल छल, तकरा उखाड़ि देलनि।

यशायाह 13:20 एहि मे कहियो लोक नहि रहत आ ने ओहि मे पीढ़ी-दर-पीढ़ी रहत। आ ने चरबाह सभ ओतहि अपन झुंड बनाओत।

ओहि अंश मे कहल गेल अछि जे कोनो खास जगह पर कहियो आबाद नहि होयत आ ने रहब आ ने अरब आ ने चरबाह ओतय डेरा ठाढ़ करत आ ने अपन गुच्छा बनाओत।

1. दुनिया के हर जगह के लेल परमेश्वर के योजना - यशायाह 13:20

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - यशायाह 13:20

1. यिर्मयाह 50:12 - "अहाँक माय बहुत लज्जित भ' जेतीह; जे अहाँ केँ जन्म देलनि से लज्जित हेतीह। देखू, जाति सभक सबसँ पाछू मे जंगल, शुष्क भूमि आ मरुभूमि होयत।"

2. यिर्मयाह 51:43 - "ओकर शहर सभ उजाड़, शुष्क भूमि आ जंगल अछि, एहन देश अछि जाहि मे केओ नहि रहैत अछि आ ने कोनो मनुष्यक बेटा ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि।"

यशायाह 13:21 मुदा मरुभूमिक जंगली जानवर ओतहि पड़ल रहत। आ हुनका सभक घर दुखी प्राणी सभ सँ भरल रहत। आ उल्लू ओतहि रहत, आ सती नाचत।

जंगली जानवर सुनसान इलाका में निवास करत आ ओकर संग दुख आनय वाला जीव, उल्लू, आ सतीर जे नाचत।

1. सुनसान भूमि के प्रभाव - यशायाह 13:21

2. जंगली जानवरक अवांछित संगति - यशायाह 13:21

1. यिर्मयाह 50:39 - तेँ बेबिलोन मे जंगली जानवर सभ हाइना सभक संग रहत आ ओहि मे शुतुरमुर्ग सभ रहत। ओकरा मे आब कहियो पीढ़ी-पीढ़ी मे आबाद नहि होयत आ ने रहब।

2. भजन 104:21 - सिंहक बच्चा सभ अपन शिकारक पाछाँ गर्जैत अछि, आ भगवान सँ अपन मांस तकैत अछि।

यशायाह 13:22 द्वीप सभक जंगली जानवर अपन उजड़ल घर मे चिचियाओत, आ अपन सुखद महल मे अजगर, आ ओकर समय आबि रहल अछि, आ ओकर दिन बेसी नहि होयत।

ई अंश कोनो लोक पर जे विनाश आ उजाड़ आओत, आ कोना ओकर समय नजदीक आबि गेल अछि आ ओकर दिन बेसी नहि होयत।

1. परमेश् वरक निर्णय निश्चित आ अपरिहार्य अछि

2. प्रभुक दिनक तैयारी करू

1. यिर्मयाह 4:6-7; बेबिलोन के तरफ एकटा मानक स्थापित करू, मादी के सरकार के तरफ संकेत दियौ। घोषणा करू आ तुरही बजाउ आ पहाड़ पर झंडा ठाढ़ करू आ ओकरा सभक लेल आवाज केँ ऊँच करू।

2. प्रकाशितवाक्य 6:12-17; हम देखलहुँ जे जखन ओ छठम मोहर खोललनि तखन एकटा पैघ भूकम्प आबि गेल। सूर्य केशक बोरा जकाँ कारी भ’ गेल आ चान खून जकाँ भ’ गेल। आकाशक तारा सभ पृथ्वी पर खसि पड़ल जेना अंजीरक गाछ अपन असमय अंजीर केँ फेकि दैत अछि जखन ओ तेज हवा सँ हिलैत अछि। आकाश गुड़कला पर एकटा ग्रंथ जकाँ चलि गेल। आ हरेक पहाड़ आ द्वीप अपन-अपन स्थान सँ हटि गेल।

यशायाह अध्याय 14 मे बेबिलोन के राजा के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी छै, जेकरा में ओकर अंतिम पतन आरू ओकरा पर आबै वाला न्याय के खुलासा करलऽ गेलऽ छै। एकरऽ विपरीत इस्राएल केरऽ बहाली आरू ऊंचाई के साथ भी छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के भविष्य के बहाली आरू ओकरऽ अपनऽ भूमि पर वापसी के वादा स॑ होय छै । परमेश् वर याकूब पर दया करत आ इस्राएल केँ फेर सँ चुनताह, जखन कि विदेशी लोकनि हुनका सभक संग जुड़ताह (यशायाह 14:1-3)।

2 पैराग्राफ: यशायाह बेबिलोन के राजा के संबोधित करै छै, ओकरऽ घमंड आरू अहंकार के मजाक उड़ाबै छै। ओ अपन पतन के भविष्यवाणी करैत छथि, वर्णन करैत छथि जे कोना हुनका अपन ऊँच स्थान स नीचा कयल जायत (यशायाह 14:4-11)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी जारी अछि जे बेबिलोन के पतन पर अन्य राष्ट्र के प्रतिक्रिया के चित्रण कयल गेल अछि | एकरऽ अंत पर आश्चर्य व्यक्त करै छै आरू ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि एकरऽ शक्ति टूटी गेलऽ छै (यशायाह १४:१२-२१)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह बेबिलोन के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के घोषणा क समाप्त करैत छथि, ई कहैत छथि जे ओ पूर्ण रूप स नष्ट भ जायत आ फेर कहियो नहि उठत। एकरऽ भूमि उजाड़ होय जैतै, जेकरा म॑ केवल जंगली जानवर ही रहतै (यशायाह १४:२२-२३)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चौदह अध्याय प्रकट करैत अछि
बाबुलक राजाक पतन
आ इस्राएल के लेल बहाली के वादा करै छै।

इजरायल के लिये आशाजनक बहाली।
घमंड के मजाक उड़ाबैत आ बेबिलोन के राजा के पतन के भविष्यवाणी करैत।
बेबिलोन के पतन पर राष्ट्र के बीच आश्चर्य के चित्रण।
बेबिलोन पर अंतिम न्याय के उच्चारण।

ई अध्याय ई याद दिलाबै के काम करै छै कि परमेश् वर सब जाति पर सार्वभौमिक छै, जे घमंड में खुद क ऊपर उठाबै छै, ओकरा विनम्र करै छै। ई हुनकऽ चुनलऽ लोगऽ के प्रति हुनकऽ निष्ठा क॑ रेखांकित करै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ पूर्व निर्वासन के बावजूद भी हुनकऽ बहाली के वादा करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ अतिरिक्त, ई परमेश् वर केरऽ अनन्त अधिकार के तुलना म॑ मानव शक्ति आरू राज्यऽ के अस्थायी प्रकृति प॑ जोर दै छै । अंततः, ई परमेश्वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के लेलऽ मोक्षदायक योजना आरू सब पार्थिव शक्ति पर ओकरऽ अंतिम जीत के तरफ इशारा करै छै ।

यशायाह 14:1 किएक तँ परमेश् वर याकूब पर दया करताह आ एखनो इस्राएल केँ चुनताह आ हुनका सभ केँ अपन देश मे राखताह, आ परदेशी सभ हुनका सभक संग जुड़ि जायत आ ओ सभ याकूबक घराना सँ चिपकल रहताह।

परमेश् वर याकूब आ इस्राएल पर दया करतै, ओकरा सिनी कॅ अपनऽ मातृभूमि में वापस लानै छै आरू ओकरा सिनी कॅ अनजान लोगऽ के साथ जोड़तै।

1. प्रभुक दया: भगवानक प्रेम कोना सभ सीमा केँ पार करैत अछि

2. एकताक शक्ति: आस्था लोक केँ कोना एक ठाम आनि सकैत अछि

1. याकूब 2:13 - "किएक तँ जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। न्याय पर दया विजयी होइत छैक।"

2. भजन 33:18 - "देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर दया पर आशा करैत छथि।"

यशायाह 14:2 लोक ओकरा सभ केँ पकड़ि क’ अपन स्थान पर ल’ जायत, आ इस्राएलक घराना ओकरा सभ केँ परमेश् वरक देश मे नोकर आ दासी सभक रूप मे अपन कब्जा मे राखत। ओ सभ अपन अत्याचारी सभ पर राज करत।

498

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के बात करै छै कि जे लोग उत्पीड़ित छेलै, ओकरा सिनी कॅ मुक्ति दै के, आरू प्रभु के देश में ओकरा अनुग्रह प्रदान करै के।

1. भगवान उद्धारक छथि: विपत्तिक समय मे अपन शक्ति आ संप्रभुता पर भरोसा करब

2. विश्वासक विजय: प्रभु पर भरोसा करब जे हमरा सभ केँ स्वतंत्रता मे ल' जायत

1. निष्कासन 14:13-14 - "मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ, ठाढ़ भ’ क’ प्रभुक उद्धार केँ देखू, जे ओ आइ अहाँ सभ केँ देखाओत।” , अहाँ सभ ओकरा सभ केँ फेर अनन्त काल धरि नहि देखब।प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह, आ अहाँ सभ चुप रहब।

2. भजन 34:17 - धर्मी पुकारैत छथि, आ प्रभु सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

यशायाह 14:3 जाहि दिन परमेश् वर तोरा तोहर दुख आ भय सँ आ ओहि कठोर दासता सँ विश्राम देथिन, जाहि मे अहाँ केँ सेवा कयल गेल छल।

भगवान् दुख, भय आ बंधन सँ विश्राम प्रदान करताह।

1. कठिन समय मे आराम भेटब - यशायाह 14:3

2. परमेश् वरक आरामक शक्ति - यशायाह 14:3

1. भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक लग छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यशायाह 14:4 अहाँ बाबुलक राजाक विरुद्ध एहि लोकोक्ति केँ उठा क’ कहब जे, “अत्याचारी कोना समाप्त भ’ गेल अछि!” सोनाक नगर समाप्त भ गेल!

बाबुलक राजाक विरुद्ध एकटा फकड़ा कहल गेल अछि जे कोना अत्याचारी आ सोनाक नगर समाप्त भ' गेल।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: यशायाहक कहावत इतिहासक मार्ग केँ कोना बदलि देलक

2. उत्पीड़न के जंजीर दूर करब: भगवान उत्पीड़ित के कोना मुक्त करैत छथि

1. लूका 4:18-19 - "प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि; ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल, बंदी सभ केँ मुक्ति आ ठीक होयबाक प्रचार करबाक लेल पठौलनि।" आन्हर केँ दृष्टिक क्षमता, चोट खाएल लोक केँ मुक्त करबाक लेल।”

2. यशायाह 58:6 - "की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलबाक लेल, भारी बोझ केँ उतारबाक लेल, आ दबलल लोक केँ मुक्त करबाक लेल, आ अहाँ सभ हर जुआ केँ तोड़बाक लेल?"

यशायाह 14:5 परमेश् वर दुष्ट सभक लाठी आ शासक सभक राजदण्ड तोड़ि देलनि।

परमेश् वर दुष्ट आ शासक सभक अधिकार तोड़ि देलनि अछि।

1. भगवानक शक्ति: अपन शत्रु सभकेँ देखाबए जे प्रभारी के अछि

2. अधिकार आ अधीनता: सब पर प्रभुक शासन

1. भजन 2:9-12 - अहाँ ओकरा लोहाक डंडा सँ तोड़ि कऽ कुम्हारक बर्तन जकाँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ दियौक।

2. यिर्मयाह 27:5-7 - हम अपन महान शक्ति आ पसरल बाँहि सँ पृथ्वी, मनुष्य आ जानवर जे जमीन पर अछि, ओकरा बनौने छी आ जकरा हमरा उचित बुझायल, ओकरा द’ देलहुँ।

यशायाह 14:6 जे लोक सभ केँ निरंतर प्रहार सँ क्रोध मे मारि दैत अछि, जे जाति सभक क्रोध मे शासन करैत छल, ओकरा सताओल जाइत छैक, आ कियो बाधा नहि करैत अछि।

भगवान् केरऽ न्याय अनिवार्य आरू अरोपनीय छै ।

1: कियो एतेक शक्तिशाली नहि होइत अछि जे भगवान् द्वारा जवाबदेह ठहराओल जा सकय।

2: हमरा सब के अपन काज के जिम्मेदारी लेबय पड़त आ अपन पसंद के परिणाम के स्वीकार करय पड़त।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यशायाह 14:7 पूरा धरती शान्त अछि आ शान्त अछि, ओ सभ गान मे फूटैत अछि।

धरती शान्ति मे अछि आ ओकर निवासी हर्षपूर्वक गाबि रहल छथि ।

1. "पृथ्वी पर शांति"।

2. "गायबाक आनन्द"।

1. भजन 96:11-12 - "आकाश आनन्दित हो, आ पृथ्वी आनन्दित हो। समुद्र आ ओकर पूर्णता गर्जय।
खेत आ ओहि मे जे किछु अछि, आनन्दित हो। तखन ओकर सभ गाछ-बिरिछ।" लकड़ी आनन्दित होइत अछि"।

2. फिलिप्पियों 4:4-5 - "प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। हम फेर कहैत छी जे, आनन्दित होउ।
अहाँ सभक संयम केँ सभ लोक केँ ज्ञात हो। प्रभु लग आबि गेल छथि।"

यशायाह 14:8 हँ, देवदारक गाछ आ लेबनानक देवदारक गाछ सभ अहाँ पर आनन्दित भ’ रहल अछि जे, “जहिया सँ अहाँ सुताओल गेल छी, तहिया सँ कोनो काटनिहार हमरा सभक विरुद्ध नहि आयल अछि।”

लेबनान के देवदार के गाछ आ देवदार के गाछ खुशी भ रहल छै, कियाकि ओकरा काटय लेल कोनो काटनिहार नै आबि रहल छै।

1. भगवानक रक्षा मे आनन्दित रहू

2. भगवान् के प्रावधान के आनन्द

1. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; हुनकर विश्वास अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।"

2. यशायाह 54:17 - "अहाँ सभक विरुद्ध कोनो हथियार नहि जीतत, आ अहाँ सभ जे जीह पर आरोप लगाबैत अछि, तकरा अहाँ सभ केँ खंडन करब। ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ई हमरा दिस सँ हुनकर सभक निर्दोषता अछि," प्रभु कहैत छथि।

यशायाह 14:9 नरक नीचाँ सँ अहाँक आगमन मे अहाँ सँ भेंट करबाक लेल प्रेरित अछि, ओ अहाँक लेल मृतक केँ, पृथ्वीक सभ प्रमुख लोक केँ, भड़काबैत अछि। ओ सभ जाति-जातिक राजा सभ केँ अपन सिंहासन सँ उठौने अछि।

परमेश् वर मृत् यु केँ सामने अनताह आ पृथ् वीक शासक सभ केँ जीबि लेताह जे जखन ओ आबि जेताह तखन हुनका सँ भेंट करथि।

1. प्रभुक दिन: राजाक आगमन

2. धर्मी लोकनिक पुनरुत्थान: एकटा अनन्त आशा

1. मत्ती 24:30-31 - "तखन स् वर्ग मे मनुष् यक पुत्रक चिन् ह प्रगट होयत। तखन पृथ् वीक सभ गोत्र शोक करत आ मनुष् यक पुत्र केँ स् वर्गक मेघ मे आबि रहल देखत।" शक्ति आ पैघ महिमा।ओ अपन स् वर्गदूत सभ केँ तुरहीक बड़का आवाज ल’ क’ पठौताह, आ ओ सभ अपन चुनल लोक केँ चारि हवा सँ आकाशक एक छोर सँ दोसर छोर धरि एकत्रित करत।”

2. प्रकाशितवाक्य 20:11-13 - "हम एकटा पैघ उज्जर सिंहासन आ ओहि पर बैसल लोक केँ देखलहुँ, जकर मुँह सँ धरती आ आकाश भागि गेल। आ ओकरा सभक लेल कोनो स्थान नहि भेटल। हम मृतक सभ केँ देखलहुँ।" , छोट-पैघ, परमेश् वरक समक्ष ठाढ़ भऽ जाउ, आ किताब सभ खुजल, आ एकटा आओर पुस्तक खुजल, जे जीवनक पुस्तक अछि, आ मृतक सभक न् याय ओहि बात सभ सँ कयल गेल जे किताब सभ मे लिखल छल, ओकर सभक काजक अनुसार समुद्र ओहि मृतक सभ केँ छोड़ि देलक, आ मृत्यु आ नरक ओकरा सभ मे जे मृतक छल, ओकरा सभ केँ सौंप देलक।

यशायाह 14:10 ओ सभ सभ बाजत आ कहत जे, “की अहाँ सेहो हमरा सभ जकाँ कमजोर भ’ गेलहुँ?” की अहाँ हमरा सभक समान बनि गेल छी?

ई अंश परमेश् वर के शत्रु सिनी कॅ हुनकऽ शक्ति आरू ताकत स॑ आश्चर्यचकित होय के बारे म॑ बात करै छै ।

1: मोन राखू जे भगवानक शक्ति आ शक्ति हमरा सभक शक्ति सँ बहुत आगू अछि, आ जखन ओ अपन सामर्थ्य देखबैत छथि तखन हमरा सभ केँ आश्चर्य नहि करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ ई कहियो नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् केर शक्ति आ शक्ति कोनो आन सँ बेसी अछि, आ ओ सदिखन अपन दुश्मन पर विजयी रहताह।

1: भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी, हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

2: यशायाह 40:29 - "ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।"

यशायाह 14:11 तोहर धूमधाम कब्र पर उतारल गेल अछि, आ तोहर वायोल केर आवाज, कीड़ा तोहर नीचाँ पसरल अछि आ कीड़ा तोरा झाँपि रहल अछि।

एहि संसारक धूमधाम आ वैभव अन्ततः सड़ि कऽ मरि जायत ।

1: घमंड पतन सँ पहिने जाइत अछि - नीतिवचन 16:18

2: आडंबरक व्यर्थता - उपदेशक 1:2

1: याकूब 4:14 - अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

2: 1 कोरिन्थी 15:50-58 - हम सब पलक झपकैत बदलि जायब।

यशायाह 14:12 हे भोरक बेटा लूसिफर, अहाँ कोना स्वर्ग सँ खसि पड़ल छी! अहाँ कोना जमीन पर काटि गेल छी, जे जाति-जाति सभ केँ कमजोर क’ देलक!

लूसिफर के घमंड के कारण ओकरोॅ स्वर्ग सें जमीन पर गिरी गेलै, जेकरा सें राष्ट्र सिनी कमजोर होय गेलै।

501

1. घमंड खसबासँ पहिने जाइत अछि
2. अभिमानक परिणाम
1. नीतिवचन 16:18, "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"
2. याकूब 4:6, "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"
यशायाह 14:13 अहाँ अपन हृदय मे कहने छी जे, हम स्वर्ग मे चढ़ब, हम अपन सिंहासन केँ परमेश् वरक तारा सभ सँ ऊपर उठा देब।
यशायाह 14:13 मे देल गेल अंश एहन व्यक्तिक गप्प करैत अछि जे घोषणा केने अछि जे ओ स्वर्ग मे चढ़त आ परमेश् वरक तारा सभ सँ ऊपर अपन सिंहासन केँ ऊपर उठाओत।
1. घमंड पतन स पहिने जाइत अछि - नीतिवचन 16:18
2. अतिविश्वासक खतरा - नीतिवचन 16:5
1. इजकिएल 28:2 - मनुष्यक पुत्र, सोरक राजकुमार केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे अहाँ सिद्धताक मोहर छलहुँ, बुद्धि सँ भरल आ सौन्दर्य मे सिद्ध।
2. याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।
यशायाह 14:14 हम मेघक ऊँचाई सँ ऊपर चढ़ब। हम परम उच्च जकाँ रहब।
यशायाह १४:१४ सँ ई अंश एकटा एहन व्यक्तिक बात करैत अछि जे परमेश् वर जकाँ बनबाक इच्छा रखैत अछि।
1. घमंड आ अहंकारक खतरा, आ कोना ई विनाश दिस ल' जाइत अछि।
2. विनम्रता के अपनाबय के तरीका के रूप में हमरा सब के जमीनी स्तर पर आ भगवान के नजदीक राखब।
1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।
2. मत्ती 23:12 - कारण जे कियो अपना केँ ऊँच करत, ओ विनम्र होयत, आ जे अपना केँ नम्र करत, ओ ऊँच होयत।
यशायाह 14:15 तइयो तोरा नरक मे, गड्ढाक कात मे उतारल जायत।
अंश मे घमंड आ अहंकार के परिणाम के बात कयल गेल अछि, जे पतन आ विनाश के तरफ ल जाइत अछि |
1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18
2. अहंकार के खतरा - याकूब 4:6
1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।
2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”
यशायाह 14:16 जे सभ अहाँ केँ देखैत अछि, से सभ अहाँ केँ संकीर्ण रूप सँ देखत आ अहाँ पर विचार करत, “की ई ओ आदमी अछि जे पृथ् वी केँ काँपौलक आ राज्य सभ केँ हिला देलक।
लोक ओहि दिस तकत जे कहियो धरती केँ काँपौने छल आ आश्चर्य सँ राज्य केँ हिलौने छल आ पूछत जे की वास्तव मे ओ वैह व्यक्ति अछि।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

2. मानव शक्ति के क्षणिकता

1. याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

2. भजन 75:7 - मुदा परमेश् वर न्यायाधीश छथि, ओ एकटा केँ नीचाँ खसा दैत छथि आ दोसर केँ ठाढ़ करैत छथि।

यशायाह 14:17 ओ संसार केँ जंगल जकाँ बना देलक आ ओकर शहर सभ केँ नष्ट क’ देलक। जे अपन कैदी सभक घर नहि खोललक?

ई अंश परमेश् वर के शक्ति के बात करै छै कि वू संसार आरू जे हुनकऽ आज्ञाकारी नै छै, ओकरा लेली विनाश आरू न्याय लानै छै।

1. परमेश् वरक क्रोध आ न्याय: हुनकर शक्तिक यथार्थ केँ बुझब

2. आज्ञाकारिता के आवश्यकता: परमेश्वर के इच्छा के आदर करना आरू ओकरऽ पालन करना सीखना

२.

2. भजन 37:39 - "मुदा धर्मी लोकनिक उद्धार प्रभु सँ भेटैत छनि; ओ विपत्तिक समय मे हुनकर गढ़ छथि।"

यशायाह 14:18 सभ जाति सभक राजा सभ, सभ अपन-अपन घर मे महिमा मे पड़ल छथि।

सब जाति के राजा सब के आदर आ सम्मान भेटैत छनि, प्रत्येक अपन-अपन महानता के स्थान पर।

1. भगवान् ओहि सभक आदर करैत छथि जे हुनकर आदर करय चाहैत छथि।

2. प्रत्येक व्यक्ति विशेष आ सम्मान आ सम्मानक योग्य होइत अछि ।

1. 1 पत्रुस 2:17 - सभ लोकक आदर करू, भाइ-बहिन सँ प्रेम करू, परमेश् वर सँ डेराउ, राजाक आदर करू।

2. नीतिवचन 16:18-19 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने। गरीबक संग नीच भावनाक रहब नीक जे घमंडी लोकक संग लूट बाँटब।

यशायाह 14:19 मुदा अहाँ अपन कब्र सँ घृणित डारि जकाँ फेकल गेल छी, आ तलवार सँ मारल गेल लोकक वस्त्र जकाँ जे गड्ढाक पाथर पर उतरैत अछि। जेना पैरक नीचाँ दबाएल शव।

1: हमरा सभ केँ अपन कब्र सँ घृणित डारि जकाँ बाहर फेकल जेबाक चाही, आ एकर बदला मे परमेश् वरक इच्छाक अनुरूप जीबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन जीवन एहन तरीका सँ जीबाक प्रयास करबाक चाही जाहि सँ भगवान् केर सम्मान हो आ तलवार सँ नहि ठोकल जाय, जेना मारल गेल, आ लाश जकाँ पैरक नीचाँ दबाओल जाय।

1: रोमियो 12:1-2 तेँ, भाइ लोकनि, परमेश् वरक दयाक द्वारा हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदान अछि, जे अहाँ सभक आत् मक आराधना अछि। एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2: इफिसियों 4:1-3 तेँ हम, जे प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि, ओहि तरहेँ चलब, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि,

सभ विनम्रता आ सौम्यताक संग, धैर्यक संग आ प्रेम मे एक-दोसर केँ सहन करू, शांति के बंधन में आत्मा के एकता के कायम रखै के लेल आतुर |

यशायाह 14:19 मे हमरा सभक कब्र सँ घृणित डारि जकाँ बाहर निकालल जेबाक बात अछि आ तलवार सँ बाहर फेकल जेबाक चेतावनी अछि जे परमेश्वरक इच्छाक विपरीत जीवन जीबाक चेतावनी अछि। हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छाक अनुरूप आ हुनकर आदर करबाक तरीका सँ जीबाक प्रयास करबाक चाही।

यशायाह 14:20 अहाँ हुनका सभक संग दफन मे नहि जुड़ब, किएक तँ अहाँ अपन देश केँ नष्ट कऽ देलहुँ आ अपन लोक केँ मारि देलहुँ।

दुष्ट के धर्मात्मा के रूप में याद नै करलऽ जैतै, कैन्हेंकि ओकरऽ कर्म स॑ विनाश आरो विनाश होय जैतै ।

1. कुकर्मक परिणाम मोन पड़य सँ रोकत।

2. भगवान् न्यायी न्यायाधीश छथि आ मनुष्यक दुष्टता केँ नहि बिसरताह।

1. रोमियो 2:6-8 परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार अनन् त जीवन देथिन: जे सभ धैर्यपूर्वक नीक काज करैत छथि, महिमा, आदर आ अमरताक खोज करैत छथि। मुदा जे सभ स्वार्थी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, बल् कि अधर्मक आज्ञा मानैत छथि, क्रोध आ क्रोध।

2. भजन 37:28 कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि, आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि।
ओ सभ सदाक लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंशज सभ कटैत रहत।

यशायाह 14:21 ओकर सन्तान सभक लेल वध तैयार करू, ओकर पूर्वज सभक अधर्मक कारणेँ। कि ओ सभ नहि उठत, आ ने देशक मालिक बनत, आ ने संसारक मुँह केँ शहर सभ सँ भरि देत।

परमेश् वर दुष्टक संतान सभ केँ ओकर पिताक पापक कारणेँ दंडित करत, ओकरा सभ केँ ओहि जमीन पर कब्जा करबा सँ वा शहर बनेबा सँ रोकत।

1: हमरा सभकेँ मोन राखब जे हम सभ अपन काज आ अपन पूर्वजक काजक लेल जवाबदेह छी।

2: हमरा सभ केँ धर्मी बनबाक आ पाप सँ बचबाक प्रयास करबाक चाही, कारण हमर सभक काजक परिणाम पीढ़ी-दर-पीढ़ी धरि चलत।

1: नीतिवचन 20:7 - जे धर्मी अपन अखंडता मे चलैत अछि, ओ धन्य अछि ओकर बादक संतान!

2: यहोशू 24:15 - जँ अहाँ सभक नजरि मे परमेश् वरक सेवा करब बुराई अछि तँ आइ चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब, चाहे अहाँक पूर्वज नदीक ओहि पारक इलाका मे जे देवताक सेवा केने छलाह, वा अमोरी लोकनिक देवता जिनकर देश मे छलनि अहाँ निवास करैत छी। मुदा हम आ हमर घरक बात, हम सभ परमेश् वरक सेवा करब।

यशायाह 14:22 हम हुनका सभक विरुद्ध उठब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ बाबुल सँ नाम, अवशेष, बेटा आ भतीजा केँ काटि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ बाबुल आ ओकर सभ लोक केँ नष्ट कऽ देताह।

1. परमेश् वरक न् याय मे सार्वभौमिकता

2. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. प्रकाशितवाक्य 18:2-5 - बाबुलक विनाश

2. यिर्मयाह 51:20-24 - बेबिलोन के विरुद्ध प्रभु के प्रतिज्ञा

यशायाह 14:23 हम एकरा कड़ुआ आ पानिक पोखरि सभक लेल सेहो सम्पत्ति बना देब, आ ओकरा विनाशक तलहटी सँ झाड़ब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना के प्रभु एकटा स्थान के कड़वा आ पानिक पोखरि के लेल सम्पत्ति बना देताह आ ओकरा विनाशक चोटी स झाड़ि देताह।

1. सेना के प्रभु के शक्ति

2. भगवान् के क्रोध के विनाश

1. 2 कोरिन्थी 10:4-5 - किएक तँ हमरा सभक युद्धक हथियार शारीरिक नहि अछि, बल् कि परमेश् वरक द्वारा गढ़ सभ केँ तोड़बाक लेल पराक्रमी अछि। परमेश् वरक ज्ञानक विरोध मे जे किछु ऊँच-ऊँच चीज अपना केँ ऊपर उठबैत अछि, तकरा सभ केँ नीचाँ फेकि कऽ सभ विचार केँ मसीहक आज्ञापालन करबाक लेल बंदी बना दैत छी।

२. ओ चट्टान पर हाथ बढ़बैत छथि। ओ पहाड़केँ जड़िसँ उखाड़ि दैत अछि। ओ पाथरक बीच नदी सभ केँ काटि दैत छथि। ओकर आँखि सभ अनमोल वस्तु देखैत अछि। बाढ़ि केँ उमड़बा सँ बान्हि दैत छथि। जे चीज नुकायल अछि से ओकरा इजोत मे अनैत अछि।

यशायाह 14:24 सेना सभक परमेश् वर शपथ लऽ कऽ कहने छथि जे, “जहिना हम सोचने छी, तेना होयत।
जेना हम सोचने छी, तेना ई ठाढ़ रहत।

प्रभु अपनऽ योजना आरू प्रतिज्ञा के प्रति वफादार छै ।

1: परमेश् वरक निष्ठा: हम सभ हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा क’ सकैत छी

2: परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हुनकर योजना पर भरोसा करब ठाढ़ रहत

1: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2: 2 कोरिन्थी 1:20 - "परमेश् वर कतबो प्रतिज्ञा केने होथि, ओ मसीह मे हाँ मे अछि। आ एहि तरहेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक महिमा लेल आमेन कहल गेल अछि।"

यशायाह 14:25 हम अपन देश मे अश्शूर केँ तोड़ि देब, आ अपन पहाड़ पर ओकरा पैर पर चलब, तखन ओकर जुआ ओकरा सभ सँ हटि जायत आ ओकर भार ओकरा सभक कान्ह सँ हटि जायत।

परमेश् वर अश्शूर केँ तोड़ि कऽ अपन लोक केँ ओकर जुआ सँ मुक्त कऽ देताह।

1. उत्पीड़नसँ मुक्त होयब

2. प्रतिकूलता सँ उबरबाक लेल भगवानक शक्ति

1. रोमियो 8:37-39 नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

2. भजन 18:2 प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर भगवान हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी।

यशायाह 14:26 पूरा पृथ्वी पर ई उद्देश्य अछि, आ ई हाथ सभ जाति पर पसरल अछि।

ई अंश परमेश् वर के उद्देश्य आरू सब जाति पर हुनको प्रभुत्व के बारे में बात करै छै।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक शक्ति आ अधिकार केँ बुझब

2. अपन परिप्रेक्ष्य के पुनः मापन: भगवान के इच्छा के अधीन रहब सीखब

505

1. भजन 103:19 परमेश् वर अपन सिंहासन स् वर्ग मे ठाढ़ कयलनि अछि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

2. मत्ती 28:18 यीशु हुनका सभ लग आबि कऽ कहलथिन, “स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि।”

यशायाह 14:27 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर योजना बनौने छथि आ एकरा के तोड़त? ओकर हाथ पसारि गेल छैक, आ ओकरा के पाछू घुमा देतैक?

प्रभु एकटा कार्य मार्ग निर्धारित कएने छथि, आ ओकरा कियो नहि बदलि सकैत अछि।

1. भगवानक योजना अरोपित अछि

2. भगवान् के सार्वभौमिकता

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "'किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी,' प्रभु कहैत छथि, 'अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।'"

यशायाह 14:28 जाहि साल राजा आहाज मरि गेलाह, ओहि साल मे ई भार छल।

यशायाह 14:28 के ई अंश राजा आहाज के मृत्यु के साल में एक बोझ के घोषणा के बात करै छै।

1. हानि के बोझ: अपन दुख के आत्मसात करब सीखब

2. एकटा राजाक विरासत: राजा आहाजक प्रभाव केँ मोन पाड़ब

1. 2 कोरिन्थी 1:3-4 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनका सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब।" ओ सभ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।”

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यशायाह 14:29 हे पूरा पलेस्टियन, अहाँ आनन्दित नहि होउ, किएक तँ जे अहाँकेँ मारि देलक, ओकर लाठी टूटि गेल अछि, किएक तँ साँपक जड़िसँ कोकड़ी निकलत आ ओकर फल आगि सन उड़ैत साँप होयत।

यशायाह 14:29 के ई अंश फिलिस्तीन राष्ट्र पर परमेश् वर के न्याय के बात करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ई उत्सव नै मनाबै के छै, कैन्हेंकि एकरा स॑ भी बड़ऽ सजा आबी रहलऽ छै।

1. भगवानक दया आ न्याय दुनू एक संग कोना काज करैत अछि

2. झूठ आशाक खतरा पाप मे आनन्दित नहि होउ

1. इजकिएल 14:4-5 मूर्तिपूजाक विरुद्ध चेतावनी

2. याकूब 4:17 परमेश् वरक धार्मिकता केँ जानब

यशायाह 14:30 गरीबक जेठ बच्चा भोजन करत, आ गरीब लोक सुरक्षित पड़ल रहत, आ हम अहाँक जड़ि केँ अकाल मे मारि देब, आ ओ अहाँक शेष लोक केँ मारि देत।

गरीब आ जरूरतमंदक ख्याल राखल जायत, जखन कि भगवानक विरोध करयवला के सजा भेटत।

1: परमेश् वरक दया आ न्याय - यशायाह 14:30 सँ एकटा पाठ

2: परमेश् वर पर अपन भरोसा राखब सीखब - यशायाह 14:30 सँ एकटा पाठ

1: याकूब 2:5-7, हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ सुनू: की परमेश् वर संसारक नजरि मे गरीब सभ केँ नहि चुनने छथि जे ओ विश् वास मे अमीर बनथि आ ओहि राज्यक उत्तराधिकारी बनथि जे ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सभ केँ प्रतिज्ञा केने छलाह? मुदा अहाँ गरीबक बेइज्जती केलहुँ। की धनिक लोकनि नहि जे अहाँक शोषण क' रहल छथि? की ओ सभ नहि जे अहाँकेँ कोर्टमे घसीटैत जा रहल छथि? की ओ सभ नहि छथि जे अहाँ जिनकर उदात्त नामक निन्दा क' रहल छथि?

2: नीतिवचन 14:31, जे गरीब पर अत्याचार करैत अछि, ओ अपन निर्माताक प्रति तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे जरूरतमंद पर दया करैत अछि, ओ परमेश्वरक आदर करैत अछि।

यशायाह 14:31 हे फाटक, हुंकार; हे नगर, कानब; अहाँ, पूरा पलेस्टाइन, भंग भ’ गेल छी, किएक तँ उत्तर दिस सँ धुँआ आओत, आ कियो अपन निर्धारित समय मे असगर नहि रहत।”

उत्तर स॑ आबै वाला धुँआ स॑ फिलिस्तीन शहर केरऽ विघटन आरू विनाश के खतरा छै ।

1. प्रभुक दिनक तैयारी करू - यशायाह 14:31

2. पश्चाताप के तात्कालिकता - यशायाह 14:31

1. आमोस 5:18-20 - विलाप आ विलाप

2. यिर्मयाह 4:5-7 - विपत्ति आसन्न अछि

यशायाह 14:32 तखन जाति के दूत सभ केँ की उत्तर देल जायत? कि परमेश् वर सियोनक नींव रखलनि आ ओकर प्रजाक गरीब सभ ओकरा पर भरोसा करत।

परमेश् वर सिय्योनक स्थापना कयलनि अछि आ ओकर लोकक गरीब सभ ओकरा पर भरोसा क' सकैत अछि।

1: प्रभु हमर नींव आ आशा छथि

2: प्रभु पर भरोसा करू, कारण ओ सिय्योन केँ स्थापित कयलनि अछि

1: भजन 11:3 - जँ नींव नष्ट भ’ जायत त’ धर्मी की क’ सकैत अछि?

2: नीतिवचन 18:10 - प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि, धर्मी लोक ओहि मे दौड़ैत अछि आ सुरक्षित रहैत अछि।

यशायाह अध्याय १५ मे इस्राएल के पड़ोसी राष्ट्र मोआब के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । एहि मे परमेश् वरक आसन्न न्यायक कारण मोआब पर जे तबाही आ शोक होयत, तकर वर्णन अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मोआब पर जे उजाड़ आ विनाश होयत ओकर वर्णन स होइत अछि।
शहर आरू नगर क॑ खंडहर होय के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, आरू लोग शोक आरू विलाप स॑ भरलऽ छै (यशायाह १५:१-४)।

2 पैराग्राफ: यशायाह मोआब के दुर्दशा के प्रति अपन व्यक्तिगत दुख व्यक्त करैत छथि, हुनकर पूर्व समृद्धि के स्वीकार करैत छथि मुदा ई स्वीकार करैत छथि जे आब एकर अंत भ जायत। ओ हुनका लोकनिक अंगूरक बगीचा आ फसलक क्षतिक विलाप करैत छथि (यशायाह 15:5-9)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पन्द्रह अध्याय प्रकट करैत अछि
मोआब के विरुद्ध परमेश् वर के न् याय

आ हुनका लोकनिक तबाहीक चित्रण करैत अछि ।

मोआब के उजाड़ आ विनाश के वर्णन।
अपन लोकक बीच शोक आ विलापक चित्रण।
मोआब के दुर्दशा के लेल व्यक्तिगत दुख व्यक्त करैत।

ई अध्याय घमंड, आज्ञा नै मानना आरू अत्याचार के परिणाम के बारे में चेतावनी के काम करै छै। ई परमेश् वर के न्याय के प्रदर्शन करै छै कि वू राष्ट्र सिनी के साथ व्यवहार करै छै जे ओकरो उद्देश्य के खिलाफ काम करलकै। ई यशायाह के करुणा के भी दर्शाबै छै, कैन्हेंकि वू दोसरऽ के दुख के साथ सहानुभूति रखै छै, यहाँ तक कि वू लोगऽ के भी जे कहियो इस्राएल के विरोधी छेलै। अंततः, ई सब जाति पर परमेश्वर के संप्रभुता आरू पश्चाताप आरू मेल-मिलाप के इच्छा के तरफ इशारा करै छै।

यशायाह 15:1 मोआबक भार। किएक तँ राति मे मोआबक अर उजाड़ भऽ जाइत अछि आ चुप भऽ जाइत अछि।
किएक तँ राति मे मोआबक किर केँ उजाड़ कऽ चुप कराओल जाइत अछि।

मोआब के आर आ किर के विनाश आसन्न छै।

1: विनाशक समय मे भगवान् एखनो नियंत्रण मे छथि।

2: विनाशक सोझाँ सेहो प्रभु मे आशा भेटि सकैत अछि।

1: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2: भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

यशायाह 15:2 ओ बाजीत आ डिबोन, ऊँच स्थान पर कानय लेल चढ़ल छथि, मोआब नेबो आ मादेबा पर कूजत, हुनकर सभक माथ पर गंजापन होयत आ सभ दाढ़ी काटल जायत।

एहि अंश मे मोआब के अपन शहर के विनाश पर दुख के वर्णन कयल गेल अछि |

1 - दुखक क्षण मे सेहो भगवान् दिस आराम आ आशाक लेल देख सकैत छी ।

२ - दुखक बीच हमरा सभकेँ ई मोन राखय पड़त जे भगवानक प्रति आशा आ विश्वास कहियो नहि गमायब ।

1 - यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

2 - रोमियो 12:15 - जे आनन्दित होइत अछि, ओकर संग आनन्दित रहू। शोक करयवला सभक संग शोक करू।

यशायाह 15:3 ओ सभ अपन गली-गली मे बोरा पहिरने रहत, अपन घरक चोटी पर आ अपन-अपन गली-गली मे सभ कियो खूब कानैत हुंकार करत।

यरूशलेम के सड़कऽ पर लोग एगो बड़ऽ विपत्ति के कारण दुखी होय जैतै आरू जोर-जोर स॑ कानतै ।

1. शोकक यथार्थ - शोकक विभिन्न रूपक अन्वेषण आ ओकर सामना कोना कयल जाय।

2. शोकक बीच आशा - दुखक बीच सेहो आशा पाबब।

1. विलाप 1:12, "अहाँ सभ ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक सभ, की अहाँ सभक लेल किछु नहि अछि? देखू, आ देखू जे हमर दुख जकाँ कोनो दुःख अछि, जे हमरा संग भेल अछि, जाहि सँ परमेश् वर हमरा दिन मे दुःख देलनि।" ओकर उग्र क्रोध।"

2. 2 कोरिन्थी 1:3-4, "धन्य होउ परमेश् वर, हमर प्रभु यीशु मसीहक पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वनाक परमेश् वर जे कोनो विपत्ति मे पड़ल अछि, ओकरा सभ केँ ओहि सान्त्वना सँ सान्त्वना दैत छी, जाहि सँ अपना सभ केँ परमेश् वरक सान्त्वना भेटैत अछि।”

यशायाह 15:4 हेशबोन आ एलेअले चिचियाओत, ओकर आवाज याहाज धरि सुनल जायत, तेँ मोआबक सशस्त्र सैनिक सभ चिचियाओत। ओकर प्राण ओकरा लेल दुखद होयतैक।

मोआबक सशस्त्र सैनिक सभ अपन क्षतिक शोक मे चिचियाओत, आ जहाज नगर मे ओकर कानब सुनल जायत।

1. शोक मे कानबाक शक्ति

2. अपन हानि के शोक करबाक महत्व

1. भजन 13:2-3 - "हमरा कतेक दिन धरि अपन विचारक संग कुश्ती करब आ सभ दिन मोन मे दुख रहत? हमर शत्रु हमरा पर कतेक दिन धरि विजयी होयत?"

2. विलाप 3:19-20 - "हमर दुःख आ घुमब, कड़ाही आ पित्त केँ मोन पाड़ू। हमर आत्मा सदिखन एकरा मोन पाड़ैत अछि आ हमरा भीतर झुकैत अछि।"

यशायाह 15:5 हमर मोन मोआबक लेल चिचियाओत। ओकर भगोड़ा सभ तीन वर्षक बछिया सोअर भागि जायत, किएक तँ ओ सभ कानैत-कानैत लुहीत पर चढ़ि कऽ चढ़त। किएक तँ होरोनैमक बाटमे ओ सभ विनाशक चीत्कार करत।”

यशायाह भविष्यवक्ता मोआब के लेलऽ महसूस करलऽ गेलऽ दुख के बारे में बतैलकै, आरू कोना लोग निराश होय क॑ चिल्लाय क॑ सोअर भागी जैतै।

1. परमेश् वरक दुखक शक्ति: यशायाहक भविष्यवाणी हमरा सभ केँ कोना सहानुभूति आ करुणा सिखाबैत अछि

2. कठिन समय मे भय आ चिंता पर काबू पाबब: यशायाह 15:5 सँ सबक

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

2. नीतिवचन 18:10 - प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि; धर्मी लोकनि ओहि दिस दौड़ैत छथि आ सुरक्षित छथि।

यशायाह 15:6 किएक तँ निमरीमक पानि उजाड़ भ’ जायत, कारण घास मुरझा गेल अछि, घास क्षीण भ’ गेल अछि, हरियर चीज नहि अछि।

निमरीम पानि उजाड़ भ गेल अछि, आब वनस्पति नहि पनपैत अछि।

1. दुनिया के संसाधन के संजोय के आ पृथ्वी के सौन्दर्य के संरक्षण के महत्व।

2. अभावक समय मे रोजी-रोटी आ भरण-पोषणक लेल भगवान् पर भरोसा करब।

1. भजन 104:24 - हे प्रभु, अहाँक काज कतेक अनेक अछि! अहाँ ओकरा सभ केँ बुद्धि सँ बनौने छी, पृथ् वी तोहर धन सँ भरल अछि।

2. मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब आ की पीब, ताहि पर कोनो चिन्ता नहि करू। आ ने एखन धरि अपन शरीरक लेल जे पहिरब। की जीवन मांस सँ बेसी आ शरीर वस्त्र सँ बेसी नहि? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, किएक तँ ओ सभ नहि बोबैत अछि आ ने काटि लैत

509

अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि। तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभक पोषण करैत छथि। की अहाँ सभ हुनका सभ सँ बहुत नीक नहि छी?

यशायाह 15:7 तेँ हुनका सभ केँ जे प्रचुरता भेटल छनि आ जे किछु जमा कयलनि अछि, तकरा ओ सभ विलोक धार मे ल’ जेताह।

लोक जे प्रचुरता जमा केने अछि से विलोक धार मे ल' जायत।

1. सच्चा प्रचुरता के अर्थ - नीतिवचन 11:24-25

2. परमेश् वरक प्रावधान - फिलिप्पियों 4:19

1. उपदेशक 5:10-11

2. याकूब 4:13-17

यशायाह 15:8 किएक तँ मोआबक सीमाक चारूकात चिचियाहटि चलि गेल अछि। ओकर हुंकार एग्लैम धरि आ ओकर हुंकार बेरेलिम धरि।

मोआबक सीमा विपत्ति मे अछि, एग्लैम आ बेरेलिम मे एकटा हुंकार सुनबा मे अबैत अछि।

1. कठिनाई के समय मदद के लेल हाथ बढ़ाबय सं नहिं डेराउ.

2. विपत्तिक समय मे भगवान् सँ सान्त्वना ताकू।

1. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

यशायाह 15:9 किएक तँ दीमोनक पानि खूनसँ भरल रहत, किएक तँ हम दीमोन पर आओर शेर, मोआबसँ बचय बला आ देशक शेष लोक पर आरो शेर आनि देब।

परमेश् वर मोआबक लोक सभ पर विनाश अनताह आ दीमोनक पानि खून सँ भरल रहत।

1. भगवानक क्रोध आ दया मे

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद आ अभिशाप

1. इजकिएल 33:11 - हुनका सभ केँ कहू जे, “हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि। मुदा दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीबैत रहू। हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

2. प्रकाशितवाक्य 14:10 - ओ परमेश् वरक क्रोधक मदिरा सेहो पीत, जे ओकर क्रोधक प्याला मे बिना कोनो मिश्रणक ढारल जाइत अछि। पवित्र स् वर्गदूत आ मेमना के सामने आगि आ गंधक सँ सताओल जायत।

यशायाह अध्याय 16 मोआब के बारे में एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करै छै, जेकरा में राष्ट्र के लेलऽ न्याय आरू आशा दोनों के प्रकटीकरण करलऽ गेलऽ छै। ई मोआब केरऽ मदद केरऽ गुहार क॑ संबोधित करै छै आरू बहाली के वादा दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मोआब के आह्वान स होइत अछि जे ओ यहूदा के शासक के कर पठाबय, जे हुनकर अधीनता के प्रतीक अछि आ आसन्न न्याय स शरण लेबय के प्रतीक अछि। मोआब के निवासी सब के सलाह देल गेल छै कि यहूदा स आयल शरणार्थी के प्रति मेहमाननवाजी रहय (यशायाह 16:1-5)।

2 पैराग्राफ: यशायाह मोआब पर जे विनाश होयत ताहि पर अपन गहींर दुख व्यक्त करैत छथि। ओ हुनकर अंगूरक बगीचा आ खेतक शोक करैत छथि, संगहि हुनकर हेरायल आनन्द आ समृद्धि लेल सेहो शोक करैत छथि (यशायाह 16:6-9)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी के समापन मोआब के लेल भविष्य में पुनर्स्थापन के वादा के संग होइत अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे तीन वर्षक भीतर हुनकर दया हुनका सभ पर कयल जायत, आ ओ सभ अपन महिमा फेर सँ पाबि लेताह (यशायाह 16:10-14)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह सोलह अध्याय पर अनावरण
मोआबक लेल न्याय आ आशा दुनू।

अधीनता आ शरणार्थी लेल आह्वान।
यहूदा के शरणार्थी के प्रति सत्कार के सलाह देना।
आबै वाला विनाश पर दुःख व्यक्त करते हुए।
तीन साल के भीतर भविष्य में बहाली के आशाजनक।

ई अध्याय राष्ट्रऽ पर परमेश् वर के संप्रभुता आरू न्याय के समय भी दया बढ़ाबै के हुनकऽ इच्छा के प्रदर्शन करै छै । ई विनम्रता के महत्व पर जोर दै छै, मानवीय शक्ति या गठबंधन पर भरोसा करै के बजाय भगवान के शरण लेना । ई घमंड आरू अवज्ञा के परिणाम के बारे म॑ चेतावनी दै छै, लेकिन बहाली के वादा के माध्यम स॑ आशा भी दै छै । अंततः, ई परमेश्वर केरऽ मोक्षदायक योजना के तरफ इशारा करै छै जे इस्राएल स॑ भी आगू बढ़ी क॑ दोसरऽ राष्ट्रऽ क॑ भी समेटै छै ।

यशायाह 16:1 अहाँ सभ मेमना केँ सेला सँ जंगल धरि, सियोनक बेटीक पहाड़ धरि देशक शासक लग पठाउ।

यशायाह 16:1 इस्राएल के लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू सेला स॑ ल॑ क॑ सियोन तक के देश के शासक क॑ उपहार के रूप म॑ एगो मेमना भेजै ।

1. उदारता के शक्ति: दोसर के उपहार देला स कोना प्रभाव पड़ि सकैत अछि

2. भय पर काबू पाबब: परमेश् वरक आह्वानक पालन करबाक साहस

1. इब्रानी 13:16 - आ नीक काज करब आ दोसरक संग बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ परमेश् वर प्रसन्न होइत छथि।

2. मत्ती 10:1-8 - यीशु बारह प्रेरित केँ पठा देलनि।

यशायाह 16:2 किएक तँ एहन होयत जे भटकैत चिड़ै जकाँ खोंता सँ बाहर निकालल गेल अछि, तहिना मोआबक बेटी सभ अर्नोनक पाछाँ मे रहत।

मोआबक बेटी सभ ओहिना तितर-बितर भऽ जायत जेना कोनो चिड़ै अपन खोंता सँ बाहर निकालल गेल अछि।

1: हमरा सभसँ भगवानक प्रेम ओहिना अछि जेना माए चिड़ै अपन बच्चाकेँ आश्रय दैत अछि। जखन बुझाइत अछि जेना सभ आशा खत्म भ' गेल हो, तखनो भगवान् केँ परवाह छनि।

2: हमरा सभकेँ मजबूत रहबाक चाही आ भगवान पर भरोसा करबाक चाही जखन कि हमर विश्वासक परीक्षा होइत अछि।

1: भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2: याकूब 1:2-3 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

511

यशायाह 16:3 सलाह लिअ, न्याय करू। अपन छाया केँ दुपहरक बीच राति जकाँ बनाउ। बहिष्कृत लोक सभकेँ नुका दियौक; जे भटकैत अछि तकरा पर प्रहरी नहि करू।

ई अंश पाठक क॑ सलाह लेबै आरू फैसला करै लेली प्रोत्साहित करै छै, जेकरा स॑ बहिष्कृत आरू भटकलऽ लोगऽ लेली सुरक्षित जगह उपलब्ध होय छै ।

1. करुणा के शक्ति - जरूरतमंद के लेल सुरक्षित ठिकाना देबय के महत्व के खोज करब।

2. विवेकक आह्वान - ई परखब जे कोना हम सभ बुद्धिक उपयोग कए एहन निर्णय ल' सकैत छी जे निष्पक्ष आ न्यायसंगत हो।

1. मत्ती 25:35-40 - यीशुक दृष्टान्त भेड़ आ बकरी।

2. नीतिवचन 11:14 - "जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।"

यशायाह 16:4 हे मोआब, हमर बहिष्कृत लोक अहाँक संग रहय। तोँ ओकरा सभक सामने लुप्त रहू, किएक तँ लुटेरा समाप्त भऽ गेल अछि, लुटनिहार बंद भऽ जाइत अछि, अत्याचारी सभ देशसँ नष्ट भऽ जाइत अछि।

बहिष्कृत लोक सभ केँ मोआब केँ आश्रय देबाक चाही, जेना अत्याचारी सभ केँ भूमि भस्म क' देने अछि।

1. भगवान् सदिखन रक्षा आ शरण देथिन जे एकर खोज करैत छथि।

2. प्रतिकूलताक सामना करबा काल सेहो सच्चा शक्ति आ सुरक्षा भगवान् पर विश्वास सँ भेटैत अछि।

1. भजन 27:5 - कारण, विपत्तिक दिन ओ हमरा अपन निवास मे सुरक्षित राखत। ओ हमरा अपन तम्बूक आश्रय मे नुका देत आ हमरा एकटा चट्टान पर ऊँच ठाढ़ करत।

2. भजन 62:7 - हमर उद्धार आ हमर सम्मान परमेश् वर पर निर्भर करैत अछि; ओ हमर पराक्रमी चट्टान अछि, हमर शरण अछि।

यशायाह 16:5 दया सँ सिंहासन स्थापित होयत, आ ओ दाऊदक तम्बू मे सत्य मे बैसि क’ न्याय करत आ न्यायक खोज मे आ धार्मिकता मे जल्दबाजी करत।

परमेश् वर दया आ न्यायक सिंहासन ठाढ़ करताह आ दाऊदक तम्बू सँ न्याय करताह आ धार्मिकताक खोज करताह।

1. दयाक सिंहासन: भगवानक न्याय आ धर्म

2. दाऊदक तम्बू: प्रभुक घर मे विश्राम पाबि

1. भजन 89:14 - "धर्म आ न्याय अहाँक सिंहासनक नींव अछि; अडिग प्रेम आ विश्वास अहाँक आगू अछि।"

2. कुलुस्सी 1:20 - "ओकरा द्वारा अपन क्रूसक खून सँ सभ किछु, चाहे ओ पृथ् वी पर हो वा स् वर्ग मे, अपना संग मेल मिलाप करबाक लेल।"

यशायाह 16:6 हम सभ मोआबक घमंडक विषय मे सुनने छी। ओ बहुत घमंड करैत अछि, अपन घमंड, घमंड आ क्रोध पर सेहो, मुदा ओकर झूठ एहन नहि होयत।

मोआब अपनऽ घमंड, घमंड आरू क्रोध के लेलऽ जानलऽ जाय छै, लेकिन ई गुणऽ स॑ सफलता नै मिलतै ।

1. घमंड एकटा घातक पाप अछि जे विनाश दिस ल' सकैत अछि। यशायाह 16:6

512

2. भगवानक सत्य सफलताक एकमात्र बाट अछि। यशायाह 16:6

1. नीतिवचन 16:18, "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यूहन्ना 8:32, "अहाँ सभ सत् य केँ जानब, आ सत् य अहाँ सभ केँ स्वतंत्र बनाओत।"

यशायाह 16:7 तेँ मोआब मोआबक लेल कुहरत, सभ कियो कुहरत। निश्चय ओ सभ प्रहार कयल गेल छथि।

मोआब आपदा के शिकार होय गेलऽ छै आरू ओकरा अपनऽ नुकसान के शोक मनाबै के चाही।

1: विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ू आ हुनकर सान्त्वना आ मार्गदर्शन ताकू।

2: जखन हमरा सभकेँ पीड़ा आ हानि होइत अछि तँ मोन राखू जे भगवान हमरा सभक पीड़ाकेँ बुझैत छथि आ हमरा सभक संग छथि।

1: भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।

2: रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय जा रहल अछि।

यशायाह 16:8 किएक तँ हेशबोनक खेत आ सिबमाक बेलक गाछ सुस्त भ’ गेल अछि, जाति-जाति सभक मालिक सभ ओकर प्रमुख पौधा सभ केँ तोड़ि देलक, ओ सभ याजर धरि पहुँचि गेल अछि, ओ सभ जंगल मे भटकल अछि, ओकर डारि सभ पसरल अछि, ओ सभ समुद्रक उपर चलि गेल छथि।

हेशबोन के खेत आ सिबमा के बेल के गाछ गैर-धर्म के मालिक सब नष्ट क देने छैथ, आ जे किछु बचल छै, से खाली जंगल छै।

1. हमर सभक शक्ति प्रभु सँ भेटैत अछि, सांसारिक सम्पत्ति सँ नहि

2. परमेश् वरक न्यायक सेवा होयत, ओहो विनाशक बीच

1. यशायाह 26:4 - प्रभु पर सदाक लेल भरोसा करू, कारण प्रभु परमेश् वर मे अहाँक अनन्त चट्टान अछि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

यशायाह 16:9 तेँ हम सिबमाक बेल केँ याजरक कानब सँ विलाप करब, हे हेशबोन आ एलेअले, हम अहाँ केँ अपन नोर सँ पानि देब, कारण अहाँक गर्मीक फल आ फसलक लेल चिचियाहटि खसि पड़ल अछि।

गर्मी के फल आ फसल के नुकसान के कारण परमेश् वर याजेर आ हेशबोन के लोक के संग दुखी हेताह।

1. हानि के सामने शोक: भगवान के प्रेम में आशा पाना

2. भगवानक नोर: करुणाक आह्वान

1. विलाप 3:22-24 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि समाप्त होइत छनि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ भोरे-भोर नव होइत छनि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. भजन 30:5 - "कानब राति धरि रहि सकैत अछि, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत अछि।"

यशायाह 16:10 प्रचुर खेत मे सँ आनन्द आ आनन्द दूर भ’ जाइत अछि। अंगूरक बगीचा मे ने गान-गलौज होयत आ ने चिचियाहटि होयत। हम हुनका लोकनिक विंटेज चिचियाहटि बंद क' देने छी।

प्रचुर खेत आ अंगूरक बागसँ हर्ष आ आनन्द हटि गेल अछि आ मजदूर सभ आब अंगूरसँ मदिरा नहि बना सकैत अछि।

1. भगवान् मे आनन्दित हेबाक आनन्द: दुखक बीच आनन्द भेटब

2. अपन आनन्द केँ भगवान मे राखब: अपन परिस्थिति मे आनन्द प्राप्त करबाक अपन आवश्यकता केँ छोड़ब

1. भजन 30:11-12 - अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ, हमर बोरा उतारलहुँ आ हमरा खुशी सँ कमरबंद कऽ देलहुँ। एहि लेल जे हमर महिमा अहाँक स्तुति गाबय, आ चुप नहि रहय। हे हमर परमेश् वर परमेश् वर, हम अहाँ केँ सदाक लेल धन्यवाद देब।

2. यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करयवला सभ केँ राखब, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य, शोकक बदला मे आनन्दक तेल, भारीपनक आत् माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देब। जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, जे परमेश् वरक रोपनी अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा होबाक चाही।

यशायाह 16:11 एहि लेल हमर आंत मोआबक लेल वीणा जकाँ बाजत आ हमर भीतर किरहरेशक लेल।

मोआब आ किरहरेश परमेश् वरक प्रेम आ दयाक अनुभव करत।

1: भगवान् के प्रेम आ दया: सबहक लेल एकटा उपहार

2: भगवान् के प्रेम आ दया के सराहना करब

1: रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

2: इफिसियों 2:4-5 - "मुदा परमेश् वर, जे दया सँ समृद्ध छथि, अपन पैघ प्रेमक कारणेँ, जाहि सँ ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि, जखन हम सभ पाप मे मरि गेल रही, तखनो हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि।)"।

यशायाह 16:12 जखन ई देखल जायत जे मोआब ऊँच स्थान पर थक गेल अछि तखन ओ अपन पवित्र स्थान पर प्रार्थना करय लेल आबि जायत। मुदा ओ जीत नहि हासिल करत।

मोआब थाकि गेल अछि आ अपन पवित्र स्थान पर प्रार्थना करय लेल आओत, मुदा सफलता नहि भेटत।

1. थकान के समय में भगवान् पर भरोसा करना

2. प्रार्थनाक महत्व

1. भजन 121:7-8 - प्रभु अहाँ केँ सभ बुराई सँ बचा लेताह; ओ अहाँक जान राखत। प्रभु अहाँक बाहर निकलब आ अहाँक भीतर एना एहि समय सँ आ अनन्त काल धरि बनौने रहताह।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह 16:13 ई ओ वचन अछि जे परमेश् वर ओहि समय सँ मोआबक विषय मे कहने छथि।

परमेश् वर प्राचीन काल सँ मोआब सँ गप्प करैत छथि।

1: हमरा सभ केँ प्रभु दिस घुरबाक चाही आ हुनकर मार्गदर्शन लेबय पड़त, कारण ओ हमरा सभ सँ प्राचीन काल सँ गप्प करैत आबि रहल छथि।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक प्राचीन वचन सभ केँ मोन राखय पड़त आ हुनकर इच्छा केँ अपन जीवन मे तकबाक चाही।

1: भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि, हमर बाट पर इजोत अछि।

2: यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यशायाह 16:14 मुदा आब परमेश् वर ई कहैत छथि जे तीन वर्षक भीतर ओहि सभ पैघ भीड़क संग मोआबक महिमा केँ तिरस्कृत कयल जायत। आ शेष लोक बहुत छोट आ कमजोर होयत।

परमेश् वर कहने छथि आ तीन वर्षक भीतर मोआबक महिमा केँ तिरस्कृत कयल जायत आ ओकर जनसंख्या बहुत कम भऽ जायत।

1. परमेश् वरक वचन अंतिम अछि - यशायाह 16:14

2. परमेश् वरक शक्ति अरोपित अछि - यशायाह 16:14

1. यिर्मयाह 48:1-2 - मोआबक विषय मे सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार नेबो पर! किएक तँ ई लूटि गेल अछि, किरियाथाइम भ्रमित भऽ गेल अछि आ ओकरा पकड़ल गेल अछि, मिस्गाब भ्रमित आ निराश भऽ गेल अछि।

2. यशायाह 15:1-9 - मोआबक बोझ। किएक तँ राति मे मोआबक अर उजाड़ भऽ जाइत अछि आ चुप भऽ जाइत अछि। किएक तँ राति मे मोआबक किर केँ उजाड़ कऽ चुप कराओल जाइत अछि।

यशायाह अध्याय १७ मे दमिश्क शहर आ ओकर अंततः विनाशक विषय मे एकटा भविष्यवाणी अछि। ई इस्राएल के लोगऽ क॑ भी संबोधित करै छै आरू ओकरा परमेश्वर प॑ भरोसा करै के बजाय विदेशी गठबंधन प॑ भरोसा करै के बारे म॑ भी चेतावनी दै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय केरऽ शुरुआत सीरिया केरऽ राजधानी शहर दमिश्क केरऽ आसन्न विनाश के घोषणा स॑ होय छै । एहि मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना ई शहर खंडहरक ढेर बनि जायत, परित्यक्त आ परित्यक्त (यशायाह 17:1-3)।

2 पैराग्राफ: यशायाह इजरायल क॑ चेतावनी दै छै कि वू अपनऽ सुरक्षा लेली मानव गठबंधन प॑ भरोसा नै करै । ओ ओकरा सभ केँ गढ़वाली शहर वा विदेशी शक्ति पर भरोसा नहि करबाक लेल चेतावनी दैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा सुरक्षा केवल परमेश्वर पर भरोसा करबा सँ भेटैत अछि (यशायाह 17:4-11)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी के अंत में जे इस्राएल पर अत्याचार केने छै, ओकरा पर न्याय के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। ई आश्वासन दै छै कि वर्तमान संकट के बावजूद भी एक दिन ऐतै जबे वू परमेश् वर के तरफ देखतै आरू मूर्तिपूजा स॑ मुँह मोड़तै (यशायाह १७:१२-१४)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह सत्रह अध्याय प्रकट करैत अछि
दमिश्क के आसन्न विनाश
आरू इजरायल क॑ गलत जगह प॑ भरोसा के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

दमिश्क के विनाश आ परित्याग के घोषणा।
मानव गठबंधन पर निर्भरता के खिलाफ चेतावनी।
सच्चा सुरक्षा के लिये भगवान् पर भरोसा पर जोर देना।
अत्याचारी पर न्याय आ भविष्य मे पश्चाताप के आशाजनक।

ई अध्याय एक स्मरण के काम करै छै कि केवल सांसारिक शक्ति या भौतिक रक्षा पर हमरऽ भरोसा रखना व्यर्थ छै । एहि मे भगवान् के शरण लेब आ मानवीय साधन स बेसी हुनकर शक्ति पर भरोसा करबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि | एकरऽ अतिरिक्त, ई मूर्तिपूजा के खिलाफ चेतावनी दै छै आरू सच्चा पश्चाताप के साथ परमेश्वर के तरफ वापस आबै लेली प्रोत्साहित करै छै । अंततः, ई राष्ट्रऽ पर परमेश् वर केरऽ संप्रभुता, हुनकऽ इच्छा के तरफ इशारा करै छै कि हुनकऽ लोग हुनका पर अपनऽ विश्वास रखै, आरू हुनकऽ अंतिम न्याय के तरफ जे हुनकऽ उद्देश्य के विरोध करै छै ।

यशायाह 17:1 दमिश्कक बोझ। देखू, दमिश्क नगर सँ हटा देल गेल अछि आ ओ एकटा विनाशकारी ढेर बनि जायत।

यशायाह १७:१ के भविष्यवाणी दमिश्क के विनाश के भविष्यवाणी करै छै, जे एगो बर्बाद ढेर बनी जैतै।

1. "भगवानक सार्वभौमत्व: जखन भगवानक न्यायक उच्चारण होइत अछि"।

2. "भगवानक वचन केँ अस्वीकार करबाक मूर्खता: आज्ञा आज्ञा नहि करबाक परिणाम"।

1. आमोस 5:18-20 - "हाय अहाँ सभ जे प्रभुक दिन चाहैत छी! अहाँ सभक लेल कोन काज अछि? प्रभुक दिन अन्हार अछि, इजोत नहि। जेना कोनो आदमी सिंह सँ भागि गेल हो।" , एकटा भालू ओकरा सँ भेंट केलक, वा घर मे जा क’ देबाल पर हाथ झुका लेलक आ एकटा साँप ओकरा काटि लेलक। की प्रभुक दिन अन्हार नहि होयत, आ इजोत नहि होयत? ?"

2. यिर्मयाह 49:23-27 - "दमिश्कक विषय मे। हमत आ अर्पद भ्रमित भ' गेल अछि। किएक तँ ओ सभ कुसमाचार सुनने अछि। ओ सभ क्षीण अछि; समुद्र पर शोक अछि; ओ शान्त नहि भ' सकैत अछि। दमिश्क कमजोर भ' गेल अछि आ घुमि गेल अछि।" अपना केँ पलायन करबाक लेल, आ भय ओकरा पकड़ि लेलक, ओकरा पीड़ा आ दुख ओकरा प्रसव मे पड़ल स्त्री जकाँ पकड़ि लेलकैक, स्तुतिक नगर कोना नहि छोड़ल गेलै, हमर आनन्दक नगर, तेँ ओकर युवक सभ ओकर गली-गली मे खसि पड़तैक, आ सेनापति कहैत छथि जे ओहि दिन सभ युद्धक लोक सभ समाप्त भ’ जेताह।

यशायाह 17:2 अरोएरक नगर सभ छोड़ि देल गेल अछि, ओ सभ झुंडक लेल होयत, जे पड़ल रहत, आ ओकरा सभ केँ कियो डराओत।

अरोएर शहर छोड़ि देल गेल अछि आ आब जानवरक झुंडक चारागाहक रूप मे उपयोग होयत।

1. परित्यागक बीच भगवानक निष्ठा आ प्रावधान।

2. भय के कमी कोना विश्वास के निशानी भ सकैत अछि।

1. यिर्मयाह 29:5-6, "घर बनाउ आ ओहि मे रहू; गाछी लगाउ आ ओकर उपज खाउ। पत्नी लऽ कऽ बेटा- बेटी पैदा करू; अपन बेटाक लेल पत्नी लऽ लिअ, आ अपन बेटी सभ केँ विवाह करू, जाहि सँ ओ सभ बेटा पैदा करथि।" आ बेटी सभ, ओतहि बढ़ू, आ कम नहि होउ।”

2. भजन 91:9-10, "किएक त' अहाँ प्रभु केँ अपन निवास स्थान परमात्मा बना देलहुँ, जे हमर शरण छथि, अहाँ पर कोनो तरहक अधलाह नहि होमय देल जायत, आ अहाँक डेरा लग कोनो विपत्ति नहि आओत।"

यशायाह 17:3 एप्रैम सँ किला, दमिश्क सँ आ अरियाक शेष भाग मे सेहो किला समाप्त भ’ जायत।

सेना के परमेश् वर घोषणा करै छै कि एप्रैम के किला आरू दमिश्क के राज्य समाप्त होय जैतै, आरु अराम एक अवशेष में घटी जैतै, लेकिन ई इस्राएल के सन्तान के तरह महिमामंडित होतै।

1. सेना सभक प्रभु: एकटा पराक्रमी परमेश् वर जे अपन प्रतिज्ञा पूरा करैत छथि

2. इस्राएलक सन्तानक महिमा: हमर आशा आ भविष्यक चित्र

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 37:4 - प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।”

यशायाह 17:4 ओहि दिन याकूबक महिमा पतला भ’ जायत आ ओकर मांसक मोटाई दुबला भ’ जायत।

याकूबक महिमा कम भ’ जेतै आ ओकर मांस दुबला भ’ जेतै।

1. अपन साधन स परे रहब: अति के परिणाम

2. प्रभु मे झुकब: भगवानक शक्ति मे सुरक्षित बनब

1. नीतिवचन 21:20: बुद्धिमानक निवास मे वांछनीय धन आ तेल होइत छैक, मुदा मूर्ख ओकरा खर्च क’ दैत छैक।

2. फिलिप्पियों 4:6-7: कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती सभक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यशायाह 17:5 ई ओहिना होयत जेना जखन कटनी करयवला धान जमा करैत अछि आ अपन बाँहि सँ कान काटि लैत अछि। ओ ओहिना होयत जेना रेफाइम उपत्यका मे कान जुटबैत अछि।

एहि अंश मे एकटा एहन दृश्यक वर्णन अछि जाहि मे एकटा कटनी करयवला रेफाइम घाटी मे मकई जुटा रहल अछि |

1. भगवान् के प्रावधान: जीवन के प्रचुरता के उत्सव मनना

2. निष्ठा के खेती: कटनी करय वाला स सीखब

1. मत्ती 6:25-34; अपन दैनिक जरूरत के लेल भगवान पर भरोसा करब सीखब

2. भजन 65:9-13; परमेश् वरक प्रचुरता आ प्रावधानक लेल स्तुति करैत।

यशायाह 17:6 तइयो जैतूनक गाछक हिलैत-डुलैत अंगूर तोड़ैत रहत, ऊपरका डारिक ऊपर दू-तीन जामुन, ओकर बाहरक फलदार डारि मे चारि-पाँच जामुन, इस्राएलक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के प्रकट करै छै कि वू इस्राएल के भरण-पोषण करतै, वू भी कठिनाई के समय में।

1: भगवान सदिखन प्रबंध करताह, तखनो जखन असंभव बुझाइत हो।

2: परमेश् वरक प्रतिज्ञा वफादार रहैत अछि, चाहे किछुओ हो।

1: मत्ती 6:25-34 - काल्हिक चिन्ता नहि करबाक यीशुक शिक्षा।

2: फिलिप्पियों 4:19 - परमेश् वर महिमा मे अपन धनक अनुसार हमरा सभक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

यशायाह 17:7 ओहि दिन मनुष् य अपन निर्माता दिस तकत, आ ओकर नजरि इस्राएलक पवित्र परमेश् वर दिस देखत।

संकट के समय में मार्गदर्शन आ सांत्वना के लेल अपन निर्माता के तरफ देखबाक चाही।

1: विपत्तिक समय मे भगवान् दिस तकब

2: विपत्तिक समय मे प्रभुक आराम

1: यशायाह 43:1-2 - मुदा आब, प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल कहैत छथि: डेराउ नहि, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यशायाह 17:8 ओ अपन हाथक काजक वेदी दिस नहि तकत आ ने अपन आँगुर सँ बनौने चीज केँ आदर करत, ने ग्रोथ वा मूर्ति।

भगवान् मनुष्य द्वारा बनाओल वेदी वा मूर्ति दिस नहि तकैत छथि, आ ने ओकर आदर करैत छथि ।

1. प्रभुक सार्वभौमत्व: मूर्ति दिस किएक नहि देखबाक चाही

2. मूर्तिपूजाक आडंबर: मूर्ति पर भरोसा किएक नहि करबाक चाही

1. निर्गमन 20:3-5 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. भजन 115:4-8 हुनका लोकनिक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि।

यशायाह 17:9 ओहि दिन हुनकर मजबूत शहर सभ एकटा परित्यक्त डारि आ एकटा उपरका डारि जकाँ होयत, जे ओ इस्राएलक सन्तान सभक कारणेँ छोड़ि गेल छल।

ओहि दिन इस्राएलक संतानक कारणेँ जे शहर सभ केँ मजबूत मानल जाइत अछि, से उजाड़ भ' जायत।

1. परमेश् वरक आशीष आ न्यायक प्रतिज्ञाक प्रति निष्ठा

2. भगवान् के आज्ञा के अवहेलना के परिणाम

1. व्यवस्था 28:1-14

2. भजन 81:11-16

यशायाह 17:10 किएक तँ अहाँ अपन उद्धारक परमेश् वर केँ बिसरि गेलहुँ आ अपन सामर्थ् यक चट्टान पर मोन नहि राखलहुँ, तेँ अहाँ सुखद पौधा रोपब आ ओकरा अजीब-अजीब फिसलन सँ राखब।

परमेश् वरक लोक हुनका आ हुनक सामर्थ् य आ रक्षा केँ बिसरि गेल छथि, आ आब अपन-अपन गाछी रोपने छथि आ अपन सामर्थ् य पर भरोसा कऽ रहल छथि।

1: भगवान् हमर सभक शक्ति आ उद्धारक चट्टान छथि।

2: भगवानक बदला अपना पर भरोसा करब।

1: भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2: याकूब 4:13-15 - "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब, तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि, कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि, बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीब' आ ई वा ओ करब।

यशायाह 17:11 दिन मे अहाँ अपन पौधा केँ बढ़ा देब आ भोरे अपन बीया केँ पनपब, मुदा फसल शोक आ हताश दुःखक दिन मे ढेर होयत।

ई अंश समय पर फसल नै काटला के परिणाम के बात करै छै, कैन्हेंकि ई शोक आरो दुख के दिन ढेर बनी जैतै।

1. समय मे फसल काटब वा अनन्त काल मे पछतावा - क्षण केँ जब्त करबाक आ आध्यात्मिक विषय मे ध्यान देबाक महत्व

2. बोवाई आ फसल काटबाक बुद्धि - भगवानक राज्य मे निष्ठापूर्वक निवेश करबाक फल

1. उपदेशक 3:1-2 "स्वर्गक नीचाँ सभ वस्तुक समय होइत छैक, आ सभ काजक समय होइत छैक: जन्मक समय छैक, मरबाक समय छैक, रोपबाक समय छैक आ उखाड़बाक समय छैक।" जे रोपल गेल अछि।"

2. गलाती 6:7-9 "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोबैत अछि, से मांसक विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि आत् मा आत् मा अनन् त जीवन काटि लेत। आ नीक काज मे थाकि कऽ नहि रहब, किएक तँ जँ बेहोश नहि भऽ जायब तँ उचित समय पर काटि लेब।”

यशायाह 17:12 धिक्कार अछि बहुतो लोकक भीड़, जे समुद्रक हल्ला जकाँ हल्ला करैत अछि। आ जाति सभक दौड़-धूप केँ, जे प्रबल पानि जकाँ दौड़-धूप करैत अछि!

एहि अंश मे समुद्र जकाँ बहुत हल्ला करय वाला लोकक पैघ जमावड़ा के खतरा के चेतावनी देल गेल अछि.

1. शब्दक शक्ति: हमर शब्द हमर परिवेश केँ कोना प्रभावित करैत अछि

2. घमंड के खतरा के बुझब: अहंकार कोना विनाश के तरफ ल जा सकैत अछि

१.

2. याकूब 3:9-10 - एहि सँ हम सभ अपन प्रभु आ पिता केँ आशीर्वाद दैत छी, आओर एहि सँ हम सभ ओहि लोक सभ केँ श्राप दैत छी जे परमेश् वरक रूप मे बनल अछि। ओही मुँहसँ आशीर्वाद आ गारि अबैत अछि । हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही।

यशायाह 17:13 जाति सभ बहुत रास पानिक धार जकाँ दौड़त, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ केँ डाँटत, आ ओ सभ दूर भागि जायत, आ हवाक आगू पहाड़क भूसा जकाँ आ बवंडरक आगू गुड़कैत चीज जकाँ भगाओल जायत.

राष्ट्र सभ परमेश् वर द्वारा हड़बड़ाओल जायत आ डाँटल जायत, हवाक आगू भूसा आ बवंडरक आगू गुड़कैत वस्तु जकाँ दूर भागि जायत।

1. जाति सभ केँ परमेश् वर द्वारा डाँटल जायत - यशायाह 17:13

2. जाति पर विजय प्राप्त करबाक लेल परमेश्वरक शक्ति - यशायाह 17:13

1. मत्ती 3:12 - ओकर चीर-फाड़ ओकर हाथ मे छैक, आ ओ अपन कुटनी केँ नीक जकाँ साफ करत आ अपन गहूम केँ कोठी मे जमा करत। मुदा ओ भूसा केँ अमिट आगि सँ जरा देत।

2. यिर्मयाह 4:11-13 - ओहि समय मे एहि लोक आ यरूशलेम केँ कहल जायत, “मरुभूमि मे नंग-धड़ंग ऊँचाई सँ हमर लोकक बेटी दिस एकटा गरम हवा, हवा नहि मारय आ नहि शुद्ध करय, 12 एकटा हवा सेहो ताहि लेल मजबूत। आब हुनका सभ लग एकटा बात आबि जायत, आ हम हुनका सभ केँ अपन विचार देबनि।

यशायाह 17:14 आ देखू, साँझक समय मे संकट। आ भोरसँ पहिने ओ नहि छथि। ई हिस्सा अछि जे हमरा सभ केँ बिगाड़ैत अछि, आ जे हमरा सभ केँ लूटैत अछि ओकर भाग्य।

ई अंश परमेश् वर के न्याय के बात करै छै, कि जे निर्दोष के नुकसान पहुँचै के कोशिश करै छै, वू सफल नै होतै, कैन्हेंकि परमेश् वर न्याय लानै छै।

1. भगवानक न्याय - एकटा एहि बात पर जे भगवान हमरा सभ पर अन्याय करय बला लोकक संग कोना न्याय करताह।

2. साँझक ज्वार आ भोर - एकटा एहि बात पर जे परमेश् वर कोना त्वरित निर्णय अनताह, आ कोना हम सभ परमेश् वरक न्याय पर भरोसा क' सकैत छी।

1. मत्ती 5:38-39 - अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत।
मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, कोनो दुष्टक विरोध नहि करू। मुदा जे अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत, से दोसर गाल ओकरा दिस सेहो घुमा दियौक।

2. भजन 37:27-28 - अधलाह सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; आ अनन्त काल धरि रहू। कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि, आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि। ओ सभ सदाक लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंशज सभ कटैत रहत।

यशायाह अध्याय १८ इथियोपिया स॑ परे एगो अज्ञात राष्ट्र के संबंध म॑ एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करै छै, जे संभवतः कुश या कोनो अन्य अफ्रीकी राष्ट्र के संदर्भ म॑ छै । अध्याय में राष्ट्रऽ पर परमेश् वर केरऽ चौकस नजर आरू ओकरा सिनी के तरफ मुड़ै लेली हुनकऽ आमंत्रण पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इथियोपिया के आगू के भूमि के आह्वान स होइत अछि, जेकरा गुनगुनाइत पाँखि आ लंबा, चिकना चमड़ी वाला लोक के भूमि के रूप में वर्णित कयल गेल अछि | ई राष्ट्र स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू समुद्र केरऽ पार आरू तेज जहाजऽ के माध्यम स॑ दूत भेज॑ ताकि परमेश्वर केरऽ लोगऽ क॑ संदेश पहुँचैलऽ जाय (यशायाह १८:१-२)।

2 पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करै छै कि कोना परमेश्वर अपनऽ निवास स्थान स॑ चुपचाप अवलोकन करी रहलऽ छै, धैर्यपूर्वक निर्धारित समय के इंतजार करी रहलऽ छै जब॑ वू उठी क॑ न्याय के काम करतै । ओ एहि ईश्वरीय अवलोकन के तुलना ओहि तपैत गर्मी स करैत छथि जे फसल कटाई के दौरान पौधा के मुरझा दैत अछि (यशायाह 18:3-6)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी के समापन ई घोषणा करैत अछि जे जखन समय आओत तखन ई दूरक राष्ट्र सियोन पर्वत पर कर आ श्रद्धांजलि आनत, जतय परमेश् वरक उपस्थिति रहैत अछि। ओ सभ अपन प्रसाद केँ अधीनता आ आराधना करबाक काजक रूप मे प्रस्तुत करताह (यशायाह 18:7)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अठारह अध्याय प्रकट करैत अछि
दूरक राष्ट्र पर भगवानक चौकस नजरि
आ हुनका सभ केँ हुनका दिस घुमबाक लेल हुनकर आमंत्रण।

इथियोपिया स आगू दूरक भूमि पर आह्वान।
भगवान् के धैर्यपूर्वक अवलोकन के वर्णन।
दिव्य देखबाक तुलना तपल गर्मी सँ करब।
एहि राष्ट्र स भविष्य मे श्रद्धांजलि आ पूजा के घोषणा करैत।

एहि अध्याय मे इस्राएल सँ बाहरक सभ जाति सहित सभ जाति पर परमेश् वरक प्रभुत्व पर प्रकाश देल गेल अछि। ई हुनकऽ इच्छा के प्रदर्शन करै छै कि सब लोग हुनका अपनऽ पूजा आरू मोक्ष के सच्चा स्रोत के रूप म॑ पहचानै । ई संदेश भी दै छै कि कोय राष्ट्र कतनी भी दूर या अलग लगै, ओकरा भी भगवान के तरफ मुड़ला के माध्यम स॑ मोक्ष के अवसर मिलै छै । अंततः, ई परमेश्वर के मोक्षदायक योजना में समावेशीता के तरफ इशारा करै छै आरू सब जाति के हुनका साथ संबंध में आबै के हुनकऽ लालसा के तरफ इशारा करै छै।

यशायाह 18:1 इथियोपियाक नदी सभक ओहि पार पाँखि सँ छायादार देश पर धिक्कार अछि।

यशायाह भविष्यवक्ता इथियोपिया के नदी के पार एक देश के चेतावनी जारी करै छै।

1. यशायाह के चेतावनी: परमेश् वर के पश्चाताप के आह्वान पर ध्यान देना

2. परमेश् वरक चेतावनी केँ बुझब: पश्चाताप करू आ विश्वास करू

२ सुनल गेल अछि? आ बिना कोनो प्रचारक के कोना सुनत? आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत?

2. भजन 95:6-7 - "हे आऊ, हम सभ आराधना करी आ प्रणाम करी। हम सभ अपन निर्माता प्रभुक समक्ष ठेहुन टेकब। किएक तँ ओ हमर सभक परमेश् वर छथि; आ हम सभ हुनकर चारागाहक लोक छी आ हुनकर हाथक भेँड़ा छी।" ."

यशायाह 18:2 ओ समुद्रक कात मे, पानि पर बल्बक बर्तन मे राजदूत सभ केँ पठाबैत अछि जे, “हे तेज दूत सभ, छिड़ियाएल आ छिलका गेल जाति मे जाउ, जे शुरू सँ एखन धरि भयावह जाति अछि। एकटा एहन राष्ट्र मेट आउट आ रौंदल गेल, जकर भूमि नदी सभ बिगाड़ि देने अछि!

भगवान् एकटा एहन राष्ट्र मे राजदूत पठबैत छथि जे छिड़िया गेल अछि, छीलल गेल अछि आ रौंदल गेल अछि, जकर जमीन नदी मे बिगाड़ि गेल अछि।

1. उत्पीड़ित लोकक प्रति भगवानक पुनर्स्थापनात्मक प्रेम

2. खतरनाक समय मे एकताक शक्ति

1. यशायाह 57:15 - "किएक तँ ई कहैत छथि जे अनन्त काल मे रहनिहार उच्च आ ऊँच लोक, जिनकर नाम पवित्र अछि; विनम्र लोकक, आ पश्चाताप करयवला सभक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।"

2. भजन 137:1 - "बाबुलक नदी सभक कात मे, हम सभ ओतहि बैसल रही, हँ, हम सभ कानलहुँ, जखन हम सभ सियोन केँ मोन पाड़लहुँ।"

यशायाह 18:3 अहाँ सभ संसारक निवासी आ पृथ्वी पर रहनिहार, देखू, जखन ओ पहाड़ पर झंडा उठबैत छथि। जखन ओ तुरही बजबैत छथि तँ सुनू।

परमेश् वर सभ लोक केँ बजा रहल छथि जे आबि कऽ हुनकर संदेशक संज्ञान ली।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन संदेश सुनबाक लेल आ हुनकर इच्छाक आज्ञाकारी बनबाक लेल बजा रहल छथि।

2: हमरा सभ केँ भगवानक आह्वान सुनबाक आ ओकर प्रतिक्रिया देबाक लेल तैयार रहबाक चाही, चाहे ओ कतहु सँ आबय।

1: मत्ती 28:19-20 - तेँ अहाँ सभ जाउ आ सभ जाति केँ सिखाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दैत।

2: रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

यशायाह 18:4 किएक तँ परमेश् वर हमरा एना कहलनि जे, हम अपन विश्राम लेब, आ अपन निवास स्थान पर जड़ी-बूटी पर साफ गर्मी आ फसलक गर्मी मे ओसक मेघ जकाँ विचार करब।

परमेश् वर विश्राम लेताह आ अपन निवास स्थान पर विचार करताह, जेना जड़ी-बूटी पर साफ गर्मी आ फसलक गर्मी मे ओसक मेघ।

1. तनाव के समय में प्रभु में विश्राम करना

2. प्रभु के साथ एक निवास स्थान के आशीर्वाद

1. मत्ती 11:28-30 - अहाँ सभ जे श्रम करैत छी आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

29 हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू। हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी।

30 हमर जुआ सहज अछि आ हमर भार हल्लुक अछि।

2. भजन 23:1-6 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

2 ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शान्त पानिक कात मे लऽ जाइत छथि।

3 ओ हमर प्राण केँ पुनर्स्थापित करैत छथि, ओ हमरा अपन नामक लेल धार्मिकताक बाट पर लऽ जाइत छथि।

4 हँ, जँ हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत रहब, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, किएक तँ अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।

5 अहाँ हमर शत्रु सभक सोझाँ हमरा सोझाँ एकटा टेबुल तैयार करैत छी। हमर प्याला दौड़ि जाइत अछि।

6 हमरा जीवन भरि भलाई आ दया हमरा पाछाँ चलत।

यशायाह 18:5 किएक तँ फसल कटबासँ पहिने जखन कली सिद्ध भऽ जाएत आ खट्टा अंगूर फूलमे पकत तँ ओ छंटाईक हुकसँ टहनी सभकेँ काटि कऽ डारि सभकेँ काटि कऽ काटि लेत।

ई अंश परमेश् वर के न्याय आरू फसल के आबै के बात करै छै।

1: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2: धर्मक फसल काटब

1: मत्ती 3:8-10 - "पश्चाताप के अनुरूप फल पैदा करू। आ ई नहि सोचू जे अहाँ सभ अपना आप केँ कहि सकैत छी जे, 'हमरा सभक पिता अब्राहम छथि।' हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे एहि पाथर सभ सँ परमेश् वर अब्राहमक लेल संतान पैदा कऽ सकैत छथि। कुल्हाड़ी गाछक जड़ि मे पहिने सँ अछि, आ जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि, से काटि कऽ आगि मे फेकि देल जायत।”

2: इब्रानी 12:5-7 - "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटा सभक रूप मे संबोधित करैत अछि? 'हे बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु एकटा केँ अनुशासित करैत छथि।' ओ प्रेम करैत अछि, आ जे पुत्र केँ ग्रहण करैत अछि, तकरा ताड़ैत अछि।' अनुशासनक लेल अछि जे अहाँ केँ सहय पड़त। भगवान अहाँ सभ केँ बेटा जकाँ व्यवहार क' रहल छथि, कोन एहन बेटा अछि जकरा पिता अनुशासन नहि दैत छथि?"

यशायाह 18:6 ओ सभ एक संग पहाड़क चिड़ै सभ आ पृथ् वीक जानवर सभक लेल छोड़ि देल जायत, आ चिड़ै सभ ओकरा सभ पर ग्रीष्मकालीन समय रहत आ पृथ् वीक सभ जानवर ओकरा सभ पर जाड़ बिताओत।

भगवान् हुनकर आज्ञा नहि माननिहार केँ पृथ्वीक जानवर पर छोड़ि दंडित करताह।

1. भगवानक क्रोध सँ बचबाक लेल हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही।

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम पर ध्यान देबाक चाही।

1. व्यवस्था 28:15-26, आज्ञा नहि मानबाक लेल परमेश् वरक अभिशाप।

2. रोमियो 6:23, पापक मजदूरी मृत्यु अछि।

यशायाह 18:7 ओहि समय मे वर्तमान सँ एखन धरि भयावह प्रजा सँ छिड़ियाएल आ छिलल लोकक सेना सभक परमेश् वरक समक्ष वर्तमान आनल जायत। एकटा एहन जाति जे पएर पर चढ़ल आ दउड़ल गेल अछि, जकर भूमि नदी सभ लूटि कऽ सेना सभक परमेश् वरक नामक स्थान, सियोन पहाड़ धरि पहुँचा देलक।

एकटा भयंकर राष्ट्र सँ छिड़ियाएल आ छिलल लोक, जकर भूमि नदी सँ बिगाड़ि गेल अछि, सिय्योन पर्वत पर सेनाक प्रभु केँ उपहार अनत।

1. असहाय पर परमेश् वरक दया - यशायाह 18:7

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद - यशायाह 18:7

1. यशायाह 12:6 - हे सियोन निवासी, चिचियाउ आ चिचियाउ, किएक तँ तोहर बीच मे इस्राएलक पवित्र परमेश् वर महान छथि।

2. भजन 48:1-2 - प्रभु महान छथि, आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे, हुनकर पवित्रताक पहाड़ मे हुनकर बहुत स्तुति करबाक चाही। परिस्थिति के लेलऽ सुंदर, पूरा धरती के आनन्द, उत्तर के तरफ सियोन पर्वत छै, महान राजा के शहर ।

522

यशायाह अध्याय 19 में मिस्र के संबंध में एगो भविष्यवाणी छै, जेकरा में न्याय आरू पुनर्स्थापन दोनों के चित्रण छै। ई राष्ट्र पर परमेश् वर के संप्रभुता आरू ओकरा सिनी के मोक्ष लानै के हुनकौ योजना के प्रकट करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मिस्र पर परमेश् वर के आबै वाला न्याय के घोषणा स॑ होय छै । एहि भूमि के अपन नेता सब के बीच उथल-पुथल, भ्रम, आ विभाजन के अनुभव करय के रूप में वर्णित कयल गेल अछि | हुनका लोकनिक मूर्ति आ जादू-टोना परमेश् वरक सामर्थ् यक सामने व्यर्थ साबित होयत (यशायाह 19:1-4)।

2nd पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करै छै कि कोना नील नदी, जे मिस्र के कृषि आरू अर्थव्यवस्था के लेलऽ बहुत महत्वपूर्ण छेलै, सूखा के शिकार होय जैतै । जलमार्ग सुखायत, जाहि सँ लोकक बीच आर्थिक कठिनाई आ संकट उत्पन्न होयत (यशायाह 19:5-10)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी जारी अछि जे ई खुलासा करैत अछि जे मिस्र भय आ भ्रम सँ भरल रहत जेना परमेश् वर हुनकर बुद्धि आ समझ केँ बाधित करताह। झूठ देवता आ मानवीय बुद्धि पर हुनकर भरोसा बेअसर साबित होयत (यशायाह 19:11-15)।

4 म पैराग्राफ: आसन्न न्याय के बावजूद यशायाह मिस्र के लेल आशा के संदेश दैत छथि। ओ भविष्यक समयक गप्प करैत छथि जखन ओ सभ पश्चाताप मे परमेश् वर दिस मुड़ताह। ओ सभ अपन देशक बीच मे हुनकर आराधना करबाक लेल एकटा वेदी बनौताह, जकर परिणाम ईश्वरीय चिकित्सा आ मेल-मिलाप होयत (यशायाह 19:16-25)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह उन्नीस अध्याय के अनावरण
मिस्रक लेल न्याय आ पुनर्स्थापन दुनू।

मिस्र पर आबै वाला न्याय के घोषणा।
उथल-पुथल, भ्रम, विभाजन के वर्णन।
आर्थिक कठिनाई पैदा करय वाला सूखा के भविष्यवाणी।
बुद्धि के विघटन प्रकट करब मुदा आशा के अर्पित करब।

ई अध्याय मिस्र जैसनऽ शक्तिशाली राष्ट्र सहित सब जाति पर परमेश्वर केरऽ प्रभुत्व के प्रदर्शन करै छै । ई बात पर जोर दै छै कि झूठा देवता या मानवीय बुद्धि पर भरोसा करना अंततः हुनकऽ शक्ति के सामने व्यर्थ छै । मूर्तिपूजा आरू घमंड के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै, लेकिन मिस्र के लेलऽ भविष्य में पश्चाताप के वादा के माध्यम स॑ आशा भी दै छै । अंततः, ई परमेश् वर के मोक्षदायी योजना के तरफ इशारा करै छै जे इस्राएल स॑ परे फैललऽ छै कि वू अन्य राष्ट्रऽ क॑ भी समेट॑ सक॑ आरू साथ ही साथ ओकरऽ इच्छा भी कि वू लोगऽ लेली भी चंगाई, मेल-मिलाप आरू सच्चा आराधना लानै के जे कहियो हुनका स॑ दूर छेलै ।

यशायाह 19:1 मिस्रक भार। देखू, परमेश् वर तेज मेघ पर सवार भऽ मिस्र मे आबि जेताह, आ मिस्रक मूर्ति सभ हुनकर सोझाँ हिलत आ मिस्रक हृदय ओकर बीच मे पिघलि जायत।

भगवान मिस्र मे आबि जेताह, जाहि सँ मूर्ति सभ हिलत आ लोकक हृदय पिघलि जायत।

1. "भगवान एतय छथि: हुनक सान्निध्य मे आराम आ बल भेटब"।

2. "भगवानक संप्रभुता: अनिश्चितताक बादो भरोसा करब सीखब"।

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण हम जनैत छी जे अहाँक लेल हमर योजना अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह 19:2 हम मिस्रवासी सभ केँ मिस्रवासी सभक विरुद्ध ठाढ़ करब, आ ओ सभ अपन भाय सँ लड़त आ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ लड़त। नगरक विरुद्ध नगर, आ राज्यक विरुद्ध राज्य।

मिस्रक लोक आपस मे लड़त।
1. विभाजन के खतरा
2. एकताक शक्ति
1. याकूब 4:1-10
2. नीतिवचन 6:16-19
यशायाह 19:3 मिस्रक आत् मा ओकर बीच मे क्षीण भ’ जायत। हम ओकर योजना केँ नष्ट कऽ देब, आ ओ सभ मूर्ति, जादूगर, आ परिचित आत्मा आ जादूगर सभक खोज करत।
मिस्रक आत्मा नष्ट भ’ जायत आ लोक मूर्ति आ जादू-टोना दिस रुख करत।
1. मूर्तिपूजा आ जादू टोना के शक्ति
2. भगवान् आ हुनकर प्रतिज्ञा सँ मुँह मोड़ब
1. यिर्मयाह 44:17-19
2. व्यवस्था 18:10-12
यशायाह 19:4 हम मिस्रवासी सभ केँ एकटा क्रूर प्रभुक हाथ मे सौंप देब। एकटा उग्र राजा ओकरा सभ पर राज करत, सेना सभक परमेश् वर प्रभु कहैत छथि।
सेना सभक परमेश् वर मिस्रवासी सभ केँ एकटा क्रूर प्रभुक हाथ मे सौंपताह आ एकटा उग्र राजा हुनका सभ पर शासन करताह।
1. "एकटा क्रूर प्रभु आ उग्र राजा" - भगवानक आज्ञा मानय सँ मना करबाक परिणाम पर क।
2. "परमेश् वरक धार्मिक न्याय" - परमेश् वरक न्याय आ हुनकर आज्ञा मानबाक महत्व पर क।
1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"
2. इजकिएल 18:32 - "किएक तँ हमरा ककरो मृत्यु मे प्रसन्नता नहि होइत अछि, सार्वभौम प्रभु कहैत छथि। पश्चाताप करू आ जीबू!"
यशायाह 19:5 समुद्र सँ पानि क्षीण भ’ जायत, आ नदी उजड़ि क’ सुखा जायत।
ई मार्ग समुद्र आरू नदी केरऽ पानी के सुखाय के बारे में छै ।
1. हमर जीवन मे जलक महत्व
2. परमेश् वरक सृष्टिक भंडारीक आवश्यकता
१ तोहर परमेश् वर परमेश् वर वर्षक प्रारंभ सँ वर्षक अन् त धरि सदिखन एहि पर रहैत छथि।
2. योएल 2:28-29 - बाद मे एहन होयत जे हम अपन आत् मा सभ शरीर पर उझलि देब। तोहर बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत, तोहर बूढ़-पुरान सभ सपना देखत, तोहर युवक सभ दर्शन देखत।
यशायाह 19:6 ओ सभ नदी सभ केँ दूर घुमा देत। रक्षाक धार खाली भ’ क’ सुखायल जायत, खढ़ आ झंडा मुरझा जायत।
नदी सब मोड़ि जायत, रक्षाक धार खाली भ' जायत आ सुखायल जायत, आ खढ़ आ झंडा मुरझा जायत।

1. आध्यात्मिक दिशा के आवश्यकता: अनिश्चितता के समय में दिशा खोजना |

2. विश्वास के शक्ति: विश्वास के माध्यम स चुनौती स उबरब

1. यशायाह 11:15-16 - आ परमेश् वर मिस्रक समुद्रक जीह केँ सर्वथा नष्ट कऽ देताह। ओ अपन प्रचंड हवा सँ नदी पर हाथ हिलाओत आ ओकरा सात धार मे मारि देत आ मनुष्य केँ सूखल पाँति पार कऽ देत। अश्शूर सँ ओकर प्रजाक शेष भागक लेल एकटा राजमार्ग बनत। जेना मिस्र देश सँ बाहर निकललाक दिन इस्राएलक संग भेल छल।

2. 2 कोरिन्थी 12:9-10 - ओ हमरा कहलथिन, “हमर कृपा तोरा लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ जाइत अछि।” तेँ हम अपन दुर्बलता पर बहुत खुशी सँ घमंड करब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ्य हमरा पर टिकल रहय। तेँ हम मसीहक लेल दुर्बलता मे, अपमान मे, आवश्यकता मे, प्रताड़न मे, संकट मे प्रसन्न होइत छी, कारण जखन हम कमजोर होइत छी तखन हम बलवान होइत छी।

यशायाह 19:7 धारक कात मे, धारक कात मे कागजक खढ़ आ धारक कात मे जे किछु बोओल गेल अछि, ओ मुरझा जायत, भगाओल जायत आ आब नहि रहत।

यशायाह 19:7 विनाश आरू उजाड़ के दृश्य के वर्णन करै छै, जेकरा में जे भी कुछ धारऽ के पास बोलो गेलऽ छेलै, ओकरा भगा देलऽ जैतै आरू ओकरऽ अस्तित्व खतम नै होय जैतै।

1. परमेश् वरक निर्णय: पापक अपरिहार्य परिणाम

2. विनाशक बीच आशा: परेशान समय मे विश्वासक संग रहब

1. रोमियो 8:18-25 - कराहैत आ आशा मे सृष्टि

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि

यशायाह 19:8 मछुआरा सभ सेहो शोक करत, आ जे सभ धार मे कोण फेकैत अछि, ओ विलाप करत, आ पानि पर जाल पसारि देनिहार सभ सुस्त भ’ जायत।

ई अंश मिस्र केरऽ दशा के शोक मनाबै वाला लोगऽ के बात करै छै ।

1. शोकक मूल्य: हानि के बाद आशा कोना भेटत

2. शोक के लेल भगवान के आराम: कठिनाई के समय में शांति भेटब

1. विलाप 3:22-24 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि। प्रभु हमर भाग छथि, हमर प्राण कहैत छथि, तेँ हम।" ओकरासँ आशा करत।

2. 2 कोरिन्थी 1:3-4 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनका सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब।" ओ सभ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।”

यशायाह 19:9 आओर नीक सन मे काज करय वाला आ जाल बुनय वाला सभ भ्रमित भ’ जेताह।

ई अंश महीन सन आरू बुनाई के जाल में काम करै वाला के सजा के बात करै छै ।

1: भगवानक न्याय सबहक लेल पसरल अछि, ओहो ओहि लोक जे महीन सन आ बुनाई जाल मे काज करैत अछि।

2: हमरा सभ केँ ई सावधान रहबाक चाही जे हम सभ परमेश् वरक नियमक सीमा मे रहब वा परिणामक सामना करब।

1: याकूब 2:13 - "किएक तँ जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजयी होइत छैक।"

2: नीतिवचन 10:12 - "घृणा कलह के भड़काबैत अछि, मुदा प्रेम सभ अपराध केँ झाँपि दैत अछि।"

यशायाह 19:10 ओकर उद्देश्य मे ओ सभ टूटि जायत, जे सभ माछक लेल स्लूइस आ पोखरि बनबैत अछि।

यशायाह 19:10 मे ओहि लोकनिक बात अछि जे माछक लेल स्लूइस आ पोखरि बनबैत छथि जे अपन उद्देश्य मे तोड़ल जाइत छथि।

1. परमेश् वरक न्यायक अटूट प्रतिज्ञा

2. मनुष्यक व्यर्थ साधना

1. यिर्मयाह 17:10 - "हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी आ मन केँ परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन कर्मक फलक अनुसार अपन मार्गक अनुसार द' सकब।"

2. नीतिवचन 11:3 - "सोझ लोकक अखंडता हुनका मार्गदर्शन करैत अछि, मुदा विश्वासघाती सभक कुटिलता हुनका सभ केँ नष्ट करैत अछि।"

यशायाह 19:11 निश्चय सोआनक राजकुमार सभ मूर्ख छथि, फिरौनक बुद्धिमान सलाहकार सभक सलाह क्रूर भ’ गेल अछि।

सोआन के राजकुमार मूर्ख छै आरू फिरौन के बुद्धिमान सलाहकारऽ के सलाह क्रूर होय गेलऽ छै ।

1. अपन बुद्धि पर भरोसा करबाक खतरा

2. मानव बुद्धिक मूर्खता

1. नीतिवचन 3:5-7 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह। अपन नजरि मे बुद्धिमान नहि बनू, परमेश् वर सँ डेराउ आ अधलाह सँ हटि जाउ।

2. याकूब 3:13-18 - अहाँ सभ मे के अछि बुद्धिमान आ ज्ञान सँ सम्पन्न? नीक गप्प-सप्प सँ अपन काज केँ नम्रता सँ देखाबय। मुदा जँ अहाँ सभक मोन मे कटु ईर्ष्या आ झगड़ा अछि तँ घमंड नहि करू आ सत्यक विरुद्ध झूठ नहि बाजू। ई बुद्धि ऊपर सँ नहि उतरैत अछि, बल् कि सांसारिक, कामुक, शैतानी अछि। कारण, जतऽ ईर्ष्या आ झगड़ा होइत छैक, ओतहि भ्रम आ हरेक अधलाह काज होइत छैक। मुदा जे बुद्धि ऊपर सँ भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज व्यवहार सँ भरल, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात के आ बिना पाखंड के। शान्ति करनिहार सभक शान्ति मे धार्मिकताक फल बोओल जाइत छैक।

यशायाह 19:12 ओ सभ कतय अछि? अहाँक ज्ञानी लोकनि कतय छथि? आब ओ सभ अहाँ केँ बताबथि आ सेना सभक परमेश् वर मिस्र पर की चाहैत छथि।

यशायाह 19:12 मे सवाल उठैत अछि जे मिस्र के ज्ञानी लोक कतय छथि, आओर हुनका सभ सं मांग करैत अछि जे ओ ई बताबथि जे सेना के प्रभु मिस्र पर की उद्देश्य रखने छथि।

1. परमेश् वरक सभक योजना छनि, ओहो मिस्रक लेल।

2. भगवान् जे बुद्धि देने छथि, तकरा अनदेखी नहि करू।

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"
526

यशायाह 19:13 सोआनक राजकुमार सभ मूर्ख बनि गेल अछि, नोफक राजकुमार सभ धोखा देल गेल अछि।
ओ सभ मिस्र केँ सेहो बहका देलक, जे ओकर गोत्रक ठहराव अछि।

मिस्रक राजकुमार सभ मूर्ख बनि गेल अछि आ लोक सभ केँ भटका देलक।

1. झूठा भविष्यवक्ता के विरुद्ध एकटा चेतावनी: यशायाह 19:13 के एकटा व्याख्या

2. गलत मार्ग पर चलबाक खतरा: यशायाह 19:13 के अध्ययन

1. यिर्मयाह 23:13-14 - "भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ अपन सामर्थ्य सँ शासन करैत छथि, आ हमर लोक केँ ई एहन करब नीक लगैत छनि; आ तकर अंत मे अहाँ सभ की करब?"

2. मत्ती 24:11 - "आ बहुतो झूठ भविष्यवक्ता उठत आ बहुतो केँ धोखा देत।"

यशायाह 19:14 प्रभु एकटा विकृत आत् मा ओकर बीच मे मिला देलनि अछि, आ ओ सभ मिस्र केँ ओकर हर काज मे भ्रमित क’ देलक, जेना नशा मे धुत्त आदमी अपन उल्टी मे डगमगाइत अछि।

प्रभु मिस्र के एकटा विकृत भावना के कारण बहुत गलती के कारण बनौने छैथ जे ओकरा में राखल गेल छै।

1. आध्यात्मिक प्रभावक शक्ति

2. नशाक खतरा

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. नीतिवचन 20:1 - मदिरा उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।

यशायाह 19:15 मिस्रक लेल सेहो कोनो एहन काज नहि होयत जे माथ वा पूँछ, डारि वा दौड़-धूप क’ सकय।

परमेश् वर मिस्रक लोक सभ केँ कोनो काज नहि करऽ देथिन।

1. भगवानक काज: हुनकर प्रावधानक शक्ति केँ बुझब

2. प्रभु सार्वभौम छथि आ हुनकर इच्छा पूरा होयत

1. मत्ती 6:25-34 - चिन्ता नहि करू आ परमेश्वरक प्रावधान पर भरोसा करू

2. नीतिवचन 16:9 - मनुष्यक हृदय अपन बाट केर योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ स्थापित करैत अछि।

यशायाह 19:16 ओहि दिन मिस्र स् त्रीगण जकाँ होयत, आ सेना सभक परमेश् वरक हाथ हिलाओल गेलाक कारणेँ ओ भयभीत आ भयभीत होयत।

सेना सभक परमेश् वर मिस्र पर अपन हाथ हिलाओत, जाहि सँ ओ सभ भयभीत आ भयभीत भऽ जायत।

1. भगवान् के प्रचंड शक्ति: प्रभु के भय के पहचानना

2. भगवानक सार्वभौमत्व: न्यायक हुनक हाथ छोड़ब

1. भजन 47:2 - कारण परमेश् वर परमेश् वर भयावह छथि। ओ समस्त पृथ्वी पर महान राजा छथि।

2. यशायाह 46:9-10 - पुरान बात सभ केँ मोन पाड़ू, कारण हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि। हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ अन्तक घोषणा करैत छी, आ प्राचीन काल सँ एखन धरि जे काज नहि भेल अछि, तकरा कहैत छी जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ प्रसन्नता पूरा करब।”

यशायाह 19:17 यहूदा के देश मिस्र के लेलऽ भयावह होय जैतै, जे भी एकरऽ जिक्र करतै, वू खुद में डरी जैतै, कैन्हेंकि सेना केरऽ परमेश् वर केरऽ सलाह के कारण जे ओकरा ओकरा खिलाफ तय करलऽ गेलऽ छै ।

यहूदा मिस्र के लेलऽ आतंक आरू भय के स्रोत बनी जैतै, सेना के प्रभु के न्याय के कारण।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति - यशायाह 19:17

2. परमेश् वरक इच्छा केँ जानबाक जिम्मेदारी - यशायाह 19:17

1. यिर्मयाह 32:17, "हे प्रभु परमेश्वर! देखू, अहाँ अपन महान शक्ति सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी आ बाँहि पसारि देलहुँ, आ अहाँक लेल कोनो बेसी कठिन किछु नहि अछि।"

2. प्रकाशितवाक्य 6:17, "किएक तँ हुनका सभक क्रोधक पैघ दिन आबि गेल अछि; आ के ठाढ़ भ' सकैत अछि?"

यशायाह 19:18 ओहि दिन मिस्र देशक पाँचटा नगर कनान भाषा बजत आ सेना सभक प्रभुक शपथ करत। एकटा केँ कहल जायत, “विनाशक नगर।”

मिस्र के पाँच शहर कनान के भाषा बोलतै आरू सेना के प्रभु के प्रति निष्ठा के शपथ लेतै, एक शहर के विनाश के नगर कहलऽ जैतै।

1. परमेश् वरक पालन करबाक महत्व: यशायाह 19:18 क अध्ययन

2. समर्पण के शक्ति: यशायाह 19:18 के पाछु के अर्थ के उजागर करब

1. यिर्मयाह 11:5 - जाहि सँ हम अहाँक पूर्वज सभ केँ जे शपथ ग्रहण केने रही, तकरा पूरा क’ सकब जे आइ जेना दूध आ मधु सँ बहय बला देश हुनका सभ केँ देब।

2. व्यवस्था 6:5 - अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

यशायाह 19:19 ओहि दिन मिस्र देशक बीच मे परमेश् वरक लेल एकटा वेदी होयत आ ओकर सीमा पर परमेश् वरक लेल एकटा खंभा होयत।

भविष्य में मिस्र के बीच में प्रभु के वेदी आरू ओकरऽ सीमा पर प्रभु के समर्पित एक खंभा होतै ।

1. मिस्र पर प्रभुक विजय: भविष्यवाणी कयल गेल वेदी आ खंभा

2. प्रभु के अटूट प्रेम आ निष्ठा: प्रभु अपन प्रतिज्ञा के कोना पूरा करताह

1. निष्कासन 3:2 - तखन परमेश् वरक स् वर्गदूत एकटा झाड़ीक बीच सँ आगि केर लौ मे हुनका प्रकट भेलाह, तखन ओ देखलनि, आ देखलहुँ जे झाड़ी आगि सँ जरि गेल छल, आ झाड़ी नहि भस्म भ’ गेल छल।

2. यशायाह 11:9 - हमर समस्त पवित्र पहाड़ मे ओ सभ कोनो नुकसान नहि करत आ ने विनाश करत, किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक ज्ञान सँ भरल रहत, जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

यशायाह 19:20 ई मिस्र देश मे सेना सभक परमेश् वरक लेल एकटा चिन् ह आ गवाहक रूप मे होयत, किएक तँ ओ सभ अत्याचारी सभक कारणेँ परमेश् वर सँ पुकारत आ ओ ओकरा सभ केँ उद्धारकर्ता आ एकटा पैघ लोक पठौताह, आ ओ ओकरा सभ केँ उद्धार करत।

528

प्रभु मिस्रक उत्पीड़ित लोक सभ केँ उद्धार करबाक लेल एकटा उद्धारकर्ता पठौताह।

1. परमेश् वर उत्पीड़ित लोकक उद्धार करबाक लेल उद्धारकर्ता पठबैत छथि

2. भगवानक अपन लोक केँ मुक्त करबाक शक्ति

1. निकासी 3:7-10 - परमेश् वर मूसा केँ अपना केँ प्रगट करैत छथि आ मिस्र मे अपन लोक केँ गुलामी सँ मुक्त करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि

2. प्रेरित 7:22-23 - स्टीफन महासभा केँ मोन पाड़ैत छथि जे परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ मिस्र मे गुलामी सँ मुक्त कयलनि

यशायाह 19:21 मिस्र मे परमेश् वर केँ चिन्हल जायत आ मिस्रवासी सभ ओहि दिन परमेश् वर केँ चिन्हत आ बलिदान आ बलिदान करत। हँ, ओ सभ परमेश् वरक प्रति व्रत करथि आ ओकरा पूरा करत।

परमेश् वर मिस्र मे चिन्हल जायत आ मिस्रवासी हुनका चिन्हत आ हुनका बलि चढ़ाओत आ व्रत करत।

1. भगवान् के जानय के शक्ति - भगवान के जानला स जीवन कोना बदलैत अछि

2. भगवान् के प्रति व्रत के शक्ति - व्रत करला स विश्वास कोना मजबूत होइत अछि |

1. यूहन्ना 17:3 - "आ ई अनन्त जीवन अछि जे ओ सभ अहाँ केँ एकमात्र सत् य परमेश् वर आ यीशु मसीह केँ जनैत अछि जिनका अहाँ पठौने छी।"

2. व्यवस्था 23:21 - "जखन अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक प्रति व्रत करब तँ ओकरा पूरा करबा मे देरी नहि करब, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सँ ई बात अवश्य माँगताह, आ अहाँ पापक दोषी भ' जायब।"

यशायाह 19:22 परमेश् वर मिस्र केँ मारि देताह, ओ ओकरा मारि कऽ ठीक करताह, आ ओ सभ परमेश् वर लग घुरि जेताह आ ओ हुनका सभ सँ विनती करताह आ हुनका सभ केँ ठीक करताह।

परमेश् वर मिस्र केँ दंडित करताह, मुदा तखन ओकरा सभ केँ ठीक करत आ ओकरा सभ केँ वापस अपना लग खींचताह, जतय ओकरा सभ केँ चंगाई देल जायत।

1. दण्ड मे भगवानक दया: प्रभुक चिकित्साक शक्ति केँ चिन्हब

2. पश्चाताप के शक्ति: प्रभु के पास वापस आना आ हुनकर चंगाई प्राप्त करब

२.

2. यिर्मयाह 30:17 - "हम अहाँ केँ स्वस्थ क' देब आ अहाँक घाव केँ ठीक करब, प्रभु कहैत छथि।"

यशायाह 19:23 ओहि दिन मिस्र सँ अश्शूर दिस एकटा राजमार्ग बनत, आ अश्शूर मिस्र मे आओत, आ मिस्रवासी अश्शूर मे आओत, आ मिस्रवासी अश्शूरक संग सेवा करत।

ओहि दिन लोक एकजुट भ' एक दोसराक सेवा करत चाहे ओकर पृष्ठभूमि कोनो हो।

1: विविधता मे एकता - यशायाह 19:23

2: आम जमीन खोजब - यशायाह 19:23

1: रोमियो 15:5-7 - "धीरज आ प्रोत्साहन देनिहार परमेश् वर अहाँ सभ केँ मसीह यीशुक अनुरूप एक-दोसरक संग एहन मेल-मिलाप मे रहबाक अनुमति देथिन, जाहि सँ अहाँ सभ एक स्वर मे अपन प्रभु यीशुक परमेश् वर आ पिताक महिमा क' सकब।" मसीह।"

2: यूहन्ना 17:20-23 - "हम मात्र एहि सभक लेल नहि माँगैत छी, बल्कि ओहि सभक लेल सेहो माँगैत छी जे अपन वचन द्वारा हमरा पर विश्वास करत, जाहि सँ ओ सभ एक भ' सकय, जेना अहाँ, पिता, हमरा मे छी आ हम।" अहाँ सभ मे रहय, जाहि सँ ओहो सभ हमरा सभ मे रहय, जाहि सँ संसार केँ ई विश्वास भ’ सकय जे अहाँ हमरा पठौने छी।”

यशायाह 19:24 ओहि दिन इस्राएल मिस्र आ अश्शूरक संग तेसर स्थान पर रहत, जे देशक बीच मे आशीर्वाद बनत।

भविष्य में मिस्र आरू अश्शूर के साथ-साथ इस्राएल के भी आशीर्वाद मिलतै।

1. आशीर्वादक प्रतिज्ञा: अप्रत्याशित स्थान पर विश्वास भेटब

2. इस्राएल के आशीष: परमेश् वरक प्रतिज्ञा कोना राष्ट्र सभ केँ एक ठाम आनि सकैत अछि

1. इफिसियों 2:14-17 - कारण ओ स्वयं हमरा सभक शान्ति छथि, जे हमरा दुनू केँ एक बना देलनि आ अपन शरीर मे शत्रुताक विभाजन करयवला देबाल केँ तोड़ि देलनि।

2. भजन 133:1 - देखू, जखन भाइ सभ एकता मे रहैत छथि तखन कतेक नीक आ सुखद होइत अछि!

यशायाह 19:25 सेना सभक परमेश् वर हुनका आशीर्वाद दैत छथिन जे, “हमर प्रजा मिस्र, हमर हाथक काज अश्शूर आ हमर उत्तराधिकार इस्राएल केँ धन्य हो।”

परमेश् वर मिस्र, अश्शूर आ इस्राएल केँ आशीर्वाद दैत छथि।

1: अलग-अलग लोक, एक भगवान - अपन मतभेदक बादो एकजुटता मे कोना एक ठाम आबि सकैत छी।

2: भगवान् के आशीर्वाद हुनकर सब लोक पर - ई जानि जे हम सब एकटा उच्च शक्ति द्वारा प्रेम आ मूल्यवान छी।

1: गलाती 3:28 - "ने यहूदी अछि आ ने गैर-यहूदी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, आ ने स्त्री- पुरुष अछि, किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।"

2: रोमियो 10:12-13 - "यहूदी आ गैर-यहूदी मे कोनो अंतर नहि अछि, एकहि प्रभु सभ सभक प्रभु छथि आ हुनका पुकारनिहार सभ केँ भरपूर आशीर्वाद दैत छथि, कारण, जे कियो प्रभुक नाम पुकारत, से उद्धार पाओत।" " .

यशायाह अध्याय २० में एक ऐतिहासिक घटना के वर्णन छै जेकरा में खुद यशायाह शामिल छै, जे मिस्र आरू कुश के लेलऽ एगो संदेश के साथ एक प्रतीकात्मक भविष्यवाणी के रूप में काम करै छै। ई भगवान पर भरोसा करै के बजाय विदेशी गठबंधन पर भरोसा करै के परिणाम के खुलासा करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यशायाह के एकटा भविष्यवक्ता के रूप में कयल गेल काज के विवरण स होइत अछि। हुनका परमेश् वर द्वारा आज्ञा देल गेल छनि जे ओ अपन कपड़ा आ चप्पल उतारथि, तीन साल धरि नंगटे आ नंगटे चलैत रहथि, जे मिस्र आ कुशक विरुद्ध एकटा संकेत अछि (यशायाह 20:1-4)।

2nd पैराग्राफ: ई प्रतीकात्मक कार्य मिस्र आरू कुश के लेलऽ चेतावनी के काम करै छै, जे अश्शूर के खिलाफ सुरक्षा के लेलऽ ई राष्ट्रऽ पर निर्भर छेलै । यशायाह द्वारा अनुभव कयल गेल अपमानक पूर्वाभास अछि जे जखन हुनका सभ केँ अश्शूर द्वारा बंदी बनाओल जायत तखन हुनका सभ पर जे शर्म आओत (यशायाह 20:5-6)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बीस अध्याय मे पुनर्कथन कयल गेल अछि
भविष्यवक्ता के प्रतीकात्मक कार्य
मिस्र आ कुश के चेतावनी के रूप में।

यशायाह के तीन साल के प्रतीकात्मक कार्य के वर्णन।
विदेशी गठबंधन पर निर्भरता के खिलाफ चेतावनी।
अश्शूर के कैद के माध्यम स लाज के पूर्वाभास।

ई अध्याय ई याद दिलाबै के काम करै छै कि परमेश्वर के मार्गदर्शन पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति या गठबंधन पर भरोसा करला स॑ निराशा आरू अपमान होय सकै छै । ई सांसारिक साधन के माध्यम स॑ सुरक्षा लेली नै बल्कि केवल भगवान के शरण लेबै के महत्व प॑ प्रकाश डालै छै । एकरऽ अतिरिक्त, ई ऐन्हऽ परिणाम प॑ जोर दै छै कि राष्ट्रऽ क॑ भगवान के तरफ मुड़ला के बजाय अविश्वसनीय स्रोतऽ प॑ भरोसा रखै के सामना करना पड़ै छै । अंततः, ई सब जाति पर परमेश्वर के संप्रभुता आरू हुनकऽ इच्छा के तरफ इशारा करै छै कि हुनकऽ लोग हुनका पर अपनऽ विश्वास क॑ सब स॑ ऊपर रखै ।

यशायाह 20:1 जाहि साल टार्तन अश्दोद मे आयल छल, (जखन अश्शूरक राजा सरगोन ओकरा पठौलनि) आ अश्दोद सँ लड़लनि आ ओकरा पकड़ि लेलनि।

जे हुनकर आज्ञा के पालन नै करै छै, ओकरा परमेश् वर दंडित करै छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक नियमक पालन करबाक चाही आ हुनकर इच्छाक अनुसार जीबाक चाही, नहि तँ हमरा सभ केँ सजाय भेटत।

2: भगवान् एकटा न्यायी आ धर्मी परमेश् वर छथि, आ ओ आज्ञा नहि मानताह।

1: व्यवस्था 28:15 - "मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ ई सभ शाप अछि।" तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

2: मत्ती 5:17-19 - "ई नहि सोचू जे हम व्यवस्था वा भविष्यवक्ता सभक नाश करबाक लेल आयल छी। हम नष्ट करबाक लेल नहि आयल छी, बल् कि पूरा करबाक लेल आयल छी जाबत धरि सभ किछु पूरा नहि भ’ जायत ताबत धरि धर्म-नियम सँ कोनो तरहेँ कोनो तरहेँ नहि हटि जायत आ ओकरा सभ केँ सिखाउ, स् वर्गक राज् य मे वएह महान कहल जायत।”

यशायाह 20:2 ओही समय परमेश् वर अमोजक पुत्र यशायाहक द्वारा कहलथिन, “जाउ आ अपन कमर सँ बोरा खोलू आ अपन पैर सँ जूता उतारू।” आ ओ नंगटे आ नंगटे चलैत एना केलनि।

यशायाह केँ प्रभु द्वारा निर्देश देल गेलनि जे ओ अपन बोरा उतारि कऽ जूता उतारथि, आ ओ नंगटे आ नंगटे चलैत आज्ञा मानैत छलाह।

1. आज्ञाकारिता मे चलब: यशायाह के अपरंपरागत गवाह स सबक

2. विनम्रताक शक्ति: यशायाहक आज्ञापालनक अध्ययन

1. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। और परमेश् वर तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया करै के आरु आपने परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

2. 2 कोरिन्थी 5:7 - कारण, हम सभ विश् वास सँ चलैत छी, दृष्टि सँ नहि।

यशायाह 20:3 परमेश् वर कहलथिन, “जेना हमर सेवक यशायाह मिस्र आ इथियोपिया पर चिन् ह आ आश्चर्यक रूप मे तीन साल धरि नंगटे आ नंगटे चलल छथि।

परमेश् वर यशायाह के प्रयोग मिस्र आरू इथियोपिया के जाति सिनी कॅ एगो चिन्ह आरू आश्चर्य लानै लेली करलकै।

1: भगवान् हमरा सभक उपयोग अपन इच्छा केँ पूरा करबाक लेल शक्तिशाली तरीका सँ करैत छथि।

2: भगवानक बाट हमरा सभक तरीका नहि अछि, तेँ हुनकर योजना पर भरोसा करू भले ओ अजीब लागय।

1: यिर्मयाह 1:7-8 - परमेश्वर पर भरोसा करब भले ओकर योजना कठिन हो।

531

2: इब्रानी 11:23-29 - परमेश् वरक अपन इच्छा पूरा करबाक सामर्थ् य पर विश्वास करब।

यशायाह 20:4 तहिना अश्शूरक राजा मिस्र केँ लज्जित करबाक लेल मिस्रक कैदी सभ केँ, आ इथियोपियाक बंदी सभ केँ, छोट-बड़, नंगटे आ नंगे पांव केँ ल’ जायत।

अश्शूर के राजा मिस्र आरू इथियोपियाई लोगऽ क॑ छोटऽ-बड़ऽ कैदी के रूप म॑ ल॑ जाय छै, जेकरा स॑ ओकरा नंगा आरू अपमानित करी देलऽ जाय छै ।

1. घमंड आ अहंकार के परिणाम

2. सब जाति पर परमेश् वरक प्रभुत्व

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यिर्मयाह 18:4-6 - "प्रभुक वचन हमरा लग आबि गेलनि: 'हे इस्राएलक घराना, की हम अहाँ सभक संग ओहिना नहि क' सकैत छी जेना ई कुम्हार केने छथि? प्रभु कहैत छथि। देखू, कुम्हारक हाथ मे माटि जकाँ।" , हे इस्राएलक घराना, अहाँ हमरा हाथ मे तहिना छी।'"

यशायाह 20:5 ओ सभ इथियोपिया सँ अपन आशा आ मिस्र सँ अपन महिमा सँ डरैत आ लज्जित होयत।

इथियोपिया आरू मिस्र के लोगऽ क॑ अपनऽ-अपनऽ राष्ट्र प॑ भरोसा आरू भरोसा प॑ लाज होतै ।

1: हमरा सभ केँ पार्थिव वस्तु पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि प्रभुक मार्गदर्शन करबाक चाही आ ओकर बदला मे हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

2: परमेश् वरक लोक केँ अपन विश् वास पर लाज नहि करबाक चाही, बल् कि हुनका नहि चिन्हनिहार सभक लेल अन् हार मे इजोत बनबाक चाही।

1: यिर्मयाह 17:5-8 - परमेश् वर ई कहैत छथि जे, जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन सामर्थ् य बनबैत अछि, तकरा अभिशप्त अछि, जकर हृदय परमेश् वर सँ विमुख भ' जाइत अछि। ओ मरुभूमि मे झाड़ी जकाँ अछि, आ कोनो नीक काज नहि देखत। ओ मरुभूमिक सुखाएल स्थान मे, अनिवासी नमकीन देश मे रहताह। धन्य अछि ओ आदमी जे परमेश् वर पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा परमेश् वर पर अछि। ओ पानि लग रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि, आ गर्मी आबि गेला पर डरैत नहि अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे बेचैन नहि होइत अछि, कारण ओ फल देब नहि छोड़ैत अछि.

2: भजन 20:7 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम पर भरोसा करैत छी।

यशायाह 20:6 ओहि दिन एहि द्वीपक निवासी सभ कहत, “देखू, हमरा सभक आशा एहन अछि जे हम सभ अश्शूरक राजा सँ मुक्ति लेल कतय भागि जाइत छी, आ हम सभ कोना बचि सकब?”

एहि द्वीपक निवासी केँ अश्शूरक राजा सँ मुक्तिक आवश्यकता छनि, आ ओ सभ सोचि रहल छथि जे ओ सभ कोना बचि सकैत छथि।

1. मुक्ति मे एकटा अटूट आशा - यशायाह 20:6

2. कठिन समय मे ताकत भेटब - यशायाह 20:6

1. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर, हमर सामर्थ् य, जिनका पर हम भरोसा करब। हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़।

2. भजन 37:39 - मुदा धर्मी लोकनिक उद्धार परमेश् वर सँ भेटैत अछि। ओ विपत्तिक समय मे हुनका लोकनिक ताकत छथि।

यशायाह अध्याय 21 मे बेबिलोन के पतन आरू विभिन्न राष्ट्रऽ के भविष्य के विनाश के बारे म॑ एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । ई आसन्न न्याय आरू उथल-पुथल के दृश्य के चित्रण करै छै, जेकरा में सब जाति पर परमेश्वर के संप्रभुता के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्यायक शुरुआत मरुभूमि सँ बवंडर जकाँ आगू बढ़ैत सेनाक दर्शन सँ होइत अछि | भविष्यवक्ता केँ एकटा प्रहरी गोपुर ठाढ़ करबाक लेल बजाओल गेल अछि आ जे देखैत अछि ताहि पर ध्यान देब। ओ बेबिलोन के पतन आ ओकर मूर्ति के चकनाचूर होय के गवाह छै (यशायाह 21:1-2)।

2 पैराग्राफ: यशायाह वर्तमान ईरान केरऽ एगो प्राचीन राज्य एलाम के बारे म॑ ओकरा मिलै वाला दुखद खबर के वर्णन करै छै । ओ हुनका सभक विनाशक भविष्यवाणी करैत छथि आ अपन लोक सभ केँ आग्रह करैत छथि जे ओ विपत्ति सँ बचबाक लेल शरण लेथि (यशायाह 21:3-4)।

तेसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी जारी अछि जे एकटा आओर क्षेत्र दुमाह के बारे मे खबरि अछि, जे बेचैनी सं हुनकर सुरक्षा के बारे मे पूछताछ करैत अछि. यशायाह एकटा संदेश के साथ जवाब दै छै कि रात आरू भोर दोनों तरह के संकट के समय होतै आरू ओकरो बाद राहत के समय होतै (यशायाह 21:11-12)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन अरब, दुमा, आ केदार राष्ट्र के संबंध में भविष्यवाणी के साथ होयत अछि जे एक साल के भीतर तबाही के सामना करय पड़त। हुनकर महिमा फीका भ’ जेतै जखन परमेश् वर हुनका सभ पर अपन न्याय करैत छथि (यशायाह 21:13-17)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह एकइस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
बेबिलोन के पतन आ आसन्न न्याय
विभिन्न राष्ट्र पर।

मरुभूमि सँ आगू बढ़ैत सेनाक दर्शन।
चकनाचूर मूर्ति के साथ बेबिलोन के पतन।
एलाम पर विनाश के भविष्यवाणी।
दुमाह मे सुरक्षा पर चिंता।
अरब, दुमा, केदार के सम्बन्ध में भविष्यवाणियाँ।

ई अध्याय सब जाति पर परमेश्वर के संप्रभुता आरू न्यायाधीश आरू उद्धारकर्ता दोनों के रूप में हुनको भूमिका के प्रदर्शन करै छै। ई सुरक्षा या समृद्धि के लेलऽ सांसारिक शक्ति या मिथ्या देवता पर भरोसा करै के चेतावनी के काम करै छै । ई बात पर भी जोर दै छै कि कोय भी राष्ट्र परमेश्वर के न्याय स॑ नै बची सकै छै जब॑ वू ओकरा स॑ मुँह मोड़ै छै या ओकरऽ लोगऽ प॑ अत्याचार करै छै । अंततः, ई न्याय के निष्पादन में परमेश्वर के निष्ठा के तरफ इशारा करै छै जबकि उथल-पुथल के समय में हुनकऽ शरण लेन॑ वाला लेली आशा के पेशकश करै छै ।

यशायाह 21:1 समुद्रक मरुभूमिक भार। जेना दक्षिण मे बवंडर गुजरैत अछि; तेँ ई मरुभूमि सँ, भयंकर देश सँ अबैत अछि।

यशायाह 21:1 मरुभूमि मे एकटा भयावह देश सँ आबि रहल बोझक बात करैत अछि, जेना दक्षिण मे बवंडर।

1. "मरुभूमि के बोझ: कठिन समय में ताकत खोजना"।

2. "बवंडर के शक्ति: लचीलापन के साथ चुनौती पर काबू पाना"।

1. यिर्मयाह 23:19 - "देखू, प्रभुक एकटा बवंडर क्रोध मे निकलि गेल अछि, एकटा भयंकर बवंडर, ओ दुष्टक माथ पर भयंकर खसि पड़त।"

2. नीतिवचन 10:25 - "जहिना बवंडर बीतैत अछि, तहिना दुष्ट आब नहि अछि, मुदा धर्मी अनन्त नींव अछि।"

533

यशायाह 21:2 हमरा एकटा दुखद दर्शन कयल गेल अछि। विश्वासघाती व्यापारी धोखाधड़ी करैत अछि आ लुटनिहार लूटैत अछि। हे एलाम, ऊपर जाउ, हे मीडिया, घेराबंदी करू। ओकर सभटा आह हम समाप्त क’ देलहुँ।

परमेश् वर यशायाह केँ एकटा दुखद दर्शनक बारे मे कहैत छथि आ एलाम आ मीडिया केँ घेराबंदी करबाक आदेश दैत छथि।

1. भगवानक निर्णय: विश्वासघातक परिणाम

2. प्रार्थनाक शक्ति: उजाड़ आ निराशा पर काबू पाब

1. यशायाह 21:2

2. यिर्मयाह 29:11-13 "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि। तखन अहाँ सभ हमरा बजा कऽ आबि जायब।" आ हमरा सँ प्रार्थना करू, हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।"

यशायाह 21:3 तेँ हमर कमर पीड़ा सँ भरल अछि, हमरा पीड़ा पकड़ि लेलक अछि जेना प्रसव करनिहार स्त्रीक पीड़ा। एकरा देखि हम निराश भ गेलहुं।

यशायाह क॑ कोनो खास घटना क॑ सुनला आरू देखला प॑ तीव्र शारीरिक आरू भावनात्मक पीड़ा होय छै ।

1. हमरा सभक दुख मे भगवानक आराम

2. कठिन परिस्थितिक सामना कोना कयल जाय

1. रोमियो 8:18-19 - "किएक तँ हम ई बुझैत छी जे वर्तमान समयक कष्ट हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला महिमा सँ तुलना करबाक योग्य नहि अछि। किएक तँ सृष्टि परमेश् वरक पुत्र सभक प्रगट होयबाक लेल आतुरतापूर्वक प्रतीक्षा करैत अछि।" ."

2. 2 कोरिन्थी 1:3-4 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनका सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब।" ओ सभ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।”

यशायाह 21:4 हमर मोन हाँफैत छल, भय हमरा डरा देलक, हमर प्रसन्नताक राति ओ हमरा लेल भय मे बदलि गेल अछि।

हमर हृदय भय आ भय सँ भरल अछि; हमर आनन्दित राति आतंक मे बदलि गेल अछि।

1: प्रतिकूलताक सामना करैत भय पर काबू पाबब

2: चिंता के बीच शांति आ आनन्द भेटब

1: भजन 34:4 - हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

2: फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यशायाह 21:5 टेबुल तैयार करू, प्रहरी गोपुर मे जागरूक करू, खाउ, पीबू, हे राजकुमार लोकनि उठू आ ढाल पर अभिषेक करू।

534

लोक सभ केँ आज्ञा देल गेल अछि जे भोज तैयार करू, प्रहरी गोपुर पर नजरि राखू आ ढाल पर अभिषेक करबाक लेल उठू।

1. अनिश्चितताक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. समुदायक शक्ति

1. भजन 27:1-3 प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब? जखन दुष्ट सभ हमरा पर हमला करैत अछि जे हमर मांस, हमर विरोधी आ शत्रु सभ खाइ, तखन ओ सभ, हमर शत्रु आ शत्रु सभ ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि। जँ सेना हमरा विरुद्ध डेरा खसा लेत, मुदा हमर मोन नहि डरत। यद्यपि हमरा विरुद्ध युद्ध उठत, मुदा हम आश्वस्त रहब।

2. भजन 16:5-7 प्रभु हमर चुनल भाग आ हमर प्याला छथि; अहाँ हमर भाग्य पकड़ने छी। पाँति सभ हमरा लेल सुखद स्थान पर खसि पड़ल अछि; सत्ते, हमरा एकटा सुन्दर उत्तराधिकार अछि। हम प्रभु केँ आशीर्वाद दैत छी जे हमरा सलाह दैत छथि। राति मे सेहो हमर हृदय हमरा निर्देश दैत अछि। हम प्रभु केँ सदिखन अपना सोझाँ राखि देने छी। कारण ओ हमर दहिना कात छथि, हम नहि हिलब।”

यशायाह 21:6 किएक तँ परमेश् वर हमरा ई कहने छथि जे, जाउ, एकटा पहरेदार राखू, ओ जे देखैत अछि से बताबथि।

ई अंश परमेश् वर के आज्ञा के वर्णन करै छै कि एक चौकीदार क॑ जे देखै छै ओकरा घोषणा करै लेली सेट करलऽ जाय।

1: भगवान हमरा सभकेँ चौकस रहबाक लेल बजबैत छथि

2: सतर्क रहबाक महत्व

1: इफिसियों 6:18 - आत् मा मे सभ प्रार्थना आ विनतीक संग सदिखन प्रार्थना करू, आ सभ पवित्र लोकक लेल सभ धैर्य आ विनतीक संग ओहि पर जागरूक रहू।

2: मरकुस 13:33-37 - अहाँ सभ सावधान रहू, जागल रहू आ प्रार्थना करू, किएक तँ अहाँ सभ नहि जनैत छी जे समय कहिया होयत।

यशायाह 21:7 ओ एकटा रथ देखलनि जाहि मे एक-दू टा घुड़सवार छल, गदहाक रथ आ ऊँटक रथ। ओ बहुत ध्यान सँ सुनैत रहलाह।

यशायाह भविष्यवक्ता चारि टा रथ देखलनि जाहि मे अलग-अलग तरहक सवार छल, आ ओ ओकरा सभ पर पूरा ध्यान देलनि।

1. "देखब विश्वास करब अछि: हम अपन जीवन मे परमेश्वरक मार्गदर्शन के कोना बूझैत छी"।

2. "विवरण पर ध्यान देब: अवलोकनशील हेबाक शक्ति"।

1. निर्गमन 13:17-22 - प्रभु द्वारा इस्राएली सभक मार्गदर्शन जंगल मे।

2. भजन 46:10 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, आ विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 21:8 ओ चिचिया उठल, “सिंह, हे मालिक, हम दिन मे चौकी पर लगातार ठाढ़ रहैत छी, आ भरि राति अपन प्रहरी मे बैसल रहैत छी।

परमेश् वरक चौकीदार लोक सभ केँ आसन्न खतरा सँ सचेत करबाक लेल चेतावनी पुकारैत अछि।

1. प्रभु हमर चौकीदार छथि: हुनकर सेवा मे सतर्क रहू

535

2. भगवान् हमरा सभ केँ अपन रक्षा मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक लेल बजबैत छथि

1. यशायाह 21:8 - "ओ चिचिया उठल, “सिंह, हे मालिक, हम दिन मे चौकी पर लगातार ठाढ़ रहैत छी, आ भरि राति अपन प्रहरी मे बैसल रहैत छी।"

2. भजन 4:8 - "हम शान्ति सँ सुति जायब आ सुति जायब; कारण, हे प्रभु, असगरे हमरा सुरक्षित रहब।"

यशायाह 21:9 देखू, एतय एक-दू गोटेक रथ आबि रहल अछि। ओ उत्तर देलथिन, “बेबिलोन खसि पड़ल अछि, खसि पड़ल अछि। ओकर देवताक सभटा उकेरल मूर्ति सभ केँ ओ जमीन पर तोड़ि देलक।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे बेबिलोन खसि पड़ल अछि आ ओकर मूर्ति सभ नष्ट भऽ गेल अछि।

1. मूर्तिपूजाक व्यर्थता आ भगवानक शक्ति

2. बुराईक विरुद्ध परमेश् वरक न्यायक निश्चय

1. दानियल 5:30-31 - "ओही राति बेबिलोनक राजा बेलसस्सर केँ मारल गेलनि, आ मादी दारा बासठि वर्षक उम्र मे राज्य पर कब्जा क' लेलनि।"

2. यिर्मयाह 51:24-26 - "हम बेबिलोन आ ओतय रहनिहार सभ केँ सियोन मे कयल गेल सभटा अन्यायक बदला देब जे अहाँ सभक नजरि मे अछि," प्रभु कहैत छथि। "हम तोहर शत्रु छी, हे पराक्रमी पहाड़, हे समस्त पृथ्वीक विनाशक" प्रभु कहैत छथि | "हम अहाँ पर मुट्ठी उठबैत छी, अहाँ केँ ऊँचाई सँ नीचाँ गुड़काबय लेल। जखन हम समाप्त भ' जायब तखन अहाँ मलबाक ढेर छोड़ि किछु नहि भ' जायब।"

यशायाह 21:10 हे हमर कुटनी आ हमर खेतक फन, जे हम सेना सभक प्रभु, इस्राएलक परमेश् वरक विषय मे सुनलहुँ, से हम अहाँ सभ केँ कहलहुँ।

ई श्लोक यशायाह भविष्यवक्ता के प्रतिबद्धता कॅ व्यक्त करै छै कि प्रभु के वचन के प्रचार-प्रसार करै के छै।

1. घोषणा के शक्ति: प्रभु के वचन के घोषणा

2. आज्ञाकारिता आ निष्ठा: प्रभुक वचन पर खरा उतरब

1. यूहन्ना 1:1-5 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह।

2. रोमियो 10:13-15 किएक तँ जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, से उद्धार पाओत।

यशायाह 21:11 दुमा के भार। ओ हमरा सेइर सँ बजबैत छथि, चौकीदार, राति मे की? चौकीदार, राति के की?

एहि अंश मे एकटा चौकीदार केँ सेइर सँ बाहर बजाओल गेल अछि जे राति मे रिपोर्टिंग करय।

1. चौकीदारक आह्वान: कठिन समय मे निष्ठापूर्वक परमेश्वरक सेवा करब

2. भगवानक आह्वानक उत्तर देब: अन्हार समय मे हमर सभक विश्वास कोना मजबूत होइत अछि

1. हबक्कूक 2:1-4 - "हम अपन घड़ी मे ठाढ़ भ' क' प्राचीर पर ठाढ़ रहब; हम देखब जे ओ हमरा की कहत, आओर एहि शिकायत पर हम की जवाब देब।"

2. भजन 130:5-6 - "हम प्रभुक प्रतीक्षा करैत छी, हमर प्राण प्रतीक्षा करैत अछि, आ हुनकर वचन मे आशा करैत छी; हमर आत्मा भोर मे पहरेदार सँ बेसी प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, भोर मे चौकीदार सँ बेसी।"

यशायाह 21:12 चौकीदार कहलक, “भोर आबि रहल अछि आ राति सेहो।

चौकीदार लोक के ज्ञान आ समझ के खोज करय लेल प्रोत्साहित करैत अछि.

1. जीवन मे ज्ञान आ समझ के खोज

2. प्रश्न पूछबाक महत्व

1. नीतिवचन 2:3-5 - हँ, जँ अहाँ अंतर्दृष्टि लेल पुकारब आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी, जँ चानी जकाँ ओकरा खोजब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब, तखन अहाँ प्रभुक भय केँ बुझब आ पाबि लेब भगवान् के ज्ञान।

2. याकूब 1:5-7 - जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत। मुदा जखन पूछब तँ विश्वास अवश्य करू आ संदेह नहि करू, कारण जे संदेह करैत अछि ओ समुद्रक लहरि जकाँ अछि, हवाक उड़ाओल आ उछालल। ओहि व्यक्ति केँ प्रभु सँ किछु भेटबाक आशा नहि करबाक चाही।

यशायाह 21:13 अरब पर बोझ। हे देदानिमक घुमक्कड़ दल, अहाँ सभ अरबक जंगल मे ठहरब।

अरब पर बोझ पड़ि जाइत छैक, आ देदानिम केँ अरब जंगल मे रहबाक निर्देश भेटैत छैक |

1. कठिनाई के समय में विश्वास: यशायाह 21:13 के विश्लेषण

2. जंगल मे ताकत भेटब: यशायाह 21:13 के महत्व

1. व्यवस्था 8:2-3 - मोन राखू जे कोना अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ एहि चालीस वर्ष मे जंगल मे पूरा रास्ता ल’ गेलाह, जाहि सँ अहाँ केँ विनम्र आ परीक्षा देलनि जाहि सँ ई जानि सकब जे अहाँक हृदय मे की अछि, की अहाँ हुनकर आज्ञाक पालन करब वा नहि.

3. भजन 23 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।

यशायाह 21:14 तेमा देशक निवासी सभ प्यासल केँ पानि अनलनि आ भागल लोक केँ अपन रोटी सँ रोकलनि।

तेमा के लोक जरूरतमंद के भोजन-पान के चढ़ा क सत्कार करैत छल |

1. आतिथ्यक शक्ति: जरूरतमंद दोसरक देखभाल करब

2. करुणाक हृदय: अनजान लोक धरि पहुँचब

1. लूका 10:25-37 (नीक सामरीक दृष्टान्त)

2. इब्रानी 13:2 (अनजान लोकक संग सत्कार करबाक कोताही नहि करू)

यशायाह 21:15 किएक तँ ओ सभ तलवार, खीचल तलवार आ झुकल धनुष आ युद्धक कष्ट सँ भागि गेल।

युद्धक तबाही सँ लोक भागि जाइत अछि, जाहि मे तलवार, खींचल तलवार, आ झुकल धनुष शामिल अछि ।

1. युद्धक लागत: द्वंद्वक मूल्य बुझब

2. अशांत समय मे शांति भेटब: युद्ध सँ शरण लेब

1. यशायाह 2:4 ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटाईक हड़ मे, जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत, आ ने युद्ध आब सीखत।

2. याकूब 4:1 अहाँ सभ मे झगड़ा की होइत अछि आ अहाँ सभक बीच झगड़ा की होइत अछि? की ई बात नहि जे अहाँक भीतर अहाँक जुनून युद्ध मे अछि?

यशायाह 21:16 किएक तँ परमेश् वर हमरा ई कहने छथि जे एक सालक भीतर भाड़ाक काजक वर्षक अनुसार केदारक समस्त महिमा क्षीण भऽ जायत।

भगवान घोषणा केने छथि जे एक सालक भीतर केदारक महिमा खतम भ’ जायत।

1. जीवनक अनित्यता: जे किछु अछि ओकरा संग कोना जीबी

2. विश्वासक मूल्य: प्रभुक समय पर भरोसा करब

1. उपदेशक 3:1-8

2. रोमियो 8:28-39

यशायाह 21:17 धनुर्धर, केदारक सन् तानक पराक्रमी सभक संख्या कम भऽ जायत, किएक तँ इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई बात कहने छथि।

केदार केरऽ पराक्रमी योद्धा सिनी के संख्या कम होय जैतै, कैन्हेंकि ई बात इस्राएल केरऽ परमेश् वर यहोवा द्वारा कहलऽ गेलऽ छै ।

1. "प्रभु वचन अंतिम अछि: केदार के पराक्रमी पुरुष के कम करब"।

2. "भगवान नियंत्रण मे छथि: केदार के योद्धा के अवशेष"।

1. 2 कोरिन्थी 1:20 - किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अछि, आ हुनका मे अछि आमेन, जाहि सँ हमरा सभक द्वारा परमेश् वरक महिमा होयत।

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह अनन्त काल धरि ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यशायाह अध्याय 22 यरूशलेम आरू ओकरऽ नेता सिनी के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी पर केंद्रित छै। ई हुनकऽ घमंड, लापरवाही आरू भगवान पर भरोसा के कमी क॑ उजागर करै छै, जेकरा स॑ हुनकऽ पतन होय जाय छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत दर्शन के घाटी के वर्णन स होइत अछि, जे यरूशलेम के संदर्भित करैत अछि। यशायाह शहर केरऽ आसन्न विनाश आरू ओकरऽ निवासी सिनी के पश्चाताप के कमी के शोक मनाबै छै (यशायाह २२:१-५)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी यरूशलेम के नेता सिनी के काम आरू दृष्टिकोण के संबोधित करै छै। ई हुनकऽ अत्यधिक मस्ती, परमेश्वर केरऽ आज्ञा के अवहेलना, आरू आसन्न खतरा के तैयारी नै करै के आलोचना करै छै (यशायाह २२:८-११)।

3 पैराग्राफ: यशायाह महल के प्रभारी भ्रष्ट अधिकारी शेबना के ओर इशारा करै छै। ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे शेबना के जगह एलियाकीम आओत, जेकरा अधिकार आ जिम्मेदारी सौंपल जायत (यशायाह 22:15-25)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बाइस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
यरूशलेम के नेता सिनी पर न्याय
अपन घमंड आ लापरवाही के कारण।

यरूशलेम के विनाश पर शोक।
नेताक मस्ती आ उपेक्षा के आलोचना।
शेबना के प्रतिस्थापन के संबंध में भविष्यवाणी।

ई अध्याय अहंकार, आत्मनिर्भरता, आरू परमेश्वर के आज्ञा के अवज्ञा के खिलाफ चेतावनी के काम करै छै। ई भगवान पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति पर भरोसा करला स॑ जे परिणाम आबै छै, ओकरा उजागर करै छै । एकरऽ अतिरिक्त, ई परमेश् वर केरऽ उद्देश्य के अनुसार नेता सिनी के नियुक्ति में परमेश् वर केरऽ संप्रभुता पर प्रकाश डालै छै । अंततः, ई व्यक्ति आरू राष्ट्र दोनों के लेलऽ आवश्यक गुण के रूप म॑ विनम्रता, पश्चाताप, आरू भगवान प॑ निर्भरता के जरूरत के तरफ इशारा करै छै ।

यशायाह 22:1 दर्शनक घाटीक भार। आब अहाँ केँ की परेशानी होइत अछि जे अहाँ पूर्ण रूपेण घरक चोटी पर चलि गेल छी?

ई अंश यरूशलेम शहर के बात करै छै, आरू प्रभु के ओकरो निवासी सिनी के प्रति विश्वास के कमी के कारण नाराजगी के बात करै छै।

1. घमंड के पाप: यशायाह 22:1 के विश्लेषण

2. पश्चाताप के लेल प्रभु के आह्वान: यशायाह 22:1 के अध्ययन

1. लूका 18:10-14 - फरिसी आ कर वसूलीक दृष्टान्त

2. यशायाह 55:6-7 - पश्चाताप आ दयाक लेल प्रभुक आह्वान

यशायाह 22:2 अहाँ जे हलचल सँ भरल छी, उथल-पुथल भरल नगर, आनन्दित नगर, अहाँक मारल गेल लोक तलवार सँ नहि मारल गेल अछि आ ने युद्ध मे मरि गेल अछि।

हल्ला आ हर्ष सँ भरल शहरक वर्णन अछि, मुदा ओहि मे निवासी युद्ध मे नहि मारल गेल अछि ।

1. भगवानक शहर मे जीवनक आनन्द

2. उथल-पुथल के समय में आनन्द पाना

1. भजन 126:2 - हमर सभक मुँह हँसी सँ भरल छल, हमर सभक जीह आनन्दक गीत सँ भरल छल।

2. रोमियो 15:13 - आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य द्वारा आशा सँ उमड़ि सकब।

यशायाह 22:3 तोहर सभ शासक एक संग भागि गेल अछि, धनुर्धर सभक द्वारा बान्हल गेल अछि, जे सभ अहाँ मे भेटैत अछि, से सभ एक संग बान्हल अछि, जे दूर सँ भागि गेल अछि।

शहरक शासक सभ धनुर्धर सभ पकड़ि कऽ बान्हि देलक अछि ।

1: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे सतर्क रहबाक चाही आ भय आ खतरा सँ अपन रक्षा आ मुक्ति लेल भगवान पर भरोसा करबाक चाही।

2: जीवन जे कठिनाइ आ चुनौती दैत अछि ताहि सँ हतोत्साहित नहि करू, बल्कि एकर बदला मे परमेश्वरक शक्ति पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करू जे हमरा सभ केँ ओकरा दूर करबा मे मदद करत।

1: भजन 46:1-2 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

2: इब्रानी 13:6 तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहैत छी जे, प्रभु हमर सहायक छथि। हम डरब नहि।
मात्र मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यशायाह 22:4 तेँ हम कहलियनि, “हमरा सँ दूर देखू। हम कटु कानब, हमरा सान्त्वना नहि देबाक लेल मेहनत करब, अपन लोकक बेटीक लूटबाक कारणे।

यशायाह अपन लोकक विनाशक विलाप करैत छथि आ कोनो दिलासा नहि देबाक आह्वान करैत छथि।
539

1. विपत्तिक समय मे भगवानक आराम

2. नीक लोकक संग अधलाह किएक होइत छैक?

1. भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 22:5 किएक तँ ई दर्शनक घाटी मे सेना सभक परमेश् वरक द्वारा, देबाल सभ केँ तोड़बाक आ पहाड़ सभ पर पुकारबाक, विपत्तिक, रौदबाक आ भ्रमक दिन अछि।

ई अंश एक दिन के बात करै छै जेकरा में खुद परमेश् वर के कारण बहुत बड़ऽ कष्ट, संकट आरू भ्रम के बात होय छै।

1: विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मार्गदर्शन आ शक्तिक लेल देखू।

2: भगवानक उद्देश्य कखनो काल बुझब कठिन होइत अछि, मुदा हमरा सभ केँ हुनका पर विश्वास आ भरोसा रहबाक चाही।

1: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2: यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

यशायाह 22:6 एलाम आदमी आ घुड़सवारक रथक संग कुटी उठा लेलक आ किर ढाल खोललक।

ई अंश एलाम आरू किर के युद्ध के हथियार के खुलासा करै के बात करै छै।

1. युद्धक समय मे हमरा सभक रक्षा करबाक लेल प्रभु सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि।

2. प्रभु हमरा सभकेँ अपन शत्रु सभक सामना करबाक सामर्थ्य आ साहस प्रदान करैत छथि।

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. भजन 28:7 - "प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर हृदय हुनका पर भरोसा करैत अछि, आ हमरा सहायता भेटैत अछि; हमर हृदय उल्लासित अछि, आ हम अपन गीत सँ हुनका धन्यवाद दैत छी।"

यशायाह 22:7 एहन होयत जे तोहर नीक-नीक घाटी रथ सँ भरल रहत आ घुड़सवार सभ फाटक पर ठाढ़ भ’ जायत।

ई अंश एकटा एहन समयक गप्प करैत अछि जखन चुनिंदा घाटी रथसँ भरल रहत आ गेट पर घुड़सवारक लाइन लागल रहत ।

1: परमेश् वर नियंत्रण मे छथि - यशायाह 22:7 हमरा सभ केँ देखाबैत अछि जे परमेश् वर सभ किछु पर नियंत्रण रखैत छथि, ओहो सभटा उथल-पुथल समय मे।

2: परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि - यशायाह 22:7 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि आ खतरा के सामना करबा मे हमरा सभ केँ जे सुरक्षा चाही से प्रदान करताह।

1: भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2: भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

यशायाह 22:8 ओ यहूदाक आवरण देखि लेलक, आ अहाँ ओहि दिन जंगलक घरक कवच दिस तकलहुँ।

परमेश् वर यहूदाक सामर्थ् य आ जंगलक घरक कवच केँ प्रगट कयलनि।

1. पर्याप्त कवच: भगवानक शक्ति पर भरोसा करब।

2. अपन नींव के मजबूत करब: विश्वास के शक्ति।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक बल छथि; हम ककरासँ डरब?

यशायाह 22:9 अहाँ सभ दाऊदक नगरक टूटल-फूटल सेहो देखलहुँ जे ओ सभ बहुत अछि, आ अहाँ सभ निचला पोखरिक पानि केँ एक ठाम जमा केलहुँ।

दाऊदक नगरक फाँक अनेक अछि आ निचला पोखरिक पानि एक ठाम जमा भ' गेल अछि।

1. शहरक ताकत: जीवन मे चुनौती सँ कोना उबरल जाय

2. भगवान् पर निर्भरता: हुनकर रक्षा पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:31 "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत। आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत आ पहाड़ समुद्रक बीच मे ल' जाय; यद्यपि... ओकर पानि गर्जैत अछि आ त्रस्त भ' जाइत अछि, यद्यपि ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।"

यशायाह 22:10 अहाँ यरूशलेमक घर सभक गिनती कएलहुँ आ देबाल केँ मजबूत करबाक लेल घर सभ केँ तोड़ि देलहुँ।

यरूशलेम के लोग नगर के देवाल के लेलऽ किलाबंदी बनाबै लेली घरऽ के तोड़ी देल॑ छै ।

1. भगवान् के प्रति निष्ठावान सेवा के महत्व

2. एकता आ समुदायक ताकत

1. 1 पत्रुस 4:10 - जेना प्रत्येक केँ कोनो वरदान भेटल अछि, एकर उपयोग एक दोसराक सेवा मे करू, परमेश्वरक विविध अनुग्रहक नीक भण्डारी के रूप मे।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि! पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तऽ गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम रहत। आ असगर रहल आदमी पर भले जीत भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक।

यशायाह 22:11 अहाँ सभ दुनू देबालक बीच पुरान पोखरिक पानि लेल खाई सेहो बनौलहुँ, मुदा अहाँ सभ ओकर बनौनिहार दिस नहि देखलहुँ आ ने बहुत पहिने एकरा बनौनिहारक आदर केलहुँ।

ई अंश एकटा एहन कुंड के निर्माता के प्रति सम्मान के कमी पर चिंतन करैत अछि जे कतेको साल पहिने बनल छल.

1. दोसरक काजक सम्मान करू - दोसरक मेहनति केँ सदिखन चिन्हबाक चाही आ सम्मान करबाक चाही, भले ओ कतेको वर्ष पूर्व कयल गेल हो।

2. भगवान् के हस्तकर्म के सम्मान - हमरा सब के अपन जीवन में भगवान के हस्तकर्म के सम्मान देबय के लेल निरंतर प्रयास करबाक चाही, चाहे ओ कोनो एहन चीज हो जे हम सब बनौने छी या ओ हमरा सब के माध्यम स केने छथि।

1. नीतिवचन 14:31 - जे गरीब आदमी पर अत्याचार करैत अछि, ओ ओकर निर्माता के अपमान करैत अछि, मुदा जे जरूरतमंद के प्रति उदार अछि, ओ ओकर आदर करैत अछि।

2. उपदेशक 7:1 - अनमोल मरहम सँ नीक नाम नीक होइत छैक, आ जन्मक दिन सँ मृत्युक दिन।

यशायाह 22:12 ओहि दिन सेना सभक परमेश् वर कानब, शोक, गंजापन आ बोरा पहिरबाक लेल बजौलनि।

भगवान् पश्चाताप आ दुख के समय के आह्वान क रहल छैथ।

1: पश्चाताप करू आ चंगाई लेल भगवान लग जाउ।

2: शोक करू आ शोक करू, मुदा निराश नहि होउ, कारण परमेश् वर अहाँ सभक संग छथि।

1: यिर्मयाह 29:11, "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2: रोमियो 8:28, "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 22:13 देखू आनन्द आ आनन्द, बैल मारैत, भेँड़ा मारैत, मांस खाइत आ मदिरा पीबैत। कारण काल्हि हम सभ मरि जायब।

ई अंश जीवन के व्यर्थता के बात करै छै आरू लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि जब॑ तलक वू अपनऽ जीवन के आनंद ले सकै छै ।

1. प्रत्येक दिन एना जीबू जेना अहाँक अंतिम दिन हो।

2. जीवनक आशीर्वाद मे आनन्द लिअ।

1. उपदेशक 3:1-8

2. याकूब 4:13-15

यशायाह 22:14 सेना सभक परमेश् वर हमरा कान मे ई बात प्रकट कयलनि जे, जाबत धरि अहाँ सभ नहि मरब, ताबत धरि ई अधर्म अहाँ सभ सँ शुद्ध नहि होयत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश अधर्म के परिणाम के बात करै छै, कि मृत्यु तक शुद्ध नै होतै।

1: हमरा सभ केँ ई सुनिश्चित करबाक प्रयास करबाक चाही जे हमर सभक अधर्म हमरा सभ केँ उद्धार सँ नहि रोकय।

2: प्रत्येक व्यक्ति के शुद्ध होबय के लेल अपन अधर्म के परिणाम के सामना करय पड़त।

1: इजकिएल 18:20- पाप करय बला आत्मा मरत।

2: 1 यूहन्ना 1:9- जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ सभ अधर्मसँ शुद्ध करथि।

542

यशायाह 22:15 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “जाउ, एहि कोषाध्यक्ष लग जाउ, जे घरक देखरेख मे अछि, शेबना लग जाउ आ कहू।

सेना के परमेश् वर परमेश् वर घरक कोषाध्यक्ष शेबना केँ कतहु जेबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक आज्ञा केँ चिन्हब

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब

1. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. लूका 10:27 "ओ उत्तर देलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ, अपन समस्त सामर्थ् य सँ आ पूरा मोन सँ प्रेम करू, आ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।"

यशायाह 22:16 अहाँक एतय की अछि? अहाँ एतय के अछि जे अहाँ एतय एकटा कब्र काटि लेने छी, जेना ऊँच पर कब्र काटि कऽ चट्टान मे अपना लेल आवास बनौने अछि?

ई अंश एहन व्यक्तिक विषय मे अछि जे ऊँच चट्टान पर अपना लेल कब्र आ आवास उकेरने अछि |

1. परमेश् वरक लोक सभ केँ सेवा आ बलिदानक जीवन जीबाक लेल बजाओल गेल अछि

2. विनम्रता आ भगवान् पर निर्भरताक आवश्यकता

1. मत्ती 16:24-25 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "जे केओ हमर शिष् य बनय चाहैत अछि, से अपना केँ नकारबाक चाही आ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़बाक चाही।"

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

यशायाह 22:17 देखू, प्रभु अहाँ केँ एकटा शक्तिशाली बंदी बना क’ ल’ जेताह आ अहाँ केँ अवश्य झाँपि देताह।

प्रभु ककरो पराक्रमी बंदी बना लेतै आ ओकरा झाँपि देतै।

1. हमरा सभक भाग्य पर प्रभुक नियंत्रण अछि

2. परमेश् वरक पराक्रमी शक्ति हमरा सभक जीवन मे प्रदर्शित होइत अछि

1. अय्यूब 42:2 हम जनैत छी जे अहाँ सभ काज क’ सकैत छी, आओर अहाँक कोनो उद्देश्य केँ विफल नहि कएल जा सकैत अछि

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह 22:18 ओ अहाँ केँ गोल-गोल जकाँ कोनो पैघ देश मे घुरि क’ फेकि देत, ओतहि अहाँ मरि जायब आ ओतहि अहाँक महिमाक रथ अहाँक मालिकक घरक लाजक कारण बनत।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ हिंसक रूप सँ परदेश मे फेकि कऽ सजा देताह जतय ओ सभ मरि जेताह आ हुनकर महिमा केँ लज्जित कयल जायत।

1. भगवान् हुनका आज्ञा नहि माननिहार केँ सजा देताह

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

1. यिर्मयाह 15:1-2 तखन प्रभु हमरा कहलथिन, जँ मूसा आ शमूएल हमरा सोझाँ ठाढ़ रहितथि तँ हमर मोन एहि लोक दिस नहि घुमितथि। हमर सान्निध्य सँ दूर पठा दियौक आ छोड़ि दियौक! 543

2. इजकिएल 18:30-32 तेँ हे इस्राएली सभ, हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार न्याय करब, ई बात परमेश् वर प्रभु कहैत छथि। पश्चाताप करू! अपन सभ अपराध सँ मुँह मोड़ू। तखन पाप अहाँक पतन नहि होयत। अहाँ सभ जे अपराध केलहुँ ताहि सँ मुक्ति पाउ, आ नव हृदय आ नव आत्मा प्राप्त करू। हे इस्राएलक लोक, अहाँ सभ किएक मरब?

यशायाह 22:19 हम अहाँ केँ अहाँक स्टेशन सँ भगा देब, आ अहाँक अवस्था सँ ओ अहाँ केँ खसा देत।

भगवान् ककरो अधिकार आ शक्तिक पद सँ हटा देताह।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे सभ अधिकार आ शक्ति भगवान् सँ अछि आ ओ एकरा कोनो समय छीनि सकैत छथि।

2: हमरा सभ केँ अपन उपलब्धि आ हैसियत पर बेसी गर्व नहि करबाक चाही, कारण भगवान् हमरा सभ केँ जल्दीए विनम्र क' सकैत छथि।

1: याकूब 4:10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2: भजन 75:7 मुदा परमेश् वर छथि जे न्याय करैत छथि, ओ एकटा केँ नीचाँ उतारैत छथि, दोसर केँ ऊपर उठबैत छथि।

यशायाह 22:20 ओहि दिन हम अपन सेवक एलियाकीम केँ हिल्कियाहक पुत्र कहब।

एहि अंश मे परमेश् वर एलियाकीम केँ अपन सेवा करबाक लेल बजबैत छथि।

1. एलियाकीमक आह्वान: परमेश् वर द्वारा अपन काजक लेल चुनल गेल

2. परमेश् वरक सेवा करब: हुनका द्वारा बजाओल गेलाक सौभाग्य

1. मत्ती 20:25-28 - यीशु हमरा सभ मे सँ पैघ लोकक सेवक बनबाक शिक्षा दैत छथि।

2. यिर्मयाह 1:4-5 - परमेश् वरक आह्वान यिर्मयाह केँ अपन सेवक बनबाक लेल।

यशायाह 22:21 हम ओकरा तोहर वस्त्र पहिरा देब, ओकरा तोहर पट्टी सँ मजबूत करब, आ तोहर शासन ओकरा हाथ मे सौंपब।

परमेश् वर यरूशलेम आरू यहूदा के एगो नेता कॅ अधिकार दै के योजना बनाबै छै, जे निवासी सिनी के पिता के रूप में काम करतै।

1. भगवान् द्वारा देल गेल अधिकारक शक्ति

2. भगवान् के पितृसत्तात्मक प्रेम

1. रोमियो 13:1-2 - "प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि, आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स्थापित कयल गेल अछि।"

2. इफिसियों 6:4 - "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।"

यशायाह 22:22 हम दाऊदक घरक चाभी हुनकर कान्ह पर राखब। तेँ ओ खुजत आ कियो बन्न नहि करत। ओ बन्द करत, आ कियो नहि खुजत।”

यशायाह के ई अंश दाऊद के घर के चाभी के ओकरो कान्ह पर रखला के महत्व पर जोर दै छै, जे ई दर्शाबै छै कि घर खोलै आरू बंद करै वाला वू ही होतै आरू ई काम दोसरो कोय नै करी सकै छै।

1. "परमेश् वरक वफादारी: दाऊदक कुंजी"।

2. "परमेश् वरक अधिकार: दाऊद केँ चाभी सौंपल"।

1. प्रकाशितवाक्य 3:7-8 - "आ फिलाडेल्फियाक मण् डलीक स् वर्गदूत केँ लिखू: 'पवित्रक वचन, जे सत् य अछि, जिनका लग दाऊदक चाभी अछि, जे खुजैत अछि आ कियो बंद नहि करत, जे बंद करैत अछि।' आ कियो नहि खुजैत अछि।'

2. मत्ती 16:19 - "हम अहाँ केँ स्वर्गक राज्यक चाभी देब, आ अहाँ जे किछु पृथ् वी पर बान्हब, से स् वर्ग मे बान्हल जायत, आ पृथ्वी पर जे किछु ढीला करब, से स् वर्ग मे खोलल जायत।"

यशायाह 22:23 हम ओकरा कील जकाँ पक्का जगह पर बान्हि देब। ओ अपन पिताक घरक लेल एकटा गौरवशाली सिंहासनक लेल बनत।

परमेश् वर अपन घर मे अपन लोक सभक लेल एकटा गौरवशाली सिंहासन बनेबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक गौरवशाली सिंहासन: यशायाह 22:23 पर एक नजरि

2. एकटा सिंहासनक आशीर्वाद: हम सभ परमेश् वरक प्रतिज्ञा कोना ग्रहण क’ सकैत छी

1. यशायाह 9:7 - हुनकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ हुनकर राज्य पर, एकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल. सेना के प्रभु के उत्साह एकरा पूरा करतै।

2. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन तैयार कयलनि अछि; ओकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

यशायाह 22:24 ओ सभ ओकर पिताक घरक समस्त महिमा, संतान आ बूंद, सभटा कम मात्राक बर्तन, कपक बर्तन सँ ल’ क’ झंडाक सभ बर्तन धरि लटका देत।

एहि अंश मे पिताक घरक महिमा के बात कयल गेल अछि जे ककरो पर लटकल रहैत अछि, आ ताहि मे कप सँ ल' क' फ्लैगन धरि सब बर्तन शामिल अछि.

1. भगवानक महिमा - हुनकर आशीर्वाद कोना प्राप्त कयल जाय

2. भगवान् के सेवा के आशीर्वाद - हुनकर सम्मान कोना कयल जाय

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे हुनकर शरण लैत अछि।

2. व्यवस्था 28:1-2 - जँ अहाँ अपन प्रभु परमेश् वरक पूर्ण आज्ञा मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक ध्यानपूर्वक पालन करब जे आइ हम अहाँ सभ केँ दैत छी तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सभ जाति सँ ऊपर ऊँच कऽ देथिन।

यशायाह 22:25 सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे, ओहि दिन जे कील पक्का जगह पर बान्हल अछि से हटि जायत आ काटि कऽ खसि जायत। ओहि पर जे भार छल से कटल जायत, कारण परमेश् वर ई बात कहने छथि।

ई अंश प्रभु केरऽ बोझ दूर करै आरू कठिनाई दूर करै के बात करै छै ।

1: हम सब प्रभु पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के अपन बोझ स राहत देथि।

2: प्रभु जखन समय रहत तखन हमरा सभक कठिनाइ छीन लेताह।

1: मत्ती 11:28-30 - हे सब थकल आ भारी बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम हृदय मे कोमल आ विनम्र छी, आ अहाँ सभ केँ अपन आत्माक लेल विश्राम भेटत। कारण हमर जुआ सहज अछि आ हमर बोझ हल्लुक अछि।

2: भजन 55:22 - अपन भार प्रभु पर राखू, तखन ओ अहाँ केँ सहारा देताह; ओ कहियो धर्मी केँ हिलाबय नहि देथिन।

यशायाह अध्याय २३ मे सोर शहरक संबंध मे एकटा भविष्यवाणी अछि, जे फीनिक्सक एकटा प्रमुख व्यापारिक केंद्र छल। ई सोर के घमंड, धन आरू अन्य जाति के साथ दुर्व्यवहार के लेलऽ परमेश् वर के न्याय के प्रकट करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सोर शहर आ ओकर पतन पर विलाप स होइत अछि। यशायाह तर्शीश सँ जहाज सब स आग्रह करैत छथि जे सोर के विनाश के खबर के जवाब में विलाप करथि (यशायाह 23:1-3)।

2nd पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करै छै कि कोना सोर क॑ व्यापार के माध्यम स॑ बहुत धन मिललऽ छेलै आरू अपनऽ प्रभाव विभिन्न तटीय क्षेत्रऽ म॑ फैलाय देल॑ छेलै । तथापि, परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभक समृद्धि केँ समाप्त करताह आ हुनकर घमंड केँ विनम्र करताह (यशायाह 23:4-14)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी के समापन सत्तर साल बाद सोर के परमेश्वर के पास वापस आबै के आह्वान के साथ होय छै। हुनकऽ धन परमेश्वर के सेवा के लेलऽ समर्पित होतै, जेकरऽ उपयोग अब॑ व्यक्तिगत लाभ या मूर्तिपूजा के लेलऽ नै करलऽ जैतै (यशायाह २३:१५-१८)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेइस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
धनिक सोर पर भगवानक न्याय
अपन घमंड आ दोसरक संग दुर्व्यवहारक लेल।

शहर के पतन पर विलाप।
अपन समृद्धिक अंत घोषित करैत।
पश्चाताप आ भगवान् के प्रति समर्पण के आह्वान करू।

ई अध्याय ई याद दिलाबै के काम करै छै कि सांसारिक धन आरू सत्ता अस्थायी छै आरू अगर जिम्मेदारी स॑ उपयोग नै करलऽ जाय त॑ अहंकार के कारण बनी सकै छै । ई व्यक्तिगत लाभ के लेलऽ दोसरऽ के दोहन के विपरीत विनम्रता, न्याय आरू दोसरऽ के साथ निष्पक्ष व्यवहार के महत्व प॑ प्रकाश डालै छै । एकरऽ अतिरिक्त, ई बात प॑ जोर दै छै कि सच्चा समृद्धि स्वार्थी महत्वाकांक्षा के पीछू नै चलै के बजाय भगवान के उद्देश्य के साथ संरेखित होय स॑ मिलै छै । अंततः, ई ईश्वरीय न्याय के अनुभव के बाद भी पश्चाताप आरू बहाली के अवसर के तरफ इशारा करै छै कि व्यक्ति या राष्ट्र के लेलऽ परमेश्वर के तरफ वापस मुड़ै के मौका आरू हुनकऽ सेवा में अपनऽ संसाधन समर्पित करै के मौका मिलै छै ।

यशायाह 23:1 सोरक भार। हे तर्शीशक जहाज सभ, हुंकार करू। किएक तँ ई उजाड़ भऽ गेल अछि, जाहिसँ घर नहि अछि आ प्रवेशक कोनो प्रवेश नहि।

टायर नष्ट भ गेल अछि आ ठीक हेबाक कोनो आशा नहि अछि।

1: परमेश् वर न्यायक परमेश् वर छथि जे अधलाह काज केनिहार केँ विनाश अनैत छथि।

2: सोरक विनाशक बादो परमेश् वर दया करैत छथि आ हुनका दिस घुरनिहार सभ केँ आशा दैत छथि।

1: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2: आमोस 9:8 - "देखू, हम आज्ञा देब आ इस्राएलक घराना केँ सभ जाति मे हिला देब, जेना छलनी सँ हिलाबैत अछि, मुदा कोनो कंकड़ धरती पर नहि खसत।"

यशायाह 23:2 हे द्वीपक निवासी सभ, शान्त रहू। तोहें जिनका सिदोन के व्यापारी, जे समुद्र के पार से गुजरै छै, ओकरा भरलोॅ छै।”

द्वीप के निवासी सब के प्रोत्साहित करलऽ जाय छै कि वू स्थिर रहै आरू सिदोन के व्यापारी सब पर भरोसा करै जे ओकरा सब के जरूरत के भरपाई करी चुकलऽ छै ।

1) जरूरत के समय परमेश् वर पर भरोसा करब - यशायाह 23:2

2) दोसर के निष्ठा पर भरोसा करब - यशायाह 23:2

1) रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2) भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे ऊँच होयब, पृथ् वी पर हम ऊँच होयब।

यशायाह 23:3 आ पैघ पानि मे सिहोरक बीया, नदीक फसल, ओकर आमदनी होइत छैक। आ ओ जाति सभक मार्ट छथि।

सिहोर के बीज बड़का पानि स काटल जाइत अछि आ ओकर जे राजस्व भेटैत अछि ओ राष्ट्रक मार्ट अछि ।

1. कटनी के शक्ति: भगवान नदी के फसल के उपयोग राष्ट्र के आशीर्वाद के लेल कोना करैत छथि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: भगवान के योजना के अनुसार जीने के फल

1. उपदेशक 11:1 - "अपन रोटी पानि पर फेकि दियौक, कारण बहुत दिनक बाद अहाँ ओकरा फेर पाबि लेब।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यशायाह 23:4 हे सिदोन, अहाँ लाज करू, किएक तँ समुद्र समुद्रक सामर्थ् य कहने अछि जे, “हम प्रसव नहि करैत छी, ने संतान पैदा करैत छी, आ ने युवक सभक पोषण करैत छी आ ने कुमारि सभक पालन-पोषण करैत छी।”

समुद्र सिदोन सँ बात करैत अछि जे ई युवक वा कुमारि केँ जन्म नहि दैत अछि आ ने पोसैत अछि |

1. प्रकृति मे भगवानक शक्ति: समुद्र सिदोन सँ कोना बजैत अछि

2. परमेश् वरक प्रावधान: समुद्र कोना नहि अर्पित करैत अछि जे हुनका सँ हमरा सभ केँ भेटि सकैत अछि

1. अय्यूब 38:8-11 - परमेश् वर अय्यूब सँ बवंडर सँ सृष्टि मे अपन शक्तिक विषय मे गप्प करैत

2. भजन 147:3 - परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल चंगाई आ शक्तिक प्रावधान

यशायाह 23:5 जेना मिस्रक खबरि मे आयल अछि, तहिना सोरक खबरि मे ओ सभ बहुत दुखी होयत।

टायर के रिपोर्ट स बहुत दर्द होयत।

1. बदमाशक पीड़ा बुझब

2. सकारात्मक परिवर्तन के प्रेरित करय लेल दर्द के प्रयोग करब

क्रॉस संदर्भ : १.

1. विलाप 3:1-3 "हम एहन छी जे अपन क्रोधक लाठी सँ दुःख देखलहुँ; ओ हमरा भगा देलक आ हमरा इजोत सँ बेसी अन्हार मे चलय देलक; निश्चित रूप सँ ओ हमरा पर बेर-बेर अपन हाथ घुमा देलक

दिन।ओ हमर मांस आ चमड़ा केँ बर्बाद क' देलक, हमर हड्डी तोड़ि देलक।ओ हमरा घेराबंदी क' क' कटुता आ विपत्ति सँ घेरने अछि।

2. उपदेशक 7:3 "हँसी सँ दुख नीक होइत छैक, कारण जखन मुँह उदास होइत छैक तखन हृदय प्रसन्न भ' सकैत अछि।"

यशायाह 23:6 अहाँ सभ तर्शीश दिस जाउ। अहाँ सभ द्वीपक निवासी सभ, हुंकार मारू।

ई अंश तर्शीश के लोगऽ क॑ शोक करै लेली बोलैलऽ जाय के बात करै छै ।

1: हम सब दुखक समयक सामना करैत छी, मुदा परमेश् वर हमरा सभक संग छथि, ओहो हमरा सभक शोकक बीच (भजन संहिता 34:18)।

2: भले ही ई महसूस होय सकै छै कि शोक हमरा सब के भस्म करी दै छै, लेकिन परमेश्वर के शक्ति अभी भी अधिक छै आरू वू हमरा सब के दुख के माध्यम स॑ लानी सकै छै (भजन संहिता 46:1)।

1: भजन 34:18 "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।"

2: भजन 46:1 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यशायाह 23:7 की ई अहाँक आनन्दित नगर अछि, जकर प्राचीन काल प्राचीन काल सँ अछि? ओकर अपन पएर ओकरा दूर धरि ल' क' प्रवास करबाक लेल ल' जेतै।

सोर शहर केरऽ आनन्द अल्पकालिक छै, कैन्हेंकि ई जल्दिये निर्वासन करै लेली मजबूर होय जैतै ।

1. भगवान अंततः नियंत्रण मे छथि आ शक्तिशाली शहर केँ सेहो खसा सकैत छथि।

2. हमर सभक आनन्द हमरा सभक सम्पत्ति मे नहि, बल्कि परमेश् वरक प्रतिज्ञा आ सामर्थ् य मे भेटबाक चाही।

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब!"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यशायाह 23:8 सोर, ताजपोशी नगर, जकर व्यापारी सभ राजकुमार छथि, जकर व्यापारी पृथ्वीक आदरणीय छथि, सूरक विरुद्ध ई सलाह के केलक अछि?

परमेश् वर सवाल करै छै कि सोर के धनी आरू शक्तिशाली शहर के खिलाफ के सलाह लेलकै।

1. भगवान अन्याय के अनदेखी नै करै छैथ आ जे दबल छै ओकरा लेल सदिखन न्याय के तलाश करत।

2. धन आ शक्ति हमरा सभ केँ परमेश् वरक न् याय सँ रक्षा नहि करैत अछि।

1. याकूब 2:1-13 - धनिक लोकक प्रति पक्षपात नहि करू आ गरीबक प्रति पक्षपात नहि करू।

2. इजकिएल 26:1-21 - सोरक विरुद्ध परमेश् वरक न्याय आ ओकर विनाश।

यशायाह 23:9 सेना सभक परमेश् वर ई योजना बनौने छथि जे सभ महिमाक घमंड केँ दाग लगाबथि आ पृथ् वीक सभ आदरणीय लोक केँ तिरस्कृत करथि।

परमेश् वर घमंडी लोक केँ नम्र करबाक आ पृथ् वीक आदरणीय लोक केँ नीचाँ उतारबाक निश्चय कयलनि अछि।

1: घमंड गिरला स पहिने अबैत अछि

2: विनम्रता के आशीर्वाद

1: याकूब 4:6-10 "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: नीतिवचन 16:18 "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

यशायाह 23:10 हे तरशीशक बेटी, अपन देश मे नदी जकाँ गुजरू।

तर्शीश देश कमजोर आ उजड़ल अछि, आ ओकर लोक केँ ओहि मे सँ नदी जकाँ गुजरबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1. परमेश् वरक अडिग प्रेम: तर्शीशक आशा

2. कमजोरीक ताकत: तरशीश पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 23:11 ओ समुद्र पर हाथ बढ़ौलनि, राज्य सभ केँ हिला देलनि, परमेश् वर व्यापारी नगरक विरुद्ध आज्ञा देलनि अछि जे ओकर गढ़ सभ केँ नष्ट कयल जाय।

परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे व्यापारी नगरक गढ़ सभ केँ नष्ट कयल जाय।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन जीवन मे पापक गढ़ केँ तोड़बाक आज्ञा दैत छथि।

2: प्रभुक आज्ञापालन मे हमरा सभ केँ अधर्मक गढ़ सभ केँ नष्ट करबाक अछि।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

यशायाह 23:12 ओ कहलनि, “हे सिदोनक बेटी, अत्याचारी कुमारि, अहाँ आब आनन्दित नहि होयब। ओतहु तोरा कोनो विश्राम नहि होयत।

सिदोन के उत्पीड़ित बेटी के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में कहलऽ गेलऽ छै कि चत्तीम जाय, जहाँ ओकरा कोनो आराम नै होतै।

1. आस्थाक संघर्ष: अशांत दुनिया मे आराम भेटब

2. उत्पीड़न के बीच आशा: यशायाह 23:12 स एकटा संदेश

1. मत्ती 11:28-30, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

2. भजन 62:5-6 हे हमर प्राण, केवल परमेश् वर, मौन मे प्रतीक्षा करू, कारण हमर आशा हुनका सँ अछि। ओ मात्र हमर चट्टान आ हमर उद्धार, हमर किला छथि; हम नहि हिलब।

यशायाह 23:13 देखू कल्दी सभक देश। ई लोक ताबत धरि नहि छल जाबत धरि अश्शूर जंगल मे रहनिहार सभक लेल एकर स्थापना नहि केलक। आ ओकरा बर्बाद कऽ देलक।

यशायाह 23:13 के ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना अश्शूर के लोग कल्दी भूमि के स्थापना करलकै आरू टावर आरू महल बनैलकै, लेकिन ओकरा बाद ओकरा बर्बाद करी देलकै।

1. मानवीय अहंकार के सामने भगवान के संप्रभुता के पहचानना

2. मानव उपलब्धिक क्षणिकता

1. यिर्मयाह 51:58 - "सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे बाबुलक चौड़ा देबाल सभ केँ एकदम टूटि जायत, आ ओकर ऊँच फाटक सभ आगि सँ जरि जायत। आ लोक सभ व्यर्थ मेहनत करत आ लोक सभ आगि मे। ओ सभ थाकि जेताह।”

2. भजन 127:1 - "जखन परमेश् वर घर नहि बनौताह, तँ ओकरा बनबै बला सभ व्यर्थ परिश्रम करैत छथि। जाबत धरि प्रभु नगरक रक्षा नहि करताह, ताबत चौकीदार जागत मुदा व्यर्थ।"

यशायाह 23:14 हे तर्शीशक जहाज सभ, अहाँ सभक सामर्थ् य उजड़ि गेल अछि।

तरशीशक जहाज कमजोर भ’ गेल अछि आ शोक करय पड़त।

1. परमेश् वरक ताकत अटूट अछि - यशायाह 40:28-31

2. विपत्ति मे ताकत भेटब - यशायाह 41:10

1. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. यशायाह 40:29 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि; जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

यशायाह 23:15 ओहि दिन सोर एक राजाक समयक अनुसार सत्तर वर्ष बिसरा जायत, सत्तर वर्षक बाद सोर वेश्या जकाँ गाओत।

टायर 70 साल तक बिसरि जायत, मुदा ओहि समय के बाद फेर वेश्या के रूप मे गाबय।

1. परमेश् वरक मोक्ष आ पुनर्स्थापन - सोरक पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक यात्रा केँ देखैत।

2. परमेश् वरक निष्ठा - ई परखब जे जखन असंभव बुझाइत अछि तखनो परमेश् वर अपन प्रतिज्ञाक पालन करबाक लेल कोना वफादार छथि।

1. यशायाह 23:15

2. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यशायाह 23:16 हे वेश्या जे बिसरि गेल छी, वीणा ल’ क’ शहर मे घुमि जाउ। मधुर राग बनाउ, अनेक गीत गाउ, जाहि सँ अहाँ स्मरण कयल जायब।

भगवान वेश्या के आज्ञा दै छै कि वू वीणा उठाय क॑ बहुत गीत गाबै ताकि ओकरा याद करलऽ जाय सक॑ ।

1: भगवान हमरा सब के क्षमा करय आ पुनर्स्थापित करय लेल सदिखन तैयार रहैत छथि, चाहे हम सब कतबो दूर भटकल रही।

550

2: हमरा सभकेँ कहियो आशा नहि छोड़बाक चाही, तखनो जखन हमरा सभकेँ दोसर द्वारा बिसरि गेल हो, कारण भगवान् हमरा सभकेँ नहि बिसरल छथि।

1: लूका 15:11-32 - उड़ाएल पुत्रक दृष्टान्त

2: भजन 139:17-18 - परमेश् वर हमरा सभक बारे मे सभ किछु जनैत छथि आ बुझैत छथि।

यशायाह 23:17 सत्तर वर्षक अंतक बाद परमेश् वर सोरक दर्शन करताह, आ ओ अपन किराया पर घुरि जेतीह आ पृथ् वी पर संसारक सभ राज्यक संग व्यभिचार करत।

प्रभु 70 साल के बाद सोर के दौरा करतै, आरो सोर दुनिया के अन्य राष्ट्र के प्रति निष्ठा के प्रण करतै।

1. परमेश् वरक वफादारी: यशायाह 23:17 केँ परखब

2. विश्वासी रहबाक महत्व: सोरक दृष्टान्त

1. यशायाह 46:10 - हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

2. उपदेशक 3:17 - हम मोन मे कहलियनि, परमेश् वर धर्मी आ दुष्टक न्याय करताह, किएक तँ सभ काज आ हर काजक लेल समय होइत छैक।

यशायाह 23:18 ओकर व्यापार आ भाड़ा परमेश् वरक लेल पवित्रता होयत। कारण, ओकर व्यवस्था परमेश् वरक समक्ष रहनिहार सभक लेल होयत, जे ओ सभ पर्याप्त भोजन आ टिकाऊ वस्त्रक लेल होयत।

ई अंश ई बात पर जोर दै छै कि प्रभु के लोगऽ क॑ अपनऽ संसाधन के उपयोग जरूरतमंद के देखभाल करै लेली आरू प्रभु के पास पवित्रता लानै लेली करना चाहियऽ ।

1. जरूरतमंदक देखभाल: प्रभुक लोकक जिम्मेदारी

2. प्रभु के पास पवित्रता लाने के लिये संसाधनों का प्रयोग |

1. याकूब 2:14-17 - "हे हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त' की फायदा? की एहन विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि? मानि लिअ जे कोनो भाइ वा बहिन बिना कपड़ा आ नित्य भोजनक अछि।" जँ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका सभ केँ कहथिन, "शांति सँ जाउ; गरम आ नीक जकाँ भोजन करू, मुदा हुनकर शारीरिक आवश्यकताक विषय मे किछु नहि करू, तखन एकर की फायदा?"

2. इफिसियों 4:28 - "जे केओ चोरी करैत रहल अछि, ओकरा आब चोरी नहि करबाक चाही, बल्कि काज करबाक चाही, अपन हाथ सँ किछु उपयोगी काज करबाक चाही, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद लोकक संग किछु बाँटय पड़तैक।"

यशायाह अध्याय २४ मे परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोहक कारण समस्त पृथ्वी पर न्याय आ विनाशक भविष्यवाणी प्रस्तुत कयल गेल अछि। एकरा म॑ एगो सार्वभौमिक प्रलय के चित्रण करलऽ गेलऽ छै जे सब लोगऽ क॑ प्रभावित करै छै, चाहे ओकरऽ सामाजिक स्थिति या स्थान केरऽ कोय भी स्थिति होय ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा घोषणा स होइत अछि जे प्रभु पृथ्वी के उजाड़ उजाड़ भूमि में बदलि देताह। न्याय केरऽ असर देश आरू ओकरऽ निवासी दोनों पर पड़तै (यशायाह २४:१-३)।

2nd पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करै छै कि ई निर्णय समाज के विभिन्न पहलू पर केना प्रभावित करतै, जेकरा म॑ पुरोहित, लोग, शासक, व्यापारी, आरू आम लोग शामिल छै। आनन्द आरू हर्ष के जगह शोक आरू निराशा आबी जैतै (यशायाह २४:४-१३)।

551

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी एहि बात पर जोर दैत अछि जे ई न्याय मानवता के परमेश्वर के नियम के खिलाफ विद्रोह के परिणाम अछि | ई हुनकऽ अहंकार आरू हुनका प्रति आदर के कमी क॑ उजागर करै छै (यशायाह २४:५-६)।

4 म पैराग्राफ: तबाही के बावजूद यशायाह घोषणा करै छै कि जे परमेश्वर के प्रति वफादार रहतै ओकरा लेली आशा छै। ओ दूर-दूर धरि परमेश् वरक स्तुतिक घोषणा करैत छथि जेना हुनकर धर्मी अवशेष हुनकर सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करैत छथि (यशायाह 24:14-16)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चौबीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
विद्रोही मानवता पर सार्वभौमिक निर्णय
जकर परिणाम तबाही आ निराशा होइत अछि।

पृथ्वी पर उजाड़ घोषित।
विभिन्न सामाजिक समूहों पर प्रभाव।
भगवान् के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम।
धर्मी अवशेष के आशा।

अध्याय परमेश् वर के रास्ता सं॑ मुड़ला आरू आत्मकेंद्रितता के पीछू चलै के परिणाम के बारे म ं॑ चेतावनी के काम करै छै । ई सार्वभौमिक निर्णय के चित्र के चित्रण करै छै, जहां मानवीय उपलब्धि क॑ शून्य करी देलऽ जाय छै, जेकरा म॑ सांसारिक साधना के अस्थायी प्रकृति प॑ जोर
देलऽ गेलऽ छै । लेकिन, अराजकता के बीच भगवान के प्रति वफादार रहय वाला के लेलऽ ई आशा भी दै
छै कि ई याद दिलाबै छै कि बहुत उथल-पुथल के समय में भी हुनकऽ संप्रभुता के प्रशंसा आरू स्वीकार करै के अवसर मिलै छै । अंततः ई स्वार्थी इच्छा या सांसारिक प्रलोभन के सामने
झुकला के बजाय भगवान के सिद्धांत के साथ संरेखण में जीबै के महत्व के तरफ इशारा करै छै।

यशायाह 24:1 देखू, परमेश् वर पृथ् वी केँ खाली बना दैत छथि आ उजड़ि कऽ उल्टा कऽ दैत छथि आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ तितर-बितर कऽ दैत छथि।

प्रभु पृथ्वी के बंजर बना क' उल्टा क' रहल छैथ, ओकर निवासी के छिड़िया रहल छैथ।

1. प्रभु नियंत्रण मे छथि: अपन संप्रभुता पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक न्याय: हुनकर धार्मिकता केँ बुझब

1. यिर्मयाह 4:23-28 - प्रभुक क्रोधक कारणेँ पृथ्वीक विनाश

2. प्रकाशितवाक्य 6:14-17 - पृथ्वी पर प्रभुक न्यायक आतंक

यशायाह 24:2 जेना लोक सभक संग होयत, तहिना पुरोहितक संग होयत। जेना नोकरक संग, तहिना ओकर मालिकक संग। जेना नौकरानीक संग, तहिना ओकर मालकिनक संग। जेना खरीददारक संग, बेचनिहारक संग सेहो। जेना उधारकर्ताक संग, तहिना उधारकर्ताक संग। जेना सूद लेबय वाला के संग, तहिना ओकरा सूद देबय वाला के संग।

यशायाह के ई श्लोक लोगऽ के साथ समान व्यवहार के बात करै छै, चाहे वू मालिक, नौकर, खरीदार, बेचै वाला, उधार दै वाला, उधार लेन॑ वाला, या सूदखोरी करै वाला होय।

1. "भगवानक दृष्टि मे सबहक समानता"।

2. "प्रेम के एकीकरण शक्ति"।

1. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

552

2. याकूब 2:8-9 - जँ अहाँ वास्तव मे शास्त्रक अनुसार राजकीय नियम केँ पूरा करैत छी, त' अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू, त' अहाँ नीक क' रहल छी। मुदा जँ अहाँ सभ पक्षपात करैत छी तँ अहाँ सभ पाप कऽ रहल छी आ कानून द्वारा अपराधी बुझि दोषी ठहराओल गेल अछि।

यशायाह 24:3 देश एकदम खाली भ’ जायत आ एकदम लूटि जायत, किएक त’ परमेश् वर ई वचन कहलनि।

प्रभुक वचनक कारणेँ भूमि नष्ट भऽ जायत।

1. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन मे रहब

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. आमोस 3:7 - निश्चय प्रभु परमेश् वर किछु नहि करताह, बल् कि ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि।

2. यिर्मयाह 18:7-10 - हम कोन क्षण कोनो जाति आ राज्यक विषय मे कहब जे ओकरा उखाड़ब आ उखाड़ब आ नष्ट करब। 8 जँ ओ जाति, जकरा विरुद्ध हम कहने छी, ओ अपन अधलाह केँ छोड़ि देत तँ हम ओहि दुष् टताक लेल पश्चाताप करब जे हम ओकरा सभक संग करबाक लेल सोचलहुँ। 9 हम कोन क्षण कोनो जाति आ राज्यक विषय मे कहब जे ओकर निर्माण आ रोपब करब। 10 जँ ओ हमरा नजरि मे अधलाह काज करैत अछि आ हमर आवाज नहि मानैत अछि, तखन हम ओहि नीक काज पर पश्चाताप करब, जाहि सँ हम कहलहुँ जे हम हुनका सभक लाभ देब।

यशायाह 24:4 पृथ्वी शोक करैत अछि आ फीका भ’ जाइत अछि, संसार सुस्त भ’ जाइत अछि आ क्षीण भ’ जाइत अछि, पृथ्वीक घमंडी लोक सुस्त भ’ जाइत अछि।

लोकक अभिमानक कारणेँ धरती विपत्ति मे अछि।

1: भगवान् अभिमान नहि, विनम्रता चाहैत छथि।

2: जखन हम सभ अपन इच्छाक बदला भगवानक इच्छाक खोज करैत छी तखन हमरा सभ केँ शांति आ आनन्द भेटि सकैत अछि।

1: याकूब 4:6-10 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।

2: फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।

यशायाह 24:5 पृथ् वी ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ’ गेल अछि। कारण, ओ सभ नियमक उल्लंघन कयलनि, नियम केँ बदलि देलनि, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलनि।

पृथ्वी केरऽ निवासी सिनी के नियम के उल्लंघन आरू अनन्त वाचा के उल्लंघन के कारण अशुद्ध होय गेलऽ छै ।

1. अवज्ञा के परिणाम: पृथ्वी के निवासी के उल्लंघन से सीखना।

2. परमेश् वरक अनन्त वाचा: वफादारीक लेल एकटा आह्वान।

1. व्यवस्था 28:15-20, "मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ सभ ई श्राप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेतै, शहर मे शापित होयब आ खेत मे शापित होयब।”

2. गलाती 6:7-8, "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोबैत अछि, से शरीरक विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि।" आत् मा आत् मा अनन्त जीवन काटि लेत।”

यशायाह 24:6 एहि लेल श्राप पृथ्वी केँ खा गेल अछि आ ओहि मे रहनिहार सभ उजाड़ भ’ गेल अछि, तेँ पृथ् वी पर रहनिहार लोक सभ जरि गेल अछि आ किछुए लोक बचि गेल अछि।
पापक अभिशाप धरती पर विनाश आ निराशा के कारण बनल अछि, जाहि स कम लोक बचल अछि।
1. पाप के परिणाम: अभिशाप के साथ जीना
2. जखन सब हेरा जाइत अछि तखन की रहि जाइत अछि: भगवानक विश्वासी अवशेष
1. रोमियो 8:19-22 - सृष्टि पापक भार सँ कुहरैत आ मोक्षक प्रतीक्षा मे
2. 1 कोरिन्थी 15:22 - मृत्यु पापक द्वारा भेल, मुदा जीवन यीशु मसीहक द्वारा अबैत अछि यशायाह 24:7 नवका शराब शोक करैत अछि, बेल सुस्त अछि, सभ प्रसन्न मोन आह भरैत अछि।
नवका शराब शोक क' रहल अछि, बेल मुरझा रहल अछि आ सभ आनन्दित लोक आह भरि रहल अछि।
1. शोकक बीच आनन्द
2. कठिन परिस्थितिक बादो प्रभु मे आनन्दित रहब
1. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।
2. भजन 30:5 - कानब राति धरि रहि सकैत अछि, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत अछि।
यशायाह 24:8 ताबतक आनन्द समाप्त भ’ जाइत छैक, आनन्दित लोकक हल्ला समाप्त भ’ जाइत छैक, वीणाक आनन्द समाप्त भ’ जाइत छैक।
संगीतक आनन्द आब नहि रहि गेल अछि।
1. संगीतक आनन्द: नीक समय मोन पाड़ब आ जीवनक परिस्थिति मे आनन्द भेटब
2. आत्माक भाषाक रूप मे संगीत: भगवानक हृदय सँ जुड़ब
1. उपदेशक 3:4 कानबाक समय आ हँसबाक समय अछि। शोकक समय, आ नाचबाक समय।
2. भजन 150:3-5 तुरहीक आवाज सँ हुनकर स्तुति करू; स्तोत्र आ वीणा सँ हुनकर स्तुति करू।
टिम्बर आ नाच सँ हुनकर प्रशंसा करू; तारबला वाद्य आ अंग सँ हुनकर प्रशंसा करू। जोर-जोर सँ झांझ पर ओकर स्तुति करू। उच्च ध्वनित झांझ पर ओकर प्रशंसा करू।
यशायाह 24:9 ओ सभ गीतक संग मदिरा नहि पीत। शराब पीबय वाला के लेल तीत होयत।
आब लोक शराबक आनन्दमय पीबय मे भाग नहि लेत, आ ओकर बदला मे, मजबूत पेय एकटा कटु अनुभव होयत.
1. बिना आनन्दक जीवन: यशायाह 24:9 पर एकटा चिंतन
2. मजबूत पेय पदार्थक कड़वा स्वाद: कठिनाइक बादो जीवन मे आनन्द भेटब
1. भजन 104:15: मनुष्यक हृदय केँ प्रसन्न करबाक लेल मदिरा, ओकर मुँह चमकाबय लेल तेल, आ मनुष् यक हृदय केँ मजबूत करबाक लेल रोटी।
2. रोमियो 14:17: किएक तँ परमेश् वरक राज् य खान-पानक बात नहि अछि, बल् कि धार्मिकता आ शांति आ पवित्र आत् मा मे आनन्दक बात अछि।

यशायाह 24:10 भ्रमक नगर टूटि गेल अछि, सभ घर बंद अछि, जाहि सँ केओ नहि आबि सकय।
शहर पूर्ण रूप स बंद भ गेल अछि, जाहि स कियो प्रवेश नहि क सकल अछि।
1. परमेश् वरक प्रबन्ध आ प्रबन्धक शक्ति
2. संकट के समय में भगवान की निष्ठा
1. व्यवस्था 28:12 - परमेश् वर अहाँक लेल अपन नीक खजाना, आकाश खोलताह जे अहाँक देश केँ अपन समय मे वर्षा देबाक लेल आ अहाँक हाथक सभ काज केँ आशीर्वाद देबाक लेल उधार नहि लेत।
2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक लेल सावधान नहि रहू; मुदा सभ बात मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वरक समक्ष अहाँ सभक निहोराक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मन केँ सुरक्षित राखत। यशायाह 24:11 सड़क पर शराबक लेल कानब अछि। सब आनन्द अन्हार भ गेल, देशक उल्लास खतम भ गेल।
जमीनक आनन्द छीन लेल गेल अछि, मात्र उदासी आ निराशा छोड़ि देल गेल अछि ।
1: परमेश् वर दैत छथि आ परमेश् वर छीन लैत छथि - उपदेशक 3:1-8
2: आनन्दक क्षति - याकूब 1:2-4
1: विलाप 5:15-16
2: यशायाह 61:3
यशायाह 24:12 शहर मे उजाड़ भ’ गेल अछि, आ फाटक पर विनाश भ’ गेल अछि।
अंश के संक्षेप मे बताउ: शहर मे विनाश ओकरा उजाड़ क देलक अछि आ फाटक टूटि गेल अछि।
1. परमेश् वरक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम
2. परीक्षा के समय के बाद बहाली आ मोचन
1. यिर्मयाह 51:30 32
2. सफन्याह 3:8 13
यशायाह 24:13 जखन ई देशक बीच मे लोक सभक बीच एहि तरहेँ होयत तखन जैतूनक गाछक हिलब जकाँ होयत आ अंगूरक कटनीक समय जकाँ होयत।
ई अंश भूमि के बीच में हिलना-डुलना आरो चीर-फाड़ के समय के बात करै छै।
1. हिलबाक समय मे भगवानक सान्निध्यक आराम
2. भगवानक फसलक लाभ कोना काटल जाय
1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि।"
2. मत्ती 6:25-32 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि।" , आ वस्त्र सँ बेसी शरीर? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने कटनी करैत अछि

आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, तखनो अहाँक स्वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँ सभ ओकरा सभ सँ बेसी मूल्यवान नहि छी?."

यशायाह 24:14 ओ सभ अपन आवाज उठाओत, प्रभुक महिमा लेल गाओत, समुद्र सँ जोर-जोर सँ चिचियाओत।

लोक समुद्र सँ प्रभुक स्तुति करबाक लेल आवाज उठाओत।

1. अपन हृदयक गहराई सँ प्रभुक स्तुति करब

2. प्रभु के महिमा के स्तुति के लिये आवाज उठाना

1. भजन 98:4-7 - प्रभुक लेल, समस्त पृथ्वी, आनन्दक हल्ला करू; आनन्दित गीत मे टूटि क' स्तुति गाउ! वीणा सँ, वीणा आ रागक ध्वनि सँ प्रभुक स्तुति गाउ! तुरही आ सींगक आवाज सँ राजा प्रभुक समक्ष आनन्दक आवाज करू! समुद्र आ जे किछु ओकरा भरैत अछि से सभ गर्जना करय। संसार आ ओहि मे रहनिहार लोकनि!

2. रोमियो 15:9-12 - आओर एहि लेल जे गैर-यहूदी सभ परमेश् वरक दयाक लेल महिमा करथि। जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “एही लेल हम गैर-यहूदी सभक बीच अहाँक स्तुति करब आ अहाँक नाम पर गाबब।” फेर कहल गेल अछि जे, “हे गैर-यहूदी सभ, ओकर लोक सभक संग आनन्दित होउ।” फेर, “हे सभ गैर-यहूदी, प्रभुक स्तुति करू, आ सभ लोक हुनकर प्रशंसा करथि।” यशायाह फेर कहैत छथि, “यिशै के जड़ि आओत, जे गैर-यहूदी सभक शासन करबाक लेल उठत। गैर-यहूदी सभ हुनका पर आशा करत।

यशायाह 24:15 तेँ अहाँ सभ आगि मे परमेश् वरक महिमा करू, समुद्रक द्वीप सभ मे इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वरक नाम।

आगि के बीच, खास क' समुद्रक द्वीप मे परमेश् वरक महिमा होबाक चाही।

1: जखन जीवन मे आगि लागैत अछि तखन मार्गदर्शन आ शक्तिक लेल भगवानक दिस जाउ।

2: कठिनाई के बीच भगवान के महिमा आ स्तुति करू।

1: याकूब 1:2-3 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

2: भजन 95:1-2 - आऊ, हम सभ प्रभुक लेल आनन्दित भ' क' गाबी। हम सभ अपन उद्धारक चट्टान पर जोर-जोर सँ चिचियाबी। धन्यवादक संग हुनका सोझाँ आबि संगीत आ गीतक संग हुनकर प्रशंसा करी।

यशायाह 24:16 हम सभ पृथ्वीक अन्त सँ गीत सुनने छी, धर्मी लोकक महिमा। मुदा हम कहलियनि, “हमर दुबलापन, हमर दुबलापन, हमरा लेल हाय! विश्वासघाती व्यापारी सभ विश्वासघाती व्यवहार केलक अछि; हँ, विश्वासघाती व्यापारी सभ बहुत विश्वासघाती व्यवहार केलक अछि।

धरती के दूर-दूर तक महिमा के गीत सुनलऽ जाय छै, लेकिन वक्ता विश्वासघाती व्यवहार करै वाला विश्वासघाती व्यापारी के कारण अपनऽ दुबलापन के विलाप करै छै ।

1. पापक विश्वासघात

2. विलापक शक्ति

1. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत छथि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत छथि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत छथि!

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

556

यशायाह 24:17 हे पृथ्वी पर रहनिहार, भय, गड्ढा आ जाल, अहाँ पर अछि।

पृथ्वी पर रहनिहार सभ लोक पर भय आ खतरा आबि रहल अछि।

1. हमरा सभक लेल परमेश्वरक चेतावनी - हुनकर चेतावनी पर ध्यान देबाक महत्व

2. डर नहि! - भगवान् द्वारा आश्वासन एवं प्रोत्साहन

1. लूका 12:4-7 - डरब नहि पर यीशुक शिक्षा

2. 2 तीमुथियुस 1:7 - परमेश् वरक शक्ति जे हमरा सभ केँ साहस आ ताकत दैत अछि

यशायाह 24:18 एहन होयत जे जे भय केर शोर-शराबा सँ भागैत अछि, ओ गड्ढा मे खसि पड़त। जे गड्ढाक बीच सँ ऊपर आओत से जाल मे फँसि जायत, किएक तँ ऊपर सँ खिड़की खुजल अछि आ पृथ् वीक नींव हिलैत अछि।

खतरा के डर सॅं भागय बला लोक गड्ढा मे खसि पड़त आ जे गड्ढा सॅं बाहर निकलत से जाल मे फँसि जायत, जेना आकाश खुजत आ धरतीक नींव हिलैत अछि ।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक दया आ कृपा

2. कठिन समय मे भगवान् केर निष्ठा आ शक्ति

1. भजन 91:14-16 - "ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देलनि, तेँ हम ओकरा बचा देब। हम ओकरा ऊँच पर राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनने अछि। ओ हमरा पुकारत आ हम ओकरा उत्तर देब।" : हम ओकरा संग विपत्ति मे रहब, ओकरा उद्धार करब, आ ओकर आदर करब। हम ओकरा दीर्घायु सँ तृप्त करब, आ ओकरा अपन उद्धार देखायब।"

2. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

यशायाह 24:19 पृथ्वी एकदम टूटि गेल अछि, पृथ्वी शुद्ध भंग भ’ गेल अछि, पृथ्वी अत्यधिक हिलल अछि।

पृथ्वी विनाश आ उथल-पुथल केर अवस्था मे अछि।

1. पापक परिणाम: परमेश् वरक न्याय आ हमर सभक जिम्मेदारी

2. मोक्षक आशा: परमेश् वरक प्रेम आ हमर सभक पुनर्स्थापन

1. रोमियो 8:18-22 - नव सृष्टिक महिमा

2. यशायाह 65:17-25 - नव स्वर्ग आ नव पृथ्वीक प्रतिज्ञा

यशायाह 24:20 पृथ्वी शराबी जकाँ एम्हर-ओम्हर घुमैत रहत आ कुटी जकाँ हटि जायत। ओकर अपराध ओकरा पर भारी पड़तैक। ओ खसि पड़त आ फेर नहि उठत।

धरती पापक दण्ड पाओत आ फेर जीबि उठत नहि।

1: हमरा सभक पापक परिणाम होइत छैक, आ भगवान् हमरा सभ केँ ओकर सजा देताह।

2: आब जे चुनाव करब से हमर अनंत काल निर्धारित करत।

1: इजकिएल 18:20-23 जे आत्मा पाप करैत अछि, ओ मरत। पिताक अधर्मक कारणेँ पुत्र केँ कष्ट नहि होयत आ ने पुत्रक अधर्मक कारणेँ पिता केँ कष्ट होयत। धर्मात्माक धार्मिकता अपना पर रहत आ दुष्टक दुष्टता अपना पर रहत।

2: याकूब 2:10-11 किएक तँ जे केओ पूरा व्यवस्थाक पालन करैत अछि, मुदा एकहि बात मे असफल भ’ जाइत अछि, ओ ओकरा सभक लेल जवाबदेह बनि गेल अछि। किएक तँ जे कहने छल जे, “व्यभिचार नहि करू, ओ इहो कहलक जे, “हत्या नहि करू।” जँ अहाँ व्यभिचार नहि करब मुदा हत्या करब तँ अहाँ कानूनक उल्लंघन करयवला बनि गेल छी।

यशायाह 24:21 ओहि दिन परमेश् वर ऊँच-ऊँच लोकक सेना केँ आ पृथ् वी पर पृथ् वीक राजा सभ केँ दंडित करताह।

परमेश् वर क़यामतक दिन संसारक शासक सभकेँ सजा देथिन।

1. तैयार रहू: कयामतक दिन आबि रहल अछि

2. परमेश् वरक क्रोधक सामना के करत?

1. मत्ती 25:31-46 - भेड़ आ बकरी के दृष्टान्त

2. प्रकाशितवाक्य 20:11-15 - मृतकक अंतिम न्याय

यशायाह 24:22 ओ सभ एक ठाम जमा भ’ जेताह, जेना कैदी सभ गड्ढा मे जमा होइत छथि, आ जेल मे बंद भ’ जेताह, आ बहुत दिनक बाद हुनका सभक दण्ड कयल जायत।

एहि अंश मे एहन लोकक गप्प कयल गेल अछि जेकरा जेल मे जमा क' क' बंद क' देल जायत, मात्र कतेको दिनक बाद घुम' पड़त.

1. परेशानीक समय मे धैर्यक आवश्यकता

2. कठिन समय मे प्रभु मे ताकत पाना

1. रोमियो 5:3-4 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि।

2. भजन 31:24 - अहाँ सभ जे प्रभुक प्रतीक्षा मे छी, बलवान बनू, आ अपन हृदय केँ साहस करू!

यशायाह 24:23 तखन चान लज्जित होयत आ सूर्य लज्जित होयत, जखन सेना सभक परमेश् वर सियोन पहाड़ पर, यरूशलेम मे आ अपन प्राचीन लोक सभक समक्ष महिमापूर्वक राज करताह।

प्रभु सियोन आ यरूशलेम मे महिमापूर्वक राज करताह।

1: परमेश् वरक महिमा राज करत - ई खोज करब जे सियोन आ यरूशलेम मे परमेश् वरक महिमा कोना देखल जायत।

2: अंतिम शासन - ई परखना जे भगवान अंतिम शासक किएक छथि आ हुनकर संप्रभुता पर हमरा सभक केंद्र कोना हेबाक चाही।

1: प्रकाशितवाक्य 21:23 - एहि नगर केँ ओहि मे चमकबाक लेल सूर्यक आ ने चानक आवश्यकता नहि छलैक, कारण परमेश् वरक महिमा ओकरा रोशन क’ देलकैक आ मेमना ओकर इजोत छै।

2: यिर्मयाह 23:5-6 - देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जखन हम दाऊदक लेल एकटा धार्मिक डारि ठाढ़ करब, आ एकटा राजा राज करत आ समृद्ध होयत, आ पृथ्वी पर न्याय आ न्याय करत। हुनकर समय मे यहूदा उद्धार होयत आ इस्राएल सुरक्षित रहत।

यशायाह अध्याय 25 में परमेश्वर के उद्धार आरू उद्धार के लेलऽ स्तुति आरू धन्यवाद के संदेश प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर के निष्ठा आरू दुष्ट के विनाश के बीच के विपरीत क उजागर करै छै, अंततः एक भविष्य के तरफ इशारा करै छै, जहाँ परमेश्वर नोर पोछतै आरू अपनौ लोगौ के आनन्द लानतै।

558

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भगवान के अद्भुत कर्म के स्तुति के घोषणा स होइत अछि | यशायाह स्वीकार करै छै कि परमेश्वर ओकरो ताकत, शरण आरू उद्धार के स्रोत छै (यशायाह 25:1-5)।

2 पैराग्राफ: यशायाह वर्णन करै छै कि कोना परमेश् वर गढ़वाली नगर सिनी कॅ गिराय देलकै आरू अहंकारी जाति सिनी कॅ नम्र करी देलकै। ओ परमेश् वरक स्तुति करैत छथि जे ओ तूफान, गर्मी आ अत्याचार सँ आश्रय दैत छथि (यशायाह 25:6-8)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी जारी अछि जे सिय्योन पर्वत पर प्रभु द्वारा तैयार कयल गेल भव्य भोजक दर्शन कयल गेल अछि | सब जाति क॑ ई उत्सव म॑ भाग लेबै लेली आमंत्रित करलऽ गेलऽ छै, जे शांति, प्रचुरता आरू मौत प॑ जीत के प्रतीक छै (यशायाह २५:६-८)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह स्वयं मृत्यु पर परमेश् वरक विजयक लेल आभार व्यक्त करैत छथि। ओ घोषणा करैत छथि जे नोर पोछल जायत, लाज दूर भ’ जायत, आ प्रभु अनन्त काल धरि राज करताह (यशायाह 25:8-12)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पच्चीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
भगवान् के उद्धार के लिये स्तुति
आ भविष्यक आनन्दमय उत्सव।

भगवान् के अद्भुत कर्म के लिये स्तुति।
हुनका बल आ शरण घोषित करब।
सिय्योन पर्वत पर भव्य भोज के दर्शन।
मृत्यु पर विजय; नोर निकालब।

ई अध्याय परमेश् वर के प्रति कृतज्ञता के अभिव्यक्ति के रूप में काम करै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ ओकरऽ दुश्मनऽ स॑ मुक्त करै म॑ हुनकऽ निष्ठा के काम करलकै । ई हुनकऽ विरोध करै वाला के सामने आबै वाला विनाश बनाम हुनका पर भरोसा करै वाला के अनुभव करलऽ जाय वाला आनन्दमय उत्सव के बीच के विपरीत पर जोर दै छै । ई एगो भविष्य के तरफ इशारा करै छै, जहाँ परमेश्वर के शासन के दौरान सब जाति सामंजस्य में एक साथ आबै वाला छै, एक समय जब दुख के जगह अनन्त आनन्द लेतै। अंततः, ई सांसारिक शक्ति या परिस्थिति पर भरोसा करै के बजाय परमेश्वर के उद्धार पर भरोसा करै में मिलै वाला आशा के उजागर करै छै।

यशायाह 25:1 हे प्रभु, अहाँ हमर परमेश् वर छी। हम तोहर ऊँच करब, तोहर नामक स्तुति करब। कारण, अहाँ अद्भुत काज केलहुँ। अहाँक पुरान सलाह सभ विश् वास आ सत् य अछि।

ई अंश परमेश् वर के निष्ठा आरू सत्य के बात करै छै, जे हुनको अद्भुत काम के उत्सव मनाबै छै।

1. भगवान् के निष्ठा: हुनकर अद्भुत काज के उत्सव मनाबय के

2. परमेश् वरक निष्ठा आ सत्य: हुनकर अनन्त सलाह मे आनन्दित रहब

1. भजन 100:5 - कारण प्रभु नीक छथि; ओकर अडिग प्रेम सदाक लेल रहैत छैक आ ओकर निष्ठा सभ पीढ़ी धरि।

2. रोमियो 3:21-22 - मुदा आब परमेश् वरक धार्मिकता व्यवस्था सँ अलग प्रगट भ’ गेल अछि, यद्यपि व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ एकर गवाही दैत अछि जे यीशु मसीह मे विश्वास करबाक द्वारा परमेश् वरक धार्मिकताक गवाही दैत अछि जे सभ विश् वास करैत अछि।

यशायाह 25:2 अहाँ एकटा शहर केँ ढेर बना देलहुँ। रक्षित शहरक खंडहर: पराया लोकक महल जे कोनो शहर नहि; कहियो नहि बनत।

शहर नष्ट भ’ जायत आ कहियो पुनर्निर्माण नहि होयत।

1. भगवान हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि आ अंततः हमरा सभक लेल बिना हमर सभक इनपुट के निर्णय लेताह।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छा पर भरोसा करबाक चाही, भले ओ हमरा सभ केँ अबोध बुझाइत हो।

1. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे ऊँच होयब, पृथ् वी पर हम ऊँच होयब।

यशायाह 25:3 तेँ बलवान लोक अहाँक महिमा करत, भयावह जाति सभक नगर अहाँ सँ डरत।

बलवान आ भयभीत दुनू जाति के लोक परमेश् वरक महिमा करत।

1.स्तुति के शक्ति: भगवान के महिमा करब राष्ट्र पर कोना प्रभाव डालैत अछि |

2.भय के ताकत: भगवान के भय राष्ट्र पर कोना प्रभाव डालैत अछि |

1.भजन 145:3-6 - प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही, आ हुनकर महानता अनजान अछि।

2.दानियल 2:20-22 - परमेश् वरक नाम अनन्त काल धरि धन्य हो, किएक तँ बुद्धि आ पराक्रम हुनकर अछि, आ ओ समय आ ऋतु बदलैत छथि, राजा सभ केँ हटा दैत छथि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत छथि, ओ बुद्धि दैत छथि बुद्धिमान आ बुद्धिमानी सभक लेल ज्ञान।

यशायाह 25:4 किएक तँ अहाँ गरीबक लेल बल बनि गेलहुँ, गरीबक विपत्ति मे बल, तूफान सँ शरण, गर्मी सँ छाया, जखन भयावह लोकक धमाका देबाल पर तूफान जकाँ होइत अछि।

परमेश् वर हमरा सभक सामर्थ् य आ विपत्तिक समयमे शरण छथि।

1. "विपत्ति के समय में भगवान के ताकत"।

2. "भगवानक प्रेम मे शरण भेटब"।

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

यशायाह 25:5 अहाँ अनजान लोकक हल्ला केँ ओहिना उतारब जेना शुष्क स्थान मे गर्मी होइत छैक। मेघक छायाक संग गर्मी सेहो, भयावह लोकक डारि नीचाँ कयल जायत।

ई अंश बाहरी शक्ति स॑ भगवान के सुरक्षा के बात करै छै आरू कोना हुनी अनजान लोगऽ के शोर-शराबा के नीचें उतारतै ।

1. भगवानक रक्षा आवश्यकताक समय मे आश्रय अछि

2. विपत्तिक समय मे भगवान् केर बल आ दया पर भरोसा करब

1. भजन 61:3-4 किएक तँ अहाँ हमरा लेल आश्रय आ शत्रु सँ एकटा मजबूत बुर्ज बनि गेलहुँ। हम अहाँक तम्बू मे अनन्त काल धरि रहब, अहाँक पाँखिक गुप्त भाग पर भरोसा करब।

2. विलाप 3:22-23 प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, किएक तँ हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यशायाह 25:6 एहि पहाड़ पर सेना सभक परमेश् वर सभ लोकक लेल मोट-मोट चीजक भोज बनौताह, मज्जा पर शराबक भोज, मज्जा सँ भरल मोट वस्तुक, नीक जकाँ परिष्कृत लीज पर शराबक भोज बनौताह।

प्रभु सभ लोकक लेल समृद्ध भोजन आ नीक मदिराक भोज बनौताह।

1. भगवान् के उदार प्रावधान - भगवान के प्रचुर आशीर्वाद के उत्सव मनना

2. भोजक आनन्द - भगवानक प्रेमक पूर्णताक अनुभव

1. यशायाह 55:1-2 - अहाँ सभ जे प्यासल छी, आऊ, पानि दिस आऊ। आ अहाँ जिनका लग पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना खर्च के शराब आ दूध कीनू। जे रोटी नहि अछि ताहि मे पाइ किएक खर्च करब, आ जे तृप्त नहि होइत अछि ताहि मे अहाँक मेहनत किएक? सुनू, हमर बात सुनू, आ जे नीक अछि से खाउ, तखन अहाँ सभ किराया मे सबसँ समृद्ध मे आनन्दित होयब।

2. यूहन्ना 6:35 - यीशु कहलनि, हम जीवनक रोटी छी। जे हमरा लग आओत से कहियो भूखल नहि रहत, आ जे हमरा पर विश्वास करत से कहियो प्यास नहि करत।

यशायाह 25:7 ओ एहि पहाड़ पर सभ लोक पर राखल आवरण आ सभ जाति पर पसरल पर्दा केँ नष्ट क’ देत।

भगवान् अज्ञानता आरू पाप के पर्दा हटाबै वाला छै जे सब लोगऽ क॑ ढकने छै, जेकरा स॑ ओकरा हुनकऽ अधिक ज्ञान के पहुँच मिलतै ।

1. प्रभु के अद्भुत कार्य: दिव्य के अनावरण

2. अज्ञान आ पाप सँ मुक्ति: भगवानक शक्ति

१ मसीहक, जे परमेश् वरक प्रतिरूप छथि, हुनका सभ केँ चमकय।

2. इफिसियों 4:17-18 - तेँ हम ई बात कहैत छी आ प्रभु मे गवाही दैत छी जे आब अहाँ सभ ओहिना नहि चलब जेना आन गैर-यहूदी सभ अपन मनक व्यर्थता मे चलैत अछि, बुद्धि अन्हार भ’ गेल अछि आ परमेश् वरक जीवन सँ दूर भ’ गेल छी जे अज्ञानता हुनका सभ मे अछि, हुनका सभक हृदयक आन्हरपनक कारणेँ।

यशायाह 25:8 ओ विजय मे मृत्यु केँ निगल जायत। प्रभु परमेश् वर सभ मुँह सँ नोर पोछताह। ओ अपन प्रजा सभक डाँट सभ पृथ् वी पर सँ दूर कऽ लेताह, किएक तँ परमेश् वर ई बात कहने छथि।

ई अंश हमरा सिनी कॅ परमेश् वर के प्रतिज्ञा के याद दिलाबै छै कि मौत पराजित होय जैतै आरू वू सब पीड़ा आरू कष्ट दूर करी लेतै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक आराम: यशायाह 25:8 सँ ताकत आ आशा खींचब

2. विजय के लेल आमंत्रण: यशायाह 25:8 के प्रतिज्ञा के माध्यम स स्वतंत्रता के अनुभव करब

1. प्रकाशितवाक्य 21:4 - "परमेश् वर हुनका सभक आँखि सँ सभ नोर पोछताह, आ आब मृत्यु नहि होयत, ने दुख, ने कानब, आ ने कोनो पीड़ा होयत, किएक तँ पहिने सभक बात बीति गेल अछि।"

2. रोमियो 8:18-23 - "हम मानैत छी जे वर्तमान समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत। किएक तँ सृष्टि सँ सृष्टि सँ पुत्र सभक प्रकट होयबाक प्रतीक्षा अछि।" परमेश् वरक।, किएक तँ सृष्टि केँ व्यर्थताक अधीन कयल गेल, स्वेच्छा सँ नहि, बल् कि ओहि परमेश् वरक कारणे जे ओ आशाक अधीन कयलनि, किएक तँ सृष्टि स्वयं सेहो भ्रष्टताक बंधन सँ मुक्त भऽ परमेश् वरक संतान सभक गौरवशाली स्वतंत्रता मे आबि जायत .किएक तँ हम सभ जनैत छी जे एखन धरि समस्त सृष्टि एक संग कराहैत अछि आ कष्ट मे कष्ट करैत अछि।आओर केवल ओ सभ नहि, बल् कि हम सभ सेहो, जे आत् माक पहिल फल पाबि रहल छी, हम सभ अपना भीतर कुहरैत छी, गोद लेबाक प्रतीक्षा मे, अर्थात्... हमर शरीरक मोक्ष।"

यशायाह 25:9 ओहि दिन कहल जायत, “देखू, ई हमर सभक परमेश् वर छथि। हम सभ हुनकर प्रतीक्षा कऽ रहल छी आ ओ हमरा सभ केँ उद्धार करत। हम सभ हुनकर प्रतीक्षा कएने छी, हुनकर उद्धार मे हम सभ प्रसन्न आ आनन्दित रहब।

ई अंश परमेश् वर द्वारा उद्धारित होय के आनन्द आरू राहत के बात करै छै, आरू कोना हमरा सिनी कॅ हुनकऽ प्रतीक्षा में इंतजार करना चाहियऽ।

1. प्रभुक प्रतीक्षा: धैर्यक शक्ति

2. मोक्ष मे आनन्दित रहब: परमेश् वर केँ धन्यवाद देब

1. रोमियो 8:25 - मुदा जँ हम सभ ओहि चीजक आशा करैत छी जे हम सभ नहि देखैत छी तँ हम सभ धैर्यपूर्वक ओकर प्रतीक्षा करैत छी।

2. भजन 34:5 - जे हुनका दिस तकैत छथि, ओ चमकैत छथि; हुनका लोकनिक चेहरा पर कहियो लाज नहि पड़ैत छनि।

यशायाह 25:10 कारण, एहि पहाड़ पर परमेश् वरक हाथ आराम करत, आ मोआब हुनका नीचाँ दबाओल जायत, जेना गोबरक लेल भूसा दबाओल जाइत अछि।

परमेश् वरक हाथ पहाड़ पर टिकल रहत आ मोआब भूसा जकाँ पएर नीचाँ रौंदल जायत।

1. भगवानक न्याय निश्चित आ अदम्य अछि।

2. हमरा सभ केँ प्रभुक समक्ष विनम्र रहबाक चाही आ हुनकर निर्णय केँ स्वीकार करबाक चाही।

1. यशायाह 8:7-8 तेँ देखू, प्रभु ओकरा सभ पर नदीक पानि, मजबूत आ बहुत रास, अश्शूरक राजा आ अपन समस्त महिमा केँ ऊपर अनैत छथि, आ ओ अपन सभ नाली पर चढ़ि जायत आ... ओकर समस्त तट पर जाउ, ओ यहूदा मे सँ गुजरत। ओ उमड़ि कऽ ओहि पार चलि जायत, गरदनि धरि पहुँचत। हे इम्मानुएल, ओकर पाँखिक पसरल अहाँक देशक चौड़ाई भरि देत।”

2. अय्यूब 40:11-12 अपन क्रोधक क्रोध केँ फेकि दियौक, आ देखू जे सभ घमंडी अछि, ओकरा नीचाँ राखू। जे घमंडी अछि तकरा देखू, आ ओकरा नीचाँ आनि दियौक। आ ओकरा सभक स्थान पर दुष्ट सभ केँ रौंद दियौक।

यशायाह 25:11 ओ ओकरा सभक बीच मे अपन हाथ पसारि लेत, जेना हेलैत हेलबाक लेल हाथ पसारैत अछि।

जे घमंडी अछि ओकरा भगवान विनम्र बना देताह आ जे किछु ल' लेने छथि से दोसर सँ छीन लेताह।

1. अभिमानक खतरा आ लोभक खर्च

2. पुनर्स्थापित आ ठीक करबाक लेल परमेश् वरक शक्ति

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”

यशायाह 25:12 अहाँक देबालक ऊँच किलाक किला केँ ओ नीचाँ उतारत, नीचाँ राखत आ जमीन पर धूरा मे उतारत।

एहि अंश मे एकटा किला केँ जमीन पर आनि कए धूरा मे बदलबाक गप्प कयल गेल अछि |

1. अपन शक्ति पर भगवानक शक्ति

2. अपन शक्ति पर नहि अपितु भगवान पर भरोसा करबाक महत्व

1. भजन 20:7 किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।

2. इब्रानी 10:35-36 तेँ अपन विश्वास केँ नहि फेकि दियौक, जकर बहुत फल भेटैत छैक। अहाँ सभ केँ सहनशीलताक आवश्यकता अछि, जाहि सँ जखन अहाँ सभ परमेश् वरक इच् छा पूरा कऽ लेब तखन अहाँ सभ केँ प्रतिज्ञा पाबि सकब।

यशायाह अध्याय २६ परमेश्वर के उद्धार पर स्तुति आरू भरोसा के गीत छेकै। एहि मे धर्मी अवशेषक परमेश् वरक निष्ठा पर विश्वासक चित्रण कयल गेल अछि, ओहो प्रतिकूलताक बीच मे, आ भविष्यक आशीर्वादक प्रतीक्षा।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत भगवान पर अपरिवर्तनीय चट्टान आ किला के रूप में भरोसा के घोषणा स होइत अछि | धर्मी लोकनि हुनकर पूर्ण शांति केँ स्वीकार करैत छथि, जे हुनका पर दृढ़तापूर्वक भरोसा करय बला लोकक लेल उपलब्ध अछि (यशायाह 26:1-4)।

2 पैराग्राफ: यशायाह धर्मी के भाग्य के विपरीत दुष्ट के भाग्य के विपरीत रखै छै। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना परमेश् वर अहंकारी जाति सभ केँ नीचाँ उतारैत छथि जखन कि विनम्र आ सोझ लोक सभ केँ ऊपर उठबैत छथि (यशायाह 26:5-6)।

तृतीय पैराग्राफ: भविष्यवाणी संकट के समय में दया के गुहार के साथ जारी छै। धर्मी लोग न्याय आरू धार्मिकता के जीत के लेलऽ अपनऽ लालसा व्यक्त करै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ कि सच्चा शांति केवल परमेश्वर ही स्थापित करी सकै छै (यशायाह २६:७-९)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह पूर्वक अनुभव पर चिंतन करैत छथि जतय परमेश् वर अत्याचारी पर न्याय अनने छथि आ अपन लोक केँ बंधन सँ मुक्त कएने छथि। ओ अपन विश्वास व्यक्त करैत छथि जे मृत्यु मे सेहो परमेश् वर अपन विश्वासी केँ पुनर्जीवित करताह (यशायाह 26:12-19)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के अडिग प्रेम के लेल आनन्दित होबय आ हुनकर स्तुति करबाक आह्वान स होइत अछि। यशायाह एकटा एहन भविष्यक पूर्वानुमान लगाबैत छथि जतय यरूशलेम धार्मिकता, शांति, समृद्धि आ अनन्त आनन्द सँ भरल होयत (यशायाह 26:20-21)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छब्बीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
परमेश् वरक उद्धार पर भरोसा करू
आ भविष्यक आशीर्वादक प्रतीक्षा।

किला के रूप में भगवान् पर भरोसा की घोषणा।
धर्मात्मा आ दुष्टक भाग्यक विपरीत।
संकट के समय दया की गुहार।
मृत्यु के बाद पुनरुद्धार पर विश्वास।
आनन्दित होबय लेल बजाउ; भविष्य के आशीर्वाद के प्रत्याशा।

ई अध्याय परीक्षा के बीच परमेश् वर के निष्ठा पर अटूट विश्वास के अभिव्यक्ति के रूप में काम करै छै। एहि मे हुनका पर भरोसा करबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि जे ओ ताकत आ सुरक्षाक अपरिवर्तनीय स्रोत अछि । ई सीधा चलै वाला बनाम हुनकऽ विरोध करै वाला के अंतिम भाग्य के बीच के विपरीतता के उजागर करै छै । एकरऽ अतिरिक्त, ई विश्वासी सिनी क॑ न्याय के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै जबकि ई भरोसा करै छै कि केवल परमेश्वर ही सच्चा शांति स्थापित करी सकै छै । अंततः, ई धर्म, आनन्द, आरू अनन्त जीवन स॑ भरलऽ भविष्य के तरफ इशारा करै छै एगो ऐन्हऽ दृष्टि जे आशा के प्रेरणा दै छै आरू हमरऽ विश्वासी सृष्टिकर्ता के प्रशंसा करै के आह्वान करै छै

यशायाह 26:1 ओहि दिन यहूदा देश मे ई गीत गाओल जायत। हमरा सभक एकटा मजबूत शहर अछि; परमेश् वर देबाल आ बुल्वारक लेल उद्धार निर्धारित करताह।

यशायाह 26:1 घोषणा करै छै कि परमेश्वर मजबूत देवाल आरू बुल्वार के माध्यम स॑ उद्धार प्रदान करतै।

1. भगवानक रक्षा: विपत्तिक समय मे हमर आशा

2. भगवान् पर हमर सभक विश्वास हमरा सभ केँ कोना ताकत आ आराम द' सकैत अछि

1. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग छथि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

यशायाह 26:2 अहाँ सभ फाटक खोलू, जाहि सँ ओ धर्मी जाति जे सत्यक पालन करैत अछि, ओहि मे प्रवेश करय।

ई अंश मोक्ष के द्वारऽ में प्रवेश करै लेली सत्य आरू धर्म के महत्व पर जोर दै छै ।

1. स्वर्गक बाट सत्य आ धर्म सँ प्रशस्त अछि

2. स्वर्ग मे रहब, ईमानदारी आ नीक नीयत सँ जीब

1. यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी। हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

2. भजन 37:30 - धर्मी के मुँह बुद्धि बजै छै, आ ओकर जीह न्याय के बात करै छै।

यशायाह 26:3 अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, किएक तँ ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।

ई अंश प्रभु पर भरोसा करै के महत्व पर प्रकाश डालै छै आरू पूर्ण शांति के अनुभव करै लेली अपनऽ मन के हुनका पर केंद्रित रखै के महत्व पर प्रकाश डालै छै ।

1. "प्रभु पर भरोसा करब आ हुनका पर अपन मोन राखब"।

2. "पूर्ण शांति के प्रतिज्ञा"।

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 26:4 अहाँ सभ सदिखन प्रभु पर भरोसा करू, किएक तँ परमेश् वर परमेश् वर मे अनन्त सामर्थ् य अछि।

अनन्त शक्तिक लेल प्रभु पर भरोसा करू।

1. "भगवान के निष्ठा के बल"।

2. "हम प्रभु के बल पर भरोसा कियैक क सकैत छी"।

1. भजन 18:2 "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

२ हमरा पर आराम करऽ।तखन मसीहक लेल हम कमजोरी, अपमान, कष्ट, उत्पीड़न आ विपत्ति सँ संतुष्ट छी। कारण जखन हम कमजोर छी तखन हम मजबूत होइत छी।"

564

यशायाह 26:5 किएक तँ ओ ऊँच पर रहनिहार सभ केँ नीचाँ खसा दैत छथि। ऊँच नगर केँ ओ नीचाँ राखि दैत छथि। ओकरा जमीन धरि नीचाँ राखि दैत अछि। ओ ओकरा धूरा धरि पहुँचा दैत छथि।

भगवान् घमंडी आ शक्तिशाली के विनम्र बनाबैत छथि, हुनका सब के समान स्तर पर उतारैत छथि।

1. परमेश् वरक विनम्रता: हमरा सभ केँ हुनकर उदात्त करबाक सिखाब

2. मनुष्यक गौरव: हमरा सभकेँ अपनाकेँ विनम्र बनब सिखाब

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. भजन 138:6 - "प्रभु ऊँच रहितो नीच लोक केँ देखैत छथि, मुदा घमंडी केँ ओ दूर सँ जनैत छथि।"

यशायाह 26:6 पएर ओकरा नीचाँ खसि पड़तैक, गरीबक पएर आ गरीबक सीढ़ी।

यशायाह 26:6 गरीब आ जरूरतमंद के पृथ्वी पर रौदय के बात करैत अछि।

1. विनम्र लोकक शक्ति: हमरा सभ मे सँ कमजोर लोक सेहो कोना स्थायी प्रभाव छोड़ि सकैत अछि

2. भगवानक प्रतिज्ञा: भगवान कोना नम्र केँ आशीर्वाद दैत छथि आ गरीब केँ कोना ऊपर उठबैत छथि

1. मत्ती 5:5 - धन्य छथि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी हेताह।

2. भजन 37:11 - मुदा नम्र लोक सभ देशक उत्तराधिकारी बनत आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित होयत।

यशायाह 26:7 धर्मी लोकक बाट सोझता अछि, अहाँ, जे परम सोझ छी, धर्मी लोकक बाट तौलैत छी।

न्यायी के बाट सीधापन के मार्गदर्शन में होय छै आरू भगवान न्यायी के रास्ता के तौलै छै।

1. सोझता न्यायी लोकक बाट थिक

2. भगवान् के नजर में न्यायी के मार्ग के तौलना

1. भजन 25:21 - निष्ठा आ सोझता हमरा सुरक्षित राखय। कारण हम अहाँक प्रतीक्षा मे छी।

2. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

यशायाह 26:8 हँ, हे प्रभु, अहाँक न्यायक बाट मे हम सभ अहाँक प्रतीक्षा क’ रहल छी। हमरा सभक प्राणक इच्छा अहाँक नाम आ अहाँक स्मरणक अछि।

हम सब प्रभु के न्याय के इंतजार केने छी आ हमर इच्छा हुनकर नाम आ स्मरण के अछि।

1. प्रभु के न्याय के प्रतीक्षा

2. प्रभु के नाम आ स्मरण के इच्छा करब

1. भजन 37:5-6, प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा राखू, ओ काज करत। ओ अहाँक धार्मिकता केँ इजोत जकाँ आ अहाँक न्याय केँ दुपहर जकाँ सामने अनताह।

2. रोमियो 12:2, एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यशायाह 26:9 हम अपन प्राण सँ राति मे अहाँक इच्छा केलहुँ। हँ, हमरा भीतर अपन आत् मा सँ हम अहाँ केँ जल्दी खोजब, कारण जखन अहाँक न्याय पृथ् वी पर होयत तखन संसारक निवासी सभ धार्मिकता सीखत।

ई अंश परमेश् वर के इच्छा करै आरू हुनका जल्दी खोजै के बात करै छै आरू जबे परमेश् वर के न्याय पृथ्वी पर होतै, तबे संसार के निवासी धार्मिकता सीखतै।

1. भगवान् के जल्दी खोजने के लाभ

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

1. भजन 119:174 हे प्रभु, हम अहाँक उद्धारक लेल तरसैत छी, आ अहाँक नियम हमर आनन्द अछि।

2. यिर्मयाह 9:24 मुदा जे घमंड करैत अछि, ओ एहि बातक घमंड करथि जे ओ हमरा बुझैत अछि आ जनैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ्वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी। कारण, हम एहि सभ बात मे आनन्दित छी,' प्रभु कहैत छथि।

यशायाह 26:10 दुष्ट पर अनुग्रह कयल जाय, तइयो ओ धार्मिकता नहि सीखत।

अनुग्रह देखला के बादो दुष्ट धर्म नै सीखतै, बल्कि एकरऽ बदला में ईमानदारी के भूमि में अन्याय करतें रहतै आरू प्रभु के महिमा के नै चिन्हतै।

1. दुष्टताक सोझाँ भगवानक दया

2. सोझ भूमि मे प्रभुक महिमा

1. भजन 51:1-4 - हे परमेश् वर, अपन दयाक अनुसार हमरा पर दया करू।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 26:11 प्रभु, जखन तोहर हाथ उठाओल जायत तखन ओ सभ नहि देखताह, मुदा ओ सभ देखताह आ लोक सभ सँ ईर्ष्या करबाक कारणेँ लज्जित हेताह। हँ, तोहर शत्रु सभक आगि ओकरा सभ केँ भस्म क’ देतैक।”

भगवान् के शत्रु सब लाज आ नष्ट भ जायत जखन भगवान अपन हाथ उठौताह।

1. भगवान् के बल के माध्यम स ईर्ष्या पर काबू पाना

2. भगवानक हाथक शक्ति

1. रोमियो 12:21 - अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।

2. 1 पत्रुस 5:8-9 - सतर्क आ सोझ दिमाग रहू। तोहर शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत रहैत अछि जे ककरो खाय लेल तकैत अछि । विश्वास मे दृढ़ भ' क' ओकर विरोध करू।

यशायाह 26:12 प्रभु, अहाँ हमरा सभक लेल शान्तिक व्यवस्था करब, किएक तँ अहाँ हमरा सभक सभ काज हमरा सभ मे कएने छी।

प्रभु अपन लोक सभक लेल शान्ति निर्धारित कयलनि अछि, आ ओकर सभक सभ काज हुनका सभक लेल कयलनि अछि।

1. प्रभुक निष्ठा: प्रभु हमरा सभक कोना प्रबंध करैत छथि

2. हमर शान्तिक स्रोत: प्रभु पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।
566

2. भजन 37:3 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।”

यशायाह 26:13 हे हमर परमेश् वर परमेश् वर, अहाँक अतिरिक्त आन प्रभु सभ हमरा सभ पर प्रभुत्व रखैत छथि, मुदा हम सभ मात्र अहाँक द्वारा अहाँक नामक उल्लेख करब।

भगवान् एकमात्र पूजा आ स्तुति के योग्य छथि।

1: हमरा सभक स्तुति आ पूजाक योग्य केवल भगवान् छथि।

2: हमरा सभकेँ अपन जीवनमे प्रभुकेँ सभसँ ऊपर उठाबए पड़त।

1: कुलुस्सी 3:17 - अहाँ सभ जे किछु करब, चाहे ओ वचन मे हो वा कर्म मे, ओ सभ प्रभु यीशुक नाम पर करू, आ हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

2: 1 पत्रुस 4:11 - जँ केओ बजैत अछि तँ ओकरा परमेश् वरक वचन बजनिहार जकाँ करबाक चाही। जँ केओ सेवा करैत अछि तँ ओकरा परमेश् वर द्वारा देल गेल सामर्थ् य सँ करबाक चाही, जाहि सँ सभ बात मे परमेश् वरक स्तुति यीशु मसीहक द्वारा कयल जाय। हुनकर महिमा आ सामर्थ्य अनन्त काल धरि रहय। आमीन।

यशायाह 26:14 ओ सभ मरि गेल अछि, ओ सभ जीवित नहि होयत। ओ सभ मृत भऽ गेल अछि, ओ सभ नहि जीबि लेत, तेँ अहाँ ओकरा सभक दर्शन कऽ कऽ नष्ट कऽ देलहुँ आ ओकर सभक सभ स्मृति केँ नाश कऽ देलहुँ।

ई अंश प्रभु केरऽ न्याय के बात करै छै, जे मरी गेलऽ छै आरू जी उठै वाला नै छै ।

1. परमेश्वरक न्याय अंतिम अछि - यशायाह 26:14

2. प्रभुक इच्छाक शक्ति - यशायाह 26:14

1. भजन 34:15-16 - "प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि आ हुनकर कान हुनका सभक पुकार पर ध्यान दैत छनि; परमेश् वरक मुँह अधलाह काज करयवला सभक विरुद्ध अछि, जे पृथ् वी सँ हुनकर स्मृति केँ काटि दैत छथि।" ."

2. अय्यूब 34:14-17 - "जँ ओ अपन मोन केँ एहि पर राखि अपन आत्मा आ साँस अपना लेल जमा करितथि त' सभ मांस एक संग नष्ट भ' जाइत, आ मनुष्य धूरा मे घुरि जाइत।"

यशायाह 26:15 हे प्रभु, अहाँ राष्ट्र केँ बढ़ा देलहुँ, अहाँ महिमामंडित छी, अहाँ ओकरा पृथ्वीक सभ छोर धरि दूर क’ देलहुँ।

भगवान् राष्ट्र के बढ़ा देलकै आरू ओकरा पृथ्वी के सब छोर तक दूर करी देलकै, जेकरा सें खुद के महिमामंडन करलकै।

1. भगवान् अपन भलाईक माध्यमे अपना केँ कोना महिमामंडित करैत छथि

2. अपन लोक पर हुनक आशीर्वादक महानता

1. यशायाह 26:15

2. रोमियो 8:28: आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यशायाह 26:16 प्रभु, ओ सभ विपत्ति मे अहाँक दर्शन कयलनि, जखन अहाँक दंड हुनका सभ पर छल तखन ओ सभ एकटा प्रार्थना उझलि देलनि।

लोक कष्ट आ कठिनाई के समय में भगवान के तरफ मुड़ैत छैथ, प्रार्थना के माध्यम स सान्त्वना आ मार्गदर्शन के तलाश करैत छैथ।
567

1. परेशान समय मे भगवान हमर शरण छथि

2. प्रार्थना मे आराम भेटब

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

2. रोमियो 12:12 आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।

यशायाह 26:17 जेना गर्भवती स् त्री प्रसवक समय लग आबि कऽ पीड़ा मे पड़ैत अछि आ अपन पीड़ा मे चिचियाइत अछि। तहिना हम सभ अहाँक नजरि मे रहलहुँ, हे परमेश् वर।”

इस्राएलक लोक सभ अपना केँ प्रसव करऽ वला स् त्री सँ तुलना करैत अपन कष् ट मे परमेश् वर सँ निहोरा करैत अछि।

1. भगवान् दुखक पुकार सुनैत छथि

2. प्रसवक पीड़ा आ आशा

1. भजन 34:17-19 - धर्मी सभक पुकार आ प्रभु सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

2. रोमियो 8:18-25 - हम सभ एखन कष्ट उठा रहल छी मुदा भविष्य मे परमेश् वरक महिमाक आशा हमरा सभ केँ प्रकट होयत।

यशायाह 26:18 हम सभ गर्भवती भेलहुँ, हमरा सभ केँ पीड़ा भेल अछि, हमरा सभ केँ हवा जकाँ उत्पन्न भेल अछि। हम सभ पृथ् वी पर कोनो उद्धार नहि केलहुँ। आ ने संसारक निवासी सभ पतित भेल अछि।

यशायाह केरऽ ई अंश दुनिया म॑ मुक्ति लानै के कोशिश म॑ अनुभव करलऽ जाय वाला कठिनाई आरू सफलता के कमी के बात करै छै ।

1. बदलाव अनबाक कठिनाई - दुनिया मे परिवर्तन अनबाक हमर सभक प्रयास कोना दुर्गम बुझाइत बाधा सँ बाधित भ' सकैत अछि।

2. प्रतिकूलताक बीच आशा - दुर्गम बुझाइत विषमताक सामना करैत आशावादी रहब आ दृढ़तापूर्वक रहब।

1. रोमियो 8:18-25 - ओ आशा जे ई जानि क’ भेटैत अछि जे हमर सभक दुखक छुटकारा भ’ सकैत अछि।

2. भजन 55:22 - कठिनाईक समय मे मुक्ति प्रदान करबाक लेल परमेश्वरक दया पर भरोसा करब।

यशायाह 26:19 तोहर मृतक सभ जीवित रहत, हमर मृत शरीरक संग ओ सभ जीबि उठत। हे धूरा मे रहनिहार सभ जागू आ गाउ, किएक तँ अहाँक ओस जड़ी-बूटीक ओस जकाँ अछि आ धरती मुर्दा केँ बाहर निकालि देत।

भगवान् वादा करै छै कि मृतक फेर स॑ जीवित होय जैतै आरू लोगऽ क॑ हर्ष स॑ भर॑ आरू स्तुति गाबै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. पुनरुत्थान मे आशा: अनन्त जीवनक प्रतिज्ञाक उत्सव

2. प्रभु मे आनन्दित रहू: दुख मे आनन्दक पुनः खोज

568

1. यूहन्ना 5:28-29 एहि बात सँ आश्चर्यचकित नहि होउ, किएक त’ एहन समय आबि रहल अछि जखन जे सभ अपन कब्र मे छथि, हुनकर आवाज सुनत आ बाहर निकलि जेताह जे नीक काज केने छथि, आ जे सभ नीक काज केने छथि, ओ जीबि लेताह केल गेल जे अधलाह अछि से निन्दा करबाक लेल उठत।

2. अय्यूब 19:25-27 हम जनैत छी जे हमर मुक्तिदाता जीवित छथि, आ अंत मे ओ पृथ्वी पर ठाढ़ भ’ जेताह। हमर चमड़ा नष्ट भेलाक बाद हम अपन शरीर मे परमेश् वर केँ देखब। हम स्वयं ओकरा अपन आँखि सँ देखब हम, आ दोसर नहि। हमर हृदय हमरा भीतर कतेक तरसैत अछि!

यशायाह 26:20 हे हमर लोक सभ, आऊ, अपन कोठली मे घुसि जाउ आ अपन दरबज्जा बंद करू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ अपन कोठली मे शरण लेबाक लेल बजबैत छथि आ जा धरि प्रभुक क्रोध नहि बीति जायत ता धरि नुकायल रहय।

1. विश्वासक बल: प्रभु मे शरण लेब

2. प्रभुक आह्वान सुनब आ ओकरा पर ध्यान देब: हुनकर वचन मे ताकत पाबब

1. भजन 91:2 - "हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि: हमर परमेश् वर; हम हुनका पर भरोसा करब।"

2. मत्ती 10:29-31 - "की दू टा गौरैया एक फारथ मे नहि बिकाइत अछि? आ एकटा गौरैया अहाँक पिताक बिना जमीन पर नहि खसि पड़त। मुदा अहाँ सभक माथक केश सभ गिनल गेल अछि। तेँ अहाँ सभ नहि डेराउ।" बहुतो गौरैया सँ बेसी मूल्यवान होइत अछि |"

यशायाह 26:21 देखू, परमेश् वर अपन स् थान सँ बाहर आबि पृथ् वी पर रहनिहार सभ केँ ओकर अपराधक दंड देबाक लेल आबि रहल छथि।

परमेश् वर पृथ्वी पर रहनिहार सभ केँ पापक दंड देबाक लेल आओत आ धरती मारल गेल लोक सभक खून प्रगट करत।

1. प्रभु आबि रहल छथि: अंतिम समय मे धर्म मे जीबैत

2. पृथ्वी बजैत अछि: पश्चाताप के आह्वान

1. प्रकाशितवाक्य 19:11-16

2. इजकिएल 18:30-32

यशायाह अध्याय 27 परमेश् वर के न्याय आरू पुनर्स्थापन के विषय के आगू बढ़ाबै छै। ई भविष्य केरऽ समय के चित्रण करै छै जब॑ भगवान अपनऽ दुश्मनऽ क॑ सजा देतै, अपनऽ लोगऽ क॑ बचाबै छै आरू ओकरा अपनऽ धरती प॑ बहाल करी देतै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत परमेश्वर के शक्ति आरू न्याय के घोषणा स॑ होय छै । यशायाह वर्णन करै छै कि कोना वू अराजकता आरू बुराई के प्रतीक लेवियाथन के साथ ओकरा वध करी क व्यवहार करतै (यशायाह 27:1)।

दोसर पैराग्राफ: यशायाह कृषि बिम्बक प्रयोग करैत छथि जे परमेश्वरक अपन लोकक देखभालक चित्रण करैत छथि। ओ इस्राएल के तुलना एकटा अंगूर के बगीचा स करैत छथि जेकर रक्षा आ पोषण परमेश् वर करैत छथि, जे दिन-राति एकर देखभाल करैत छथि (यशायाह 27:2-6)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी इस्राएल के मूर्तिपूजा के परिणामस्वरूप सजा के बात करै छै। लेकिन, यशायाह ई बात पर जोर दै छै कि ई अनुशासन के उद्देश्य पश्चाताप आरू पुनर्स्थापन लानै के छै (यशायाह 27:7-9)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह इस्राएल के बिखरी गेलऽ लोगऽ के विभिन्न जाति के जमा होय के बारे में भविष्यवाणी करै छै। ओ सभ यरूशलेम मे परमेश्वरक आराधना करबाक लेल वापस आबि जेताह, हुनकर दया आ क्षमाक अनुभव करत (यशायाह 27:12-13)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह सत्ताईस अध्याय मे प्रकट होइत अछि परमेश् वरक शत्रु सभ पर न्याय
आ हुनक लोकक पुनर्स्थापना।

भगवान् के शक्ति एवं न्याय के घोषणा।
कृषि बिम्ब के प्रयोग से चित्रण।
मूर्तिपूजा के सजा; पश्चाताप के आह्वान।
इस्राएल के एकत्रीकरण एवं बहाली।

ई अध्याय सब चीजऽ पर परमेश् वर के संप्रभुता पर प्रकाश डालै छै, जेकरा म॑ लेवियथन द्वारा प्रतिनिधित्व करलऽ गेलऽ अराजक शक्ति भी शामिल छै । ई मूर्तिपूजा या सांसारिक काम के तरफ मुड़ै के बजाय हुनका प्रति वफादार रहना के महत्व के रेखांकित करै छै । आज्ञा नै मानला के कारण अनुशासन के बावजूद परमेश् वर के दया के द्वारा पश्चाताप आरू पुनर्स्थापन के आशा छै। अंततः ई एकटा भविष्य के तरफ इशारा करै छै जहाँ बिखरी गेलऽ लोगऽ क॑ वापस अपनऽ भूमि म॑ जमा करी देलऽ जाय छै एक ऐन्हऽ समय जब॑ वू धर्म के साथ हुनकऽ पूजा करतै आरू क्षमा के अनुभव करतै । ई हमरा सब के याद दिलाबै छै कि भले ही हमरऽ काम के परिणाम भी होय सकै छै, लेकिन हमरऽ प्रेमी सृष्टिकर्ता के सामने वास्तविक पश्चाताप के माध्यम स॑ मोक्ष के अवसर हमेशा रहै छै

यशायाह 27:1 ओहि दिन परमेश् वर अपन घोर आ पैघ आ मजगूत तलवार सँ भेदक साँप केँ लेवियाथन केँ दंड देताह। ओ समुद्र मे जे अजगर अछि तकरा मारि देत।”

प्रभुक दिन मे ओ अपन पराक्रमी तलवार सँ लेवियथन, साँप केँ सजा देत आ समुद्र मे अजगर केँ मारि देत।

1: यीशु पराक्रमी विजेता के रूप मे - यशायाह 27:1

2: पापक सजाय - यशायाह 27:1

1: प्रकाशितवाक्य 12:9 - ओ महान अजगर, ओ बूढ़ साँप, जकरा शैतान आ शैतान कहल जाइत अछि, जे समस्त संसार केँ धोखा दैत अछि, ओकरा बाहर फेकि देल गेल।

2: अय्यूब 41:1-11 - की अहाँ हुक सँ लेवियथन निकालि सकैत छी? आकि ओकर जीह ओहि डोरी सँ जकरा अहाँ नीचाँ छोड़ि दैत छी? की अहाँ ओकर नाक मे हुक लगा सकैत छी? आकि जबड़ाकेँ काँटसँ बोरि लेलक? की ओ अहाँ सँ बहुत रास विनती करत? की ओ अहाँ केँ मृदुल शब्द बाजत? की ओ अहाँक संग कोनो वाचा करत? की अहाँ ओकरा सदाक लेल नोकर बना लेब?

यशायाह 27:2 ओहि दिन अहाँ सभ ओकरा लेल गाउ, “लाल मदिराक अंगूरक बगीचा।”

ई अंश परमेश् वर के स्तुति गीत के प्रोत्साहित करै छै, जेकरा लाल शराब के अंगूर के बगीचा के उपमा दै छै।

1. भगवान् के हुनकर समस्त भलाई आ दया के लेल स्तुति आ सम्मान करबाक चाही।

2. गीतक माध्यमे भगवानक प्रति अपन प्रेम आ भक्ति व्यक्त क' सकैत छी।

1. भजन 100:1-5

2. भजन 33:1-3

यशायाह 27:3 हम प्रभु एकर पालन करैत छी। हम एकरा हर क्षण पानि देब: कहीं एकरा कोनो चोट नहि लागय, हम एकरा राति-दिन राखब।

परमेश् वर हमरा सभक देखभाल आ खतरा आ नुकसान सँ बचाबय लेल वफादार छथि।

1: भगवान् हमर सभक वफादार रक्षक छथि।

2: भगवानक हमरा सभक निरंतर देखभाल।

1: भजन 121:3-4 - जे अहाँक देखभाल करैत अछि, से नींद नहि लागत; सत्ते, जे इस्राएल पर नजर रखैत अछि, से ने सुतत आ ने सुतत।

2: भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यशायाह 27:4 हमरा मे क्रोध नहि अछि। हम ओकरा सभक बीचसँ गुजरैत छलहुँ, एक संग जरा दैत छलहुँ ।

भगवान् क्रोधित नहि छथि आ ओ अपन शक्तिक उपयोग अपन बाट मे कोनो बाधा केँ दूर करबाक लेल करताह।

1. भगवानक शक्ति सभ बाधा पर विजय प्राप्त करत

2. प्रभुक बल अतुलनीय अछि

1. यशायाह 40:29 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि; जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 27:5 अथवा ओ हमर शक्ति केँ पकड़ि लेथि, जाहि सँ ओ हमरा संग मेल-मिलाप करथि। ओ हमरा संग मेल-मिलाप करत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन ताकत केँ पकड़बाक लेल आमंत्रित करैत छथि जाहि सँ हम सभ हुनका संग मेल-मिलाप क' सकब।

1. "भगवानक संग मेल-मिलाप करबाक शक्ति"।

2. "यीशु मे ताकत भेटब"।

1. रोमियो 5:1 - "अतः, जखन कि हम सभ विश्वासक द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति अछि।"

2. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ई सभ ओहि द्वारा क' सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।"

यशायाह 27:6 ओ याकूब सँ आयल लोक सभ केँ जड़ि जमा लेताह, इस्राएल खिलत आ कली उठत आ संसारक मुँह केँ फल सँ भरत।

परमेश् वर याकूबक वंशज सभ केँ जड़ि जमा लेताह आ इस्राएल पनपत आ पूरा संसार मे पसरत।

1. परमेश् वरक वृद्धि आ समृद्धिक प्रतिज्ञा

2. जड़ि लेब आ फल देब

1. यिर्मयाह 17:8 - "ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे नदीक कात मे अपन जड़ि पसारि दैत अछि, आ गर्मी अयला पर डर नहि जायत; मुदा ओकर पात हरियर होयत, आ ओहि मे चिंतित नहि होयत।" रौदीक साल, आ ने फल देब छोड़त।"

2. भजन 1:3 - "ओ पानिक नदीक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे अपन समय मे फल दैत अछि, जकर पात सेहो नहि मुरझाएत, आ जे किछु करत से नीक होयत।"

यशायाह 27:7 की ओ ओकरा मारि देलक जेना ओकरा मारि देलक? की ओकरा मारल गेल लोकक वधक अनुसार मारल गेल अछि?

ई अंश परमेश् वर के न्याय पर चिंतन करै छै आरू की वू दोसरो कॅ वैन्हऽ सजा दै छै जेना ओकरा दंडित करलऽ गेलऽ छै या की ओकरऽ बदला में ओकरा द्वारा मारलऽ गेलऽ लोगऽ के अनुसार वध करलऽ जाय छै ।

1. परमेश् वरक न्याय: धर्म आ दया

2. भगवान नियंत्रण मे छथि: हुनकर पूर्ण इच्छा पर भरोसा आ भरोसा करब

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 62:11-12 - परमेश् वर एक बेर बाजल छथि; दू बेर हम ई बात सुनने छी। ओ शक्ति परमेश् वरक अछि। हे प्रभु, दया अहाँक अछि, किएक तँ अहाँ प्रत्येक मनुष्य केँ ओकर काजक अनुसार प्रतिफल दैत छी।

यशायाह 27:8 जखन ई उड़ैत अछि तखन अहाँ ओकरा संग बहस करब, ओ पूरबक हवाक दिन मे अपन खुरदुरा हवा केँ रोकैत अछि।

अंश बतबैत अछि जे भगवान हवा पर नियंत्रण राखि सकैत छथि जखन हवा तेज आ बेलगाम होइत अछि |

1. भगवान् मे अराजकताक बीच शांति अनबाक सामर्थ्य छनि।

2. हम सब कठिनाई के बीच भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ अपन शक्ति के स्रोत बनथि।

1. मत्ती 8:23-27 - यीशु तूफान केँ शान्त करैत छथि।

2. भजन 55:8 - विपत्तिक समय मे परमेश् वर हमर शरण आ सामर्थ् य छथि।

यशायाह 27:9 एहि सँ याकूबक अधर्म शुद्ध कयल जायत। ओकर पाप दूर करबाक लेल ई सभटा फल अछि।
जखन ओ वेदीक सभ पाथर केँ चाकक पाथर जकाँ बना देत जे पीटल गेल अछि, तखन बगीचा आ मूर्ति ठाढ़ नहि होयत।

परमेश् वर इस्राएल के पाप माफ करतै जबेॅ वू ओकरोॅ वेदी, बगीचा आरो मूर्ति सिनी कॅ नष्ट करी दै।

1. शुद्धिकरणक शक्ति: भगवान् हमरा सभक पाप केँ कोना क्षमा करैत छथि

2. वेदीक पाथर: हम सभ कोना पश्चाताप मे अबैत छी

1. इजकिएल 6:4-5, "अहाँ सभक वेदी सभ उजाड़ भ' जायत, आ अहाँक मूर्ति सभ टूटि जायत। आ हम अहाँक मारल गेल लोक सभ केँ अहाँक मूर्ति सभक सोझाँ खसा देब। आ हम इस्राएलक संतान सभक मृत शव केँ हुनका सभक सोझाँ राखि देब।" मूर्ति सभ, आ हम अहाँक हड्डी केँ अहाँक वेदी सभक चारू कात छिड़िया देब।”

2. मत्ती 3:8, "तेँ पश्चाताप करबाक लेल उचित फल दियौक।"

यशायाह 27:10 तइयो सुरक्षित नगर उजाड़ भ’ जायत, आ आवास छोड़ि देल जायत आ जंगल जकाँ छोड़ि देल जायत, ओतहि बछड़ा चरत, आ ओतहि पड़ल रहत आ ओकर डारि सभ केँ भस्म क’ देत।

कहियो जे शहरक रक्षा आ आबाद होइत छल से आब जंगल जकाँ उजाड़ आ परित्यक्त भ' गेल अछि ।

1. भगवान् केर रक्षा सँ बेसी मानवीय शक्ति पर निर्भर रहबाक मूर्खता

2. भगवानक संप्रभुता: हमर मरुभूमि केँ नखलिस्तान मे बदलब

1. 1 कोरिन्थी 1:27-29 - परमेश्वरक शक्ति हमरा सभक कमजोरी मे सिद्ध भ’ गेल अछि।

2. यशायाह 35:1-7 - परमेश् वर मरुभूमि केँ नखलिस्तान मे बदलि देताह।

यशायाह 27:11 जखन ओकर डारि मुरझा जायत तखन ओकरा तोड़ि देल जायत, स्त्रीगण सभ आबि ओकरा आगि लगा दैत छैक, कारण ई कोनो समझदार लोक अछि, तेँ ओकरा बनौनिहार ओकरा सभ पर दया नहि करत आ ओकरा पर जे ओकरा सभकेँ बनौलक से ओकरा सभ पर कोनो अनुग्रह नहि करत।

जे हुनका नहि बुझैत छथि हुनका पर परमेश् वर दया नहि करताह, आ हुनका पर कोनो अनुग्रह नहि करताह।

1. भगवान् केँ बुझबाक आवश्यकता

2. दया आ अनुग्रहक शक्ति

1. रोमियो 11:33-36

2. नीतिवचन 3:3-4

यशायाह 27:12 ओहि दिन परमेश् वर नदीक नाला सँ मिस्रक धार धरि खटि जायत आ अहाँ सभ एक-एक कए जमा भ’ जायब, हे इस्राएलक सन्तान।

प्रभु इस्राएली सभ केँ नदी सँ मिस्र आनि कऽ एक-एक कए जमा करताह।

1. प्रभु के अपन लोक के जुटेबाक लेल निष्ठा

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा भेल

1. यशायाह 11:11-12 - ओहि दिन परमेश् वर दोसर बेर अपन हाथ राखताह जे अश्शूर आ मिस्र सँ अपन प्रजाक शेष जे बचल रहत। पाथ्रोस, कुश, एलाम, शिनार, हमत आ समुद्रक द्वीप सभ सँ।

2. यिर्मयाह 31:10 - हे जाति सभ, प्रभुक वचन सुनू, आ दूरक द्वीप सभ मे एकर प्रचार करू आ कहब जे, जे इस्राएल केँ छिड़ियाबैत अछि, ओकरा जमा करत आ ओकरा राखत, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ करैत अछि।”

यशायाह 27:13 ओहि दिन महान तुरही बाजल जायत, आ ओ सभ जे अश्शूर देश मे नाश होमय लेल तैयार छल, आ मिस्र देश मे बहिष्कृत लोक सभ आबि जायत आ ओकर आराधना करत यरूशलेम मे पवित्र पहाड़ मे परमेश् वर।

महान तुरही के दिन अश्शूर आरू मिस्र में जे लोग नष्ट होय के तैयार छै, वू लोग आबी क यरूशलेम के पवित्र पहाड़ पर परमेश् वर के आराधना करतै।

1. आराधना के शक्ति: पूजा हमरा सब के कोना भगवान के नजदीक लाबैत अछि

2. आशा खोजब: महान तुरही कोना मोक्ष दैत अछि

1. भजन 95:6 - "हे आऊ, हम सभ आराधना करी आ प्रणाम करी; हम सभ अपन निर्माता प्रभुक समक्ष ठेहुन टेकब!"

2. लूका 4:18-19 - "प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि। उत्पीड़ित लोक केँ मुक्त करबाक लेल, प्रभुक अनुग्रहक वर्षक घोषणा करबाक लेल।

यशायाह अध्याय २८ मे इस्राएल के नेता आरू लोगऽ के प्रति चेतावनी आरू डांट के संदेश देलऽ गेलऽ छै । ई हुनकऽ घमंड, नशा, आरू झूठा सुरक्षा प॑ निर्भरता क॑ संबोधित करै छै, जबकि सच्चा बुद्धि आरू परमेश्वर प॑ भरोसा के महत्व प॑ जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एफ्राइम के घमंडी नेता (इस्राएल के प्रतिनिधित्व करय वाला) के निंदा स होइत अछि। यशायाह हुनकऽ अहंकार के आलोचना करै छै आरू ओकरा आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी दै छै (यशायाह २८:१-४)।

दोसर पैराग्राफ: यशायाह लोकक आध्यात्मिक स्थितिक वर्णन करबाक लेल नशाक उपमाक प्रयोग करैत छथि | ओ परमेश् वर सँ बुद्धि तकबाक बदला हुनका सभक सुख-भोगक खोज आ झूठ सुरक्षा पर निर्भरता पर प्रकाश दैत छथि (यशायाह 28:7-13)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी परमेश्वर द्वारा राखल गेल एकटा आधारशिला के बारे में कहैत अछि जे हुनकर चुनल मसीह के संदर्भ अछि जे हुनका पर भरोसा करय वाला के स्थिरता आ उद्धार आनत। मुदा, जे एहि आधारशिला केँ अस्वीकार करत, ओकरा विनाशक सामना करय पड़तैक (यशायाह 28:14-22)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह के समापन एकटा आह्वान के साथ करै छै कि लोग मानवीय बुद्धि पर भरोसा करै के बजाय परमेश्वर के निर्देश सुनै। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा आराम अस्थायी समाधान तकबा स बेसी हुनका पर भरोसा करबा स भेटैत अछि (यशायाह 28:23-29)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अठाईस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
घमंड, नशाक विरुद्ध चेतावनी, २.
आ झूठ सुरक्षा पर निर्भरता।

गौरवशाली नेताओं की निन्दा।
आध्यात्मिक नशा की उपमा।
मसीहा के आधारशिला के रूप में संदर्भ।
भगवान् के निर्देश पर भरोसा के आह्वान।

ई अध्याय अहंकार, आत्म-अनुग्रह, आरू गलत जगह पर विश्वास के खिलाफ चेतावनी संदेश के काम करै छै । मार्गदर्शन के लेल भगवान के तरफ मुड़य के बजाय अस्थायी भोग के खोज या मानवीय बुद्धि पर भरोसा करय के मूर्खता के उजागर करैत अछि. ई यीशु मसीह के तरफ इशारा करै छै कि अंतिम नींव छै, जेकरा पर हमरऽ जीवन के निर्माण एगो आधारशिला होना चाहियऽ जे विश्वास के साथ गले मिलला पर स्थिरता, उद्धार आरू सच्चा आराम लानै छै । अंततः ई हमरा सब के याद दिलाबै छै कि असली बुद्धि अपनऽ सीमित समझ या सांसारिक साधना पर भरोसा करै के बजाय परमेश्वर के निर्देश के विनम्रता स॑ सुनला स॑ मिलै छै

यशायाह 28:1 अभिमानक मुकुट पर धिक्कार अछि, एप्रैमक शराबी सभक, जिनकर गौरवशाली सौन्दर्य फीका पड़ैत फूल अछि, जे शराबक मोट घाटी सभक माथ पर अछि!

यशायाह भविष्यवक्ता एफ्राइमक शराबी सभक विरुद्ध एकटा दुःख बजैत छथि, जे घमंडी भ' गेल छथि आ हुनकर सौन्दर्य फीका पड़ि रहल छनि।

1. "अभिमानक खतरा"।

2. "अत्यधिक शराब पीबाक व्यर्थता"।

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. नीतिवचन 23:29-35 - केकरा दुःख छैक? केकरा दुख छैक? केकरा झगड़ा होइत छैक? केकर शिकायत अछि? केकरा बिना कारण के घाव छै? केकरा आँखि मे लाली होइत छैक? जे मदिरा पर बहुत दिन धरि टिकैत अछि। जे मिक्स वाइन के ट्राई करय लेल जाइत छथि। शराब तखन नहि देखू जखन ओ लाल हो, जखन ओ कप मे चमकैत अछि आ सुचारू रूप सँ नीचाँ चलि जाइत अछि । अंत मे साँप जकाँ काटि लैत अछि आ मगरमच्छ जकाँ डंक मारैत अछि । अहाँक आँखि अजीब-अजीब बात देखत, आ अहाँक हृदय विकृत बात बाजत। समुद्रक बीचोबीच पड़ला जकाँ, मस्तूलक चोटी पर पड़ल जकाँ रहब। ओ सभ हमरा मारि देलक, अहाँ कहब, मुदा हमरा कोनो आहत नहि भेल; ओ सभ हमरा मारि देलक, मुदा हमरा ई बात नहि लागल। हम कहिया जागब? हम एकटा आओर पेय जरूर पीब।

यशायाह 28:2 देखू, प्रभुक एकटा शक्तिशाली आ बलवान छथि, जे ओला आ विनाशकारी तूफान जकाँ, प्रबल पानिक बाढ़ि जकाँ हाथक संग पृथ्वी पर खसि पड़त।

ई अंश पृथ्वी पर विनाश लाबै के परमेश्वर के शक्ति के बात करै छै।

1. परमेश् वरक पराक्रमी शक्ति: हुनकर ताकत आ अधिकारक आदर कोना कयल जाय

2. अवज्ञा के परिणाम: विद्रोह के लागत के समझना

1. यिर्मयाह 23:19 - "देखू, प्रभुक एकटा बवंडर क्रोध मे निकलि गेल अछि, एकटा भयंकर बवंडर, ओ दुष्टक माथ पर भयंकर खसि पड़त।"

2. नहूम 1:3 - "प्रभु क्रोध मे मंद छथि, आ शक्ति मे पैघ छथि, आ दुष्ट केँ एकदम निर्दोष नहि करताह। प्रभुक बाट बवंडर आ तूफान मे छनि, आ मेघ हुनकर धूरा अछि।" पैर."

यशायाह 28:3 घमंडक मुकुट, एफ्राइमक शराबी सभ केँ पएर नीचाँ दबाओल जायत।

नशा दिस मुड़निहारक घमंड नीचाँ खसि पड़त।

1: घमंड भगवानक इच्छाक ठोकर अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन घमंड छोड़ि भगवान् दिस घुमबाक चाही।

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

यशायाह 28:4 मोट घाटीक माथ पर जे गौरवशाली सौन्दर्य अछि, ओ फीका पड़ैत फूल होयत आ गर्मी सँ पहिने जल्दबाजी मे फल जकाँ। जे ओकरा देखै छै तखन ओकरा हाथ मे रहला पर ओकरा खा लैत छै।

मोटका घाटी के फीका पड़ैत सौन्दर्य जल्दिये गर्मी स पहिने जल्दबाजी के फल जेकाँ गायब भ जायत।

1. जीवनक सौन्दर्यक सराहना करू जखन कि ओ एतय अछि।

2. हमर सबहक जीवन जल्दी बीत जायत, ताहि लेल एकर अधिकतम लाभ उठाउ।

1. याकूब 4:14 - "जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की होयत। किएक तँ अहाँ सभक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।"

2. भजन 90:12 - "त' हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ अपन हृदय केँ बुद्धि मे लगाबी।"

यशायाह 28:5 ओहि दिन सेना सभक प्रभु अपन प्रजाक शेष सभक लेल महिमाक मुकुट आ सौन्दर्यक मुकुट बनताह।

सेना के प्रभु न्याय के दिन अपनऽ लोगऽ के लेलऽ महिमा के मुकुट आरू सौन्दर्य के मुकुट बनतै ।

1. प्रभु हमर महिमा के मुकुट छथि - यशायाह 28:5

2. आउ, हम सभ अपना केँ प्रभुक सौन्दर्य सँ सजाबी - यशायाह 28:5

1. भजन 103:4 - "जे तोहर प्राण केँ विनाश सँ मुक्त करैत अछि; जे तोहर दया आ कोमल दयाक मुकुट पहिरबैत अछि"।

2. नीतिवचन 16:31 - "पीला माथ महिमा के मुकुट अछि, जँ ओ धार्मिकताक बाट मे भेटत"।

यशायाह 28:6 न्याय मे बैसल लोकक लेल न्यायक आत् मा आ युद्ध केँ फाटक दिस घुमाबय बला सभक लेल शक्तिक लेल।

यशायाह २८:६ युद्ध मे विवेक आ शक्तिक आवश्यकता केँ प्रोत्साहित करैत अछि।

1. प्रभुक ताकत: कठिन समय मे भगवान हमरा सभ केँ कोना साहस दैत छथि

2. विवेकक शक्ति: जीवन मे नीक निर्णय कोना कयल जाय

1. भजन 18:1-3 - "हे प्रभु, हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी, हमर शक्ति। प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ सींग।" हमर उद्धारक, हमर गढ़क।"

2. 2 तीमुथियुस 1:7 - "किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ भय केर नहि, बल् कि सामर्थ् य आ प्रेम आ संयमक आत् मा देलनि।"

यशायाह 28:7 मुदा ओ सभ सेहो मदिराक कारणेँ गलती कएने छथि आ मद्यपानक कारणेँ सेहो बाट सँ हटि गेल छथि। पुरोहित आ भविष्यवक्ता नशाक कारणेँ गलती कएने छथि, मदिरा निगल गेल छथि, नशाक कारणेँ ओ सभ बाट सँ हटि गेल छथि। दर्शन मे गलती करैत छथि, न्याय मे ठोकर खाइत छथि।

यशायाह 28:7 ई बात के बारे में बतैलकै कि कोना पुरोहित आरू भविष्यवक्ता दोनों शराब आरू शराब के सेवन के कारण भटक गेलऽ छै।

1: शराबक प्रलोभन सँ दूर रहबाक प्रयास करी आ भगवान केँ प्रसन्न करयवला जीवन जीबी।

2: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे नशाक कारण भटकल नहि जाइ, कारण ई हमरा सभकेँ विनाशक बाट पर ल' जा सकैत अछि।

1: इफिसियों 5:18, "आ मदिरा सँ नशा मे धुत्त नहि होउ, जाहि मे क्षय होइत अछि; बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।"

2: नीतिवचन 20:1, "मदिरा मजाक उड़ाबैबला अछि, मदिरा पीबय वाला अछि, आ जे कियो एहि सँ भटकल अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।"

यशायाह 28:8 किएक तँ सभ टेबुल उल्टी आ गंदगीसँ भरल अछि, जाहिसँ कोनो जगह साफ नहि अछि।

भगवानक लोक एतेक अव्यवस्थित आ अशुद्ध भ' गेल अछि जे एहन कोनो स्थान नहि अछि जे गंदगी आ उल्टी सँ भरल नहि हो।

1. अव्यवस्था आ अशुद्धिक खतरा

2. भगवानक क्रम आ पवित्रता मे वापसी

२.

2. लेवीय 20:7 - "तेँ अपना केँ पवित्र करू आ पवित्र रहू, कारण हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी।"

यशायाह 28:9 ओ केकरा ज्ञान सिखाओत? ओ केकरा सिद्धांत केँ बुझबाक लेल बनाओत? जे दूध सँ दुध छुड़ा कऽ स्तन सँ खीचल जाइत अछि।

ई श्लोक आध्यात्मिक रूप स॑ परिपक्व होय गेलऽ लोगऽ क॑ ज्ञान आरू सिद्धांत सिखाबै के महत्व प॑ जोर दै छै ।

1. भगवानक बुद्धि मे बढ़ब: आध्यात्मिक परिपक्वताक महत्व

2. बुझबाक प्रयास: ज्ञान आ सिद्धांतक लाभक अन्वेषण

1. भजन 119:97-104 प्रभुक उपदेश केँ बुझब आ हुनकर बुद्धिक खोज करब।

2. नीतिवचन 3:13-18 प्रभुक बाट पर चलब आ बूझब सीखब।

यशायाह 28:10 किएक तँ उपदेश उपदेश पर, उपदेश उपदेश पर रहबाक चाही। रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; एतय कनि, आ ओतय कनि:

यशायाह 28:10 सिखाबैत अछि जे परमेश् वर अपन बुद्धि केँ कनि-मनि, डेग-डेग पर, प्रकट करैत छथि।

1. "धन्य छथि रोगी: भगवानक बुद्धि प्रकट भेल"।

2. "भगवान सँ सीखब: रेखा पर रेखा"।

1. मत्ती 5:3-12 - धन्यता

2. भजन 119:105 - परमेश् वरक वचनक मूल्य।

यशायाह 28:11 ओ एहि लोक सभ सँ हकलाइत ठोर आ दोसर जीह सँ बाजत।

भगवान् अपन लोक सभ सँ हकलाइत ठोर आ विदेशी भाषा सँ गप्प करताह।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वर अपन लोक सभ सँ कोना अपरिचित आ अप्रत्याशित तरीका सँ गप्प करैत छथि।

2. भाषा मे बाजब: भाषा मे बजबाक आध्यात्मिक वरदान आ ओकर बाइबिल केर निहितार्थक अन्वेषण।

1. प्रेरित 2:1-4: जखन पवित्र आत् मा शिष् य सभ पर उतरल तँ ओ सभ आन भाषा मे बाजए लगलाह जेना आत् मा हुनका सभ केँ सक्षम बनौलनि।

2. यशायाह 55:11: हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

यशायाह 28:12 हुनका सभ केँ कहलथिन, “ई विश्राम अछि जाहि सँ अहाँ सभ थकल लोक केँ आराम दऽ सकैत छी। आ ई स्फूर्ति दैत अछि।

ई अंश परमेश् वर थकलऽ लोगऽ क॑ विश्राम दै के बात करै छै, लेकिन वू सुनै स॑ मना करी देलकै ।

1. प्रभु मे विश्राम करू: सच्चा विश्राम के स्रोत के खोज

2. परमेश् वरक कृपा केँ अस्वीकार करब: परमेश् वरक आशीर्वाद लेबऽ सँ मना करब

1. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ थकल आ भारी बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

2. यिर्मयाह 6:16 - प्रभु ई कहैत छथि, बाट सभक कात मे ठाढ़ रहू आ प्राचीन बाट सभ केँ देखू आ माँगू, जतय नीक बाट अछि, आ ओहि मे चलू। आ अहाँकेँ अपन आत्माक लेल विश्राम भेटत।

यशायाह 28:13 मुदा प्रभुक वचन हुनका सभक लेल उपदेश पर उपदेश, उपदेश पर उपदेश छलनि। रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; एतय कनि, आ ओतय कनि; जाहि सँ ओ सभ जा कऽ पाछू खसि पड़य आ टूटि-फूटि कऽ फँसि कऽ फँसि जाय।

प्रभु के वचन हमरा सब के छोट-छोट टुकड़ा में देल गेल अछि ताकि हम सब ओकरा स्वीकार क सकब आ ओकरा स सीख सकब।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन वचन कनि-कनि दैत छथि जाहि सँ हम सभ ओकरा बुझि सकब आ स्वीकार क' सकब।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर केँ धैर्यपूर्वक गप्प करबाक अनुमति देबाक चाही, जाहि सँ हम सभ अपन विश् वास मे बढ़ि सकब।

1: मत्ती 5:17-18 - ई नहि सोचू जे हम व्यवस्था वा भविष्यवक्ता सभ केँ समाप्त करबाक लेल आयल छी; हम ओकरा सभकेँ समाप्त करबाक लेल नहि अपितु ओकरा सभकेँ पूरा करबाक लेल आयल छी । हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि स् वर्ग आ पृथ् वी नहि जायत, ताबत धरि सभ किछु पूरा नहि भऽ जायत, ताबत धरि व्यवस्था मे सँ एकोटा, एको बिन्दु नहि गुजरत।

2: भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

यशायाह 28:14 तेँ हे तिरस्कृत लोक सभ, जे यरूशलेम मे एहि लोक सभक शासन करैत छी, प्रभुक वचन सुनू।

ई अंश यरूशलेम पर राज करै वाला सिनी कॅ प्रभु के वचन सुनै लेली आह्वान करै छै।

1. "भगवानक वचन अंतिम अछि: प्रभुक आज्ञाक पालन करू"।

2. "प्रभुक अधिकार: प्रभुक वचन सुनू"।

1. यिर्मयाह 17:19-20 "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी, हम बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ ओकर तरीका आ ओकर अनुसार देब।" ओकर कर्म के फल के लेल।"

2. भजन 119:11 "हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका लेने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि क' सकब।"

यशायाह 28:15 किएक तँ अहाँ सभ कहलहुँ जे, “हम सभ मृत्युक संग वाचा कएने छी, आ नरकक संग हम सभ सहमत छी। जखन उमड़ैत प्रकोप गुजरत तखन हमरा सभ लग नहि आओत, किएक तँ हम सभ झूठ केँ अपन शरण मे बना लेने छी आ झूठक अधीन नुका गेल छी।

लोक मृत्युक वाचा आ पाताल लोकक संग समझौता केने अछि, ई मानैत जे जखन आपदा आबि जायत तखन झूठ आ झूठ सँ ओकर रक्षा होयत।

1. झूठ शरणक खतरा: झूठ अहाँक रक्षा कोना नहि करत

2. हम जे वाचा करैत छी: मृत्यु केँ अस्वीकार करब आ जीवन केँ चुनब

1. यिर्मयाह 17:5-7 - प्रभु ई कहैत छथि। जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि आ जकर हृदय परमेश् वर सँ हटि जाइत अछि, तकरा अभिशप्त होअय। किएक तँ ओ मरुभूमिक ठंढा जकाँ हेताह, आ कखन नीक आओत तखन नहि देखताह। मुदा जंगल मे सुखायल जगह पर रहत, नमकीन देश मे आ लोक नहि रहय। धन्य अछि ओ आदमी जे परमेश् वर पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा परमेश् वर पर अछि।

2. रोमियो 8:31-39 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि दय देलक, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा सौंपि देलक, से ओ हमरा सभ केँ कोना मुफ्त मे नहि देत? परमेश् वरक चुनल गेल लोक सभ पर के कोनो आरोप लगाओत? ई परमेश् वर छथि जे धर्मी ठहराबैत छथि। के अछि जे दोषी ठहराबैत अछि? ई मसीह छथि जे मरि गेलाह, बल् कि जीबि उठल छथि, जे परमेश् वरक दहिना कात सेहो छथि आ हमरा सभक लेल सेहो विनती करैत छथि। मसीहक प्रेम सँ हमरा सभ केँ के अलग करत? की क्लेश, विपत्ति, प्रताड़ना, अकाल, नग्नता, खतरा वा तलवार? जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “अहाँक कारणेँ हम सभ दिन भरि मारल जाइत छी। हमरा सभ केँ वधक लेल बरद जकाँ मानल जाइत अछि। नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण, हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, ने वर्तमान वस्तु, आ ने आगामी वस्तु,

ने ऊँचाई, ने गहराई, आ ने कोनो आन प्राणी हमरा सभ केँ प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि परमेश् वरक, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

यशायाह 28:16 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि, “देखू, हम सियोन मे एकटा पाथर, एकटा परीक्षित पाथर, एकटा अनमोल कोनाक पाथर आ एकटा पक्का नींव रखलहुँ।

प्रभु सिय्योन में एकटा आजमायल आ अनमोल आधारशिला रखैत छथि, आ जे एहि पर विश्वास करैत छथि, हुनका निराश नहि होयत।

1. भगवानक नींव: एकटा अटल आशा; 2. आस्थाक आधारशिला।

1. यशायाह 28:16; 2. 1 पत्रुस 2:4-6 - "जखन अहाँ सभ हुनका लग आबि रहल छी, जे मनुष्य द्वारा अस्वीकार कयल गेल जीवित पाथर अछि, मुदा परमेश् वरक नजरि मे चुनल आ अनमोल अछि, अहाँ सभ स्वयं जीवित पाथर जकाँ एकटा आत् मक घरक रूप मे बनाओल जा रहल छी, जाहि सँ अहाँ सभ क पवित्र पुरोहिताई, यीशु मसीह के द्वारा परमेश् वर के स्वीकार्य आत् मक बलिदान चढ़ाबै के लेल। किएक त ई पवित्रशास्त्र मे ठाढ़ अछि: देखू, हम सियोन मे एकटा पाथर राखि रहल छी, जे चुनल आ अनमोल आधारशिला अछि, आ जे कियो ओकरा पर विश्वास करत, ओकरा लज्जित नहि होयत।

यशायाह 28:17 हम न्याय केँ रेखा पर राखब आ धर्म केँ पतन मे राखब, आ ओला झूठक शरण केँ बहाय देत, आ पानि नुकायल स्थान पर उमड़ि जायत।

प्रभु न्याय आ धार्मिकताक घोषणा करताह आ दुष्टक झूठ बहरा जायत।

1: भगवानक सत्य प्रबल होयत

2: प्रभुक न्याय सँ इनकार नहि कयल जा सकैत अछि

1: नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

2: भजन 37:28 - कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि, आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि। ओ सभ सदा-सदा लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंश कटैत रहत।

यशायाह 28:18 मृत्युक संग अहाँक वाचा खत्म भ’ जायत आ नरकक संग अहाँक समझौता नहि टिकत।
जखन उमड़ैत प्रकोप गुजरत तखन अहाँ सभ ओकरा दबा देल जायत।

मृत्यु आ नरकक संग परमेश् वरक वाचा तखन टूटि जायत जखन उमड़ैत प्रकोप बीति जायत।

1. "भगवानक अदम्य शक्ति"।

2. "भगवानक न्यायक उमड़ैत प्रकोप"।

1. यिर्मयाह 32:40-41 हम हुनका सभक संग एकटा अनन्त वाचा करब: हम हुनका सभक नीक काज करब कहियो नहि छोड़ब, आ हुनका सभ केँ हमरा सँ डरबाक लेल प्रेरित करब, जाहि सँ ओ सभ हमरा सँ कहियो नहि भंगथि। हम हुनका सभक भलाई करबा मे आनन्दित होयब आ निश्चित रूप सँ हुनका सभ केँ एहि भूमि मे अपन पूरा मोन आ प्राण सँ रोपब।

2. रोमियो 8:31-32 तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देताह?

यशायाह 28:19 जाहि समय सँ ई निकलत तखनहि सँ ई अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत, किएक तँ भोर-भोर, दिन आ राति मे बीति जायत, आओर ई बात केँ बुझब मात्र परेशानी होयत।

यशायाह भविष्यवक्ता एकटा एहन संदेशक गप्प करैत छथि जे भोरे-राति आओत, आ एकरा बुझब कठिन काज होयत।

1. धैर्यक शक्ति: परमेश् वरक वचन केँ बुझब सीखब

2. यशायाहक बुद्धि: कठिन समय मे ताकत भेटब

1. याकूब 1:5-7 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत छथि जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि।

2. लूका 21:25-26 - "सूर्य आ चान आ तारा मे चिन् ह, आ पृथ्वी पर समुद्र आ लहरिक गर्जनाक कारणेँ जाति-जाति सभक विपत्ति होयत, लोक सभ भय सँ आ की-कीक पूर्वाभास सँ बेहोश भ' जायत।" संसार पर आबि रहल अछि, कारण आकाशक सामर्थ् य हिलत।”

यशायाह 28:20 किएक तँ ओछाइन ओहिसँ छोट अछि जे आदमी ओकरा पर तान सकैत अछि, आ आवरण ओहिसँ छोट अछि जे ओहि मे अपना केँ लपेटि सकैत अछि।

पलंग आ आवरण बहुत छोट अछि जे पुरुष आराम सँ आराम क' क' अपना केँ झाँपि नहि सकैत अछि।

1. "दुःखक दुनिया मे आरामक चुनौती"।

2. "अशांत समय मे आराम भेटबाक संघर्ष"।

1. भजन 4:8 - हम शान्ति सँ लेटब आ सुतिब; कारण, हे प्रभु, अहाँ असगरे हमरा सुरक्षित रहू।

2. इब्रानी 4:9-11 - तखन, परमेश् वरक लोक सभक लेल विश्राम-दिनक विश्राम रहि गेल अछि, किएक तँ जे कियो परमेश् वरक विश्राम मे गेल अछि, से सेहो अपन काज सँ विश्राम केलक जेना परमेश् वर हुनकर विश्राम सँ विश्राम कयलनि।

यशायाह 28:21 किएक तँ परमेश् वर पराजीम पहाड़ जकाँ उठि जेताह, ओ गिबोनक घाटी जकाँ क्रोधित भ’ जेताह, जाहि सँ ओ अपन काज, अपन पराया काज करथि। आ ओकर काज, ओकर विचित्र काज केँ साकार करब।

प्रभु अपन उद्देश्य पूरा करबाक लेल एकटा शक्तिशाली आ रहस्यमयी तरीका सँ काज करताह।

1. परमेश्वरक शक्ति आ रहस्य: यशायाह 28:21 के अन्वेषण

2. परमेश् वरक अथाह मार्ग: यशायाह 28:21 केँ बुझब

1. मत्ती 17:5 - "ओ एखनो बाजि रहल छलाह कि देखू, एकटा चमकैत मेघ हुनका सभ पर छायादार भ' गेलनि, आ मेघ सँ आवाज बाजल, 'ई हमर प्रिय पुत्र छथि, जिनका सँ हम प्रसन्न छी; हुनकर बात सुनू।"

2. अय्यूब 37:5 - "परमेश् वर अपन आवाज सँ अद्भुत गरजैत छथि; ओ पैघ काज करैत छथि जे हम सभ नहि बुझि सकैत छी।"

यशायाह 28:22 आब अहाँ सभ उपहास करयवला नहि बनू, जाहि सँ अहाँ सभक दल मजबूत नहि भ’ जायत, किएक तँ हम सेना सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा पृथ् वी पर एकटा विनाशक बात सुनने छी।

ई अंश हमरा सिनी कॅ परमेश् वर के मजाक नै उड़ाबै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि हुनका पूरा धरती पर अधिकार छै आरू अगर हम्में हुनकऽ खिलाफ जाय छियै त॑ विनाश लानी सकै छै ।

1. भगवानक शक्ति: हुनकर मजाक किएक नहि करबाक चाही

2. आज्ञाकारिता बलिदान सँ नीक अछि: प्रभुक अधिकारक सम्मान कोना कयल जाय

1. नीतिवचन 15:1 "कोमल उत्तर क्रोध केँ दूर करैत अछि, मुदा कठोर वचन क्रोध केँ भड़का दैत अछि।"

2. मत्ती 5:11-12 "अहाँ सभ धन्य छी जखन दोसर लोक अहाँ सभ केँ गारि दैत अछि आ अहाँ सभ केँ सताबैत अछि आ हमर कारणेँ अहाँ सभक विरुद्ध सभ तरहक दुष् ट बात कहैत अछि। आनन्दित रहू आ आनन्दित रहू, किएक तँ अहाँ सभक इनाम स् वर्ग मे बहुत अछि, किएक तँ ओ सभ एहि तरहेँ सताओलक।" अहाँ सभ सँ पहिने जे भविष्यवक्ता छलाह।”

यशायाह 28:23 अहाँ सभ कान करू आ हमर आवाज सुनू। सुनू, आ हमर बात सुनू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आवाज आ वचन सभ केँ सुनबाक आ ध्यान देबाक लेल आवाज दऽ रहल छथि।

1. भगवानक आवाज सुनबाक शक्ति

2. भगवानक भाषण सुनबाक महत्व

1. याकूब 1:19-20 - सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, आ क्रोध मे धीमा रहू।

2. नीतिवचन 8:34 - धन्य अछि जे हमर बात सुनैत अछि, हमर फाटक पर नित्य देखैत अछि, हमर दरबज्जाक कात मे प्रतीक्षा करैत अछि।

यशायाह 28:24 की जोतबला बोवाई करबाक लेल भरि दिन जोतैत अछि? की ओ अपन जमीनक चोटी खोलि कऽ तोड़ि दैत अछि?

हलबाजक मेहनति केँ स्मरण आ सराहल जेबाक लेल कहल गेल अछि।

1. हलबाजक मेहनति: दोसरक काजक सराहना

2. श्रमक आह्वान: लगन आ दृढ़ताक आशीर्वाद

1. उपदेशक 4:9 10 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि!

2. नीतिवचन 10:4 - शिथिल हाथ गरीबी पैदा करैत अछि, मुदा मेहनती के हाथ धनिक बनबैत अछि।

यशायाह 28:25 जखन ओ ओकर मुँह साफ क’ लेत तखन की ओ चीर-फाड़ नहि फेकि क’ जीरा केँ छिड़ियाबैत अछि आ ओकर जगह पर गहूम आ नियत जौ आ चील नहि फेकि दैत अछि?

ई अंश परमेश् वर के प्रावधान के बात करै छै, जे हुनका पर भरोसा करै छै।

1: भगवान् हमरा सभक लेल सदिखन इंतजाम क' रहल छथि जँ हम सभ हुनका पर भरोसा करी।

2: हमरा सभक लेल भगवानक प्रावधान सिद्ध अछि आ सदिखन सही जगह पर अछि।

1: मत्ती 6:25-34 - यीशु हमरा सभ केँ कहैत छथि जे चिंता नहि करू कारण परमेश् वर सदिखन इंतजाम करताह।

2: फिलिप्पियों 4:19 - परमेश् वर महिमा मे अपन धनक अनुसार हमरा सभक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

यशायाह 28:26 किएक तँ हुनकर परमेश् वर हुनका विवेकक शिक्षा दैत छथिन आ हुनका सिखाबैत छथिन।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ बुद्धि सँ उपदेश दैत छथि आ हुनका सभ केँ सिखाबैत छथि।

1. "भगवान सँ सीखब: बुद्धि आ निर्देश"।

2. "हमर जीवन के लेल भगवान के मार्गदर्शन"।

581

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यशायाह 28:27 किएक तँ कुटिल कुटबाक वाद्ययंत्रसँ नहि कुटल जाइत अछि आ ने गाड़ीक चक्का जीरा पर घुमैत अछि। मुदा फिच सभकेँ लाठीसँ पीटल जाइत अछि आ जीराकेँ छड़ीसँ मारि कऽ बाहर निकालल जाइत अछि।

दू प्रकार के फसल फिच आ जीरा के लेल कुटबाक प्रक्रिया के वर्णन कयल गेल अछि |

1. परमेश्वरक प्रावधान पर भरोसा करब: अपन आवश्यकताक लेल हुनका पर भरोसा करब सीखब

2. लगनशील रहब: मेहनतक इनाम

1. नीतिवचन 10:4 - सुस्त हाथक व्यवहार करयवला गरीब बनि जाइत अछि, मुदा मेहनतीक हाथ धनिक बनबैत अछि।

2. याकूब 5:7-8 - तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू, किसान पृथ्वीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि आ ओकरा लेल बहुत दिन धरि धैर्य रखैत अछि जाबत धरि ओकरा भोरे-भोर आ बादक वर्षा नहि भेटैत छैक।

यशायाह 28:28 रोटीक मकई चोट खा गेल अछि। किएक तँ ओ कहियो ओकरा कुटि नहि लेत आ ने गाड़ीक चक्कासँ तोड़त आ ने अपन घुड़सवार सभसँ ओकरा चोट करत।

ई अंश परमेश् वर के बारे में बात करै छै कि हुनी अपनौ लोग कॅ चोट नै पहुँचै दै छै या कुटलो नै जाय दै छै, आरू ई बात के बारे में छै कि हुनी ओकरा सिनी कॅ संसार के कठोरता सें बचाबै छै।

1: भगवान् हमर सभक रक्षक छथि आ हम सभ हुनका पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ सुरक्षित राखताह।

2: हम सभ परमेश् वरक प्रेम आ दया पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ कठिन समय मे ल' जायत।

1: यशायाह 40:11 "ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत, ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ जायत आ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।"

2: भजन 91:15 "ओ हमरा बजाओत, हम ओकरा उत्तर देब; हम ओकरा संग विपत्ति मे रहब; हम ओकरा बचा लेब आ ओकर आदर करब।"

यशायाह 28:29 ई सेहो सेना सभक प्रभु सँ निकलैत अछि, जे सलाह मे अद्भुत आ काज मे उत्तम छथि।

ई अंश प्रभु के बुद्धि आरू शक्ति पर जोर दै छै।

1: हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक बुद्धि आ शक्ति

2: भगवान् के उत्कृष्टता आ सलाह के अनुभव करब

1: याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: भजन 19:7-9, "प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे प्राण केँ जीवित करैत अछि; परमेश् वरक गवाही निश्चित अछि, जे सरल केँ बुद्धिमान बना दैत अछि; परमेश् वरक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि, आज्ञा केँ।" प्रभु शुद्ध छथि, आँखि केँ प्रकाशित करैत छथि।”

यशायाह अध्याय 29 मे यरूशलेम आ ओकर निवासीक संबंध मे एकटा भविष्यवाणी अछि। ई हुनकऽ आध्यात्मिक अंधता, पाखंड, आरू मानव परंपरा प॑ निर्भरता क॑ संबोधित करै छै, जबकि भविष्य म॑ भगवान स॑ बहाली आरू प्रकाशन के आशा प्रदान करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के आसन्न संकट के वर्णन स होइत अछि। यशायाह एकरा एरियल के रूप में संदर्भित करै छै, जे बलिदान के वेदी के प्रतीक छेकै। ओ चेतावनी दैत छथि जे शहर के घेराबंदी आ विनम्र कयल जायत (यशायाह 29:1-4)।

2 पैराग्राफ: यशायाह ई प्रकट करै छै कि यरूशलेम के लोग आध्यात्मिक रूप सें आन्हर आरू बहीर होय गेलऽ छै। ठोर स भगवान के सम्मान करैत छथि मुदा हृदय हुनका स दूर अछि। हुनकऽ आराधना सच्चा भक्ति के बजाय मानवीय परंपरा पर आधारित छै (यशायाह २९:९-१४)।

3 वां पैराग्राफ: भविष्यवाणी में परमेश्वर के न्याय के बात छै जे गुप्त योजना पर भरोसा करै छै या हुनका स अलग बुद्धि के खोज करै छै। ओ एकटा गहींर परिवर्तन अनताह जे मानवीय बुद्धिक मूर्खता केँ उजागर करत (यशायाह 29:15-16)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह भविष्यक समयक बारे मे भविष्यवाणी करैत छथि जखन आध्यात्मिक रूप सँ आन्हर सभ देखताह, आ बहीर सभ सुनत। परमेश् वर अपन लोक सभक उद्धार आ पुनर्स्थापना करबाक लेल हस्तक्षेप करताह, जाहि सँ आनन्द आ स्तुतिक भरमार होयत (यशायाह 29:17-24)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह उनतीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
आध्यात्मिक अंधता, पाखंड, २.
आ बहाली के आशा।

आसन्न संकट के वर्णन।
आध्यात्मिक अंधता; मानव परंपरा पर निर्भरता।
आत्मनिर्भरता पर निर्णय।
भविष्यक खुलासा; बहाली के; खुशी.

ई अध्याय भगवान के प्रति वास्तविक हृदय भक्ति स॑ रहित सतही धार्मिकता के खिलाफ चेतावनी के काम करै छै । ई ईश्वरीय मार्गदर्शन के बजाय मानवीय बुद्धि या परंपरा पर भरोसा करै के खतरा के उजागर करै छै । ई गुप्त योजना बनाबै वाला या खाली संस्कार के माध्यम स॑ हुनका धोखा दै के कोशिश करै वाला पर भगवान के न्याय के उजागर करै छै । लेकिन, ई भविष्य केरऽ परिवर्तन केरऽ आशा भी प्रदान करै छै, एक समय जब॑ आध्यात्मिक दृष्टि बहाल होय जैतै, बहीर कान खुलतै, आरू खुद भगवान द्वारा मुक्ति प्रदान करलऽ जैतै । बहाली के ई काल हर्षोल्लासपूर्ण प्रशंसा के सामने लाबै छै, कैन्हेंकि हुनकऽ लोग हुनकऽ संप्रभुता क॑ पहचानी क॑ अपनऽ जीवन म॑ हुनकऽ कृपालु हस्तक्षेप के अनुभव करै छै

यशायाह 29:1 धिक्कार अछि एरियल, एरियल, ओ शहर, जतय दाऊद रहैत छलाह! साल दर साल जोड़ू।
बलिदान मारय दियौक।

एरियल शहर, जतय दाऊद रहैत छलाह, आसन्न आपदाक चेतावनी देल गेल अछि।

1. अपन कर्म के परिणाम के कहियो नै बिसरबाक चाही।

2. भगवान सदिखन देखैत रहैत छथि आ हमरा सभकेँ अपन गलत काजक लेल हूकसँ नहि उतारताह।

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

2. भजन 33:13-14 - प्रभु स्वर्ग सँ नीचाँ तकैत छथि; ओ मनुष् यक सभ सन् तान केँ देखैत अछि।
जतय सँ ओ सिंहासन पर बैसल बैसल छथि ओतय सँ ओ पृथ्वीक सभ निवासी केँ देखैत छथि, जे हुनका सभक हृदय केँ फैशन करैत छथि आ हुनकर सभक सब कर्म केँ पालन करैत छथि |

यशायाह 29:2 तइयो हम एरियल केँ दुःख देब, आ ओहि मे भारीपन आ शोक होयत, आ ओ हमरा लेल एरियल जकाँ होयत।

परमेश् वर एरियल केँ विपत्ति आ दुख अनताह, जे यरूशलेमक हिब्रू नाम अछि।

1. भगवानक न्याय: दुखक माध्यमे सेहो प्रभु पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: यशायाह 29 पर चिंतन

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. विलाप 3:31-33 - "किएक तँ प्रभु द्वारा ककरो सदाक लेल नहि फेकल जाइत अछि। ओ भले दुःख अनैत अछि, मुदा दया करत, ओकर अटूट प्रेम एतेक पैघ अछि।"

यशायाह 29:3 हम अहाँक विरुद्ध चारू कात डेरा राखब, आ अहाँ पर पहाड़ सँ घेराबंदी करब आ अहाँक विरुद्ध किला ठाढ़ करब।

यशायाह भविष्यवाणी करै छै कि परमेश् वर अपनऽ शत्रु सिनी के खिलाफ डेरा डालतै आरू ओकरा सिनी कॅ पहाड़ सें घेरतै, आरू ओकरा घेराबंदी करै लेली किला खड़ा करतै।

1. भगवानक रक्षाक शक्ति - भगवानक उपस्थिति कोना विपत्तिक समय मे शक्ति आ सुरक्षा आनि सकैत अछि।

2. हुनकर निष्ठा के ताकत - कोना परमेश्वर के निष्ठा हमरा सब के कहियो असफल नै करत, ओहो हमर दुश्मन के सामने।

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. भजन 46:7 - "सेना सभक प्रभु हमरा सभक संग छथि; याकूबक परमेश् वर हमरा सभक किला छथि।"

यशायाह 29:4 अहाँ केँ नीचाँ उतारल जायत, आ जमीन सँ बाजब, आ अहाँक बाजब धूरा सँ नीचाँ हटि जायत, आ अहाँक आवाज, जेना कोनो परिचित आत्माक संग, जमीन सँ निकलि जायत। आ तोहर बाजब धूरा मे सँ फुसफुसाहट करत।

ई अंश परमेश् वर के घमंडी आरू घमंडी सिनी कॅ विनम्र करै के बारे में छै।

1: घमंड पतन स पहिने जाइत अछि - यशायाह 29:4

2: परमेश् वरक विनम्रता - यशायाह 29:4

1: याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: नीतिवचन 16:18 - "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

यशायाह 29:5 अहाँक परदेशी सभक भीड़ छोट-छोट धूरा जकाँ होयत, आ भयावह लोकक भीड़ भूसा जकाँ भ’ जायत जे बीतैत अछि।

अनजान आ दुश्मन जल्दीए चलि जायत आ चलि जायत।

1. भगवान् जल्दीए हमरा सभक विरोध करयवला केँ हटा देताह।

2. भगवान् हमरा सभ केँ ओहि सभ सँ बचाओत जे हमरा सभक हानि करय चाहैत अछि।

1. भजन 55:22 - "अपन भार प्रभु पर राखू, ओ अहाँ केँ सहन करत। ओ कहियो धर्मी केँ नहि हिलब नहि देत।"

2. व्यवस्था 28:7 - "प्रभु तोहर शत्रु जे तोहर विरुद्ध उठत ओकरा तोहर मुँह पर मारि देतैक। ओ सभ एक बाट तोहर विरुद्ध निकलि जायत आ तोहर आगू सात रस्ता भागि जायत।"

यशायाह 29:6 सेना सभक परमेश् वर अहाँ केँ गरजैत, भूकम्प आ पैघ शोर-शराबा सँ, तूफान आ तूफान आ भस्म करयवला आगि केर लौ सँ आओत।

प्रभु अपन लोक लग गरज, भूकम्प, बहुत हल्ला, तूफान, तूफान आ भस्म करय बला आगि ल' क' आबि जेताह।

1. प्रभुक अविचल उपस्थिति

2. सब वस्तु मे परमेश्वरक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करब

1. भजन 18:7-15

2. आमोस 3:7-8

यशायाह 29:7 एरियल सँ लड़य बला सभ जाति, ओकरा आ ओकर गोला-बारूद सँ लड़य बला आ ओकरा परेशान करय बला सभ जाति, राति मे दर्शनक सपना जकाँ होयत।

एरियल के खिलाफ लड़ै वाला राष्ट्र रात के दृष्टि के सपना के रूप में होतै।

1. प्रभु पर भरोसा करू जे ओ अपन लोक केँ ओकर शत्रु सँ बचाओत।

2. प्रभु के शक्ति के प्रति जागरूक रहू जे हमर दुश्मन के नष्ट क दैत छथि।

1. यशायाह 30:15 - किएक तँ इस्राएलक पवित्र प्रभु परमेश् वर एहि तरहेँ कहलनि जे, घुरि कऽ आ विश्राम मे अहाँ सभक उद्धार होयत। चुपचाप आ भरोसा मे अहाँक बल होयत।

2. भजन 20:7 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर; मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम मोन पाड़ब।

यशायाह 29:8 ई ओहिना होयत जेना भूखल आदमी सपना देखैत अछि आ देखैत अछि जे ओ भोजन करैत अछि। मुदा ओ जागि जाइत अछि आ ओकर प्राण खाली भऽ जाइत छैक, वा जेना प्यासल आदमी सपना देखैत अछि आ देखैत अछि जे ओ पीबैत अछि। मुदा ओ जागि जाइत अछि, आ देखू, ओ बेहोश भ' गेल अछि, आ ओकर आत्मा केँ भूख लागि गेल छैक।

सियोन पर्वत के खिलाफ लड़ै वाला सब जाति के लोग असंतुष्ट होतै, ठीक वैसने जइसे भूखल या प्यासल आदमी खाना-पीना के सपना देखै के समय भी तृप्त नै होय छै।

1. आत्माक संतुष्टि: स्थायी आरामक लेल भगवान् दिस मुड़ब

2. भूखल आ प्यासल आत्मा: भगवान् मे सच्चा संतुष्टि प्राप्त करब

1. भजन 107:9 - किएक तँ ओ आकांक्षी आत्मा केँ तृप्त करैत छथि, आ भूखल आत्मा केँ भलाई सँ भरैत छथि।

2. मत्ती 5:6 - धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक भूखल आ प्यास करैत अछि, किएक तँ ओ सभ तृप्त होयत।

585

यशायाह 29:9 अपने सभ रहू आ आश्चर्यचकित रहू। अहाँ सभ चीत्कार करू आ कानब। डगमगाइत रहैत छथि, मुदा नशाक पेय पदार्थक संग नहि।

प्रभु केरऽ अद्भुत काम देखी क॑ स्तब्ध होय क॑ ओकरा विस्मय आरू श्रद्धा स॑ आवाज दै छै ।

1: नशा मात्र शराबक कारणे नहि होइत अछि, बल्कि भगवानक शक्ति सँ अभिभूत भेला सँ सेहो भ' सकैत अछि।

2: परमेश् वरक काज अद्भुत आ रहस्यमयी दुनू होइत अछि, आ जँ हम सभ तैयार नहि रहब तँ हमरा सभकेँ अभिभूत कऽ सकैत अछि।

1: निष्कर्ष 15:11 - हे प्रभु, देवता सभक बीच अहाँक सदृश के अछि? अहाँ जकाँ के अछि, पवित्रता मे महिमावान, स्तुति मे भयभीत आ चमत्कार करैत?

2: भजन 77:14 - अहाँ चमत्कार करय बला परमेश् वर छी।

यशायाह 29:10 किएक तँ परमेश् वर अहाँ सभ पर गहींर नींदक आत् मा उझलि देलनि आ अहाँ सभक आँखि मुनि लेलनि।

परमेश् वर भविष्यवक्ता आरू शासकऽ पर गहरी नींद के भावना डाललकै, जेकरा चलतें हुनी अपनऽ सच्चाई के प्रति आन्हर होय गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक इच्छा अरोपित अछि - यशायाह 29:10

2. अदृश्य देखब - भगवानक कृपाक शक्ति

1. इजकिएल 37:1-14 - मृतक केँ जीवित करबाक परमेश् वरक सामर्थ् य।

2. 1 कोरिन्थी 2:7-16 - परमेश् वरक बुद्धि ओहि सभ केँ प्रगट कयल गेल अछि जिनका सभ मे आत् मा छनि।

यशायाह 29:11 सभ सभक दर्शन अहाँ सभक लेल मुहर लगाओल किताबक वचन जकाँ भ’ गेल अछि, जे लोक विद्वान केँ दैत अछि जे, “हम अहाँ सँ ई पढ़ू।” कारण, ओकरा पर मोहर लगाओल गेल अछि।

विद्वान केँ एकटा पोथी देल जाइत छैक जाहि पर मोहर लागल छैक, आ जखन ओकरा पढ़बाक लेल कहल जाइत छैक त’ ओ जवाब दैत छैक जे ओ नहि पढ़ि सकैत अछि, जेना कि ओकरा पर मोहर लागल छैक |

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वरक वचन हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलि सकैत अछि

2. परमेश् वर द्वारा मुहर लगाओल गेल: यशायाह 29:11 मे मुहर लगाओल गेल किताबक महत्व

1. यिर्मयाह 32:10-15 - परमेश् वरक नव वाचा के प्रतिज्ञा

2. प्रकाशितवाक्य 5:1-5 - सात मोहर सँ मुहर लगाओल गेल किताब परमेश् वरक मेमना द्वारा खोलल गेल

यशायाह 29:12 तखन ई पुस्तक जे विद्वान नहि अछि तकरा सौंपल जाइत अछि जे, “हम अहाँ सँ ई पढ़ू।”

जे कियो नहि सीखल अछि ओकरा पोथी देल जाइत छैक, ओकरा पढ़बाक लेल कहल जाइत छैक, मुदा ओ सभ जबाब दैत छैक जे हम सीखल नहि छी।

1. पढ़बाक शक्ति: भगवानक नजदीक बढ़बाक लेल ज्ञानक उपयोग कोना कयल जाय

2. शिक्षाक मूल्य: अवसरक लाभ उठाबय सीखब

1. नीतिवचन 1:5 - बुद्धिमान आदमी सुनत, आ विद्या मे वृद्धि करत; आ बुद्धिमान आदमी बुद्धिमानी सल्लाह प्राप्त करत।

2. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे समस्त बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

यशायाह 29:13 तेँ प्रभु कहलथिन, “जखन धरि ई लोक सभ अपन मुँह सँ हमरा लग आबि रहल अछि आ अपन ठोर सँ हमरा आदर करैत अछि, मुदा अपन हृदय हमरा सँ दूर क’ देलक, आ हमरा प्रति डर मनुष्य सभक उपदेश सँ सिखाओल गेल अछि।

लोक अपन मुँह आ बात सँ भगवानक आदर करैत अछि, मुदा हृदय सँ नहि, कारण भगवानक प्रति ओकर भय मानव निर्मित नियम पर आधारित अछि आ भगवान सँ नहि।

1. पूजाक हृदय: भगवान् सँ अपन सम्बन्धक पुनः परीक्षण

2. झूठ धर्मपरायणताक धोखा: पाखंडी आस्थाक पहिचान आ त्याग

1. मत्ती 15:7-9 - यीशु आराधना के बात करैत छथि जे मुँह स’ नहि, हृदय स’ होबाक चाही

2. भजन 51:17 - एकटा सच्चा, टूटल, आ पश्चाताप करय बला हृदयक लेल परमेश् वर सँ एकटा निहोरा।

यशायाह 29:14 तेँ देखू, हम एहि लोक सभक बीच एकटा अद्भुत काज करब, जे आश्चर्यजनक काज आ आश्चर्य अछि, किएक तँ हुनका सभक बुद्धिमान सभक बुद्धि नष्ट भ’ जायत आ हुनकर सभक बुद्धिमान लोक सभक बुद्धि नुकायल रहत।

भगवान् अपन लोकक बीच एकटा चमत्कारी आ अद्भुत काज करताह, जाहि सँ ज्ञानी लोकनिक बुद्धि आ विवेकी लोकनिक समझ खत्म भ' जायत।

1. प्रभुक अद्भुत काज: परमेश् वरक आश्चर्य हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलैत अछि

2. भगवानक नुकायल बुद्धि: सर्वशक्तिमानक योजना पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. याकूब 1:5-6 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि। आ ओकरा देल जायत। मुदा ओ विश्वास सँ माँगय, किछु नहि डगमगाइत।" किएक तँ जे डगमगाइत अछि से समुद्रक लहरि जकाँ अछि जे हवाक झोंक मे धकेलि कऽ उछालल जाइत अछि।”

यशायाह 29:15 धिक्कार ओ सभ जे अपन सलाह परमेश् वर सँ गहींर धरि नुकाबऽ चाहैत अछि, आ अपन काज अन् हार मे अछि आ कहैत अछि जे, “हमरा सभ केँ के देखैत अछि?” आ हमरा सभ केँ के चिन्हैत अछि?

भगवान हमरा सब के सब काज देखैत छथि, ओहो तखन जखन हम सब सोचैत छी जे कियो देखैत नहि अछि।

1. भगवान् सँ नुकाबय के परिणाम

2. भगवान् के सामने खुलापन के आवश्यकता

1. इब्रानी 4:13 - "ओकर नजरि सँ कोनो प्राणी नुकायल नहि अछि, बल् कि सभ नंगटे छथि आ हुनकर आँखि मे उजागर छथि जिनका सँ हमरा सभ केँ हिसाब देबाक चाही।"

2. नीतिवचन 15:3 - "प्रभुक नजरि सभ ठाम अछि, जे अधलाह आ नीक पर नजरि रखैत अछि।"

यशायाह 29:16 अहाँ सभक बात केँ उल्टा-पुल्टा करब कुम्हारक माटि जकाँ मानल जायत, किएक तँ की ई काज बनौनिहार केँ कहत जे, ‘ओ हमरा नहि बनौने छथि? की फ्रेम कएल गेल वस्तु ओकरा फ्रेम बनेनिहार केँ कहत जे ओकरा कोनो समझ नहि छलैक?

प्रभु सार्वभौम आ शक्तिशाली छथि, अपन इच्छानुसार संसारक निर्माण आ निर्माण करैत छथि |

1: हमरा सभ केँ प्रभुक बुद्धि आ शक्ति पर भरोसा करबाक चाही, तखनो जखन हमर परिस्थितिक कोनो अर्थ नहि हो।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे प्रभु परम कुम्हार छथि, आ हम सभ माटि छी, जे हमरा सभ केँ हुनकर प्रतिरूप मे बनबैत छथि।

1: यिर्मयाह 18:1-6 कुम्हार के रूप मे प्रभु।

2: नीतिवचन 16:4 प्रभुक योजना हमरा सभक योजना सँ बेसी ऊँच अछि।

यशायाह 29:17 की एखन बहुत कम समय नहि भेल अछि जे लेबनान एकटा फलदार खेत मे बदलि जायत आ फलदार खेत जंगल जकाँ मानल जायत?

लेबनान अंततः प्रचुरता आ उर्वरता के जगह बनि जायत।

1. भगवान् के निष्ठा: प्रचुरता आ प्रजनन क्षमता के प्रतिज्ञा

2. अप्रत्याशित स्थान पर भगवान् के प्रावधान के चमत्कार

1. यिर्मयाह 31:12 - तेँ ओ सभ आबि कऽ सिय्योनक ऊँचाई पर गाओत आ गहूम, मदिरा, तेल, आ भेँड़ाक बच्चा सभक लेल, प्रभुक भलाईक लेल एक संग बहत झुंड, आ ओकर सभक प्राण पानि देल गेल गाछी जकाँ होयत। आ ओ सभ आब एकदम दुखी नहि हेताह।

2. भजन 144:14 - जाहि सँ हमर सभक बैल श्रम करबाक लेल मजबूत हो; कि कोनो तरहक भीतर घुसब आ ने बाहर निकलब। कि हमरा सभक गली-गली मे कोनो शिकायत नहि हो।

यशायाह 29:18 ओहि दिन बहीर सभ किताबक बात सुनत आ आन्हर सभक आँखि अंधकार आ अन्हार सँ देखत।

यशायाह 29:18 मे एहि बातक चर्चा कयल गेल अछि जे कोना बहीर लोक सभ किताबक वचन सुनि सकैत छथि आ आन्हरक आँखि अंधकार आ अन्हार सँ बाहर देखि सकैत अछि।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: यशायाह 29:18 पर एकटा चिंतन

2. नव दृष्टि आ श्रवण: वंचित लोकनिक लेल भगवानक प्रावधान

1. यशायाह 35:5-6 - "तखन आन्हर सभक आँखि खुजि जायत, आ बहीर सभक कान खुजि जायत। तखन लंगड़ा हटका जकाँ कूदि जायत आ गूंगाक जीह गाओत।"

2. लूका 4:18-19 - "प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि; ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल, बंदी सभ केँ मुक्ति आ ठीक होयबाक प्रचार करबाक लेल पठौलनि।" आन्हर केँ दृष्टिक क्षमता, चोट खाएल लोक केँ मुक्त करबाक लेल।”

यशायाह 29:19 नम्र लोक सभ सेहो परमेश् वर मे अपन आनन्द बढ़ौताह आ मनुष् य मे गरीब सभ इस्राएलक पवित्र परमेश् वर मे आनन्दित होयत।

नम्र आ गरीब प्रभु मे आनन्दित होयत।

1: प्रभु हमर सभक आनन्द छथि - यशायाह 29:19

2: प्रभु मे आनन्दित रहब - यशायाह 29:19

1: भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2: याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह 29:20 किएक तँ भयंकर केँ नष्ट क’ देल जाइत छैक, आ तिरस्कार करयवला केँ नष्ट कयल जाइत छैक, आ सभ अधर्मक प्रति जागरूक सभ केँ कटैत भ’ जाइत छैक।

भगवान अंततः दुनिया के ओहि लोक स मुक्ति देताह जे दुख आ अराजकता पैदा करैत छथि।

1: भगवाने एकमात्र एहन व्यक्ति छथि जे हमरा सभक जीवन मे न्याय आ शांति आनि सकैत छथि।

2: न्याय सृजन करबाक लेल अपना पर भरोसा नहि करबाक चाही अपितु भगवानक शक्ति आ योजना पर भरोसा करबाक चाही।

1: नीतिवचन 21:3 - न्याय आ न्याय करब बलिदान सँ बेसी प्रभुक लेल स्वीकार्य अछि।

2: रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

यशायाह 29:21 जे आदमी केँ एक वचनक लेल अपराधी बनाउ, आ फाटक मे डाँटनिहार केँ जाल मे फँसि दियौक, आ अयोग्य बातक कारणेँ धर्मी केँ भटकि दियौक।

बाइबिल केरऽ अंश लोगऽ क॑ शब्दऽ के सजा दै आरू सच्चाई बजै वाला क॑ फँसाबै लेली अन्यायी प्रथा के प्रयोग करै स॑ चेतावनी दै छै ।

1: प्रेम मे सत्य बाजू आ अपन सब व्यवहार मे न्याय के अभ्यास करू।

2: लोकक बातक निन्दा नहि करी, भले हम सभ असहमत हो, बल्कि एक संग समझदारी आ सम्मान मे काज करबाक प्रयास करी।

1: मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। प्रभु तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया प्रेम करै के आरो आपनो परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

2: याकूब 1:19-20 तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि बनबैत अछि।

यशायाह 29:22 तेँ याकूबक घरानाक विषय मे अब्राहम केँ मुक्त करयवला परमेश् वर ई कहैत छथि जे याकूब आब लाज नहि करताह आ ने हुनकर चेहरा पीयर भऽ जेताह।

प्रभु अब्राहम के छुटकारा द॑ देल॑ छै आरू याकूब के घरऽ क॑ लाज नै होबै देतै आरू नै ही ओकरऽ चेहरा पीयर होय जाय।

1. अब्राहमक मोक्ष: परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रेम

2. याकूबक संग परमेश् वरक वाचा: आशाक प्रतिज्ञा

1. उत्पत्ति 12:2-3 - हम अहाँ केँ एकटा पैघ जाति बना देब, आ अहाँ केँ आशीर्वाद देब आ अहाँक नाम केँ पैघ बना देब। आ अहाँ आशीर्वाद बनब, आ अहाँ केँ आशीर्वाद देनिहार केँ हम आशीर्वाद देब, आ जे अहाँ केँ गारि देब, तकरा गारि देब।

589

2. यशायाह 11:1-2 - यिशै के डारि सँ एकटा छड़ी निकलत, आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि उगत, आ प्रभुक आत् मा ओकरा पर टिकल रहत, जे बुद्धि आ बुद्धिक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ परमेश् वरक भय।

यशायाह 29:23 मुदा जखन ओ अपन बच्चा सभ केँ, जे हमर हाथक काज अछि, ओकरा बीच मे देखत, तखन ओ सभ हमर नाम केँ पवित्र करत, आ याकूबक पवित्र केँ पवित्र करत आ इस्राएलक परमेश् वर सँ डरत।

परमेश् वरक संतान सभ इस्राएलक परमेश् वर सँ भय हुनकर नाम केँ पवित्र करत आ याकूबक पवित्र केँ महिमा करत।

1. भगवान् के भय में जीना: प्रभु के पवित्रता की खोज

2. परमेश् वरक नाम केँ पवित्र करब: याकूबक पवित्र केँ कोना महिमा कयल जाय

1. यशायाह 29:23

2. भजन 99:3 - ओ सभ अहाँक महान आ भयावह नामक प्रशंसा करथि; किएक तँ ई पवित्र अछि।

यशायाह 29:24 जे सभ आत् मा मे गलती केने छल, से सभ सेहो समझ मे आओत, आ जे सभ गुनगुनाइत अछि, से सभ शिक्षा सीखत।

ई अंश ई विचार के बात करै छै कि जे लोग आत्मा में गलती करी क॑ गुनगुनाबै छै, वू सिद्धांत के समझै आरू सीखै में आबै छै ।

1. "पश्चाताप के शक्ति: समझ में आना"।

2. "आध्यात्मिक विकास के मार्ग: सीखना सिद्धांत"।

1. नीतिवचन 15:32, "जे शिक्षा के अनदेखी करैत अछि, ओ अपना के तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे डाँट सुनैत अछि, ओकरा बुद्धि भेटैत अछि।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

यशायाह अध्याय 30 यहूदा के लोगऽ के विद्रोही स्वभाव आरू परमेश्वर पर भरोसा करै के बजाय मानवीय गठबंधन पर भरोसा करै के प्रवृत्ति के संबोधित करै छै। ई हुनका अपनऽ कर्म के परिणाम के बारे म॑ चेताबै छै लेकिन बहाली आरू ईश्वरीय मार्गदर्शन के आशा भी दै छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहूदा के फैसला के खिलाफ डांट के साथ होय छै कि वू परमेश् वर के मार्गदर्शन पर भरोसा करै के बजाय मिस्र स॑ मदद लेतै। यशायाह चेतावनी दै छै कि सांसारिक शक्ति पर ई भरोसा लाज आरू निराशा के कारण बनतै (यशायाह 30:1-7)।

2 पैराग्राफ: यशायाह परमेश् वर के निर्देश सुनै के महत्व पर जोर दै छै आरू खाली शब्द बोलै वाला झूठा भविष्यवक्ता सिनी कॅ अस्वीकार करै के महत्व पर जोर दै छै। ओ लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ परमेश् वर दिस घुरि कऽ हुनकर बुद्धि पर भरोसा करथि (यशायाह ३०:८-१४)।

तेसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल तरसैत छथि आ हुनका लग घुरबाक लेल तरसैत छथि। ओ करुणा, चंगाई आ सुरक्षा के वादा करैत छथि जँ ओ विद्रोह स’ बेसी आज्ञाकारिता चुनैत छथि (यशायाह 30:15-18)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह प्रकट करैत छथि जे एकटा एहन समय आओत जखन परमेश् वर कृपापूर्वक अपन लोक सभक मददि के पुकार के जवाब देथिन। ओ अपन आत्माक माध्यमे मार्गदर्शन देत, हुनका सभ केँ धार्मिकताक बाट पर ल’ जायत (यशायाह 30:19-26)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन सिय्योन पर भविष्य के आशीर्वाद के प्रतिज्ञा के साथ होयत अछि | वर्तमान संकट के बावजूद, परमेश्वर हुनका आश्वस्त करै छै कि हुनी हुनकऽ दुश्मनऽ पर पुनर्स्थापन, प्रचुरता आरू जीत लानी देतै (यशायाह ३०:२७-३३)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तीस अध्याय प्रकट करैत अछि
सांसारिक गठबंधन पर निर्भरता, २.
पश्चाताप के आह्वान,
आ बहाली के वादा।

मिस्र सँ सहायता मँगला पर डाँट।
भगवान् के बात सुनने का महत्व।
पश्चाताप के लेल आह्वान करू; करुणा के प्रतिज्ञा।
ईश्वरीय मार्गदर्शन; सिय्योन पर भविष्य के आशीर्वाद।

ई अध्याय मानवीय गठबंधन पर भरोसा करै या परमेश्वर के मार्गदर्शन स॑ अलग सुरक्षा के मांग करै के खिलाफ एगो चेतावनी संदेश के काम करै छै । ई खाली वचन या झूठा भविष्यवक्ता के पालन करै के बजाय सच्चा पश्चाताप आरू आज्ञाकारिता के जरूरत पर प्रकाश डालै छै। हुनकऽ पथभ्रष्टता के बावजूद ई ईश्वरीय करुणा आरू चिकित्सा के माध्यम स॑ बहाली के आशा प्रदान करै छै । ई ऐन्हऽ भविष्य के तरफ इशारा करै छै, जहाँ परमेश् वर कृपा करी क॑ अपनऽ लोगऽ क॑ अपनऽ आत्मा के माध्यम स॑ नेतृत्व करै छै, जेकरा स॑ ओकरा धार्मिकता के रास्ता प॑ मार्गदर्शन करै छै । अंततः ई हुनका सब क॑ आश्वस्त करै छै कि वर्तमान कठिनाइयऽ के बावजूद भी हुनका प॑ भरोसा करै म॑ आश्वासन छै, कैन्हेंकि हुनी हुनकऽ विरोधी प॑ प्रचुर आशीर्वाद आरू जीत लानै छै

यशायाह 30:1 परमेश् वर कहैत छथि जे विद्रोही बच्चा सभक लेल धिक्कार अछि, जे सलाह लैत अछि, मुदा हमरा सँ नहि। ओ सभ आवरण सँ झाँपब, मुदा हमर आत् मा सँ नहि, जाहि सँ ओ सभ पाप मे पाप जोड़ि सकय।

परमेश् वर ओहि सभक निन्दा करैत छथि जे हुनकर बदला मे दोसर सँ सलाह लैत छथि, आ जे अपन पाप केँ स्वीकार करबाक बदला ओकरा झाँपबाक प्रयास करैत छथि।

1. "भगवानक सलाह लेबाक आवश्यकता"।

2. "अस्वीकृत पाप के खतरा"।

1. याकूब 1:5-6 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निन्दाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यशायाह 30:2 जे मिस्र देश मे उतरबाक लेल चलैत छी, मुदा हमर मुँह सँ नहि माँगैत छी। फिरौन के बल में अपना के मजबूत करै के लेलऽ, आरू मिस्र के छाया पर भरोसा करै के लेलऽ!

लोक ताकत आ सुरक्षा के लेल भगवान पर भरोसा करय के बजाय मिस्र पर भरोसा क रहल अछि.

1: मनुष्य पर आ सांसारिक प्रतिज्ञा पर भरोसा नहि करू, बल्कि परमेश् वर पर भरोसा करू।

2: भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ हुनका पर बल आ रक्षाक लेल भरोसा करी, नहि कि दोसर लोक वा जाति पर।

1: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: भजन 20:7 - "किछु रथ पर भरोसा करैत अछि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।"

यशायाह 30:3 तेँ फिरौनक सामर्थ्य अहाँक लाज होयत आ मिस्रक छाया पर भरोसा अहाँक भ्रम होयत।

भगवानक बदला मिस्र पर भरोसा करब लाज आ भ्रम उत्पन्न करत।

1. दुनियाँक बदला भगवान् पर भरोसा करला सँ ताकत आ विश्वास भेटत।

2. जखन अपन शक्ति पर निर्भर रहब तखन मात्र लाज आ भ्रम भेटत।

1. भजन 20:7-8 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे प्रभु पर आशा रखैत छथि, ओ अपन शक्ति नव बना लेताह। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह 30:4 हुनकर राजकुमार सभ सोआन मे छलाह आ हुनकर राजदूत सभ हनेस मे आबि गेलाह।

ई अंश कोनो राष्ट्र के राजकुमार आरू राजदूत के दू अलग-अलग शहर में होय के बात करै छै ।

1. परमेश् वरक राज् य कोनो राष्ट्रक काज सँ पैघ अछि: यशायाह 30:4 सँ एकटा पाठ

2. एकताक शक्ति: यशायाह 30:4 सँ एकटा पाठ

1. मत्ती 12:25 - यीशु कहलनि, जे राज्य अपना आप मे बँटल अछि, ओ उजाड़ भ’ जाइत अछि, आ अपन विरुद्ध बँटल हर नगर वा घर ठाढ़ नहि होयत।

2. भजन 133:1 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!

यशायाह 30:5 ओ सभ एकटा एहन लोक पर लाज करैत छलाह जे हुनका सभक लाभ नहि द’ सकैत छल, आ ने कोनो सहायक आ ने लाभ, बल् कि लज्जाजनक आ निन्दा सेहो।

ई अंश स॑ पता चलै छै कि लोगऽ क॑ अक्सर वू लोगऽ प॑ लाज होय छै जे ओकरा कोनो भी तरह स॑ फायदा नै पहुँचाबै छै ।

1. भगवान हमरा सब के समान रूप स देखैत छथि, चाहे हमर सबहक दोसर के लाभ पहुंचेबाक क्षमता कोनो हो।

2. जे हमरा सभक मदद करबा मे असमर्थ छथि, हुनका सभक न्याय नहि करबाक चाही, बल्कि हुनका सभ केँ ओहिना प्रेम आ दया करबाक चाही जेना हम सभ दोसर पर देखाबैत छी।

1. गलाती 6:10 तखन, जखन हमरा सभ केँ अवसर भेटैत अछि, आउ, सभ सभक संग भलाई करू, आओर खास क’ ओहि सभक लेल जे विश् वासक घर मे छथि।

2. लूका 6:31 आ जेना अहाँ चाहैत छी जे दोसर अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू।

यशायाह 30:6 दक्षिणक जानवर सभक भार: विपत्ति आ दुःखक देश मे, जतय सँ बच्चा आ बूढ़ सिंह, साँप आ आगि सन उड़ैत साँप अबैत अछि, ओ सभ अपन धन गदहाक कान्ह पर ल’ जायत आ... ऊँटक गुच्छा पर ओकर सभक खजाना, एहन लोकक लेल जे ओकरा सभ केँ कोनो फायदा नहि होयत।

ई अंश एकटा एहन लोकक गप्प करैत अछि जकरा कैद मे ल' जा रहल अछि, अपन धन-दौलत गदहा-उँटक पीठ पर ल' क' जा रहल अछि, मात्र एकटा एहन लोक सँ भेंट करबाक लेल जे ओकरा सभ केँ कोनो फायदा नहि होयत।

1. हमरा सभक जीवनक लेल भगवानक योजना सदिखन सर्वोत्तम अछि

2. परमेश् वरक वचन पर भरोसा करबाक महत्व

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. भजन 19:7-9 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि। प्रभुक भय शुद्ध अछि, अनन्त काल धरि चलैत अछि। प्रभुक नियम सत्य अछि, आ एकदम धर्मी अछि।

यशायाह 30:7 किएक तँ मिस्रवासी सभ व्यर्थ आ बेकार मे सहायता करत, तेँ हम एहि विषय मे चिचिया रहल छी जे, “ओकर सभक सामर्थ्य अछि जे ओ सभ स्थिर रहब।”

ई अंश मानवीय सहायता के बजाय भगवान पर भरोसा करै के महत्व पर जोर द॑ रहलऽ छै ।

1. स्थिर बैसबाक ताकत

2. मनुष्य पर भरोसा करबाक मूर्खता

1. भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।

2. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यशायाह 30:8 आब जाउ, हुनका सभक सोझाँ एकटा टेबुल मे लिखू आ एकटा किताब मे नोट करू, जाहि सँ ई आबै बला समयक लेल अनन्त काल धरि हो।

यशायाह केरऽ ई अंश एगो फरमान लिखै लेली प्रोत्साहित करै छै जेकरा आबै वाला पीढ़ी म॑ याद करलऽ जाय ।

1: हमरा सभ केँ भगवान् केर फरमान केँ मोन राखय पड़त, ओकरा आगामी पीढ़ी लेल राखय पड़त।

2: भगवानक फरमान लिखि देल जाय, जाहि सँ ओ सब जे सिखाबैत अछि से हम सब कहियो नहि बिसरब।

1: निष्कासन 17:14 - तखन प्रभु मूसा केँ कहलथिन, “ई बात एकटा पुस्तक मे स्मारकक रूप मे लिखू आ यहोशूक कान मे एकर अभ्यास करू।”

2: भजन 103:18 - जे हुनकर वाचा के पालन करैत छथि, आ जे हुनकर आज्ञा के याद करैत छथि, हुनका पूरा करबाक लेल।

यशायाह 30:9 ई एकटा विद्रोही लोक अछि, झूठ बाजनिहार बच्चा अछि, जे परमेश् वरक नियम नहि सुनत।

इस्राएल के लोग विद्रोही छै आरू प्रभु के व्यवस्था के पालन नै करै छै।

1: परमेश् वरक नियम हमरा सभक भलाईक लेल अछि

2: निष्ठावान आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

1: व्यवस्था 28:1-14 - प्रभु के आज्ञा के पालन के आशीर्वाद

2: यिर्मयाह 7:23 - प्रभु केरऽ आज्ञा के त्याग करला स॑ विनाश होय जाय छै ।

यशायाह 30:10 जे द्रष्टा सभ केँ कहैत अछि जे, “देखू नहि।” आ प्रवक् ता सभ केँ कहलथिन, “हमरा सभ केँ सत् य बातक भविष्यवाणी नहि करू, हमरा सभ केँ सुचारू बात नहि बाजू आ छल-प्रपंचक भविष्यवाणी नहि करू।

अंश लोक द्रष्टा आ भविष्यवक्ता सँ सत्य नहि सुनय चाहैत अछि, झूठ आ छल सुनब पसिन करैत अछि |

1. सत्यक शक्ति: की हम सभ सचमुच सुनैत छी?

2. भगवानक मार्ग पर चलब: छल आ झूठ केँ अस्वीकार करब।

1. नीतिवचन 12:22 - झूठ बाजबऽ बला ठोर परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा जे निष्ठापूर्वक काज करैत अछि, ओ हुनका प्रसन्न करैत अछि।

2. याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

यशायाह 30:11 अहाँ सभ केँ बाट सँ हटि जाउ, बाट सँ हटि जाउ, इस्राएलक पवित्र केँ हमरा सभक सोझाँ सँ विदा करू।

लोगऽ क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू अपनऽ वर्तमान मार्ग स॑ हटी क॑ इस्राएल केरऽ पवित्र केरऽ योजना म॑ हस्तक्षेप करना बंद करी दै ।

1. प्रलोभनसँ मुँह मोड़बाक शक्ति

2. इस्राएलक पवित्र लोकक बाट पर चलब

1. भजन 119:105: "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप आ हमर बाट लेल इजोत अछि"।

2. याकूब 1:14-15: "प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि। मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

यशायाह 30:12 एहि लेल इस्राएलक पवित्र लोक ई कहैत छथि, “किएक तँ अहाँ सभ एहि वचन केँ तुच्छ बुझैत छी आ अत्याचार आ विकृतता पर भरोसा करैत छी आ ओहि पर रहैत छी।

इस्राएल के पवित्र आदमी लोग सिनी कॅ डांटै छै, कैन्हेंकि वू परमेश् वर के वचन के तिरस्कार करै छै आरू ओकरो बदला में अत्याचार आरू विकृति पर भरोसा करै छै।

1. परमेश् वरक वचनक तिरस्कार करबाक खतरा

2. उत्पीड़न आ विकृति पर भरोसा करबाक खतरा

1. याकूब 1:19-21 - परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व केँ बुझब

2. यिर्मयाह 17:5-8 - परमेश् वरक बदला मनुष्य पर भरोसा करबाक परिणाम बुझब

यशायाह 30:13 तेँ ई अधर्म अहाँ सभक लेल एकटा एहन फाटक जकाँ होयत जे खसबाक लेल तैयार भ’ जायत, जे ऊँच देबाल मे फूलि जायत, जकर टूटब क्षणहि मे अचानक भ’ जायत।

ई श्लोक पाप पर परमेश् वर के न्याय के बात करै छै, जे अचानक आरू बिना चेतावनी के आबै छै।

1: परमेश् वरक न्याय तेज आ निश्चित अछि

2: विलंबित पश्चाताप के खतरा

1: 2 पत्रुस 3:9: प्रभु अपन प्रतिज्ञा मे ढील नहि छथि, जेना किछु लोक शिथिलता केँ बुझैत छथि। मुदा हमरा सभक प्रति धैर्य रखैत अछि, ई नहि चाहैत अछि जे ककरो नाश भ’ जाय, बल् कि सभ पश्चाताप करबाक लेल आबि जाय।

2: याकूब 4:17: तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 30:14 ओ ओकरा तोड़ि देत जेना कुम्हार सभक बर्तन टूटल अछि। ओ कोनो दम नहि देत, जाहि सँ ओकर फटला मे कोनो टुकड़ी नहि भेटत जे चूल्हा मे सँ आगि लेबय लेल आ गड्ढा सँ पानि निकालय लेल।

ई अंश परमेश् वर के न्याय के बात करै छै, जे पूर्ण आरू बिना दया के होतै।

1. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. उपदेशक 12:14 - कारण परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

2. प्रकाशितवाक्य 20:12 - हम छोट-पैघ मृतक सभ केँ सिंहासनक सोझाँ ठाढ़ देखलहुँ आ किताब सभ खुजल। तखन एकटा आओर पोथी खुजल जे जीवनक पोथी अछि । मृतक सभक न् याय ओहि पुस्तक सभ मे लिखल बातक अनुसार कयल गेल।

यशायाह 30:15 किएक तँ इस्राएलक पवित्र प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। वापसी आ विश्राम मे अहाँ सभक उद्धार होयत। शान्त आ विश्वास मे अहाँक सामर्थ्य होयत।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ सँ बात करैत छथि, हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे हुनका सभ केँ हुनका लग घुरला सँ आ हुनका पर विश् वास करबा सँ उद्धार भेटतनि, मुदा लोक सभ सुनबा सँ मना कऽ दैत छथि।

1. शांत विश्वासक ताकत: भगवानक योजना पर भरोसा करब सीखब

2. परमेश् वर के साथ हमरऽ संबंध के पुनर्स्थापित करना: उद्धार के लेलऽ प्रभु के पास वापस आना

1. यशायाह 11:2-3 - प्रभुक आत्मा हुनका पर टिकल रहताह, बुद्धि आ समझक आत्मा, परामर्श आ पराक्रमक आत्मा, ज्ञान आ प्रभुक भय के आत्मा।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यशायाह 30:16 मुदा अहाँ सभ कहलहुँ, “नहि। कारण, हम सभ घोड़ा पर सवार भ’ क’ भागि जायब। तेँ अहाँ सभ भागि जायब। तेँ जे सभ अहाँक पाछाँ-पाछाँ चलत, से तेज भ’ जायत।”

इस्राएल के लोग परमेश् वर के सलाह सुनै सें मना करी देलकै आरो ओकरो बदला में घोड़ा पर सवार होय केॅ दुश्मन सिनी सें भागै के फैसला करी लेलकै।

1. हम सब कतबो तेज दौड़बाक प्रयास करी, भगवानक इच्छा सँ नहि बचि सकैत छी

2. हम अपन पसंदक परिणामसँ आगू नहि बढ़ि सकैत छी

1. नीतिवचन 21:1 - राजाक हृदय प्रभुक हाथ मे पानिक धार अछि; जतय चाहै छै घुमा दै छै।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

यशायाह 30:17 एक गोटेक डाँटला पर एक हजार लोक भागि जायत। पाँच गोटेक डाँट पर अहाँ सभ भागि जायब, जाबत धरि अहाँ सभ पहाड़क चोटी पर एकटा दीपक जकाँ नहि रहि जायब आ पहाड़ पर एकटा झंडा जकाँ नहि रहब।”

ई अंश परमेश् वर के डांट के शक्ति आरू हुनकऽ दंड के ताकत के बात करै छै ।

595

1. भगवान् के डांट के ताकत

2. भगवानक दण्ड सँ कोना बचि सकैत छी

1. इब्रानी 12:6-11 - कारण, प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि, तकरा अनुशासित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि, तकरा दंडित करैत छथि।

2. नीतिवचन 3:11-12 - हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ तिरस्कार नहि करू आ ने हुनकर डाँट सँ थाकि जाउ, किएक तँ प्रभु जकरा सँ प्रेम करैत छथि, तकरा पिता, जकरा मे ओ प्रसन्न होइत छथि, तकरा डाँटैत छथि।

यशायाह 30:18 तेँ परमेश् वर प्रतीक्षा करताह जे ओ अहाँ सभ पर कृपा करथि आ तेँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि ओ.

परमेश् वर हमरा सभक प्रतीक्षा करताह आ हमरा सभ पर दया आ कृपा करताह किएक तँ ओ न्यायक परमेश् वर छथि। जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि हुनका आशीर्वाद भेटतनि।

1. भगवान् के प्रतीक्षा के आशीर्वाद

2. न्याय मे परमेश् वरक दया आ कृपा

1. भजन 37:7-9 प्रभु मे आराम करू आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू। क्रोध छोड़ू आ क्रोध छोड़ू, कोनो तरहेँ अधलाह काज करबाक लेल चिंतित नहि होउ। किएक तँ दुष् ट करऽ वला सभ समाप्त भऽ जायत, मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, तकरा सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनत।”

2. याकूब 5:7-8 तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू, किसान पृथ्वीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि आ ओकरा लेल बहुत दिन धरि धैर्य रखैत अछि जाबत धरि ओकरा भोरे-भोर आ बादक वर्षा नहि भेटैत छैक। अहाँ सभ सेहो धैर्य राखू। अपन हृदय केँ स्थिर करू, किएक तँ प्रभुक आगमन नजदीक आबि रहल अछि।”

यशायाह 30:19 किएक तँ लोक यरूशलेम मे सियोन मे रहत, अहाँ आब नहि कानब। जखन ओ ई बात सुनत तखन ओ अहाँ केँ उत्तर देत।”

परमेश् वरक लोक सभ केँ सियोन आ यरूशलेम मे आराम आ शान्ति भेटत। भगवान् कृपा करथिन आ हुनका लोकनिक कानबक उत्तर देताह।

1. अहाँक पुकारक भगवानक कृपापूर्वक उत्तर

2. सियोन मे रहबाक आराम

1. भजन 34:17 - "जखन धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि त' प्रभु सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

यशायाह 30:20 जँ प्रभु अहाँ सभ केँ विपत्तिक रोटी आ क्लेशक पानि दऽ देताह, तखनो अहाँक गुरु सभ आब कोनो कोन मे नहि हटि जेताह, मुदा अहाँक आँखि अहाँक गुरु सभ केँ देखताह।

प्रभु कठिन परिस्थिति प्रदान क सकैत छथि, मुदा ओ अपन लोक स गुरु कए नहि हटा देताह, आ ओ सब हुनका देखबा मे सक्षम हेताह।

1. प्रतिकूलता सँ सीखब - भगवान् हमरा सभक दुखक उपयोग कोना करैत छथि जे हमरा सभ केँ आकार दैत छथि आ हमरा सभ केँ सिखबैत छथि।

2. भगवानक प्रावधान - भगवान हमरा सभक कठिन समय मे सेहो कोना प्रबंध करैत छथि।

1. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यशायाह 30:21 अहाँक कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ सभ दहिना दिस घुमब आ बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलब।”

परमेश् वर वादा करैत छथि जे जँ हम सभ हुनकर निर्देशक पालन करब तँ हमरा सभक मार्गदर्शन करताह।

1. भगवान् के मार्ग पर चलने के महत्व

2. प्रभुक बाट मे चलब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. भजन 32:8 - हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखा देब; हम अहाँ पर अपन प्रेमपूर्ण नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।

यशायाह 30:22 अहाँ चानीक उकेरल मूर्तिक आवरण आ सोनाक पिघलल मूर्तिक आभूषण केँ सेहो अशुद्ध करब। अहाँ ओकरा कहब जे, “अहाँ सँ चलि जाउ।”

भगवान् हमरा सभ केँ कोनो एहन मूर्ति केँ नकारबाक लेल बजबैत छथि जे हमरा सभ केँ हुनका सँ विचलित क' रहल हो।

1. मूर्ति पर नहि, भगवान पर भरोसा

2. मिथ्या पूजा के अस्वीकार करब

1. व्यवस्था 5:8-9 "अहाँ अपन लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ मे पृथ् वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि। अहाँ बनाउ।" हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, किएक तँ हम प्रभु अहाँ सभक परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि बाप-पिताक अधर्मक सामना करैत छी"।

2. 1 कोरिन्थी 10:14 "तेँ हमर प्रियजन, मूर्तिपूजा सँ भागू।"

यशायाह 30:23 तखन ओ अहाँक बीयाक बरसात देत जे अहाँ जमीन मे रोपब। आ पृथ् वीक बढ़ल रोटी आ ओ मोटगर आ भरपूर होयत।

भगवान फसल के लेल बरखा के इंतजाम करताह, जाहि स भरपूर फसल होयत आ मवेशी के पैघ चारागाह में भोजन करय देत।

1. अपन लोकक भरण-पोषण मे परमेश् वरक निष्ठा

2. प्रचुरता के आशीर्वाद

1. व्यवस्था 11:14 - जे हम अहाँ सभ केँ उचित समय मे बरखा, पूर्वक वर्षा आ बादक वर्षा देब, जाहि सँ अहाँ अपन धान, अपन शराब आ तेल मे जमा कऽ सकब।

2. भजन 65:9-13 - अहाँ पृथ्वी पर घुमैत छी आ ओकरा पानि दैत छी, अहाँ ओकरा परमेश् वरक नदी सँ बहुत समृद्ध करैत छी, जे पानि सँ भरल अछि, जखन अहाँ ओकरा सभक लेल धान्य तैयार करैत छी।

यशायाह 30:24 बैल आ गदहा जे जमीन पर कानैत अछि, से सभ साफ-सुथरा भोजन करत, जकरा फावड़ा आ पंखा सँ उखाड़ल गेल अछि।

बैल आ गदहा के बच्चा के साफ-सुथरा भोजन देल जायत जेकरा फावड़ा आ पंखा स विनौल कएल गेल अछि।

1. भगवान् अपन सभ प्राणीक अप्रत्याशित तरीका सँ प्रबंध करताह।

2. हमरा सभकेँ अपन जीवनक लेल प्रभुक प्रावधान पर भरोसा करबाक चाही।

1. मत्ती 6:25-34 - अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब; वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब।

2. भजन 23:1 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

यशायाह 30:25 महान वधक दिन जखन बुर्ज खसत तखन हर ऊँच पहाड़ आ ऊँच पहाड़ पर नदी आ पानिक धार रहत।

बहुत विनाशक समय मे नदी आ धार सब सँ ऊँच पहाड़ आ पहाड़ी पर भेटत।

1. कठिनाइक समय मे भगवानक कृपा आ प्रावधान

2. विनाशक बीच आशा भेटब

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

2. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

यशायाह 30:26 जाहि दिन परमेश् वर अपन लोकक फाँट केँ बान्हि देताह, ताहि दिन चानक इजोत सूर्यक इजोत जकाँ होयत आ सूर्यक इजोत सात दिनक इजोत जकाँ सात गुना होयत। आ हुनका लोकनिक घावक आघात ठीक करैत अछि।

प्रभु अपन लोकक लेल चंगाई आ प्रकाश अनताह।

1. प्रभुक चिकित्सा प्रकाश - अन्हार मे इजोत भेटब

2. भगवानक बिना शर्त प्रेम - भगवानक कृपा आ दयाक अनुभव करब

1. भजन 147:3 - "ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।"

2. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ पर बनल शहर नुकायल नहि जा सकैत अछि।"

यशायाह 30:27 देखू, परमेश् वरक नाम दूर सँ आबि रहल अछि, ओकर क्रोध सँ जरैत अछि, आ ओकर बोझ भारी अछि, ओकर ठोर क्रोध सँ भरल अछि आ ओकर जीह भस्म करय बला आगि जकाँ।

परमेश् वर दूर-दूर सँ क्रोध सँ जरैत आ भारी बोझ ल' क' आबि रहल छथि, हुनकर ठोर आक्रोश सँ भरल आ जीह आगि जकाँ।

1. "प्रभु के आगमन: पश्चाताप के आह्वान"।

2. "भगवानक क्रोध: हुनक पवित्रता केँ बुझब"।

1. याकूब 4:6-10, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि"।

2. प्रकाशितवाक्य 6:17, "किएक तँ हुनकर क्रोधक पैघ दिन आबि गेल अछि, आ के ठाढ़ भ' सकैत अछि?"

यशायाह 30:28 ओकर साँस उमड़ैत धार जकाँ गर्दनक बीच धरि पहुँचि जायत, जाहि सँ ओ राष्ट्र सभ केँ व्यर्थक छलनी सँ छानब।

ई अंश परमेश् वर केरऽ सार्वभौमिक शक्ति के बात करै छै कि वू अपनऽ साँस के माध्यम स॑ न्याय लानै छै, जेकरऽ उपमा एक उफनलऽ धार के साथ करलऽ जाय छै, आरू आडंबर के छलनी स॑ राष्ट्रऽ क॑ छानबी क॑ लगाम के इस्तेमाल करी क॑ लोगऽ क॑ गलती करै के बात करलऽ गेलऽ छै ।

1: भगवान् के सार्वभौमिक शक्ति

2: आडंबर के चलनी

1: इजकिएल 39:29 - "हम आब हुनका सभ सँ अपन मुँह नहि नुकाएब, कारण हम अपन आत् मा इस्राएलक घराना पर उझलि देब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।"

2: यिर्मयाह 16:19 - "हे प्रभु, हमर सामर्थ् य आ हमर गढ़, विपत्तिक दिन हमर शरण मे, अहाँ लग जाति सभ पृथ्वीक छोर सँ आबि कऽ कहत जे, हमरा सभक पूर्वज सभ केँ झूठ, बेकार बात छोड़ि किछु नहि भेटलनि।" जाहि मे कोनो लाभ नहि होइत छैक।"

यशायाह 30:29 अहाँ सभक गीत होयत, जेना ओहि राति मे जखन पवित्र उत्सव मनाओल जाइत अछि। आ हृदयक आनन्द, जेना कियो नली ल' क' परमेश् वरक पहाड़ पर, इस्राएलक पराक्रमी लग जाइत अछि।

लोक इस्राएल के पहाड़ पर जखन परमेश् वर लग पहुँचत तखन हर्ष आ आनन्दक गीत गाओत।

1. यात्रा में आनन्द: विश्वास के माध्यम से पूर्ति पाना

2. प्रशंसा के शक्ति: पूजा जीवन के कोना परिवर्तित करैत अछि

1. भजन 95:2 - आउ, हम सभ धन्यवादक संग हुनकर सोझाँ आबि जाउ, आ भजन सँ हुनका आनन्दित हल्ला करू।

2. भजन 100:1-2 - अहाँ सभ देश, प्रभुक लेल आनन्दक हल्ला करू। प्रसन्नता सँ प्रभुक सेवा करू, हुनकर सान्निध्यक सोझाँ गाबि कऽ आबि जाउ।

यशायाह 30:30 परमेश् वर अपन गौरवशाली आवाज सुनौताह, आ हुनकर क्रोधक आक्रोश आ भस्म करय बला आगि केर लौ सँ, तितर-बिखर, तूफान आ ओला सँ हुनकर बाँहिक ज्वाला देखायताह.

भगवान् अपन क्रोध एकटा भक्षक आगि, छिड़काव, तूफान आ ओला के माध्यम स व्यक्त करताह।

1. भगवान् के क्रोध के स्थायी शक्ति

2. भगवान् के क्रोध के पहचानने के महत्व

1. रोमियो 1:18-32 - परमेश् वरक क्रोध अधर्मक विरुद्ध प्रगट होइत अछि।

2. भजन 11:6 - दुष्ट सभ पर ओ जाल, आगि आ गंधक आ भयावह तूफान बरसात, ई हुनका सभक प्यालाक हिस्सा होयत।

यशायाह 30:31 किएक तँ परमेश् वरक आवाज द्वारा अश्शूर केँ मारि देल जायत, जे लाठी सँ मारि देलक।

परमेश् वर अपन आवाज सँ अश्शूर केँ पराजित करताह।

1. प्रभुक स्वरक शक्ति

2. प्रतिकूलता पर विजय प्राप्त करबा मे भगवानक सार्वभौमत्व

1. प्रेरित सभक काज 4:31 - जखन ओ सभ प्रार्थना कयलनि तँ ओ स्थान हिल गेल जतय ओ सभ एकत्रित छलाह। ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल छलाह आ परमेश् वरक वचन निर्भीकता सँ बजैत छलाह।

2. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर, हमर सामर्थ् य, जिनका पर हम भरोसा करब। हमर बकसुआ आ हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।

यशायाह 30:32 जतय जमीन पर बैसल लाठी गुजरत, जाहि ठाम परमेश् वर ओकरा पर लगाओत, ओ ताड़ आ वीणाक संग होयत।

प्रभु ताबट आ वीणा सँ युद्ध लड़ताह आ जमीन पर बैसल लाठी जतय-जतय राखताह, ओतय सँ गुजरि जायत।

1. स्थिर रहू आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी - भजन 46:10

2. हमर सभक ताकत प्रभु सँ अबैत अछि - यशायाह 41:10

1. भजन 150:3-5 तुरहीक आवाज सँ हुनकर स्तुति करू; बांसुरी आ वीणा सँ हुनकर स्तुति करू! टिम्बर आ नाच सँ हुनकर स्तुति करू; तार वाला वाद्ययंत्र आ पाइप स हुनकर स्तुति करू! जोर-जोर सँ झांझ बजा कऽ हुनकर स्तुति करू। टकराइत झांझ सँ हुनकर स्तुति करू!

2. भजन 81:2-3 एकटा भजन लऽ कऽ एतय टिम्बर, भजन के संग सुखद वीणा आनि दियौक। अमावस्या मे, निर्धारित समय मे, हमर सबहक गंभीर पावनि मे तुरही उड़ाउ।

यशायाह 30:33 किएक तँ तोफेत पहिने सँ नियुक्त छथि। हँ, राजाक लेल ई तैयार कयल गेल अछि। ओ ओकरा गहींर आ पैघ बना देने अछि, ओकर ढेर आगि आ बहुत लकड़ी अछि। परमेश् वरक साँस गंधकक धार जकाँ ओकरा जरा दैत अछि।

भगवान् टोफेत के सजा निर्धारित केने छैथ, जे लकड़ी आ आगि के गहींर आ पैघ ढेर छै जे प्रभु के साँस स गंधक के धार के तरह प्रज्वलित भ जाय छै।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक खर्च

2. प्रभुक क्रोध: विद्रोहक परिणाम

1. मत्ती 3:10-12 यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार परमेश् वरक आगामी क्रोधक चेतावनी।

2. योना 3:10 पश्चाताप के सामने दया देखाबय के लेल परमेश्वर के इच्छुकता।

यशायाह अध्याय ३१ मिस्र सँ मदद लेबै के मूर्खता के संबोधित करै छै आरू परमेश्वर पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति पर भरोसा करै के खिलाफ चेतावनी दै छै। एहि मे मुक्ति आ आश्वासन लेल भगवान् दिस मुड़बाक महत्व पर जोर देल गेल अछि।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सैन्य सहायता के लेल मिस्र पर भरोसा करय वाला के खिलाफ चेतावनी सं होयत अछि. यशायाह सांसारिक शक्ति पर ई निर्भरता के आलोचना करै छै आरू घोषणा करै छै कि अंततः ई निराशा के तरफ ले जैतै (यशायाह 31:1-3)।

2 पैराग्राफ: यशायाह यहूदा के लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि परमेश्वर केरऽ उपस्थिति आरू सुरक्षा कोनो भी मानवीय सहायता स॑ कहीं बेहतर छै । ओ हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे परमेश् वर वफादार, प्रेमी आ अपन लोकक रक्षा करबाक लेल तैयार छथि (यशायाह 31:4-5)।

तेसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना परमेश्वर व्यक्तिगत रूप सँ यरूशलेम केँ ओकर दुश्मन सँ बचाबय लेल हस्तक्षेप करताह। ओ अपन लोकक दिस सँ लड़त, ओकरा सभ केँ नुकसान सँ मुक्त करत (यशायाह 31:8-9)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह एकतीस अध्याय प्रकट करैत अछि
मिस्र पर भरोसा करबाक मूर्खता,
भगवान् के रक्षा में आश्वासन, २.
आ मुक्तिक प्रतिज्ञा।

मिस्र पर निर्भरता के खिलाफ चेतावनी।
भगवान् के सान्निध्य में आश्वासन एवं रक्षा।
ईश्वरीय हस्तक्षेप के प्रतिज्ञा; मुक्ति।

ई अध्याय परमेश्वर के शक्ति आरू निष्ठा पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति या सांसारिक गठबंधन पर भरोसा करै के खिलाफ एगो चेतावनी संदेश के काम करै छै। ई कोनो भी मानवीय सहायता या सैन्य शक्ति स॑ ईश्वरीय सुरक्षा के श्रेष्ठता प॑ प्रकाश डालै छै । ई लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि जब॑ वू हुनका तरफ मुड़तै त॑ वू व्यक्तिगत रूप स॑ हस्तक्षेप करतै, ओकरऽ लड़ाई लड़तै आरू ओकरऽ दुश्मनऽ स॑ मुक्ति लाबै छै । अंततः ई हमरा सब के याद दिलाबै छै कि सच्चा सुरक्षा अस्थायी समाधान खोजै के बजाय या पार्थिव शक्ति पर भरोसा करै के बजाय प्रभु पर भरोसा करै में छै

यशायाह 31:1 धिक्कार अछि जे सभ सहायताक लेल मिस्र जाइत अछि। घोड़ा पर सवार रहू आ रथ पर भरोसा करू, कारण ओ सभ बहुत अछि। आ घुड़सवार मे, कारण ओ सभ बहुत बलवान अछि। मुदा ओ सभ इस्राएलक पवित्र परमेश् वर दिस नहि तकैत अछि आ ने परमेश् वरक खोज करैत अछि!

लोक सभ केँ सहायताक लेल मिस्र दिस नहि, बल्कि प्रभुक खोज करबाक चाही।

1. प्रभु पर भरोसा करू, रथ आ घोड़ा पर नहि

2. सांसारिक समाधान नहि, प्रभुक खोज करू

1. भजन 20:7 - "किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम पर भरोसा करैत छी।"

.

यशायाह 31:2 तइयो ओ बुद्धिमान अछि, आ अधलाह आनत, आ अपन बात केँ वापस नहि बजाओत, बल् कि दुष् ट करनिहार सभक घर आ अधर्मक सहायताक विरुद्ध उठत।

भगवान् बुद्धिमान छथि आ दुष्ट आ ओकर संग देनिहारक विरुद्ध न्याय करबा मे कोनो संकोच नहि करताह।

1. परमेश् वरक बुद्धिक शक्ति: जखन परमेश् वर न्याय अनैत छथि

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक पालन किएक करबाक चाही आ बुराईक समर्थन नहि करबाक चाही

1. नीतिवचन 8:13 - "प्रभुक भय बुराई सँ घृणा करब अछि: अहंकार, अहंकार, आ दुष्ट मार्ग आ कनखी मुँह सँ घृणा करैत छी।"

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

यशायाह 31:3 मिस्रक लोक सभ मनुक्ख अछि, परमेश् वर नहि। आ ओकर घोड़ा मांस अछि, आत् मा नहि। जखन परमेश् वर अपन हाथ पसारि लेताह तखन सहायता करनिहार दुनू खसि पड़त आ जे घोंट अछि से खसि पड़त, आ सभ एक संग क्षीण भऽ जायत।

प्रभु हुनका पर भरोसा करय वाला के रक्षा आ समर्थन करताह।

1. रक्षा आ मार्गदर्शन लेल प्रभु पर भरोसा करू।

2. भगवान पर निर्भर रहब सफलता आ विजयक कुंजी अछि।

1. यिर्मयाह 17:7-8 धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु पर अछि। ओ पानि लग रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि, आ गर्मी आबि गेला पर डरैत नहि अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे बेचैन नहि होइत अछि, कारण ओ फल देब नहि छोड़ैत अछि.

2. भजन 20:7 किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम पर भरोसा करैत छी।

यशायाह 31:4 किएक तँ परमेश् वर हमरा एहि तरहेँ कहलनि जे, जहिना शेर आ सिंहक बच्चा अपन शिकार पर गर्जैत अछि, जखन चरबाह सभक भीड़ ओकरा विरुद्ध बजाओल जायत तँ ओ ओकरा सभक आवाज सँ नहि डेराओत आ ने अपना केँ नीचाँ देखाओत हुनका सभक हल्ला-गुल्ला, तेना सेना सभक परमेश् वर सियोन पहाड़ आ ओकर पहाड़ी लेल लड़बाक लेल उतरताह।

प्रभु सियोन पहाड़ आ ओकरा सँ जुड़ल पहाड़ी के लेल लड़य लेल उतरताह, ठीक ओहिना जेना सिंह ओकरा विरुद्ध बजाओल गेल चरबाह के भीड़ सँ नहि डेराइत अछि।

1. "कठिनाई के सामना में प्रभु के बल और साहस"।

2. "भगवान हमर अनन्त रक्षक छथि"।

1. भजन 34:7 - "प्रभुक स् वर्गदूत हुनका डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।"

2. 2 इतिहास 20:15 - "एहि पैघ भीड़ सँ नहि डेराउ आ निराश नहि होउ, किएक तँ युद्ध अहाँक नहि अपितु परमेश् वरक अछि।"

यशायाह 31:5 जेना चिड़ै सभ उड़ैत अछि, तहिना सेना सभक प्रभु यरूशलेमक रक्षा करताह।
रक्षा सेहो करैत ओ ओकरा पहुँचा देत। ओ ओहि पार सँ गुजरैत ओकरा सुरक्षित राखत।

भगवान् हमरा सभक रक्षा करताह आ सभ हानि सँ बचाव करताह।

1. भगवान हमरा सब के खतरा स बचाबय लेल सदिखन मौजूद रहैत छथि।

2. भगवान् पर भरोसा राखू कारण ओ अहाँ केँ कहियो असफल नहि करताह।

1. व्यवस्था 31:6, "मजगूत आ साहसी बनू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने आतंकित होउ, किएक तँ अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभक संग जाइत छथि; ओ अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह आ ने अहाँ केँ छोड़ताह।"

2. भजन 18:2, "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

यशायाह 31:6 अहाँ सभ ओहि दिस मुड़ू, जिनका सँ इस्राएलक सन्तान सभ गहींर विद्रोह केलक अछि।

मार्ग इस्राएल के सन्तान गहींर विद्रोह करलकै आरू ओकरा परमेश् वर के तरफ मुड़ना चाहियऽ।

1. भगवानक विरुद्ध विद्रोह करबाक खतरा

2. भगवान् दिस मुड़बाक आराम

1. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ परिश्रम आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

2. यिर्मयाह 3:22 - हे अविश्वासी बच्चा सभ, घुरि जाउ, हम अहाँक अविश्वास केँ ठीक करब।

यशायाह 31:7 किएक तँ ओहि दिन सभ अपन चानीक मूर्ति आ सोनाक मूर्ति सभ केँ फेकि देत, जे अहाँ सभक हाथ सँ अहाँ सभक लेल पापक लेल बनौने छी।

यशायाह 31:7 लोक सभ केँ चेतावनी दैत अछि जे ओ अपन चानी आ सोनाक मूर्ति सभ सँ मुक्ति पाबथि जे हुनका सभक लेल पाप बनि क’ बनल अछि।

1. "मूर्तिपूजाक खतरा"।

2. "मूर्तिपूजाक पाप"।

1. रोमियो 1:18-25

2. निष्कासन 20:3-5

यशायाह 31:8 तखन अश्शूर तलवार सँ खसि पड़त, कोनो पराक्रमी नहि। तलवार, जे कोनो नीच आदमीक नहि, ओकरा खा जायत, मुदा ओ तलवार सँ भागि जायत आ ओकर युवक सभ चकित भ’ जायत।

यशायाह भविष्यवाणी करै छै कि अश्शूर सिनी कॅ कम ताकत वाला आदमी के तलवार सें पराजित होय जैतै, आरो ओकरोॅ युवक निराश होय जैतै।

1. भगवान् हमरा सभ मे सँ छोट-छोट लोकक उपयोग पैघ विरोधी सभ पर विजय प्राप्त करबाक लेल करताह।

2. जखन विषमता हमरा सभक विरुद्ध होयत तखनो भगवान् पार करबाक उपाय उपलब्ध कराओत।

१.

2. जकर्याह 4:6 - तखन ओ हमरा उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “जरुब्बाबेल केँ ई परमेश् वरक वचन अछि जे, “शक्ति सँ नहि, आ ने सामर्थ् य सँ, बल् कि हमर आत् मा सँ,” सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

यशायाह 31:9 ओ डर सँ अपन गढ़ दिस बढ़ि जायत, आ ओकर राजकुमार सभ झंडा सँ डेरा जायत, प्रभु कहैत छथि, जिनकर आगि सिय्योन मे अछि आ ओकर भट्ठी यरूशलेम मे अछि।

परमेश् वरक आगि सियोन मे आ ओकर भट्ठी यरूशलेम मे अछि, आ लोक सभ झंडा सँ डरि कऽ अपन गढ़ मे शरण लेत।

1. प्रभु केँ जानबाक आराम हमरा सभक संग अछि

2. डेराउ नहि: प्रभु हमर सभक शरण छथि

1. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी।

यशायाह अध्याय 32 एकटा धर्मी आ न्यायी राजा के आबै के बारे में बात करै छै जे देश में शांति, समृद्धि आरू सुरक्षा लाबै वाला छै। नैतिक क्षय आरू उत्पीड़न के वर्तमान स्थिति के विपरीत ई धर्मी शासक के भविष्य के शासन के साथ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा एहन समय के वर्णन स होइत अछि जखन कोनो धर्मी राजा न्याय में राज करत, जाहि स लोक के स्थिरता आ सुरक्षा भेटत। शांति केरऽ ई भविष्य केरऽ युग आरू नैतिक क्षय केरऽ वर्तमान स्थिति के बीच विपरीत करलऽ गेलऽ छै (यशायाह ३२:१-८)।

2 पैराग्राफ: यशायाह यरूशलेम के महिला सिनी के आत्मसंतोष आरू विलासिता के संबोधित करै छै। ओ हुनका सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे जखन हुनका सभ पर न्याय आओत तखन हुनकर आराम शोक सँ बदलि जायत (यशायाह 32:9-14)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी एकटा एहन परिवर्तन के बारे में कहैत अछि जे तखन होयत जखन परमेश् वर अपन लोक पर अपन आत् मा उझलताह। एहि बहावक परिणाम धर्म, न्याय, शांति आ फलदायी प्रचुरता होयत (यशायाह 32:15-20)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बत्तीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
धर्मात्मा राजाक आगमन,
आत्मसंतोष के खिलाफ चेतावनी,
आ आध्यात्मिक परिवर्तनक प्रतिज्ञा।

एक धर्मी शासक का वर्णन।
आत्मसंतोष के विरुद्ध चेतावनी।
आध्यात्मिक परिवर्तन का प्रतिज्ञा।

एहि अध्याय मे एहन भविष्यक आशाक चित्रण कयल गेल अछि जतय धर्मात्मा राजाक नेतृत्व मे धर्म आ न्यायक हावी होयत | ई रेखांकित करै छै कि समाज के भ्रष्टाचार आरू नैतिक क्षय के विपरीत शांति के ई प्रतिज्ञात युग के साथ कोना छै । ई विलासिता के बीच आत्मसंतोष के खिलाफ चेतावनी दै छै, व्यक्ति क॑ याद दिलाबै छै कि अगर वू भगवान के रास्ता के साथ संरेखित नै होय जाय छै त॑ ओकरऽ आराम के निर्णय ओकरा बाधित करी सकै छै । लेकिन, ई परमेश्वर केरऽ आत्मा के माध्यम स॑ आध्यात्मिक परिवर्तन के आशा भी प्रदान करै छै जेकरा हुनकऽ लोगऽ प॑ उझलैलऽ जाय छै, एक समय जब॑ धर्म, न्याय, शांति, आरू प्रचुर आशीर्वाद पनपतै । अंततः ई एकटा आदर्श भविष्य के तरफ इशारा करै छै, जहाँ ईश्वरीय शासन ओकरा अपनाबै वाला सब के लेलऽ स्थायी सामंजस्य आरू समृद्धि लानै छै

यशायाह 32:1 देखू, एकटा राजा धार्मिकता मे राज करत, आ राजकुमार सभ न्याय मे राज करत।

एकटा न्यायी आ बुद्धिमान राजा राष्ट्र पर शासन करत, आ ओकर सलाहकार बुद्धिमान निर्णय लेत।

1. धर्मी नेतृत्व के शक्ति

2. बुद्धिमान शासकक महत्व

1. नीतिवचन 29:2 - जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत अछि तखन लोक आनन्दित होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट शासन करैत अछि तखन लोक शोक करैत अछि।

2. 1 पत्रुस 5:2-3 - अहाँ सभक बीच जे परमेश् वरक भेँड़ा अछि, तकरा चरबाह करू, मजबूरी मे नहि, अपितु स्वेच्छा सँ, बेईमान लाभक लेल नहि, बल् कि आतुरता सँ, पर्यवेक्षकक रूप मे सेवा करू। आ ने अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक सभक मालिक बनब, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।

यशायाह 32:2 मनुष् यक हवा सँ नुकायल आ आँधी सँ गुप्त स्थान जकाँ होयत। जेना शुष्क स्थान पर पानिक नदी, जेना थकल भूमि मे कोनो पैघ चट्टानक छाया।

आस्था के आदमी जीवन के तूफान स आश्रय द सकैत अछि।

1: विपत्तिक समय मे भगवान् के शरण लेब।

2: भगवानक प्रेम जीवनक तूफान सँ अनन्त आश्रय अछि।

1: भजन 91:2 - "हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि: हमर परमेश् वर; हम हुनका पर भरोसा करब।"

2: इब्रानी 13:5-6 - "अहाँ सभक गप्प-सप्प मे लोभ नहि हो। आ अहाँ सभक जे किछु अछि, ताहि मे संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।
जाहि सँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक कहब जे, 'द प्रभु हमर सहायक छथि, आ हम एहि बात सँ डरब नहि जे मनुष्य हमरा संग की करत।”

यशायाह 32:3 देखनिहारक आँखि मंद नहि होयत आ सुननिहारक कान सुनत।

ई अंश स्पष्ट दृष्टि आ विवेक वाला के बात करै छै ।

1: भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ जिज्ञासु रही आ अपन आसपास सँ सीखी।

2: स्पष्टता प्राप्त करबाक लेल प्रभुक मार्गदर्शन केँ ध्यान सँ सुनबाक चाही।

1: भजन 119:18 - हमर आँखि खोलू, जाहि सँ हम अहाँक व्यवस्था सँ अद्भुत बात देखि सकब।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 32:4 दाहक हृदय सेहो ज्ञान केँ बुझत, आ हकलानिहारक जीह साफ-साफ बाज’ लेल तैयार रहत।

ई श्लोक हमरा सब के ज्ञान के खोज करै लेली आरू ओकरा संप्रेषित करै में आत्मविश्वास रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. आत्मविश्वास सँ बाजू: परमेश् वरक सिखाबय आ परिवर्तन करबाक शक्ति

2. सीखबाक लेल हृदयक खेती: बुद्धि आ ज्ञान मे बढ़ब

1. नीतिवचन 2:1-5

2. याकूब 1:5-8

यशायाह 32:5 नीच व्यक्ति केँ आब उदार नहि कहल जायत, आ ने चंचल केँ उदार कहल जायत।

ई अंश ई बात के बात करै छै कि जे अधर्मी छै ओकरा अब॑ उदार या दयालु नै कहलऽ जैतै ।

1. भगवान आ दोसर द्वारा दयालुतापूर्वक विचार करबाक लेल धर्मी जीवन जीबाक महत्व।

2. जखन अहाँ धर्मात्मा नहि छी तखन धर्मी होयबाक नाटक करबाक खतरा।

1. नीतिवचन 21:13 - जे गरीबक चीत्कार पर कान बन्न करत, ओ स्वयं आवाज देत आ ओकर कोनो उत्तर नहि देल जायत।

2. मत्ती 5:20 - हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जाबत धरि अहाँक धार्मिकता शास्त्री आ फरिसी सभक धार्मिकता सँ बेसी नहि होयत, ता धरि अहाँ सभ कहियो स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करब।

यशायाह 32:6 किएक तँ नीच लोक दुष्ट बजत, आ ओकर हृदय अधर्म करत, पाखंड करत आ प्रभुक विरुद्ध गलती करत, भूखल लोकक आत्मा केँ खाली करबाक लेल, आ ओ प्यासल लोक केँ पीबय देत विफल.

ई अंश नीच व्यक्ति के द्वारा करलऽ जाय वाला बुराई के बात करलऽ गेलऽ छै, जेना कि खलनायक बोलना, अधर्म के काम करना, आरू गलती के उच्चारण करना ।

1. अनियंत्रित पापक खतरा

2. पाखंडक लागत

1. मत्ती 15:18-20 - मुदा जे बात मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि। आ ओ सभ मनुष् य केँ अशुद्ध करैत अछि। हृदय सँ अधलाह विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही, निन्दा निकलैत अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 32:7 चर्ल केर साधन सेहो दुष्ट अछि, ओ दुष्ट षड्यंत्र सभ केँ झूठ बाजबाक द्वारा गरीब सभक नाश करबाक लेल दुष्ट षड्यंत्रक योजना बनबैत अछि, जखन कि जरूरतमंद सही बजैत अछि।

धनिक लोक अपन शक्तिक उपयोग गरीब पर अत्याचार करबा मे करैत छथि, तखनो जखन गरीब कोनो गलत काज नहि केने होथि।

1: अपन शक्तिक उपयोग दोसर पर अत्याचार करबा मे नहि करू, बल्कि ओकर उपयोग गरीब आ उत्पीड़ित केँ ऊपर उठाबय मे करू।

2: भगवान् तखन घृणा करैत छथि जखन शक्तिशाली लोक अपन प्रभावक उपयोग कमजोर आ कमजोर पर अत्याचार करबाक लेल करैत छथि।

1: याकूब 2:6-7 - मुदा अहाँ गरीबक अपमान केलहुँ। की धनिक लोक अहाँ सभ पर अत्याचार नहि करैत अछि आ दरबार मे घसीटैत नहि अछि? की ओ सभ ओहि उदात्त नामक निन्दा नहि करैत अछि जकरा अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि?

2: आमोस 5:11 - तेँ अहाँ सभ गरीब केँ रौंदैत छी आ ओकरा सँ गहूमक वसूली लैत छी, तेँ अहाँ सभ कटल पाथर सँ घर बनौने छी, मुदा ओहि मे नहि रहब। अहाँ सभ नीक अंगूरक बगीचा रोपने छी, मुदा ओकर मदिरा नहि पीब।

यशायाह 32:8 मुदा उदारवादी उदार बातक कल्पना करैत अछि। आ उदार बातक द्वारा ओ ठाढ़ रहत।

उदारवादी केरऽ आकलन ओकरऽ खुद के मानक स॑ करलऽ जैतै ।

1. हमरा सभकेँ अपना लेल निर्धारित मानकक प्रति जवाबदेह रहबाक चाही।

2. हमरा सभकेँ अपनाकेँ ओहि मानकसँ न्याय करबाक चाही जेना हम सभ दोसरक न्याय करैत छी।

1. रोमियो 14:12 - तखन हमरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे परमेश् वरक समक्ष अपन हिसाब देब।

2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

यशायाह 32:9 हे स् त्रीगण सभ, जे सभ निश्चिंत छी, उठू। हे लापरवाह बेटी सभ, हमर आवाज सुनू। हमर बात पर कान करू।

ई अंश महिला सिनी क॑ उठी क॑ भगवान के आवाज सुनै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. स्त्रीगण केँ भगवानक आवाज सुनबाक आह्वान

2. निष्ठावान सुनबाक शक्ति

1. नीतिवचन 8:34-35 "धन्य अछि ओ जे हमर बात सुनैत अछि आ हमर दरबज्जा पर प्रतिदिन देखैत रहैत अछि आ हमर दरबज्जाक कात मे प्रतीक्षा करैत अछि। किएक तँ जे हमरा पाबि लैत अछि, ओकरा जीवन भेटैत अछि आ ओकरा परमेश् वरक अनुग्रह भेटैत अछि।"

2. याकूब 1:19-20 हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

606

यशायाह 32:10 हे लापरवाह स्त्रीगण, अहाँ सभ बहुत दिन आ वर्ष परेशान रहब, किएक तँ फूस कटत, जुटान नहि आओत।

महिला सब के चेतावनी देल गेल अछि जे हुनकर लापरवाही के परिणामस्वरूप नीक फसल के कमी होयत।

1. जिम्मेदारी के पुनः खोज: अपन जीवन के मालिकाना हक लेब

2. जे सबसँ बेसी महत्व रखैत अछि ओकर देखभाल करब: लगनक मूल्य

1. नीतिवचन 6:6-11 "हे सुस्त, चींटी लग जाउ; ओकर बाट पर विचार करू आ बुद्धिमान बनू! ओकर कोनो सेनापति, कोनो पर्यवेक्षक आ शासक नहि अछि, तइयो ओ गर्मी मे अपन भोजन जमा करैत अछि आ फसल काटि मे अपन भोजन जमा करैत अछि।"

2. नीतिवचन 24:30-34 "हम एकटा सुस्तक खेत लग सँ गुजरलहुँ, एकटा बुद्धिहीन लोकक अंगूरक बगीचा लग सँ गुजरलहुँ, आ देखलहुँ, ओ सभ काँट सँ भरल छल, जमीन बिछुआ सँ झाँपल छल आ ओकर पाथरक देबाल टूटि गेल छल।" नीचाँ।तखन देखलहुँ आ विचार केलहुँ; तकलहुँ आ निर्देश भेटल। कनि नींद, कनि नींद, आराम करबाक लेल हाथ कनि मोड़ब, आ गरीबी अहाँ पर डकैत जकाँ आबि जायत, आ हथियारबंद आदमी जकाँ कमी।"

यशायाह 32:11 हे स् त्रीगण सभ जे आराम सँ रहैत छी, काँपि जाउ। हे लापरवाह लोक सभ, घबरा जाउ, उतारि कऽ उघार करू आ कमर मे बोरा बान्हि दियौक।

ई अंश परमेश् वर के तरफऽ स॑ एगो चेतावनी छै कि वू महिला सिनी क॑ जे सहजता आरू आराम स॑ जी रहलऽ छै, परेशान होय क॑ आबै वाला न्याय के तैयारी करै लेली ।

1. परमेश् वरक न्यायक भय मे रहू - यशायाह 32:11

2. लापरवाह नहि बनू - अपना केँ उतारू, अपना केँ उघार बनाउ, आ कमर मे बोरा बान्हि दियौक - यशायाह 32:11

1. यिर्मयाह 6:26 - हे हमर लोकक बेटी, तोरा बोरा पहिरि कऽ राख मे लहलहा जाउ, एकलौता बेटा जकाँ अहाँ केँ कटु विलाप करू, किएक तँ लुटनिहार अचानक हमरा सभ पर आबि जायत।

2. इजकिएल 24:17 -तेँ हे मनुष्यक बेटा, अपन कमर टूटि कऽ आह भरू। आ आँखिक सोझाँ कटुताक संग आह भरैत अछि।

यशायाह 32:12 ओ सभ चूचीक लेल, सुखद खेतक लेल, फलदार बेल केर लेल विलाप करत।

एहि अंश मे हेरायल प्रचुरताक शोकक चर्चा कयल गेल अछि, जेना स्तन, सुखद खेत, आ फलदायी बेल |

1. भगवानक प्रचुरता आ जखन हम सभ ओकरा गमाबैत छी तखन की गमा लैत छी

2. प्रचुरता के आशीर्वाद आ ओकर सराहना कोना कयल जाय

1. लूका 12:13-21 - एकटा अमीर मूर्खक यीशुक दृष्टान्त

2. भजन 107:35-38 - जंगल मे परमेश्वरक प्रावधान

यशायाह 32:13 हमर लोकक देश पर काँट आ काँट उठत। हँ, आनन्दित नगर मे आनन्दक सभ घर पर।

आनन्दमय शहर के काँट-काँट आ काँट-काँट के घेरा मे आबि जायत।

1. काँट-काँट आ ब्रायरक दुनिया मे आनन्दक आवश्यकता

2. जीवनक संघर्षक बादो आनन्द भेटब

1. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन एकरा सभटा आनन्दक गिनती करू।
2. रोमियो 5:3-5 - हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र सँ आशा उत्पन्न होइत अछि।
यशायाह 32:14 किएक तँ महल सभ छोड़ि देल जायत। नगरक भीड़ रहि जायत। किला आ बुर्ज सदाक लेल मांदक रूप मे रहत, जंगली गदहाक आनन्द, झुंडक चारागाह।
शहरक महल छोड़ि देल जायत, जाहि मे जंगली जानवरक मांद लेल किला आ टावर मात्र रहत।
1. संतोषक आनन्द - जीवनक साधारण बात मे आनन्द भेटब।
2. जीवनक क्षणिकता - जीवनक अनित्यता केँ आत्मसात करब।
1. उपदेशक 3:1-8 - परमेश् वरक जीवन आ मृत्युक कालजयी चक्र।
2. मत्ती 6:25-34 - परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करबाक महत्व।
यशायाह 32:15 जाबत धरि हमरा सभ पर ऊपर सँ आत् मा नहि ढारल जायत, आ जंगल फलदार खेत नहि होयत आ फलदार खेत जंगल मे नहि गिनल जायत।
जाबे तक परमेश् वरक आत् मा नहि उझलि जायत ताबे जंगल पनपत आ फलदायी खेत बनि जायत।
1. परमेश् वरक प्रचुरता प्रदान करबाक प्रतिज्ञा
2. हमरा सभक जीवन मे पवित्र आत्माक शक्ति
1. योएल 2:23-32 - परमेश् वरक आत् माक बहाब
2. लूका 3:1-18 - यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार द्वारा पवित्र आत् माक आगमनक घोषणा यशायाह 32:16 तखन न्याय जंगल मे रहत आ धार्मिकता फलदार खेत मे रहत।
ई अंश जंगल आरू फलदायी खेत में प्रचलित न्याय आरू धर्म के बात करै छै।
1: जखन जीवन जंगल मे रहत तखनो न्याय आ धर्म बनल रहत।
2: जीवन जतय लऽ जायत, न्याय आ धर्म बनल रहत।
1: याकूब 1:22, "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।" 2: फिलिप्पियों 4:8, "अन्त मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु आदरणीय अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि। एहि सभ बात पर सोचू।"
यशायाह 32:17 धार्मिकताक काज शान्ति होयत। आ धर्मक प्रभाव शान्तता आ आश्वासन सदिखन लेल।
शान्ति आ आश्वासन धर्मक प्रभाव थिक।
1: हमरा सभ केँ धर्म मे शान्ति आ आश्वासन भेटैत अछि।
2: धर्म हमरा सभकेँ सच्चा शांति आ सुरक्षा दैत अछि।
1: भजन 4:8 - हम शान्ति सँ लेटब आ सुतिब; कारण, हे प्रभु, अहाँ असगरे हमरा सुरक्षित रहू।
608

2: यूहन्ना 14:27 - हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ि रहल छी। हमर शान्ति हम अहाँकेँ दैत छी।
जेना दुनियाँ दैत अछि तेना नहि हम अहाँकेँ दैत छी। अहाँ सभक मोन नहि घबराउ आ ने ओ सभ डरय।

यशायाह 32:18 हमर लोक शान्तिपूर्ण आवास मे, स्थिर आवास मे आ शान्त विश्राम स्थल मे रहत।

हमर लोक अपन घर मे सुरक्षित आ सुरक्षित रहत।

1: यीशु हमर चट्टान आ हमर शरण छथि (भजन संहिता 18:2, यशायाह 32:2)

2: परमेश् वरक रक्षा आ प्रावधान (भजन संहिता 121:3-4, यशायाह 32:18)

1. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2. भजन 121:3-4 - ओ अहाँक पैर नहि हिलय देत; जे अहाँकेँ राखत, से नींद नहि लागत। देखू, जे इस्राएलक रक्षा करैत अछि, से ने सुतत आ ने सुतत।

यशायाह 32:19 जखन ओला बरसत आ जंगल पर उतरत। आ नगर निम्न स्थान पर नीचाँ रहत।

एकटा भविष्यवाणीक चेतावनी जे जंगल पर ओला खसि पड़त आ शहर नीचाँ मे रहत।

1. तैयारी के लेल एकटा चेतावनी: यशायाह 32:19 के भविष्यवाणी के चेतावनी हमरा सब के जीवन के तूफान के लेल तैयार रहबाक याद दिलाबैत अछि।

2. विनम्रताक आशीर्वाद: यशायाह 32:19 मे शहरक नम्रता विनम्रताक आशीर्वादक स्मरण कराबैत अछि।

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. भजन 147:6 - प्रभु विनम्र लोक केँ ऊपर उठबैत छथि; ओ दुष्ट केँ जमीन पर फेकि दैत अछि।

यशायाह 32:20 धन्य छी अहाँ सभ जे सभ पानिक कात मे बीजैत छी, जे बैल आ गदहाक पैर ओतय पठाबैत छी।

प्रभु आशीष दैत छथिन जे सभ पानि के कात मे बोइर करैत छथि आ जे अपन बैल-गदहा केँ काज करबाक लेल पठा दैत छथि |

1. आस्थाक खेती: सब पानि के बगल में बोवाई करब

2. मेहनतक आशीर्वाद: बैल आ गांडक पैर

1. भजन 1:3 - "ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे मौसम मे फल दैत अछि आ जकर पात नहि मुरझाइत अछि। ओ जे किछु करैत अछि से फलित होइत अछि।"

2. नीतिवचन 21:5 - "कर्मठ लोकक योजना ओतबे लाभ दैत अछि जतेक जल्दबाजी मे गरीबी होइत अछि।"

यशायाह अध्याय ३३ यहूदा के विनाश आरू पुनर्स्थापन के बारे में बात करै छै, जेकरा में परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू उद्धार पर जोर देलऽ गेलऽ छै। एहि मे अश्शूर द्वारा कयल गेल तबाही आ अंततः परमेश् वर पर भरोसा करबा सँ भेटय बला उद्धारक बीचक विपरीतताक चित्रण कयल गेल अछि |

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत उथल-पुथल के समय के बीच न्याय, धार्मिकता आरू परमेश्वर पर भरोसा के आह्वान स॑ होय छै । ई वर्णन करै छै कि कोना अश्शूर के विनाश अंततः परमेश्वर के प्रति स्तुति आरू भय के कारण बनतै (यशायाह ३३:१-६)।

2 पैराग्राफ: यशायाह अश्शूर के आक्रमण के कारण भेल तबाही के विलाप करै छै लेकिन आश्वासन दै छै कि परमेश् वर उद्धार लाबै लेली उठतै। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना दुश्मन सभ छिड़िया जायत, लूटल जायत आ उजाड़ छोड़ल जायत (यशायाह 33:7-12)।

3 पैराग्राफ: भविष्यवाणी में सियोन के एकटा दर्शन के चित्रण एकटा सुरक्षित निवास स्थान के रूप में कयल गेल अछि जतय धर्म, स्थिरता आ समृद्धि के भरमार अछि। ई रेखांकित करै छै कि कोना केवल वू लोग ही ई पवित्र शहर में प्रवेश करी सकै छै जे धार्मिकता में चलै छै (यशायाह 33:13-16)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह एहि बात पर जोर दैत छथि जे ई परमेश्वर छथि जे उद्धार अनैत छथि। ओ आश्वासन दैत छथि जे भले दुःख भ' सकैत अछि, मुदा हुनकर लोकक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत। ओ चंगाई, क्षमा आ सुरक्षाक वादा करैत छथि (यशायाह 33:17-24)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेतीस अध्याय प्रकट करैत अछि
न्याय के आह्वान; भगवान् पर भरोसा राखब, २.
दुश्मनक विनाश; मुक्ति, २.
आ ईश्वरीय मोक्षक माध्यमे सुरक्षाक प्रतिज्ञा।

न्याय के आह्वान; भगवान् पर भरोसा।
शत्रु के विनाश का वर्णन।
सुरक्षित सियोन के दृष्टि; धर्म के आवश्यकता।
ईश्वरीय रक्षाक प्रतिज्ञा; स्वस्थ भेनाइ.

ई अध्याय अश्शूर केरऽ आक्रमण स॑ पैदा होय वाला विनाशकारी प्रभाव क॑ स्वीकार करै छै लेकिन ई बात प॑ जोर दै छै कि अंतिम मुक्ति मानवीय ताकत या गठबंधन प॑ भरोसा नै करी क॑ भगवान प॑ भरोसा करै स॑ मिलै छै । ई रेखांकित करै छै कि कोना धर्मी जीवन जीयला स॑ सियोन के भीतर सुरक्षा मिलै छै जे ईश्वरीय उपस्थिति के प्रतीक छै, जहां स्थिरता आरू समृद्धि पनप॑ छै । ई आश्वासन दै छै कि हुनकऽ लोगऽ के सामने आबै वाला दुःख या धमकी के बावजूद, अंततः ई परमेश्वर ही उद्धार दै छै । हुनकऽ शक्ति हुनकऽ चुनलऽ लोगऽ के खिलाफ सब हथियार क॑ बेअसर करी दै छै जबकि चंगाई, क्षमा, सुरक्षा आरू बहाली प्रदान करै छै । अंततः ई चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के बीच सुरक्षा के स्रोत के रूप में हुनका पर हमरऽ भरोसा रखै के एक अटूट आश्वासन के तरफ इशारा करै छै

यशायाह 33:1 धिक्कार अहाँ जे लूटैत छी, मुदा अहाँ लूटल नहि गेलहुँ। आ धोखाधड़ी केलकै, आ तोरा संग विश्वासघात नै केलकै! जखन लूटब छोड़ि देब तखन लूटपाट भ’ जायब। जखन अहाँ विश्वासघात करब समाप्त करब तखन ओ सभ अहाँ संग विश्वासघात करत।

परमेश् वर ओकरा सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे जे सभ दोसर पर अन्याय केने छथि, हुनका सभ केँ अपन दुष्ट मार्ग छोड़ि दियौक, कारण अंततः ओ सभ अपन काजक परिणाम भोगि लेताह।

1. पापक परिणाम: भगवान् पापक प्रतिफल कोना दैत छथि

2. विश्वासघातक खतरा: छलक इनाम

२ खून, विश्वास द्वारा प्राप्त करबाक लेल।

2. उपदेशक 8:11-13 - किएक तँ कोनो दुष्कर्मक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष्यक संतानक हृदय अधलाह करबाक लेल पूर्ण रूपेण तैयार भ’ जाइत अछि। भलेँ पापी सौ बेर अधलाह काज क' क' अपन जीवन लम्बा क' दैत अछि, मुदा हम जनैत छी जे परमेश् वरक भय जे लोक सभ परमेश् वरक भय करैत अछि, ओकरा सभ केँ नीक हेतैक, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक समक्ष भयभीत अछि। मुदा दुष्टक नीक नहि हेतैक आ ने ओ छाया जकाँ अपन दिन लम्बा करत, किएक तँ ओ परमेश् वरक समक्ष नहि डरैत अछि।

यशायाह 33:2 हे प्रभु, हमरा सभ पर कृपा करू। हम सभ अहाँक प्रतीक्षा कऽ रहल छी, अहाँ सभ भोरे-भोर हुनका सभक बाँहि बनू, विपत्तिक समय मे सेहो हमरा सभक उद्धार बनू।

610

परमेश् वर हमरा सभक उद्धार छथि विपत्तिक समय मे आ हमरा सभक शक्तिक स्रोत हेबाक चाही।

1. परेशान समय मे भगवान हमर ताकत छथि

2. प्रभुक उद्धारक प्रतीक्षा करब

1. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यशायाह 33:3 हंगामा के आवाज सुनि लोक भागि गेल। तोहर उठला पर जाति सभ छिड़िया गेल।

जखन परमेश् वरक उदात्तता होयत तखन लोक सभ भय सँ भागि जायत आ जाति सभ तितर-बितर भऽ जायत।

1. राष्ट्रक भय मे प्रकट भेल परमेश् वरक संप्रभुता आ शक्ति

2. परमेश् वरक निर्णय: जखन राष्ट्र सभ भागि जाइत अछि आ तितर-बितर भऽ जाइत अछि

1. निर्गमन 15:14-15 - लोक सभ प्रभु सँ डेराइत छल आ हुनका पर भरोसा करैत छल।

2. भजन 47:1-2 - सब लोक, ताली बजाउ! आनन्दक जोर-जोर सँ गीत सँ भगवान केँ चिचियाउ! कारण, परमेश् वर, परमेश् वर परमेश् वर सँ डरबाक चाही, जे समस्त पृथ् वी पर महान राजा छथि।

यशायाह 33:4 अहाँ सभक लूट-पानी केँ ओहिना जमा कयल जायत जेना टिड्डीक दौड़-धूप ओकरा सभ पर दौड़त।

भगवान् अपन दुश्मनक लूट केँ टिड्डीक झुंड जकाँ जमा करताह।

1. परमेश् वरक अपन शत्रु सभक त्वरित आ निर्णायक निर्णय

2. परमेश् वरक शत्रु सभ पर भारी पड़बाक सामर्थ् य

1. भजन 18:4-6 - भजनहार अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त करबाक लेल परमेश् वरक सामर्थ् य आ सामर्थ् यक घोषणा करैत छथि।

2. प्रकाशितवाक्य 9:3-7 - यूहन्ना एकटा दर्शन करैत छथि जे परमेश् वर द्वारा पठाओल गेल टिड्डीक दर्शन अछि जे ओ सभ पश्चाताप नहि केने छथि।

यशायाह 33:5 प्रभु उच्च छथि। किएक तँ ओ ऊँच पर रहैत छथि, ओ सियोन केँ न्याय आ धार्मिकता सँ भरि देलनि।

परमेश् वर उदात्त छथि आ महान सामर्थ् यक स् थान मे रहैत छथि। ओ सिय्योन केँ न्याय आ धार्मिकता सँ भरि देने छथि।

1. प्रभु के उच्च स्थान पर निवास

2. सियोन मे न्याय आ धार्मिकता

1. भजन 48:1-2 - प्रभु महान छथि, आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे, हुनकर पवित्रताक पहाड़ मे बहुत स्तुति करबाक चाही।

2. मत्ती 5:6 - धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक भूखल आ प्यास करैत अछि, किएक तँ ओ सभ तृप्त होयत।

यशायाह 33:6 बुद्धि आ ज्ञान तोहर समयक स्थिरता आ उद्धारक शक्ति होयत, प्रभुक भय ओकर खजाना अछि।

भगवान् केरऽ बुद्धि आरू ज्ञान हमरऽ जीवन म॑ स्थिरता आरू ताकत लानै छै, आरू प्रभु के प्रति श्रद्धा हुनकऽ सबसें बड़ऽ खजाना छै ।

1: भगवान् के बुद्धि ताकत अछि

2: अपन प्राण सँ प्रभुक आदर करू

1: नीतिवचन 3:13-18

2: याकूब 1:5-8

यशायाह 33:7 देखू, ओकर वीर सभ बाहर कानत, शान्तिक दूत सभ कटु कानत।

वीर लोक के अनुपस्थिति के कारण शांति के राजदूत कटु कानि रहल छथिन्ह.

1. शास्त्र मे विलाप के शक्ति

2. कठिन समय मे साहसक आवश्यकता

1. विलाप 1:2, "ओ राति मे गाल पर नोर ल' क' कटु कानैत छथि; अपन सभ प्रेमी मे हुनका सान्त्वना देबय बला कियो नहि छनि;"

2. यहोशू 1:9, "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।"

यशायाह 33:8 राजमार्ग सभ उजाड़ भ’ गेल अछि, बाट पर चलय बला लोक समाप्त भ’ जाइत अछि, ओ वाचा तोड़ि देलक, ओ शहर सभ केँ तुच्छ बुझलक, ओ ककरो परवाह नहि करैत अछि।

वाचा टूटि गेल अछि आ ककरो आदर नहि होइत अछि ।

1. अपन वाचा के पालन के महत्व

2. दोसर के अस्वीकार करबाक परिणाम

1. इजकिएल 17:19 - प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे हम ऊँच देवदारक सभसँ ऊँच डारि सेहो लऽ कऽ ओकरा ठाढ़ करब। एकरऽ छोटऽ-छोटऽ टहनी केरऽ सबसें ऊपरी भागऽ सें कोमल टहनी उगाय देबै, आरो एकरा ऊंचऽ आरो प्रमुख पहाड़ पर रोपबै ।

2. यिर्मयाह 33:20 - प्रभु ई कहैत छथि, जँ अहाँ दिनक संग हमर वाचा आ राति सँ हमर वाचा तोड़ि सकैत छी, जाहि सँ दिन-राति अपन निर्धारित समय पर नहि आबि जायत।

यशायाह 33:9 पृथ्वी शोक करैत अछि आ सुस्त अछि, लेबनान लज्जित अछि आ कटल अछि, शेरोन जंगल जकाँ अछि। बाशान आ करमेल अपन फल हिला दैत अछि।

पृथ्वी अपन शांति आ सुरक्षाक अभावक शोक करैत अछि; राष्ट्र विनम्र भ' जाइत अछि आ ओकर संसाधन छीन लेल जाइत अछि |

1. शांति के लेल कानब: परेशान दुनिया में नुकसान के सामना कोना कयल जाय

2. अनिश्चितताक समय मे निष्ठा के खेती करब

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

2. याकूब 1:2-4 हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह 33:10 आब हम उठब, परमेश् वर कहैत छथि। आब हम ऊँच भ’ जायब। आब हम अपना केँ उठा लेब।

प्रभु उठि कऽ ऊँच भऽ जेताह, अपना केँ ऊपर उठबैत।

1. भगवान् शक्ति आ अधिकारक परम स्रोत छथि

2. परमेश् वरक उदात्तता आनन्द आ आशाक स्रोत अछि

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

2. फिलिप्पियों 2:9-11 - "एही लेल परमेश् वर हुनका बहुत ऊपर उठौलनि आ सभ नाम सँ ऊपरक नाम देलनि, जाहि सँ स् वर्ग मे, पृथ् वी पर आ पृथ् वी मे सभ ठेहुन यीशुक नाम पर प्रणाम करथि। आ सभ जीभ स्वीकार करैत अछि जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ पिता परमेश् वरक महिमा होयत।”

यशायाह 33:11 अहाँ सभ भूसाक गर्भ मे रहब, अहाँ सभ कूड़ा-करकट पैदा करब, अहाँक साँस आगि जकाँ अहाँ सभ केँ खा जायत।

एहि अंश मे चेतावनी देल गेल अछि जे कोनो तरहक झूठ काज आगि मे भस्म भ जाएत।

1. "झूठ कर्म के परिणाम"।

2. "कर्मक शक्ति"।

1. मत्ती 7:17-20 - "तइयो नीक गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा अधलाह गाछ अधलाह फल दैत अछि। नीक गाछ अधलाह फल नहि द' सकैत अछि, आ ने अधलाह गाछ नीक फल द' सकैत अछि।"

2. याकूब 2:14-17 - "हे भाइ लोकनि, जँ केओ कहैत अछि जे ओकरा विश्वास अछि, मुदा ओकर काज नहि अछि? की विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि? जँ कोनो भाय वा बहिन नंगटे आ नित्य भोजन सँ वंचित अछि, आ एक।" अहाँ सभ मे सँ हुनका सभ केँ कहैत छथि जे, “शांति सँ चलि जाउ, गरम आ तृप्त भ’ जाउ, मुदा अहाँ सभ हुनका सभ केँ शरीरक लेल जे किछु आवश्यक अछि से नहि दैत छी, एहि सँ की फायदा?”

यशायाह 33:12 लोक चूनक जरल जकाँ होयत, जेना काँट काटल आगि मे जराओल जायत।

लोक भगवानक पवित्र आगि मे ओहिना भस्म भ' जायत जेना काँट काटि क' जराओल जायत।

1. भगवानक अग्निक शक्ति - भगवानक अग्निमय न्याय हुनकर सभ शत्रु केँ कोना भस्म क' देत।

2. आज्ञा नहि मानबाक खर्च - आज्ञा नहि आज्ञा परमेश् वरक पवित्र आगि सँ कोना विनाश आओत।

1. मलाकी 4:1 - कारण, देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, जे भंडार जकाँ जरि जायत। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे, सभ घमंडी, हँ, आ जे सभ दुष्ट काज करैत अछि, से सभ कूड़ा-करकट भऽ जायत।

2. यूहन्ना 15:6 - जँ केओ हमरा मे नहि रहैत अछि तँ ओ डारि जकाँ फेकल जाइत अछि आ मुरझा जाइत अछि। लोक सभ ओकरा सभ केँ जमा कऽ आगि मे फेकि दैत अछि आ ओ सभ जरि जाइत अछि।

यशायाह 33:13 हे दूरक लोक सभ, सुनू जे हम की केलहुँ। आ अहाँ सभ जे सभ लग मे छी, हमर पराक्रम केँ स्वीकार करू।”

परमेश् वर दूर-दूर आ नजदीकी लोक सभ केँ अपन सामर्थ् य केँ स्वीकार करबाक लेल आह्वान करैत छथि।

1. भगवान् के पराक्रम के शक्ति: हुनकर ताकत के पहचान आ स्वीकार करब

2. परमेश् वरक पराक्रम केँ स्वीकार करब: हुनकर शक्तिक आदर आ सराहना करब सीखब

1. भजन 29:1-2 हे स्वर्गीय प्राणी सभ, प्रभु केँ महिमा आ बल दिअ। हुनकर नामक महिमा परमेश् वर केँ दियौक। पवित्रताक वैभव मे प्रभुक आराधना करू।

2. 1 इतिहास 29:10-12 तेँ दाऊद समस्त लोकक समक्ष परमेश् वर केँ आशीष देलनि। दाऊद कहलथिन, “हे परमेश् वर, हमरा सभक पिता इस्राएलक परमेश् वर, अहाँ युग-युग धरि धन्य छी।” हे प्रभु, महानता आ सामर्थ्य आ महिमा आ विजय आ महिमा अहाँक अछि, किएक तँ आकाश आ पृथ् वी मे जे किछु अछि से अहाँक अछि। हे परमेश् वर, राज्य अहाँक अछि, आ अहाँ सभसँ ऊपर माथ बनि कऽ ऊँच छी। धन-दौलत आ इज्जत दुनू अहाँ सँ अबैत अछि, आ अहाँ सभ पर राज करैत छी। तोहर हाथ मे शक्ति आ पराक्रम अछि, आ तोहर हाथ मे अछि जे पैघ बनाबी आ सभ केँ बल देब।

यशायाह 33:14 सियोन मे पापी सभ डरैत अछि। भयभीतता पाखंडी सभ केँ आश्चर्यचकित क' देने अछि। हमरा सभ मे के के रहत जे भस्म करयवला आगि के संग रहत? हमरा सभ मे के अनन्त दहनक संग रहत?

पाप व्यवहार बर्दाश्त नहि होयत आ दिव्य दण्ड सेहो भेटत।

1: हमरा सभकेँ पापसँ मुँह मोड़ि कऽ परमेश् वरक दया आ कृपाक खोज करबाक चाही।

2: परमेश् वरक संग रहबाक लेल हमरा सभ केँ धर्मी बनबाक प्रयास करबाक चाही।

1: 1 पत्रुस 1:15-16 - "मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौने छी, तहिना अहाँ सभ सभ तरहक व्यवहार मे पवित्र रहू। किएक तँ लिखल अछि जे, “पवित्र रहू, किएक तँ हम पवित्र छी।"

2: भजन 34:14 - "बुराई सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; शान्ति ताकू आ ओकर पाछाँ लागू।"

यशायाह 33:15 जे धार्मिक चलैत अछि आ सोझ बाजैत अछि। जे अत्याचारक लाभ केँ तिरस्कार करैत अछि, घूस पकड़बा सँ हाथ हिलाबैत अछि, खून सुनबा सँ कान रोकैत अछि आ बुराई देखबा सँ आँखि मुनि लैत अछि।

धर्म आ न्याय के आत्मसात करय आ अभ्यास करय के महत्वपूर्ण गुण अछि, आ जे एहन करत ओकरा आशीर्वाद भेटत।

1. धर्म आ न्यायक गुण

2. उत्पीड़न आ अन्याय के अस्वीकार करब

1. यशायाह 1:17 - सही काज करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।

2. भजन 37:27 - अधलाह सँ मुड़ू आ नीक काज करू; तखन अहाँ सभ ओहि देश मे सदिखन रहब।

यशायाह 33:16 ओ ऊँच पर रहत, ओकर रक्षाक स्थान चट्टानक गोला-बारूद होयत, ओकरा रोटी देल जायत। ओकर पानि निश्चित रहत।

भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ ऊँच स्थान पर रहब, जतय रक्षा आ भरण-पोषणक व्यवस्था हो।

1: भगवान् चाहैत छथि जे हमरा सभ केँ सुरक्षा आ सुरक्षाक स्थान उपलब्ध कराबी।

2: भगवान् चाहैत छथि जे हमरा सभक जीवनक लेल रोजी-रोटी आ पोषण प्रदान करथि।

1: भजन 91:1-2 "जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे विश्राम करत। हम प्रभुक विषय मे कहब जे, ओ हमर शरण आ किला छथि, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।" ."

2: फिलिप्पियों 4:19 "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

यशायाह 33:17 तोहर आँखि राजा केँ ओकर सौन्दर्य मे देखत, ओ सभ ओहि देश केँ देखत जे बहुत दूर अछि।

यशायाह 33:17 लोगऽ क॑ ऐन्हऽ समय के इंतजार करै लेली प्रोत्साहित करै छै जब॑ वू राजा केरऽ महानता आरू दूर-दूर के देशऽ के सुंदरता के गवाह बनतै।

1. परमेश्वरक सौन्दर्य पर ध्यान देब: स्वर्गक राज्य धरि पहुँचब

2. दूर देखब: विश्वासक माध्यमे एकटा पैघ दृष्टि प्राप्त करब

1. भजन 27:4 - हम प्रभु सँ एकटा बात माँगलहुँ जे हम तकैत रहब जे हम अपन जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब, प्रभुक सौन्दर्य केँ देखैत रहब आ पूछताछ करब अपन मंदिर मे।

2. इब्रानी 11:1 - आब विश्वास ओहि बातक आश्वासन अछि जकर आशा कयल गेल अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

यशायाह 33:18 अहाँक हृदय आतंकक चिन्तन करत। लिपिक कतय अछि? रिसीवर कतय अछि? जे बुर्ज गिनने छल से कतय अछि?

ई अंश भय आरू आतंक के समय म॑ नेता के अनुपस्थिति के बात करै छै ।

1: भय आ आतंक के समय में हमरा सब के ई याद राखय पड़त जे भगवान हमर सबहक शक्ति आ शांति के अंतिम स्रोत छथि।

2: भय आ आतंक के समय में मजबूत नेता के रहब जरूरी अछि जे हमरा सब के मार्गदर्शन में मदद करत।

1: भजन 46:1-2 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ्वी छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक बीच मे चलि जायत।"

2: यहोशू 1:9 "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि, आ निराश नहि होउ, कारण अहाँ जतय जाउ, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।"

यशायाह 33:19 अहाँ कोनो उग्र लोक नहि देखब, जे अहाँ केँ बुझबा सँ बेसी गहींर बाजब’ बला लोक। हकलाइत जीहक, जे अहाँ नहि बुझि सकैत छी।

यशायाह एकटा एहन लोकक विरुद्ध चेतावनी दैत छथि जकरा एकटा अजीब भाषा अछि जकरा बुझल नहि जा सकैत अछि।

1. भाषाक शक्ति: जीह कोना बाँटि सकैत अछि आ जीत सकैत अछि

2. अज्ञातक रहस्य: अपरिचितक अन्वेषण

1. प्रेरित 2:4-6 - ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल, आ आत् मा हुनका सभ केँ बजबाक अनुसार आन भाषा मे बाजय लगलाह।

5 यरूशलेम मे स् वर्गक नीचाँक सभ जाति मे सँ यहूदी सभ, भक्ति-धर्मी लोक सभ रहैत छलाह।

6 एहि बातक हल्ला भेला पर लोक सभ एक ठाम आबि कऽ लज्जित भऽ गेल।

2. कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे समस्त बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

यशायाह 33:20 हमरा सभक उत्सवक नगर सियोन दिस देखू, अहाँ सभक नजरि यरूशलेम केँ एकटा शांत आवास, एकटा एहन तम्बू दिस देखत जे नहि उतारल जायत। एकर एकोटा खूँटा कहियो नहि हटत आ ने ओकर कोनो डोरी टूटत।

परमेश् वर वादा केने छथि जे सिय्योन आ यरूशलेम एकटा शांतिपूर्ण घर, सुरक्षित आ अटल रहत।

1. परमेश् वरक अनन्त प्रतिज्ञा - परमेश् वरक प्रतिज्ञा कोना विश्वसनीय आ भरोसेमंद अछि

2. परमेश् वरक वाचाक सुरक्षा - हम सभ कोना परमेश् वरक रक्षा पर भरोसा कऽ सकैत छी

1. मत्ती 28:20 - हुनका सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 33:21 मुदा ओतहि महिमावान प्रभु हमरा सभक लेल चौड़ा नदी आ धारक स् थान बनताह।
जाहि मे पाँवड़ाक संग कोनो गैली नहि जायत आ ने वीर जहाज ओहि मे सँ गुजरत।

परमेश् वर प्रचुर पानिक स्थान होयत, मुदा ओहि मे सँ कोनो जहाज नहि जा सकैत अछि।

1. यहोवा के शक्ति: प्रचुरता के एक स्थान

2. याहवे के महिमा: अविश्वसनीय सुंदरता के एक स्थान

1. भजन 46:4 - एकटा एहन नदी अछि जकर धार सभ परमेश् वरक पवित्र निवास परमेश् वरक नगर केँ आनन्दित करैत अछि।

2. नीतिवचन 8:28 - "जखन ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि तखन हम ओतय छलहुँ, जखन ओ गहींर मे घेरा बनौलनि।"

यशायाह 33:22 किएक तँ परमेश् वर हमरा सभक न्यायाधीश छथि, परमेश् वर हमर सभक नियम देनिहार छथि, प्रभु हमर सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

परमेश् वर हमरा सभक न्यायाधीश, कानून देनिहार आ राजा छथि, आ ओ हमरा सभक उद्धार करताह।

1. प्रभु हमर सभक सहायक आ उद्धारकर्ता छथि

2. अपन राजाक रूप मे प्रभु पर भरोसा करब

1. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओ लोक जिनका ओ अपन धरोहरक रूप मे चुनने छथि!

2. यशायाह 9:6 - किएक तँ हमरा सभक लेल एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा बेटा देल गेल अछि। ओकर कान्ह पर सरकार रहतैक आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

यशायाह 33:23 अहाँक निपटारा ढीला भ’ गेल अछि। ओ सभ अपन मस्तूल नीक जकाँ मजबूत नहि क' सकल, पाल नहि पसारि सकल, तखन एकटा पैघ लूट केर शिकार बँटि जाइत अछि; लंगड़ा शिकार लऽ लैत अछि।

जे अपन रक्षा नहि क' सकैत अछि ओकरा लेल प्रभु युद्धक पैघ लूट-पाट उपलब्ध कराओत।

1: प्रभु सदिखन ओहि लोकक नजरि रखैत छथि जे अपन बचाव नहि क' सकैत छथि।

2: प्रभु हमरा सभक आवश्यकताक समय मे भरण-पोषण करताह।

1: भजन 46:1 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

2: मत्ती 11:28 "हे सब मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आऊ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

यशायाह 33:24 ओहि मे रहनिहार लोक ई नहि कहत जे हम बीमार छी।

परमेश् वरक देश मे लोक सभ केँ अपन पाप क्षमा कयल जायत।

1. "क्षमा आ ठीक भ' गेल: भगवानक दया हमरा सभक अपराध केँ कोना पार करैत अछि"।

2. "चंगाई के भूमि में रहना: भगवान के क्षमा के अनुभव"।

1. भजन 103:12 - पश्चिम सँ जतेक दूर अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर क’ देलनि।

2. रोमियो 3:23-25 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि। मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, ताहि द्वारा अपन अनुग्रह सँ मुक्त रूप सँ धर्मी ठहराओल गेलाह।

यशायाह अध्याय ३४ मे जाति विशेष रूप सँ एदोम पर न्याय आ विनाशक भविष्यवाणी अछि। ई ब्रह्माण्डीय उथल-पुथल के दृश्य के चित्रण करै छै आरू भगवान के संप्रभुता आरू धर्मी न्याय पर जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा आह्वान स होइत अछि जे जाति सब एकत्रित होथि आ सुनथि जेना हुनका सब पर परमेश् वरक न्याय कयल जाइत अछि। एहि मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना पृथ्वी खून सँ भीजल होयत, आ आकाश एकटा स्क्रॉल जकाँ गुड़कि जायत (यशायाह 34:1-4)।

2 पैराग्राफ: यशायाह एदोम के विनाश के बारे में भविष्यवाणी करै छै, जे सब जाति पर परमेश्वर के न्याय के प्रतीक छै। ओ देश उजाड़ भ’ जायत, जाहि मे जंगली जानवर रहत, आ काँट आ बिछुआ सँ झाँपल रहत (यशायाह 34:5-17)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चौंतीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
जाति-जाति पर न्यायक भविष्यवाणी,
एदोम के विनाश।

जाति सभ केँ परमेश् वरक न् याय सुनबाक लेल आह्वान करू।
ब्रह्माण्डीय उथल-पुथल के वर्णन।
एदोम के विनाश; उजाड़पन।

ई अध्याय राष्ट्रऽ प॑ ईश्वरीय न्याय के घोषणा के काम करै छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै कि परमेश्वर केरऽ धार्मिक जांच स॑ कोय भी मुक्त नै छै । एहि मे एकटा एहन दृश्यक चित्रण अछि जतय एहि हिसाब-किताबक समयक संग ब्रह्माण्डीय गड़बड़ी सेहो होइत अछि । विशेष रूप स॑, ई एदोम प॑ जे विनाश होतै, ओकरा प॑ केंद्रित छै जे सब विद्रोही राष्ट्र केरऽ प्रतिनिधि उदाहरण छेकै जेकरऽ परिणामस्वरूप उजाड़ आरू परित्याग होतै । प्रयोग कयल गेल बिम्ब भगवान अपन निर्णय के कोन कठोरता आ गहनता सँ निष्पादित करैत छथि से बोध करैत अछि | अंततः ई सब सृष्टि पर हुनकऽ संप्रभुता के रेखांकित करै छै आरू हुनकऽ विरोध करै वाला या दुष्टता में संलग्न होय वाला के साथ व्यवहार करै में न्याय के कायम रखै के हुनकऽ प्रतिबद्धता के पुष्टि करै छै ।

यशायाह 34:1 हे जाति सभ, सुनबाक लेल नजदीक आबि जाउ। हे लोक सभ सुनू। संसार आ ओहि मे सँ निकलय बला सभ वस्तु।

परमेश् वर सभ जाति केँ अपन वचन सुनबाक लेल आ पृथ्वी आ ओहि मे समाहित सभ किछु सुनबाक लेल आमंत्रित करैत छथि।

617

1. एकत्रित करबाक आह्वान: परमेश् वरक वचन सुनब

2. सुनबाक लेल एक संग जुटब: राष्ट्र धरि पहुँचब

1. भजन 55:22 - अपन चिन्ता प्रभु पर राखू आ ओ अहाँक भरण-पोषण करताह; ओ धर्मात्मा केँ कहियो नहि हिलय देत।

2. उपदेशक 4:9-10 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण ओकरा अपन मेहनतक नीक प्रतिफल भेटैत छैक: जँ दुनू मे सँ कियो खसि पड़य त’ एक दोसर केँ उठय मे मदद क’ सकैत अछि।

यशायाह 34:2 किएक तँ परमेश् वरक क्रोध सभ जाति पर अछि आ ओकर क्रोध ओकर सभ सेना पर अछि।

प्रभु केरऽ आक्रोश आरू क्रोध सब जाति आरू ओकरऽ सेना पर छै, जेकरा चलतें ओकरऽ विनाश आरू वध होय जाय छै ।

1. परमेश् वरक न्याय सभ पर आओत जे हुनकर आज्ञा नहि मानत आ विरोध करत।

2. हमरा सभ केँ सदिखन प्रभुक आज्ञाकारी रहबाक चाही, कहीं हुनकर क्रोध हमरा सभ पर नहि आबि जाय।

1. प्रकाशितवाक्य 6:14-17 - "आ आकाश गुड़कला पर एकटा ग्रंथ जकाँ चलि गेल। आ सभ पहाड़ आ द्वीप अपन-अपन स्थान सँ हटि गेल। आ पृथ् वीक राजा सभ, महापुरुष सभ आ धनिक लोक सभ।" आदमी, सरदार, सेनापति, पराक्रमी, हर दास, हर एक मुक्त आदमी, मांद आरो पहाड़ के चट्टान में नुका गेलै, आरो पहाड़ आरो चट्टान सें कहलकै, “हमरा सिनी पर गिरी कॅ हमरा सिनी सें नुकाबै।” सिंहासन पर बैसल लोकक मुँह आ मेमनाक क्रोध सँ, किएक तँ ओकर क्रोधक पैघ दिन आबि गेल अछि, आ के ठाढ़ भ’ सकैत अछि?”

2. इजकिएल 7:19 - "ओ सभ अपन चानी गली-गली मे फेकि देत, आ ओकर सोना हटि जायत। ओकर चानी आ ओकर सोना ओकरा सभ केँ परमेश् वरक क्रोधक दिन नहि बचा सकैत अछि। ओ सभ तृप्त नहि करत।" हुनका सभक प्राण आ ने ओकर आंत भरैत अछि, किएक तँ ई हुनका सभक अधर्मक ठोकर अछि।”

यशायाह 34:3 ओकर सभक मारल गेल लोक सभ केँ सेहो बाहर फेकि देल जायत, आ ओकर सभक लाश सँ ओकर दुर्गन्ध निकलत, आ ओकर सभक खून सँ पहाड़ सभ पिघलि जायत।

प्रभु दुष्टक मृत शरीर केँ बाहर निकालि आ ओकर खून सँ पहाड़ केँ पिघलाबय सँ सजा देथिन।

1. दुष्टताक परिणाम

2. प्रभुक क्रोध

1. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. भजन 2:5, "तखन ओ अपन क्रोध मे हुनका सभ सँ बात करत आ अपन क्रोध मे हुनका सभ केँ आतंकित करत, 'हम अपन राजा केँ अपन पवित्र पहाड़ सियोन पर ठाढ़ क' देलहुँ।"

यशायाह 34:4 आकाशक समस्त सेना भंग भ’ जायत, आ आकाश एकटा ग्रंथ जकाँ गुड़कि जायत, आ ओकर सभ सेना खसि पड़त, जेना बेल सँ पात खसि पड़ैत अछि आ अंजीर सँ खसैत अंजीर जकाँ गाछ.

आकाश आ स्वर्गक समस्त सेना घुलि जायत आ एकटा ग्रंथ जकाँ गुड़कि जायत आ ओकर सभ सेना बेल केर पात आ अंजीरक गाछक अंजीर जकाँ खसि पड़त।

1. परमेश् वरक शक्ति घुलबाक आ नवीकरण करबाक लेल: यशायाह 34:4 क अध्ययन

2. स्वर्गक क्षणिकता: यशायाह 34:4 मे जीवनक अनित्यताक अन्वेषण

1. भजन 102:25-27 - अहाँ पहिने सँ पृथ्वीक नींव रखलहुँ, आ आकाश अहाँक हाथक काज अछि। ओ सभ नाश भऽ जायत, मुदा अहाँ सहब; हँ, सभ वस्त्र जकाँ बूढ़ भ' जेताह; वस्त्र जकाँ अहाँ ओकरा सभकेँ बदलब, आ ओ सभ बदलि जाएत। मुदा अहाँ वैह छी, आ अहाँक वर्षक कोनो अंत नहि होयत।

2. इब्रानी 1:10-12 - आ: प्रभु, अहाँ शुरू मे पृथ्वीक नींव रखलहुँ, आ आकाश अहाँक हाथक काज अछि। ओ सभ नाश भऽ जेतै, मुदा अहाँ अनन्त छी; ओ सभ वस्त्र जकाँ बूढ़ भ’ जेताह। वस्त्र जकाँ अहाँ ओकरा सभकेँ मोड़ि लेब, आ बदलि जायत। मुदा अहाँ वैह छी, आ अहाँक वर्ष बीति नहि जायत।

यशायाह 34:5 हमर तलवार स् वर्ग मे नहा जायत, देखू, ओ इदुमिया आ हमर श्रापक लोक पर न्याय करबाक लेल उतरत।

परमेश् वरक न् याय ओहि सभ पर आओत जे हुनका श्राप देत।

1: परमेश् वरक न्याय तेज आ धार्मिक अछि, आ हुनकर क्रोध सँ कियो नहि बचि सकैत अछि।

2: अपन कर्म आ वचन पर ध्यान राखू, कारण भगवान् हमरा सभक कुकर्म केँ नजरअंदाज नहि करताह।

1: रोमियो 2:6-8 - परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।

2: इब्रानी 10:26-31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

यशायाह 34:6 परमेश् वरक तलवार खून सँ भरल अछि, ओकरा मोटाई सँ मोट कयल गेल अछि, आ मेमना आ बकरी सभक खून सँ, मेढ़क गुर्दाक चर्बी सँ, किएक तँ परमेश् वरक बोजरा मे बलिदान अछि, आ एक इदुमिया के भूमि में बहुत वध।

परमेश् वरक तलवार बलिदानक खून सँ भरल अछि।

1. बलिदानक शक्ति: भगवानक संग अपन संबंधक पुनर्मूल्यांकन

2. पापक खर्च: यीशुक बलिदान केँ बुझब

1. इब्रानियों 10:1-18 - यीशु के बलिदान के पाप के अंतिम भुगतान के रूप में समझना

2. लेवीय 1:1-17 - पुरान नियम मे बलिदान प्रणालीक अवलोकन

यशायाह 34:7 एक शृंख ओकरा सभक संग उतरत आ बैल सभ बैल सभक संग। ओकर सभक देश खून सँ भीजत, आ ओकर सभक धूरा मोटाई सँ मोट भऽ जायत।

जमीन खूनसँ भीजत आ मोटसँ मोट भऽ जाएत।

1: बुराई के परिणाम विनाशकारी आ गंभीर भ सकैत अछि।

2: परमेश् वर दुष्ट सभक न्याय करताह आ संसार मे न्याय करताह।

1: रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।”

2: प्रकाशितवाक्य 19:11-14 - तखन हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा उज्जर घोड़ा! ओहि पर बैसल केँ विश्वासी आ सत्य कहल जाइत छैक, आ धर्म मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि | ओकर आँखि आगि के लौ जकाँ अछि, आ माथ पर बहुत रास मुकुट अछि, आ ओकरा एकटा एहन नाम लिखल छैक जे ओकरा छोड़ि ककरो नहि बुझल छैक। ओ खून मे डुबकी लगाओल वस्त्र पहिरने छथि, आ जाहि नाम सँ हुनका कहल गेल छनि से अछि परमेश् वरक वचन | स् वर्गक सेना सभ, उज्जर आ शुद्ध महीन लिनेन मे सजल, उज्जर घोड़ा पर सवार भय हुनका पाछाँ लागि रहल छल। ओकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत छैक, जाहि सँ ओ राष्ट्र सभ केँ मारि देतैक, आ ओ लोहाक छड़ी सँ ओकरा सभ पर शासन करत। ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक क्रोधक क्रोधक दारू-कुंड पर चलत।

619

यशायाह 34:8 किएक तँ ई परमेश् वरक प्रतिशोधक दिन अछि आ सियोनक विवादक प्रतिशोधक वर्ष अछि।

परमेश् वरक प्रतिशोधक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ सियोनक विवादक प्रतिफलक वर्ष आबि गेल अछि।

1. प्रभु के प्रतिशोध के माध्यम से मोक्ष

2. प्रतिफलक माध्यमे भगवानक न्याय आ दया

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. इजकिएल 25:17 - आ हम हुनका सभ पर क्रोधित डाँट सँ बहुत प्रतिशोध करब। जखन हम हुनका सभ पर अपन प्रतिशोध लेब तखन ओ सभ बुझत जे हम परमेश् वर छी।

यशायाह 34:9 ओकर धार सभ गड्ढा मे बदलि जायत, आ ओकर धूरा गंधक मे बदलि जायत, आ ओकर देश जरैत गड्ढा बनि जायत।

जमीन नष्ट भ’ क’ उजाड़ उजाड़ भूमि बनि जायत।

1. पापक परिणाम: भूमिक विनाश

2. भगवानक दया सँ भूमिक परिवर्तन

1. लूका 3:17 - ओकर चीर-फाड़ ओकर हाथ मे छैक, जे ओ अपन कुटनी केँ साफ करथि आ गहूम केँ अपन कोठी मे जमा करथि, मुदा भूसा केँ ओ अमिट आगि सँ जरा देत।

2. इजकिएल 36:33-36 - सार्वभौम प्रभु ई कहैत छथि जे जाहि दिन हम अहाँ सभ केँ अहाँक सभ पाप सँ शुद्ध करब, हम अहाँक नगर सभ केँ फेर सँ बसायब, आ खंडहर सभक पुनर्निर्माण होयत। उजाड़ जमीन ओहि मे सँ गुजरय बला सभक नजरि मे उजाड़ पड़ल रहबाक बदला खेती होयत। ओ सभ कहत जे, ई देश जे उजाड़ भऽ गेल छल, से अदनक बगीचा जकाँ भऽ गेल अछि। जे शहर खंडहर मे पड़ल छल, उजाड़ आ नष्ट भ' गेल छल, आब किलाबंदी आ आबाद भ' गेल अछि। तखन अहाँक आसपासक जाति सभ जे रहि जायत, से बुझत जे हम प्रभु जे नष्ट भेल छल, तकरा फेर सँ बनौने छी आ जे उजड़ल छल, तकरा फेर सँ रोपने छी। हम प्रभु कहने छी, आ हम पूरा करब।

यशायाह 34:10 ई राति आ दिन नहि बुझत। ओकर धुँआ अनन्त काल धरि चलि जायत। एहि मे सँ कियो अनन्त काल धरि नहि गुजरत।

यशायाह 34:10 मे वर्णित भूमि एकटा उजाड़ आ रहय योग्य बंजर भूमि अछि, जाहि मे सँ अनन्त धुँआ उठैत अछि, आओर ओहि मे सँ कियो कहियो नहि गुजरैत अछि।

1. आध्यात्मिक चश्मा सँ दुनियाँ देखबाक महत्व।

2. भगवान् के मार्गदर्शन के बिना जीने के परिणाम।

1. प्रकाशितवाक्य 21:1-5 परमेश् वरक संग एकटा अनन्त घर।

2. भजन 46:10 परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि।

यशायाह 34:11 मुदा कड़ुआ आ कड़ुआ ओकरा पर कब्जा क’ लेत। उल्लू आ काग सेहो ओहि मे रहत, आ ओ ओकरा पर भ्रमक रेखा आ शून्यताक पाथर पसारि देत।

कुरकुरी, बिटरन, उल्लू आ काग सन चिड़ै कोनो उजाड़ भूमि मे निवास करत, आ ओहि पर भ्रम आ शून्यताक निशान रहत।

1. उजाड़ के समय में परमेश्वर के प्रभुत्व

2. भ्रम आ शून्यताक बीच आशा

1. विलाप 5:20-22 - "अहाँ हमरा सभ केँ सदाक लेल किएक बिसरि जाइत छी, एतेक काल हमरा सभ केँ किएक छोड़ि दैत छी? हे प्रभु, हमरा सभ केँ अपना मे वापस क' दिअ, जाहि सँ हम सभ पुनर्स्थापित भ' सकब! हमरा सभक दिन केँ पहिने जकाँ नवीकरण करू जाबत धरि अहाँ एकदम सँ अस्वीकार नहि क' लेब।" हमरा सभ पर, आ अहाँ हमरा सभ पर अत्यधिक क्रोधित रहैत छी।

2. यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल कल्याणक योजना अछि, अधलाहक लेल नहि। तखन अहाँ हमरा पुकारब आ आबि जायब आ।" हमरा सँ प्रार्थना करू, हम अहाँक बात सुनब, अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।

यशायाह 34:12 ओ सभ ओकर कुलीन लोक सभ केँ राज्य मे बजाओत, मुदा ओतय कियो नहि रहत आ ओकर सभ राजकुमार सभ किछु नहि होयत।

राज्यक कोनो कुलीन लोक उपस्थित नहि हेताह आ सभ राजकुमार सेहो चलि जेताह।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: चाहे कोनो परिस्थिति हो, भगवान एखनो नियंत्रण मे छथि

2. पार्थिव धनक आडंबर: मानवीय महिमा क्षणिक अछि

1. याकूब 4:14 - "अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2. भजन 146:3-4 - "मनुष्य-पुत्र पर अपन भरोसा नहि करू, जिनका मे उद्धार नहि अछि। जखन ओकर साँस चलि जायत तखन ओ पृथ्वी पर घुरि जाइत अछि; ओही दिन ओकर योजना नष्ट भ' जाइत छैक।"

यशायाह 34:13 ओकर महल मे काँट, ओकर किला मे बिछुआ आ काँट उठत।

यशायाह ३४:१३ केरऽ उजाड़ भूमि क॑ विनाश केरऽ जगह के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ महल आरू किला म॑ काँट, बिछुआ आरू काँट के पेड़ छै, आरू ई अजगरऽ के घर आरू उल्लू के आँगन छै ।

1. परमेश् वरक न्याय: यशायाह 34:13 मे उजाड़ लोकक भाग्य

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: यशायाह 34:13 क उजाड़

1. भजन 104:24-26, ओ अपन शक्ति सँ पृथ्वी केँ बनबैत छथि, अपन बुद्धि सँ संसार केँ स्थिर करैत छथि, आ अपन विवेक सँ आकाश केँ पसारि देने छथि।

2. भजन 90:2, पहाड़क जन्म सँ पहिने, वा अहाँ पृथ्वी आ संसार केँ अनन्त सँ अनन्त धरि बनौने छलहुँ, अहाँ परमेश् वर छी।

यशायाह 34:14 मरुभूमिक जंगली जानवर सभ सेहो द्वीपक जंगली जानवर सभ सँ भेंट करत, आ व्यंग्य अपन संगी सभ केँ कानत। चिचियाइत उल्लू सेहो ओतहि विश्राम करत आ अपना लेल विश्रामक स्थान ताकि लेत।

मरुभूमि आ द्वीपक जंगली जानवर सभ एकहि ठाम भेंट करत आ आराम करत।

1. जंगली जानवरक लेल परमेश्वरक प्रावधान - यशायाह 34:14

2. प्रभु मे आराम भेटब - यशायाह 34:14

1. भजन 104:10-14 - ओ मवेशीक लेल घास उगाबैत छथि, आ लोकक खेती करबाक लेल पौधा- धरती सँ भोजन निकालैत छथि।

2. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

यशायाह 34:15 ओतहि पैघ उल्लू अपन खोंता बना लेत, बिछत, बच्चा निकलत आ ओकर छाया मे जमा होयत।

महान उल्लू आ गिद्ध एदोम देश मे अपन घर बना लैत अछि आ संभोग करैत अछि।

1. भगवान् के रक्षा में घर खोजना

2. भगवान् के अपन सब प्राणी के देखभाल

1. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि देत, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत।

2. मत्ती 6:26 - हवाक चिड़ै सभ केँ देखू; ओ सभ नहि बोबैत छथि आ ने काटैत छथि आ ने कोठी मे जमा करैत छथि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभ केँ पोसैत छथि।

यशायाह 34:16 अहाँ सभ परमेश् वरक किताब सँ ताकू आ पढ़ू, एहि मे सँ कियो कमजोर नहि होयत आ ककरो अपन जीवनसाथीक अभाव नहि होयत, कारण हमर मुँह ई आज्ञा देने अछि आ ओकर आत् मा ओकरा सभ केँ जमा कऽ लेने अछि।

परमेश् वर आज्ञा देने छथि जे हुनकर सभ प्रतिज्ञा शास्त्र मे खोजल जाय आ ओहि मे सँ कोनो प्रतिज्ञा पूरा करबा मे असफल नहि होयत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पूर्ति

2. परमेश् वरक वचनक खोज

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

2. इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि।"

यशायाह 34:17 ओ हुनका सभक लेल चिट्ठी खेलौलनि, आ ओकर हाथ ओकरा सभ केँ रेखा सँ बाँटि देलकनि, ओ सभ ओकरा सभ केँ सदाक लेल अपन मालिक बनौताह, पीढ़ी-दर-पीढ़ी ओहि मे रहताह।

परमेश् वर अपन लोकक बीच एहि भूमि केँ बाँटि देने छथि, आ ओ सभ एकरा सदाक लेल, पीढ़ी-दर-पीढ़ी मे अपन कब्जा मे राखि लेताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: सुरक्षा आ कब्जाक वरदान

2. कब्जाक शक्ति: जीवनक आशीर्वादक स्वामित्व लेब

1. रोमियो 8:28: आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. भजन 127:3: देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, गर्भक फल एकटा इनाम अछि।

यशायाह अध्याय ३५ मे आशा आ बहाली के संदेश के चित्रण कयल गेल अछि। ई जंगल के एक फलैत-फूलैत आरू आनन्दित भूमि में बदलै के वर्णन करै छै, जेकरा में परमेश्वर के मोक्षदायक शक्ति आरू आशीष पर जोर देलऽ गेलऽ छै जे हुनकऽ लोगऽ के इंतजार करी रहलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रचुर वनस्पति स खिलल मरुभूमि के वर्णन स होइत अछि | ई रेखांकित करै छै कि परमेश्वर के उपस्थिति कोना हुनकऽ लोगऽ लेली चंगाई, आनन्द आरू नवीन शक्ति लानै छै (यशायाह ३५:१-७)।

2 पैराग्राफ: यशायाह कमजोर आ भयभीत लोक सभ केँ प्रोत्साहित करैत छथि, हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभक उद्धार करबाक लेल प्रतिशोधक संग आबि जेताह। ओ

अपन लोकक लेल मुक्तिक वादा करैत छथि, जे चमत्कारी संकेतक अनुभव करताह जेना पुनर्स्थापित दृष्टि, श्रवण, गतिशीलता आ बाजब (यशायाह 35:8-10)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पैंतीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
जंगल के प्रचुरता में परिवर्तन, २.
स्वस्थ भेनाइ; खुशी; नवीन शक्ति, २.
आ मुक्तिक प्रतिज्ञा।

मरुभूमि के खिलने का वर्णन।
चंगाई के वादा; खुशी; नवीन शक्ति।
मुक्ति के आश्वासन; चमत्कारी संकेत।

एहि अध्याय मे आशा आ पुनर्स्थापनक संदेश प्रस्तुत कयल गेल अछि | एहि मे एकटा एहन भविष्यक चित्रण कयल गेल अछि जतय जे कहियो बंजर आ उजाड़ छल जकर प्रतीक जंगल छल, भगवानक मोक्षदायक शक्तिक माध्यम सँ प्रचुरता आ सौन्दर्यक स्थान मे बदलि जायत | जे कमजोर या भयभीत छै ओकरा आश्वस्त करै छै कि भगवान ओकरऽ अत्याचारी के खिलाफ दिव्य प्रतिशोध लेली ओकरा बचाबै लेली आबै छै । ई प्रतिज्ञात समय में हुनकऽ लोगऽ क॑ शारीरिक चिकित्सा के साथ-साथ एक भारी आनन्द आरू नवीन शक्ति के अनुभव होतै । ओ सभ एहि आश्वासन पर भरोसा क' सकैत छथि जे मुक्ति अपन बाट पर अछि, चमत्कारी संकेतक संग जे जीवन केँ बदलबाक लेल परमेश्वरक शक्ति केँ प्रदर्शित करैत अछि। अंततः ई विश्वासी के दिल में आशा पैदा करी दै छै कि ओकरऽ परिस्थिति कतनी भी उदास नै लगै, लेकिन ईश्वरीय हस्तक्षेप के गुंजाइश हमेशा रहै छै जेकरा स॑ बहाली आरू प्रचुर आशीर्वाद मिलै छै

यशायाह 35:1 जंगल आ एकांत स्थान हुनका सभक लेल आनन्दित होयत। मरुभूमि आनन्दित होयत आ गुलाब जकाँ फूलि जायत।

उजाड़ आ उजड़ल स्थान आनन्दित होयत आ मरुभूमि आनन्द सँ भरल रहत आ गुलाब जकाँ फूलि जायत।

1. कठिनाइक बीच आनन्द

2. अप्रत्याशित स्थान पर सौन्दर्यक खोज

1. यूहन्ना 15:11 - "हम अहाँ सभ सँ ई बात कहलहुँ जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे रहय आ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण हो।"

2. भजन 126:6 - "जे अनमोल बीया ल' क' निकलैत अछि आ कानैत अछि, से निस्संदेह अपन गुच्छा ल' क' हर्षित भ' क' फेर आबि जायत।"

यशायाह 35:2 ई प्रचुर फूल फुलाओत, आ आनन्द आ गायन सँ सेहो आनन्दित होयत, लेबनानक महिमा ओकरा देल जायत, कर्मेल आ शेरोनक श्रेष्ठता, ओ सभ परमेश् वरक महिमा आ हमरा सभक परमेश् वरक महानता देखत।

ई अंश प्रभु के महिमा के प्रतिक्रिया में प्रचुर आनन्द आरू गायन के बात करै छै।

1. प्रभु के महिमा के प्रतिक्रिया में, आउ, हम सब प्रचुर आनन्द आ गायन के जीवन जीबी।

2. हम सभ प्रभुक महिमा करी आ हुनकर श्रेष्ठता मे आनन्दित रही।

1. यशायाह 61:3 - ओकरा सभ केँ राखक बदला सौन्दर्य, शोकक बदला आनन्दक तेल, भारीपनक आत्माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देब; जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

2. भजन 67:4 - अरे, जाति सभ आनन्दित होथि आ हर्ष मे गाबय! कारण, अहाँ लोक सभक धार्मिक न्याय करब आ पृथ् वी पर जाति सभक शासन करब।

यशायाह 35:3 कमजोर हाथ केँ मजबूत करू आ कमजोर ठेहुन केँ मजबूत करू।

बाइबिल हमरा सभ केँ ओहि सभक मदद करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि जे कमजोर अछि आ ओकरा सहयोगक आवश्यकता अछि।
1. "करुणा के बल"।
2. "कमजोर के ऊपर उठाबय"।
1. रोमियो 12:15 - "आनन्दित रहनिहार सभक संग आनन्दित रहू, काननिहार सभक संग कानू।"
2. गलाती 6:2 - "एक-दोसरक भार उठाउ, आ एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।"
यशायाह 35:4 भयभीत हृदयक लोक सभ केँ कहि दियौक, ‘बलिष्ठ रहू, नहि डेराउ। ओ आबि कऽ अहाँ सभ केँ बचाओत।
ई अंश पाठकऽ क॑ डरै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि भगवान ओकरा बचाबै लेली बदला आरू प्रतिफल के साथ आबै वाला छै ।
1. विश्वासक ताकत: परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे साहस भेटब
2. परमेश् वरक उद्धारक आरामसँ भय पर विजय प्राप्त करब
1. रोमियो 8:28-39: परमेश् वरक प्रेम आ उद्धारक आश्वासन
2. भजन 34:4-5: प्रभु ओहि सभक नजदीक छथि जे हुनका भय आ विपत्ति मे पुकारैत छथि।
यशायाह 35:5 तखन आन्हर सभक आँखि खुजि जायत आ बहीर सभक कान खुजि जायत।
परमेश् वर आन्हर आ बहीर सभ केँ चंगाई अनताह, जाहि सँ ओ सभ देखबा आ सुनबा मे सक्षम भ' जेताह।
1. "अदृश्य देखब: पुनर्स्थापनक आशा"।
2. "विश्वासक शक्ति: अनसुना सुनब"।
1. यूहन्ना 9:1-41 (यीशु एकटा आन्हर केँ ठीक करैत छथि)
2. मरकुस 7:31-37 (यीशु एकटा बहीर केँ ठीक करैत छथि)
यशायाह 35:6 तखन लंगड़ा हँस जकाँ कूदि जायत आ गूंगाक जीह गाओत, कारण जंगल मे पानि निकलत आ मरुभूमि मे धार निकलत।
यशायाह 35:6 मे परमेश् वर वादा करैत छथि जे लंगड़ा सभ उछलि सकैत अछि आ गूंगा सभ गाबि सकैत अछि, आओर मरुभूमि मे धारक बहत, जे बहुत जरूरी जीवन-यापन प्रदान करत।
1. विश्वासक शक्ति: जंगल मे भगवान पर भरोसा करब
2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक माध्यमे परिवर्तन प्राप्त करब
1. भजन 107:35 - ओ जंगल केँ ठाढ़ पानि मे बदलि दैत छथि, आ शुष्क जमीन केँ जलस्रोत मे बदलि दैत छथि।
2. रोमियो 15:13 - आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ विश् वास करबा मे सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य द्वारा आशा मे प्रचुर भऽ सकब।
यशायाह 35:7 सूखल जमीन एकटा पोखरि बनि जायत आ प्यासल भूमि पानिक झरना बनि जायत, जाहि ठाम अजगरक निवास स्थान पर खढ़ आ खरपतवारक संग घास होयत।

यशायाह 35:7 मे भविष्यवाणी कयल गेल अछि जे शुष्क भूमि पानि आ वनस्पति सँ बदलि जायत जतय जंगली जानवर केँ सेहो आश्रय भेटत।

1. भगवान् हमरा सभक जीवन केँ शुष्क आ बंजर सँ रसीला आ फलदायी मे बदलबा मे सक्षम छथि जखन हम हुनका पर भरोसा करैत छी।

2. परमेश् वर पर हमर सभक भरोसा हमरा सभ केँ कोनो कठिन परिस्थिति सँ उबरबा मे मददि क' सकैत अछि।

1. भजन 23:2 - ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।

2. यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

यशायाह 35:8 ओतय एकटा राजमार्ग आ बाट रहत, आ ओकरा पवित्रताक बाट कहल जायत। अशुद्ध लोक ओकरा पर सँ नहि गुजरत। मुदा ई ओहि सभक लेल होयत।

पवित्रताक बाट एकटा एहन बाट अछि जकरा मात्र धर्मी लोकनि पार क' सकैत छथि, जे यात्री सभ केँ मार्गदर्शन प्रदान करैत अछि जाहि सँ ओ सभ भटकल नहि जाथि |

1: पवित्रता के रास्ता एकटा मार्ग अछि जेकरा पर चलबाक चाही

2: पवित्रता के जीवन जीला स आशीर्वाद भेटत

1: फिलिप्पियों 2:15 - "एहि सँ अहाँ सभ निर्दोष आ निर्दोष भ' जाउ, परमेश् वरक पुत्र सभ, बिना कोनो डाँटने, एकटा कुटिल आ विकृत जातिक बीच मे, जकरा बीच अहाँ सभ संसार मे इजोत जकाँ चमकैत छी।"

2: मत्ती 7:13-14 - "अहाँ सभ संकीर्ण फाटक पर प्रवेश करू। किएक तँ विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि आ ओहि मे प्रवेश करय बला बहुतो लोक अछि। जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि, आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।”

यशायाह 35:9 ओतय कोनो शेर नहि रहत, आ ने कोनो क्षुद्र जानवर ओहि पर चढ़त, ओतय नहि भेटत। मुदा मुक्ति पाओल लोक ओतहि चलत।

मुक्ति प्राप्त लोक एहन स्थान पर चलत जतय कोनो खतरा नजदीक नहि आओत।

1. मोक्ष के मार्ग: मसीह में सुरक्षा खोजना

2. परमेश् वरक रक्षा: हुनकर निष्ठा पर भरोसा करब

1. यशायाह 43:1-3 - "डरब नहि, किएक तँ हम तोरा छुड़ा देने छी; हम तोरा नाम सँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ रहत।" अहाँ सभ पर भारी नहि पड़ब, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।”

2. भजन 23:4 - "हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

यशायाह 35:10 परमेश् वरक मुक्तिदाता सभ घुरि कऽ आबि जेताह, आ अपन माथ पर गीत आ अनन्त आनन्द ल’ क’ सियोन आबि जेताह, ओ सभ आनन्द आ आनन्द पाबि लेताह, आ शोक आ आह भरि जायत।

प्रभु के लोग मुक्ति मिलतै आरू अनन्त आनन्द के साथ हर्षित होय कॅ आरू गाबै वाला सियोन वापस आबै वाला छै। आनन्द आ हर्षक अनुभव हेतनि, आ दुख आ आह आब नहि रहतनि।

1. प्रभु मे आनन्द: मोक्ष के आशीर्वाद के अनुभव

2. प्रभु मे आनन्दित रहब: अनन्त आनन्दक उत्सव मनब

1. भजन 126:2 - तखन हमरा सभक मुँह हँसी सँ भरल आ जीह गान सँ भरल।

2. यशायाह 51:11 - तेँ परमेश् वरक छुटकारा पाओल गेल लोक सभ घुरि कऽ आबि जेताह आ गाबि कऽ सियोन आबि जेताह। हुनका सभक माथ पर अनन्त आनन्द रहतनि। आ शोक आ शोक भागि जायत।

यशायाह अध्याय ३६ राजा हिजकिय्याह के शासनकाल में यहूदा पर अश्शूर के आक्रमण के आसपास के घटना के बारे में बतैलकै। ई ऐतिहासिक संदर्भ प्रदान करै छै आरू धमकी दै वाला दुश्मन के सामने हिजकिय्याह द्वारा परमेश् वर पर जे विश्वास आरू भरोसा प्रदर्शित करलकै ओकरा उजागर करै छै।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहूदा के खिलाफ अश्शूर के सैन्य अभियान के विवरण स॑ होय छै । अश्शूर के राजा के प्रतिनिधि रबशाके यरूशलेम आबि क लोक के ताना मारैत अछि, परमेश्वर पर ओकर भरोसा के चुनौती दैत अछि आ ओकरा सब स आत्मसमर्पण करबाक आग्रह करैत अछि (यशायाह 36:1-10)।

दोसर पैराग्राफ: हिजकिय्याहक अधिकारी सभ आग्रह करैत छथि जे रबशाके हुनका सभसँ हिब्रू भाषासँ बेसी अरामी भाषामे बाजथि, मुदा ओ मना करैत छथि आ अपन उपहासक भाषण जारी रखैत छथि। रबशाके अश्शूर के सैन्य शक्ति के बारे में घमंड करी क॑ लोगऽ के बीच भय आरू संदेह पैदा करै के कोशिश करै छै (यशायाह ३६:११-२०)।

3 पैराग्राफ: अध्याय के अंत में हिजकिय्याह अपन कपड़ा फाड़ैत, यशायाह स मार्गदर्शन मांगैत छथि आ हुनका स परामर्श करय लेल दूत पठाबैत छथि। यशायाह हिजकियाह के आश्वस्त करै छै कि परमेश् वर यरूशलेम के अश्शूर के धमकी स॑ बचाबै वाला छै (यशायाह ३६:२१-२२)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छत्तीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
अश्शूरक आक्रमण; यहूदा के ताना मारना,
यशायाह सँ मार्गदर्शन मँगैत हिजकिय्याह।

अश्शूर अभियान के लेखा-जोखा।
रबशाके उपहास करैत; चुनौतीपूर्ण विश्वास।
हिजकिय्याह मार्गदर्शन चाहैत छथि; यशायाह सँ आश्वासन।

एहि अध्याय मे अश्शूर द्वारा यहूदा पर आक्रमण के आसपास के घटना के ऐतिहासिक विवरण देल गेल अछि | एहि मे चित्रित अछि जे कोना अश्शूरक राजाक प्रतिनिधित्व करय बला रबशाके राजा हिजकियाह आ हुनकर लोकक विश्वास केँ ताना मारैत अछि आ चुनौती दैत अछि | डराबै वाला धमकी के सामना करला के बावजूद आरू अपनऽ सैन्य शक्ति के घमंड करै के बावजूद रबशाके हुनकऽ संकल्प क॑ हिलाबै म॑ विफल रहै छै । ई संकट के जवाब में हिजकिय्याह यशायाह एगो भविष्यवक्ता स॑ मार्गदर्शन लै छै जे परमेश्वर के साथ अपनऽ संबंध के लेलऽ जानलऽ जाय छै आरू ओकरा आश्वासन मिलै छै कि परमेश्वर यरूशलेम क॑ ई आसन्न खतरा स॑ बचाबै वाला छै । ई अध्याय में अश्शूर द्वारा प्रदर्शित मानव शक्ति के अहंकार के साथ-साथ हिजकिय्याह के आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि के लेलऽ भरोसेमंद भविष्यवक्ता स॑ सलाह लेबै के माध्यम स॑ ईश्वरीय हस्तक्षेप प॑ निर्भरता दूनू के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै ।

यशायाह 36:1 राजा हिजकिय्याहक चौदहम वर्ष मे अश्शूरक राजा सनाहेरिब यहूदाक सभ सुरक्षित नगर सभ पर आबि ओकरा सभ पर कब्जा क’ लेलक।

राजा हिजकिय्याह के चौदहवाँ वर्ष में अश्शूर के राजा सन्नाहेरीब यहूदा पर आक्रमण करी क ओकरोॅ गढ़वाली शहरोॅ पर विजय प्राप्त करी लेलकै।

1. भगवान नियंत्रण मे छथि: तखनो जखन बात भयावह लगैत अछि

2. विश्वास के साथ भय पर काबू पाना

626

1. यशायाह 41:10, "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:2, "तेँ हम सभ नहि डेराएब जँ पृथ्वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

यशायाह 36:2 अश्शूरक राजा रबशाके केँ लाकीश सँ यरूशलेम केँ राजा हिजकिय्याह लग बहुत पैघ सेनाक संग पठौलनि। फुलरक खेतक राजमार्ग मे ऊपरका पोखरिक नाली लग ठाढ़ भ' गेलाह।

अश्शूर के राजा रबशाके के बहुत सेना के साथ यरूशलेम भेजलकै, ताकि राजा हिजकियाह के धमकी देलऽ जाय।

1: विपत्ति के समय भगवान हमरा सबहक संग सदिखन रहैत छथि, चाहे हमर दुश्मन कतबो पैघ किएक नहि लागय।

2: हमरा सभकेँ अपन शत्रु सभक सामना साहसपूर्वक करबाक चाही आ शक्ति आ रक्षाक लेल भगवान् पर भरोसा करबाक चाही।

1: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

2: व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने भयभीत होउ, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभक संग जाइत छथि। ओ अहाँकेँ कहियो नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

यशायाह 36:3 तखन हिल्कियाहक पुत्र एलियाकीम, जे घरक देखरेख करैत छलाह, आ शास्त्री शेबना आ असफक पुत्र योआह, जे लिखनिहार छलाह, हुनका लग आबि गेलाह।

हिल्कियाहक पुत्र एलियाकीम, शास्त्री शेबना आ असफक पुत्र योआह, जे अभिलेखन करौने छलाह, यशायाह लग आबि गेलाह।

1. भगवान् अपन असाधारण उद्देश्य पूरा करबाक लेल साधारण लोकक उपयोग करैत छथि |

2. भगवान् के सेवा में एकता के शक्ति

1. निर्गमन 18:21 - संगहि अहाँ सभ लोक मे सँ सक्षम लोकक व्यवस्था करब, जे परमेश् वर सँ भय मानैत अछि, सत्यक लोक, लोभ सँ घृणा करैत अछि। आ एहि तरहक लोक केँ हजारो मे शासक, सैकड़ों मे शासक, पचासक शासक आ दसक लोकक शासक बनयबाक लेल राखू।

2. नीतिवचन 27:17 - लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि; तेँ मनुष् य अपन मित्रक मुँह तेज करैत अछि।

यशायाह 36:4 तखन रबशाके हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ हिजकियाह केँ कहू जे, अश्शूरक राजा महान राजा ई कहैत छथि, “अहाँ सभ एहि पर कोन भरोसा करैत छी?”

अश्शूर के राजा रबशाके हिजकिय्याह के परमेश् वर पर भरोसा के चुनौती देलकै।

1. प्रभु पर अपन भरोसा राखू: यशायाह 36:4 मे हिजकिय्याहक विश्वास आ साहसक अध्ययन

2. परमेश् वर पर विश्वास राखू: यशायाह 36:4 मे हिजकिय्याहक विश्वास पर एक नजरि

1. यशायाह 12:2 - "देखू, परमेश् वर हमर उद्धार छथि; हम भरोसा करब, आ नहि डेरब, किएक तँ प्रभु यहोवा हमर सामर्थ् य आ गीत छथि; ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि।"

627

2. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश्वर, हमर शक्ति छथि, जिनका पर हम भरोसा करब, हमर बकलर, हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।"

यशायाह 36:5 हम कहैत छी, की अहाँ कहैत छी, (मुदा ई सभ व्यर्थ शब्द मात्र अछि) हमरा लग युद्धक लेल सलाह आ सामर्थ्य अछि, आब अहाँ ककरा पर भरोसा करैत छी जे अहाँ हमरा विरुद्ध विद्रोह करब?

वक्ता सवाल उठै छै कि जेकरा संबोधित करी रहलऽ छै, ओकरा ओकरऽ जगह बाहरी ताकत प॑ भरोसा कियैक छै, कैन्हेंकि ओकरऽ मानना छै कि वू युद्ध लेली सलाह आरू ताकत दै म॑ सक्षम छै ।

1. प्रभु पर भरोसा करू किएक त ओ ताकत आ सलाह दैत छथि

2. जखन भगवान अहाँक कात मे होथि तखन दुनिया पर भरोसा नहि करू

1. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यशायाह 36:6 देखू, अहाँ मिस्र पर एहि टूटल खढ़क लाठी पर भरोसा करैत छी। जँ केओ झुकि जायत तँ ओ ओकर हाथ मे जा कऽ ओकरा बेधत।

यशायाह फिरौन आरू मिस्र पर भरोसा करै के चेतावनी द॑ रहलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरा पर भरोसा करला स॑ खाली पीड़ा आरू कष्ट ही आबै वाला छै ।

1. प्रभु पर भरोसा करू, आ मनुष्य पर नहि

2. मानव शक्ति पर निर्भर रहला स आत्मविनाश होइत अछि

1. यिर्मयाह 17:5-8

2. भजन 146:3-4

यशायाह 36:7 मुदा जँ अहाँ हमरा कहब जे, ‘हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर पर भरोसा करैत छी, त’ की ओ नहि छथि, जिनकर ऊँच स्थान आ वेदी सभ केँ हिजकियाह लऽ गेल छथि आ यहूदा आ यरूशलेम केँ कहलथिन जे, ‘अहाँ सभ एहि वेदीक समक्ष आराधना करू?

हिजकियाह आराधनाक ऊँच स्थान आ वेदी सभ केँ छीन लेलनि आ यहूदा आ यरूशलेम केँ मात्र एकटा वेदीक समक्ष आराधना करबाक आज्ञा देलनि अछि।

1. भगवान् व्यवस्थाक भगवान छथि, आ ओ चाहैत छथि जे हम सभ एकता मे हुनकर पूजा करी।

2. प्रभु एकमात्र परमेश् वर छथि जिनकर आराधना हमरा सभ केँ करबाक अछि, आ हुनकर आराधना आत् मा आ सत्य मे करबाक अछि।

१ पूरा यहूदा आ बिन्यामीन, एप्रैम आ मनश्शे मे, जाबत धरि ओ सभ ओकरा सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट नहि कऽ देलक।

2. निर्गमन 20:3-5 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो उकेरल मूर्ति वा ऊपर स् वर्ग मे वा नीचाँ मे पृथ् वी मे वा पृथ् वीक नीचाँक पानि मे जे कोनो वस्तुक उपमा नहि बनाउ हुनका सभक सेवा करू, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।

यशायाह 36:8 आब हमर मालिक अश्शूरक राजा केँ प्रतिज्ञा द’ दियौक, आ हम अहाँ केँ दू हजार घोड़ा देब, जँ अहाँ ओकरा पर सवार भ’ सकब।

अश्शूर के राजा इस्राएली सिनी कॅ ओकरा प्रतिज्ञा दै लेली कहै छै आरो बदला में दू हजार घोड़ा के पेशकश करै छै अगर इस्राएली सिनी ओकरा सिनी लेली सवार के व्यवस्था करी सकै छै।

1. कठिन परिस्थिति मे परमेश्वर पर भरोसा करब - यशायाह 36:8

2. सब परिस्थिति मे परमेश्वरक सेवा करब - यशायाह 36:8

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. रोमियो 12:1-2 - तेँ, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ परमेश् वरक दयाक द्वारा विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि। आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यशायाह 36:9 तखन अहाँ हमर मालिकक छोट-छोट नौकर मे सँ एक सेनापतिक मुँह कोना घुमा लेब आ रथ आ घुड़सवारक लेल मिस्र पर भरोसा करब?

ई अंश सवाल उठाबै छै कि जब॑ प्रभु अपनऽ छोटऽ-छोटऽ सेवक के माध्यम स॑ भी सहायता दै म॑ सक्षम छै, त॑ कोय रथ आरू घुड़सवार लेली मिस्र प॑ कोना भरोसा करी सकै छै ।

1. परमेश् वरक सेवकक माध्यमे प्रबन्ध

2. भगवानक बल पर भरोसा करब आ दुनियाक नहि

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

2. 2 इतिहास 32:8 - हुनका संग मांसक बाँहि अछि; मुदा हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर हमरा सभक संग छथि जे हमरा सभक सहायता करथि आ हमरा सभक युद्ध लड़ब।

यशायाह 36:10 की हम आब एहि देश केँ नष्ट करबाक लेल परमेश् वरक बिना चढ़ि गेल छी? परमेश् वर हमरा कहलथिन, “एहि देश पर चढ़ि कऽ एकरा नष्ट करू।”

परमेश् वर यशायाह केँ आज्ञा देलथिन जे ओ ओहि देश मे जा कऽ ओकरा नष्ट करथि।

1: भगवान् के आज्ञा के बिना कोनो सवाल के पालन करबाक अछि।

2: परमेश् वरक निष्ठापूर्वक आज्ञापालन सँ आशीर्वाद भेटैत अछि।

1: याकूब 4:7-8 "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, आ ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जायत।"

2: मत्ती 6:33 "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

यशायाह 36:11 तखन एलियाकीम, शेबना आ योआह रबशाके केँ कहलथिन, “अपन सेवक सभ सँ अरामी भाषा मे बाजू। हम सभ ई बात बुझैत छी, आ देबाल पर बैसल लोक सभक कान मे हमरा सभ सँ यहूदी सभक भाषा मे नहि बाजू।

एलियाकीम, शेबना आ योआह रबशाके सँ निहोरा करैत छथि जे ओ हुनका सभ सँ यहूदी सभक भाषा मे नहि, बल्कि सीरियाई भाषा मे गप्प करथि, जाहि सँ देबाल पर बैसल लोक सभ नहि बुझि सकथि।

1. भाषाक शक्ति बुझब: सही समय पर सही भाषा बजबाक महत्व।

629

2. एकताक ताकत: कोना एलियाकीम, शेबना आ योआह एक संग ठाढ़ भ’ रबशाकेक मांग केँ अस्वीकार कयलनि।

1. नीतिवचन 15:1-2, "कोमल उत्तर क्रोध केँ दूर करैत अछि, मुदा कठोर वचन क्रोध केँ भड़का दैत अछि। बुद्धिमानक जीह ज्ञानक प्रशंसा करैत अछि, मुदा मूर्ख सभक मुँह मूर्खता बहाबैत अछि।"

2. इफिसियों 4:29, "अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक होयत, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।"

यशायाह 36:12 मुदा रबशाके कहलथिन, “की हमर मालिक हमरा अहाँक मालिक आ अहाँक पास ई बात कहबाक लेल पठौने छथि?” की ओ हमरा देबाल पर बैसल लोक सभ लग नहि पठौलनि जे ओ सभ अपन गोबर खा सकथि आ अहाँ सभक संग अपन पेशाब पीबथि?

रबशाके यरूशलेम मे रहनिहार सभ सँ बात करैत अछि, ई पुछैत अछि जे की ओकर मालिक ओकरा ई बात कहबाक लेल पठौने छल आ सुझाव दैत अछि जे यरूशलेम मे लोक सभ अपन गोबर खाए आ अपन मूत्र पीबय।

1. परमेश् वरक निर्णय प्रायः तेज आ कठोर होइत अछि मुदा बिना चेतावनी के नहि अबैत अछि

2. भगवान् के चेतावनी के अनदेखी नै करू नै त गंभीर परिणाम के सामना करय पड़त

1. यिर्मयाह 2:19 - अहाँक दुष्टता अहाँ केँ सजा देत, आ अहाँक पाछू हटब अहाँ केँ डाँटत। तखन विचार करू आ ई बुझू जे जखन अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ छोड़ि दैत छी आ हमरा सँ कोनो भय नहि करैत छी तखन अहाँ सभक लेल कतेक दुष्ट आ कटु होइत अछि, सेना सभक परमेश् वर घोषणा करैत छथि।

2. नीतिवचन 28:14 - धन्य अछि जे प्रभु सँ सदिखन डरैत अछि, मुदा जे अपन हृदय कठोर करत, ओ विपत्ति मे पड़ि जायत।

यशायाह 36:13 तखन रबशाके ठाढ़ भ’ क’ यहूदी सभक भाषा मे जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, “अश्शूरक राजा महान राजाक बात सुनू।”

रबशाके यहूदी सभ केँ अश्शूरक महान राजाक बात सुनबाक चुनौती देलनि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. हमरा सभक जीवन मे भगवानक प्रभुत्व

1. यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 46:1 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।

यशायाह 36:14 राजा ई कहैत छथि, “हिजकिय्याह अहाँ सभ केँ धोखा नहि दियौक, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ नहि बचा सकैत अछि।”

राजा चेतावनी दैत छथिन जे हिजकियाह सँ धोखा नहि खाउ, कारण ओ हुनका सभ केँ नहि बचा सकैत छथि।

1. छल के खतरा - झूठ वचन के कोना चिन्हल जाय आ ओकरा स बचाबी।

2. सच्चा मुक्ति की होइत अछि? - राहत आ मोक्षक विभिन्न रूपक अन्वेषण।

1. रोमियो 8:31-39 - परमेश् वरक प्रेम सँ हमरा सभ केँ की अलग क’ सकैत अछि?

2. भजन 20:7 - प्रभुक रक्षा पर भरोसा करब।

630

यशायाह 36:15 आ हिजकियाह अहाँ सभ केँ परमेश् वर पर भरोसा नहि करथि जे, ‘परमेश् वर हमरा सभ केँ अवश्य उद्धार करताह।’ ई शहर अश्शूरक राजाक हाथ मे नहि देल जायत।

हिजकिय्याह परमेश् वर पर भरोसा करबाक लेल चेतावनी दैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ अश्शूरक राजाक हाथ सँ बचा लेताह, किएक तँ शहर केँ नहि बख्शल जायत।

1. प्रभु पर भरोसा करू, मुदा मात्र हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा नहि करू

2. प्रभु हमरा सभक चुनावक परिणाम सँ सदिखन रक्षा नहि करताह

1. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. रोमियो 14:12 - तखन हमरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे परमेश् वरक समक्ष अपन हिसाब देब।

यशायाह 36:16 हिजकियाहक बात नहि सुनू, किएक त’ अश्शूरक राजा ई कहैत छथि, ‘हमरा संग उपहार मे समझौता करू आ हमरा लग निकलू अहाँ सभ अपन-अपन कुंडक पानि पीबू।

हिजकियाह केँ आग्रह कयल गेलनि जे ओ अश्शूरक राजा सँ वाचा करथि आ अपन सम्पत्ति केँ छोड़ि देथि।

1. प्रभु पर भरोसा करू आ मनुष्य पर नहि; हुनकर प्रावधान पर भरोसा करू।

2. परमेश् वर आ हुनकर वचनक प्रति वफादार रहू, चाहे किछुओ खर्च हो।

1. यशायाह 55:6 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यशायाह 36:17 जाबत हम अहाँ सभ केँ नहि आबि क’ अहाँ सभक अपन देश सन देश, मकई आ शराबक देश, रोटी आ अंगूरक बागक देश मे नहि ल’ जायब।

यशायाह 36:17 मे प्रचुरता आ समृद्धिक देश मे ल’ गेल जेबाक बात अछि।

1. कृतज्ञताक खेती: भगवान् जे प्रचुरता हमरा सभ केँ देलनि अछि ओकर सराहना कोना कयल जाय

2. अपन प्रतिज्ञात भूमि पर कब्जा करब: परमेश् वरक आशीर्वाद प्राप्त करबाक लेल धार्मिकता मे रहब

1. व्यवस्था 8:7-10 - कारण, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभ केँ नीक देश मे ल’ जा रहल छथि, जे पानि केर धार, झरना आ गहींर अछि जे घाटी आ पहाड़ी सँ निकलैत अछि।

8 गहूम आ जौ, बेल आ अंजीरक गाछ आ अनारक देश, जैतूनक तेल आ मधुक देश।

9 एहन देश जाहि मे अहाँ सभ बिना कमीक रोटी खाएब, जाहि मे अहाँ सभ केँ किछुओ कमी नहि होयत।
एकटा एहन भूमि जकर पाथर लोहाक अछि आ जकर पहाड़ी पर सँ तांबा खोद सकैत छी |

10 जखन अहाँ सभ भोजन कए पेट भरब तखन अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ ओहि नीक भूमिक लेल आशीष करू।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

631

यशायाह 36:18 सावधान रहू जे हिजकिय्याह अहाँ सभ केँ ई नहि बुझि सकथि जे, “प्रभु हमरा सभ केँ उद्धार करताह।” की जाति-जाति मे सँ कोनो देवता अपन देश केँ अश्शूरक राजाक हाथ सँ बचा लेने छथि?

प्रभु हिजकिय्याह के झूठा प्रतिज्ञा के खिलाफ चेतावनी दै छै कि प्रभु ओकरा सिनी कॅ अश्शूर के शासन सें मुक्त करी देतै।

1. प्रभु हमरा सभक मुक्ति आ उद्धारक एकमात्र आशा छथि।

2. हमरा सभ केँ मुक्तिक झूठ वादा पर भरोसा नहि करबाक चाही।

1. यिर्मयाह 17:5-8 - परमेश् वर ई कहैत छथि जे शापित अछि ओ आदमी जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन सामर्थ्य बना दैत अछि, जकर हृदय परमेश् वर सँ मुँह मोड़ि लैत अछि।

6 ओ मरुभूमि मे झाड़ी जकाँ अछि, आ कोनो भलाई नहि देखत। ओ मरुभूमिक सुखाएल स्थान मे, अनिवासी नमकीन देश मे रहताह।

2. भजन 62:10 - अत्याचार पर भरोसा नहि करू आ डकैती मे व्यर्थ नहि बनू, जँ धन बढ़ि जायत तँ ओकरा पर अपन मोन नहि राखू।

यशायाह 36:19 हमत आ अरफादक देवता कतय छथि? सेफरवैम के देवता कहाँ छै? की ओ सभ सामरिया केँ हमरा हाथ सँ बचा लेलक?

यशायाह भविष्यवक्ता प्रश्न उठबैत छथि जे हमत, अरफाद आ सेफरवैमक देवता कतय छथि आ की ओ सभ सामरिया केँ हुनकर हाथ सँ बचा लेलनि।

1. हमर परमेश् वर एकमात्र सच्चा परमेश् वर छथि - यशायाह 36:19

2. अहाँ केकरा पर भरोसा करब? - यशायाह 36:19

1. यशायाह 44:6-8 - "इस्राएलक राजा आ ओकर मुक्तिदाता, सेना सभक परमेश् वर, ई कहैत छथि: हम पहिल छी आ हम अंतिम छी; हमरा छोड़ि कोनो देवता नहि अछि। आ के घोषणा क' सकैत अछि।" हम करैत छी?तखन ओ एकरा घोषणा करथि आ हमरा लेल क्रमबद्ध करथि, जहिया सँ हम प्राचीन लोक केँ नियुक्त केने छी।आ जे बात आओत आ आओत, से ओकरा सभ केँ देखाबथि।डर नहि करू, आ ने डेराउ, हम केने छी ओहि समय सँ अहाँ सभ केँ नहि कहलक, आ घोषणा कयल गेल?अहाँ सभ हमर गवाह छी, की हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर छथि?

2. व्यवस्था 4:39 - तेँ एहि दिन केँ जानि लिअ आ मोन मे ई बुझू जे परमेश् वर स्वयं ऊपर स् वर्ग मे आ नीचाँ पृथ् वी पर परमेश् वर छथि। दोसर कोनो नहि।

यशायाह 36:20 एहि देशक सभ देवता मे ओ के छथि जे अपन देश केँ हमर हाथ सँ बचा लेलनि, जाहि सँ परमेश् वर यरूशलेम हमरा हाथ सँ बचाबथि?

परमेश् वर सँ पूछल जा रहल अछि जे देशक सभ देवता मे सँ के अपन भूमि केँ परमेश् वरक हाथ सँ बचा सकलाह आ परमेश् वर सँ यरूशलेम केँ ओही हाथ सँ बचाबय के उम्मीद किएक कयल जायत।

1. परमेश् वरक उद्धारक शक्ति पर भरोसा करब

2. विश्वासक शक्ति

1. भजन 34:7 - परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका सँ डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।

2. यशायाह 43:11 - हम, हम प्रभु छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।

यशायाह 36:21 मुदा ओ सभ चुप रहलाह आ हुनका एक शब्दक उत्तर नहि देलनि, कारण राजाक आज्ञा छलनि जे, “ओकरा उत्तर नहि दियौक।”

जनता के आज्ञा देल गेलैन जे चुप रहू आ राजा के सवाल के जवाब नै दियौ।

1. अधीनताक शक्ति: अधिकारक पालन कोना कयल जाय

2. मौनक शक्ति: सुनब सीखब

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि। जाहि सँ तोहर नीक होअय आ तोँ पृथ् वी पर बेसी दिन जीबैत रहू।

2. याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

यशायाह 36:22 तखन हिल्कियाहक पुत्र एलियाकीम आ शास्त्री शेबना आ रिकार्डर असफक पुत्र योआह अपन कपड़ा फाड़ि कऽ हिजकिय्याह लग आबि गेलाह आ हुनका रबशाकेक बात सुनौलनि।

एलियाकीम, शेबना आ योआह हिजकियाह लग आबि गेलाह जे हुनका रबशाकेक बातक सूचना देबथि, हुनकर सभक वस्त्र शोक मे फाटि गेल छलनि।

1. संकट के समय परमेश् वर के वफादारी - यशायाह 36:22

2. गवाही के शक्ति - यशायाह 36:22

1. यशायाह 37:14 - "हिजकियाह दूत सभक हाथक पत्र लऽ कऽ पढ़लनि। आ हिजकियाह प्रभुक घर मे जा क' प्रभुक समक्ष पसारि देलनि।"

2. 2 कोरिन्थी 1:3-4 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनका सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब।" ओ सभ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।”

यशायाह अध्याय ३७ अश्शूर आक्रमण के कथ्य के जारी रखै छै आरू राजा हिजकिय्याह के प्रतिक्रिया, परमेश्वर के प्रति ओकरो प्रार्थना आरू यरूशलेम के परमेश्वर के उद्धार पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत रबशाके के ताना मारय वाला बात सुनि हिजकिय्याह के परेशानी स होइत अछि। ओ अपन कपड़ा फाड़ैत छथि, यशायाह सँ सलाह लैत छथि आ प्रभु सँ पूछताछ करबाक लेल दूत पठबैत छथि (यशायाह 37:1-7)।

2 पैराग्राफ: यशायाह हिजकियाह केँ एकटा संदेश पठबैत छथि जे हुनका आश्वस्त करैत छथि जे परमेश् वर यरूशलेम केँ अश्शूर सँ बचाओत। अश्शूर के राजा के पास आबै वाला सेना के खबर मिलै छै आरू ओकरा सिनी के खिलाफ लड़ै लेली निकली जाय छै (यशायाह 37:8-9)।

3 पैराग्राफ: हिजकिय्याह के अश्शूर के राजा के धमकी वाला पत्र मिलै छै, जेकरा वू प्रार्थना में प्रभु के सामने ले जाय छै। ओ परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करैत छथि आ हुनकर शत्रु सभ सँ मुक्ति लेल गुहार लगाबैत छथि (यशायाह 37:14-20)।

4 म पैराग्राफ: यशायाह परमेश् वरक दिस सँ हिजकिय्याह केँ एकटा प्रतिक्रिया पठबैत छथि, जे वादा करैत छथि जे यरूशलेम केँ उद्धार भेटत। परमेश् वर अपनऽ खातिर आरू अपनऽ सेवक दाऊद के लेलऽ शहर के ऊपर अपनऽ सुरक्षा के घोषणा करै छै (यशायाह ३७:२१-३५)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन एकटा विवरण स होइत अछि जे कोना प्रभु के एकटा स्वर्गदूत अश्शूर के शिविर में हजारों लोक के राति भरि मारि दैत अछि। अश्शूर के राजा बेइज्जती में पीछे हटी जाय छै, आरू अंततः घर में ओकरऽ निधन के सामना करै छै (यशायाह 37:36-38)।

संक्षेप मे, २.

633

यशायाह सत्तीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि हिजकिय्याहक संकट; सलाह मांगैत, २.
मुक्ति के लेल प्रार्थना; दिव्य आश्वासन, २.
आ अश्शूरक विरुद्ध परमेश् वरक हस्तक्षेप।

हिजकिय्याह व्यथित भ’ गेलाह; सलाह मांगैत।
यशायाह सँ आश्वासन; शत्रु के प्रस्थान।
हिजकिय्याह मुक्ति के लेल प्रार्थना करैत।
भगवान रक्षा के वादा करैत; दुश्मन के पतन।

ई अध्याय में आक्रमणकारी अश्शूर के धमकी के प्रति राजा हिजकिय्याह के प्रतिक्रिया के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै । ई हुनकऽ ताना-बाना सुनी क॑ ओकरऽ परेशानी के चित्रण करै छै लेकिन ओकरऽ विश्वास क॑ भी उजागर करै छै जब॑ वू यशायाह स॑ मार्गदर्शन लै छै आरू प्रार्थना के तरफ मुड़ै छै । यशायाह द्वारा देलऽ गेलऽ संदेशऽ के माध्यम स॑ परमेश् वर हिजकिय्याह क॑ आश्वासन दै छै कि यरूशलेम क॑ ओकरऽ दुश्मनऽ के इरादा के बावजूद सुरक्षित रखलऽ जैतै । ईश्वरीय हस्तक्षेप द्वारा आयोजित घटना केरऽ एगो उल्लेखनीय मोड़ म॑ अश्शूर केरऽ शिविर म॑ हजारों लोगऽ क॑ रात भर भगवान द्वारा भेजलऽ गेलऽ एगो स्वर्गदूत द्वारा मारलऽ जाय छै । एहि सँ लाज मे पाछू हटि जाइत छथि आ अंततः घर पर हार होइत छथि । अध्याय संकट के समय में ईश्वरीय सहायता पर मानवीय निर्भरता के साथ-साथ परमेश्वर के निष्ठा पर भी जोर दै छै कि जबे वू अपनऽ लोगऽ के उद्धार करै छै जबे वू ओकरा पर पूरा मन स॑ भरोसा करै छै

यशायाह 37:1 जखन राजा हिजकिय्याह ई बात सुनि कऽ अपन कपड़ा फाड़ि कऽ बोरा सँ झाँपि परमेश् वरक घर मे गेलाह।

राजा हिजकियाह एहि खबरि सुनलनि जे ओ अपन कपड़ा फाड़ि कऽ बोरा मे झाँपि गेलाह आ ओ प्रभुक घर मे गेलाह।

1. संकट के समय में भगवान के प्रावधान पर भरोसा करना

2. विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ब

1. भजन 91:15 - ओ हमरा बजाओत, आ हम हुनका उत्तर देबनि: हम विपत्ति मे हुनका संग रहब। हम ओकरा उद्धार करब आ ओकर आदर करब।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक लेल सावधान नहि रहू; मुदा सभ बात मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वरक समक्ष अहाँ सभक निहोराक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मन केँ सुरक्षित राखत।

यशायाह 37:2 ओ घरक देखरेख करय बला एलियाकीम आ शास्त्री शेबना आ बोरा पहिरने पुरोहित सभक बुजुर्ग सभ केँ अमोजक पुत्र यशायाह भविष्यवक्ता लग पठौलनि।

एलियाकीम, शेबना आ पुरोहित सभक प्राचीन सभ केँ राजा हिजकियाह द्वारा यशायाह भविष्यवक्ता लग पठौल गेल छल।

1. जरूरत के समय प्रार्थना के महत्व

2. परमेश् वरक वफादार सेवक सभक सामर्थ् य

1. मत्ती 8:5-13 - सेनापति के यीशु पर विश्वास

2. फिलिप्पियों 2:5-11 - मसीह के विनम्रता के उदाहरण

यशायाह 37:3 ओ सभ हुनका कहलथिन, “हिजकिय्याह ई कहैत छथि, ‘आइ दिन विपत्ति, डाँट आ निन्दाक दिन अछि, किएक तँ बच्चा सभ जन्मक समय आबि गेल अछि आ ओकरा जन्म देबाक सामर्थ्य नहि अछि।”

हिजकिय्याह के लोग ओकरा कहै छै कि ई परेशानी, डांट आरू निंदा के दिन छै, कैन्हेंकि वू प्रसव में छै आरू बच्चा पैदा करै लेली एतना ताकत नै छै।

634

1. कठिन समय मे भगवान् के ताकत

2. श्रमक आशीर्वाद

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. 1 थिस्सलुनीकियों 5:18 - सभ बात मे धन्यवाद दियौक, किएक तँ अहाँ सभक विषय मे मसीह यीशु मे परमेश् वरक इच् छा अछि।

यशायाह 37:4 भ’ सकैछ जे तोहर परमेश् वर यहोवा रबशाकेक बात सुनताह, जकरा अश्शूरक राजा अपन मालिक जीवित परमेश् वरक निन्दा करबाक लेल पठौने छथि आ ओहि बात सभ केँ डाँटताह जे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर सुनने छथि जे अवशेष बचल अछि ओकर लेल प्रार्थना।

अश्शूरक राजा रबशाके केँ जीवित परमेश् वर केँ निन्दा करबाक लेल पठौने छथि, आ प्रभु ई बात सुनथिन। अतः जनता के प्रोत्साहित कयल जाइत अछि जे जे अवशेष बचल अछि ओकर लेल प्रार्थना उठाबय।

1. संकट के समय में भगवान के रक्षा पर भरोसा करना

2. प्रार्थनाक शक्ति

1. भजन 91:14-16 - "ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देलनि, तेँ हम ओकरा बचा देब। हम ओकरा ऊँच पर राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनने अछि। ओ हमरा पुकारत आ हम ओकरा उत्तर देब।" : हम ओकरा संग विपत्ति मे रहब, ओकरा उद्धार करब आ ओकर आदर करब। हम ओकरा दीर्घायु सँ तृप्त करब आ ओकरा अपन उद्धार देखायब।"

2. 1 पत्रुस 5:7 - "अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, कारण ओ अहाँ सभक चिन्ता करैत छथि।"

यशायाह 37:5 तखन राजा हिजकियाहक सेवक यशायाह लग आबि गेलाह।

राजा हिजकियाहक सेवक सभ यशायाह लग मददि लेल गेलाह।

1: जखन जरूरत होयत तखन भगवान सदिखन मदद करताह।

2: हम सब सदिखन विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ि सकैत छी।

1: यशायाह 37:5

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यशायाह 37:6 यशायाह हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ अपन मालिक केँ ई कहब जे, प्रभु ई कहैत छथि, ‘अश्शूरक राजाक सेवक सभ जे बात सुनलहुँ, ताहि सँ नहि डेराउ।”

यशायाह यहूदा के लोग सिनी कॅ निर्देश दै छै कि वू अपनऽ राजा कॅ कहै कि अश्शूर के राजा के निंदा करै वाला वचन सें नै डरै।

1. भय के समय में भगवान् पर भरोसा करना

2. निन्दाक शक्ति

१.

2. नीतिवचन 15:4 - "स्वस्थ जीह जीवनक गाछ होइत अछि, मुदा ओहि मे विकृतता आत् मा मे विकृति होइत अछि।"

यशायाह 37:7 देखू, हम ओकरा पर धमाका करब, आ ओ कोनो अफवाह सुनि क’ अपन देश वापस आबि जायत। हम ओकरा अपन देश मे तलवार सँ मारि देब।”

यशायाह 37:7 के ई अंश परमेश् वर के विरोध करै वाला सिनी कॅ न्याय दै के शक्ति के दर्शाबै छै।

1. परमेश् वरक न्याय कर्म मे: यशायाह 37:7 क परीक्षा

2. परमेश् वरक पराक्रमी हाथ केँ बुझब: यशायाह 37:7 केर अध्ययन

1. निष्कर्ष 15:3 - "प्रभु युद्धक आदमी छथि; प्रभु हुनकर नाम छथि।"

2. 2 थिस्सलुनीकियों 1:6-8 - "जखन प्रभु यीशु स् वर्ग सँ अपन पराक्रमी स् वर्गदूत सभक संग प्रगट भऽ जेताह तँ परमेश् वरक लेल ई धार्मिक बात अछि जे ओ अहाँ सभ केँ परेशान करयवला सभ केँ कष्ट सँ प्रतिफल देथिन, ज्वालामुखी आगि मे जे सभ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, आ जे सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक सुसमाचार नहि मानैत अछि, ओकर बदला लैत छी।"

यशायाह 37:8 तखन रबशाके घुरि गेलाह आ अश्शूरक राजा केँ लिबना सँ लड़ैत देखलनि, कारण ओ सुनने छलाह जे ओ लाकीश सँ चलि गेलाह।

अश्शूरक राजा लिबना पर हमला क’ रहल छलाह, ई सुनि क’ जे ओ लाकीश सँ विदा भ’ गेल छथि।

1. अपन परिवेशक प्रति जागरूक रहबाक महत्व आ हमर वर्तमान स्थिति पर हमर सभक काजक बहुत प्रभाव कोना पड़ि सकैत अछि।

2. अपन निर्णय के परिणाम के प्रति सजग रहबाक आ अपन पसंद के जिम्मेदारी लेबय के आवश्यकता।

1. नीतिवचन 21:5 - लगनशील लोकक योजना अवश्य प्रचुरता दिस ल' जाइत अछि, मुदा जे कियो जल्दबाजी करैत अछि से मात्र गरीबी मे अबैत अछि।

2. लूका 16:10 - जे बहुत कम काज मे विश्वासी अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो विश्वासी होइत अछि, आ जे बहुत कम मे बेईमान अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो बेईमान अछि।

यशायाह 37:9 ओ इथियोपियाक राजा तिरहाकाक विषय मे ई कहैत सुनलनि जे, “ओ अहाँ सँ युद्ध करय लेल निकलल छथि।” ई बात सुनि हिजकिय्याह लग दूत पठौलनि।

परमेश् वर हिजकिय्याह के प्रार्थना सुनी क॑ इथियोपिया स॑ आबै वाला हमला के बारे म॑ चेतावनी भेजै छै ।

1. भगवान् हमरा सभक प्रार्थना सदिखन सुनैत छथि आ ओकर उत्तर अपन तरीका सँ दैत छथि।

2. परमेश् वर जे संकेत दैत छथि, ताहि पर सतर्क आ सजग रहू।

1. यशायाह 37:14-20 - हिजकिय्याहक प्रार्थना आ परमेश् वरक उत्तर

2. भजन 66:19 - परमेश् वर प्रार्थना सुनैत छथि आ ओकर उत्तर दैत छथि।

यशायाह 37:10 अहाँ सभ यहूदाक राजा हिजकिय्याह सँ एहि तरहेँ कहब जे, “अहाँक परमेश् वर, जिनका पर अहाँ भरोसा करैत छी, अहाँ केँ ई कहैत धोखा नहि देथिन जे, ‘यरूशलेम अश्शूरक राजाक हाथ मे नहि देल जायत।”

यशायाह भविष्यवक्ता यहूदा के राजा हिजकिय्याह कॅ चेतावनी देलकै कि यरूशलेम कॅ अश्शूर के राजा के सामने नै सौंपलऽ जैतै, ई झूठा प्रतिज्ञा के धोखा में नै पड़ै।

1. भगवान् पर भरोसा करब हमरा सभ केँ झूठ प्रतिज्ञा सँ धोखा सँ बचाओत।

2. जखन विषमता दुर्गम बुझाइत हो तखनो भगवान मे ताकत आ साहस पाबि सकैत छी।

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाय।"

यशायाह 37:11 देखू, अहाँ सुनलहुँ जे अश्शूरक राजा सभ सभ देशक संग की कयलनि आ ओकरा सभ केँ एकदम नष्ट क’ देलनि। की अहाँ उद्धार पाबि जायब?

प्रभु यशायाह के माध्यम स॑ सवाल उठाबै छै कि इस्राएल के लोगऽ क॑ अश्शूर के राजा सिनी स॑ कोना मुक्त करलऽ जाब॑ सकै छै जे दोसरऽ देशऽ क॑ नष्ट करी चुकलऽ छै ।

1. प्रभु हमरा सभक उद्धारकर्ता छथि - यशायाह 37:11

2. बुराई पर विजय प्राप्त करबाक लेल परमेश्वरक शक्ति - यशायाह 37:11

1. भजन 145:19 - ओ हुनका सँ डरय बला सभक इच्छा पूरा करैत छथि; ओहो ओकर सभक कानब सुनि ओकरा सभकेँ बचा लैत अछि।

2. रोमियो 8:37 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

यशायाह 37:12 की हमर पूर्वज सभ जाति सभक देवता सभ ओहि जाति सभक उद्धार कएने छथि, जेना गोजान, हारान, रेसेफ आ अदनक सन् तान सभ जे तेलासर मे छल?

प्रभु प्रश्न करै छै कि की जाति के देवता अपनऽ लोगऽ क॑ ऐन्हऽ तरह स॑ मुक्त करी सकै छै जेना कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ गोजान, हारान, रेसेफ आरू अदन के बच्चा सिनी स॑ बचाबै छेलै जे तेलासर म॑ छेलै ।

1. परमेश् वर हमर उद्धारक छथि - भजन 18:2

2. प्रभु पर अपन मोन सँ भरोसा करू - नीतिवचन 3:5-6

1. यशायाह 37:20 - आब, हे हमर सभक परमेश् वर, हमरा सभ केँ हुनकर हाथ सँ बचाउ, जाहि सँ पृथ्वीक सभ राज्य ई जानि सकय जे अहाँ मात्र प्रभु छी।

2. निर्गमन 14:13-14 - मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ, ठाढ़ रहू आ प्रभुक उद्धार केँ देखू, जे ओ अहाँ सभ केँ आइ अहाँ सभ केँ देखौताह। अहाँ सभ ओकरा सभ केँ फेर अनन्त काल धरि नहि देखब।” प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह, आ अहाँ सभ चुप रहब।

यशायाह 37:13 हमतक राजा, अरफादक राजा आ सेफरवैम, हेना आ इवाह नगरक राजा कतय छथि?

एहि अंश मे हमथ, अरफाद, सेफरवैम, हेना आ इवाहक राजा सभ सँ पूछल गेल अछि जे ओ सभ कतय छथि।

1. राष्ट्र पर परमेश् वरक प्रभुत्व: हमत, अरफाद, सेफरवैम, हेना आ इवाहक राजा सभक उदाहरण।

2. उद्देश्य आ अर्थक खोज: भगवानक सान्निध्य मे अपन पहिचान ताकब।

1. दानियल 2:20-21 - "परमेश् वरक नाम सदा-सदा धन् य हो, किएक तँ बुद्धि आ पराक्रम हुनकर अछि। ओ समय आ ऋतु बदलैत छथि, राजा सभ केँ हटा दैत छथि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत छथि; ओ बुद्धिमान केँ बुद्धि आ ज्ञान दैत छथि।" जेकरा समझदारी छै।"

2. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

यशायाह 37:14 हिजकियाह दूत सभक हाथ सँ चिट्ठी लऽ कऽ पढ़लनि, आ हिजकियाह परमेश् वरक घर मे जा कऽ परमेश् वरक समक्ष पसारि देलनि।

हिजकिय्याह केँ दूत सभक पत्र भेटलनि आ ओ प्रभुक घर गेलाह जे ओ ओकरा सामने पसारथि।

1. हिजकिय्याह जकाँ प्रभु पर भरोसा करबाक लेल समर्पित आ इच्छुक रहू।

2. आवश्यकताक समय मे मार्गदर्शनक लेल भगवान् दिस ताकू।

1. यशायाह 37:14

2. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे ऊँच होयब, पृथ् वी पर हम ऊँच होयब।

यशायाह 37:15 हिजकियाह परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि।

हे सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, जे करूब सभक बीच रहैत छी, अहाँ पृथ् वीक सभ राज् यक परमेश् वर छी।

हिजकियाह प्रभु सँ प्रार्थना केलनि, हुनका पृथ्वी पर सभ राज्यक एकमात्र परमेश् वर आ स् वर्ग आ पृथ् वीक सृष्टिकर्ताक रूप मे चिन्हैत छलाह।

1. प्रार्थनाक शक्ति: प्रभुक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करब

2. प्रभु असगर भगवान् छथि: हुनका पर हमर सभक विश्वास

1. यिर्मयाह 10:10-11 - मुदा परमेश् वर सत् य परमेश् वर छथि, ओ जीवित परमेश् वर छथि आ अनन् त राजा छथि, हुनकर क्रोध सँ पृथ् वी काँपि जायत आ जाति सभ हुनकर क्रोध नहि सहि सकैत अछि।

2. व्यवस्था 4:39 - तेँ आइ ई जानि लिअ आ अपन मोन मे ई विचार करू जे परमेश् वर ओ ऊपर स् वर्ग मे आ नीचाँ पृथ् वी पर परमेश् वर छथि।

यशायाह 37:16 हे सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, जे करूब सभक बीच रहैत छी, अहाँ पृथ् वीक सभ राज् यक परमेश् वर छी।

पृथ्वी के सब राज्य के एकमात्र परमेश् वर छै, आरो वू ही स्वर्ग आरो पृथ्वी के रचना करलकै।

1. "भगवानक सार्वभौमत्व"।

2. "सृष्टिक चमत्कार"।

1. भजन 115:3 - "हमर सभक परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ अपन मनपसंद सभ काज करैत छथि।"

2. कुलुस्सी 1:16 - "किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ किछु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।"

यशायाह 37:17 हे प्रभु, कान झुकाउ आ सुनू। हे परमेश् वर, अपन आँखि खोलि कऽ देखू।

सेनाहेरिब जीवित परमेश् वर के निंदा करी रहलऽ छै, आरू यशायाह परमेश् वर कॅ सुनै लेली कहै छै आरू ओकरोॅ आँख खोलै लेली कहै छै कि की होय रहलऽ छै।

1. प्रार्थना के शक्ति: यशायाह के मदद के लेल परमेश्वर के पास आह्वान

2. झूठ आरोप पर काबू पाबब: भगवानक रक्षा मे विश्वासक संग प्रतिक्रिया देब

1. भजन 34:17-19 - प्रभु धर्मी लोकनिक प्रार्थना सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ हुनकर संकट सँ मुक्त करैत छथि।

2. दानियल 6:10-11 - दानियल सजाय के धमकी के बादो परमेश् वर सँ प्रार्थना करैत रहलाह, आ परमेश् वर हुनका नुकसान सँ मुक्त कयलनि।

यशायाह 37:18 हे प्रभु, अश्शूरक राजा सभ सभ जाति आ ओकर देश सभ केँ उजाड़ि देलक।

अश्शूर के राजा सब जाति आ ओकर देश के नष्ट क देने छैथ।

1. भगवान हमरा सभक लेल सदिखन देखैत रहैत छथि, चाहे हमर सभक स्थिति कतबो कठिन किएक नहि हो।

2. हमरा सभ केँ भगवान् पर सदिखन विश्वास राखय पड़त, ओहो विनाशक सामना करबा काल।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

यशायाह 37:19 अपन देवता सभ केँ आगि मे फेकि देलक, किएक तँ ओ सभ कोनो देवता नहि छल, बल् कि मनुखक हाथक काज छल, लकड़ी आ पाथर, तेँ ओ सभ ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देलक।

लोक अपन झूठ देवता केँ नष्ट क' देलक अछि जे मनुक्खक हाथ सँ लकड़ी आ पाथर सँ बनाओल गेल छल, कारण ओ असली देवता नहि छल |

1. मिथ्या देवताक अयोग्यता

2. झूठ देवताक प्रति हमरा लोकनि केँ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

1. व्यवस्था 32:17 "ओ सभ ओहि देवता सभक बलिदान दैत छलाह, परमेश् वर केँ नहि, जकरा ओ सभ नहि चिन्हने छलाह..."

2. यिर्मयाह 10:14 "प्रत्येक आदमी मूर्ख अछि, ज्ञानहीन अछि; प्रत्येक सोनार अपन मूर्तिक कारणेँ लज्जित होइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओहि मे कोनो साँस नहि अछि।"

यशायाह 37:20 आब, हे हमर परमेश् वर, हमरा सभ केँ हुनकर हाथ सँ बचाउ, जाहि सँ पृथ्वीक सभ राज्य ई जानि सकय जे अहाँ मात्र प्रभु छी।

यशायाह 37:20 परमेश्वर स’ आह्वान करैत अछि जे ओ अपन लोक के ओकर दुश्मन स’ बचाबथि जाहि स’ पृथ्वी के सब राज्य ई जानि सकय जे ओ एकमात्र प्रभु छथि।

1. "एकमात्र प्रभु: भगवान् के सार्वभौमिकता के मान्यता"।

2. "प्रार्थना के शक्ति: भगवान स मुक्ति माँगना"।

1. मत्ती 6:9-13 तखन एहि तरहेँ प्रार्थना करू: हमर सभक पिता जे स् वर्ग मे छथि, अहाँक नाम पवित्र होअय। तोहर राज्य आबि जाउ। अहाँक इच्छा पूरा हो, पृथ्वी पर जेना स्वर्ग मे होइत अछि। आइ हमरा सभकेँ अपन रोजक रोटी दिअ। आ हमरा सभक ऋण क्षमा करू, जेना हम सभ अपन ऋणी सभ केँ सेहो माफ कऽ देलहुँ। आ हमरा सभ केँ परीक्षा मे नहि लऽ जाउ, बल् कि हमरा सभ केँ अधलाह सँ बचाउ।

2. भजन 66:1-4, समस्त पृथ्वी, परमेश् वर केँ हर्षोल्लास सँ चिचियाउ। हुनकर नामक सम्मान गाओ; हुनक स्तुति केँ गौरवशाली बनाउ। भगवान् सँ कहू जे अहाँक काज कतेक भयानक अछि! अहाँक

शक्तिक महानताक कारणेँ अहाँक शत्रु अहाँक अधीन होयत । समस्त धरती अहाँक पूजा करत आ अहाँक स्तुति गाओत; ओ सभ अहाँक नामक स्तुति गाओत। सेलाह।

यशायाह 37:21 तखन अमोजक पुत्र यशायाह हिजकिय्याह लग पठौलनि जे, “इस्राएलक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि, “जखन कि अहाँ हमरा सँ अश्शूरक राजा सनहेरीबक विरुद्ध प्रार्थना केलहुँ।

अमोज के पुत्र यशायाह इस्राएल के परमेश् वर परमेश् वर के तरफ सँ हिजकिय्याह के पास अश्शूर के राजा सनहेरीब के खिलाफ प्रार्थना के बारे में संदेश भेजलकै।

1. प्रार्थना के शक्ति - हिजकिय्याह के प्रार्थना इतिहास के कोना बदललकै

2. परमेश् वरक हस्तक्षेप - इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर हिजकिय्याहक प्रार्थनाक उत्तर कोना देलनि

1. याकूब 5:16 - एकटा धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे बहुत शक्ति होइत छैक जेना ओ काज क’ रहल अछि।

2. लूका 18:1 - यीशु हुनका सभ केँ एकटा दृष्टान्त सुनौलनि जे हुनका सभ केँ सदिखन प्रार्थना करबाक चाही आ हिम्मत नहि हेबाक चाही।

यशायाह 37:22 ई ओ वचन अछि जे परमेश् वर हुनका विषय मे कहने छथि। सिय्योनक बेटी कुमारि अहाँ केँ तिरस्कृत कयने अछि आ अहाँ केँ तिरस्कार करबाक लेल हँसि देलक। यरूशलेमक बेटी तोरा देखि माथ हिला देलक।

ई अंश परमेश् वरक ओहि बातक गप्प करैत अछि जे सियोन आ यरूशलेमक बेटी द्वारा तिरस्कृत आ तिरस्कृत कयल गेल अछि।

1. अस्वीकृति के शक्ति: हमर सबहक दृष्टिकोण हमर सफलता के कोना निर्धारित करैत अछि

2. अस्वीकृति पर काबू पाब: अपमान स आगू कोना बढ़ल जाय

1. मत्ती 11:6 "धन्य अछि जे हमरा सँ आहत नहि होइत अछि।"

2. रोमियो 8:37-39 "नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य आ ने कोनो।" शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन चीज, हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग क' सकैत अछि जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।"

यशायाह 37:23 अहाँ ककरा निन्दा आ निन्दा केलहुँ? अहाँ केकरा पर अपन आवाज उठौने छी आ अपन आँखि ऊँच पर उठौने छी? एतय तक कि इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक विरुद्ध सेहो।

परमेश् वर लोक सभ केँ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक निन्दा करबाक बात आ काज सभक लेल डाँटैत छथि।

1. निन्दाक परिणाम: हमरा सभ केँ परमेश् वरक नामक आदर कोना करबाक चाही

2. भगवान् देखैत छथि: धर्मी जीवन जीबाक महत्व

1. याकूब 4:11-12 "हे भाइ लोकनि, एक-दोसरक विरुद्ध अधलाह नहि बाजू। जे कोनो भाइक विरुद्ध बजैत अछि वा अपन भाइक न् याय करैत अछि, से व्यवस्थाक विरुद्ध अधलाह बजैत अछि आ धर्म-नियमक न् याय करैत अछि। मुदा जँ अहाँ सभ धर्म-नियमक न्याय करैत छी तँ अहाँ सभ छी।" धर्म-नियमक पालन करयवला नहि अपितु न्यायाधीश।

2. भजन 106:2-3 प्रभुक पराक्रमक काज के कहि सकैत अछि, वा हुनकर सभ स्तुति के घोषणा क’ सकैत अछि? धन्य छथि ओ सभ जे न्यायक पालन करैत छथि, जे सभ समय धार्मिकता करैत छथि!

640

यशायाह 37:24 अहाँ अपन सेवक सभक द्वारा प्रभु केँ निन्दा केलहुँ आ कहलहुँ जे, “हम अपन रथक भीड़ सँ पहाड़क ऊँचाई पर, लेबनानक कात मे आबि गेल छी। हम ओकर ऊँच देवदार आ ओकर चंचल देवदारक गाछ सभ काटि देब आ ओकर सीमाक ऊँचाई आ ओकर कर्मेल जंगल मे प्रवेश करब।”

अश्शूरक राजा सेनाहेरिब घमंड करैत छथि जे ओ अपन रथ ल' क' लेबनान आबि गेल छथि आ देवदार आ देवदारक गाछ सभ केँ नष्ट क' देताह।

1. राष्ट्र आ राजा पर परमेश् वरक प्रभुत्व

2. मनुष्यक घमंड आ भगवानक विनम्रता

1. भजन 33:10-11 - "प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ निष्कृत करैत छथि; ओ जाति सभक योजना केँ विफल करैत छथि। प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

2. रोमियो 13:1 - "प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि, आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स्थापित कयल गेल अछि।"

यशायाह 37:25 हम खोदलहुँ आ पानि पीलहुँ। हम अपन पएरक तलवा सँ घेराबंदी कयल गेल स्थानक सभ नदी केँ सुखा देने छी।

भगवान अपन पएर के प्रयोग क घेराबंदी वाला जगह पर सब नदी के सुखाय देलखिन।

1. परमेश् वरक शक्ति अरोपित अछि: यशायाह 37:25 क अध्ययन

2. प्रभु पर कखन भरोसा करबाक चाही से जानब: यशायाह 37:25 सँ सीख

1. भजन 46:1-3, परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. यशायाह 41:13, किएक तँ हम, अहाँक परमेश् वर, अहाँक दहिना हाथ पकड़ि कऽ कहब जे, “डरब नहि, हम अहाँक मदति करब।”

यशायाह 37:26 की अहाँ बहुत पहिने नहि सुनने छी जे हम कोना केलहुँ। आ प्राचीन काल के, की हम एकरा बनौने छी? आब हम ई बात पूरा कऽ देलहुँ जे अहाँ रक्षित शहर सभ केँ उजड़ि कऽ खंडहरक ढेर मे राखि देब।

भगवान् प्राचीन काल सँ नगरक निर्माण आ विनाश करैत आबि रहल छथि |

1. भगवान सार्वभौम छथि: शहर मे दिव्य प्रोविडेंस केँ बुझब

2. बर्बाद ढेरसँ गौरवशाली नींव धरि: शहरक आशा आ मोक्ष

1. यशायाह 45:18 - कारण, प्रभु ई कहैत छथि, जे आकाशक रचना केलनि (ओ परमेश् वर छथि!), जे पृथ्वी केँ बनौलनि आ बनौलनि (ओ एकरा स्थापित केलनि; ओ एकरा खाली नहि बनौलनि, ओ एकरा रहबाक लेल बनौलनि!): हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यशायाह 37:27 एहि लेल हुनका सभक निवासी सभ छोट-छोट शक्तिक छलाह, ओ सभ चकित आ भ्रमित भ’ गेलाह, ओ सभ खेतक घास जकाँ, हरियर जड़ी-बूटी जकाँ, घरक चोटी पर घास जकाँ आ मकई जकाँ उगबा सँ पहिने धमाका कयल गेल।

ई अंश भूमि के निवासी के छोटऽपन आरू नाजुकता के बात करै छै, जेकरऽ तुलना नाजुक घास, जड़ी- बूटी आरू मकई स॑ करलऽ गेलऽ छै ।

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 4:14-15 "[illegible]

2. [illegible] 6:10-11 [illegible]

[illegible] 37:28 [illegible]

[illegible] 37:28 [illegible]

1: [illegible] - [illegible]

2: [illegible] - [illegible]

1: [illegible] 139:1-4 - [illegible]

2: [illegible] 6:25-34 - [illegible]

[illegible] 37:29 [illegible]

[illegible]

1. "[illegible]"[illegible]

2. "[illegible]"[illegible]

1. [illegible] 54:17 - "[illegible]”

2. [illegible] 23:3 - "[illegible]"

[illegible] 37:30 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]: [illegible]’ [illegible]

2. [illegible]: [illegible]

1. मत्ती 6:26-34 - परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करब

2. भजन 37:3-6 - परमेश् वरक वफादारी पर भरोसा करब

यशायाह 37:31 यहूदाक घरक जे बचल अछि, से फेर नीचाँ दिस जड़ि जमा लेत आ ऊपर दिस फल देत।

यहूदाक अवशेष पुनर्स्थापित होयत आ पनपत।

1: भगवान् पर भरोसा करू, कारण ओ अहाँ केँ पुनर्स्थापित क' सकैत छथि आ पनप सकैत छथि।

2: परमेश् वरक पुनर्स्थापन आ आशाक प्रतिज्ञा पर विश्वास करू।

1: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2: यशायाह 43:19 - "देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी! आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे आ उजाड़ मे धार मे बाट बना रहल छी।"

यशायाह 37:32 यरूशलेम सँ एकटा शेष लोक निकलत आ जे सभ सियोन पहाड़ सँ बचैत अछि, सेना सभक प्रभुक उत्साह ई काज करत।

ई श्लोक बताबै छै कि यरूशलेम के एगो अवशेष लोग यरूशलेम सें भागी क॑ सियोन पर चढ़ी जैतै, आरू ई प्रभु के उत्साह ही ई काम पूरा करतै।

1. "प्रभुक उत्साह: कठिन समय मे शरण आ आशा भेटब"।

2. "प्रभुक रक्षाक हाथ: बचय बला अवशेष"।

1. भजन 33:18-22 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर अडिग प्रेम मे आशा करैत छथि।

2. यशायाह 54:7-8 - हम थोड़ेक काल लेल अहाँ सभ केँ छोड़ि देलहुँ, मुदा बहुत दया सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। क्षण भरि लेल उमड़ैत क्रोध मे हम अहाँ सँ अपन मुँह नुका लेलहुँ, मुदा अनन्त प्रेम सँ अहाँ पर दया करब, अहाँ सभक मुक्तिदाता परमेश् वर कहैत छथि।

यशायाह 37:33 तेँ परमेश् वर अश्शूरक राजाक विषय मे ई कहैत छथि, “ओ एहि नगर मे नहि आओत आ ने ओतऽ तीर चलाओत आ ने ढाल लऽ कऽ ओकरा आगू मे आओत आ ने एकरा पर तट चलाओत।”

प्रभु घोषणा करै छै कि अश्शूर के राजा यरूशलेम के घेराबंदी नै करी सकै छै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक रक्षा - भजन 91:4-5

2. परमेश् वर मे विश्वासक शक्ति - इब्रानियों 11:33-34

1. यशायाह 59:19 - तहिना ओ सभ पश्चिम दिस सँ प्रभुक नाम आ सूर्यक उदय सँ हुनकर महिमा सँ डरताह। जखन शत्रु बाढ़ि जकाँ आबि जायत तखन परमेश् वरक आत् मा ओकरा विरुद्ध झंडा उठौताह।

2. भजन 46:7-8 - सेना सभक प्रभु हमरा सभक संग छथि; याकूबक परमेश् वर हमरा सभक शरण छथि।
सेलाह। आऊ, देखू, परमेश् वरक काज सभ, ओ पृथ् वी पर केहन उजाड़ बनौने छथि।

यशायाह 37:34 जाहि बाट मे ओ आयल छलाह, ओहि बाट पर ओ घुरि क’ आबि जेताह आ एहि शहर मे नहि आओत, प्रभु कहैत छथि।

जेना आयल छलाह तेना नहि घुरताह।

1: परमेश् वरक रक्षाक प्रतिज्ञा आ हुनका पर हमर सभक विश्वास।

2: परमेश् वरक न्यायक शक्ति आ पश्चाताप करबाक हमरा सभक आवश्यकता।

1: भजन 37:39 - मुदा धर्मी सभक उद्धार परमेश् वरक अछि, ओ विपत्तिक समय मे हुनका सभक सामर्थ्य छथि।
2: यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यशायाह 37:35 हम एहि नगरक रक्षा करब जाहि सँ हम अपन आ अपन सेवक दाऊदक लेल एकरा बचा सकब। परमेश् वर अपन लेल आ अपन सेवक दाऊदक लेल यरूशलेमक रक्षा करताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम - यरूशलेमक उदाहरणक माध्यमे परमेश् वरक अपन लोकक लेल देखभाल आ सुरक्षाक खोज करब।
2. निष्ठा के पुरस्कृत - दाऊद के कहानी के माध्यम स परमेश् वर के निष्ठा आ निष्ठा के फल के परखना।

२. तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ हुनका सभक पाप क्षमा करब आ हुनका सभक देश केँ ठीक करब।

2. रोमियो 8:31-32 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि दय देलक, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा सौंपि देलक, से ओ हमरा सभ केँ कोना मुफ्त मे नहि देत?

यशायाह 37:36 तखन परमेश् वरक स् वर्गदूत निकलि कऽ अश्शूर सभक डेरा मे एक लाख पचास हजार लोक केँ मारि देलक।
प्रभु के दूत एक रात में 185,000 अश्शूर के हत्या करी देलकै।

1. परमेश् वर दया आ न्याय दुनूक परमेश् वर छथि - रोमियो 11:22

2. विश्वासक शक्ति - लूका 18:27

1. दानियल 3:17-18 - परमेश् वर हमरा सभ केँ आगि सँ मुक्त करबा मे सक्षम छथि

2. भजन 33:16-19 - प्रभु जकाँ केओ नहि अछि, ओ हमरा सभ केँ शत्रु सँ मुक्त करैत छथि।

यशायाह 37:37 अश्शूरक राजा सनहेरिब चलि गेलाह आ घुरि क’ नीनवे मे रहि गेलाह।
अश्शूरक राजा सेनहेरिब चलि गेलाह आ फेर घुरि कऽ नीनवे मे बसलाह।

1. परमेश् वरक प्रावधान: परमेश् वर कोना सनाहेरिब केँ रहबाक लेल आशीष देलनि।

2. भगवानक योजना: कोना भगवानक योजना सदिखन गति मे रहैत अछि।

1. यशायाह 37:37 - तखन अश्शूरक राजा सनाहेरिब चलि गेलाह आ घुरि कऽ नीनवे मे रहि गेलाह।

2. उत्पत्ति 1:1 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि।

यशायाह 37:38 जखन ओ अपन देवता निस्रोकक घर मे आराधना क’ रहल छलाह तखन हुनकर पुत्र अद्रम्मेलेक आ सरेजर हुनका तलवार सँ मारि देलनि। ओ सभ आर्मेनिया देश मे भागि गेल, आ ओकर बदला मे ओकर पुत्र एसरहद्दोन राज केलक।
अश्शूर के राजा सेनाहेरिब के बेटा अद्रम्मेलेक आरू सरेज़र द्वारा मारलऽ गेलै, जबेॅ हुनी अपनऽ देवता निस्रोक के घरऽ में पूजा करी रहलऽ छेलै। तखन हुनकर पुत्र एसरहद्दोन हुनकर स्थान पर राज केलनि।
644

1. जीवनक सभ परिस्थिति पर भगवानक प्रभुत्व

2. मिथ्या पूजाक परिणाम

1. भजन 24:1 - "पृथ्वी आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि।"

.

यशायाह अध्याय ३८ राजा हिजकिय्याह के बीमारी के कहानी, चंगाई के लेलऽ ओकरऽ प्रार्थना आरू ओकरऽ निहोरा के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया के बारे में बतैलकै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हिजकिय्याह के बीमार होय के साथ होय छै आरू यशायाह भविष्यवक्ता के तरफ सें मुलाकात मिलै छै। यशायाह परमेश्वर के तरफऽ स॑ एगो संदेश दै छै, जेकरा म॑ हिजकियाह क॑ सूचित करलऽ जाय छै कि ओकरऽ बीमारी अंतिम छै आरू वू ठीक नै होतै (यशायाह ३८:१-३)।

2 पैराग्राफ: हिजकिय्याह प्रार्थना में परमेश्वर के तरफ मुड़ै के खबर के जवाब दै छै, हुनकऽ दया आरू निष्ठा के आह्वान करै छै। ओ परमेश् वर केँ अपन भक्ति केँ मोन पाड़ैत छथि आ चंगाई आ पुनर्स्थापनक निहोरा करैत छथि (यशायाह 38:9-20)।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर हिजकिय्याहक प्रार्थना सुनैत छथि आ यशायाहक माध्यमे जवाब दैत छथि, राजा केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ हुनकर नोर देखलनि अछि आ हुनका ठीक करताह। परमेश् वर हिजकिय्याह के जीवन में पन्द्रह साल जोड़ै के आरू ओकरा अश्शूर के खतरा स॑ बचाबै के वादा करै छै (यशायाह ३८:४-८, २१-२२)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अड़तीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
हिजकिय्याहक बीमारी; टर्मिनल पूर्वानुमान, 1999।
चंगाई के लेल प्रार्थना; भगवान् के प्रतिक्रिया।

हिजकिय्याह बीमार पड़ि रहल छथि; टर्मिनल पूर्वानुमान।
हिजकिय्याह चंगाई के लेल प्रार्थना करैत।
भगवान् के प्रतिक्रिया; चिकित्सा के आश्वासन।

ई अध्याय राजा हिजकिय्याह के बीमारी आरू परमेश् वर स॑ चंगाई लेली ओकरऽ हताश निहोरा पर केंद्रित छै । यशायाह सँ ई विनाशकारी खबर मिलला के बाद कि ओकरो बीमारी अंतिम छै, हिजकियाह गंभीर प्रार्थना में परमेश्वर के तरफ मुड़ै छै। ओ परमेश् वरक दयाक आग्रह करैत छथि, अपन निष्ठा केँ मोन पाड़ैत छथि आ हुनका सँ अपन स्वास्थ्य केँ बहाल करबाक आग्रह करैत छथि। हिजकिय्याह के निहोरा के जवाब में परमेश् वर ओकरो प्रार्थना सुनी कॅ यशायाह कॅ आश्वासन के संदेश भेजै छै। परमेश् वर हिजकिय्याह के ठीक करै के वादा करै छै, जेकरा सें ओकरो जीवन में पन्द्रह साल जोड़ै छै, आरु अश्शूर के खतरा सें मुक्ति मिलतै। ई अध्याय मानव जीवन के कमजोरी आरू निश्छल विश्वास के प्रतिक्रिया में प्रार्थना आरू ईश्वरीय हस्तक्षेप के शक्ति दूनू पर प्रकाश डालै छै ।

यशायाह 38:1 ओहि समय मे हिजकियाह मृत्युक लेल बीमार छलाह। अमोजक पुत्र यशायाह प्रवक् ता हुनका लग आबि कहलथिन, “परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “अपन घर केँ व्यवस्थित करू, किएक तँ अहाँ मरि जायब आ जीवित नहि रहब।”

यशायाह भविष्यवक्ता हिजकियाह केँ कहैत छथि जे ओ मरि जेताह आ अपन घर केँ व्यवस्थित करथि।

1. "मरबाक समय: हिजकिय्याह आ प्रभुक आह्वान"।

2. "समय के वरदान: हिजकिय्याह स सीख"।

1. उपदेशक 3:1-2 - "सब किछुक समय होइत छैक, स्वर्गक नीचाँ सभ काजक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक।"

2. याकूब 4:14 - "अहाँक जीवन की अछि? ई एकटा वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

यशायाह 38:2 तखन हिजकियाह देबाल दिस मुँह घुमा कऽ परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि।

हिजकियाह विपत्तिक समय मे प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि।

1: विपत्तिक समय मे प्रार्थना मे प्रभु दिस मुड़ू।

2: जरूरत पड़ला पर प्रार्थना मे भगवानक मददि लिअ।

1: याकूब 5:13 - की अहाँ सभ मे सँ कियो कष्ट उठा रहल अछि? ओ प्रार्थना करथि।

2: फिलिप्पियों 4:6 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ।

यशायाह 38:3 ओ कहलनि, “हे प्रभु, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे आब मोन राखू जे हम अहाँक सोझाँ सत् य आ पूर्ण हृदय सँ चललहुँ आ अहाँक नजरि मे जे नीक अछि से केलहुँ।” हिजकियाह घोर कानय लगलाह।

हिजकियाह प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि, हुनका सँ ई स्मरण करबाक लेल कहलनि जे ओ कतेक निष्ठापूर्वक हुनकर सेवा केने छथि आ हुनकर नजरि मे नीक काज केने छथि। हिजकियाह ओकर प्रार्थना सँ एतेक प्रभावित भेलाह जे ओ कानय लगलाह।

1. वफादार सेवक: निष्ठा के लेल भगवान के इनाम

2. प्रार्थनाक शक्ति: हिजकिय्याहक उदाहरण

1. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।"

2. भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।"

यशायाह 38:4 तखन परमेश् वरक वचन यशायाह केँ आयल जे।

ई अंश प्रभु के यशायाह के साथ बात करै के बारे में छै।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: हमरा सभ केँ किएक सुनबाक चाही आ आज्ञा मानबाक चाही

2. विश्वासक आवश्यकता: परेशानीक समय मे परमेश्वरक योजना पर भरोसा करब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यशायाह 38:5 जाउ, आ हिजकियाह केँ कहि दियौक, ‘तोहर पिता दाऊदक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि जे हम अहाँक प्रार्थना सुनलहुँ, अहाँक नोर देखलहुँ।

परमेश् वर हिजकिय्याहक प्रार्थना सुनलनि आ हुनकर नोर देखलनि, तेँ ओ अपन जीवन मे १५ वर्ष जोड़बाक वादा केलनि।

1. भगवान वफादार छथि - ओ अपन लोकक प्रार्थनाक उत्तर दैत छथि आ दया करैत छथि तखनो जखन ओ एकर हकदार नहि होथि।

2. भगवान दयालु छथि - जखन हुनकर लोक पाप करैत छथि तखनो ओ हुनका सभ पर करुणा आ कृपा करैत छथि।

1. भजन 145:8 - प्रभु कृपालु छथि, आ दया सँ भरल छथि; क्रोध मे मंद, आ बहुत दयालु।

2. याकूब 5:16 - एक-दोसर सँ अपन दोष स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मी मनुष्यक प्रखर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।

यशायाह 38:6 हम अहाँ आ एहि नगर केँ अश्शूरक राजाक हाथ सँ बचा लेब।

परमेश् वर हिजकिय्याह आ यरूशलेम केँ अश्शूरक राजाक हाथ सँ मुक्त करबाक आ नगरक रक्षा करबाक प्रतिज्ञा कयलनि।

1. अपन लोकक रक्षा मे परमेश् वरक निष्ठा

2. भगवानक शक्ति आ सभ वस्तु पर नियंत्रण

1. 2 इतिहास 32:7-8 "मजबूत आ साहसी रहू। अश्शूरक राजा आ हुनका संगक विशाल सेनाक कारणेँ नहि डेराउ आ हतोत्साहित नहि करू, किएक तँ हुनका सँ बेसी हमरा सभक संग अछि। हुनका संग मात्र अछि।" मांसक बाँहि, मुदा हमरा सभक संग प्रभु परमेश् वर छथि जे हमरा सभक सहायता करथि आ हमरा सभक युद्ध लड़थि।”

2. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि गर्जैत अछि।" आ फेन आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि उठैत अछि।"

यशायाह 38:7 ई अहाँ सभक लेल प्रभुक दिस सँ एकटा संकेत होयत जे परमेश् वर ई बात पूरा करताह जे ओ कहलनि।

ई श्लोक प्रभु के तरफऽ स॑ एगो संकेत छै कि हुनी अपनऽ प्रतिज्ञा के पालन करतै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: हुनकर वचनक पालन करब

2. प्रभु के आश्वासन: हुनकर निष्ठा के संकेत

1. यहोशू 23:14-16 - "अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक विषय मे जे सभ नीक प्रतिज्ञा केने छलाह, ताहि मे सँ एको शब्द असफल नहि भेल अछि। अहाँ सभक लेल सभ किछु पूरा भेल अछि; ओहि मे सँ एको बात असफल नहि भेल।"

2. रोमियो 15:8-9 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे मसीह परमेश् वरक सत् यक लेल यहूदी सभक सेवक बनि गेल छथि, जे कुल-पिता सभ सँ कयल गेल प्रतिज्ञा सभक पुष्टि करथि जाहि सँ गैर-यहूदी सभ हुनकर दयाक लेल परमेश् वरक महिमा करथि, जेना।" लिखल अछि जे, तेँ हम गैर-यहूदी सभक बीच अहाँक स्तुति करब, अहाँक नामक स्तुति गाबब।”

यशायाह 38:8 देखू, हम ओहि डिग्री सभक छाया केँ फेर सँ आनि देब जे आहाजक सूर्यक घड़ी मे उतरल अछि, दस डिग्री पाछू। तेँ सूर्य दस डिग्री घुरि गेल, जाहि डिग्री धरि ओ डूबि गेल छल ।

प्रभु आहाज के सूर्य के डायल के दस डिग्री पाछू घुमाबै के वचन देलकै, आरो सूर्य अपनऽ मूल स्थिति में वापस आबी गेलै।

1. पुनर्स्थापित करबाक लेल परमेश् वरक शक्ति: परमेश् वर अहाँक जीवन केँ कोना बदलि सकैत छथि

2. धैर्यक महत्व: प्रभुक प्रतीक्षा करब सीखब

1. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यशायाह 38:9 यहूदा के राजा हिजकिय्याह के लिखना, जबेॅ हुनी बीमार छेलै आरो बीमारी सें ठीक होय गेलै।

हिजकियाह यहूदा के राजा छेलै जे बीमारी स॑ ठीक होय गेलऽ छेलै आरू अपनऽ अनुभव क॑ लिखित रूप म॑ दर्ज करै छेलै ।

1. बीमारी आ ठीक होयबाक समय मे भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि

2. भगवान् पर निर्भर रहब चंगाईक कुंजी अछि

1. याकूब 5:13-15 - बीमार सभक लेल प्रार्थना करू आ प्रभुक नाम सँ तेल लगाउ

2. इब्रानी 13:5-6 - परमेश् वर हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह आ ने हमरा सभ केँ छोड़ताह

यशायाह 38:10 हम अपन दिन कटैत काल कहलहुँ जे, हम कबरक फाटक पर जायब, हम अपन वर्षक अवशेष सँ वंचित छी।

ई अंश वक्ता के ई अहसास के संचार करै छै कि पृथ्वी पर ओकरऽ जीवन के अंत होय रहलऽ छै ।

1. हम सभ भगवान पर भरोसा करब सीख सकैत छी जखन जीवन ओहिना नहि निकलत जेना हम सभ आशा केने रही।

2. भगवान् हमरा सभ केँ जीवनक हर मौसम मे ल' जेताह।

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 31:14-15 - मुदा हम अहाँ पर भरोसा करैत छी, हे प्रभु। हम कहैत छी, अहाँ हमर भगवान छी। हमर समय अहाँक हाथ मे अछि; हमरा अपन शत्रु सभक हाथ सँ आ हमरा सताओनिहार सभ सँ बचाउ!

यशायाह 38:11 हम कहलियनि, हम प्रभु केँ, परमेश् वर केँ जीवित लोकक देश मे नहि देखब।

वक्ता ई सोचि क' अपन निराशा व्यक्त करैत छथि जे जीवित लोकक भूमि मे प्रभु केँ कहियो नहि देखि सकब।

1. "कठिन समय मे आशा खोजब"।

2. "भगवान सदिखन समीप रहैत छथि"।

1. भजन 27:13-14 "हमरा एहि बात पर भरोसा अछि जे हम जीवित लोकक देश मे परमेश् वरक भलाई देखब। प्रभुक प्रतीक्षा करू। बलवान रहू आ धैर्य राखू आ प्रभुक प्रतीक्षा करू।"

2. यशायाह 40:31 "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि लऽ कऽ चढ़त, ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। आ ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।"

यशायाह 38:12 हमर युग चलि गेल अछि, आ हमरा सँ चरबाहक डेरा जकाँ दूर भ’ गेल अछि, हम बुनकर जकाँ हमर प्राण केँ काटि देलहुँ, ओ हमरा पीड़ाक बीमारी सँ काटि देत, अहाँ दिन सँ राति धरि हमरा समाप्त करब.

वक्ता हुनका लोकनिक नश्वरताक गप्प करैत छथि, हुनकर जीवनक तुलना चरबाहक डेरासँ करैत छथि , जकरा आसानीसँ काटि कए हटाओल जा सकैत अछि | ओ सभ मृत्युक अनिवार्यता केँ व्यक्त करैत छथि, ई कहैत जे भगवान हुनका लोकनिक जीवन केँ बीमारी सँ काटि दिन सँ राति धरि समाप्त क' देताह |

1. "क्षण मे जीना: हमर नश्वरता के सराहना"।

2. "चरबाहक डेरा: जीवनक लेल एकटा रूपक"।

1. भजन 90:12 - "त' हमरा सभ केँ अपन दिनक गिनती करब सिखाउ, जाहि सँ हम सभ अपन हृदय केँ बुद्धि मे लगाबी।"

2. याकूब 4:14 - "जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। किएक तँ अहाँक जीवन की अछि? ई वाष्प अछि, जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि आ तखन गायब भ' जाइत अछि।"

यशायाह 38:13 हम भोर धरि हिसाब लगेलहुँ जे शेर जकाँ हमर सभ हड्डी तोड़ि देत।

जीवन केरऽ पीड़ा आरू अनिश्चितता के बावजूद भी भगवान सब परिस्थिति में सार्वभौमिक छै ।

1. दुखक समय मे भगवानक सार्वभौमत्व

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकताक ज्ञान मे आराम भेटब

1. रोमियो 8:28, "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

2. भजन 30:5, "किएक तँ ओकर क्रोध मात्र क्षण भरि लेल होइत छैक, आ ओकर अनुग्रह जीवन भरि लेल छैक। कानब राति धरि रहि सकैत छैक, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत छैक।"

यशायाह 38:14 हम क्रेन वा निगल जकाँ गप्प-सप्प करैत छलहुँ, हम कबूतर जकाँ शोक करैत छलहुँ, हमर आँखि ऊपर दिस तकबा मे कमजोर भ’ जाइत अछि, हे प्रभु, हम दबल छी। हमरा लेल उपक्रम करू।

ई अंश परमेश् वर पर एक व्यक्ति के विश्वास आरू संकट के समय में हुनको मदद के गुहार के बात करै छै।

1. प्रभु पर भरोसा: कठिन मौसम मे भगवान पर भरोसा कोना करब

2. भगवान आ हुनकर समयक प्रतीक्षा करब सीखब

1. भजन 62:8 हर समय हुनका पर भरोसा करू; अहाँ सभ, हुनका सामने अपन मोन राखू।

2. रोमियो 12:12 आशा मे आनन्दित रहू; क्लेश मे धैर्यवान; प्रार्थना में क्षण जारी रखना।

यशायाह 38:15 हम की कहब? ओ हमरा सँ दुनू गोटे बजने छथि आ स्वयं केने छथि।

भगवान् कथाकार सँ बात क' काज केने छथि, तेँ कथाकार शेष जीवन विनम्रता आ उदासी मे जीबैत रहताह ।

1. सब परिस्थिति मे भगवानक प्रेम

2. विनम्रता मे शांति पाना

1. फिलिप्पियों 4:11-13 ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क’ रहल छी, किएक त’ हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब से सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. याकूब 4:10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

यशायाह 38:16 हे प्रभु, एहि सभ बात सँ मनुष्य जीबैत अछि, आ एहि सभ बात मे हमर आत् माक जीवन अछि, तेँ अहाँ हमरा ठीक करब आ हमरा जीवित करब।

यशायाह 38:16 जीवन के महत्व आरू ओकरा बहाल करै के परमेश्वर के क्षमता के बारे में व्यक्त करै छै।

1: आत् माक जीवन आ परमेश् वरक सामर्थ् य

2: विश्वास मे रहब आ भगवान पर भरोसा करब

1: रोमियो 8:11 - "जँ यीशु केँ मृत् यु मे सँ जियानिहारक आत् मा अहाँ सभ मे जीबैत अछि, तँ जे मसीह केँ मृत् यु मे सँ जीबि उठौलनि, से अहाँ सभक नश्वर शरीर केँ सेहो जीवित करत जे अहाँ सभ मे जीबैत अछि।"

2: यूहन्ना 10:10 - "चोर केवल चोरी आ हत्या आ नष्ट करबाक लेल अबैत अछि; हम एहि लेल आयल छी जे ओकरा सभ केँ जीवन भेटय आ ओकरा सभ केँ पूर्ण रूप सँ भेटय।"

यशायाह 38:17 देखू, शान्तिक लेल हमरा बहुत कटुता छल, मुदा अहाँ हमर प्राणक प्रेम मे ओकरा भ्रष्टताक गड्ढा सँ मुक्त क’ देलहुँ, किएक तँ अहाँ हमर सभ पाप केँ अपन पीठ पाछू फेकि देलहुँ।

एहि श्लोक मे परमेश् वरक प्रेम आ कृपाक प्रदर्शन एहि मे कयल गेल अछि जे ओ अपन लोक केँ पाप आ भ्रष्टाचार सँ कोना मुक्त करैत छथि।

1. भगवान् के प्रेम के गहराई - ई खोज करना कि कोना भगवान के प्रेम सब समझ के पार करी क॑ हमरऽ आत्मा के गहराई तक पहुँची जाय छै ।

2. सभ पाप क्षमा - परमेश्वरक कृपाक शक्ति केँ बुझब आ कोना ओ हमरा सभक सभ पाप केँ अपन पीठक पाछू फेकि दैत छथि।

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इफिसियों 1:7 - हुनका मे हमरा सभ केँ हुनकर खून द्वारा मोक्ष भेटैत अछि, पापक क्षमा, परमेश् वरक कृपाक धनक अनुसार।

यशायाह 38:18 किएक तँ कब्र अहाँक स्तुति नहि क’ सकैत अछि, मृत्यु अहाँक उत्सव नहि मना सकैत अछि।

मृत्यु भगवान् के स्तुति नै क सकै छै आ नै ओकर सत्य के उत्सव नै मना सकै छै, जेना कब्र हुनकर सत्य के आशा नै क सकै छै।

1. मसीह मे जीवनक शक्ति: परमेश् वरक सत्यक उत्सव

2. मृत्युक बीच आशाक खोज

1. यूहन्ना 11:25-26 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम पुनरुत्थान आ जीवन छी। जे हमरा पर विश् वास करत, मरि कऽ सेहो ओ जीवित रहत, आ जे कियो जीबैत अछि आ हमरा पर विश् वास करत से कहियो नहि मरत।

2. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

यशायाह 38:19 जीवित, जीवित, ओ अहाँक प्रशंसा करत, जेना हम आइ करैत छी।

जीवित लोक परमेश् वरक सत्यक स्तुति करत।

1: भगवान् केर सत्यक स्तुति करू

2: जीवित लोक भगवान् के धन्यवाद देत

1: भजन 107:1 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि, कारण हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि।

2: याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

यशायाह 38:20 परमेश् वर हमरा उद्धार करबाक लेल तैयार छलाह, तेँ हम सभ अपन जीवन भरि परमेश् वरक घर मे तारबला वाद्ययंत्र पर हमर गीत गबैत रहब।

परमेश् वर यशायाह केँ बचाबऽ लेल तैयार छलाह, तेँ यशायाह आ ओकर लोक सभ जीवन भरि परमेश् वरक घर मे संगीतक माध्यमे परमेश् वरक स्तुति करत।

1. "प्रभु के उद्धारकर्ता कृपा" -- प्रभु द्वारा उद्धारित होय के की मतलब छै आरू अपनऽ जीवन के माध्यम स॑ हुनकऽ सम्मान केना करलऽ जाय, एकरऽ खोज करना।

2. "स्तुति के संगीत" -- एहि बात पर चिंतन करब जे कोना संगीत के उपयोग प्रभु के महिमा के लेल कयल जा सकैत अछि आ कोना ई हमरा सब के हुनकर नजदीक आनि सकैत अछि |

1. भजन 13:5-6 -- मुदा हम अहाँक अडिग प्रेम पर भरोसा केलहुँ; हमर मोन अहाँक उद्धार मे आनन्दित होयत। हम प्रभु केँ गाबि देब, कारण ओ हमरा संग प्रचुर व्यवहार कयलनि।

2. इफिसियों 5:19-20 -- भजन आ भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक दोसरा केँ संबोधित करू, अपन प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ प्रभु केँ सदिखन आ सभ किछुक लेल धन्यवाद दैत रहू.

यशायाह 38:21 किएक तँ यशायाह कहने छलाह जे, “ओ सभ अंजीरक एकटा गाँठ लऽ कऽ फोड़ा पर प्लास्टरक रूप मे राखि दियौक, तखन ओ ठीक भ’ जेताह।”

प्रभु यशायाह के निर्देश देलकै कि एक फोड़ा के इलाज अंजीर से बनलऽ पौल्टिस सें कराय देलऽ जाय।

1: हमरा सभकेँ प्रभुक निर्देशक प्रति खुलल रहबाक चाही, भले ओ अपरंपरागत हो।

2: भगवान् मे हमरा सभ केँ ठीक करबाक सामर्थ्य छनि, ओहो अपरंपरागत तरीका सँ।

1: निकासी 15:26 - "जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा लगन सँ सुनब आ हुनकर नजरि मे जे उचित अछि से करब, आ हुनकर आज्ञा सभक बात पर कान करब आ हुनकर सभ नियमक पालन करब, तँ हम राखब।" एहि मे सँ कोनो बीमारी अहाँ पर नहि, जे हम मिस्रवासी सभ पर अनने छी, किएक तँ हम प्रभु छी जे अहाँ केँ ठीक करैत छी।”

2: याकूब 5:14-15 - "की अहाँ सभ मे सँ कियो बीमार अछि? ओ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजाबय; आ ओ सभ हुनका पर प्रार्थना करथि आ प्रभुक नाम सँ हुनका तेल सँ अभिषेक करथि। आ विश्वासक प्रार्थना होयत।" बीमार केँ बचाउ, तखन प्रभु ओकरा जीबि लेताह, आ जँ ओ पाप केने अछि तँ ओकरा क्षमा कयल जायत।”

यशायाह 38:22 हिजकिय्याह सेहो कहने छलाह, “हमरा परमेश् वरक घर पर चढ़बाक कोन संकेत अछि?”

ई अंश हिजकिय्याह के सवाल के बारे में छै कि ई की संकेत छै कि वू प्रभु के घर में चढ़ी जैतै।

1. भगवान् हमर विश्वास आ आज्ञाकारिता के पुरस्कृत करैत छथि

2. आध्यात्मिक वृद्धि के संकेत

1. याकूब 1:22-25 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ ओहि आदमी जकाँ अछि जे अपन स्वभाव केँ ध्यान सँ देखैत अछि।" ऐना मे मुँह।किएक तँ ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल।मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता रखैत अछि, ओ श्रोता नहि अछि जे बिसरि जाइत अछि, अपितु काज करयवला कर्मक अछि, अपन करबा मे धन्य हेताह।

2. मत्ती 7:24-27 - "तखन जे हमर ई बात सुनत आ ओकरा पूरा करत, ओ ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ होयत जे चट्टान पर अपन घर बनौलक। बरखा भेल, बाढ़ि आबि गेल, आ हवा बहल आ।" ओहि घर पर मारि देलक, मुदा ओ नहि खसल, कारण ओकर नींव पाथर पर भ' गेल छलैक।आ जे हमर ई बात सुनि क' नहि करत, से कियो मूर्ख आदमी जकाँ होयत जे बालु पर अपन घर बनौलक।आ बरखा खसि पड़ल, बाढ़ि आबि गेल, आ हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक, आ ओ खसि पड़ल आ ओकर खसब बहुत भेल।

यशायाह अध्याय ३९ मे बेबिलोन सँ दूत सभक राजा हिजकिय्याह केर यात्रा, हुनकर काज आ भविष्यक परिणामक संबंध मे भविष्यवक्ता द्वारा चेतावनी देल गेल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत राजा हिजकियाह के बेबिलोन स दूत के स्वागत स होइत अछि।
ओ हुनका सभ केँ अपन राज्यक सभटा खजाना देखाबैत छथि, जाहि मे हुनकर धन आ सैन्य संसाधन सेहो अछि (यशायाह 39:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: यशायाह हिजकिय्याह सँ आगंतुक आ ओकर उद्देश्यक बारे मे प्रश्न करैत छथि।
हिजकिय्याह गर्व सँ प्रकट करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ सभ किछु देखौलनि, जे संभावित परिणाम सँ अनभिज्ञ बुझाइत छलाह (यशायाह 39:3-4)।

3 वां पैराग्राफ: यशायाह परमेश् वर के तरफऽ स॑ एगो संदेश दै छै, जेकरा म॑ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै कि हिजकिय्याह न॑ जेतना खजाना बेबिलोन के सामने प्रदर्शित करलकै, ओकरा अंततः बेबिलोन लेली ल॑ जायलऽ जैतै, साथ म॑ ओकरऽ कुछ वंशज भी जे बेबिलोन के महल म॑ नपुंसक के रूप म॑ काम करतै (यशायाह ३९:५-७).

संक्षेप मे, २.
यशायाह उनतीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
बेबिलोन के दूत के यात्रा, 1999।
हिजकिय्याहक काज, आ यशायाहक चेतावनी।

हिजकिय्याह के दौरा करते हुए बेबिलोन के दूत।
हिजकिय्याह खजाना देखाबैत; अभिमान प्रदर्शित।
यशायाहक चेतावनी; भविष्य के परिणाम।

एहि अध्याय मे बेबिलोन सँ दूत सभक राजा हिजकियाहक यात्राक वर्णन कयल गेल अछि |
हिजकिय्याह अपन राज्यक सभटा खजाना हुनका सभक समक्ष गर्व सँ प्रदर्शित करैत छथि, संभावित परिणाम सँ अनभिज्ञ। यशायाह, आगंतुक आरू ओकरो उद्देश्य के बारे में जानला पर, हिजकिय्याह के सामना करै छै आरू परमेश् वर के तरफ सें एगो संदेश दै छै। यशायाह चेतावनी दै छै कि हिजकिय्याह के काम के परिणामस्वरूप, जे खजाना ओकरऽ प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छेलै, ओकरा अंततः बेबिलोन में ले जायलऽ जैतै, आरू ओकरऽ कुछ वंशज के बेबिलोन के महल में नपुंसक के रूप में ले जायलऽ जैतै। ई अध्याय एकटा चेतावनी कथा के काम करै छै, जेकरा में विनम्रता के महत्व आरू पार्थिव सम्पत्ति पर घमंड आरू गलत जगह पर विश्वास के संभावित परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

यशायाह 39:1 ओहि समय मे बाबुलक राजा बलदानक पुत्र मेरोदकबलादान हिजकियाह केँ पत्र आ उपहार पठौलनि, कारण ओ सुनने छलाह जे ओ बीमार छथि आ ठीक भ’ गेलाह।

[illegible] [illegible] [illegible] [

2. भगवान् के प्रावधान में संतोष के खोज

1. लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ सभ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ककरो जीवन ओकर सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"

2. इब्रानी 13:5 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।

यशायाह 39:5 तखन यशायाह हिजकियाह केँ कहलथिन, “सेना सभक प्रभुक वचन सुनू।

परमेश् वर हिजकियाह केँ ओकर घमंड आ अहंकारक परिणामक बारे मे चेतावनी देने छथि।

1: मोन राखू जे घमंड आ अहंकार भगवानक न्याय आ क्रोध मे पहुँचा सकैत अछि।

2: प्रभुक सान्निध्य मे अपना केँ विनम्र बनाबी आ घमंड आ अहंकारक प्रलोभन मे नहि पड़ि जाइ।

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: फिलिप्पियों 2:3 - "स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू। बल्कि, विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।"

यशायाह 39:6 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि जे अहाँक घर मे जे किछु अछि, आ जे किछु अहाँक पूर्वज आइ धरि जमा कएने छथि, से बेबिलोन ल’ जायत।

परमेश् वर चेताबैत छथि जे घर मे जे किछु अछि आ पूर्वज द्वारा संग्रहित कयल गेल अछि, से सभ बाबुल ल' जायत आ किछु नहि बचल जायत।

1. भगवानक चेतावनी: सब किछु बदलि जायत

2. अपन भरोसा सम्पत्ति मे नहि राखू

1. मत्ती 6:19-21 "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर नहि अछि।" घुसि कऽ चोरी नहि करू, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतय अहाँक मोन सेहो रहत।”

2. उपदेशक 5:10 "जे पैसा सँ प्रेम करैत अछि, से पाइ सँ तृप्त नहि होयत, आ ने जे धन सँ अपन आमदनी सँ प्रेम करैत अछि; ईहो व्यर्थ अछि।"

यशायाह 39:7 तोहर पुत्र जे तोरा सँ निकलत, जकरा तोरा जन्म देबौ, ओकरा ओ सभ छीन लेत। ओ सभ बाबुलक राजाक महल मे नपुंसक हेताह।

यशायाह 39:7 मे भविष्यवाणी कयल गेल अछि जे इस्राएली मे सँ किछु बेबिलोन राजाक महल मे नपुंसक बनत।

1. हमरा सभक लेल परमेश् वरक योजना: परमेश् वरक इच्छा पर भरोसा करब

2. प्रतिकूलता पर काबू पाब: कठिन समय मे ताकत ताकब

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यशायाह 39:8 तखन हिजकिय्याह यशायाह केँ कहलथिन, “प्रभुक जे वचन अहाँ कहलहुँ से नीक अछि।” ओ कहलनि, “हमर समय मे शान्ति आ सत्य रहत।”

हिजकियाह प्रभु सँ शुभ समाचार सुनि क' अपन खुशी व्यक्त करैत छथि।

1: प्रभु सँ जे आशीर्वाद आ प्रतिज्ञा भेटैत अछि ताहि लेल हमरा सभ केँ सदिखन धन्यवादक पात्र रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक प्रति निष्ठा सँ प्रोत्साहित हेबाक चाही।

1: फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2: याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

यशायाह अध्याय 40 पुस्तक के भीतर स्वर आरू ध्यान में एगो महत्वपूर्ण बदलाव के संकेत दै छै। ई आराम आरू आशा के संदेश के परिचय दै छै, जेकरा म॑ परमेश्वर के शक्ति, निष्ठा आरू हुनकऽ लोगऽ के लेलऽ आगामी मुक्ति पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के लोग सिनी कॅ दिलासा दै के घोषणा के साथ होय छै। प्रभु के आवाज हुनकऽ आबै के लेलऽ जंगल में एगो रास्ता तैयार करै के आह्वान करै छै, ई घोषणा करै छै कि हुनकऽ महिमा सब के सामने प्रकट होतै (यशायाह 40:1-5)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय आगू बढ़ैत अछि भगवानक शाश्वत स्वभावक तुलना मे मानव अस्तित्वक क्षणिक आ क्षणिक प्रकृतिक घोषणा | ई सृष्टि पर परमेश् वर केरऽ शक्ति आरू संप्रभुता पर जोर दै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ अपनऽ लोगऽ क॑ कायम रखै आरू ओकरऽ भरण पोषण करै के क्षमता प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै (यशायाह ४०:६-२६)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन प्रभु पर भरोसा करै के आह्वान के साथ होय छै । ई लोक के आश्वस्त करै छै कि भगवान ओकरऽ शक्ति के नवीनीकरण करतै आरू ओकरा ओकरऽ परेशानी स॑ मुक्त करी देतै । ई हुनका सभ केँ धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, जे हुनका सभ केँ ऊपर उठौताह आ टिकौताह (यशायाह 40:27-31)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चालीस अध्याय प्रकट करैत अछि
दिलासा देबय वाला संदेश; परमेश् वरक सामर्थ् य घोषणा कयल गेल,
मानवताक अस्थायी प्रकृति; भगवान् के सार्वभौमिकता, २.
प्रभु पर भरोसा करबाक लेल आह्वान करू; नवीकरण आ मुक्ति।

आरामक घोषणा कयल गेल; परमेश् वरक आगमनक तैयारी।
मानवताक अस्थायी स्वभाव; भगवान् के सार्वभौमिकता।
प्रभु पर भरोसा करबाक लेल आह्वान करू; नवीकरण आ मुक्ति।

ई अध्याय परमेश् वर के लोग सिनी कॅ सान्त्वना आरू आशा के संदेश दै छै। ई प्रभु के आगमन के घोषणा करै छै आरू हुनका लेली एगो रास्ता तैयार करै के आह्वान करै छै । ई भगवान केरऽ शाश्वत शक्ति आरू संप्रभुता के विपरीत मानव अस्तित्व केरऽ क्षणिक आरू क्षणिक प्रकृति प॑ जोर दै छै । अध्याय लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि भगवान ओकरऽ ताकत क॑ नवीनीकरण करतै आरू ओकरा ओकरऽ परेशानी स॑ मुक्त करी क॑ ओकरा प॑ भरोसा करै लेली आरू ओकरऽ हस्तक्षेप के धैर्यपूर्वक इंतजार करै लेली आग्रह करै छै । ई प्रोत्साहन के संदेश दै छै, जेकरा स॑ लोगऽ क॑ परमेश् वर केरऽ निष्ठा, शक्ति आरू आगामी मुक्ति के याद दिलाबै छै जे ओकरा सिनी के इंतजार करी रहलऽ छै ।

यशायाह 40:1 अहाँ सभ सान्त्वना दिअ, हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, अहाँ सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर यशायाह 40:1 मे अपन लोक केँ सान्त्वना द’ रहल छथि।

1. "प्रभुक आराम"।

2. "समस्त समय मे आराम भेटब"।

1. भजन 23:4 - "हम अन्हार घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

2. 2 कोरिन्थी 1:3-4 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनका सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब।" ओ सभ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।”

यशायाह 40:2 अहाँ यरूशलेम सँ आराम सँ बाजू आ ओकरा सँ पुकारू जे ओकर युद्ध पूरा भ’ गेलै, ओकर अपराध क्षमा भ’ गेलै, किएक त’ ओकरा अपन सभ पापक बदला मे प्रभुक हाथ सँ दुगुना भेटि गेलै।

ई अंश यरूशलेम के पाप के परमेश् वर के क्षमा के बारे में बात करै छै आरू ओकरऽ युद्ध अब॑ कोना पूरा होय गेलऽ छै।

1. परमेश् वरक बिना शर्त क्षमा: हम सभ अनुग्रह आ दया कोना पाबि सकैत छी

2. मोक्षक शक्ति: परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलैत अछि

1. रोमियो 8:1 - तेँ आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक लेल कोनो निन्दा नहि अछि।

2. भजन 103:10-12 - ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि, आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि। पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतबे ऊँच अछि, ततेक ओकर भयभीत करयवला सभक प्रति ओकर अडिग प्रेम अछि। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि।

यशायाह 40:3 जंगल मे जे चिचियाइत अछि, ओकर आवाज, “प्रभुक बाट तैयार करू, मरुभूमि मे हमरा सभक परमेश् वरक लेल एकटा राजमार्ग सोझ करू।”

यशायाह 40:3 के ई अंश मरुभूमि में राजमार्ग बना क प्रभु के आबै के तैयारी के बात करै छै।

1. "भगवान के लेल जगह बनाना: प्रभु के आगमन के तैयारी"।

2. "परमेश् वरक तैयारी करबाक लेल आह्वान: यशायाह 40:3 पर एकटा चिंतन"।

1. यूहन्ना 14:2-3 - "हमर पिताक घर मे बहुत रास कोठली अछि। जँ एहन नहि रहैत त' की हम अहाँ सभ केँ कहितहुँ जे हम अहाँ सभक लेल जगह तैयार कर' जा रहल छी? आ जँ हम जा क' अहाँ सभक लेल जगह तैयार करब त' की हम अहाँ सभ केँ कहितहुँ? हम फेर आबि कऽ अहाँ सभ केँ अपना लग लऽ जायब, जाहि सँ अहाँ सभ सेहो रहब।”

2. मत्ती 3:3 - "किएक त' ई वैह छथि जिनकर बारे मे यशायाह भविष्यवक्ता कहने छलाह, "मरुभूमि मे चिचियाबय बला आवाज: प्रभुक बाट तैयार करू; हुनकर बाट सोझ करू।"

यशायाह 40:4 हर घाटी ऊँच होयत, हर पहाड़ आ पहाड़ी नीचाँ भ’ जायत, आ टेढ़ जगह सोझ भ’ जायत आ खुरदुरा जगह समतल भ’ जायत।

ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि भगवान हमरऽ सबसें कठिन आरू भ्रमित करै वाला समय क॑ ल॑ क॑ ओकरा कुछ सुंदर चीज म॑ बदली सकै छै ।

1. भगवानक परिवर्तनकारी शक्ति: भगवान् कठिन परिस्थिति मे सेहो कोना परिवर्तन क' सकैत छथि

2. अप्रत्याशित स्थान पर आशा खोजब: भगवान कोना हमरा सभक चुनौती केँ ल' सकैत छथि आ ओहि मे सँ किछु नीक बना सकैत छथि

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. फिलिप्पियों 4:13 - हम ई सभ ओहि द्वारा क’ सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।

यशायाह 40:5 परमेश् वरक महिमा प्रगट होयत आ सभ प्राणी एक संग देखत, किएक तँ परमेश् वरक मुँह कहने छथि।

प्रभु अपन महिमा सब लोक के सामने प्रकट करताह।

1. भगवान् के महिमा के परिमाण

2. भगवान् के प्रकटीकरण के प्रतिज्ञा

1. रोमियो 11:36 - किएक तँ हुनका सँ आ हुनका द्वारा आ हुनका लेल सभ किछु अछि।

2. भजन 145:3 - प्रभु महान छथि, आ हुनकर बहुत प्रशंसा करबाक चाही, आ हुनकर महानता अनजान अछि।

यशायाह 40:6 आवाज बाजल, “कानब।” ओ पुछलथिन, “हम की कानब?” सभ मांस घास अछि, आ ओकर सभ भलाई खेतक फूल जकाँ अछि।

प्रभु के आवाज पुछै छै कि ओकरा की चिल्लाय के चाही, आरो जवाब दै छै कि सब मांस घास के तरह छै, आरो ओकरऽ सुंदरता खेत के फूल के तरह छै।

1. प्रभु उद्यान मे सौन्दर्यक खेती करब

2. मानव जीवनक क्षणिकता

1. भजन 103:15-16 - "मनुष्य के दिन घास जकाँ होइत छैक; खेतक फूल जकाँ पनपैत छैक; किएक त' हवा ओकरा पर सँ गुजरैत छैक, ओ चलि जाइत छैक, आ ओकर स्थान ओकरा आब नहि चिन्हैत छैक।"

2. याकूब 1:10-11 - "मुदा धनी लोक केँ नीचाँ कयल जाइत अछि, कारण ओ घासक फूल जकाँ विदा भ' जेताह। किएक तँ सूर्य तपैत हवाक संग उगैत अछि आ घास केँ मुरझा दैत अछि; ओकर फूल खसि पड़ैत अछि आ।" एकर रूप-रंगक सौन्दर्य नष्ट भ' जाइत छैक। तहिना सेठ सेहो अपन खोज मे फीका भ' जायत।"

यशायाह 40:7 घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, कारण परमेश् वरक आत् मा ओकरा पर उड़ैत अछि।

ई अंश परमेश् वर के अनन्त शक्ति के तुलना में जीवन के क्षणिकता के बात करै छै।

1: जीवन के क्षणिकता के आत्मसात करू आ भगवान के शाश्वत शक्ति पर भरोसा करू

2: भगवान् के सामने विनम्र रहू आ हमर नश्वरता के याद करू

1: याकूब 4:14 - जखन कि अहाँ सभ नहि जनैत छी जे परसू की होयत। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे वाष्प सेहो अछि, जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि, आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि।

2: भजन 103:15-16 - मनुष्यक दिन घास जकाँ होइत छैक, खेतक फूल जकाँ फलैत-फूलैत अछि। किएक तँ हवा ओकरा ऊपरसँ गुजरैत अछि आ ओ चलि गेल अछि। ओकर स्थान आब ओकरा नहि चिन्हत।”

657

यशायाह 40:8 घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

परमेश् वरक वचन कहियो फीका नहि होयत।

1: हम सभ सदिखन परमेश् वरक वचन पर भरोसा क' सकैत छी जे हमरा सभक टिकल रहय।

2: परमेश् वरक वचन कालजयी आ अपरिवर्तनीय अछि।

1: यिर्मयाह 15:16 - "अहाँक वचन भेटल, हम ओकरा खा गेलहुँ, आ अहाँक वचन हमरा लेल हमर हृदयक आनन्द आ आनन्द छल, कारण, हे सेना सभक परमेश् वर, हम अहाँक नाम सँ बजाओल गेल छी।"

2: भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पैरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।"

यशायाह 40:9 हे सियोन, जे शुभ समाचार अनैत छी, अहाँ ऊँच पहाड़ पर चढ़ू। हे यरूशलेम, जे शुभ समाचार अनैत छी, बलपूर्वक आवाज उठाउ। उठाउ, डरब नहि। यहूदाक नगर सभ केँ कहू, “देखू, अहाँ सभक परमेश् वर!”

परमेश् वर यरूशलेम के लोग सिनी कॅ सुसमाचार के प्रचार करै लेली बोलै छै आरू डरै नै।

1. साहसी रहू: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन शुभ समाचारक प्रचार करबाक लेल बजबैत छथि

2. डर नहि करू: प्रभु हमरा सभ केँ अपन वचनक प्रचार करबाक लेल पठौने छथि

1. यशायाह 52:7 - पहाड़ पर कतेक सुन्दर अछि ओकर पैर जे शुभ समाचार अनैत अछि, जे शान्तिक प्रचार करैत अछि, जे सुखक शुभ समाचार दैत अछि, जे उद्धारक प्रचार करैत अछि, जे सिय्योन केँ कहैत अछि जे, अहाँक परमेश् वर राज करैत छथि!

2. रोमियो 10:15 - आ जाबत धरि हुनका नहि पठाओल जायत ता धरि ओ सभ कोना प्रचार क’ सकैत छथि? जेना लिखल अछि: शुभ समाचार अननिहारक पएर कतेक सुन्दर अछि!

यशायाह 40:10 देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल’ क’ आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करत।

प्रभु परमेश् वर सामर्थ् य आ सामर्थ् यक संग आबि जेताह, अपन इनाम आ न्याय अनताह।

1: भगवान् के ताकत हमर इनाम अछि

2: भगवानक न्याय हमर सभक आराम अछि

1: भजन 18:32-34 - ई परमेश् वर छथि जे हमरा ताकत सँ हथियारबंद करैत छथि आ हमर बाट सिद्ध करैत छथि। हमर पैर केँ मृगक पएर जकाँ बना दैत छथि; ओ हमरा ऊँचाई पर ठाढ़ होबय मे सक्षम बना दैत छथि।

2: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यशायाह 40:11 ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत, ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे राखत आ बच्चा सभक संग धीरे-धीरे नेतृत्व करत।

परमेश् वर एकटा प्रेमी आ देखभाल करय बला चरबाह छथि जे अपन झुंडक भरण-पोषण करताह आ ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करताह।

1. नीक चरबाह: अपन झुंडक देखभाल करब

2. परमेश् वरक प्रावधान: ओ हमरा सभ पर नजरि रखैत छथि

1. इजकिएल 34:11-16

2. यूहन्ना 10:14-18

यशायाह 40:12 के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ चौड़ा सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़लक, आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक?

भगवान् सर्वशक्तिमान छथि आ अपन अपार ज्ञान आ बुद्धि मे कोनो सीमा नहि जनैत छथि |

1. भगवान् के शक्ति के महिमा

2. भगवान् के अथाह बुद्धि

1. अय्यूब 28:24-25 "किएक तँ ओ पृथ्वीक छोर दिस तकैत अछि आ समस्त आकाशक नीचाँ देखैत अछि; हवाक तौल करबाक लेल; आ पानि केँ नाप सँ तौलैत अछि।"

2. भजन 147:5 "हमर सभक प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि, हुनकर समझ अनंत अछि।"

यशायाह 40:13 परमेश् वरक आत् मा के के निर्देशन केने छथि आ हुनकर सलाहकार बनि हुनका सिखबैत छथि?

अंश प्रश्न करै छै कि प्रभु के आत्मा के के निर्देशित करी सकै छै या ओकरा सिखा सकै छै, कैन्हेंकि वू अंतिम अधिकार छै ।

1. भगवान् सर्वज्ञ छथि: अपन बुद्धि पर भरोसा करब

2. अथाह केँ बुझब: प्रभुक रहस्य केँ आत्मसात करब

1. भजन 145:3 - प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही; आ ओकर महानता अनजान अछि।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यशायाह 40:14 ओ केकरा सँ सलाह लेलक, के ओकरा शिक्षा देलक, न्यायक बाट मे सिखबैत छलैक, आ ओकरा ज्ञान सिखबैत छलैक आ ओकरा बुझबाक बाट देखबैत छलैक?

परमेश् वर यशायाह केँ सलाह आ निर्देश देलनि जे ओ हुनका न्याय आ समझक बाट पर ल’ जाय।

1. परमेश् वरक मार्गदर्शन: जीवन मे सही मार्ग पर चलब

2. भगवान् सँ सीखब: बुद्धि आ समझ प्राप्त करब

1. नीतिवचन 2:6-9 - कारण प्रभु बुद्धि दैत छथि; हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि। ओ सोझ लोकक लेल सुदृढ़ बुद्धिक संग्रह करैत छथि। जे निष्ठापूर्वक चलैत छथि, न्यायक बाट पर पहरा दैत छथि आ अपन संत सभक बाट पर नजरि रखैत छथि, हुनका लेल ओ ढाल छथि |

2. भजन 25:4-5 - हे प्रभु, हमरा अपन बाट केँ बुझा दिअ; हमरा अपन बाट सिखाउ। हमरा अपन सत्य मे लऽ जाउ आ हमरा सिखाउ, किएक तँ अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी। अहाँक लेल हम भरि दिन प्रतीक्षा करैत छी।

यशायाह 40:15 देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि।

भगवान् संसारक सभ जाति सँ कहीं पैघ छथि, आ ओ हुनका सभ केँ अपन तुलना मे तुच्छ मानैत छथि |

1. "ईश्वर के पराक्रमी सार्वभौमत्व"।

2. "भगवानक महानताक आलोक मे मनुष्यक छोटपन"।

1. भजन 147:4 - ओ तारा सभक संख्या गिनैत छथि; सभकेँ नाम दैत छथिन।

2. अय्यूब 37:5 - परमेश् वरक आवाज अद्भुत तरीका सँ गरजैत अछि; ओ हमरा सभक समझ सँ बाहर पैघ काज करैत छथि।

यशायाह 40:16 लेबनान जरेबाक लेल पर्याप्त नहि अछि आ ने ओकर पशु होमबलि लेल पर्याप्त अछि।

यशायाह 40:16 परमेश्वर के शक्ति आरू महिमा के बारे में बताबै छै, घोषणा करै छै कि लेबनान आरू ओकरऽ जानवर ओकरा पर्याप्त होमबलि प्रदान करै लेली पर्याप्त नै छै।

1. भगवानक महिमा आ शक्ति: भय आ आश्चर्यक आह्वान

2. कोनो पवित्र भगवानक समक्ष पार्थिव बलिदानक अपर्याप्तता

1. रोमियो 11:33-36 - परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञानक गहराई सभ समझ सँ बेसी अछि।

2. भजन 50:10-12 - एकटा स्मरण जे सब किछु प्रभुक अछि आ ओ वैह छथि जिनका बलिदानक आवश्यकता छनि।

यशायाह 40:17 हुनका सामने सभ जाति कोनो चीज जकाँ अछि। ओ सभ ओकरा किछुओ नहि आ आडंबर सँ कम गिनल जाइत छैक।

ई अंश परमेश् वर के सामर्थ् य आरू महानता के याद दिलाबै छै, संसार के जाति सिनी सं॑ कहीं बड़ऽ छै ।

1. "भगवानक शक्ति: सभसँ ऊपर महामहिम"।

2. "हुनका सँ पहिने किछु नहि रहबाक की अर्थ"।

1. भजन 147:5 - "हमर सभक प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि, हुनकर समझ अनंत अछि।"

2. अय्यूब 11:7-9 - "की अहाँ खोज क' क' परमेश् वर केँ पाबि सकैत छी? की अहाँ सर्वशक्तिमान केँ सिद्धता धरि पाबि सकैत छी? ई स्वर्ग जकाँ ऊँच अछि; अहाँ की क' सकैत छी? नरक सँ गहींर; अहाँ की जानि सकैत छी?"

यशायाह 40:18 तखन अहाँ सभ परमेश् वर केकरा सँ उपमा देब? आकि अहाँ सभ हुनका सँ कोन उपमा करब?

यशायाह के अंश परमेश् वर के तुलना कोनो भी चीज के साथ करै के क्षमता पर सवाल उठाबै छै, कैन्हेंकि वू अद्वितीय आरू अतुलनीय छै।

1. "भगवानक विशिष्टता: अतुलनीय"।

2. "भगवानक महिमा: सभसँ ऊपर"।

1. भजन 139:7-12

2. यशायाह 55:8-9

यशायाह 40:19 मजदूर उत्कीर्ण मूर्ति केँ पिघलाबैत अछि, आ सोनार ओकरा सोना सँ पसारि दैत अछि आ चानीक जंजीर फेकि दैत अछि।

मजदूर एकटा उकेरल मूर्ति के पिघला क सोना-चानी के जंजीर स झाँपि दैत अछि।

1: हमरा सभ केँ पूजा करबाक लेल मूर्ति नहि बनेबाक चाही, बल्कि एक सत् य परमेश् वरक आराधना करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे परमेश् वरक वचन सँ बेसी सांसारिक सम्पत्ति केँ महत्व नहि दियौक।

1. भजन 115:4-8

2. रोमियो 1:23-25

यशायाह 40:20 जे एतेक गरीब अछि जे ओकरा लग कोनो बलिदान नहि अछि, ओ एहन गाछ चुनैत अछि जे सड़त नहि। ओ ओकरा लेल एकटा धूर्त मजदूर तकैत अछि जे ओ एकटा उकेरल मूर्ति तैयार करथि जे नहि हिलत।

गरीब अपन कठिनाई के स्थायी समाधान तकैत अछि, एकटा एहन गाछ चुनैत अछि जे सड़य नहिं आ स्थायी छवि बनेबाक लेल कुशल कारीगर के खोजैत अछि.

1. गरीबक लेल भगवानक प्रावधान

2. आस्थाक शाश्वत स्वभाव

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. लूका 12:22-23 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन: तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। कारण, जीवन भोजन सँ बेसी अछि, आ शरीर कपड़ा सँ बेसी।

यशायाह 40:21 की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? की अहाँ सभ केँ शुरू सँ नहि कहल गेल अछि? की अहाँ सभ पृथ् वीक नींव सँ नहि बुझलहुँ?

भगवान् हमरा सब स समय के शुरुआत स गप करैत आबि रहल छथि आ सुनब आ बुझब हमर सबहक कर्तव्य अछि।

1. परमेश् वरक आवाज केँ चिन्हब: सुनब आ बुझब सीखब

2. आस्था के आधार: भगवान के प्रति हमर कर्तव्य

१, परमेश् वरक वचन, जे अहाँ सभ विश् वास करयवला मे सेहो काज करैत अछि।

2. याकूब 1:22-25 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि। मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे टिकैत रहत, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल् कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।

यशायाह 40:22 पृथ्वीक घेरा पर बैसल वएह अछि आ ओकर निवासी टिड्डी जकाँ अछि। जे आकाश केँ पर्दा जकाँ पसरैत अछि आ ओकरा सभ केँ रहबाक लेल डेरा जकाँ पसरैत अछि।

भगवान् पृथ्वी आ ओकर निवासी के सृष्टिकर्ता छैथ।

1: भगवान् सब चीज पर नियंत्रण रखैत छथि आ हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

2: भगवानक शक्ति अथाह अछि आ ओकर प्रशंसा करबाक चाही।

1: भजन 24:1 - "पृथ्वी आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि।"

661

2: कुलुस्सी 1:16-17 - "किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग मे आ पृथ् वी पर जे किछु अछि, से सभ दृश्य आ अदृश्य, चाहे ओ सिंहासन हो वा प्रभुत्व वा रियासत वा अधिकार। सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।" " .
यशायाह 40:23 जे राजकुमार सभ केँ नष्ट क’ दैत अछि। ओ पृथ्वीक न्यायाधीश सभ केँ व्यर्थ बना दैत छथि।
प्रभु केरऽ सामर्थ्य छै कि वू सबसें शक्तिशाली आरू सम्मानित लोगऽ क॑ भी कुछ नै करी दै ।
१: "भगवान नियंत्रण मे छथि"।
२: "भगवानक समक्ष विनम्रता"।
1: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।
2: भजन 75:7 - मुदा परमेश् वर न्यायाधीश छथि, ओ एकटा केँ नीचाँ खसा दैत छथि आ दोसर केँ ठाढ़ करैत छथि।
यशायाह 40:24 हँ, ओ सभ नहि रोपल जायत। हँ, ओ सभ नहि बोओल जायत।
जे हुनकर अधीन नहि छथि हुनका परमेश् वर उखाड़ि कऽ उखाड़ि देताह।
1. परमेश् वर केँ अस्वीकार करबाक व्यर्थता - यशायाह 40:24
2. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति - यशायाह 40:24
1. रोमियो 11:17-24 - परमेश् वर कठोर आ दया दुनू क’ सकैत छथि।
2. आमोस 9:9-10 - परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सदाक लेल बनाओत आ रोपताह।
यशायाह 40:25 तखन अहाँ सभ हमरा ककरा सँ उपमा देब वा हम बराबर रहब? पवित्र भगवान कहैत छथि।
भगवान्, पवित्र, पूछै छै कि हुनका स॑ के के तुलना करलऽ जाब॑ सकै छै ।
1. "भगवानक विशिष्टता"।
2. "भगवानक अतुलनीय स्वभाव"।
1. भजन 86:8 - "हे प्रभु, देवता मे अहाँक सन केओ नहि अछि, आ ने अहाँक सन कोनो काज अछि।"
2. यशायाह 46:9 - "पुरान समयक बात मोन राखू, कारण हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि; हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि।"
यशायाह 40:26 अपन नजरि ऊपर उठाउ आ देखू जे ई सभ के बनौने अछि जे ओकर सेना केँ संख्या मे बाहर निकालैत अछि। कियो असफल नहि होइत अछि।
भगवान् सब शक्तिशाली छथि आ आकाश आ ओहि मे सब किछु के सृष्टि केने छथि, सब के गिनती आ नाम रखने छथि |
1. भगवान् के शक्ति एवं महिमा
2. भगवान् के ताकत के जानना आ ओकरा पर भरोसा करब
1. भजन 33:6-9 - प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल; आ ओकर सभ सेना हुनक मुँहक साँस सँ। समुद्रक पानि केँ ढेर जकाँ जमा करैत अछि, गहींर केँ भंडार मे राखि दैत अछि। समस्त पृथ् वी प्रभु

सँ भयभीत रहय, संसारक सभ निवासी हुनका प्रति भयभीत भऽ कऽ ठाढ़ रहथि। किएक तँ ओ बजैत छलाह आ से पूरा भऽ गेलनि। ओ आज्ञा देलथिन, आ ओ ठाढ़ भ’ गेल।

2. यिर्मयाह 32:17 - आह प्रभु परमेश्वर! देखू, अहाँ अपन महान शक्ति सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी आ बाँहि पसारि देलहुँ, आ अहाँक लेल कोनो बेसी कठिन किछु नहि अछि।

यशायाह 40:27 हे याकूब, अहाँ किएक कहैत छी जे, हे इस्राएल, हमर बाट परमेश् वर सँ नुकायल अछि, आ हमर न्याय हमर परमेश् वर सँ चलि गेल अछि?

याकूब आरू इस्राएल सवाल उठाबै छै कि परमेश् वर अपनऽ रास्ता क॑ कियैक छिपाय क॑ अपनऽ न्याय के पार करी लेल॑ छै ।

1. भगवान पर विश्वास नहि छोड़ू: कठिन समय मे सेहो भगवान पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक प्रावधान: परमेश् वर विपत्तिपूर्ण समय मे सेहो अपन लोकक कोना परवाह करैत छथि

1. फिलिप्पियों 4:19 - "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

2. भजन 23:4 - "हम अन्हार घाटी मे चलैत काल, हम कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

यशायाह 40:28 की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि? ओकर समझक कोनो खोज नहि होइत छैक।

प्रभु सनातन छथि आ थकल नहि छथि, आ हुनकर समझ के खोजल नहि जा सकैत अछि।

1. प्रभु हमर भगवानक बल

2. भगवान् के अनदेखी बुद्धि

1. भजन 90:2 पहाड़क जन्म सँ पहिने, वा अहाँ पृथ्वी आ संसार केँ अनन्त सँ अनन्त धरि बनौने छलहुँ, अहाँ परमेश् वर छी।

2. भजन 147:5 हमर प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि, हुनकर समझ अनंत अछि।

यशायाह 40:29 ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि। जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

कमजोर के मजबूत करै छै आ शक्तिहीन के शक्ति दै छै।

1. कमजोरी मे ताकत: विश्वास मे शक्ति पाना

2. प्रभु पर भरोसा करब: जखन हमर शक्ति अपर्याप्त हो

1. 2 कोरिन्थी 12:9-10 - "मुदा ओ हमरा कहलनि, 'हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ' जाइत अछि।' तेँ हम अपन कमजोरीक विषय मे आओर बेसी हर्षित होयब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ्य हमरा पर टिकल रहय।

10 एहि लेल हम मसीहक लेल कमजोरी मे, अपमान मे, कष्ट मे, प्रताड़न मे, कष्ट मे आनन्दित होइत छी। कारण जखन हम कमजोर छी तखन हम मजबूत छी।”

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, यद्यपि पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।"

यशायाह 40:30 युवा सभ सेहो बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, आ युवक सभ एकदम खसि पड़त।

एहि अंश मे एहि बातक चर्चा कयल गेल अछि जे कोना युवा सेहो थक क असफल भ सकैत अछि।

1: कियो अजेय नहि होइत अछि - हमरा सभक कमजोरी अछि आ भगवानक मदद केँ विनम्रतापूर्वक स्वीकार करबाक चाही।

2: हम सब कमजोरी के क्षण के अनुभव करैत छी - भगवान जे शक्ति प्रदान करैत छथि ताहि पर भरोसा करैत छी।

1: फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

2: भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश्वर, हमर शक्ति छथि, जिनका पर हम भरोसा करब; हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़।"

यशायाह 40:31 मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत।
ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

जे प्रभु पर भरोसा करै छै ओकरा नया ताकत मिलतै आरू ओकरा दौड़ै के ऊर्जा मिलतै आरू थकलो नै, आरो चलै के आरू बेहोश नै होय के ऊर्जा मिलतै।

1. "प्रभुक प्रतीक्षा: शक्ति आ नवीकरणक स्रोत"।

2. "ईगल जकाँ पाँखि सँ उठब"।

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू, आ अपन मोन केँ साहस होउ। प्रभुक प्रतीक्षा करू!

2. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ हम सभ ओहि दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू जे पहिने राखल गेल अछि हमरा सभ केँ, अपन विश् वासक संस्थापक आ सिद्धकर्ता यीशु दिस तकैत छी, जे हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक कारणेँ लाज केँ तिरस्कृत करैत क्रूस केँ सहन कयलनि आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि।

यशायाह अध्याय 41 परमेश् वर के निष्ठा, अपनऽ लोगऽ क॑ बचाबै के हुनकऽ शक्ति आरू मूर्तिपूजा के व्यर्थता प॑ केंद्रित छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश्वर के अपन चुनल गेल लोक के आश्वासन स होइत अछि, जे हुनका हुनकर निष्ठा आ हुनकर विशेष संबंध के याद दिलाबैत अछि। ओ हुनका सभ केँ प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ सभ डरैत वा निराश नहि होथि, किएक तँ ओ हुनका सभक संग छथि जे हुनका सभ केँ मजबूत आ मददि करथि (यशायाह 41:1-7)।

2nd पैराग्राफ: भगवान राष्ट्र आ ओकर मूर्ति के चुनौती दैत छथि, हुनका सब के अपन मामला प्रस्तुत करय लेल आ अपन शक्ति के प्रदर्शन करय लेल बजबैत छथि। ओ सभ झूठ देवता पर अपन श्रेष्ठताक घोषणा करैत छथि आ भविष्यक भविष्यवाणी करबाक अपन क्षमता पर जोर दैत छथि, जे ई सिद्ध करैत छथि जे ओ असगर परमेश्वर छथि (यशायाह 41:21-29)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह एकतालीस अध्याय प्रकट करैत अछि
परमेश् वरक अपन चुनल लोकक प्रति वफादारी,
मूर्तिपूजाक व्यर्थता, आ हुनक श्रेष्ठता।

परमेश् वरक अपन लोक सभ केँ आश्वासन; हुनकर निष्ठा।
मूर्ति के चुनौती; भगवान् के श्रेष्ठता घोषित।

ई अध्याय परमेश्वर केरऽ अपनऽ चुनलऽ लोगऽ के प्रति वफादारी पर प्रकाश डालै छै, जेकरा म॑ हुनका हुनकऽ उपस्थिति, ताकत आरू मदद के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै । ओ हुनका सभ केँ

664

प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ सभ डरैत वा हतोत्साहित नहि होथि, कारण ओ हुनका सभक समर्थन आ समर्थन करताह। एकरऽ अतिरिक्त, परमेश् वर राष्ट्र आरू ओकरऽ मूर्ति सिनी क॑ चुनौती दै छै, ओकरा सिनी क॑ अपनऽ मामला पेश करै लेली आरू अपनऽ शक्ति के प्रदर्शन करै लेली बोलै छै । ओ झूठ देवता पर अपन श्रेष्ठताक दावा करैत छथि, भविष्यक भविष्यवाणी करबाक अपन क्षमता पर प्रकाश दैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे ओ असगर भगवान छथि | अध्याय मूर्ति पूजा के व्यर्थता के याद दिलाबै के काम करै छै आरू भगवान के बेजोड़ शक्ति आरू संप्रभुता पर जोर दै छै ।

यशायाह 41:1 हे द्वीप सभ, हमरा सामने चुप रहू। लोक सभ अपन सामर्थ् य नव करथि। तखन ओ सभ बाजथि, हम सभ एक संग न्यायक नजदीक आबि जाइ।

भगवान् द्वीप सब के अपन सामने चुप रहय लेल आ न्याय के लेल एक संग नजदीक आबय लेल बजा रहल छथि।

1. मौन के शक्ति: भगवान के नजदीक कोना आबी

2. भगवान के न्याय के माध्यम स अपन ताकत के नवीनीकरण करब

1. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।

2. यशायाह 40:28-31 की अहाँ सभ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह 41:2 के पूरब दिस सँ धर्मी केँ उठौलक, ओकरा अपन पयर पर बजौलक, जाति-जाति केँ ओकरा आगू मे द’ देलक आ ओकरा राजा सभ पर शासन करौलक? ओ ओकरा सभ केँ अपन तलवारक धूरा जकाँ आ धनुष मे धकेलल ठूंठ जकाँ दऽ देलक।

परमेश् वर पूरब दिस सँ एकटा धर्मी आदमी केँ बजा कऽ ओकरा जाति आ राजा सभ पर अधिकार देलक आ ओकरा सभ केँ अपन तलवार आ धनुष मे दऽ देलक।

1. विपत्तिक समय मे शक्ति प्रदान करबाक लेल भगवान पर भरोसा करब

2. धर्मक शक्ति

1. इफिसियों 6:10-18 - प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू

2. भजन 20:7 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।

यशायाह 41:3 ओ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह, आ सुरक्षित भ’ गेलाह। ओहो ओहि रस्तासँ जे पएरसँ नहि गेल छल।

प्रभु अपन लोकक रक्षा आ बाट उपलब्ध कराओत, भले ओ एहन रास्ता हो जे पहिने नहि गेल हो।

1. भगवान् हुनका पर भरोसा करय वाला के एकटा बाट उपलब्ध करौताह

2. प्रभु पर भरोसा करू, तखनो जखन बाट अस्पष्ट हो

1. भजन 32:8 - "हम तोरा ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखाबब; हम तोरा अपन आँखि सँ मार्गदर्शन करब।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यशायाह 41:4 के काज केलक आ के केलक, जे शुरू स’ पीढ़ी-दर-पीढ़ी केँ बजा रहल अछि? हम प्रभु, पहिल आ अंतिम संग। हम ओ छी।

भगवान् आरंभ आ अंत छथि, आ ओ समयक प्रारंभ सँ सभ पीढ़ी केँ निष्ठापूर्वक बजौने छथि।

1: भगवान अल्फा आ ओमेगा छथि, आ ओ अपन बच्चा सभक प्रति सब समय वफादार रहलाह अछि।

2: प्रभु पर विश्वास करी, कारण ओ पहिल आ अंतिम छथि आ हमरा सभक संग सदाक लेल रहताह।

1: प्रकाशितवाक्य 1:8 हम अल्फा आ ओमेगा छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, जे छथि, जे छलाह, आ जे आबय बला छथि, सर्वशक्तिमान।

2: निकासी 3:14 - परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, “हम जे छी से छी। अहाँ इस्राएली सभ केँ ई कहब जे हम छी जे हमरा अहाँ सभक लग पठौने छी।

यशायाह 41:5 द्वीप सभ एकरा देखि डरि गेल। पृथ्वीक छोर भयभीत भऽ लग आबि गेल आ आबि गेल।

धरती के कोना-कोना के लोक डरा गेल छल आ जे भेल छल से देखि लग आबि गेल छल.

1. भगवानक शक्ति अपार अछि आ ओकर सम्मान करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ भगवान् केर शक्ति केँ चिन्हबाक चाही आ ओकरा प्रति आदर करबाक चाही।

1. यशायाह 41:5 - "द्वीप सभ एकरा देखि डरि गेल; पृथ्वीक छोर सभ डरि गेल, नजदीक आबि गेल आ आबि गेल।"

2. भजन 33:8 - "सब पृथ्वी प्रभु सँ डेराय; संसारक सभ निवासी हुनका प्रति भय मे ठाढ़ रहय।"

यशायाह 41:6 ओ सभ प्रत्येक अपन पड़ोसीक मददि केलक। सभ अपन भाय केँ कहलथिन, “साहस करू।”

लोक एक दोसरा के प्रोत्साहित आ सहयोग करैत छल, जाहि स साहस आ ताकत के प्रेरणा भेटैत छल।

1. प्रोत्साहन के शक्ति: एक दोसरा के साथ देला स कोना अंतर आबि सकैत अछि

2. संख्या मे ताकत: सामुदायिक समर्थन के लाभ

1. 1 थिस्सलुनीकियों 5:11 - "तेँ एक-दोसर केँ प्रोत्साहित करू आ एक-दोसर केँ मजबूत करू, जेना अहाँ सभ क' रहल छी।"

2. गलाती 6:2 - "एक-दोसरक भार उठाउ, आ एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।"

यशायाह 41:7 तखन बढ़ई सोनार केँ आ हथौड़ा सँ चिकना करयवला केँ निहाई पर प्रहार करयवला केँ प्रोत्साहित कयलनि जे, “ई सोडर करबाक लेल तैयार अछि।”

बढ़ई सोनार के कोनो वस्तु के टांका लगा क कील स जकड़य लेल प्रोत्साहित करैत अछि जाहि स ओकरा हिलल नहि जा सकय।

1. भगवान् हमरा सभक दैनिक जीवन मे मदद करबाक लेल विभिन्न औजारक प्रयोग करैत छथि।

2. परमेश् वरक योजना पर भरोसा करू आ हुनका अहाँक मार्गदर्शन करबाक अनुमति दियौक।

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 41:8 मुदा अहाँ इस्राएल, हमर सेवक छी, याकूब जिनका हम चुनने छी, हमर मित्र अब्राहमक वंशज छी।

परमेश् वर याकूब आ अब्राहमक वंशज इस्राएल केँ अपन सेवक बनय लेल चुनलनि।

1. परमेश् वरक चुनल लोक: इस्राएलक कथा

2. अब्राहम के निष्ठा: आज्ञाकारिता के एकटा आदर्श

२.

13 किएक तँ अब्राहम आ हुनकर वंशज केँ ई प्रतिज्ञा जे ओ संसारक उत्तराधिकारी बनताह से धर्म-नियमक द्वारा नहि, बल् कि विश् वासक धार्मिकताक कारणेँ आयल अछि।

2. इब्रानियों 6:13-15 - जखन परमेश् वर अब्राहम सँ प्रतिज्ञा कयलनि, कारण हुनका लग शपथ लेबाक लेल एहि सँ पैघ कियो नहि छलनि, तखन ओ अपना नाम सँ शपथ लेलनि, 14, “हम अहाँ केँ आशीर्वाद देब आ अहाँ केँ बढ़ा देब।” 15 एहि तरहेँ अब्राहम धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कऽ कऽ प्रतिज्ञा प्राप्त कयलनि।

यशायाह 41:9 अहाँ जकरा हम पृथ्वीक छोर सँ लऽ कऽ ओकर मुखिया सभ मे सँ बजा कऽ कहलहुँ जे, “अहाँ हमर सेवक छी।” हम अहाँ केँ चुनने छी, आ अहाँ केँ नहि फेकि देलहुँ।

परमेश् वर हमरा सभ केँ चुनने छथि आ हुनकर सेवा करबाक लेल बजौने छथि, चाहे हम सभ कतहु सँ छी।

1. "सेवा करबाक लेल बजाओल गेल: आशीर्वाद देबाक लेल भगवानक पसंद"।

2. "भगवानक निष्ठावान आह्वान: सभक लेल आशीर्वाद"।

1. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. मत्ती 22:14 - किएक तँ बहुतो लोक बजाओल गेल अछि, मुदा कम चुनल गेल अछि।

यशायाह 41:10 अहाँ नहि डेराउ। हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

ई अंश पाठकऽ क॑ परमेश्वर केरऽ सुरक्षा आरू हुनकऽ ताकत आरू सहायता दै के प्रतिज्ञा प॑ विश्वास रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: जीवनक संघर्षक लेल ताकत आ सहायता

2. डर नहि करू: परमेश् वरक धार्मिकता पर भरोसा करब

1. इब्रानी 13:5-6 - "अहाँ सभक आचरण लोभ रहित होउ। जे किछु अछि ताहि मे संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ स्वयं कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

2. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले पृथ् वी हटि जायत, आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाओल जायत। भले ओकर पानि गर्जैत हो आ परेशान हो, भले ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत हो।"

यशायाह 41:11 देखू, जे सभ अहाँ पर क्रोधित छल, से सभ लज्जित आ लज्जित होयत। जे अहाँ सँ झगड़ा करत से सभ नाश भऽ जायत।”

परमेश् वर अपन लोकक विरोध करनिहार सभ केँ न्याय करथिन। ओ सभ विनम्र भ' जेताह आ पूर्णतः नष्ट भ' जेताह।

1. परमेश् वरक न्याय ओहि सभ गोटेक अंतिम विजय देत जे हुनका प्रति वफादार रहत।

2. अहाँक विरोध करयवला सँ नहि डेराउ, कारण परमेश् वर हुनका सभ केँ उचित समय पर न्याय आ विनम्रता अनताह।

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभक प्रतिक्रिया मे की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. भजन 118:6 - "प्रभु हमर पक्ष मे छथि; हम डरब नहि। मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?"

यशायाह 41:12 अहाँ ओकरा सभ केँ ताकब, मुदा ओकरा सभ केँ नहि भेटत, जे अहाँ सँ झगड़ा केने छल।

प्रभु ई सुनिश्चित करतै कि जे हमरा सिनी के विरोध करतै, वू सब कुछ भी नै होय जाय।

1: विरोध के सामने भगवान पर भरोसा करना

2: हमर दुश्मन पर विजय प्राप्त करबा मे प्रभुक शक्ति

1: रोमियो 8:31, तखन एहि सभक प्रतिक्रिया मे हम सभ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2: नीतिवचन 21:31, घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार कयल गेल अछि, मुदा विजय प्रभुक अछि।

यशायाह 41:13 हम अहाँक परमेश् वर परमेश् वर अहाँक दहिना हाथ पकड़ि कऽ कहब जे, “नहि डरू।” हम तोहर मदति करब।

भगवान् सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि आ कहियो पाछू नहि छोड़ताह।

1: हम सब सदिखन भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सबहक कात मे रहथि आ हमरा सब के ताकत आ साहस प्रदान करथि।

2: हमर चुनौती कतबो कठिन किएक नहि हो, भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि, ओहि मे हमरा सभक मार्गदर्शन करैत छथि।

1: व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने भयभीत होउ, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभक संग जाइत छथि। ओ अहाँकेँ कहियो नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

2: यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, किएक तँ अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।

यशायाह 41:14 हे याकूबक कीड़ा आ इस्राएलक लोक सभ, नहि डेराउ। हम तोहर सहायता करब, परमेश् वर कहैत छथि आ तोहर मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र।

यशायाह के ई श्लोक इस्राएल के लोग सिनी कॅ डरै नै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि ओकरा सिनी कॅ प्रभु आरू इस्राएल के पवित्र आदमी के मदद आरो मुक्ति मिलतै।

1. भय के सामने साहस - भगवान के प्रतिज्ञा में विश्वास विकसित करना

2. इस्राएल के पवित्र के शक्ति के द्वारा भय पर काबू पाना

668

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

२.

यशायाह 41:15 देखू, हम अहाँ केँ एकटा नव तेज कुटनी बना देब जाहि मे दाँत होयत।

भगवान् जीवन केरऽ कठिन चुनौती स॑ उबरै म॑ मदद करै वाला औजार उपलब्ध कराबै वाला छै ।

1. भगवान हमरा सब के हर चुनौती के लेल सुसज्जित केने छथि

2. जीवनक कठिनाइ सभसँ उबरबाक औजार भगवान् उपलब्ध करौताह

1. इफिसियों 6:13-17 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।

2. याकूब 1:2-4 - जखन अहाँ परीक्षा के सामना करैत छी तखन ई सबटा आनन्दक गिनती करू, ई जानि जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

यशायाह 41:16 अहाँ ओकरा सभ केँ हवा देब, आ हवा ओकरा सभ केँ ल’ जायत, आ बवंडर ओकरा सभ केँ तितर-बितर करत।

परमेश् वर अपन लोकक शत्रु सभ केँ तितर-बितर कऽ देताह, आ जे हुनका पर भरोसा करैत छथि हुनका हुनका पर आनन्दित आ महिमा करबाक चाही।

1. विपत्तिक समय मे सेहो प्रभु मे आनन्दित रहू

2. सब परिस्थिति मे इस्राएल के पवित्र के महिमा करू

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. भजन 34:5 - जे हुनका दिस तकैत छथि, ओ चमकैत छथि, आ हुनकर चेहरा कहियो लाज नहि करत।

यशायाह 41:17 जखन गरीब आ गरीब पानि ताकत, मुदा पानि नहि रहत, आ ओकर जीह प्यास सँ क्षीण भ’ जायत, तखन हम प्रभु हुनका सभक बात सुनब, हम इस्राएलक परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि छोड़ब।

भगवान वचन दैत छथि जे पानि लेल बेताब गरीब आ जरूरतमंद के सुनब आ नहि छोड़ब।

1. गरीब आ जरूरतमंद के प्रति भगवान के करुणा

2.प्रभु हमर प्रदाता छथि

1. भजन 40:17- मुदा हम गरीब आ गरीब छी; तैयो प्रभु हमरा पर सोचैत छथि, अहाँ हमर सहायक आ उद्धारकर्ता छी। हे हमर भगवान, देरी नहि करू।

2. याकूब 2:14-17 हमर भाइ लोकनि, जँ केओ कहैत अछि जे ओकरा विश्वास अछि, मुदा ओकर काज नहि अछि? की विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि? जँ कोनो भाइ वा बहिन नंगटे छथि, आ नित्य भोजनक अभाव मे छथि, आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका कहैत छथि जे, “शांति सँ चलि जाउ, तँ अहाँ सभ गरम आ तृप्त भ’ जाउ।” मुदा अहाँ सभ ओकरा सभ केँ ओ सभ नहि दैत छी जे शरीरक लेल आवश्यक अछि। एकरा की फायदा होइत छैक? तहिना विश् वास जँ काज नहि करैत अछि तँ असगर रहला पर मरि गेल अछि।

यशायाह 41:18 हम ऊँच स्थान पर नदी सभ खोलब आ घाटी सभक बीच मे फव्वारा खोलब, जंगल केँ पानिक पोखरि आ शुष्क भूमि केँ पानिक झरना बना देब।

शुष्क स्थान पर पानि देबाक भगवानक वचन।

1: भगवान् संभावनाक भगवान छथि आ कठिनतम परिस्थिति मे आशा प्रदान करैत छथि।

2: रौदीक समय मे परमेश् वरक प्रबंधक प्रतिज्ञा हमरा सभ केँ निष्ठा आ आशा प्रदान करैत अछि।

1: उत्पत्ति 1:1-2 शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि। पृथ्वी बिना रूप आ शून्य छल, आ गहींरक मुँह पर अन्हार छल। परमेश् वरक आत् मा पानि पर मंडरा रहल छल।

2: यूहन्ना 4:14 मुदा जे पानि हम ओकरा देब से पीबैत अछि, ओकरा फेर कहियो प्यास नहि लागत।
हम जे पानि ओकरा देबनि से हुनका मे अनन्त जीवनक लेल बहि रहल जलक झरना बनि जायत।

यशायाह 41:19 हम जंगल मे देवदार, शिट्टा गाछ, मृग आ तेल के गाछ रोपब। हम मरुभूमि मे देवदारक गाछ, पाइन आ बक्सा के गाछ एक संग राखब।

भगवान जंगल में भी लोगऽ के भरण-पोषण करै के वादा करै छै, देवदार, शिट्टा के गाछ, मर्टल, तेल के गाछ, देवदार के गाछ, पाइन, आरू बक्सा के गाछ लगाबै छै।

1. कठिन समय मे भगवान् के प्रावधान

2. भगवान् पर विश्वासक फलदायी

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. भजन 1:3 - ओ पानिक नदीक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत जे अपन समय मे फल दैत अछि। ओकर पात सेहो मुरझाएब नहि। ओ जे किछु करताह से फलित होयत।

यशायाह 41:20 जाहि सँ ओ सभ देखथि, जानि, विचार करथि, आ बुझथि जे परमेश् वरक हाथ ई काज कयलनि आ इस्राएलक पवित्र एकरा बनौलनि।

भगवान् सब वस्तु के रचना केने छथि आ हुनकर हाथ हुनकर काज में स्पष्ट अछि |

1. "सृष्टि मे भगवानक हाथ देखब"।

2. "भगवान के सृष्टि के माध्यम स प्रेम के बुझब"।

२.

2. भजन 19:1: "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि; आकाश हुनकर हाथक काजक प्रचार करैत अछि।"

यशायाह 41:21 प्रभु कहैत छथि। अपन प्रबल कारण सामने आनू, याकूबक राजा कहैत छथि।

ई अंश लोगऽ क॑ प्रभु के सामने अपनऽ मुद्दा के सबूत सामने लानै के आह्वान करै छै ।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन विश् वास केँ सिद्ध करबाक लेल बजा रहल छथि

2. उठू आ अपन ताकत देखाउ

1. याकूब 2:14-26 - बिना काजक विश्वास मरि गेल अछि।

2. रोमियो 12:1 - अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू।

यशायाह 41:22 ओ सभ ओकरा सभ केँ सामने आनथि आ हमरा सभ केँ ई देखाबथि जे की होयत, ओ सभ पहिने के बात सभ केँ देखाबथि, जे की अछि, जाहि सँ हम सभ ओकरा सभ पर विचार करी आ ओकर बादक अंत केँ जानि सकब। वा हमरा सभ केँ आबय बला बात सभक घोषणा करू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चुनौती दैत छथि जे ओ हुनका अतीत केँ देखाबथि आ भविष्यक भविष्यवाणी करथि, जाहि सँ ओ सभ हुनकर योजना केँ बुझि सकथि।

1. परमेश् वरक योजना अनजान अछि - यशायाह 41:22

2. प्रभु पर विश्वासपूर्वक भरोसा - यशायाह 41:22

1. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।"

2. रोमियो 11:33 - हे, परमेश् वरक धन आ बुद्धि आ ज्ञानक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि आ ओकर बाट कतेक अविवेचनीय अछि!

यशायाह 41:23 आगूक बात सभ केँ देखाउ जाहि सँ हम सभ ई जानि सकब जे अहाँ सभ देवता छी।

भगवान् लोगऽ क॑ चुनौती दै छै कि भविष्य म॑ की आबै वाला छै एकरऽ भविष्यवाणी आरू प्रदर्शन करी क॑ वू देवता साबित करी दै ।

1. भविष्यवाणीक शक्ति: अपन ईश्वरीयता केँ सिद्ध करबाक लेल परमेश्वरक आह्वान केँ बुझब

2. नीक वा अधलाह करब: अपन ईश्वरीयता केँ सिद्ध करबाक लेल भगवानक चुनौती केँ बुझब

1. यशायाह 44:6-7 - इस्राएलक राजा यहोवा आ ओकर मुक्तिदाता सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम पहिल छी, आ हम अंतिम छी। आ हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि। आ हम जेना प्राचीन लोक केँ नियुक्त केने छी, के बजाओत आ घोषणा करत आ हमरा लेल एकरा व्यवस्थित करत? आ जे बात आओत आ आओत, से सभ ओकरा सभ केँ देखाबथि।”

2. मत्ती 24:44 - तेँ अहाँ सभ सेहो तैयार रहू, कारण जे अहाँ सभ नहि सोचैत छी, मनुष्यक पुत्र आओत।

यशायाह 41:24 देखू, अहाँ सभ कोनो चीजक नहि छी आ अहाँ सभक काज शून्य अछि।

ई अंश मूर्ति आरू झूठा देवता पर भरोसा करै के चेतावनी छै।

1. मूर्ति पर भरोसा नहि करू, बल्कि केवल प्रभु पर भरोसा करू।

2. झूठ देवता सभ केँ अस्वीकार करू आ परमेश् वरक वचनक सत्य केँ अपनाउ।

1. भजन 115:4-8 - "ओकर सभक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। हुनका सभक मुँह छनि, मुदा ओ नहि बजैत छथि; आँखि, मुदा नहि देखैत छथि। हुनका सभक कान छनि, मुदा नहि सुनैत छनि; नाक, मुदा गंध नहि अबैत अछि। हाथ अछि, मुदा अनुभूति नहि करैत अछि, पैर, मुदा चलैत नहि अछि, आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। जे ओकरा ओकरा जकाँ बनबैत अछि, ओकरा पर भरोसा करय बला सभ सेहो।"

2. यिर्मयाह 10:5 - "ओकर सभक मूर्ति खीराक खेत मे बिजूका जकाँ अछि, आ ओ सभ बाजि नहि सकैत अछि; ओकरा सभ केँ ढोब' पड़त, किएक तँ ओ सभ नहि चलि सकैत अछि। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ, किएक तँ ओ सभ अधलाह काज नहि क' सकैत अछि, आ ने एहन अछि।" हुनका सभ मे नीक काज करबाक लेल।

यशायाह 41:25 हम उत्तर दिस सँ एकटा केँ उठौने छी, आ ओ आबि जायत, सूर्यक उगला सँ ओ हमर नाम पुकारत, आ ओ राजकुमार सभ पर ओहिना आओत जेना कटाई पर आ कुम्हार माटि पर रौदैत अछि।

भगवान् उत्तर सँ ककरो चुनने छथि जे आबि क' हुनकर नाम पुकारत, आ एहि व्यक्ति केँ शासक पर अधिकार होयत।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: आज्ञाकारी के आशीर्वाद आ सशक्त बनेबाक लेल परमेश्वर के पसंद

2. ईश्वरीय अधिकार: भगवान् अपन इच्छा के निष्पादन के लेल हमरा सब के कोना उपयोग करैत छथि

1. फिलिप्पियों 2:13 - किएक तँ परमेश् वर अहाँ सभ मे अपन नीक उद्देश्य केँ पूरा करबाक लेल इच्छा आ काज करबाक काज करैत छथि।

2. दानियल 4:17 - निर्णयक घोषणा दूत द्वारा कयल जाइत अछि, पवित्र लोकनि निर्णयक घोषणा करैत छथि, जाहि सँ जीवित लोक केँ बुझल हो जे परमात्मा मनुष्यक राज्य पर सार्वभौमिक छथि आ जे कियो चाहैत छथि ओकरा दैत छथि आ हुनका पर नियुक्ति करैत छथि पुरुष मे सबसँ नीच।

यशायाह 41:26 के शुरू स’ घोषणा केने अछि जे हम सभ जानि सकब? आ पहिने, जाहि सँ हम सभ ई कहि सकब जे, “ओ धर्मी छथि?” हँ, केओ नहि अछि जे देखबैत अछि, हँ, एहन कियो नहि अछि जे घोषणा करैत अछि, हँ, एहन कियो नहि अछि जे अहाँक बात सुनैत अछि।

जे धार्मिक अछि से केओ शुरूए सँ नहि कहि सकैत अछि, आ ने केओ ओकरा बुझा सकैत अछि आ ने सुनि सकैत अछि।

1. केवल परमेश्वर धर्मी छथि - यशायाह 41:26

2. परमेश् वरक धार्मिकताक घोषणा करब - यशायाह 41:26

1. रोमियो 3:10 - "जेना लिखल अछि जे, केओ धर्मी नहि, एको नहि"।

2. भजन 19:7 - "प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बनबैत अछि"।

यशायाह 41:27 पहिल लोक सिय्योन केँ कहत जे देखू, ओकरा सभ केँ देखू।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे यरूशलेम मे शुभ समाचार अनबाक लेल सिय्योन मे दूत पठा देताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करू - यशायाह 41:27

2. विपत्ति मे साहस - यशायाह 41:27

1. रोमियो 10:15 - आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत ता धरि कियो कोना प्रचार क’ सकैत अछि? ठीक ओहिना जेना लिखल अछि: "सुसमाचार अननिहारक पैर कतेक सुन्दर अछि!"

2. भजन 119:49 - अपन सेवक सँ अपन वचन मोन राखू, कारण अहाँ हमरा आशा देने छी।

यशायाह 41:28 हम देखैत छलहुँ, मुदा ककरो नहि छल। हुनका सभक बीच सेहो एहन कोनो सलाहकार नहि छल जे जखन हम हुनका सभ सँ पूछलहुँ तँ एक शब्दक उत्तर दऽ सकैत छल।

भगवान् अपन प्रश्नक उत्तर देबय लेल ककरो ताकि रहल छथि, मुदा कियो नहि भेटैत अछि।

1. अनिश्चित समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक बुद्धि पर भरोसा करबाक आवश्यकता किएक

1. यशायाह 40:13-14 - "प्रभुक आत् मा के के निर्देशन केने छथि, वा जेना हुनकर सलाहकार हुनका सूचित केने छथि? ओ केकरा सँ परामर्श केलनि आ के हुनका बुझेलनि? आ के हुनका न्यायक बाट मे सिखबैत छलाह आ हुनका सिखबैत छलाह।" ज्ञान, आ हुनका बुझबाक बाट के जानकारी देलनि?"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

यशायाह 41:29 देखू, ई सभ व्यर्थ अछि। ओकर सभक काज किछु नहि: ओकर सभक पिघलल मूर्ति हवा आ भ्रम थिक।

यशायाह 41:29 मे कहल गेल अछि जे मनुक्खक सभ काज आडंबर आ किछु नहि अछि, आ ओकर पिघलल मूर्ति हवा आ भ्रमक अतिरिक्त किछु नहि अछि।

1. परमेश् वरक वचन सत्य अछि - यशायाह 41:29 एहि बात पर जोर दैत अछि जे हमर सभक काज आ मूर्ति परमेश् वरक वचनक सत्यक तुलना मे किछु नहि अछि।

2. परमेश् वर पर भरोसा - यशायाह 41:29 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे हमरा सभ केँ असगर परमेश् वर पर भरोसा करबाक चाही, किएक तँ परमेश् वरक सामर्थ् यक तुलना मे हमर सभक काज किछुओ नहि अछि।

1. निर्गमन 20:3-4 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे मूर्ति नहि बनाउ।

2. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत धरि निर्माण करयवला सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि। जाबे तक प्रभु नगर पर नजरि नहि रखताह, ताबे तक पहरेदार बेकार मे पहरेदार ठाढ़ भ' जाइत छथि।

यशायाह अध्याय 42 में प्रभु के सेवक के परिचय देलऽ गेलऽ छै, जेकरा परमेश् वर द्वारा संसार में न्याय, धार्मिकता आरू उद्धार लानै लेली नियुक्त करलऽ गेलऽ चुनलऽ आदमी के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय केरऽ शुरुआत प्रभु केरऽ सेवक के बारे म॑ घोषणा स॑ होय छै, जेकरा परमेश् वर समर्थन करै छै आरू ओकरा म॑ आनन्दित होय छै ।ई सेवक क॑ कोमल, दयालु आरू आत्मा द्वारा पृथ्वी प॑ न्याय स्थापित करै लेली सशक्त के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै (यशायाह ४२:१-४).

2nd पैराग्राफ: अध्याय जारी अछि सेवक के मिशन के संग जे राष्ट्र के न्याय आ आत्मज्ञान के सामने लाबय के अछि | ई बात पर जोर दै छै कि जब तलक न्याय स्थापित नै होय जैतै आरू तटीय क्षेत्र ओकरो शिक्षा के इंतजार नै करतै (यशायाह 42:5-9) सेवक थकलो या हतोत्साहित नै होतै।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय में ध्यान इस्राएल के लोग पर स्थानांतरित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा अपनऽ आध्यात्मिक अंधता आरू बहरापन के कारण डांटलऽ जाय छै । हुनकऽ वर्तमान स्थिति के बावजूद, परमेश् वर हुनका सिनी के नेतृत्व करै के, पुनर्स्थापित करै के आरू जंगल में रास्ता बनाबै के वादा करै छै (यशायाह ४२:१६-२०)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन प्रभु के लेल एकटा नव गीत गाबय के आह्वान स होइत अछि, हुनकर पराक्रमी कर्म आ हुनकर निष्ठा के लेल हुनकर स्तुति करैत अछि | ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सही ठहरौताह आ मूर्तिपूजा आ उत्पीड़न केँ समाप्त करताह जकर सामना हुनका सभ केँ भेल अछि (यशायाह 42:10-25)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बयालीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
प्रभुक सेवक, न्याय आनि रहल अछि।
इस्राएल केँ डाँटब, आ परमेश् वरक विश् वास।

प्रभु के सेवक के घोषणा; न्याय स्थापित।
सेवक के मिशन; राष्ट्रों के आत्मज्ञान।
इस्राएल केँ डाँट दियौक। बहाली के वादा।
नव गीत गाबय लेल फोन करू; भगवान् के निष्ठा।

ई अध्याय में प्रभु के सेवक के परिचय देलऽ गेलऽ छै, जेकरा परमेश् वर द्वारा संसार में न्याय, धार्मिकता आरू उद्धार लानै लेली नियुक्त करलऽ गेलऽ चुनलऽ आदमी के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै । सेवक के विशेषता छै कि वू सौम्य, दयालु आरू आत्मा के द्वारा सशक्त छै ।
अध्याय म॑ सेवक केरऽ राष्ट्रऽ के बीच न्याय आरू आत्मज्ञान स्थापित करै के मिशन प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ई काम के प्रति ओकरऽ अटूट प्रतिबद्धता प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई इस्राएल के लोगऽ क॑ ओकरऽ आध्यात्मिक अंधता आरू बहरापन के लेलऽ भी डांटै छै लेकिन ओकरा

सिनी क॑ परमेश् वर के प्रतिज्ञा के आश्वासन दै छै कि वू ओकरा सिनी के नेतृत्व आरू पुनर्स्थापित करतै । अध्याय के समापन प्रभु के स्तुति के नया गीत गाबै के आह्वान के साथ होय छै, जेकरा में हुनकऽ पराक्रमी कर्म आरू निष्ठा के उत्सव मनाबै के छै । ई परमेश् वर के प्रतिज्ञा के पूर्ति आरू अंततः हुनकऽ लोगऽ के सही ठहराबै के पूर्वानुमान करै छै ।

यशायाह 42:1 देखू हमर सेवक, जकरा हम समर्थन करैत छी। हमर चुनल लोक, जिनका मे हमर प्राण आनन्दित होइत अछि। हम हुनका पर अपन आत् मा राखि देलहुँ अछि, ओ गैर-यहूदी सभक न् याय करत।

ई अंश परमेश् वर के सेवक के बारे में बात करै छै जे गैर-यहूदी सिनी कॅ न्याय के सामने आबै वाला छै।

1. परमेश् वरक सेवकक शक्ति - गैर-यहूदी सभक लेल न्याय अनबा मे परमेश् वरक सेवकक भूमिकाक खोज करब।

2. परमेश् वरक निष्ठा - परमेश् वरक वफादारी पर चिंतन करब जे अपन सेवक केँ कायम राखब आ ओकरा मे आनन्दित होयब।

1. यशायाह 49:6 - "ओ कहलनि जे, याकूबक गोत्र सभ केँ ठाढ़ करब आ इस्राएलक सुरक्षित लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करब, अहाँ हमर सेवक बनब, ई हल्लुक बात अछि, जाहि सँ अहाँ पृथ्वीक अन्त धरि हमर उद्धार बनि जायब।”

2. रोमियो 15:8-12 - "हम कहैत छी जे यीशु मसीह परमेश् वरक सत्यक लेल खतनाक सेवक छलाह, जाहि सँ पूर्वज सभ सँ कयल गेल प्रतिज्ञा सभक पुष्टि कयल जा सकय लिखल अछि, “एहि लेल हम गैर-यहूदी सभक बीच अहाँ केँ स्वीकार करब आ अहाँक नाम गाबब।”ओ फेर कहैत छथि, ‘हे गैर-यहूदी सभ, हुनकर लोक सभक संग आनन्दित होउ। अहाँ सभ गोटे।

यशायाह 42:2 ओ नहि कानत, नहि उठत, आ ने गली मे अपन आवाज सुनय देत।

ई अंश परमेश् वर के सेवक के बारे में बात करै छै जे सड़कऽ पर चिल्लाय के नै बल्कि ताकत आरू न्याय स॑ भरलऽ रहतै ।

1. शांत ताकत के शक्ति: भगवान के बात सुनना सीखना

2. न्यायक शक्ति: गरिमापूर्वक भगवानक सेवा करब

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 1:17 - "सब नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।"

यशायाह 42:3 ओ कुटल खढ़ केँ नहि तोड़त, आ धुँआधार सन केँ नहि बुझाओत।

भगवान् कोमल आ दयालु छथि, जिनका जरूरत छनि हुनका न्याय आ सत्य प्रदान करैत छथि |

1. परमेश् वरक दया आ न्याय: हुनकर प्रेम सँ हम सभ कोना धन्य छी

2. यशायाह 42:3: परमेश्वरक सौम्य आ दयालु स्वभाव

1. मत्ती 11:28-30 - यीशु हमरा सभ केँ आराम आ शांति लेल हुनका लग आबय लेल आमंत्रित करैत छथि।

2. कुलुस्सी 3:12-15 - हमरा सभ केँ करुणा, दयालुता, विनम्रता, कोमलता आ धैर्यक कपड़ा पहिरबाक चाही।

यशायाह 42:4 जाबत धरि ओ पृथ्वी पर न्याय नहि क’ देत, ताबत धरि ओ असफल नहि होयत आ ने हतोत्साहित होयत, आ द्वीप सभ हुनकर व्यवस्थाक प्रतीक्षा करत।

674

जाबे तक पृथ्वी पर न्याय स्थापित नै भ जायत आ सब जाति हुनकर व्यवस्था के इंतजार नै करत ताबे तक ओ हार नै मानत।

1: जा धरि धरती पर न्याय नहि बनत ता धरि हार नहि मानब।

2: सभ जाति परमेश् वरक नियमक प्रतीक्षा करैत अछि।

1: हबक्कूक 2:14 - किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक महिमाक ज्ञान सँ भरल रहत, जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

2: भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओ लोक जिनका ओ अपन धरोहरक रूप मे चुनने छथि!

यशायाह 42:5 ई कहैत छथि जे परमेश् वर परमेश् वर, जे आकाश केँ सृजित कयलनि आ ओकरा पसारि देलनि। जे पृथ् वी केँ पसरैत अछि आ ओहि मे सँ निकलय बला बात। जे लोक सभ केँ साँस दैत अछि आ ओहि मे चलयवला केँ आत् मा दैत अछि।

परमेश् वर परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि, ओहि मे रहनिहार लोक सभ केँ साँस आ आत् मा दैत छथि।

1. भगवान् सबहक सृष्टिकर्ता आ पोषक छथि

2. भगवानक शक्ति सृष्टि मे स्पष्ट अछि

1. भजन 24:1-2 पृथ्वी प्रभु s आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार लोक छथि

2. उत्पत्ति 1:1 शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ बनौलनि।

यशायाह 42:6 हम प्रभु अहाँ केँ धार्मिकता मे बजौने छी, आ अहाँक हाथ पकड़ि क’ अहाँ केँ राखब आ अहाँ केँ लोकक वाचा मे आ गैर-यहूदी सभक इजोतक रूप मे देब।

यशायाह के ई अंश प्रभु के धर्मी सिनी कॅ बोलै के बात करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ पालन करै के आरू ओकरा सिनी कॅ लोगौ के वाचा आरू गैर-यहूदी सिनी लेली एक रोशनी बनाबै के ओकरौ योजना के बारे में बात करै छै।

1. धर्मक लेल एकटा आह्वान: एकटा वाचाक लोकक जीवन जीब

2. सुसमाचार के इजोत चमकाबय के: सब लोक के पास शुभ समाचार पहुंचाबय के

1. मत्ती 28:18-20 - यीशुक महान आज्ञा जे ओ सभ जाति मे सुसमाचार पहुँचाबथि

2. याकूब 2:14-26 - सच्चा विश्वास के प्रमाण के रूप में विश्वास आरू काम के महत्व

यशायाह 42:7 आन्हर आँखि खोलबाक लेल, कैदी सभ केँ जेल सँ बाहर निकालबाक लेल आ अन्हार मे बैसल लोक सभ केँ जेल घर सँ बाहर निकालबाक लेल।

ई अंश परमेश् वर के शक्ति के बात करै छै कि जे अन्हार आरू कैद में छै, ओकरा मुक्त करै छै।

1: भगवान के शक्ति जे हमरा सब के अन्हार स मुक्त करय

2: परमेश् वरक मोक्षदायी काजक चमत्कार

1: यूहन्ना 8:36 - "त' जँ बेटा अहाँ सभ केँ मुक्त क' देत त' अहाँ सभ सत्ते स्वतंत्र भ' जायब।"

2: रोमियो 8:22 - "किएक तँ हम सभ जनैत छी जे समस्त सृष्टि एखन धरि एक संग कराहैत अछि आ प्रसवक पीड़ा भोगैत अछि।"

यशायाह 42:8 हम प्रभु छी, हमर नाम इएह अछि, आ हम अपन महिमा दोसर केँ नहि देब आ ने अपन स्तुति उकेरल मूर्ति केँ देब।

भगवान् अपन महिमा वा स्तुति कोनो आन जीव वा मूर्ति केँ नहि देथिन।

1. भगवान् के विशिष्टता: प्रभु के अप्रतिम महिमा का उत्सव

2. अभिमानक मूर्तिपूजा: आत्ममहिमा के प्रलोभन के अस्वीकार करब

1. भजन 115:4-8

2. रोमियो 1:18-25

यशायाह 42:9 देखू, पहिने के बात सभ घटित भ’ गेल अछि आ नव बात सभ हम घोषणा करैत छी।

भगवान् नव बातक घोषणा करैत छथि आ ओकरा पूरा हेबा सँ पहिने हमरा सभ केँ ओकर जानकारी दैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

यशायाह 42:10 समुद्र मे उतरय बला आ ओहि मे जे किछु अछि, प्रभु केँ नव गीत गाउ आ पृथ् वीक छोर सँ हुनकर स्तुति गाउ। द्वीप सभ, आ ओकर निवासी सभ।

पृथ्वीक चारू छोर सँ, समुद्रक समीप रहनिहार आ ओकर निवासी सँ प्रभुक स्तुति हेबाक चाही।

1. नव गीत सँ प्रभुक स्तुति करू

2. पृथ्वी के छोर स प्रभु के पूजा करू

1. भजन 98:1 - "हे, प्रभु केँ एकटा नव गीत गाउ! किएक तँ ओ अद्भुत काज कयलनि; हुनकर दहिना हाथ आ पवित्र बाँहि हुनका विजय प्राप्त कयलनि।"

2. प्रकाशितवाक्य 14:7 - "जोर सँ कहि रहल छी, "परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर महिमा करू; किएक तँ हुनकर न् यायक समय आबि गेल अछि; आ हुनकर आराधना करू जे आकाश आ पृथ्वी, समुद्र आ जलक झरना बनौलनि।"

यशायाह 42:11 जंगल आ ओकर नगर सभ अपन आवाज उठाबय, जे गाम मे केदार रहैत अछि।

केदारक निवासी पहाड़क चोटी सँ गाबि आ चिचियाबय।

1. प्रभुक सृष्टि मे आनन्दित रहू

2. आवाज उठाबय के शक्ति

1. भजन 98:4-6 -, समस्त पृथ्वी, प्रभुक लेल आनन्दित हल्ला करू।

2. भजन 105:1-3 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक; ओकर नाम पुकारू, ओकर कर्म लोकक बीच बताउ।

यशायाह 42:12 ओ सभ प्रभुक महिमा करथि आ द्वीप सभ मे हुनकर प्रशंसा करथि।

यशायाह केरऽ ई अंश लोगऽ क॑ प्रभु केरऽ महिमा आरू स्तुति करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. "प्रभुक महिमा देब: पूजाक आह्वान"।

2. "प्रशंसा के साथ प्रभु के उत्सव मनाना: आनन्दित होबय के आह्वान"।

1. प्रकाशितवाक्य 14:7 - "जोर सँ कहि रहल छी, “परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर महिमा करू।
किएक तँ हुनकर न् यायक समय आबि गेल अछि पानि।"

२.

यशायाह 42:13 परमेश् वर एकटा पराक्रमी जकाँ निकलताह, ओ युद्धक आदमी जकाँ ईर्ष्या जगौताह, ओ चिचियाओत, हँ, गर्जत। ओ अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त करत।

प्रभु एकटा पराक्रमी आदमी जकाँ छथि, जे अपन शत्रु सभक विरुद्ध लड़बाक लेल शक्ति आ शक्ति सँ भरल छथि |

1. परमेश् वरक शक्ति पर विजय प्राप्त करबाक लेल - यशायाह 42:13 सँ आकर्षित करैत, हम सभ प्रभुक अपन दुश्मन सभक विरुद्ध लड़बाक इच्छुकता आ ओकरा पराजित करबाक शक्ति केँ देखि सकैत छी।

2. प्रभु केरऽ ताकत - हम्में ई बात स॑ सान्त्वना ल॑ सकै छियै कि प्रभु एगो पराक्रमी आदमी छै, जेकरा म॑ हमरा सिनी के सामने आबै वाला कोनो भी विरोध प॑ काबू पाबै लेली शक्ति आरू शक्ति स॑ भरलऽ छै ।

1. यशायाह 42:13 - प्रभु एकटा पराक्रमी बनि जेताह, ओ युद्धक आदमी जकाँ ईर्ष्या जगौताह, ओ चिचियाओत, हँ, गर्जत। ओ अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त करत।

2. भजन 24:8 - ई महिमा के राजा के छै? प्रभु बलवान आ पराक्रमी, युद्ध मे पराक्रमी प्रभु।

यशायाह 42:14 हमरा बहुत दिन धरि चुप रहि गेल अछि। हम निश्चिंत रहलहुँ, आ अपना केँ संयमित क' लेलहुँ, आब हम प्रसव कर' बला स्त्री जकाँ कानब। हम एके बेर विनाश आ भक्षण करब।

भगवान बहुत दिन स धैर्य रखैत छथि मुदा आब कार्रवाई करय लेल तैयार छथि आ अपन निर्णय देखाबय लेल तैयार छथि।

1. भगवान् धैर्य रखैत छथि, मुदा हुनकर धैर्य अनंत नहि छनि।

2. हमर सभक काजक परिणाम होइत छैक, आ भगवान् केँ नजरअंदाज नहि कयल जायत।

1. उपदेशक 8:11 - "किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष्यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण ठाढ़ अछि।"

2. यशायाह 55:6 - "जाब तक प्रभु नहि भेटताह ताबत तक अहाँ सभ प्रभु केँ खोजू, जाबत ओ लग मे छथि ताबत तक हुनका पुकारू"।

यशायाह 42:15 हम उजाड़ पहाड़ आ पहाड़ी बना देब आ ओकर सभ जड़ी-बूटी सुखायब। हम नदी सभ केँ द्वीप बना देब आ पोखरि सभ केँ सुखायब।

परमेश् वर पहाड़ आ पहाड़ी केँ उजाड़ मे बदलि देताह, सभटा वनस्पति केँ सुखा देताह आ नदी केँ द्वीप मे बदलि देताह आ पोखरि केँ सुखा देताह।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य चमत् कार कोना बना सकैत अछि
2. भगवान् के अधिकार के अवहेलना के खतरा
1. अय्यूब 12:20-25 - ओ जाति सभक सलाह केँ अन्त्य क’ दैत छथि; जनताक योजनाकेँ कोनो अप्रभावी बना दैत छथि ।
21 ओ बुद्धिमान केँ अपन धूर्तता मे पकड़ैत अछि, आ धूर्त लोकक सलाह जल्दी आबि जाइत अछि। 22 दिन मे अन्हार सँ भेंट होइत अछि, आ दुपहर मे राति जकाँ टटोलैत अछि।
2. यशायाह 40:25-26 - तखन अहाँ हमरा ककरा सँ उपमा देब, वा हम ककरा सँ बराबर रहब? कहैत छथि पवित्र। 26 अपन नजरि ऊपर उठाउ, आ देखू जे ई सभ के बनौने अछि, जे ओकर सभक सेना केँ संख्या मे बाहर निकालैत अछि। ओ सभ केँ नाम सँ बजबैत छथि, अपन शक्तिक महानता आ अपन शक्तिक बल सँ; एकटा नहि छूटल अछि।
यशायाह 42:16 हम आन्हर सभ केँ ओहि बाट सँ अनब जे ओ सभ नहि जनैत छल। हम ओकरा सभ केँ ओहि बाट पर लऽ जायब जे ओकरा सभ केँ नहि बुझल छलैक। हम हुनका सभक संग ई सभ काज करब, आ ओकरा सभ केँ नहि छोड़ब।
भगवान् आन्हर सभ केँ ओहि बाट पर ल' जेताह जे ओ सभ नहि जनैत छल, ओकरा सभक सोझाँ अन्हार केँ इजोत करत आ टेढ़-टेढ़ चीज केँ सोझ करत। ओ ओकरा सभकेँ नहि छोड़त।
1. अदृश्य देखब: अन्हार मे आशा भेटब
2. परमेश् वरक अटूट प्रतिज्ञा: कहियो नहि छोड़ल गेल
1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"
2. मत्ती 11:28 - "हे सब मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आऊ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।" यशायाह 42:17 ओ सभ पाछू घुमि जायत, ओ सभ बहुत लज्जित होयत, जे उत्कीर्ण मूर्ति पर भरोसा करैत अछि, जे पिघलल मूर्ति सभ केँ कहैत अछि जे, “अहाँ सभ हमर सभक देवता छी।”
एहि अंश मे चर्चा कयल गेल अछि जे झूठ मूर्ति पर भरोसा करयवला लोक कोना लज्जित आ लज्जित होयत।
1: मूर्तिपूजा एकटा पाप अछि - रोमियो 1:21-25
2: प्रभु हमर परमेश् वर छथि - यशायाह 43:10-11
1: यिर्मयाह 10:3-5
2: भजन 115:3-8
यशायाह 42:18 हे बहीर सभ, सुनू। अहाँ सभ आन्हर सभ देखू, जाहि सँ अहाँ सभ देखब।”
यशायाह के ई अंश विश्वास के संदर्भ में भौतिक दृष्टि आरू श्रवण के शक्ति के बात करै छै।
1. आस्थाक असीम संभावना: इन्द्रियक शक्तिक अन्वेषण
2. सतह सँ परे देखब आ सुनब: शास्त्रक गहींर अर्थक उजागर करब
1. इफिसियों 1:18 - "अपन हृदयक आँखि प्रबुद्ध करू, जाहि सँ अहाँ सभ जानि सकब जे ओ अहाँ सभ केँ कोन आशाक लेल बजौने छथि, हुनकर महिमामय उत्तराधिकारक धन पवित्र लोक सभ मे की अछि"।

2. यूहन्ना 10:27-28 - "हमर बरद सभ हमर आवाज सुनैत अछि, आ हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत छी, आ ओ सभ हमरा पाछाँ पड़ैत अछि। हम ओकरा सभ केँ अनन्त जीवन दैत छी, ओ सभ कहियो नष्ट नहि होयत, आ कियो ओकरा सभ केँ हमर हाथ सँ नहि छीनि लेत।"

यशायाह 42:19 हमर सेवक छोड़ि के आन्हर अछि? वा बहीर, हमर दूत जकाँ जे हम पठौने रही? के सिद्ध आदमी जकाँ आन्हर अछि आ परमेश् वरक सेवक जकाँ आन्हर अछि?

परमेश् वरक सेवक सभ केँ संसारक प्रति सिद्ध आ आन्हर बनबाक लेल बजाओल गेल अछि, मुदा ओ सभ एखनो मनुक्ख अछि आ आन्हर वा बहीर बनबाक शिकार अछि।

1. संसारक प्रति आन्हर: निष्ठा आ पवित्रताक आह्वान

2. आज्ञाकारिता के सिद्धता: आन्हर आ बहीरता के संग प्रभु के सेवा करब

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ।

2. यूहन्ना 8:12 - जखन यीशु फेर लोक सभ सँ बात केलनि तऽ ओ कहलनि जे, हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल्कि ओकरा जीवनक इजोत भेटतैक।

यशायाह 42:20 अहाँ बहुत किछु देखैत छी, मुदा अहाँ नहि मानैत छी। कान खोलैत अछि, मुदा ओ नहि सुनैत अछि।

भगवान् बहुत रास बात देखैत छथि आ सुनैत छथि, मुदा ओकर अवलोकन नहि करैत छथि आ नहिये ध्यान दैत छथि ।

1. अनदेखी करबाक शक्ति: अमहत्वपूर्ण केँ ट्यून करब सीखब

2. सुसमाचार के प्रचार करब: परमेश् वरक वचन पर केन्द्रित रहब

1. फिलिप्पियों 4:8-9 - अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे सम्मानजनक अछि, जे न्यायसंगत अछि, जे शुद्ध अछि, जे प्रेमपूर्ण अछि, जे प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि, एहि सभ बात पर सोचू।

2. कुलुस्सी 3:2 - अपन मोन पृथ्वी पर नहि, ऊपरक चीज पर राखू।

यशायाह 42:21 परमेश् वर अपन धार्मिकताक लेल प्रसन्न छथि। ओ धर्म-नियम केँ बढ़ाओत आ ओकरा आदरणीय बनाओत।

परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ हुनकर धार्मिक नियमक अनुसार अपन जीवन जीबी।

1: परमेश् वरक नियम धार्मिकताक बाट अछि

2: प्रभु कृपालु छथि आ आज्ञापालन के आदर करैत छथि

1: भजन 19:7-8 प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि। प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि।

2: याकूब 1:22-25 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल। मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि, जे बिसरनिहार श्रोता नहि अछि, अपितु काज करयवला कर्ता अछि, ओ अपन कर्म मे धन्य होयत।
679

यशायाह 42:22 मुदा ई लूटल आ लूटल लोक अछि। ओ सभ छेद मे फँसल अछि आ जेल घर मे नुकायल अछि।
लूट के लेल, मुदा केओ नहि कहैत अछि जे, “पुनर्स्थापित करू।”

1: परमेश् वरक लोक दबल अछि आ ओकरा मोक्षक आवश्यकता अछि।

2: जे अपना लेल बाजि नहि सकैत छथि हुनका लेल हमरा सभ केँ बाजब चाही।

1: याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

2: नीतिवचन 31:8 - बेजुबान लेल मुँह खोलू, जे सभ मरबाक लेल निर्धारित अछि ओकर काज मे।

यशायाह 42:23 अहाँ सभ मे सँ के एहि बात पर कान करत? आगामी समयक लेल के सुनत आ सुनत?

ई अंश परमेश् वर के लोग सिनी कॅ हुनका बात के बारीकी स॑ सुनै लेली बोलैलऽ जाय के बात करै छै ।

1. "भगवान बजा रहल छथि - ध्यान स सुनू"।

2. "प्रभुक वचन सुनू"।

1. लूका 8:18 - "तेँ ध्यान सँ विचार करू जे अहाँ कोना सुनैत छी।"

2. याकूब 1:19 - "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही।"

यशायाह 42:24 याकूब के लूट के लेल के देलक आ इस्राएल के डकैत के देलक? की परमेश् वर, जकरा विरुद्ध हम सभ पाप केने छी, से नहि केने छलाह? किएक तँ ओ सभ हुनकर बाट पर नहि चलय चाहैत छल आ ने हुनकर व्यवस्थाक आज्ञाकारी छल।

प्रभु इस्राएलक लोक सभ केँ अपन नियमक पालन नहि करबाक लेल सजा देलनि अछि।

1. भगवान न्यायी छथि: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम पर क

2. आज्ञाकारिता के आवश्यकता: भगवान के प्रति निष्ठा के महत्व पर एक

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. व्यवस्था 11:26-28 - देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद, जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब, जे आइ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, आ जँ अहाँ सभ पालन करब तँ श्राप अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू, बल् कि आइ जे बाट अहाँ सभ केँ आज्ञा दऽ रहल छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागि जाउ, जकरा अहाँ सभ नहि जनने छी।

यशायाह 42:25 तेँ ओ हुनका पर अपन क्रोधक क्रोध आ युद्धक सामर्थ्य उझलि देलनि। ओ ओकरा जरा देलक, मुदा ओ ओकरा हृदय मे नहि राखि देलक।

भगवान् अपन क्रोध आ युद्धक शक्ति एहन व्यक्ति पर उतारने छथि जे एकरा नहि जनैत छल आ ने ओकर संज्ञान लेने छल ।

1. परमेश् वरक आह्वान केँ अनदेखी करब: अपन बाट कोना गमाबी

2. भगवान् के क्रोध के अनदेखी के परिणाम

1. यशायाह 5:24 - तेँ जहिना आगि ठूंठ केँ भस्म क’ दैत अछि, आ लौ भूसा केँ भस्म क’ दैत अछि, तहिना ओकर जड़ि सड़ल भ’ जायत, आ ओकर फूल धूरा जकाँ चलि जायत, किएक तँ ओ सभ प्रभुक नियम केँ फेकि देलक सेना सभ केँ आ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक वचन केँ तिरस्कृत कयलनि।

2. यशायाह 29:13-14 - तेँ प्रभु कहलनि, “ई लोक सभ अपन मुँह सँ हमरा लग आबि रहल अछि आ ठोर सँ हमरा आदर करैत अछि, मुदा अपन हृदय हमरा सँ दूर क’ देलक अछि, आ हमरा प्रति हुनकर भय सिखाओल गेल अछि।” मनुष्यक उपदेश: तेँ देखू, हम एहि लोकक बीच एकटा अद्भुत काज करब, जे एकटा अद्भुत काज आ आश्चर्य अछि, किएक तँ हुनका सभक ज्ञानी सभक बुद्धि नष्ट भऽ जायत आ हुनका सभक विवेकी लोकक बुद्धि नुकायल रहत।

यशायाह अध्याय 43 परमेश् वर के वफादारी आरू हुनकऽ लोगऽ के लेलऽ मोक्षदायक योजना के विषय के साथ जारी छै । एहि मे परमेश् वरक प्रेम, रक्षा आ उद्धार पर जोर देल गेल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के घोषणा स ’ होइत अछि जे ओ अपन लोक इस्राएल के सृजन आ निर्माण केलनि। ओ हुनका सभक संग रहबाक, गहींर पानि आ आगि मे हुनका सभक रक्षा करबाक आ हुनका सभ केँ मुक्त करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि (यशायाह 43:1-7)।

2nd पैराग्राफ: भगवान् अपन लोक के एकमात्र सच्चा भगवान के रूप में अपन विशिष्ट पहचान के याद दिलाबैत छथि | ओ हुनका सभ केँ चुनौती दैत छथि जे ओ अपन पूर्वक मुक्ति केर काज केँ मोन राखथि आ डर नहि, कारण ओ हुनका सभक भलाई लेल काज करैत रहताह (यशायाह 43:8-13)।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर अपन योजनाक घोषणा करैत छथि जे एकटा नव चीज सोझाँ अनबाक अछि, जंगल मे बाट बनबैत छथि आ अपन चुनल लोक सभक लेल मरुभूमि मे पानि उपलब्ध कराबैत छथि। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ हुनकर अपराध केँ मेटा देताह आ हुनकर पाप केँ आब नहि मोन पाड़ताह (यशायाह 43:14-28)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेतालीस अध्याय प्रकट करैत अछि
परमेश् वरक प्रेम, रक्षा आ उद्धार,
एकमात्र सच्चा भगवान् के रूप में हुनकर पहचान,
नव बात आ क्षमाक वचन।

परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ रक्षाक घोषणा।
एकमात्र सच्चा भगवान के रूप में हुनकर पहचान के स्मरण।
एकटा नव चीजक वादा; क्षमा के घोषणा कयल गेल।

ई अध्याय परमेश् वर के वफादारी आरू हुनकऽ लोगऽ के लेलऽ मोक्षदायक योजना पर जोर दै छै ।
परमेश् वर इस्राएल के प्रति अपनऽ प्रेम आरू सुरक्षा के घोषणा करै छै, कठिन समय के दौरान ओकरा सिनी के साथ रहना आरू ओकरा छुड़ाबै के वादा करै छै। ओ अपनऽ लोगऽ क॑ एकमात्र सच्चा परमेश्वर के रूप म॑ अपनऽ विशिष्ट पहचान के याद दिलाबै छै आरू ओकरा सिनी क॑ चुनौती दै छै कि वू अपनऽ पिछला मुक्ति के काम क॑ याद करै । परमेश् वर अपनऽ योजना के घोषणा करै छै कि वू एगो नया चीज सामने लानै छै, जंगल में रास्ता बनाबै छै आरू उजाड़ जगहऽ पर भी अपनऽ चुनलऽ लोगऽ के भरण-पोषण करै छै । ओ क्षमा के आश्वासन सेहो दैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओ हुनकर अपराध के मेटा देताह आ हुनकर पाप के आब याद नहि करत। ई अध्याय परमेश् वर के अटूट प्रेम, उद्धार करै के हुनकऽ शक्ति, आरू हुनकऽ लोगऽ के साथ हुनकऽ वाचा के प्रति हुनकऽ निष्ठा के याद दिलाबै के काम करै छै ।

यशायाह 43:1 मुदा आब यह याकूब, जे तोरा सृष्टि केने छलाह, आ जे तोहर बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, “हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ, हम अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी। अहाँ हमर छी।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी याकूब आरू इस्राएल कॅ पैदा करलकै आरू बनैलकै आरू ओकरा सिनी कॅ आग्रह करै छै कि वू ओकरा सिनी कॅ छुड़ाबै छै आरू ओकरा सिनी कॅ नाम सें बोलैलकै, ओकरा सिनी कॅ नै डरै।

1. डर नहि: भगवान नियंत्रण मे छथि

2. भगवानक नाम जानबाक मूल्य

1. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

2. निर्गमन 3:14-15 - "परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "हम जे छी, हम एहि तरहेँ छी।" , अहाँ इस्राएलक लोक सभ केँ एहि तरहेँ कहब जे, ‘अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर, अब्राहमक परमेश् वर, इसहाकक परमेश् वर आ याकूबक परमेश् वर, हमरा अहाँ सभक लग पठौलनि अछि हमर स्मारक सभ पीढ़ी धरि।"

यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के वर्णन करै छै कि कठिन आरू चुनौतीपूर्ण दोनों समय में हमरा सिनी के साथ रहना छै।

1. भगवानक अविचल उपस्थिति: चुनौतीपूर्ण समय मे सुरक्षा आ आरामक आश्वासन

2. भगवान् के प्रोविडेंस के अनुभव करब: हर परिस्थिति में हुनकर उपस्थिति के शांति के जानब

1. रोमियो 8:38-39: "हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. यिर्मयाह 29:11: "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, भलाईक योजना अछि।"

यशायाह 43:3 हम यहोवा तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी।

परमेश् वर एकमात्र सत् य परमेश् वर आ इस्राएलक उद्धारकर्ता छथि। इजरायल के लेलऽ मिस्र आरू इथियोपिया के बलिदान देलकै ।

1. परमेश् वरक प्रेमक शक्ति: परमेश् वर अपन लोकक लेल कोना बलिदान दैत छथि

2. परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करब: परमेश् वरक सामर्थ् य पर भरोसा करब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. भजन 20:7 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर; मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम मोन पाड़ब।

यशायाह 43:4 जहिया सँ अहाँ हमरा नजरि मे बहुमूल्य छलहुँ, तहिया सँ अहाँ आदरणीय छी, आ हम अहाँ सँ प्रेम केलहुँ, तेँ हम अहाँक लेल मनुष्य आ अहाँक प्राणक लेल लोक देब।

भगवान् हमरा सभ सँ एतेक प्रेम करैत छथि जे हमरा सभक लेल कोनो बात छोड़य लेल तैयार छथि।

1. भगवान् केर आत्मत्याग मे प्रदर्शित प्रेम

2. भगवान् के प्रेम के बिना शर्त प्रकृति

1. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय।"

२, हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकब, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।"

यशायाह 43:5 डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब।

प्रभु हमरा सब क॑ आश्वस्त करै छै कि हुनी हमरा सब के साथ छै आरू हमरा सब क॑ सुरक्षित स्थान प॑ पहुँचाय देतै चाहे हम्में कतहीं भी होय ।

1: परमेश् वरक आरामक प्रतिज्ञा - यशायाह 43:5

2: भय के समय में परमेश्वर के उपस्थिति के जानना - यशायाह 43:5

1: व्यवस्था 31:6 - "मजगूत आ साहसी रहू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डरू, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँ सभ केँ नहि छोड़ताह आ नहि छोड़ताह।"

2: इब्रानी 13:5-6 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु छथि।" हमर सहायक, हम डरब नहि, मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यशायाह 43:6 हम उत्तर दिस कहब जे, हार मानू। आ दक्षिण दिस, “पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू।

भगवान उत्तर आ दक्षिण के आज्ञा दैत छथि जे अपन बेटा-बेटी के पृथ्वी के कोना-कोना स आनब।

1. एकता के शक्ति: सब राष्ट्र के भगवान के अधीन एकजुट होबय के आह्वान

2. परमेश् वर अपन लोक सभ केँ बजा रहल छथि: परमेश् वरक निर्देशक पालन करब चाहे कोनो खर्चा किएक नहि हो

1. इफिसियों 2:14-17 - कारण ओ स्वयं हमरा सभक शान्ति छथि, जे हमरा दुनू केँ एक बना देलनि आ अपन शरीर मे शत्रुताक विभाजन करयवला देबाल केँ तोड़ि देलनि

2. रोमियो 15:7 - तेँ एक-दोसरक स्वागत करू जेना मसीह अहाँ सभ केँ स्वागत कयलनि, परमेश् वरक महिमा लेल।

यशायाह 43:7 जे सभ हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, तकरा हम ओकरा अपन महिमा लेल बनौने छी, ओकरा बनौने छी। हँ, हम ओकरा बनौने छी।

भगवान् हमरा सभ केँ अपन नामक महिमा अनबाक लेल बनौने छथि।

1: ई जानि क' आनन्द जे हम सभ परमेश् वरक महिमा लेल बनाओल गेल छी

2: भगवान् के महिमा करबाक अपन उद्देश्य के स्वीकार करैत चलब

1: इफिसियों 2:10 किएक तँ हम सभ हुनकर कृति छी, मसीह यीशु मे नीक काज करबाक लेल सृजित छी, जे परमेश् वर पहिने निर्धारित कएने छथि जे हम सभ ओहि मे चलब।

2: भजन 139:13-16 किएक तँ अहाँ हमर बागडोर पकड़ने छी, अहाँ हमरा हमर मायक पेट मे झाँपि देने छी। हम तोहर स्तुति करब। हम भयावह आ आश्चर्यक रूप मे बनल छी। आ जे हमर प्राण नीक जकाँ जनैत अछि। हमर सम्पत्ति तोरा सँ नुकायल नहि छल, जखन हम गुप्त रूप सँ बनल छलहुँ आ पृथ्वीक निचला भाग मे कौतुहल सँ काज कयल गेल छलहुँ। तोहर आँखि हमर पदार्थ जरूर देखलक, तइयो अपूर्ण छल; तोहर किताब मे हमर सभ अंग लिखल अछि, जे अखन धरि ओहि मे सँ कोनो अंग नहि छल।

यशायाह 43:8 आँखि रखनिहार आन्हर आ कान बला बहीर सभ केँ बाहर निकालू।

683

भगवान् आन्हर आ बहीर केँ आँखि आ कान खोलबाक आ हुनका चिन्हबाक आह्वान करैत छथि |

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन हृदय आ मोन केँ हुनका लेल खोलबाक लेल आमंत्रित करैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनकर प्रेम आ मार्गदर्शन केँ देखि सकब आ सुनि सकब।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर पर भरोसा आ भरोसा करबाक लेल बजाओल गेल अछि, जाहि सँ हम सभ अपन आँखि आ कान खोलि सकब जे हुनका द्वारा राखल गेल चमत्कार सभक लेल।

1: यशायाह 43:8 - "आँखि वाला आन्हर सभ केँ आ कान बला बहीर सभ केँ बाहर निकालू।"

2: याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

यशायाह 43:9 सभ जाति एक ठाम जमा होअय आ लोक सभ जमा होअय। ओ सभ अपन गवाह सभ केँ सामने आनथि जाहि सँ ओ सभ धर्मी ठहराबथि।

परमेश् वर सभ जाति केँ चुनौती दैत छथि जे ओ ई सिद्ध करथि जे हुनकर अस्तित्व नहि अछि आ ओ पहिने पैघ काज नहि केने छथि।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेमक शुभ समाचारक प्रचार करब

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर विश्वास करबाक चुनौती लेब

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करत से नाश नहि भऽ जायत, बल् कि अनन् त जीवन पाओत।

2. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनला सँ मसीहक वचन द्वारा।

यशायाह 43:10 अहाँ सभ हमर गवाह छी, आ हमर सेवक जे हम चुनने छी, अहाँ सभ हमर गवाह छी, जाहि सँ अहाँ सभ हमरा चिन्हब आ विश्वास करब आ बुझब जे हम ओ छी.

भगवान् एकमात्र भगवान् छथि आ ओ अपन सेवक केँ चुनने छथि जे ओ अपन अस्तित्वक गवाही देथि आ अपन नामक घोषणा करथि |

1. "साक्षी देबाक शक्ति: विश्व के सामने भगवान के अस्तित्व के प्रकट करब"।

2. "प्रभुक चयन: परमेश्वरक महान योजना मे हमर भूमिका केँ बुझब"।

1. व्यवस्था 6:4-7 - "हे इस्राएल, सुनू: हमर परमेश् वर यहोवा, यहोवा एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई बात सभ।" आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।’ अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ ओकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, आ बाट मे चलब, आ जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब.

2. यूहन्ना 3:16-17 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि भऽ कऽ अनन् त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे नहि पठौलनि जे ओ लोक सभ केँ दोषी ठहराबथि।" संसार, मुदा एहि लेल जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।

यशायाह 43:11 हम, हम, प्रभु छी। आ हमरा बगल मे कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।

भगवान् एकमात्र उद्धारकर्ता छथि आ दोसर कोनो नहि।

1. हमरा सभकेँ भगवान् पर भरोसा करबाक आवश्यकता अछि आ दोसर लोक वा चीज पर अपन विश्वास नहि राखब।

2. भगवान् केँ छोड़ि कियो मोक्ष नहि दऽ सकैत अछि।

1. यशायाह 45:21-22 - "हमरा छोड़ि कोनो आन परमेश् वर नहि छथि, जे धर्मी परमेश् वर आ उद्धारकर्ता छथि; हमरा छोड़ि केओ नहि छथि। पृथ् वीक सभ छोर, हमरा दिस घुमि कऽ उद्धार पाबि जाउ! किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि।"

2. यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी। हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

यशायाह 43:12 हम जखन अहाँ सभक बीच कोनो परदेशी देवता नहि छल तखन हम घोषणा केलहुँ, आ उद्धार केलहुँ आ देखा देलहुँ, तेँ अहाँ सभ हमर गवाह छी, प्रभु कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के निष्ठा आरू हुनकऽ लोगऽ के सुरक्षा के बात करै छै ।

1. भगवान वफादार छथि: हर मौसम मे प्रभु पर भरोसा करब

2. भगवानक रक्षा: प्रभु पर भरोसा करब चाहे किछुओ हो

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 28:7 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर मोन हुनका पर भरोसा केलक, आ हमरा सहायता भेटैत अछि। आ अपन गीत सँ हम हुनकर प्रशंसा करब।

यशायाह 43:13 हँ, ओहि दिन सँ पहिने हम ओ छी। हमरा हाथ सँ बँचाबय बला केओ नहि अछि, हम काज करब, आ के छोड़त?

भगवान् एकमात्र छथि जे हमरा सभकेँ बचा सकैत छथि आ हुनका जे चाहैत छथि से करबासँ कियो नहि रोकि सकैत छथि ।

1. भगवान् पर भरोसा करब: हुनकर मुक्ति देबाक क्षमता पर भरोसा करब।

2. भगवानक सार्वभौमत्व केँ बुझब: ई जानि जे ओ नियंत्रण मे छथि।

1. यशायाह 46:9-11 - पुरान बात सभ केँ मोन पाड़ू, कारण हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि।
हम भगवान छी, हमरा सन कियो नहि अछि।

2. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक गुप्त स्थान मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक छाया मे रहत। हम परमेश् वरक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि। हम हुनका पर भरोसा करब।

यशायाह 43:14 यहोवा, तोहर मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र, ई कहैत छथि। हम अहाँ सभक लेल बाबुल पठा देलहुँ आ ओकर सभ कुलीन आ कसदी सभ केँ उतारि देलहुँ, जिनकर चीत्कार जहाज सभ मे अछि।

परमेश् वर, जे इस्राएलक मुक्तिदाता छथि, बाबुल मे पठा देलनि आ ओकर कुलीन आ कसदी सभ केँ उतारि देलनि, जे जहाज मे सुनल जाइत अछि।

1. परमेश् वर हमर सभक मुक्तिदाता आ उद्धारकर्ता छथि

2. कठिन समय मे सेहो भगवान सार्वभौम छथि

1. यशायाह 43:14

2. रोमियो 8:31-32 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देताह?

यशायाह 43:15 हम प्रभु छी, अहाँक पवित्र, इस्राएलक सृष्टिकर्ता, अहाँक राजा।

प्रभु पवित्र आ इस्राएलक सृष्टिकर्ता छथि, आ राजा छथि।

1. भगवान् के प्रति अपन राजा के रूप में अपन प्रतिबद्धता के पुनः पुष्टि करब

2. प्रभु के साथ अपनऽ पवित्र के रूप में अपनऽ वाचा के याद करना

1. मत्ती 4:17 - तहिया सँ यीशु प्रचार करऽ लगलाह, “पश्चाताप करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य लग आबि गेल अछि।”

2. 2 कोरिन्थी 6:16 - परमेश् वरक मन् दिरक मूर्ति सभक संग कोन सहमति अछि? कारण, हम सभ जीवित परमेश् वरक मन् दिर छी। जेना परमेश् वर कहने छलाह, “हम हुनका सभक बीच अपन निवास बना लेब आ हुनका सभक बीच चलब, आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब आ ओ सभ हमर लोक होयत।”

यशायाह 43:16 प्रभु ई कहैत छथि जे समुद्र मे बाट बनबैत छथि आ शक्तिशाली पानि मे बाट बनबैत छथि।

प्रभु कठिन समय मे मार्गदर्शन आ मार्ग उपलब्ध करा रहल छथि ।

1. "ईश्वर कठिन समय मे एकटा रास्ता प्रदान करैत छथि"।

2. "समुद्र के पार भगवान के मार्ग"।

1. नीतिवचन 3:5-6 (प्रभु पर पूरा मोन राखू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।)

2. भजन 23:4 (हम अन्हार घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक लाठी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।)

यशायाह 43:17 जे रथ आ घोड़ा, सेना आ शक्ति केँ सामने अनैत अछि। एक संग पड़ल रहत, उठत नहि, विलुप्त भ' गेल अछि, टो जकाँ बुझा गेल अछि।

ई अंश सेना के विनाश आरू शक्तिहीनता के बारे में छै ।

1. परमेश् वर असगरे शक्तिशाली आ पराक्रमी छथि, आ हमर सभक सभ शक्ति आ सामर्थ्य हुनका सँ भेटैत अछि।

2. हमरा सभकेँ अपन शक्ति पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि कठिनाइक सामना करबा काल भगवानक दिस मुड़बाक चाही।

1. 2 इतिहास 20:15 - एहि विशाल सेनाक कारणेँ डरब वा हतोत्साहित नहि होउ। किएक तँ युद्ध अहाँक नहि परमेश् वरक अछि।

2. भजन 33:16-17 - कोनो राजा अपन पैघ सेना द्वारा उद्धार नहि भेटैत अछि; एकटा पराक्रमी अपन पैघ शक्ति सँ मुक्त नहि होइत अछि। घोड़ा विजयक व्यर्थ आशा थिक; आ अपन पैघ पराक्रम सँ ओ उद्धार नहि क' सकैत अछि।

यशायाह 43:18 अहाँ सभ पूर्वक बात केँ नहि मोन पाड़ू आ ने पुरान बात पर विचार करू।

भगवान् कहि रहल छथि जे अतीत पर ध्यान नहि दियौ बल्कि भविष्य दिस देखू।

1. अतीत के छोड़ब: नव भविष्य के आत्मसात करब

2. क्षण मे जीब: पाछू जे अछि से बिसरि जायब

1. फिलिप्पियों 3:13-14 - "पाछू जे अछि ओकरा बिसरि क' आओर आगू जे अछि तकरा लेल आगू बढ़ैत छी, हम मसीह यीशु मे परमेश् वरक ऊपरक आह्वानक पुरस्कारक लेल लक्ष्य दिस बढ़ैत छी।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यशायाह 43:19 देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

ई अंश परमेश् वर के कुछ नया आरू अप्रत्याशित काम करै के क्षमता पर जोर दै छै।

1: नव के शक्ति - भगवान कोना एकटा रास्ता बना सकैत छथि जतय हम सब कोनो नहि देखैत छी

2: नवक आराम - भगवान हमरा सभक संघर्ष मे आशा आ प्रावधान कोना अनैत छथि

1: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि। बूढ़ सब गुजरि गेल अछि; देखू, नवका आबि गेल अछि।

यशायाह 43:20 जंगलक जानवर हमरा आदर करत, अजगर आ उल्लू, किएक तँ हम जंगल मे पानि आ मरुभूमि मे नदी दैत छी, जाहि सँ हम अपन चुनल लोक केँ पीबय।

प्रभु अपन चुनल लोक के बंजर स्थान पर सेहो जल आ रोजी-रोटी के व्यवस्था करैत छथि |

1.कठिनाई के समय में भगवान के निष्ठा

2.प्रभुक अपन लोकक लेल प्रावधान

1.भजन 23:1-3 "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।"

2.मत्ती 6:33 "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

यशायाह 43:21 हम एहि लोक केँ अपना लेल बनौने छी। ओ सभ हमर प्रशंसा करत।

भगवान् अपन महिमा आ स्तुति अनबाक लेल अपना लेल एकटा लोक बनौलनि।

1. भगवान् केर महिमा करबाक लेल जीब - भगवान् द्वारा हुनकर महिमा अनबाक उद्देश्य सँ बनाओल गेल लोक हेबाक की अर्थ होइत छैक तकर अन्वेषण करब।

2. जीवन मे हमर उद्देश्य केँ बुझब - यशायाह 43:21 केर उपयोग परमेश्वर द्वारा अपन महिमा लेल बनाओल गेल लोक हेबाक महत्वक खोज करबाक लेल।

१.

2. प्रेरित सभक काज 17:26-27 - ओ एक आदमी सँ मनुष् यक सभ जाति केँ पूरा पृथ् वी पर रहबाक लेल बनौलनि, जे निर्धारित समय आ अपन निवास स्थानक सीमा निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक खोज करथि, आ शायद ई अनुभव करथि हुनका दिस अपन बाट आ हुनका ताकि लैत छथि। तइयो ओ वास्तव मे हमरा सभ मे सँ प्रत्येक सँ दूर नहि छथि ।

यशायाह 43:22 मुदा, हे याकूब, अहाँ हमरा नहि बजौलहुँ। मुदा, हे इस्राएल, अहाँ हमरा सँ थाकि गेल छी।

परमेश् वर निराश छै कि इस्राएल ओकरा प्रार्थना में नै बोलैलकै बल्कि ओकरा सें ऊब गेलै।

1. परमेश् वर केँ हल्का मे नहि लिअ - यशायाह 43:22 सँ एकटा पाठ

2. प्रार्थनाक महत्व - यशायाह 43:22 मे इस्राएल जकाँ एकर उपेक्षा नहि करू

1. मत्ती 11:28 - "हे सब मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आऊ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ।"

यशायाह 43:23 अहाँ हमरा लेल अपन होमबलि मे छोट-छोट पशु नहि अनलहुँ। आ ने अहाँ अपन बलिदान सँ हमरा आदर केलहुँ। हम तोरा कोनो प्रसादक संग सेवा नहि देलहुँ आ ने धूप-धूप सँ थका देलहुँ।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ प्रसाद आ बलिदानक माँग नहि करैत छलाह, कारण ओ हुनका सभ केँ थकाबऽ वा सेवा करऽ नहि चाहैत छलाह।

1. भगवान् के प्रेम बिना शर्त छै - हुनका हमरा सब स कोनो चीज के जरूरत नै छै

2. हृदय सँ भगवानक सेवा करबाक शक्ति

1. यूहन्ना 4:23 - "मुदा ओ समय आबि रहल अछि, आब आबि गेल अछि, जखन सत् य उपासक सभ आत् मा आ सत् य सँ पिताक आराधना करताह, किएक तँ पिता एहन सभक आराधना करबाक लेल चाहैत छथि।"

2. रोमियो 12:1 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ परमेश् वरक दयाक द्वारा विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि।"

यशायाह 43:24 अहाँ हमरा लेल पाइ सँ कोनो मीठ बेंत नहि कीनलहुँ आ ने हमरा अपन बलिदानक चर्बी सँ भरलहुँ, मुदा अहाँ हमरा अपन पापक संग सेवा करौलहुँ आ अपन अधर्म सँ हमरा थका देलहुँ।

भगवान् अपन लोकक प्रसाद सँ नाराज छथि, कारण ओ सभ हुनका पाइ सँ कोनो मीठ बेंत नहि कीनने छथि आ हुनका अपन बलिदानक चर्बी नहि भरने छथि | बल् कि ओ सभ ओकरा अपन पाप सँ सेवा करौलक आ अपन अधर्म सँ ओकरा थका देलक।

1. अपश्चाताप के पाप के लागत

2. परमेश् वरक क्षमाक शक्ति

२.

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

यशायाह 43:25 हम, हमहीं छी जे हमर लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी आ अहाँक पापक स्मरण नहि करब।

परमेश् वर हमरा सभक पाप क्षमा करबाक आ ओकरा बिसरि जेबाक वादा करैत छथि।

1. भगवान् के बिना शर्त क्षमा

2. पश्चाताप के शक्ति

1. भजन 103:12 - पश्चिम सँ जतेक दूर अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर क’ देलनि।

2. इब्रानी 8:12 - किएक तँ हम हुनका सभक अधर्मक प्रति दया करब, आ हुनका सभक पाप आ अधर्म सभ केँ हम आब नहि मोन पाड़ब।

यशायाह 43:26 हमरा मोन पाड़ू, हम सभ एक संग निहोरा करी, अहाँ घोषणा करू जाहि सँ अहाँ धर्मी ठहरा सकब।

ई अंश हमरा सब क॑ प्रार्थना म॑ परमेश्वर के सामने आबै लेली प्रोत्साहित करै छै, जे अपनऽ निहोरा पेश करै लेली आरू औचित्य के खोज करै लेली तैयार रहै छियै ।

1. "प्रार्थना के शक्ति: औचित्य के खोज"।

2. "भगवानक निष्ठा केँ स्मरण करब: क्षमाक मांग"।

1. याकूब 5:16 - "अपन अपराध एक-दोसर केँ स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी लोकक प्रभावी, गंभीर प्रार्थना बहुत लाभ दैत अछि।"

2. भजन 51:1-2 - "हे परमेश् वर, अपन दयाक अनुसार हमरा पर दया करू। अपन कोमल दयाक प्रचुरताक अनुसार हमर अपराध केँ मेटा दिअ। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमर पाप सँ शुद्ध करू।" ."

यशायाह 43:27 तोहर पहिल पिता पाप कयलनि, आ तोहर गुरु सभ हमरा विरुद्ध अपराध कयलनि।

ई अंश ई तथ्य पर प्रकाश डालै छै कि पाप पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलै छै।

1: परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक पाप सँ पैघ अछि। रोमियो 5:8 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: हम सभ कहियो भगवानक कृपा सँ बेसी दूर नहि होइत छी। यशायाह 1:18 आब आउ, आउ, एहि बातक निपटारा करू, प्रभु कहैत छथि। अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत।

1: भजन 51:5 हम जन्महि सँ पापी छलहुँ, जहिया सँ हमर माय हमरा गर्भ मे धारण केने छलीह तखनहि सँ पापपूर्ण छलहुँ।

2: रोमियो 3:23 किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।

यशायाह 43:28 तेँ हम पवित्र स्थानक राजकुमार सभ केँ अपवित्र क’ देलहुँ, आ याकूब केँ शाप मे आ इस्राएल केँ निन्दा मे द’ देलहुँ।

परमेश् वर याकूब आ इस्राएल केँ हुनका विरुद्ध विद्रोहक कारणेँ श्राप देने छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा: याकूब आ इस्राएलक उदाहरण सँ सीखब

2. हमर विद्रोहक बादो भगवानक अटूट प्रेम

1. व्यवस्था 28:15-68 आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे चेतावनी

2. यिर्मयाह 31:3 परमेश् वरक अपन लोकक प्रति बिना शर्त प्रेम।

यशायाह अध्याय 44 मूर्ति पूजा के मूर्खता आरू सब चीज के सृष्टिकर्ता आरू पोषण करै वाला के रूप में परमेश्वर के विशिष्टता पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के अपन चुनल गेल लोक इस्राएल के पुष्टि आ हुनका पर अपन आत्मा के उझलबाक प्रतिज्ञा स होइत अछि। ओ ओकरा सभ केँ प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ झूठ मूर्ति सभ सँ नहि डेरथि वा नहि डोलथि (यशायाह 44:1-5)।

2nd Paragraph: भगवान् अपन विशिष्टता के सब वस्तु के सृष्टिकर्ता आ पोषक के रूप में घोषित करैत छथि | ओ मूर्तिक संग अपना केँ विपरीत करैत छथि, हुनकर कोनो काज करबा मे असमर्थता आ मानवीय कारीगरी पर निर्भरता पर प्रकाश दैत छथि (यशायाह 44:6-20)।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के प्रतिज्ञा के साथ होय छै कि हुनी अपनौ लोग सिनी कॅ पुनर्स्थापित करी कॅ आशीर्वाद देतै। ओ हुनका सभ केँ अपन क्षमा आओर हुनका सभ केँ भेटय बला आशीर्वादक प्रचुरताक आश्वासन दैत छथि, हुनकर चुनल लोकक रूप मे हुनकर स्थिति पर जोर दैत छथि (यशायाह 44:21-28)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चौवालीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
परमेश् वरक अपन चुनल लोकक प्रति पुष्टि,
मूर्तिपूजक मूर्खता, आ आशीर्वाद देबाक हुनकर प्रतिज्ञा।

परमेश् वरक अपन चुनल लोकक प्रति पुष्टि; अपन आत्मा उझिलैत।
भगवान् के विशिष्टता के घोषणा; मूर्तिक संग विपरीत।
अपन लोक के पुनर्स्थापन आ आशीर्वाद के प्रतिज्ञा।

ई अध्याय परमेश्वर केरऽ अपनऽ चुनलऽ लोगऽ, इस्राएल केरऽ पुष्टि पर जोर दै छै । ओ हुनका सभ पर अपन आत् मा उझलि देबाक वचन दैत छथि आ हुनका सभ केँ प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ सभ झूठ मूर्ति सभ सँ नहि डेरथि वा नहि डोलथि। भगवान् अपनऽ विशिष्टता क॑ सब चीजऽ के सृष्टिकर्ता आरू पोषक के रूप म॑ घोषित करै छै, जेकरा म॑ खुद क॑ वू मूर्ति के साथ विपरीत करलऽ जाय छै जे शक्तिहीन छै आरू मानवीय कारीगरी प॑ निर्भर छै । ओ मूर्तिपूजाक व्यर्थता पर प्रकाश दैत छथि । अध्याय के समापन परमेश् वर के प्रतिज्ञा स॑ होय छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ पुनर्स्थापित करी क॑ आशीर्वाद देतै, जेकरा म॑ हुनका हुनकऽ क्षमा आरू हुनका मिलै वाला आशीष के प्रचुरता के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै । ई हुनकऽ चुनलऽ लोगऽ के रूप म॑ हुनकऽ विशेष दर्जा के दोबारा पुष्टि करै छै आरू हुनकऽ निष्ठा आरू प्रेम के याद दिलाबै छै ।

यशायाह 44:1 मुदा आब सुनू, हे हमर सेवक याकूब। आ इस्राएल, जकरा हम चुनने छी।

ई अंश प्रभु द्वारा याकूब आरू इस्राएल के चयन पर जोर दै छै।

1: प्रभु हमरा सभकेँ चुनने छथि।

2: भगवान् द्वारा हमरा सभक चयन एकटा सौभाग्य अछि।

यशायाह 44:1 - तइयो आब सुनू, हे हमर सेवक याकूब। आ इस्राएल, जकरा हम चुनने छी। इफिसियों 1:4 - जेना ओ हमरा सभ केँ संसारक सृष्टि सँ पहिने हुनका मे चुनने छलाह, जाहि सँ हम सभ हुनका सामने पवित्र आ निर्दोष रही।

यशायाह 44:2 ई कहैत छथि जे प्रभु अहाँ केँ बनौलनि आ गर्भ सँ बनौलनि, जे अहाँक सहायता करताह। हे याकूब, हमर सेवक, नहि डेराउ। आ अहाँ, जेसुरुन, जकरा हम चुनने छी।

परमेश् वर याकूब आ जेसुरुन केँ आश्वस्त कऽ रहल छथि जे ओ हुनका सभक मदद करताह आ हुनका सभ केँ डरबाक नहि चाही।

1. भगवानक प्रेमपूर्ण देखभाल - अपन लोक केँ अपन सहायताक आश्वस्त करब

2. डर नहि - भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा

1. रोमियो 8:28-29 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यशायाह 44:3 हम प्यासल पर पानि आ शुष्क जमीन पर बाढ़ि ढारि देब।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे प्यासल आ सूखल लोक पर पानि, बाढ़ि, अपन आत्मा आ अपन आशीर्वाद ढारि देताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा, यशायाह 44:3

2. परमेश् वरक आशीषक शक्ति, यशायाह 44:3

1. भजन 63:1 - "हे परमेश् वर, अहाँ हमर परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ जल्दी खोजब। हमर प्राण अहाँक लेल प्यासल अछि, हमर मांस अहाँक लेल तरसैत अछि, ओहि शुष्क आ प्यासल देश मे, जतय पानि नहि अछि।"

2. यूहन्ना 7:37-39 - "अंतिम दिन, भोजक ओहि पैघ दिन मे, यीशु ठाढ़ भ' क' चिचिया उठलाह, "जँ केओ प्यासल अछि त' ओ हमरा लग आबि क' पीब'। जे हमरा पर विश्वास करैत अछि, जेना।" धर्मशास् त्र मे कहल गेल अछि जे, “ओकर पेट सँ जीवित जलक नदी बहत” (मुदा ओ ई बात ओहि आत् माक विषय मे कहलनि जे हुनका पर विश् वास करयवला सभ केँ भेटबाक चाही.)"।

यशायाह 44:4 ओ सभ घास-पातक बीच, पानि सभक कात मे विलो जकाँ उगत।

यशायाह भविष्यवाणी करै छै कि परमेश् वर के लोग पानी के स्रोत के पास घास आरू विलो के तरह बढ़तै आरू पनपतै।

1. परमेश् वरक इच्छा मे पनपब: हुनकर प्रतिज्ञा मे ताकत आ जोश भेटब

2. भगवानक प्रावधानक शक्ति: स्थिर पानि द्वारा गाछ जकाँ बढ़ब

1. भजन 23:2 - "ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।"

2. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि केँ धारक कात मे पठाबैत अछि।"

यशायाह 44:5 एकटा कहत जे हम प्रभुक छी। आ दोसर अपना केँ याकूबक नाम सँ बजौत। आ दोसर अपन हाथ सँ परमेश् वरक नाम लेत आ अपना केँ इस्राएलक नाम सँ उपनाम करत।

लोग प्रभु के प्रति अपनऽ निष्ठा के घोषणा करी सकै छै, या त॑ अपनऽ विश्वास के घोषणा करी क॑ या अपनऽ हाथ स॑ सदस्यता लै क॑ आरू याकूब या इस्राएल के नाम के प्रयोग करी क॑ ।

1. घोषणा के शक्ति: अपन आस्था के कोना ज्ञात कयल जाय

2. पहिचान आ अपनत्व: भगवानक नामक अर्थ बुझब

२ विश्वास करू आ धार्मिक ठहराओल जाइत छी, आ अहाँ अपन मुँह सँ स्वीकार करैत छी आ उद्धार पाबैत छी।”

2. उत्पत्ति 32:22-28: "ओही राति ओ उठि क' अपन दुनू पत्नी, अपन दू टा नौकरानी आ अपन एगारहटा बेटा केँ ल' क' जबबोक नदी पार क' गेलाह। हुनका सभ केँ धार पार क' क' ओ ओहि पार पठा देलनि।" ओकर सभटा सम्पत्ति।तँ याकूब असगर रहि गेलाह, आ एकटा आदमी ओकरा संग भोर धरि कुश्ती लड़लनि।जखन ओ आदमी देखलक जे ओ ओकरा पर हावी नहि भ' सकैत अछि, तखन ओ याकूबक कूल्हिक कुंडली केँ छूबि लेलक जाहि सँ ओकर कूल्हि ओहि आदमी सँ कुश्ती करैत काल रिंच भ' गेलै.तखन ओ आदमी कहलक, “हमरा जाय दिअ, भोर भ’ गेल अछि।”मुदा याकूब उत्तर देलथिन, “जखन धरि अहाँ हमरा आशीर्वाद नहि देब ता धरि हम अहाँ केँ नहि छोड़ब।”ओ आदमी पुछलक, “अहाँक नाम की अछि? याकूब, ओ उत्तर देलक।”तखन ओ आदमी कहलक। आब तोहर नाम याकूब नहि, बल्कि इस्राएल रहत, किएक तँ अहाँ परमेश् वर आ मनुष् य सभक संग संघर्ष कएने छी आ जीत हासिल कएने छी।

यशायाह 44:6 इस्राएलक राजा यहोवा आ ओकर मुक्तिदाता सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम पहिल छी, आ हम अंतिम छी। आ हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ एकमात्र परमेश् वर छथि आ पहिल आ अंतिम छथि।

1. भगवान अल्फा आ ओमेगा छथि

2. प्रभु पर भरोसा करू कारण ओ एकमात्र भगवान छथि

1. यूहन्ना 1:1-3 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह।

2. व्यवस्था 6:4 हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर यहोवा एक प्रभु छथि।

यशायाह 44:7 जखन हम प्राचीन लोक सभ केँ नियुक्त केने छी, तखन के के बजाओत आ एकर घोषणा करत आ हमरा लेल एकरा व्यवस्थित करत? आ जे बात आओत आ आओत, से सभ ओकरा सभ केँ देखाबथि।”

भगवान् पूछै छै कि भविष्य के जेना फोन करी सकै छै आ ओकर जिक्र क सकै छै।

1. भविष्य के जानने में भगवान के सार्वभौमिकता

2. जे आओत से जानय मे भगवानक शक्ति आ सर्वज्ञता

1. मत्ती 6:8 - "तेँ हुनका सभक समान नहि बनू। किएक तँ अहाँ सभ हुनका सँ माँगबा सँ पहिने अहाँक पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ की चाही।"

२.

यशायाह 44:8 अहाँ सभ नहि डेराउ आ ने डेराउ, की हम अहाँ केँ ओहि समय सँ नहि कहने छी आ नहि सुनलहुँ? अहाँ सभ हमर गवाह सेहो छी। हमरा बगल मे कोनो भगवान् छथि की? हँ, कोनो परमेश् वर नहि छथि; हमरा कोनो नहि बुझल अछि।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि वू डर नै छै आरू ओकरा याद दिलाबै छै कि वू पहल॑ भी अपनऽ अस्तित्व के घोषणा करी चुकलऽ छै आरू वू एकमात्र भगवान छै ।

1. भगवानक आश्वासन: ई जानि जे हम सभ असगर नहि छी

2. भगवानक महानता: भीड़क बीच अलग ठाढ़ रहब

1. यूहन्ना 14:27 - हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी, अपन शान्ति अहाँ सभ केँ दैत छी, जेना संसार दैत अछि, हम अहाँ सभ केँ नहि दैत छी।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच लऽ कऽ चलि जायत, तखनो हम सभ डरब नहि।

यशायाह 44:9 जे मूर्ति बनबैत अछि, ओ सभ व्यर्थ अछि। आ हुनका लोकनिक स्वादिष्ट वस्तुक कोनो लाभ नहि होयत। आ ओ सभ अपन गवाह छथि। ओ सभ नहि देखैत छथि आ ने जनैत छथि। जाहि सँ ओ सभ लाज करथि।

मूर्ति बनेबाक सब प्रयास व्यर्थ अछि कियाक त एहि स कोनो लाभ नहि भेटत आ केवल लाज आओत।

1. हमरा सभ केँ मूर्तिपूजक प्रलोभन मे नहि देबाक चाही आ एकर बदला मे अपन समय आ ऊर्जा प्रभु मे लगाबय के कोशिश करबाक चाही।

2. सत्य आ स्थायी संतुष्टिक एकमात्र स्रोत प्रभु छथि।

1. रोमियो 1:22-23 - बुद्धिमान होयबाक दावा करैत ओ सभ मूर्ख बनि गेल, आ अमर परमेश् वरक महिमा केँ नश्वर मनुष्य आ चिड़ै-चुनमुनी आ जानवर आ रेंगैत वस्तु सँ मिलैत-जुलैत मूर्तिक बदला मे बदलि लेलक।

2. भजन 115:4-8 - हुनका लोकनिक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि। कान छै, मुदा सुनै नै छै। नाक, मुदा गंध नहि। हाथ छै, मुदा महसूस नै करै छै; पैर, मुदा चलब नहि। आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। जे ओकरा सभकेँ हुनका सभ जकाँ बनबैत अछि; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

यशायाह 44:10 के देवता बनौलक आ कोनो उकेरल मूर्ति केँ पिघला देलक जे बेकार मे लाभान्वित अछि?

यशायाह भविष्यवक्ता प्रश्न उठबैत छथि जे कियो एहन देवता वा मूर्ति किएक बनाओत जकर कोनो फायदा नहि हो।

1. "मूर्तिपूजाक मूर्खता"।

2. "मिथ्या देवताक खाली प्रतिज्ञा"।

1. प्रेरित 17:29 - "तखन हम सभ परमेश् वरक संतान छी, हमरा सभ केँ ई नहि सोचबाक चाही जे परमेश् वर सोना वा चानी वा पाथर जकाँ छथि, जे कला आ मनुष्यक युक्ति सँ उकेरल गेल छथि।"

2. यिर्मयाह 10:14 - "प्रत्येक मनुष्य अपन ज्ञान मे क्रूर अछि, प्रत्येक संस्थापक उत्कीर्ण मूर्ति सँ भ्रमित होइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओकरा मे कोनो साँस नहि अछि।"

यशायाह 44:11 देखू, ओकर सभ संगी लज्जित होयत, आ मजदूर, ओ सभ मनुष् यक अछि। तैयो ओ सभ डरताह आ एक संग लज्जित हेताह।

परमेश् वरक मजदूर सभ हुनकर सान्निध्य मे ठाढ़ रहबा मे लाज करैत छथि आ हुनकर न्याय सँ डरताह।

1. अपन जीवन मे भगवानक कृपा आ दया केँ स्वीकार करब

2. भगवान् के सान्निध्य में लाज आ भय पर काबू पाना

१.

2. भजन 34:4: "हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि, आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।"

यशायाह 44:12 चिमटा सँ लोहार कोयला मे काज करैत अछि, हथौड़ा सँ बनबैत अछि आ बाँहिक बल सँ काज करैत अछि.

लोहार चिमटा, हथौड़ा आ अपन शक्ति सँ मेहनत आ लगन सँ काज करैत अछि, तइयो भूखल आ ऊर्जा समाप्त भ' जाइत अछि ।

1. विश्वासक ताकत: कठिन समय मे भगवान् सँ ताकत प्राप्त करब

2. थाकल मुदा थाकल नहि: जीवनक संघर्ष केँ दृढ़ता सँ सहब

1. भजन 121:1-2 "हम पहाड़ी दिस आँखि उठाबैत छी- हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता स्वर्ग आ पृथ्वीक निर्माता प्रभु सँ अबैत अछि।"

2. मत्ती 11: 28-30 "हे सभ थकल आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम हृदय मे कोमल आ विनम्र छी, आ अहाँ सभ करब।" अपन प्राणक लेल विश्राम पाउ। किएक तँ हमर जुआ सहज अछि आ हमर बोझ हल्लुक अछि।"

यशायाह 44:13 बढ़ई अपन शासन तानैत अछि। ओ एकरा लाइनसँ बजा कऽ बाहर निकालि दैत छथि। ओकरा हवाई जहाज लगाबै छै, आ कम्पास सें बाजार में उतारै छै, आरो आदमी के आकृति के अनुसार, आदमी के सुंदरता के अनुसार बनाबै छै। जे घर मे रहय।

एहि अंश मे एकटा बढ़ई अपन औजारक उपयोग कए किछु सुन्दर बनेबाक गप्प करैत अछि ।

1: हम सब अपन वरदान आ प्रतिभा के उपयोग क किछु सुंदर बना सकैत छी।

2: हमरा सभकेँ अपन हुनरक उपयोग सौन्दर्यक संग भगवानक महिमा करबाक चाही।

1: इफिसियों 4:31-32 - "अहाँ सभ सँ सभ कटुता, क्रोध, क्रोध, हल्ला आ निन्दा आओर सभ दुर्भावना केँ दूर कयल जाय। एक-दोसर पर दया करू, कोमल हृदय सँ एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना मसीह मे परमेश् वर अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।" ."

2: कुलुस्सी 3:17 - "अहाँ सभ जे किछु करब, वचन वा काज मे, सभ किछु प्रभु यीशुक नाम सँ करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।"

यशायाह 44:14 ओ ओकरा देवदारक गाछ उखाड़ैत अछि आ सरू आ ओक गाछ लऽ लैत अछि, जकरा ओ जंगलक गाछ सभक बीच अपना लेल मजबूत करैत अछि, ओ राख रोपैत अछि आ बरखा ओकरा पोसैत अछि।

भगवान् शक्तिशाली छै आरू जंगलऽ स॑ सबसें मजबूत गाछ ल॑ क॑ ओकरऽ उपयोग अपनऽ काम म॑ करी सकै छै, ओकरा रोपै करी क॑ ओकरा पोषण करै लेली बरसात के व्यवस्था करी सकै छै ।

1. भगवानक शक्ति: ओ हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलि सकैत छथि

2. भगवानक प्रावधान आ देखभाल पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. भजन 29:10 - "प्रभु जलप्रलय पर सिंहासन पर बैसल छथि; प्रभु सदा-सदा राजाक रूप मे बैसल छथि।"

यशायाह 44:15 तखन मनुष् यक जरि जायत, किएक तँ ओ ओकरा ल’ क’ गरम भ’ जायत। हँ, ओ ओकरा जरा दैत अछि आ रोटी सेकैत अछि। हँ, ओ देवता बनबैत छथि आ ओकर आराधना करैत छथि। ओ ओकरा उकेरल मूर्ति बना कऽ ओहि पर खसि पड़ैत अछि।

मनुष्य के मिथ्या देवता के सृजन आ पूजा करय के प्रवृत्ति।

1. झूठ देवता केँ कोना चिन्हल जाय आ मूर्तिपूजा केँ कोना अस्वीकार कयल जाय (यशायाह 44:15)

2. अपना लेल मूर्ति बनेबाक खतरा (यशायाह 44:15)

1. निर्गमन 20:3-5 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. भजन 115:4-8 हुनका लोकनिक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि।

यशायाह 44:16 ओ ओकर किछु भाग आगि मे जरा दैत छथि। ओकर किछु हिस्साक संग ओ मांस खाइत अछि।
भुजि कऽ भुजैत अछि आ तृप्त भऽ जाइत अछि।

भगवान लकड़ीक किछु हिस्साक उपयोग आगि बनेबा मे करैत छथि, जकर उपयोग ओ खाना बनाबय आ अपना केँ गरम रखबा मे करैत छथि |

1. भगवान् के सान्निध्य के आराम

2. भगवान् के शक्ति के प्रावधान

1. मत्ती 6:25-27 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक चिन्ता नहि करू, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि आ

शरीर बेसी।" कपड़ा सँ बेसी? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ नहि बोबैत अछि आ ने काटि नहि लैत अछि आ ने कोठी मे संग्रहित करैत अछि, तखनो अहाँक स्वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँ सभ ओकरा सभ सँ बेसी कीमती नहि छी?"

2. भजन 121:1-2 - "हम पहाड़ी दिस आँखि उठाबैत छी जे हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता स्वर्ग आ पृथ्वीक निर्माता प्रभु सँ अबैत अछि।"

यशायाह 44:17 ओकर शेष केँ ओ अपन उकेरल मूर्ति केँ देवता बनबैत अछि, ओ ओकरा पर खसि पड़ैत अछि आ ओकर पूजा करैत अछि आ ओकरा सँ प्रार्थना करैत अछि आ कहैत अछि जे, “हमरा बचाउ।” किएक तँ अहाँ हमर देवता छी।

लोक कोनो वस्तुक एकटा हिस्सा लऽ कऽ ओकरा देवता बना दैत अछि, ओकरा प्रणाम करैत अछि आ ओकरा प्रार्थना करैत अछि, ओकरा मुक्ति माँगैत अछि, कारण ओकरा अपन देवता मानैत अछि ।

1. झूठ मूर्ति सँ सावधान रहू: एहि संसारक वस्तु केँ हमरा लोकनि केँ किएक अस्वीकार करबाक चाही

2. विश्वास के शक्ति: प्रभु पर भरोसा कियैक करबाक चाही

1. व्यवस्था 4:15-19 - मूर्तिक निर्माणक खतरा

2. भजन 62:1-2 - मुक्ति के लेल प्रभु पर भरोसा करब

यशायाह 44:18 ओ सभ नहि जनैत अछि आ नहि बुझलक, किएक तँ ओ ओकरा सभक आँखि मुनि देने अछि जे ओ सभ नहि देखि सकैत अछि। आ हुनका सभक हृदय, जे ओ सभ नहि बुझि सकैत छथि।

परमेश् वर के लोग अक्सर अपनऽ अज्ञानता आरू समझ के कमी के कारण सच्चाई के प्रति आन्हर होय जाय छै ।

1. "भगवानक सत्यक प्रति अपन आँखि आ हृदय खोलबाक आह्वान"।

2. "अज्ञानी अंधता के खतरा"।

1. नीतिवचन 29:18, "जतय दर्शन नहि होइत छैक, ओतय लोक नष्ट भ' जाइत अछि".

2. मत्ती 6:22-23, "आँखि शरीरक दीप अछि। जँ अहाँक आँखि स्वस्थ रहत तँ अहाँक पूरा शरीर इजोत सँ भरल रहत। मुदा जँ अहाँक आँखि अस्वस्थ रहत तँ अहाँक पूरा शरीर अन्हार सँ भरल रहत।" " .

यशायाह 44:19 कियो अपन हृदय मे विचार नहि करैत अछि आ ने कोनो ज्ञान आ नहि बुझैत अछि जे ई कहब जे, “हम एकर किछु हिस्सा आगि मे जरा देलहुँ।” हँ, हम ओकर कोयला पर रोटी सेकने छी। हम मांस भुजि कऽ खा गेलहुँ, आ ओकर अवशेष केँ घृणित बना देब? की हम गाछक स्तम्भ पर खसि पड़ब?

भगवान् लोगऽ क॑ डांटै छै कि वू ओकरऽ काम के परिणाम नै समझै छै, आरू सवाल करै छै कि वू ऐसनऽ काम कियैक करतै जेकरा घृणित मानलऽ जैतै ।

1. उदासीनताक खतरा: अपन काजक परिणाम केँ बुझब किएक महत्वपूर्ण अछि

2. विवेकक शक्ति: घृणित वस्तु केँ कोना चिन्हल जाय

1. नीतिवचन 29:18 - "जतय दर्शन नहि होइत छैक, ओतय लोक नष्ट भ' जाइत अछि, मुदा जे व्यवस्थाक पालन करैत अछि, से धन्य अछि।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

यशायाह 44:20 ओ राख पर भोजन करैत अछि, धोखा देल गेल हृदय ओकरा एक दोसर दिस घुमा देलक जे ओ अपन प्राण केँ नहि बचा सकैत अछि आ नहि कहि सकैत अछि जे, “की हमर दहिना हाथ मे झूठ नहि अछि?”

लोक के धोखा द क कोनो झूठ मानल जा सकैत अछि, जकर परिणाम ई होइत अछि जे ओ अपन धोखा स मुक्त नहि भ सकैत अछि।

1. "आत्म धोखाक खतरा"।

2. "हमरा सभ जे झूठ कहैत छी"।

1. यिर्मयाह 17:9 - "हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?"

2. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

यशायाह 44:21 हे याकूब आ इस्राएल, ई सभ मोन राखू। किएक तँ अहाँ हमर सेवक छी। अहाँ हमर सेवक छी, हे इस्राएल, अहाँ हमरा सँ बिसरल नहि जायब।”

भगवान् हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे हम सभ हुनकर सेवक छी आ ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि बिसरताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति अटूट प्रेम

2. भगवान् के स्मृति के शक्ति

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भेलाह जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

.

यशायाह 44:22 हम अहाँक अपराध केँ मोट मेघ जकाँ मेटा देलहुँ आ अहाँक पाप केँ मेघ जकाँ मेटा देलहुँ। किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेने छी।”

परमेश् वर हुनका दिस घुरनिहार सभ केँ क्षमा दऽ रहल छथि।

1: हमर सभक गलती चाहे जे हो, भगवान सदिखन रहैत छथि, हमरा सभ केँ क्षमा करबाक आ मुक्ति देबाक लेल तैयार रहैत छथि।

2: हम सभ परमेश् वरक दया आ हुनकर हमरा सभ केँ क्षमा करबाक इच्छुकता पर भरोसा क' सकैत छी।

1: यिर्मयाह 3:22 - "हे पछुआड़ल बच्चा सभ, घुरि जाउ, आ हम अहाँक पछुआएल केँ ठीक करब।"

2: 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

यशायाह 44:23 हे आकाश, गाउ। किएक तँ परमेश् वर ई काज कऽ लेलनि, अहाँ सभ पृथ् वीक नीचाँक लोक सभ, चिचियाउ, हे जंगल आ ओहि मे राखल सभ गाछ, गान मे तोड़ि-गान करू, किएक तँ परमेश् वर याकूब केँ छुड़ा कऽ इस्राएल मे अपना केँ महिमा कऽ लेलनि।

प्रभु बड़का-बड़का काज केने छथि आ हुनकर लोक सभ केँ आनन्दित करबाक चाही आ हुनकर स्तुति करबाक चाही।

1. भगवानक भलाई मे आनन्दित रहू

2. प्रभुक मोक्षक लेल स्तुति करू

1. भजन 98:1 - "हे, प्रभु केँ एकटा नव गीत गाउ! किएक तँ ओ अद्भुत काज कयलनि"।

2. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

यशायाह 44:24 यहोवा, तोहर मुक्तिदाता आ जे तोरा गर्भ सँ बनौने छथि, से कहैत छथि, “हम प्रभु छी जे सभ किछु बनबैत छी। जे असगरे आकाश केँ पसरल अछि। जे हमरे सँ पृथ्वी पर पसरल अछि।

भगवान्, प्रभु आ मुक्तिदाता, आकाश आ पृथ्वी सहित सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता छथि |

1. भगवान् सृष्टिकर्ता के रूप मे: ईश्वरीय डिजाइन मे अपना केँ देखब

2. हमर मुक्तिदाता: पतित संसार मे हमर आशा आ उद्धार

1. उत्पत्ति 1:1-2 - "शुरुआत मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ बनौलनि। पृथ् वी अरूप आ शून्य छल, आ गहींर मे अन् हार छल। परमेश् वरक आत् मा मुँह पर मंडराइत छल।" पानि के।"

2. कुलुस्सी 1:15-17 - "ओ अदृश्य परमेश् वरक प्रतिरूप छथि, जे सभ सृष्टिक जेठ छथि। किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ वस्तु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा सृष्टि भेल अछि।" अधिकारि सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।

यशायाह 44:25 जे झूठ बाजनिहार सभक निशानी केँ विफल करैत अछि आ भविष्यवक्ता सभ केँ बताह बना दैत अछि। जे ज्ञानी केँ पाछू घुमा दैत अछि आ ओकर ज्ञान केँ मूर्ख बना दैत अछि।

भगवान अंततः नियंत्रण मे छथि आ जे धोखा देबय आ हेरफेर करय चाहैत छथि हुनकर योजना के विफल क देताह.

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: यशायाह 44:25 के शाखाबद्धता

2. गलत ज्ञान के खतरा: यशायाह 44:25 के अध्ययन

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

2. याकूब 3:17 - "मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि अछि ओ पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।"

यशायाह 44:26 जे अपन सेवकक वचन केँ पुष्ट करैत अछि आ अपन दूत सभक सलाह केँ पूरा करैत अछि। जे यरूशलेम केँ कहैत अछि, “अहाँ मे रहब।” यहूदाक नगर सभ केँ, “अहाँ सभक निर्माण होयत, आ हम ओकर सड़ल जगह सभ केँ ठाढ़ करब।”

प्रभु अपनऽ प्रतिज्ञा पूरा करै आरू अपनऽ दूतऽ के सलाह पूरा करै लेली समर्पित छै । ओ वादा करैत छथि जे यरूशलेम मे आब लोक रहत आ यहूदाक नगर सभ फेर सँ बनाओल जायत आ नगरक सड़ल जगह सभ केँ ठाढ़ कयल जायत।

1. प्रभुक प्रतिज्ञा आ हुनक पूर्ति

2. प्रभुक अपन लोकक देखभाल

1. यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

2. भजन 37:3-5 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।” प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू, ओ तोहर हृदयक इच्छा सभ केँ देथिन। अपन बाट प्रभुक समक्ष राखू। हुनका पर सेहो भरोसा करू। ओ एकरा पूरा कऽ लेताह।”

यशायाह 44:27 ओ गहींर मे कहैत अछि, “सुखू, हम तोहर नदी केँ सुखायब।”

भगवान् के पास नदी के सुखाय के सामर्थ्य छै।

1. परमेश् वर मे असंभव काज करबाक सामर्थ् य अछि - यशायाह 44:27

2. जरूरतक समय मे अहाँक भरण-पोषण करबाक लेल परमेश्वर पर भरोसा करू - यशायाह 44:27

1. यहोशू 3:15-17 - जखन इस्राएली सभ यरदन नदी पार केलक

2. निर्गमन 14:21-22 - जखन परमेश् वर इस्राएली सभक लेल लाल सागर केँ बाँटि देलनि

यशायाह 44:28 कोरसक विषय मे ई कहैत अछि जे, “ओ हमर चरबाह छथि, आ हमर सभ इच्छा पूरा करताह।” आ मन् दिर केँ, “अहाँक नींव राखल जायत।”

भगवान साइरस के बारे में बात करै छै, ओकरा कहै छै कि वू ओकरऽ चरवाहा छै आरू ओकरऽ इच्छा पूरा करतै। ओ कोरस केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ यरूशलेमक निर्माण करथि आ मन् दिरक नींव राखथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: यशायाह 44:28 क अध्ययन

2. आज्ञापालन के शक्ति: कोरस परमेश्वर के आज्ञा के कोना पालन केलक

1. भजन 23:1 - "प्रभु हमर चरबाह छथि, हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

2. मत्ती 6:10 - "तोहर राज्य आऊ, तोहर इच्छा पूरा होउ, जेना स्वर्ग मे होइत छैक।"

यशायाह अध्याय 45 एकटा बुतपरस्त राजा कोरस के भूमिका पर केंद्रित छै, जे परमेश्वर के अपन लोग के लेलऽ मुक्ति के योजना में एक साधन के रूप में छै। ई परमेश् वर के संप्रभुता, हुनकऽ उद्देश्य के लेलऽ असंभावित साधन के उपयोग करै के क्षमता, आरू सब जाति क॑ हुनका तरफ मुड़ै लेली हुनकऽ आमंत्रण प॑ प्रकाश डालै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर द्वारा कोरस के अपन अभिषिक्त के रूप में घोषित करला स होयत अछि, जकर उपयोग ओ राष्ट्र के वश में करय आ अपन निर्वासित लोक के वापसी के लेल दरवाजा खोलय लेल करत। परमेश् वर अपनऽ संप्रभुता आरू अपनऽ उद्देश्य पूरा करै लेली बुतपरस्त शासकऽ के भी उपयोग करै के क्षमता के घोषणा करै छै (यशायाह ४५:१-१३)।

2nd Paragraph: भगवान मूर्ति आ झूठ देवता के चुनौती दैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे ओ असगर सच्चा भगवान आ सब चीज के सृष्टिकर्ता छथि | ओ जाति सभ केँ उद्धारक लेल हुनका दिस मुड़बाक लेल बजबैत छथि, घोषणा करैत छथि जे हर ठेहुन झुकत आ हर जीह हुनका प्रति वफादारी करबाक शपथ लेत (यशायाह 45:14-25)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पैंतालीस अध्याय प्रकट करैत अछि
परमेश् वर द्वारा मुक्ति के लिये कोरस के प्रयोग,
ओकर सार्वभौमिकता, आ राष्ट्र सभ केँ आह्वान करू।

कोरस के परमेश् वर के चुनल वाद्ययंत्र के रूप में घोषणा।
मूर्ति के चुनौती; भगवान् के सार्वभौमिकता पर जोर।
राष्ट्र सभ केँ आह्वान करू; हर ठेहुन प्रणाम करत।

ई अध्याय परमेश् वर द्वारा अपनऽ लोगऽ के लेलऽ मुक्ति के योजना में एक साधन के रूप में साइरस, एगो बुतपरस्त राजा के उपयोग पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । भगवान् अपनऽ संप्रभुता आरू अपनऽ उद्देश्य पूरा करै लेली असंभावित साधन के प्रयोग करै के क्षमता के घोषणा करै छै । ओ

मूर्ति आ झूठ देवता केँ चुनौती दैत छथि, अपन विशिष्टता पर जोर दैत छथि जे सच्चा परमेश्वर आ सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता छथि | परमेश् वर जाति सभ केँ एकटा आह्वान दैत छथि, हुनका सभ केँ उद्धारक लेल हुनका दिस मुड़बाक लेल आमंत्रित करैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे हर ठेहुन झुकत आ हर जीभ हुनका प्रति निष्ठा करबाक शपथ लेत। अध्याय में परमेश् वर के शक्ति, हुनकऽ सार्वभौमिक अधिकार, आरू सब लोग हुनका पहचानै आरू आराधना करै के हुनकऽ इच्छा के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै ।

यशायाह 45:1 परमेश् वर अपन अभिषिक्त केँ, कोरस केँ ई कहैत छथि, जिनकर दहिना हाथ हम पकड़ने छी, जाहि सँ जाति सभ केँ हुनका आगू वश मे कयल जाय। हम राजा सभक कमर खोलब, जाहि सँ हुनका सामने दुनू पातबला फाटक खोलि सकब। दरबज्जा सभ बंद नहि होयत।

परमेश् वर साइरस केँ अपन अभिषिक्त बनबाक लेल चुनने छथि आ अपन समक्ष जाति सभ केँ वश मे करबाक लेल, आ हुनका लेल फाटक खोलताह जाहि सँ ओ ओहि मे सँ गुजरि सकथि।

1. परमेश् वरक प्रोविडेंस: हुनकर महिमा लेल अपन वरदानक उपयोग करब

2. कठिन परिस्थितिक बीच भगवान् पर भरोसा करब

1. मत्ती 4:23-24 - "तखन यीशु पूरा गलील मे घुमैत छलाह, हुनका सभक सभाघर मे शिक्षा दैत छलाह आ राज्यक सुसमाचार प्रचार करैत छलाह, आ लोकक बीच सभ तरहक बीमारी आ सभ तरहक रोग केँ ठीक करैत छलाह। हुनकर प्रसिद्धि भरि मे बढ़ि गेलनि।" पूरा सीरिया, ओ सभ तरह-तरह केर बीमारी आ यातना सँ ग्रसित सभ बीमार लोक सभ केँ, आ दुष् टात् मा सँ ग्रसित लोक सभ, पागल आ पक्षाघात सँ पीड़ित सभ केँ हुनका लग अनलनि।

2. यशायाह 43:1-2 - "मुदा आब, हे याकूब, तोरा सृष्टि करनिहार प्रभु, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेलहुँ, तोहर नाम सँ बजौलहुँ।" हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी मे सँ ओ अहाँ पर उमड़ि नहि जायत।

यशायाह 45:2 हम अहाँक आगू बढ़ब आ टेढ़-टेढ़ जगह केँ सोझ करब, पीतल केर फाटक केँ तोड़ि देब आ लोहाक सलाख केँ काटि देब।

भगवान् अपनऽ लोगऽ के सामने जाय क॑ जे भी बाधा ओकरा रास्ता म॑ खड़ा होय जाय छै ओकरा तोड़ी देतै ।

1. "भगवान अहाँक आगू जा क' बाट साफ करताह"।

2. "भगवान अहाँ आ अहाँक लक्ष्य के बीच जे कोनो बाधा ठाढ़ होयत ओकरा दूर क देत"।

1. फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

2. भजन 18:29 - "किएक त' हम अहाँक द्वारा एकटा दलक बीच सँ दौड़लहुँ; आ अपन परमेश् वरक द्वारा हम एकटा देबाल पर कूदि गेलहुँ।"

यशायाह 45:3 हम अहाँ केँ अन्हारक खजाना आ गुप्त स्थानक नुकायल धन-दौलत देब, जाहि सँ अहाँ ई जानि सकब जे हम, प्रभु, जे अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजबैत छी, इस्राएलक परमेश् वर छी।

ई अंश प्रभु केरऽ प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ अन्हार आरू छिपलऽ धन के खजाना देतै, आरू ई वू छै जे ओकरा नाम सें बोलै छै आरू इस्राएल के परमेश् वर छै।

1. भगवान् के आशीर्वाद के प्रचुरता के अनुभव

2. भगवान् के निष्ठा के खजाना के खोज

१ पीढ़ी-दर-पीढ़ी, सदाक लेल! आमीन।

२.

यशायाह 45:4 हमर सेवक याकूब आ हमर चुनल गेल इस्राएलक कारणेँ हम तोरा नाम धरि बजौने छी।

परमेश् वर याकूब आ इस्राएल केँ अपन चुनल लोक बनय लेल चुनने छथि आ हुनका सभ केँ एकटा विशेष नाम देने छथि, यद्यपि ओ सभ हुनका सँ अनभिज्ञ छथि।

1. भगवान हमरा सभक जीवन मे सदिखन उपस्थित रहैत छथि, तखनो जखन हमरा सभ केँ एकर अहसास नहि होइत अछि

2. परमेश् वरक चुनल लोकक शक्ति

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. भजन 139:7-12 - हम अहाँक आत्मा सँ कतय जायब? आकि हम अहाँक सोझाँ सँ कतय पलायन करब? जँ हम स् वर्ग मे चढ़ब तँ अहाँ ओतहि छी। जँ हम भोरक पाँखि लऽ कऽ समुद्रक अन्त मे रहब। ओतहि अहाँक हाथ हमरा लऽ जायत आ अहाँक दहिना हाथ हमरा पकड़ि लेत। जँ हम कहब जे अन्हार हमरा झाँपि देत। हमरा चारू कात राति सेहो इजोत होयत।

यशायाह 45:5 हम प्रभु छी, आओर कियो नहि, हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि।

भगवान् एकमात्र सच्चा भगवान छथि आ जे हुनका नहि चिन्हैत छथि हुनका ओ शक्ति देने छथि |

1. प्रभु के ताकत के खोज - यशायाह 45:5 में परमेश्वर के शक्ति के खोज

2. एक आ एकमात्र परमेश्वर केँ जानब - यशायाह 45:5 मे प्रभुक सर्वोच्चता केँ चिन्हब

1. यिर्मयाह 10:10-11 - मुदा परमेश् वर सत् य परमेश् वर छथि, ओ जीवित परमेश् वर छथि आ अनन् त राजा छथि, हुनकर क्रोध सँ पृथ् वी काँपि जायत आ जाति सभ हुनकर क्रोध नहि सहि सकैत अछि।

2. व्यवस्था 4:39 - तेँ आइ ई जानि लिअ आ अपन मोन मे ई विचार करू जे परमेश् वर ओ ऊपर स् वर्ग मे आ नीचाँ पृथ् वी पर परमेश् वर छथि।

यशायाह 45:6 जाहि सँ ओ सभ सूर्योदय आ पश्चिम सँ ई जानि सकथि जे हमरा छोड़ि कियो नहि अछि।
हम परमेश् वर छी, आर कियो नहि।

भगवान् एकमात्र एहन छथि जे हमरा सभ केँ बचा सकैत छथि।

1: हमरा सभकेँ भगवान् पर भरोसा करबाक चाही आ दोसर पर नहि।

2: भगवाने एकमात्र एहन छथि जे हमरा सभकेँ उद्धार दऽ सकैत छथि।

1: यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी।” हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

2: भजन 62:1 - सचमुच हमर आत्मा परमेश् वर मे विश्राम पाबैत अछि; हमर उद्धार हुनका सँ भेटैत अछि।

यशायाह 45:7 हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी, हम शांति बनाबैत छी आ बुराई के सृजन करैत छी, हम प्रभु ई सब काज करैत छी।

भगवान् नीक-बेजाय दुनूक स्रोत छथि, आ हमरा सभ केँ हुनका स्वीकार करबाक चाही आ हुनका पर भरोसा करबाक चाही चाहे किछुओ हो।

1. प्रभु पर भरोसा: नीक आ अधलाह दुनू मे भगवानक इच्छा केँ स्वीकार करब

2. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब

1. अय्यूब 42:2 "हम जनैत छी जे अहाँ सभ काज क' सकैत छी, आओर अहाँक कोनो उद्देश्य विफल नहि भ' सकैत अछि।"

2. रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 45:8 हे आकाश, ऊपर सँ नीचाँ खसि जाउ, आ आकाश धार्मिकता बहा दियौक। हम परमेश् वर एकरा बनौने छी।

प्रभु उद्धार आ धार्मिकता उत्पन्न करबाक इच्छा रखैत छथि |

1. प्रभुक भलाई आ उदारता

2. धर्मक लेल प्रभुक योजना

1. भजन 107:1 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि, कारण हुनकर अडिग प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि!

२.

यशायाह 45:9 धिक्कार अछि जे अपन निर्माताक संग झगड़ा करैत अछि! कुम्हार धरतीक कुम्हारक संग प्रयास करय। की माटि ओकरा बनबैबला केँ कहतैक जे, “अहाँ की बनबैत छी?” आकि तोहर काज, ओकरा हाथ नहि छैक?

भगवान् ओकरा चुनौती दै के कोशिश करै वाला सिनी कॅ चेताबै छै, कैन्हेंकि कुम्हार के माटी पर अधिकार छै आरो वू कुम्हार पर सवाल नै उठै सकै छै।

1. परमेश् वरक अधिकार: हम सभ के छी जे कुम्हार पर प्रश्न ठाढ़ करी?

2. कुम्हारक शक्ति: हमर निर्माताक हाथक अधीनता

1. भजन 2:9-12 - "अहाँ ओकरा सभ केँ लोहाक डंडा सँ तोड़ि क' कुम्हारक बर्तन जकाँ टुकड़ा- टुकड़ा क' दियौक।"

2. रोमियो 9:19-21 - "हे मनुष्य, अहाँ के छी जे परमेश् वर केँ उत्तर देब? की जे ढालल गेल अछि से अपन ढालनिहार केँ कहत जे, अहाँ हमरा एहन किएक बनेलहुँ?"

यशायाह 45:10 धिक्कार अछि जे अपन पिता केँ कहैत अछि, “अहाँ की जनम दैत छी?” वा स् त्री केँ, “अहाँ की जनम देलहुँ?”

भगवान् ओकरा डाँटैत छथि जे अपन माता-पिता वा अपन बच्चाक माय पर सवाल ठाढ़ करैत छथि।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: हमरा सब के अपन माता-पिता के सम्मान किएक करबाक चाही

2. प्रेमक शक्ति: हमरा सभकेँ अपन परिवारकेँ किएक पोसबाक चाही

1. इफिसियों 6:1-3 - "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता आ मायक आदर करू जे एकटा प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि, जाहि सँ अहाँ सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभ केँ आनन्द भेटय।" पृथ्वी पर दीर्घायु।

2. नीतिवचन 1:8-9 - "हे हमर बेटा, अपन पिताक शिक्षा सुनू आ अपन मायक शिक्षा नहि छोड़ू। ई सभ अहाँक माथक शोभा बढ़ेबाक लेल माला अछि आ अहाँक गर्दन केँ सजाबय लेल एकटा जंजीर अछि।"

यशायाह 45:11 इस्राएल केरऽ पवित्र आरू ओकरऽ निर्माता यहोवा ई कहै छै, “हमरऽ बेटा सिनी के बारे में आबै वाला घटना के बारे में हमरा स॑ पूछऽ, आरू हमरऽ हाथऽ के काम के बारे में हमरा आज्ञा दै।

भगवान् लोक के आमंत्रित क रहल छैथ जे हुनका स भविष्य आ हुनकर हाथ के काज के बारे में पूछल जाय।

1. प्रभुक योजना पर भरोसा करब

2. प्रभुक हाथक काज

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यशायाह 45:12 हम पृथ्वी केँ बनौने छी आ ओकरा पर मनुक्खक सृजन केलहुँ, हम अपन हाथ आकाश केँ पसारि देलहुँ आ ओकर सभ सेना केँ हम आज्ञा देलहुँ।

ई अंश ई बात पर प्रकाश डालै छै कि भगवान सब चीज के सृष्टिकर्ता छै आरू हुनकऽ शक्ति अनंत छै ।

1. भगवानक शक्ति: हमर सृष्टिकर्ता ब्रह्माण्ड मे जीवन आ व्यवस्था कोना अनैत छथि |

2. भगवान् के सर्वशक्तिमानता: हुनकर अप्रतिम शक्ति के सराहना करब

1. उत्पत्ति 1:1-2 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि।

2. भजन 33:6-9 - प्रभुक वचन सँ आकाश बनल, ओकर मुँहक साँस सँ ओकर तारा सँ भरल सेना।

यशायाह 45:13 हम ओकरा धार्मिकता मे ठाढ़ क’ देलहुँ, आ ओकर सभ बाट केँ निर्देशित करब, ओ हमर शहरक निर्माण करत, आ ओ हमर बंदी सभ केँ छोड़ि देत, नहि कि कीमत आ इनामक लेल, सेना सभक प्रभु कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर केरऽ एगो धर्मी नेता केरऽ प्रावधान के बात करै छै जे अपनऽ शहर के निर्माण करतै आरू अपनऽ बंदी सिनी क॑ बिना कोनो इनाम के मुक्त करी देतै ।

1. परमेश् वर एकटा प्रदाता छथि - यशायाह 45:13

2. परमेश् वरक बिना शर्त प्रेम - यशायाह 45:13

1. मत्ती 28:18-20 - यीशु आबि हुनका सभ केँ कहलथिन, “स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि।” तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष् य बनाउ आ ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करऽ। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

2. भजन 146:7-9 - जे दबलल लोकक न्याय करैत अछि, जे भूखल केँ भोजन दैत अछि। प्रभु कैदी सभ केँ मुक्त करैत छथि; प्रभु आन्हरक आँखि खोलैत छथि। प्रभु प्रणाम करऽ वाला के ऊपर उठाबै छै; प्रभु धर्मी सँ प्रेम करै छै। प्रभु प्रवासी सभ पर नजरि रखैत छथि। ओ विधवा आ अनाथ केँ सहारा दैत अछि, मुदा दुष्टक बाट केँ ओ बर्बाद क’ दैत अछि।

यशायाह 45:14 परमेश् वर ई कहैत छथि, “मिस्रक श्रम, इथियोपिया आ साबियनक व्यापार, जे कदबला आदमी सभ अछि, अहाँक पास आबि जायत आ ओ सभ अहाँक होयत। जंजीर मे बान्हल ओ सभ ओहि पार

702

आबि जायत आ अहाँ लग खसि पड़त आ अहाँ सँ विनती करत आ कहत जे, “सत्ते परमेश् वर अहाँ मे छथि।” आ दोसर कियो नहि, भगवान् नहि छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे मिस्र, इथियोपिया आ साबियन लोक सभ इस्राएलक लोक सभ लग बंदी बनि आओत, आ ई बूझत जे केवल परमेश् वर उपस्थित छथि।

1. बंदी मे भगवानक शक्ति

2. सब वस्तु मे प्रभुक सार्वभौमत्व

1. व्यवस्था 4:35 - अहाँ केँ ई बात देखाओल गेल जे अहाँ ई जानि सकब जे प्रभु ओ परमेश् वर छथि। हुनका छोड़ि आन कियो नहि अछि।

2. मत्ती 28:20 - हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा सभ केँ पालन करबाक सिखाउ, आ देखू, हम अहाँ सभक संग सदिखन छी, संसारक अंत धरि। आमीन।

यशायाह 45:15 हे इस्राएलक परमेश् वर, उद्धारकर्ता, अहाँ सचमुच एकटा एहन परमेश् वर छी जे अपना केँ नुका लैत छी।

अंश ई प्रकट करै छै कि परमेश् वर एगो उद्धारकर्ता छै जे इस्राएल के एगो परमेश्वर छै जे खुद कॅ छिपै छै।

1. उद्धार करय बला नुकायल भगवान - भगवान् के उद्धार के रहस्य के ओकर नुकायलता के माध्यम स खोजब।

2. भगवान् केरऽ प्रोविडेंस - परमेश् वर अपनऽ दिव्य प्रोविडेंस के माध्यम स॑ हमरा सिनी के जीवन म॑ काम करै के तरीका के जांच करना ।

1. यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि? ओकर समझक कोनो खोज नहि होइत छैक।

2. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

यशायाह 45:16 ओ सभ लज्जित होयत, आ लज्जित सेहो होयत, सभ मूर्ति बनबैत अछि।

भगवान मूर्तिपूजा के पाप के निंदा करै छै आरू चेतावनी दै छै कि मूर्ति बनाबै वाला के लाज आरू भ्रम के सामना करना पड़ी जैतै।

1. मूर्तिपूजा: एकटा पाप बहुत पैघ जेकरा अनदेखी करब

2. मूर्ति बनेबाक खतरा

1. निर्गमन 20:3-5 "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि बच्चा सभ पर पिता सभक अधर्मक सामना करैत छी।

2. रोमियो 1:22-25 ओ सभ अपना केँ बुद्धिमान होयबाक दावा करैत मूर्ख बनि गेल, आ अमर परमेश् वरक महिमा केँ नश्वर मनुष्य, चिड़ै-चुनमुनी, जानवर आ रेंगैत वस्तु सँ मिलैत-जुलैत मूर्तिक बदला मे बदलि लेलक। तेँ परमेश् वर हुनका सभ केँ हृदयक वासना मे अशुद्धता मे, आपस मे अपन शरीरक अपमान करबाक लेल त्यागि देलनि, कारण ओ सभ परमेश् वरक विषय मे सत्य केँ झूठक बदला मे बदलि लेलनि आ सृष्टिकर्ताक बजाय प्राणीक आराधना आ सेवा केलनि, जे सदा-सदा लेल धन्य छथि! आमीन।

703

यशायाह 45:17 मुदा इस्राएल अनन्त उद्धारक संग प्रभु मे उद्धार होयत।

इस्राएल प्रभु मे अनन्त काल धरि उद्धार पाओत आ कहियो लाज नहि करत आ ने भ्रमित नहि होयत।

1. अनन्त मोक्षक प्रतिज्ञा

2. मोक्षक आशीर्वाद

1. रोमियो 10:9-10 - जँ अहाँ अपन मुँह सँ प्रभु यीशु केँ स्वीकार करब आ अपन हृदय मे विश्वास करब जे परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जिया देलनि तँ अहाँ उद्धार पाबि जायब।

2. भजन 121:1-2 - हम अपन नजरि पहाड़ी दिस उठा लेब, जतय सँ हमर सहायता अबैत अछि। हमर सहायता परमेश् वरक दिस सँ अबैत अछि जे स् वर्ग आ पृथ् वी केँ बनौलनि।

यशायाह 45:18 किएक तँ आकाशक रचना करनिहार प्रभु ई कहैत छथि। स्वयं भगवान् जे पृथ्वी केँ बनौलनि आ बनौलनि; ओ एकरा स्थापित केलक, ओ एकरा व्यर्थ नहि बनौलक, ओकरा रहबाक लेल बनौलक। आ आर कियो नहि अछि।

भगवान् आकाश आ पृथ्वी के बसय के लेल बनौलनि आ हुनका छोड़ि कियो आन नहि अछि |

1. भगवान् के सृष्टि: हुनकर गौरवशाली उपस्थिति के निशानी

2. पृथ्वीक निवास: भगवानक सान्निध्यक आमंत्रण

1. उत्पत्ति 1:1 2 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि।

2. प्रकाशितवाक्य 21:3 - तखन हम सिंहासन सँ एकटा जोरदार आवाज सुनलहुँ जे, “देखू! परमेश् वरक निवास स्थान आब लोकक बीच अछि, आ ओ हुनका सभक संग रहताह। ओ सभ ओकर लोक हेताह आ परमेश् वर स्वयं हुनका सभक संग रहताह आ हुनका सभक परमेश् वर बनताह।

यशायाह 45:19 हम पृथ्वीक कोनो अन्हार स्थान मे गुप्त रूप सँ नहि बाजल छी, हम याकूबक वंशज केँ नहि कहलियनि जे, अहाँ सभ हमरा व्यर्थ मे खोजू, हम प्रभु धार्मिक बात कहैत छी, हम ठीक बात कहैत छी।

ई अंश ई बात पर जोर दै छै कि भगवान खुल क॑ आरू ईमानदारी स॑ बजै छै आरू अपनऽ बात क॑ नै छिपाबै छै ।

1: भगवान खुलि क' आ ईमानदारी स' बजैत छथि

2: ईमानदारी स भगवान के खोज करब

1: भजन 25:14 - परमेश् वरक रहस्य हुनका सभ मे छनि जे हुनका सँ डरैत छथि। ओ हुनका सभ केँ अपन वाचा देखौताह।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट के निर्देशित करताह।

यशायाह 45:20 अपना केँ जमा भ’ क’ आबि जाउ। हे जाति-जाति मे सँ बचल लोक सभ, एक ठाम लग आबि जाउ।

यशायाह 45:20 केरऽ ई श्लोक राष्ट्रऽ क॑ एक साथ आबी क॑ प्रभु प॑ भरोसा करै लेली आह्वान करै छै जे ओकरा बचाबै सकै छै, नै कि झूठा देवता केरऽ उकेरलऽ मूर्ति के पूजा करै के जे उद्धार नै द॑ सकै छै ।

1. "प्रभु हमर उद्धार छथि"।

2. "मूर्तिपूजाक खतरा"।

1. भजन 62:7 - "हमर उद्धार आ हमर आदर परमेश् वर पर निर्भर करैत अछि; ओ हमर पराक्रमी चट्टान छथि, हमर शरण।"

2. यिर्मयाह 17:5-7 - "एहि तरहेँ प्रभु कहैत छथि: शापित मनुष्य मनुष्य पर भरोसा करैत अछि आ ओकर ताकत केँ मांस बना दैत अछि, जकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ैत अछि। ओ मरुभूमि मे झाड़ी जकाँ अछि, आ नहि देखब। कोनो नीक आओत। ओ मरुभूमिक सुखायल जगह मे, निर्जन नमकीन देश मे रहत।"

यशायाह 45:21 अहाँ सभ कहि दियौक आ हुनका सभ केँ लग आनि दियौक। हँ, दुनू गोटे एक संग विचार-विमर्श करथि। ओहि समय सँ के कहने अछि? की हम परमेश् वर नहि छी? हमरा छोड़ि दोसर कोनो परमेश् वर नहि छथि। एकटा न्यायी परमेश् वर आ एकटा उद्धारकर्ता; हमरा छोड़ि कियो नहि अछि।

परमेश् वर एकमात्र न्यायी परमेश् वर आ उद्धारकर्ता छथि।

1. भगवानक सार्वभौमत्व आ प्रेम

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता पर विश् वास द्वारा जीना

1. यशायाह 43:11 - "हम, हमहीं प्रभु छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि छथि।"

2. फिलिप्पियों 4:19 - "हमर परमेश् वर मसीह यीशुक द्वारा महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।"

यशायाह 45:22 पृथ् वीक सभ छोर, हमरा दिस देखू, आ उद्धार पाबि जाउ, किएक तँ हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि।

परमेश् वर सभ लोक केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनका दिस देखथि आ उद्धार पाबथि, किएक तँ ओ एकमात्र परमेश् वर छथि।

1. सब लोकक प्रति भगवानक अटूट प्रेम आ दया

2. परमेश् वरक विशिष्टता आ उद्धारक लेल हुनकर योजना

1. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. रोमियो 10:9-10 - जँ अहाँ अपन मुँह सँ प्रभु यीशु केँ स्वीकार करब आ अपन हृदय मे विश्वास करब जे परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जिया देलनि तँ अहाँ उद्धार पाबि जायब।

यशायाह 45:23 हम अपन शपथ खा लेने छी जे, हमर मुँह सँ धार्मिकता मे ई वचन निकलि गेल अछि, आ घुरि क’ नहि आओत जे हमरा सामने सभ ठेहुन झुकत, सभ जीह शपथ करत।

भगवान् केरऽ संप्रभुता निरपेक्ष छै: सब लोग अंततः हुनकऽ अधीन होय क॑ प्रणाम करतै ।

1. भगवान् के अचूक संप्रभुता

2. भगवान् के अधिकार के पहचानना

१. हुनका प्रभु, महिमा आ राज्य देल गेलनि, जाहि सँ सभ जाति, जाति आ भाषा हुनकर सेवा करथि।
ओकर प्रभु एकटा अनन्त अधिकार अछि, जे नहि बीतत, आ ओकर राज्य एहन जे नष्ट नहि होयत।

2. फिलिप्पियों 2:10-11 - जाहि सँ यीशुक नाम पर सभ ठेहुन झुकय, स् वर्ग मे, पृथ् वी पर आ पृथ् वी मे, आ सभ जीह स्वीकार करय जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ पिता परमेश् वरक महिमा होयत।

यशायाह 45:24 निश्चित रूप सँ केओ कहत जे, हमरा परमेश् वर मे धार्मिकता आ सामर्थ् य अछि।
जे सभ हुनका पर क्रोधित अछि, से सभ लज्जित होयत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ धार्मिकता आ सामर्थ् य प्रदान करैत छथि, आ हुनका तकनिहार सभक लेल ओ शरणक स्थान छथि।

1. परमेश् वरक धार्मिकताक बल

2. प्रभु मे शरण लेब

1. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. रोमियो 10:4 - किएक तँ मसीह धर्म-नियमक अंत छथि जे सभ विश् वास करैत छथि।

यशायाह 45:25 इस्राएलक सभ वंशज प्रभु मे धर्मी ठहराओल जायत आ गर्व करत।

इस्राएलक सभ वंशज धर्मी ठहराओल जायत आ प्रभु मे महिमा होयत।

1. प्रभुक द्वारा इस्राएलक धर्मी ठहराओल गेल

2. प्रभु मे इस्राएलक महिमा

1. रोमियो 3:20-31 - मसीह मे विश्वासक द्वारा धर्मी ठहराओल गेल

2. गलाती 6:14-16 - मसीहक क्रूस मे महिमा

यशायाह अध्याय 46 मूर्ति के शक्तिहीनता के विपरीत परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू निष्ठा के साथ करै छै। ई परमेश् वर केरऽ अपनऽ लोगऽ क॑ हर परिस्थिति म॑ ले जाय के क्षमता आरू ओकरा सिनी क॑ असगरे हुनका प॑ भरोसा करै के आह्वान प॑ जोर दै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत बेबिलोन के मूर्ति के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा जानवरऽ प॑ ढोलऽ जाय छै आरू खुद क॑ बचाय नै सकै छै । परमेश् वर मूर्ति सभक उपहास करैत छथि, ओकर कमजोरी केँ अपन शक्ति आ निष्ठा सँ विपरीत करैत छथि (यशायाह 46:1-7)।

दोसर पैराग्राफ: भगवान् अपन लोक के अपन पूर्व मुक्ति के काज आ शुरू स अंत के घोषणा करय के क्षमता के याद दिलाबैत छथि। ओ हुनका सभ केँ अपन निष्ठा केँ मोन राखय आ हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि, जेना कि ओ असगर परमेश् वर छथि आ दोसर कोनो नहि (यशायाह 46:8-13)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छियालीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
मूर्ति के शक्तिहीनता, भगवान के निष्ठा,
असगरे हुनका पर भरोसा करबाक हुनकर आह्वान।

मूर्ति आ भगवानक शक्ति आ निष्ठा के बीच विपरीत।
केवल भगवान् पर स्मरण आ भरोसा करबाक लेल आह्वान करू।

ई अध्याय मूर्ति के शक्तिहीनता पर जोर दै छै आरू परमेश्वर के निष्ठा आरू संप्रभुता पर प्रकाश डालै छै। एहि मे बेबिलोन के मूर्ति के वर्णन अछि जे जानवर पर ल जाइत अछि आ अपना के बचाबय मे असमर्थ अछि | भगवान् एहि मूर्ति सभक मजाक उड़ाबैत छथि, एकर कमजोरी केँ अपन शक्ति आ विश्वसनीयता सँ विपरीत करैत छथि | ओ अपन लोक के अपन पूर्व मुक्ति के काज आ भविष्य के भविष्यवाणी करय के क्षमता के याद दिलाबैत छथि | परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन निष्ठा केँ मोन पाड़बाक लेल आ असगर हुनका पर भरोसा रखबाक लेल बजबैत छथि, किएक तँ ओ एकमात्र सत् य परमेश् वर छथि आ दोसर कोनो नहि। अध्याय मूर्ति पूजा के व्यर्थता आरू परमेश्वर के अटूट

निष्ठा के याद दिलाबै के काम करै छै, जेकरा में हुनको लोग कॅ पूर्ण रूप सें हुनका पर भरोसा करै के आग्रह करै छै।

यशायाह 46:1 बेल प्रणाम करैत अछि, नेबो झुकैत अछि, ओकर मूर्ति जानवर आ पशु पर छल। ओ सभ थकल जानवरक लेल बोझ अछि।

मनुष्यक मूर्ति सँ भगवान् पैघ छथि।

1. मनुष्यक मूर्ति भगवानक महानताक बराबरी कहियो नहि क' सकैत अछि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति अपन वफादारी पर झूठ मूर्ति सभक भारी बोझ नहि देबाक चाही।

1. यिर्मयाह 10:3-5

2. रोमियो 1:25

यशायाह 46:2 ओ सभ झुकि जाइत अछि, एक संग प्रणाम करैत अछि। ओ सभ बोझ नहि छोड़ि सकल, मुदा स्वयं बंदी मे चलि गेल अछि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ जे किछु सम्हारि सकैत अछि ताहि सँ बेसी बोझ नहि पड़य देत आ जँ ओ सभ अभिभूत भऽ जायत तँ ओ ओकरा सभ केँ बंदी बना लेताह।

1. प्रभु हमरा सभ केँ बंदी मे ल' जेताह जँ हम सभ अपन बोझ सँ अभिभूत भ' जायब।

2. हमरा सभ केँ भगवान पर भरोसा करबाक चाही जे ओ अपन बोझ उठाबय मे मदद करथि।

1. यशायाह 46:2 - ओ सभ झुकि जाइत छथि, एक संग प्रणाम करैत छथि; ओ सभ बोझ नहि छोड़ि सकल, मुदा स्वयं बंदी मे चलि गेल अछि।

2. भजन 55:22 - अपन भार प्रभु पर राखू, तखन ओ अहाँ केँ सहारा देताह; ओ धर्मात्मा केँ कहियो हिलबाक अनुमति नहि देत।

यशायाह 46:3 हे याकूबक वंशज आ इस्राएलक वंशक सभ शेष लोक, जे हमरा द्वारा पेट सँ लऽ गेल अछि, जे गर्भ सँ लऽ गेल अछि, हमर बात सुनू।

परमेश् वर याकूबक घराना आ इस्राएलक वंशजक सभ शेष लोक केँ बजा कऽ हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ कोखि सँ जन्म लेने छथि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेमक शक्ति

2. गर्भ सँ अपन लोक केँ सहन करबा मे परमेश् वरक निष्ठा

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भ' गेल छथि जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. भजन 139:13-14 - "किएक तँ अहाँ हमर बागडोर पकड़ने छी। अहाँ हमरा मायक कोखि मे झाँपि देने छी। हम अहाँक स्तुति करब। किएक तँ हम भयभीत आ आश्चर्यक रूप मे बनल छी। अहाँक काज अद्भुत अछि, आ हमर प्राण ठीक जनैत अछि।" ठीक."

यशायाह 46:4 अहाँक बुढ़ापा धरि हम ओ छी। हम अहाँ सभ केँ केश-करोड़ धरि लऽ जायब। हमहूँ अहाँ सभ केँ ढोबब आ उद्धार करब।

ई अंश हमरा सब के बताबै छै कि भगवान हमेशा हमरा सब के साथ रहतै आरू हमरा सब के कहियो नै छोड़तै, चाहे हम सब कतबो उम्र के होय जाय।

1. प्रभु पर भरोसा करू: परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे हमरा सभक संग सदिखन रहब

707

2. हमर भगवानक ताकत: सब युग मे हुनकर रक्षा आ प्रावधान

1. व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने भयभीत होउ, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभक संग जाइत छथि। ओ अहाँकेँ कहियो नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

2. इब्रानी 13:5-6 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब। हम अहाँकेँ कहियो नहि छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि। मात्र मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यशायाह 46:5 अहाँ सभ हमरा केकरा सँ उपमा देब आ हमरा बराबर करब आ हमरा सभक तुलना करब जाहि सँ हम सभ केकरा जकाँ भ’ सकब?

भगवान् पूछैत छथि जे हुनकर तुलना के क' सकैत अछि आ हुनका बराबर क' सकैत अछि।

1. भगवान् के अप्रतिम महिमा

2. अतुलनीय भगवान्

1. भजन 89:6-7 - आकाश मे केकरा तुलना प्रभु सँ कयल जा सकैत अछि? स्वर्गीय प्राणी मे परमेश् वर जकाँ के अछि, पवित्र लोकक परिषद् मे बहुत भय जायबला परमेश् वर आ अपन चारूकातक सभ सँ बेसी भयावह?

2. यशायाह 40:25 - तखन अहाँ हमरा केकरा सँ तुलना करब जाहि सँ हम हुनका सन बनब? कहैत छथि पवित्र।

यशायाह 46:6 ओ सभ झोरा मे सँ सोना केर भरमार करैत अछि, आ तराजू मे चानी केँ तौलैत अछि आ सोनार केँ किराया पर लैत अछि। ओ एकरा देवता बना दैत छथिन, ओ सभ खसि पड़ैत छथि, हँ, ओ सभ आराधना करैत छथि।

लोक सोनार के पैसा द क मूर्ति के निर्माण करैत अपन पाइ बर्बाद करैत अछि, आ फेर प्रणाम क एहि मूर्ति के पूजा करैत अछि।

1. नीतिवचन 16:16 - सोना सँ बुद्धि भेटब कतेक नीक अछि! आ समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।

2. कुलुस्सी 3:5 - तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा अछि।

1. भजन 115:4-8 - हुनकर मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि। कान छै, मुदा सुनै नै छै। नाक, मुदा गंध नहि। हाथ छै, मुदा महसूस नै करै छै; पैर, मुदा चलब नहि। आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। जे ओकरा सभकेँ हुनका सभ जकाँ बनबैत अछि; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

2. यिर्मयाह 10:3-5 - कारण, जाति सभक रीति-रिवाज व्यर्थ अछि। जंगलसँ एकटा गाछ काटि कए कारीगरक हाथसँ कुल्हाड़ीसँ काज कएल जाइत अछि । चानी आ सोना सँ सजाबैत छथि। हथौड़ा आ कील सॅं जकड़ि दैत छथि जाहि सॅं ई हिल नहि सकैत अछि । हुनका लोकनिक मूर्ति खीराक खेत मे बिजूका जकाँ अछि, आ ओ सभ बाजि नहि सकैत अछि। ओकरा सभकेँ ढोबऽ पड़ैत छैक, कारण ओ सभ चलि नहि सकैत अछि। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ, किएक तँ ओ सभ अधलाह काज नहि कऽ सकैत अछि आ ने नीक काज ओकरा सभ मे अछि।

यशायाह 46:7 ओ सभ ओकरा कान्ह पर लऽ कऽ लऽ जाइत अछि आ ओकरा अपन जगह पर बैसा दैत अछि आ ओ ठाढ़ भ’ जाइत अछि। ओ अपन स्थान सँ नहि हटत, हँ, केओ ओकरा कानत, तइयो ओ कोनो उत्तर नहि दऽ सकैत अछि आ ने ओकरा अपन विपत्ति सँ बचा सकैत अछि।

भगवान् सदिखन उपस्थित छथि आ विपत्तिक समय मे हमरा सभक मददि लेल सदिखन उपलब्ध छथि।

708

1. नित्य उपस्थित भगवान: कोना भगवान हमरा सभक लेल सदिखन विपत्तिक समय मे रहैत छथि

2. अपन स्थान के जानब: कठिन समय में भगवान के संप्रभुता पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यशायाह 46:8 ई बात मोन राखू आ अपना केँ मनुष् य देखाउ।

ई अंश हमरा सिनी कॅ प्रभु के प्रतिज्ञा कॅ याद करै लेली आरू मजबूत आरू विश्वासी बनै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. विश्वासक ताकत: प्रभुक प्रतिज्ञा मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

2. प्रभुक स्मरण करब: परमेश् वरक संग अपन वाचा पूरा करब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. 2 कोरिन्थी 1:20 - किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अछि आ हुनका मे अछि आमेन, जाहि सँ हमरा सभक द्वारा परमेश् वरक महिमा होयत।

यशायाह 46:9 पुरान बात सभ केँ मोन पाड़ू, कारण हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि। हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि।

भगवान् हमरा सब के एकमात्र भगवान के रूप में अपन अधिकार आ शक्ति के याद दिला रहल छैथ, आ हुनका सन कियो नै छै।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: असगर हुनका पर भरोसा करबाक स्मरण

2. भगवान् केर विशिष्टता: हुनकर तुलना केओ नहि करैत अछि

1. यिर्मयाह 10:6-7 "हे प्रभु, अहाँ जकाँ केओ नहि अछि; अहाँ महान छी, आ अहाँक नाम पराक्रमी अछि। अहाँ सँ के नहि डेरत, जाति-जाति सभक राजा? ई अहाँक उचित अछि। सभ बुद्धिमान नेता सभक बीच।" जाति-जाति आ ओकर सभ राज्य मे अहाँ सन केओ नहि अछि।

2. भजन 86:8-10 "हे प्रभु, देवता सभ मे अहाँ सन केओ नहि अछि आ ने अहाँक सन काज अछि। अहाँ जे सभ जाति बनौने छी से सभ आबि क' अहाँक समक्ष प्रणाम करत, प्रभु, ओ सभ अहाँक महिमा करत।" नाम।किएक तँ अहाँ महान छी आ अद्भुत काज करैत छी, अहाँ असगरे परमेश् वर छी।

यशायाह 46:10 शुरू सँ आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, तकरा अन्तक घोषणा करैत कहैत छी जे, “हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।”

भगवान् कोनो वस्तुक अंत शुरूए सँ घोषित कएने छथि आ अपन प्रसन्नताक अनुसार की होयत से निर्धारित कएने छथि |

1. भगवानक योजना पर भरोसा करब - ई स्वीकार करब सीखब जे भगवानक हमरा सभक जीवनक योजना छनि आ ओ नीक निकलत।

2. भगवानक समय - ई स्वीकार करब जे भगवान अपन समय रेखा पर काज करैत छथि आ धैर्य राखब आ अपन समय पर भरोसा करब।

1. नीतिवचन 19:21 - "मनुष्यक मन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।"

2. नीतिवचन 16:9 - "मनुष्य के हृदय अपन बाट के योजना बनाबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर कदम के स्थिर करैत अछि।"

यशायाह 46:11 पूरब दिस सँ एकटा क्षुद्र चिड़ै केँ बजाबैत छी, जे हमर सलाह केँ दूर देश सँ पूरा करैत अछि। हम एकर उद्देश्य रखने छी, हमहूँ करब।

भगवान् एकटा योजना बजने छथि जकरा ओ साकार करताह।

1. भगवानक योजना सदिखन पूरा होयत

2. परमेश् वरक वचन पर भरोसा

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. भजन 33:11 - "मुदा प्रभुक योजना सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हुनकर हृदयक उद्देश्य सदा-सदा लेल दृढ़ रहैत अछि।"

यशायाह 46:12 हे धीरज, जे धार्मिकता सँ दूर छी, हमर बात सुनू।

परमेश् वर हुनका सभ केँ आह्वान करैत छथि जे धार्मिकता सँ दूर छथि जे हुनका दिस मुड़थि।

1. परमेश् वरक पश्चाताप करबाक आह्वान मे साहस करू

2. धर्मक लेल भगवान् दिस मुड़ब

1. यिर्मयाह 29:13 अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ तकब।

2. रोमियो 3:21-22 मुदा आब परमेश् वरक धार्मिकता व्यवस्था सँ अलग प्रगट भऽ गेल अछि, यद्यपि व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ विश् वास करयवला सभक लेल यीशु मसीह मे विश् वास द्वारा परमेश् वरक धार्मिकताक गवाही दैत अछि।

यशायाह 46:13 हम अपन धार्मिकताक नजदीक अनैत छी। ओ दूर नहि रहत आ हमर उद्धार नहि टिकत।

परमेश् वर मोक्षक खोज करनिहार केँ उद्धार प्रदान करताह आ सदिखन लग मे रहताह।

1: भगवान सदिखन नजदीक रहैत छथि आ हमर सभक उद्धार मे देरी नहि होयत।

2: अपन उद्धारक लेल भगवान् पर भरोसा करू आ धार्मिकता प्रदान कयल जायत।

1: रोमियो 10:13 - कारण जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटत।

2: इब्रानी 9:28 - तेँ एक बेर मसीह केँ बहुतो लोकक पाप सहन करबाक लेल चढ़ाओल गेल छल; जे सभ हुनकर प्रतीक्षा करैत अछि, तकरा सभ केँ ओ दोसर बेर बिना पाप के प्रकट होयत, जाहि सँ उद्धार भेटि जायत।

यशायाह अध्याय 47 मे घमंडी आ दुष्ट शहर बेबिलोन पर न्याय के घोषणा कयल गेल अछि। ई बेबिलोन के पतन के चित्रण करै छै आरू एकरऽ विपरीत परमेश्वर के लोगऽ के उद्धार के साथ करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत बेबिलोन के वर्णन स होइत अछि, जे कहियो एकटा गर्वित आ शक्तिशाली शहर छल। तथापि, परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ एकरा ओकर ऊँच स्थान सँ उतारताह आ ओकर लाज आ नग्नता केँ उजागर करताह (यशायाह 47:1-3)।

2 पैराग्राफ: भगवान बेबिलोन के संबोधित करैत छथि, ओकर अहंकार आ जादू-टोना आ मंत्रमुग्ध पर निर्भरता के खुलासा करैत छथि | ओ घोषणा करैत छथि जे एकर विनाश अचानक आओत आओर एकरा कियो नहि बचा सकैत अछि (यशायाह 47:4-15)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह सत्तालीस अध्याय प्रकट करैत अछि
बाबुलक घमंड आ दुष्टता पर न्याय।
ओकर पतन आ भगवानक उद्धारक विपरीत।

बेबिलोन के घमंड आ दुष्टता पर न्याय के घोषणा।
एकर पतन के वर्णन आ भगवान के मुक्ति के साथ विपरीतता।

एहि अध्याय मे घमंडी आ दुष्ट शहर बेबिलोन पर न्याय कयल गेल अछि | एहि मे बेबिलोन केँ कहियो गर्वित आ शक्तिशाली शहरक रूप मे वर्णित कयल गेल अछि, मुदा परमेश्वर घोषणा करैत छथि जे ओ एकरा ओकर ऊँच स्थान सँ उतारताह आ ओकर लाज केँ उजागर करताह। अध्याय में सीधा बेबिलोन के संबोधित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ओकरऽ अहंकार आरू जादू-टोना आरू मंत्रमुग्ध पर निर्भरता के खुलासा करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर घोषणा करै छै कि बेबिलोन के विनाश अचानक आबै वाला छै आरू ओकरा कोय नै बचाबै सकै छै। अध्याय घमंड आरू दुष्टता के परिणाम के याद दिलाबै के काम करै छै, जेकरा में बेबिलोन के पतन के विपरीत वू मुक्ति के साथ छै जे परमेश् वर अपनऽ लोग सिनी के प्रति वादा करै छै। ई राष्ट्र के साथ व्यवहार करै में परमेश्वर के संप्रभुता आरू न्याय के उजागर करै छै आरू घमंड आरू झूठा शक्ति के भरोसा के खिलाफ चेतावनी के काम करै छै।

यशायाह 47:1 हे बाबुलक कुमारि बेटी, नीचाँ आबि धूरा मे बैसू, जमीन पर बैसू।

प्रभु बाबुल के बेटी के आदेश दै छै कि वू अपनऽ सिंहासन छोड़ी क॑ धूरा में बैठी जाय, कैन्हेंकि ओकरा अब॑ नाजुक आरू कोमल नै मानलऽ जैतै ।

1. विनम्रताक शक्ति: बेबिलोनक बेटीसँ एकटा पाठ

2. घमंड के मूर्खता: बेबिलोन के बेटी के लेल परमेश्वर के चेतावनी

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

यशायाह 47:2 चक्की के पाथर लऽ कऽ आटा पीसऽ, अपन ताला खोलू, टांग उघार करू, जाँघ खोलू, नदी सभ पार करू।

यशायाह 47:2 लोगऽ क॑ चक्की के पत्थरऽ स॑ आटा पीसै, ओकरऽ ताला खोलै आरू नदी के ऊपर स॑ गुजरै के चुनौती क॑ उठाय क॑ अपनऽ आराम क्षेत्र स॑ बाहर जाय लेली आरू नया चीजऽ के आजमाबै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. अपन आराम क्षेत्र के तोड़ब: यशायाह 47:2 के चुनौती

2. भोजन पीसब आ पहाड़ केँ हिलब: यशायाह 47:2 अहाँक जीवन केँ कोना बदलि सकैत अछि

1. यशायाह 40:31, मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. इफिसियों 3:20, आब जे हमरा सभ मे जे सामर्थ् य काज करैत अछि, ओकर अनुसार जे हम सभ माँगैत छी वा सोचैत छी, ताहि सँ बेसी काज करबा मे सक्षम अछि।

यशायाह 47:3 तोहर नंगटेपन उघार होयत, हँ, तोहर लाज देखल जायत, हम बदला लेब, आ हम अहाँ सँ मनुक्ख जकाँ नहि भेंट करब।

भगवान् घमंड के पापक प्रतिशोध लेताह आ दया नहि करताह।

1: घमंड विनाश दिस ल जाइत अछि - नीतिवचन 16:18

2: विनम्रता परमेश् वरक आशीषक कुंजी अछि - याकूब 4:6-10

1: रोमियो 12:19-21

2: नीतिवचन 11:2

यशायाह 47:4 रहल बात हमर सभक मुक्तिदाता, सेना सभक परमेश् वर ओकर नाम अछि, इस्राएलक पवित्र।

सेना के परमेश् वर हमरा सभक उद्धारकर्ता छथि आ इस्राएलक पवित्र लोकक नाम सँ जानल जाइत छथि।

1. मोक्षक शक्ति: सेना सभक प्रभु आ इस्राएलक पवित्र

2. इस्राएलक पवित्र: एकटा मुक्तिदाता जे परवाह करैत अछि

1. भजन 103:4 - "हे हमर प्राण, प्रभुक आशीष करू, आ हुनकर सभटा लाभ नहि बिसरब।"

2. यशायाह 41:14 - "हे कीड़ा याकूब, हे इस्राएलक लोक सभ, नहि डेराउ! हमहीं अहाँक सहायता करैत छी, प्रभु कहैत छथि; अहाँक उद्धारकर्ता इस्राएलक पवित्र छथि।"

यशायाह 47:5 हे कसदीक बेटी, अहाँ चुप रहू आ अन्हार मे जाउ, किएक तँ अहाँ केँ आब राज्यक महिला नहि कहल जायत।

कल्दी जे पहिने "राज्यक महिला" के नाम सँ जानल जाइत छलाह, आब चुप भ' क' अन्हार मे चलि जेताह।

1. परमेश् वरक न्याय: कल्दी एक उदाहरणक रूप मे

2. मौन के शक्ति: अपना स बेसी भगवान के बात सुनब

1. नीतिवचन 19:21, "मनुष्यक मन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।"

2. याकूब 4:13-15, "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब, तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि, कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि, बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीब' आ ई वा ओ करब।

यशायाह 47:6 हम अपन लोक पर क्रोधित छलहुँ, हम अपन उत्तराधिकार केँ दूषित क’ देलहुँ आ ओकरा सभ केँ अपन हाथ मे द’ देलहुँ। प्राचीन पर अहाँ अपन जुआ बहुत भारी लगा देने छी।

भगवान् अपनऽ लोगऽ के प्रति अपनऽ क्रोध व्यक्त करै छै, अपनऽ उत्तराधिकार क॑ दूषित करी क॑ ओकरा शत्रु के हाथऽ म॑ द॑ क॑ जे ओकरा प॑ दया नै करलकै ।

1. भगवानक क्रोध: भगवानक क्रोध आ दया केँ बुझब

2. अत्याचारक जुआ: अतीतक बोझसँ मुक्त होयब

1. मत्ती 11:28-30 - अहाँ सभ जे श्रम करैत छी आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।

29 हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू। हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी।

30 [illegible]

2. [illegible] 8:31-32 - [illegible]

32 [illegible]

[illegible] 47:7 [illegible], “[illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 14:15 [illegible]

2. [illegible] 4:13-14 [illegible]

[illegible] 47:8 [illegible], “[illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 4:13-17

2. [illegible] 46:1-3

[illegible] 47:9 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 1:14-15 - [illegible]

2. [illegible] 14:12 - [illegible]

यशायाह 47:10 किएक तँ अहाँ अपन दुष्टता पर भरोसा केलहुँ। तोहर बुद्धि आ तोहर ज्ञान तोरा विकृत कऽ देलक। अहाँ अपन मोन मे कहने छी जे हम छी, हमरा छोड़ि आन कियो नहि।”

अंश में कहलऽ गेलऽ छै कि दुष्टता पर भरोसा करना आरू अपनऽ असगर मानना अपनऽ बुद्धि आरू ज्ञान स॑ धोखा खाबै के कारण बनतै ।

1. दुष्टता पर भरोसा करबाक खतरा

2. आत्मनिर्भरता पर निर्भर रहला स धोखा होइत अछि

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. यिर्मयाह 17:9 - "हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत बीमार अछि; एकरा के बुझि सकैत अछि?"

यशायाह 47:11 तेँ अहाँ पर अधलाह आओत। अहाँ केँ ई नहि बुझल होयत जे ई कतय सँ उठैत अछि। अहाँ एकरा टालि नहि सकब, आ अहाँ पर अचानक उजाड़ आबि जायत, जकरा अहाँ नहि बुझब।”

ओहि व्यक्ति पर अचानक बुराई आबि जायत, आ ओ ओकरा नहि रोकि सकैत अछि आ नहिये जानि सकैत अछि जे ई कतय सँ आयल अछि।

1. संकट के समय में अपन ताकत के स्रोत के जानब - यशायाह 47:11

2. उजाड़पन के आबै स पहिने ओकरा चिन्हब - यशायाह 47:11

1. भजन 46:1-2 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि"।

2. अय्यूब 5:7 "तइयो मनुष्य विपत्ति मे जन्मल अछि, जेना चिंगारी ऊपर उड़ैत अछि"।

यशायाह 47:12 आब अपन जादू-टोना आ ओहि जादू-टोना सभक संग ठाढ़ रहू, जाहि मे अहाँ अपन युवावस्था सँ परिश्रम केने छी। जँ से अछि तँ अहाँ लाभ उठा सकब, जँ से अछि तँ अहाँ विजयी भऽ सकब।

ई अंश भगवान के न्याय के बात करै छै जे अपनऽ सफलता के लेलऽ जादू-टोना आरू मंत्रमुग्ध के भरोसा करै छै, चेतावनी दै छै कि ऐन्हऽ प्रथा अंततः बेकार होतै ।

1. भगवान् पर विश्वास के माध्यम स प्रलोभन पर काबू पाना

2. पाप प्रथाक शक्ति

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 47:13 अहाँ अपन विचार-विचारक भरमार सँ थक गेल छी। आब ज्योतिषी, तारा देखनिहार, मासिक भविष्यवाणी करयवला ठाढ़ भ' क' अहाँ केँ एहि सभ बात सँ बचाबथि जे अहाँ पर आओत।

ई अंश मोक्ष लेली ज्योतिषी, तारा देखै वाला आरू मासिक भविष्यवाणी करै वाला पर भरोसा करै के चेतावनी दै छै ।

1: हमरा सभ केँ अपना केँ बचाबय लेल सांसारिक साधन पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि प्रभु पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे प्रभु केँ नहि बिसरब आ झूठ मूर्ति पर भरोसा नहि करी, कारण एहि सँ सच्चा उद्धार नहि भेटैत अछि।

1: व्यवस्था 4:19 - "आ सावधान रहू जे अहाँ अपन नजरि स्वर्ग दिस नहि उठबैत छी आ जखन अहाँ सूर्य आ चान आ तारा सभ केँ, आकाशक समस्त सेना केँ देखब, तखन अहाँ खींच लेल जायब आ हुनका सभक समक्ष प्रणाम क' हुनकर सेवा नहि करब।" , एहन चीज जे अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर समस्त स् वर्गक नीचाँक सभ लोक केँ आवंटित कयलनि अछि।”

2: भजन 118:8 - "मनुष्य पर भरोसा करबा स' नीक जे प्रभुक शरण मे रहब।"

यशायाह 47:14 देखू, ओ सभ ठूंठ जकाँ होयत। आगि ओकरा सभ केँ जरा देत। ओ सभ अपना केँ लौक सामर्थ्य सँ नहि मुक्त करत।

परमेश् वर दुष्टक न्याय करताह, जे हुनकर न्याय सँ नहि बचि सकैत छथि।

1. पापक परिणाम: परमेश् वर दुष्टक न्याय कोना करैत छथि

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. गलाती 6:7-8: धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। 8 जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवन काटि लेत।

2. रोमियो 6:23: पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यशायाह 47:15 ओ सभ अहाँ सभक लेल एहि तरहे होयत, जकरा संग अहाँ मेहनत केने छी, अहाँ सभक व्यापारी सभ, जवानी सँ, ओ सभ एक-एक गोटे अपन-अपन इलाका मे भटकत। केओ तोरा उद्धार नहि करत।

जिनकासँ वक्ता युवावस्थासँ खरीद-बिक्री करैत आबि रहल छथि ओ व्यापारी हुनका सभकेँ छोड़ि देताह आ कियो हुनका सभक सहायतामे नहि आओत ।

1. धनक पीछा करबाक खतरा - यशायाह 47:15

2. दोसर पर भरोसा करबाक खतरा - यशायाह 47:15

1. नीतिवचन 23:5 - "की अहाँ अपन नजरि जे नहि अछि ताहि पर राखब? कारण धन-सम्पत्ति निश्चित रूप सँ पाँखि बनि जाइत अछि; ओ गरुड़ जकाँ स्वर्ग दिस उड़ि जाइत अछि।"

2. नीतिवचन 28:20 - "विश्वासी आदमी केँ आशीर्वादक भरमार होयत, मुदा जे जल्दी-जल्दी धनिक बनैत अछि, से निर्दोष नहि होयत।"

यशायाह अध्याय 48 परमेश् वर के लोग इस्राएल के आज्ञा नै आबै आरू विद्रोह के बारे में संबोधित करै के काम जारी छै। ई परमेश्वर के धैर्य आरू हुनकऽ पश्चाताप के इच्छा पर जोर दै छै, साथ ही साथ हुनका उद्धार करै में हुनकऽ निष्ठा पर भी जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश्वर के अपन लोक पर हुनकर जिद्द आ विद्रोह के आरोप स होइत अछि। ओ हुनका सभ केँ अपन पूर्वज्ञान आ अपन चेतावनी केँ मोन पाड़ैत छथि, जकरा ओ सभ अनदेखी कएने छथि (यशायाह 48:1-8)।

दोसर पैराग्राफ: परमेश् वर अपन निष्ठा आ ओकर मोक्षक लेल अपन इच्छाक घोषणा करैत छथि। ओ पुष्टि करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ अपनहि लेल दुःखक भट्ठी मे परिष्कृत कयलनि अछि आ अपन नाम केँ अपवित्र नहि होमय देत (यशायाह 48:9-11)।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चुनौती दैत छथि जे ओ हुनकर आज्ञा सुनथि आ ओकर पालन करथि, ई वादा करैत छथि जे हुनकर आज्ञापालन सँ शांति आ समृद्धि आओत। ओ निरंतर आज्ञा नहि करबाक परिणामक बारे मे चेतावनी दैत छथि (यशायाह 48:12-22)।
715

संक्षेप मे, २.
यशायाह अड़तालीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
भगवान् के विद्रोह के आरोप,
पश्चाताप के ओकर इच्छा, आ निष्ठा।

जिद्द आ भगवानक विरुद्ध विद्रोहक आरोप।
परमेश् वरक मोक्ष आ निष्ठा के इच्छा पुष्टि केलक।
सुनबाक आ मानबाक लेल आह्वान करू; अवज्ञा के परिणाम।

ई अध्याय परमेश् वर के लोग इस्राएल के आज्ञा नै आबै आरू विद्रोह के बारे में संबोधित करै छै। परमेश् वर हुनका सभ पर जिद्दी आ हुनकर चेतावनी के अनदेखी करबाक आरोप लगबैत छथि। ओ हुनका सभ केँ अपन पूर्वज्ञान आ हुनकर बात पर ध्यान नहि देबाक स्मरण कराबैत छथि | हुनकऽ विद्रोह के बावजूद, परमेश् वर अपनऽ निष्ठा आरू हुनकऽ मोक्ष के इच्छा के घोषणा करै छै । ओ पुष्टि करैत छथि जे ओ अपनहि लेल दुःखक भट्ठी मे हुनका सभ केँ परिष्कृत कयलनि अछि आ अपन नाम केँ अपवित्र नहि होमय देताह | परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ चुनौती दै छै कि हुनी हुनकऽ आज्ञा क॑ सुन॑ आरू ओकरऽ पालन करै, ई वादा करी क॑ कि हुनकऽ आज्ञाकारिता स॑ शांति आरू समृद्धि आबै वाला छै । तथापि, ओ निरंतर अवज्ञाक परिणामक बारे मे सेहो चेतावनी दैत छथि | अध्याय परमेश्वर के धैर्य, पश्चाताप के इच्छा आरू अपनऽ लोगऽ के उद्धार करै में हुनकऽ निष्ठा के याद दिलाबै के काम करै छै। ई आज्ञाकारिता के आह्वान करै छै आरू विद्रोह के परिणाम के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

यशायाह 48:1 हे याकूबक घराना, जे इस्राएलक नाम सँ बजाओल गेल अछि, आ यहूदाक पानि सँ बाहर निकलल छी, जे प्रभुक नामक शपथ लैत अछि आ इस्राएलक परमेश् वरक नाम लैत अछि, अहाँ सभ ई बात सुनू, मुदा सत्य मे नहि, आ ने धर्म मे।

याकूब के घराना, जेकरा इस्राएल कहलऽ जाय छै, यशायाह द्वारा चेतावनी देलऽ गेलऽ छै कि बिना सच्चाई आरू धार्मिकता के प्रभु के नाम के झूठा शपथ नै लेबै या हुनकऽ नाम नै लेबै।

1. परमेश् वरक नाममे सत्यक शक्ति

2. परमेश् वरक सान्निध्य मे धार्मिकतापूर्वक जीबाक महत्व

1. यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी। हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

यशायाह 48:2 किएक तँ ओ सभ अपना केँ पवित्र नगरक कहैत छथि आ इस्राएलक परमेश् वर पर रहैत छथि। सेना के प्रभु ओकर नाम छै।

परमेश् वर हमरा सभ केँ पवित्रता आ सेना सभक प्रभुक रूप मे हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि।

1: पवित्रता के लेल प्रयास करय पड़त आ सेना के प्रभु पर भरोसा राखय पड़त।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे सेना सभक प्रभु हमर सभक परमेश् वर छथि, आ हमरा सभ केँ हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

1: 1 पत्रुस 1:15-16 मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तेना अहाँ सभ सेहो अपन सभ आचरण मे पवित्र रहू, किएक तँ लिखल अछि जे, “पवित्र रहू, किएक तँ हम पवित्र छी।”

2: 1 यूहन्ना 4:4-5 अहाँ सभ परमेश् वरक छी, छोट-छोट बच्चा सभ, आ ओकरा सभ पर विजय पाबि गेलहुँ, किएक तँ जे अहाँ सभ मे अछि, से संसार मे जे अछि, से पैघ अछि। दुनियाँक छथि। तेँ ओ सभ संसारक बात जकाँ बजैत छथि आ संसार हुनका सभक बात सुनैत अछि।

यशायाह 48:3 हम शुरूए सँ पहिने के बात के घोषणा क’ रहल छी। ओ सभ हमर मुँह सँ निकलि गेल आ हम ओकरा सभ केँ देखा देलहुँ। हम अचानक केलहुँ, आ ओ सभ पूरा भ’ गेल।

परमेश् वर शुरूए सँ काज सभ केँ घोषणा आ कयलनि अछि, आ ओ सभ अचानक भऽ गेल अछि।

1. परमेश् वरक वचन हुनकर समय मे कोना पूरा होइत अछि

2. भगवान् के फरमान के शक्ति

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

2. भजन 33:9 - "किएक तँ ओ बाजल, आ ओ आज्ञा देलक, आ ओ दृढ़ रहल।"

यशायाह 48:4 किएक तँ हम जनैत छलहुँ जे अहाँ जिद्दी छी, आ अहाँक गर्दन लोहाक नस आ अहाँक भौंह पीतल अछि।

ई अंश मनुष्य के हठ आरू चरित्र के ताकत के बारे में भगवान के ज्ञान के बात करै छै।

1. भगवानक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करब आ मानवीय हठ केँ छोड़ब

2. हमर जिद्दक बादो भगवानक अंतहीन प्रेम आ धैर्य

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू आ ओ अहाँक बाट सोझ क देताह।

2. रोमियो 8:38-39 - किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे समस्त सृष्टि मे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने शासक, ने वर्तमान वस्तु, आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई, ने गहराई, आ ने कोनो आन वस्तु, हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम होयत।

यशायाह 48:5 हम शुरूए सँ अहाँ केँ ई बात सुनौने छी। ई बात होबऽ सँ पहिने हम तोरा ई बात देखा देलियैक, कहीं अहाँ ई नहि कहब जे, ‘हमर मूर्ति ओकरा सभ केँ पूरा क’ देलक, आ हमर उकेरल मूर्ति आ हमर पिघलल मूर्ति ओकरा सभ केँ आज्ञा देलक।”

ई अंश भगवान के शक्ति के मूर्ति आरू मूर्ति के जिम्मेदार ठहराबै के चेतावनी दै छै।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य अतुलनीय अछि - यशायाह 48:5

2. मूर्ति हमरा सभक आराधना के योग्य नहि अछि - यशायाह 48:5

1. निर्गमन 20:4-5 - "अहाँ अपन कोनो उकेरल मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ मे पृथ् वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि। अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, किएक तँ हम तोहर परमेश् वर परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. यिर्मयाह 10:5 - "ओकर सभक मूर्ति खीराक खेत मे बिजूका जकाँ अछि, आ ओ सभ बाजि नहि सकैत अछि; ओकरा सभ केँ ढोब' पड़त, किएक तँ ओ सभ नहि चलि सकैत अछि। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ, किएक तँ ओ सभ अधलाह काज नहि क' सकैत अछि, आ ने एहन अछि।" हुनका सभ मे नीक काज करबाक लेल।

यशायाह 48:6 अहाँ सुनलहुँ, ई सभ देखू। की अहाँ सभ एकर प्रचार नहि करब? हम अहाँ केँ एखनहि सँ नव-नव बात, नुकायल बात केँ देखा देलहुँ, आ अहाँ ओकरा नहि जनैत छलहुँ।

ई अंश परमेश् वर के सामर्थ् य के बात करी रहलऽ छै कि वू अपनऽ लोगऽ के सामने नया आरू छिपलऽ चीजऽ के प्रकट करै छै ।

1. "भगवानक अदृष्ट शक्तिक झलक: अपरिचित पर भरोसा करब सीखब"।

2. "भगवानक प्रकटीकरण शक्ति: हुनक उपस्थितिक माध्यमे नव सत्यक खोज"।

1. यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक त' हम जनैत छी जे अहाँक लेल हमर योजना अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि। तखन अहाँ हमरा बजाउ आ।" आबि हमरा सँ प्रार्थना करू, हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।"

2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

यशायाह 48:7 ओ सभ एखन सृजित अछि, आ शुरुए सँ नहि। ओहि दिन सँ पहिने जखन अहाँ हुनका सभक बात नहि सुनलहुँ। कहीं ई नहि कहब जे, “देखू, हम हुनका सभ केँ चिन्हैत छलहुँ।”

भगवान् एहन चीज बनौलनि जे पहिने अनसुना छल, जाहि सँ लोक ओकरा चिन्हबाक दावा नहि क' सकैत छल।

1. भगवान् के सृजनात्मकता: हुनकर सृष्टि के आश्चर्य के पुनः खोज करब

2. भगवान् के प्रोविडेंस के पहचानना: सब चीज के स्रोत के जानना

1. रोमियो 11:33-36 - हे, परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञानक धनक गहराई! ओकर निर्णय कतेक अनजान अछि, आ ओकर बाट सेहो पता नहि लगाबय सँ परे!

2. भजन 19:1-4 - आकाश परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आकाश ओकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि। दिन पर दिन बाजब उझिलैत छथि। राति-राति ज्ञानक प्रदर्शन करैत छथि। कोनो एहन वाणी वा भाषा नहि अछि जतय हुनका लोकनिक आवाज नहि सुनल जाइत छनि ।

यशायाह 48:8 हँ, अहाँ नहि सुनलहुँ। हँ, अहाँ नहि जनैत छलहुँ; हँ, तहिया सँ अहाँक कान नहि खुजल छल, किएक तँ हम जनैत छलहुँ जे अहाँ बहुत धोखा करब आ गर्भहि सँ अपराधी कहल गेलहुँ।

यशायाह केरऽ ई अंश ई तथ्य प॑ जोर दै छै कि परमेश् वर हमरा आरू हमरऽ निर्णय क॑ जन्म स॑ पहल॑ ही जान॑ छै आरू वू समय भी जब॑ हम्में हुनकऽ उपस्थिति के बारे म॑ जागरूक नै छियै ।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता: भगवान् के सर्वज्ञता को समझना

2. भगवानक कृपा: अपराध सँ मुँह मोड़ब

1. भजन 139:1-4 - "हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि लेलहुँ आ अहाँ हमरा जनैत छी। अहाँ जनैत छी जे हम कखन बैसल छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचार केँ दूर सँ बुझैत छी। अहाँ हमर बाहर निकलब आ हमर लेटब केँ बुझैत छी; अहाँ।" हमर सभ बाट सँ परिचित छी। हमर जीह पर कोनो शब्द आबय सँ पहिने अहाँ प्रभु, एकरा पूरा तरहेँ जानि लिअ।"

2. यिर्मयाह 1:5 - "हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, अहाँ केँ जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ अलग क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे भविष्यवक्ता बनेने रही।"

यशायाह 48:9 हम अपन क्रोध केँ अपन नामक लेल टालब, आ अपन प्रशंसाक लेल हम अहाँक लेल संयम राखब, जाहि सँ हम अहाँ केँ काटि नहि देब।

ई अंश परमेश् वर के दया आरू करुणा के बात करै छै जे हुनकऽ नाम के आह्वान करै छै ।

1: भगवान् के दया और करुणा

2: भगवानक नाम पुकारबाक शक्ति

1: योना 4:2 ओ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलनि, “हे प्रभु, की ई हमर बात नहि छल जखन हम अपन देश मे छलहुँ? तेँ हम पहिने तर्शीश दिस भागि गेलहुँ, किएक तँ हम जनैत छलहुँ जे अहाँ कृपालु परमेश् वर छी, दयालु, क्रोध मे मंद आ बहुत दयालु आ दुष् टताक लेल पश्चाताप करैत छी।

2: रोमियो 5:8 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

यशायाह 48:10 देखू, हम अहाँ केँ शुद्ध कयलहुँ, मुदा चानी सँ नहि। हम तोरा क्लेशक भट्ठी मे चुनने छी।

परमेश् वर हमरा सभ केँ परीक्षा आ क्लेशक माध्यमे परिष्कृत करैत छथि जाहि सँ हमरा सभ केँ नीक लोक बना सकब।

1: भगवान हमरा सब के मजबूत करय लेल हमरा सब के परीक्षा दैत छथि

2: विपत्तिक बीच विश्वास

1: याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न परीक्षा सभक सामना करय पड़ैत अछि, तखन ई सभटा आनन्द बुझू, ई जानि जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि।

2: 1 पत्रुस 1:6-7 - एहि मे अहाँ सभ बहुत आनन्दित छी, यद्यपि आब किछु समयक लेल अहाँ सभ केँ सभ तरहक परीक्षा मे दुःख भोगय पड़ल होयत। ई सब एहि लेल आयल अछि जे सोना सँ बेसी मूल्यक अहाँक विश्वासक सिद्ध यथार्थता, जे आगि सँ परिष्कृत भेला पर सेहो नष्ट भ' जाइत अछि, तखन यीशु मसीहक प्रगट भेला पर प्रशंसा, महिमा आ सम्मानक परिणाम भ' सकय।

यशायाह 48:11 हम अपन लेल, अपना लेल सेहो ई काज करब, कारण हमर नाम कोना दूषित होयत? हम अपन महिमा दोसर केँ नहि देब।

ई अंश परमेश् वर के अपनऽ नाम क॑ पवित्र रखै के महत्व के बारे म॑ बतैलकै आरू अपनऽ महिमा क॑ ककरो दोसरऽ के साथ नै बाँटै के बात करै छै ।

1. "भगवानक नाम पवित्र अछि: परमेश् वरक नाम केँ पवित्र राखब आ हुनकर महिमा केँ कायम राखब"।

2. "भगवानक सार्वभौमत्व: अपन नामक रक्षा आ अपन महिमा बाँटय सँ मना करब"।

1. निर्गमन 20:7: अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम व्यर्थ नहि लिअ, किएक तँ प्रभु ओकरा निर्दोष नहि मानताह जे अपन नाम व्यर्थ लेत।

2. भजन 29:2: प्रभु केँ हुनकर नामक महिमा दियौक; पवित्रता के वैभव में प्रभु की पूजा करें |

यशायाह 48:12 हे याकूब आ इस्राएल, हमर बजाओल गेल, हमर बात सुनू। हम ओ छी; हम पहिल छी, हमहूँ अंतिम छी।

परमेश् वर याकूब आरू इस्राएल के साथ अपनऽ परिचय द॑ रहलऽ छै, ई घोषणा करी रहलऽ छै कि वू पहिलऽ आरू आखिरी छै ।

1. परमेश् वरक विशिष्टता: यशायाह 48:12 क अन्वेषण

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ मान्यता देबाक महत्व

1. यशायाह 43:10-11 "अहाँ सभ हमर गवाह छी हमरा बाद होयत। हम, हम परमेश् वर छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।”

719

2. प्रकाशितवाक्य 1:17-18 "हम हुनका देखि हुनकर पएर पर मृत जकाँ खसि पड़लहुँ। ओ हमरा पर अपन दहिना हाथ राखि हमरा कहलथिन, "नहि डरू, हम पहिल आ अंतिम छी। हम ओ छी।" जे जीवित अछि आ मरि गेल छल, आ देखू, हम अनन्त काल धरि जीवित छी, आमीन, आ हमरा लग नरक आ मृत्युक चाभी अछि।”

यशायाह 48:13 हमर हाथ सेहो पृथ्वीक नींव रखलक आ हमर दहिना हाथ आकाश केँ पसरल अछि।

भगवान् आकाश आ पृथ्वी के अपन हाथ स बनौलनि आ ओ सब हुनकर आज्ञा के पालन करैत छथि |

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: हमर सभक सृष्टिकर्ताक वचन कोना पहाड़ केँ हिला सकैत अछि

2. सृष्टि मे भगवानक संलग्नता: भगवानक हस्तकर्मक पेचीदगी केँ बुझब

1. भजन 33:6 - प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल। आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ।

2. उत्पत्ति 1:1 - शुरू मे परमेश् वर स् वर्ग आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि।

यशायाह 48:14 अहाँ सभ, जमा भ’ क’ सुनू। हुनका सभ मे सँ के ई सभ बात सुनौने अछि? परमेश् वर हुनका सँ प्रेम कयलनि अछि, ओ बाबुल पर अपन मनपसंद करत आ ओकर बाँहि कल्दी सभ पर रहत।

परमेश् वर बेबिलोन आ कल्दी सभक लेल अपन योजना पूरा करताह।

1. भगवान् के प्रेम बिना शर्त आ अटूट अछि

2. भगवानक योजना सदिखन पूरा होयत

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह 48:15 हम, हमहूँ बाजि रहल छी। हँ, हम ओकरा बजौने छी, हम ओकरा अनने छी, आ ओ अपन बाट समृद्ध करत।

भगवान् हमरा सभकेँ बजौने छथि आ हमरा सभक बाटकेँ समृद्ध करताह।

1: भगवान् हमरा सभक लेल सदिखन प्रबंध करताह जँ हम सभ ओहि बाट पर चलब जे ओ हमरा सभक लेल निर्धारित केने छथि।

2: हम सब अपन जीवन के लेल भगवान के योजना पर भरोसा क सकैत छी आ ई जानि सकैत छी जे ई सफल होयत।

1: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यशायाह 48:16 अहाँ सभ हमरा लग आबि जाउ, ई बात सुनू। हम शुरूए सँ गुप्त रूपेँ नहि बाजल छी; जहिया सँ ई छल, हम ओतहि छी।

यशायाह घोषणा करै छै कि प्रभु परमेश् वर आरू ओकरो आत् मा ओकरा समय के आरंभ सें भेजलकै।

1. त्रिमूर्ति के शक्ति: भगवान के त्रिमूर्ति स्वभाव को समझना

720

2. परमेश् वरक वचनक घोषणा करबाक महत्व

1. यूहन्ना 1:1-3 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन परमेश् वर छलाह।

2. 2 कोरिन्थी 13:14 प्रभु यीशु मसीहक कृपा, परमेश् वरक प्रेम आ पवित्र आत् माक साझीदारी अहाँ सभक संग रहय। आमीन।

यशायाह 48:17 यहोवा, तोहर मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र, ई कहैत छथि। हम तोहर परमेश् वर परमेश् वर छी जे अहाँ केँ लाभक लेल सिखाबैत छी, जे अहाँ केँ ओहि बाट पर लऽ जाइत छी।

प्रभु हमरा सब के सही रास्ता सिखा रहल छैथ, आ हमरा सब के सफल बनय में मदद करय के लेल मार्गदर्शन क रहल छैथ।

1: परमेश् वर हमरऽ मुक्तिदाता, हमरऽ मार्गदर्शक आरू हमरऽ गुरु छै ।

2: भगवान् अपन शिक्षाक माध्यमे हमरा सभकेँ सफलता दिस लऽ जाइत छथि।

1: यशायाह 48:17 "प्रभु, तोहर मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र, ई कहैत छथि: हम तोहर परमेश् वर यहोवा छी जे तोरा लाभक लेल सिखाबैत छी, जे तोरा ओहि बाट पर लऽ जाइत छी जकरा अहाँ जायब।"

2: नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

यशायाह 48:18 हे जँ अहाँ हमर आज्ञा मानितहुँ! तखन अहाँक शान्ति नदी जकाँ आ अहाँक धार्मिकता समुद्रक लहरि जकाँ होइत।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे जँ हम सभ हुनकर आज्ञाक पालन करब तँ हमरा सभकेँ नदी आ समुद्र जकाँ शांति आ धार्मिकता भेटत।

1. परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स सच्चा शांति भेटैत अछि

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन कए धार्मिकताक लाभ उठाउ

1. यशायाह 48:18

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यशायाह 48:19 तोहर बीया बालु जकाँ छल आ तोहर आंतक संतान ओकर गिट्टी जकाँ छल। ओकर नाम हमरा सोझाँ सँ नहि काटि देल जेबाक चाही छलैक आ ने नष्ट भ’ जेबाक चाही छलैक।

भगवान् अपन चुनल लोक केँ कहियो नहि छोड़ताह, चाहे ओकर संख्या कतबो पैघ किएक नहि हो।

1: भगवान के प्रेम सदा के लेल टिकैत अछि

2: भगवानक दया अटूट अछि

1: रोमियो 8:38-39 - किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2: विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यशायाह 48:20 अहाँ सभ बेबिलोन सँ बाहर जाउ, कसदी सभ सँ भागू, गानक आवाज सँ घोषणा करू, ई बात कहू, पृथ् वीक अंत धरि एकरा बाजब। अहाँ सभ कहब जे, परमेश् वर अपन सेवक याकूब केँ मुक् त कयलनि।”

परमेश् वर अपन सेवक याकूब केँ मुक्त कऽ लेलनि, आ हमरा सभ केँ बाबुल छोड़ि कल्दी सभ सँ पलायन करबाक लेल बजौलनि अछि।

1. प्रभुक मोक्ष मे आनन्दित रहब

2. बेबिलोन सँ पलायन करबाक आह्वान

1. यशायाह 51:11 -तेँ परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ घुरि कऽ आबि जेताह आ गाबि गाबि सियोन आबि जेताह। हुनका सभक माथ पर अनन्त आनन्द रहतनि। आ शोक आ शोक भागि जायत।

2. भजन 107:2 - परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जकरा ओ शत्रु सभक हाथ सँ मुक्त कयलनि अछि।

यशायाह 48:21 जखन ओ हुनका सभ केँ मरुभूमि मे लऽ गेलनि तखन हुनका सभ केँ प्यास नहि लागलनि, ओ हुनका सभक लेल चट्टान सँ पानि बहौलनि, चट्टान केँ सेहो फाड़ि देलनि आ पानि बहरा गेलनि।

परमेश् वर मरुभूमि मे इस्राएली सभ केँ एकटा चट्टान सँ पानि बहौलनि।

1. परमेश् वर हमरा सभक जरूरतक पूर्ति करबाक लेल सदिखन वफादार रहैत छथि।

2. हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क सकैत छी जे ओ कठिन परिस्थिति मे सेहो हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1. भजन 23:1 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

2. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

यशायाह 48:22 दुष्ट सभक लेल शान्ति नहि होइत छैक, परमेश् वर कहैत छथि।

यशायाह के ई अंश दुष्ट के लेलऽ शांति के कमी के बात करै छै।

1: सब के अपन जीवन में शांति के जरूरत छै आ ओ शांति भगवान स मात्र आबि सकैत छै।

2: परमेश् वरक शान्ति सभ गोटेक लेल उपलब्ध अछि जे दुष्टता सँ मुँह मोड़ि लैत छथि।

1: यूहन्ना 14:27, हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ि रहल छी; हमर शान्ति हम अहाँकेँ दैत छी।
जेना दुनियाँ दैत अछि तेना नहि हम अहाँकेँ दैत छी। अहाँ सभक मोन नहि घबराउ आ ने ओ सभ डरय।

2: कुलुस्सी 3:15, मसीहक शान्ति अहाँ सभक हृदय मे राज करय, जकरा लेल अहाँ सभ एक शरीर मे बजाओल गेल छलहुँ। आ धन्यवादक पात्र रहू।

यशायाह अध्याय 49 प्रभु के सेवक पर केंद्रित छै, जेकरा इस्राएल के रूप में पहचानलऽ जाय छै आरू यीशु मसीह के पूर्वाभास के रूप में भी देखलऽ जाय छै। ई सेवक के मिशन पर प्रकाश डालै छै कि वू राष्ट्र सिनी कॅ उद्धार लानै आरू परमेश्वर के लोग सिनी के पुनर्स्थापना करै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रभु के सेवक के बोलला स॑ होय छै, जेकरा म॑ गर्भ स॑ ही अपनऽ आह्वान आरू मिशन के अभिव्यक्ति होय छै । ओकरा परमेश् वर द्वारा पृथ् वी के छोर पर उद्धार लाबै लेली चुनलऽ गेलऽ छै, आरू भले ही वू हतोत्साहित महसूस करै छै, लेकिन परमेश् वर ओकरा अपनऽ वफादारी के आश्वासन दै छै (यशायाह ४९:१-७)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर वादा करैत छथि जे ओ अपन लोक इस्राएल केँ पुनर्स्थापित आ एकत्रित करताह, हुनका सभ केँ निर्वासन सँ वापस अनताह आ हुनकर आवश्यकताक पूर्ति करताह। ओ हुनका सभक प्रति अपन प्रेम आ करुणाक घोषणा करैत छथि, ई कहैत जे भले कोनो माय अपन बच्चा केँ बिसरि जायत, मुदा ओ अपन लोक केँ नहि बिसरत (यशायाह 49:8-18)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन आशा आ पुनर्स्थापन के संदेश स होइत अछि। परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि ओकरऽ बहाली के समय नजदीक आबी गेलऽ छै, आरू वू अपनऽ प्रतिज्ञा के पूर्ति देखै छै । ओ हुनका सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक आ हुनका सभक दुखक अंत करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि (यशायाह 49:19-26)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह उनचालीस अध्याय मे प्रकट होइत अछि
सेवक के मोक्ष लाने के मिशन,
बहाली आ आशीर्वादक भगवानक प्रतिज्ञा।

राष्ट्रों के मोक्ष लाने के लिये सेवक का मिशन |
परमेश् वरक लोकक बहाली आ एकत्रित करबाक वादा।
परमेश् वरक प्रेम, करुणा आ प्रतिज्ञाक पूर्तिक आश्वासन।

ई अध्याय प्रभु के सेवक पर केंद्रित छै, जेकरा इस्राएल के रूप में पहचानलऽ जाय छै आरू यीशु मसीह के प्रतीक भी छै। सेवक गर्भ से ही अपनऽ बुलावा आरू मिशन के बात करै छै, जेकरा परमेश् वर द्वारा धरती के छोर पर उद्धार लानै लेली चुनलऽ गेलऽ छै । हतोत्साहित महसूस करला के बादो सेवक के परमेश् वर के वफादारी के आश्वासन मिलै छै। परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित आ एकत्रित करबाक वादा करैत छथि, हुनका सभ केँ निर्वासन सँ वापस अनताह आ हुनकर सभक आवश्यकताक पूर्ति करताह। ओ अपन प्रेम आ करुणा व्यक्त करैत छथि, अपन लोक केँ आश्वस्त करैत छथि जे भले कोनो माय अपन बच्चा केँ बिसरि जाय, मुदा ओ ओकरा नहि बिसरत। अध्याय के समापन आशा आरू बहाली के संदेश के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश्वर अपनऽ लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि ओकरऽ बहाली के समय नजदीक आबी गेलऽ छै । ओ हुनका सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक आ हुनका सभक दुखक अंत करबाक वचन दैत छथि | अध्याय में सेवक के उद्धार लाबै के मिशन, परमेश्वर के बहाली के प्रतिज्ञा, आरू अपनऽ लोगऽ के प्रति ओकरऽ अटूट प्रेम आरू निष्ठा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यशायाह 49:1 हे द्वीप सभ, हमर बात सुनू। हे लोक, दूर सँ सुनू। परमेश् वर हमरा गर्भहि सँ बजौलनि अछि। हमर मायक आंत सँ हमर नामक उल्लेख कयलनि अछि।

परमेश् वर यशायाह केँ अपन जन्म सँ पहिने सँ अपन सेवक आ जाति सभक गवाह बनबाक लेल बजौने छथि।

1. सेवा करबाक आह्वान: परमेश् वरक आह्वानक प्रतिक्रिया देब

2. परमेश् वरक अद्भुत योजना: परमेश् वर अपन उद्देश्य पूरा करबाक लेल हमरा सभक उपयोग कोना करैत छथि

1. यिर्मयाह 1:4-5 - "परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे, हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, आ अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ पवित्र क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे एकटा भविष्यवक्ता नियुक्त केलहुँ।" .

2. भजन 139:13-16 - किएक तँ अहाँ हमर भीतरक अंग बनौलहुँ। अहाँ हमरा मायक कोखि मे बुनने रही। हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी। अद्भुत अछि अहाँक काज; हमर आत्मा एकरा नीक जकाँ जनैत अछि। हमर फ्रेम अहाँसँ नुकायल नहि छल, जखन हमरा गुप्त रूपसँ बनाओल जा रहल छल, धरतीक गहींरमे जटिलतासँ बुनल गेल छल । अहाँक आँखि हमर अनिर्मित पदार्थ देखलक; तोहर किताब मे ओहि मे सँ एक-एकटा ओहि दिन लिखल छल जे हमरा लेल बनल छल, जखन कि एखन धरि ओहि मे सँ कोनो दिन नहि छल।

यशायाह 49:2 ओ हमर मुँह केँ तेज तलवार जकाँ बना देलनि। अपन हाथक छाहरि मे हमरा नुका क' हमरा एकटा पालिश कयल शाफ्ट बनौने छथि। ओ हमरा अपन कुटी मे नुका देने छथि।

परमेश् वर अपन सेवकक मुँह केँ तेज तलवार जकाँ बना देने छथि आ ओकरा पालिश कयल बाण जकाँ अपन कूड़ा मे नुका देने छथि |

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वर अपन उद्देश् य केँ पूरा करबाक लेल अपन सेवकक आवाजक उपयोग कोना करैत छथि

2. मसीह मे अपन पहचान केँ आत्मसात करब: परमेश् वरक हाथक छाया मे शरण लेब

1. इब्रानी 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि हृदय के।

2. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

यशायाह 49:3 ओ हमरा कहलथिन, “हे इस्राएल, अहाँ हमर सेवक छी, जकरा मे हम महिमामंडित होयब।”

यशायाह के ई अंश ई दर्शाबै छै कि परमेश् वर इस्राएल कॅ अपनऽ सेवक के रूप में चुनलकै आरू ओकरा सिनी के माध्यम सें महिमामंडित होय जैतै।

1. सेवा के आह्वान: भगवान के महिमा करै वाला जीवन केना जीबै के छै

2. भगवानक प्रतिज्ञा: ई जानि जे ओ हमरा सभक प्रति अपन प्रतिबद्धताक आदर करताह

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2. भजन 115:1 - हमरा सभक लेल नहि, प्रभु, हमरा सभक नहि मुदा अहाँक नामक महिमा हो, अहाँक प्रेम आ विश्वासक कारण।

यशायाह 49:4 तखन हम कहलियनि, “हम व्यर्थ मे परिश्रम केलहुँ, अपन सामर्थ्य व्यर्थ आ व्यर्थ मे खर्च केलहुँ।

वक्ता ई बात पर अपनऽ कुंठा व्यक्त करै छै कि हुनकऽ मेहनत आरू प्रयास कोना व्यर्थ रहलऽ छै, लेकिन भरोसा करै छै कि हुनकऽ फैसला भगवान के हाथऽ में छै ।

1. भगवान निष्ठावान प्रयास के पुरस्कृत करताह

2. भगवान् पर भरोसा करबाक मूल्य

1. गलाती 6:9 - नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भ’ जायब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

2. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यशायाह 49:5 आब, जे हमरा गर्भ सँ अपन सेवक बनबाक लेल बनौलनि, जे याकूब केँ हुनका लग फेर सँ अनबाक लेल बनौलनि, से कहैत छथि, “इस्राएल जँ नहि जुटाओल जायत, मुदा हम परमेश् वरक नजरि मे महिमामंडित रहब आ हमर परमेश् वर हमर ताकत बनू।

परमेश् वर यशायाह केँ गर्भ सँ बनौलनि जे ओ अपन सेवक बनथि आ इस्राएल केँ अपना लग वापस अनथि, भले इस्राएल एखन धरि जमा नहि भेल हो। परमेश् वर यशायाहक सामर्थ् य बनताह आ यशायाह प्रभुक नजरि मे महिमामंडित हेताह।

724

1. हमर कमजोरी मे परमेश् वरक ताकत - यशायाह 49:5

2. परमेश् वरक सेवक बनब - यशायाह 49:5

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 28:7 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर मोन हुनका पर भरोसा करैत अछि, आ हमरा सहायता भेटैत अछि। हमर मोन उल्लासित अछि, आ अपन गीत सँ हम हुनका धन्यवाद दैत छी।

यशायाह 49:6 ओ कहलनि, “अहाँ याकूबक गोत्र केँ ठाढ़ करब आ इस्राएलक संरक्षित लोक केँ पुनर्स्थापित करब हमर सेवक बनि जायब, ई हल्लुक बात अछि पृथ्वीक अन्त धरि हमर उद्धार बनू।

परमेश् वर यशायाह केँ कहैत छथि जे हुनका परमेश् वरक सेवक बनबाक लेल चुनल गेल अछि आ सभ लोक, इस्राएली आ गैर-यहूदी दुनू केँ उद्धार अनबाक लेल चुनल गेल अछि।

1. परमेश् वर अहाँ केँ चुनलनि: अहाँक जीवनक लेल परमेश् वरक आह्वान केँ गले लगाब

2. मोक्षक शक्ति: एकटा अन्हार दुनिया मे प्रकाश अनब

1. यशायाह 49:6

2. रोमियो 10:14 - तखन ओ सभ ओकरा कोना बजाओत जकरा पर ओ सभ विश्वास नहि केने अछि? आ जिनकर बारे मे ओ सभ कहियो नहि सुनने छथि, हुनका पर कोना विश्वास करताह? आ बिना ककरो प्रचार केने कोना सुनत?

यशायाह 49:7 इस्राएलक मुक्तिदाता आ ओकर पवित्र परमेश् वर ई कहैत छथि, जकरा मनुष् य तिरस्कृत करैत अछि, जकरा जाति घृणा करैत अछि, शासक सभक सेवक केँ, राजा सभ देखताह आ उठताह, राजकुमार सभ सेहो आराधना करताह, कारण जे विश् वासयोग् य परमेश् वरक आ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक आ ओ अहाँ केँ चुनताह।”

इस्राएल के मुक्तिदाता परमेश् वर के राजा आरू राजकुमार सिनी द्वारा पूजल जैतै, मनुष्य के तरफ सें ओकरा पर दुर्व्यवहार के बावजूद।

1. भगवान् के बिना शर्त प्रेम

2. अप्रिय के मोक्ष देब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. यशायाह 53:4-5 - निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक दुःख केँ सहने छथि आ हमरा सभक दुःख केँ ढोने छथि; तैयो हम सभ हुनका मारल गेल, परमेश् वरक प्रहार आ दुःखित मानैत छलहुँ। मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह। हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। हुनका पर ओ दंड छल जे हमरा सभ केँ शान्ति अनलक आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

यशायाह 49:8 प्रभु ई कहैत छथि, “हम अहाँ केँ स्वीकार्य समय मे सुनलहुँ, आ उद्धारक दिन मे हम अहाँक सहायता केलहुँ। उजाड़ धरोहर के उत्तराधिकारी बनाबय लेल;

भगवान् जरूरत के समय में लोगऽ के बात सुनी क॑ मदद करलकै, आरू ओकरा संरक्षित करी क॑ ओकरा लोगऽ के एगो वाचा बनैलकै जे धरती क॑ स्थापित करतै आरू उजड़लऽ धरोहर के उत्तराधिकारी बनतै ।

1. जरूरत के समय में भगवान के अटूट मदद

2. परमेश् वरक वाचाक सामर्थ् य

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. भजन 37:25 - हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी; तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ।

यशायाह 49:9 जाहि सँ अहाँ कैदी सभ केँ कहि सकैत छी जे, “जाउ।” अन्हार मे रहनिहार सभ केँ, “अपना केँ देखाउ।” ओ सभ बाट मे भोजन करत आ ओकर चारागाह सभ ऊँच स्थान पर रहत।

परमेश् वर जेल आ अन् हार मे रहनिहार सभ केँ बाहर आबि अपन बाट मे पोषण करबाक आह्वान करैत छथि।

1. "अन्हार मे इजोत: भगवानक प्रेम कोनो बाधा केँ कोना पार क' सकैत अछि"।

2. "जीवनक रोटी: भगवानक वचन सँ पोषण कोना भेटत"।

1. यूहन्ना 8:12 - यीशु कहलनि, "हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत, से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल् कि ओकरा जीवनक इजोत भेटत।"

2. भजन 23:2 - ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शांत पानि के कात मे ल' जाइत छथि।

यशायाह 49:10 ओ सभ भूख नहि लागत आ ने प्यास। आ ने गर्मी आ ने रौद ओकरा सभ पर प्रहार करत, किएक तँ जे ओकरा सभ पर दया करत से ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, पानि केर झरना सभक कात मे ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत।”

भगवान् अपन लोकक भरण-पोषण करैत छथि आ ओकरा सुरक्षित स्थान पर ल' जाइत छथि।

1. प्रभु प्रदान करैत छथि: भगवानक दया आ रक्षा

2. प्रभुक नेतृत्वक पालन करब: परमेश्वरक निर्देशन आ मार्गदर्शन

1. भजन 23:2-3 - "ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शान्त पानिक कात मे ल' जाइत छथि, हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।"

2. मत्ती 6:25-34 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब; वा अपन शरीरक चिन्ता नहि करू, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि आ शरीर बेसी।" कपड़ा स बेसी?"

यशायाह 49:11 हम अपन सभ पहाड़ केँ बाट बना देब, आ हमर राजमार्ग सभ ऊँच भ’ जायत।

भगवान् अपन लोकक लेल बाट बनाओताह आ हुनकर बाट के सम्मान करब सुनिश्चित करताह।

1. "उच्च मार्ग: भगवान् के मार्ग पर भरोसा"।

2. "भगवानक मार्ग सँ अपन जीवन केँ ऊंचा करब"।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यशायाह 40:3-5 - एक गोटेक आवाज: जंगल मे प्रभुक लेल बाट तैयार करू; मरुभूमि मे सोझे हमरा सभक परमेश् वरक लेल राजमार्ग बनाउ। हर घाटी उभड़ल जायत, हर पहाड़ आ पहाड़ी नीचाँ कयल जायत। खुरदुरा जमीन समतल भ' जायत, उबड़-खाबड़ जगह मैदान। प्रभुक महिमा प्रगट होयत आ सभ लोक एक संग देखत। कारण, प्रभुक मुँह बाजल अछि।

यशायाह 49:12 देखू, ई सभ दूर सँ आओत, आ देखू, ई सभ उत्तर आ पश्चिम सँ आओत। आ ई सभ सिनीम देश सँ आयल अछि।

726

परमेश् वरक लोक सभ संसारक चारू दिससँ जमा होयत।

1. प्रभु के अपन लोक के लेल योजना: पुनर्स्थापन के चमत्कार

2. प्रभुक शक्ति आ प्रेम: सभ राष्ट्रक लेल आमंत्रण

1. प्रेरित 2:17-21 - सभ जाति पर पवित्र आत् माक बहाब

2. यिर्मयाह 16:14-15 - पृथ्वीक चारू कोन सँ परमेश् वरक लोक सभ केँ एकत्रित करब

यशायाह 49:13 हे आकाश, गाउ; आ हे पृथ्वी, आनन्दित रहू। हे पहाड़ सभ, गाबय मे फँसि जाउ, किएक तँ परमेश् वर अपन लोक केँ सान्त्वना देने छथि आ अपन पीड़ित पर दया करताह।

प्रभु अपन लोक केँ सान्त्वना देताह आ पीड़ित लोक पर दया करताह।

1. भगवानक दया आ आराम: सबहक लेल आशीर्वाद

2. क्लेशक समय मे आराम आनब

1. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

2. इब्रानी 4:15-16 - किएक तँ हमरा सभ लग एहन महापुरोहित नहि अछि जे हमरा सभक कमजोरी सभक प्रति सहानुभूति नहि राखि सकैत अछि, बल् कि हमरा सभ लग एहन अछि जे सभ तरहेँ परीक्षा मे पड़ल अछि, ठीक ओहिना जेना हमरा सभ केँ एखन धरि ओ पाप नहि केलक। तखन हम सभ विश्वासक संग परमेश् वरक अनुग्रहक सिंहासन लग जाइ, जाहि सँ हमरा सभ केँ दया भेटय आ जरूरतक समय मे हमरा सभक मदद करबाक कृपा भेटय।

यशायाह 49:14 मुदा सियोन कहलक, “प्रभु हमरा छोड़ि देलनि, आ हमर प्रभु हमरा बिसरि गेलाह।”

भगवान् द्वारा परित्यक्त महसूस करला के बावजूद, सिय्योन ई विश्वास में वफादार रहै छै कि भगवान ओकरा सिनी कॅ नै बिसरतै।

1. भगवान् के प्रेम बिना शर्त आ अटूट अछि

2. अपन हृदय केँ परेशान नहि होमय दियौक

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

यशायाह 49:15 की स्त्री अपन चूसैत बच्चा केँ बिसरि सकैत अछि जे ओकरा अपन गर्भक बेटा पर दया नहि हो? हँ, ओ सभ बिसरि सकैत छथि, तइयो हम अहाँ केँ नहि बिसरब।

भगवान् अपन लोक सँ प्रेम करैत छथि आ मोन पाड़ैत छथि, तखनो जखन ओ बिसरि गेल होथि।

1: भगवान् हमर सभक अनन्त पिता छथि जे हमरा सभ केँ सदिखन स्मरण करैत छथि

2: परमेश् वरक अपन लोकक प्रति अटूट प्रेम

1: यिर्मयाह 31:3 - प्रभु हमरा पहिने प्रगट भेलाह जे, “हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ, तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।”

727

2: विलाप 3:21-23 - ई बात हम अपन मोन मे मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि। प्रभु के दया के कारण छै कि हम्में भस्म नै होय जाय छियै, कैन्हेंकि हुनकऽ करुणा विफल नै होय छै। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यशायाह 49:16 देखू, हम अहाँ केँ अपन हाथक हथेली पर उकेरने छी। तोहर देबाल हमरा सोझाँ मे सदिखन रहैत अछि।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ अपन हाथक हथेली पर उकेरने छथि, आ ओ सदिखन हुनका सभक आ ओकर देबाल सभक प्रति ध्यान मे रखैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रेमपूर्ण देखभाल: यशायाह 49:16 क सुरक्षा पर चिंतन करब

2. परमेश् वरक वफादारी: यशायाह 49:16 क वाचा प्रेमक अन्वेषण

1. व्यवस्था 7:8-9 - "परमेश् वर अहाँ सभ पर अपन स्नेह रखलनि आ अहाँ सभ केँ चुनलनि, एहि लेल नहि जे अहाँ सभ आन जाति सँ बेसी संख्या मे छलहुँ, किएक तँ अहाँ सभ जाति मे सभ सँ कम छलहुँ। मुदा ई एहि लेल जे परमेश् वर अहाँ सभ सँ प्रेम कयलनि आ अहाँ सभ केँ रखलनि।" जे शपथ ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ देने छलाह।”

2. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा सभ केँ पहिने प्रकट भेलाह जे हम अहाँ सभ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; हम अहाँ सभ केँ अटूट दया सँ खींचने छी।"

यशायाह 49:17 तोहर सन्तान सभ जल्दबाजी करत। तोहर विनाशक आ तोरा उजाड़यवला सभ तोरा मे सँ निकलि जायत।”

भगवान् के लोक स्वस्थ भ जायत आ ओकर दुश्मन भगा देल जायत।

1. अतीत के छोड़ू: विश्वास में आगू बढ़ब

2. प्रतिकूलता पर काबू पाना: भगवान् मे ताकत पाना

1. यशायाह 61:3-4 सियोन मे शोक करय बला सभ केँ राखब, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य, शोकक बदला मे आनन्दक तेल, भारीपनक आत् माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देब। जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

2. रोमियो 8:28-30 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि। कारण, जकरा ओ पहिने सँ जनैत छलाह, ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्व निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय। ओ जिनका सभ केँ पहिने सँ निर्धारित कयलनि, तकरा सभ केँ सेहो बजौलनि, आ जिनका सभ केँ बजौलनि, हुनका सभ केँ सेहो धर्मी ठहरौलनि।

यशायाह 49:18 चारू कात आँखि उठा कऽ देखू। हम जीबैत छी, परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ केँ आभूषण जकाँ पहिरब आ ओकरा सभ केँ अपना पर बान्हि देब, जेना कनियाँ करैत छथि।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आशीषक कपड़ा पहिरबाक प्रतिज्ञा करैत छथि जेना कनियाँ अपना केँ अलंकरण सँ सजबैत छथि |

1. परमेश् वरक प्रवृति आ प्रचुरताक प्रतिज्ञा

2. सौन्दर्यक चित्र: आशीर्वादक वस्त्र पहिरने भगवानक लोक

1. नीतिवचन 3:9-10 - अपन धन आ अपन सभ उपज सँ पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू। तखन अहाँक कोठी सभ भरि मे भरि जायत, आ अहाँक कुटी मे मदिरा फाटि जायत।

2. भजन 103:1-5 - हे हमर आत्मा, आ हमरा भीतर जे किछु अछि, प्रभुक आशीष करू, हुनकर पवित्र नामक आशीर्वाद करू! हे हमर प्राण, परमेश् वरक आशीष करू आ हुनकर सभटा उपकार नहि बिसरि जाउ,

[illegible]

[illegible] 49:19 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 61:4 - "[illegible]"

2. [illegible] 126:1 - "[illegible]"

[illegible] 49:20 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 8:28 - [illegible]

2. 1 [illegible] 5:7 - [illegible]

[illegible] 49:21 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 19:26 - [illegible]

2. [illegible] 42:2 - [illegible]

[illegible] 49:22 [illegible]

परमेश् वर प्रतिज्ञा करैत छथि जे ओ गैर-यहूदी सभक समक्ष अपन हाथ उठौताह आ लोक सभक लेल अपन खजाना ठाढ़ करताह, जाहि सँ ओ सभ हुनका लग बच्चा सभ केँ आनि सकथि।

1. परमेश् वरक सभक प्रति बिना शर्त प्रेम - यशायाह 49:22

2. विश्वास करबाक शक्ति - यशायाह 49:22

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. रोमियो 10:13 - कारण जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटत।

यशायाह 49:23 राजा सभ तोहर दूध पियाबय बला पिता आ ओकर रानी तोहर दूध पियाओत। अहाँ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।

ई अंश परमेश् वर के प्रभुत्व आरू राजा-रानी सिनी के तरफ सें भी जे श्रद्धा के बात करै छै, ओकरऽ बात करै छै ।

1. पृथ्वी के राजा-रानी प्रभु के प्रति श्रद्धा के ऋणी छैथ

2. हम प्रभु के प्रति अपन श्रद्धा कोना व्यक्त क सकैत छी

1. भजन 2:10-11 - "तेँ, हे राजा सभ, आब बुद्धिमान बनू। हे पृथ्वीक शासक सभ, सावधान रहू। भय सँ प्रभुक सेवा करू बाट मे नाश भ’ जाउ, किएक तँ ओकर क्रोध जल्दी भड़कि जाइत छैक। धन्य अछि सभ जे हुनकर शरण मे रहैत अछि।”

2. रोमियो 14:11 - "किएक तँ लिखल अछि जे, “हम जीबैत छी, प्रभु कहैत छथि, सभ ठेहुन हमरा प्रणाम करत, आ सभ जीह परमेश् वरक समक्ष स्वीकार करत।"

यशायाह 49:24 की पराक्रमी सभ सँ शिकार छीन लेल जायत आ कि विधिवत बंदी केँ बचाओल जायत?

एहि अंश मे शक्तिशाली लोकक सम्पत्ति छीनबाक बात कयल गेल अछि, आ वैध रूप सँ बंदी केँ मुक्त करबाक बात कयल गेल अछि |

1. भगवान् के न्याय: कमजोर आ उत्पीड़ित के सशक्त बनाबय के

2. भगवानक सार्वभौमिकता: बंदी सभकेँ मुक्त करब

1. निष्कासन 3:7-9 - प्रभु कहलथिन, “हम मिस्र मे अपन लोकक कष्ट देखलहुँ आ ओकर सभक काजक मालिक सभक कारणेँ ओकर पुकार सुनलहुँ। कारण, हम हुनका सभक दुःख केँ जनैत छी। हम ओकरा सभ केँ मिस्रवासी सभक हाथ सँ बचाबय लेल उतरल छी आ ओहि देश सँ ओकरा सभ केँ नीक देश आ पैघ देश मे, दूध आ मधु सँ बहय बला देश मे ल’ जेबाक लेल उतरलहुँ अछि। कनान, हित्ती, अमोरी, फरीज, हिवी आ यबूसीक स्थान धरि।

2. लूका 4:18-19 - प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल पठौलनि अछि, बंदी सभ केँ उद्धार करबाक प्रचार करबाक लेल आ आन्हर सभ केँ दृष्टि ठीक होयबाक प्रचार करबाक लेल, क्षतिग्रस्त लोक सभ केँ मुक्त करबाक लेल, प्रभुक स्वीकार्य वर्षक प्रचार करबाक लेल।

यशायाह 49:25 मुदा परमेश् वर ई कहैत छथि जे, पराक्रमी सभक बंदी सभ सेहो दूर भ’ जायत आ भयंकर लोकक शिकार सेहो मुक्त भ’ जायत।

भगवान् वादा करै छै कि जेकरा शक्तिशाली लोगऽ द्वारा कैद करी देलऽ गेलऽ छै, ओकरा छीनी देलऽ जैतै आरू जे विपत्ति में पड़लऽ छै, ओकरऽ संतान के बचाबै के छै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे उद्धार करत - यशायाह 49:25
730

2. परमेश् वरक प्रेमक शक्ति - यशायाह 49:25

1. निष्कासन 14:14 - "प्रभु तोरा लेल लड़ताह; अहाँ केँ मात्र शान्त रहबाक आवश्यकता अछि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 49:26 हम अहाँ पर अत्याचार करयवला सभ केँ अपन शरीर सँ पोसब। ओ सभ अपन खून सँ नशा मे धुत्त भ’ जेताह, जेना मीठ मदिरा मे, आ सभ मांस बुझत जे हम परमेश् वर तोहर उद्धारकर्ता आ तोहर मुक्तिदाता छी, याकूबक पराक्रमी।”

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि जे लोग अपनऽ लोगऽ क॑ अत्याचार करै छै, ओकरा सिनी क॑ अपनऽ मांस स॑ पेट भरतै आरू ओकरा अपनऽ खून स॑ मीठऽ शराब के तरह नशा म॑ धुत्त करी देतै, ताकि सब मांस क॑ पता चल॑ सक॑ कि हुनी ओकरऽ उद्धारकर्ता आरू मुक्तिदाता छै, याकूब केरऽ पराक्रमी छै ।

1. प्रभु के मोक्षदायक आशीर्वाद अपन लोक के लेल

2. अत्याचारी के विरुद्ध प्रभु के न्याय

२.

2. यशायाह 59:20 - मुक्तिदाता सियोन मे आबि जेताह, याकूब मे जे लोक अपन पाप पर पश्चाताप करैत छथि, प्रभु कहैत छथि।

यशायाह अध्याय 50 प्रभु के सेवक के आज्ञाकारिता आरू कष्ट पर केंद्रित छै, जेकरा इस्राएल आरू यीशु मसीह के पूर्वाभास दूनू के रूप में पहचानलौ गेलौ छै। ई सेवक के परमेश् वर पर भरोसा आरू हुनको निंदा के आश्वासन के उजागर करै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत प्रभु के सेवक के बोलला स होय छै, जेकरा में परमेश्वर के उद्धार करै के शक्ति आरू अनुशासन के अधिकार के स्वीकार करलऽ जाय छै। सेवक परमेश् वरक मदद पर भरोसा करैत अपन आज्ञाकारिता आ दुख सहबाक इच्छुकताक घोषणा करैत अछि (यशायाह 50:1-11)।

2nd Paragraph: अध्याय में प्रभु के भय आ अन्हार में चलय वाला के बीच के विपरीत पर जोर देल गेल अछि | ई प्रभु पर भरोसा करै वाला सिनी कॅ प्रोत्साहित करै छै कि वू हुनकऽ नाम पर भरोसा करै आरू हतोत्साहित नै होय (यशायाह 50:10-11)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पचास अध्याय प्रकट करैत अछि
सेवक के आज्ञाकारिता आ दुख,
प्रभु पर भरोसा करबाक प्रोत्साहन।

सेवक केरऽ स्वीकृति भगवान केरऽ शक्ति केरऽ उद्धार आरू अनुशासन ।
आज्ञाकारिता आ दुख सहबाक इच्छाक घोषणा।
प्रभु के भयभीत करय वाला आ अन्हार मे रहय वाला के बीच विपरीत।
प्रभु पर भरोसा करबाक आ हतोत्साहित नहि हेबाक प्रोत्साहन।

ई अध्याय प्रभु के सेवक के आज्ञाकारिता आरू कष्ट पर केंद्रित छै, जेकरा इस्राएल आरू यीशु मसीह के पूर्वाभास दूनू के रूप में पहचानलौ गेलौ छै। सेवक परमेश् वर के मदद पर भरोसा करतें हुवें परमेश् वर के उद्धार करै के शक्ति आरू अनुशासन के अधिकार कॅ स्वीकार करै छै, अपनऽ आज्ञाकारिता आरू कष्ट सहै के इच्छुकता के घोषणा करै छै। अध्याय में प्रभु के भय आ अन्हार में चलय वाला के बीच के विपरीत पर जोर देल गेल अछि | ई प्रभु पर भरोसा करै वाला क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू हुनकऽ नाम प॑ भरोसा करै आरू हतोत्साहित नै होय । अध्याय में सेवक के परमेश् वर पर भरोसा, ओकरोॅ कष्ट सहै के इच्छुकता आरू परमेश् वर के सही ठहराबै के आश्वासन पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै। ई विश्वासी सिनी लेली भी प्रोत्साहन के काम करै छै कि

वू प्रभु पर भरोसा करै आरू हतोत्साहित नै होय, ई जानी क॑ कि हुनी वफादार छै आरू कठिनाई के समय म॑ मदद करतै ।

यशायाह 50:1 प्रभु ई कहैत छथि, “अहाँक मायक तलाकक बिल कतय अछि, जकरा हम छोड़ि देने छी? वा हमर कोन लेनदार अछि जकरा हम अहाँ केँ बेचने छी? देखू, अहाँ सभ अपन अधर्मक कारणेँ अपना केँ बेचि लेलहुँ आ अहाँ सभक अपराधक कारणेँ अहाँ सभक माय केँ छोड़ि देल गेल अछि।

भगवान् एहि बात पर सवाल ठाढ़ करैत छथि जे लोक केँ हुनका सँ दूर किएक राखल गेल अछि, ई कहैत जे हुनकर अधर्मक कारणेँ हुनका हुनका सँ अलग कयल गेल अछि |

1. अपना केँ छोट नहि बेचू: यशायाह 50:1 पर क

2. उल्लंघन के लागत: यशायाह 50:1 पर क

1. गलाती 3:13 -मसीह हमरा सभ केँ व्यवस्थाक अभिशाप सँ मुक्त कयलनि, हमरा सभक लेल अभिशाप बनि गेलाह।

2. रोमियो 6:23 -किएक तँ पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

यशायाह 50:2 जखन हम आयल रही तखन की केओ नहि छल? जखन हम फोन केलहुं त' कियो जवाब देबय वाला नहि छल? हमर हाथ एकदम छोट भ' गेल अछि, जे ओ छुटकारा नहि द' सकैत अछि? आकि हमरा कोनो शक्ति नहि अछि जे हम छुड़ा सकब? देखू, हमर डाँट पर हम समुद्र केँ सुखा दैत छी, नदी सभ केँ जंगल बना दैत छी।

प्रभु सवाल उठै छै कि ओकरऽ आह्वान के जवाब कोय भी नै द॑ रहलऽ छै आरू ओकरऽ मुक्ति आरू उद्धार करै के शक्ति के पुष्टि करै छै ।

1. प्रभु बजा रहल छथि - की हम सभ सुनैत छी?

2. प्रभुक मुक्ति आ उद्धार करबाक शक्ति

1. यशायाह 40:29 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि; जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2. भजन 145:18-19 - प्रभु जे हुनका पुकारैत छथि, हुनका सत् य मे पुकारनिहार सभक नजदीक छथि। जे हुनका सँ डरैत छथि, हुनकर इच्छा पूरा करताह; ओहो हुनका सभक पुकार सुनि ओकरा सभ केँ बचाओत।

यशायाह 50:3 हम आकाश केँ कारी रंगक कपड़ा पहिरैत छी आ बोरा केँ ओकर आवरण बना दैत छी।

भगवान् वैह छथि जे आकाश केँ अन्हार क' सकैत छथि आ ओकरा बोरा मे झाँपि सकैत छथि।

1. भगवानक शक्ति: सर्वशक्तिमानक सार्वभौमत्व केँ बुझब

2. विश्वासक शक्ति: भगवानक कवच कोना पहिरल जाय

1. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

2. इफिसियों 6:10-17 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब। कारण, हम सभ मांस-मज्जा सँ नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान सभ मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी। तेँ परमेश् वरक समस्त कवच धारण करू जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन

732

मे सहन कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भऽ सकब। तेँ सत्यक पट्टी बान्हि कऽ, धार्मिकताक छाती पहिरने आ अपन पएरक जूता जकाँ शान्तिक सुसमाचार द्वारा देल गेल तत्परता पहिरि कऽ ठाढ़ रहू। सब परिस्थिति में विश्वास के ढाल उठाउ, जाहि स अहाँ दुष्ट के सब ज्वालामुखी बाण के बुझा सकैत छी; आ उद्धारक हेलमेट आ आत् माक तलवार, जे परमेश् वरक वचन अछि, लऽ लिअ।

यशायाह 50:4 प्रभु परमेश् वर हमरा विद्वानक जीह देने छथि, जाहि सँ हम थकल लोक केँ समय मे एक शब्द बाजब बुझि सकब।

प्रभु यशायाह क॑ थकलऽ लोगऽ क॑ प्रोत्साहन के शब्द बोलै के क्षमता देल॑ छै आरू यशायाह के कान जगैलकै कि वू बुद्धिमानऽ के बात सुन॑ ।

1. भगवान् केँ अहाँक माध्यम सँ बजय दियौक: प्रोत्साहनक शक्ति केँ आत्मसात करब

2. भगवान् के आह्वान के प्रति जागना: ज्ञानी के बात सुनना

१.

2. नीतिवचन 1:5 - बुद्धिमान सुनय आ सीखय मे बढ़य, आ बुझय वाला के मार्गदर्शन भेटय।

यशायाह 50:5 प्रभु परमेश् वर हमर कान खोललनि, आ हम विद्रोही नहि भेलहुँ आ ने पाछू घुमलहुँ।

भगवान् वक्ता के कान खोलि क' हुनका अपन आज्ञा सुनय आ ओकर पालन करय मे सक्षम बना देने छथिन्ह.

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के वचन केना सुनल जाय आ ओकर पालन करब

2. पालन करबाक ताकत: विश्वास मे बढ़ब आ प्रलोभन के विरोध करब

1. याकूब 1:22 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

यशायाह 50:6 हम अपन पीठ पीठ मारनिहार सभ केँ देलियैक, आ अपन गाल केश तोड़निहार सभ केँ देलियैक।

भगवान् अपना केँ एतेक नम्र बना लेलनि जे शारीरिक पीड़ा आ अपमान सहलनि।

1. मसीह के विनम्रता के उदाहरण

2. दुख मे सहनशक्तिक शक्ति

1. फिलिप्पियों 2:8 - आ मनुखक रूप मे भेटला सँ ओ मृत्युक सीमा धरि आज्ञाकारी भ' क' अपना केँ नम्र भ' गेलाह, क्रूस पर मृत्यु धरि।

2. 1 पत्रुस 2:19-21 - जँ कियो परमेश् वरक प्रति सजग रहबाक कारणेँ अन्यायपूर्ण कष्टक पीड़ा सहन करैत अछि तँ ई सराहनीय अछि। मुदा गलत काज केला पर मारि-पीट भेटैत अछि आ ओकरा सहैत छी त' अहाँक श्रेय कोना होयत? मुदा जँ अहाँ सभ नीक काज करबाक लेल कष्ट उठाबैत छी आ ओकरा सहैत छी तँ ई बात परमेश् वरक समक्ष सराहनीय अछि। कारण, अहाँ सभ एहि लेल बजाओल गेल छी, किएक तँ मसीह सेहो अहाँ सभक लेल कष्ट भोगि कऽ अहाँ सभ केँ एकटा उदाहरण छोड़ि कऽ अहाँ सभ हुनकर कदम पर चलब।

यशायाह 50:7 कारण, प्रभु परमेश् वर हमर सहायता करताह। तेँ हम लज्जित नहि होयब।

यशायाह ई जानि क’ जे परमेश् वर हुनका संग रहताह आ हुनकर मदद करताह, अपन विश् वास मे अडिग रहबाक लेल दृढ़ संकल्पित छथि।

1. विश्वास मे अचल रहू: परमेश् वरक सहायता पर भरोसा करब

2. धैर्य के साथ चुनौती के सामना करू: भगवान के जानब जे अहाँक संग छथि

1. याकूब 1:12 - धन्य अछि ओ आदमी जे परीक्षा मे अडिग रहत, कारण जखन ओ परीक्षा मे ठाढ़ रहत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 50:8 ओ लग मे छथि जे हमरा धर्मी ठहरबैत छथि। हमरासँ के झगड़ा करत? हम सभ एक संग ठाढ़ भ’ जाइ: हमर शत्रु के अछि? हमरा लग आबि जाय।

परमेश् वर नजदीक छथि आ हमरा सभ केँ धर्मी ठहराबय लेल तैयार छथि; जखन हमरा सभकेँ चुनौती भेटत तखन ओ हमरा सभक संग ठाढ़ हेताह।

1. परमेश् वर हमर सभक धर्मी छथि - यशायाह 50:8

2. विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब - यशायाह 50:8

1. फिलिप्पियों 1:6 - एहि बात पर भरोसा राखू जे जे अहाँ सभ मे नीक काज शुरू केने छथि, ओ मसीह यीशुक दिन धरि ओकरा पूरा करबाक लेल आगू बढ़बैत रहताह।

2. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यशायाह 50:9 देखू, प्रभु परमेश् वर हमर सहायता करताह। के अछि जे हमरा दोषी ठहराओत? देखू, सभ वस्त्र जकाँ बूढ़ भ’ जायत। पतंग ओकरा सभ केँ खा जायत।

प्रभु परमेश् वर हमरा सभक सहायता करताह आ कियो हमरा सभक विरुद्ध न्याय मे ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि, किएक त' सभ सांसारिक वस्तु वस्त्र जकाँ फीका भ' जायत।

1. प्रभु हमर सहायक छथि: जीवनक संघर्ष मे भगवान पर भरोसा करब

2. स्थायी की अछि?: परमेश्वरक प्रतिज्ञाक स्थायी प्रकृति

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यशायाह 50:10 अहाँ सभ मे के अछि जे प्रभु सँ डेरैत अछि, जे अपन सेवकक आवाज मानैत अछि, जे अन्हार मे चलैत अछि आ ओकरा मे इजोत नहि अछि? ओ परमेश् वरक नाम पर भरोसा राखय आ अपन परमेश् वर पर रहय।

जे प्रभु के भय आ हुनकर आज्ञा के पालन करैत छथि, अन्हार के समय में सेहो, हुनका प्रभु पर भरोसा राखय के चाही आ हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

1. प्रभु पर्याप्त छथि: अनिश्चितताक समय मे प्रभु पर कोना भरोसा कयल जाय

2. अन्हार मे इजोत: कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ विश्वासक संग मित्रता करू। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।"

यशायाह 50:11 देखू, अहाँ सभ जे आगि जराबैत छी, जे चिंगारी सँ अपना केँ चारू कात घुमैत छी। ई अहाँ सभक हाथ सँ होयत। अहाँ सभ दुःख मे पड़ल रहब।

जे आगि जरा क चिंगारी सॅं घेरने छथि, हुनका भगवान् चेताबैत छथि, जे एकर परिणामस्वरूप हुनका सभ केँ दुख भ' जेतनि।

1. "आगि सँ खेलबाक खतरा"।

2. "अवज्ञा के परिणाम"।

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

2. याकूब 1:14-15 - मुदा प्रत्येक आदमी परीक्षा मे पड़ैत अछि, जखन ओ अपन इच्छा सँ दूर भ’ जाइत अछि आ लोभित भ’ जाइत अछि। तखन जखन काम-वासना गर्भ मे आबि जाइत अछि तखन पाप उत्पन्न करैत अछि, आ पाप समाप्त भेला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।

यशायाह अध्याय 51 इस्राएल के लोगऽ क॑ प्रभु पर भरोसा करै लेली आरू हुनकऽ प्रतिज्ञा म॑ सांत्वना पाबै लेली प्रोत्साहित करै छै। ई परमेश् वर के निष्ठा, उद्धार करै के हुनकऽ शक्ति आरू हुनकऽ लोगऽ के पुनर्स्थापन पर जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा आह्वान स होइत अछि जे अब्राहम आ सारा के परमेश्वर के विश्वास के उदाहरण के रूप में देखबाक चाही। ई लोगऽ क॑ धार्मिकता आरू उद्धार के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि परमेश्वर के नियम आरू न्याय प्रबल होतै (यशायाह ५१:१-८)।

2 पैराग्राफ: अध्याय इस्राएल के लोग कॅ आश्वस्त करै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ सान्त्वना देतै आरू ओकरा छुटकारा दै छै। ई हुनकऽ उद्धार करै के शक्ति आरू हुनकऽ वाचा के प्रतिज्ञा के प्रति हुनकऽ निष्ठा पर प्रकाश डालै छै । ई लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू हुनका पर भरोसा करै आरू मनुष्य केरऽ निंदा स॑ नै डरै (यशायाह ५१:९-१६)।

३ पैराग्राफ: अध्याय के समापन जागऽ आरू उठै के आह्वान के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश्वर के उद्धार आरू धार्मिकता नजदीक छै । ई लोगऽ क॑ प्रभु क॑ याद करै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू निराश नै होय छै, कैन्हेंकि वू मुक्ति आरू पुनर्स्थापना आबै वाला छै (यशायाह ५१:१७-२३)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह एकवन अध्याय प्रकट करैत अछि
प्रभु पर भरोसा करबाक प्रोत्साहन,
आराम आ मोक्षक आश्वासन।

धर्म आ उद्धारक खोज करबाक लेल आह्वान करू, परमेश् वरक न्याय पर भरोसा करू।
परमेश्वर के शक्ति के आश्वासन आरू हुनकऽ प्रतिज्ञा के प्रति निष्ठा।
जागय के लेल, प्रभु के याद करय लेल आ हुनकर उद्धार में सांत्वना पाय लेल प्रोत्साहन।

ई अध्याय इस्राएल के लोग सिनी कॅ प्रभु पर भरोसा करै लेली आरू हुनको प्रतिज्ञा में सान्त्वना पाबै लेली प्रोत्साहित करै छै। ई ओकरा सिनी कॅ परमेश् वर के वफादारी के उदाहरण के रूप में अब्राहम आरू सारा के तरफ देखै लेली बोलै छै आरू ओकरा सिनी कॅ धार्मिकता आरू उद्धार के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै। अध्याय लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी क॑ दिलासा दै छै आरू ओकरा छुटकारा दै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ उद्धार करै के शक्ति

आरू हुनकऽ वाचा के प्रतिज्ञा के प्रति हुनकऽ निष्ठा प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई हुनका हुनका पर भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू मनुष्य के निंदा स॑ नै डरै छै । अध्याय के समापन जागै के आरू उठै के आह्वान के साथ होय छै, जेकरा में लोग सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि परमेश् वर के उद्धार आरू धार्मिकता नजदीक छै। ई ओकरा सिनी कॅ प्रभु के याद करै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू निराश नै होय छै, कैन्हेंकि वू मुक्ति आरू पुनर्स्थापना आबै वाला छै। अध्याय में प्रभु पर भरोसा के महत्व, हुनकऽ निष्ठा, आरू आराम आरू मोक्ष के आश्वासन पर जोर देलऽ गेलऽ छै जे हुनी प्रदान करै छै ।

यशायाह 51:1 अहाँ सभ जे धार्मिकताक पाछाँ चलैत छी, अहाँ सभ जे प्रभुक खोज करैत छी, हमर बात सुनू।

ई अंश धर्म के खोज करै वाला सिनी कॅ आह्वान करै छै कि वू अपनऽ मूल के तरफ आरू प्रभु के तरफ देखै।

1: "चट्टान आ गड्ढा सँ: भगवान मे हमर उत्पत्ति"।

२: "धर्मक खोज: अपन जड़ि केँ स्मरण करबाक आह्वान"।

1: व्यवस्था 32:3-4 - "किएक तँ हम परमेश् वरक नाम प्रचार करब। अहाँ सभ हमरा सभक परमेश् वर केँ महानता दिअ। ओ चट्टान छथि, हुनकर काज सिद्ध अछि अधर्म, न्यायी आ सही अछि ओ।"

2: भजन 40:2 - "ओ हमरा एकटा भयावह गड्ढा सँ, दलदली माटि सँ उतारलनि, आ हमर पैर एकटा चट्टान पर राखि हमर यात्रा केँ स्थापित कयलनि।"

यशायाह 51:2 अहाँक पिता अब्राहम आ सारा दिस देखू जे अहाँ सभ केँ जन्म देलनि, किएक तँ हम हुनका असगरे बजा कऽ हुनका आशीर्वाद देलियनि आ हुनका बढ़ा देलियनि।

अब्राहम आ सारा केँ परमेश् वर पर विश् वास आ भरोसाक उदाहरणक रूप मे देखू।

1. परमेश् वरक आह्वानक पालन करबाक शक्ति

2.परमेशवरक प्रतिज्ञा जे हुनका पर भरोसा करैत छथि

1. इब्रानी 11:8-10 - "विश्वास सँ अब्राहम ओहि स्थान पर जेबाक लेल बजाओल गेलाह, जाहि ठाम हुनका उत्तराधिकारक रूप मे भेटतनि, तखन ओ बाहर निकलि गेलाह प्रतिज्ञाक देश जेना परदेश मे रहैत छल, इसहाक आ याकूबक संग डेरा मे रहैत छल, जे हुनका संग ओहि प्रतिज्ञाक उत्तराधिकारी छल, किएक तँ ओ ओहि नगरक प्रतीक्षा करैत छल जकर नींव अछि, जकर निर्माता आ निर्माता परमेश् वर छथि |”

२ उत्तराधिकारी, विश् वास अमान्य भऽ जाइत अछि आ प्रतिज्ञा बेकार भऽ जाइत अछि, किएक तँ धर्म-नियम क्रोध उत्पन्न करैत अछि, किएक तँ जतऽ व्यवस्था नहि अछि, ओतय कोनो उल्लंघन नहि होइत अछि सभ वंशज केँ मात्र धर्म-नियमक लोक सभक लेल नहि, बल् कि अब्राहमक विश् वास मे रहनिहार सभ केँ सेहो, जे हमरा सभक पिता छथि बहुत रास राष्ट्र) हुनकर सान्निध्य मे जिनका पर ओ परमेश् वर पर विश् वास केने छलाह, जे मृत् यु केँ जीवित करैत छथि आ जे किछु नहि अछि तकरा एना कहैत छथि जेना ओ सभ अछि |"

यशायाह 51:3 कारण, परमेश् वर सियोन केँ सान्त्वना देताह, ओ ओकर सभ उजाड़ स्थान केँ सान्त्वना देताह। ओकर जंगल अदन जकाँ आ ओकर मरुभूमि केँ परमेश् वरक बगीचा जकाँ बनाओत। ओहि मे आनन्द आ आनन्द, धन्यवाद आ रागक आवाज भेटत।

प्रभु सिय्योन में सान्त्वना लानै छै आरू उजाड़पन के आनन्द आरू आनन्द के स्वर्ग में बदली देतै।

1. परमेश् वरक दिव्य आराम आ पुनर्स्थापन

2. प्रभुक बगीचा मे आनन्द आ आनन्द

1. लूका 4:18-19 - "प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि; ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल, बंदी सभ केँ मुक्ति आ ठीक होयबाक प्रचार करबाक लेल पठौलनि।" आन्हर सभ केँ देखबाक लेल, जे चोट खा गेल अछि ओकरा मुक्त करबाक लेल। प्रभुक स्वीकार्य वर्षक प्रचार करबाक लेल।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 51:4 हमर लोक सभ, हमर बात सुनू। हे हमर जाति, हमरा पर कान करू, किएक तँ हमरा सँ एकटा नियम निकलत आ हम लोकक इजोतक रूप मे अपन न् याय केँ शान्त कऽ देब।”

परमेश् वर अपन लोक आ राष्ट्र केँ आवाज दैत छथि, हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ अपन नियमक माध्यम सँ न्याय आ प्रकाश अनताह।

1. परमेश् वर बजा रहल छथि: प्रभुक वचन पर ध्यान दियौक

2. परमेश् वरक प्रकाश: न्यायक लेल हुनकर नियमक पालन करब

1. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओहि लोक सभ केँ जे ओ अपन उत्तराधिकारक रूप मे चुनने छथि।

2. यूहन्ना 8:12 - जखन यीशु फेर लोक सभ सँ बात केलनि, तखन ओ कहलनि, “हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल्कि ओकरा जीवनक इजोत भेटतैक।

यशायाह 51:5 हमर धार्मिकता नजदीक आबि गेल अछि। हमर उद्धार चलि गेल अछि, आ हमर बाँहि लोक सभक न्याय करत। द्वीप सभ हमरा प्रतीक्षा करत आ हमर बाँहि पर भरोसा करत।

प्रभु लग मे छथि आ उद्धार भेटि गेलनि, जेना हुनकर बाँहि लोकक न्याय करत। द्वीप मे जे सब छथि ओ प्रभुक प्रतीक्षा करत आ हुनकर बाँहि पर भरोसा राखत।

1. प्रभु नजदीक छथि: परमेश् वरक धार्मिकता पर भरोसा करब

2. उद्धार एतय अछि: परमेश्वरक बाँहि मे आराम आ विश्वास भेटब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 62:8 - हे लोक सभ, हुनका पर हरदम भरोसा करू; हुनका सामने अपन मोन उझलि दियौक। भगवान् हमरा सभक लेल शरण छथि।

यशायाह 51:6 आकाश दिस आँखि उठाउ आ नीचाँक पृथ्वी दिस देखू, कारण आकाश धुँआ जकाँ विलुप्त भ’ जायत, आ पृथ्वी वस्त्र जकाँ बूढ़ भ’ जायत, आ ओहि मे रहनिहार सभ सेहो ओहिना मरि जायत हमर उद्धार अनन्त काल धरि रहत, आ हमर धार्मिकता समाप्त नहि होयत।

1: हमरा सभक आसपासक संसारक क्षणिक स्वभाव सँ हतोत्साहित नहि होउ, कारण परमेश् वरक उद्धार आ धार्मिकता अनन्त अछि आ कहियो गायब नहि होयत।

2: एकटा एहन दुनिया के बीच जे निरंतर बदलैत रहैत अछि, भगवान के धार्मिकता आ उद्धार एकटा अटल चट्टान बनल अछि जाहि पर हम सब भरोसा क सकैत छी।

1: इब्रानी 13:8 - यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

2: भजन 145:13 - तोहर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ तोहर प्रभु सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि।

यशायाह 51:7 अहाँ सभ जे धार्मिकता केँ जनैत छी, ओ लोक सभ, जिनकर हृदय मे हमर व्यवस्था अछि, हमर बात सुनू। मनुष् यक अपमान सँ नहि डेराउ आ ने ओकर निन्दा सँ डेराउ।

737

हमरा सभ केँ दोसरक आलोचना सँ नहि डरबाक चाही, बल्कि ओहि दिस देखबाक चाही जिनकर हृदय मे धार्मिकता छनि आ परमेश् वरक नियमक पालन करैत छथि।

1. अलग रहबाक हिम्मत करू: प्रतिकूलताक सामना करैत अपन मान्यताक लेल ठाढ़ रहब।

2. डर नहि: दोसरक आलोचना पर विजय प्राप्त करबाक लेल भगवानक शक्ति पर भरोसा करब।

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभक प्रतिक्रिया मे की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यशायाह 51:8 किएक तँ पतंग ओकरा सभ केँ वस्त्र जकाँ खा जायत, आ कीड़ा ओकरा सभ केँ ऊन जकाँ खा जायत, मुदा हमर धार्मिकता अनन्त काल धरि रहत आ हमर उद्धारक पीढ़ी-दर-पीढ़ी रहत।

परमेश् वरक धार्मिकता आ उद्धार पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलत, जखन कि सांसारिक वस्तु सभ अंततः पतंग आ कीड़ा-मकोड़ा द्वारा भस्म भ' जायत।

1. पार्थिव वस्तुक अनित्यता: भगवानक अनन्त प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक धार्मिकताक अपरिवर्तनीय प्रकृति: उद्धारक लेल हमर सभक आशा

1. भजन 103:17 - मुदा प्रभुक अडिग प्रेम अनन्त सँ अनन्त धरि हुनका सँ डरय बला लोक पर अछि।

2. रोमियो 10:8-10 - मुदा ई की कहैत अछि? वचन अहाँक लग, अहाँक मुँह मे आ अहाँक हृदय मे अछि (अर्थात विश्वासक वचन जे हम सभ प्रचार करैत छी)। कारण, जँ अहाँ अपन मुँह सँ स्वीकार करब जे यीशु प्रभु छथि आ अपन हृदय मे विश्वास करब जे परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जीबि उठौलनि, तँ अहाँ उद्धार पाबि लेब। हृदय सँ विश्वास करैत अछि आ धर्मी ठहराओल जाइत अछि, आ मुँह सँ स्वीकार करैत अछि आ उद्धार पाबैत अछि।

यशायाह 51:9 हे प्रभुक बाँहि, जागू, जागू, ताकत लगाउ। जागल, जेना प्राचीन काल मे, पुरान पीढ़ी मे। की अहाँ ओ नहि छी जे राहाब केँ काटि कऽ अजगर केँ घायल कय देलहुँ?

प्रभु जनता स आग्रह क रहल छथि जे जागू आ याद करू जे कोना ओ पहिने राहाब कए काटि कए अजगर कए घायल कएने छथि।

1. प्रभु के आह्वान: हुनकर पराक्रम के स्मरण करब

2. प्रभुक शक्तिक प्रति जागरूक: हुनक शक्तिक चिंतन

1. भजन 89:10 - "अहाँ राहाब केँ मारल गेल आदमी जकाँ टुकड़ा-टुकड़ा क' देलहुँ; अपन मजबूत बाँहि सँ अपन शत्रु सभ केँ तितर-बितर क' देलहुँ।"

2. यशायाह 27:1 - "ओहि दिन परमेश् वर अपन घोर आ पैघ आ मजगूत तलवार सँ भेदक साँप केँ लेवियाथन केँ सजा देताह, ओ टेढ़ साँप केँ लेवियाथन केँ दंडित करताह, आ समुद्र मे अछि अजगर केँ मारि देताह।"

यशायाह 51:10 की अहाँ ओ नहि छी जे समुद्र केँ सुखा देने छी, जे बहुत गहींर मे पानि अछि। जे समुद्रक गहराई केँ मुक्तिदाता सभक ओहि पार सँ गुजरबाक बाट बना देने अछि?

परमेश् वर समुद्र केँ सुखाय देलनि आ मुक्तिदाता सभक लेल पार करबाक बाट बनौलनि।

1) भगवान् हमर उद्धारक छथि आ हमरा सभक आवश्यकताक समय मे हमरा सभक लेल दरबज्जा खोलि सकैत छथि। 2) भगवान पर भरोसा करू जे ओ विपत्तिक समय मे पलायन के रास्ता उपलब्ध कराबथि।
738

1) निष्कासन 14:21-22 - जखन इस्राएली सभ लाल सागर मे छल तखन परमेश् वर हुनका सभक लेल बचबाक बाट खोललनि। 2) भजन 107:23-26 - परमेश् वर अपन लोक सभ केँ ओकर विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

यशायाह 51:11 तेँ परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ घुरि कऽ आबि जेताह आ गाबि गाबि सिय्योन आबि जेताह। हुनका सभक माथ पर अनन्त आनन्द रहतनि। आ शोक आ शोक भागि जायत।

परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ खुशी-खुशी सियोन घुरि जेताह। अनन्त आनन्द आ आनन्दक अनुभव करताह, जखन कि शोक आ शोक समाप्त भ' गेलनि।

1. परमेश् वरक मोक्ष: आनन्द आ आनन्दक अनुभव करब

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे आनन्दित रहब

1. भजन 30:11 - "अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ। हमर बोरा उतारलहुँ आ हमरा खुशी सँ कमरबंद क' लेलहुँ।"

2. रोमियो 8:18-19 - "किएक तँ हम ई बुझैत छी जे वर्तमान समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रकट होयत भगवान् के पुत्र।"

यशायाह 51:12 हम, हमहीं छी जे अहाँ सभ केँ सान्त्वना दैत छी, अहाँ के छी जे अहाँ मरय बला आदमी आ घास जकाँ मनुखक बेटा सँ डरब।

भगवान् हमरा सब के दिलासा दै छै आरू याद दिलाबै छै कि मनुष्य क्षणिक छै आरू अंततः गुजरी जैतै।

1. अनिश्चितताक समय मे प्रभु मे आराम भेटब

2. मनुष्य के क्षणिकता: भगवान के अनन्त प्रेम में ताकत पाना

1. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत, आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाओल जायत; यद्यपि... ओकर पानि गर्जैत अछि आ त्रस्त भ' जाइत अछि, यद्यपि ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।"

2. इब्रानी 13:5-6 "अहाँ सभक गप्प-सप्प मे लोभ नहि हो। आ अहाँ सभक जे किछु अछि ताहि मे संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। जाहि सँ हम सभ निर्भीकता सँ कहि सकब जे, "प्रभु।" हमर सहायक छथि, आ हम एहि बात सँ डरब नहि जे मनुष्य हमरा संग की करत।”

यशायाह 51:13 आ अहाँक निर्माता यहोवा केँ बिसरि जाउ जे आकाश केँ पसारि देलनि आ पृथ्वीक नींव रखलनि। आ अत्याचारी के क्रोध के कारण रोज लगातार डरैत रहलौं जेना ओ नष्ट करय लेल तैयार हो? आ अत्याचारी के क्रोध कतय अछि?

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ मोन पाड़ि रहल छथि जे हुनका आकाश आ पृथ्वीक सृष्टिकर्ता केँ नहि बिसरब आ अत्याचारी सँ नहि डेरब।

1. "भगवानक शक्ति: अपन सृष्टिकर्ता केँ स्मरण करब"।

2. "विश्वासक ताकत: भय पर काबू करब"।

1. यशायाह 40:28 - "की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि?"

2. भजन 115:15 - "अहाँ सभ परमेश् वरक धन्य छी जे स् वर्ग आ पृथ् वी बनौलनि।"

यशायाह 51:14 बंदी मे निर्वासन जल्दी-जल्दी भ’ जाइत अछि जाहि सँ ओ ढीला भ’ जाय, आ गड्ढा मे नहि मरि जाय आ ने ओकर रोटी खतम भ’ जाय।

कैदी जेल सॅं मुक्त होयबाक लेल आतुर रहैत अछि आ बिना पर्याप्त रोटीक गड्ढा मे नष्ट नहि भ' जाइत अछि ।

1. दुखक बीच आशा

2. बंधनसँ मुक्त होएब

1. इब्रानियों 11:36-39 - आओर दोसर लोक सभ केँ क्रूर उपहास आ कोड़ाक परीक्षा भेलैक, हाँ, ताहू मे बान्ह आ जेल मे राखल गेल आ बकरीक चमड़ा। निराश्रित, पीड़ित, सताओल गेल; (जकरा सभक लेल संसार योग्य नहि छल।) ओ सभ मरुभूमि मे, पहाड़ मे आ पृथ्वीक मांद आ गुफा मे घुमैत रहलाह।

2. भजन 40:1-2 - हम धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा केलहुँ; ओ हमरा दिस झुकि गेलाह आ हमर पुकार सुनलनि। ओ हमरा एकटा भयावह गड्ढा सँ, दलदली माटि सँ बाहर निकालि कऽ हमर पएर एकटा चट्टान पर राखि कऽ हमर गति केँ स्थापित कयलनि।

यशायाह 51:15 मुदा हम अहाँक परमेश् वर यहोवा छी, जे समुद्र केँ बाँटि देलहुँ, जकर लहरि गर्जैत छल।

परमेश् वर समुद्र केँ बँटनिहार छथि आ सेना सभक प्रभु छथि, जेना कि यशायाह 51:15 मे घोषित कयल गेल अछि।

1. भगवानक शक्ति: समुद्रक विभाजन करबाक हुनक क्षमता

2. सेना के प्रभु के जानय के प्रोत्साहन हमरा सबहक पक्ष में अछि

1. निर्गमन 14:21-22 - मूसा समुद्र पर अपन हाथ बढ़ौलनि। परमेश् वर ओहि राति भरि पूरबक तेज हवा सँ समुद्र केँ पाछू घुमा देलथिन आ समुद्र केँ शुष्क बना देलथिन आ पानि बँटि गेलाह।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच भऽ जाय तँ हम सभ नहि डेराएब। भले ओकर पानि गर्जैत आ घबराइत हो, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।

यशायाह 51:16 हम अपन बात अहाँक मुँह मे राखि देलहुँ आ अहाँ केँ अपन हाथक छाया मे झाँपि देलहुँ, जाहि सँ हम आकाश रोपब आ पृथ्वीक नींव राखब आ सियोन केँ कहब, “अहाँ हमर लोक छी।” .

परमेश् वर अपन लोक सिय्योन सँ अपन वचन बजने छथि आ हुनका सभक रक्षा करबाक आ हुनकर सभक भरण-पोषण करबाक वादा केने छथि।

1. परमेश् वरक रक्षा आ प्रावधानक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1. भजन 121:3-4 - "ओ अहाँक पएर नहि हिलय देत; जे अहाँ केँ राखत, ओ नींद नहि लेत। देखू, जे इस्राएल केँ राखत, ओ ने सुतत आ ने सुतत।"

2. मत्ती 6:25-34 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब; वा अपन शरीरक चिन्ता नहि करू, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि आ शरीर बेसी।" कपड़ा सँ बेसी? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ नहि बोबैत अछि आ ने काटि नहि लैत अछि आ ने कोठी मे संग्रहित करैत अछि, तखनो अहाँक स्वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँ सभ ओकरा सभ सँ बेसी कीमती नहि छी?"

740

यशायाह 51:17 हे यरूशलेम, जे प्रभुक हाथ सँ हुनकर क्रोधक प्याला पीने छी, जागू, जागू, ठाढ़ रहू। अहाँ काँपैत प्याला के मल पीबि कऽ ओकरा निचोड़ि कऽ निकालि लेलहुँ।

परमेश् वर यरूशलेम कॅ खड़ा होय लेली बोलै छै आरू ओकरा सिनी के पाप के परिणाम के सामना करै लेली बोलै छै, जेकरा में परमेश् वर के क्रोध भी शामिल छै।

1: हमरा सभ केँ ठाढ़ भ' क' अपन पापक परिणामक सामना करबाक चाही, कारण परमेश् वर हमरा सभ केँ ओहि सँ नहि बचाओत।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि जे हमरा सभक गलत काज केँ नजरअंदाज नहि करताह।

1: इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि।

यशायाह 51:18 जे सभ बेटा सभ केँ ओ जन्म देने छथि, ताहि मे हुनका मार्गदर्शन करयवला कियो नहि अछि। आ ने केओ एहन अछि जे ओकरा पालन-पोषणक सभ बेटा सभक हाथ सँ पकड़ि लेत।

ई अंश इजरायल के लेलऽ मार्गदर्शन आरू समर्थन के कमी के बात करै छै ।

1: भगवान् हमर सबहक मार्गदर्शन आ सहारा के एकमात्र स्रोत छथि।

2: जरूरत के समय एक दोसरा के लेल मौजूद रहबाक चाही।

1: भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2: इब्रानी 13:5 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब। हम अहाँकेँ कहियो नहि छोड़ब।

यशायाह 51:19 ई दुनू बात तोरा लग आबि गेल अछि। अहाँ पर के दया करत? उजाड़, विनाश, आ अकाल आ तलवार।

परमेश् वरक लोक सभ उजाड़, विनाश, अकाल आ तलवारक अनुभव क’ रहल छथि, आ परमेश् वर पुछैत छथि जे हुनका सभ केँ के सान्त्वना देत।

1. परमेश् वर अपन लोक सभ केँ जरूरतक समय मे सान्त्वना प्रदान करताह।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक योजना पर भरोसा करबाक चाही आ विश्वास राखबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ सान्त्वना देत।

1. यूहन्ना 14:16 - आ हम पिता सँ माँगब, आ ओ अहाँ सभ केँ एकटा आओर सहायक देथिन, जे अहाँ सभक संग सदाक लेल रहथि।

२ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

यशायाह 51:20 तोहर बेटा सभ बेहोश भ’ गेल अछि, ओ सभ सड़कक माथ पर जाल मे जंगली बैल जकाँ पड़ल अछि, ओ सभ परमेश् वरक क्रोध सँ भरल अछि, जे अहाँक परमेश् वरक डाँट अछि।

इस्राएलक लोक सभ प्रभुक क्रोध सँ त्रस्त भ' गेल अछि आ सड़क सभ पर छिड़िया गेल अछि।

1. परमेश् वरक अनुशासन - आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. प्रभुक बल आ रक्षा पर निर्भर रहब

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यशायाह 51:21 तेँ अहाँ दुखी आ नशा मे धुत्त, मुदा शराबक संग नहि, आब ई बात सुनू।

एहि अंशक संदेश ई अछि जे परमेश् वर पीड़ित सभक पुकार सुनैत छथि आ दिलासा दैत छथि।

1: भगवान् हमर सभक पुकार सुनैत छथि आ आराम प्रदान करैत छथि

2: क्लेशक समय मे आरामक अनुभव करब

1: भजन 34:18, "परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।"

2: मत्ती 11:28, "हे सब थकल आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

यशायाह 51:22 तोहर प्रभु यहोवा आ तोहर परमेश् वर जे अपन प्रजाक पक्ष मे पक्षधर छथि, ई कहैत छथि, “देखू, हम अहाँक हाथ सँ काँपबाक प्याला, हमर क्रोधक प्याला के मल-मूत्र निकालि लेने छी। आब फेर ओकरा नहि पीबह।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ दुख आ उदासीक प्याला छीनि लेलनि, आ फेर कहियो हुनका सभ केँ दुख नहि देथिन।

1. दुखक समय मे परमेश्वरक आराम - यशायाह 51:22

2. प्रभुक रक्षा आ प्रावधान - यशायाह 51:22

1. यूहन्ना 14:27 - हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी, अपन शान्ति अहाँ सभ केँ दैत छी, जेना संसार दैत अछि, हम अहाँ सभ केँ नहि दैत छी।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

यशायाह 51:23 मुदा हम ओकरा ओहि सभक हाथ मे राखि देब जे अहाँ केँ दुखी करैत अछि। ओ सभ अहाँक प्राण केँ कहने अछि जे, “प्रणाम करू, जाहि सँ हम सभ ओहि पार जा सकब।”

जेकरा पर अत्याचार करलऽ गेलऽ छै ओकरा लेली भगवान केरऽ आराम आरू सुरक्षा केरऽ आश्वासन ।

1: भगवान् ओकर रक्षा आ रक्षा करताह जे उत्पीड़ित छथि।

2: परमेश् वर ओहि सभ केँ उठि कऽ जीत हासिल करबाक सामर्थ् य देताह।

1: यशायाह 41:10, डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी; त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: भजन 34:19, धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा प्रभु ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

यशायाह अध्याय 52 यरूशलेम के भविष्य के पुनर्स्थापन आरू मोक्ष के बारे में बात करै छै। ई शहर के जागै के आह्वान करै छै, ओकरऽ जंजीर के हिलाबै के आरू प्रभु के गौरवशाली वापसी के तैयारी करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के अपन नींद स जागि क सुंदर वस्त्र पहिरबाक आह्वान स होइत अछि। ई घोषणा करै छै कि प्रभु अपनऽ लोगऽ क॑ सान्त्वना आरू मुक्ति देतै, आरू ओकरा सब क॑ अब॑ बंदी नै बनालऽ जैतै (यशायाह ५२:१-२)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे प्रभु के सियोन वापसी के शुभ समाचार के घोषणा कयल गेल अछि। ई ओहि पुनर्स्थापन आ मोक्ष पर जोर दैत अछि जे ओ अनताह, आओर ई लोक सभ केँ बेबिलोन सँ हटि क’ शुद्ध हेबाक आह्वान करैत अछि (यशायाह 52:7-12)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन आशा आ हर्ष के संदेश स होइत अछि। ई घोषणा करै छै कि प्रभु अपनऽ लोगऽ के सामने जाय क॑ यरूशलेम वापसी में ओकरा सिनी के नेतृत्व करतै। ई सिय्योन के बहाली आरू महिमा के उजागर करै छै आरू लोगऽ क॑ शुद्ध आरू पवित्र करै के आह्वान करै छै (यशायाह ५२:१३-१५)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बावन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
यरूशलेम के जागरण के आह्वान,
बहाली आ मोक्षक घोषणा।

यरूशलेम के जागरण आरू प्रभु के वापसी के तैयारी करै लेली आह्वान करऽ।
सुसमाचार के घोषणा आ पुनर्स्थापन जे प्रभु आनताह।
आशा, आनन्द, आ लोकक शुद्धि के संदेश।

ई अध्याय यरूशलेम के भविष्य के पुनर्स्थापन आरू मोक्ष पर केंद्रित छै। एकरऽ शुरुआत शहर क॑ अपनऽ नींद स॑ जागै आरू सुन्दर वस्त्र पहिरै के आह्वान स॑ होय छै, कैन्हेंकि प्रभु अपनऽ लोगऽ क॑ सान्त्वना आरू मुक्ति देतै । अध्याय में प्रभु के सिय्योन में वापसी के सुसमाचार के घोषणा करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में वू पुनर्स्थापन आरू मोक्ष पर जोर देलऽ गेलऽ छै जे वू लानी देतै । एहि मे लोक सभ केँ बाबुल सँ विदा भ' क' शुद्ध भ' जेबाक आह्वान कयल गेल अछि। अध्याय के समापन आशा आरू आनन्द के संदेश के साथ होय छै, जेकरा में घोषणा करलऽ गेलऽ छै कि प्रभु अपनऽ लोगऽ के सामने जाय क॑ ओकरा यरूशलेम वापसी में अगुवाई करतै। ई सिय्योन केरऽ बहाली आरू महिमा प॑ प्रकाश डालै छै आरू लोगऽ क॑ शुद्ध आरू पवित्र करै के आह्वान करै छै । अध्याय यरूशलेम के जागरण के आह्वान, पुनर्स्थापन आरू मोक्ष के घोषणा, आरू लोगऽ लेली आशा आरू शुद्धि के संदेश पर जोर दै छै।

यशायाह 52:1 जागू, जागू; हे सियोन, अपन सामर्थ्य पहिरू। हे यरूशलेम, पवित्र नगर, अपन सुन्दर वस्त्र पहिरि लिअ, किएक तँ आब अहाँ मे अखतना आ अशुद्ध लोक नहि आओत।”

सिय्योन आ यरूशलेम केँ अपन सामर्थ् य आ सुन्दर वस्त्र पहिरबाक लेल प्रोत्साहित कयल गेल अछि, किएक तँ शहर आब अखतना आ अशुद्ध लोक केँ नहि छोड़त।

1. सियोन के पवित्रता: परमेश् वर के लोक के ताकत

2. यरूशलेमक सौन्दर्य: परमेश् वरक कृपा आ दया

1. यशायाह 61:10 - "हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धार्मिकताक वस्त्र सँ झाँपि देलनि, जेना वर कनैत छथि।" अपना केँ आभूषण सँ आ जहिना कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि |”

2. इफिसियों 4:24 - "आओर नव मनुष्य पहिरब, जे परमेश् वरक अनुसार धार्मिकता आ सत् य पवित्रता मे सृजित अछि।"

यशायाह 52:2 धूरा सँ अपना केँ हिलाउ। हे यरूशलेम, उठि कऽ बैसि जाउ, हे सियोनक बंदी बेटी, अपन गर्दनक पट्टी सँ मुक्त भऽ जाउ।”

यरूशलेम क॑ प्रोत्साहित करलऽ जाय छै कि वू उठी क॑ जे कैद म॑ रहलऽ छै, ओकरा स॑ मुक्त होय जाय ।

1. भगवान बंदी स मुक्ति के आह्वान करैत छथि

2. धूल के हिलाबय आ बैंड के ढीला करब: यीशु मे स्वतंत्रता खोजब

1. यशायाह 61:1, प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; कारण, परमेश् वर हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम नम्र लोक सभ कैँ शुभ समाचार प्रचार करी। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन कैँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, जे बंदी सभ कैँ मुक्ति आ बान्हल लोक कैँ जेल खोलबाक घोषणा करी

2. गलाती 5:1, तैँ ओहि स्वतंत्रता मे ठाढ़ रहू जाहि सँ मसीह हमरा सभ कैँ मुक्त कयलनि अछि, आ फेर सँ दासताक जुआ मे नहि फँसि जाउ।

यशायाह 52:3 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे अहाँ सभ अपना कैँ बेकार मे बेचि लेलहुँ। आ अहाँ सभ बिना पाइक छुटकारा पाबि जायब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ कैँ कहैत छथि जे ओ सभ अपना कैँ बेकार मे बेचि लेलक आ बिना पाइक मुक्ति भेटत।

1. "कुछ नहि सँ मुक्त होउ: भगवानक प्रेम मे मूल्य पाब"।

2. "बिना पैसा के मोक्ष: यशायाह 52:3 सँ एकटा पाठ"।

1. रोमियो 3:24 - मसीह यीशु मे जे मोक्ष अछि, ओकर अनुग्रह द्वारा स्वतंत्र रूप सँ धर्मी ठहराओल गेल।

2. गलाती 3:13 - मसीह हमरा सभ कैँ व्यवस्थाक अभिशाप सँ मुक्त कयलनि, हमरा सभक लेल अभिशाप बनि गेलाह।

यशायाह 52:4 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे हमर लोक पहिने मिस्र देश मे प्रवास करबाक लेल गेल छल। आ अश्शूर ओकरा सभ कैँ बेवजह अत्याचार केलक।

प्रभु परमेश् वर ई बात के बात करै छै कि जबेँ हुनी मिस्र में प्रवास करै लेली गेलै, तबेँ ओकरोँ लोग सिनी केँ बिना कारण के अत्याचार करलोँ गेलै।

1. अत्याचारक शक्ति: भगवानक लोक कोना विजयी भेल

2. प्रभुक रक्षा: आवश्यकताक समय मे हुनक दया पर कोना भरोसा कयल जाय

1. भजन 34:17 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ कैँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि।

2. निष्कासन 3:7-10 - परमेश् वर कहलथिन, “हम मिस्र मे अपन लोकक कष्ट देखलहुँ आ ओकर सभक काजक मालिक सभक कारणेँ ओकर पुकार सुनलहुँ। हम हुनका सभक कष्ट कैँ जनैत छी, आ हम हुनका सभ कैँ मिस्रक हाथ सँ बचाबय लेल उतरल छी आ ओहि देश सँ नीक आ चौड़ा देश मे, दूध आ मधु सँ बहय बला देश मे, कनान लोकक स्थान पर अनबाक लेल उतरलहुँ अछि, हित्ती, अमोरी, फरीज, हिवी आ यबूसी।

यशायाह 52:5 आब हमरा एतय की अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जे हमर लोक कैँ बेकार मे चलि गेल अछि? प्रभु कहैत छथि। आ हमर नामक निन्दा सभ दिन निन्दा होइत रहैत अछि।

परमेश् वर विलाप करैत छथि जे हुनकर लोक सभ बेकार मे चलि गेल अछि आ ओकरा सभक शासक सभ ओकरा सभ कैँ हुंकार दैत अछि। ओकर नामक निन्दा सभ दिन होइत छैक।

1. परमेश् वरक नामक शक्ति: परमेश् वरक नामक निन्दा हमरा सभ कैँ कोना प्रभावित करैत अछि

2. परमेश् वरक लोकक कमजोरी: जेकरा छीन लेल गेल अछि तकरा हम सभ कोना बचा सकैत छी

1. भजन 44:20-21 जँ हम सभ अपन परमेश् वरक नाम बिसरि गेल रहितहुँ वा कोनो विदेशी देवताक दिस हाथ पसारि गेल रहितहुँ तँ की परमेश् वर एहि बातक खोज नहि करितथि? किएक तँ ओ हृदयक रहस्य जनैत अछि।

744

2. इफिसियों 1:17-18 जाहि सँ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर, जे महिमाक पिता छथि, अहाँ सभ केँ हुनका ज्ञान मे बुद्धि आ प्रगटीकरणक आत् मा देथिन। जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे हुनकर बजाओल गेल आशा की अछि आ पवित्र लोक सभ मे हुनकर उत्तराधिकारक महिमा के की धन अछि।”

यशायाह 52:6 तेँ हमर लोक हमर नाम जनत, तेँ ओहि दिन ओ सभ जनत जे हम बजनिहार छी।

परमेश् वरक लोक हुनका आ हुनकर शक्ति केँ तखन चिन्हत जखन ओ एकर अनुभव करत।

1. "देखू, ई हम छी: अपन जीवन मे भगवानक उपस्थिति केँ चिन्हब"।

2. "भगवानक नाम जानबाक शक्ति"।

1. निकासी 3:14 - "परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, “हम छी जे हम छी; आ ओ कहलनि, “अहाँ इस्राएलक सन्तान सभ केँ एहि तरहेँ कहब जे हम छी, हमरा अहाँ सभक लग पठौने छी।"

2. फिलिप्पियों 2:9-11 - "एहि लेल परमेश् वर हुनका बहुत ऊपर उठौलनि आ सभ नाम सँ ऊपर एकटा नाम देलनि। आ पृथ्वीक नीचाँक वस्तु सभ, आ सभ जीभ ई बात स्वीकार करय जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ पिता परमेश् वरक महिमा होयत।”

यशायाह 52:7 जे शुभ समाचार दैत अछि आ शान्तिक प्रचार करैत अछि, ओकर पैर पहाड़ पर कतेक सुन्दर अछि। जे शुभ समाचार दैत अछि, जे उद्धारक प्रचार करैत अछि। जे सियोन केँ कहैत अछि, “तोहर परमेश् वर राज करैत छथि!”

परमेश् वर अपनऽ शासन के घोषणा करी रहलऽ छै आरू सियोन में शुभ समाचार, शांति आरू उद्धार लानी रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक शासनकालक शुभ समाचार

2. शांति आ मोक्षक घोषणा करब

1. रोमियो 10:15 - आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत ता धरि कियो कोना प्रचार क’ सकैत अछि? जेना लिखल अछि: "सुसमाचार अननिहारक पैर कतेक सुन्दर अछि!"

2. यशायाह 40:9 - हे सुसमाचार वाहक सियोन, ऊँच पहाड़ पर उठू, हे यरूशलेम, शुभ समाचार वाहक, जोर सँ आवाज उठाउ। उठाउ, डरब नहि। यहूदाक नगर सभ केँ कहू, “एतय अहाँक परमेश् वर छथि!”

यशायाह 52:8 तोहर पहरेदार सभ आवाज उठाओत। ओ सभ एक संग आवाज मे गाओत, किएक तँ ओ सभ आँखि सँ आँखि मिलाओत, जखन परमेश् वर सियोन केँ फेर सँ अनताह।”

ई अंश ओहि आनन्दक बात करैत अछि जे जखन प्रभु सिय्योन केँ वापस अनताह तखन जे आओत।

1. सियोन के वापसी पर आनन्दित होयब

2. चौकीदारक काज

1. भजन 126:1-2 "जखन प्रभु सिय्योनक भाग्य केँ पुनर्स्थापित कयलनि तखन हम सभ सपना देखनिहार जकाँ छलहुँ। तखन हमर सभक मुँह हँसी सँ भरि गेल आ हमर सभक जीह आनन्दक चिचियाहटि सँ भरल।"

2. जकरयाह 2:10-12 "हे सियोनक बेटी, गाउ आ आनन्दित रहू, किएक तँ देखू, हम आबि रहल छी आ हम अहाँक बीच रहब हमर प्रजा बनू। हम अहाँ सभक बीच रहब, आ अहाँ सभ बुझब जे सेना सभक प्रभु हमरा अहाँ सभक लग पठौलनि अछि।”

यशायाह 52:9 यरूशलेमक उजड़ल स्थान सभ, आनन्द मे डूबि जाउ, एक संग गाउ, किएक त’ परमेश् वर अपन लोक केँ सान्त्वना देलनि, ओ यरूशलेम केँ छुड़ा देलनि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सान्त्वना दऽ कऽ यरूशलेम केँ छुटकारा दऽ कऽ उजाड़ जगह सभ केँ आनन्दित कयलनि।

1: प्रभुक सान्त्वना आ मोक्ष मे आनन्दित रहू

2: परमेश् वरक मोक्षदायक प्रेमक आनन्द

1: लूका 1:47-49 हमर आत्मा हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर मे आनन्दित अछि, किएक तँ ओ अपन सेवक विनम्र सम्पत्ति केँ देखैत छथि। देखू, आब सँ सभ पीढ़ी हमरा धन्य कहत। किएक तँ जे पराक्रमी अछि से हमरा लेल बहुत पैघ काज केने अछि आ ओकर नाम पवित्र अछि।

2: रोमियो 8:31-34 तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देताह? परमेश् वरक चुनल लोक पर के कोनो आरोप लगाओत? ई भगवान् छथि जे धर्मी ठहराबैत छथि। केकरा निन्दा करबाक अछि? मसीह यीशु वैह छथि जे एहि सँ बेसी मरि गेलाह, जे जीबि उठल छथि जे परमेश् वरक दहिना कात छथि, जे सचमुच हमरा सभक लेल बिनती कऽ रहल छथि।

यशायाह 52:10 परमेश् वर अपन पवित्र बाँहि सभ जाति सभक नजरि मे उघार कयलनि। आ पृथ्वीक सभ छोर हमरा सभक परमेश् वरक उद्धार देखि लेत।

परमेश् वर अपन सामर्थ् य सभ केँ देखबाक लेल प्रगट कयलनि अछि आ सभ जाति हुनकर उद्धारक गवाह बनत।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य सभ लोकक समक्ष प्रगट भेल

2. सब जाति के लेल हमर भगवान के उद्धार

1. रोमियो 1:16-17 - किएक तँ हम सुसमाचार पर लाज नहि करैत छी, किएक तँ ई परमेश् वरक सामर्थ् य अछि जे सभ विश् वास करैत अछि, पहिने यहूदी आ यूनानी सेहो।

2. भजन 98:2-3 - प्रभु अपन उद्धार के बारे मे बता देलनि; ओ अपन धार्मिकता जाति-जाति सभक समक्ष प्रगट कयलनि अछि। ओ इस्राएलक घरानाक प्रति अपन अडिग प्रेम आ निष्ठा केँ मोन पाड़ने छथि।

यशायाह 52:11 अहाँ सभ चलि जाउ, चलू, ओतय सँ बाहर जाउ, अशुद्ध वस्तु केँ नहि छुउ। अहाँ सभ ओकर बीच सँ बाहर जाउ। अहाँ सभ, जे परमेश् वरक बर्तन सभ केँ धारण करैत छी, अहाँ सभ शुद्ध रहू।”

ई अंश हमरा सब क॑ कोनो भी अधर्म स॑ हटै लेली आरू ईश्वरीय जीवनशैली क॑ कायम रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

१: "शुद्ध आ पवित्र बनबाक लेल परमेश् वरक आह्वान"।

२: "पाप छोड़ि"।

1: इफिसियों 5:11-12 - "अन्हारक निष्फल काज मे भाग नहि लिअ, बल्कि ओकरा उजागर करू। किएक तँ ओ सभ जे काज गुप्त रूप सँ करैत छथि, तकरा कहब लज्जाजनक अछि।"

2: 1 पत्रुस 1:16 - "पवित्र रहू, कारण हम पवित्र छी।"

यशायाह 52:12 किएक तँ अहाँ सभ जल्दबाजी मे नहि निकलब आ ने भागि कऽ जायब। आ इस्राएलक परमेश् वर अहाँक इनाम हेताह।

प्रभु हमरा सभक मार्गदर्शन आ रक्षा करताह जँ हम सभ हुनकर पालन करब।

1. प्रभु हमर मार्गदर्शक आ रक्षक छथि

2. भगवान हमर सभक रियरगार्ड छथि

1. भजन 121:3 - ओ अहाँक पैर नहि हिलय देत; जे अहाँकेँ राखत, से नींद नहि लागत।

2. निर्गमन 13:21 - परमेश् वर दिन मे मेघक खंभा मे हुनका सभक आगू बढ़ि कऽ हुनका सभक बाट मे अग्रसर छलाह। आ राति मे आगि केर खंभा मे बैसि क' ओकरा सभ केँ इजोत देबय लेल। दिन-राति जेबाक लेल।

यशायाह 52:13 देखू, हमर सेवक विवेकपूर्ण व्यवहार करत, ओ उच्च आ स्तुति कयल जायत आ बहुत ऊँच होयत।

परमेश् वरक सेवक उदात्त भऽ जायत आ ओकरा बहुत आदर भेटत।

1. "भगवानक सेवा करबाक आशीर्वाद"।

2. "निष्ठापूर्वक सेवा के लेल भगवान के इनाम"।

1. मत्ती 25:21 - "हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, 'नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ। अहाँ किछु काल मे विश्वासी रहलहुँ; हम अहाँ केँ बहुत किछु पर राखि देब। अपन मालिकक आनन्द मे प्रवेश करू।"

2. रोमियो 12:11 - "उत्साह मे आलसी नहि बनू, आत् मा मे उग्र रहू, प्रभुक सेवा करू।"

यशायाह 52:14 जेना बहुतो लोक अहाँ पर आश्चर्यचकित छल। ओकर चेहरा ककरो सँ बेसी क्षीण छलैक आ ओकर रूप मनुक्खक बेटा सँ बेसी।

यशायाह के ई अंश यीशु मसीह के क्रूस पर हुनका दुःख के कारण विकृत होय के वर्णन करै छै।

1: हमरा सभ केँ यीशु मसीहक प्रेम पर चिंतन करबाक चाही, जे परमेश् वरक सेवा मे आ हुनकर लोकक लेल विकृति आ कष्ट सहलनि।

2: यीशु मसीह एकटा उदाहरण छथि जे कोना हमरा सभ केँ परमेश् वर आ दोसरक लेल कष्ट भोगय आ बलिदान देबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1: फिलिप्पियों 2:5-8 - "ई मन अहाँ सभ मे रहू जे मसीह यीशु मे सेहो छल। ओ नोकरक रूप धारण कयलनि आ मनुष् यक रूप मे बनलाह, आ मनुष् य जकाँ फैशन मे पाबि गेलाह आ अपना केँ नम्र भऽ गेलाह आ मृत्यु धरि आज्ञाकारी भऽ गेलाह, क्रूस पर मरबा धरि।”

2: इब्रानी 12:1-3 - "तेँ हम सभ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल छी, तेँ हम सभ हर भार आ पाप केँ एक कात राखि जे हमरा सभ केँ एतेक सहजता सँ घेरने अछि, आ धैर्यपूर्वक दौड़ मे दौड़ब।" जे हमरा सभक सोझाँ राखल गेल अछि, “हमरा सभक विश् वासक रचयिता आ समापन करयवला यीशु दिस तकैत छी, जे हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक कारणेँ क्रूस केँ सहन कयलनि, लाज केँ तुच्छ बुझि परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि।” जे पापी सभक एहन विरोधाभास केँ अपना विरुद्ध सहैत रहल, जाहि सँ अहाँ सभ थाकि कऽ बेहोश नहि भऽ जायब।”

यशायाह 52:15 तहिना ओ बहुत रास जाति केँ छिड़कत। राजा सभ हुनका दिस मुँह बन्न कऽ लेताह, कारण जे हुनका सभ केँ नहि कहल गेल छलनि से ओ सभ देखताह। आ जे बात ओ सभ नहि सुनने छल, तकरा ओ सभ विचार करत।

भगवान् एकटा पैघ परिवर्तन अनताह, आ राजा सभ जे देखैत-सुनैत छथि ताहि सँ आश्चर्यचकित भ' जेताह।

1. परमेश् वरक परिवर्तनकारी शक्ति: ओ कोना अनेक राष्ट्र छिड़कैत छथि

2. मुँह बन्न करब: जखन भगवानक समक्ष बेजुबान छी

1. निष्कासन 7:1-5 - मिस्र के विपत्ति में परमेश्वर के परिवर्तनकारी शक्ति

2. भजन 39:2 - परमेश् वरक महानताक समक्ष बेजुबान रहब

यशायाह अध्याय ५३ एकटा गहींर भविष्यवाणी छै जे मसीह के दुख आरू बलिदान के मृत्यु के भविष्यवाणी करै छै, जेकरा यीशु मसीह के रूप में पहचानलौ गेलौ छै। ई मानवता के पाप के सहन करै में आरू विश्वास करै वाला सब के उद्धार दै में हुनकऽ भूमिका के चित्रण करै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत दुखी सेवक के विनम्र आ विनम्र स्वभाव के वर्णन स होइत अछि | एहि सँ ई पता चलैत अछि जे ओ तिरस्कृत, अस्वीकार आ शोक सँ परिचित हेताह। एकर बादो ओ दोसरक दुख आ दुःख सहैत छलाह (यशायाह 53:1-4)।

2nd Paragraph : अध्याय आगू एहि बात पर जोर दैत अछि जे सेवक के दुख ओकर अपन उल्लंघन के कारण नै बल्कि दोसर के लेल भेल छल | ई ओकरऽ बलिदान के मृत्यु आरू एकरऽ सेवा करै वाला मोक्षदायक उद्देश्य के चित्रण करै छै, जेकरा म॑ ओकरऽ घाव के माध्यम स॑ आबै वाला चंगाई आरू क्षमा के उजागर करलऽ गेलऽ छै (यशायाह ५३:५-९)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन सेवक के दुख के विजयी परिणाम के साथ होता है | ई घोषणा करै छै कि ओकरा परमेश् वर द्वारा उच्च आरो बहुत आदर-सत्कार करलऽ जैतै, आरो वू बहुतो के अधर्म के सहन करी कॅ ओकरा धर्मी ठहराबै छै। ई ओकरऽ अपनऽ आत्मा क॑ मौत के तरफ उड़ाबै के आरू उल्लंघन करै वाला म॑ गिनै के इच्छा पर जोर दै छै (यशायाह ५३:१०-१२)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेवन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
दुखी सेवक के भविष्यवाणी, २.
बलिदानक मृत्यु आ मोक्ष।

दुखी सेवक, तिरस्कृत आ तिरस्कृत के वर्णन।
दोसर के पाप के लेल बलिदान मृत्यु, चिकित्सा आ क्षमा के संग।
उदात्तीकरण आ सम्मान, हुनक बलिदानक माध्यमे बहुतो के औचित्य।

एहि अध्याय मे दुखी सेवक के बारे मे एकटा गहींर भविष्यवाणी अछि, जकर पहचान यीशु मसीह के रूप मे कयल गेल अछि। एहि मे सेवकक विनम्र आ विनम्र स्वभावक वर्णन अछि, जकरा तिरस्कार कयल जायत, अस्वीकार कयल जायत आ शोक सँ परिचित होयत | एकर बादो सेवक दोसरक दुःख आ दुःख सहैत छल । अध्याय मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे सेवक के दुख ओकर अपन उल्लंघन के कारण नहि अपितु दोसर के लेल भेल छल | ई ओकरऽ बलिदान के मृत्यु आरू एकरऽ सेवा करै वाला मोक्षदायक उद्देश्य के चित्रण करै छै, जेकरा म॑ ओकरऽ घाव के माध्यम स॑ आबै वाला चंगाई आरू क्षमा के उजागर करलऽ गेलऽ छै । अध्याय के समापन सेवक के दुख के विजयी परिणाम के साथ होय छै, जेकरा में ई घोषणा करलऽ गेलऽ छै कि ओकरा भगवान के द्वारा उच्च आरो बहुत सम्मान मिलतै । एहि मे ओकर आत्मा केँ मृत्यु धरि उझलि देबाक आ अपराधी मे गिनल जेबाक इच्छा पर जोर देल गेल अछि | सेवकक बलिदान बहुतो केँ धर्मी ठहराओत, अपन अधर्म केँ सहन करत आ विश्वास करयवला सभ केँ उद्धार भेटतैक। अध्याय में दुखी सेवक के भविष्यवाणी, ओकरो बलिदान के मृत्यु, आरू ओकरो बलिदान के द्वारा आबै वाला मोक्ष आरू धर्मी ठहरा के बारे में प्रकट करलऽ गेलऽ छै।

यशायाह 53:1 हमरा सभक बात पर के विश्वास केलक? परमेश् वरक बाँहि केकरा पर प्रगट कयल गेल अछि?

अंश में सवाल उठै छै कि प्रभु के रिपोर्ट में के विश्वास करलकै, आरो प्रभु के शक्ति केकरा पर प्रगट होय गेलऽ छै।

1. "विश्वास के शक्ति: प्रभु के रिपोर्ट पर विश्वास"।

2. "प्रभु के बाहु के जानना: हुनकर शक्ति के प्रकट करब"।

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

748

2. याकूब 2:17-18 - तहिना विश्वास सेहो अपने आप मे जँ काज नहि अछि तँ ओ मरि गेल अछि। मुदा कियो कहत जे अहाँक विश्वास अछि आ हमरा काज अछि। अपन काज सँ अलग अपन विश्वास हमरा देखाउ, आ हम अहाँ केँ अपन काज सँ अपन विश्वास देखा देब।

यशायाह 53:2 किएक तँ ओ ओकरा सामने कोमल पौधा जकाँ आ शुष्क जमीनक जड़ि जकाँ बढ़त। आ जखन हुनका देखबनि तखन कोनो एहन सौन्दर्य नहि अछि जे हम सभ हुनकर इच्छा करी।

यशायाह एकटा आबै बला आकृति के भविष्यवाणी करै छै जेकरा में सौन्दर्य, रूप, या सुन्दरता नै होतै, तभियो बहुतो के इच्छा होतै।

1. मसीहक अप्रत्याशित सौन्दर्यक शक्ति

2. सौन्दर्यक दुनियाक परिभाषा पर काबू पाबब

१, आ जे किछु तिरस्कृत अछि, तकरा परमेश् वर चुनने छथि जे जे किछु अछि, तकरा जे किछु अछि, तकरा सभ केँ निष्कृत करबाक लेल।

2. मत्ती 11:29 - "हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी, तखन अहाँ सभ केँ अपन प्राण केँ विश्राम भेटत।"

यशायाह 53:3 ओ मनुष् य द्वारा तिरस्कृत आ तिरस्कृत कयल जाइत अछि। एकटा दुखी आ शोक सँ परिचित लोक, आ हम सभ हुनका सँ मुँह जेना नुका लेलहुँ। ओ तिरस्कृत भेलाह, आ हम सभ हुनका आदर नहि करैत छलहुँ।

धर्म आ करुणाक बादो हुनका अस्वीकार कयल गेलनि ।

1. भगवानक कृपा अनंत अछि, तखनो जखन हम सभ हुनका अस्वीकार करैत छी।

2. यीशु केँ तिरस्कृत आ अस्वीकार कयल गेल, तइयो ओ एखनो हमरा सभक लेल प्रेम करैत छलाह आ अपना केँ समर्पित कयलनि।

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. यशायाह 40:10 - देखू, प्रभु परमेश् वर पराक्रम सँ अबैत छथि, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करैत छथि। देखू, ओकर इनाम ओकरा लग छैक आ ओकर प्रतिफल ओकरा सामने छैक।

यशायाह 53:4 ओ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि आ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि, तइयो हम सभ हुनका मारल गेल, परमेश् वर द्वारा मारल गेल आ दुःखित मानलहुँ।

ओ हमरा सभक दुःख केँ ढोलनि, आ हमरा सभक लेल दुःखित भेलाह।

1: हम सभ धन्य छी जे दुख आ दुखक समय मे आराम आ शक्तिक लेल यीशु दिस घुमि सकैत छी।

2: यीशु स्वेच्छा सँ हमर सभक दुख आ दुखक बोझ केँ स्वीकार करब चुनलनि, जाहि सँ हम सभ हुनकर अनुग्रह आ दयाक अनुभव क’ सकब।

1: 2 कोरिन्थी 12:9 - "ओ हमरा कहलनि जे, हमर कृपा अहाँक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ' जाइत अछि।"

2: 1 पत्रुस 5:7 - "अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, कारण ओ अहाँ सभक चिन्ता करैत छथि।"

यशायाह 53:5 मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ घायल भेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ चोट खा गेलाह। आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ’ गेल छी।

यीशु हमरा सभक पापक लेल घायल आ चोट खा गेलाह, जाहि सँ हम सभ हुनकर पट्टी सँ ठीक भ’ सकब।

1. "हमर उद्धारक मूल्य: यीशुक दुख"।

2. "यीशु के पट्टी के माध्यम स चंगाई"।

1. मत्ती 8:17 (ई यशायाह भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल बात केँ पूरा करबाक लेल छल: ओ हमरा सभक बीमारी केँ ल’ लेलनि आ हमरा सभक रोग केँ सहन कयलनि।)

2. 1 पत्रुस 2:24 (ओ स्वयं हमरा सभक पाप केँ क्रूस पर अपन शरीर मे उठा लेलनि, जाहि सँ हम सभ पापक लेल मरि सकब आ धार्मिकताक लेल जीबि सकब। हुनकर घाव सँ अहाँ सभ ठीक भ’ गेलहुँ।)

यशायाह 53:6 हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकल छी। हम सभ एक-एकटा अपन-अपन बाट दिस घुमि गेल छी। परमेश् वर हुनका पर हमरा सभक अधर्मक दोष लगा देलनि।

सब लोक भटकल अछि, प्रत्येक अपन-अपन बाट पर चलैत अछि, आ परमेश् वर एहि पापक सजा यीशु पर लगा देने छथि।

1. "हमर पापक मुक्ति: यशायाह 53:6 के बोझ के बुझब"।

2. "क्षमा के शक्ति: भगवान हमरा सब के कोना अपन अपराधबोध स मुक्ति दैत छथि"।

1. रोमियो 5:12-19 - ई बतबैत अछि जे कोना यीशुक द्वारा हमरा सभ केँ अनुग्रह आ शान्तिक वरदान भेटैत अछि।

2. 1 पत्रुस 2:24 - ई प्रकट करैत अछि जे कोना यीशु संसारक पाप केँ धारण कयलनि आ ओकरा अपन शरीर मे धारण कयलनि।

यशायाह 53:7 ओ दबलल गेल, आ दुःखित भेल, तैयो ओ अपन मुँह नहि खोललक, ओ मेमना जकाँ वधक लेल आनल जाइत अछि, जेना भेँड़ा ओकर कातरनिहारक सोझाँ गूंगा होइत अछि, तेना ओ अपन मुँह नहि खोलैत अछि।

ई अंश यीशु के बिना कोनो शिकायत के दुख स्वीकार करै के इच्छा के बात करै छै।

1. मौन के शक्ति - बिना कोनो शिकायत के दुख स्वीकार करबाक यीशु के उदाहरण के खोज करब।

2. यीशु के ताकत - यीशु के चरित्र के ताकत के जश्न मनाना आरू दुख स्वीकार करै के संकल्प।

1. मत्ती 26:63-64 - मुख्य याजक आ प्राचीन सभक समक्ष यीशुक चुप्पी।

2. फिलिप्पियों 2:5-8 - परमेश् वरक इच्छाक प्रति यीशुक विनम्र आज्ञापालन।

यशायाह 53:8 ओ जेल आ न्याय सँ निकालल गेलाह, आ ओकर पीढ़ी के के बताओत? कारण, ओ जीवित लोकक देश सँ कटि गेल छल, कारण हमर प्रजा सभक अपराधक कारणेँ ओ मारि देल गेल छल।”

संक्षेप मे: यशायाह 53:8 मे यीशु केँ जेल आ न्याय सँ निकालल गेल, आओर परमेश्वरक लोकक पापक कारणेँ जीवित लोकक देश सँ कटि देल गेलाक बात कहल गेल अछि।

1. यीशुक दुख: हुनकर बलिदान हमरा सभ केँ कोना मुक्त केलक

2. प्रभुक बाट पर चलबाक की अर्थ होइत छैक

1. मत्ती 8:17 - ओ स्वयं हमरा सभक पाप केँ अपन शरीर मे गाछ पर लऽ गेलाह, जाहि सँ हम सभ पापक लेल मरि सकब आ धार्मिकताक लेल जीबी।

2. इब्रानी 9:28 - तेँ मसीह, बहुतो लोकक पाप सहन करबाक लेल एक बेर चढ़ाओल गेल छथि, दोसर बेर प्रकट हेताह, पाप सँ निपटबाक लेल नहि बल्कि ओहि लोक सभक उद्धार करबाक लेल जे हुनकर बेसब्री सँ प्रतीक्षा क’ रहल छथि।

यशायाह 53:9 ओ अपन मृत्यु मे दुष्टक संग आ धनिक लोकक संग अपन कब्र बनौलनि। किएक तँ ओ कोनो हिंसा नहि केने छल आ ने ओकर मुँह मे कोनो छल।

दुष्टक संग दफनाओल गेल, यद्यपि ओ गलत काज मे निर्दोष छल।

1: यीशु हमरा सभक लेल स्वेच्छा सँ मरि गेलाह, भले ओ निर्दोष आ पाप रहित छलाह।

2: यीशु हमरा सभ केँ बलिदानक प्रेमक अंतिम उदाहरण देखौलनि।

1: यूहन्ना 15:13 - एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि छैक जे कियो अपन मित्रक लेल अपन जान दऽ दैत अछि।

2: फिलिप्पियों 2:8 - आ मनुखक रूप मे भेटला सँ ओ मृत्युक सीमा धरि आज्ञाकारी भ' क' अपना केँ नम्र भ' गेलाह, क्रूस पर मृत्यु धरि।

यशायाह 53:10 तइयो प्रभु केँ नीक लागलनि जे ओ ओकरा कुचलथि। ओ ओकरा दुखी क’ देलक, जखन अहाँ ओकर प्राण केँ पापक बलिदान बना देब, तखन ओ अपन संतान केँ देखि लेत, ओ अपन दिन लंबा करत, आ प्रभुक प्रसन्नता ओकर हाथ मे सफल होयत।”

परमेश् वर यीशु कॅ हमरा सिनी के पाप के बलिदान के रूप में कष्ट उठाबै आरू मरै के अनुमति देलकै, ताकि हुनी अपनौ लोग सिनी कॅ अनन्त जीवन लानै।

1. बलिदानक शक्ति: यीशुक मृत्युक महत्व केँ बुझब

2. परमेश् वरक मोक्षक योजना: यीशुक दुख मे हमर सभक आशा

1. यूहन्ना 3:16-17 "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे नहि पठौलनि जे ओ लोक सभ केँ दोषी ठहराबथि।" संसार, मुदा एहि लेल जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।”

2. फिलिप्पियों 2:5-8 "ई मन अहाँ सभ मे रहू जे मसीह यीशु मे सेहो छल नोकरक रूप धारण कयलनि आ मनुष् यक रूप मे बनलाह, आ मनुष् य जकाँ फैशन मे पाबि गेलाह आ अपना केँ नम्र भऽ गेलाह आ मृत्यु धरि आज्ञाकारी भऽ गेलाह, क्रूस पर मृत्यु धरि।”

यशायाह 53:11 ओ अपन प्राणक प्रसव केँ देखत आ तृप्त होयत। कारण, ओ हुनका सभक अधर्म केँ सहन करत।”

ई श्लोक यीशु के बलिदान आरू बहुतो के धर्मी ठहराबै के क्षमता के बारे में बात करै छै।

1. धर्मी सेवक के संतुष्टि: यीशु के बलिदान के विस्तार के अन्वेषण

2. हमरऽ अधर्म के सहन करना: यीशु के प्रेम के धर्मी ठहराबै के शक्ति

1. रोमियो 5:8 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही, तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इब्रानी 9:28 तेँ मसीह केँ एक बेर बलिदान कयल गेलनि जाहि सँ बहुतो लोकक पाप दूर कयल जा सकय। ओ दोसर बेर पाप सहन करबाक लेल नहि, बल् कि हुनकर प्रतीक्षा मे बैसल लोक सभक उद्धार करबाक लेल प्रकट होयत।

यशायाह 53:12 तेँ हम ओकरा पैघ लोक सभक संग भाग बाँटि देब, आ ओ लूट केँ बलवान सभक संग बाँटि देत। किएक तँ ओ अपन प्राण केँ मृत्युक लेल उझलि देलनि। ओ बहुतो लोकक पाप उठौलनि आ अपराधी सभक लेल बिनती कयलनि।

यीशु बहुतो लोकक पापक लेल मरि गेलाह, आ पापी मे गिनल गेलाह, तइयो हुनका पैघ आ बलवान लोकक संग भाग देल गेलनि।

1. "महान आदान-प्रदान" - यीशुक बलिदानक शक्ति

2. "भगवानक प्रचुर कृपा" - क्षमाक वरदान

1. इफिसियों 2:4-9 - परमेश् वरक समृद्ध दया आ अनुग्रह

2. रोमियो 5:8 - हमरा सभक पापक लेल यीशुक मृत्यु

यशायाह अध्याय 54 परमेश् वर के लोग के भविष्य के पुनर्स्थापन, विस्तार आरू आशीष के बारे में बात करै छै। ई एगो बंजर महिला आरू एक सुनसान पत्नी के बिम्ब के उपयोग करी क॑ परमेश्वर के निष्ठा आरू हुनकऽ चुनलऽ लोगऽ क॑ समृद्धि आरू सुरक्षा लानै के हुनकऽ योजना के चित्रण करै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के प्रतीक बंजर आरू उजाड़ महिला के संबोधित करी क होय छै। ई ओकरा हर्षित होय लेली आरू भविष्य म॑ अपनऽ वंशज के बढ़ोत्तरी के तैयारी करै लेली प्रोत्साहित करै छै । ई ओकरा आश्वस्त करै छै कि ओकरऽ निर्माता ओकरऽ पति होतै आरू ओकरा आशीर्वाद आरू सुरक्षा मिलतै (यशायाह ५४:१-८)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे परमेश् वरक लोकक पुनर्स्थापनक वर्णन अछि। ई बहाली के तुलना कीमती पत्थर आरू नीलम के नींव वाला शहर के पुनर्निर्माण स॑ करै छै । ई लोगऽ क॑ आश्वस्त करै छै कि वू धार्मिकता म॑ स्थापित होतै आरू अत्याचार स॑ बचाबै वाला छै (यशायाह ५४:९-१७)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह चौवन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
भविष्यक बहाली आ आशीर्वाद, २.
धर्म में रक्षा एवं स्थापना।

बंजर महिला के लेल प्रोत्साहन जे भविष्य में वृद्धि में आनन्दित होथि।
भगवान् के पति के रूप में आश्वासन, आशीर्वाद, आ रक्षा।
परमेश् वरक लोकक बहाली आ स्थापनाक वर्णन।

ई अध्याय परमेश् वर के लोगऽ के भविष्य के पुनर्स्थापन, विस्तार आरू आशीष पर केंद्रित छै।
एकरऽ शुरुआत इजरायल के प्रतीक बंजर आरू उजाड़ महिला क॑ संबोधित करी क॑ करलऽ जाय छै ।
महिला के हर्षित होबय लेल आ भविष्य में अपन वंशज में वृद्धि के तैयारी करय लेल प्रोत्साहित कयल जाइत अछि | हुनका आश्वासन देल गेल छनि जे हुनकर निर्माता हुनकर पति हेताह आ हुनका आशीर्वाद आ रक्षा भेटतनि । एकरऽ बाद अध्याय म॑ परमेश्वर केरऽ लोगऽ के पुनर्स्थापन के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एक शहर केरऽ पुनर्निर्माण के बिम्ब के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै जेकरा म॑ कीमती पत्थर आरू नीलम के नींव के साथ पुनर्निर्माण करलऽ जाय रहलऽ छै । एहि मे जनता केँ आश्वासन देल गेल अछि जे ओ धर्म मे स्थापित होयत आ उत्पीड़न सँ सुरक्षित रहत। अध्याय में परमेश्वर के लोगऽ के भविष्य के पुनर्स्थापन आरू आशीर्वाद के साथ-साथ धर्म में सुरक्षा आरू स्थापना के बारे में भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै जे ओकरा सिनी के अनुभव होतै।

यशायाह 54:1 हे बंजर, जे नहि सहन केलहुँ, गाउ। हे जे गर्भवती नहि भेलहुँ, गाबि कऽ जोर-जोर सँ चिचियाउ, किएक तँ विवाहित पत्नीक संतान सँ बेसी उजड़ल लोकक संतान बेसी अछि।”

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे बंजर सभक संतान विवाहित स् त्री सभक संतान सँ बेसी अछि।

1: हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रतिज्ञा हमरा सभक परिस्थिति सँ पैघ अछि।

2: हमर सभक परिस्थिति चाहे जे हो, भगवान हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

752

2: भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यशायाह 54:2 अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू आ ओकरा सभ केँ अहाँक आवासक पर्दा केँ पसारि दियौक।

ई अंश हमरा सब क॑ अपनऽ क्षितिज के विस्तार करै लेली आरू जोखिम उठाबै स॑ नै डरै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. आगू बढ़बाक साहस: जोखिम उठाबय आ अपन क्षितिज के विस्तार करब

2. डर नहि: भय पर काबू पाब आ विश्वास मे बढ़ब

1. यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, किएक तँ अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।

2. भजन 118:6 - प्रभु हमरा संग छथि; हम डरब नहि। मात्र मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यशायाह 54:3 किएक तँ अहाँ दहिना आ बामा कात तोड़ि देब। तोहर वंशज गैर-यहूदी सभक उत्तराधिकारी बनत आ उजाड़ नगर सभ मे रहबाक लेल बनौत।”

परमेश् वर अपन लोक केँ शत्रु सभ पर विजय प्रदान करताह आ ओ सभ फेर सँ अपन देश मे निवास करताह।

1. भगवान् हमरा सभ केँ कहियो उजाड़ नहि छोड़ताह; कठिनाईक समय मे सदिखन शक्ति आ आशा प्रदान करताह।

2. हम प्रभु पर भरोसा क सकैत छी जे ओ अपन जीवन के पुनर्स्थापित करताह आ हमरा सब के सफलता अनताह।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

यशायाह 54:4 डेराउ नहि; किएक तँ अहाँ लाज नहि करब। किएक तँ अहाँ लजित नहि होयब, किएक तँ अहाँ अपन जवानीक लाज बिसरि जायब आ अपन विधवाक अपमान केँ आब नहि मोन पाड़ब।”

ई अंश प्रोत्साहित करै छै कि डर नै लागै या लाज नै होय, आरो अतीत के लाज के बिसरी जाय।

1. भगवान् पर विश्वास के द्वारा लाज पर काबू पाना

2. अतीत के छोड़ि भविष्य के आत्मसात करब

1. यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी; आब ओ उगैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी?"

2. भजन 34:4 - "हम प्रभु केँ तकलहुँ, आ ओ हमरा उत्तर देलनि आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।"

यशायाह 54:5 किएक तँ अहाँक निर्माता अहाँक पति छथि। सेना के प्रभु ओकर नाम छै। आ तोहर मुक्तिदाता इस्राएलक पवित्र। समस्त पृथ्वीक परमेश् वर कहल जायत।

753

परमेश् वर हमरा सभक निर्माता आ मुक्तिदाता छथि। ओ सेना सभक प्रभु, इस्राएलक पवित्र आ समस्त पृथ्वीक परमेश् वर छथि।

1. परमेश् वर हमर सभक प्रदाता आ मुक्तिदाता छथि - यशायाह 54:5

2. प्रोत्साहित आ आश्वस्त रहू - यशायाह 54:5

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भेलाह जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. भजन 103:13 - "जहिना पिता अपन संतान पर दया करैत अछि, तहिना प्रभु ओकरा डरय बला पर दया करैत अछि।"

यशायाह 54:6 अहाँ केँ परमेश् वर कहैत छथि जे, परमेश् वर अहाँ केँ ओहिना बजौलनि अछि जेना अहाँ केँ छोड़ि देल गेल आ आत् मा मे दुखी स् त्री आ जवानी मे पत्नी जकाँ बजौलनि अछि।

प्रभु हमरा सभ केँ अपना लग बजबैत छथि, तखनो जखन हमरा सभ केँ अस्वीकार कयल गेल अछि आ हमर सभक आत्मा दुखी अछि।

1: भगवान् के बिना शर्त प्रेम

2: अस्वीकृति के बादो भगवान् के पास वापसी

1: रोमियो 8:37-39 - "नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य आ ने भविष्य।" कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन चीज, हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग क' सकैत अछि जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।"

2: भजन 86:15 - "मुदा हे प्रभु, अहाँ दयालु आ कृपालु परमेश् वर छी, क्रोध मे मंद आ अडिग प्रेम आ निष्ठा मे प्रचुरता रखैत छी।"

यशायाह 54:7 हम थोड़ेक काल लेल अहाँ केँ छोड़ि देलहुँ। मुदा हम अहाँ केँ बहुत दया सँ जमा करब।”

ई अंश परमेश् वर के प्रेम आरू दया के बात करै छै, जेकरा सें ई याद दिलाबै छै कि भले ही हुनी हमरा सिनी कॅ कम समय लेली छोड़ी देलकै, लेकिन हुनको दया हमरा सिनी कॅ हमेशा हुनका पास वापस लानै छै।

1. भगवान् के दया आ प्रेम: कोना समय आ स्थान के पार करैत अछि

2. कहियो असगर नहि: परमेश्वरक विश्वासपात्र उपस्थितिक आरामक अनुभव करब

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. भजन 34:18 - "प्रभु टुटल हृदय वाला के नजदीक छैथ, आ पश्चाताप करय वाला के बचाबैत छैथ।"

यशायाह 54:8 हम कनि क्रोध मे अहाँ सँ क्षण भरि लेल अपन मुँह नुका लेलहुँ। मुदा हम अनन्त दया सँ अहाँ पर दया करब, अहाँ सभक मुक्तिदाता परमेश् वर कहैत छथि।

हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेम अनन्त अछि आ कहियो फीका नहि होयत, चाहे हम सभ कतबो पाप करी।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेम: प्रभुक अनन्त दयालुताक अन्वेषण

2. परमेश् वरक दया पर भरोसा करब: यशायाह 54:8 केर आशा
754

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भ' गेल छथि जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. भजन 103:17 - "मुदा प्रभुक दया अनन्त सँ अनन्त धरि हुनका डरय बला लोक पर रहैत छनि आ हुनकर धार्मिकता संतानक सन्तान पर।"

यशायाह 54:9 किएक तँ ई हमरा लेल नूहक पानि जकाँ अछि, कारण जेना हम शपथ केने छी जे आब नूहक पानि पृथ्वी पर नहि जायत। तेँ हम शपथ खा लेने छी जे हम अहाँ पर क्रोध नहि करब आ ने अहाँ केँ डाँटब।”

ई अंश परमेश् वर केरऽ प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू अपनऽ लोगऽ के रक्षा आरू दिलासा दै छै चाहे ओकरा कोय भी परिस्थिति के सामना करना पड़ै ।

1. परमेश् वरक अविचल प्रतिज्ञा - परमेश् वरक प्रेम आ दयाक दृढ़ताक परीक्षा।

2. भगवानक रक्षाक अडिगता - एकटा स्मरण जे चाहे कोनो परिस्थिति हो, भगवान वफादार आ सच्चा छथि।

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यशायाह 54:10 किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत। मुदा हमर दया तोरा सँ नहि हटत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत।”

परमेश् वर वादा करै छै कि हुनकऽ दयालुता आरू शांति के वाचा हुनकऽ लोगऽ स॑ कहियो नै छीनलऽ जैतै ।

1. परमेश् वरक प्रेमक अटूट प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक शान्तिक दृढ़ वाचा

1. भजन 119:76 - हे अहाँक प्रेम हमरा सान्त्वना दियौक, अहाँक सेवक केँ अहाँक वचनक अनुसार।

2. रोमियो 8:38 39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

यशायाह 54:11 हे पीड़ित, तूफान सँ उछालल, मुदा सान्त्वना नहि भेटल, देखू, हम अहाँक पाथर गोर रंगक पाथर राखब आ नीलमणि सँ अहाँक नींव राखब।

परमेश् वर पीड़ित लोकनि केँ सान्त्वना प्रदान करताह आ हुनका सभ केँ सुन्दर आ अनमोल पाथर केँ नींव बना कऽ मजबूत करताह।

1. "भगवानक नींवक आराम"।

2. "कठिन समय मे ताकत ताकब"।

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

755

यशायाह 54:12 हम अहाँक खिड़की सभ केँ सुगंध सँ बना देब, आ अहाँक फाटक सभ केँ कार्बंकल सँ बना देब आ अहाँक सभ सीमा केँ नीक पाथर सँ बना देब।

भगवान् धर्मात्माक देबाल आ फाटक केँ अनमोल पाथर सँ सजाओताह।

1. भगवान् आस्थावान केँ सुन्दर आशीर्वाद सँ पुरस्कृत करताह।

2. अपन जीवन केँ धर्म सँ सुशोभित करू आ भगवान अहाँक जीवन केँ सौन्दर्य सँ सुशोभित करताह।

1. भजन 37:3-4 "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ सुरक्षित चारागाहक आनंद लिअ। प्रभु मे आनन्दित रहू आ ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।"

2. 1 पत्रुस 1:6-7 "अहाँ सभ एहि बात सँ आनन्दित छी, यद्यपि आब किछु समयक लेल, जँ आवश्यक हो, अहाँ सभ विभिन्न परीक्षा सँ दुखी भ' गेलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा कयल गेल सच्चाई सोना सँ बेसी कीमती अछि जे नाश भ' जाइत अछि।" आगि सँ परीक्षा लेल गेलाक परिणाम यीशु मसीहक प्रकटीकरण पर स्तुति आ महिमा आ सम्मान भेटि सकैत अछि |”

यशायाह 54:13 अहाँक सभ बच्चा सभ केँ परमेश् वर सँ शिक्षा देल जायत। तोहर सन्तान सभक शान्ति बहुत पैघ होयत।”

ई श्लोक प्रभु के बात करै छै कि हुनी हमरऽ बच्चा सिनी क॑ सिखाबै छै आरू ओकरा शांति प्रदान करै छै ।

1: प्रभु के शांति के प्रतिज्ञा

2: प्रभु के शिक्षा के प्रतिज्ञा

1: इफिसियों 6:4 "पिता सभ, अपन बच्चा सभ केँ क्रोधित नहि करू, बल् कि प्रभुक अनुशासन आ शिक्षा मे पालन-पोषण करू।"

2: नीतिवचन 22:6 "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू, जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखनो ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

यशायाह 54:14 अहाँ धार्मिकता मे स्थापित होयब, अहाँ अत्याचार सँ दूर रहब। किएक तँ अहाँ डरब नहि। किएक तँ ई तोहर लग नहि आओत।”

धर्म मे हम सब स्थापित भ सकैत छी आ अत्याचार आ भय स दूर भ सकैत छी।

1. धर्मक शक्ति - ई अन्वेषण करब जे धर्म कोना उत्पीड़न आ भय सँ मुक्त जीवन दिस ल' सकैत अछि

2. भगवानक रक्षाक आशीर्वाद - ई परखब जे भगवान हमरा सभकेँ कोना भय आ आतंकसँ सुरक्षित रखैत छथि

1. भजन 91:4-5 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2. रोमियो 8:31 - तखन एहि सभक प्रतिक्रिया मे हम सभ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यशायाह 54:15 देखू, ओ सभ अवश्य एकत्रित होयत, मुदा हमरा द्वारा नहि।

भगवान् अपन लोक के ओकर दुश्मन स बचा लेताह।

1: परमेश् वरक रक्षा सदिखन उपलब्ध अछि - यशायाह 54:15

2: विश्वास मे दृढ़ रहू - यशायाह 54:15

1: रोमियो 8:31-39 - परमेश् वरक अपन संतान सभक प्रति प्रेम आ रक्षा

2: भजन 91 - परमात्मा के आश्रय में निवास

यशायाह 54:16 देखू, हम ओहि लोहार केँ बनौने छी जे आगि मे कोयला उड़ाबैत अछि आ अपन काजक लेल एकटा वाद्ययंत्र निकालैत अछि। आ हम बर्बाद करयवला केँ नष्ट करबाक लेल बनौने छी।

1: भगवान् सब वस्तुक सृष्टिकर्ता छथि, आ ओ एकटा लोहार बनौने छथि जे वाद्ययंत्र उत्पन्न करय आ एकटा बर्बाद करयवला विनाश करबाक लेल।

2: हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही आ ई बूझबाक चाही जे भगवाने सभ वस्तु पर अंतिम नियंत्रण रखैत छथि।

1: कुलुस्सी 1:16-17 किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ किछु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभु वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।

17 ओ सभ किछु सँ पहिने छथि आ हुनका मे सभ किछु एक संग रहैत छथि।

2: अय्यूब 12:9-10 एहि सभ मे सँ के नहि जनैत अछि जे प्रभुक हाथ ई काज केने छथि? 10 हुनकर हाथ मे सभ जीवक प्राण आ समस्त मनुष् यक साँस अछि।

यशायाह 54:17 अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत। आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि हुनकऽ सेवकऽ के खिलाफ बनलऽ कोय भी हथियार सफल नै होतै आरू जे भी हुनकऽ विरोध करतै ओकरा न्याय करतै । ई प्रभु के सेवक के धरोहर छै आरू हुनकऽ धर्म हुनका स॑ छै ।

1. प्रभु हमर रक्षक छथि: मसीह मे हमर धरोहर केँ बुझब

2. विरोधक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: परमेश् वरक सेवक सभक धार्मिकता

1. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2. रोमियो 8:31 - तखन एहि सभक प्रतिक्रिया मे हम सभ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यशायाह अध्याय ५५ मे ओहि सभ गोटे केँ आमंत्रण देल गेल अछि जे प्यासल छथि जे आबि क’ परमेश् वरक प्रचुर आ मुफ्त मे देल गेल आशीष ग्रहण करथि। ई प्रभु, हुनकऽ रास्ता आरू हुनकऽ क्षमा के खोज के महत्व पर जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा आमंत्रण स होइत अछि जे प्यासल छथि जे आबय आ परमेश्वर के उद्धार के पानि स मुक्त रूप स पीबथि। ई ई बात पर जोर दै छै कि परमेश्वर के तरीका आरू विचार मनुष्य के तरीका स॑ भी उच्च छै, आरू हुनकऽ वचन हुनकऽ उद्देश्य क॑ पूरा करतै (यशायाह ५५:१-५)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय मे लोक के आह्वान कयल गेल अछि जे ओ प्रभु के खोजय जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि आ दया आ क्षमा के लेल हुनका दिस मुड़थि। ई जोर दै छै कि परमेश्वर के विचार आरू तरीका मनुष्य के विचार आरू तरीका स॑ अलग छै, आरू हुनकऽ वचन खाली नै वापस आबै वाला छै बल्कि हुनकऽ इच्छा पूरा करतै (यशायाह ५५:६-११)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन आनन्द के संदेश आरू परमेश्वर के पुनर्स्थापन आरू प्रचुरता के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। ई परमेश् वर के लोगऽ के हुनका पास वापसी के साथ जे

757

आनन्द आरू शांति के वर्णन छै, आरू ई हुनकऽ वाचा के अनन्त प्रकृति के उजागर करै छै (यशायाह ५५:१२-१३)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह पचपन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
परमेश् वरक आशीष ग्रहण करबाक निमंत्रण,
प्रभु आ हुनकर क्षमा माँगबाक लेल बजाउ।

मोक्ष के जल में आकर मुक्त रूप से पीने के आमंत्रण।
प्रभु, हुनकऽ रास्ता आरू हुनकऽ क्षमा के खोज करै लेली आह्वान करऽ ।
परमेश्वर के पास वापस आबै वाला के लेलऽ आनन्द, पुनर्स्थापन आरू प्रचुरता के प्रतिज्ञा।

एहि अध्याय मे ओहि सभ गोटे केँ आमंत्रण देल गेल अछि जे प्यासल छथि जे आबि क' परमेश् वरक प्रचुर आ मुफ्त मे देल गेल आशीर्वाद प्राप्त करथि। ई प्रभु, हुनकऽ रास्ता आरू हुनकऽ क्षमा के खोज के महत्व पर जोर दै छै । अध्याय के शुरुआत एकटा आमंत्रण स होइत अछि जे प्यासल छथि जे आबि क’ परमेश् वरक उद्धारक पानि मे मुक्त रूप स’ पीबथि। ई बात पर जोर दै छै कि परमेश्वर के तरीका आरू विचार मनुष्य के तरीका स॑ भी उच्च छै, आरू हुनकऽ वचन हुनकऽ उद्देश्य क॑ पूरा करतै । तखन अध्याय मे लोक सभ केँ आह्वान कयल गेल अछि जे जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत धरि प्रभुक खोज करथि आ दया आ क्षमाक लेल हुनका दिस मुड़थि। ई रेखांकित करै छै कि परमेश्वर के विचार आरू तरीका मनुष्य के विचार आरू तरीका स॑ अलग छै, आरू हुनकऽ वचन खाली नै वापस आबै वाला छै बल्कि हुनकऽ इच्छा पूरा करतै । अध्याय के समापन आनन्द के संदेश आरू परमेश्वर के पुनर्स्थापन आरू प्रचुरता के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। ई परमेश् वर के लोग सिनी के हुनका पास वापसी के साथ आबै वाला आनन्द आरू शांति के वर्णन करै छै आरू हुनकऽ वाचा के अनन्त स्वभाव पर प्रकाश डालै छै। अध्याय में परमेश् वर के आशीष ग्रहण करै के आमंत्रण, प्रभु आरू हुनकऽ क्षमा माँगै के आह्वान, आरू जे लोग हुनका पास वापस आबै छै, ओकरा लेली आनन्द, पुनर्स्थापन आरू प्रचुरता के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै।

यशायाह 55:1 हे, जे कियो प्यासल अछि, अहाँ सभ पानि दिस आबि जाउ, जकरा लग पाइ नहि अछि। आऊ, कीनि कऽ खाउ। हँ, आऊ, बिना पाइ आ बिना दाम के शराब आ दूध कीनि लिअ।

भगवान सब गोटे के आमंत्रित करैत छथि जे बिना कोनो खर्च के आबय आ जे किछु चाही से भेटय।

1. भगवान् के कृपा के मूल्य: भगवान के बिना शर्त प्रेम के समझना

2. निःशुल्क उपहार: भगवानक महग प्रावधानक सराहना करब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि, बल् कि हुनका द्वारा संसारक उद्धार करबाक लेल पठौलनि।

यशायाह 55:2 जे रोटी नहि अछि, तकरा लेल अहाँ सभ पाइ किएक खर्च करैत छी? आ अहाँ सभक परिश्रम जे तृप्त नहि करैत अछि? हमर बात सुनि लिअ आ नीक जे किछु खाउ, आ अपन प्राण मोट मे आनन्दित होउ।

ई अंश सही मायने में फायदेमंद चीज में निवेश करै के जरूरत पर जोर दै छै आरू जे अच्छा आरू पौष्टिक छै, ओकरा में आनंद लेबै के जरूरत पर जोर दै छै।

1. जे सबसँ बेसी मायने रखैत अछि ताहि मे निवेश करब

2. जे नीक अछि ताहि मे आनन्द लेब

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट

758

करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. फिलिप्पियों 4:8 अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु सम्मानजनक अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे किछु शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि, जँ कोनो उत्कृष्टता अछि, जँ कोनो प्रशंसा करबाक योग्य अछि, ताहि पर विचार करू ई सब बात।

यशायाह 55:3 कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ, सुनू, तखन अहाँक प्राण जीवित रहत। हम अहाँ सभक संग अनन्त काल धरि वाचा करब, जे दाऊदक निश् चित दया अछि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका लग आबय लेल आमंत्रित करैत छथि, आ जँ हम सभ आबय छी तँ ओ हमरा सभ केँ अनन्त जीवन आ दाऊदक प्रतिज्ञाक माध्यम सँ हुनका संग सुरक्षित संबंध देथिन।

1. अनन्त जीवनक लेल परमेश् वरक आमंत्रण: दाऊदक निश्चित दया सभक ग्रहण करब

2. परमेश् वरक अटूट प्रतिज्ञा: हुनकर वचन सुनबाक लेल अपन कान केँ झुका देब

1. यिर्मयाह 29:11-13 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि। तखन अहाँ हमरा बजा कऽ आबि कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।

2. यूहन्ना 14:6 यीशु उत्तर देलथिन, “हम बाट आ सत् य आ जीवन छी।” हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

यशायाह 55:4 देखू, हम हुनका लोकक लेल गवाही, लोकक लेल एकटा नेता आ सेनापति देलहुँ।

भगवान् जनता के एकटा नेता आ सेनापति के गवाह के रूप में देने छैथ।

1. प्रभु हमर नेता आ सेनापति छथि

2. भगवान् केँ बाट चलाबय दियौक

1. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. यशायाह 40:31 "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत; आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

यशायाह 55:5 देखू, अहाँ एकटा एहन जाति केँ बजाउ जे अहाँ नहि जनैत छी, आ जे जाति अहाँ केँ नहि चिन्हैत छल, से अहाँक परमेश् वर परमेश् वर आ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक कारणेँ अहाँ लग दौड़त। किएक तँ ओ अहाँक महिमा कयलनि।”

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना वू जाति के लोग जे पहिने वक्ता के लेलऽ अनजान छेलै, प्रभु आरू इस्राएल के पवित्र के कारण ओकरा सिनी के पास आबै वाला छै।

1. लोक केँ एक ठाम अनबा मे भगवानक शक्ति

2. दोसर के अपना दिस आकर्षित करबाक लेल प्रभु पर भरोसा करब

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब।"

2. मत्ती 28:19-20 - "तेँ जाउ, सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दिअ आ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा

759

देलहुँ, ओकर पालन करबाक लेल। आ निश्चित रूप सँ।" हम अहाँक संग सदिखन छी, युगक एकदम अंत धरि।

यशायाह 55:6 जाबत धरि हुनका भेटि जायत ताबत अहाँ सभ प्रभु केँ ताकू, जाबत ओ लग मे रहत ताबत तक हुनका बजाउ।

आब भगवान के खोजू, ताहि सँ पहिने जे बहुत देर भ' जाय आ ओ आब उपलब्ध नहि रहथि।

1. भगवान सदिखन उपस्थित रहैत छथि, मुदा एकरा हल्का मे नहि लिअ

2. भगवान के खोजय के इंतजार नै करू, आब काज करू

1. नीतिवचन 8:17 - हम ओहि सभ सँ प्रेम करैत छी जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि; जे हमरा जल्दी तकैत अछि, से हमरा पाबि लेत।”

2. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, ओ अहाँ सभक नजदीक आओत। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। अहाँ सभ दोग-दोसर विचारक लोक सभ, अपन हृदय केँ शुद्ध करू।

यशायाह 55:7 दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

ई अंश पाठकऽ क॑ पश्चाताप करै लेली आरू भगवान के तरफ मुड़ै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि हुनी दया आरू प्रचुर मात्रा म॑ क्षमा करतै ।

1. पश्चाताप के शक्ति: मोक्ष के लेल परमेश्वर के तरफ मुड़ब

2. परमेश्वरक दया आ प्रचुर क्षमा: विश्वासक माध्यमे क्षमा भेटब

1. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

2. लूका 15:11-32 - उड़ल पुत्रक दृष्टान्त।

यशायाह 55:8 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वरक बाट हमरा सभक बाटसँ बेसी ऊँच अछि।

1: हमरा सभ केँ भगवानक योजना पर भरोसा करबाक चाही तखनो जखन ओकरा बुझब कठिन हो।

2: हमरा सभकेँ ई विश्वास रहबाक चाही जे भगवान् सदिखन हमर सभक हितकेँ ध्यानमे रखैत छथि।

1: रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यशायाह 55:9 जेना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

भगवान् के रास्ता हमरऽ रास्ता स॑ भी उच्च छै आरू ओकरऽ विचार हमरऽ विचार स॑ भी जादा जटिल छै ।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक योजना पर भरोसा करबाक चाही आ हुनकर इच्छा पर भरोसा करबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ हमरा सभक समझ सँ आगू हो।

2: हमरा सभ केँ भगवान् केर शक्ति आ महिमा केँ चिन्हबाक चाही, आ भरोसा करबाक चाही जे हुनकर योजना हमर सभक अपन समझ सँ पैघ अछि।

1: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यशायाह 55:10 किएक तँ जहिना बरखा आ स् वर्गसँ बर्फ अबैत अछि आ ओतऽ घुरि कऽ नहि अबैत अछि, बल् कि पृथ् वीकेँ पानि दऽ दैत अछि आ ओकरा अंकुरित करैत अछि, जाहिसँ ओ बोनिहारकेँ बीया आ खाएबलाकेँ रोटी देत।

परमेश् वरक वचन फल देत, बोनिहार आ खाएबला केँ पोषण करत।

1. "बीजब आ कटनी: परमेश् वरक वचनक द्वारा प्रचुरता"।

2. "विश्वास के उपजाऊ जमीन: शास्त्र के माध्यम स अपन जीवन के खेती"।

1. याकूब 1:22-25 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि।
किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ ओहि आदमी जकाँ अछि जे अपन स्वभाव केँ ध्यान सँ देखैत अछि।" ऐना मे मुँह।किएक तँ ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल।मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता रखैत अछि, ओ श्रोता नहि अछि जे बिसरि जाइत अछि, अपितु काज करयवला कर्मक अछि, अपन करबा मे धन्य हेताह।

2. भजन 1:1-3 - "धन्य अछि ओ आदमी जे दुष्टक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने उपहास करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि, मुदा ओकर प्रसन्नता प्रभुक व्यवस्था मे होइत अछि।" , आ अपन नियम पर दिन-राति ध्यान करैत अछि। ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि जे अपन मौसम मे फल दैत अछि, आ ओकर पात नहि मुरझाइत अछि। जे किछु करैत अछि, ओहि मे ओ समृद्ध होइत अछि।"

यशायाह 55:11 हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ ओहि वस्तु मे सफल होयत जाहि मे हम ओकरा पठौने रही।

भगवान् के वचन शून्य नै वापस आबै वाला छै, बल्कि हुनकऽ उद्देश्य पूरा करतै आरू अपनऽ मिशन में सफल होतै ।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक निष्ठा

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. इब्रानी 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन कोनो दुधारी तलवार सँ तेज, शक्तिशाली आ तेज अछि, जे प्राण आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ अलग करबा धरि बेधैत अछि, आ विचार-विचारक विवेचक अछि आ हृदयक मंशा।

यशायाह 55:12 किएक तँ अहाँ सभ हर्षोल्लाससँ बाहर निकलब आ शान्तिक संग आगू बढ़ब, पहाड़ आ पहाड़ अहाँ सभक सोझाँ फाटि कऽ गाबि उठत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे जखन हम सभ हुनकर पाछाँ चलब तखन ओ हमरा सभ केँ हर्ष आ शांति सँ बाहर निकालताह आ पहाड़, पहाड़ी आ गाछ-बिरिछ हमरा सभक उपस्थिति मे आनन्दित होयत।

761

1. परमेश् वरक आनन्द आ शान्तिक प्रतिज्ञा - यशायाह 55:12

2. प्रभुक सान्निध्य मे आनन्दित रहब - यशायाह 55:12

1. भजन 96:11-12 - आकाश आनन्दित हो, पृथ्वी आनन्दित हो। समुद्र आ ओहि मे जे किछु अछि, गर्जय। खेत उल्लास करय, आ ओहि मे सब किछु!

2. भजन 100:2 - प्रसन्नता सँ प्रभुक सेवा करू! गायन के संग हुनकर सान्निध्य में आऊ!

यशायाह 55:13 काँट के जगह पर देवदार के गाछ उठत, आ काँट के जगह पर मर्टल के गाछ चढ़त, आ ई एकटा नाम परमेश् वरक लेल होयत, जे अनन्त चिन्हक रूप मे होयत जे काटल नहि जायत।

भगवान् अपन निष्ठा के एकटा स्थायी संकेत प्रदान करताह जे कहियो नष्ट नहि होयत।

1. परमेश् वरक अटूट निष्ठा

2. परमेश् वरक प्रेमक अनन्त चिन्ह

1. भजन 100:5 - कारण, प्रभु नीक छथि; ओकर अडिग प्रेम सदाक लेल रहैत छैक आ ओकर निष्ठा सभ पीढ़ी धरि।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

यशायाह अध्याय 56 पूजा आरू सामुदायिक जीवन म॑ धर्म, न्याय, आरू समावेशीता के महत्व क॑ संबोधित करै छै । ई परमेश् वर के सब के स्वीकार करै पर जोर दै छै जे हुनकऽ आज्ञा के पालन करै छै आरू हुनका खोजै छै, चाहे ओकरऽ सामाजिक स्थिति या पृष्ठभूमि केतना भी होय ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत धर्म आ न्याय के महत्व पर जोर दैत अछि | ई लोगऽ क॑ परमेश्वर केरऽ आज्ञा के पालन करै लेली आरू न्याय क॑ कायम रखै लेली प्रोत्साहित करै छै, जेकरा म॑ ऐसनऽ करै वाला क॑ आशीर्वाद के वादा करलऽ जाय छै (यशायाह ५६:१-२)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय विदेशी आरू नपुंसक के संबोधित करै छै, जेकरा में हुनका भगवान के प्रार्थना घर में स्वीकृति आरू समावेश के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै । ई घोषणा करै छै कि प्रभु के प्रति हुनकऽ निष्ठा आरू भक्ति के फल मिलतै, आरू परमेश्वर के लोगऽ के भीतर हुनका एक स्थान आरू नाम मिलतै (यशायाह ५६:३-८)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में ओहि नेता आ चौकीदार के डांटल गेल अछि जे अपन कर्तव्य में लापरवाह छथि | ई लोभ आरू समझ के कमी के खिलाफ चेतावनी दै छै जे एगो धर्मी आरू न्यायपूर्ण समाज के स्थापना में बाधा डालै छै (यशायाह 56:9-12)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छप्पन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
धर्म आ न्याय पर जोर,
सबहक समावेश आ स्वीकृति।

धर्म आ न्याय के महत्व, आज्ञाकारी के लेल आशीर्वाद।
विदेशी एवं नपुंसक के लिये स्वीकृति एवं समावेश का आश्वासन |
लापरवाह नेता के डांट आ लोभ के खिलाफ चेतावनी।

एहि अध्याय मे पूजा आ सामुदायिक जीवन मे धर्म आ न्याय के महत्व पर जोर देल गेल अछि | ई लोगऽ क॑ परमेश्वर केरऽ आज्ञा के पालन करै लेली आरू न्याय क॑ कायम रखै लेली प्रोत्साहित करै छै, जेकरा म॑ ऐसनऽ करै वाला क॑ आशीर्वाद के वादा करलऽ जाय छै । अध्याय म॑ विदेशी आरू नपुंसकऽ क॑ भी संबोधित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ हुनका भगवान केरऽ प्रार्थना घर म॑ स्वीकृति आरू समावेश के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै । ई घोषणा करै छै कि प्रभु के प्रति हुनकऽ निष्ठा आरू भक्ति के फल मिलतै, आरू परमेश्वर के लोगऽ के भीतर हुनका एक स्थान आरू नाम

762

मिलतै । अध्याय म॑ अपनऽ कर्तव्य म॑ लापरवाही करै वाला नेता आरू चौकीदार क॑ डांटलऽ गेलऽ छै आरू धर्मी आरू न्यायपूर्ण समाज के स्थापना म॑ बाधा पहुँचै वाला लोभ आरू समझदारी के कमी स॑ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै । ई पूजा आरू सामुदायिक जीवन म॑ धर्म, न्याय, आरू समावेशीता के महत्व क॑ रेखांकित करै छै, साथ ही साथ हुनका खोजै वाला सब क॑ परमेश्वर केरऽ स्वीकृति प॑ भी प्रकाश डालै छै, चाहे ओकरऽ सामाजिक स्थिति या पृष्ठभूमि के कोय भी बात होय ।

यशायाह 56:1 प्रभु ई कहैत छथि, “अहाँ सभ न्याय केँ पालन करू आ न्याय करू, किएक तँ हमर उद्धार आबय बला अछि आ हमर धार्मिकता प्रकट होमय बला अछि।”

प्रभु लोगऽ क॑ न्याय के पालन करै आरू न्याय करै के आज्ञा दै छै, कैन्हेंकि जल्दिये उद्धार आरू धर्म के प्रकटीकरण होतै।

1. धर्म आ न्यायक जीवन जीब

2. मोक्षक प्रतिज्ञा

1. मीका 6:8 हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. गलाती 5:22-23 मुदा आत् माक फल अछि प्रेम, आनन्द, शान्ति, सहनशीलता, दया, भलाई, विश्वास, कोमलता आ आत्मसंयम। एहन बातक विरुद्ध कोनो कानून नहि अछि।

यशायाह 56:2 धन्य अछि जे ई काज करैत अछि आ मनुष्यक पुत्र जे एकरा पकड़ने अछि। जे विश्राम-दिन केँ ओकरा दूषित करबा सँ बचाबैत अछि आ अपन हाथ केँ कोनो अधलाह काज करबा सँ बचाबैत अछि।

ई श्लोक हमरा सभ केँ विश्राम-दिन केँ पवित्र रखबाक लेल आ बुराई सँ परहेज करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1: हमरा सभकेँ प्रभु दिवसकेँ पवित्र आ पवित्र रखबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन काज वा विचार केँ विश्राम-दिन केँ प्रदूषित नहि करय देबाक चाही।

1: निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ पवित्र रखबाक लेल मोन राखू।

2: भजन 119:9 - युवक अपन बाट कोना शुद्ध राखि सकैत अछि? अपन वचनक अनुसार एकर पहरा क' क'।

यशायाह 56:3 आ ने परदेशीक बेटा जे परमेश् वरक संग जुड़ि गेल अछि, ओ ई कहब जे, “प्रभु हमरा अपन लोक सँ एकदम अलग क’ देलनि।”

परदेसी आ जेकरा बहिष्कृत मानल जाइत अछि, तकरा परमेश् वर स्वीकार करबाक अनुमति दैत छथि।

1: भगवान सब स समान प्रेम करैत छथि आ ककरो अलग अलग परिस्थिति के कारण बहिष्कृत या अस्वीकार नै करबाक चाही।

2: भगवान् के नजर में हम सब बराबर छी आ सब के हुनकर राज्य में खुलल बांहि स स्वागत कयल जाइत अछि।

1: गलाती 3:28 - ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, कोनो पुरुष आ स्त्री नहि अछि, कारण अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।

2: रोमियो 10:12-13 - कारण यहूदी आ यूनानी मे कोनो भेद नहि अछि। कारण, वैह प्रभु सभक प्रभु छथि, जे हुनका पुकारनिहार सभ केँ अपन धन प्रदान करैत छथि। किएक तँ जे कियो प्रभुक नाम पुकारत, तकरा उद्धार भेटतैक।

यशायाह 56:4 किएक तँ परमेश् वर एहि नपुंसक सभ केँ कहैत छथि जे हमर विश्राम-दिनक पालन करैत छथि आ हमरा नीक लगैत अछि आ हमर वाचा केँ पकड़ैत छथि।

763

प्रभु नपुंसक सभ सँ बात करैत छथि, हुनका सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन विश्राम-दिन केँ पालन करथि, जे चीज हुनका नीक लगैत छन्हि से चुनथि आ अपन वाचा केँ पकड़ि लेथि।

1. नपुंसक सभ केँ परमेश् वरक आज्ञा: विश्राम-दिनक पालन करब आ जे हुनका नीक लगैत छनि से चुनब

2. परमेश् वरक वाचा केँ पकड़ब: आज्ञापालनक आह्वान

1. इजकिएल 44:24, "आ विवाद मे ओ सभ न्याय मे ठाढ़ हेताह; आ हमर निर्णयक अनुसार एकर न्याय करताह। आ हमर सभ सभा मे हमर नियम आ नियमक पालन करताह; आ हमर विश्राम-दिन केँ पवित्र करताह।"

2. इब्रानी 8:10, "किएक तँ ओहि दिनक बाद हम इस्राएलक घरानाक संग ई वाचा करब, प्रभु कहैत छथि; हम अपन नियम हुनका सभक मोन मे राखब आ हुनका सभक हृदय मे लिखब। आ हम रहब।" हुनका सभक लेल परमेश् वर, ओ सभ हमरा लेल प्रजा बनत।”

यशायाह 56:5 हम हुनका सभ केँ सेहो अपन घर आ अपन देबाल मे बेटा-बेटी सँ नीक स्थान आ नाम देबनि, हम हुनका सभ केँ अनन्त नाम देबनि जे नहि कटल जायत।

परमेश् वर हुनका प्रति वफादार सभ केँ अनन्त नाम देथिन, जे बेटा-बेटीक नाम सँ नीक होयत।

1. शाश्वत नामक शक्ति - आध्यात्मिक दृष्टिकोणसँ कोनो नामक मूल्यक अन्वेषण।

2. एकटा शाश्वत नाम मे निवेश - हम कोना स्वर्ग मे अपन विरासत सुरक्षित क सकैत छी।

1. नीतिवचन 22:1 - पैघ धन सँ नीक नाम चुनबाक चाही, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।

2. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

यशायाह 56:6 परदेशीक बेटा सभ सेहो जे सभ परमेश् वरक सेवा करैत छथि आ प्रभुक नाम सँ प्रेम करैत छथि, हुनकर सेवक बनैत छथि, जे सभ विश्राम-दिन केँ दूषित नहि करबाक लेल रखैत छथि आ पकड़ैत छथि हमर वाचा;

यशायाह 56:6 अजनबी के परमेश्वर के साथ जुड़ै के महत्व पर जोर दै छै, हुनकऽ नाम स॑ प्रेम करै छै, हुनकऽ सेवा करै छै आरू सब्त के दिन क॑ पवित्र रखै छै।

1. प्रभु मे अजनबी के मूल्य

2. प्रभुक नाम सँ प्रेम करू आ विश्राम-दिन केँ पवित्र राखू

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल। छह दिन परिश्रम करू आ अपन सभ काज करू, मुदा सातम दिन अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक विश्राम-दिन अछि, ताहि मे अहाँ, आ ने अहाँक बेटा, आ ने अहाँक बेटी, आ अपन दासी आ ने अहाँक दासी, आ ने तोहर माल-जाल, आ ने तोहर परदेशी जे तोहर फाटकक भीतर अछि।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।

यशायाह 56:7 हम हुनका सभ केँ अपन पवित्र पहाड़ पर अनब आ हुनका सभ केँ अपन प्रार्थनाक घर मे आनन्दित करब, हुनकर होमबलि आ बलिदान हमर वेदी पर स्वीकार कयल जायत। किएक तँ हमर घर सभ लोकक लेल प्रार्थनाक घर कहल जायत।”

764

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि लोगऽ क॑ अपनऽ पवित्र पहाड़ प॑ लानी क॑ अपनऽ प्रार्थना घर म॑ ओकरा आनन्दित करी देतै, जहाँ ओकरऽ बलिदान आरू बलिदान स्वीकार करलऽ जैतै ।

1. भगवानक प्रार्थनाक घर: आनन्द आ स्वीकृतिक स्थान

2. अपन जीवन आ प्रार्थना मे प्रभुक उपस्थितिक अनुभव करब

1. यशायाह 56:7

2. मत्ती 21:13 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, 'लिखल अछि, 'हमर घर केँ प्रार्थनाक घर कहल जायत, मुदा अहाँ सभ एकरा चोर सभक मांद बना देने छी।"

यशायाह 56:8 प्रभु परमेश् वर, जे इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ जमा करैत छथि, कहैत छथि जे, “हम हुनका लग जमा कयल गेल लोक सभक अतिरिक्त आन लोक सभ केँ हुनका लग जमा करब।”

प्रभु परमेश् वर इस्राएल केरऽ बहिष्कृत लोगऽ आरू बहुत लोगऽ क॑ इकट्ठा करी लेतै जे अभी तक हुनका पास नै ऐलऽ छै ।

1. "अस्वीकृत लोकक प्रति भगवानक प्रेम"।

2. "सबक लेल मोक्षक प्रतिज्ञा"।

1. रोमियो 10:12-13 "यहूदी आ यूनानी मे कोनो अंतर नहि अछि, कारण, सभ पर एकहि प्रभु हुनका पुकारनिहार सभक लेल धनिक छथि। कारण जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, से उद्धार पाओत।" " .

2. लूका 4:18-19 प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल पठौलनि अछि, बंदी सभ केँ उद्धार करबाक प्रचार करबाक लेल आ आन्हर सभ केँ दृष्टि ठीक होयबाक प्रचार करबाक लेल, क्षतिग्रस्त लोक सभ केँ मुक्त करबाक लेल, प्रभुक स्वीकार्य वर्षक प्रचार करबाक लेल।

यशायाह 56:9 अहाँ सभ खेतक जानवर सभ, हँ, अहाँ सभ जंगलक जानवर सभ केँ खाय लेल आबि जाउ।

ई अंश स॑ ई बात के संकेत मिलै छै कि पृथ्वी केरऽ सब प्राणी क॑ भगवान केरऽ वरदान म॑ भाग लेबै लेली आमंत्रित करलऽ गेलऽ छै ।

1: भगवान् हमरा सभ केँ हुनका लग आबि हुनकर भलाई आ दया मे भाग लेबाक लेल आमंत्रित करैत छथि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आमंत्रण केँ स्वीकार करबाक चाही जे हुनका लग आबि हुनकर भरपूर आशीर्वाद प्राप्त करी।

1: मत्ती 11:28 - "हे सब थकल आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

2: भजन 34:8 - "चखू आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य छथि जे हुनकर शरण मे रहैत छथि।"

यशायाह 56:10 हुनकर पहरेदार आन्हर अछि, ओ सभ अज्ञानी अछि, सभ गूंगा कुकुर अछि, ओ सभ भौंक नहि सकैत अछि। सुतल, पड़ल, नींदक प्रेम।

ई अंश परमेश् वर के चौकीदार के बारे में छै जे आन्हर, अज्ञानी, आरू खतरा के देखै आरू चेतावनी दै के अपनऽ काम नै करी सकै छै।

1. आध्यात्मिक अंधता के खतरा: एकरा कोना दूर कयल जाय

2. विश्वासी चौकीदारक महत्व: अपन आध्यात्मिक सतर्कता केँ मजबूत करब

1. मत्ती 15:14, "ओ सभ छोड़ू, ओ सभ आन्हरक आन्हर नेता होथि। आ जँ आन्हर आन्हर केँ नेतृत्व करैत छथि तँ दुनू गोटे खाई मे खसि पड़ताह।"

2. नीतिवचन 27:18, "जे अंजीरक गाछ राखत, ओकर फल खायत, तेँ जे अपन मालिकक प्रतीक्षा करैत अछि, ओकर आदर कयल जायत।"

यशायाह 56:11 हँ, ओ सभ लोभी कुकुर अछि जकरा कहियो पर्याप्त नहि भ’ सकैत अछि, आ ओ सभ चरबाह अछि जे नहि बुझि सकैत अछि, सभ अपन-अपन बाट दिस तकैत अछि, प्रत्येक अपन लाभक लेल, अपन-अपन बाट सँ।

लोभी अपन बाट दिस तकैत अछि आ अपना लेल लाभ तकैत अछि ।

1: लोभ एकटा एहन कुरीति अछि जे कहियो तृप्त नहि भ' सकैत अछि आ भगवान सँ दूर भ' जायत।

2: हमरा सभकेँ जे किछु अछि ताहिसँ संतुष्ट रहबाक प्रयास करबाक चाही आ मार्गदर्शनक लेल भगवान् दिस तकबाक चाही।

1: फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2: 1 तीमुथियुस 6:6-8 - मुदा संतोषक संग परमेश् वरक भक्ति बहुत लाभ अछि, किएक तँ हम सभ संसार मे किछु नहि अनलहुँ आ संसार सँ किछु नहि निकालि सकैत छी। मुदा जँ हमरा सभ लग भोजन आ वस्त्र रहत तँ एहि सभसँ हम सभ संतुष्ट रहब।

यशायाह 56:12 अहाँ सभ आबि कऽ कहू जे हम मदिरा आनब, आ हम सभ अपना केँ मद्यपान सँ भरब। काल्हि आइयो जकाँ होयत आ बहुत बेसी प्रचुर होयत।

लोक शराब आओर स्ट्रॉन्ग ड्रिंक मे लिप्त होए के योजना बना रहल छथिन्ह आओर उम्मीद क रहल छथिन्ह जे काल्हि आइ सं आओर नीक होएत.

1. बेसी शराब पीबाक खतरा

2. अत्यधिक सुख सँ परहेज करब

1. नीतिवचन 20:1 - शराब उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।

2. गलाती 5:19-21 - आब शरीरक काज प्रगट भ’ गेल अछि, जे ई सभ अछि। व्यभिचार, व्यभिचार, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, घृणा, विचलन, अनुकरण, क्रोध, कलह, विद्रोह, पाखण्ड, ईर्ष्या, हत्या, नशा, मस्ती, आरू ऐन्हऽ तरह के बात, जेकरा बारे म॑ हम्में पहलें तोरा सिनी क॑ कहै छियै, जेना कि हम्में भी कहै छियै पहिने अहाँ सभ केँ कहने छल जे एहन काज करनिहार सभ परमेश् वरक राज् य मे उत्तराधिकारी नहि होयत।

यशायाह अध्याय 57 मूर्तिपूजा के मुद्दा आरू पश्चाताप के जरूरत के बारे में संबोधित करै छै। ई लोगऽ के दुष्टता आरू आध्यात्मिक व्यभिचार के निंदा करै छै, जबकि परमेश्वर के सामने खुद क॑ नम्र करै वाला सिनी क॑ आशा आरू पुनर्स्थापन के पेशकश करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ओहि लोक के मूर्तिपूजक प्रथा के निंदा स होइत अछि, जे भगवान स मुँह घुमा क झूठ देवता के खोज केने छथि। एहि मे हुनकर कर्म के परिणाम आ हुनकर आराधना के शून्यता के वर्णन कयल गेल अछि (यशायाह 57:1-13)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय विनम्र आ पश्चाताप करय बला लोक के आशा आ बहाली के प्रस्ताव दैत अछि। ई ओकरा सिनी क॑ आश्वासन दै छै कि भगवान ओकरऽ आत्मा क॑ जिंदा करी क॑ ओकरऽ घाव क॑ ठीक करी देतै । ई दुष्ट के भाग्य के विपरीत धर्मी के शांति आरू सुरक्षा के साथ करै छै (यशायाह 57:14-21)।

संक्षेप मे, २.

यशायाह सत्तावन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
मूर्तिपूजा आ दुष्टताक निन्दा, २.
विनम्र लोकक लेल आशा आ बहाली।

मूर्तिपूजा आ आध्यात्मिक व्यभिचार के निंदा।
मिथ्या पूजा के परिणाम एवं शून्यता का वर्णन |
विनम्र आ पश्चाताप करय वाला के लेल आशा, बहाली, आ चिकित्सा के आश्वासन।

ई अध्याय मूर्तिपूजा के मुद्दा आरू पश्चाताप के जरूरत पर केंद्रित छै । एकरऽ शुरुआत वू लोगऽ के मूर्तिपूजक प्रथा के निंदा करी क॑ करलऽ जाय छै, जे भगवान स॑ मुड़ी क॑ झूठा देवता के खोज करी लेल॑ छै । एहि मे हुनका लोकनिक कर्मक परिणामक वर्णन कयल गेल अछि आ हुनका लोकनिक पूजाक शून्यता पर प्रकाश देल गेल अछि | तखन अध्याय विनम्र आ पश्चाताप करय बला लोक के आशा आ बहाली के प्रस्ताव दैत अछि | ई ओकरा सिनी क॑ आश्वासन दै छै कि भगवान ओकरऽ आत्मा क॑ जिंदा करी क॑ ओकरऽ घाव क॑ ठीक करी देतै । एहि मे दुष्टक भाग्यक विपरीत अछि, जे न्याय आ विनाशक सामना करत, धर्मी लोकनिक शांति आ सुरक्षाक संग। अध्याय में मूर्तिपूजा आरू दुष्टता के निंदा पर जोर देलऽ गेलऽ छै, साथ ही साथ आशा आरू पुनर्स्थापना पर भी जोर देलऽ गेलऽ छै जे परमेश्वर के सामने खुद क॑ नम्र करै वाला के लेलऽ उपलब्ध छै ।

यशायाह 57:1 धर्मी नष्ट भ’ जाइत अछि, आ केओ ओकरा हृदय मे नहि राखैत अछि, आ दयालु लोक सभ केँ हटा देल जाइत अछि, जे कियो ई नहि बुझैत अछि जे धर्मी केँ आबय बला दुष्टता सँ दूर कयल गेल अछि।

धर्मात्मा के बुराई सॅं दूर क' देल जाइत छैक आ तइयो ककरो नजरि नहि पड़ैत छैक ।

1: हमरा सभकेँ अपन आसपासक लोकक धार्मिकताकेँ चिन्हबाक चाही आ ओकर सराहना करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ ई बूझबाक चाही जे बुराईसँ हँटाओल गेल लोककेँ पैघ उद्देश्यसँ छीनल जाइत अछि।

1: याकूब 4:14 - अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

2: मत्ती 24:40-41 - तखन दू गोटे खेत मे रहताह; एकटा लेल जाएत आ एकटा छोड़ि देल जाएत। दू टा स्त्री मिल पर पीसैत रहतीह; एकटा लेल जाएत आ एकटा छोड़ि देल जाएत।

यशायाह 57:2 ओ शान्ति मे प्रवेश करत, ओ सभ अपन-अपन बिछाओन पर आराम करत, प्रत्येक अपन सोझता मे चलत।

ई अंश धर्मी जीवन जीबै के महत्व पर जोर दै छै, कैन्हेंकि जे करतै ओकरा शांति आरू विश्राम मिलतै।

1. धर्मपूर्वक जीला सँ शांति आ विश्राम भेटैत अछि

2. सीधापन के पालन करला स सच्चा आराम भेटैत अछि

1. मत्ती 11:28-30 -, जे सभ परिश्रम आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम कोमल आ नीच हृदय मे छी, आ अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत। हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

2. भजन 4:8 - हम शान्तिपूर्वक सुतब आ सुतब; कारण, हे प्रभु, अहाँ असगरे हमरा सुरक्षित रहू।”

यशायाह 57:3 मुदा हे जादूगरक बेटा, व्यभिचारी आ वेश्याक वंशज, एतय लग आबि जाउ।

जे व्यभिचार केने छथि आ जादू-टोना केने छथि, हुनकर वंशज के भगवान आवाज दैत छथिन |

1. व्यभिचार आ जादू-टोना के परिणाम

767

2. पश्चाताप आ भगवानक क्षमा

1. गलाती 6:7-9 "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। 8 किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बोनैत अछि, से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

2. याकूब 5:19-20 "हमर भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभ मे सँ केओ सत् य सँ भटकैत अछि आ कियो ओकरा घुराबैत अछि, 20 ओकरा ई बुझा दियौक जे जे पापी केँ ओकर भटकला सँ घुराबैत अछि, ओ ओकर प्राण केँ मृत्यु सँ बचाओत आ भीड़ केँ झाँपि देत।" पाप के।"

यशायाह 57:4 अहाँ सभ ककरा विरुद्ध खेलाइत छी? केकरा पर मुँह चौड़ा कऽ जीह निकालब? की अहाँ सभ अपराधक संतान नहि छी आ झूठक वंशज नहि छी?

1: हमरा लोकनि केँ दोसरक दुर्भाग्य मे आनन्द नहि लेबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे हम सभ अपराधक संतान छी।

1: रोमियो 3:10-12 - जेना कि लिखल गेल अछि: "केओ धर्मी नहि अछि, नहि, एको नहि; केओ नहि बुझैत अछि; केओ परमेश् वरक खोज नहि करैत अछि। सभ भ' गेल अछि; एक संग बेकार भ' गेल अछि; केओ नीक नहि करैत अछि, एकटा सेहो नहि।"

2: याकूब 2:10 - कारण जे केओ पूरा व्यवस्थाक पालन करैत अछि मुदा एकहि बात मे असफल भ’ जाइत अछि, ओ एहि सभक लेल जवाबदेह भ’ गेल अछि।

यशायाह 57:5 हर हरियर गाछक नीचाँ मूर्ति सभ सँ ज्वालामुखी करैत छी आ चट्टान सभक चट्टान सभक नीचाँ घाटी मे बच्चा सभ केँ मारैत छी?

मूर्तिपूजक घाटी मे आ पाथरक नीचाँ बच्चा सभक बलि दैत छलाह |

1: मूर्तिपूजा मात्र मिथ्या देवताक पूजा नहि, अपितु अपन स्वार्थक पूजा सेहो अछि।

2: भगवान् हमरा सभ केँ अपन पड़ोसी सँ प्रेम आ देखभाल करबाक लेल बजबैत छथि, हुनका बलिदान नहि।

1: मत्ती 22:37-39 "ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ पूरा मोन सँ प्रेम करू। ई महान आ पहिल आज्ञा अछि। आ दोसर एकटा एहन आज्ञा अछि।" it: अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।"

2: रोमियो 12:2 "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यशायाह 57:6 धारक चिकना पाथरक बीच अहाँक भाग अछि। ओ सभ अहाँक भाग्य अछि, अहाँ हुनका सभ केँ पेयबलि ढारि देलहुँ आ अन्नबलि चढ़ौलहुँ। की हमरा एहि सभ मे सान्त्वना भेटबाक चाही?

परमेश् वरक लोक सभ धार मे प्रसाद ढारि देने अछि, मुदा एहि सँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना नहि भेटैत छैक।

1. भगवान् के सान्निध्य के आराम

2. बलिदानक आवश्यकता

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

2. इब्रानियों 13:15 - अतः, यीशुक द्वारा, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, जे ठोर खुलि क’ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि।

यशायाह 57:7 अहाँ एकटा ऊँच आ ऊँच पहाड़ पर अपन बिछाओन राखि देलहुँ, ओतहि अहाँ बलि चढ़ाबय लेल चढ़लहुँ।

एहि अंश मे ऊँच पहाड़ पर बलि चढ़ेबाक प्रथाक वर्णन अछि |

1. बलिदानक शक्ति: यशायाह 57:7

2. यशायाह 57:7 मे परमेश्वरक महानता

1. भजन 50:7-15 - बलिदान करबाक लेल परमेश्वरक आमंत्रण

2. इब्रानी 13:15 - परमेश् वर केँ आध्यात्मिक बलिदान चढ़ाउ।

यशायाह 57:8 दरबज्जा आ खंभा सभक पाछू सेहो अहाँ अपन स्मरण करौने छी, किएक तँ अहाँ अपना केँ हमरा छोड़ि दोसरक सोझाँ देखि लेलहुँ आ ऊपर चलि गेलहुँ। अहाँ अपन बिछौन बढ़ा कऽ हुनका सभक संग वाचा कऽ लेलहुँ। अहाँ ओकरा सभक बिछाओन जतय देखलहुँ, ओतय सँ प्रेम केलहुँ।

यशायाह 57:8 मे एहि बातक चर्चा कयल गेल अछि जे कोना कियो परमेश् वर सँ दूर भ’ गेल अछि आ ककरो दोसर सँ वाचा केलक अछि, अपन बिछौन केँ पैघ केलक अछि आओर ओहि बिछौन सँ प्रेम केलक अछि।

1. भगवानक प्रेम आ निष्ठा: तखनो जखन हम सभ भटकैत छी

2. निष्ठा के वाचा: हमर पसंद के मूल्यांकन

1. इफिसियों 4:1-3 "तेँ हम, जे प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल छी, ओहि तरहेँ चलू, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल छी, पूरा विनम्रता आ सौम्यता, धैर्य आ एक-दोसर केँ सहनशील।" प्रेम में, शांति के बंधन में आत्मा के एकता के कायम रखै के लेल आतुर।"

2. 1 यूहन्ना 4:7-12 "प्रिय लोकनि, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि, आ जे प्रेम करैत अछि, ओ परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।" .एहि मे परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक बीच प्रगट भेल जे परमेश् वर अपन एकलौता पुत्र केँ संसार मे पठौलनि जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा जीबि सकब।एहि मे प्रेम अछि, ई नहि जे हम सभ परमेश् वर सँ प्रेम केलहुँ, बल् कि ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि आ हुनकर पठौलनि बेटा हमरा सभक पापक प्रायश्चित बनब। प्रियजन, जँ परमेश् वर हमरा सभ सँ एतेक प्रेम कयलनि तँ हमरा सभ केँ सेहो एक-दोसर सँ प्रेम करबाक चाही।"

यशायाह 57:9 अहाँ मरहम ल’ क’ राजा लग गेलहुँ, आ अपन सुगंध बढ़ा देलहुँ, आ अपन दूत सभ केँ दूर पठा देलहुँ आ नरक धरि अपना केँ नीचाँ खसा देलहुँ।

एहि अंश मे एकटा एहन व्यक्तिक गप्प कयल गेल अछि जे मरहम ल' क' राजा लग गेल, अपन इत्र बढ़ौलक, अपन दूत केँ दूर पठा देलक आ नरक धरि अपना केँ नीचाँ उतारलक।

1. घमंड के खतरा

2. विनम्रताक शक्ति

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. फिलिप्पियों 2:3-4 - "झगड़ा वा व्यर्थ घमंड सँ किछु नहि होउ; बल् कि नम्रता सँ एक-दोसर केँ अपना सँ नीक मानू। प्रत्येक मनुख अपन बात पर नहि, बल् कि दोसरक बात पर सेहो देखू।" ."

यशायाह 57:10 अहाँ अपन रास्ताक महानता मे थाकि गेल छी। तैयो अहाँ ई नहि कहलहुँ जे, “कोनो आशा नहि अछि।” तेँ अहाँ दुखी नहि भेलहुँ।

अंश मे आशा नहि छोड़बाक आ कठिनाइक बीच सेहो जीवन भेटबाक बात कयल गेल अछि |

1. आशा कहियो नहि गमाउ - यशायाह 57:10

2. कठिनाई के बीच जीवन खोजना - यशायाह 57:10

1. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि वर्तमान समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

यशायाह 57:11 अहाँ केकरा सँ डरैत छलहुँ वा केकरा सँ डरैत छलहुँ जे अहाँ झूठ बाजलहुँ आ हमरा नहि मोन पाड़लहुँ आ ने अपन हृदय मे राखलहुँ? की हम पहिने सँ चुप नहि रहने छी, आ अहाँ हमरा सँ नहि डेराइत छी?

भगवान पहिने चुप रहलाह, मुदा लोक एखनो हुनका स डरैत छथि आ हुनका बिसरि गेल छथि, बल्कि झूठ बाजि रहल छथि आ हुनकर महत्व पर विचार नहि करैत छथि।

1. भय के समय मे प्रभु के स्मरण करब

2. भगवानक मौन आ मनुक्खक भय

1. भजन 34:4 - हम प्रभुक खोज केलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

यशायाह 57:12 हम अहाँक धार्मिकता आ अहाँक काजक प्रचार करब। किएक तँ ओ सभ अहाँकेँ कोनो फायदा नहि करत।”

ई अंश उद्धार के लेलऽ अपनऽ अच्छा कामऽ पर भरोसा करै के व्यर्थता के बात करै छै ।

1: हमरा सभ केँ अपन उद्धारक लेल परमेश्वरक कृपा पर भरोसा करबाक चाही, अपन काज पर नहि।

2: हमरा सभ केँ नीक काज करबाक प्रयास करबाक चाही, अपन उद्धारक लेल नहि, बल्कि परमेश्वरक प्रति अपन प्रेम आ कृतज्ञता सँ।

1: इफिसियों 2:8-9 "किएक तँ अहाँ सभक उद्धार विश्वासक द्वारा अनुग्रह सँ भेल अछि। ई अहाँ सभक अपन काज नहि अछि; ई परमेश् वरक वरदान अछि, काजक परिणाम नहि, जाहि सँ केओ घमंड नहि करय।"

2: याकूब 2:17-18 "तहिना विश्वास अपने आप मे जँ काज नहि अछि तँ मरि गेल अछि। मुदा कियो कहत जे अहाँ केँ विश्वास अछि आ हमरा काज अछि। अहाँक काज सँ अलग अहाँक विश्वास हमरा देखाउ, हम करब।" हमर कर्म सँ हमर विश्वास अहाँ केँ देखाउ।

यशायाह 57:13 जखन अहाँ कानब तखन अहाँक दल अहाँ केँ बचाबय। मुदा हवा सभ केँ लऽ जायत। व्यर्थ ओकरा सभ केँ पकड़ि लेत, मुदा जे हमरा पर भरोसा करत, से ओहि देशक मालिक बनत आ हमर पवित्र पहाड़क उत्तराधिकारी बनत।

जखन हम अपन साथी सब स मदद के लेल पुकारैत छी त ओ अस्थायी राहत द सकैत छथि, मुदा भगवान पर भरोसा करब मात्र स्थायी सुरक्षा देत।

1. भगवान पर भरोसा करब तूफान मे एकमात्र आश्रय अछि

2. प्रभु पर अपन भरोसा रखबा मे सुरक्षा भेटब

1. भजन 9:10 - जे अहाँक नाम जनैत अछि, ओ सभ अहाँ पर भरोसा राखत, कारण, अहाँ प्रभु, अहाँ केँ तकनिहार सभ केँ नहि छोड़लहुँ।

2. यिर्मयाह 17:7-8 - धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा प्रभु छथि। ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे अपन जड़ि केँ नदीक कात मे पसारि दैत अछि, आ जखन गर्मी आबि जायत तखन नहि देखत, मुदा ओकर पात हरियर भ' जायत। आ रौदीक वर्ष मे सावधान नहि रहत आ ने फल देब छोड़त।

यशायाह 57:14 ओ कहताह जे, “उठू, फेकि दियौक, बाट तैयार करू, हमर लोकक बाट सँ ठोकर निकालू।”

परमेश् वर हमरा सभ केँ बाट साफ करबाक लेल बजबैत छथि जाहि सँ हुनकर लोक सभक उद्धार भ' सकय।

1. मोक्षक मार्ग: अपन बाट मे बाधा केँ दूर करब

2. हमरा सभक लेल परमेश् वरक आह्वान: अपन लोक सभक लेल बाट तैयार करब

1. लूका 3:3-6 - प्रभुक लेल बाट तैयार करबाक लेल यूहन्ना बपतिस् मा देनिहारक आह्वान

2. मत्ती 7:13-14 - उद्धारक संकीर्ण मार्गक संबंध मे यीशुक वचन

यशायाह 57:15 किएक तँ ई कहैत छथि जे अनन्त काल मे रहनिहार उच्च आ ऊँच छथि, जिनकर नाम पवित्र अछि। हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, हुनका संग जे पश्चाताप आ विनम्र आत् माक अछि, विनम्र लोकक आत् मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल आ पश्चाताप करयवला सभक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

परमेश् वर, जे उच्च आ पवित्र छथि, पश्चाताप आ विनम्र आत् मा रखनिहार सभक संग रहैत छथि आ विनम्र लोकक आत् मा आ हृदय केँ पुनर्जीवित करैत छथि।

1. विनम्र जीवन जीबाक शक्ति

2. पश्चाताप करय बला भावनाक आमंत्रण

1. याकूब 4:6-10

2. भजन 51:17

यशायाह 57:16 हम अनन्त काल धरि झगड़ा नहि करब आ ने सदिखन क्रोधित रहब, किएक तँ हमरा आ हम जे प्राणी बनौने छी, तकरा सामने आत् मा क्षीण भऽ जायत।

यशायाह के ई अंश परमेश् वर के धैर्य आरू अनुग्रह के बारे में बात करै छै, जे ई दर्शाबै छै कि हुनी हमेशा के लेलऽ क्रोधित नै रहतै।

1. धैर्य आ कृपा: भगवानक उदाहरण सँ सीखब

2. क्षमा चुनब: अपन क्रोध केँ एक कात राखब

1. 1 यूहन्ना 4:8 - जे प्रेम नहि करैत अछि ओ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

2. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

यशायाह 57:17 हुनकर लोभक अधर्म पर हम क्रोधित भ’ हुनका मारि देलियनि, हम हमरा नुका क’ क्रोधित भ’ गेलहुँ, आ ओ अपन हृदयक बाट मे कनखी भ’ गेलाह।

लोभ सँ काज करयवला आ अपन इच्छाक पालन करयवला केँ प्रभु दंडित करैत छथि |

1: हमरा सभ केँ अपन स्वार्थक इच्छाक अनुसार नहि, भगवानक इच्छाक अनुसार अपन जीवन जीबाक लेल बजाओल गेल अछि।

2: लोभसँ काज करनिहार आ अपन बाट पर चलनिहारकेँ भगवान बर्दाश्त नहि करताह।

1: 1 यूहन्ना 2:15-17 - संसार आ संसारक कोनो चीज सँ प्रेम नहि करू। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि तँ पिताक प्रति प्रेम ओकरा मे नहि अछि। कारण संसार मे जे किछु अछि से शरीरक इच्छा आ आँखिक इच्छा आ सम्पत्ति मे घमंड पिता सँ नहि अपितु संसार सँ अछि। आ संसार अपन इच्छाक संग बीति रहल अछि, मुदा जे परमेश् वरक इच् छा करैत अछि से सदा-सदा धरि रहैत अछि।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यशायाह 57:18 हम हुनकर बाट देखलहुँ, आ हुनका ठीक करब, हम हुनका सेहो नेतृत्व करब, आ हुनका आ हुनकर शोक संतप्त लोक सभक लेल सान्त्वना फेर देबनि।

परमेश् वर अपन लोकक कष्ट देखने छथि, आ हुनका सभ केँ ठीक करबाक आ हुनका सभ केँ आ शोक संतप्त लोक सभ केँ सान्त्वना वापस करबाक वादा केने छथि।

1. परमेश् वर हमर सभक चिकित्सक छथि - यशायाह 57:18

2. शोकक समय मे आराम - यशायाह 57:18

1. भजन 34:18 "प्रभु टूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

2. यूहन्ना 14:1 "अहाँ सभक मोन घबराब नहि। परमेश् वर पर विश् वास करू; हमरा पर सेहो विश् वास करू।"

यशायाह 57:19 हम ठोरक फल सृजन करैत छी। परमेश् वर कहैत छथि जे दूर-दूर मे रहनिहार आ समीप मे रहनिहार केँ शान्ति, शान्ति हो। आ हम ओकरा ठीक कऽ देब।

परमेश् वरक प्रेमपूर्ण दया नजदीक आ दूर-दूर धरि सभ पर पसरल अछि आ शांति उत्पन्न करैत अछि।

1. भगवान् के प्रचुर दया

2. शांति स हाथ बढ़ाब

1. भजन 103:8-13

2. रोमियो 5:1-11

यशायाह 57:20 मुदा दुष्ट सभ उथल-पुथल समुद्र जकाँ अछि, जखन ओ आराम नहि क’ सकैत अछि, जकर पानि दलदल आ गंदगी केँ फेकि दैत अछि।

दुष्ट परेशान भ' क' दलदल आ गंदगी पोसैत अछि।

1. पापक परेशानी: भगवानक कृपा मे आराम करब सीखब

2. पाप के परिणाम: धर्म में शांति पाना

1. भजन 23:2 ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि; ओ हमरा शांत पानिक कात मे ल' जाइत छथि।

2. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे ऊँच होयब, पृथ् वी पर हम ऊँच होयब।

यशायाह 57:21 हमर परमेश् वर कहैत छथि जे दुष्ट सभ केँ शान्ति नहि अछि।

ई अंश दुष्ट के परमेश्वर के चेतावनी व्यक्त करै छै कि शांति नै छै।

1. परमेश् वरक आज्ञा नहि मानबाक खतरा: यशायाह 57:21 क चेतावनी पर ध्यान दियौक

2. भगवान् के आज्ञापालन के लाभ : शांति के आशीर्वाद काटब

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक सन् तान कहल जायत।"

यशायाह अध्याय ५८ सच्चा आरू झूठा उपवास के मुद्दा क॑ संबोधित करै छै, जेकरा म॑ वास्तविक पश्चाताप, न्याय आरू करुणा के महत्व प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे सच्चा आराधना धार्मिकता आ दोसरक देखभाल मे परिलक्षित होइत अछि।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत लोक के व्रत के पाखंड के उजागर करैत अछि | ई हुनकऽ आत्मकेंद्रित आरू संस्कारात्मक दृष्टिकोण के आलोचना करै छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै कि सच्चा उपवास म॑ न्याय, दया आरू हाशिया प॑ पड़लऽ लोगऽ के देखभाल के काम शामिल छै (यशायाह ५८:१-७) ।

2nd Paragraph: अध्याय मे सच्चा व्रत के आशीर्वाद आ लाभ के वर्णन अछि | ई वादा करै छै कि सच्चा धर्म के काम परमेश् वर के मार्गदर्शन, पुनर्स्थापन आरू आशीष के तरफ ले जैतै। ई सब्त के दिन के आदर करै आरू प्रभु में आनन्दित होय के महत्व पर प्रकाश डालै छै (यशायाह 58:8-14)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अड़वन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
झूठ उपवास आ पाखंडक उजागर करब, २.
सच्चा पश्चाताप आ करुणा पर जोर।

स्वार्थी आ संस्कारात्मक व्रत के पाखंड के उजागर करब।
सच्चा उपवास पर जोर, जाहि मे न्याय आ करुणा के काज शामिल अछि |
परमेश् वर के मार्गदर्शन, बहाली, आरू वास्तविक धर्म के काम के लेलऽ आशीर्वाद के प्रतिज्ञा।

एहि अध्याय मे सच्चा आ झूठ व्रत के मुद्दा के संबोधित कयल गेल अछि | एकर शुरुआत लोकक व्रतक पाखंडक पर्दाफाश सँ होइत अछि । ई हुनकऽ आत्मकेंद्रित आरू संस्कारात्मक दृष्टिकोण के आलोचना करै छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै कि सच्चा उपवास म॑ न्याय, दया आरू हाशिया प॑ पड़लऽ लोगऽ के देखभाल के काम शामिल छै । अध्याय में सच्चा उपवास के आशीर्वाद आरू लाभ के वर्णन छै, जेकरा में ई वादा करलऽ गेलऽ छै कि वास्तविक धर्म के काम परमेश्वर के मार्गदर्शन, पुनर्स्थापन आरू आशीर्वाद के तरफ ले जैतै। ई सब्त के दिन के आदर करै आरू प्रभु में आनन्दित होय के महत्व पर प्रकाश डालै छै। अध्याय में झूठा उपवास आरू पाखंड के उजागर करै के साथ-साथ भगवान के साथ अपनऽ संबंध में सच्चा पश्चाताप आरू करुणा के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यशायाह 58:1 जोर-जोर सँ चिचियाउ, नहि छोड़ू, तुरही जकाँ आवाज उठाउ, आ हमर लोक केँ ओकर अपराध आ याकूबक घराना केँ ओकर पाप देखाउ।

ई शास्त्र हमरा सिनी कॅ अपनऽ साथी सिनी के पाप के बारे में बोलै लेली आरू ऐसनऽ करै में नै डरै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1: साहसपूर्वक बाजबाक लेल एकटा आह्वान - यशायाह 58:1

2: ईमानदार आ प्रत्यक्ष रहब - यशायाह 58:1

1: इफिसियों 4:15 - प्रेम मे सत्य बाजब

2: याकूब 5:19-20 - एक-दोसर सँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू

यशायाह 58:2 तइयो ओ सभ हमरा प्रतिदिन तकैत छथि आ हमर बाट केँ जानय मे प्रसन्न होइत छथि, जेना एकटा एहन जाति जे धार्मिकता केलक आ अपन परमेश् वरक नियम केँ नहि छोड़लक। परमेश् वरक समीप पहुँचबा मे आनन्दित होइत छथि।

इस्राएल के लोग रोज परमेश् वर के खोज करै छै आरू ओकरा आरू ओकरो रास्ता में आनन्दित होय छै, धर्मी तरीका सें जीबै छै आरू परमेश् वर के नियम कॅ नै छोड़ै छै। न्याय माँगैत छथि आ भगवान् लग पहुँचि प्रसन्न होइत छथि ।

1. प्रभु मे आनन्दित रहब: हुनका नित्य खोजू आ हुनकर मार्ग मे आनन्दित रहू

2. धर्मी जीवन: भगवान् के नियमों की पूर्ति

1. भजन 37:4 - प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।”

2. व्यवस्था 6:17-18 - अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा आ हुनकर गवाही आ हुनकर नियम सभक पूरा सावधानीपूर्वक पालन करू, जे ओ अहाँ सभ केँ आज्ञा देने छथि। अहाँ सभ परमेश् वरक नजरि मे जे उचित आ नीक अछि से करू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ नीक लागय आ अहाँ सभ भीतर जा कऽ ओहि नीक देश केँ अपना कब्जा मे लऽ सकब जे परमेश् वर अपन पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह।

यशायाह 58:3 ओ सभ कहैत छथि जे हम सभ किएक उपवास केलहुँ, मुदा अहाँ नहि देखैत छी? कियैक हम सभ अपन प्राण केँ कष्ट देलहुँ, आ अहाँ कोनो ज्ञान नहि लैत छी? देखू, अहाँ सभक उपवासक दिन अहाँ सभ केँ प्रसन्नता भेटैत अछि आ अहाँ सभ केँ अपन सभटा परिश्रम उठाओल जाइत अछि।

लोक भगवान स शिकायत करैत छथि जे हुनकर व्रत के पहचान नहि भेल अछि, मुदा ओ एखनो भोग पाबि रहल छथि आ उपवास करैत अपन काज पूरा क सकैत छथि।

1. "उपवास के शक्ति"।

2. "तेजी गति वाला दुनिया में विश्वास के जीवन जीना"।

1. मत्ती 6:16-18 "आ जखन अहाँ उपवास करैत छी तखन पाखंडी सभ जकाँ उदास नहि देखाउ, किएक तँ ओ सभ अपन मुँह केँ विकृत करैत अछि जाहि सँ हुनकर उपवास दोसर लोक देखि सकय। हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे हुनका सभ केँ अपन इनाम भेटि गेलनि।" मुदा जखन अहाँ उपवास करब तखन माथ पर अभिषेक करू आ मुँह धोउ, जाहि सँ अहाँक उपवास दोसर नहि देखय, बल्कि अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ छथि, आ अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ देखैत छथि, अहाँ केँ इनाम देथिन।

2. याकूब 1:27 पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

यशायाह 58:4 देखू, अहाँ सभ झगड़ा आ बहसक लेल उपवास करैत छी आ दुष्टताक मुट्ठी मारबाक लेल उपवास करैत छी।

यशायाह गलत कारणऽ स॑ उपवास करै के चेतावनी दै छै, जेना कि ध्यान आकर्षित करै लेली या लड़ै आरू बहस करै लेली।

1. "उपवास के सही तरीका: भगवान के सान्निध्य के खोज"।

2. "व्रत: भगवान के नजदीक आबय के एकटा औजार, ध्यान नहिं आबय के लेल"।

774

1. मत्ती 6:16-18 - उपवास भगवान् केँ प्रसन्न करबाक लेल गुप्त रूप सँ करबाक चाही, लोक द्वारा प्रशंसा करबाक लेल नहि।

2. याकूब 4:1-3 - उपवास के प्रयोग परमेश्वर के नजदीक आबय लेल करबाक चाही, दोसर के संग झगड़ा आ बहस करय लेल नहि।

यशायाह 58:5 की ई एहन उपवास अछि जे हम चुनने छी? एक दिन जे मनुष् य अपन आत् मा केँ कष्ट देत? की ई ओकर माथ बल्लू जकाँ झुका देब आ ओकरा नीचाँ बोरा आ राख पसारि देब? की अहाँ एकरा उपवास आ परमेश् वरक लेल स्वीकार्य दिन कहब?

भगवान् मानव निर्मित उपवास संस्कार के स्वीकार नै करै छै आरू एकरऽ बदला में सच्चा पश्चाताप आरू विनम्रता के खोज करै छै ।

1. सच्चा उपवास: भगवानक नजरि मे सच्चा पश्चाताप आ विनम्रता

2. उपवास के अर्थ: भोजन स परहेज स बेसी

1. मत्ती 6:16-18 - उपवास गुप्त रूप सँ करबाक चाही

2. भजन 51:17 - परमेश् वर जे बलिदान चाहैत छथि से टूटल-फूटल आत्मा आ पश्चाताप कयल हृदय अछि।

यशायाह 58:6 की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलब, भारी बोझ उतारब, आ दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब, आ अहाँ सभ हर जुआ तोड़ब?

ई अंश परमेश् वरक चुनल उपवासक गप्प करैत अछि, जे भारी बोझ केँ उतारब, उत्पीड़ित केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब अछि।

1. सच्चा उपवास: न्यायक आह्वान 2. दुष्टताक पट्टी ढीला करू: काजक आह्वान

1. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब। 2. गलाती 6:2 - एक-दोसरक भार उठाउ, आ एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।

यशायाह 58:7 की ई नहि जे अहाँ अपन रोटी भूखल लोक केँ बाँटि देब आ जे गरीब केँ बाहर फेकल गेल अछि ओकरा अपन घर मे आनब? जखन अहाँ नंगटे देखब तखन ओकरा झाँपि दैत छी। आ कि अहाँ अपन शरीर सँ अपना केँ नहि नुका सकैत छी?

यशायाह 58:7 हमरा सभ केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे हम सभ भोजन, आवास आ कपड़ा-लत्ता उपलब्ध करा क’ जरूरतमंद लोकक मदद करी।

1. "करुणा के शक्ति: जरूरतमंद तक भगवान के प्रेम के प्रसार"।

2. "एकटा आह्वान: गरीब आ जरूरतमंदक देखभाल"।

1. मत्ती 25:31-46, भेड़ आ बकरी के दृष्टान्त

2. याकूब 1:27, परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि: अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे घुमब।

यशायाह 58:8 तखन अहाँक इजोत भोर जकाँ फूटत, आ अहाँक स्वास्थ्य जल्दी-जल्दी उगत। परमेश् वरक महिमा अहाँक प्रतिफल होयत।

भगवान् वादा करै छै कि अगर हम्में हुनकऽ आज्ञा मानबै त॑ हमरऽ इजोत चमकी क॑ चमकतै आरू स्वास्थ्य आरू धर्म के बाद आबै वाला छै ।

1. परमेश् वर आज्ञाकारिता के पुरस्कृत करैत छथि - यशायाह 58:8

2. चमक के प्रतिज्ञा - यशायाह 58:8

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि। देखू, सभ किछु नव भ’ गेल अछि।

यशायाह 58:9 तखन अहाँ बजाउ आ प्रभु उत्तर देथिन। अहाँ कानब, आ ओ कहत जे, “हम एतय छी।” जँ अहाँ अपन बीच सँ जुआ, आँगुर निकालब आ व्यर्थ बजब हँटि देब।

भगवान् हमर सभक आह्वानक उत्तर देताह जँ हम सभ दुष्टता सँ मुँह फेरब।

1. प्रार्थना के शक्ति: भगवान स जवाब कोना भेटत

2. पश्चाताप के आशीर्वाद: दुष्टता स मुँह मोड़ब

1. याकूब 5:16 ख - एकटा धर्मी आदमीक प्रभावी, गंभीर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।

2. यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ, अपना केँ साफ करू; हमर आँखिक सोझाँ सँ अपन काजक अधलाह केँ दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय ताकू, अत्याचारी केँ डाँटब। पिताहीनक रक्षा करू, विधवाक लेल गुहार करू।

यशायाह 58:10 जँ अहाँ अपन प्राण केँ भूखल लोकक दिस खींचैत छी आ पीड़ित प्राणी केँ तृप्त करैत छी। तखन अहाँक इजोत अंधकार मे उठत आ अहाँक अन्हार दुपहरक दिन जकाँ होयत।

भूखल आ दुखी लोकक दिस अपन प्राण केँ खींचू, तखन अहाँक इजोत अन्हार मे उठत।

1. करुणा के शक्ति: दोसर के मदद करब अहाँक प्रकाश के कोना मजबूत क सकैत अछि

2. प्रकाशक बीकन बनू: अन्हार समय मे प्रेम आ आशा के कोना विकिरण कयल जाय

1. मत्ती 25:35-40 - किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाए लेल देलियैक, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय लेल देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ

2. याकूब 1:27 - हमरा सभक पिता परमेश् वर जे धर्म शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसार सँ प्रदूषित नहि करब।

यशायाह 58:11 परमेश् वर तोरा नित्य मार्गदर्शन करताह आ रौदी मे तोहर प्राण केँ तृप्त करताह आ हड्डी केँ मोट करताह।

परमेश् वर निरंतर मार्गदर्शन आ पोषण प्रदान करताह, जे हमरा सभ केँ नीक जकाँ पानि सँ भरल बगीचा जकाँ बना देताह।

1. भगवान हमरा सभकेँ अटूट सहारा दैत छथि

2. भगवानक मार्गदर्शनक माध्यमे प्रचुरता

1. यूहन्ना 15:5 हम बेल छी; अहाँ सभ डारि छी। जँ अहाँ हमरा मे रहब आ हम अहाँ मे रहब तऽ अहाँ बहुत फल देब। हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।

2. भजन 23:1-3 प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।

यशायाह 58:12 जे सभ अहाँ मे सँ बनत, ओ सभ पुरान उजाड़ सभ केँ बनाओत। आ तोरा कहल जायब, “भंगक मरम्मत करयवला, रहबाक लेल बाट केँ पुनर्स्थापित करयवला।”

भगवान् हमरा सभ केँ पुरान जगह आ बाट केँ बहाल करबाक लेल बजबैत छथि, आ कोनो तरहक उल्लंघन केँ ठीक करबाक लेल।

1. उल्लंघन के मरम्मत: बहाली के आवश्यकता के समझना

2. मार्ग के पुनर्स्थापित करब: पुनर्निर्माण के आह्वान

1. भजन 37:23 - "नीक आदमीक कदम प्रभु द्वारा क्रमबद्ध होइत छैक, आ ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि।"

2. 2 कोरिन्थी 5:17-20 - "तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि। पुरान बात बीति गेल अछि; देखू, सभ किछु नव भ' गेल अछि।"

यशायाह 58:13 जँ अहाँ विश्राम-दिन सँ अपन पएर मोड़ि दैत छी आ हमर पवित्र दिन मे अपन मनपसंद काज करबा सँ। आ विश्राम-दिन केँ आनन्दित, परमेश् वरक पवित्र आ आदरणीय कहब। आ अपन बात नहि कऽ कऽ ओकर आदर करब, आ ने अपन भोग पाबि आ ने अपन बात बाजब।

लोक सभ सँ आग्रह कयल गेल अछि जे विश्राम-दिन केँ अपन काज नहि क' क' आ अपन बात नहि बाजि क', बल्कि एकरा एकटा आनन्द, प्रभुक पवित्र आ सम्मानजनक रूप मे देखि क' मानब।

1. सब्त के शक्ति: आराम के लेल समय निकालला स हमर जीवन के कोना बदलि सकैत अछि

2. विश्राम-दिनक आदर करब: परमेश् वरक पवित्रता मे विश्राम करब

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. भजन 95:1-2 - हे आऊ, हम सभ प्रभुक लेल गाबी, आउ, हम सभ अपन उद्धारक चट्टान पर आनन्दक आवाज करू। आउ, हम सभ धन्यवादक संग हुनकर सोझाँ आबि जाउ, आ भजन मे हुनका लेल हर्षक हल्ला करू।

यशायाह 58:14 तखन अहाँ प्रभु मे आनन्दित होयब। हम तोरा पृथ् वीक ऊँच स्थान पर सवार कऽ कऽ तोरा पिता याकूबक धरोहर सँ भरब, किएक तँ परमेश् वरक मुँह बजने छथि।

प्रभु हुनक अनुसरण करय वाला के आनन्द आ संतुष्टि प्रदान करताह।

1. प्रभु मे आनन्दित रहब: आनन्द आ संतुष्टिक मार्ग

2. पृथ्वीक ऊँच स्थान पर सवारी: परमेश् वरक प्रतिज्ञा अपन अनुयायी सभ सँ

1. व्यवस्था 28:12-13 - "प्रभु तोरा सभक लेल अपन नीक भंडार, आकाश खोलताह, जाहि सँ अहाँक देश मे वर्षा होअय आ अहाँक हाथक सभ काज केँ आशीर्वाद देब। अहाँ बहुत रास जाति केँ उधार देब मुदा देब।" ककरो सँ उधार नहि लिअ, प्रभु अहाँ केँ माथ बना देताह, पूँछ नहि, अहाँ ऊपर रहब आ नीचाँ नहि।

2. भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; तेँ अहाँ देश मे रहब आ सुरक्षित रहब। प्रभु मे आनन्दित रहू, आ ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन।"

यशायाह अध्याय 59 में लोगऽ के पाप आरू दुष्टता के उजागर करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ओकरऽ काम के परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै । ई पश्चाताप के जरूरत आरू परमेश्वर के मोक्ष आरू उद्धार के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत लोगऽ के पाप आरू उल्लंघन के वर्णन करी क॑ करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै कि ओकरऽ अधर्म के कारण ओकरा आरू भगवान के बीच विरह पैदा होय गेलऽ छै । ई हुनकऽ हिंसा, धोखा आरू अन्याय के कामऽ प॑ प्रकाश डालै छै (यशायाह ५९:१-८)।

2nd Paragraph: अध्याय में लोक के अपन पाप के पहचान आ अपराध स्वीकार के स्वीकार कयल गेल अछि | ई बात पर जोर दै छै कि ओकरा सिनी के तरफ सें मध्यस्थता करै वाला आरू उद्धार लानै वाला कोय नै छै, सिवाय खुद परमेश्वर के (यशायाह 59:9-15 क)।

3 पैराग्राफ: अध्याय में लोक के पश्चाताप के प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया के वर्णन छै। ई ओकरा सिनी कॅ आश्वस्त करै छै कि परमेश् वर एक मुक्तिदाता आरू उद्धारकर्ता के रूप में आबै छै, जे अपनऽ धार्मिकता आरू उद्धार लानै छै। ई वादा करै छै कि हुनका सिनी के साथ परमेश्वर के वाचा अनन्तकाल के होतै (यशायाह 59:15 ख-21)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह उनवन अध्याय मे प्रकट होइत अछि
पाप आ दुष्टताक उजागर करब, २.
पश्चाताप के लेल आह्वान आ परमेश्वर के उद्धार के प्रतिज्ञा।

भगवान् से विरह के कारण पाप एवं उल्लंघन का वर्णन |
पाप के पहचान आ अपराध स्वीकार करब।
परमेश् वरक मोक्ष, धार्मिकता आ अनन्त वाचा के आश्वासन।

ई अध्याय में लोगऽ के पाप आरू दुष्टता के उजागर करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ओकरऽ काम के परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै । ई पश्चाताप के जरूरत पर जोर दै छै आरू लोगऽ के अपनऽ पाप के पहचान आरू अपराध स्वीकार करै के स्वीकार करै छै । अध्याय में ई बात पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि ओकरा सिनी के तरफ सें मध्यस्थता करी क॑ उद्धार लानै वाला कोय नै छै, सिवाय खुद भगवान के । ई लोगऽ के पश्चाताप के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया के वर्णन करै छै, जेकरा म॑ ओकरा आश्वासन देलऽ गेलऽ छै कि वू एगो मुक्तिदाता आरू उद्धारकर्ता के रूप म॑ आबै वाला छै, जेकरा स॑ ओकरऽ धार्मिकता आरू उद्धार आबै वाला छै । ई वादा करै छै कि ओकरा सिनी के साथ परमेश् वर के वाचा अनन्तकाल के होतै। अध्याय पाप आरू दुष्टता के उजागर करै, पश्चाताप के आह्वान, आरू परमेश्वर के उद्धार आरू अनन्त वाचा के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै।

यशायाह 59:1 देखू, प्रभुक हाथ छोट नहि भेल अछि जे ओ उद्धार नहि क’ सकैत अछि। आ ने ओकर कान भारी, जे सुनबा मे नहि आबि सकैत अछि।

प्रभु केरऽ शक्ति असीम छै आरू वू हमेशा हमरऽ प्रार्थना सुनै आरू ओकरऽ जवाब दै लेली तैयार रहै छै ।

1: भगवान् के शक्ति अनंत अछि आ ओ सदिखन हमर सबहक निहोरा सुनैत रहैत छथि।

2: हम भगवान् के अनंत शक्ति पर भरोसा क सकैत छी आ ओ सदिखन मदद के लेल हमर सबहक पुकार के लेल खुलल रहैत छथि।

1: याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2: भजन 50:15 - विपत्तिक दिन हमरा बजाउ; हम अहाँ सभ केँ उद्धार करब, आ अहाँ सभ हमर महिमा करब।

यशायाह 59:2 मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भ’ गेल अछि, आ अहाँक पाप अहाँ सभ सँ हुनकर मुँह नुका लेलक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

अधर्म आ पापक कारणेँ भगवान् सँ विरह।

1: हमर पाप हमरा सभकेँ परमेश् वरक मुँह देखबासँ रोकैत अछि।

2: परमेश् वरक संग साझेदारी मे रहबाक लेल हमरा सभ केँ धर्मी आ विनम्र बनबाक प्रयास करबाक चाही।

1: इफिसियों 2:8-10 किएक तँ अहाँ सभ विश् वासक कारणेँ अनुग्रह सँ उद्धार पाबि गेलहुँ। आ ई अहाँक अपन काज नहि अछि; ई परमेश् वरक वरदान अछि, काजक परिणाम नहि, जाहि सँ केओ घमंड नहि

करय। हम सभ हुनकर कृति छी, मसीह यीशु मे नीक काजक लेल बनाओल गेल छी, जे परमेश् वर पहिने सँ तैयार कएने छलाह जाहि सँ हम सभ ओहि मे चलब।

2: 1 यूहन्ना 1:9 जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

यशायाह 59:3 किएक तँ अहाँक हाथ खून सँ अशुद्ध अछि आ अहाँक आँगुर अधर्म सँ अशुद्ध अछि।
तोहर ठोर झूठ बाजल, तोहर जीह विकृतता बड़बड़ा गेल।

ओहि अंश मे कहल गेल अछि जे पाप लोकक कर्म केँ भ्रष्ट क' देलक अछि, जेना ओकर हाथ खून सँ आ आँगुर अधर्म सँ अशुद्ध भ' गेल छैक, आ ओकर ठोर झूठ बाजल छैक आ ओकर जीह विकृति केँ बड़बड़ा गेल छैक।

1. बेईमानी के पाप: यशायाह 59:3 के अध्ययन

2. हमरऽ वचन के शक्ति: यशायाह 59:3 के अनुसार हमरऽ जीभ हमरऽ जीवन पर कोन तरह के प्रभाव डालै छै

1. नीतिवचन 12:17-19 जे कियो सत्य बजैत अछि, से ईमानदार गवाही दैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल। एकटा एहन अछि जकर दाना-दोषी बात तलवारक ठोकर जकाँ होइत छैक, मुदा बुद्धिमानक जीह सँ चंगाई होइत छैक | सत्यक ठोर सदाक लेल टिकैत अछि, मुदा झूठ बाजल जीह मात्र क्षण भरि लेल।

2. भजन 15:2-3 जे निर्दोष चलैत अछि आ उचित काज करैत अछि आ अपन हृदय मे सत्य बजैत अछि; जे अपन जीह सँ निन्दा नहि करैत अछि आ अपन पड़ोसीक कोनो अधलाह नहि करैत अछि आ ने अपन मित्रक प्रति अपमान करैत अछि।

यशायाह 59:4 कियो न्यायक आह्वान नहि करैत अछि आ ने केओ सत्यक आग्रह करैत अछि। ओ सभ अधलाहक गर्भ मे अबैत छथि आ अधर्म उत्पन्न करैत छथि।

जनता न्याय आ सत्य के त्याग क' देलक अछि, बल्कि आडंबर पर भरोसा क' झूठ बाज' लागल अछि. ओ सभ कुकर्मक कल्पना कए अधर्मक जन्म अनने छथि ।

1. न्याय आ सत्य केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

2. आडंबर पर भरोसा करबाक खतरा

1. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभक मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ से नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 59:5 ओ सभ कोकड़ाक अंडा निकालैत अछि आ मकड़ाक जाल बुनैत अछि, जे ओकर अंडा खाइत अछि से मरि जाइत अछि आ जे कुचलल अछि से साँप बनि जाइत अछि।

यशायाह के समय के लोग पापपूर्ण व्यवहार में लागल छै जेकरा सें ओकरो विनाश होय जैतै।

1. पाप मकड़ाक जाल जकाँ अछि, जे हमरा सभकेँ विनाशक चक्रमे फँसा दैत अछि।

2. अपन पापपूर्ण व्यवहारक प्रति सजग रहू आ मुक्ति लेल भगवान् दिस मुड़ू।

1. यशायाह 59:5-6

2. नीतिवचन 5:22-23

यशायाह 59:6 ओकर सभक जाल वस्त्र नहि बनत आ ने अपन काज सँ अपना केँ झाँपि लेत, ओकर काज अधर्मक काज छैक आ हिंसाक काज ओकरा सभक हाथ मे छैक।

779

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना लोगऽ के काम अधर्म के काम छै आरू हिंसा के काम ओकरऽ हाथऽ में छै ।

1: हमरा सभकेँ ई सुनिश्चित करबाक लेल लगनशील रहबाक चाही जे हमर काज धर्मी हो आ हम सभ शांति आ न्यायक जीवन जीबी।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक नजरि मे उचित आ नीक काज करबाक प्रयास करबाक चाही, आ अधर्म आ हिंसाक काज केँ अस्वीकार करबाक चाही।

1: मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

2: याकूब 2:17 तेँ जँ ओकर कोनो काज नहि अछि तँ विश्वास अपने आप मरि गेल अछि।

यशायाह 59:7 ओकर सभक पएर अधलाह दिस दौड़ैत अछि, आ ओ सभ निर्दोष खून बहाबय मे जल्दबाजी करैत अछि, ओकर सभक विचार अधर्मक विचार अछि। अपव्यय आ विनाश हुनका लोकनिक बाट मे अछि।

ई अंश दुष्टता आरू खून-खराबा के बात करै छै, आरू एकरऽ बाद अधर्म आरू विनाश केना आबै छै।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे बुराईकेँ नहि अपनाबी, कारण ओ विनाश आ मृत्युक संग अबैत अछि।

2: हमरा सभ केँ धर्म आ न्यायक जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही, जाहि सँ दुष्टता आ हिंसाक जाल मे नहि पड़ब।

1: नीतिवचन 11:1-3 - झूठ तराजू परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनका प्रसन्नता अछि। जखन घमंड अबैत अछि तखन लाज अबैत अछि, मुदा नीच लोकक संग बुद्धि होइत छैक।
सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभक मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देतैक।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ से नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 59:8 शान्तिक बाट ओ सभ नहि जनैत छथि। ओ सभ ओकरा सभक यात्रा मे कोनो न्याय नहि होइत छैक, ओ सभ ओकरा सभ केँ टेढ़ बाट बना देलक।

जनता शान्तिक बाट बिसरि गेल अछि आ न्यायक पालन नहि करैत अछि; विनाशक बाट बनौने छथि आ जे ओकरा पाछू चलत ओकरा शान्ति नहि भेटतैक।

1. शांति के मार्ग: न्याय आ धर्म के पुनः खोज

2. टेढ़ बाट के खतरा: भगवान के बुद्धि स अलग भ जायब

1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप आ हमर बाट पर इजोत अछि"।

2. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक"।

यशायाह 59:9 तेँ न्याय हमरा सभ सँ दूर अछि आ न्याय हमरा सभ केँ नहि पहुँचबैत अछि। चमकक लेल, मुदा हम सभ अन्हार मे चलैत छी।

न्याय आ न्याय हमरा सब स दूर अछि, आ इजोत आ चमक के जगह पर हमरा सब के केवल अन्हार के अनुभव होइत अछि।

1. "इजोत स बेसी अन्हार चुनबाक खतरा"।

2. "अन्हार मे इजोत भेटब"।

1. यूहन्ना 8:12 - "तखन यीशु हुनका सभ सँ फेर कहलनि जे, हम संसारक इजोत छी, जे हमरा पाछाँ चलत, ओ अन्हार मे नहि चलत, बल् कि ओकरा जीवनक इजोत भेटत।"

2. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ पर बनल नगर नुकाओल नहि जा सकैत अछि। आ ने मनुष् य मोमबत्ती जरा कऽ झाड़ीक नीचाँ नहि राखि दैत अछि, बल् कि दीया पर राखि दैत अछि। आ।" घर मे रहनिहार सभ केँ इजोत दैत अछि।अहाँ सभक इजोत मनुष् य सभक सामने एना चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँ सभक नीक काज केँ देखि सकय आ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।”

यशायाह 59:10 हम सभ आन्हर जकाँ देबाल टटोलैत छी, आओर टटोलैत छी जेना आँखि नहि हो। हम सभ मृतक जकाँ उजाड़ स्थान मे छी।

लोक अन्हार मे ठोकर खा रहल अछि, जेना आन्हर हो, आ दिनक इजोत मे सेहो, उजाड़ स्थान पर, मृत आदमी जकाँ।

1. "संसारक प्रकाश: भौतिक सँ परे देखब"।

2. "उजाड़ के बीच अर्थ खोजना"।

1. यूहन्ना 8:12 - यीशु कहलनि, "हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत, से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल् कि ओकरा जीवनक इजोत भेटत।"

2. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यशायाह 59:11 हम सभ भालू जकाँ गर्जैत छी आ कबूतर जकाँ शोक करैत छी। उद्धारक लेल, मुदा ई हमरा सभसँ दूर अछि।

यशायाह के समय के लोग बिना छूट या उद्धार के आशा के कष्ट उठाबै छेलै।

1: भगवानक न्याय अंततः हावी होयत, भले ओ एहि जीवन मे नहि देखल जाय।

2: जखन समय कठिन हो तखनो परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर आशा राखि सकैत छी।

1: रोमियो 8:18-25 - हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह 59:12 किएक तँ हमरा सभक अपराध अहाँक सोझाँ बढ़ि गेल अछि आ हमर सभक पाप हमरा सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि। आ हमरा सभक अधर्मक बात हम सभ ओकरा सभ केँ जनैत छी।

हमरऽ पाप हमरा सिनी क॑ परमेश् वर स॑ अलग करी देल॑ छै आरू हमरऽ दुख के कारण छै ।

1. अपन पाप के चिन्हब आ परमेश् वर दिस घुरब

2. पापक परिणाम आ पुनर्स्थापनक आशा

1. रोमियो 3:23 - "किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।"

2. यशायाह 1:18 - "आब आउ, हम सभ एक संग तर्क-वितर्क करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंग जकाँ होयत, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, किरमिजी जकाँ लाल भ' जायत, मुदा ऊन जकाँ भ' जायत।"

यशायाह 59:13 प्रभुक विरुद्ध उल्लंघन आ झूठ बाजब, आ अपन परमेश् वर सँ दूर भ’ क’ अत्याचार आ विद्रोह बजैत, गर्भधारण आ हृदय सँ झूठक वचन बाजब।

लोक अतिक्रमण क' रहल अछि आ प्रभुक विरुद्ध झूठ बाजि रहल अछि, अत्याचार आ विद्रोहक बात बाजि रहल अछि, आ हृदय सँ झूठ बाजि रहल अछि।

1. "प्रभु के विरुद्ध झूठ बाजब आ अतिक्रमण के खतरा"।

2. "हमर जीवन मे शब्दक शक्ति"।

1. नीतिवचन 12:22 - "झूठक ठोर प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा जे विश्वासपूर्वक काज करैत अछि, ओ हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2. इफिसियों 4:29 - "अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।"

यशायाह 59:14 न्याय पाछू भ’ जाइत अछि, आ न्याय दूर ठाढ़ भ’ जाइत अछि, किएक तँ सत् य गली मे खसि पड़ल अछि, आ न्याय मे प्रवेश नहि क’ सकैत अछि।

सत्य के छोड़ि देल गेल अछि आ न्याय के धकेलि देल गेल अछि, जाहि सं समाज के इक्विटी नहिं रहि गेल अछि.

1: भगवानक न्याय सच्चा समताक बाट थिक।

2: परमेश् वरक बाट पर चलब सत् य न्यायक एकमात्र मार्ग अछि।

1: यूहन्ना 3:16-17 किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि। मुदा एहि लेल जे हुनका द्वारा संसारक उद्धार हो।

2: मत्ती 7:12 तेँ अहाँ सभ जे किछु चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करय, अहाँ सभ हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई धर्म-नियम आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

यशायाह 59:15 हँ, सत्य विफल भ’ जाइत अछि। जे अधलाह बात सँ हटि जाइत अछि से अपना केँ शिकार बना लैत अछि।

सत्य असफल भ रहल अछि आ बुराई स मुँह मोड़निहार अपना कए कमजोर बना लैत छथि। भगवान् एहि बात सँ नाराज छथि जे न्याय नहि अछि।

1. टूटल-फूटल दुनिया मे सत्य आ न्यायक आवश्यकता

2. सही करब आ बुराई के सामने मजबूत रहब

1. नीतिवचन 17:15 जे दुष्ट केँ धर्मी ठहरबैत अछि आ जे धर्मी केँ दोषी ठहरबैत अछि, ओ दुनू परमेश् वरक लेल घृणित अछि।

2. याकूब 4:17 तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यशायाह 59:16 ओ देखलक जे ककरो नहि अछि, आ आश्चर्यचकित भेल जे कोनो मध्यस्थ नहि अछि। आ ओकर धार्मिकता ओकरा टिकौलक।

ओ देखलक जे बिनती करय बला कियो नहि अछि, तेँ ओ स्वयं उद्धार अनलनि।

1: हम असगर नहि छी, भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि।

2: हम प्रभुक धार्मिकता आ उद्धार पर भरोसा क सकैत छी।

1: भजन 37:39 मुदा धर्मी सभक उद्धार परमेश् वरक अछि।

2: फिलिप्पियों 4:6-7 कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यशायाह 59:17 किएक तँ ओ धार्मिकता केँ छाती जकाँ पहिरने छलाह आ माथ पर उद्धारक टोपी पहिरने छलाह। ओ वस्त्रक बदला प्रतिशोधक वस्त्र पहिरने छलाह आ वस्त्र जकाँ उत्साह पहिरने छलाह।

परमेश् वर धार्मिकता आ उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि आ न्याय केँ पूरा करबाक लेल तैयार छथि।

1. परमेश् वरक धार्मिकता: न्याय आ प्रेमक समर्थन

2. भगवानक कवच पहिरब: नीक काज करबाक लेल तैयार रहब

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक कवच

2. रोमियो 12:19 - प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि

यशायाह 59:18 हुनका सभक काजक अनुसार ओ प्रतिफल देत, अपन शत्रु सभक प्रति क्रोध आ अपन शत्रु सभक प्रतिफल देत। द्वीप सभकेँ ओ प्रतिफल देत।

परमेश् वर अपन कर्म के अनुसार गलत काज केनिहार सभक प्रतिफल देताह, अपन विरोधी सभ केँ क्रोध दऽ देताह आ अपन शत्रु सभ केँ प्रतिफल देताह।

1. पापक परिणाम: यशायाह 59:18 सँ सीखब

2. पापक प्रतिफलन: यशायाह 59:18 मे परमेश्वरक न्याय

२.

2. निर्गमन 23:4,7 - "जँ अहाँ अपन शत्रुक बैल वा ओकर गदहा भटकैत भेंट करब त' ओकरा ओकरा वापस आनि दियौक... कोनो झूठ आरोप सँ कोनो लेना-देना नहि राखू आ कोनो निर्दोष वा ईमानदार व्यक्ति केँ नहि राखू।" मृत्यु, कारण हम दोषी केँ बरी नहि करब।"

यशायाह 59:19 तेँ ओ सभ पश्चिम दिस सँ प्रभुक नाम आ सूर्यक उदय सँ हुनकर महिमा सँ डरताह। जखन शत्रु बाढ़ि जकाँ आबि जायत तखन परमेश् वरक आत् मा ओकरा विरुद्ध झंडा उठौताह।

भगवान् अपन लोक के ओकर दुश्मन स बचा लेताह।

1. विपत्तिक समय मे प्रभुक रक्षा

2. प्रभु के पराक्रमी मानक

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 91:2-3 - हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि। हम हुनका पर भरोसा करब। ओ अहाँ केँ चिड़ै-चुनमुनीक जाल सँ आ शोर-शराबा सँ बचाओत।

यशायाह 59:20 मुक्तिदाता सियोन आ याकूब मे अपराध छोड़निहार सभक लग आबि जायत, प्रभु कहैत छथि।

मुक्तिदाता ओहि सभ लग आओत जे अपन पाप सँ मुँह मोड़ि लेत।

1: पश्चाताप सँ मोक्ष भेटैत अछि।

2: परमेश् वर हुनका सभ केँ क्षमा कऽ देथिन जे अपन अपराध सँ मुड़ि लैत छथि।

1: रोमियो 3:23-25 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कमजोर भऽ गेल छथि आ हुनकर कृपा द्वारा मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, ताहि द्वारा वरदानक रूप मे धर्मी ठहराओल गेल छथि।

2: यिर्मयाह 3:12-13 - जाउ, उत्तर दिस ई बात सभ प्रचार करू आ कहू जे, हे पाछू हटि रहल इस्राएल, घुरि जाउ, परमेश् वर कहैत छथि। हम अहाँ सभ पर अपन क्रोध नहि खसब, किएक तँ हम दयालु छी, हम सदिखन क्रोध नहि राखब।”

यशायाह 59:21 हमर बात ई अछि जे हुनका सभक संग हमर ई वाचा अछि, परमेश् वर कहैत छथि। हमर आत् मा जे अहाँ पर अछि आ हमर वचन जे हम अहाँक मुँह मे राखने छी, से अहाँक मुँह सँ नहि निकलत, आ ने अहाँक वंशक मुँह सँ आ ने अहाँक वंशक वंशक मुँह सँ निकलत, परमेश् वर कहैत छथि आबसँ आ सदाक लेल।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनकऽ आत्मा आरू वचन हुनकऽ लोगऽ आरू हुनकऽ वंशज के साथ हमेशा के लेलऽ रहतै ।

1. परमेश् वरक प्रेमक अटूट वाचा

2. परमेश् वरक वचनक स्थायी शक्ति

1. यिर्मयाह 31:33-34 - परमेश् वरक प्रेमक अनन्त वाचा

2. भजन 119:89 - परमेश् वरक वचन स् वर्ग मे सदाक लेल बसल अछि

यशायाह अध्याय 60 यरूशलेम के भविष्य के महिमा आरू बहाली के जीवंत चित्र पेश करै छै। ई ऐन्हऽ समय के चित्रण करै छै जब॑ राष्ट्रऽ क॑ परमेश् वर केरऽ उपस्थिति के प्रकाश आरू वैभव के तरफ आकर्षित करलऽ जैतै, आरू यरूशलेम ईश्वरीय आशीर्वाद आरू समृद्धि के प्रतीक बनी जैतै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के उठै आरू चमकै के आह्वान स॑ होय छै, कैन्हेंकि प्रभु के महिमा ओकरा पर आबी गेलऽ छै। एहि मे हुनकर प्रकाश मे आबय बला राष्ट्र आ हुनकर चमक दिस राजा आकर्षित हेबाक वर्णन अछि | ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे यरूशलेम केँ पुनर्स्थापित कयल जायत आ परमेश्वरक अनुग्रह आ आशीर्वाद सँ सजाओल जायत (यशायाह 60:1-9)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में पृथ्वी के सब कोना स परमेश् वर के लोग के जमा होय के चित्रण छै, जबेॅ वू बहुत हर्ष आरू प्रचुरता के साथ यरूशलेम वापस आबी जाय छै। ई शहर के देवाल के बहाली आरू विदेशी राष्ट्रऽ के अपनऽ धन आरू संसाधन के योगदान स॑ मिलै वाला समृद्धि के वर्णन करै छै (यशायाह ६०:१०-१७)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन अनन्त शांति आ धर्म के दर्शन स होइत अछि | एहि मे ई बात पर प्रकाश देल गेल अछि जे प्रभु स्वयं यरूशलेमक अनन्त प्रकाश बनताह, आ आब कोनो हिंसा वा विनाश नहि होयत। ई आश्वासन दै छै कि परमेश्वर के लोग हुनकऽ अनन्त उपस्थिति के अनुभव करतै आरू हुनकऽ आशीर्वाद के आनंद लेतै (यशायाह 60:18-22)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय साठि मे प्रकट होइत अछि
भविष्य के महिमा आ यरूशलेम के पुनर्स्थापन,
प्रकाश आ वैभव दिस आकर्षित राष्ट्र।

परमेश् वरक अनुग्रह सँ सजल यरूशलेम केँ उठय आ चमकय लेल आह्वान करू।
भगवान् के लोक के जुटान आ शहर के समृद्धि के पुनर्स्थापना।
अनन्त शान्ति, धार्मिकता आ परमेश्वरक उपस्थितिक दर्शन।

ई अध्याय में यरूशलेम के भविष्य के महिमा आरू पुनर्स्थापन के जीवंत चित्र चित्रित करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत यरूशलेम के उठै आरू चमकै के आह्वान स॑ होय छै, कैन्हेंकि प्रभु के महिमा ओकरा पर आबै छै। एहि मे राष्ट्र सभक ओकर प्रकाश दिस आकर्षित हेबाक आ राजा सभक ओकर चमक दिस आकर्षित हेबाक वर्णन अछि | अध्याय में ई बात पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि यरूशलेम के पुनर्स्थापित करलऽ जैतै आरू परमेश् वर के अनुग्रह आरू आशीष स॑ सजाय देलऽ जैतै । एहि मे पृथ्वीक कोना-कोना सँ परमेश् वरक लोक सभ केँ एकत्रित करबाक चित्रण कयल गेल अछि, जखन ओ सभ बहुत आनन्द आ प्रचुरता सँ यरूशलेम घुरैत अछि। एहि मे शहर क देबाल क बहाली आ विदेशी राष्ट्र क अपन धन आ संसाधन क योगदान स जे समृद्धि भेटत ओकर वर्णन कैल गेल अछि । अध्याय के समापन अनन्त शांति आरू धार्मिकता के दर्शन के साथ होय छै, जेकरा में ई बात पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै कि प्रभु खुद यरूशलेम के अनन्त प्रकाश होतै। ई आश्वासन दै छै कि आब कोनो हिंसा या विनाश नै होतै, आरू परमेश्वर के लोग हुनकऽ अनन्त उपस्थिति के अनुभव करतै आरू हुनकऽ आशीर्वाद के आनंद लेतै। अध्याय यरूशलेम के भविष्य के महिमा आरू बहाली के साथ-साथ राष्ट्र सिनी कॅ परमेश्वर के उपस्थिति के प्रकाश आरू वैभव के तरफ आकर्षित होय के बात पर केंद्रित छै।

यशायाह 60:1 उठू, चमकू। किएक तँ अहाँक इजोत आबि गेल अछि आ अहाँ पर परमेश् वरक महिमा उठि गेल अछि।”

ई अंश हमरा सब के उठै आरू चमकै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि प्रभु के इजोत हमरा सब पर छै।

1. "उठू आ चमकू: प्रभुक प्रकाश केँ आलिंगन"।

2. "प्रकाश मे रहब: भगवानक महिमा हमरा सभ पर"।

1. भजन 40:5: "हे हमर परमेश् वर, तोहर आश्चर्यक काज बहुत अछि आ अहाँक विचार जे हमरा सभक लेल अछि ओहि मे सँ ओ सभ जतेक गिनती कयल जा सकैत अछि, ओहि सँ बेसी अछि।”

2. मत्ती 5:14-16: "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ पर बैसल शहर नुकायल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक मोमबत्ती जरा क' झाड़ीक नीचाँ नहि राखैत अछि, बल् कि दीया पर राखि दैत अछि। आ।" घर मे रहनिहार सभ केँ इजोत दैत अछि।अहाँ सभक इजोत मनुष् य सभक सामने एना चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँ सभक नीक काज केँ देखि सकय आ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।”

यशायाह 60:2 कारण, देखू, अन्हार पृथ्वी पर आ घोर अन्हार लोक केँ झाँपि देत, मुदा प्रभु अहाँ पर उठताह आ हुनकर महिमा अहाँ पर देखल जायत।

अन्हार मे रहनिहार केँ प्रभु इजोत अनताह।

1. अन्हार मे आशा: हमरा सभक जीवन मे प्रभुक प्रकाश

2. भगवानक महिमा देखब: विपत्तिक समय मे ताकत भेटब

1. यूहन्ना 8:12 - यीशु कहलनि, "हम संसारक इजोत छी। जे हमरा पाछाँ चलत, से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल् कि ओकरा जीवनक इजोत भेटत।"

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि हम केकरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि हम केकरा सँ डरब?

यशायाह 60:3 गैर-यहूदी सभ तोहर इजोत मे आओत आ राजा सभ तोहर उठबाक चमक मे आओत।

गैर-यहूदी सभ परमेश् वरक इजोत ताकत आ राजा सभ हुनकर उदयक चमक मे आबि जेताह।

1. "संसारक प्रकाश: भगवानक प्रकाशक पाछाँ"।

2. "हुनकर उदयक चमक: राज्यक पाछाँ राजा"।

785

1. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल नगर नुकाओल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा क' टोकरीक नीचा नहि राखि दैत अछि, बल् कि ठाढ़ि पर राखि दैत अछि, आ ओ इजोत दैत अछि।" घर मे सभ केँ।ओहि तरहेँ अहाँ सभक इजोत दोसर सभक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।”

2. प्रकाशितवाक्य 19:11-16 - "तखन हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा उज्जर घोड़ा! ओहि पर बैसल केँ विश्वासी आ सत्य कहल जाइत छैक, आ धार्मिकता मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि। ओकर आँखि ज्वाला जकाँ अछि।" आगि, आ माथ पर बहुत रास मुकुट अछि, आ हुनका एकटा एहन नाम लिखल छनि जे हुनका छोड़ि ककरो नहि बुझल छनि।ओ खून मे डुबकी लगाओल वस्त्र पहिरने छथि, आ जाहि नाम सँ हुनका कहल जाइत छनि से अछि परमेश् वरक वचन।आ सेना सभ स्वर्गक, उज्जर आ शुद्ध महीन लिनेन मे सजल, उज्जर घोड़ा पर बैसल हुनका पाछाँ-पाछाँ चलैत छल, हुनकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत अछि, जाहि सँ ओ राष्ट्र सभ केँ मारि सकैत अछि, आ ओ लोहाक छड़ी सँ ओकरा सभ पर राज करत सर्वशक्तिमान परमेश् वरक क्रोधक क्रोधक। ओकर वस्त्र आ जाँघ पर ओकर नाम लिखल छैक, राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु।"

यशायाह 60:4 चारू कात आँखि उठा कऽ देखू, सभ एक ठाम जमा भ’ क’ अहाँक लग अबैत छथि, अहाँक बेटा सभ दूर सँ आओत आ अहाँक बेटी सभ अहाँक कात मे पोसल जायत।

यशायाह 60:4 लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू अपनऽ आसपास देखै आरू देखै कि ओकरऽ परिवार के सदस्य ओकरा पास आबी जैतै।

1. एक संग जुटब: परिवारक ताकत

2. प्रियजन के वापसी में आनन्दित रहू

1. भजन 122:1-2 "हमरा खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलक जे, हम सभ प्रभुक घर मे जाइ। हे यरूशलेम, हमर सभक पएर तोहर फाटकक भीतर ठाढ़ रहत।"

2. व्यवस्था 6:4-7 "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई बात सभ जे।" हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी जे आइ अहाँक हृदय पर रहू, अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ ओकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, आ बाट मे चलब, आ जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब। " .

यशायाह 60:5 तखन अहाँ देखब आ एक संग बहब, आ अहाँक हृदय भयभीत होयत आ बढ़ि जायत। किएक तँ समुद्रक प्रचुरता तोरा दिस बदलि जायत, तेँ गैर-यहूदी सभक सेना तोरा लग आबि जायत।”

संसारक जाति सभ अपन प्रचुरता परमेश् वरक लोक सभक समक्ष आनत।

1: भगवान् अपन लोकक भरण-पोषण करताह, भले ओ अप्रत्याशित स्रोत सँ हो।

2: भगवानक आशीर्वादक लेल हमरा सभ केँ धन्यवाद देबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ असंभावित स्रोत सँ भेटय।

1: मत्ती 6:25-34 - चिन्ता नहि करू आ प्रावधानक लेल परमेश् वर पर भरोसा करू।

2: भजन 107:1-3 - प्रभु के हुनकर नीक काज के लेल धन्यवाद दियौन।

यशायाह 60:6 ऊँट सभक भीड़ अहाँ केँ झाँपि देत, मिद्यान आ एफाहक द्रोमेदारी। शेबा सँ सभ आओत। ओ सभ परमेश् वरक स्तुति केँ प्रगट करत।”

परमेश् वरक महिमा ऊँट, द्रोमेडरी, आ शेबा सँ सोना आ धूप केर बलिदान सँ देखल जायत।

1. हमर सभक प्रसादक बीच परमेश् वरक स्तुतिक सामर्थ् य

2. भगवानक नामक आराधना मे देबाक सौन्दर्य

786

1. भजन 107:32 - ओ सभ लोकक मंडली मे सेहो हुनकर उच्चता करथि आ बुजुर्ग सभक सभा मे हुनकर स्तुति करथि।

2. रोमियो 12:1 - तेँ, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ परमेश् वरक दयाक द्वारा विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि।

यशायाह 60:7 केदारक सभ भेँड़ा अहाँक लग जमा कयल जायत, नबयोतक मेढ़ा अहाँक सेवा करत, ओ सभ हमर वेदी पर स्वीकृतिक संग चढ़त आ हम अपन महिमाक घरक महिमा करब।

परमेश् वर केदारक भेँड़ा आ नबयोतक मेढ़ा सभ केँ अपन वेदी पर स्वीकारक बलिदानक रूप मे अनताह आ ओ अपन घरक महिमा करताह।

1. भगवान् के स्वीकृति के परिमाण

2. परमेश् वरक अपन लोकक लेल प्रावधान

1. भजन 50:14-15 परमेश् वर केँ धन्यवादक बलिदान चढ़ाउ, आ परमेश् वरक समक्ष अपन व्रत पूरा करू आ विपत्तिक दिन हमरा बजाउ। हम अहाँ सभ केँ उद्धार करब, आ अहाँ सभ हमर महिमा करब।

2. रोमियो 11:36 किएक तँ सभ किछु हुनका सँ आ हुनका द्वारा आ हुनका लेल अछि। हुनकर महिमा सदा-सदा लेल रहय। आमीन।

यशायाह 60:8 ई के अछि जे मेघ जकाँ उड़ैत अछि आ कबूतर जकाँ अपन खिड़की दिस उड़ैत अछि?

ई अंश प्रभु के लोग के बादल आरू कबूतर के झुंड के रूप में हुनका पास वापस आबै के बारे में छै।

1: विश्वास आ आनन्द मे प्रभु लग वापस आबि जाउ

2: भगवान् अपन लोक केँ बजा रहल छथि

1: यशायाह 43:5-7 "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक वंश केँ पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, हार मानब, आ दक्षिण दिस, राखू।" वापस नहि, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू, हमर बेटी सभ केँ पृथ् वीक छोर सँ आनू, जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, तकरा हम ओकरा अपन महिमा लेल बनौने छी, ओकरा बनौने छी, हम ओकरा बनौने छी।” " .

2: होशे 11:8-11 "हे एप्रैम, हम तोरा कोना छोड़ब? हे इस्राएल, हम तोरा कोना उद्धार करब? हम तोरा कोना अदमा बना देब? हम तोरा जबोइम कोना बनाबी? हमर हृदय हमरा भीतर घुमि गेल अछि, हमर पश्चाताप एक संग प्रज्वलित भ’ जाइत अछि, हम अपन क्रोधक उग्रता केँ नहि पूरा करब, हम एप्रैम केँ नष्ट करबाक लेल नहि घुरि जायब, किएक तँ हम परमेश् वर छी, मनुष् य नहि, अहाँक बीच मे पवित्र लोक छी, आ हम नगर मे प्रवेश नहि करब। ओ सभ परमेश् वरक पाछाँ चलत, ओ सिंह जकाँ गर्जत, जखन ओ गर्जत तखन पश्चिम दिस सँ बच्चा सभ काँपि जायत।ओ सभ मिस्र सँ निकलल चिड़ै आ अश्शूर देश सँ कबूतर जकाँ काँपि जायत हम ओकरा सभ केँ घर मे राखि देब, परमेश् वर कहैत छथि।”

यशायाह 60:9 द्वीप सभ हमरा आ तर्शीशक जहाज सभ पहिने प्रतीक्षा करत जे अहाँ सभक पुत्र सभ केँ दूर सँ अपन चानी आ सोना केँ अपना संग आनब, अहाँक परमेश् वर यहोवाक नाम आ इस्राएलक पवित्र लोकक लग, किएक तँ ओ अहाँक महिमा कयलनि।

ई अंश इस्राएल के लोगऽ के प्रभु के मोक्ष के आशा के बारे में चिंतन करै छै।

1: हम सभ परमेश् वरक मोक्ष मे आशा पाबि सकैत छी जँ हम सभ हुनकर समयक प्रतीक्षा करब।

2: हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क सकैत छी जे ओ अपन नाम पर धन-दौलत ल' क' अपन लोक सभ केँ दूर-दूर सँ अनताह।

1: भजन 33:18-19 - देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर दया पर आशा करैत छथि, हुनका सभ केँ मृत्यु सँ मुक्त करबाक लेल आ हुनका सभ केँ अकाल मे जीवित रखबाक लेल।

2: यशायाह 49:1-6 - हे तटीय इलाका, हमर बात सुनू, आ दूर सँ लोक सभ, सावधान रहू! प्रभु हमरा गर्भहि सँ बजौने छथि। हमर माँ के मैट्रिक्स सॅं ओ हमर नामक उल्लेख केने छथि । आ ओ हमर मुँह केँ तेज तलवार जकाँ बना देने छथि। अपन हाथक छाया मे हमरा नुका देने छथि, आ हमरा पालिश कयल शाफ्ट बनौने छथि; अपन कूड़ा मे ओ हमरा नुका देने छथि।

यशायाह 60:10 परदेशी सभक बेटा सभ अहाँक देबाल बनाओत आ ओकर राजा सभ अहाँक सेवा करत, किएक तँ हम अपन क्रोध मे अहाँ केँ मारि देलहुँ, मुदा अपन कृपा मे अहाँ पर दया केलहुँ।

प्रभु अपनऽ क्रोध के बावजूद भी अपनऽ लोगऽ प॑ दया करलकै, आरू विदेशी राष्ट्रऽ के राजा सिनी के भी उपयोग करी क॑ ओकरऽ देवाल बनाबै म॑ मदद करतै ।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक दया

2. प्रभुक अपन लोकक लेल प्रावधान

१ हमरा सभ केँ हुनका संग उठौलनि आ मसीह यीशु मे स् वर्गीय स् थान मे हुनका संग बैसा देलनि, जाहि सँ आगामी युग मे ओ मसीह यीशु मे हमरा सभक प्रति दयाक रूप मे अपन अनुग्रहक अथाह धन देखथि।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

यशायाह 60:11 तेँ अहाँक फाटक सभ सदिखन खुजल रहत। दिन आ राति मे बंद नहि रहत। एहि तरहेँ लोक सभ गैर-यहूदी सभक सेना अहाँ लग आनि सकय आ ओकर राजा सभ केँ आनि सकय।”

ई अंश परमेश् वर के लोग सिनी कॅ सब जाति आरू पृष्ठभूमि के लोग सिनी के खुला स्वागत पर जोर दै छै।

1: भगवान हमरा सभकेँ अपन हृदय आ अपन जीवन सभ लोकक सोझाँ खोलबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभकेँ विभिन्न संस्कृति आ राष्ट्रक लोककेँ आत्मसात कए दुनियाँक संग भगवानक प्रेम बाँटबाक अवसर भेटैत अछि।

1: मरकुस 12:31 - अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।

2: गलाती 3:28 - ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, ने पुरुष आ स्त्री अछि, कारण अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी।

यशायाह 60:12 जे जाति आ राज्य अहाँक सेवा नहि करत, से नष्ट भ’ जायत। हँ, ओ जाति सभ एकदम बर्बाद भ’ जायत।

परमेश् वरक न्याय ओहि पर पड़त जे हुनकर सेवा नहि करैत अछि।

1: परमेश्वरक न्याय हावी होयत - यशायाह 60:12

2: परमेश्वरक इच्छा केँ अस्वीकार करब विनाश दिस ल’ जाइत अछि - यशायाह 60:12

1: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे कियो सही काज बुझैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

788

यशायाह 60:13 लेबनानक महिमा अहाँ लग आबि जायत, देवदारक गाछ, देवदारक गाछ आ डिब्बा एक संग हमर पवित्र स्थान केँ सुन्दर बनेबाक लेल। हम अपन पएरक स्थान केँ गौरवशाली बना देब।

परमेश् वर लेबनान के महिमा के पठा क अपन पवित्र स्थान के गौरवशाली बना देतै, जेकरा में देवदार के गाछ, पाइन के गाछ, आरू बक्सा के गाछ ओकरा सुंदर बनाबै के छै।

1. भगवानक अभयारण्य: हुनक उपस्थितिक सौन्दर्य

2. अपन जीवन मे पूजा स्थल कोना बनाबी

1. भजन 96:6-8 - "ओकरा सामने वैभव आ महिमा अछि; हुनकर निवास स्थान मे बल आ आनन्द अछि। अहाँ सभ जाति-जातिक कुल प्रभु केँ करू, प्रभु केँ महिमा आ बल दियौक। प्रभु केँ महिमा दियौक।" ओकर नामक कारणेँ, प्रसाद आनि कऽ ओकर आँगन मे आबि जाउ।”

2. यशायाह 61:10 - "हम प्रभु मे बहुत आनन्दित होयब; हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, कारण ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि; ओ हमरा धर्मक वस्त्र सँ झाँपि देने छथि, जेना वर अपना केँ सजबैत छथि।" जेना सुन्दर माथक पट्टी पहिरने पुरोहित, आ कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि |”

यशायाह 60:14 जे अहाँ केँ दुखी केने छल, ओकर बेटा सभ सेहो झुकि क’ अहाँक लग आबि जायत। जे सभ अहाँ केँ तुच्छ बुझैत छल, से सभ अहाँक पएरक तलवा पर प्रणाम करत। ओ सभ तोरा, परमेश् वरक नगर, इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक सियोन कहत।”

जे सभ परमेश् वरक लोक सभ पर अत्याचार वा अनादर केने छथि, ओ सभ आबि कऽ परमेश् वरक लोक सभक समक्ष प्रणाम करताह आ हुनका सभ केँ प्रभुक नगर आ इस्राएलक पवित्र लोकक सिय्योन कहताह।

1. "भगवानक लोकक शक्ति आ महिमा"।

2. "ईश्वर के अधिकार के अधीनता के आशीर्वाद"।

1. भजन 18:46 "प्रभु जीवित छथि! हमर चट्टानक स्तुति हो! हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर ऊँच होथि!"

2. यशायाह 11:9 "ओ सभ हमर समस्त पवित्र पहाड़ पर कोनो नुकसान नहि करत आ ने विनाश करत, किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक ज्ञान सँ भरल रहत जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।"

यशायाह 60:15 जखन कि अहाँ केँ छोड़ि देल गेल आ घृणा कयल गेल, जाहि सँ अहाँ मे सँ केओ नहि गेल, हम अहाँ केँ अनन्त श्रेष्ठता बना देब, जे बहुतो पीढ़ीक आनन्दक विषय मे रहब।

परमेश् वर ओहि सभ केँ मोक्षक वादा करैत छथि, जेकरा छोड़ि देल गेल अछि आ घृणा कयल गेल अछि।

1. मोक्षक आनन्द: परमेश् वरक अनन्त प्रेमक अनुभव करब

2. कठिनाई के समय में भगवान् के शाश्वत महामहिम का अनुभव करना

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

२.

यशायाह 60:16 अहाँ गैर-यहूदी सभक दूध सेहो चूसब आ राजा सभक स्तन चूसब।

यशायाह 60:16 मे प्रभु अपन लोकक उद्धारकर्ता आ मुक्तिदाता हेबाक बात कहैत अछि, एतय तक कि हुनका गैर-यहूदी सभक दूध आ राजा सभक स्तन सेहो उपलब्ध कराबैत छथि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक लेल प्रावधान: यशायाह 60:16

2. याकूबक पराक्रमी: यशायाह 60:16

1. भजन 23:1 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

२ मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, आ ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु, हमरा सभ केँ मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि।"

यशायाह 60:17 हम पीतल के बदला मे सोना आनब, आ लोहाक बदला मे चानी, लकड़ीक पीतल आ पाथरक बदला मे लोहा आनब।

भगवान् अपन लोक सभक नेता सभक माध्यमे धन आ शांति अनताह।

1. धर्मक धन: परमेश् वरक प्रावधानक माध्यमे शान्ति पाब

2. अपन नेता के रूपांतरण: शांति आ धर्म के खेती

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक लेल सावधान नहि रहू; मुदा सभ बात मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वरक समक्ष अहाँ सभक निहोराक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मन केँ सुरक्षित राखत।

यशायाह 60:18 आब तोहर देश मे हिंसा नहि सुनल जायत, अहाँक सीमा मे बर्बादी आ विनाश नहि होयत। मुदा अहाँ अपन देबाल केँ उद्धार कहब आ अपन फाटक केँ स्तुति कहब।”

हमरा लोकनिक भूमि मे जे हिंसा अछि ओकर अंत भ' जायत आ ओकर स्थान पर मोक्ष आ स्तुति आबि जायत।

1. प्रशंसा के शक्ति: कृतज्ञता आ धन्यवाद हमरा सबहक जीवन मे कोना चंगाई अनैत अछि

2. अपनहि पछुआड़ मे उद्धार: अपन जीवन मे परमेश्वरक प्रावधान केँ पहचानब

1. भजन 118:24 - ई ओ दिन अछि जे प्रभु बनौने छथि; हम सभ एहि मे आनन्दित आ आनन्दित होउ।

2. इफिसियों 2:13-14 - मुदा आब मसीह यीशु मे अहाँ सभ जे पहिने दूर छलहुँ, मसीहक खून द्वारा नजदीक आबि गेल छी। किएक तँ ओ स्वयं हमरा सभक शान्ति छथि, जे हमरा दुनू गोटे केँ एक बनौलनि आ अपन शरीर मे शत्रुताक विभाजन करयवला देबाल केँ तोड़ि देलनि।

यशायाह 60:19 दिन मे सूर्य आब अहाँक इजोत नहि रहत। आ ने चान तोरा चमकैत अछि, मुदा परमेश् वर तोरा लेल अनन्त इजोत बनताह आ तोहर परमेश् वर तोहर महिमा।

प्रभु हमरा सभक लेल अनन्त प्रकाश आ महिमा छथि।

1. प्रभु मे महिमा कोना भेटत

2. प्रभुक अनन्त प्रकाश

1. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब?

2. मलाकी 4:2 - मुदा अहाँ सभ जे हमर नाम सँ डरैत छी, धर्मक सूर्य अपन पाँखि मे चंगाईक संग उगताह।

यशायाह 60:20 अहाँक सूर्य आब अस्त नहि होयत। आ ने तोहर चान हटि जायत, किएक तँ परमेश् वर अहाँक अनन्त इजोत होयत आ अहाँक शोकक दिन समाप्त भऽ जायत।”

790

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा छै कि हुनी हमरऽ अनन्त प्रकाश होतै आरू हमरऽ शोक के दिन खतम होय जैतै ।

1. भगवान् हमर मार्गदर्शक आ रक्षक छथि

2. शोकक समय मे भगवान आशा आ आराम दैत छथि

1. भजन 27:1 प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब?

2. यशायाह 49:10 ओकरा सभ केँ भूख नहि लागत आ ने प्यास, आ ने गर्मी आ ने रौद ओकरा सभ केँ मारि देतैक, कारण जे ओकरा सभ पर दया करत से ओकरा सभ केँ अगुवाई करत, पानिक झरना सभक कात मे ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत।

यशायाह 60:21 तोहर लोक सभ सेहो सभ धर्मी होयत, ओ सभ हमरा रोपनीक डारि, हमर हाथक काज, हमरा महिमामंडन करबाक लेल, सदा-सदाक उत्तराधिकारी बनत।

परमेश् वरक लोक धर्मी हेताह आ सदा-सदा लेल ओहि भूमिक उत्तराधिकारी भऽ कऽ आशीर्वादित हेताह।

1. "भगवानक प्रतिज्ञा: धर्म आ उत्तराधिकार"।

2. "भगवानक शक्ति: रोपब आ महिमा करब"।

1. यशायाह 65:17-25; परमेश् वरक अनन्त उत्तराधिकारक प्रतिज्ञा

2. रोमियो 10:13; यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश् वर के धार्मिकता के प्रतिज्ञा

यशायाह 60:22 कनिको हजार बनि जायत, आ छोटका एकटा मजबूत जाति, हम प्रभु ओकर समय मे एकरा जल्दी करब।

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना परमेश् वर अपनऽ समय में एगो परिवर्तन, छोटऽ चीजऽ स॑ कुछ महान चीजऽ में आबै वाला छै ।

1. भगवानक समय सदिखन एकदम सही होइत छैक - प्रभु पर भरोसा कोना कयल जाय आ हुनकर समयक प्रतीक्षा कयल जाय

2. एकटा मात्र धब्बा स एकटा पैघ राष्ट्र मे - भगवान अहाँक जीवन के कोना बदलि सकैत छथि

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह अध्याय 61 में आशा आरू पुनर्स्थापन के संदेश छै, जेकरा में मसीह के आबै के घोषणा करलऽ गेलऽ छै आरू वू आशीष के घोषणा करलऽ गेलऽ छै। एहि मे प्रभुक अभिषिक्त सेवकक उद्देश्य आ मिशन पर प्रकाश देल गेल अछि, जे उत्पीड़ित लोकक लेल नीक समाचार आ टूटल-फूटल हृदयक लेल दिलासा देत।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत अभिषिक्त सेवक के घोषणा स॑ होय छै, जे प्रभु के आत्मा स॑ भरलऽ छै । एहि मे नौकर के मिशन के वर्णन अछि जे ओ गरीब के नीक खबरि पहुंचाबय, टूटल-फूटल दिल के बान्हय आ कैदी के स्वतंत्रता के घोषणा करय. ई प्रभु के अनुग्रह के साल आरू हमरऽ परमेश्वर के प्रतिशोध के दिन के प्रतिज्ञा करै छै (यशायाह 61:1-3)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे अभिषिक्त सेवक द्वारा पुनर्स्थापना आ आशीर्वादक वर्णन कयल गेल अछि। एहि मे प्राचीन खंडहर के पुनर्निर्माण, उजाड़ शहर के नवीकरण, आ तबाही के सुंदरता आ आनन्द के स्थान में परिवर्तन के चित्रण अछि | ई एहि बात पर जोर दैत अछि जे मुक्ति पाओल गेल लोक सभ केँ प्रभुक पुरोहित आ सेवक कहल जायत, जे जाति सभक धन आ उत्तराधिकारक भोग करत (यशायाह 61:4-9)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन सेवक के स्तुति आ आनन्द के घोषणा स होइत अछि | ई प्रभु के विश्वास आरू धार्मिकता, आरू अनन्त आनन्द आरू आनन्द के प्रतिज्ञा के उजागर करै छै। ई आश्वासन दै छै कि प्रभु अपनऽ धार्मिकता आरू स्तुति अपनऽ लोगऽ क॑ देतै (यशायाह ६१:१०-११)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह एकसठि अध्याय मे प्रकट होइत अछि
आशा आ पुनर्स्थापनक घोषणा, २.
अभिषिक्त सेवक के मिशन।

अभिषिक्त सेवक के मिशन के घोषणा जे सुसमाचार आरू आराम दै के छै।
बहाली, परिवर्तन, आ आशीर्वाद के वादा।
स्तुति, आनन्द, आ प्रभुक निष्ठा के घोषणा।

ई अध्याय में आशा आरू पुनर्स्थापन के संदेश छै, जेकरा में मसीह के आबै के घोषणा करलऽ गेलऽ छै आरू वू आशीष के घोषणा करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत अभिषिक्त सेवक के घोषणा स॑ होय छै, जे प्रभु केरऽ आत्मा स॑ भरलऽ छै, आरू सेवक केरऽ मिशन के वर्णन करै छै कि वू गरीबऽ लेली अच्छा समाचार पहुँचै, टूटलऽ दिल वाला क॑ बान्है आरू कैदी सिनी क॑ मुक्ति के घोषणा करै । अध्याय में प्रभु के अनुग्रह के साल आरू हमरऽ परमेश् वर के प्रतिशोध के दिन के वादा करलऽ गेलऽ छै । तखन एहि मे अभिषिक्त सेवक द्वारा पुनर्निर्माण आ आशीर्वादक वर्णन कयल गेल अछि, जाहि मे खंडहरक पुनर्निर्माण, उजाड़ शहरक नवीकरण, आ विनाश केँ सौन्दर्य आ आनन्दक स्थान मे बदलब शामिल अछि। एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे मुक्ति पाओल गेल लोक केँ प्रभुक पुरोहित आ सेवक कहल जायत, जे राष्ट्रक धन आ उत्तराधिकारक भोग करत। अध्याय के समापन सेवक के स्तुति आरू आनन्द के घोषणा के साथ होय छै, जेकरा में प्रभु के विश्वास आरू धार्मिकता पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, आरू अनन्त आनन्द आरू आनन्द के प्रतिज्ञा के बारे में। ई आश्वासन दै छै कि प्रभु अपनऽ धर्म आरू स्तुति अपनऽ लोगऽ क॑ प्रदान करतै । अध्याय घोषित आशा आरू बहाली के साथ-साथ अभिषिक्त सेवक के मिशन पर केंद्रित छै कि वू खुशखबरी आरू दिलासा दै छै।

यशायाह 61:1 प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि। कारण, परमेश् वर हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम नम्र लोक सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करी। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, जे हम बंदी सभ केँ मुक्ति आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक घोषणा करी।

प्रभु के आत् मा हमरा सिनी कॅ अभिषेक करै छै कि हम्में नम्र सिनी कॅ शुभ समाचार पहुँचैबै, टूटलोॅ दिल वाला सिनी कॅ ठीक करी सकै छियै, कैदी सिनी कॅ मुक्ति के घोषणा करी सकै छियै आरु जेल के दरवाजा खोलै छियै।

1. नम्र लोकक लेल शुभ समाचार: प्रभुक आत्माक संदेश

2. टूटल-फूटल हृदयक बान्हब: स्वतंत्रताक घोषणा करबाक आह्वान

1. यूहन्ना 10:10 चोर केवल चोरी आ हत्या आ नष्ट करबाक लेल अबैत अछि। हम एहि लेल आयल छी जे हुनका सभ केँ जीवन भेटय आ प्रचुर मात्रा मे भेटय।

2. भजन 147:3 ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

यशायाह 61:2 प्रभुक स्वीकार्य वर्ष आ हमरा सभक परमेश् वरक प्रतिशोधक दिनक घोषणा करबाक लेल। शोक करयवला सभ केँ सान्त्वना देबय लेल।

परमेश् वरक स्वीकार्य वर्ष शोक करयवला केँ सान्त्वना देबाक समय अछि।

1. शोकक समय मे दिलासा देबय वाला बनब सीखब

2. प्रभुक स्वीकार्य वर्ष मे आनन्दित हेबाक आह्वान

१ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

2. भजन 30:5 - कारण ओकर क्रोध मात्र क्षण भरि लेल अछि, आ ओकर अनुग्रह जीवन भरि लेल अछि। कानब राति भरि रुकि सकैत अछि, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत अछि।

यशायाह 61:3 सियोन मे शोक करय बला सभ केँ राखि देबाक लेल, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य देबाक लेल, शोकक बदला मे आनन्दक तेल देबाक लेल, भारीपनक आत् माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देबाक लेल। जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, जे परमेश् वरक रोपनी अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा होबाक चाही।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे जे शोक करैत छथि हुनका सभ केँ सान्त्वना देथिन आ हुनका सभ केँ आनन्द, स्तुति आ धार्मिकता देथिन जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

1. परमेश् वरक आराम: शोक आ शोकक छुटकारा

2. परमेश् वरक धार्मिकता रोपब: आनन्द आ स्तुति प्राप्त करब

1. यूहन्ना 14:27: हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ि रहल छी। हमर शान्ति हम अहाँकेँ दैत छी। हम अहाँकेँ ओहिना नहि दैत छी जेना संसार दैत अछि। मन परेशान नहि होउ आ नहि डेराउ।

2. रोमियो 8:28: आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह 61:4 ओ सभ पुरान उजाड़ सभ केँ बनाओत, पूर्वक उजाड़ सभ केँ ठाढ़ करत, आ ओ सभ उजाड़ नगर सभ केँ ठीक करत, जे बहुतो पीढ़ीक उजाड़ अछि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ बजबैत छथि जे जे नष्ट भऽ गेल अछि तकरा पुनर्स्थापित करी, आ निराश मे पड़ल लोक सभ केँ आशा आनि सकब।

1. पुनर्स्थापनक आशा - यशायाह 61:4

2. नवीकरणक शक्ति - अपन जीवन मे बहाली आनब

1. इफिसियों 2:10 - कारण, हम सभ परमेश् वरक हाथक काज छी, जे मसीह यीशु मे नीक काज करबाक लेल बनाओल गेल छी, जे परमेश् वर हमरा सभक लेल पहिने सँ तैयार कएने छलाह।

2. 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ नव सृष्टि आबि गेल अछि: पुरान चलि गेल, नव एतय अछि!

यशायाह 61:5 परदेशी सभ ठाढ़ भ’ क’ अहाँक भेँड़ा केँ पोसत, आ परदेशी सभक बेटा अहाँक हल करयवला आ अंगूरक खेती करयवला होयत।

जे पराया आ परदेशी छथि हुनका सभक प्रबंध भगवान करैत छथि ।

1. भगवानक प्रावधान: भगवान् ओहि लोकनिक कोना परवाह करैत छथि जे पराया आ परदेशी छथि

2. विश्वासक शक्ति: परमेश् वर पर भरोसा करब जे अप्रत्याशित तरीका सँ प्रबंध करथि

1. मत्ती 6:25-34 - परमेश् वरक प्रयोजन पर भरोसा करबाक यीशुक शिक्षा।

2. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि।

यशायाह 61:6 मुदा अहाँ सभक नाम परमेश् वरक पुरोहित राखल जायत, लोक अहाँ सभ केँ हमरा सभक परमेश् वरक सेवक कहत, अहाँ सभ गैर-यहूदी सभक धन खायब आ ओकर महिमा मे अहाँ सभ घमंड करब।

ई अंश परमेश् वर आरू हुनकऽ सेवा के प्रति समर्पित जीवन जीबै के महत्व पर जोर दै छै, आरू ई देखाबै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ कोना पुरस्कृत करतै।

1. "प्रभु सेवा के आशीर्वाद"।

2. "भगवानक अनुसरण करबाक धन"।

1. यूहन्ना 13:12-17 - यीशु चेला सभक पैर धोबैत छथि

2. मत्ती 25:34-36 - भेड़ आ बकरी के दृष्टान्त

यशायाह 61:7 अहाँक लाजक कारणेँ अहाँ सभक दुगुना होयत। आ भ्रमक कारणेँ ओ सभ अपन भागक लेल आनन्दित हेताह, तेँ अपन देश मे ओ सभ दुगुना अधिकार पाबि लेताह।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ वादा करैत छथि जे हुनका सभ केँ जे किछु गमाओल गेल अछि ताहि सँ दुगुना भेटतनि आ अनन्त आनन्दक अनुभव करताह।

1. परमेश् वरक आनन्दक प्रतिज्ञा: परमेश् वरक वचन कोना आशा आ आराम दैत अछि

2. दुख मे आनन्दित रहब: कठिन समय मे विश्वासक शक्ति

1. रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि वर्तमान समयक कष्ट सभक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह 61:8 किएक तँ हम प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छी, होमबलि के बदला मे डकैती सँ घृणा करैत छी। हम हुनका सभक काज केँ सत् य मे निर्देशित करब, आ हुनका सभक संग अनन्त वाचा करब।

प्रभु न्याय सँ प्रेम करै छै आरू चढ़ा चोरी होय के समय घृणा करै छै। ओ अपन लोक सभ केँ सत्य दिस लऽ जायत आ ओकरा सभक संग स्थायी वाचा करत।

1. न्यायक प्रति प्रभुक प्रेम केँ बुझब

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक वाचा

1. भजन 106:3 - धन्य अछि ओ सभ जे न्यायक पालन करैत अछि आ जे सभ सदिखन धार्मिकता करैत अछि।

2. भजन 119:172 - हमर जीह अहाँक वचन पर बाजत, कारण अहाँक सभ आज्ञा धार्मिकता अछि।

यशायाह 61:9 ओकर वंशज गैर-यहूदी सभक बीच आ ओकर सभक संतान लोक सभ मे चिन्हल जायत, जे सभ ओकरा सभ केँ देखब, से सभ ओकरा सभ केँ ई बात स्वीकार करत जे ओ सभ वैह वंश थिक जकरा परमेश् वर आशीर्वाद देने छथि।

इस्राएलक वंशज सभ जाति सभक बीच चिन्हल आ आदर कयल जायत, कारण ओ सभ परमेश् वरक धन्य वंशज छथि।

1. इस्राएल मे परमेश् वरक आशीष केँ स्वीकार करब

2. राष्ट्र सभक बीच इस्राएलक स्थान

1. रोमियो 9:4-5 "किएक तँ ओ सभ इस्राएल नहि अछि जे इस्राएलक अछि। आ ने ओ सभ अब्राहमक वंशज अछि, तेँ सभ संतान अछि।

2. उत्पत्ति 12:2-3 "हम अहाँ केँ एकटा पैघ जाति बना देब, आ अहाँ केँ आशीर्वाद देब आ अहाँक नाम केँ पैघ बना देब। आ अहाँ आशीर्वाद बनब जे अहाँ केँ गारि दैत अछि, आ अहाँ मे पृथ् वीक सभ कुल धन्य होयत।”

यशायाह 61:10 हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत। ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धर्मक वस्त्र पहिरने छथि, जेना वर अपना केँ आभूषण सँ सजबैत छथि आ कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि।

परमेश् वर आत्मा केँ उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि आ ओकरा धर्मक वस्त्र सँ झाँपि देने छथि, जेना वर अपन विवाहक तैयारी करैत होथि।

1. मोक्षक आनन्द: परमेश् वरक आशीष मे आनन्दित रहब

2. अवसरक लेल कपड़ा पहिरब: धर्म केँ अपन वस्त्रक रूप मे आत्मसात करब

२ आदमी, यीशु मसीह!

2. प्रकाशितवाक्य 19:7-8 - आउ, हम सभ आनन्दित होउ आ उल्लास करी आ ओकरा महिमा दिअ, किएक तँ मेमनाक विवाह आबि गेल अछि, आ ओकर कनियाँ अपना केँ तैयार क’ लेलक अछि। ओकरा महीन लिनेन, उज्ज्वल आ शुद्ध, वस्त्र पहिरबाक अनुमति छलैक कारण महीन लिनन संत लोकनिक धार्मिक काज थिक |

यशायाह 61:11 किएक तँ जहिना धरती अपन कली पैदा करैत अछि आ जेना बगीचा ओहि मे बोओल गेल वस्तु सभ केँ उगबैत अछि। तेँ प्रभु परमेश् वर सभ जाति सभक समक्ष धार्मिकता आ स्तुति उगताह।

परमेश् वर जाति सभक बीच धर्म आ स्तुति ओहिना उगौताह जेना धरती अपन कली पैदा करैत अछि आ बगीचा अपन बोनि कए पैदा करैत अछि।

1. परमेश् वरक धार्मिकता आ स्तुतिक प्रतिज्ञा

2. अपन जीवन मे धर्म आ स्तुति के खेती करब

1. भजन 98:2-3 - परमेश् वर अपन उद्धारक प्रगट कयलनि आ जाति सभ केँ अपन धार्मिकताक प्रगट कयलनि। ओ इस्राएलक घरानाक प्रति अपन प्रेम आ वफादारी केँ मोन पाड़ने छथि। पृथ्वीक सभ छोर हमरा सभक परमेश् वरक उद्धार देखि लेलक अछि।

2. याकूब 4:7 - तखन, अपना केँ परमेश् वरक अधीन करू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

यशायाह अध्याय 62 यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू महिमा के लेलऽ भविष्यवक्ता केरऽ भावुक निहोरा क॑ व्यक्त करै छै । ई परमेश् वर के अटूट प्रेम आरू अपनऽ लोगऽ के प्रति प्रतिबद्धता आरू भविष्य के आशीर्वाद पर जोर दै छै जे ओकरा सिनी के इंतजार करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भविष्यवक्ता के संकल्प स॑ होय छै कि चुप नै रहना आरू परमेश्वर क॑ यरूशलेम के लेलऽ अपनऽ प्रतिज्ञा के बारे म॑ लगातार याद दिलाबै के । ई यरूशलेम के भविष्य के एक गौरवशाली शहर में बदलै आरू ओकरो नया पहचान के प्रतिबिंबित करै लेली ओकरो नाम बदलै के बात पर प्रकाश डालै छै (यशायाह 62:1-5)।

2 पैराग्राफ: अध्याय यरूशलेम के प्रति परमेश्वर के प्रतिबद्धता आरू चौकीदार के स्थापना करै के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै जे जाबे तक ओकर बहाली पूरा नै होय जैतै, आराम नै करतै। ई आश्वासन दै छै कि परमेश्वर शहर में उद्धार आरू सम्मान लानै छै, आरू एकरऽ देवाल के "मुक्ति" आरू एकरऽ फाटक के "स्तुति" कहलऽ जैतै (यशायाह 62:6-9)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन एहि आह्वान स होइत अछि जे लोक के फाटक स गुजरि प्रभु के आगमन के बाट तैयार करू। ई यरूशलेम के धार्मिकता क॑ स्वीकार करै वाला राष्ट्रऽ के प्रत्याशा आरू परमेश्वर के साथ लोगऽ के संबंध के बहाल करै के प्रत्याशा पर प्रकाश डालै छै (यशायाह ६२:१०-१२)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह बासठि अध्याय मे प्रकट होइत अछि
यरूशलेम के बहाली के लेल भावुक गुहार,
भगवान् की प्रतिबद्धता एवं भविष्य के आशीर्वाद।

यरूशलेम के लेलऽ परमेश् वर के प्रतिज्ञा के याद दिलाबै के पैगम्बर के संकल्प।
भगवान् के प्रतिबद्धता आ चौकीदार के स्थापना पर जोर।
लोक के आह्वान करू जे प्रभु के आगमन के रास्ता तैयार करथि।

ई अध्याय यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू महिमा के लेलऽ भविष्यवक्ता केरऽ भावुक निहोरा क॑ व्यक्त करै छै । एकरऽ शुरुआत भविष्यवक्ता केरऽ ई संकल्प स॑ होय छै कि चुप नै रहना आरू परमेश् वर क॑ यरूशलेम के लेलऽ अपनऽ प्रतिज्ञा के बारे म॑ लगातार याद दिलाबै के । अध्याय में यरूशलेम के भविष्य में एक गौरवशाली शहर में परिवर्तन आरू ओकरऽ नया पहचान के प्रतिबिंबित करै लेली ओकरऽ नाम बदलै के बात पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई यरूशलेम के प्रति परमेश्वर के प्रतिबद्धता आरू चौकीदार के स्थापना करै के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै जे जाबे तक ओकरो बहाली पूरा नै होय जैतै, आराम नै करतै। अध्याय में आश्वासन देल गेल अछि जे परमेश् वर एहि शहर मे उद्धार आ सम्मान अनताह, आ एकर देबाल केँ "मुक्ति" आ ओकर फाटक केँ "स्तुति" कहल जायत। एकरऽ समापन ई आह्वान स॑ होय छै कि लोगऽ क॑ फाटकऽ स॑ गुजरी क॑ प्रभु केरऽ आगमन के रास्ता तैयार करलऽ जाय । ई यरूशलेम के धार्मिकता के स्वीकार करै वाला राष्ट्रऽ के प्रत्याशा आरू परमेश्वर के साथ लोगऽ के संबंध के पुनर्स्थापना पर प्रकाश डालै छै। अध्याय यरूशलेम के बहाली के लेलऽ भावुक गुहार, परमेश्वर के प्रतिबद्धता आरू भविष्य के आशीष पर केंद्रित छै जे हुनकऽ लोगऽ के इंतजार करी रहलऽ छै ।

यशायाह 62:1 हम सियोन के लेल चुप नहि रहब आ यरूशलेम के लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत तक ओकर धार्मिकता चमक के रूप मे नहि निकलत आ ओकर उद्धार एकटा दीपक जकाँ नहि निकलत।

ई अंश यरूशलेम आरू सिय्योन के प्रति परमेश्वर के प्रतिबद्धता आरू प्रेम पर जोर दै छै, ई वादा करी क कि जब तलक ओकरा सिनी के पास न्याय आरू उद्धार नै आबै छै, तब तलक चुप नै रहना छै।

1: हमरा सभक प्रति प्रभुक प्रेम कहियो नहि डगमगाइत अछि

2: सदिखन भगवानक निष्ठा पर निर्भर रहू

1: भजन 107:1 - "प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि! हुनकर विश् वासपूर्ण प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

2: यशायाह 40:31 - "मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि हुनका नव शक्ति भेटतनि। ओ गरुड़ जकाँ पाँखि पर ऊँच उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।"

यशायाह 62:2 गैर-यहूदी सभ अहाँक धार्मिकता आ सभ राजा अहाँक महिमा देखताह, आ अहाँ एकटा नव नाम सँ बजाओल जायत, जकर नाम परमेश् वरक मुँह राखत।

परमेश् वर अपन लोक केँ एकटा नव नाम देथिन जकरा सभ जाति आ राजा सभ स्वीकार करत।

1. परमेश् वरक महिमा अतुलनीय अछि - यशायाह 62:2

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वफादारी - यशायाह 62:2

1. प्रकाशितवाक्य 3:12 - "जे जीतत ओकरा हम अपन परमेश् वरक मन् दिर मे एकटा खंभा बना देब, आ ओ आब बाहर नहि जायत। आ हम ओकरा पर अपन परमेश् वरक नाम आ नगरक नाम लिखब।" हमर परमेश् वर, जे नव यरूशलेम अछि, जे हमर परमेश् वर सँ स् वर्ग सँ उतरैत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 1:30 - "मुदा हुनका सँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे छी, जे परमेश् वर द्वारा हमरा सभक लेल बुद्धि, धार्मिकता, पवित्रता आ मोक्ष बनल छथि।"

यशायाह 62:3 अहाँ परमेश् वरक हाथ मे महिमाक मुकुट आ अपन परमेश् वरक हाथ मे राजमुकुट बनब।

यशायाह 62:3 परमेश् वरक प्रतिज्ञाक घोषणा अपन लोक सभ केँ करैत अछि जे ओ सभ महिमाक मुकुट आ हुनकर हाथ मे राजकी मुकुट बनत।

1. परमेश्वर के महिमा के प्रतिज्ञा: यशायाह 62:3 के अन्वेषण

2. शाही मुकुट के आत्मसात करब: यशायाह 62:3 मे परमेश्वर के आशीर्वाद कोना प्राप्त कयल जाय

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. 1 पत्रुस 5:6-7 - तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ उचित समय पर अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि, आ अहाँ सभक सभटा चिन्ता हुनका पर राखि सकथि, किएक तँ ओ अहाँ सभक चिन्ता करैत छथि।

यशायाह 62:4 अहाँ केँ आब परित्यक्त नहि कहल जायत। आब तोहर देश उजाड़ नहि कहल जायत, बल् कि तोहर हेफजीबा आ तोहर देश बेउला कहल जायब, किएक तँ परमेश् वर अहाँ पर प्रसन्न छथि आ अहाँक देश विवाहित भऽ जायत।”

ई अंश परमेश् वर के अपनऽ लोग आरू अपनऽ भूमि में आनन्द के बात करै छै, आरू ओकरा सिनी के प्रति हुनकऽ प्रतिबद्धता के बात करै छै।

1. भगवान् प्रेम आ दयाक पिता छथि

2. भगवान् के अपन लोक मे आनन्द

1. रोमियो 8:31-39 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. यशायाह 54:4-10 - किएक तँ अहाँ दहिना आ बामा कात तोड़ि देब। तोहर वंशज गैर-यहूदी सभक उत्तराधिकारी बनत आ उजाड़ नगर सभ मे रहबाक लेल बनौत।”

यशायाह 62:5 जेना युवक कुमारि सँ विवाह करैत अछि, तहिना अहाँक बेटा सभ अहाँ सँ विवाह करत।

भगवान् अपन लोक पर ओहिना आनन्दित हेताह जेना वर अपन कनियाँ पर आनन्दित होइत छथि।

1. विवाहक आनन्द: भगवानक प्रेमक चित्र

2. भगवान आ हुनक लोकक मिलन मनाबय

1. इफिसियों 5:25-27 - पति केँ अपन पत्नी सँ ओहिना प्रेम करबाक चाही जेना मसीह मंडली सँ प्रेम करैत छलाह।

2. यिर्मयाह 31:3 - परमेश् वर अपन लोक सभ सँ प्रेम करैत छथि आ हुनका सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

यशायाह 62:6 हे यरूशलेम, हम तोहर देबाल पर चौकीदार राखि देने छी जे दिन आ राति कहियो चुप नहि रहत।

प्रभु यरूशलेम के चौकीदार नियुक्त करलोॅ छै, जे ओकरो नाम के स्तुति करै में कभियो नै छोड़ै।

1. प्रशंसा के शक्ति: यशायाह 62:6 पर एकटा चिंतन

2. यरूशलेम के चौकीदार: यशायाह 62:6 के परीक्षा

1. भजन 103:1-5

2. रोमियो 10:13-15

यशायाह 62:7 जा धरि ओ यरूशलेम केँ स्तुति नहि करत ता धरि ओकरा विश्राम नहि दियौक।

जाबे यरूशलेम पृथ्वी पर स्थापित आ स्तुति नै होयत ताबे परमेश् वर विश्राम नै करताह।

1. दृढ़ताक शक्ति: न्यायक लेल भगवानक अदम्य खोज

2. अदृश्य भविष्य मे विश्वास: अनिश्चित समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यशायाह 62:8 परमेश् वर अपन दहिना हाथ आ अपन सामर्थ् यक बाँहि सँ शपथ लेने छथि, “हम आब अहाँक धान अहाँक शत्रु सभक लेल भोजन नहि देब। परदेशीक बेटा सभ अहाँक मदिरा नहि पीत, जकरा लेल अहाँ परिश्रम केने छी।

परमेश् वर अपन प्रजा केँ ओकर शत्रु सभ सँ बचाबय आ ई सुनिश्चित करबाक प्रतिज्ञा केने छथि जे हुनकर मेहनत बेकार नहि हो।

1. संकट के समय में भगवान के रक्षा

2. प्रभु अपन लोकक प्रबंध करैत छथि

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यशायाह 62:9 मुदा जे सभ एकरा जमा केने अछि से एकरा खा कऽ प्रभुक स्तुति करत। जे सभ एकरा एक ठाम अनने अछि, से सभ हमर पवित्रताक आँगन मे एकरा पीबि लेत।”

जे लोक परमेश् वरक फसल जमा कएने छथि, वा एक ठाम अनबाक काज केने छथि, हुनकर पवित्रताक आँगन मे उत्सव मे खा-पीत।

1. परमेश् वरक फसल जमा करबाक आशीर्वाद

2. भगवान् के पवित्रता में आनन्दित होना

1. भजन 33:5 - ओ धार्मिकता आ न्याय सँ प्रेम करैत छथि; पृथ्वी परमेश् वरक अडिग प्रेम सँ भरल अछि।

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

यशायाह 62:10 ओहि मे सँ जाउ, फाटक सँ जाउ। लोकक बाट तैयार करू। ऊपर फेकि दियौक, राजमार्ग पर फेकि दियौक। पाथर सभकेँ जमा करू। जनताक लेल एकटा मानक उठाउ।

ई अंश लोगऽ क॑ बाधा दूर करी क॑ आरू हुनकऽ भलाई के घोषणा करी क॑ प्रभु केरऽ रास्ता तैयार करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. "धर्मक मार्ग: प्रभुक मार्ग तैयार करब"।

2. "राजमार्ग के कास्टिंग: भगवान के दया आ कृपा के घोषणा"।

1. मत्ती 3:3 - "किएक तँ ई वैह छथि जिनका बारे मे यशायाह भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल छलनि जे, मरुभूमि मे एकटा एहन आवाज जे, “प्रभुक बाट तैयार करू, हुनकर बाट सोझ करू।"

2. भजन 5:8 - "हे प्रभु, हमर शत्रु सभक कारणेँ हमरा अपन धार्मिकता मे अगुवाई करू; हमर मुँह सोझ मे अपन बाट बनाउ।"

यशायाह 62:11 देखू, परमेश् वर संसारक अन् त धरि घोषणा कयलनि अछि जे, “अहाँ सभ सियोनक बेटी केँ कहू जे देखू, अहाँक उद्धार आबि रहल अछि। देखू, ओकर इनाम ओकरा संग छैक आ ओकर काज ओकरा सामने छैक।

परमेश् वर घोषणा कयलनि अछि जे सियोनक बेटी केँ उद्धार आ फल भेटि रहल अछि।

1. परमेश् वरक प्रावधान: हुनकर लोकक लेल उद्धार आ इनाम

2. संसारक अंतक आशाक प्रभुक घोषणा

1. लूका 2:30-31 - "किएक तँ हमर आँखि अहाँक उद्धार केँ देखि लेलक अछि, जे अहाँ सभ लोकक सोझाँ तैयार केने छी। गैर-यहूदी सभ केँ रोशन करबाक लेल इजोत आ अहाँक प्रजा इस्राएलक महिमा।"

2. मीका 4:8 - "हे भेड़क बुर्ज, सिय्योनक बेटीक गढ़, अहाँ लग पहिल राज आओत; राज्य यरूशलेमक बेटी लग आबि जायत।"

यशायाह 62:12 ओ सभ ओकरा सभ केँ, “पवित्र लोक, परमेश् वरक उद्धार कयल गेल” कहत।

ई अंश परमेश् वर के लोग सिनी कॅ पवित्र आरो मुक्ति कॅ कहलऽ जाय के बात करै छै, आरू ओकरा खोजै के बात करै छै आरू ओकरा छोड़लो नै जाय के बात करै छै।

1. परमेश्वर के मोक्षदायक शक्ति यशायाह 62:12

2. परमेश् वरक लोकक आशा यशायाह 62:12

1. लूका 1:68-79 - परमेश् वरक दया आ मोक्षक लेल स्तुति

2. रोमियो 8:31-39 - परमेश् वरक कहियो खत्म नहि होमय बला प्रेम आ निष्ठा

यशायाह अध्याय 63 मे प्रतिशोध आ उद्धारक संग प्रभुक आगमनक चित्रण कयल गेल अछि | ई मसीह के विजयी वापसी के वर्णन करै छै, जे परमेश् वर के शत्रु सिनी पर न्याय लानै छै आरू ओकरो सिनी कॅ उद्धार करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रभु के गौरवशाली रूप के वर्णन स॑ होय छै, जे एदोम स॑ खून स॑ दागदार वस्त्र के साथ आबी रहलऽ छेलै । एहि मे प्रभु केँ एकटा योद्धा के रूप मे चित्रित कयल गेल अछि, जे न्याय करैत छथि आ अपन क्रोध मे जाति सभ केँ रौंदैत छथि (यशायाह 63:1-6)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे परमेश् वरक अपन लोकक प्रति निष्ठा आ करुणा पर चिंतन कयल गेल अछि। ई इस्राएली सिनी के विद्रोह आरू अविश्वास के स्वीकार करै छै, तभियो ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि परमेश् वर के दया आरू प्रेम अखनी भी मौजूद छै। ई बतैलकै कि कोना परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ पूर्व म॑ बचाबै छेलै आरू ओकरऽ हस्तक्षेप आरू बहाली के लेलऽ माँगै छै (यशायाह ६३:७-१४)।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन ई प्रार्थना के साथ होय छै कि भगवान अपनऽ पवित्र स्थान के उजड़पन आरू अपनऽ लोगऽ के उत्पीड़न के तरफ देखै । ई परमेश्वर के चरित्र के अपनऽ पिता आरू मुक्तिदाता के रूप में अपील करै छै, जे हुनकऽ हस्तक्षेप आरू मुक्ति के मांग करै छै। ई

देश के पुनर्स्थापन आरू लोगऽ के परमेश्वर के रास्ता पर वापस आबै के आशा व्यक्त करै छै (यशायाह 63:15-19)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह तेसठि अध्याय मे प्रकट होइत अछि
प्रतिशोध आ उद्धारक संग प्रभुक आगमन,
भगवान् के निष्ठा पर चिंतन आ पुनर्स्थापन के गुहार।

प्रभु के गौरवशाली प्रकटीकरण एवं न्याय के निष्पादन का वर्णन |
परमेश् वरक अपन लोकक प्रति निष्ठा आ करुणा पर चिंतन।
परमेश्वर के हस्तक्षेप, मुक्ति, आरू बहाली के लेलऽ प्रार्थना।

एहि अध्याय मे प्रतिशोध आ मोक्षक संग प्रभुक आगमनक चित्रण कयल गेल अछि | एकरऽ शुरुआत प्रभु केरऽ गौरवशाली रूप के वर्णन स॑ होय छै, जे एदोम स॑ खून स॑ दागदार वस्त्र के साथ आबी रहलऽ छै । अध्याय में प्रभु के चित्रण एक योद्धा के रूप में करलऽ गेलऽ छै जे न्याय के निष्पादन करै छै आरू अपनऽ क्रोध में राष्ट्रऽ के रौंदै छै । ई परमेश्वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति निष्ठा आरू करुणा के चिंतन करै छै, जेकरा म॑ ओकरऽ विद्रोह आरू अविश्वास क॑ स्वीकार करलऽ जाय छै, तभियो ई बात क॑ स्वीकार करलऽ जाय छै कि परमेश्वर केरऽ दया आरू प्रेम अखनी भी मौजूद छै । अध्याय में ई बतैलऽ गेलऽ छै कि कोना परमेश् वर न॑ अपनऽ लोगऽ क॑ पूर्व में बचाबै छेलै आरू हुनकऽ हस्तक्षेप आरू बहाली के मांग करै छै । एकरऽ समापन ई प्रार्थना के साथ होय छै कि परमेश्वर अपनऽ पवित्र स्थान के उजड़पन आरू अपनऽ लोगऽ के उत्पीड़न के तरफ देखै, परमेश्वर के चरित्र के आह्वान करी क॑ ओकरऽ पिता आरू मुक्तिदाता के रूप में। अध्याय में भूमि के पुनर्स्थापन आरू लोगऽ के परमेश्वर के रास्ता पर वापसी के आशा व्यक्त करलऽ गेलऽ छै । अध्याय प्रतिशोध आरू उद्धार के साथ प्रभु के आबै के साथ-साथ परमेश्वर के निष्ठा आरू पुनर्स्थापन के गुहार के चिंतन पर केंद्रित छै।

यशायाह 63:1 ई के अछि जे एदोम सँ बोस्रा सँ रंगल वस्त्र ल’ क’ आबि रहल अछि? ई जे अपन परिधान मे गौरवशाली अछि, अपन सामर्थ्यक महानता मे यात्रा करैत अछि? हम जे धार्मिकता मे बजैत छी, उद्धार करबाक लेल पराक्रमी।

ई अंश एक के बारे में बात करै छै जे एदोम सें महिमा के वस्त्र धारण करी कॅ आबै छै, आरो उद्धार करै लेली धार्मिकता आरो सामर्थ्य के साथ बात करै छै।

1. मोक्ष मे परमेश् वरक सामर्थ् य आ धार्मिकता

2. मोक्षक गौरवशाली परिधान

1. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2. रोमियो 10:9-10 - जँ अहाँ अपन मुँह सँ प्रभु यीशु केँ स्वीकार करब आ अपन हृदय मे विश्वास करब जे परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जिया देलनि तँ अहाँ उद्धार पाबि जायब। किएक तँ मनुष् य हृदय सँ धार्मिकताक लेल विश् वास करैत अछि। आ मुँह सँ मुक्ति लेल स्वीकार कयल जाइत अछि।

यशायाह 63:2 अहाँ अपन परिधान मे किएक लाल भ’ गेल छी आ अहाँक वस्त्र मदिरा मे रौदनिहारक समान किएक अछि?

यशायाह 63:2 मे देल गेल अंश परमेश् वर सँ पूछि रहल अछि जे ओ लाल रंगक कपड़ा किएक पहिरने छथि, जेना कियो वाइनप्रेस मे रौदैत रहलाह अछि।

1: हम सब संकट के समय में भगवान के तरफ देख सकैत छी आ ओ हमरा सब के मार्गदर्शन करय लेल ओतय रहताह।

2: हमरा सभ केँ अपन सभ काज मे भगवान् पर भरोसा करबाक चाही, कारण ओ सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि।

1: भजन 34:4-5 "हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि, आ हमरा सभ भय सँ मुक्त कयलनि। ओ सभ हुनका दिस तकलक आ हल्लुक भ' गेल।

2: रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 63:3 हम असगरे दादक चूहा केँ दबा देलियैक। लोक मे सँ कियो हमरा संग नहि छल, किएक तँ हम अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब आ क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब। हमर वस्त्र पर ओकर सभक खून छिड़कि जायत आ हम अपन सभ वस्त्र पर दाग लगा देब।

परमेश् वर असगरे अपन क्रोध मे लोक सभ केँ रौंदताह आ सजा देताह, आ हुनकर सभक खून हुनकर वस्त्र पर खसि पड़तनि।

1. भगवानक क्रोध: आज्ञा नहि आज्ञाक परिणाम बुझब

2. परमेश् वर पवित्र आ न्यायी छथि: धार्मिकताक आवश्यकता

1. प्रकाशितवाक्य 19:13-16 - ओ खून मे डुबाओल वस्त्र पहिरने छथि, आ हुनकर नाम परमेश् वरक वचन कहल गेल अछि।

2. यशायाह 59:15-17 - ओ देखलनि जे कियो नहि अछि, ओ स्तब्ध भ’ गेलाह जे हस्तक्षेप करय बला कियो नहि अछि; तेँ हुनक अपन बाँहि हुनका लेल उद्धारक काज केलकनि आ हुनकर अपन धर्म हुनका टिकौलनि |

यशायाह 63:4 किएक तँ प्रतिशोधक दिन हमर हृदय मे अछि, आ हमर उद्धारक वर्ष आबि गेल अछि।

परमेश् वरक प्रतिशोधक दिन आ मोक्षक वर्ष आबि गेल अछि।

1. परमेश् वरक न्यायक दिन: मोक्ष आ प्रतिशोधक समय

2. प्रभु के दिन के पहचान: पश्चाताप के आह्वान

1. रोमियो 2:5-6, 11 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ क्रोधक दिन अपना लेल क्रोध जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत। कारण परमेश् वर कोनो पक्षपात नहि करैत छथि। किएक तँ परमेश् वर पक्षपात नहि करैत छथि, बल् कि हर जाति मे जे कियो हुनका सँ डरैत छथि आ उचित काज करैत छथि, से हुनका स्वीकार्य होइत छनि।

2. यशायाह 59:17-18 - ओ धार्मिकता केँ छाती जकाँ पहिरने छलाह, आ माथ पर उद्धारक हेलमेट पहिरने छलाह। ओ वस्त्रक बदला प्रतिशोधक वस्त्र पहिरि लेलक आ वस्त्र जकाँ उत्साह मे लपेटि लेलक। हुनका लोकनिक कर्मक अनुसार तहिना ओ प्रतिफल देत, अपन विरोधी केँ क्रोध, अपन शत्रु केँ प्रतिफल देत।

यशायाह 63:5 हम देखलहुँ तँ कियो मदद करऽ वला नहि छल। हम आश्चर्यचकित छलहुँ जे सहारा देबय बला कियो नहि अछि, तेँ हमर अपन बाँहि हमरा लेल उद्धार अनलक। आ हमर क्रोध, ई हमरा समर्थन केलक।

सहायता तकलाक बादो कियो नहि भेटल तेँ भगवानक अपन बाँहि मोक्ष अनलक।

1. जरूरत के समय में परमेश्वर के निष्ठा

2. कठिन समय मे प्रभु पर भरोसा करब

1. भजन 37:39 - "मुदा धर्मी सभक उद्धार प्रभु सँ होइत छैक, ओ विपत्तिक समय मे ओकर सामर्थ्य होइत छैक।"

2. इब्रानी 13:5-6 - "अहाँ सभक गप्प-सप्प मे लोभ नहि हो; आ जे किछु अछि, ताहि मे संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। जाहि सँ हम

सभ निर्भीकता सँ कहि सकब जे, 'द प्रभु हमर सहायक छथि, आ हम एहि बात सँ डरब नहि जे मनुष्य हमरा संग की करत।”

यशायाह 63:6 हम अपन क्रोध मे लोक सभ केँ रौंदब, आ अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ नशा मे धुत्त बना देब, आ ओकर शक्ति केँ पृथ्वी पर उतारब।

भगवान् अपन क्रोध आ क्रोध मे लोक केँ सजा देत, ओकर शक्ति केँ पृथ्वी पर उतारि देत।

1. "अवज्ञा के परिणाम"।

2. "भगवानक क्रोधक शक्ति"।

२.

2. इब्रानी 10:30-31 - किएक तँ हम सभ ओहि बात केँ जनैत छी जे कहने छल जे, “प्रतिशोध हमर अछि।” हम चुका देब। आ फेर, प्रभु अपन लोकक न्याय करताह। जीवित भगवानक हाथ मे पड़ब भयावह बात थिक।

यशायाह 63:7 हम प्रभुक दया आ परमेश् वरक स्तुतिक उल्लेख करब, जेना परमेश् वर हमरा सभ पर जे किछु कयलनि अछि आ इस्राएलक घरानाक प्रति ओ महान भलाई जे ओ हुनका सभ केँ अपन अनुसार कयलनि अछि दया, आ ओकर प्रेमक भरमारक अनुसार।

इस्राएल के लोगऽ के प्रति परमेश् वर के दया आरू महानता के प्रशंसा यशायाह 63:7 में करलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेम आ कृपा अपन लोकक प्रति

2. प्रभुक दया आ प्रेमक शक्ति

1. भजन 103:4-5 - "हे हमर आत्मा, प्रभु केँ आशीर्वाद दियौक। आ हमरा भीतर जे किछु अछि, ओकर पवित्र नाम केँ आशीर्वाद दियौक। हे हमर आत्मा, प्रभु केँ आशीर्वाद दियौक, आ हुनकर सभ लाभ केँ नहि बिसरि जाउ।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यशायाह 63:8 किएक तँ ओ कहलनि जे, ओ सभ हमर लोक छथि, जे झूठ नहि बाजत, से ओ सभ हुनका सभक उद्धारकर्ता छलाह।

परमेश् वर घोषणा कयलनि जे इस्राएलक लोक हुनकर लोक छथि आ ओ हुनकर उद्धारकर्ता हेताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वफादारी

2. भगवानक अपन लोकक प्रति प्रेम

1. व्यवस्था 7:8 मुदा प्रभु अहाँ सभ सँ प्रेम कयलनि आ अहाँ सभक पूर्वज सभक शपथ केँ पूरा कयलनि, तेँ ओ अहाँ सभ केँ एकटा पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि देलनि आ अहाँ सभ केँ गुलामीक देश सँ, मिस्रक राजा फिरौनक शक्ति सँ मुक्त कयलनि।

2. यशायाह 41:10 तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यशायाह 63:9 हुनका सभक सभ दुःख मे ओ दुःखित भेलाह, आ हुनकर उपस्थितिक स् वर्गदूत हुनका सभ केँ उद्धार कयलनि। ओ ओकरा सभ केँ लऽ कऽ लऽ कऽ चलैत रहलाह।

ई अंश परमेश् वरक अपन लोकक प्रति करुणा आ प्रेमक गप्प करैत अछि, ओहो दुखक समय मे।

1. "प्रभुक प्रेमपूर्ण उपस्थिति - क्लेशक समय मे भगवानक आराम आ देखभाल"।

2. "भगवानक मोक्ष - सर्वशक्तिमानक प्रेम आ दया"।

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

यशायाह 63:10 मुदा ओ सभ विद्रोह कयलक आ हुनकर पवित्र आत् मा केँ परेशान कयलनि, तेँ ओ हुनका सभक शत्रु बनि गेलाह आ हुनका सभक विरुद्ध लड़लनि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के खिलाफ विद्रोह करी कॅ हुनको पवित्र आत्मा कॅ परेशान करलकै, ई लेली हुनी ओकरो सिनी के दुश्मन बनी कॅ ओकरा सिनी के खिलाफ लड़ै लेली मजबूर होय गेलै।

1. "भगवान के विरुद्ध विद्रोह के खतरा"।

2. "पवित्र आत्मा केँ परेशान करबाक परिणाम"।

1. इफिसियों 4:30-32: "आ परमेश् वरक पवित्र आत् मा केँ दुखी नहि करू, जिनका द्वारा अहाँ सभ केँ मोक्षक दिनक लेल मोहर लगाओल गेल छल। अहाँ सभ सँ सभ कटुता, क्रोध, क्रोध, हल्ला आ निन्दा दूर कयल जाय।" सभ दुर्भावना। एक-दोसर पर दयालु, कोमल हृदय, एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना मसीह मे परमेश् वर अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।"

2. इब्रानी 3:7-8: "तेँ, जेना पवित्र आत् मा कहैत छथि, आइ जँ अहाँ सभ हुनकर आवाज सुनब तँ जंगल मे परीक्षा मे विद्रोहक दिन जकाँ अपन हृदय कठोर नहि करू।"

यशायाह 63:11 तखन ओ मूसा आ हुनकर लोकक पुरान दिन मोन पाड़लनि जे, “ओ कतय छथि जे हुनका सभ केँ अपन भेँड़ाक चरबाहक संग समुद्र सँ बाहर अनने छलाह?” ओ कतय अछि जे अपन पवित्र आत् मा अपना भीतर राखि दैत अछि?

परमेश् वर मूसा आ अपन लोकक दिन मोन पाड़ैत छथि, आ पुछैत छथि जे ओ कतय छथि जे हुनका सभ केँ अपन भेँड़ाक चरबाहक संग समुद्र सँ बाहर अनने छलाह आ कतय छथि जे मूसाक भीतर अपन पवित्र आत् मा राखि देलनि।

1. परमेश् वरक वफादारी - मूसा आ हुनकर लोक सभ केँ समुद्र सँ मुक्ति मे परमेश् वरक विश् वासक प्रदर्शन कोना भेल।

2. पवित्र आत्मा के शक्ति - पवित्र आत्मा हमरा सब में आ हमरा सब के माध्यम स कोना काज करैत अछि जे हमरा सब के हमर मिशन के लेल सुसज्जित करैत अछि।

1. भजन 77:19 - तोहर बाट समुद्र मे अछि, आ तोहर बाट पैघ पानि मे अछि, आ तोहर कदम नहि बुझल अछि।

2. यशायाह 48:20 - अहाँ सभ बाबुल सँ बाहर जाउ, कल्दी सभ सँ भागू, गानक आवाज सँ घोषणा करू, ई बात करू, पृथ्वीक अंत धरि एकरा बाजू। अहाँ सभ कहैत छी जे, प्रभु अपन सेवक याकूब केँ मुक्त क’ देलनि।”

यशायाह 63:12 जे हुनका सभ केँ मूसाक दहिना हाथ सँ अपन गौरवशाली बाँहि सँ लऽ गेलनि आ हुनका सभक सोझाँ पानि केँ बाँटि क’ अपना केँ अनन्त नाम बनेबाक लेल ल’ गेलनि?

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मूसा आ ओकर गौरवशाली बाँहिक संग लाल सागरक माध्यमे लऽ गेलाह, जाहि सँ ओ अपना केँ अनन्त नाम बना सकथि।

1. परमेश् वरक महिमा अपन लोक सभ केँ कोना लाल सागरक माध्यमे लऽ गेल

803

2. भगवान् पर भरोसा करबाक स्थायी प्रभाव

1. निष्कासन 14:21-22 तखन मूसा समुद्र पर अपन हाथ बढ़ौलनि, आ परमेश् वर पानि मे एकटा बाट खोललनि जे पूरबक तेज हवा चलैत छल। भरि राति हवा बहैत रहल, समुद्र केँ शुष्क भूमि मे बदलि देलक।

2. यशायाह 41:10 तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यशायाह 63:13 ओ सभ गहींर मे, जंगल मे घोड़ा जकाँ, जाहि सँ ओ सभ ठोकर नहि खाय?

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ कठिन समय में मार्गदर्शन करलकै, जेकरा सें ओकरा सिनी कॅ कोनो भी नुकसान या खतरा सें बचाबै के काम करलकै।

1. परमेश् वर जंगल मे हमर सभक मार्गदर्शक छथि - यशायाह 63:13

2. कठिन समय मे परमेश्वरक संग चलब - यशायाह 63:13

1. भजन 32:8 - "हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखाबब; हम अहाँ पर अपन नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यशायाह 63:14 जेना कोनो जानवर घाटी मे उतरैत अछि, तहिना परमेश् वरक आत् मा ओकरा विश्राम दैत छल, तहिना अहाँ अपन लोक केँ अपना केँ गौरवशाली नाम बनेबाक लेल नेतृत्व केलहुँ।

प्रभु केरऽ आत्मा अपनऽ लोगऽ क॑ एगो गौरवशाली नाम बनाबै लेली प्रेरित करलकै ।

1. हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक महिमा

2. घाटी मे आराम कोना भेटत

1. 2 कोरिन्थी 3:17 - आब प्रभु आत् मा छथि, आ जतय प्रभुक आत् मा अछि, ओतय स्वतंत्रता अछि।

2. यशायाह 40:29-31 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यशायाह 63:15 स्वर्ग सँ नीचाँ देखू, आ अपन पवित्रता आ अपन महिमाक निवास स्थान सँ देखू। की ओ सभ संयमित छथि?

ई अंश परमेश् वर के पवित्रता आरू महिमा के बात करै छै, आरू सवाल उठाबै छै कि वक्ता के प्रति हुनको उत्साह आरू ताकत कियैक नै दिखालऽ जाय रहलऽ छै ।

1: भगवान् के ताकत सदिखन मौजूद रहैत अछि, चाहे हम सब किछु महसूस करी

2: कठिनाई के समय में भगवान के कृपा और दया पर भरोसा करना

1: इब्रानी 4:16 - "तखन हम सभ विश्वासपूर्वक अनुग्रहक सिंहासन लग आबि जाउ, जाहि सँ हम सभ दया पाबि सकब आ आवश्यकताक समय मे सहायता करबाक लेल अनुग्रह पाबि सकब।"

2: भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

यशायाह 63:16 निस्संदेह, अहाँ हमर सभक पिता छी, यद्यपि अब्राहम हमरा सभ सँ अनभिज्ञ छथि, आ इस्राएल हमरा सभ केँ नहि स्वीकार करैत छथि। तोहर नाम अनन्त काल सँ अछि।

परमेश् वर अनन्त काल धरि हमर सभक पिता आ मुक्तिदाता छथि।

1. भगवान् के अटूट प्रेम

2. मोक्षक अनन्त प्रतिज्ञा

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा सभ केँ पहिने प्रकट भेलाह जे हम अहाँ सभ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; हम अहाँ सभ केँ अटूट दया सँ खींचने छी।"

2. भजन 136:26 - "स्वर्गक परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक। हुनकर प्रेम अनन्त काल धरि रहत।"

यशायाह 63:17 हे प्रभु, अहाँ हमरा सभ केँ अपन बाट सँ किएक भटका देलहुँ आ अपन डर सँ हमरा सभक हृदय केँ कठोर कयल गेल? अपन नोकर सभक लेल घुरि जाउ, जे अपन उत्तराधिकारक गोत्र अछि।

परमेश् वरक लोक सभ पूछि रहल अछि जे परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन बाट सँ भटकि कऽ अपन डर सँ हृदय केँ कठोर किएक कयलनि अछि, आ ओ सभ परमेश् वर सँ अपन सेवक आ हुनक उत्तराधिकारक लेल घुरबाक निहोरा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रेम आ पश्चाताप करबाक लेल हुनकर आह्वान

2. कठोर हृदयक चेतावनी संकेत पर ध्यान देबाक आवश्यकता

1. रोमियो 2:4-5 - या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय?

2. इब्रानी 3:12-13 - हे भाइ लोकनि, सावधान रहू जे अहाँ सभ मे सँ ककरो मे कोनो दुष्ट, अविश्वासी हृदय नहि हो, जे अहाँ सभ केँ जीवित परमेश् वर सँ दूर भ’ जाय। मुदा, जाबत धरि आइ कहल जाइत अछि, प्रतिदिन एक-दोसर केँ आग्रह करू, जाहि सँ अहाँ सभ मे सँ कियो पापक छल-प्रपंच सँ कठोर नहि भ' जाय।

यशायाह 63:18 तोहर पवित्रताक लोक सभ ओकरा किछुए काल धरि अपना मे समेटि लेलक।

परमेश् वरक लोक सभ अपन पवित्रताक स्थान केँ किछुए समयक लेल मात्र कब्जा क' लेने छल, तकर बाद ओकर विरोधी सभ ओकरा सभ सँ ओकरा छीन लेने छल।

1. अजमाइशक समय मे विश्वासक ताकत

2. कठिन परिस्थिति मे भगवान् पर भरोसा करब

१. जाहि सँ अहाँ एकरा सहि सकब।”

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

यशायाह 63:19 हम सभ अहाँक छी, अहाँ कहियो हुनका सभ पर शासन नहि करैत छी। ओ सभ अहाँक नाम सँ नहि बजाओल गेल छल।

यशायाह 63:19 मे देल गेल अंश परमेश् वरक लोक सभक अपन होयबाक बात करैत अछि, तइयो हुनकर नाम सँ नहि बजाओल गेल अछि।

1. परमेश् वरक अपन लोक पर प्रभुत्व: मसीह मे हमर सभक असली पहिचान

2. भगवान सँ विच्छेद आ विरह के भावना पर काबू पाब

1. रोमियो 8:14-17, किएक तँ जे सभ परमेश् वरक आत् माक नेतृत्व मे छथि, ओ सभ परमेश् वरक पुत्र छथि।

2. भजन 100:3, ई जानि लिअ जे प्रभु, ओ परमेश् वर छथि! ओ हमरा सभ केँ बनौने छथि, आ हम सभ हुनकर छी। हम सभ ओकर लोक छी आ ओकर चारागाहक बरद।

यशायाह अध्याय 64 परमेश् वर के हस्तक्षेप आरू बहाली के लेलऽ दिल स॑ पुकारलऽ गेलऽ छै । ई लोगऽ के पाप आरू कमी क॑ स्वीकार करै छै आरू परमेश् वर केरऽ दया आरू शक्ति के अपील करै छै कि मुक्ति आरू नवीकरण लानलऽ जाय ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भगवान स स्वर्ग के फाड़ि क नीचा उतरय के गुहार स होइत अछि, अपन भयानक शक्ति आ उपस्थिति के प्रदर्शन करैत। ई लोगऽ के अयोग्यता आरू परमेश्वर के हस्तक्षेप के जरूरत क॑ स्वीकार करै छै (यशायाह 64:1-4)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे लोकक पाप स्वीकार कयल गेल अछि आ ओकर बेवफाई केँ स्वीकार कयल गेल अछि | एहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे ओ सभ दूषित वस्त्र जकाँ अछि आ ओकर धर्म-कर्म गंदा चीर जकाँ अछि। ई परमेश् वर के दया के आह्वान करै छै आरू हुनका स॑ कहै छै कि हुनी अपनऽ वाचा क॑ याद करै आरू हमेशा लेली क्रोधित नै होय (यशायाह 64:5-9)।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान स नगर के उजाड़पन आ लोक के उत्पीड़न के देखय लेल हृदय स आग्रह के संग होइत अछि | ई परमेश् वर के पिता के करुणा के आह्वान करै छै आरू हुनका ई याद रखै लेली कहै छै कि वू हुनकऽ लोग छै । ई पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के रास्ता पर वापसी के आशा व्यक्त करै छै (यशायाह 64:10-12)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय चौंसठ मे प्रकट होइत अछि
भगवान् के हस्तक्षेप के लिये दिल से पुकार,
पाप के स्वीकार आ पुनर्स्थापन के आवश्यकता।

भगवान् सँ निहोरा करू जे ओ अपन शक्तिक प्रदर्शन करथि आ नीचाँ आबि जाथि।
पाप स्वीकार करब आ अयोग्यता स्वीकार करब।
परमेश् वर के दया, वाचा के स्मरण आरू पुनर्स्थापन के आशा के अपील करऽ।

ई अध्याय भगवान के हस्तक्षेप आरू बहाली के लेलऽ हृदय स॑ पुकार व्यक्त करै छै । एकरऽ शुरुआत भगवान स॑ होय छै कि लोगऽ के अयोग्यता आरू हुनकऽ हस्तक्षेप के जरूरत क॑ स्वीकार करी क॑ स्वर्ग क॑ फाड़ी क॑ नीचें आबी जाय के गुहार लगाय देलऽ जाय छै । अध्याय में लोगऽ के पाप के स्वीकार करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरऽ बेवफाई के स्वीकार करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में परमेश्वर के दया के जरूरत पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर सँ अपील करै छै कि हुनी अपनऽ वाचा क॑ याद करी क॑ हमेशा लेली क्रोधित नै होय । अध्याय के समापन भगवान स नगर के उजाड़पन आ लोक के उत्पीड़न के देखय के हृदय स आग्रह के संग होइत अछि | ई परमेश् वर के पिता के करुणा के आह्वान करै छै आरू हुनका ई याद रखै लेली कहै छै कि वू हुनकऽ लोग छै । ई पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के रास्ता पर वापसी के आशा व्यक्त करै छै। अध्याय परमेश् वर के हस्तक्षेप के लेलऽ हृदय स॑ पुकारना, पापऽ के स्वीकार करना, आरू पुनर्स्थापन के जरूरत प॑ केंद्रित छै ।

यशायाह 64:1 काँ अहाँ आकाश केँ फाड़ि दैतहुँ, जँ अहाँ नीचाँ उतरि जाइतहुँ, जाहि सँ पहाड़ अहाँक सोझाँ बहैत।

यशायाह परमेश्वर के लेलऽ प्रार्थना करी रहलऽ छै कि वू स्वर्ग स॑ उतरी जाय आरू पहाड़ऽ के हुनकऽ उपस्थिति के प्रति प्रतिक्रिया देलऽ जाय ।

1. प्रार्थना के शक्ति: परमेश्वर स हमर सबहक आग्रह कोना चमत्कारी परिवर्तन आनि सकैत अछि

2. भगवान् के महिमा: हमर सृष्टिकर्ता के उपस्थिति हमरा सब के कोना प्रेरित आ हिलाबैत अछि

1. भजन 77:16-20 - हे परमेश् वर, पानि तोरा देखलक। ओ सभ डरा गेल छल: गहराई सेहो परेशान छल।

2. निष्कासन 19:16-19 - तेसर दिन भोरे मे गरजल आ बिजली, पहाड़ पर एकटा मोट मेघ आ तुरहीक आवाज बहुत जोर सँ भेल। जाहि सँ डेरा मे जे सभ लोक छल से काँपि उठल।

यशायाह 64:2 जेना जखन पिघलैत आगि जड़ैत अछि तखन आगि पानि केँ उबालि दैत अछि, जाहि सँ अहाँक नाम अहाँक विरोधी सभ केँ बुझाओल जायत, जाहि सँ अहाँक सोझाँ जाति सभ काँपि जाय!

परमेश् वर के सामर्थ् य आरू पराक्रम संसार के सामने प्रकट होय छै, जे लोग सिनी कॅ पश्चाताप के तरफ लानी आरू ओकरा स्वीकार करै छै।

1: परमेश् वरक सामर्थ् य आ पराक्रम केँ स्वीकार करू

2: पश्चाताप करू आ भगवान दिस मुड़ू

1: यिर्मयाह 9:24 - "मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बात पर गर्व करथि जे ओ हमरा बुझैत अछि आ जनैत अछि जे हम प्रभु छी जे पृथ्वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी प्रभु।"

2: मत्ती 6:5-6 - "जखन अहाँ प्रार्थना करब तँ पाखंडी सभ जकाँ नहि बनब। किएक तँ ओ सभ सभाघर आ सड़कक कोन-कोन मे ठाढ़ भ' क' प्रार्थना करब नीक लगैत अछि, जाहि सँ हुनका सभ केँ मनुष्य देखय पड़य। सत्ते।" हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे हुनका सभक इनाम छनि."

यशायाह 64:3 जखन अहाँ भयावह काज केलहुँ जकर हम सभ नहि ताकि रहल छलहुँ, तखन अहाँ उतरलहुँ, अहाँक सोझाँ पहाड़ सभ बहैत छल।

भगवान् केरऽ उपस्थिति शक्तिशाली छै आरू पहाड़ऽ क॑ हिलाय सकै छै ।

1. भगवानक शक्ति हमरा लोकनि जे किछु कल्पना क' सकैत छी ताहि सँ बेसी अछि।

2. हमर विश्वास भगवानक शक्ति पर बनल होबाक चाही, अपन समझ पर नहि।

1. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. भजन 46:2 - तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती हटि जायत आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाय।

यशायाह 64:4 हे परमेश् वर, संसारक प्रारंभ सँ मनुष् य नहि सुनने अछि आ ने कान सँ बुझने छल आ ने आँखि देखने अछि जे ओ अहाँक प्रतीक्षा करयवला लेल की तैयार केने अछि।

भगवान् हुनकर प्रतीक्षा करय वाला के लेल किछ खास तैयार केने छथिन्ह, जे पहिने कियो नहि देखने छल.

1. प्रभुक प्रतीक्षा करबाक फल - यशायाह 64:4

2. अदृश्य केँ देखब: परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल विशेष उपहार - यशायाह 64:4

1. रोमियो 8:25 - "मुदा जँ हम सभ जे नहि देखैत छी तकर आशा करैत छी तँ धैर्यपूर्वक ओकर प्रतीक्षा करैत छी।"

2. 1 कोरिन्थी 2:9 - "मुदा, जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, जे बात परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करय बला सभक लेल तैयार कयलनि अछि जे आँखि नहि देखने अछि, कान नहि सुनने अछि आ मनुष् यक हृदय नहि सोचने अछि"।

यशायाह 64:5 अहाँ ओहि सँ भेंट करैत छी जे आनन्दित होइत अछि आ धार्मिकता करैत अछि, जे अहाँक बाट मे अहाँक स्मरण करैत अछि। किएक तँ हम सभ पाप केलहुँ, ओहि मे निरंतरता अछि, आ हम सभ उद्धार पाबि लेब।

हम सभ तखन उद्धार पाबैत छी जखन हम सभ आनन्दित होइत छी आ परमेश् वरक बाट सभ केँ मोन पाड़ैत उचित काज करैत छी। भगवान् जखन हमरा सभक पाप पर क्रोधित होइत छथि तखनो हमरा सभक लेल आशा रहैत अछि।

1. आनन्दित होउ आ धार्मिकता करू - यशायाह 64:5

2. परमेश् वरक निरंतरता मे आशा - यशायाह 64:5

1. व्यवस्था 6:5-7 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

2. नीतिवचन 11:30 - धर्मी के फल जीवन के गाछ छै, आरू जे आत्मा के जीतै छै, वू बुद्धिमान छै।

यशायाह 64:6 मुदा हम सभ अशुद्ध वस्तु जकाँ छी, आ हमर सभक सभ धार्मिकता गंदा चीर जकाँ अछि।
आ हम सभ पात जकाँ फीका पड़ि जाइत छी। आ हमरा सभक अधर्म, हवा जकाँ, हमरा सभ केँ लऽ गेल अछि।

हमरऽ सब धार्मिकता बेकार छै आरू हमरऽ पाप हमरा परमेश् वर स॑ दूर करी देल॑ छै ।

1. धर्मक मूल्य आ पापक परिणाम

2. पश्चाताप करबाक आ क्षमा मांगबाक आवश्यकता

1. रोमियो 3:10-12 - केओ धर्मी नहि अछि, नहि, एको नहि अछि; कियो नहि बुझैत अछि; केओ भगवान् के खोज नै करै छै।

2. भजन 51:5-7 - देखू, हम अधर्म मे जन्म लेलहुँ, आ पाप मे हमर माय हमरा गर्भवती भेलीह। देखू, अहाँ भीतर मे सत्य मे आनन्दित होइत छी, आ गुप्त हृदय मे हमरा बुद्धि सिखाबैत छी।

यशायाह 64:7 एहन केओ नहि अछि जे अहाँक नाम बजबैत अछि आ अहाँ केँ पकड़बाक लेल अपना केँ उकसाबैत अछि, किएक तँ अहाँ हमरा सभक अधर्मक कारणेँ हमरा सभ सँ अपन मुँह नुका लेलहुँ आ हमरा सभ केँ नष्ट कऽ देलहुँ।

भगवान् हमरा सभ सँ अपन चेहरा नुका क' हमरा सभक अधर्मक कारणेँ भस्म क' देलनि अछि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. पश्चाताप मे भगवान् लग पहुँचब

1. भजन 51:1-4

2. 2 इतिहास 7:14

यशायाह 64:8 मुदा आब, हे प्रभु, अहाँ हमर सभक पिता छी। हम सभ माटि छी, आ अहाँ हमर सभक कुम्हार। आ हम सभ अहाँक हाथक काज छी।

भगवान सब के पिता छैथ आ ओ दुनिया के निर्माता छैथ, जे हमरा सब के आकार दैत छैथ आ अपन योजना के अनुसार हमरा सब के गठन करैत छैथ।

1. भगवान् के सृष्टि के शक्ति - भगवान हमरा सब के कोना सृजन करैत छथि आ कोना ढालैत छथि

2. दिव्य अभिभावकत्व - भगवान हमरा सभक पिताक रूप मे कोना मार्गदर्शन करैत छथि

1. अय्यूब 10:8-11 - अहाँक हाथ हमरा बनौलक आ हमरा बनौलक; अहाँक आज्ञा सीखबाक लेल हमरा समझ दिअ।

2. यिर्मयाह 18:6 - हे इस्राएलक घराना, की हम अहाँक संग ओहिना नहि क’ सकैत छी जेना ई कुम्हार करैत अछि? प्रभु कहैत छथि। देखू, कुम्हारक हाथक माटि जकाँ, हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ हमर हाथ मे छी।

यशायाह 64:9 हे प्रभु, बहुत बेसी क्रोध नहि करू, आ ने अधर्म केँ सदाक लेल मोन राखू।

परमेश् वर केँ अपन सभ लोक पर दया आ क्षमा करबाक लेल बजाओल गेल अछि।

१: "दया आ क्षमाक शक्ति"।

२: "भगवानक अपन लोकक प्रति प्रेम"।

1: मीका 7:18-19 "अहाँ सभ सन परमेश् वर के छथि, जे अपन उत्तराधिकारक शेष लोकक लेल अधर्म केँ क्षमा करैत छथि आ अपराध केँ पार करैत छथि? ओ अपन क्रोध अनन्तकाल धरि नहि राखैत छथि, किएक तँ ओ अडिग प्रेम मे रमैत छथि। ओ फेर सँ दया करताह।" हमरा सभ केँ;

2: विलाप 3:22-23 "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यशायाह 64:10 तोहर पवित्र नगर सभ एकटा जंगल अछि, सियोन एकटा जंगल अछि, यरूशलेम एकटा उजाड़ अछि।

यशायाह यरूशलेम, सिय्योन आरू अन्य शहरऽ के बंजर भूमि के बारे में बतैलकै।

1. शास्त्र मे पापक परिणाम

2. पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक महत्व

1. यिर्मयाह 4:23-26 - हम पृथ् वी दिस तकलहुँ आ देखलहुँ जे ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश धरि, मुदा ओकरा सभक कोनो इजोत नहि छलैक।

2. जकरयाह 1:1-6 - हम राति मे देखलहुँ जे एकटा आदमी लाल घोड़ा पर सवार छल आ ओ खोह मे मृग गाछक बीच ठाढ़ छल। आ पाछू मे घोड़ा छल: लाल, सॉरेल आ उज्जर।

यशायाह 64:11 हमर सभक पवित्र आ हमर सभक सुन्दर घर, जतय हमर सभक पूर्वज अहाँक स्तुति केने छलाह, आगि मे जरि गेल अछि।

यशायाह भविष्यवक्ता मन्दिरक विनाशक विलाप करैत छथि, जतय हुनकर पूर्वज परमेश् वरक स्तुति करैत छलाह आ हुनकर सभ सुखद वस्तु नष्ट भऽ गेलनि।

1. हानि के समय में ताकत खोजना

2. विनाश मे भगवानक उद्देश्य केँ बुझब

1. विलाप 3:22-24 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह 64:12 हे प्रभु, की अहाँ एहि सभ बातक लेल अपना केँ परहेज करब? की अहाँ चुप रहब आ हमरा सभ केँ बहुत कष्ट देब?

ई अंश परमेश् वर के लोगऽ के ईमानदार पुकार के प्रतिबिंबित करै छै, जेकरा में ई पूछलऽ गेलऽ छै कि प्रभु चुप कियैक रहलऽ छै आरू ओकरा सिनी क॑ कष्ट उठाबै के अनुमति कियैक देल॑ छै ।

1. "सहायता के लेल एकटा पुकार: भगवान के तरफ स मौन स संघर्ष"।

2. "क्लेशक बीच एकटा विश्वासी हृदय"।

1. याकूब 5:13-18 - दुखक समय मे प्रार्थनाक शक्ति

2. भजन 119:50 - कठिन समय मे परमेश् वरक वचन सँ सान्त्वना आ आशाक खोज करब।

यशायाह अध्याय 65 में परमेश्वर के खोज करै वाला धर्मी अवशेष आरू हुनका अस्वीकार करै वाला विद्रोही लोग के बीच के विपरीत के चित्रण छै। ई दुष्टऽ पर परमेश् वर केरऽ न्याय आरू अपनऽ विश्वासी सेवकऽ क॑ पुनर्स्थापित करै आरू आशीर्वाद दै के हुनकऽ प्रतिज्ञा क॑ प्रकट करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भगवान के प्रतिक्रिया स होइत अछि जे हुनका नहि तकलनि, हुनका स अपना के प्रकट करैत जे हुनका स नहि मांगलनि। ई लोगऽ के विद्रोही स्वभाव आरू ओकरऽ मूर्तिपूजक प्रथा के चित्रण करै छै, जेकरा चलतें परमेश्वर ओकरा सिनी पर न्याय के घोषणा करै छै (यशायाह 65:1-7)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में परमेश्वर के अपनऽ अवशेष के प्रति वफादारी आरू ओकरा विनाश स॑ बचाबै के प्रतिज्ञा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई धर्मी लोगऽ क॑ आश्वासन दै छै कि वू देश केरऽ आशीर्वाद के उत्तराधिकारी छै, प्रचुरता के आनंद लेतै, आरू शांति आरू आनन्द के अनुभव करतै (यशायाह ६५:८-१६)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय मे दुष्टक भाग्य आ धर्मात्माक भाग्यक विपरीत कयल गेल अछि | ई विनाश के वर्णन करै छै जे परमेश्वर के त्याग करै वाला के इंतजार करी रहलऽ छै, लेकिन ई ओकरऽ चुनलऽ लोगऽ लेली एगो नया आकाश आरू नया धरती के वादा करै छै । ई पुनर्स्थापन आरू आशीष पर जोर दै छै जे परमेश्वर अपनऽ विश्वासी सेवकऽ क॑ देतै (यशायाह ६५:१७-२५)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह अध्याय पैंसठ मे प्रकट होइत अछि
धर्मी अवशेष आ विद्रोही लोकक बीच विपरीत,
दुष्ट पर परमेश् वरक न्याय आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

जे हुनका नहि तकलनि हुनका पर परमेश् वरक प्रतिक्रिया आ न्यायक घोषणा।
परमेश् वरक अपन अवशेषक प्रति निष्ठा आ आशीर्वादक प्रतिज्ञा।
दुष्ट के भाग्य आ धर्मी के लेल पुनर्स्थापन आ आशीर्वाद के बीच विपरीत।

ई अध्याय में परमेश्वर के खोज करै वाला धर्मी अवशेष आरू हुनका अस्वीकार करै वाला विद्रोही लोगऽ के बीच के विपरीतता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत भगवान केरऽ प्रतिक्रिया स॑ होय छै जे हुनका नै खोजलकै आरू जे हुनका नै मँगल॑ छेलै, ओकरा सामने खुद क॑ प्रकट करै छै । अध्याय में लोगऽ के विद्रोही स्वभाव आरू ओकरऽ मूर्तिपूजक प्रथा के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जेकरा चलतें भगवान न॑ ओकरा पर न्याय के घोषणा करलकै । ई परमेश्वर केरऽ अपनऽ अवशेष के प्रति वफादारी आरू ओकरा विनाश स॑ बचाबै के प्रतिज्ञा क॑ उजागर करै छै । अध्याय धर्मात्मा के आश्वासन दै छै कि ओकरा भूमि के आशीर्वाद के उत्तराधिकार मिलतै, प्रचुरता के आनंद मिलतै, आरू शांति आरू आनन्द के अनुभव होतै। ई दुष्ट के भाग्य के विपरीत धर्मी के भाग्य के विपरीत करै छै, जेकरा में परमेश् वर के त्याग करै वाला के इंतजार करै वाला विनाश के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, लेकिन ओकरऽ चुनलऽ लोगऽ लेली नया आकाश आरू नया धरती के वादा करलऽ गेलऽ छै । ई ओहि पुनर्स्थापन आ आशीर्वाद पर जोर दैत अछि जे परमेश् वर अपन वफादार सेवक सभ केँ देथिन। अध्याय धर्मी अवशेष आरू विद्रोही लोगऽ के बीच के विपरीत के साथ-साथ दुष्टऽ पर परमेश्वर के न्याय आरू हुनकऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै ।

यशायाह 65:1 हमरा ओहि सभ सँ खोजल जाइत अछि जे हमरा लेल नहि मँगलक। हम ओहि सभ मे भेटैत छी जे हमरा नहि तकैत छल, हम कहलियनि, “हमरा देखू, हमरा ओहि जाति केँ जे हमर नाम सँ नहि बजाओल गेल छल।”

परमेश् वर अपना केँ ओहि सभ केँ प्रगट करैत छथि जे हुनका नहि तकैत छथि, ओहो ओहि जाति केँ जे हुनकर नाम नहि पुकारने अछि।

1. भगवान् के बिना शर्त प्रेम: भगवान् सब जाति के सामने अपना के कोना प्रकट करैत छथि

2. आश्चर्यजनक अनुग्रह: भगवान के प्रेम के बिना खोजने अनुभव करब

२.

2. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।"

यशायाह 65:2 हम भरि दिन एकटा विद्रोही लोकक लेल अपन हाथ पसारि देने छी, जे अपन विचारक अनुसार नीक नहि छल।

ई अंश एकटा विद्रोही लोगऽ के प्रति परमेश्वर के धैर्य आरू प्रेम पर जोर दै छै, भले ही वू सही रास्ता पर चलै स॑ मना करी दै छै ।

1. एकटा विद्रोही लोकक प्रति भगवानक प्रेम

2. विद्रोहक सोझाँ भगवानक धैर्य आ दया

1. होशे 11:4 - "हम ओकरा सभ केँ एक आदमीक डोरी सँ, प्रेमक पट्टी सँ खींचलहुँ। आ ओकरा सभक लेल हम ओहि सभ जकाँ छलहुँ जे ओकर जबड़ा पर जुआ उतारैत अछि, आ ओकरा सभ केँ भोजन देलियैक।"

2. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

यशायाह 65:3 एकटा एहन लोक जे हमरा सदिखन मुँह पर क्रोधित करैत अछि। जे गाछी मे बलि चढ़बैत अछि आ ईंटाक वेदी पर धूप जराबैत अछि।

एकटा एहन लोक जे पाप करैत रहैत अछि आ परमेश् वरक इच्छा केँ अस्वीकार करैत अछि।

1: भगवानक इच्छा केँ अस्वीकार करबाक खतरा

2: पश्चाताप आ क्षमाक शक्ति

रोमियो 3:23 - "किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।"

यूहन्ना 3:16 - "किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।"

यशायाह 65:4 जे सभ कब्रक बीच मे रहैत अछि आ स्मारक सभ मे ठहरैत अछि, जे सुग्गरक मांस खाइत अछि, आ घृणित वस्तुक शोरबा ओकर बर्तन मे अछि।

लोक कब्र मे रहैत अछि आ अशुद्ध जानवर खा रहल अछि, जे भगवान् के खिलाफ विद्रोह के एक रूप अछि।

1. विद्रोह के परिणाम

2. धर्मक महत्व

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. इब्रानी 12:14 - सभक संग शान्तिक लेल प्रयास करू, आओर ओहि पवित्रताक लेल जकरा बिना कियो प्रभु केँ नहि देखत।

यशायाह 65:5 ओ सभ कहैत अछि जे, “अपन संग ठाढ़ रहू, हमरा लग नहि आबि जाउ।” किएक तँ हम अहाँसँ बेसी पवित्र छी।” ई सब हमर नाक मे धुँआ अछि, आगि जे भरि दिन जरैत अछि।

ई अंश परमेश् वर केरऽ अस्वीकार के बात करै छै, जे ओकरा दोसरऽ स॑ भी अधिक पवित्र समझै छै ।

१: "भगवान घमंड सँ घृणा करैत छथि"।

२: "प्रभु के समक्ष विनम्रता"।

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: 1 पत्रुस 5:5 - "अहाँ सभ, एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ 'परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।'"

यशायाह 65:6 देखू, हमरा सोझाँ लिखल अछि जे हम चुप नहि रहब, बल् कि प्रतिफल देब, हुनका सभक कोरा मे प्रतिफल देब।

ई अंश परमेश् वर के न्याय आरू निष्ठा के बात करै छै कि वू पाप के सजा दै छै आरू जे हुनका प्रति वफादार छै ओकरा पुरस्कृत करै लेली।

1. परमेश् वरक न्याय: हुनकर धार्मिक न्याय सँ हम सभ किएक नहि बचि सकैत छी

2. परमेश् वरक निष्ठा: जे बोबैत छी से कोना काटि लैत छी

१.

2. इब्रानी 10:30 - किएक तँ हम सभ ओहि बात केँ जनैत छी जे कहने छल जे, “प्रतिशोध हमर अछि।” हम चुका देब। आ फेर, प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।

यशायाह 65:7 अहाँ सभक अधर्म आ अहाँक पूर्वज सभक अधर्म सभ एक संग, प्रभु कहैत छथि, जे पहाड़ सभ पर धूप जरा कऽ पहाड़ पर हमरा निन्दा कयलनि।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ ओकर सभक अधर्म, ओकर पूर्वज सभक अधर्म आ पहाड़ आ पहाड़ पर परमेश् वरक निन्दाक विषय मे बजैत छथि। परिणामस्वरूप भगवान् हुनका लोकनिक पूर्वक काज केँ हुनका लोकनिक कोरा मे नापि लेताह।

1. पाप के परिणाम: हमर सबहक काज भविष्य के पीढ़ी के कोना प्रभावित करैत अछि

2. पश्चाताप: निन्दा आ पाप स मुँह मोड़ब

1. व्यवस्था 5:9 - "अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि बाप-पिताक पाप केँ संतान पर पहुँचबैत छी।" ."

2. नीतिवचन 28:13 - "जे अपन अपराध नुकाबैत अछि, से सफल नहि होयत, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ छोड़ि देत, ओकरा दया भेटत।"

यशायाह 65:8 प्रभु ई कहैत छथि, “जहिना नव मदिरा गुच्छ मे भेटैत अछि, आ कियो कहैत अछि जे, “एकरा नष्ट नहि करू।” किएक तँ एकरा मे आशीष अछि, हम अपन सेवक सभक लेल तेना करब, जाहि सँ हम सभ केँ नष्ट नहि कऽ सकब।”

भगवान् वादा करै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ के नाश नै करतै, जेना कि गुच्छा में मिललऽ नया शराब के नष्ट नै करलऽ जैतै, कैन्हेंकि ओकरा में आशीर्वाद छै ।

1. परमेश् वरक अपन सेवक सभक रक्षाक प्रतिज्ञा

2. नव शराबक आशीर्वाद

1. भजन 28:8 - प्रभु हुनका सभक सामर्थ्य छथि, आ ओ हुनकर अभिषिक्तक उद्धारक शक्ति छथि।

2. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि।

यशायाह 65:9 हम याकूब सँ एकटा वंशज पैदा करब, आ यहूदा सँ हमर पहाड़क उत्तराधिकारी बनब, आ हमर चुनल लोक सभ ओकर उत्तराधिकारी होयत आ हमर सेवक सभ ओतहि रहत।

परमेश् वर याकूब आ यहूदा सँ एकटा बीया अनताह, आ हुनकर चुनल लोक सभ ओहि मे निवास करताह।

1. परमेश् वरक प्रबन्ध आ उत्तराधिकारक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक अपन वाचाक पालन मे निष्ठा

1. भजन 37:11 मुदा नम्र लोक सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनत। आ शान्तिक प्रचुरता मे आनन्दित हेताह।

2. रोमियो 8:17 जँ संतान अछि तँ उत्तराधिकारी; परमेश् वरक उत्तराधिकारी आ मसीहक संग उत्तराधिकारी। जँ हम सभ हुनका संग कष्ट भोगैत छी तँ हम सभ एक संग महिमा सेहो पाबि सकब।”

यशायाह 65:10 शेरोन भेँड़ाक झुंड होयत, आ अकोरक घाटी मे भेँड़ा सभक सुतबाक स्थान होयत, हमर लोक सभक लेल जे हमरा ताकि रहल अछि।

भगवान वादा करै छै कि शेरोन अपनऽ लोगऽ लेली सुरक्षा आरू सुरक्षा के जगह होतै ।

1. परमेश् वरक रक्षाक प्रतिज्ञा: प्रभुक योजना पर भरोसा करब

2. अकोरक घाटी: भगवानक लोकक लेल विश्रामक स्थान

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. भजन 23:2 - "ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शान्त पानि मे ल' जाइत छथि।"

यशायाह 65:11 मुदा अहाँ सभ ओ सभ छी जे प्रभु केँ छोड़ि दैत छी, जे हमर पवित्र पहाड़ केँ बिसरि जाइत छी, जे ओहि दलक लेल टेबुल तैयार करैत छी आ ओहि संख्या मे पेयबलि दैत छी।

लोक प्रभु के त्यागि झूठ मूर्ति के प्रसाद प्रदान क रहल अछि |

1. "भगवान देखैत छथि - हुनका त्यागक परिणाम"।

2. "झूठा मूर्ति के क्षणिक प्रकृति"।

1. मत्ती 6:24 "केओ दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, कारण या त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, वा एक मे समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत।"

2. यिर्मयाह 2:13 "हमर लोक दूटा अधलाह काज केलक अछि: ओ सभ हमरा, जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक, आ अपना लेल कुंड उखाड़ि लेलक, टूटल कुंड जे पानि नहि राखि सकैत अछि।"

यशायाह 65:12 तेँ हम अहाँ सभ केँ तलवार धरि गिनब, आ अहाँ सभ वधक लेल प्रणाम करब। हम जखन बजलहुँ तँ अहाँ सभ नहि सुनलहुँ। मुदा हमरा नजरि मे अधलाह काज केलहुँ आ ओहि बात केँ चुनलहुँ जाहि मे हमरा प्रसन्नता नहि भेल।

जे हुनकर आह्वान के जवाब नहि देत आ हुनकर आज्ञा के अस्वीकार करैत छथि हुनका परमेश् वर दंडित करताह।

1. परमेश् वरक आह्वान केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

2. गलत मार्ग चुनब

1. नीतिवचन 15:9 - "दुष्टक बाट परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा ओ धार्मिकताक पालन करयवला सँ प्रेम करैत अछि।"

2. यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ एकटा अपेक्षित अंत देब। तखन अहाँ सभ हमरा आ अहाँ सभ केँ पुकारब।" जा कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। आ अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ हमरा मोन सँ खोजब।”

यशायाह 65:13 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हमर सेवक सभ भोजन करत, मुदा अहाँ सभ भूखल रहब।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे हुनकर सेवक सभक भरण-पोषण होयत, मुदा जे हुनकर विरोध करत, से भूखल, प्यासल आ लज्जित होयत।

1. परमेश् वरक अपन सेवक सभक लेल प्रावधान: प्रभुक प्रचुर आशीर्वाद पर भरोसा करब

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद आ अवज्ञा के अभिशाप

1. मत्ती 6:31-33 - चिंतित नहि रहू, बल्कि पहिने परमेश् वरक राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू।

2. नीतिवचन 28:25 - लोभी कलह भड़काबैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ समृद्ध होयत।

यशायाह 65:14 देखू, हमर सेवक सभ हृदयक आनन्द सँ गाओत, मुदा अहाँ सभ हृदयक दुखक कारणेँ कानब आ आत् माक परेशानीक कारणेँ कुहरब।

परमेश् वरक सेवक सभ हर्षोल्लाससँ गाओत, जखन कि परमेश् वरक विरोध करनिहार सभ दुख आ परेशानीमे कानत आ हुंकारत।

1. प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू - फिलिप्पियों 4:4

2. परमेश् वरक प्रेम आ अनुग्रह - रोमियो 5:8

1. भजन 32:11 - अहाँ सभ जे धर्मी छी, प्रभु मे आनन्दित रहू आ आनन्दित रहू!

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यशायाह 65:15 अहाँ सभ अपन नाम हमर चुनल लोक सभक लेल अभिशापक रूप मे छोड़ि देब, किएक तँ प्रभु परमेश् वर अहाँ केँ मारि देताह आ अपन सेवक सभ केँ दोसर नाम सँ बजौताह।

प्रभु परमेश् वर शापित लोक सभ केँ मारि देथिन आ अपन सेवक सभ केँ नव नाम देथिन।

1. भगवानक नामक शक्ति

2. एकटा नव नाम: एकटा नव शुरुआत

1. रोमियो 8:17 - जँ संतान अछि तँ उत्तराधिकारी; परमेश् वरक उत्तराधिकारी आ मसीहक संग उत्तराधिकारी। जँ हम सभ हुनका संग कष्ट भोगैत छी तँ हम सभ एक संग महिमा सेहो पाबि सकब।”

2. भजन 91:14 - किएक तँ ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देलनि, तेँ हम ओकरा बचा देब, हम ओकरा ऊँच पर राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनैत अछि।

यशायाह 65:16 जे पृथ् वी पर अपना केँ आशीर्वाद दैत अछि, से सत्यक परमेश् वर मे अपना केँ आशीर्वाद देत। जे पृथ् वी पर शपथ लेत से सत् य परमेश् वरक शपथ लेत। किएक तँ पहिने के विपत्ति बिसरि गेल अछि आ हमर आँखि सँ नुकायल अछि।

परमेश् वर पृथ्वी पर अपना केँ आशीर्वाद देनिहार केँ सत् य मे आशीर्वाद देबाक लेल आह्वान करैत छथि, आ जे शपथ लैत छथि हुनका सत्य मे शपथ लेबाक लेल, किएक तँ ओ बीतल परेशानी केँ बिसरि गेल छथि आ ओकरा अपन नजरि सँ नुका देने छथि।

1. सत्य मे आशीर्वाद आ शपथक शक्ति

2. परमेश् वरक क्षमाक प्रतिज्ञा आ हुनकर क्षमता जे हम सभ बिसरि नहि सकैत छी

1. यशायाह 65:16

2. भजन 103:12 - पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर क’ देलनि।

यशायाह 65:17 किएक तँ देखू, हम नव आकाश आ नव धरती सृजन करैत छी।

भगवान् नव स्वर्ग आ नव धरती बनौताह आ पूर्वक बिसरि जायत।

1. परमेश् वरक सृष्टि मे नवीकरण: यशायाह 65:17 मे आशा भेटब

2. परमेश् वरक एकटा नव आकाश आ पृथ्वीक प्रतिज्ञा: यशायाह 65:17 क नवीकरण मे रहब

1. रोमियो 8:18-19 हम ई बुझैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत। कारण सृष्टि केरऽ गंभीर अपेक्षा परमेश् वर केरऽ पुत्रऽ के प्रकट होय के आतुरता सें प्रतीक्षा करी रहलऽ छै ।

2. इब्रानी 11:10-12 ओ एहन नगरक खोज मे छलाह जकर नींव अछि, जकर निर्माता आ निर्माता परमेश् वर छथि। विश् वासक कारणेँ सारा केँ बीया गर्भधारण करबाक सामर्थ् य भेटलनि, आ जखन हुनकर उम्र बढ़ि गेल छलनि तखन हुनका एकटा संतानक जन्म भेलनि, किएक तँ ओ हुनका प्रतिज्ञा केनिहार वफादार मानैत छलीह। तेँ ओतऽ एकटा मृत् यु जकाँ, आकाशक तारा जकाँ आ समुद्रक कात मे बालु जकाँ असंख्य उगलि गेल।

यशायाह 65:18 मुदा अहाँ सभ जे किछु बनबैत छी ताहि मे अहाँ सभ अनन्त काल धरि आनन्दित रहू आ आनन्दित रहू, किएक तँ हम यरूशलेम केँ आनन्दक रूप मे आ ओकर लोक केँ आनन्दक रूप मे बनबैत छी।

परमेश् वर यरूशलेम केँ अपन लोक सभक लेल आनन्द आ आनन्दक स्थानक रूप मे बना रहल छथि।

1. प्रभु मे आनन्दित होउ: परमेश् वरक सृष्टि मे आनन्द पाबि

2. आनन्द पैदा करब: हमरा सभक जीवन मे भगवानक प्रेमक शक्ति

1. भजन 16:11 अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी। अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2. याकूब 1:2-4 हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यशायाह 65:19 हम यरूशलेम मे आनन्दित रहब आ अपन लोक मे आनन्दित रहब, आ आब ओकरा मे कानबाक आवाज नहि सुनल जायत आ ने चीत्कारक आवाज।

परमेश् वर यरूशलेम मे आनन्द आनि देताह आ सभ कानब आ कानब केँ समाप्त करताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे आनन्दित रहब: चुनौतीक बीच आनन्द पाबब।

2. दुख आ पीड़ाक बीच आशा: भगवान पर भरोसा करब जे ओ आनन्द आनथि।

1. यूहन्ना 16:20-22 - यीशु कहलनि, हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, अहाँ सभ कानब आ शोक करब, जाबत संसार आनन्दित होयत। अहाँ शोक करब, मुदा अहाँक दुख आनन्द मे बदलि जायत।

2. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।

यशायाह 65:20 ओतय सँ आब कोनो दिनक शिशु आ ने कोनो बूढ़ जे अपन दिन नहि पूरा केने होयत, किएक तँ बच्चा सौ वर्षक उम्र मे मरि जायत। मुदा पापी सौ वर्षक भेला पर शापित होयत।

यशायाह 65:20 मे कहल गेल अछि जे अपन दिन जीबा स पहिने कियो नहि मरत, आ पापी सेहो 100 साल तक जीवित रहत, मुदा तइयो शापित रहत।

1. दीर्घायु के आशा: यशायाह 65:20 के आशीर्वाद के परीक्षण

2. एक उद्देश्य के साथ जीना: यशायाह 65:20 के अभिशाप के समझना

1. भजन 90:10 - हमरा सभक वर्षक दिन साठि वर्ष आ दस वर्ष अछि; आ जँ सामर्थ्यक कारणेँ ओ सभ चौड़ा वर्षक भ' गेल छथि तँ हुनका सभक बल श्रम आ शोक अछि। किएक तँ ओ जल्दिये काटि जाइत अछि आ हम सभ उड़ि जाइत छी।

2. उपदेशक 8:12-13 - जँ पापी सौ बेर अधलाह काज करैत अछि आ ओकर दिन लम्बा भ’ जाइत अछि, मुदा हम निश्चित रूप सँ जनैत छी जे परमेश् वरक भय जे हुनका सामने डरैत अछि, हुनका सभक लेल नीक होयत, मुदा ई नीक नहि होयत दुष्टक संग ओ अपन दिन लम्बा नहि करत, जे छाया जकाँ अछि। किएक तँ ओ परमेश् वरक सामने नहि डेरैत अछि।

यशायाह 65:21 ओ सभ घर बनाओत आ ओहि मे निवास करत। ओ सभ अंगूरक बगीचा लगा कऽ ओकर फल खायत।

लोक घर मे बसत आ अंगूरक बाग रोपब आ कटाई के फायदा उठाओत।

1. परमेश् वर अपन लोकक भरण-पोषण करैत छथि, आ हमरा सभ केँ अपन जीवन मे आशीषक लेल धन्यवाद देबाक चाही।

2. मेहनत आ समर्पण स हम सब आनन्द आ प्रचुरता स भरल भविष्य आनि सकैत छी।

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. भजन 128:2 - अहाँ अपन हाथक श्रमक फल खाउ; अहाँ सभ धन्य होयब, आ अहाँक भलाई होयत।

यशायाह 65:22 ओ सभ नहि बनाओत, आओर दोसर रहत। ओ सभ नहि रोपत आ दोसर खाओत, किएक तँ जहिना गाछक दिन हमर लोकक दिन होइत अछि, आ हमर चुनल लोक सभ बहुत दिन धरि अपन हाथक काज मे भोगत।

भगवान् के लोक बहुत दिन तक अपन हाथ के काज के आनंद ल सकैत छथि।

1. मेहनत के आशीर्वाद - भगवान् अपन प्रति वफादार के कोना पुरस्कृत करैत छथि।

2. एक संग काज करबाक आनन्द - जखन हम सब एक समुदायक रूप मे एक संग काज करब तखन काज मे कोना आनन्द पाबि सकैत छी।

816

1. उपदेशक 3:13 - "ई परमेश् वरक वरदान अछि जे सभ कियो खा-पीब, आ अपन सभ परिश्रमक भलाईक भोग करय।"

2. गलाती 6:9-10 - "आओर नीक काज करबा मे नहि थाकि जाइ। किएक तँ जँ हम सभ बेहोश नहि होयब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब। तेँ हमरा सभ केँ अवसर भेटैत अछि, तेँ सभ लोकक संग भलाई करी, खास क' ओकरा सभक लेल।" जे विश् वासक घरक लोक छथि।”

यशायाह 65:23 ओ सभ व्यर्थ मे परिश्रम नहि करत आ ने कष्टक लेल उत्पन्न करत। किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक धन्य सभक वंशज अछि आ ओकर सभक संतान सेहो अछि।

न्यू लाइन भगवान के लोक के कष्ट नै होयत आ आशीर्वाद भेटत, आ ओकर वंशज सेहो ओकर नक्शेकदम पर चलत।

1. भगवान् हमरा सभ सँ आशीर्वाद आ आनन्दक जीवनक वादा केने छथि।

2. परमेश् वरक वफादार लोक हेबाक फल काटि लिअ।

1. व्यवस्था 28:1-14 - इस्राएलक लोक सभक आज्ञापालनक लेल जे आशीर्वादक प्रतिज्ञा कयल गेल छल।

2. भजन 128:1-6 - प्रभु सँ डरय बला आ हुनकर बाट पर चलय बला केँ आशीर्वाद भेटैत छैक।

यशायाह 65:24 तखन एहन होयत जे ओ सभ बजाबय सँ पहिने हम उत्तर देब। जाबत ओ सभ बाजि रहल छथि ताबत हम सुनब।

भगवान सदिखन सुनैत रहैत छथि आ हमर सबहक प्रार्थना के जवाब देताह।

1: भगवान सदिखन रहैत छथि, सुनैत आ उत्तर दैत छथि

2: हमर वफादार भगवान - सदिखन सुनब आ प्रतिक्रिया देब

1: याकूब 5:16 - एकटा धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे बहुत शक्ति होइत छैक जेना ओ काज क’ रहल अछि।

2: 1 यूहन्ना 5:14-15 - आ हमरा सभ केँ हुनका प्रति ई भरोसा अछि जे जँ हम सभ हुनकर इच्छाक अनुसार किछु माँगब तँ ओ हमरा सभक बात सुनैत छथि। आ जँ हमरा सभकेँ बुझल अछि जे हम सभ जे किछु माँगैत छी ताहिमे ओ हमरा सभकेँ सुनैत छथि तँ हमरा सभकेँ बुझल अछि जे हमरा सभ लग ओ आग्रह अछि जे हम सभ हुनकासँ माँगने छी।

यशायाह 65:25 भेड़िया आ मेमना एक संग भोजन करत, आ सिंह बैल जकाँ भूसा खायत, आ धूरा साँपक भोजन होयत। हमर समस्त पवित्र पहाड़ मे ओ सभ कोनो चोट नहि करत आ ने विनाश करत, परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश एकटा एहन समयक गप्प करैत अछि जखन शिकारी आ शिकार शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व मे रहत आ एक संग रहत ।

1: हम सभ सामंजस्य आ समझदारी मे जीबि दुनिया मे शांति के राजदूत बनि सकैत छी।

2: नीक सँ बुराई पर काबू पाबि सकैत छी, आ सभक प्रति प्रेम आ दया देखा सकैत छी।

1: मत्ती 5:9 - धन्य अछि शांति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत।

2: रोमियो 12:18 - जँ संभव अछि, जतय धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, त’ सभक संग शांति सँ रहू।

यशायाह अध्याय 66 पुस्तक के निष्कर्ष के रूप में काम करै छै, जेकरा में धर्मी आरू दुष्ट दोनों के अंतिम भाग्य के प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै। ई परमेश् वर के सार्वभौमिकता, सच्चा आराधना के प्रति हुनको पसंद आरू नया यरूशलेम के स्थापना के योजना पर जोर दै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत सब सृष्टि पर भगवान के वर्चस्व के घोषणा स होइत अछि | ई ई बात पर प्रकाश डालै छै कि आकाश आरू पृथ्वी भी हुनका समाहित नै करी सकै छै आरू जे आत्मा में विनम्र आरू पश्चाताप करै वाला छै, ओकरा अनुकूल रूप सें देखै छै (यशायाह 66:1-2)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे विद्रोही लोक द्वारा कयल गेल खाली धार्मिक संस्कार आ यज्ञक आलोचना कयल गेल अछि | ई बाहरी अनुष्ठान के बजाय ईश्वर के निश्छल पूजा आरू आज्ञाकारिता के इच्छा पर जोर दै छै। ई चेतावनी दै छै कि जे लोग अपनऽ आज्ञा नै मानला पर अडिग रहै छै, ओकरा लेली एकरऽ परिणाम के बारे म॑ कहलऽ जाय छै (यशायाह 66:3-6)।

3 पैराग्राफ: अध्याय यरूशलेम के भविष्य के बहाली के दृष्टि में शिफ्ट होय जाय छै। एहि मे शहर आ ओकर निवासी पर जे आनन्द आ समृद्धि आओत ओकर चित्रण अछि । ई परमेश् वर के प्रतिज्ञा पर प्रकाश डालै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ दिलासा दै आरू ओकरऽ लालसा क॑ पूरा करतै (यशायाह 66:7-14)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय दुष्टक न्याय आ परमेश्वरक नव व्यवस्थाक स्थापनाक विषय मे अछि। एहि मे परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह करय बला सभ पर अंतिम न्याय आ हुनका सभक सामना करय बला अनन्त परिणामक वर्णन कयल गेल अछि | एकरऽ समापन नया आकाश आरू नया धरती के प्रतिज्ञा के साथ होय छै, जहाँ परमेश्वर के लोग हुनकऽ उपस्थिति में रहतै (यशायाह 66:15-24)।

संक्षेप मे, २.
यशायाह छियासठ अध्याय प्रकट करैत अछि
भगवान् के वर्चस्व के घोषणा एवं सच्चे उपासना के प्रति वरीयता,
भविष्य मे यरूशलेम के पुनर्स्थापन आ दुष्ट के न्याय।

विनम्र आ पश्चातापशील लोकक लेल भगवानक वर्चस्व आ अनुग्रहक घोषणा।
खाली धार्मिक संस्कारक आलोचना आ निश्छल पूजाक इच्छा।
यरूशलेम के भविष्य के पुनर्स्थापन के दर्शन आरू परमेश् वर के प्रतिज्ञा कि हुनी अपनौ लोग सिनी कॅ दिलासा दै।
दुष्टक न्याय आ नव आकाश आ नव धरतीक प्रतिज्ञा केँ संबोधित करैत।

ई अध्याय यशायाह के किताब के समापन के रूप में काम करै छै। एकरऽ शुरुआत सब सृष्टि पर परमेश् वर केरऽ वर्चस्व के घोषणा स॑ होय छै आरू जे विनम्र आरू आत्मा म॑ पश्चाताप करै वाला छै, ओकरा स॑ सच्चा आराधना के प्रति हुनकऽ प्राथमिकता । अध्याय में विद्रोही लोगऽ द्वारा करलऽ जाय वाला खाली धार्मिक अनुष्ठान आरू बलिदान के आलोचना करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ईश्वर केरऽ निश्छल पूजा आरू आज्ञाकारिता के इच्छा पर जोर देलऽ गेलऽ छै । जे लोग अपनऽ आज्ञा नै मानला पर अडिग रहै छै, ओकरा लेली एकरऽ परिणाम के बारे म॑ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै । तखन अध्याय यरूशलेम के भविष्य के बहाली के दृष्टि में शिफ्ट होय जाय छै, जेकरा में शहर आरू ओकरऽ निवासी पर जे आनन्द आरू समृद्धि आबै वाला छै, ओकरऽ चित्रण करलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर के प्रतिज्ञा पर प्रकाश डालै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ दिलासा दै आरू ओकरऽ लालसा क॑ पूरा करतै । अध्याय में दुष्ट के न्याय आरू परमेश्वर के नया व्यवस्था के स्थापना के बारे में भी संबोधित करलऽ गेलऽ छै । एहि मे परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह करय बला सभ पर अंतिम न्याय आ हुनका सभक सामना करय बला अनन्त परिणामक वर्णन कयल गेल अछि | अध्याय के समापन नया आकाश आरू नया धरती के प्रतिज्ञा के साथ होय छै, जहाँ परमेश् वर के लोग हुनको सान्निध्य में रहतै। अध्याय परमेश्वर के वर्चस्व के घोषणा आरू सच्चा आराधना के पसंद, यरूशलेम के भविष्य के पुनर्स्थापन आरू दुष्ट के न्याय पर केंद्रित छै।

यशायाह 66:1 परमेश् वर ई कहैत छथि, “स्वर्ग हमर सिंहासन अछि आ पृथ्वी हमर पैरक आधार अछि। आ हमर विश्रामक स्थान कतय अछि?

भगवान् पूछि रहल छथि जे लोक हुनका लेल जे घर बनौने छथि से कतय अछि, आ हुनकर विश्रामक स्थान कतय अछि।

1. "भगवानक सिंहासन: स्वर्ग वा पृथ्वी?"

818

2. "भगवानक लेल घर बनेनाइ: एकर की अर्थ?"

1. भजन 24:1-2 - "पृथ्वी आ ओकर समस्त पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि। किएक तँ ओ एकरा समुद्र पर नींव रखलनि आ पानि पर स्थापित कयलनि।"

2. इफिसियों 2:19-22 - "अब अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि पवित्र आ परमेश् वरक घरक सदस्य सभक संगी-साथी छी स्वयं कोन-कोनक प्रमुख पाथर छथि, जाहि मे पूरा भवन एक दोसरा सँ जोड़ि कऽ प्रभु मे पवित्र मन्दिर बनि जाइत अछि, जाहि मे अहाँ सभ सेहो एक संग परमेश् वरक आत् मा मे निवास करबाक लेल बनैत छी।”

यशायाह 66:2 किएक तँ हमर हाथ सँ सभ किछु बनल अछि आ सभ किछु बनल अछि, मुदा हम एहि आदमी दिस तकब, जे गरीब आ पश्चाताप करयवला आत्माक अछि आ हमर वचन सँ काँपि रहल अछि।

परमेश् वर ओहि सभ दिस तकैत छथि जे विनम्र छथि, आत् मा मे गरीब छथि आ हुनकर वचनक आदर करैत छथि।

1. हृदयक धन: विनम्रता आ आज्ञाकारिता मे आनन्द भेटब

2. पश्चाताप करय बला आत्मा के आशीर्वाद: परमेश्वर के वचन के प्रति श्रद्धा के मूल्य

1. भजन 51:17 परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल आत् मा अछि; टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।

2. याकूब 1:22-24 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल।

यशायाह 66:3 जे बैल मारैत अछि से जेना आदमी केँ मारि देने हो। जे मेमना बलि दैत अछि, जेना कुकुरक गरदनि काटि दैत हो। जे बलि चढ़बैत अछि, जेना सुग्गरक खून चढ़बैत हो। जे धूप जराबैत अछि, जेना कोनो मूर्ति केँ आशीर्वाद दैत हो। हँ, ओ सभ अपन-अपन बाट चुनने छथि, आ हुनका सभक प्राण अपन घृणित काज मे आनन्दित होइत छथि।

ई अंश मूर्तिपूजा करै वाला के प्रति परमेश् वर के तिरस्कार के बात करै छै, जेकरा क्रूर आरू अमानवीय काम के तुलना करै छै।

1. भगवानक पवित्रता: मूर्तिक पूजा करब घृणित किएक अछि

2. धर्मक आह्वान: भगवान मूर्तिपूजा केँ तिरस्कार करैत छथि

1. निर्गमन 20:3-5 "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपन मूर्ति नहि बनाउ। प्रणाम नहि करू।" हुनका सभक आराधना करू, किएक तँ हम, अहाँ सभक परमेश् वर, ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. व्यवस्था 12:29-32 "जखन अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक सोझाँ ओहि जाति सभ केँ काटि देताह, जकरा अहाँ सभ बेदखल करबाक लेल जाइत छी, आ अहाँ सभ ओकरा सभ केँ बेदखल कऽ कऽ हुनकर देश मे रहब, तखन ध्यान राखू जे अहाँ सभ हुनका सभक पाछाँ चलबाक जाल मे नहि पड़ि जाउ।" तोरा सिनी के सामने नष्ट होय गेलऽ छै, आरो तोहें ओकरा सिनी के देवता सिनी के बारे में ई बात के पूछताछ नै करबै कि, ‘ई जाति सिनी ओकरोॅ देवता सिनी के सेवा केना करलकै, ताकि हम्में भी ऐसनऽ ही करी सकै छियै।” अहाँ सभ अपन परमेश् वरक आराधना एहि तरहेँ नहि करू, किएक तँ जे घृणित काज प्रभु घृणा करैत छथि से ओ सभ अपन देवता सभक लेल कयलनि अछि, किएक तँ ओ सभ अपन बेटा-बेटी केँ सेहो अपन देवता सभक लेल आगि मे जरा दैत छथि |”

यशायाह 66:4 हमहूँ हुनका सभक भ्रम केँ चुनब आ हुनका सभक भय हुनका सभ पर आनब। कारण जखन हम फोन केलहुँ तखन कियो कोनो जवाब नहि देलक। जखन हम बजलहुँ तँ ओ सभ नहि सुनलक, मुदा ओ सभ हमरा नजरि मे अधलाह काज केलक आ ओहि बात केँ चुनलक जकरा मे हमरा प्रसन्नता नहि भेल।

प्रभु केरऽ जवाब दै के आह्वान के बावजूद, लोगऽ न॑ एकरऽ बदला म॑ बुराई करना चुनलकै आरू ओकरा अपनऽ काम के परिणाम के सामना करना पड़तै ।

1: हमरा सभ केँ प्रयास करबाक चाही जे प्रभुक नजरि मे सदिखन उचित काज करी, तखनो जखन हम सभ ई नहि बुझि सकैत छी जे किएक।

2: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे अपना केँ ई नहि भ्रमित करी जे प्रभु केँ हमर सभक आह्वानक उत्तर देबाक चाही जखन कि हम सभ हुनकर आह्वानक उत्तर नहि दैत छी।

1: मत्ती 7:21 - "जे कियो हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि केवल ओ जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा पूरा करैत अछि।"

2: इफिसियों 5:15-17 - "तखन ध्यान सँ देखू जे कोना अहाँ सभ अबुद्धिमान नहि बल् कि बुद्धिमान जकाँ चलैत छी, किएक तँ दिन अधलाह अछि। तेँ मूर्ख नहि बनू, बल् कि बुझू जे की इच्छा अछि।" प्रभु छथि।"

यशायाह 66:5 अहाँ सभ जे हुनकर वचन सँ काँपि रहल छी, प्रभुक वचन सुनू। अहाँक भाय सभ जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत छल आ हमर नामक कारणेँ अहाँ सभ केँ बाहर निकालि देलक, ओ सभ कहलक जे, “प्रभुक महिमा होअय।

ई अंश परमेश् वर के वचन के महत्व पर जोर दै छै आरू हमरा सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि जे लोग हमरऽ विश्वास के कारण हमरा अस्वीकार करै छै, वू लजाय जैतै जबकि हम्में प्रभु के महिमा में आनन्दित रहबै।

1: प्रभु मे आनन्दित रहू, कारण ओ हमरा सभ केँ आनन्दित करताह आ हमरा सभक शत्रु सभ केँ लज्जित कयल जायत।

2: हमरा सभकेँ विश्वासक कारणेँ जे हमरा सभकेँ अस्वीकार करैत अछि, ओकरा सभसँ हमरा सभकेँ नहि डराबी। बल्कि हमरा सब के परमेश्वर पर अपन भरोसा में दृढ़ रहबाक चाही आ हुनकर महिमा के इंतजार करबाक चाही।

1: भजन 34:5 - ओ सभ हुनका दिस तकलक आ हल्लुक भ’ गेल।

2: रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यशायाह 66:6 शहर सँ हल्लाक आवाज, मंदिर सँ आवाज, प्रभुक आवाज जे अपन शत्रु सभक बदला दैत छथि।

भगवान् के आवाज हुनका विरोध करै वाला के न्याय दै छै।

1. "भगवानक आवाज सँ न्याय भेटैत अछि"।

2. "प्रभुक न्याय"।

1. भजन 9:16 - प्रभु जे न्याय करैत छथि, ताहि सँ जानल जाइत छथि; दुष्ट अपन हाथक काज मे फँसल अछि।

2. व्यवस्था 32:35 - प्रतिशोध आ बदला हमर अछि, जखन हुनका सभक पैर फिसलत। कारण, हुनका सभक विपत्तिक दिन लग आबि गेल अछि, आ हुनका सभक प्रलय जल्दी आबि रहल अछि।

यशायाह 66:7 प्रसव करबा सँ पहिने ओ बच्चाक जन्म देलक। ओकर दर्द आबय सँ पहिने ओकरा एकटा पुरुष बच्चाक जन्म भेलैक।

भगवान् केरऽ शक्ति प्रसव केरऽ पीड़ा स॑ पहल॑ भी दुनिया म॑ जीवन लानै म॑ सक्षम छै ।

1. नव जीवनक वादा: भगवान् पीड़ाक बादो नव शुरुआत कोना अनैत छथि।

820

2. प्रसवक चमत्कार: दुनिया मे जीवन अनबाक भगवानक शक्ति।

1. भजन 139:13-14 - किएक तँ अहाँ हमर भीतरक अंग बनौलहुँ। अहाँ हमरा मायक कोखि मे बुनने रही। हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी।

2. यिर्मयाह 1:5 - हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, आ अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ पवित्र कयने छलहुँ। हम अहाँ केँ जाति-जाति मे एकटा भविष्यवक्ता नियुक्त केलहुँ।

यशायाह 66:8 एहन बात के सुनने अछि? एहन के देखने अछि? की धरती एक दिन मे पैदा करय लेल बनाओल जायत? आकि कोनो राष्ट्र एके बेर मे जन्म लेत? कारण, जहिना सिय्योन प्रसव भेल, ओ अपन संतान केँ जन्म देलक।

यशायाह भविष्यवक्ता एक दिन में कोनो राष्ट्र के जन्म के संभावना पर सवाल उठैलकै, ई नोट करी कॅ कि जबे सिय्योन (यरूशलेम) प्रसव में छेलै, तभियो ओकरोॅ संतान पैदा करै में समय लगै छेलै।

1. कोनो राष्ट्रक जन्मक चमत्कारी प्रकृति

2. श्रम आ धैर्यक शक्ति

1. भजन 102:18 - ई आबै बला पीढ़ी लेल लिखल जायत, जाहि सँ जे लोक एखन धरि सृष्टि नहि भेल अछि, ओ प्रभुक स्तुति करय।

2. गलाती 4:26-27 - मुदा ऊपरक यरूशलेम स्वतंत्र अछि, आ ओ हमरा सभक माय छथि। धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “हे बंजर जे सहन नहि करैत अछि, आनन्दित रहू। अहाँ जे प्रसव मे नहि छी, तोड़ि कऽ जोर-जोर सँ कानब! कारण, उजड़ल लोकक संतान पति-पत्नी सँ बेसी होयत।

यशायाह 66:9 की हम जन्मक समय मे आनब आ बच्चाक जन्म नहि देब? परमेश् वर कहैत छथि, की हम प्रसव पैदा कऽ कऽ गर्भ केँ बंद कऽ देब? तोहर परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् केरऽ शक्ति अनंत छै आरू वू जे चाहै छै, वू करी सकै छै । ओ जीवनक सृजन क' सकैत अछि आ ओकरा समाप्त क' सकैत अछि ।

1: जीवन आ मृत्यु पर भगवानक नियंत्रण छनि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक सिद्ध इच्छा आ समय पर भरोसा करबाक चाही।

1: अय्यूब 12:10 ओकर हाथ मे सभ जीवक प्राण आ समस्त मनुष्यक साँस अछि।

2: यिर्मयाह 1:5 हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, आ अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ पवित्र कयने छलहुँ। हम अहाँ केँ जाति-जाति मे एकटा भविष्यवक्ता नियुक्त केलहुँ।

यशायाह 66:10 अहाँ सभ यरूशलेम मे आनन्दित रहू आ ओकरा संग प्रसन्न रहू, अहाँ सभ जे ओकरा सँ प्रेम करैत छी।

जे सभ यरूशलेम सँ प्रेम करैत अछि आ शोक करैत अछि, ओकरा ओकरा लेल आनन्दित आ आनन्दित होबाक चाही।

1. यरूशलेमक प्रचुर आनन्द मे आनन्दित रहू

2. शोक संतप्त लोकक लेल एकटा आमंत्रण: यरूशलेम मे आनन्द पाउ

1. यूहन्ना 15:11 - "हम अहाँ सभ सँ ई बात कहलहुँ जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे रहय आ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण हो।"

2. भजन 122:1 - "हमरा खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलक जे, हम सभ प्रभुक घर मे जाइ।"

यशायाह 66:11 जाहि सँ अहाँ सभ चूसब आ ओकर सान्त्वना सभक स्तन सँ तृप्त होयब। जाहि सँ अहाँ सभ दूध पीबि सकब आ ओकर प्रचुर महिमा सँ आनन्दित होयब।”

परमेश् वर हुनका दिस मुड़निहार केँ सान्त्वना आ आनन्द प्रदान करैत छथि।

1. प्रभुक आराम मे आनन्दित रहू

2. हुनकर महिमा के प्रचुरता में चूसब आ संतुष्ट रहू

1. रोमियो 15:13 - आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य द्वारा आशा सँ उमड़ि सकब।

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

यशायाह 66:12 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम ओकरा नदी जकाँ शान्ति आ गैर-यहूदी सभक महिमा केँ बहैत धार जकाँ बढ़ा देब ओकर ठेहुन।

भगवान् अपनऽ लोगऽ क॑ नदी आरू बहैतऽ धार के तरह शांति आरू महिमा के विस्तार करै के वचन दै छै ।

1. "भगवानक शान्तिक महिमा"।

2. "भगवानक आलिंगनक आराम"।

1. भजन 147:3 - "ओ टूटल हृदय केँ ठीक करैत अछि, ओकर घाव केँ बान्हि दैत अछि"।

2. यशायाह 12:3 - "तेँ अहाँ सभ उद्धारक इनार सभ सँ हर्ष सँ पानि निकालब।"

यशायाह 66:13 जेना ओकर माय जकरा सान्त्वना दैत छैक, तहिना हम अहाँ सभ केँ सान्त्वना देब।
यरूशलेम मे अहाँ सभ केँ सान्त्वना भेटत।”

परमेश् वर हुनका दिस घुरनिहार सभ केँ सान्त्वना आ सान्त्वना देताह।

1: भगवान् एकटा प्रेमी माता-पिता छथि जे हमरा सभक आवश्यकताक समय मे हमरा सभ केँ सान्त्वना देबय चाहैत छथि।

2: प्रार्थना आ विश्वासक माध्यमे प्रभु मे सांत्वना आ शांति पाबि सकैत छी।

1: 2 कोरिन्थी 1:3-4 - हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ ओहि सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

2: भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

यशायाह 66:14 जखन अहाँ सभ ई देखब तँ अहाँक मोन आनन्दित होयत, आ अहाँक हड्डी एकटा जड़ी- बूटी जकाँ पनपत, आ प्रभुक हाथ हुनकर सेवक सभक प्रति ज्ञात होयत आ हुनकर शत्रु सभक प्रति हुनकर क्रोध।

भगवान् अपन सेवक पर दया आ शत्रु पर आक्रोश देखाओत।

1. प्रभुक हाथ: परमेश् वरक अपन सेवक सभक प्रति दया

2. भगवानक क्रोध: भगवानक शत्रु सभक प्रति आक्रोश

1. यिर्मयाह 29:11-14 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक उचितता सब केँ ज्ञात हो।

यशायाह 66:15 देखू, परमेश् वर आगि ल’ क’ आ अपन रथ सभक संग बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे ओ अपन क्रोध केँ क्रोध सँ आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन।

प्रभु आगि, रथ आ क्रोध ल' क' आबि जेताह जे अपन न्याय करथि।

1. परमेश् वरक पवित्र आ धार्मिक क्रोध

2. प्रभुक शक्ति आ महिमा

1. इब्रानी 10:26-27 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत.

2. प्रकाशितवाक्य 19:11-16 - तखन हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा उज्जर घोड़ा! ओहि पर बैसल केँ विश्वासी आ सत्य कहल जाइत छैक, आ धर्म मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि | ओकर आँखि आगि के लौ जकाँ अछि, आ माथ पर बहुत रास मुकुट अछि, आ ओकरा एकटा एहन नाम लिखल छैक जे ओकरा छोड़ि ककरो नहि बुझल छैक। ओ खून मे डुबकी लगाओल वस्त्र पहिरने छथि, आ जाहि नाम सँ हुनका कहल गेल छनि से अछि परमेश् वरक वचन | स् वर्गक सेना सभ, उज्जर आ शुद्ध महीन लिनेन मे सजल, उज्जर घोड़ा पर सवार भय हुनका पाछाँ लागि रहल छल। ओकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत छैक, जाहि सँ ओ राष्ट्र सभ केँ मारि देतैक, आ ओ लोहाक छड़ी सँ ओकरा सभ पर शासन करत। ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक क्रोधक क्रोधक दारू-कुंड पर चलत। वस्त्र पर आ जाँघ पर एकटा नाम लिखल छैक, राजा लोकनिक राजा आ प्रभु लोकनिक स्वामी |

यशायाह 66:16 किएक तँ परमेश् वर आगि आ अपन तलवार सँ सभ शरीर सँ निहोरा करताह।

प्रभु आगि आ अपन तलवारक उपयोग सभ लोकक न्याय करताह, आ बहुतो लोक केँ मारल जायत।

1. प्रभु एकटा न्यायी न्यायाधीश छथि - यशायाह 66:16

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - यशायाह 66:16

1. इब्रानी 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि हृदय के।

2. प्रकाशितवाक्य 19:15 - हुनकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत अछि जाहि सँ ओ जाति सभ केँ मारि सकैत अछि, आ ओ लोहाक डंडा सँ ओकरा सभ पर शासन करत। ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक क्रोधक क्रोधक दारू-कुंड पर चलत।

यशायाह 66:17 जे सभ अपना केँ पवित्र करैत अछि आ बीच मे एकटा गाछक पाछु गाछ मे अपना केँ शुद्ध करैत अछि, सुअरक मांस, घृणित वस्तु आ मूसक मांस खाइत अछि, से सभ एक संग समाप्त भ’ जायत, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे अशुद्ध भोजनक सेवन करैत गाछी-बिरछी मे अपना केँ शुद्ध करयवला सभक भस्म भऽ जायत।

1. पवित्रीकरण: पवित्रताक मार्ग

823

2. अशुद्ध भोजनक खतरा

1. लेवीय 11:1-47 - स्वच्छ आ अशुद्ध भोजनक नियम

2. रोमियो 12:1-2 - पवित्र जीवन जीबाक लेल अपना केँ समर्पित करू

यशायाह 66:18 हम हुनकर सभक काज आ हुनकर सभक विचार केँ जनैत छी। ओ सभ आबि कऽ हमर महिमा देखताह।”

परमेश् वर अपन महिमा देखबाक लेल सभ जाति आ भाषा सभ केँ एकत्रित करताह।

1. सब जाति के प्रति भगवान के अटूट प्रेम

2. भगवान् के महिमा के शक्ति

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. भजन 145:10-12 - हे प्रभु, तोहर सभ काज तोहर स्तुति करत। आ तोहर संत सभ तोरा आशीर्वाद देथिन।” ओ सभ अहाँक राज्यक महिमाक गप्प करत आ अहाँक सामर्थ्यक गप्प करत। मनुष् यक पुत्र सभ केँ हुनकर पराक्रम आ अपन राज् यक गौरवशाली महिमा केँ प्रगट करबाक लेल।

यशायाह 66:19 हम हुनका सभक बीच एकटा चिन्ह लगा देब, आ हुनका सभ मे सँ बचल लोक सभ केँ हम जाति सभ मे पठा देब, जे धनुष खींचैत छथि, तर्शीश, पुल आ लुद, जे धनुष खींचैत छथि, तुबल आ जवान, दूरक द्वीप सभ मे, जे हमर यश नहि सुनने अछि आ ने हमर महिमा देखने अछि। ओ सभ गैर-यहूदी सभक बीच हमर महिमाक प्रचार करत।

परमेश् वर किछु लोक केँ दूर-दूर धरि पठा देताह जे ओ गैर-यहूदी सभक संग अपन महिमा बाँटि सकथि जे हुनकर बारे मे नहि सुनने छथि।

1. गवाही के शक्ति: परमेश्वर के महिमा के बाँटय लेल अपन जीवन के उपयोग करब

2. शिष्य बनबाक लेल एकटा आह्वान: सुसमाचारक सुसमाचार प्रसार करब

1. मत्ती 28:19-20 तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि।

2. प्रेरित 1:8 मुदा जखन पवित्र आत्मा अहाँ सभ पर आओत तखन अहाँ सभ केँ शक्ति भेटत, आ अहाँ सभ यरूशलेम मे, समस्त यहूदिया आ सामरिया मे आ पृथ् वीक अंत धरि हमर गवाह बनब।

यशायाह 66:20 ओ सभ अहाँ सभक सभ भाइ केँ सभ जाति मे सँ घोड़ा, रथ, कूड़ा-करकट, खच्चर आ तेज पशु पर सवार भ’ क’ हमर पवित्र पहाड़ यरूशलेम पर परमेश् वरक बलिदानक रूप मे आनत।” , जेना इस्राएलक सन्तान सभ परमेश् वरक घर मे शुद्ध बर्तन मे बलिदान अनैत छथि।

परमेश् वर वादा करै छै कि वू सब जाति के लोग कॅ अपनऽ पवित्र पहाड़ यरूशलेम में लानै छै, जेना कि इस्राएली सिनी प्रभु के घर में बलिदान लानै छै।

1. परमेश् वरक पालन करबाक लेल हमर सभक आह्वान: यशायाह 66:20 केर अध्ययन

2. परमेश्वर के मुक्ति के प्रतिज्ञा: यशायाह 66:20 के अन्वेषण

1. यशायाह 66:20-21 - किएक तँ जहिना नव आकाश आ नव धरती, जे हम बनबैत छी, हमरा सोझाँ रहत, प्रभु कहैत छथि, तहिना अहाँक वंश आ अहाँक नाम रहत।

2. प्रकाशितवाक्य 21:1 - हम एकटा नव आकाश आ एकटा नव धरती देखलहुँ, किएक तँ पहिल आकाश आ पहिल पृथ्वी समाप्त भ’ गेल। आब समुद्र नहि रहि गेल।

यशायाह 66:21 हम हुनका सभ मे सँ पुरोहित आ लेवीक लेल सेहो लेब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अपन किछु लोक केँ पुरोहित आ लेवी बनेबाक लेल वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक आह्वान: परमेश् वर द्वारा अपन लोक सभ केँ पुरोहित आ लेवीक रूप मे हुनकर सेवा करबाक लेल आमंत्रण।

2. आनन्दक संग सेवा करब: परमेश् वरक आह्वानक पालन करबाक आनन्दक खोज करब।

1. निकासी 19:1-6 - परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पुरोहितक राज्य बनबाक लेल बजबैत छथि।

2. 1 पत्रुस 2:9 - विश्वासी सभ केँ एकटा पवित्र पुरोहिताई बनबाक लेल बजाओल गेल अछि, जे आध्यात्मिक बलिदान अर्पित करैत अछि।

यशायाह 66:22 हम जे नव आकाश आ नव धरती बनाब, से हमरा सोझाँ रहत, तहिना अहाँक वंश आ अहाँक नाम रहत।

परमेश् वर एकटा नव आकाश आ नव धरती बनौताह, आ ताहि मे ओ अपन लोकक बीज आ नाम केँ जीवित राखताह।

1. नव स्वर्ग आ नव पृथ्वीक प्रतिज्ञा - यशायाह 66:22

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पूर्ति - यशायाह 66:22

1. 2 पत्रुस 3:13 - मुदा हुनकर प्रतिज्ञाक अनुसार हम सभ नव आकाश आ नव पृथ्वीक प्रतीक्षा मे छी जाहि मे धार्मिकता निवास करत।

2. यशायाह 43:6 - हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू।

यशायाह 66:23 “एकटा अमावस्या सँ दोसर अमावस्या धरि आ एक विश्राम-दिन सँ दोसर विश्राम-दिन धरि सभ मांस हमरा सोझाँ आराधना करबाक लेल आओत,” प्रभु कहैत छथि।

एक अमावस्या सँ दोसर अमावस्या आ एक विश्राम-दिन सँ दोसर विश्राम-दिन धरि सभ लोक प्रभुक आराधना करबाक लेल आओत।

1. प्रभु के आराधना के आशीर्वाद - यशायाह 66:23

2. सब्त आ अमावस्या के पालन करब - यशायाह 66:23

1. भजन 95:6 - आऊ, आराधना मे प्रणाम करी, अपन निर्माता प्रभुक समक्ष ठेहुन टेकब।

2. इब्रानी 10:24-25 - आओर विचार करी जे कोना हम सभ एक दोसरा केँ प्रेम आ नीक काज दिस प्रेरित क’ सकैत छी, एक संग भेंट करब छोड़ि नहि सकैत छी, जेना किछु लोकक आदति छनि, बल् कि एक दोसरा केँ प्रोत्साहित करब आओर ओहि सँ बेसी अहाँ देखैत छी जे दिन नजदीक आबि रहल अछि।

यशायाह 66:24 ओ सभ बाहर जा कऽ हमरा विरुद्ध अपराध करयवला लोक सभक शव दिस तकत, कारण ओकर कीड़ा नहि मरत आ ने ओकर आगि बुझत। ओ सभ मनुखक लेल घृणित होयत।

प्रभु हुनका विरुद्ध उल्लंघन करय वाला के सजा देताह, हुनका अपन दण्ड स कहियो नहि बचि जेताह।

1. प्रभुक क्रोध - आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. भगवानक न्यायक अमिट अग्नि

825

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, हम सभ एक संग तर्क-वितर्क करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंग जकाँ होयत, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, किरमिजी जकाँ लाल भ' जायत, मुदा ऊन जकाँ भ' जायत।"

२.

यिर्मयाह अध्याय 1 यिर्मयाह के किताब के शुरुआती अध्याय छै, जहाँ यिर्मयाह भविष्यवक्ता क॑ परमेश् वर के तरफ स॑ अपनऽ ईश्वरीय आह्वान मिलै छै कि वू जाति सिनी लेली भविष्यवक्ता बन॑ ।

1 पैराग्राफ: एहि अध्याय मे यिर्मयाह परमेश् वरक संग अपन मुठभेड़ आ एकटा भविष्यवक्ता के रूप मे हुनकर नियुक्ति के बारे मे साझा करैत छथि (यिर्मयाह 1:4-10)। प्रभु यिर्मयाह कॅ कहै छै कि हुनी ओकरा अपनऽ माय के कोख में बनला सें पहलें ही जानतें छेलै आरो ओकरा जाति सिनी के सामने एगो भविष्यवक्ता के रूप में अलग करी देलकै। यिर्मयाह के युवावस्था के कारण प्रारंभिक अपर्याप्तता के भावना के बावजूद, परमेश् वर ओकरा आश्वस्त करै छै कि वू ओकरा साथ रहतै आरू ओकरोॅ बात ओकरोॅ मुँह में डालतै। ओ यिर्मयाह केँ राज्य आ जाति पर नियुक्त करैत छथि, जे हुनका उखाड़ि कऽ उखाड़ि, उखाड़ि, नष्ट आ निर्माण करबाक सामर्थ्य दैत छथि।

2 पैराग्राफ: प्रभु यिर्मयाह दर्शन देखा क’ अपन आह्वानक आओर पुष्टि करैत छथि (यिर्मयाह 1:11-16)। पहिने ओकरा बादामक गाछक डारि देखाबैत छथि जे हुनकर वचन पर अपन चौकस नजरि के प्रतिनिधित्व करैत अछि जे ओ ओकरा तेजी सँ निष्पादित करथि | तखन ओ उत्तर दिस मुँहे एकटा उबलैत घैल प्रकट करैत छथि जे ओहि दिशा सँ यहूदा पर आबि रहल आसन्न विपत्तिक प्रतीक अछि | अंत मे, परमेश् वर यहूदा पर ओकर आज्ञा आज्ञा नहि मानब आ मूर्तिपूजाक कारणेँ न्यायक घोषणा करैत छथि।

3 पैराग्राफ: अध्याय के अंत में परमेश् वर यिर्मयाह के प्रोत्साहित करै छै कि वू डरै या निराश नै होय बल्कि अपनऽ भविष्यवाणी के मिशन पूरा करै में मजबूती स॑ खड़ा होय (यिर्मयाह 1:17-19)। प्रभु हुनका विरोध करै वाला सिनी के खिलाफ सुरक्षा के वादा करै छै आरू यिर्मयाह कॅ आश्वस्त करै छै कि हुनी ओकरा सिनी के खिलाफ जीत हासिल करतै। ओ ओकरा आज्ञा दैत छथि जे ओ जे किछु आज्ञा दैत छथि से बिना कोनो समझौता वा भय के निर्भीकतापूर्वक बाजथि ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के प्रथम अध्याय में भविष्यवक्ता के ईश्वरीय आह्वान के चित्रण छै।
यिर्मयाह क॑ अपनऽ युवावस्था के कारण अपर्याप्त महसूस करला के बावजूद परमेश्वर स॑ आश्वासन मिलै छै ।
परमेश् वर हुनका राष्ट्रऽ पर भविष्यवक्ता के रूप म॑ नियुक्त करै छै, जेकरा स॑ हुनका सीधे हुनका स॑ मिललऽ दर्शन आरू वचन के माध्यम स॑ अधिकार के सशक्त बनाबै छै ।
ओ यिर्मयाह के प्रोत्साहित करै छै कि विरोध के डर नै बल्कि बिना कोनो समझौता या संकोच के अपन संदेश के निष्ठापूर्वक घोषणा करै।
ई अध्याय यिर्मयाह के भविष्यवाणी सेवा के नींव स्थापित करै छै आरू यहूदा के आसन्न न्याय के संबंध में भविष्य के भविष्यवाणी के लेलऽ मंच तैयार करै छै।

यिर्मयाह 1:1 हिल्कियाहक पुत्र यिर्मयाहक वचन, जे पुरोहित सभ छल जे बिन्यामीन देशक अनाथोत मे छलाह।

यिर्मयाह बिन्यामीन देशक पुरोहित छलाह जे परमेश् वरक वचन लिखैत छलाह।

1. परमेश् वरक वचन शक्तिशाली आ अपरिवर्तनीय अछि

2. यिर्मयाह के आह्वान - आज्ञाकारिता के एकटा मॉडल

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. निष्कासन 3:4-6 - "तखन परमेश् वर देखलनि जे ओ देखबाक लेल घुमि गेलाह तँ परमेश् वर झाड़ीक बीच सँ हुनका बजा कऽ कहलथिन, "मूसा, मूसा। आ ओ कहलनि, "हम एतय छी। आ।" ओ कहलनि, “एतय लग नहि आउ, पएर सँ जूता उतारू, किएक तँ अहाँ जाहि ठाम ठाढ़ छी से पवित्र भूमि अछि।”

यिर्मयाह 1:2 हुनका पर यहूदाक राजा अमोनक पुत्र योशियाहक समय मे हुनकर शासनक तेरहम वर्ष मे परमेश् वरक वचन आयल छलनि।

यिर्मयाह एकटा एहन भविष्यवक्ता छलाह जिनका परमेश् वरक वचन यहूदाक राजा योशियाहक समय मे हुनकर शासनक तेरहम वर्ष मे आयल छलनि।

1. प्रभु के आज्ञाकारिता के जीवन जीना - यिर्मयाह 1:2

2. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक शक्ति - यिर्मयाह 1:2

1. व्यवस्था 6:4-5 - हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर प्रभु, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।

2. यहोशू 1:7 - मजबूत आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँकेँ नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

यिर्मयाह 1:3 यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक समय मे यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र सिदकियाहक एगारहम वर्षक अंत धरि पाँचम मास मे यरूशलेम केँ बंदी बनाओल गेल।

यिर्मयाह के भविष्यवाणी के सेवा यहोयाकीम के शासनकाल में शुरू होलै आरू सिदकिय्याह के शासन के अंत तक चललै, जबे यरूशलेम के पांचवा महीना में बंदी बना लेलऽ गेलै।

1. निष्ठावान सेवा के शक्ति: यिर्मयाह के भविष्यवाणी सेवा स सबक

2. कठिन समय मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: यिर्मयाहक उदाहरण सँ ताकत ताकब

1. यिर्मयाह 1:3-7

2. रोमियो 8:28-39

यिर्मयाह 1:4 तखन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ जाति सभ केँ भविष्यवाणी करबाक लेल बजबैत छथि।

1. हमरा सभसँ गप्प करबाक परमेश् वरक शक्ति: यिर्मयाहक आह्वान हमरा सभकेँ कोना प्रेरित कऽ सकैत अछि

2. परमेश् वरक वफादारी: यिर्मयाहक आह्वान हुनकर वाचा केँ कोना कायम करैत अछि

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत: ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. भजन 33:6 - "प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल, आ ओकर सभ सेना हुनकर मुँहक साँस सँ।"

यिर्मयाह 1:5 हम अहाँ केँ पेट मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ। अहाँ गर्भ सँ बाहर निकलबा सँ पहिने हम अहाँ केँ पवित्र कऽ देलहुँ आ अहाँ केँ जाति-जाति सभक लेल भविष्यवक्ता बनेलहुँ।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ जन्म सँ पहिने जनैत छलाह आ हुनका जाति सभक लेल भविष्यवक्ता बनयबाक लेल नियुक्त कयलनि।

1. भगवान हमरा सभकेँ चिन्हबासँ पहिने जनैत छथि आ बजबैत छथि

2. [illegible]

1. [illegible] 49:1 "[illegible]"

2. [illegible] 1:15-16 "[illegible]"

[illegible] 1:6 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 41:10 - [illegible]

2. [illegible] 29:11 - [illegible]

[illegible] 1:7 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 6:8 - [illegible]

2. [illegible] 8:31 - [illegible]

[illegible] 1:8 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]: [illegible] - [illegible] 1:8

2. [illegible] - [illegible] 1:8

1. [illegible] 41:10 - [illegible]

2. मत्ती 28:20 - आओर हुनका सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, ओकर पालन करथि। आ निश्चय हम सदिखन अहाँक संग छी, युगक एकदम अंत धरि।

यिर्मयाह 1:9 तखन परमेश् वर अपन हाथ बढ़ा कऽ हमर मुँह छूबि लेलनि। परमेश् वर हमरा कहलथिन, “देखू, हम अपन बात अहाँक मुँह मे राखि देलहुँ।”

प्रभु यिर्मयाह केँ अपन वचन देबाक अधिकार देलनि।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. भगवानक आवाज सुनबाक महत्व

1. नीतिवचन 30:5 परमेश् वरक सभ वचन शुद्ध अछि, जे हुनका पर भरोसा करैत छथि, हुनका सभक लेल ओ ढाल छथि।

2. यशायाह 55:11 हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

यिर्मयाह 1:10 देखू, हम आइ अहाँ केँ जाति-जाति आ राज्य सभक ऊपर राखि देने छी जे जड़ि सँ उखाड़ि क’ उखाड़ि क’ उखाड़ि क’ उखाड़ि क’ उखाड़ि क’ उखाड़ि देब, आ उखाड़ि देब, बनाब’ आ रोपब।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ एकटा दिव्य मिशन देने छथि जे ओ बुराई केँ जड़ि सँ उखाड़ि कऽ उखाड़ि कऽ उतारथि, नष्ट करथि, आ नीचाँ फेकि सकथि, आ भलाईक निर्माण आ रोपब।

1. अपन जीवन मे परमेश् वरक दिव्य मिशन केँ देखब आ एकर उपयोग कोना भलाईक निर्माण आ रोपनी मे क' सकैत छी।

2. बुराई के खिलाफ पाछू धकेलब आ नीक के निर्माण में अपन व्यक्तिगत भूमिका के बुझब।

1. मत्ती 28:19-20 - "तेँ अहाँ सभ जाउ आ सभ जाति केँ सिखाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दैत: आ देखू, हम अहाँ सभक संग सदिखन छी, संसारक अंत धरि। आमीन।"

2. यशायाह 61:3 - "सिय्योन मे शोक करयवला सभ केँ राखब, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य, शोकक बदला मे आनन्दक तेल, भारी आत् माक स्तुतिक वस्त्र, जाहि सँ ओकरा सभ केँ धार्मिकताक गाछ कहल जाय।" , प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा होबाक चाही।”

यिर्मयाह 1:11 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे, “यिर्मयाह, अहाँ की देखैत छी?” हम कहलियनि, “हमरा बदामक गाछक छड़ी देखाइ पड़ैत अछि।”

यिर्मयाह केँ परमेश् वर पुछैत छथि जे अहाँ की देखैत छी, आ यिर्मयाह उत्तर दैत छथि जे हुनका बदामक गाछक छड़ी देखाइ पड़ैत अछि।

1. परमेश् वरक आह्वान: हम सभ प्रभुक आवाजक प्रतिक्रिया कोना दऽ सकैत छी

2. शास्त्र मे बादामक गाछक महत्व

1. यशायाह 6:8 - तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत?

2. निष्कासन 25:33-34 - अहाँ ओकरा पर कांस्यक जाल बनाउ, आ जाल पर ओकर चारि कोन मे चारि टा कांस्य अंगूठी बनाउ। अहाँ ओकरा जहाजक किनारक नीचाँ राखि दियौक, जाहि सँ जाल जहाजक बीच धरि भ’ सकय।

यिर्मयाह 1:12 तखन परमेश् वर हमरा कहलनि, “अहाँ नीक जकाँ देखलहुँ, कारण हम अपन वचन केँ पूरा करबाक लेल जल्दी करब।”

भगवान् अपन वचन जल्दी पूरा करताह।

1: भगवान् अपन प्रतिज्ञाक प्रति सदिखन वफादार रहैत छथि

2: भगवानक वचन भरोसेमंद अछि

1: यशायाह 55:11 - हमर मुँह सँ निकलल हमर वचन तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2: इब्रानियों 11:1 - आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, जे नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।

यिर्मयाह 1:13 दोसर बेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे, “अहाँ की देखैत छी?” हम कहलियनि, “हमरा एकटा उबलैत घैल देखाइ पड़ैत अछि। ओकर मुँह उत्तर दिस अछि।

प्रभु दोसर बेर यिर्मयाह सँ बात कयलनि, जे अहाँ की देखलहुँ। यिर्मयाह उत्तर देलथिन जे उत्तर दिस मुँहे एकटा उबलैत घैल देखलनि।

1. प्रभु के आज्ञाकारिता के आह्वान: यिर्मयाह 1:13

2. प्रभुक निर्देशक पालन करब: यिर्मयाह 1:13

1. यशायाह 48:17-18 - इस्राएलक पवित्र परमेश् वर, अहाँक मुक्तिदाता, ई कहैत छथि: हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी, जे अहाँ सभ केँ लाभ करबाक सिखाबैत छी, जे अहाँ सभ केँ ओहि बाट पर लऽ जाइत छी।

18 अरे, जँ अहाँ सभ हमर आज्ञा सभक पालन करितहुँ! तखन अहाँक शान्ति नदी जकाँ होइत, आ अहाँक धर्म समुद्रक लहरि जकाँ होइत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। 6 अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यिर्मयाह 1:14 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “उत्तर दिस सँ एहि देशक सभ निवासी पर कोनो दुष् टता उत्पन्न होयत।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे उत्तर दिस सँ ओहि देशक निवासी सभक विरुद्ध एकटा दुष् टता आओत।

1. अनजान के डर के अहाँ के लकवा नै मारय दियौ

2. भगवान् द्वारा देल गेल चेतावनी के अनदेखी नहि करू

1. यशायाह 8:10 - एक संग विचार करू, तखन ओ अन्त्य भ’ जायत। वचन बाजू, तँ ओ ठाढ़ नहि होयत, किएक तँ परमेश् वर हमरा सभक संग छथि।”

2. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, हमर शरण आ किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।

यिर्मयाह 1:15 परमेश् वर कहैत छथि। ओ सभ आबि कऽ सभ अपन-अपन सिंहासन यरूशलेमक फाटक सभक प्रवेश द्वार पर आ चारू कातक सभ देबाल सभक विरुद्ध आ यहूदाक सभ शहरक विरुद्ध ठाढ़ करत।

प्रभु घोषणा करै छै कि वू उत्तर के राज्यऽ के सब परिवार के बोलै छै कि आबी क॑ यरूशलेम आरू यहूदा के शहरऽ में अपनऽ सिंहासन खड़ा करी देतै।

1. सब परिस्थिति मे भगवान् केर अंतिम अधिकार आ शक्ति पर भरोसा करब।

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोकक रक्षा करताह आ हुनकर आवश्यकताक पूर्ति करताह।

1. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यिर्मयाह 1:16 हम हुनका सभक विरुद्ध अपन न्याय करब, जे हमरा छोड़ि कऽ दोसर देवता सभक लेल धूप जरा देलनि आ अपन हाथक काजक आराधना कयलनि।

परमेश् वर हुनका सभक न् याय करताह जे हुनका छोड़ि मूर्तिक आराधना केने छथि।

1. "मूर्तिपूजाक खतरा"।

2. "दुष्ट पर परमेश् वरक न्याय"।

1. व्यवस्था 4:28-31, "एहि लेल, अहाँ हुनकर सभ नियम आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करू, जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, जाहि सँ अहाँ सभक आ अहाँक बादक संतान सभक लेल नीक भ' जाय आ अहाँ सभ अपन दिन दीर्घ क' सकब।" ओहि देश मे जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ सदाक लेल दऽ रहल छथि।

2. यशायाह 44:9-11, "जे सभ मूर्ति बनबैत छथि, ओ सभ बेकार अछि, आ ओकर कीमती वस्तु सभ कोनो लाभ नहि करत, ओ सभ अपन गवाह छथि; ओ सभ नहि देखैत छथि आ नहि जनैत छथि, जाहि सँ ओ सभ लाज करथि। के चाहत।" कोनो देवता बनाउ वा कोनो मूर्ति बनाउ जे ओकरा कोनो फायदा नहि हो?निश्चिते ओकर सभ संगी लाज करत, आ मजदूर सभ, ओ सभ मात्र मनुक्ख अछि संग मे.

यिर्मयाह 1:17 तेँ अहाँ अपन कमर बान्हि कऽ उठि कऽ हुनका सभ सँ ओ सभ बात कहू जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ मजबूती सँ ठाढ़ भ’ क’ अपन बात बिना डर के बाजथि, चाहे ओ कोनो विरोध किएक नहि हो।

1. दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू: कठिन परिस्थिति मे साहस ताकब

2. भय पर काबू पाब: भगवानक लेल मजबूत ठाढ़ रहब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ साहसी बनू। डरब नहि, आ निराश नहि होउ, किएक तँ अहाँ सभ जतय जाउ, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।

यिर्मयाह 1:18 देखू, हम आइ तोरा एकटा सुरक्षित नगर, लोहाक खंभा आ पीतल के देबाल बना देने छी जे पूरा देशक विरुद्ध, यहूदाक राजा सभ, ओकर राजकुमार सभ, ओकर पुरोहित सभक विरुद्ध आ... भूमि के लोग।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ एकटा गढ़वाला नगर बना दैत छथि, जकर लोहाक खंभा आ पीतल केर देबाल अछि, जे यहूदाक राजा, राजकुमार, पुरोहित आ लोक सभक विरुद्ध रक्षाक रूप मे अछि।

1. अपन विश्वास मे दृढ़ रहू कियाक त भगवान अहाँ के सब बुराई स बचा लेताह।

2. संसारक प्रलोभन मे हार नहि मानब, कारण भगवान् अहाँक अंतिम रक्षा छथि।

1. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध जे कोनो शस्त्र बनल अछि से सफल नहि होयत। आ जे कोनो भाषा अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई प्रभुक सेवक सभक उत्तराधिकार अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि। प्रभु कहैत छथि।”

2. इफिसियों 6:11-13 - "परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ सभ शैतानक चालबाजीक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब। किएक तँ हम सभ मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल् कि रियासत सभक विरुद्ध, शक्ति सभक विरुद्ध आ अधिकार सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी।" एहि संसारक अन्हारक शासक सभ, ऊँच स्थान पर आत् मक दुष् टताक विरुद्ध।

यिर्मयाह 1:19 ओ सभ अहाँ सँ लड़त। मुदा ओ सभ तोरा पर विजय नहि पाओत। परमेश् वर कहैत छथि जे हम अहाँक संग छी, अहाँ केँ उद्धार करबाक लेल।”

परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ हमरा सभक प्रतिद्वन्द्वी सभ सँ रक्षा आ उद्धार करताह।

1: प्रभु पर भरोसा करू, ओ सदिखन हमरा सभक संग रहताह।

2: विपत्तिक समय मे ई जानि लिअ जे भगवान हमर सभक रक्षक छथि।

1: फिलिप्पियों 4:19 - "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

2: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह अध्याय 2 यहूदा के लोगऽ के लेलऽ यिर्मयाह के भविष्यवाणी वाला संदेश के आगू बढ़ाबै छै। एहि अध्याय मे यिर्मयाह राष्ट्रक सामना ओकर अविश्वास आ मूर्तिपूजा सँ करैत छथि, हुनका पश्चाताप करबाक लेल बजबैत छथि।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इस्राएल क॑ जंगल म॑ हुनका प्रति हुनकऽ प्रारंभिक भक्ति आरू निष्ठा के याद दिलाबै स॑ होय छै (यिर्मयाह २:१-३)। ओ स्मरण करैत छथि जे कोना ओ सभ हुनका संग अपन संबंध केँ एकटा पवित्र वाचा मानैत छलाह, हुनकर पाछाँ-पाछाँ प्रचुरताक भूमि मे जाइत छलाह | तथापि ओ इशारा करैत छथि जे तकर बाद ओ लोकनि हुनका सँ मुँह मोड़ि मूर्तिपूजा केँ अपना लेलनि | ओ सभ जीवित जलक स्रोत प्रभु केँ छोड़ि अपना लेल टूटल-फूटल कुंड खोदने छथि जाहि मे पानि नहि राखल जा सकैत अछि।

2 पैराग्राफ: तखन यिर्मयाह यहूदाक मूर्तिपूजाक विरुद्ध एकटा सशक्त अभियोग प्रस्तुत करैत छथि (यिर्मयाह 2:4-13)। ओ हुनका सभ पर आरोप लगबैत छथि जे ओ भगवान् केँ जीवित जलक फव्वारा छोड़ि देलनि आ ओकर बदला मे अपन हाथ सँ बनल मूर्ति दिस घुरि गेलाह | भगवान् के लोक के रूप में चुनल गेला के बादो ओ सब बेकार मूर्ति के पाछु लागल छथि आ विदेशी देवता के पाछु चलल छथि। यिर्मयाह प्रश्न उठबैत छथि जे ओ सभ अपन सच्चा परमेश् वर केँ झूठ देवता सभक संग किएक बदलि लेताह जे उद्धार नहि दऽ सकैत छथि आ नहिये हुनकर आत्मा केँ संतुष्ट नहि क' सकैत छथि।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के तरफ स’ इस्राएल के लेलऽ अपील के साथ होय छै कि वू अपनऽ काम के परिणाम पर विचार करै (यिर्मयाह २:१४-३७)। ओ हुनका सभ केँ चुनौती दैत छथि जे मूर्तिपूजाक माध्यमे आन राष्ट्र केँ की भेटल अछि जे लाज आ निराशाक अतिरिक्त किछु नहि। प्रभु इस्राएल पर आरोप लगबैत छथि जे ओ एकटा अविश्वास कनियाँ जकाँ अछि जे अपन पति केँ छोड़ि देने अछि। हुनका लोकनिक पापक परिणाम अपना पर न्याय आ विपत्ति होयतनि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के अध्याय दू यहूदा के अविश्वास के उजागर करै पर केंद्रित छै।परमेश् वर इस्राएल क॑ ओकरऽ अतीत के भक्ति के याद दिलाबै छै लेकिन मूर्ति के पक्ष म॑ ओकरऽ वर्तमान परित्याग प॑ प्रकाश डालै छै ।यिर्मयाह ओकरऽ मूर्तिपूजक प्रथा के खिलाफ एगो कड़ा डांट प्रस्तुत करै छै,सवाल करै छै कि वू सच्चे परमेश्वर क॑ बेकार मूर्ति के लेलऽ कियैक छोड़ी देतै.अध्याय के समापन आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी के साथ होय छै आरू इस्राएल के आह्वान करै छै कि वू परमेश् वर द्वारा उपलब्ध कराय देलऽ गेलऽ जीवित पानी सें मुँह मोड़ै

के व्यर्थता आरू परिणाम पर विचार करै।ई अध्याय पश्चाताप के लेलऽ एक तत्काल गुहार के काम करै छै आरू एक याद दिलाबै के काम करै छै कि सच्चा संतुष्टि केवल में ही मिल॑ सकै छै भगवान् के साथ एक निष्ठावान संबंध।

यिर्मयाह 2:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

प्रभु यिर्मयाह सँ संदेश दैत छथिन।

1. प्रभु हमरा सभसँ सदिखन गप्प करैत छथि, कठिन समयमे सेहो।

2. हमरा सभकेँ सदिखन भगवानक आवाज सुनबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. यिर्मयाह 33:3 "हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।"

2. भजन 46:10 "शांत रहू, आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

यिर्मयाह 2:2 जाउ आ यरूशलेमक कान मे चिचियाउ जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। हम तोरा मोन पाड़ैत छी, तोहर जवानीक दयालुता, तोहर विवाहक प्रेम, जखन अहाँ हमरा पाछाँ जंगल मे, ओहि देश मे गेल रही जे नहि बोओल गेल छल।

प्रभु यरूशलेम सँ बात करै छै, जे हुनका सिनी के युवावस्था के दया आरू प्रेम के याद करै छै, जबेॅ हुनी हुनका पीछे-पीछे एगो ऐसनऽ देश में चलै छेलै, जेकरा में बोलो नै छेलै।

1. भगवानक मार्ग पर चलब सीखब चाहे कोनो खर्चा किएक नहि हो

2. भगवान् सँ बिना शर्त प्रेम करबाक विकल्प चुनब

1. होशे 2:14-15 - "तेँ देखू, हम ओकरा लुभाबब, ओकरा जंगल मे आनि देब आ ओकरा सँ कोमलता सँ बात करब। ओतहि सँ हम ओकरा ओकर अंगूरक बाग देब आ अकोर घाटी केँ आशाक द्वार बना देब।" ओतय ओ अपन युवावस्थाक समान प्रतिक्रिया देतीह, जेना मिस्र देश सँ बाहर निकललाक समय मे।”

2. मत्ती 22:37-38 - "ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ पूरा मोन सँ प्रेम करू। ई महान आ पहिल आज्ञा अछि।"

यिर्मयाह 2:3 इस्राएल परमेश् वरक लेल पवित्रता छल आ ओकर बढ़ल पहिल फल छल। परमेश् वर कहैत छथि जे हुनका सभ पर दुष् टता आओत।

परमेश् वर इस्राएल केँ पवित्र आ अपन बढ़बाक पहिल फल मानैत छथि, मुदा जे इस्राएल केँ खा जायत, तकरा सभ केँ सजा देल जायत।

1. परमेश् वरक पवित्रता आ अपन लोकक प्रति हुनकर प्रेम

2. अधर्मक परिणाम

1. भजन 22:3 - "मुदा हे इस्राएलक स्तुति मे रहनिहार, अहाँ पवित्र छी।"

2. रोमियो 2:6-8 - "ओ प्रत्येक के अपन कर्म के अनुसार प्रतिदान देत: जे सभ धैर्यपूर्वक नीक काज करैत अछि, ओकरा सभ केँ अनन्त जीवन भेटतैक सत्यक आज्ञा नहि मानू, बल् कि अधर्म, क्रोध आ क्रोधक आज्ञा मानू।”

यिर्मयाह 2:4 हे याकूबक वंश आ इस्राएलक सभ कुल, अहाँ सभ परमेश् वरक वचन सुनू।

ई अंश याकूब के घराना आरू इस्राएल के घरऽ के सब परिवार के आज्ञा के अनुसार यहोवा के वचन सुनै के महत्व के बारे में छै।

1. प्रभुक आशीर्वाद प्राप्त करबाक लेल हुनकर वचन सुनब अनिवार्य अछि।

2. प्रभुक आज्ञाक पालन करू, तखन अहाँ हुनकर कृपा सँ आशीर्वादित होयब।

1. मत्ती 11:28-30, अहाँ सभ जे श्रम करैत छी आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, आ हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू। हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी। हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

2. भजन 37:4 प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।”

यिर्मयाह 2:5 परमेश् वर ई कहैत छथि, “अहाँ सभक पूर्वज हमरा मे कोन अधर्म देखलनि जे ओ सभ हमरा सँ दूर भ’ गेलाह आ व्यर्थक पाछाँ चलि गेलाह आ व्यर्थ भ’ गेलाह?”

प्रभु पूछि रहल छथि जे लोकक पिता हुनका किएक छोड़ि देलनि आ ओकर बदला मे झूठ बातक पाछाँ चलब किएक चुनलनि।

1. झूठ देवताक पीछा करबाक खतरा

2. प्रभु सँ मुँह घुमाबय के मूर्खता

1. व्यवस्था 6:14-16 - दोसर देवताक पालन नहि करू, अहाँक परमेश् वर प्रभु ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि।

2. भजन 28:7 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर हृदय हुनका पर भरोसा केलक, आ हमरा सहायता भेटैत अछि, तेँ हमर मोन बहुत आनन्दित अछि। आ अपन गीत सँ हम हुनकर स्तुति करब।

यिर्मयाह 2:6 आ ने ओ सभ नहि कहलक जे, “प्रभु कतय छथि जे हमरा सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर निकालि लेलनि, जे हमरा सभ केँ जंगल मे, मरुभूमि आ गड्ढाक देश मे, रौदी आ छायाक देश मे ल’ गेलाह।” मृत्यु, ओहि देश मे जे कियो नहि गुजरल छल आ जतय केओ नहि रहैत छल?

परमेश् वर के लोग हुनका आरू हुनकऽ बीतलऽ आशीषऽ क॑ बिसरी गेलऽ छै, जेना कि ओकरा सिनी क॑ मिस्र स॑ बाहर आरू जंगलऽ के बीच स॑ बाहर निकालना ।

1. संकट के समय में भगवान के निष्ठा

2. परमेश् वरक प्रबन्धक स्मरण करब

1. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

2. निर्गमन 14:14 - "प्रभु तोरा लेल लड़ताह, आ अहाँ केँ मात्र चुप रहबाक अछि।"

यिर्मयाह 2:7 हम अहाँ सभ केँ एकटा प्रचुर देश मे अनलहुँ, जाहि सँ ओकर फल आ नीक-नीकता खा सकब। मुदा जखन अहाँ सभ प्रवेश केलहुँ तँ हमर देश केँ अशुद्ध कयलहुँ आ हमर धरोहर केँ घृणित बना देलियैक।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ फलदार देश मे अनलनि, मुदा ओ सभ ओकरा अशुद्ध कऽ कऽ घृणित काज मे बदलि देलनि।

1. आज्ञा नहि आज्ञाक सामना मे भगवानक भलाई आ दया

2. भगवान् के आज्ञा के अवहेलना के परिणाम

1. भजन 107:1 - "हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक त' ओ नीक छथि, कारण हुनकर अडिग प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि!"

2. व्यवस्था 11:17 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा आ हुनकर गवाही आ हुनकर नियम सभक पालन करू जे ओ अहाँ सभ केँ देने छथि।"

यिर्मयाह 2:8 पुरोहित सभ नहि कहलथिन, “प्रभु कतय छथि?” धर्म-नियमक सम्पादन करऽ वला सभ हमरा नहि चिन्हैत छल।

यिर्मयाह के समय के पुरोहित आरू पादरी प्रभु कॅ बिसरी गेलऽ छेलै आरो ओकरो बदला में बाल जैसनऽ झूठा देवता के पूजा करी रहलऽ छेलै। भविष्यवक्ता लोकनि एहन झूठ संदेशक भविष्यवाणी क' रहल छलाह जे ककरो कोनो फायदा नहि होयत।

1. भगवान् केँ पाछू नहि छोड़ू - अपन दैनिक जीवन मे प्रभुक प्रति वफादार रहबाक स्मरण।

2. झूठ संदेशक पालन करब - झूठ मान्यता आ शिक्षा मे पड़बाक खतरा सँ अवगत रहू।

1. व्यवस्था 6:4-9 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

2. यशायाह 8:20 - व्यवस्था आ गवाही केँ: जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

यिर्मयाह 2:9 एहि लेल हम एखनो अहाँ सभ सँ निहोरा करब, परमेश् वर कहैत छथि, आ अहाँक संतान सभक संतान सभ सँ हम निहोरा करब।

भगवान् हुनका सँ भटकल लोक सँ हुनका लग वापस आबय लेल निहोरा करैत छथि |

1: भगवान् प्रेम छथि आ ओ चाहैत छथि जे हम सभ हुनका लग वापस आबि जाइ।

2: हमरा सभ केँ ई कहियो नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् धैर्यपूर्वक हमरा सभक प्रतीक्षा क' रहल छथि जे हम सभ हुनका दिस घुरब।

1: यूहन्ना 3:16-17 "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि।" , मुदा एहि लेल जे हुनका द्वारा संसारक उद्धार हो।

2: यशायाह 55:6-7 जाबत धरि प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकू। जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 2:10 कित्तीम द्वीप सभ पार क’ क’ देखू। आ केदार मे पठा कऽ सोचि-विचार करू जे एहन कोनो बात अछि की नहि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आग्रह करैत छथि जे ओ चित्तिम, केदार द्वीप पर जाउ आ जँ कोनो सत्य अछि तऽ लगन सँ विचार करथि।

1. परमेश् वरक सत्य केँ जानब: यिर्मयाह 2:10

2. परमेश् वरक बुद्धिक खोज: यिर्मयाह 2:10

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

यिर्मयाह 2:11 की कोनो जाति अपन देवता केँ बदलि लेलक अछि, जे एखन धरि कोनो देवता नहि अछि? मुदा हमर लोक अपन महिमा केँ बदलि देलक जे कोनो फायदा नहि होइत छैक।

परमेश् वर इस्राएल जाति के निंदा करै छै कि ओकरा जगह पर झूठा देवता सिनी के जगह पर रखलौ गेलौ छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही, कारण ओ एकमात्र एहन छथि जे हमरा सभ केँ सच्चा आ स्थायी आनन्द प्रदान क' सकैत छथि।

2: हमरा सभ केँ झूठ देवता सभक धोखा नहि देबाक चाही, कारण ओ सभ हमरा सभ केँ सच्चा आ स्थायी महिमा नहि दऽ सकैत छथि।

1: व्यवस्था 4:35-39 - अहाँ सभ केँ ई सभ देखाओल गेल जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे प्रभु परमेश् वर छथि। हुनका छोड़ि दोसर कोनो नहि।

2: यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी।” हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

यिर्मयाह 2:12 हे आकाश, एहि बात पर आश्चर्यचकित रहू आ भयंकर भय भय जाउ, अहाँ सभ बहुत उजाड़ भ’ जाउ, प्रभु कहैत छथि।

भगवान् आकाश के आह्वान करै छै कि मनुष्य के काम पर आश्चर्यचकित आरू आतंकित होय जाय, आरू ओकरऽ गलत काम के परिणामस्वरूप उजाड़ होय जाय।

1: भगवानक न्याय आश्चर्य आ भयावहताक आह्वान करैत अछि

2: मनुष्यक भ्रष्टताक प्रति भगवानक प्रतिक्रिया

1: रोमियो 1:18-25

2: इजकिएल 16:49-50

यिर्मयाह 2:13 किएक तँ हमर लोक दूटा दुष् ट काज केलक। ओ सभ हमरा जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ कुँहा, टूटल-फूटल कुंड सभ केँ काटि देलक, जे पानि नहि राखि सकैत अछि।

परमेश् वरक लोक हुनका सँ मुँह मोड़ि लेलनि, जे जीवित जलक स्रोत छथि, आ ओकर बदला मे अपन टूटल-फूटल आ असंतोषजनक तरीका बनौलनि अछि।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. जीवित जल के स्रोत में आनन्द एवं संतुष्टि प्राप्त करना

1. भजन 36:9 - "किएक तँ अहाँक संग जीवनक फव्वारा अछि; अहाँक इजोत मे हम सभ इजोत देखैत छी।"

2. यूहन्ना 4:10-14 - "यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “जँ अहाँ परमेश् वरक वरदान केँ जनैत रहितहुँ आ अहाँ सँ के अछि जे अहाँ सँ पेय पदार्थ माँगैत अछि, तँ अहाँ हुनका सँ माँगितहुँ आ ओ अहाँ केँ जीवित पानि दऽ दैतथिन।"

यिर्मयाह 2:14 की इस्राएल एकटा सेवक अछि? घरक गुलाम अछि की? ओ किएक बिगड़ल अछि?

यिर्मयाह प्रश्न उठबैत छथि जे परमेश् वरक चुनल गेल लोक इस्राएल केँ एकटा सेवक आ दासक रूप मे किएक देखल गेल अछि, आओर ओकरा सभ केँ कष्ट किएक भोगल गेल अछि।

1. भगवानक लोक: सेवक वा दास?

2. परमेश् वरक चुनल लोकक दुख

1. यशायाह 53:6 - हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकल छी; हम सभ एक-एकटा अपन-अपन बाट दिस घुमि गेल छी।
परमेश् वर हुनका पर हमरा सभक अधर्मक दोष लगा देलनि।

2. विलाप 3:22-23 - ई प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत छनि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यिर्मयाह 2:15 सिंहक बच्चा सभ ओकरा पर गर्जैत चिचिया उठल आ ओकर देश उजाड़ क’ देलक।

परमेश् वरक अपन लोक सभक विद्रोह आ मूर्तिपूजाक लेल विनाशक न्याय।

1: जखन हम भगवान् सँ मुँह मोड़ैत छी आ हुनकर आज्ञा के अनदेखी करैत छी तखन परिणाम भोगबाक आशा क सकैत छी।

2: मोन राखब जे भगवान सदिखन विश्वासी रहैत छथि आ हमरा सभक प्रति हुनकर प्रेम हमरा सभक गलती सँ बेसी होइत छनि।

1: यिर्मयाह 29:11, कारण हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2: रोमियो 8:38-39, कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

यिर्मयाह 2:16 नोफ आ तहापनेसक सन्तान सभ अहाँक माथक मुकुट तोड़ि देलक।

नोफ आ तहापनेस के बच्चा सब वक्ता के माथ के मुकुट के नुकसान पहुंचा देने छै।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमाक शक्ति - रोमियो 5:8

2. दृढ़ताक शक्ति - याकूब 1:2-4

1. यशायाह 3:17-18 - तेँ प्रभु सियोनक बेटी सभक माथक मुकुट केँ पपड़ी सँ मारि देताह, आ परमेश् वर हुनका सभक गुप्त अंग सभक पता लगा लेताह।

18 ओहि दिन परमेश् वर हुनका सभक पएरक गुनगुनाइत आभूषण आ चान जकाँ गोल टायरक बहादुरी दूर कऽ लेताह।

2. इजकिएल 16:11-12 - हम तोरा सेहो आभूषण सँ सजा देलहुँ, आ तोहर हाथ मे कंगन आ गरदनि मे जंजीर लगा देलहुँ। 12 हम अहाँक कपार पर एकटा गहना, कान मे झुमका आ माथ पर एकटा सुन्दर मुकुट लगा देलियैक।

यिर्मयाह 2:17 की अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ छोड़ि देलहुँ, जखन ओ अहाँ केँ बाट मे लऽ गेलाह?

ई अंश यिर्मयाह के चेतावनी छै, जेकरा परमेश् वर के मार्गदर्शन करला के बाद ओकरा छोड़ी देलऽ गेलऽ छै।

1. चुनावक शक्ति: परमेश्वरक पालन करब वा त्याग करब चुनब

2. भगवान् के मार्ग छोड़ने के परिणाम

1. व्यवस्था 5:29 - "ओह, जँ हुनका सभ मे एहन हृदय रहैत जे ओ सभ हमरा सँ डेराइत आ हमर सभ आज्ञा केँ सदिखन पालन करैत, जाहि सँ हुनका सभ केँ आ हुनकर सभक संतान सभक संग सदाक लेल नीक भ' जाय!"

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यिर्मयाह 2:18 आब अहाँ केँ मिस्रक बाट मे की करबाक अछि, जे सिहोरक पानि पीब? अश्शूरक बाट मे अहाँ केँ की करबाक अछि जे नदीक पानि पीब?

यिर्मयाह इस्राएल क॑ डांटै छै कि वू जे जरूरत छै ओकरा लेली परमेश् वर पर भरोसा करै के बजाय दोसरऽ जाति के तरफ मुड़ै छै।

1: हमरा सभकेँ अपन प्रावधानक लेल प्रभु पर भरोसा करबाक चाही आ आन स्रोत दिस नहि देखबाक चाही।

2: भगवान् हमर शक्ति आ आशाक अंतिम स्रोत छथि।

1: यशायाह 31:1 - "हाय ओहि सभक लेल जे सहायताक लेल मिस्र जाइत छथि आ घोड़ा पर भरोसा करैत छथि, जे रथ पर भरोसा करैत छथि, कारण ओ बहुत अछि आ घुड़सवार पर भरोसा करैत छथि, किएक तँ ओ बहुत बलवान छथि, मुदा इस्राएलक पवित्र परमेश् वर दिस नहि तकैत छथि।" वा प्रभु सँ परामर्श करू!"

2: भजन 20:7 - "किछु रथ पर भरोसा करैत अछि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।"

यिर्मयाह 2:19 तोहर अपन दुष्टता तोरा सुधारत, आ तोहर पाछू हटब तोरा डाँटत सेना के प्रभु परमेश् वर।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ओकरा सिनी कॅ ओकरो बुराई आरु पीछे हटै के कारण सुधारलौ जैतै, आरु परमेश् वर कॅ छोड़ना बुराई आरु कटु छै।

1. पाछू हटबाक परिणाम: यिर्मयाह 2:19 सँ सीखब

2. परमेश् वर केँ छोड़बाक कटु स्वाद: यिर्मयाह 2:19 केँ बुझब

1. नीतिवचन 1:32 - किएक तँ सरल लोकक मुँह घुमा देब ओकरा सभ केँ मारि देतैक, आ मूर्ख सभक समृद्धि ओकरा सभ केँ नष्ट क’ देतैक।

2. इब्रानियों 10:26-27 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि कऽ जानि-बुझि कऽ पाप करब तँ पापक लेल आब बलिदान नहि रहत, बल् कि एकटा भयावह न् याय आ आगि सन क्रोधक प्रतीक्षा रहत, जे विरोधी सभ केँ खा जायत.

यिर्मयाह 2:20 पहिने सँ हम अहाँक जुआ तोड़ि देलहुँ आ अहाँक पट्टी फाड़ि देलहुँ। अहाँ कहलहुँ जे हम उल्लंघन नहि करब। जखन हर ऊँच पहाड़ी पर आ हरियर गाछक नीचाँ अहाँ वेश्यावृत्ति करैत भटकैत छी।

परमेश् वर इस्राएली सभक जुआ आ पट्टी तोड़ि देने छथि, मुदा ओ सभ भटकैत रहैत छथि आ मूर्तिपूजा करैत रहैत छथि।

1. भगवानक दया हमरा लोकनिक अविश्वासक बादो टिकैत अछि

2. मूर्तिपूजासँ टूटल प्रतिज्ञा होइत अछि

२.

2. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ खोजू। जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, तखन ओ चलि जेताह।" हुनका पर दया करू, आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

838

यिर्मयाह 2:21 तइयो हम अहाँ केँ एकटा उदात्त बेल रोपने छलहुँ, जे पूर्णतः सही बीया छल, तखन अहाँ हमरा लेल एकटा पराया बेल केर क्षीण पौधा मे कोना बदलि गेलहुँ?

भगवान् एकटा उदात्त बेल रोपने छलाह, मुदा हुनकर लोक एकटा अजीब बेल के पतित पौधा बनि गेल छल |

1. भगवानक लोक: कुलीन सँ पतित धरि

2. अपन जड़ि केँ मोन राखब आ भगवानक प्रति वफादार रहब

1. यिर्मयाह 2:21

2. मत्ती 15:13 - हमर स्वर्गीय पिता जे कोनो पौधा नहि रोपने छथि, से जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत।

यिर्मयाह 2:22 जँ अहाँ नाइट्रे सँ धोबैत छी आ बेसी साबुन लऽ लैत छी, मुदा अहाँक अधर्म हमरा सोझाँ चिन्हित अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के सर्वज्ञता आरू हमरऽ पापऽ के बारे म॑ हुनकऽ न्याय के बात करै छै ।

1. "अविस्मरणीय पाप: भगवानक अंतहीन स्मृति"।

2. "साबुन आ नाइट्रे के अप्रत्याशित शक्ति: भगवान के धारणा पर एकटा चिंतन"।

1. भजन 139:1-4

2. इब्रानियों 4:13-16

यिर्मयाह 2:23 अहाँ कोना कहि सकैत छी जे, हम दूषित नहि छी, हम बालिमक पाछाँ नहि गेलहुँ? घाटी मे अपन बाट देखू, जानि लिअ जे अहाँ की केलहुँ, अहाँ एकटा तेज ड्रोमेडर छी जे ओकर बाट पर घुमैत अछि।

भगवान सवाल उठबैत छथि जे जखन ओ घाटी मे हुनकर काज देखने छथि तखन लोक हुनकर मूर्तिपूजा के किएक नकारैत छथि |

1. इनकार के खतरा: घाटी में अपन रास्ता परखब

2. पाप के तेज: हमर रास्ता के पार करय वाला एकटा ड्रोमेडरी

1. रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

2. याकूब 1:14-15 - मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि। तखन इच्छाक गर्भधारणक बाद पापक जन्म होइत छैक; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

यिर्मयाह 2:24 जंगल मे अभ्यस्त जंगली गदहा, जे अपन इच्छानुसार हवा केँ दबा दैत अछि। ओकर अवसर मे ओकरा के घुमा सकैत अछि? जे सभ ओकरा तकैत अछि, से सभ अपना केँ थाकि नहि लेत। ओकर मास मे ओ सभ ओकरा पाबि लेत।

भगवानक लोक जंगली गदहा जकाँ, बेकाबू आ स्वतंत्र अछि।

1: भगवान हमरा सब के स्वतंत्रता दैत छथि आ याद दिलाबैत छथि जे जीवन में अपन पसंद के लेल अंततः हम जिम्मेदार छी।

2: हमरा सभ केँ भगवान् द्वारा देल गेल स्वतंत्रताक लेल धन्यवाद देबाक चाही, आ हुनकर सम्मान करबाक लेल जिम्मेदारी सँ काज करबाक चाही।

1: यशायाह 61:1 - "परमेश् वर परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; किएक तँ प्रभु हमरा नम्र सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि; ओ हमरा पठौलनि अछि जे हम टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि दियौक, बंदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करी आ।" जे बान्हल अछि तकरा लेल जेल खोलब।"

2: गलाती 5:1 - "तेँ ओहि स्वतंत्रता मे ठाढ़ रहू जाहि सँ मसीह हमरा सभ केँ मुक्त कयलनि अछि, आ फेर दासताक जुआ मे नहि फँसि जाउ।"

यिर्मयाह 2:25 अपन पैर केँ जूता खोलबा सँ रोकू आ गला केँ प्यास सँ रोकू। किएक तँ हम परदेशी सभसँ प्रेम कएने छी आ ओकर पाछाँ चलब।”

यिर्मयाह इस्राएल के लोगऽ क॑ अपनऽ पाप केरऽ रास्ता स॑ मुड़ै के सलाह दै छै, जेकरा म॑ ओकरा चेतावनी देलऽ जाय छै कि अगर वू नै करतै त॑ ओकरा प्यास आरू बिना उचित जूता के परिणाम भोगना पड़ी जैतै ।

1. "अजनबी सँ प्रेम करबाक खतरा: यिर्मयाह 2:25"।

2. "पाप सँ मुड़ब: यिर्मयाह 2:25"।

1. रोमियो 8:13 - जँ अहाँ शरीरक अनुसार जीबैत छी तँ मरब, मुदा जँ आत् माक द्वारा शरीरक कर्म केँ मारि देब तँ अहाँ जीवित रहब।

2. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओ लोक जिनका ओ अपन धरोहरक रूप मे चुनने छथि!

यिर्मयाह 2:26 जेना चोर भेटला पर लाज होइत अछि, तहिना इस्राएलक घराना सेहो लाज होइत अछि।
ओ सभ, ओकर राजा, ओकर राजकुमार, ओकर पुरोहित आ ओकर भविष्यवक्ता।

परमेश् वर इस्राएल सँ नाराज होय जाय छै जबे ओकरोॅ नेता आरू लोग ओकरा सँ करलोॅ वाचा पर खरा नै उतरै छै।

1: भगवान् तखन नाराज होइत छथि जखन हुनकर लोक हुनका संग अपन वाचाक आदर नहि करैत छथि।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे परमेश् वर हमरा सभ सँ अपेक्षा करैत छथि जे हम सभ हुनका संग कयल गेल वाचाक प्रति वफादार रहब।

1: यहोशू 24:15 - मुदा जँ अहाँ सभ केँ परमेश् वरक सेवा करब अवांछनीय बुझाइत अछि तँ आइ अपना लेल चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब, चाहे अहाँ सभक पूर्वज यूफ्रेटिस नदीक ओहि पार जे देवता सभक सेवा केने छलाह, वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ छी रहनाइ. मुदा हम आ हमर घरक लोक परमेश् वरक सेवा करब।

2: इब्रानी 12:28-29 - तेँ, चूँकि हमरा सभ केँ एहन राज्य भेटि रहल अछि जे हिलल नहि जा सकैत अछि, तेँ हम सभ धन्यवादक पात्र रही, आ एहि तरहेँ परमेश् वरक आदर आ भय सँ स्वीकार्य रूप सँ आराधना करी, किएक तँ हमर सभक परमेश् वर एकटा भस्म करयवला आगि छथि।

यिर्मयाह 2:27 एकटा स्टॉक केँ कहलथिन, “अहाँ हमर पिता छी। एकटा पाथर पर, “अहाँ हमरा बाहर अनलहुँ, किएक तँ ओ सभ हमरा दिस पीठ फेरलक, अपन मुँह नहि।”

इस्राएल के लोग परमेश् वर सँ मुँह मोड़ि लेलक अछि, तइयो विपत्तिक समय मे ओ सभ एखनो मानैत अछि जे ओ ओकरा सभ केँ बचा सकैत अछि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ब

2. मनुष्यक चंचलता

840

1. यशायाह 30:15 - किएक तँ इस्राएलक पवित्र प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। वापसी आ विश्राम मे अहाँ सभक उद्धार होयत। चुपचाप आ आत्मविश्वास मे अहाँक ताकत होयत।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यिर्मयाह 2:28 मुदा अहाँक देवता कतय छथि जे अहाँ अहाँ केँ बनौने छी? जँ अहाँक विपत्तिक समय मे अहाँ केँ बचा सकैत अछि तँ ओ सभ उठि जाउ।

परमेश् वर यहूदा के आवाज दै छै, ई पूछै छै कि ओकरऽ देवता कहाँ छै जे वू खुद लेली बनैलकै आरू ओकरा सिनी कॅ चुनौती दै छै कि वू ओकरा सिनी कॅ ओकरोॅ विपत्ति के समय में बचाबै, कैन्हेंकि यहूदा में ओतने देवता छै, जेतना कि यहूदा में शहर छै।

1. झूठ मूर्ति पर भरोसा नहि करू, ओकर बदला मे भगवान पर भरोसा करू

2. मूर्तिपूजाक खतरा

1. निर्गमन 20:3 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. भजन 115:8 - जे ओकरा सभ केँ ओकरा सभ जकाँ बनबैत अछि; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

यिर्मयाह 2:29 अहाँ सभ हमरा सँ किएक निहोरा करब? अहाँ सभ हमरा विरुद्ध उल्लंघन केलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक पर आरोप लगबैत छथि जे सभ हुनका पर उल्लंघन केने छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 2:29 के अध्ययन

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालनक महत्व

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा मार्गदर्शन करैत छैक, मुदा विश्वासघाती सभक कुटिलता ओकरा नष्ट क’ दैत छैक।

यिर्मयाह 2:30 हम अहाँक बच्चा सभ केँ व्यर्थ मे मारि देलहुँ। ओकरा सभ केँ कोनो सुधार नहि भेटलैक।

प्रभु इस्राएल के बच्चा सिनी कॅ मारलकै लेकिन ओकरा सिनी कॅ सुधार नै मिललै, बल्कि ओकरोॅ आपनो तलवार ओकरोॅ भविष्यवक्ता सिनी कॅ खा गेलै।

1: जखन परमेश् वरक लोक हुनकर सुधार पर ध्यान देबासँ मना कऽ दैत छथि तँ एहिसँ पैघ त्रासदी कोनो नहि।

2: हमरा सभ केँ प्रभु सँ सुधार स्वीकार करबाक लेल तैयार रहबाक चाही, कहीं हमर सभक अपन घमंडी हृदय सँ हमर सभक विनाश नहि भ' जाय।

1: नीतिवचन 13:18 - जे अनुशासनक अवहेलना करैत अछि, ओ गरीबी आ लाज मे अबैत अछि, मुदा जे सुधार पर ध्यान दैत अछि, ओकर सम्मान होइत अछि।

2: इब्रानी 12:5-11 - आ की अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटाक रूप मे संबोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ ने हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि आ जे पुत्र केँ ग्रहण करैत छथि तकरा दंडित करैत छथि। अनुशासन लेल अछि जे सहय पड़त। भगवान् अहाँ सभ केँ बेटा जकाँ व्यवहार क' रहल छथि। किएक तँ एहन कोन पुत्र अछि जकरा पिता अनुशासित

841

नहि करैत अछि? जँ अहाँ अनुशासनहीन रहि गेल छी, जाहि मे सब भाग लेने छी, तखन अहाँ नाजायज संतान छी बेटा नहि। एकर अतिरिक्त हमरा सभक पार्थिव पिता सेहो रहल छथि जे हमरा सभकेँ अनुशासित करैत छलाह आ हम सभ हुनका सभक आदर करैत छलहुँ । की हम सभ एहि सँ बेसी आत् माक पिताक अधीन नहि रहब आ जीबैत रहब? कारण, ओ सभ हमरा सभ केँ कम समय लेल अनुशासित कयलनि जेना हुनका सभ केँ नीक लागल, मुदा ओ हमरा सभक भलाईक लेल अनुशासित करैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनकर पवित्रता मे भागि सकब।

यिर्मयाह 2:31 हे पीढ़ी, प्रभुक वचन देखू। की हम इस्राएलक लेल जंगल बनल छी? अन्हारक भूमि? तेँ हमर लोक कहैत अछि जे हम सभ प्रभु छी। हम सभ आब अहाँक लग नहि आयब?

परमेश् वर लोक सभ सँ पूछि रहल छथि जे ओ सभ हुनका लग घुरबा सँ किएक मना कऽ दैत छथि, बावजूद एकर जे ओ इस्राएलक लेल जंगल वा अन्हारक भूमि नहि रहलाह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम - यिर्मयाह 2:31 पर चिंतन करब

2. परमेश् वर दिस घुरब - यिर्मयाह 2:31 पर एकटा चिंतन

1. इजकिएल 18:23 - "की हमरा कोनो प्रसन्नता अछि जे दुष्ट मरि जाय? प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, आ ई नहि जे ओ अपन बाट सँ घुरि क' जीवित भ' जाय?"

2. होशे 6:1 - "आउ, हम सभ प्रभु लग घुरि जाइ। किएक तँ ओ हमरा सभकेँ नोचि देलक आ ओ हमरा सभकेँ ठीक करत। ओ हमरा सभकेँ मारि देलक आ ओ हमरा सभकेँ बान्हि देत।"

यिर्मयाह 2:32 की दासी अपन आभूषण बिसरि सकैत अछि आ कनियाँ अपन परिधान बिसरि सकैत अछि? तैयो हमर लोक हमरा दिन बिसरि गेल अछि।

परमेश् वरक लोक हुनका बिसरि गेल छथि, हुनका सभक प्रति हुनकर स्थायी प्रेमक बादो।

1: भगवानक प्रेम अटूट अछि आ हमरा सभकेँ ओकरा वापस करबाक मोन राखबाक चाही।

2: क्षमा एकटा एहन उपहार अछि जे परमेश् वर अर्पित करैत रहैत छथि, हमरा सभक आज्ञा नहि मानलाक बादो।

1: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, प्रेम मे भरपूर छथि। ओ सदिखन आरोप नहि लगाओत, आ ने अपन क्रोध केँ सदाक लेल पनाह देत; ओ हमरा सभ केँ ओहिना व्यवहार नहि करैत अछि जेना हमर सभक पापक हकदार अछि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत अछि।

यिर्मयाह 2:33 प्रेमक खोज करबाक लेल अहाँ अपन बाट किएक छंटनी करैत छी? तेँ अहाँ दुष्ट सभ केँ सेहो अपन बाट सिखबैत छी।

परमेश् वर सवाल करै छै कि लोग सब गलत जगह पर प्रेम के खोज कियैक करै छै, एतना तक कि दुष्ट सिनी कॅ ओकरो रास्ता सिखाबै छै।

1. गलत जगह पर प्रेमक खोज: भगवानक चेतावनी

2. गलत मार्ग पर चलब: भगवानक प्रेमक उपेक्षा करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. 1 यूहन्ना 4:7-8 - प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वरक अछि। जे प्रेम करैत अछि से परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश्वर केँ नहि जनैत अछि। किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

यिर्मयाह 2:34 अहाँक वस्त्र मे गरीब निर्दोष सभक प्राणक खून भेटैत अछि।

परमेश् वर इस्राएल के स्कर्ट में निर्दोष गरीबऽ के खून ओकरा सिनी के अन्यायपूर्ण काम के परिणामस्वरूप मिललऽ छै ।

1. "परमेश् वर सभ किछु देखैत छथि: यिर्मयाह 2:34 पर क"।

2. "इस्राएली सभक अन्यायपूर्ण काज: यिर्मयाह 2:34 पर क"।

1. यशायाह 1:17 - "नीक काज करब सीखू; न्यायक खोज करू, अत्याचार केँ सुधारू; अनाथ केँ न्याय करू, विधवाक पक्ष मे गुहार लगाउ।"

2. नीतिवचन 21:3 - "बलिदान सँ बेसी धर्म आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

यिर्मयाह 2:35 तइयो अहाँ कहैत छी जे, “हम निर्दोष छी, तेँ हुनकर क्रोध हमरा दिस सँ घुरि जायत।” देखू, हम अहाँ सँ विनती करब, कारण अहाँ कहैत छी जे हम पाप नहि केलहुँ।”

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ चुनौती द॑ रहलऽ छै, जे अपनऽ निर्दोष होय के दावा करै छै, कि हुनी ई बात क॑ स्वीकार करै कि हुनी पाप करी चुकलऽ छै ।

1. अपन पाप के चिन्हब आ क्षमा के मांग करब

2. भगवानक दया आ कृपा केँ बुझब

1. यशायाह 53:5-6 - मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

2. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

यिर्मयाह 2:36 अहाँ अपन बाट बदलबाक लेल एतेक किएक गड़बड़ा रहल छी? अश्शूर पर जेना लाज होइत छल, तहिना अहाँ मिस्र पर सेहो लजब।

भगवान तखन निराश भ जाइत छथि जखन लोक हुनकर पालन करबाक बजाय दुनिया मे फिट होबय लेल अपन तरीका बदलैत छथि।

1: हमरा सभकेँ अपन विश्वासमे दृढ़ रहबाक चाही आ संसारक प्रलोभनसँ नहि डोलबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे भगवानक शिक्षा पर लाज नहि करब आ संसारक शिक्षाक बदला ओकर पालन करब।

1: यशायाह 30:1-2 - "धिक्कार अछि विद्रोही बच्चा सभक लेल, जे विद्रोही बच्चा सभक लेल धिक्कार अछि, प्रभु कहैत छथि, जे सभ सलाह दैत छथि, मुदा हमरा सँ नहि, आ जे आवरण सँ झाँपैत छथि, मुदा हमर आत् मा सँ नहि, जाहि सँ ओ सभ पाप मे पाप जोड़ि सकथि।" " .

2: याकूब 4:4 - "हे व्यभिचारी आ व्यभिचारी, अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे संसारक दोस्ती परमेश् वरक संग वैरभाव अछि? तेँ जे संसारक मित्र बनय चाहैत अछि, ओ परमेश् वरक शत्रु अछि।"

यिर्मयाह 2:37 हँ, अहाँ हुनका सँ बाहर निकलि जायब आ अपन हाथ माथ पर राखि जायब, किएक तँ प्रभु अहाँक विश्वास केँ अस्वीकार क’ देलनि, आ अहाँ ओकरा मे सफल नहि होयब।

भगवान् हमरा सभक पापपूर्ण काज केँ अस्वीकार क' देने छथि, आ ई हमरा सभ केँ सफलता नहि देत।

1: हमरा लोकनि केँ अपन बल मे सफलता नहि भेटि सकैत अछि; भगवान् के द्वारा ही हम सच्चा सफलता प्राप्त कर सकते हैं |

2: हमर सभक पापपूर्ण काज अल्पकालिक रूपेँ फायदेमंद बुझाइत होयत, मुदा अंत मे, ई हमरा सभ केँ मात्र लाज आ पछतावा देत।

1: नीतिवचन 16:25 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2: यशायाह 55:8-9 - "किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

यिर्मयाह अध्याय 3 यिर्मयाह के भविष्यवाणी संदेश के जारी रखै छै, जे इस्राएल के बेवफाई आरू पश्चाताप आरू पुनर्स्थापन के लेलऽ परमेश्वर के आह्वान पर केंद्रित छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इस्राएल के अविश्वास आरू आध्यात्मिक व्यभिचार के प्रति अपनऽ निराशा व्यक्त करै स॑ होय छै (यिर्मयाह 3:1-5)। ओ इस्राएल के तुलना एकटा अविश्वासी पत्नी सँ करैत छथि जे आन देवताक संग व्यभिचार केने छथि | हुनकऽ मूर्तिपूजा के बावजूद, परमेश् वर हुनका सिनी क॑ अपनऽ पास वापस आबै लेली बोलै छै, ई घोषणा करी क॑ कि हुनी दयालु छै आरू अगर वू पश्चाताप करै छै त॑ क्षमा करै लेली तैयार छै ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह इस्राएल केरऽ कामऽ के विश्वासघाती प्रकृति के तुलना यहूदा केरऽ पश्चाताप केरऽ बेईमान प्रयास स॑ करी क॑ उजागर करै छै (यिर्मयाह ३:६-१०)। ओ प्रकट करैत छथि जे भले यहूदा इस्राएलक अविश्वासक परिणामक गवाह बनल छल, मुदा ओ सभ एहि सँ कोनो सीख नहि लेलक। भगवान् केँ तकबाक नाटक करैत ओ सभ अपन दुष्टता मे आगू बढ़ैत रहलाह। प्रभु घोषणा करै छै कि ओकरऽ काम अविश्वासी इस्राएल के काम सें भी बुरा छै।

3 पैराग्राफ: अध्याय के समापन सच्चा पश्चाताप के आह्वान आरू मेल-मिलाप के आमंत्रण के साथ होय छै (यिर्मयाह 3:11-25)। यहूदा के बेवफाई के बावजूद, परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ आग्रह करै छै कि वू अपनऽ अपराध के स्वीकार करी क॑ ओकरा पास वापस आबी जाय। ओ वादा करैत छथि जे जखन ओ सभ ईमानदारी सँ पाछू घुमि जायत तखन अपन लोक सभ केँ जाति सभक बीच सँ एकत्रित कयल जायत। प्रभु अपनऽ लोगऽ के साथ पुनर्स्थापित संबंध के लेलऽ अपनऽ लालसा भी व्यक्त करै छै, जहाँ यरूशलेम क॑ "प्रभु के सिंहासन" कहलऽ जैतै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के अध्याय तीन इस्राएल के अविश्वास आरू परमेश् वर के पश्चाताप आरू पुनर्स्थापन के आह्वान पर केंद्रित छै।परमेश् वर हुनका सिनी के आध्यात्मिक व्यभिचार के कारण निराशा व्यक्त करै छै आरू हुनका वास्तविक पश्चाताप के माध्यम स॑ वापस आबै लेली बोलै छै। यिर्मयाह यहूदा के परमेश्वर के खोज करै के प्रयास के बेईमानी पर प्रकाश डालै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ तुलना अविश्वासी इस्राएल के साथ प्रतिकूल रूप स॑ करलऽ गेलऽ छै।
एकरऽ बावजूद भगवान मेल-मिलाप के आमंत्रण दै छै, क्षमा आरू बहाली के वादा करै छै जब॑ वू ईमानदारी स॑ पीछे मुड़ै छै ।

अध्याय सच्चा पश्चाताप के महत्व पर जोर दै छै आरू परमेश् वर के अपनौ लोगौ के साथ नवीन संबंध के इच्छा के चित्रण करै छै।ई अविश्वास के खिलाफ चेतावनी आरू निश्छल पश्चाताप के माध्यम स॑ मेलमिलाप के आमंत्रण दूनू के काम करै छै।

यिर्मयाह 3:1 ओ सभ कहैत अछि, “जँ केओ अपन पत्नी केँ छोड़ि दैत अछि आ ओ ओकरा सँ चलि जाइत अछि आ दोसर पुरुषक भ’ जाइत अछि त’ की ओ फेर ओकरा लग घुरि जायत?” की ओ भूमि बहुत प्रदूषित नहि होयत? मुदा अहाँ कतेको प्रेमी-प्रेमिकाक संग वेश्यावृत्ति केलहुँ। तइयो हमरा लग फेर घुरि जाउ, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक इस्राएल सँ बात कऽ रहल छथि आ पूछि रहल छथि जे जखन कि ओ हुनका सभक प्रति वफादार रहलाह तखन ओ सभ हुनका प्रति बेवफा किएक रहलाह। ओ हुनका लोकनिक एहि प्रथा केँ चुनौती दैत छथि जे पुरुष केँ अपन पत्नी सँ तलाक द' क' दोसर विवाह करबाक अनुमति देल जाइत छैक, कारण एहि सँ जमीन मे बहुत प्रदूषण होइत छैक | ओ कहैत छथि जे ओ सभ हुनका लग घुरि जाथि।

1. भगवान् के निष्ठा आ मनुष्य के अविश्वास

2. तलाक के परिणाम
844

1. मत्ती 19:3-9; विवाहक अविच्छिन्नता पर यीशुक शिक्षा

2. मलाकी 2:16; विश्वासी पत्नी के तलाक देबय के खिलाफ भगवान के चेतावनी

यिर्मयाह 3:2 ऊँच स्थान पर अपन नजरि उठाउ आ देखू जे अहाँ कतय नहि पड़ल छी। अहाँ हुनका सभक लेल बाट मे बैसल छी, जेना जंगल मे अरबी। अहाँ अपन वेश्यावृत्ति आ दुष्टता सँ देश केँ अशुद्ध कयलहुँ।

ई अंश ओहि तरहक बात करैत अछि जाहि सँ इस्राएलक लोक परमेश् वरक प्रति बेवफा रहल छल।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान - परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका दिस घुमबाक लेल बजबैत छथि आ अपन पापपूर्ण बाट सभ सँ दूर भ' जायब।

2. धर्मक मार्ग पर वापसी - भगवान् केँ प्रसन्न करयवला जीवन जीबय मे हमरा लोकनि सच्चा आनन्द आ शांति पाबि सकैत छी।

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. भजन 51:10-12 - "हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदयक सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सत् य आत् मा केँ नव बनाउ। हमरा अपन सोझाँ सँ दूर नहि फेकि दिअ। आ अपन पवित्र आत् मा हमरा सँ नहि छीनू। हमरा लेल आनन्द फेर सँ दिअ।" अपन उद्धारक लेल, आ अपन मुक्त आत् मा सँ हमरा सहारा दिअ।”

यिर्मयाह 3:3 तेँ बरखा रोकल गेल अछि आ बाद मे बरखा नहि भेल अछि। आ अहाँक कपार वेश्या छल, अहाँ लाज करबा सँ मना क' देलहुँ।

लोकक बेवफाईक कारणेँ प्रभु बरखा आ बादक बरखा रोकने छथि ।

1. पश्चाताप करबा सँ मना करब आ परमेश्वरक आशीर्वाद प्राप्त करब

2. आध्यात्मिक व्यभिचार के परिणाम

१.

2. नीतिवचन 1:24-27 - किएक तँ हम बजौलहुँ, आ अहाँ सभ मना कऽ देलहुँ। हम अपन हाथ पसारि लेने छी, आ ककरो कोनो परवाह नहि। मुदा ओ सभ सुनबा सँ मना कऽ कऽ कान्ह खींच लेलक आ कान रोकि लेलक जे सुनय नहि।

यिर्मयाह 3:4 की अहाँ एखनहि सँ हमरा नहि पुकारब, “हे पिता, अहाँ हमर युवावस्थाक मार्गदर्शक छी?”

यिर्मयाह 3:4 मे, भविष्यवक्ता परमेश्वर केँ आवाज दैत छथि, ई पूछैत छथि जे की ओ एहि बिन्दु सँ आगू अपन जीवन मे मार्गदर्शक उपस्थिति नहि बनताह।

1. "हमर युवावस्थाक पिता: भगवान् मे ताकत आ दिशा पाब"।

2. "अपन पिता केँ पुकारब: यिर्मयाहक मार्गदर्शनक आह्वान"।

1. भजन 32:8 - "हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखाबब; हम अहाँ पर अपन नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।"

2. नीतिवचन 22:6 - "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही; जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखनो ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

यिर्मयाह 3:5 की ओ अपन क्रोध सदाक लेल सुरक्षित राखत? की ओ एकरा अंत धरि राखि लेत? देखू, अहाँ जेना भ' सकैत छल, अधलाह बात बाजल आ केलहुँ।

भगवान् केरऽ क्रोध हमेशा लेली नै रहतै आरू हुनकऽ दया बढ़ी जैतै ।

1. परमेश् वरक दया अनन्त काल धरि रहैत अछि - भजन 103:17

2. हुनकर प्रेम अनन्त काल धरि टिकैत अछि - भजन 136:1

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि।"

2. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

यिर्मयाह 3:6 राजा योशियाहक समय मे परमेश् वर हमरा कहलथिन, “की अहाँ देखलहुँ जे पाछू हटि कऽ इस्राएल द्वारा कयल गेल अछि? ओ हर ऊँच पहाड़ आ हरियर गाछक नीचाँ चढ़ि गेल छथि आ ओतय वेश्यावृत्ति केने छथि।

परमेश् वर इस्राएल केँ आत् मक व्यभिचारक कारणेँ डाँटि देलथिन, ओ सभ ऊँच पहाड़ आ हरियर-हरियर गाछक नीचाँ झूठ देवता सभक आराधना करबाक लेल चलि गेलाह।

1. भगवान् सँ मोन सँ प्रेम करू: आध्यात्मिक व्यभिचारक खतरा

2. अपन वाचा के पालन करब: पाछू हटला के परिणाम

1. व्यवस्था 5:7-9 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. 2 कोरिन्थी 11:2-3 - हम अहाँ सभक लेल ईर्ष्या करैत छी, एकटा ईश्वरीय ईर्ष्याक संग। हम अहाँ केँ एक पति सँ, मसीह सँ प्रतिज्ञा केने रही, जाहि सँ हम अहाँ केँ हुनका लग शुद्ध कुमारि बनि क’ प्रस्तुत क’ सकब।

यिर्मयाह 3:7 ओ ई सभ काज केलाक बाद हम कहलियनि, “अहाँ हमरा दिस घुमि जाउ।” मुदा ओ नहि घुरि गेलीह। ओकर विश्वासघाती बहिन यहूदा देखलकै।

परमेश् वरक निहोराक बादो यहूदा बेवफा रहल आ पश्चाताप करबा सँ मना कऽ देलक।

1) अविश्वास के सामने भगवान के बिना शर्त प्रेम और दया |

2) प्रतिरोध के बावजूद पश्चाताप के आह्वान

1) विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि।"

2) इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ जे अपराध कयल अछि, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ कऽ अपना लेल नव हृदय आ नव आत् मा पाबि। हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?”

यिर्मयाह 3:8 हम देखलहुँ जे जखन पाछू हटि रहल इस्राएल व्यभिचार केलक ताहि सभ कारणेँ हम ओकरा छोड़ि देलियैक आ तलाकक पत्र द’ देलियैक। तैयो ओकर विश्वासघाती बहिन यहूदा डरैत नहि छल, बल् कि जा कऽ वेश्यावृत्ति सेहो कऽ लेलक।

इस्राएल के बहिन यहूदा, इस्राएल के परमेश् वर द्वारा तलाक के बिल के साथ छोड़ी देला के बावजूद व्यभिचार करलकै।

1. "व्यभिचार के परिणाम"।

2. "भगवानक आज्ञा नहि मानबाक खतरा"।

२.

2. नीतिवचन 7:22-23 एकहि बेर ओ ओकर पाछाँ-पाछाँ चलल, जेना बैल वध मे जाइत अछि, वा हरण केँ ताबत धरि पकड़ल जाइत अछि जाबत धरि बाण ओकर यकृत नहि छेदैत अछि। जेना चिड़ै जाल मे दौड़ैत अछि; ओकरा नहि बुझल छलैक जे एहि सँ ओकर जान चलि जायत।

यिर्मयाह 3:9 अपन वेश्यावृत्तिक हल्लुकताक कारणेँ ओ देश केँ अशुद्ध क’ देलनि आ पाथर आ कोठली सँ व्यभिचार कयलनि।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर अविश्वास आ मूर्तिपूजाक लेल सजा देलथिन आ ओकरा सभ केँ बंदी मे ल' जेबाक अनुमति देलनि।

1. मूर्तिपूजा के परिणाम: इस्राएल के गलती स सीखब

2. भगवान् केँ सबसँ पहिने राखब: प्रभुक संग धार्मिक संबंध कोना बनाबी

1. रोमियो 6:16 पाप केँ अपन नश्वर शरीर मे राज नहि करय दियौक, जाहि सँ अहाँ ओकर दुष्ट इच्छाक पालन करब

2. निर्गमन 20:3 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

यिर्मयाह 3:10 मुदा तैयो एहि सभक लेल ओकर विश्वासघाती बहिन यहूदा अपन पूरा मोन सँ हमरा दिस नहि घुरल अछि, बल्कि नकली ढंग सँ, प्रभु कहैत छथि।

यहूदा केरऽ पूर्ण भक्ति आरू आज्ञाकारिता के कमी स॑ परमेश् वर नाराज छै ।

1. परमेश् वरक पूर्ण मनसँ आज्ञापालन करबाक शक्ति

2. आज्ञा नहि मानलाक बादो परमेश् वरक क्षमा

1. व्यवस्था 10:12-13 आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ सभक संग अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक अपन हृदय आ पूरा आत्मा सँ।

2. रोमियो 6:16 की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे जँ अहाँ सभ अपना केँ ककरो आज्ञाकारी दासक रूप मे प्रस्तुत करैत छी तँ अहाँ सभ ओहि व्यक्तिक गुलाम छी जकर आज्ञा मानैत छी, या त’ पापक दास छी, जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि, वा आज्ञापालनक, जे धार्मिकता दिस लऽ जाइत अछि?

यिर्मयाह 3:11 परमेश् वर हमरा कहलथिन, “पछुआएल इस्राएल अपना केँ विश्वासघाती यहूदा सँ बेसी धर्मी ठहरौलक अछि।”

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात करै छै, इस्राएल आरू यहूदा के तुलना करै छै आरू ई नोट करै छै कि इस्राएल यहूदा स॑ भी जादा बेवफा रहलै।

1: परमेश् वर अपन लोक सभ सँ निष्ठा आ निष्ठा ताकि रहल छथि, आ हमरा सभ केँ हुनकर आज्ञाकारी आ विश्वासी बनबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभक असफलताक बादो हमरा सभक प्रति भगवानक प्रेम आ दया एखनो स्पष्ट अछि। हमरा सभ केँ हुनका सँ मेल-मिलाप करबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन पापपूर्ण मार्ग सँ मुँह मोड़बाक चाही।

1: 2 इतिहास 7:14 - जँ हमर लोक जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत, आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकैत अछि आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि जायत, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब आ ओकर पाप क्षमा करब आ ओकर देश केँ ठीक करब।

2: 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

यिर्मयाह 3:12 जाउ आ उत्तर दिस ई बात सभ प्रचार करू आ कहब जे, हे पछुआएल इस्राएल, घुरि जाउ, परमेश् वर कहैत छथि। हम अहाँ सभ पर अपन क्रोध नहि खसब, किएक तँ हम दयालु छी, हम सदिखन क्रोध नहि राखब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ हुनका लग घुरबाक आज्ञा दैत छथि आ वादा करैत छथि जे हुनका सभ केँ क्षमा करब आ अपन क्रोध केँ अनन्त काल धरि नहि पकड़ने।

1. "प्रभु सदिखन दयालु छथि: यिर्मयाह 3:12 मे परमेश्वरक क्षमाक अध्ययन"।

2. "प्रभु के पास वापसी: यिर्मयाह 3:12 मे पश्चाताप आ दया के अध्ययन"।

1. भजन 86:5 - "किएक तँ, प्रभु, अहाँ नीक छी, आ क्षमा करबाक लेल तैयार छी; आ जे सभ अहाँ केँ पुकारैत अछि, तकरा पर दयाक प्रचुरता अछि।"

2. यशायाह 54:7-8 - "हम अहाँ केँ थोड़ेक काल लेल छोड़ि देलहुँ; मुदा हम अहाँ केँ बहुत दया सँ जमा करब। कनेक क्रोध मे हम अहाँ सँ क्षण भरि लेल अपन मुँह नुका लेलहुँ; मुदा अनन्त दया सँ हम दया करब।" तोरा पर, तोहर मुक्तिदाता परमेश् वर कहैत छथि।”

यिर्मयाह 3:13 मात्र अपन अपराध केँ स्वीकार करू जे अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक विरुद्ध उल्लंघन केलहुँ आ हरियर गाछक नीचाँ परदेशी सभक बीच अपन बाट छिड़िया देलहुँ आ हमर बात नहि मानलहुँ, प्रभु कहैत छथि।

प्रभु के विरुद्ध अपन अधर्म के स्वीकार करू आ हुनका विरुद्ध अपराध के लेल पश्चाताप करू।

1. मोन राखू जे भगवान सदिखन देखैत रहैत छथि आ आज्ञा नहि मानबाक लेल ठाढ़ नहि हेताह।

2. अपन पापक लेल पश्चाताप करू आ क्षमाक लेल प्रभु दिस घुरि जाउ।

1. इब्रानी 10:26-27 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत.

२.

यिर्मयाह 3:14 हे पछुआएल बच्चा सभ, घुमू, प्रभु कहैत छथि। हम अहाँ सभ सँ विवाह कऽ लेने छी, आ हम अहाँ सभ केँ एक नगरक आ दू गोटे केँ एक परिवार मे सँ लऽ कऽ अहाँ सभ केँ सियोन लऽ जायब।

परमेश् वर पिछड़ल बच्चा सभ केँ कहैत छथि जे हुनका दिस घुरि जाउ आ ओ हुनका सभ केँ सिय्योन ल' जेताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति मोक्षदायक प्रेम

2. पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक आह्वान

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. रोमियो 10:9-10 - जँ अहाँ अपन मुँह सँ प्रभु यीशु केँ स्वीकार करब आ अपन हृदय मे विश्वास करब जे परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जिया देलनि तँ अहाँ उद्धार पाबि जायब। किएक तँ मनुष् य हृदय सँ धार्मिकताक लेल विश् वास करैत अछि। आ मुँह सँ मुक्ति लेल स्वीकार कयल जाइत अछि।

यिर्मयाह 3:15 हम अहाँ सभ केँ अपन हृदयक अनुसार चरवाहा देब, जे अहाँ सभ केँ ज्ञान आ समझ सँ पोसत।

परमेश् वर पादरी सिनी कॅ सही तरह के ज्ञान आरू समझ प्रदान करै के वादा करै छै।

1: भगवान् बुद्धि प्रदान करय लेल वफादार छथि

2: पास्टर मे परमेश् वरक बुद्धिक खोज

1: याकूब 1:5-6 - "अहाँ सभ मे सँ जँ कोनो बुद्धिक अभाव अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निन्दाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

2: नीतिवचन 2:6-9 - "किएक तँ प्रभु बुद्धि दैत छथि; हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि; ओ सोझ लोकक लेल सद्बुद्धि जमा करैत छथि; ओ निष्ठापूर्वक चलयवला सभक लेल ढाल छथि, न्यायक बाट पर रक्षा करैत छथि आ।" अपन संत लोकनिक बाट पर नजरि रखैत छथि।"

यिर्मयाह 3:16 जखन अहाँ सभ ओहि देश मे बढ़ब आ बढ़ब तखन ओहि दिन मे ओ सभ आब नहि कहताह जे, ‘प्रभुक वाचाक सन्दूक’ आ ने मोन मे आओत: आ ने ओ सभ एकरा मोन पाड़त। आ ने ओ सभ ओहि ठाम घुमत। आ ने आब से काज होयत।

अंश प्रभु भविष्यवाणी करै छै कि भविष्य में जबे देश में लोगऽ के संख्या बढ़ी जैतै आरू बढ़ी जैतै, तबेॅ वू आब वाचा के सन्दूक के याद नै करतै आरू नै ओकरा देखतै।

1. वाचा केँ मोन राखब: परमेश् वरक प्रतिज्ञाक आदर करब

2. आज्ञाकारिता के पुरस्कृत करब: परमेश्वर के वाचा के पालन करब

1. इब्रानी 9:15-17 - यीशु एकटा नव वाचा स्थापित केलनि जे पापक क्षमा आ अनन्त जीवन अनलक।

2. व्यवस्था 7:9 - इस्राएलक संग प्रभुक वाचा प्रेम आ विश्वासक छल, जकरा अनन्तकाल धरि राखल जायत।

यिर्मयाह 3:17 ओहि समय मे ओ सभ यरूशलेम केँ परमेश् वरक सिंहासन कहत। सभ जाति एहि मे, परमेश् वरक नामक लेल, यरूशलेम मे जमा भऽ जायत।

परमेश् वर सभ जाति केँ अपन नाम सँ यरूशलेम मे जमा करताह, आब हुनकर सभक हृदयक बुराईक पालन नहि करताह।

1. भगवानक नामक शक्ति: प्रभुक प्रकाश मे चलब

2. अपन हृदयक बुराई केँ अस्वीकार करब: प्रभुक शरण लेब

1. यशायाह 2:3 - बहुतो लोक जा कऽ कहत जे, “आउ, हम सभ प्रभुक पहाड़ पर, याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ि जाउ।” ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाओत आ हम सभ ओकर बाट पर चलब, किएक तँ सिय्योन सँ धर्म-नियम आ प्रभुक वचन यरूशलेम सँ निकलत।

2. भजन 110:1 - प्रभु हमर प्रभु केँ कहलथिन, जाबत हम अहाँक शत्रु केँ अहाँक पैरक ठेहुन नहि बना लेब, ताबत धरि अहाँ हमर दहिना कात बैसल रहू।

यिर्मयाह 3:18 ओहि समय मे यहूदाक घराना इस्राएलक घरानाक संग चलत, आ ओ सभ उत्तरक देश सँ एक संग आबि ओहि देश मे आबि जायत जे हम अहाँ सभक पूर्वज केँ उत्तराधिकारक रूप मे देने छी।

यहूदा के घराना आरो इस्राएल के वंशज एकजुट होय क॑ अपनऽ पूर्वज के देलऽ गेलऽ देश में बसै लेली एक साथ आबी जैतै।

1. परमेश् वरक एकताक प्रतिज्ञा: यहूदाक घराना आ इस्राएलक घराना

2. भगवानक प्रतिज्ञा पूरा करब: उत्तर सँ उत्तराधिकार दिस बढ़ब

1. इजकिएल 37:15-28 - सूखल हड्डीक दर्शन

2. 2 इतिहास 15:3-4 - आसाक सुधार आ एकताक वाचा

यिर्मयाह 3:19 मुदा हम कहलियनि, “हम अहाँ केँ कोना बच्चा सभक बीच राखब आ अहाँ केँ एकटा सुखद भूमि, जे जाति सभक सेना सभक नीक धरोहर होयत?” हम कहलियनि, “अहाँ हमरा अपन पिता कहब।” आ हमरासँ मुँह नहि घुमाओत।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ गप्प करैत छथि, हुनका सभ केँ नीक भूमि देबाक आ जँ ओ सभ हुनका सँ मुँह नहि मोड़ताह तँ हुनकर पिता बनबाक वचन दैत छथि।

1. परमेश् वरक पिताक प्रेम - परमेश् वरक प्रेम आ अपन लोकक प्रति स्वीकृतिक शक्तिक खोज करब।

2. विद्रोही हृदय के अस्वीकार करब - ई परखब जे भगवान के कृपा स मुँह मोड़ला स आध्यात्मिक विनाश कोना होइत अछि।

1. रोमियो 8:14-17 - गोद लेबाक आत्माक शक्तिक अन्वेषण आ कोना ई हमरा सभ केँ चिचियाबय लेल प्रेरित करैत अछि, "अब्बा! पिता!"

2. नीतिवचन 14:14 - विद्रोहीक बाट कोना मृत्यु आ विनाश दिस लऽ जाइत अछि तकर परीक्षण।

यिर्मयाह 3:20 हे इस्राएलक घराना, जहिना पत्नी अपन पति सँ धोखाधड़ी सँ विदा भ’ जाइत अछि, तहिना अहाँ सभ हमरा संग धोखा केलहुँ, हे इस्राएलक घराना, प्रभु कहैत छथि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के प्रति बेवफा रहलै, ओकरो वाचा के साथ धोखा करी देलकै।

1: परमेश् वरक वफादारी आ दया अपन लोकक प्रति अविश्वासक बादो।

2: भगवान् के प्रति अविश्वास के परिणाम।

1: होशे 6:4 - हे एप्रैम, हम तोरा की करब? हे यहूदा, हम तोरा की करबौ? अहाँ सभक भलाई भोर मेघ जकाँ अछि आ भोरक ओस जकाँ चलि जाइत अछि।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ से नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यिर्मयाह 3:21 ऊँच स्थान पर इस्राएलक सन्तान सभक कानब आ विनती सुनल गेल, किएक तँ ओ सभ अपन बाट बिगाड़ि गेल अछि आ अपन परमेश् वर यहोवा केँ बिसरि गेल अछि।

इस्राएलक सन्तान सभ परमेश् वर सँ भटकि गेल अछि आ हुनका बिसरि गेल अछि आ ओकर सभक दुखी पुकार ऊँच स्थान सँ सुनल जा सकैत अछि।

1. परमेश् वर सदिखन रहैत छथि - यिर्मयाह 3:21 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे जखन हम सभ परमेश् वर केँ बिसरि जाइत छी तखनो ओ एखनो ओतहि छथि, धैर्यपूर्वक हमरा सभक हुनका लग घुरबाक प्रतीक्षा मे छथि।

2. परमेश् वरक प्रति सच्चा रहू - यिर्मयाह 3:21 मे इस्राएलक संतान सभ अपन बाट विकृत क’ लेलक आ परमेश् वर केँ बिसरि गेल। हुनका लोकनिक उदाहरण सँ सीखू आ परमेश् वरक बाट पर अडिग रहू।

1. भजन 103:13 - जेना पिता अपन संतान पर दया करैत छथि, तहिना प्रभु हुनका डरय वाला पर दया करैत छथि।

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जेताह आ ने थाकि जेताह, आ हुनकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि । थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 3:22 हे पछुआएल बच्चा सभ, घुरि जाउ, आ हम अहाँ सभक पछुआएल केँ ठीक करब। देखू, हम सभ अहाँ लग आबि रहल छी। किएक तँ अहाँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर छी।”

भगवान् अपनऽ पीछे हटलऽ बच्चा सिनी क॑ ओकरा पास वापस आबै लेली आह्वान करै छै, ओकरऽ पिछड़लऽ बच्चा सिनी क॑ ठीक करै के वादा करै छै, आरू ओकरा सिनी क॑ याद दिलाबै छै कि वू प्रभु ओकरऽ परमेश् वर छै ।

1: परमेश् वरक कृपा आ दया - यिर्मयाह 3:22 हमरा सभ केँ परमेश् वरक कृपा आ दयाक स्मरण कराबैत अछि, तखनो जखन हम सभ पाछू हटि गेल छी। हम सब कतबो भटकल रही, भगवान हमरा सब के माफ आ ठीक करय लेल तैयार छथि।

2: परमेश् वर सदिखन उपस्थित रहैत छथि - यिर्मयाह 3:22 हमरा सभ केँ देखाबैत अछि जे परमेश् वर हमरा सभक संग सदिखन रहैत छथि, तखनो जखन हम सभ भटकल छी। ओ प्रभु छथि, हमर सभक परमेश् वर छथि, जे हमरा सभ केँ क्षमा करताह आ ठीक करताह जखन हम सभ हुनका दिस घुरब।

1: यशायाह 43:25 - हम, हमहीं छी, जे हमरा लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, आ अहाँक पापक स्मरण नहि करब।

2: यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

यिर्मयाह 3:23 पहाड़ आ पहाड़क भीड़ सँ उद्धारक आशा व्यर्थ अछि।

उद्धार केवल प्रभुक माध्यमे भेटैत अछि।

1. प्रभु पर अपन विश्वास राखू: सच्चा उद्धारक एकमात्र मार्ग

2. पहाड़ असफल भ' जायत, मुदा भगवान अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ताह

1. यशायाह 45:22 - "हे सभ पृथ्वीक छोर, हमरा दिस देखू, आ उद्धार पाबि जाउ! कारण हम परमेश् वर छी, आओर दोसर कोनो नहि।"

2. भजन 91:14-16 - "किएक तँ ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देलक, तेँ हम ओकरा बचा देब; हम ओकरा ऊँच राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनने अछि। ओ हमरा पुकारत आ हम ओकरा उत्तर देब।" ; हम ओकरा संग विपत्ति मे रहब, हम ओकरा बचा लेब आ ओकर आदर करब। हम ओकरा दीर्घायु सँ संतुष्ट करब, आ ओकरा अपन उद्धार देखायब।"

यिर्मयाह 3:24 किएक तँ लाज हमरा सभक पूर्वज सभक परिश्रम केँ जवानी सँ खा गेल अछि। ओकर सभक भेँड़ा आ ओकर झुंड, ओकर बेटा-बेटी।

लाज के कारण हमरा सबहक पूर्वज के मेहनत व्यर्थ भ गेल अछि, हुनकर झुंड, झुंड, बेटा, बेटी के छीन लेल गेल अछि।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन आशीर्वादक वफादार भण्डारी बनबाक लेल बजबैत छथि आ एहि संसारक सुख-सुविधा पर भरोसा करबा सँ सावधान करैत छथि।

2: हमरा सभ केँ भगवान् केर सान्निध्य मे रहबाक सौभाग्य भेटल अछि आ ई हमर सभक जिम्मेदारी अछि जे हम सभ हुनकर जीवन सँ सम्मान करी।

851

1: मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू।

2: नीतिवचन 11:4 - क्रोधक दिन धनक लाभ नहि होइत छैक, मुदा धर्म मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

यिर्मयाह 3:25 हम सभ अपन लाज मे पड़ल छी आ हमर सभक भ्रम हमरा सभ केँ झाँपि दैत अछि, किएक तँ हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर, हम सभ आ अपन पूर्वज सभक विरुद्ध पाप कयलहुँ, जवानी सँ आइ धरि ईश्वर.

इस्राएल के लोग अपनऽ युवावस्था स॑ ही परमेश् वर के खिलाफ पाप करलकै आरू अखनी भी करै छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप बहुत लाज आरू भ्रम पैदा होय जाय छै।

1. भगवान् के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम

2. पश्चाताप: आज्ञा नहि मानब

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. भजन 51:17 - "हे परमेश् वर, हमर बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि; एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ अहाँ, परमेश् वर, तिरस्कार नहि करब।"

यिर्मयाह अध्याय 4 यिर्मयाह के भविष्यवाणी संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जेकरा में परमेश् वर के खिलाफ लगातार विद्रोह के कारण यहूदा पर आबै वाला आसन्न न्याय आरू विनाश पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहूदा के आसन्न विनाश आरू उजाड़ के जीवंत वर्णन के साथ होय छै (यिर्मयाह 4:1-9)। यिर्मयाह लोग सिनी कॅ परमेश् वर के पास वापस आबै लेली आग्रह करै छै, ओकरा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि अगर वू पश्चाताप नै करै छै त ओकरोॅ परिणाम के बारे में। ओ उत्तर दिस सँ आबि रहल दुश्मनक वर्णन करैत छथि, जकर उपमा अपन शिकार खाबय लेल तैयार सिंह सँ करैत छथि | जमीन उजाड़ भ’ जायत, शहर नष्ट भ’ जायत आ लोक आतंकित भ’ क’ भागि जायत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह आसन्न विनाश पर अपन पीड़ा व्यक्त करैत छथि आ अपन लोकक लेल शोक करैत छथि (यिर्मयाह 4:10-18)। ओ विलाप करैत छथि जे जखन आपदा क्षितिज पर अछि तखन झूठ भविष्यवक्ता सभ हुनका सभ केँ शांति केर खाली आश्वासन द' क' धोखा देने छथि। यिर्मयाह के दिल भारी छै, कैन्हेंकि वू यहूदा के आज्ञा नै मानला के कारण जे तबाही के इंतजार करी रहलऽ छै, ओकरा देखै छै।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन यहूदा के विनाश के बाद उजाड़ अवस्था के चित्रण के साथ होय छै (यिर्मयाह 4:19-31)। यिर्मयाह जे आबै छै ओकरा पर अपनऽ व्यक्तिगत दुःख आरू दुख व्यक्त करै छै । ओ अपना केँ प्रसव मे पड़ल स्त्री जकाँ पीड़ा मे डूबल बतबैत छथि । प्रभु अपनऽ विद्रोही लोगऽ प॑ अपनऽ धार्मिक न्याय के प्रकटीकरण करै छै, लेकिन अगर वू खुद क॑ विनम्र करी क॑ ओकरा तरफ वापस आबी जैतै त॑ पुनर्स्थापन के आशा भी पेश करै छै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के चारिम अध्याय में परमेश् वर के खिलाफ विद्रोह के कारण यहूदा के साथ आबै वाला आसन्न न्याय आरू विनाश के चित्रण छै। यिर्मयाह उत्तर दिस सँ आबि रहल दुश्मनक बारे मे हुनका सभ केँ चेतावनी दैत छथि आ बहुत देर सँ पहिने पश्चाताप करबाक आग्रह करैत छथि। ओ झूठ भविष्यवक्ता द्वारा हुनका लोकनिक आध्यात्मिक धोखा पर शोक करैत छथि आ हुनका लोकनिक आसन्न विनाश पर गहींर पीड़ा व्यक्त करैत छथि | अध्याय के समापन उजाड़ के चित्रण के साथ होय छै, लेकिन अगर वू खुद क॑ विनम्र करी क॑ ईमानदारी स॑ पश्चाताप करी क॑ परमेश्वर के पास वापस आबी जैतै त॑ पुनर्स्थापन के आशा भी पेश करै छै । ई अध्याय लगातार आज्ञा नै मानला के परिणाम के बारे में गंभीर चेतावनी के रूप में काम करै छै जबकि मोक्ष के आशा के धारण करै छै अगर यहूदा बहुत देर होय स॑ पहल॑ परमेश्वर के पास वापस आबी जैतै ।

यिर्मयाह 4:1 हे इस्राएल, जँ अहाँ घुरि जायब, प्रभु कहैत छथि, तँ हमरा लग घुरि जाउ।

परमेश् वर इस्राएल केँ अपना लग घुरबाक आ अपन घृणित काज केँ हुनका नजरि सँ दूर करबाक लेल आह्वान करैत छथि।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ पश्चाताप आ पवित्रताक लेल बजबैत छथि

2. जे किछु अपवित्र अछि ओकरा छोड़ि भगवान् दिस मुड़ू

1. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब, आ हम ओकर पाप क्षमा करब आ।" हुनका लोकनिक भूमि केँ ठीक क' देतनि।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 4:2 अहाँ शपथ खाउ जे, “परमेश् वर सत् य, न्याय आ धार्मिकता मे जीवित छथि। जाति- जाति सभ हुनका पर आशीर्वाद देत आ हुनका पर महिमा करत।

परमेश् वरक लोक सभ केँ सत् य, न्याय आ धार्मिकता मे जीबाक शपथ लेबाक चाही, आ अपन आसपासक जाति सभ हुनका मे आशा आ महिमा पाबि सकैत अछि।

1. प्रभुक धर्म: आशीर्वाद आ आशाक स्रोत

2. सत्य, न्याय आ धार्मिकता मे रहब: परमेश् वरक लोक सभक लेल एकटा आह्वान

1. भजन 37:11 - मुदा नम्र लोक केँ पृथ्वीक उत्तराधिकार भेटतनि; आ शान्तिक प्रचुरता मे आनन्दित हेताह।

2. यशायाह 61:7 - अहाँ सभक लाजक कारणेँ अहाँ सभक दुगुना होयत। आ भ्रमक कारणेँ ओ सभ अपन भागक लेल आनन्दित हेताह, तेँ अपन देश मे ओ सभ दुगुना अधिकार पाबि लेताह।

यिर्मयाह 4:3 किएक तँ परमेश् वर यहूदा आ यरूशलेमक लोक सभ केँ ई कहैत छथि जे, “अपन परती जमीन केँ तोड़ि दियौक आ काँटक बीच मे नहि बोउ।”

परमेश् वर यहूदा आरू यरूशलेम के आदमी सिनी कॅ कहै छै कि आपनोॅ बिना जोतलोॅ जमीन तोड़ी कॅ काँट के बीच नै बोलो।

1. तैयारी के शक्ति: बिना जोतल जमीन के उपयोग अपन जीवन में कोना कयल जाय

2. लगनक आवश्यकता: काँटक बीच नहि बोउ

1. नीतिवचन 24:27 - बाहर अपन काज तैयार करू; खेत मे अपना लेल सब किछु तैयार करू, आ तकर बाद अपन घर बनाउ।

2. मत्ती 13:7 - आन बीया काँटक बीच खसि पड़ल, आ काँट बढ़ि क’ ओकर गला दबा देलक।

यिर्मयाह 4:4 अहाँ सभ यहूदा आ यरूशलेम मे रहनिहार लोक सभ, प्रभुक लेल खतना करू आ अपन हृदयक अग्रचमड़ा हटाउ, जाहि सँ हमर क्रोध आगि जकाँ नहि निकलि जाय आ जरि नहि जाय जे अहाँ सभक दुष् टताक कारणेँ ओकरा कियो नहि बुझि सकैत अछि करब।

परमेश् वर यहूदा आरू यरूशलेम के लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी खुद कॅ हुनका लेली अलग करी दै आरू अपनऽ दुष्ट रास्ता स॑ मुक्ति दै, नै त॑ हुनकऽ धार्मिक क्रोध आरू न्याय के सामना करै।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा: भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

2. धर्मक जिम्मेदारी: परमेश् वरक मार्गक पालन करबाक लाभ

1. नीतिवचन 14:34 - धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।

2. 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र अछि, तहिना अहाँ सभ सभ तरहक व्यवहार मे पवित्र रहू। किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “पवित्र रहू। किएक तँ हम पवित्र छी।

यिर्मयाह 4:5 अहाँ सभ यहूदा मे घोषणा करू आ यरूशलेम मे प्रचार करू। आ कहब जे, ‘अहाँ सभ देश मे तुरही बजाउ।

यहूदाक लोक सभ केँ निर्देश देल गेल अछि जे ओ तुरही बजा कऽ गढ़बला नगर सभ मे जेबाक लेल एकत्रित भऽ जाय।

1. आज्ञाकारिता आ तैयारी के महत्व - यिर्मयाह 4:5

2. एकताक शक्ति - यिर्मयाह 4:5

1. नीतिवचन 21:31 - "घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार कयल गेल अछि, मुदा विजय प्रभुक अछि।"

2. निर्गमन 14:13-14 - "मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, "नहि डरू, दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भ' क' प्रभुक उद्धार देखू, जे ओ आइ अहाँ सभक लेल काज करताह। जे मिस्रवासी सभ आइ अहाँ सभ देखैत छी, अहाँ सभ कहियो नहि करब।" फेर देखू, प्रभु अहाँक लेल लड़ताह, आ अहाँ केँ मात्र चुप रहय पड़त।

यिर्मयाह 4:6 सियोन दिस ध्वज ठाढ़ करू, निवृत्ति करू, नहि रहू, कारण हम उत्तर दिस सँ बुराई आ पैघ विनाश आनि देब।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ उत्तर दिस सँ आसन्न विनाशक चेतावनी घोषित करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. "तइयारी करबाक लेल एकटा आह्वान: भगवानक चेतावनी पर ध्यान देब"।

2. "उत्तर हवा आ भगवानक क्रोध"।

1. यशायाह 5:25-30 - "एहि सभक कारणेँ ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसारि गेलै।"

2. आमोस 3:7 - "निश्चय प्रभु परमेश् वर किछु नहि करताह, बल् कि ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि।"

यिर्मयाह 4:7 सिंह अपन झाड़ी सँ ऊपर आबि गेल अछि, आ गैर-यहूदी सभक नाश करयवला बाट पर अछि। ओ अहाँक देश केँ उजाड़ करबाक लेल अपन स्थान सँ निकलि गेल अछि। आ तोहर शहर सभ उजाड़ भऽ जायत, जाहि मे कोनो निवासी नहि।”

परमेश् वर यिर्मयाहक माध् यम सँ यहूदाक लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे एकटा शेर आबि कऽ ओकर सभक देश केँ नष्ट कऽ देत आ ओकरा उजाड़ आ खाली छोड़ि देत।

1. हमरा सभक लेल परमेश् वरक चेतावनी: पश्चातापक आह्वान पर ध्यान देब

2. अविश्वास मे रहब: भगवान् केर आज्ञा मानय सँ मना करबाक परिणाम

1. इजकिएल 22:30-31 - "हम हुनका सभक बीच एहन आदमीक खोज केलहुँ जे बाड़ि बनाबय आ हमरा सोझाँ फाँक मे ठाढ़ भ' जाय, जाहि सँ हम ओकरा नष्ट नहि करी। मुदा हमरा कोनो नहि भेटल। तेँ भेटल।" हम अपन क्रोध हुनका सभ पर उझलि देलियनि, हम हुनका सभ केँ अपन क्रोधक आगि सँ भस्म क' देलियनि, हुनका सभक माथ पर हुनकर सभक तरीकाक बदला हम हुनका सभक माथ पर दऽ देलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।"

2. 2 पत्रुस 3:9 - "प्रभु अपन प्रतिज्ञा मे शिथिल नहि छथि, जेना किछु लोक शिथिलता बुझैत छथि; बल् कि हमरा सभक प्रति धैर्य रखैत छथि, नहि चाहैत छथि जे ककरो नाश भ' जाय, बल् कि सभ पश्चाताप करबाक लेल आबि जाय।"

यिर्मयाह 4:8 एहि लेल अहाँ सभ बोरा पहिरने रहू, विलाप करू आ कुहरू, किएक तँ परमेश् वरक भयंकर क्रोध हमरा सभ सँ नहि घुरि गेल अछि।

परमेश् वरक प्रचंड क्रोध हमरा सभ सँ नहि पलटि गेल अछि।

1. भगवान् के क्रोध: प्रभु के उग्रता देख

2. पश्चाताप: पाप सँ मुँह मोड़ब आ प्रभु दिस घुरब

1. लूका 3:7-14 - यूहन्ना बपतिस्मा देबय वाला के पश्चाताप के लेल आह्वान

2. आमोस 5:15 - प्रभु केँ खोजू आ दुष्ट बाट सँ मुड़ू

यिर्मयाह 4:9 प्रभु कहैत छथि जे ओहि दिन राजाक हृदय आ राजकुमार सभक हृदय नाश भ’ जायत। पुरोहित सभ आश्चर्यचकित भऽ जेताह आ भविष्यवक्ता सभ आश्चर्यचकित भऽ जेताह।

भगवान घोषणा करै छै कि आबै वाला कोनो दिन राजा आरू राजकुमार, पुरोहित आरू भविष्यवक्ता के दिल चकित होय जैतै।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. भगवानक इच्छाक पालन करब

1. यशायाह 40:5 - "प्रभुक महिमा प्रगट होयत, आ सभ प्राणी एकरा एक संग देखत, किएक तँ प्रभुक मुँह बाजल अछि।"

2. इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।"

यिर्मयाह 4:10 तखन हम कहलियनि, “आह, प्रभु परमेश् वर! अहाँ एहि लोक आ यरूशलेम केँ बहुत धोखा दऽ कऽ कहलहुँ जे अहाँ सभ केँ शान्ति भेटत। जखन कि तलवार आत्मा धरि पहुँचैत अछि।

परमेश् वर यरूशलेम के लोगऽ क॑ ई कहि क॑ गुमराह करी देल॑ छेलै कि ओकरा सिनी क॑ शांति मिलतै, जबकि वास्तव म॑ ओकरा सिनी क॑ एगो खतरनाक परिस्थिति के सामना करना पड़॑ लगलऽ छेलै ।

1. शांति के झूठ वादा स धोखा नहि खाउ, बल्कि ओकर बदला मे आध्यात्मिक खतरा के प्रति जागरूक रहू जे कोना के आसपास भ सकैत अछि।

2. सुरक्षा या आराम के आसान वादा स गुमराह नै करू, बल्कि प्रभु पर भरोसा करू जे ओ अहाँक रक्षा आ नेतृत्व करताह।

1. याकूब 1:16-17 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, धोखा नहि खाउ। सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

यिर्मयाह 4:11 ओहि समय मे एहि लोक आ यरूशलेम केँ कहल जायत, “मरुभूमि मे ऊँच स्थान सँ हमर प्रजाक बेटी दिस शुष्क हवा चलत, नहि तऽ पंखा करबाक लेल आ ने शुद्ध करबाक लेल।

यरूशलेम पर परमेश् वरक न्याय कठोर आ अक्षम्य होयत।

1: भगवानक बिना शर्त प्रेम, मुदा हुनकर बिना शर्त न्याय सेहो

2: भगवानक दया आ करुणा, न्यायक बीच सेहो

1: यशायाह 5:20-21 धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत अछि!

2: योएल 2:12-13 तइयो एखनहु, प्रभु कहैत छथि, अपन पूरा मोन सँ, उपवास, कानब आ शोक संग हमरा लग घुरि जाउ। आ अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि।

यिर्मयाह 4:12 ओहि ठाम सँ पूरा हवा हमरा लग आबि जायत।

परमेश् वर हुनका सभक न् याय करताह जे हुनका सँ विमुख भऽ गेल छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 4:12 के अध्ययन

2. परमेश् वरक न्यायक सामना करब: यिर्मयाह 4:12 पर एक नजरि

1. यशायाह 5:20-24 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि।

2. रोमियो 1:18-32 - परमेश् वरक क्रोध सभ अभक्ति आ अधर्मक विरुद्ध प्रगट होइत अछि।

यिर्मयाह 4:13 देखू, ओ मेघ जकाँ चढ़त, आ ओकर रथ बवंडर जकाँ होयत। हमरा सभक धिक्कार! किएक तँ हम सभ लूटि गेल छी।

परमेश् वर बहुत शक्ति आ गति सँ आबि रहल छथि, आ यहूदाक लोक सभ केँ नष्ट हेबाक खतरा अछि।

1. परमेश्वरक शक्ति - यिर्मयाह 4:13

2. परमेश् वरक न्याय - यिर्मयाह 4:13

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. हबक्कूक 1:5 - अहाँ सभ जाति-जाति मे देखू, आ आश्चर्य करू आ आश्चर्यचकित भऽ जाउ, किएक तँ हम अहाँक समय मे एहन काज करब, जकरा पर अहाँ सभ विश्वास नहि करब, भले अहाँ सभ केँ ई बात कहल जाय।

यिर्मयाह 4:14 हे यरूशलेम, अपन हृदय केँ दुष्टता सँ धोउ, जाहि सँ अहाँ उद्धार पाबि सकब। अहाँक व्यर्थ विचार कतेक दिन धरि अहाँक भीतर रहत?

परमेश् वर यरूशलेम के आह्वान करै छै कि वू ओकरऽ व्यर्थ विचारऽ स॑ बचाबै लेली ओकरऽ दिल क॑ दुष्टता स॑ साफ करै।

1. पश्चाताप करबाक आ मुक्ति प्राप्त करबाक लेल एकटा आह्वान

2. अपन मन के नवीनीकरण के शक्ति

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।
856

यिर्मयाह 4:15 किएक तँ दान सँ एकटा आवाज सुनबैत अछि आ एप्रैम पहाड़ सँ दुःखक प्रचार करैत अछि।

दान आ एफ्राइम सँ एकटा आवाज सुनल जाइत अछि जे कष्टक घोषणा करैत अछि।

1. ओ आवाज जे क्लेश अनैत अछि - यिर्मयाह 4:15

2. चेतावनी के आवाज - यिर्मयाह 4:15

1. यशायाह 5:1-7 - एकटा विद्रोही राष्ट्र के लेल परमेश्वर के चेतावनी

2. आमोस 5:1-17 - प्रभुक वचन सुनू आ पश्चाताप करू

यिर्मयाह 4:16 अहाँ सभ जाति-जाति सभक सामने चर्चा करू। देखू, यरूशलेम पर प्रचार करू जे पहरेदार सभ दूर-दूर धरि आबि कऽ यहूदाक नगर सभक विरुद्ध अपन आवाज निकालू।

यहूदा के लोगऽ क॑ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै कि वू जाति सिनी क॑ ई घोषणा करै कि दूर-दूर के देश स॑ देखै वाला सिनी यहूदा के शहरऽ के खिलाफ अपनऽ आवाज के घोषणा करै लेली आबी रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देब - यिर्मयाह 4:16

2. परमेश् वरक संदेशक प्रतिक्रिया देब - यिर्मयाह 4:16

1. यशायाह 40:9 - हे सियोन, जे शुभ समाचार अनैत छी, ऊँच पहाड़ पर चढ़ू। हे यरूशलेम, हे शुभ समाचार अननिहार, बलपूर्वक आवाज उठाउ, ओकरा ऊपर उठाउ, नहि डेराउ। यहूदाक नगर सभ केँ कहब, “देखू, अहाँक परमेश् वर!”

2. रोमियो 10:15 - आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत ता धरि कियो कोना प्रचार क’ सकैत अछि? जेना लिखल अछि: "सुसमाचार अननिहारक पैर कतेक सुन्दर अछि!"

यिर्मयाह 4:17 खेतक रखबाज जकाँ, की ओ सभ ओकर चारू कात विरोध करैत अछि। किएक तँ ओ हमरा विरुद्ध विद्रोह कयने छथि, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वरक विद्रोहक निर्णयक उपमा एकटा खेतसँ कयल गेल अछि जकरा रखनिहार सभ देखैत अछि।

1: हमरा सभकेँ भगवानक प्रति वफादार रहबाक लेल सावधान रहबाक चाही, नहि तँ हुनकर न्यायक सामना करब।

2: भगवान् धैर्यवान आ दयालु छथि, मुदा विद्रोह अदण्डित नहि होयत।

1: इब्रानियों 10:26-27 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत.

2: नीतिवचन 28:9 - जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि दैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।

यिर्मयाह 4:18 तोहर तरीका आ कर्म सँ ई सभ अहाँ केँ भेटल अछि। ई अहाँक दुष्टता अछि, कारण ई कटु अछि, कारण ई अहाँक हृदय धरि पहुँचैत अछि।

जनताक कर्मसँ ओकर वर्तमान स्थिति आबि गेल अछि जे ओकर दुष्टताक परिणाम थिक ।

1. परिणामक एकटा पाठ: क्रिया आ परिणामक बीचक कड़ी केँ बुझब

2. दुष्टताक कटु स्वाद: पाप हमर जीवन पर कोना प्रभाव डालैत अछि

1. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. इजकिएल 18:4, "देखू, सभ प्राण हमर अछि; जेना पिताक प्राणी, तहिना बेटाक प्राण सेहो हमर अछि। जे प्राण पाप करत, ओ मरि जायत।"

यिर्मयाह 4:19 हमर आंत, हमर आंत! हम अपन हृदय मे दुखी छी; हमर हृदय हमरा मे हल्ला करैत अछि। हम चुप नहि रहि सकैत छी, कारण अहाँ सुनलहुँ, हे हमर आत्मा, तुरहीक आवाज, युद्धक अलार्म।

यिर्मयाह तुरही के आवाज, युद्ध के अलार्म से बहुत परेशान छै।

1. युद्धक ध्वनि: परेशान समय मे शांति भेटब

2. युद्धक हल्लाक बीच भगवानक आवाज सुनबाक विकल्प चुनब

1. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।

2. रोमियो 12:18 जँ संभव हो, जतय धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, त’ सभक संग शांति सँ रहू।

यिर्मयाह 4:20 विनाश पर विनाश के आवाज देल जाइत अछि; किएक तँ पूरा देश लूटि गेल अछि।

पूरा भूमि अचानक बर्बाद आ नष्ट भ’ जाइत अछि।

1: अचानक हमरा सभक जीवन मे विनाश आबि सकैत अछि। हमरा सभ केँ तैयार रहबाक चाही आ पश्चाताप मे जीबय पड़त।

2: हमरा सभकेँ प्रभु पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभकेँ विनाश आ विनाशसँ बचाबथि।

1: यशायाह 33:10-11 "आब हम उठब," प्रभु कहैत छथि; "आब हम ऊँच भ' जायब; आब हम अपना केँ उठब। अहाँ भूसाक गर्भ मे रहब, अहाँ कूड़ा-करकट पैदा करब। अहाँक साँस आगि जकाँ अहाँ केँ भस्म क' लेत।"

2: यशायाह 64:6-7 "हम सभ अशुद्ध जकाँ भ' गेल छी, आ हमर सभक सभ धार्मिक काज दूषित वस्त्र जकाँ अछि। हम सभ पात जकाँ फीका भ' जाइत छी, आ हमर सभक अधर्म हवा जकाँ हमरा सभ केँ दूर क' दैत अछि।"

यिर्मयाह 4:21 हम कतेक दिन धरि झंडा देखब आ तुरहीक आवाज सुनब?

ई अंश संकट के समय में मदद के लेलऽ पुकार के बात करै छै ।

1. "विपत्ति मे मदद के लेल एकटा पुकार"।

2. "तुरही के आवाज: कार्रवाई के आह्वान"।

1. यशायाह 5:26 - "ओ दूर-दूरक जाति सभक लेल झंडा उठौताह, आ पृथ्वीक छोर पर बैसल लोक सभक लेल सीटी बजाओत। एतय ओ सभ तेजी सँ आ तेजी सँ आबि जेताह!"

२.

यिर्मयाह 4:22 हमर लोक मूर्ख अछि, हमरा नहि चिन्हलक। ओ सभ सोटिश बच्चा अछि, आ ओकरा सभक कोनो समझ नहि छैक, ओ सभ अधलाह करबा मे बुद्धिमान अछि, मुदा नीक काज करबाक लेल ओकरा सभ केँ कोनो ज्ञान नहि छैक।

परमेश् वर के लोग मूर्ख, अप्रबुद्ध आरू हुनका बारे में समझ के कमी छै। अधलाह मे निपुण छथि मुदा नीकक कोनो ज्ञान नहि।

858

1. बुद्धिक आवश्यकता: नीक आ अधलाहक अंतर बुझब
2. मूर्खताक लागत: भगवान् केँ नहि चिन्हला पर हम सब की गमा लैत छी
1. नीतिवचन 9:10 - प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान बुझना जाइत छैक।
2. याकूब 3:17 - मुदा जे बुद्धि स् वर्ग सँ अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |
यिर्मयाह 4:23 हम पृथ्वी केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश, आ ओकरा सभ मे इजोत नहि छलैक।
पृथ्वी निराकार आ शून्य छल, आ आकाश मे कोनो इजोत नहि छल।
1: भगवान् सब प्रकाश आ जीवनक स्रोत छथि।
2: जीवन मे आशा आ उद्देश्य तकबाक लेल हमरा सभ केँ भगवान् दिस देखबाक आवश्यकता अछि।
1: यशायाह 45:18 कारण, परमेश् वर ई कहैत छथि, जे आकाशक रचना कयलनि (ओ परमेश् वर छथि!), जे पृथ् वी केँ बनौलनि आ बनौलनि (ओ एकरा स्थापित कयलनि; ओ एकरा अराजकता नहि बनौलनि, ओ एकरा रहबाक लेल बनौलनि!): हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि।
2: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, भलाईक योजना अछि।
यिर्मयाह 4:24 हम पहाड़ सभ केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ सभ काँपि उठल आ सभ पहाड़ हल्लुक भ’ गेल।
भगवानक शक्तिक कारणे पहाड़ आ पहाड़ी काँपि उठैत अछि ।
1. भगवानक शक्ति: हमर सभक पहाड़ काँपैत अछि
2. चलैत पर्वत: भगवानक शक्ति
1. भजन 29:7-11 - प्रभुक आवाज सँ पानि गर्जैत अछि आ पहाड़ सभ काँपि उठैत अछि।
2. हबक्कूक 3:6 - परमेश् वरक सामर्थ् य पहाड़ सभ केँ काँपि दैत अछि आ पहाड़ सभ केँ पिघलि दैत अछि।
यिर्मयाह 4:25 हम देखलहुँ, कोनो आदमी नहि छल, आ आकाशक सभ चिड़ै भागि गेल।
यिर्मयाह एकटा उजाड़ देश देखलनि जाहि मे लोक नहि छल आ आकाशक चिड़ै सभ भागि गेल छल।
1. उजाड़ के समय में भगवान के उपस्थिति के आवश्यकता
2. विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़बाक महत्व
1. यशायाह 40:29 ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि। जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।
2. मत्ती 11:28 अहाँ सभ जे श्रम करैत छी आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, आ हम अहाँ सभ केँ आराम देब।
यिर्मयाह 4:26 हम देखलहुँ, आ देखू, फलदार स्थान एकटा जंगल छल, आ ओकर सभ शहर प्रभुक सोझाँ आ हुनकर प्रचंड क्रोध सँ टूटि गेल छल।
भगवानक प्रबल क्रोधक कारणेँ फलदायी स्थान उजाड़ भूमि मे बदलि गेल |

1: हम सभ परमेश् वरक क्रोधक प्रतिक्रिया कोना दऽ सकैत छी?

2: परमेश् वरक क्रोध सँ हम सभ की सीख सकैत छी?

1: रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2: इब्रानी 10:30-31 - किएक तँ हम सभ ओहि बात केँ जनैत छी जे कहने छलाह जे, “बदली लेब हमर अछि।” हम प्रतिफल देब, आ फेर, प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।” जीवित भगवानक हाथ मे पड़ब भयावह बात थिक।

यिर्मयाह 4:27 किएक तँ परमेश् वर ई कहने छथि जे, पूरा देश उजाड़ भऽ जायत। तैयो हम पूरा अंत नहि करब।

प्रभु घोषणा कएने छथि जे पूरा देश उजाड़ भ' जायत, मुदा ओ पूरा अंत नहि करताह।

1. भगवान् के दया आ कृपा: भगवान हमरा सब के कोना दोसर मौका प्राप्त करय दैत छथि

2. परमेश् वरक प्रेमक शक्ति: परमेश् वर हमरा सभ केँ कठिन परीक्षा सभ सँ कोना उबरबाक अनुमति दैत छथि

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. विलाप 3:22-23 प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 4:28 एहि लेल धरती शोक करत, आ ऊपरक आकाश कारी भ’ जायत, किएक तँ हम ई बात कहि देलहुँ, हम एकरा योजना बनौने छी, आ पश्चाताप नहि करब, आ ने हम ओकरा सँ पाछू हटि जायब।

भगवान् किछु एहन घोषणा केने छथि जकरा बारे मे ओ अपन विचार नहि बदलताह, आ एकर जवाब मे धरती आ आकाश शोक करत।

1. "भगवान के अपरिवर्तनीय उद्देश्य"।

2. "स्वर्ग आ पृथ्वीक शोक"।

1. यशायाह 55:11, "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. याकूब 1:17, "सब नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आओर इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।"

यिर्मयाह 4:29 घुड़सवार आ धनुषी सभक हल्ला सँ पूरा शहर भागि जायत। ओ सभ झाड़ी मे जा कऽ पाथर पर चढ़त।

शहर छोड़ि देल जायत, कारण घुड़सवार आ धनुषी के हल्ला स सब कियो झाड़ी में भागि क पाथर पर चढ़ि जायत।

1. कठिनाइक समय मे प्रभु पर भरोसा करबाक महत्व।

2. परमेश् वरक चेतावनी सुनबाक आ ओकर प्रतिक्रिया देबाक महत्व।

1. यशायाह 30:15 - कारण, इस्राएलक पवित्र परमेश् वर परमेश् वर ई कहने छथि जे, घुरि कऽ आबि कऽ विश्राम कयला सँ अहाँ सभक उद्धार होयत। चुपचाप आ भरोसा मे अहाँक बल होयत।

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब?

यिर्मयाह 4:30 जखन अहाँ लूटल जायब तखन अहाँ की करब? किरमिजी रंगक कपड़ा पहिरब, सोनाक आभूषण सँ सजाब, चित्रकला सँ मुँह फाड़ब, व्यर्थ मे अपना केँ सुन्दर बना लेब। तोहर प्रेमी सभ तोरा तुच्छ बुझत, तोहर जान तकत।

अंश मे घमंड आ आडंबरक परिणामक गप्प कयल गेल अछि जेना जे गरिश्ताक माध्यमे ध्यान चाहैत अछि ओकर प्रेमी मुँह घुमा क' अपन जान ताकत ।

1. घमंड आ आडंबरक खतरा

2. गरिशपन के माध्यम स ध्यान लेबय के बेकारता

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

यिर्मयाह 4:31 हम एकटा एहन आवाज सुनने छी जेना प्रसव करनिहार स् त्रीक आवाज आ अपन पहिल संतानक जन्म देनिहारक पीड़ा जकाँ, सिय्योनक बेटीक आवाज जे अपना केँ विलाप करैत अछि आ हाथ पसारि क’ कहैत अछि जे “धिक्कार।” आब हम छी! किएक तँ हत्यारा सभक कारणेँ हमर प्राण थाकि गेल अछि।

सियोन के बेटी के आवाज हत्या करलौ गेलौ सिनी के पीड़ा के विलाप करै छै।

1. दुखक सोझाँ भगवानक करुणा

2. निराशा के समय में आशा खोजना

1. विलाप 3:21-24

2. भजन 10:12-18

यिर्मयाह अध्याय 5 यिर्मयाह के भविष्यवाणी संदेश के जारी रखै छै, जे यहूदा के भीतर व्यापक भ्रष्टाचार आरू बेवफाई पर केंद्रित छै। अध्याय में परमेश्वर के अपनऽ लोगऽ के बीच धार्मिकता के खोज के चित्रण करलऽ गेलऽ छै आरू आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी देलऽ गेलऽ छै जे ओकरऽ लगातार आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप होतै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह के ई याचना स होय छै कि परमेश्वर यरूशलेम में एगो धर्मी व्यक्ति के खोज करै (यिर्मयाह 5:1-6)। ओ सवाल उठबैत छथि जे कियो एहन अछि जे न्यायपूर्वक काज करैत अछि आ सत्यक खोज करैत अछि मुदा पाबैत अछि जे ओ दुर्लभ अछि । यिर्मयाह धोखा स भरल जाति के वर्णन करै छै, जे परमेश् वर के नाम स झूठ शपथ दै छै आरू पश्चाताप करै स इनकार करै छै। एहि कारणे भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभ पर विपत्ति अनताह |

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के विद्रोह के परिणामस्वरूप आसन्न न्याय के चित्रण करै छै (यिर्मयाह 5:7-17)। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना परमेश् वर हुनका सभ केँ चेतावनी देबाक लेल भविष्यवक्ता सभ केँ पठौने छथि, मुदा ओ सभ हुनकर संदेश केँ अस्वीकार कऽ अपन दुष्टता मे आगू बढ़ल छथि। हुनका लोकनिक पापक तुलना अथक शत्रु सँ कयल जाइत छनि जे अपन बाट मे सब किछु खा जाइत छथि | लोक भगवान् केँ त्यागि मूर्तिपूजा दिस घुरि गेल अछि, जाहि सँ हुनकर क्रोध भड़कि गेल अछि।

3 पैराग्राफ: अध्याय के अंत में कोनो विदेशी राष्ट्र स आबै वाला आक्रमण के वर्णन छै (यिर्मयाह 5:18-31)। यिर्मयाह चेतावनी दै छै कि यहूदा पर विनाश आबै वाला छै, कैन्हेंकि वू प्रभु कॅ छोड़ी कॅ झूठा देवता सिनी के पीछू चलै छै। समृद्धि के बावजूद ओ सब अपन अपराध

स्वीकार करय स मना क दैत छथि या पश्चाताप के मांग करैत छथि। धोखाक ततेक आदति भ' गेल छनि जे आब सत्य केँ नहि चिन्हैत छथि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के पांचवा अध्याय यहूदा के भीतर व्यापक भ्रष्टाचार आरू बेवफाई के उजागर करै छै। यिर्मयाह परमेश् वर सँ एक धर्मी व्यक्ति के भी खोजै के गुहार लगाबै छै लेकिन ओकरा पता चलै छै कि ओकरा सिनी के बीच धार्मिकता कम छै। ओ हुनका लोकनिक लगातार आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ आसन्न न्यायक चेतावनी दैत छथि, हुनका लोकनिक पाप केँ भक्षक दुश्मन बतबैत छथि | लोक सभ परमेश् वर सँ मुँह मोड़ि लेलक अछि, मूर्तिपूजा केँ अपना लेलक आ भविष्यवक्ता सभक माध्यम सँ हुनकर चेतावनी केँ अस्वीकार कयल गेल अछि। अध्याय के अंत में प्रभु के परित्याग के दण्ड के रूप में एक निकट आबै वाला आक्रमण के चित्रण के साथ होय छै । समृद्धि के बादो अपराध स्वीकार करै स॑ मना करी दै छै या पश्चाताप के तलाश करै छै । ई अध्याय परमेश्वर के खिलाफ लगातार विद्रोह के परिणाम के गंभीर याद दिलाबै के काम करै छै आरू वास्तविक पश्चाताप के तत्काल जरूरत पर प्रकाश डालै छै।

यिर्मयाह 5:1 यिर्मयाह 5:1 अहाँ सभ यरूशलेमक गली-गली मे एम्हर-ओम्हर दौड़ू, आब देखू, जानि जाउ आ ओकर चौड़ा-चौड़ा जगह पर खोजू, की अहाँ सभ केँ कोनो एहन आदमी भेटि सकैत अछि जे न्याय करैत अछि, जे सत्यक खोज करैत अछि। आ हम एकरा माफ करब।

परमेश् वर यरूशलेम के लोग सिनी कॅ एगो ऐसनऽ आदमी के खोज करै लेली आह्वान करी रहलऽ छै जे न्याय आरू सच्चाई के खोज करै छै, आरू अगर कोय मिलै छै त॑ परमेश् वर ओकरा माफ करी देतै।

1. न्याय आ सत्यक खोज: भगवानक दयालुताक खोज

2. परमेश् वरक अटूट दया: पश्चातापक आह्वान

1. यशायाह 5:20-21 धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. याकूब 5:7-8 तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू, किसान पृथ्वीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि आ ओकरा लेल बहुत दिन धरि धैर्य रखैत अछि जाबत धरि ओकरा भोरे-भोर आ बादक वर्षा नहि भेटैत छैक।

यिर्मयाह 5:2 जँ ओ सभ कहैत छथि जे, “प्रभु जीवित छथि।” निश्चित रूप सँ ओ सभ झूठक शपथ लैत छथि।

लोक कहि रहल अछि जे हम भगवानक पूजा क रहल छी, मुदा सच नहि कहि रहल अछि।

1. ईमानदारी के जीवन जीना - यिर्मयाह 5:2 पर क

2. सत्यक गहींर शक्ति - यिर्मयाह 5:2 पर क

1. रोमियो 12:17-18 - ककरो बुराई के बदला मे बुराई नहि दियौक। सबहक नजरि मे जे उचित अछि से करबा मे सावधान रहू। जँ संभव अछि तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि तऽ सबहक संग शांति सँ रहू।

2. नीतिवचन 12:22 - प्रभु झूठ बाजबला ठोर सँ घृणा करैत छथि, मुदा ओ एहन लोक मे आनन्दित होइत छथि जे भरोसेमंद छथि।

यिर्मयाह 5:3 हे प्रभु, की अहाँक नजरि सत्य पर नहि अछि? अहाँ ओकरा सभ केँ मारि देलहुँ, मुदा ओ सभ दुखी नहि भेल। अहाँ ओकरा सभ केँ भस्म कऽ देलहुँ, मुदा ओ सभ सुधार करबा सँ मना कऽ देलक। ओ सभ घुरबासँ मना कऽ देने छथि ।

यहूदा के लोगऽ क॑ परमेश् वर केरऽ दंड पश्चाताप नै करलकै, बल्कि वू सुधार स्वीकार करै स॑ इनकार करी दै छै आरू परमेश्वर के खिलाफ अपनऽ दिल कठोर करै छै ।

1. "भगवानक न्याय आ हमर पश्चाताप"।

2. "कठोर हृदय: सुधार के अस्वीकार करब"।

1. इजकिएल 18:30-31 - "एहि लेल, हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न् याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन मार्गक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।" अहाँ सभ जे अपराध कयल अछि, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ कऽ अपना लेल नव हृदय आ नव आत् मा पाबि।

2. भजन 32:3-5 - जखन हम चुप रहलहुँ तखन भरि दिन हमर कुहरलाक कारणेँ हमर हड्डी बर्बाद भ’ गेल। दिन-राति अहाँक हाथ हमरा पर भारी छल। हमर ताकत गर्मीक गर्मी जकाँ क्षीण भ’ गेल। तखन हम अहाँक समक्ष अपन पाप स्वीकार केलहुँ आ अपन अधर्म पर झाँप नहि केलहुँ। हम कहलियनि, “हम अपन अपराध केँ परमेश् वरक समक्ष स्वीकार करब।” आ अहाँ हमर पापक अपराध क्षमा कऽ देलहुँ।

यिर्मयाह 5:4 तेँ हम कहलियनि, “ई सभ गरीब अछि। ओ सभ मूर्ख अछि, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक बाट आ ने अपन परमेश् वरक न् याय नहि जनैत अछि।

ई अंश वू लोगऽ के मूर्खता के बात करै छै जे प्रभु के पालन नै करै छै या ओकरऽ न्याय के पहचान नै करै छै।

1. बुद्धिक मार्ग: प्रभुक मार्ग सीखब

2. परमेश् वरक निर्णय: हुनकर न्याय केँ बुझब

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा के तिरस्कार करैत अछि।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट पर इजोत अछि।

यिर्मयाह 5:5 हम हमरा पैघ लोक सभक लग पहुँचा देब आ हुनका सभ सँ गप्प करब। किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक बाट आ अपन परमेश् वरक न् याय केँ बुझि गेल अछि।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता इस्राएल के लोग सिनी कॅ परमेश् वर के व्यवस्था के जुआ आरू बंधन तोड़ै के वर्णन करै छै, आरु वू महान आदमी सिनी के खोज करै छै कि वू ओकरा सिनी के साथ प्रभु के रास्ता आरू ओकरो परमेश् वर के न्याय के बारे में बात करै।

1. सबसँ पैघ भलाई: अपन जीवन मे परमेश् वरक बाट पर चलब

2. बंधन मे रहब: पापक जंजीर सँ मुक्त होयब

1. मत्ती 11:28-30 - "हे सभ थकल आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, किएक तँ हम हृदय मे कोमल आ विनम्र छी आ अहाँ सभ।" अहाँ सभक आत्मा केँ विश्राम भेटत। कारण हमर जुआ सहज अछि आ हमर बोझ हल्लुक अछि।"

2. 1 यूहन्ना 5:3 - "परमेश् वरक प्रेम ई अछि जे हम सभ हुनकर आज्ञा सभक पालन करी। आ हुनकर आज्ञा सभ दुखद नहि अछि।"

यिर्मयाह 5:6 एहि लेल जंगल सँ निकलल सिंह ओकरा सभ केँ मारि देत, आ साँझक भेड़िया ओकरा सभ केँ लूटि लेत, तेंदुआ ओकर शहर सभक रक्षा करत, आ ओकर सभक बैकस्लाइडिंग बढ़ि जाइत छैक।

1: हमरा सभक पापक लेल परमेश् वरक न्याय वास्तविक आ कठोर अछि।

2: हमरा सभ केँ अपन अपराध पर पश्चाताप करबाक चाही आ दयाक लेल परमेश् वर दिस रुख करबाक चाही।

1: यिर्मयाह 17:9-10 "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी, हम बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ ओकर तरीकाक अनुसार आ ओकर अनुसार द' सकब।" ओकर कर्म के फल के लेल।"

2: मत्ती 7:21-23 "जे हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, सभ केओ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि मात्र ओ जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा केँ पूरा करैत अछि। बहुतो लोक हमरा एहि बात पर कहत।" दिन, प्रभु, प्रभु, की हम सभ अहाँक नाम सँ भविष्यवाणी नहि केलहुँ आ अहाँक नाम सँ राक्षस सभ केँ भगा देलहुँ आ अहाँक नाम सँ बहुत रास चमत्कार नहि केलहुँ? तखन हम हुनका सभ केँ साफ-साफ कहब, हम अहाँ केँ कहियो नहि चिन्हलहुँ। हमरा सँ दूर, अहाँ दुष्ट लोकनि! "

यिर्मयाह 5:7 हम अहाँ केँ एहि लेल कोना माफ करब? तोहर सन्तान सभ हमरा छोड़ि देलक आ जे सभ देवता नहि अछि, तकरा सभक शपथ लेलक।

परमेश् वर सवाल उठा रहल छथि जे जखन ओ सभ हुनका छोड़ि देने छथि, झूठ देवता सभ केँ अपन मानने छथि, आ व्यभिचार आ अश्लीलता मे लिप्त छथि तखन हुनका अपन लोक सभ केँ क्षमा किएक करबाक चाही।

1. मूर्तिपूजा के खतरा: भगवान स भटकला पर हमरा सब के कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. भगवान् के क्षमा के यथार्थ: हुनकर प्रेम के गहराई के समझना

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, हम सभ एक संग तर्क-वितर्क करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंग जकाँ होयत, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, किरमिजी जकाँ लाल भ' जायत, मुदा ऊन जकाँ भ' जायत।"

2. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।"

यिर्मयाह 5:8 ओ सभ भोरे-भोर खुआओल घोड़ा जकाँ छल, सभ अपन पड़ोसीक पत्नीक पाछाँ गड़बड़ाइत छल।

यहूदाक लोक सभ एतेक अनैतिक भ' गेल छल जे ओ सभ कामुक घोड़ा जकाँ व्यवहार क' रहल छल।

1. नैतिक अखंडताक संग रहब: प्रलोभनक समक्ष आत्मसमर्पण नहि करब

2. धर्मक शक्ति: ई अहाँक आत्माक लेल की क' सकैत अछि

1. इफिसियों 5:3-4 - मुदा अहाँ सभक बीच यौन अनैतिकता, वा कोनो तरहक अशुद्धि, वा लोभक संकेत सेहो नहि होबाक चाही, किएक तँ ई सभ परमेश् वरक पवित्र लोकक लेल अनुचित अछि। आ ने अश्लीलता, मूर्खतापूर्ण गप्प वा मोट-मोट मजाक, जे बेजाय हो, बल्कि धन्यवाद देबाक चाही।

2. नीतिवचन 5:15-20 - अपन कुंड सँ पानि पीबू, अपन इनार सँ बहैत पानि पीबू। सड़क पर अहाँक झरना, सार्वजनिक चौक पर अहाँक पानिक धार उमड़बाक चाही? असगर अहाँक होबय दियौक, कहियो अनजान लोकक संग नहि बाँटल जाय। अहाँक फव्वारा धन्य हो, आ अहाँ अपन युवावस्थाक पत्नी मे आनन्दित होउ। एकटा प्रेमी हर, एकटा सुन्दर मृग ओकर स्तन अहाँ केँ सदिखन तृप्त करय, अहाँ कहियो ओकर प्रेम सँ मोहित भ' जायब। कियैक बौआ, व्यभिचारी द्वारा मोहित भ' जायब? दोसर पुरुषक पत्नीक छाती किएक गले लगाबी?

यिर्मयाह 5:9 की हम एहि सभक लेल भेंट नहि करब? परमेश् वर कहैत छथि, की हमर प्राण एहि तरहक जाति सँ बदला नहि लेत?

भगवान पूछि रहल छथि जे कोनो एहन राष्ट्र पर कार्रवाई नहि करबाक चाही जे गलत काज केलक अछि।

1. प्रभुक क्रोध: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. अवज्ञा के परिणाम: गलत काज के परिणाम के सामना करब

864

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. इब्रानी 10:30 - किएक तँ हम सभ ओहि बात केँ जनैत छी जे कहने अछि, ‘प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। आ फेर, “प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।”

यिर्मयाह 5:10 अहाँ सभ ओकर देबाल पर चढ़ू आ ओकरा नष्ट करू। मुदा पूरा अंत नहि करू। किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक नहि अछि।

यहूदाक लोक सभ केँ आज्ञा देल गेल अछि जे चढ़ि कऽ नगरक देबाल सभ केँ नष्ट कऽ दियौक, मुदा ओकरा पूरा तरहेँ तोड़ि नहि दियौक। युद्धशाला सभ छीन लेबाक चाही, किएक तँ ओ सभ प्रभुक नहि अछि ।

1. प्रभुक सार्वभौमत्व आ न्याय: परमेश् वरक अधिकार हमरा सभक अधिकार पर कोना आक्रमण करैत अछि

2. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के आज्ञा के पालन करला के लाभ काटना

1. रोमियो 13:1-4 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि।

2. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओ लोक जिनका ओ अपन धरोहरक रूप मे चुनने छथि!

यिर्मयाह 5:11 किएक तँ इस्राएलक वंश आ यहूदाक वंशज हमरा संग बहुत धोखा केलक, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल आ यहूदाक अविश्वासक कारणेँ क्रोधित छथि।

1. भगवान् के प्रति निष्ठा के महत्व

2. भगवान् के प्रति वफादार नै रहला के परिणाम

1. व्यवस्था 11:16-17 - अपना केँ सावधान रहू जे अहाँ सभक मोन धोखा नहि देल जाय, आ अहाँ सभ घुमि कऽ दोसर देवता सभक सेवा करू आ हुनकर आराधना करू। तखन प्रभुक क्रोध अहाँ सभ पर प्रज्वलित भऽ जाय आ ओ आकाश केँ बंद कऽ देलक जे बरखा नहि हो आ देश मे ओकर फल नहि भेटय। और प्रभु जे नीक भूमि अहाँ सभ केँ दैत छथि, ताहि सँ अहाँ सभ जल्दी सँ नाश नहि भऽ जायब।”

2. नीतिवचन 11:20 - जे कुटीर हृदयक अछि, ओ प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा जे अपन बाट मे सोझ अछि, से हुनकर प्रसन्नता होइत अछि।

यिर्मयाह 5:12 ओ सभ परमेश् वर केँ झूठ बाजि कऽ कहलक जे, “ओ नहि छथि। आ ने हमरा सभ पर अधलाह आओत। ने तलवार देखब आ ने अकाल।

यहूदा के लोग प्रभु के अस्वीकार करी कॅ कहलकै कि ओकरा सिनी पर बुराई नै आबै वाला छै आरो ओकरा सिनी कॅ युद्ध या अकाल के अनुभव नै होतै।

1. प्रभु के अस्वीकार करय के खतरा - यिर्मयाह 5:12

2. अविश्वास के परिणाम - यिर्मयाह 5:12

1. यिर्मयाह 17:9 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

2. व्यवस्था 28:47-48 - किएक तँ अहाँ सभ वस्तुक प्रचुरताक कारणेँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक सेवा हर्ष आ हृदयक आनन्द सँ नहि केलहुँ। तेँ अहाँ अपन शत्रु सभक सेवा करब जे

865

परमेश् वर अहाँक विरुद्ध पठौताह, भूख, प्यास, नंगटे आ सभ किछुक अभाव मे, आ ओ अहाँक गला मे लोहाक जुआ लगाओत, जाबत धरि ओ अहाँ केँ नष्ट नहि कऽ देत।

यिर्मयाह 5:13 भविष्यवक्ता सभ हवा बनि जेताह, आ वचन हुनका सभ मे नहि रहतनि।

भविष्यवक्ता लोकनिक वचन खाली आ अपूर्ण अछि, जकर परिणाम अछि जे हुनकर अंत भ' जाइत छनि।

1: अहाँ जे शब्द बजैत छी ताहि सँ सावधान रहू, कारण भगवान् अहाँ केँ ओकरा लेल जवाबदेह ठहराओत।

2: हमरा सभ केँ अपन वचन केँ परमेश्वरक सत्य सँ भरबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन सत्य सँ नहि।

1: याकूब 3:1-2 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे शिक्षक नहि बनू, ई जानि जे एहि तरहेँ हमरा सभ केँ एहि सँ कठोर न्याय होयत। कारण, हम सभ बहुत तरहेँ ठोकर खाइत छी। जँ केओ अपन बात मे ठोकर नहि खाइत अछि तऽ ओ सिद्ध आदमी अछि, पूरा शरीर पर सेहो लगाम लगाबय मे सक्षम अछि ।

2: कुलुस्सी 4:6 - अहाँक बात सदिखन अनुग्रहक संग रहू, नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकैत अछि जे अहाँ सभ केँ एक-एक गोटे केँ कोना उत्तर देबाक चाही।

यिर्मयाह 5:14 एहि लेल सेना सभक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि जे, “अहाँ सभ ई वचन बाजब, हम अहाँक मुँह मे आगि आ एहि लोक सभ केँ लकड़ी बना देब, आ ओ ओकरा सभ केँ खा जायत।”

सेना केरऽ प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि अगर लोग हुनकऽ देलऽ गेलऽ वचन बोलै छै त॑ हुनकऽ वचन ओकरा भस्म करै लेली आगी होय जैतै ।

1. वचनक शक्ति: परमेश् वरक वचन हमरा सभ केँ कोना बदलि सकैत अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: जखन हम सभ परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करैत छी तखन की होइत अछि

1. भजन 12:6 - प्रभुक वचन शुद्ध वचन अछि, जेना चानी माटिक भट्ठी मे परीक्षण कयल गेल अछि, जे सात बेर शुद्ध कयल गेल अछि।

2. याकूब 1:21 - तेँ नटखट सभक सभटा गंदगी आ फालतूता केँ अलग करू आ कलमल वचन केँ नम्रता सँ ग्रहण करू जे अहाँ सभक प्राण केँ बचाबय मे सक्षम अछि।

यिर्मयाह 5:15 हे इस्राएलक घराना, देखू, हम अहाँ सभ पर दूर सँ एकटा जाति आनि देब, परमेश् वर कहैत छथि, ई एकटा पराक्रमी जाति अछि, ई एकटा प्राचीन जाति अछि, जकर भाषा अहाँ नहि जनैत छी आ ने ओ सभक बात बुझैत छी.

प्रभु एकटा शक्तिशाली आ रहस्यमयी राष्ट्र के इस्राएल के घराना में भेजै छै जेकरऽ भाषा ओकरा नै समझै छै ।

1. अनिश्चितताक सामना करैत प्रभु पर भरोसा करब

2. अपरिचितताक शक्ति

1. यशायाह 43:1-3 - "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ।" हमर छी।जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदीक बीच सँ ओ अहाँ पर भारी नहि पड़त, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत प्रभु, तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता।”

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यिर्मयाह 5:16 हुनका सभक कूड़ा खुजल कब्र जकाँ अछि, ओ सभ पराक्रमी छथि।

यिर्मयाह के समय के लोग पराक्रमी आरो शक्तिशाली छै, आरो ओकरोॅ चुभन खुला कब्र के समान छै।

1. परमेश् वरक लोकक शक्ति: हमर सभक ताकत प्रभु सँ कोना अबैत अछि

2. मृत्युक चुभन: खुजल कब्रक चेतावनी पर ध्यान दियौक

1. भजन 18:32-34 - ई परमेश् वर छथि जे हमरा शक्ति सँ हथियारबंद करैत छथि आ हमर बाट सिद्ध करैत छथि।

2. रोमियो 12:11-13 - उत्साह मे कहियो कमी नहि राखू, बल्कि अपन आध्यात्मिक उमंग राखू, प्रभुक सेवा करू।

यिर्मयाह 5:17 ओ सभ अहाँक फसल आ अहाँक रोटी, जे अहाँक बेटा-बेटी सभ खा लेत, से खा जायत, अहाँक भेँड़ा आ अहाँक माल-जाल केँ खा जायत, अहाँक बेल आ अंजीरक गाछ खा जायत आ अहाँक गरीब बना देत बाड़ल शहर, जाहि पर अहाँ भरोसा केने रही, तलवार सँ।

परमेश् वरक लोक सभ केँ ओकर फसल, जानवर आ शहर सभ केँ नष्ट कऽ कऽ ओकर पापक सजा भेटि रहल अछि।

1. पापक परिणाम: यिर्मयाह 5:17 सँ एकटा पाठ

2. परमेश् वरक उपहास नहि कयल जायत: यिर्मयाह 5:17 क चेतावनी पर एक नजरि

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर मे सँ विनाश काटि लेत। मुदा जे आत् माक लेल बोनि लेत से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

2. नीतिवचन 28:13 - जे अपन पाप केँ झाँपैत अछि, ओकर सफलता नहि भेटतैक, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया कयल जायत।

यिर्मयाह 5:18 मुदा ओहि दिन मे, प्रभु कहैत छथि, हम अहाँ सभक संग पूर्ण अंत नहि करब।

परमेश् वर अपन लोक सभक आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ जे विनाश करताह तकर बादो ओ ओकरा सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट नहि करताह।

1. परमेश् वर अपन लोकक प्रति वफादार छथि: यिर्मयाह 5:18 क अन्वेषण

2. भगवानक कृपा: अनुशासन मे सेहो भगवान कोना दयालु आ क्षमाशील छथि

1. भजन 103:8-10 प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि।

2. विलाप 3:22-23 प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 5:19 जखन अहाँ सभ कहब जे, “हमर परमेश् वर यहोवा हमरा सभक लेल ई सभ बात किएक करैत छथि?” तखन अहाँ हुनका सभ केँ उत्तर देबनि जे, जहिना अहाँ सभ हमरा छोड़ि अपन देश मे परदेशी देवता सभक सेवा केलहुँ, तहिना अहाँ सभ ओहि देश मे परदेशी सभक सेवा करब जे अहाँक नहि अछि।”

जखन लोक पूछैत छथि जे भगवान किछु खास काज किएक केलनि त हुनका मोन पाड़ल जाइत छनि जे विदेशी देवता के सेवा के परिणामस्वरूप हुनका परदेश मे अनजान लोक के सेवा करय पड़ल छनि.

1. भगवान् के आज्ञा के अवहेलना के परिणाम

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक आज्ञाक पालन आ अवहेलना करबाक आशीर्वाद आ अभिशाप।

2. यशायाह 1:16-20 - परमेश् वरक इच्छा जे हुनकर लोक हुनका दिस घुरि कऽ उद्धार पाबि लेथि।

यिर्मयाह 5:20 ई बात याकूबक घर मे बताउ आ यहूदा मे प्रचार करू।

इस्राएल आरू यहूदा के लोग प्रभु के आज्ञा कॅ गहराई सें नकारलकै।

1: हमरा सभकेँ पश्चाताप करबाक चाही आ प्रभु लग घुरबाक चाही, कारण ओ एकमात्र एहन छथि जे हमरा सभकेँ अपन पापसँ बचा सकैत छथि।

2: परमेश् वरक आज्ञा केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही, आ जँ हुनकर आशीष प्राप्त करय चाहैत छी तँ ओकर आज्ञाकारी रहबाक चाही।

1: भजन 51:17 - "परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला बलिदान टूटल आत् मा अछि; टूटल आ पश्चाताप कयल हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।"

2: यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत, ताबत तक प्रभु केँ ताकू। जाबत ओ लग मे छथि, हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 5:21 हे मूर्ख लोक, आ बुद्धिहीन लोक सभ, आब ई बात सुनू। जेकरा आँखि अछि, मुदा नहि देखैत अछि। जेकरा कान छै, लेकिन नै सुनै छै।

लोक मूर्ख होइत अछि आ आँखि-कान रहितो समझदारीक अभाव अछि ।

1: ज्ञान आ समझ के खोज के लेल आँखि आ कान खोलय पड़त।

2: हमरा सभकेँ अपना आ अपन आदतिक परीक्षण करबाक चाही जे हम सभ बुद्धिमे बढ़ि रहल छी।

1: नीतिवचन 2:3-5, "हँ, जँ अहाँ ज्ञानक पाछाँ चिचियाइत छी आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी; जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकैत छी आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजैत छी; तखन अहाँ ओकरा डर बुझब।" प्रभु, आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि।”

2: याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

यिर्मयाह 5:22 अहाँ सभ हमरा सँ नहि डरैत छी? परमेश् वर कहैत छथि, की अहाँ सभ हमरा सोझाँ नहि काँपि रहल छी जे समुद्रक बालु केँ सदा-सदा फरमान द्वारा बान्हल अछि जे ओ ओकरा पार नहि कऽ सकैत अछि। भले ओ सभ गर्जैत अछि, मुदा की ओ सभ ओहि पर सँ नहि गुजरि सकैत अछि?

भगवान् भगवान समुद्रक लेल सीमाक सदाबहार फरमान रखने छथि, जाहि सँ ओ कतबो टॉस वा गर्जना करय, ओहि सीमा केँ पार नहि क' सकैत अछि।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: यिर्मयाह 5:22 पर एकटा अध्ययन

2. भगवानक सार्वभौमत्व: ओ हमरा सभ केँ कोना भारी परिस्थिति सँ बचाबैत छथि

1. यशायाह 40:12-17 - के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि क’ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हलक?

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त।

यिर्मयाह 5:23 मुदा एहि लोकक विद्रोही आ विद्रोही हृदय अछि। विद्रोह क' क' चलि गेल छथि।

ई जनता विद्रोही मनोवृत्ति रखैत अछि आ भगवान सँ दूर भटकल अछि ।

1. "विद्रोहक खतरा"।

2. "भगवानक मार्ग पर वापसी"।

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. यिर्मयाह 3:12 - "जाउ आ उत्तर दिस ई बात सभ प्रचार करू आ कहू जे, पाछू हटि रहल इस्राएल, प्रभु कहैत छथि; हम अहाँ सभ पर अपन क्रोध नहि खसब। किएक तँ हम दयालु छी, प्रभु कहैत छथि; हम।" सदाक लेल तमसाएल नहि रहत।'"

यिर्मयाह 5:24 आ ओ सभ अपन मोन मे ई नहि कहैत छथि जे आब हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब, जे पहिल आ बादक समय मे बरखा दैत छथि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनका सँ आदरपूर्ण भय राखू, आ बरखा आ फसलक आशीर्वादक लेल धन्यवादक पात्र रही।

1: कृतज्ञता मे जीना: प्रभु स डरबाक आ हुनकर आशीर्वाद मे आनन्दित हेबाक आह्वान

2: भगवानक दया सदाक लेल टिकैत अछि: वर्षा आ फसलक वरदानक लेल धन्यवाद देबाक स्मरण

1: व्यवस्था 6:13 - अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ भय, हुनकर सेवा करू आ हुनकर नामक शपथ खाउ।

2: भजन 107:1 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि, कारण हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि।

यिर्मयाह 5:25 अहाँक अधर्म एहि सभ बात केँ मोड़ि देलक, आ अहाँक पाप अहाँ सँ नीक बात केँ रोकने अछि।

पापक परिणाम लोक केँ ओ आशीर्वाद नहि भेटि सकल अछि जे ओकरा भेटबाक चाही छल।

1. पापक खर्च: आज्ञा नहि मानब आशीर्वाद कोना रोकैत अछि

2. विद्रोहक बेसी दाम: पाप की लऽ जाइत अछि

1. मत्ती 6:33, "मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. भजन 34:10, "सिंहक बच्चा सभक अभाव होइत छैक, आ भूख सँ पीड़ित होइत छैक, मुदा प्रभुक खोज करयवला सभ केँ कोनो नीक वस्तुक कमी नहि होयत।"

यिर्मयाह 5:26 किएक तँ हमर लोक मे दुष्ट लोक सभ भेटैत अछि, ओ सभ ओहिना प्रतीक्षा मे रहैत अछि जेना जाल मे फँसाबैत अछि। जाल लगा दैत छथि, आदमी पकड़ैत छथि।

दुष्ट लोक परमेश् वरक लोक सभक बीच अनभिज्ञ पीड़ित सभ केँ पकड़बाक लेल जाल लगा रहल अछि।

1. परमेश् वरक लोक दुष्टताक जाल सँ सावधान रहू

2. दुष्टक जाल सँ बचबाक लेल भगवानक नजदीक आनब

1. नीतिवचन 22:3 - "विवेकी आदमी अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।"

2. भजन 91:3 - "ओ अहाँ केँ चिड़ै-चुनमुनीक जाल सँ आ शोरगुल सँ मुक्त कराओत।"

यिर्मयाह 5:27 जहिना पिंजरा चिड़ै सभ सँ भरल होइत छैक, तहिना ओकर घर छल-प्रपंच सँ भरल होइत छैक।

दुष्टक घर छल-प्रपंच सँ भरल अछि, जाहि सँ ओकरा पैघ आ धनिक बनबाक अनुमति भेटैत छैक |

1: हमर सभक जीवन छल पर नहि, सत्य आ न्याय पर बनबाक चाही।

2: दुष्ट अल्पकाल मे समृद्ध बुझाइत होयत, मुदा अंततः अपन दुष्टता सँ नीचाँ आबि जायत।

1: नीतिवचन 11:3 सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

2: भजन 37:16 धर्मात्माक जे किछु अछि से बहुतो दुष्टक धन सँ नीक अछि।

यिर्मयाह 5:28 ओ सभ मोटगर अछि, ओ सभ चमकैत अछि, हँ, ओ सभ दुष्टक काज सभ केँ पार क’ दैत अछि, ओ सभ अनाथ सभक काज पर न्याय नहि करैत अछि, मुदा ओ सभ सफल होइत अछि। आ जरूरतमंदक अधिकारक न्याय नहि करैत छथि।

धनिक लोकनि आत्मसंतुष्ट भ' गेल छथि आ गरीबक जरूरतक उपेक्षा करैत छथि ।

1: हमरा सब के प्रयास करबाक चाही जे पिताहीन आ जरूरतमंद के न्याय भेटय।

2: हमरा लोकनि केँ आत्मसंतुष्ट नहि बनबाक चाही आ गरीबक दुर्दशा केँ नजरअंदाज नहि करबाक चाही।

1: याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

2: यशायाह 10:2 - जरूरतमंद सभ केँ न्याय सँ दूर करब आ हमर लोकक गरीब सभ सँ अधिकार छीनब, जाहि सँ विधवा सभ ओकर शिकार बनि जाय आ अनाथ सभ केँ लूटि सकय!

यिर्मयाह 5:29 की हम एहि सभक लेल भेंट नहि करब? परमेश् वर कहैत छथि, की हमर प्राण एहि तरहक जाति सँ बदला नहि लेत?

भगवान सवाल ठाढ़ क रहल छथि जे गलत काज करय वाला राष्ट्र सं बदला किएक नहि लेबाक चाही.

1. "पश्चाताप के आह्वान: प्रभु के चेतावनी पर ध्यान दियौ"।

2. "प्रभुक धार्मिक क्रोध: ईश्वरीय न्यायक आवश्यकता केँ बुझब"।

1. भजन 7:11 - "परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि, जे परमेश् वर सभ दिन अपन क्रोध व्यक्त करैत छथि।"

2. इजकिएल 18:30-32 - "तेँ हे इस्राएली सभ, हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार न्याय करब अहाँ सभ जे अपराध केलहुँ ताहि मे सँ अपना केँ नव हृदय आ नव आत् मा पाबि।, एहि इस्राएलक लोक सभ, अहाँ सभ किएक मरब? किएक तँ हमरा ककरो मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि, से परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ जीवित रहू!"

यिर्मयाह 5:30 एहि देश मे एकटा अद्भुत आ भयावह काज भेल अछि।

भूमि मे एकटा अद्भुत आ भयावह घटना घटल अछि;

1. पापक शक्ति: आज्ञा नहि मानबाक की परिणाम होइत छैक?

2. पश्चाताप के आवश्यकता: अधर्म के अस्वीकार करब आ धर्म के आत्मसात करब

1. नीतिवचन 14:12, "एकटा बाट अछि जे सही बुझाइत अछि, मुदा अंत मे ओ मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि।"

2. यिर्मयाह 7:3, "इस्राएलक परमेश् वर सर्वशक्तिमान यहोवा कहैत छथि जे अहाँक बाट आ काज मे सुधार करू, आ हम अहाँ केँ एहि ठाम रहय देब।"

यिर्मयाह 5:31 भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ अपन साधन सँ शासन करैत छथि। हमर लोक सभ केँ ई नीक लगैत अछि, आ तकर अंत मे अहाँ सभ की करब?

परमेश् वर के लोग हुनको वचन के बजाय झूठा भविष्यवक्ता आरू झूठा शिक्षा कॅ चुनलकै।

1: झूठा भविष्यवक्ता आ प्रचारक के खतरा

2: शास्त्र मे परमेश् वरक सत्यक खोज

1: यशायाह 8:20 - व्यवस्था आ गवाही केँ: जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

2: 2 कोरिन्थी 11:13-15 - किएक तँ एहन झूठ प्रेरित छथि, धोखेबाज काज करैत छथि, जे अपना केँ मसीहक प्रेरित मे बदलि लैत छथि। आ कोनो आश्चर्य नहि; कारण, शैतान स्वयं प्रकाशक दूत मे बदलि गेल अछि। तेँ जँ हुनकर सेवक सभ सेहो धर्मक सेवक बनि कऽ बदलि जाय तँ ई कोनो पैघ बात नहि। जिनकर अंत हुनका सभक काजक अनुसार होयत।

यिर्मयाह अध्याय 6 यिर्मयाह के भविष्यवाणी संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जेकरा में यहूदा के लगातार आज्ञा नै मानला आरू पश्चाताप करै स॑ इनकार करै के कारण आसन्न विनाश आरू न्याय पर ध्यान देलऽ गेलऽ छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के लोगऽ के अपनऽ आसन्न विनाश स॑ भागै के आह्वान स॑ होय छै (यिर्मयाह 6:1-8)। यिर्मयाह उत्तर दिस सँ आबि रहल दुश्मनक वर्णन करैत छथि, हुनका सभ केँ एकटा विनाशकारी शक्ति सँ तुलना करैत छथि जे यहूदा केँ बर्बाद क' देत। ओ जनता स आग्रह करैत छथि जे ओ गढ़वाली शहर मे सुरक्षा क तलाश करथि मुदा चेतावनी दैत छथि जे ओहो आबै बला आक्रमण कए झेल नहि सकैत अछि।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के विद्रोह आरू पश्चाताप करै स॑ इनकार करै के मूल कारण के उजागर करै छै (यिर्मयाह 6:9-15)। ओ हुनका सभक छल, दुष्टता आ परमेश् वरक नियम केँ अस्वीकार करब पर प्रकाश दैत छथि। भविष्यवक्ता द्वारा चेताओल गेलाक बादो ओ सभ अपन हृदय कठोर कएने छथि आ सुधार सँ मना कएने छथि । हुनका लोकनिक पाप एतेक जड़ि जमा लेने छनि जे आब हुनका सभ केँ लाज नहि होइत छनि आ ने पश्चाताप करबाक आवश्यकता केँ चिन्हैत छनि।

3 पैराग्राफ: अध्याय यहूदा पर परमेश्वर के न्याय के घोषणा के साथ जारी छै (यिर्मयाह 6:16-30)। ओ अपन प्राचीन मार्ग पर वापसी आ हुनका लोकनिक आत्माक लेल विश्राम पाबि पुनर्स्थापनक मार्ग अर्पित करैत छथि | मुदा, ओ सभ हुनकर प्रस्ताव केँ अस्वीकार करैत छथि आ एकर बदला मे अपन इच्छाक पालन करब चुनैत छथि । भगवान् हुनका लोकनिक जिद्द पर विलाप करैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे एकर परिणामस्वरूप हुनका सभ पर विपत्ति आनि देताह |

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के छठम अध्याय में यहूदा के लगातार आज्ञा नै मानला के कारण आसन्न विनाश आरू न्याय के चित्रण छै। यिर्मयाह यरूशलेम के लोगऽ क॑ उत्तर स॑ आबै वाला दुश्मनऽ स॑ भागै लेली आह्वान करै छै, जेकरा स॑ ओकरा सिनी क॑ ई बात के बारे म॑ चेतावनी देलऽ जाय छै कि ओकरा स॑ होबै वाला तबाही के बारे म॑ । ओ यहूदा के विद्रोह के पाछू के मूल कारण के उजागर करै छै, ओकरो धोखा, दुष्टता आरू परमेश् वर के व्यवस्था के अस्वीकार। भविष्यवक्ता सिनी के चेतावनी के बावजूद भी वू अपनऽ दिल कठोर करी क॑ सुधार या पश्चाताप करै स॑ इनकार करी रहलऽ छै । भगवान् हुनका लग वापस आबै के माध्यम स॑ बहाली के रास्ता पेश करै छै, लेकिन वू अपनऽ इच्छा के पालन करै के पक्ष म॑ हुनकऽ प्रस्ताव क॑ अस्वीकार करी दै छै । परिणामस्वरूप भगवान् हुनका सब पर आसन्न विपत्ति के घोषणा करैत छथि | ई अध्याय परमेश्वर के खिलाफ लगातार विद्रोह के परिणाम के बारे में गंभीर चेतावनी के काम करै छै आरू न्याय स॑ बचै आरू

अपनऽ आत्मा के लेलऽ आराम पाबै लेली वास्तविक पश्चाताप के तत्काल जरूरत पर प्रकाश डालै छै ।

यिर्मयाह 6:1 हे बिन्यामीनक सन्तान सभ, यरूशलेमक बीच सँ भागबाक लेल जमा भ’ जाउ, आ टेकुआ मे तुरही बजाउ आ बेतहकेरेम मे आगि केर निशानी लगाउ।

परमेश् वर यिर्मयाह के माध्यम सँ यरूशलेम के लोग सिनी कॅ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि उत्तर तरफ सें आबै वाला बुराई के कारण शहर सें भागी जाय।

1. शीघ्र आज्ञापालन के आवश्यकता - परमेश्वर के चेतावनी पर ध्यान नै देला के परिणाम के खोज करब।

2. विश्वासी पलायन - भगवानक मार्गदर्शन पर भरोसा करबाक महत्व केँ बुझब।

1. मत्ती 10:14-15 - यीशु अपन शिष्य सभ केँ निर्देश दैत छथि जे जखन हुनका सभ केँ सताओल जायत तखन भागि जाय।

2. निकासी 9:13-16 - परमेश् वर फिरौन केँ चेतावनी दैत छथि जे इस्राएली सभ केँ छोड़ि दियौक नहि तँ विनाशक जोखिम उठाउ।

यिर्मयाह 6:2 हम सियोनक बेटी केँ एकटा सुन्दर आ नाजुक स्त्री सँ उपमा देने छी।

परमेश् वर यरूशलेम के तुलना एकटा सुन्दर आ कोमल स् त्री सँ करैत छथि।

1. भगवानक अपन लोकक प्रति प्रेमक सौन्दर्य

2. पश्चाताप आ सुधारक आह्वान

1. भजन 48:2 - "ऊँचाई मे सुन्दर, समस्त पृथ्वीक आनन्द, उत्तर कात मे सियोन पर्वत, महान राजाक नगर अछि।"

2. यशायाह 62:1-2 - "हम सियोन के लेल चुप नहि रहब, आ यरूशलेम के लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत तक ओकर धार्मिकता चमक के रूप मे नहि निकलत आ ओकर उद्धार एकटा जरैत दीपक जकाँ नहि निकलत। गैर-यहूदी सभ।" अहाँक धार्मिकता आ सभ राजा अहाँक महिमा देखताह।”

यिर्मयाह 6:3 चरबाह सभ अपन भेँड़ाक संग ओकरा लग आबि जायत। ओ सभ ओकरा चारू कात अपन डेरा ठाढ़ करत। ओ सभ एक-एक केँ अपन-अपन स्थान पर पेट भरत।

चरबाह सभ अपन झुंडक संग एकटा निश्चित स्थान पर आबि ओकरा चारू कात डेरा खसा देत, आ ओ सभ प्रत्येक अपन-अपन झुंड केँ अपन-अपन स्थान पर पोसत।

1. परमेश् वर अपन लोकक देखभाल: परमेश् वर चरबाह सभक माध्यमे अपन झुंडक देखभाल कोना करैत छथि।

2. समुदायक शक्ति: एक संग काज करबा स सफलता कोना भेटैत अछि।

1. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शान्त पानि मे लऽ जाइत छथि। ओ हमर प्राण केँ पुनर्स्थापित करैत छथि, ओ हमरा अपन नामक लेल धर्मक बाट पर लऽ जाइत छथि।

2. प्रेरित 20:28-29 - तेँ अहाँ सभ अपना केँ आ ओहि समस्त भेँड़ा सभक प्रति सावधान रहू, जकरा पर पवित्र आत् मा अहाँ सभ केँ पर्यवेक्षक बनौने छथि, जाहि सँ परमेश् वरक मण् डली केँ पोसब, जकरा ओ अपन खून सँ कीनि लेने छथि। हम ई बात जनैत छी जे हमर गेलाक बाद अहाँ सभक बीच मे भेड़ियाधसान सभक बीच आबि जायत, जे भेँड़ा केँ नहि छोड़त।

यिर्मयाह 6:4 अहाँ सभ ओकरा विरुद्ध युद्ध तैयार करू। उठू, आ दुपहर मे ऊपर चलि जाइ। हमरा सभक धिक्कार! किएक तँ दिन चलि जाइत अछि, किएक तँ साँझक छाया पसरल अछि।

यिर्मयाह यहूदा के लोग सिनी कॅ दुपहर में युद्ध के तैयारी करै लेली आह्वान करै छै।

1. आध्यात्मिक युद्ध के तैयारी के लेल यिर्मयाह 6:4 के उपयोग करब

2. तैयारी के तात्कालिकता: यिर्मयाह 6:4 स सीखब

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।

2. रोमियो 13:11-14 - प्रभु यीशु मसीह केँ पहिरू, आ शरीरक इच्छा केँ पूरा करबाक लेल कोनो प्रबंध नहि करू।

यिर्मयाह 6:5 उठू, राति मे जाउ, आ ओकर महल सभ केँ नष्ट क’ दी।

लोक सभ केँ यिर्मयाह द्वारा निर्देश देल गेल अछि जे उठि कऽ राति मे महल सभ केँ नष्ट करबाक लेल जाउ।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के निर्देश के पालन करना सीखना

2. विवेकक आवश्यकता: हल्लाक बीच भगवानक आवाज केँ चिन्हब

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 1:22-25 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल। मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि, जे बिसरनिहार श्रोता नहि अछि, अपितु काज करयवला कर्ता अछि, ओ अपन कर्म मे धन्य होयत।

यिर्मयाह 6:6 सेनाक परमेश् वर ई कहने छथि जे, “गाछ काटि कऽ यरूशलेम पर पहाड़ फेकि दिअ।” ओ अपन बीच मे पूर्णतः अत्याचार छथि ।

सेना केरऽ प्रभु न॑ लोगऽ क॑ आज्ञा देल॑ छै कि यरूशलेम केरऽ घेराबंदी करी क॑ रखलऽ जाय, कैन्हेंकि ई एगो अत्याचार केरऽ शहर छेकै ।

1. प्रभुक न्यायक आह्वान: हम सभ अत्याचारक प्रतिक्रिया कोना दऽ सकैत छी

2. हमरा सभ केँ उत्पीड़ित सभक रक्षा किएक करबाक चाही: बाइबिल केर दृष्टिकोण

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. आमोस 5:24 - मुदा न्याय पानि जकाँ गुड़कि जाय आ धर्म सदिखन बहैत धार जकाँ।

यिर्मयाह 6:7 जेना फव्वारा अपन पानि केँ बाहर निकालैत अछि, तहिना ओ अपन दुष्टता केँ बाहर निकालैत अछि। हमरा सोझाँ निरंतर शोक आ घाव अछि।

यहूदा पर परमेश् वर के न्याय एक फव्वारा के तरह छै जे लगातार दुष्टता आरू हिंसा पैदा करै छै।

1: यिर्मयाह 6:7 मे परमेश् वर हमरा सभ केँ हमर सभक काजक परिणामक बारे मे चेतावनी दैत छथि, आओर जँ हम सभ सावधान नहि रहब तँ हम सभ अपना केँ गहींर संकट मे पाबि सकैत छी।

2: हमरा सभ केँ यिर्मयाह 6:7 पर ध्यान देबाक चाही आ अपन पापक परिणाम आ ओकरा लेल पश्चाताप करबाक महत्वक प्रति जागरूक रहबाक चाही।

1: नीतिवचन 21:4 - ऊँच नजरि, घमंडी हृदय, आ दुष्टक जोतब पाप अछि।

2: रोमियो 3:10-12 - जेना कि धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “केओ धर्मी, नहि, एको नहि अछि।” सब बाट सॅं हटि गेल अछि, एक संग बेकार भ' गेल अछि; नीक काज करयवला केओ नहि अछि, एको नहि अछि।

यिर्मयाह 6:8 हे यरूशलेम, तोरा शिक्षा देल जाय, कहीं हमर प्राण तोरा सँ नहि हटि जाय। कहीं हम तोरा उजाड़ नहि कऽ देब, जाहि देश मे लोक नहि रहय।”

प्रभु यरूशलेम के निर्देश दै छै कि सावधान रहै, नै कि वू ओकरा सिनी सें दूर नै होय जाय आरू ओकरा सिनी कॅ उजाड़ नै करी दै, जेकरा में कोय नै रह॑।

1: भगवान s उजाड़ के चेतावनी

2: सबहक भलाई लेल भगवानक निर्देशक पालन करब

यशायाह 29:13-14 आ प्रभु कहलथिन, “किएक त’ ई लोक अपन मुँह सँ नजदीक आबि क’ अपन ठोर सँ हमरा आदर करैत अछि, जखन कि ओकर हृदय हमरा सँ दूर अछि, आ हमरा सँ ओकर डर मनुक्ख द्वारा सिखाओल गेल आज्ञा अछि, तेँ देखू, हम फेर एहि लोकक संग आश्चर्य पर आश्चर्यक काज करब। हुनका सभक ज्ञानी सभक बुद्धि नाश भऽ जायत, आ हुनका सभक विवेकी लोकक विवेक नुकायल रहत।

यिर्मयाह 5:21-23 हे मूर्ख, आ बुद्धिहीन लोक सभ, आब ई बात सुनू। जेकरा आँखि अछि, मुदा नहि देखैत अछि। जेकरा कान छै, लेकिन नै सुनै छै, तोहें हमरा सें नै डरै छियै? प्रभु कहैत छथि, की अहाँ सभ हमरा सोझाँ नहि काँपि रहल छी, जे बालु केँ सदा-सदा फरमान द्वारा समुद्रक बान्हबाक लेल राखि देने छी जे ओ ओकरा पार नहि कऽ सकैत अछि। भले ओ सभ गर्जैत अछि, मुदा की ओ सभ ओहि पर सँ नहि गुजरि सकैत अछि?

यिर्मयाह 6:9 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “ओ सभ इस्राएलक शेष भाग केँ बेल जकाँ तोड़ि लेत।”

सेना केरऽ परमेश् वर इस्राएल कॅ आज्ञा दै छै कि अंगूर काटै वाला के रूप में बेल में सें जे भी फल बचलोॅ जाय छै, ओकरा तोड़ी लेतै।

1. परमेश् वरक आह्वान जे चकनाचूर करब: आज्ञाकारिता के फसल काटब

2. प्रभु के पास वापसी: क्रोध के एक अंगूर

1. गलाती 6:7-9 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत।

2. मत्ती 21:33-41 - एकटा आओर दृष्टान्त सुनू: एकटा घरक मालिक छल, जे अंगूरक बगीचा रोपने छल, ओकरा चारू कात बाढ़ि बनौने छल, आ ओहि मे दारू के चूहा खोदने छल, आ एकटा बुर्ज बनौने छल, आ ओकरा किसान सभक लेल छोड़ि देने छल, आ... दूरक देश मे चलि गेल।

यिर्मयाह 6:10 हम केकरा सँ बात करब आ चेतावनी देब जे ओ सभ सुनथि? देखू, हुनका सभक कान खतना नहि भेल अछि आ ओ सभ बात नहि सुनि सकैत अछि। ओकरा सभकेँ एहिमे कोनो आनन्द नहि होइत छैक।

परमेश् वर लोक सभ सँ गप्प करैत छथि मुदा ओ सभ नहि सुनि सकैत छथि, किएक तँ हुनकर सभक हृदय खतना नहि भेल अछि आ परमेश् वरक वचन मे हुनका सभ केँ कोनो आनन्द नहि छनि।

1. हृदयक कठोरता: अखतना के कान कोना दूर कयल जाय।

2. वचनक शक्ति: प्रभुक संदेश मे आनन्द कोना भेटत।

1. भजन 119:16 - "हम अहाँक नियम मे आनन्दित रहब। हम अहाँक वचन नहि बिसरब।"

2. रोमियो 2:29 - "मुदा ओ यहूदी छथि, जे भीतर सँ एक छथि; आ खतना हृदय सँ, आत् मा सँ होइत अछि, आ अक्षर मे नहि; जिनकर स्तुति मनुष्य सँ नहि, बल् कि परमेश् वर सँ होइत अछि।"

यिर्मयाह 6:11 तेँ हम परमेश् वरक क्रोध सँ भरल छी। हम ओकरा पकड़ि कऽ थाकि गेल छी, हम एकरा बाहरक बच्चा सभ पर आ युवक सभक जमात पर उझलि देब, किएक तँ पत्नीक संग पति केँ सेहो पकड़ल जायत, जे बूढ़ दिन भरि गेल अछि।

ई अंश परमेश् वर के क्रोध आरू न्याय के बात करै छै, आरू ई कोना सब पर उझल जैतै, चाहे ऊ उम्र, लिंग या हैसियत के कोय भी बात होय।

1. प्रभुक न्याय अपरिहार्य अछि - ई परीक्षण करब जे कोना भगवानक निर्णय सँ ककरो नहि बचि सकैत अछि।

2. प्रभुक प्रेम अकाट्य अछि - चर्चा करब जे कोना भगवानक प्रेम ओकरा स्वीकार करय बला सभक लेल एकटा निरंतरता अछि।

1. रोमियो 3:23-24 - सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि

2. भजन 103:8-12 - प्रभु दयालु आ दयालु छथि, प्रेम मे भरपूर छथि।

यिर्मयाह 6:12 हुनकर सभक घर दोसर दिस घुमाओल जायत, हुनकर खेत आ पत्नी सभक संग, किएक तँ हम एहि देशक निवासी सभ पर अपन हाथ पसारब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अपन हाथ पसारि कऽ ओहि देशक निवासी सभक घर, खेत आ स् त्रीगण सभ केँ छीन कऽ सजा देथिन।

1. परमेश् वर दयालु आ न्यायी छथि: यिर्मयाह 6:12 केँ बुझब

2. प्रभुक धार्मिक न्याय: जे बोबैत छी से काटि लेब

1. यशायाह 5:8-9 - "हाय ओहि सभक लेल जे घर-घर जोड़ैत अछि, जे खेत-पथार मे खेत-पथार ता धरि नहि छोड़ैत अछि, जाहि सँ ओ सभ पृथ्वीक बीच मे असगर राखल जा सकय!"

2. व्यवस्था 28:30 - "अहाँ एकटा पत्नीक सगाई करब, आ दोसर पुरुष ओकरा संग सुतय। अहाँ घर बनाउ, आ अहाँ ओहि मे नहि रहब। अहाँ अंगूरक बगीचा लगाउ आ ओकर अंगूर नहि जुटब।"

यिर्मयाह 6:13 किएक तँ हुनका सभ मे सँ छोट-छोट सँ पैघ लोक धरि सभ कियो लोभ मे डूबल छथि। भविष्यवक्ता सँ ल' क' पुरोहित धरि सभ झूठ-झूठ काज करैत अछि।

छोट सँ पैघ सब कियो लोभ आ छल मे देल गेल अछि।

1. लोभ एकटा अपरिहार्य प्रलोभन अछि जकरा हमरा सभकेँ पार करबाक चाही

2. छलक खतरा

1. याकूब 1:13-15 - जखन परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन कियो ई नहि कहबाक चाही जे, परमेश् वर हमरा परीक्षा मे छथि। किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि पाबि सकैत छथि आ ने ककरो परीक्षा दैत छथि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन-अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि | तखन इच्छाक गर्भधारणक बाद पापक जन्म होइत छैक; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

2. लूका 12:15 - तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “देखू! सब तरहक लोभ सँ सावधान रहू। जीवन सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक |

यिर्मयाह 6:14 ओ सभ हमर लोकक बेटीक आहत केँ कनेक ठीक क’ देलनि, ई कहैत जे, “शांति, शान्ति; जखन शांति नहि अछि।

भगवान् के लोक अपन आहत के गंभीरता स नै ल रहल छैथ आ मात्र झूठ शांति के अर्पित क रहल छैथ।

1: हमरा सभकेँ सच्चा शांति अवश्य देबाक चाही आ झूठ सुरक्षा नहि।

2: हमरा सभकेँ अपन चोटकेँ गंभीरतासँ अवश्य लेबाक चाही आ ओकरा एक कात ब्रश नहि करबाक चाही।

1: यशायाह 57:21 - हमर भगवान कहैत छथि, "दुष्ट लोकक लेल शान्ति नहि अछि।"

2: 2 पत्रुस 3:9 - प्रभु अपन प्रतिज्ञा पूरा करबा मे देरी नहि करैत छथि जेना कियो मंद मानैत छथि, बल् कि अहाँ सभक प्रति धैर्य रखैत छथि, ई नहि चाहैत छथि जे कियो नाश भ’ जाय, बल् कि सभ पश्चाताप मे पहुँचि जाय।

यिर्मयाह 6:15 की ओ सभ घृणित काज कएला पर लाज भेल? नहि, ओ सभ कोनो तरहक लाज नहि लागल आ ने लजा सकल, तेँ ओ सभ खसनिहार सभक बीच खसि पड़त।

घृणित काज करनिहार लोक खसि पड़त आ प्रभु हुनका सभक दर्शन करबा काल हुनका सभक न्याय कयल जायत।

1. प्रभुक न्याय हमरा सभकेँ भेटत

2. भगवानक न्याय अपरिहार्य अछि

1. इजकिएल 7:3-4 - "आब अहाँ पर अन्त आबि गेल अछि, आ हम अहाँ पर अपन क्रोध पठा देब, आ अहाँक मार्गक अनुसार अहाँक न्याय करब, आ अहाँक सभ घृणित काजक बदला अहाँ पर देब। आ हमर आँखि नहि करत।" अहाँ केँ बख्शाउ, आ हमरा दया नहि होयत, मुदा हम अहाँक मार्गक बदला अहाँ पर देब, आ अहाँक घृणित काज अहाँक बीच मे होयत, तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।”

2. रोमियो 2:4-5 - "की अहाँ हुनकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी; ई नहि जनैत छी जे परमेश् वरक भलाई अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाइत अछि? मुदा अहाँक कठोरता आ पश्चाताप नहि करयवला हृदयक बाद दिनक विरुद्ध क्रोध केँ अपना लेल जमा करैत छी।" क्रोध आ परमेश् वरक धार्मिक न्यायक प्रकटीकरणक।”

यिर्मयाह 6:16 परमेश् वर ई कहैत छथि, “तो सभ बाट मे ठाढ़ भ’ क’ देखू, आ पुरान बाट सभ केँ माँगू, जे नीक बाट कतय अछि, आ ओहि मे चलू, तखन अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत।” मुदा ओ सभ कहलथिन, “हम सभ ओहि मे नहि चलब।”

परमेश् वरक अपन आत्माक लेल विश्रामक वचनक बादो यिर्मयाहक समयक लोक सभ पुरान बाट पर चलबा सँ मना कऽ देलक।

1. हमरा सभक जीवनक लेल परमेश् वरक प्रतिज्ञा - यिर्मयाह 6:16

2. पुरान बाट मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब - यिर्मयाह 6:16

1. यशायाह 55:3 - कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, जाहि सँ अहाँक प्राण जीवित रहय। हम अहाँ सभक संग एकटा अनन्त वाचा करब, जे दाऊदक प्रति हमर दृढ़ आ निश्चिंत प्रेम अछि।

2. इब्रानी 13:9 - विविध आ विचित्र शिक्षा द्वारा नहि लऽ जाउ, किएक तँ ई नीक अछि जे हृदय केँ अनुग्रह सँ मजबूत कयल जाय, भोजन सँ नहि, जाहि सँ ओकरा प्रति समर्पित लोक केँ कोनो फायदा नहि भेलैक।

यिर्मयाह 6:17 हम अहाँ सभक ऊपर चौकीदार राखि कऽ कहैत छी जे, “तुरहीक आवाज सुनू।” मुदा ओ सभ कहलथिन, “हम सभ नहि सुनब।”

यहूदाक लोक सभ ओहि तुरहीक आवाज केँ सुनबा सँ मना क' देलक जे चौकीदार सभ द्वारा चेतावनी देल गेल छल।

1. "सतर्क रहू: चौकीदारक चेतावनी पर ध्यान दियौक"।

2. "भगवान दिस मुड़ू: तुरहीक आह्वान सुनब"।

1. यशायाह 30:21 "अहाँ सभक कान अहाँ सभक पाछू एकटा शब्द सुनत जे, 'ई बाट अछि, एहि मे चलू,' जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब।"

2. भजन 81:13 "ओह, जँ हमर लोक हमर बात सुनितथि, जे इस्राएल हमर बाट पर चलितथि!"

यिर्मयाह 6:18 तेँ हे जाति सभ, सुनू, आ जानि लिअ, हे मंडली, ओकरा सभक बीच की अछि।

परमेश् वर जाति सभ केँ अपन वचनक सत्यता केँ सुनबाक आ बुझबाक लेल बजबैत छथि।

1. "राष्ट्र सुनैत अछि: परमेश् वरक वचनक सत्यता केँ बुझब"।

2. "आह्वान पर ध्यान दियौ: परमेश् वरक वचनक विवेक"।

1. यशायाह 55:3, "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, आ अहाँक प्राण जीवित भ' जायत; आ हम अहाँ सभक संग अनन्त वाचा करब, दाऊदक निश्चित दया।"

2. याकूब 1:22-25, "मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहि आदमी जकाँ अछि जे अपन स्वभाव केँ ध्यान सँ देखैत अछि।" ऐना मे मुँह।किएक तँ ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल।मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता रखैत अछि, ओ श्रोता नहि अछि जे बिसरि जाइत अछि, अपितु काज करयवला कर्मक अछि, ओ अपन करबा मे धन्य हेताह।"

यिर्मयाह 6:19 हे पृथ्वी, सुनू, देखू, हम एहि लोक सभ पर अधलाह आनि देब, जे ओकर विचारक फल अछि, किएक तँ ओ सभ हमर वचन आ ने हमर व्यवस्थाक बात नहि सुनलक, बल् कि ओकरा अस्वीकार क’ देलक।

परमेश् वर अपन लोक केँ ओकर वचन आ नियम केँ अस्वीकार करबाक लेल सजा देताह।

1. भगवान् के वचन के अस्वीकार करला स परिणाम अबैत अछि

2. हमर विचारक फल हमरा लोकनिक कर्म मे प्रकट होइत अछि

1. नीतिवचन 4:23- सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, कारण अहाँक सभ काज ओहि सँ बहैत अछि।

2. रोमियो 2:6-8 परमेश् वर प्रत्येक व्यक्ति केँ ओहि अनुसार प्रतिफल देताह जे ओ केने छथि। जे नीक काज मे अडिग रहि क' महिमा, सम्मान आ अमरत्वक खोज करैत छथि, हुनका सभ केँ ओ अनन्त जीवन देथिन। मुदा जे स्वार्थी छथि आ जे सत्य के नकारैत अधलाह के पालन करैत छथि हुनका लेल क्रोध आ क्रोध होयत।

यिर्मयाह 6:20 हमरा कोन काज लेल शेबा सँ धूप आ दूर देश सँ मीठ बेंत अबैत अछि? अहाँक होमबलि हमरा लेल स्वीकार्य नहि अछि आ ने अहाँक बलिदान हमरा लेल मधुर अछि।

भगवान् लोकक प्रसाद आ बलिदान केँ अस्वीकार करैत छथि, कारण ओ निश्छल आ दायित्व सँ कयल गेल अछि |

1. बलिदान आ भगवानक आज्ञापालनक जीवन जीब

2. दानक हृदय - असली बलिदानक महत्व

1. मत्ती 5:23-24 - तेँ जँ अहाँ वेदी पर अपन वरदान चढ़ा रहल छी आ ओतय मोन राखू जे अहाँक भाइ वा बहिन अहाँक विरुद्ध किछु अछि तँ अपन उपहार ओतहि वेदीक आगू छोड़ि दियौक। पहिने जाउ आ हुनका सभक संग मेल-मिलाप करू; तखन आबि अपन उपहार चढ़ाउ।

2. इब्रानियों 13:15-16 - अतः, यीशुक द्वारा, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान दैत ठोर सभक फल अर्पित करी जे खुलि कऽ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि। आ नीक काज करब आ दोसरक संग बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

यिर्मयाह 6:21 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम एहि लोक सभक सोझाँ ठोकर खाएब, आ बाप-बाप-पुत्र सभ मिलिकय ओकरा सभ पर खसि पड़त। पड़ोसी आ ओकर मित्र नाश भ’ जेतै।

यहूदा के लोगऽ के सामने परमेश् वर ठोकर लगाबै वाला छै, जेकरा चलतें पिता-पुत्र के साथ-साथ दोस्त आरू पड़ोसी के भी नाश होय जैतै।

1. प्रलोभनक खतरा: पाप मे पड़बा सँ कोना बचि सकैत छी

2. परमेश् वरक निर्णय: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. याकूब 1:13-15 - जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे "हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी," कारण परमेश् वर केँ बुराई सँ परीक्षा नहि देल जा सकैत अछि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत छथि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित होइत अछि । तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि |

2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ सही बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

यिर्मयाह 6:22 प्रभु ई कहैत छथि, “देखू, उत्तर देश सँ एकटा लोक आबि रहल अछि आ पृथ्वीक कात सँ एकटा पैघ जाति उठत।”

भगवान् उत्तर सँ आबै वाला एगो राष्ट्र के प्रकट करै छै जे शक्तिशाली होतै।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब सीखब

2. अनिश्चित समय मे रहब: प्रभु मे सुरक्षा पाब

1. यशायाह 7:14-17; "एहि लेल प्रभु स्वयं अहाँ सभ केँ एकटा संकेत देथिन। देखू, कुमारि गर्भवती भ' क' एकटा बेटा पैदा करत आ ओकर नाम इम्मानुएल राखत।"

2. यशायाह 40:30-31; "युवक सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, आ युवक सभ एकदम खसि पड़त, मुदा प्रभुक प्रतीक्षा करयवला सभ अपन सामर्थ्य नवीनीकरण करत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि क' नहि, चलत।" आ बेहोश नहि भ’ जाइत अछि।”

यिर्मयाह 6:23 ओ सभ धनुष आ भाला पकड़त। क्रूर छथि, आ कोनो दया नहि रखैत छथि। हुनका लोकनिक आवाज समुद्र जकाँ गर्जैत अछि। ओ सभ घोड़ा पर सवार भ’ क’, हे सियोनक बेटी, तोरा विरुद्ध युद्ध करबाक लेल सज-धज क’ क’ बैसल छथि।”

यरूशलेम के लोगऽ पर एक निर्दयी आरू क्रूर दुश्मन के हमला छै जे धनुष आरू भाला स॑ लैस छै आरू जे घोड़ा पर सवार छै, जे युद्ध लेली तैयार छै ।

1. उत्पीड़न के बीच भगवान के दया

2. विपत्तिक समय मे भगवान् केर निष्ठा

1. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 6:24 हम सभ एकर प्रसिद्धि सुनलहुँ, हमर सभक हाथ कमजोर भ’ गेल अछि, हमरा सभ केँ पीड़ा आ पीड़ा जेना प्रसव मे पड़ल स्त्री केँ पकड़ि लेलक अछि।

यरूशलेम के लोग अपनऽ शहर के आसन्न विनाश के बारे में सुनी क॑ पीड़ा आरू पीड़ा स॑ भरलऽ छै ।

1. परमेश् वरक न्याय आबि रहल अछि, मुदा हमरा सभ केँ डरबाक आवश्यकता नहि अछि किएक तँ ओ प्रेमी आ कृपालु पिता छथि।

2. हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही आ परमेश् वरक शान्ति आ दया भेटबाक लेल अपन पाप सँ मुड़बाक चाही।

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 6:25 खेत मे नहि जाउ आ ने बाट मे चलू। किएक तँ दुश्मनक तलवार आ भय चारू कात अछि।

लोक सभ के चेतावनी देल गेल अछि जे बाहर नहि जाए किएक त सभ ठाम दुश्मन अछि.

1. डर नहि: भगवान् पर विश्वासक माध्यमे दुश्मनक शक्ति पर विजय प्राप्त करब

2. प्रभु पर भरोसा करब: कठिन समय मे शांति आ आराम भेटब

1. यशायाह 41:10 "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 25:12 "तखन प्रभुक भय के अछि? ओ ओकरा ओ बाट देखाओत जे ओकरा चुनबाक चाही।"

यिर्मयाह 6:26 हे हमर लोकक बेटी, तोरा बोरा पहिरि कऽ राख मे लहराउ, अहाँ केँ एकलौता बेटा जकाँ शोक करब, कारण, लुटनिहार अचानक हमरा सभ पर आबि जायत।

लोक सभ केँ बोरा पहिरि क' राख मे लहराब' क' अचानक बिगाड़निहारक आगमनक शोक मे लहराब' पड़त।

1. स्पॉइलर के आबै के तैयारी केना करब

2. विध्वंसक अचानक आबय के शोक

1. विलाप 1:15-16 - "प्रभु हमर बीच मे हमर सभ पराक्रमी केँ पैर नीचाँ दबा देलनि। हमर युवक सभ केँ कुचलबाक लेल हमरा विरुद्ध एकटा सभा बजौलनि। प्रभु यहूदाक बेटी कुमारि केँ दबा देलनि।" , जेना दाखक चूहा मे होइत अछि। एहि बात सभक लेल हम कानैत छी, हमर आँखि, हमर आँखि पानि सँ बहैत अछि, किएक तँ हमर प्राण केँ आराम देबऽ बला सान्त्वना हमरा सँ दूर अछि।

2. मत्ती 24:36-44 - "मुदा ओहि दिन आ घड़ीक विषय मे केओ नहि जनैत अछि, स् वर्गक स् वर्गदूत सभ नहि, मात्र हमर पिता मात्र जनैत अछि मनुष्य हो।जहिना जलप्रलय सँ पहिने के दिन मे ओ सभ खाइत-पीबैत छल, विवाह करैत छल आ विवाह करैत छल, जाबत धरि नूह जहाज मे प्रवेश नहि केलक, ताबत धरि नहि बुझल छल जाबत धरि जलप्रलय नहि आबि गेल छल आ ओकरा सभ केँ नहि ल’ गेल छल मनुख-पुत्रक आगमन सेहो होयत।तखन दू गोटे खेत मे रहताह, एकटा केँ लऽ जायत आ दोसर केँ छोड़ि देल

जायत, दू टा स्त्री चक्की मे पीसत, एकटा केँ लऽ जायत आ दोसर छोड़ि देल जायत। तेँ जागरूक रहू, किएक तँ अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँक प्रभु कोन समय मे आओत।”

यिर्मयाह 6:27 हम अहाँ केँ अपन लोकक बीच एकटा बुर्ज आ किला बनौने छी, जाहि सँ अहाँ हुनका सभक बाट केँ जानि सकब आ परखब।

यिर्मयाह परमेश् वर के लोगऽ के बीच एगो टावर आरू किला के रूप में नियुक्त करलऽ गेलऽ छै ताकि ओकरा परखलऽ जाय आरू ओकरऽ अवलोकन करलऽ जाय सक॑ ।

1. परमेश् वरक सत्यक लेल ठाढ़ रहबाक महत्व।

2. भगवानक दूत बनबाक चुनौती।

1. इफिसियों 6:14 - तेँ अपन कमर केँ सत्य सँ बान्हि क’ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू।

2. यिर्मयाह 1:7-8 - मुदा प्रभु हमरा कहलनि, “ई नहि कहब जे हम मात्र युवा छी; हम जिनका लग पठबैत छी, तकरा लग जायब, आ जे आज्ञा हम अहाँ केँ कहब, से कहब।” हुनका सभ सँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ सभ केँ उद्धार करबाक लेल अहाँक संग छी, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 6:28 ओ सभ घोर विद्रोही अछि, जे निन्दा करैत चलैत अछि, ओ सभ पीतल आ लोहाक अछि। सब भ्रष्टाचारी छथि।

सब लोक झूठ के संग चलय के आ दोसर के भ्रष्ट करय के दोषी अछि.

1. गपशप आ निंदाक खतरा

2. दोसर के भ्रष्ट करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 10:19 - जखन शब्द बेसी होइत अछि तखन पाप अनुपस्थित नहि होइत अछि, मुदा जे जीह पकड़ैत अछि ओ बुद्धिमान होइत अछि।

2. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराई के बदला मे बुराई नहि दियौक। सबहक नजरि मे जे उचित अछि से करबा मे सावधान रहू। जँ संभव अछि तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि तऽ सबहक संग शांति सँ रहू। हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल्कि भगवानक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, कारण लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत: जँ अहाँक दुश्मन भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ प्यासल अछि तँ ओकरा किछु पीबय दियौक। एना करबा मे अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब। अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ अधलाह पर विजय प्राप्त करू।

यिर्मयाह 6:29 बेल जरि गेल अछि, सीसा आगि मे भस्म भ’ गेल अछि। संस्थापक व्यर्थे पिघलैत अछि, किएक तँ दुष्ट केँ उखाड़ल नहि जाइत छैक।

दुष्ट के प्रयास के बादो नै लऽ जाय रहलऽ छै ।

1: हमरा सभकेँ अपन जीवनमे बुराईकेँ नहि रहय देबाक चाही आ ओकरासँ लड़ैत रहबाक चाही।

2: खराब बात भेला पर हमरा सब के हतोत्साहित नै होबाक चाही, बल्कि मजबूत रहबाक चाही आ नीक भविष्य के लेल काज करैत रहबाक चाही।

1: इफिसियों 4:27 - "आ शैतान केँ पैर नहि दियौक।"

2: फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

यिर्मयाह 6:30 लोक ओकरा सभ केँ निन्दित चानी कहत, किएक तँ परमेश् वर ओकरा सभ केँ अस्वीकार कऽ देलक।

880

परमेश् वर हुनका सभ केँ अस्वीकार कऽ देने छथि जे हुनकर पाछाँ नहि चलैत छथि, आ हुनका सभ केँ तिरस्कृत कहल जायत।

1. भगवान् केँ अस्वीकार करबाक खतरा: भगवान् केँ अस्वीकार करबाक भयावह परिणाम होइत छैक।

2. सब कियो भगवान् स्वीकार नहि करैत छथि: हमरा सभ केँ भगवान् द्वारा स्वीकार करबाक प्रयास करबाक चाही आ हुनकर बाट पर चलबा मे असफल नहि रहबाक चाही।

1. यशायाह 55:6-7: जाबत धरि ओ भेटि जेताह ताबत तक प्रभु केँ ताकू। जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. लूका 9:23-24: ओ सभ केँ कहलथिन, “जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ अस्वीकार करऽ आ प्रतिदिन अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ लागय।” कारण जे अपन प्राण बचाबय चाहैत अछि से ओकरा गमा देत, मुदा जे हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत से बचाओत।

यिर्मयाह अध्याय 7 में परमेश्वर के तरफऽ स॑ एगो शक्तिशाली संदेश छै, जे यिर्मयाह के माध्यम स॑ देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ यहूदा के लोगऽ के पाखंड आरू झूठा आराधना के संबोधित करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह यरूशलेम के मंदिर के प्रवेश द्वार पर खड़ा होय के साथ होय छै, जे परमेश्वर के तरफ स॑ एगो संदेश के घोषणा करै छै (यिर्मयाह 7:1-8)। ओ लोक सभ केँ अपन बाट मे सुधार करबाक आ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक सलाह दैत छथि। हुनका सब क॑ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै कि हुनकऽ सुरक्षा मंदिर म॑ ही होय के दावा करै वाला धोखाधड़ी वाला शब्दऽ प॑ भरोसा नै करलऽ जाय । बल्कि न्याय के पालन करय पड़तनि, दोसर पर अत्याचार करय सं परहेज करय पड़तनि, आ दोसर देवता के पालन करब छोड़य पड़तनि.

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह लोकक धार्मिक संस्कारक आधार पर सुरक्षाक झूठ भावना केँ उजागर करैत छथि (यिर्मयाह 7:9-15)। भगवान केरऽ पूजा करै के दावा करतें हुअ॑ बेईमानी के काम करै के कारण ओकरा सिनी के सामना करै छै । मंदिर में जा क बलि चढ़ौला के बादो मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार, आरू झूठ बोलै जैसनऽ विभिन्न पाप करै के काम जारी छै । यिर्मयाह चेतावनी दै छै कि हुनकऽ अपश् चात्ताप नै करै वाला दिल आरू आज्ञा नै मानला के कारण, परमेश् वर हुनका सिनी पर न्याय लानै छै आरू यरूशलेम क॑ उजाड़ करी देतै।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे इस्राएल पर ओकर आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ पूर्वक न्यायक स्मरण कयल गेल अछि (यिर्मयाह 7:16-20)। यिर्मयाह के परमेश् वर के निर्देश छै कि लोग सिनी के लेलऽ प्रार्थना नै कर॑, कैन्हेंकि हुनी ओकरऽ लगातार दुष्टता के कारण नै सुनतै । लोक सभ हुनका अपन मूर्तिपूजाक प्रथा सँ उकसौने छथि भले ओ बेर-बेर भविष्यवक्ता सभ केँ पठा देने छलाह जे हुनका सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल चेतावनी देलनि।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन खाली धार्मिक संस्कार पर सच्चा आज्ञाकारिता पर जोर दैत अछि (यिर्मयाह 7:21-28)। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे हुनका बलिदानक इच्छा नहि छलनि अपितु आज्ञापालन आ धार्मिकताक इच्छा छलनि | मुदा, चूँकि ओ सभ हुनकर वचन केँ अस्वीकार क' आन देवताक पाछाँ चलल, तेँ न्याय अनिवार्य अछि। हुनका लोकनिक अवज्ञा हुनका लोकनि मे गहींर धरि जड़ि जमा लेने अछि ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के सातवाँ अध्याय में यहूदा के लोगऽ के पाखंड आरू झूठा आराधना के सामना करै वाला एगो मजबूत संदेश देलऽ गेलऽ छै । यिर्मयाह अन्याय आ दोसर देवताक पालन करैत धार्मिक संस्कार पर भरोसा करबाक चेतावनी दैत छथि | मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार, आरू झूठ जैसनऽ पापऽ पर प्रकाश डालतें हुअ॑ भगवान के प्रति निष्ठा के दावा करला के बावजूद भी ओकरऽ बेईमानी के उजागर करै छै । परमेश् वर घोषणा करै छै कि ओकरा सिनी पर न्याय आबै वाला छै, जेकरा सँ यरूशलेम ओकरा सिनी के अपश्चाताप करै वाला दिल के कारण उजाड़ होय जैतै। अध्याय ओकरा सिनी कॅ इस्राएल के बारे में पिछला फैसला के याद दिलाबै छै आरू खाली धार्मिक प्रथा पर सच्चा आज्ञाकारिता पर जोर दै छै। भगवान् केवल बलिदान सँ बेसी धर्मक इच्छा रखैत छथि। लेकिन, हुनकऽ वचन के अस्वीकार करला के कारण, हुनकऽ गहरी जड़ जमाय क॑ आज्ञा नै मानला के कारण न्याय अनिवार्य छै । ई अध्याय पाखंडी आराधना के खतरा के बारे में कड़ा चेतावनी के 881

काम करै छै आरू परमेश्वर के सामने सच्चा पश्चाताप आरू पूरा दिल के आज्ञाकारिता के महत्व के रेखांकित करै छै।

यिर्मयाह 7:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

ई अंश परमेश् वर यिर्मयाह सँ संदेश के माध्यम सँ बात करै के बारे में छै।

1. परमेश् वरक आशा आ मार्गदर्शनक कालजयी संदेश।

2. अपन जीवन मे भगवानक आवाज सुनब।

1. 1 कोरिन्थी 1:9 - परमेश् वर विश् वासी छथि, जिनका द्वारा अहाँ सभ हुनकर पुत्र यीशु मसीह हमरा सभक प्रभुक संगति मे बजाओल गेल छी।

2. यशायाह 30:21 - अहाँ दहिना दिस घुमू वा बामा दिस, अहाँक कान मे अहाँक पाछू एकटा आवाज सुनाई पड़त जे, "ई बाट अछि, एहि मे चलू।"

यिर्मयाह 7:2 परमेश् वरक घरक फाटक मे ठाढ़ भ’ क’ ओतहि ई वचन प्रचार करू आ कहू जे, “हे सभ यहूदाक जे एहि फाटक सभ पर प्रभुक आराधना करबाक लेल प्रवेश करैत छी, प्रभुक वचन सुनू।”

यिर्मयाह यहूदा के लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि प्रभु के घर के फाटक में घुसी कॅ हुनको वचन सुनै।

1. हम पूजा के लेल बजाओल गेल छी: प्रभु के घर में सक्रिय भागीदारी के महत्व

2. घोषणा के शक्ति: प्रभु के वचन के प्रति अपन प्रतिबद्धता के पुनः पुष्टि करब

1. भजन 100:2 - "प्रभुक सेवा आनन्द सँ करू। हुनकर सान्निध्यक सोझाँ गाबि क' आबि जाउ।"

2. इब्रानी 10:25 - "अपन सभ केँ एक ठाम बैसब नहि छोड़ब, जेना किछु लोकक तरीका होइत छैक; बल् कि एक-दोसर केँ आग्रह करब।

यिर्मयाह 7:3 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे, “अहाँ सभक बाट आ कर्म मे सुधार करू, आ हम अहाँ सभ केँ एहि ठाम रहब।”

सेना केरऽ परमेश् वर, इस्राएल केरऽ परमेश् वर, लोगऽ सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि वू अपनऽ व्यवहार बदलै ताकि वू अपनऽ जगह पर रह॑ सक॑ ।

1. हमरा सभक लेल परमेश् वरक योजना: हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करबाक हमर सभक तरीका बदलब

2. परमेश् वरक आह्वानक प्रति हमर सभक प्रतिक्रिया: अपन तरीका आ काज मे संशोधन करब

1. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक देखौलनि अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय न्याय करब, दया प्रेम करब आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलब?

2. इफिसियों 4:22-24 - अहाँ सभ केँ अपन पूर्वक जीवन-शैलीक संबंध मे सिखाओल गेल छल जे अहाँ सभ अपन पुरान स्वभाव केँ छोड़ि दियौक, जे ओकर छल-प्रपंच सँ भ्रष्ट भ’ रहल अछि। मनक मनोवृत्ति मे नव बनब; आ नव आत् मा केँ पहिरब, जे सत् य धार्मिकता आ पवित्रता मे परमेश् वर जकाँ बनबाक लेल बनाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 7:4 अहाँ सभ झूठ बात पर भरोसा नहि करू जे ई कहब जे, “प्रभुक मन्दिर, प्रभुक मन्दिर, प्रभुक मन्दिर ई सभ अछि।”

परमेश् वर झूठा शब्दऽ पर भरोसा करै के झूठा आशा के खिलाफ चेतावनी दै छै जेकरा स॑ ई बात के संकेत मिलै छै कि मंदिर ही परमेश् वर के उपस्थिति के पता चलै छै ।

882

1: हमरा सभ केँ झूठ आशा पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल् कि मसीह मे भेटय बला सच्चा आशा पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ परमेश् वर पर भरोसा करबाक चाही आ संसारक भौतिक वस्तु सभ पर नहि।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेताह।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: भजन 37:3 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू। तेँ अहाँ सभ ओहि भूमि मे रहब आ सुरक्षाक आनंद लेब।

यिर्मयाह 7:5 जँ अहाँ सभ अपन बाट आ अपन काज केँ नीक जकाँ सुधारब। जँ अहाँ सभ मनुष् य आ ओकर पड़ोसीक बीच नीक जकाँ न् याय करब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ एक-दोसरक संग व्यवहार मे न्याय आ निष्पक्षताक पालन करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. हमर संबंध मे न्याय आ निष्पक्षता के महत्व।

2. न्याय आ निष्पक्षताक जीवन कोना जीबी।

1. मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. लेवीय 19:15 - न्याय केँ विकृत नहि करू; गरीबक प्रति पक्षपात नहि करू आ पैघ लोकक प्रति पक्षपात नहि करू, अपितु अपन पड़ोसीक न्यायपूर्वक न्याय करू।

यिर्मयाह 7:6 जँ अहाँ सभ परदेशी, अनाथ आ विधवा पर अत्याचार नहि करैत छी आ एहि ठाम निर्दोष खून नहि बहबैत छी, आ ने दोसर देवता सभक पाछाँ चलैत छी जाहि सँ अहाँ सभक कोनो आपत्ति हो।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ परदेशी, अनाथ आ विधवा केँ अत्याचार नहि करथि आ निर्दोष खून नहि बहाबथि आ ने आन देवताक पालन करथि।

1. भगवान हमरा सभ केँ अपन समाज मे कमजोर लोक पर करुणा आ दया देखय लेल बजबैत छथि।

2. हमरा सभकेँ आन देवताक प्रभावकेँ अस्वीकार करबाक चाही आ मात्र प्रभुक मार्गमे चलबाक चाही।

1. जकरयाह 7:9-10 - "सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि जे, सत् य न्याय करू, आ प्रत्येक मनुख अपन भाइ पर दया आ दया करू अहाँ सभ मे सँ कियो अपन भाय पर अधलाहक कल्पना अपन मोन मे नहि करथि।”

2. याकूब 1:27 - "परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध धर्म आ निर्मल ई अछि, जे पितामह आ विधवा सभक क्लेश मे हुनका सभक सामना करब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।"

यिर्मयाह 7:7 तखन हम अहाँ केँ एहि स्थान मे, ओहि देश मे, जे हम अहाँक पूर्वज केँ देने छलहुँ, अनन्त काल धरि रहब।

परमेश् वर अपन लोक केँ सदाक लेल अपन कहबाक लेल जगह देबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा - कोना परमेश् वर हमरा सभक प्रबंध करबाक वादा केने छथि आ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

2. परमेश् वरक वफादारी - परमेश् वर अपन लोक सभक प्रति अपन प्रतिज्ञा पूरा करबाक लेल कोना वफादार छथि।

883

1. यशायाह 43:2-3 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

3. व्यवस्था 31:6 - बलवान आ साहसी रहू, ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक परमेश् वर यहोवा छथि जे अहाँक संग जाइत छथि। ओ अहाँ केँ नहि छोड़त आ ने अहाँ केँ छोड़त।

यिर्मयाह 7:8 देखू, अहाँ सभ झूठ बाज पर भरोसा करैत छी, जे कोनो फायदा नहि उठा सकैत अछि।

झूठ पर भरोसा करला स ककरो कोनो फायदा नहि होएत।

1. झूठ आशाक खतरा

2. झूठक अलाभकारीता

1. याकूब 1:22 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।

2. नीतिवचन 12:19 सत्यक ठोर अनन्त काल धरि रहैत अछि, मुदा झूठ बाज’ बला जीह क्षण भरि लेल रहैत अछि।

यिर्मयाह 7:9 की अहाँ सभ चोरी करब, हत्या करब आ व्यभिचार करब, आ झूठक शपथ करब, बाल केँ धूप-दीप देब आ दोसर देवता सभक पाछाँ चलब, जिनका अहाँ सभ नहि जनैत छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा देलनि अछि जे ओ आज्ञाकारिता आ पवित्रता मे जीबथि, पाप मे नहि लिप्त होथि।

1: पवित्रताक लेल परमेश् वरक आज्ञा - यिर्मयाह 7:9

2: पापपूर्ण जीवनशैली के अस्वीकार करब - यिर्मयाह 7:9

1: व्यवस्था 5:11-12 - "अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम व्यर्थ नहि लिअ।

2: मत्ती 15:19 - हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही, निन्दा निकलैत अछि।

यिर्मयाह 7:10 आ हमरा एहि घर मे ठाढ़ भ’ क’ कहब जे, “हमरा सभ केँ ई सभ घृणित काज करबाक लेल छोड़ि देल गेल अछि?”

यिर्मयाह 7:10 इस्राएल के लोग पर परमेश् वर के क्रोध के बारे में बात करै छै कि वू ऐन्हऽ व्यवहार में संलग्न छै जे ओकरा घृणित छै।

1. परमेश् वरक आज्ञा सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. व्यवस्था 30:19-20 - "हम अहाँक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करैत, हुनकर आवाज केँ मानैत आ हुनका पकड़ि कऽ जीवित रहब।" " .

2. नीतिवचन 28:9 - "जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि लैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।"

यिर्मयाह 7:11 की ई घर जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अहाँ सभक नजरि मे डकैत सभक मांद बनि गेल अछि? देखू, हमहूँ देखलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश परमेश्वर के अस्वीकृति के संकेत करै छै कि ओकरऽ लोग अपनऽ घर के दुरुपयोग अपनऽ फायदा के लेलऽ करै छै ।

884

1: प्रभुक घर चोरक मांद नहि अछि - यिर्मयाह 7:11

2: स्थायी निष्ठा प्रभु के प्रति हमर सबसँ पैघ उपहार अछि - यिर्मयाह 7:11

1: मत्ती 21:13 - ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, हमर घर केँ प्रार्थनाक घर कहल जायत। मुदा अहाँ सभ एकरा चोर सभक मांद बना देलियैक।

2: 1 पत्रुस 2:5 - अहाँ सभ सेहो, जीवंत पाथर जकाँ, एकटा आत् मिक घर, पवित्र पुरोहितक दल, जे आत् मिक बलिदान चढ़ाबय लेल बनौने छी, जे यीशु मसीह द्वारा परमेश् वर केँ स्वीकार कयल गेल अछि।

यिर्मयाह 7:12 मुदा अहाँ सभ आब हमर स्थान पर जाउ जे शिलो मे छल, जतय हम पहिने अपन नाम रखने रही, आ देखू जे हम अपन लोक इस्राएलक दुष्टताक लेल एकरा की केलहुँ।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे ओ शिलो जाउ, जतय ओ पहिने अपन नाम रखलनि, आ देखू जे लोक सभक दुष्टताक कारणेँ ओ ओकरा संग की केने छथि।

1. दुष्टताक परिणाम: शिलोहक उदाहरणसँ सीखब

2. विश्वासक शक्ति: शिलोक आशीर्वादक स्मरण करब

1. व्यवस्था 12:5-11

2. भजन 78:56-64

यिर्मयाह 7:13 आब, अहाँ सभ ई सभ काज केलहुँ, ताहि लेल परमेश् वर कहैत छथि, आ हम अहाँ सभ सँ भोरे उठि कऽ बजैत छलहुँ, मुदा अहाँ सभ नहि सुनलहुँ। हम अहाँ सभ केँ बजौलहुँ, मुदा अहाँ सभ कोनो उत्तर नहि देलहुँ।

परमेश् वर यिर्मयाहक माध् यम सँ इस्राएलक लोक सभ सँ बात कयलनि, तइयो ओ सभ सुनबा आ आज्ञा मानबा सँ मना कऽ देलनि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचन सुनबाक आ मानबाक चाही, नहि तँ एकर परिणाम भोगय पड़त।

2: हमरा सभ केँ इस्राएलक लोक जकाँ नहि बनबाक चाही, जे परमेश् वरक वचन सुनबा सँ मना कऽ देलक।

1: याकूब 1:19-20 "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोधित होमय मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।"

2: नीतिवचन 15:31-32 "जे शिक्षा सुनैत अछि, ओ सभ सफल होयत; जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ आनन्दित होयत।"

यिर्मयाह 7:14 तेँ हम एहि घर केँ करब, जे हमर नाम सँ कहल गेल अछि, जाहि पर अहाँ सभ भरोसा करैत छी, आ ओहि स्थान केँ जे हम अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक पूर्वज केँ देने रही, जेना हम शिलो केँ केने रही।

परमेश् वर यरूशलेमक मन् दिर मे विनाश अनताह, ठीक ओहिना जेना ओ शिलो मे केने छलाह।

1. विनाशक बीच परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. शिलोहक स्मरण करब: आज्ञा नहि मानबक परिणाम

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

885

2. व्यवस्था 28:30 - अहाँ पत्नीक सगाई करब, मुदा दोसर पुरुष ओकरा संग सुतय। घर बनाउ, मुदा ओहि मे नहि रहब। अंगूरक बगीचा रोपब, मुदा ओकर फल नहि भोगब।

यिर्मयाह 7:15 हम अहाँ सभ केँ अपन नजरि सँ बाहर निकालब, जेना हम अहाँक सभ भाय केँ, एप्रैमक समस्त वंशज केँ बाहर निकालि देलहुँ।

परमेश् वर एफ्राइमक लोक सभ केँ ओकर पाप सभक लेल दंडित करताह, जेना ओ हुनका सभक परिवारक आन सदस्य सभक संग कयलनि अछि।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक दंड

2. भगवान् के दया के शक्ति: पश्चाताप के सामने क्षमा

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. इजकिएल 18:30-32 - तेँ हम अहाँ सभक न्याय करब, हे इस्राएलक घराना, प्रत्येक के अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ' जाय। अहाँ सभ जे अपराध केने छी, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ जाउ, आ अपना केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ! हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब?

यिर्मयाह 7:16 तेँ अहाँ एहि लोक सभक लेल प्रार्थना नहि करू, ने हुनका सभक लेल चीत्कार करू आ ने प्रार्थना करू आ ने हमरा सँ बिनती करू, कारण हम अहाँक बात नहि सुनब।

परमेश् वर नहि चाहैत छथि जे यिर्मयाह इस्राएलक लोक सभक लेल प्रार्थना करथि।

1: भगवान् जनैत छथि जे हमरा सभक लेल की नीक अछि, आ हमरा सभ केँ हुनकर योजना पर भरोसा करबाक चाही।

2: भगवानक आज्ञा मानबाक लेल सावधान रहबाक चाही आ अपन इच्छाक पालन नहि करबाक चाही।

1: व्यवस्था 10:12-13 - आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ।

2: 1 यूहन्ना 5:14 - आ हमरा सभ केँ हुनका प्रति ई भरोसा अछि जे जँ हम सभ हुनकर इच्छाक अनुसार किछु माँगब तँ ओ हमरा सभक बात सुनैत छथि।

यिर्मयाह 7:17 की अहाँ नहि देखैत छी जे ओ सभ यहूदाक नगर सभ मे आ यरूशलेमक सड़क पर की करैत छथि?

यहूदा आरू यरूशलेम के सड़कऽ पर लोग अनैतिक व्यवहार में जुटलऽ छै ।

1. "भगवान दिस घुरि जाउ: अपन दुष्ट मार्ग पर पश्चाताप करू"।

2. "अवज्ञा के परिणाम: जे बोबैत छी से काटि लिअ"।

1. इजकिएल 18:20-32

2. नीतिवचन 11:21-31

यिर्मयाह 7:18 बच्चा सभ लकड़ी जुटबैत अछि, आ पिता सभ आगि जराबैत अछि, आ स् त्रीगण सभ अपन आटा गूथैत अछि, जे स् वर्गक रानी केँ रोट बनबैत अछि आ दोसर देवता सभ केँ पेयबलि उझलि दैत अछि, जाहि सँ ओ सभ हमरा क्रोधित करय।

बच्चा, पिता, आरू महिला सिनी मूर्तिपूजा के काम करी रहलऽ छै, जेकरा म॑ स्वर्ग के रानी आरू अन्य झूठा देवता सिनी क॑ केक आरू पेय चढ़ाबै के काम भी शामिल छै, जेकरा स॑ भगवान क्रोधित होय जाय छै ।

1: भगवान मिथ्या देवता आ मूर्तिक पूजा केँ हल्का मे नहि लैत छथि। हमरा सब के ई सुनिश्चित करय के बहुत ध्यान राखय पड़त जे हम सब अपन प्रभु आ उद्धारकर्ता के प्रति समर्पित रहब।

2: हमरा सभकेँ अपन विश्वासमे सदिखन सतर्क रहबाक चाही, किएक तँ कोनो मूर्तिक पूजा भगवानक क्रोध आ निराशाकेँ जन्म दऽ सकैत अछि।

1: व्यवस्था 7:4-5 - "किएक तँ ओ सभ अहाँक बेटा केँ हमरा पाछाँ छोड़ि देत, जाहि सँ ओ सभ आन देवता सभक सेवा करथि। तेना प्रभुक क्रोध अहाँ सभ पर प्रज्वलित भऽ अहाँ सभ केँ अचानक नष्ट कऽ देत। मुदा अहाँ सभ एहि तरहेँ काज करब।" ओकरा सभक संग ओकरा सभक वेदी सभ केँ नष्ट कऽ देब, ओकर मूर्ति सभ केँ तोड़ि देब, ओकर बगीचा सभ केँ काटि देब आ ओकर उकेरल मूर्ति सभ केँ आगि मे जरा देब।”

2: 1 कोरिन्थी 10:14-22 - "तेँ हे हमर प्रियजन सभ, मूर्तिपूजा सँ भागू। हम बुद्धिमान लोक सभक संग बजैत छी। हम जे कहैत छी से अहाँ सभ स्वयं न्याय करू। जे आशीर्वादक प्याला हम सभ आशीर्वाद दैत छी, की ई खून मे सहभागिता नहि अछि।" मसीहक जे रोटी तोड़ैत छी, की ई मसीहक शरीर मे सहभागिता नहि अछि?कारण एक रोटी अछि, हम सभ जे बहुत छी, एक शरीर छी, कारण हम सभ एकहि रोटी मे छी।इस्राएलक लोक पर विचार करू: छी वेदी में भाग लेबय वाला बलिदान के खाय वाला के नै?तखन हमर की तात्पर्य अछि?मूर्ति के चढ़ाओल गेल भोजन किछुओ अछि, या मूर्ति किछुओ अछि? नहि, हमर तात्पर्य ई अछि जे बुतपरस्त जे बलिदान दैत छथि से ओ राक्षस के अर्पित करैत छथि, भगवान के नहि।हम अहाँ सभ राक्षस सभक संग सहभागी नहि बनू। अहाँ सभ प्रभुक प्याला आ राक्षस सभक प्याला नहि पीबि सकैत छी। अहाँ सभ प्रभुक मेज आ राक्षस सभक मेज मे भाग नहि ल' सकैत छी।"

यिर्मयाह 7:19 की ओ सभ हमरा क्रोधित करैत अछि? परमेश् वर कहैत छथि, की ओ सभ अपना केँ अपन मुँहक भ्रम मे उकसबैत नहि छथि?

यिर्मयाह इस्राएल के लोगऽ क॑ चुनौती दै छै कि वू ओकरऽ व्यवहार के जांच करै आरू पूछै कि की ई परमेश्वर क॑ क्रोधित करी रहलऽ छै ।

1. भगवानक प्रेम आ क्रोध: हमर व्यवहारक परीक्षण

2. अपन पाप के सामना करब: भगवान के क्रोध के भड़काबय स मुँह फेरब

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

2. रोमियो 2:4-5 - या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय?

यिर्मयाह 7:20 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हमर क्रोध आ क्रोध एहि स्थान पर, मनुष् यक आ जानवर पर, खेतक गाछ-बिरिछ आ जमीनक फल पर उझलि जायत। ओ जरि जायत आ नहि बुझत।

प्रभु परमेश् वर अपन क्रोध आ क्रोध मनुष्य, पशु आ प्रकृति पर आगि के रूप मे घोषित करैत छथि, आ ओ नहि बुझत |

1. भगवानक क्रोध: भगवानक क्रोध केँ बुझब

2. भगवानक दया: भगवानक धैर्य केँ चिन्हब

1. यशायाह 30:27-33 - प्रभुक क्रोध आ दया

2. योना 3:4-10 - परमेश् वरक पश्चाताप आ क्षमा

यिर्मयाह 7:21 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन होमबलि अपन बलिदान मे राखू आ मांस खाउ।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनका होमबलि आ बलिदान चढ़ाबथि आ हुनकर बलिदानक मांस केँ भस्म करथि।

1. आज्ञाकारिता के बलिदान: परमेश् वर के वचन के अनुसार जीना सीखना

2. बलिदानक अर्थ: भगवान् केँ देबाक की अर्थ होइत छैक तकर खोज करब

1. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू"।

2. इब्रानी 13:15-16 - "तेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान अर्थात् हुनकर नामक धन् यवाद करैत अपन ठोरक फल अर्पित करी। मुदा नीक काज करब आ बाँटब नहि बिसरब। कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि"।

यिर्मयाह 7:22 हम अहाँ सभक पूर्वज सभ सँ होमबलि वा बलिदानक विषय मे नहि कहलहुँ आ ने हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर अनलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मिस्र सँ बाहर अनबा काल होमबलि वा बलि चढ़ाबय के आज्ञा नहि देलनि।

1. आज्ञापालन के स्वतंत्रता: परमेश्वर के आज्ञा के समझना

2. यज्ञक शक्ति: होमबलि आ बलिदानक अर्थ

1. यूहन्ना 14:15-16 - जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करब तँ हमर आज्ञाक पालन करब। आ हम पिता सँ माँगब, आ ओ अहाँ सभ केँ एकटा आओर सहायक देथिन, जे अहाँ सभक संग सदाक लेल रहथि।

2. इब्रानी 13:15-16 - तखन हम सभ हुनका द्वारा परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान दैत रहू, अर्थात् हुनकर नाम केँ स्वीकार करय बला ठोर सभक फल। नीक काज करबा मे आ जे किछु अछि ओकरा बाँटि देबा मे कोताही नहि करू, कारण एहन बलिदान परमेश् वर केँ नीक लगैत छनि।

यिर्मयाह 7:23 मुदा हम हुनका सभ केँ ई आज्ञा देलियनि जे, “हमर बात मानू, हम अहाँक परमेश् वर बनब, आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब अहां.

प्रभु अपन लोक के आज्ञा देलखिन जे ओ हुनकर आवाज के पालन करथि आ अपन भलाई के लेल हुनकर आज्ञा के पालन करथि।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: प्रभु के आज्ञा के पालन करना सीखना

2. भगवान् के बात सुनला के फायदा: हुनकर रास्ता में चलय के आनंद के अनुभव करब

1. व्यवस्था 11:26-28 - देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी।

2. नीतिवचन 16:20 - जे कोनो बात केँ बुद्धिमानी सँ सम्हारैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक, आ जे केओ प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ धन्य अछि।

यिर्मयाह 7:24 मुदा ओ सभ नहि सुनलनि आ ने कान झुकौलनि, बल् कि अपन दुष् ट हृदयक सलाह आ कल्पना मे चललनि आ आगू नहि, पाछू भ’ गेलाह।

लोक सभ परमेश् वरक बात सुनबा सँ मना कऽ देलक आ ओकर बदला मे अपन दुष्ट इच्छाक पालन कयलक, जाहि सँ ओ सभ अपन विनाशक कारण बनल।

1. परमेश् वरक वचन स्पष्ट अछि: हमरा सभ केँ आज्ञा मानबाक चाही वा परिणामक सामना करबाक चाही

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 3:5-6 - [illegible]

2. [illegible] 37:23 - [illegible]

[illegible] 7:25 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] - [illegible]

2. [illegible] - [illegible]

1. [illegible] 89:1-2 - "[illegible]"

2. [illegible] 30:21 - [illegible]

[illegible] 7:26 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 6:4-5 - "[illegible]"

2. [illegible] 8:32-33 - "[illegible]"

[illegible] 7:27 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]: [illegible] 7:27

2. [illegible]: [illegible] 7:27

1. [illegible] 4:1-9

2. [illegible] 33:11-16

यिर्मयाह 7:28 मुदा अहाँ ओकरा सभ केँ कहब जे ई एहन जाति अछि जे अपन परमेश् वरक बात नहि मानैत अछि आ ने सुधार पाबैत अछि।

परमेश् वर के लोग परमेश् वर के आवाज के बात मानै आरू सुधार स्वीकार करै स॑ इनकार करी देलकै, जेकरा चलतें सच्चाई ओकरा सिनी स॑ काट॑ देलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक खतरा

2. विरोधक सामना करैत भगवानक आज्ञा मानब

२ क्रोध आ क्रोध होउ।"

2. व्यवस्था 11:26-28: "आज्ञा मानू आ अहाँ केँ आशीर्वाद भेटत। आज्ञा नहि मानू आ अहाँ केँ शाप भेटत। आइ हम अहाँ केँ जीवन आ मृत्युक बीच, आशीर्वाद आ अभिशाप मे सँ विकल्प द' रहल छी। जीवन केँ चुनू जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज सभ क' सकब।" सीधा प्रसारण."

यिर्मयाह 7:29 हे यरूशलेम, अपन केश काटि कऽ फेकि दियौक आ ऊँच स्थान पर विलाप करू। किएक तँ परमेश् वर अपन क्रोधक पीढ़ी केँ अस्वीकार कऽ कऽ छोड़ि देलनि।

परमेश् वर यरूशलेमक लोक सभ केँ ओकर दुष्टताक कारणेँ ठुकरा देलनि आ ओकरा छोड़ि देलनि।

1. अस्वीकृति आ क्षमा: प्रेमी भगवान के की मतलब होइत छैक |

2. अस्वीकृति के परिणाम से सीखना: भगवान के स्वभाव को समझना

1. विलाप 3:31-33 - कारण प्रभु सदाक लेल अस्वीकार नहि करताह, कारण जँ ओ शोक उत्पन्न करताह तखन हुनका अपन प्रचुर प्रेमक अनुसार दया होयत। कारण, ओ मनुष् य-पुत्र केँ स्वेच्छा सँ कष्ट नहि दैत छथि आ ने दुखी करैत छथि।

2. इजकिएल 18:21-22 - मुदा जँ कोनो दुष्ट अपन सभ पाप सँ मुड़ि जायत, हमर सभ नियमक पालन करत आ जे उचित आ उचित अछि, से अवश्य जीवित रहत। ओ नहि मरत। ओ जे अपराध केने छथि, ताहि मे सँ कोनो अपराध हुनका पर स्मरण नहि कयल जायत। ओ जे धार्मिक काज केने छथि, ताहि कारणेँ ओ जीवित रहताह।”

यिर्मयाह 7:30 किएक तँ यहूदाक सन् तान सभ हमरा नजरि मे अधलाह काज केलक, परमेश् वर कहैत छथि।

यहूदा प्रभु के घर के दूषित करी क बुराई करलकै।

1. "आज्ञा आज्ञा नहि करबाक शक्ति: हमर सभक कर्म भगवानक घर केँ कोना प्रभावित करैत अछि"।

2. "पाप के परिणाम: भगवान के नाम के सम्मान कियैक करबाक चाही"।

1. इफिसियों 5:11-12 - "अन्हारक निष्फल काज मे भाग नहि लिअ, बल्कि ओकरा उजागर करू। किएक तँ ओ सभ जे काज गुप्त रूप सँ करैत छथि, तकरा कहब लज्जाजनक अछि।"

2. नीतिवचन 15:8 - "दुष्टक बलिदान प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा सोझ लोकक प्रार्थना हुनका स्वीकार्य अछि।"

यिर्मयाह 7:31 ओ सभ अपन बेटा आ बेटी सभ केँ आगि मे जरा देबाक लेल हिन्नोमक पुत्रक घाटी मे टोफेतक ऊँच स्थान बनौने छथि। जे हम हुनका सभ केँ आज्ञा नहि देलियनि आ ने ई बात हमरा मोन मे आयल।

इस्राएलक लोक सभ अपन बच्चा सभ केँ आगि मे जरेबाक लेल तोफेतक ऊँच स्थान बनौने छल, भले परमेश् वर एकरा मना कएने छलाह।

1. भगवानक इच्छाक अवहेलना करबाक खतरा

2. भगवान् के आज्ञापालन के शक्ति

1. व्यवस्था 12:31 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वरक आराधना एहि तरहेँ नहि करू, किएक तँ प्रभुक लेल जे घृणित काज करैत छथि, तकरा ओ सभ अपन देवता सभक संग करैत छथि।"

.

यिर्मयाह 7:32 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, जखन तक ओ सभ तोफेत मे गाड़ि देत, आ ने हिन्नोमक पुत्रक घाटी कहल जायत, बल् कि वधक घाटी कहल जायत कोनो जगह नहि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे आब तोफेत आ हिन्नोमक पुत्रक घाटी केँ एहन नाम नहि देल जायत, बल् कि वधक घाटी कहल जायत, किएक तँ ई दफन स्थलक काज करत जाबत धरि आब जगह नहि रहत।

1. वधक घाटी: भगवानक न्याय पर एकटा चिंतन

2. परमेश् वरक अनन्त योजना मे टोफेतक महत्व

1. यशायाह 66:24 - "ओ सभ बाहर जा क' हमरा विरुद्ध अपराध करयवला लोक सभक शव केँ देखताह, कारण ओकर कीड़ा नहि मरत आ ने ओकर आगि बुझत, आ ओ सभ सभक लेल घृणित होयत।" मॉस."

2. इजकिएल 39:17-20 - "हे मनुख-पुत्र, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे, सभ पंखबला चिड़ै आ खेतक हरेक जानवर सँ कहू जे, एकट्ठा भ' जाउ आ आबि जाउ। हमरा लग चारू कात जमा भ' जाउ।" बलिदान जे हम अहाँ सभक लेल बलि दैत छी, इस्राएलक पहाड़ पर एकटा पैघ बलिदान, जाहि सँ अहाँ सभ मांस खा सकब आ खून पीब, मेमना आ बकरी, बैल, सभटा बाशानक मोटगर बच्चाक।’ अहाँ सभ पेट भरबा धरि मोटा-मोटी खाएब आ खून पीबब जाबत धरि अहाँ सभ नशा मे नहि भ’ जायब, हमर बलिदानक जे हम अहाँ सभक लेल बलिदान देने छी हमर टेबुल पर घोड़ा आ रथ, पराक्रमी आ सभ युद्धकर्मी सँ भरल छल, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

यिर्मयाह 7:33 एहि लोकक शव आकाशक चिड़ै आ पृथ्वीक जानवरक भोजन होयत। आ कियो ओकरा सभ केँ नहि उतारत।”

ई अंश परमेश् वरक न्याय आ हुनकर लोकक विनाशक बात करैत अछि; लोकक लाश आकाश मे जानवर आ चिड़ै सभक मांस होयत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 7:33 सँ एकटा चेतावनी

2. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक महत्व: यिर्मयाह 7:33 क अध्ययन

1. व्यवस्था 28:15-68 परमेश् वरक प्रतिज्ञा आज्ञापालनक बदला आशीर्वाद देब, आ आज्ञा नहि मानबाक लेल अभिशाप

2. इजकिएल 34:2-10 परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करताह आ जे हुनका सभक संग दुर्व्यवहार करैत छथि, हुनका सभ पर न्याय आनत।

यिर्मयाह 7:34 तखन हम यहूदाक नगर सभ आ यरूशलेमक गली-गली सभ सँ हँसी-खुशीक आवाज आ हर्षक आवाज, वर आ कनियाँक आवाज केँ रोकब उजाड़ भ’ जायत।

यहूदा आ यरूशलेम शहर मे आनन्द, उत्सव आ विवाहक आवाज चुप भ’ जायत, कारण देश उजाड़ भ’ जायत।

1. नव स्वर्ग आ नव पृथ्वीक आशा

2. मोक्षक आनन्द

1. यशायाह 65:17-25

2. प्रकाशितवाक्य 21:1-5

यिर्मयाह अध्याय 8 आसन्न न्याय आरू विनाश पर केंद्रित छै जे यहूदा के लोगऽ के लगातार आज्ञा नै मानला आरू पश्चाताप करै स॑ इनकार करै के कारण आबै वाला छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह के अपनऽ लोगऽ के आध्यात्मिक स्थिति के बारे में अपनऽ दुख व्यक्त करै स॑ होय छै । ओ हुनकर जिद्द आ पश्चाताप के कमी के शोक करैत छथि, संगहि परमेश्वर के निर्देश के अस्वीकार के सेहो (यिर्मयाह 8:1-3)। यिर्मयाह वर्णन करै छै कि कोना मृतकऽ के हड्डी ओकरऽ कब्र स॑ बाहर निकाली क॑ खेतऽ म॑ छिड़ियालऽ जैतै, जेकरा म॑ परमेश्वर केरऽ न्याय के निशानी के रूप म॑ सही तरीका स॑ दफनाबै स॑ इनकार करलऽ जैतै ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह लोकक धोखाधड़ी आ सुरक्षाक झूठ भावना पर प्रकाश दैत छथि (यिर्मयाह 8:4-9)। ओ हुनका सभक सामना करैत छथि जे ओ हुनका सभक पाप केँ स्वीकार करबा सँ मना क' दैत छथि आ परमेश् वर दिस घुरबा सँ बेसी धोखा देबयवला बात पर भरोसा करैत छथि। ज्ञान रहला के बादो ओ सब बुद्धि के अस्वीकार करब चुनने छथि, जाहि स हुनकर पतन भ गेल अछि। हुनकऽ झूठा भविष्यवक्ता सिनी न॑ भी जब॑ शांति नै छै त॑ शांति के घोषणा करी क॑ ई धोखा म॑ योगदान देल॑ छै ।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि यिर्मयाह यहूदा पर जे विनाश होयत ताहि पर विलाप करैत अछि (यिर्मयाह 8:10-12)। ओ भूमि के उजाड़ल गेल, शहर के उजड़ल गेल आ खेत के उजड़ल रहबाक शोक मना रहल अछि। लोक सभ केँ मूर्ख आ बिना समझदारक रूप मे वर्णित कयल गेल अछि, कारण ओ सभ परमेश् वरक नियम केँ छोड़ि देलक अछि। हुनका सभ केँ चेतावनी देल जाइत छनि जे विपत्ति आसन्न अछि, मुदा ओ सभ एकरा गंभीरता सँ नहि लैत छथि आ ने पश्चाताप चाहैत छथि ।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन लोकक दुखक लेल अपन दुख व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 8:13-17)। ओ विलाप करैत छथि जे गिलिआद मे हुनका सभ केँ ठीक करबाक लेल आ ने हुनकर घावक उपाय करबाक लेल कोनो बाम नहि अछि। भविष्यवक्ता बवंडर जकाँ हुनका सभ पर आबि रहल विनाश पर कटु कानैत छथि। पश्चाताप के अवसर मिलला के बादो ओ सब ओकरा अस्वीकार क देलखिन, जकर परिणाम भयावह भेल।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन शोक आरू स्वीकारोक्ति के आह्वान के साथ होय छै (यिर्मयाह 8:18-22)। यिर्मयाह अपन लोक सभ सँ निहोरा करैत छथि जे ओ सभ परमेश् वरक समक्ष अपन पाप केँ स्वीकार करथि आ पश्चाताप मे चिचियाबथि। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे असली पछतावाक माध्यमे मात्र आसन्न निर्णयक बीच आशा पाबि सकैत छथि ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के आठम अध्याय में यहूदा के जिद्द आरू पश्चाताप के कमी के कारण यिर्मयाह के गहरा दुख के चित्रण छै। ओ हुनका सभक परमेश् वरक निर्देश केँ अस्वीकार करबाक शोक मनाबैत छथि आ हुनका सभ केँ आसन्न न्यायक विषय मे चेताबैत छथि। अध्याय मे लोकक बीच छल-प्रपंच आ झूठ सुरक्षाक पर्दाफाश कयल गेल अछि । ओ सभ अपन पाप केँ स्वीकार करबा सँ मना क' दैत छथि, एकर बदला मे धोखा देबयवला शब्द पर भरोसा करैत छथि। झूठ भविष्यवक्ता एहि धोखा मे योगदान दैत छथि, जखन कि शांति नहि अछि तखन शांति के घोषणा करैत छथि | यिर्मयाह यहूदा केरऽ आज्ञा नै मानला के कारण ओकरऽ विनाशकारी परिणाम के बारे में विलाप करै छै । ओ नष्ट शहर, उजाड़ छोड़ल गेल खेतक शोक मनाबैत छथि आ आसन्न विपत्तिक विषय मे चेतावनी दैत छथि | भविष्यवक्ता अपन लोकक दुखक दुख व्यक्त करैत छथि, कारण जेना कोनो उपाय वा चिकित्सा उपलब्ध नहि अछि | पश्चाताप के अवसर के अस्वीकार करला के कारण आसन्न विनाश पर कटु कानै छै। अध्याय के समापन भगवान के सामने शोक आरू स्वीकारोक्ति के आह्वान के साथ होय छै। असली पछतावा के माध्यम स॑ ही आसन्न निर्णय के बीच आशा पैदा होय सकै छै ।

यिर्मयाह 8:1 परमेश् वर कहैत छथि, ओहि समय मे ओ सभ यहूदाक राजा सभक हड्डी, ओकर मुखिया सभक हड्डी, पुरोहित सभक हड्डी, भविष्यवक्ता सभक हड्डी आ ओकर हड्डी सभ बाहर निकालत यरूशलेम मे रहनिहार सभ अपन कब्र सँ बाहर निकलि गेलाह।

प्रभु घोषणा करै छै कि एक निश्चित समय में यरूशलेम के राजा, राजकुमार, पुरोहित, भविष्यवक्ता आरू यरूशलेम के निवासी के हड्डी ओकरा सिनी के कब्र से बाहर निकालल जैतै।

1. जीवन आ मृत्यु पर प्रभुक नियंत्रण अछि

892

2. विश्वास मे हानि आ शोकक सामना करब

1. यशायाह 26:19 - तोहर मृत आदमी सभ जीवित रहत, हमर मृत शरीरक संग ओ सभ जीबि उठत। हे धूरा मे रहनिहार सभ जागू आ गाउ, किएक तँ अहाँक ओस जड़ी-बूटीक ओस जकाँ अछि आ धरती मुर्दा केँ बाहर निकालि देत।

2. यूहन्ना 5:28-29 - एहि बात पर आश्चर्य नहि करू, किएक तँ ओ समय आबि रहल अछि जाहि मे कबर मे बैसल सभ हुनकर आवाज सुनत आ बाहर आबि जायत। जे सभ नीक काज केने अछि, से सभ जीवनक पुनरुत्थानक लेल। आ जे सभ अधलाह काज केने अछि, तकरा सभ केँ दण्डक पुनरुत्थान कयल जायत।

यिर्मयाह 8:2 ओ सभ ओकरा सभ केँ सूर्य, चान आ स् वर्गक समस्त सेना सभक सोझाँ पसारि देत, जकरा ओ सभ प्रेम केलक, जकर सेवा केलक, जकरा पाछाँ चलल, जकरा ओ सभ खोजलक आ केकरा खोजलक ओ सभ आराधना केने छथि, ने हुनका सभ केँ जमा कयल जायत आ ने गाड़ल जायत। ओ सभ पृथ् वी पर गोबरक काज होयत।

लोक अपन पापक लेल नहि गाड़ल जायत, बल्कि धरती पर गोबर लेल छोड़ि देल जायत।

1. पापक परिणाम शाश्वत आ अपरिहार्य अछि

2. न्यायक अनिवार्य यथार्थ

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 66:24 - ओ सभ बाहर जा कऽ हमरा विरुद्ध विद्रोह केनिहार लोक सभक मृत शरीर दिस तकत। कारण, ओकर कीड़ा नहि मरत, ओकर आगि नहि बुझत, आ सभ मांसक लेल घृणा बनि जायत।

यिर्मयाह 8:3 एहि दुष्ट कुल मे जे किछु बचल अछि, जे सभ ओहि ठाम मे रहि गेल अछि, जतय हम ओकरा सभ केँ भगा देने छी, ओकरा जीवन सँ बेसी मृत्यु केँ चुनल जायत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

जे सभ दुष्ट परिवारक रहि जायत, सेना सभक परमेश् वरक अनुसार जीवनक बदला मृत् यु केँ चुनत।

1. पसंद के शक्ति: अपन कर्म के परिणाम के बुझब

2. आज्ञाकारिता मे चलब: दुनियाक प्रलोभनक बादो जीवन चुनब

1. व्यवस्था 30:19 - हम आकाश आ पृथ्वी केँ बजाबैत छी जे आइ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप दैत छी, तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज दुनू जीवित रहब।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह 8:4 अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। की ओ सभ खसि पड़त आ नहि उठत? की ओ घुमि कऽ घुरि कऽ नहि घुरि कऽ नहि?

प्रभु सवाल उठबैत छथि जे की लोक खसि सकैत अछि आ नहि उठि सकैत अछि वा घुमि सकैत अछि आ वापस नहि आबि सकैत अछि।

1. प्रभुक दया आ क्षमा: मोक्ष कोना प्राप्त कयल जाय से बुझब

2. पुनर्जागरण के खोज: पश्चाताप आ नवीकरण के शक्ति

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. लूका 15:11-32 - उड़ल पुत्रक दृष्टान्त।

यिर्मयाह 8:5 तखन यरूशलेमक ई लोक सभ सदिखन पाछू हटि क’ किएक पाछू हटि गेल अछि? धोखा जोर सॅं पकड़ने छथि, घुरबा सॅं मना करैत छथि ।

ई अंश यरूशलेम के लोगऽ के सदा पीछे हटै वाला आरू धोखाधड़ी के व्यवहार के बात करै छै।

1. "शाश्वत पश्चाताप के खतरा"।

2. "प्रभु के पास वापसी: छल के अस्वीकार करब"।

1. भजन 51:10 "हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू; आ हमरा भीतर एकटा सही आत्मा केँ नव बनाउ।"

2. यशायाह 44:22 "हम अहाँक अपराध केँ मोट मेघ जकाँ मेटा देलहुँ आ अहाँक पाप केँ मेघ जकाँ मेटा देलहुँ। हमरा लग घुरि जाउ, किएक तँ हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ।"

यिर्मयाह 8:6 हम सुनलहुँ आ सुनलहुँ, मुदा ओ सभ ठीक-ठाक नहि बाजल। घोड़ा युद्ध मे दौड़ैत-दौड़ैत सभ अपन-अपन रस्ता दिस घुमि गेल।

भगवान् सुनलाक बादो कियो अपन दुष्टता पर पश्चाताप नहि केलक आ अपन बाट पर चलैत रहल।

1. हमर सभक काजक परिणाम होइत अछि - यिर्मयाह 8:6

2. पश्चाताप करू आ अपन बाट बदलू - यिर्मयाह 8:6

1. यशायाह 1:4-5 - "हौ, पापी जाति, अधर्म सँ लदल लोक, दुष्टक संतान, भ्रष्ट व्यवहार करय बला बच्चा! ओ सभ प्रभु केँ छोड़ि देलक, इस्राएलक पवित्र केँ तिरस्कार कयलक, ओ सभ एकदम विरक्त भ' गेल।" एखनो अहाँकेँ किएक मारल जायत, अहाँ विद्रोह किएक करैत रहब?"

2. इब्रानी 12:6-8 - "किएक तँ प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि तकरा ताड़ि दैत छथि। अनुशासनक लेल अहाँ सभ केँ सहन करबाक अछि। परमेश् वर अहाँ सभ केँ बेटा जकाँ व्यवहार करैत छथि। किएक तँ कोन पुत्र अछि जे के।" ओकर पिता अनुशासन नहि करैत अछि? जँ अहाँ अनुशासनहीन रहि गेलहुँ, जाहि मे सब भाग लेने अछि, तखन अहाँ नाजायज संतान छी बेटा नहि।"

यिर्मयाह 8:7 हँ, स् वर्ग मे सारस अपन निर्धारित समय केँ जनैत अछि। आ कछुआ आ क्रेन आ निगल अपन आगमनक समयक पालन करैत अछि; मुदा हमर लोक परमेश् वरक न् याय नहि जनैत अछि।

सारस, कछुआ, क्रेन, आ निगल अपन निर्धारित समय के बारे में जागरूक छै, लेकिन भगवान के लोग प्रभु के न्याय के नै चिन्है छै।

1. परमेश् वरक न्याय केँ जानब - यिर्मयाह 8:7

2. परमेश्वर के ज्ञान बनाम मानव अज्ञानता - यिर्मयाह 8:7

1. नीतिवचन 19:2 - "बिना ज्ञानक इच्छा नीक नहि होइत छैक, आ जे पएर सँ जल्दबाजी करैत अछि से बाट सँ चूक जाइत अछि।"

2. रोमियो 1:18-20 - "किएक तँ परमेश् वरक क्रोध स् वर्ग सँ मनुष् यक समस्त अभक्ति आ अधर्मक विरुद्ध प्रगट होइत अछि, जे अपन अधर्मक कारणेँ सत् य केँ दबा दैत अछि। किएक तँ परमेश् वरक विषय मे जे किछु जानि सकैत अछि से हुनका सभ केँ स्पष्ट अछि, किएक तँ परमेश् वरक क्रोध अछि।" ओकरा सभ केँ देखा देलक। कारण ओकर अदृश्य गुण अर्थात् ओकर शाश्वत शक्ति आ दिव्य स्वभाव, संसारक सृष्टि सँहि सँ, जे बनल वस्तु मे स्पष्ट रूप सँ बूझल गेल अछि। तेँ ओ सब बिना बहाना के अछि।"

यिर्मयाह 8:8 अहाँ सभ कोना कहैत छी जे, हम सभ बुद्धिमान छी, आ प्रभुक नियम हमरा सभक संग अछि? देखू, निश्चित रूप सँ ओ व्यर्थ मे एकरा बनौलनि। शास्त्री लोकनिक कलम व्यर्थ अछि।

इस्राएल के लोग झूठ बोलै छेलै कि हुनी बुद्धिमान छै आरू ओकरा पास प्रभु के नियम छै, लेकिन यिर्मयाह कहलकै कि परमेश्वर के व्यवस्था शास्त्री सिनी द्वारा व्यर्थ में बनलो छै।

1. परमेश् वरक वचन मे परिवर्तन वा अनदेखी नहि कएल जा सकैत अछि

2. परमेश् वरक नियम पर झूठ घमंडक खतरा

1. भजन 119:142 - "तोहर धार्मिकता अनन्त धार्मिकता अछि, आ तोहर व्यवस्था सत्य अछि।"

2. रोमियो 3:31 - "तखन की हम सभ विश्वासक कारणेँ व्यवस्था केँ अमान्य करैत छी? परमेश् वर नहि करथि। हँ, हम सभ व्यवस्था केँ स्थापित करैत छी।"

यिर्मयाह 8:9 बुद्धिमान लोक सभ लज्जित होइत अछि, ओ सभ चकित भ’ जाइत अछि आ चकित भ’ जाइत अछि, देखू, ओ सभ प्रभुक वचन केँ अस्वीकार क’ देलक। आ हुनका सभ मे कोन बुद्धि अछि?

ज्ञानी लोकनि प्रभु केँ अस्वीकार क' क' लज्जित आ निराश भ' गेल छथि।

1. प्रभु के अस्वीकार करला स लाज आ निराशा होइत अछि

2. प्रभुक वचन मे बुद्धि भेटैत अछि

1. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. भजन 119:97-98 - "ओह, हम अहाँक नियम सँ कतेक प्रेम करैत छी! हम दिन भरि एकर मनन करैत छी। अहाँक आज्ञा हमरा शत्रु सँ बेसी बुद्धिमान बना दैत अछि, कारण ओ सभ सदिखन हमरा संग रहैत अछि।"

यिर्मयाह 8:10 तेँ हम हुनकर सभक पत्नी केँ दोसर केँ दऽ देब आ हुनकर खेत-पथार हुनका सभक उत्तराधिकारी केँ दऽ देबनि, किएक तँ छोट-छोट सँ पैघ-पैघ धरि सभ लोभ मे डूबल छथि, भविष्यवक्ता सँ ल’ क’ पुरोहित धरि सभ कियो झूठ काज करैत छथि।

छोट-छोट सँ पैघ लोक लोभ मे पड़ि जाइत अछि, भविष्यवक्ता सँ ल' क' पुरोहित धरि, आ सभ झूठ काज करैत अछि।

1. लोभ के परिणाम: यिर्मयाह 8:10 के परखना

2. झूठ व्यवहार करब: यिर्मयाह 8:10 के चेतावनी

1. याकूब 4:2 - अहाँ चाहैत छी आ नहि अछि, तेँ अहाँ हत्या करैत छी। अहाँ लोभ करैत छी आ प्राप्त नहि क' सकैत छी, तेँ अहाँ लड़ैत छी आ झगड़ा करैत छी ।

2. इफिसियों 5:3 - मुदा अहाँ सभक बीच यौन-अनैतिकता आ सभटा अशुद्धि वा लोभक नाम तक नहि लेबाक चाही, जेना पवित्र लोक सभक बीच उचित अछि।

यिर्मयाह 8:11 किएक तँ ओ सभ हमर प्रजाक बेटीक आहत केँ कनेक ठीक कऽ देलक जे, “शांति, शान्ति; जखन शांति नहि अछि।

भगवान के लोग अपनऽ लोगऽ स॑ शांति आरू चंगाई के झूठा वादा करी चुकलऽ छै, जबकि वास्तविकता म॑ शांति नै छै ।

1. झूठ प्रतिज्ञाक खतरा - यिर्मयाह 8:11

2. सच्चा शांति के लेल प्रभु पर भरोसा करू - यिर्मयाह 8:11

1. यशायाह 57:21 - "हमर परमेश् वर कहैत छथि, दुष्ट सभ केँ शान्ति नहि अछि।"

2. मत्ती 10:34 - "ई नहि सोचू जे हम पृथ्वी पर शान्ति पठेबाक लेल आयल छी। हम शांति पठेबाक लेल नहि, बल्कि तलवार पठेबाक लेल आयल छी।"

यिर्मयाह 8:12 की ओ सभ घृणित काज क’ क’ लजा गेल छल? नहि, ओ सभ कोनो तरहेँ लाज नहि केलक आ ने लजा सकल, तेँ ओ सभ खसनिहार सभक बीच खसि पड़त।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि जे लोग पश्चाताप करै स॑ इनकार करै छै आरू अपनऽ पापऽ प॑ लाज करै छै, ओकरा नीचें फेंकलऽ जैतै आरू उचित समय प॑ सजा मिलतै ।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा: अपन पापक क्षतिपूर्ति करब

2. परमेश् वरक धार्मिकता आ न्याय: पश्चाताप आ प्रायश्चित

1. इजकिएल 18:30-32 तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। 31 अहाँ सभ जे अपराध कयल अछि, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ कऽ अपना लेल नव हृदय आ नव आत् मा पाबि। हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब? 32 परमेश् वर परमेश् वर कहैत छथि जे मृत् युक मृत्यु मे हमरा कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि। तेँ घुमि कऽ जीबू!

2. योएल 2:13 तेँ अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि। आ ओ हानि करबासँ हार मानैत छथि ।

यिर्मयाह 8:13 हम ओकरा सभ केँ अवश्य समाप्त क’ देब, परमेश् वर कहैत छथि, बेल पर अंगूर नहि होयत, आ अंजीरक गाछ पर अंजीर नहि होयत, आ पात फीका भ’ जायत। हम जे किछु हुनका सभ केँ देने छी से हुनका सभ सँ समाप्त भऽ जायत।”

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ भस्म करै के वादा करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ देलऽ गेलऽ सब आशीष छीनी लेतै।

1. भगवान् के अनुशासन: परिणाम के उद्देश्य को समझना।

2. परमेश्वर के वचन के शक्ति: चुनौती के बावजूद भरोसा करना सीखना।

1. यिर्मयाह 8:13

2. इब्रानी 12:6-11 "किएक तँ प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि तकरा दंडित करैत छथि।"

यिर्मयाह 8:14 हम सभ किएक बैसल छी? अहाँ सभ जमा भऽ कऽ सुरक्षित नगर सभ मे प्रवेश करू आ ओतऽ चुप रहू, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर हमरा सभ केँ चुप करा देलनि आ पित्तक पानि पीबाक लेल देलनि, किएक तँ हम सभ परमेश् वरक विरुद्ध पाप कयलहुँ।

यहूदा के लोगऽ क॑ परमेश् वर द्वारा ओकरऽ पापऽ के सजा मिल॑ लगलऽ छै आरू ओकरा चुप रहै लेली मजबूर करलऽ जाय रहलऽ छै ।

1: भगवानक अनुशासन आवश्यक अछि

2: परमेश् वरक पुनर्स्थापनक खोज

1: इब्रानियों 12:5-11 - कारण, प्रभु जेकरा प्रेम करै छै ओकरा अनुशासित करै छै आरू जेकरा वू ग्रहण करै छै, ओकरा ताड़ना दै छै।
896

2: विलाप 3:22-24 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 8:15 हम सभ शान्तिक प्रतीक्षा मे छलहुँ, मुदा कोनो नीक नहि भेल। आ स्वास्थ्यक समयक लेल, आ देखू विपत्ति!

लोक शांति आ स्वास्थ्यक समय तकैत छल, मुदा ओकर बदला मे परेशानी भेटैत छल।

1. परमेश् वरक योजना हमरा सभक योजना सँ मेल नहि खा सकैत अछि - यिर्मयाह 8:15

2. सच्चा शांति तकबाक प्रयास - यिर्मयाह 8:15

1. यशायाह 26:3 - अहाँ सभ ओहि सभ केँ पूर्ण शान्ति मे राखब जिनकर मोन अडिग अछि, कारण ओ सभ अहाँ पर भरोसा करैत छथि।

2. यूहन्ना 14:27 - हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ि रहल छी। हमर शान्ति हम अहाँकेँ दैत छी।
हम अहाँकेँ ओहिना नहि दैत छी जेना संसार दैत अछि। मन परेशान नहि होउ आ नहि डेराउ।

यिर्मयाह 8:16 दान सँ ओकर घोड़ा सभक फूफकार सुनाई पड़लैक, ओकर बलवान सभक चीत्कार सुनि पूरा देश काँपि उठल। किएक तँ ओ सभ आबि कऽ ओहि देश आ ओहि मे जे किछु अछि, तकरा खा गेल अछि।
नगर आ ओहि मे रहनिहार लोक।

दान नगर सँ परमेश् वरक शत्रु सभक घोड़ा सुनबा मे आयल आ पूरा देश भय सँ काँपि उठल जखन ओ सभ ओहि देश आ ओकर निवासी सभ केँ खा गेल।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: भय पर विजय प्राप्त करब आ परमेश्वर के पास वापसी

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक शक्ति आ हुनक रक्षा

1. मत्ती 10:28-31 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारि सकैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

यिर्मयाह 8:17 किएक तँ देखू, हम अहाँ सभक बीच साँप, कोकड़ा, जे मोहित नहि होयत, आ ओ अहाँ सभ केँ काटि लेत, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि हुनी ऐसनऽ साँप आरू कोकरी भेजतै जेकरा ओकरा काटै लेली मोहित नै करलऽ जाब॑ सकै छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा - यिर्मयाह 8:17

2. परमेश् वरक अपन लोकक लेल अनुशासन - यिर्मयाह 8:17

1. नीतिवचन 10:17 - जे शिक्षा पर ध्यान दैत अछि ओ जीवनक बाट पर अछि, मुदा जे डाँट केँ अस्वीकार करैत अछि से दोसर केँ भटका दैत अछि।

2. इब्रानी 12:5-11 - आ की अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटाक रूप मे संबोधित करैत अछि? "हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्का मे नहि मानू, आ ने हुनकर डाँटला पर थाकि जाउ। किएक त' प्रभु जकरा प्रेम करैत छथि, तकरा अनुशासित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि, तकरा दंडित करैत छथि।"

यिर्मयाह 8:18 जखन हम दुखक विरुद्ध अपना केँ सान्त्वना दैत छलहुँ तखन हमर मोन हमरा मे बेहोश भ’ गेल अछि।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता अपनऽ दिल में बेहोश महसूस करी क॑ अपनऽ भीतर के दुख आरू दुख व्यक्त करै छै ।

1. दुःखक समय मे भगवानक आराम

2. शोकक माध्यमे ताकत भेटब

1. यशायाह 66:13 - जेना माय अपन बच्चा केँ सान्त्वना दैत अछि, तहिना हम अहाँ केँ सान्त्वना देब; यरूशलेम पर अहाँ सभ केँ सान्त्वना भेटत।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 8:19 देखू, हमर लोकक बेटीक आवाज दूर देश मे रहनिहार सभक कारणेँ अछि जे, की परमेश् वर सियोन मे नहि छथि? की ओकर राजा ओकरा मे नहि छैक? ओ सभ हमरा अपन उकेरल मूर्ति सँ आ विचित्र आडंबर सँ हमरा किएक क्रोधित केलक अछि?

परमेश् वरक लोकक बेटी दूर-दूरक भूमि मे रहनिहार सभक कारणेँ कानि रहल अछि। की प्रभु सिय्योन मे उपस्थित नहि छथि? की ओकर राजा शासन नहि क' रहल अछि? मूर्ति आ परदेशी देवता सँ भगवान् केँ कियैक ठेस पहुँचा रहल छथि?

1. भगवान उपस्थित छथि: संकट के समय में भगवान के उपस्थिति पर भरोसा करब

2. मूर्तिपूजा: भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन रहत, शांति के राजकुमार। ओकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ ओकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग आब सँ अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल। सेना सभक परमेश् वरक उत्साह एहि काज केँ पूरा करत।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यिर्मयाह 8:20 फसल बीति गेल, गर्मी समाप्त भ’ गेल, आ हमरा सभ केँ उद्धार नहि भेटैत अछि।

उद्धार नहि भेलाक परिणाम आबि गेल अछि।

1. बचबाक समय आब अछि

2. हमरा सभकेँ उद्धारक अवसरकेँ किएक जब्त करबाक चाही

1. उपदेशक 3:1-2 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक हर वस्तुक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक। रोपबाक समय, आ जे रोपल गेल अछि ओकरा तोड़बाक समय।

2. यूहन्ना 3:36 - जे कियो पुत्र पर विश्वास करैत अछि, ओकरा अनन्त जीवन भेटैत छैक; जे पुत्रक आज्ञा नहि मानत से जीवन नहि देखत, मुदा परमेश् वरक क्रोध ओकरा पर रहत।

यिर्मयाह 8:21 हमर लोकक बेटीक आहत हम आहत छी। हम कारी छी; विस्मय हमरा पर पकड़ि लेलक अछि।

भगवान् के लोक के आहत भगवान के सेहो आहत करैत अछि।

1: हमरा सभक प्रति भगवानक प्रेम एतेक गहींर अछि जे हमर सभक पीड़ा हुनका पीड़ा दैत अछि।

2: हमर सभक पीड़ा भगवान् द्वारा महसूस कयल जाइत अछि आ ओ एहि सँ गहींर प्रभावित होइत छथि।

1: यशायाह 53:3-5 ओकरा मनुष्य द्वारा तिरस्कृत आ अस्वीकार कयल जाइत छैक, एकटा दुखक आदमी आ शोक सँ परिचित। आ हम सभ, जेना, हुनका सँ अपन मुँह नुका लेलहुँ। हुनका तिरस्कृत कयल गेलनि, आ हम सभ हुनकर आदर नहि करैत छलहुँ । निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक दुःख केँ सहने छथि आ हमरा सभक दुःख केँ ढोने छथि; तैयो हम सभ हुनका मारल गेल, परमेश् वर द्वारा मारल गेल आ दुःखित मानैत छलहुँ।

2: रोमियो 12:15 आनन्दित लोक सभक संग आनन्दित रहू आ काननिहार सभक संग कानू।

यिर्मयाह 8:22 की गिलिआद मे कोनो बाम नहि अछि; ओतय कोनो वैद्य नहि अछि? तखन हमर लोकक बेटीक स्वास्थ्य किएक नहि ठीक भ' रहल अछि?

गिलिआद मे बाम आ वैद्यक उपस्थितिक बादो परमेश् वरक लोकक स्वास्थ्य ठीक नहि भ' रहल अछि।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान - ई परखब जे परमेश् वरक लोक सभक चंगाई किएक नहि भेल अछि, आ एकरा बहाल करबाक लेल हम सभ की क’ सकैत छी।

2. चंगाई के लेल प्रभु पर भरोसा करब - अपन भलाई के लेल भगवान पर भरोसा करबाक महत्व पर जोर देब।

1. याकूब 5:14 - "की अहाँ सभ मे सँ कियो बीमार अछि? ओ सभ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजा क' हुनका सभ पर प्रार्थना कर' आ प्रभुक नाम मे तेल सँ अभिषेक करथि।"

2. यशायाह 53:5 - "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह; जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सभ सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

यिर्मयाह अध्याय 9 यहूदा के लोगऽ के पाप आरू बेवफाई के कारण यिर्मयाह के दुख आरू विलाप के संबोधित करै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह अपन गहींर पीड़ा आ इच्छा के व्यक्त करय स होइत अछि जे ओ एकटा एहन जगह ताकि सकय जतय ओ अपन लोक के दुखद स्थिति स बच सकय (यिर्मयाह 9:1-2)। ओ हुनका लोकनिक छलक जीह पर शोक करैत छथि, जे झूठक साधन बनि गेल अछि । जनता सत्य के स्वीकार करय स मना क दैत अछि आ अपन गलत काज पर अडिग रहैत अछि, जाहि स पीड़ा आ कष्ट होइत अछि।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह लोकक पापक प्रति परमेश् वरक प्रतिक्रियाक वर्णन करैत छथि (यिर्मयाह 9:3-9)। ओ चेताबैत छथि जे हुनका सभ पर न्याय आओत किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक नियम केँ छोड़ि देने छथि। हुनका लोकनिक अविश्वासक कारणेँ शोक, विनाश आ हिंसा सँ भरल भूमि आबि गेल अछि। परमेश् वर हुनका सभक धोखा देबयवला तरीका सँ देखैत छथि आ हुनका सभ पर सजा अनताह।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे यिर्मयाह लोकक लेल अपन दुख व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 9:10-11)। ओ एकटा उजाड़ भूमि पर विलाप करैत छथि जतय युद्धक कारणेँ भेल तबाहीक कारणेँ कियो नहि बचल अछि । यरूशलेम खंडहरक ढेर बनि गेल अछि, जे परमेश् वरक आज्ञा नहि मानय बला लोक पर परमेश् वरक न्याय केँ दर्शाबैत अछि।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह परमेश् वरक न्यायक कारणक वर्णन करैत छथि (यिर्मयाह 9:12-16)। लोक सभ परमेश् वरक आज्ञा सभ केँ छोड़ि, झूठ देवता सभक पाछाँ लागि गेल अछि आ सुधार सँ मना कऽ देलक अछि। एकरऽ परिणामस्वरूप ओकरा सिनी क॑ गंभीर परिणाम के सामना करना पड़तै, कैन्हेंकि भगवान ओकरा सिनी प॑ अपनऽ क्रोध डालै छै ।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन सच्चा बुद्धि के समझै के आग्रह के साथ होय छै (यिर्मयाह 9:23-24)। यिर्मयाह ई बात पर जोर दै छै कि घमंड मनुष्य के बुद्धि या ताकत में नै बल्कि परमेश्वर के जानना आरू समझै में होना चाहियऽ। सच्चा बुद्धि अपनऽ क्षमता या उपलब्धि पर भरोसा नै करी क॑ हुनकऽ पहचान आरू आज्ञा मानला स॑ मिलै छै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के नौ अध्याय में यिर्मयाह के यहूदा के पाप आरू बेवफाई के बारे में गहरा दुख आरू विलाप के चित्रण छै। ओ हुनका लोकनिक छल-प्रपंचक जीह, सत्य केँ स्वीकार करबा सँ मना

899

करबाक आ गलत काज मे अडिग रहबाक शोक करैत छथि। परमेश् वर हुनका सभक अपन नियम छोड़बाक कारणेँ आसन्न न्यायक बारे मे चेतावनी दऽ कऽ जवाब दैत छथि। एकरऽ परिणामस्वरूप भूमि शोक, विनाश, आरू हिंसा स॑ भरलऽ होय जाय छै । यरूशलेम ईश्वरीय न्याय के प्रमाण के रूप में खंडहर में पड़ल छै। एहि न्यायक कारण बतौल गेल अछि जे लोक सभ परमेश् वरक आज्ञा केँ छोड़ि देलक अछि, झूठ देवता सभक पालन कयलक अछि आ सुधार केँ अस्वीकार कयल गेल अछि। फलस्वरूप हुनका सब के गंभीर परिणाम के सामना करय पड़तनि। अध्याय के अंत में परमेश्वर के जानय आरू समझै में सच्चा बुद्धि के खोज करै के आग्रह के साथ होय छै। घमंड मनुष्य के बुद्धि या शक्ति में नै होबाक चाही, बल्कि हुनका सच्चा बुद्धि, धर्म, प्रेम आ न्याय के स्रोत के रूप में पहचानै में होबाक चाही।

यिर्मयाह 9:1 जँ हमर माथ पानि रहैत आ हमर आँखि नोरक झरना बनि गेल रहैत, जाहि सँ हम अपन लोकक बेटीक मारल गेल लोकक लेल दिन-राति कानब!

यिर्मयाह इस्राएल के लोगऽ के कष्ट के प्रति अपनऽ दुख व्यक्त करै छै ।

1. अपन लोकक लेल परमेश् वरक हृदय: दुखक समय मे परमेश् वरक करुणा केँ जानब

2. शोक करयवला लोकनिक संग शोक: त्रासदीक समय मे करुणा आ आशा

1. भजन 126:5-6 - "जे नोर बहा क' बोनिबला सभ हर्षक चिल्लाहटि सँ काटि लेत! जे कानैत बाहर निकलत, बीया बोनि लेल बीया ल' क' निकलत, ओ अपन गुच्छा ल' क' हर्षक चीत्कार ल' क' घर आबि जायत।"

2. रोमियो 12:15 - "आनन्दित रहनिहार सभक संग आनन्दित रहू, काननिहार सभक संग कानू।"

यिर्मयाह 9:2 जँ हमरा जंगल मे घुमैत-फिरैत लोक सभक ठहरबाक स्थान रहैत। जाहि सँ हम अपन लोक सभ केँ छोड़ि कऽ ओकरा सभ सँ चलि जाइ! किएक तँ ओ सभ व्यभिचारी, विश्वासघाती सभक सभा अछि।

यिर्मयाह चाहैत अछि जे ओ अपन लोक सभ सँ बचय, किएक तँ ओ सभ व्यभिचारी आ विश्वासघाती बनि गेल अछि।

1. बेवफाई के खतरा: व्यभिचार के जाल स कोना बचल जाय

2. विरहक शक्ति: प्रलोभन देबयवला वातावरण कखन छोड़बाक चाही

1. याकूब 4:4 - "हे व्यभिचारी लोकनि, की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे संसारक संग दोस्ती परमेश् वरक प्रति घृणा अछि? जे कियो संसारक मित्र बनब चुनैत अछि, ओ परमेश् वरक शत्रु बनि जाइत अछि।"

2. मत्ती 5:27-30 - "अहाँ सभ सुनलहुँ जे ई कहल गेल छल जे, 'अहाँ व्यभिचार नहि करू।' मुदा हम अहाँकेँ कहैत छी जे जे कियो कोनो स्त्रीकेँ कामुकतासँ तकैत अछि ओ पहिनेसँ ओकर हृदयमे व्यभिचार कएने अछि, जँ अहाँक दहिना आँखि अहाँकेँ ठोकर मारि दैत अछि तँ ओकरा गोड़ि कऽ फेकि दियौक, नीक अछि जे अहाँक एक भाग गमा दियौक शरीर नरक मे फेकल जेबाक अपेक्षा अहाँक पूरा देह नरक मे फेकि देल जाय।आ जँ अहाँक दहिना हाथ सँ ठोकर खाय पड़य तँ ओकरा काटि कऽ फेकि दियौक।अहाँक लेल पूरा शरीर मे जेबा सँ नीक जे अहाँक शरीरक एक अंग गमा जाय नर्क."

यिर्मयाह 9:3 ओ सभ झूठक लेल धनुष जकाँ जीह मोड़ैत अछि, मुदा पृथ्वी पर सत्यक लेल ओ सभ वीर नहि अछि। किएक तँ ओ सभ अधलाहसँ अधलाह दिस बढ़ैत अछि, मुदा हमरा नहि चिन्हैत अछि, परमेश् वर कहैत छथि।

लोक सत्य बजबाक बदला झूठ बाजैत अछि आ भगवानक उपस्थिति केँ स्वीकार नहि करैत अछि ।

1. परमेश् वरक सत्य: हमरा सभ केँ विश्वास मे किएक जीबाक चाही आ झूठ नहि

2. अदृष्ट यथार्थ: भगवान कोना हमर शक्तिक स्रोत छथि

900

1. रोमियो 3:4 - "परमेश् वर सत् य रहथि, आ सभ मनुख झूठ बाजथि।"

2. भजन 25:5 - "हमरा अपन सत्य मे लऽ जाउ आ हमरा सिखाउ, किएक तँ अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी; हम भरि दिन अहाँक प्रतीक्षा करैत छी।"

यिर्मयाह 9:4 अहाँ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ ध्यान राखू, आ कोनो भाय पर भरोसा नहि करू, किएक तँ प्रत्येक भाय एकदम सँ अपन जगह बनाओत आ प्रत्येक पड़ोसी निन्दा करैत चलत।

कोनो भाइ पर भरोसा नहि करबाक चाही, कारण ओ एक दोसरा के विश्वासघात आ निंदा करत।

1. "सावधान रहबाक महत्व जकरा संग हम सब भरोसा करैत छी"।

2. "अपन भाइ पर भरोसा करबाक खतरा"।

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ।
अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. याकूब 4:11-12 - "हे भाइ लोकनि, एक-दोसर केँ अधलाह नहि बाजू। जे अपन भाय केँ अधलाह बजैत अछि आ अपन भाइक न्याय करैत अछि, से व्यवस्थाक अधलाह बजैत अछि आ धर्म-नियमक न्याय करैत अछि। मुदा जँ अहाँ सभ धर्म-नियमक न्याय करैत छी तँ अहाँ धर्म-नियमक पालन करयवला नहि, बल् कि न्यायाधीश छी।”

यिर्मयाह 9:5 ओ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ धोखा देत, आ सत्य नहि बाजत।

लोक धोखेबाज आ असत्य बनि गेल अछि, झूठ बाजैत आ गलत काज मे लागि गेल अछि।

1: सत्य बाजू - नीतिवचन 12:17-19

2: छल स बचू - भजन 24:3-4

1: याकूब 3:1-18

2: इफिसियों 4:25-32

यिर्मयाह 9:6 तोहर आवास छलक बीच अछि। छलक कारणेँ ओ सभ हमरा चिन्हबा सँ मना कऽ दैत छथिन, परमेश् वर कहैत छथि।

लोक छल-प्रपंच सँ घेरने अछि आ प्रभु केँ स्वीकार करबा सँ मना क' दैत अछि।

1: धोखा नहि खाउ - याकूब 1:22-25

2: प्रभु केँ जानब - इब्रानियों 11:13-16

1: नीतिवचन 14:15 - सरल लोक सब किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।

2: नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ सही बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

यिर्मयाह 9:7 तेँ सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि जे देखू, हम ओकरा सभ केँ पिघला देब आ ओकरा सभ केँ परखब। कारण, हम अपन लोकक बेटीक लेल कोना करब?

प्रभु पूछि रहल छथि जे हुनका यहूदाक लोक सभक कोना मदद करबाक चाही, जेना ओ हुनका सभ केँ पिघलबाक आ परखबाक योजना बना रहल छथि।

1. परीक्षा के बीच भगवान के प्रेम आ दया

2. हमर संघर्षक लेल भगवानक उपाय

1. यशायाह 48:10 - देखू, हम अहाँ केँ शुद्ध कयलहुँ, मुदा चानी सँ नहि। हम तोरा क्लेशक भट्ठी मे चुनने छी।

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभटा आनन्द मानू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि। मुदा धैर्य केँ ओकर सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ आ किछुओक अभाव नहि।

यिर्मयाह 9:8 हुनका सभक जीह ओहिना अछि जेना बाण निकालल गेल अछि। धोखा बजैत अछि, मुँह सँ अपन पड़ोसी सँ शान्तिपूर्वक बात करैत अछि, मुदा हृदय मे प्रतीक्षा करैत अछि।

जीभक प्रयोग प्रायः धोखा देबय लेल कयल जाइत अछि, ओहो जखन अपन पड़ोसी सँ शांतिपूर्वक गप्प कयल जाइत अछि ।

1. जीभक शक्ति

2. जीभक छल

1. याकूब 3:5-6 "तहिना जीह छोट अंग अछि, तइयो ओ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। एतेक छोट आगि सँ कतेक पैघ जंगल मे आगि लगाओल जाइत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार।" जीह हमरा सभक अंगक बीच मे राखल गेल अछि, पूरा शरीर पर दाग लगा दैत अछि, पूरा जीवन काल मे आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि।"

2. नीतिवचन 12:19 "सत्य ठोर अनन्त काल धरि रहैत अछि, मुदा झूठ बाज' बला जीह क्षण भरि लेल रहैत अछि।"

यिर्मयाह 9:9 की हम एहि सभ बातक लेल हुनका सभक ओतय नहि जायब? परमेश् वर कहैत छथि, की हमर प्राण एहि तरहक जाति सँ बदला नहि लेत?

प्रभु पूछि रहल छथि जे पाप करय बला राष्ट्र सँ बदला नहि लेबाक चाही की नहि।

1. पाप आ परमेश्वरक न्यायक परिणाम

2. पश्चाताप आ आज्ञाकारिता के आह्वान

२. मुदा जे सभ स्वार्थी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, बल् कि अधर्म, क्रोध आ क्रोधक आज्ञा मानैत छथि।

2. इजकिएल 33:11 - हुनका सभ केँ कहू जे हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीबैत अछि। घुमू, अपन दुष्ट बाट सँ मुड़ू! हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

यिर्मयाह 9:10 हम पहाड़ सभ पर कानब आ विलाप करब, आ जंगलक आवास सभक लेल विलाप करब, कारण ओ सभ जरि गेल अछि, जाहि सँ कियो ओहि मे सँ नहि गुजरि सकैत अछि। आ ने मनुष्य मवेशीक आवाज सुनि सकैत अछि। आकाशक चिड़ै आ जानवर दुनू भागि गेल अछि। ओ सभ चलि गेल छथि।

परमेश् वर पहाड़ सभ केँ कानब आ विलाप करथिन जे मरुभूमिक आवास सभ जरि गेल आ नष्ट भऽ गेल अछि, जाहि सँ कियो ओहि मे सँ नहि गुजरि सकय। जानवर आ चिड़ै भागि गेल अछि आ सब चुप अछि।

1. "मरुभूमि के लेल एकटा विलाप: हानि के समय में भगवान हमरा सब के संग कोना कानैत छथि"।

2. "मरुभूमिक पुकार: दुखक समय मे भगवानक राहत"।

1. भजन 34:18 - "परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

902

2. यशायाह 51:3 - "कारण परमेश् वर सियोन केँ सान्त्वना दैत छथि; ओकर सभ उजाड़ स्थान केँ सान्त्वना दैत छथि आ ओकर जंगल केँ अदन जकाँ बना दैत छथि, ओकर मरुभूमि केँ परमेश् वरक बगीचा जकाँ बना दैत छथि; हुनका मे आनन्द आ आनन्द, धन्यवाद आ आवाज भेटत।" गाना."

यिर्मयाह 9:11 हम यरूशलेम केँ ढेर आ अजगरक मांद बना देब। हम यहूदाक नगर सभ केँ उजाड़ बना देब, जाहि मे कोनो निवासी नहि।

परमेश् वर यरूशलेम आ यहूदाक नगर सभ केँ उजड़ि देत।

1. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

2. उजाड़ अनबाक प्रभुक शक्ति

1. यशायाह 24:1-12

2. विलाप 5:1-22

यिर्मयाह 9:12 बुद्धिमान के अछि जे ई बात बुझि सकैत अछि? परमेश् वरक मुँह कहने छथि जे ओ ई बात कहि सकथि, किएक तँ जे देश नाश भऽ जाइत अछि आ जंगल जकाँ जरि गेल अछि, जाहि सँ केओ नहि गुजरैत अछि?

यिर्मयाह प्रश्न उठबैत छथि जे के एतेक बुद्धिमान अछि जे ई बुझि सकैत अछि जे जमीन किएक नष्ट भ' रहल अछि आ उजाड़ बंजर भूमि किएक बनि रहल अछि।

1. भगवान् अधलाह बात किएक होबय दैत छथि?

2. भूमिक विनाश सँ हम की सीख सकैत छी?

1. यशायाह 5:20 - "धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि; जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि; जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत केँ बदलि दैत अछि!"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यिर्मयाह 9:13 परमेश् वर कहैत छथि, “ओ सभ हमर नियम केँ छोड़ि देलनि जे हम हुनका सभक सोझाँ राखि देने छी, आ हमर बात नहि मानलनि आ ने ओहि मे चललनि।

परमेश् वर इस्राएल केँ सजा देने छथि जे ओ अपन नियम केँ छोड़ि हुनकर आवाज नहि मानैत छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

1. व्यवस्था 28:15 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज नहि सुनब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सभ शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

2. नीतिवचन 1:29-30 - कारण ओ सभ ज्ञान सँ घृणा करैत छल, आ प्रभुक भय नहि चुनैत छल, हमर कोनो सलाह नहि चाहैत छल, हमर सभ डाँट केँ तिरस्कार करैत छल।

यिर्मयाह 9:14 मुदा ओ सभ अपन हृदयक कल्पना आ बालिमक अनुसार चलैत रहलाह जे हुनका सभक पूर्वज हुनका सभ केँ सिखबैत छलाह।

लोक अपन कल्पना आ मूर्तिपूजाक अनुसरण केने छथि जे पूर्वज सिखबैत छलाह |

1: मूर्तिपूजा परमेश् वरक बाट नहि अछि, आ ओकर पालन करनिहार सभक न् याय होयत।

2: हमरा सभ केँ झूठ मूर्ति पर भरोसा करबाक बजाय, मार्गदर्शन आ सत्यक लेल भगवान् केर खोज करबाक चाही।

1: यशायाह 55:6-9 - परमेश् वरक खोज करू आ अहाँ हुनका पाबि लेब, आ हुनकर बाट सच्चा आनन्द आनत।

2: यिर्मयाह 29:13 - परमेश्वर के खोजू आ अहाँ हुनका पाबि लेब, आ हुनकर सत्य के मार्गदर्शन मे रहब।

यिर्मयाह 9:15 तेँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम ओकरा सभ केँ, एहि लोक सभ केँ, कृमि खुआ देब आ ओकरा सभ केँ पित्तक पानि पीबय लेल।

सेना केरऽ परमेश् वर, इस्राएल केरऽ परमेश् वर, अपनऽ लोगऽ क॑ कृमि खुआबै आरू पित्त केरऽ पानी पीबै के सजा द॑ देतै ।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक अनुशासन हुनकर प्रेमक संकेतक रूप मे

1. व्यवस्था 28:15-68 - आज्ञा नहि मानबाक लेल परमेश्वरक न्यायक चेतावनी

2. इब्रानियों 12:5-11 - परमेश् वर के प्रेम आ देखभाल के निशानी के रूप में अनुशासन

यिर्मयाह 9:16 हम ओकरा सभ केँ ओहि जाति सभक बीच छिड़िया देब, जकरा ओ सभ नहि चिन्हलनि आ ने ओकर पूर्वज, आ जाबत धरि हम ओकरा सभ केँ नष्ट नहि क’ लेब, ताबत धरि हम ओकरा सभक पाछाँ तलवार पठा देब।

परमेश् वर दुष्ट सभ केँ अनजान विधर्मी सभक बीच छिड़िया कऽ दंड देताह आ ओकरा सभ केँ भस्म करबाक लेल तलवार पठा देताह।

1: परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत आ धार्मिक अछि, आ एहि सँ कियो नहि बचि सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ पश्चाताप करबाक चाही आ परमेश् वर दिस घुरबाक चाही, नहि तँ हमरा सभकेँ न्याय आ दंडक सामना करय पड़त।

1: 2 थिस्सलुनीकियों 1:7-8 - आ अहाँ सभ जे परेशान छी, हमरा सभक संग विश्राम देब, जखन प्रभु यीशु अपन पराक्रमी स् वर्गदूत सभक संग स् वर्ग सँ प्रगट होयत, ज्वालामुखी आगि मे जे परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि आ जे सभ आज्ञा मानैत अछि, ओकर बदला लेत हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक सुसमाचार नहि।

2: इब्रानी 10:31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

यिर्मयाह 9:17 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “विचार करू आ शोक संतप्त महिला सभ केँ बजाउ जाहि सँ ओ सभ आबि सकथि। धूर्त स्त्रीगण केँ बजाउ, जाहि सँ ओ सभ आबि सकथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे शोक करऽ वला स् त्री आ धूर्त स् त्री दुनू केँ बजाबय।

1. प्रभुक शोक आ बुद्धिक आह्वान

2. भगवानक निर्देशक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

904

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 9:18 ओ सभ जल्दी-जल्दी हमरा सभक लेल विलाप करय, जाहि सँ हमर सभक आँखि मे नोर बहय आ पलक सँ पानि बहय।

यिर्मयाह लोक सभ केँ जल्दबाजी करबाक आह्वान करैत छथि आ एकटा विलाप करबाक लेल, नोर सँ शोक व्यक्त करैत छथि।

1. शोक करबाक आह्वान: यिर्मयाहक संग शोक

2. हेरायल लोकक लेल कानब: अपन दुख मे आराम भेटब

1. भजन 30:5 - "कानब एक राति धरि टिक सकैत अछि, मुदा आनन्द भोर मे अबैत अछि।"

2. विलाप 3:19-20 - "हमर दुःख आ हमर भटकब, कृमि आ पित्त केँ मोन पाड़ू! हमर आत्मा एखनो ओकरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि आ हमरा मे विनम्र अछि। ई बात हम अपन मोन मे मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि।"

यिर्मयाह 9:19 किएक तँ सियोन सँ विलापक आवाज सुनबा मे अबैत अछि जे, हम सभ कोना लूटल गेल छी! हम सभ बहुत भ्रमित छी, किएक तँ हम सभ देश छोड़ि देलहुँ, किएक तँ हमर सभक निवास हमरा सभ केँ बाहर निकालि देलक।

सिय्योन सँ विलापक आवाज सुनबा मे अबैत अछि, जे ई व्यक्त करैत अछि जे कोना ओ सभ अपन घर छोड़ि गेलाक कारणेँ बिगड़ल आ बहुत भ्रमित भ' गेल अछि।

1. घरक शक्ति: घर मात्र एकटा स्थान सँ बेसी किएक

2. आगू बढ़ब: घर छोड़बाक पीड़ासँ सीखब

1. भजन 137:1-4

2. इब्रानियों 11:13-16

यिर्मयाह 9:20 हे स्त्रीगण सभ, प्रभुक वचन सुनू, आ अहाँ सभक कान हुनकर मुँहक वचन ग्रहण करू, आ अपन बेटी सभ केँ विलाप करब सिखाउ आ प्रत्येक अपन पड़ोसी केँ विलाप करब।

परमेश् वर स् त्रीगण सभ केँ अपन वचन सुनबाक आग्रह करैत छथि आ अपन बेटी आ पड़ोसी सभ केँ विलाप मे विलाप करबाक सिखाबथि।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक शक्ति

2. अपन बेटी सभकेँ विलापमे विलाप करब सिखाएब

1. याकूब 1:19-21 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि। तेँ सभ गंदगी आ प्रचंड दुष्टता केँ दूर करू आ नम्रतापूर्वक ओहि प्रत्यारोपित वचन केँ ग्रहण करू जे अहाँ सभक प्राण केँ बचाबय मे सक्षम अछि।

2. नीतिवचन 1:8-9 हे हमर बेटा, अपन पिताक शिक्षा सुनू, आ अपन मायक शिक्षा नहि छोड़ू, किएक तँ ई सभ अहाँक माथक लेल एकटा सुन्दर माला अछि आ अहाँक गर्दनक लेल लटकन अछि।

यिर्मयाह 9:21 कारण, मृत्यु हमरा सभक खिड़की मे आबि गेल अछि आ हमरा सभक महल मे प्रवेश क’ रहल अछि, जाहि सँ बाहर सँ बच्चा सभ आ गली-गली सँ नवतुरिया सभ केँ काटि देल जाय।

मृत्यु हमरा सभक घर मे घुसि गेल अछि आ हमरा सभक बच्चा सभ केँ छीन लेलक अछि।

905

1: जीवनक अनमोलता आ ओकरा कतेक जल्दी छीन लेल जा सकैत अछि से नहि बिसरबाक चाही।

2: हमर बच्चा सब प्रभु के आशीर्वाद अछि आ हमरा सब के ओकर नीक देखभाल करय पड़त।

1: भजन 127:3-5 - देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, गर्भक फल इनाम अछि। जेना योद्धाक हाथ मे बाण अपन युवावस्थाक संतान होइत अछि । धन्य अछि ओ आदमी जे एहि सभसँ अपन कुवर भरैत अछि! फाटक मे अपन शत्रु सभक संग गप्प करबा काल ओकरा लाज नहि होयत।

2: व्यवस्था 6:4-7 - हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर प्रभु, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई बात जे आइ हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत। अहाँ सभ अपन धिया-पुता सभ केँ लगन सँ एकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, जखन अहाँ बाट मे चलब, जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब।

यिर्मयाह 9:22 कहू, परमेश् वर ई कहैत छथि, “मनुष् य सभक शव सेहो खुला खेत मे गोबर जकाँ खसि पड़त आ कटनी करनिहारक पाछाँ मुट्ठी भरि लोक जकाँ खसि पड़त, आ कियो ओकरा नहि जमा करत।”

प्रभु यिर्मयाह के माध्यम सें बोलै छै, ई घोषणा करै छै कि मृतक के लाश खेत में सड़ै लेली छोड़ी देलऽ जैतै, जेकरा में ओकरा जमा करै वाला केकरो नै छै।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक गंभीरता केँ बुझब

2. हम सभ परमेश् वरक न्यायक प्रति कोना प्रतिक्रिया दऽ सकैत छी?

1. अय्यूब 21:23 - "केओ अपन पूरा शक्ति सँ मरैत अछि, पूर्णतः आराम आ चुपचाप रहैत अछि।"

2. इजकिएल 32:4 - "हम तोरा परदेशी सभक हाथ मे सेहो सौंपि देब आ एक लोक सँ दोसर लोक मे पहुँचा देब।"

यिर्मयाह 9:23 परमेश् वर ई कहैत छथि, “बुद्धिमान अपन बुद्धि पर घमंड नहि करय, आ पराक्रमी अपन सामर्थ्य पर घमंड नहि करय, आ धनी अपन धन पर घमंड नहि करय।

परमेश् वर लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे अपन बुद्धि, पराक्रम आ धन-दौलत पर घमंड नहि करथि।

1. "विनम्रता के मूल्य"।

2. "अभिमानक खतरा"।

1. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. नीतिवचन 11:2 - "जखन घमंड अबैत अछि तखन लाज अबैत अछि, मुदा नीच लोकक संग बुद्धि होइत अछि।"

यिर्मयाह 9:24 मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बातक गौरव करबाक चाही जे ओ हमरा बुझैत अछि आ हमरा जनैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ् वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी, किएक तँ हम एहि सभ बात मे प्रसन्न छी, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर चाहै छै कि हम्में हुनका समझै आरू जानै में गौरव करी, जेना कि हुनी पृथ्वी में प्रेम, न्याय आरू धार्मिकता के प्रयोग करै छै।

1. परमेश् वरक दया, न्याय आ धार्मिकता मे आनन्द लेब सीखब

2. भगवान् केँ बुझब आ जानब: हुनकर महिमा करबाक एकटा मार्ग

906

1. व्यवस्था 10:12-13 - प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. याकूब 4:6-10 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। अतः ओ कहैत छथि: "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |" प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

यिर्मयाह 9:25 देखू, एहन दिन आबि रहल अछि, जखन हम खतना करनिहार सभ केँ अखतना के संग दंड देब।

परमेश् वर सभ खतना आ अखतना केनिहार सभ केँ सजा देथिन।

1. घमंडक पाप: अपना केँ दोसर सँ ऊपर रखबाक परिणाम

2. आत्मसंतोषक खतरा: हुनका हल्का बुझनिहार पर भगवानक निर्णय

1. गलाती 6:13-14 - "किएक तँ खतना आ ने खतना नहि किछु नहि, बल् कि नव सृष्टि अछि। आ जे सभ एहि नियमक अनुसार चलैत छथि, हुनका सभ पर आ परमेश् वरक इस्राएल पर शान्ति आ दया रहय।"

2. रोमियो 2:28-29 - "किएक तँ केओ यहूदी नहि अछि जे बाहरी रूप सँ मात्र एक अछि, आ ने खतना बाहरी आ शारीरिक अछि। मुदा यहूदी भीतर सँ एक अछि, आ खतना हृदयक बात अछि, आत् मा द्वारा नहि।" पत्र द्वारा।हुनकर स्तुति मनुष्य दिस सँ नहि, भगवान् सँ होइत छनि।"

यिर्मयाह 9:26 मिस्र, यहूदा, एदोम, अम्मोन, मोआब, आ सभ जे सभ अन्त कोन मे अछि, जे जंगल मे रहैत अछि, किएक तँ ई सभ जाति खतना नहि भेल अछि आ सभ इस्राएलक घराना सेहो अछि हृदय मे खतना नहि भेल।

इस्राएल के चारो तरफ के सब जाति, मिस्र, यहूदा, अदोम, अम्मोन, मोआब आरू जंगल में जे भी जाति छै, वू अखतना नै छै, आरू इस्राएल के सब घराना दिल में खतना नै छै।

1. खतना के महत्व: यिर्मयाह 9:26 मे एकटा अध्ययन

2. हृदय खतना: यिर्मयाह 9:26 मे एकटा अध्ययन

1. व्यवस्था 10:16 - तेँ अपन हृदयक अग्रचर्मक खतना करू आ आब कठोर नहि रहू।

2. रोमियो 2:29 - मुदा ओ यहूदी छथि, जे भीतर सँ एक छथि; खतना हृदयक, आत् मा मे होइत छैक, आ अक्षर मे नहि। जिनकर स्तुति मनुष् यक नहि, बल् कि परमेश् वरक अछि।

यिर्मयाह अध्याय १० मूर्तिपूजा के मूर्खता के संबोधित करै छै आरू एकरऽ विपरीत परमेश्वर के महानता आरू सार्वभौमिकता के साथ करै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह स’ होइत अछि जे जाति सभक प्रथा आ ओकर मूर्तिपूजाक विरुद्ध चेतावनी दैत छथि (यिर्मयाह 10:1-5)। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना ओ लोकनि लकड़ी सँ मूर्ति के फैशन करैत छथि, चानी आ सोना सँ सजाबैत छथि आ कील के प्रयोग सँ जगह पर जकड़ैत छथि | ई मूर्ति सब शक्तिहीन अछि आ नहि बाजि सकैत अछि आ नहि हिल सकैत अछि । यिर्मयाह ई बात पर जोर दै छै कि ई सब सच्चा परमेश् वर के विपरीत मनुष्य के कारीगरी के उपज मात्र छै।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह मूर्ति सभक विपरीत सच्चा परमेश् वरक संग करैत छथि, जे महान आ पराक्रमी छथि (यिर्मयाह 10:6-10)। ओ घोषणा करैत छथि जे सभ जाति मे हुनका सन कियो नहि अछि। भगवान् सँ डरबाक चाही कारण ओ सब वस्तुक सृष्टिकर्ता छथि | आन जाति के देवता व्यर्थ मूर्ति छथि, मुदा भगवान जीवित आ शक्तिशाली छथि।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह मूर्ति पूजा के व्यर्थता पर प्रकाश दैत छथि (यिर्मयाह 10:11-16)। हुनकऽ कहना छै कि झूठा देवता भगवान केरऽ महिमा के तुलना नै करी सकै छै या हुनका जैसनऽ

चमत्कार नै करी सकै छै । मनुष्यक हाथ सँ बनल मूर्ति खाली, बिना साँस आ जीवन नहि। एकर विपरीत भगवान् वैह छथि जे अपन शक्ति सँ सब किछु बनौलनि |

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन यहूदा के लेलऽ आह्वान के साथ होय छै कि वू मूर्ति के पालन करै में अपनऽ मूर्खता क॑ स्वीकार करै (यिर्मयाह १०:१७-२५)। यिर्मयाह आसन्न न्याय के बीच अपनऽ लोगऽ के तरफऽ स॑ दया के गुहार लगाबै छै । ओ हुनका सभक अयोग्यता केँ स्वीकार करैत छथि मुदा भगवान् सँ कहैत छथि जे हुनकर क्रोध पूर्ण रूप सँ हुनका सभ पर नहि उझलथि |

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के दसवाँ अध्याय में जाति-जाति द्वारा कयल गेल मूर्तिपूजा के मूर्खता के उजागर कयल गेल अछि | लोक लकड़ी सॅं निर्जीव मूर्ति के फैशन करैत अछि, ओकरा चानी आ सोना सॅं सजाबैत अछि । ई शक्तिहीन सृष्टि के विपरीत भगवान के महानता आ सार्वभौमिकता के साथ छै । सत् य परमेश् वर केँ सभ जाति मे अद्वितीय घोषित कयल गेल अछि, जे सभ वस्तु पर सृष्टिकर्ताक रूप मे भय जायब। एकरऽ विपरीत मिथ्या देवता क॑ बेकार मानलऽ जाय छै, जेकरा म॑ ओकरऽ मानव निर्मित समकक्षऽ के तरह कोनो जीवन या शक्ति नै छै । मूर्तिपूजा के व्यर्थता पर जोर देलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि ई मिथ्या देवता भगवान के महिमा के तुलना नै करी सकै छै या हुनका जैसनऽ चमत्कार नै करी सकै छै । सब किछु के निर्माता के रूप में सच्चा शक्ति केवल भगवान् के पास छै। अध्याय के समापन आसन्न न्याय के बीच यहूदा के तरफ स॑ दया के गुहार के साथ होय छै । हुनकऽ अयोग्यता क॑ स्वीकार करी क॑ यिर्मयाह ईश्वरीय क्रोध उड़ाबै म॑ संयम माँगै छै आरू अपनऽ लोगऽ के प्रति करुणा के अपील करै छै ।

यिर्मयाह 10:1 हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ जे वचन परमेश् वर अहाँ सभ केँ कहैत छथि से सुनू।

ई अंश परमेश् वर के वचन सुनै के महत्व पर जोर दै छै।

1. "भगवान के वचन के आज्ञाकारिता में जीना"।

2. "भगवानक आवाज सुनब सीखब"।

1. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

2. याकूब 1:21-22 - तेँ सभ गंदगी आ दुष्टताक उफान केँ एक कात राखू, आ नम्रतापूर्वक ओहि रोपल वचन केँ स्वीकार करू जे अहाँ सभक प्राण केँ बचाबय मे सक्षम अछि।

यिर्मयाह 10:2 परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “जाति-जाति सभक बाट नहि सीखू आ स् वर्गक संकेत सभ देखि कऽ चकित नहि होउ। किएक तँ विधर्मी लोक सभ ओकरा सभ पर चकित भऽ जाइत अछि।

भगवान् हमरा सब के निर्देश दै छै कि बुतपरस्त राष्ट्र के रास्ता नै सीखै के आरू स्वर्ग में ज्योतिषीय चिन्ह स नै डरै के कारण बुतपरस्त ओकरा स डरै छै।

1. धोखा नहि खाउ: दुनियाँक बाट पर सतर्क रहू

2. भगवानक बल पर निर्भर रहू आ संसारक छल पर नहि

१.

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 10:3 किएक तँ लोकक रीति-रिवाज व्यर्थ अछि, किएक तँ ककरो जंगलसँ गाछ काटि लैत अछि, जे मजदूरक हाथक काज अछि, कुल्हाड़ीसँ।

लोकक रीति-रिवाज व्यर्थ अछि कारण ओ जंगलसँ एकटा गाछ लैत छथि, जे कुल्हाड़ीसँ कुशल मजदूर द्वारा बनाओल गेल छल |

1. परमेश्वरक सृष्टिक सौंदर्य: यिर्मयाह 10:3 पर एकटा चिंतन

2. मानवीय रीति-रिवाजक व्यर्थता: यिर्मयाह 10:3 आ हमर सभक जीवन

1. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

2. उपदेशक 7:29 - "देखू, हम मात्र एतबे पाबि गेलहुँ जे परमेश् वर मनुष्य केँ सोझ बनौलनि अछि; मुदा ओ सभ बहुत रास आविष्कारक खोज मे लागल अछि।"

यिर्मयाह 10:4 ओ सभ एकरा चानी आ सोना सँ सजाबैत छथि। कील आ हथौड़ा सँ जकड़ैत छथि, जाहि सँ ओ नहि हिलैत अछि।

लोक मूर्ति के चानी आ सोना स सजाबैत छथि आ कील आ हथौड़ा स बान्हि दैत छथि जाहि स ओ नहि हिलत।

1. भौतिक सम्पत्ति पर भरोसा नहि करबाक चाही, कारण ओ हमरा सभ केँ कहियो स्थायी सुरक्षा नहि द' सकैत अछि।

2. हमरा सभ केँ झूठ देवताक पूजा करबाक प्रलोभन नहि भेटबाक चाही, कारण ओ सभ निर्जीव वस्तु सँ बेसी किछु नहि अछि।

1. रोमियो 16:17-18 भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ केँ ओहि सिद्धांतक विपरीत जे विभाजन उत्पन्न करैत अछि आ बाधा उत्पन्न करैत अछि, ताहि सँ सावधान रहू। हुनका सभसँ बचू। किएक तँ एहन लोक सभ हमरा सभक प्रभु मसीहक सेवा नहि करैत अछि, बल् कि अपन भूखक सेवा करैत अछि आ सुचारू गप्प आ चापलूसी द्वारा भोला-भाला सभक हृदय केँ धोखा दैत अछि।

2. भजन 115:4-8 हुनका लोकनिक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि। कान छै, मुदा सुनै नै छै। नाक, मुदा गंध नहि। हाथ छै, मुदा महसूस नै करै छै; पैर, मुदा चलब नहि। आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। जे ओकरा सभकेँ हुनका सभ जकाँ बनबैत अछि; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

यिर्मयाह 10:5 ओ सभ ताड़क गाछ जकाँ सोझ अछि, मुदा बाजब नहि, ओकरा सभ केँ सहन करबाक आवश्यकता अछि, किएक तँ ओ सभ नहि जा सकैत अछि। हुनका सभ सँ डेराउ नहि; किएक तँ ओ सभ अधलाह काज नहि कऽ सकैत अछि आ ने नीक काज सेहो ओकरा सभ मे अछि।

भगवानक लोक ताड़क गाछ जकाँ अछि - मजबूत आ सोझ, मुदा अपन बात नहि बजबा मे असमर्थ। ओकरा सभसँ डेराउ नहि, किएक तँ ओ सभ कोनो हानि वा भलाई करबामे सक्षम नहि अछि।

1. निष्ठावान सेवाक ताकत

2. सीधा रहबाक विशिष्टता

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. याकूब 2:17-18 - "तहिना विश्वास अपने आप मे जँ काज नहि अछि तँ मरि गेल अछि। मुदा कियो कहत जे अहाँ केँ विश्वास अछि आ हमरा काज अछि। अहाँक काज सँ अलग अहाँक विश्वास हमरा देखाउ, आ हम।" हमर काज सँ अहाँ केँ हमर विश्वास देखाओत।”

यिर्मयाह 10:6 हे प्रभु, तोरा सन कियो नहि अछि। अहाँ महान छी, आ अहाँक नाम पराक्रम मे पैघ अछि।

भगवान् अतुलनीय छथि आ हुनकर महानता बेजोड़ अछि ।

1. भगवान अतुलनीय महान आ भयानक छथि

2. भगवानक महानता केँ बुझबाक प्रयास करबाक चाही

1. भजन 145:3 - प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही; आ ओकर महानता अनजान अछि।

2. यशायाह 40:18 - तखन अहाँ सभ परमेश् वरक उपमा केकरा सँ करब? आकि अहाँ सभ हुनका सँ कोन उपमा करब?

यिर्मयाह 10:7 हे जाति-जाति सभक राजा, अहाँ सँ के नहि डरत? किएक तँ ई बात तोरेक अछि, किएक तँ जाति-जाति आ ओकर सभ राज्य मे सभ ज्ञानी लोक मे अहाँ सन कियो नहि अछि।”

भगवान् सब जाति आरू ओकरऽ ज्ञानी लोगऽ के बीच विशिष्ट रूप स॑ बुद्धिमान आरू शक्तिशाली छै, आरू भय आरू सम्मान के हकदार छै ।

1. भगवान् के विशिष्टता: सब राष्ट्र स ऊपर भगवान के शक्ति आ बुद्धि के अन्वेषण

2. भय आ सम्मान: अपन जीवन मे प्रभुक भय के सराहना करब

1. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि।

2. भजन 33:12-15 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि, ओ लोक जिनका ओ अपन धरोहरक रूप मे चुनने छथि! प्रभु स्वर्ग सँ नीचाँ तकैत छथि; ओ मनुष् यक सभ सन् तान केँ देखैत अछि।
जतय सँ ओ सिंहासन पर बैसल बैसल छथि ओतय सँ ओ पृथ्वीक सभ निवासी केँ देखैत छथि, जे हुनका सभक हृदय केँ फैशन करैत छथि आ हुनकर सभक सब कर्म केँ पालन करैत छथि |

यिर्मयाह 10:8 मुदा ओ सभ एकदम क्रूर आ मूर्ख अछि।

इस्राएल के लोगऽ क॑ मूर्ख के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जे झूठा शिक्षा के पालन करै छै ।

1. झूठ शिक्षाक खतरा

2. परमेश् वरक वचन मे सत्यक खोज

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ सही बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

2. कुलुस्सी 2:8 - सावधान रहू जे मसीहक अनुसार नहि, मनुष्यक परंपराक अनुसार, संसारक मूल सिद्धांतक अनुसार, दर्शन आ खाली छलक द्वारा कियो अहाँ सभ केँ ठकय नहि देत।

यिर्मयाह 10:9 थारीश सँ चानी आ उफाज सँ सोना आनल जाइत अछि, जे मजदूर आ संस्थापक हाथक काज अछि, नील आ बैंगनी रंग ओकर वस्त्र अछि, ई सभ धूर्त लोकक काज अछि।

भगवान् हमरा सब के सौन्दर्य आ वैभव के सृजन के क्षमता के आशीर्वाद देने छैथ।

1. सृजनात्मकता के शक्ति: अपन प्रतिभा के उपयोग सौंदर्य आ आशीर्वाद के निर्माण के लेल कोना करी

2. शिल्पक मूल्य: अपन रचना मे सृष्टिकर्ताक बुद्धि केँ स्वीकार करब

1. निष्कासन 31:3-5 - हम हुनका परमेश् वरक आत् मा, बुद्धि, समझ, आ ज्ञान आ सभ तरहक कारीगरी मे भरि देलहुँ।

2. प्रेरित 17:24-28 - जे परमेश् वर संसार आ ओहि मे रहल सभ वस्तु केँ बनौलनि, से देखि जे ओ स् वर्ग आ पृथ् वीक मालिक छथि, ओ हाथ सँ बनल मन् दिर मे नहि रहैत छथि।

यिर्मयाह 10:10 मुदा परमेश् वर सत् य परमेश् वर छथि, ओ जीवित परमेश् वर छथि आ अनन् त राजा छथि, हुनकर क्रोध पर पृथ्वी काँपि जायत आ जाति सभ हुनकर क्रोध नहि सहि सकैत अछि।

परमेश् वर सत् य आ जीवित परमेश् वर छथि, आ अनन्त राजा छथि। ओकर क्रोध सँ पृथ्वी काँपि जाइत छैक, आ राष्ट्र सभ ओकर क्रोध नहि सहि सकैत छैक।

1. भगवान् के क्रोध के शक्ति

2. भगवान् के सार्वभौमिकता के महिमा

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि। सेलाह"।

2. यशायाह 66:15 - "देखू, प्रभु आगि मे आबि जेताह, आ ओकर रथ सभ बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे हुनकर क्रोध केँ क्रोध मे आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन।"

यिर्मयाह 10:11 अहाँ सभ हुनका सभ केँ एहि तरहेँ कहब जे जे देवता आकाश आ पृथ्वी केँ नहि बनौने छथि, ओ सभ पृथ् वी सँ आ एहि आकाशक नीचाँ सँ नाश भ’ जेताह।

प्रभु घोषणा करै छै कि जे भी देवता आकाश आरू पृथ्वी के रचना नै करलकै, ओकरऽ नाश होय जैतै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हमरा सभ केँ हुनकर आराधना करबाक लेल कोना बजाओल गेल अछि

2. परमेश् वरक निष्ठा: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. भजन 24:1-2 - "पृथ्वी आ ओकर सभटा पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि। किएक तँ ओ एकरा समुद्र पर नींव रखलनि, आ पानि पर स्थापित कयलनि।"

2. रोमियो 1:20-21 - "किएक तँ संसारक सृष्टि सँ हुनकर अदृश्य गुण स्पष्ट रूप सँ देखल जाइत अछि, जे बनल वस्तु सभ सँ बुझल जाइत अछि, हुनकर अनन्त शक्ति आ ईश्वरत्व, जाहि सँ ओ सभ कोनो बहाना नहि अछि।"

यिर्मयाह 10:12 ओ अपन सामर्थ् य सँ पृथ्वी केँ बनौलनि, अपन बुद्धि सँ संसार केँ स्थापित कयलनि आ अपन विवेक सँ आकाश केँ पसारि देलनि।

भगवान् सब शक्तिशाली छथि आ अपन बुद्धि आ विवेक सँ पृथ्वी के सृजन केने छथि, संसार के स्थापित केने छथि आ आकाश के पसारि देने छथि |

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सृष्टि मे हुनक शक्ति केँ चिन्हब

2. भगवानक सृष्टि मे बुद्धि आ विवेक केँ बुझब

1. कुलुस्सी 1:16-17 - किएक तँ हुनका द्वारा स् वर्ग आ पृथ् वी पर सभ किछु, दृश्य आ अदृश्य, चाहे सिंहासन वा प्रभुत्व वा शासक वा अधिकार सभ किछु हुनका द्वारा आ हुनका लेल बनाओल गेल अछि।

2. भजन 33:6-9 - प्रभुक वचन सँ आकाश आ हुनकर मुँहक साँस सँ ओकर सभ सेना बनल। समुद्रक पानि केँ ढेर जकाँ जमा करैत अछि। गहींर भंडार मे राखि दैत छथि। समस्त धरती प्रभु सँ डेराय। संसारक सभ निवासी हुनका पर आदर-सत्कार भ' क' ठाढ़ रहथि! किएक तँ ओ बजैत छलाह आ से भेल। ओ आज्ञा देलथिन, आ ओ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भ’ गेल।

यिर्मयाह 10:13 जखन ओ अपन आवाज बजबैत छथि तँ आकाश मे पानि केर भीड़ होइत अछि आ ओ पृथ्वीक छोर सँ वाष्प केँ चढ़बैत छथि। बरखाक संग बिजली बजबैत अछि आ अपन खजाना मे सँ हवा निकालैत अछि।

परमेश् वर के आवाज शक्तिशाली छै, आरो आकाश सें पानी के भीड़ निकाली सकै छै, धरती सें वाष्प के चढ़ै के कारण, बरसात के साथ बिजली पैदा करी सकै छै, आरो ओकरोॅ खजाना सें हवा निकाली सकै छै।

1. "भगवानक आवाज" - भगवानक आवाज कोना शक्तिशाली होइत अछि आ बहुत रास बात सोझाँ आबि सकैत अछि ताहि पर एकटा।

2. "भगवानक खजाना" - भगवान् केर खजाना आ ओकरा सोझाँ अनबाक ओकर आवाजक शक्ति पर ए।

१.

2. भजन 29:3-4 - "प्रभुक आवाज पानि पर अछि; महिमाक परमेश् वर, प्रभु, पराक्रमी पानि पर गरजैत छथि। प्रभुक आवाज शक्तिशाली अछि; प्रभुक आवाज भरल अछि।" महिमा।"

यिर्मयाह 10:14 प्रत्येक आदमी अपन ज्ञान मे क्रूर अछि, प्रत्येक संस्थापक उकेरल मूर्ति सँ भ्रमित होइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओकरा मे कोनो साँस नहि अछि।

प्रत्येक व्यक्ति अपन समझ मे मूर्ख अछि आ मूर्ति सृजन करय वाला सब के लज्जित कयल जाइत अछि | मूर्ति झूठ के अलावा किछु नै छै आ ओकरा में कोनो जीवन नै छै।

1. मूर्तिपूजा: एकटा मृत मार्ग

2. मिथ्या पूजाक व्यर्थता

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ ओहि वस्तुक कोनो उपमा नहि बनाउ।" पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि।अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. यशायाह 44:9-20 - मूर्तिक निर्माण करयवला सभ किछु नहि, आ जाहि चीज मे ओकरा आनन्द भेटैत छैक, ओकरा कोनो फायदा नहि होइत छैक। हुनका सभक गवाह सभ ने देखैत अछि आ ने जनैत अछि, जाहि सँ ओ सभ लज्जित होथि। के देवता के फैशन बनाबै छै या कोनो मूर्ति के ढालै छै जे बेकार में लाभदायक छै? देखू, ओकर सभ संगी लज्जित होयत, आ कारीगर सभ मात्र मनुक्ख अछि। सब जमा होथि, ठाढ़ होथि। ओ सभ आतंकित भ' जेताह; दुनू गोटे एक संग लज्जित भ’ जेताह। लोहाक काज करयवला कोयला मे मेहनति करैत अछि आ हथौड़ा सँ फैशन करैत अछि आ अपन मजबूत बाँहि सँ काज करैत अछि । भूखल भ' जाइत छैक, आ ओकर सामर्थ्य क्षीण भ' जाइत छैक; ओ पानि नहि पीबैत छथि आ बेहोश भ' जाइत छथि। बढ़ई एकटा रेखा तानैत अछि; पेंसिलसँ चिन्हित करैत अछि । एकरा विमान सॅं आकार दैत छथि आ कम्पास सॅं चिन्हित करैत छथि । ओकरा मनुक्खक आकृतिक आकार दैत छथि, मनुक्खक सौन्दर्यक संग, घर मे रहबाक लेल । देवदारक गाछ काटि लैत अछि, वा सरूक गाछ वा ओक चुनि कए जंगलक गाछक बीच ओकरा मजबूत बनय दैत अछि । देवदार रोपैत छथि आ बरखा ओकर पोषण करैत अछि । तखन मनुक्खक लेल ईंधन बनि जाइत अछि। ओकर एकटा हिस्सा ल' क' अपना केँ गरम क' लैत अछि; आगि जरा कऽ रोटी सेकैत अछि। संगहि देवता बना क' ओकर पूजा करैत छथि; ओकरा मूर्ति बना कऽ ओकर आगू खसि पड़ै छै। आधा भाग आगि मे जरा दैत छथि । आधासँ बेसी मांस खाइत अछि; भुजि कऽ तृप्त भऽ जाइत अछि। संगहि ओ अपना केँ गरम करैत कहैत छथि, आहा, हम गरम छी, आगि देखलहुँ! आ ओकर शेष भाग केँ ओ अपन मूर्ति केँ देवता बना दैत छथि आ ओहि पर खसि पड़ैत छथि आ ओकर पूजा करैत छथि | ओ ओकरा सँ प्रार्थना करैत कहैत छथि, हमरा बचाउ, कारण अहाँ हमर देवता छी!

यिर्मयाह 10:15 ओ सभ व्यर्थ आ गलतीक काज अछि।

परमेश् वरक काज व्यर्थ आ त्रुटि सँ भरल अछि, आ ओकर पालन करय बला सभ केँ अंततः विनाशक सामना करय पड़तैक।

1: मानवीय काजक आडंबर - यिर्मयाह 10:15

2: झूठ मूर्तिपूजाक पालन नहि करू - यिर्मयाह 10:15

1: उपदेशक 12:13-14 - बातक अंत; सब सुनल गेल अछि। परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक समस्त कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

2: भजन 146:3-4 - अपन भरोसा राजकुमार सभ पर नहि राखू, जे मनुष्यक पुत्र पर, जिनका मे उद्धार नहि अछि। जखन ओकर साँस चलि जाइत छैक तखन ओ पृथ्वी पर घुरि जाइत छैक; ओही दिन ओकर योजना नष्ट भ' जाइत छैक।

यिर्मयाह 10:16 याकूबक भाग हुनका सभ जकाँ नहि अछि, कारण ओ सभ वस्तुक पूर्ववर्ती छथि। आ इस्राएल ओकर उत्तराधिकारक छड़ी अछि, सेना सभक परमेश् वर ओकर नाम अछि।

प्रभु सभ वस्तुक निर्माता छथि आ इस्राएल हुनकर उत्तराधिकार छथि।

1: भगवान् हर नीक चीज के सृष्टिकर्ता आ प्रदाता छथि

2: प्रभु के उत्तराधिकारी होने का सौभाग्य

1: इफिसियों 2:10 - कारण, हम सभ हुनकर कृति छी, मसीह यीशु मे नीक काज करबाक लेल सृजित छी, जे परमेश् वर पहिने निर्धारित कएने छथि जे हम सभ ओहि मे चलब।

2: भजन 127:3 - देखू, बच्चा सभ परमेश् वरक धरोहर अछि, आ गर्भक फल हुनकर इनाम अछि।

यिर्मयाह 10:17 हे किला मे रहनिहार, देश मे सँ अपन माल जमा करू।

किलाक निवासी के निर्देश देल जा रहल अछि जे ओ अपन सम्पत्ति जमा क' जमीन छोड़ि दियौक।

1. कठिनाई आ विपत्तिक समय मे सेहो प्रभु हमरा सभ केँ अपन विश्वास आ हुनका पर भरोसा रखबाक लेल बजबैत छथि।

2. जखन हमरा सभ केँ चुनौतीक सामना करय पड़ैत अछि तखन हमरा सभ केँ विश्वासी रहबाक चाही आ प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करबाक चाही।

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

2. यशायाह 43:1-2 मुदा आब, परमेश् वर ई कहैत छथि जे जे अहाँ सभ केँ सृष्टि केने छथि, याकूब, जे अहाँ सभ केँ बनौलनि, इस्राएल: अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी; अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

यिर्मयाह 10:18 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि, “देखू, हम एहि देशक निवासी सभ केँ एके बेर मे फँसा देब आ ओकरा सभ केँ परेशान करब जाहि सँ ओ सभ एहन पाबि सकथि।”

प्रभु घोषणा करै छै कि वू देश केरऽ निवासी सिनी क॑ बाहर निकाली क॑ ओकरा सिनी क॑ संकट पैदा करी देतै ।

1. भगवानक न्याय निश्चित अछि - एहि सत्य पर एकटा जे भगवानक न्याय सदिखन निश्चित आ अपरिहार्य होइत अछि।

1. रोमियो 2:4-5 - "या की अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जा रहल अछि? मुदा अहाँ सभ अपन कठोर आ पश्चाताप नहि करयवला हृदयक कारणेँ संग्रह क' रहल छी।" क्रोधक दिन जखन परमेश् वरक धार्मिक न् याय प्रगट होयत तखन अपना लेल क्रोध करू।"

2. इजकिएल 18:23 - "की हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता होइत अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, आ ई नहि जे ओ अपन बाट सँ मुड़ि क' जीवित रहथि?"

यिर्मयाह 10:19 हम अपन आहतक लेल धिक्कार छी! हमर घाव गंभीर अछि, मुदा हम कहलियनि, “सत्ते ई दुख अछि, आ हमरा एकरा सहय पड़त।”

अंश शोक आ पीड़ा सहबाक बात करैत अछि ।

1: धैर्य आ ताकत के संग दर्द के सहन करब

2: प्रतिकूलता मे ताकत ताकब

1: 2 कोरिन्थी 1:3-4 - हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता, दयाक पिता आ सभ सान्त्वना देनिहार परमेश् वर, धन्य होथि, जे हमरा सभक सभ दुःख मे हमरा सभ केँ सान्त्वना दैत छथि, जाहि सँ हम सभ ओहि सभ केँ सान्त्वना दऽ सकब कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

2: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 10:20 हमर तम्बू लूटि गेल अछि, हमर सभ डोरी टूटि गेल अछि, हमर बच्चा सभ हमरा सँ बाहर निकलि गेल अछि, मुदा ओ सभ नहि अछि, आब हमर डेरा पसारि क’ हमर पर्दा ठाढ़ करय बला कियो नहि अछि।

प्रभु केरऽ तम्बू नष्ट होय गेलऽ छै आरू ओकरऽ डोरी टूटी गेलऽ छै, जेकरा चलतें ओकरा बिना बच्चा के छोड़ी देलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा फेर से बनाबै वाला केकरो छोड़ी देलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक अन्तहीन निष्ठा: यिर्मयाह 10:20 क अध्ययन

2. विश्वास के असली अर्थ सीखना: यिर्मयाह 10:20 के अध्ययन

1. भजन 34:18, प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

2. यशायाह 40:28-29, की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक।

यिर्मयाह 10:21 कारण, चरबाह सभ क्रूर भ’ गेल छथि, आ प्रभुक खोज नहि केने छथि, तेँ ओ सभ सफल नहि होयत, आ ओकर सभ भेँड़ा छिड़िया जायत।

परमेश् वर चेतावनी दै छै कि जे पास्टर हुनका नै खोजै छै, वू सफल नै होतै आरू ओकरो झुंड छिड़िया जैतै।

1. प्रभुक खोज: आध्यात्मिक सफलताक लेल ई किएक आवश्यक अछि।

2. छिड़ियाएल झुंड: परमेश् वरक वचनक अनदेखी करबाक परिणाम।

1. यिर्मयाह 29:13 - जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

यिर्मयाह 10:22 देखू, उत्तर देश सँ बहुत पैघ हंगामा आबि गेल अछि जे यहूदाक नगर सभ केँ उजाड़ आ अजगरक मांद बना देत।

परमेश् वर यहूदा केँ उत्तर दिस सँ एकटा पैघ हंगामा के बारे मे चेतावनी दैत छथि जे शहर सभ उजाड़ आ अजगर सँ भरल भ' जायत।

1. आउ, विपत्तिक समय मे भगवान् सँ रक्षाक प्रार्थना करी

2. उजाड़क समय मे भगवान् पर भरोसा करी

1. यशायाह 41:10, "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1, "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यिर्मयाह 10:23 हे प्रभु, हम जनैत छी जे मनुष्यक बाट अपना मे नहि अछि, जे मनुष् यक चलैत अछि, से अपन डेग केँ निर्देशित नहि करैत अछि।

मनुष्यक बाट अपना मे नहि अछि; अंततः भगवान् पर निर्भर करैत अछि जे ओ अपन डेग के निर्देशित करथि।

1: भगवान पर भरोसा करू जे ओ अपन डेग के निर्देशित करथि

2: अपन मार्गक मार्गदर्शन करबाक लेल भगवान् पर निर्भर रहू

1: भजन 25:4-5 - हे प्रभु, हमरा अपन बाट देखाउ। हमरा अपन सत्य मे मार्गदर्शन करू आ हमरा सिखाउ, कारण, अहाँ हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर छी, आ हमर आशा भरि दिन अहाँ पर अछि।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यिर्मयाह 10:24 हे प्रभु, हमरा सुधारू, मुदा न्यायक संग। अहाँक क्रोध मे नहि, जाहि सँ अहाँ हमरा नष्ट नहि कऽ देब।”

परमेश् वर हमरा सभ केँ बजबैत छथि जे हुनका अपन क्रोध मे नहि, बल् कि न्याय सँ हमरा सभ केँ सुधारबाक अनुमति दियौक, जाहि सँ हमर सभक विश्वास मजबूत रहय।

1. "आस्था में सुधार के शक्ति"।

2. "भगवानक दया आ न्याय"।

1. नीतिवचन 3:11-12, "हे हमर बेटा, परमेश् वरक दंड केँ तिरस्कृत नहि करू, आ हुनकर सुधार सँ नहि थाकि जाउ, कारण जे परमेश् वर प्रेम करैत छथि, ओ सुधारैत छथि, जेना पिता ओहि बेटा केँ सुधारैत छथि जिनका मे ओ प्रसन्न होइत छथि।"

2. इब्रानी 12:5-11, "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बच्चा सभ जकाँ कहैत अछि, हमर बेटा, अहाँ प्रभुक दंड केँ तिरस्कार नहि करू, आ जखन अहाँ केँ डाँटल जायत तखन बेहोश नहि होउ। जकरा लेल प्रभु प्रेम करैत छथि।" ओ सभ पुत्र केँ दंडित करैत अछि आ कोड़ा मारैत अछि।जँ अहाँ सभ दंडित करैत छी तँ परमेश् वर अहाँ सभ केँ पुत्र जकाँ व्यवहार करैत छथि, किएक तँ ओ कोन पुत्र अछि जकरा पिता सजा नहि दैत छथि? हरामी, बेटा नहि।एतबे नहि, हमरा सभक शरीरक पिता सभ हमरा सभ केँ सुधारैत रहलाह, आ हम सभ हुनका सभ केँ आदर-सत्कार कयलनि हुनका सभक इच्छाक अनुसार, मुदा ओ हमरा सभक लाभक लेल, जाहि सँ हम सभ हुनकर पवित्रताक भागीदार बनि सकब।अखन वर्तमान लेल कोनो दंड आनन्ददायक नहि बुझाइत अछि, बल् कि दुखद, मुदा तकर बाद ई धार्मिकताक शान्तिपूर्ण फल दैत अछि जे सभ एहि द्वारा कयल जाइत अछि। " .

यिर्मयाह 10:25 जे जाति अहाँ केँ नहि चिन्हैत अछि, आओर ओहि कुल सभ पर जे अहाँक नाम नहि बजबैत अछि, ताहि पर अपन क्रोध उझलि दियौक, किएक तँ ओ सभ याकूब केँ खा गेल अछि आ ओकरा खा गेल अछि आ ओकरा भस्म क’ देलक आ ओकर आवास उजाड़ क’ देलक।

परमेश् वर अपन क्रोध ओहि विधर्मी सभ पर उझलि जेबाक लेल कहैत छथि जे हुनका नहि चिन्हैत छथि आ जे हुनकर नाम नहि पुकारैत छथि, जेना ओ सभ याकूब केँ नष्ट क' क' भस्म क' देने छथि।

1. भगवानक क्रोध: हुनका अस्वीकार करय बला लोकक प्रति हमरा सभ केँ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. परमेश् वरक न्याय आ दया: जे हुनका नहि जनैत छथि हुनका सँ प्रेम करब

1. रोमियो 2:1-4 - तेँ हे मनुष्य, अहाँ सभ मे सँ जे कियो न्याय करैत छी, अहाँक कोनो बहाना नहि अछि। कारण, दोसर पर न् याय करबा मे अहाँ अपना केँ दोषी ठहरबैत छी, किएक तँ अहाँ, न्यायाधीश, ओहिना काज करैत छी।

2. लूका 6:27-31 - मुदा हम अहाँ सभ केँ जे सुनैत छी, अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि, हुनका सभक भलाई करू, जे अहाँ सभ केँ गारि पढ़ैत अछि, हुनका सभ केँ आशीर्वाद दिअ, जे अहाँ सभ केँ दुर्व्यवहार करैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

यिर्मयाह 11:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

यिर्मयाह अध्याय 11 परमेश्वर आरू हुनकऽ लोगऽ के बीच वाचा संबंध पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ हुनकऽ आज्ञा नै आबै आरू एकरऽ परिणामस्वरूप हुनका सामने आबै वाला परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर यिर्मयाह के निर्देश दै के साथ होय छै कि वू यहूदा आरू यरूशलेम के लोगऽ के सामने अपनऽ वचन के घोषणा करै (यिर्मयाह 11:1-5)। परमेश् वर हुनका सभ केँ ओहि वाचा केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ हुनका सभक पूर्वज सभक संग केने छलाह जखन ओ हुनका सभ केँ मिस्र सँ बाहर अनने छलाह। ओ हुनका सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ सभ अपन आज्ञाक पालन करथि, जँ ओ सभ एहन करब तँ आशीर्वादक वादा करैत छथि।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह बतबैत छथि जे कोना ओ लोक सभ केँ ओकर लगातार आज्ञा नहि मानबाक विषय मे चेतावनी देलनि (यिर्मयाह 11:6-8)। मुदा, ओ सभ नहि सुनलनि आ नहि मानलनि। बल्कि भगवान के साथ वाचा के संबंध के त्याग करी क॑ दोसरऽ देवता के पीछू-पीछू चलै छेलै आरू मूर्ति के पूजा करै छेलै ।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर यहूदा पर वाचा तोड़ै के कारण न्याय करै छै (यिर्मयाह 11:9-13)। ओ घोषणा करैत छथि जे हुनका सभ पर विपत्ति आओत, कारण ओ सभ विदेशी देवताक पूजा केने छथि | भले ही हुनका सब के पास अन्य जाति के तरह बहुत देवता छै, लेकिन ई मूर्ति सब हुनका सब के विपत्ति के समय में नै बचा सकै छै।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह केँ अपनहि शहरक लोक सभ सँ विरोध आ अपन जीवनक विरुद्ध साजिश रचबाक सामना करय पड़ैत छनि (यिर्मयाह 11:14-17)। प्रभु यिर्मयाह के सामने ई षड्यंत्र के प्रकट करै छै आरू ओकरा आश्वस्त करै छै कि जे ओकरऽ नुकसान चाहै छै, ओकरा पर वू न्याय करी देतै।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन लोक पर आबय बला न्याय पर अपन विलाप व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 11:18-23)। जे हुनका पर अधलाह साजिश रचने छथि, हुनका सभक विरुद्ध न्यायक लेल परमेश् वर सँ पुकारैत छथि। यिर्मयाह परमेश् वरक धार्मिक न्याय पर भरोसा करैत छथि आ हुनका सँ अपन शत्रु सभक संग तदनुसार व्यवहार करबाक लेल कहैत छथि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के ग्यारहवाँ अध्याय में परमेश् वर आरू हुनको लोगऽ के बीच के वाचा के संबंध पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यहूदा कॅ ओकरो पैतृक वाचा के याद दिलाबै छै आरू ओकरा आशीष के लेलऽ आज्ञाकारिता के लेलऽ बोलै छै। लोक लगातार आज्ञा नहि मानैत अछि, दोसर देवता आ मूर्तिक पाछाँ चलैत अछि । एकरऽ परिणाम ई छै कि यहूदा पर न्याय के घोषणा होय जाय छै, आरू ओकरऽ मूर्तिपूजा के कारण विपत्ति के घोषणा होय जाय छै । यिर्मयाह के अपनऽ ही शहर के लोगऽ के विरोध के सामना करना पड़ै छै, लेकिन परमेश् वर ओकरा सिनी के खिलाफ ओकरऽ साजिश के खुलासा करै छै। ओ आसन्न न्याय पर विलाप करैत छथि, जे नुकसान चाहय बला लोकक विरुद्ध परमेश् वरक न्याय पर भरोसा करैत छथि।

यिर्मयाह 11:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

प्रभु यिर्मयाह केँ एकटा संदेश देलनि।

1: परमेश् वरक वचन शक्तिशाली आ प्रासंगिक अछि

2: प्रभु के आज्ञा मानला स आशीर्वाद भेटैत अछि

1: व्यवस्था 28:1-2 "जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक पूर्ण आज्ञा मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करब जे हम आइ अहाँ सभ केँ दैत छी , तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सभ जाति सँ ऊपर ऊँच कऽ देताह। "

2: याकूब 1:22-25 मुदा अपना केँ धोखा दैत , मात्र सुननिहार नहि , वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल। मुदा जे सिद्ध नियम , स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि , जे बिसरनिहार श्रोता नहि अछि , अपितु काज करयवला कर्ता अछि , ओ अपन कर्म मे धन्य होयत।

यिर्मयाह 11:2 अहाँ सभ एहि वाचाक बात सभ सुनू आ यहूदाक लोक सभ आ यरूशलेमक निवासी सभ सँ बात करू।

ई अंश यहूदा आरू यरूशलेम के लोगऽ के साथ परमेश्वर के वाचा के व्याख्या करै छै कि वू अपनऽ नियम के पालन करै।

1. "भगवानक वाचा : पवित्रताक आह्वान "।

2. "भगवानक इच्छाक पालन करू : जीवनक एकटा मार्ग "।

1. गलाती 5:16-26 - हमरा सभक जीवन मे परिवर्तनक आत्माक काज।

2. याकूब 2:8-13 - विश्वास आ काजक महत्व।

यिर्मयाह 11:3 आ अहाँ हुनका सभ केँ कहू जे , “इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि। जे मनुष्य एहि करारक वचनक आज्ञा नहि मानैत अछि , तकरा अभिशप्त होअय।

परमेश् वर चेतावनी दैत छथि जे जे वाचा के वचन के पालन नै करत , ओकरा शापित होयत।

1. परमेश् वरक आशीर्वाद प्राप्त करबाक वाचाक पालन करू

2. वाचा के अस्वीकार करला स भगवान के अभिशाप भेटैत अछि

२.

2. यहोशू 24:15 - जँ अहाँ सभक नजरि मे परमेश् वरक सेवा करब दुष्ट अछि तँ आइ चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब , चाहे अहाँक पूर्वज नदीक ओहि पारक इलाका मे जे देवताक सेवा केने छलाह , वा अमोरी लोकनिक देवता जिनकर देश मे छलनि अहाँ निवास करैत छी। मुदा हम आ हमर घरक बात , हम सभ परमेश् वरक सेवा करब।

यिर्मयाह 11:4 हम अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ ओहि दिन मे आज्ञा देने छलहुँ , जखन हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ लोहाक भट्ठी सँ बाहर निकालने रही , ई कहैत जे , “हमर बात मानू आ हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा दैत छी , ताहि अनुसारेँ करू। ” हमर प्रजा बनू , आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।

परमेश् वर इस्राएली सिनी कॅ आज्ञा देलकै कि जबे हुनी ओकरा सिनी कॅ लोहा के भट्ठी सें मिस्र सें बाहर निकाललकै , तबे ओकरों आवाज के पालन करै आरो ओकरों आज्ञा के पालन करै , ताकि वू सिनी ओकरों लोग बनी सकै आरू वू ओकरों परमेश् वर होय।

917

1. आज्ञाकारिता के निहितार्थ - भगवान के आवाज के पालन के आज्ञा कोना सृष्टिकर्ता आ सृष्टि के बीच एकटा सुन्दर संबंध के जन्म दैत अछि |

2. लोहाक भट्ठी - इस्राएली सभ केँ कोन परीक्षा आ कष्टक सामना करय पड़लनि आ कोना ओ सभ परमेश् वरक लोक मे गढ़ल गेलाह, ताहि पर नजरि।

1. निकासी 19:3-8 - इस्राएली सभ केँ परमेश् वरक आह्वान जे ओ पवित्र जाति आ पुरोहित सभक राज्य बनथि।

2. व्यवस्था 10:12-13 - इस्राएली सभ केँ परमेश् वरक आज्ञा जे हुनका सँ डरू आ हुनकर आज्ञाक पालन करू।

यिर्मयाह 11:5 जाहि सँ हम अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ जे शपथ ग्रहण केने रही, तकरा पूरा क’ सकब जे हुनका सभ केँ दूध आ मधु सँ बहय बला देश देब, जेना आइ अछि। तखन हम उत्तर देलियैक, “हे प्रभु, एहने होउ।”

परमेश् वर इस्राएलक पूर्वज सभ केँ दूध आ मधु सँ बहय बला देश देबाक प्रतिज्ञा कयलनि। यिर्मयाह सहमत होइत उत्तर देलनि।

1. प्रभु के अपन लोक के आशीर्वाद के प्रतिज्ञा

2. निष्ठा के पुरस्कृत: आज्ञाकारिता के लाभ काटब

1. व्यवस्था 6:18-20

2. भजन 103:1-5

यिर्मयाह 11:6 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “यहूदाक नगर सभ मे आ यरूशलेमक गली मे ई सभ बात प्रचार करू जे, “अहाँ सभ एहि वाचाक वचन सुनू आ ओकरा पूरा करू।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ यहूदा आ यरूशलेम शहर मे एकटा वाचाक वचनक प्रचार करथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति - भगवान के आज्ञा के पालन करला स हुनकर आशीर्वाद सामने अबैत अछि।

2. परमेश् वरक वाचा - परमेश् वरक वाचा केँ पुनः पुष्ट करब आ ओकर पालन करब हमरा सभक उद्धार दिस लऽ जाइत अछि।

1. व्यवस्था 28:1-14 - प्रभुक वाचा के आज्ञापालन के आशीर्वाद।

2. भजन 119:44 - परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स सच्चा आनन्द आ जीवन भेटैत अछि।

यिर्मयाह 11:7 कारण, जाहि दिन हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर अनलहुँ, ताहि दिन मे अहाँ सभक पूर्वज सभक प्रति गंभीरता सँ विरोध केलहुँ, भोरे उठि क’ विरोध करैत कहलहुँ जे, “हमर आवाज मानू।”

परमेश् वर इस्राएली सभ सँ गंभीरता सँ आग्रह कयलनि जे जाहि दिन ओ हुनका सभ केँ मिस्र सँ बाहर अनने छलाह, हुनकर आज्ञाक पालन करथि आ सभ दिन हुनका सभ केँ एहन करबाक लेल मोन पाड़ैत रहलाह।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व। 2. भगवान् के स्थायी प्रेम आ धैर्य के शक्ति।

1. निकासी 19:5-8 - प्रभु सिनै पहाड़ पर इस्राएलक लोक सभ सँ बात करैत। 2. याकूब 1:22-25 - याकूबक आग्रह जे वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि।

यिर्मयाह 11:8 तैयो ओ सभ बात नहि मानलक आ ने कान झुकौलक , बल्कि सभ अपन दुष्ट हृदयक कल्पना मे चलल , तेँ हम हुनका सभ पर एहि वाचाक सभ बात आनि देब , जे हम हुनका सभ केँ करबाक आज्ञा देने रही , मुदा ओ सभ ओकरा सभ केँ पूरा कयलनि नहि .

परमेश्वरक आज्ञाक पालन करबाक लेल कहल गेलाक बादो इस्राएलक लोक सभ सुनबा सँ मना कऽ देलक आ अपन दुष्ट इच्छाक पालन केलक। एकरऽ परिणाम ई छै कि परमेश्वर ओकरा सिनी पर जे वाचा देलकै , ओकरोँ न्याय ओकरा सिनी पर लानी देतै।

1. भगवानक इच्छा सर्वोपरि अछि : हमरा सभकेँ अपन इच्छाकेँ भगवानक इच्छाक संग संरेखित करबाक चाही।

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम : भगवान आज्ञा नै आज्ञा के गंभीरता स लैत छथि आ तदनुसार हमरा सब के न्याय करताह।

1. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू , हम आइ अहाँ सभक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखैत छी ; एकटा आशीर्वाद , जँ अहाँ सभ अहाँ सभ अपन परमेश्वरक आज्ञा सभक पालन करब , जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी : आ एकटा अभिशाप, जँ। " अहाँ सभ अपन परमेश्वर परमेश्वरक आज्ञाक पालन नहि करब , बल्कि हम आइ जे बाट अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी , ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागब , जकरा अहाँ सभ नहि जनलहुँ। ”

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि , मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि। "

यिर्मयाह 11:9 परमेश्वर हमरा कहलथिन , “यहूदा आ यरूशलेमक निवासी सभक बीच एकटा षड्यंत्र देखल गेल अछि। ”

यहूदा आरू यरूशलेम के लोग परमेश्वर के खिलाफ साजिश रचै वाला पाबै गेलऽ छै।

1. "भगवान के विरुद्ध साजिश रचबाक खतरा "।

2. "अधर्मक लेल भगवानक क्रोध केँ बुझब "।

1. नीतिवचन 24:22 - कारण, हुनका सभक विपत्ति अचानक उठि जायत ; आ दुनूक विनाश के जनैत अछि ?

2. भजन 2:1-2 गैर -यहूदी सभ किएक क्रोधित होइत अछि , आ लोक सभ व्यर्थक कल्पना किएक करैत अछि? पृथ्वीक राजा सभ अपना केँ ठाढ़ करैत छथि आ शासक सभ एक संग परमेश्वर आ हुनकर अभिषिक्त सभक विरुद्ध विश्वास करैत छथि।

यिर्मयाह 11:10 ओ सभ अपन पूर्वज सभक अधर्म दिस घुरि गेल अछि , जे हमर बात सुनबा सँ मना क ' देलक। ओ सभ दोसर देवता सभक पाछाँ -पाछाँ हुनका सभक सेवा करबाक लेल गेलाह , इस्राएलक वंश आ यहूदाक वंशज हमर ओहि वाचा केँ तोड़ि देलक जे हम हुनका सभक पूर्वज सभक संग केने रही।

इस्राएल आरू यहूदा के घराना के साथ परमेश्वर के वाचा टूटी गेलै , कैन्हेंकि वू परमेश्वर के वचन सुनै के बजाय दोसरऽ देवता के पालन करना चुनलकै।

1. पसंद के शक्ति : हमरऽ निर्णय भगवान के साथ हमरऽ संबंध कं कोना प्रभावित करै छै

2. वाचा तोड़बाक परिणाम

1. यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि , आ बहुत दुष्ट अछि , एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय के खोजैत छी , बागडोर परखैत छी , एतय तक कि प्रत्येक आदमी के ओकर तरीका आ ओकर कर्म के फल के अनुसार देब।

2. व्यवस्था 30:19-20 - हम अहाँ सभक विरुद्ध आइ आकाश आ पृथ्वी केँ गवाही दैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु , आशीर्वाद आ श्राप दैत छी , तेँ जीवन केँ चुनू जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज दुनू जीवित रहब अहाँ अपन परमेश्वर परमेश्वर सँ प्रेम कऽ सकैत छी आ हुनकर बात मानब आ हुनका सँ चिपकल रहब।

919

यिर्मयाह 11:11 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम हुनका सभ पर दुष् टता आनि देबनि, जाहि सँ ओ सभ नहि बचि सकैत छथि। जँ ओ सभ हमरा लग कानत, मुदा हम हुनका सभक बात नहि सुनब।”

प्रभु घोषणा करै छै कि वू लोगऽ पर बुराई लानी देतै आरू भले ही वू लोगऽ के पुकार करतै, लेकिन वू नै सुनतै ।

1. प्रभुक सार्वभौमत्व: भगवान् हमर सभक प्रार्थना किएक नहि सुनताह

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: परमेश् वरक निर्णय आ हमर सभक परिणाम

1. यशायाह 45:9-10 - धिक्कार अछि जे अपन निर्माताक संग झगड़ा करैत अछि, जे जमीन पर कुम्हारक टुकड़ीक बीच कुम्हारक टुकड़ीक अतिरिक्त किछु नहि अछि। माटि कुम्हार केँ कहैत छैक, की बना रहल छी? की अहाँक काज कहैत अछि, हुनका हाथ नहि छनि? धिक्कार अछि जे पिता केँ कहैत अछि जे अहाँ की जनम देलहुँ? वा कोनो माय केँ, अहाँ की जन्म लेल अनलहुँ?

2. भजन 66:18 - जँ हम अपन हृदय मे पाप केँ पोसने रहितहुँ तँ प्रभु नहि सुनितथि;

यिर्मयाह 11:12 तखन यहूदाक नगर आ यरूशलेमक निवासी सभ जा कऽ ओहि देवता सभ लग पुकारत, जकरा ओ सभ धूप चढ़बैत छथि, मुदा ओ सभ अपन संकटक समय मे हुनका सभ केँ एकदम नहि बचाओत।

यहूदा आरू यरूशलेम के लोग ई जानला के बावजूद भी झूठा देवता के तरफ मुड़तै कि ओकरा सिनी के द्वारा उद्धार नै मिलै सकै छै।

1: परमेश् वर एकमात्र एहन छथि जे हमरा सभ केँ विपत्तिक समय मे बचा सकैत छथि।

2: झूठ देवता दिस नहि, बल् कि एक सत् य परमेश् वर दिस मुड़ू।

1: यशायाह 45:22 - "हे सभ पृथ्वीक छोर, हमरा दिस घुमू आ उद्धार पाउ, किएक तँ हम परमेश् वर छी, आओर दोसर कोनो नहि।"

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यिर्मयाह 11:13 हे यहूदा, अहाँक नगरक संख्याक अनुसार अहाँक देवता छलाह। यरूशलेमक गली- गली सभक संख्याक अनुसार अहाँ सभ ओहि लज्जाजनक बातक लेल वेदी ठाढ़ कएने छी, जे वेदी अछि जे बाल पर धूप जरेबाक लेल अछि।

यहूदा यरूशलेम के शहर आरू गली-गली में झूठ देवता बाल के लेलऽ बहुत वेदी लगाय देलकै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: यहूदाक पापसँ सीखब

2. मिथ्या देवता के अस्वीकार करब आ धर्म के चयन करब

1. व्यवस्था 4:15-19 मूर्तिपूजाक विरुद्ध चेतावनी

2. भजन 97:7 केवल प्रभु मे आनन्दित रहू

यिर्मयाह 11:14 तेँ अहाँ एहि लोक सभक लेल प्रार्थना नहि करू आ ने हुनका सभक लेल कोनो पुकार वा प्रार्थना नहि करू, किएक तँ हम हुनका सभ केँ ओहि समय मे नहि सुनब जखन ओ सभ हमरा लग अपन कष्टक लेल पुकारत।

ई अंश एहन लोकक लेल प्रार्थना करबाक चेतावनी दैत अछि जे परमेश् वर सँ मुँह मोड़ि लेने अछि।

1: परमेश् वरक दया आ न्याय: हमर प्रार्थनाक मूल्यांकन

2: भगवान् सँ मुँह मोड़ब: परिणाम काटि लेब

1: इजकिएल 18:30-32 - "एहि लेल, हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ि लिअ। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।" .अपन सभटा अपराध, जाहि सँ अहाँ सभ अपराध केलहुँ, ओकरा सभ केँ दूर करू, आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक लोक, अहाँ सभ किएक मरब?

2: इब्रानियों 10:26-27 - "किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि कऽ जानि-बुझि कऽ पाप करब तँ पापक बलिदान आब नहि रहत, बल् कि एकटा भयावह न् याय आ आगि सन क्रोधक प्रतीक्षा रहत, जे लोक सभ केँ भस्म कऽ देत।" विरोधी सभ।"

यिर्मयाह 11:15 हमर प्रियतम हमर घर मे की क’ रहल अछि, जखन कि ओ बहुतो लोकक संग व्यभिचार केने अछि आ पवित्र शरीर तोरा सँ चलि गेल अछि? जखन अहाँ अधलाह करैत छी तखन अहाँ आनन्दित होइत छी।

भगवान् सवाल करै छै कि हुनकऽ प्रिय लोग बुराई कियैक करी रहलऽ छै आरू ओकरा म॑ आनन्दित होय रहलऽ छै, जब॑ कि ओकरा बेहतर तरीका स॑ जानना चाहियऽ ।

1. धर्मक जीवन जीबाक महत्व

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

1. भजन 11:7 - कारण प्रभु धर्मी छथि; ओ सत्कर्म सँ प्रेम करैत अछि। सोझ लोक ओकर मुँह देखत

2. यशायाह 5:20 - ओ सभ धिक्कार अछि जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत अछि!

यिर्मयाह 11:16 परमेश् वर तोहर नाम रखलनि, “हरियर जैतूनक गाछ, जे गोरा आ नीक फल दैत अछि।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ एकटा गोरा आ फलदार जैतूनक गाछ कहलनि, मुदा ओकरा मे आगि लगा देलनि आ ओकर डारि सभ तोड़ि देलनि।

1. परमेश् वरक पवित्र अग्निक शक्ति: हमर प्रभु हमरा सभ केँ कोना क्लेशक माध्यमे परखैत छथि आ शुद्ध करैत छथि

2. छंटाई के आवश्यकता: भगवान हमरा सब के कोना बेसी फल देबय लेल छंटाई करैत छथि

२.

2. यूहन्ना 15:2 - हमरा मे जे डारि फल नहि दैत अछि, ओ ओकरा हटा दैत अछि, आ जे डारि फल दैत अछि, ओकरा शुद्ध करैत अछि, जाहि सँ ओ बेसी फल दैत अछि।

यिर्मयाह 11:17 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर, जे तोरा रोपने छथि, तोरा पर अधलाह सुनौलनि अछि, किएक तँ इस्राएल आ यहूदाक वंशजक दुष् टताक कारणेँ जे ओ सभ अपना विरुद्ध कऽ कऽ हमरा धूप चढ़ा कऽ हमरा क्रोधित कऽ देलक बाल।

सेना सभक परमेश् वर इस्राएल आ यहूदाक वंशज पर अधलाह कहने छथि जे बाल केँ धूप चढ़ा देलनि आ परमेश् वर केँ क्रोधित कयलनि।

1. मूर्तिपूजा पर परमेश् वरक निर्णय: यिर्मयाह 11:17 क विश्लेषण

2. प्रभु के क्रोध: यिर्मयाह 11:17 के अध्ययन

1. निर्गमन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।"

2. व्यवस्था 28:15-20 - "प्रभु तोरा भस्म, बोखार, सूजन, अत्यधिक जलन, तलवार, धमाका आ फफूंदी सँ मारि देताह; आ ओ सभ।" जाबत धरि तोहर नाश नहि भऽ जायब ताबत धरि तोहर पाछाँ-पाछाँ चलत।”

यिर्मयाह 11:18 परमेश् वर हमरा एकर ज्ञान देलनि आ हम एकरा जनैत छी, तखन अहाँ हमरा हुनकर सभक काज देखौलहुँ।

प्रभु यिर्मयाह के सामने लोगऽ के दुष्टता आरू ओकरऽ काम के बारे में प्रकट करै छै।

1. परमेश् वर सभ केँ जनैत छथि: यिर्मयाह 11:18 पर क

2. परमेश्वर के इच्छा के जानना: यिर्मयाह 11:18 के अध्ययन

1. भजन 139:1-4

2. नीतिवचन 15:3

यिर्मयाह 11:19 मुदा हम मेमना वा बैल जकाँ छलहुँ जे वधक लेल आनल जाइत अछि। हमरा ई नहि बुझल छल जे ओ सभ हमरा विरुद्ध षड्यंत्र बना कऽ कहने छल जे, “आउ, गाछ केँ ओकर फल सँ नष्ट कऽ दियौक आ ओकरा जीवित लोकक देश सँ काटि दियौक, जाहि सँ ओकर नाम आब मोन नहि पड़य।”

परमेश् वर ओहि सभक संग छथि जे अन्याय सँ सताओल जाइत अछि।

1: भगवान हमरा सभक परीक्षा मे हमरा सभक संग छथि, चाहे ओ कतबो कठिन बुझाइत हो।

2: भगवान् हमरा सभकेँ कहियो नहि छोड़ताह आ ने हमरा सभकेँ छोड़ताह, तखनो जखन एहन लागय जेना दुनियाँ हमरा सभक विरुद्ध अछि।

1: इब्रानी 13:5-6 - "किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। जाहि सँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक कहब जे, प्रभु हमर सहायक छथि, आ हम ई नहि डरब जे मनुष्य हमरा संग की करत।" " .

2: यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोहर संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम तोहर परमेश् वर छी। हम तोरा बल देबौक। हँ, हम तोहर सहायता करब। हँ, हम तोहर दहिना हाथ सँ सहारा लेब।" हमर धर्मक।”

यिर्मयाह 11:20 मुदा हे सेना सभक प्रभु, जे धार्मिक रूप सँ न्याय करैत छी, जे बागडोर आ हृदयक परीक्षण करैत छी, हम ओकरा सभ पर अहाँक प्रतिशोध देखब, किएक तँ हम अहाँ केँ अपन बात प्रगट केने छी।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ अपन काजक संबंध मे न्यायक गुहार लगबैत छथि।

1. परमेश् वरक धार्मिक न्याय पर भरोसा करब - यिर्मयाह 11:20

2. परमेश्वर के सामने अपन कारण के प्रकट करब - यिर्मयाह 11:20

1. यशायाह 30:18 - तइयो प्रभु अहाँ सभ पर कृपा करबाक लेल तरसैत छथि। तेँ ओ उठि कऽ अहाँ सभ केँ दया देखाबय। कारण, परमेश् वर न्यायक परमेश् वर छथि।

2. भजन 37:25 - हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी; तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ।

यिर्मयाह 11:21 तेँ अनाथोतक लोक सभक बीच परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “प्रभुक नाम सँ भविष्यवाणी नहि करू जे अहाँ हमरा सभक हाथ सँ नहि मरि जायब।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ अनाथोतक लोक सभक बारे मे चेताबैत छथि जे हुनकर जान तकैत छथि आ हुनका कहैत छथि जे हुनकर नाम सँ भविष्यवाणी नहि करू नहि तऽ ओ हुनका सभक हाथ सँ मरि जेताह।

1. प्रभुक आज्ञाक अवहेलना करबाक खतरा

2. भगवान् के प्रति निष्ठावान आज्ञाकारिता के जीवन जीना

1. व्यवस्था 30:19-20 - "हम अहाँक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान जीवित रहब।"

2. मत्ती 10:28 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

यिर्मयाह 11:22 तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “देखू, हम हुनका सभ केँ दंड देबनि।” हुनका सभक बेटा आ बेटी सभ अकाल मे मरि जेताह।

परमेश् वर इस्राएल केँ युवक सभक विरुद्ध तलवार आ बेटा-बेटी सभक विरुद्ध अकाल पठा कऽ सजा देताह।

1. भगवानक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक दया आ न्याय: उद्धारक लेल हुनकर योजना केँ बुझब

1. इब्रानी 10:31 (जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।)

2. यिर्मयाह 31:3 (हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ, तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।)

यिर्मयाह 11:23 हुनका सभ मे सँ कोनो शेष नहि होयत, किएक तँ हम अनाथोतक लोक सभ पर अधलाह आनि देब, जाहि वर्ष मे हुनका सभक क्षति होयत।

अनाथोथक लोक अपन दुष्टताक कारणेँ पूर्णतः समाप्त भ' जायत।

1. भगवानक क्रोध न्यायसंगत आ धर्मी अछि

2. पाप आ दुष्टताक खतरा

1. रोमियो 12:19 हमर मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे, बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि

2. नीतिवचन 11:21 एहि बात पर निश्चिंत रहू जे दुष्ट केँ सजा नहि भेटतैक, मुदा जे धर्मी अछि से मुक्त भ’ जायत।

यिर्मयाह अध्याय 12 में यिर्मयाह के परमेश् वर के सामने दुष्ट के समृद्धि आरू एक भविष्यवक्ता के रूप में ओकरो कष्ट के संबंध में शिकायत के संबोधित करलऽ गेलऽ छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह परमेश् वर पर सवाल उठबैत अछि जे दुष्ट किएक समृद्ध होइत अछि जखन कि धर्मी कष्ट भोगैत अछि (यिर्मयाह 12:1-4)। ओ अपन कुंठा व्यक्त करैत अछि आ पूछैत अछि जे दुष्ट किएक पनपैत बुझाइत अछि, जखन कि जे निष्ठापूर्वक भगवानक सेवा करैत अछि ओकरा उत्पीड़न आ कष्टक सामना करय पड़ैत छैक। यिर्मयाह न्याय के इच्छा रखै छै आरू सोचै छै कि परमेश् वर के काम करै स॑ पहल॑ ओकरा कतनी देर तक सहन करना छै।

2 पैराग्राफ: परमेश्वर यिर्मयाह के शिकायत के जवाब दै छै, ओकरा अपनऽ सार्वभौमिकता आरू बुद्धि के याद दिलाबै छै (यिर्मयाह 12:5-6)। परमेश् वर यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे जँ ओ पैदल चलनिहार सभक संग दौड़ैत थाकि गेल छथि तँ घोड़ा सभक संग कोना लड़त? यानी सापेक्षिक शांति के समय में संघर्ष करतै तऽ आरू चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के कोना संभालतै । परमेश् वर यिर्मयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ अंततः दुष्ट सभ पर न्याय अनताह।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह अपनहि लोकक विश्वासघात पर विलाप करैत छथि (यिर्मयाह 12:7-13)। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना हुनकर अपन परिवारक सदस्य हुनका विरोध मे आबि गेल छथि, भले ओ निष्ठापूर्वक परमेश् वरक संदेशक घोषणा कएने छथि। ओ हुनका लोकनिक सजाक गुहार लगाबैत छथि आ अपना दिस सँ दया मांगैत छथि ।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के तरफ सँ यहूदा के शत्रु सिनी के साथ व्यवहार करै के प्रतिज्ञा के साथ होय छै (यिर्मयाह 12:14-17)। यहूदा के बेवफाई के बावजूद परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी ओकरा सिनी पर दया करतै आरू ओकरा सिनी कॅ पुनर्स्थापित करी दै छै। लेकिन, हुनकऽ दुश्मनऽ क॑ हुनकऽ लोगऽ के साथ दुर्व्यवहार के कारण न्याय के सामना करना पड़तै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के बारह अध्याय में यिर्मयाह के दुष्ट के समृद्धि के बारे में परमेश् वर के सामने शिकायत आरू एक भविष्यवक्ता के रूप में ओकरो खुद के कष्ट के चित्रण छै। ओ प्रश्न करैत छथि जे दुष्ट किएक पनपैत अछि जखन कि धर्मी कष्ट सहैत अछि । भगवान् ओकरा अपनऽ संप्रभुता के याद दिलाबै के जवाब दै छै आरू ओकरा आश्वासन दै छै कि न्याय के सेवा होतै । यिर्मयाह अपनहि लोकक विश्वासघात पर विलाप करैत छथि, ओहो अपन परिवारक सदस्य द्वारा। ओ हुनका सभ पर दंडक गुहार लगाबैत छथि आ अपना पर दया मांगैत छथि । अध्याय के समापन परमेश् वर द्वारा यहूदा के शत्रु सिनी के साथ निपटै के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। हुनकऽ बेवफाई के बावजूद परमेश् वर अपनऽ लोगऽ प॑ करुणा के घोषणा करै छै, जबकि ओकरऽ अत्याचारी सिनी क॑ न्याय के सामना करना पड़तै ।

यिर्मयाह 12:1 हे प्रभु, जखन हम अहाँ सँ निहोरा करैत छी तखन अहाँ धर्मी छी, तइयो हम अहाँक संग अहाँक न्यायक विषय मे गप्प करी। कियैक ओ सब कियैक खुश छथि जे बहुत विश्वासघाती व्यवहार करैत छथि?

यिर्मयाह ई सवाल उठै छै कि दुष्ट लोगऽ के समृद्धि आरो खुश कियैक होय छै, जबकि परमेश्वर के न्याय के बारे में सोचै छै।

1. परमेश् वरक न्याय: यिर्मयाहक प्रश्नक परीक्षण

2. दुष्टक समृद्धि: भगवानक योजना केँ बुझब

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. अय्यूब 12:13 - "परमेश् वरक संग बुद्धि आ सामर्थ्य अछि; हुनका लग सलाह आ समझ छनि।"

यिर्मयाह 12:2 अहाँ ओकरा सभ केँ रोपलहुँ, हँ, ओ सभ जड़ि जमा लेने अछि, ओ सभ बढ़ैत अछि, हँ, ओ सभ फल दैत अछि, अहाँ ओकरा सभक मुँह मे लग मे छी आ ओकर बागडोर सँ दूर छी।

भगवान् केरऽ उपस्थिति हमरा सिनी के नजदीक छै, तभियो भी हम्में कखनी-कखनी हुनका स॑ दूर होय सकै छियै ।

1: भगवान् के प्रति अपन प्रतिबद्धता के पुनः पुष्टि करब।

2: अपन हृदय के भगवान के नजदीक राखब।

1: यशायाह 30:21 - अहाँक कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ सभ दहिना दिस घुमब आ जखन बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यिर्मयाह 12:3 मुदा, हे परमेश् वर, अहाँ हमरा जनैत छी, अहाँ हमरा देखलहुँ आ अहाँक प्रति हमर मोन परखलहुँ।

परमेश् वर हुनका पर अन्याय केनिहारक हृदय केँ जनैत छथि आ तदनुसार हुनका सभक न् याय करताह।

1. भगवान् हमरा सभक सभ काज देखैत छथि आ न्याय केँ अपन हाथ मे लेताह।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक निर्णय पर भरोसा करबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ कठिन हो।

1. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि लेलहुँ आ हमरा चिन्हलहुँ।

2. इब्रानी 4:13 - आ ने कोनो एहन प्राणी अछि जे ओकर नजरि मे प्रकट नहि हो, मुदा सभ किछु नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे खुजल अछि, जकरा संग हमरा सभ केँ काज करबाक अछि।

यिर्मयाह 12:4 ओहि मे रहनिहार सभक दुष्टताक कारणेँ देश कतेक दिन धरि शोक करत आ हर खेतक जड़ी-बूटी मुरझा जायत? जानवर आ चिड़ै सभ समाप्त भ' गेल अछि। कारण ओ सभ कहने छल जे, “ओ हमरा सभक अंतिम अंत नहि देखत।”

अपन निवासीक दुष्टताक कारणेँ ई भूमि कष्ट भोगि रहल अछि ।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन दुष्टताक पश्चाताप करबाक लेल बजबैत छथि जाहि सँ देश मे पुनर्स्थापना कयल जा सकय।

2: परमेश् वरक आशीर्वादक पूर्णताक अनुभव करबाक लेल हमरा सभ केँ अपन दुष्टता सँ मुँह मोड़य पड़त।

1: आमोस 5:24 - मुदा न्याय पानि जकाँ गुड़कि जाय आ धार्मिकता सदिखन बहैत धार जकाँ।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यिर्मयाह 12:5 जँ अहाँ पैदल चलनिहार सभक संग दौड़लहुँ आ ओ सभ अहाँ केँ थका देलक, तखन अहाँ घोड़ा सभक संग कोना लड़ब? आ जँ शान्तिक देश मे, जाहि मे अहाँ भरोसा केने रही, ओ सभ अहाँ केँ थका देने छल, तखन अहाँ यरदन नदीक सूजन मे कोना करब?

भगवान हमरा सब के याद दिलाबै छै कि दुनिया पर भरोसा करना अंततः व्यर्थ छै आरू हमरा सब के सच्चा सुरक्षा के लेलऽ हुनका पर भरोसा करना चाहियऽ ।

1. सांसारिक विश्वासक व्यर्थता

2. प्रभु पर भरोसा करब: हमर सच्चा सुरक्षा

1. मत्ती 6:24-34 - दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि

2. भजन 62:8 - हर समय हुनका पर भरोसा करू

यिर्मयाह 12:6 किएक तँ अहाँक भाइ सभ आ अहाँक पिताक घराना सेहो अहाँ सभक संग धोखा केलक। हँ, ओ सभ अहाँक पाछाँ लोक सभ केँ बजौने छथि।

ई श्लोक हमरा सब के प्रोत्साहित करै छै कि हम्में ऐन्हऽ लोगऽ पर भरोसा नै करबै जे हमरा अच्छा सलाह दै वाला लगै छै, भले ही वू रिश्तेदार होय या हमरऽ अपनऽ परिवार के।

1: हमरा सभकेँ सभ सलाह नूनक दानासँ लेबए पड़त, भले ओ हमरा सभक नजदीकी लोकसँ हो।

2: हमरा सभकेँ अपन विश्वासमे अडिग रहबाक चाही, भले हमरा सभक आसपासक लोक सभ एकहि तरहक मान्यता नहि रखैत हो।

1: नीतिवचन 14:15 - साधारण लोक कोनो बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी लोक अपन डेग पर विचार करैत अछि।

925

2: 1 कोरिन्थी 13:7 - प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब किछु पर विश्वास करैत अछि, सब किछु आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।

यिर्मयाह 12:7 हम अपन घर छोड़ि देलहुँ, अपन धरोहर छोड़ि देलहुँ। हम अपन आत्माक प्रिय प्रियतम केँ ओकर शत्रु सभक हाथ मे दऽ देने छी ।

भगवान् अपन लोक केँ छोड़ि देलनि अछि आ ओकरा सभ केँ शत्रु सभक दंडित करबाक लेल छोड़ि देलनि अछि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम अटूट अछि

2. परमेश् वरक अनुशासन न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि

२ जेकरा ओ पहिने सँ जनैत छलाह।"

2. इब्रानी 12:6 - "किएक त' प्रभु जकरा सँ प्रेम करैत छथि, ओ ओकरा दंडित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि, तकरा कोड़ा मारैत छथि।"

यिर्मयाह 12:8 हमर धरोहर हमरा लेल जंगल मे सिंह जकाँ अछि। ई हमरा पर चिचिया रहल अछि, तेँ हम ओकरा सँ घृणा क’ रहल छी।

यिर्मयाह अपनऽ ही धरोहर के प्रति घृणा व्यक्त करै छै, जेकरा वू जंगल में शेर के रूप में समझै छै जे ओकरा सें शत्रुता करै छै।

1. हताशाक गहराई: अपन धरोहर सँ घृणा करबाक घाटी मे आशा भेटब

2. संघर्ष के बीच शांति: अपन धरोहर स घृणा करबाक प्रलोभन स उबरब

1. भजन 25:4-5 "हे प्रभु, हमरा अपन बाट देखाउ, हमरा अपन बाट सिखाउ; हमरा अपन सत्य मे मार्गदर्शन करू आ हमरा सिखाउ, कारण अहाँ हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर छी, आ हमर आशा भरि दिन अहाँ पर अछि।"

2. रोमियो 15:13 "आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य सँ आशा सँ उमड़ि सकब।"

यिर्मयाह 12:9 हमर धरोहर हमरा लेल धब्बादार चिड़ै जकाँ अछि, चारू कातक चिड़ै सभ ओकर विरुद्ध अछि। अहाँ सभ आऊ, खेतक सभ जानवर केँ जमा करू, खाएब आऊ।”

परमेश् वरक लोक पर शत्रु सभक आक्रमण भऽ रहल अछि।

1: प्रभु मे दृढ़ रहू! विपत्तिक समय मे ओ हमरा सभक रक्षा आ भरण-पोषण करताह।

2: हमरा सभ केँ भगवानक योजना पर भरोसा करबाक चाही तखनो जखन ओ कठिन वा भ्रमित करयवला बुझाइत हो।

1: यशायाह 41:10 "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: यहोशू 1:9 "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।"

यिर्मयाह 12:10 बहुतो पादरी हमर अंगूरक बगीचा केँ नष्ट क’ देलनि, हमर हिस्सा केँ पैर सँ दबा देलनि, हमर सुखद भाग केँ उजाड़ जंगल बना देलनि।

बहुतो पास्टर परमेश् वरक लोकक देखभाल करबाक अपन कर्तव्यक उपेक्षा कएने छथि।

1: भगवानक लोकक देखभाल आ प्रेम करबाक चाही।

2: पास्टर के यिर्मयाह 12:10 के चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही।

1: लूका 10:25-37 नीक सामरी

2: 1 पत्रुस 5:2-4 परमेश् वरक झुंडक देखभाल करब पास्टर सभक कर्तव्य।

यिर्मयाह 12:11 ओ सभ एकरा उजाड़ क’ देलक, आ उजाड़ भ’ क’ हमरा लेल शोक मना रहल अछि। पूरा देश उजाड़ भ’ गेल अछि, किएक त’ एकरा केओ हृदय मे नहि राखैत अछि।

भूमि उजाड़ अछि आ भगवानक शोक करैत अछि, कारण एहि पर केओ ध्यान नहि दैत अछि ।

1. उपेक्षाक शक्ति: भूमि पर उपेक्षाक प्रभावक परीक्षण

2. शोकग्रस्त भूमिक दृष्टान्त: भूमिक लेल परमेश् वरक हृदय केँ बुझब

1. भजन 24:1 - पृथ्वी प्रभुक अछि, आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार लोक।

2. यशायाह 5:8 - धिक्कार अछि जे घर-घर मे जुटि जाइत अछि; खेत मे खेत जोड़ैत छथि, जाबत धरि जगह नहि भेटैत अछि, जाहि सँ पृथ्वीक बीच मे असगरे राखल जा सकय!

यिर्मयाह 12:12 लूटनिहार सभ ऊँच स्थान पर जंगल मे आबि गेल अछि, कारण, परमेश् वरक तलवार देशक एक छोर सँ दोसर छोर धरि खा जायत, कोनो मांस केँ शान्ति नहि भेटत।

परमेश् वरक क्रोध हमरा सभ पर आबि रहल अछि, जेना ओ देशक एक छोर सँ दोसर छोर धरि पसरि जायत।

1. भगवानक क्रोध: ई जानब जे कखन डरबाक चाही आ कखन आनन्द करबाक चाही

2. परमेश् वरक न्यायपूर्ण दंड: हमरा सभक जीवन मे हुनकर उपस्थिति

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. भजन 62:8 - "हे लोक सभ, हुनका पर सदिखन भरोसा करू; हुनका लग अपन मोन केँ उझलि दियौक, कारण परमेश् वर हमरा सभक शरण छथि।"

यिर्मयाह 12:13 ओ सभ गहूम बोनि लेलक, मुदा काँट काटि लेत, ओ सभ अपना केँ कष्ट देलक, मुदा कोनो लाभ नहि भेटतैक, आ परमेश् वरक भयंकर क्रोधक कारणेँ ओ सभ अहाँक आमदनी सँ लज्जित होयत।

लोक नीक करबाक प्रयास केलक अछि मुदा, प्रभुक उग्र क्रोधक कारणेँ ओकरा अपन प्रयास सँ कोनो लाभ नहि भेटतैक आ ओकर परिणाम पर लाज होयतैक ।

1. प्रभुक अप्रसन्नता: पापक परिणाम बुझब

2. असफलताक बादो नीक करब: विश्वास मे दृढ़ रहब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 12:14 हमर सभ दुष्ट पड़ोसी सभक विरुद्ध परमेश् वर ई कहैत छथि जे हम अपन प्रजा इस्राएल केँ ओहि उत्तराधिकार केँ छूबैत छथि। देखू, हम ओकरा सभ केँ ओकरा सभक देश सँ उखाड़ि देब आ ओकरा सभक बीच सँ यहूदाक घराना केँ उखाड़ि देब।”

परमेश् वर अपन प्रजा इस्राएलक सभ दुष्ट पड़ोसी केँ चेता रहल छथि जे हुनका सभ केँ देल गेल उत्तराधिकार केँ छीनय चाहैत छथि, जे ओ हुनका सभ केँ अपन देश सँ हटा देताह आ यहूदाक घराना केँ हुनका सभ सँ अलग कऽ देथिन।

1. परमेश् वरक अटूट रक्षा - परमेश् वर अपन लोक आ ओकर उत्तराधिकारक रक्षा कोना करैत छथि जे हुनका सभ केँ नुकसान पहुँचेबाक प्रयास करैत छथि।

2. निष्ठावान आज्ञाकारिता - परमेश्वर के वचन के आज्ञाकारी रहला स कोना सुरक्षा के आशीर्वाद भेटैत अछि।

1. रोमियो 11:29 - किएक तँ परमेश् वरक वरदान आ बजाओल गेल अपरिवर्तनीय अछि।

2. भजन 37:25 - हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ छी, तइयो हम धर्मी केँ छोड़ल गेल नहि देखलहुँ आ ने ओकर बच्चा सभ केँ रोटीक भीख मांगैत।

यिर्मयाह 12:15 जखन हम ओकरा सभ केँ उखाड़ि देब तकर बाद हम घुरि क’ आबि जायब, आ ओकरा सभ पर दया करब आ ओकरा सभ केँ अपन-अपन धरोहर मे आ एक-एक गोटे अपन-अपन देश मे फेर सँ आनि देब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ पर दया करत आ ओकरा सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह।

1. परमेश् वरक करुणा सदाक लेल टिकैत अछि

2. प्रभुक अडिग प्रेम

1. भजन 136:1-3 "हे, प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि! हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि। हे, देवता सभक परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक! हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि। अरे, हुनका धन्यवाद दियौक प्रभु के प्रभु! कारण हुनकर दया सदा टिकैत अछि"।

2. विलाप 3:22-23 "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, किएक तँ हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि"।

यिर्मयाह 12:16 जँ ओ सभ हमर प्रजाक बाट सभ केँ बहुत मेहनति सँ सीखत आ हमर नामक शपथ लेत जे, “प्रभु जीवित छथि।” जेना ओ सभ हमर लोक सभ केँ बालक शपथ लेबय सिखबैत छल। तखन ओ सभ हमर लोकक बीच मे बनत।”

परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन लोकक बाट सीखू, हुनकर नामक कसम खाउ आ दोसर केँ बालक कसम खायब सिखाबब छोड़ि दियौक।

1. परमेश् वरक मार्ग सीखबाक शक्ति

2. दोसर के गलत तरीका सिखाबय के परिणाम

1. नीतिवचन 22:6 - बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जाहि पर ओ जेबाक चाही, आ जखन ओ बूढ़ भ’ जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।

2. यिर्मयाह 9:14 - मुदा ओ सभ अपन हृदयक कल्पना आ बालिमक अनुसार चलैत रहलाह, जे हुनका सभक पूर्वज हुनका सभ केँ सिखबैत छलाह।

यिर्मयाह 12:17 मुदा जँ ओ सभ आज्ञा नहि मानत तँ हम ओहि जाति केँ एकदम उखाड़ि कऽ नष्ट कऽ देब, प्रभु कहैत छथि।

भगवान् हुनकर आज्ञा नहि माननिहार केँ सजा देताह।

928

1: भगवान अवज्ञा बर्दाश्त नहि करताह।

2: भगवान् के सामने आज्ञा नै मानला के परिणाम भयावह होइत अछि।

1: याकूब 4:17 - तेँ जे सही काज जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह अध्याय १३ मे लिनन बेल्ट के रूपक के प्रयोग न्याय के संदेश आरू घमंड आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम के संदेश दै लेली करलौ गेलौ छै ।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ एकटा लिनेन बेल्ट कीनथि आ ओकरा कमर मे पहिरथि (यिर्मयाह 13:1-7)। किछु समय धरि पहिरलाक बाद परमेश् वर हुनका आज्ञा दैत छथि जे यूफ्रेटिस नदीक समीप पट्टी गाड़ि देल जाय। बाद मे, ओ यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे गाड़ल बेल्ट केँ वापस ल' लिअ, मात्र ओकरा बर्बाद आ बेकार भेटैत छैक।

2 पैराग्राफ: परमेश्वर बर्बाद पट्टी के पाछू के अर्थ बताबै छै (यिर्मयाह 13:8-11)। लिनेन के पट्टी यहूदा के परमेश् वर के साथ संबंध के प्रतीक छै। जेना कोनो व्यक्तिक कमर मे बेल्ट चिपकल रहैत अछि, तहिना भगवानक इरादा छलनि जे हुनकर लोक हुनका सँ घनिष्ठता सँ चिपकल रहथि। ओना ओ सभ जिद्दी आ सुनबा लेल अनिच्छुक भ' गेल छथि । तेँ बेकार बेल्ट जकाँ बर्बाद भ' जेतै।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा पर आसन्न न्याय के संदेश दैत छथि (यिर्मयाह 13:12-14)। ओ चेतावनी दैत छथि जे जहिना बर्बाद पट्टी बेकार अछि, तहिना यहूदा सेहो परमेश् वरक नजरि मे बेकार भऽ जायत। अपन घमंड आ हुनकर आज्ञा के पालन करय स मना करय के कारण हुनका सब के विनाश के सामना करय पड़तनि।

4 पैराग्राफ: अध्याय आगू यिर्मयाह यरूशलेम के खिलाफ एकटा वचन के घोषणा करैत अछि (यिर्मयाह 13:15-17)। ओ हुनका सभ केँ आग्रह करैत छथि जे ओ अपना केँ परमेश् वरक समक्ष विनम्र बनाबथि आ पश्चाताप करथि; नहि तऽ हुनका लोकनिक घमंड हुनका सभ केँ कैद मे ल' जायत आ हुनका सभ पर लाज आनि देतनि।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के आसन्न न्याय पर अपन दुख व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 13:18-27)। ओ हुनका लोकनिक निर्वासन आ तबाही पर शोक करैत छथि जे हुनका लोकनिक लगातार अवज्ञाक कारणेँ हुनका सभ पर आओत | यिर्मयाह अपनऽ लोगऽ के बीच विलाप के आह्वान करै छै, कैन्हेंकि ओकरा सिनी कॅ परमेश् वर के त्याग करै के भयावह परिणाम के सामना करना पड़ै छै।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के तेरहवाँ अध्याय में लिनन के बेल्ट के रूपक के प्रयोग करी क॑ न्याय आरू घमंड आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम के बारे में एगो संदेश देलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह केँ एकटा लिनेन बेल्टक संबंध मे निर्देश दैत छथि, जे हुनका संग यहूदाक संबंधक प्रतिनिधित्व करैत अछि। गाड़ल बेल्ट के बर्बाद अवस्था जिद्द आ अनिच्छा के कारण हुनकर बर्बादी के प्रतीक अछि | यहूदा पर आसन्न न्याय के घोषणा करलऽ जाय छै, जे ओकरऽ घमंडी आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप होय छै । हुनका सभ केँ विनाशक विषय मे चेतावनी देल जाइत छनि आ परमेश्वरक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक आग्रह कयल जाइत छनि। यिर्मयाह हुनका लोकनिक भाग्य पर शोक व्यक्त करैत छथि, निर्वासन आ परमेश् वर केँ छोड़लाक कारणेँ भेल तबाहीक बीच विलाप करबाक आह्वान करैत छथि। अध्याय आज्ञाकारिता के अस्वीकार करला के परिणाम के बारे में चेतावनी के काम करै छै।

यिर्मयाह 13:1 परमेश् वर हमरा ई कहैत छथि, “जाउ आ अहाँ लेल एकटा लिनेनक पट्टी लऽ कऽ अपन कमर पर राखि दियौक आ ओकरा पानि मे नहि राखू।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथिन जे लिनेनक पट्टी लऽ कऽ पानि मे नहि राखू।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के निर्देश केना पालन करी चाहे कतबो अजीब किएक नै हो

929

2. विश्वासक शक्ति: अपन संदेहक बादो परमेश् वरक निर्देशक पालन कोना कयल जाय

1. मत्ती 4:19 - ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “हमर पाछाँ चलू, हम अहाँ सभ केँ मनुष् यक माछ मारय बला बना देब।”

2. यूहन्ना 14:15 - जँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू।

यिर्मयाह 13:2 तेँ हम परमेश् वरक वचनक अनुसार एकटा करधनी पकड़ि कऽ अपन कमर मे राखि लेलहुँ।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश देलथिन जे परमेश् वरक सामर्थ् य आ अपन लोक सभ पर नियंत्रणक प्रतीकक रूप मे करधनी पहिरथि।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे भगवान हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि आ हम सभ हुनकर इच्छाक अधीन छी।

2: हमरा सभ केँ विश्वासक पट्टी पहिरबाक चाही आ परमेश् वर पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभक मार्गदर्शन करताह आ हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: यशायाह 11:5 - "धर्म ओकर कमर के पट्टी होयत आ विश्वास ओकर कमर के पट्टी होयत।"

2: इफिसियों 6:10-11 - "अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

यिर्मयाह 13:3 परमेश् वरक वचन हमरा लग दोसर बेर आयल जे।

प्रभु यिर्मयाह केँ दोसर वचन देलनि।

1. हमरा सभक संग प्रभुक धैर्य: यिर्मयाहक कथासँ सीखब

2. परमेश् वरक आह्वानक पालन करब आ हुनकर समय पर भरोसा करब

1. याकूब 1:19 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।"

2. यशायाह 30:21 - "अहाँ सभक कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।"

यिर्मयाह 13:4 अहाँक कमर पर जे पट्टी अछि से लऽ कऽ उठू, यूफ्रेटिस जाउ आ ओतहि चट्टानक छेद मे नुका दियौक।

यिर्मयाह के निर्देश देलऽ जाय छै कि ओकरा पास जे करधनी छै ओकरा ल॑ क॑ यूफ्रेटिस नदी के किनारे चट्टान के छेद में छिपाय दै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परिस्थिति के परवाह केने बिना परमेश्वर के आज्ञा के पालन करब

2. विश्वासक मूल्य: परमेश्वरक योजना पर अपन भरोसा राखब

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

यिर्मयाह 13:5 हम जा कऽ यूफ्रेटिसक कात मे नुका देलहुँ, जेना परमेश् वर हमरा आज्ञा देने छलाह।

यिर्मयाह परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार यूफ्रेटिस नदीक कात मे किछु नुका लेलनि।

1. आज्ञाकारिता बलिदान स नीक अछि - 1 शमूएल 15:22

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति - यशायाह 55:11

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 13:6 बहुत दिनक बाद परमेश् वर हमरा कहलथिन, “उठू, यूफ्रेटिस जाउ आ ओतय सँ ओहि करमक लऽ लिअ, जकरा हम अहाँ केँ ओतहि नुकाबय लेल आज्ञा देने रही।”

प्रभु यिर्मयाह केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यूफ्रेटिस नदी मे जा कऽ ओतय नुकायल एकटा पट्टी निकालि लेथि।

1. प्रभु के आज्ञा: अपन जीवन के लेल परमेश्वर के निर्देश के पालन करब

2. परमेश् वरक वचनक पालन करब: हुनकर आज्ञाक आज्ञापालन केँ आत्मसात करब

1. मत्ती 28:20 - "ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, ओकर पालन करथि"।

2. यशायाह 1:19 - "जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक चीज खाएब"।

यिर्मयाह 13:7 तखन हम यूफ्रेटिस गेलहुँ आ खोदलहुँ आ ओहि ठाम सँ पट्टी ल’ लेलहुँ, जाहि ठाम हम ओकरा नुका देने छलहुँ, आ देखू, करधनी खराब भ’ गेल छल, ई बेकार छल।

यिर्मयाह यूफ्रेटिस नदी दिस जा कए ओतय नुकायल एकटा करधनी निकालि लेलक, तखने पता चलल जे ओ बर्बाद भ' गेल छल आ आब बेकार भ' गेल छल।

1. निष्ठा के मूल्य: कठिन समय में कोर्स में रहना |

2. अप्रत्याशित: जीवनक चुनौती के नेविगेट करब

1. उपदेशक 7:8 - कोनो बातक आरंभ सँ ओकर अंत नीक होइत छैक, आ आत्मा मे धैर्यवान आत्मा मे घमंडी सँ नीक होइत छैक।

2. नीतिवचन 22:3 - बुद्धिमान आदमी अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा सरल लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।

यिर्मयाह 13:8 तखन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात करैत छथि आ हुनका एकटा संदेश दैत छथिन।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. परमेश् वरक मार्गदर्शन सुनब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

यिर्मयाह 13:9 परमेश् वर ई कहैत छथि, “हम यहूदाक घमंड आ यरूशलेमक महान घमंड केँ एहि तरहेँ बिगाड़ब।”

प्रभु घोषणा करै छै कि वू यहूदा आरू यरूशलेम के घमंड कॅ नम्र करी देतै।

1. घमंड के खतरा: भगवान हमरा सब के सिखाबय लेल अपमान के उपयोग कोना करैत छथि

2. विनम्र आज्ञाकारिता के आवश्यकता: प्रभु के इच्छा के पालन करब, चाहे किछुओ हो

1. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

यिर्मयाह 13:10 ई दुष्ट लोक जे हमर वचन सुनबा सँ मना करैत अछि, जे अपन हृदयक कल्पना मे चलैत अछि, आ दोसर देवताक पाछाँ चलैत अछि, ओकर सेवा आ आराधना करबाक लेल, ओ एहि करधनी जकाँ होयत, जे नीक अछि किछु नहि.

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ चेतावनी देलनि जे जँ ओ सभ हुनका सँ मुँह घुमा कऽ दोसर देवता सभक पाछाँ चलत तँ ओ सभ बेकार करधनी जकाँ भऽ जाएत।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. भगवान् के लेल बेकार होय के की मतलब छै?

1. व्यवस्था 11:16-17 - अपना केँ सावधान रहू, कहीं अहाँ सभक मोन धोखा नहि देल जाय आ अहाँ सभ दोसर देवता सभक सेवा करू आ हुनकर आराधना नहि करू। तखन परमेश् वरक क्रोध अहाँ सभ पर प्रज्वलित भऽ जाय आ ओ आकाश केँ बंद कऽ देलक जे बरखा नहि हो आ देश मे ओकर फल नहि भेटय। और परमेश् वर जे नीक भूमि अहाँ सभ केँ दैत छथि, ताहि सँ अहाँ सभ जल्दी सँ नाश नहि भऽ जायब।”

2. नीतिवचन 28:14 - धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ डेराइत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत प्रसन्न होइत अछि।

यिर्मयाह 13:11 जाहि तरहेँ पट्टी आदमीक कमर मे चिपकल रहैत अछि, तहिना हम पूरा इस्राएलक घराना आ पूरा यहूदाक घराना केँ अपना सँ चिपकल छी। जाहि सँ ओ सभ हमरा लेल एकटा प्रजा, नाम, प्रशंसा आ महिमा लेल बनय।

परमेश् वर पूरा इस्राएल आरू यहूदा के घराना कॅ हुनका सें जुड़लोॅ करलोॅ छै, ताकि हुनी हुनका लेली एगो लोग, एक नाम, एक स्तुति आरू एक महिमा बनी सकै। ओना ओ सभ नहि सुनलनि।

1. प्रभु केरऽ अटूट प्रेम: भगवान हमरा सिनी के साथ संबंध केना चाहै छै

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय।"

2. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

यिर्मयाह 13:12 तेँ अहाँ हुनका सभ केँ ई वचन कहबनि। इस्राएल के परमेश् वर यहोवा ई कहै छै, “प्रत्येक बोतल मदिरा स॑ भरलऽ जैतै, आरू वू तोरा कहतै कि, “की हम्में ई बात क॑ नै जानत॑ छियै कि हर बोतल मदिरा स॑ भरलऽ रहतै?”

इस्राएलक परमेश् वर यहोवा यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे लोक सभ सँ बात करू आ घोषणा करू जे हर बोतल शराब सँ भरि जायत।

1. परमेश्वरक प्रचुरता: यिर्मयाह 13:12 पर एकटा चिंतन

2. कठिनाई के बीच प्रभु के प्रावधान: यिर्मयाह 13:12 के अध्ययन

1. यशायाह 55:1 "हे, जे कियो प्यासल अछि, अहाँ सभ पानि दिस आबि जाउ, जकरा लग पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ; हँ, आऊ, बिना पाइ आ बिना दाम के शराब आ दूध कीनू।"

2. भजन 104:15 "आओर मनुष्यक हृदय केँ आनन्दित करयवला शराब, ओकर चेहरा चमकाबय लेल तेल, आ मनुक्खक हृदय केँ मजबूत करयवला रोटी।"

यिर्मयाह 13:13 तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, ‘परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम एहि देशक सभ निवासी केँ, दाऊदक सिंहासन पर बैसल राजा सभ केँ, पुरोहित सभ केँ, भविष्यवक्ता सभ केँ, आ ओहि देशक सभ निवासी केँ भरि देब।” यरूशलेम, नशाक संग।

परमेश् वर ओहि देशक सभ निवासी केँ, राजा, पुरोहित, भविष्यवक्ता आ यरूशलेम मे रहनिहार केँ नशा मे भरि देताह।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: विद्रोह करय बला लोकक लेल परमेश् वरक चेतावनी

2. भगवानक दण्डक शक्ति: नशाक महत्व केँ प्रतीकक रूप मे बुझब

1. यशायाह 5:11-12 - धिक्कार अछि जे सभ भोरे-भोर उठि कऽ नशाक पाछाँ लागय। जे राति धरि चलैत अछि, जाबत धरि शराब ओकरा सभ केँ भड़का नहि देत!

2. लूका 21:34-36 - आ अपना केँ सावधान रहू, कहीं कहियो अहाँ सभक हृदय मे अतिशयोक्ति, नशा आ एहि जीवनक चिन्ता सँ बेसी भार नहि आबि जाय आ ओ दिन अहाँ सभ पर अनजाने मे आबि जाय।

यिर्मयाह 13:14 हम ओकरा सभ केँ एक-दोसर पर, बाप-पुत्र केँ एक संग धकेलि देब, परमेश् वर कहैत छथि, “हम हुनका सभ केँ दया नहि करब, नहि दया करब, आ ने दया करब, बल् कि हुनका सभ केँ नष्ट कऽ देब।”

भगवान् ओहि सभ केँ नष्ट क' देताह जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि, बिना कोनो दया, दया आ ककरो बख्शी केने।

1. भगवानक क्रोध: हुनकर न्याय केँ बुझब

2. बिना कोनो समझौता के भगवान के आज्ञा के पालन करब

1. रोमियो 1:18-32 - परमेश् वरक क्रोध ओहि सभक विरुद्ध जे सत्य केँ दबा दैत अछि

2. लेवीय 18:5 - प्रभु आ हुनकर आज्ञाक आज्ञापालन।

यिर्मयाह 13:15 सुनू, आ कान करू। घमंड नहि करू, किएक तँ परमेश् वर कहने छथि।

प्रभु बजै छै आरू घमंड के खिलाफ चेतावनी दै छै।

1. परमेश् वरक वचन: घमंड पर काबू पाबबाक तरीका

2. विनम्रताक माध्यमे घमंड छोड़ब

1. नीतिवचन 3:34 - "ओ घमंडी उपहासक उपहास करैत अछि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत अछि।"

2. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

यिर्मयाह 13:16 अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक महिमा करू, ताहि सँ पहिने जे ओ अन् हार अनबा सँ पहिने आ अहाँक पएर अन्हार पहाड़ पर ठोकर खाय सँ पहिने आ जखन अहाँ सभ इजोतक

933

प्रतीक्षा करैत छी तखन ओ ओकरा मृत्युक छाया मे बदलि दैत अछि आ ओकरा घोर अन्हार बना दैत अछि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अन् हार अनबा सँ पहिने हुनका महिमा देब आ अन्हार मे ठोकर खायब।

1. अन्हार समय मे भगवानक प्रकाशक शक्ति

2. भगवान् महिमा देबाक गुण

1. यशायाह 9:2 - अन्हार मे चलय बला लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक; जे सभ गहींर अन्हारक देश मे रहैत छल, ओकरा सभ पर इजोत चमकि गेल अछि।

2. भजन 96:3-4 - जाति सभक बीच हुनकर महिमा, सभ जाति मे हुनकर अद्भुत काजक घोषणा करू! कारण, प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही। ओकरा सभ देवतासँ बेसी भयभीत करबाक चाही।

यिर्मयाह 13:17 मुदा जँ अहाँ सभ ई बात नहि सुनब तँ हमर प्राण अहाँ सभक घमंडक कारणेँ गुप्त स्थान पर कानत। हमर आँखि बहुत कानत आ नोर बहत, किएक तँ परमेश् वरक भेँड़ा बंदी बनाओल गेल अछि।

परमेश् वर हुनकर गौरवक लेल कानताह जे हुनकर बात नहि सुनैत छथि, जाहि सँ हुनकर झुंड केँ लऽ जाओल जायत।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. पश्चाताप दया दिस ल जाइत अछि - भजन 51:14-17

1. यशायाह 42:25 - हम प्रभु छी, हम बदलैत नहि छी। तेँ अहाँ सभ याकूबक पुत्र सभ समाप्त नहि भेलहुँ।”

2. मत्ती 18:12-14 - अहाँक की विचार अछि? जँ ककरो लग सौ बरद अछि आ ओहि मे सँ एकटा बरद भटकल अछि तँ की ओ उननबेटा बरद केँ पहाड़ पर छोड़ि कऽ ओहि भटकल बरदक खोज मे नहि जाइत अछि? आ जँ ओकरा ई भेटि जाय तँ हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे ओ एहि उननबे सँ बेसी आनन्दित होइत अछि जे कहियो भटकल नहि छल। तेँ हमर पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनकर इच् छा नहि अछि जे एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एक गोटेक नाश भ' जाय।

यिर्मयाह 13:18 राजा आ रानी केँ कहू, “अपना सभ केँ विनम्र बनाउ, बैसू, किएक तँ अहाँ सभक राज् य-राज्य अहाँक महिमाक मुकुट उतरत।”

प्रभु राजा-रानी के आज्ञा दै छै कि वू खुद क॑ विनम्र करी क॑ अपनऽ भाग्य क॑ स्वीकार करी ले, कैन्हेंकि ओकरऽ शक्ति आरू वैभव जल्दिये कम होय जैतै ।

1. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

2. विनम्रताक शक्ति

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. नीतिवचन 11:2 - "जखन घमंड अबैत अछि तखन लाज अबैत अछि, मुदा नीच लोकक संग बुद्धि होइत अछि।"

यिर्मयाह 13:19 दक्षिणक नगर सभ बंद भ’ जायत, आ कियो ओकरा नहि खोलत।

यहूदा केँ बंदी बना कऽ चलि जायत आ दक्षिणक नगर सभ केँ बंद कऽ देल जायत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - यिर्मयाह 13:19

2. परमेश् वरक न्यायक अनिवार्यता - यिर्मयाह 13:19

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी, जकर हाथ मे हमर क्रोधक लाठी अछि।

2. आमोस 3:2 - हम पृथ्वीक सभ कुल मे सँ मात्र अहाँ केँ जनैत छी, तेँ हम अहाँ केँ अहाँक सभ अधर्मक सजाय देब।

यिर्मयाह 13:20 आँखि उठा कऽ उत्तर दिस सँ आबय बला सभ केँ देखू।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ उत्तर दिस देखबाक लेल कहैत छथि जे हुनका देल गेल भेँड़ाक झुंडक की भेल अछि।

1. भगवान् पर भरोसा करू आ ओ अहाँक आवश्यकताक पूर्ति करताह।

2. भगवानक आशीर्वाद स्थायी नहि होइत छैक जँ हम सभ आत्मसंतुष्ट भ' जाइ।

1. मत्ती 6:25-34 - अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, बल् कि पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू।

2. नीतिवचन 18:9 - जे अपन काज मे सुस्त रहैत अछि, ओ विनाश करय बला के भाई अछि।

यिर्मयाह 13:21 जखन ओ अहाँ केँ सजा देत तखन अहाँ की कहब? किएक तँ अहाँ हुनका सभ केँ सेनापति बनब आ अपन मुखिया बनब सिखबैत छी।

परमेश् वर यिर्मयाह कॅ चेतावनी दै छै कि दोसरो कॅ ओकरा पर अगुआ बनना सिखाबै के परिणाम की होतै।

1. "यिर्मयाह के लेल प्रभु के चेतावनी: परमेश्वर के निर्देश के पालन करब"।

2. "भगवानक अधिकार मे नेतृत्व"।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. मत्ती 16:24-25 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, जे कियो हमर शिष् य बनय चाहैत अछि, से अपना केँ नकारबाक चाही आ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़बाक चाही। किएक तँ जे अपन जान बचाबए चाहैत अछि से ओकरा गमा लेत, मुदा जे हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत से ओकरा भेटत।

यिर्मयाह 13:22 जँ अहाँ अपन मोन मे कहैत छी जे, “ई सभ हमरा पर किएक आबि गेल?” कारण, तोहर अधर्मक महानता तोहर वस्त्रक पता चलल अछि आ तोहर एड़ी उघार भऽ गेल अछि।

अपन अधर्मक महानताक कारणेँ हुनका लोकनिक स्कर्टक खोज होइत छनि आ एड़ी उघार भ' जाइत छनि ।

1. पाप के शक्ति: हमर कर्म के परिणाम के खोज

2. अपन कर्म के फल काटि लेब: हमर पाप हमरा सब के किएक पता लगाबैत अछि

1. याकूब 4:17: "तेँ जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

2. गलाती 6:7-8: "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो लेत।"

यिर्मयाह 13:23 की इथियोपियाई अपन चमड़ा बदलि सकैत अछि, आकि तेंदुआ अपन दाग बदलि सकैत अछि? तखन अहाँ सभ सेहो नीक काज करू जे अधलाह करबाक आदति अछि।

ई अंश एकटा स्मरण अछि जे हमर स्वभाव आ अपन आदति मे बदलाव असंभव अछि ।

1. "आदतक शक्ति: अधलाह केँ तोड़ब आ नीक केँ आत्मसात करब"।

2. "परिवर्तन के अनिवार्यता: जे सही अछि ओकर अनुकूलन"।

1. गलाती 5:22-23, "मुदा आत्माक फल अछि प्रेम, आनन्द, शांति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वास, कोमलता, आत्मसंयम; एहन बात सभक विरुद्ध कोनो व्यवस्था नहि अछि।"

2. रोमियो 12:2, "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 13:24 तेँ हम ओकरा सभ केँ ओहि कूड़ा जकाँ छिड़िया देब जे जंगलक हवा मे चलि जाइत अछि।

भगवानक लोक अपन आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ तितर-बितर भ' गेल अछि।

1: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम गंभीर होइत छैक; हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही।

2: हम सभ परमेश् वरक लोकक गलती सँ सीख सकैत छी आ हुनकर आज्ञाक आज्ञाकारी रहि सकैत छी।

1: मत्ती 16:24-25 - "तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ अस्वीकार कऽ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़य। किएक तँ जे कियो अपन जान बचाबऽ चाहैत अछि, ओ ओकरा गमा लेत।" जे हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत, ओकरा भेटतैक।”

2: व्यवस्था 28:1-2 - "आओर एहन होयत जे जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा लगन सँ सुनब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करब आ पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, जे अहाँक प्रभु अहाँक आज्ञा अछि।" परमेश् वर तोरा पृथ् वी के सभ जाति सँ ऊपर ऊँच करी देतै, आरु ई सब आशीर्वाद तोरा पर आबी कॅ तोरा पर पहुँची जैतै, अगर तोहें प्रभु परमेश् वर के आवाज सुनबै।”

यिर्मयाह 13:25 ई अहाँक भाग्य अछि, हमरा सँ अहाँक नाप-जोखक भाग, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ अहाँ हमरा बिसरि गेलहुँ आ झूठ पर भरोसा केलहुँ।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ओकरोॅ बिसरै के कारण आरू झूठ पर भरोसा करला सें ओकरा सिनी के पाप के अनुकूल सजा मिलतै।

1. प्रभु के बिसरबाक खतरा

2. झूठ पर भरोसा करबाक परिणाम

1. व्यवस्था 8:11-14 - अहाँक परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन पाड़ू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन-सम् पत्ति पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि आ एहि तरहेँ हुनकर वाचा केँ पुष्ट करैत छथि, जकरा ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

12 आ सावधान रहू जे अहाँ सभ प्रभु, अपन परमेश् वर केँ हुनकर आज्ञा, हुनकर नियम आ नियमक पालन नहि कऽ कऽ बिसरि नहि जाइ, जे आइ हम अहाँ सभ केँ दऽ रहल छी।

2. नीतिवचन 14:5 - भरोसेमंद गवाह झूठ नहि बाजत, मुदा झूठ गवाह झूठ बाजत।

यिर्मयाह 13:26 तेँ हम अहाँक मुँह पर अहाँक स्कर्ट केँ खोजब, जाहि सँ अहाँक लाज प्रकट हो।

यिर्मयाह 13:27 हम अहाँक व्यभिचार, अहाँक चीत्कार, अहाँक वेश्यावृत्तिक अश्लीलता आ खेत मे पहाड़ी पर अहाँक घृणित काज देखलहुँ। हे यरूशलेम, तोरा धिक्कार! की अहाँ शुद्ध नहि होयब? एक बेर कहिया होयत?

परमेश् वर यरूशलेम के दुष्टता आरो घृणित काम देखलकै, तभियो परमेश् वर अखनी भी चाहै छै कि यरूशलेम शुद्ध होय।

1: परमेश् वरक अटूट प्रेम - हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक पापक बादो स्थिर अछि।

2: साफ होयबाक आशा - पश्चाताप के माध्यम स हमरा सब के क्षमा आ शुद्ध कयल जा सकैत अछि।

1: भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू।

2: इजकिएल 36:25-27 - तखन हम अहाँ सभ पर शुद्ध पानि छिड़कि देब आ अहाँ सभ शुद्ध भऽ जायब।
हम अहाँ सभ केँ नव हृदय सेहो देब आ अहाँ सभक भीतर एकटा नव आत् मा राखब। हम अहाँ सभ मे अपन आत् मा राखब आ अहाँ सभ केँ अपन नियम मे चलब, आ अहाँ सभ हमर निर्णय सभक पालन करब आ ओकर पालन करब।

यिर्मयाह अध्याय १४ मे एकटा भयंकर सूखा आरू लोगऽ के परमेश्वर के दया के गुहार के साथ-साथ परमेश्वर के ईमानदारी स॑ पश्चाताप के प्रतिक्रिया के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ओहि सूखा के वर्णन स होइत अछि जे यहूदा के देश के परेशान केलक अछि (यिर्मयाह 14:1-6)। कुलीन आ भविष्यवक्ता सहित जनता विपत्ति मे अछि। शोक करैत छथि आ बरखाक अभावक कारणेँ लाजसँ मुँह झाँपि जाइत छथि । जमीन सुखायल अछि, आ कोनो राहत देखबा मे नहि आबि रहल अछि।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन लोकक दिस सँ बिनती करैत छथि (यिर्मयाह 14:7-9)। ओ हुनका सभक पाप केँ स्वीकार करैत छथि मुदा परमेश् वरक दयाक आग्रह करैत छथि। ओ परमेश् वर केँ इस्राएलक संग अपन वाचा संबंधक स्मरण कराबैत छथि आ हुनका सँ निहोरा करैत छथि जे ओ अपन नामक लेल काज करथि। यिर्मयाह परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि ओकरा सिनी कॅ पाप के कारण ओकरा सिनी कॅ नै छोड़ी दै या ओकरा सिनी कॅ अवहेलना नै करै।

3 पैराग्राफ: परमेश्वर यिर्मयाह के निहोरा के जवाब दै छै (यिर्मयाह 14:10-12)। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ अपन लोकक पुकार नहि सुनताह, कारण ओ सभ हुनका छोड़ि मूर्तिपूजाक पाछाँ लागि गेल छथि | बाहरी शोकक अभिव्यक्तिक बादो हुनका लोकनिक हृदय अपरिवर्तित रहैत छनि, छल-प्रपंच सँ भरल।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा पर न्याय के बीच अपन दुख के स्वीकार करैत छथि (यिर्मयाह 14:13-18)। झूठ भविष्यवक्ता लोकनि शान्तिक घोषणा कए लोक केँ धोखा देने छथि जखन कि शांति नहि अछि। यिर्मयाह अपन राष्ट्र पर जे विनाश होयत ताहि पर विलाप करैत छथि जे हुनका सभक आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के तरफ स दया के लेल अपन याचना जारी रखैत छथि (यिर्मयाह 14:19-22)। ओ सृष्टिकर्ता आ मुक्तिदाता के रूप मे परमेश् वरक शक्तिक अपील करैत छथि, हुनका सँ कहैत छथि जे ओ अपन लोक सभ केँ सदाक लेल अस्वीकार नहि करथि। यिर्मयाह हुनका सभक अपराध स्वीकार करैत छथि मुदा क्षमा आ पुनर्स्थापना माँगैत छथि जाहि सँ ओ सभ हुनका दिस घुरि सकथि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह केरऽ चौदहवाँ अध्याय म॑ यहूदा क॑ पीड़ित करी रहलऽ भयंकर सूखा आरू लोगऽ के ईश्वरीय हस्तक्षेप के गुहार के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । भूमि बरखाक अभाव मे ग्रस्त अछि, आ कुलीन आ भविष्यवक्ता दुनू व्यथित छथि। यिर्मयाह अपनऽ लोगऽ के तरफऽ स॑ बिनती करै छै, अपनऽ वाचा के आधार पर परमेश् वर के दया के गुहार लगाबै छै । परमेश् वर एकरऽ जवाब ई घोषणा करी क॑ दै छै कि यहूदा केरऽ लगातार मूर्तिपूजा के कारण वू नै सुनतै । हुनका लोकनिक बाहरी भाव मे सच्चा पश्चाताप नहि होइत छनि। ओ सभ हुनका छोड़ि मिथ्या देवताक पाछाँ लागि गेल छथि | झूठा भविष्यवक्ता लोक सभ केँ धोखा दैत अछि, जखन विनाशक आशंका अछि तखन शांतिक घोषणा करैत अछि। एहि न्यायक बीच यिर्मयाह विलाप करैत छथि आ क्षमा आ पुनर्स्थापनक गुहार लगबैत छथि। ओ

अपराधबोध स्वीकार करैत अछि मुदा करुणाक अपील करैत अछि, भगवान सँ कहैत अछि जे ओ अपन लोक केँ सदाक लेल अस्वीकार नहि करथि।

यिर्मयाह 14:1 प्रभुक वचन जे यिर्मयाह केँ अभावक विषय मे आयल छल।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ रौदीक विषय मे वचन पठौलनि।

1: रौदीक समय मे भगवानक निष्ठा

2: कठिन समय मे सेहो भगवान पर भरोसा करब सीखब

1: याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न परीक्षा सभक सामना करय पड़ैत अछि, तखन ई सभटा आनन्द बुझू, ई जानि जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि।

2: भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

यिर्मयाह 14:2 यहूदा शोक मना रहल अछि, आ ओकर फाटक सुस्त भ’ गेल अछि। जमीन धरि कारी अछि। यरूशलेमक चीत्कार बढ़ि गेल अछि।

यहूदा शोक मे अछि आ नगरक फाटक कमजोर भ’ गेल अछि। ओ सभ निराश अछि आ यरूशलेमक पुकार सुनबा मे आबि रहल अछि।

1. शोक मे आशा खोजू: विपत्तिक समय मे कोना दृढ़तापूर्वक रहब

2. शहरक पुकार: अपन पड़ोसीक पीड़ा बुझब

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. विलाप 3:21-22 - मुदा हम ई बात मोन पाड़ैत छी, आ तेँ हमरा आशा अछि जे प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि। ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक

यिर्मयाह 14:3 ओकर सभक कुलीन लोक सभ अपन छोट-छोट बच्चा सभ केँ पानि मे पठा देलक। ओ सभ अपन पात्र खाली लऽ कऽ घुरि गेलाह। ओ सभ लाज आ भ्रमित भऽ माथ झाँपि लेलक।

इस्राएलक कुलीन लोकनि पानि तकबा लेल गेल छथि, मुदा खाली हाथ आ लज्जित भ' क' घुरि गेल छथि।

1. परमेश् वरक लोक केँ प्रबंधक लेल हुनका पर भरोसा करबाक आवश्यकता अछि

2. अपन ताकत पर भरोसा केला स निराशा होइत अछि

1. भजन 121:2 - हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी केँ बनौलनि।

2. यशायाह 41:17 - जखन गरीब आ गरीब पानि ताकत, मुदा पानि नहि रहत, आ ओकर जीह प्यास सँ क्षीण भ’ जायत, तखन हम प्रभु हुनका सभक बात सुनब, हम इस्राएलक परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि छोड़ब।

यिर्मयाह 14:4 किएक तँ जमीन फाटल अछि, कारण धरती पर बरखा नहि भेल छल, हल करयवला सभ लाज भेल, माथ झाँपि लेलक।

बरखाक अभाव मे जमीन सुखा गेल छल ताहि लेल हलबाज लाज मे पड़ि गेल छल ।

1. रौदीक शक्ति: परेशान समय मे परिवर्तनक अनुकूल बनब सीखब

2. लाज पर काबू पाब: कठिन परिस्थिति मे साहस ताकब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 34:17 - धर्मी पुकारैत छथि, आ परमेश् वर सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 14:5 हँ, बछड़ा सेहो खेत मे बछड़ा पैदा क’ क’ ओकरा छोड़ि देलक, कारण घास नहि छलैक।

खेतक जानवर सभ घास नहि रहबाक कारणेँ कष्ट भोगि रहल अछि ।

1. भगवान् के सृष्टि: पृथ्वी के देखभाल

2. पाप: दुखक कारण

1. भजन 104:14 - "ओ पशुक लेल घास उगाबैत छथि, आ मनुष्यक सेवाक लेल जड़ी-बूटी उगाबैत छथि, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन निकालि सकथि।"

2. उत्पत्ति 2:15 - "तखन परमेश् वर परमेश् वर ओहि आदमी केँ लऽ कऽ अदन बगीचा मे राखि देलथिन जे ओ ओकरा सजाबय आ ओकर देखभाल करथि।"

यिर्मयाह 14:6 जंगली गदहा सभ ऊँच स्थान पर ठाढ़ छल, ओ सभ अजगर जकाँ हवा केँ दबा देलक। हुनका लोकनिक आँखि जरूर विफल भ’ गेलनि, कारण घास-पात नहि छलनि।

जंगली गदहा ऊँच जगह पर ठाढ़ छल, अजगर जकाँ हवा के सूंघैत छल, तइयो घास के कमी के कारण अंततः ओकर आँखि असफल भ गेल छल.

1. भगवान् हमरा सभ केँ जे संसाधन चाही से उपलब्ध कराबैत छथि, ओहो भयावह परिस्थिति मे।

2. जखन भगवान दिस तकब तखन संसाधनक अभाव मे सेहो सहन करबाक सामर्थ्य भेटत।

1. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।

2. भजन 37:3-5 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; भूमि मे रहू आ निष्ठा सँ दोस्ती करू। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करताह। प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा राखू, ओ काज करत।

यिर्मयाह 14:7 हे प्रभु, भले हमर सभक अधर्म हमरा सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि, मुदा अहाँ अपन नामक कारणेँ ई काज करू। हम अहाँक विरुद्ध पाप केलहुँ।

यिर्मयाह प्रभु सँ दया के गुहार लगाबै छै, ई स्वीकार करै छै कि इस्राएल के लोग हुनका खिलाफ पाप करलकै आरू ओकरा बहुत पीछे हटलऽ छै।

1. परमेश् वरक दया: हुनकर क्षमाक वरदान केँ संजोगि कऽ राखब

2. बैकस्लाइडर: पाप के चिन्हब आ ओकरा स मुँह फेरब

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, भले ओ किरमिजी जकाँ लाल हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

2. भजन 51:1 - "हे परमेश् वर, अपन दयाक अनुसार हमरा पर दया करू। अपन कोमल दयाक भरमारक अनुसार हमर अपराध केँ मेटा दिअ।"

939

यिर्मयाह 14:8 हे इस्राएलक आशा, विपत्तिक समय मे ओकर उद्धारकर्ता, अहाँ देश मे परदेशी आ एक राति रुकबाक लेल घुमैत-फिरैत लोक जकाँ किएक बनब?

परमेश् वर, इस्राएल के आशा, देश में एक पराया छै, आरो बस एक यात्री के तरह गुजरै छै जे केवल एक रात के लेलऽ रहै छै।

1. इस्राएल के आशा: मुसीबत के समय में हमर शरण

2. परमेश् वरक क्षणिकता: यिर्मयाह 14:8 पर एकटा चिंतन

1. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

2. यशायाह 43:1-3 - "नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँकेँ छुड़ा देने छी; हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानिसँ गुजरब तँ हम अहाँक संग रहब। आ नदी सभक बीचसँ ओ सभ।" जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ केँ नहि जरि जायत, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।”

यिर्मयाह 14:9 अहाँ किएक आश्चर्यचकित आदमी जकाँ बनब, जेना एकटा पराक्रमी जे उद्धार नहि दऽ सकैत अछि? तैयो, हे प्रभु, अहाँ हमरा सभक बीच मे छी आ हम सभ अहाँक नाम सँ बजाओल गेल छी। हमरा सभकेँ नहि छोड़ू।

प्रभु हमरा सभक संग छथि आ हमरा सभ केँ हुनकर नाम सँ बजाओल गेल अछि; हमरा सभकेँ छोड़ि नहि जेबाक चाही।

1. भगवान हमरा सभक जीवन मे सदिखन उपस्थित रहैत छथि

2. प्रभु के नाम के शक्ति

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक

2. इब्रानी 13:5 जे किछु अहाँ सभ लग अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।”

यिर्मयाह 14:10 परमेश् वर एहि लोक सभ केँ ई कहैत छथि, “ओ सभ एहि तरहेँ भटकब चाहैत छथि, अपन पएर नहि रोकलनि, तेँ प्रभु हुनका सभ केँ स्वीकार नहि करैत छथि। आब ओ हुनका सभक अधर्म केँ मोन पाड़त आ हुनका सभक पापक दण्ड देत।

परमेश् वर लोक सभ केँ अस्वीकार कऽ देने छथि, हुनकर सभक निरंतर भटकब आ एक ठाम रहबा सँ मना करबाक कारणेँ, आ आब ओ हुनका सभक पापक सजाय देताह।

1. पश्चाताप करू आ प्रभु लग वापस आबि जाउ - नीतिवचन 28:13

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - गलाती 6:7-8

1. इजकिएल 18:30-32

2. भजन 32:1-5

यिर्मयाह 14:11 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “एहि लोक सभक भलाईक लेल प्रार्थना नहि करू।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा देलथिन जे लोक सभक भलाईक लेल प्रार्थना नहि करथि।

1. भगवान् सब चीज पर नियंत्रण रखैत छथि आ ओ जनैत छथि जे हमरा सभक लेल की नीक अछि।

2. हमरा सभकेँ अपन जीवनक लेल परमेश्वर आ हुनकर इच्छा पर भरोसा करबाक चाही।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. भजन 37:3-5 प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक काज करू। तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।” प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।” अपन बाट प्रभुक समक्ष राखू। हुनका पर सेहो भरोसा करू। ओ एकरा पूरा कऽ लेताह।”

यिर्मयाह 14:12 जखन ओ सभ उपवास करत तखन हम हुनकर पुकार नहि सुनब। जखन ओ सभ होमबलि आ बलि चढ़बैत छथि तँ हम ओकरा सभ केँ स्वीकार नहि करब, मुदा हम ओकरा सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ नष्ट कऽ देब।”

परमेश् वर अपन लोकक उपवास आ होमबलि चढ़बैत काल कानब नहि सुनताह, बल्कि ओकरा सभ केँ अकाल, तलवार आ महामारी सँ सजा देताह।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति - यिर्मयाह 14:12

2. सच्चा पश्चाताप के आवश्यकता - यिर्मयाह 14:12

1. आमोस 4:6-12 - जे पश्चाताप नै करै छै, ओकरा पर परमेश् वर के न्याय के चेतावनी

2. योएल 2:12-18 - पश्चाताप आ पापक क्षमा करबाक लेल परमेश् वरक आह्वान

यिर्मयाह 14:13 तखन हम कहलियनि, “आह, प्रभु परमेश् वर! देखू, भविष्यवक्ता सभ हुनका सभ केँ कहैत छथिन, “अहाँ सभ तलवार नहि देखब आ ने अहाँ सभ केँ अकाल पड़त। मुदा हम अहाँ सभ केँ एहि ठाम आश्वासित शान्ति देब।

यिर्मयाह परमेश् वर के विलाप करै छै, ई पूछै छै कि भविष्यवक्ता सिनी कष्ट के बजाय शांति के वादा करी कॅ युद्ध आरू अकाल के समय में लोग सिनी कॅ झूठा आशा कियैक दै छै।

1. परमेश् वरक सत्य झूठ प्रतिज्ञा सँ ऊपर राज करैत अछि

2. छल मे नहि, सत्य मे रहब

1. इफिसियों 6:14 - तखन, सत्यक पट्टी कमर मे बान्हि क’ मजबूती सँ ठाढ़ रहू

2. नीतिवचन 12:19 - सत्यक ठोर सदाक लेल टिकैत अछि, मुदा झूठ बाजबला जीह मात्र क्षण भरि लेल अछि।

यिर्मयाह 14:14 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “प्रवक् ता सभ हमर नाम सँ झूठक भविष्यवाणी करैत छथि, हम हुनका सभ केँ नहि पठौलहुँ आ ने हुनका सभ केँ आज्ञा देलहुँ आ ने हुनका सभ सँ बात केलहुँ, आ हुनका लोकनिक हृदयक छल।

यिर्मयाह चेतावनी दै छै कि झूठा भविष्यवक्ता सिनी प्रभु के नाम पर झूठ बोलै छै, बिना हुनका भेजले या हुनकऽ आज्ञा के।

1. झूठ भविष्यवक्ता के नहि परमेश् वरक सत्यक पालन करू

2. झूठक समुद्र मे विवेक

1. मत्ती 7:15-20 झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू

2. 1 यूहन्ना 4:1-6 आत्मा सभक परीक्षण करू जे ओ सभ परमेश् वर दिस सँ अछि कि नहि

यिर्मयाह 14:15 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे हमर नाम सँ भविष्यवक्ता सभक विषय मे ई बात कहैत छथि जे हम हुनका सभ केँ नहि पठौने छी, मुदा ओ सभ कहैत छथि जे, ‘एहि देश मे तलवार आ अकाल नहि होयत। तलवार आ अकाल मे ओ सभ भविष्यवक्ता सभ समाप्त भ’ जेताह।

941

प्रभु झूठ भविष्यवक्ता सिनी के खिलाफ बोलै छै जे हुनकऽ नाम पर भविष्यवाणी करै छै, ई दावा करै छै कि ई देश में तलवार आरू अकाल नै होतै, तभियो प्रभु कहै छै कि ई भविष्यवक्ता सिनी तलवार आरो अकाल में खतम होय जैतै।

1. झूठा भविष्यवक्ता आ धोखाक परिणाम

2. सच्चा भविष्यवक्ता आ भगवानक निष्ठा

1. यिर्मयाह 14:15

2. इजकिएल 13:1-7

यिर्मयाह 14:16 अकाल आ तलवारक कारणेँ जे लोक सभ केँ ओ सभ भविष्यवाणी करैत छथि, हुनका सभ केँ यरूशलेमक सड़क पर फेकि देल जायत। ओकरा सभ केँ गाड़बाक लेल केओ नहि रहतैक, ओकरा सभ केँ, ओकर पत्नी, ने ओकर बेटा, आ ने ओकर बेटी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ ओकर दुष्टताक सजा दऽ रहल छथि।

1: हमरा सभ केँ अपन कर्म पर ध्यान राखय पड़त, कारण परमेश् वर हमरा सभक दुष्टताक सजा देताह।

2: हमरा सभकेँ अपन दुष्टतासँ मुँह घुमा कऽ शरण लेल भगवान् दिस घुमबाक चाही।

1: यशायाह 55:6-7 "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत, ताबत तक प्रभु केँ खोजू। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू; दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2: 1 यूहन्ना 1:9 "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

यिर्मयाह 14:17 तेँ अहाँ हुनका सभ केँ ई वचन कहबनि। हमर आँखि राति-दिन नोर सँ बहैत रहय आ नहि रुकय, कारण हमर लोकक कुमारि बेटी बहुत भयंकर प्रहार सँ टूटि गेल अछि।

यिर्मयाह अपन लोकक लेल शोक मना रहल छथि, जे एकटा पैघ उल्लंघन आ बहुत गंभीर प्रहार सँ टूटि गेल अछि।

1. भगवानक नोर: करुणा आ समझदारी के आह्वान

2. परमेश् वरक लोकक टूटब: यिर्मयाह 14:17 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 54:8-10 "हम थोड़ेक क्रोध मे अहाँ सँ अपन मुँह क्षण भरि लेल नुका देलहुँ; मुदा हम अनन्त दया सँ अहाँ पर दया करब, अहाँ सभक मुक्तिदाता प्रभु कहैत छथि। किएक तँ ई हमरा लेल नूहक पानि जकाँ अछि।" : कारण जेना हम शपथ लेने छी जे आब नूहक पानि पृथ्वी पर नहि जायत, तहिना हम शपथ केने छी जे हम अहाँ पर क्रोध नहि करब आ ने अहाँ केँ डाँटब दया तोरा सँ नहि हटत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत, “अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।”

2. इब्रानी 4:15-16 "किएक तँ हमरा सभक एहन महापुरोहित नहि अछि जे अपन दुर्बलताक अनुभूति सँ नहि छुबि सकैत अछि; बल् कि हमरा सभ जकाँ सभ तरहेँ परीक्षा मे पड़ल छल, मुदा पाप नहि। तेँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक सिंहासन पर आबि जाइ।" कृपा करऽ, ताकि हम्में दया पाबै, आरो जरूरत के समय में सहायता करै के कृपा पाबै।”

यिर्मयाह 14:18 जँ हम खेत मे जायब तँ देखू तलवार सँ मारल गेल! जँ हम नगर मे प्रवेश करब तँ अकाल सँ बीमार सभ केँ देखू! हँ, भविष्यवक्ता आ पुरोहित दुनू एहन देश मे घुमैत छथि जे ओ सभ नहि जनैत छथि।

942

परमेश् वरक लोक शारीरिक आ आध्यात्मिक दुनू तरहक संकट भोगैत छथि।

1: परमेश् वरक लोक केँ दोसरक दुख केँ नहि बिसरबाक चाही, आ हमरा सभ केँ सदिखन जरूरतमंद लोकक मदद करबाक प्रयास करबाक चाही।

2: अपन दुख मे ककरो असगर महसूस नहि करबाक चाही, कारण भगवान् सदिखन उपस्थित रहैत छथि जे विपत्ति मे पड़ल लोक केँ सान्त्वना आ समर्थन दैत छथि।

1: भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

2: यूहन्ना 14:18 - हम अहाँ सभ केँ अनाथ नहि छोड़ब; हम अहाँ लग आबि जायब।

यिर्मयाह 14:19 की अहाँ यहूदा केँ एकदम सँ अस्वीकार कऽ देलहुँ? की तोहर प्राण सियोन सँ घृणा केने अछि? अहाँ हमरा सभ केँ किएक मारि देलहुँ, आ हमरा सभक लेल कोनो चंगाई नहि अछि? हम सभ शान्तिक खोज मे छलहुँ, मुदा कोनो नीक नहि। आ चंगाईक समयक लेल, आ देखू विपत्ति!

परमेश् वर प्रश्न उठौने छथि जे ओ यहूदा आ सिय्योन केँ किएक मारि देलनि, जेना कि ओ सभ शांति ताकि रहल छल मुदा ओकर बदला मे परेशानी सँ सामना कयल गेल।

1. परमेश् वरक योजना सदिखन नहि बुझल जाइत अछि, आ हुनकर इच्छा पर भरोसा करब जरूरी अछि।

2. जखन हमरा सभक आशाक अनुसार काज नहि चलैत अछि तखनो भगवान् हमरा सभक लेल योजना बनौने छथि।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 14:20 हे प्रभु, हम सभ अपन दुष्टता आ अपन पूर्वज सभक अधर्म केँ स्वीकार करैत छी, किएक तँ हम सभ अहाँक विरुद्ध पाप केलहुँ।

इस्राएल के लोग अपनऽ दुष्टता आरू अपनऽ पूर्वज के अधर्म के स्वीकार करै छै।

1: परमेश् वरक क्षमा: अपन पापक बादो एकरा कोना भेटत

2: हमर पिताक पाप: आगू बढ़बाक लेल अपन अतीत केँ स्वीकार करब

1: भजन 32:1-5 - "धन्य अछि ओ जे ओकर अपराध क्षमा कयल गेल अछि, जकर पाप झाँपल गेल अछि। धन्य ओ ओ अछि जकर पाप प्रभु ओकरा पर नहि गिनैत छथि आ जकर आत्मा मे कोनो छल नहि अछि।"

2: 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

यिर्मयाह 14:21 अपन नामक कारणेँ हमरा सभ सँ घृणा नहि करू, अपन महिमाक सिंहासन केँ अपमानित नहि करू, मोन राखू, हमरा सभक संग अपन वाचा नहि तोड़ू।

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन वाचा पर अडिग रहबाक आ हुनकर सिंहासनक बदनामी नहि करबाक आह्वान करैत छथि।

1. परमेश् वरक संग अपन वाचा केँ पुनः पुष्ट करब

2. भगवान् के सिंहासन के महिमा के कायम रखना

1. यशायाह 54:10 - "पहाड़ भले हिलल जाय आ पहाड़ हटि जायत, मुदा अहाँ सभक प्रति हमर अटूट प्रेम नहि हिलत आ ने हमर शान्तिक वाचा दूर होयत," अहाँ पर दया करयवला परमेश् वर कहैत छथि।

2. भजन 89:1-4 - हम परमेश् वरक अडिग प्रेमक गबैत रहब, सदाक लेल। हम अपन मुँह सँ अहाँक विश् वास केँ सभ पीढ़ी केँ बुझा देब। हम कहलहुँ जे, अडिग प्रेम सदाक लेल बनल रहत। स्वर्ग मे अहाँ अपन निष्ठा स्थापित करब। अहाँ कहलहुँ जे हम अपन चुनल लोकक संग वाचा केने छी। हम अपन सेवक दाऊद केँ शपथ केने छी जे हम अहाँक संतान केँ सदाक लेल स्थापित करब, आ अहाँक सिंहासन सभ पीढ़ीक लेल बनबैत रहब।

यिर्मयाह 14:22 की गैर-यहूदी सभक व्यर्थता मे कियो एहन अछि जे बरखा क’ सकैत अछि? आकि आकाश बरखा द' सकैत अछि? हे हमर परमेश् वर, की अहाँ ओ नहि छी? तेँ हम सभ अहाँक प्रतीक्षा करब, किएक तँ अहाँ ई सभ किछु बनौने छी।”

प्रभु एकमात्र एहन छथि जे बरखा आ बरखाक व्यवस्था क' सकैत छथि, आ तें हमरा सभ केँ हुनकर प्रतीक्षा करबाक चाही।

1. प्रभुक शक्ति: हुनकर प्रावधानक प्रतीक्षा करब सीखब

2. प्रभु पर भरोसा करब: हुनकर सार्वभौमिकता पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:10-11 - किएक तँ जहिना बरखा आ बर्फ स् वर्गसँ नीचाँ अबैत अछि आ ओतऽ घुरि कऽ नहि आबि जाइत अछि, बल् कि पृथ्वीकेँ पानि पानि दैत अछि आ ओकरा अंकुरित करैत अछि, बीज बजनिहारकेँ आ खाएबलाकेँ रोटी दैत अछि, 11 तहिना की हमर वचन हमर मुँह सँ निकलैत अछि। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. याकूब 5:7-8 - तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू जे कोना किसान धरतीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि, ओकरा लेल धैर्य रखैत अछि, जाबत धरि ओकरा जल्दी आ देर सँ बरखा नहि भेटैत छैक। 8 अहाँ सभ सेहो धैर्य राखू। अपन हृदय केँ स्थापित करू, कारण प्रभुक आगमन लग आबि गेल अछि।

यिर्मयाह अध्याय १५ एक भविष्यवक्ता के रूप में यिर्मयाह के व्यक्तिगत संघर्ष आरू यहूदा पर आसन्न न्याय के संबंध में परमेश्वर के साथ ओकरऽ संवाद पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: परमेश् वर यहूदा केँ अस्वीकार करब आओर हुनका सभ पर न्याय अनबा सँ मना करबाक बात व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 15:1-4)। ओ घोषणा करैत छथि जे जँ मूसा आ शमूएल लोक सभक लेल बिनती करथि तँ ओ अपन विचार नहि बदलताह। हुनका लोकनिक दुष्टताक परिणाम अनिवार्य अछि ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन व्यक्तिगत दुख आ अलगाव पर विलाप करैत छथि (यिर्मयाह 15:5-9)। ओकरा अपनहि लोक द्वारा अस्वीकृत बुझाइत छैक, जे ओकर मजाक उड़ाबैत छैक आ ओकरा विरुद्ध साजिश रचैत छैक । परमेश् वर के संदेश निष्ठापूर्वक पहुँचाबै के बावजूद यिर्मयाह के सताबै आरू निंदा के सामना करना पड़ै छै। ओ सवाल उठबैत छथि जे एहन कष्ट हुनका किएक सहय पड़तनि।

3 पैराग्राफ: परमेश्वर यिर्मयाह के अपन उपस्थिति आ सुरक्षा के बारे में आश्वस्त करैत छथि (यिर्मयाह 15:10-14)। ओ यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे लोक सभ सँ नहि डेराउ मुदा चेतावनी दैत छथि जे हुनका सभ केँ अपन पापक न्यायक सामना करय पड़तनि। मुदा, यिर्मयाह स्वयं विनाश सँ बचि जायत।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह परमेश् वर सँ अपन भविष्यवक्ता के रूप मे बजाओल गेलाक शिकायत करैत छथि (यिर्मयाह 15:15-18)। लगातार विरोध के सामना करय पड़ैत अछि ताहि सं ओ अपन कुंठा व्यक्त करैत छथि. शुरू मे भगवानक वचन बजबा मे आनन्द भेटलाक बादो आब ओ अपना केँ दुख सँ अभिभूत महसूस करैत छथि। जे ओकरा सताबै छै, ओकरा पर बदला लेबै के गुहार लगाबै छै।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ पश्चाताप करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि आ एकटा भविष्यवक्ता के रूप मे हुनकर भूमिका केँ दोबारा पुष्ट करैत छथि (यिर्मयाह 15:19-21)। जँ हतोत्साहसँ पश्चाताप करत तँ ओ पुनर्स्थापित भऽ विपक्षक विरुद्ध गढ़वाला देबाल बनि जाएत। परमेश् वर ओकरा नुकसान चाहै वाला सिनी स॑ बचाबै के वादा करै छै आरू ओकरा आश्वासन दै छै कि वू अपनऽ भविष्यवाणी के मिशन क॑ पूरा करै म॑ जीत हासिल करतै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के पन्द्रह अध्याय में भविष्यवक्ता के सामने व्यक्तिगत संघर्ष आरू यहूदा पर आसन्न न्याय के संबंध में परमेश्वर के साथ ओकरऽ संवाद के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यहूदा के दया के गुहार के खारिज करी दै छै, ई घोषणा करी कॅ कि न्याय अनिवार्य छै। यिर्मयाह अपनऽ ही लोगऽ द्वारा अलग-थलग रहना आरू ओकरा पर सताबै के विलाप करै छै । ओ सवाल उठबैत छथि जे एहन कष्ट हुनका किएक सहय पड़तनि। परमेश् वर यिर्मयाह क॑ अपनऽ उपस्थिति के बारे म॑ आश्वस्त करै छै आरू चेतावनी दै छै कि लोगऽ क॑ एकरऽ परिणाम के सामना करना पड़तै । विरोध के बावजूद यिर्मयाह के सुरक्षा के वादा करलऽ गेलऽ छै । तखन ओ भविष्यवक्ता हेबाक शिकायत करैत छथि, दुख सँ अभिभूत महसूस करैत छथि मुदा बदला लेबय चाहैत छथि । परमेश् वर यिर्मयाह में पश्चाताप के प्रोत्साहित करै छै, बहाली आरू ताकत के वादा करै छै। जँ ओ वफादार रहत तँ ओ अपन भविष्यवाणीक मिशन पूरा करबामे जीत हासिल करत।

यिर्मयाह 15:1 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “मूसा आ शमूएल हमरा सोझाँ ठाढ़ रहितथि, मुदा हमर मोन एहि लोक सभक प्रति नहि रहि सकल।

परमेश् वर घोषणा कयलनि जे हुनका अपन लोक पर कोनो अनुग्रह नहि छनि भले मूसा आ शमूएल हुनका सभक लेल गुहार लगा रहल होथि।

1. भगवानक दया निःशर्त अछि

2. मध्यस्थताक शक्ति

1. यिर्मयाह 1:5 "हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ अलग क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति सभक लेल भविष्यवक्ता बनेलहुँ।"

2. याकूब 5:16 "तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

यिर्मयाह 15:2 जँ ओ सभ अहाँ केँ कहत जे, “हम सभ कतय जायब?” तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि।” जेना मृत्युक लेल, मृत्युक लेल; आ जे तलवारक लेल अछि, से तलवारक लेल। आ जे अकाल लेल अछि, से अकाल मे। आ जे कैदक लेल अछि, बंदी मे।

परमेश् वर यिर्मयाहक द्वारा लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे मृत्यु, तलवार, अकाल आ बंदी मे हुनका सभ पर न्याय आओत।

1. भगवान् के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम

2. प्रभुक निष्ठापूर्वक सेवा करबाक आवश्यकता

1. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा आज्ञापालनक लेल आशीर्वाद आ आज्ञा नहि मानबाक लेल अभिशाप

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि

यिर्मयाह 15:3 हम ओकरा सभक ऊपर चारि तरहक नियुक्ति करब, परमेश् वर कहैत छथि: तलवार मारबाक लेल, कुकुर सभ केँ नोचबाक लेल, आ आकाशक चिड़ै सभ केँ, आ पृथ् वीक जानवर सभ केँ खाएब आ नष्ट करबाक लेल।

जीवन के सब परिस्थिति पर भगवान के नियंत्रण छै, जेकरा में कठिनाई भी शामिल छै।

1: भगवान् सार्वभौम छथि: अपन नियंत्रण मे आराम भेटब

2: भगवानक संप्रभुता: कठिन समय मे हुनकर योजना केँ बुझब

1: यशायाह 46:9-10 - "पहिल बात केँ मोन पाड़ू, जे पहिने सँ अछि, हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि; हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि। हम शुरूए सँ अन् ति केँ जनबैत छी। प्राचीन काल सँ, जे एखनो आबय बला अछि। हम कहैत छी, 'हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।'"

2: नीतिवचन 19:21 - "मनुष्यक हृदय मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य प्रबल होइत छैक।"

यिर्मयाह 15:4 हम हुनका सभ केँ पृथ् वीक सभ राज् य मे हटा देब, यहूदाक राजा हिजकियाहक पुत्र मनश्शेक कारणे, जे ओ यरूशलेम मे कयलनि।

राजा हिजकियाहक पुत्र मनश्शेक पापक कारणेँ परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ निर्वासित कऽ देथिन।

1. पापक परिणाम: भगवान अपन लोक केँ कोना दंडित करैत छथि

2. न्याय के सामने पश्चाताप के महत्व

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. इजकिएल 18:30-32 - "एहि लेल हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन मार्गक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ि लिअ। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।" .अपन सभटा अपराध, जाहि सँ अहाँ सभ अपराध केलहुँ, ओकरा सभ केँ दूर करू, आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब? प्रभु परमेश् वर, तेँ अहाँ सभ घुमि कऽ जीबऽ जाउ।”

यिर्मयाह 15:5 हे यरूशलेम, तोरा पर के दया करत? आकि अहाँक शोक के करत? आकि के कात मे जा कऽ पूछत जे अहाँक कोना चलैत अछि?

यरूशलेम पर ककरो दया नहि होयत आ ने केओ ओकर हाल-चाल पूछत।

1. परमेश् वरक प्रेम अनन्त अछि - यिर्मयाह 15:5

2. कियो बेसी दूर नहि गेल अछि - यिर्मयाह 15:5

1. विलाप 4:22 - "हे सियोनक बेटी, तोहर अधर्मक दण्ड पूरा भ' गेल; ओ तोरा आब बंदी मे नहि ल' जायत। हे एदोमक बेटी, ओ तोहर अधर्मक दण्ड देत। ओ तोहर पापक पता लगाओत।"

2. यशायाह 54:7 - "हम अहाँ केँ थोड़ेक काल लेल छोड़ि देलहुँ; मुदा हम अहाँ केँ बहुत दया सँ जमा करब।"

यिर्मयाह 15:6 अहाँ हमरा छोड़ि देलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ पाछू चलि गेलहुँ, तेँ हम अहाँक विरुद्ध हाथ बढ़ा कऽ अहाँ केँ नष्ट कऽ देब। पश्चाताप करबासँ थाकि गेल छी।

भगवान् जे हुनका छोड़ि देने छथि हुनका सजा दऽ रहल छथि ।

1: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जायत - गलाती 6:7

2: पश्चाताप करू आ क्षमा करू - लूका 13:3

1: यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, तखन ओ ओकरा पर दया करत।

2: इब्रानी 10:30 - प्रभु कहैत छथि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब।” आ फेर, “प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।”

यिर्मयाह 15:7 हम ओकरा सभ केँ देशक फाटक मे पंखा सँ पंखा लगा देब। हम ओकरा सभकेँ संतानसँ वंचित कऽ देब, अपन लोककेँ नष्ट कऽ देब, किएक तँ ओ सभ अपन बाटसँ नहि घुरैत अछि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ दंडित करताह जे पश्चाताप करबा सँ मना कऽ दैत छथि आ अपन पापपूर्ण बाट सभ सँ हटि जाइत छथि।

1. पश्चाताप करबाक आ परमेश् वर लग घुरबाक आवश्यकता

2. भगवान् के दण्ड के कठोरता

1. इजकिएल 18:30-31 - "एहि लेल, हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।"

2. मत्ती 3:2 - "पश्चाताप करू, कारण स् वर्गक राज्य लग आबि गेल अछि।"

यिर्मयाह 15:8 हुनका सभक विधवा सभ हमरा लग समुद्रक बालु सँ बेसी बढ़ि गेल अछि, हम ओकरा सभ पर दुपहर मे युवक सभक मायक विरुद्ध एकटा लूटपाट करयवला आनि देलहुँ, हम ओकरा अचानक ओकरा पर खसि देलियैक आ शहर पर आतंक।

भगवान् केरऽ दंड तेज आरू कठोर छै ।

1: यिर्मयाह 15:8 मे परमेश्वरक दया आ न्याय

2: परमेश् वरक त्वरित आ कठोर न्याय

1: निकासी 34:6-7 - "तखन परमेश् वर हुनका आगू बढ़ि कऽ घोषणा कयलनि जे, “प्रभु, परमेश् वर, दयालु आ कृपालु परमेश् वर, क्रोध मे मंद, आ अडिग प्रेम आ विश् वास मे प्रचुरता रखनिहार, हजारो लोकक लेल अडिग प्रेम रखनिहार, क्षमा करयवला।” अधर्म आ अपराध आ पाप।

2: यशायाह 13:9 - "देखू, प्रभुक दिन अबैत अछि, क्रूर, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग, जे देश केँ उजाड़ बनाबय आ ओकर पापी सभ केँ ओकरा सँ नष्ट करय।"

यिर्मयाह 15:9 जे सातटा जन्म लेने अछि, ओ सुस्त अछि। ओकर सूर्य अस्त भ’ गेलै जखन कि दिन भ’ गेलै, ओ लज्जित आ लज्जित भ’ गेलै, आ ओकरा सभक शेष भाग केँ हम ओकर शत्रु सभक समक्ष तलवारक हाथ मे सौंपब।”

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे सातटा संतान भेल स् त्री मरि जायत आ ओकर शेष परिवारक लोक तलवार सँ अपन शत्रु सभक सामना करत।

1. चुनौती के बावजूद विश्वास में रहना

2. हमर जीवन मे प्रभुक संप्रभुता

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

यिर्मयाह 15:10 धिक्कार अछि, हमर माय, जे अहाँ हमरा लेल झगड़ा करय बला आ समस्त पृथ्वीक लेल विवाद करय बला आदमी बना देलियैक! हम ने सूद पर उधार देने छी आ ने मनुष्य हमरा सूद पर उधार देने अछि। तैयो हुनका सभ मे सँ एक-एक गोटे हमरा गारि पढ़ैत छथि।

यिर्मयाह विलाप करैत छथि जे ओ समस्त पृथ्वीक लेल विवादक स्रोत छथि, भले ओ ने उधार लेने होथि आ ने सूद पर उधार देने होथि। तैयो सभ ओकरा गारि पढ़ैत अछि।

1. शब्दक शक्ति: हमर वाणी दोसर पर कोना प्रभावित करैत अछि

2. द्वंद्व केँ बुझब: कलह आ विवाद सँ कोना निपटल जाय

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

2. मत्ती 12:34-37 - 34 अहाँ साँपक संतान! अहाँ जे दुष्ट छी से कोना नीक बात कहब? किएक तँ मुँह ओ बजैत अछि जे हृदय भरि गेल अछि। 35 नीक लोक अपन मे संग्रहित भलाई मे सँ नीक चीज निकालैत अछि, आ अधलाह लोक अपन मे संग्रहित अधलाह मे सँ अधलाह चीज निकालैत अछि। 36 मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन कोनो खाली बातक हिसाब देबऽ पड़तैक। 37 अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब आ अहाँक बात सँ अहाँ सभ केँ दोषी ठहराओल जायत।

यिर्मयाह 15:11 परमेश् वर कहलथिन, “अहाँक शेष लोक सभ केँ नीक लागत। हम अधलाह आ दुःखक समय मे शत्रु केँ नीक सँ विनती करब।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ वचन दैत छथि जे ओ दुख आ कष्टक समय मे हुनका सभक संग रहताह।

1: परीक्षा के समय में भगवान सदिखन वफादार रहैत छथि।

2: प्रभु पर भरोसा राखू, ओ अहाँ केँ पार क' देताह।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: व्यवस्था 31:6 - "मजबूत आ साहसी रहू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डरू, किएक तँ अहाँ सभक संग चलय बला प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँ सभ केँ नहि छोड़ताह आ नहि छोड़ताह।"

यिर्मयाह 15:12 की लोहा उत्तरक लोहा आ स्टील केँ तोड़ि देत?

यिर्मयाह १५:१२ मे परमेश्वर पूछैत छथि जे की लोहा स्टील पर हावी भ’ सकैत अछि।

1: "भगवान के ताकत हमरा सब स बेसी अछि"।

२: "सकारात्मक मनोवृत्ति के शक्ति"।

1: रोमियो 8:37 - "नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम केलक।"

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यिर्मयाह 15:13 हम तोहर सम्पत्ति आ तोहर धन बिना दाम मे लूट मे दऽ देब, आ से तोहर सभ पापक लेल, तोहर समस्त सीमा मे।

भगवान् कोनो व्यक्ति के पापक सजा के रूप में ओकर सब धन आ सम्पत्ति छीन लेताह, बिना बदला में किछु मांगने।

1: पापक परिणाम होइत छैक, आ भगवान् अपन नियम तोड़निहार केँ सजा देबा मे दयालु नहि हेताह।

2: भगवान् भौतिक बलिदान सँ बेसी पश्चाताप आ व्यवहार मे परिवर्तन चाहैत छथि।

1: याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि क' रहल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

2: इब्रानी 10:26-27 - "किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे लोक सभ केँ भस्म कऽ देत।" विरोधी सभ।"

यिर्मयाह 15:14 हम अहाँ केँ अहाँक शत्रु सभक संग ओहि देश मे पहुँचा देब जे अहाँ नहि जनैत छी, कारण हमर क्रोध मे आगि जरि गेल अछि जे अहाँ सभ पर जरि जायत।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ चेताबैत छथि जे ओ हुनका एहन देश मे पठा देताह जकरा ओ नहि जनैत छथि, आ हुनकर क्रोधक आगि हुनका पर जरि जायत।

1. आज्ञा आज्ञा नहि करबाक परिणाम: भगवानक दण्ड केँ बुझब

2. प्रभुक भय: परमेश् वरक अधिकारक आदर करब सीखब

1. व्यवस्था 28:15-20 - आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे परमेश् वरक चेतावनी।

2. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि।

यिर्मयाह 15:15 हे परमेश् वर, अहाँ जनैत छी, हमरा मोन राखू, आ हमरा परवाह करू आ हमरा सतौनिहार सभक बदला दिअ। हमरा अपन धैर्य मे नहि लऽ जाउ, ई जानि लिअ जे अहाँक कारणेँ हमरा डाँटल गेल अछि।

यिर्मयाह प्रभु सँ प्रार्थना करै छै कि हुनी ओकरा याद करै आरू ओकरा सताबै वाला सिनी के बदला लेबै, आरू ओकरा अपनौ धैर्य के साथ नै छीनी दै।

1. प्रार्थनाक शक्ति - यिर्मयाह 15:15

2. दोसरक दिस सँ बिनती करब - यिर्मयाह 15:15

1. 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 - बिना रुकने प्रार्थना करू।

2. याकूब 5:16 - धर्मी मनुष्यक गंभीर प्रार्थना बहुत काज करैत अछि।

यिर्मयाह 15:16 अहाँक वचन भेटल, हम ओकरा खा गेलहुँ। तोहर वचन हमरा लेल हमर हृदयक आनन्द आ आनन्दक कारण बनल, कारण, हे सेना सभक परमेश् वर, हम अहाँक नाम सँ बजाओल गेल छी।”

यिर्मयाह परमेश् वर के वचनऽ में आनन्द पाबै छै आरू वू धन्यवाद दै छै कि परमेश् वर ओकरा अपनऽ नाम सें बोलैलकै।

1. परमेश् वरक वचन मे आनन्द भेटब

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन

1. भजन 119:14, "हम अहाँक गवाही सभक बाट मे ओतबे आनन्दित छी जतेक सभ धन मे।"

2. यूहन्ना 14:15, "जँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू।"

यिर्मयाह 15:17 हम उपहास करयवला सभक सभा मे नहि बैसल रही आ ने आनन्दित भेलहुँ। हम अहाँक हाथक कारणेँ असगरे बैसल छलहुँ, कारण, अहाँ हमरा आक्रोश सँ भरि देलहुँ।

भगवान के हाथ हमरा सब के आक्रोश स भरैत अछि जखन हम सब उपहास करय वाला स घेरल रहैत छी।

1: संसार सँ बेवकूफ नहि बनू, भगवानक वचन मे अडिग रहू।

2: अपन विश्वास पर लाज नहि करू, भगवानक सत्य मे अडिग रहू।

1: नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

2: 1 पत्रुस 5:8 - सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत रहैत अछि आ ककरा खा सकैत अछि।

यिर्मयाह 15:18 हमर पीड़ा सनातन किएक अछि आ हमर घाव असुरक्षित अछि, जे ठीक होबय सँ मना करैत अछि? की अहाँ हमरा लेल एकदम झूठ बाजब आ क्षीण पानि जकाँ बनब?

यिर्मयाह अपन सनातन पीड़ा आ लाइलाज घाव के विलाप करैत छथि, ई पूछैत छथि जे परमेश् वर हुनका ठीक किएक नहि क' रहल छथि आ की ओ हुनका लेल झूठ बाजि रहल छथि।

1. विश्वासक पीड़ा: दुखक माध्यमे भगवान् पर भरोसा करब सीखब

2. पीड़ा मे परमेश् वरक प्रवृति: परमेश् वर हमरा सभक लेल की रखने छथि?

1. रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि वर्तमान समयक कष्ट सभक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यिर्मयाह 15:19 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि, “जँ अहाँ घुरि कऽ आबि जायब तँ हम अहाँ केँ फेर सँ आनि देब आ अहाँ हमरा सोझाँ ठाढ़ रहब तोरा; मुदा अहाँ हुनका सभ लग घुरि कऽ नहि जाउ।”

परमेश् वर वादा करै छै कि अगर वू पश्चाताप करै छै आरू ओकरा संसार के बजाय ओकरा चुनै छै त॑ वू अपनऽ लोगऽ क॑ ओकरा पास वापस लानै छै ।

1. "भगवान केँ चुनू, संसार नहि"।

2. "पश्चाताप के शक्ति"।

1. यूहन्ना 15:5 - "हम बेल छी, अहाँ सभ डारि छी: जे हमरा मे रहैत अछि आ हम ओकरा मे, ओ बहुत फल दैत अछि, कारण हमरा बिना अहाँ सभ किछु नहि क' सकैत छी।"

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 15:20 हम अहाँ केँ एहि लोक सभक लेल बाड़ल पीतल केर देबाल बना देब, आ ओ सभ अहाँ सँ लड़त, मुदा ओ सभ अहाँ पर विजयी नहि होयत, किएक तँ हम अहाँक संग छी जे अहाँ केँ बचाबऽ आ अहाँ केँ बचाबऽ, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोकक संग रहबाक वचन दैत छथि, हुनका सभक शत्रु सभ सँ बचाबथि।

1. परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि - यिर्मयाह 15:20

2. प्रभु हमरा सभक उद्धारकर्ता छथि - यिर्मयाह 15:20

1. व्यवस्था 31:6 - बलवान आ साहसी रहू, ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक परमेश् वर यहोवा छथि जे अहाँक संग जाइत छथि। ओ अहाँ केँ नहि छोड़त आ ने अहाँ केँ छोड़त।

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यिर्मयाह 15:21 हम अहाँ केँ दुष्टक हाथ सँ बचा लेब आ अहाँ केँ भयावह लोकक हाथ सँ मुक्त करब।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे जे दुष्ट आ भयंकर सभक हाथ मे छथि हुनका सभ केँ उद्धार आ मुक्ति देबनि।

1. "भगवानक मोक्ष: परेशान समय मे आशाक वरदान"।

2. "भगवानक मुक्ति: बुराई सँ शरण"।

1. भजन 25:17-18 - प्रभु दबल-कुचलल लोकक लेल गढ़ छथि, विपत्तिक समय मे गढ़ छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह अध्याय 16 यहूदा पर आसन्न न्याय आरू एकरऽ पाछू के कारणऽ पर जोर दै छै, साथ ही साथ भविष्य म॑ बहाली के परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भी जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे विवाह वा संतान उत्पन्न करबा सँ परहेज करथि (यिर्मयाह 16:1-4)। ओ बतबैत छथि जे ओहि भूमि पर शोकक समय आबि जायत, आ यिर्मयाहक लेल नीक होयत जे ओहि समय मे पारिवारिक संबंध नहि हो। ई यहूदा के लोगऽ लेली ओकरऽ आसन्न विनाश के बारे में एगो संकेत के काम करै छै।

2 पैराग्राफ: परमेश्वर यहूदा पर अपन न्याय के कारण के वर्णन करै छै (यिर्मयाह 16:5-13)। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ सभ हुनका छोड़ि विदेशी देवताक पूजा कयलनि अछि | हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा हुनका लोकनिक क्रोध उत्पन्न कएने छनि, जाहि सँ हुनका लोकनिक सजा भेटि गेल छनि | एकर परिणाम एतेक गंभीर होयत जे हर्षोल्लासक उत्सव बंद भ' जायत, आ पूरा देश मे शोक सेहो होयत।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह न्याय के बीच आशा के संदेश के घोषणा करै छै (यिर्मयाह 16:14-15)। ओ लोक के मोन पाड़ैत छथि जे वर्तमान स्थिति के बावजूद भविष्य मे भगवान के वादा केल गेल बहाली एखनो अछि। ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ सभ एक बेर फेर परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करताह आ पश्चाताप मे हुनका लग घुरि जेताह।

4 म पैराग्राफ: अध्याय आगू एहि बातक व्याख्याक संग अछि जे परमेश् वर अपन लोक सभ केँ कोना विभिन्न जाति सँ एकत्रित करताह (यिर्मयाह 16:16-18)। जेना मलाह माछ पकड़बाक लेल अपन जाल फेकैत अछि, तहिना भगवान शिकारी पठा देताह जे अपन छिड़ियाएल लोक केँ फेर सँ अपन जमीन मे जमा करथि। हुनका लोकनिक पाप आ मूर्तिपूजा आब बिसरल वा नजरअंदाज नहि कयल जायत बल्कि उचित दण्डक सामना करय पड़तनि ।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के पाप पर अपन दुख व्यक्त करैत छथि आ ईश्वरीय प्रतिशोध के पूर्वानुमान लगाबैत छथि (यिर्मयाह 16:19-21)। ओ स्वीकार करैत छथि जे मात्र भगवाने उद्धार आ उद्धार आनि सकैत छथि। जे जाति झूठ देवताक आराधना करैत अछि, ओ व्यर्थ अछि, जखन कि इस्राएलक आशा मात्र यहोवा मे अछि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के सोलह अध्याय में यहूदा पर आसन्न न्याय आरू भविष्य के पुनर्स्थापन के परमेश्वर के प्रतिज्ञा के चित्रण छै। परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे विवाह नहि करथि आ ने संतान पैदा करथि, जे शोकक समयक द्योतक अछि। ओ यहूदा पर न्यायक घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका छोड़ि मूर्तिक पूजा करैत छथि | एहि न्यायक बीच यिर्मयाह आशाक घोषणा करैत 951

छथि, जे हुनका सभ केँ भविष्यक पुनर्स्थापनक स्मरण कराबैत छथि। परमेश् वर अपन छिड़ियाएल लोक सभ केँ एकत्रित करबाक आ ओकर पापक सभ केँ उचित सजा देबाक वादा करैत छथि। यिर्मयाह यहूदा के पाप पर दुख व्यक्त करै छै, केवल यहोवा कॅ ओकरो सच्चा आशा के रूप में स्वीकार करै छै। अध्याय में आसन्न न्याय आरू परमेश् वर द्वारा प्रतिज्ञा करलऽ गेलऽ अंततः मोक्ष दूनू पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 16:1 हमरा पर परमेश् वरक वचन सेहो आयल जे।

प्रभु यिर्मयाह सँ संदेश देलनि।

1. भगवान् हमरा सभसँ बहुत तरहेँ गप्प करैत छथि, चाहे कोनो परिस्थिति हो।

2. हमरा सभ केँ ई जानि कऽ सान्त्वना भेटि सकैत अछि जे परमेश् वर सदिखन हमरा सभक संग छथि।

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यिर्मयाह 16:2 अहाँ अपन पत्नी नहि बनाउ आ ने अहाँक एहि ठाम बेटा आ बेटी होयत।

यिर्मयाह ओहि जगह पर विवाह आ बच्चा पैदा करबाक चेतावनी दैत छथि जतय ओ संबोधित क' रहल छथि।

1. भगवानक नजरि मे विवाहक वाचाक ताकत

2. भगवानक योजना मे संतानक आशीर्वाद

1. उत्पत्ति 2:24 - तेँ पुरुष अपन पिता आ माय केँ छोड़ि अपन पत्नी सँ चिपकल रहत।

2. भजन 127:3 - देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, आ गर्भक फल हुनकर इनाम अछि।

यिर्मयाह 16:3 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे एहि ठाम मे जन्म लेनिहार बेटा आ बेटी सभक विषय मे, आ हुनका सभक माय सभक विषय मे जे हुनका सभ केँ जन्म देलनि आ हुनकर सभक पिता सभक विषय मे जे हुनका सभ केँ एहि देश मे जन्म देलनि।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ अपन देश मे जन्मल बच्चा आ ओकर माता-पिताक बारे मे बात करैत छथि।

1. परमेश्वर के वचन के शक्ति: यिर्मयाह 16:3 के संदेश

2. भगवानक भूमि मे जन्म लेबाक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 30:3-5 - "तखन तोहर परमेश् वर परमेश् वर तोहर बंदी केँ घुमा लेताह आ अहाँ पर दया करताह आ अहाँ केँ ओहि सभ जाति मे सँ घुरि क' एकत्रित करताह, जतय अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ तितर-बितर कएने छथि। जँ कोनो एहन जाति मे सँ... अहाँक परमेश् वर स् वर्गक दूर धरि भगाओल जाएत, ओतहि सँ अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ जमा करताह आ ओतहि सँ अहाँ केँ आनि लेताह;

2. भजन 127:3-5 - "देखू, बच्चा सभ परमेश् वरक धरोहर अछि। आ गर्भक फल ओकर इनाम होइत छैक। जहिना पराक्रमी आदमीक हाथ मे बाण होइत छैक; तहिना युवावस्थाक बच्चा सभ सेहो। धन्य अछि।" जे मनुष् य ओकरा सभ सँ भरल-पूरल कुटी रखैत अछि, ओ सभ लाज नहि करत, बल् कि ओ सभ फाटक मे शत्रु सभ सँ गप्प करत।”

यिर्मयाह 16:4 ओ सभ गंभीर मृत्यु सँ मरत। हुनका सभ केँ विलाप नहि कयल जायत। ने गाड़ल जायत। मुदा ओ सभ पृथ् वी पर गोबर जकाँ भऽ जायत। ओकर शव स् वर्गक चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ् वीक जानवरक भोजन होयत।

जे हुनकर बाट पर नहि चलैत छथि हुनका लेल परमेश् वरक न्याय कठोर आ तेज होयत।

1. भगवानक दंड कखनो हल्का मे नहि लेल जाइत अछि आ एकरा चेतावनी के रूप मे लेबाक चाही।

2. भले ही हम परमेश् वरक बाट नहि बुझि सकैत छी, मुदा हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

1. व्यवस्था 28:1-2 - "जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक पूर्ण आज्ञा मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक ध्यानपूर्वक पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ दैत छी तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सभ जाति सँ ऊपर ऊँच कऽ देथिन। ई सभ आशीर्वाद आओत।" अहाँ आ जँ अहाँ अपन परमेश् वरक आज्ञा मानब तँ अहाँक संग रहब।”

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यिर्मयाह 16:5 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “शोकक घर मे नहि जाउ, आ ने हुनका सभक विलाप करबाक लेल जाउ आ ने विलाप करू।

परमेश् वर लोक सभ सँ अपन शांति आ प्रेम केँ दूर कऽ देलनि अछि आ हुनका सभ केँ शोक वा विलाप मे नहि प्रवेश करबाक निर्देश देलनि अछि।

1. परमेश् वरक कृपा बिना शर्त अछि - रोमियो 5:8

2. परमेश् वरक प्रेम अटूट अछि - रोमियो 8:39

1. यशायाह 54:10 - "पहाड़ भले हिलल जाय आ पहाड़ हटि जायत, मुदा अहाँ सभक प्रति हमर अटूट प्रेम नहि हिलत आ ने हमर शान्तिक वाचा दूर होयत," अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 103:17 - मुदा अनन्त सँ अनन्त धरि प्रभुक प्रेम हुनका सँ डरय बला सभक संग अछि आ हुनकर धार्मिकता हुनका सभक संतान सभक संग अछि।

यिर्मयाह 16:6 एहि देश मे पैघ-पैघ दुनू मरि जायत, ओकरा सभ केँ नहि गाड़ल जायत, ने लोक ओकरा सभक लेल विलाप करत, ने अपना केँ काटि लेत, आ ने ओकरा सभक लेल गंजा बनाओत।

यहूदा देशक लोक मरत, आ कियो हुनका सभक शोक नहि करत आ शोकक संस्कार नहि करत।

1. मानव जीवनक मूल्य: प्रत्येक व्यक्तिक गरिमा केँ चिन्हब

2. करुणाक शक्ति: दोसरक संग सहानुभूति राखब सीखब

1. उपदेशक 3:2-4 - जन्मक समय, आ मरबाक समय; रोपबाक समय आ जे रोपल गेल अछि तकरा तोड़बाक समय अछि। मारबाक समय आ ठीक करबाक समय। तोड़बाक समय आ निर्माण करबाक समय। कानबाक समय आ हँसबाक समय; शोकक समय, आ नाचबाक समय।

2. मत्ती 5:4 - धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।

यिर्मयाह 16:7 आ ने मनुष् य हुनका सभक लेल शोक मे अपना केँ नोचत, जे मृतकक लेल हुनका सभ केँ सान्त्वना देत। आ ने मनुष् य हुनका सभ केँ सान्त्वनाक प्याला देथिन जे ओ अपन पिता वा मायक लेल पीबथि।

यिर्मयाह 16:7 मे लोक केँ मृतकक शोक करबा सँ मना कयल गेल अछि जे ओ अपना केँ फाड़ि क’ आ ने ओकरा सांत्वना केर प्याला द’ सकैत अछि।

1. शोक आ दुखक बादो आस्थाक जीवन जीब

2. कठिन समय मे सांत्वना के शक्ति

953

1. इब्रानी 11:13-16 ई सभ विश् वास मे मरि गेलाह, प्रतिज्ञा नहि ग्रहण कऽ कऽ, बल् कि ओकरा सभ केँ दूर सँ देखि कऽ ओकरा सभ केँ मना लेलक आ ओकरा सभ केँ गला लगा लेलक आ स्वीकार कयलक जे ओ सभ पृथ् वी पर परदेशी आ तीर्थयात्री छथि।

2. उपदेशक 7:2-4 भोज-भोजक घर जेबा सँ नीक शोक घर जायब। आ जीवित लोक ओकरा मोन मे राखि देत।
हँसी सँ दुख नीक होइत छैक, कारण मुँहक उदासी सँ हृदय नीक भ' जाइत छैक। ज्ञानी के हृदय शोक के घर में छै; मुदा मूर्खक हृदय आनन्दक घर मे होइत छैक।

यिर्मयाह 16:8 अहाँ भोज-भातक घर मे सेहो नहि जाउ, जे हुनका सभक संग बैसब, भोजन आ पीब।

यिर्मयाह 16:8 मे निर्देश देल गेल अछि जे दोसरक संग भोज आ शराब पीबय मे भाग नहि ली।

1. पार्टी आ बेसी खाए-पीए मे भाग लेबाक खतरा

2. भोज के प्रलोभन स बचबाक लेल परमेश्वर के निर्देश के पालन करू

1. गलाती 5:16-17, "मुदा हम कहैत छी, आत् माक अनुसार चलू, तखन अहाँ शरीरक इच्छा केँ पूरा नहि करब। कारण शरीरक इच्छा आत् माक विरुद्ध अछि, आ आत् माक इच्छा आत् माक विरुद्ध अछि।" मांस, किएक तँ ई सभ एक दोसराक विरोध मे अछि, जाहि सँ अहाँ सभ जे काज करय चाहैत छी से नहि कऽ सकब।"

२ मांसक लेल, ओकर इच्छा केँ पूरा करबाक लेल।"

यिर्मयाह 16:9 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँक नजरि मे आ अहाँक दिन मे एहि ठाम सँ हँसी-खुशीक आवाज आ हर्षक आवाज, वर आ कनियाँक आवाज केँ समाप्त कऽ देब।

भगवान् लोकक नजरि आ जीवन सँ आनन्द, सुख, आ विवाहक उत्सवक आवाज केँ दूर क' देताह |

1. परमेश् वरक अनुशासन: जखन हम सभ हुनका अस्वीकार करैत छी तखन की होइत अछि

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: पापक परिणाम

1. नीतिवचन 1:24-33 - बुद्धि केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

2. यशायाह 1:16-20 - पश्चाताप करबाक लेल एकटा आह्वान आ न्यायक चेतावनी

यिर्मयाह 16:10 जखन अहाँ एहि लोक सभ केँ ई सभ बात कहब आ ओ सभ अहाँ केँ कहत जे, “प्रभु हमरा सभक विरुद्ध ई सभटा पैघ दुष् टता किएक सुनौलनि?” आकि हमरा सभक अधर्म की अछि? वा हमरा सभक कोन पाप अछि जे हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक विरुद्ध केलहुँ?

यहूदा के लोग परमेश् वर सॅ पूछै छै कि हुनी ओकरा सिनी पर बड़ऽ बुराई कियैक लानी देलकै आरू ओकरा सिनी के खिलाफ कोन पाप करलकै।

1. भगवानक दण्डक शक्ति - ई बुझब जे भगवान अपन लोक पर दण्ड किएक अनैत छथि

2. पापक स्वभाव - पापक परिणाम केँ चिन्हब आ पश्चाताप कोना कयल जाय।

1. यशायाह 1:18-20 - आब आबि कऽ एक संग विचार-विमर्श करी, परमेश् वर कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै।

2. भजन 51:3-4 - कारण हम अपन अपराध स्वीकार करैत छी, आ हमर पाप सदिखन हमरा सोझाँ अछि। हम तोहर विरुद्ध पाप केलहुँ आ तोहर नजरि मे ई अधलाह केलहुँ।

यिर्मयाह 16:11 तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहब जे, “अहाँ सभक पूर्वज हमरा छोड़ि देलनि, प्रभु कहैत छथि, आ दोसर देवता सभक पाछाँ चललनि, हुनकर सेवा कयलनि, हुनकर आराधना कयलनि, आ हमरा छोड़ि देलनि आ हमर नियमक पालन नहि कयलनि।” ;

परमेश् वर इस्राएली सभ पर क्रोधित छथि जे हुनका छोड़ि कऽ दोसर देवता सभक आराधना कयलनि।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम

2. भगवान् के साथ अपन संबंध के कोना फेर स भड़काबी

1. व्यवस्था 28:15 - "मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ ई सभ शाप अछि।" तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

2. भजन 145:18 - "प्रभु सभ हुनका पुकारनिहार सभ लग छथि आ जे सभ हुनका सत् य मे पुकारैत छथि।"

यिर्मयाह 16:12 अहाँ सभ अपन पूर्वज सँ बेसी खराब काज केलहुँ। कारण, देखू, अहाँ सभ प्रत्येक अपन दुष् ट मनक कल्पनाक अनुसार चलैत छी, जाहि सँ ओ सभ हमर बात नहि मानथि।

यिर्मयाह के समय के लोग अपनऽ पूर्वजऽ स॑ भी जादा पाप करै वाला छेलै, परमेश् वर के बात नै सुनै छेलै आरू अपनऽ इच्छा के पालन करै छेलै।

1. पाप एकटा विकल्प अछि: प्रलोभन के दुनिया में बुद्धिमान निर्णय लेब

2. पतित दुनिया मे अपन हृदयक पालन करबाक खतरा

1. नीतिवचन 4:23 - अपन हृदय केँ पूरा लगन सँ राखू; कारण, ओहि मे सँ जीवनक मुद्दा निकलैत अछि।

2. मत्ती 15:19 - हृदय सँ दुष्ट विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठ गवाही, निन्दा निकलैत अछि।

यिर्मयाह 16:13 तेँ हम अहाँ सभ केँ एहि देश सँ ओहि देश मे फेकि देब जे अहाँ सभ नहि जनैत छी आ ने अहाँ सभक पूर्वज। ओतहि अहाँ सभ दिन-राति आन देवताक सेवा करब। जतय हम अहाँ पर अनुग्रह नहि करब।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ चेताबैत छथि जे ओ हुनका आ हुनकर लोक केँ अपन देश सँ बाहर निकालि कऽ कोनो विदेशी देश मे फेकि देताह जतय ओ सभ विदेशी देवताक सेवा करत आ परमेश् वरक अनुग्रह नहि पाओत।

1. न्याय के बीच परमेश् वर के अटूट प्रेम

2. प्रतिकूलताक सामना करबा काल विश्वास राखब

1. यशायाह 43:2, "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ जखन अहाँ नदी सभ सँ गुजरब तखन ओ अहाँ सभक ऊपर नहि बहत। जखन अहाँ आगि मे सँ चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब; द लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।"

२ सब पर भारी पड़ैत अछि। तेँ हम सभ अपन नजरि देखल गेल चीज पर नहि, अदृश्य पर टिकबैत छी, किएक त' जे देखल जाइत अछि से क्षणिक अछि, मुदा जे अदृश्य अछि से शाश्वत अछि।"

यिर्मयाह 16:14 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जे आब ई नहि कहल जायत जे, “प्रभु जीवित छथि, जे इस्राएलक सन् तान सभ केँ मिस्र देश सँ निकालने छलाह।”

परमेश् वर आब अतीत सँ नहि जुड़ताह जखन ओ इस्राएलक सन् तान सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर निकालने छलाह।

1. आइ हमरा सभक जीवन मे प्रभुक उपस्थिति

2. अतीतसँ आगू बढ़ब

1. यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ बिसरि जाउ; अतीत पर नहि रहू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी! आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना रहल छी।" आ बंजर भूमि मे धार सभ।"

2. फिलिप्पियों 3:13 - "भाइ-बहिन, हम अपना केँ एखन धरि पकड़ने नहि बुझैत छी। मुदा एकटा काज हम करैत छी: पाछू जे अछि ओकरा बिसरि क' आगू जे अछि ताहि दिस तनाव मे पड़ैत छी।"

यिर्मयाह 16:15 मुदा, परमेश् वर जीवित छथि, जे इस्राएलक सन् तान सभ केँ उत्तरक देश सँ आ ओहि सभ देश सँ लऽ कऽ अनलनि, जतय ओ ओकरा सभ केँ भगा देने छलाह.

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ ओहि देश सभ सँ वापस अनने छथि जतय ओ सभ ओकरा सभ केँ भगा देने छलाह आ ओकरा सभ केँ ओहि देश मे वापस अनताह जे ओ हुनका सभक पूर्वज केँ देने छलाह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पालन करबा मे निष्ठा

2. प्रभुक प्रेम आ अपन लोकक रक्षा

1. व्यवस्था 4:31 - कारण, तोहर परमेश् वर परमेश् वर दयालु परमेश् वर छथि। ओ अहाँ केँ नहि छोड़त आ ने अहाँ केँ नष्ट करत आ ने अहाँक पूर्वज सभक ओहि वाचा केँ बिसरत जे ओ हुनका सभ केँ शपथ देने छल।

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यिर्मयाह 16:16 देखू, हम बहुत रास माछ मारयवला केँ बजा लेब, प्रभु कहैत छथि, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ माछ मारत। आ तकर बाद हम बहुत रास शिकारी केँ बजा लेब, आ ओ सभ हर पहाड़ सँ, हर पहाड़ी सँ आ पाथरक छेद सँ ओकरा सभक शिकार करत।

भगवान् मछुआरा आ शिकारी भेजताह जे अपन लोक के पृथ्वी के हर कोना स पकड़ि लेताह।

1. हमरा सभकेँ अपन जीवनमे भगवानक उपस्थितिक प्रति सदिखन ध्यान राखब चाही।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक प्रयास करबाक चाही जाहि सँ हुनकर रक्षा आ प्रावधानक अनुभव कयल जा सकय।

1. यशायाह 49:24-25 - "की पराक्रमी सभ सँ शिकार छीन लेल जा सकैत अछि, आकि अत्याचारी सभक बंदी सभ केँ बचाओल जा सकैत अछि?"

2. भजन 91:1-2 - "जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, 'हमर शरण आ हमर किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।' .'"

यिर्मयाह 16:17 किएक तँ हमर नजरि हुनका सभक सभ बाट पर अछि, ओ सभ हमर मुँह सँ नुकायल नहि अछि आ ने हुनकर सभक अधर्म हमर आँखि सँ नुकायल अछि।

भगवान् सर्वदर्शी आँखि छथि, आ हुनका सँ किछु नुकायल नहि अछि।

1: भगवान् सब देखैत छथि - अपन सर्वज्ञता

2: प्रकाश मे रहब - भगवानक अटूट उपस्थिति

1: भजन 139:1-12

2: इब्रानियों 4:12-13

यिर्मयाह 16:18 पहिने हम हुनका सभक अधर्म आ पापक दुगुना बदला देबनि। किएक तँ ओ सभ हमर देश केँ अशुद्ध कऽ देलक, हमर उत्तराधिकार केँ अपन घृणित आ घृणित वस्तुक शव सँ भरि देलक।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ ओकर अधर्म आ पापक लेल सजा देताह, जाहि सँ देश अशुद्ध भऽ गेल अछि आ घृणित आ घृणित वस्तु सभ सँ भरल अछि।

1. पापक परिणाम: यिर्मयाह 16:18 पर क

2. परमेश् वरक न्याय: यिर्मयाह 16:18 पर क

1. इब्रानी 10:26-31 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत।

2. इजकिएल 36:16-19 - एतबे नहि, परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे, मनुष् य-पुत्र, जखन इस्राएलक वंशज अपन देश मे रहैत छल, तखन ओ सभ अपन-अपन तरीका आ कर्म सँ ओकरा अशुद्ध क’ देलक। हमरा सोझाँ ओकर सभक बाट ओहिना छल जेना स्त्री केर मासिक धर्मक अशुद्धता मे अशुद्धता।

यिर्मयाह 16:19 हे प्रभु, हमर शक्ति, हमर किला आ हमर शरण क्लेशक दिन, गैर-यहूदी सभ पृथ् वीक छोर सँ अहाँक लग आबि जायत आ कहत जे, ‘हमर सभक पूर्वज सभ केँ झूठ, आडंबर आ एहन चीज जाहि मे कोनो लाभ नहि हो।

गैर-यहूदी लोक सभ ई जानि लेत जे हुनकर पूर्वज सभ केँ झूठ मूर्ति, आडंबर आ बेकार सम्पत्ति उत्तराधिकार मे भेटल छलनि, आ ओ सभ विपत्तिक समय मे प्रभुक दिस घुरताह।

1. "झूठा मूर्तिक आडंबर"।

2. "प्रभु मे बल आ शरण भेटब"।

1. यशायाह 40:27-31 - हे याकूब, अहाँ किएक कहैत छी, हे इस्राएल, हमर बाट प्रभु सँ नुकायल अछि, आ हमर अधिकार हमर परमेश् वर द्वारा अवहेलना कयल गेल अछि?

2. भजन 28:7-8 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर मोन हुनका पर भरोसा करैत अछि, आ हमरा सहायता भेटैत अछि। हमर मोन उल्लासित अछि, आ अपन गीत सँ हम हुनका धन्यवाद दैत छी।

यिर्मयाह 16:20 की केओ अपना लेल देवता बना सकैत अछि, जखन कि ओ कोनो देवता नहि अछि?

अंश स॑ पता चलै छै कि मनुष्य अपनऽ देवता के रचना नै करी सकै छै, कैन्हेंकि खाली भगवान ही वास्तविक छै ।

1. हमरा लोकनि केँ ई मोन राखय पड़त जे केवल भगवान् वास्तविक छथि आ मनुष्य अपन देवता नहि बना सकैत अछि।

2. हमरा सभकेँ भगवानक शक्तिकेँ चिन्हबाक चाही आ हुनका अपन एकमात्र सत्यक स्रोतक रूपमे स्वीकार करबाक चाही।

1. भजन 100:3 - "जानू जे प्रभु, ओ परमेश् वर छथि! ओ हमरा सभ केँ बनौलनि, आ हम सभ हुनकर छी; हम सभ हुनकर लोक छी आ हुनकर चारागाहक भेँड़ा।"

2. यशायाह 45:5-6 - "हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि, हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि; हम अहाँ सभ केँ सुसज्जित करैत छी, भले अहाँ सभ हमरा नहि चिन्हैत छी, जाहि सँ लोक सूर्यक उदय सँ जानि सकय।" आ पश्चिम दिस सँ ई जे हमरा छोड़ि कियो नहि अछि, हम प्रभु छी आ दोसर कोनो नहि।”

यिर्मयाह 16:21 तेँ देखू, हम एक बेर हुनका सभ केँ ई बुझा देबनि जे हम हुनका सभ केँ अपन हाथ आ हमर सामर्थ् य केँ बुझा देबनि। ओ सभ ई जानि लेत जे हमर नाम परमेश् वर अछि।”

परमेश् वर शक्तिशाली छथि आ अपन लोक सभ केँ अपन सामर्थ् य देखौताह।

1. भगवान् के शक्ति बेजोड़ छै आ ओ अपन लोक के सामने अपना के बताओत।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वर केँ जानबाक आ हुनकर शक्ति केँ चिन्हबाक लेल खुलल रहबाक आवश्यकता अछि।

1. भजन 147:5 - हमर प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि: हुनकर समझ अनंत अछि।

2. यशायाह 40:26 - अपन नजरि ऊँच पर उठाउ, आ देखू जे ई सभ के बनौने अछि जे ओकर सेना केँ संख्या मे बाहर निकालैत अछि, ओ अपन पराक्रमक महानता सँ सभ केँ नाम सँ बजबैत अछि, कारण ओ सामर्थ्य मे बलवान अछि; कियो असफल नहि होइत अछि।

यिर्मयाह अध्याय १७ परमेश्वर पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति आरू बुद्धि पर भरोसा करै के परिणाम के साथ-साथ हुनका पर भरोसा करला स॑ मिलै वाला आशीष के बारे म॑ भी उजागर करै छै ।

1 पैराग्राफ: परमेश्वर यहूदा के मूर्तिपूजा के निंदा करै छै आरू मानव निर्मित मूर्ति पर भरोसा करै के खिलाफ चेतावनी दै छै (यिर्मयाह 17:1-4)। ओ हुनका लोकनिक पाप केँ हृदय आ वेदी पर उकेरल वर्णन करैत छथि, जाहि सँ हुनका लोकनिक अपन पतन होइत छनि | मानव निर्मित मूर्ति पर भरोसा करय वाला के लाज आ निराशा के सामना करय पड़तनि।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर मानवीय शक्ति पर भरोसा करनिहारक आ हुनका पर भरोसा करय बला लोकक विपरीत करैत छथि (यिर्मयाह 17:5-8)। जे केवल मानवीय बुद्धि आ संसाधन पर निर्भर रहैत अछि ओकर तुलना बंजर मरुभूमि मे मुरझाएल झाड़ी सँ कयल जाइत छैक | एकर विपरीत भगवान् पर भरोसा करनिहार पानि लग रोपल गाछ जकाँ होइत छथि, जे रौदीक समय मे सेहो पनपैत छथि ।

तेसर पैराग्राफ: परमेश् वर मनुष्यक हृदयक छल-प्रपंच केँ उजागर करैत छथि (यिर्मयाह 17:9-10)। ओ घोषणा करैत छथि जे हृदय सभसँ ऊपर छल आ हताश बीमार अछि । केवल भगवाने एकरा सही मायने में समझी सकै छै आरू एकरऽ मंशा के न्याय करी सकै छै। प्रत्येक व्यक्ति के ओकर कर्म के अनुसार पुरस्कृत करै छै।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन व्यक्तिगत संघर्ष पर विलाप करैत छथि मुदा परमेश्वर पर अपन अटूट भरोसा व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 17:11-18)। ओ स्वीकार करैत छथि जे ओ उत्पीड़नक सामना करलाक बादो परमेश् वरक पाछाँ-पाछान सँ नहि मुड़ल छथि। ओ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक अपन प्रतिबद्धताक पुष्टि करैत अपन शत्रु सभ सँ मुक्तिक गुहार लगाबैत अछि।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के अंत में विश्राम के दिन के विश्वास के निशानी के रूप में मनाबै के आह्वान के साथ होय छै (यिर्मयाह 17:19-27)। यिर्मयाह क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि काम स॑ परहेज करी क॑ सब्त के दिन क॑ पवित्र रखै के बारे म॑ लोगऽ स॑ बात करलऽ जाय। एहि आज्ञाक पालन करला सँ यहूदा पर आशीर्वाद भेटत, जखन कि आज्ञा नहि मनला सँ न्याय होयत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के सत्रह अध्याय में परमेश् वर पर भरोसा करै के बजाय मानवीय शक्ति आरू बुद्धि पर भरोसा करै के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै । भगवान मूर्तिपूजा के निंदा करै छै आरू मानव निर्मित मूर्ति पर भरोसा करै के चेतावनी दै छै। जे केवल मानव संसाधन पर निर्भर रहत ओकरा निराशा आ लाजक सामना करय पड़तैक। एकर विपरीत भगवान् पर भरोसा करनिहार केँ पानि सँ पनपैत गाछ सँ उपमा देल जाइत छैक | भगवान् हृदय के छल-प्रपंच के उजागर करैत छथि, प्रत्येक व्यक्ति के ओकर कर्म के अनुसार पुरस्कृत करैत छथि | यिर्मयाह व्यक्तिगत संघर्ष के बावजूद अपनऽ अटूट विश्वास व्यक्त करै छै । आज्ञाकारिता के पुष्टि करैत मुक्ति के गुहार लगाबैत छथि । अध्याय के समापन सब्त के दिन के निष्ठापूर्वक मनाबै के आह्वान के साथ होय छै, जेकरा में आज्ञाकारिता के लेलऽ आशीर्वाद के वादा करलऽ गेलऽ छै आरू आज्ञा नै मानला के खिलाफ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 17:1 यहूदाक पाप लोहाक कलम आ हीराक नोक सँ लिखल अछि।

परमेश् वर यहूदाक पाप हुनका सभक हृदय आ वेदी पर लिखने छथि।

1. पाथरक हृदय: पापक परिणाम

2. पापक शाश्वत निशान: जे नहि करबाक चाही से मोन राखब

1. व्यवस्था 6:5-6 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

2. इजकिएल 36:26 - हम अहाँ केँ नव हृदय देब आ अहाँ मे नव आत् मा राखब; हम अहाँक पाथरक हृदय केँ हटा देब आ अहाँ केँ मांसक हृदय देब।

यिर्मयाह 17:2 जखन कि ओकर बच्चा सभ ऊँच पहाड़ पर हरियर गाछ सभक कात मे अपन वेदी आ अपन बगीचा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि।

यिर्मयाह केरऽ ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना लोगऽ क॑ अपनऽ वेदी आरू बगीचा याद छै जे पहाड़ी प॑ स्थित छै ।

1. अपन जड़ि केँ मोन राखब: हमर पूर्वज हमर जीवन पर कोना प्रभाव छोड़ैत छथि

2. स्मरणक शक्ति: हमरा लोकनि केँ अपन धरोहर केँ किएक नहि बिसरबाक चाही

1. भजन 78:3-7 "हम सभ ओकरा सभ केँ ओकर बच्चा सभ सँ नहि नुका देब, बल् कि आबै बला पीढ़ी केँ प्रभुक गौरवशाली काज, ओकर पराक्रम आ ओ चमत्कार सभक बात कहब। ओ याकूब मे एकटा गवाही स्थापित कयलनि आ।" इस्राएल मे एकटा नियम निर्धारित कयलनि, जकरा ओ हमरा सभक पूर्वज केँ आज्ञा देलनि जे ओ अपन बच्चा सभ केँ सिखाबथि, जाहि सँ अगिला पीढ़ी हुनका सभ केँ चिन्ह सकय, जे बच्चा सभ एखन धरि जन्म नहि रहल अछि, आ उठि कऽ अपन बच्चा सभ केँ कहि सकय, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वर पर अपन आशा राखथि आ नहि परमेश् वरक काज बिसरि जाउ, मुदा हुनकर आज्ञाक पालन करू"।

2. यशायाह 43:18-21 "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम नव काज क' रहल छी; आब ओ झरैत अछि, की अहाँ सभ नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब।" आ मरुभूमि मे नदी सभ हमरा आदर करत हमर प्रशंसा घोषित करू।"

यिर्मयाह 17:3 हे खेत मे हमर पहाड़, हम अहाँक सम्पत्ति आ अहाँक सभटा खजाना लूट मे द’ देब, आ पापक लेल अहाँक ऊँच स्थान, अहाँक समस्त सीमा मे।

पाप करय वाला के परमेश् वर ओकर सम् पत्ति छीन कऽ ओकर ऊँच स्थान सभ केँ नष्ट कऽ दण् ड देथिन।

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: पापक लेल परमेश् वरक दंड केँ बुझब

2. पश्चाताप: पाप के स्वीकार में भगवान के तरफ मुड़ना

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

यिर्मयाह 17:4 आ अहाँ, स्वयं, अपन धरोहर सँ विच्छेद क’ देब जे हम अहाँ केँ देने रही। हम अहाँ केँ ओहि देश मे अपन शत्रु सभक सेवा करऽ देब जे अहाँ नहि जनैत छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे ओ सभ अपन शत्रु सभक सेवा करबा लेल बाध्य भऽ जेताह आ जँ ओ सभ हुनका सँ मुँह मोड़ि लेताह तँ हुनकर क्रोधक आगि सदाक लेल जरि जायत।

1. परमेश् वरक चेतावनी: हुनकर आज्ञाक पालन करब सीखब

959

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: भगवानक क्रोधक सामना करब

1. व्यवस्था 28:25-26 - "प्रभु तोरा अपन शत्रु सभक समक्ष पराजित करौताह; अहाँ हुनका सभक विरुद्ध एक रस्ता सँ निकलि कऽ हुनका सभक आगू सँ सात रस्ता सँ भागि जायब। आ अहाँ पृथ् वीक समस्त राज् य सभक लेल भयावह भऽ जायब।" .

2. नीतिवचन 28:9 - जे व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ैत अछि, ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।

यिर्मयाह 17:5 प्रभु ई कहैत छथि। जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि आ जकर हृदय परमेश् वर सँ हटि जाइत अछि, तकरा अभिशप्त होअय।

प्रभु मनुष्य पर भरोसा करै आरू हुनका स॑ अलग होय के चेतावनी दै छै ।

1. "मनुष्य पर भरोसा करबाक खतरा"।

2. "भगवान के प्रति निष्ठा के महत्व"।

1. भजन 146:3-4 - "मनुष्य-पुत्र पर अपन भरोसा नहि करू, जिनका पर उद्धार नहि अछि। जखन हुनकर साँस चलि जायत तखन ओ पृथ्वी पर घुरि जाइत छथि; ओही दिन हुनकर योजना नष्ट भ' जाइत छनि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यिर्मयाह 17:6 किएक तँ ओ मरुभूमिक बूढ़ जकाँ होयत आ नीक जखन नीक आओत तखन नहि देखत। मुदा जंगल मे सुखायल जगह पर रहत, नमकीन देश मे आ लोक नहि रहय।

यिर्मयाह 17:6 मे एहि बातक चर्चा कयल गेल अछि जे कोना एकटा व्यक्ति मरुभूमि मे एकटा हीथ जकाँ होयत, जे जंगल मे एकटा सूखल आ बिना आबादी वाला जगह पर रहत, नीक केँ देखबा वा अनुभव करबा मे असमर्थ होयत।

1. कठिन समय मे संतोष आ शांति कोना भेटत

2. प्रतिकूलता पर काबू पाब आ नवीन ताकत ताकब

1. यशायाह 41:17-18 - जखन गरीब आ गरीब पानि ताकत, मुदा पानि नहि रहत, आ ओकर जीह प्यास सँ क्षीण भ’ जायत, तखन हम प्रभु हुनका सभक बात सुनब, हम इस्राएलक परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि छोड़ब।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

यिर्मयाह 17:7 धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा परमेश् वर अछि।

प्रभु पर भरोसा करै के आशीर्वाद आरू हुनका अपनऽ आशा के रूप में रखै के आशीर्वाद।

1: भगवान् मे अपन आशा राखू

2: अपन आशीर्वाद लेल प्रभु पर भरोसा करू

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: भजन 20:7 - कियो रथ पर भरोसा करैत अछि, आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम मोन पाड़ब।

यिर्मयाह 17:8 किएक तँ ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे नदीक कात मे अपन जड़ि पसरैत अछि, आ जखन गर्मी आबि जायत तखन नहि देखत, मुदा ओकर पात हरियर होयत। आ रौदीक वर्ष मे सावधान नहि रहत आ ने फल देब छोड़त।

ई श्लोक ई व्याख्या करै छै कि जे प्रभु पर भरोसा करै छै, वू कठिन समय में भी अडिग रहतै, जेना कि पानी के पास रोपलोॅ गाछ जे रौदी में नै मुरझाबै छै।

1: कठिन समय मे अडिग रहू

2: प्रभु के प्रबन्ध पर भरोसा करना

1: भजन 1:3 - ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि जे अपन समय मे फल दैत अछि, आ ओकर पात नहि मुरझाइत अछि। जे किछु करैत छथि ताहि मे ओ समृद्ध होइत छथि ।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 17:9 हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

हृदय अविश्वसनीय आ दुष्टता स भरल अछि, जाहि स बुझब असंभव भ गेल अछि।

1. धोखेबाज हृदयक खतरा - नीतिवचन 14:12

2. अपन हृदय सँ सावधान रहू - यिर्मयाह 17:9-10

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

2. यिर्मयाह 17:10 - "हम प्रभु हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन बाट आ कर्मक फलक अनुसार द' सकब।"

यिर्मयाह 17:10 हम प्रभु हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन बाट आ कर्मक फलक अनुसार देब।

भगवान् हर आदमी के हृदय के खोज करै छै आरू ओकरा बागडोर के अजमाबै छै, ओकरऽ कर्म आरू ओकरऽ मेहनत के फल के अनुसार ओकरऽ न्याय करै छै ।

1. "ईश्वर के न्याय: अपन कर्म के परिणाम के साथ जीना"।

2. "भगवानक सर्वज्ञता: अपन आन्तरिक विचार आ इच्छा केँ जानब"।

1. भजन 139:23-24 - हे परमेश् वर, हमरा खोजू आ हमर हृदय केँ जानि। हमरा आजमाउ, आ हमर चिन्ता सभकेँ जानि लिअ; आ देखू जे हमरा मे कोनो दुष्ट बाट अछि कि नहि, आ हमरा अनन्त बाट पर लऽ जाउ।

2. नीतिवचन 21:2 - मनुष्यक हर मार्ग अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा प्रभु हृदय केँ तौलैत छथि।

यिर्मयाह 17:11 जेना तीतर अंडा पर बैसल अछि आ ओकरा नहि फँसैत अछि। तेँ जे धन-सम्पत्ति पाबैत अछि, मुदा अधिकार सँ नहि, से अपन जीवनक बीच छोड़ि देत, आ अंत मे मूर्ख भ' जायत।

अंश मे चेतावनी देल गेल अछि जे बिना उचित साधन के प्रयोग केनिहार धन प्राप्त करय वाला के अंत मे ओकर नुकसान भ जायत, जाहि सं ओ मूर्ख भ जायत।

1. धार्मिक साधन सँ प्राप्त धन सदाक लेल रहत

2. अधर्मक माध्यमे धन प्राप्त करबाक मूर्खता

1. नीतिवचन 22:1 - पैघ धन सँ नीक नाम चुनबाक चाही, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।

2. नीतिवचन 13:11 - जल्दबाजी मे प्राप्त धन कम भ' जायत, मुदा जे कनि-मनि जमा करत से बढ़ि जायत।

यिर्मयाह 17:12 शुरूए सँ एकटा गौरवशाली ऊँच सिंहासन हमर सभक पवित्र स्थान अछि।

भगवान् केरऽ महिमा शुरू स॑ ही देखलऽ जाय छै, आरू हुनकऽ सिंहासन पवित्र स्थान छै ।

1. "महिमा के आरंभ: भगवान के सिंहासन में हमारी शरण"।

2. "उच्च सिंहासन: जतय सँ भगवानक अभयारण्य प्रारंभ होइत अछि"।

1. भजन 62:7 - "हमर उद्धार आ हमर महिमा परमेश् वर पर टिकल अछि; हमर पराक्रमी चट्टान, हमर शरण परमेश् वर छथि।"

2. भजन 9:9 - "प्रभु दबल-कुचलल लोकक लेल गढ़ छथि, विपत्तिक समय मे गढ़ छथि।"

यिर्मयाह 17:13 हे यहोवा, इस्राएलक आशा, जे सभ अहाँ केँ छोड़ि देत, से सभ लज्जित होयत आ जे हमरा सँ विदा होइत अछि, से पृथ्वी पर लिखल जायत, किएक तँ ओ सभ जीवित जलक फव्वारा परमेश् वर केँ छोड़ि देलक।

यिर्मयाह 17:13 मे ओहि लोकक लाजक बात कहल गेल अछि जे प्रभु केँ छोड़ि हुनका सँ दूर भ’ जाइत छथि, कारण ओ सभ जीवित जलक स्रोत केँ छोड़ि देने छथि।

1. परित्यक्त प्रेमक लाज: जीवित जलक स्रोत केँ अस्वीकार करब

2. भगवान् अस्वीकार करबाक दीर्घकालीन परिणाम: पृथ्वी मे लिखल गेल

1. भजन 36:9 - किएक तँ जीवनक फव्वारा अहाँक संग अछि। अहाँक इजोत मे की हम सभ इजोत देखैत छी।

2. यशायाह 58:11 - आ परमेश् वर अहाँ सभक मार्गदर्शन करताह आ जड़ल जगह पर अहाँक इच्छा केँ पूरा करताह आ अहाँक हड्डी केँ मजबूत करताह। अहाँ सभ पानि सँ भरल गाछी जकाँ होयब, पानि केर झरना जकाँ, जकर पानि क्षीण नहि होइत अछि।

यिर्मयाह 17:14 हे प्रभु, हमरा ठीक करू, हम ठीक भ’ जायब। हमरा बचाउ, आ हम उद्धार पाबि लेब, किएक तँ अहाँ हमर स्तुति छी।”

ई अंश परमेश् वर सँ चंगाई आ उद्धारक निहोरा अछि।

1. भगवान् पर भरोसा करब: आवश्यकताक समय मे प्रार्थनाक शक्ति

2. सब परिस्थिति मे भगवान् केर स्तुति करबाक आशीर्वाद

1. यशायाह 53:5 - मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ घायल भेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ चोट खा गेलाह। आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ’ गेल छी।

2. भजन 103:3 - जे तोहर सभ पाप केँ क्षमा करैत अछि। जे तोहर सभ रोग केँ ठीक करैत अछि।

यिर्मयाह 17:15 देखू, ओ सभ हमरा कहैत अछि जे, “प्रभुक वचन कतय अछि?” आब आबय दियौक।

लोक सभ प्रश्न क' रहल अछि जे प्रभुक वचन कत' अछि, ई माँग क' रहल अछि जे आब ओ वचन आबि जाय।

1. प्रभु के समय पर भरोसा करब - यिर्मयाह 17:15
962

2. प्रभुक वचन मे सान्त्वना लेब - यिर्मयाह 17:15

1. भजन 37:39 - मुदा धर्मी सभक उद्धार परमेश् वरक अछि, ओ विपत्तिक समय मे हुनका सभक सामर्थ्य छथि।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 17:16 हमर बात, हम अहाँक पाछाँ-पाछाँ आबय लेल पादरी बनबा सँ जल्दबाजी नहि केलहुँ। अहाँ जनैत छी।

यिर्मयाह कठिन समय के बावजूद परमेश् वर के प्रति अपनऽ वफादारी के पुष्टि करै छै, ई बात के पुष्टि करै छै कि ओकरऽ वचन परमेश् वर के सामने सच्चा आरू सही छेलै।

1. परमेश्वरक निष्ठा: कठिन समय मे भरोसा करब सीखब

2. सत्य शब्दक शक्ति: हमर वचन हमर आस्था केँ कोना दर्शाबैत अछि

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. यूहन्ना 8:32 - "अहाँ सभ सत् य केँ जानब, आ सत् य अहाँ सभ केँ स्वतंत्र बना देत।"

यिर्मयाह 17:17 हमरा लेल भयावह नहि बनू, अहाँ अधलाह दिन मे हमर आशा छी।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि ओकरा लेली आतंक नै बनै, बल्कि विपत्ति के समय ओकरो आशा बनै।

1. परेशान समय मे आशा: भगवान मे ताकत आ समर्थन भेटब

2. अज्ञात के भय पर काबू पाना: भगवान पर भरोसा करना सीखना

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 23:4 - "हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

यिर्मयाह 17:18 जे हमरा सताबैत अछि, ओ सभ लज्जित होउ, मुदा हमरा लज्जित नहि होअय, ओ सभ चकित होउ, मुदा हम निराश नहि होउ।

यिर्मयाह अपनऽ सताबै वाला सिनी क॑ भ्रमित आरू निराश होय के प्रार्थना करै छै, आरू परमेश् वर स॑ माँगै छै कि हुनी ओकरा सिनी पर दोगुना विनाश के साथ न्याय लानै।

1. उत्पीड़न के खतरा: यिर्मयाह के चेतावनी

2. प्रार्थनाक शक्ति: यिर्मयाहक उदाहरण

1. याकूब 5:16 - एकटा धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।

2. भजन 37:7-8 - प्रभुक समक्ष शान्त रहू आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू; जखन लोक अपन बाट मे सफल होइत अछि, जखन ओ अपन दुष्ट योजना केँ अंजाम दैत अछि तखन चिंतित नहि होउ।

963

यिर्मयाह 17:19 प्रभु हमरा ई बात कहलनि। जाउ आ यरूशलेमक सभ फाटक मे जाउ, जाहि फाटक सँ यहूदाक राजा सभ प्रवेश करैत छथि, जाहि फाटक सँ बाहर निकलैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यरूशलेमक फाटक मे ठाढ़ भऽ यहूदाक राजा सभ आ सभ लोक केँ परमेश् वरक संदेशक प्रचार करथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: भगवान के आज्ञापालन के लाभ कोना उठाबैत छी

2. परमेश् वरक संदेशक घोषणा करबाक महत्व: हमरा सभ केँ प्रभुक वचनक प्रचार किएक करबाक चाही

1. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, आ शाप जँ अहाँ सभ केँ।" अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू, बल् कि आइ जे बाट हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दऽ रहल छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागि जाउ, जकरा अहाँ सभ नहि जनने छी।

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल भ' जायत।

यिर्मयाह 17:20 आ हुनका सभ केँ कहू, “हे यहूदाक राजा, समस्त यहूदा आ यरूशलेमक समस्त निवासी, जे एहि फाटक सँ प्रवेश करैत छी, प्रभुक वचन सुनू।

परमेश् वर यहूदाक राजा सभ, समस्त यहूदा आ यरूशलेमक सभ निवासी सभ सँ बात कऽ रहल छथि आ हुनका सभ केँ चेतावनी दऽ रहल छथि जे हुनकर वचन सुनबाक लेल।

1. भगवान पर भरोसा करू, अपना पर नहि

2. आज्ञाकारिता के शक्ति

1. नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. व्यवस्था 28:1-2 जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा मन सँ सुनब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन आ पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा चाहत पृथ्वीक सभ जाति सँ ऊपर अहाँ केँ ऊँच कऽ दियौक।”

यिर्मयाह 17:21 प्रभु ई कहैत छथि। अपना सभ केँ सावधान रहू, आ विश्राम-दिन मे कोनो भार नहि उठाउ आ ने यरूशलेमक फाटक सँ लऽ जाउ।

प्रभु अपनऽ लोगऽ क॑ आज्ञा दै छै कि वू सावधान रहै आरू विश्राम के दिन भार उठाय क॑, या यरूशलेम के फाटकऽ म॑ लानी क॑ खुद क॑ बोझ नै डाल॑ ।

1. सब्त के महत्व: बाइबिल के परिप्रेक्ष्य

2. सब्त के दिन के पवित्र रखना: एक अवलोकन

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. यशायाह 58:13-14 - जँ अहाँ सभ अपन पएर केँ विश्राम-दिन केँ तोड़बा सँ आ हमर पवित्र दिन मे जेना चाहैत छी तेना करबाक लेल राखब, जँ अहाँ विश्राम-दिन केँ आनन्ददायक आ प्रभुक पवित्र दिन केँ सम्मानजनक कहब, आ जँ अहाँ एकर आदर करब अपन बाट पर नहि चलब आ जेना मन अछि तेना नहि करब वा बेकार बात नहि करब, तखन अहाँ केँ प्रभु मे अपन आनन्द भेटत।

यिर्मयाह 17:22 आ ने विश्राम-दिन मे अपन घर सँ कोनो बोझ बाहर निकालू आ ने कोनो काज करू, बल् कि विश्राम-दिन केँ पवित्र करू, जेना हम अहाँ सभक पूर्वज केँ आज्ञा देने रही।

परमेश् वर हमरा सभ केँ विश्राम करबाक आ विश्राम-दिनक आदर करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. सब्त के आराम के शक्ति: आइ हमरा सब लेल एकर की मतलब अछि

2. आज्ञाकारिता मे रहब: विश्राम-दिन केँ पवित्र राखब

1. निकासी 20: 8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. मत्ती 11:28-30- अहाँ सभ जे श्रम करैत छी आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।

यिर्मयाह 17:23 मुदा ओ सभ बात नहि मानलक आ ने कान झुकौलक, बल् कि अपन गर्दन कठोर क’ देलक जाहि सँ ओ सभ नहि सुनय आ ने शिक्षा पाबि सकय।

लोक भगवानक आज्ञा नहि मानलक आ हुनकर निर्देश सुनबा सँ मना क' देलक।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा - भगवानक आवाज सँ मुँह मोड़ला सँ कोना विनाश भ' सकैत अछि।

2. आज्ञाकारिता के शक्ति - ई समझना कि परमेश्वर के इच्छा के पालन करना हमरा सब के जीवन के कोना आशीर्वाद दै छै।

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. व्यवस्था 28:1-2 - "आ जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ निष्ठापूर्वक मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करबा मे सावधान रहब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ सभ जाति सँ ऊपर ठाढ़ करताह।" धरती."

यिर्मयाह 17:24 प्रभु कहैत छथि जे जँ अहाँ सभ हमर बात मानब तँ विश्राम-दिन एहि नगरक फाटक सँ कोनो बोझ नहि आनब, बल् कि विश्राम-दिन केँ पवित्र करब, जाहि सँ ओहि मे कोनो काज नहि करब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे शहरक फाटक सभ सँ कोनो तरहक बोझ अनबा सँ परहेज कऽ कऽ आ विश्राम-दिन मे काज छोड़ि कऽ विश्राम-दिन केँ मनाबय।

1. सच्चा पवित्रता: प्रभु दिवस के पवित्र रखना

2. परमेश् वरक आज्ञा मे विश्राम भेटब

1. यशायाह 58:13-14 - "जँ अहाँ सभ विश्राम-दिन सँ अपन पएर पाछू घुमा दैत छी, हमर पवित्र दिन मे अपन प्रसन्नता करबाक लेल, आ विश्राम-दिन केँ आनन्ददायक आ प्रभुक पवित्र दिन केँ आदरणीय कहब; जँ अहाँ एकर आदर करब तँ नहि।" अपन रास्ता पर चलब, वा अपन सुखक खोज करब, वा बेकार गप्प करब"।

2. निर्गमन 20:8-11 - "विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक लेल मोन राखू। छह दिन मेहनति करू आ अपन सभ काज करू, मुदा सातम दिन अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक विश्राम-दिन अछि। ओहि दिन नहि करू।" कोनो काज करू, अहाँ, वा अहाँक बेटा, वा बेटी, अहाँक नौकर, वा अहाँक दासी, वा अहाँक माल-जाल, वा अहाँक फाटक भीतर रहनिहार प्रवासी। आ ओहि सभ मे जे किछु अछि से सातम दिन विश्राम कयलनि।

यिर्मयाह 17:25 तखन दाऊदक सिंहासन पर बैसल राजा आ राजकुमार सभ रथ आ घोड़ा पर सवार भ’ क’ एहि नगरक फाटक मे प्रवेश करत शहर सदिखन रहत।

यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि यरूशलेम हमेशा लेली रहतै आरू ओकरा में दाऊद के सिंहासन पर बैठलो राजा आरू राजकुमार सिनी प्रवेश करतै।

1. भगवानक अटल राज्य

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक अपरिवर्तनीय प्रकृति

1. भजन 125:1 - "जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि, ओ सियोन पहाड़ जकाँ छथि, जे हिलल नहि जा सकैत अछि, बल् कि अनन्त काल धरि रहैत अछि।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

यिर्मयाह 17:26 ओ सभ यहूदाक नगर सभ सँ, यरूशलेमक आसपासक स्थान सभ सँ, बिन्यामीन देश सँ, मैदान सँ, पहाड़ सभ सँ आ दक्षिण दिस सँ होमबलि आ बलिदान ल’ क’ आओत। परमेश् वरक घर मे अन्नबलि, धूप-बलि आ स्तुति बलि आनब।

यहूदा, यरूशलेम, बिन्यामीन, मैदान, पहाड़ आरू दक्षिण के लोग प्रभु के घर में होमबलि, बलि, मांस बलि, धूप आरू स्तुति के बलिदान लानै छै।

1. स्तुति के शक्ति: बलिदान आ कृतज्ञता हमरा सब के कोना भगवान के नजदीक लाबैत अछि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक पालन किएक करबाक चाही

1. इब्रानी 13:15 - तखन हम सभ हुनका द्वारा परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान दैत रहू, अर्थात् हुनकर नाम केँ स्वीकार करय बला ठोर सभक फल।

2. भजन 96:8 - प्रभु के नाम के महिमा दियौन; प्रसाद आनि हुनकर दरबार मे आबि जाउ।

यिर्मयाह 17:27 मुदा जँ अहाँ सभ विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक लेल हमर बात नहि मानब आ विश्राम-दिन मे यरूशलेमक फाटक पर प्रवेश नहि करब। तखन हम ओकर फाटक मे आगि जरा देब आ ओ यरूशलेमक महल सभ केँ भस्म कऽ देत आ ओ नहि बुझत।”

परमेश् वर लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे विश्राम-दिन केँ पवित्र राखू नहि तँ हुनका सभ केँ आगि केर परिणाम भोगय पड़तनि जे यरूशलेमक महल सभ केँ भस्म क' देत।

1. सब्त के दिन के पवित्र रखबाक महत्व

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. यिर्मयाह 17:22-23 - जे प्रभु के आज्ञा के पालन नै करै छै ओकरा पर अभिशाप जे विश्राम के दिन के पवित्र रखै के छै।

यिर्मयाह अध्याय १८ में परमेश्वर के सार्वभौमिकता, राष्ट्रऽ के आकार दै के हुनकऽ क्षमता आरू पश्चाताप के महत्व के संप्रेषण करै लेली कुम्हार आरू माटी के रूपक के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ कुम्हारक घर दिस जेबाक निर्देश दैत छथि (यिर्मयाह 18:1-4)। ओतय ओ एकटा कुम्हार के एकटा चक्का पर माटि ल' क' काज करैत देखैत छथि । जे बर्तन बनैत अछि से क्षीण भ' जाइत अछि, तेँ कुम्हार ओकरा अपन इच्छाक अनुसार दोसर पात्र मे नव रूप दैत अछि ।

दोसर पैराग्राफ: परमेश् वर कुम्हार आ माटिक रूपकक महत्व बतबैत छथि (यिर्मयाह 18:5-10)।
ओ घोषणा करैत छथि जे जहिना कुम्हार केँ अपन सृष्टि पर अधिकार छनि तहिना हुनका राष्ट्र पर अधिकार छनि | जँ कोनो राष्ट्र बुराईसँ मुँह मोड़ि लेत तँ ओकरा पर विपत्ति अनबासँ हार मानत। एकरऽ विपरीत अगर कोय राष्ट्र दुष्टता में अडिग रहतै त॑ ओकरा पर न्याय आबी जैतै ।

3 पैराग्राफ: परमेश्वर यहूदा के आज्ञा नै आज्ञा के बारे में विशेष रूप स बजैत छथि (यिर्मयाह 18:11-17)। ओ चेतावनी दैत छथि जे हुनका लोकनिक लगातार विद्रोह सँ विपत्ति आबि जायत । लोक यिर्मयाहक विरुद्ध साजिश रचैत अछि आ हुनकर चेतावनी वचन सुनबा सँ मना क' दैत अछि। एकरऽ परिणाम ई छै कि ओकरा सिनी क॑ विनाश के सामना करना पड़ी जैतै आरू वू भयावहता के वस्तु बनी जैतै ।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह हुनकर विरोध करय वाला के खिलाफ न्याय के गुहार लगाबैत छथि (यिर्मयाह 18:18-23)। ओ परमेश् वर सँ माँगैत छथि जे परमेश् वरक संदेशक घोषणा करबा मे वफादार रहबाक संग-संग हुनकर नुकसान चाहनिहार सभक बदला लेथि। यिर्मयाह परमेश् वर के धार्मिकता पर अपनऽ भरोसा व्यक्त करै छै आरू अपनऽ शत्रु सिनी के खिलाफ बदला लेबै के आह्वान करै छै।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के अठारह अध्याय में परमेश् वर के संप्रभुता, राष्ट्रऽ के आकार दै के हुनकऽ क्षमता आरू पश्चाताप के महत्व के चित्रण करै लेली कुम्हार आरू माटी के रूपक के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । भगवान् अपना के तुलना एकटा कुम्हार स करैत छथि जे अपन इच्छा के अनुसार बर्तन के नव रूप द सकैत अछि | ओ राष्ट्र पर अपन अधिकार पर जोर दैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओकर भाग्य ओकर काज पर निर्भर करैत अछि | पश्चाताप के कारण दया आबि सकैत अछि, जखन कि लगातार दुष्टता न्याय के आनि दैत अछि। परमेश् वर विशेष रूप सँ यहूदा के आज्ञा नै मानला के संबोधित करै छै, ओकरा आसन्न विपत्ति के बारे में चेतावनी दै छै। लोक यिर्मयाह के चेतावनी के अस्वीकार करै छै आरू एकरऽ परिणामस्वरूप विनाश के सामना करै छै। विरोध के बीच यिर्मयाह न्याय के गुहार लगाबै छै आरू परमेश्वर के धार्मिकता पर भरोसा व्यक्त करै छै। ओ परमेश् वरक संदेश देबा मे वफादार रहैत अपन शत्रु सभक विरुद्ध प्रतिशोधक आह्वान करैत छथि। अध्याय में ईश्वरीय संप्रभुता आरू राष्ट्र के बीच पश्चाताप के आवश्यकता दोनों पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 18:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात करैत छथि आ हुनका लोक सभक लेल एकटा संदेश दैत छथिन।

1. परमेश् वरक निर्देशक पालन करब: यिर्मयाहक कथा

2. आज्ञाकारिता के शक्ति: यिर्मयाह के उदाहरण

1. यशायाह 50:4-7

2. मत्ती 7:24-27

यिर्मयाह 18:2 उठू आ कुम्हारक घर जाउ, आ ओतहि हम अहाँ केँ अपन बात सुनब।

यिर्मयाह 18:2 मे देल गेल अंश परमेश् वरक वचन सुनबाक लेल कुम्हारक घर जेबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. कुम्हारक घर: कठिन समय मे कृपा भेटब

2. परमेश् वरक वचन सुनब: मोक्षक बाट

1. यशायाह 64:8 - मुदा आब, हे प्रभु, अहाँ हमर सभक पिता छी। हम सभ माटि छी, आ अहाँ हमर सभक कुम्हार छी। हम सब अहाँक हाथक काज छी।

2. रोमियो 9:20-21 - मुदा, हे मनुष्य, अहाँ के छी जे परमेश् वर केँ उत्तर देब? जे ढालल गेल अछि से अपन ढालनिहार केँ कहत जे अहाँ हमरा एना किएक बनेलहुँ? की कुम्हार के माटि पर कोनो अधिकार नै छै, जे एकहि गांठ स एकटा बर्तन सम्मानजनक उपयोग के लेल आ दोसर बेइज्जत उपयोग के लेल बनाबय?

यिर्मयाह 18:3 तखन हम कुम्हारक घर दिस उतरलहुँ आ देखलहुँ जे ओ चक्का पर काज क’ रहल छलाह।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता एकटा कुम्हारक घर गेलाह आ हुनका चक्का पर काज करैत देखलनि।
967

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: यिर्मयाह 18:3 के अध्ययन

2. कुम्हार आ माटि केँ बुझब: यिर्मयाह 18:3 पर बाइबिल केर दृष्टिकोण

२. की कुम्हार के ई अधिकार नै छै कि वू एक ही माटी के गांठ सें कुछ माटी के बर्तन विशेष काम के लेलऽ आरू कुछ आम उपयोग के लेलऽ बनाबै के?"

2. यशायाह 64:8 - "तइयो हे प्रभु, अहाँ हमर सभक पिता छी। हम सभ माटि छी, अहाँ कुम्हार छी; हम सभ अहाँक हाथक काज छी।"

यिर्मयाह 18:4 ओ जे बर्तन माटि सँ बनौने छलाह, से कुम्हारक हाथ मे क्षतिग्रस्त भ’ गेल छल, तखन ओ ओकरा फेर सँ एकटा आओर बर्तन बना लेलनि, जेना कुम्हार केँ बनाबय मे नीक लागल।

यिर्मयाह 18:4 मे कुम्हार माटि सँ एकटा बर्तन बनबैत अछि, मुदा ओकर हाथ मे ओ खराब भ’ गेल अछि आ ओकरा फेर सँ एकटा अलग बर्तन बनाबय पड़ैत छैक।

1. कुम्हारक हाथ: भगवानक संप्रभुताक चिंतन

2. कुम्हारक हाथ मे बिगड़ल: मोक्षक एकटा पाठ

1. यशायाह 64:8 - "मुदा आब, हे प्रभु, अहाँ हमर सभक पिता छी; हम सभ माटि छी, आ अहाँ हमर सभक कुम्हार छी; आ हम सभ अहाँक हाथक काज छी।"

2. रोमियो 9:19-21 - "तखन अहाँ हमरा कहब जे, 'ओ एखनो दोष किएक पाबि रहल अछि? कारण ओकर इच्छा के विरोध केलक? मुदा, हे मनुष्य, अहाँ के छी जे परमेश् वरक विरुद्ध उत्तर दैत छी? की बनल वस्तु कहत।" एकरा बनौनिहार केँ, ‘अहाँ हमरा एना किएक बनौलहुँ?’ की कुम्हार केँ माटि पर, एकहि गांठ सँ, एकटा बर्तन केँ आदर-सत्कार करबाक लेल आ दोसर केँ अपमानित करबाक लेल करबाक अधिकार नहि छैक?”

यिर्मयाह 18:5 तखन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

भगवान् केरऽ रहस्यमय तरीका हमरा सिनी के समझ स॑ बाहर छै ।

1: प्रभु आ हुनकर रहस्यमयी मार्ग पर भरोसा करू, कारण ओ सबसँ नीक जनैत छथि।

2: प्रभुक बुद्धि पर भरोसा करू, कारण ओ सदिखन रहस्यमयी तरीका सँ काज करैत छथि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

2: यशायाह 55:8-9 - " किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचार।

यिर्मयाह 18:6 हे इस्राएलक घराना, की हम अहाँ सभक संग एहि कुम्हार जकाँ क’ सकैत छी? प्रभु कहैत छथि। हे इस्राएलक घराना, देखू, जेना माटि कुम्हारक हाथ मे अछि, तहिना अहाँ सभ हमर हाथ मे छी।

भगवान् के नियंत्रण में छै आरू ओकरा में ई शक्ति छै कि वू हमरा सिनी के साथ जे भी चाहै छै, वू करी सकै छै।

1: हम सभ कुम्हारक हाथ मे माटि छी - यिर्मयाह 18:6

2: परमेश् वरक सार्वभौमिकता - यिर्मयाह 18:6

1: रोमियो 9:20-21 - मुदा हे मनुख, अहाँ के छी जे परमेश् वर केँ उत्तर देब? जे ढालल गेल अछि से अपन ढालनिहार केँ कहत जे अहाँ हमरा एना किएक बनेलहुँ? की कुम्हार के माटि पर कोनो अधिकार नै छै, जे एकहि गांठ स एकटा बर्तन सम्मानजनक उपयोग के लेल आ दोसर बेइज्जत उपयोग के लेल बनाबय?
2: यशायाह 64:8 - मुदा आब, हे प्रभु, अहाँ हमर सभक पिता छी। हम सभ माटि छी, आ अहाँ हमर सभक कुम्हार छी। हम सब अहाँक हाथक काज छी।
यिर्मयाह 18:7 हम कोन क्षण कोनो जाति आ राज्यक विषय मे कहब जे ओकरा उखाड़ब आ उखाड़ि कऽ नष्ट करब।
परमेश् वर के ई अधिकार छै कि वू राष्ट्र आरू राज्य के काम में हस्तक्षेप करी क॑ ओकरा नष्ट करी दै ।
1. राष्ट्र पर परमेश् वरक शक्ति: विनम्रताक आह्वान
2. संप्रभुता आ विनम्रता: यिर्मयाह 18 सँ सीख
1. यिर्मयाह 18:7-10
2. यशायाह 10:5-7
यिर्मयाह 18:8 जँ ओ जाति, जकरा विरुद्ध हम कहलहुँ अछि, अपन दुष्टता सँ हटि जायत तँ हम ओहि दुष्टताक लेल पश्चाताप करब जे हम ओकरा सभक संग करबाक लेल सोचलहुँ।
परमेश् वर हुनका सभ केँ माफ करबा लेल तैयार छथि जे अपन कुरीति बाट सँ मुड़ि लैत छथि।
1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि
2. पश्चाताप करू आ क्षमा प्राप्त करू
1. लूका 15:11-32 (उड़ल पुत्रक दृष्टान्त)
2. यशायाह 1:16-20 (पश्चाताप करबाक लेल परमेश्वरक आह्वान)
यिर्मयाह 18:9 हम कोन क्षण कोनो जाति आ राज्यक विषय मे कहब जे ओकर निर्माण आ रोपब करब। अंश राष्ट्र के निर्माण आरू रोपनी करै के परमेश्वर के शक्ति के बात करै छै।
1. राष्ट्रक स्थापना करबाक भगवानक शक्ति
2. राष्ट्र पर परमेश् वरक अधिकारक संभावित प्रभाव
1. यशायाह 40:28-31 - ब्रह्माण्ड के पोषण करय वाला के रूप में परमेश्वर
2. भजन 33:12-15 - सृष्टि आ इतिहास मे परमेश्वरक सार्वभौमिकता
यिर्मयाह 18:10 जँ ओ हमर नजरि मे अधलाह काज करैत अछि आ हमर आवाज नहि मानैत अछि, तखन हम ओहि नीक काज पर पश्चाताप करब, जाहि सँ हम कहलहुँ जे हम हुनका सभ केँ लाभ पहुँचाबनि।
भगवान् लोकक वादा कयल गेल आशीर्वाद केँ निरस्त क' देताह जँ लोक हुनकर आवाजक अवहेलना करत।
1. परमेश् वरक भलाई: परमेश् वरक उदारता आ अपन लोकक प्रति करुणा।
2. परमेश् वरक आवाजक आज्ञा मानब: आज्ञा नहि मानबक परिणाम।

1. लूका 6:35 36 मुदा अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, नीक करू आ उधार दिअ, बदला मे किछु नहि आशा करू। अहाँक इनाम बहुत बेसी होयत, आ अहाँ सभ परमेश् वरक संतान बनब, किएक तँ ओ कृतघ्न आ दुष् ट लोकक प्रति दयालु छथि। जहिना अहाँक पिता दयालु छथि तहिना दयालु रहू।

2. यशायाह 1:18 19 आब आउ, आउ, एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि। अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत। जँ अहाँ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक-नीक चीज खाएब।

यिर्मयाह 18:11 आब जाउ, यहूदाक लोक सभ आ यरूशलेमक निवासी सभ सँ ई कहब जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभक विरुद्ध अधलाह बना रहल छी आ अहाँ सभक विरुद्ध एकटा योजना बना रहल छी।

प्रभु यहूदा के आदमी आरू यरूशलेम के निवासी सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि वू अपनऽ बुराई के रास्ता छोड़ी क॑ अपनऽ रास्ता आरू काम क॑ अच्छा बनाबै।

1. पश्चाताप के शक्ति - प्रभु हमरा सब के अपन पाप स मुँह घुमाबय लेल आ ओकर बदला में नीक करय लेल बजा रहल छथि।

2. सही चुनाव करब - हमरा सभ केँ धर्मक मार्ग चुनबाक चाही, कारण ई हमरा सभ केँ सच्चा आनन्द आ शांति दिस ल' जाइत अछि।

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

यिर्मयाह 18:12 ओ सभ कहलथिन, “कोनो आशा नहि अछि, मुदा हम सभ अपन-अपन मनक अनुसार चलब, आ सभ कियो अपन दुष्ट हृदयक कल्पना करब।”

लोक अपन पाप मार्ग पर चलबाक आ अपन दुष्ट हृदय जे चाहैत अछि से करबाक लेल संकल्पित अछि ।

1. अपन इच्छाक पालन नहि करू- यिर्मयाह 18:12

2. अपन उपकरणक पालन करबाक खतरा- यिर्मयाह 18:12

1. नीतिवचन 16:25- "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. रोमियो 8:7- "कारण शरीर पर विचार मृत्यु अछि, मुदा आत्मा पर विचार जीवन आ शान्ति अछि।"

यिर्मयाह 18:13 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। आब अहाँ सभ जाति-जाति मे सँ पूछू जे एहि तरहक बात के सुनने अछि।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे विधर्मी सभ सँ पूछू जे की ओ सभ कहियो एहन भयावह काज सुनने छथि जे इस्राएलक कुमारि कन्या केने छथि।

1. पापक परिणाम - यिर्मयाह 18:13

2. पश्चाताप के शक्ति - यिर्मयाह 18:11-12

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, भले ओ किरमिजी जकाँ लाल हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

2. लूका 13:3 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे नहि, मुदा, जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत धरि अहाँ सभ तहिना नाश भ' जायब।"

यिर्मयाह 18:14 की केओ लेबनानक बर्फ छोड़ि देत जे खेतक चट्टान सँ अबैत अछि? आकि दोसर ठामसँ अबैत ठंढा बहैत पानि छोड़ि देल जायत?

भगवान पूछै छै कि लेबनान स॑ निकलै वाला बर्फ आरू दोसरऽ जगह स॑ बहय वाला ठंडा पानी क॑ छोड़ै लेली कोय तैयार छै कि नै ।

1. ईश्वरीय प्रावधानक शक्ति

2. भगवान् के दया के प्रचुरता

1. भजन 65:9-13

2. यशायाह 43:19-21

यिर्मयाह 18:15 हमर लोक हमरा बिसरि गेल अछि, तेँ ओ सभ धूप-दीप जरा देलक, आ ओकरा सभ केँ प्राचीन बाट सँ अपन बाट मे ठोकर खाय देलक, बाट पर चलय लेल, जाहि तरहेँ नहि फेकल गेल हो।

भगवानक लोक हुनका बिसरि गेल छथि आ प्राचीन बाट सँ भटकि गेल छथि, हुनका द्वारा नहि बनल बाट पर चलि गेल छथि |

1. भगवान् के बिसरबाक खतरा

2. प्राचीन मार्गक प्रति निष्ठावान रहब

1. व्यवस्था 6:12 तखन सावधान रहू जे अहाँ सभ प्रभु केँ नहि बिसरि जायब जे अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ गुलामीक घर सँ बाहर निकालने छलाह।

2. भजन 119:105 अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट पर इजोत अछि।

यिर्मयाह 18:16 हुनका सभक देश केँ उजाड़ बनाबय लेल आ सदिखन सिसकी मारय लेल। जे कियो ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि से आश्चर्यचकित भऽ जायत आ माथ हिलाओत।”

ई अंश परमेश् वर के आज्ञा नै मानला के परिणाम के बारे में बात करै छै, जे कि कोनो जगह के उजाड़ बनाना आरू लाज लाना छै।

1. भगवानक आज्ञा नहि मानबाक खतरा: जखन हम सभ भगवानक आज्ञाक उपेक्षा करैत छी तखन की होइत अछि

2. परमेश् वरक आज्ञा मानबाक आशीर्वाद: परमेश् वरक इच्छाक पालन करबाक फल

1. नीतिवचन 28:9 - "जे केओ व्यवस्थाक प्रति बहीर कान करैत अछि, ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि"।

2. गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि। किएक तँ मनुष् य जे किछु बोओत, से काटि सेहो काटि लेत"।

यिर्मयाह 18:17 हम ओकरा सभ केँ ओहिना छिड़िया देब जेना पूबक हवा मे अबैत अछि। हम हुनका सभक विपत्तिक दिन हुनका सभ केँ मुँह नहि, पीठ देखा देबनि।

भगवान् दुष्ट के रक्षा नै करतै बल्कि ओकरो बदला में ओकरा ओकरोॅ विपत्ति के समय में ओकरोॅ दुश्मन के सामने उजागर करी देतै।

1. दुष्टक अंत: अपश्चाताप के पाप के परिणाम

2. अधर्मक परमेश् वरक न्याय

1. भजन 1:1-6

2. यशायाह 3:10-11

यिर्मयाह 18:18 तखन ओ सभ कहलथिन, “आउ, यिर्मयाहक विरुद्ध योजना बनाबी। कारण, धर्म-नियम पुरोहितक दिस सँ नहि खतम होयत, आ ने ज्ञानी सभक सलाह आ ने भविष्यवक्ता द्वारा वचन। आऊ, ओकरा जीह सँ मारि दियौक, आ ओकर कोनो बात पर ध्यान नहि दियौक।

यिर्मयाह के समय के लोग ओकरऽ बात के बदनाम करै के तरीका खोजै के कोशिश करी रहलऽ छै आरू ओकरा भविष्यवक्ता के रूप में बदनाम करै के कोशिश करी रहलऽ छै ।

1) परमेश् वरक वचन अनन्त अछि - यिर्मयाह 18:18

2) परमेश्वर के संदेश के अस्वीकार करला स विपत्ति होयत - यिर्मयाह 18:18

1) भजन 119:152 - "हम अहाँक गवाही सँ बहुत दिन सँ जनैत छी जे अहाँ ओकरा सभ केँ अनन्त काल धरि स्थापित क' देलहुँ।"

2) यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

यिर्मयाह 18:19 हे परमेश् वर, हमरा पर ध्यान दिअ, आ हमरा संग झगड़ा करयवला सभक आवाज सुनू।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ निहोरा करैत छथि जे हुनका आ हुनकर विरोध करय बला सभक आवाज सुनू।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ब

2. कठिन समय मे प्रार्थना के शक्ति

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 18:20 की नीकक बदला मे अधलाहक बदला भेटत? किएक तँ ओ सभ हमर प्राणक लेल गड्ढा खोदने अछि। मोन राखू जे हम अहाँक सोझाँ ठाढ़ छलहुँ जे हुनका सभक लेल नीक बाजब, आ अहाँक क्रोध हुनका सभ सँ दूर करबाक लेल।

भगवान् नीक के बदला बुराई के इनाम नहि देथिन। ओ हमरा सभक जे नीक काज दोसरक लेल केने छी से मोन राखताह आ ओकरा सभ केँ अपन क्रोध सँ बँचताह।

1. नीक जीवन जीबाक फल।

2. हमर सभक नीक काजक स्मरण करबा मे भगवानक दया।

1. भजन 34:12-14 "ओ कोन मनुष्य अछि जे जीवनक इच्छा करैत अछि आ बहुत दिन प्रेम करैत अछि, जाहि सँ ओ नीक देखय? अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ अपन ठोर केँ छल-प्रपंच सँ बचाउ। अधलाह सँ हटि क' नीक काज करू। खोजू।" शांति, आ ओकर पाछाँ लागब।"

2. मत्ती 5:7 "धन्य छथि दयालु, किएक तँ ओ सभ दया पाबि लेताह।"

यिर्मयाह 18:21 तेँ अपन बच्चा सभ केँ अकाल मे सौंपि दियौक आ तलवारक बल मे ओकर सभक खून बहाउ। पत्नी सभ अपन संतान सँ वंचित रहथि आ विधवा बनि जाथि। आ ओकरा सभक लोक सभ केँ मारल जाय। युद्ध मे हुनका लोकनिक युवक तलवार सँ मारल जाय।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन बच्चा सभ केँ अकाल मे सौंपि दियौक आ अपन आदमी सभ केँ तलवार सँ मारि दियौक।

1. भगवानक अटूट न्याय

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

२.

2. इजकिएल 33:11 - हुनका सभ केँ कहू जे, “जखन हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीवित रहय। पाछू घुमि कऽ अपन अधलाह बाट छोड़ि दियौक, हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब?

यिर्मयाह 18:22 जखन अहाँ हुनका सभ पर अचानक दल आनि देब तखन हुनका सभक घर सँ एकटा चीत्कार सुनल जाय, किएक तँ ओ सभ हमरा पकड़बाक लेल गड्ढा खोदने अछि आ हमर पएर लेल जाल नुका देने अछि।

यिर्मयाह चेतावनी दै छै कि जे लोग ओकरा नुकसान पहुँचैना चाहै छै, ओकरा सिनी के अचानक विनाश आबै वाला छै।

1. भगवानक लोकक विरुद्ध साजिश रचबाक खतरा

2. परमेश् वरक न्यायक निश्चय

1. नीतिवचन 1:10-19, परमेश् वरक चेतावनी सभक सरलता केँ बुझैत।

2. भजन 9:15-16, दुष्टक लेल परमेश् वरक न्याय।

यिर्मयाह 18:23 तइयो हे प्रभु, हमरा मारबाक लेल हुनकर सभक सभटा सलाह अहाँ जनैत छी। अपन क्रोधक समय मे हुनका सभक संग एहि तरहेँ व्यवहार करू।

यिर्मयाह प्रभु सँ निहोरा करै छै कि वू अपनऽ अत्याचारी सिनी के अपराध के माफ नै करै, बल्कि ओकरऽ बदला में ओकरा सिनी के क्रोध में न्याय करै।

1. पापक खतरा आ परमेश् वरक न्याय

2. हमर जीवन मे न्याय आ दया

1. नीतिवचन 11:21 - भले हाथ जोड़ल जाय, मुदा दुष्ट केँ दंड नहि भेटतैक, मुदा धर्मी लोकक वंश उद्धार होयत।

2. मीका 7:18-19 - तोरा सन के परमेश् वर छथि जे अधर्म केँ क्षमा करैत छथि आ अपन धरोहरक शेष लोकक अपराध सँ गुजरैत छथि? ओ अपन क्रोध अनन्त काल धरि नहि राखैत अछि, कारण ओ दया मे आनन्दित होइत अछि। ओ फेर घुमि जेताह, हमरा सभ पर दया करत; ओ हमरा सभक अधर्म केँ वश मे क’ देत। आ अहाँ हुनका सभक सभ पाप केँ समुद्रक गहींर मे फेकि देबनि।

यिर्मयाह अध्याय 19 में यिर्मयाह द्वारा एक जीवंत भविष्यवाणी के काम के वर्णन छै जे यरूशलेम के लगातार मूर्तिपूजा आरू आज्ञा नै मानला के कारण आसन्न विनाश के प्रतीक के रूप में करलकै।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ माटिक जारनि ल’ क’ बेन हिनोमक घाटी मे जेबाक निर्देश दैत छथि (यिर्मयाह 19:1-3)। ओतय ओकरा यहूदा आरू ओकरोॅ नेता सिनी के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के संदेश के घोषणा करै के छै। यरूशलेम पर आबै वाला आसन्न विनाश के निशानी के रूप में ओकरा जार तोड़ै के भी आज्ञा देलऽ गेलऽ छै।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेन हिन्नोम के घाटी में परमेश्वर के संदेश दैत छैथ (यिर्मयाह 19:4-9)। ओ चेतावनी दैत छथि जे यहूदा परमेश् वर केँ छोड़ि कऽ झूठ देवता सभक आराधना कएने अछि आ एहि घाटी मे निर्दोष खून बहौने अछि, तेँ ई उजाड़क स्थान बनि जायत। शहर नष्ट भ’ जायत, आ ओकर निवासी केँ विपत्तिक सामना करय पड़तैक।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेन हिनोम के घाटी स वापस आबि यहूदा के खिलाफ आगू के न्याय के घोषणा करैत छथि (यिर्मयाह 19:10-13)। ओ यरूशलेमक मन् दिरक प्रवेश द्वार पर ठाढ़ भऽ घोषणा करैत छथि जे जहिना ओ माटिक जारनि तोड़ि देलनि, तहिना परमेश् वर यरूशलेम केँ तोड़ि देताह। एकर विनाश एतेक पूर्ण होयत जे ई भयावह वस्तु बनि जायत ।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन यिर्मयाह के अपन दुश्मन स मुक्ति के लेल प्रार्थना स होइत अछि (यिर्मयाह 19:14-15)। ओ अपन जान तकनिहार सभक प्रति प्रतिशोध माँगैत छथि किएक तँ ओ निष्ठापूर्वक परमेश् वरक संदेश देलनि। यिर्मयाह परमेश् वरक न्याय पर अपन भरोसा व्यक्त करैत छथि आ अपन विरोधी सभ सँ बदला लेबाक आह्वान करैत छथि।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के उन्नीस अध्याय में यिर्मयाह द्वारा एक भविष्यवाणी के काम के चित्रण करलऽ गेलऽ छै जे यरूशलेम के लगातार मूर्तिपूजा के कारण आसन्न विनाश के प्रतीक छेकै । परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ माटिक जारनि लऽ कऽ बेन हिन्नोमक घाटी मे अपन संदेशक घोषणा करथि। ओ यहूदा पर आबै वाला उजाड़पन के बारे में चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि वू ओकरा छोड़ी कॅ निर्दोष खून बहाय देलकै। ओतय सँ घुरैत यिर्मयाह आगूक न्यायक घोषणा करैत छथि, घोषणा करैत छथि जे जहिना ओ माटिक जारनि केँ तोड़ि देलनि, तहिना परमेश् वर यरूशलेम केँ तोड़ि देताह। शहर कए पूर्ण विनाश क सामना करय पड़त। अध्याय के समापन यिर्मयाह के मुक्ति के प्रार्थना के साथ होय छै, जेकरा में वू अपनऽ दुश्मनऽ के खिलाफ बदला लेबै के आग्रह करै छै। भगवान् के न्याय पर भरोसा व्यक्त करै छै आरू नुकसान चाहै वाला के बदला लेबै के आह्वान करै छै। अध्याय में ईश्वरीय निर्णय आरू लगातार आज्ञा नै मानला के परिणाम दोनों पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 19:1 परमेश् वर ई कहैत छथि जे, जाउ, कुम्हारक माटिक डिब्बा लऽ कऽ जाउ, आ लोकक प्राचीन आ पुरोहितक प्राचीन लोक सभ मे सँ किछु लऽ लिअ।

प्रभु यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथिन जे कुम्हारक माटिक बोतल लऽ कऽ लोकक किछु बुजुर्ग आ पुरोहितक बुजुर्ग सभ केँ लऽ जाउ।

1. परमेश् वरक निर्देशक पालन आज्ञापालनक संग करबाक अछि

2. धार्मिक नेता के सम्मान के महत्व

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. 1 पत्रुस 2:17 - सभ लोकक आदर करू। भाईचारा से प्रेम। भगवान् से भय। राजा के सम्मान करू।

यिर्मयाह 19:2 आ हिन्नोमक पुत्रक घाटी मे जाउ जे पूरब फाटक प्रवेश द्वार पर अछि आ ओतय ओ बात सभ प्रचार करू जे हम अहाँ केँ कहब।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ हिन्नोमक पुत्रक घाटी मे जा कऽ हुनका कहल गेल बात सभक घोषणा करबाक निर्देश दैत छथि।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति - परमेश् वरक वचनक महत्व केँ बुझू आ ओकरा हमरा सभक जीवन केँ कोना प्रभावित करबाक चाही।

2. घोषणा के आह्वान - दुनिया के सामने परमेश्वर के वचन के घोषणा के महत्व के खोज करना।

1. यहोशू 8:14-15 - "आइ के राजा जखन ई देखलकै तऽ ओ सभ जल्दी-जल्दी उठि गेलाह आ नगरक लोक सभ आ ओकर सभ लोक इस्राएलक विरुद्ध युद्ध करबाक लेल निकलि गेलाह।" , मैदानक आगू मे निर्धारित समय मे;

2. भजन 107:2 - "प्रभु द्वारा मुक्त कयल गेल लोक सभ एना कहय, जकरा ओ शत्रु के हाथ सँ मुक्त क' देने छथि;"

यिर्मयाह 19:3 आ कहू जे, हे यहूदाक राजा आ यरूशलेम मे रहनिहार, अहाँ सभ परमेश् वरक वचन सुनू। सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम एहि स्थान पर अधलाह आनि देब, जे केओ सुनत, ओकर कान झुनझुना जायत।

सेना के प्रभु, इस्राएल के परमेश् वर, घोषणा करै छै कि वू यहूदा के राजा आरू यरूशलेम के निवासी सिनी पर बुराई लानी देतै।

1. पीड़ा आ दुख अनबाक लेल इच्छुक प्रभु

2. परमेश् वरक वचनक कठिनाईक बादो मानब

1. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

2. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

यिर्मयाह 19:4 किएक तँ ओ सभ हमरा छोड़ि कऽ एहि स्थान केँ विरक्त कऽ देलक आ एहि मे दोसर देवता सभक लेल धूप जरा देलक, जिनका ने ओ सभ आ ने ओकर पूर्वज, आ ने यहूदाक राजा सभ जनैत छल, आ एहि स्थान केँ खून सँ भरि देलक निर्दोष लोक सभ;

यहूदा के लोग परमेश् वर के छोड़ी कॅ दोसरो देवता सिनी के धूप जलाबै के काम निर्दोष के खून सें देश भरलो छै।

1. पापक मार्ग: भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

2. मूर्तिपूजाक मूल्य: मिथ्या देवताक पूजाक विनाशकारी परिणाम

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 19:5 ओ सभ बालक ऊँच स्थान सभ सेहो बनौने छथि जे बालक होमबलि मे अपन बेटा सभ केँ आगि मे जराबथि, जे हम नहि आज्ञा देलहुँ आ ने कहलहुँ आ ने हमरा मोन मे आयल।

लोक सभ अपन बेटा सभकेँ बलिदानक रूपमे जरा कऽ बालक आराधना कऽ रहल अछि, जकर आज्ञा परमेश् वर नहि केने छलाह।

1. विद्रोही संसार मे भगवानक दया आ कृपा

2. झूठ मूर्ति के अस्वीकार करब: विद्रोह स बेसी आज्ञाकारिता के चयन करब

२ यीशु मसीह हमरा सभक प्रभुक द्वारा।”

2. यशायाह 44:9-20 - "ओ सभ जे मूर्ति बनबैत अछि, ओ सभ व्यर्थ अछि, आ ओकर स्वादिष्ट वस्तु सभ कोनो लाभ नहि करत, आ ओ सभ अपन गवाह छथि; ओ सभ नहि देखैत छथि आ नहि जनैत छथि, जाहि सँ ओ सभ लजथि।" के देवता बनौने छै आकि कोनो उकेरल मूर्ति के पिघलने छै जे बेकार मे नहि? डरू, आ दुनू गोटे एक संग लज्जित भ’ जेताह।”

यिर्मयाह 19:6 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जे एहि स्थानक नाम आब तोफेत नहि होयत आ ने हिन्नोमक पुत्रक घाटी, बल् कि वधक घाटी।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे तोफेत आ हिन्नोमक पुत्रक उपत्यकाक नाम बदलि कऽ वधक घाटी राखल जायत।

1. परमेश् वरक आगामी न्याय

2. वधक घाटी: भगवानक क्रोधक चेतावनी

1. यशायाह 66:24 - ओ सभ बाहर जा कऽ हमरा विरुद्ध अपराध करयवला लोक सभक शव दिस तकत, कारण ओकर कीड़ा नहि मरत आ ने ओकर आगि बुझत। ओ सभ मनुखक लेल घृणित होयत।

2. इजकिएल 7:23 - एकटा जंजीर बनाउ, कारण देश खूनी अपराध सँ भरल अछि, आ शहर हिंसा सँ भरल अछि।

यिर्मयाह 19:7 हम एहि ठाम यहूदा आ यरूशलेमक सलाह केँ अमान्य क’ देब। हम ओकरा सभ केँ शत्रु सभक सोझाँ तलवार सँ मारि देबनि आ ओकर सभक लाश केँ हम स् वर्गक चिड़ै सभ आ पृथ् वीक जानवर सभक लेल भोजन बना देब।”

भगवान् पाप के मृत्यु के सजा दैत छथिन।

1: हमरा सभ केँ ई नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् न्यायी छथि आ हुनका अस्वीकार करयवला केँ सजा देताह।

2: हमरा सभकेँ अपन काजक परिणामक प्रति सजग रहबाक चाही आ क्षमाक लेल भगवान् दिस घुमबाक चाही।

1: इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ अपन सभ अपराध केँ दूर कऽ दियौक। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

2: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ से नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यिर्मयाह 19:8 हम एहि शहर केँ उजाड़ आ सिसकी मारब। जे कियो ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि, ओकर सभ विपत्तिक कारणेँ आश्चर्यचकित भ’ जायत आ सिसकी मारत।

परमेश् वर यरूशलेम केँ उजाड़ आ सिसकी मारैत जगह बना देताह, आ जे कियो ओहि ठाम सँ गुजरत, से ओकर विपत्ति सँ आश्चर्यचकित भऽ कऽ सिसकी मारत।

1. पापक विपत्ति: अपन कर्म के परिणाम के बुझब

2. परमेश् वरक शक्ति: प्रभुक भय हमरा सभ केँ हुनकर संप्रभुताक स्मरण कोना दऽ सकैत अछि

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. भजन 83:18 - ताकि मनुष्य ई जानि सकय जे अहाँ, जिनकर नाम मात्र प्रभु अछि, समस्त पृथ्वी पर सर्वोच्च छी।

यिर्मयाह 19:9 हम ओकरा सभ केँ अपन बेटा आ बेटीक मांस खाय देब, आ ओ सभ अपन मित्रक मांस खाएत, जे घेराबंदी आ संकीर्णता मे होयत, जाहि मे ओकर शत्रु आ अपन जान चाहनिहार सभ होयत, ओकरा सभकेँ संकुचित करत।

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि जे हुनका छोड़ी दै छै, ओकरा अपनऽ बच्चा के नरभक्षी बनाबै लेली मजबूर करी क॑ सजा देतै ।

1. प्रभुक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. जीवन आ मृत्युक बीचक चुनाव: आज्ञापालनक आशीर्वाद

1. लेवीय 18:21 - अहाँ अपन कोनो वंशज केँ आगि मे सँ मोलेक धरि नहि जाय दियौक आ ने अपन परमेश् वरक नाम केँ अपवित्र करू।

2. व्यवस्था 30:19 - हम स्वर्ग आ पृथ्वी केँ बजाबैत छी जे आइ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि जे हम अहाँक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप दैत छी, तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक वंशज दुनू जीवित रहब।

यिर्मयाह 19:10 तखन अहाँ अपन संग जे लोक सभक नजरि मे बोतल तोड़ि देब।

यहूदा के लोग सिनी कॅ आज्ञा देलऽ गेलऽ छै कि वू अपनऽ आसन्न विनाश के निशानी के रूप में माटिक बर्तन के जार तोड़ी दै।

1: विनाश तखन अपरिहार्य होइत अछि जखन हमर पाप हमरा सभ परमेश् वरक आज्ञाक अनदेखी करबाक कारण बनबैत अछि।

2: परमेश् वरक चेतावनी पर हमर सभक प्रतिक्रिया आज्ञापालन आ पश्चाताप हेबाक चाही।

1: व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक चेतावनी जे इस्राएलक लोक सभ पर जे विनाश होयत जँ ओ सभ हुनकर आज्ञा नहि मानत।

2: इजकिएल 18:30-32 - इस्राएलक लोक सभ केँ परमेश् वरक आह्वान जे ओ पश्चाताप करथि आ पाप सँ मुँह फेरबथि।

यिर्मयाह 19:11 आ हुनका सभ केँ कहथिन जे, “सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। तहिना हम एहि लोक आ एहि नगर केँ तोड़ब, जेना कुम्हारक बर्तन केँ तोड़ि दैत अछि जे फेर सँ ठीक नहि भ' सकैत अछि।

प्रभु घोषणा करै छै कि वू यरूशलेम आरू ओकरऽ लोगऽ क॑ ऐन्हऽ तोड़ी देतै जेना कि कोय कुम्हार माटी के जार क॑ चकनाचूर करी रहलऽ होय, आरू जे रहतै ओकरा तोफेत म॑ दफनालऽ जैतै जब॑ तलक कि कोय जगह नै रहतै।

1. यिर्मयाह 19:11 के परखैत परमेश्वर के न्याय के वास्तविकता

2. यिर्मयाह 19:11 मे तोफेत के महत्व के उजागर करय वाला परमेश् वर के क्रोध के शक्ति

1. रोमियो 2:5-6 मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत। ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार बदला देत।

2. यशायाह 51:17-18 हे यरूशलेम, जागू, जागू, ठाढ़ रहू, अहाँ जे प्रभुक हाथ सँ हुनकर क्रोधक प्याला पीने छी, जे कटोरा, डगमगाइत प्याला मल तक पीने छी। ओकरा जेतना बेटा भेलै, ओकरा मे ओकर मार्गदर्शन करयवला कियो नहि; ओकर पालन-पोषणक सभ बेटा मे हाथ पकड़य बला कियो नहि अछि।

यिर्मयाह 19:12 हम एहि स्थान आ ओहि ठामक निवासी सभक संग एहि तरहेँ करब आ एहि नगर केँ तोफेत बना देब।

परमेश् वर एहि नगरक निवासी सभ केँ तोफेत जकाँ बना कऽ सजा देताह।

1. प्रभुक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक न्याय: हम सभ जे बोबैत छी से काटि लेब

1. इजकिएल 24:13 - हमर क्रोध एहि तरहेँ पूरा होयत, आ हम हुनका सभ पर अपन क्रोध उत्पन्न करब, आ हमरा सान्त्वना भेटत, आ ओ सभ बुझताह जे हम प्रभु ई बात अपन उत्साह मे कहलहुँ, जखन हम पूरा क’ लेब हुनका सभ मे हमर क्रोध।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 19:13 यरूशलेमक घर आ यहूदाक राजा सभक घर तोफेतक स्थान जकाँ अशुद्ध भ’ जायत, कारण ओहि सभ घर सभक कारणेँ जकर छत पर ओ सभ स्वर्गक समस्त सेना केँ धूप जरा कऽ ढारि देने छथि बाहर अन्य देवता सभक लेल पेय प्रसाद।

यरूशलेम आ यहूदा के घर मूर्तिपूजा, धूप जलाबै आरू अन्य देवता सिनी के पेयबलि डालै के कारण अशुद्ध होय गेलऽ छेलै।

1: मूर्तिपूजा भगवानक समक्ष घृणित काज अछि आ एकर कारण अशुद्धता आ परिणाम होइत अछि।

2: हमरा सभकेँ असगर भगवानक आदर आ आराधना करबाक चाही आ मूर्तिपूजाकेँ अस्वीकार करबाक चाही।

1: व्यवस्था 6:13-14 अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब आ हुनकर सेवा करू आ हुनकर नामक शपथ खाउ। अहाँ सभ आन देवताक पाछाँ नहि जायब, जे अहाँक आसपासक लोक सभक देवता अछि।

2: निष्कर्ष 20:3-5 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी पर अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि। अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने हुनकर सेवा करब।

यिर्मयाह 19:14 तखन यिर्मयाह तोफेत सँ आबि गेलाह, जतय परमेश् वर हुनका भविष्यवाणी करबाक लेल पठौने छलाह। ओ परमेश् वरक घरक आँगन मे ठाढ़ भऽ गेलाह। ओ सभ लोक केँ कहलथिन, “

यिर्मयाह परमेश् वर द्वारा तोफेत मे पठाओल गेलाक बाद परमेश् वरक घरक आँगन मे लोक सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अप्रत्याशित तरीका सँ अपन सत्य बजबाक आ अपन योजना केँ आगू बढ़ेबाक लेल उपयोग करैत छथि।

2. परमेश् वरक आह्वानक आज्ञापालन हमरा सभक लेल हुनकर उद्देश्यक सेवा करबाक लेल आवश्यक अछि।

1. यशायाह 6:8 - तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठाबी? आ हमरा सभक लेल के जायत। आ हम कहलियनि, एतय हम छी, हमरा पठाउ!

2. प्रेरित 9:15-16 - मुदा प्रभु अननिया सँ कहलथिन, “जाउ! ई आदमी हमर चुनल वाद्ययंत्र अछि जे हम गैर-यहूदी आ ओकर राजा सभ आ इस्राएलक लोक सभक सामने हमर नामक प्रचार करब। हम हुनका देखा देबनि जे हमरा नामक लेल हुनका कतेक कष्ट भोगय पड़तनि।

यिर्मयाह 19:15 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम एहि नगर आ ओकर सभ नगर पर ओहि सभटा दुष् टता केँ आनि देब जे हम ओकरा विरुद्ध कहने छी, किएक तँ ओ सभ अपन गर्दन कठोर कऽ लेने अछि जाहि सँ ओ सभ हमर बात नहि सुनि सकय।”

सेना के प्रभु आरू इस्राएल के परमेश् वर घोषणा करै छै कि वू जे भी बुराई के घोषणा करलकै, ओकरा यरूशलेम आरू ओकरोॅ शहरो पर लानी देतै, कैन्हेंकि वू ओकरो वचन सुनै सें मना करी देलकै।

1. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक अछि

2. भगवान् केरऽ आज्ञा नै मानला स॑ परिणाम आबै छै

978

1. यूहन्ना 14:15 "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करू।"

2. नीतिवचन 1:25-33 "मुदा चूँकि अहाँ हमर आवाज सुनबा सँ मना करैत छी आ हम हाथ बढ़बैत काल केओ ध्यान नहि दैत अछि, तेँ अहाँ हमरा फोन करब मुदा हम कोनो उत्तर नहि देब; अहाँ हमरा ताकब मुदा नहि भेटत।" हम."

यिर्मयाह अध्याय २० म॑ यिर्मयाह क॑ एगो भविष्यवक्ता के रूप म॑ सामना करलऽ गेलऽ व्यक्तिगत संघर्ष आरू उत्पीड़न के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, साथ ही साथ परमेश्वर के संदेश पहुँचै लेली ओकरऽ अटूट प्रतिबद्धता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: पशूर, जे मंदिर मे एकटा पुरोहित आ अधिकारी छथि, यिर्मयाह के यरूशलेम के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी करैत सुनैत छथि (यिर्मयाह 20:1-2)। क्रोध सँ ओ यिर्मयाह केँ बिन्यामीन केर ऊपरी फाटक पर पीटि क' स्टॉक मे राखि दैत छथि।

2 पैराग्राफ: दोसर दिन जखन पशूर यिर्मयाह के स्टॉक स मुक्त करैत छथि त यिर्मयाह हुनकर सामना एकटा नव भविष्यवाणी के संदेश स करैत छथि (यिर्मयाह 20:3-6)। ओ पशूर के नाम बदलि क "हर तरफ आतंक" राखि भविष्यवाणी करैत अछि जे ओकरा अपन परिवार आ मित्रक संग बेबिलोन पकड़ि लेत। यरूशलेम के खजाना सेहो छीन लेल जायत।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह एकटा भविष्यवक्ता के रूप में अपन बजाओल गेला स अपन पीड़ा आ कुंठा व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 20:7-10)। ओ परमेश् वर सँ ई शिकायत करैत अछि जे धोखा खा कऽ भविष्यवक्ता बनि गेल आ दोसरक उपहास कयल गेल। भगवान् केरऽ वचन बजना बंद करै के इच्छा के बावजूद भी वू ओकरा रोकी नै सकै छै, कैन्हेंकि ओकरा भीतर आगी जलाबै के समान छै ।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह अपन जन्मक दिन केँ गारि पढ़ैत छथि (यिर्मयाह 20:14-18)। ओ परमेश् वरक संदेश बजबाक कारणेँ जे कष् ट सहैत अछि ताहि पर विलाप करैत अछि। हुनकर इच्छा छनि जे जन्महि मे कहियो जन्म नहि भेल रहितथि आ नहि मरि गेल रहितथि जाहि सँ एहन पीड़ा आ उपहासक सामना नहि करय पड़ितनि ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के बीस अध्याय में यिर्मयाह के सामना करलऽ गेलऽ व्यक्तिगत संघर्ष आरू भविष्यवाणी करै के प्रति ओकरऽ अटूट प्रतिबद्धता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । यरूशलेम के खिलाफ भविष्यवाणी करै के कारण पशूर यिर्मयाह के पीटै छै आरू जेल में डालै छै। रिहाई पर यिर्मयाह एकटा आओर भविष्यवाणी करैत छथि, जाहि मे पशूर केँ बेबिलोन द्वारा पकड़बाक भविष्यवाणी कयल गेल अछि। यिर्मयाह अपन बुलावा पर पीड़ा व्यक्त करैत छथि, धोखा आ उपहासक शिकायत करैत छथि। भगवान् केरऽ वचन बजना बंद करै के इच्छा के बावजूद भी वू ओकरा अपनऽ भीतर के शक्ति के कारण ओकरा नै रोकी सकै छै । ओ अपन जन्मक दिन केँ गारि पढ़ैत छथि, परमेश् वरक संदेशक घोषणा करबाक लेल सहल गेल दुखक विलाप करैत छथि | हुनकर इच्छा छनि जे एहन पीड़ा आ उपहास सँ बचबाक लेल कहियो जन्म नहि लेने रहितथि । अध्याय म॑ व्यक्तिगत संघर्ष आरू अपनऽ आह्वान क॑ पूरा करै म॑ अटूट समर्पण दूनू प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 20:1 इम्मेर पुरोहितक पुत्र पशूर, जे परमेश् वरक घर मे मुख्य राज्यपाल सेहो छलाह, सुनलनि जे यिर्मयाह एहि बात सभक भविष्यवाणी कयलनि।

परमेश् वरक घरक पुरोहित आ मुख्य गवर्नर पशूर यिर्मयाहक भविष्यवाणी सुनलनि।

1. विश्वासी गवाहक शक्ति: परमेश् वर अपन लोकक वचनक प्रयोग कोना करैत छथि

2. आज्ञाकारिता के मार्ग: भगवान् के पालन करय लेल जे प्रतिबद्धता चाही

1. इब्रानी 11:1 - आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल बातक आश्वासन अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

2. यहोशू 24:15 - जँ प्रभुक सेवा करब अहाँक नजरि मे बुराई अछि तँ आइ चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब, चाहे अहाँक पूर्वज नदीक ओहि पारक इलाका मे जे देवताक सेवा करैत छलाह, वा अमोरी

लोकनिक देवता जिनकर देश मे छलनि अहाँ निवास करैत छी। मुदा रहल बात हमरा आ हमर घरक तऽ हम सभ प्रभुक सेवा करब।

यिर्मयाह 20:2 तखन पशूर यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ मारि देलथिन आ हुनका ओहि कोठली मे राखि देलनि जे बिन्यामीनक ऊँच फाटक मे छल जे परमेश् वरक घरक कात मे छल।

पशूर यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ परमेश् वरक घरक समीप बिन्यामीनक फाटक पर स्तम्भ मे राखि दंडित कयलनि।

1. आज्ञाकारिता के महत्व: यिर्मयाह स सीख

2. प्रतिकूलताक सामना करैत दृढ़ता: यिर्मयाह सँ उदाहरण

1. रोमियो 5:3-4 एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि

2. याकूब 1:12 धन्य अछि जे परीक्षा मे टिकल रहत, किएक तँ परीक्षा मे ठाढ़ भ’ क’ ओ व्यक्ति जीवनक मुकुट पाबि लेत जे प्रभु ओकरा सँ प्रेम करय बला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

यिर्मयाह 20:3 दोसर दिन पशूर यिर्मयाह केँ टोल मे सँ बाहर निकालि देलक। तखन यिर्मयाह हुनका कहलथिन, “परमेश् वर अहाँक नाम पशूर नहि, बल् कि मगोरमिस्साबीब रखलनि अछि।”

दोसर दिन पशूर यिर्मयाह के स्टॉक स मुक्त क देलखिन आ यिर्मयाह हुनका कहलखिन जे प्रभु हुनकर नाम पशूर स बदलि क मगोरमिस्साबीब क देलखिन।

1. कोनो नामक शक्ति: प्रभु हमरा सभक नाम कोना बदलैत छथि

2. हमर जीवनक लेल परमेश्वरक योजना: प्रभुक प्रावधान पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

यिर्मयाह 20:4 कारण, परमेश् वर ई कहैत छथि, ‘देखू, हम अहाँ केँ आ अहाँक सभ मित्रक लेल भयावह बना देब यहूदा बाबुलक राजाक हाथ मे राखि देत, आ ओ ओकरा सभ केँ बंदी बना कऽ बाबुल मे लऽ जायत आ तलवार सँ मारि देतैक।

प्रभु यिर्मयाह केँ चेताबैत छथि जे ओ आ ओकर मित्र सभ ओकर शत्रु सभ द्वारा मारल जायत, आ यहूदाक लोक सभ केँ बेबिलोन मे बंदी बनाओल जायत।

1. परमेश् वरक न्याय - भगवान् हमरा सभ केँ कोना सिखाबय लेल पीड़ाक प्रयोग करैत छथि

2. आज्ञाकारिता के महत्व - लागत के बावजूद भगवान के वचन के पालन करब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि जे परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 20:5 हम एहि नगरक सभ शक्ति, ओकर सभटा मेहनत, ओकर सभटा कीमती वस्तु आ यहूदाक राजा सभक सभटा धन-सम्पत्ति ओकरा सभक शत्रु सभक हाथ मे दऽ देब, जे लूटपाट करत ओकरा सभ केँ लऽ कऽ बाबुल लऽ जाउ।”

980

परमेश् वर प्रतिज्ञा करैत छथि जे यहूदाक सभटा सामर्थ् य, श्रम, खजाना आ अनमोल चीज हुनका सभक शत्रु सभक हाथ मे दऽ देताह, जे हुनका सभ केँ लऽ कऽ बेबिलोन ल' जेताह।

1. छोड़ब सीखब: भगवान् के समक्ष आत्मसमर्पण करबाक शक्ति आ प्रतिज्ञा

2. आशा केँ पकड़ने रहब: विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 20:6 अहाँ, पशूर आ अहाँक घर मे रहनिहार सभ बंदी भ’ जायब, आ अहाँ बाबुल आबि जायब आ ओतहि मरब आ ओतहि दफनाओल जायब, अहाँ आ अहाँक सभ मित्र, जिनका लग अहाँ झूठक भविष्यवाणी कएने छथि।

पशूर आ ओकर घर मे रहनिहार सभ केँ बेबिलोन मे बंदी बनाओल जेबाक छलैक, जतय पशूर आ ओकर संगी सभ जे झूठक भविष्यवाणी क' रहल छल, मरि क' दफना देल जेतै।

1. झूठ बाजबाक परिणाम: यिर्मयाह 20:6 सँ एकटा अध्ययन

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति: यिर्मयाह 20:6 सँ एकटा चिंतन

1. नीतिवचन 12:19-22 - "सत्यक ठोर अनन्तकाल धरि रहैत अछि, मुदा झूठ बाजबला जीह क्षण भरि लेल रहैत अछि। जे सभ अधलाह योजना बनबैत अछि, ओकर हृदय मे छल अछि, मुदा जे सभ शान्तिक योजना बनबैत अछि, ओकरा आनन्द भेटैत अछि। धर्मी लोक पर कोनो अधलाह नहि होइत छैक। मुदा दुष्ट सभ विपत्ति सँ भरल अछि। झूठ बाजबऽ वला ठोर प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा जे निष्ठापूर्वक काज करैत अछि, से हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2. इफिसियों 4:25 तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

यिर्मयाह 20:7 हे प्रभु, अहाँ हमरा धोखा देलहुँ आ हम धोखा देल गेलहुँ, अहाँ हमरा सँ बेसी बलशाली छी आ जीत हासिल कएलहुँ, हम रोज उपहास मे पड़ैत छी, सभ हमर उपहास करैत अछि।

भगवान् के शक्ति हमरऽ शक्ति स॑ भी बड़ऽ छै आरू वू कोनो भी परिस्थिति म॑ हावी होय जैतै ।

1. कठिन समय मे भगवानक शक्ति पर भरोसा करब

2. प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक शक्ति पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:29-31 ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि। जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2. याकूब 1:2-4 जखन अहाँ विभिन्न परीक्षा मे पड़ब तखन सभटा आनन्दक गिनती करू, ई जानि जे अहाँक विश्वासक परीक्षा धैर्य उत्पन्न करैत अछि।

यिर्मयाह 20:8 जहिया सँ हम बजलहुँ, हम चिचिया उठलहुँ, हम हिंसा आ लूटपाट केँ कानलहुँ।
कारण, परमेश् वरक वचन हमरा लेल प्रतिदिन निन्दा आ उपहासक विषय बनि गेल छल।

यिर्मयाह प्रभु के वचन के आज्ञापालन के कारण अपनऽ निंदा आरू उपहास के भावना के बारे में बतैलकै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: प्रभु के वचन के पालन करला स कोना निंदा आ उपहास भ सकैत अछि

2. प्रभु मे ताकत भेटब: परीक्षा आ क्लेश पर कोना उबरल जाय

1. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, चूँकि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ आउ, जे किछु बाधा उत्पन्न करैत अछि आ जे पाप एतेक सहजता सँ ओझरा जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक। आ अपना सभक लेल निर्धारित दौड़ केँ दृढ़ता सँ दौड़ू, 2 विश्वासक अग्रदूत आ सिद्ध करयवला यीशु पर नजरि गड़ौने।

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि। थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 20:9 तखन हम कहलियनि, “हम हुनकर नाम नहि लेब आ ने हुनकर नाम पर बाजब।” मुदा हुनकर वचन हमर हृदय मे ओहिना छल जेना हमर हड्डी मे बंद जरैत आगि अछि, आ हम सहनशीलता सँ थाकि गेल छलहुँ आ हम नहि रहि सकलहुँ।

परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि आ हमरा सभक संग रहत, तखनो जखन हम सभ ओकरा नकारबाक प्रयास करब।

1. परमेश् वरक वचन असफल अछि - यिर्मयाह 20:9

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति - यिर्मयाह 20:9

1. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

2. इब्रानी 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन कोनो दुधारी तलवार सँ तेज, शक्तिशाली आ तेज अछि, जे प्राण आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ अलग करबा धरि बेधैत अछि, आ विचार-विचारक विवेचक अछि आ हृदयक मंशा।

यिर्मयाह 20:10 हम बहुतो लोकक बदनामी सुनलहुँ, चारू कात भय। रिपोर्ट करू, कहू ओ सभ, आ हम सभ रिपोर्ट करब। हमर सभ परिचित हमर रुकब पर नजरि रखने छल, कहैत छल, शायद ओ लोभित भ' जायत, आ हम सभ ओकरा पर हावी भ' जायब, आ ओकरा सँ बदला लेब।

ई अंश यिर्मयाह के नुकसान आरू मानहानि लानै के कोशिश करै वाला के बारे में बात करै छै, आरू ओकरो परिचित लोग के बारे में जे ओकरा पर जासूसी करै छै आरू ओकरा लुभाबै के कोशिश करै छै।

1: हमरा सभकेँ अपन हृदयक रक्षा करबाक चाही जे हमरा सभकेँ बदनाम करय चाहैत अछि आ हमरा सभक बदला लेबऽ चाहैत अछि।

2: हमरा सभ केँ अपन क्षमा मे उदार रहबाक चाही, ओहो ओहि लोकक सोझाँ जे हमरा सभ केँ नुकसान पहुँचेबाक प्रयास करैत छथि।

1: मत्ती 6:14-15 - जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स्वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।

2: नीतिवचन 24:17 - जखन अहाँक शत्रु खसि पड़त तखन आनन्दित नहि होउ, आ जखन ओ ठोकर खाइत अछि तखन अहाँक मोन प्रसन्न नहि होउ।

यिर्मयाह 20:11 मुदा परमेश् वर हमरा संग एकटा पराक्रमी भयंकर जकाँ छथि, तेँ हमर सतौनिहार सभ ठोकर खायत, आ ओ सभ विजयी नहि होयत। कारण, ओ सभ सफल नहि होयत, ओकर सभक अनन्त भ्रम कहियो नहि बिसरल जायत।

982

प्रभु यिर्मयाह के साथ एक पराक्रमी आरू भयानक के रूप में छै, आरू एकरऽ परिणामस्वरूप ओकरऽ सताबै वाला लोग ठोकर खाय वाला छै आरू जीत नै हासिल करतै, ओकरऽ सफलता के कमी के कारण बहुत लजाय क॑ अनन्त भ्रम के अनुभव करतै।

1. भगवान् हमर पराक्रमी रक्षक छथि

2. भगवान् के न्याय के शक्ति

1. भजन 34:7 - परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यिर्मयाह 20:12 मुदा हे सेना सभक परमेश् वर, जे धर्मी सभक परीक्षा दैत छी आ बागडोर आ हृदय केँ देखैत छी, हम हुनका सभ पर अहाँक प्रतिशोध देखब, किएक तँ हम अहाँक लेल अपन काज खोललहुँ।

भगवान् धर्मी के परखै छै आरू सच्चाई के लेलऽ भीतर के अंग के खोज करै छै। ओ अंतिम न्यायाधीश छथि जे न्याय अनैत छथि ।

1: प्रभु आ हुनकर न्याय पर भरोसा करू, कारण ओ सब किछु देखैत छथि आ एकमात्र अंतिम न्यायाधीश छथि।

2: मोन राखू जे भगवान् हमरा सभक हृदयक भीतरक भागक न्याय करैत छथि आ धर्मी केँ परखैत छथि आ सभ केँ हुनकर काजक अनुसार पुरस्कृत करैत छथि।

1: यिर्मयाह 17:10 - हम प्रभु हृदय के खोजैत छी, बागडोर परखैत छी, जे प्रत्येक के अपन तरीका आ कर्म के फल के अनुसार देब।

2: भजन 7:9 - हे दुष्टक दुष्टताक अंत भ’ जाय; मुदा धर्मी केँ ठाढ़ करू, किएक तँ धर्मी परमेश् वर हृदय आ बागडोर परखैत छथि।

यिर्मयाह 20:13 प्रभुक स्तुति करू, परमेश् वरक स्तुति करू, किएक तँ ओ गरीबक प्राण केँ दुष् ट करनिहार सभक हाथ सँ बचा लेलनि।

प्रभु गरीब आ जरूरतमंद के दुष्ट के हाथ स मुक्त करैत छथि।

1. भगवान उत्पीड़ित लोकक उद्धारकर्ता छथि

2. जरूरतमंदक प्रभुक रक्षा

1. निर्गमन 22:21-24 - अहाँ सभ प्रवासी पर अन्याय नहि करू आ ने ओकरा पर अत्याचार करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे प्रवासी छलहुँ।

2. यशायाह 58:6-7 - की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब?

यिर्मयाह 20:14 ओ दिन शापित होउ जाहि दिन हमर जन्म भेल छल।

यिर्मयाह अपन जीवनक प्रति आक्रोश व्यक्त करैत अपन जन्मक दिन केँ गारि पढ़ैत छथि |

1. जीवनक चुनौती केँ आत्मसात करब सीखब: कठिन परिस्थिति मे आशीर्वाद कोना भेटत

2. परमेश् वरक योजना: हुनकर इच्छा केँ स्वीकार करब आ शांति पाबब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

983

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 20:15 शापित होउ ओ आदमी जे हमर पिता केँ ई समाचार अनलनि जे, “अहाँक लेल एकटा पुरुष संतान भेल अछि। ओकरा बहुत प्रसन्न करैत।

जे आदमी यिर्मयाहक पिता लग बच्चाक जन्मक खबरि अनलक, ओकरा शाप देल गेल।

1. शब्दक शक्ति: हम सभ दोसरसँ कोना बजैत छी

2. माता-पिताक अपेक्षाक आशीर्वाद आ अभिशाप

1. नीतिवचन 12:18, एकटा एहन अछि जकर दाना तलवार जकाँ अछि, मुदा बुद्धिमानक जीह चंगाई दैत अछि।

2. गलाती 6:7-8, धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

यिर्मयाह 20:16 ओ आदमी ओहि शहर सभ जकाँ हो, जकरा परमेश् वर उखाड़ि कऽ पश्चाताप नहि केलक।

यिर्मयाह प्रार्थना करै छै कि ओकरो दुश्मन सिनी कॅ सजा मिलै, जेना कि प्रभु पूर्व में शहर सिनी कॅ सजा दै छेलै, भोर के चिल्लाहट आरो दुपहर के समय में चिल्लाहट के साथ।

1. प्रभु के प्रतिध्वनि - यिर्मयाह 20:16 में ईश्वरीय दण्ड के प्रतिध्वनि के अन्वेषण

2. पश्चाताप आ दया - दिव्य दण्डक सोझाँ पश्चाताप आ दयाक शक्तिक परीक्षण

1. यशायाह 5:25-30 - पुरान नियम मे शहरक प्रभुक न्यायक अन्वेषण

2. रोमियो 12:17-21 - दुख आ बुराई के सामने दया आ न्याय के खोज करब

यिर्मयाह 20:17 किएक तँ ओ हमरा गर्भसँ नहि मारलनि। वा जे हमर माय हमर कब्र रहितथि, आ ओकर कोख हमरा संग सदिखन पैघ रहथि।

यिर्मयाह के परमेश् वर के गर्भ से ही रक्षा।

1: हमरा सभक प्रति भगवानक प्रेम आ देखभाल हमरा सभक जन्म सँ पहिने सँ शुरू होइत अछि।

2: भगवान हमरा सभक जीवन मे सदिखन उपस्थित छथि, चाहे कोनो परिस्थिति हो।

1: भजन 139:13-14 - कारण, अहाँ हमर अन्तर्निहित केँ सृष्टि केलहुँ। अहाँ हमरा मायक कोखि मे बुनने छी। हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूपेँ बनल छी; अहाँक रचना अद्भुत अछि, से हम नीक जकाँ जनैत छी।

2: यशायाह 44:2 - प्रभु ई कहैत छथि जे अहाँ केँ बनौलनि, जे अहाँ केँ गर्भ मे बनौलनि आ अहाँक सहायता करताह: हे हमर सेवक याकूब, जेशुरुन, जिनका हम चुनने छी, नहि डेराउ।

यिर्मयाह 20:18 हम गर्भ सँ श्रम आ दुःख देखबाक लेल किएक निकललहुँ, जाहि सँ हमर दिन लाज सँ समाप्त भ’ जाय?

यिर्मयाह जीवन में जे दुख के अनुभव करलोॅ छै, ओकरा पर अपनऽ निराशा आरू पीड़ा व्यक्त करै छै।

1. "दुःखक जीवन: हताशाक बादो आशा कोना भेटत"।

2. "यिर्मयाहक विलाप: लाज आ दुखक जीवन कोना सहल जाय"।

२. " .

2. यशायाह 53:3-5 "ओ मनुष् य द्वारा तिरस्कृत आ तिरस्कृत कयल गेल; ओ दुखी आ शोक सँ परिचित छल; आ जेकरा सँ लोक अपन मुँह नुकाबैत अछि, ओकरा तिरस्कृत कयल गेल, आ हम सभ ओकरा आदर नहि केलहुँ। निश्चित रूप सँ ओ सहने छथि।" हमर सभक दुःख आ अपन दुख सभ केँ लऽ कऽ चललहुँ, तइयो हम सभ ओकरा मारल गेल, परमेश् वर द्वारा मारल गेल आ दुःखित मानलहुँ।मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह, हुनका पर ओ दंड छल जे हमरा सभ केँ शान्ति अनलक आ हुनकर घाव सभक संग हम सभ ठीक भ' गेल छथि।"

यिर्मयाह अध्याय २१ मे यरूशलेम के बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान राजा सिदकियाह के यिर्मयाह के बिनती के आग्रह के साथ-साथ परमेश्वर के प्रतिक्रिया आरू आसन्न विनाश के चेतावनी भी दर्ज छै।

1 पैराग्राफ: राजा सिदकियाह पशूर आरू एक अन्य अधिकारी क॑ यिर्मयाह के पास भेजै छै कि वू बेबिलोन के घेराबंदी के परिणाम के बारे म॑ पूछताछ करै (यिर्मयाह 21:1-2)। ओ यिर्मयाह सँ कहैत छथि जे ओ परमेश् वरक मार्गदर्शन लेथि आ आक्रमणकारी सेना सँ मुक्ति लेल प्रार्थना करथि।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह के माध्यम सँ सिदकिय्याह के पूछताछ के जवाब दै छै (यिर्मयाह 21:3-7)। परमेश् वर सिदकिय्याह केँ कहैत छथि जे ओ बेबिलोनक लोक सभक विरुद्ध लड़ताह, मुदा तखने जखन यरूशलेमक लोक सभ पश्चाताप करत आ अपन दुष्टता सँ मुँह फेर लेताह। जँ ओ सभ मना करथि तँ यरूशलेम खसि पड़त आ सिदकियाह स्वयं नबूकदनेस्सर पकड़ि लेताह।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर राजघराना आ यरूशलेमक लोक दुनू केँ हुनकर आसन्न विनाशक बारे मे चेताबैत छथि (यिर्मयाह 21:8-10)। ओ घोषणा करैत छथि जे शहर मे जे कियो रहत ओकरा अकाल, तलवार आ महामारीक सामना करय पड़तैक। जे बेबिलोन केरऽ सेना के सामने आत्मसमर्पण करतै, ओकरऽ जान बची जैतै ।

4 म पैराग्राफ: परमेश् वर सिदकिय्याह सँ सीधा बात करैत छथि (यिर्मयाह 21:11-14)। ओ हुनका सँ आग्रह करैत छथि जे ओ न्याय करथि, दबलल जा रहल लोक केँ बचाउ आ दया करथि। जँ ओ एहन करताह तँ हुनकर अस्तित्वक आशा भ' सकैत अछि । मुदा, जँ ओ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबा सँ मना कऽ देत तँ यरूशलेम आगि मे भस्म भऽ जायत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के एकइस अध्याय में राजा सिदकियाह यरूशलेम पर बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान यिर्मयाह के बिनती के मांग करै के चित्रण छै। सिदकिय्याह यिर्मयाह सँ कहै छै कि हमलावर सेना सँ मुक्ति के लेलऽ परमेश् वर सँ पूछताछ करै। परमेश् वर यिर्मयाह के माध्यम स॑ जवाब दै छै, ई घोषणा करै छै कि उद्धार लेली पश्चाताप करना जरूरी छै । जँ ओ सभ मना करथि तँ यरूशलेम खसि पड़त आ स्वयं सिदकियाह पकड़ि लेल जेताह। भगवान् राजघराना आ लोक दुनू केँ आसन्न विनाशक बारे मे चेताबैत छथि | जे आत्मसमर्पण करै छै, वू अपनऽ जान बचा सकै छै, लेकिन जे यरूशलेम में रहतै ओकरा विपत्ति के सामना करना पड़ै छै। परमेश् वर सिदकियाह सँ सीधा बात करैत छथि, हुनका सँ न्याय करबाक आ दया करबाक आग्रह करैत छथि। ओकर आज्ञाकारिता आशा आनि सकैत अछि, मुदा आज्ञा नहि मानला सँ आगि भस्म भ' जाइत छैक। अध्याय में ईश्वरीय चेतावनी आरू संकट के बीच पश्चाताप के अवसर दोनों पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 21:1 ई वचन जे यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल, जखन राजा सिदकियाह हुनका लग पठौलनि जे मल्कियाहक पुत्र पशूर आ मासेयाह पुरोहितक पुत्र सफनियाह।

परमेश् वर सिदकिय्याह, पशूर आ सफनियाहक माध्यमे यिर्मयाह केँ संदेश दैत छथि।

1. भगवान संदेश देबय लेल अप्रत्याशित लोकक उपयोग करैत छथि

2. परमेश् वरक वचन अरोपित अछि

1. रोमियो 8:31-39 - परमेश् वरक प्रेम सँ कियो हमरा सभ केँ अलग नहि क’ सकैत अछि

2. यशायाह 55:11 - परमेश् वरक वचन हुनका लग शून्य नहि घुरि जायत

यिर्मयाह 21:2 हमरा सभक लेल प्रभु सँ पूछू। कारण, बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर हमरा सभक विरुद्ध युद्ध करैत छथि। जँ परमेश् वर अपन सभ आश्चर्यक काजक अनुसार हमरा सभक संग व्यवहार करताह, जाहि सँ ओ हमरा सभ सँ ऊपर चलि जाथि।”

यहूदा के लोग नबूकदनेस्सर के खिलाफ प्रभु से सहायता माँगै छै।

1: विपत्ति के समय में हमरा सब के मदद के लेल प्रभु के तरफ मुड़बाक चाही।

2: भयावह परिस्थिति मे सेहो प्रभु विश्वासी छथि आ हमरा सभक सहायता मे आबि जेताह।

1: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब, हँ, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यिर्मयाह 21:3 तखन यिर्मयाह हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ सिदकियाह केँ ई कहब।

परमेश् वर सिदकिय्याह केँ हुनका पर भरोसा करबाक आ हुनकर आज्ञाक पालन करबाक लेल आह्वान करैत छथि।

1. कठिनाईक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. परिस्थिति चाहे जे हो, भगवानक आज्ञाक पालन करब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. भजन 119:11 - हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका देने छी जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

यिर्मयाह 21:4 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभक हाथ मे जे युद्धक हथियार अछि, तकरा पाछू घुमा देब, जाहि सँ अहाँ सभ बाबुलक राजा आ कसदी सभ सँ लड़ब, जे अहाँ सभ केँ देबालक बाहर घेराबंदी करैत अछि, आ हम ओकरा सभ केँ एहि नगरक बीच मे जमा कऽ देब।”

परमेश् वर वादा करै छै कि बेबिलोन के राजा आरू कसदी सिनी के खिलाफ इस्तेमाल करलौ गेलौ युद्ध के हथियार कॅ ओकरा सिनी के खिलाफ वापस करी देतै, आरु वू ओकरा सिनी कॅ यरूशलेम के बीचोबीच इकट्ठा करी लेतै।

1. परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि - यिर्मयाह 21:4 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि आ हमरा सभक शत्रु सभक बीच मे सेहो हमरा सभक लेल लड़ताह।

2. विश्वास मे दृढ़ रहू - यिर्मयाह 21:4 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू आ भरोसा करू जे परमेश् वर हमरा सभक लेल हमर सभक लड़ाई लड़ताह।

1. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत, आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि," कहैत छथि भगवान्.

2. निर्गमन 14:14 - प्रभु अहाँक लेल लड़ताह; अहाँकेँ मात्र स्थिर रहबाक आवश्यकता अछि।

यिर्मयाह 21:5 हम स्वयं अहाँ सभक विरुद्ध हाथ बढ़ा कऽ आ मजबूत बाँहि सँ लड़ब, क्रोध मे, क्रोध मे आ बहुत क्रोध मे।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अपन लोक सभक विरुद्ध क्रोध, क्रोध आ बहुत क्रोधक संग लड़ताह।

1. भगवानक क्रोध: भगवानक क्रोध केँ बुझब

2. भगवान् के प्रेम के शक्ति: भगवान के दया के जानना

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इब्रानी 4:16 - तखन हम सभ विश्वासक संग अनुग्रहक सिंहासन लग जाउ, जाहि सँ हमरा सभ केँ दया भेटय आ आवश्यकताक समय मे हमरा सभक मदद करबाक लेल अनुग्रह भेटय।

यिर्मयाह 21:6 हम एहि नगरक निवासी सभ केँ, मनुष् य-पशु सभ केँ मारि देब।

परमेश् वर यरूशलेमक लोक सभ केँ एकटा पैघ महामारी पठा कऽ सजा दैत छथि जे मनुष्य आ जानवर दुनू केँ मारि देल जाय।

1. भगवान् केर दया आ न्याय

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. लूका 13:1-5 यीशु पापक परिणामक बारे मे चेतावनी दैत छथि

2. इजकिएल 14:12-23 यरूशलेम आ ओकर निवासी पर परमेश् वरक क्रोध

यिर्मयाह 21:7 एकर बाद परमेश् वर कहैत छथि, हम यहूदाक राजा सिदकिय्याह आ हुनकर नोकर सभ आ लोक सभ केँ, जे सभ एहि शहर मे बचल अछि, ओकरा महामारी सँ, तलवार सँ आ अकाल सँ बचा लेब बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ मे, शत्रु सभक हाथ मे आ अपन जान चाहनिहार सभक हाथ मे। ओ ओकरा सभ केँ नहि दयात, ने दया करत आ ने दया करत।

परमेश् वर सिदकिय्याह, ओकर सेवक आ यरूशलेम मे रहनिहार लोक सभ केँ अपन शत्रु सभक हाथ मे सौंपि देताह, जतय हुनका सभ केँ तलवार सँ मारल जायत आ हुनका सभ पर कोनो दया नहि कयल जायत।

1. विपत्ति मे भगवानक दया

2. न्याय मे परमेश् वरक सार्वभौमिकता

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. विलाप 3:31-33 - कारण प्रभु द्वारा ककरो सदाक लेल नहि फेकल जाइत अछि। ओना दुख आनैत छथि मुदा करुणा देखौताह, एतेक पैघ हुनकर अटूट प्रेम। किएक तँ ओ स्वेच्छा सँ ककरो दुःख वा दुःख नहि अनैत अछि।

यिर्मयाह 21:8 अहाँ एहि लोक सभ केँ कहब जे, “प्रभु ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभक सोझाँ जीवनक बाट आ मृत्युक बाट राखि रहल छी।

परमेश् वर यहूदा के लोगऽ के सामने जीवन आरू मृत्यु के बीच के चुनाव करै छै।

1. जीवन आ मृत्यु के बीच के चुनाव: यिर्मयाह 21:8 के अध्ययन

2. विकल्प के परिणाम: यिर्मयाह 21:8 के चेतावनी के समझना

987

1. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

2. व्यवस्था 30:15-19 - देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ नीक, मृत्यु आ अधलाह राखि देलहुँ। जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन करब जे आइ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करैत, हुनकर बाट पर चलैत, आ हुनकर आज्ञा आ हुनकर विधान आ हुनकर नियमक पालन करैत, तखन अहाँ जीवित रहब आ बढ़ब आ... प्रभु अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ ओहि देश मे आशीर्वाद देथिन जाहि मे अहाँ ओहि देश पर कब्जा करबाक लेल प्रवेश कऽ रहल छी। मुदा जँ अहाँक मोन घुमि जायत आ अहाँ सभ नहि सुनब, बल् कि आन देवताक आराधना आ सेवा करबाक लेल खींच लेल जायब, तँ हम आइ अहाँ सभ केँ घोषणा करैत छी जे अहाँ सभ अवश्य नाश भऽ जायब। जाहि देश मे अहाँ सभ यरदन नदीक पार जा रहल छी, ओहि देश मे अहाँ सभ बेसी दिन नहि रहब।

यिर्मयाह 21:9 जे एहि नगर मे रहत से तलवार, अकाल आ महामारी सँ मरत, मुदा जे बाहर निकलि क’ अहाँ सभक घेराबंदी करय बला कसदी सभक हाथ मे खसि पड़त, ओ जीवित रहत आ ओकर जान रहत ओकरा शिकारक लेल।

जे नगर मे रहत से तलवार, अकाल आ महामारी सँ मरत, मुदा जे कसदी सभक समक्ष आत्मसमर्पण करत, ओकरा बख्शल जायत आ ओकर फल भेटतैक।

1. आत्मसमर्पणक लाभ : भगवानक इच्छाक अधीनता कोना दरबज्जा खोलि सकैत अछि

2. विद्रोहक लागत: परमेश् वरक अधिकार केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 21:1 राजाक हृदय प्रभुक हाथ मे पानिक धार अछि। जतय चाहै छै घुमा दै छै।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यिर्मयाह 21:10 हम एहि नगर केँ नीक लेल नहि, बुराक लेल मुँह लगा देने छी, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ यरूशलेम केँ बेबिलोनक राजा केँ सौंपि देताह जे ओकरा नष्ट कयल जाय।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: परमेश्वर के खोजू आ ओ अहाँ के बचा लेताह

2. अधर्मक परिणाम: परमेश् वरक न्याय निश्चित अछि

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. इजकिएल 18:30 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, प्रत्येक गोटेक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ' जाय।

यिर्मयाह 21:11 यहूदाक राजाक घर छूबि कऽ कहू जे, “परमेश् वरक वचन सुनू।”

यहूदा के राजा के घर के लेलऽ प्रभु के पास एगो संदेश छै।

1: रूप-रंगसँ बेवकूफ नहि बनू। भगवान् के वचन सदिखन प्रबल रहत।

2: प्रभुक आवाज सुनू आ हुनकर आज्ञाक पालन करू।

1: यशायाह 55:8-9 हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यिर्मयाह 21:12 हे दाऊदक घराना, प्रभु ई कहैत छथि। भोरे-भोर न्याय करू आ लूटल केँ अत्याचारी के हाथ सँ बचाउ, जाहि सँ हमर क्रोध आगि जकाँ नहि बुझि जाय आ जरि नहि जाय जे ओकरा कियो नहि बुझा सकैत अछि, अहाँ सभक काजक दुष्टताक कारणेँ।

परमेश् वर दाऊदक घराना केँ आज्ञा दैत छथि जे भोरे-भोर न्याय करथि आ जे दबल-कुचलल गेल छथि हुनका सभ केँ बचाउ जाहि सँ हुनकर क्रोध हुनका सभक दुष्टताक कारणेँ भस्म नहि कऽ देत।

1. न्यायक शक्ति: अपन जीवन मे धर्म आ दया कोना आनल जाय

2. भगवानक क्रोधक छाया मे रहब: दुष्टताक अनदेखी करबाक खतरा

1. आमोस 5:24 - मुदा न्याय पानि जकाँ गुड़कि जाय आ धर्म सदिखन बहैत धार जकाँ।

2. भजन 89:14 - धर्म आ न्याय अहाँक सिंहासनक नींव अछि; दया आ सत्य अहाँक चेहराक आगू जाइत अछि।

यिर्मयाह 21:13 देखू, हम अहाँक विरोध मे छी, हे घाटी आ मैदानक चट्टान, प्रभु कहैत छथि। जे कहैत अछि जे, “हमरा सभक विरुद्ध के उतरत?” आकि हमरा सभक आवास मे के प्रवेश करत?

भगवान् ओहि सभक विरुद्ध छथि जे अपना केँ अछूत आ अपन निर्णय सँ सुरक्षित बुझैत छथि |

1. भगवान् देखैत छथि आ हुनकर न्याय सँ कियो ऊपर नहि अछि

2. हम सब परमेश् वरक समक्ष जवाबदेह छी आ धार्मिकतापूर्वक जीबय पड़त

२.

2. भजन 139:1-3: "हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि क' हमरा चिन्हलहुँ! अहाँ जनैत छी जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचार केँ दूर सँ बूझैत छी। अहाँ हमर बाट आ हमर लेटब तकैत छी आ।" हमर सभ बाटसँ परिचित छी।"

यिर्मयाह 21:14 मुदा हम अहाँ सभ केँ अहाँक काजक फलक अनुसार दंडित करब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि हुनी ओकरा सिनी के काम के फल के अनुसार सजा देतै आरू ओकरोॅ जंगल में आगि लगाबै छै जे ओकरो चारो तरफ भस्म करी देतै।

1. हमर सभक काजक परिणाम: यहूदा केँ परमेश् वरक चेतावनी

2. भगवानक शक्ति: हुनकर न्याय आ न्याय

1. याकूब 5:16-18: तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मात्मा के प्रार्थना में बहुत शक्ति छै जेना कि ई काम करी रहलऽ छै ।

२.

यिर्मयाह अध्याय 22 में यहूदा के राजा सिनी के खिलाफ न्याय आरू डांट के संदेश छै, खास करी कॅ यहोआहाज, यहोयाकीम आरू यहोयाकीन के खिलाफ, ओकरोॅ दमनकारी आरू दुष्ट शासन के लेलऽ।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ राजाक महल मे जा क’ संदेश देबाक निर्देश दैत छथि (यिर्मयाह 22:1-5)। ओ राजा केँ कहैत छथि जे न्याय आ धार्मिकताक व्यवस्था करू, उत्पीड़ित केँ बचाउ, अनजान लोकक संग सत्कार करू आ निर्दोष खून बहाबय सँ परहेज करू। जँ ओ एहि आज्ञा सभक पालन करत तँ ओकर वंश चलत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहोआहाज के खिलाफ न्याय के घोषणा करै छै (यिर्मयाह 22:6-9)। ओ ओकरा अपन दुष्टताक निंदा करैत अछि, भविष्यवाणी करैत अछि जे ओ निर्वासन मे बिना सम्मान वा दफन के मरत। ओकर माय के सेहो लाज आ कैद के सामना करय पड़तैक।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहोयाकीम के ओकर दमनकारी शासन के लेल डांटैत छथि (यिर्मयाह 22:10-12)। ओ चेतावनी दैत छथि जे जँ यहोयाकीम न्याय आ धार्मिकताक उपेक्षा करैत अपन महल बेईमानी लाभ सँ बना क' अपन अन्यायी काज जारी राखत त' ओकरा बेइज्जती भरल अंतक सामना करय पड़तैक।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहोयाकीन के शासनकाल के संबोधित करै छै (यिर्मयाह 22:13-19)। ओ हुनकर आलोचना करैत छथि जे ओ अपन लोकक देखभालक कीमत पर व्यक्तिगत विलासिताक पीछा करैत छथि । हुनकऽ ई काम के परिणामस्वरूप यहोयाकीन के वंशज दाऊद के सिंहासन पर समृद्ध नै होतै।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर कोनियाह (यहोयाकीन) पर न्याय करैत छथि (यिर्मयाह 22:24-30)। एक समय परमेश् वर के हाथ पर सिग्नेट के अंगूठी के तुलना करला के बावजूद कोनिया के दुष्टता के कारण खारिज करी देलऽ जाय छै । हुनका कहल गेल छनि जे हुनकर कोनो वंशज दाऊदक सिंहासन पर नहि बैसत आ ने यहूदा पर शासन करत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के बाइस अध्याय में विभिन्न राजा सिनी के दमनकारी आरू दुष्ट शासन के लेलऽ न्याय के संदेश के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ राजा केँ न्याय करबाक, सत्कार करबाक आ निर्दोष खून बहाबय सँ परहेज करबाक संदेश देथि। अनुपालन स हुनकर राजवंश क निरंतरता सुनिश्चित भ जाएत। यहोआहाज के अपनऽ दुष्टता के कारण निंदा करलऽ जाय छै, जेकरा बिना सम्मान के निर्वासन में मरै के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । यहोयाकीम क॑ दमनकारी शासन के लेलऽ डांटलऽ जाय छै, बेइज्जती भरलऽ परिणाम के सामना करै के चेतावनी देलऽ जाय छै । यहोयाकीन दोसरऽ के खर्चा पर व्यक्तिगत विलासिता के पीछू भागै छेलै, जेकरऽ परिणामस्वरूप ओकरऽ वंशज के समृद्धि के कमी छेलै । कोनियाह (यहोयाकिन) के एक बेर सम्मानित होय के बावजूद दुष्टता के कारण परमेश् वर द्वारा अस्वीकार के सामना करना पड़ै छै। ओकर वंशज सभ केँ कहल गेल छैक जे ओ सभ यहूदा पर शासन नहि करत। अध्याय में अधर्म शासन के विरुद्ध ईश्वरीय निर्णय पर जोर देल गेल अछि |

यिर्मयाह 22:1 प्रभु ई कहैत छथि। यहूदाक राजाक घर जा कऽ ओतऽ ई वचन बाजू।

प्रभु यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ निर्देश दैत छथिन जे ओ यहूदाक राजाक घर मे परमेश् वरक वचन बाजथि।

1. "सच्चा अधिकार भगवान् सँ भेटैत अछि"।

2. "सत्ता मे बैसल लोकक जिम्मेदारी"।

1. मत्ती 28:18-20 - "तखन यीशु आबि कऽ हुनका सभ केँ कहलथिन, "स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि। तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, हुनका सभ केँ पिता आ पिताक नाम सँ बपतिस् मा दिअ।" पुत्र आ पवित्र आत् मा हुनका सभ केँ सिखाबैत छथि जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि।

2. रोमियो 13:1-2 - "प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि, आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स्थापित कयल गेल अछि। तेँ जे अधिकारक विरोध करैत अछि, ओ परमेश् वर द्वारा नियुक्त कयल गेल अधिकारक विरोध करैत अछि। आ जे विरोध करत ओकरा न्यायक सामना करय पड़तैक।"

यिर्मयाह 22:2 आ कहू, “हे यहूदाक राजा, जे दाऊदक सिंहासन पर बैसल छी, अहाँ आ अहाँक सेवक आ एहि फाटक सँ प्रवेश करय बला लोक, प्रभुक वचन सुनू।

परमेश् वर यहूदाक राजा आ ओकर सेवक सभ केँ फाटक सँ प्रवेश करबाक संदेश दैत छथि।

1. "भगवान के आज्ञापालन के शक्ति"।

2. "प्रभु के आज्ञापालन के आशीर्वाद"।

२.

2. कुलुस्सी 3:20 - "बच्चा सभ, सभ बात मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई प्रभु केँ नीक लगैत छनि।"

यिर्मयाह 22:3 प्रभु ई कहैत छथि। अहाँ सभ न्याय आ धार्मिकताक निर्वहन करू आ लूटल केँ अत्याचारी सभक हाथ सँ बचाउ।

परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे न्याय आ धार्मिकताक निष्पादन करी, उत्पीड़ित केँ ओकर अत्याचारी सँ मुक्त करी आ कमजोर लोकक रक्षा करी।

1. उत्पीड़ित के लेल न्याय: कमजोर के देखभाल।

2. धर्मक आह्वान: अजनबी, पिताहीन आ विधवाक रक्षा करब।

1. व्यवस्था 10:18-19 - "ओ अनाथ आ विधवा सभक न्याय करैत छथि, आ परदेशी केँ भोजन आ वस्त्र द' क' प्रेम करैत छथि। तेँ अहाँ सभ परदेशी सँ प्रेम करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे परदेशी छलहुँ।"

2. यशायाह 1:17 - "नीक काज करब सीखू; न्याय ताकू, दबल-कुचलल लोक केँ राहत दिअ, अनाथ सभक न्याय करू, विधवाक लेल गुहार लगाउ।"

यिर्मयाह 22:4 जँ अहाँ सभ सत्ते ई काज करब तँ एहि घरक फाटक सँ दाऊदक सिंहासन पर बैसल राजा सभ रथ आ घोड़ा पर सवार भ’ क’ प्रवेश करत।

यिर्मयाह केरऽ ई अंश सही काम करै के महत्व पर जोर दै छै, कैन्हेंकि ई दाऊद के सिंहासन पर बैठी क॑ राजा सिनी क॑ रथ आरू घोड़ा पर सवार होय क॑ घर म॑ प्रवेश करै लेली लानी देतै, जेकरा म॑ ओकरऽ लोगऽ के साथ भी।

1. सही काज करब: एकटा आह्वान

2. दाऊदक सिंहासन पर बैसल राजा सभ : आज्ञापालनक आशीर्वाद

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. भजन 37:39 - धर्मी लोकनिक उद्धार प्रभु सँ भेटैत अछि; ओ विपत्तिक समय मे हुनका लोकनिक गढ़ छथि।

यिर्मयाह 22:5 मुदा जँ अहाँ सभ ई बात नहि सुनब तँ हम अपन कसम खाइत छी जे ई घर उजाड़ भ’ जायत।

ई अंश भगवान् केरऽ चेतावनी छेकै कि हुनकऽ वचन के अनदेखी नै करलऽ जाय, नै त॑ प्रतिज्ञा करलऽ गेलऽ आशीर्वाद के साकार नै होतै आरू घर उजाड़ होय जैतै ।

1. "भगवान के वचन के अनदेखी करय स सावधान रहू"।

2. "भगवानक प्रतिज्ञा आशीर्वाद दैत अछि, आज्ञा आज्ञा नहि देला सँ उजाड़ होइत अछि"।

1. नीतिवचन 1:24-27

2. यशायाह 1:19-20

यिर्मयाह 22:6 प्रभु यहूदाक राजाक घराना केँ ई कहैत छथि। अहाँ हमरा लेल गिलिआद आ लेबनानक मुखिया छी, तइयो हम अहाँ केँ जंगल आ एहन नगर बना देब जाहि मे लोकक लोक नहि रहय।”

परमेश् वर यहूदा के राजतंत्र पर ओकरोॅ गलत काम के कारण न्याय करै छै, ई घोषणा करै छै कि वू ओकरोॅ राज्य के उजाड़ भूमि में बदली देतै।

1. भगवान न्यायी छथि: पापक परिणाम बुझब

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता आ हुनक धार्मिक न्याय

1. इब्रानी 4:12-13 - "कारण परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदयक। आ ओकर नजरि सँ कोनो प्राणी नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।"

2. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

यिर्मयाह 22:7 हम अहाँक विरुद्ध विनाशकारी सभ केँ तैयार करब, प्रत्येक गोटे अपन-अपन हथियार ल’ क’, आ ओ सभ अहाँक चुनल देवदार केँ काटि क’ आगि मे फेकि देत।

परमेश् वर चेताबैत छथि जे ओ यहूदाक लोक सभक विरुद्ध विनाशकारी सभ पठाओत, जे देवदार सभ केँ काटि कऽ ओकरा आगि लगा देत।

1. परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक परिणाम - यिर्मयाह 22:7

2. पाप प्रथाक विनाश - यिर्मयाह 22:7

1. इब्रानी 10:31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

2. नीतिवचन 10:9 - जे सोझ चलैत अछि से निश्चित रूप सँ चलैत अछि, मुदा जे अपन बाट तोड़ैत अछि, से जानल जायत।

यिर्मयाह 22:8 एहि नगर सँ बहुत रास जाति गुजरत आ ओ सभ अपन पड़ोसी केँ कहत जे, “प्रभु एहि महान नगरक संग एहन किएक कयलनि?”

ई श्लोक ई बात के बात करै छै कि कतेक जाति यरूशलेम के महान नगर के पास से गुजरी क॑ आश्चर्यचकित करतै कि प्रभु ओकरा साथ जे करलकै, वू कियैक करलकै।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् सब राष्ट्र पर कोना शासन करैत छथि

2. प्रार्थना के शक्ति: भगवान स प्रार्थना जीवन के कोना बदलि सकैत अछि

1. यशायाह 45:21 - अपन मामला घोषित करू आ प्रस्तुत करू; दुनू गोटे मिलिकय सलाह-मशवरा करथि! ई बात बहुत पहिने के कहने छल? एकरा पुरान के घोषणा केलकै? की हम प्रभु नहि छलहुँ? हमरा छोड़ि कोनो आन देवता नहि छथि, जे धर्मी परमेश् वर आ उद्धारकर्ता छथि। हमरा छोड़ि कियो नहि अछि।

2. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

यिर्मयाह 22:9 तखन ओ सभ उत्तर देत, “किएक तँ ओ सभ अपन परमेश् वर यहोवाक वाचा केँ छोड़ि कऽ आन देवता सभक आराधना कयलनि आ हुनकर सेवा कयलनि।”

यहूदा के लोग परमेश् वर के छोड़ी कॅ दोसरो देवता सिनी के सेवा करी कॅ परमेश् वर के न्याय के कारण बनलो छै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. भगवान् के साथ वाचा तोड़ने के परिणाम

1. व्यवस्था 28:15-68 - प्रभुक संग वाचा केँ पालन आ तोड़बाक आशीर्वाद आ अभिशाप।

2. भजन 78:10-11 - इस्राएलक लोकक प्रभुक प्रति अविश्वासक इतिहास।

यिर्मयाह 22:10 अहाँ सभ मृतकक लेल नहि कानब, आ ने ओकर शोक करब, बल् कि जे चलि रहल अछि ओकर लेल कष्ट कऽ कऽ कानब, किएक तँ ओ आब घुरि कऽ नहि आओत आ ने अपन मूल देश केँ देखत।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता लोक सभ केँ प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ मृतकक लेल कानब नहि, बल्कि ओहि लोक सभक लेल शोक करथि जे अपन मातृभूमि छोड़ि कऽ कहियो घुरि कऽ नहि आओत।

1. जीवनक क्षणिकता - जे बीतल अछि ओकर जीवनक उत्सव

2. कखन छोड़बाक चाही से जानब - हानि आ शोकक पीड़ा केँ आत्मसात करब

1. उपदेशक 3:1-2 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक हर वस्तुक समय होइत छैक, जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक

2. यूहन्ना 14:1-4 - अपन हृदय केँ परेशान नहि होमय दियौक। भगवान् पर विश्वास करू; हमरा पर सेहो विश्वास करू। हमर पिताजीक घर मे बहुत रास कोठली अछि। जँ से नहि रहैत त' की हम अहाँ केँ कहितहुँ जे हम अहाँक लेल जगह तैयार करय लेल जाइत छी? जँ हम जा कऽ अहाँ सभक लेल जगह तैयार करब तँ फेर आबि कऽ अहाँ सभ केँ अपना लग लऽ जायब, जाहि सँ हम जतय छी, अहाँ सभ सेहो रहब।

यिर्मयाह 22:11 किएक तँ परमेश् वर यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र शल्लुमक विषय मे कहैत छथि जे एहि ठाम सँ निकलल अपन पिता योशियाहक बदला मे राज केलनि। आब ओ ओतऽ घुरि कऽ नहि आओत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे योशियाहक पुत्र शल्लुम ओहि ठाम नहि घुरि जेताह जतय ओ चलि गेल छलाह।

1. परमेश् वरक वचन अपरिवर्तनीय अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक परिणामक चेतावनी

2. इब्रानी 13:8 - यीशु मसीह काल्हि, आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

यिर्मयाह 22:12 मुदा ओ ओहि ठाम मरि जेताह जतय ओ सभ ओकरा बंदी बना लेने छल आ आब एहि देश केँ नहि देखत।

राजा यहोयाकीम के भाग्य परदेश में लऽ जाय के छेलै आरो कैद में मरना छेलै, आरो ओकरा फेरू कभियो अपनऽ सासुर नै देखना छेलै।

1: भगवानक न्याय तेज आ निश्चित होयत।

2: परमेश् वरक वचनक प्रति सजग रहू आ हुनकर बाट पर अडिग रहू।

1: यूहन्ना 15:6 "जँ केओ हमरा मे नहि रहत तँ ओ एकटा डारि जकाँ अछि जे फेकि देल जाइत अछि आ मुरझा जाइत अछि; एहन डारि सभ उठा कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि आ जरा देल जाइत अछि।"

993

2: नीतिवचन 21:3 "उचित आ न्यायपूर्ण काज करब बलिदान सँ बेसी प्रभुक लेल स्वीकार्य अछि।"

यिर्मयाह 22:13 धिक्कार अछि जे अधर्मक द्वारा अपन घर बनबैत अछि आ अधर्मक द्वारा अपन कोठली बनबैत अछि। जे अपन पड़ोसीक सेवा बिना मजदूरी के उपयोग करैत अछि आ ओकरा अपन काजक लेल नहि दैत अछि।

ई अंश अपनऽ फायदा के लेलऽ दोसरऽ के फायदा नै उठाबै के चेतावनी दै छै ।

1: हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखब जे दोसरक संग सम्मान आ निष्पक्ष व्यवहार करी, ओहो तखन जखन हम सभ सत्ताक पद पर रही।

2: हमरा सब के अपन विशेषाधिकार के उपयोग दोसर के फायदा उठाबय में कहियो नै करबाक चाही, बल्कि जरूरतमंद के मदद में अपन संसाधन के उपयोग करबाक चाही।

1: मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2: याकूब 2:8-9 - जँ अहाँ सचमुच पवित्रशास्त्र मे भेटय बला राजकीय नियम केँ पालन करैत छी, "अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू," त' अहाँ सही क' रहल छी। मुदा जँ अहाँ पक्षपात करैत छी तँ अहाँ पाप करैत छी आ कानून द्वारा कानून तोड़निहारक रूप मे दोषी ठहराओल जाइत अछि।

यिर्मयाह 22:14 ई कहैत अछि जे हम हमरा लेल एकटा चौड़ा घर आ पैघ कोठली बना देब आ ओकरा खिड़की सभ काटि देब। देवदारक चढ़ल आ सिंदूर रंगक रंगल अछि।

एहि अंश मे एहन व्यक्तिक गप्प कयल गेल अछि जे देवदार सँ पैघ घर बनबैत अछि आ ओकरा सिंदूर सँ रंगैत अछि |

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

2. नीक संचालन के महत्व

1. नीतिवचन 24:27 - बाहर अपन काज तैयार करू, आ खेत मे अपना लेल उपयुक्त बनाउ। आ तकर बाद अपन घर बनाउ।

2. कुलुस्सी 3:23-24 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, से मनुष् य सँ करू, जेना प्रभुक लेल करब। ई जानि कऽ जे अहाँ सभ केँ उत्तराधिकारक फल प्रभुक द्वारा भेटत, किएक तँ अहाँ सभ प्रभु मसीहक सेवा करैत छी।

यिर्मयाह 22:15 की अहाँ देवदार मे अपना केँ नजदीक रहबाक कारणेँ राज करब? की तोहर पिता खाइत-पीबैत, न्याय आ न्याय नहि केने छलाह, तखन हुनका नीक नहि भेलनि?

भगवान् न्याय आरू धर्म में भाग लेबै के बजाय, केवल भोग आरू विलासिता के खोज करै के चेतावनी दै छै।

1. "न्याय आ धर्मक खोज: आशीर्वादक सच्चा मार्ग"।

2. "सुख आ विलासिताक खोजक खतरा"।

1. नीतिवचन 21:3, "बलिदान सँ बेसी न्याय आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

2. मत्ती 6:33, "मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।"

यिर्मयाह 22:16 ओ गरीब आ गरीबक काज पर न्याय करैत छलाह। तखन हुनका नीक लागलनि: की ई हमरा चिन्हबाक लेल नहि छल? प्रभु कहैत छथि।

भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ गरीब आ जरूरतमंद लोकक प्रति करुणा आ न्याय देखाउ।

1: हमरा सभ केँ जरूरतमंद लोक पर दया आ न्याय करबाक लेल बजाओल गेल अछि।

2: हमर सबहक काज या त भगवान के नजदीक आनि सकैत अछि या दूर तक पहुंचा सकैत अछि, ताहि लेल हम सब भगवान के नजरि में जे सही अछि से करबाक प्रयास करी।

१: मत्ती २५:३१-४० (भेड़ आ बकरी के दृष्टान्त)

२: याकूब १:२७ (परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म)

यिर्मयाह 22:17 मुदा तोहर आँखि आ हृदय नहि, सिवाय तोहर लोभक लेल, आ निर्दोष खून बहाबय लेल, आ अत्याचार आ हिंसाक लेल।

यिर्मयाह लोभ, निर्दोष खून-खराबा, अत्याचार आ हिंसाक लेल हृदय आ आँखि रखनिहार सभक निन्दा करैत छथि।

1. लोभक परिणाम: यिर्मयाह 22:17 क परीक्षा

2. एकटा अत्याचारी के दिल: यिर्मयाह 22:17 के अध्ययन

1. नीतिवचन 4:23 - सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, कारण अहाँक सभ काज ओहि सँ बहैत अछि।

2. मत्ती 5:7 - धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका सभ पर दया कयल जायत।

यिर्मयाह 22:18 तेँ यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक विषय मे परमेश् वर ई कहैत छथि। ओ सभ हुनका लेल विलाप नहि करत जे, “हे हमर भाइ! वा, आह बहिन! ओ सभ हुनका लेल विलाप नहि करत जे, “हे प्रभु! वा, आह ओकर महिमा!

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे यहूदाक योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक लेल केओ विलाप नहि करत।

1. परमेश् वरक बात नहि सुनबाक खतरा: यिर्मयाह 22:18 क अध्ययन

2. आज्ञाकारिता के महत्व: यहोयाकीम के असफलता पर एक नजर

1. इब्रानी 12:14-15 - सभ लोकक संग शान्ति आ पवित्रताक पाछाँ लागू, जकरा बिना कियो प्रभु केँ नहि देखत। ध्यान सँ देखैत छल जे कियो परमेश् वरक कृपा सँ कम नहि पड़य।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यिर्मयाह 22:19 ओकरा एकटा गदहा गाड़लाक संग दफनाओल जायत, जे यरूशलेमक फाटक सभक ओहि पार खींचि क’ फेकल जायत।

ओहि अंश मे कहल गेल अछि जे कोनो व्यक्ति केँ गदहा जकाँ गाड़ल जायत, आ ओकर लाश घीचि क' यरूशलेमक फाटक सँ बाहर फेकि देल जायत।

1. पापक परिणाम - कोना अधर्मक कारण व्यक्तिक संग एहन तिरस्कार कयल जा सकैत अछि |

2. परमेश् वरक न्याय - परमेश् वरक अंतिम निर्णय कोना होयत।

1. नीतिवचन 13:15 "नीक समझ अनुग्रह दैत अछि, मुदा अपराधी सभक बाट कठिन अछि।"

2. यशायाह 53:5-6 "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ घायल भेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ चोट खा गेलाह, हमरा सभक शान्तिक दंड हुनका पर पड़लनि; आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ। हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकल छी; हम सभ।" प्रत्येक अपन-अपन बाट दिस घुमि गेल छी, आ प्रभु हमरा सभक अधर्म ओकरा पर राखि देलनि।”
995

यिर्मयाह 22:20 लेबनान मे जाउ आ कानब। बाशान मे अपन आवाज उठाउ आ ओहि मार्ग सँ कानब, किएक तँ अहाँक सभ प्रेमी नष्ट भऽ गेल छथि।”

ई अंश कहियो प्रिय लोकक विनाशक लेल विलाप करबाक आह्वानक बात करैत अछि |

1. शोक करबाक आह्वान: जे कहियो प्रिय छलाह हुनकर क्षति

2. आरामक अंत: हानि आ विनाशक संग जीब सीखब

1. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

2. रोमियो 12:15 - जे सभ आनन्दित अछि, ओकर संग आनन्दित रहू आ काननिहार सभक संग कानू।

यिर्मयाह 22:21 हम अहाँक समृद्धि मे अहाँ सँ बात केलहुँ। मुदा अहाँ कहलहुँ जे हम नहि सुनब।” जवानी सँ अहाँक ई व्यवहार छल जे अहाँ हमर आवाज नहि मानलहुँ।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ सँ हुनकर समृद्धि मे गप्प कयलनि, मुदा ओ सभ सुनबा सँ मना कऽ देलनि। युवावस्था सँ ई हुनका लोकनिक आदति छलनि, कारण भगवानक आवाज कहियो नहि मानैत छलाह |

1. भगवानक आवाज सुनबासँ मना करबाक खतरा

2. समृद्धि मे भगवान् केर आज्ञा मानबाक आवश्यकता

1. यशायाह 1:19-20 - जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब। मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ भस्म भऽ जायब।

2. याकूब 1:22 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

यिर्मयाह 22:22 हवा तोहर सभ चरबाह केँ खा जायत आ तोहर प्रेमी सभ बंदी मे चलि जायत, तखन अहाँ अपन सभ दुष्टताक कारणेँ लज्जित आ लज्जित होयब।

परमेश् वर चेतावनी दै छै कि जे लोग झूठा पादरी आरू प्रेमी सिनी के धोखा देलऽ गेलऽ छै, वू कैद में चल्लऽ जैतै, आरो वू अपनऽ दुष्टता के कारण लजाय आरू भ्रमित होय जैतै।

1. परमेश् वरक चेतावनी केँ चिन्हू आ पापक पश्चाताप करू

2. भगवान् के सत्य के खोज करू आ धोखा स बचू

1. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकब। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. भजन 119:9-11 - "युवक अपन बाट कोना शुद्ध राखत? अहाँक वचनक अनुसार ओकर रक्षा क' क'। हम अहाँ केँ पूरा मोन सँ तकैत छी; हम अहाँक आज्ञा सँ नहि भटकब! हम अहाँक वचन जमा क' लेने छी।" हम मोन मे राखि, जाहि सँ हम अहाँ सभक विरुद्ध पाप नहि कऽ सकब।”

यिर्मयाह 22:23 हे लेबनानक निवासी, जे देवदारक गाछ मे अपन खोंता बनबैत छी, तखन अहाँ कतेक कृपालु होयब जखन अहाँ पर पीड़ा आओत, जेना प्रसव मे पड़ल महिलाक पीड़ा!

लेबनान के निवासी के चेताओल जाइत छैक जे प्रसव मे पड़ल महिला जकाँ पीड़ा आ पीड़ा पहुँचला पर आबय बला पीड़ा।

1. दर्दनाक पीड़ा: आध्यात्मिक तैयारीक आवश्यकता

2. लेबनान के देवदार: कठिन समय में ताकत खोजना

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. भजन 34:19 - धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा प्रभु ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 22:24 हम जीबैत छी, परमेश् वर कहैत छथि, यद्यपि यहूदाक राजा यहोयाकीमक पुत्र कोनिया हमर दहिना हाथक निशानी छल, मुदा हम अहाँ केँ ओतय सँ उखाड़ि लेब।

सब सांसारिक अधिकार आ शक्ति पर परमेश् वरक प्रभुत्व।

1. भगवान् सब राजा पर सार्वभौम छथि

2. भगवान् के अधिकार के सर्वोच्चता के मान्यता देना

1. भजन 103:19 - परमेश् वर स् वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कयलनि अछि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

2. दानियल 4:35 - पृथ्वीक सभ निवासी केँ किछुओ नहि मानल जाइत अछि, आ ओ स्वर्गक सेना आ पृथ्वीक निवासी मे अपन इच्छाक अनुसार करैत छथि। आ कियो ओकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने ओकरा कहि सकैत अछि जे “अहाँ की केलहुँ?”

यिर्मयाह 22:25 हम अहाँ केँ ओहि सभक हाथ मे द’ देब जे अहाँक जान चाहैत छथि, आ जिनकर मुँह सँ अहाँ डरैत छी, हुनका सभक हाथ मे, बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर आ कसदी सभक हाथ मे।

भगवान् अंततः हुनका पर भरोसा करय वाला के भरण-पोषण करताह, ओहो बहुत विपत्तिक समय मे।

1. कठिनाई के समय में आशा: परमेश्वर के प्रतिज्ञा में विश्वास पाना

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हुनकर प्रावधान पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 29:11, "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. रोमियो 8:28, "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यिर्मयाह 22:26 हम अहाँ आ अहाँक जन्म देनिहार माय केँ दोसर देश मे फेकि देब, जतय अहाँ सभक जन्म नहि भेल छल। ओतहि अहाँ सभ मरि जायब।”

भगवान् के न्याय के प्रदर्शन ई श्लोक में करलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि वू जे हुनकऽ आज्ञा नै मानै छै, ओकरा दंडित करै छै ।

1: यिर्मयाह 22:26 मे परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन न्याय आ हुनकर आज्ञा मानबाक महत्व मोन पाड़ैत छथि।

2: हमरा सभकेँ ई मोन राखय पड़त जे भगवान् सदिखन अपन न्यायक समर्थन करताह आ जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि हुनका सजा देताह।

1: व्यवस्था 28:15-20 - परमेश् वर हुनकर आज्ञा माननिहार सभ केँ आशीष देबाक वादा करैत छथि आ हुनकर आज्ञा नहि माननिहार सभ केँ श्राप देबाक वादा करैत छथि।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह 22:27 मुदा जाहि देश मे ओ सभ घुरबाक इच्छा रखैत छथि, ओतय ओ सभ नहि घुरि जेताह।

लोक अपन इच्छाक भूमि पर वापस नहि आबि सकैत अछि।

1. "घर सन कोनो जगह नहि: विस्थापन के माध्यम स भगवान पर भरोसा करब"।

2. "अप्रत्याशित मार्ग: अपरिचित स्थान पर भगवान् के इच्छा के खोज"।

1. विलाप 3:31-33 "किएक तँ प्रभु द्वारा ककरो सदाक लेल नहि फेकल जाइत अछि। भले ओ दुःख अनैत अछि, मुदा दया करत, ओकर अटूट प्रेम एतेक पैघ अछि।"

2. भजन 23:3 "ओ हमरा अपन नामक लेल सही बाट पर मार्गदर्शन करैत छथि।"

यिर्मयाह 22:28 की ई कोनिया एकटा तिरस्कृत टूटल मूर्ति अछि? की ओ एहन पात्र अछि जाहि मे कोनो सुख नहि? ओ आ ओकर वंशज किएक बाहर फेकल जाइत अछि आ ओहि देश मे फेकल जाइत अछि जकरा ओ सभ नहि जनैत अछि?

कोनियाह के एकटा तिरस्कृत, टूटल-फूटल मूर्ति के रूप में देखल जाय छै, आ ओकरा आ ओकर वंशज के कोनो अपरिचित देश में निर्वासित क देल जाय छै।

1. भगवान हमरा सभ पर कृपा करैत छथि चाहे हम सभ कतबो दूर खसि पड़ब।

2. हमर कर्म के परिणाम होइत छैक, आ हमरा सब के अपन पसंद के प्रति ध्यान देबय पड़त।

1. भजन 103:14 - किएक तँ ओ जनैत छथि जे हम सभ कोना बनल छी; ओकरा मोन पड़ैत छैक जे हम सभ धूरा छी।

2. यशायाह 43:1 - डेराउ नहि, किएक तँ हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी; अहाँ हमर छी।

यिर्मयाह 22:29 हे पृथ्वी, पृथ्वी, पृथ्वी, प्रभुक वचन सुनू।

प्रभु पृथ्वी सँ बात करैत छथि आ ओकरा अपन वचन सुनबाक लेल आह्वान करैत छथि |

1. प्रभुक अपन वचन सुनबाक आह्वान - यिर्मयाह 22:29

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति - यिर्मयाह 22:29

1. भजन 19:14 - हे प्रभु, हमर चट्टान आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।

2. इब्रानी 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि हृदय के। आ कोनो प्राणी ओकर नजरि सँ नुकायल नहि अछि, मुदा सब नंगटे आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।

यिर्मयाह 22:30 परमेश् वर ई कहैत छथि, ‘अहाँ सभ एहि आदमी केँ निःसंतान लिखू, जे ओकर जीवन मे सफल नहि होयत, किएक तँ ओकर वंशज मे सँ कियो दाऊदक सिंहासन पर बैसल आ यहूदा मे आब शासन नहि करत।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ लिखबाक आज्ञा दैत छथि जे कोनो खास आदमी केँ ओकर सिंहासनक उत्तराधिकारी लेल कोनो संतान नहि होयत आ ओकर समय मे समृद्धि नहि होयत।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: परमेश् वरक वचन हमरा सभक जीवन मे कोना पूरा होइत अछि

2. विपत्तिक सामना करैत निष्ठा: विपत्तिक समय मे भगवान हमरा सभ केँ कोना मजबूत करैत छथि

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यिर्मयाह अध्याय २३ यहूदा के भ्रष्ट नेतृत्व के संबोधित करै छै आरू एक धर्मी आरू न्यायी राजा के प्रतिज्ञा के माध्यम स॑ भविष्य के आशा प्रदान करै छै, जे उद्धार आरू बहाली लानै छै।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के चरवाहा (नेता) के निंदा करै छै (यिर्मयाह 23:1-4)। ओ हुनका सभ पर परमेश् वरक लोक सभ केँ छिड़िया कऽ दुर्व्यवहार करबाक आरोप लगबैत छथि। एकरऽ जवाब म॑ परमेश् वर अपनऽ अवशेष क॑ इकट्ठा करै के वादा करै छै आरू चरवाहा नियुक्त करै छै जे ओकरऽ देखभाल करतै ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध बजैत छथि (यिर्मयाह 23:9-15)। ओ हुनका लोकनिक छल-प्रपंचक संदेशक निंदा करैत छथि जे जनता केँ भटकबैत अछि । ओ घोषणा करैत छथि जे ई भविष्यवक्ता सभ भगवान सँ सुनबाक बदला अपन कल्पना बजैत छथि |

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक विपरीत परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल सच्चा भविष्यवक्ता सँ करैत छथि (यिर्मयाह 23:16-22)। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा भविष्यवक्ता अपन संदेश सीधा परमेश् वर सँ प्राप्त करैत छथि, जखन कि झूठ भविष्यवक्ता झूठ बजैत छथि। परमेश् वरक सत् य वचन आगि आ हथौड़ा जकाँ अछि जे झूठ केँ तोड़ि दैत अछि।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह एक बेर फेर झूठ भविष्यवक्ता सभ केँ डाँटैत छथि (यिर्मयाह 23:25-32)। ओ हुनका लोकनिक धोखा देबयवला दावाक पर्दाफाश करैत छथि जे हुनका भगवान सँ सपना भेटलनि । हुनका लोकनिक झूठ लोक केँ गुमराह करैत अछि, जाहि सँ ओ हुनका बिसरि जाइत छथि |

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह एकटा धर्मी राजाक प्रतिज्ञाक माध्यमे भविष्यक आशाक घोषणा करैत छथि, जकरा प्रायः "शाखा" कहल जाइत अछि (यिर्मयाह 23:5-8)। ई राजा बुद्धिमानी सँ राज करत, न्याय करत, उद्धार आनत आ इस्राएल केँ पुनर्स्थापित करत। आब जनता डरबे नहि करत आ ने छिड़ियाओत अपितु अपन भूमि मे सुरक्षित रूप सँ निवास करत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के तेइस अध्याय यहूदा के भ्रष्ट नेतृत्व के संबोधित करै छै आरू एक धर्मी आरू न्यायी राजा के प्रतिज्ञा के माध्यम स॑ आशा प्रदान करै छै। चरबाह सभ परमेश् वरक लोक सभक संग दुर्व्यवहार करबाक लेल निन्दा कयल गेल अछि, मुदा ओ अपन अवशेष केँ एकत्रित करबाक आ देखभाल करय बला चरबाह सभक नियुक्ति करबाक वादा करैत छथि। झूठा भविष्यवक्ता के निंदा करलऽ जाय छै कि वू भटकै छै, परमेश् वर स॑ सुनै के बजाय झूठ बोलै छै । सच्चा भविष्यवक्ता हुनका सँ सीधा संदेश प्राप्त करै छै, जबकि झूठा भविष्यवक्ता कल्पना के बात करै छै । सपना के बारे में धोखाधड़ी के दावा उजागर होय जाय छै, कैन्हेंकि ओकरा चलतें लोगऽ के भगवान के बारे में बिसरी जाय छै । एहि भ्रष्टाचारक बीच आशा अछि। एकटा धर्मी राजा के संबंध में प्रतिज्ञा कयल गेल अछि, जे "शाखा" के नाम स जानल जाइत अछि | ई राजा इस्राएल मे न्याय, उद्धार आ पुनर्स्थापना आनत। लोक अपन भूमि मे सुरक्षित रहत, आब डर नहि राखत आ ने छिड़ियाएल रहत। अध्याय में भ्रष्ट नेतृत्व के निंदा आरू ईश्वरीय प्रतिज्ञा में आश्वासन दोनों पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह अध्याय २३ यहूदा के भ्रष्ट नेतृत्व के संबोधित करै छै आरू एक धर्मी आरू न्यायी राजा के प्रतिज्ञा के माध्यम स॑ भविष्य के आशा प्रदान करै छै, जे उद्धार आरू बहाली लानै छै।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह यहूदा के चरवाहा (नेता) के निंदा करै छै (यिर्मयाह 23:1-4)। ओ हुनका सभ पर परमेश् वरक लोक सभ केँ छिड़िया कऽ दुर्व्यवहार करबाक आरोप लगबैत छथि। एकरऽ

जवाब म॑ परमेश् वर अपनऽ अवशेष क॑ इकट्ठा करै के वादा करै छै आरू चरवाहा नियुक्त करै छै जे ओकरऽ देखभाल करतै ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध बजैत छथि (यिर्मयाह 23:9-15)। ओ हुनका लोकनिक छल-प्रपंचक संदेशक निंदा करैत छथि जे जनता केँ भटकबैत अछि । ओ घोषणा करैत छथि जे ई भविष्यवक्ता सभ भगवान सँ सुनबाक बदला अपन कल्पना बजैत छथि |

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक विपरीत परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल सच्चा भविष्यवक्ता सँ करैत छथि (यिर्मयाह 23:16-22)। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा भविष्यवक्ता अपन संदेश सीधा परमेश् वर सँ प्राप्त करैत छथि, जखन कि झूठ भविष्यवक्ता झूठ बजैत छथि। परमेश् वरक सत् य वचन आगि आ हथौड़ा जकाँ अछि जे झूठ केँ तोड़ि दैत अछि।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह एक बेर फेर झूठ भविष्यवक्ता सभ केँ डाँटैत छथि (यिर्मयाह 23:25-32)। ओ हुनका लोकनिक धोखा देबयवला दावाक पर्दाफाश करैत छथि जे हुनका भगवान सँ सपना भेटलनि । हुनका लोकनिक झूठ लोक केँ गुमराह करैत अछि, जाहि सँ ओ हुनका बिसरि जाइत छथि |

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह एकटा धर्मी राजाक प्रतिज्ञाक माध्यमे भविष्यक आशाक घोषणा करैत छथि, जकरा प्रायः "शाखा" कहल जाइत अछि (यिर्मयाह 23:5-8)। ई राजा बुद्धिमानी सँ राज करत, न्याय करत, उद्धार आनत आ इस्राएल केँ पुनर्स्थापित करत। आब जनता डरबे नहि करत आ ने छिड़ियाओत अपितु अपन भूमि मे सुरक्षित रूप सँ निवास करत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के तेइस अध्याय यहूदा के भ्रष्ट नेतृत्व के संबोधित करै छै आरू एक धर्मी आरू न्यायी राजा के प्रतिज्ञा के माध्यम स॑ आशा प्रदान करै छै। चरबाह सभ परमेश् वरक लोक सभक संग दुर्व्यवहार करबाक लेल निन्दा कयल गेल अछि, मुदा ओ अपन अवशेष केँ एकत्रित करबाक आ देखभाल करय बला चरबाह सभक नियुक्ति करबाक वादा करैत छथि। झूठा भविष्यवक्ता के निंदा करलऽ जाय छै कि वू भटकै छै, परमेश् वर स॑ सुनै के बजाय झूठ बोलै छै । सच्चा भविष्यवक्ता हुनका सँ सीधा संदेश प्राप्त करै छै, जबकि झूठा भविष्यवक्ता कल्पना के बात करै छै । सपना के बारे में धोखाधड़ी के दावा उजागर होय जाय छै, कैन्हेंकि ओकरा चलतें लोगऽ के भगवान के बारे में बिसरी जाय छै । एहि भ्रष्टाचारक बीच आशा अछि। एकटा धर्मी राजा के संबंध में प्रतिज्ञा कयल गेल अछि, जे "शाखा" के नाम स जानल जाइत अछि | ई राजा इस्राएल मे न्याय, उद्धार आ पुनर्स्थापना आनत। लोक अपन भूमि मे सुरक्षित रहत, आब डर नहि राखत आ ने छिड़ियाएल रहत। अध्याय में भ्रष्ट नेतृत्व के निंदा आरू ईश्वरीय प्रतिज्ञा में आश्वासन दोनों पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 23:1 धिक्कार अछि ओहि चरवाहा सभक जे हमर चारागाहक भेँड़ा सभ केँ नष्ट करैत अछि आ तितर-बितर करैत अछि! प्रभु कहैत छथि।

प्रभु अपनऽ चारागाह के झुंड के नष्ट करी क॑ तितर-बितर करै वाला पादरी सिनी के प्रति अपनऽ नाराजगी व्यक्त करै छै ।

1. प्रभु के चेतावनी जे पास्टर अपन कर्तव्य के उपेक्षा करैत छथि

2. परमेश् वरक लोक सभक चरबाह करबाक लेल पास्टर सभक जिम्मेदारी

1. इजकिएल 34:2-4 - तेँ हे चरबाह सभ, प्रभुक वचन सुनू।

2. यिर्मयाह 3:15 - हम अहाँ सभ केँ अपन हृदयक अनुसार चरबाह देब, जे अहाँ सभ केँ ज्ञान आ समझ सँ पोसत।

यिर्मयाह 23:2 तेँ इस्राएलक परमेश् वर यहोवा हमर लोकक चरबाही करयवला चरबाह सभक विरुद्ध ई कहैत छथि। अहाँ सभ हमर भेँड़ा केँ छिड़िया देलहुँ आ ओकरा सभ केँ भगा देलियैक, मुदा ओकरा सभ केँ परवाह नहि केलहुँ।

परमेश् वर इस्राएल के पादरी सिनी कॅ निंदा करी रहलऽ छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ के उपेक्षा करै छै आरू ओकरा सिनी के पास नै जाय छै। ओ हुनका सभक गलत काजक सजा देताह।

1. प्रभुक निर्देशक पालन करू आ हुनकर लोकक देखभाल करू

2. जे बोबैत छी से काटि लिअ: उपेक्षा पर परमेश् वरक निर्णय

1. इजकिएल 34:2-4 - प्रभु परमेश् वर चरबाह सभ केँ ई कहैत छथि। धिक्कार अछि इस्राएलक चरबाह सभ जे अपना केँ पोसैत अछि! चरबाह सभ केँ झुंडक चरबाह नहि करबाक चाही? अहाँ सभ चर्बी खाइत छी आ ऊन कपड़ा पहिराबैत छी, चरबाह केँ मारि दैत छी, मुदा भेँड़ा केँ नहि पोसैत छी। अहाँ सभ बीमार केँ मजबूत नहि केलहुँ, ने बीमार केँ ठीक केलहुँ, ने टूटल-फूटल केँ बान्हि देलहुँ, ने भगाओल गेल केँ फेर सँ अनलहुँ आ ने हेरायल चीज केँ तकलहुँ। मुदा अहाँ सभ ओकरा सभ पर बल आ क्रूरता सँ शासन केलहुँ।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

यिर्मयाह 23:3 हम अपन भेँड़ाक शेष लोक सभ केँ ओहि सभ देश सँ जमा करब, जतय हम ओकरा सभ केँ भगा देलहुँ आ ओकरा सभ केँ फेर सँ अपन झुंड मे आनि देब। ओ सभ फलदा-फूलत आ बढ़ि जायत।

भगवान् अपन झुंडक अवशेष केँ ओहि देश सँ अनताह जाहि मे ओकरा सभ केँ भगाओल गेल छैक आ ओकरा सभ केँ अपन-अपन घर मे वापस क’ देतैक, आ ओ सभ समृद्ध आ बढ़ि जायत।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ देखभाल

2. भगवान् के प्रावधान आ रक्षा के लेल प्रार्थना करब

1. भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. मत्ती 6:25-34 तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू जे अहाँ की खाएब आ की पीब। वा अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? हवाक चिड़ै सभ देखू; ओ सभ नहि बोबैत छथि आ ने काटैत छथि आ ने कोठी मे जमा करैत छथि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभ केँ पोसैत छथि। की अहाँ हुनका सभसँ बेसी मूल्यवान नहि छी? की अहाँ मे सँ कियो चिंतित भ' क' अपन जीवन मे एक घंटा जोड़ि सकैत छी?

यिर्मयाह 23:4 हम ओहि सभ पर चरबाह राखब जे ओकरा सभक चरबाह करत, आ ओ सभ आब नहि डरताह, आ ने भयभीत होयत, आ ने ओकरा सभक कमी होयत।”

प्रभु वादा करै छै कि वू चरवाहा सिनी के स्थापना करतै जे ओकरऽ लोगऽ के देखभाल करी क॑ ओकरऽ रक्षा करतै ताकि ओकरा सिनी क॑ अब॑ डर, परेशानी या कमी नै रह॑ सक॑ ।

1. "प्रभु हमर चरबाह छथि"।

2. "प्रभुक द्वारा शान्ति आ सुरक्षाक पाछाँ लागब"।

1. भजन 23:1 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

2. यशायाह 26:3 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।

यिर्मयाह 23:5 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जखन हम दाऊदक लेल एकटा धार्मिक डारि ठाढ़ करब, आ एकटा राजा राज करत आ समृद्ध होयत आ पृथ्वी पर न्याय आ न्याय करत।

प्रभु घोषणा करै छै कि राजा दाऊद के वंश में से एगो धर्मी राजा उठतै, जे राज करतै आरू पृथ्वी पर न्याय करतै।

1. परमेश् वरक न्याय: परमेश् वरक धर्मी राजा कोना पृथ्वी पर न्याय आनताह

2. प्रभु पर भरोसा करब: प्रभु पर हुनकर प्रतिज्ञा के लेल कोना भरोसा कयल जाय

1. यशायाह 9:6-7; कारण, हमरा सभक लेल एकटा संतानक जन्म भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा पुत्र देल गेल अछि, आ शासन हुनकर कान्ह पर रहत, आ हुनकर नाम अद्भुत, सलाहकार, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

2. भजन 72:1-2; हे परमेश् वर, राजा केँ अपन न् याय आ अपन धार्मिकता राजाक पुत्र केँ दऽ दिअ। ओ तोहर लोक सभक न्याय धार्मिकता सँ करत आ तोहर गरीब सभक न्याय सँ।

यिर्मयाह 23:6 हुनकर समय मे यहूदा उद्धार होयत आ इस्राएल सुरक्षित रहत।

परमेश् वर अपन पाछाँ चलनिहार सभ केँ धार्मिकता आ उद्धार प्रदान करैत छथि।

1. हमर जीवन मे धर्मक शक्ति

2. अपन उद्धारक लेल प्रभु पर भरोसा करब

1. रोमियो 3:21-26

2. यशायाह 45:17-25

यिर्मयाह 23:7 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जखन ओ सभ आब ई नहि कहताह जे, ‘परमेश् वर जीवित छथि, जे इस्राएलक सन् तान सभ केँ मिस्र देश सँ निकालने छलाह।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ उद्धार आनताह आ आब ओकरा सभ केँ ओहि समय केँ याद करबाक आवश्यकता नहि रहत जखन ओकरा सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालल गेल छलैक।

1. भगवानक प्रेम बिना शर्त अछि

2. परमेश् वरक उद्धार सभक लेल अछि

1. व्यवस्था 7:8-9 - "मुदा प्रभु अहाँ सभ सँ प्रेम करैत छथि आ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ जे शपथ केने छलाह, तकरा पालन करैत छथि, तेँ ओ अहाँ सभ केँ एकटा पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि देलनि आ अहाँ सभ केँ गुलामीक घर सँ, केर सामर्थ्य सँ मुक्त क' देलनि।" मिस्र के राजा फिरौन।

2. यशायाह 43:1-3 - मुदा आब, प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

यिर्मयाह 23:8 मुदा, परमेश् वर जीवित छथि, जे इस्राएलक वंशज केँ उत्तर देश सँ आ ओहि सभ देश सँ, जतय हम ओकरा सभ केँ भगा देने छलहुँ, ओहि मे सँ लऽ गेलाह आ लऽ गेलाह। ओ सभ अपन-अपन देश मे रहताह।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह आ ओकर रक्षा करताह।

1: भगवान् अपन लोकक परम रक्षक आ प्रदाता छथि।

2: परिस्थिति चाहे जे हो, भगवान हमरा सब के वापस सुरक्षित स्थान पर ल जेताह।

1: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: भजन 48:14 - कारण, ई परमेश् वर हमरा सभक परमेश् वर छथि, अनन्त काल धरि। ओ अंत धरि हमरा सभक मार्गदर्शक रहताह।

यिर्मयाह 23:9 भविष्यवक्ता सभक कारणेँ हमर मोन टूटि गेल अछि। हमर सभ हड्डी हिलैत अछि।
हम एकटा नशा मे धुत्त आदमी जकाँ छी आ ओहि आदमी जकाँ छी जकरा पर मदिरा परास्त भऽ गेल अछि, परमेश् वरक कारणेँ आ हुनकर पवित्रताक वचन सभक कारणेँ।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता सभक विषय मे अपन दुख व्यक्त करैत छथि आ कोना प्रभुक वचन हुनका पर भारी पड़ि गेलनि।

1. भगवानक वचनक शक्ति: हमर सभक हृदय आ हड्डी कोना हिलैत अछि

2. शोकक शक्ति: पीड़ाक बीच ताकत कोना भेटत

1. यशायाह 28:9-10 ओ केकरा ज्ञान सिखाओत? ओ केकरा सिद्धांत केँ बुझबाक लेल बनाओत? जे दूध सँ दुध छुड़ा कऽ स्तन सँ खीचल जाइत अछि। कारण उपदेश उपदेश पर, उपदेश पर उपदेश हेबाक चाही; रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; एतय कनि, आ ओतय कनि।

2. भजन 37:4 प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।”

यिर्मयाह 23:10 किएक तँ देश व्यभिचारी सभसँ भरल अछि। किएक तँ शपथक कारणेँ देश शोक करैत अछि। जंगलक सुखद स्थान सुखा गेल अछि, आ ओकर मार्ग अधलाह अछि, आ ओकर बल ठीक नहि अछि।

भूमि पापसँ भरल अछि आ एकर परिणाम भयंकर अछि ।

1. पापक परिणाम: यिर्मयाह 23:10

2. व्यभिचारक खतरा: यिर्मयाह 23:10

1. याकूब 4:17 तेँ जे सही काज बुझैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2. गलाती 6:7-8 धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि। किएक तँ मनुष्य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत।” किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीरक भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

यिर्मयाह 23:11 कारण, भविष्यवक्ता आ पुरोहित दुनू अपवित्र छथि। हँ, हमरा घर मे हुनका सभक दुष्टता भेटल अछि, परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु के घर में दुष्टता के उपस्थिति के निंदा छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक घर केँ पवित्र आ दुष्टता सँ मुक्त रखबाक प्रयास करबाक चाही।

2: परमेश् वरक प्रतिनिधिक रूप मे भविष्यवक्ता आ पुरोहित केँ धार्मिक जीवन जीबय पड़तनि।

1: नीतिवचन 15:8 दुष्टक बलिदान परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा सोझ लोकक प्रार्थना हुनकर प्रसन्नता अछि।

2: इफिसियों 4:17-19 तेँ हम ई बात कहैत छी आ प्रभु मे गवाही दैत छी जे आब अहाँ सभ ओहिना नहि चलब जेना आन गैर-यहूदी सभ अपन विचारक व्यर्थता मे चलैत अछि हुनका सभक हृदयक आन्हरताक कारणेँ हुनका सभ मे अज्ञानता छनि।

यिर्मयाह 23:12 एहि लेल हुनका सभक बाट हुनका सभक लेल अन्हार मे फिसलन बाट जकाँ होयत, ओ सभ ओहि मे धकेलि जायत आ ओहि मे खसि पड़तनि, किएक तँ हम हुनका सभ पर दुष् टता आनि देबनि, जाहि साल हुनका सभक दण्डक वर्ष अछि।”

परमेश् वरक न् याय ओहि सभ पर आओत जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेत।

1. पापक फिसलन ढलान

2. परमेश् वरक न्याय आ प्रेम

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

यिर्मयाह 23:13 हम सामरियाक भविष्यवक्ता सभ मे मूर्खता देखलहुँ। ओ सभ बाल मे भविष्यवाणी कयलक आ हमर प्रजा इस्राएल केँ भटका देलक।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता सामरिया के झूठा भविष्यवक्ता सिनी के निंदा करै छै जे बाल में भविष्यवाणी करी कॅ इस्राएल के लोग सिनी कॅ भटकाय दै छै।

1. झूठा भविष्यवक्ता: बाल के धोखा

2. भटकल नहि जाउ: भगवानक मार्गदर्शन पर भरोसा करब

1. यशायाह 8:20 - व्यवस्था आ गवाही केँ: जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

2. कुलुस्सी 2:8 - सावधान रहू जे मसीहक अनुसार नहि, मनुष् यक परम्पराक अनुसार, संसारक प्रारंभिक बातक अनुसार, दर्शन आ व्यर्थ छलक द्वारा कियो अहाँ सभ केँ लूटि नहि जाय।

यिर्मयाह 23:14 हम यरूशलेमक भविष्यवक्ता सभ मे सेहो एकटा भयावह बात देखलहुँ, ओ सभ व्यभिचार करैत छथि आ झूठ बाजैत छथि, ओ सभ दुष्कर्म करनिहार सभक हाथ केँ सेहो मजबूत करैत छथि, जाहि सँ कियो अपन दुष्टता सँ नहि घुरि जाय सदोम आ ओहि मे रहनिहार सभ अमोरा जकाँ।

यरूशलेम के भविष्यवक्ता व्यभिचार आरू झूठ बोलै छै, जबकि बुराई करै वाला सिनी कॅ प्रोत्साहित करै छै आरू पश्चाताप करै के रोकै छै। ओ सभ सदोम आ अमोरा शहर जकाँ दुष्ट अछि।

1. पापक परिणाम - यिर्मयाह 23:14

2. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा - यिर्मयाह 23:14

1. इजकिएल 16:49-50 - देखू, अहाँक बहिन सदोमक ई अधर्म छल, घमंड, रोटीक भरमार आ आलस्यक प्रचुरता हुनका आ हुनकर बेटी सभ मे छल, आ ने ओ गरीब आ गरीबक हाथ केँ मजबूत केलनि।

50 ओ सभ घमंडी छल आ हमरा सामने घृणित काज करैत छल।

2. मत्ती 12:39 - मुदा ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “एकटा दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कोनो चिन् हक खोज मे अछि। ओकरा कोनो चिन् ह, सिवाय योना प्रवक् ताक चिन् ह।”

यिर्मयाह 23:15 तेँ सेना सभक प्रभु भविष्यवक्ता सभक विषय मे ई कहैत छथि। देखू, हम ओकरा सभ केँ कृमि खुआ देब आ ओकरा सभ केँ पित्तक पानि पीबब, किएक तँ यरूशलेमक प्रवक् ता सभ सँ पूरा देश मे अशुद्धता आबि गेल अछि।

सेना केरऽ परमेश् वर यरूशलेम केरऽ भविष्यवक्ता सिनी के सजा के घोषणा करै छै कि वू पूरा देश में अपवित्रता फैलाबै छै।

1. अपवित्रता के परिणाम

2. आज्ञा नहि मानबाक खतरा

1. आमोस 5:7 - अहाँ सभ जे न्याय केँ कड़ाही मे बदलि दैत छी आ पृथ्वी पर धार्मिकता केँ छोड़ि दैत छी

2. गलाती 6:7 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत।

यिर्मयाह 23:16 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करय बला भविष्यवक्ता सभक वचन नहि सुनू, ओ सभ अहाँ सभ केँ व्यर्थ बना दैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे झूठ भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनू, कारण ओ सभ अपन मन सँ बजैत छथि आ परमेश् वरक मन सँ नहि।

1. भगवान् के वचन के विशिष्टता

2. झूठा भविष्यवक्ता आ ओकर खतरा

1. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. मत्ती 7:15-16 - झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ भेड़ियाधसान छथि। अहाँ सभ ओकरा सभक फल सँ चिन्हब। की मनुष्य काँटक अंगूर जुटबैत अछि आकि काँटक अंजीर?

यिर्मयाह 23:17 ओ सभ हमरा तिरस्कृत करयवला सभ केँ एखनो कहैत छथि जे, “प्रभु कहने छथि जे, ‘अहाँ सभ केँ शान्ति भेटत। ओ सभ जे कियो अपन मनक कल्पनाक अनुसार चलैत अछि ओकरा कहैत अछि जे, “अहाँ सभ पर कोनो दुष् टता नहि होयत।”

जे लोक भगवानक आदर नहि करैत छथि हुनका शान्तिक वादा कयल जाइत छनि, भले ओ अपन इच्छाक पालन करथि।

1. भगवान् केँ अस्वीकार करबाक आ अपन हृदयक पालन करबाक खतरा

2. परमेश् वरक शान्तिक प्रतिज्ञा सभक लेल, तिरस्कृत करयवला सभक लेल सेहो

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यिर्मयाह 23:18 किएक तँ के परमेश् वरक सलाह मे ठाढ़ भेल अछि आ हुनकर वचन केँ बुझि कऽ सुनलक? के ओकर वचन के चिन्हित क’ क’ सुनलकै?

यिर्मयाह सवाल करै छै कि के प्रभु के सलाह में खड़ा होय सकलऽ छै, ओकरऽ वचन के बोध करै आरू सुनै में, आरू ओकरा चिन्हित करै आरू याद करै में सक्षम होय गेलऽ छै।

1. "प्रभुक वचन केँ स्मरण करबाक आह्वान"।

2. "भगवानक सलाह मे ठाढ़ रहबाक महत्व"।

1. भजन 119:11 "हम अहाँक वचन अपन हृदय मे नुका देने छी जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।"

2. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यिर्मयाह 23:19 देखू, प्रभुक एकटा बवंडर क्रोध मे निकलि गेल अछि, एकटा भयंकर बवंडर, ओ दुष्टक माथ पर भयंकर खसि पड़त।

भगवान् के क्रोध दुष्ट पर विनाशकारी बवंडर के रूप में आबी रहलऽ छै ।

1. भगवान् के क्रोध: अधर्म के परिणाम के समझना

2. परमेश् वरक अविचल न्याय: अपन जीवन मे धार्मिकताक खोज

1. यशायाह 40:10-11 - "देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल' क' आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करताह। देखू, हुनकर इनाम हुनका संग छनि आ हुनकर काज हुनका सामने छनि। ओ अपन भेँड़ा केँ ओहिना पोसताह चरबाह, ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे राखत आ बच्चा सभक संग मंद-मंद नेतृत्व करत।”

2. नीतिवचन 15:29 - "प्रभु दुष्ट सँ दूर छथि, मुदा ओ धर्मी सभक प्रार्थना सुनैत छथि।"

यिर्मयाह 23:20 जाबत धरि ओ अपन हृदयक विचार केँ पूरा नहि क’ लेत ता धरि प्रभुक क्रोध नहि घुरि जायत।

भगवानक क्रोध ता धरि नहि रुकत जा धरि हुनकर इच्छा पूरा नहि भ' जायत।

1. परमेश् वरक पूर्ण योजना: हुनकर प्रतिज्ञाक शक्ति

2. अंतिम समय: परमेश् वरक हृदय केँ बुझब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।

यिर्मयाह 23:21 हम एहि भविष्यवक्ता सभ केँ नहि पठौने छी, मुदा ओ सभ दौड़ल, हम हुनका सभ सँ बात नहि केलहुँ, तइयो ओ सभ भविष्यवाणी केलनि।

परमेश् वर भविष्यवक्ता सभ केँ नहि पठौने छलाह आ ने हुनका सभ सँ बात केने छलाह, तइयो ओ सभ भविष्यवाणी कऽ रहल छलाह।

1. परमेश्वरक इच्छा बनाम मनुष्यक इच्छा: यिर्मयाह 23:21 पर एकटा अध्ययन

2. यिर्मयाह 23:21 के अर्थ के समझना: बाइबिल में भविष्यवक्ता के भूमिका

1. यिर्मयाह 7:25-26 - "जहिया सँ अहाँक पूर्वज मिस्र देश सँ निकलल छलाह, तहिया सँ आइ धरि हम अपन सभ सेवक भविष्यवक्ता केँ अहाँ सभ लग पठौने छी, रोज भोरे उठि क' हुनका सभ केँ पठा रहल छी। तइयो ओ सभ बात सुनैत रहलाह।" हमरा दिस नहि, कान झुकौलनि, बल् कि हुनका सभक गरदनि कठोर कयलनि।

2. यशायाह 29:10-12 - "किएक तँ परमेश् वर अहाँ सभ पर गहींर नींदक आत् मा उझलि देलनि आ अहाँ सभक आँखि मुनि लेलनि। भविष्यवक्ता आ अहाँक शासक सभ, द्रष्टा सभ केँ ओ झाँपि देलनि। आ सभक दर्शन भ' गेलनि।" अहाँ सभ ओहि पुस्तकक वचन जकाँ जे मोहर लगाओल गेल अछि, जे लोक सभ विद्वान केँ पठा दैत अछि, ई कहैत जे, “हम अहाँ सँ ई पढ़ू।” विद्वान नहि भऽ कऽ कहैत छथि जे, “ई बात पढ़ू, हम विद्वान नहि छी।”

यिर्मयाह 23:22 मुदा जँ ओ सभ हमर विचार मे ठाढ़ रहितथि आ हमर लोक केँ हमर बात सुनबा लेल बाध्य करितथि, तखन ओ सभ ओकरा सभ केँ अपन दुष्ट मार्ग सँ आ अपन काजक अधलाह बात सँ मोड़ि दैतथिन।
परमेश् वर के लोग सिनी कॅ ओकरोॅ वचन सुनै के जरूरत छै ताकि वू अपनऽ बुरा काम सें मुँह मोड़॑ सक॑ ।
1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व
2. बुराईसँ मुँह मोड़ब
1. रोमियो 10:17 - "एहि तरहेँ विश्वास सुनबा सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन सँ अबैत अछि।"
2. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"
यिर्मयाह 23:23 की हम लग मे परमेश् वर छी, परमेश् वर कहैत छथि, आ दूरक परमेश् वर नहि छी? भगवान् अपन लोकक नजदीक छथि आ दूर नहि।
1. परमेश् वरक निकटताक शक्ति - यिर्मयाह 23:23
2. अपन जीवन मे परमेश्वरक उपस्थितिक अनुभव करब - यिर्मयाह 23:23
1. भजन 139:7-10 - हम अहाँक आत्मा सँ कतय जायब? आकि हम अहाँक सोझाँ सँ कतय पलायन करब?
2. व्यवस्था 4:7 - किएक तँ एहन कोन पैघ जाति अछि जकर देवता एतेक नजदीक अछि जतेक हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर हमरा सभक समीप अछि, जखन कखनो हम सभ हुनका पुकारैत छी?
यिर्मयाह 23:24 की केओ गुप्त स्थान मे नुका सकैत अछि जे हम ओकरा नहि देखब? प्रभु कहैत छथि। की हम स्वर्ग-पृथ्वी केँ नहि भरैत छी? प्रभु कहैत छथि।
भगवान् सब देखैत छथि आ सर्वव्यापी छथि।
1. भगवान सब ठाम छथि
2. भगवान् सँ किछुओ नुकायल नहि अछि
1. भजन 139:7-12
2. इब्रानियों 4:13
यिर्मयाह 23:25 हम सुनने छी जे भविष्यवक्ता सभक कहल बात अछि जे हमर नाम पर भविष्यवाणी कयल गेल अछि जे, “हम सपना देखलहुँ, हम सपना देखलहुँ।”
यिर्मयाह भविष्यवक्ता झूठ भविष्यवक्ता सभक निन्दा करैत छथि जे परमेश् वरक नाम पर भविष्यवाणीक सपना आ दर्शन देखबाक दावा करैत छथि।
1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा
2. परमेश् वरक वचनक भरोसेमंदता
1. मत्ती 7:15-20 - झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू
२

यिर्मयाह 23:26 ई बात कतेक दिन धरि ओहि भविष्यवक्ता सभक हृदय मे रहत जे झूठक भविष्यवाणी करैत अछि? हँ, ओ सभ अपन हृदयक छलक भविष्यवक्ता छथि;

पैगम्बर सब अपन दिल स सच्चाई के जगह झूठ बाजि रहल छैथ।

1. हमर हृदय केँ सत्य बाजबाक चाही

2. झूठ सदाक लेल नहि रहैत अछि

1. भजन 51:6 - देखू, अहाँ भीतर मे सत्य मे आनन्दित होइत छी, आ अहाँ हमरा गुप्त हृदय मे बुद्धि सिखाबैत छी।

2. नीतिवचन 12:19 - सत्यक ठोर सदाक लेल टिकैत अछि, मुदा झूठ बाजबला जीह मात्र क्षण भरि लेल अछि।

यिर्मयाह 23:27 जे सभ सोचैत छथि जे हमर लोक सभ अपन सपना सँ हमर नाम बिसरि जाय जे ओ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ कहैत छथि, जेना हुनकर पूर्वज बाल लेल हमर नाम बिसरि गेल छथि।

भगवान् ओहि झूठ भविष्यवक्ता सभ पर तमसाएल छथि जे हुनकर लोक केँ अपन बात बजबाक बदला सपना कहैत हुनका सँ दूर क' रहल छथि।

1. "झूठा भविष्यवक्ता के खतरा: धोखा के जाल स बचब"।

2. "आज्ञापालन के आशीर्वाद: भगवान के नाम याद करब"।

1. इफिसियों 4:14 - जाहि सँ आब हम सभ लहरि सँ एम्हर-ओम्हर उछालल आ शिक्षाक हर हवा, मनुक्खक धूर्तता आ छल-कपट मे धूर्तता सँ घुमाओल गेल बच्चा नहि बनि सकब।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

यिर्मयाह 23:28 जे भविष्यवक्ता सपना देखैत छथि, ओ सपना देखथि। जे हमर वचन रखैत अछि, से हमर वचन निष्ठापूर्वक कहय। गहूमक भूसा की होइत छैक? प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अपनऽ भविष्यवक्ता सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि वू निष्ठापूर्वक अपनऽ वचन के प्रचार कर॑, कैन्हेंकि ई कोनो भी सपना स॑ कहीं बड़ऽ छै ।

1. परमेश् वरक वचनक मूल्य: परमेश् वरक वचनक उपयोग रोजमर्राक जीवनक लेल मार्गदर्शकक रूप मे कोना कयल जाय

2. निष्ठा के शक्ति: परमेश् वर के वचन के प्रति सच्चा रहना कियैक जरूरी छै

1. इब्रानी 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, जे कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि, हमर बाट पर इजोत अछि।

यिर्मयाह 23:29 की हमर वचन आगि जकाँ नहि अछि? परमेश् वर कहैत छथि। आ हथौड़ा जकाँ जे पाथर केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ दैत अछि?

प्रभुक वचन आगि आ हथौड़ा जकाँ शक्तिशाली आ प्रभावी अछि।

1. प्रभुक वचनक शक्ति

2. पापक गढ़ तोड़ब

1. भजन 33:4-6 किएक तँ प्रभुक वचन सही आ सत्य अछि। ओ अपन सभ काज मे निष्ठावान अछि। प्रभु धर्म आ न्याय सँ प्रेम करैत छथि; धरती ओकर अटूट प्रेमसँ भरल अछि। प्रभुक वचन सँ आकाश बनल, ओकर मुँहक साँस सँ ओकर तारा सँ भरल सेना।

2. इब्रानी 4:12-13 किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि। कोनो भी दुधारी तलवार स॑ भी तेज, ई आत्मा आरू आत्मा, जोड़ आरू मज्जा के विभाजन तक भी घुसी जाय छै; हृदयक विचार आ मनोवृत्तिक न्याय करैत अछि | सब सृष्टि मे कोनो वस्तु भगवानक दृष्टि सँ नुकायल नहि अछि |
सब किछु ओकर आँखिक सोझाँ उघार आ उघार कयल गेल अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।

यिर्मयाह 23:30 तेँ देखू, हम ओहि भविष्यवक्ता सभक विरोध मे छी, जे सभ हमर बात अपन पड़ोसी सँ चोरा लैत छथि।

परमेश् वर ओहि भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध छथि जे अपन पड़ोसी सँ वचन चोरा लैत छथि।

1. झूठा भविष्यवक्ता सभक लेल परमेश् वरक चेतावनी

2. आध्यात्मिक नेतृत्व मे बेईमानी के खतरा

1. इफिसियों 4:14-15 - "एहि सँ आब हम सभ आब संतान नहि भ' जायब, जे शिक्षाक हर हवाक संग, मनुष्यक छल-प्रपंच आ धूर्तताक संग घुमाओल जाइत छी, जाहि सँ ओ सभ धोखा देबाक लेल प्रतीक्षा मे पड़ि जाइत छथि। " .

2. नीतिवचन 12:22 - "झूठक ठोर प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा जे सच्चा काज करैत अछि, ओ हुनकर प्रसन्नता अछि।"

यिर्मयाह 23:31 देखू, हम ओहि भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध छी, प्रभु कहैत छथि, जे अपन जीह प्रयोग करैत छथि आ कहैत छथि जे ओ कहैत छथि।

प्रभु घोषणा करै छै कि वू भविष्यवक्ता सिनी के खिलाफ छै जे अपनऽ वचन के प्रयोग करै छै आरू ओकरा लेली बोलै के दावा करै छै।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. भगवान् केर बात सुनबाक महत्व

1. यशायाह 8:20 - व्यवस्था आ गवाही केँ: जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

2. मत्ती 7:15-20 - झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि मुदा भीतर सँ क्षुद्र भेड़िया छथि।

यिर्मयाह 23:32 देखू, हम ओहि सभक विरुद्ध छी जे झूठ सपना पर भविष्यवाणी करैत अछि, आ ओकरा सभ केँ कहैत अछि आ हमर लोक केँ ओकर झूठ आ ओकर हल्लुकता सँ भटकबैत अछि। तैयो हम ओकरा सभ केँ नहि पठौलहुँ आ ने ओकरा सभ केँ आज्ञा देलहुँ, तेँ एहि लोक सभ केँ कोनो फायदा नहि होयत।”

परमेश् वर ओहि भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध छथि जे झूठ सपना सभक भविष्यवाणी करैत छथि आ अपन झूठ सँ अपन लोक सभ केँ भटकबैत छथि। एकर बादो परमेश् वर एहि भविष्यवक्ता सभ केँ नहि पठौलनि आ ने आज्ञा देलनि, तेँ ओ सभ हुनकर लोक सभक मददि नहि करताह।

1. "झूठा भविष्यवक्ता के विरुद्ध भगवान के चेतावनी"।

2. "झूठा भविष्यवक्ता के बावजूद भगवान के अपन लोक के प्रति प्रेम"।

1. इजकिएल 13:2-10

2. यिर्मयाह 14:14-15

1009

यिर्मयाह 23:33 जखन ई लोक, वा भविष्यवक्ता वा कोनो पुरोहित अहाँ सँ पूछत जे, “प्रभुक भार की अछि?” तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “कोन बोझ?” हम अहाँ सभ केँ छोड़ि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे जँ ओ सभ पूछत जे हुनकर बोझ की अछि तँ ओ हुनका सभ केँ छोड़ि देताह।

1. "हमर जीवन के लेल भगवान के बोझ"।

2. "यहूदाक लोक सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी"।

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

यिर्मयाह 23:34 जँ भविष्यवक्ता, पुरोहित आ लोक सभ कहत जे, “प्रभुक भार अछि, हम ओहि आदमी आ ओकर घर केँ सेहो सजा देब।”

जे प्रभुक वचन बजबाक दावा करैत अछि मुदा नहि बजैत अछि तकरा प्रभु दंडित करताह।

1: भगवान् ओहि सभ केँ बर्दाश्त नहि करताह जे प्रभुक वचन बजबाक झूठ दावा करैत छथि।

2: भगवान् के लेल बजबाक दावा करय वाला लोक स सावधान रहब आ ई सुनिश्चित करब जरूरी अछि जे हुनकर बात शास्त्र के अनुरूप हो।

1: व्यवस्था 18:20-22 - मुदा जे भविष्यवक्ता हमर नाम सँ कोनो एहन शब्द बजबाक अभिमान करैत अछि जे हम ओकरा कहबाक आज्ञा नहि देने छी, वा जे दोसर देवताक नाम पर बजैत अछि, ओ वैह भविष्यवक्ता मरि जायत। जँ अहाँ सभ मोन मे कहैत छी जे, “प्रभु जे बात नहि कहने छथि, से हम सभ कोना जानि सकब?” जखन कोनो भविष्यवक्ता प्रभुक नाम सँ बजैत छथि, जँ ओ वचन पूरा नहि भेल वा साकार नहि होइत अछि, तँ ओ एहन वचन अछि जे प्रभु नहि कहने छथि; भविष्यवक्ता अभिमानपूर्वक एकरा बाजि देने छथि। ओकरासँ डरबाक आवश्यकता नहि।

2: 2 पत्रुस 1:20-21 - सबसँ पहिने ई जानि जे पवित्रशास्त्रक कोनो भविष्यवाणी ककरो अपन व्याख्या सँ नहि अबैत अछि। कारण, मनुष् यक इच्छा सँ कहियो कोनो भविष्यवाणी नहि भेल, बल् कि पवित्र आत् मा द्वारा लऽ कऽ मनुष् य परमेश् वरक दिस सँ बजैत छल।

यिर्मयाह 23:35 अहाँ सभ अपन पड़ोसी आ अपन भाय केँ एहि तरहेँ कहब जे, “प्रभु की उत्तर देलनि?” आ, “परमेश् वर की कहलनि?”

भगवान हमरा सब स बात केने छथि आ हमरा सब के हुनकर जवाब के बुझय आ साझा करय के कोशिश करबाक चाही।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

2. परमेश् वरक उत्तरक सुसमाचार प्रचार करब

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

२ ओ सभ प्रचार करैत छथि, सिवाय हुनका सभ केँ पठाओल गेल?”

यिर्मयाह 23:36 आब अहाँ सभ परमेश् वरक भारक चर्चा नहि करब, किएक तँ प्रत्येकक वचन ओकर भार होयत। किएक तँ अहाँ सभ जीवित परमेश् वरक, हमरा सभक सेना सभक परमेश् वरक वचन केँ विकृत कऽ देलहुँ।”

1010

भगवानक वचन केँ गंभीरता सँ लेबाक चाही आ कोनो तरहेँ विकृत नहि करबाक चाही।

1. परमेश् वरक वचन हमर सभक बोझ अछि - यिर्मयाह 23:36

2. परमेश् वरक वचन केँ गंभीरता सँ लेब - यिर्मयाह 23:36

1. व्यवस्था 8:3 - ओ तोरा नम्र कऽ देलक आ भूख मरय देलक आ मन्ना खुआ देलक, जकरा तोरा नहि बुझल छल आ तोहर पूर्वज सेहो नहि जनैत छल। जाहि सँ ओ अहाँ केँ ई बुझा सकथि जे मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि जीबैत अछि, बल् कि परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात सँ जीबैत अछि।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

यिर्मयाह 23:37 अहाँ भविष्यवक्ता केँ एहि तरहेँ कहब जे, प्रभु अहाँ केँ की उत्तर देलनि? आ, “परमेश् वर की कहलनि?”

परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभ केँ बजा रहल छथि जे हुनका सँ पूछल जाय जे हुनकर की कहल गेल अछि आ अपना लेल जवाब देथिन।

1. प्रभु अपन लोक केँ अपन वचनक खोज करबाक लेल बजा रहल छथि

2. आज्ञाकारिता मे प्रभुक आवाजक प्रतिक्रिया देब

1. यिर्मयाह 33:3 - हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ जवाब देब, आ अहाँ केँ पैघ आ नुकायल बात कहब जे अहाँ नहि जनने छी।

2. मत्ती 7:7-11 - माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तऽ पाबि लेब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत। जे कियो माँगैत अछि, तकरा भेटैत छैक, आ खोजनिहार केँ भेटैत छैक, आ जे खटखटबैत छैक तकरा लेल ओ खोलल जायत। आकि अहाँ सभ मे सँ केओ जँ ओकर बेटा रोटी माँगत तँ ओकरा पाथर दऽ देतैक? आकि जँ माछ माँगत तँ ओकरा साँप देतैक? तखन जँ अहाँ सभ अधलाह छी, अहाँ सभ अपन संतान सभ केँ नीक वरदान देबऽ जनैत छी तँ अहाँ सभक पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनका सभ केँ कतेक बेसी नीक चीज देथिन जे हुनका सँ माँगैत छथि!

यिर्मयाह 23:38 मुदा जखन अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभुक भार अछि।” तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ सभ ई बात कहैत छी जे, “प्रभुक भार” आ हम अहाँ सभ लग पठौने छी जे, “प्रभुक भार नहि कहब।”

यिर्मयाह 23:38 झूठ भविष्यवक्ता सभक निन्दा करैत अछि जे प्रभु सँ नहि एकटा संदेशक प्रचार करैत छल, ई मांग करैत अछि जे ओ सभ प्रभुक बोझक झूठ घोषणा नहि करथि।

1. प्रभुक भारक झूठ घोषणा नहि करू।

2. प्रभुक आज्ञाक पालन करू आ हुनकर वचन पर भरोसा करू।

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. मत्ती 7:24-27 - "तेँ जे केओ हमर ई बात सुनत आ ओकर पालन करत, हम ओकरा एकटा बुद्धिमान आदमी सँ उपमा देब, जे अपन घर चट्टान पर बनौलक। तखन बरखा खसि पड़ल आ बाढ़ि आबि गेल आ।" हवा बहि गेलै आ ओहि घर पर मारि देलकैक, मुदा ओ घर नहि खसल, कारण ओकर नींव पाथर पर छलैक।”

यिर्मयाह 23:39 तेँ देखू, हम, हम अहाँ सभ केँ एकदम बिसरि जायब, आ हम अहाँ सभ केँ आ ओहि नगर केँ छोड़ि देब जे हम अहाँ सभ केँ आ अहाँक पूर्वज सभ केँ देने रही।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ बिसरि कऽ ओकरा सभ केँ अपन सोझाँ सँ बाहर निकालबाक निर्णय कएने छथि।

1. भगवान् के स्मृति के शक्ति

2. पापक अविस्मरणीय स्वभाव

1. भजन 103:14 - किएक तँ ओ जनैत छथि जे हम सभ कोना बनल छी; ओकरा मोन पड़ैत छैक जे हम सभ धूरा छी।

2. यशायाह 43:25 - हम, हमहीं छी, जे हमरा लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी। आ हम अहाँक पापक स्मरण नहि करब।

यिर्मयाह 23:40 हम अहाँ सभ पर अनन्त निन्दा आ अनन्त लाज आनि देब, जे बिसरल नहि जायत।

जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि हुनका परमेश् वर दंडित करताह आ हुनका सभ पर लाज आ अपमान आनताह।

1. सच्चा पश्चाताप: परमेश् वरक अनन्त निन्दा सँ बचू

2. परमेश् वरक धार्मिकता: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. नीतिवचन 10:7 - "धर्मात्माक स्मरण आशीर्वाद अछि, मुदा दुष्टक नाम सड़ि जायत।"

2. यिर्मयाह 31:34 - "आब ओ सभ अपन पड़ोसी केँ नहि सिखाओत, आ ने एक-दोसर केँ कहत जे, प्रभु केँ चिन्हू, किएक तँ ओ सभ हमरा छोट-छोट सँ पैघ धरि केँ चिन्हत, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ हम क्षमा करब।" अपन दुष्टता आ आब अपन पापक स्मरण नहि करत।

यिर्मयाह अध्याय 24 मे अंजीर के दू टा टोकरी के दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि, जे यहूदा के लोक के प्रतीक अछि। ई परमेश्वर के न्याय आरू दया के चित्रण करै छै, जेकरा में भेद करलऽ गेलऽ छै कि जे पुनर्स्थापन के अनुभव करतै आरू जेकरा विनाश के सामना करना पड़तै।

1 पैराग्राफ: एकटा दर्शन मे यिर्मयाह मंदिर के सामने अंजीर के दू टा टोकरी राखल देखैत छथि (यिर्मयाह 24:1-3)। एकटा टोकरी मे नीक अंजीर अछि, जे यहूदा सँ निर्वासित लोक सभक प्रतिनिधित्व करैत अछि जिनका परमेश् वर नीक मानैत छथि। दोसर टोकरी मे खराब या सड़ल अंजीर अछि, जे यरूशलेम मे बचल लोकक प्रतीक अछि जे दुष्ट मानल जाइत अछि।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ दर्शनक अर्थ बुझबैत छथि (यिर्मयाह 24:4-7)। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ निर्वासित लोकनि केँ अनुकूल मानताह आ हुनका सभ केँ अपन भूमि पर वापस अनताह | ओ वादा करैत छथि जे हुनका सभ केँ हुनका जानबाक आ अपन भगवान बनबाक हृदय देबनि जखन कि ओ सभ मोन सँ हुनका लग घुरैत छथि | रहल बात यरूशलेम मे रहनिहार सभक तँ ओ सभ विपत्तिक सामना करत आ जाति-जाति मे छिड़ियाओत।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर अपन इरादा व्यक्त करैत छथि जे निर्वासित लोक सभक पीछा कयल जाय (यिर्मयाह 24:8-10)। ओ ओकरा सभक भलाईक लेल देखत आ ओकरा सभ केँ बंदी सँ घुरा अनत। ताबत धरि ओ यरूशलेम मे बचल दुष्ट अवशेष सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ ताबत धरि सजा देताह जाबत धरि ओ सभ समाप्त नहि भ' जायत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के चौबीस अध्याय में एक दर्शन प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै जेकरा में अंजीर के दू टोकरी शामिल छै, जे यहूदा के भीतर अलग-अलग समूह के प्रतिनिधित्व करै छै। नीक अंजीर यहूदा सँ निर्वासित लोकक प्रतीक अछि जिनका परमेश् वर अनुकूल मानैत छथि। ओ वादा करैत छथि जे ओ सभ हुनका सभ केँ वापस अनताह, हुनका सभ केँ हुनकर ज्ञान देथिन आ जखन ओ सभ मोन सँ घुरैत छथि तखन हुनकर सभक परमेश् वर बनताह। खराब या सड़ल अंजीर यरूशलेम मे बचल दुष्ट अवशेषक प्रतिनिधित्व करैत अछि। ओ सभ विपत्तिक सामना करत आ जाति-जाति मे छिड़ियाओत। भगवान् के इरादा छै कि निर्वासित लोगऽ के भलाई के लेलऽ पीछा करलऽ जाय, जबकि दुष्ट अवशेष के विनाश के सजा देलऽ जाय । अध्याय यहूदा के भीतर अलग-अलग समूह के प्रति ईश्वरीय न्याय आरू दया दोनों के उजागर करै छै, जेकरा में कुछ के लेलऽ बहाली आरू कुछ के लेलऽ ओकरऽ काम के आधार पर परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 24:1 परमेश् वर हमरा देखौलनि, आ देखू, परमेश् वरक मन् दिरक समक्ष दू टा अंजीरक टोकरी राखल गेल छल, जखन कि बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर यहूदाक राजा यहोयाकीमक पुत्र यकोनिया आ यहूदाक राजकुमार सभ केँ बंदी मे ल’ गेल छलाह, बढ़ई आ लोहार सभक संग यरूशलेम सँ आयल छल आ ओकरा सभ केँ बेबिलोन अनने छल।

यहूदा के लोगऽ के निर्वासन में परमेश् वर के सार्वभौमिकता स्पष्ट छै।

1: भगवान् नियंत्रण मे छथि, ओहो कठिन परिस्थिति मे।

2: भगवानक प्रेम हमरा सभक दुख सँ पैघ अछि।

1: यशायाह 43:1-3 "डरब नहि, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी; अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ जखन अहाँ नदी सभ सँ गुजरब। ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ केँ जरि नहि जायत, आगि अहाँ केँ आगि नहि लगाओत।

2: रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यिर्मयाह 24:2 एकटा टोकरी मे बहुत नीक अंजीर छल, जेना पहिने पाकल अंजीर छल, आ दोसर टोकरी मे बहुत नटखट अंजीर छल, जे नहि खाओल जा सकैत छल, ओ एतेक खराब छल।

यिर्मयाह 24:2 मे दू टा अंजीरक टोकरीक वर्णन अछि, एकटा नीक अंजीर जे पाकल छल आ दोसर खराब अंजीर जे अखाद्य छल।

1. जीवन मे विवेकक महत्व आ अधलाह निर्णयक परिणाम

2. परमेश् वरक राज्यक लेल नीक फल आ फल देबाक महत्व

1. मत्ती 7:15-20 (झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू)

2. गलाती 5:22-23 (आत्माक फल)

यिर्मयाह 24:3 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “यिर्मयाह, अहाँ की देखैत छी? हम कहलियनि, “अंजीर; नीक अंजीर, बहुत नीक; आ दुष्ट, बहुत दुष्ट, जे नहि खाएल जा सकैत अछि, ओ सभ एतेक दुष्ट अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ दू अलग-अलग प्रकारक अंजीरक जाँच करबाक आ ओकर मतभेद बुझेबाक लेल कहलनि।

1. हमर जीवन मे नीक आ अधलाह के विपरीत

2. नीक आ अधलाह की अछि से निर्धारित करबाक लेल अपन विकल्पक परीक्षण करब

1. मत्ती 7:18-20 - नीक गाछ अधलाह फल नहि दऽ सकैत अछि आ ने भ्रष्ट गाछ नीक फल दऽ सकैत अछि।

2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

यिर्मयाह 24:4 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

5 इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर ई कहैत छथि। एहि नीक अंजीर जकाँ हमहूँ हुनका सभ केँ स्वीकार करब जे यहूदाक बंदी बनाओल गेल अछि, जकरा हम हुनका सभक भलाईक लेल एहि ठाम सँ कल्दीक देश मे पठा देने छी।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात करैत छथि जे हुनका सभ केँ जे यहूदाक बंदी बना कऽ कल्दी सभक देश मे पठाओल गेल अछि, हुनका सभ केँ नीक अंजीरक रूप मे स्वीकार करताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति दया - प्रभुक दया आ हुनकर लोकक प्रति देखभालक अन्वेषण आ ई कोना यिर्मयाह 24:4-5 मे स्पष्ट अछि।

2. परमेश् वरक वफादारी - ई खोज करब जे परमेश् वर अपन प्रतिज्ञाक प्रति कोना वफादार रहैत छथि आ ई कोना यिर्मयाह 24:4-5 मे स्पष्ट अछि।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यिर्मयाह 24:5 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि। एहि नीक अंजीर जकाँ हमहूँ हुनका सभ केँ स्वीकार करब जे यहूदाक बंदी बनाओल गेल अछि, जकरा हम हुनका सभक भलाईक लेल एहि ठाम सँ कल्दीक देश मे पठा देने छी।

परमेश् वर वचन देलथिन जे ओ यहूदाक लोक सभ केँ आशीर्वाद देथिन जे कल्दी सभक देश मे बंदी बनाओल गेल छल, हुनका सभक भलाईक लेल।

1. यहूदाक बंदी सभ केँ आशीर्वाद देबाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

2. भगवान् अप्रत्याशित तरीका सँ नीक कोना प्रदान करैत छथि

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करयवला केँ राखक बदला सुन्दर माथक पट्टी, शोकक बदला आनन्दक तेल, क्षीण आत्माक बदला स्तुतिक वस्त्र देब; जाहि सँ ओकरा सभ केँ धार्मिकताक ओग कहल जाय, जे परमेश् वरक रोपनी अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

यिर्मयाह 24:6 हम ओकरा सभ पर नीक लेल नजरि राखब आ ओकरा सभ केँ एहि देश मे फेर सँ आनि देब। हम ओकरा सभ केँ रोपब, आ ओकरा सभ केँ नहि उखाड़ब।”

भगवान् अपनऽ लोगऽ के प्रेम आरू देखभाल के साथ देखतै, ओकरा ओकरऽ मातृभूमि में वापस लेतै आरू ओकरा खतरा स॑ बचाबै छै ।

1: परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ देखभाल

2: परमेश् वरक अपन लोकक रक्षा आ पुनर्स्थापन

1: व्यवस्था 7:8 - "प्रभु अहाँ सभ पर अपन प्रेम नहि रखलनि आ ने अहाँ सभ केँ चुनलनि, कारण अहाँ सभक संख्या मे सँ बेसी छल, किएक तँ अहाँ सभ लोक मे सभ सँ कम छलहुँ।"

2: भजन 27:10 -"जखन हमर पिता आ माय हमरा छोड़ि देताह, तखन प्रभु हमरा उठा लेताह।"

यिर्मयाह 24:7 हम हुनका सभ केँ ई मोन देबनि जे हम यहोवा छी, आ ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनकर परमेश् वर बनब, किएक तँ ओ सभ अपन पूरा मोन सँ हमरा लग घुरि जेताह।

भगवान् अपन लोक केँ समझदार हृदय देबाक वादा करैत छथि आ जखन ओ सभ मोन सँ हुनका दिस घुरताह तखन ओ हुनका अपन हृदय मानताह।

1. भगवान् केरऽ बिना शर्त प्रेम - भगवान केरऽ प्रेम हमरऽ दोषऽ स॑ कोना पार करी जाय छै

2. पश्चाताप के शक्ति - पूरा हृदय स भगवान के पास वापसी
1014

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. योएल 2:12-13 - "एखन सेहो," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अपन पूरा मोन सँ हमरा लग घुरि जाउ, उपवास, कानब आ शोक संग।" अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि।

यिर्मयाह 24:8 जेना दुष्ट अंजीर, जे नहि खाएल जा सकैत अछि, ओ सभ एतेक दुष्ट अछि। परमेश् वर निश्चय ई कहैत छथि जे, “हम यहूदाक राजा सिदकियाह, हुनकर मुखिया सभ आ यरूशलेमक शेष लोक सभ केँ देबनि जे एहि देश मे रहि गेल अछि आ मिस्र देश मे रहनिहार सभ केँ।

परमेश् वर यहूदा के नेता सिनी कॅ आरू जे लोग सिनी के पाप के कारण ई देश आरू मिस्र में रहै छै, ओकरा सिनी कॅ सजा दै के वादा करै छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक फल: यिर्मयाह 24:8 पर एकटा अध्ययन

2. पाप के परिणाम: सिदकिय्याह के जीवन स सीखना

1. व्यवस्था 28:15-20 - परमेश् वरक चेतावनी इस्राएल केँ आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे

2. यशायाह 5:1-7 - अंगूरक बगीचाक परमेश् वरक दृष्टान्त जे ई देखाबैत अछि जे ओ अपन लोक सभ सँ कोना हुनका प्रति प्रतिक्रिया देबाक अपेक्षा करैत छथि।

यिर्मयाह 24:9 हम ओकरा सभ केँ ओहि सभ ठाम सौंपि देब जे ओकरा सभक आहतक कारणेँ पृथ् वीक सभ राज्य मे ल’ जायब, जाहि ठाम हम ओकरा सभ केँ भगा देब।

परमेश् वर दुष्ट सभ केँ ओकर गलत काजक दंडित करैत छथि।

1: हमरा सभकेँ धर्मक जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही आ धर्मक फल भेटत।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक कृपा केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही आ परमेश् वरक नियमक पालन करबाक चाही।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

यिर्मयाह 24:10 हम तलवार, अकाल आ महामारी ओकरा सभक बीच पठा देब, जाबत धरि ओ सभ ओहि देश सँ नष्ट नहि भ’ जायत जे हम ओकरा सभ केँ आ ओकर सभक पूर्वज केँ देने छलहुँ।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ ताबत धरि सजा देताह जाबत धरि ओ सभ ओहि देश सँ नष्ट नहि भऽ जायत।

1. परमेश् वर न्यायी आ धार्मिक छथि: यिर्मयाह 24:10 पर एकटा अध्ययन

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 24:10 पर एक नजरि

1. निकासी 20:5 - अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, कारण हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि पिता सभक अधर्मक दोष संतान सभ पर करैत छी, २.

1015

2. व्यवस्था 28:15-68 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आवाज नहि मानब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करबा मे सावधान रहब जे आइ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तखन ई सभ शाप अहाँ सभ पर आबि अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत.

यिर्मयाह अध्याय २५ मे यहूदा आरू आसपास के राष्ट्रऽ के लेलऽ बेबिलोन केरऽ सत्तर साल के बंदी के भविष्यवाणी के वर्णन छै, जेकरऽ कारण छै ओकरऽ लगातार आज्ञा नै मानना आरू मूर्तिपूजा।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा विशिष्ट तिथि स होइत अछि, जे यहोयाकीम के शासन के चारिम साल अछि (यिर्मयाह 25:1-3)। यिर्मयाह लोक सभ केँ परमेश् वरक वचनक घोषणा करैत छथि, हुनका सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे जँ ओ सभ नहि सुनत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि जायत तँ यरूशलेम आ यहूदा तबाह भऽ जायत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह बतबैत छथि जे कोना ओ तेइस साल सँ यहूदाक विरुद्ध भविष्यवाणी क’ रहल छथि (यिर्मयाह 25:4-7)। ओ ओकरा सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ सभ नहि सुनने छथि आ ने पश्चाताप केने छथि, जाहि सँ परमेश् वरक क्रोध आबि गेल अछि। तेँ ओ नबूकदनेस्सर आ ओकर सेना केँ ओकरा सभ केँ जीतय आ निर्वासन करबाक लेल पठौताह।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह विभिन्न जाति के खिलाफ न्याय के संदेश दैत छथि (यिर्मयाह 25:8-14)। ओ घोषणा करैत छथि जे परमेश् वर एहि जाति सभक विरुद्ध बेबिलोन केँ अपन दंडक साधनक रूप मे उपयोग करताह। ओ सभ सत्तरि वर्ष धरि बाबुलक सेवा करत जाबत धरि बाबुल केँ स्वयं न्यायक सामना नहि करय पड़तैक।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह परमेश् वरक क्रोधक प्याला के बारे मे भविष्यवाणी करैत छथि (यिर्मयाह 25:15-29)। ओ प्रतीकात्मक रूप सँ परमेश्वरक न्यायक प्रतिनिधित्व करय बला शराब सँ भरल प्याला प्रस्तुत करैत छथि | राष्ट्र सभ केँ एहि प्याला सँ पीबय पड़तैक, अपन दुष्टताक कारणेँ तबाही आ अराजकताक अनुभव करय पड़तैक।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन स्वयं बेबिलोन के बारे में भविष्यवाणी के साथ होय छै (यिर्मयाह 25:30-38)। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ बेबिलोन पर ओकर अहंकार आ मूर्तिपूजाक लेल विपत्ति अनताह। ई सदाक लेल उजाड़ भ' जायत, जाहि मे केवल जंगली जानवरक निवास रहत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के पच्चीस अध्याय में यहूदा आरू अन्य जाति सिनी के आज्ञा नै आज्ञा आरू मूर्तिपूजा के कारण सत्तर साल के कैद के भविष्यवाणी के चित्रण छै। कतेको साल स चेतावनी भेटलाक बादो जनता नहि सुनलक आ ने पश्चाताप केलक। फलस्वरूप, नबूकदनेस्सर क॑ परमेश् वर द्वारा यरूशलेम पर विजय प्राप्त करै लेली आरू ओकरऽ निवासी सिनी क॑ निर्वासित करै लेली भेजलऽ जाय छै । विभिन्न राष्ट्रऽ क॑ भी आसन्न न्याय के बारे म॑ चेतावनी देलऽ जाय छै, कैन्हेंकि ओकरा सिनी क॑ भी बेबिलोन के तहत तबाही के अनुभव होतै । हुनका सभ केँ परमेश् वरक क्रोधक प्याला सँ पीबय पड़तनि, जे हुनकर दुष्टताक परिणामक प्रतीक अछि। अध्याय के समापन बेबिलोन के संबंध में भविष्यवाणी के साथ होय छै। एकरऽ अहंकार आरू मूर्तिपूजा के लेलऽ निंदा करलऽ जाय छै, जेकरऽ नियति हमेशा लेली उजड़ होय जाय छै । अध्याय में ईश्वरीय निर्णय आरू आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 25:1 यहूदा के राजा योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के चारिम साल में यहूदा के सब लोग के बारे में यिर्मयाह के सामने ई बात आबी गेलै, जे बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के पहिलऽ साल छेलै।

यिर्मयाह यहोयाकीम के शासन के चारिम साल में यहूदा पर परमेश् वर के न्याय के घोषणा करै छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही आ बहुत देर होबय सँ पहिने अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही।

2: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम विनाश दिस जाइत अछि।

1: आमोस 3:7 - निश्चित रूप सँ प्रभु परमेश् वर अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्यक खुलासा केने बिना किछु नहि करैत छथि।

2: इब्रानी 3:7-8 - तेँ जेना पवित्र आत् मा कहैत छथि, आइ जँ अहाँ हुनकर आवाज सुनैत छी तँ जंगल मे परीक्षाक दिन विद्रोह जकाँ कठोर नहि करू।

यिर्मयाह 25:2 जे यिर्मयाह भविष्यवक्ता यहूदाक समस्त लोक आ यरूशलेमक समस्त निवासी केँ कहलथिन।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता यहूदा आरू यरूशलेम के सब लोग सिनी सें बात करी कॅ परमेश् वर के तरफ सें एगो संदेश दै छै।

1. परमेश् वरक वचन अपन लोक सभक लेल: यिर्मयाहक संदेश सुनब

2. परमेश् वर आ हुनकर भविष्यवक्ता सभक आज्ञा मानब: यिर्मयाहक निर्देशक पालन करब

1. व्यवस्था 32:1-2 - "हे आकाश, कान दिअ, हम बाजब; आ हे पृथ्वी, हमर मुँहक वचन सुनू। हमर शिक्षा बरखा जकाँ खसि पड़त, हमर बात ओस जकाँ खसत, जेना।" कोमल जड़ी-बूटी पर छोट-छोट बरखा आ घास पर बरखा जकाँ।"

2. नीतिवचन 3:1-2 - "हमर बेटा, हमर व्यवस्था केँ नहि बिसरि जाउ; मुदा अहाँक मोन हमर आज्ञा सभक पालन करऽ।

यिर्मयाह 25:3 यहूदाक राजा आमोनक पुत्र योशियाहक तेरहम वर्ष सँ आइ धरि, यानी बीसम वर्ष धरि, परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेल अछि आ हम अहाँ सभ सँ भोरे उठि कऽ कहलहुँ आ बजैत; मुदा अहाँ सभ बात नहि सुनलहुँ।

यिर्मयाह 23 वर्ष धरि यहूदाक लोक सभ सँ बात कऽ रहल छलाह, जे राजा योशियाहक तेरहम वर्ष सँ शुरू भेल छल, मुदा ओ सभ हुनकर बात पर ध्यान नहि देने छल।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के वचन सुनना कियैक आवश्यक अछि

2. जिद के शक्ति: यिर्मयाह अपन आह्वान के प्रति कोना वफादार छलाह

1. भजन 19:7-9 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि।

2. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनला सँ मसीहक वचन द्वारा।

यिर्मयाह 25:4 परमेश् वर अपन सभ सेवक प्रवक् ता सभ केँ भोरे उठि कऽ पठौलनि अछि। मुदा अहाँ सभ नहि सुनलहुँ आ ने सुनबाक लेल कान झुकौलहुँ।

प्रभु अपन भविष्यवक्ता सभ केँ लोक सभ लग पठौने छथि, मुदा ओ सभ हुनकर बात नहि सुनलनि।

1. आज्ञाकारिता के लेल प्रभु के आह्वान

2. भगवानक दूत सुनबाक महत्व

1. व्यवस्था 30:19-20 - "हम आइ आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप राखि देलहुँ। तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान प्रभु सँ प्रेम करैत जीवित रहब।" तोहर भगवान, ओकर आवाज मानैत आ ओकरा पकड़ि क'..."

2. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब।"

1017

यिर्मयाह 25:5 ओ सभ कहलथिन, “अहाँ सभ एक-एक गोटे अपन दुष्ट बाट आ अपन काजक अधलाह बात सँ घुरि जाउ आ ओहि देश मे रहू जे परमेश् वर अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक पूर्वज केँ अनन्तकाल धरि देने छथि।

यहूदा के लोग सिनी कॅ पश्चाताप करै आरू परमेश् वर के तरफ मुड़ै लेली बोलैलऽ गेलऽ छै, ताकि वू प्रभु द्वारा ओकरा सिनी के प्रतिज्ञा करलोॅ गेलऽ देश में रह॑ सक॑।

1. पश्चाताप के महत्व

2. भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. इजकिएल 18:30 - "एहि लेल हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।"

यिर्मयाह 25:6 आओर दोसर देवता सभक पाछाँ नहि जाउ जे हुनकर सेवा आ आराधना करू, आ अहाँ सभक हाथक काज सँ हमरा क्रोधित नहि करू। आ हम अहाँ सभ केँ कोनो आघात नहि करब।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि वू दोसरो देवता के पूजा नै करै आरू ओकरा अपनऽ काम सें ओकरा क्रोधित करै से बचै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: मिथ्या देवताक पूजाक परिणाम बुझब

2. भगवानक प्रति सच्चा रहब: हुनकर नियमक पालन करबाक लाभ

1. व्यवस्था 11:16 - अपना केँ सावधान रहू जे अहाँ सभक मोन धोखा नहि देल जाय, आ अहाँ सभ घुमि कऽ दोसर देवता सभक सेवा करू आ हुनकर आराधना करू।

2. भजन 106:36 - ओ सभ अपन मूर्ति सभक सेवा करैत छलाह, जे हुनका सभक लेल जाल छल।

यिर्मयाह 25:7 तइयो अहाँ सभ हमर बात नहि सुनलहुँ, प्रभु कहैत छथि। जाहि सँ अहाँ सभ अपन हाथक काज सँ हमरा क्रोधित क' क' अपन आहत क' सकब।

परमेश् वर के चेतावनी के बावजूद यहूदा के लोग हुनकऽ बात नै सुनी सकलऽ छै आरू जे चाहै छै, वू काम करतें रहलै, जेकरा स॑ हुनका खाली नुकसान ही होतै ।

1. परमेश् वरक क्रोध नहि भड़काउ: यिर्मयाह 25:7 क चेतावनी

2. परमेश् वरक आज्ञा नहि मानबाक प्रलोभन केँ अस्वीकार करू: यिर्मयाह 25:7 क संदेश

1. उपदेशक 12:13-14 - आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डरू आ हुनकर आज्ञाक पालन करू, कारण मनुष्यक ई पूरा कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, जाहि मे सभटा गुप्त बात सेहो अछि, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

2. व्यवस्था 30:15-16 - देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ नीक, मृत्यु आ अधलाह राखि देने छी। यदि अहाँ प्रभु अपन परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, प्रभु अपन परमेश् वर सँ प्रेम करैत, हुनकर बाट पर चलैत, आ हुनकर आज्ञा आ हुनकर विधान आ हुनकर नियमक पालन करैत, तखन अहाँ जीवित रहब आ बढ़ब, आ... प्रभु अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ ओहि देश मे आशीर्वाद देथिन जाहि मे अहाँ ओहि देश पर कब्जा करबाक लेल प्रवेश कऽ रहल छी।

यिर्मयाह 25:8 तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ सभ हमर बात नहि सुनलहुँ।

सेना के परमेश् वर लोक सभ केँ चेताबैत छथि, किएक तँ ओ सभ हुनकर बात नहि सुनने छथि।

1. "प्रभुक चेतावनी: हुनकर वचन पर ध्यान दियौ"।

2. "प्रभुक आज्ञापालन: आशीर्वादक एकटा मार्ग"।

1. भजन 33:4-5 - कारण, प्रभुक वचन सही आ सत्य अछि; ओ अपन सभ काज मे निष्ठावान अछि। प्रभु धर्म आ न्याय सँ प्रेम करैत छथि; धरती ओकर अटूट प्रेमसँ भरल अछि।

2. नीतिवचन 3:1-2 - हे बेटा, हमर शिक्षा केँ नहि बिसरब, बल्कि हमर आज्ञा केँ अपन हृदय मे राखू, कारण ई अहाँक जीवन केँ बहुत वर्ष धरि लम्बा करत आ अहाँ केँ शान्ति आ समृद्धि देत।

यिर्मयाह 25:9 देखू, हम उत्तरक सभ कुल केँ पठा कऽ ल’ जायब, ई बात परमेश् वर कहैत छथि, आ हमर सेवक बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ एहि देश, ओहि मे रहनिहार आ एहि सभक विरुद्ध आनब चारू कात जाति सभ ओकरा सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट कऽ देत, ओकरा सभ केँ आश्चर्यचकित करयवला, सिसकी मारबाक आ सदाक लेल उजाड़ बना देत।

प्रभु अपन सेवक नबूकदनेस्सर केँ पठौताह जे उत्तरक सभ परिवार केँ ल' क' ओहि देश आ ओकर निवासी सभक विरुद्ध आनथि, ओकरा सभ केँ नष्ट क' क' ओकरा सभ केँ आश्चर्यचकित आ सदा-सदा उजाड़ बना देत।

1. परमेश् वर न्यायक परमेश् वर छथि, आ ओ धार्मिकताक न्याय करताह - यिर्मयाह 25:9

2. परमेश् वरक दया सदाक लेल टिकैत अछि - विलाप 3:22-23

1. यिर्मयाह 25:9

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, किएक तँ हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि।"

यिर्मयाह 25:10 हम हुनका सभ सँ हँसी-खुशीक आवाज, आनन्दक आवाज, वरक आवाज आ कनियाँक आवाज, चक्की-पाथरक आवाज आ मोमबत्तीक इजोत छीनि लेब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ सँ उत्सवक आनन्दक आवाज छीनि लेताह।

1. भगवान् ओहि लोक केँ बर्दाश्त नहि करताह जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेत।

2. आनन्द आ उत्सवक बीच सेहो भगवानक आदर करब मोन राखब।

1. यिर्मयाह 25:10

२.

यिर्मयाह 25:11 ई पूरा देश उजाड़ आ आश्चर्यक बात होयत। ई जाति सभ सत्तरि वर्ष धरि बाबुलक राजाक सेवा करत।

बाबुलक शासनकाल मे ई समस्त देश उजाड़ आ आश्चर्यचकित भ’ जायत।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हुनक उद्देश्यक शक्ति

2. परमेश् वरक उद्देश्यपूर्ण योजना: हुनक संप्रभुता मे आनन्दित रहब सीखब

1. यशायाह 46:10-11 - हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब। पूबसँ हम एकटा शिकारी चिड़ै बजबैत छी। दूर-दूरक भूमि सँ, हमर उद्देश्य पूरा करय बला आदमी। हम जे कहलहुँ, से हम आनि देब। जे योजना बनौने छी, से करब।

2. भजन 33:11 - मुदा प्रभुक योजना सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हुनकर हृदयक उद्देश्य सदा-सदा लेल दृढ़ रहैत अछि।

यिर्मयाह 25:12 जखन सत्तरि वर्ष पूरा भ’ जायत तखन हम बाबुलक राजा आ ओहि जाति केँ ओकर अपराध आ कसदी सभक देश केँ सजा देब आ ओकरा अनन्त काल धरि बना देब उजाड़पन।

यिर्मयाह 25:12 के ई अंश में कहलऽ गेलऽ छै कि सत्तर साल बीतला के बाद परमेश् वर बेबिलोन के राजा आरू राष्ट्र क॑ ओकरऽ पापऽ के सजा देतै, आरू कसदी के देश क॑ सनातन उजाड़ में बदली देतै।

1. परमेश् वरक न्याय केँ बुझब: यिर्मयाह 25:12 क अध्ययन

2. पाप के परिणाम: यिर्मयाह 25:12 के विश्लेषण

1. इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत।

2. यशायाह 1:16-17 - अहाँ केँ धोउ, अहाँ केँ साफ करू; हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक अधलाह केँ दूर करू। अधलाह करब छोड़ि दियौक। नीक करब सीखू; न्याय ताकू, उत्पीड़ित के राहत दियौ, अनाथ के न्याय करू, विधवा के लेल निहोरा करू।

यिर्मयाह 25:13 हम ओहि देश पर अपन सभटा बात आनि देब जे हम ओकरा विरुद्ध कहने छी, ओ सभ बात जे एहि पुस्तक मे लिखल अछि, जे यिर्मयाह सभ जाति सभक विरुद्ध भविष्यवाणी केने छथि।

परमेश् वर अपन सभ वचन सभ जाति मे पहुँचा देताह, जेना यिर्मयाह यिर्मयाहक पुस्तक मे भविष्यवाणी केने छथि।

1. प्रभुक न्याय - यिर्मयाह 25:13 आ सभ जाति लेल एकर निहितार्थ पर चिंतन करब।

2. प्रभुक प्रतिज्ञा - परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबाक लेल हुनकर वफादारी पर भरोसा करब, जेना कि यिर्मयाह 25:13 मे भेटैत अछि।

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

2. भजन 33:11 - "प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

यिर्मयाह 25:14 कारण, बहुत रास जाति आ पैघ राजा सभ सेहो हुनका सभक सेवा करताह, आ हम हुनका सभक काज आ हुनकर सभक काजक अनुसार प्रतिफल देबनि।

परमेश् वर जाति आ पैघ राजा सभक कर्म आ काजक अनुसार न्याय करताह।

1. परमेश् वरक न्याय पर ध्यान देब: धार्मिक जीवन जीबाक महत्व।

2. हमर कर्म के परिणाम: बुद्धिमानी या मूर्खतापूर्वक जीबय के विकल्प चुनब।

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत।

2. इब्रानी 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि हृदय के।

यिर्मयाह 25:15 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा हमरा ई कहैत छथि। एहि क्रोधक मदिराक प्याला हमरा हाथ मे लऽ कऽ ओहि सभ जाति केँ पीबय दियौक, जकरा लग हम अहाँ केँ पठा रहल छी।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ अपन क्रोधक एक प्याला लऽ कऽ सभ जाति केँ पीबय दियौक।

1. क्रोधक प्याला: भगवानक न्याय कोना मुक्त होइत अछि

1020

2. भगवानक क्रोधक प्याला पीबू: हुनकासँ मुँह मोड़बाक परिणाम

1. यशायाह 51:17 - हे यरूशलेम, जे प्रभुक हाथ सँ हुनकर क्रोधक प्याला पीने छी, जागू, जागू, ठाढ़ रहू। अहाँ काँपैत प्याला के मल पीबि कऽ ओकरा निचोड़ि कऽ निकालि लेलहुँ।

2. प्रकाशितवाक्य 14:10 - ओ परमेश् वरक क्रोधक मदिरा सेहो पीत, जे ओकर क्रोधक प्याला मे बिना कोनो मिश्रणक ढारल जाइत अछि। पवित्र स् वर्गदूत आ मेमना के सामने आगि आ गंधक सँ सताओल जायत।

यिर्मयाह 25:16 हम ओहि तलवारक कारणेँ जे हम हुनका सभक बीच पठा देबनि, से ओ सभ पीबि कऽ चकित भऽ कऽ पागल भऽ जेताह।

भगवानक क्रोध विनाश आ अराजकता आनि देत।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक धार्मिकताक खोज करबाक चाही आ हुनकर क्रोध सँ बचबाक लेल अपन पाप सँ पश्चाताप करबाक चाही।

2: हमरा सभक आज्ञा नहि मानलाक बादो परमेश् वरक इच्छा पूरा हो।

1: यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2: भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

यिर्मयाह 25:17 तखन हम परमेश् वरक हाथ मे प्याला लऽ कऽ सभ जाति केँ पीबि देलियनि, जकरा लग परमेश् वर हमरा पठौने छलाह।

प्रभु यिर्मयाह के आज्ञा देलकै कि एक प्याला के उपयोग करी क॑ सब जाति क॑ अपनऽ क्रोध पीबै के काम करलऽ जाय।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक निर्देश केँ स्वीकार करबाक लेल तैयार रहबाक चाही, चाहे ओ कतबो कठिन किएक नहि हो।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम केँ स्वीकार करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1: इब्रानी 12:25-29 - अतः, चूँकि हमरा सभ केँ एहन राज्य भेटि रहल अछि जे हिलल नहि जा सकैत अछि, तेँ हम सभ धन्यवादक पात्र रही आ एहि तरहेँ परमेश् वरक आदर आ भय सँ स्वीकार्य रूप सँ आराधना करी, किएक तँ हमर सभक परमेश् वर एकटा भस्म करयवला आगि छथि।

2: यशायाह 53:6 - हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकि गेल छी; हमरा सभ मे सँ प्रत्येक अपन-अपन रास्ता दिस घुमि गेल छी; मुदा प्रभु हमरा सभक पाप हुनका पर खसौलनि अछि।

यिर्मयाह 25:18 यरूशलेम आ यहूदाक नगर सभ, ओकर राजा सभ आ ओकर राजकुमार सभ, ओकरा सभ केँ उजाड़, आश्चर्य, सिसकी आ अभिशाप बनेबाक लेल। जेना आइ अछि;

परमेश् वर यिर्मयाह भविष्यवक्ता के माध्यम सँ घोषणा करै छै कि वू यरूशलेम, यहूदा के शहर आरू ओकरऽ राजा आरू राजकुमार सिनी क॑ उजाड़, आश्चर्य, सिसकारी आरू अभिशाप बनाबै छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 25:18 मे एकटा अध्ययन

2. आशीर्वाद आ अभिशाप: यिर्मयाह 25:18 मे परमेश्वरक दया आ न्याय

1. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक चेतावनी जे जँ लोक सभ हुनकर आज्ञाक अवहेलना करत तँ हुनका पर जे अभिशाप आओत।

2. नीतिवचन 28:9 - "जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि लैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।"

यिर्मयाह 25:19 मिस्रक राजा फिरौन, ओकर नौकर, ओकर राजकुमार आ ओकर समस्त लोक।

भगवान् हुनका अस्वीकार करयवला सभ केँ सजा देथिन।

1: परमेश् वरक क्रोध सँ बचबाक एकमात्र तरीका अछि पश्चाताप।

2: हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करबाक लेल हमरा सभकेँ भगवान् दिस मुड़बाक चाही आ हुनकर आज्ञाक पालन करबाक चाही।

1: याकूब 4:7-10 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

2: यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि हुनका भेटि जायत ताबत धरि अहाँ सभ परमेश् वर केँ ताकू, जाबत ओ लग मे छथि ताबत तक हुनका बजाउ, दुष्ट अपन बाट छोड़ि आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि देथि। ओ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 25:20 सभ मिश्रित लोक, उज देशक सभ राजा, पलिस्तीक देशक सभ राजा, अश्केलोन, अज्जा, एक्रोन आ अश्दोदक शेष लोक।

एहि अंश मे उज, फिलिस्ती, अश्केलोन, अज्जा, एक्रोन आ अश्दोद देशक सभ लोक, राजा आ नगरक उल्लेख अछि।

1. परमेश् वर सभ केँ जनैत छथि आ देखैत छथि - यिर्मयाह 25:20

2. पश्चाताप करबाक आह्वान - यिर्मयाह 25:20

1. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ! अहाँकेँ बुझल अछि जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचारकेँ दूरसँ बूझैत छी। अहाँ हमर बाट आ हमर लेटब खोजैत छी आ हमर सभ बाटसँ परिचित छी । हमर जीह पर कोनो शब्द नहि आबय सँ पहिने देखू, हे प्रभु, अहाँ एकरा एकदम सँ जनैत छी।

2. प्रेरित 17:26-27 - ओ एक आदमी सँ मनुष्य-जातिक प्रत्येक जाति केँ पूरा पृथ् वी पर रहबाक लेल बनौलनि, आ अपन निवास स्थानक सीमा निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक खोज करबाक आशा मे ताकि ओ सभ हुनका दिस अपन बाट महसूस करथि आ हुनका पाबि सकथि। तइयो ओ वास्तव मे हमरा सभ मे सँ प्रत्येक सँ दूर नहि छथि ।

यिर्मयाह 25:21 एदोम, मोआब आ अम्मोनक सन्तान।

एहि अंश मे तीन राष्ट्रक उल्लेख अछि: एदोम, मोआब आ अम्मोनक सन्तान।

1. राष्ट्रक एकता: पार्थिव शांति लेल भगवानक दृष्टि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: परमेश्वर के इच्छा के पालन करै के विकल्प चुनना

1. रोमियो 15:4 - "किएक तँ पहिने जे किछु लिखल गेल छल से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ हमरा सभ केँ सहनशक्ति आ शास्त्रक प्रोत्साहन सँ आशा भेटय।"

2. नीतिवचन 17:17 - "मित्र हरदम प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक लेल जन्म लैत अछि।"

यिर्मयाह 25:22 सोरक सभ राजा, सिदोनक सभ राजा आ समुद्रक ओहि पारक द्वीप सभक राजा।

एहि अंश मे सोर, सिदोन आ समुद्रक ओहि पारक अन्य द्वीपक राजा सभक बात कयल गेल अछि |

1. सब राष्ट्र पर प्रभु के प्रभुत्व

2. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान

1. भजन 24:1, पृथ्वी प्रभु s अछि, आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार लोक।

2. यशायाह 45:22-23, हमरा दिस देखू, आ उद्धार पाउ, अहाँ सभ पृथ्वीक छोर! किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि। हम अपन शपथ लेने छी; हमर मुँह सँ धर्म मे ई वचन निकलल अछि, आ घुरि क' नहि आओत, जे हमरा सामने सभ ठेहुन झुकत, सभ जीह शपथ लेत।

यिर्मयाह 25:23 देदान, तेमा, बुज, आ सभ किछ कोन मे अछि।

यिर्मयाह विनाशक चेतावनी दैत छथि जे ओहि लोक सभक लेल आओत जे परमेश् वरक वचनक चेतावनी पर ध्यान नहि देलक।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक पालन करबा मे सतर्क रहबाक चाही, नहि तँ अपन आज्ञा नहि मानबाक परिणामक सामना करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाकारी संतान बनबाक लेल परमेश् वरक वचनक लेल अपन हृदय खोलबाक चाही, आ हुनकर चेतावनी केँ स्वीकार करबाक चाही।

1: व्यवस्था 4:2 हम जे आज्ञा दैत छी ताहि मे किछु नहि जोड़ू आ ओहि मे सँ घटा नहि करू, बल् कि हम अहाँ केँ जे आज्ञा दैत छी, तकरा अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करू।

2: मत्ती 7:21-23 जे सभ हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि ओ मात्र ओहि मे प्रवेश करत जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा पूरा करत। ओहि दिन हमरा बहुतो लोक कहताह, प्रभु, प्रभु, की हम सभ अहाँक नाम सँ भविष्यवाणी नहि केलहुँ आ अहाँक नाम सँ राक्षस केँ भगा देलियैक आ अहाँक नाम सँ बहुत रास चमत्कार नहि केलहुँ? तखन हम हुनका सभकेँ साफ-साफ कहबनि, अहाँकेँ कहियो नहि चिन्हलहुँ । हमरा सँ दूर, अहाँ दुष्ट लोकनि!

यिर्मयाह 25:24 अरबक सभ राजा आ मरुभूमि मे रहनिहार मिश्रित लोकक सभ राजा।

परमेश् वर अरबक राजा सभ आ मिश्रित लोकक राजा सभ केँ हुनकर आज्ञा मानबाक आज्ञा देने छथि।

1: प्रभु के अधीन रहू आ हुनकर आज्ञा के पालन करू

2: भगवान् के पालन करू आ हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करू

1: व्यवस्था 6:4-5 हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर प्रभु, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।

2: यहोशू 24:14-15 आब प्रभु सँ डेराउ आ निश्छलता आ विश्वासपूर्वक हुनकर सेवा करू। अहाँ सभक पूर्वज नदीक ओहि पार आ मिस्र मे जे देवता सभ सेवा करैत छलाह, तकरा सभ केँ दूर कऽ कऽ प्रभुक सेवा करू। जँ अहाँ सभक नजरि मे प्रभुक सेवा करब अधलाह अछि तँ आइ चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब, चाहे अहाँक पूर्वज नदीक ओहि पारक क्षेत्र मे जे देवताक सेवा करैत छलाह, वा अमोरी लोकनिक देवता, जिनकर देश मे अहाँ रहैत छी। मुदा रहल बात हमरा आ हमर घरक तऽ हम सभ प्रभुक सेवा करब।

यिर्मयाह 25:25 जिमरीक सभ राजा, एलामक सभ राजा आ मादीक सभ राजा।

परमेश् वरक न्याय केवल यहूदा धरि सीमित नहि अछि, बल् कि सभ जाति मे सेहो पसरल अछि।

1: परमेश् वरक निर्णय निष्पक्ष अछि आ सभ जाति केँ एकर परिणामक सामना करय पड़त।

2: बहुत देर होबय सँ पहिने हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही आ भगवानक दया लेबय पड़त।

1: रोमियो 2:11 - किएक तँ परमेश् वर कोनो पक्षपात नहि करैत छथि।

2: इजकिएल 18:30-32 - पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ’ जाय।

यिर्मयाह 25:26 उत्तरक सभ राजा, दूर-दूर, एक-दोसर आ संसारक सभ राज्य जे पृथ् वी पर अछि।

एहि श्लोक मे उत्तरक सभ राजा आ ओकर राज्यक संग-संग शेशक राजाक सेहो बात कयल गेल अछि जे हुनका सभक बाद पीताह।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सभ जाति पर परमेश् वरक अधिकार केँ स्वीकार करब

2. राष्ट्रक बीच एकता: शांति मे एक संग काज करबाक मूल्य

1. यशायाह 40:15-17 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजू पर धूरा जकाँ मानल जाइत अछि। देखू, समुद्रक कात केँ महीन धूरा जकाँ उठा लैत अछि।

2. भजन 2:1-12 - जाति सभ किएक क्रोधित होइत अछि आ लोक सभ व्यर्थ साजिश किएक करैत अछि?

यिर्मयाह 25:27 तेँ अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अहाँ सभक बीच जे तलवार पठा देब, ताहि कारणेँ अहाँ सभ पीबि कऽ नशा मे धुत्त भऽ जाउ, फूसि कऽ खसि जाउ आ फेर उठब नहि।

भगवान् लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ पीबथि आ एतेक नशा मे धुत्त भ' जाथि जे ओ सभ खसि पड़त आ फेर नहि उठत, कारण जे तलवार परमेश् वर ओकरा सभक बीच पठौताह।

1. परमेश् वरक दया आ न्याय: यिर्मयाह 25:27 केँ बुझब

2. प्रभुक तलवार: विद्रोहक परिणाम केँ बुझब

1. यशायाह 5:11-23 - न्याय आ धार्मिकताक मूल्य केँ नहि चिन्हबाक लेल लोक सभ पर परमेश् वरक न्याय।

2. इजकिएल 33:11 - परमेश् वरक दया आ करुणा ओहि सभ लोकक प्रति जे अपन दुष्टता सँ मुड़ि लैत छथि।

यिर्मयाह 25:28 जँ ओ सभ अहाँक हाथ मे प्याला लऽ कऽ पीबय सँ मना कऽ देत तँ अहाँ ओकरा सभ केँ कहब जे, ‘सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ अवश्य पीब।

सेना केरऽ परमेश् वर घोषणा करै छै कि जे लोग हुनकऽ हाथऽ में प्याला लेबै सें मना करै छै, ओकरा पीना चाहियऽ ।

1. "भगवानक न्यायक प्याला: अस्वीकार्य सँ मना करब"।

2. "आज्ञापालन के मजबूरी: सेना के प्रभु आज्ञा दैत छथि"।

1. यशायाह 51:17, "जागू, जागू, उठू, हे यरूशलेम, जे प्रभुक हाथ सँ हुनकर क्रोधक प्याला पीने छी; अहाँ काँपबाक प्याला के मल पीबि क' ओकरा निचोड़ि क' निकालि देलहुँ।"

2. मत्ती 26:39, "ओ कनेक आगू बढ़ि क' मुँह पर खसि क' प्रार्थना कयलनि, “हे हमर पिता, जँ संभव हो त' ई प्याला हमरा सँ चलि जाउ अहाँ चाहब।"

यिर्मयाह 25:29 किएक तँ देखू, हम ओहि नगर पर अधलाह आनय लगैत छी जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, आ की अहाँ सभ केँ एकदम सँ दंडित नहि कयल जाय? अहाँ सभ अदण्डित नहि रहब, किएक तँ हम पृथ् वी पर रहनिहार सभ पर तलवार बजा लेब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान घोषणा करैत छथि जे ककरो सजा सँ नहि बचि जायत आ पृथ्वीक सभ निवासी पर तलवार बजाबय पड़त।

1024

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति - परमेश् वरक इच्छाक विरुद्ध जीबाक परिणामक खोज करब।

2. पश्चाताप के आवश्यकता - गलत काज स मुँह घुमाबय के महत्व के बुझब आ भगवान के तरफ।

1. रोमियो 2:4-11 - परमेश् वरक न्याय सत्यक अनुसार होइत अछि।

2. इब्रानी 10:26-31 - उद्धारक ज्ञान प्राप्त करबाक बाद जानबूझि क’ पाप करबाक खतरा।

यिर्मयाह 25:30 तेँ अहाँ हुनका सभक विरुद्ध ई सभ बातक भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, “परमेश् वर ऊपर सँ गर्जना करताह आ अपन पवित्र निवास सँ अपन आवाज बाजताह। ओ अपन आवास पर जोर-जोर सँ गर्जत। ओ अंगूर पर रौदनिहार सभ जकाँ चिचियाओत।

भगवान् अपन पवित्र घर सँ जोर-जोर सँ आ शक्तिशाली गर्जना करत जे पृथ्वीक सभ निवासी केँ चेतावनी देत।

1. भगवान् के चेतावनी के आवाज

2. न्यायक ध्वनि

1. इजकिएल 22:14, "की अहाँक हृदय सहन क' सकैत अछि, वा अहाँक हाथ मजबूत भ' सकैत अछि, जाहि दिन मे हम अहाँक संग व्यवहार करब? हम प्रभु कहलहुँ अछि आ पूरा करब।"

2. प्रकाशितवाक्य 10:3-4, "ओ जोर-जोर सँ चिचिया उठल जेना सिंह गर्जैत अछि। आ जखन ओ चिचिया उठल तऽ सात टा गरजल आवाज निकाललक। आ जखन सात गोट गरजि अपन आवाज निकालि लेलक तखन हम कहय बला छलहुँ।" लिखू।

यिर्मयाह 25:31 पृथ्वीक छोर धरि हल्ला होयत। कारण, परमेश् वर केँ जाति-जाति सभक संग विवाद अछि, ओ सभ शरीर सँ निहोरा करताह। ओ दुष्ट सभ केँ तलवारक हाथ मे दऽ देताह, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर जाति सभक संग विवाद करैत छथि आ ओहि हिसाबे हुनका सभक न्याय करताह आ दुष्ट केँ तलवार मे दऽ देताह।

1. प्रभु न्यायी छथि: परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. हमर सभक धार्मिकता गंदा चीर जकाँ अछि: पश्चाताप करू आ प्रभु दिस मुड़ू

1. यशायाह 48:22 - "दुष्ट लोकक लेल शान्ति नहि अछि, प्रभु कहैत छथि।"

२ मिल क' बेकार भ' जाउ, नीक काज करयवला केओ नहि, एको नहि।"

यिर्मयाह 25:32 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “देखू, एक जाति सँ दोसर जाति मे अधलाह चलत आ पृथ् वीक तट सँ एकटा पैघ बवंडर उठत।”

सेना केरऽ परमेश् वर चेतावनी दै छै कि एक जाति स॑ दोसरऽ जाति म॑ बुराई फैलतै आरू पृथ्वी केरऽ तटऽ स॑ एगो बड़ऽ बवंडर आबी जैतै ।

1. परमेश् वरक चेतावनी: बुराई राष्ट्र सभ मे पसरि जायत

2. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् संसार पर कोना नियंत्रण रखैत छथि

1. यशायाह 18:2-3 ओ समुद्रक कात मे दूत सभ केँ पठाबैत अछि, जे पानि पर बूढ़क बर्तन मे बैसि क’ कहैत अछि जे, “हे तेज दूत सभ, छिड़ियाएल आ छिलल जाति मे जाउ, एकटा एहन जाति मे जे शुरू सँ एखन धरि भयावह छल। एकटा एहन राष्ट्र मेट आउट आ रौंदल गेल, जकर भूमि नदी सभ बिगाड़ि देने अछि!

2. आमोस 8:11-12 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे हम एहि देश मे अकाल पठा देब, रोटीक अकाल नहि, आ ने पानिक प्यास, बल् कि प्रभुक वचन सुनबाक अकाल। ओ सभ समुद्र सँ समुद्र मे आ उत्तर सँ पूब दिस भटकत, परमेश् वरक वचन ताकबाक लेल एम्हर-ओम्हर दौड़त, मुदा ओकरा नहि भेटतैक।

यिर्मयाह 25:33 ओहि दिन परमेश् वरक मारल गेल लोक सभ पृथ् वीक एक छोर सँ दोसर छोर धरि रहत। जमीन पर गोबर होयत।

परमेश् वर जाति सभ पर न्याय आनताह आ हुनका द्वारा मारल गेल लोकक शोक नहि कयल जायत अपितु जमीन पर सड़य लेल छोड़ि देल जायत।

1. परमेश् वरक क्रोध: पश्चाताप करबाक आह्वान

2. परमेश् वरक निर्णयक यथार्थ: पवित्रताक लेल एकटा चुनौती

1. यशायाह 5:20-25

2. इजकिएल 18:30-32

यिर्मयाह 25:34 हे चरबाह सभ, कूदब आ कानब। अहाँ सभ झुंडक प्रमुख लोकनि, अहाँ सभ भस्म मे लौलैत रहू, किएक तँ अहाँ सभक वध आ तितर-बितर होयबाक दिन पूरा भऽ गेल अछि। अहाँ सभ सुखद पात्र जकाँ खसि पड़ब।

चरबाह सब के अपन भाग्य के शोक में हुंकार आ कानय लेल बजाओल जाइत छैक जेना ओकर वध आ तितर-बितर के दिन पूरा होइत छैक |

1. चरबाह सभक दुर्भाग्यपूर्ण भाग्य यिर्मयाह 25:34

2. चरबाह सभ सँ सीखब यिर्मयाह 25:34

1. यशायाह 53:7 ओ दबलल गेल, आ दुःखित भेल, तैयो ओ अपन मुँह नहि खोललक, ओ मेमना जकाँ वधक लेल आनल जाइत अछि आ जेना भेड़ ओकर कातरनिहारक सोझाँ गूंगा होइत अछि, तेना ओ अपन मुँह नहि खोलैत अछि।

2. प्रकाशितवाक्य 17:16 आ जे दस सींग अहाँ ओहि जानवर पर देखलहुँ, से ई सभ वेश्या सँ घृणा करत, आ ओकरा उजाड़ आ नंगटे बना देत, आ ओकर मांस खायत आ ओकरा आगि मे जरा देत।

यिर्मयाह 25:35 चरबाह सभ केँ पलायन करबाक कोनो बाट नहि रहत आ ने झुंडक प्रमुख लोक सभ केँ बचबाक लेल।

चरबाह आ झुंडक प्रधानाध्यापक परमेश् वरक न् याय सँ नहि बचि सकैत अछि।

1. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ चरबैत छथि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत छथि आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक ल’ जाइत छथि;

2. इजकिएल 34:2-10 - तेँ, अहाँ सभ चरबाह सभ, प्रभुक वचन सुनू: जहिना हम जीबैत छी, सार्वभौम प्रभु कहैत छथि, कारण हमर भेँड़ा मे चरबाहक अभाव अछि आ तेँ लूटल गेल अछि आ सभक भोजन बनि गेल अछि जंगली जानवर, आ किएक तँ हमर चरबाह सभ हमर भेँड़ाक खोज नहि केलक, बल् कि हमर भेँड़ा सँ बेसी अपन देखभाल केलक, तेँ, अहाँ सभ चरबाह सभ, प्रभुक वचन सुनू।

यिर्मयाह 25:36 चरबाह सभक चीत्कार आ भेँड़ाक मुखिया सभक हुंकार सुनल जायत, किएक तँ परमेश् वर हुनका सभक चारागाह केँ लूटि लेलनि।

1026

परमेश् वरक अपन चारागाहक नाशक कारणेँ चरबाह आ झुंडक प्रधान लोक सभ व्यथित भऽ कऽ चिचियाइत अछि।

1. प्रभुक शक्ति - एकटा स्मरण जे प्रभु सार्वभौम छथि आ हमरा सभ लग जे किछु अछि से छीनबाक शक्ति छनि।

2. संतोषक आशीर्वाद - प्रभु जे किछु देने छथि ताहि पर संतुष्ट रहबाक प्रोत्साहन।

1. भजन 24:1 - पृथ्वी परमेश् वरक अछि आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ।

2. इब्रानी 13:5 - अहाँक आचरण लोभ रहित हो; जे किछु अछि ताहि मे संतुष्ट रहू। कारण ओ स्वयं कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।

यिर्मयाह 25:37 परमेश् वरक भयंकर क्रोधक कारणेँ शांतिपूर्ण आवास सभ काटि देल गेल अछि।

भगवान् केरऽ भयंकर क्रोध के कारण शांतिपूर्ण आवास नष्ट होय गेलऽ छै ।

1. भगवान् के क्रोध के शक्ति

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. रोमियो 1:18-32 परमेश् वरक क्रोध प्रकट भेल

2. हबक्कूक 2:17 भयंकर क्रोधक हिंसा

यिर्मयाह 25:38 ओ अपन गुप्तता केँ शेर जकाँ छोड़ि गेल अछि, कारण, अत्याचारी आ ओकर भयंकर क्रोधक कारणेँ ओकर सभक देश उजाड़ भ’ गेल अछि।

भगवानक उग्र क्रोध आ अत्याचारी के उग्रता के कारण भूमि उजाड़ भ गेल अछि आ भगवान ओकरा ओहिना छोड़ि देने छथि जेना सिंह अपन मांद छोड़ि दैत अछि |

1. भगवान् के क्रोध: अत्याचार के उग्रता के समझना

2. पापक परिणाम: एकटा उजाड़ भूमि

1. यशायाह 24:5-6 "पृथ्वी सेहो ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध अछि। किएक तँ ओ सभ नियमक उल्लंघन केलक, नियम बदलि देलक, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलक। तेँ शाप पृथ्वी केँ खा गेल अछि आ ओहि मे रहनिहार सभ उजाड़ भ' गेल अछि।" : तेँ पृथ्वी पर रहनिहार लोकनि जरि गेल छथि, आ किछुए लोक बचि गेल छथि |"

2. रोमियो 8:19-21 "किएक तँ सृष्टि परमेश् वरक पुत्र सभक प्रगटताक प्रतीक्षा करैत अछि। किएक तँ सृष्टि स्वेच्छा सँ नहि, बल् कि ओहि व्यक्तिक कारणेँ व्यर्थक अधीन कयल गेल अछि जे आशा मे ओकरा अधीन कयलनि।" , कारण, सृष्टि स्वयं सेहो भ्रष्टताक बंधन सँ मुक्त भ' क' परमेश् वरक संतान सभक गौरवशाली स्वतंत्रता मे आबि जायत।"

यिर्मयाह अध्याय २६ यिर्मयाह के मुकदमा के आसपास के घटना आरू यरूशलेम आरू मंदिर के खिलाफ ओकरऽ भविष्यवाणी के न्याय के संदेश के कारण ओकरऽ जान के खतरा के बारे में बतैलकै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के आरंभ में यिर्मयाह मंदिर के आँगन में परमेश् वर के तरफ सें संदेश दै छै (यिर्मयाह 26:1-6)। ओ चेतावनी दैत छथि जे जँ लोक सभ पश्चाताप नहि करत आ अपन बाट नहि बदलत तँ यरूशलेम शिलो जकाँ उजाड़क स्थान बनि जायत।

2 पैराग्राफ: जखन यिर्मयाह बाजब समाप्त क’ लैत छथि तखन पुरोहित, भविष्यवक्ता आ लोक हुनका पकड़ि लैत छथि (यिर्मयाह 26:7-9)। यरूशलेम के खिलाफ भविष्यवाणी करला के कारण ओकरा पर आरोप लगै छै कि वू मौत के हकदार छै। लेकिन, कुछ अधिकारी यिर्मयाह के बचाव करतें हुवें

ओकरा सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि मीका भी बिना कोनो नुकसान के सामना करलोॅ ऐसनऽ ही भविष्यवाणी करलोॅ छेलै।

3 पैराग्राफ: अधिकारी यिर्मयाह के मामला पर चर्चा करय लेल एकत्रित होइत छथि (यिर्मयाह 26:10-16)। पुरोहित आ भविष्यवक्ता हुनका फाँसीक लेल बहस करैत छथि, ई दावा करैत छथि जे ओ परमेश् वरक नाम पर बाजल अछि। लेकिन यिर्मयाह ई दावा करी कॅ आपनो बचाव करै छै कि हुनी खाली परमेश् वर के संदेश पहुँचाबै छै। ओ हुनका लोकनिक पूर्वजक पूर्व भविष्यवक्ता सभक संग व्यवहारक अपील करैत छथि जे हुनका सभ केँ न्यायक विषय मे चेताबैत छलाह |

4 पैराग्राफ: किछु प्राचीन यिर्मयाह के बचाव के समर्थन करैत छथि (यिर्मयाह 26:17-19)। ओ सभ मोन पाड़ैत छथि जे कोना मीकाक भविष्यवाणीक कारणेँ राजा हिजकियाह हुनका सजा देबाक बदला परमेश् वरक दया मँगलाह। फलस्वरूप, हुनका सभक मानब छनि जे यिर्मयाह केँ मारब बुद्धिमानी नहि होयत किएक तँ ओ परमेश् वरक वचन सेहो बाजि रहल होयत।

5 म पैराग्राफ: किछु प्रभावशाली पुरुष यिर्मयाह के तरफ स हस्तक्षेप करैत छथि (यिर्मयाह 26:20-24)। ओ सभ उरियाह केँ उदाहरणक रूप मे एकटा पूर्व भविष्यवक्ता केँ दैत छथि जे राजा यहोयाकीम द्वारा एहने संदेशक लेल फाँसी देल गेल छल | जन-आक्रोश आरू ईश्वरीय प्रतिशोध के डर स॑ ई आदमी यिर्मयाह क॑ नुकसान स॑ सफलतापूर्वक बचाबै छै ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के छब्बीस अध्याय में यिर्मयाह के यरूशलेम के खिलाफ भविष्यवाणी के संदेश के कारण जे परीक्षा आरू धमकी के सामना करना पड़लै, ओकरऽ बखान छै। मंदिर के आँगन में चेतावनी देला के बाद यिर्मयाह के पुरोहित, भविष्यवक्ता आरू लोग जब्त करी लै छै जे ओकरा पर मौत के हकदार होय के आरोप लगै छै। मुदा, किछु अधिकारी हुनकर बचाव करैत छथि, बिना सजा के मीका के उदाहरण दैत छथि। एहि मामला पर अधिकारी क बीच चर्चा भ रहल अछि। पुरोहित आरू भविष्यवक्ता सिनी फांसी के लेलऽ बहस करै छै, लेकिन यिर्मयाह खाली परमेश् वर के आज्ञा के बात करै के दावा करी कॅ आपनो बचाव करै छै। ओ हुनका सभ केँ पूर्वक भविष्यवक्ता सभक व्यवहारक स्मरण कराबैत छथि आ हुनका सभक पश्चातापक अपील करैत छथि | किछु प्राचीन लोकनि हुनकर बचावक समर्थन करैत छथि, राजा हिजकियाह जे मीका केँ बख्शलनि। प्रभावशाली आदमी यिर्मयाह के तरफऽ स॑ हस्तक्षेप करै छै, जेकरा म॑ उरियाह क॑ उदाहरण के रूप म॑ पेश करै छै । जन-आक्रोश आ दिव्य प्रतिशोधक डर सँ ओकरा नुकसान सँ बचाबय मे सफल भ' जाइत छथि । अध्याय में भविष्यवाणी के संदेश के विरोध आरू कुछ व्यक्ति द्वारा सच्चाई कहै वाला के सुरक्षा के प्रयास दोनों पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 26:1 यहूदा के राजा योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के शासन के आरंभ में यहोवा के तरफ से ई वचन आबी गेलै।

प्रभु यहूदा के राजा के रूप में यहोयाकीम के शासन के आरंभ के संदेश देलकै।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

2. प्रभुक आज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

2. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक; मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

यिर्मयाह 26:2 प्रभु ई कहैत छथि। परमेश् वरक घरक आँगन मे ठाढ़ भऽ कऽ यहूदाक सभ नगर सभ केँ कहू जे परमेश् वरक घर मे आराधना करऽ अबैत अछि। एक शब्द कम नहि करब:

प्रभु यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथिन जे यहूदाक सभ नगर सभ सँ बात करथि जे प्रभुक घर मे आराधना करबाक लेल अबैत छथि आ हुनका देल गेल वचन सभ केँ कम नहि करथि।

1. परमेश् वरक वचन केँ कहियो कम नहि करबाक चाही

1028

2. भगवान् के आज्ञापालन के महत्व

1. व्यवस्था 4:2 - हम जे वचन अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि मे कोनो जोड़ नहि करू, आ ने ओकरा सँ हटाउ, जाहि सँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आज्ञा सभक पालन कऽ सकब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी।

2. नीतिवचन 30:5-6 - परमेश् वरक सभ वचन शुद्ध अछि; जे हुनका पर भरोसा रखैत छथि हुनका लेल ओ ढाल छथि । हुनकर बात मे कोनो जोड़ नहि करू, कहीं ओ अहाँ केँ डाँटय, आ अहाँ झूठ नहि पाबि जायब।

यिर्मयाह 26:3 जँ एहन होयत तँ ओ सभ बात सुनत आ प्रत्येक लोक अपन दुष्ट बाट सँ हटि जायत, जाहि सँ हम ओहि दुष्टता सँ पश्चाताप क’ सकब, जे हम हुनका सभक काजक बुराईक कारणेँ हुनका सभक संग करबाक योजना बना रहल छी।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ अपन पाप सँ मुँह मोड़बाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि आ वादा करैत छथि जे जँ ओ सभ एहन करब तँ दयालु होयत।

1. परमेश् वरक दया: पाप सँ मुड़ब आ परमेश् वरक करुणा ग्रहण करब

2. पश्चाताप के शक्ति: पाप स मुँह मोड़ला स अपन जीवन के बदलब

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. इजकिएल 18:30-31 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ अपन सभ अपराध केँ दूर कऽ दियौक। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

यिर्मयाह 26:4 अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “प्रभु ई कहैत छथि। जँ अहाँ सभ हमर बात नहि मानब आ हमर नियम मे चलब, जे हम अहाँ सभक सोझाँ राखने छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ अपन नियमक पालन करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. आज्ञाकारिता बलिदान स नीक अछि: यिर्मयाह 26:4 क अध्ययन

2. प्रभु आज्ञाकारिता के आज्ञा दैत छथि: यिर्मयाह 26:4 के अध्ययन

1. 1 शमूएल 15:22-23 - शमूएल कहलथिन, “की परमेश् वर होमबलि आ बलिदान मे ओतबे प्रसन्न छथि जतेक परमेश् वरक आज्ञा मानबा मे? देखू, बलिदान सँ आज्ञा मानब नीक अछि आ मेढ़क चर्बी सँ सुनब।

2. प्रेरित 5:29 - तखन पत्रुस आ आन प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।”

यिर्मयाह 26:5 हमर सेवक भविष्यवक्ता सभक बात सुनबाक लेल, जिनका हम अहाँ सभ लग पठौने रही, दुनू गोटे भोरे उठि क’ हुनका सभ केँ पठा देलहुँ, मुदा अहाँ सभ नहि सुनलहुँ।

यहूदाक लोक सभ परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनने छल, जिनका ओ भोरे-भोर आ आन समय दुनू गोटे हुनका सभ लग पठौने छलाह।

1. परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक बात पर ध्यान देबाक अछि

2. भगवान् के चेतावनी के पालन करला स सुरक्षा आ आशीर्वाद भेटैत अछि

1. यिर्मयाह 7:23 - "मुदा हम हुनका सभ केँ ई आज्ञा देने छलहुँ, हमर आवाज केँ मानू, हम अहाँक परमेश् वर बनब, आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब अहाँक संग।"

2. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखि दैत छी: आशीर्वाद जँ अहाँ सभ अहाँ सभ अपन परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन करब, जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी; आ शाप, जँ।" अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करब, बल् कि हम आइ जे बाट अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागब, जकरा अहाँ सभ नहि जनलहुँ।”

यिर्मयाह 26:6 तखन हम एहि घर केँ शिलो जकाँ बना देब आ एहि नगर केँ पृथ्वीक सभ जाति केँ अभिशाप बना देब।

प्रभु यरूशलेम के मंदिर के शिलो के खंडहर मन्दिर के तरह बना देतै आरू सब जाति के लेलऽ शहर के अभिशाप में बदली देतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: शिलोहक भाग्य सँ सीखब

2. कोनो राष्ट्रक काजक प्रभाव भगवानक लोक पर

1. उत्पत्ति 49:10 - जाबत शिलो नहि आओत ता धरि यहूदा सँ राजदंड नहि हटि जायत आ ने कोनो कानून देनिहार ओकर पएरक बीच सँ। लोकक जुटान हुनका लेल होयत।”

2. भजन 78:60-64 - तेँ ओ शिलोक तम्बू केँ छोड़ि देलनि, जे ओ मनुष् यक बीच मे राखने छलाह। ओ अपन सामर्थ्य केँ बंदी मे सौंपि देलथिन, आ अपन महिमा केँ शत्रु सभक हाथ मे सौंपि देलनि। ओ अपन लोक केँ सेहो तलवारक हाथ मे सौंप देलनि। आ अपन उत्तराधिकार पर क्रोधित भ’ गेल। आगि हुनका लोकनिक युवक सभ केँ भस्म क' देलकनि; आ हुनका लोकनिक कन्या सभ केँ विवाह मे नहि देल गेलनि। हुनका लोकनिक पुरोहित तलवार सँ खसि पड़लाह। आ हुनका लोकनिक विधवा लोकनि कोनो विलाप नहि केलनि।

यिर्मयाह 26:7 तखन पुरोहित आ भविष्यवक्ता आ सभ लोक यिर्मयाह केँ परमेश् वरक घर मे ई बात कहैत सुनलनि।

यिर्मयाह प्रभुक घर मे बजैत छलाह आ पुरोहित, भविष्यवक्ता आ सभ लोक हुनका सुनलनि।

1. एकल आवाजक शक्ति: प्रभुक घर मे यिर्मयाहक आवाज पर एक नजरि

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व: प्रभुक घर मे यिर्मयाहक संदेश

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

यिर्मयाह 26:8 जखन यिर्मयाह सभ लोक केँ जे किछु कहबाक आज्ञा परमेश् वर द्वारा कहल गेल छलनि से समाप्त कयलनि तखन पुरोहित आ भविष्यवक्ता आ सभ लोक हुनका पकड़ि लेलनि आ कहलनि जे, “अहाँ अवश्य करब।” मरनाइ.

लोक सभ यिर्मयाह केँ लऽ कऽ ओकरा सभ केँ प्रभुक वचन बाजि कऽ ओकरा सभ केँ मारि देबाक धमकी देलक।

1. हमरा सभ केँ परमेश्वरक वचन सुनबाक लेल सदिखन तैयार रहबाक चाही, भले ओ कठिन वा चुनौतीपूर्ण हो।

2. परमेश् वरक वचन कोनो खतरा वा नुकसानक खतरा सँ पैघ अछि।

1. रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 15:3-4 - हम सभ सँ पहिने जे किछु हमरा सेहो भेटल अछि से अहाँ सभ केँ सौंपलहुँ जे मसीह धर्मशास्त्रक अनुसार हमरा सभक पापक लेल मरि गेलाह। धर्मशास् त्रक अनुसार ओ तेसर दिन जीबि उठलाह।

यिर्मयाह 26:9 अहाँ परमेश् वरक नाम सँ किएक भविष्यवाणी केलहुँ जे ई घर शिलो जकाँ होयत आ ई नगर बिना कोनो निवासीक उजाड़ भऽ जायत? सभ लोक यिर्मयाहक विरुद्ध परमेश् वरक घर मे जमा भऽ गेल।

यिर्मयाह यरूशलेम के लोग सिनी कॅ चुनौती दै छै कि वू पश्चाताप करै आरू परमेश्वर के रास्ता पर वापस आबै।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका लग घुरि कऽ धार्मिकतापूर्वक जीबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभ केँ सदिखन भगवान् पर विश्वास राखय पड़त आ हुनकर योजना पर भरोसा करबाक चाही।

1: व्यवस्था 10:12-13 - "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक।" पूरा मोन आ पूरा आत्मा सँ।”

2: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

यिर्मयाह 26:10 जखन यहूदाक राजकुमार सभ ई बात सुनि राजाक घर सँ परमेश् वरक घर दिस बढ़लाह आ परमेश् वरक घरक नव फाटकक प्रवेश द्वार मे बैसि गेलाह।

यहूदाक राजकुमार सभ ई खबरि सुनि परमेश् वरक घर मे जा कऽ नव फाटक मे बैसि गेलाह।

1. प्रभु के आज्ञापालन के महत्व

2. अनिश्चित समय मे परमेश् वरक मार्गदर्शनक खोज करब

1. व्यवस्था 10:12-13 - "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक आ हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक।" अपन पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ प्रभुक आज्ञा आ हुनकर नियम सभक पालन करबाक लेल जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दैत छी?

2. भजन 27:4 - हम प्रभु सँ एकटा बात चाहैत छी जे हम ताकब जे हम अपन जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब, प्रभुक सौन्दर्य देखब आ पूछताछ करब हुनकर मंदिर।

यिर्मयाह 26:11 तखन पुरोहित आ भविष्यवक्ता सभ राजकुमार सभ आ समस्त लोक सभ सँ कहलथिन, “ई आदमी मरबाक योग्य अछि। कारण, ओ एहि नगरक विरुद्ध भविष्यवाणी कयलनि, जेना अहाँ सभ कान सँ सुनने छी।

ई अंश पुरोहित आरू भविष्यवक्ता सिनी के बात करै छै कि वू लोग सिनी कॅ शहर के खिलाफ भविष्यवाणी करै के कारण एक आदमी के सजा के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक खतरा

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालनक महत्व

1. प्रेरित 5:29 - तखन पत्रुस आ आन प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।”

2. रोमियो 13:1-2 - प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। तेँ जे केओ सामर्थ्यक विरोध करैत अछि, से परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि।

यिर्मयाह 26:12 तखन यिर्मयाह सभ राजकुमार आ सभ लोक सँ कहलथिन, “परमेश् वर हमरा पठौलनि जे हम एहि घर आ एहि शहरक विरुद्ध ओ सभ बात जे अहाँ सभ सुनने छी, से भविष्यवाणी करी।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ घर आ नगरक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक लेल पठौने छलाह।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. प्रभुक भविष्यवाणीक पालन करब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. नीतिवचन 16:3 - अपन काज प्रभु पर सौंपि दियौक, तखन अहाँक विचार स्थिर भ’ जायत।

यिर्मयाह 26:13 तेँ आब अपन बाट आ कर्म मे सुधार करू आ अपन परमेश् वर यहोवाक बात मानू।
परमेश् वर ओकरा पर पश्चाताप करथिन जे ओ अहाँ सभक विरुद्ध जे अधलाह कहने छथि।

परमेश् वर यहूदा के लोगऽ कॅ आज्ञा दै छै कि वू अपनऽ रास्ता बदलै आरू ओकरऽ आवाज के पालन करै, आरू ऐसनऽ करला में, वू ओकरा सिनी के खिलाफ जे बुराई कहने छै, ओकरा सें मुक्त होय जैतै।

1. भगवान् सदिखन क्षमा करय लेल तैयार रहैत छथि।

2. पश्चाताप सँ मेल-मिलाप होइत छैक।

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

.

यिर्मयाह 26:14 हमर बात, देखू, हम अहाँक हाथ मे छी।

भगवान् सार्वभौमिक छथि आ जीवन मे जेना उचित बुझैत छी से करबाक अनुमति दैत छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब: ई जानब जे कखन छोड़ब आ भगवान् केँ छोड़ब

2. भगवानक इच्छाक संग मिलिकय अपन जीवनक संचालन करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि जे परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. भजन 37:23 - नीक आदमीक डेग प्रभु द्वारा क्रमबद्ध होइत छैक, आ ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत छथि।

यिर्मयाह 26:15 मुदा अहाँ सभ निश्चित रूप सँ ई जानि लिअ जे जँ अहाँ सभ हमरा मारि देब तँ अहाँ सभ अपना पर, एहि नगर आ ओकर निवासी सभ पर निर्दोष खून अवश्य आनि देब ई सब बात कान मे बाजू।

प्रभु यिर्मयाह केँ यरूशलेमक लोक सभ सँ गप्प करबाक लेल पठौने छथि, हुनका सभ केँ चेताबैत छथि जे जँ ओ सभ हुनका मारि देबनि तँ ओ सभ निर्दोष खून बना रहल छथि आ अपना पर आ नगर पर दोषी ठहरा रहल छथि।

1. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक चाही - यिर्मयाह 26:15

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - यिर्मयाह 26:15

1. मत्ती 12:36-37 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन कहल सभ एक-एकटा खाली वचनक हिसाब देबऽ पड़त। किएक तँ अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब आ अपन बात सभ सँ अहाँ सभ निर्दोष होयब।" निंदा कयल गेल।

2. इब्रानी 11:7 - "विश्वास सँ नूह अपन परिवार केँ जलप्रलय सँ बचाबय लेल एकटा पैघ नाव बनौलनि। ओ परमेश् वरक आज्ञा मानलनि, जे हुनका एहन बात सभक चेतावनी देलनि जे पहिने कहियो नहि भेल छल।"

यिर्मयाह 26:16 तखन राजकुमार सभ आ सभ लोक पुरोहित आ भविष्यवक्ता सभ केँ कहलथिन। ई आदमी मरै लायक नै छै, किएक तँ ओ हमरा सभ सँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक नाम सँ बात कयलक।

यहूदा के लोग यिर्मयाह के भविष्यवाणी सुनलकै आरू प्रभु के नाम पर बोलै के कारण ओकरा सजा दै सें मना करी देलकै।

1. प्रभु के नाम से बोलने की शक्ति

2. पैगम्बर सभक बात सुनबाक महत्व

1. यशायाह 55:11 हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. प्रेरित 4:8-12 तखन पत्रुस पवित्र आत् मा सँ भरल हुनका सभ केँ कहलथिन, “प्रजा आ बूढ़- पुरान सभक शासक सभ, जँ आइ हमरा सभ सँ कोनो अपंग आदमीक संग कयल गेल नीक काजक विषय मे पूछताछ कयल जा रहल अछि त’ एहि आदमी केँ कोन तरहेँ कयल गेल अछि।” ठीक भ’ गेलहुँ, अहाँ सभ आ इस्राएलक समस्त लोक केँ ई बुझा जाय जे नासरतक यीशु मसीहक नाम सँ, जिनका अहाँ क्रूस पर चढ़ा देलहुँ, जिनका परमेश् वर हुनका द्वारा मृत् यु मे सँ जिआ देलनि, ई आदमी अहाँ सभक सोझाँ नीक जकाँ ठाढ़ अछि। ई यीशु ओ पाथर अछि जकरा अहाँ सभ, निर्माता सभ, अस्वीकार कऽ देलहुँ, जे आधारशिला बनि गेल अछि। आ दोसर केकरो मे उद्धार नहि छैक, किएक तँ स्वर्गक नीचाँ मनुक्खक बीच एहन कोनो आन नाम नहि देल गेल छैक जकरा द्वारा हमरा सभ केँ उद्धार भेटबाक चाही।

यिर्मयाह 26:17 तखन देशक किछु बूढ़-पुरान लोक सभ उठि कऽ लोकक समस्त जमात सँ कहलथिन।

देशक बुजुर्ग लोकनि लोकक सभा केँ सलाह देबय चाहैत छलाह |

1: निर्णय लेबय लेल हमरा सभ केँ बुद्धिक उपयोग करबाक चाही, आ जानकार प्राचीन सभ सँ सलाह लेबय पड़त।

2: अनुभवी आ बुद्धिमान लोकक सलाह पर सदिखन विचार करबाक चाही।

1: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश् वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

2: नीतिवचन 11:14 - मार्गदर्शन के अभाव में कोनो राष्ट्र गिरैत अछि, मुदा जीत बहुत रास सलाहकार के माध्यम स होइत अछि।

यिर्मयाह 26:18 यहूदाक राजा हिजकिय्याहक समय मे मोरास्थी मीका भविष्यवाणी कयलनि आ यहूदाक समस्त लोक सभ सँ कहलथिन, “सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। सियोन खेत जकाँ जोतल जायत, आ यरूशलेम ढेर बनि जायत आ घरक पहाड़ जंगलक ऊँच स्थान जकाँ बनि जायत।

मोरास्थी मीका यहूदा के राजा हिजकिय्याह के शासनकाल में भविष्यवाणी करलकै, यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी देलकै कि सेना सिनी के परमेश् वर सियोन कॅ खेत के तरह जोततै, आरु यरूशलेम ढेर बनी जैतै।

1. परमेश् वरक निर्णय न्यायसंगत आ निष्पक्ष अछि

2. भगवान् पैघ शहर केँ सेहो ढेर आ खंडहर मे बदलि सकैत छथि
1033

1. यशायाह 5:5 - "आब हम अहाँ सभ केँ कहब जे हम अपन अंगूरक बगीचा केँ की करब: हम ओकर बाड़ि छीनि लेब, आ ओ नष्ट भ' जायत; हम ओकर देबाल तोड़ब आ ओकरा रौंदल जायत।"

2. आमोस 3:6 - "जखन कोनो नगर मे तुरही बजैत अछि त' लोक काँपैत नहि अछि? जखन कोनो नगर मे विपत्ति अबैत अछि त' की प्रभु ओकरा नहि बनौने छथि?"

यिर्मयाह 26:19 की यहूदाक राजा हिजकिय्याह आ समस्त यहूदा हुनका एकदम सँ मारि देलकनि? की ओ परमेश् वर सँ डेर नहि कयलनि आ परमेश् वर सँ विनती नहि कयलनि आ परमेश् वर हुनका सभ केँ ओहि दुष् टता पर पश्चाताप कयलनि? एहि तरहेँ हम सभ अपन आत्माक विरुद्ध पैघ दुष्टता उत्पन्न क' सकब।

यहूदा के राजा हिजकिय्याह ककरो मारै के बजाय प्रभु के भय आरो दया माँगना चुनलकै। एना करैत ओ हुनका सभ पर पैघ अधलाह अनबा सँ बचैत छलाह |

1. दया आ क्षमाक शक्ति

2. परेशान समय मे भगवान् दिस मुड़बाक आशीर्वाद

1. लूका 6:37 - न्याय नहि करू, आ अहाँ सभक न्याय नहि होयत; दोषी नहि करू, आ अहाँ सभ केँ दोषी नहि ठहराओल जायत। क्षमा करू, तखन अहाँ केँ क्षमा कयल जायत।

2. याकूब 5:16 - तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मात्मा के प्रार्थना में बहुत शक्ति छै जेना कि ई काम करी रहलऽ छै ।

यिर्मयाह 26:20 एक आदमी सेहो छल जे परमेश् वरक नाम सँ भविष्यवाणी करैत छल, किरयत-य्यारीमक शेमैयाक पुत्र उरियाह, जे यिर्मयाहक सभ बातक अनुसार एहि नगर आ एहि देशक विरुद्ध भविष्यवाणी कयलक।

यिर्मयाह के अधिकार के चुनौती उरियाह, जे प्रभु के नाम पर भविष्यवाणी करै वाला आदमी छेलै।

1. अधिकारक चुनौती: परमेश् वरक वचनक आदर आ अधीनता

2. परमेश् वरक वचन पर भरोसा करब: संदेहक संसार मे विवेक

२.

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यिर्मयाह 26:21 जखन राजा यहोयाकीम अपन सभ पराक्रमी आ सभ राजकुमार सभक संग हुनकर बात सुनलनि तँ राजा हुनका मारबाक प्रयास कयलनि, मुदा ई बात सुनि उरिया डरि गेलाह आ भागि गेलाह मिस्र;

परमेश् वरक भविष्यवक्ता उरियाह केँ राजा यहोयाकीम द्वारा एकटा भविष्यवाणी कयलाक बाद जान सँ मारबाक धमकी देल गेलनि, आ तेँ ओ सुरक्षाक लेल मिस्र भागि गेलाह।

1. भगवान् हुनकर आज्ञा माननिहारक रक्षा करताह, ओहो खतरा के सामना करैत।

2. मनुष्यक भय भगवानक भय केँ कहियो नहि छोड़बाक चाही।

1. नीतिवचन 29:25 - मनुष्य सँ भय जाल साबित होयत, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओकरा सुरक्षित राखल जाइत छैक।

2. इब्रानी 13:6 - तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहैत छी जे, प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि।
मात्र मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यिर्मयाह 26:22 राजा यहोयाकीम मिस्र मे लोक सभ केँ पठौलनि, जे अकबोरक पुत्र एलनाथन आ हुनका संग किछु लोक मिस्र मे पठौलनि।

राजा यहोयाकीम अकबोरक पुत्र एलनाथन आ आन लोक सभ केँ मिस्र पठौलनि।

1. हम बाइबिल मे परमेश् वरक चुनल गेल नेता सभ सँ सीख सकैत छी, जेना राजा यहोयाकीम, जे परमेश् वर हमरा सभ केँ देल गेल लोक आ संसाधन सभक प्रभावी ढंग सँ उपयोग कोना कयल जाय।

2. भगवान् हमरा सभक उपयोग अपन इच्छा पूरा करबाक लेल क' सकैत छथि, तखनो जखन ई असंभव काज बुझाइत हो।

1. मत्ती 28:19-20 - तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दिअ आ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देलहुँ, ओकर पालन करबाक लेल। आ निश्चय हम सदिखन अहाँक संग छी, युगक एकदम अंत धरि।

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 26:23 ओ सभ उरिया केँ मिस्र सँ निकालि क’ राजा यहोयाकीम लग अनलनि। जे ओकरा तलवार सँ मारि देलक आ ओकर लाश केँ आम लोकक कब्र मे फेकि देलक।

उरियाह केँ मिस्र सँ राजा यहोयाकीम लग आनल गेलनि, जे हुनका मारि कऽ गाड़ि देलनि।

1. राजाक शक्ति: अधिकारक उपयोग कोना हानि वा भलाई लेल कयल जा सकैत अछि।

2. जीवनक मूल्य: प्रत्येक व्यक्तिक महत्व केँ चिन्हब।

1. 1 पत्रुस 2:13-17 - अधिकारक अधीन रहब आ अपन दुश्मन सँ प्रेम करब।

2. मत्ती 5:38-48 - दोसर गाल घुमाउ आ एक दोसरा सँ प्रेम करू।

यिर्मयाह 26:24 तैयो शाफानक पुत्र अहिकामक हाथ यिर्मयाहक संग छल, जाहि सँ ओ सभ हुनका लोकक हाथ मे नहि द’ क’ हुनका मारि देथिन।

यिर्मयाह केँ शाफानक पुत्र अहिकामक हाथ सँ मारल जाय सँ बचाओल गेलनि।

1. भगवानक रक्षा सदिखन हमरा सभक संग रहैत अछि।

2. स्थिति कतबो कठिन किएक नहि हो, भगवान् हमरा सभ केँ बाट देखा देताह।

1. नीतिवचन 18:10, "प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि; धर्मी लोकनि ओहि दिस दौड़ैत छथि आ सुरक्षित रहैत छथि।"

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

यिर्मयाह अध्याय २७ जुआ पहनै के प्रतीकात्मक कार्य पर केंद्रित छै आरू यहूदा के राजा आरू पड़ोसी राष्ट्र सिनी कॅ संदेश दै के काम पर केंद्रित छै, जेकरा में परमेश्वर के नियुक्त न्याय के रूप में बेबिलोन के शासन के अधीनता पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

पहिल पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ लकड़ीक जुआ बनाउ आ एकटा गरदनि पर पहिरथि (यिर्मयाह 27:1-3)। ओ एदोम, मोआब, अम्मोन, सोर आ सीदोनक राजा सभ लग जुआक

संग दूत पठबैत छथि। संदेश ई छै कि ओकरा सिनी कॅ बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के अधीन होय के चाही।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह दूत सभक संग यहूदाक राजा सिदकियाह केँ पत्र पठबैत छथि (यिर्मयाह 27:12-15)। ओ सिदकियाह सँ आग्रह करैत छथि जे ओ झूठ भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनथि जे दावा करैत छथि जे बाबुलक शासन अल्पकालिक होयत। बल्कि ओ हुनका आ लोक सभ केँ सत्तर वर्ष धरि बेबिलोनक अधीन अपन दासता स्वीकार करबाक सलाह दैत छथि |

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक सामना करैत छथि जे हुनकर संदेशक विरोध करैत छथि (यिर्मयाह 27:9-11)। ओ हुनका सभ केँ झूठ बाजबा सँ चेतावनी दैत छथि जे परमेश् वर बेबिलोनक जुआ तोड़ि देथिन। हुनकऽ झूठा भविष्यवाणी खाली हुनकऽ दुख क॑ लम्बा करै के काम करै छै ।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन शासन के अधीन होय के बारे में अपनऽ संदेश दोहरै छै (यिर्मयाह 27:16-22)। ओ चेतावनी दैत छथि जे जँ कोनो राष्ट्र नबूकदनेस्सरक सेवा करबासँ मना कऽ देत आ ओकरा विरुद्ध विद्रोह करत तँ ओकरा अकाल वा तलवार सन गंभीर परिणामक सामना करय पड़तैक। जे सबमिट करताह हुनका मात्र अपन जमीन पर रहबाक अनुमति भेटत।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के सत्ताईस अध्याय जुआ पहनै के प्रतीकात्मक कार्य के आसपास केंद्रित छै आरू परमेश् वर के नियुक्त न्याय के रूप में बेबिलोन के शासन के अधीनता के संबंध में संदेश देना छै। यिर्मयाह अपन गरदनि पर लकड़ीक जुआ पहिरने छथि आ पड़ोसी राष्ट्रक राजा सभ लग ओहिना जुआक संग दूत पठबैत छथि | संदेश हुनका सभक लेल अछि जे ओ सभ नबूकदनेस्सरक अधिकारक अधीन रहथि। यिर्मयाह द्वारा सिदकिय्याह के पास एक चिट्ठी भी भेजलोॅ छै, जेकरा में ओकरा सलाह देलऽ गेलऽ छै कि वू झूठा भविष्यवक्ता सिनी के बात नै सुनै जे बेबिलोन के प्रभुत्व के नकारै छै। बल्कि, परमेश् वर द्वारा निर्धारित सत्तर वर्ष तक बेबिलोन के अधीन दासता के स्वीकार करै के आग्रह करै छै। झूठ फैलाबै के कारण झूठा भविष्यवक्ता सिनी के सामना करना पड़ै छै, जे ई दावा करै छै कि परमेश् वर बेबिलोन के जुआ तोड़ी देतै। हुनका लोकनिक झूठ मात्र दुख केँ लम्बा करैत अछि। अध्याय केरऽ समापन एक बार-बार चेतावनी के साथ होय छै, जेकरा म॑ विद्रोह केरऽ गंभीर परिणाम प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै । जे सबमिट करताह हुनका मात्र अपन जमीन मे प्रवेश देल जाएत। अध्याय म॑ ईश्वरीय न्याय क॑ पहचानै आरू आज्ञाकारिता म॑ विनम्रता स॑ अधीनता के महत्व प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 27:1 यहूदा के राजा योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के शासन के प्रारंभ में यहूदा के तरफ से यिर्मयाह के पास ई बात कहल गेलै।

ई अंश राजा यहोयाकीम के शासन के शुरुआत आरू प्रभु के वचन के वर्णन करै छै जे यिर्मयाह के मिललै।

1. सांसारिक स्थिति मे ईश्वरीय जीवन कोना जीबी

2. संकट के समय में प्रभु के मार्गदर्शन

1. यूहन्ना 15:5 - "हम बेल छी; अहाँ सभ डारि छी। जे हमरा मे रहैत अछि आ हम ओकरा मे, ओ अछि जे बहुत फल दैत अछि, कारण हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

यिर्मयाह 27:2 प्रभु हमरा ई कहैत छथि। बान्ह आ जुआ बना कऽ गरदनि मे राखि दियौक।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ जुआ बनाउ आ ओकरा अपन गरदनि पर राखि दियौक जे परमेश् वरक इच्छाक अधीन रहबाक प्रतीक अछि।

1. भगवान् के इच्छा के अधीनता के समझना

2. जुआ आ बंधनक प्रतीकात्मकता

1036

1. याकूब 4:7 - "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

2. यशायाह 1:19 - "जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।"

यिर्मयाह 27:3 आ ओकरा सभ केँ एदोमक राजा, मोआबक राजा, अम्मोनीक राजा, सोरक राजा आ सिदोनक राजा लग पठाउ, जे दूत सभ आबि रहल छथि यरूशलेम धरि यहूदाक राजा सिदकिय्याह धरि।

1. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञाकारी रहबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक संदेशक प्रसार करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. यिर्मयाह 27:3 - आ ओकरा सभ केँ एदोमक राजा, मोआबक राजा, अम्मोनीक राजा, सोरक राजा आ सिदोनक राजा लग पठाउ यहूदा के राजा सिदकिय्याह के पास यरूशलेम में आबै वाला दूत।

2. मत्ती 28:19-20 - तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता आ पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

यिर्मयाह 27:4 आ ओकरा सभ केँ आज्ञा दियौक जे ओ सभ अपन मालिक सभ सँ कहथि जे, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ अपन मालिक सभ केँ एहि तरहेँ कहब।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ निर्देश दै छै कि हुनी अपनऽ मालिक सिनी कॅ कहै कि हुनी आरू हुनकऽ आज्ञा के पालन करै।

1. भगवान् केर आज्ञापालन सँ स्वतंत्रता भेटैत अछि

2. परमेश् वरक आज्ञाक शक्ति

1. रोमियो 6:16-17 - अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकरा आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

2. यहोशू 24:15 - जँ अहाँ सभ केँ परमेश् वरक सेवा करब अधलाह बुझाइत अछि तँ आइ अहाँ सभ केँ चुनू जकर सेवा करब। चाहे अहाँ सभक पूर्वज जलप्रलयक दोसर कात जे देवता सभ सेवा करैत छलाह, वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ रहैत छी।

यिर्मयाह 27:5 हम अपन महान शक्ति आ पसरल बाँहि सँ पृथ् वी केँ, धरती पर जे मनुख आ जानवर अछि, तकरा बनौने छी आ जकरा हमरा नीक लागल, ओकरा द’ देलहुँ।

परमेश् वर अपन महान शक्ति आ पसरल बांहि के प्रयोग कऽ पृथ्वी, मनुष्य आ ओहि पर रहय बला जानवर सभ केँ बनौलनि आ जेकरा ओ चुनैत छथि ओकरा दैत छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमत्व: सृष्टि मे परमेश् वरक धार्मिकता आ दया केँ बुझब

2. परमेश् वरक हाथ: अपन जीवन मे परमेश् वरक सामर्थ् य आ प्रावधानक कदर करब

1. भजन 24:1-2, "पृथ्वी आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि। किएक तँ ओ एकरा समुद्र पर नींव रखलनि आ बाढ़ि पर स्थापित कयलनि।"

2. यशायाह 45:18, "किएक तँ आकाशक रचना करनिहार प्रभु ई कहैत छथि जे पृथ् वी केँ बनौनिहार परमेश् वर स्वयं एकरा बनौलनि प्रभु;आ आर कियो नहि अछि।"

यिर्मयाह 27:6 आब हम ई सभ देश हमर सेवक बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ मे दऽ देलहुँ अछि। हम खेतक जानवर सभ केँ सेहो हुनकर सेवा करबाक लेल दऽ देलहुँ अछि।

परमेश् वर सभ देश नबूकदनेस्सरक हाथ मे दऽ देने छथि आ खेतक पशु सभ केँ हुनकर सेवा करबाक आज्ञा देलनि अछि।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: हुनक दिव्य योजनाक शक्ति केँ चिन्हब

2. परमेश् वरक इच्छाक अधीन रहब: हुनकर भव्य डिजाइन मे हमर स्थान केँ बुझब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. भजन 115:3 - हमर परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ जे किछु नीक लगैत अछि से करैत अछि।

यिर्मयाह 27:7 सभ जाति हुनकर आ हुनकर बेटा आ हुनकर बेटाक बेटाक सेवा करत, जाबत धरि हुनकर देशक समय नहि आबि जायत, तखन धरि बहुत रास जाति आ पैघ राजा हुनकर सेवा करत।

सब जाति के लोग भगवान आरू हुनकऽ वंशज के सेवा तब तक करतै जब तक कि ओकरऽ समय नै आबी जाय, जबेॅ बहुत जाति आरो शक्तिशाली राजा ओकरा सिनी के फायदा उठाबै छै।

1. भगवानक संप्रभुता: हुनकर प्रभुत्व केँ कोना चिन्हल जाय आ ओकर प्रतिक्रिया कोना देल जाय

2. भगवान् के सेवा करब: आज्ञाकारिता के हृदय के खेती करब

1. व्यवस्था 4:39-40 - आइ स्वीकार करू आ हृदय मे राखू जे प्रभु ऊपर स्वर्ग मे आ नीचा पृथ्वी पर परमेश् वर छथि। दोसर कोनो नहि। हुनकर फरमान आ आज्ञाक पालन करू, जे हम आइ अहाँ सभ केँ दऽ रहल छी, जाहि सँ अहाँ सभ आ अहाँक बादक बच्चा सभक संग नीक चलय आ अहाँ सभक परमेश् वर जे देश अहाँ सभ केँ दैत छथि, ताहि मे अहाँ सभ दिन धरि जीवित रहब।

2. यूहन्ना 14:15 जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू।

यिर्मयाह 27:8 जे राष्ट्र आ राज्य ओहि बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सरक सेवा नहि करत आ जे अपन गरदनि बाबुलक राजाक जुआ मे नहि राखत, हम ओहि जाति केँ दंडित करब। परमेश् वर कहैत छथि, तलवार आ अकाल आ महामारी सँ जाबत हम हुनकर हाथ सँ ओकरा सभ केँ नष्ट नहि कऽ देब।”

जे सभ जाति आ राज्य बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सरक सेवा नहि करैत अछि, तकरा परमेश् वर तलवार, अकाल आ महामारी सँ ताबत धरि दंड देताह जाबत धरि ओ सभ हुनकर हाथ सँ नष्ट नहि भऽ जायत।

1. प्रभु विद्रोही के सजा देथिन

2. भगवान् के अधीनता आवश्यक अछि

1. यशायाह 10:5, हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि।

2. रोमियो 13:1-7, प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। तेँ जे केओ सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, से परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि। कारण, शासक सभ नीक काजक लेल आतंकित नहि, बल् कि अधलाह काजक लेल आतंकित होइत छथि। तखन की अहाँ सामर्थ्य सँ नहि डेराएब? जे नीक काज अछि से करू, तखन अहाँ केँ ओकर प्रशंसा होयत। मुदा जँ अहाँ अधलाह काज करैत छी तँ डरू। किएक तँ ओ अनेरे तलवार नहि लऽ कऽ चलैत अछि, किएक तँ ओ परमेश् वरक सेवक अछि आ अधलाह काज करऽ वला पर क्रोध करबाक बदला लेबऽ वला अछि। तेँ अहाँ सभ केँ मात्र क्रोधक कारणेँ नहि, बल् कि विवेकक लेल सेहो अधीन रहबाक आवश्यकता अछि।

यिर्मयाह 27:9 तेँ अहाँ सभ अपन भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनू, ने अपन भविष्यवक्ता सभक बात नहि करू, ने अपन सपना देखनिहार सभक बात नहि सुनू, ने अपन जादूगर सभक बात नहि करू, आ ने अपन जादूगर सभक बात नहि सुनू जे अहाँ सभ सँ ई कहैत अछि जे, ‘अहाँ सभ बाबुलक राजाक सेवा नहि करू।
1038

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ कहै छै कि वू अपनऽ भविष्यवक्ता, भविष्यवक्ता, सपना देखै वाला, जादूगर या जादूगर के बात नै सुनै जे ओकरा सिनी कॅ कहै छै कि बेबिलोन के राजा के सेवा नै करलो।

1. भगवान् हमरा सभ केँ मात्र हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि।

2. झूठ भविष्यवक्ता द्वारा धोखा नहि खाउ।

1. यशायाह 8:20 - "व्यवस्था आ गवाही केँ। जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।"

2. यिर्मयाह 29:8 - "किएक तँ सेना सभक प्रभु, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि जे अहाँ सभक बीच मे रहनिहार अहाँ सभक भविष्यवक्ता आ भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ धोखा नहि देथि आ ने अहाँ सभक सपना केँ सुनब जे अहाँ सभ बना दैत छी।" सपना देखलक।"

यिर्मयाह 27:10 किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ केँ झूठक भविष्यवाणी करैत अछि जे अहाँ सभ केँ अपन देश सँ दूर भ’ जाय। हम अहाँ सभ केँ भगा देब आ अहाँ सभ नष्ट भऽ जायब।”

भविष्यवक्ता लोकनि झूठक भविष्यवाणी करैत छथि जाहि सँ लोक सभ केँ अपन देश सँ भगा देल जाय आ ओकरा सभ केँ नाश कयल जाय।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. प्रभु पर भरोसा करब, झूठ भविष्यवक्ता पर नहि

1. यिर्मयाह 23:16-17 - सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि जे अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करय बला भविष्यवक्ता सभक वचन नहि सुनू। ओ सभ अहाँकेँ बेकार बना दैत अछि; ओ सभ अपन हृदयक दर्शन बजैत छथि, प्रभुक मुँह सँ नहि।

2. मत्ती 7:15-16 - झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ लूटपाट करयवला भेड़िया छथि। अहाँ हुनका सभक फलसँ चिन्हब।

यिर्मयाह 27:11 मुदा जे जाति बाबुलक राजाक जुआ मे अपन गर्दन लऽ कऽ हुनकर सेवा करैत अछि, ओकरा सभ केँ हम अपन देश मे स्थिर रहय देब, परमेश् वर कहैत छथि। ओ सभ ओहि मे खेती करत आ ओहि मे रहत।

परमेश् वर वादा करै छै कि जे लोग बेबिलोन के राजा के अधीन छै, ओकरा सिनी कॅ अपनऽ जमीन में रहना आरू ओकरा खेती करै के अनुमति देतै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: कठिन समय मे सेहो परमेश् वरक निष्ठा पर भरोसा करब।

2. प्रभुक सेवा करब: परमेश् वरक इच्छाक पालन करबाक महत्व।

1. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. रोमियो 12:1-2 तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, भाइ-बहिन सभ, परमेश् वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँ सभक सत् य आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

यिर्मयाह 27:12 हम यहूदाक राजा सिदकियाह सँ सेहो एहि सभ बातक अनुसार कहलियनि, “अपन गर्दन केँ बाबुलक राजाक जुआ मे आनि दियौक आ हुनकर आ हुनकर लोकक सेवा करू आ जीवित रहू।”

1039

परमेश् वर यहूदा के राजा सिदकिय्याह कॅ कहै छै कि वू बाबुल के राजा के शासन कॅ स्वीकार करै आरू ओकरा आरू ओकरो लोग के सेवा करै ताकि वू जीबै।

1. भगवान् के इच्छा के समक्ष आत्मसमर्पण करला स आशीर्वाद भेटैत अछि

2. कठिन समय मे आज्ञाकारिता के शक्ति

1. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यिर्मयाह 27:13 अहाँ आ अहाँक लोक तलवार, अकाल आ महामारी सँ किएक मरब, जेना परमेश् वर ओहि जातिक विरुद्ध कहने छथि जे बाबुलक राजाक सेवा नहि करत?

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ चेतावनी देने छथि जे जँ ओ सभ बाबुलक राजाक सेवा नहि करत तँ ओ सभ तलवार, अकाल आ महामारी सँ मरत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनकर आज्ञा नहि मानबाक लेल कोना चेतावनी दैत छथि।

2. दोसरक सेवाक माध्यमे भगवानक सेवा करब: अधिकारक सम्मान करबाक महत्व तखनो जखन ओ हमरा सभक इच्छा नहि हो।

1. रोमियो 13:1-7 - प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि।

2. इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत। अहाँ सभ अपन सभ अपराध केँ दूर कऽ दियौक। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

यिर्मयाह 27:14 तेँ भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनू जे अहाँ सभ सँ कहैत छथि जे, ‘अहाँ सभ बाबुलक राजाक सेवा नहि करू।

भविष्यवक्ता सब गलत कहैत छथि जे बेबिलोन के राजा के सेवा नै करू।

1. हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे झूठ भविष्यवक्ता सभक द्वारा नहि डोल जाय।

2. प्रभुक इच्छा हमरा सभक लेल सदिखन सर्वोत्तम होइत छैक, भले ओकरा स्वीकार करब कठिन किएक नहि हो।

1. यशायाह 8:20 - "व्यवस्था आ गवाही केँ। जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।"

2. यूहन्ना 10:27-30 - "हमर बरद सभ हमर आवाज सुनैत अछि, आ हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत छी, आ ओ सभ हमरा पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि। हम ओकरा सभ केँ अनन्त जीवन दैत छी; ओ सभ कहियो नष्ट नहि होयत, आ ने केओ ओकरा सभ केँ हमर हाथ सँ उखाड़ि लेत।" .हमर पिता जे हमरा हुनका सभ केँ देलनि, ओ सभ सँ पैघ छथि, आ हमर पिताक हाथ सँ केओ ओकरा सभ केँ उखाड़ि नहि सकैत अछि। हम आ हमर पिता एक छी।"

यिर्मयाह 27:15 हम हुनका सभ केँ नहि पठौने छी, परमेश् वर कहैत छथि, तइयो ओ सभ हमर नाम सँ झूठक भविष्यवाणी करैत छथि। हम अहाँ सभ केँ भगा सकब आ अहाँ सभ केँ भगा सकब, अहाँ सभ आ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करऽ वला प्रवक् ता सभ।”

परमेश् वर यिर्मयाह केँ प्रगट करैत छथि जे झूठा भविष्यवक्ता लोक सभ केँ धोखा देबाक लेल हुनकर नाम सँ झूठक भविष्यवाणी क' रहल छथि।

1040

1. परमेश् वरक सत्य आ हमर आज्ञापालन

2. झूठा भविष्यवक्ता आ हमर विवेक

1. यूहन्ना 8:44 - "अहाँ अपन पिता शैतानक छी, आ अहाँ अपन पिताक इच्छा केँ पूरा करय चाहैत छी। ओ शुरूए सँ हत्यारा छलाह, सत्य केँ नहि पकड़ने छलाह, कारण हुनका मे कोनो सत्य नहि छनि। जखन।" झूठ बाजैत अछि, अपन मातृभाषा बजैत अछि, कारण ओ झूठ बाजनिहार आ झूठक जनक अछि |"

२.

यिर्मयाह 27:16 हम पुरोहित सभ आ एहि समस्त लोक सभ सँ कहलियनि जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँक भविष्यवक्ता सभक ई बात नहि सुनू जे अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत अछि जे, “देखू, परमेश् वरक घरक बर्तन सभ आब जल्दिये बाबुल सँ घुराओल जायत, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ केँ झूठक भविष्यवाणी करैत अछि।”

परमेश् वर यहूदाक पुरोहित आ लोक सभ केँ चेतावनी देलथिन जे ओ सभ अपन भविष्यवक्ता सभक झूठ वचन नहि सुनथि जे कहैत छलाह जे परमेश् वरक घरक बर्तन सभ जल्दिये बाबुल सँ वापस आबि जायत।

1. जे किछु सुनैत छी ताहि पर विश्वास नहि करू - यिर्मयाह 27:16

2. झूठा भविष्यवक्ता द्वारा धोखा नहि खाउ - यिर्मयाह 27:16

1. नीतिवचन 14:15 - "साधारण लोक सभ किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।"

2. 1 यूहन्ना 4:1 - "प्रिय लोकनि, सभ आत् मा पर विश् वास नहि करू, बल् कि आत् मा सभक परीक्षण करू जे ओ परमेश् वरक अछि कि नहि, किएक तँ बहुतो झूठा भविष्यवक्ता संसार मे गेल छथि।"

यिर्मयाह 27:17 हुनका सभक बात नहि सुनू। बाबुलक राजाक सेवा करू आ जीबैत रहू।

यिर्मयाह यहूदा के लोग सिनी कॅ निर्देश दै छै कि वू बेबिलोन के राजा के सेवा करै आरू जीवित रहै, नै कि विरोध करै आरू नष्ट होय के।

1. मूर्ख नहि बनू: भगवानक इच्छाक अधीन रहू आ जीबू।

2. भगवान् पर भरोसा करू आ हुनकर आज्ञा मानू, एहन केला सँ अहाँ केँ जीवन भेटत।

1. मत्ती 10:28 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ सुरक्षित चारागाहक आनंद लिअ। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।"

यिर्मयाह 27:18 मुदा जँ ओ सभ भविष्यवक्ता छथि आ जँ परमेश् वरक वचन हुनका सभक संग रहत तँ आब सेना सभक परमेश् वर सँ बिनती करथि, जे बर्तन सभ परमेश् वरक घर मे आ घर मे बचल अछि यहूदाक राजा आ यरूशलेम मे बाबुल नहि जाउ।

यिर्मयाह यहूदा के भविष्यवक्ता आरू लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि अगर वू प्रभु के आज्ञा नै मानतै त ओकरोॅ बर्तन बेबिलोन ल॑ जाय जैतै।

1. प्रभु के वचन के पालन करू आ ओ अहाँ के आशीर्वाद देताह

2. पश्चाताप करू आ सेना के प्रभु स क्षमा मांगू

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 4:7-10 - तखन, अपना केँ परमेश् वरक अधीन करू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ आ ओ अहाँक लग आबि जेताह। हे पापी, हाथ धोउ, आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारधारा। शोक करू, शोक करू आ विलाप करू। अपन हँसी केँ शोक मे बदलू आ अपन आनन्द केँ उदासी मे बदलि दियौक। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तँ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

यिर्मयाह 27:19 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे एहि नगर मे रहय बला बर्तन सभक स्तम्भ, समुद्र, आधार आ शेषक बर्तन सभक विषय मे।

सेना सभक परमेश् वर यिर्मयाह नगर मे जे खंभा, समुद्र, अड्डा आ अन्य बर्तन सभ बाँचल अछि, ओकर विषय मे बजैत छथि।

1. सब वस्तु पर भगवानक प्रभुत्व

2. परमेश् वरक अपन लोकक देखभाल

1. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति सभक योजना केँ नाकाम करैत छथि; ओ लोकक उद्देश्य केँ विफल क' दैत अछि। मुदा प्रभुक योजना सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हुनकर हृदयक उद्देश्य सभ सदा-सदा लेल दृढ़ रहैत अछि।

2. यशायाह 46:10 - हम शुरूए सँ, प्राचीन काल सँ, जे एखन धरि आबय बला अछि, से अंतक जानकारी दैत छी। हम कहैत छी, हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

यिर्मयाह 27:20 बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर जखन यहूदाक राजा यहोयाकीमक पुत्र यकोनियाह आ यहूदा आ यरूशलेमक सभ कुलीन लोक केँ बंदी मे ल’ गेलाह।

मनुष्य के जीवन में परमेश् वर के सार्वभौमिकता के प्रदर्शन यकोनिया के बेबिलोन के कैद में होय छै।

1: हमर परीक्षा के माध्यम स भगवान हमर जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि।

2: हम अपन जीवन के लेल भगवान के योजना पर भरोसा क सकैत छी, ओहो कठिन समय में।

1: रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2: यशायाह 55:8-9 हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 27:21 हँ, सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे परमेश् वरक घर मे आ यहूदा आ यरूशलेमक राजाक घर मे रहय बला बर्तन सभक विषय मे।

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, घोषणा करै छै कि परमेश् वर के घरोॅ में आरो यहूदा आरु यरूशलेम के राजा के घरोॅ में जे बर्तन बची जैतै, वू हुनको अधिकार में रहतै।

1. आत्मसमर्पण करबाक आह्वान: भगवान हमरा सभक संघर्षक उपयोग कोना करैत छथि जाहि सँ हमरा सभ केँ नजदीक आबि सकब

2. भगवानक सार्वभौमत्व: ओ सब पर कोना राज करैत छथि

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. इफिसियों 1:11-12 - "हमरा सभ केँ हुनका मे उत्तराधिकार भेटल अछि, जे हुनकर इच्छाक अनुसार सभ किछु काज करैत अछि, हुनकर उद्देश्यक अनुसार पूर्वनिर्धारित कयल गेल अछि, जाहि सँ हम सभ जे सभ पहिने मसीह मे आशा करैत रही।" हुनकर महिमा के प्रशंसा के लेल भ सकैत अछि।"

यिर्मयाह 27:22 हुनका सभ केँ बेबिलोन लऽ जायल जायत, आ जाबत धरि हम हुनका सभक दर्शन करत, ताबत धरि ओ सभ ओतहि रहताह, प्रभु कहैत छथि। तखन हम ओकरा सभ केँ पोसब आ एहि ठाम फेर सँ राखब।”

परमेश् वर वादा करै छै कि यहूदा के लोग सिनी कॅ बेबिलोन ल॑ जाय के बाद ओकरा सिनी कॅ वापस अपनऽ मातृभूमि में लानी देतै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा अटूट अछि - यिर्मयाह 27:22

2. कठिन समय मे आशा केँ पुनर्स्थापित करब - यिर्मयाह 27:22

1. भजन 138:8 - प्रभु हमरा लेल अपन उद्देश्य पूरा करताह; हे प्रभु, तोहर अडिग प्रेम सदा- सदा टिकैत अछि। हाथक काज नहि छोड़ू।

2. यशायाह 43:5 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक संतान पूब दिस सँ आनब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब।

यिर्मयाह अध्याय 28 में यिर्मयाह भविष्यवक्ता आरू झूठा भविष्यवक्ता हनन्याह के बीच के मुठभेड़ के वर्णन छै, जे यिर्मयाह के बेबिलोन के कैद के संदेश के विरोध करै छै आरू तेजी सें पुनर्स्थापन के भविष्यवाणी करै छै।

1 पैराग्राफ: शुरू मे, हन्नायाह, जे एकटा झूठा भविष्यवक्ता, पुरोहित आ लोकक उपस्थिति मे यिर्मयाह केँ चुनौती दैत छथि (यिर्मयाह 28:1-4)। हनानिया यिर्मयाह के जुआ एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में उतारै छै आरू घोषणा करै छै कि दू साल के भीतर परमेश् वर बेबिलोन के जुआ तोड़ी क॑ मंदिर के बर्तन के साथ-साथ निर्वासित लोगऽ क॑ वापस लानै छै।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह हन्न्याह के भविष्यवाणी के जवाब दै छै (यिर्मयाह 28:5-9)। ओ एहि बातक पुष्टि करैत छथि जे ओ चाहैत छथि जे हनानियाक वचन सत्य रहैत मुदा एहि बात पर जोर दैत छथि जे सच्चा भविष्यवक्ता सभ सदिखन युद्ध, आपदा आ बंदी के बारे मे भविष्यवाणी केने छथि। ओ चेतावनी दैत छथि जे जखन परमेश् वर अपन वचन पूरा करताह तखने ओ सत्य सिद्ध होयत।

3 पैराग्राफ: हन्नायाह सभक सोझाँ यिर्मयाहक लकड़ीक जुआ तोड़ि दैत छथि (यिर्मयाह 28:10-11)। ओ जोर दैत छथि जे परमेश् वर सचमुच यहूदा सँ बेबिलोनक जुआ तोड़ि देने छथि। लेकिन, यिर्मयाह हन्नायाह के भविष्यवाणी के साकार होय के आशा व्यक्त करला के बाद चुपचाप चली जाय छै।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाहक गेलाक बाद परमेश् वर हुनका सँ हनानियाक विषय मे गप्प करैत छथि (यिर्मयाह 28:12-17)। ओ यिर्मयाहक माध्यमे एकटा संदेश दैत अछि जे ओ झूठ पसारबाक लेल हननियाहक सामना करथि। भगवान् कहै छै कि ओकरऽ झूठा भविष्यवाणी के कारण साल के भीतर ओकरऽ मौत होय जैतै ।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वरक वचनक अनुरूप, मंदिर मे हुनका लोकनिक मुठभेड़क किछुए दिनक बाद हन्न्याहक मृत्यु भ’ जाइत छनि (यिर्मयाह 28:17)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के अट्ठाईस अध्याय में यिर्मयाह पैगम्बर आरू झूठा भविष्यवक्ता हननिया के बीच के मुठभेड़ के चित्रण छै। हनानिया यिर्मयाह क॑ सार्वजनिक रूप स॑ चुनौती दै छै, ई घोषणा करी क॑ कि बेबिलोन केरऽ कैद जल्दी ही खतम होय जैतै । ओ यिर्मयाहक प्रतीकात्मक जुआ केँ हटा दैत छथि आ दू सालक भीतर पुनर्स्थापनक भविष्यवाणी करैत छथि। यिर्मयाह एकरऽ जवाब ई बात के पुष्टि करी क॑ दै छै कि सच्चा भविष्यवक्ता हमेशा स॑ आपदा के भविष्यवाणी करी चुकलऽ छै । ओ चेतावनी दैत छथि जे जखन परमेश् वर अपन वचन पूरा करताह तखने ओ सत्यक रूप मे सिद्ध होयत। हन्न्याह अवहेलना करैत लकड़ीक जुआ तोड़ि दैत अछि, ई दावा करैत जे बाबुलक शासन

पहिने सँ टूटि गेल अछि। मुदा, चुपचाप चलि गेलाक बाद परमेश् वर यिर्मयाह केँ प्रगट करैत छथि जे हुनकर झूठक कारणेँ हननिया साल भरि मे मरि जेताह। जेना कि परमेश् वर द्वारा भविष्यवाणी कयल गेल अछि, हनानिया हुनका सभक मुठभेड़क किछुए दिनक बाद मरि जाइत अछि। अध्याय में ईश्वरीय न्याय पर जोर दै के साथ-साथ सच्चा आरू झूठा भविष्यवाणी के बीच भेद पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 28:1 ओही वर्ष यहूदाक राजा सिदकिय्याहक शासनक प्रारंभ मे चारिम वर्ष आ पाँचम मास मे अज़ूरक पुत्र हन्न्याह जे गिबोनक छल। हमरा परमेश् वरक घर मे पुरोहित आ समस्त लोकक समक्ष मे कहलथिन।

यहूदा के राजा के रूप में सिदकिय्याह के शासन के चारिम साल में गिबोन के एगो भविष्यवक्ता हननियाह यिर्मयाह के साथ प्रभु के घर के पुरोहित आरू लोग के सामने बात करलकै।

1. पैगम्बरक वचनक शक्ति

2. अधिकार सुनबाक महत्व

1. मत्ती 7:24-27 - जे कियो हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा व्यवहार मे उतारैत अछि, ओ एहन बुद्धिमान आदमी जकाँ अछि जे चट्टान पर अपन घर बनौलक।

2. व्यवस्था 18:15-20 - अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक लेल हमरा सन एकटा भविष्यवक्ता केँ अहाँक अपन भाय सभक बीच सँ ठाढ़ करताह। अहाँ हुनकर बात अवश्य सुनू।

यिर्मयाह 28:2 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे, “हम बाबुलक राजाक जुआ तोड़ि देलहुँ।”

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, घोषणा करै छै कि हुनी बाबुल के राजा के जुआ तोड़ी देलकै।

1. परमेश् वरक कृपा सँ बंधन सँ मुक्त भऽ जायब

2. भगवानक शक्ति आ सार्वभौमिकता केँ बुझब

1. यशायाह 10:27 - ओहि दिन ओकर भार तोहर कान्ह पर सँ हटि जायत आ ओकर जुआ तोहर गरदनि सँ हटि जायत आ अभिषेकक कारणेँ जुआ नष्ट भ’ जायत।

2. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन तैयार कयलनि अछि; ओकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

यिर्मयाह 28:3 पूरा दू सालक भीतर हम परमेश् वरक घरक सभटा बर्तन सभ केँ एहि ठाम फेर सँ आनि देब, जकरा बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर एहि ठाम सँ लऽ गेल छल आ ओकरा सभ केँ बेबिलोन लऽ गेल छल।

दू सालक भीतर प्रभु अपन घरक ओहि बर्तन सभ केँ वापस अनताह जे बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर द्वारा यरूशलेम सँ लऽ गेल छल।

1. प्रभु सदिखन अपन प्रतिज्ञाक पालन करैत छथि

2. परमेश् वरक अपन लोकक लेल योजना अविचल अछि

1. व्यवस्था 7:9 तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासपूर्ण परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

2. भजन 33:11 परमेश् वरक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यिर्मयाह 28:4 हम यहूदाक राजा यहोयाकीमक पुत्र यकोनियाह केँ, यहूदाक सभ बंदी सभ केँ संग, जे बेबिलोन मे गेल छल, ओकरा फेर सँ एहि ठाम आनि देब, परमेश् वर कहैत छथि।
1044

परमेश् वर यकोनियाह आ यहूदाक बंदी सभ केँ जे बाबुल गेल छलाह, हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह आ बाबुलक राजाक जुआ केँ तोड़ि देथिन।

1. परमेश् वरक अटूट निष्ठा

2. बहाली के प्रतिज्ञा

1. व्यवस्था 31:8 - "प्रभु स्वयं अहाँक आगू बढ़ैत छथि आ अहाँक संग रहताह; ओ अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ताह आ नहि छोड़ताह। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ।"

2. यशायाह 54:7 - "हम अहाँ केँ थोड़ेक काल लेल छोड़ि देलहुँ, मुदा हम अहाँ केँ गहींर करुणा सँ वापस आनि देब।"

यिर्मयाह 28:5 तखन यिर्मयाह भविष्यवक्ता हननियाह भविष्यवक्ता केँ पुरोहित सभक सोझाँ आ परमेश् वरक घर मे ठाढ़ सभ लोकक सोझाँ मे कहलथिन।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता यिर्मयाह याजक आ प्रभुक लोकक उपस्थिति मे हन्न्याहक झूठ भविष्यवाणी केँ चुनौती दैत छथि।

1. झूठा भविष्यवक्ता: यिर्मयाहक चेतावनी

2. प्रभुक घर मे विवेक

1. 2 कोरिन्थी 11:13-15 - "किएक तँ एहने सभ झूठ प्रेरित, धोखेबाज काज करयवला छथि, जे अपना केँ मसीहक प्रेरित मे बदलि लैत छथि। आ कोनो आश्चर्य नहि; कारण शैतान स्वयं प्रकाशक दूत मे बदलि गेल छथि। तेँ ई कोनो पैघ बात नहि अछि जँ।" ओकर सेवक सभ सेहो धर्मक सेवक जकाँ बदलि जाय, जकर अंत ओकर सभक काजक अनुसार होयत।”

2. मत्ती 7:15-20 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया छथि। अहाँ सभ हुनका सभ केँ ओकर फल सँ चिन्हब। की लोक काँटक अंगूर वा काँटक अंजीर बटोरैत अछि।" ?तहिना हर नीक गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा जड़ल गाछ अधलाह फल दैत अछि।नीक गाछ अधलाह फल नहि दऽ सकैत अछि आ ने भ्रष्ट गाछ नीक फल दऽ सकैत अछि, आगि मे फेकि दियौक। तेँ ओकरा सभक फल सँ अहाँ सभ ओकरा सभ केँ चिन्हब।"

यिर्मयाह 28:6 यिर्मयाह भविष्यवक्ता सेहो कहलनि, “आमीन, प्रभु एना करू, जे अहाँ भविष्यवाणी केने छी, से परमेश् वर अपन वचन पूरा करू, जाहि सँ परमेश् वरक घरक बर्तन आ सभ किछु जे बंदी बनाओल गेल अछि, ओकरा बेबिलोन सँ एहि स्थान मे वापस अनबाक लेल।” .

यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि परमेश् वर परमेश् वर के घर के बर्तन आरो सब कुछ जे बेबिलोन सें बंदी बना लेलऽ गेलऽ छेलै, ओकरा वापस लानै छै।

1. परमेश् वरक वचन विश्वसनीय आ सत्य अछि

2. कैदसँ स्वतंत्रता धरि

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. यशायाह 43:1 - मुदा आब हे याकूब, तोरा सृष्टि करयवला परमेश् वर, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँ केँ छुटकारा द’ लेलहुँ, हम अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी। अहाँ हमर छी।

यिर्मयाह 28:7 तथापि आब ई बात सुनू जे हम अहाँक कान मे आ समस्त लोकक कान मे कहैत छी।

यिर्मयाह लोक सभ केँ परमेश् वरक वचन सुनबाक लेल चेताबैत छथि।
1045

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

2. प्रभु के निर्देश के पालन करब

1. याकूब 1:19 - तेँ हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू।

2. व्यवस्था 30:11-14 - ई आज्ञा जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, से अहाँ सँ नुकायल नहि अछि आ ने दूर अछि। ई स्वर्ग मे नहि अछि जे अहाँ ई कहब जे, हमरा सभक लेल के स्वर्ग मे चढ़ि कऽ हमरा सभ लग आनत, जाहि सँ हम सभ ई बात सुनि कऽ पूरा करी? आ ने समुद्रक ओहि पार अछि जे अहाँ ई कहब जे, ‘हमरा सभक लेल समुद्रक ओहि पार के आओत आ हमरा सभ लग आनत, जाहि सँ हम सभ ई बात सुनि कऽ पूरा करी? मुदा वचन अहाँक मुँह आ हृदय मे बहुत नजदीक अछि जे अहाँ ओकरा पूरा कऽ सकब।

यिर्मयाह 28:8 हमरा सँ पहिने आ अहाँ सँ पहिने जे भविष्यवक्ता सभ छलाह, ओ सभ बहुतो देश, पैघ राज्य, युद्ध, अधलाह आ महामारी दुनूक विरुद्ध भविष्यवाणी केने छलाह।

ई अंश पुरानऽ समय स॑ ही भविष्यवक्ता सिनी के माध्यम स॑ परमेश् वर केरऽ भविष्यवाणी के काम के वर्णन करै छै ।

1. परमेश् वरक महिमा हुनकर भविष्यवक्ता सभक माध्यमे

2. परमेश् वरक माध्यमे भविष्यवाणीक शक्ति

1. यशायाह 6:1-13

2. आमोस 3:6-7

यिर्मयाह 28:9 जे भविष्यवक्ता शान्तिक भविष्यवाणी करैत छथि, जखन भविष्यवक्ताक वचन पूरा होयत तखन भविष्यवक्ता केँ पता चलतनि जे परमेश् वर हुनका सच मे पठौलनि अछि।

ई अंश ई बात पर जोर दै छै कि एगो सच्चा भविष्यवक्ता तखनी पता चलै छै जबे ओकरोॅ वचन पूरा होय जाय छै।

1. शब्दक शक्ति: बाजब प्रोत्साहन आ आशा

2. एकटा पैगम्बरक आह्वान: भगवानक योजना मे अपन भूमिका केँ चिन्हब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. मत्ती 7:15-20 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ भेड़ियाधसान छथि। अहाँ सभ हुनका सभ केँ ओकर फल सँ चिन्हब। की अंगूर काँटक झाड़ी सँ जुटल अछि, आ कि अंजीर काँट सँ जमा कयल जाइत अछि? तेँ, हर।" स्वस्थ गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा रोगग्रस्त गाछ अधलाह फल दैत अछि, स्वस्थ गाछ अधलाह फल नहि द सकैत अछि, आ ने रोगग्रस्त गाछ नीक फल द सकैत अछि, जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि, ओकरा काटि आगि मे फेकि देल जाइत अछि।एहि तरहे अहाँ फलसँ चिन्हत।"

यिर्मयाह 28:10 तखन हननिया भविष्यवक्ता यिर्मयाह भविष्यवक्ता के गर्दन पर सँ जुआ उतारि कऽ तोड़ि देलनि।

हनानिया यिर्मयाह के भविष्यवाणी के चुनौती देलकै आरू यहूदा के लोग सिनी कॅ धोखा दै के कोशिश करलकै।

1. झूठ भविष्यवक्ता द्वारा धोखा नहि खाउ - 2 पत्रुस 2:1-3

2. जे प्रभुक नाम सँ झूठ बाजैत छथि हुनका सभक प्रति ध्यान राखू - यिर्मयाह 23:25-32

1. मत्ती 24:11-13

2. यशायाह 9:15-16

यिर्मयाह 28:11 हननिया सभ लोकक सोझाँ बजलाह, “परमेश् वर ई कहैत छथि। तइयो हम बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक जुआ केँ पूरा दू वर्षक भीतर सभ जाति सभक गर्दन सँ तोड़ि देब। यिर्मयाह भविष्यवक्ता अपन बाट पर चलि गेलाह।

हन्नायाह भविष्यवाणी केलकै कि प्रभु दू साल में नबूकदनेस्सर के जुआ तोड़ी देतै, आरो यिर्मयाह चली गेलै।

1. भगवान कोनो जुआ तोड़ि सकैत छथि

2. भगवानक समय पर कोना भरोसा कयल जाय

1. यशायाह 10:27 - "ओहि दिन ओकर भार तोहर कान्ह पर सँ हटि जायत आ ओकर जुआ तोहर गरदनि सँ हटि जायत, आ अभिषेकक कारणेँ जुआ नष्ट भ' जायत।"

2. मत्ती 11:28-30 - "हे सभ परिश्रम आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, किएक तँ हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी। अहाँ सभ केँ विश्राम भेटत।

यिर्मयाह 28:12 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता लग आयल, जखन हननिया भविष्यवक्ता यिर्मयाह भविष्यवक्ता केर गरदनि सँ जुआ तोड़ि कऽ कहलक।

हन्नायाहक शान्तिक झूठ भविष्यवाणी सत्य नहि छल, आ परमेश् वर एहन घोषणा कयलनि।

1: भगवानक सत्य एकमात्र सत्य अछि आ सभसँ ऊपर भरोसा करबाक चाही।

2: झूठ भविष्यवक्ता सभक धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक सत्य आ सलाह ताकू।

1: यशायाह 8:20 "व्यवस्था आ गवाही केँ। जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।"

2: यिर्मयाह 17:9 "हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?"

यिर्मयाह 28:13 जा क’ हन्न्याह केँ कहि दियौक जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ लकड़ीक जुआ तोड़ि देलहुँ। मुदा ओकरा सभक लेल लोहाक जुआ बनाउ।”

परमेश् वर हनानिया केँ आज्ञा दैत छथि जे पहिने सँ टूटल लकड़ीक जुआक बदला लोहाक जुआ बनाबथि।

1. भगवानक बल सँ बाधा पर काबू करब।

2. पश्चाताप आ मोक्षक शक्ति।

1. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ शक्तिहीन केँ मजबूत करैत छथि।

2. इफिसियों 6:10-12 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।

यिर्मयाह 28:14 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम एहि सभ जाति सभक गरदनि मे लोहाक जुआ लगा देने छी, जाहि सँ ओ सभ बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सरक सेवा करथि। ओ सभ ओकर सेवा करत।

परमेश् वर सभ जाति पर लोहाक जुआ लगा देने छथि आ ओकरा सभ केँ आज्ञा देने छथि जे ओ सभ बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सरक सेवा करथि।

1. संसार मे परमेश् वरक संप्रभुता: परमेश् वरक दिव्य योजना हुनकर इच्छा आ हुनकर उद्देश्यक पूर्तिक लेल कोना पहुँचबैत अछि।

2. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स आशीर्वाद आ प्रावधान कोना भेटैत अछि।

1. भजन 24:1 - "पृथ्वी आ ओकर सभ पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि।"

2. इब्रानी 11:6 - "मुदा बिना विश्वासक हुनका प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे परमेश् वर लग अबैत अछि ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ छथि आ जे हुनका लगन सँ तकैत छथि हुनका सभक पुरस्कृत करैत छथि।"

यिर्मयाह 28:15 तखन यिर्मयाह भविष्यवक्ता हनन्याह भविष्यवक्ता केँ कहलथिन, “हनानिया, आब सुनू। परमेश् वर अहाँ केँ नहि पठौलनि अछि। मुदा अहाँ एहि लोक केँ झूठ पर भरोसा करबैत छी।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता हनन्याह केँ डाँटैत छलाह जे ओ झूठ दावा कयलनि जे परमेश् वर हुनका पठौने छथि आ लोक सभ केँ झूठ पर भरोसा करौलनि।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. धोखा आ झूठक खतरा

1. यिर्मयाह 29:31-32 "किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि, 'जखन बाबुलक लेल सत्तरि वर्ष पूरा भ' जायत तखन हम अहाँ सभक ओतय जायब आ अहाँ सभ केँ एहि ठाम वापस अनबाक लेल अपन नीक वचन पूरा करब। किएक तँ हम ई विचार सभ जनैत छी जे हम अहाँ सभक प्रति सोचैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाहक नहि, जे अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देब।'

२.

यिर्मयाह 28:16 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ केँ पृथ् वी पर सँ फेकि देब, एहि साल अहाँ मरि जायब, किएक तँ अहाँ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह करबाक शिक्षा देलहुँ।

प्रभु घोषणा करै छै कि यिर्मयाह ई साल मरतै, कैन्हेंकि हुनी प्रभु के खिलाफ विद्रोह सिखाबै छै।

1. आज्ञाकारिता विद्रोह स नीक अछि

2. प्रभु सार्वभौम आ न्यायी छथि

1. रोमियो 6:16 - अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकर आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

2. भजन 103:6 - प्रभु सभ उत्पीड़ित लोकक लेल धर्म आ न्याय करैत छथि।

यिर्मयाह 28:17 तखन हन्न्याह भविष्यवक्ता ओहि वर्ष सातम मास मे मरि गेलाह।

ओही वर्षक सातम मास मे हनन्याह प्रवक् ताक मृत्यु भऽ गेलनि।

1. "जीवनक संक्षिप्तता: हननिया पैगम्बरक कथा"।

2. "एकटा पैगम्बर के वचन के शक्ति: हनानिया के उदाहरण"।

1. उपदेशक 3:2 - "जन्मक समय आ मरबाक समय"।

2. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे इच्छा अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत"।

यिर्मयाह अध्याय २९ मे यिर्मयाह द्वारा बेबिलोन मे निर्वासित लोक सभ केँ लिखल पत्र अछि, जाहि मे हुनका सभ केँ कैदक समय मे निर्देश आ प्रोत्साहन देल गेल अछि।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह ई पत्र बेबिलोन मे निर्वासित लोक सभ केँ संबोधित करैत छथि, जाहि मे पुरोहित, भविष्यवक्ता आ लोक सभ शामिल छथि जिनका नबूकदनेस्सर बंदी बना लेने छलाह (यिर्मयाह 29:1-3)। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे हुनका सभ केँ बेबिलोन मे बसि क' घर बनाब' पड़तनि, गाछी-बिरछी लगाब' पड़तनि आ शहरक लेल शांति ताक' पड़तनि।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह निर्वासित लोकनि केँ निर्देश दैत छथि जे ओ झूठ भविष्यवक्ता सभक अनदेखी करथि जे दावा करैत छथि जे हुनकर बंदी अल्पकालिक होयत (यिर्मयाह 29:4-9)। ओ हुनका सलाह दैत छथि जे सपना या भविष्यवाणी नहि सुनू बल्कि एकर बदला मे हुनका प्रोत्साहित करैत छथि जे ओ अपन निर्वासन के दौरान भगवान आ हुनकर जीवन के लेल हुनकर योजना के खोज पर ध्यान केंद्रित करथि।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह निर्वासित सभ केँ आश्वासन दैत छथि जे सत्तर वर्षक बंदी मे रहला के बाद परमेश् वर अपन पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा केँ पूरा करताह (यिर्मयाह 29:10-14)। ओ हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे भगवान् हुनका सभक कल्याण आ भविष्यक आशाक योजना बनौने छथि | हुनका सब के प्रोत्साहित कयल जाइत छनि जे ओ सब गंभीरता स प्रार्थना करथि आ पूरा मोन स भगवान के खोज करथि।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह झूठ भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध चेतावनी दैत छथि जे बेबिलोन मे निर्वासित लोक मे सँ छथि (यिर्मयाह 29:15-23)। ओ शेमैया केँ एहन एकटा झूठ भविष्यवक्ता के रूप मे उजागर करैत छथि जे झूठ पसारैत रहलाह अछि। शेमैया के परमेश् वर द्वारा ओकर छल-प्रपंचक काजक लेल शाप देल गेल अछि।

5 म पैराग्राफ: पत्रक समापन अहाब आ सिदकिय्याहक संबंध मे व्यक्तिगत निर्देशक संग होइत अछि (यिर्मयाह 29:24-32)। यिर्मयाह अहाब के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी करै छै, कैन्हेंकि हुनी विद्रोह के काम करलकै। सिदकिय्याह के बारे में, वू भविष्यवाणी करै छै कि ओकरा सजा के रूप में नबूकदनेस्सर के हाथ में सौंपलऽ जैतै।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के उनइस अध्याय में यिर्मयाह के एक पत्र प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै जे कैद के दौरान बेबिलोन में निर्वासित लोगऽ क॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छेलै । पत्र मे हुनका सभ केँ निर्देश देल गेल अछि जे ओ सभ बसि जाथि, घर बनाबथि, गाछ-बिरिछक खेती करथि आ बेबिलोनक भीतर शांति ताकथि। ओकरा सिनी कॅ सलाह देलऽ जाय छै कि वू झूठा भविष्यवाणी पर ध्यान नै दै जे ओकरोॅ कैद के जल्दी अंत के वादा करै छै, बल्कि ओकरा सिनी लेली परमेश्वर के योजना के खोज करै पर ध्यान दै। निर्वासित लोकनि केँ सत्तरि वर्षक बाद पुनर्स्थापनक आश्वासन भेटैत छनि | भगवान कल्याण आ आशा स भरल भविष्य के वादा करैत छथि। एहि समय मे हुनका सभ केँ गंभीरता सँ प्रार्थना करबाक लेल आ तन-मन-धन सँ हुनकर खोज करबाक लेल प्रोत्साहित कयल जाइत छनि | निर्वासित लोगऽ के बीच झूठा भविष्यवक्ता सिनी के पर्दाफाश होय छै, जेकरा में शेमैया भी शामिल छै जेकरा परमेश् वर के शाप छै। अध्याय के समापन अहाब के विद्रोह आरू नबूकदनेस्सर के हाथऽ में सिदकिय्याह के भाग्य के बारे में भविष्यवाणी के साथ होय छै। कुल मिला क॑ ई अध्याय म॑ मार्गदर्शन, प्रोत्साहन, धोखा के खिलाफ चेतावनी, आरू निर्वासन केरऽ ई अवधि म॑ ईश्वरीय न्याय के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 29:1 ई सभ पत्रक बात अछि जे यिर्मयाह भविष्यवक्ता यरूशलेम सँ बंदी बनाओल गेल बूढ़-पुरान सभक शेष लोक सभ केँ, पुरोहित सभ केँ, भविष्यवक्ता सभ केँ, आ ओहि सभ लोक सभ केँ जे नबूकदनेस्सर लऽ गेल छलाह यरूशलेम सँ बंदी बना कऽ बेबिलोन धरि पहुँचि गेल।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता, बूढ़-पुरोहित, पुरोहित, भविष्यवक्ता आरू सब लोग सिनी कॅ चिट्ठी लिखलकै, जेकरा बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर द्वारा यरूशलेम सें बेबिलोन बंदी बनाय देलऽ गेलऽ छेलै।

1. निर्वासन मे परमेश्वरक प्रभुत्व: यिर्मयाह 29 सँ सीख

2. प्रार्थना आ भविष्यवाणीक प्रतिज्ञाक शक्ति: यिर्मयाह 29 पर एकटा चिंतन

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 29:2 (तकर बाद यकोनियाह राजा, रानी, नपुंसक, यहूदा आ यरूशलेमक राजकुमार, बढ़ई आ लोहार यरूशलेम सँ चलि गेलाह।)

ई अंश यरूशलेम सँ यहूदा के लोगऽ के निर्वासन के वर्णन करै छै।

1: परीक्षा आ क्लेशक बीच विश्वासक शक्ति केँ नहि बिसरबाक चाही।

2: प्रतिकूलताक सामना करैत हमर सभक निष्ठा अटूट हेबाक चाही।

1: इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि, जे नहि देखल गेल अछि।"

2: याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

यिर्मयाह 29:3 शाफानक पुत्र एलासा आ हिल्कियाक पुत्र गेमरियाक हाथ सँ, (जेकरा यहूदाक राजा सिदकियाह बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर केँ बाबुल पठौलनि)।

यहूदा के राजा सिदकिय्याह एलासा आरू गेमरियाह के यिर्मयाह 29:3 के संदेश के साथ बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के पास भेजलकै।

1. भगवानक योजना हमरा सभक योजनासँ पैघ अछि

2. सब जाति पर परमेश् वरक प्रभुत्व

1. यशायाह 14:24 - "सेना सभक प्रभु शपथ केने छथि: जेना हम योजना बनौने छी, तेना होयत आ जेना हमर योजना अछि, तेना ठाढ़ रहत।"

2. दानियल 4:35 - "पृथ्वीक सभ निवासी केँ किछु नहि मानल जाइत छनि, आ ओ स् वर्गक सेना आ पृथ्वीक निवासी मे अपन इच्छानुसार करैत छथि; आ कियो हुनकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने हुनका कहि सकैत अछि जे, की केलौं?

यिर्मयाह 29:4 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे, जे सभ बंदी बनाओल गेल अछि, जकरा हम यरूशलेम सँ बेबिलोन ल’ गेल छी।

परमेश् वर, सेना सभक प्रभु आ इस्राएलक परमेश् वर, जे सभ यरूशलेम सँ बेबिलोन बंदी मे लेल गेल अछि, सभ सँ बात करैत छथि।

1. इस्राएल के बंदी: परमेश् वर के मोक्ष के योजना

2. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 29:5 अहाँ सभ घर बनाउ आ ओहि मे रहू। आ गाछी-बिरछी लगाउ आ ओकर फल खाउ।

ई अंश हमरा सब क॑ अपनऽ घर बनाबै लेली आरू अपनऽ मेहनत के फल के आनंद लेबै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. मेहनत करबाक आ अपन श्रमक फलक आनंद लेबाक आशीर्वाद

2. अपना आ अपन प्रियजन मे निवेश करबाक महत्व

1. उपदेशक 3:12-13 - "हम जनैत छी जे हुनका सभक लेल एहि सँ नीक किछु नहि जे जा धरि जीबैत छथि ता धरि आनन्दित रहथि आ नीक काज करथि; संगहि सभ कियो खा-पीब आ अपन सभ परिश्रम मे रमब ई परमेश् वरक अछि।" आदमी के उपहार।"

2. नीतिवचन 24:27 - "अपन काज बाहर तैयार करू; खेत मे अपन लेल सब किछु तैयार करू, आ तकर बाद अपन घर बनाउ।"

यिर्मयाह 29:6 अहाँ सभ स् त्रीगण लऽ कऽ बेटा-बेटी पैदा करू। बेटा सभक लेल पत्नी बनाउ आ अपन बेटी सभ केँ पति मे दऽ दियौक जाहि सँ ओ सभ बेटा-बेटी पैदा करथि। जाहि सँ अहाँ सभ ओतहि बढ़ि कऽ कम नहि भऽ सकब।”

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ कहैत छथि जे विवाह करू आ संतान पैदा करू जाहि सँ हुनकर संख्या बढ़ि सकय आ कम नहि भ’ सकय।

1. माता-पिताक आशीर्वाद: परिवारक माध्यमे भगवानक प्रेम कोना गुणा होइत अछि

2. परमेश् वरक योजना केँ पूरा करब: विवाह आ संतान कोना आनन्द दैत अछि आ बढ़ैत अछि

1. उत्पत्ति 1:28 - परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलथिन आ परमेश् वर हुनका सभ केँ कहलथिन, “प्रजनन करू आ बढ़ू आ पृथ् वी केँ भरि कऽ ओकरा वश मे करू।”

2. भजन 127:3 - देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, आ गर्भक फल हुनकर इनाम अछि।

यिर्मयाह 29:7 जाहि नगर मे हम अहाँ सभ केँ बंदी बना लेने छी, ओहि नगर मे शान्ति ताकू, आ ओकरा लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू।

परमेश् वर निर्वासित इस्राएली सिनी कॅ प्रोत्साहित करै छै कि वू अपनऽ नया शहर के शांति खोजै आरू ओकरा लेली यहोवा सें प्रार्थना करै, कैन्हेंकि ओकरऽ शांति में ओकरा सिनी कॅ सच्चा शांति मिलतै।

1. भगवानक शांति: अप्रत्याशित स्थान पर संतोष भेटब

2. शहरक लेल प्रार्थना: हम कोना बदलाव आनि सकैत छी

1. फिलिप्पियों 4:7 परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. 1 तीमुथियुस 2:1-2 तखन सभ सँ पहिने हम आग्रह करैत छी जे सभ लोकक लेल, राजा सभक लेल आ सभ उच्च पद पर रहनिहार सभक लेल विनती, प्रार्थना, बिनती आ धन्यवाद कयल जाय, जाहि सँ हम सभ शांतिपूर्ण आ शान्त लोकक नेतृत्व करी जीवन, सब तरहें ईश्वरीय आ गरिमामय।

यिर्मयाह 29:8 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभक बीच मे रहनिहार प्रवक् ता आ भविष् यवक् ता सभ अहाँ सभ केँ धोखा नहि देथि आ ने अहाँ सभक सपना केँ सुनब जे अहाँ सभ सपना देखबैत छी।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि हुनी अपनऽ भविष्यवक्ता या भविष्यवक्ता सिनी के बात नै सुनै, नै ही वू सपना के बात सुनै।

1. इस्राएलक लोक सभक लेल परमेश् वरक चेतावनी

2. धोखा नहि खाउ

1. याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

2. नीतिवचन 30:5 - परमेश् वरक सभ वचन शुद्ध अछि, जे हुनका पर भरोसा करैत छथि, हुनका सभक लेल ओ ढाल छथि।

यिर्मयाह 29:9 किएक तँ ओ सभ हमरा नाम सँ अहाँ सभ केँ झूठ भविष्यवाणी करैत अछि, हम हुनका सभ केँ नहि पठौने छी, परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश झूठा भविष्यवक्ता सिनी के बारे में छै जे परमेश् वर के नाम पर बोलै छै, जबकि वास्तव में, परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ नै भेजलकै।

1. "झूठा भविष्यवक्ता द्वारा भटकल नहि जाउ"।

2. "भगवानक वचन सुनबा मे विवेकक महत्व"।

1. व्यवस्था 18:20-22 - "मुदा जे भविष्यवक्ता हमर नाम सँ एहन शब्द बजबाक अभिमान करैत अछि जे हम ओकरा नहि बजबाक आज्ञा देने छी, वा जे दोसर देवताक नाम पर बजैत अछि, ओ वैह भविष्यवक्ता मरि जायत।"

2. मत्ती 7:15-20 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ क्षुद्र भेड़िया छथि।"

यिर्मयाह 29:10 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे बाबुल मे सत्तर वर्षक बाद हम अहाँ सभक ओतय जायब आ अहाँ सभक प्रति अपन नीक वचन पूरा करब आ अहाँ सभ केँ एहि ठाम घुरि कऽ अनब।

प्रभु इस्राएली सिनी कॅ सत्तर साल के बाद बेबिलोन में कैद रहला के बाद पुनर्स्थापित करै के वादा करै छै।

1. परमेश् वर वफादार छथि आ अपन प्रतिज्ञाक पालन करताह

2. कठिन समय मे बहाली के आशा

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

2. भजन 136:1 - "प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि, कारण हुनकर अडिग प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, परमेश् वर कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।

यिर्मयाह केरऽ ई श्लोक हमरा सिनी क॑ ई याद रखै लेली प्रोत्साहित करै छै कि प्रभु केरऽ योजना हमरा लेली अच्छा छै आरू बुरा नै छै ।

1: भगवानक योजना नीक अछि, अधलाह नहि

2: प्रभु के योजना पर भरोसा

1: फिलिप्पियों 4:6-7 कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2: यशायाह 26:3-4 अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखू, जकर मोन अहाँ पर रहैत अछि, किएक त’ ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि। प्रभु पर सदाक लेल भरोसा करू, कारण प्रभु परमेश् वर एकटा अनन्त चट्टान छथि।

यिर्मयाह 29:12 तखन अहाँ सभ हमरा पुकारब आ जा कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ हुनका पुकारै लेली आरू हुनका सँ प्रार्थना करै लेली प्रोत्साहित करै छै आरू वू सुनतै।

1. प्रार्थनाक शक्ति: परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर कोना भरोसा कयल जाय

2. भगवान् के जानय के आराम हमर प्रार्थना सुनैत अछि

1. यशायाह 65:24 - हुनका सभक आवाज सँ पहिने हम उत्तर देब; जाबत ओ सभ एखन धरि बाजि रहल छथि ताबत हम सुनब।

2. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, तखन ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह।

यिर्मयाह 29:13 जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ गंभीरता सँ हुनका खोजबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि, आओर वादा करैत छथि जे जखन हम सभ एहन करब तखन ओ भेटि जेताह।

सब सं बढ़ियां

1. "प्रभुक खोज"।

2. "भगवानक प्रतिज्ञा"।

सब सं बढ़ियां

1. यशायाह 55:6 - "जखन धरि प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ खोजू; जाबत ओ नजदीक छथि ताबत हुनका पुकारू।"

2. भजन 27:4 - "हम प्रभु सँ एकटा बात चाहैत छलहुँ, जे हम ताकब, जाहि सँ हम जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब।"

यिर्मयाह 29:14 परमेश् वर कहैत छथि जे हम अहाँ सभक बीच पाबि जायब। हम अहाँ सभ केँ ओहि स्थान पर फेर सँ आनि देब जतय सँ हम अहाँ सभ केँ बंदी बना लेने रही।”

भगवान् वादा करै छै कि जेकरा कैद करी लेलऽ गेलऽ छै, ओकरा वू जगह पर वापस लानी देतै, जहां स॑ ओकरा ल॑ गेलऽ छेलै ।

1. बहाली के परमेश्वर के प्रतिज्ञा: आशा में जीना

2. बंदी के समय में भगवान के निष्ठा

1. यशायाह 43:1-5

2. रोमियो 8:31-39

यिर्मयाह 29:15 किएक तँ अहाँ सभ कहलहुँ जे, “परमेश् वर हमरा सभ केँ बाबुल मे भविष्यवक्ता सभ केँ ठाढ़ कयलनि।

परमेश् वर इस्राएल केँ बाबुल मे भविष्यवक्ता सभ देलथिन जे हुनका सभक मार्गदर्शन करथि।

1. प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करबाक शक्ति

2. विपत्तिक समय मे परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:31 - जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

यिर्मयाह 29:16 ई जानि लिअ जे परमेश् वर ई कहैत छथि जे दाऊदक सिंहासन पर बैसल राजा आ एहि नगर मे रहनिहार सभ लोक आ अहाँ सभक भाय जे अहाँ सभक संग बंदी मे नहि गेल छथि।

परमेश् वर यहूदाक राजा जे दाऊदक सिंहासन पर बैसल छथि आ ओहि नगर मे रहनिहार सभ लोक सभ सँ गप्प करैत छथि, संगहि ओहि सभ केँ सेहो जे बंदी मे नहि लेल गेल छथि।

1. जे विश्वासी रहैत छथि हुनका सभक प्रति प्रभुक प्रतिज्ञा

2. प्रभुक अपन लोकक प्रति अटूट प्रेम

1. यशायाह 44:6, "इस्राएलक राजा यहोवा, आ ओकर मुक्तिदाता सेनाक परमेश् वर, ई कहैत छथि, हम पहिल छी, आ हम अंतिम छी, आ हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि।"

2. भजन 46:1, "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यिर्मयाह 29:17 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम ओकरा सभ पर तलवार, अकाल आ महामारी पठा देब आ ओकरा सभ केँ नीच अंजीर जकाँ बना देब जे खाएल नहि जा सकैत अछि, ओ सभ एतेक दुष्ट अछि।

सेना सभक परमेश् वर लोक सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी पठा कऽ दंड देताह आ ओ सभ नीच अंजीर जकाँ भऽ जेताह जे खाएल नहि जा सकैत अछि।

1. विद्रोह के परिणाम: भगवान के अनुशासन के समझना

2. अधर्मक समय मे परमेश् वरक धार्मिक न्याय

1. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब, आ हम ओकर पाप क्षमा करब आ।" हुनका लोकनिक भूमि केँ ठीक क' देतनि।"

2. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

1054

यिर्मयाह 29:18 हम ओकरा सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ सता देब आ ओकरा सभ केँ पृथ्वीक समस्त राज्य मे हँटा देब, जाहि सँ श्राप, आश्चर्य, आ सिसकी। हम ओहि सभ जाति सभक बीच अपमानित अछि जाहि मे हम ओकरा सभ केँ भगा देने छी।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ सभ जाति सभक बीच निर्वासन मे पठा कऽ तलवार, अकाल आ महामारी सँ पीड़ित कऽ दण् ड देथिन।

1. भगवानक क्रोध आ दया: भगवानक न्याय आ प्रेम कोना सह-अस्तित्व मे अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक फल: इस्राएली सभक गलती सँ सीखब

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. यशायाह 30:18-19 - "एहि लेल प्रभु प्रतीक्षा करताह जे ओ अहाँ सभ पर कृपा करथि आ तेँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि ओ सभ छथि जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि।”

यिर्मयाह 29:19 किएक तँ ओ सभ हमर बात नहि मानलक, परमेश् वर कहैत छथि जे हम हुनका सभ केँ अपन सेवक प्रवक् ता सभक द्वारा पठौने रही, भोरे उठि कऽ हुनका सभ केँ पठा देलहुँ। मुदा अहाँ सभ नहि सुनऽ चाहलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभक माध्यमे इस्राएलक लोक सभ केँ अपन वचन पठौने छलाह, मुदा ओ सभ ओकरा सुनबा सँ मना कऽ देलक।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. नीतिवचन 1:7 - "प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।"

2. याकूब 1:19-20 - "एही लेल हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी।

यिर्मयाह 29:20 तेँ, अहाँ सभ जे बंदी मे बैसल छी, अहाँ सभ परमेश् वरक वचन सुनू।

ई अंश यरूशलेम सँ बेबिलोन मे कैदी सभ केँ पठाओल गेल परमेश् वरक वचनक गप्प करैत अछि।

1: भगवानक वचन आशा अनैत अछि, ओहो अन्हार समय मे।

2: हमरा सभ केँ परमेश्वरक प्रेम आ ओ आशाक प्रतिज्ञा केँ कहियो नहि बिसरबाक चाही जे ओ अनैत छथि।

1: यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी मे ओ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ केँ नहि झुलसि जायत, आ ने लौ अहाँ केँ जराओत।" ."

2: भजन 23:4 हँ, जँ हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब। कारण, अहाँ हमरा संग छी; तोहर छड़ी आ तोहर डंडा, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यिर्मयाह 29:21 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, कोलैयाक पुत्र अहाब आ मासेयाक पुत्र सिदकियाहक परमेश् वर ई कहैत छथि जे हमरा नाम सँ अहाँ सभ केँ झूठक भविष्यवाणी करैत छथि। देखू, हम ओकरा सभ केँ बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ मे सौंप देब। ओ अहाँ सभक आँखिक सोझाँ ओकरा सभ केँ मारि देत।

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, कोलियाह के बेटा अहाब आरू मासेया के बेटा सिदकियाह कॅ चेताबै छै कि हुनी ओकरा सिनी कॅ बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के हाथो में सौंप देतै आरू ओकरा सिनी कॅ मारलौ जैतै।

1. परमेश् वरक इच्छा केँ जानब: परमेश् वरक चेतावनी सभक पालन करब - यिर्मयाह 29:21

2. सत्यक शक्ति - यिर्मयाह 29:21

1. नीतिवचन 19:9 - "झूठा गवाहक सजा नहि भेटत, आ जे झूठ बाजत से नहि बचि जायत।"

2. भजन 37:39 - "धर्मी सभक उद्धार प्रभु सँ भेटैत अछि; ओ विपत्तिक समय मे ओकर सामर्थ्य छथि।"

यिर्मयाह 29:22 हुनका सभ मे सँ यहूदाक सभ बंदी सभ जे बाबुल मे अछि, हुनका सभ केँ शाप देल जायत जे, “परमेश् वर अहाँ केँ सिदकियाह आ अहाब जकाँ बनाबथि, जिनका बाबुलक राजा आगि मे भुजौने छलाह।

परमेश् वर बेबिलोन मे यहूदाक सभ लोक केँ श्राप देत आ ओकरा सभ केँ दूटा राजा सिदकिय्याह आ अहाब सँ तुलना करत जे आगि मे भुजल छल।

1. शाप के शक्ति: ई बुझना जे भगवान शाप के कोना सुधार के औजार के रूप में प्रयोग करैत छथि |

2. धैर्यक शक्ति: कैद मे रहैत भगवानक समय पर भरोसा करब

1. इजकिएल 18:20 - पाप करय बला आत्मा मरत। पिताक अधर्मक कारणेँ पुत्र केँ कष्ट नहि होयत आ ने पुत्रक अधर्मक कारणेँ पिता केँ कष्ट होयत। धर्मात्माक धार्मिकता अपना पर रहत आ दुष्टक दुष्टता अपना पर रहत।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 29:23 किएक तँ ओ सभ इस्राएल मे दुष्टता केलक, आ अपन पड़ोसीक पत्नी सभक संग व्यभिचार केलक, आ हमर नाम पर झूठ बाजि रहल अछि, जे हम ओकरा सभ केँ नहि देलियैक। हम जनैत छी आ गवाह छी, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर सभ पाप केँ जनैत छथि आ साक्षी छथि, आ जे पाप करैत छथि हुनका सभ केँ सजा देताह।

1. पाप करबाक परिणाम

2. मूर्ख नहि बनू, भगवान सब देखैत छथि

1. मत्ती 5:27-28 - "अहाँ सभ सुनलहुँ जे ई कहल गेल छल जे, 'अहाँ व्यभिचार नहि करू। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जे कियो कोनो स् त्री केँ कामुक इरादा सँ देखैत अछि, ओ पहिने सँ ओकर हृदय मे व्यभिचार क' चुकल अछि।"

२ धर्म-नियमक सुननिहार सभ जे परमेश् वरक सामने धार्मिक छथि, मुदा धर्म-नियमक पालन करयवला जे धार्मिक ठहराओल जायत।”

यिर्मयाह 29:24 अहाँ सेहो एहि तरहेँ कहब जे नहेलेमी शेमैयाह।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ नहेलेमी शेमैयाह सँ गप्प करथि।

1. भगवानक निर्देशक पालन अवश्य करबाक चाही

2. भगवान् के आज्ञा के पालन करला स आशीर्वाद भेटैत अछि

1056

1. यहोशू 1:8 - "ई व्यवस्थाक पुस्तक केँ अपन मुँह सँ नहि हटय दियौक; दिन-राति एहि पर मनन करू, जाहि सँ अहाँ एहि मे लिखल सभ किछु काज करबा मे सावधान रहब। तखन अहाँ समृद्ध आ सफल होयब।"

2. उपदेशक 12:13 - " बातक अंत; सभ किछु सुनल गेल। परमेश् वर सँ डरू आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि।"

यिर्मयाह 29:25 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे, “अहाँ यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक केँ, मासेया पुरोहितक पुत्र सफनियाह आ सभ पुरोहित केँ अपन नाम सँ पत्र पठौने छी।” , कहैत,

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, एक बयान जारी करलकै कि मासेया याजक के पुत्र सफनियाह आरू यरूशलेम के सब पुरोहित सिनी कॅ परमेश् वर के नाम पर चिट्ठी मिललै।

1. परमेश् वरक संदेश सभक लेल अछि: यिर्मयाह 29:25

2. प्रभुक वचनक आज्ञापालन: यिर्मयाह 29:25

1. 2 इतिहास 36:15-17

2. इजकिएल 11:17-21

यिर्मयाह 29:26 परमेश् वर तोरा यहोयादा पुरोहितक बदला मे पुरोहित बनौलनि अछि, जाहि सँ अहाँ सभ परमेश् वरक घर मे अधिकारी बनू, जे कियो पागल अछि आ अपना केँ भविष्यवक्ता बना लैत अछि, ताहि लेल अहाँ ओकरा जेल मे राखि दिअ, आ स्टॉक मे।

प्रभु यहोयादा के जगह पर यिर्मयाह के पुरोहित के रूप में नियुक्त करलकै आरो हुनका निर्देश देलकै कि प्रभु के घर में अधिकारी बनै के आरू जे भी पागल होय जाय छै आरो खुद के भविष्यवक्ता बनाबै छै ओकरा जेल में डालै के चाही।

1. सेवा करबाक लेल प्रभुक आह्वान: यिर्मयाह 29:26 सँ सबक

2. परमेश् वरक घरक रक्षा करब: यिर्मयाह 29:26 मे आज्ञाकारिता आ अधिकार

1. 1 तीमुथियुस 3:1-7 - चर्चक नेता सभक लेल निर्देश

2. 2 कोरिन्थी 10:3-5 - आध्यात्मिक युद्ध आ प्रभु मे शक्ति

यिर्मयाह 29:27 आब अहाँ अनाथोथक यिर्मयाह केँ किएक नहि डाँटलहुँ जे अपना केँ अहाँ सभक लेल भविष्यवक्ता बनबैत छथि?

परमेश् वर सवाल करै छै कि यरूशलेम के लोग अनाथोथ के यिर्मयाह के सामना कियैक नै करलकै, जे खुद के भविष्यवक्ता के दावा करै छै।

1. विवेकक आवश्यकता - सच्चा आ झूठ भविष्यवक्ता मे अंतर कोना कहल जाय तकर परीक्षण करब।

2. परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक पालन करब - ई सीखब जे कोना परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक पालन कयल जाय आ नहि कि जे झूठ-मजदूर अपना केँ भविष्यवक्ता होयबाक दावा करैत अछि।

1. व्यवस्था 18:21-22 - परमेश्वर निर्देश दैत छथि जे कोना एकटा सच्चा आ झूठ भविष्यवक्ता मे भेद कयल जाय।

2. मत्ती 7:15-20 - यीशु झूठ भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध चेतावनी।

यिर्मयाह 29:28 तेँ ओ हमरा सभ लग बाबुल मे पठौलनि जे, “ई बंदी बहुत दिन अछि, अहाँ सभ घर बनाउ आ ओहि मे रहू। आ गाछी-बिरछी लगाउ आ ओकर फल खाउ।

ई अंश हमरा सब क॑ लम्बा आरू कठिन परीक्षा के सामना करतें भी दृढ़ता आरू आशा क॑ कायम रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. आशाक संग परीक्षा पर काबू पाबब

2. कैद मे जीवनक निर्माण

1. रोमियो 12:12 आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।

2. 2 कोरिन्थी 4:16-18 तेँ हम सभ हिम्मत नहि छोड़ैत छी। भले ही हमरऽ बाहरी आत्म बर्बाद होय रहलऽ छै, लेकिन हमरऽ भीतर केरऽ आत्म दिन प्रतिदिन नवीनीकरण होय रहलऽ छै । कारण, ई हल्लुक क्षणिक क्लेश हमरा सभक लेल एकटा अनन्त महिमाक भार तैयार क’ रहल अछि जे हम सभ देखल गेल वस्तु दिस नहि, बल् कि अदृश्य वस्तु दिस तकैत छी। कारण जे देखल जाइत अछि से क्षणिक होइत अछि, मुदा जे अदृश्य अछि से अनन्त अछि।

यिर्मयाह 29:29 तखन सफनिया पुरोहित यिर्मयाह भविष्यवक्ता के कान मे ई पत्र पढ़लनि।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता के सान्निध्य में सफनिया याजक द्वारा एकटा पत्र पढ़ल गेल।

1. "नबी के याद करब: निष्ठा के आह्वान"।

2. "घोषणा के शक्ति: यिर्मयाह आ सफनिया सँ एकटा पाठ"।

1. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ नुकायल बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छलहुँ।"

2. इब्रानी 11:6 - "बिना विश् वास केने ओकरा प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे कियो परमेश् वरक नजदीक आओत, ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ अछि आ ओकरा तकनिहार सभ केँ ओ पुरस्कृत करैत अछि।"

यिर्मयाह 29:30 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ आयल जे।

यिर्मयाह परमेश् वरक संदेश सुनैत छथि आ यहूदाक लोक सभ केँ पहुँचाबैत छथि।

1. भगवानक वचन स्पष्ट आ आधिकारिक अछि, हमरा सभकेँ ओकर पालन करबाक चाही।

2. भगवान आइयो बजैत छथि, सुनबाक लेल समय निकालय पड़त।

1. याकूब 1:22-25 - वचनक कर्ता बनू, मात्र सुननिहार नहि।

2. व्यवस्था 6:4-9 - अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन सँ प्रेम करू।

यिर्मयाह 29:31 बंदी मे बैसल सभ लोक केँ ई कहबाक लेल पठाउ जे, “परमेश् वर नेहेलमी शेमैयाक विषय मे ई कहैत छथि। कारण, शेमैया अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी कयलनि, आ हम हुनका नहि पठौलनि, आ ओ अहाँ सभ केँ झूठ पर भरोसा करौलनि।

प्रभु यिर्मयाह के माध्यम से नहेलेमी शेमैयाह के बारे में बतैलकै, ई कहै छै कि प्रभु ओकरा नै भेजला के बावजूद शमैया ओकरा सिनी कॅ झूठ बोलै के धोखा देलकै।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. धोखा आ झूठ पर भरोसा करब

1. मत्ती 7:15-20 (झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू)

2. नीतिवचन 14:15 (साधारण लोकनि कोनो बात पर विश्वास करैत छथि, मुदा विवेकी लोकनि अपन डेग पर विचार करैत छथि)

यिर्मयाह 29:32 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम नहेलमी शेमैया आ ओकर वंशज केँ दंडित करब। हम अपन प्रजाक लेल जे नीक काज करब से ओ नहि देखताह, परमेश् वर कहैत छथि। किएक तँ ओ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह करबाक शिक्षा देलनि।

परमेश् वर शेमायाह नहेलेम आ ओकर वंशज सभ केँ सजा देथिन जे ओ हुनका विरुद्ध विद्रोह करबाक शिक्षा देलनि।

1. धार्मिक न्यायक न्याय करबा मे परमेश् वरक भलाई

2. परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञा नहि मानबाक खतरा

1. व्यवस्था 4:2 हम जे वचन अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि मे अहाँ कोनो जोड़ नहि करू आ ने ओहि मे सँ लऽ लिअ, जाहि सँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन कऽ सकब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी।

2. रोमियो 6:23 पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह अध्याय 30 मे इस्राएल के लेलऽ आशा आरू पुनर्स्थापन के संदेश छै, जे ओकरऽ निर्वासन आरू कष्ट के समय के बाद छै ।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ अपन वचन केँ इस्राएल आ यहूदाक संबंध मे एकटा पुस्तक मे लिखथि (यिर्मयाह 30:1-3)। संदेश आबै वाला दिन के बारे में छै जबे परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ कैद स॑ बहाल करी क॑ ओकरा अपनऽ देश म॑ वापस लान॑ छै ।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर ओहि संकट आ पीड़ा केँ स्वीकार करैत छथि जे इस्राएल केँ भेल अछि (यिर्मयाह 30:4-7)। ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे भले हुनका सभ केँ पापक सजाय भेटि गेल छनि, मुदा ओ हुनका सभ केँ ठीक करताह, हुनकर भाग्य केँ पुनर्स्थापित करताह आ देश मे शान्ति आनताह।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह याकूब के वंशज के अपन देश में वापसी के बारे में भविष्यवाणी करै छै (यिर्मयाह 30:8-11)। भगवान् हुनका सभक गरदनि सँ विदेशी अत्याचारक जुआ तोड़बाक वचन दैत छथि | ओ सभ अपन सच्चा राजाक रूप मे हुनकर सेवा करत, आ दाऊद एक बेर फेर हुनका सभ पर शासन करताह।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह ओहि लोकक दिस सँ बजैत छथि जे पीड़ित छथि (यिर्मयाह 30:12-17)। ओ हुनका लोकनिक घाव केँ असाध्य बताबैत छथि मुदा घोषणा करैत छथि जे भगवान् हुनका सभ केँ ठीक करताह | हुनका सभक शत्रु जे हुनका सभक फायदा उठौने छथि, हुनका सभ केँ न्यायक सामना करय पड़तनि, जखन कि इस्राएलक पुनर्स्थापन गौरवशाली होयत।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर याकूबक वंशज केँ निर्वासन सँ वापस अनबाक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 30:18-24)। ओ सभ एकटा शहरक रूप मे पुनर्निर्माण कयल जायत जकर केंद्र मे यरूशलेम रहत। हुनका सभक नेता हुनका सभक बीच सँ आओत आ ओ सभ हुनकर लोक होयत। हुनक शासन मे राष्ट्रक समृद्धि आ स्थिरता स्थापित होयत ।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह के तीस अध्याय में इस्राएल के लेलऽ निर्वासन के समय के बाद आशा आरू बहाली के संदेश देलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी अपनऽ वचन लिखी दै, जेकरा में हुनी अपनऽ लोगऽ के लेलऽ भविष्य में बहाली के वादा करै छै। ओ हुनका लोकनिक दुख केँ स्वीकार करैत छथि मुदा चिकित्सा, भाग्यक पुनर्स्थापन, आ भूमि मे शांति केर आश्वासन दैत छथि | भविष्यवाणी मे याकूबक वंशजक अपन देश मे वापसी सेहो शामिल अछि। विदेशी अत्याचार टूटि जायत, आ ओ सभ दाऊदक शासन मे परमेश् वरक सेवा करत। पीड़ित लोकनि केँ परमेश् वर द्वारा चंगाईक आश्वासन भेटैत छनि। हुनकऽ दुश्मनऽ क॑ न्याय के सामना करना पड़तै, जबकि इस्राएल केरऽ बहाली क॑ गौरवशाली बतैलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर वादा करैत छथि जे निर्वासन मे रहल लोक सभ केँ वापस अनताह, यरूशलेम केँ एकटा समृद्ध शहरक रूप मे पुनर्निर्माण करताह। हुनका

लोकनिक नेता हुनका लोकनिक बीच सँ उठत, अपन शासनकाल मे स्थिरता स्थापित करत। कुल मिला क॑ ई अध्याय भविष्य केरऽ समय लेली आराम आरू प्रत्याशा प्रदान करै छै जब॑ इस्राएल क॑ ईश्वरीय चिकित्सा, बहाली, समृद्धि आरू स्थायी शांति के अनुभव होतै ।

यिर्मयाह 30:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ इस्राएल के पुनर्स्थापन के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: पुनर्स्थापन आ मोक्ष।

2. परमेश् वरक वचनक आराम: ई जानि जे ओ सुनैत छथि।

1. यशायाह 43:1-2 - "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ।" हमर अछि।"

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

यिर्मयाह 30:2 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा एहि तरहेँ कहैत छथि, “हम जे सभ बात अहाँ केँ कहलहुँ से अहाँ केँ एकटा पुस्तक मे लिखू।”

ई अंश परमेश् वर यिर्मयाह के निर्देश दै के बात करै छै कि हुनी जे भी शब्द कहलकै, ओकरा लिखी दै।

1. "भगवानक वचन अनमोल अछि आ ओकरा अनमोल करबाक चाही"।

2. "भगवान के आज्ञा के पालन करला स आशीर्वाद भेटैत अछि"।

1. नीतिवचन 3:1-2, "हमर बेटा, हमर शिक्षा केँ नहि बिसरि जाउ, बल् कि अहाँक मोन हमर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ओ सभ दिन आ वर्षक जीवन आ शान्ति अहाँ केँ जोड़त।"

2. भजन 119:11, "हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा क' लेने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि क' सकब।"

यिर्मयाह 30:3 परमेश् वर कहैत छथि जे, देखू, ओ दिन आबि रहल अछि जखन हम अपन प्रजा इस्राएल आ यहूदा केँ बंदी बना देब, आ हम ओकरा सभ केँ ओहि देश मे घुरि देब जे हम हुनका सभक पूर्वज केँ देने छलहुँ, आ ओ सभ ओहि पर कब्जा कऽ लेताह।

परमेश् वर इस्राएल आरू यहूदा के बंदी कॅ वापस करी देतै आरू ओकरा वू देश में वापस करी देतै, जेकरा वू ओकरोॅ पूर्वज सिनी कॅ देले छेलै।

1. परमेश् वरक वफादारी सदाक लेल अछि - यिर्मयाह 30:3

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा निश्चित अछि - यिर्मयाह 30:3

1. यशायाह 43:5 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब"।

2. इजकिएल 36:24 - "किएक तँ हम अहाँ सभकेँ जाति-जाति सभक बीचसँ लऽ कऽ सभ देशसँ बाहर निकालब आ अहाँ सभकेँ अपन देशमे लऽ जायब"।

यिर्मयाह 30:4 ई सभ बात अछि जे परमेश् वर इस्राएल आ यहूदाक विषय मे कहलनि।

परमेश् वर अपन वचन सँ इस्राएली आ यहूदा दुनू सँ बात कयलनि।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति आ हमर सभक जीवन पर एकर प्रभाव

2. इस्राएली आ यहूदाक लेल परमेश् वरक योजना

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. मत्ती 4:4 - मुदा ओ उत्तर देलथिन, “धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, “मनुष् य मात्र रोटी सँ नहि, बल् कि परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात सँ जीवित रहत।”

यिर्मयाह 30:5 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। हम सभ काँपबाक आवाज सुनलहुँ अछि, भय केर आवाज सुनलहुँ अछि, शान्तिक नहि।

परमेश् वर भय आ काँपबाक आवाज सुनने छथि, मुदा शान्तिक नहि।

1. जखन भय खटखटाबैत अबैत अछि: विश्वास मे कोना ठाढ़ रहब चाहे हम की देखब

2. भय के आवाज: एकरा अहाँक भविष्य निर्धारित नहि करय दियौक

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. 2 तीमुथियुस 1:7 - "किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ भय केर नहि, बल् कि सामर्थ् य आ प्रेम आ संयमक आत् मा देलनि।"

यिर्मयाह 30:6 अहाँ सभ एखन पूछू जे की केओ गर्भवती प्रसव करैत अछि? हम कियैक देखैत छी जे प्रत्येक पुरुष केँ अपन कमर पर हाथ राखि क’ प्रसव पीड़य बला स्त्री जकाँ देखाइ पड़ैत अछि आ सभ चेहरा पीयर भ’ गेल अछि?

भगवान पूछि रहल छथि जे कियो गर्भवती अछि कि नहि, एकर तात्पर्य जे किछु कठिन आ कष्टदायक होबय बला अछि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ आगूक कठिन समयक तैयारी करबाक लेल बजा रहल छथि।

2. हमरा सभकेँ अडिग रहबाक चाही आ अपन संघर्षक सामना आस्था आ साहसक संग करबाक चाही।

1. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

2. याकूब 1:2-4 - "हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन ई सभटा आनन्द मानू। ई जानि जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि सम्पूर्ण, किछु नहि चाहैत।"

यिर्मयाह 30:7 अफसोस! किएक तँ ओ दिन पैघ अछि, जाहि सँ कियो एहि तरहक नहि अछि।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता याकूबक लोक सभक लेल एकटा पैघ संकट आ संकटक दिनक भविष्यवाणी करैत छथि, मुदा परमेश् वर हुनका सभ केँ एहि सँ बचाओत।

1. संकट के समय में रक्षा के भगवान के प्रतिज्ञा

2. कठिन समय मे विश्वास के शक्ति

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि।"

यिर्मयाह 30:8 सेनाक प्रभु कहैत छथि जे ओहि दिन एहन होयत जे हम हुनकर जुआ अहाँक गरदनि सँ तोड़ि देब आ अहाँक बान्ह केँ तोड़ि देब आ परदेशी लोक आब हुनकर सेवा नहि करत।

भगवान् अपन लोक केँ अत्याचार आ गुलामी सँ मुक्त करबाक वचन दैत छथि।

1. प्रभु अपन लोक केँ अत्याचार सँ मुक्त करैत छथि

2. परमेश् वरक स्वतंत्रता आ आशाक प्रतिज्ञा

1. निष्कासन 3:7-10 - तखन परमेश् वर कहलथिन, “हम मिस्र मे अपन प्रजा सभक कष्ट देखलहुँ आ ओकर सभक काजक मालिक सभक कारणेँ ओकर पुकार सुनलहुँ। कारण, हम हुनका सभक दुःख केँ जनैत छी।

2. व्यवस्था 28:47-48 - किएक तँ अहाँ सभ वस्तुक प्रचुरताक कारणेँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक सेवा हर्ष आ हृदयक आनन्द सँ नहि केलहुँ। तेँ अहाँ अपन शत्रु सभक सेवा करब जे परमेश् वर अहाँक विरुद्ध पठौताह, भूख, प्यास, नंगटे आ सभ किछुक अभाव मे, आ ओ अहाँक गला मे लोहाक जुआ लगाओत, जाबत धरि ओ अहाँ केँ नष्ट नहि कऽ देत।

यिर्मयाह 30:9 मुदा ओ सभ अपन परमेश् वर यहोवा आ अपन राजा दाऊदक सेवा करत, जिनका हम हुनका सभक लेल ठाढ़ करब।

इस्राएलक लोक अपन परमेश् वर यहोवा आ अपन राजा दाऊदक सेवा करत, जकरा परमेश् वर ठाढ़ करताह।

1. परमेश् वरक राजाक प्रतिज्ञा - यिर्मयाह 30:9

2. प्रभुक सेवा करब - यिर्मयाह 30:9

1. 1 इतिहास 28:5 - दाऊदक सुलेमान पर आरोप

2. भजन 2:6 - परमेश् वर अपन अभिषिक्त राजाक घोषणा करैत छथि

यिर्मयाह 30:10 तेँ हे हमर सेवक याकूब, अहाँ नहि डेराउ, परमेश् वर कहैत छथि। हे इस्राएल, आ ने त्रस्त होउ, किएक तँ देखू, हम अहाँ केँ दूर सँ आ अहाँक वंशज केँ अपन बंदी देश सँ बचा देब। याकूब घुरि कऽ विश्राम मे रहत आ चुप भऽ जेताह, आ कियो ओकरा डराओत।

परमेश् वर याकूब केँ कहैत छथि जे डरब नहि, किएक तँ ओ ओकरा आ ओकर वंशज केँ बंदी सँ बचाओत आ ओकरा सभ केँ शान्ति सँ विश्राम करबाक अनुमति देत।

1. भगवान हमर रक्षक छथि: परेशानी भरल समय मे शांति भेटब

2. परमेश् वरक दया आ करुणा: मोक्षक प्रतिज्ञा

1. रोमियो 8:35-39 - मसीहक प्रेम सँ हमरा सभ केँ के अलग करत?

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 30:11 प्रभु कहैत छथि जे हम अहाँक उद्धार करबाक लेल अहाँक संग छी, जँ हम अहाँ केँ छिड़िया देलहुँ, ओहि सभ जाति केँ पूरा तरहेँ समाप्त कऽ देब, मुदा हम अहाँक पूर्ण अंत नहि करब, मुदा हम अहाँ केँ सुधारब नाप, आ तोरा एकदम अदंडित नहि छोड़त।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ सजा दै के बावजूद भी बचाबै के वादा करै छै, आरू वू ओकरा पूरा तरह स॑ नष्ट नै करी क॑ ई काम करतै ।

1. भगवानक दया: दण्डक बादो हुनक प्रेम आ रक्षा

2. भगवान् के शक्ति: करुणा आ अनुशासन देखाबय के हुनकर क्षमता

1. यशायाह 43:1-3 - "मुदा आब ई कहैत छथि जे अहाँ केँ सृष्टि करयवला प्रभु, हे याकूब, आ जे तोरा बनौलनि, हे इस्राएल, नहि डेराउ; हमर छी।जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी मे ओ अहाँ पर उमड़ि नहि जायत, जखन अहाँ आगि मे सँ चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ ने लौ अहाँ पर जड़त हम प्रभु तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी"।

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यिर्मयाह 30:12 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे अहाँक चोट असाध्य अछि आ अहाँक घाव गंभीर अछि।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनकऽ लोग घायल छै आरू खुद क॑ ठीक करै म॑ असमर्थ छै ।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक आराम

2. परमेश् वरक चंगाईक शक्ति

1. यशायाह 53:5 - मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ घायल भेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ चोट खा गेलाह। आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ’ गेल छी।

2. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

यिर्मयाह 30:13 अहाँक बातक पक्ष मे कियो नहि अछि जे अहाँ बान्हल रहब।

परमेश् वरक लोकक रक्षा करबाक लेल कियो नहि अछि, आ हुनका सभक लेल कोनो चंगाई नहि अछि।

1. दुखक बीच भगवानक निष्ठा

2. निराशा के सामने आशा

1. यशायाह 53:3-5 - ओकरा मनुष्य द्वारा तिरस्कृत आ अस्वीकार कयल जाइत छैक, एकटा दुखक आदमी आ शोक सँ परिचित। आ हम सभ, जेना, हुनका सँ अपन मुँह नुका लेलहुँ। हुनका तिरस्कृत कयल गेलनि, आ हम सभ हुनकर आदर नहि करैत छलहुँ ।

2. इब्रानी 4:15-16 - किएक तँ हमरा सभक एहन महापुरोहित नहि अछि जे हमरा सभक कमजोरी सभक प्रति सहानुभूति नहि दऽ सकैत अछि, बल् कि सभ तरहेँ हमरा सभ जकाँ परीक्षा मे पड़ल छल, मुदा पाप नहि। तेँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक अनुग्रहक सिंहासन पर आबि जाउ, जाहि सँ हमरा सभ केँ दया भेटय आ आवश्यकताक समय मे सहायता करबाक लेल कृपा भेटि जाय।

यिर्मयाह 30:14 अहाँक सभ प्रेमी अहाँ केँ बिसरि गेल अछि। ओ सभ अहाँ केँ नहि तकैत अछि। कारण, हम अहाँ केँ शत्रु केर घाव सँ, क्रूर केर सजा सँ घायल कय देलहुँ, अहाँक अधर्मक बहुत कारणे। किएक तँ तोहर पाप बढ़ि गेल।

भगवान लोक के पाप के सजा देलखिन्ह आओर ओकर पूर्व प्रेमी ओकरा बिसरि गेल छथिन्ह.

1. परमेश् वरक दंड न्यायसंगत अछि: यिर्मयाह 30:14 केँ बुझब

2. पापक परिणाम: यिर्मयाह 30:14 सँ सीख

1. भजन 51:3-4; हम अपन अपराध स्वीकार करैत छी, आ हमर पाप सदिखन हमरा सोझाँ अछि। हम अहाँक विरुद्ध मात्र पाप केलहुँ आ अहाँक सामने ई अधलाह केलहुँ, जाहि सँ अहाँ बजैत काल धर्मी ठहरा सकब आ जखन अहाँ न्याय करब तखन स्पष्ट भऽ जायब।”

2. रोमियो 6:23; पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह 30:15 अहाँ अपन दुःखक लेल किएक पुकारैत छी? तोहर अधर्मक भरमारक कारणेँ तोहर दुख असाध्य अछि।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ ओकर पापक सजाय देलनि अछि, जाहि सँ हुनका सभक दुःख आ दुःख भेलनि।

1. हम जे बोबैत छी से काटि लैत छी: पापक परिणाम।

2. भगवान् के प्रेम अनुशासित करय वाला छै: पीड़ा के उद्देश्य के समझना।

1. गलाती 6:7-8 "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बीजत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा जे।" आत्मा के बोइला छै आत् मा स अनन्त जीवन के फसल काटत।"

2. इब्रानी 12:5-6 "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटा सभक रूप मे सम्बोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु जकरा प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि।" , आ जकरा ओ पुत्र ग्रहण करैत अछि तकरा दंडित करैत अछि।

यिर्मयाह 30:16 तेँ जे सभ अहाँ केँ खा जायत, से सभ खा जायत। तोहर सभ विपक्षी, एक-एक गोटे बंदी मे चलि जेताह। जे अहाँ केँ लूटत से लूटपाट बनि जायत, आ जे किछु अहाँ केँ लूटैत अछि, हम ओकरा लूट मे दऽ देब।”

भगवान् ओहि सभ केँ पराजित करताह जे अपन लोक केँ नुकसान पहुँचेबाक प्रयास करैत छथि।

1: भगवान् शक्तिशाली आ न्यायी छथि।

2: अत्याचार स नहि डेराउ।

1: यशायाह 40:29-31 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि।

2: भजन 27:1-3 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि, हम ककरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि हम केकरा सँ डरब?

यिर्मयाह 30:17 हम अहाँ केँ स्वस्थ करब, आ अहाँक घाव केँ ठीक करब, परमेश् वर कहैत छथि। कारण, ओ सभ अहाँ केँ बहिष्कृत कहैत छल, “ई सिय्योन अछि, जकर खोज केओ नहि करैत अछि।”

भगवान् वादा करै छै कि जे लोग अस्वीकार करी क॑ बिसराय देलऽ गेलऽ छै, ओकरा स्वास्थ्य बहाल करी क॑ घाव ठीक करी देतै ।

1. परमेश् वरक मोक्ष: बहिष्कृत लोक केँ पुनर्स्थापित करब

2. चिकित्सकक स्पर्शक आराम: भगवान् मे आशा भेटब

1. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि

1064

मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2. लूका 4:18-19 - प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचारक प्रचार करी। ओ हमरा कैदी सभक लेल स्वतंत्रता आ आन्हर सभक लेल दृष्टि ठीक होयबाक घोषणा करबाक लेल, उत्पीड़ित केँ मुक्त करबाक लेल, प्रभुक अनुग्रहक वर्षक घोषणा करबाक लेल पठौने छथि |

यिर्मयाह 30:18 प्रभु ई कहैत छथि। देखू, हम याकूबक डेराक बंदी केँ फेर सँ आनि देब आ हुनकर निवास पर दया करब। नगर अपन ढेर पर बनत आ महल ओहिना रहत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ याकूबक डेरा सभ केँ पुनर्स्थापित करताह आ ओकर आवास पर दया करताह, आ ओ शहर केँ अपन खंडहर पर फेर सँ बनौताह आ महल ठाढ़ भ' जायत।

1. परमेश् वरक बहाली: परमेश् वरक दयाक संग अपन जीवनक पुनर्निर्माण

2. पुनर्निर्माणक शक्ति: हमरा सभक जीवन मे परमेश्वरक उपस्थिति

1. यशायाह 61:4 - ओ सभ प्राचीन खंडहर सभक निर्माण करत, ओ सभ पूर्वक विनाश केँ ठाढ़ करत; ओ सभ खंडहर नगर सभ, कतेको पीढ़ीक विनाशक मरम्मत करत।

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 30:19 हुनका सभ मे सँ धन्यवाद आ मस्ती करयवला सभक आवाज निकलत। हम हुनका सभक महिमा सेहो करब, आ ओ सभ छोट नहि होयत।

परमेश् वर अपन लोक केँ बढ़ौताह आ महिमा करताह, जे धन्यवाद देताह आ आनन्दित हेताह।

1. हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक प्रचुर आशीर्वाद

2. विपत्तिक बीच आनन्दक अनुभव करब

1. भजन 126:5-6 जे नोर बोनि रहल अछि, ओ आनन्द मे फसल काटि लेत। जे बीया बोनि लेल लऽ कऽ कानैत निकलत, ओ अपन गुच्छा ल' क' हर्षक चीत्कार करैत घर आबि जायत।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 30:20 हुनका सभक बच्चा सभ सेहो पहिने जकाँ रहत, आ हुनकर सभक मंडली हमरा सोझाँ स्थिर होयत, आ हम हुनका सभ केँ दंडित करब।

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ पुनर्स्थापित करताह आ जे ओकरा सभ केँ अत्याचार करैत अछि तकरा सभ केँ सजा देताह।

1. भगवान् सदिखन उत्पीड़ित लोकक लेल ठाढ़ रहताह।

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम कहियो नहि डगमगात।

1. भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन आरोप नहि लगाओत, आ ने अपन क्रोध केँ सदाक लेल पनाह देत; ओ हमरा सभ केँ ओहिना व्यवहार नहि करैत अछि जेना हमर सभक पापक हकदार अछि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत अछि।

2. व्यवस्था 10:17-19 - कारण, अहाँक परमेश् वर प्रभु देवता सभक परमेश् वर आ प्रभु सभक प्रभु छथि, महान परमेश् वर, पराक्रमी आ भयावह, जे कोनो पक्षपात नहि करैत छथि आ घूस नहि लैत छथि। ओ अनाथ आ विधवाक काजक रक्षा करैत अछि, आ अहाँ सभक बीच रहनिहार परदेशी सँ प्रेम करैत

अछि, ओकरा सभ केँ भोजन आ वस्त्र दैत अछि। अहाँ सभ परदेशी लोक सभ सँ प्रेम करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र मे परदेशी छलहुँ।

यिर्मयाह 30:21 ओकर सभक कुलीन लोक सभ अपना मे सँ होयत आ ओकर सभक राज्यपाल ओकरा सभक बीच सँ निकलत। हम ओकरा लग पहुँचा देबनि आ ओ हमरा लग आबि जेताह, किएक तँ ई के अछि जे अपन मोन केँ हमरा लग आबय लेल लगा देलक? प्रभु कहैत छथि।

भगवान् हमरा सभ केँ अपन नजदीक आबय लेल बजौने छथि।

1) भगवान् के समीप आना: आत्मीयता के हृदय की खेती |

2) भगवान् के सान्निध्य के लेल जगह बनाना: अपन दिल खोलय के आमंत्रण

1) याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ आ ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह।

2) भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक समीप छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

यिर्मयाह 30:22 अहाँ सभ हमर प्रजा बनब आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका संग संबंध मे रहबाक लेल, हुनकर लोक बनबाक लेल आमंत्रित करैत छथि आ ओ हमर सभक परमेश् वर हेताह।

1: परमेश् वरक लोक बनबाक आमंत्रण

2: भगवान् के सान्निध्य के आश्वासन

1: 1 यूहन्ना 3:1 - देखू, पिता हमरा सभ पर केहन प्रेमक प्रकोप कयलनि, जाहि सँ हमरा सभ केँ परमेश् वरक संतान कहल जाय! आ हम सभ सेहो वैह छी!

2: मत्ती 28:20 - आ निश्चित रूप सँ हम अहाँ सभक संग सदिखन छी, युगक अंत धरि।

यिर्मयाह 30:23 देखू, प्रभुक बवंडर क्रोध सँ निकलैत अछि, एकटा निरंतर बवंडर, ओ दुष्टक माथ पर पीड़ा सँ खसि पड़त।

परमेश् वर एकटा एहन बवंडर पठा रहल छथि जे दुष्ट सभ केँ कष्ट आनत।

1. दुष्टताक परिणाम: यिर्मयाह 30:23 सँ एकटा चेतावनी

2. परमेश् वरक क्रोध: यिर्मयाह 30:23 केँ बुझब

1. आमोस 1:3 - प्रभु ई कहैत छथि। दमिश्कक तीनटा अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ सभ लोहाक कुटनी सँ गिलिआद केँ कुटैत छथि।

2. इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

यिर्मयाह 30:24 जाबत धरि ओ ई काज नहि क’ लेत आ जा धरि ओ अपन हृदयक मंशा पूरा नहि क’ लेत, ता धरि परमेश् वरक भयंकर क्रोध घुरि कऽ नहि आओत।

प्रभुक क्रोध ता धरि शान्त नहि होयत जाबत धरि ओ जे इरादा केने छथि से नहि क' लेताह आ भविष्य मे, हम सभ ई बात बुझब।

1. प्रभुक योजना: ई जानि जे हुनकर क्रोध कम भ’ जायत

2. धैर्य आ समझदारी सँ प्रभुक मंशा कोना देखबा मे अबैत अछि

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह अनन्त काल धरि ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यिर्मयाह अध्याय ३१ मे इस्राएल के लेलऽ आशा, बहाली आरू नया वाचा के संदेश देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: परमेश् वर अपन लोक सभ केँ निर्वासन सँ वापस अनबाक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 31:1-6)। इस्राएल के अवशेष जंगल में अनुग्रह पाबै वाला छै आरू एक आनन्दित आरू समृद्ध राष्ट्र के रूप में पुनर्निर्माण होतै। गायन-नाच-गान ल' क' अपन धरती पर वापस आबि जेताह।

2 पैराग्राफ: परमेश्वर इस्राएल के प्रति अपन अनन्त प्रेम के बारे में बात करै छै (यिर्मयाह 31:7-9)। ओ वचन दैत छथि जे आन्हर, लंगड़ा, गर्भवती माय आ प्रसव मे पड़ल लोकनि सहित पृथ्वीक छोर सँ ओकरा सभ केँ एकत्रित कयल जायत। बहुत कानैत मुदा सांत्वना सेहो ल' क' वापस आबि जेताह।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर अपन लोक सभक संग नव वाचा करबाक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 31:10-14)। ओ हुनका सभक शोक केँ आनन्द मे बदलि देताह, हुनका सभ केँ सान्त्वना देताह आ प्रचुरता प्रदान करताह। हुनक भलाई मे आनन्दित होइत-होइत हुनका लोकनिक आत्मा तृप्त होयत।

4 म पैराग्राफ: राहेल के आवाज सुनल जाइत अछि जे ओ अपन बच्चा सभक लेल कानैत अछि (यिर्मयाह 31:15-17)। मुदा भगवान् ओकरा आश्वस्त करैत छथि जे ओकर वंशज लेल आशा अछि। ओ हुनका लोकनिक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करबाक आ बंदी सँ वापस अनबाक वादा करैत छथि |

5 म पैराग्राफ: पुनर्स्थापनक भविष्यक समयक वर्णन कयल गेल अछि (यिर्मयाह 31:18-22)।
एफ्राइम अपन पूर्व विद्रोहक विलाप करैत अछि मुदा पश्चाताप करैत अछि। परमेश् वर एफ्राइम केरऽ ईमानदारी स॑ पश्चाताप के प्रति अपनऽ करुणा आरू दया व्यक्त करी क॑ एकरऽ जवाब दै छै ।

6 म पैराग्राफ: परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएलक शहर सभक पुनर्निर्माण करताह (यिर्मयाह 31:23-26)। अपन भूमिक समृद्धिक साक्षी बनैत लोकक शोक हर्ष मे बदलि जायत। हुनका सामने पुरोहित आ लेवी सभ सदाक लेल स्थापित भ' जेताह।

7 म पैराग्राफ: परमेश् वर एकटा नव वाचा के घोषणा करैत छथि जतय ओ लोकक हृदय पर अपन नियम लिखैत छथि (यिर्मयाह 31:27-34)। ई वाचा ई सुनिश्चित करै छै कि सब हुनका व्यक्तिगत रूप स॑ जान॑ छै, जेकरा म॑ बिचौलिया के जरूरत नै छै । पाप क्षमा होयत, आ परमेश् वर आ हुनकर लोकक बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित होयत।

संक्षेप में, यिर्मयाह के एकतीस अध्याय में आशा, बहाली आरू इस्राएल के लेलऽ एगो नया वाचा के संदेश प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर अपन लोक सभ केँ निर्वासन सँ वापस अनबाक वादा करैत छथि, हुनका सभ केँ एकटा आनन्दित राष्ट्रक रूप मे पुनर्निर्माण करत। ओ अनन्त प्रेमक अभिव्यक्ति करैत छथि आ पृथ्वीक चारू कोन सँ ओकरा सभ केँ एकत्रित करैत छथि, कानबाक बीच सांत्वना दैत छथि | एकटा नव वाचा स्थापित होइत अछि, जे शोक केँ आनन्द मे बदलि दैत अछि। भगवान् प्रचुरता प्रदान करैत छथि आ हुनका लोकनिक आत्मा केँ भलाई सँ संतुष्ट करैत छथि | राहेल के वंशज के आशा देल गेल छै, जे कैद के बाद बहाली के वादा करै छै। एफ्राइम पश्चाताप करै छै, जेकरा जवाब में परमेश् वर के तरफ सें करुणा आरू दया मिलै छै। इस्राएल केरऽ शहरऽ के पुनर्निर्माण होय जाय छै, जेकरा सें शोक के बजाय आनन्द आबी जाय छै। पुरोहित आरू लेवी हुनका सामने हमेशा के लेलऽ स्थापित होय जाय छै, अंत में, एगो नया वाचा के घोषणा होय छै, जेकरा में परमेश् वर अपनऽ व्यवस्था दिलऽ पर लिखै छै । हुनकऽ व्यक्तिगत ज्ञान मध्यस्थ के जगह लै छै, पापऽ के क्षमा करै छै आरू खुद भगवान आरू हुनकऽ लोगऽ के बीच एगो अंतरंग संबंध स्थापित करै छै । कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय ईश्वरीय हस्तक्षेप के माध्यम स॑ इजरायल केरऽ भविष्य केरऽ बहाली आरू क्षमा आरू व्यक्तिगत संबंध स॑ चिह्नित एगो नया वाचा के तहत एगो अंतरंग संबंध के स्थापना लेली गहरी आशा प्रदान करै छै ।

यिर्मयाह 31:1 प्रभु कहैत छथि, हम इस्राएलक सभ कुलक परमेश् वर रहब आ ओ सभ हमर लोक होयत।

परमेश् वर इस्राएलक सभ परिवारक परमेश् वर छथि आ ओ सभ हुनकर लोक हेताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति बिना शर्त प्रेम

2. भगवान् के प्रति निष्ठा पुरस्कृत

1. रोमियो 8:31-39 (तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ’ सकैत अछि?)

2. भजन 136:1 (हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि, कारण हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि।)

यिर्मयाह 31:2 परमेश् वर ई कहैत छथि, “तलवार सँ बचल लोक सभ केँ जंगल मे कृपा भेटलनि। एतय तक कि इस्राएल सेहो, जखन हम ओकरा आराम देबऽ गेल छलहुँ।

प्रभु घोषणा करै छै कि जे लोग तलवार सें बचलै ओकरा जंगल में अनुग्रह मिललै, आरो जबेॅ वू इस्राएल कॅ आराम दै लेली गेलै।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक कृपा सदिखन उपलब्ध रहैत अछि।

2. भगवान अराजकताक बीच सेहो आराम आनि सकैत छथि।

1. रोमियो 5:15 - मुदा अपराध जकाँ नहि, तहिना मुफ्त वरदान सेहो अछि। जँ एक गोटेक अपराधक कारणेँ बहुतो लोक मरि गेल छथि तँ परमेश् वरक कृपा आ कृपाक वरदान जे एक आदमी यीशु मसीह द्वारा देल गेल अछि से बहुत बेसी बढ़ि गेल अछि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

यिर्मयाह 31:3 परमेश् वर हमरा पहिने प्रगट भेल छथि जे, “हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ।

परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन अनन्त प्रेमक संग कयलनि अछि।

1: भगवान् के अटूट आ बिना शर्त प्रेम

2: भगवान् के प्रेम के अनुभव

1: 1 यूहन्ना 4:16 - आ हम सभ परमेश् वरक प्रेम केँ जनैत छी आ विश्वास कएने छी। भगवान् प्रेम छथि; जे प्रेम मे रहैत अछि से परमेश् वर मे रहैत अछि आ परमेश् वर हुनका मे रहैत अछि।

2: रोमियो 8:37-39 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण, हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु, ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने शक्ति, ने वर्तमान वस्तु, आ ने आगामी वस्तु, ने ऊँचाई, ने गहराई, आ ने कोनो आन प्राणी हमरा सभ केँ प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि परमेश् वरक, जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

यिर्मयाह 31:4 हे इस्राएलक कुमारि, हम फेर अहाँक निर्माण करब, आ अहाँ बनब, अहाँ फेर सँ अपन तम्बू सँ सजल रहब आ मस्ती करयवला सभक नाच मे निकलब।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ फेर सँ बनौताह आ ओ सभ आनन्दित हेताह।

1. परमेश् वर हमर सभक मुक्तिदाता छथि, आ ओ हमरा सभक अन्हार समय मे सेहो हमरा सभक पुनर्निर्माण करबाक वादा केने छथि।

2. प्रभु मे आनन्दित रहू आ हुनकर सभ आशीर्वादक लेल धन्यवाद दियौक, कारण ओ हमरा सभ केँ तखन पुनर्स्थापित करताह जखन हमरा सभ केँ एकर कम सँ कम उम्मीद अछि।

1068

1. यशायाह 61:3 - "सिय्योन मे शोक करयवला केँ सान्त्वना देब, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य देब, शोकक बदला मे आनन्दक तेल, भारीपनक आत्माक स्तुतिक वस्त्र देब, जाहि सँ ओकरा सभ केँ धार्मिकताक गाछ कहल जाय प्रभु केरऽ रोपनी, ताकि हुनकऽ महिमा होय सक॑।”

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।"

यिर्मयाह 31:5 अहाँ एखन धरि सामरियाक पहाड़ पर बेल रोपब, रोपनिहार सभ रोपत आ ओकरा सभ केँ आम चीज जकाँ खा जायत।

सामरियाक लोक अपन श्रमक फल रोपब आ सेवन क' सकैत अछि।

1. परमेश् वरक निष्ठा टिकैत अछि आ ओ अपन लोकक भरण-पोषण करताह।

2. दृढ़ता आ मेहनत के माध्यम स हम सब अपन मेहनत के फल काटि सकैत छी।

1. यशायाह 58:11 - आ प्रभु तोरा नित्य मार्गदर्शन करताह, आ रौदी मे तोहर प्राण केँ तृप्त करताह, आ अहाँक हड्डी केँ मोट करताह, आ अहाँ पानि सँ भरल बगीचा जकाँ आ पानिक झरना जकाँ रहब, जकर पानि क्षीण नहि होइत अछि।

2. भजन 128:2 - कारण, अहाँ अपन हाथक श्रम खा लेब, अहाँ सुखी रहब आ अहाँक नीक होयत।

यिर्मयाह 31:6 एक दिन होयत जखन एप्रैम पहाड़ पर चौकीदार सभ चिचियाओत, “उठू आ हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक लग सियोन चलि जाउ।”

एप्रैम पर्वत पर चौकीदार सभ केँ आह्वान कयल गेल अछि जे ओ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक लग सियोन चढ़ि जाय।

1. परमेश् वरक वफादारीक आह्वान: सोझ रहबाक आह्वान

2. परमेश् वरक पालन करबाक आह्वान: परमेश् वरक राज्य मे शामिल हेबाक आमंत्रण

1. मीका 4:1-2 - "अंतिम दिन मे परमेश् वरक मण् डलीक पहाड़ सभ सँ ऊँच पहाड़क रूप मे स्थापित होयत आ पहाड़ सभ सँ ऊपर उठाओल जायत। आ लोक सभ सेहो होयत।" बहैत जाउ, आ बहुत रास जाति आबि कऽ कहत जे, आऊ, हम सभ परमेश् वरक पहाड़ पर, याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ि जाउ, जाहि सँ ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाबथि आ हुनकर बाट पर चलब।” .

2. भजन 122:6 - यरूशलेम के शांति के लेल प्रार्थना करू: जे अहाँ स प्रेम करैत छथि, ओ सब समृद्ध होथि!

यिर्मयाह 31:7 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। याकूबक लेल प्रसन्नतापूर्वक गाउ आ जाति- जातिक मुखिया सभक बीच चिचियाउ, अहाँ सभ प्रचार करू, स्तुति करू आ कहू जे, “हे परमेश् वर, अपन प्रजा, इस्राएलक शेष लोक केँ बचाउ।”

परमेश् वर याकूबक लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ आनन्दित होउ आ हुनकर स्तुति करू, किएक तँ ओ इस्राएलक शेष लोक केँ उद्धार करताह।

1. प्रभु मे आनन्दित रहू, कारण ओ धर्मी केँ उद्धार करैत छथि

2. प्रभु के अनन्त दया के लेल स्तुति करू

1. भजन 118:24 - ई ओ दिन अछि जे प्रभु बनौने छथि; हम सभ एहि मे आनन्दित आ आनन्दित होउ।

2. यशायाह 61:10 - हम प्रभु मे बहुत आनन्दित होयब; हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि। ओ हमरा धर्मक वस्त्र सँ झाँपि देने छथि जेना वर अपना केँ आभूषण सँ सजबैत छथि आ कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि।

यिर्मयाह 31:8 देखू, हम ओकरा सभ केँ उत्तर देश सँ आनि कऽ पृथ् वीक तट सँ ओकरा सभ केँ एकत्रित करब, आ ओकरा सभक संग आन्हर आ लंगड़ा, गर्भवती स् त्री आ गर्भवती स् त्री केँ एक संग राखब ओतय वापस आबि जाउ।

परमेश् वर उत्तर आ पृथ्वीक आन भाग सँ बहुत रास भीड़ केँ वापस अनताह, जाहि मे आन्हर, लंगड़ा आ गर्भवती महिला सेहो शामिल छथि।

1. परमेश् वरक प्रेम आ दया: यिर्मयाह 31:8 पर एक नजरि

2. परमेश् वरक निष्ठा: अपन लोक केँ घर अननाइ

1. यशायाह 35:5-6 - तखन आन्हर सभक आँखि खुजि जायत आ बहीर सभक कान खुजि जायत। तखन लंगड़ा हटका जकाँ कूदत आ गूंगाक जीह गाओत, कारण जंगल मे पानि निकलत आ मरुभूमि मे धार निकलत।

2. यशायाह 43:5-6 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानू। आ दक्षिण दिस, “पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनि दियौक।”

यिर्मयाह 31:9 ओ सभ कानैत आओत, आ हम विनती करैत ओकरा सभक नेतृत्व करब, हम ओकरा सभ केँ पानिक नदी सभक कात मे सोझ बाट पर घुमा देब, जाहि मे ओ सभ ठोकर नहि खाएत, किएक तँ हम इस्राएल आ एप्रैमक पिता छी हमर जेठ बच्चा अछि।

परमेश् वर अपन लोक इस्राएल केँ प्रेम आ कोमलता सँ अगुवाई करबाक वादा करैत छथि, हुनका सभ केँ मार्गदर्शन देत जाहि सँ ओ सभ ठोकर नहि खाय।

1. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रेम - यिर्मयाह 31:9

2. परमेश् वरक पिताक मार्गदर्शन - यिर्मयाह 31:9

1. भजन 139:7-10 - हम अहाँक आत्मा सँ कतय जा सकैत छी? आकि अहाँक सान्निध्यसँ कतए भागि सकब। जँ हम स्वर्ग मे चढ़ब तऽ अहाँ ओतहि छी! जँ हम अपन बिछाओन सीओल मे बनाबी तँ अहाँ ओतहि छी! जँ हम भोरक पाँखि लऽ कऽ समुद्रक अन्त मे रहब तँ ओतहि अहाँक हाथ हमरा लऽ जायत आ अहाँक दहिना हाथ हमरा पकड़ि लेत।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यिर्मयाह 31:10 हे जाति सभ, परमेश् वरक वचन सुनू, आ दूर-दूरक द्वीप सभ मे एकर प्रचार करू आ कहू जे, जे इस्राएल केँ छिड़ियाबैत अछि, ओकरा जमा करत आ ओकरा राखत, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ करैत अछि।”

परमेश् वर वचन देने छथि जे इस्राएलक लोक सभ केँ एकट्ठा करब आ ओकर रक्षा करब जेना कोनो चरबाह अपन झुंड पर नजरि रखैत अछि।

1. एकटा चरबाहक देखभाल: परमेश् वरक अपन लोकक रक्षा

2. परमेश् वरक वचनक आश्वासन: इस्राएलक प्रति एकटा प्रतिज्ञा

1. यशायाह 40:11: "ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसैत अछि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत अछि आ ओकरा सभ केँ अपन हृदयक नजदीक ल' जाइत अछि; ओ मेमना सभ केँ धीरे सँ लऽ जाइत अछि।"

2. भजन 23:1-2: "प्रभु हमर चरबाह छथि, हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि; ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि।"

यिर्मयाह 31:11 किएक तँ परमेश् वर याकूब केँ छुटकारा दऽ देलनि आ ओकरा सँ बेसी बलवानक हाथ सँ मुक्त कऽ देलनि।

परमेश् वर याकूब केँ एकटा शक्तिशाली शत्रु सँ छुड़ा कऽ बचा लेने छथि।

1. परमेश् वरक मोक्षक शक्ति

2. भगवान् के मुक्ति के ताकत

1. यशायाह 59:1 - "देखू, परमेश् वरक हाथ छोट नहि अछि जे ओ उद्धार नहि कऽ सकैत अछि, आ ने ओकर कान भारी अछि जे ओ नहि सुनि सकैत अछि।"

2. भजन 34:17 - "धर्मी पुकारैत छथि, आ परमेश् वर सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।"

यिर्मयाह 31:12 तेँ ओ सभ सियोनक ऊँचाई पर आबि कऽ गहूम, मदिरा, तेल आ भेँड़ा आ भेँड़ाक बच्चा सभक लेल, प्रभुक भलाईक लेल एक संग बहत। आ हुनका सभक प्राण पानि सँ भरल गाछी जकाँ होयत। आ ओ सभ आब एकदम दुखी नहि हेताह।

लोक सभ गहूम, शराब, तेल आ माल-जाल सँ प्रभुक भलाईक उत्सव मनाबय लेल हर्ष आ प्रचुरता मे सियोन आओत। आनन्दक जीवनक अनुभव हेताह आ आब दुख नहि करय पड़तनि।

1. आनन्दक जीवन: प्रभुक प्रचुरताक अनुभव करब

2. शोक आब नहि: प्रभुक भलाई मे आनन्दित रहब

1. भजन 126:2 - तखन हमरा सभक मुँह हँसी सँ भरल आ जीह गान सँ भरल।

2. यशायाह 65:18 - मुदा अहाँ सभ जे किछु बनबैत छी ताहि मे अहाँ सभ अनन्त काल धरि आनन्दित रहू आ आनन्दित रहू, किएक तँ हम यरूशलेम केँ आनन्दक रूप मे आ ओकर लोक केँ आनन्दक रूप मे बनबैत छी।

यिर्मयाह 31:13 तखन कुमारि युवक आ बूढ़ सभ एक संग नाच मे आनन्दित हेतीह, कारण हम हुनकर शोक केँ आनन्द मे बदलि देबनि आ हुनका सभ केँ सान्त्वना देबनि आ हुनका सभक दुःख सँ आनन्दित करबनि।

प्रभु दुख केँ आनन्द मे बदलि सब लोक केँ सान्त्वना देत।

1. प्रभु मे आनन्दित रहू: ओ दुख सँ आनन्द दैत छथि

2. भगवानक आराम: सबहक लेल आनन्दक स्रोत

1. रोमियो 15:13 - आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य सँ आशा सँ उमड़ि सकब।

2. यशायाह 51:11 - तेँ परमेश् वरक मुक्तिदाता सभ घुरि कऽ आबि जेताह आ गाबि कऽ सियोन आबि जेताह। अनन्त आनन्द हुनका सभक माथ पर रहतनि। ओकरा सभ केँ आनन्द आ आनन्द भेटतैक, आ शोक आ आह भागि जायत।

यिर्मयाह 31:14 हम पुरोहित सभक प्राण केँ मोटाई सँ तृप्त करब, आ हमर लोक हमर भलाई सँ तृप्त होयत, प्रभु कहैत छथि।

भगवान् अपन लोकक लेल भरपूर भलाई प्रदान क' रहल छथि।

1. प्रचुर आशीर्वाद: भगवानक उदारताक अन्वेषण

2. संतुष्ट: भगवान् के प्रावधान के पूर्णता में आनन्दित

1. भजन 145:15-16 - सभक नजरि अहाँ दिस तकैत अछि, आ अहाँ हुनका सभक भोजन उचित समय पर दैत छी।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

यिर्मयाह 31:15 प्रभु ई कहैत छथि। रामा मे एकटा आवाज सुनाई पड़ल, विलाप आ कटु कानब; अपन बच्चा सभक लेल कानैत राहेल अपन बच्चा सभक लेल सान्त्वना भेटबा सँ मना क' देलक, कारण ओ सभ नहि छल।

प्रभु कहलथिन जे रामा मे विलाप आ कटु कानबाक आवाज सुनबा मे आयल, आ राहेल अपन बच्चा सभक लेल कानि रहल अछि आ ओकरा सभ केँ नहि भेटलाक कारणेँ ओकरा सान्त्वना नहि भेटतैक।

1. माँ के प्रेम के शक्ति: राहेल के अपन बच्चा के प्रति बिना शर्त प्रेम

2. शोक पर एकटा चिंतन: हानि के कोना निपटल जाय आ आशा कोना भेटत

1. लूका 7:12-13 - जखन ओ लग पहुँचलाह तखन ओ शहर केँ देखि कऽ कानि उठलाह, “अहाँ जँ कम सँ कम आइ अपन दिन मे अहाँ केँ शान्तिक बात सभ जनैत रहितहुँ! मुदा आब ओ सभ अहाँक आँखि सँ नुकायल अछि।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

यिर्मयाह 31:16 प्रभु ई कहैत छथि। परमेश् वर कहैत छथि जे अहाँक आवाज कानब आ आँखि केँ नोर सँ परहेज करू, किएक तँ अहाँक काजक फल भेटत। ओ सभ शत्रुक देश सँ फेर आबि जेताह।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ कहैत छथि जे कानब आ कानब छोड़ि दियौक, कारण हुनका सभक काजक फल भेटतनि आ ओ सभ शत्रु सभक देश सँ वापस आबि जेताह।

1. भगवान् हुनका पर भरोसा करनिहार केँ पुरस्कृत करताह।

2. परमेश् वर पर विश्वासक शक्ति हमरा सभ केँ अन्हार समय सँ गुजरि सकैत अछि।

1. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. यशायाह 41:10 "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ; किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब; हँ, हम अहाँक दहिना हाथसँ सहारा लेब।" हमर धर्म।"

यिर्मयाह 31:17 प्रभु कहैत छथि जे अहाँक अंत मे आशा अछि जे अहाँक बच्चा सभ अपन सीमा पर वापस आबि जायत।

कठिन समय के बादो अपन संतान के लेल भविष्य में आशा।

1: आशाक संग भविष्य दिस देखू - यिर्मयाह 31:17

2: कठिन समय मे विश्वास राखब - यिर्मयाह 31:17

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: रोमियो 8:18 - हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।

यिर्मयाह 31:18 हम एप्रैम केँ एहि तरहेँ विलाप करैत सुनने छी। अहाँ हमरा दंडित केलहुँ आ हमरा दंडित कयल गेल, जेना बैल केँ जुआक अभ्यस्त भ’ गेल हो। किएक तँ अहाँ हमर परमेश् वर परमेश् वर छी।”

एफ्राइम परमेश् वरक दंड केँ स्वीकार करैत अछि आ पश्चाताप करबाक भीख माँगैत अछि।

1. पश्चाताप के शक्ति - जखन हम खसब तखन भगवान के तरफ मुड़ब

2. परमेश् वरक दंडक आशीर्वाद - हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक अनुशासन केँ पहिचान करब

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. इब्रानी 12:5-6 - अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बच्चा सभक संग कहैत अछि, “हे बेटा, अहाँ प्रभुक दंड केँ तिरस्कार नहि करू, आ जखन अहाँ हुनका डाँटल जायब तखन बेहोश नहि होउ जे पुत्र केँ ओ ग्रहण करैत अछि तकरा ताड़ैत अछि आ कोड़ा मारैत अछि।

यिर्मयाह 31:19 हम फेर घुमलाक बाद पश्चाताप केलहुँ। आ तकर बाद हमरा निर्देश भेटलाक बाद हम अपन जाँघ पर प्रहार केलहुँ, हम लाज भेलहुँ, हँ, एतेक तक कि लज्जित भऽ गेलहुँ, कारण हम अपन युवावस्थाक निन्दा सहलहुँ।

विनम्र, पश्चाताप आ निर्देशित भेलाक बाद यिर्मयाह अपन युवावस्थाक निन्दाक कारणेँ लाज आ भ्रमित भेलाह।

1. पश्चाताप के शक्ति: भगवान हमरा सब के कोना क्षमा करैत छथि आ पुनर्स्थापित करैत छथि

2. लाज आ शर्मिंदगी पर काबू पाबब: गलती केलाक बाद कोना आगू बढ़ल जाय

1. लूका 15:11-32 (उड़ल पुत्रक दृष्टान्त)

2. 2 कोरिन्थी 7:9-10 (ईश्वरक दुःख पश्चाताप दिस लऽ जाइत अछि)

यिर्मयाह 31:20 की एफ्राइम हमर प्रिय बेटा अछि? की ओ सुखद बच्चा अछि? कारण, जहिया सँ हम हुनका विरुद्ध बजलहुँ तहिया सँ हम हुनका मोन पाड़ि रहल छी। हम हुनका पर दया करब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर एफ्राइम केँ स्नेह सँ मोन पाड़ैत छथि आ हुनका पर दया करताह, बावजूद एहि बातक जे ओ हुनका विरुद्ध बजने छथि।

1. परमेश् वरक प्रेम टिकैत अछि: एफ्राइम केँ मोन पाड़ब

2. परमेश् वरक दया: एफ्राइमक एकटा कथा

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक बहुत प्रेमक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा कहियो खत्म नहि होइत छनि। सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 31:21 रास्ताक निशान लगाउ, ऊँच-ऊँच ढेर बनाउ, अपन मोन केँ ओहि बाट दिस राखू, जाहि बाट पर अहाँ गेलहुँ।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ अपनऽ मातृभूमि म॑ वापस आबै के आज्ञा दै छै आरू रास्ता म॑ ओकरा मार्गदर्शन करै लेली रास्ता के निशान लगाबै छै ।

1. परमेश् वरक मार्गदर्शन: वापसीक मार्ग पर चलब

2. परमेश् वरक अनन्त प्रेम: पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक लेल एकटा आह्वान

1. यशायाह 40:3 - "मरुभूमि मे जे चिचियाइत अछि, ओकर आवाज, प्रभुक बाट तैयार करू, मरुभूमि मे हमरा सभक परमेश् वरक लेल एकटा राजमार्ग सोझ करू।"

2. यशायाह 35:8 - "ओतय एकटा राजमार्ग आ बाट रहत, आ ओकरा पवित्रताक बाट कहल जायत; अशुद्ध ओकरा पार नहि करत; बल् कि ओहि सभक लेल होयत, ओहि मे गलती नहि करत।"

यिर्मयाह 31:22 हे पाछू हटि रहल बेटी, अहाँ कतेक दिन धरि घुमब? किएक तँ परमेश् वर पृथ् वी मे एकटा नव वस् तु बनौलनि अछि, “एकटा स् त्री पुरुषक चक्कर लगाओत।”

भगवान् धरती मे एकटा नव वस्तु बनौलनि अछि जतय स्त्री पुरुष केँ घेर लेतीह |

1. पुरुष आ महिलाक लेल परमेश्वरक योजना: यिर्मयाह 31:22 पर एकटा चिंतन

2. यिर्मयाह 31:22 के माध्यम स स्त्रीत्व के मूल्य के पुनः खोज

1. उत्पत्ति 1:27 - तेँ परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर आ स्त्री बनौलनि ओ हुनका सभ केँ।

2. नीतिवचन 31:10-12 - सद्गुणी स्त्री के पाबि सकैत अछि? किएक तँ ओकर दाम माणिकसँ बहुत बेसी अछि। पतिक हृदय ओकरा पर सुरक्षित भरोसा करैत छैक, जाहि सँ ओकरा लूट केर कोनो आवश्यकता नहि पड़य। ओ जीवन भरि ओकरा नीक काज करतीह आ अधलाह नहि।

यिर्मयाह 31:23 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। एखन धरि ओ सभ यहूदा देश आ ओकर नगर सभ मे एहि बातक प्रयोग करताह, जखन हम हुनका सभक बंदी केँ फेर सँ आनब। हे न्यायक निवास आ पवित्रताक पहाड़, परमेश् वर तोरा आशीर्वाद देथिन।

इस्राएल के परमेश् वर प्रभु, यहूदा के लोग सिनी के बारे में बात करै छै, जे शहरोॅ में रहै छै, आरो ओकरा सिनी कॅ पुनर्स्थापित करी देतै। न्याय के आवास आ पवित्रता के पहाड़ के आशीर्वाद दै छैथ।

1. यहूदाक लोकक प्रभुक आशीर्वाद आ पुनर्स्थापन

2. अपन लोकक जीवन मे परमेश् वरक न्याय आ पवित्रता

1. यशायाह 1:27 - "सियॉन न्याय सँ मुक्त होयत, आ ओकर धर्म परिवर्तन केँ धार्मिकता सँ मुक्त कयल जायत।"

2. जकरयाह 8:3 - "परमेश् वर ई कहैत छथि जे हम सियोन घुरि गेल छी आ यरूशलेमक बीच मे रहब। आ यरूशलेम सत्यक नगर कहल जायत, आ सेना सभक परमेश् वरक पहाड़ पवित्र पहाड़ कहल जायत।" " .

यिर्मयाह 31:24 यहूदा मे आ ओकर सभ शहर मे किसान आ भेँड़ाक संग निकलय बला लोक सभ एक संग रहताह।

यिर्मयाह के किताब के ई श्लोक किसान आरू झुंड के मालिक या झुंड के देखभाल करै वाला के बारे में बात करै छै, जे यहूदा के सब शहर में एक साथ रहै छै।

1. अपन काज मे मार्गदर्शन आ प्रावधान लेल भगवान पर भरोसा करबाक महत्व।

2. परमेश् वरक लोकक एकता आ एक संग रहबाक आ काज करबाक फल।

1. मत्ती 6:25-34 - यीशु परमेश् वर पर भरोसा करबाक आ चिंता नहि करबाक शिक्षा दैत छथि।

2. भजन 133:1 - परमेश् वरक लोकक एकताक स्तुति।

यिर्मयाह 31:25 हम थकल आत्मा केँ तृप्त क’ देलहुँ आ सभ दुखी आत्मा केँ भरि देलहुँ।

थकल आ दुखी लोक के भगवान विश्राम आ राहत प्रदान करैत छथि |

1: थकल लोकक लेल भगवानक विश्राम

2: दुःख केँ आनन्द सँ भरब

1: मत्ती 11:28-30 - यीशु कहलनि, "हे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब।"

2: भजन 23:3 - ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि। ओ हमरा अपन नामक लेल धर्मक बाट पर ल' जाइत छथि ।

यिर्मयाह 31:26 एहि पर हम जागि गेलहुँ आ देखलहुँ। हमर नींद हमरा लेल मधुर छल।

यिर्मयाह के मधुर नींद आबि गेलैन आ जागला के बाद ताजा भ गेलैन।

- जीवनक उथल-पुथलक बीच हमर सभक आस्था हमरा सभकेँ आराम आ शांति दैत अछि ।

- भगवान् के प्रेम हमरा सब के ताजा करै छै आरू नींद में आनन्द दै छै।

- भजन 4:8 - हम शान्ति सँ लेटब आ सुतिब; कारण, हे परमेश् वर, अहाँ असगरे हमरा सुरक्षित रहू।

- यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 31:27 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जखन हम इस्राएल आ यहूदाक घराना मे मनुष् यक बीज आ पशुक बीज बोइब।

परमेश् वर इस्राएलक वंश आ यहूदाक वंशज केँ मनुष् य आ पशुक बीया बोनि देताह।

1. नवीकरणक प्रभुक प्रतिज्ञा

2. भविष्यक लेल भगवानक प्रावधान

1. यशायाह 11:6-9

2. होशे 2:21-23

यिर्मयाह 31:28 एहन होयत जे हम जेना ओकरा सभ पर नजरि रखलहुँ, तहिना ओकरा सभ केँ तोड़ब, तोड़ब, उखाड़ब, उखाड़ब, नष्ट करब आ दुःख देब। तेना हम ओकरा सभक रक्षा करब, निर्माण करब आ रोपब, परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु अपन लोक पर नजरि रखबाक आ विनाश सँ निर्माण आ रोपनी दिस बढ़बाक वादा करैत छथि।

1. एकटा नव सृष्टि: प्रभुक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. विनाश सँ निर्माण दिस बढ़ब: प्रभुक प्रतिज्ञा मे आशा पाबि

1. यशायाह 43:19 - "देखू, हम एकटा नव काज करब; आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे बाट तक बना देब आ मरुभूमि मे नदी।"

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यिर्मयाह 31:29 ओहि दिन मे ओ सभ आब नहि कहत जे, “बाप सभ खट्टा अंगूर खा गेल छथि, आ बच्चा सभक दाँत किनार भ’ गेल अछि।”

भविष्य मे ई आम कहावत जे माता-पिता के खराब पसंद के असर ओकर बच्चा पर पड़त, आब ओकर उपयोग नहि होयत।

1. "भगवानक मोक्ष आ क्षमाक प्रतिज्ञा"।

2. "हमर पसंदक परिणाम"।

1. रोमियो 8:1-11 - "एहि लेल आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक कोनो दोष नहि अछि।"

2. इजकिएल 18:20 - "पाप करय बला आत्मा मरत। पुत्र पिताक अधर्मक लेल कष्ट नहि उठाओत, आ ने पिता केँ पुत्रक अधर्मक लेल कष्ट होयत। धर्मी लोकक धार्मिकता अपना पर रहत, आ... दुष्टक दुष्टता अपना पर होयत।"

यिर्मयाह 31:30 मुदा प्रत्येक केओ अपन अपराधक कारणेँ मरत, जे कियो खट्टा अंगूर खाइत अछि, ओकर दाँत किनार भ’ जायत।

प्रत्येक व्यक्ति के अपन पापपूर्ण कर्म के परिणाम भोगय पड़त।

1: हम सभ जे बोबैत छी से काटि लैत छी - गलाती 6:7-10

2: पाप मे जीबाक लेल एकटा अनन्त लागत - रोमियो 6:23

1: नीतिवचन 1:31 - ओ सभ अपन-अपन तरीकाक फल खायत, आ अपन-अपन योजना सँ भरल रहत।

2: उपदेशक 8:11 - किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष्यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण ठाढ़ अछि।

यिर्मयाह 31:31 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, जखन हम इस्राएल आ यहूदाक घरानाक संग नव वाचा करब।

प्रभु इस्राएल के घराना आरू यहूदा के घराना दोनों के साथ नया वाचा करै के प्रतिज्ञा करै छै।

1: भगवानक अंतहीन कृपा आ दया कहियो खतम नहि होयत।

2: हमरा सभ केँ प्रभु आ हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1: रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2: इब्रानी 13:5 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

यिर्मयाह 31:32 ओहि वाचा जकाँ नहि जे हम हुनका सभक पूर्वज सभक संग ओहि दिन मे केने रही, जाहि दिन हम हुनका सभक हाथ पकड़ि क’ हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर निकालि लेने रही। हम हुनका सभक पति रहितो ओ सभ हमर वाचा केँ तोड़ि देलनि।

इस्राएली सिनी के साथ परमेश् वर के वाचा टूटी गेलै, बावजूद एकरा कि हुनी हुनका सिनी लेली एगो प्रेमी पति छेलै।

1. वाचा के ताकत: परमेश् वर के साथ हमरऽ संबंध में निष्ठा के महत्व।

2. पति के प्रेम: वाचा के माध्यम स परमेश्वर के प्रेम के अनुभव करब।

1. इफिसियों 2:11-13 - यीशु मसीह के द्वारा उद्धार के परमेश्वर के वाचा।

2. मलाकी 2:14-16 - परमेश् वरक विवाह आ विश्वासक वाचा।

यिर्मयाह 31:33 मुदा ई ओ वाचा होयत जे हम इस्राएलक घरानाक संग करब। परमेश् वर कहैत छथि जे, “ओहि दिनक बाद हम अपन व्यवस्था केँ हुनका सभक भीतर राखि देबनि आ हुनका सभक हृदय मे लिखि देबनि। ओ सभ हुनका सभक परमेश् वर बनत आ ओ सभ हमर प्रजा होयत।

प्रभु इस्राएल के घराना के साथ एक वाचा करतै, जेकरा में हुनका सिनी के दिल पर आपनो व्यवस्था लिखना आरू ओकरा सिनी कॅ आपनो लोग बनाबै के बात भी शामिल होतै।

1. प्रभु के करुणा के वाचा: यिर्मयाह 31:33 के अर्थ के समझना

2. परमेश् वरक हृदय-लेखन वाचा: परमेश् वरक संग संबंध मे कोना रहब

२. बाबू! 16 आत् मा हमरा सभक आत् माक संग गवाही दैत अछि जे हम सभ परमेश् वरक सन् तान छी।

2. इब्रानी 8:10-11 - कारण, हम ओहि दिनक बाद इस्राएलक घरानाक संग जे वाचा करब, से प्रभु कहैत छथि: हम अपन नियम हुनका सभक मोन मे राखब आ हुनका सभक हृदय मे लिखब, आ हम लिखब हुनका सभक परमेश् वर बनू, आ ओ सभ हमर प्रजा बनत।”

यिर्मयाह 31:34 ओ सभ आब अपन पड़ोसी आ अपन भाइ केँ ई नहि सिखाओत जे, ‘प्रभु केँ चिन्हू, किएक तँ ओ सभ हमरा छोट-छोट सँ पैघ लोक धरि, परमेश् वर कहैत छथि हम हुनका सभक पाप क्षमा करब, आ हुनका सभक पाप आब नहि मोन पाड़ब।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे छोट सँ ल' क' पैघ लोकक अपराध क्षमा करब आ आब ओकर पाप केँ मोन नहि राखब।

1. भगवानक अटूट प्रेम आ दया

2. परमेश् वर पर विश्वासक द्वारा पाप आ अपराधबोध पर विजय प्राप्त करब

1. यशायाह 43:25 - हम, हमहीं छी जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।

२.

यिर्मयाह 31:35 ई कहैत छथि जे परमेश् वर ई कहैत छथि जे दिन मे सूर्य केँ इजोत दैत छथि आ राति मे चान आ तारा सभक नियम केँ इजोत मे दैत छथि, जे समुद्र केँ बाँटि दैत छथि जखन ओकर लहरि गर्जैत अछि। सेना सभक परमेश् वर हुनकर नाम छन्हि।

भगवान् ओ प्रभु छथि जे दिन मे इजोत देबाक लेल सूर्य केँ, आ राति मे इजोत देबाक लेल चन्द्रमा आ तारा केँ बनौलनि | सेनापति आ गर्जैत समुद्र पर नियंत्रण रखनिहार सेहो छथि ।

1. सृष्टि पर भगवानक शक्ति आ नियंत्रण

2. परमेश् वरक निष्ठा आ भलाई

1. भजन 33:6-9 - प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल। आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ। समुद्रक पानि केँ ढेर जकाँ जमा करैत अछि, गहींर केँ भंडार मे राखि दैत अछि। समस्त पृथ् वी परमेश् वर सँ भयभीत रहय, संसारक सभ निवासी हुनका पर भयभीत भऽ कऽ ठाढ़ रहय। किएक तँ ओ बजैत छलाह आ से पूरा भऽ गेलनि। ओ आज्ञा देलथिन, आ ओ ठाढ़ भ’ गेल।

2. प्रकाशितवाक्य 4:11 - हे प्रभु, अहाँ महिमा आ सम्मान आ सामर्थ्य प्राप्त करबाक योग्य छी, किएक तँ अहाँ सभ किछुक सृजन केलहुँ आ अहाँक प्रसन्नताक लेल ओ सभ अछि आ बनाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 31:36 जँ ओ सभ नियम हमरा सोझाँ सँ हटि जायत, प्रभु कहैत छथि, तखन इस्राएलक वंशज सेहो हमरा सोझाँ सदाक लेल राष्ट्र बनब छोड़ि देत।

परमेश् वर इस्राएल के एक राष्ट्र के रूप में अस्तित्व नै नै छोड़ै देतै।

1. इस्राएल के साथ परमेश्वर के प्रतिज्ञा: यिर्मयाह 31:36 पर एक नजर

2. प्रभु के अटूट निष्ठा: यिर्मयाह 31:36 के अध्ययन

1. उत्पत्ति 17:7 - हम अपन वाचा हमरा आ अहाँक आ अहाँक बादक वंशज सभक बीच अपन वाचा केँ एकटा अनन्त वाचा लेल स्थापित करब, जे हम अहाँक आ अहाँक बादक वंशज सभक लेल परमेश् वर बनब।

2. यशायाह 43:5-7 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानू। आ दक्षिण दिस, “पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू। जे केओ हमर नाम सँ बजाओल जाइत अछि, तकरा हम ओकरा अपन महिमा लेल बनौने छी, ओकरा बनौने छी। हँ, हम ओकरा बनौने छी।

यिर्मयाह 31:37 प्रभु ई कहैत छथि। जँ ऊपर सँ स् वर्ग नापल जा सकैत अछि आ पृथ् वीक नींव सभ केँ नीचाँ मे जाँच कयल जा सकैत अछि तँ हम इस्राएलक सभ वंशज केँ सेहो फेकि देब जे ओ सभ कयल गेल अछि।”

प्रभु कहैत छथि जे जँ आकाश नापल जा सकैत अछि आ पृथ्वीक नींव केँ खोजल जा सकैत अछि तँ ओ इस्राएलक वंश केँ ओकर पापक कारणेँ फेकि देत।

1. प्रभु के प्रतिज्ञा के पालन में अडिगता

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 40:22 - "ई ओ अछि जे पृथ्वीक घेरा सँ ऊपर बैसल अछि, आ ओकर निवासी टिड्डी जकाँ अछि, जे आकाश केँ पर्दा जकाँ पसारि दैत अछि, आ ओकरा निवास करबाक लेल डेरा जकाँ पसारि दैत अछि।"

2. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की कहने छथि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक, दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

यिर्मयाह 31:38 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जे शहर हनानीक बुर्ज सँ कोनाक फाटक धरि परमेश् वरक लेल बनत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे हनानीक बुर्ज सँ ल' क' कोनाक फाटक धरि एकटा नगर बनाओल जायत आ हुनका समर्पित कयल जायत।

1. समर्पणक शक्ति: हम सभ कोना प्रभुक लेल शहर बना सकैत छी

2. प्रभुक इच्छाक आज्ञापालनक महत्व

1. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत तक घर बनबय बला ओ सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि।

2. मत्ती 16:18 - आ हम अहाँ सभ केँ ईहो कहैत छी जे अहाँ पत्रुस छी, आ एहि चट्टान पर हम अपन मण् डली बना देब, आ पाताल केर फाटक ओकरा पर हावी नहि होयत।

यिर्मयाह 31:39 नापबाक रेखा एखन धरि गरेब पहाड़ पर ओकर समक्ष आगू बढ़ि क’ गोत धरि चक्कर लगाओत।

परमेश् वर यरूशलेम नगर केँ नापबाक रेखा सँ गरबक पहाड़ी आ आसपासक गोआथक इलाका मे नापताह।

1078

1. यरूशलेम के परमेश् वर के नाप - यिर्मयाह 31:39

2. हमर विश्वासक माप - मत्ती 7:2

1. मत्ती 7:2 - "किएक तँ अहाँ सभ जाहि न्याय सँ न्याय करब, ताहि सँ अहाँ सभक न्याय कयल जायत। आ जाहि नाप सँ अहाँ सभ नापब, से अहाँ सभक लेल फेर सँ नापल जायत।"

2. इजकिएल 40:3, 4 - "ओ हमरा ओत' अनलनि, आ देखू, एकटा एहन आदमी छल, जकर रूप पीतल जकाँ छल, हाथ मे सनक रेखा आ नापबाक खढ़। आ ओ।" फाटक मे ठाढ़ भ’ गेल।ओ आदमी हमरा कहलक, “मनुख-पुत्र, देखू, अपन आँखि सँ देखू, आ कान सँ सुनू, आ जे किछु हम अहाँ केँ देखा देब, ताहि पर अपन मोन राखू, एहि लेल जे हम अहाँ केँ ई सभ देखा सकब।” की तोरा एतय आनल गेल अछि, जे किछु देखैत छी से इस्राएलक घराना केँ बताउ।”

यिर्मयाह 31:40 मृत् यु, भस्मक, आ किद्रोनक धार धरि, घोड़ाक फाटकक कोन धरि, पूब दिसक समस्त खेत, परमेश् वरक लेल पवित्र होयत। ओकरा उखाड़ल नहि जायत, आ ने ओकरा सदाक लेल नीचाँ फेकल जायत।

किद्रोन के घाटी, जहाँ मृत शरीर आरू भस्म छै, प्रभु के समर्पित होना छै आरू कभियो नष्ट नै होतै।

1. समर्पण के महत्व: अपन जीवन प्रभु के समर्पित करब

2. प्रभु के प्रतिज्ञा के स्थायी प्रकृति

1. व्यवस्था 6:5 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

यिर्मयाह अध्याय ३२ भविष्यवक्ता के जीवन के एगो महत्वपूर्ण घटना के इर्द-गिर्द घूमै छै, जहाँ वू इस्राएल के लेलऽ आशा आरू भविष्य के बहाली के निशानी के रूप में एगो खेत खरीदै छै।

1 पैराग्राफ: बेबिलोन के सेना यरूशलेम के घेराबंदी केने छै, आरू यिर्मयाह पहरेदार के आँगन में बंद छै (यिर्मयाह 32:1-5)। परमेश् वर यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे हुनकर पितियौत भाय हनामेल हुनका लग आबि जेताह, जे हुनका मोक्षक नियमक अनुसार अनाथोत मे हुनकर खेत बेचबाक प्रस्ताव देतनि।

2 पैराग्राफ: हनामेल यिर्मयाह लग भविष्यवाणी के अनुसार अबैत छथि, हुनका खेत बेचबाक प्रस्ताव दैत छथि (यिर्मयाह 32:6-15)। जेल मे रहला के बादो यिर्मयाह परमेश् वरक आज्ञा मानैत छथि आ सत्रह शेकेल चानी मे खेत कीनि लैत छथि। ओ गवाहक समक्ष डीड पर हस्ताक्षर आ मुहर लगा दैत छथि ।

3 पैराग्राफ: ओकर बाद यिर्मयाह परमेश्वर स प्रार्थना करैत छथि, हुनकर शक्ति आ निष्ठा के स्वीकार करैत छथि (यिर्मयाह 32:16-25)। ओ बतबैत छथि जे कोना परमेश् वर अपन पराक्रमी हाथ सँ आकाश-पृथ्वी केँ बनौलनि। ओ सवाल उठबैत छथि जे परमेश् वर यरूशलेम केँ बेबिलोन द्वारा नष्ट करबाक अनुमति दैत पुनर्स्थापनक वादा किएक कयलनि अछि।

4 वां पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह के प्रार्थना के जवाब दै छै (यिर्मयाह 32:26-35)। ओ इस्राएल के भाग्य पर अपनऽ संप्रभुता के पुष्टि करै छै आरू बताबै छै कि ओकरऽ निर्वासन ओकरऽ लगातार आज्ञा नै मानला के कारण छै । लेकिन, वर्तमान परिस्थिति के बावजूद हुनका सब के लेलऽ अंततः बहाली के वादा करै छै ।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह के खेत खरीद के जवाब में, परमेश्वर अपन पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा के दोबारा पुष्टि करैत छथि (यिर्मयाह 32:36-44)। ओ घोषणा करैत छथि जे इस्राएल

1079

मे फेर खेत कीनल जायत। लोक निर्वासन सँ घुरि कऽ घर आ अंगूरक बगीचा फेर सँ बनाओत, हुनकर तन-मन-धन सँ आराधना करत आ स्थायी शान्तिक आनंद लेत।

संक्षेप में, यिर्मयाह के बत्तीस अध्याय में यिर्मयाह के कहानी बतैलऽ गेलऽ छै कि बेबिलोन के घेराबंदी के समय में इस्राएल के लेलऽ आशा आरू भविष्य के बहाली के निशानी के रूप में यिर्मयाह के खेत खरीदलऽ गेलऽ छै । जेल मे रहला के बादो यिर्मयाह परमेश् वरक आज्ञा मानैत अछि आ अपन पितियौत भाइ हनामेलक खेत कीनि लैत अछि। ओ निर्देशक अनुसार कर्म पर हस्ताक्षर आ मुहर लगा दैत छथि, जे परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर विश्वासक प्रदर्शन करैत छथि | प्रार्थना के माध्यम स॑ यिर्मयाह परमेश्वर के शक्ति क॑ स्वीकार करै छै आरू विनाश के बीच ओकरऽ योजना प॑ सवाल उठाबै छै । परमेश् वर अपनऽ संप्रभुता के पुष्टि करी क॑ जवाब दै छै, जेकरा म॑ इस्राएल के निर्वासन के कारण ओकरऽ आज्ञा नै मानलऽ जाय छै । तथापि, ओ हुनका सभक लेल अंततः बहालीक वादा करैत छथि । यिर्मयाह केरऽ काम के जवाब में परमेश् वर अपनऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा क॑ दोहरै छै । इजरायल मे फेर खेत खरीदल जाएत। जनता निर्वासन सँ वापस आबि घर आ अंगूरक बगीचा फेर सँ बनाओत, हुनकर तन-मन-धन सँ आराधना करत आ स्थायी शान्तिक अनुभव करत। कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑ अध्याय म॑ चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के बीच ईश्वरीय प्रतिज्ञा म॑ विश्वास के चित्रण करै वाला एगो प्रतीकात्मक कार्य के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै । ई अवज्ञा के लेलऽ न्याय आरू ईश्वरीय प्रयोजन के तहत भविष्य के पुनर्स्थापन के आशा दूनू पर जोर दै छै ।

यिर्मयाह 32:1 यहूदाक राजा सिदकिय्याहक दसम वर्ष मे जे वचन नबूकदनेस्सरक अठारहम वर्ष छल, प्रभुक दिस सँ यिर्मयाह केँ जे वचन आयल छल।

सिदकिय्याहक शासनक दसम वर्ष मे यिर्मयाह केँ परमेश् वरक वचन आयल, जे नबूकदनेस्सरक शासनक अठारहम वर्ष सेहो छल।

1. भगवानक समय एकदम सही अछि - भगवानक समय हमरा सभक जीवन पर कोना प्रभाव डालि सकैत अछि

2. अनिश्चितताक बीच विश्वास - कठिन समयक बीच ताकत कोना पाबि सकैत छी?

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. गलाती 6:9 नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, कारण जँ हम सभ हार नहि मानब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

यिर्मयाह 32:2 किएक तँ बेबिलोनक राजाक सेना यरूशलेमक घेराबंदी केलक आ यिर्मयाह भविष्यवक्ता जेलक आँगन मे बंद भ’ गेल छल जे यहूदाक राजाक घर मे छल।

यिर्मयाह यरूशलेम के घेराबंदी के दौरान जेल के आँगन में बंद करी देलकै।

1. खतरनाक परिस्थितिक सामना करैत यिर्मयाहक वफादारी।

2. दुखक बीच भगवानक सार्वभौमिकता।

1. मत्ती 5:10-12 - धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक लेल सताओल जाइत अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 32:3 किएक तँ यहूदाक राजा सिदकिय्याह हुनका बंद कऽ देने छलाह जे, “अहाँ किएक भविष्यवाणी कऽ रहल छी आ कहैत छी जे, ‘परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम एहि नगर केँ बाबुलक राजाक हाथ मे दऽ देब आ ओ एकरा पकड़ि लेताह।” ;

सिदकिय्याह यिर्मयाह केँ चुप करा देने छथि, एहि प्रयास मे जे ओ परमेश् वरक न्यायक भविष्यवाणी नहि करथि जे यरूशलेम शहर बेबिलोनक राजाक हाथ मे देल जायत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणामक सामना करब - यिर्मयाह 32:3

2. परमेश् वरक न्याय जे हुनकर वचन केँ अस्वीकार करैत छथि - यिर्मयाह 32:3

1. यिर्मयाह 29:11-13

2. 2 इतिहास 36:15-21

यिर्मयाह 32:4 यहूदाक राजा सिदकिय्याह कसदी सभक हाथ सँ नहि बचि जेताह, बल् कि बेबिलोनक राजाक हाथ मे अवश्य सौंपल जेताह आ हुनका सँ मुँह-मुँह गप्प करताह आ हुनकर आँखि हुनकर आँखि देखताह;

यहूदा के राजा सिदकिय्याह बेबिलोन के बंदी में ले जायलौ जैतै आरू बेबिलोन के राजा के साथ आमने-सामने बात करतै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: परिस्थितिक बादो पूरा भेल

2. भगवानक संप्रभुता: हमरा सभक नियंत्रण सँ बाहरक घटना हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलि सकैत अछि

1. यशायाह 46:10-11 - हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब...हम बजलहुँ, आ ओकरा पूरा करब; हम उद्देश्य रखने छी, आ हम पूरा करब।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 32:5 ओ सिदकियाह केँ बेबिलोन ल’ जेताह, आ जाबत धरि हम हुनकर भेंट नहि करब ता धरि ओतहि रहताह, प्रभु कहैत छथि।

प्रभु सिदकियाह केँ बेबिलोन लऽ जेताह आ जाबत धरि परमेश् वर हुनका सँ भेंट नहि करताह ता धरि ओतहि रहताह। लोक कतबो कल्दीक संग लड़य, सफल नहि होयत।

1. सब राष्ट्र पर प्रभु के प्रभुत्व

2. भगवानक योजनाक विरुद्ध लड़बाक व्यर्थता

1. भजन 33:10-11 - "प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ निष्कृत करैत छथि; ओ जाति सभक योजना केँ विफल करैत छथि। प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

2. यशायाह 46:10 - "शुरुआत सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल काज केँ अन्तक घोषणा करैत ई कहैत छी जे हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।"

यिर्मयाह 32:6 यिर्मयाह कहलथिन, “प्रभुक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु यिर्मयाह सँ एकटा प्रतिज्ञाक विषय मे बात कयलनि।

1: भगवान् वफादार छथि आ सदिखन अपन प्रतिज्ञा के पालन करताह।

2: प्रभु पर भरोसा करबाक चाही आ हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक चाही।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: इब्रानी 10:23 - आउ, हम सभ अपन विश्वासक स्वीकार केँ बिना डगमगाने मजबूती सँ पकड़ि ली; (किएक तँ ओ विश्वासी अछि जे प्रतिज्ञा केने छल।)

यिर्मयाह 32:7 देखू, तोहर मामा शाल्लुमक पुत्र हनाएल तोरा लग आबि कऽ कहताह जे, “अनाथोथ मे हमर खेत कीनि लिअ, किएक तँ ओकरा कीनबाक मोक्षक अधिकार तोहर अछि।”

शालुम के बेटा हनाएल यिर्मयाह के सूचित करै छै कि ओकरा अनाथोथ में खेत खरीदै के अधिकार छै।

1. मोक्षक मूल्य: मसीह हमरा सभ केँ पाप सँ कोना बचाबैत छथि

2. परिवारक शक्ति: हमर प्रियजन हमरा सभकेँ कोना ऊपर उठबैत छथि

1. लूका 4:18-19 - प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल पठौलनि अछि, जे हम बंदी सभ केँ मुक्ति देबाक प्रचार करी, आ आन्हर सभ केँ दृष्टि ठीक होयबाक प्रचार करी।

2. नीतिवचन 17:17 - मित्र हरदम प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक लेल जन्म लैत अछि।

यिर्मयाह 32:8 हमर मामाक पुत्र हनाएल परमेश् वरक वचनक अनुसार जेलक आँगन मे हमरा लग आबि कहलक, “हमर खेती कीनि लिअ, जे अनाथोथ मे अछि बिन्यामीन, किएक तँ उत्तराधिकारक अधिकार तोहर अछि आ मोक्ष तोहर अछि। अपना लेल कीनि लिअ। तखन हम बुझि गेलहुँ जे ई परमेश् वरक वचन अछि।

यिर्मयाहक मामाक पुत्र हनाएल परमेश् वरक वचनक अनुसार जेलक दरबार मे हुनका लग आबि गेलाह आ हुनका बिन्यामीन देशक अनाथोथ मे हुनकर खेत कीनबाक लेल कहलथिन। यिर्मयाह केँ बुझायल जे ई प्रभुक वचन अछि।

1. परमेश् वरक योजना हमरा सभक कल्पना सँ बेसी पैघ अछि - यिर्मयाह 32:8

2. प्रभु अप्रत्याशित लोकक माध्यमे बजैत छथि - यिर्मयाह 32:8

1. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

2. यशायाह 46:10 - शुरू सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल काज केँ अन्तक घोषणा करैत ई कहैत जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।

यिर्मयाह 32:9 हम अपन मामाक बेटा हनाएलक खेत कीनि लेलियनि, जे अनाथोत मे छल, आ हुनका लेल ओ पाइ तौललहुँ, जे सत्रह शेकेल चानी छल।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ खरीदबाक लेल खेतक व्यवस्था कयलनि।

1. भगवान् हमर सभक प्रदाता छथि आ जखन हम हुनका पर भरोसा करब तखन हमर सभक जरूरत पूरा करताह।

2. भगवान हमरा सभक आवश्यकताक समय मे वफादार छथि आ जखन हमर सभक संसाधन सीमित रहत तखनो प्रबंध करताह।

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

२.

यिर्मयाह 32:10 हम ओहि सबूत सभक सदस्यता ल’ क’ ओकरा पर मोहर लगा देलियैक आ गवाह सभ केँ ल’ क’ ओकरा तराजू मे पाइ तौलि देलियैक।

एहि अंश मे कोनो अनुबंधक गवाह, सील आ मौद्रिक संतुलन मे तौलबाक बात कहल गेल अछि ।

1. भगवान हमरा सभ केँ अपन सभ अनुबंध मे विश्वासी गवाह बनय लेल बजबैत छथि।

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा निश्चित अछि आ ओकरा पर भरोसा कएल जा सकैत अछि।

1. मत्ती 18:16 (KJV): मुदा जँ ओ अहाँक बात नहि सुनत तँ एक-दू गोटे आओर अपना संग ल’ जाउ, जाहि सँ दू-तीन गवाहक मुँह मे सभ बात सिद्ध भ’ जाय।

2. रोमियो 10:17 (KJV): तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

यिर्मयाह 32:11 तखन हम खरीदबाक प्रमाण ल’ लेलहुँ, जे कानून आ रीति-रिवाजक अनुसार मुहर लगाओल गेल छल आ जे खुजल छल।

परमेश् वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति निष्ठा के उदाहरण कठिन समय में जमीन खरीदला के माध्यम स॑ करलऽ गेलऽ छै ।

1: भगवान् सदिखन वफादार रहैत छथि, कठिनाइक बीच सेहो।

2: हम सभ परमेश् वरक वफादारी पर भरोसा क' सकैत छी, चाहे जीवन हमरा सभ पर किछुओ फेकय।

1: व्यवस्था 7:9 तेँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर छथि, जे विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करनिहार सभक संग एक हजार पीढ़ी धरि वाचा आ अडिग प्रेम रखैत छथि।

2: इब्रानियों 10:23 आउ, हम सभ अपन आशाक स्वीकारोक्ति केँ बिना डगमगाने पकड़ि ली, किएक तँ जे प्रतिज्ञा केने छल से विश्वासी अछि।

यिर्मयाह 32:12 हम मासेयाक पुत्र नेरियाक पुत्र बरुक केँ हमर मामाक पुत्र हनाएल आ खरीददारीक किताबक सदस्यता लेनिहार गवाह सभक सोझाँ मे खरीदबाक प्रमाण दऽ देलियैक जेल के आँगन मे बैसल यहूदी सभ।

परमेश् वर जेलक दरबार मे गवाह आ सभ यहूदी सभक उपस्थिति मे बरुक केँ खरीदबाक प्रमाण देलथिन।

1. आध्यात्मिक संदर्भ मे गवाह आ गवाही के महत्व

2. भगवान् के सत्य के नकारला के परिणाम

1. इब्रानी 10:24-25 - आओर विचार करी जे एक दोसरा केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाओल जाय, एक संग भेंट करबा मे कोताही नहि करब, जेना किछु गोटेक आदति अछि, बल्कि एक दोसरा केँ प्रोत्साहित करब, आओर ओहि सँ बेसी जेना अहाँ सभ देखैत छी दिन नजदीक आबि रहल अछि।

2. यूहन्ना 8:47 - जे कियो परमेश् वरक अछि, ओ परमेश् वरक वचन सुनैत अछि। अहाँ हुनका सभक बात नहि सुनबाक कारण ई अछि जे अहाँ परमेश् वरक नहि छी।

यिर्मयाह 32:13 हम हुनका सभक समक्ष बरुक केँ आज्ञा देलियनि जे।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ भविष्यक आशाक निशानीक रूप मे अपन पितियौत भाइ सँ खेत खरीदबाक आज्ञा देलनि।

1) भगवान के निष्ठा हमरा सबहक परिस्थिति स बेसी अछि।

2) हमर भविष्य के लेल भगवान के योजना निश्चित आ सुरक्षित अछि।

1) यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी; आब ओ उगैत अछि, की अहाँ सभ नहि बुझैत छी? हम ओहि मे बाट बना देब।" मरुभूमि मे जंगल आ नदी।"

2) रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यिर्मयाह 32:14 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। ई सबूत, खरीद के ई प्रमाण, दुनू जे मुहर लागल अछि, आ ई सबूत जे खुजल अछि, दुनू लिअ; आ ओकरा सभ केँ माटिक बर्तन मे राखि दियौक, जाहि सँ ओ सभ बहुत दिन धरि चलय।

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, यिर्मयाह कॅ आज्ञा दै छै कि खरीद के दू सबूत ल॑ क॑ ओकरा संरक्षित करै लेली माटी के बर्तन में डालै के चाही।

1. स्मृति के संरक्षण के महत्व

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा

1. उपदेशक 12:12, "हे हमर बेटा, ओकरा सभक अतिरिक्त कोनो बात सँ सावधान रहू। बहुतो किताब बनेबाक कोनो अंत नहि अछि, आ बहुत अध्ययन शरीर केँ थका दैत अछि।"

2. भजन 25:5, हमरा अपन सत्य मे नेतृत्व करू आ हमरा सिखाउ, कारण अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी; अहाँक लेल हम भरि दिन प्रतीक्षा करैत छी।

यिर्मयाह 32:15 सेनाक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि। एहि भूमि मे घर आ खेत आ अंगूरक बाग फेर सँ कब्जा कयल जायत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे इस्राएली सभ एक बेर फेर अपन घर, खेत आ अंगूरक बगीचा पर कब्जा कऽ लेताह।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा - परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल पुनर्स्थापनक वाचा वादाक अन्वेषण करब।

2. परेशान समय मे आशा - कठिनाई के समय मे आशा के प्रोत्साहित करब भगवान के निष्ठा के संग।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यिर्मयाह 32:16 जखन हम खरीददारीक प्रमाण नेरियाक पुत्र बरुक केँ देलहुँ तँ हम प्रभु सँ प्रार्थना केलहुँ।

इस्राएल के लोगऽ के विद्रोह के बावजूद भी परमेश् वर के वफादारी।

1: भगवान् हमरा सभक प्रति सदिखन वफादार रहैत छथि, तखनो जखन हम सभ एकर हकदार नहि छी।

2: परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा सत्य रहैत अछि, तखनो जखन हम सभ अविश्वासी छी।

1: रोमियो 8:35-39 - परमेश् वरक प्रेम सँ हमरा सभ केँ किछुओ अलग नहि क’ सकैत अछि।

2: विलाप 3:22-23 - परमेश् वरक दया सभ दिन भोरे नव होइत अछि।

यिर्मयाह 32:17 आह प्रभु परमेश् वर! देखू, अहाँ अपन महान शक्ति सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी आ बाँहि पसारि देलहुँ, आ अहाँक लेल कोनो बेसी कठिन किछु नहि अछि।

प्रभु सर्वशक्तिमान छथि आ हुनका लेल कोनो बात बेसी कठिन नहि होइत छनि ।

1. प्रभु पराक्रमी छथि: विपत्तिक समय मे अपन शक्ति पर भरोसा करब

2. भगवान सक्षम छथि: विश्वास करब जे ओ असंभव काज क' सकैत छथि

1. यशायाह 40:28-31 की अहाँ सभ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि। थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. लूका 1:37 किएक तँ परमेश् वरक कोनो वचन कहियो खत्म नहि होयत।

यिर्मयाह 32:18 अहाँ हजारों लोकक प्रति दया करैत छी आ पिता सभक अधर्मक बदला हुनका सभक बादक संतान सभक कोरा मे दैत छी।

भगवान् प्रेमी आ क्षमाशील छथि आ महान आ पराक्रमी भगवान, सेना के प्रभु छथि |

1. भगवानक प्रेम पीढ़ी-दर-पीढ़ीसँ आगू बढ़ैत अछि

2. सेनापतिक शक्ति आ महिमा

1. निर्गमन 34:7 - "हजारों लोकक लेल दया राखब, अधर्म आ अपराध आ पाप केँ क्षमा करैत"।

2. यशायाह 9:6 - "किएक तँ हमरा सभक लेल एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन रहत। शांति के राजकुमार"।

यिर्मयाह 32:19 सलाह मे पैघ आ काज मे पराक्रमी, किएक तँ अहाँक नजरि मनुष् यक सन् तानक सभ बाट पर खुजल अछि।

भगवान् बुद्धि मे महान आ शक्ति मे पराक्रमी छथि, आ मनुष्यक बाट केँ जनैत छथि आ देखैत छथि जाहि सँ हुनका सभक कर्मक अनुसार वापस दऽ सकथि।

1. भगवान सदिखन देखैत छथि: ईमानदारी के जीवन जीबय के सीखब

2. परमेश् वरक शक्ति आ हुनकर बाट पर चलबाक हमर सभक जिम्मेदारी

1. भजन 139:1-6

2. नीतिवचन 3:5-6

यिर्मयाह 32:20 जे मिस्र देश मे आइ धरि, इस्राएल मे आ आन लोक सभक बीच मे चिन् त्र आ चमत्कार करैत अछि। आ आइ जेकाँ तोहर नाम बनौने छी।

परमेश् वर इस्राएल, मिस्र आरू बाकी दुनिया के बीच चमत्कार आरू चमत्कार करलकै, जेकरा सें खुद कॅ एगो ऐन्हऽ नाम बनैलकै जे हमेशा लेली बनलऽ रहतै।

1. परमेश् वरक वफादारी हुनकर चमत् कारक काजक माध्यमे प्रदर्शित होइत अछि।

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता हुनकर चिन्ह आ चमत्कारक माध्यमे संसार केँ ज्ञात कयल जाइत अछि।

1. निर्गमन 14:21-22 - तखन मूसा समुद्र पर अपन हाथ पसारि देलनि। परमेश् वर ओहि राति भरि पूरबक तेज हवाक कारणेँ समुद्र केँ पाछू घुमा देलनि आ समुद्र केँ शुष्क बना देलनि आ पानि बँटि गेल।

1085

2. प्रेरित 13:11 - आब देखू, प्रभुक हाथ अहाँ पर अछि, आ अहाँ आन्हर भ’ जायब, आ एक काल धरि सूर्य नहि देखब। तुरन्त हुनका पर धुंध आ अन्हार पड़ि गेलनि। ओ किछु गोटेक खोज मे घुमि गेलाह जे हुनकर हाथ पकड़ि लेथि।

यिर्मयाह 32:21 आ अहाँ अपन प्रजा इस्राएल केँ मिस्र देश सँ चिन् ह, चमत्कार, बलशाली हाथ आ पसरल बाँहि आ बहुत आतंक सँ बाहर निकालि देलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ चमत् कारक संकेत आ मजबूत हाथ सँ मिस्र सँ मुक्त कयलनि।

1. भगवान् अपन शक्ति चिन्ह आ आश्चर्यक माध्यमे देखाबैत छथि।

2. प्रभुक शक्ति हमरा सभक कमजोरी मे सिद्ध भ' जाइत अछि।

1. निष्कासन 14:31 जखन इस्राएली सभ मिस्रक लोक सभक विरुद्ध प्रभु द्वारा कयल गेल महान शक्ति केँ देखलनि तँ लोक सभ प्रभु सँ डेरा गेल आ हुनका पर आ हुनकर सेवक मूसा पर भरोसा कयलनि।

2. 2 कोरिन्थी 12:9 मुदा ओ हमरा कहलनि, “हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ गेल अछि।” तेँ हम अपन कमजोरीक विषय मे आओर बेसी हर्षित होयब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ् य हमरा पर टिकल रहय।

यिर्मयाह 32:22 ओ हुनका सभ केँ ई देश द’ देने छी, जे अहाँ हुनका सभक पूर्वज केँ देबाक शपथ लेने रही, दूध आ मधु सँ बहय बला देश।

परमेश् वर इस्राएल देश केँ ओकर पूर्वज सभ केँ प्रतिज्ञाक रूप मे देलनि, जे प्रचुरता सँ भरल देश छल।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा।

2. भगवान् के प्रावधान के आशीर्वाद।

1. उत्पत्ति 12:7 - तखन प्रभु अब्राम केँ प्रकट भेलाह आ कहलनि, “हम ई देश अहाँक वंशज केँ देब।”

2. भजन 81:16 - हुनका सभ केँ गहूमक नीक-नीक भोजन सेहो करबैत छलनि, आ चट्टान सँ निकलल मधु सँ हम अहाँ केँ तृप्त करितहुँ।

यिर्मयाह 32:23 ओ सभ भीतर आबि कऽ ओकरा अपन कब्जा मे ल’ लेलक। मुदा ओ सभ अहाँक बात नहि मानलक आ ने अहाँक नियम मे चलल। अहाँ जे किछु आज्ञा देलहुँ ताहि मे सँ ओ सभ किछु नहि केलक।

परमेश् वरक आज्ञाक बादो यहूदाक लोक सभ हुनकर आज्ञा नहि मानैत रहलाह आ हुनकर व्यवस्थाक विपरीत काज कयलनि, जकर परिणाम छलनि जे हुनका सभ पर बुराई भऽ गेलनि।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व।

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम।

1. रोमियो 6:16 की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे जँ अहाँ सभ अपना केँ ककरो आज्ञाकारी दासक रूप मे प्रस्तुत करब तँ अहाँ सभ ओहि व्यक्तिक गुलाम छी जकर आज्ञा मानैत छी, या त’ पापक दास छी, जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि, वा आज्ञापालनक, जे धार्मिकता दिस लऽ जाइत अछि?

2. व्यवस्था 28:1-2 जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ निष्ठापूर्वक मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करबा मे सावधान रहब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ पृथ् वीक सभ जाति सँ ऊपर ठाढ़ करताह। जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा मानब तँ ई सभ आशीर्वाद अहाँ सभ पर आबि जायत आ अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत।

यिर्मयाह 32:24 देखू पहाड़ सभ, ओ सभ शहर केँ पकड़बाक लेल आयल अछि। तलवार, अकाल आ महामारीक कारणेँ ई नगर ओकरा सँ लड़य बला कसदी सभक हाथ मे सौंपल गेल अछि। आ देखू, अहाँ एकरा देखैत छी।

यिर्मयाह के भविष्यवाणी के अनुसार तलवार, अकाल आ महामारी के कारण ई शहर कल्दी के लोगऽ द्वारा कब्जा करलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक वचन सत्य आ शक्तिशाली अछि

2. कठिन समय मे विश्वास

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

यिर्मयाह 32:25 अहाँ हमरा कहलहुँ, हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ केँ पाइ मे खेत कीनि लिअ आ गवाही लिअ। कारण, ई नगर कसदी सभक हाथ मे देल गेल अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ एकटा खेत कीनबाक आ गवाही सभक लेल आज्ञा देलथिन, किएक तँ कल्दी सभ एहि नगर केँ अपना कब्जा मे ल’ लेने छल।

1. विपत्तिक बीच विश्वासक शक्ति

2. कठिन समय मे सेहो नीक भविष्यक आशा

1. रोमियो 8:18-39 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

2. इब्रानियों 11:1-3 - आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल बातक आश्वासन अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

यिर्मयाह 32:26 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ आयल जे।

भविष्य के आशा आरू नया वाचा के परमेश् वर के प्रतिज्ञा।

1. परमेश् वरक वाचाक आशा

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. इब्रानियों 6:13-20, कारण जखन परमेश् वर अब्राहम सँ प्रतिज्ञा कयलनि, किएक तँ हुनका लग शपथ लेबाक लेल एहि सँ पैघ कियो नहि छलनि, तखन ओ अपना नाम सँ शपथ लेलनि जे, “हम अहाँ केँ आशीर्वाद देब आ अहाँ केँ बढ़ा देब।” आ एहि तरहेँ अब्राहम धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कए प्रतिज्ञा प्राप्त कयलनि।

यिर्मयाह 32:27 देखू, हम प्रभु छी, सभ शरीरक परमेश् वर छी।

भगवान् सर्वशक्तिमान छथि आ हुनका लेल कोनो बेसी कठिन काज नहि छनि ।

1. परमेश् वरक लेल किछुओ असंभव नहि अछि - यिर्मयाह 32:27

2. सर्वशक्तिमान मे विश्वास - यिर्मयाह 32:27

1. मत्ती 19:26 - यीशु हुनका सभ दिस तकैत कहलनि, “मनुष्य लेल ई असंभव अछि, मुदा परमेश् वरक लेल सभ किछु संभव अछि।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 32:28 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम ई नगर कल्दी आ बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ मे दऽ देबनि आ ओ एकरा पकड़ि लेताह।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि राजा नबूकदनेस्सर के शासन के तहत बेबिलोन यरूशलेम शहर के अपना कब्जा में लेतै।

1. राष्ट्रक लेल भगवानक योजना: अंतर्राष्ट्रीय मामलों मे भगवानक संप्रभुता केँ बुझब

2. भगवानक सार्वभौमत्व: अराजकताक बीच हुनकर योजना पर कोना भरोसा क' सकैत छी

१, जिनकर शासन अनन्त प्रभु अछि, आ हुनकर राज्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी अछि।”

2. यशायाह 46:9-10 - "पुरान समयक बात सभ केँ मोन राखू, किएक तँ हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि; हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरू सँ आ प्राचीन काल सँ अंतक घोषणा करैत छी।" जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, से कहैत छी जे, “हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।”

यिर्मयाह 32:29 एहि नगर सँ लड़य बला कसदी सभ आबि क’ एहि नगर मे आगि लगा क’ ओहि घर सभक संग जरा देत, जकर छत पर ओ सभ बाल केँ धूप चढ़ौने छथि आ दोसर देवता सभ केँ पेयबलि उझलि देने छथि हमरा क्रोध मे उकसाउ।

जे कसदी सभ एहि नगर सँ लड़ैत छल, ओकरा आगि लगा कऽ जरा दैत छल, जाहि मे ओ घर सभ सेहो छल जतय ओ सभ झूठ देवता सभ केँ धूप-पानी चढ़ा देने छल।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम भयावह आ खतरनाक होइत छैक।

2. प्रभु जखन हुनकर लोक दोसर देवताक पूजा करत तखन बेकार नहि ठाढ़ हेताह।

1. व्यवस्था 6:12-15 - "तखन सावधान रहू जे अहाँ सभ ओहि परमेश् वर केँ नहि बिसरि जाउ जे अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ, दासताक घर सँ निकालने छलाह। अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ भय हुनकर सेवा करू आ हुनकर शपथ ग्रहण करू।" नाम धरतीक मुँह।

.

यिर्मयाह 32:30 किएक तँ इस्राएल आ यहूदाक सन् तान सभ हमरा सोझाँ अपन जवानीसँ मात्र अधलाह काज केलक अछि, किएक तँ इस्राएलक संतान सभ हमरा अपन हाथक काजसँ मात्र क्रोधित केलक अछि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे इस्राएल आ यहूदाक सन् तान सभ अपन जवानी सँ लगातार हुनकर आज्ञा नहि मानैत रहलाह अछि।

1. आज्ञा नहि मानबाक पाप: भगवानक विरुद्ध विद्रोह करबाक परिणाम

2. धर्मी जीवन जीबाक मूल्य: भगवान् के आज्ञापालन के आशीर्वाद

1. व्यवस्था 28:1-2; परमेश् वर हुनकर आज्ञा माननिहार केँ आशीर्वाद देथिन आ जे आज्ञा नहि माननिहार केँ श्राप देताह।

2. नीतिवचन 3:1-2; प्रभु के आज्ञा के पालन करू आ बुद्धि आ जीवन पाउ।

1088

यिर्मयाह 32:31 किएक तँ ई शहर हमरा लेल हमर क्रोध आ क्रोधक प्रकोप बनि गेल अछि, जहिया सँ ओ सभ एकरा बनौने छलाह, आइ धरि। जे हम ओकरा अपन मुँहक सोझाँ सँ हटा दी।

यरूशलेम शहर केरऽ निर्माण के दिन स॑ ही आक्रोश आरू क्रोध के विषय रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक न्याय: ई केहन लगैत अछि?

2. अपन पीड़ा आ पश्चाताप के शक्ति के आत्मसात करब

1. आमोस 9:8 - निश्चय परमेश् वर परमेश् वरक नजरि पापपूर्ण राज्य पर अछि, आ हम ओकरा पृथ्वी पर सँ नष्ट कऽ देब।"

2. योएल 2:13 - अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि।

यिर्मयाह 32:32 इस्राएल आ यहूदाक सन् तान सभक सभटा दुष् टताक कारणेँ जे ओ सभ हमरा क्रोधित करबाक लेल केलक, ओ सभ, ओकर राजा सभ, ओकर सभक राजकुमार सभ, ओकर सभक पुरोहित सभ, ओकर सभक भविष्यवक्ता सभ, आ ओकर सभक लोक सभ यहूदा आ यरूशलेम मे रहनिहार लोक सभ।

परमेश् वर इस्राएल आ यहूदाक लोक सभक दुष्टताक कारणेँ क्रोधित छथि।

1: भगवान् के क्रोध नै भड़काबै के लेल पवित्रता आ निष्ठा के लेल प्रयास करी।

2: हमरा सभ केँ परमेश्वरक दया प्राप्त करबाक लेल अपन पापक क्षमा आ पश्चाताप करबाक चाही।

1: 1 यूहन्ना 1:9, जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह, आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

2: भजन 51:17, परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल आत् मा अछि; टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।

यिर्मयाह 32:33 ओ सभ हमरा दिस मुँह नहि, पीठ दिस घुमि गेल अछि।

इस्राएल के लोगऽ क॑ जल्दी आरू बार-बार सिखाबै के बावजूद भी वू लोगऽ क॑ सुनै आरू सीखै स॑ मना करी देलकै ।

1. "प्रभु पर भरोसा करू" (नीतिवचन 3:5-6)

2. "आज्ञापालन के शक्ति" (व्यवस्था 28:1-14)

1. भजन 81:13 - "ओह जँ हमर लोक हमर बात सुनितथि आ इस्राएल हमर बाट पर चलितथि!"

2. यशायाह 50:4 - "प्रभु परमेश् वर हमरा विद्वानक जीह देने छथि, जाहि सँ हम थकल केँ समय मे एक वचन बाजब बुझि सकब विद्वान लोकनि।"

यिर्मयाह 32:34 मुदा ओ सभ अपन घृणित काज ओहि घर मे राखि दैत छथि जे हमर नाम सँ कहल जाइत अछि, जाहि सँ ओकरा अशुद्ध कयल जा सकय।

लोक सभ अपन घृणित काज सभ सँ परमेश् वरक घर केँ अशुद्ध क' देलक अछि।

1: भगवानक घरक आदर करबाक आ पवित्र रखबाक ध्यान राखय पड़त।

2: भगवान् के घर के सम्मान आ सम्मान के पुनर्स्थापित करी।

1: निकासी 20:7 - "अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम व्यर्थ नहि लिअ, किएक तँ प्रभु ओकरा निर्दोष नहि मानत जे अपन नाम व्यर्थ लेत।"

2: इजकिएल 36:23 - "हम अपन महान नाम केँ पवित्र करब, जे जाति-जाति सभक बीच अपवित्र कयल गेल छल, जकरा अहाँ सभ हुनका सभक बीच मे अपवित्र केलहुँ; आ जाति सभ केँ पता चलत जे हम प्रभु छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, जखन।" हम हुनका सभक नजरि मे अहाँ मे पवित्र भ’ जायब।”

यिर्मयाह 32:35 ओ सभ बालक ऊँच स्थान सभ बनौलनि जे हिन्नोमक पुत्रक घाटी मे अछि, जाहि सँ ओ सभ अपन बेटा आ बेटी सभ केँ आगि मे सँ मोलेक्स धरि पहुँचा सकथि। हम हुनका सभ केँ ई आज्ञा नहि देलियनि आ ने हमरा मोन मे आयल जे ओ सभ यहूदा केँ पाप करबाक लेल ई घृणित काज करथि।

यहूदा के लोग हिन्नोम के बेटा के घाटी में बाल के ऊंच जगह बनैलकै आरू अपनऽ बच्चा सिनी के बलिदान मोलेक के सामने करी देलकै, जे परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ आज्ञा नै देलकै आरू जे काम ओकरा सिनी के कल्पना भी नै छेलै।

1. पाप के शक्ति: पाप हमर पसंद आ हमर जीवन के कोना बदलैत अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: भगवानक इच्छाक पालन करब सीखब

1. व्यवस्था 12:29-31

2. नीतिवचन 14:12

यिर्मयाह 32:36 आब एहि लेल इस्राएलक परमेश् वर यहोवा एहि नगरक विषय मे कहैत छथि, जकरा बारे मे अहाँ सभ कहैत छी जे, “ई तलवार, अकाल आ महामारी द्वारा बाबुलक राजाक हाथ मे सौंपल जायत।” ;

इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर यरूशलेम नगरक विषय मे कहैत छथि जे बाबुलक राजाक हाथ मे सौंपल जायत।

1. "विपत्ति के समय में भगवान के सार्वभौमिकता"।

2. "विपत्तिक सामना करैत दृढ़ता"।

1. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभ केँ आनन्दित करू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि। मुदा धैर्य केँ ओकर सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ आ किछुओक अभाव नहि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 32:37 देखू, हम हुनका सभ केँ ओहि सभ देश सँ जमा करब, जतय हम हुनका सभ केँ अपन क्रोध मे, अपन क्रोध मे आ बहुत क्रोध मे भगा देने छी। हम ओकरा सभ केँ एहि ठाम फेर सँ आनि देब आ ओकरा सभ केँ सुरक्षित रहब।

भगवान् अपन लोक सभ केँ सभ देश सँ बाहर निकालि क' ओकरा सभ केँ सुरक्षित आ सुरक्षित स्थान पर वापस अनताह।

1: भगवान् हमरा सभकेँ सुरक्षित आ सुरक्षामे वापस अनताह।

2: भगवान् एकटा प्रेमी आ देखभाल करय बला भगवान छथि जे हमरा सभ केँ घर अनैत छथि।

1: यूहन्ना 14:1-3 - अहाँ सभक मोन परेशान नहि होउ। भगवान् पर विश्वास करू; हमरा पर सेहो विश्वास करू। हमर पिताक घर मे बहुत रास कोठली अछि। जँ से नहि रहैत त' की हम अहाँ केँ कहितहुँ जे हम अहाँक लेल जगह तैयार करय लेल जाइत छी? जँ हम जा कऽ अहाँ सभक लेल जगह तैयार करब तँ फेर आबि कऽ अहाँ सभ केँ अपना लग लऽ जायब, जाहि सँ हम जतय छी, अहाँ सभ सेहो रहब।

2: यशायाह 43:1-3 - मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ। हम

अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब।
नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

यिर्मयाह 32:38 ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनकर परमेश् वर बनब।

भगवान् वचन दैत छथि जे जँ लोक हुनकर लोक होयत तँ ओ लोकक परमेश् वर बनताह।

1. "ईश्वर के विश्वास के वाचा"।

2. "आज्ञापालन के आशीर्वाद"।

1. रोमियो 8:15-17 - गोद लेबाक आत्मा जे हमरा सभ केँ चिचियाबय के अनुमति दैत अछि, "अब्बा, पिता!"

2. व्यवस्था 7:9 - ई जानि जे परमेश्वर निष्ठापूर्वक अपन वाचा के पालन करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञा के पालन करैत छथि।

यिर्मयाह 32:39 हम हुनका सभ केँ एक हृदय आ एक बाट देबनि, जाहि सँ ओ सभ हमरा सँ अनन्त काल धरि डरैत रहथि, हुनका सभक आ हुनका सभक बादक अपन संतान सभक भलाईक लेल।

भगवान् वादा करै छै कि लोग सिनी कॅ एक दिल आरू एक रास्ता देतै, ताकि ओकरा आरू ओकरो बच्चा सिनी के प्रति अपनौ प्रेम आरू देखभाल के प्रदर्शन करलौ जाय।

1. परमेश् वरक प्रेम आ देखभालक अन्तहीन वाचा

2. हमरा आ अपन संतानक भलाई लेल प्रभु सँ भय

1. भजन 112:1 - प्रभुक स्तुति करू! धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु सँ डेराइत अछि, जे हुनकर आज्ञा मे बहुत आनन्दित होइत अछि!

2. यशायाह 55:3 - कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, जाहि सँ अहाँक प्राण जीवित रहय। हम अहाँ सभक संग एकटा अनन्त वाचा करब, जे दाऊदक प्रति हमर दृढ़ आ निश्चिंत प्रेम अछि।

यिर्मयाह 32:40 हम हुनका सभक संग एकटा अनन्त वाचा करब जे हम हुनका सभक भलाई करबाक लेल हुनका सभ सँ नहि मुड़ब। मुदा हम हुनका सभक हृदय मे अपन भय राखब जे ओ सभ हमरा सँ नहि हटि सकय।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ के साथ अनन्त वाचा करै के वादा करै छै आरू ओकरा सिनी के दिल में अपनऽ डर डालै छै ताकि वू ओकरा सें दूर नै होय जाय।

1. परमेश् वरक रक्षाक अनन्त वाचा

2. प्रभुक भय - एकटा अटूट विश्वास

1. इब्रानियों 13:20 21 - आब शान्तिक परमेश् वर जे हमरा सभक प्रभु यीशु, भेँड़ा सभक महान चरबाह, अनन्त वाचाक खून सँ मृतक मे सँ पुनर्जीवित कयलनि, अहाँ सभ केँ सभ किछु नीक सँ सुसज्जित करथि जाहि सँ अहाँ सभ हुनकर इच्छा पूरा कऽ सकब, यीशु मसीहक द्वारा हमरा सभ मे जे किछु हुनकर नजरि मे नीक लगैत अछि, से काज करैत छी, जिनकर महिमा अनन्त काल धरि होनि। आमीन।

2. भजन 33:18 - देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर अडिग प्रेम मे आशा रखैत छथि।

यिर्मयाह 32:41 हँ, हम हुनका सभक भलाई करबाक लेल हुनका सभ पर आनन्दित होयब, आ हम हुनका सभ केँ एहि देश मे अपन पूरा मोन आ अपन पूरा प्राण सँ निश्चिंत रूप सँ रोपब।

भगवान् हर्षोल्लास सँ अपन लोकक लेल भलाई करताह, आ ओकरा सभ केँ अपन पूरा मोन आ आत्मा सँ ओहि देश मे रोपताह।

1. भगवान् के बिना शर्त प्रेम आ कृपा

2. अपन जीवन मे नीक रोपब

1. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

2. रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने कोनो आन समस्त सृष्टि मे।" हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।”

यिर्मयाह 32:42 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। जहिना हम एहि लोक पर ई सभटा पैघ अधलाह आनि देलहुँ, तहिना हम ओकरा सभ पर ओ सभ नीक काज आनि देब जे हम ओकरा सभक प्रतिज्ञा केने छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ पर पहिने सँ जे अधलाह आनि चुकल छथि, तकर बादो बहुत नीक भलाईक वचन देने छथि।

1. भगवान् प्रतिकूलताक बादो नीक आ विश्वासी छथि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक आशीर्वाद

1. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. भजन 23 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

यिर्मयाह 32:43 एहि देश मे खेत कीनल जायत, जकरा सँ अहाँ सभ कहैत छी जे, “ई बिना मनुक्ख आ जानवरक उजड़ल अछि।” एकरा कसदी सभक हाथ मे देल गेल अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ वादा करैत छथि जे इस्राएल केँ पुनर्स्थापित कयल जायत आ ओहि देश मे खेत खरीदल जायत।

1. इस्राएल केँ पुनर्स्थापित करबा मे परमेश् वरक वफादारी।

2. उजाड़ भूमि मे आशा अनबाक भगवानक शक्ति।

1. यशायाह 54:3 - "किएक तँ अहाँ दहिना आ बामा दिस विस्तार करब, आ अहाँक संतान जाति सभक मालिक बनत आ उजाड़ नगर सभ केँ लोक बनाओत।"

.

यिर्मयाह 32:44 लोक सभ पाइक बदला मे खेत कीनि लेत, प्रमाणक सदस्यता लेत, ओकरा पर मोहर लगाओत, आ बिन्यामीन देश मे, यरूशलेमक आसपासक स्थान सभ मे, यहूदाक नगर सभ मे आ पहाड़क नगर सभ मे गवाही लेत। उपत्यकाक नगर सभ आ दक्षिणक नगर सभ मे, किएक तँ हम हुनका सभक बंदी केँ घुरि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर बंदी सभ केँ बिन्यामीन देश, यरूशलेम आ यहूदाक नगर सभ, पहाड़, घाटी आ दक्षिण दिस घुरि देथिन।

1. निर्वासन के समय में परमेश्वर के निष्ठा

2. घर वापसी के वादा
1092

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. यशायाह 61:1-3 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, कैदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करबाक लेल आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक लेल।

यिर्मयाह अध्याय ३३ इस्राएल के लेलऽ आशा आरू बहाली के विषय क॑ जारी रखै छै, जेकरा म॑ परमेश्वर के निष्ठा आरू यरूशलेम के पुनर्निर्माण के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जखन ओ एखनो जेल मे छथि जे ओ यहूदा आ इस्राएलक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करताह (यिर्मयाह 33:1-3)। ओ यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे हुनका आह्वान करथि, हुनका ई वादा करैत छथि जे ओ हुनका पैघ आ अखोज चीज देखाओत जे हुनका नहि बुझल छनि।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर यरूशलेम केँ ठीक करबाक आ पुनर्स्थापित करबाक अपन योजनाक घोषणा करैत छथि (यिर्मयाह 33:4-9)। ओ स्वास्थ्य आ चंगाई वापस अनबाक, शहरक खंडहर केँ फेर सँ बनेबाक, पाप सँ शुद्ध करबाक आ आनन्द, प्रशंसा आ समृद्धि केँ वापस अनबाक वादा करैत छथि। परमेश् वर जे भलाई आनताह, ताहि पर लोक सभ विस्मय सँ भरल रहत।

तेसर पैराग्राफ: परमेश् वर यरूशलेम मे शांति आ सुरक्षाक प्रचुरताक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 33:10-13)। शहर एक बेर फेर आनन्द, उत्सव, धन्यवाद, आ पूजाक स्थल बनत। ई सब जाति के सामने अपन धार्मिकता के लेल प्रसिद्ध होयत।

4 म पैराग्राफ: परमेश् वर दाऊदक संग अपन वाचा केँ दोबारा पुष्ट करैत छथि (यिर्मयाह 33:14-18)। ओ वादा करैत छथि जे दाऊदक वंशक एकटा धर्मी शाखा न्यायक निष्पादन करय बला राजाक रूप मे आओत। हुनकर शासनकाल मे यहूदा यरूशलेम मे सुरक्षित रहत। दाऊद केरऽ वंश केरऽ आश्वासन एक अनन्त वाचा के माध्यम स॑ देलऽ गेलऽ छै ।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर दाऊदक संग अपन वाचा तोड़ब असंभवताक घोषणा करैत छथि (यिर्मयाह 33:19-22)। जेना समुद्रक कात मे आकाशक नापब वा तारा वा बालु गिनब असंभव अछि, तहिना हुनका लेल दाऊदक वंशजक संग अपन वाचा केँ अस्वीकार करब वा तोड़ब असंभव अछि।

6 म पैराग्राफ: तथापि, इस्राएल अपन मूर्तिपूजाक माध्यमे परमेश् वरक क्रोध भड़का देने अछि (यिर्मयाह 33:23-26)। तइयो हुनका लोकनिक आज्ञा नहि मानलाक बादो ओ यिर्मयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ कैद सँ बहाल करताह आ पहिने जकाँ फेर सँ बनाओताह। आब देश उजाड़ नहि होयत।

संक्षेप में, यिर्मयाह के तेतीस अध्याय में यरूशलेम के पुनर्स्थापित करै में परमेश् वर के निष्ठा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै आरू दाऊद के साथ ओकरऽ वाचा के दोबारा पुष्टि करलऽ गेलऽ छै । जेल मे रहैत परमेश् वर यिर्मयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ पैघ-पैघ बात सभ केँ प्रकट करबाक वचन दैत छथि जे हुनका नहि बुझल छनि। ओ यरूशलेम केँ ठीक करबाक, ओकर खंडहर केँ फेर सँ बनेबाक, पाप सँ शुद्ध करबाक आ आनन्ददायक समृद्धि अनबाक योजनाक घोषणा करैत छथि। शांति आ सुरक्षाक प्रचुर वादा कयल गेल अछि। शहर उत्सव, धन्यवाद, आ पूजाक स्थल बनि जाइत अछि । एकर धार्मिकता सब जाति के सामने चमकैत अछि। दाऊदक संग भेल वाचा केँ दोबारा पुष्ट कयल गेल अछि। हुनक वंशक एकटा धर्मात्मा शाखा न्यायी राजा बनि आओत । हुनकर शासनकाल मे यहूदा यरूशलेम मे सुरक्षित रहैत अछि। एहि वाचा के अनन्त प्रकृति पर जोर देल गेल अछि, भगवान एहि बात पर जोर दैत छथि जे एहि वाचा के तोड़ब ओतबे असंभव अछि जतेक आकाश के नापब या तारा गिनब। इस्राएल के मूर्तिपूजा के क्रोध भड़काबै के बावजूद, परमेश् वर कैद स॑ बहाल करै आरू ओकरा सिनी क॑ नया सिरा स॑ बनाबै के वादा करै छै । भूमि एक बार फेरू पनपतै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ इस्राएल लेली बहाली के अपनऽ प्रतिज्ञा क॑ पूरा करै म॑ परमेश्वर केरऽ अटूट निष्ठा क॑ प्रदर्शित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ईश्वरीय प्रयोजन के तहत भौतिक पुनर्निर्माण आरू आध्यात्मिक नवीकरण दूनू क॑ उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 33:1 परमेश् वरक वचन दोसर बेर यिर्मयाह केँ आबि गेलनि, जखन ओ जेलक आँगन मे बंद छलाह।

जेल मे रहला पर परमेश् वर यिर्मयाह सँ दोसर बेर गप्प करैत छथि।

1. प्रभु अन्हार समय मे सेहो हमर सभक प्रार्थना सुनैत छथि

2. भगवान हमरा सभकेँ देखैत छथि चाहे हम कतहु रही

1. यिर्मयाह 33:3 - हमरा फोन करू आ हम अहाँकेँ जवाब देब आ अहाँकेँ पैघ आ अनसोद बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छी।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 33:2 एकर निर्माता यहोवा एहि बात कहैत छथि जे एकरा स्थापित करबाक लेल बनौलनि।
प्रभु ओकर नाम छै।

सब वस्तु के निर्माता आ निर्माता प्रभु ही ओकरा स्थापित करै वाला छै आरू ओकरऽ नाम के स्तुति करलऽ जाय छै ।

1. प्रभु केरऽ शक्तिशाली नाम - भगवान केरऽ नाम केरऽ स्तुति आरू महिमा केना करलऽ जाय, एकरऽ खोज करना

2. भगवान् केरऽ प्रोविडेंशियल काम - सब वस्तु केरऽ निर्माण आरू स्थापना केरऽ प्रभु केरऽ काम केरऽ परीक्षण करना

1. यशायाह 43:7 - जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

2. भजन 148:5 - प्रभुक नामक स्तुति करथि, कारण ओ आज्ञा देलनि आ ओ सभ सृष्टि भेलाह।

यिर्मयाह 33:3 हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।

भगवान् हुनका सँ माँगनिहार केँ ज्ञान प्रकट करय लेल तैयार छथि।

1: प्रभु के बुद्धि खोजू आ ओ अहाँ के जवाब देथिन।

2: प्रभु के सामने अपन दिल खोलू आ ओ अहाँ के पैघ आ पराक्रमी चीज देखौताह।

1: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: नीतिवचन 2:6-8 - कारण प्रभु बुद्धि दैत छथिन, हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि। ओ धर्मी लोकक लेल सुदृढ़ बुद्धि जमा करैत छथि, ओ सोझ चलयवला सभक लेल बकरी छथि। ओ न्यायक बाट केँ पालन करैत छथि, आ अपन संत लोकनिक बाट केँ सुरक्षित रखैत छथि।

यिर्मयाह 33:4 किएक तँ इस्राएलक परमेश् वर यहोवा एहि नगरक घर आ यहूदाक राजा सभक घरक विषय मे कहैत छथि जे पहाड़ आ तलवार सँ फेकल जाइत अछि।

इस्राएलक परमेश् वर प्रभु, नगरक घर आ यहूदाक राजा सभक विनाशक विषय मे बजैत छथि।

1. भगवान् सार्वभौम छथि: विनाश मे सेहो

2. भगवानक सान्निध्य मे हमरा सभ केँ जे सुरक्षा भेटैत अछि

1. यशायाह 45:5-7 हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि, हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर नहि छथि। हम अहाँ सभ केँ सुसज्जित करैत छी, भले अहाँ सभ हमरा नहि चिन्हैत छी, जाहि सँ लोक केँ पता चलय जे सूर्यक उदय आ पश्चिम सँ हमरा छोड़ि कियो नहि अछि। हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि।

2. भजन 91:1-2 जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, हमर शरण आ किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।

यिर्मयाह 33:5 ओ सभ कसदी सभ सँ लड़बाक लेल अबैत अछि, मुदा ओ सभ मनुष् य सभक मृत शरीर सँ भरबाक लेल अछि, जकरा हम अपन क्रोध मे आ अपन क्रोध मे मारि देलहुँ, आ जिनकर सभक दुष्टताक लेल हम एहि नगर सँ अपन मुँह नुका लेने छी.

परमेश् वर बहुतो केँ क्रोध आ क्रोध मे मारि देने छथि, आ हुनका सभक दुष्टताक कारणेँ एहि नगर सँ अपन मुँह नुका देने छथि।

1. भगवान् के क्रोध: दिव्य न्याय के समझना

2. भगवान् के दया: हुनकर प्रेम आ कृपा के अनुभव करब

१.

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

यिर्मयाह 33:6 देखू, हम एकरा स्वास्थ्य आ इलाज अनब, आ ओकरा सभ केँ ठीक करब, आ ओकरा सभ केँ शान्ति आ सत्यक प्रचुरता प्रकट करब।

भगवान् जे हुनका दिस घुरैत छथि हुनका लेल स्वास्थ्य आ चंगाई अनताह।

1. परमेश् वरक सत्यक चिकित्सा शक्ति

2. विश्वास के माध्यम स प्रचुर शांति के अनुभव करब

1. यशायाह 53:5 - मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

2. याकूब 5:13-16 - की अहाँ सभ मे सँ कियो विपत्ति मे अछि? प्रार्थना करथि। कियो खुश अछि की? स्तुति गीत गाबय दियौक। अहाँ सभ मे कियो बीमार अछि की? ओ सभ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजा कऽ हुनका सभ पर प्रार्थना करथि आ प्रभुक नाम मे तेल सँ अभिषेक करथि। आ विश्वास मे कयल गेल प्रार्थना बीमार केँ ठीक क' देत; प्रभु ओकरा सभ केँ जीबि लेताह। जँ पाप केने छथि तँ क्षमा भऽ जेताह। तेँ एक-दोसरक समक्ष अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मात्मा केरऽ प्रार्थना शक्तिशाली आरू प्रभावी होय छै ।

यिर्मयाह 33:7 हम यहूदाक बंदी आ इस्राएलक बंदी केँ वापस क’ देब आ ओकरा सभ केँ पहिने जकाँ बना देब।

परमेश् वर इस्राएल आ यहूदाक लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक आ ओकरा सभक पुनर्निर्माण करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा - यिर्मयाह 33:7

2. मोक्षक आशीर्वाद - यशायाह 43:1-3

1. रोमियो 15:4 - किएक तँ पहिने जे किछु लिखल गेल छल से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ सहनशक्ति आ धर्मशास्त्रक प्रोत्साहन सँ हमरा सभ केँ आशा भेटय।

2. भजन 85:1-3 - प्रभु, अहाँ अपन देशक अनुकूल छलहुँ; अहाँ याकूबक भाग्य केँ पुनर्स्थापित केलहुँ। अहाँ अपन लोकक अपराध क्षमा कऽ देलहुँ। अहाँ हुनका सभक सभ पाप माफ कऽ देलियैक। सेलाह

यिर्मयाह 33:8 हम ओकरा सभ केँ ओकर सभ अधर्म सँ शुद्ध करब, जाहि सँ ओ सभ हमरा विरुद्ध पाप केलक। हम हुनका सभक सभ अपराध केँ क्षमा कऽ देबनि, जाहि सँ ओ सभ पाप कयलनि आ जाहि सँ ओ सभ हमरा विरुद्ध अपराध कयलनि।

परमेश् वरक क्षमा आ शुद्धि केर प्रतिज्ञा सभ सभ केँ जे पश्चाताप करैत छथि आ पाप सँ मुँह मोड़ि लैत छथि।

1: परमेश् वरक दया हमरा सभक पाप सँ पैघ अछि।

2: पश्चाताप हमरा सभ केँ परमेश् वरक नजदीक अनैत अछि।

1: लूका 5:32 - हम धर्मी केँ नहि बल् कि पापी सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल बजबय लेल आयल छी।

2: रोमियो 8:1 - तेँ आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक लेल कोनो निन्दा नहि अछि।

यिर्मयाह 33:9 ई हमरा लेल पृथ् वीक सभ जातिक समक्ष आनन्दक, प्रशंसा आ सम्मानक नाम होयत, जे हम हुनका सभक संग जे नीक काज करैत छी, से सुनत, आ ओ सभ नीक काजक लेल डरैत आ काँपि उठत आ ओकरा लेल जे समृद्धि भेटैत अछि, ताहि लेल।

परमेश् वरक नामक प्रशंसा सभ जाति मे होयत जे ओ हुनका सभक लेल जे भलाई अनैत छथि आ ओ सभ हुनकर द्वारा देल गेल भलाई आ समृद्धि सँ भय आ काँपत।

1. भगवानक नामक स्तुति करबाक आनन्द

2. भगवानक भलाईक समक्ष भय आ काँपब

1. भजन 72:19 - हुनकर गौरवशाली नाम सदा-सदा लेल धन्य हो। आमीन, आ आमीन।

2. यशायाह 55:12 - किएक तँ अहाँ सभ हर्षोल्लाससँ बाहर निकलब आ शान्तिक संग आगू बढ़ब, पहाड़ आ पहाड़ अहाँ सभक सोझाँ फाटि कऽ गाबि उठत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।

यिर्मयाह 33:10 प्रभु ई कहैत छथि। फेर एहि स्थान पर सुनल जायत जे अहाँ सभ कहैत छी जे बिना मनुष्य आ जानवरक उजड़ होयत, यहूदाक नगर सभ मे आ यरूशलेमक गली-गली मे, जे उजाड़ अछि, बिना मनुक्खक, बिना निवासीक आ बिना जानवरक।

प्रभु घोषणा करै छै कि यहूदा आरू यरूशलेम के उजाड़ जगहऽ में फेरू आदमी आरू जानवर के उपस्थिति होतै।

1. भगवान् के पुनर्स्थापन शक्ति: उजाड़ के बीच जीवन लाना

2. उजाड़क समय मे आशा: प्रभु पुनर्निर्माण करताह

1. यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

2. भजन 107:33-38 - ओ नदी सभ केँ जंगल मे बदलि दैत छथि, आ जलस्रोत केँ शुष्क जमीन मे बदलि दैत छथि। एकटा फलदार देश बंजरता मे बदलि जायत, ओहि मे रहनिहार सभक दुष्टताक कारणेँ। ओ जंगल केँ ठाढ़ पानि मे बदलि दैत छथि, आ सूखल जमीन केँ जलस्रोत मे बदलि दैत छथिन। भूखल लोक केँ ओतहि रहय दैत छथिन, जाहि सँ ओ सभ रहबाक लेल नगर तैयार करथि। खेत मे बोउ आ अंगूरक बाग लगाउ, जाहि सँ बढ़बाक फल भेटि सकैत अछि। ओ हुनका सभ केँ सेहो आशीष दैत छथिन, जाहि सँ ओ सभ बहुत बढ़ि जाइत छथि। आ ओकरा सभक माल-जाल केँ कम नहि होबय दैत छैक। पुनः उत्पीड़न, क्लेश आ दुःखक माध्यमे ओकरा सभ केँ छोट कयल जाइत छैक आ नीचाँ कयल जाइत छैक |

यिर्मयाह 33:11 आनन्दक आवाज, आनन्दक आवाज, वरक आवाज आ कनियाँक आवाज, जे कहत जे, “सेना सभक प्रभुक स्तुति करू, किएक तँ परमेश् वर नीक छथि।” किएक तँ ओकर दया अनन्त काल धरि रहतैक, आ जे सभ स्तुतिक बलिदान परमेश् वरक मन् दिर मे आनत। परमेश् वर कहैत छथि जे हम ओहि देशक बंदी सभ केँ पहिने जकाँ घुरा देब।”

भगवान् केरऽ दया अनन्त छै आरू वू भूमि क॑ ओकरऽ मूल स्थिति म॑ वापस ले आबै वाला छै ।

1. प्रभुक स्तुति करबाक आनन्द - यिर्मयाह 33:11

2. परमेश् वरक दया सदाक लेल रहैत अछि - यिर्मयाह 33:11

1. भजन 107:1 - हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि, कारण हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि।

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यिर्मयाह 33:12 सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि। फेर एहि स्थान पर, जे बिना मनुष्य आ जानवरक बिना उजड़ल अछि, आ ओकर सभ शहर मे चरबाह सभक आवास होयत जे अपन भेँड़ा केँ सुता देत।

सेना केरऽ परमेश् वर प्रतिज्ञा करै छै कि यहूदा केरऽ उजाड़ देश पुनर्स्थापित होय जैतै आरू चरवाहा आरू ओकरऽ भेड़ऽ के आवास के जगह बनी जैतै।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: उजाड़ मे आशा भेटब

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: रक्षाक वाचा

1. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत, ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत, आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ जायत आ जे बच्चा सभक संग अछि, ओकरा सभ केँ मंद-मंद नेतृत्व करत।

2. इजकिएल 34:11-15 - किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम, हमहूँ अपन बरद सभ केँ खोजब आ ओकरा सभ केँ खोजब। जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ ताकैत अछि जाहि दिन ओ अपन छिड़ियाएल भेँड़ा मे रहैत अछि। तहिना हम अपन बरद सभ केँ ताकब, आ मेघ आ अन्हार दिन मे जतय ओ सभ छिड़ियाएल अछि, ओहि ठाम सँ ओकरा सभ केँ बचा लेब।

यिर्मयाह 33:13 पहाड़क नगर सभ मे, घाटीक नगर सभ मे, दक्षिणक नगर सभ मे, बिन्यामीन देश मे, यरूशलेमक आसपासक स्थान सभ मे आ यहूदाक नगर सभ मे भेँड़ा सभ रहत परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे यहूदाक भेँड़ा यहूदाक नगर सभ मे गिननिहारक हाथ सँ गुजरत।

1. अनिश्चितताक समय मे भगवानक रक्षा आ प्रावधान

2. प्रभुक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा

1. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि, हमरा अभाव नहि होयत

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत; ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत, आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ जायत।

यिर्मयाह 33:14 देखू, एहन दिन आबि रहल अछि, जखन हम ओहि नीक काज केँ पूरा करब जे हम इस्राएलक घराना आ यहूदाक घरक लेल प्रतिज्ञा केने रही।

परमेश् वर इस्राएलक वंश आ यहूदाक वंशक लेल नीक काज करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि।

1. परमेश् वरक अपन प्रतिज्ञाक प्रति निष्ठा

2. भगवान् के भलाई के आशा

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. भजन 145:13 - तोहर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ तोहर प्रभु सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि।

यिर्मयाह 33:15 ओहि समय मे आ ओहि समय मे हम धार्मिकताक शाखा केँ दाऊद धरि बढ़ा देब। ओ देश मे न्याय आ धार्मिकताक निर्वहन करत।

परमेश् वर दाऊदक शाखाक द्वारा देश मे न्याय आ धार्मिकता पुनर्स्थापित करताह।

1. परमेश् वरक धार्मिक न्याय: यिर्मयाह 33:15

2. दाऊदक शाखा: न्याय आ धार्मिकताक पुनर्स्थापन

1. यशायाह 11:1-5 - धार्मिकताक शाखा

2. 2 राजा 23:3 - देश मे धर्म केँ पुनर्स्थापित करब

यिर्मयाह 33:16 ओहि दिन मे यहूदा उद्धार होयत आ यरूशलेम सुरक्षित रहत।

यहूदा आरू यरूशलेम के लेलऽ उद्धार आरू सुरक्षा के परमेश् वर के प्रतिज्ञा।

1. परमेश् वरक वफादारी आ उद्धारक प्रतिज्ञा

2. धर्मक शक्ति आ ओकर आवश्यकता

1. यशायाह 45:17-18 मुदा इस्राएल केँ परमेश् वरक द्वारा अनन्त उद्धारक उद्धार कयल जायत। अहाँ सभ कहियो लज्जित वा अपमानित नहि होयब, अनन्त युग धरि। 18 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे आकाशक सृजन कयलनि, ओ परमेश् वर छथि। जे पृथ्वी के बनौलनि आ बनौलनि ओ ओकरा स्थापित केलनि; ओ एकरा खाली हेबाक लेल नहि बनौलनि, बल्कि एकरा रहबाक लेल बनौलनि ओ कहैत छथि: हम प्रभु छी, आ दोसर कोनो नहि।

२. 10 किएक तँ अहाँ सभ हृदय सँ विश् वास करैत छी आ धार्मिक ठहराओल जाइत छी, आ मुँह सँ स्वीकार करैत छी आ उद्धार पाबैत छी।

यिर्मयाह 33:17 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। दाऊद कहियो नहि चाहत जे कोनो आदमी इस्राएलक घरानाक सिंहासन पर बैसय।

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि दाऊद के वंशज कभियो भी इस्राएल के सिंहासन पर कोनो शासक के बिना नै रहतै।

1. परमेश् वरक अनन्त सिंहासनक प्रतिज्ञा - दाऊदक वाचाक अन्वेषण

2. परमेश् वरक निष्ठा - परमेश् वरक प्रतिज्ञाक अपरिवर्तनीय प्रकृतिक परीक्षण

1. 2 शमूएल 7:16, "अहाँक घर आ अहाँक राज्य अहाँक समक्ष सदाक लेल स्थापित होयत। अहाँक सिंहासन अनन्त काल धरि स्थापित होयत।"

2. यशायाह 9:7, "हुनकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ हुनकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल, आ आगू सँ न्याय आ न्याय सँ एकरा स्थापित करबाक लेल।" सदा। सेना के प्रभु के उत्साह ई काज पूरा करत।"

यिर्मयाह 33:18 आ ने लेवी पुरोहित सभ हमरा सँ पहिने होमबलि चढ़ाबय आ अन्नबलि प्रज्वलित करय आ नित्य बलि चढ़यबला आदमी केँ नहि चाहत।

परमेश् वर प्रतिज्ञा करै छै कि लेवी पुरोहित सिनी के पास हमेशा कोय नै रहतै जे हुनका बलि चढ़ै वाला होतै।

1. परमेश् वरक निष्ठा: अपन लोकक भरण-पोषण करबाक प्रतिज्ञा

2. बलिदानक शक्ति: हम सभ प्रभुक पूजा कोना करैत छी

1. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

2. इब्रानी 13:15 - तेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान सदिखन अर्पित करी, अर्थात् हुनकर नामक धन्यवाद दैत अपन ठोरक फल।

यिर्मयाह 33:19 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ आयल जे।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा देलथिन जे इस्राएलक लोक सभ केँ पश्चाताप करबाक आ हुनका लग पुनर्स्थापित करबाक लेल आह्वान करथि।

1. पश्चाताप: पुनर्स्थापन के मार्ग

2. भगवानक दया: हुनकर क्षमाक प्रस्ताव

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. लूका 15:11-32 - उड़ल पुत्रक दृष्टान्त

यिर्मयाह 33:20 प्रभु ई कहैत छथि। जँ अहाँ सभ हमर दिनक वाचा आ राति मे हमर वाचा तोड़ि सकैत छी आ दिन-राति अपन समय मे नहि रहय।

भगवान दिन आरू रात के चक्र के महत्व पर जोर दै छै, चेतावनी दै छै कि ओकरा सिनी के बारे में हुनकऽ वाचा तोड़ला के गंभीर परिणाम होतै।

1. दिन आ राति चक्र: भगवानक वाचा केँ बुझब

2. परमेश् वरक लेल समय निकालब: हुनकर वाचा केँ हमरा सभक जीवन मे राखब

1. उत्पत्ति 1:14-19 - दिन आ राति चक्रक परमेश् वरक सृष्टि।

2. यूहन्ना 4:23-24 - परमेश् वर एकटा आत् मा छथि, आओर जे हुनकर आराधना करैत छथि हुनका हुनकर आत् मा आ सत्य मे आराधना करबाक चाही।

यिर्मयाह 33:21 तखन हमर सेवक दाऊदक संग हमर वाचा सेहो टूटि जाय जे हुनका अपन सिंहासन पर राज करबाक लेल पुत्र नहि होनि। आ लेवी सभक संग पुरोहित, हमर सेवक।

दाऊद आरू लेवी सिनी के साथ परमेश् वर के वाचा अक्षुण्ण रहतै, जेकरा सँ हुनका परमेश् वर के सिंहासन पर सेवा करै के अनुमति मिलतै।

1. परमेश् वरक वाचा केँ पालन करब: निराशाक बादो वफादार रहब

2. परमेश् वरक वाचाक योग्य जीवन जीब: यिर्मयाह 33:21 क अध्ययन

1. मत्ती 26:28 - "किएक तँ ई हमर नव नियमक खून अछि, जे पापक क्षमाक लेल बहुतो सभक लेल बहल गेल अछि।"

1099

2. इब्रानी 8:6-7 - "मुदा आब ओ एकटा आओर उत्तम सेवा प्राप्त क' लेलक अछि, जाहि सँ ओ एकटा नीक वाचाक मध्यस्थ छथि, जे नीक प्रतिज्ञा पर स्थापित भेल छल। किएक तँ जँ ओ पहिल वाचा निर्दोष रहैत।" दोसरक लेल कोनो जगह नहि ताकल जेबाक चाही छल।"

यिर्मयाह 33:22 जहिना स् वर्गक सेना नहि गिनल जा सकैत अछि आ समुद्रक बालु नहि नापल जा सकैत अछि, तहिना हम अपन सेवक दाऊद आ हमर सेवा करयवला लेवीक वंश केँ बढ़ा देब।

परमेश् वर राजा दाऊदक वंशज आ हुनकर सेवा करय बला लेवी सभ केँ बढ़यबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा - इतिहास भरि मे परमेश् वर अपन प्रतिज्ञा केँ कोना पूरा कयलनि अछि आ आइ हम सभ हुनकर निष्ठा पर कोना भरोसा क' सकैत छी।

2. परमेश् वरक सेवा करबाक सौभाग्य - प्रभुक सेवाक महत्व केँ बुझब आ हुनकर सेवा करबाक सौभाग्य कोना भेटि सकैत अछि।

१०. आ खाएबला केँ रोटी, हमर मुँह सँ निकलल हमर वचन तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे नीक लागय से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, से पूरा करत।”

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यिर्मयाह 33:23 परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ कहल गेलनि।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात कयलनि जे ओ एकटा भविष्यवक्ता बनथि आ परमेश् वरक वचन दोसर सभक संग बाँटि सकथि।

1. यिर्मयाह के आह्वान: अपन जीवन के लेल परमेश्वर के उद्देश्य के आत्मसात करब

2. परमेश् वरक वचन: हमर जीवनक नींव

1. यशायाह 6:8 - तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठाबी? आ हमरा सभक लेल के जायत। आ हम कहलियनि, एतय हम छी, हमरा पठाउ!

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

यिर्मयाह 33:24 की अहाँ ई नहि सोचैत छी जे ई लोक की कहने अछि जे, “प्रभु जे दूटा परिवार चुनने छथि, तकरा ओ ओकरा सभ केँ फेकि देलनि?” एहि तरहेँ ओ सभ हमर लोक केँ तिरस्कृत कयलक, जाहि सँ ओ सभ आब ओकरा सभक सोझाँ कोनो जाति नहि बनि जाय।”

इस्राएल के लोग परमेश् वर के खिलाफ बोलै छै कि हुनी जे दू परिवार कॅ चुनलोॅ छै, ओकरा नकार देलकै आरो ओकरा सिनी कॅ ओकरा सिनी के सामने अब॑ जाति नै बनी गेलै।

1. परमेश् वरक अन्तहीन प्रेम: प्रभुक अपन लोकक संग वाचा

2. विरोधक सोझाँ वफादार रहब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. यहोशू 1:5-6 - अहाँक जीवन भरि केओ अहाँक सोझाँ ठाढ़ नहि भ’ सकैत अछि। जहिना हम मूसाक संग छलहुँ, तहिना हमहूँ अहाँक संग रहब। हम अहाँकेँ नहि छोड़ब आ ने अहाँकेँ छोड़ब। बलवान आ साहसी बनू, किएक तँ अहाँ एहि लोक केँ ओहि देशक उत्तराधिकारी बना देब जे हम हुनका सभक पूर्वज सभ केँ देबाक शपथ केने रही।

यिर्मयाह 33:25 प्रभु ई कहैत छथि। जँ हमर वाचा दिन-रातिक संग नहि अछि, आ जँ हम आकाश-पृथ्वीक नियम-नियम नहि निर्धारित केने छी।

परमेश् वर दिन-राति आ आकाश-पृथ्वीक विधान सभ केँ निर्धारित कयलनि अछि।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: स् वर्ग आ पृथ्वी पर हुनक अधिकार केँ बुझब

2. वाचाक सौन्दर्य: समय भरि परमेश् वरक निष्ठाक सराहना करब

1. भजन 19:1-4 - आकाश परमेश् वरक महिमाक घोषणा करैत अछि, आ ऊपरक आकाश हुनकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

2. भजन 65:11 - अहाँ अपन इनाम सँ वर्षक मुकुट पहिरबैत छी; अहाँक वैगनक पटरी प्रचुरतासँ उमड़ि जाइत अछि ।

यिर्मयाह 33:26 तखन हम याकूब आ हमर सेवक दाऊदक वंशज केँ फेकि देब, जाहि सँ हम हुनकर कोनो वंशज केँ अब्राहम, इसहाक आ याकूबक वंशज पर शासक नहि बना सकब, कारण हम हुनका सभक बंदी बना देब घुरि कऽ ओकरा सभ पर दया करू।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के बात करै छै कि याकूब आरू दाऊद के वंशज कॅ फेंकी देतै, लेकिन ओकरा सिनी कॅ पुनर्स्थापित करै के आरू ओकरा सिनी पर दया करै के।

1. भगवानक दया टिकैत अछि: विपत्तिक समय मे भगवानक निष्ठा

2. आशाक गवाही: परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा

1. भजन 25:10: "प्रभुक सभ बाट दया आ सत्य अछि, जे हुनकर वाचा आ हुनकर गवाही केँ पालन करैत छथि।"

2. यशायाह 40:31: "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

यिर्मयाह अध्याय 34 लोगऽ के परमेश्वर के साथ अपनऽ वाचा के पालन नै करै के परिणाम आरू बाद में न्याय आरू स्वतंत्रता के अवहेलना पर केंद्रित छै।

1 पैराग्राफ: बेबिलोन केरऽ सेना यरूशलेम के घेराबंदी करी रहलऽ छै, आरू यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि राजा सिदकियाह नै बचतै बल्कि नबूकदनेस्सर द्वारा पकड़ी लेलऽ जैतै (यिर्मयाह 34:1-7)। यिर्मयाह सिदकियाह केँ चेताबैत छथि जे ओ बेबिलोन मे मरि जेताह, मुदा शहर जरि जायत।

2 पैराग्राफ: यरूशलेम के लोग अपन हिब्रू दास के व्यवस्था के अनुसार छोड़ै के वाचा करै छै (यिर्मयाह 34:8-11)। मुदा, बाद मे ओ सभ एहि वाचा केँ तोड़ि अपन संगी इब्रानी सभ केँ फेर सँ गुलाम बना दैत अछि।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर लोक सभ केँ अपन वाचा तोड़बाक लेल डाँटैत छथि (यिर्मयाह 34:12-17)। ओ हुनका सभ केँ अपन आज्ञा मोन पाड़ैत छथि जे सात वर्षक बाद अपन हिब्रू दास सभ केँ मुक्त कयल जाय। कारण ओ सभ आज्ञा नहि मानलक, परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ युद्ध, महामारी आ अकाल द्वारा हुनका सभ पर न्याय आनताह।

4 म पैराग्राफ: परमेश् वर सिदकिय्याह केँ अपन शत्रु सभक हाथ मे सौंपबाक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 34:18-22)। वाचा के उल्लंघन करय वाला के संग राजा के सेहो सजाय के सामना करय पड़तन्हि. हुनका लोकनिक मृत शरीर चिड़ै-चुनमुनी आ जंगली जानवरक भोजन बनि जायत।

संक्षेप में यिर्मयाह के चौंतीस अध्याय में यरूशलेम के परमेश् वर के साथ अपनऽ वाचा तोड़ला के कारण केतना परिणाम के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान यिर्मयाह सिदकिय्याह के पकड़ै के भविष्यवाणी करै छै आरू ओकरा ओकरऽ आसन्न भाग्य के बारे में चेतावनी दै छै। शहर स्वयं विनाशक नियति अछि। लोक सभ शुरू मे एकटा वाचा करैत अछि जे आज्ञाक अनुसार अपन हिब्रू दास सभ केँ छोड़ि देत। मुदा बाद मे एहि समझौताक उल्लंघन करैत

अपन देशवासी केँ फेर सँ गुलाम बना दैत छथि । परमेश् वर हुनका सभ केँ वाचा तोड़बाक लेल डाँटैत छथि, हुनका सभ केँ अपन आज्ञाक स्मरण कराबैत छथि। एहि अवज्ञाक कारणेँ ओ हुनका सभ पर युद्ध, महामारी आ अकालक माध्यमे न्यायक घोषणा करैत छथि | परमेश् वर सिदकिय्याह पर सेहो सजा दैत छथिन, हुनका अपन शत्रु सभक हाथ मे सौंपैत छथि। जे वाचा के उल्लंघन केलक ओकरा सेहो एहने भाग्यक सामना करय पड़तैक। हुनकऽ शरीर चिड़ै आरू जानवरऽ के भोजन बनी जैतै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय भगवान के साथ करलऽ गेलऽ वाचा के अवहेलना आरू हुनकऽ चुनलऽ लोगऽ के बीच न्याय आरू स्वतंत्रता के कायम रखै म॑ विफल रहै के गंभीर परिणाम के बारे म॑ चेतावनी के काम करै छै ।

यिर्मयाह 34:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल, जखन बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर आ ओकर समस्त सेना आ ओकर प्रभुत्वक पृथ्वीक सभ राज्य आ समस्त लोक यरूशलेम आ सभ नगरक विरुद्ध लड़लनि ओकर, कहैत,

प्रभु यिर्मयाह सँ बात कयलनि जखन नबूकदनेस्सर आ ओकर सेना यरूशलेम आ ओकर सभ शहरक विरुद्ध लड़ि रहल छल।

1. विश्वास के माध्यम स जीत: कठिन समय में प्रतिकूलता के कोना दूर कयल जाय

2. परेशानी मे दृढ़ रहू: प्रतिकूलताक सामना करबा काल ताकत ताकब सीखब

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 34:2 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि। जाउ आ यहूदाक राजा सिदकिय्याह सँ बात करू आ हुनका कहि दियौन जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम एहि नगर केँ बाबुलक राजाक हाथ मे दऽ देबनि आ ओ एकरा आगि मे जरा देताह।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ यहूदाक राजा सिदकिय्याह सँ बात करथि आ हुनका ई सूचित करथि जे ई शहर बाबुलक राजा केँ देल जायत जाहि सँ आगि सँ जराओल जायत।

1. परमेश् वरक संप्रभुता आ हमर जीवनक लेल हुनकर योजना केँ बुझब

2. कठिन समय मे परमेश् वरक वचन पर भरोसा करब

1. मत्ती 6:34 - तेँ काल्हिक चिन्ता नहि करू, कारण काल्हि अपन चिन्ता करत। एक-एक दिनक अपन-अपन पर्याप्त परेशानी होइत छैक।

2. यशायाह 46:10 - शुरू सँ अंतक घोषणा करैत, आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, से कहैत, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।

यिर्मयाह 34:3 अहाँ हुनकर हाथ सँ नहि बचि सकब, बल् कि अवश्य पकड़ि कऽ हुनका हाथ मे सौंपल जायब। तोहर आँखि बाबुलक राजाक आँखि देखत आ ओ तोरा मुँह सँ मुँह बजत आ तोँ बेबिलोन चलि जायब।”

भगवान् सार्वभौम छथि आ हुनकर सजा सँ हमरा सभ केँ नहि बचि जेताह।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता

2. पापक दण्ड

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

1102

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 34:4 मुदा, हे यहूदाक राजा सिदकिय्याह, परमेश् वरक वचन सुनू। तोहर परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “अहाँ तलवार सँ नहि मरब।”

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे सिदकिय्याह तलवार सँ नहि मरताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ रक्षा

2. कठिन भेला पर सेहो प्रभुक इच्छा पर भरोसा करब

1. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय।"

2. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

यिर्मयाह 34:5 मुदा अहाँ शान्ति सँ मरि जायब, आ अहाँक पूर्वज, जे अहाँ सँ पहिने छलाह, हुनकर जरला सँ, ओ सभ अहाँक लेल गंध जराओत। ओ सभ अहाँक विलाप करत, “हे प्रभु! परमेश् वर कहैत छथि, किएक तँ हम ई वचन सुनौने छी।”

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ सँ वादा करैत छथि जे हुनकर राजा सभक शान्ति सँ मरलाक बाद शोक कयल जायत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. राजाक क्षतिक शोक

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि आ फूल खसि पड़ैत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल रहैत अछि।

यिर्मयाह 34:6 तखन यिर्मयाह भविष्यवक्ता यरूशलेम मे यहूदाक राजा सिदकियाह सँ ई सभ बात कहलथिन।

परमेश् वर सिदकिय्याह केँ वाचा के प्रति वफादार नै रहला के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै।

1. भगवान् के प्रति निष्ठा के जीवन जीना

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. व्यवस्था 28:1-2 "आब जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा लगन सँ मानब आ हुनकर सभ आज्ञा केँ ध्यान सँ पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ ऊपर राखि देताह।" पृथ्वी के सब जाति।

2. नीतिवचन 28:9 "जे कानून सुनबा सँ कान मोड़ैत अछि, ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।"

यिर्मयाह 34:7 जखन बेबिलोनक राजाक सेना यरूशलेम आ यहूदाक सभ शहर जे बचल छल, लाकीश आ अजेका विरुद्ध लड़लनि, कारण यहूदाक नगर सभ मे सँ ई सुरक्षित शहर सभ बचल छल।

1103

बेबिलोन के सेना यरूशलेम आ यहूदा के बाकी सब शहर, जेना कि लाकीश आरू अजेका के खिलाफ लड़लकै, जे एकमात्र शहर छेलै जे अखनी भी खड़ा छै।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक निष्ठा

2. कठिन समय मे सहनशक्तिक शक्ति

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

यिर्मयाह 34:8 ई ओ वचन अछि जे यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल, जखन राजा सिदकियाह यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोकक संग एकटा वाचा केने छलाह जे ओ सभ हुनका सभ केँ स्वतंत्रताक घोषणा करथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ संदेश पठौलनि जे राजा सिदकियाह हुनका सभक संग वाचा केलाक बाद यरूशलेम मे सभ लोक केँ स्वतंत्रताक घोषणा करथि।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ सभ लोक केँ स्वतंत्रता आ स्वतंत्रताक घोषणा करबाक लेल बजबैत छथि।

2. अपन जीवन मे स्वतंत्रता आ स्वतंत्रताक मूल्यक सराहना करब।

1. रोमियो 8:2 - किएक तँ जीवनक आत् माक नियम अहाँ सभ केँ मसीह यीशु मे पाप आ मृत्युक नियम सँ मुक्त क’ देलक अछि।

2. गलाती 5:13 - भाइ लोकनि, अहाँ सभ स्वतंत्रताक लेल बजाओल गेल छी। केवल अपन स्वतंत्रता केँ शरीरक लेल अवसर नहि बनाउ, बल् कि प्रेमक द्वारा एक-दोसरक सेवा करू।

यिर्मयाह 34:9 जाहि सँ प्रत्येक केओ अपन दासी आ अपन दासी केँ इब्रानी वा इब्रानी केँ मुक्त होमय देबाक चाही। जे कियो हुनका सभक सेवा नहि करथि, जेना कोनो यहूदी अपन भाय केँ।

परमेश् वर आज्ञा देलथिन जे सभ यहूदी दास केँ मुक्त कयल जाय आ अपन लोकक सेवा नहि कयल जाय।

1. स्वतंत्रता के आह्वान: यिर्मयाह 34:9 के माध्यम स स्वतंत्रता के बुझब

2. अपन पड़ोसीसँ प्रेम करू: हमरा सभकेँ अपन दासकेँ किएक मुक्त करबाक चाही

1. गलाती 5:1 - ई स्वतंत्रताक लेल अछि जे मसीह हमरा सभ केँ मुक्त कयलनि अछि। तखन दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू आ फेर गुलामीक जुआ मे अपना केँ बोझ नहि पड़य दियौक।

2. निर्गमन 21:2-6 - जँ अहाँ कोनो हिब्रू नौकर कीनब तँ ओकरा छह साल धरि अहाँक सेवा करबाक अछि। मुदा सातम वर्ष मे ओ मुक्त भ' जेताह, बिना किछु देने।

यिर्मयाह 34:10 जखन सभ राजकुमार आ सभ लोक जे एहि वाचा मे गेल छल, से सुनलक जे प्रत्येक केओ अपन दास आ दासी केँ मुक्त छोड़ि देत, जाहि सँ कियो आब ओकर सेवा नहि करय। तखन ओ सभ बात मानि कऽ ओकरा सभ केँ छोड़ि देलक।

जे सभ राजकुमार आ लोक कोनो वाचा केने छल, से सभ अपन दास सभ केँ मुक्त करबाक लेल तैयार भ' गेल, आ ओ सभ वाचा केँ पालन क' ओकरा सभ केँ छोड़ि देलक।

1. वाचा के शक्ति: परमेश्वर के प्रति प्रतिबद्धता बनाना जीवन के कोना बदली सकै छै

2. आज्ञाकारिता के आह्वान: पाप के जंजीर स अपना के मुक्त करब

1104

1. गलाती 5:1-14 - आत्माक स्वतंत्रता
2. रोमियो 6:6-23 - पाप आ मृत्युक गुलामीक शक्ति
यिर्मयाह 34:11 मुदा तकर बाद ओ सभ घुमि कऽ ओहि नौकर-चाकर आ दासी सभ केँ वापस क’ देलक, जकरा ओ सभ छोड़ि देने छल, आ ओकरा सभ केँ नोकर आ दासी सभक लेल अधीन क’ देलक।
शुरू में अपन दास सब के मुक्त करला के बाद यहूदा के लोग अपनऽ मूल गुलामी के प्रथा में वापस आबी गेलै।
1. भगवानक स्वतंत्रताक वरदान आ ओहि स्वतंत्रता केँ जिम्मेदारी सँ जीबाक महत्व
2. पुरान आदति मे वापसी के खतरा आ अपन विश्वास पर अडिग रहबाक महत्व
1. गलाती 5:1-15 - मसीह मे स्वतंत्रता आ ओहि स्वतंत्रता केँ प्रेम मे जीबाक महत्व
2. रोमियो 12:1-2 - पवित्रता आ परमेश्वरक इच्छाक प्रति समर्पणक जीवन जीब
यिर्मयाह 34:12 तेँ परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल।
परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ अपन दास सभ केँ मुक्त करबाक आज्ञा दैत छथि।
1. परमेश् वरक सभक प्रति बिना शर्त प्रेम - रोमियो 5:8
2. परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक परिणाम - व्यवस्था। 28:15-68 मे
1. निकासी 21:2-6 - परमेश् वरक आज्ञा जे दास सभ केँ 6 सालक सेवाक बाद मुक्त कयल जाय
2. यशायाह 58:6-7 - परमेश् वरक आह्वान जे उत्पीड़ित लोक केँ मुक्त करथि आ गुलामीक हर जुआ केँ तोड़थि
यिर्मयाह 34:13 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा ई कहैत छथि। हम अहाँ सभक पूर्वज सभ संग ओहि दिन एकटा वाचा केने रही जाहि दिन हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ, दास सभक घर सँ बाहर निकालने रही।
परमेश् वर इस्राएली सिनी के साथ एक वाचा करलकै जबेॅ हुनी ओकरा सिनी कॅ मिस्र के दासता सें मुक्त करी देलकै।
1. परमेश् वरक अपरिवर्तनीय वाचा
2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पूर्ति
1. निकासी 19:5-8 - परमेश् वर सिनै मे इस्राएली सभ सँ गप्प करैत
2. इब्रानी 8:6-13 - परमेश् वरक अपन लोक सभक संग नव वाचा
यिर्मयाह 34:14 सात वर्षक अंत मे अहाँ सभ अपन-अपन भाय केँ जे इब्रानी केँ बेचल गेल अछि, ओकरा जाउ। जखन ओ छह वर्ष धरि अहाँक सेवा कऽ लेताह तँ अहाँ ओकरा अपना सँ मुक्त कऽ देबनि। परमेश् वर इस्राएली सभ केँ सात वर्षक बाद अपन इब्रानी दास सभ केँ मुक्त करबाक आज्ञा देलनि, मुदा इस्राएली सभ हुनकर निर्देशक पालन करबा मे असफल रहलाह।
1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब: इस्राएली सभ सँ सीख
2. सुनबाक शक्ति: परमेश् वरक निर्देशक आज्ञापालन

1. व्यवस्था 15:12-15

2. मत्ती 7:24-27

यिर्मयाह 34:15 अहाँ सभ आब घुमि गेलहुँ आ हमरा नजरि मे सही काज कयलहुँ जे प्रत्येक-अपन पड़ोसी केँ स्वतंत्रताक घोषणा कयल गेल। अहाँ सभ हमरा सोझाँ ओहि घर मे एकटा वाचा केने रही जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि।

इस्राएल के लोग प्रभु के पास वापस आबी गेलऽ छेलै आरो सब के लेलऽ स्वतंत्रता के घोषणा करी चुकलऽ छेलै। प्रभुक घर मे परमेश् वरक संग सेहो वाचा कयलनि।

1: परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ हुनकर सेवा करी आ स्वतंत्रताक घोषणा करी।

2: भगवान् के साथ वाचा करना आज्ञाकारिता के काम छै।

1: गलाती 5:13-15 - भाइ लोकनि, अहाँ सभ स्वतंत्रताक लेल बजाओल गेल छी। केवल अपन स्वतंत्रता केँ शरीरक लेल अवसर नहि बनाउ, बल् कि प्रेमक द्वारा एक-दोसरक सेवा करू।

2: रोमियो 6:16-18 - की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे जँ अहाँ सभ अपना केँ ककरो आज्ञाकारी दासक रूप मे प्रस्तुत करैत छी तँ अहाँ सभ ओहि व्यक्तिक गुलाम छी जकरा अहाँ सभ आज्ञा मानैत छी, या त’ पापक, जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि, वा आज्ञापालनक, जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि धर्म? मुदा परमेश् वर केँ धन्यवाद जे अहाँ सभ जे कहियो पापक गुलाम छलहुँ, अहाँ सभ हृदय सँ ओहि शिक्षाक आज्ञाकारी भऽ गेलहुँ जकरा लेल अहाँ सभ समर्पित छलहुँ।

यिर्मयाह 34:16 मुदा अहाँ सभ घुमि कऽ हमर नाम केँ अशुद्ध कयलहुँ आ प्रत्येक केँ अपन नोकर आ अपन दासी केँ, जकरा ओ अपन इच्छानुसार मुक्त क’ देने छलाह, घुरि क’ ओकरा सभ केँ अपना अधीन क’ देलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभक दास बनय आ दासी सभक लेल।

यहूदाक लोक सभ परमेश् वर सँ मुड़ि गेल आ ओहि लोक सभ केँ गुलाम बना देलक जे ओ सभ पहिने मुक्त कएने छल।

1. परमेश् वरक नाम अनमोल आ पवित्र अछि: यिर्मयाह 34:16 पर चिंतन

2. परमेश्वर के अस्वीकार करय के परिणाम: यिर्मयाह 34:16 के अध्ययन

1. निकासी 20:7 - "अहाँ अपन परमेश् वरक नामक दुरुपयोग नहि करू, किएक तँ प्रभु ककरो अपन नामक दुरुपयोग करयवला केँ निर्दोष नहि मानताह।"

2. मत्ती 6:9-10 - "तखन अहाँ सभ केँ एहि तरहेँ प्रार्थना करबाक चाही: 'हमर सभक पिता स् वर्ग मे, अहाँक नाम पवित्र होअय, अहाँक राज आबय, अहाँक इच्छा पृथ्वी पर पूरा होअय जेना स् वर्ग मे होइत अछि।'"

यिर्मयाह 34:17 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ अपन-अपन भाय आ पड़ोसी केँ स्वतंत्रताक घोषणा करैत हमर बात नहि सुनलहुँ। हम अहाँ सभ केँ पृथ् वीक सभ राज् य मे हटा देब।”

परमेश् वर तलवार, महामारी आ अकाल के सजा के घोषणा करै छै जे दोसर के सामने स्वतंत्रता के घोषणा नै करै छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 34:17 सँ सीख

2. स्वतंत्रताक घोषणा करबाक शक्ति: यिर्मयाह 34:17 सँ एकटा आह्वान

1. मत्ती 22:37-40 (अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण आ पूरा मोन सँ प्रेम करू। ई महान आ पहिल आज्ञा अछि। आ एकटा दोसर आज्ञा सेहो एहि तरहक अछि: अहाँ अपन... पड़ोसी अपना जकाँ।)

2. याकूब 1:22-25 (मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करयवला नहि अछि तँ ओ ओहि आदमी जकाँ अछि जे अपन स्वाभाविक चेहरा दिस ध्यान सँ तकैत अछि ऐना मे।किएक तँ ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल।मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि, ओ श्रोता नहि अछि जे बिसरि जाइत अछि, अपितु काज करयवला कर्ता अछि। अपन कर्म मे धन्य हेताह।)

यिर्मयाह 34:18 हम ओहि आदमी सभ केँ देब जे हमर वाचाक उल्लंघन केने छथि, जे हमरा सँ पहिने कयल गेल वाचाक बात केँ पूरा नहि केने छथि, जखन ओ सभ बछड़ा केँ दू भाग मे काटि क’ ओकर भागक बीच सँ गुजरल छलाह।

जे अपन वाचा तोड़ने छथि हुनका परमेश् वर सजा देथिन।

1: भगवान् के आज्ञा मानू आ हुनकर वाचा के पालन करू

2: भगवान टूटल वाचा बर्दाश्त नहि करताह

1: इब्रानियों 10:30 प्रभु कहैत छथि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब।” आ फेर, “प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।”

2: व्यवस्था 28:15 मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज नहि सुनब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सभ शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

यिर्मयाह 34:19 यहूदा के राजकुमार, यरूशलेम के राजकुमार, नपुंसक, पुरोहित, आरू देश के सब लोग, जे बछड़ा के भाग के बीच स॑ गुजरै छेलै।

यहूदा आरू यरूशलेम के राजकुमार, नपुंसक, पुरोहित आरू लोग एक धार्मिक अनुष्ठान के हिस्सा के रूप में बछड़ा के भाग के बीच से गुजरी जाय छेलै।

1. बाइबिल मे धार्मिक अनुष्ठानक महत्व

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक शक्ति

1. व्यवस्था 5:27-29 - "हमरा सभक परमेश् वरक जे किछु कहताह, तकरा नजदीक जाउ आ सुनू, आ हमरा सभ केँ ओ सभ बात कहू जे हमर सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ कहताह, आ हम सभ सुनब आ पूरा करब।"

2. मत्ती 22:37-40 - "ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त मन सँ प्रेम करू। ई महान आ पहिल आज्ञा अछि। आ दोसर अछि।" जेना: अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।"

यिर्मयाह 34:20 हम ओकरा सभ केँ शत्रु सभक हाथ मे दऽ देब आ जे ओकर जान चाहै छै, ओकर मृत शरीर आकाशक चिड़ै सभ आ पृथ्वीक जानवर सभक भोजनक लेल होयत।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे हुनका सभ केँ शत्रु सभक हाथ मे सौंपल जायत आ हुनकर शरीर चिड़ै-चुनमुनी आ जानवरक भोजन होयत।

1. जखन हम सभ परमेश् वरक आज्ञा नहि मानैत छी तखन की होइत अछि?

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम।

1. व्यवस्था 28:15-68 - जे अभिशाप आज्ञा नहि मानला स भेटैत अछि।

2. इजकिएल 33:11 - परमेश् वरक हुनकर न्यायक चेतावनी जँ ओ सभ पश्चाताप नहि करताह।

1107

यिर्मयाह 34:21 हम यहूदाक राजा सिदकिय्याह आ हुनकर राजकुमार सभ केँ हुनका सभक शत्रु सभक हाथ मे, जे हुनकर जान चाहनिहार सभक हाथ मे आ बाबुलक राजाक सेना सभक हाथ मे दऽ देब जे अहाँ सभ सँ चलि गेल अछि.

परमेश् वर यहूदा के राजा सिदकिय्याह कॅ चेताबै छै कि वू आरू ओकरो राजकुमार सिनी कॅ ओकरोॅ शत्रु आरु बाबुल के राजा सेना के हाथोॅ में सौंपलऽ जैतै।

1. परमेश् वर सँ मुँह मोड़बाक परिणाम - यिर्मयाह 34:21

2. परमेश्वरक चेतावनी के शक्ति - यिर्मयाह 34:21

1. व्यवस्था 28:15-68 - आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे परमेश् वरक चेतावनी

2. यशायाह 55:6-7 - परमेश्वरक आमंत्रण हुनका तकबाक लेल आओर हुनकर क्षमाक प्रतिज्ञा

यिर्मयाह 34:22 देखू, हम आज्ञा देब, परमेश् वर कहैत छथि, आ हुनका सभ केँ एहि नगर मे घुमा देबनि। ओ सभ ओकरा सँ लड़त आ ओकरा पकड़ि कऽ आगि मे जरा देत।

परमेश् वर वचन देने छथि जे लोक सभ केँ यरूशलेम मे वापस आओत आ यहूदाक नगर सभ केँ नष्ट कऽ देथिन।

1. प्रभु सदिखन अपन प्रतिज्ञाक पालन करैत छथि - यिर्मयाह 34:22

2. यहूदा के परमेश् वर के न्याय - यिर्मयाह 34:22

1. यशायाह 45:23 - "हम अपन शपथ खा लेने छी, हमर मुँह सँ धार्मिकता मे ई वचन निकलल अछि, आ घुरि क' नहि आओत, जे हमरा सामने सभ ठेहुन प्रणाम करत, सभ जीह शपथ करत।"

2. व्यवस्था 28:63 - "आ एहन होयत जे जेना परमेश् वर अहाँ सभक भलाई करबाक लेल आ अहाँ सभ केँ बढ़ेबाक लेल आनन्दित भेलाह, तहिना परमेश् वर अहाँ सभ पर आनन्दित होयत जे अहाँ सभ केँ नष्ट कऽ सकब आ अहाँ सभ केँ अविनाशी करब। अहाँ सभ ओहि देश सँ उखाड़ि देल जायब जतय अहाँ ओकरा अपन कब्जा मे लेबय जायब।”

यिर्मयाह अध्याय ३५ रेकाबियन के आज्ञाकारिता आरू विश्वास पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ ओकरऽ निष्ठा के विपरीत इस्राएल के आज्ञा नै मानलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ रेकाबी सभ केँ मन्दिर मे अनबाक लेल आ हुनका सभ केँ शराब पीबाक लेल चढ़ाउ (यिर्मयाह 35:1-5)। यिर्मयाह ओकरा सभ केँ जमा क’ क’ मंदिरक कोठली मे ओकरा सभक सोझाँ मदिरा भेंट करैत छथि।

2 पैराग्राफ: रेकाबी शराब पीबय स मना क दैत छथि, अपन पूर्वज के आज्ञा के हवाला दैत छथि जे एहि स परहेज करू (यिर्मयाह 35:6-11)। ओ सभ बतबैत छथि जे हुनका सभक पूर्वज योनादाब हुनका सभ केँ घर नहि बनाबय, अंगूरक बाग नहि लगेबाक आ मदिरा नहि पीबाक आज्ञा देने छलाह। ओ सभ कतेको पीढ़ी धरि एहि आज्ञाक निष्ठापूर्वक पालन करैत आबि रहल छथि ।

3 वां पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएल के लेलऽ एक उदाहरण के रूप म॑ रेकाबी के वफादारी के प्रशंसा करै छै (यिर्मयाह ३५:१२-१७)। ओ हुनका सभक आज्ञाकारिता आ इस्राएलक आज्ञा नहि मानैत छथि। यिर्मयाह जैसनऽ भविष्यवक्ता सिनी के अनेक चेतावनी के बावजूद इस्राएल नै सुनलकै आरू नै ही पश्चाताप करलकै । अतः हुनका सब के गंभीर परिणाम के सामना करय पड़तनि।

4 म पैराग्राफ: परमेश् वर रेकाबियन पर आशीष देबाक वादा करैत छथि (यिर्मयाह 35:18-19)। ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे हुनका सभक वंशज सदिखन रहत जे हुनकर निष्ठापूर्वक सेवा करत, कारण ओ सभ योनादाबक आज्ञाक पालन केने छथि।

संक्षेप में यिर्मयाह के पैंतीस अध्याय में इस्राएल के आज्ञा नै आज्ञा के विपरीत रेकाबी के वफादारी आरू आज्ञाकारिता पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश

दैत छथि जे ओ रेकाबी सभक समक्ष मदिरा पेश करथि, मुदा ओ सभ अपन पूर्वजक आज्ञाक आधार पर पीढ़-पीढ़ी धरि मदिरा सँ परहेज करबाक लेल मना कऽ दैत छथि। हुनका लोकनिक पूर्वज योनादाब हुनका सभ केँ आज्ञा देने छलाह जे घर नहि बनाबथि, अंगूरक बाग नहि लगाबथि आ शराब नहि पीबथि। ओ सभ निष्ठापूर्वक एहि आज्ञाक पालन कयलनि अछि। परमेश् वर हुनका सभक वफादारी के एक उदाहरण के रूप में प्रशंसा करै छै आरू एकरऽ विपरीत इस्राएल के आज्ञा नै मानै के साथ करै छै। यिर्मयाह जैसनऽ भविष्यवक्ता सिनी के चेतावनी के बावजूद इस्राएल नै सुनलकै आरू नै ही पश्चाताप करलकै, जेकरा चलतें ओकरा सिनी लेली गंभीर परिणाम सामने ऐलै। रेकाबियन के विश्वासपूर्वक आज्ञाकारिता के लेलऽ आशीर्वाद के वादा करलऽ गेलऽ छै । हुनका सब के हमेशा वंशज होतै जे निष्ठापूर्वक परमेश् वर के सेवा करतै, कैन्हेंकि हुनी योनादाब के आज्ञा के पालन करलकै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय आज्ञाकारिता आरू विश्वास के महत्व के याद दिलाबै के काम करै छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै कि आज्ञा नै आज्ञा के संस्कृति के बीच एगो विश्वासी अवशेष कोना अलग होय सकै छै ।

यिर्मयाह 35:1 यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक समय मे जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल।

यहोयाकीम के समय में प्रभु यिर्मयाह से बात करै छै।

1. परमेश् वरक निष्ठा अनन्त अछि आ ओ हमरा सभ लग पहुँचबाक अपन मिशन मे सुसंगत रहैत छथि।

2. प्रभुक वचन सत्य आ भरोसेमंद अछि आ हमरा सभक मार्गदर्शन करबाक लेल सदिखन ठाढ़ रहत।

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

यिर्मयाह 35:2 रेकाबी सभक घर मे जाउ आ हुनका सभ सँ गप्प करू आ हुनका सभ केँ परमेश् वरक घर मे, एकटा कोठली मे आनि दियौक आ हुनका सभ केँ शराब पीबय दियौक।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथिन जे ओ रेकाबी सभ केँ प्रभुक घर मे आनि कऽ हुनका सभ केँ शराब पीबथि।

1. भगवान् शारीरिक भरण-पोषण प्रदान क' क' अपन दया करैत छथि।

2. भगवान् के नजर में सत्कार के महत्व।

1. मत्ती 25:35-36 - किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाएलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबाक लेल देलहुँ।

2. लूका 14:12-14 - ओ हुनका आमंत्रित करनिहार केँ सेहो कहलथिन, “जखन अहाँ भोजन वा भोज करब तखन अपन मित्र वा भाइ वा अपन परिजन वा धनी पड़ोसी केँ नहि बजाउ, कहीं ओहो सभ अहाँ केँ भीतर नहि बजौत वापस आबि जाउ आ अहाँक भुगतान भ' जायत। मुदा जखन अहाँ सभ भोज देब तँ गरीब, अपंग, लंगड़ा, आन्हर केँ बजाउ आ अहाँ केँ आशीर्वाद भेटत, किएक तँ ओ सभ अहाँ केँ बदला नहि दऽ सकैत अछि।

यिर्मयाह 35:3 तखन हम हबजिनियाक पुत्र यिर्मयाहक पुत्र याजनियाह आ हुनकर भाय सभ, हुनकर सभ पुत्र सभ आ रेकाबीक समस्त घराना केँ लऽ गेलहुँ।

यिर्मयाह यिर्मयाह यजानियाह आ ओकर परिवार रेकाबी केँ मंदिर मे अनलनि जे ओ अपन आज्ञापालनक व्रत पूरा करथि।

1. परमेश् वरक आदर करबामे आज्ञापालनक शक्ति

2. कोनो व्रत के प्रति निष्ठा आ ओकर महत्व

1109

1. नीतिवचन 3:1-2 हमर बेटा, हमर शिक्षा केँ नहि बिसरब, बल् कि अहाँक मोन हमर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई सभ दिन आ वर्षक जीवन आ शान्ति अहाँ केँ जोड़त।

2. याकूब 1:22-25 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल। मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि, जे बिसरनिहार श्रोता नहि अछि, अपितु काज करयवला कर्ता अछि, ओ अपन कर्म मे धन्य होयत।

यिर्मयाह 35:4 हम हुनका सभ केँ परमेश् वरक घर मे, परमेश् वरक पुरुष इग्दलियाक पुत्र हानानक पुत्र सभक कोठली मे अनलहुँ जे मासेयाक कोठलीक ऊपर छल, जे राजकुमार सभक कोठलीक कात मे छल दरबज्जाक रखवाला शल्लुमक पुत्र।

परमेश् वर लोक सभ केँ परमेश् वरक घर आ हाननक पुत्र सभक कोठली मे अनलनि जे दरबज्जाक रखवाला मासेयाक कोठलीक ऊपर छल।

1. परमेश् वरक आमंत्रण: हुनकर घर मे आबय लेल एकटा आह्वान

2. भगवानक अभयारण्य: रक्षा आ प्रावधानक स्थान

1. भजन 5:7 - मुदा हम अहाँक दयाक भरमार सँ अहाँक घर मे आबि रहल छी, हम अहाँक भय सँ अहाँक पवित्र मन्दिर दिस आराधना करब।

2. इब्रानियों 10:19-22 - एहि लेल, भाइ लोकनि, यीशुक खून द्वारा पवित्रतम स्थान मे प्रवेश करबाक साहस अछि, एकटा नव आ जीवित बाट द्वारा, जे ओ हमरा सभक लेल पर्दा द्वारा पवित्र कयलनि अछि, अर्थात् हुनकर मॉस; परमेश् वरक घर पर एकटा महापुरोहित छल। आउ, हम सभ विश्वासक पूर्ण आश्वासन दैत सच्चा हृदय सँ नजदीक आबि जाइ, अपन हृदय पर दुष्ट विवेक सँ छिड़कल आ अपन शरीर शुद्ध पानि सँ धोबी।

यिर्मयाह 35:5 हम रेकाबीक घरक बेटा सभक सोझाँ मदिरा सँ भरल घैल आ प्याला राखि देलियैक आ ओकरा सभ केँ कहलियैक, “अहाँ सभ मदिरा पीबू।”

यिर्मयाह भविष्यवक्ता रेकाबक घरक पुत्र सभक समक्ष मदिरा राखि हुनका सभ केँ पीबाक लेल आमंत्रित कयलनि।

1. शराबसँ परहेज करबाक महत्व आ दृढ़ विश्वासक शक्ति।

2. अपन प्रतिबद्धता आ भोगक खतरा के प्रति वफादार रहबाक आह्वान।

1. 1 कोरिन्थी 6:12 - "हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा सभ किछु उचित नहि अछि। हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा हम ककरो अधिकार मे नहि आनल जायब।"

2. नीतिवचन 20:1 - "मदिरा उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।"

यिर्मयाह 35:6 मुदा ओ सभ कहलक, “हम सभ शराब नहि पीब, किएक तँ हमर पिता रेकाबक पुत्र योनादाब हमरा सभ केँ आज्ञा देलनि जे, “अहाँ सभ आ ने अहाँ सभ आ ने अपन पुत्र सभ सदा-सदा लेल मदिरा नहि पीब।”

रेकाबी अपनऽ पिता योनादाब केरऽ आज्ञा के कारण आसपास के संस्कृति के बावजूद शराब पीबै स॑ मना करी दै छै ।

1. कठिन परिस्थिति मे सेहो परमेश्वरक वचनक पालन करब

2. विरासत आ आज्ञाकारिता के शक्ति

1. इफिसियों 6:1-2 "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन पिता आ मायक आदर करू जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि"।

2. 1 पत्रुस 2:13-15 "प्रभुक लेल सभ मानवीय संस्थाक अधीन रहू, चाहे ओ सम्राट केँ सर्वोच्च मानल जाय, वा ओहि राज्यपाल सभक अधीन रहू जे हुनका द्वारा अधलाह काज करयवला केँ दंडित करबाक लेल आ करनिहार सभक प्रशंसा करबाक लेल पठाओल गेल हो।" नीक"

यिर्मयाह 35:7 ने घर बनाउ, ने बीया बोउ आ ने अंगूरक बाग लगाउ आ ने कोनो बाग, बल् कि अहाँ सभ दिन भरि डेरा मे रहब। जाहि सँ अहाँ सभ ओहि देश मे बहुत दिन धरि रहब जतय अहाँ सभ परदेशी छी।”

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ आज्ञा देलथिन जे घर नहि बनाबथि, बीया नहि बोउ आ अंगूरक बाग नहि लगाबथि आ डेरा मे रहथि जाहि सँ ओ सभ ओहि देश मे बहुत दिन धरि रहथि जाहि सँ ओ सभ पराया छलाह।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

2. संक्रमणक समय मे भगवानक प्रावधान पर भरोसा करबाक आवश्यकता

1. मत्ती 6:25-34 (तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक चिन्ता करू, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि आ शरीर सँ बेसी कपड़ा?)

2. इब्रानी 13:5 (अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि, हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब; हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब।)

यिर्मयाह 35:8 एहि तरहेँ हम सभ अपन पिता रेकाबक पुत्र योनादाबक जे किछु आज्ञा देलनि अछि, तकर बात मानलहुँ जे हम सभ, अपन पत्नी, बेटा आ बेटी सभ, भरि दिन मदिरा नहि पीब।

रेकाब के लोग अपनऽ पिता योनादाब केरऽ आज्ञा के पालन करी क॑ हर समय शराब पीबै स॑ परहेज करी रहलऽ छै ।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स आशीर्वाद कोना भेटैत अछि

2. नशा सँ परहेज: बुद्धि आ विवेकक मार्ग

1. नीतिवचन 20:1 - शराब उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।

2. 1 पत्रुस 5:5-6 - तहिना अहाँ सभ छोट, जेठक अधीन रहू। हँ, अहाँ सभ एक-दोसरक अधीन रहू आ विनम्रताक वस्त्र पहिरि लिअ, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोक सभक विरोध करैत छथि आ विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ समय पर अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि।

यिर्मयाह 35:9 आ ने हमरा सभक लेल घर बनाबय लेल जाहि मे रहब, ने हमरा सभ लग अंगूरक बगीचा अछि, ने खेत आ ने बीया।

इस्राएलक लोकक घर, अंगूरक बाग, खेत आ बीया नहि छल।

1: हम इस्राएल के लोक स सीख सकैत छी जे हमरा सब लग जे चीज अछि ओकर सराहना करी, चाहे ओ कतबो छोट या महत्वहीन लागय।

2: हम इस्राएल के लोग के सामने आबै वाला चुनौती के बारे में चिंतन करी सकै छियै आरू ई बात के दिलासा ल सकै छियै कि परमेश् वर जरूरत के समय में हमरा सिनी के जरूरत के इंतजाम करै छै।

1: भजन 23:1 - प्रभु हमर चरबाह छथि, हमरा अभाव नहि होयत।

2: फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

यिर्मयाह 35:10 मुदा हम सभ डेरा मे रहैत छी, आ हमर पिता योनादाबक आज्ञाक अनुसार पालन केलहुँ।

इस्राएल के लोग अपनऽ पिता योनादाब के आज्ञा के पालन करलकै आरू अपनऽ आज्ञाकारिता के निशानी के रूप में डेरा में रहै छेलै।

1: भगवान् के आज्ञाकारिता हमर विश्वास के निशानी अछि

2: अपन पिताक आज्ञाक पालन करब सम्मानक निशानी अछि

1: निकासी 20:12 अपन पिता आ मायक आदर करू

2: व्यवस्था 11:13 अपन परमेश् वर परमेश् वरक सभ आज्ञाक पालन करबाक सावधान रहू, हुनकर बाट पर चलैत रहू आ हुनका पकड़ने रहू।

यिर्मयाह 35:11 मुदा जखन बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर ओहि देश मे अयलाह तखन हम सभ कहलियनि, “आउ, कल्दी सभक सेना आ सेनाक डर सँ यरूशलेम जाउ।” सीरियाई: तेँ हम सभ यरूशलेम मे रहैत छी।

यहूदा के लोग बेबिलोन आरू सीरिया के सेना के डर सें यरूशलेम जाय के फैसला करलकै।

1. भय के समय में भगवान के रक्षा

2. प्रतिकूलताक समय भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व

1. भजन 91:2 - हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि, हमर परमेश् वर। हम हुनका पर भरोसा करब।

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यिर्मयाह 35:12 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह केँ आयल जे।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ आज्ञापालन के महत्व के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आह्वान

2. आज्ञाकारी जीवन जीबाक आशीर्वाद

1. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 35:13 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। जाउ, यहूदा आ यरूशलेमक निवासी सभ केँ कहि दिअ जे, “की अहाँ सभ केँ हमर बात सुनबाक शिक्षा नहि भेटत?” प्रभु कहैत छथि।

सेना के प्रभु, इस्राएल के परमेश् वर, यहूदा आरू यरूशलेम के लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी हुनको वचन सुनै।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन: यहूदा आ यरूशलेमक लोकक उदाहरण

2. प्रभु के वचन सुनना: एक महत्वपूर्ण आज्ञाकारिता

1. व्यवस्था 10:12-13 - आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभ सँ की चाहैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक लेल पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ।

2. 1 शमूएल 15:22 - शमूएल कहलथिन, “की प्रभु केँ होमबलि आ बलिदान मे ओतबे प्रसन्नता होइत छनि जतेक प्रभुक आवाज मानबा मे? देखू, बलिदान सँ आज्ञा मानब नीक अछि, आ मेढ़क चर्बी सँ सुनब।

यिर्मयाह 35:14 रेकाबक पुत्र योनादाबक वचन पूरा होइत अछि जे ओ अपन पुत्र सभ केँ शराब नहि पीबाक आज्ञा देलनि। किएक तँ आइ धरि ओ सभ कियो नहि पीबैत अछि, बल् कि अपन पिताक आज्ञाक पालन करैत अछि। मुदा अहाँ सभ हमर बात नहि मानलहुँ।

योनादाब अपन पुत्र सभक आज्ञापालनक नीक उदाहरण देलनि।

1. नीक उदाहरणक शक्ति

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद

१.

2. व्यवस्था 11:26-27 "देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद, जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, आ जँ अहाँ सभ पालन करब तँ श्राप।" अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू, बल् कि आइ जे बाट अहाँ सभ केँ आज्ञा दऽ रहल छी, ताहि सँ हटि जाउ

यिर्मयाह 35:15 हम अपन सभ सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ सेहो अहाँ सभ लग पठौने छी जे भोरे उठि कऽ हुनका सभ केँ पठा देलियैक जे, “अहाँ सभ एक-एक गोटे अपन दुष्ट मार्ग सँ घुरि जाउ आ अपन काज केँ सुधारू, आ दोसर देवता सभक पाछाँ नहि जाउ। अहाँ सभ ओहि देश मे रहब जे हम अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक पूर्वज केँ देने छी।

परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभ केँ पठौने छथि जे लोक सभ केँ ई कहथिन जे ओ सभ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि कऽ असगरे हुनकर सेवा करू।

1. भगवान् के आज्ञाकारिता सच्चा स्वतंत्रता के मार्ग छै।

2. हमरऽ आध्यात्मिक यात्रा के लेलऽ हमरा सिनी क॑ पाप स॑ मुड़ी क॑ परमेश् वर के इच्छा के पालन करै के जरूरत छै ।

1. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखैत छी; एकटा आशीर्वाद, जँ अहाँ सभ अहाँ सभ अपन परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी: आ एकटा अभिशाप, जँ।" अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करब, बल् कि हम आइ जे बाट अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागब, जकरा अहाँ सभ नहि जनलहुँ।”

२ धर्म? मुदा परमेश् वर केँ धन्यवाद जे अहाँ सभ जे कहियो पापक दास छलहुँ, अहाँ सभ हृदय सँ ओहि शिक्षाक आज्ञाकारी भऽ गेलहुँ जाहि पर अहाँ सभ पाप सँ मुक्त भऽ गेलहुँ।

यिर्मयाह 35:16 किएक तँ रेकाबक पुत्र योनादाबक पुत्र सभ अपन पिताक आज्ञाक पालन कयलनि। मुदा ई लोक हमर बात नहि मानलक।

योनादाब आ ओकर पुत्र सभ निष्ठापूर्वक परमेश् वरक आज्ञा मानैत रहलाह, जखन कि यहूदाक लोक सभ नहि।

1. परिस्थिति के बावजूद भगवान् के प्रति वफादार रहना

2. सभसँ बेसी भगवानक आज्ञापालन

1. इब्रानी 11:6 - "बिना विश् वास केने ओकरा प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे कियो परमेश् वरक नजदीक आओत, ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ अछि आ ओकरा तकनिहार सभ केँ ओ पुरस्कृत करैत अछि।"

2. व्यवस्था 6:4-5 - "हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।"

यिर्मयाह 35:17 तेँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि। देखू, हम यहूदा आ यरूशलेम मे रहनिहार सभ पर ओ सभटा दुष् टता आनि देब जे हम हुनका सभक विरुद्ध कयल गेल छी। हम हुनका सभ केँ बजौने छी, मुदा ओ सभ कोनो उत्तर नहि देलक।

परमेश् वर यहूदा आरू यरूशलेम पर अपनऽ न्याय के घोषणा करी रहलऽ छै, कैन्हेंकि हुनी हुनकऽ आह्वान आरू चेतावनी के जवाब दै स॑ इनकार करी रहलऽ छै ।

1. "प्रभुक आह्वान पर ध्यान दियौक: हुनकर चेतावनी केँ अनदेखी नहि करू!"

2. "परमेश् वरक वचन अंतिम अछि: हुनकर चेतावनी पर ध्यान दियौक वा परिणामक सामना करू!"

२.

2. नीतिवचन 1:24-32 - "किएक त' हम बजौलहुँ आ अहाँ सुनबा सँ मना क' देलहुँ, हमर हाथ पसारि देलहुँ आ कियो ध्यान नहि देलक, आ अहाँ हमर सभ सलाह केँ अनसुना क' देलहुँ आ हमर कोनो डाँट नहि चाहैत छी, हमहूँ हँसब।" अहाँक विपत्ति पर हम उपहास करब जखन अहाँ पर आतंक आबि जायत, जखन आतंक अहाँ पर तूफान जकाँ आतय आ अहाँक विपत्ति बवंडर जकाँ आओत, जखन अहाँ पर संकट आ पीड़ा आओत।तखन ओ सभ हमरा आवाज देत, मुदा हम कोनो उत्तर नहि देब, ओ सभ देत हमरा लगन सँ ताकब मुदा हमरा नहि भेटत।किएक तँ ओ सभ ज्ञान सँ घृणा करैत छल आ प्रभुक भय नहि चुनलक, हमर कोनो सलाह नहि चाहैत छल आ हमर सभ डाँट केँ तिरस्कार करैत छल, तेँ ओ सभ अपन बाट केर फल खा लेत आ पेट भरि लेत अपन-अपन यंत्र।"

यिर्मयाह 35:18 यिर्मयाह रेकाबीक घराना केँ कहलथिन, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ सभ अपन पिता योनादाबक आज्ञाक पालन कयलहुँ आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन कयलहुँ आ हुनकर सभ आज्ञाक अनुसार पालन कयलहुँ।

यिर्मयाह रेकाबी सभक प्रशंसा केलनि जे ओ सभ अपन पिता योनादाबक आज्ञाक पालन करैत छथि।

1. आज्ञाकारिता के महत्व

2. भगवानक आज्ञाक पालन करब

1. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि।

2. व्यवस्था 28:1-14 - जँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आज्ञाक पालन करब तँ अहाँ धन्य होयब।

यिर्मयाह 35:19 तेँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। रेकाबक पुत्र योनादाब हमरा सामने सदा-सदा लेल एक आदमी ठाढ़ रहय नहि चाहत।

परमेश् वर वचन देलथिन जे रेकाबक पुत्र योनादाबक वंशज हुनकर सेवा करैत रहत।

1. प्रभुक सेवा करब: योनादाब आ हुनक वंशजक उदाहरण

2. परमेश् वरक निष्ठावान सेवाक प्रतिज्ञा

1. मत्ती 10:42 - आ जे कियो एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ कोनो एकटा केँ शिष्यक नाम पर एक कप ठंढा पानि सेहो देत, हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे ओ अपन इनाम कहियो नहि गमाओत।

2. इब्रानी 6:10 - किएक तँ परमेश् वर अन्याय नहि करैत छथि जे अहाँ सभक काज आ ओहि प्रेम केँ अनदेखी कऽ दैत छथि जे अहाँ सभ संत सभक सेवा मे हुनकर नामक प्रति जे प्रेम देखौलहुँ, जेना अहाँ सभ एखनो करैत छी।

यिर्मयाह अध्याय ३६ मे यिर्मयाह के भविष्यवाणी वाला एक ग्रंथ के लेखन आरू पढ़ै के आसपास के घटना के वर्णन छै, साथ ही राजा यहोयाकीम आरू ओकरो अधिकारी सिनी के प्रतिक्रिया के भी वर्णन छै।

1 पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ इस्राएल, यहूदा आओर अन्य जाति सभक विरुद्ध जे सभ भविष्यवाणी केने छथि, तकरा एकटा स्क्रॉल पर लिखथि (यिर्मयाह 36:1-4)। यिर्मयाह अपन शास्त्री बरुक केँ बजबैत छथि आ हुनका परमेश् वरक सभटा वचन कहैत छथि। बरुक एकटा स्क्रॉल पर लिखैत छथि।

2 पैराग्राफ: बरूक मंदिर मे उपवास के दिन सार्वजनिक रूप स यिर्मयाह के भविष्यवाणी वाला स्क्रॉल पढ़ैत छथि (यिर्मयाह 36:5-10)। बात पसरैत अछि, आ देखैत-देखैत विभिन्न रैंकक अधिकारी लोकनि एकर बारे मे सुनैत छथि । ओ सभ बरुक केँ बजबैत छथि जे ओ सभ ओकरा सभक सोझाँ पढ़ि लेथि।

3 पैराग्राफ: स्क्रॉल के सामग्री सुनला पर अधिकारी सब भयभीत भ जाइत छथि (यिर्मयाह 36:11-19)। ओ सभ बरूक केँ यिर्मयाहक संग नुका कऽ रहबाक सलाह दैत छथि, जाबत ओ सभ राजा यहोयाकीम केँ अपन सुनल बातक सूचना दैत छथि।

4 पैराग्राफ: अधिकारी लोकनि राजा यहोयाकीम के सामने स्क्रॉल भेंट करैत छथि (यिर्मयाह 36:20-24)। जेना-जेना ओकरा सामने पढ़ल जाइत छैक, ओ क्रोधित भ' जाइत अछि आ ओकरा टुकड़ा- टुकड़ा क' क' आगि मे जरा क' एकर विनाश करबाक आदेश दैत अछि । ओना ओकर संदेशसँ ओ अप्रभावित रहैत छथि ।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन सभ भविष्यवाणी केँ दोसर स्क्रॉल पर फेर सँ लिखथि (यिर्मयाह 36:27-32)। ओ यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे यहोयाकीमक शासनकाल पर कठोर न्याय कयल जायत, कारण हुनकर वचनक विरुद्ध काज कयल जायत। परमेश् वरक संदेश केँ चुप करबाक प्रयासक बादो हुनकर वचन टिकत।

संक्षेप में यिर्मयाह के छत्तीस अध्याय में भविष्यवाणी के पुस्तक के लेखन आरू पढ़ै के आसपास के घटना के साथ-साथ राजा यहोयाकीम के प्रतिक्रिया के बारे में भी बतैलऽ गेलऽ छै। परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथिन जे ओ अपन सभ बाजल गेल भविष्यवाणी केँ एकटा स्क्रॉल पर लिखथि जाहि मे बरुक हुनकर शास्त्री छथि। बरूक यिर्मयाह द्वारा निर्धारित सब किछु लिखि दैत छथि। बारूच मंदिर में व्रत के दिन में सार्वजनिक रूप स ई भविष्यवाणी सब पढ़ैत छैथ। अधिकारी सब एकरऽ बारे म॑ सुनै छै, बारूच क॑ आगू के पढ़ै लेली बोलै छै, भविष्यवाणी के सामग्री सुनी क॑ अधिकारी सब डरी जाय छै । ओ सभ बरूक केँ यिर्मयाहक संग नुका जेबाक सलाह दैत छथि, जखन कि ओ सभ अपन खोजक सूचना राजा यहोयाकीम केँ दैत छथि, अधिकारी सभ ओहि ग्रंथ केँ यहोयाकीमक समक्ष प्रस्तुत करैत छथि, जे एकर वचन सुनि क' क्रोधित भ' जाइत छथि। जरा कए एकर विनाशक आदेश दैत छथि । लेकिन, वू एकरऽ संदेश स॑ अप्रभावित रहै छै, परमेश्वर यिर्मयाह क॑ अपनऽ सब भविष्यवाणी क॑ दोसरऽ स्क्रॉल प॑ दोबारा लिखै के आज्ञा दै छै । ओ चेतावनी दैत छथि जे परमेश् वरक वचनक विरुद्ध अपन काजक कारणेँ यहोयाकीम केँ कठोर न्यायक सामना करय पड़तनि। एकरा चुप करै के कोशिश के बावजूद, परमेश् वर के संदेश सहन करतै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ परमेश्वर के भविष्यवक्ता सिनी के सामने आबै वाला प्रतिरोध, हुनकऽ वचन सुनै वाला कुछ लोगऽ के बीच के डर, आरू कोना राजा भी ईश्वरीय सत्य के बजाय आज्ञा नै आज्ञा के चयन करी सकै छै, ओकरा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 36:1 यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक चारिम वर्ष मे परमेश् वरक दिस सँ यिर्मयाह केँ ई बात आयल।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ यहूदाक लोक सभ केँ पहुँचेबाक लेल एकटा संदेश देलनि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ अपन इच्छाक पालन करबाक लेल बजबैत छथि, ओहो तखन जखन ओ कठिन हो।

2. [illegible]

1. [illegible] 14:15 - [illegible]

2. [illegible] 11:6 - [illegible]

[illegible] 36:2 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 119:11 - [illegible]

2. 2 [illegible] 3:16-17 - [illegible]

[illegible] 36:3 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] - [illegible] 2:4

2. [illegible] - [illegible] 4:32

1. [illegible] 51:17 - "[illegible]"

2. [illegible] 15:11-32 - "[illegible]"[illegible]

[illegible] 36:4 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 3:5-6 "[illegible]"

2. [illegible] 6:5 "[illegible]"

यिर्मयाह 36:5 यिर्मयाह बरुक केँ आज्ञा देलथिन जे, “हम चुप भ’ गेल छी। हम परमेश् वरक घर मे नहि जा सकैत छी।

यिर्मयाह बरुक केँ निर्देश दैत छथिन जे प्रभुक घर मे प्रवेश नहि करथि।

1. निम्नलिखित निर्देश: यिर्मयाह 36:5 मे आज्ञाकारिता पर एकटा अध्ययन

2. प्रभुक घर: यिर्मयाह 36:5 मे आराधनाक महत्व

1. व्यवस्था 12:5-7 - "मुदा अहाँ सभ ओहि स्थान केँ ताकब जकरा अहाँ सभक परमेश् वर अहाँक सभ गोत्र मे सँ चुनताह जे हुनकर नाम राखथि आ ओतहि अपन निवास बनाबथि। अहाँ ओतहि जायब...आ ओतहि जायब।" अहाँ सभक परमेश् वरक समक्ष भोजन करू, आ अहाँ सभ जे किछु हाथ राखब, अहाँ सभ आ अहाँक घर-परिवार, जाहि मे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ आशीर्वाद देने छथि, ताहि मे अहाँ सभ आनन्दित होयब।”

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि क' चोरा लैत अछि, आ जतऽ चोर सभ चोरि नहि करैत अछि आ ने चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

यिर्मयाह 36:6 तेँ अहाँ जाउ, आ उपवासक दिन परमेश् वरक घर मे लोक सभक कान मे परमेश् वरक वचन केँ पढ़ू, जे अहाँ हमर मुँह सँ लिखने छी अपन नगर सँ निकलल समस्त यहूदाक कान।

यिर्मयाह केँ आज्ञा देल गेल छनि जे व्रतक दिन मे मन् दिर मे प्रभुक वचन सभ केँ जोर-जोर सँ पढ़ू, आ यहूदाक सभ लोक केँ जे जमा भेल छल।

1. प्रभुक वचन सुनबाक महत्व।

2. हमरा सभक लेल परमेश् वरक योजना जे हम सभ हुनकर वचन केँ एकत्रित करी आ सुनब।

1. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, आ अहाँक प्राण जीवित रहत। हम अहाँ सभक संग अनन्त वाचा करब, दाऊदक निश्चित दया।"

2. रोमियो 10:14-17 - "तखन ओ सभ ओकरा कोना बजाओत जकरा पर ओ सभ विश्वास नहि केने अछि? आ जकरा बारे मे ओ सभ नहि सुनने अछि, ओकरा पर कोना विश् वास करत? आ बिना कोनो प्रचारक के कोना सुनत? आ कोना करत।" ओ सभ प्रचार करैत अछि, जाबत धरि ओकरा सभ केँ नहि पठाओल जायत?

यिर्मयाह 36:7 भ’ सकैछ जे ओ सभ प्रभुक समक्ष अपन विनती पेश करत आ सभ अपन-अपन दुष्ट बाट सँ घुरि जायत, किएक तँ परमेश् वर एहि लोक सभक विरुद्ध जे क्रोध आ क्रोध उठौने छथि, से बहुत पैघ अछि।

परमेश् वर चाहैत छथि जे लोक अपन दुष्टता सँ मुड़ि कऽ अपन विनती हुनका सोझाँ आनय।

1: पश्चाताप करू आ भगवानक खोज करू

2: दुष्टता सँ मुड़ू आ दया पाउ

1: यशायाह 55:6-7 "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकू। जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू; दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाउ, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2: नीतिवचन 28:13 "जे केओ अपन अपराध नुकाबैत अछि, ओकरा सफलता नहि भेटतैक, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया भेटतैक।"

यिर्मयाह 36:8 नेरियाक पुत्र बरुक यिर्मयाह भविष्यवक्ता जे किछु आज्ञा देने छलाह, तकरा अनुसार प्रभुक घर मे परमेश् वरक वचन केँ पुस्तक मे पढ़ैत कयलनि।

नेरिया के बेटा बरुक यिर्मयाह भविष्यवक्ता के आदेश के पालन करतें हुवें परमेश् वर के घर में परमेश् वर के वचन कॅ किताब सें पढ़ी कॅ।

1. आज्ञापालन के शक्ति - बरूक के प्रभु के आज्ञा के पालन के कहानी।

2. शास्त्र पढ़बाक शक्ति - बरुकक उदाहरण जे पोथी सँ प्रभुक वचन पढ़ैत छथि।

1. व्यवस्था 30:11-14 - परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व।

2. भजन 119:105 - विश्वासी के जीवन में परमेश्वर के वचन के शक्ति।

यिर्मयाह 36:9 यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक पाँचम वर्ष मे नवम मास मे ओ सभ यरूशलेम मे सभ लोक आ आयल सभ लोक केँ परमेश् वरक समक्ष उपवासक घोषणा कयलनि यहूदाक नगर सभ सँ यरूशलेम धरि।

1: भगवान् हमरा सभ केँ परीक्षा आ कठिनाईक समय मे अपन समक्ष उपवास करबाक लेल बजबैत छथि।

2: जरूरत के समय एक संग आबि प्रभु के खोजब याद राखय पड़त।

1: मत्ती 6:16-18 - जखन अहाँ उपवास करैत छी तखन पाखंडी सभ जकाँ उदास नहि देखू, कारण ओ सभ अपन चेहरा केँ विकृत करैत अछि जाहि सँ हुनकर उपवास दोसर लोक देखि सकय। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ अपन फल भेटि गेलनि। मुदा जखन अहाँ उपवास करब तखन माथ पर अभिषेक करू आ मुँह धोउ, जाहि सँ अहाँक उपवास दोसर नहि देखय, बल्कि अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ छथि। आ अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ देखैत छथि, अहाँ केँ इनाम देताह।

2: यशायाह 58:6-7 - की ई ओ व्रत नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन रोटी बाँटि क' बेघर गरीब केँ अपन घर मे आनब; जखन अहाँ नंगटे देखब तखन ओकरा झाँपि देब आ अपन मांस सँ नुकाबय लेल?

यिर्मयाह 36:10 तखन परमेश् वरक घर मे, शास्त्री शाफानक पुत्र गेमरियाक कोठली मे, परमेश् वरक घरक नव द्वारक प्रवेश द्वार पर, यिर्मयाहक वचन केँ पुस्तक मे पढ़ू। सब लोकक कान मे।

बरुक प्रभुक घर मे, शास्त्री शाफानक पुत्र गेमरियाक कोठली मे, सभ लोकक सान्निध्य मे यिर्मयाहक वचन पढ़लनि।

1. प्रभु के घर में सार्वजनिक घोषणा का महत्व

2. परमेश् वरक वचन बाँटैत काल विनम्र हृदयक महत्व

1. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल नगर नुकाओल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा क' टोकरीक नीचा नहि राखि दैत अछि, बल् कि ठाढ़ि पर राखि दैत अछि, आ ओ इजोत दैत अछि।" घर मे सभ केँ।ओहि तरहेँ अहाँ सभक इजोत दोसर सभक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।”

२ जाबत धरि ओकरा सभ केँ नहि पठाओल जायत, ताबत धरि कोना प्रचार करत?

यिर्मयाह 36:11 जखन शाफानक पुत्र गेमरियाक पुत्र मीकायाह परमेश् वरक सभ बात केँ पुस्तक मे सँ सुनलनि।

यिर्मयाह एकटा किताब सँ परमेश् वरक वचन सुनैत छथि।

1. परमेश् वरक वचन पढ़बाक महत्व

2. भगवान् केँ सुनब आ आज्ञाकारिता सँ ओकर प्रतिक्रिया देब

1118

1. भजन 119:11 - हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा कएने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

2. व्यवस्था 30:11-14 - किएक तँ ई आज्ञा जे आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँ सभक लेल बेसी कठिन नहि अछि आ ने दूर अछि। ई स्वर्ग मे नहि अछि जे अहाँ ई कहब जे, हमरा सभक लेल के स् वर्ग मे चढ़ि कऽ हमरा सभ लग आनत, जाहि सँ हम सभ ई बात सुनि कऽ पूरा करी? आ ने समुद्रक ओहि पार अछि जे अहाँ कहब जे समुद्रक ओहि पार के हमरा सभक लेल आनत, जाहि सँ हम सभ ई बात सुनि कऽ पूरा करी? मुदा शब्द अहाँक बहुत नजदीक अछि। मुँह मे आ हृदय मे अछि, जाहि सँ अहाँ क' सकब।

यिर्मयाह 36:12 तखन ओ राजाक घर मे, शास्त्रीक कोठली मे गेलाह, आ देखू, सभ राजकुमार ओतहि बैसल छलाह, शास्त्री एलीशामा, शेमैयाक पुत्र दलाया, अचबोरक पुत्र एलनाथन आ गेमरिया शाफानक पुत्र, हननियाक पुत्र सिदकिया आ सभ राजपुत्र।

यिर्मयाह राजाक घर गेलाह आ ओतय सभ राजकुमार सभ केँ भेटलनि, जाहि मे एलीशामा, दलायाह, एलनाथन, गेमरिया, सिदकिया आ आन राजकुमार सभ सेहो छल।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: यिर्मयाह के उदाहरण स सीखना

2. अधिकार के अधीन होय के महत्व: यिर्मयाह निष्ठा के उदाहरण कोना देलकै

1. उपदेशक 5:1-2 - "परमेश् वरक घर जाइत काल अपन डेगक रक्षा करू। सुनबाक लेल नजदीक आबि मूर्ख सभक बलिदान देबा सँ नीक अछि, किएक तँ ओ सभ ई नहि जनैत अछि जे ओ सभ अधलाह काज कऽ रहल अछि।"

2. मत्ती 22:17-21 - तखन अहाँक की विचार अछि से कहू। की कैसर केँ कर देब उचित अछि वा नहि? मुदा यीशु हुनका सभक दुर्भावना सँ अवगत भऽ कहलथिन, “हे पाखंडी सभ, हमरा परीक्षा मे किएक पड़ब? करक सिक्का देखाउ। ओ सभ हुनका लेल एक दिनार आनि देलथिन। यीशु हुनका सभ केँ पुछलथिन, “ई केकर उपमा आ शिलालेख अछि?” ओ सभ कहलक, सीजरक। तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “तेँ जे सभ कैसरक अछि से कैसर केँ आ परमेश् वरक जे किछु अछि से परमेश् वर केँ दऽ दियौक।”

यिर्मयाह 36:13 तखन मीकायाह हुनका सभ केँ ओ सभ बात सुनौलनि जे ओ सुनलनि, जखन बरुक लोक सभक कान मे ई पुस्तक पढ़लनि।

बारूक जखन लोक सभ केँ पोथी पढ़लनि तखन मिकायाह जे बात सुनलनि, तकरा घोषणा कयलनि।

1. सुनबाक शक्ति: परमेश् वरक वचन सुनला सँ हमर सभक जीवन कोना बदलि सकैत अछि

2. परमेश् वरक वचन बजबाक आह्वान: हम सभ कोना निर्भीकतापूर्वक परमेश् वरक सत्य केँ दोसर केँ घोषित कऽ सकैत छी

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 18:21 - "मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि, ओकर फल खायत।"

यिर्मयाह 36:14 तेँ सभ राजकुमार कुशीक पुत्र शेलेमियाक पुत्र नथनियाक पुत्र यहूदी केँ बरुक लग पठौलनि जे, “ओहि रोल केँ हाथ मे ल’ लिअ, जाहि मे अहाँ लोकक कान मे पढ़ने छी।” तेँ नेरियाक पुत्र बरुक ओ गुड़का हाथ मे लऽ कऽ हुनका सभक लग आबि गेलाह।

यहूदी आ राजकुमार सभ बरूक केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ जे ग्रंथ जोर-जोर सँ पढ़ने छलाह, तकरा लोक सभ लग आनि दियौक जाहि सँ ओ सभ स्वयं सुनि सकथि।

1. यिर्मयाह 36:14 मे बरूक के आज्ञाकारिता के उदाहरण स सीख सकैत छी

2. भगवान् असाधारण काज पूरा करबाक लेल साधारण लोकक उपयोग करैत छथि

1. यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ नीक साहसक रहू; नहि डेराउ आ ने त्रस्त होउ, किएक तँ अहाँ जतय जाउ, अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।”

2. यूहन्ना 15:16 - अहाँ सभ हमरा नहि चुनलहुँ, बल् कि हम अहाँ सभ केँ चुनलहुँ आ अहाँ सभ केँ एहि लेल नियुक्त कयलहुँ जे अहाँ सभ जा कऽ फल देब आ अहाँक फल बनल रहय, ओ अहाँकेँ दऽ सकैत अछि।

यिर्मयाह 36:15 ओ सभ हुनका कहलथिन, “अखन बैसि जाउ आ हमरा सभक कान मे पढ़ू।” तेँ बरुक हुनका सभक कान मे पढ़ि लेलनि।

बरूक केँ कहल गेलनि जे ओ यिर्मयाहक वचन लोक सभ केँ पढ़थि।

1. सुनबाक शक्ति: परमेश् वरक वचन सुनला सँ जीवन कोना बदलि सकैत अछि

2. बरुक के आज्ञाकारिता: निष्ठावान सेवा के एक उदाहरण

1. रोमियो 10:17 - "एहि तरहेँ विश्वास सुनबा सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन सँ अबैत अछि।"

2. भजन 19:7-8 - "प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल केँ बुद्धिमान बनबैत अछि; प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि; आज्ञा केँ।" प्रभु शुद्ध छथि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत छथि।"

यिर्मयाह 36:16 जखन ओ सभ ई सभ बात सुनि एक-दोसर डरा गेलाह आ बरुक केँ कहलथिन, “हम सभ ई सभ बात राजा केँ अवश्य कहब।”

लोक सभ बरुकक सभ बात सुनि डरि गेल, तेँ ओ सभ राजा केँ ई बात कहबाक निर्णय लेलक।

1. भय के शक्ति: भय परिवर्तन केना पहुँचा सकैत अछि

2. शब्दक शक्ति: शब्द कोना काज दिस ल' सकैत अछि

1. नीतिवचन 29:25 - मनुष्य सँ भय जाल साबित होयत, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओकरा सुरक्षित राखल जाइत छैक।

2. याकूब 1:19-20 - हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

यिर्मयाह 36:17 ओ सभ बरुक सँ पुछलथिन, “आब हमरा सभ केँ कहू जे अहाँ ई सभ बात हुनका मुँह पर कोना लिखलहुँ?”

यिर्मयाहक भविष्यवाणीक वचनक प्रति बरूकक वफादारीक परीक्षा भेल।

1: परमेश् वरक वचनक प्रति हमर सभक वफादारी अटूट हेबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचन केँ गंभीरता सँ लेबाक चाही आ ओकरा निष्ठापूर्वक जीबाक चाही।

1: यहोशू 1:8 ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि हटि जायत, बल् कि अहाँ एकरा पर दिन-राति मनन करू, जाहि सँ अहाँ एहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करबा मे सावधान रहब। कारण तखन अहाँ अपन बाट समृद्ध करब, तखन अहाँ केँ नीक सफलता भेटत।

2: भजन 119:11 हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा कएने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

यिर्मयाह 36:18 तखन बरुक हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “ओ हमरा ई सभ बात अपन मुँह सँ सुनौलनि आ हम ओकरा सभ केँ स्याही सँ किताब मे लिखि देलहुँ।”

बरुक लोक सभ केँ कहलथिन जे यिर्मयाह जे सभ बात हुनका सँ कहने छलाह, से सभ ओ लिखि लेने छथि।

1. लिखित शब्दक शक्ति - लिखित शब्दक उपयोग कोना कयल जा सकैत अछि जाहि सँ कोनो संदेश बहुत लोक धरि पहुँचाओल जा सकैत अछि |

2. मौखिक परंपराक महत्व - इतिहास भरि मे मौखिक कथाक उपयोग कथा साझा करबाक आ महत्वपूर्ण संदेश देबाक लेल कोना कयल गेल अछि ।

1. भजन 45:1 - हमर हृदय नीक विषय सँ उमड़ि रहल अछि; हम राजाक संबंध मे अपन रचनाक पाठ करैत छी; हमर जीह एकटा तैयार लेखकक कलम अछि।

२ मसीह यीशु पर विश्वास के द्वारा उद्धार के लेल अहाँ के बुद्धिमान बनाबय में सक्षम। समस्त शास्त्र परमेश् वरक साँस सँ निकलल अछि आ धर्मक शिक्षा, डाँट, सुधार आ प्रशिक्षित करबाक लेल उपयोगी अछि, जाहि सँ परमेश् वरक सेवक सभ नीक काजक लेल पूरा तरहेँ सुसज्जित भऽ सकय।

यिर्मयाह 36:19 तखन राजकुमार सभ बरुक केँ कहलथिन, “अहाँ आ यिर्मयाह, जाउ, अहाँ केँ नुका लिअ। आ अहाँ सभ कतय छी से ककरो नहि बुझल जाय।”

राजकुमार सभ बरुक आ यिर्मयाह केँ कहलथिन जे नुका कऽ ककरो ई नहि बुझाबथि जे ओ सभ कतय छथि।

1. हमरा लोकनिक जीवन मे विनम्रताक महत्व

2. कठिन समय मे आज्ञापालन के शक्ति

1. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता में दोसर के अपना स बेसी महत्व दियौ, अपन हित के नै बल्कि अहाँ सब में स प्रत्येक के दोसर के हित के तरफ देखू।

2. 1 पत्रुस 5:5-6 - तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, अपन पैघ लोक सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ उचित समय पर ऊपर उठा सकय।

यिर्मयाह 36:20 ओ सभ राजाक लग आँगन मे गेलाह, मुदा ओ सभ ओहि रोल केँ शास्त्री एलीशामाक कोठली मे राखि देलनि आ राजाक कान मे सभ बात कहलथिन।

यहूदा के लोग यिर्मयाह के भविष्यवाणी के स्क्रॉल राजा के पास ल॑ गेलै आरो ओकरऽ सामग्री के बारे में ओकरा बताय देलकै।

1. परमेश् वरक वचन आइयो प्रासंगिक अछि- यिर्मयाह 36:20

2. भविष्यवक्ता सभक माध्यमे परमेश् वरक वचन सुनब- यिर्मयाह 36:20

1. रोमियो 10:17- "तहिना विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन सँ होइत अछि।"

2. 2 तीमुथियुस 3:16-17- "सब शास्त्र परमेश् वर द्वारा उछालल गेल अछि आ शिक्षा, डाँट, सुधार आ धार्मिकताक प्रशिक्षण देबाक लेल लाभकारी अछि, जाहि सँ परमेश् वरक आदमी पूर्ण भऽ जाय आ सभ नीक काजक लेल सुसज्जित हो।" " .

यिर्मयाह 36:21 तखन राजा यहूदी केँ ओहि गुड़का केँ अनबाक लेल पठौलनि। यहूदी राजाक कान मे आ राजाक कात मे ठाढ़ सभ राजकुमारक कान मे पढ़ि लेलनि।

राजा यहोयाकीम यहूदी के आज्ञा दै छै कि एलीशामा शास्त्री के पास सें एक ग्रंथ निकाली लेतै, आरु यहूदी ओकरा राजा आरो राजकुमार सिनी कॅ जोर-जोर सें पढ़ै छै।

1. सुनबाक शक्ति: परमेश् वरक वचनक लेल कान विकसित करब

2. आज्ञाकारिता आ निष्ठा: परमेश् वरक इच्छाक अधीन रहब

1. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ; सुनू, जाहि सँ अहाँक प्राण जीवित रहय।"

2. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

यिर्मयाह 36:22 नवम मास मे राजा जाड़क घर मे बैसल छलाह, तखन हुनका आगू मे चूल्हा पर आगि जरैत छल।

नवम मास मे राजा जाड़क घर मे बैसल छलाह आ हुनका सोझाँ आगि जरैत छल |

1. अग्निक आराम: भगवानक उपस्थिति हमरा सभक हृदय केँ कोना गरम करैत अछि

2. द विंटरहाउस: कठिन समय मे ताकत खोजब

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. भजन 66:12 - अहाँ मनुष्य केँ हमरा सभक माथ पर चढ़य दियौक; हम सभ आगि आ पानि मे गुजरलहुँ, मुदा अहाँ हमरा सभ केँ प्रचुरताक स्थान पर अनलहुँ।

यिर्मयाह 36:23 जखन यहूदी तीन-चारि पात पढ़ि कऽ ओकरा कलमक चाकू सँ काटि कऽ चूल्हा पर राखल आगि मे फेकि देलक, जाबत धरि सभटा रोल ओहि आगि मे भस्म नहि भ’ गेल चूल्हा पर।

यहोयाकीम परमेश् वरक वचन केँ आगि मे जरा कऽ नष्ट कऽ देलनि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक महत्व केँ कहियो नहि बिसरबाक चाही आ कहियो एकरा हल्का मे नहि देखबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ कहियो परमेश् वरक वचन केँ फेर सँ लिखबाक प्रयास करबाक प्रलोभन नहि भेटबाक चाही आ ने ओकर कोनो भाग केँ संपादित करबाक चाही।

1: प्रेरित सभक काज 20:32 - आब, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर कृपाक वचन केँ सौंपैत छी, जे अहाँ सभ केँ बनाब’ मे सक्षम अछि आ पवित्र कयल गेल सभ लोकक बीच अहाँ सभ केँ उत्तराधिकार देबा मे सक्षम अछि।

2: 2 तीमुथियुस 3:16 - सभ शास्त्र परमेश् वर सँ प्रेरित अछि आ हमरा सभ केँ ई सिखाबऽ लेल उपयोगी अछि जे की सत्य अछि आ हमरा सभ केँ ई अहसास कराबए जे हमरा सभक जीवन मे की गलत अछि। ई हमरा सब के गलत होय के समय सुधारै छै आरू सही काम करना सिखाबै छै।

यिर्मयाह 36:24 तैयो ओ सभ नहि डरल, आ ने अपन वस्त्र फाड़लक, ने राजा आ ने ओकर कोनो सेवक जे ई सभ बात सुनलक।

भगवानक बात सुनलाक बादो राजा आ हुनकर सेवक सभ निर्भीक छलाह आ पश्चाताप नहि केलनि ।

1. परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि आ ओकरा पर ध्यान देबाक चाही

2. परमेश् वरक वचनक सोझाँ पश्चाताप

1122

1. यशायाह 55:11 "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत: ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।"

2. लूका 13:3-5 "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, नहि, मुदा, जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत धरि अहाँ सभ सेहो ओहिना नाश भ' जायब। वा जे अठारह गोटे, जिनका पर सिलोआम मे बुर्ज खसि पड़ल आ ओकरा सभ केँ मारि देलक, से अहाँ सभ सोचू जे ओ सभ ऊपर पापी छल।" यरूशलेम मे रहय बला सभ लोक?

यिर्मयाह 36:25 तैयो एलनाथन, दलाया आ गेमरिया राजा सँ विनती केने छलाह जे ओ ओहि गुड़का केँ नहि जराबथि, मुदा ओ हुनका सभक बात नहि सुनलनि।

एलनाथन, दलायाह आ गेमरिया राजा सँ निहोरा केलनि जे ओ ग्रंथ नहि जराबथि, मुदा राजा सुनबा सँ मना क' देलनि।

1. मनाबय के शक्ति: एलनाथन, दलायाह आ गेमरिया के राजा के बिनती करबाक साहस।

2. परमेश् वरक इच्छा बनाम मनुष्यक इच्छा: परमेश् वरक इच्छा केँ स्क्रॉलक माध्यमे ज्ञात कयल गेल आ राजाक आज्ञा मानबा सँ मना करब।

1. नीतिवचन 16:7 - जखन मनुष्यक मार्ग परमेश् वर केँ प्रसन्न करैत अछि तँ ओ अपन शत्रु सभ केँ सेहो ओकरा संग शान्ति मे राखि दैत अछि।

2. याकूब 4:13-17 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब। जेना अछि, अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि। तेँ जे कियो सही काज जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल भ' जाइत अछि, ओकरा लेल ई पाप अछि।

यिर्मयाह 36:26 मुदा राजा हम्मेलेक पुत्र यराहमील आ अज़्रिएलक पुत्र सेराया आ अब्देएलक पुत्र शेलेमिया केँ आज्ञा देलथिन जे बरुक शास्त्री आ यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ पकड़ि ली।

राजा तीन आदमी केँ आज्ञा देलथिन जे बरुक शास्त्री आ यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ लऽ जाथि, मुदा प्रभु ओकरा सभ केँ नुका लेलनि।

1. भगवान् हमर सभक रक्षक छथि: जखन खतरा हमरा सभ केँ घेरने हो तखनो प्रभुक रक्षा पर भरोसा करब।

2. प्रभुक आज्ञापालन: भगवानक आज्ञा तखनो करब जखन ई संसारक मांगक विरुद्ध हो।

1. भजन 91:11 - किएक तँ ओ अपन स् वर्गदूत सभ केँ अहाँक सभ बाट मे अहाँ केँ रखबाक आज्ञा देथिन।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 36:27 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह लग आबि गेलनि, जखन राजा ओहि रोल केँ जरा देलनि आ बरुक यिर्मयाहक मुँह पर लिखने छलाह।

राजा यहोयाकीम बारूक के लेखन के स्क्रॉल के जलाबै के बाद प्रभु यिर्मयाह से बात करलकै।

1. प्रभुक वचनक शक्ति: ई जानब जे कखन दृढ़तापूर्वक रहबाक चाही

2. विरोधक सामना मे विश्वास: प्रभुक इच्छा मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. यशायाह 40:8 घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. रोमियो 8:37-39 नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि मसीह यीशु हमर सभक प्रभु।

यिर्मयाह 36:28 फेर एकटा आओर रोल लऽ लिअ आ ओहि मे ओ सभ पहिने लिखू जे पहिल रोल मे छल, जकरा यहूदाक राजा यहोयाकीम जरा देने छलाह।

यिर्मयाह केँ निर्देश देल गेल छनि जे ओ एकटा आओर रोल लऽ कऽ ओहि पर ओ सभ शब्द लिखथि जे पहिल रोल पर छल, जकरा यहूदाक राजा यहोयाकीम जरा देने छलाह।

1. शब्दक शक्ति: हमर शब्द पीढ़ी-दर-पीढ़ी कोना प्रभावित क' सकैत अछि

2. आज्ञाकारिता के जीवन जीना: परमेश् वर के आज्ञा के पालन करब चाहे कोनो कीमत नै हो

1. नीतिवचन 25:11 - उचित रूप सँ कहल गेल शब्द चानीक सेटिंग मे सोनाक सेब जकाँ होइत अछि।

2. मत्ती 5:18 - हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि स् वर्ग आ पृथ् वी नहि जायत, ताबत धरि सभ किछु पूरा नहि भऽ जायत, ता धरि व्यवस्था सँ एकोटा, एको बिन्दु नहि गुजरत।

यिर्मयाह 36:29 अहाँ यहूदाक राजा यहोयाकीम केँ कहब जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ एहि रोल केँ जरा कऽ कहि रहल छी जे, “अहाँ एहि मे किएक लिखने छी जे, ‘बेबिलोनक राजा अवश्य आबि एहि देश केँ नष्ट कऽ देत आ ओतय सँ मनुष्य-पशु केँ समाप्त कऽ देत?

परमेश् वर यिर्मयाह के माध्यम सँ यहूदा के राजा यहोयाकीम सँ बात करै छै, ई सवाल उठाबै छै कि यिर्मयाह द्वारा लिखलौ गेलौ एगो स्क्रॉल कॅ जला देलकै जेकरा मँ बेबिलोन के राजा के आबै आरू देश के विनाश के भविष्यवाणी छेलै।

1. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक खतरा

2. सुनबासँ मना करबाक परिणाम

1. मत्ती 12:36-37 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन कहल सभ एक-एकटा खाली वचनक हिसाब देबऽ पड़त। किएक तँ अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब आ अपन बात सभ सँ अहाँ सभ निर्दोष होयब।" निंदा कयल गेल।"

.

यिर्मयाह 36:30 तेँ यहूदाक राजा यहोयाकीमक प्रभु ई कहैत छथि। ओकरा दाऊदक सिंहासन पर बैसय बला केओ नहि रहतैक, आ ओकर लाश दिन मे गर्मी मे आ राति मे ठंढा मे फेकि देल जायत।

यिर्मयाह के चेतावनी नै सुनला के कारण राजा यहोयाकीम पर परमेश् वर के न्याय।

1. परमेश् वर न्यायी छथि - यिर्मयाह 36:30

2. पश्चाताप करू वा नाश भ’ जाउ - यिर्मयाह 36:30

1. रोमियो 2:6-8 - परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत

२ जमीन.

1124

यिर्मयाह 36:31 हम ओकरा आ ओकर वंशज आ ओकर नौकर सभ केँ ओकर अपराधक सजा देब। हम हुनका सभ पर आ यरूशलेम मे रहनिहार आ यहूदाक लोक सभ पर ओ सभटा दुष् टता आनि देब। मुदा ओ सभ बात नहि सुनलनि।

जे हुनकर चेतावनी पर ध्यान नहि दैत छथि हुनका परमेश् वर दंडित करताह आ हुनका सभ पर ओ दुष्टता अनताह जे ओ कहलनि अछि।

1. भगवानक चेतावनी पर ध्यान दियौक वा हुनकर दण्डक सामना करू

2. भगवान् के आज्ञा मानू आ हुनकर प्रतिज्ञा के लाभ उठाउ

1. व्यवस्था 28:1-2, 15 - जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक पूर्ण आज्ञा मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक सावधानीपूर्वक पालन करब जे हम आइ अहाँ सभ केँ दैत छी तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सभ जाति सँ ऊपर ऊँच कऽ देथिन। ई सब आशीर्वाद अहाँ पर आबि जायत आ अहाँक संग रहत जँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आज्ञा मानब।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

यिर्मयाह 36:32 तखन यिर्मयाह केँ एकटा आओर रोल लऽ कऽ नेरियाक पुत्र बरुक शास्त्री केँ देलक। ओ यिर्मयाहक मुँह सँ ओहि पुस्तकक सभ बात लिखि लेलनि जे यहूदाक राजा यहोयाकीम आगि मे जरा देने छलाह।

यिर्मयाह बरूक एकटा नवका ग्रंथ देलथिन आ बरूक ओहि पुस्तकक सभटा शब्द लिखि देलनि जे यहूदाक राजा यहोयाकीम आगि मे जरा देने छलाह, जेना कि यिर्मयाह कहने छलाह, आ आओर शब्द सेहो जोड़ि देलनि।

1. लचीलापन के शक्ति: यिर्मयाह आ बरूक कोना प्रतिकूलता पर काबू पाबि लेलनि

2. यिर्मयाह के निष्ठा: अटूट आज्ञाकारिता के कहानी

1. रोमियो 5:3-5 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे सेहो घमंड करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

2. इब्रानी 11:6 - आ बिना विश्वासक परमेश् वर केँ प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे कियो हुनका लग अबैत छथि हुनका ई मानबाक चाही जे हुनकर अस्तित्व अछि आ जे हुनका गंभीरतापूर्वक तकैत छथि हुनका सभ केँ ओ पुरस्कृत करैत छथि।

यिर्मयाह अध्याय ३७ मे यरूशलेम के बेबिलोन के घेराबंदी आरू राजा सिदकिय्याह के साथ यिर्मयाह के बातचीत के आसपास के घटना के वृत्तांत जारी छै।

1 पैराग्राफ: राजा सिदकियाह मल्कियाह के पुत्र पशूर आ सफनिया पुरोहित के यिर्मयाह के पास भेजैत छथि जे ओ बेबिलोन के घेराबंदी के परिणाम के बारे में पूछताछ करथि (यिर्मयाह 37:1-5)। यिर्मयाह ओकरा सिनी कॅ कहै छै कि मिस्र ओकरा सिनी कॅ नै बचाबै वाला छै, आरो ओकरा सिनी कॅ आरो विनाश सें बचै लेली आत्मसमर्पण करै के चाही।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह यरूशलेम छोड़ै के कोशिश करै छै लेकिन ओकरा गिरफ्तार करी क पलायन के आरोप लगै छै (यिर्मयाह 37:6-15)। ओ राजकीय अधिकारी जोनाथन के घर में बंद छैथ। जेल मे रहैत ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे सिदकियाह केँ बेबिलोन मे सौंपल जायत।

3 पैराग्राफ: राजा सिदकिय्याह गुप्त रूप स यिर्मयाह स परामर्श करैत छथि, परमेश्वर स आश्वासन मांगैत छथि (यिर्मयाह 37:16-21)। यिर्मयाह ओकरा सलाह दै छै कि वू अपनऽ आरू यरूशलेम के सुरक्षा के लेलऽ बेबिलोन के राजा के सामने आत्मसमर्पण करी दै। मुदा, जँ ओ मना करथि तँ परमेश् वर यरूशलेम नबूकदनेस्सरक हाथ मे सौंपि देताह।

4 म पैराग्राफ: जेल मे रहला के बावजूद यिर्मयाह के एबेद-मेलेक नामक एकटा समर्थक छनि जे हुनकर तरफ स बिनती करैत छथि (यिर्मयाह 38:1-13)। एबेद-मेलेक राजा सिदकियाह केँ मनाबैत

अछि जे यिर्मयाह केँ ओहि कुंड सँ बचाओल जाय जतय ओकरा फेकल गेल छलैक। एकरऽ परिणाम ई छै कि यिर्मयाह क॑ वापस आँगन केरऽ गार्डहाउस म॑ कैद करी देलऽ जाय छै ।

5 म पैराग्राफ: राजा सिदकियाह गुप्त रूप सँ यिर्मयाह सँ फेर सँ परामर्श करैत छथि (यिर्मयाह 38:14-28)। ओ अपन भाग्यक संबंध मे मार्गदर्शन मांगैत छथि । एक बेर फेर यिर्मयाह ओकरा आत्मसमर्पण करै के सलाह दै छै लेकिन यरूशलेम के भीतर ओकरऽ विरोध करै वाला सिनी के बारे में ओकरा चेतावनी दै छै। तइयो सिदकिय्याह संकोच करैत रहैत छथि आ यिर्मयाहक सलाह पर पूरा ध्यान नहि दैत छथि।

संक्षेप में यिर्मयाह के सत्तातीस अध्याय में बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान चलै वाला घटना के बखान करलऽ गेलऽ छै आरू यिर्मयाह आरू राजा सिदकिय्याह के बीच के बातचीत पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । सिदकिय्याह घेराबंदी के परिणाम के बारे में पूछताछ करै लेली दूत भेजै छै। यिर्मयाह मिस्र पर भरोसा करै के बजाय आत्मसमर्पण करै के सलाह दै छै। ओकरऽ भविष्यवाणी छै कि अगर वू विरोध करतै त॑ बेबिलोन यरूशलेम प॑ विजय प्राप्त करी लेतै, यिर्मयाह छोड़ै के कोशिश करै छै लेकिन गिरफ्तार होय जाय छै, जेकरा प॑ पलायन के आरोप लगै छै । ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे सिदकियाह केँ सौंपल जायत। जेल में रहला के दौरान, सिदकिय्याह ओकरा सें गुप्त रूप सें परामर्श करै छै, परमेश् वर सें आश्वासन मँगै छै, एबेद-मेलेक यिर्मयाह के तरफ सें बिनती करै छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप ओकरा एक कुंड सें बचाय लेलऽ जाय छै। लेकिन, वू दोसरऽ स्थान पर बंद रहै छै, सिदकिय्याह ओकरा सें फेरू गुप्त रूप सें परामर्श करै छै, ओकरऽ भाग्य के संबंध में मार्गदर्शन माँगै छै। एक बार फेरू आत्मसमर्पण के सलाह देलऽ गेलऽ छै, जेरुसलम के भीतर आंतरिक विरोध के बारे म॑ चेतावनी के साथ-साथ, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ घेराबंदी के दौरान तनावपूर्ण माहौल क॑ प्रदर्शित करलऽ गेलऽ छै आरू ई बात प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै कि कोना राजा आरू भविष्यवाणी दोनों ही ऐन्हऽ क्षणऽ म॑ एक-दूसरा क॑ काटै छै, जहाँ आसन्न विनाश के बीच कठिन निर्णय लेना जरूरी छै ।

यिर्मयाह 37:1 योशियाहक पुत्र राजा सिदकियाह यहोयाकीमक पुत्र कोनियाहक बदला मे राज केलनि, जकरा बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर यहूदाक देश मे राजा बनौलनि।

राजा सिदकिय्याह कोनियाहक स्थान पर यहूदाक राजा बनौलनि, जे पद हुनका बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर देने छलाह।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् राष्ट्र आ राजाक नियुक्ति कोना करैत छथि

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक इच्छाक अधीन रहबाक महत्व

1. दानियल 6:27 - ओ उद्धार करैत छथि आ उद्धार करैत छथि; ओ स् वर्ग आ पृथ् वी पर चिन् त्र आ चमत् कार करैत अछि, जे दानियल केँ शेर सभक सामर्थ् य सँ बचा लेने अछि।

2. यशायाह 46:9-10 - पहिने के बात, बहुत पहिने के बात याद करू; हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि; हम भगवान छी, हमरा सन कियो नहि अछि। हम शुरूए सॅं, प्राचीन काल सॅं, जे एखनो आबय बला अछि से अंत के ज्ञात करैत छी । हम कहैत छी, हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

यिर्मयाह 37:2 मुदा ने ओ, ने हुनकर नोकर आ ने देशक लोक, परमेश् वरक ओहि बात सभक बात नहि सुनलनि, जे ओ यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल छलाह।

लोक सभ यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल प्रभुक वचन पर ध्यान नहि देलक।

1. भगवानक वचनक पालन करबाक महत्व, चाहे किछुओ खर्च हो।

2. परमेश् वरक वचन पर ध्यान नहि देबाक परिणाम केँ स्वीकार करबाक लेल तैयार रहू।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू।

2. याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

1126

यिर्मयाह 37:3 राजा सिदकियाह शेलेमियाक पुत्र यहूकल आ मासेयाहक पुत्र सफनियाह पुरोहित यिर्मयाह भविष्यवक्ता लग पठौलनि जे, “हमरा सभक लेल हमरा सभक परमेश् वर यहोवा सँ प्रार्थना करू।”

राजा सिदकियाह अपन दू टा सेवक केँ यिर्मयाह भविष्यवक्ता लग पठौलनि जे ओ हुनका सभक दिस सँ प्रभु सँ प्रार्थना करथि।

1. प्रार्थना के शक्ति - भगवान कोना हमर सबहक प्रार्थना सुनि सकैत छथि आ चमत्कारी तरीका स ओकर जवाब द सकैत छथि।

2. परेशानी के समय में प्रभु के खोज - जखन हमरा सब के मार्गदर्शन के जरूरत होयत अछि त प्रभु के तरफ मुड़ला स हमरा सब के शांति आ आराम भेट सकैत अछि।

1. याकूब 5:13-18 - की अहाँ सभ मे सँ कियो कष्ट उठा रहल अछि? ओ प्रार्थना करथि। कियो हँसमुख अछि की? स्तुति गाबय।

2. 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 - बिना रुकने प्रार्थना करू।

यिर्मयाह 37:4 यिर्मयाह लोक सभक बीच मे आबि गेलाह, किएक तँ ओ सभ हुनका जेल मे नहि राखि देने छलाह।

यिर्मयाह केँ परमेश् वरक भविष्यवक्ता रहितो लोकक बीच स्वतंत्र रूप सँ घुमबाक अनुमति छलनि।

1. स्वतंत्रताक शक्ति: भगवानक बिना शर्त प्रेम आ विश्वास

2. भगवानक दया: बंधन सँ मुक्त होयब

२.

2. भजन 68:6 - भगवान असगर लोक केँ परिवार मे सेट करैत छथि, कैदी सभ केँ गायन सँ बाहर निकालैत छथि।

यिर्मयाह 37:5 तखन फिरौनक सेना मिस्र सँ बाहर निकलि गेल, आ जखन यरूशलेम केँ घेरने कल्दी सभ हुनका सभक समाचार सुनि यरूशलेम सँ विदा भ’ गेलाह।

यरूशलेम के घेराबंदी करै वाला कसदी सिनी मिस्र सें फिरौन के सेना के आबै के खबर सुनी के चल्लऽ गेलै।

1. भगवान शक्तिशाली छथि आ अपन लोकक रक्षाक लेल कोनो परिस्थितिक उपयोग क' सकैत छथि।

2. विरोधक सामना करैत साहसी रहू आ भगवानक रक्षा पर भरोसा करू।

1. मत्ती 10:28, "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. यशायाह 41:10, "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 37:6 तखन परमेश् वरक वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ कहल गेलनि।

यिर्मयाह केँ परमेश् वर द्वारा यहूदाक लोक सभ केँ चेतावनी देबाक संदेश देबाक लेल बजाओल गेल अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ बजबैत छथि जे ओ यहूदाक लोक सभ केँ एकटा आसन्न खतरा के बारे मे चेताबथि।

1. परमेश् वरक चेतावनी: अपन रक्षाक लेल परमेश् वरक आह्वान पर ध्यान देब

2. परमेश् वरक संदेश केँ चिन्हब आ आज्ञाकारिता मे प्रतिक्रिया देब

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

2. मत्ती 7:24-27 - "तखन जे हमर ई बात सुनत आ ओकरा पूरा करत, ओ ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ होयत जे चट्टान पर अपन घर बनौलक। बरखा भेल, बाढ़ि आबि गेल, आ हवा बहल आ।" ओहि घर पर मारि देलक, मुदा ओ नहि खसल, कारण ओकर नींव चट्टान पर भ' गेल छलैक।"

यिर्मयाह 37:7 इस्राएलक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि। अहाँ सभ यहूदाक राजा केँ एहि तरहेँ कहब जे अहाँ सभ केँ हमरा लग पठौने छलाह जे हमरा सँ पूछताछ करथि। देखू, फारोक सेना जे अहाँ सभक सहायता करबाक लेल निकलल अछि, से मिस्र देश मे अपन देश मे घुरि जायत।

इस्राएलक परमेश् वर यहूदाक राजा सँ हुनका लग पठाओल गेल दूत सभ केँ निर्देश देलथिन जे राजा केँ ई बताबथि जे फिरौनक सेना जे हुनका सभक मददि करबाक लेल आयल छल, मिस्र वापस आबि जायत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: कठिन समय मे परमेश् वरक ताकत पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक संप्रभुता: अप्रत्याशित परिस्थिति मे परमेश् वरक योजना केँ बुझब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यिर्मयाह 37:8 कल्दी सभ फेर आबि एहि नगर सँ लड़त आ ओकरा पकड़ि कऽ आगि मे जरा देत।

कसदी यरूशलेम पर आक्रमण करऽ, ओकरा जीतै आरो ओकरा जलाबै लेली आबै वाला छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - यिर्मयाह 37:8

2. परमेश्वरक शक्ति - यिर्मयाह 37:8

1. यशायाह 48:18 - "ओह, जँ अहाँ हमर आज्ञा सभक पालन करितहुँ! तखन अहाँक शान्ति नदी जकाँ होइत, आ अहाँक धार्मिकता समुद्रक लहरि जकाँ।"

2. मत्ती 24:1-2 - "तखन यीशु मन्दिर सँ बाहर निकलि गेलाह, आ हुनकर शिष् य सभ हुनका मन् दिरक भवन देखाबय लेल चढ़लाह। यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “की अहाँ सभ ई सभ बात नहि देखैत छी? निश्चय। हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे एतय एकटा पाथर दोसर पर नहि छोड़ल जायत जे नहि फेकल जायत।

यिर्मयाह 37:9 प्रभु ई कहैत छथि। अपना केँ धोखा नहि दियौक जे, कल्दी सभ हमरा सभ सँ अवश्य चलि जायत।

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ई विश्वास करै लेली बेवकूफ नै बनी जाय कि कसदी सिनी ओकरा सिनी सें वैसनऽ ही नै चली जैतै।

1. धोखाक शक्ति: झूठ केँ चिन्हब आ ओकरा पर विश्वास करबा सँ मना करब

2. परमेश् वरक अपरिवर्तनीय वचन: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. इफिसियों 5:6-7 - "केओ अहाँ सभ केँ खाली वचन सँ धोखा नहि दियौक, किएक तँ एहि सभ बातक कारणेँ परमेश् वरक क्रोध आज्ञा नहि मानय बला बेटा सभ पर अबैत अछि। तेँ हुनका सभक संग सहभागी नहि बनू।"

2. 1 यूहन्ना 3:18 - छोट-छोट बच्चा सभ, हम सभ वचन वा जीह सँ प्रेम नहि करू, बल् कि कर्म आ सत्य सँ प्रेम करू।

यिर्मयाह 37:10 जँ अहाँ सभ कसदी सभक सेना केँ मारि देने रहितहुँ जे अहाँ सभक विरुद्ध लड़ैत अछि, आ ओकरा सभ मे घायल लोक सभ बचल रहितहुँ, मुदा ओ सभ अपन-अपन डेरा मे उठि कऽ एहि शहर केँ आगि सँ जरा देत।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ चेताबैत छथि जे जँ ओ सभ कल्दी सभ केँ युद्ध मे पराजित करितथि, मुदा शत्रु एखनो ओहि शहर केँ आगि सँ जरा सकैत छल।

1. जिद के शक्ति: यिर्मयाह 37:10 स एकटा पाठ

2. युद्ध के परिणाम के समझना: यिर्मयाह 37:10 के अध्ययन

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. रोमियो 12:21 - "बुराई सँ हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।"

यिर्मयाह 37:11 जखन कल्दी सभक सेना यरूशलेम सँ फारोक सेनाक डर सँ तोड़ि देल गेल।

फिरौन के सेना के डर के कारण कल्दी के सेना यरूशलेम से पीछे हटी गेलै।

1. भय के सामने साहस - भगवान् हुनका पर भरोसा करय वाला के कोना शक्ति प्रदान करैत छथि।

2. चिन्ता पर काबू पाब - अपन शक्तिक बदला भगवानक शक्ति पर भरोसा करब सीखब।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अहाँ सभक आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत।" आ अहाँ सभक मन मसीह यीशु मे राखू।”

यिर्मयाह 37:12 तखन यिर्मयाह यरूशलेम सँ बिन्यामीन देश मे जेबाक लेल निकललाह, जाहि सँ ओ लोक सभक बीच मे अपना केँ अलग भ’ जाय।

यिर्मयाह यरूशलेम छोड़ि बिन्यामीन देश मे जा कऽ ओतय के लोक सभ सँ अलग भऽ गेलाह।

1. हमरा सभ केँ परिचितता आ आराम सँ विदा होबय लेल तैयार रहबाक चाही जे भगवान हमरा सभ केँ ओ काज करबाक लेल बजबैत छथि।

2. भगवान् हमरा सभक लेल योजना बनौने छथि, चाहे एकर कीमत किछुओ हो।

1. इब्रानी 11:8-10 - विश्वासक कारणेँ अब्राहम जखन ओहि स्थान पर जेबाक लेल बजाओल गेलाह जे बाद मे हुनका अपन उत्तराधिकारक रूप मे भेटतनि, तखन ओ आज्ञा मानैत गेलाह आ चलि गेलाह, भले हुनका ई नहि बुझल छलनि जे ओ कतय जा रहल छथि।

2. लूका 5:4-5 - जखन ओ बजला पर सिमोन केँ कहलथिन, “गहिर पानि मे बाहर निकालू आ पकड़बाक लेल जाल उतारू।” सिमोन उत्तर देलथिन, मालिक, हम सभ राति भरि मेहनत केलहुं आ किछु नहि पकड़ने छी। मुदा अहाँ कहैत छी तेँ हम जाल उतारि देब।

यिर्मयाह 37:13 जखन ओ बिन्यामीनक फाटक मे छलाह तखन ओतय एकटा वार्डक सेनापति छलाह, जिनकर नाम इरियाह छलनि, जे हनानियाक पुत्र शेलेमियाक पुत्र छलाह। ओ यिर्मयाह प्रवक् ता केँ पकड़ि कऽ कहलथिन, “अहाँ कल्दी सभक हाथ मे खसि पड़लहुँ।”

वार्ड केरऽ एगो कप्तान इरियाह, जे शेलेमिया आरू हनानिया के बेटा छेलै, यिर्मयाह भविष्यवक्ता क॑ गिरफ्तार करी क॑ ओकरा पर कल्दी सिनी के तरफ भागै के आरोप लगैलकै ।

1. परमेश् वरक आज्ञा मानू, मनुक्खक नहि: यिर्मयाहक कथा

2. अपन आस्था मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक महत्व

1. प्रेरित 5:29: मुदा पत्रुस आ आन प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।”

2. 1 पत्रुस 5:8-9: सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत-फिरैत अछि, जकरा खा कऽ खा सकैत अछि।

यिर्मयाह 37:14 तखन यिर्मयाह कहलथिन, “ई झूठ अछि। हम कसदी सभ लग नहि खसैत छी। मुदा ओ हुनकर बात नहि सुनलनि, तेँ इरिया यिर्मयाह केँ पकड़ि कऽ राजकुमार सभक लग अनलनि।

यिर्मयाह कसदी सभक संग जेबा सँ मना क' दैत अछि, मुदा इरिया ओकरा अपन इच्छाक विरुद्ध राजकुमार सभक लग ल' जाइत अछि।

1. प्रलोभन के विरोध करबाक शक्ति - यिर्मयाह 37:14

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व - यिर्मयाह 37:14

1. याकूब 4:7 - "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

2. इफिसियों 6:10-17 - "अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

यिर्मयाह 37:15 एहि लेल राजकुमार सभ यिर्मयाह पर क्रोधित भ’ गेलाह आ हुनका मारि क’ शास्त्री योनातनक घर मे जेल मे राखि देलनि, कारण ओ सभ जेल बना देने छलाह।

यिर्मयाह केँ राजकुमार सभ हुनका सभक काजक विरुद्ध बजबाक कारणेँ जेल मे राखि देलकनि।

1. बाहर बजबाक शक्ति: जे विश्वास करैत छी ताहि लेल ठाढ़ रहब

2. भगवानक इच्छाक पालन करबाक महत्व तखनो जखन ओ अलोकप्रिय हो

१."

2. नीतिवचन 28:1 "दुष्ट तखन भागि जाइत अछि जखन कियो पीछा नहि करैत अछि, मुदा धर्मी सिंह जकाँ साहसी होइत अछि।"

यिर्मयाह 37:16 जखन यिर्मयाह कालकोठरी आ कोठली मे प्रवेश कयलनि आ यिर्मयाह बहुत दिन धरि ओतहि रहलाह।

यिर्मयाह कतेको दिन धरि कालकोठरी मे बंद रहलाह।

1: हम यिर्मयाह सँ सीख सकैत छी जे विपत्तिक समय मे सेहो परमेश् वरक प्रति वफादार रहब।

2: अन्हार समय मे सेहो भगवानक उपस्थिति हमरा सभक संग अछि।

1: इब्रानियों 10:36, कारण, अहाँ सभ केँ सहनशक्तिक आवश्यकता अछि, जाहि सँ जखन अहाँ सभ परमेश् वरक इच्छा पूरा कऽ लेब तखन अहाँ सभ केँ ओ सभ भेटि सकब जे प्रतिज्ञा कयल गेल अछि।

2: यशायाह 41:10, डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी; त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 37:17 तखन राजा सिदकिय्याह हुनका बाहर निकालि कऽ पठौलनि, तखन राजा हुनका घर मे गुप्त रूप सँ पुछलथिन, “की परमेश् वरक कोनो वचन अछि?” यिर्मयाह कहलथिन, “ओतय अछि, किएक तँ ओ कहलनि जे, अहाँ बाबुलक राजाक हाथ मे सौंपल जायब।”

राजा यिर्मयाह सँ पुछलथिन जे की प्रभुक कोनो वचन अछि आ यिर्मयाह हुनका कहलथिन जे हुनका बेबिलोनक राजाक हाथ मे सौंपल जायत।

1. प्रभु सार्वभौम छथि, हमरा सभक परीक्षा मे सेहो

2. विपत्तिक समय मे मुक्तिक आशा

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 37:18 यिर्मयाह राजा सिदकियाह केँ कहलथिन, “हम अहाँ पर वा अहाँक नोकर सभक संग वा एहि लोक सभक संग की अपराध केलहुँ जे अहाँ हमरा जेल मे राखि देलहुँ?”

यिर्मयाह राजा सिदकिय्याह सँ पुछलथिन जे ओ राजा, हुनकर नोकर आ लोकक संग कोनो दुष् ट नहि कएने जेल मे किएक राखल गेल अछि।

1. भगवानक सार्वभौमिकता: दुखक अप्रत्याशितता

2. भगवान् के संप्रभुता आ मानव स्वतंत्रता

1. रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि," प्रभु कहैत छथि। "जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।"

यिर्मयाह 37:19 आब अहाँक भविष्यवक्ता कतय छथि जे अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी कयलनि जे, “बेबिलोनक राजा अहाँ सभक विरुद्ध नहि आओत आ ने एहि देशक विरुद्ध?”

भविष्यवक्ता सभ वचन देने छलाह जे बेबिलोनक राजा यहूदा आ ओकर देशक विरुद्ध नहि आओत, मुदा ई बात सत्य नहि निकलल।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा सदिखन वैह नहि होइत अछि जेना ओ बुझाइत अछि - यिर्मयाह 37:19

2. मनुष्य पर नहि, परमेश्वर पर भरोसा करबाक बुद्धि - यिर्मयाह 37:19

1. यशायाह 8:20 - व्यवस्था आ गवाही केँ: जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।

2. नीतिवचन 3:5 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ।

यिर्मयाह 37:20 तेँ हे हमर प्रभु राजा, आब सुनू। अहाँ हमरा शास्त्री योनातनक घर मे नहि घुमाबथि, जाहि सँ हम ओतहि नहि मरि जायब।”

यिर्मयाह राजा सँ प्रार्थना करैत छथि जे हुनकर निहोरा स्वीकार कयल जाय आ हुनका ओतय मरबाक डर सँ शास्त्री योनातनक घर वापस नहि पठाओल जाय।

1. प्रार्थनाक शक्ति: यिर्मयाहक राजा सँ निहोरा कोना विश्वासक ताकत केँ प्रदर्शित करैत अछि

2. यिर्मयाह स सीखब: अपन बात कहय लेल तैयार रहबाक आ अपना लेल ठाढ़ रहबाक महत्व

1. भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक समीप छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यिर्मयाह 37:21 तखन राजा सिदकिय्याह आज्ञा देलथिन जे यिर्मयाह केँ जेलक आँगन मे राखि दियौक आ ओकरा सभ केँ रोज रोटीक टुकड़ा बेकरक गली सँ बाहर द’ दियौक, जाबत धरि शहरक सभ रोटी खतम नहि भ’ जायत। एहि तरहेँ यिर्मयाह जेलक दरबार मे रहि गेलाह।

राजा सिदकिय्याह आज्ञा देलथिन जे यिर्मयाह केँ जेलक आँगन मे राखि देल जाय आ ओकरा सभ दिन एक-एकटा रोटी देल जाय जाबत धरि शहरक सभ रोटी खतम नहि भ' जायत।

1. कठिन परिस्थिति मे परमेश् वर पर भरोसा करब - यिर्मयाहक वफादार सहनशक्ति

2. अप्रत्याशित परिस्थिति मे परमेश्वरक प्रयोजन - यिर्मयाहक लचीलापन

1. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

यिर्मयाह अध्याय 38 में यिर्मयाह के यरूशलेम के बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान के अनुभव के चित्रण जारी छै, जेकरा में ओकरऽ उत्पीड़न आरू बचाव भी शामिल छै।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह पर किछु अधिकारी द्वारा आरोप लगाओल गेल अछि जे ओ सैनिक आ लोक सभ केँ बेबिलोनक विरुद्ध लड़बा सँ हतोत्साहित करैत छथि (यिर्मयाह 38:1-4)। हुनका मृत्युदंड देबाक मांग करैत छथि। मुदा, राजा सिदकियाह हुनका सभ केँ यिर्मयाहक संग जेना चाहैत छथि, तेना करबाक अनुमति दैत छथि।

2 पैराग्राफ: राजा के महल में इथियोपियाई नपुंसक एबेद-मेलेक यिर्मयाह के तरफ स बिनती करैत अछि (यिर्मयाह 38:5-13)। ओ राजा सँ निहोरा करैत छथि जे यिर्मयाहक जान बँचब किएक तऽ हुनका विश्वास छनि जे यिर्मयाह परमेश् वरक वचन बजैत छथि। सिदकिय्याह एबेद-मेलेक केरऽ आग्रह के मंजूरी दै छै आरू ओकरा निर्देश दै छै कि यिर्मयाह क॑ कुंड स॑ बचाबै के चाही ।

3 पैराग्राफ: एबेद-मेलेक यिर्मयाह के रस्सी के कुंड में उतारि क बचाबैत छथि, जाहि स हुनका सुरक्षित रूप स बाहर निकालल जा सकैत अछि (यिर्मयाह 38:14-15)। तकर बाद यिर्मयाह आँगनक पहरेदार घर मे रहैत अछि।

4 पैराग्राफ: राजा सिदकिय्याह गुप्त रूप सँ यिर्मयाह सँ फेर सँ परामर्श करैत छथि (यिर्मयाह 38:16-23)। ओ निजी गप्प-सप्प करबाक लेल माँगैत छथि आ यिर्मयाहक माध्यमे परमेश् वर सँ मार्गदर्शन लैत छथि। एकरऽ जवाब में परमेश् वर सिदकिय्याह कॅ चेतावनी दै छै

कि अगर वू बेबिलोन के सामने आत्मसमर्पण करी दै छै, तॅ यरूशलेम के साथ ओकरोॅ जान भी बची जैतै; अन्यथा विनाशक प्रतीक्षा अछि।

5 म पैराग्राफ: एहि चेतावनी के बावजूद किछु अधिकारी यिर्मयाह पर एक बेर फेर सं देश छोड़बाक आरोप लगबैत छथि (यिर्मयाह 38:24-28)। ओ सभ राजा सिदकियाह केँ ओकरा सौंपबाक लेल मना लैत छथि। फलस्वरूप ओ सभ ओकरा थाल-कादोक टंकी मे फेकि दैत अछि जतय ओ दलदल मे डूबि जाइत अछि जाबत धरि एबेद-मेलेक एक बेर फेर नहि बचा लैत अछि ।

संक्षेप में यिर्मयाह के अड़तीस अध्याय में बेबिलोन के घेराबंदी के दौरान आरू घटना के चित्रण करलऽ गेलऽ छै आरू यिर्मयाह के सामना करलऽ गेलऽ उत्पीड़न के साथ-साथ ओकरऽ बाद के बचाव पर भी ध्यान देलऽ गेलऽ छै । किछु अधिकारी हुनका पर आरोप लगबैत छथि जे ओ बेबिलोन के खिलाफ प्रतिरोध के हतोत्साहित करैत छथि। ओ सभ ओकरा फाँसी देबाक मांग करैत अछि, आ यद्यपि शुरू मे संकोच करैत छल, मुदा राजा सिदकिय्याह ओकरा सभ केँ ओकरा संग व्यवहार करबा मे स्वतंत्रता दैत अछि, एबेद-मेलेक यिर्मयाहक लेल बिनती करैत अछि, परमेश्वरक वचन पर विश्वास करबाक कारणेँ ओकर जानक गुहार लगाबैत अछि। सिदकिय्याह ई आग्रह के मंजूरी दै छै, आरो एबेद-मेलेक ओकरा एक कुंड सें बचाबै छै, सिदकिय्याह गुप्त रूप सें फेरू यिर्मयाह सें परामर्श करै छै। आत्मसमर्पण वा विरोध करबाक संबंध मे मार्गदर्शन चाहैत छथि । भगवान चेतावनी दै छै कि आत्मसमर्पण करला स॑ हुनकऽ जान बची जैतै, जबकि प्रतिरोध स॑ विनाश होय जाय छै, ई चेतावनी के बावजूद कुछ अधिकारी ओकरा प॑ एक बार फेरू आरोप लगै छै । ओ सभ सिदकिय्याह केँ यिर्मयाह केँ सौंपबाक लेल राजी करैत छथि, जकर परिणामस्वरूप हुनका थाल-कादोक टंकीक भीतर जेल मे राखल जाइत छनि, कुल मिला कए, ई संक्षेप मे, अध्याय संकट आ आसन्न हारक समय मे भविष्यवक्ता आ शासक दुनू केँ सामना करय बला चलैत संघर्ष पर प्रकाश दैत अछि। ई भी जोर दै छै कि कोना ईश्वरीय हस्तक्षेप एबेद-मेलेक जैसनऽ अप्रत्याशित व्यक्ति के माध्यम स॑ आबी सकै छै जे साहस आरू करुणा के प्रदर्शन करै छै ।

यिर्मयाह 38:1 तखन मत्तनक पुत्र शेफतिया, पशूरक पुत्र गेदलिया, शेलेमियाक पुत्र जुकाल आ मल्कियाक पुत्र पशूर, यिर्मयाह समस्त लोक केँ कहल बात सुनलनि।

चारि गोटे, शेफतिया, गेदलिया, जुकाल आ पशूर, यिर्मयाह जे बात सभ लोक केँ कहलथिन, से सुनलनि।

1. "उचितक लेल ठाढ़ रहब"।

2. "बाजबाक साहस"।

1. नीतिवचन 31:8-9 "जे अपन बात नहि क' सकैत अछि, ओकर सभक लेल बाजू, सभ अभावक अधिकारक लेल। बाजू आ न्यायपूर्वक न्याय करू; गरीब आ गरीबक अधिकारक रक्षा करू।"

2. इफिसियों 4:29 "अपन मुँह सँ कोनो अयोग्य बात नहि निकलय दियौक, बल्कि केवल ओहि बात केँ बाहर निकलय दियौक जे दोसर केँ ओकर आवश्यकताक अनुसार ठाढ़ करबाक लेल सहायक हो, जाहि सँ सुननिहार केँ लाभ भेटय।"

यिर्मयाह 38:2 परमेश् वर ई कहैत छथि जे, जे एहि नगर मे रहत से तलवार, अकाल आ महामारी सँ मरत। किएक तँ ओ अपन प्राण शिकारक रूप मे पाबि लेत आ जीवित रहत।

प्रभु घोषणा करै छै कि जे यरूशलेम में रहतै ओकरा तलवार, अकाल आरो महामारी के सामना करना पड़ी जैतै, लेकिन जे कल्दी में जाय छै, ओकरा बख्शल जैतै आरू ओकरोॅ जान बची जैतै।

1. कठिन समय मे रक्षाक भगवानक प्रतिज्ञा

2. दुखक बीच भगवान आ हुनकर योजना पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यिर्मयाह 38:3 परमेश् वर ई कहैत छथि, “ई नगर बाबुलक राजाक सेनाक हाथ मे अवश्य देल जायत, जे एकरा पकड़ि लेत।”

प्रभु घोषणा करै छै कि ई शहर बेबिलोन के राजा के सेना पर कब्जा करी लेतै।

1. भगवान नियंत्रण मे छथि: जीवन मे चाहे जे किछु हो, अंततः भगवान नियंत्रण मे रहैत छथि। (यिर्मयाह १०:२३) २.

2. हमर वफादार राजा: जखन हम सभ अपना केँ शक्तिहीन बुझैत छी तखनो ई मोन राखब जरूरी अछि जे परमेश् वर हमर सभक वफादार राजा छथि। (यशायाह ४३:१५) २.

1. यिर्मयाह 10:23: हे प्रभु, हम जनैत छी जे मनुष्यक बाट अपना मे नहि अछि, जे मनुष् यक चलैत अछि, से अपन डेग केँ निर्देशित नहि करैत अछि।

2. यशायाह 43:15: हम प्रभु छी, अहाँक पवित्र, इस्राएलक सृष्टिकर्ता, अहाँक राजा।

यिर्मयाह 38:4 तेँ राजकुमार सभ राजा केँ कहलथिन, “हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे एहि आदमी केँ मारल जाय, किएक तँ ओ एहि शहर मे रहनिहार युद्धकर्मीक हाथ आ समस्त लोकक हाथ केँ कमजोर क’ दैत अछि हुनका सभ केँ एहन बात कहैत छथिन, किएक तँ ई लोक एहि लोकक भलाई नहि, बल् कि आहत करबाक लेल चाहैत अछि।

शहरक राजकुमार लोकनि राजा सँ यिर्मयाह केँ मारि देबाक लेल कहलनि, कारण हुनकर एहि बात सँ शहर मे रहि गेल लोक आ सैनिक सभक मनोबल कमजोर भ' रहल छलनि।

1. शब्दक शक्ति - यिर्मयाह 38:4

2. दोसरक भलाई तकबाक महत्व - यिर्मयाह 38:4

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि

2. रोमियो 12:18 - जँ संभव अछि, जतय धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सभ सभक संग शांति सँ रहू

यिर्मयाह 38:5 तखन राजा सिदकिय्याह कहलथिन, “देखू, ओ अहाँक हाथ मे छथि, कारण राजा ओ नहि छथि जे अहाँक विरुद्ध कोनो काज क’ सकैत छथि।”

राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह केँ जेल सँ छोड़बाक अनुमति देलनि, अपन अधिकारी सभ केँ ई कहैत जे यिर्मयाह पर हुनकर नियंत्रण छनि आ राजा हुनका सभ केँ रोकबा मे असमर्थ छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: कोनो शक्ति हुनकर शक्ति सँ बेसी नहि भ' सकैत अछि

2. परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक।

2. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

यिर्मयाह 38:6 तखन ओ सभ यिर्मयाह केँ पकड़ि क’ जेलक आँगन मे हम्मेलेक पुत्र मल्कियाहक कालकोठरी मे फेकि देलक। कालकोठरी मे पानि नहि छल, मुदा दलदल छल, तेँ यिर्मयाह दलदल मे डूबि गेलाह।

यिर्मयाह केँ लऽ कऽ एकटा कालकोठरी मे फेकि देल गेल जाहि मे पानि नहि, मात्र दलदल छल आ दलदल मे डूबि गेल।

1. दुखक माध्यमे अपन विश्वास केँ सिद्ध करब - यिर्मयाह 38:6

2. विपत्ति पर काबू पाबब - यिर्मयाह 38:6

1. अय्यूब 14:1 - "स्त्री सँ जन्मल आदमी कम दिनक होइत अछि आ विपत्ति सँ भरल होइत अछि।"

2. भजन 34:17-19 - "धर्मी लोक सभक पुकार सुनैत छथि, आ प्रभु हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक सभ लग छथि.धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।”

यिर्मयाह 38:7 जखन राजाक घर मे रहनिहार नपुंसक मे सँ एक इथियोपियाई एबेदमेलेक सुनलनि जे ओ सभ यिर्मयाह केँ कालकोठरी मे राखि देने छथि। तखन राजा बिन्यामीनक फाटक मे बैसल छलाह।

राजाक घर मे इथियोपियाई नपुंसक एबेदमेलेक सुनलक जे राजा बिन्यामीनक फाटक मे बैसल यिर्मयाह केँ कालकोठरी मे राखि देल गेल छल।

1. दया के आह्वान: दोसर के जरूरत पड़ला पर कोना प्रतिक्रिया देल जाय

2. राजाक भूमिका: सबहक भलाई लेल उचित निर्णय लेब

1. लूका 6:36 - "दयालु बनू, जेना अहाँक पिता दयालु छथि।"

2. नीतिवचन 29:14 - "जँ कोनो राजा गरीबक न्याय करैत अछि तँ ओकर सिंहासन सदिखन सुरक्षित रहत।"

यिर्मयाह 38:8 एबेदमेलेक राजाक घर सँ बाहर निकलि राजा सँ कहलथिन।

इथियोपियाई एबेदमेलेक यिर्मयाह के राजा के कुंड में मृत्यु से बचाबै छै।

एबेदमेलेक, एक इथियोपियाई आदमी, राजा द्वारा फेंकला के बाद एक कुंड में यिर्मयाह भविष्यवक्ता के मौत से बचाबै लेली हस्तक्षेप करै छै।

1. मध्यस्थताक शक्ति: एक व्यक्ति कोना अंतर आनि सकैत अछि

2. परमेश् वरक अविचल निष्ठा: विपत्तिक समय मे हुनकर उद्धार

1. इब्रानी 7:25 - "एहि लेल ओ हुनका द्वारा परमेश् वर लग अबैत छथि, हुनका सभ केँ पूर्ण रूप सँ बचा सकैत छथि, किएक तँ ओ हुनका सभक लेल बिनती करबाक लेल सदिखन जीबैत छथि।"

2. भजन 34:17-19 - "धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि, आ परमेश् वर हुनका सभ केँ सुनैत छथि; ओ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ जे आत् मा मे कुचलल छथि, तकरा उद्धार करैत छथि। एकटा धर्मी आदमी केँ भ' सकैत अछि।" बहुत रास कष्ट, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।”

यिर्मयाह 38:9 हमर प्रभु राजा, ई लोकनि यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ जे किछु केलकनि, तकरा सभ मे बुराई कयलनि, जकरा ओ सभ कालकोठरी मे फेकि देलनि। ओ जहि ठाम अछि, ओहि ठाम भूख सँ मरि जेबाक समान अछि, किएक तँ शहर मे आब रोटी नहि अछि।

ओ सभ यिर्मयाह प्रवक् ताक संग अधलाह काज कऽ कऽ ओकरा कालकोठरी मे फेकि देलक आ ओकरा भोजन सँ वंचित कऽ देलक।

1: भगवान् न्यायी आ धर्मी छथि आ अपन भविष्यवक्ता आ सेवक सभक संग दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहि करताह।

2: हमरा सभकेँ जरूरतमंदक रक्षा आ भरण-पोषण करबाक लेल बजाओल गेल अछि आ हमरा सभकेँ दुखी लोकसँ मुँह नहि घुमबाक चाही।

1: नीतिवचन 31:8-9 "जे बाजि नहि सकैत अछि ओकर लेल बाजू, सभ अभावक अधिकारक लेल। बाजू, धार्मिक न्याय करू, आ गरीब आ गरीबक अधिकारक रक्षा करू।"

2: मत्ती 25:35-36 "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाय लेलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय लेलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।"

यिर्मयाह 38:10 तखन राजा इथियोपियाई एबेदमेलेक केँ आज्ञा देलथिन जे, “एत’ सँ तीस आदमी केँ ल’ जाउ आ यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ मरबा सँ पहिने कालकोठरी सँ बाहर निकालि दियौक।”

राजा इथियोपियाई एबेदमेलेक केँ आज्ञा देलथिन जे ओ तीस आदमी केँ लऽ कऽ यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ मरबा सँ पहिने कालकोठरी सँ बचाबथि।

1. करुणा आ दयाक शक्ति

2. मानव जीवनक मूल्य

1. रोमियो 12:20 - "जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ ओकरा प्यासल अछि तँ ओकरा किछु पीबय दियौक।"

2. यशायाह 58:10 - "जँ अहाँ सभ भूखल सभक लेल खर्च करब आ दबल-कुचलल लोकक आवश्यकता केँ पूरा करब, तखन अहाँक इजोत अन्हार मे उठत, आ अहाँक राति दुपहर जकाँ भ' जायत।"

यिर्मयाह 38:11 तखन एबेदमेलेक ओहि आदमी सभ केँ अपना संग ल’ क’ खजानाक नीचाँ राजाक घर मे गेलाह, आ ओतय सँ पुरान ढलल-फूल आ पुरान सड़ल चीर-फाड़ ल’ क’ ओकरा सभ केँ डोरी मे बान्हि क’ यिर्मयाहक लेल कालकोठरी मे उतारि देलनि।

एबेदमेलेक किछु आदमी सभ केँ लऽ कऽ राजाक घर मे जा कऽ पुरान ढलल चीथड़ा आ चीर-फाड़ निकालि कऽ यिर्मयाह केँ कालकोठरी मे उतारबाक लेल प्रयोग कयलक।

1. परमेश् वरक वफादार सेवक: एबेदमेलेकक कथा

2. कर्म मे करुणा: एबेदमेलेक के उदाहरण

१.

2. कुलुस्सी 3:23-24 "अहाँ सभ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकार भेटत। से अछि।" अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।”

यिर्मयाह 38:12 इथियोपियाई एबेदमेलेक यिर्मयाह केँ कहलथिन, “एहि पुरान ढाल आ सड़ल चीथड़ा केँ डोरीक नीचाँ अपन बाहुक छेद मे राखि दियौक।” आ यिर्मयाह एना कयलनि।

इथियोपियाई एबेदमेलेक यिर्मयाह के निर्देश दै छै कि ओकरा बान्है वाला डोरी के नीचे गद्दी के रूप में पुरानऽ ढललऽ क्लाउट आरू चीथड़ा के प्रयोग करलऽ जाय।

1. भगवानक कृपा आ दया सबहक लेल उपलब्ध अछि, चाहे ओकर जाति वा हैसियत कोनो हो।

2. प्रभु अपन इच्छा पूरा करबाक लेल असंभावित लोकक सेहो उपयोग क' सकैत छथि।

1. यूहन्ना 4:4-6 - यीशु प्रकट करैत छथि जे उद्धार ओहि सभ गोटेक लेल खुजल अछि जे हुनका दिस घुरैत छथि।

2. प्रेरित 10:34-35 - पत्रुस घोषणा करैत छथि जे मसीह मे यहूदी आ गैर-यहूदी मे कोनो भेद नहि अछि।

यिर्मयाह 38:13 तखन ओ सभ यिर्मयाह केँ डोरी सँ खींच लेलक आ ओकरा कालकोठरी सँ बाहर निकालि लेलक, आ यिर्मयाह जेलक आँगन मे रहि गेल।

यिर्मयाह केँ कालकोठरी सँ उठा कऽ जेलक दरबार मे राखल गेल।

1: जखन हम सभ निराशाक गहराई मे छी तखनो भगवान् हमरा सभक संग छथि।

2: जखन हम सभ अपना केँ बिसरल बुझैत छी तखनो भगवान् हमरा सभक देखभाल करैत रहैत छथि।

1: भजन 40:1-3 "हम धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा केलहुँ; ओ हमरा दिस झुकि गेलाह आ हमर पुकार सुनलनि। ओ हमरा विनाशक गड्ढा सँ, दलदली दलदल मे सँ खींच लेलनि आ हमर पैर एकटा चट्टान पर राखि क' बनबैत रहलाह।" हमर डेग सुरक्षित। ओ हमर मुँह मे एकटा नव गीत राखि देलनि, जे हमरा सभक परमेश् वरक स्तुतिक गीत छल। बहुतो लोक देखताह आ डरताह, आ प्रभु पर भरोसा करताह।"

2: यशायाह 42:3 "ओ खढ़ल खढ़ केँ नहि तोड़त, आ क्षीण जरैत बाती केँ नहि बुझाओत; ओ विश्वासपूर्वक न्याय केँ आनत।"

यिर्मयाह 38:14 तखन राजा सिदकियाह यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ तेसर प्रवेश द्वार पर ल’ गेलाह जे परमेश् वरक घर मे अछि। हमरासँ किछु नहि नुकाउ।

राजा सिदकियाह यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ परमेश् वरक घरक तेसर प्रवेश द्वार मे हुनका लग आबय लेल कहलनि आ हुनका सँ किछु नहि नुकाबऽ लेल कहलनि।

1. अपन नेताक संग पूर्णतः ईमानदार रहबाक महत्व।

2. राजाक आग्रहक उत्तर देबा मे यिर्मयाहक निष्ठा आ आज्ञापालन।

1. नीतिवचन 16:13 धर्मी ठोर राजाक आनन्द होइत छैक; ईमानदार भाषण सॅं खुश रहैत छथि ।

2. 2 इतिहास 34:19-21 योशियाह प्रभुक खोज कयलनि आ हुनकर आज्ञाक पूरा मोन सँ पालन कयलनि।
ओ प्रभुक आज्ञा आ ओकर सभ आज्ञा आ ओकर फरमानक पालन केलनि। ओ प्रभुक दृष्टि मे जे नीक छल से केलक आ अपन बाट पर चलैत रहल।

यिर्मयाह 38:15 तखन यिर्मयाह सिदकियाह केँ कहलथिन, “जँ हम अहाँ केँ ई बात कहब तँ की अहाँ हमरा मारि नहि देब?” जँ हम अहाँ केँ सलाह देब तँ की अहाँ हमर बात नहि मानब?

यिर्मयाह सिदकिय्याह सँ पुछलथिन जे जँ ओ हुनका सलाह देबनि तँ की ओ हुनका मारि देबनि।

1. "टकराव के साहस: यिर्मयाह स हम की सीख सकैत छी"।

2. "प्रभु पर भरोसा करू: यिर्मयाहक विश्वासक उदाहरण"।

1. 1 कोरिन्थी 16:13 - "सावधान रहू; विश्वास मे दृढ़ रहू; साहस करू; मजबूत रहू।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यिर्मयाह 38:16 तखन राजा सिदकियाह यिर्मयाह केँ गुप्त रूप सँ शपथ लेलनि जे, “जेना परमेश् वर जीवित छथि, जे हमरा सभ केँ ई प्राण बनौलनि, हम अहाँ केँ नहि मारब आ ने अहाँ केँ एहि लोक सभक हाथ मे जे अहाँक जान चाहैत छथि।”

राजा सिदकियाह यिर्मयाह केँ गुप्त रूप सँ कसम खाइत छथि जे ओ हुनका नहि मारि देताह आ ने हुनका ओहि आदमी सभक हाथ मे सौंपताह जे हुनकर जान तकैत छलाह।

1. राजाक व्रतक शक्ति

2. भगवान् के रक्षा के शक्ति

1. 2 कोरिन्थी 1:20-21 - किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अपन हाँ पाबैत अछि। यही लेली हुनका द्वारा ही हम्में परमेश् वर के महिमा के लेलऽ अपनऽ आमीन बोलै छियै । परमेश् वर छथि जे हमरा सभ केँ मसीह मे अहाँ सभक संग स्थापित करैत छथि आ हमरा सभ केँ अभिषेक कयलनि, आ जे हमरा सभ पर अपन मोहर लगा देलनि आ हमरा सभक हृदय मे अपन आत् मा हमरा सभ केँ गारंटीक रूप मे देलनि।

2. यशायाह 54:17 - जे कोनो हथियार अहाँ सभक विरुद्ध बनाओल गेल अछि से सफल नहि होयत, आ अहाँ सभ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा खंडन करब। ई प्रभु केरऽ सेवकऽ के धरोहर छै आरू हमरा स॑ ओकरऽ सही ठहराबै के बात छै, ई बात प्रभु कहै छै ।

यिर्मयाह 38:17 तखन यिर्मयाह सिदकियाह केँ कहलथिन, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, यहोवा कहैत छथि। जँ अहाँ निश्चित रूप सँ बाबुलक राजाक राजकुमार सभक लग जायब तँ अहाँक प्राण जीवित रहत आ ई नगर आगि मे नहि जराओल जायत। अहाँ आ अपन घर-परिवार जीवित रहब।

यिर्मयाह सिदकिय्याह के सलाह दै छै कि वू अपनऽ जान आरू ओकरऽ घरऽ के लोगऽ के जान बचाबै लेली बेबिलोन के राजा के सामने आत्मसमर्पण करी दै।

1. परमेश्वरक इच्छाक समक्ष आत्मसमर्पण करू - यिर्मयाह 38:17

2. कठिन समय मे परमेश् वर पर भरोसा करब - यिर्मयाह 38:17

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

यिर्मयाह 38:18 मुदा जँ अहाँ बाबुलक राजाक राजकुमार सभक लग नहि जायब तँ ई शहर कसदी सभक हाथ मे देल जायत आ ओ सभ एकरा आगि मे जरा देत आ अहाँ हुनका सभक हाथ सँ नहि बचि सकब।

यिर्मयाह लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे जँ ओ सभ बाबुलक राजाक राजकुमार सभक समक्ष आत्मसमर्पण नहि करत तँ शहर जरि जायत आ ओ सभ नहि बचि सकैत अछि।

1. विद्रोह के परिणाम: यिर्मयाह 38:18 स सीखब।

2. परमेश् वरक इच्छा स्वीकार करब: बेबिलोनक राजाक राजकुमार सभक समक्ष आत्मसमर्पण करब।

1. रोमियो 12:1-2 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, परमेश् वरक दयाक द्वारा हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे परमेश् वरक लेल पवित्र आ स्वीकार्य बलिदान अछि, जे अहाँ सभक आत् मक आराधना अछि एहि संसार मे, मुदा अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।”

2. नीतिवचन 16:25 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

1138

यिर्मयाह 38:19 राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह केँ कहलथिन, “हमरा ओहि यहूदी सभ सँ डर लगैत अछि जे कल्दी सभक हाथ मे पड़ल अछि, कहीं ओ सभ हमरा अपन हाथ मे नहि सौंपथि आ हमर उपहास नहि करत।”

राजा सिदकियाह कल्दी सभक दिस विदा भेल यहूदी सभक प्रति अपन डर व्यक्त करैत छथि, कहीं ओ सभ हुनका सौंप कऽ हुनकर मजाक नहि उड़ाबथि।

1. प्रभु पर भरोसा करू, मनुष्य पर नहि: यिर्मयाह 38:19

2. विश्वासक द्वारा भय आ निराशा पर विजय प्राप्त करू: यिर्मयाह 38:19

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब?

यिर्मयाह 38:20 मुदा यिर्मयाह कहलथिन, “ओ सभ अहाँ केँ नहि बचाओत।” हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे परमेश् वरक जे आवाज हम अहाँ सँ बजैत छी, तकरा मानू।

यिर्मयाह ककरो सलाह दै छै कि जीबै लेली प्रभु के आवाज के पालन करै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति - आज्ञाकारिता कोना जीवन दैत अछि

2. प्रभुक बात सुनबाक आशीर्वाद - भगवानक आवाज केना सुनब आ ओकर पालन करब

1. याकूब 1:22 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।"

2. व्यवस्था 30:19-20 - "हम आइ स्वर्ग आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप राखि देलहुँ। तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान प्रभु सँ प्रेम करैत जीवित रहब।" तोहर परमेश् वर, ओकर आवाज मानू आ ओकरा पकड़ि लिअ, किएक तँ ओ अहाँक जीवन आ दिनक लंबाई छथि।”

यिर्मयाह 38:21 मुदा जँ अहाँ बाहर जेबा सँ मना कऽ दैत छी तँ ई ओ वचन अछि जे परमेश् वर हमरा देखौलनि अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ प्रगट कयलनि अछि जे जँ ओ आगू बढ़बा सँ मना कऽ देत तँ ओकर परिणाम सेहो होयत।

1. "आज्ञाकारिता चुनू: भगवानक इच्छाक पालन करबाक आशीर्वाद केँ गले लगाउ"।

2. "भगवानक इच्छा केँ अस्वीकार करब: आज्ञा आज्ञा नहि करबाक परिणाम"।

1. व्यवस्था 28:1-14 - परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक लेल आशीर्वाद।

2. यशायाह 55:8-9 परमेश् वरक इच्छा हमरा सभक इच्छा सँ बेसी ऊँच अछि आ हमरा सभ केँ एकर अधीन रहबाक चाही।

यिर्मयाह 38:22 देखू, यहूदाक राजाक घर मे जे सभ महिला बचल छथि, हुनका सभ केँ बाबुलक राजाक राजकुमार सभक लग लऽ जायत आ ओ सभ महिला सभ कहताह जे, ‘अहाँक मित्र सभ अहाँ केँ सवार कएने छथि आ अहाँ पर विजयी भ’ गेलाह। तोहर पएर दलदली मे डूबि गेल अछि आ ओ सभ पाछू घुमि गेल अछि।

यहूदा के राजा के घरऽ के महिला सिनी क॑ बाबुल के राजा के राजकुमार सिनी के पास लानलऽ जैतै, जे अपनऽ दोस्त सिनी के राजा पर ओकरा साथ धोखा करै के आरोप लगाबै वाला छै।

1139

1: हमरा सभकेँ अपन संबंधमे निष्ठावान आ निष्ठावान बनब सीखबाक चाही, ओहो तखन जखन हमरा सभसँ धोखा भ' जाइत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन महत्वाकांक्षाकेँ अपन निर्णयकेँ पछाड़ि नहि देबाक चाही आ हमरा सभकेँ एहन निर्णय लेबाक लेल नहि लऽ जेबाक चाही जकर भयावह परिणाम होयत।

1: मत्ती 7:12 - तेँ अहाँ सभ जे चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

2: नीतिवचन 17:17 - मित्र हर समय प्रेम करैत अछि, आ भाइ विपत्तिक लेल जन्म लैत अछि।

यिर्मयाह 38:23 तेँ ओ सभ अहाँक सभ पत्नी आ अहाँक बच्चा सभ केँ कसदी सभक लग लऽ जेताह, आ अहाँ हुनका सभक हाथ सँ नहि बचि सकब, बल् कि बेबिलोनक राजाक हाथ मे आबि जायब आगिसँ जरि गेल।

यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि बेबिलोन के राजा यरूशलेम के लोग सिनी कॅ पकड़ी लेतै, जेकरा में ओकरोॅ पत्नी आरू बच्चा भी शामिल छै। ओ इहो भविष्यवाणी करैत छथि जे शहर मे आगि लागि जायत।

1. परमेश् वरक न्याय: यिर्मयाह 38:23 ई देखाबैत अछि जे कोना परमेश् वरक न्याय कोनो समझौता रहित अछि आ निर्दोष केँ सेहो प्रभावित क’ सकैत अछि, जाहि सँ हमरा सभ केँ अपन परिस्थिति मे हुनका पर भरोसा करबाक आवश्यकता अछि।

2. भविष्यवाणीक शक्ति: यिर्मयाह 38:23 भविष्यवाणीक शक्तिक एकटा उदाहरण अछि, जे ई देखाबैत अछि जे परमेश् वर अपन योजना केँ अपन लोक सभ केँ कोना संप्रेषित करैत छथि।

1. यशायाह 48:3-5 - हम पहिने सँ पहिने सँ घोषणा क’ रहल छी; ओ सभ हमर मुँह सँ निकलि गेल आ हम ओकरा सभ केँ देखा देलहुँ। हम अचानक केलहुँ, आ ओ सभ पूरा भ’ गेल।

2. दानियल 2:21-22 - ओ [परमेश् वर] समय आ ऋतु केँ बदलैत छथि, राजा सभ केँ हटा दैत छथि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत छथि, बुद्धिमान केँ बुद्धि दैत छथि आ बुद्धि जननिहार केँ ज्ञान दैत छथि।

यिर्मयाह 38:24 तखन सिदकिय्याह यिर्मयाह केँ कहलथिन, “ई बात ककरो नहि बुझबाक चाही, तखन अहाँ नहि मरि जायब।”

सिदकिय्याह यिर्मयाह केँ चेतावनी देलथिन जे ओ अपन बात केँ गुप्त राखू, नहि तऽ ओ मरि जेताह।

1. परमेश् वरक वचन केँ सुरक्षित राखब- यिर्मयाह 38:24

2. गोपनीयताक शक्ति- यिर्मयाह 38:24

1. नीतिवचन 11:13 - "गपशप रहस्य उजागर करैत अछि, मुदा भरोसेमंद व्यक्ति अपन विश्वास रखैत अछि।"

2. मत्ती 6:6 - "मुदा जखन अहाँ प्रार्थना करब तखन अपन कोठली मे जाउ आ दरबज्जा बंद करू आ अपन पिता सँ प्रार्थना करू जे अदृश्य छथि। तखन अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ कयल गेल काज देखैत छथि, अहाँ केँ इनाम देताह।"

यिर्मयाह 38:25 मुदा जँ राजकुमार सभ ई सुनि जे हम अहाँ सँ गप्प केने छी, आ ओ सभ अहाँ लग आबि कऽ कहत जे, “अहाँ राजा सँ जे कहलहुँ से एखन हमरा सभ केँ बताउ, तँ हमरा सभ सँ नहि नुकाउ, आ हम सभ नहि राखब।” तोरा मृत्यु तक; राजा अहाँ केँ की कहलनि।

यिर्मयाह के राजकुमार सब चेताबै छै कि जे गप्प-सप्प राजा के साथ करलकै, ओकरा नै बाँटी, आरू अगर वू ई बात के खुलासा करतै त ओकरा मारना नै देतै।

1140

1) दोसर पर भरोसा करबाक महत्व, भले ओकर मंशा स्पष्ट नहि हो।

2) संचार के शक्ति आ कोना ई संबंध के रूपांतरित क सकैत अछि।

1) नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2) कुलुस्सी 4:6 - अहाँक गप्प-सप्प सदिखन अनुग्रह सँ भरल रहू, नून सँ मसालेदार रहू, जाहि सँ अहाँ सभ केँ उत्तर देब' जानि।

यिर्मयाह 38:26 तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, हम राजाक समक्ष अपन विनती रखलहुँ जे ओ हमरा योनातनक घर वापस नहि पहुँचाबथि आ ओतहि मरि जाय।”

यिर्मयाह राजा सँ निहोरा करै छै कि ओकरा योनातन के घर वापस नै भेजै, वहाँ मरै के डर के कारण।

1. प्रार्थना के शक्ति - यिर्मयाह के प्रार्थना में ताकत मिलै छै कि वू राजा के सामने अपनऽ डर व्यक्त करै।

2. सुरक्षाक ताकत - परमेश् वर यिर्मयाह केँ ओहि खतरा सँ सुरक्षा प्रदान कयलनि।

1. याकूब 5:16 - "धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

2. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; हुनकर विश्वास अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।"

यिर्मयाह 38:27 तखन सभ राजकुमार यिर्मयाह लग आबि हुनका सँ पुछलथिन। तेँ ओ सभ हुनका सँ गप्प करब छोड़ि देलनि। कारण, बात नहि बुझल छल।

सभ राजकुमार यिर्मयाह सँ एकटा प्रश्न पूछबाक लेल गेलाह आ यिर्मयाह राजाक आज्ञाक अनुसार उत्तर देलथिन। राजकुमार लोकनि तखन चलि गेलाह, कारण बात नहि बुझल छल ।

1. हम सभ भगवानक योजना पर भरोसा क' सकैत छी भले हम सभ ओकरा नहि बुझब।

2. अधिकारक आज्ञाकारी रहबाक चाही, भले हम सभ ओकरा नहि बुझब।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 13:1-2 प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो अधिकारि सभक विरोध करत, ओ परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल बातक विरोध करैत अछि, आ विरोध करयवला केँ न्यायक सामना करय पड़तैक।

यिर्मयाह 38:28 यिर्मयाह जाहि दिन यरूशलेम केँ पकड़ल गेल छल, ताबत धरि जेल केर आँगन मे रहलाह।

जेल के दरबार में बंद रहला के बावजूद यिर्मयाह के परमेश् वर के प्रति वफादारी।

1: परिस्थिति चाहे जे हो, भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि आ कहियो नहि छोड़ताह।

2: अन्हार क्षण मे सेहो भगवान् पर विश्वास हमरा सभ केँ गुजरैत देखि सकैत अछि।

1: रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

2: इब्रानी 13:5-6 अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यिर्मयाह अध्याय ३९ मे यरूशलेम के बेबिलोन के सेना के हाथ में गिरै के वर्णन छै आरू ओकरा बाद के घटना के वर्णन छै जे खुलै छै।

1 पैराग्राफ: राजा सिदकिय्याह के शासन के नौम साल में नबूकदनेस्सर आरू ओकरऽ सेना यरूशलेम के घेराबंदी करै छै (यिर्मयाह 39:1-5)। लंबा घेराबंदी के बाद शहर के रक्षा के उल्लंघन भ जायत अछि.

2 पैराग्राफ: सिदकिय्याह आरू ओकरऽ सैनिक भागै के कोशिश करै छै लेकिन बेबिलोन के लोगऽ द्वारा पकड़ी लेलऽ जाय छै (यिर्मयाह 39:6-7)। ओ सभ सिदकिय्याह केँ रिब्ला मे नबूकदनेस्सरक समक्ष अनैत छथि, जतय हुनकर न्याय कयल जाइत छनि आ हुनकर पुत्र सभ हुनका सामने मारल जाइत छनि। तखन सिदकियाह आन्हर भ’ गेल अछि आ बाबुल मे बंदी बनाओल जाइत अछि।

3 पैराग्राफ: बेबिलोनवासी यरूशलेम मे आगि लगा देलक, ओकर देबाल, महल आ घर सभ केँ नष्ट क’ देलक (यिर्मयाह 39:8-10)। कल्दी सेना यरूशलेम के चारो तरफ के देवाल के भी तोड़ी दै छै।

4 पैराग्राफ: नबूकदनेस्सर के पहरेदार के कप्तान नबूजरदान यरूशलेम के पतन के बाद प्रवेश करै छै (यिर्मयाह 39:11-14)। ओ यिर्मयाह सँ बेबिलोनक विषय मे अपन भविष्यवाणीक वचनक लेल नीक व्यवहार करबाक आदेश दैत छथि। यिर्मयाह कैद सँ मुक्त होय जाय छै आरू ओकरा कतहीं चाहै के विकल्प देलऽ जाय छै। ओ अहिकामक पुत्र गेदलियाक संग यहूदा मे रहब पसिन करैत छथि।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह के रिहाई के बावजूद, एबेद-मेलेक के यिर्मयाह के बचाबै में ओकरोॅ काम के लेलऽ परमेश् वर द्वारा सुरक्षा के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै (यिर्मयाह 39:15-18)।

संक्षेप में यिर्मयाह के उनतीस अध्याय में यरूशलेम के बेबिलोन के सेना के हाथऽ में गिरला के बारे में बतैलऽ गेलऽ छै आरू राजा सिदकियाह के भाग्य के साथ-साथ यिर्मयाह के बाद के रिहाई के बारे में भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । नबूकदनेस्सर यरूशलेम के घेराबंदी करै छै, आरो ओकरोॅ रक्षा के उल्लंघन के बाद सिदकियाह भागै के कोशिश करै छै लेकिन ओकरा पकड़ी लेलकै। ओकर बेटा सभ ओकरा सोझाँ मारल जाइत छैक, आ ओकरा आन्हर क' बंदी बना लेल जाइत छैक, शहर केँ स्वयं विनाशक सामना करय पड़ैत छैक, ओकर देबाल, महल आ घर सभ मे आगि लगा देल जाइत छैक। कसदी सेना आसपास के देवाल के तोड़ी दै छै, नबूजरदान यरूशलेम के गिरला के बाद प्रवेश करै छै। बेबिलोन के बारे में अपनऽ भविष्यवाणी के लेलऽ यिर्मयाह के साथ अच्छा व्यवहार करै छै। एकरऽ परिणाम ई छै कि यिर्मयाह कैद स॑ मुक्त होय जाय छै आरू ओकरा ई चुनै के आजादी देलऽ जाय छै कि वू कत॑ जाय चाहै छै । ओ गेदलिया के साथ यहूदा में रहय के फैसला करै छै, ई सब घटना के बावजूद, एबेद-मेलेक के यिर्मयाह के बचाबै में अपनऽ काम के लेलऽ परमेश् वर स॑ आश्वासन मिलै छै, कुल मिला क॑, ई संक्षेप में, अध्याय में परमेश्वर के खिलाफ ओकरऽ आज्ञा नै मानला के कारण यरूशलेम के सामने आबै वाला विनाशकारी परिणाम के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जबकि भी विनाश के बीच यिर्मयाह आरू एबेद-मेलेक जैसनऽ व्यक्ति के प्रति दया के उदाहरणऽ प॑ प्रकाश डालतें हुअ॑ ।

यिर्मयाह 39:1 यहूदाक राजा सिदकिय्याहक नौम वर्ष मे दसम मास मे बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर आ ओकर समस्त सेना यरूशलेम पर आबि गेलाह आ ओ सभ ओकरा घेराबंदी कयलनि।

नबूकदनेस्सर द्वारा यरूशलेम के घेराबंदी सिदकिय्याह के शासन के नौम साल में शुरू होलै।

1. परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोहक परिणाम: यिर्मयाह 39:1

2. खतरा के नजदीक आबै के चेतावनी: यिर्मयाह 39:1

1. यशायाह 5:4-7, विद्रोहक लेल परमेश्वरक न्यायक यशायाहक चेतावनी

2. यिर्मयाह 6:22-23, पापक लेल आसन्न न्यायक यिर्मयाहक चेतावनी

यिर्मयाह 39:2 सिदकिय्याहक एगारहम वर्ष मे चारिम मास, मासक नौम दिन, शहर टूटि गेल।

सिदकिय्याहक शासनक एगारहम वर्ष मे चारिम मासक नवम दिन एहि नगर केँ तोड़ि देल गेल।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: यिर्मयाह 39:2 आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम

2. परमेश् वरक संप्रभुता: परमेश् वर यिर्मयाह 39:2 मे यरूशलेमक उल्लंघन केँ अपन उद्देश्यक लेल कोना प्रयोग कयलनि

1. निर्गमन 23:20-21 - "देखू, हम अहाँक आगू एकटा स् वर्गदूत पठा रहल छी जे अहाँ केँ बाट मे राखय लेल आ अहाँ केँ ओहि स्थान पर अनबाक लेल जे हम तैयार केने छी। हुनका सँ सावधान रहू, आ हुनकर आवाज मानू, हुनका नाराज नहि करू।" ओ अहाँ सभक अपराध केँ माफ नहि करत, कारण हमर नाम हुनका मे अछि।”

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

यिर्मयाह 39:3 बाबुलक राजाक सभ राजकुमार भीतर आबि बीचक फाटक मे बैसलाह, नेर्गलशरेजर, समगर्नेबो, सरसेकीम, रबसारी, नेर्गलशरेजर, रबमाग आ बेबिलोनक राजाक सभटा राजकुमारक संग।

बाबुलक राजाक राजकुमार सभ आबि कऽ बीचक फाटक मे बैसलाह।

1: हमरा सभ केँ सदिखन तैयार रहबाक चाही जे हमरा सभक बाट मे जे किछु अबैत अछि ओकर सामना करबाक लेल आ प्रभु मे साहस आ शक्तिक संग ओकर सामना करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ ई विश्वास हेबाक चाही जे भगवान हमरा सभकेँ अपन दुश्मनक सामना करबाक आ अपन विश्वासमे अडिग रहबाक शक्ति प्रदान करताह, चाहे कोनो परिस्थिति हो।

1: 1 कोरिन्थी 16:13-14 - जागरूक रहू, विश्वास मे दृढ़ रहू, मनुष्य जकाँ काज करू, मजबूत रहू। अहाँ जे किछु करैत छी से प्रेम मे होउ।

2: इफिसियों 6:10-11 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

यिर्मयाह 39:4 जखन यहूदाक राजा सिदकियाह हुनका सभ आ सभ युद्धकर्मी केँ देखलनि, तखन ओ सभ भागि गेलाह आ राति मे राजाक बगीचाक बाट मे शहर सँ बाहर निकलि गेलाह दुनू देबालक बीचक फाटक, ओ मैदानक बाट सँ बाहर निकलि गेलाह।

यहूदाक राजा सिदकियाह युद्धक लोक सभ केँ देखि राति मे शहर सँ भागि गेलाह।

1. जीवन जे चुनौती अहाँ पर फेकैत अछि ओकर सामना करबा मे नहि डेराउ।

2. कठिन समय के सामना करय काल भगवान पर भरोसा करू जे ओ अहाँ के बाहर निकालताह।

1. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब?

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 39:5 मुदा कल्दी सभक सेना हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ गेल आ यरीहोक मैदान मे सिदकिय्याह केँ पकड़ि लेलक, आ जखन ओ सभ हुनका पकड़ि लेलक तखन ओकरा बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर लग हमत देशक रिब्ला मे लऽ गेल, जतय ओ न्याय कयलनि ओकरा पर।

सिदकिय्याह के कल्दी के सेना पीछा करलकै आरू अंततः ओकरा बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के सामने रिब्ला में लानलऽ गेलै आरू वहाँ ओकरऽ न्याय करलऽ गेलै।

1. परमेश् वरक न्याय: सिदकिय्याहक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सिदकिय्याहक कथासँ एकटा उदाहरण

1. यशायाह 45:9-10 - "धिक्कार अछि जे ओकरा बनौनिहार संग झगड़ा करैत अछि, माटिक घैल मे घैल! की माटि ओकरा बनबै बला केँ कहैत छैक, 'अहाँ की बना रहल छी?' आकि 'अहाँक काजक कोनो हैंडल नहि अछि'?

2. भजन 97:2 - हुनका चारू कात मेघ आ घनघोर अन्हार अछि; धर्म आ न्याय हुनक सिंहासनक आधार अछि।

यिर्मयाह 39:6 तखन बाबुलक राजा सिदकिय्याहक पुत्र सभ केँ रिब्ला मे हुनकर आँखिक सोझाँ मारि देलनि।

बाबुलक राजा सिदकियाहक पुत्र सभ आ यहूदाक सभ कुलीन लोक सभ केँ रिब्ला मे मारि देलक।

1. बुराई के सामने भगवान के न्याय हावी होय छै।

2. दुखक समय मे सेहो भगवान् सार्वभौमिक छथि।

1. यशायाह 2:4 - ओ जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुत रास लोकक विवादक निर्णय करताह; ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे आ भाला केँ छंटाईक हड़ मे पीटि लेत। जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत आ ने युद्ध सीखत।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 39:7 ओ सिदकिय्याहक आँखि निकालि कऽ जंजीर सभ सँ बान्हि देलनि जाहि सँ हुनका बाबिलोन लऽ जा सकथि।

सिदकियाह केँ आन्हर क’ देल गेलैक आ सजाक रूप मे जंजीर मे बान्हि बाबिलोन ल’ गेलै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: सिदकिय्याहक उदाहरणक अध्ययन

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति: यिर्मयाहक अध्ययन 39

1. यशायाह 5:20-24

2. निष्कासन 20:5-7

यिर्मयाह 39:8 कल्दी सभ राजाक घर आ लोकक घर सभ केँ आगि सँ जरा देलक आ यरूशलेमक देबाल सभ केँ तोड़ि देलक।

कल्दी सभ यरूशलेम केँ जरा देलक, राजाक घर आ लोक सभक घर सभ केँ नष्ट कऽ देलक।

1. विनाशक सोझाँ परमेश् वरक संप्रभुता - ई देखब जे परमेश् वर एहन किएक होबऽ देलनि आ अंततः ई कोना हुनकर इच्छाक सेवा करैत अछि।

2. कठिन समय मे विश्वासक शक्ति - परमेश्वरक इच्छा आ हुनकर योजना पर भरोसा जारी रखबाक लेल विश्वासक उपयोग कोना कयल जाय।

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 39:9 तखन पहरेदारक सेनापति नबूजरदान नगर मे रहनिहार लोकक शेष लोक सभ केँ, जे सभ हुनकर हाथ मे खसल छल, आ शेष लोक सभ केँ सेहो बंदी बना लेलक।

यरूशलेम मे बचल लोक सभ केँ पहरेदारक सेनापति नबूजरदान बंदी बना लेलक।

1. कठिन समय मे परमेश् वरक वफादारी - यिर्मयाह 39:9

2. परीक्षा के समय परमेश् वर पर भरोसा करबाक महत्व - यिर्मयाह 39:9

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 39:10 मुदा पहरेदारक सेनापति नबूजरदान यहूदाक देश मे ओहि लोकक गरीब सभ केँ छोड़ि देलथिन, जिनका लग किछु नहि छलनि।

पहरेदारक कप्तान नबूजरदान यहूदाक गरीब लोक सभ पर अंगूरक बगीचा आ खेतक व्यवस्था क’ क’ दया देखौलनि।

1. भगवानक दया गरीब धरि पहुँचैत अछि आ ओ ओकर भरण-पोषण करैत छथि।

2. उदारता भगवान् के प्रति विश्वास आ आज्ञापालन के निशानी अछि।

1. प्रेरित 20:35 - हम जे किछु केलहुँ ताहि मे हम अहाँ सभ केँ देखौलहुँ जे एहि तरहक मेहनति सँ हमरा सभ केँ कमजोर लोकक मदद करबाक चाही, ई बात मोन राखि जे प्रभु यीशु स्वयं कहने छलाह: ग्रहण करबा सँ बेसी देब धन्य अछि।

2. नीतिवचन 19:17 - जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ प्रभु केँ उधार दैत अछि, आ ओ ओकरा सभक काजक फल देत।

यिर्मयाह 39:11 बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर यिर्मयाहक विषय मे पहरेदारक सेनापति नबूजरदान केँ आज्ञा देलथिन।

परमेश् वर के संप्रभुता बेबिलोन के बंदी के बीच में हुनकऽ भविष्यवक्ता यिर्मयाह के सुरक्षा में देखलऽ जाय छै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: कोना परमेश् वरक रक्षा सदिखन हमरा सभक संग अछि

2. प्रभु पर भरोसा करब: कैदक बीच यिर्मयाह कोना विश्वासक प्रदर्शन केलनि

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. दानियल 3:17-18 - "जँ एहन अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा हम सभ करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ' क' बचा सकैत छथि, आओर ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा। मुदा जँ नहि त' हो।" हे राजा, तोरा पता छै कि हम्में तोरऽ देवता सिनी के सेवा नै करबै, नै तोहें जे सोना के मूर्ति के पूजा करबै।”

यिर्मयाह 39:12 ओकरा लऽ जाउ आ ओकरा नीक जकाँ देखू, आ ओकरा कोनो हर्ज नहि करू। मुदा जेना ओ अहाँ केँ कहताह, तेना हुनका संग करू।”

परमेश् वरक आज्ञा जे दोसरक भलाई देखब।

1. दोसर के देखभाल के फायदा: यिर्मयाह 39:12 के अध्ययन

1145

2. परमेश् वरक हृदय: यिर्मयाह 39:12 मे अपन लोक सभक प्रति दया

1. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

2. व्यवस्था 24:19 - जखन अहाँ अपन खेत मे अपन फसल काटब आ खेत मे एकटा गुच्छा बिसरि जायब तखन ओकरा लेबय लेल वापस नहि जायब। प्रवासी, अनाथ आ विधवाक लेल होयत, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर अहाँ सभक हाथक सभ काज मे अहाँ सभ केँ आशीर्वाद देथिन।

यिर्मयाह 39:13 तखन पहरेदारक सेनापति नबूजरदान आ नबूशासबान, रबसरीस, नेर्गलशरेजर, रबमाग आ बाबुलक राजा सभ केँ पठौलनि।

पहरेदारक कप्तान नबूजरदान नबूशासबन, रबसरीस, नेर्गलशरेजर आ रबमाग केँ संग बेबिलोनक राजाक सभ राजकुमार केँ यरूशलेम पठौलनि।

1. परीक्षा के समय में परमेश्वर के प्रावधान

2. अविश्वासी संसार मे भगवानक सार्वभौमत्व

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अहाँ सभक आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत।" आ अहाँ सभक मन मसीह यीशु मे राखू।”

यिर्मयाह 39:14 ओ सभ यिर्मयाह केँ जेलक आँगन सँ बाहर निकालि कऽ शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ सौंपि देलक जाहि सँ ओ ओकरा घर ल’ जाय।

यिर्मयाह जेल सँ रिहा भ' जाइत अछि आ ओकरा घर घुरबाक अनुमति भेटैत छैक, जतय ओ लोकक बीच रहैत अछि।

1. परमेश् वर अपन लोक सभ केँ उद्धार करैत छथि: यिर्मयाहक कथा

2. कठिन परिस्थिति मे निष्ठा के आह्वान

1. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. इब्रानी 11:8-10 - विश्वासक कारणेँ अब्राहम तखन आज्ञा मानलनि जखन हुनका ओहि स्थान पर जेबाक लेल बजाओल गेलनि जे हुनका उत्तराधिकारक रूप मे ग्रहण करबाक छलनि। आ ओ कतय जा रहल छथि से नहि जानि बाहर निकलि गेलाह।

यिर्मयाह 39:15 जखन यिर्मयाह जेल के आँगन मे बंद छलाह तखन परमेश् वरक वचन आयल।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ बात करैत छथि जखन ओ जेल मे छथि।

1. भगवान् सदिखन उपस्थित रहैत छथि, ओहो अन्हार समय मे।

2. कतबो कठिन काज भ' जाय, भगवान हमरा सभक लेल सदिखन मौजूद रहैत छथि।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 34:17-19 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत् मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि। धर्मी लोकक बहुत रास क्लेश होइत छनि।" , मुदा प्रभु ओकरा सभ मे सँ मुक्त करैत छथि |”

यिर्मयाह 39:16 जाउ आ इथियोपियाई एबेदमेलेक सँ ई कहब जे, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अपन बात एहि नगर पर नीक लेल नहि, अधलाह लेल आनि देब। ओ सभ अहाँ सँ पहिने ओहि दिन पूरा भ’ जायत।”

सेना के परमेश् वर, इस्राएल के परमेश् वर, इथियोपिया के एबेदमेलेक कॅ कहै छै कि हुनी अपनऽ बात शहर पर अच्छा के लेलऽ नै, बल्कि बुराई के लेलऽ लानी देतै।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता के समझना

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन मे चलब

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

यिर्मयाह 39:17 मुदा हम ओहि दिन तोरा छोड़ि देबौक, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ ओकर शत्रु सभ सँ मुक्त करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान हमर रक्षक छथि

2. अपन शक्तिक बदला भगवान पर भरोसा करब

1. भजन 55:22 अपन भार प्रभु पर राखू, ओ अहाँ केँ सहन करत। ओ कहियो धर्मी केँ हिलाबय नहि देत।

२ कोनो क्लेश मे, जाहि सान्त्वना सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

यिर्मयाह 39:18 हम अहाँ केँ अवश्य बचा लेब, आ अहाँ तलवार सँ नहि खसब, बल् कि अहाँक प्राण अहाँक शिकार बनि जायत, किएक तँ अहाँ हमरा पर भरोसा कएने छी, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ खतरा सँ मुक्त करबाक आ हुनका पर भरोसाक कारणेँ ओकर जीवन केँ बचाबय के वादा करैत छथि।

1. भगवान पर भरोसा करब एकमात्र निश्चित तरीका अछि जे सुरक्षित रहब।

2. विश्वास उद्धार आ मुक्ति के स्रोत अछि।

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

यिर्मयाह अध्याय 40 में यरूशलेम के पतन के बाद के घटना के चित्रण छै, जेकरा में गेदलिया के गवर्नर के रूप में नियुक्ति आरू गेदलिया के हत्या शामिल छै।

1 पैराग्राफ: बेबिलोन के पहरेदार के कप्तान नबूजरदान यिर्मयाह के जंजीर स मुक्त क दैत छथि आ हुनका जतय चाहैत छथि ओतय जेबाक विकल्प दैत छथि (यिर्मयाह 40:1-6)। यिर्मयाह यहूदा मे रहबाक निर्णय करैत अछि।

2 पैराग्राफ: गेदलिया के नबूकदनेस्सर के फरमान द्वारा यहूदा में रहय वाला के राज्यपाल के रूप में नियुक्त करलऽ गेलऽ छै (यिर्मयाह 40:7-9)। यरूशलेम के पतन के समय भागल सैनिक सहित बहुत लोग मिस्पा में गेदलिया के आसपास जमा होय जाय छै।

3 पैराग्राफ: योहानान आरू अन्य सैन्य नेता गेदलियाह क॑ इस्माइल केरऽ हत्या के साजिश के बारे म॑ चेतावनी दै छै (यिर्मयाह 40:13-16)। लेकिन गेदलिया हुनकऽ चिंता क॑ खारिज करी दै छै आरू हुनकऽ सुरक्षा केरऽ आग्रह क॑ ठुकरा दै छै ।

4 म पैराग्राफ: इस्माइल अपन योजना के पूरा करैत अछि आ किछु कसदी सैनिक के संग गेदलिया के हत्या क दैत अछि (यिर्मयाह 41:1-3)। ओ अन्य यहूदी सभ केँ सेहो मारि दैत अछि जे गेदलियाक संग जमा भेल छल। तकर बाद इस्माइल बंदी बना लैत अछि आ मिस्पा सँ भागि जाइत अछि।

5 म पैराग्राफ: योहानान आ ओकर सेना इस्माइल के पीछा करैत अछि आ ओहि बंदी सभ के बचा लैत अछि जेकरा ओ ल’ गेल छल (यिर्मयाह 41:11-15)। ओ सभ ओकरा सभ केँ बेतलेहेमक समीप गेरुथ चिम्हम मे वापस अनैत छथि। हत्या के लेलऽ बेबिलोन स॑ जवाबी कार्रवाई के डर स॑ वू मिस्र भागै के विचार करै छै लेकिन सबसें पहल॑ यिर्मयाह स॑ मार्गदर्शन लै छै ।

संक्षेप में यिर्मयाह के चालीस अध्याय में यरूशलेम के पतन के बाद के घटना के वर्णन छै, जेकरा में गेदलिया के गवर्नर के रूप में नियुक्ति आरू बाद में इस्माइल द्वारा ओकरऽ हत्या भी शामिल छै। नबूजरदान यिर्मयाह के छोड़ै छै, जे यहूदा में रहना चुनै छै। गेदलिया क॑ नबूकदनेस्सर द्वारा गवर्नर नियुक्त करलऽ जाय छै, आरू बहुत लोग ओकरा चारो तरफ मिस्पा म॑ जमा होय जाय छै, योहानन गेदलिया क॑ एगो हत्या के साजिश के बारे म॑ चेतावनी दै छै । ओना ओ हुनकर चिंता कए खारिज क दैत छथि। इस्माइल अपनऽ योजना के अंजाम दै छै, गेदलिया आरू उपस्थित अन्य लोगऽ के हत्या करी दै छै, योहानन इस्माइल के पीछा करै छै, जेकरा सें ओकरा द्वारा ल॑ गेलऽ कैदी सिनी क॑ बचाबै छै। ओ सभ बेतलेहेम लग ओकरा सभ केँ वापस अनैत छथि। बेबिलोन के प्रतिशोध के डर स॑, वू मिस्र भागै प॑ विचार करै छै लेकिन सबसें पहल॑ मार्गदर्शन खोजै छै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ यरूशलेम के पतन के बाद के नाजुक स्थिति के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ राजनीतिक साजिश आरू पाछू छोड़लऽ गेलऽ लोगऽ के बीच विभाजन प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई भी जोर दै छै कि मानव नेतृत्व प॑ भरोसा केना कखनी- कखनी दुखद परिणाम भी सामने आबी सकै छै ।

यिर्मयाह 40:1 जे वचन यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल, जखन पहरेदारक सेनापति नबूजरदान ओकरा रमा सँ छोड़ि देलक, जखन ओ ओकरा यरूशलेम आ यहूदा मे बंदी मे लऽ गेल सभ लोकक बीच जंजीर मे बान्हि कऽ लऽ गेल छल। जे सभ बाबिलोन मे बंदी बना कऽ लऽ गेल छल।

यिर्मयाह के पहरेदार के कप्तान नबूजरदान द्वारा बेबिलोन के कैद से मुक्त करला के बाद प्रभु के तरफ सें एक वचन मिलै छै।

1. मोक्षक शक्ति: यिर्मयाह 40:1 पर चिंतन

2. प्रभु के अटूट प्रेम: यिर्मयाह 40:1 स सबक

1. भजन 107:1-3 - प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि। ओकर प्रेम सदाक लेल टिकैत छैक।

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि।

यिर्मयाह 40:2 तखन पहरेदारक सेनापति यिर्मयाह केँ पकड़ि कऽ कहलथिन, “अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा एहि ठाम पर ई दुष् ट सुना देलनि।”

पहरेदारक कप्तान यिर्मयाह केँ लऽ कऽ कहलकनि जे परमेश् वर ओहि स्थान पर कोनो बुराईक घोषणा कयलनि अछि।

1. परमेश् वरक न्यायक यथार्थ

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता पर भरोसा करब

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

यिर्मयाह 40:3 आब परमेश् वर एकरा अनने छथि आ जेना कहने छथि, तेना कयलनि, किएक तँ अहाँ सभ परमेश् वरक विरुद्ध पाप केलहुँ आ हुनकर बात नहि मानलहुँ, तेँ ई बात अहाँ सभ पर आबि गेल अछि।

परमेश् वरक न्याय ओहि सभ पर आबि गेल अछि जे हुनका विरुद्ध पाप केने छथि आ हुनकर आवाजक आज्ञा नहि मानने छथि।

1: हमरा सभकेँ सदिखन भगवानक आवाज मानबाक चाही, चाहे किछुओ खर्च हो।

2: जखन हम सभ परमेश् वरक विरुद्ध पाप करैत छी तँ परिणामक सामना करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1: व्यवस्था 30:19-20 - "हम आइ आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप राखि देलहुँ। तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान प्रभु सँ प्रेम करैत जीवित रहब।" तोहर परमेश् वर, ओकर आवाज मानू आ ओकरा पकड़ने रहू, किएक तँ ओ अहाँक जीवन आ दिनक लंबाई छथि..."

2: उपदेशक 12:13-14 - " बातक अंत; सभ किछु सुनल गेल। परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। किएक तँ परमेश् वर सभ काज केँ, सभ गुप्त बातक संग न्याय मे अनताह।" , चाहे नीक हो वा अधलाह।"

यिर्मयाह 40:4 आब देखू, हम आइ तोरा हाथ पर जे जंजीर छल, ओकरा सँ खोलि रहल छी। जँ अहाँ केँ हमरा संग बाबुल मे आबय मे नीक लागय तऽ आऊ। हम अहाँ केँ नीक जकाँ देखब, मुदा जँ अहाँ केँ हमरा संग बाबुल मे आबय मे अधलाह बुझाइत अछि, तँ छोड़ू, देखू, समस्त देश अहाँक सोझाँ अछि।

यिर्मयाह एक कैदी के अपनऽ जंजीर स॑ छोड़ी दै छै, ओकरा ई विकल्प दै छै कि वू ओकरा साथ बेबिलोन आबी जाय या जहाँ चाहै छै, वहाँ जाय।

1. परमेश् वरक प्रावधान: कठिन परिस्थिति मे सेहो हम सभ सदिखन परमेश् वरक प्रबंध आ कृपा पर निर्भर रहि सकैत छी।

2. नीक चुनाव करब: कठिन विकल्पक संग प्रस्तुत भेला पर सेहो हमरा सभ केँ सदिखन अपना आ अपन परिवारक लेल सर्वोत्तम निर्णय लेबाक प्रयास करबाक चाही।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

यिर्मयाह 40:5 जखन ओ एखन धरि वापस नहि गेल छलाह तखन ओ कहलनि, “शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलिया लग सेहो जाउ, जकरा बाबुलक राजा यहूदाक नगर सभक राज्यपाल बनौने छथि आ हुनका संग लोक सभक बीच रहू लोक सभ, वा जतए जायब अहाँ केँ सहज बुझाइत हो, ओतय जाउ। तेँ पहरेदारक सेनापति हुनका भोजन आ इनाम दऽ देलथिन आ छोड़ि देलथिन।

1149

पहरेदारक सेनापति यिर्मयाह केँ भोजन आ इनाम देलथिन आ कहलथिन जे यहूदाक नगरक राज्यपाल शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलिया लग जाउ आ हुनका संग रहू।

1. कठिन समय मे भगवानक प्रावधान - भगवान हमरा सभक लेल कोना बाट बनबैत छथि

2. शिष्य बनबाक आह्वान - परमेश्वरक आज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. फिलिप्पियों 4:19 - "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

यिर्मयाह 40:6 तखन यिर्मयाह अहिकामक पुत्र गेदलिया लग मिस्पा गेलाह। ओहि देश मे रहि गेल लोक सभक बीच हुनका संग रहैत छलाह।

यिर्मयाह मिस्पा चलि गेलाह आ ओहि देशक शेष लोकक बीच अहिकामक पुत्र गेदलियाक संग रहय लगलाह।

1. बहुत कठिनाई के समय में भगवान के निष्ठा

2. जखन बात उदास बुझाइत हो तखनो भगवान पर भरोसा करबाक महत्व

२ हुनका संग कृपा सँ हमरा सभ केँ सभ किछु नहि दिअ?

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, यद्यपि पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त"।

यिर्मयाह 40:7 जखन खेत मे छल सेनाक सभ सेनापति सभ आ ओकर सभक आदमी सभ सुनलनि जे बाबुलक राजा अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ ओहि देश मे गवर्नर बनौने छथि आ हुनका हाथ मे लोक सभ सौंपने छथि स्त्रीगण, बच्चा सभ आ देशक गरीब सभक, जे सभ बेबिलोन मे बंदी मे नहि लऽ गेल छल।

गेदलिया के बेबिलोन के राजा द्वारा यहूदा के राज्यपाल नियुक्त करलो गेलै, आरो देश के लोगऽ आरू गरीबऽ पर अधिकार देलऽ गेलै, जेकरा बेबिलोन में बंदी नै ल॑ जायलऽ गेलै।

1. अधिकारक शक्ति: अपन जीवन मे अधिकारक मूल्यक सराहना करब

2. परमेश् वरक अपन लोकक लेल प्रबंध: जरूरतक समय मे परमेश् वरक प्रबंध पर भरोसा करब सीखब

1. रोमियो 13:1-2, प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि।

2. भजन 37:25, हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी; तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ।

यिर्मयाह 40:8 तखन ओ सभ मिस्पा मे गेदलिया लग पहुँचलाह, नथनियाक पुत्र इस्माइल, करियाक पुत्र योहान आ योनाथन, तनहुमेतक पुत्र सेराया, नेतोफाक एफाईक पुत्र आ मकातीक पुत्र यजनिया, ओ सभ आ ओकर आदमी।

इस्माइल, योहानन, योनातन, सेराया, एफाई के बेटा, यजनिया आ ओकरोॅ आदमी मिस्पा के गेदलिया के पास आबी गेलै।

1. परमेश् वरक प्रचुरता - यिर्मयाह 40:8 हमरा सभ केँ देखाबैत अछि जे परमेश् वर मिस्पा मे गेदलियाक संग जुड़बाक लेल बहुत रास लोकक आपूर्ति कयलनि।

1150

2. [illegible] 40:8 [illegible]

1. [illegible] 6:26-34 - [illegible]

2. [illegible] 34:8-10 - [illegible]

[illegible] 40:9 [illegible]

[illegible] 40:9 [illegible]

1. [illegible] 12:2 - [illegible] |

2. [illegible] 37:3-5 - [illegible]

[illegible] 40:10 [illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 6:8 - "[illegible]

2. [illegible] 2:12-13 - "[illegible] |"

[illegible] 40:11 [illegible]

मोआब, अम्मोनी, एदोम आ अन्य देश मे रहनिहार यहूदी सभ मे ई खबरि पसरल जे बाबुलक राजा शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ यहूदाक अवशेषक नेतृत्व करबाक लेल नियुक्त कयलनि अछि।

1. आशाक संग प्रतिकूलताक सामना करब - भगवान् अधलाहसँ नीक कोना निकालैत छथि

2. नियुक्त नेता के शक्ति - परमेश्वर के आह्वान के पहचानना

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. निर्गमन 18:13-26 - मूसा लोक सभ पर शासन करबा मे मदद करबाक लेल नेता सभ नियुक्त केलनि।

यिर्मयाह 40:12 सभ यहूदी सभ जतय सँ भगाओल गेल छल, ओहि ठाम सँ घुरि कऽ यहूदा देश मे, गेदलिया आ मिस्पा मे आबि गेल आ बहुत रास मदिरा आ गर्मीक फल जुटा लेलक।

यहूदी सभ यहूदा देश घुरि कऽ मदिरा आ गर्मीक फलक प्रचुर मात्रा मे जुटाओल गेल।

1: परमेश् वरक वफादारी अपन लोकक भरण-पोषण मे, ओहो कठिनाईक समय मे।

2: भगवानक लोकक घर वापसी आ प्रचुरताक आनन्द।

1: यशायाह 43:2-3 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर नहि भारी पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायत, आ लौ नहि भस्म करत।" अहाँ।किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर छी, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।”

2: भजन 23:1-3 "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि...ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।"

यिर्मयाह 40:13 करियाक पुत्र योहानन आ खेत मे रहनिहार सेनाक सभ सेनापति सभ मिस्पा मे गेदलिया लग गेलाह।

योहानन आ सेनाक कप्तान मिस्पा मे गेदलिया मे अबैत छथि।

1. गेदलिया लग एला मे योहानन आ कप्तान सभक वफादारी केँ मोन पाड़ू।

2. परमेश् वरक इच्छा केँ पूरा करबा मे जोहानन आ कप्तान सभक जकाँ बहादुर आ निष्ठावान बनू।

1. इब्रानी 11:23-29 - परमेश् वरक इच्छाक पालन करबा मे अब्राहमक वफादारी

2. कुलुस्सी 3:12-17 - मसीहक इच्छाक पालन करबा मे निष्ठावान आ साहसी रहब

यिर्मयाह 40:14 ओ हुनका कहलथिन, “की अहाँ केँ ई निश्चय बुझल अछि जे अम्मोनी सभक राजा बालली नथनियाक पुत्र इस्माइल केँ अहाँ केँ मारबाक लेल पठौने छथि?” मुदा अहिकामक पुत्र गेदलिया हुनका सभ पर विश्वास नहि कयलनि।

अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ चेताओल गेलनि जे अम्मोनी सभक राजा बालिस इस्माइल केँ मारबाक लेल पठौने छथि, मुदा गेदलिया केँ एहि चेतावनी पर विश्वास नहि भेलनि।

1. विपत्तिक समय मे परमेश्वर पर भरोसा करब - यिर्मयाह 40:14

2. भय आ संदेह पर काबू पाबब - यिर्मयाह 40:14

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

1152

2. भजन 56:3 - जखन हम डरैत छी तखन हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।

यिर्मयाह 40:15 तखन करियाक पुत्र योहानन मिस्पा मे गेदलिया सँ गुप्त रूप सँ कहलथिन, “हमरा जाउ, हम नथनियाक पुत्र इस्माइल केँ मारि देब, आ एकरा केओ नहि बुझत। जे सभ यहूदी अहाँ लग जमा भेल अछि से सभ तितर-बितर भऽ जाय आ यहूदा मे शेष लोक सभ नष्ट भऽ जाय?”

योहानन गेदलियाह सँ कहलकै कि ओकरा गुप्त रूप सँ इस्माइल के हत्या करै के अनुमति दै, चेतावनी देलकै कि अगर इस्माइल कॅ नै रोकलौ जैतै त गेदलिया के आसपास जमा यहूदी सिनी छिड़िया जैतै आरू यहूदा के शेष लोग नष्ट होय जैतै।

1. कार्रवाई करबाक महत्व - यिर्मयाह 40:15 हमरा सभ केँ खतरा के समय मे कार्रवाई करबाक महत्व देखाबैत अछि, नहि कि ई आशा करब जे काज अपने आप ठीक भ’ जायत।

2. विवेक के शक्ति - यिर्मयाह 40:15 हमरा सब के विवेक के मूल्य सिखाबैत अछि आ कठिन परिस्थिति में बुद्धिमानी स चुनाव करब।

1. नीतिवचन 12:23 - विवेकी मनुष्य ज्ञान नुका लैत अछि, मुदा मूर्खक हृदय मूर्खताक घोषणा करैत अछि।

2. अय्यूब 5:12 - ओ धूर्त लोकक षड्यंत्र केँ विफल करैत छथि, जाहि सँ हुनकर हाथ हुनकर योजना पूरा नहि क' सकैत अछि।

यिर्मयाह 40:16 मुदा अहिकामक पुत्र गेदलिया करियाक पुत्र योहानन केँ कहलथिन, “अहाँ ई काज नहि करू, किएक तँ अहाँ इस्माइलक विषय मे झूठ बाजि रहल छी।”

गेदलिया योहानन केँ चेताबैत कहलकै जे ओ इस्माइल के बारे मे झूठ बाजि रहल अछि।

1. हमरा लोकनिक वाणी मे सत्यक महत्व।

2. बुद्धिमान सलाहक शक्ति।

1. नीतिवचन 10:19, जखन वचन बेसी होइत अछि तखन अपराधक अभाव नहि होइत अछि, मुदा जे अपन ठोर पर रोकैत अछि से विवेकशील होइत अछि।

2. नीतिवचन 12:17, जे सत्य बजैत अछि से ईमानदार गवाही दैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल धोखा दैत अछि।

यिर्मयाह अध्याय 41 में गेदलिया के हत्या के बाद के घटना के वर्णन छै, जेकरा में मिस्पा में नरसंहार आरू बाद में मिस्र के भागना शामिल छै।

पहिल पैराग्राफ: इस्माइल के गेदलिया के हत्या के बाद, ओ आ ओकर आदमी मिस्पा मे भोजन के दौरान नरसंहार करैत अछि (यिर्मयाह 41:1-3)। ओ सभ ओतय जमा यहूदी आ बेबिलोन दुनू अधिकारी सभ केँ मारि दैत छथि।

2 पैराग्राफ: इस्माइल मिस्पा सँ बचि गेल लोकक एकटा समूह केँ बंदी बना लैत अछि, जकर इरादा छल जे ओकरा सभ केँ अम्मोनी सभक लग अनबाक अछि (यिर्मयाह 41:10-15)। लेकिन, योहानन आरू ओकरऽ सेना ओकरा सिनी क॑ गिबोन के पास इस्माइल स॑ बचाबै छै । हुनका सभ केँ एहि हत्याक बदला मे बेबिलोन सँ प्रतिशोधक आशंका अछि।

3 पैराग्राफ: योहानन बचाओल गेल कैदी सभ केँ बेतलेहेमक समीप गेरुथ चिम्हम दिस ल' जाइत छथि (यिर्मयाह 41:16-18)। ओ अस्थायी तौर पर ओतय रहबाक योजना बनौने छथि मुदा मूर्तिपूजा सँ मिस्र जेबाक चिन्ता व्यक्त करैत छथि |

4 म पैराग्राफ: लोक यिर्मयाह के सलाह के अस्वीकार करैत अछि जे मिस्र नहि जाय आ सुरक्षा के लेल ओतय भागय के जिद करैत अछि (यिर्मयाह 42:1-6)। ओ सभ यिर्मयाह सँ अपन निर्णयक संबंध मे

परमेश् वर सँ मार्गदर्शन लेबाक लेल कहैत छथि आ आज्ञापालनक वादा करैत छथि चाहे हुनकर प्रतिक्रिया किएक नहि हो।

संक्षेप में यिर्मयाह के एकतालीस अध्याय में गेदलिया के हत्या के बाद के घटना के वर्णन छै, जेकरा में मिस्पा में नरसंहार आरू बाद में मिस्र के तरफ भागना भी शामिल छै। इस्माइल मिस्पाह में नरसंहार करै छै, जेकरा में भोजन के दौरान जमा अधिकारी सिनी के हत्या होय जाय छै। ओ कैदी सभ केँ अपना संग ल' जाइत अछि, ओकरा सभ केँ अम्मोन दिस अनबाक इरादा सँ, योहानन गिबोन लग एहि कैदी सभ केँ बचा लैत अछि। बेबिलोन के प्रतिशोध के डर स ओ सब ओकरा सब के गेरुथ चिम्हम के तरफ ल जाइत छैथ। योहानन मिस्र जाय के चिंता व्यक्त करै छै, लोगऽ न॑ यिर्मयाह के चेतावनी के बावजूद सुरक्षा के लेलऽ मिस्र जाय के संबंध म॑ ओकरऽ मार्गदर्शन लै छै । ओ सब आज्ञाकारिता के वादा करै छै चाहे भगवान के प्रतिक्रिया के परवाह नै करलौ जाय, कुल मिला क, ई संक्षेप में, अध्याय में गेदलिया के हत्या के बाद जारी हिंसा आरू अराजकता के साथ-साथ सुरक्षा के लेलऽ लोगऽ के हताशा आरू ईश्वरीय मार्गदर्शन लेबै के इच्छा पर भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 41:1 सातम मास मे एलीशामाक पुत्र नथनियाहक पुत्र इश्माएल, जे राजक वंश मे छल, आ राजाक मुखिया सभ, हुनका संग दस आदमी, अहिकामक पुत्र गेदलिया लग आबि गेलाह मिस्पा के लेल; ओतहि ओ सभ मिस्पा मे एक संग रोटी खाइत छलाह।

राजाक राजकुमार सभ इस्माइलक संग सातम मास मे मिस्पा मे गेदलियाक दर्शन कयलनि।

1. सत्कार आ नीक मेजबान बनबाक महत्व

2. अपन जीवन मे लोक स जुड़बाक शक्ति

1. रोमियो 12:13 - प्रभु के लोक के संग साझा करू जे जरूरतमंद छथि। सत्कार के अभ्यास करू।

2. नीतिवचन 11:25 - उदार व्यक्ति समृद्ध होयत; जे दोसर के ताजा करत से तरोताजा होयत।

यिर्मयाह 41:2 तखन नथनियाक पुत्र इस्माइल आ ओकर संगक दस आदमी उठि कऽ शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ तलवार सँ मारि देलक आ ओकरा मारि देलक, जकरा बेबिलोनक राजा राज्यपाल बनौने छल जमीन.

इस्माइल ओहि देशक राज्यपाल गेदलियाह केँ हत्या क’ देलक, जकरा बेबिलोनक राजा नियुक्त केने छल।

1. अधर्मक खतरा: इस्माइलक उदाहरणसँ सीखब

2. आज्ञाकारिता के शक्ति: बेबिलोन के राजा के प्रति गेदलिया के निष्ठापूर्वक सेवा

1. नीतिवचन 3:31: "हिंसक आदमी सँ ईर्ष्या नहि करू आ ओकर कोनो रास्ता नहि चुनू।"

2. यिर्मयाह 17:9: "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आओर बेमार अछि, एकरा के बुझि सकैत अछि?"

यिर्मयाह 41:3 इस्माइल सेहो अपन संग रहनिहार सभ यहूदी सभ केँ मारि देलनि, जे गदलियाक संग छल, मिस्पा मे, आ कल्दी सभ केँ जे ओतय भेटल छल, आ युद्धक लोक सभ केँ सेहो मारि देलक।

इस्माइल मिस्पा मे गदलिया आ कसदी सभ सहित सभ यहूदी केँ मारि देलक।

1. हमरा सभकेँ न्यायकेँ अपन हाथमे नहि लेबाक चाही, भले हम सभ उचित बुझैत छी।

2. प्रतिशोध केवल प्रभुक होइत छैक।

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

1154

2. मत्ती 5:38-39 - अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत।
मुदा हम अहाँ सभकेँ कहैत छी जे कोनो दुष्ट व्यक्तिक विरोध नहि करू। जँ कियो अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारय तँ दोसर गाल सेहो ओकरा दिस घुमा दियौक।

यिर्मयाह 41:4 ओ गेदलिया केँ मारलाक दोसर दिन भेल आ ई बात केओ नहि बुझलक।

गेदलिया के मारल गेलै आरू दू दिन तक ई बात के पता नै चललै।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे अपन काजकेँ अनदेखा नहि होमय दियौक।

2: हमरा सभकेँ अपन कर्मक परिणामक प्रति जागरूक रहबाक चाही।

1: उपदेशक 8:11 - किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष् यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण टिकल अछि।

2: नीतिवचन 21:15 - जखन न्याय कयल जाइत अछि तखन धर्मी लोकक लेल आनन्दक बात होइत छैक मुदा दुष्टक लेल आतंक होइत छैक।

यिर्मयाह 41:5 शेकेम, शिलो आ सामरिया सँ साठि गोटे दाढ़ी मुंडन क’ क’ आ कपड़ा फाटि क’ आ हाथ मे बलिदान आ धूप ल’ क’ अपना केँ काटि क’ ओकरा सभ केँ ल’ क’ आयल छल प्रभुक घर।

शेकेम, शिलो आ सामरिया नगर सँ अस्सी आदमी बलिदान आ धूप लऽ कऽ प्रभुक घर मे अयलाह।

1. भगवान् के घर समर्पण आ भक्ति के स्थान अछि

2. प्रसाद आ पूजाक संग प्रभुक घर मे आनन्दित रहब

1. भजन 122:1-2 "हमरा खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलक जे, हम सभ प्रभुक घर मे जाइ। हे यरूशलेम, हमर सभक पएर तोहर फाटकक भीतर ठाढ़ रहत।"

2. नीतिवचन 9:10 "प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान बुद्धि होइत छैक।"

यिर्मयाह 41:6 नथनियाक पुत्र इस्माइल मिस्पा सँ हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह, जखन ओ जाइत काल कानैत रहलाह।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना इस्माइल किछु लोक सभ सँ भेंट केलक आ ओकरा सभ केँ अपना संग गेदलिया मे आबय लेल कहलक।

1. हमरा सभकेँ हाथ बढ़ेबाक लेल तैयार रहबाक चाही आ लोक सभकेँ आमंत्रित करबाक चाही जे ओ हमरा सभक आस्थाक यात्रामे हमरा सभक संग जुड़थि।

2. भगवान् हमरा सभ केँ दोसर पर अपन प्रेम आ कृपाक दूतक रूप मे उपयोग क' सकैत छथि, ओहो तखन जखन हम सभ अपना केँ अपर्याप्त बुझैत छी।

1. लूका 5:27-28 - एहि बात सभक बाद ओ बाहर निकलि गेलाह आ लेवी नामक एकटा करदाता केँ दरसखाना पर बैसल देखलनि। 28 ओ सभ किछु छोड़ि उठि कऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।

2. यशायाह 6:8 - हम परमेश् वरक आवाज सेहो सुनलहुँ जे हम ककरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, “हम एतय छी। हमरा पठाउ।

यिर्मयाह 41:7 जखन ओ सभ शहरक बीचोबीच पहुँचलाह तखन नथनियाक पुत्र इस्माइल हुनका सभ केँ मारि देलनि आ हुनका सभ केँ गड्ढाक बीच मे फेकि देलनि।

नथनियाक पुत्र इस्माइल लोक सभ केँ मारि देलक आ ओकरा सभ केँ अपन आदमी सभक संग गड्ढा मे फेकि देलक।

1. पसंद के शक्ति: हमर निर्णय के प्रभाव के बुझब

2. प्रेमक शक्ति: भगवानक प्रेम सब पर कोना विजय प्राप्त करैत अछि

१.

2. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

यिर्मयाह 41:8 मुदा ओहि सभ मे दस आदमी भेटल जे इस्माइल केँ कहलथिन, “हमरा सभ केँ नहि मारू, कारण हमरा सभ लग खेत मे गहूम, जौ, तेल आ मधुक खजाना अछि।” तेँ ओ मना कऽ कऽ हुनका सभक भाइ सभक बीच नहि मारलनि।

इस्माइल दस आदमी के मारै वाला छेलै, लेकिन वू लोग गहूम, जौ, तेल आरो मधु के खजाना जमा करी के दावा करी कॅ दया के गुहार लगैलकै। इस्माइल हुनका लोकनिक जान बँचौलनि।

1. परमेश् वरक दया हमरा सभक पाप सँ पैघ अछि।

2. हिंसा स बेसी करुणा शक्तिशाली भ सकैत अछि।

1. रोमियो 5:20 - मुदा जतय पाप बढ़ल, ओतय अनुग्रह आओर बढ़ल।

2. मत्ती 5:7 - धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका दया भेटतनि।

यिर्मयाह 41:9 एहि गड्ढा मे जाहि गड्ढा मे इस्माइल ओहि आदमी सभक सभटा लाश केँ फेकि देने छल, जकरा ओ गेदलियाक कारणेँ मारने छल, ओ गड्ढा छल जे राजा आसा इस्राएलक राजा बाशाक डर सँ बनौने छल जे मारल गेल छल, ओकरा सभक संग।

नथनिया के बेटा इस्माइल बहुत आदमी के हत्या करी देलकै आरू फेरू इस्राएल के राजा बाशा के डर के कारण ओकरा सिनी के शव के एगो गड्ढा में डाललकै।

1. प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ थिक। नीतिवचन 9:10

2. हमरा सभ केँ अपन भय केँ पाप मे नहि धकेलबाक चाही। रोमियो 6:1-2

1. यिर्मयाह 41:9

2. नीतिवचन 9:10; रोमियो 6:1-2

यिर्मयाह 41:10 तखन इस्माइल मिस्पा मे रहनिहार सभ लोक केँ बंदी बना लेलक, राजाक बेटी सभ आ मिस्पा मे रहनिहार सभ लोक केँ, जिनका पहरेदारक सेनापति नबूजरदान अहिकामक पुत्र गेदलिया केँ सौंपने छलाह। नथनियाक पुत्र इस्माइल हुनका सभ केँ बंदी बना कऽ अम्मोनी सभ लग जेबाक लेल विदा भेलाह।

पहरेदारक सेनापति इस्माइल राजाक बेटी सभ सहित मिस्पाक लोक सभ केँ बंदी बना लेलक आ ओकरा सभ केँ अम्मोनी सभ लग पहुँचा देलक।

1. परीक्षा आ क्लेश मे परमेश् वरक वफादारी

2. कठिन परिस्थितिक बीच भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँकेँ नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

यिर्मयाह 41:11 मुदा जखन करियाक पुत्र योहानन आ हुनका संग रहनिहार सभ सेनापति सभ सुनलनि जे नथनियाक पुत्र इस्माइल द्वारा कयल गेल सभटा दुष् टता।

योहानन आ कप्तान सभ इस्माइलक दुष् टताक बात सुनि लेलक।

1. परमेश् वर बुराई सँ घृणा करैत छथि - नीतिवचन 8:13

2. बुराई के सामना करब - गलाती 6:1-2

1. यिर्मयाह 40:13-14

2. यिर्मयाह 40:7-9

यिर्मयाह 41:12 तखन ओ सभ लोक सभ केँ पकड़ि लेलक आ नथनियाक पुत्र इस्माइल सँ लड़य लेल गेल आ ओकरा गिबोन मे पैघ जलक कात मे भेटल।

नथनिया के बेटा इस्माइल गिबोन के बड़का पानी के पास मिल गेलै, जबेॅ सब आदमी ओकरा युद्ध करै लेली वहाँ ल॑ गेलै।

1. कार्रवाई करबाक शक्ति: इस्माइल आ नथनियाक कथा मे समस्याक समाधानक गप्प करबा मे कार्रवाई करबाक आ एक संग काज करबाक शक्तिक चित्रण कयल गेल अछि।

2. विपत्तिक सामना करैत विश्वास: इस्माइल आ नथनियाक कथा हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे विपत्तिक सामना करैत विश्वास राखू आ कहियो आशा नहि छोड़ू।

1. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. भजन 118:6 - प्रभु हमर पक्ष मे छथि; हम डरब नहि। मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि।

यिर्मयाह 41:13 जखन इस्माइलक संग छल सभ लोक करियाक पुत्र योहानन आ हुनका संग रहनिहार सेनाक सभ सेनापति सभ केँ देखलक तखन ओ सभ खुश भ’ गेल।

इस्माइल आ ओकर अनुयायी सभ करियाक पुत्र योहानन आ ओकर सेना केँ देखि प्रसन्न भेलाह।

1. मसीहक अनुयायी सभ केँ हुनकर नाम सँ सेवा करय बला सभ केँ देखि प्रसन्न हेबाक चाही।

2. काज मे सह-विश्वासी के जोड़ला पर आनन्दित रहू।

1. भजन 122:1 - हमरा तखन खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलक जे, हम सभ प्रभुक घर मे जाइ।

2. फिलिप्पियों 2:1-4 - तेँ जँ मसीह मे कोनो सान्त्वना, प्रेमक कोनो सान्त्वना, आत् माक संगति, आंत आ दया, हमर आनन्द केँ पूरा करू, जाहि सँ अहाँ सभ समान विचारक संग रहब प्रेम, एक इच्छा, एक मन के होना। झगड़ा-झंझट वा व्यर्थक घमंड सँ कोनो काज नहि होअय। मुदा नम्रता मे प्रत्येक दोसर केँ अपना सँ नीक मानय।

यिर्मयाह 41:14 इस्माइल जे सभ लोक मिस्पा सँ बंदी बना कऽ लऽ गेल छल, ओ सभ एम्हर-ओम्हर फेकि कऽ करियाक पुत्र योहानन लग गेल।

इस्माइल मिस्पा सँ लोक सभ केँ अपहरण क' क' ल' गेल छल, मुदा अंततः ओ सभ घुरि क' करियाक बेटा योहानन लग चलि गेल।

1. प्रतिकूलताक सामना करबा मे लचीलापन आ दृढ़ताक महत्व।

2. हेरायल आ दबल-कुचलल लोकक पुनर्स्थापन मे भगवानक संप्रभुता।

1. याकूब 1:2-4 हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

2. भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

यिर्मयाह 41:15 मुदा नथनियाक पुत्र इस्माइल आठ आदमीक संग योहानान सँ भागि गेल आ अम्मोनी सभक लग गेल।

नथनियाक पुत्र इस्माइल आठ आदमीक संग योहानन सँ भागि कऽ अम्मोनी सभ लग गेल।

1. लचीलापन के शक्ति: इस्माइल के कहानी

2. अप्रत्याशित अवसर: इस्माइल कोना अपन बाट पाबि लेलक

1. यहोशू 1:9, "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।"

2. भजन 37:5, "अपन बाट प्रभुक समक्ष राखू; हुनका पर भरोसा करू आ ओ ई काज करताह: ओ अहाँक धार्मिकता केँ भोर जकाँ चमकौताह, अहाँक काजक न्याय केँ दुपहरक सूर्य जकाँ चमका देताह।"

यिर्मयाह 41:16 तखन करियाक पुत्र योहानन आ हुनका संग रहनिहार सेनाक सभ सेनापति सभ केँ, जे सभ लोकक शेष लोक केँ पकड़ि लेलनि, जकरा ओ नथनियाक पुत्र इस्माइल सँ मिस्पा सँ बरामद कएने छलाह अहिकामक पुत्र, युद्धकर्मी पराक्रमी, स्त्रीगण, बच्चा आ नपुंसक सभ, जकरा ओ गिबोन सँ फेर सँ अनने छलाह।

करिया के पुत्र योहानन आ ओकरा संग सेना के सब सेनापति नथनिया के पुत्र इस्माइल, महिला, बच्चा आ नपुंसक के अहिकाम के पुत्र गेदलिया के मारला के बाद मिस्पा सँ बचा लेलकै।

1. हम जोहानन आ कप्तान के उदाहरण स हिम्मत ल सकैत छी जे खतरा के सामना करैत दोसर के बचाबय लेल बहादुर छलाह।

2. परमेश् वरक दया हमरा सभक समझ सँ परे अछि, कारण ओ इस्माइल आ ओकर परिवारक भरण-पोषण बहुत खतराक बीच सेहो कयलनि।

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 41:17 ओ सभ मिस्र मे प्रवेश करबाक लेल विदा भेलाह आ बेतलेहेमक कात मे चिमहमक निवास मे रहि गेलाह।

परमेश् वर के लोग मिस्र जाय के चक्कर में अपनऽ घर छोड़ी क॑ बेतलेहेम के पास चिम्हम में रह॑ लगलै।

1. विश्वासक यात्रा: परमेश्वरक आह्वानक पालन कोना कयल जाय चाहे ओ कतहु ल' जाय

2. भय पर काबू पाबब: हमरा सभ केँ विश्वास मे किएक बाहर निकलबाक चाही आ भगवान पर भरोसा करबाक चाही

1. प्रेरित 7:31-36 - अब्राहम के अपन मातृभूमि छोड़बाक विश्वास के बारे मे स्टीफन के भाषण।

2. इब्रानी 11:8-10 - अब्राहम के विश्वास जे ओ अपन मातृभूमि छोड़ि प्रतिज्ञा के देश मे जेताह।

यिर्मयाह 41:18 कसदी सभक कारणेँ, किएक तँ ओ सभ ओकरा सभसँ डरैत छल, किएक तँ नथनियाक पुत्र इस्माइल अहिकामक पुत्र गेदलियाहकेँ मारि देने छल, जकरा बेबिलोनक राजा ओहि देशमे राज्यपाल बनौलनि।

इस्माइल गदलियाह केँ मारि देने छल, जकरा बेबिलोनक राजा ओहि देशक राज्यपालक रूप मे नियुक्त केने छल, आ एकर परिणामस्वरूप कसदी सभ ओकरा सँ डेरा गेल छल।

1. भय के शक्ति: कठिन परिस्थिति में ओकरा पर काबू पाना सीखना

2. संकट के समय में भगवान के प्रभुत्व

1. यूहन्ना 14:27 - "हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी; हम अहाँ सभ केँ अपन शान्ति दैत छी। हम अहाँ सभ केँ ओहिना नहि दैत छी जेना संसार दैत अछि। अहाँ सभक मोन केँ परेशान नहि होउ आ नहि डरू।"

2. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह अध्याय 42 में यिर्मयाह के लेलऽ लोगऽ के आग्रह के चित्रण करलऽ गेलऽ छै कि वू मिस्र भागै के फैसला के संबंध में परमेश्वर के मार्गदर्शन लेन॑ आरू यिर्मयाह के प्रतिक्रिया के बारे में।

1 पैराग्राफ: सैन्य नेता आरू योहानन सहित लोग यिर्मयाह के पास पहुँचै छै आरू ओकरा स॑ कहै छै कि वू ओकरा लेली प्रार्थना करै आरू परमेश्वर के मार्गदर्शन लेली (यिर्मयाह 42:1-3)। ओ सभ यिर्मयाहक माध्यमे परमेश् वर सँ जे कोनो उत्तर भेटतनि से मानबाक वादा करैत छथि।

2 पैराग्राफ: दस दिनक बाद यिर्मयाह केँ परमेश् वरक प्रतिक्रिया भेटैत छनि (यिर्मयाह 42:7-12)। ओ ई संदेश दैत छथि जे जँ ओ सभ यहूदा मे रहत तँ परमेश् वर हुनका सभक निर्माण करताह आ हुनका सभ पर कोनो नुकसान नहि होमय देताह। मुदा, जँ ओ सभ सुरक्षाक खोज मे मिस्र जायब तँ युद्ध, अकाल आ महामारीक सामना करय पड़तैक।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह के मिस्र जाय के चेतावनी के बावजूद, लोग ओकरा पर झूठ बोलै के आरोप लगाबै छै (यिर्मयाह 42:13-18)। ओ सभ ओतय जेबाक जिद एहि लेल करैत छथि जे हुनका सभक मानब छनि जे हुनकर वर्तमान परेशानी यहूदा मे मूर्तिक पूजा नहि करबाक परिणाम अछि अपितु याहवेहक आराधना करबाक परिणाम थिक |

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे मिस्र जेबाक निर्णय सँ विपत्ति आबि जायत (यिर्मयाह 42:19-22)। ओ हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ हुनका सभक इतिहास मे परमेश् वरक सभ संदेश केँ निष्ठापूर्वक रिले कएने छथि। तइयो ओ स्वीकार करैत छथि जे ओ सभ भगवानक चेतावनीक विरुद्ध जेबाक निर्णय कए अपन बाट चुनने छथि ।

संक्षेप में यिर्मयाह के बयालीस अध्याय में यिर्मयाह सें मार्गदर्शन के लेलऽ लोगऽ के मिस्र में भागै के योजना के बारे में आरू बाद में परमेश्वर के तरफ सें ओकरऽ प्रतिक्रिया के बारे में बखान करलऽ गेलऽ छै । लोक यिर्मयाह के पास पहुँचै छै, जे ओकरा ईश्वरीय मार्गदर्शन लेबै लेली कहै छै। ओ सभ आज्ञापालन के वादा करैत छथि चाहे ओकर उत्तर कोनो हो, दस दिनक बाद यिर्मयाह परमेश् वरक संदेश दैत छथि। जँ ओ सभ यहूदा मे रहत तँ परमेश् वर हुनका सभक रक्षा आ निर्माण करताह। मुदा, जँ ओ सभ मिस्र मे जायत तँ ओकरा सभ केँ युद्ध, अकाल आ महामारीक सामना करय पड़तैक, एहि चेतावनीक बादो लोक यिर्मयाह पर झूठ बाजबाक आरोप लगाबैत अछि। ओ सब मिस्र जाय के जिद करै छै, कैन्हेंकि ओकरा सिनी के मानना छै कि ई पहलें के तरह मूर्ति के पूजा नै करै के कारण छै, यिर्मयाह ओकरा एक बार फेरू चेताबै छै कि ई रास्ता चुनला स॑ खाली आपदा के सामना करना पड़ै छै, कैन्हेंकि वू निष्ठापूर्वक सब संदेश क॑ रिले

करी चुकलऽ छै । एकर बादो, ओ हुनका लोकनिक निर्णय केँ स्वीकार करैत छथि, कुल मिला कए, ई संक्षेप मे, अध्याय मे ईश्वरीय मार्गदर्शन लेबाक महत्व आ ओकर अवहेलना करबाक परिणाम पर प्रकाश देल गेल अछि | ई याहवे के प्रति निष्ठा बनाम मूर्तिपूजा के तरफ मुड़ना के बीच के तनाव क॑ भी रेखांकित करै छै ।

यिर्मयाह 42:1 तखन सेनाक सभ सेनापति, करियाक पुत्र योहानन, होशयाहक पुत्र यजनिया आ छोट सँ पैघ लोक सभ लग आबि गेलाह।

सेना के सेनापति योहानन आ यशनियाह आ यहूदा के सभ लोक यिर्मयाह सँ सलाह मँगबाक लेल एक ठाम आबि गेलाह।

1. प्रभु पर भरोसा राखू आ कठिन समय मे हुनकर सलाह ली।

2. निर्णय लेबा मे बुद्धिमान लोक आ परमेश्वरक वचन सँ सलाह लिअ।

1. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारतापूर्वक दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

यिर्मयाह 42:2 ओ यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ कहलथिन, “हम सभ अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमर सभक विनती अहाँक सोझाँ स्वीकार कयल जाय आ हमरा सभक लेल अहाँक परमेश् वर यहोवा सँ प्रार्थना करू। (किएक तँ हम सभ बहुतो मे सँ किछुए गोटे बचि गेल छी, जेना अहाँक आँखि हमरा सभ केँ देखैत अछि।)

बेबिलोन केरऽ कैद स॑ बची क॑ निकललऽ लोगऽ न॑ यिर्मयाह भविष्यवक्ता स॑ निहोरा करै छै कि वू अपनऽ तरफ स॑ प्रभु स॑ प्रार्थना करै ।

1. परीक्षा के समय में परमेश्वर के समक्ष आत्मसमर्पण - यिर्मयाह 42:2

2. प्रावधान के लेल परमेश् वर पर भरोसा करब - यिर्मयाह 42:2

1. व्यवस्था 4:31 - "किएक त' तोहर परमेश् वर परमेश् वर दयालु परमेश् वर छथि; ओ अहाँ केँ नहि छोड़ताह, आ ने अहाँ केँ नष्ट करताह, आ ने अहाँक पूर्वज सभक ओहि वाचा केँ बिसरि जेताह जे ओ हुनका सभ केँ शपथ देने छलाह।"

2. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थाकि जाइत छथि? हुनकर कोनो खोज नहि होइत छनि।" समझदारी।ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत अछि, जकरा मे शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ बल बढ़बैत छैक।युवक सभ सेहो बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, आ युवक सभ एकदम खसि पड़त गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त, थाकि क' नहि, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

यिर्मयाह 42:3 जाहि सँ अहाँक परमेश् वर यहोवा हमरा सभ केँ ओहि बाट केँ देखाबथि जाहि मे हम सभ चलब आ की काज करब।

यहूदा के लोग परमेश् वर सँ माँगै छै कि ओकरा सिनी कॅ ओकरा सिनी कॅ जे रास्ता देखाबै के छै, ओकरा सिनी कॅ कोन-कोन काम करै के छै।

1. परमेश् वरक मार्गदर्शन पर भरोसा करब सीखू - यिर्मयाह 42:3

2. सब बात मे परमेश्वरक दिशा ताकू - यिर्मयाह 42:3

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

1160

2. भजन 25:4-5 - हमरा अपन बाट देखाउ, प्रभु, हमरा अपन बाट सिखाउ। हमरा अपन सत्य मे मार्गदर्शन करू आ हमरा सिखाउ, कारण अहाँ हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर छी, आ हमर आशा भरि दिन अहाँ पर अछि।

यिर्मयाह 42:4 तखन यिर्मयाह भविष्यवक्ता हुनका सभ केँ कहलथिन, “हम अहाँ सभक बात सुनलहुँ। देखू, हम अहाँक वचनक अनुसार अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना करब। परमेश् वर अहाँ सभ केँ जे किछु उत्तर देथिन, हम अहाँ सभ केँ बता देब। हम अहाँसँ किछु नहि राखब।

यिर्मयाह वचन दै छै कि वू लोगऽ के तरफ सें प्रभु सें प्रार्थना करतै आरू ओकरा सिनी के सामने प्रभु के जवाब के घोषणा करतै।

1. प्रार्थनाक उत्तर देबा मे परमेश् वरक निष्ठा

2. परमेश्वरक संग अपन व्यवहार मे ईमानदार आ सोझ रहबाक महत्व

1. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।"

2. याकूब 5:16 - "अपन दोष एक-दोसर सँ स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी लोकक गंभीर प्रार्थना बहुत काज करैत अछि।"

यिर्मयाह 42:5 तखन ओ सभ यिर्मयाह केँ कहलथिन, “यदि हम सभ ओहि सभ बातक अनुसार नहि करब जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ केँ हमरा सभ लग पठौताह।”

यहूदाक लोक यिर्मयाह सँ निहोरा करैत अछि जे ओ सभ परमेश् वरक आज्ञा पूरा करबाक प्रतिज्ञाक गवाह बनय।

1. परमेश् वरक आज्ञाक आदर करबाक महत्व

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पालन करब

1. व्यवस्था 8:3 - "ओ अहाँ केँ नम्र क' देलनि, आ अहाँ केँ भूखल रहय देलनि, आ अहाँ केँ मन्ना खुआ देलनि, जकरा अहाँ नहि जनैत छलहुँ, आ अहाँक पूर्वज सेहो नहि जनैत छलाह, जाहि सँ ओ अहाँ केँ ई बुझा सकथि जे मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि जीबैत अछि।" , मुदा परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ वचन सँ मनुष् य जीवित अछि।”

2. याकूब 1:22 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।"

यिर्मयाह 42:6 नीक हो वा अधलाह, हम सभ अपन परमेश् वर यहोवाक बात मानब, जिनका लग हम सभ अहाँ केँ पठा रहल छी। जखन हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक बात मानब तखन हमरा सभक लेल नीक भऽ जाय।”

इस्राएलक लोक सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक बात मानबाक प्रतिज्ञा करैत अछि, जाहि सँ हुनका सभक नीक भऽ सकय।

1. भगवान् के आज्ञाकारिता: कल्याण के कुंजी

2. प्रभु के स्वर के पालन के आशीर्वाद

1. यशायाह 1:19-20 - जँ अहाँ इच्छुक आ आज्ञाकारी छी तँ देशक नीक भोजन खाउ; मुदा जँ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवारसँ भस्म भऽ जायब

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

यिर्मयाह 42:7 दस दिनक बाद यिर्मयाह पर परमेश् वरक वचन आयल।

दस दिनक बाद यिर्मयाह पर परमेश् वरक वचन आबि गेलनि।

1. हम सभ धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा करी - यिर्मयाह 42:7

2. प्रभु के समय पर भरोसा करू - यिर्मयाह 42:7

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू, आ अपन मोन केँ साहस होउ। प्रभुक प्रतीक्षा करू!

2. हबक्कूक 2:3 - कारण एखनो दर्शन अपन निर्धारित समयक प्रतीक्षा मे अछि; अंत धरि जल्दबाजी करैत अछि ओ झूठ नहि बाजत। जँ मंद बुझाइत अछि त' एकर प्रतीक्षा करू; अवश्य आओत; देरी नहि करत।

यिर्मयाह 42:8 तखन ओ करियाक पुत्र योहानन आ हुनका संग रहनिहार सभ सेनापति सभ आ छोट सँ पैघ लोक सभ केँ बजौलनि।

यहूदा के लोग सिनी कॅ करिया के बेटा योहानन आरू सेना के सब सेनापति सिनी कॅ ओकरोॅ निहोरा सुनै लेली बोलैलकै।

1. परमेश् वर हमरा सभकेँ सदिखन ओ सहायता आ मार्गदर्शन प्रदान करताह जकर हमरा सभकेँ चाही।

2. हमरा सभकेँ सदिखन दोसरक बात सुनबाक लेल तैयार रहबाक चाही, चाहे ओकर हैसियत किछुओ हो।

1. नीतिवचन 3:5-6, पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:19, हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: प्रत्येक व्यक्ति जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी।

यिर्मयाह 42:9 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ई इस्राएलक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि, जिनका लग अहाँ सभ हमरा हुनका समक्ष अपन विनती पेश करबाक लेल पठौने छलहुँ।

यहूदा के लोग यिर्मयाह के पास अपनऽ विनती प्रभु के सामने पेश करै लेली प्रतिनिधि भेजलकै।

1. भगवान् हमर सभक निहोरा सुनैत छथि आ ओकर उत्तर देबाक लेल तैयार छथि। 2. जखन मार्गदर्शन आ सहायताक आवश्यकता हो तखन प्रभुक खोज करी।

1. फिलिप्पियों 4:6-7, "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ परे अछि, अहाँक रक्षा करत।" हृदय आ मन मसीह यीशु मे राखू।” 2. याकूब 4:8, "परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जेताह। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू, आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दुविधा विचारक।"

यिर्मयाह 42:10 जँ अहाँ सभ एखनो एहि देश मे रहब, तखन हम अहाँ सभक निर्माण करब, आ अहाँ सभ केँ नहि उतारब, आ हम अहाँ सभ केँ रोपब, आ अहाँ सभ केँ नहि उखाड़ब, किएक तँ हम अहाँ सभक संग जे अधलाह केलहुँ ताहि पर पश्चाताप करैत छी.

परमेश् वर वचन दैत छथि जे जँ ओ सभ ओहि देश मे रहत तँ ओ सभ यहूदाक लोक सभक निर्माण आ रोपब करताह, आओर ओ हुनका सभक संग जे बुराई केने छथि ताहि पर पश्चाताप करैत छथि।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा: परमेश् वर अपन कयल गेल बुराई पर कोना पश्चाताप करैत छथि

2. बहाली के प्रतिज्ञा: परमेश् वर के भूमि में रहना चुनना

1. लूका 6:36 - "दयालु बनू, जेना अहाँक पिता दयालु छथि।"

2. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, आ अहाँक प्राण जीवित रहत। हम अहाँ सभक संग अनन्त वाचा करब।"

यिर्मयाह 42:11 बाबुलक राजा सँ नहि डेराउ, जिनका सँ अहाँ सभ डरैत छी। परमेश् वर कहैत छथि जे हुनका सँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँ सभक संग छी जे अहाँ सभ केँ बचाबऽ आ अहाँ सभ केँ हुनका हाथ सँ उद्धार करी।”

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ प्रोत्साहित करै छै कि बेबिलोन के राजा सें नै डरै, कैन्हेंकि प्रभु ओकरा सिनी कॅ बचाबै आरू उद्धार करै लेली ओकरा सिनी के साथ छै।

1. डर नहि: विपत्तिक समय मे प्रभुक रक्षा पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे ताकत भेटब

1. भजन 56:3-4 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी। परमेश् वर पर, जिनकर वचनक प्रशंसा करैत छी, परमेश् वर पर हम भरोसा करैत छी; हम नहि डरब। मांस हमरा की क' सकैत अछि?"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 42:12 हम अहाँ सभ पर दया करब जाहि सँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि आ अहाँ सभ केँ अपन देश मे वापस क’ सकथि।

परमेश् वर इस्राएली सभ पर दया देखाबथि आ ओकरा सभ केँ अपन मातृभूमि मे वापस करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक दया सदाक लेल रहैत अछि - यिर्मयाह 42:12

2. इस्राएली सभक वापसी - परमेश् वरक दयाक आकर्षण

1. रोमियो 9:15-16 - "किएक तँ ओ मूसा केँ कहैत छथि, 'हम जकरा पर दया करब, ओकरा पर दया करब, आ जकरा पर हम दया करब।' तखन तखन ई मानवीय इच्छा वा परिश्रम पर नहि, बल्कि भगवान पर निर्भर करैत अछि, जे दया करैत छथि |"

2. भजन 119:64 - "हे प्रभु, पृथ्वी अहाँक अडिग प्रेम सँ भरल अछि; हमरा अपन नियम सिखाउ!"

यिर्मयाह 42:13 मुदा जँ अहाँ सभ कहब जे हम सभ एहि देश मे नहि रहब आ ने अहाँ सभक परमेश् वरक बात मानब।

इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेतावनी देलऽ गेलै कि प्रभु के आज्ञा के उल्लंघन नै करै।

1. प्रभुक चेतावनी पर ध्यान दियौक - यिर्मयाह 42:13

2. प्रभुक आवाजक आज्ञा मानू - यिर्मयाह 42:13

1. यशायाह 48:18 - जँ अहाँ हमर आज्ञा पर ध्यान देने रहितहुँ! तखन अहाँक शान्ति नदी जकाँ होइत, आ अहाँक धर्म समुद्रक लहरि जकाँ होइत।

2. व्यवस्था 28:1 - आब ई होयत जे जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा लगन सँ मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक ध्यान सँ पालन करब जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ सभ जाति सँ ऊपर ठाढ़ करताह पृथ्वी के।

यिर्मयाह 42:14 कहैत, “नहि। मुदा हम सभ मिस्र देश मे जायब, जतय हमरा सभ केँ युद्ध नहि देखब आ ने तुरहीक आवाज सुनब आ ने रोटीक भूख लागब। आ हम सभ ओतहि रहब।

यहूदा के लोग यहूदा में रहै के परमेश् वर के आज्ञा के पालन करै सें मना करी दै छै।

1163

1: हमरा सभकेँ सदिखन भगवानक आज्ञाक पालन करबाक चाही, तखनो जखन हमरा सभकेँ ई नहि बुझल हो जे किएक।

2: हमरा सभ केँ बात केँ अपन हाथ मे लेबाक प्रयास नहि करबाक चाही, बल्कि भगवानक इच्छा पर भरोसा करबाक चाही।

1: यशायाह 55:8-9 "किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2: याकूब 4:13-15 "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ मुनाफा कमायब, तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। की।" अहाँक जीवन अछि?कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीब' आ ई वा ओ काज करब।'

यिर्मयाह 42:15 आब, अहाँ सभ यहूदाक शेष लोक सभ, परमेश् वरक वचन सुनू। सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। जँ अहाँ सभ मिस्र देश मे प्रवेश करबाक लेल अपन मुँह बना कऽ ओतय प्रवास करबाक लेल जायब।

प्रभु यहूदा के अवशेष के यहूदा में रहना आरू मिस्र में नै बसै के निर्देश दै छै।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन जगह पर रहबाक लेल बजबैत छथि आ हुनकर प्रावधान पर भरोसा करू।

2: भगवानक योजना प्रायः हमरा सभक योजनासँ भिन्न होइत अछि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

2: यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 42:16 तखन एहन होयत जे मिस्र देश मे जे तलवार अहाँ सभ सँ डेराइत छलहुँ, से अहाँ सभ केँ पकड़ि जायत आ ओ अकाल, जाहि सँ अहाँ सभ डरैत छलहुँ, ओतहि मिस्र मे अहाँ सभक पाछाँ- पाछाँ आबि जायत। ओतहि अहाँ सभ मरि जायब।”

लोक सभ जे तलवार आ अकाल डरैत छल, से मिस्र मे ओकरा सभ केँ आबि जायत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा निश्चित अछि - यिर्मयाह 42:16

2. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि - यिर्मयाह 42:16

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत, आ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ निन्दा करब।

2. लेवीय 26:14-17 - मुदा जँ अहाँ सभ हमर आज्ञा नहि मानब आ एहि सभ आज्ञाक पालन नहि करब, आ जँ अहाँ हमर नियम सभ केँ तिरस्कार करब, वा जँ अहाँक प्राण हमर निर्णय सभ सँ घृणा करैत अछि, जाहि सँ अहाँ सभ हमर सभ आज्ञाक पालन नहि करब। मुदा हमर वाचा तोड़ब, हमहूँ अहाँ सभक संग ई काज करब, अहाँ सभ पर आतंक तक लगा देब, बीमारी आ बोखार केँ बर्बाद करब जे आँखि केँ भस्म क' देत आ हृदयक दुःख उत्पन्न करत। अहाँ अपन बीया अनेरे बोइब, किएक तँ अहाँक शत्रु सभ ओकरा खा जायत।

यिर्मयाह 42:17 ओहि सभ लोकक संग सेहो होयत जे मिस्र देश मे प्रवास करबाक लेल अपन मुँह बना रहल अछि। ओ सभ तलवार, अकाल आ महामारी सँ मरत, आ ओहि मे सँ कियो नहि बचत आ नहिये बचत जे हम ओकरा सभ पर आनब।

जे कियो मिस्र जाय के फैसला करतै, वू तलवार, अकाल, या महामारी स॑ मरतै, आरू कोय भी नै रहतै आरू नै ही परमेश् वर के दंड स॑ बची सकै छै।

1164

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा: यिर्मयाह 42:17 के अध्ययन

2. पापक परिणाम: यिर्मयाह 42:17 सँ सीखब

1. मत्ती 6:24 - दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि।

2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ सही बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

यिर्मयाह 42:18 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। जेना हमर क्रोध आ क्रोध यरूशलेमक निवासी सभ पर उझलि गेल अछि। जखन अहाँ सभ मिस्र मे प्रवेश करब तखन हमर क्रोध अहाँ सभ पर उझलि जायत। आब अहाँ सभ एहि स्थान केँ नहि देखब।”

परमेश् वर यहूदा के लोग सिनी कॅ चेतावनी देलकै कि अगर वू मिस्र में प्रवेश करतै त ओकरा सिनी कॅ ओकरो क्रोध के सामना करना पड़ी जैतै आरू फेरू कभियो अपनौ मातृभूमि कॅ नै देखतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा: यहूदाक प्रति परमेश् वरक चेतावनी

2. भगवानक इच्छा केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 28:9, "जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि लैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।"

2. व्यवस्था 28:15-68, "मुदा जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि मानब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियम सभक ध्यान सँ पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ ई सभ शाप होयत।" अहाँ पर आबि क’ अहाँ केँ पछाड़ि दियौक।”

यिर्मयाह 42:19 प्रभु अहाँ सभक विषय मे कहलनि जे, हे यहूदाक शेष लोक सभ। अहाँ सभ मिस्र देश मे नहि जाउ।

परमेश् वर यहूदाक शेष लोक सभ केँ चेतावनी देलथिन जे मिस्र मे नहि जाउ।

1: मनुष्य पर भरोसा नहि करू, बल्कि प्रभु पर भरोसा करू आ हुनकर आज्ञाक पालन करू।

2: संसारक लोभक प्रलोभन मे नहि पड़ू, बल्कि भगवानक इच्छाक पालन करबाक प्रयास करू।

1: यशायाह 41:10-13 - "हम डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: इब्रानी 13:5-6 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

यिर्मयाह 42:20 अहाँ सभ जखन हमरा अपन परमेश् वरक लग पठौलहुँ जे, “हमरा सभक लेल हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना करू।” आ हमरा सभक परमेश् वर यहोवा जे किछु कहताह, से हमरा सभ केँ ई बात करू, आ हम सभ पूरा करब।”

यहूदाक लोक यिर्मयाह सँ कहलथिन जे ओ परमेश् वर सँ प्रार्थना करथि आ जे किछु परमेश् वर हुनका सभक लेल कहथिन से हुनका सभ केँ कहथिन।

1. प्रार्थना के शक्ति: परमेश् वर के मार्गदर्शन के पालन करना सीखना

2. चुनौतीपूर्ण समय मे परमेश् वर पर भरोसा करब: यिर्मयाह सँ हम की सीख सकैत छी

1. याकूब 5:16 - "धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

1165

2. यशायाह 30:21 - "अहाँ सभक कान हुनका सुनत। अहाँक ठीक पाछू एकटा आवाज कहत जे, अहाँ सभ केँ ई बाट करबाक चाही, चाहे ओ दहिना दिस हो वा बामा दिस।"

यिर्मयाह 42:21 आब हम आइ अहाँ सभ केँ ई बात सुनौने छी। मुदा अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक बात नहि मानलहुँ आ ने कोनो एहन बात जकरा लेल ओ हमरा अहाँ सभ लग पठौने छथि।

ई अंश परमेश् वर द्वारा इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेतावनी छेकै कि हुनी सिनी प्रभु सिनी कॅ हुनका सिनी के पास दूत भेजला के बावजूद भी हुनकऽ आवाज के बात नै मानलकै।

1: हमरा सभ केँ अपन प्रभु परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही आ हुनकर आज्ञा सुनबाक चाही तखनो जखन हमरा सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे ओ हमरा सभ केँ ई आज्ञा किएक करबाक लेल कहैत छथि।

2: भगवानक हमरा सभक प्रति प्रेम एतेक पैघ अछि जे जखन हम सभ हुनकर आवाज नहि सुनैत छी तखनो दूत पठा दैत छथि।

1: व्यवस्था 10:12-13 आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि जे अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर आज्ञा मानैत चलब, हुनका सँ प्रेम करब आ अपन सभ गोटेक संग अहाँक परमेश् वरक सेवा करब हृदय आ अपन पूरा आत्मा सँ, आ प्रभुक आज्ञा आ फरमानक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाई लेल दऽ रहल छी?

2: भजन 119:33-34 हे प्रभु, हमरा अपन नियमक बाट सिखाउ, जाहि सँ हम अंत धरि ओकर पालन क’ सकब। हमरा समझ दिअ, जाहि सँ हम अहाँक व्यवस्थाक पालन करी आ पूरा मोन सँ ओकर पालन करी।

यिर्मयाह 42:22 आब निश्चित रूप सँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभ तलवार, अकाल आ महामारी सँ ओहि ठाम मरि जायब जतय अहाँ सभ जेबाक आ प्रवास करबाक इच्छा रखैत छी।

परमेश् वर लोक सभ केँ यरूशलेम छोड़बाक परिणामक बारे मे चेताबैत छथि।

1: अपन जीवनक लेल भगवानक योजना पर भरोसा करू।

2: भगवान् के इच्छा के पालन करू आ हुनकर योजना के स्वीकार करू।

1: यशायाह 55:8-9 हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: रोमियो 12:2 एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।
तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

यिर्मयाह अध्याय 43 में लोगऽ के आज्ञा नै मानला के वर्णन छै आरू यिर्मयाह के साथ ल॑ जाय के मिस्र भागै के फैसला के वर्णन छै।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह के चेतावनी के बावजूद, योहानान आरू लोग परमेश्वर के संदेश के पालन करै स॑ मना करी दै छै आरू मिस्र जाय के फैसला करै छै (यिर्मयाह 43:1-4)। ओ सभ यिर्मयाह आ बरूक, यिर्मयाहक शास्त्री केँ अपना संग लऽ जाइत छथि।

2 पैराग्राफ: समूह मिस्र के एकटा शहर तहपानेस में पहुँचैत अछि (यिर्मयाह 43:5-7)। ओतय परमेश्वर यिर्मयाह के निर्देश दै छै कि बेबिलोन के विजय के निशानी के रूप में फिरौन के महल के प्रवेश द्वार पर ईंट के फुटपाथ में प्रतीकात्मक रूप से पत्थर गाड़लऽ जाय।

3 पैराग्राफ: परमेश्वर यिर्मयाह के माध्यम स फेर स बजैत छथि, मिस्र पर न्याय के घोषणा करैत छथि (यिर्मयाह 43:8-13)। ओ घोषणा करैत छथि जे नबूकदनेस्सर मिस्र पर विजय प्राप्त करत आ ओकर मूर्ति सभ नष्ट भ' जायत। जे ओतय सुरक्षा के तलाश मे भागल छल ओकरा आपदा के सामना करय पड़त.

संक्षेप में यिर्मयाह के तेतालीस अध्याय में लोगऽ के परमेश् वर के प्रति आज्ञा नै मानला के चित्रण छै आरू मिस्र में भागै के फैसला के चित्रण छै, जेकरा में यिर्मयाह आरू बरूक दोनों के साथ ल॑ गेलै। यिर्मयाह के चेतावनी के बावजूद, योहानान आरू लोग आज्ञा मानै स॑ इनकार करी दै छै। ओ सभ मिस्र मे यात्रा करैत छथि, यिर्मयाह आ बरूक दुनू केँ संग ल' क', ओ सभ तहपनेस मे बसैत छथि, जतय परमेश् वर यिर्मयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ सभ फारोक महल मे बेबिलोनक विजयक संकेतक रूप मे प्रतीकात्मक रूप सँ पाथर गाड़थि, परमेश् वर यिर्मयाहक माध्यम सँ एक बेर फेर बजैत छथि, मिस्र पर न्याय करैत छथि। ओ नबूकदनेस्सर केँ ओकरा पर विजय प्राप्त करबाक आ ओकर मूर्ति सभ केँ नष्ट करबाक भविष्यवाणी करैत अछि। जे लोग ओतय शरण लेलक ओकरा विपत्तिक सामना करय पड़तैक, कुल मिला कए, ई संक्षेप मे, अध्याय मे आज्ञा नहि मानबाक परिणाम पर जोर देल गेल अछि आ भविष्यवाणीक पूर्ति पर प्रकाश देल गेल अछि | ई भी रेखांकित करै छै कि कोना खतरा स॑ भागी क॑ या दोसरऽ जगह सुरक्षा के तलाश करतें हुअ॑ भी ईश्वरीय न्याय स॑ नै बची सकै छै ।

यिर्मयाह 43:1 जखन यिर्मयाह अपन परमेश् वर परमेश् वरक सभ वचन सभ केँ कहलथिन, जकरा लेल हुनका सभक परमेश् वर हुनका सभ लग पठौने छलाह।

यिर्मयाह परमेश् वरक सभटा वचन लोक सभ लग पहुँचा कऽ परमेश् वर हुनका सभ लग पठौने छलाह।

1. परमेश् वरक वचन जीवनक लेल शक्तिशाली आ आवश्यक अछि

2. नीक जीवन जीबाक लेल परमेश्वरक वचनक पालन करब आवश्यक अछि

1. रोमियो 10:17, "तखन विश्वास सुनला सँ अबैत अछि आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।"

2. यहोशू 1:8, "ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत; बल् कि अहाँ दिन-राति एहि पर चिंतन करू, जाहि सँ अहाँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार पालन करब। किएक तँ अहाँ अपन बना लेब।" रास्ता समृद्ध, तखन अहाँ केँ नीक सफलता भेटत।"

यिर्मयाह 43:2 तखन होशयाहक पुत्र अजरिया, करियाक पुत्र योहानन आ सभ घमंडी लोक यिर्मयाह केँ कहलथिन, “अहाँ झूठ बाजैत छी ओतय:

अजरिया आ योहानन आओर घमंडी लोक सभक संग यिर्मयाह पर झूठ बाजबाक आरोप लगौलनि आ आरोप लगौलनि जे परमेश् वर परमेश् वर द्वारा मिस्र नहि जेबाक लेल नहि पठाओल गेल अछि।

1. संदेहक बीच भगवान् पर भरोसा करब

2. विरोधक बादो सत्य मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. मत्ती 10:22 - "हमरा कारणेँ अहाँ सभ सँ सभ घृणा करत, मुदा जे अंत धरि दृढ़ता सँ ठाढ़ रहत, से उद्धार होयत।"

यिर्मयाह 43:3 मुदा नेरियाक पुत्र बरुक हमरा सभ केँ कल्दी सभक हाथ मे सौंपबाक लेल हमरा सभक विरुद्ध ठाढ़ क’ रहल छथि, जाहि सँ ओ सभ हमरा सभ केँ मारि देथिन आ हमरा सभ केँ बंदी बना क’ बेबिलोन मे ल’ जाथि।

नेरिया के बेटा बरुक यिर्मयाह आरू ओकरऽ लोगऽ क॑ कल्दी सिनी के हाथऽ म॑ सौंपतें हुअ॑ धोखा करी देलकै कि ओकरा मारलऽ जाय या कैद करी क॑ बेबिलोन ल॑ जाय ।

1. संबंध मे विश्वास आ निष्ठा के महत्व।

2. मनुक्खक विश्वासघातक बादो भगवानक निष्ठा।

1. भजन 118:8, "मनुष्य पर भरोसा करबा स' नीक जे प्रभु पर भरोसा करब।"

1167

2. यशायाह 43:2, "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

यिर्मयाह 43:4 तेँ करियाक पुत्र योहानन आ सभ सेनापति आ सभ लोक यहूदाक देश मे रहबाक लेल परमेश् वरक बात नहि मानलक।

प्रभु के आज्ञा के बादो करिया के बेटा योहानन आरू सेना के सब सेनापति सब लोग के साथ यहूदा के देश में नै रहना चुनलकै।

1. अपन इच्छाक बादो भगवानक इच्छाक पालन करबाक महत्व।

2. प्रभुक आज्ञा नहि मानलाक परिणाम।

1. 1 यूहन्ना 2:17, "आ संसार अपन इच्छाक संग बीति रहल अछि, मुदा जे कियो परमेश् वरक इच्छा करैत अछि, ओ अनन्त काल धरि रहैत अछि।"

2. नीतिवचन 19:16, "जे केओ निर्देशक पालन करैत अछि, ओ जीवनक बाट पर अछि, मुदा जे डाँट केँ अस्वीकार करैत अछि, ओ दोसर केँ भटका दैत अछि।"

यिर्मयाह 43:4 तेँ करियाक पुत्र योहानन आ सभ सेनापति आ सभ लोक यहूदाक देश मे रहबाक लेल परमेश् वरक बात नहि मानलक।

प्रभु के आज्ञा के बादो करिया के बेटा योहानन आरू सेना के सब सेनापति सब लोग के साथ यहूदा के देश में नै रहना चुनलकै।

1. अपन इच्छाक बादो भगवानक इच्छाक पालन करबाक महत्व।

2. प्रभुक आज्ञा नहि मानलाक परिणाम।

1. 1 यूहन्ना 2:17, "आ संसार अपन इच्छाक संग बीति रहल अछि, मुदा जे कियो परमेश् वरक इच्छा करैत अछि, ओ अनन्त काल धरि रहैत अछि।"

2. नीतिवचन 19:16, "जे केओ निर्देशक पालन करैत अछि, ओ जीवनक बाट पर अछि, मुदा जे डाँट केँ अस्वीकार करैत अछि, ओ दोसर केँ भटका दैत अछि।"

यिर्मयाह 43:5 मुदा करियाक पुत्र योहानन आ सेनाक सभ सेनापति सभ यहूदाक सभ शेष लोक सभ केँ पकड़ि लेलक, जे सभ जाति सँ घुरल छल, जतय ओकरा सभ केँ भगाओल गेल छल, यहूदा देश मे रहबाक लेल।

करियाक पुत्र योहानन आ सभ सेनापति सभ शेष यहूदी सभ केँ जे आन जाति सँ भगाओल गेल छल, ओकरा सभ केँ वापस यहूदा मे ल' क' ओत' रहबाक लेल ल' गेल।

1. निष्ठा के पुरस्कृत: भगवान विश्वासी के पुनर्स्थापित करताह आ ओकरा बंधन के स्थान स वापस आनि देताह

2. प्रतिकूलता सँ उबरब: भले जीवन अहाँ केँ घर सँ दूर क' देने हो, मुदा घुरबा मे आ पुनर्स्थापित होबय मे कहियो देर नहि होइत छैक

1. यशायाह 40:31: मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 23:3: ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि, ओ हमरा अपन नामक लेल धार्मिकताक बाट पर लऽ जाइत छथि।

यिर्मयाह 43:6 एतय तक कि पुरुष, स्त्री, बच्चा, आ राजाक बेटी, आ हर एक व्यक्ति जे पहरेदारक सेनापति नबूजरदान शाफानक पुत्र अहिकामक पुत्र गेदलियाह आ यिर्मयाह भविष्यवक्ता आ बरुक पुत्र बरुकक संग छोड़ि गेल छलाह नेरिया के।

यिर्मयाह 43:6 मे नबूजरदानक वर्णन अछि जे ओ पुरुष, महिला, बच्चा आ राजाक बेटी केँ गेदलिया, यिर्मयाह भविष्यवक्ता आ बरुकक संग छोड़ि गेलाह।

1. समुदायक शक्ति - यिर्मयाह 43:6 ई दर्शाबैत अछि जे जखन हम सभ कोनो समुदाय मे एक संग आबि जाइत छी तखन हम सभ नीक दिस बदलाव अनबा मे शक्तिशाली भ’ सकैत छी।

2. विश्वासक शक्ति - यिर्मयाह 43:6 विश्वास आ परमेश्वरक इच्छा पर भरोसा करबाक महत्व पर जोर दैत अछि, ओहो तखन जखन कठिन समय आबि जाइत अछि।

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 43:7 तखन ओ सभ मिस्र देश मे आबि गेलाह, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक बात नहि मानलनि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के आज्ञा नै मानलकै आरू मिस्र के यात्रा करी देलकै।

1. भगवान् के आज्ञा मानला स आशीर्वाद भेटैत अछि, भगवान के आज्ञा नहि मनला स परिणाम भेटैत अछि।

2. भगवानक इच्छासँ पलायनसँ दुख आ शून्यता होइत अछि ।

1. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखैत छी; 27 जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन करब, जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तँ एकटा आशीर्वाद अछि। 28 आ एकटा अभिशाप।" , जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करब, बल् कि आइ जे बाट हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागब, जकरा अहाँ सभ नहि जनलहुँ।”

2. यशायाह 1:19-20 - "जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन खाएब। 20 मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ भस्म भ' जायब, किएक तँ परमेश् वरक मुँह बाजल अछि।" ई."

यिर्मयाह 43:8 तखन परमेश् वरक वचन तहपनेस मे यिर्मयाह केँ कहल गेलनि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यहूदाक लोक सभ केँ चेतावनी देथिन जे हुनका सभ केँ मिस्र मे बंदी बनाओल जायत।

1. भगवान् के आज्ञा मानू आ बंदी स बचू

2. प्रभुक चेतावनी पर ध्यान दियौक

1. यिर्मयाह 44:17-18 - मुदा हम सभ जे किछु करबाक प्रण केने छी से करब, स्वर्गक रानी केँ चढ़ा देब आ ओकरा पेयबलि उझलि देब, जेना हम सभ आ अपन पूर्वज, अपन राजा आ अपन अधिकारी दुनू केँ केलहुँ, यहूदाक शहर आ यरूशलेमक गली-गली मे। किएक तँ हमरा सभ लग बहुत रास भोजन छल, आ समृद्धि भेल, आ कोनो विपत्ति नहि देखलहुँ। मुदा जहियासँ हम सभ स्वर्ग रानीकेँ प्रसाद देब आ हुनका पेय प्रसाद उझलब छोड़ि देलहुँ, तहियासँ हमरा सभकेँ सभ किछुक अभाव अछि आ तलवार आ अकालसँ भस्म भ’ गेल छी।

2. नीतिवचन 1:20-33 - बुद्धि गली मे जोर सँ आवाज दैत अछि, बाजार मे आवाज उठबैत अछि; शोरगुल भरल सड़कक माथ पर ओ चिचियाइत छथि; शहरक फाटकक प्रवेश द्वार पर ओ बजैत छथि: हे

साधारण लोक, अहाँ सभ केँ कतेक दिन धरि साधारण रहब नीक लागत? कतेक दिन धरि उपहास करयवला अपन उपहास मे आनन्दित रहत आ मूर्ख ज्ञान सँ घृणा करत? जँ अहाँ सभ हमर डाँट पर घुरब तँ देखू, हम अहाँ सभ लग अपन आत् मा उझलि देब। हम अपन बात अहाँ केँ बता देब। हम बजौने छी आ अहाँ सुनबा सँ मना क' देलहुँ, हमर हाथ पसारि देलहुँ आ कियो ध्यान नहि देलक, कारण अहाँ हमर सभ सलाह केँ अनसुना केलहुँ आ हमर कोनो डाँट नहि चाहैत छी, हमहूँ अहाँक विपत्ति पर हँसब। हम मजाक करब जखन आतंक अहाँ पर आबि जायत, जखन आतंक अहाँ पर आंधी जकाँ आतय आ अहाँक विपत्ति बवंडर जकाँ आबि जायत, जखन अहाँ पर संकट आ पीड़ा आबि जायत। तखन ओ सभ हमरा पुकारत, मुदा हम कोनो उत्तर नहि देब। ओ सभ हमरा लगन सँ ताकत मुदा हमरा नहि भेटत।

यिर्मयाह 43:9 अपन हाथ मे पैघ-पैघ पाथर लऽ कऽ ईंटाक भट्ठा मे माटि मे नुका दियौक, जे तहपनेस मे फिरौनक घरक प्रवेश द्वार पर अछि, यहूदाक लोक सभक नजरि मे।

यिर्मयाह यहूदा के आदमी सिनी कॅ कहै छै कि तहपनेस में फिरौन के घर के प्रवेश द्वार पर ईंट के भट्ठा में माटी में बड़ऽ-बड़ऽ पाथर नुकाबै के चाही।

1. छिपल ताकत: अप्रत्याशित स्थान पर ताकत भेटब

2. परमेश् वरक प्रावधान: परमेश् वरक मार्गदर्शन आ रक्षा पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 121:2 - हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी बनौलनि।

यिर्मयाह 43:10 आ हुनका सभ केँ कहू जे, “सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अपन सेवक बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ पठा कऽ ल’ जायब आ एहि पाथर सभ पर हुनकर सिंहासन राखब जे हम नुकौने छी। ओ अपन राजमण्डप ओकरा सभ पर पसारि लेताह।

परमेश् वर बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ पठौताह जे ओ जे पाथर नुका देने छथि, तकरा अपना कब्जा मे ल' लेथि।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: परमेश् वरक योजना सदिखन कोना पूरा होइत अछि

2. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यशायाह 14:24-27 - सेना सभक परमेश् वर शपथ लऽ कऽ कहने छथि जे, “जहिना हम सोचने छी, तेना होयत। जेना हम सोचने छी, तेना ई ठाढ़ रहत जे हम अपन देश मे अश्शूर केँ तोड़ि देब आ अपन पहाड़ पर ओकरा पैर पर रौदब, तखन ओकर जुआ ओकरा सभ सँ हटि जायत आ ओकर भार ओकरा सभक कान्ह पर सँ हटि जायत।

यिर्मयाह 43:11 जखन ओ औताह तखन ओ मिस्र देश केँ मारि देताह आ जे सभ मृत्युक लेल अछि तकरा सभ केँ मारि देथिन। आ जे बंदी मे बैसबाक लेल अछि। आ जे तलवारसँ तलवारक लेल अछि।

परमेश् वर आबि मिस्र मे न्याय आनताह, जे मृत्यु, बंदी आ तलवारक हकदार छथि हुनका सभ केँ उद्धार देताह।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत आ अरोपनीय अछि

2. प्रभुक न्याय सँ नहि डेराउ

1. यशायाह 10:5-7 धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी। हुनका लोकनिक हाथ मे छड़ी हमर आक्रोश अछि। हम ओकरा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा दैत छी जे लूट-लूट लूटबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब। मुदा ओकर एहन इरादा

नहि छैक, आ ओकर हृदय सेहो एहन नहि सोचैत छैक। मुदा ओकर हृदय मे ई बात छैक जे ओ किछु नहि जाति केँ नष्ट करब, आ किछु नहि जाति केँ काटि देब।

2. मलाकी 3:2-3 मुदा ओकर आगमनक दिन के सहि सकैत अछि, आ जखन ओ प्रकट होयत तखन के ठाढ़ भ’ सकैत अछि? कारण ओ रिफाइनरक आगि जकाँ आ फुलरक साबुन जकाँ अछि। ओ चानी के शुद्ध करय वाला आ शुद्ध करय वाला के रूप में बैसताह, आ लेवी के बेटा सब के सोना-चानी के तरह शुद्ध करत आ ओ सब धर्म के रूप में प्रभु के लेल बलिदान आनत।

यिर्मयाह 43:12 हम मिस्रक देवता सभक घर मे आगि जरा देब। ओ ओकरा सभ केँ जरा कऽ बंदी बना कऽ चलि जायत। ओ ओतय सँ शान्तिपूर्वक निकलत।

परमेश् वर मिस्रक झूठ देवता सभक घर जरा कऽ ओकरा सभ केँ बंदी बना कऽ विनाश अनताह।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम - यिर्मयाह 43:12

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - यिर्मयाह 43:12

1. निष्कासन 20:3-5 (हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत)

2. भजन 115:3-8 (हुनकर मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि)

यिर्मयाह 43:13 ओ मिस्र देश मे बेतशेमेशक मूर्ति सभ केँ सेहो तोड़ि देत। मिस्रक देवता सभक घर आगि मे जरा देत।

प्रभु यिर्मयाह केँ ई घोषणा करबाक आज्ञा देलनि जे ओ मिस्र मे बेतशेमेशक मूर्ति सभ केँ तोड़ि देत आ मिस्रक देवता सभक घर सभ केँ नष्ट कऽ देत।

1. मूर्तिपूजा: परमेश् वर सँ मुँह मोड़बाक पाप - यिर्मयाह 43:13

2. प्रभुक न्याय: झूठ मूर्ति केँ तोड़ब - यिर्मयाह 43:13

1. निष्कासन 14:4 - "हम फिरौनक हृदय कठोर करब, जे ओ हुनका सभक पाछाँ चलत; आ हम फिरौन आ हुनकर समस्त सेना पर आदर करब, जाहि सँ मिस्रवासी सभ ई जानि सकथि जे हम प्रभु छी..."

2. यहोशू 24:14-15 - "तेँ आब प्रभु सँ भय करू, आ हुनकर सेवा निश्छलता आ सत्यतापूर्वक करू प्रभु।’ जँ अहाँ सभ केँ प्रभुक सेवा करब अधलाह बुझाइत अछि तँ आइ अहाँ सभ केँ चुनू जे अहाँ सभक सेवा केकर करब, चाहे अहाँ सभक पूर्वज जे देवता सभक सेवा करैत छलाह जे जलप्रलयक दोसर कात छलाह, वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे छलाह अहाँ सभ रहैत छी, मुदा हम आ हमर घरक बात, हम सभ प्रभुक सेवा करब।”

यिर्मयाह अध्याय 44 मिस्र में लोगऽ के जिद्द आरू मूर्तिपूजा पर केंद्रित छै, यिर्मयाह के चेतावनी आरू परमेश्वर के न्याय के बावजूद।

1 पैराग्राफ: यिर्मयाह के परमेश् वर के तरफऽ स॑ एगो संदेश मिलै छै कि वू यहूदी लोगऽ स॑ बात करै जे मिस्र म॑ बसलऽ छेलै (यिर्मयाह ४४:१-२)। ओ हुनका सभ केँ अपन पूर्व अवज्ञाक स्मरण कराबैत छथि आ हुनका सभ केँ अपन मूर्तिपूजक प्रथा मे आगू बढ़बाक लेल चेताबैत छथि |

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह लोक सभ केँ परमेश् वरक संदेश पहुँचबैत छथि, हुनका सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ पश्चाताप करथि आ दोसर देवताक आराधना सँ मुँह मोड़थि (यिर्मयाह 44:3-6)। ओ हुनका सभ केँ मूर्तिपूजाक कारणेँ यहूदा मे जे परिणामक सामना करय पड़लनि से मोन पाड़ैत छथि |

3 पैराग्राफ: लोक यिर्मयाह के संदेश के अस्वीकार करैत अछि आ सुनय या पश्चाताप करय स मना क दैत अछि (यिर्मयाह 44:7-10)। ओ सभ अपन मूर्तिपूजा जारी रखबाक जिद्द करैत छथि, ई दावा करैत छथि जे हुनका सभ पर विपत्ति एहि लेल आयल जे ओ सभ स्वर्गक रानी केँ बलिदान करब छोड़ि देलनि |

4 पैराग्राफ: परमेश्वर यिर्मयाह के माध्यम स जवाब दैत छथि, लोक के लगातार मूर्तिपूजा पर अपन क्रोध व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 44:11-14)। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभ पर विपत्ति अनताह, ई सुनिश्चित करैत जे हुनकर न्याय सँ कियो नहि बचि सकैत अछि |

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह के चेतावनी पर ध्यान देबय वाला छोट अवशेष के बावजूद, अधिकांश यहूदी अवहेलना करैत रहैत छथि (यिर्मयाह 44:15-19)। ओ सभ बलि चढ़बैत रहबाक प्रण करैत छथि आ विदेशी देवता सभक आराधना करैत रहबाक प्रण करैत छथि, जाहि सँ यहोवा दिस घुरि जेबाक कोनो संभावना केँ अस्वीकार कयल गेल अछि।

6 म पैराग्राफ: एकरऽ जवाब म॑ यिर्मयाह मूर्तिपूजा म॑ अडिग रहै वाला सिनी प॑ परमेश्वर केरऽ आसन्न न्याय के दोबारा पुष्टि करै छै (यिर्मयाह ४४:२०-३०)। ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे नबूकदनेस्सर मिस्र पर विजय प्राप्त करबाक संग-संग ओहि यहूदी सभ केँ सजा देत जे ओतय शरण लेने छल। किछुए गोटे अवशेष बनि बचत।

संक्षेप में यिर्मयाह के चौवालीस अध्याय में परमेश्वर आरू यिर्मयाह दोनों के चेतावनी के बावजूद लोगऽ के जिद्द आरू मूर्तिपूजा के निरंतरता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह के निर्देश दै छै कि मिस्र में यहूदी बस्ती बसै वाला सिनी कॅ एगो संदेश पहुँचै। ओ हुनका सभसँ अपन मूर्तिपूजासँ पश्चाताप करबाक आग्रह करैत छथि, पूर्व परिणामक स्मरण कराबैत छथि, तथापि लोक हुनकर संदेशकेँ अस्वीकार करैत छथि, अपन मूर्तिपूजाक प्रथा जारी रखबाक जिद्द करैत छथि | स्वर्ग के रानी के पूजा नै करला पर आपदा के श्रेय दै छै, भगवान ओकरऽ अवहेलना पर क्रोध व्यक्त करै छै, ओकरा पर आसन्न विपत्ति के घोषणा करै छै । एकटा छोट अवशेष सुनैत अछि, मुदा अधिकांश अवहेलना करैत रहैत अछि, यिर्मयाह मूर्तिपूजा मे अडिग रहनिहार पर परमेश् वरक निर्णय केँ दोहरबैत छथि। ओ भविष्यवाणी करैत छथि जे नबूकदनेस्सर मिस्र पर विजय प्राप्त करत आ ओहि यहूदी सभ केँ सजा देत जे ओतय शरण लेने छल। केवल किछुए गोटे अवशेषक रूप मे जीवित रहताह, कुल मिला कए, ई संक्षेप मे, अध्याय मे लगातार आज्ञा नहि करबाक परिणाम पर जोर देल गेल अछि, जाहि मे एहि बात पर जोर देल गेल अछि जे झूठ देवताक प्रति अडिग भक्ति कतेक मात्र विनाश दिस ल' जाइत अछि |

यिर्मयाह 44:1 मिस्र देश मे रहनिहार सभ यहूदी सभक विषय मे यिर्मयाह केँ ई वचन आयल जे मिग्दोल, तहपनेस, नोफ आ पथ्रोस मे रहैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ मिस्र देश मे रहनिहार सभ यहूदी सभक विषय मे संदेश देलथिन जे मिग्दोल, तहपानेस, नोफ आ पथ्रोस मे रहैत छल।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: यिर्मयाह 44:1 क उदाहरण

2. परमेश् वर के प्रति वफादारी के महत्व: यिर्मयाह 44:1 के अध्ययन

1. यशायाह 49:15-16 की स्त्री अपन दूध पियाबैत बच्चा केँ बिसरि सकैत अछि जे ओकरा अपन गर्भक बेटा पर कोनो दया नहि हो? ईहो बिसरि सकैत अछि, तैयो हम अहाँकेँ नहि बिसरब। देखू, हम अहाँ केँ अपन हाथक हथेली पर उकेरने छी। अहाँक देबाल हमरा सोझाँ मे निरंतर अछि।

2. मत्ती 28:20 हुनका सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि। आ, देखू, हम अहाँ सभक संग सदिखन छी, संसारक अन् त धरि।” आमीन।

यिर्मयाह 44:2 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ देखलहुँ जे हम यरूशलेम आ यहूदाक सभ नगर सभ पर जे कोनो दुष् टता अनलहुँ अछि। देखू, आइ ओ सभ उजाड़ अछि, आ ओहि मे केओ नहि रहैत अछि।

परमेश् वर यरूशलेम आ यहूदाक अन्य नगर सभ पर विनाश अनने छथि, जाहि सँ ओ सभ उजाड़ आ बिना निवासीक रहि गेल छथि।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया: दुखक समय मे परमेश् वरक कर्म केँ बुझब

2. पुनर्स्थापन आ आशा: प्रतिकूलताक बादो परमेश्वरक प्रतिज्ञा मे आराम भेटब

1. विलाप 2:22 प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; महान अछि अहाँक निष्ठा।

2. भजन 30:5 किएक तँ हुनकर क्रोध मात्र क्षण भरि लेल अछि, आ हुनकर अनुग्रह जीवन भरि लेल अछि। कानब राति भरि रुकि सकैत अछि, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत अछि।

यिर्मयाह 44:3 अपन दुष्टताक कारणेँ जे ओ सभ हमरा क्रोधित करबाक लेल कयलनि अछि, जे ओ सभ धूप जरेबाक आ आन देवता सभक सेवा करबाक लेल गेल छल, जिनका ओ सभ नहि चिन्हैत छल, ने ओ सभ, आ ने अहाँ सभ, आ ने अहाँ सभक पूर्वज।

यहूदाक लोक सभ अपन दुष्टताक कारणेँ परमेश् वर केँ क्रोधित कयलक, आन देवता सभक लेल धूप जरा कऽ आ ओकर सेवा कयलक, जकरा ओ सभ नहि जनैत छल।

1: भगवान् के प्रति निष्ठा के जीवन जीना।

2: सच्चा भगवान् के जानय के महत्व।

1: व्यवस्था 6:4-5 - हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर प्रभु, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।

2: याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

यिर्मयाह 44:4 मुदा हम अपन सभ सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अहाँ सभ लग पठौलहुँ जे भोरे उठि कऽ हुनका सभ केँ पठा देलियैक जे, “हे, ई घृणित काज नहि करू, जकरा सँ हम घृणा करैत छी।”

परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभ केँ इस्राएली सभ केँ चेताबय लेल पठौलनि जे घृणित व्यवहार मे नहि लागय।

1. आज्ञाकारिता चुनू आ आज्ञा नहि मानू - यिर्मयाह 44:4

2. परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान दियौक - यिर्मयाह 44:4

1. व्यवस्था 30:19-20 - "हम आइ आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ अहाँ आ अहाँक जीवन केँ चुनू जाहि सँ अहाँ जीब वंशज, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू, हुनकर आवाज केँ मानब आ हुनका पकड़ि कऽ, किएक तँ ई अहाँक जीवन आ अहाँक दिनक लंबाई अछि"।

2. नीतिवचन 6:16-19 - "छह एहन बात अछि जकरा प्रभु घृणा करैत छथि, हँ, सातटा जे हुनका घृणित अछि: घमंडी आँखि, झूठ बाजनिहार जीह, आ निर्दोष खून बहाबय बला हाथ, दुष्ट योजना बनेनिहार हृदय। पैर जे तेजी सॅं बुराई दिस दौड़ैत अछि, झूठ बाजनिहार झूठ गवाह, आ भाइ-बहिन मे कलह पसारय बला।"

यिर्मयाह 44:5 मुदा ओ सभ नहि सुनलनि आ ने अपन दुष्टता सँ मुँह घुमाब’ लेल कान झुकौलनि आ दोसर देवता सभक लेल कोनो धूप नहि जरेबाक लेल।

यहूदा के लोग यिर्मयाह के चेतावनी सुनै सें मना करी देलकै आरो दोसरो देवता सिनी कॅ धूप चढ़ाबैत रहलै।

1. आज्ञा नहि मानबाक शक्ति: परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबा सँ मना करब

2. मूर्तिपूजाक खतरा: भगवानसँ मुँह मोड़ब

1. व्यवस्था 30:19-20 - "हम आइ आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ श्राप राखि देलहुँ। तेँ जीवन केँ चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान प्रभु सँ प्रेम करैत जीवित रहब।" तोहर परमेश् वर, ओकर आवाज मानू आ ओकरा पकड़ि लिअ, किएक तँ ओ अहाँक जीवन आ दिनक लंबाई छथि।”

1173

2. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकब। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

यिर्मयाह 44:6 एहि लेल हमर क्रोध आ क्रोध यहूदाक नगर सभ आ यरूशलेमक गली-गली मे प्रज्वलित भ’ गेल। आ आइ जकाँ ओ सभ उजाड़ आ उजाड़ भ’ गेल अछि।

परमेश् वरक क्रोध आ क्रोध यहूदा आ यरूशलेम शहर पर उझलि गेल, जकर परिणाम छल जे ओकर विनाश भेल।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम यिर्मयाह 44:6

2. पापक लेल परमेश् वरक दंड यिर्मयाह 44:6

1. व्यवस्था 28:15-68 आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे परमेश् वरक चेतावनी

2. इजकिएल 18:4 परमेश् वर ओहि आत्मा केँ दंड देताह जे पाप करैत अछि, अपन अधर्मक लेल।

यिर्मयाह 44:7 तेँ आब परमेश् वर, सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि। तेँ अहाँ सभ अपन प्राणक विरुद्ध ई पैघ दुष् ट करब जे यहूदा मे सँ स्त्री-पुरुष, बच्चा आ दूध पिलाबला केँ काटि कऽ अहाँ सभ सँ कियो नहि रहय।

इस्राएलक परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ सभ पुरुष, स् त्री, बच्चा आ शिशु सभ केँ काटि कऽ अपन आत् माक विरुद्ध बहुत पैघ दुष् ट कयलनि।

1. सच्चा त्याग: अपन प्रेम आ रक्षा करब सीखब

2. भगवान् के करुणा: बुराई के परिणाम के समझना

1. मत्ती 18:5-6 "जे केओ हमर नाम सँ एहन बच्चा केँ ग्रहण करैत अछि, से हमरा ग्रहण करैत अछि, मुदा जे हमरा पर विश् वास करयवला एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एकटा पाप करैत अछि, ओकरा लेल नीक होयत जे ओकर गरदनि मे एकटा पैघ चक्कीक पाथर बान्हि देल जाय।" आ समुद्रक गहींर मे डूबि जायब।"

2. भजन 127:3 "देखू, संतान प्रभुक धरोहर अछि, गर्भक फल इनाम अछि।"

यिर्मयाह 44:8 अहाँ सभ अपन हाथक काज सँ हमरा क्रोधित करैत छी, मिस्र देश मे, जतय अहाँ सभ रहय गेल छी, आन देवता सभक लेल धूप जराबैत छी, जाहि सँ अहाँ सभ अपना केँ काटि सकब आ अभिशाप बनि जायब आ पृथ् वीक सभ जाति मे अपमान?

यहूदा के लोग मिस्र में आरो देवता सिनी के धूप जलाबै के द्वारा परमेश् वर के क्रोधित करी देलकै, जहां वू लोग रहै लेली चल्लऽ गेलऽ छै, जेकरा सें खुद पर अभिशाप आरो निंदा पैदा होय गेलऽ छै।

1. पापक परिणाम: यहूदाक उदाहरण सँ सीखब

2. पश्चाताप के शक्ति: परमेश् वर के मार्ग पर वापस आना

1. व्यवस्था 28:15-68 - गारि के चेतावनी जे आओत जँ लोक परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करत

2. यशायाह 1:16-20 - पश्चाताप करबाक लेल एकटा आह्वान आओर लोक सभ केँ शुद्ध करबाक प्रतिज्ञा जँ ओ सभ परमेश् वर दिस घुरि जायत

यिर्मयाह 44:9 की अहाँ सभ अपन पूर्वज सभक दुष्टता, यहूदाक राजा सभक दुष्टता, हुनकर स् त्री सभक दुष्टता, आ अपन दुष्टता आ अपन पत्नी सभक दुष्टता केँ बिसरि गेल छी जे ओ सभ यहूदाक देश मे केने छथि, आ यरूशलेमक गली-गली मे?
1174

[illegible] [illegible] [illegible] [

2) व्यवस्था 28:15-68

यिर्मयाह 44:13 हम मिस्र देश मे रहनिहार सभ केँ ओहिना दंडित करब जेना हम यरूशलेम केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ सजा देब।

परमेश् वर मिस्रक लोक सभ केँ ओहिना सजा देथिन जेना ओ यरूशलेम केँ युद्ध, अकाल आ रोगक दंडित कयलनि।

1. ईश्वरीय पश्चाताप के आवश्यकता

2. अधर्मक परिणाम

1. योएल 2:12-14 - तेँ आब, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानब आ शोक सँ हमरा दिस घुमि जाउ।

13 अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ि कऽ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस मुड़ू, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि आ हुनका पर अधलाह काज पर पश्चाताप करैत छथि।

14 के जनैत अछि जे ओ घुरि कऽ पश्चाताप कऽ कऽ आशीष छोड़ि देत। अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक लेल अन्नबलि आ पेयबलि?

2. इजकिएल 14:13-14 - मनुष्यक पुत्र, जखन देश हमरा विरुद्ध बहुत अपराध क’ क’ पाप करत, तखन हम ओकरा पर अपन हाथ पसारि देब आ ओकर रोटीक लाठी तोड़ब आ ओकरा पर अकाल पठा देब। ओहि मे सँ मनुष्य-पशु केँ काटि देत।

14 जँ ई तीनू आदमी, नूह, दानियल आ अय्यूब एहि मे रहितथि, मुदा ओ सभ अपन धार्मिकताक कारणेँ अपन प्राण केँ उद्धार पाबि लेताह।”

यिर्मयाह 44:14 जाहि सँ यहूदाक शेष जे मिस्र देश मे प्रवास करबाक लेल गेल अछि, ओहि मे सँ कियो नहि बचत आ नहि रहि जायत, जाहि सँ ओ यहूदा देश मे वापस आबि जाय, जतय ओकरा सभ केँ घुरबाक इच्छा अछि ओतहि रहू, किएक तँ कियो घुरि कऽ नहि आओत जे बचत।”

यहूदा के शेष जे मिस्र गेलऽ छेलै, वू यहूदा वापस नै आबी सकै छै, खाली वू लोग वापस आबी सकै छै जे बचै छै।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् दिस मुड़ब

2. प्रतिकूलताक उत्पीड़नसँ बचब

1. भजन 34:17-18 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

2. इब्रानी 11:13-16 - "ई सभ विश् वास मे मरि गेलाह, जे प्रतिज्ञा कयल गेल बात सभ नहि ग्रहण कयलनि, बल् कि ओकरा सभ केँ देखि दूर सँ अभिवादन कयलनि, आ ई स्वीकार कयलनि जे ओ सभ पृथ् वी पर परदेशी आ निर्वासित छथि। बजनिहार लोक सभक लेल।" एहि तरहें ई स्पष्ट क' दैत छथि जे ओ सभ मातृभूमिक खोज मे छथि, जँ ओ सभ ओहि भूमिक बारे मे सोचैत रहितथि जाहि सँ ओ सभ बाहर निकलल रहितथि त' हुनका सभ केँ घुरबाक मौका भेटितनि।मुदा जेना अछि, ओ सभ नीक देशक इच्छा करैत छथि, अर्थात स्वर्गीय एक. तेँ परमेश् वर हुनका सभक परमेश् वर कहबा मे लाज नहि करैत छथि, किएक तँ ओ हुनका सभक लेल एकटा नगर तैयार कएने छथि।”

यिर्मयाह 44:15 तखन सभ पुरुष जे जनैत छल जे हुनकर पत्नी सभ आन देवता सभक लेल धूप जराबैत छलीह, आओर ओहि मे ठाढ़ सभ महिला सभ, बहुत रास भीड़, मिस्र देश मे पथ्रोस मे रहनिहार सभ लोक, यिर्मयाह केँ उत्तर देलथिन। कहैत,

मिस्र के पथ्रोस में परमेश् वर के लोग यिर्मयाह के चेतावनी के बावजूद भी झूठा देवता के आराधना करी रहलऽ छेलै।

1: परमेश् वरक लोक सभ केँ झूठ देवता सभ सँ मुँह घुमा कऽ एक सत् य परमेश् वरक आराधना मे घुरि कऽ आबय।

2: हमरा सभकेँ भगवानक प्रति वफादार रहबाक चाही चाहे परिस्थिति कतबो कठिन किएक नहि हो।

1: व्यवस्था 6:4-9 - हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर एकहि प्रभु छथि।

2: यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी छल, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम परमेश् वर हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जे प्रत् येक मनुष् यक अपन-अपन तरीका आ अपन काजक फलक अनुसार दऽ सकैत छी।

यिर्मयाह 44:16 जँ अहाँ हमरा सभ सँ प्रभुक नाम सँ जे वचन कहलहुँ, से हम सभ अहाँक बात नहि सुनब।

यिर्मयाहक वचन सुनबा सँ लोक सभ मना कऽ देलक, जे ओ परमेश् वरक नाम सँ बजलाह।

1. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन मे रहब

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. नीतिवचन 14:12: "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. यशायाह 1:19: "जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।"

यिर्मयाह 44:17 मुदा हम सभ अपन मुँह सँ जे किछु निकलत से करब, स् वर्गक रानी केँ धूप जरेबाक लेल आ ओकरा लेल पेय बलि उझारबाक लेल, जेना हम सभ आ अपन पूर्वज, अपन राजा सभ केलहुँ, आ हमरा सभक राजकुमार सभ, यहूदाक नगर सभ आ यरूशलेमक गली-गली मे, किएक तँ हमरा सभ लग बहुत रास भोजन छल, आ हम सभ ठीक छलहुँ आ कोनो अधलाह नहि देखलहुँ।

हम सभ परमेश् वरक आज्ञाक विपरीत स् वर्गक रानीक आराधना करब चुनलहुँ आ एहि सँ हमरा सभ केँ कोनो लाभ नहि भेल।

1: यिर्मयाह 44:17 हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम सिखाबैत अछि - एहि सँ हमरा सभ केँ कोनो लाभ नहि भेटैत अछि।

2: यद्यपि हम सोचि सकैत छी जे परमेश्वरक आज्ञाक अवहेलना करब हमरा सभ केँ लाभ पहुँचा सकैत अछि, मुदा यिर्मयाह 44:17 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे अंततः एहन नहि होइत अछि।

1: व्यवस्था 6:16-17 - दोसर देवताक पूजा करबाक आ हुनकर रीति-रिवाजक पालन करबाक प्रलोभन मे नहि पड़ू।

2: निष्कासन 20:3-5 - प्रभुक समक्ष कोनो आन देवता नहि राखू आ कोनो मूर्ति नहि बनाउ।

यिर्मयाह 44:18 मुदा जहिया सँ हम सभ स्वर्गक रानी केँ धूप जरेब आ ओकरा लेल पेयबलि उड़ाबब छोड़ि देलहुँ, तहिया सँ हमरा सभ केँ सभ किछुक अभाव भ’ गेल अछि, आ तलवार आ अकाल मे हम सभ समाप्त भ’ गेलहुँ।

यहूदा के लोग स्वर्ग के रानी के पूजा करना बंद करी देलकै आरू एकरऽ बदला में अकाल आरो युद्ध के कारण जीवित रहै लेली संघर्ष करी रहलऽ छेलै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: दोसर देवताक पूजा कयला सँ विनाश किएक होइत छैक |

2. आराधना के शक्ति: भगवान् के पास वापसी से आशा कोना आबै छै

1177

1. व्यवस्था 6:13-15 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक भय करू आ हुनकर सेवा करू आ हुनकर नामक शपथ खाउ। अहाँ सभ आन देवता सभक पाछाँ नहि जाउ, जे लोक सभक देवता अछि जे अहाँक चारूकात अछि, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक पाछाँ।" बीच मे ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि जे अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक क्रोध अहाँ सभ पर नहि भड़कि जाय आ ओ अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सँ नष्ट नहि कऽ देथिन।

2. भजन 81:13 - हे, जँ हमर लोक हमर बात सुनितथि, जँ इस्राएल हमर बाट पर चलितथि!

यिर्मयाह 44:19 जखन हम सभ स्वर्गक रानी केँ धूप जराबैत छलहुँ आ ओकरा पेयबलि ढारि देलियनि, तखन की हम सभ ओकर पूजा करबाक लेल पिट बनौने रही आ ओकरा लेल पेयबलि उझलि देलहुँ, बिना अपन आदमीक?

यहूदा के लोग पूछै छै कि की आपने सिनी के आदमी सिनी के बिना धूप जलाबै आरो पेयबलि उड़ाबै के काम करी कॅ स्वर्ग के रानी के पूजा करलोॅ छेलै।

1. मिथ्या पूजाक खतरा

2. सामूहिक पूजा के शक्ति

1. निर्गमन 20:3-4 "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि होयत। अहाँ अहाँक लेल कोनो उकेरल मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ मे पृथ् वी मे अछि धरतीक नीचाँक पानि मे अछि"।

2. रोमियो 12:1-2 "एहि लेल, भाइ लोकनि, परमेश् वरक दयाक द्वारा हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि। आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू।" : मुदा अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

यिर्मयाह 44:20 तखन यिर्मयाह समस्त लोक सभ केँ कहलथिन, पुरुष आ स्त्रीगण सभ आ ओहि सभ लोक सभ केँ जे हुनका ई उत्तर देलकनि।

प्रभु घोषणा कएने छथि जे जे यहूदा मे रहत, हुनका सभ केँ बहुत विपत्ति होयतनि।

1: हमरा सभकेँ प्रभु पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभक रक्षा करथि बहुत विपत्तिक समय।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक एकटा विश्वासी सेवकक रूप मे जीवनक संग आबय बला परीक्षा आ क्लेशक लेल अपना केँ तैयार करबाक चाही।

1: भजन 27:1-3 प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि। हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब? जखन दुष्ट सभ हमरा पर हमला करैत अछि जे हमर मांस, हमर विरोधी आ शत्रु सभ, तखन ओ सभ ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि। जँ सेना हमरा विरुद्ध डेरा खसा लेत, मुदा हमर मोन नहि डरत। यद्यपि हमरा विरुद्ध युद्ध उठत, मुदा हम आश्वस्त रहब।

2: यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यिर्मयाह 44:21 जे धूप अहाँ सभ यहूदाक नगर सभ मे आ यरूशलेमक गली-गली मे जरबैत छलहुँ, अहाँ सभ, अहाँ सभक पूर्वज, अहाँक राजा सभ, आ अहाँ सभक राजकुमार सभ आ देशक लोक सभ, की परमेश् वर हुनका सभ केँ मोन नहि रखलनि आ ओकरा मोन मे नहि आयल?

यहूदा आ यरूशलेम मे जे धूप जराओल गेल छल, आ ओहि सभ लोक सभ केँ परमेश् वर मोन पाड़ैत छथि आ जनैत छथि।

1. प्रभु सब स्मरण करैत छथि - छोट-छोट बलिदान सेहो

2. हम प्रभु के स्मृति पर भरोसा क सकैत छी - ओ कहियो नहि बिसरैत छथि

1. भजन 103:14, "किएक तँ ओ हमरा सभक फ्रेम केँ जनैत अछि; ओ मोन पाड़ैत अछि जे हम सभ धूरा छी।"

2. इब्रानी 11:1, "आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।"

यिर्मयाह 44:22 अहाँ सभक काजक अधलाह आ अहाँ सभक द्वारा कयल गेल घृणित काज सभक कारणेँ, परमेश् वर आब सहन नहि कऽ सकलाह। तेँ अहाँक देश उजाड़ आ विस्मय आ अभिशाप अछि, जाहि मे कोनो निवासी नहि अछि, जेना आइ अछि।

परमेश् वरक क्रोध आ न्याय यहूदाक लोक सभ पर ओकर दुष्टता आ घृणित काजक कारणेँ आबि गेल अछि, जाहि सँ ओकर देश उजाड़ भ’ गेल अछि।

1. पापक परिणाम: परमेश् वरक क्रोध किएक उचित अछि

2. पश्चाताप: दुष्टता स कोना मुँह घुमा क भगवान स दया मांगल जाए

1. यशायाह 59:1-2 - "देखू, परमेश् वरक हाथ छोट नहि भेल अछि जे ओ उद्धार नहि दऽ सकैत अछि, आ ने ओकर कान भारी अछि जे ओ नहि सुनि सकैत अछि ओकर मुँह तोरा दिस सँ, जे ओ नहि सुनत।”

2. नीतिवचन 11:21 - "हाथ जँ हाथ जोड़ि लेत, मुदा दुष्ट केँ दंड नहि भेटतैक, मुदा धर्मी लोकक वंश उद्धार होयत।"

यिर्मयाह 44:23 किएक तँ अहाँ सभ धूप जरा देलहुँ आ परमेश् वरक विरुद्ध पाप केलहुँ आ परमेश् वरक बात नहि मानलहुँ आ ने हुनकर व्यवस्था, हुनकर नियम आ हुनकर गवाही मे नहि चललहुँ। तेँ ई अधलाह अहाँ सभक संग आइ जेकाँ भेल अछि।

लोक धूप जराबैत छल आ प्रभुक आवाज, व्यवस्था, विधान आ गवाही नहि मानैत छल जकर परिणाम छलनि जे हुनका सभ पर बुराई आबि जाइत छलनि।

1. प्रभु के आवाज के पालन करब: निष्ठा के फल काटब

2. अवज्ञा के परिणाम: पाप के परिणाम के समझना

1. यूहन्ना 14:15-17 जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब। हम पिता सँ माँगब, आ ओ अहाँ सभ केँ एकटा आओर सहायक देथिन, जे अहाँ सभक संग सदाक लेल रहत, सत् य आत् मा, जकरा संसार नहि पाबि सकैत अछि, किएक तँ ओ ओकरा नहि देखैत अछि आ ने ओकरा चिन्हैत अछि। अहाँ ओकरा चिन्हैत छी, कारण ओ अहाँ सभक संग रहैत अछि आ अहाँ मे रहत।

2. नीतिवचन 1:23-27 जँ अहाँ हमर डाँट पर घुरब तँ देखू, हम अहाँ सभ लग अपन आत् मा उझलि देब। हम अपन बात अहाँ केँ बता देब। हम बजौने छी आ अहाँ सुनबा सँ मना क' देलहुँ, हमर हाथ पसारि देलहुँ आ कियो ध्यान नहि देलक, कारण अहाँ हमर सभ सलाह केँ अनसुना केलहुँ आ हमर कोनो डाँट नहि चाहैत छी, हमहूँ अहाँक विपत्ति पर हँसब। हम मजाक करब जखन आतंक अहाँ पर आबि जायत, जखन आतंक अहाँ पर आंधी जकाँ आतय आ अहाँक विपत्ति बवंडर जकाँ आबि जायत, जखन अहाँ पर संकट आ पीड़ा आबि जायत।

यिर्मयाह 44:24 यिर्मयाह सभ लोक आ सभ स्त्रीगण केँ कहलथिन, “मिस्र देश मे रहनिहार समस्त यहूदा, प्रभुक वचन सुनू।

यिर्मयाह मिस्र मे यहूदाक सभ लोक आ स् त्रीगण सँ प्रभुक वचन सुनबाक लेल बात कयलनि।

1. जीवन मे मार्गदर्शन लेल परमेश्वरक वचन शक्तिशाली आ आवश्यक अछि।

2. परमेश् वरक वचन सुनला सँ हुनका लग आबि जाइत छी।

1. भजन 119:105 अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि, हमर बाट पर इजोत अछि।

2. याकूब 1:22-23 खाली वचन नहि सुनू, आ एहि तरहेँ अपना केँ धोखा करू। जे कहैत अछि से करू।

यिर्मयाह 44:25 सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि। अहाँ आ अहाँ सभक पत्नी दुनू गोटे मुँह सँ बाजि रहल छी आ हाथ सँ पूरा कऽ रहल छी जे, “हम सभ अपन व्रत केँ पूरा करब जे हम सभ स् वर्गक रानी केँ धूप जरा देब आ ओकरा पेयबलि उझलि देब।” अवश्य अपन व्रत पूरा करू, आ अवश्य अपन व्रत पूरा करू।

सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, स् वर्गक रानी केँ धूप जरेबाक आ ओकरा पेयबलि देबाक प्रण लेल लोक सभ केँ डाँटि देलनि।

1. झूठ मूर्तिक प्रति व्रत करबाक खतरा

2. भगवानक आज्ञा तोड़बाक यथार्थ

1. व्यवस्था 5:7-9 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. यशायाह 42:8 - हम प्रभु छी; से हमर नाम अछि; हमर महिमा हम दोसर केँ नहि दैत छी।

यिर्मयाह 44:26 तेँ मिस्र देश मे रहनिहार समस्त यहूदा, प्रभुक वचन सुनू। देखू, हम अपन पैघ नामक शपथ खा लेने छी जे, आब पूरा मिस्र देश मे यहूदाक कोनो लोकक मुँह मे हमर नाम नहि राखल जायत जे, “परमेश् वर परमेश् वर जीवित छथि।”

प्रभु शपथ लेने छथि जे आब हुनकर नाम मिस्र मे रहनिहार यहूदाक कोनो लोक नहि बाजत।

1. भगवान् के नाम के महत्व को समझना

2. स्मरण करबाक लेल एकटा आह्वान: यिर्मयाह 44:26 पर चिंतन

1. निष्कासन 3:14-15 - तखन परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, “हम जे छी से छी।”

2. भजन 83:18 - जाहि सँ लोक ई जानि सकय जे अहाँ, जिनकर नाम मात्र यहोवा अछि, समस्त पृथ्वी पर सर्वोच्च छी।

यिर्मयाह 44:27 देखू, हम हुनका सभक नजरि अधलाहक लेल राखब, भलाईक लेल नहि.

परमेश् वर मिस्र मे यहूदाक लोक सभ केँ नीक नहि, अधलाहक लेल देखताह आ जाबत तक ओकर अंत नहि भऽ जायत ता धरि ओ सभ तलवार आ अकाल मे नष्ट भऽ जायत।

1. भगवान् हमर सभक काजक अंतिम न्यायाधीश छथि आ ई सुनिश्चित करताह जे न्याय हो।

2. हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे सदिखन सतर्क रहबाक चाही, परमेश् वरक अंतिम निर्णय पर भरोसा करबाक चाही।

1. यशायाह 45:7 "हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी: हम शांति बनाबैत छी आ बुराई के सृजन करैत छी: हम प्रभु ई सब काज करैत छी।"

2. उपदेशक 12:14 "किएक तँ परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।"

यिर्मयाह 44:28 तइयो तलवार सँ बचय बला किछु लोक मिस्र देश सँ यहूदा देश मे वापस आबि जायत आ यहूदाक सभ शेष जे मिस्र देश मे ओतय प्रवास करबाक लेल गेल अछि, से बुझत जे केकर बात होयत ठाढ़, हमर, वा हुनका लोकनिक।

थोड़ऽ संख्या में लोग तलवार सें बची क॑ मिस्र देश सें यहूदा के देश में वापस आबी जैतै आरू बाकी यहूदा जे मिस्र गेलऽ छै, ओकरा पता चलतै कि केकरऽ वचन खड़ा होतै, परमेश् वर के या ओकरऽ अपनऽ।

1. परमेश् वरक वचन सदिखन ठाढ़ रहत - यिर्मयाह 44:28

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करू आ हुनका पर भरोसा करू - यिर्मयाह 44:28

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. मत्ती 7:24-27 - तेँ जे कियो हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा व्यवहार मे उतारैत अछि, ओ ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ अछि जे चट्टान पर अपन घर बनौने अछि।

यिर्मयाह 44:29 प्रभु कहैत छथि जे हम अहाँ सभ केँ एहि ठाम दंड देब, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे हमर वचन अहाँ सभक विरुद्ध अधलाहक लेल ठाढ़ होयत।

प्रभु घोषणा करै छै कि दंड के निशानी देलऽ जैतै ताकि ई देखाबै के कोशिश करलऽ जाय कि परमेश् वर के वचन सचमुच बुराई के लेलऽ ओकरा सिनी के खिलाफ खड़ा होतै।

1. दण्डक यथार्थ: भगवानक न्याय केँ चिन्हब सीखब

2. परमेश् वरक वचनक निश्चय: हुनकर प्रतिज्ञा मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

१०. आ खाएबला केँ रोटी, हमर मुँह सँ निकलल हमर वचन तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे नीक लागय से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, से पूरा करत।”

2. नीतिवचन 19:21 - "मनुष्यक मन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।"

यिर्मयाह 44:30 प्रभु ई कहैत छथि। देखू, हम मिस्रक राजा फिरौन-होफ्रा केँ ओकर शत्रु सभक हाथ मे दऽ देब आ ओकर जान चाहनिहार सभक हाथ मे। जेना हम यहूदाक राजा सिदकिय्याह केँ बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ मे दऽ देलियनि, जे हुनकर शत्रु छलनि आ ओ हुनकर जान तकैत छलाह।

परमेश् वर मिस्रक राजा फिरौनहोफ्रा केँ ओहिना सजा देथिन जेना ओ यहूदाक राजा सिदकिय्याह केँ बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर केँ सौंपि देलनि।

1. भगवान् के न्याय सिद्ध आ अचूक अछि

2. भगवानक दंड उचित आ न्यायसंगत अछि

1. व्यवस्था 32:4 - "ओ चट्टान अछि, ओकर काज सिद्ध अछि, किएक तँ ओकर सभ बाट न्याय अछि, ओ सत्य आ अधर्मक परमेश् वर छथि, ओ धर्मी आ धार्मिक छथि"।

2. यशायाह 30:18 - "एहि लेल परमेश् वर प्रतीक्षा करताह जे ओ अहाँ सभ पर कृपा करथि आ तेँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि"।

यिर्मयाह अध्याय ४५ एकटा छोट अध्याय अछि जे यिर्मयाहक शास्त्री बरुक आ हुनकर व्यक्तिगत विलाप पर केंद्रित अछि।

पहिल पैराग्राफ: एहि अध्यायक घटना यहोयाकीमक शासनक चारिम वर्षक दौरान घटित होइत अछि (यिर्मयाह 45:1)। नेरिया आरू यिर्मयाह के शास्त्री के बेटा बरूक यिर्मयाह के माध्यम सें परमेश् वर के तरफ सें संदेश पाबै छै।

1181

2 पैराग्राफ: संदेश मे परमेश् वर बरुक सँ बात करैत छथि आ हुनका कहैत छथि जे हुनका अपना लेल पैघ बात नहि ताकबाक चाही (यिर्मयाह 45:2-5)। बल्कि ओकरा परेशानी वाला समय के बीच कठिनाई आ चुनौती के सामना करय के उम्मीद करबाक चाही.

संक्षेप में यिर्मयाह के पैंतालीस अध्याय में यिर्मयाह के शास्त्री बरुक के पास परमेश् वर के तरफ सें एगो व्यक्तिगत संदेश पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । यहोयाकीम के चारिम साल के दौरान बरूक परमेश् वर के तरफ सें एगो संदेश मिलै छै। भगवान ओकरा सलाह दै छै कि वू खुद लेली महानता के खोज नै करै बल्कि परेशान समय में कठिनाई के पूर्वानुमान लगाबै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप में, अध्याय यिर्मयाह के बड़ऽ कथ्य के भीतर एक व्यक्तिगत प्रतिबिंब के रूप में काम करै छै । ई विनम्रता पर जोर दै छै आरू बरूक क॑ व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बजाय निष्ठा प॑ ध्यान केंद्रित करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

यिर्मयाह 45:1 यहूदाक राजा योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक चारिम वर्ष मे यिर्मयाह भविष्यवक्ता नेरियाक पुत्र बरुक केँ ई बात सभ यिर्मयाहक मुँह मे एकटा पुस्तक मे लिखि कऽ कहलथिन।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता नेरियाक पुत्र बरुक सँ बात करैत छथि, जे यहूदाक राजाक रूप मे योशियाहक पुत्र यहोयाकीमक शासनक चारिम वर्ष मे एकटा पुस्तक मे ई बात लिखैत छथि।

1. लिखित शब्दक शक्ति

2. परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक आज्ञापालनक महत्व

1. 2 तीमुथियुस 3:16-17 - सभ शास्त्र परमेश् वर द्वारा साँस छोड़ल गेल अछि आ धार्मिकताक शिक्षा, डाँटब, सुधारब आ प्रशिक्षित करबाक लेल उपयोगी अछि।

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

यिर्मयाह 45:2 हे बरुक, इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर, अहाँ केँ ई कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल के एगो भविष्यवक्ता बरुक सँ बात करै छै आरू ओकरा कहै छै कि ओकरा अपनऽ जीवन के परिणाम के डर नै छै।

1. भय के समय में परमेश्वर के प्रतिज्ञा के शक्ति

2. अनिश्चित समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 56:3 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

यिर्मयाह 45:3 अहाँ कहलहुँ जे आब हम धिक्कार छी! किएक तँ परमेश् वर हमर दुख मे शोक बढ़ा देलनि। हम अपन आह मे बेहोश भ गेलहुं, आ हमरा कोनो आराम नहि भेटैत अछि।

यिर्मयाह शोक आ शोक सँ अभिभूत छलाह, एतेक धरि जे थकान आ निराशा भ' गेलाह, आ हुनका कोनो राहत नहि भेटलनि।

1. "शोक के बीच आशा के शक्ति"।

2. "कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब सीखब"।

1. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू; क्लेश मे धैर्यवान; प्रार्थना मे क्षण जारी रहब;

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

यिर्मयाह 45:4 अहाँ हुनका ई कहबनि जे, प्रभु ई कहैत छथि। देखू, जे हम बनौने छी से हम तोड़ि देब आ जे रोपने छी, से एहि पूरा देश केँ तोड़ि देब।

1: भगवान् मे ई शक्ति छनि जे ओ जे किछु बनौने छथि वा रोपने छथि, ओहो पूरा राष्ट्र केँ नष्ट क' सकैत छथि।

2: हमरऽ दुनिया आरू जीवन भगवान के हाथऽ में छै, आरू वू ओकरा पल भर में बदली सकै छै।

1: मत्ती 6:30 - मुदा जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ जीवित अछि आ काल्हि भंडार मे फेकल गेल अछि, त’ की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत?

2: हबक्कूक 2:20 - प्रभु अपन पवित्र मंदिर मे छथि; समस्त धरती हुनका सामने चुप रहय।

यिर्मयाह 45:5 की अहाँ अपना लेल पैघ चीज चाहैत छी? ओकरा सभ केँ नहि ताकब, किएक तँ देखू, हम सभ प्राणी पर दुष् टता आनि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ चेतावनी दैत छथि जे ओ अपना लेल पैघ-पैघ बात नहि ताकथि, किएक तँ ओ सभ शरीर पर बुराई अनताह। मुदा, परमेश् वर यिर्मयाह केँ ओकर प्राण इनाम मे देथिन।

1. परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा पर भरोसा करू

2. अपना लेल पैघ चीज नहि खोजू

1. नीतिवचन 16:3 - अहाँ जे किछु करब से प्रभु केँ सौंप दिअ, तखन ओ अहाँक योजना केँ स्थापित करताह।

2. भजन 37:4 - प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

यिर्मयाह अध्याय ४६ मे विभिन्न राष्ट्र, विशेष रूप सँ मिस्र आ बेबिलोन सँ संबंधित भविष्यवाणी अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मिस्र के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी स होइत अछि (यिर्मयाह 46:1-12)। यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि मिस्र क॑ करकेमिश के लड़ाई म॑ बेबिलोन के हाथऽ स॑ हार के सामना करना पड़तै । मिस्र के सेना छिड़िया जायत, आ ओकर सहयोगी ओकरा छोड़ि देत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह नबूकदनेस्सर द्वारा मिस्र पर विजय प्राप्त करबाक भविष्यवाणी करैत छथि (यिर्मयाह 46:13-26)। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना परमेश् वर मिस्र, ओकर मूर्ति आ ओकर लोक पर न्याय करताह। अपन सैन्य शक्ति आ असंख्य देवता पर भरोसा रहितो ओकरा उखाड़ि देल जेतै।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह इस्राएल के अवशेष के संबोधित करै छै (यिर्मयाह 46:27-28)। ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे हुनका सभक आसपासक विनाशक बादो परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट नहि करताह। ओना हुनका सभ के कैद के सहन करय पड़तनि मुदा भविष्य मे बहाली के इंतजार क सकैत छथि.

संक्षेप में यिर्मयाह के छियालीस अध्याय में कई राष्ट्र के संबंध में भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में मिस्र आरू बेबिलोन पर ध्यान देलऽ गेलऽ छै । यिर्मयाह युद्ध में बेबिलोन के हाथों मिस्र के हार के भविष्यवाणी करै छै। हुनका लोकनिक सेना छिड़िया जायत, आ हुनकर सहयोगी हुनका सभ केँ छोड़ि देत, ओ नबूकदनेस्सरक मिस्र पर विजय आ ओहि पर परमेश् वरक न्यायक विषय मे आगू भविष्यवाणी करैत छथि। सैन्य ताकत आरू मूर्ति प॑ भरोसा करला के बावजूद मिस्र क॑ उखाड़ फेंकला के सामना करना पड़तै, यिर्मयाह इजरायल केरऽ अवशेष क॑ संबोधित करी क॑ अपनऽ बात के समापन करै छै । यद्यपि हुनका सभ केँ सेहो बंदी बनाबय पड़तनि, मुदा परमेश् वर वादा करैत छथि जे ओ अपन लोक सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट नहि करताह। ओ

1183

सभ उचित समय पर बहाली के पूर्वानुमान लगा सकैत छथि, कुल मिला कए, ई संक्षेप मे, अध्याय मे राष्ट्र पर परमेश् वरक निर्णयक निश्चयता पर प्रकाश देल गेल अछि, संगहि उथल-पुथल के समय मे सेहो अपन चुनल लोकक प्रति हुनकर निष्ठा पर सेहो प्रकाश देल गेल अछि |

यिर्मयाह 46:1 परमेश् वरक वचन जे यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ गैर-यहूदी सभक विरुद्ध आयल छल।

ई अंश गैर-यहूदी सभक विरुद्ध यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ प्रकट कयल गेल प्रभुक एकटा वचनक विषय मे अछि।

1. "परमेश् वरक आह्वान पर ध्यान देब: यिर्मयाह भविष्यवक्ता गैर-यहूदी सभक लेल संदेश"।

2. "प्रभु के वचन के जवाब देना: यिर्मयाह के गैर-यहूदी के आह्वान"।

1. रोमियो 10:13-15 - "किएक तँ जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, से उद्धार पाओत। तखन ओ सभ ओकरा कोना पुकारत जकरा पर ओ विश् वास नहि केने अछि? आ ओकरा पर कोना विश् वास करत कहियो नहि सुनल गेल?आओर बिना ककरो प्रचार केने ओकरा सभ कोना सुनत?आ जाबत तक ओकरा नहि पठाओल जायत, ताबत धरि कोना प्रचार करत?

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

यिर्मयाह 46:2 मिस्र के विरुद्ध मिस्र के राजा फिरौनको के सेना के खिलाफ, जे कर्केमिश में यूफ्रेटिस नदी के किनारे छेलै, जेकरा बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर यहूदा के राजा योशियाह के बेटा यहोयाकीम के चारिम साल में मारलकै।

ई अंश यहोयाकीम के शासन के चारिम साल में बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर द्वारा मिस्र के राजा फिरौनको के सेना के पराजय के बारे में बताबै छै।

1. युद्ध आ संघर्षक समय मे भगवानक संप्रभुता

2. विपत्तिक समय मे शक्ति आ मार्गदर्शन लेल भगवान पर निर्भर रहबाक महत्व

1. यशायाह 41:10, "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1, "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यिर्मयाह 46:3 अहाँ सभ बकलर आ ढाल केँ व्यवस्थित करू आ युद्धक नजदीक आबि जाउ।

प्रभु इस्राएल के लोग सिनी कॅ युद्ध के तैयारी करै के आज्ञा दै छै।

1. "प्रभुक युद्धक आह्वान"।

2. "अपन कमर केँ कटिबद्ध करू आ युद्धक तैयारी करू"।

1. इफिसियों 6:10-17 - "अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

2. यशायाह 59:17 - "ओ धर्म केँ छाती जकाँ पहिरने छलाह, आ माथ पर उद्धारक हेलमेट पहिरने छलाह; वस्त्रक बदला मे प्रतिशोधक वस्त्र पहिरने छलाह, आ वस्त्र जकाँ उत्साह मे लपेटने छलाह।"

यिर्मयाह 46:4 घोड़ा सभ केँ जोड़ू। हे घुड़सवार सभ उठू आ हेलमेट ल' क' ठाढ़ भ' जाउ। भाला फरिश करू, आ ब्रिगेडियर पहिरि दियौक।

यहूदा के लोगऽ क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू घोड़ा के दोहन करी क॑, हेलमेट पहिन॑, भाला तेज करी क॑ आरू दरोगा पहिरी क॑ युद्ध के तैयारी करी ले ।

1. तैयारी के शक्ति: तैयार रहला स हमरा सब के प्रतिकूलता स उबरय में कोना मदद भेटैत अछि

2. एकताक ताकत: सफलताक लेल एक संग काज करब किएक आवश्यक अछि

1. इफिसियों 6:10-17 - परमेश् वरक कवच पहिरब

2. नीतिवचन 21:5 - लगनशील लोकक योजना सँ लाभ भेटैत अछि।

यिर्मयाह 46:5 हम किएक देखलहुँ जे ओ सभ निराश भ’ गेल आ पाछू घुमि गेल? परमेश् वर कहैत छथि जे हुनका सभक पराक्रमी सभ मारि-पीट कऽ कऽ भागि जाइत छथि आ पाछू नहि तकैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के लोग अपनऽ शत्रु के सामने जे भय आरू निराशा के अनुभव करै छै, ओकरऽ बात करै छै ।

1. कठिन समय मे भगवान् के प्रेम आ रक्षा

2. आस्थाक संग भय आ चिन्ता पर काबू पाबब

1. भजन 34:7 - "प्रभुक स् वर्गदूत हुनका डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 46:6 तेज गति सँ नहि भागय आ पराक्रमी नहि भागय। ओ सभ ठोकर खा कऽ उत्तर दिस यूफ्रेटिस नदीक कात मे खसि पड़त।

तेज आ पराक्रमी लोक सभ ठोकर खा कऽ यूफ्रेटिस नदी लग खसि पड़त।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता आ हमर सभक कमजोरी

2. परमेश् वरक न्यायक अनिवार्यता

1. यशायाह 40:29-31 "ओ थकल केँ बल दैत छथि आ कमजोर केँ सामर्थ् य बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो थाकि जाइत छथि आ थाकि जाइत छथि, आ युवक सभ ठोकर खाइत छथि आ खसि पड़ैत छथि; मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। ओ सभ।" गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 4:13-15 "आब सुनू, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ एहि वा ओहि शहर मे जायब, ओतय एक साल बिताब, कारोबार करब आ पाइ कमायब। किएक, अहाँ सभ केँ ईहो नहि बुझल अछि जे की होयत।" काल्हि।अहाँक जीवन की अछि?अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभुक इच्छा होयत त' हम सभ जीब' आ ई-ओ काज करब।

यिर्मयाह 46:7 ई के अछि जे बाढ़ि जकाँ ऊपर आबि रहल अछि, जकर पानि नदी जकाँ हिलैत अछि?

एहि अंश मे बाढ़ि के बात कयल गेल अछि जे जमीन पर भारी पड़य लेल ऊपर आबि रहल अछि.

1. भगवानक शक्ति आ अतिविश्वासक खतरा

2. परमेश् वरक न्यायक अदम्य प्रकृति

1. दानियल 9:26-27 - साठि सप्ताहक बाद मसीहक नाश भ’ जेताह, मुदा अपना लेल नहि। एकर अंत बाढ़ि सँ होयत, आ युद्धक अंत धरि उजाड़ता निर्धारित कयल गेल अछि।

2. प्रकाशितवाक्य 12:15-16 - आ साँप अपन मुँह सँ पानि बाढ़ि जकाँ ओहि स् त्रीक पाछाँ फेकि देलक जाहि सँ ओ ओकरा बाढ़ि सँ लऽ जाय। धरती ओहि स् त्री केँ सहायता कयलक आ धरती ओकर मुँह खोलि कऽ ओहि बाढ़ि केँ निगल गेल जे अजगर ओकर मुँह सँ बाहर निकालि देलक।

यिर्मयाह 46:8 मिस्र बाढ़ि जकाँ उठैत अछि आ ओकर पानि नदी जकाँ हिलैत अछि। ओ कहैत छथि, “हम चढ़ि कऽ पृथ्वी केँ झाँपि देब।” हम नगर आ ओहि मे रहनिहार केँ नष्ट कऽ देब।

प्रभु मिस्र के बाढ़ के तरह उठै के बात करै छै, जेकरा में पानी नदी के तरह चलै छै, आरू धरती कॅ ढकै के योजना आरू ओकरोॅ निवासी सिनी कॅ नष्ट करै के योजना छै।

1. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. प्रभुक चेतावनी पर ध्यान देब: मिस्रक उदाहरण सँ सीखब

1. भजन 46:3 "यद्यपि ओकर पानि गर्जैत अछि आ फेन दैत अछि आ पहाड़ ओकर कोलाहल सँ काँपि रहल अछि।"

2. यशायाह 28:2 "देखू, प्रभुक एकटा शक्तिशाली आ बलवान छथि, जे ओला आ विनाशकारी तूफान जकाँ, प्रबल पानिक बाढ़ि जकाँ हाथ सँ पृथ्वी पर खसा देत।"

यिर्मयाह 46:9 हे घोड़ा सभ, चढ़ू। अहाँ रथ सभ, आक्रोश करू। आ पराक्रमी सभ बाहर निकलय। इथियोपिया आ लीबियाई, जे ढाल संभालैत अछि; आ लिडियन, जे धनुष सम्हारैत अछि आ मोड़ैत अछि।

यिर्मयाह केरऽ ई श्लोक इथियोपिया, लीबिया आरू लिडिया केरऽ योद्धा सिनी क॑ हथियारबंद होय क॑ युद्ध म॑ आबै के आह्वान करै छै ।

1. "भगवान बजा रहल छथि: उठू आ हुनका लेल लड़ू"।

2. "एकताक बल: प्रभुक लेल एक संग ठाढ़ रहब"।

1. इफिसियों 6:10-17 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यिर्मयाह 46:10 किएक तँ ई सेना सभक परमेश् वर परमेश् वरक प्रतिशोधक दिन अछि, जाहि सँ ओ ओकरा अपन विरोधी सभक बदला लेत, आ तलवार खा जायत आ ओकरा सभक खून सँ तृप्त आ नशा मे धुत्त भ’ जायत सेना के प्रभु परमेश् वर के उत्तर देश में यूफ्रेटिस नदी के किनारे बलिदान छै।

प्रभु अपन शत्रु सभक प्रतिशोध लेबय लेल आबि रहल छथि आ उत्तर देश मे यूफ्रेटिस नदीक कात मे एकटा पैघ बलि चढ़ाओल जायत |

1. परमेश्वर के शक्ति आरू न्याय - यिर्मयाह 46:10 के शक्ति के आकर्षित करी क, परमेश्वर के न्याय आरू दया के बीच संतुलन के खोज करऽ।

2. प्रभुक प्रतिशोधक दिन - भगवानक शत्रु सभ पर प्रभुक आगामी प्रतिशोधक निहितार्थ पर विचार करू।

1. रोमियो 12:19 - हे प्रियतम, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. यशायाह 59:17-18 - ओ धार्मिकता केँ अपन छाती जकाँ पहिरने छलाह, आ माथ पर उद्धारक टोपी पहिरने छलाह। ओ वस्त्रक बदला प्रतिशोधक वस्त्र पहिरि लेलक आ वस्त्र जकाँ उत्साह मे लपेटि लेलक। हुनका लोकनिक कर्म के अनुसार, तहिना ओ प्रतिफल देताह: अपन विरोधी पर क्रोध, अपन शत्रु के प्रतिफल।

यिर्मयाह 46:11 हे मिस्रक बेटी, गिलिआद मे जाउ, आ मरहम लऽ लिअ। किएक तँ अहाँ ठीक नहि होयब।”

परमेश् वर हमरा सभ केँ क्लेशक समय मे संसारक बुद्धि आ उपाय पर भरोसा करबाक व्यर्थताक स्मरण कराबैत छथि |

1. परमेश् वरक बुद्धि आ चिकित्साक प्रावधान पर भरोसा करब

2. दुखक समय मे विश्वासक शक्ति

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 5:13-16 - की अहाँ सभ मे सँ कियो विपत्ति मे अछि? प्रार्थना करथि। कियो खुश अछि की? स्तुति गीत गाबय दियौक। अहाँ सभ मे कियो बीमार अछि की? ओ सभ मण् डलीक प्राचीन सभ केँ बजा कऽ हुनका सभ पर प्रार्थना करथि आ प्रभुक नाम मे तेल सँ अभिषेक करथि। आ विश्वास मे कयल गेल प्रार्थना बीमार केँ ठीक क' देत; प्रभु ओकरा सभ केँ जीबि लेताह। जँ पाप केने छथि तँ क्षमा भऽ जेताह। तेँ एक-दोसरक समक्ष अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मात्मा केरऽ प्रार्थना शक्तिशाली आरू प्रभावी होय छै ।

यिर्मयाह 46:12 जाति सभ तोहर लाज सुनने अछि आ तोहर चीत्कार देश भरि गेल अछि, किएक तँ पराक्रमी पराक्रमी सभक विरुद्ध ठोकर खा गेल अछि आ दुनू एक संग खसि पड़ल अछि।

जाति सभ परमेश् वरक लोकक लाजक बात सुनने अछि आ ओकर पुकार देश भरि गेल अछि। दूटा पराक्रमी एक संग ठोकर खा क खसि पड़ल अछि।

1: भले हम सभ खसि पड़ि जाइ, मुदा भगवान् हमरा सभकेँ ऊपर उठबैत छथि।

2: हमर सबहक कमजोर क्षण मे सेहो भगवानक प्रेम मजबूत रहैत अछि।

1: यशायाह 40:31, "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, नहि थाकि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2: भजन 34:18, "प्रभु टुटल हृदय वाला के नजदीक छै, आरू जेकरा पश्चाताप छै, ओकरा बचाबै छै।"

यिर्मयाह 46:13 जे वचन परमेश् वर यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ कहलथिन, जे बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर आबि मिस्र देश पर प्रहार करताह।

प्रभु यिर्मयाह भविष्यवक्ता सँ ई बात के बारे में कहलकै कि कोना बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर मिस्र देश पर हमला करै लेली आबै वाला छै।

1. परमेश् वरक सदिखन योजना रहैत छनि - यिर्मयाह 46:13

2. परमेश् वरक संप्रभुता आ हमर सभक प्रतिक्रिया - यिर्मयाह 46:13

1. यशायाह 10:5-6 - धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी। हुनका लोकनिक हाथ मे डंडा हमर क्रोध अछि! हम ओकरा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा दैत छी जे लूट-लूट लूटबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

1187

2. दानियल 2:21 - ओ समय आ ऋतु बदलैत छथि; राजा सभ केँ हटा दैत अछि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत अछि। ज्ञानी के बुद्धि आ समझ वाला के ज्ञान दै छै।

यिर्मयाह 46:14 अहाँ सभ मिस्र मे घोषणा करू, मिग्दोल मे प्रचार करू, आ नोफ आ तहपनेस मे प्रचार करू। कारण, तलवार तोहर चारू कात खा जायत।”

1: अपना केँ तैयार करू, कारण चारू कात सँ विनाश आबि रहल अछि।

2: आत्मसंतुष्ट नहि रहू; आगू के चुनौती के लेल अपना के तैयार करू।

1: लूका 21:36 - सदिखन जागल रहू, आ प्रार्थना करू जे अहाँ सभ जे किछु होमय बला अछि ताहि सँ बचि सकब आ मनुष् य-पुत्रक समक्ष ठाढ़ भ' सकब।

2: यशायाह 54:17 - तोरा पर बनल कोनो हथियार हावी नहि होयत, आ अहाँ हर जीह के खंडन करब जे अहाँ पर आरोप लगाबैत अछि। ई प्रभु केरऽ सेवकऽ के धरोहर छेकै, आरू ई हमरा स॑ हुनकऽ सही ठहराबै के बात छै, ई बात प्रभु कहै छै ।

यिर्मयाह 46:15 तोहर वीर लोक सभ किएक बहल अछि? ओ सभ ठाढ़ नहि भेल, किएक तँ परमेश् वर हुनका सभ केँ भगा देलथिन।

कोनो राष्ट्रक वीर आदमी सभ बहरा गेल छल, कारण प्रभु ओकरा सभ केँ भगा देलक।

1. परमेश् वरक इच्छाक शक्ति: ई बुझब जे परमेश् वर कठिन परिस्थिति केँ किएक अनुमति दैत छथि

2. परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करब: परेशानी भरल समय मे हुनकर ताकत पर भरोसा करब

1. नीतिवचन 3:5-6: "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2. यशायाह 11:2: "प्रभुक आत् मा हुनका पर बुद्धि आ समझक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, प्रभुक ज्ञान आ भयक आत् मा टिकौताह।"

यिर्मयाह 46:16 ओ बहुतो केँ खसि देलक, हँ, एक-दोसर पर खसि पड़ल।

1: जीवन जे कठिनाइ आनि सकैत अछि ताहि सँ नहि डेराउ, भगवान् दिस मुड़ू आ विश्वासक माध्यमे, अहाँ केँ पार करबाक शक्ति भेटत।

2: चाहे कोनो परीक्षा आ कष्ट किएक नहि हो, प्रभु पर भरोसा करू आ ओ अहाँ केँ घर ल' जेताह।

1: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: फिलिप्पियों 4:13 - "हम ओहि द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत अछि।"

यिर्मयाह 46:17 ओ सभ ओतहि चिचिया उठल, “मिस्रक राजा फिरौन मात्र हल्ला अछि। निर्धारित समय बीति गेल अछि।

मिस्र के राजा फिरौन के निर्धारित समय में देरी होय गेलऽ छै ।

1. समय पर रहब: नियुक्ति रखबाक महत्व

2. निष्ठा आ पालन करब: अपन प्रतिज्ञाक पालन करब

1. लूका 9:51 - जखन हुनका उठाओल जेबाक दिन नजदीक आबि गेलनि तखन ओ यरूशलेम जेबाक लेल मुँह बना लेलनि।

2. उपदेशक 3:1-2 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक हर वस्तुक लेल समय होइत छैक, जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक।

यिर्मयाह 46:18 जहिना हम जीबैत छी, राजा कहैत छथि, जिनकर नाम सेना सभक प्रभु छथि, “जहिना ताबोर पहाड़क बीच अछि आ समुद्रक कात मे कर्मेल जकाँ अछि, तहिना ओ आबि जेताह।”

परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोकक संग ओतबे निश्चित रहत जतेक कि ताबोर आ कर्मेल पहाड़ समुद्रक कात मे अछि।

1. परमेश् वरक अनन्त उपस्थिति: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. विपत्ति मे ताकत: भगवानक आराम पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यिर्मयाह 46:19 हे मिस्र मे रहनिहार बेटी, बंदी मे जेबाक लेल अपना केँ तैयार करू, कारण नोफ बिना कोनो निवासीक उजाड़ आ उजाड़ भ’ जायत।

ई अंश मिस्र के बेटी के परमेश् वर के चेतावनी के बारे में छै कि कैद में जाय के कारण ओकरो शहर नोफ नष्ट होय जैतै।

1. न्यायक समय मे परमेश्वरक प्रेम आ दया

2. विनाशक समयक बाद पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 43:1-3 "मुदा आब ई कहैत छथि जे अहाँ केँ सृष्टि करयवला प्रभु, हे याकूब, आ जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, डेराउ नहि हमर।जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी मे ओ अहाँ पर उमड़ि नहि जायत, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ ने लौ अहाँ पर प्रज्वलित होयत प्रभु तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता।”

2. भजन 91:14-16 "ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देलनि, तेँ हम ओकरा बचा देब। हम ओकरा ऊँच राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनने अछि। ओ हमरा पुकारत आ हम ओकरा उत्तर देब। हम ओकरा संग विपत्ति मे रहब, ओकरा उद्धार करब आ ओकर आदर करब।

यिर्मयाह 46:20 मिस्र एकटा सुन्दर बछड़ा जकाँ अछि, मुदा विनाश आबि रहल अछि। उत्तर दिससँ निकलैत अछि।

मिस्र विनाशक लेल विवश अछि, उत्तर सँ आबि रहल अछि।

1: घमंड सँ सावधान रहबाक चाही, कारण एहि सँ विनाश भ' सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन दुश्मन सभक प्रति सतर्क आ चौकस रहबाक चाही, कारण ओ सभ विनाश आनि सकैत अछि।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: 2 इतिहास 32:7 - मजबूत आ साहसी बनू; अश्शूरक राजा आ हुनका संग रहनिहार सभ भीड़क लेल नहि डेराउ आ ने त्रस्त होउ, किएक तँ हुनका सँ बेसी हमरा सभक संग अछि।”

यिर्मयाह 46:21 ओकर भाड़ाक लोक सेहो मोटका बैल जकाँ ओकर बीच मे अछि। किएक तँ ओहो सभ पाछू घुमि गेल अछि आ एक संग भागि गेल अछि।

मिस्रक भाड़ाक लोक सभ भय सँ भागि गेल अछि, कारण विपत्तिक दिन आ हुनका सभक दर्शनक समय आबि गेल अछि।

1. हमरा सभकेँ विपत्ति आ विपत्तिक समयमे भगवान् पर भरोसा करब सीखबाक चाही।

2. जखन हमर सभक दर्शनक दिन आओत तखन हमरा सभकेँ अडिग रहबाक चाही।

1. यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

2. भजन 46:10 शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे ऊँच होयब, पृथ् वी पर हम ऊँच होयब।

यिर्मयाह 46:22 ओकर आवाज साँप जकाँ चलत। किएक तँ ओ सभ सेनाक संग आओत आ कुल्हाड़ी लऽ कऽ ओकरा पर लकड़ी काटनिहार जकाँ आओत।

यहूदाक शत्रु सेना आ कुल्हाड़ी लऽ कऽ ओकरा विरुद्ध मार्च करत।

1. आध्यात्मिक युद्धक तैयारीक महत्व।

2. भगवानक शक्ति आ विपत्तिक समय मे हमरा सभक रक्षा करबाक हुनकर क्षमता केँ बुझब।

1. इफिसियों 6:10-17 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।

2. यशायाह 59:19 - तहिना ओ सभ पश्चिम दिस सँ प्रभुक नाम आ सूर्यक उदय सँ हुनकर महिमा सँ डरताह। जखन शत्रु बाढ़ि जकाँ भीतर आओत तँ प्रभुक आत् मा ओकरा विरुद्ध झंडा उठौताह।

यिर्मयाह 46:23 ओ सभ ओकर जंगल केँ काटि देत, प्रभु कहैत छथि, यद्यपि ओकर खोज नहि कयल जा सकैत अछि। कारण टिड्डी सँ बेसी अछि, आ असंख्य अछि।

प्रभु घोषणा करै छै कि दुश्मन के जंगल काटलऽ जैतै, हालांकि खोज करै लेली बहुत विशाल छै, कैन्हेंकि दुश्मन के संख्या टिड्डी स॑ भी अधिक छै ।

1. भगवानक शक्ति: कोनो दुश्मन सर्वशक्तिमानक लेल बेसी पैघ नहि होइत अछि।

2. प्रभु पर भरोसा करू: जखन हम सभ प्रभु पर विश्वास करब तखन ओ हमरा सभ केँ कहियो निराश नहि करताह।

1. भजन 46:1-2 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, यद्यपि पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।"

2. मत्ती 19:26 "यीशु हुनका सभ दिस तकलनि आ कहलनि, 'मनुष्य लेल ई असंभव अछि, मुदा परमेश् वरक लेल सभ किछु संभव अछि।'

यिर्मयाह 46:24 मिस्रक बेटी लज्जित भ’ जेतीह। ओ उत्तरक लोकक हाथ मे सौंपल जायत।

मिस्रक लोक सभ पराजित भऽ उत्तरक लोक सभक हाथ मे सौंपल जायत।

1: भगवानक न्याय सदिखन हावी रहैत अछि - कियो एतेक शक्तिशाली नहि होइत अछि जे हुनकर निर्णय सँ बचि सकैत अछि।

2: जखन हम सब अपन विश्वास पार्थिव शक्ति पर राखब तखन हम सब सदिखन निराश रहब।

1: यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर

[illegible]

2: [illegible] 33:10-11 - [illegible]

[illegible] 46:25 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 1:18-20 - [illegible]

2. [illegible] 3:5-6 - [illegible]

[illegible] 46:26 [illegible]

1: [illegible]

2: [illegible]

1: [illegible] 20:7 - [illegible]

2: [illegible] 8:28 - [illegible]

[illegible] 46:27 [illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 41:10 - "[illegible]

2. [illegible] 23:1-3 - "[illegible]

यिर्मयाह 46:28 हे हमर सेवक याकूब, अहाँ नहि डेराउ, परमेश् वर कहैत छथि, किएक तँ हम अहाँक संग छी। हम ओहि सभ जाति केँ पूरा समाप्त कऽ देब जाहि मे हम अहाँ केँ भगा देलहुँ। तइयो हम अहाँ केँ पूर्णतः अदण्डित नहि छोड़ब।

परमेश् वर याकूब केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ सभ जाति केँ भगा देताह आ हुनका सजा देताह, मुदा हुनकर पूरा अंत नहि करताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति अन्तहीन प्रेम

2. प्रभुक अनुशासन आ सुधार

१.

2. इब्रानी 12:5-11 (किएक तँ प्रभु जेकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि, आ ओ सभ बच्चा केँ दंडित करैत छथि जे ओ स्वीकार करैत छथि)

यिर्मयाह अध्याय 47 पलिस्ती के खिलाफ भविष्यवाणी पर केंद्रित छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत पलिस्ती के बारे में यिर्मयाह के लेलऽ परमेश्वर के संदेश स॑ होय छै (यिर्मयाह ४७:१-२)। ई भविष्यवाणी विशेष रूप स॑ फिलिस्तीनी क्षेत्र केरऽ प्रमुख शहरऽ म॑ स॑ एक गाजा के तरफ निर्देशित छै ।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह वर्णन करैत छथि जे कोना पलिस्ती सभ केँ विनाश आ विनाशक सामना करय पड़तनि (यिर्मयाह 47:3-5)। हुनका लोकनिक पतनक चित्रण करबाक लेल ओ जीवंत बिम्बक प्रयोग करैत छथि जाहि मे रथक पहियाक आवाज आ हुनका लोकनिक शहर-गाम सँ पीड़ाक चीत्कार सेहो शामिल अछि |

3 वां पैराग्राफ: अपनऽ शक्ति आरू प्रभाव के लेलऽ जानलऽ जाय के बावजूद यिर्मयाह घोषणा करै छै कि पलिस्ती सिनी के बीच कोय भी बची नै जैतै (यिर्मयाह ४७:६-७)। पड़ोसी राष्ट्रऽ स॑ मदद के हुनकऽ आशा व्यर्थ साबित होय जैतै, कैन्हेंकि परमेश् वर हुनका सिनी प॑ न्याय आबी जैतै ।

संक्षेप में, यिर्मयाह के सत्तालीस अध्याय में पलिस्ती के खिलाफ एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में विशेष रूप स॑ गाजा के निशाना बनालऽ गेलऽ छै । परमेश्वर यिर्मयाह क॑ निर्देश दै छै कि वू ओकरऽ आसन्न विनाश के संबंध म॑ एगो संदेश दै, यिर्मयाह ओकरऽ पतन के सजीव चित्रण करै छै, जेकरा म॑ रथ के पहिया के आवाज आरू ओकरऽ पूरा इलाका म॑ पीड़ा के चिल्लाहट के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, वू ई बात प॑ जोर दै छै कि सत्ता के प्रति ओकरऽ प्रतिष्ठा के बावजूद, कोय भी बची वाला नै होतै । पड़ोसी राष्ट्रऽ स॑ सहायता के हुनकऽ आशा अंततः असफल होय जैतै, कैन्हेंकि परमेश्वर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय राष्ट्रऽ प॑ परमेश्वर केरऽ न्याय के निश्चितता प॑ प्रकाश डालै छै आरू एक याद दिलाबै के काम करै छै कि जेकरा मजबूत आरू प्रभावशाली मानलऽ जाय छै, वू भी हुनकऽ ईश्वरीय न्याय स॑ मुक्त नै छै.

यिर्मयाह 47:1 यहोवाक वचन जे यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ पलिस्ती सभक विरुद्ध आयल छल, जखन कि फिरौन गाजा पर प्रहार करबा सँ पहिने।

यिर्मयाह केरऽ ई अंश यहोवा केरऽ एगो भविष्यवाणी के बात करै छै जे फिरौन के गाजा पर हमला करै स॑ पहल॑ पलिस्ती सिनी के खिलाफ यिर्मयाह क॑ देलऽ गेलऽ छेलै ।

1. प्रभु पर भरोसा करब: भगवानक मार्गदर्शन पर कोना भरोसा कयल जाय

2. प्रतिकूलता पर काबू पाब: परेशानी के सामना करैत दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनलहुँ? की अहाँ सभ नहि सुनलहुँ? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत छथि आ नहि थकैत छथि; हुनकर समझ अनजान अछि। ओ।" बेहोश केँ शक्ति दैत छैक, जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ

शक्ति बढ़बैत छैक।युवक सभ सेहो बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, युवक सभ थकित भ’ क’ खसि पड़त, मुदा जे प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेत, ओ सभ पाँखि ल’ क’ चढ़त गरुड़ जकाँ, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।”

2. रोमियो 12:12 - "आशा मे आनन्दित रहू, क्लेश मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।"

यिर्मयाह 47:2 प्रभु ई कहैत छथि। देखू, उत्तर दिस सँ पानि उठैत अछि, आ उमड़ैत बाढ़ि बनि जायत आ ओहि देश आ ओहि मे सँ सभ किछु केँ उमड़ि जायत। नगर आ ओहि मे रहनिहार लोक सभ चिचियाओत आ ओहि देशक सभ निवासी कुहरत।

भगवान चेतावनी दैत छथि जे उत्तर दिस सँ बाढ़ि आबि रहल अछि जे ओहि देश आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ आबि जायत, जाहि सँ ओहि मे रहनिहार लोक सभ विपत्ति मे चिचिया उठत।

1. "भगवानक चेतावनी: पश्चाताप करबाक आह्वान पर ध्यान दियौक"।

2. "विनाशक छाया मे जीवन: बाढ़ि सँ कोना बचि सकैत छी"।

1. मत्ती 24:37-39 - जेना नूहक समय मे छल, तहिना मनुष् यक पुत्रक आगमन होयत। कारण, जहिना जलप्रलय सँ पहिने ओहि समय मे ओ सभ खाइत-पीबैत छल, विवाह करैत छल आ विवाह मे दान करैत छल, जाबत धरि नूह जहाज मे प्रवेश नहि केलक, ताबत धरि ओ सभ अनभिज्ञ छल जाबत धरि जलप्रलय आबि कऽ सभ केँ बहरा नहि देलक, तहिना लोकक आगमन होयत मनुष्य के पुत्र।

2. अय्यूब 27:20-23 - बाढ़ि जकाँ ओकरा पर आतंक आबि जाइत छैक; राति मे बवंडर ओकरा ल' जाइत छैक। पूबक हवा ओकरा ऊपर उठा दैत छैक आ ओ चलि जाइत छैक; ओकरा अपन जगहसँ झाड़ि कऽ बाहर निकालि दैत छैक। बिना दया के ओकरा पर उछालि दैत छैक; ओ माथक उड़ैत ओकर शक्तिसँ भागि जाइत अछि । ओकरा पर ताली बजबैत अछि आ अपन जगह सँ ओकरा पर सिसकी मारैत अछि ।

यिर्मयाह 47:3 अपन मजबूत घोड़ाक खुर पर ठूंठक आवाज, रथक दौड़-धूप आ पहियाक गूँज पर, पिता लोकनि अपन बच्चा सभक हाथ कमजोर होयबाक कारणेँ पाछू नहि तकताह।

भगवान् केरऽ न्याय एतना शक्तिशाली आरू विनाशकारी छै कि एकरा स॑ पिता डर आरू सदमा स॑ अपनऽ बच्चा के तरफ भी पाछू नै देख॑ सकै छै ।

1. परमेश् वरक न्याय हुनकर पवित्रता आ हमरा सभक पश्चाताप करबाक आवश्यकताक स्मरण कराबैत अछि।

2. परमेश् वरक न्याय हमरा सभ केँ हुनका समक्ष विनम्र बनयबाक चाही आ आज्ञापालनक जीवन जीबाक चाही।

1. याकूब 4:6-10

2. यशायाह 2:10-22

यिर्मयाह 47:4 ओहि दिनक कारणेँ जे ओहि दिन आबि रहल अछि जे सभ पलिस्ती सभ केँ लूटबाक लेल आ सोर आ सिदोन सँ जे किछु सहायक बचल अछि, ओकरा सभ केँ काटि देबाक लेल आओत।

परमेश् वर पलिश् ती सभ केँ लूटय आ सोर आ सिदोन मे जे कोनो सहायिका बचि गेल अछि तकरा सभ केँ काटि देबाक लेल आबि रहल छथि।

1. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. भगवानक न्याय अविस्मरणीय अछि

२.

2. भजन 94:1 - हे प्रभु, प्रतिशोधक परमेश् वर, हे प्रतिशोधक परमेश् वर, चमकू!

यिर्मयाह 47:5 गाजा पर गंजापन आबि गेल अछि। अश्केलोन हुनका सभक उपत्यकाक अवशेषक संग कटल गेल अछि, अहाँ कतेक दिन धरि अपना केँ काटि लेब?

गाजा गंजा अछि आ अश्केलोन अपन घाटीसँ कटि गेल अछि । हुनका लोकनिक दुख कतेक दिन धरि चलतनि?

1. बहाली के आशा: गाजा आ अश्केलोन के उदाहरण स सीखब

2. चिकित्साक समय: दुखक बाद आराम आ बहाली

1. यशायाह 61:1-3 - "प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम पीड़ित सभ केँ शुभ समाचार पहुँचाबी। आ कैदी सभकेँ स्वतंत्रता।

2. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया कहियो नहि रुकैत अछि, कारण हुनकर करुणा कहियो खत्म नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

यिर्मयाह 47:6 हे प्रभुक तलवार, अहाँ चुप रहबा सँ पहिने कहिया धरि रहत? अपना केँ अपन कटहर मे राखू, आराम करू आ शान्त रहू।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता प्रभु के तलवार के संबोधित करै छै आरू ओकरा शान्त रहै आरू ओकरोॅ स्कैबर्ड में वापस आबै के निहोरा करै छै।

1. "शांति के आह्वान: प्रभु के तलवार के प्रति यिर्मयाह के संदेश"।

2. "स्थिरताक आवश्यकता: यिर्मयाहक संदेश"।

1. मत्ती 5:9, "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत"।

2. याकूब 3:17, "मुदा ऊपर सँ आयल बुद्धि पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य, तर्कक लेल खुलल, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल होइत अछि"।

यिर्मयाह 47:7 ई कोना शांत भ’ सकैत अछि, जखन कि परमेश् वर एकरा अश्केलोन आ समुद्रक कात मे आरोप लगा देने छथि? ओतहि ओकरा नियुक्ति कएने छथि।

परमेश् वर अश्कलोन आ समुद्रक कात पर आरोप लगा देने छथि।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: आरोप घोषित करबाक प्रभुक शक्ति

2. परमेश् वरक न्यायक गहराई: अश्केलोनक विरुद्ध हुनकर आरोप

1. उत्पत्ति 18:25 - एहन काज करब अहाँ सँ दूर रहू, धर्मी केँ दुष्टक संग मारि देब, जाहि सँ धर्मी लोक दुष्टक समान चलय! अहाँसँ ई बात दूर रहू! की समस्त पृथ्वीक न्यायाधीश न्यायपूर्ण काज नहि करताह?

2. जकरयाह 7:9 - सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि, “सत्य न्याय करू, एक-दोसर पर दया आ दया करू।

यिर्मयाह अध्याय 48 मे मोआब राष्ट्र के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मोआब के बारे में यिर्मयाह के लेल परमेश्वर के संदेश स होइत अछि (यिर्मयाह 48:1-4)। भविष्यवाणी मोआब पर जे विनाश आ विनाश होयत, तकर भविष्यवाणी करैत अछि, कारण ओकर शहर आ गढ़ पर कब्जा भ' जायत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह ओहि शोक आ निराशा के वर्णन करैत छथि जे मोआब के अपना मे समेटत (यिर्मयाह 48:5-10)। हुनका लोकनिक घमंड आ अहंकार विनम्र भ' जेताह, आ हुनका लोकनिक देवता हुनका सभ केँ बचाबय मे असमर्थ साबित भ' जेताह।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह मोआब पर न्याय के विलाप करैत छथि, हुनकर दुर्दशा के लेल दुख व्यक्त करैत छथि (यिर्मयाह 48:11-25)। ओ हुनका लोकनिक शहर, अंगूरक बाग आ खेतक उजाड़पनक वर्णन करैत छथि | दुश्मनक आक्रमण खंडहर आ मृत्यु छोड़ि देत।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह मोआब के विभिन्न शहर पर परमेश्वर के न्याय के उच्चारण जारी रखैत छथि (यिर्मयाह 48:26-39)। ओ हेशबोन, नेबो, अरोएर, डिबोन, किरिओथ, आ अन्य विशिष्ट स्थानक उल्लेख करैत छथि जे तबाहीक सामना करय पड़त। हुनका लोकनिक मूर्ति नीचाँ आनल जायत।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह घोषणा करैत समाप्त करैत छथि जे भविष्य मे परमेश् वर स्वयं मोआबक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करताह (यिर्मयाह 48:40-47)। वर्तमान समय में अपनऽ घमंड आरू भगवान के खिलाफ विद्रोह के कारण विनाश के सामना करला के बावजूद भी हुनकऽ तत्काल निर्णय स॑ परे पुनर्स्थापन के आशा छै ।

संक्षेप में यिर्मयाह के अड़तालीस अध्याय में मोआब राष्ट्र के खिलाफ एक भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर यिर्मयाह के द्वारा ई प्रकट करै छै कि विनाश मोआब के इंतजार करी रहलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ शहर आरू गढ़ दुश्मन के हाथऽ में गिरी जैतै, मोआब के घमंड नम्र होय जैतै, आरू ओकरऽ देवता शक्तिहीन साबित होय जैतै। भविष्यवक्ता ई न्याय पर विलाप करै छै, ओकरऽ दुर्दशा के लेलऽ दुख व्यक्त करै छै, मोआब के भीतर के विशिष्ट शहरऽ के जिक्र छै, जे ओकरऽ आसन्न तबाही के उजागर करै छै । हुनका लोकनिक मूर्ति के बेकार के रूप में चित्रित कयल गेल अछि, तइयो एहि प्रलय के बीच आशा के झलक अछि । परमेश् वर मोआब के लेलऽ भविष्य के बहाली के वादा करै छै, ओकरऽ वर्तमान विनाश के स्थिति के बावजूद, कुल मिला क॑, ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ घमंडी विद्रोह के परिणाम प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै आरू हमरा याद दिलाबै छै कि न्याय के समय म॑ भी, परमेश्वर अंततः बहाली के आशा प्रदान करै छै ।

यिर्मयाह 48:1 मोआबक विरुद्ध सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार नेबो पर! किएक तँ ई लूटि गेल अछि, किरियाथाइम भ्रमित भऽ गेल अछि आ ओकरा पकड़ल गेल अछि, मिस्गाब भ्रमित आ निराश भऽ गेल अछि।

सेना के प्रभु, इस्राएल के परमेश् वर, मोआब आरु नेबो, किरियथैम आरु मिस्गाब शहर के खिलाफ धिक्कार करै छै।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत अछि

2. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1. रोमियो 3:4 - "परमेश् वर सत् य रहथि, यद्यपि सभ कियो झूठ बाजथि।"

2. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।" " .

यिर्मयाह 48:2 आब मोआबक प्रशंसा नहि होयत। आऊ, एकरा राष्ट्र बनबासँ काटि दियौक। संगहि अहाँ केँ काटि देल जायब, हे पागल। तलवार तोहर पाछाँ-पाछाँ चलत।

मोआब केरऽ प्रशंसा अब॑ नै होतै आरू हेशबोन न॑ ओकरा राष्ट्र होय स॑ काटै के योजना बनयने छै । पागल सभ सेहो काटि देल जाएत।

1. झूठ मूर्तिक नहि ईश्वरक स्तुति करबाक महत्व

2. झूठ मूर्तिक पालन करबाक परिणाम

1. भजन 148:13-14 - ओ सभ प्रभुक नामक स्तुति करथि, किएक तँ हुनकर नाम मात्र उत्तम अछि। ओकर महिमा पृथ्वी आ स्वर्ग सँ ऊपर अछि। ओ अपन लोकक सींग केँ ऊपर उठौलनि, जे अपन सभ पवित्र लोकक स्तुति अछि। इस्राएलक सन् तान मे सँ जे हुनका लगक लोक छल।

2. यशायाह 42:8 - हम प्रभु छी, हमर नाम इएह अछि, आ हम अपन महिमा दोसर केँ नहि देब आ ने अपन स्तुति उकेरल मूर्ति केँ देब।

यिर्मयाह 48:3 होरोनैम सँ चीत्कार के आवाज आओत, जे लूट आ बहुत विनाश होयत।

होरोनैम के लोग बहुत विनाश आरू बिगड़ै के अनुभव करतै।

1. हमरा सभकेँ ओहि विनाश आ बिगाड़बाक लेल तैयार रहबाक चाही जे कोनो समय आबि सकैत अछि।

2. भगवान् हमरा सभक ध्यान आकर्षित करबाक चक्कर मे विनाश आ बिगाड़ि आनि सकैत छथि।

1. मत्ती 24:42 - "तेँ जागरूक रहू, किएक तँ अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँक प्रभु कोन दिन औताह।"

2. यशायाह 1:16-17 - "धोउ आ अपना केँ साफ करू। अपन दुष्कर्म केँ हमर नजरि सँ हटाउ। गलत काज करब छोड़ू। सत्कार करब सीखू; न्यायक खोज करू। उत्पीड़ित सभक रक्षा करू। अनाथक काज उठाउ। निहोरा करू।" विधवाक मामला।"

यिर्मयाह 48:4 मोआब नष्ट भ’ गेल अछि; ओकर छोट-छोट बच्चा सभ एकटा चीत्कार सुनबा मे आबि गेल अछि।

मोआब नष्ट भ’ गेल अछि आ ओकर पीड़ाक पुकार सुनबा मे अबैत अछि।

1. विपत्ति मे पड़ल लोकक संग शोक करू - रोमियो 12:15

2. विनाशक सामना करबा काल डरब नहि - यशायाह 41:10

1. विलाप 4:18-20 - "मोआबक लोक सभक हृदय सहायताक लेल चिचियाइत अछि; ओ सभ हताश भ' क' चिचियाइत अछि। मोआबक लोक सभक पुकार आकाश मे उठैत अछि; ओकर विलाप प्रभु लग पहुँचैत अछि। मोआबक शत्रु सभ सुनत।" ओकर पतन सँ ओकर विनाश पर ओ सभ आनन्द सँ भरल रहत।”

2. यशायाह 16:7 - "तेँ भविष्य मे मोआब तिरस्कारक विषय बनि जायत; ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभ लोक स्तब्ध भ' जेताह आ ओकर सभ विपत्ति सँ उपहास करत।"

यिर्मयाह 48:5 किएक तँ लुहितक चढ़ैत काल निरंतर कानब बढ़ैत रहत। किएक तँ होरोनाइमक उतरैत काल शत्रु सभ विनाशक चीत्कार सुनने अछि।

होरोनैम के उतरै में शत्रु विनाश के पुकार सुनलकै।

1. कानबाक शक्ति: हमर सभक प्रार्थनाक शक्ति।

2. हमर सभक विश्वासक शक्ति: ई भरोसा जे परमेश् वर हमरा सभक शत्रु सभक संग न्याय आनताह।

1. भजन 126:5-6, "जे नोर क’ क’ बोनिबला सभ हर्षक चिल्लाहटि सँ काटि लेत! जे बीया बोनि क’ कानैत निकलत, ओ अपन गुच्छा ल’ क’ हर्षक चिल्लाहट ल’ क’ घर आबि जायत।"

2. रोमियो 12:19, "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि।"

यिर्मयाह 48:6 भागू, अपन जान बचाउ, आ जंगल मे बूंद जकाँ बनू।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता मोआबी सभ केँ कहैत छथि जे सुरक्षाक लेल भागि जाउ आ जंगल मे एकटा चीर जकाँ अनपढ़ रहू।

1. भगवानक मार्गदर्शन पर भरोसा - जखन समय कठिन हो तखनो परमेश् वरक मार्गदर्शन पर भरोसा करब हमरा सभ केँ सही बाट देखबा मे मदद क' सकैत अछि।

2. जंगल मे रहब - कखनो काल भगवान हमरा सभ केँ विश्वास आ विश्वासक जीवन जीबाक लेल बजबैत छथि, ओहो तखन जखन ई कठिन हो।

1. यशायाह 41:10-13 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 18:2 -प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

यिर्मयाह 48:7 किएक तँ अहाँ अपन काज आ अपन खजाना पर भरोसा केलहुँ, तेँ अहाँ सेहो पकड़ल जायब।

मोआबक लोक सभ परमेश् वरक बदला अपन काज आ धन पर भरोसा करैत छल, तेँ ओकरा सभ केँ बंदी बनाओल जायत।

1. भगवानक बदला धन पर भरोसा करबाक खतरा

2. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

2. भजन 37:16 - जे किछु धर्मी आदमी लग अछि से बहुतो दुष्टक धन सँ नीक अछि।

यिर्मयाह 48:8 लुटेरा हर नगर पर आबि जायत, आ कोनो शहर नहि बचि जायत, घाटी सेहो नष्ट भ’ जायत आ मैदान नष्ट भ’ जायत, जेना कि परमेश् वर कहने छथि।

हर नगर विनाशक अधीन अछि, आ कियो नहि बचि सकैत अछि, जेना प्रभु घोषणा केने छथि।

1. विनाशक अनिवार्यता: प्रभुक इच्छा केँ स्वीकार करब सीखब

2. चेतावनी पर ध्यान देब: प्रभुक न्यायक तैयारी

1. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. मत्ती 10:28-31 - आ ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारि दैत छथि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत छथि। बल्कि ओहि सँ डरू जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।

यिर्मयाह 48:9 मोआब केँ पाँखि दियौक जाहि सँ ओ भागि जाय आ दूर भ’ जाय, कारण ओकर नगर सभ उजाड़ भ’ जायत, जाहि मे कियो रहत।

मोआब क॑ अपनऽ उजाड़ शहरऽ स॑ भागै के जरूरत छै ।

1: भगवान विपत्तिक समय मे पलायन के रास्ता उपलब्ध कराबैत छथि।

2: हमरा सभकेँ मनुक्ख पर नहि, भगवान् पर भरोसा करबाक चाही।

1: भजन 37:39 मुदा धर्मी लोकनिक उद्धार प्रभुक अछि, ओ विपत्तिक समय मे हुनका सभक सामर्थ्य छथि।

2: नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

यिर्मयाह 48:10 शापित होउ जे परमेश् वरक काज धोखापूर्वक करैत अछि आ जे अपन तलवार केँ खून सँ बचाबैत अछि।

परमेश् वर ओहि सभ केँ श्राप दैत छथि जे निष्ठा आ ईमानदारी सँ हुनकर सेवा नहि करैत छथि, आ जे अपन शक्तिक उपयोग अधलाह केँ दंडित करबाक लेल नहि करैत छथि।

1. परमेश् वरक सेवा मे निष्ठापूर्वक रहब

2. धर्मात्माक शक्ति आ जिम्मेदारी

1. नीतिवचन 21:3 धर्म आ न्याय करब बलिदान सँ बेसी प्रभुक लेल स्वीकार्य अछि।

2. इजकिएल 33:6 मुदा जँ चौकीदार तलवार अबैत देखैत अछि आ तुरही नहि बजाबैत अछि जाहि सँ लोक केँ चेतावनी नहि देल जाइत अछि, आ तलवार आबि क’ ओकरा सभ मे सँ ककरो पकड़ि लैत अछि, त’ ओ व्यक्ति अपन अपराध मे चलि जाइत अछि, मुदा... ओकर खून हम चौकीदारक हाथ सँ माँगब।

यिर्मयाह 48:11 मोआब अपन जवानी सँ आराम मे रहल अछि, आ ओ अपन लीज पर बैसल अछि, आ एक बर्तन सँ दोसर बर्तन खाली नहि भेल अछि आ ने बंदी मे गेल अछि, तेँ ओकर स्वाद ओकरा मे बनल रहल आ ओकर गंध नहि छैक बदलि गेल।

मोआब बहुत दिन सॅं आराम आ स्थिरताक स्थिति मे अछि, जाहि मे कोनो तरहक व्यवधान वा परिवर्तन नहि भेल अछि ।

1. कठिन समय मे हमरा सभ केँ टिकय मे परमेश् वरक निष्ठा।

2. भगवानक योजना पर भरोसा करबाक आ अपन प्रयास पर भरोसा नहि करबाक महत्व।

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 46:10 - शान्त रहू आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी, हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब।

यिर्मयाह 48:12 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, परमेश् वर कहैत छथि, जे हम हुनका लग भटकल लोक पठा देबनि, जे हुनका भटकौताह, आ हुनकर बर्तन खाली क’ देताह आ हुनकर बोतल तोड़ि देताह।

परमेश् वर मोआब मे घुमैत-फिरैत लोक सभ केँ पठौताह जे ओकरा सभ केँ भटकत आ ओकर सम् पत्ति पकड़ि लेत।

1. प्रभु प्रावधान करताह: भगवान हमरा सब के मजबूत करय लेल चुनौती के कोना उपयोग करैत छथि

2. भटकब: हमर विकासक लेल भगवानक योजना

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 34:19 - धर्मी के बहुत दुःख होइत छैक, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 48:13 मोआब केमोश पर लज्जित होयत, जेना इस्राएलक घराना बेथेल पर अपन भरोसा पर लाज करैत छल।

मोआबक लोक सभ अपन देवता केमोश पर ओहिना लाज करत जेना इस्राएलक लोक सभ अपन झूठ देवता बेथेल पर लाज करैत छल।

1. मिथ्या देवता पर भरोसा करबाक खतरा

2. भगवान् के प्रति सच्चा रहबाक महत्व

1. यशायाह 44:9-11 - मूर्ति बनबै बला सभ किछु नहि अछि, आ जे चीज ओ सभ खजाना रखैत अछि से बेकार अछि। जे हुनका सभक पक्ष मे बाजत से आन्हर छथि; अज्ञानी छथि, अपन लाजक लेल। के देवता के आकार दैत अछि आ मूर्ति के फेंकैत अछि, जकर कोनो फायदा नहि भ सकैत अछि? जे लोक एहन काज करत, ओकरा लाज लागत; एहन कारीगर मात्र मनुक्ख अछि। सब एक ठाम आबि अपन-अपन ठाढ़ रहथि। आतंक आ लाज मे उतारल जायत।

2. फिलिप्पियों 3:7-9 - मुदा जे किछु हमर लाभक छल, हम आब मसीहक लेल हानि मानैत छी। एकरऽ अलावा, हम्में अपनऽ प्रभु मसीह यीशु क॑ जानला के अत्यंत महानता के तुलना म॑ सब कुछ क॑ नुकसान मान॑ छियै, जेकरा लेली हम्में सब कुछ गंवाय देल॑ छियै । हम ओकरा सभ केँ बकवास मानैत छी, जाहि सँ हम मसीह केँ पाबि सकब आ हुनका मे पाबि सकब, हमरा अपन धार्मिकता नहि अछि जे व्यवस्था सँ निकलैत अछि, बल् कि मसीह मे विश्वास सँ ओ धार्मिकता जे परमेश् वर सँ भेटैत अछि आ विश्वास सँ होइत अछि।

यिर्मयाह 48:14 अहाँ सभ कोना कहैत छी जे हम सभ युद्धक लेल शक्तिशाली आ बलवान आदमी छी?

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना अहंकार आरू घमंड हार के तरफ ले जाय सकै छै ।

1: विरोधक सामना करैत अपन शक्ति दिस नहि, बल आ मार्गदर्शन लेल भगवानक दिस मुड़ू।

2: घमंड खसबासँ पहिने अबैत अछि; विजय के लेलऽ विनम्रता आरू भगवान के आज्ञाकारिता बहुत जरूरी छै ।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: याकूब 4:6-7 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि | तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

यिर्मयाह 48:15 मोआब लूटल गेल अछि आ ओकर शहर सभ सँ बाहर चलि गेल अछि आ ओकर चुनल युवक सभ वधक लेल उतरि गेल अछि, राजा कहैत छथि, जिनकर नाम सेना सभक प्रभु छथि।

मोआब के नष्ट क देल गेल अछि आ ओकर लोक के परमेश् वर द्वारा वध कयल गेल अछि।

1. परमेश् वरक निर्णय अंतिम आ निरपेक्ष अछि

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. यशायाह 45:21-22 - अपन मामला घोषित करू आ प्रस्तुत करू; दुनू गोटे मिलिकय सलाह-मशवरा करथि! ई बात बहुत पहिने के कहने छल? एकरा पुरान के घोषणा केलकै? की हम परमेश् वर नहि छलहुँ? हमरा छोड़ि कोनो आन देवता नहि छथि, जे धर्मी परमेश् वर आ उद्धारकर्ता छथि। हमरा छोड़ि कियो नहि अछि।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 48:16 मोआबक विपत्ति आबय बला अछि, आ ओकर दुःख जल्दबाजी मे आबि रहल अछि।

मोआब क॑ आसन्न आपदा के सामना करना पड़॑ छै आरू ओकरा एकरा लेली तैयारी करना छै ।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन नश्वरताक प्रति जागरूक रहबाक लेल आ विपत्तिक सामना करैत हुनका प्रति विनम्र आ निष्ठावान रहबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभकेँ मोन राखय पड़त जे समय निकालि कऽ जीवनक सौन्दर्यक सराहना करी, ओहो कठिनाइक सामना करैत, आ प्रभुमे शक्ति प्राप्त करी।

1: भजन 55:22 अपन भार प्रभु पर राखू, आ ओ अहाँ केँ सहारा देताह, ओ कहियो धर्मी केँ हिलब नहि देताह।

1199

2: याकूब 1:2-3 हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभ केँ आनन्दित करू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि।

यिर्मयाह 48:17 अहाँ सभ जे सभ हुनकर आसपास छी, हुनका पर शोक मनाउ। आ अहाँ सभ जे हुनकर नाम जनैत छी, अहाँ सभ कहैत छी जे, “मजगूत लाठी आ सुन्दर छड़ी कोना टूटि गेल अछि!”

मोआबक विनाशक विलाप कयल गेल अछि।

1. परमेश् वरक प्रेम आ दया दुष्ट सभ धरि पसरल अछि।

2. अपन दुख मे सेहो हम सभ परमेश् वरक अटूट प्रेम मे आशा पाबि सकैत छी।

1. यशायाह 57:15 - कारण जे ऊँच आ ऊँच अछि, जे अनन्त काल मे रहैत अछि, जिनकर नाम पवित्र अछि, से कहैत अछि जे हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, आ ओहि मे सेहो जे पश्चाताप आ नीच आत् माक अछि। नीच लोकक आत्मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल, आ पश्चाताप करयवला लोकक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

यिर्मयाह 48:18 हे बेटी जे डिबोन मे रहैत छी, अपन महिमा सँ उतरू आ प्यास मे बैसल रहू। किएक तँ मोआबक लूटनिहार अहाँ पर आबि जायत आ अहाँक गढ़ सभ केँ नष्ट कऽ देत।”

डिबोन के निवासी सब के चेतावनी देल गेल छै कि मोआबी आक्रमणकारी सब स आबै वाला विनाश के तैयारी करल जाय।

1. परमेश् वरक चेतावनी: विनाशक तैयारी करू

2. प्रभु पर भरोसा करू: ओ अहाँक रक्षा करताह

1. यिर्मयाह 48:18

2. यशायाह 43:2-3 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ जखन अहाँ नदी सभ सँ गुजरब तखन ओ सभ अहाँ सभ पर नहि बहत। जखन अहाँ सभ आगि मे सँ गुजरब तखन अहाँ सभ नहि जरि जायब।" ; लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।"

यिर्मयाह 48:19 हे अरोएरक निवासी, बाट मे ठाढ़ भ’ जाउ आ जासूसी करू। जे भागै छै आ जे बचै छै ओकरा सँ पूछू, “की भेलै?”

अरोएर के लोक के कहल गेल अछि जे अवलोकन करू आ पूछताछ करू जे की भेल अछि.

1. सतर्क आ बुद्धिमान रहबाक लेल भगवानक आह्वान

2. अवलोकन आ जिज्ञासाक शक्ति

1. नीतिवचन 14:15- सरल लोक सब किछु पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी अपन डेग पर विचार करैत अछि।

2. लूका 19:41-44- यीशु यरूशलेम पर कानैत बजलाह, "जँ अहाँ सभ, आइये ओहि बात सभ केँ चिन्हितहुँ जे शांति बनबैत अछि! मुदा आब ओ सभ अहाँ सभक आँखि सँ नुकायल अछि।"

यिर्मयाह 48:20 मोआब भ्रमित अछि; किएक तँ ओ टूटि गेल अछि: हुंकार आ कानब। अहाँ सभ अर्नोन मे ई बात कहि दिअ जे मोआब लूटि गेल अछि।

मोआब विनाश आ अराजकता के अनुभव क रहल अछि।

1: हमरा सभकेँ ई मोन राखब जे भगवानक नियंत्रण अछि, ओहो अराजकताक समयमे।

2: हमरा सभ केँ प्रभु मे सान्त्वना लेबाक चाही आ हुनका पर विश्वास करबाक चाही, ओहो अपन अन्हार दिन मे।

1: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

यिर्मयाह 48:21 आ मैदान मे न्याय आबि गेल अछि। होलोन, यहाजा आ मेफाथ पर।

होलोन, जहजा आ मेफाथक मैदान मे न्याय आबि गेल अछि।

1. परमेश् वरक न्याय स्पष्टता अनैत अछि: यिर्मयाह 48:21 केर अध्ययन

2. परमेश्वरक निष्पक्ष न्याय: यिर्मयाह 48:21 के उदाहरण

1. इजकिएल 5:5-6 - "प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे ई यरूशलेम अछि, हम एकरा ओकर चारूकातक जाति आ देशक बीच मे राखि देलहुँ। ओ हमर निर्णय केँ जाति सँ बेसी दुष्टता मे बदलि देलनि।" , आ ओकर चारूकातक देश सभ सँ बेसी हमर नियम-नियम, किएक तँ ओ सभ हमर निर्णय आ हमर नियम सभ केँ अस्वीकार कऽ देलक, ओ सभ ओहि मे नहि चलल।

2. आमोस 6:7 - तेँ आब ओ सभ पहिने जे बंदी बनैत अछि, ओकर संग बंदी भ’ जेताह, आ जे सभ तानने छल, ओकर भोज दूर भ’ जायत।

यिर्मयाह 48:22 डीबोन, नेबो आ बेतदीब्लाथइम पर।

प्रभु दीबोन, नेबो आ बेतदीब्लाथैम पर विनाश अनताह।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 48:22 पर चिंतन

2. अधर्म के अभिशाप: यिर्मयाह 48:22 के अध्ययन

1. यशायाह 66:15-16 - कारण देखू, परमेश् वर आगि मे आबि जेताह, आ हुनकर रथ सभ बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे हुनकर क्रोध केँ क्रोध मे आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन। किएक तँ परमेश् वर आगि आ अपन तलवार सँ सभ मनुख सँ निहोरा करताह।

2. इजकिएल 6:3-4 - प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हे सेइर पहाड़, हम अहाँक विरुद्ध छी, आ हम अहाँक विरुद्ध अपन हाथ पसारि देब आ अहाँ केँ बहुत उजाड़ बना देब। हम तोहर नगर सभ केँ उजाड़ कऽ देब, आ तोँ उजाड़ भऽ जायब आ तोँ बुझब जे हम परमेश् वर छी।

यिर्मयाह 48:23 किरियाथैम, बेतगामुल आ बेतमेओन पर।

ई अंश तीन जगह के बात करै छै, किरियाथैम, बेतगमुल आरू बेतमेओन।

1. परमेश् वर सभ किछु देखैत छथि - यिर्मयाह 48:23 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे परमेश् वर सभ जगह केँ जनैत छथि आ सभ किछु देखैत छथि। ओ हमरा सभ मे सँ प्रत्येकक हृदय केँ जनैत छथि आ हमरा सभ केँ कतय जाय लेल बजाओल गेल अछि।

2. परमेश् वर परवाह करैत छथि - यिर्मयाह 48:23 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे परमेश् वर हर जगह, हर व्यक्ति, आ हर परिस्थितिक परवाह करैत छथि। हमरा सबहक सब परेशानी मे ओ उपस्थित आ करुणामय छथि।

1. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ! अहाँकेँ बुझल अछि जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचारकेँ दूरसँ बूझैत छी। अहाँ हमर बाट आ हमर लेटब

1201

खोजैत छी आ हमर सभ बाटसँ परिचित छी । हमर जीह पर कोनो शब्द नहि आबय सँ पहिने देखू, हे प्रभु, अहाँ एकरा एकदम सँ जनैत छी।

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

यिर्मयाह 48:24 केरियोत, बोजरा आ मोआब देशक सभ शहर पर, दूर वा नजदीक।

यिर्मयाह केरऽ ई श्लोक मोआब केरऽ नगरऽ के विनाश के वर्णन करै छै, जेकरा म॑ केरियोथ आरू बोजरा भी शामिल छै ।

1. प्रभुक क्रोध: परमेश्वरक न्याय कोना न्यायसंगत विनाश अनैत अछि

2. पश्चाताप के शक्ति: मोआब के लेल एकटा अलग रास्ता।

1. यशायाह 13:19 आ बेबिलोन, राज्यक महिमा, कसदी सभक श्रेष्ठताक सौन्दर्य, ओहिना होयत जखन परमेश् वर सदोम आ अमोरा केँ उखाड़ि फेकने छलाह।

2. आमोस 6:8 प्रभु परमेश् वर अपना नामक शपथ लेने छथि, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, “हम याकूबक महानता सँ घृणा करैत छी, आ हुनकर महल सभ सँ घृणा करैत छी, तेँ हम ओहि शहर केँ ओहि मे जे किछु अछि, ताहि संग सौंपि देब।”

यिर्मयाह 48:25 मोआबक सींग काटि गेल अछि आ ओकर बाँहि टूटि गेल अछि, प्रभु कहैत छथि।

मोआबक विनाशक फरमान प्रभु द्वारा कयल गेल अछि।

1. भगवान हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि आ जखन हम सभ गलत करब तखन हमरा सभ केँ न्यायक सोझाँ अनताह।

2. घमंडी वा अहंकारी नहि होबाक चाही, प्रभुक नजरि मे हम सब बराबर छी।

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. रोमियो 12:3 - किएक तँ हमरा देल गेल अनुग्रहक कारणेँ हम अहाँ सभ मे सँ सभ केँ कहैत छी जे अपना केँ ओहि सँ बेसी ऊँच नहि सोचबाक चाही। मुदा एहि तरहेँ सोचू जे नीक विश्वास हो, जेना परमेश् वर एक-एक गोटे केँ विश् वासक माप आवंटित केने छथि।

यिर्मयाह 48:26 ओकरा नशा मे धुत्त बनाउ, किएक तँ ओ परमेश् वरक विरुद्ध अपना केँ बड़ाई कयलनि, मोआब सेहो अपन उल्टी मे लहराओत आ ओकर उपहास सेहो कयल जायत।

मोआब के परमेश् वर के दंड ओकर घमंड आ अहंकार के लेल।

1. घमंड विनाश दिस ल जाइत अछि - नीतिवचन 16:18

2. परमेश् वरक न्याय धार्मिक अछि - भजन 19:9

1. यशायाह 28:1-3 - एप्रैमक शराबी सभक घमंडक मुकुट पर धिक्कार अछि

2. लूका 18:9-14 - फरिसी आ कर वसूलीक दृष्टान्त

यिर्मयाह 48:27 की इस्राएल अहाँक उपहास नहि छल? चोर सभक बीच भेटल छल? कारण, जहिया सँ अहाँ हुनका विषय मे बाजलहुँ, तहिया सँ अहाँ हर्षक कारणेँ कूदि गेलहुँ।”

परमेश् वरक लोक इस्राएल केँ कहियो जाति सभक उपहास आ अस्वीकार कयल गेल छल, मुदा परमेश् वर एखनो ओकरा सभ पर आनन्दित छलाह।

1202

1. भगवान हमरा सभ मे आनन्दित होइत छथि तखनो जखन संसार हमरा सभ केँ अस्वीकार करैत अछि।

2. जाति सभक तिरस्कार सँ प्रभुक आनन्द बेसी होइत छैक।

1. भजन 149:4 - कारण प्रभु अपन लोक मे प्रसन्न होइत छथि; विनम्र लोक केँ मोक्ष सँ शोभा दैत छथि।

2. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यिर्मयाह 48:28 हे मोआब मे रहनिहार सभ, नगर सभ छोड़ि चट्टान मे रहू आ ओहि कबूतर जकाँ बनू जे खधियाक मुँहक कात मे अपन खोंता बनबैत अछि।

1: कठिन समयक बीच सेहो भगवान् सँ सान्त्वना पाबि सकैत छी।

2: विपत्तिक समय मे भगवान् केर शरण मे आनन्द प्राप्त करू।

1: यशायाह 32:2 - आ मनुष् य हवा सँ नुकायल आ आँधी सँ गुप्त स्थान जकाँ होयत। जेना शुष्क स्थान पर पानिक नदी, जेना थकल भूमि मे कोनो पैघ चट्टानक छाया।

2: भजन 36:7 - हे परमेश् वर, अहाँक प्रेम कतेक उत्तम अछि! तेँ मनुष् यक संतान सभ अहाँक पाँखिक छाया मे अपन भरोसा राखि लेलक।

यिर्मयाह 48:29 हम सभ मोआबक घमंड, (ओ बहुत घमंडी अछि) ओकर ऊँचाई, ओकर अहंकार, ओकर घमंड आ ओकर हृदयक घमंड सुनने छी।

मोआब के घमंड आ अहंकार के निंदा कयल गेल अछि।

1. मोआबक घमंड: परमेश् वरक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक एकटा उपदेश

2. घमंड के खतरा: यिर्मयाह भविष्यवक्ता के चेतावनी

1. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

यिर्मयाह 48:30 हम हुनकर क्रोध केँ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि। मुदा एहन नहि होयत। ओकर झूठ ओकरा पर एहन प्रभाव नहि पड़तैक।

भगवान् मनुष्य के क्रोध के जानला के बावजूद भी वादा करै छै कि ई प्रभावी नै होतै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: परमेश् वरक प्रेम आ दया पर भरोसा करब

2. क्रोध पर काबू पाब: विश्वास मे ताकत भेटब

1. भजन 145:8-9 - "प्रभु कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर दया हुनकर सभ किछु पर छनि।"

2. रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

यिर्मयाह 48:31 तेँ हम मोआबक लेल कुहरब, आ समस्त मोआबक लेल चिचियायब। हमर हृदय किर्हेरेसक लोक सभक लेल शोक करत।

मोआब आ किर्हेरेसक लोक सभ विनाश आ बहुत दुखक सामना कऽ रहल अछि।

1. विनाशक त्रासदी आ दुखक समय मे भगवान् मे सान्त्वना भेटबाक महत्व।

2. परमेश् वरक प्रेम अपन सभ लोकक प्रति चाहे ओकर परिस्थिति कोनो हो।

1. विलाप 3:19-24

2. रोमियो 8:38-39

यिर्मयाह 48:32 हे सिबमाक बेल, हम याजेरक कानब सँ अहाँक लेल कानब, अहाँक पौधा समुद्रक ओहि पार चलि गेल अछि, याजेर समुद्र धरि पहुँचि गेल अछि, लूटनिहार अहाँक गर्मीक फल आ अहाँक फसल पर खसि पड़ल अछि।

भगवान सिबमा के बेल के पतन के लेलऽ कानै छै, जेकरऽ पौधा नष्ट होय गेलऽ छै आरू ओकरऽ गर्मी के फल आरू विंटेज चोरी होय गेलऽ छै ।

1. भगवान् हमरा सभक हानि के शोक करैत छथि

2. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 61:3 - ओकरा सभ केँ राखक बदला माला (सौन्दर्यक माला), शोकक बदला आनन्दक तेल, आ मंद आत्माक बदला स्तुतिक वस्त्र देब

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यिर्मयाह 48:33 आ प्रचुर खेत आ मोआब देश सँ हर्ष आ आनन्द हटि गेल अछि। हम दारू दबाबऽ मे मदिरा केँ क्षीण कऽ देलहुँ। हुनका लोकनिक चिचियाहटि कोनो चिचियाहटि नहि होयत।

मोआब सँ आनन्द आ आनन्द छीन लेल जाइत अछि आ ओकर स्थान पर शोक आ निराशा आबि जाइत अछि।

1. आनन्दक विलुप्त होयब: प्रतिकूल समयक माध्यमे कोना दृढ़तापूर्वक रहब

2. जे बोओल अछि से काटि लेब: हमर काजक परिणाम

1. यशायाह 24:11 - शराबक कारण सड़क पर कानब होइत अछि; सब आनन्द अन्हार भ गेल, देशक उल्लास खतम भ गेल।

2. विलाप 5:15 - हमरा सभक हृदयक आनन्द समाप्त भ’ गेल अछि; हमर सबहक नाच शोक मे बदलि गेल अछि।

यिर्मयाह 48:34 हेशबोनक चिल्लाहट सँ ल’ क’ एलेआलेह आ याहाज धरि, की ओ सभ तीन वर्षक बछिया जकाँ सोअर सँ होरोनाइम धरि अपन आवाज बाजल अछि, कारण निमरीमक पानि सेहो उजाड़ भ’ जायत।

हेशबोन, एलेअलेह, याहाज, सोअर, होरोनाईम आ निमरीम सभ हताश आ निराशा मे चिचिया उठल अछि।

1. भगवान हमरा सभक संकट आ निराशाक समय मे सदिखन संग रहैत छथि।

2. अपन सबसँ पैघ दुःखक बीच सेहो भगवान् सँ सान्त्वना आ आशा पाबि सकैत छी।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

यिर्मयाह 48:35 हम मोआब मे सेहो समाप्त क’ देब, परमेश् वर कहैत छथि, जे ऊँच स्थान पर बलि चढ़बैत अछि आ जे अपन देवता सभक लेल धूप जराबैत अछि।

परमेश् वर मोआब मे ओहि सभ केँ समाप्त कऽ देथिन जे ऊँच स्थान पर आराधना करैत छथि आ अपन देवता सभक लेल धूप जराबैत छथि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. सब राष्ट्र पर प्रभु के प्रभुत्व

1. निर्गमन 20:3-6 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

2. भजन 115:8 - जे ओकरा बनबैत अछि से ओकरा सभ जकाँ भ’ जेतै; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

यिर्मयाह 48:36 तेँ हमर मोन मोआबक लेल नली जकाँ बाजत, आ हमर हृदय किरहेरेसक लोक सभक लेल नली जकाँ बजत।

यिर्मयाह के दिल मोआब आरू किर्हेरेस के आदमी सिनी के धन-दौलत के नष्ट होय के कारण शोक करै छै।

1. भगवानक हृदय हमर सभक हानि लेल कानैत अछि - जखन हम सभ हानि भोगैत छी तखन प्रभुक दुख पर प्रचार करैत अछि।

2. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब सीखब - कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करबाक शिक्षा देब।

1. विलाप 3:21-23 - "हम ई बात मोन मे मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि। प्रभुक दया सँ हमरा सभ केँ समाप्त नहि होइत अछि, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।" ."

2. याकूब 1:2-4 - "हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन ई सभटा आनन्द मानू। ई जानि जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि सम्पूर्ण, किछु नहि चाहैत।"

यिर्मयाह 48:37 किएक तँ प्रत्येक माथ गंजा आ दाढ़ी कटल होयत, सभ हाथ पर कटहर आ कमर पर बोरा।

शोक मे हर माथ गंजा आ दाढ़ी कटल रहत। सब हाथ काटि कऽ कमर बोरा मे लपेटल जायत।

1: प्रभु हमरा सभकेँ बजबैत छथि जे जखन हम सभ हानिकेँ अनुभव करैत छी तँ दुखकेँ गले लगाबी, आ ओकरा अपन दुखक निशानीक रूपमे अपन शरीर पर पहिरब।

2: प्रभु हमरा सभ केँ अपन दुख मे विनम्र आ पश्चाताप करय बला बजबैत छथि, आ ओहि विनम्रता केँ बाहरी संकेतक माध्यम सँ प्रदर्शित करबाक लेल बजबैत छथि।

1: यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करय वाला के सान्त्वना देबय लेल, ओकरा राख के बदला मे सुंदरता देबय लेल, शोक के बदला मे आनन्द के तेल देबय लेल, भारीपन के आत्मा के लेल स्तुति के वस्त्र देबय के लेल; जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

2: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

यिर्मयाह 48:38 मोआबक सभ घरक चोटी आ ओकर सड़क पर सामान्यतः विलाप होयत, कारण हम मोआब केँ ओहि बर्तन जकाँ तोड़ि देलहुँ जाहि मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि।

परमेश् वर मोआब केँ तोड़ि देने छथि, जाहि सँ पूरा देश मे व्यापक शोक मचल अछि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाह 48:38 पर एकटा चिंतन

2. परमेश् वरक शक्ति: यिर्मयाह 48:38 मे हुनकर धार्मिक न्यायक परीक्षण

1. यशायाह 3:11 - किएक तँ देखू, सेना सभक प्रभु परमेश् वर यरूशलेम आ यहूदा सँ सहारा आ आपूर्ति, रोटीक सभ सहारा आ पानिक सभ सहारा छीनि रहल छथि।

2. आमोस 5:24 - मुदा न्याय पानि जकाँ गुड़कि जाय आ धर्म सदिखन बहैत धार जकाँ।

यिर्मयाह 48:39 ओ सभ कुहरैत रहत जे, “ई कोना टूटल अछि! मोआब कोना लाज सँ पीठ फेरलक! तहिना मोआब हुनका विषय मे सभ लोकक लेल उपहास आ निराशाजनक होयत।

मोआब टूटि गेल अछि आ ओकरा आसपासक लोक लाज आ उपहासक उदाहरणक रूप मे देखैत अछि।

1. राष्ट्रक परमेश् वरक अनुशासन: सभक लेल चेतावनी

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

1. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत।

2. भजन 107:17-18 - किछु गोटे अपन पापपूर्ण तरीका सँ मूर्ख छलाह, आ अपन अधर्मक कारणेँ दुःख भोगलनि। ओ सभ कोनो तरहक भोजन सँ घृणा करैत छल, आ ओ सभ मृत्युक फाटक लग आबि गेल छल।

यिर्मयाह 48:40 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, ओ गरुड़ जकाँ उड़त आ मोआब पर अपन पाँखि पसारि लेत।

भगवान् मोआब के दुश्मनऽ स॑ बचाबै के वादा करै छै आरू सुरक्षा के व्यवस्था करै छै जेना कि गरुड़ अपनऽ बच्चा के रक्षा करै छै ।

1. "भगवानक रक्षा: मोआबक लेल एकटा शरण"।

2. "भगवानक प्रतिज्ञा: गरुड़क पाँखि"।

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नवीन बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; ओ सभ दौड़त आ थाकि नहि जायत; ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पिण्डी सँ झाँपि देत, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; हुनकर विश्वास ढाल आ बकलर अछि।"

यिर्मयाह 48:41 केरियोत पकड़ल गेल अछि, आ गढ़ सभ आश्चर्यचकित भ’ गेल अछि, आ ओहि दिन मोआब मे पराक्रमी सभक हृदय ओहिना होयत जेना कोनो महिलाक पीड़ा मे पड़ि गेल अछि।

मोआबक गढ़ आ पराक्रमी लोकनि आश्चर्यचकित भ' जेताह, आ प्रसव मे पड़ल स्त्री जकाँ हुनका लोकनिक हृदय भय आ भय सँ भरल रहतनि।

1. भगवान सब पर सार्वभौम छथि: भय आ चिंता के समय में प्रभु पर भरोसा करब

2. अप्रत्याशित आशीर्वाद: प्रतिकूलताक सामना करैत आनन्द करब सीखब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

यिर्मयाह 48:42 मोआब एकटा प्रजा बनबा सँ नष्ट भ’ जायत, कारण ओ प्रभुक विरुद्ध अपना केँ बड़ाई क’ लेने अछि।

मोआब परमेश् वरक विरुद्ध घमंड सँ अपना केँ ऊपर उठौबाक कारणेँ नष्ट भऽ जायत।

1: घमंड विनाश स पहिने जाइत अछि - नीतिवचन 16:18

2: प्रभुक समक्ष अपना केँ विनम्र बनाउ - याकूब 4:6-10

1: यशायाह 13:11 - हम संसार केँ ओकर दुष्टताक लेल, आ दुष्ट केँ ओकर अधर्मक लेल दंडित करब।
हम घमंडी लोकक अहंकार केँ समाप्त क' देब, आ भयंकर लोकक घमंड केँ नीचाँ राखब।

2: यशायाह 5:15 - नीच आदमी केँ नीचाँ खसा देल जायत, आ पराक्रमी नम्र भ’ जायत, आ ऊँच लोकक आँखि नम्र भ’ जायत।

यिर्मयाह 48:43 हे मोआब निवासी, भय, गड्ढा आ जाल, अहाँ पर पड़त, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर मोआबक निवासी सभ केँ चेताबैत छथि जे हुनका सभ केँ भय, गड्ढा आ जाल सँ सामना करय पड़तनि।

1. प्रभुक भय बुद्धिक प्रारम्भ थिक

2. प्रभुक चेतावनी पर ध्यान दियौक

1. नीतिवचन 9:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक प्रारंभ होइत छैक, आ पवित्रक ज्ञान बोध होइत छैक।"

2. यिर्मयाह 6:17 - "हम अहाँ सभक ऊपर चौकीदार राखि दैत छी जे, 'तुरहीक आवाज सुनू!'"

यिर्मयाह 48:44 जे भय सँ भागैत अछि, ओ गड्ढा मे खसि पड़त। जे गड्ढा सँ उठत से जाल मे फँसि जायत, किएक तँ हम ओहि पर मोआब पर हुनका सभक दण्डक वर्ष आनि देब।”

परमेश् वर मोआब केँ हुनका सभक मुलाकातक वर्षक बारे मे चेतावनी दैत छथि, जाहि सँ भय आ सजा भेटत।

1. भगवान् हुनकर आज्ञा नहि माननिहार केँ सजा देथिन।

2. प्रभु आ हुनकर न्यायसंगत दण्ड सँ डरू।

1. भजन 33:8-9 सभ पृथ् वी प्रभु सँ डेरय, संसारक सभ निवासी हुनका पर भयभीत भ’ क’ ठाढ़ रहथि। किएक तँ ओ बजैत अछि, आ से पूरा भऽ जाइत अछि। ओ आज्ञा दैत छथिन, आ ओ ठाढ़ भ’ जाइत अछि।

2. नीतिवचन 1:7 प्रभुक भय ज्ञानक आरम्भ होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

यिर्मयाह 48:45 भागल लोक सभ बलक कारणेँ हेशबोनक छाया मे ठाढ़ भ’ गेल, मुदा हेशबोन सँ आगि आ सिहोनक बीच सँ लौ निकलत आ मोआबक कोन आ मुकुट केँ भस्म क’ देत उथल-पुथल वाला के सिर।

परमेश् वरक न्याय हुनका विरोध करयवला सभक लेल विनाश आनि देत।

1207

1: हमरा सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर शिक्षाक प्रति वफादार रहबाक चाही, कारण हुनकर निर्णय उग्र आ अदम्य अछि।

2: भगवानक न्याय केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही, कारण हुनकर क्रोध शक्तिशाली आ अदम्य छनि।

1: रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2: प्रकाशितवाक्य 14:10 - ओ परमेश् वरक क्रोधक मदिरा सेहो पीताह, जे हुनकर क्रोधक प्याला मे पूरा ताकत ढारल गेल अछि। पवित्र स्वर्गदूत आ मेमना के सान्निध्य मे ओकरा आगि आ गंधक सँ सताओल जायत।

यिर्मयाह 48:46 हे मोआब, अहाँक धिक्कार! केमोशक लोक सभ नाश भऽ जाइत अछि, किएक तँ तोहर बेटा सभ बंदी बना लेल गेल अछि आ तोहर बेटी सभ बंदी बना लेल गेल अछि।”

मोआबक विनाश हुनका लोकनिक मूर्तिपूजाक कारणेँ निश्चित अछि |

1: मूर्तिपूजा सँ विनाश आ बंदी बनत।

2: भगवान् के आज्ञा के पालन करू आ अहाँ के समृद्धि भेटत।

1: निकासी 20:3-5 "हमरा सँ पहिने तोहर कोनो आन देवता नहि रहब। तोहर कोनो उकेरल मूर्ति वा ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी मे वा ओहि वस्तुक कोनो प्रतिरूप नहि बनाउ।" पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि, अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि बाप-पिताक अधर्मक सामना करैत छी हमरासँ घृणा करू।"

2: व्यवस्था 28:1-2 "अहाँ जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ लगन सँ सुनब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करब आ पालन करब जे हम अहाँ केँ आइ आज्ञा दैत छी, जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु।" पृथ्वीक सभ जाति सँ ऊपर अहाँ केँ ऊँच कऽ देत, आ ई सभ आशीर्वाद अहाँ पर आबि जायत आ अहाँ केँ पकड़ि जायत, जँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आवाज सुनब।”

यिर्मयाह 48:47 तइयो हम अंतिम समय मे मोआबक बंदी केँ फेर सँ आनि देब, प्रभु कहैत छथि।
एखन धरि मोआबक न्याय अछि।

भविष्य मे परमेश् वर मोआबक बंदी केँ पुनर्स्थापित करताह। ई मोआबक न्याय अछि।

1. परमेश्वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा निश्चित आ निश्चित अछि।

2. हम सभ एखनो परमेश् वरक निर्णय पर भरोसा क' सकैत छी, ओहो प्रतिकूलताक सामना करैत।

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह अध्याय 49 मे अम्मोन, एदोम, दमिश्क, केदार आ एलाम सहित अनेक राष्ट्रक विरुद्ध भविष्यवाणी कयल गेल अछि।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत अम्मोनी के खिलाफ भविष्यवाणी स होइत अछि (यिर्मयाह 49:1-6)। यिर्मयाह हुनका लोकनिक पतन आ हुनकर शहरक विनाशक भविष्यवाणी करैत छथि | हुनका लोकनिक जमीन उजाड़ उजाड़ भूमि बनि जायत।

1208

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह एदोम के बारे में भविष्यवाणी करै छै (यिर्मयाह 49:7-22)। ओ वर्णन करैत छथि जे कोना एदोमक घमंड नीचाँ कयल जायत, आ ओकर सहयोगी ओकरा सभक संग धोखा करत। हुनका लोकनिक जमीन आतंक आ तबाही सँ भरल रहत।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह दमिश्क के बारे में भविष्यवाणी करै छै (यिर्मयाह 49:23-27)। ओ एहि शहरक संग-संग एकर आसपासक शहर सभ पर जे विनाश होयत तकर भविष्यवाणी करैत छथि | दमिश्कक लोक सभ डरसँ भागि जायत।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह केदार आ हासोर के राज्य के बारे में बजैत छथि (यिर्मयाह 49:28-33)। हुनकऽ भविष्यवाणी छै कि ई खानाबदोश जनजाति आरू ओकरऽ बस्ती क॑ भगवान केरऽ न्याय के सामना करना पड़तै । हुनका लोकनिक डेरा आ झुंड छीन लेल जायत।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह एलाम के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ समाप्त करै छै (यिर्मयाह 49:34-39)। ओ दुश्मनक आक्रमणक पूर्वानुमान करैत अछि जे एलाम पर विपत्ति अनैत अछि | ओना भगवान् वादा करैत छथि जे अंतिम समय मे हुनका लोकनिक भाग्य केँ पुनर्स्थापित कयल जायत।

संक्षेप में यिर्मयाह के उनचालीस अध्याय में विभिन्न जाति के खिलाफ भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै: अम्मोन, एदोम, दमिश्क, केदार आरू एलाम। अम्मोन के विनाश के चेतावनी देलऽ जाय छै, ओकरऽ शहर उजड़ होय जाय छै, एदोम के घमंड के निंदा करलऽ जाय छै, कैन्हेंकि ओकरा सहयोगी देशऽ स॑ विश्वासघात के सामना करना पड़ै छै आरू आतंक आरू विनाश के अनुभव होय छै, दमिश्क क॑ विनाश के सामना करै के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ लोगऽ के साथ भय स॑ भागी जाय के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, केदार आरू हासोर के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै न्याय के सामना करना पड़ै छै, अपनऽ डेरा आरू झुंड के खोना, अंत में, एलाम के दुश्मन के आक्रमण के चेतावनी देलऽ जाय छै जे ओकरा पर विपत्ति लानी दै छै। तइयो बाद के दिन में बहाली के आशा छै, कुल मिला क, ई संक्षेप में, अध्याय में राष्ट्रऽ पर परमेश्वर के न्याय के निश्चितता पर जोर देलऽ गेलऽ छै जबकि हुनकऽ ईश्वरीय योजना में अंततः बहाली के लेलऽ हुनकऽ प्रतिज्ञा पर भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 49:1 अम्मोनी सभक विषय मे, परमेश् वर ई कहैत छथि। की इस्राएल के कोनो पुत्र नै छै? की ओकरा कोनो उत्तराधिकारी नहि छैक? तखन हुनका सभक राजा गादक उत्तराधिकार किएक लैत छथि आ हुनकर लोक हुनकर नगर सभ मे किएक रहैत छथि?

प्रभु प्रश्न करै छै कि अम्मोनी के राजा के गाद के उत्तराधिकार कियैक मिललऽ छै आरू ओकरऽ लोग अपनऽ शहर में कियैक रह॑ छै।

1. भगवान हमरा सब के कोनो समुदाय के हिस्सा बनय के जरूरत के स्वीकार करैत छथि आ अपन विरासत के उत्तराधिकारी बनय के।

2. हमरा सभकेँ एहि बातक प्रति सजग रहबाक चाही जे हमर सभक काजसँ हमर समुदाय आ छोड़ल गेल लोक सभकेँ कोन तरहक फायदा होइत छैक।

1. गलाती 6:9-10 नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भऽ जायब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब। तेँ जहिना हमरा सभ केँ अवसर भेटैत अछि, आउ, सभ मनुष्यक संग भलाई करी, खास कऽ विश् वासक घरक लोक सभक लेल।

2. नीतिवचन 3:27-28 जखन अहाँक हाथ मे ई काज करबाक अछि, हुनका सभ सँ नीक नहि रोकू। अपन पड़ोसी केँ ई नहि कहब जे जाउ, फेर आबि जाउ, आ काल्हि हम दऽ देब। जखन तोरा लग अछि।

यिर्मयाह 49:2 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, जखन हम अम्मोनी सभक रब्बा मे युद्धक आवाज सुनायब। ओ उजड़ल ढेर बनि जायत आ ओकर बेटी सभ आगि मे जरि जायत, तखन इस्राएल ओकर उत्तराधिकारी सभक उत्तराधिकारी बनत, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अम्मोनी सभक रब्बा मे युद्धक अलार्म पठा देत आ ओकरा नष्ट कऽ देत, जाहि सँ इस्राएल केँ ओकर उत्तराधिकारी बनाओल जायत।

1. दुष्ट पर परमेश् वरक न्याय - यिर्मयाह 49:2

1209

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - रोमियो 9:14-21

1. यिर्मयाह 49:2

2. रोमियो 9:14-21

यिर्मयाह 49:3 हे हेशबोन, हुंकार करू, किएक तँ ऐ लूटि गेल अछि, हे रब्बाक बेटी सभ, चीत्कार करू, अहाँ सभ केँ बोरा पहिरि लिअ। विलाप करू, आ हेठक कात मे एम्हर-ओम्हर दौड़ू। कारण, ओकर सभक राजा आ ओकर पुरोहित आ ओकर राजकुमार सभ एक संग बंदी मे चलि जेताह।”

हेशबोन आ रब्बा के लोक सभ केँ बोरा पहिरने विलाप आ विलाप करबाक लेल बजाओल गेल अछि, कारण ओकर राजा आ ओकर पुरोहित आ राजकुमार सभ केँ बंदी बनाओल गेल अछि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमत्व: परमेश् वरक योजना हमरा सभक योजना पर कोना हावी भऽ जाइत अछि

2. विलाप के शक्ति: हमर दुख के आशा में बदलब

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. भजन 30:11 - "अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ; हमर बोरा ढीला क' क' हमरा खुशीक वस्त्र पहिरि देलहुँ।"

यिर्मयाह 49:4 हे पाछू हटि रहल बेटी, अहाँ घाटी मे, अपन बहैत घाटी मे, महिमा किएक करैत छी? जे अपन खजाना पर भरोसा करैत कहैत छल जे, “हमरा लग के आओत?”

प्रभु निंदापूर्वक पूछै छै कि इस्राएल अपनऽ घाटी पर घमंड कियैक करतै आरू ओकरऽ खजाना पर भरोसा कियैक करतै जबे कि वू ओकरा स॑ पीछे हटी गेलऽ छै ।

1. घाटी के धन आ धन पर भरोसा करबाक खतरा

2. पश्चाताप करबाक आ प्रभु पर भरोसा करबाक आवश्यकता

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. लूका 9:25 - जँ मनुष्य पूरा संसार केँ लाभान्वित क’ लेत आ अपन प्राण केँ गमा लेत त’ ओकरा की फायदा?

यिर्मयाह 49:5 देखू, हम अहाँक आसपासक सभ लोक सँ अहाँ पर भय आनब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। अहाँ सभ एक-एक गोटे केँ ठीक सँ भगा देल जायब। भटकनिहार केँ केओ नहि जमा करत।”

परमेश् वर भय पैदा करथिन आ यिर्मयाहक आसपासक लोक सभ केँ भगा देताह, आ भटकनिहार केँ कियो वापस नहि आनि सकैत अछि।

1. परमेश् वरक प्रेम आ न्याय: यिर्मयाह 49:5 आओर हमर सभक जीवनक लेल एकर निहितार्थ

2. प्रभु के भय: यिर्मयाह 49:5 के अध्ययन

1. भजन 34:7 - परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।

2. मत्ती 10:28 - आ ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि, मुदा आत्मा केँ मारबा मे सक्षम नहि अछि, बल् कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे प्राण आ शरीर दुनू केँ नष्ट कऽ सकैत अछि।

यिर्मयाह 49:6 एकर बाद हम अम्मोनक सन् तान सभक बंदी केँ फेर सँ आनि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अम्मोनी सभ केँ अपन घर मे वापस करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक वफादारी: परमेश् वर पर भरोसा करब जे ओ अपन प्रतिज्ञा पूरा करथि

2. पुनर्स्थापना: सब वस्तुक पुनर्स्थापनक प्रतीक्षा

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 8:18-25 - हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत। किएक तँ सृष्टि परमेश् वरक पुत्र सभक प्रगटताक प्रतीक्षा करैत अछि।

यिर्मयाह 49:7 एदोमक विषय मे, सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। की तेमन मे बुद्धि नहि रहि गेल अछि? की विवेकी लोक सँ सलाह नष्ट भ' जाइत अछि? की हुनका लोकनिक बुद्धि विलुप्त भ' गेल छनि?

परमेश् वर पूछि रहल छथि जे की तेमान क्षेत्र मे स्थित एदोम सँ बुद्धि गायब भऽ गेल अछि।

1. परमेश् वरक बुद्धि: एकरा कोना खोजल जाय आ एकर उपयोग कोना कयल जाय

2. परेशान समय मे बुद्धिक खोज

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. नीतिवचन 4:7 - बुद्धि प्रमुख बात अछि; तेँ बुद्धि पाउ, आ अपन सभ भेटि कऽ बुझि जाउ।

यिर्मयाह 49:8 हे देदान निवासी, अहाँ सभ भागू, पाछू घुमि जाउ, गहींर रहू। कारण, हम एसावक विपत्ति हुनका पर आनब, जाहि समय मे हम हुनका सँ भेंट करब।

परमेश् वर देदान के निवासी सिनी कॅ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि भागी क॑ पाछू मुड़ी जाय, कैन्हेंकि वू समय पर ओकरा सिनी प॑ विपत्ति लानी देतै ।

1. भगवान आबि रहल छथि: एखन तैयारी करू नहि त परिणामक सामना करू

2. भगवानक सार्वभौमत्व: विनम्र लोक सेहो हुनकर क्रोध सँ नहि बचि सकैत छथि

1. यशायाह 55:6 - जाबत धरि ओ भेटि जेताह ता धरि प्रभु केँ ताकू; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू।

2. भजन 33:18 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर दयाक आशा रखैत छथि।

यिर्मयाह 49:9 जँ अंगूर बटोरनिहार अहाँक लग आबि जायत तँ की ओ सभ किछु अंगूर तोड़य बला नहि छोड़त? जँ राति मे चोर भ' जायत त' जा धरि ओकरा सभ केँ पर्याप्त नहि भ' जायत ता धरि नष्ट क' देत।

अंगूरक बगीचासँ जे चाही से चोर आ चोर लऽ लेत, ओकर बाद किछु नहि छोड़त।

1. अनिश्चितताक बीच भगवानक प्रावधान

2. अप्रत्याशित नुकसानक लेल तैयार रहबाक महत्व

1. मत्ती 6:26-34 - अनिश्चितताक बीच परमेश् वरक प्रावधान

2. नीतिवचन 6:6-11 - अप्रत्याशित नुकसान के लेल तैयार रहबाक महत्व

यिर्मयाह 49:10 मुदा हम एसाव केँ उघार क’ देलहुँ, ओकर गुप्त स्थान सभ केँ उजागर क’ देलहुँ, आ ओ अपना केँ नुका नहि सकैत अछि, ओकर वंशज, ओकर भाय आ ओकर पड़ोसी सभ लूटि गेल अछि, मुदा ओ नहि अछि।

परमेश् वर एसावक नुकायल जगह सभ केँ प्रगट कऽ देने छथि आ हुनकर वंशज सभ भ्रष्ट भऽ गेल छथि, जाहि सँ हुनका कोनो सुरक्षा नहि भेटि गेलनि।

1. भगवान् के न्याय: नुकायल के प्रकट करब आ वंशज के भ्रष्ट करब

2. सुरक्षाक आवश्यकता: परमेश् वरक निर्णय सँ नुकाबय लेल कोनो स्थान नहि

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. भजन 34:17-18 - "धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि, आ प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि; ओ हुनका सभ केँ हुनकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक सभ केँ उद्धार करैत छथि।"

यिर्मयाह 49:11 अपन अनाथ बच्चा सभ केँ छोड़ि दियौक, हम ओकरा सभ केँ जीवित राखब। आ तोहर विधवा सभ हमरा पर भरोसा करथि।”

भगवान् वादा करै छै कि जे कमजोर छै, जेना कि पिताहीन बच्चा आरू विधवा के देखभाल करै छै।

1. "पिताक देखभाल: आवश्यकताक समय मे भगवान् पर भरोसा करब"।

2. "अशक्त के लेल भगवान के रक्षा: हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा"।

1. भजन 27:10 - "जखन हमर पिता आ माय हमरा छोड़ि देताह, तखन प्रभु हमरा उठा लेताह।"

2. मत्ती 5:3-5 - "धन्य अछि जे आत् मा मे गरीब अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य ओकर सभक अछि।
धन्य अछि जे शोक करैत अछि।

यिर्मयाह 49:12 किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, जिनका सभक न् याय छलनि जे प्याला पीबाक नहि छलनि, ओ सभ निश्चित रूप सँ शराब पीबि गेल छथि। की अहाँ ओ अछि जे एकदम सँ अदण्डित रहब? अहाँ अदण्डित नहि रहब, मुदा ओहि मे सँ अवश्य पीब।

भगवान चेतावनी दै छै कि जेकरा सजा के प्याला स॑ पीबै के न्याय करलऽ गेलऽ छै, ओकरा बेदंड नै जाय देलऽ जैतै ।

1. परमेश् वरक न्याय: यिर्मयाह 49:12 क अन्वेषण

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: जे बोबैत छी से कोना काटि लैत छी

1. रोमियो 2:6-11 - परमेश्वरक न्याय न्यायसंगत आ निष्पक्ष अछि।

2. गलाती 6:7-8 - हम सभ जे बोबैत छी से काटि लैत छी, आ हमर सभक काजक परिणाम हमरा सभक पाछाँ चलत।

यिर्मयाह 49:13 किएक तँ हम अपना लेल शपथ खा लेने छी, परमेश् वर कहैत छथि, जे बोस्रा उजाड़, अपमान, उजाड़ आ अभिशाप बनि जायत। ओकर सभ नगर सदाक लेल उजाड़ भऽ जायत।

परमेश् वर वचन देने छथि जे बोजरा केँ उजाड़ आ ओकर सभ शहर केँ बंजर भूमि बना देब।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पक्का अछि - यिर्मयाह 49:13

2. प्रभु के अस्वीकार करबाक अभिशाप - यिर्मयाह 49:13

1. यशायाह 34:5-6 - कारण हमर तलवार स् वर्ग मे नहाओल जायत, देखू, ओ इदुमिया आ हमर अभिशापक लोक पर न्याय करबाक लेल उतरत।

2. यशायाह 65:15 - अहाँ सभ अपन नाम हमर चुनल लोक सभक लेल अभिशापक रूप मे छोड़ि देब, किएक तँ प्रभु परमेश् वर अहाँ केँ मारि देताह आ अपन सेवक सभ केँ दोसर नाम सँ बजौताह।

यिर्मयाह 49:14 हम परमेश् वरक दिस सँ एकटा अफवाह सुनलहुँ, आ एकटा राजदूत जाति-जाति मे पठाओल गेल अछि जे, “अहाँ सभ एकत्रित करू आ ओकरा पर आबि कऽ युद्ध मे उठू।”

भगवान् राष्ट्र सब के एकटा संदेश देने छैथ जे एकजुट भ क एक दुश्मन के खिलाफ लड़य लेल एकजुट भ जाय।

1. एकताक शक्ति: एक संग काज करबासँ ताकत कोना अबैत अछि

2. अन्यायक विरुद्ध ठाढ़ रहब: जे सही अछि ताहि लेल लड़ब

1. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ हम सभ नहि डेराएब, चाहे पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत

2. इफिसियों 6:11-13 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब। कारण, हम सभ मांस-मज्जा सँ नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान सभ मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी।

यिर्मयाह 49:15 हम अहाँ केँ गैर-जातिक बीच छोट आ मनुष् यक बीच तिरस्कृत करब।

परमेश् वर अम्मोन जाति केँ आन जाति मे छोट आ मनुष् य द्वारा तिरस्कृत बना देताह।

1: भगवान् जिनका सँ प्रेम करैत छथि हुनका विनम्र करैत छथि।

2: भगवान् सार्वभौम छथि आ शक्तिशाली जाति केँ सेहो उतारि सकैत छथि।

1: यशायाह 40:15 - "देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजू पर धूरा जकाँ मानल जाइत अछि;"

2: याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

यिर्मयाह 49:16 तोहर भयावहता आ तोहर हृदयक घमंड धोखा देलक, हे चट्टानक दरार मे रहनिहार, जे पहाड़ीक ऊँचाई पर बैसल छी, मुदा अहाँ अपन खोंता गरुड़ जकाँ ऊँच बनाबी, मुदा हम चाहब ओतय सँ उतारू, परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान चेतावनी दै छै कि भले ही कोय सुरक्षित प्रतीत होय वाला जगह पर शरण लेतै, लेकिन ओकरा नीचें उतारै के शक्ति ओकरा में तभियो छै।

1. भगवान् के शरण लेब: हुनकर सान्निध्य मे सुरक्षा पाना

2. गिरबासँ पहिने घमंड अबैत अछि: अति आत्मविश्वासक खतरा

1. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे विश्राम करत।

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।
1213

यिर्मयाह 49:17 एदोम सेहो उजाड़ भ’ जायत, जे कियो ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि से आश्चर्यचकित भ’ जायत आ ओकर सभ विपत्ति पर सिसकी मारत।

एदोम पर जे विपत्ति आयल अछि, ओकर कारणेँ एकटा उजाड़ जगह अछि।

1. परमेश् वरक न्याय: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक सामर्थ् य: एदोम सँ एकटा पाठ

1. आमोस 1:11-12 - प्रभु ई कहैत छथि। एदोमक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ तलवार सँ अपन भाय केँ पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह आ सभ दया केँ छोड़ि देलनि, आ हुनकर क्रोध सदाक लेल फाटि गेलनि आ ओ अपन क्रोध केँ अनन्त काल धरि रखलनि।

2. यशायाह 34:5-6 - कारण हमर तलवार स् वर्ग मे नहाओल जायत, देखू, ओ इदुमिया आ हमर अभिशाप मे पड़ल लोक पर न्यायक लेल उतरत। परमेश् वरक तलवार खून सँ भरल अछि, मोटापा सँ मोट भऽ जाइत अछि, मेमना आ बकरी सभक खून सँ, मेढ़क गुर्दाक चर्बी सँ, किएक तँ परमेश् वरक बोजरा मे बलिदान अछि आ ओहि मे बहुत पैघ वध अछि इदुमिया के भूमि।

यिर्मयाह 49:18 जेना सदोम आ अमोरा आ ओकर पड़ोसी शहरक उखाड़ि फेकबा मे, प्रभु कहैत छथि, ओतय केओ नहि रहत आ ने मनुष् यक पुत्र ओहि मे रहत।

ई अंश सदोम आरू अमोरा के विनाश के बात करै छै, जेकरा में ई बात पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि कोय भी ओकरा में नै रह॑ सकै छै।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति - यिर्मयाह 49:18

2. पापक परिणाम - यिर्मयाह 49:18

1. उत्पत्ति 19:24-25 - परमेश् वर सदोम आ अमोरा पर स् वर्ग सँ गंधक आ आगि बरसौलनि। ओ ओहि नगर सभ, समस्त मैदान, आ ओहि नगर सभ मे रहनिहार आ जमीन पर उपजल सभ केँ उखाड़ि देलनि।

2. यहूदा 7 - जेना सदोम आ अमोरा आ ओकर आसपासक नगर सभ सेहो व्यभिचार मे अपना केँ सौंपैत आ परदेशी मांसक पाछाँ लागि अनन्त आगि केर प्रतिशोध भोगैत उदाहरणक रूप मे प्रस्तुत कयल गेल अछि।

यिर्मयाह 49:19 देखू, ओ यरदन नदीक सूजन सँ सिंह जकाँ बलवानक निवास स्थान पर आबि जायत, मुदा हम ओकरा अचानक ओकरा सँ भागि देब। किएक तँ हमरा सन के अछि? आ हमरा समय के निर्धारित करत? आ ओ चरबाह के अछि जे हमरा सोझाँ ठाढ़ होयत?

भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ सिंह जकाँ मजबूत आवास मे आबि हुनका सभ केँ उखाड़ि देताह, कारण हुनका सन के अछि आ हुनका सोझाँ के ठाढ़ भ' सकैत अछि?

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सर्वशक्तिमानक शक्ति केँ चिन्हब

2. प्रभु पर विश्वास के साथ चुनौती के सामना करना

1. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत। ओ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ कऽ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।

2. भजन 91:14 - किएक तँ ओ हमरा पर अपन प्रेम राखि देने छथि, तेँ हम हुनका बचा देबनि, हम हुनका ऊँच पर राखब, किएक तँ ओ हमर नाम जनने छथि।

यिर्मयाह 49:20 तेँ परमेश् वरक ई सलाह सुनू जे ओ एदोमक विरुद्ध कयलनि अछि। आ ओकर उद्देश्य जे ओ तेमानक निवासी सभक विरुद्ध योजना बनौने छथि, झुंड मे सँ छोट-छोट भेँड़ा ओकरा सभ केँ बाहर निकालि देतैक।

प्रभु केरऽ योजना छै कि एदोम केरऽ लोगऽ क॑ सजा दै के, जेकरा म॑ सबसें छोटऽ झुंड स॑ शुरू होय जाय छै ।

1. परमेश् वरक न्याय: एदोमक प्रभुक दण्ड

2. भगवानक दया: भगवान् झुंडक कम सँ कम केँ कोना प्रयोग करैत छथि

1. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 49:21 पृथ्वी हुनका सभक खसबाक शोर सँ हिलैत अछि, लाल समुद्र मे ओकर आवाज सुनबा मे हिलैत अछि।

कोनो अनजान सत्ताक पतन एतेक जोरसँ होइत अछि जे लाल सागरमे सुनबामे अबैत अछि ।

1. भगवानक शक्ति अनंत अछि आ दूर-दूर धरि सुनल जा सकैत अछि।

2. भगवान् केर न्याय अपरिहार्य अछि आ सब ठाम सुनल जायत।

1. भजन 19:1-4 स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आ आकाश ओकर हाथक काज देखाबैत अछि। दिन-प्रतिदिन बाजब बजैत अछि, आ राति-राति ज्ञान देखाबैत अछि। ने वाणी आ ने भाषा, जतय हुनका लोकनिक आवाज नहि सुनल जाइत छनि । हुनका लोकनिक रेखा समस्त पृथ्वी पर निकलि गेल छनि, आ हुनकर सभक बात संसारक अंत धरि।

2. रोमियो 10:18 मुदा हम कहैत छी, की ओ सभ नहि सुनने छथि? हँ, सत्ते, हुनका लोकनिक आवाज समस्त पृथ्वी मे गेल, आ हुनकर सभक वचन संसारक अंत धरि पहुँचि गेलनि।

यिर्मयाह 49:22 देखू, ओ ऊपर आबि गरुड़ जकाँ उड़त आ बोजरा पर अपन पाँखि पसारि लेत, आ ओहि दिन एदोमक पराक्रमी सभक हृदय एकटा स् त्रीक पीड़ा जकाँ होयत।

परमेश् वर सामर्थ् य आ सामर्थ् यक संग आबि जेताह आ एदोमक लोक सभ भय आ विपत्ति सँ भरल रहताह।

1. परमेश् वरक ताकत आ शक्ति - यिर्मयाह 49:22

2. परमेश् वरक मुँह मे भय आ संकट - यिर्मयाह 49:22

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; ओ दौड़त आ थाकि नहि जायत; ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. लूका 1:13 - "मुदा स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "जकराह, नहि डेराउ, कारण अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि, आ अहाँक पत्नी एलिजाबेथ अहाँ केँ एकटा बेटा पैदा करतीह, आ अहाँ हुनकर नाम यूहन्ना राखि देबनि।"

यिर्मयाह 49:23 दमिश्क के संबंध मे। हमत आ अर्पद भ्रमित भऽ गेल अछि, किएक तँ ओ सभ अधलाह समाचार सुनने अछि। समुद्र पर दुख अछि; चुप नहि भ' सकैत अछि।

आपदा के खबर के कारण हमथ आरू अरपद के लोग भय आरू शोक स॑ भरलऽ छै ।

1. जखन खराब खबरि अबैत अछि: परेशानीक समय मे आराम भेटब

2. प्रतिकूलताक सामना करबा मे लचीलापन

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 12:12 आशा मे आनन्दित रहू; क्लेश मे धैर्यवान; प्रार्थना में क्षण जारी रखना।

यिर्मयाह 49:24 दमिश्क कमजोर भ’ गेल अछि, आ अपना केँ पलायन करबाक लेल घुमि गेल अछि, आ ओकरा पर भय आबि गेल अछि।

दमिश्क संकट आ भय के स्थिति मे अछि।

1: संकट के समय में हम सब भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ शक्ति आ साहस प्रदान करथि।

2: हमरा सभ केँ भगवान् दिस देखबाक चाही जे ओ कठिन समय मे दृढ़तापूर्वक रहबा मे मदद करथि।

1: यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी, निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

यिर्मयाह 49:25 स्तुतिक नगर कोना नहि छोड़ल गेल अछि, हमर आनन्दक नगर!

स्तुति आ आनन्दक नगर आब ओहिना नहि अछि जेना कहियो छल ।

1. स्तुति नगरक आनन्दक स्मरण करब

2. स्तुति शहर मे अपन आनन्दक पुनः खोज

1. भजन 147:1-2 - प्रभुक स्तुति करू! कारण, अपन परमेश् वरक स्तुति गाबय नीक अछि। कारण, ई सुखद अछि, आ स्तुति गीत उचित अछि।

2. यशायाह 51:3 - कारण, प्रभु सियोन केँ सान्त्वना देताह। ओ ओकर सभ उजड़ल स्थान केँ सान्त्वना देत, ओकर जंगल केँ अदन जकाँ, ओकर मरुभूमि केँ परमेश् वरक बगीचा जकाँ बना देत। आनन्द आ आनन्द हुनका मे भेटतनि, धन्यवाद आ गीतक आवाज।

यिर्मयाह 49:26 तेँ ओकर युवक सभ ओकर गली-गली मे खसि पड़तैक आ ओहि दिन सभ युद्धक लोक सभ समाप्त भ’ जायत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् केरऽ न्याय कठोर होतै, जेकरऽ परिणामस्वरूप सड़कऽ पर चलै वाला युवक आरू युद्ध केरऽ आदमी के मौत होय जैतै ।

1: पापक परिणाम भयावह होइत अछि

2: आज्ञाकारिता अनिवार्य अछि

1: यशायाह 55:7 "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2: उपदेशक 12:13-14 "आउ, हम सभ एहि समस्त बातक समापन सुनू: परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। किएक तँ परमेश् वर सभ काज केँ, सभ गुप्त बातक संग, न् याय मे अनताह। नीक हो वा अधलाह।”

यिर्मयाह 49:27 हम दमिश्कक देबाल मे आगि जरा देब आ ओ बेनहददक महल सभ केँ भस्म क’ देत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ दमिश्कक देबाल मे आगि जरा देत जे बेनहददक महल सभ केँ भस्म क' देत।

1. परमेश् वरक निर्णय: अधर्मक परिणाम

2. भगवान् केर शक्ति आ अधिकार

1. यशायाह 10:5-6 - धिक्कार अछि अश्शूर पर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि। हम ओकरा पाखंडी राष्ट्रक विरुद्ध पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा देब जे ओ लूट-लूट केँ लऽ कऽ पकड़ि लेत आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

2. भजन 35:5 - हवाक सामने भूसा जकाँ होउ, आ परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका सभक पीछा करथि।

यिर्मयाह 49:28 केदार आ हासोर राज्यक विषय मे, जकरा बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर मारि देताह, ई परमेश् वर कहैत छथि। उठू, केदार जाउ, आ पूरबक लोक सभ केँ लूटि लिअ।”

प्रभु लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे केदार मे जाउ आ पूबक लोक सभ केँ लूटय।

1. प्रभु आज्ञापालन करबाक आज्ञा दैत छथि: यिर्मयाह 49:28

2. विश्वासी चेला पर प्रभुक आशीर्वाद: यिर्मयाह 49:28

1. दानियल 3:1-30 परमेश् वरक प्रति वफादार तीनू इब्रानी

2. यहोशू 6:1-20 यरीहोक युद्ध

यिर्मयाह 49:29 ओ सभ ओकर सभक डेरा आ ओकर भेँड़ा सभ केँ ल’ जेताह। ओ सभ ओकरा सभ केँ चिचियाओत, “सब कात भय अछि।”

अम्मोनक लोक सभ अपन सभ सम्पत्ति संग अपन घर-घर सँ छीन लेल जायत आ ओकरा सभ केँ घेरने भय सँ भरल रहत।

1. भगवान् नियंत्रण मे छथि, ओहो हमरा सभक भय आ अनिश्चितताक समय मे।

2. हम सभ परमेश् वरक वचन मे आशा आ मार्गदर्शन पाबि सकैत छी, ओहो अपन अन्हार क्षण मे।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 56:3 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

यिर्मयाह 49:30 हे हासोरक निवासी सभ, भागू, दूर जाउ, गहींर रहू, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर अहाँ सभक विरुद्ध विश् वास कयने छथि आ अहाँ सभक विरुद्ध कोनो उद्देश् य सोचने छथि।

हसोर के निवासी सिनी कॅ चेतावनी देलऽ जाय छै कि भागी क॑ शरण लेबै, कैन्हेंकि नबूकदनेस्सर न॑ ओकरा सिनी के खिलाफ सलाह लेन॑ छै ।

1. अबुद्धिमान सलाहक खतरा

2. अनिश्चितताक सामना करबा काल प्रभुक शरण मे जाउ

1. नीतिवचन 15:22 - बिना कोनो सलाहक उद्देश्य निराश भ’ जाइत अछि, मुदा परामर्शदाताक भीड़ मे ओ सभ स्थापित भ’ जाइत अछि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच भऽ जाय तँ हम सभ नहि डेराएब। भले ओकर पानि गर्जैत आ घबराइत हो, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।

यिर्मयाह 49:31 उठू, अहाँ सभ ओहि धनिक जाति मे जाउ, जे बिना कोनो चिन्ता मे रहैत अछि, प्रभु कहैत छथि, जकर ने फाटक अछि आ ने सलाख, जे असगर रहैत अछि।

परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे उठि कऽ एकटा एहन धनी जाति मे जाउ, जकर ने फाटक अछि आ ने सलाख आ असगरे रहैत अछि।

1. अप्रतिबंधित प्रचुरता मे रहब: प्रभुक प्रावधान मे अपन विश्वास केँ मजबूत करब

2. असगर रहब: चिंता के बाधा के तोड़बाक आह्वान

1. यशायाह 33:20-21 - हमरा सभक निर्धारित भोजक नगर सियोन केँ देखू। तोहर आँखि यरूशलेम एकटा शान्त आवास देखब, एकटा एहन तम्बू जे नहि उतारल जायत। एकर एकोटा खूँटा कहियो नहि हटत आ ने ओकर कोनो डोरी टूटत। मुदा ओतहि महिमावान परमेश् वर हमरा सभक लेल चौड़ा नदी आ धारक स् थान बनताह। जाहि मे पाँवड़ाक संग कोनो गैली नहि जायत आ ने वीर जहाज ओहि मे सँ गुजरत।

2. नीतिवचन 28:25 - घमंडी हृदयक लोक झगड़ा करैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, से मोट भ’ जायत।

यिर्मयाह 49:32 ओकर ऊँट लूट बनत आ ओकर पशुक भीड़ लूट बनत। हम ओकरा सभक विपत्ति ओकरा सभक चारू कात सँ आनब, परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् लोकक ऊँट आ मवेशी केँ लूटपाट मे उपयोग करताह, आ ओकरा सभ केँ चारू कात छिड़ियाओत आ चारू कात सँ ओकर विपत्ति अनताह।

1. भगवान् सब वस्तु, एतय तक कि लोकक सम्पत्ति, अपन उद्देश्यक लेल उपयोग करैत छथि।

2. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि, ओहो दूर-दूर धरि के लोकक लेल।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

यिर्मयाह 49:33 हसोर अजगर सभक निवास आ अनन्त काल धरि उजाड़ बनत।

हजोर एकटा उजाड़ उजाड़ भूमि बनि जायत, आब कहियो मनुक्खक निवास नहि होयत।

1. जीवन वा ओहि मे जे चीज अछि ओकरा हल्का मे नहि लिअ, कारण ओकरा क्षणहि मे छीन लेल जा सकैत अछि।

2. सांसारिक सम्पत्ति पर भरोसा नहि करू, कारण ओकरा बिना कोनो चेतावनी के छीन लेल जा सकैत अछि।

1. मत्ती 6:19-21 पृथ्वी पर अपना लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर करैत अछि घुसि कऽ चोराब नहि। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

1218

2. भजन 39:5-6 निश्चित रूप सँ प्रत्येक आदमी छाया जकाँ घुमैत अछि। निश्चित रूपसँ ओ सभ व्यर्थमे व्यस्त भ’ जाइत छथि । धनक ढेर लगा दैत अछि, आ नहि जनैत अछि जे के जमा करत।

यिर्मयाह 49:34 यहूदाक राजा सिदकिय्याहक शासनक प्रारंभ मे एलामक विरुद्ध यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ जे वचन आयल छल।

सिदकिय्याहक शासनकाल मे यिर्मयाह केँ एलामक विरुद्ध प्रभुक वचन आयल।

1. प्रभुक वचन विश्वसनीय आ प्रासंगिक अछि

2. बात उदास देखबा मे सेहो भगवान पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:11 हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

२.

यिर्मयाह 49:35 सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि। देखू, हम हुनका सभक पराक्रमक प्रमुख एलामक धनुष तोड़ि देबनि।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी एलाम के धनुष के तोड़ी देतै, जे हुनका सिनी के सबसें बड़ऽ ताकत के स्रोत छेकै।

1. परमेश् वरक ताकत हमरा सभसँ बेसी अछि - यिर्मयाह 49:35

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब - यिर्मयाह 49:35

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. यशायाह 40:29 - "ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे सामर्थ्य नहि अछि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।"

यिर्मयाह 49:36 हम एलाम पर आकाशक चारू कात सँ चारू हवा केँ आनब आ ओकरा सभ हवा दिस छिड़िया देब। आ एहन कोनो राष्ट्र नहि होयत जतय एलामक बहिष्कृत लोक सभ नहि आओत।

परमेश् वर चारू हवा केँ आनि सभ जाति मे छिड़िया देथिन, आ एहन कोनो राष्ट्र नहि रहत जतय एलामक बहिष्कृत लोक सभ नहि आओत।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

2. परिवर्तनक हवा

1. यशायाह 43:5-6 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; हम अहाँक संतान केँ पूरब सँ आनि देब, आ पश्चिम सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ देश केँ।" दक्षिण, नहि रोकू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू।

2. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

यिर्मयाह 49:37 हम एलाम केँ ओकर शत्रु सभक सोझाँ आ ओकर जान चाहनिहार सभक सोझाँ चकित करब, आ हम ओकरा सभ पर दुष् टता आनि देब, हमर प्रचंड क्रोध, परमेश् वर कहैत छथि। जाबे तक हम ओकरा सभ केँ नष्ट नहि कऽ देब ताबत धरि हम ओकरा सभक पाछाँ तलवार पठा देब।

परमेश् वर हुनका सभक पापक सजाय मे एलाम केँ विनाश अनताह।

1. पापक परिणाम: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. पश्चाताप के तात्कालिकता: बहुत देर स पहिने पाप स मुड़ब

1. प्रकाशितवाक्य 14:10-11 - दुष्ट केँ अपन पापक उचित सजा भेटत

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि आ बहुत देर होबय सँ पहिने दुष्टता सँ मुड़ू।

यिर्मयाह 49:38 हम अपन सिंहासन एलाम मे राखब आ ओतय सँ राजा आ राजकुमार सभ केँ नष्ट करब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन सिंहासन एलाम मे ठाढ़ करताह आ राजा आ राजकुमार सभक नाश करताह।

1. प्रभु पर भरोसा करू - ओ हमर सभक शक्ति आ शरण छथि

2. भगवानक न्याय - जे अन्यायी अछि ओकरा न्याय आनत

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 9:9 - "प्रभु दबल-कुचलल लोकक शरण रहताह, विपत्तिक समय मे सेहो शरण रहताह।"

यिर्मयाह 49:39 मुदा अंतिम दिन मे एहन होयत जे हम एलाम केँ बंदी बना लेब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अंतिम समय मे एलाम के बंदी के पुनर्स्थापित करताह।

1: भगवान् कठिनाई आ निराशा के बीच सदिखन जीर्णोद्धार आ आशा अनताह।

2: स्थिति कतबो कठिन किएक नहि हो, परमेश् वर मोक्ष आ पुनर्स्थापनक एकटा तरीका बनाओताह।

1: यशायाह 43:19 देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

2: रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह अध्याय 50 में बेबिलोन के खिलाफ भविष्यवाणी आरू इस्राएल के लेलऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यिर्मयाह के माध्यम स’ बेबिलोन के खिलाफ परमेश्वर के संदेश स’ होइत अछि (यिर्मयाह 50:1-3)। एकटा घमंडी आरू दमनकारी राष्ट्र के रूप में प्रतिनिधित्व करलौ गेलौ बेबिलोन कॅ परमेश् वर के लोग सिनी के साथ अपनऽ अहंकार आरू दुर्व्यवहार के कारण न्याय के सामना करना पड़तै।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन के खिलाफ जाति के जमा होय के वर्णन करै छै (यिर्मयाह 50:4-10)। परमेश् वर बाबुल पर विनाश करबाक लेल सेना ठाढ़ करताह आ ओकर निवासी सभ डरैत भागि जेताह।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन के न्याय के कारण के घोषणा करै छै (यिर्मयाह 50:11-20)। हुनका लोकनिक घमंड, मूर्तिपूजा आ हिंसा परमेश् वरक क्रोध भड़का देने अछि। ओ हुनका सभक झूठ देवता सभक प्रतिशोध लेत आ अपन लोक केँ ओकर अत्याचार सँ मुक्त करत।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह इस्राएल केँ अपन देश मे वापस आबय लेल आह्वान करैत छथि (यिर्मयाह 50:21-32)। जाति-जाति के बीच छिड़िया गेलाक बादो परमेश् वर वचन दैत छथि जे ओ अपन लोक सभ

केँ पृथ्वीक कोना-कोना सँ एकत्रित करताह। ओ ओकर अत्याचारी पर न्याय करत आ ओकरा समृद्ध राष्ट्रक रूप मे पुनर्स्थापित करत।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन के पतन के बारे में बजैत छथि (यिर्मयाह 50:33-46)। एहि शहर पर उत्तर दिस स सेना कब्जा क लेत, जाहि स बहुत तबाही होएत। बाबुलक घमंडी राज्य सदाक लेल उजाड़ भ’ जायत।

संक्षेप में यिर्मयाह के पचास अध्याय में बेबिलोन के खिलाफ भविष्यवाणी आरू इस्राएल के लेलऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । बेबिलोन परमेश् वरक लोक सभक प्रति घमंड आ दुर्व्यवहारक कारणेँ निन्दा कयल गेल अछि। एकरऽ खिलाफ राष्ट्र जमा होय जाय छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप एकरऽ पतन होय छै, ई फैसला के पाछू के कारण बतैलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ मूर्तिपूजा आरू हिंसा भी शामिल छै । परमेश् वर झूठ देवता सभ सँ बदला लेबाक आ अपन लोक सभ केँ उद्धार करबाक वादा करैत छथि, इस्राएल केँ निर्वासन सँ घुरबाक लेल बजाओल गेल अछि, जेना परमेश् वर सभ जाति सँ हुनका सभ केँ एकत्रित करैत छथि। ओ ओकर अत्याचारी पर न्याय सुनिश्चित करैत अछि जखन कि ओकरा एकटा समृद्ध राष्ट्र के रूप मे बहाल करैत अछि, अंत मे, बेबिलोन के पतन के भविष्यवाणी कयल गेल अछि, जाहि मे तबाही स्थायी उजाड़ के तरफ ल जाइत अछि, कुल मिला क, ई संक्षेप मे, अध्याय में अहंकारी राष्ट्र के सामना करय बला परिणाम पर प्रकाश देल गेल अछि, बहाली के आश्वासन के लेल परमेश् वरक चुनल लोक, आ उचित समय पर ईश्वरीय न्यायक पूर्ति।

यिर्मयाह 50:1 जे वचन परमेश् वर यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा बेबिलोन आ कल्दीक देशक विरुद्ध कहलनि।

प्रभु यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा बेबिलोन आ कल्दीक देशक विरुद्ध न्यायक वचन कहलनि।

1. भगवान् के अटल संप्रभुता

2. भगवान् केर आज्ञा मानय सँ मना करबाक परिणाम

1. यशायाह 46:10-11; हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ अंतक घोषणा करैत छी, आ प्राचीन काल सँ एखन धरि जे काज नहि भेल अछि, तकरा कहैत छी जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।”

2. यिर्मयाह 25:12-13; जखन सत्तरि वर्ष पूरा भऽ जायत तखन हम बाबुलक राजा आ ओहि जाति केँ ओकर अपराध आ कल्दी सभक देश केँ सजा देब आ ओकरा सदाक लेल उजाड़ बना देब।”

यिर्मयाह 50:2 अहाँ सभ जाति सभक बीच घोषणा करू आ प्रचार करू आ एकटा झंडा ठाढ़ करू। प्रकाशित करू, आ नुका कऽ नहि राखू: कहू, ‘बाबुल पकड़ल गेल, बेल भ्रमित भ’ गेल, मेरोदक टूटि- टुकड़ भ’ गेल। ओकर मूर्ति भ्रमित भ' गेलै, ओकर मूर्ति सभ टुकड़ा-टुकड़ा भ' गेलै।

परमेश् वर सभ जाति केँ ई घोषणा करबाक लेल आह्वान करैत छथि जे बेबिलोन पर विजय प्राप्त भऽ गेल अछि आ ओकर मूर्ति आ मूर्ति सभ केँ नष्ट कऽ देल गेल अछि।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: परमेश् वरक घोषणा बेबिलोन केँ कोना खसा देलक

2. मूर्तिपूजा आ ओकर परिणाम: बेबिलोन आ ओकर मूर्तिक पतन

1. यशायाह 48:20: "हे सभ बाबुल सँ बाहर जाउ, कल्दी सभ सँ भागू, गीतक आवाज सँ घोषणा करू, ई बात कहू, पृथ् वीक अन् त धरि बाजू याकूब।"

2. भजन 46:8-9: आऊ, देखू, परमेश् वरक काज सभ, ओ पृथ् वी मे केहन उजाड़ बनौने छथि। ओ पृथ्वीक अंत धरि युद्ध केँ समाप्त क' दैत छथि। धनुष तोड़ि कऽ भाला केँ काटि दैत अछि। ओ रथ केँ आगि मे जरा दैत छथि।

यिर्मयाह 50:3 किएक तँ उत्तर दिससँ एकटा जाति ओकरा विरुद्ध आबि रहल अछि जे ओकर देशकेँ उजाड़ बना देतैक आ ओहिमे कियो नहि रहतैक।

1221

बेबिलोन राष्ट्र इस्राएल के खिलाफ अपनऽ देश के उजाड़ बनाबै लेली आबी रहलऽ छै आरू वहाँ केओ नै रहतै।

1. कठिन समय मे भगवानक दया आ कृपा

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 54:7 हम अहाँ केँ थोड़ेक काल लेल छोड़ि देलहुँ, मुदा बहुत दया सँ अहाँ सभ केँ जमा करब।

2. इजकिएल 36:19-20 हम ओकरा सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देलहुँ, आ ओ सभ देश मे तितर-बितर भ’ गेल। हम हुनका लोकनिक आचरण आ काजक अनुसार न्याय करैत छलहुँ । ओ सभ जाति सभक बीच कतहु गेलाह, हमर पवित्र नाम केँ अपवित्र कयलनि, कारण हुनका सभक बारे मे कहल गेल छलनि, “ई सभ प्रभुक लोक छथि, आ तैयो हुनका सभ केँ हुनकर देश छोड़य पड़लनि।”

यिर्मयाह 50:4 ओहि दिन आ ओहि समय मे, यहोवा कहैत छथि, इस्राएलक संतान आ यहूदाक लोक सभ एक संग जा कऽ कानि कऽ आओत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे इस्राएल आ यहूदाक सन् तान सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक खोज मे दुखी भऽ कऽ एक ठाम आबि जायत।

1. "दुःख मे एक संग एबाक शक्ति"।

2. "प्रभु के खोज: विश्वास के यात्रा"।

1. इब्रानी 10:22-25 - विश्वासक पूर्ण आश्वासन मे सच्चा हृदयक संग नजदीक आबि, अपन हृदय केँ दुष्ट विवेक सँ साफ छिड़कल आ अपन शरीर केँ शुद्ध पानि सँ धोओल।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

यिर्मयाह 50:5 ओ सभ मुँह दिस मुँह कए सियोनक बाट पूछत आ कहत जे, “आउ, आ हम सभ प्रभुक संग एकटा एहन सनातन वाचा मे जुड़ि जाइ जे बिसरल नहि जायत।”

लोक सभ केँ प्रभु लग घुरबाक लेल बजाओल गेल अछि आ एकटा सनातन वाचा मे शामिल भ' जाय।

1. "एकटा सनातन वाचाक आशीर्वाद"।

2. "सिय्योन के मार्ग: प्रभु के पास वापसी"।

1. यशायाह 40:3-5 - "एकटा आवाज चिचिया रहल अछि: जंगल मे प्रभुक बाट तैयार करू; मरुभूमि मे हमरा सभक परमेश् वरक लेल एकटा राजमार्ग सोझ करू।"

2. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हुनका लग दूर सँ प्रकट भेलाह। हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; तेँ हम अहाँक प्रति अपन वफादारी बनौने छी।"

यिर्मयाह 50:6 हमर लोक हेरायल भेँड़ा बनि गेल अछि, ओकर चरबाह ओकरा सभ केँ भटकौलक, ओकरा सभ केँ पहाड़ पर घुमा देलक, ओ सभ पहाड़ सँ दोसर पहाड़ पर चलि गेल, ओ सभ अपन विश्राम स्थल बिसरि गेल।

परमेश् वरक लोक सभ भटकि गेल अछि, आ ओकर चरबाह सभ एकर कारण बनल अछि, जे ओकरा सभ केँ अपन विश्राम स्थल सँ दूर लऽ गेल अछि।

1. अपन लोकक भटकलाक बादो परमेश् वरक प्रेम

2. चरबाह के जिम्मेदारी जे ओ सही तरीका स नेतृत्व करथि

1. इजकिएल 34:1-10

1222

2. यशायाह 40:11-12

यिर्मयाह 50:7 जे सभ ओकरा सभ केँ भेटलैक, से सभ ओकरा सभ केँ खा गेल, आ ओकर सभक विरोधी सभ कहलक जे, “हम सभ अपराध नहि करैत छी, किएक तँ ओ सभ न्यायक निवास परमेश् वरक विरुद्ध पाप कयलनि, जे अपन पूर्वज सभक आशा अछि।”

इस्राएल के लोग सिनी के शत्रु सिनी ओकरा सिनी कॅ खा गेलै, ई दावा करी कॅ कि ओकरो सिनी के ई काम आपत्तिजनक नै छेलै, कैन्हेंकि इस्राएल के लोग सिनी परमेश् वर के खिलाफ पाप करलकै।

1. भगवान न्यायी आ विश्वासी छथि: हुनकर पक्ष मे कोना रहब

2. प्रभुक विरुद्ध पाप करबाक की अर्थ होइत छैक?

२.

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

यिर्मयाह 50:8 बाबुलक बीच सँ हटि कऽ कल्दीक देश सँ बाहर निकलू आ झुंडक आगू बकरी जकाँ बनू।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे बाबुल छोड़ि जंगली बकरी जकाँ झुंडक आगू भागि जाय।

1. पापक बीच नहि फँसि जाउ

2. कठिनाइक सामना करैत बोल्ड रहब

२.

2. निर्गमन 14:13-14 - मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ, ठाढ़ भ’ क’ देखब जे परमेश् वरक उद्धार केँ देखब, जे ओ आइ अहाँ सभ केँ देखौताह। अहाँ सभ ओकरा सभ केँ फेर अनन्त काल धरि नहि देखब।” प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह आ अहाँ सभ चुप रहब।

यिर्मयाह 50:9 देखू, हम उत्तर देशक पैघ जाति सभक मंडली केँ ठाढ़ क’ क’ बाबुल पर चढ़ा देब। ओतऽ सँ ओकरा लऽ जेतै, ओकरा सभक बाण कोनो पराक्रमी विशेषज्ञक बाण जकाँ होयत। कियो व्यर्थ नहि घुरत।

परमेश् वर उत्तर दिस सँ पैघ-पैघ जाति सभक मंडली ठाढ़ करताह जे बाबुल पर आक्रमण करथि आ ओकरा पकड़ि लेताह।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य जाति सभ मे सँ बलशाली केँ सेहो नीचाँ उतारि सकैत अछि।

2. भगवान् अपन इच्छा पूरा करबाक लेल दोसरक शक्तिक उपयोग करताह।

1. भजन 46:9 - ओ पृथ्वीक अंत धरि युद्ध केँ समाप्त क’ दैत छथि; धनुष तोड़ि कऽ भाला दू भाग मे काटि दैत अछि; आगि मे रथ जरा दैत छथि ।

2. 2 इतिहास 20:15 - एहि बहुत रास भीड़क कारणेँ नहि डेराउ आ ने निराश होउ, किएक तँ युद्ध अहाँक नहि अपितु परमेश् वरक अछि।

यिर्मयाह 50:10 कल्दी लूट होयत, जे ओकरा लूटैत अछि, से सभ तृप्त भ’ जायत, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर कल्दिया पर अत्याचार आ लूटनिहार सभ केँ न्याय देथिन।

1. परमेश् वर न्याय अनैत छथि: यिर्मयाह 50:10 क परीक्षा

2. प्रभुक संतुष्टि: यिर्मयाह 50:10 पर एकटा ध्यान

1. यशायाह 40:10-11 - देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल’ क’ आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करत, देखू, हुनकर इनाम हुनका संग छनि आ हुनकर काज हुनका सामने छनि।

2. भजन 18:47-48 - ई परमेश् वर छथि जे हमरा बदला लैत छथि आ लोक सभ केँ हमरा अधीन करैत छथि। ओ हमरा हमर शत्रु सभ सँ बचाबैत छथि, हँ, अहाँ हमरा हमरा विरुद्ध उठयवला सभ सँ ऊपर उठबैत छी।

यिर्मयाह 50:11 हे हमर धरोहरक नाश करनिहार, अहाँ सभ प्रसन्न भेलहुँ, कारण अहाँ सभ आनन्दित भेलहुँ, कारण अहाँ सभ घास मे बछिया जकाँ मोट भ’ गेल छी, आ बैल जकाँ गूँजैत छी।

भगवान् के धरोहर के विनाशक आनन्दित आ समृद्ध होइत छथि, मुदा हुनकर महिमा अल्पकालिक होयत।

1. सांसारिक समृद्धि के आडंबर

2. दुष्टता मे आनन्दित हेबाक खतरा

1. याकूब 4:13-16

2. यशायाह 10:1-3

यिर्मयाह 50:12 अहाँक माय बहुत भ्रमित भ’ जेतीह। जे अहाँ सभ केँ जन्म देलक से लजा जायत, देखू, जाति सभक पाछाँ मे जंगल, शुष्क देश आ मरुभूमि होयत।

परमेश् वरक लोक लज्जित भऽ जंगल, शुष्क भूमि आ मरुभूमि मे निर्वासित भऽ जायत।

1. भगवान् के दण्ड: आज्ञा नै आज्ञा के परिणाम के समझना

2. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: कठिन समय में भगवान के कृपा

1. यशायाह 51:20-21 - "अहाँक बेटा सभ बेहोश भ' गेल अछि; ओ सभ गली-गली मे जाल मे कूक जकाँ पड़ल अछि; ओ सभ प्रभुक क्रोध सँ भरल अछि, जे अहाँक परमेश् वरक डाँट अछि। तेँ कृपा करू।" हे दुःखी, जे नशा मे धुत्त छी, मुदा मदिराक संग नहि, ई बात सुनू।

2. यशायाह 10:3 - दंडक दिन आ दूर सँ आबय बला उजाड़ मे अहाँ की करब? केकरा लग मददि लेल भागब? आ अहाँ अपन महिमा कतय छोड़ि देब?

यिर्मयाह 50:13 परमेश् वरक क्रोधक कारणेँ एहि ठाम आबाद नहि होयत, बल् कि ई पूर्णतः उजाड़ भऽ जायत, जे कियो बाबुल सँ गुजरैत अछि, से सभ आश्चर्यचकित होयत आ ओकर सभ विपत्ति सँ सिसकी मारत।

परमेश् वरक क्रोधक कारणेँ बेबिलोन उजाड़ भऽ जायत।

1: परमेश् वरक क्रोध केँ कम नहि बुझू, कारण ई शक्तिशाली अछि आ हुनका क्रोधित करयवला सभक लेल विनाश आनि देत।

2: भगवान् के आराधना आ आदर करू, कारण ओ पराक्रमी छथि आ हुनकर अवहेलना करय वाला के विनाश द सकैत छथि।

1: रोमियो 12:19-20 "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँ सभक शत्रु भूखल अछि।" , ओकरा खुआ दियौक, जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक।"

2: याकूब 1:19-20 "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी करू, बाजबा मे देरी करू, क्रोध मे देरी करू, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

यिर्मयाह 50:14 चारू कात बाबुलक विरुद्ध ठाढ़ रहू, अहाँ सभ जे धनुष मोड़ैत छी, ओकरा पर गोली मारू, बाण नहि छोड़ू, किएक तँ ओ प्रभुक विरुद्ध पाप कएने अछि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ अपन पापक लेल बेबिलोनक विरुद्ध न्याय मे ठाढ़ हेबाक लेल बजबैत छथि।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक विरुद्ध पाप करयवला सभक न्याय मे ठाढ़ हेबाक चाही, जेना परमेश् वर द्वारा हमरा सभ केँ बजाओल गेल अछि।

2: धर्म आ न्यायक लेल ठाढ़ हेबामे हमरा सभकेँ नहि डरबाक चाही, भले ओ अलोकप्रिय हो।

1: यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2: याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

यिर्मयाह 50:15 ओकरा चारू कात चिचियाउ, ओ अपन हाथ द’ देलक अछि, ओकर नींव खसि पड़ल अछि, ओकर देबाल खसि पड़ल अछि, कारण ई परमेश् वरक प्रतिशोध अछि, ओकर बदला लिअ। जेना ओ केने छथि, तेना हुनका संग करू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ अपन दुष्टताक बदला लेबाक लेल बाबुल सँ आह्वान करैत छथि।

1. परमेश् वरक न्याय - पश्चाताप करबाक आह्वान

2. प्रभुक प्रतिशोध - दयाक अवसर

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. इब्रानी 10:30 - किएक तँ हम सभ हुनका जनैत छी जे कहलनि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। आ फेर, प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।

यिर्मयाह 50:16 बाबुल सँ बोनिहार आ कटनीक समय मे हँसुआ पकड़निहार केँ काटि दियौक।

परमेश् वर बेबिलोनक लोक सभ सँ आह्वान करैत छथि जे ओ अपना केँ अत्याचार आ खतरा सँ बचाबय लेल बोनिहार आ हँसुआ चलाबऽ बला केँ काटि दियौक।

1. पश्चाताप के आह्वान: दमनकारी तलवार स कोना बचल जाय

2. भगवानक निष्ठा: ओ हमरा सभक रक्षा करैत छथि विपत्तिक समय मे

1. भजन 34:4-7 - "हम प्रभु केँ तकलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि आ हमर सभ भय सँ हमरा मुक्त कयलनि। 5 ओ सभ हुनका दिस तकलक आ हल्लुक भ' गेल। 6 ई बेचारा चिचिया उठल, परमेश् वर हुनकर बात सुनलनि आ हुनका सभ विपत्ति सँ बचा लेलनि।

2. मत्ती 6:25-33 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक लेल की पहिरब। की जीवन नहि अछि।" भोजन सँ बेसी, आ वस्त्र सँ शरीर? अहाँ सभ सोचि कऽ हुनकर कदमे एक हाथ बढ़ा सकैत छी?28 आ अहाँ सभ वस्त्रक लेल किएक सोचैत छी? सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ सज-धज कऽ नहि गेलाह। हे अल्प विश्वासी लोक सभ? पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभ वस्तुक आवश्यकता अछि। 33 अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

यिर्मयाह 50:17 इस्राएल एकटा छिड़ियाएल भेड़ अछि; सिंह ओकरा भगा देलकैक, पहिने अश्शूरक राजा ओकरा खा गेलै। आ अंत मे ई बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर ओकर हड्डी तोड़ि देलक।

इस्राएल एकटा छिड़ियाएल भेड़ अछि, जकरा सिंह सभ भगा देलक आ राजा सभ खा गेल अछि।

1: भगवान हमरा सभक रक्षा करताह, तखनो जखन कठिन समय आओत।

2: भगवानक शक्ति पर भरोसा करबाक चाही, ओहो तखन जखन हमर दुश्मन दुर्गम बुझाइत हो।

1: भजन 23:4 "हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

2: यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 50:18 तेँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम बाबुलक राजा आ ओकर देश केँ ओहिना सजा देब, जेना हम अश्शूरक राजा केँ दंडित केने छी।

सेना केरऽ परमेश् वर बेबिलोन केरऽ राजा आरू ओकरऽ देश क॑ ठीक वैसने सजा दै के अपनऽ योजना के खुलासा करै छै, जेना कि वू पहलें अश्शूर के राजा क॑ दंडित करी चुकलऽ छेलै ।

1. परमेश् वरक न्याय: बेबिलोनक राजाक दंड

2. सेना सभक प्रभु: इस्राएलक परमेश् वरक प्रतिशोधक योजना

1. यशायाह 10:12 - "एहि लेल ई होयत जे जखन प्रभु सियोन पर्वत आ यरूशलेम पर अपन पूरा काज क' लेताह, तखन हम अश्शूरक राजाक मोट हृदयक फल आ महिमा केँ दंडित करब।" ओकर ऊँच नजरि।"

2. इजकिएल 25:12-14 - "प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे एदोम प्रतिशोध ल' क' यहूदाक घरानाक संग काज केलक आ ओकरा सभ पर बहुत अपराध कयलक आ ओकरा सभक प्रतिशोध लेलक। तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे हम चाहब।" एदोम पर हमर हाथ पसारि कऽ ओहि मे सँ मनुष् य-पशु केँ काटि देब, आ हम ओकरा तेमान सँ उजाड़ कऽ देब, आ देदानक लोक सभ तलवार सँ खसि पड़त लोक इस्राएल, और ओ सभ एदोम मे हमर क्रोध आ हमर क्रोधक अनुसार काज करत, आ ओ सभ हमर प्रतिशोध केँ बुझत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

यिर्मयाह 50:19 हम इस्राएल केँ ओकर निवास स्थान पर वापस आनि देब, आ ओ कर्मेल आ बाशान पर भोजन करत, आ ओकर प्राण एफ्राइम आ गिलाद पर्वत पर तृप्त होयत।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर मातृभूमि मे पुनर्स्थापित करताह आ ओकरा सभ केँ प्रचुरता सँ आशीर्वाद देथिन।

1. भगवान् हमरा सभक भरण-पोषण सदिखन करताह जँ हुनका पर भरोसा करब।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ पुनर्स्थापित करत।

1. व्यवस्था 8:7-10

2. यशायाह 41:10-13

यिर्मयाह 50:20 ओहि दिन आ ओहि समय मे, प्रभु कहैत छथि, इस्राएलक अधर्मक खोज कयल जायत, मुदा कोनो अपराध नहि होयत। यहूदाक पाप सभ नहि भेटत, किएक तँ हम ओकरा सभ केँ माफ कऽ देब।”

भगवान् जिनका चुनने छथि हुनका माफ क देथिन।

1. भगवानक दया आ क्षमा

2. चुनल गेलाक अनमोलता

1. इफिसियों 1:3-6 - "हमर सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिता केँ धन्य हो, जे हमरा सभ केँ मसीह मे स् वर्गीय स् थान सभ मे सभ आत् मक आशीष दऽ देलनि, जाहि सँ हम सभ प्रेम मे हुनका सामने पवित्र आ निर्दोष बनी: यीशु मसीह द्वारा हुनकर इच्छाक अनुसार अपना लेल संतानक रूप मे अपना लेल पूर्वनिर्धारित कयलनि, जाहि सँ हुनकर अनुग्रहक महिमाक प्रशंसा कयल जाय, जाहि मे हुनका भेटलनि अछि प्रिय मे स्वीकार कयल गेल।

2. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि। कारण, जकरा ओ पहिने सँ जनैत छलाह, ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्व निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय। ओ जिनका सभ केँ पहिने सँ निर्धारित कयलनि, तकरा सभ केँ सेहो बजौलनि, आ जिनका सभ केँ बजौलनि, हुनका सभ केँ सेहो धर्मी ठहरौलनि।

यिर्मयाह 50:21 मेराथैम देश पर चढ़ू, ओहि पर आ पेकोद निवासी सभक विरुद्ध जाउ, हुनका सभक पाछाँ उजाड़ करू आ एकदम नष्ट करू, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ मरताइम देश आ पेकोदक निवासी सभक विरुद्ध जाउ आ परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार हुनका सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट करथि।

1. परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञापालन केँ बुझब

2. प्रतिकूलताक सामना करैत विश्वासक शक्ति

1. यूहन्ना 14:15 - जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करब तँ हमर आज्ञाक पालन करब।

2. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

यिर्मयाह 50:22 देश मे युद्धक आवाज आबि रहल अछि आ बहुत विनाशक आवाज अछि।

परमेश् वरक लोक सभ केँ आसन्न विनाशक चेतावनी पर ध्यान देबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1. युद्धक तैयारी करू: एकटा आह्वान

2. विनाशक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू

1. 1 पत्रुस 5:8-9 - सोझ विचार राखू; चौकस रहू। तोहर शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाइ लेल तकैत अछि। अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ओकर विरोध करू।

2. यशायाह 54:7-8 - हम थोड़ेक काल लेल अहाँ सभ केँ छोड़ि देलहुँ, मुदा बहुत दया सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। क्षण भरि लेल उमड़ैत क्रोध मे हम अहाँ सँ अपन चेहरा नुका लेलहुँ, मुदा अनन्त प्रेम सँ हम अहाँ पर दया करब, अहाँक मुक्तिदाता प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 50:23 पूरा पृथ्वीक हथौड़ा कोना काटि क’ टूटि गेल अछि! बाबुल कोना जाति-जाति सभक बीच उजाड़ बनि गेल अछि!

प्रभुक न्यायक कारणेँ बेबिलोन जाति सभक बीच उजाड़ बनि गेल अछि।

1: भगवान् सर्वशक्तिमान छथि आ हुनकर न्याय न्यायसंगत अछि।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक समक्ष विनम्र रहबाक चाही आ पाप सँ मुँह मोड़बाक चाही।

1: यशायाह 10:33-34 - "एकटा देश मे प्रभुक उद्देश्य क्षण भरि लेल पूरा भ' जाइत अछि, सजा देबाक लेल अपन मजबूत हाथ पसारि क' अपन भयंकर शक्तिक प्रदर्शन करैत छथि। ओहि देशक लोक आ

ओहि सँ गुजरय बला सभ लोक आतंक सँ भरल छथि।" by भयावहता सँ स्तब्ध भ' जाइत छथि। मजाक उड़ाबैत कहैत छथि, एतय केहन भयावह बात भेल अछि!"

2: भजन 33:10-12 - "प्रभु जाति सभक सलाह केँ अमान्य करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल करैत छथि। मुदा प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि; ओ सभ पीढ़ी धरि अपन उद्देश्य केँ पूरा करताह। कतेक धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर।" परमेश् वर प्रभु छथि, जे लोक केँ ओ अपन उत्तराधिकारक रूप मे चुनने छथि!"

यिर्मयाह 50:24 हम तोरा लेल जाल लगा देलहुँ अछि, हे बेबिलोन, तोँ सेहो पकड़ल गेलहुँ, मुदा तोँ नहि बुझल छलहुँ।

परमेश् वर बेबिलोन के लेलऽ एगो जाल लगाय देल॑ छै आरू ओकरा सिनी क॑ अनजान करी देलऽ गेलऽ छै, प्रभु के विरोध के कारण ।

1. "अवज्ञा के परिणाम: बेबिलोन के जाल"।

2. "भगवानक शक्ति: अनभिज्ञ केँ फँसाब"।

1. नीतिवचन 22:3 - "विवेकी आदमी अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

यिर्मयाह 50:25 परमेश् वर अपन शस्त्र भंडार खोललनि आ अपन क्रोधक शस्त्र सभ निकालि देलनि, किएक तँ ई कल्दी सभक देश मे सेना सभक परमेश् वर परमेश् वरक काज अछि।

परमेश् वर अपन शस्त्र भंडार खोलने छथि जे कल्दी सभक विरुद्ध अपन आक्रोशक शस्त्र सामने आनथि।

1. परमेश् वरक क्रोध: पश्चाताप करबाक आह्वान

2. परमेश् वरक निर्णय: हुनकर न्यायक समर्थन करब

1. रोमियो 2:5-6 मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत। ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार बदला देत।

2. यशायाह 10:5-6 धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी। हुनका लोकनिक हाथ मे डंडा हमर क्रोध अछि! हम ओकरा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा दैत छी जे लूट-लूट लूटबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

यिर्मयाह 50:26 अत्यंत सीमा सँ ओकर विरुद्ध आबि, ओकर भंडार खोलू, ओकरा ढेर जकाँ फेकि दियौक आ ओकरा एकदम नष्ट करू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे बेबिलोनक विरुद्ध आबि ओकरा पूर्ण रूप सँ नष्ट कऽ दियौक, किछु नहि छोड़ि।

1. परमेश् वरक विनाश करबाक शक्ति - यिर्मयाह 50:26

2. पश्चाताप करबा स मना करबाक खतरा - यिर्मयाह 50:26

1. यशायाह 13:9-11 - देखू, प्रभुक दिन आबि रहल अछि, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग क्रूर, देश केँ उजाड़ करबाक लेल, आ ओ ओहि मे सँ पापी सभ केँ नष्ट कऽ देत।

2. भजन 137:8-9 - हे बाबुलक बेटी, जे नष्ट होबय बला छी; ओ सुखी हेताह जे अहाँ केँ ओहिना पुरस्कृत करत जेना अहाँ हमरा सभक सेवा केलहुँ। जे तोहर छोट-छोट बच्चा सभ केँ पाथर पर लऽ कऽ ठोकि दैत अछि, से धन्य होयत।

यिर्मयाह 50:27 ओकर सभ बैल केँ मारि दियौक। वधक लेल उतरि जाउ। किएक तँ हुनका सभक दिन आबि गेल अछि, जे हुनका सभक मुलाकातक समय आबि गेल अछि।

बाबुलक लोक सभक लेल न्यायक दिन आबि गेल अछि आ ओकरा सभ केँ वध करबाक लेल आनब आवश्यक अछि।

1: कयामत के दिन जे बोबैत छी से काटि लेबय पड़त

2: भगवान् हमर पाप के बिना सजाय नहि देबय देताह

1: गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बीजत, ओ आत् मा सँ अनन्त जीवनक फसल काटत।”

2: इब्रानी 9:27 - "जहिना मनुष्य केँ एक बेर मरब निर्धारित कयल गेल अछि, आ तकर बाद न्याय होयत।"

यिर्मयाह 50:28 जे सभ बाबुल देश सँ भागि कऽ भागि जाइत अछि, ओकर आवाज, जे सियोन मे हमरा सभक परमेश् वरक प्रतिशोध, हुनकर मन्दिरक प्रतिशोधक घोषणा करत।

बेबिलोन सँ भागल लोक सभ अपन शत्रु सभक प्रति परमेश् वरक बदला लेबाक घोषणा करबाक लेल सियोन आबि गेल अछि।

1. "प्रतिशोध प्रभुक अछि: आज्ञा आज्ञा नहि करबाक परिणाम"।

2. "सिय्योन मे शरण भेटब: निष्ठा के फल"।

1. रोमियो 12:19-21 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत। जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक, जँ ओकरा प्यासल अछि तँ ओकरा किछु पीबय दियौक, एहि काज मे अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब।

2. भजन 149:7-9 - "परमेश् वरक ऊँच-ऊँच स्तुति हुनका सभक मुँह मे रहय आ हाथ मे दूधारी तलवार रहय, जाहि सँ ओ जाति सभक प्रतिशोध आ जाति सभक सजाय, अपन राजा सभ केँ बेड़ी सँ बान्हि, ओकर सभक।" लोहाक बेड़ी ल' क' कुलीन लोकनि, हुनका सभ पर लिखल न्याय केँ निष्पादित करबाक लेल! ई हुनकर सभ ईश्वरभक्तक लेल सम्मान अछि। प्रभुक स्तुति करू!"

यिर्मयाह 50:29 धनुषधारी सभ केँ बाबुलक विरुद्ध बजाउ। एहि मे सँ कियो नहि बचि जाय। जे किछु ओ केने छथि, तकर अनुसार हुनका संग करू, किएक तँ ओ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक विरुद्ध घमंड करैत छथि।

यहूदा के लोग सिनी कॅ प्रभु के खिलाफ घमंड के कारण बेबिलोन के खिलाफ लड़ै लेली एक साथ जुटना चाहियऽ।

1. घमंडी पर भगवानक क्रोध आ न्याय

2. घमंड आ अवज्ञाक परिणाम

1. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

यिर्मयाह 50:30 एहि लेल ओकर युवक सड़क पर खसि पड़त आ ओकर सभ युद्धकर्मी ओहि दिन समाप्त भ’ जायत, प्रभु कहैत छथि।

बाबुलक युवक सभ गली-गली मे खसि पड़त आ ओकर सभ योद्धा सभ नष्ट भऽ जायत, ई परमेश् वर कहैत छथि।

1. भगवान् के न्याय निश्चित अछि आ हुनकर विरोध करय वाला सब के नाश भ जायत।

2. प्रभुक विरुद्ध कियो ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि आ हुनकर प्रतिशोध त्वरित आ निश्चित होयत।

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 33:1 - हाय तोरा, विनाशक, जे नष्ट नहि भेल अछि! धिक्कार अछि अहाँ, विश्वासघाती, अहाँ जे विश्वासघात नहि भेल अछि! जखन अहाँ सभ विनाश क' लेब तखन अहाँ सभ नष्ट भ' जायब; जखन अहाँ विश्वासघात समाप्त कऽ लेब तखन अहाँ संग विश्वासघात कयल जायत।

यिर्मयाह 50:31 देखू, हम अहाँक विरोध मे छी, हे परम घमंडी, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, किएक तँ अहाँक दिन आबि गेल अछि, जखन हम अहाँक दर्शन करब।

सेना केरऽ प्रभु परमेश् वर घमंडी सिनी के खिलाफ छै, आरो न्याय आबी रहलऽ छै।

1. घमंड गिरला स पहिने अबैत अछि: यिर्मयाह 50:31 पर क

2. सेना सभक प्रभु परमेश् वर न्यायक परमेश् वर छथि: यिर्मयाह 50:31 पर क

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. यशायाह 13:11 - हम संसार केँ ओकर दुष्टताक लेल, आ दुष्ट केँ ओकर अधर्मक लेल दंडित करब।
हम घमंडी लोकक अहंकार केँ रोकब, आ भयंकरक अहंकार केँ नीचाँ राखब।

यिर्मयाह 50:32 आ घमंडी लोक ठोकर खा क’ खसि पड़त, आ ओकरा कियो नहि उठबैत अछि, आ हम ओकर शहर मे आगि जरा देब आ ओकरा चारू कात भस्म क’ देत।

भगवान् घमंडी लोक केँ उतारि क' ओकर शहर मे आगि लगा देताह।

1. घमंड गिरला सँ पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. घमंड के परिणाम - यशायाह 14:12-15

1. याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।

2. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

यिर्मयाह 50:33 सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि। इस्राएल आ यहूदाक सन् तान सभ एक संग दबल गेल, आ जे सभ ओकरा सभ केँ बंदी बना लेने छल, ओकरा सभ केँ पकड़ि लेलक। ओ सभ ओकरा सभकेँ छोड़बासँ मना कऽ देलक।

परमेश् वर ई प्रगट करै छै कि इस्राएल आरू यहूदा के सन् तान दोनों कॅ ओकरा सिनी कॅ बन्दी करै वाला सिनी द्वारा दबललौ गेलौ छेलै आरू ओकरा सिनी कॅ कैद करी देलकै, जे ओकरा सिनी कॅ छोड़ै सें मना करी देलकै।

1. भगवानक शक्ति भगवानक शक्ति कोना कोनो अत्याचार वा बंदी पर विजय प्राप्त क' सकैत अछि।

2. स्वतंत्रताक प्रतिज्ञा भगवानक स्वतंत्रताक प्रतिज्ञा जे उत्पीड़ित छथि।

1. गलाती 5:1 स्वतंत्रताक लेल मसीह हमरा सभ केँ मुक्त कयलनि अछि। तेँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू आ फेर गुलामीक जुआक अधीन नहि रहू।

2. यशायाह 61:1 प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, कैदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करबाक लेल आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक लेल।

यिर्मयाह 50:34 हुनका सभक मुक्तिदाता मजबूत छथि; सेना-सैनिक परमेश् वर ओकर नाम अछि, ओ हुनका सभक बात केँ पूरा-पूरा निषेध करत, जाहि सँ ओ देश केँ आराम देथिन आ बाबुलक निवासी सभ केँ परेशान करथिन।”

परमेश् वर हस्तक्षेप करतै आरू इस्राएल राष्ट्र के तरफ सें न्याय बहाल करतै, जेकरा सें देश में शांति मिलतै आरू बेबिलोन के निवासी सिनी कॅ परेशान होय जैतै।

1. परमेश् वर हमर सभक मुक्तिदाता आ रक्षक छथि

2. भगवान् अपन लोक मे न्याय आ शांति अनैत छथि

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 34:17 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 50:35 परमेश् वर कहैत छथि जे कल्दी सभ पर तलवार आ बाबुलक निवासी सभ पर, ओकर राजकुमार सभ पर आ ओकर बुद्धिमान सभ पर अछि।

परमेश् वर कल्दी, बाबुलक निवासी आ ओकर सभक मुखिया आ ज्ञानी सभ पर तलवार चला देने छथि।

1. अधर्मी सभक न्याय परमेश् वर करताह

2. हमरा सभ केँ प्रभुक रक्षाक लेल तकबाक चाही

1. यशायाह 13:1-5

2. यिर्मयाह 25:12-14

यिर्मयाह 50:36 झूठ बाजनिहार पर तलवार अछि। ओ सभ चिंतन करत, ओकर पराक्रमी सभ पर तलवार अछि। आ ओ सभ चकित भऽ जेताह।

झूठ बाजनिहार आ अपन बल पर निर्भर रहनिहार केँ भगवान सजा देताह।

1: भगवान् नियंत्रण मे छथि आ जे हुनका पर नहि अपन शक्ति पर निर्भर छथि हुनका सजा देताह।

2: भगवान झूठ आ झूठ बाजनिहार केँ बर्दाश्त नहि करताह, आ जे हुनकर सत्यक पालन नहि करैत छथि हुनका संग न्याय आनि देताह।

1: हबक्कूक 2:14 - "किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक महिमाक ज्ञान सँ भरल रहत जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।"

2: भजन 37:28 - "किएक त' प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि; ओ अपन भक्तिशील लोक केँ नहि छोड़ताह। ओ सभ सदाक लेल सुरक्षित रहत, मुदा दुष्टक संतान सभ समाप्त भ' जायत।"

यिर्मयाह 50:37 तलवार हुनका सभक घोड़ा, रथ पर आ ओकर बीच मे बैसल सभ मिश्रित लोक पर तलवार अछि। ओ सभ स्त्री जकाँ भऽ जेताह, ओकर खजाना पर तलवार अछि। आ ओकरा सभ केँ लूटल जायत।

प्रभु तलवार के द्वारा बेबिलोन में दंड लाबै वाला छै, जेकरा चलतें योद्धा सिनी महिला सिनी के तरह बनी जैतै आरू खजाना लूटलो जैतै।

1. परमेश् वरक निर्णय: विद्रोहक परिणाम
2. प्रभुक धर्म: हुनक लोकक रक्षा
1. यशायाह 13:15-18 - बेबिलोन के खिलाफ परमेश्वर के न्याय ओकर घमंड आ अहंकार के लेल
2. भजन 37:38-40 - प्रभु द्वारा अपन लोकक रक्षा जे हुनकर विरोध करैत छथि।
यिर्मयाह 50:38 ओकर पानि पर रौदी अछि। ओ सभ सुखायत, किएक तँ ई उकेरल मूर्ति सभक देश अछि आ ओ सभ अपन मूर्ति सभ पर पागल अछि।
यिर्मयाह भविष्यवक्ता उकेरल मूर्ति के देश पर सूखा के बात करै छै, कैन्हेंकि लोग पागलपन के रूप में अपनऽ मूर्ति के प्रति समर्पित छै।
1. मूर्तिपूजा के अपंग प्रभाव
2. मूर्तिपूजाक लेल रौदीक परमेश् वरक चेतावनी
1. व्यवस्था 4:15-19
2. रोमियो 1:21-23
यिर्मयाह 50:39 एहि लेल मरुभूमिक जंगली जानवर सभ आ द्वीप सभक जंगली जानवर सभ ओतय रहत आ उल्लू सभ ओहि मे रहत। आ ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी ओहि मे रहत।
यिर्मयाह 50:39 मे कहल गेल अछि जे जंगली जानवर एहि ठाम रहत आ आब एहि ठाम मनुक्खक निवास हमेशा लेल नहि रहत, आगामी पीढ़ी मे ओतय कियो नहि रहत।
1. ओहि स्थान पर जे कियो नहि रहि सकैत अछि: परमेश् वरक संप्रभुताक एकटा पाठ
2. निर्जन स्थान: भगवानक प्रेम आ निर्णय पर एकटा चिंतन
1. यशायाह 34:13-17 - एदोम पर प्रभुक न्याय
2. भजन 115:16 - समस्त पृथ्वी पर प्रभुक प्रभुत्व
यिर्मयाह 50:40 जेना परमेश् वर सदोम आ अमोरा आ ओकर पड़ोसी शहर सभ केँ उखाड़ि फेकने छलाह, प्रभु कहैत छथि। तहिना ओतऽ केओ नहि रहत आ ने मनुष् य-पुत्र ओहि मे रहत।
परमेश् वर सदोम आ अमोरा आ ओकर चारूकातक नगर सभ केँ नष्ट कऽ देलथिन, आ फेर ओहि ठाम कियो नहि रहत।
1. भगवानक क्रोध: हमरा सभक लेल एकटा चेतावनी
2. परमेश् वरक दया आ न्याय: यिर्मयाह 50:40 क अध्ययन
1. रोमियो 1:18-32 - मनुष्यक सभ अधर्मक विरुद्ध परमेश् वरक क्रोध प्रकट भेल
2. इजकिएल 16:49-50 - सदोम आ अमोरा के पाप आ ओकर सजा
यिर्मयाह 50:41 देखू, उत्तर दिस सँ एकटा लोक आओत, आ एकटा पैघ जाति, आ पृथ्वीक तट सँ बहुत रास राजा उठत।
उत्तर सँ पृथ्वीक तट धरि एकटा पैघ राष्ट्र आ अनेक राजा आओत।
1. एकटा पैघ राष्ट्र आ बहुत रास राजाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

2. उत्तरी राष्ट्र आ राजा लोकनिक आगमन

1. यशायाह 43:5-6 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; हम अहाँक संतान केँ पूरब सँ आनि देब, आ पश्चिम सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ देश केँ।" दक्षिण, नहि रोकू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू।

2. जकर्याह 2:6-7 - हो, हो, हे उत्तर देशक लोक सभ, ओतय सँ बाहर निकलू, प्रभु कहैत छथि, कारण हम अहाँ सभ केँ आकाशक चारि हवा जकाँ पसारि देलहुँ, प्रभु कहैत छथि। आऊ, सिय्योन! बचू, अहाँ जे बेटी बेबिलोन मे रहैत छी!

यिर्मयाह 50:42 ओ सभ धनुष आ भाला पकड़त, ओ सभ क्रूर अछि आ दया नहि करत, ओकर आवाज समुद्र जकाँ गर्जत, आ ओ सभ घोड़ा पर सवार भ’ जायत, सभ कियो बैसल, जेना युद्ध मे जायबला आदमी, हे बाबुलक बेटी, तोहर विरुद्ध।

बेबिलोनवासी निर्दयतापूर्वक बेबिलोनक बेटी पर क्रूर हथियार आ हिंसक गर्जन सँ हमला करत।

1. परमेश् वरक न्याय: बेबिलोनक लोक सभ जे बोओत से काटि लेत

2. गर्जनाक शक्ति: भगवानक आवाज कोना परिवर्तन आनि सकैत अछि

1. यशायाह 40:31, "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 46:10, "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब!"

यिर्मयाह 50:43 बाबुलक राजा हुनका सभक खबरि सुनलनि, आ हुनकर हाथ कमजोर भ’ गेलनि।

परमेश् वरक लोकक रिपोर्ट सँ बेबिलोनक राजा केँ भय आ चिन्ता भऽ गेल अछि।

1. परमेश् वरक लोक विरोधक सामना करैत सेहो ताकत आ आशाक स्रोत होइत अछि।

2. परमेश् वरक रक्षा पर भरोसा करला सँ हमरा सभ केँ साहस आ शांति भेटि सकैत अछि।

1. यशायाह 41:10 - "हम डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरासँ डरब?

यिर्मयाह 50:44 देखू, ओ यरदन नदीक सूजन सँ सिंह जकाँ बलवान सभक निवास स्थान पर आबि जायत, मुदा हम ओकरा सभ केँ अचानक ओकरा सँ भागि देब। किएक तँ हमरा सन के अछि? आ हमरा समय के निर्धारित करत? आ ओ चरबाह के अछि जे हमरा सोझाँ ठाढ़ होयत?

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ शेर जकाँ बेबिलोन देश मे आबि लोक सभ केँ पलायन करौताह। ओ पूछैत छथि जे हुनका सोझाँ के ठाढ़ हेताह जे नेता बनत।

1. परमेश् वरक इच्छाक पालन करबाक हमर सभक जिम्मेदारी

2. समस्त सृष्टि पर भगवानक प्रभुत्व

1. मत्ती 4:18-20 - यीशु अपन शिष् य सभ केँ अपन पाछाँ चलबाक लेल बजबैत छथि

2. भजन 23 - प्रभु हमर चरबाह छथि

यिर्मयाह 50:45 तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक ई सलाह सुनू जे ओ बाबुलक विरुद्ध कयलनि अछि। ओ अपन उद्देश्य जे कल्दी सभक देशक विरुद्ध योजना बनौने छथि, से भेँड़ा मे सँ छोटका सभ ओकरा सभ केँ बाहर निकालि लेत।

परमेश् वर के बेबिलोन आरू कसदी सिनी के खिलाफ एगो योजना छै, आरू ओकरा पूरा करै लेली वू अपनऽ छोटऽ-छोटऽ झुंड के भी उपयोग करतै, जेकरा स॑ ओकरऽ आवास उजाड़ होय जैतै।

1. परमेश् वरक सलाह सुनबाक महत्व

2. राष्ट्रक लेल भगवानक योजना

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यिर्मयाह 50:46 बाबुल पर कब्जा करबाक शोर-शराबा सँ पृथ्वी हिलैत अछि, आ जाति-जाति सभक बीच चिचियाहटि सुनबा मे अबैत अछि।

जाति-जाति सुनि रहल अछि जे बेबिलोन के चिल्लाहट बहुत हल्ला मे ल' लेल गेल अछि आ एहि सँ धरती काँपि रहल अछि।

1. राष्ट्रक पतन: बेबिलोनक उदाहरणसँ सीखब

2. भगवान् के शक्ति: ओ पृथ्वी तक के कोना हिलाबैत छथि

1. भजन 46:6 - "जाति सभ क्रोधित होइत अछि, राज्य सभ डगमगाइत अछि; ओ अपन आवाज बजबैत अछि, पृथ्वी पिघलि जाइत अछि।"

2. यशायाह 13:11 - "हम संसार केँ ओकर दुष्टताक सजा देब, आ दुष्ट केँ ओकर अधर्मक सजा देब; हम अहंकारी सभक धूमधाम केँ समाप्त करब, आ निर्दयी सभक धूमधाम केँ नीचाँ राखब।"

यिर्मयाह अध्याय ५१ मे बेबिलोन के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी आरू परमेश्वर के लोग सिनी कॅ ओकरो विनाश स॑ भागै के आह्वान छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत बेबिलोन के पतन के जीवंत वर्णन स होइत अछि (यिर्मयाह 51:1-10)। यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि उत्तर केरऽ सेना के द्वारा बेबिलोन पर विजय प्राप्त करलऽ जैतै, आरू ओकरऽ मूर्ति सिनी क॑ अशक्त के रूप में उजागर करलऽ जैतै। विनाश एतेक पूर्ण होयत जे उजाड़ बंजर भूमि बनि जायत।

2 पैराग्राफ: यिर्मयाह परमेश् वरक लोक सभ केँ बेबिलोन सँ भागबाक आह्वान करैत छथि (यिर्मयाह 51:11-14)। ओ हुनका सभ सँ आग्रह करैत छथि जे शहर पर जे न्याय आबि रहल अछि ताहि मे फँसबा सँ पहिने भागि जाथि। हुनका सभ केँ चेतावनी देल गेल अछि जे बेबिलोनक पाप आ मूर्तिपूजा मे भाग नहि ली।

3 पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन के विनाश के विस्तार के वर्णन करै छै (यिर्मयाह 51:15-19)। ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे बेबिलोनक अहंकार आ हिंसाक कारणेँ परमेश् वर ई न्याय अनैत छथि। जे राष्ट्र बेबिलोन केरऽ उत्पीड़न के तहत कष्ट उठाबै छेलै, ओकरा एकरऽ पतन पर आनन्दित होय लेली बोलैलऽ गेलऽ छै ।

4 म पैराग्राफ: यिर्मयाह बेबिलोन के भाग्य के विपरीत परमेश्वर के अपन लोक के प्रति निष्ठा के संग करैत छथि (यिर्मयाह 51:20-33)। जखन कि बेबिलोन केँ विनाशक सामना करय पड़ैत छैक, इस्राएल केँ परमेश् वरक संग अपन वाचा संबंधक स्मरण कराओल जाइत छैक। ओ ओकरा सभकेँ पुनर्स्थापित करबाक आ ओकर अत्याचारी सभ पर न्याय करबाक वचन दैत अछि ।

5 म पैराग्राफ: यिर्मयाह घोषणा करैत छथि जे कियो बेबिलोन केँ ठीक नहि क’ सकैत अछि आ नहि बचा सकैत अछि (यिर्मयाह 51:34-44)। ओकर शासक, योद्धा आ ज्ञानी सभ केँ न्यायक सामना करय पड़तैक आ ओकर पराक्रमी देबाल सेहो टुटि जायत। अध्याय के समापन ई याद दिलाबै के साथ होय छै कि परमेश्वर सब जाति पर सार्वभौमिक छै।

संक्षेप में, यिर्मयाह के एकवन अध्याय में बेबिलोन के खिलाफ एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै आरू परमेश्वर के लोगऽ क॑ ओकरऽ आसन्न विनाश स॑ भागै के आह्वान करलऽ गेलऽ छै । बेबिलोन के उत्तर के सेना के हाथ में गिरै के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, जेकरऽ मूर्ति सब के शक्तिहीन के रूप में उजागर करलऽ गेलऽ छै । ई एकटा उजाड़ बंजर भूमि बनि जायत, भगवानक लोक केँ ओकर पाप मे सहभागिता सँ बचैत भागबाक आग्रह कयल गेल अछि | ओकरऽ विनाश के विस्तार के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ परमेश्वर क॑ न्याय के एजेंट के रूप म॑ उजागर करलऽ गेलऽ छै, इस्राएल क॑ ओकरऽ वाचा संबंध के याद दिलाबै छै, जेकरा म॑ बहाली आरू न्याय के वादा करलऽ गेलऽ छै । बेबिलोन क॑ चंगाई या उद्धार स॑ परे घोषित करलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ शक्ति के सब पहलू टुटै छै, ई संक्षेप म॑, अध्याय म॑ अहंकारी राष्ट्रऽ प॑ ईश्वरीय न्याय के निश्चितता प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै आरू उथल-पुथल के बीच परमेश् वर के प्रति वफादार रहै वाला सिनी क॑ मुक्ति आरू पुनर्स्थापन के आशा प्रदान करै छै ।

यिर्मयाह 51:1 प्रभु ई कहैत छथि। देखू, हम बाबुल आ हमरा विरुद्ध उठय बला सभक बीच मे रहनिहार सभक विरुद्ध एकटा विनाशकारी हवा ठाढ़ करब।

प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी बाबुल आरू ओकरो विरोध करै वाला सिनी के खिलाफ एक विनाशकारी हवा उठतै।

1. प्रभु अपन लोकक बदला लेताह - यिर्मयाह 51:1

2. प्रभु सार्वभौम आ धर्मी छथि - यिर्मयाह 51:1

२.

2. यशायाह 34:8 - "किएक तँ प्रभुक प्रतिशोधक दिन छनि, सियोनक काजक प्रतिशोधक वर्ष छनि।"

यिर्मयाह 51:2 ओ बेबिलोन मे पंखा चलाओत, जे ओकरा पंखा चलाओत आ ओकर देश खाली करत, किएक तँ विपत्तिक दिन ओ सभ ओकर चारू कात विरोध करत।

परमेश् वर बाबुलक किसान सभ पठौताह जे विपत्तिक समय मे अपन जमीन खाली कऽ देताह।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक प्रावधान

2. कठिन समय मे विश्वासक शक्ति

1. यशायाह 41:10-13

2. रोमियो 8:28-39

यिर्मयाह 51:3 जे मोड़ैत अछि तकरा विरुद्ध धनुष मोड़य, आ जे अपना केँ अपन दलदली मे उठबैत अछि, ओकर विरुद्ध, आ अहाँ सभ ओकर युवक सभ केँ नहि बख्शब। ओकर समस्त सेना केँ एकदम सँ नष्ट करू।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ बाबुल आ ओकर सेना सभ केँ नष्ट करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक विनाशक लेल धर्मी ठहराओल गेल - यिर्मयाह 51:3

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब - यिर्मयाह 51:3

1. यशायाह 42:13 - "किएक तँ प्रभु एकटा योद्धा जकाँ आगू बढ़ताह, ओ अपन उत्साह केँ युद्धक लोक जकाँ जगौताह। ओ चिचियाओत, हँ, ओ युद्धक उद्घोष करत। ओ अपन शत्रु सभ पर विजयी भ' जेताह।" ."

2. प्रकाशितवाक्य 19:11-21 - "हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा उज्जर घोड़ा, आ जे ओहि पर बैसल अछि, ओकरा विश्वासी आ सच्चा कहल जाइत छैक, आ धार्मिकता मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि। ओकर आँखि मे एकटा ज्वाला अछि।" आगि, आ हुनकर माथ पर बहुत रास मुकुट छनि, आ हुनका पर एकटा एहन नाम लिखल छनि जे हुनका छोड़ि कियो नहि जनैत छथि |”

यिर्मयाह 51:4 एहि तरहेँ कल्दी सभक देश मे मारल गेल लोक सभ आ ओकर गली-गली मे धकेलल गेल लोक सभ खसि पड़त।

कसदीक देशक लोक सभ मारल जायत आ ओकर लाश सड़क पर छोड़ि देल जायत।

1. भगवान् के आज्ञाकारिता मे जीवन जीबाक महत्व

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. रोमियो 6:23 (पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।)

2. इब्रानी 10:26-31 (किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत.) .

यिर्मयाह 51:5 किएक तँ इस्राएल आ ने यहूदा अपन परमेश् वर आ सेना सभक परमेश् वर द्वारा नहि छोड़ल गेल अछि। यद्यपि हुनका लोकनिक देश इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक विरुद्ध पाप सँ भरल छल।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ नहि छोड़ने छथि, भले ओ सभ हुनका विरुद्ध पाप केने होथि।

1: भगवानक अटूट प्रेम - जखन हम सभ असफल होइत छी तखनो हुनकर निष्ठा आ दया बनल रहैत अछि।

2: क्षमाक शक्ति - परमेश् वर हमरा सभक अपराध केँ क्षमा करबाक लेल सदिखन इच्छुक आ सक्षम छथि।

1: रोमियो 8:38-39 - किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2: 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

यिर्मयाह 51:6 बाबुलक बीच सँ भागि जाउ, आ प्रत्येक मनुख अपन प्राण केँ बचाउ। कारण, ई समय परमेश् वरक प्रतिशोधक समय अछि। ओ ओकरा प्रतिफल देतैक।

बेबिलोन में रहय वाला लोगऽ क॑ चेतावनी देलऽ जाय छै कि वू अपनऽ आत्मा क॑ बचाबै के चक्कर म॑ शहर स॑ भागी जाय, कैन्हेंकि परमेश् वर बेबिलोन क॑ सजा दै वाला छै ।

1. जखन परमेश्वरक न्याय आओत तखन पाछू नहि रहू - यिर्मयाह 51:6

2. विनाश सँ भागू आ प्रभु मे सुरक्षा ताकू - यिर्मयाह 51:6

1. मत्ती 24:16-18 - तखन जे यहूदिया मे अछि, ओ सभ पहाड़ दिस भागि जाय। घरक चोटी पर कियो घरसँ किछु निकालबाक लेल नीचाँ नहि उतरय। आ खेत मे कियो अपन वस्त्र लेबय लेल वापस नहि जाय। आ धिक्कार अछि जे गर्भवती छथि आ जे ओहि दिन मे शिशु केँ दूध पिया रहल छथि!

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

1236

यिर्मयाह 51:7 बेबिलोन परमेश् वरक हाथ मे सोनाक प्याला रहल अछि, जे समस्त पृथ्वी केँ नशा मे धुत्त बना देलक। तेँ राष्ट्र सभ पागल अछि।

परमेश् वर जाति सभक नियंत्रण मे छथि, बेबिलोन केँ अपन न्यायक साधनक रूप मे उपयोग करैत छथि।

1: परमेश् वर नियंत्रण मे छथि - यिर्मयाह 51:7

2: परमेश्वरक न्यायक शक्ति - यिर्मयाह 51:7

1: यशायाह 40:15-17 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि।

2: भजन 33:10-11 - परमेश् वर गैर-यहूदी सभक सलाह केँ अन्त्य करैत छथि, ओ लोक सभक षड्यंत्र केँ बेकार करैत छथि। परमेश् वरक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यिर्मयाह 51:8 बेबिलोन अचानक खसि पड़ल आ नष्ट भ’ गेल। ओकर दर्दक लेल बाम लिअ, जँ से अछि तँ ओ ठीक भ' सकैत अछि।

बेबिलोन अचानक खसि पड़ल अछि, जे विलाप आ शोकक कारण अछि। ओकरा लेल चंगाई आ आराम ताकू।

1. दुखक समय मे आशा भेटब

2. हानि के समय में शोक एवं सान्त्वना

1. भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. यशायाह 61:1-3 प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा पठौने छथि जे टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि दियौक, कैदी सभ केँ मुक्ति आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक घोषणा करी। प्रभुक अनुग्रहक वर्ष आ हमरा सभक परमेश् वरक प्रतिशोधक दिनक घोषणा करबाक लेल। शोक करयवला सभ केँ सान्त्वना देबय लेल।

यिर्मयाह 51:9 हम सभ बेबिलोन केँ ठीक करितहुँ, मुदा ओ ठीक नहि भेल अछि, ओकरा छोड़ि कऽ सभ अपन-अपन देश मे चलि जाउ, किएक तँ ओकर न् याय स् वर्ग धरि पहुँचैत अछि आ आकाश धरि ऊपर उठि गेल अछि।

परमेश् वर ई तय केने छथि जे बेबिलोन ठीक नहि होयत आ फरमान जारी केने छथि जे ओकर न्याय एतेक पैघ अछि जे ओ स्वर्ग धरि पहुँचि कऽ आकाश धरि उठाओल जायत।

1. बेबिलोन के न्याय: कोनो राष्ट्र के अंत स हम की सीख सकैत छी?

2. परमेश् वरक निर्णय: हुनकर क्षमा माँगबाक हमरा सभक आवश्यकता।

1. यशायाह 48:9-10 "हम अपन क्रोध केँ अपन नामक लेल स्थगित करब, आ अपन स्तुतिक लेल हम अहाँक लेल रोकब, जाहि सँ हम अहाँ केँ नहि काटि देब। देखू, हम अहाँ केँ शुद्ध कयलहुँ, मुदा चानी सँ नहि; हमरा लग अछि।" अहाँ केँ क्लेशक भट्ठी मे चुनल गेल।

2. आमोस 3:6-7 "की शहर मे तुरही बाजल जायत, आ लोक नहि डरत? की कोनो शहर मे अधलाह होयत, आ परमेश् वर ई काज नहि केने छथि? निश्चित रूप सँ प्रभु परमेश् वर किछु नहि करताह, मुदा।" ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि |”

यिर्मयाह 51:10 परमेश् वर हमरा सभक धार्मिकता केँ सामने अनलनि, आउ, हम सभ सियोन मे अपन परमेश् वरक काजक प्रचार करी।

परमेश् वर हमरा सभ केँ धार्मिकता आ उद्धार अनने छथि। आउ, हम सभ एक ठाम आबि प्रभुक काजक प्रचार करी।

1. परमेश् वरक वफादारी: हुनकर भलाईक घोषणा हमरा सभक जीवन मे

2. प्रभुक धार्मिकताक घोषणा करबाक लेल चुनब

1. यशायाह 12:2-3 - "देखू, परमेश् वर हमर उद्धार छथि; हम भरोसा करब, आ नहि डरब; किएक तँ परमेश् वर परमेश् वर हमर सामर्थ् य आ गीत छथि, आ ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि।"

2. भजन 107:1-2 - "हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि, किएक तँ हुनकर अडिग प्रेम सदाक लेल रहैत छनि! प्रभुक उद्धार कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जिनका ओ विपत्ति सँ मुक्त कएने छथि।"

यिर्मयाह 51:11 बाण सभ केँ उज्ज्वल बनाउ। ढाल जमा करू। कारण, ई परमेश् वरक प्रतिशोध अछि, हुनकर मन् दिरक प्रतिशोध अछि।

परमेश् वर बाबुल पर ओकर दुष्टताक लेल न्यायक आह्वान क' रहल छथि।

1. भगवान् न्यायी छथि आ सभ स्तुतिक योग्य छथि

2. प्रतिशोध केवल प्रभुक होइत छैक

1. भजन 136:1-3 - "हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक त' ओ नीक छथि, कारण हुनकर अडिग प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि! हे देवता सभक परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक, कारण हुनकर अडिग प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि! हे... प्रभु सभक प्रभु, किएक तँ ओकर अडिग प्रेम सदाक लेल टिकैत अछि!"

2. नीतिवचन 20:22 - ई नहि कहब जे हम अधलाहक बदला देब; प्रभुक प्रतीक्षा करू, ओ अहाँ सभ केँ उद्धार करताह।”

यिर्मयाह 51:12 बेबिलोनक देबाल पर झंडा ठाढ़ करू, चौकीदार केँ मजबूत करू, चौकीदार सभ केँ ठाढ़ करू, घात लगा क’ राखू, किएक तँ परमेश् वर बाबुलक निवासी सभक विरुद्ध जे कहने छलाह, से योजना बनौलनि आ पूरा कयलनि।

परमेश् वर बेबिलोनक निवासी सभक विरुद्ध न्यायक घोषणा कयलनि अछि आ लोक सभ केँ एकटा ध्वज लगा कऽ, पहरा केँ मजबूत कऽ आ घात लगा कऽ अपन रक्षा करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. परमेश् वरक न्याय - बेबिलोन पर परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू - परमेश् वरक निर्णयक विरुद्ध रक्षा करबाक तैयारी

1. यशायाह 13:3-4 - "हम अपन पवित्र लोक सभ केँ आज्ञा देलहुँ, हम अपन पराक्रमी सभ केँ सेहो अपन क्रोधक लेल बजौलहुँ, जे हमर ऊँचता मे आनन्दित अछि। पहाड़ पर भीड़क हल्ला, जेना पैघ लोकक आवाज।" लोक सभ, जाति-जाति सभक उथल-पुथल भरल हल्ला जमा भ’ गेल छल, सेना सभक परमेश् वर युद्धक सेना केँ जमा करैत छथि।”

2. प्रकाशितवाक्य 18:1-4 - "एहि बात सभक बाद हम एकटा आओर स् वर्गदूत केँ स् वर्ग सँ उतरैत देखलहुँ, जिनकर बहुत शक्ति छलनि। आ पृथ् वी हुनकर महिमा सँ हल्लुक भ' गेलनि। ओ जोर-जोर सँ चिचिया उठलनि जे, "महान बाबुल।" खसि पड़ल अछि, खसल अछि, आ दुष्टात्मा सभक आवास आ सभ अशुद्ध आ घृणित चिड़ै सभक पिंजरा बनि गेल अछि पृथ् वीक लोक ओकरा संग व्यभिचार केने अछि आ ओकर प्रचुर भोजनक कारणेँ पृथ् वीक व्यापारी सभ धनी भऽ गेल अछि।’ तखन हम स् वर्ग सँ एकटा आओर आवाज सुनलहुँ जे, “हे हमर लोक सभ, ओकरा मे सँ बाहर निकलू, जाहि सँ अहाँ सभ ओकर भाग नहि लेब।” पाप करब, आ ओकर विपत्ति सँ अहाँ सभ केँ नहि भेटय।”

यिर्मयाह 51:13 हे अहाँ जे बहुत रास पानि पर रहैत छी, जे खजाना सँ भरल अछि, अहाँक अंत आबि गेल अछि आ अहाँक लोभक नाप।

जे सम्पन्न आ भौतिक सम्पत्ति सँ भरल अछि ओकर अंत आबि रहल अछि ।

1: भौतिक सम्पत्ति मे बेसी आसक्ति नहि करबाक चाही, कारण एहि पृथ्वी पर हमर जीवन संक्षिप्त अछि।

2: धन क्षणिक होइत अछि आ जल्दीए छीन लेल जा सकैत अछि, तेँ ओकरा अपन अंतिम लक्ष्यक रूप मे नहि ताकबाक चाही।

1: 1 तीमुथियुस 6:17-19, रहल बात एहि वर्तमान युग मे धनिक लोकक त’ हुनका सभ केँ घमंड करबाक आज्ञा नहि दियौक, आ ने धनक अनिश्चितता पर अपन आशा राखू, बल् कि परमेश् वर पर, जे हमरा सभ केँ भोग करबाक लेल सभ किछु भरपूर उपलब्ध कराबैत छथि। नीक काज करबाक चाही, नीक काज मे धनी हेबाक चाही, उदार आ बाँटय लेल तैयार रहबाक चाही, एहि तरहेँ भविष्यक लेल नीक नींवक रूप मे अपना लेल खजाना जमा करबाक चाही, जाहि सँ ओ सभ ओहि चीज केँ पकड़ि सकथि जे वास्तव मे जीवन अछि।

2: नीतिवचन 11:28, जे अपन धन पर भरोसा करत, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी हरियर पात जकाँ पनपत।

यिर्मयाह 51:14 सेना सभक परमेश् वर अपना नामक शपथ लऽ कऽ कहने छथि जे, “हम अहाँ केँ मनुख सँ भरब, जेना कतरा सँ भरब। ओ सभ तोहर विरुद्ध चिचियाओत।”

भगवान् अपन दुश्मन पर भारी पड़बाक लेल सेना पठौताह।

1: परमेश् वरक शक्ति पराक्रमी आ अदम्य अछि।

2: भगवान् केँ नजरअंदाज नहि कयल जायत, आ हुनकर अवहेलना करयवला केँ सजा भेटत।

1: यशायाह 40:29 ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि। जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2: भजन 33:6 प्रभुक वचन सँ आकाश बनल छल। आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ।

यिर्मयाह 51:15 ओ अपन शक्ति सँ पृथ्वी केँ बनौलनि, अपन बुद्धि सँ संसार केँ स्थापित कयलनि, आ अपन बुद्धि सँ स्वर्ग केँ पसारि देलनि।

ओ अपन शक्ति, बुद्धि आ समझक माध्यमे संसारक निर्माण केने छथि |

1. सृष्टि मे भगवानक शक्ति आ बुद्धि

2. भगवान् के समझ के आश्चर्य

१.

2. नीतिवचन 8:27-29 - "जखन ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि, तखन हम ओतहि छलहुँ, जखन ओ गहींर मे घेरा बनौलनि, जखन ओ ऊपर आकाश केँ दृढ़ कयलनि, जखन ओ गहींर मे फव्वारा केँ स्थापित कयलनि, जखन।" ओ समुद्र केँ ओकर सीमा निर्धारित कयलनि, जाहि सँ पानि हुनकर आज्ञाक उल्लंघन नहि करय, जखन ओ पृथ्वीक नींव केँ चिन्हित कयलनि |”

यिर्मयाह 51:16 जखन ओ अपन आवाज बजबैत छथि तँ आकाश मे पानि केर भरमार अछि। ओ पृथ्वीक छोर सँ वाष्प केँ चढ़बैत छथि, बरखा सँ बिजली बनबैत छथि आ अपन खजाना मे सँ हवा निकालैत छथि।

भगवान् के पास प्रकृति के तत्व, जेना कि पानी, वाष्प, बिजली, बरखा, आरू हवा के नियंत्रण करै के शक्ति छै ।

1. परमेश् वरक शक्ति: हम सभ परमेश् वरक सामर्थ् य पर भरोसा कऽ सकैत छी जे ओ हमरा सभक भरण-पोषण आ रक्षा करत।

2. हमरा सभक लेल परमेश् वरक देखभाल: परमेश् वर हमरा सभक एतेक परवाह करैत छथि जे ओ अपन शक्तिक उपयोग हमरा सभ केँ जीबाक लेल आवश्यक तत्व उपलब्ध करबैत छथि।

1. भजन 148:8 आगि आ ओला, बर्फ आ मेघ; तूफानी हवा, हुनक वचन पूरा करैत।

2. मत्ती 8:26-27 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “हे कम विश्वासक लोक सभ, अहाँ सभ किएक डरैत छी?” तखन ओ उठि कऽ हवा आ समुद्र केँ डाँटि देलनि आ बहुत शान्ति भेल। तखन लोक सभ आश्चर्यचकित भ’ क’ कहलक, “ई केहन मनुख अछि जे हवा आ समुद्र सेहो हुनकर आज्ञा मानैत अछि!”

यिर्मयाह 51:17 प्रत्येक मनुष्य अपन ज्ञानक कारणेँ क्रूर होइत अछि। हर संस्थापक उकेरल मूर्ति सँ भ्रमित भ’ जाइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओकरा मे कोनो साँस नहि छैक।

हर आदमी के ज्ञान सीमित आ भटकल छै, जेकरा चलतें झूठ मान्यता आरू मूर्तिपूजा होय जाय छै ।

1. झूठ मान्यताक खतरा

2. मूर्तिपूजाक व्यर्थता

1. यशायाह 44:9-20

2. भजन 115:4-8

यिर्मयाह 51:18 ओ सभ व्यर्थ अछि, गलतीक काज अछि।

भगवान् केरऽ सृष्टि आडंबर छै आरू दर्शन के समय में समाप्त होय जैतै ।

1. जीवनक आडंबर: भगवानक परिप्रेक्ष्य केँ बुझब

2. मानवीय अहंकार के मूर्खता: भगवान के हाथ में हमर कमजोरी

1. उपदेशक 1:2 - "व्यर्थक व्यर्थ, प्रचारक कहैत छथि, व्यर्थक व्यर्थ; सभ व्यर्थ अछि।"

2. यशायाह 40:6-8 - "आवाज कहलक, "चिचाउ। ओ कहलक जे, हम की कानब? सभ मांस घास अछि, आ ओकर सभटा भलाई खेतक फूल जकाँ अछि। घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि।" : कारण, परमेश् वरक आत् मा ओकरा पर उड़ैत अछि, लोक घास अछि।

यिर्मयाह 51:19 याकूबक हिस्सा हुनका सभ जकाँ नहि अछि; किएक तँ ओ सभ वस्तुक पूर्वज अछि, आ इस्राएल ओकर उत्तराधिकारक छड़ी अछि।

परमेश् वर याकूब केँ एकटा अद्वितीय भाग देने छथि, कारण ओ सभ वस्तुक पूर्ववर्ती छथि।
इस्राएल ओकर उत्तराधिकार छै आ सेना सभक परमेश् वर ओकर नाम छै।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ जीवन मे एकटा अद्वितीय भाग देने छथि, आ एकर उपयोग हुनकर महिमा लेल करब हमरा सभ पर निर्भर करैत अछि।

2. हम सभ परमेश् वरक लोक बनबाक लेल बजाओल गेल छी आ हुनकर सभ किछु मे वफादार रहबाक लेल बजाओल गेल छी।

1. रोमियो 8:28-30 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. 1 पत्रुस 5:6-7 - तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ समय पर ऊपर उठा सकय। अपन सभटा बेचैनी ओकरा पर फेकि दियौक, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

यिर्मयाह 51:20 अहाँ हमर युद्धक कुल्हाड़ी आ युद्धक हथियार छी, कारण अहाँ सँ हम जाति सभ केँ तोड़ि देब आ अहाँ सँ हम राज्य सभक नाश करब।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ राष्ट्र सभ केँ तोड़बाक आ राज्य सभ केँ नष्ट करबाक लेल हथियार के रूप मे प्रयोग करैत छथि।

1. विश्वास के माध्यम स राज्य पर विजय प्राप्त करब - परमेश्वर में विश्वास हमरा सब के कोना कोनो चुनौती स उबरय लेल सशक्त बना सकैत अछि।

2. एकटा हथियार के ताकत - यिर्मयाह के माध्यम स भगवान के शक्ति के खोज आ परमेश्वर के लेल युद्ध के कुल्हाड़ी के रूप में हुनकर भूमिका।

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरब।

2. रोमियो 8:37-39 - कोनो बात हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग नहि क’ सकैत अछि।

यिर्मयाह 51:21 हम तोरा संग घोड़ा आ ओकर सवार केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देब। हम तोरा संग रथ आ ओकर सवार केँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देब।

परमेश् वर बाबुलक घोड़ा, सवार, रथ आ सवार केँ टुकड़ा-टुकड़ा मे तोड़ि देथिन।

1: भगवानक शक्ति पृथ्वी पर कोनो सेना सँ बेसी अछि, आ ओ सदिखन विजयी रहताह।

2: जखन बुझना जाइत अछि जे सभटा आशा खत्म भ' गेल अछि तखनो भगवान न्याय अनताह आ अत्याचारी केँ तोड़ि देताह।

1: भजन 46:7 - सेना सभक प्रभु हमरा सभक संग छथि; याकूबक परमेश् वर हमरा सभक शरण छथि।

2: यशायाह 40:29 - ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

यिर्मयाह 51:22 हम अहाँक संग सेहो स्त्री-पुरुष केँ तोड़ि देब। आ तोरा संग हम बूढ़- जवानक टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देब। आ तोरा संग हम युवक आ दासी केँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देब।

भगवान् सब लोक के सजा द क न्याय आनताह, चाहे ओ उम्र या लिंग के कोनो बात हो।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक समक्ष विनम्र रहबाक चाही, जे सभक संग न्याय आनत।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक न्याय केँ बिना कोनो भय केँ स्वीकार करबाक चाही, हुनकर पूर्ण न्याय पर भरोसा करैत।

1: उपदेशक 12:13-14 - आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डरू आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

2: रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।”

यिर्मयाह 51:23 हम अहाँक संग चरबाह आ ओकर भेँड़ा केँ सेहो तोड़ि देब। हम तोरा संग किसान आ ओकर बैल के जुआ के टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देब। हम तोरा संग सेनापति आ शासक सभ केँ टुकड़ा- टुकड़ा कऽ देब।”

1241

भगवान अपन लोक पर अत्याचार करय वाला नेता के अपन सत्ता संरचना के तोड़ि क सजा देताह.

1. भगवान् ओहि सभक न्याय करताह जे हुनकर देखभाल मे जे लोक पर अत्याचार करैत छथि

2. भगवानक शक्ति अपन अधिकारक दुरुपयोग करयवला शासक केँ हटा देत

1. लूका 12:48 - जकरा बहुत किछु देल गेल अछि, ओकरा सँ बहुत किछु माँगल जायत। आ जकरा बहुत किछु सौंपल गेल अछि, ओकरा सँ ओ सभ बेसी माँगत।

2. मीका 3:1-2 - आ हम कहलियनि: हे याकूबक मुखिया आ इस्राएलक घरानाक शासक सभ, सुनू। न्याय जानब अहाँक काज नहि अछि? अहाँ सभ जे नीक सँ घृणा करैत छी आ अधलाह सँ प्रेम करैत छी; जे हमर लोकक चमड़ा आ हड्डी सँ मांस उतारैत छथि।

यिर्मयाह 51:24 हम बेबिलोन आ कल्दियाक सभ निवासी केँ ओकर सभटा दुष् टता देब जे ओ सभ अहाँ सभक नजरि मे सियोन मे कयलनि।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे बाबुल आ कल्दियाक लोक सभ केँ सिय्योनक संग जे अधलाह कयल गेल अछि, ताहि लेल न्याय देत।

1. भगवानक न्याय होयत

2. प्रभु अपन प्रतिज्ञाक प्रति वफादार छथि

२.

2. यशायाह 61:8 - "किएक तँ हम, प्रभु, न्याय सँ प्रेम करैत छी; हमरा डकैती आ गलत काज सँ घृणा अछि; हम ओकरा सभ केँ सच्चाई मे ओकर प्रतिफल निष्ठापूर्वक देब, आ ओकरा सभक संग अनन्त वाचा करब।"

यिर्मयाह 51:25 देखू, हम अहाँक विरोध मे छी, हे विनाशकारी पहाड़, प्रभु कहैत छथि, जे समस्त पृथ्वी केँ नष्ट करैत छी, आ हम अहाँ पर अपन हाथ पसारि देब आ अहाँ केँ चट्टान सभ सँ नीचाँ उतारब आ अहाँ केँ जड़ल पहाड़ बना देब.

भगवान घोषणा करै छै कि हुनी विनाशकारी पहाड़ के खिलाफ छै आरू ओकरा चट्टानऽ स॑ नीचें गुड़का क॑ ओकरा जड़लऽ पहाड़ बनाबै के सजा देतै ।

1. "ईश्वर के सृष्टि के नाश के परिणाम"।

2. "पापी राष्ट्र पर परमेश् वरक न्याय"।

1. रोमियो 12:19 "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. प्रकाशितवाक्य 16:18-19 "तखन बिजलीक झिलमिलाहट, गुनगुनाहटि, गरजबाक चीत्कार आ एकटा भयंकर भूकम्प आयल। जहिया सँ मनुष्य पृथ्वी पर आयल अछि, एहन कोनो भूकम्प नहि भेल अछि, एतेक जबरदस्त भूकम्प छल। महान शहर फाटि गेल।" तीन भाग मे बँटि गेल, आ जाति सभक नगर सभ ध्वस्त भऽ गेल।परमेश् वर महान बाबुल केँ मोन पाड़लनि आ ओकरा अपन क्रोधक क्रोधक मदिरा सँ भरल प्याला देलथिन।”

यिर्मयाह 51:26 ओ सभ अहाँ सँ कोना कोनो पाथर नहि लेत आ ने नींवक लेल पाथर। मुदा अहाँ अनन्त काल धरि उजाड़ रहब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि बेबिलोन कभियो दोबारा नै बनतै आरू हमेशा लेली उजाड़ रहतै।

1. परमेश् वरक अटल प्रतिज्ञा - परमेश् वरक वचन सत्य आ अपरिवर्तनीय अछि, आ हुनकर प्रतिज्ञा केँ किछुओ नहि हिला सकैत अछि।

2. भगवान् के विरोध के परिणाम - भगवान् के क्रोध वास्तविक छै आरू जे हुनकऽ विरोध करतै ओकरा एकरऽ परिणाम भोगना पड़ी जैतै ।

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत: ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

यिर्मयाह 51:27 अहाँ सभ ओहि देश मे एकटा झंडा ठाढ़ करू, जाति सभक बीच तुरही बजाउ, जाति सभ केँ ओकरा विरुद्ध तैयार करू, ओकरा विरुद्ध अररात, मिन्नी आ अश्केनाज राज्य केँ बजाउ। ओकरा विरुद्ध एकटा कप्तान नियुक्त करू। घोड़ा सभकेँ खुरदुरा कैटरपिलर बनि ऊपर आबि जाइत अछि ।

परमेश् वर यिर्मयाह कॅ निर्देश दै छै कि बेबिलोन के खिलाफ जाति सिनी कॅ एक साथ आबी कॅ युद्ध के तैयारी करै लेली आह्वान करै।

1. एकजुट होबय लेल परमेश् वरक आह्वान: एकजुट होबय आ एक संग काज करबाक लेल परमेश् वरक आह्वानक स्मरण।

2. तैयारीक शक्ति: जीवनक आध्यात्मिक युद्धक लेल तैयार रहबाक महत्व।

1. इफिसियों 6:10-13 - "अंत मे प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे बलवान बनू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब। किएक तँ हम सभ करैत छी।" मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल्कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करू, तेँ परमेश् वरक समस्त कवच लऽ लिअ, जाहि सँ अहाँ सभ सक्षम भ' सकब अधलाह दिन मे सहन करब, आ सभ किछु क' क' दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब।"

2. 1 पत्रुस 5:8-9 - "सोझल रहू। जागरूक रहू। अहाँक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाय लेल तकैत अछि। ओकर विरोध करू, अपन विश्वास मे दृढ़ भ' क', ई जानि जे एकहि तरहक कष्ट अछि।" पूरा दुनिया मे अहाँक भाई-बहिनक अनुभव भ' रहल अछि।"

यिर्मयाह 51:28 ओकरा विरुद्ध जाति सभ केँ मादीक राजा सभ, ओकर सेनापति सभ, ओकर सभ शासक सभ आ ओकर प्रभुक समस्त देश सभक संग तैयार करू।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता राष्ट्र आरू ओकरऽ शासक सिनी कॅ मादी के राजा सिनी के साथ बेबिलोन के खिलाफ तैयारी करै लेली आह्वान करै छै।

1. उठू: युद्धक तैयारी करबाक आह्वान

2. एकताक शक्ति: बुराई पर काबू पाबय लेल मिलिकय काज करब

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरब

2. भजन 46:10 - शान्त रहू आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी

यिर्मयाह 51:29 देश काँपि उठत आ शोक होयत, कारण परमेश् वरक सभ उद्देश्य बाबुलक विरुद्ध कयल जायत, जाहि सँ बेबिलोन देश केँ बिना कोनो निवासीक उजाड़ बनाओल जायत।

प्रभु बेबिलोन के खिलाफ अपनऽ उद्देश्य पूरा करतै, जेकरऽ परिणामस्वरूप बेबिलोन के देश एगो उजाड़ उजाड़ भूमि बनी जैतै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - यिर्मयाह 51:29

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - यिर्मयाह 51:29

1. यशायाह 13:19-22

2. प्रकाशितवाक्य 18:2-3

यिर्मयाह 51:30 बाबुलक पराक्रमी सभ लड़ब छोड़ि देलक, ओ सभ अपन पकड़ मे रहि गेल। ओ सभ स्त्री जकाँ बनि गेल, ओकर निवास-स्थान जरा देलक। ओकर सलाख टूटि गेल छैक।

प्रभु केरऽ धार्मिक न्याय बेबिलोन पर आबी गेलऽ छै, जेकरा चलतें ओकरऽ पराक्रमी सिनी के लड़ाई बंद होय गेलऽ छै आरू ओकरऽ ताकत महिला सिनी के तरह विफल होय गेलऽ छै। ओकर आवास उजड़ि गेलै आ ओकर रक्षाक सलाख टूटि गेलै।

1. परमेश् वरक न्याय होयत: हमरा सभ केँ हुनकर वफादार आ आज्ञाकारी रहबाक चाही।

2. भगवान् सर्वशक्तिमान छथि आ सदिखन अपन योजना पूरा करैत छथि - हुनकर विरोध नहि करू।

1. यशायाह 40:29 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि।

2. रोमियो 3:19-20 - कारण, व्यवस्थाक पालन क’ क’ हुनका नजरि मे केओ धर्मी नहि मानल जाइत अछि; बल्कि, व्यवस्थाक द्वारा हम सभ अपन पापक प्रति सजग भ' जाइत छी।

यिर्मयाह 51:31 एक चौकी दोसर सँ भेंट करय लेल दौड़त, आ एक दूत दोसर सँ भेंट करय लेल दौड़त, जाहि सँ बाबुलक राजा केँ ई देखाओल जाय जे ओकर शहर एक छोर पर भ’ गेल अछि।

परमेश् वरक न् याय तेज आ निश्चित होयत।

1: जखन परमेश् वरक निर्णय आओत तखन ओकर सामना करबाक लेल तैयार रहू।

2: अपन कमी स्वीकार करी आ भगवानक दयाक लेल पश्चाताप करी।

1: रोमियो 2:4 "या की अहाँ सभ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जा रहल अछि?"

2: इब्रानी 4:12-13 "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि, आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदय। आ ओकर नजरि सँ कोनो प्राणी नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।"

यिर्मयाह 51:32 आ ई जे बाट बंद भ’ गेल अछि, आ खढ़ केँ आगि मे जरा देलक, आ युद्धक लोक सभ भयभीत भ’ गेल अछि।

यिर्मयाह 51:32 जलमार्ग के विनाश, खढ़ के जरे आ युद्ध के आदमी के आतंक के बात करै छै।

1. परमेश् वरक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. भगवानक दयाक माध्यमे पुनर्स्थापन

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यिर्मयाह 51:33 सेनाक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि। बाबुलक बेटी कुटनी जकाँ अछि, ओकरा कुटबाक समय आबि गेल अछि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ कहैत छथि जे बाबुल विनाशक लेल पाकि गेल अछि आ ओकर फसल कटबाक समय नजदीक आबि गेल अछि।

1. आबै वाला न्याय के बारे में परमेश् वर के चेतावनी - यिर्मयाह 51:33

2. बेबिलोन के फसल के समय - यिर्मयाह 51:33

1. हबक्कूक 3:12 - "अहाँ क्रोधित भ' क' देश मे घुमलहुँ; क्रोध मे गैर-यहूदी सभ केँ कुटलहुँ।"

2. आमोस 1:3 - "परमेश् वर ई कहैत छथि जे दमिश्कक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब, कारण ओ सभ गिलाद केँ लोहाक कुटनी सँ कुटि गेल अछि।"

यिर्मयाह 51:34 बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर हमरा खा गेल अछि, हमरा कुचललक, हमरा खाली बर्तन बना देलक, हमरा अजगर जकाँ निगल गेल, हमर नाजुक भोजन सँ अपन पेट भरि लेलक, हमरा बाहर निकालि देलक।

नबूकदनेस्सर केरऽ आतंक केरऽ शासन के वर्णन यिर्मयाह ५१:३४ म॑ करलऽ गेलऽ छै ।

1. भगवान एखनो नियंत्रण मे छथि - चाहे हम सब कोनो परिस्थिति के सामना करी, भगवान सदिखन नियंत्रण मे रहैत छथि आ हमर कठिन परिस्थिति के नीक के लेल उपयोग क सकैत छथि।

2. पीड़ा आ कष्ट - हम सभ भगवानक योजना पर भरोसा कए आ विश्वास केँ पकड़ि कए पीड़ा आ कष्टक माध्यमे आशा पाबि सकैत छी।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यिर्मयाह 51:35 हमरा आ हमर शरीर पर जे हिंसा भेल अछि से बाबुल पर हो, सियोनक निवासी कहत। आ हमर खून कल्दियाक निवासी सभ पर, यरूशलेम कहत।”

परमेश् वर के लोग बाबुल आरू कल्दिया के साथ न्याय करै के आह्वान करी रहलऽ छै कि ओकरा सिनी के खिलाफ करलऽ गेलऽ हिंसा के कारण।

1. न्याय के आह्वान: उत्पीड़न के बावजूद न्याय के तलाश

2. धर्मी प्रतिशोध: परमेश् वरक लोक अन्यायक प्रति कोना प्रतिक्रिया दैत अछि

२.

2. भजन 82:3 - कमजोर आ अनाथ के न्याय दिअ; पीड़ित आ निराश्रित के अधिकार कायम राखू।

यिर्मयाह 51:36 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँक पक्ष मे पक्षपात करब आ अहाँक बदला लेब। हम ओकर समुद्र केँ सुखायब आ ओकर झरना केँ सुखायब।

परमेश् वर अपन लोक सभक बदला लेताह आ बाबुलक पानि केँ सुखायताह।

1. परमेश् वर अपन लोकक प्रति वफादार छथि - यिर्मयाह 51:36

2. परिवर्तन करबाक लेल परमेश्वरक शक्ति - यिर्मयाह 51:36

२.

2. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

यिर्मयाह 51:37 बाबुल ढेर बनि जायत, अजगरक निवास स्थान, आश्चर्य आ सिसकी मारब, जाहि मे कोनो निवासी नहि।

बेबिलोन एकटा उजड़ल उजाड़ भूमि बनि जायत, जाहि मे फेर कहियो आबाद नहि होयत।

1: परमेश् वरक निर्णय अंतिम आ पूर्ण अछि।

2: हमरा सभ केँ सदिखन परमेश् वरक वचन पर भरोसा करबाक चाही आ ओकर आज्ञा मानबाक चाही।

1: यशायाह 13:20-22 "ओहि मे कहियो पीढ़ी-दर-पीढ़ी नहि रहत आ नहि रहतैक; कोनो अरबी ओत' अपन डेरा नहि ठाढ़ करत; कोनो चरबाह अपन भेँड़ा केँ ओत' नहि सुताओत।"

2: यशायाह 14:22-23 "हम हुनका सभक विरुद्ध उठब," सर्वशक्तिमान प्रभु कहैत छथि। प्रभु कहैत छथि, "हम बाबुल सँ ओकर नाम आ बचि गेल लोक, ओकर संतान आ वंशज केँ काटि देब।"

यिर्मयाह 51:38 ओ सभ सिंह जकाँ गर्जत, सिंहक बच्चा जकाँ चिचियाओत।

बाबुलक लोक सभ गर्जैत सिंह जकाँ जोर-जोर सँ हल्ला करत।

1. परमेश् वरक निर्णय निश्चित अछि आ सभ सुनत।

2. परमेश् वरक न्यायक गर्जन सुनू।

1. भजन 104:21 - सिंहक बच्चा सभ अपन शिकारक पाछाँ गर्जैत अछि, आ भगवान सँ अपन मांस तकैत अछि।

2. दानियल 7:4 - पहिल शेर जकाँ छल, जकर पाँखि गरुड़क पाँखि छल, हम ताबत धरि देखैत रहलहुँ जाबत धरि ओकर पाँखि उखाड़ल नहि गेल, आ ओ धरती सँ ऊपर नहि उठि गेल आ पैर पर मनुक्ख आ मनुक्खक पाँखि जकाँ ठाढ़ भ’ गेल हृदय ओकरा देल गेल।

यिर्मयाह 51:39 हुनका सभक गर्मी मे हम हुनका सभक भोज करब, आ हुनका सभ केँ नशा मे धुत्त बना देब, जाहि सँ ओ सभ आनन्दित भ’ सकय, आ सदिखन नींद मे सुति सकय, मुदा जागल नहि होयत, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ संकट आ उथल-पुथल के समय मे शांति आ आराम देथिन।

1. संकट मे भगवानक आराम

2. भगवान् के सान्निध्य में आनन्दित होना

1. यशायाह 40:1-2 - हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा कानब जे ओकर युद्ध समाप्त भ' गेलै, ओकर अधर्म माफ भ' गेलै...

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

यिर्मयाह 51:40 हम ओकरा सभ केँ मेमना जकाँ, बकरी सभक संग मेढ़क जकाँ, वधक लेल उतारब।

परमेश् वर अपन शत्रु सभ केँ मेमना जकाँ वधक लेल उतारताह।

1. भगवानक न्याय अनिवार्य अछि

2. भगवानक दया केँ अस्वीकार करबाक परिणाम
1246

1. यशायाह 53:7 "ओ दबल आ दुःखित भेलाह, तइयो ओ अपन मुँह नहि खोललनि; ओ मेमना जकाँ वधक लेल लऽ गेलाह, आ जेना भेँड़ा ओकर काटनिहारक सोझाँ चुप भ' जाइत अछि, तेना ओ अपन मुँह नहि खोललक।"

2. मत्ती 10:28 "ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

यिर्मयाह 51:41 शेशक कोना लेल गेल अछि! आ समस्त धरतीक प्रशंसा कोना आश्चर्यचकित होइत अछि! बाबुल कोना जाति-जाति सभक बीच आश्चर्यक विषय बनि गेल अछि!

बेबिलोन के पतन पूरा धरती के लेलऽ आश्चर्य के बात छै ।

1. विनम्रताक शक्ति: बेबिलोनक आश्चर्यजनक पतन सँ सीखब

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: आज्ञाकारिता के फल के अनुभव अपन जीवन में करब

1. नीतिवचन 16:18-19 घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने। गरीबक संग नीच भावनाक रहब नीक अछि, नहि कि घमंडी लोकक संग लूट बाँटब।

2. लूका 14:11 किएक त’ जे अपना केँ ऊँच करत, ओ नम्र होयत, आ जे अपना केँ नम्र करत, से ऊँच कयल जायत।

यिर्मयाह 51:42 समुद्र बाबुल पर चढ़ि गेल अछि, ओ ओकर लहरि सँ आच्छादित अछि।

बेबिलोन समुद्रक कात मे नष्ट भ’ जायत।

1. भगवानक न्याय मनुष्य सँ पैघ अछि।

2. विनाश सँ पहिने अभिमान अबैत अछि।

1. भजन 33:10-11 - "प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ निष्कृत करैत छथि; ओ लोक सभक योजना केँ विफल करैत छथि। प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

2. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

यिर्मयाह 51:43 ओकर शहर सभ उजाड़, शुष्क भूमि आ जंगल अछि, जाहि मे केओ नहि रहैत अछि आ ने कोनो मनुष् य-पुत्र ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि।

बेबिलोन के शहर एकटा उजाड़ भूमि छै, बंजर आरू मनुष्य के निवास नै छै।

1. भगवानक शक्ति: कोना ओ समृद्धतम भूमि केँ सेहो उजाड़ भूमि मे बदलि सकैत छथि

2. कोनो बात के हल्का में नै लिय: आइ हमरा सब के जे आशीर्वाद भेटल अछि ओकर सराहना करू

1. यशायाह 24:1-3 - देखू, प्रभु पृथ्वी केँ खाली बना दैत छथिन, ओकरा उजड़ि दैत छथिन, उल्टा क’ दैत छथिन, आ ओहि मे रहनिहार लोकनि केँ छिड़िया दैत छथिन।

2. यिर्मयाह 4:23-26 - हम पृथ्वी केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश, आ ओकरा सभ मे इजोत नहि छलैक।

यिर्मयाह 51:44 हम बेबिलोन मे बेल केँ सजा देब, आ ओकर मुँह सँ जे ओ निगलने अछि से बाहर निकालब, आ जाति सभ आब ओकरा लग एक संग नहि बहत।

परमेश् वर बेबिलोनक देवता बेल आ ओकर लोक केँ दंडित करताह। जे किछु ओ सभ दोसर सँ लऽ लेने अछि से ओ सामने आनत आ बाबुल आब शक्तिशाली नहि होयत।

1. परमेश् वरक न्याय: प्रभु बेल आ बेबिलोन केँ सजा देत

2. भगवान् पर निर्भरता: रक्षाक लेल प्रभुक शक्ति पर निर्भर रहब

1. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच भऽ जाय तँ हम सभ नहि डेराएब। भले ओकर पानि गर्जैत आ घबराइत हो, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ एकटा अपेक्षित अंत देब।

यिर्मयाह 51:45 हमर प्रजा, अहाँ सभ ओकर बीच सँ निकलू आ प्रत्येक-एक गोटे अपन प्राण केँ परमेश् वरक भयंकर क्रोध सँ बचाउ।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे बाबुल छोड़ि अपन प्रचंड क्रोध सँ अपना केँ बचाउ।

1. परमेश् वरक प्रेम: प्रभु अपन लोकक रक्षा करैत छथि

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद

1. भजन 32:7-8 अहाँ हमरा लेल नुकाएबला स्थान छी। अहाँ हमरा विपत्ति सँ बचाबैत छी। अहाँ हमरा मुक्तिक चिचियाहटि सँ घेरने छी। सेलाह हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखा देब। हम अहाँ पर नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 51:46 कहीं अहाँ सभक मोन बेहोश नहि भ’ जाय आ एहि देश मे जे अफवाह सुनल जायत ताहि सँ अहाँ सभ डरब। एकटा अफवाह दुनू एक साल आओत, आ ओकर बाद दोसर साल मे अफवाह आओत, आ देश मे हिंसा, शासकक विरुद्ध शासक।

भगवान् हमरा सभ केँ चेताबैत छथि जे देश मे जे अफवाह आओत ताहि सँ हतोत्साहित नहि होउ, कारण एहि सँ शासकक बीच हिंसा आ टकराव होयत।

1. विपत्तिक समय मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक लेल भगवानक चेतावनी

2. परीक्षा आ क्लेशक माध्यमे परमेश् वर पर भरोसा करू

1. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त।

2. रोमियो 8:37-39 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि मसीह यीशु हमर सभक प्रभु।

यिर्मयाह 51:47 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि जखन हम बाबुलक उकेरल मूर्ति सभ पर न्याय करब, आ ओकर पूरा देश लज्जित भ’ जायत आ ओकर सभ मारल गेल ओकर बीच मे खसि पड़त।

परमेश् वर बेबिलोन आ ओकर सभ मूर्ति सभ पर न्यायक घोषणा कऽ रहल छथि, आ देश बेइज्जत भऽ जायत आ मृत्यु सँ भरल होयत।

1. "परमेश् वरक क्रोध: बेबिलोनक अक्षम्य पाप"।

2. "मूर्तिपूजाक शक्ति: मिथ्या पूजाक गंभीर परिणाम"।

1. रोमियो 1:18-23 किएक तँ परमेश् वरक क्रोध स् वर्ग सँ मनुखक सभ अभक्ति आ अधर्मक विरुद्ध प्रगट होइत अछि, जे अपन अधर्मक कारणेँ सत् य केँ दबा दैत अछि।

2. निर्गमन 20:3-5 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि। अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, किएक तँ हम अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।

यिर्मयाह 51:48 तखन आकाश आ पृथ्वी आ ओहि मे जे किछु अछि, से बाबुलक लेल गाओत, किएक तँ उत्तर दिस सँ लूटनिहार सभ ओकरा लग आओत।”

बाबुल परमेश् वर आ हुनकर चुनल लोक द्वारा नष्ट कयल जायत।

1: भगवानक न्याय निश्चित अछि, चाहे अहाँ कतबो शक्तिशाली होइ।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छा केँ पूरा करबा मे हुनकर साधन बनबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1: यशायाह 13:5-6 "ओ सभ दूरक देश सँ, स्वर्गक छोर सँ, प्रभु आ हुनकर क्रोधक शस्त्र सँ पूरा देश केँ नष्ट करबाक लेल अबैत छथि। अहाँ सभ कूदब, कारण प्रभुक दिन आबि गेल अछि।" हाथ, ई सर्वशक्तिमान सँ विनाशक रूप मे आओत।”

2: 2 थिस्सलुनीकियों 1:7-9 "अहाँ सभ जे परेशान छी, हमरा सभक संग विश्राम करू, जखन प्रभु यीशु अपन पराक्रमी स् वर्गदूत सभक संग स् वर्ग सँ प्रगट होयत, ज्वालामुखी आगि मे प्रगट होयत जे परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि आ जे सभ आज्ञा नहि मानैत अछि।" हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक सुसमाचार, जे प्रभुक सान्निध्य सँ आ हुनकर सामर्थ् यक महिमा सँ अनन्त विनाशक सजाय पाओत।”

यिर्मयाह 51:49 जेना बेबिलोन इस्राएलक मारल गेल लोक सभ केँ खसा देलक, तहिना बेबिलोन मे समस्त पृथ्वीक मारल गेल लोक सभ केँ खसि पड़त।

बहुतो के मौत के लेल बेबिलोन जिम्मेदार छै, आ ओकरा सेहो एहने भाग्य होयत।

1: हमरा सभकेँ ई नहि बिसरबाक चाही जे सभ काजक परिणाम होइत छैक।

2: परमेश् वरक निर्णय निष्पक्ष आ न्यायपूर्ण अछि।

1: गलाती 6:7 - "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत।"

2: रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

यिर्मयाह 51:50 अहाँ सभ जे तलवार सँ बचि गेल छी, जाउ, ठाढ़ नहि होउ।

जे तलवार सँ बचल अछि ओकरा अपन जगह पर नहि रहबाक चाही, बल्कि दूर सँ प्रभु केँ स्मरण करबाक चाही आ यरूशलेम केर स्मरण करबाक चाही।

1. स्मरणक शक्ति: भगवान् केँ अपन मन मे अग्रणी कोना राखल जाय

2. दृढ़ताक आह्वान: कठिन समय मे कोना जीवित रहब आ कोना पनपब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. व्यवस्था 8:2-3 - अहाँ सभ ओहि सभ बाट केँ मोन राखब जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ केँ एहि चालीस वर्ष धरि जंगल मे लऽ गेल छलाह, अहाँ केँ नम्र करबाक लेल आ अहाँ केँ परखबाक लेल, जाहि सँ अहाँ केँ ई जानि सकब जे अहाँक हृदय मे की अछि, की अहाँ चाहैत छी ओकर आज्ञाक पालन करू, वा नहि। ओ तोरा नम्र कऽ देलक आ भूख मरय देलक आ मन्ना खुआ देलक, जकरा तोरा नहि बुझल छल आ तोहर पूर्वज सेहो नहि जनैत छल। जाहि सँ ओ अहाँ केँ ई बुझा सकथि जे मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि जीबैत अछि, बल् कि प्रभुक मुँह सँ निकलल प्रत्येक वचन सँ जीबैत अछि।

यिर्मयाह 51:51 हम सभ लज्जित छी, कारण हम सभ निन्दा सुनलहुँ, लाज हमरा सभक मुँह झाँपि देलक, किएक तँ परदेशी लोक सभ परमेश् वरक घरक पवित्र स्थान सभ मे आबि गेल अछि।

इस्राएल के लोग लाज छै, कैन्हेंकि परदेशी सिनी परमेश् वर के मंदर पर आक्रमण करी चुकलऽ छै।

1. भगवानक घर: सम्मान आ सम्मानक स्थान

2. प्रभु के घर में पवित्रता के जीवन जीना

1. भजन 24:3-4 - प्रभुक पहाड़ी पर के चढ़त? आकि ओकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ होयत? जे हाथ साफ अछि आ मन शुद्ध अछि।

2. इफिसियों 2:19-22 - आब अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि पवित्र लोक सभक संग-संग आ परमेश् वरक घरक लोक छी।

यिर्मयाह 51:52 तेँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, जखन हम ओकर उकेरल मूर्ति सभक न्याय करब, आ ओकर समस्त देश मे घायल लोक सभ कुहरत।

प्रभु बेबिलोन के मूर्ति पर आबै वाला न्याय आरू पूरा देश में घायल लोगऽ के विलाप के घोषणा करै छै।

1. पश्चाताप के आवश्यकता: बेबिलोन के पतन स सीखना

2. प्रभुक न्याय: ई हमरा सभ पर कोना प्रभावित करैत अछि

1. यिर्मयाह 51:59 "यिर्मयाह भविष्यवक्ता मासेयाहक पुत्र नेरियाक पुत्र सरायह केँ जे आज्ञा देलनि, जखन ओ यहूदाक राजा सिदकियाहक संग अपन शासनक चारिम वर्ष मे बाबुल गेलाह। (ई) वचन छल।" परमेश् वरक, जे ओ यिर्मयाह सँ कहलनि”।

२ जे धैर्य सँ नीक काज मे महिमा आ आदर आ अमरताक खोज करैत छथि, ओ अनन्त जीवन देथिन, मुदा जे स्वार्थी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, मुदा अधर्मक आज्ञा मानैत छथि, हुनका लेल क्रोध आ क्रोध होयत।”

यिर्मयाह 51:53 भलेँ बाबुल स्वर्ग धरि चढ़त आ अपन शक्तिक ऊँचाई केँ मजबूत करत, मुदा हमरा दिस सँ लूटनिहार ओकरा लग आबि जायत, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि भले ही बेबिलोन खुद कॅ अभेद्य बना लेतै, लेकिन ओकरा उतारै लेली वू लूटै वाला सिनी कॅ भेजतै।

1. प्रभु पर हमर विश्वासक मजबूती: भगवान पर भरोसा करब चाहे कोनो विषमता किएक नहि हो

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनका सँ बेसी शक्तिशाली केओ नहि अछि

1. इब्रानी 11:1 - आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल बातक आश्वासन अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

2. भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे उदात्त होयब, पृथ्वी पर हम ऊँच होयब!

यिर्मयाह 51:54 बाबुल सँ एकटा चीत्कारक आवाज आबि रहल अछि आ कसदी सभक देश सँ बहुत पैघ विनाश।

बेबिलोन सँ एकटा चिल्लाहट आ कसदी सभक बहुत पैघ विनाशक आवाज।

1. बेबिलोन पर परमेश् वरक न्याय: पश्चाताप करबाक लेल एकटा उपदेश

2. विद्रोह के परिणाम: यिर्मयाह भविष्यवक्ता के चेतावनी

1. यशायाह 13:6-9 - विलाप करू, कारण प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि; सर्वशक्तिमान सँ विनाशक रूप मे आओत।

2. यिर्मयाह 47:6-7 - हे प्रभुक तलवार, अहाँ चुप रहबा मे कतेक दिन धरि रहत? अपना केँ अपन स्कैबर्ड मे राखू; आराम करू आ शान्त रहू! जखन प्रभु एकरा चार्ज द' देने छथि तखन ई कोना चुप भ' सकैत अछि। अश्केलोन के विरुद्ध आ समुद्रक कात के विरुद्ध ओ एकरा नियुक्त केने छथि।

यिर्मयाह 51:55 किएक तँ परमेश् वर बाबुल केँ लूटि कऽ ओकरा मे सँ ओहि महान आवाज केँ नष्ट कऽ देलनि। जखन ओकर लहरि पैघ पानि जकाँ गर्जैत अछि तखन ओकर आवाजक हल्ला होइत छैक।

परमेश् वर बाबुल आ ओकर प्रबल आवाज केँ नष्ट कऽ देलनि आ ओकर गर्जैत लहरिक आवाज चुप भऽ गेल अछि।

1. परमेश्वरक शक्ति सभ राज्य पर विजय प्राप्त करैत अछि - यिर्मयाह 51:55

2. परमेश् वरक प्रतिशोधक गर्जन - यिर्मयाह 51:55

1. आमोस 9:5 - स्वर्गक सेना सभक परमेश् वर प्रभु पृथ्वी केँ छूबैत छथि आ ओ पिघलि जाइत छथि। एहि मे रहनिहार सभ शोक करैत छथि, आ पूरा देश नील नदी जकाँ उठैत अछि, फेर मिस्र नदी जकाँ फेर डूबि जाइत अछि।

2. यशायाह 13:11 - हम संसार केँ ओकर बुराईक लेल, दुष्ट केँ ओकर पापक लेल सजा देब। हम घमंडी के अहंकार के अन्त करब आ निर्दयी के घमंड के विनम्र करब।

यिर्मयाह 51:56 किएक तँ लूटनिहार ओकरा पर, बाबुल पर आबि गेल अछि आ ओकर पराक्रमी सभ पकड़ि लेल गेल अछि, तेँ ओकर सभक धनुष टूटि गेल अछि, किएक तँ प्रतिफल देनिहार परमेश् वर परमेश् वर अवश्य प्रतिकार करताह।

परमेश् वरक न्याय बेबिलोन पर आबि रहल अछि।

1: हमरा सभ केँ अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही आ दयाक लेल परमेश् वर दिस मुड़बाक चाही, कहीं हमरा सभ केँ बेबिलोन जकाँ भाग्य नहि भोगय पड़त।

2: हम सभ परमेश् वरक न्याय आ निष्ठा पर निश्चिंत भ' सकैत छी जे हम सभ अपन काजक प्रतिफल देब।

1: इजकिएल 18:20-21 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

2: रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि। मसीह यीशु मे जे मुक्ति भेटैत अछि, ओकर द्वारा हुनकर अनुग्रह सँ मुक्त रूप सँ धर्मी ठहराओल गेल।

यिर्मयाह 51:57 हम ओकर राजकुमार सभ, ओकर ज्ञानी सभ केँ, ओकर सेनापति सभ केँ, ओकर शासक सभ केँ आ ओकर पराक्रमी सभ केँ नशा मे धुत्त बना देब मेजबान के।

परमेश् वर पाप केनिहार सभक न् याय अनताह आ ओकरा सभ केँ मृत् यु मे सुता देताह।

1: मोन राखू जे संसारक धोखा नहि खाउ, कारण परमेश् वर हमरा सभक न्याय करताह।

2: हमरा सभ केँ अपन विश् वास मे विश् वास आ अडिग रहबाक चाही, किएक तँ परमेश् वर पाप केनिहार सभ केँ न्याय आ न्याय अनताह।

1: रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

2: भजन 37:28 - कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि। ओ अपन विश्वासी केँ कहियो नहि छोड़त।

यिर्मयाह 51:58 सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि। बाबुलक चौड़ा देबाल एकदम टूटि जायत आ ओकर ऊँच फाटक आगि मे जरि जायत। लोक व्यर्थ मे परिश्रम करत, आ लोक आगि मे मेहनत करत, आ ओ सभ थाकि जायत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे बाबुलक रक्षा आ फाटक आगि सँ नष्ट भऽ जायत आ ओकर लोक सभ अपन श्रम सँ थकित भऽ जायत।

1. परमेश् वरक शक्ति: बेबिलोनक रक्षा केँ नष्ट करब

2. विद्रोहक परिणाम: बेबिलोनक लोक केँ घिसब

1. यशायाह 2:12-17 - घमंडी लोकक लेल प्रभुक चेतावनी

2. प्रकाशितवाक्य 18:1-8 - बाबुलक पतन आ ओकर परिणाम

यिर्मयाह 51:59 जे वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता मासेयाहक पुत्र नेरियाक पुत्र सरायह केँ आज्ञा देलनि जखन ओ यहूदाक राजा सिदकियाहक संग अपन शासनक चारिम वर्ष मे बाबुल गेलाह। आ ई सेराय एकटा चुपचाप राजकुमार छलाह।

यिर्मयाह सेराया केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यहूदाक राजा सिदकिय्याहक संग अपन शासनक चारिम वर्ष मे बाबुल जाय। सेराया एकटा चुपचाप राजकुमार छलाह।

1. चुपचाप नेतृत्वक शक्ति

2. कठिनाई के समय में भगवान के मार्गदर्शन

1. नीतिवचन 16:7 - जखन मनुष्यक मार्ग प्रभु केँ प्रसन्न करैत अछि तखन ओ अपन शत्रु केँ सेहो ओकरा संग शान्ति मे रहबाक लेल बना दैत अछि।

2. उत्पत्ति 12:1-4 - आब प्रभु अब्राम केँ कहने छलाह जे, “अपन देश सँ, अपन परिवार आ अपन पिताक घर सँ, ओहि देश मे जाउ, जे हम अहाँ केँ देखा देब। हम अहाँ सभ केँ एकटा पैघ राष्ट्र बना देब। हम अहाँकेँ आशीर्वाद देब आ अहाँक नाम पैघ करब; आ अहाँ आशीर्वाद बनब। जे अहाँ केँ आशीर्वाद देबनि तकरा हम आशीर्वाद देब, आ जे अहाँ केँ गारि देत तकरा गारि देब। आ तोरा मे पृथ् वीक सभ कुल धन्य होयत।

यिर्मयाह 51:60 तखन यिर्मयाह एकटा किताब मे लिखलनि जे बेबिलोन पर जे किछु बुराई होयत, से सभटा बाबुल पर लिखल गेल अछि।

यिर्मयाह के किताब में एकटा भविष्यवाणी छै जे बेबिलोन पर आबै वाला बुराई के विस्तार स॑ बतैलकै।

1. परमेश् वरक वचन सत् य अछि: यिर्मयाहक भविष्यवाणी सँ सीखब

2. सुविधा के बजाय निष्ठा के चयन: यिर्मयाह के उदाहरण

1. व्यवस्था 18:18-22 - "हम हुनका सभक लेल हुनका सभक भाय सभक बीच सँ अहाँ सन एकटा भविष्यवक्ता ठाढ़ करब। हम हुनकर मुँह मे अपन बात राखब, आ ओ हुनका सभ केँ ओ सभ बात कहताह जे हम हुनका आज्ञा दैत छी।"

2. यशायाह 46:10-11 - "शुरुआत सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल काज कें अन्तक घोषणा करैत कहैत छथि, 'हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।'"

यिर्मयाह 51:61 यिर्मयाह सेरायाह कें कहलथिन, “जखन अहाँ बाबुल पहुँचब आ देखब आ ई सभ शब्द पढ़ब।

यिर्मयाह सेरायाह कॅ निर्देश दै छै कि जबें हुनी बेबिलोन पहुँचै छै, तबें हुनी जे शब्द लिखलों छै, ओकरा पढ़ै।

1. परमेश्‌वरक वचन पढ़बाक महत्व।

2. परमेश्‌वरक अपन प्रतिज्ञाक प्रति निष्ठा।

1. भजन 119:105 "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि, हमर बाट पर इजोत अछि।"

2. यशायाह 55:11 "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल्‌कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

यिर्मयाह 51:62 तखन अहाँ कहब जे, हे प्रभु, अहाँ एहि स्थानक विरोध मे एकरा काटि देबाक लेल बाजि रहल छी जे एहि मे कियो नहि रहत, ने मनुक्ख आ ने जानवर, बल्‌कि ई सदाक लेल उजाड़ भ’ जायत। ”

परमेश्‌वर बाबुल देश कें उजाड़ बना देताह जाहि सँ ओतय केओ नहि रहत, ने मनुष्य आ ने जानवर।

1. प्रभु के अस्वीकार करला के परिणाम: यिर्मयाह 51:62 के अध्ययन

2. परमेश्‌वरक संप्रभुता आ न्याय: यिर्मयाह 51:62 क अन्वेषण

1. यशायाह 6:11-13 - हम कहलियनि, हे प्रभु, कतेक दिन धरि? ओ कहलथिन, “जखन धरि नगर सभ बिना रहनिहारक उजाड़ नहि भऽ जायत, आ घर-घर लोक सभ कें नहि भ’ जायत आ देश सभ उजाड़ नहि भ’ जायत।

2. विलाप 2:6-8 - ओ अपन तम्बू कें जोर-जोर सँ छीनि लेलक, जेना कोनो बगीचा मे हो, ओकर सभा-सभाक स्थान सभ कें नष्ट कऽ देलक। आ अपन क्रोधक क्रोध मे राजा आ पुरोहित कें तिरस्कार कयलनि।

यिर्मयाह 51:63 जखन अहाँ एहि पुस्तक कें पढ़ब तखन अहाँ एहि मे पाथर बान्हि क’ यूफ्रेटिसक बीच मे फेकि देब।

यिर्मयाह निर्देश दै छै कि जबें किताब पढ़लों जाय छै, तबें किताब में पाथर बांध कें यूफ्रेटिस में फेंकी देलऽ जाय।

1. शब्दक शक्ति: परमेश्‌वरक वचन हमरा सभक जीवन कें कोना बदलि सकैत अछि

2. विश्वासक यात्रा: भगवानक सहायता सँ जीवनक चुनौती कें आत्मसात करब

1. भजन 19:7-8 "प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा कें जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल कें बुद्धिमान बनबैत अछि; प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय कें आनन्दित करैत अछि; भगवान्‌ शुद्ध छथि, आँखि कें प्रबुद्ध करैत छथि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

यिर्मयाह 51:64 अहाँ कहब जे, “बेबिलोन एहि तरहें डूबि जायत, आ हम ओहि दुष्टता सँ नहि उठत जे हम ओकरा पर आनब। ” एखन धरि यिर्मयाहक वचन अछि।

1253

यिर्मयाह भविष्यवाणी करै छै कि बाबुल डूबी जैतै आरू परमेश् वर ओकरा पर जे बुराई लानी देतै, ओकरा सँ नै उठतै।

1. भगवानक प्रतिशोध न्यायसंगत अछि आ कयल जायत।

2. हमरा सभकेँ अपन काजक परिणामक तैयारी करबाक चाही।

२.

2. इजकिएल 18:20 - पाप करय बला आत्मा मरत। पिताक अधर्मक कारणेँ पुत्र केँ कष्ट नहि होयत आ ने पुत्रक अधर्मक कारणेँ पिता केँ कष्ट होयत। धर्मात्माक धार्मिकता अपना पर रहत आ दुष्टक दुष्टता अपना पर रहत।

यिर्मयाह अध्याय ५२ एक उपसंहार के काम करै छै, जे यरूशलेम के पतन आरू यहूदा के निर्वासन के ऐतिहासिक विवरण प्रदान करै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहूदा के राजा के रूप में सिदकिय्याह के शासन के संक्षिप्त अवलोकन के साथ होय छै (यिर्मयाह 52:1-3)। एहि मे बेबिलोन के खिलाफ ओकर विद्रोह आ ओकर बाद यरूशलेम के घेराबंदी के जिक्र अछि।

2 पैराग्राफ: यरूशलेम पर कब्जा आ विनाशक विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि (यिर्मयाह 52:4-23)। बेबिलोन के सेना शहर के देवाल के तोड़ी दै छै, जेकरा चलतें विनाशकारी आक्रमण होय जाय छै। राजा सिदकियाह पकड़ि लेल जाइत छथि, हुनकर बेटा सभ हुनकर आँखिक सोझाँ मारल जाइत छनि आ हुनका जंजीर मे बान्हि बाबिलोन लऽ जाइत छनि।

3 पैराग्राफ: सुलेमान के मंदिर के विनाश के बारे में बतायल गेल अछि (यिर्मयाह 52:24-30)। नबूकदनेस्सर के सेना मंदिर के तोड़ी क ओकर खजाना लूटैत अछि आ ओकरा जरा दैत अछि। मंदिर स बहुत रास कीमती सामान बेबिलोन ल जाइत अछि।

4 पैराग्राफ: यिर्मयाह सत्तीस सालक बाद यहोयाकीन के जेल स रिहाई के जिक्र करैत छथि (यिर्मयाह 52:31-34)। बेबिलोन के राजा दुष्ट-मेरोदक यहोयाकीन के अपनऽ टेबुल पर जगह आरू जीवन भर नियमित रूप सें भोजन दै के दया देखाबै छै।

संक्षेप में, अध्याय बावन एक उपसंहार के रूप में काम करै छै जे यरूशलेम के पतन आरू निर्वासन के ऐतिहासिक विवरण प्रदान करै छै, ई संक्षेप में सिदकिय्याह के शासन के रूपरेखा दै छै, जेकरा में बेबिलोन के खिलाफ ओकरऽ विद्रोह के उजागर करलऽ गेलऽ छै, जेकरा स॑ यरूशलेम के घेराबंदी होय जाय छै, यरूशलेम के कब्जा आरू विनाश छै विस्तार स वर्णित अछि। सिदकिय्याह के पकड़ल गेलै, ओकरऽ सामने ओकरऽ बेटा सिनी के हत्या करी देलऽ जाय छै, आरो ओकरा बंदी बनाय देलऽ जाय छै, सुलैमान के मंदिर के विनाश के बारे में ओकरऽ खजाना लूटलऽ गेलऽ छै आरू भवन के जला देलऽ गेलऽ छै । बहुत रास कीमती वस्तु लऽ जाइत अछि, अंत मे, सत्तीस वर्षक बाद यहोयाचीनक जेल सँ रिहाईक जिक्र अछि | ओकरा बेबिलोन के राजा दुष्ट-मेरोदक स॑ दया मिलै छै, कुल मिला क॑ ई संक्षेप म॑, अध्याय एगो ऐतिहासिक निष्कर्ष प्रदान करै छै, जेकरा म॑ यहूदा क॑ परमेश्वर के आज्ञा नै मानला के कारण सामना करलऽ जाय वाला परिणाम के रेखांकित करलऽ गेलऽ छै । ई एकटा स्मरणक काज करैत अछि जे परमेश् वरक न्याय पूरा होयत।

यिर्मयाह 52:1 सिदकिय्याह जखन राज करय लगलाह तखन बीस वर्षक छलाह आ ओ यरूशलेम मे एगारह वर्ष धरि राज केलनि। हुनकर मायक नाम हमूतल छलनि जे लिबनाक यिर्मयाहक बेटी छलीह।

सिदकियाह जखन राजा बनलाह आ यरूशलेम मे 11 वर्ष धरि राज केलनि तखन ओ 21 वर्षक छलाह। हुनकर माय हमूतल छलनि, जे लिबना के यिर्मयाह के बेटी छलीह।

1. कठिनाईक समय मे सेहो परमेश्वरक इच्छा पर ध्यान देबाक महत्व (यिर्मयाह 52:1-4)

2. विपत्तिक सामना मे पीढ़ी दर पीढ़ीक विश्वासक शक्ति (2 राजा 24:17-20)

1. भजन 37:23-24 - मनुष्यक कदम प्रभु द्वारा स्थापित कयल जाइत अछि, जखन ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि; जँ खसि पड़तैक, मुदा ओकरा माथ नहि फेकल जायत, किएक तँ प्रभु ओकर हाथ ठाढ़ करैत छथि।

2. नीतिवचन 16:9 - मनुष्यक हृदय अपन बाट केर योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ स्थापित करैत अछि।

यिर्मयाह 52:2 ओ यहोयाकीम जे किछु केने छलाह, ओहिना परमेश् वरक नजरि मे अधलाह काज कयलनि।

यहोयाकीम परमेश् वरक नजरि मे अधलाह काज कयलनि।

1. भगवान् के आज्ञा के अवहेलना के परिणाम

2. भगवानक दया आ क्षमाक शक्ति

1. भजन 51:17 - "परमेश् वरक बलिदान टूटल आत् मा अछि; टूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

यिर्मयाह 52:3 किएक तँ परमेश् वरक क्रोधक कारणेँ यरूशलेम आ यहूदा मे जाबत धरि ओ हुनका सभ केँ अपन सोझाँ सँ बाहर नहि निकालि देलनि ताबत धरि सिदकियाह बेबिलोनक राजाक विरुद्ध विद्रोह कयलनि।

सिदकिय्याह बाबुलक राजाक विरुद्ध विद्रोह कयलनि, जे प्रभुक क्रोधक परिणाम छल।

1. भगवानक क्रोधक परिणाम होइत छैक

2. अधिकार के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम आबै छै

1. रोमियो 13:1-7

2. याकूब 4:17-18

यिर्मयाह 52:4 अपन शासनक नौम वर्ष मे दसम मास मे दसम मास मे बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर अपन समस्त सेना संग यरूशलेम पर आबि कऽ ओकरा विरुद्ध खटखटा लेलक, आ चारू कात एकर विरुद्ध किला बनौलनि।

1: बाधा आ कठिनाई के बीच भगवान हमरा सबहक रक्षा आ मार्गदर्शन के लेल सदिखन उपस्थित रहैत छथि।

2: हम सब भारी विषमता के सामना करैत सेहो प्रभु पर भरोसा क सकैत छी।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: व्यवस्था 31:6 - "बलवान आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डरू, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँ सभ केँ नहि छोड़ताह आ नहि छोड़ताह।"

यिर्मयाह 52:5 तखन राजा सिदकियाहक एगारहम वर्ष धरि शहरक घेराबंदी कयल गेल।

यरूशलेम राजा सिदकिय्याह के शासनकाल में 11 साल तक बेबिलोन के घेराबंदी में छेलै।

1. धैर्य के शक्ति: यरूशलेम के 11 साल के घेराबंदी स सीखब

2. कठिन समय मे विश्वासी रहब: राजा सिदकियाह सँ ताकत लेब

1. यिर्मयाह 52:5

2. याकूब 1:2-4 हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यिर्मयाह 52:6 चारिम मास मे, मासक नौम दिन शहर मे अकाल पड़ल छल, जाहि सँ ओहि देशक लोकक लेल रोटी नहि छल।

यरूशलेम मे अकाल एतेक भयंकर छल जे लोक सभक लेल रोटी नहि छल।

1. अकाल के समय में भगवान की देखभाल - कठिन समय में भगवान पर भरोसा कैसे करे |

2. अकाल के भय - भय के कोना दूर कयल जाय आ भगवान में आराम कोना भेटत

1. यशायाह 33:16 - "अहाँक पास रोटी आ पानि भरपूर रहत, आ अहाँ केँ कियो डराओत नहि।"

2. मरकुस 6:35-44 - यीशु पाँच हजार केँ पाँच रोटी आ दू टा माछ खुआबैत छलाह।

यिर्मयाह 52:7 तखन शहर टूटि गेल, आ सभ युद्धकर्मी भागि गेल आ राति मे शहर सँ बाहर निकलि गेल, दुनू देबालक बीचक फाटक बाट पर जे राजाक बगीचाक कात मे छल। (आब कल्दी सभ चारू कात शहरक कात मे छल।) ओ सभ मैदानक बाट पर चलि गेल।

यरूशलेम शहर मे कसदी सभ घुसि गेल आ युद्धक लोक सभ दुनू देबालक बीचक फाटक बाट सँ भागि गेल जे राजाक बगीचाक कात मे छल।

1. विपत्तिक समय मे प्रभुक रक्षाक ताकत

2. कठिन समय मे विश्वास के शक्ति

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

2. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 52:8 मुदा कल्दी सभक सेना राजाक पाछाँ-पाछाँ गेल आ यरीहोक मैदान मे सिदकिय्याह केँ पकड़ि लेलक। ओकर समस्त सेना ओकरा सँ छिड़िया गेल।

कल्दीय सेना राजा सिदकियाह केँ पीछा क’ यरीहोक मैदान मे हुनका अपन सेना सँ अलग क’ देलक।

1: विपत्तिक क्षण मे भगवान् हमरा सभक संग रहताह आ हमरा सभ केँ आगू बढ़बाक शक्ति प्रदान करताह।

2: अपन सबसँ अन्हार क्षण मे हमरा सभ केँ मजबूत रहबाक चाही आ भगवान् पर विश्वास राखय पड़त, कारण ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

1: यशायाह 41:10 - "तँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ बल देब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: व्यवस्था 31:6 - "मजबूत आ साहसी रहू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने भयभीत होउ, किएक तँ अहाँक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभक संग जाइत छथि; ओ अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह आ ने अहाँ केँ छोड़ताह।"

यिर्मयाह 52:9 तखन ओ सभ राजा केँ पकड़ि क’ बाबुलक राजा लग हमथ देश मे रिब्ला ल’ गेलाह। जतय ओ हुनका पर न्याय कयलनि।

यरूशलेम के लोग रिब्ला में बाबुल के राजा के न्याय के सामना करै लेली अपनऽ राजा के बेबिलोन ल॑ गेलै।

1. परमेश् वरक न्याय उचित आ न्यायपूर्ण अछि

2. भगवान् के सार्वभौमिकता

1. यशायाह 33:22 - कारण, यहोवा हमर सभक न्यायाधीश छथि, प्रभु हमर सभक नियम देनिहार छथि, प्रभु हमर सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

2. भजन 9:7-8 - मुदा प्रभु अनन्त काल धरि रहैत छथि। ओ अपन सिंहासन केँ न्यायक लेल स्थापित कयलनि, आ ओ संसारक न्याय धार्मिकता मे करताह। ओ लोकक लेल न्यायक निष्पादन समानताक संग करताह।

यिर्मयाह 52:10 बाबुलक राजा सिदकिय्याहक पुत्र सभ केँ अपन आँखिक सोझाँ मारि देलनि।

बाबुलक राजा रिब्ला मे सिदकियाहक पुत्र सहित यहूदाक सभ राजकुमार सभ केँ मारि देलक।

1. कठिन समय मे विश्वास के महत्व

2. प्रतिकूलताक सामना करैत दृढ़ता

1. रोमियो 5:3-5 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे सेहो घमंड करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

2. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, चूँकि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ आउ, जे किछु बाधा उत्पन्न करैत अछि आ जे पाप एतेक सहजता सँ ओझरा जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक। आ हमरा सभक लेल निर्धारित दौड़ केँ दृढ़ता सँ दौड़ू।

यिर्मयाह 52:11 तखन ओ सिदकियाहक आँखि हटा देलनि। बाबुलक राजा हुनका जंजीर मे बान्हि बाबिलोन लऽ गेलनि आ हुनकर मृत्युक दिन धरि जेल मे राखि देलनि।

यहूदा के राजा सिदकिय्याह कॅ बेबिलोन के राजा पकड़ी कॅ बेबिलोन ल॑ गेलै, जहां ओकरा मृत्यु तक जेल में डाललऽ गेलै।

1. परीक्षा के समय में परमेश्वर के निष्ठा

2. विद्रोहक परिणाम

1. 2 इतिहास 36:13-15

2. यशायाह 5:1-7

यिर्मयाह 52:12 पाँचम मास मे, मासक दसम दिन, जे बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक उन्नीसम वर्ष छल, बेबिलोनक राजाक सेवा करयवला पहरेदारक सेनापति नबूजरदान यरूशलेम आबि गेलाह।

नबूकदनेस्सर के शासन के उन्नीसवाँ साल के पाँचवाँ महीना में बेबिलोन के कप्तान नबूजरदान यरूशलेम में प्रवेश करलकै।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: कोना हमर सभक योजना सदिखन हुनकर योजनासँ मेल नहि खाइत अछि

2. भगवान् आ हुनकर आज्ञाक आज्ञापालनक महत्व

1. यिर्मयाह 52:12

2. दानियल 4:35 - "पृथ्वीक सभ निवासी किछुओ नहि मानल जाइत छथि। आ ओ स् वर्गक सेना आ पृथ् वी पर रहनिहार मे अपन इच्छाक अनुसार काज करैत छथि हुनका कहलथिन, “अहाँ की करैत छी?”

यिर्मयाह 52:13 प्रभुक घर आ राजाक घर केँ जरा देलक। यरूशलेमक सभ घर आ महान लोकक सभ घर आगि मे जरा देलक।

राजा नबूकदनेस्सर प्रभुक घर आ राजाक घरक संग यरूशलेमक सभ घर आ महापुरुष सभक घर सभ केँ जरा देलनि।

1. पापक परिणाम: राजा नबूकदनेस्सर सँ एकटा पाठ

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वर विनाश किएक अनुमति दैत छथि

1. उपदेशक 8:11 किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष् यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह काज करबाक लेल पूर्ण रूपेण टिकल अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।

यिर्मयाह 52:14 कल्दी सभक सेना जे पहरेदारक सेनापतिक संग छल, यरूशलेमक चारू कात सभ देबाल केँ तोड़ि देलक।

पहरेदारक कप्तानक नेतृत्व मे कसदीक सेना यरूशलेमक सभ देबाल केँ नष्ट कऽ देलक।

1. यरूशलेम के विनाश: हमरा सबहक जीवन के लेल एकटा चेतावनी

2. पुनर्स्थापन आ परिवर्तन करबाक भगवानक शक्ति

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि समाप्त होइत छनि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ भोरे-भोर नव होइत छनि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. यशायाह 61:1-3 - "प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ परमेश् वर हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचाबी। ओ हमरा पठौलनि अछि जे हम टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि दियौक आ बंदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करी।" , आ जे बान्हल अछि ओकरा लेल जेल खुजब।"

यिर्मयाह 52:15 तखन पहरेदारक सेनापति नबूजरादन लोकक किछु गरीब लोक आ नगर मे रहनिहार लोकक शेष लोक आ खसि पड़ल लोक सभ केँ बंदी बना लेलक बाकी भीड़ के।

पहरेदारक कप्तान यरूशलेमक किछु लोक केँ बंदी बना कऽ लऽ गेल, जखन कि बाकी लोक सभ पाछू छोड़ि देल गेल वा भागि गेल।

1. भगवानक न्याय सदिखन निष्पक्ष आ न्यायसंगत होइत अछि, ओहो तखन जखन ओकरा लेल हमरा सभ केँ कष्ट भोगय पड़य।

2. त्रासदीक सामना करबा काल सेहो हम सभ भगवान पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ अपन जरूरतक पूर्ति करथि।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. यूहन्ना 16:33 हम अहाँ सभ केँ ई बात कहलहुँ जाहि सँ अहाँ सभ केँ हमरा मे शान्ति भेटय।
संसार मे अहाँ सभ केँ कष्ट होयत। मुदा हिम्मत करू; हम दुनियाँ पर विजय पाबि गेल छी।

यिर्मयाह 52:16 मुदा पहरेदारक सेनापति नबूजरदान ओहि देशक किछु गरीब लोक केँ अंगूरक खेती आ किसानक लेल छोड़ि देलनि।

पहरेदारक कप्तान नबूजरदान ओहि देशक किछु गरीब लोक केँ अंगूरक खेती आ किसान बनय लेल छोड़ि देलनि।

1. भगवान गरीबक चिन्ता करैत छथि आ हुनकर आवश्यकताक पूर्ति करबाक प्रयास करैत छथि।

2. काज भगवानक आशीर्वाद आ वरदान अछि।

1. मत्ती 25:31-46 - यीशुक दृष्टान्त भेड़ आ बकरी।

2. नीतिवचन 15:22 - बिना सलाह के योजना बिगड़ैत अछि, मुदा सलाहकार के भीड़ मे ओ स्थापित भ जाइत अछि।

यिर्मयाह 52:17 संगहि परमेश् वरक घर मे जे पीतल केर खंभा छल, आ अड्डा सभ आ पीतल केर समुद्र जे परमेश् वरक घर मे छल, तकरा कल्दी सभ तोड़ि कऽ ओकर सभ पीतल केँ बेबिलोन लऽ गेल।

कल्दी सभ पीतल के खंभा आ आधार, आ पीतल के समुद्र के सेहो नष्ट कऽ देलक जे परमेश् वरक घर मे छल आ सभटा पीतल बाबिलोन लऽ गेल।

1. विनाश के बीच में भगवान के ताकत

2. विपत्तिक समय मे विश्वासक शक्ति

1. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि गर्जैत हो।" आ फेन, यद्यपि ओकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि। सेलाह"।

२.

यिर्मयाह 52:18 कड़ाही, फावड़ा, धुँआ, बासन, चम्मच आ पीतल केर सभ बर्तन, जाहि सँ ओ सभ सेवा करैत छल, ओकरा सभ केँ लऽ गेल।

बेबिलोनवासी पीतल के सब बर्तन छीन लेलक जे मंदिरक सेवा मे प्रयोग होइत छल।

१.

2. भगवानक शक्ति: मंदिरक पात्रक क्षति भेलाक बादो भगवानक शक्ति कम नहि भेल।

1. इब्रानी 13:8 "यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।"

2. भजन 46:1 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

यिर्मयाह 52:19 आ बासन, आगि कड़ाही, कटोरा, कड़ाही, दीमबत्ती, चम्मच आ प्याला। जे सोना मे सोना आ चानी मे चानीक छल, से पहरेदारक सेनापति केँ लऽ गेल।

पहरेदारक कप्तान मंदिर मे राखल सोना-चानीक सभटा वस्तु लऽ गेल।

1. परमेश् वरक खजानाक मूल्य - परमेश् वर अपन सभसँ अनमोल सम्पत्ति हमरा सभकेँ कोना सौंपि दैत छथि आ हम सभ ओकर महिमा लेल कोना उपयोग कऽ सकैत छी।

2. मंदिर मे भंडारी - परमेश् वरक चीजक देखभाल आ रक्षा करबाक हमर सभक जिम्मेदारी।

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि कऽ चोरी नहि करू। कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।

2. 1 इतिहास 29:3-5 - संगहि, हम अपन स्नेह केँ अपन परमेश् वरक घर मे राखि देलहुँ, ताहि लेल हमरा लग अपन उचित भलाई अछि, सोना-चानी, जे हम अपन परमेश् वरक घर मे देने छी पवित्र घरक लेल जे किछु हम तैयार केने छी ताहि सँ ऊपर, ओफीरक सोना सँ तीन हजार टोला सोना आ सात हजार टोला परिष्कृत चानी, जे घर सभक देबाल केँ ढकबाक लेल चानी चानीक वस्तुक लेल आ कारीगरक हाथ सँ बनय बला सभ तरहक काजक लेल। तखन के आइ अपन सेवा परमेश् वरक लेल समर्पित करबाक लेल तैयार अछि?

यिर्मयाह 52:20 दूटा खंभा, एकटा समुद्र आ बारहटा पीतल के बैल जे आधारक नीचा छल, जे राजा सुलेमान परमेश् वरक घर मे बनौने छलाह।

राजा सुलेमान परमेश् वरक मन् दिर मे दू टा खंभा, एकटा समुद्र आ बारहटा पीतल के बैल बनौलनि। ई सब बर्तन बिना कोनो वजन के बनल छल।

1. आज्ञाकारिता के अथाह मूल्य

2. निष्ठावान प्रतिबद्धताक ताकत

1. 1 राजा 7:15-22

2. 2 इतिहास 4:5-6

यिर्मयाह 52:21 एकटा खंभाक ऊँचाई अठारह हाथ छल। बारह हाथक एकटा पट्टी ओकरा घेरने छलैक। ओकर मोट चारि आँगुर छलैक, ओ खोखला छलैक।

यिर्मयाह 52:21 मे कहल गेल अछि जे मंदिर मे एकटा खंभा के ऊँचाई 18 हाथ आ परिधि 12 हाथ आ मोटाई 4 आँगुर छल।

1. "डिजाइन मे भगवानक पूर्णता: मंदिरक स्तम्भ"।

2. "ईश्वर के घर के पवित्रता: मंदिर के खंभा के परीक्षा"।

1. निर्गमन 25:31-37 - मूसा केँ परमेश्वरक निर्देश जे कोना तम्बू आ ओकर साज-सज्जा कोना बनाओल जाय

2. 1 राजा 7:15-22 - सुलेमान मंदिरक लेल जे दूटा खंभा बनौने छलाह ओकर वर्णन

यिर्मयाह 52:22 ओहि पर पीतल के एकटा छड़ी छल। एक छत्ताक ऊँचाई पाँच हाथ छल, चारू कात जाल आ अनारक छल, सभटा पीतल के छल। दोसर खंभा आ अनार सेहो एहि सभ जकाँ छल।

यरूशलेम के मन् दिर के दोसरऽ खंभा पर पीतल के एक छड़ी छेलै आरो पाँच हाथ ऊंचऽ छेलै, जेकरा चारो तरफ जाल आरो अनार छेलै।

1. परमेश् वरक मन् दिरक सौन्दर्य: यिर्मयाह 52:22 क अन्वेषण

2. बाइबिल मे अनार के महत्व

1. यिर्मयाह 52:22

2. निर्गमन 28:33-34, "एकर नीचाँ नील, बैंगनी आ लाल रंगक अनार बनाउ, जकर चारू कात चारू कात सोनाक घंटी बनाउ। एकटा सोनाक घंटी।" चारू कात वस्त्रक कात पर अनार, सोनाक घंटी आ अनार।

यिर्मयाह 52:23 एक कात छियानबे अनार छल। जाल पर सभ अनार चारू कात सौ छल।

यिर्मयाह ५२:२३ अनार के जाल के वर्णन करै छै जेकरऽ हर तरफ ९६ अनार छै, जे कुल १०० अनार छै ।

1. "पूर्ण संख्या: यिर्मयाह 52:23 मे 96 आ 100 के अर्थ पर एक नजरि"।

2. "यिर्मयाह 52:23 मे अनार के महत्व"।

1. यूहन्ना 15:5 - "हम बेल छी, अहाँ सभ डारि छी। जे हमरा मे रहैत अछि आ हम ओकरा मे, ओ अछि जे बहुत फल दैत अछि, कारण हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।"

2. गणना 13:23 - "ओ सभ एश्कोल घाटी मे आबि गेलाह आ ओतय सँ एकटा डारि काटि लेलनि जाहि मे एकटा अंगूरक गुच्छा छल, आ ओकरा दू गोटेक बीच मे एकटा खंभा पर ल' गेलनि; किछु अनार आ अंजीर सेहो अनलनि।" " .

यिर्मयाह 52:24 तखन पहरेदारक सेनापति सरयाह, दोसर पुरोहित सफनिया आ दरबज्जाक तीनू रक्षक केँ पकड़ि लेलक।

बेबिलोनवासी तीन प्रमुख यहूदी अधिकारी के कैदी बना लेलकै।

1: भगवान् सब चीज पर नियंत्रण रखैत छथि, ओहो तखन जखन हम सब बंदी मे छी।

2: कैदक समय मे भगवान एखनो हमरा सभक आशा आ शक्तिक स्रोत छथि।

1: यशायाह 40:29-31 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि।

2: यिर्मयाह 31:3 - हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; हम अहाँकेँ अटूट दयासँ खींचने छी।

यिर्मयाह 52:25 ओ शहर सँ एकटा नपुंसक केँ सेहो निकालि लेलनि, जे युद्धक लोक सभक जिम्मा रखैत छल। राजाक लोकक लग मे सँ सात गोटे नगर मे भेटलाह। आ सेनाक प्रमुख शास्त्री, जे देशक लोक सभ केँ जुटाबैत छलाह। आ ओहि देशक लोकक साठिटा आदमी जे शहरक बीचोबीच भेटल छल।

यिर्मयाह 52:25 मे बेबिलोन के लोक के यरूशलेम स सैन्य कर्मी, दरबार के अधिकारी आ नागरिक के हटाबय के बात कहल गेल अछि।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक सार्वभौमत्व

2. विपत्तिक समय मे भगवान् केर निष्ठा

1. यशायाह 46:10-11 - शुरू सँ अंतक घोषणा करैत, आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, तकरा कहैत जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

यिर्मयाह 52:26 तखन पहरेदारक सेनापति नबूजरदान हुनका सभ केँ पकड़ि लेलनि आ रिब्ला मे बाबुलक राजा लग अनलनि।

पहरेदारक सेनापति नबूजरदान यरूशलेम सँ बंदी सभ केँ लऽ कऽ रिब्ला मे बाबुलक राजा लग अनलनि।

1. भगवानक न्याय सदिखन होयत

2. भगवान् पर हमर सभक विश्वास हमरा सभ केँ कठिनाईक समय मे सेहो टिकौने रहत

1. रोमियो 8:28; आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. यशायाह 40:31; मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 52:27 बाबुलक राजा हुनका सभ केँ मारि क’ हमथ देशक रिब्ला मे मारि देलनि। एहि तरहेँ यहूदा केँ अपन देश सँ बंदी बनाओल गेल।

यहूदा क॑ अपनऽ देशऽ स॑ कैद करी क॑ हमत केरऽ देश म॑ स्थित रिब्ला म॑ बेबिलोन केरऽ राजा न॑ हत्या करी देलकै ।

1. दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति मे भगवानक संप्रभुता

2. बंदी मे भगवानक निष्ठा

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यिर्मयाह 52:28 ई ओ लोक सभ अछि जकरा नबूकदनेस्सर बंदी बना लेलक: सातम वर्ष मे तीन हजार यहूदी आ तीन बीस।

एहि अंश मे उल्लेख अछि जे नबूकदनेस्सर सातम वर्ष मे तीन हजार यहूदी आ तेइस गोटे केँ लऽ गेलाह।

1: परमेश् वरक वफादारी एहि बात मे स्पष्ट अछि जे बंदी मे सेहो हुनकर चुनल लोक केँ छोड़ल नहि गेल।

2: परमेश् वरक प्रति हमर सभक वफादारी ओतबे स्थिर हेबाक चाही जतेक हुनकर हमरा सभक प्रति वफादारी।

1: विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेताह।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 52:29 नबूकदनेस्सरक अठारहम वर्ष मे ओ यरूशलेम सँ आठ सौ बत्तीस गोटे केँ बंदी बना लेलनि।

नबूकदनेस्सर के शासन के अठारहवाँ साल में बेबिलोन के लोग यरूशलेम से 832 लोगों को लऽ गेलै।

1. परीक्षा के बीच, बंदी में सेहो प्रभु के विश्वास (यशायाह 41:10)

2. प्रभु मे सान्त्वना लेब, ओहो निर्वासनक बीच मे (भजन संहिता 23:4)

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. भजन 23:4 - भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

यिर्मयाह 52:30 नबूकदनेस्सरक तीन बीसम वर्ष मे पहरेदारक सेनापति नबूजरदान यहूदी सभक सात सौ पैंतालीस लोक केँ बंदी बना लेलक, सभ लोक चारि हजार छह सौ छल।

नबूकदनेस्सर के शासन के 23 म साल में पहरेदार के कप्तान नबूजरदान 745 यहूदी कॅ बंदी बना क ल॑ गेलै, जेकरऽ कुल संख्या 4,600 छेलै।

1. कठिन परिस्थितिक बीच परमेश् वर पर भरोसा करब (यिर्मयाह 52:30)

2. उत्पीड़न के बावजूद विश्वास में दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब (यिर्मयाह 52:30)

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. इब्रानी 11:1- आब विश्वास ओहि बातक आश्वासन अछि जकर आशा कयल गेल अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

यिर्मयाह 52:31 यहूदा के राजा यहोयाकीन के बंदी के सात तीसवाँ साल में बारहवाँ महीना में, पाँच बीसवाँ दिन बेबिलोन के राजा एविलमेरोदक अपनऽ पहिलऽ साल में भेलै राज्य यहूदा के राजा यहोयाकीन के सिर उठाय कॅ जेल से बाहर निकाललकै।

यहोयाकीन के बंदी के 37 वां साल में बेबिलोन के राजा एविलमेरोदक यहोयाकीन के शासन के पहिलऽ साल में जेल सें मुक्त करी देलकै।

1. बंदी के समय में भगवान के निष्ठा

2. निराशाक बीच आशा

1. यशायाह 40:28-31

2. भजन 34:17-19

यिर्मयाह 52:32 ओ हुनका सँ नीक बात कयलनि आ हुनकर सिंहासन केँ ओहि राजा सभक सिंहासन सँ ऊपर राखि देलनि जे हुनका संग बाबुल मे छलाह।

बेबिलोनक राजा यहूदाक राजा सँ दयापूर्वक बात कयलनि आ अपन सिंहासन केँ आन राजा सभ सँ ऊपर उठौलनि।

1: भगवानक कृपा आ अनुग्रह असंभावित स्थान आ समय मे देखल जा सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ सदिखन विनम्र आ भगवानक आशीर्वादक लेल कृतज्ञ रहबाक प्रयास करबाक चाही।

1: लूका 17:11-19 - दस कोढ़ी के दृष्टान्त।

2: कुलुस्सी 3:12-17 - करुणा, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू।

यिर्मयाह 52:33 ओ अपन जेलक वस्त्र बदलि लेलक, आ जीवन भरि हुनका सोझाँ रोटी खाइत रहलाह।

यहूदा केरऽ पदच्युत राजा यहोयाकीन क॑ जेल स॑ रिहा करी क॑ बेबिलोन केरऽ राजा ईविल-मेरोदक न॑ अपनऽ जीवन भर के इंतजाम करी देलकै ।

1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि, चाहे हमर सभक परिस्थिति कोनो हो।

2. हमरा सभकेँ क्षमा करबाक लेल तैयार रहबाक चाही जेना हमरा सभकेँ क्षमा कयल गेल अछि।

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. मत्ती 6:14-15 - "किएक तँ जँ अहाँ सभ मनुष् य सभक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा करताह।

यिर्मयाह 52:34 हुनकर भोजनक लेल हुनका बेबिलोनक राजा द्वारा निरंतर भोजन देल जाइत छलनि, जे हुनकर मृत्युक दिन धरि, हुनकर जीवन भरि प्रतिदिन एकटा हिस्सा छलनि।

यिर्मयाह ५२:३४ मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना बेबिलोनक राजा एकटा कैदीक मृत्युक दिन धरि प्रतिदिन राशनक व्यवस्था करैत छलाह |

1. प्रावधानक शक्ति: हमरा सभक जीवन भरि परमेश् वरक प्रावधान

2. विश्वासक जीवन: सभ परिस्थिति मे भगवान् पर भरोसा करब

1. मत्ती 6:25-34 - खेतक कुमुद पर विचार करू जे ओ कोना बढ़ैत अछि; मेहनत नहि करैत छथि आ ने घुमैत छथि

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

यिर्मयाह अध्याय 1 के विलाप यरूशलेम के उजाड़ आरू लोगऽ द्वारा सहलऽ गेलऽ कष्ट के शोक करै छै। ई शहर के विनाश पर गहरा दुख आरू दुख व्यक्त करै छै, जेकरा राष्ट्र के पापऽ पर परमेश्वर के न्याय के कारण मानलऽ जाय छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के एकटा सुनसान शहर के रूप में चित्रित स होइत अछि, जे कहियो फलैत-फूलैत अछि मुदा आब खंडहर भ गेल अछि। एहि मे वर्णन अछि जे कोना शहरक पूर्वक वैभव फीका भ गेल अछि, आ ओकर निवासी केँ बंदी बना लेल गेल अछि | अध्याय मे लोकक दुख आ कानब व्यक्त कयल गेल अछि, जे अपना केँ परित्यक्त आ असगर महसूस करैत अछि (विलाप 1:1-11)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा लोगऽ के पाप आरू परमेश्वर के खिलाफ ओकरऽ विद्रोह के परिणाम के कारण मानलऽ गेलऽ छै। ई स्वीकार करै छै कि परमेश् वर हुनका सिनी पर अपनऽ क्रोध उझलैलकै, आरू ई शहर जाति सिनी के बीच एगो उपशब्द बनी गेलऽ छै (विलाप १:१२-२२)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह अध्याय एक के विलाप प्रकट करैत अछि
यरूशलेम के उजाड़ भेला पर शोक करैत,
एकर विनाशक कारण पर चिंतन।

यरूशलेम के एकटा सुनसान शहर के रूप में चित्रण आ ओकर लोक के दुख।
यरूशलेम के विनाश के कारण आरू परमेश् वर के क्रोध के स्वीकार करै के कारण पर चिंतन।

यिर्मयाह के विलाप के ई अध्याय यरूशलेम के उजाड़ के शोक करै छै आरू शहर के विनाश के गहरा दुख आरू दुख व्यक्त करै छै। एकरऽ शुरुआत यरूशलेम केरऽ एगो सुनसान शहर के रूप म॑ चित्रित स॑ होय छै, जे कहियो फल-फूल रहलऽ छै लेकिन अब॑ खंडहर होय गेलऽ छै । अध्याय में वर्णन छै कि कोना शहर केरऽ पूर्व वैभव फीका होय गेलऽ छै, आरू एकरऽ निवासी क॑ कैद करी लेलऽ गेलऽ छै । एहि मे लोकक दुख आ कानब व्यक्त कयल गेल अछि, जे अपना केँ परित्यक्त आ असगर बुझैत अछि । तखन अध्याय यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन करै छै, जेकरा लोगऽ के पाप आरू परमेश्वर के खिलाफ ओकरऽ विद्रोह के परिणाम के कारण बताबै छै। ई स्वीकार करै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी पर अपनऽ क्रोध उझलैलकै, आरो ई शहर जाति सिनी के बीच एगो उपशब्द बनी गेलै। अध्याय यरूशलेम के उजाड़ होय के शोक आरू एकरऽ विनाश के कारणऽ के चिंतन पर केंद्रित छै ।

यिर्मयाह 1:1 के विलाप कोना एकांत बैसल अछि, जे लोक स’ भरल छल! कोना विधवा जकाँ बनि गेल छथि! जे जाति-जाति मे महान छलीह आ प्रांत मे राजकुमारी छलीह, से कोना सहायक बनि गेल छथि!

1264

जे यरूशलेम शहर, जे कहियो लोक सँ भरल छल, आब उजाड़ आ बिना कोनो रक्षक के, आन जाति के सहायिका बनि गेल अछि।

1. हानि के पीड़ा: यिर्मयाह 1:1 के विलाप के अन्वेषण

2. आशा के शक्ति: यिर्मयाह 1:1 के विलाप में सांत्वना पाना

1. उत्पत्ति 19:25-26 लूत के पत्नी सदोम आ अमोरा के विनाश पर पाछू घुमि क ’ देखैत छथि।

2. यशायाह 40:1-2 परमेश् वरक लोक सभक लेल हुनका सभक निराशाक समय मे सान्त्वना।

यिर्मयाह 1:2 के विलाप ओ राति मे बहुत कानैत छथि, आ हुनकर नोर गाल पर रहैत छनि, हुनकर सभ प्रेमी मे हुनका दिलासा देबय वाला केओ नहि छनि, हुनकर सभ मित्र हुनका संग धोखा केलक, ओ सभ हुनकर दुश्मन बनि गेल छथि।

एहि अंश मे एहन व्यक्तिक वर्णन अछि जे पूर्णतः असगर अछि आ जकरा ओकर सबसँ नजदीकी लोक द्वारा धोखा कयल गेल अछि |

1. विश्वासघात के समय में भगवान के आराम

2. जखन असगर महसूस करैत छी तखन क्षमा करब सीखब

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 1:3 के विलाप यहूदा दुःख आ बहुत दासताक कारणेँ बंदी मे चलि गेल अछि, ओ जाति-जाति सभक बीच रहैत अछि, ओकरा कोनो विश्राम नहि भेटैत अछि, ओकर सभ सताओनिहार ओकरा संकटक बीच पकड़ि लेलक।

यहूदा बहुत कष्ट आरू दासता के कारण बंदी में चल्लऽ गेलऽ छै, आरू जाति-जाति के बीच आराम नै पाबी सकलऽ छै। ओकर सभ दुश्मन ओकरा पर हावी भ' गेलै।

1. दुखक परिणाम: यहूदाक बंदी पर चिंतन

2. क्लेशक बीच आशा: विपत्तिक समय मे आराम भेटब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 34:17 - धर्मी पुकारैत छथि, आ परमेश् वर सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 1:4 क विलाप सिय्योनक बाट शोक करैत अछि, किएक तँ कोनो भोज मे कियो नहि अबैत अछि, ओकर सभ फाटक उजाड़ अछि, ओकर पुरोहित सभ आह भरैत अछि, ओकर कुमारि सभ पीड़ित अछि आ ओ कटुता मे अछि।

सियोन के रास्ता शोकपूर्ण छै, कैन्हेंकि ओकरऽ भोज में लोग नै आबै छै आरू ओकरऽ फाटक उजाड़ छै।

1: निराशाक समय मे भगवान् सँ आशा पाउ।

2: दुखक समय मे भगवान हमर सभक शरण छथि।

1: भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

2: यशायाह 61:1-2 - सार्वभौम प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचारक प्रचार करी। टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल, कैदी सभक लेल स्वतंत्रताक घोषणा करबाक लेल आ कैदी सभक लेल अन्हार सँ मुक्ति करबाक लेल पठौने छथि।

यिर्मयाह 1:5 के विलाप ओकर विरोधी सभ प्रमुख अछि, ओकर शत्रु सभ समृद्ध होइत अछि। किएक तँ परमेश् वर ओकरा बहुत अपराधक कारणेँ कष्ट देने छथिन।

परमेश् वर यरूशलेम पर विजय प्राप्त होय के अनुमति देलकै आरू ओकरोॅ अपराध के सजा के रूप में ओकरोॅ बच्चा सिनी कॅ बंदी बनाबै के अनुमति देलकै।

1. पापक परिणाम: भगवानक समक्ष अपना केँ विनम्र किएक करबाक चाही

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: परमेश् वरक अनुशासनक शक्ति

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. नीतिवचन 3:11-12 - "हे हमर बेटा, परमेश् वरक अनुशासन केँ तिरस्कृत नहि करू आ ने हुनकर डाँट सँ थाकि जाउ, किएक तँ परमेश् वर जकरा सँ प्रेम करैत छथि, तकरा ओहि पुत्र केँ पिता जकाँ डाँटैत छथि जिनका मे ओ प्रसन्नता करैत छथि।"

यिर्मयाह 1:6 क विलाप आ सियोनक बेटी सँ ओकर सभटा सौन्दर्य चलि गेल अछि, ओकर राजकुमार सभ ओहि कछुआ जकाँ भ’ गेल अछि जे चारागाह नहि पाबैत अछि, आ ओ सभ पीछा करयवला सभक सोझाँ बिना शक्तिक चलि गेल अछि।

सिय्योन के बेटी अपनऽ सब सुंदरता गंवाय चुकलऽ छै आरू ओकरऽ नेता कमजोर छै आरू ओकरऽ पीछा करै वाला स॑ भी भागी नै सकै छै ।

1. भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा - कठिन समय मे भगवानक ताकत पर कोना भरोसा कयल जाय

2. सेवक नेतृत्वक महत्व - आवश्यकताक समय मे दोसरक देखभाल कोना कयल जाय

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि।

2. रोमियो 12:10-12 - "एक-दोसर सँ भाइ-बहिनक स्नेह सँ प्रेम करू। आदर-सत्कार करबा मे एक-दोसर सँ आगू बढ़ू। उत्साह मे आलसी नहि होउ, आत्मा मे उग्र रहू, प्रभुक सेवा करू। आशा मे आनन्दित रहू, क्लेश मे धैर्य राखू, रहू।" प्रार्थना में निरंतर।"

यिर्मयाह 1:7 के विलाप यिर्मयाह 1:7 यरूशलेम अपन दुःख आ दुःखक दिन मे अपन सभ सुखद बात मोन पाड़लक जे ओकरा पुरान दिन मे छलैक, जखन ओकर लोक दुश्मनक हाथ मे पड़ि गेलैक, आ ओकरा कियो मदद नहि केलकैक: विरोधी देखि कऽ ओकर विश्राम-दिन मे मजाक उड़बैत छल।

यरूशलेम ओकरा दुःख सँ पहिने के सब अच्छा समय याद करलकै आरू जबे ओकरो दुश्मन सिनी ओकरोॅ विश्राम के दिन के मजाक उड़ाबै छेलै, तबे ओकरा सिनी कॅ कोय भी मदद नै करलकै।

1. हमरा सभक विपत्तिक समय मे भगवान् हमरा सभक संग सदिखन रहताह।

2. जखन जीवन कठिन हो तखन भगवान पर भरोसा करू आ हुनकर योजना पर भरोसा करू।

1. भजन 37:39 - मुदा धर्मी लोकनिक उद्धार प्रभु सँ भेटैत अछि; ओ विपत्तिक समय मे हुनका लोकनिक गढ़ छथि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यिर्मयाह 1:8 के विलाप यरूशलेम बहुत पाप केलक। तेँ ओ हटि गेल छथि, जे सभ हुनकर आदर करैत छल, हुनका तिरस्कृत करैत अछि, किएक तँ ओ सभ हुनकर नंगटेपन देखलनि अछि।

यरूशलेम अपनऽ गंभीर पाप आरू ओकरऽ पूर्व प्रशंसकऽ के तिरस्कार के कारण अपनऽ सम्मानित पद स॑ हटाय देलऽ गेलऽ छै, जे एकरऽ लाज आरू दुख देखन॑ छै ।

1. पाप के परिणाम: यरूशलेम के पतन स सीखना।

2. हमरा सभक दुखक माध्यमे परमेश् वरक प्रेम: यिर्मयाहक विलाप।

1. यशायाह 1:2-20 - हे आकाश, सुनू, आ हे पृथ्वी, कान करू, किएक तँ परमेश् वर कहने छथि, हम बच्चा सभ केँ पोसलहुँ आ पालन-पोषण केलहुँ, आ ओ सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक।

2. यिर्मयाह 15:15-18 - हे प्रभु, अहाँ जनैत छी जे, हमरा मोन राखू, आ हमरा परवाह करू, आ हमरा सतौनिहार सभक बदला दिअ। अपन दीर्घ दया मे हमरा नहि लऽ जाउ।

यिर्मयाह 1:9 के विलाप ओकर गंदगी ओकर स्कर्ट मे छैक। ओकरा अपन अंतिम अंत मोन नहि पड़ैत छैक। तेँ ओ आश्चर्यचकित रूपेँ उतरलीह। हे परमेश् वर, हमर दुःख देखू, किएक तँ शत्रु अपना केँ महिमा कऽ लेलक।

यिर्मयाह अपन लोकक दुःखक विलाप करैत छथि, जे अपन अंत बिसरि गेल अछि आ अद्भुत रूप सँ उतरि गेल अछि, जकर कोनो दिलासा नहि देल गेल अछि।

1. परेशान समय मे प्रभु हमरा सभक दिलासा दैत छथि

2. अपन अंतिम अंत मोन पाड़ब: विनम्रताक आवश्यकता

1. भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि

2. लूका 12:15 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ सभ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ककरो जीवन ओकर प्रचुर सम्पत्ति मे नहि होइत छैक।

यिर्मयाह 1:10 क विलाप, विरोधी ओकर सभ सुखद वस्तु पर अपन हाथ पसारि देने अछि, किएक तँ ओ देखलक जे ओ जाति सभ ओकर पवित्र स्थान मे प्रवेश केलक, जकरा अहाँ आज्ञा देने छलहुँ जे ओ सभ अहाँक मंडली मे नहि जाय।

विधर्मी लोकनि पवित्र स्थान पर आक्रमण कएने छथि, भगवानक आज्ञाक बादो ओकर सभ सुखद वस्तु केँ नष्ट क' देने छथि |

1. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

2. पवित्रता आ भगवानक आज्ञापालनक मूल्य

1. यशायाह 52:1-2 - जागू, जागू; हे सियोन, अपन सामर्थ्य पहिरू। हे यरूशलेम, पवित्र नगर, अपन सुन्दर वस्त्र पहिरि लिअ, किएक तँ आब अहाँ मे अखतना आ अशुद्ध लोक नहि आओत।”

2. इजकिएल 11:18 - ओ सभ ओतऽ आबि कऽ ओकर सभ घृणित वस्तु आ ओकर सभ घृणित वस्तु सभ ओकरा दूर कऽ लेत।

यिर्मयाह 1:11 के विलाप ओकर सभ लोक आह भरैत अछि, रोटी तकैत अछि। ओ सभ अपन सुखद वस्तु सभ केँ भोजनक रूप मे दऽ देने छथि, जाहि सँ प्राण केँ आराम भेटि जाय। किएक तँ हम नीच भऽ गेल छी।

यरूशलेम के लोग भोजन के लेलऽ बेताब छै आरू रोजी-रोटी के लेलऽ अपनऽ संपत्ति के व्यापार करै लेली मजबूर होय गेलऽ छै । भगवान् सँ कहल गेल अछि जे हुनका लोकनिक दुर्दशाक संज्ञान ली।

1. प्रभु परवाह करैत छथि: कठिनाईक समय मे भगवानक खोज

2. दुख आ आशा: विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब सीखब

1. भजन 34:17-19 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि | धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा प्रभु ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 1:12 के विलाप, अहाँ सभ ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक, की ई किछु नहि? देखू, देखू जे हमर दुख जकाँ कोनो दुःख अछि जे हमरा संग भेल अछि, जाहि सँ परमेश् वर अपन प्रचंड क्रोधक दिन हमरा दुखी कयलनि।”

यिर्मयाह अपन क्रोध मे प्रभु सँ जे कष्ट भोगने छथि ताहि सँ बहुत दुख व्यक्त करैत छथि |

1. विपत्ति मे भगवान् पर भरोसा करब सीखब

2. कठिन समय मे भगवानक इच्छा स्वीकार करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यिर्मयाह 1:13 क विलाप ओ ऊपर सँ हमर हड्डी मे आगि पठौलनि, आ ओ ओकरा सभ पर विजय प्राप्त कयलनि, ओ हमर पैरक लेल जाल पसारि देलनि, हमरा पाछू घुमा देलनि, ओ हमरा दिन भरि उजाड़ आ बेहोश क’ देलनि।

परमेश् वर यिर्मयाहक हड्डी मे आगि पठौलनि आ ओकरा पर विजय प्राप्त कयलनि। भगवान् ओकर पएर लेल जाल सेहो पसारि क' पाछू घुमा देने छथि, जाहि सँ ओ उजाड़ आ बेहोश भ' गेल छथि।

1. परमेश् वरक प्रेम बिना शर्त अछि - विलाप 1:13

2. निराशा सँ संघर्ष करब - विलाप 1:13

1. यिर्मयाह 17:17 - हमरा लेल भयावह नहि बनू, अहाँ अधलाह दिन मे हमर आशा छी।

2. भजन 42:5 - हे हमर प्राण, अहाँ किएक नीचाँ खसा देल गेल छी? आ अहाँ हमरा भीतर किएक व्याकुल छी? परमेश् वरक आशा राखू, किएक तँ हम एखनो हुनकर प्रशंसा करब, जे हमर चेहराक स्वास्थ्य आ हमर परमेश् वर छथि।

यिर्मयाह 1:14 हमर अपराधक जुआ हुनकर हाथ सँ बान्हल अछि, ओ सभ माला पहिरने अछि आ हमर गरदनि पर चढ़ि जाइत अछि, ओ हमर शक्ति केँ खसि देलनि, प्रभु हमरा हुनका सभक हाथ मे सौंप देलनि, जिनका सँ हम नहि छी उठबा मे सक्षम।

यिर्मयाह विलाप करै छै कि ओकरऽ अपराध परमेश् वर के हाथऽ सें बान्हलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा एतना बोझ करी देलऽ गेलऽ छै कि वू ओकरऽ विरोध सें उठै में असमर्थ होय गेलऽ छै।

1. परमेश् वरक जुआक ताकत - परीक्षाक समय मे शक्ति प्रदान करबाक लेल परमेश् वरक दया आ कृपाक शक्तिक खोज करब।

2. हमरा सभक हाथ मे पहुँचाओल गेल - भगवान पर विश्वास आ भरोसाक संग जीवनक चुनौती केँ आत्मसात करबाक महत्व सीखब।

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू; क्लेश मे धैर्यवान; प्रार्थना मे क्षण जारी रहब;

यिर्मयाह 1:15 के विलाप परमेश् वर हमरा बीच मे हमर सभ पराक्रमी केँ पैर नीचाँ दबा देलनि, हमर युवक सभ केँ कुचलबाक लेल हमरा विरुद्ध एकटा सभा बजौलनि वाइनप्रेस।

प्रभु यहूदाक पराक्रमी सभ केँ कुचललनि आ युवक सभक विरुद्ध सभा बजौलनि। प्रभु यहूदा के बेटी के भी ऐन्हऽ रौंदने छै जेना कि दारू के कोड़ा में छै।

1. भगवान् के प्रेम एवं क्रोध: विरोधाभास को गले लगाना

2. दुख: भगवानक इच्छा स्वीकार करब

1. रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. यशायाह 61:3 "सिय्योन मे दुखी लोक सभ केँ राखक बदला सौन्दर्यक मुकुट, शोकक बदला आनन्दक तेल आ निराशाक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देबाक इंतजाम करबाक लेल। ओ सभ रहत।" धर्मक ओक कहल जाइत अछि, जे प्रभुक वैभवक प्रदर्शनक लेल रोपब अछि |"

यिर्मयाह 1:16 के विलाप हम एहि बात सभक लेल कानि रहल छी। हमर आँखि, हमर आँखि पानि सँ बहैत अछि, किएक तँ हमर प्राण केँ आराम देबऽ बला सान्त्वना हमरा सँ दूर अछि।

यिर्मयाह अपनऽ बच्चा सिनी के प्रति दुख व्यक्त करै छै जेकरा ओकरा सें शत्रु छीनी लेलकै।

1. भगवान हमरा सभक पीड़ाक बीच हमरा सभक संग छथि

2. शोकक समय मे आराम भेटब

1. यशायाह 40:1-2 "हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा घोषणा करू जे ओकर कठिन सेवा पूरा भ' गेलै, ओकर पापक भुगतान भ' गेलै, जे ओकरा सँ भेटल छै।" प्रभु के हाथ ओकर सब पाप के लेल दुगुना।"

2. यूहन्ना 14:18 "हम अहाँ सभ केँ अनाथ नहि छोड़ब; हम अहाँ सभ लग आबि जायब।"

यिर्मयाह 1:17 के विलाप सिय्योन अपन हाथ पसारि लेलक, आ ओकरा सान्त्वना देबय वाला केओ नहि अछि, परमेश् वर याकूबक विषय मे आज्ञा देने छथि जे ओकर विरोधी सभ ओकरा चारू कात रहय।

यरूशलेम विपत्ति मे अछि, ओकरा सान्त्वना देबय बला केओ नहि अछि, आ प्रभुक आज्ञाक अनुसार ओकर विरोधी सभ घेरने अछि।

1. दुखक समय मे भगवानक निष्ठा

2. विपत्तिक बीच आशा

1. यशायाह 40:1-2 "हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा घोषणा करू जे ओकर कठिन सेवा पूरा भ' गेलै, ओकर पापक भुगतान भ' गेलै, जे ओकरा सँ भेटल छै।" ओकर सभ पापक लेल प्रभुक हाथ दुगुना।”

2. भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि गर्जैत अछि।" आ फेन आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि उठैत अछि।"

यिर्मयाह 1:18 के विलाप प्रभु धर्मी छथि। हम हुनकर आज्ञाक विरुद्ध विद्रोह कयलहुँ अछि, अहाँ सभ लोक, सुनू, आ हमर दुःख देखू।

यिर्मयाह अपनऽ लोगऽ के बंदी के विलाप करै छै, सब लोगऽ स॑ निहोरा करै छै कि वू अपनऽ दुख के संज्ञान लेबै आरू ई स्वीकार करै छै कि परमेश्वर के न्याय न्यायसंगत छै।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया: विलाप 1:18 पर चिंतन

2. परमेश् वरक लोकक बंदी: विलाप मे सान्त्वना भेटब 1:18

1. भजन 119:75-76 - "हे प्रभु, हम जनैत छी जे अहाँक नियम धर्मी अछि, आ विश्वास मे अहाँ हमरा दुःख देलहुँ। अहाँक अडिग प्रेम हमरा अपन सेवक सँ प्रतिज्ञाक अनुसार सान्त्वना दिअ।"

2. यशायाह 26:3 - "अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखू, जकर मन अहाँ पर रहैत अछि, किएक त' ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।"

यिर्मयाह 1:19 के विलाप हम अपन प्रेमी-प्रेमिका सभ केँ बजौलहुँ, मुदा ओ सभ हमरा धोखा देलक, हमर पुरोहित आ बुजुर्ग सभ नगर मे भूत छोड़ि देलनि, जखन कि ओ सभ अपन प्राण केँ राहत देबाक लेल अपन भोजन तकैत छलाह।

यिर्मयाह के विलाप छै कि ओकरऽ प्रेमी सिनी ओकरा धोखा देलकै आरू ओकरऽ पुरोहित आरू बुजुर्ग सिनी के जीवन भरै लेली भोजन के खोज करतें-करतें शहर में नष्ट होय गेलै।

1. भगवान पर भरोसा करू, मनुक्ख पर नहि: हमरा सभक लेल भगवानक प्रावधान पर भरोसा करब सीखब

2. अपन परीक्षा के बीच निराशा के सामना करब

1. मत्ती 6:25-34 - अपन जीवनक चिंता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब।

2. इब्रानी 13:5-6 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब। हम अहाँकेँ कहियो नहि छोड़ब।

यिर्मयाह 1:20 के विलाप, हे प्रभु, देखू। हम विपत्ति मे छी, हमर आंत त्रस्त अछि। हमर हृदय हमरा भीतर घुमि गेल अछि। कारण, हम बहुत विद्रोह कयलहुँ, तलवार छोड़ि दैत अछि, घर मे मृत्यु जकाँ अछि।

यिर्मयाह प्रभु के सामने अपनऽ दुख व्यक्त करै छै, कैन्हेंकि तलवार विदेश में शोक आरू घरऽ में मौत लानै छै।

1. प्रभु हमर पीड़ा देखैत छथि - विपत्तिक समय मे प्रभु मे कोना सान्त्वना पाबि सकैत छी।

2. तलवार आ घर - परिवार आ समुदाय पर युद्धक प्रभावक परीक्षण।

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

1270

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 1:21 के विलाप ओ सभ सुनलक जे हम आह भरैत छी, हमरा सान्त्वना देबय बला केओ नहि अछि, हमर सभ शत्रु हमर विपत्ति सुनने अछि। ओकरा सभ केँ खुशी होइत छैक जे तोँ ई काज कऽ देलहुँ।

यिर्मयाह विलाप करै छै कि ओकरा दिलासा दै वाला कोय नै छै आरू ओकरऽ सब दुश्मन ओकरऽ परेशानी के बारे में सुनी क॑ ओकरा पर आनन्दित होय गेलऽ छै ।

1. भगवान् विपत्तिक समय मे सदिखन आराम प्रदान करताह।

2. जखन हम सब असगर महसूस करैत छी तखनो भगवान हमरा सबहक कात मे रहैत छथि।

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यिर्मयाह 1:22 क विलाप हुनका सभक सभ दुष्टता अहाँक सोझाँ आबि जाय। हमर सभ अपराधक कारणेँ जेना अहाँ हमरा संग केने छी, तेना हुनका सभक संग करू।

परमेश् वर न्यायी छथि आ दुष्ट केँ ओहिना सजा देथिन जेना ओ यिर्मयाह केँ ओकर अपराधक सजा देने छथि।

1: भगवान् एकटा न्यायी न्यायाधीश छथि जे दुष्ट केँ सजा दैत छथि

2: पापी के हृदय दुख स तौलल जाइत अछि

1: भजन 7:11 - परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि, आ एहन परमेश् वर छथि जिनका सभ दिन आक्रोश होइत छनि।

2: नीतिवचन 17:3 - शुद्ध करबाक घैल चानीक लेल, आ भट्ठी सोनाक लेल, मुदा प्रभु हृदयक परीक्षण करैत छथि।

यिर्मयाह अध्याय 2 के विलाप यरूशलेम के विनाश के विलाप जारी रखै छै, जेकरा में परमेश् वर के न्याय के कठोरता आरू लोग सिनी के सहलौ कष्ट पर जोर देलऽ गेलऽ छै। ई शहर केरऽ पतन के कारणऽ प॑ चिंतन करै छै आरू भगवान केरऽ दया आरू बहाली के अपील करै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के विनाश आरू उजाड़ के जीवंत वर्णन स॑ होय छै । एहि मे भगवान कए एकटा एहन दुश्मन क रूप मे चित्रित कैल गेल अछि जे शहर क गढ़ कए नष्ट करि ओकर सुंदरता कए बर्बाद करि देलक अछि । अध्याय में लोगऽ के पीड़ा आरू शोक व्यक्त करलऽ गेलऽ छै, जे बिना आराम या शरण के छोड़ी देलऽ जाय छै (विलाप २:१-१०)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन कयल गेल अछि, एकरा पुरोहित आ भविष्यवक्ता के पाप के कारण मानल गेल अछि। एहि मे हुनका लोकनिक झूठ शिक्षा आ भ्रामक मार्गदर्शन पर प्रकाश देल गेल अछि, जाहि सँ लोक भटकल छल | ई स्वीकार करै छै कि लोग अपनऽ काम के परिणाम भोगी रहलऽ छै (विलाप २:११-२२)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह अध्याय दू के विलाप प्रकट करैत अछि
यरूशलेम के विनाश पर विलाप,
एकर पतन के कारण पर चिंतन।

1271

यरूशलेम के विनाश आ उजाड़ के जीवंत वर्णन।
यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन आरू लोगऽ के पाप के परिणाम के स्वीकार करना।

यिर्मयाह के विलाप के ई अध्याय यरूशलेम के विनाश के विलाप जारी रखै छै, जेकरा में परमेश् वर के न्याय के कठोरता आरू लोग सिनी के सहलौ कष्ट पर जोर देलऽ गेलऽ छै। एकरऽ शुरुआत यरूशलेम केरऽ तबाही आरू उजाड़ के जीवंत वर्णन स॑ होय छै, जेकरा म॑ परमेश्वर क॑ एगो दुश्मन के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै जे शहर केरऽ गढ़ क॑ नष्ट करी क॑ ओकरऽ सुंदरता क॑ बर्बाद करी देल॑ छै । अध्याय मे लोकक पीड़ा आ शोक व्यक्त कयल गेल अछि, जे बिना आराम वा शरणक रहि गेल अछि | तखन अध्याय यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन करै छै, जेकरा पुरोहित आरू भविष्यवक्ता सिनी के पाप के कारण बताबै छै। एहि मे हुनका लोकनिक झूठ शिक्षा आ भ्रामक मार्गदर्शन पर प्रकाश देल गेल अछि, जाहि सँ लोक भटकल छल | ई स्वीकार करै छै कि जनता अपनऽ कर्म के परिणाम भोगी रहलऽ छै । अध्याय यरूशलेम केरऽ तबाही के विलाप आरू ओकरऽ पतन के कारणऽ के चिंतन पर केंद्रित छै ।

यिर्मयाह 2:1 के विलाप कोना परमेश् वर अपन क्रोध मे सियोनक बेटी केँ मेघ सँ झाँपि देलनि, आ इस्राएलक सौन्दर्य केँ स् वर्ग सँ धरती पर फेकि देलनि, आ अपन क्रोधक दिन अपन पैरक ठेहुन नहि मोन पाड़लनि!

परमेश् वर सिय्योनक बेटी पर मेघ सँ झाँपि कऽ ओकर सौन्दर्य केँ स् वर्ग सँ पृथ्वी पर उतारि कऽ अपन क्रोध व्यक्त केने छथि। तामस मे अपन पैरक ठेहुन सेहो बिसरि गेल अछि।

1. भगवानक क्रोध: विनम्रता आ सम्मानक पाठ

2. भगवानक पैरक आधार: हुनकर सार्वभौमिकता केँ बुझब

1. नीतिवचन 16:32: "योद्धा सँ नीक धैर्यवान व्यक्ति, नगर केँ पकड़यवला सँ बेसी आत्मसंयम रखनिहार।"

2. भजन 103:8: "प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, प्रेम मे प्रचुर छथि।"

यिर्मयाह 2:2 परमेश् वर याकूबक सभटा आवास केँ निगल गेलाह, आ दया नहि कयलनि। ओ ओकरा सभ केँ जमीन पर उतारि देलक।

परमेश् वर अपन क्रोध मे याकूबक घर-घर केँ नष्ट कऽ देलनि आ यहूदाक बेटीक गढ़ सभ केँ उखाड़ि देलनि। ओ राज्य आ ओकर शासक सभकेँ प्रदूषित कएने छथि ।

1. भगवानक न्याय आ दया: भगवानक क्रोधक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

2. यिर्मयाहक विलाप: परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब

1. यशायाह 10:5-7 - हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि। हम ओकरा पाखंडी राष्ट्रक विरुद्ध पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा देब जे ओ लूट-लूट केँ लऽ कऽ पकड़ि लेबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

7. हबक्कूक 3:2, 16 - हे प्रभु, हम अहाँक बात सुनलहुँ आ डरा गेलहुँ: हे प्रभु, वर्षक बीच मे अपन काज केँ फेर सँ जीवित करू। क्रोध मे दया स्मरण करू।

2. यशायाह 59:1-4 - देखू, प्रभुक हाथ छोट नहि भेल अछि जे ओ उद्धार नहि क’ सकैत अछि। आ ने ओकर कान भारी जे ओ सुनि नहि सकैत अछि।

यिर्मयाह 2:3 क विलाप ओ अपन प्रचंड क्रोध मे इस्राएलक समस्त सींग केँ काटि देलक, ओ अपन दहिना हाथ शत्रु सभक सामने सँ पाछू हटि लेलक आ याकूबक विरुद्ध ज्वालामुखी आगि जकाँ जरा देलक जे चारू कात भस्म क’ दैत अछि।

परमेश् वरक भयंकर क्रोध इस्राएलक सींग केँ काटि देलक आ ओकर दहिना हाथ दुश्मनक सोझाँ सँ हटि गेल। ओ याकूबक विरुद्ध आगि जकाँ जरि गेलाह।

1. भगवान् के अग्निमय क्रोध
1272

2. आज्ञा नहि मानबाक लागत

1. व्यवस्था 28:15-68 परमेश् वरक श्राप जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि

2. यशायाह 5:24-25 परमेश् वरक न्याय जे हुनका अस्वीकार करैत छथि

यिर्मयाह 2:4 क विलाप ओ अपन धनुष केँ शत्रु जकाँ मोड़ि लेलनि, ओ अपन दहिना हाथ सँ विरोधी बनि ठाढ़ भ’ गेलाह, आ सियोनक बेटीक तम्बू मे जे सभ आँखि केँ नीक लागैत छल, तकरा मारि देलनि, ओ अपन क्रोध केँ आगि जकाँ उझलि देलनि.

परमेश् वर सिय्योन के लोगऽ के प्रति शत्रु के तरह काम करलकै, जे अपनऽ तम्बू में जे चीजऽ के आँखऽ के सुखद छेलै, ओकरा अपनऽ भयंकर क्रोध सें नष्ट करी देलकै।

1. भगवानक क्रोध: भगवानक क्रोध केँ बुझब

2. भगवानक दया: विलाप मे आशा भेटब

1. यशायाह 54:7-8 "हम अहाँ केँ थोड़ेक लेल छोड़ि देलहुँ, मुदा हम अहाँ सभ केँ बहुत करुणा सँ जमा करब। उमड़ल क्रोध मे क्षण भरि लेल हम अहाँ सभ सँ अपन मुँह नुका लेलहुँ, मुदा अनन्त प्रेम सँ अहाँ सभ पर दया करब। " अहाँ सभक मुक्तिदाता परमेश् वर कहैत छथि।"

2. मत्ती 5:4-5 धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक। धन्य अछि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ् वी पर उत्तराधिकारी बनत।

यिर्मयाह 2:5 परमेश् वर एकटा शत्रु जकाँ छलाह, ओ इस्राएल केँ निगल गेलाह, ओकर सभ महल केँ निगल गेलनि, अपन गढ़ केँ नष्ट क’ देलनि, आ यहूदाक बेटी मे शोक आ विलाप बढ़ि गेलनि।

प्रभु इस्राएल आरो ओकर गढ़ के नष्ट करी देलकै, जेकरऽ परिणामस्वरूप यहूदा के बेटी में बहुत विलाप होय गेलै।

1. प्रभु न्याय आ दया दुनूक भगवान छथि

2. पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक आवश्यकता

1. यशायाह 5:16 - मुदा सेना सभक प्रभु न्याय मे उदात्त हेताह, आ पवित्र परमेश् वर धार्मिकता मे पवित्र कयल जायत।

2. यिर्मयाह 31:18 - हम एप्रैम केँ एहि तरहेँ विलाप करैत सुनने छी; अहाँ हमरा दंडित केलहुँ आ हमरा दंडित कयल गेल, जेना बैल केँ जुआक अभ्यस्त भ’ गेल हो। किएक तँ अहाँ हमर परमेश् वर परमेश् वर छी।”

यिर्मयाह 2:6 के विलाप 2:6 ओ अपन तम्बू केँ जोर-शोर सँ छीनि लेलक, जेना कोनो बगीचा मे हो, ओ अपन सभाक स्थान सभ केँ नष्ट क’ देलक ओकर क्रोधक आक्रोश मे राजा आ पुरोहित।

परमेश् वर अपन क्रोध मे तम्बू, सभा स्थल आ पवित्र भोज आ विश्राम-दिन केँ नष्ट कऽ देलनि।

1. पापक परिणाम: यिर्मयाहक विलाप सँ सीखब

2. परमेश् वरक क्रोध आ हुनकर धार्मिक न्याय

1. भजन 78:40-42 - ओ करुणा सँ भरल रहलाह, हुनका सभक अपराध क्षमा कयलनि, आ हुनका सभ केँ नष्ट नहि कयलनि। किएक तँ हुनका मोन पड़लनि जे ओ सभ मात्र मांस मात्र छल। एकटा हवा जे बीति जाइत अछि आ फेर नहि अबैत अछि।

2. इजकिएल 9:10 - आ हमरा लेल सेहो हमर आँखि कोनो दया नहि करत, आ ने हमरा दया होयत, मुदा हम हुनका सभक माथ पर हुनकर सभक बाट के बदला देब।

यिर्मयाह 2:7 के विलाप परमेश् वर अपन वेदी केँ फेकि देलनि, ओ अपन पवित्र स्थान सँ घृणा कयलनि, ओ शत्रु सभक हाथ मे ओकर महल सभक देबाल सौंपि देलनि। ओ सभ परमेश् वरक घर मे हल्ला मचल अछि जेना कोनो भोजक दिन मे होइत छैक।

भगवान् अपन वेदी आ पवित्र स्थान छोड़ि देने छथि, आ दुश्मन केँ ओकर महलक देबाल पर नियंत्रण करबाक अनुमति देने छथि |

1. परमेश् वरक निराशाजनक अस्वीकृति: हुनक उपस्थितिक आशीर्वादक परीक्षण

2. संकट के समय में प्रभु के स्थायी प्रेम में ताकत पाना

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जाबत ओ लग मे अछि ताबे ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ सभ परमेश् वर दिस घुरथि, तखन ओ हुनका सभ पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करताह, किएक तँ ओ मुक्ति सँ क्षमा करताह।

2. मत्ती 11:28-30 - अहाँ सभ जे थकल आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ आराम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम हृदय मे कोमल आ विनम्र छी, आ अहाँ सभ केँ अपन आत्माक लेल विश्राम भेटत। कारण हमर जुआ सहज अछि आ हमर बोझ हल्लुक अछि।

यिर्मयाह 2:8 परमेश् वर सिय्योनक बेटीक देबाल केँ नष्ट करबाक योजना बनौने छथि, ओ एकटा रेखा बढ़ौने छथि, नष्ट करबा सँ अपन हाथ नहि हटि सकलाह, तेँ ओ प्राचीर आ देबाल केँ विलाप करबाक लेल बनौलनि। दुनू गोटे एक संग सुस्त भ’ गेलाह।

परमेश् वर यरूशलेमक देबाल केँ नष्ट करबाक ठानि लेने छथि, आ एहि काज सँ हुनकर हाथ नहि हँटने छथि। प्राचीर आ देबाल एक संग शोक करबाक लेल बनाओल गेल अछि।

1. प्रभु अपन प्रतिज्ञाक पालन करताह - विलाप 2:8

2. विनाशक सोझाँ शोक - विलाप 2:8

1. यशायाह 54:10 - "किएक तँ पहाड़ सभ चलि सकैत अछि आ पहाड़ सभ दूर भ' सकैत अछि, मुदा हमर अडिग प्रेम अहाँ सभ सँ नहि हटत, आ हमर शान्तिक वाचा नहि हटत, अहाँ सभ पर दया करयवला परमेश् वर कहैत छथि।"

२ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

यिर्मयाह 2:9 के विलाप ओकर फाटक जमीन मे डूबल अछि। ओ ओकर सलाख सभ केँ नष्ट कऽ तोड़ि देलक, ओकर राजा आ ओकर राजकुमार सभ गैर-यहूदी सभक बीच अछि। ओकर भविष्यवक्ता सभ केँ सेहो परमेश् वरक दिस सँ कोनो दर्शन नहि भेटैत छैक।

यरूशलेम के फाटक नष्ट होय गेलै आरू ओकरोॅ नेता सिनी कॅ ल॑ गेलै, जेकरा सें प्रभु के तरफ सें कोय व्यवस्था या भविष्यवाणी के दर्शन नै बचलै।

1. यरूशलेम के नुकसान: परमेश् वर के सार्वभौमिकता के एक पाठ

2. विपत्तिक समय मे विनम्रता आ आज्ञाकारिता के आवश्यकता

1. रोमियो 9:20-21 - मुदा हे मनुष्य, अहाँ के छी जे परमेश् वर केँ उत्तर देब? जे ढालल गेल अछि से अपन ढालनिहार केँ कहत जे अहाँ हमरा एना किएक बनेलहुँ? की कुम्हार के माटि पर कोनो अधिकार नै छै, जे एकहि गांठ स एकटा बर्तन सम्मानजनक उपयोग के लेल आ दोसर बेइज्जत उपयोग के लेल बनाबय?

2. भजन 119:33-34 - हे प्रभु, हमरा अपन नियमक बाट सिखाउ। आ हम एकरा अंत धरि राखब। हमरा समझ दिअ, जाहि सँ हम अहाँक व्यवस्थाक पालन करी आ पूरा मोन सँ ओकर पालन करी।

यिर्मयाह 2:10 सियोनक बेटीक बुजुर्ग सभ जमीन पर बैसल छथि आ चुप रहैत छथि। ओ सभ बोरा पहिरने अछि, यरूशलेमक कुमारि सभ अपन माथ जमीन पर लटकौने अछि।

यरूशलेम के बुजुर्ग सभ मौन आ शोक मे जमीन पर बैसल छथि, माथ पर धूरा झाँपि बोरा पहिरने छथि। यरूशलेमक युवती सभ दुख मे माथ लटकौने छथि।

1. शोक के शक्ति - शोक के शक्ति के बारे में आरू ओकरा कोना मूर्त तरीका से व्यक्त करलऽ जाब॑ सकै छै, जेना कि यरूशलेम के बुजुर्ग आरू कुमारी सिनी के बारे में।

2. दुख मे आराम - दुखक समय मे जे आराम भेटि सकैत अछि, तखनो जखन हम सभ असगर महसूस करैत छी, तकर बारे मे एकटा।

1. भजन 30:5 - कारण ओकर क्रोध मात्र क्षण भरि लेल अछि, आ ओकर अनुग्रह जीवन भरि लेल अछि। कानब राति भरि रुकि सकैत अछि, मुदा भोरक संग आनन्द सेहो अबैत अछि।

2. यशायाह 61:2-3 - प्रभुक अनुग्रहक वर्ष आ हमरा सभक परमेश् वरक प्रतिशोधक दिनक घोषणा करब। शोक करयवला सभ केँ सान्त्वना देबय लेल। सियोन मे शोक करयवला केँ राखक बदला सुन्दर माथक पट्टी, शोकक बदला आनन्दक तेल, मंद आत्माक बदला स्तुतिक वस्त्र देब; जाहि सँ ओकरा सभ केँ धार्मिकताक ओग कहल जाय, जे प्रभुक रोपनी अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

यिर्मयाह 2:11 के विलाप हमर आँखि नोर सँ क्षीण भ’ जाइत अछि, हमर आंत परेशान भ’ गेल अछि, हमर यकृत पृथ्वी पर ढारि गेल अछि, हमर लोकक बेटीक विनाशक लेल। कारण शहरक गली-गली मे बच्चा आ दूधिया बच्चा बेहोश भ' जाइत अछि।

परमेश् वरक लोकक बेटीक विनाशक कारणेँ यिर्मयाह दुख आ शोक सँ भरल भऽ जाइत अछि।

1. युद्ध आ विनाशक प्रभाव हमरा लोकनिक आत्मा पर

2. शोक आ शोकक प्रतिक्रिया देब

1. भजन 25:16-18 "हमरा दिस घुरू आ हमरा पर कृपा करू, किएक तँ हम असगर आ दुःखित छी। हमर हृदयक संकट बढ़ि गेल अछि; हमरा अपन संकट सँ बाहर निकालू। हमर दुःख आ हमर संकट पर विचार करू, आ सभ किछु क्षमा करू।" हमर पाप।"

2. यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" " .

यिर्मयाह 2:12 क विलाप ओ सभ अपन माय सभ सँ कहैत छथि, “मकई आ मदिरा कतय अछि?” जखन शहरक गली- गली मे घायल जकाँ बेहोश भ' गेल, जखन ओकर सभक आत्मा मायक कोरा मे उझलि गेल।

1. माँ के प्रेम के शक्ति

2. दुखक समय मे आराम

1. यशायाह 49:15 - "की स्त्री अपन दूध पियाबैत बच्चा केँ बिसरि सकैत अछि, जाहि सँ ओकरा अपन गर्भक बेटा पर कोनो दया नहि हो? ई सभ सेहो बिसरि सकैत अछि, तइयो हम अहाँ केँ नहि बिसरब।"

2. यशायाह 66:13 - "जेना ओकर माय ओकरा सान्त्वना दैत छैक, तहिना हम तोरा सान्त्वना देब; आ तोरा यरूशलेम मे सान्त्वना भेटत।"

यिर्मयाह 2:13 के विलाप हम अहाँक लेल की गवाही बनब? हे यरूशलेमक बेटी, हम तोरा कोन चीजक उपमा देब? हे सियोनक कुमारि बेटी, हम अहाँक बराबरी की करब, जाहि सँ हम अहाँ केँ सान्त्वना दऽ सकब? किएक तँ तोहर टूटब समुद्र जकाँ पैघ अछि।

यिर्मयाह भविष्यवक्ता विलाप करैत छथि जे यरूशलेम के जे नुकसान भेल अछि से एतेक पैघ अछि जे एकरा के ठीक क सकैत अछि?

1. कष्ट भोगनिहार केँ हम कोना सान्त्वना आ चंगाई दऽ सकैत छी?

2. यिर्मयाहक वचन केँ हम सभ अपन जीवन मे कोना लागू क’ सकैत छी?

1. यशायाह 61:1-2 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौलनि अछि, कैदी सभ केँ मुक्ति आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक घोषणा करबाक लेल।

2. रोमियो 8:18 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि वर्तमान समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रकट होमय बला अछि।

यिर्मयाह 2:14 अहाँक भविष्यवक्ता सभ अहाँक लेल व्यर्थ आ मूर्खतापूर्ण बात देखलनि। मुदा अहाँक लेल झूठ भार आ निर्वासनक कारण देखलहुँ।

भविष्यवक्ता परमेश् वर के लोगऽ के अधर्म के पहचानै में असफल रहलै आरू एकरऽ बदला में झूठा बोझ आरू निर्वासन के भविष्यवाणी करलकै।

1. विवेक के शक्ति: झूठ के दुनिया में भगवान के इच्छा के पहचानना

2. मोक्षक प्रतिज्ञा: विश्वासक संग झूठ भविष्यवाणी पर विजय प्राप्त करब

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

यिर्मयाह 2:15 के विलाप 2:15 जे सभ ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि, अहाँ पर ताली बजबैत अछि। ओ सभ सिसकी मारैत यरूशलेमक बेटी दिस माथ हिलाबैत कहैत छथि, “की ई ओ शहर अछि जकरा मनुष्य सभ सौन्दर्यक सिद्धता, समस्त पृथ्वीक आनन्द कहैत अछि?”

यरूशलेम के लोगऽ के उपहास आरू उपहास राहगीरऽ द्वारा करलऽ जाय छै जे सवाल उठै छै कि की ई वू सुंदरता आरू आनन्द के शहर छेकै जेकरऽ बारे में वू सुनलऽ छै ।

1. उजाड़क बीच सौन्दर्य आ आनन्दक भगवानक प्रतिज्ञा

2. उपहासक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. यशायाह 62:5, "जहिना युवक कुमारि सँ विवाह करैत अछि, तहिना अहाँक बेटा सभ अहाँ सँ विवाह करत। आ जेना वर कनियाँ पर आनन्दित होइत अछि, तहिना अहाँक परमेश् वर अहाँ पर आनन्दित हेताह।"

2. रोमियो 8:18, "हम मानैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।"

यिर्मयाह 2:16 अहाँक सभ शत्रु अहाँक विरुद्ध मुँह खोलने अछि, ओ सभ सिसकी मारैत अछि आ दाँत कटैत अछि, कहैत अछि जे हम सभ ओकरा निगल गेलहुँ। भेटल अछि, देखलहुँ।

इस्राएल के शत्रु ओकरा सिनी के पतन पर आनन्दित होय के लेलऽ एक साथ जमा होय गेलऽ छै, ई घोषणा करी क॑ कि ओकरा पर विजय पाबै में सफल होय गेलऽ छै ।

1. दृढ़ता आ विश्वासक माध्यमे दुश्मन पर विजय प्राप्त करब

2. भगवान् मे पुनर्स्थापनक आशा

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर, हमर सामर्थ् य, जिनका पर हम भरोसा करब। हमर बकसुआ आ हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।

यिर्मयाह 2:17 के विलाप परमेश् वर जे योजना बनौने छलाह से कयलनि। ओ अपन वचन पूरा कऽ लेलक जे ओ पुरान दिन मे आज्ञा देने छल, ओ नीचाँ फेकि देलक, मुदा दया नहि केलक, आ तोहर शत्रु केँ तोरा पर आनन्दित कयलक, तोहर विरोधी सभक सींग ठाढ़ कयलक।

परमेश् वर बहुत पहिने सँ अपन वचन केँ पूरा कऽ शत्रु केँ यहूदा पर आनन्दित होबय देलनि अछि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पूर्ति मे निष्ठा

2. विपत्तिक समय मे परमेश्वरक सार्वभौमिक योजना पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 2:18 हुनका सभक हृदय परमेश् वर सँ पुकारलनि, हे सियोनक बेटीक देबाल, दिन-राति नदी जकाँ नोर बहय। अहाँक आँखिक नेबो नहि रुकय।

सियोनक लोक सभ गहींर शोक मे अछि आ दिन-राति प्रभु सँ पुकारैत अछि।

1. हमर दुख आ भगवानक दया: पीड़ाक बीच भगवानक प्रेमक अनुभव करब

2. प्रार्थनाक शक्ति: आवश्यकताक समय मे प्रभु सँ पुकारब

1. भजन 94:19 - जखन हमर चिंतित विचार हमरा भीतर बढ़ैत अछि तखन अहाँक आराम हमरा आनन्द दैत अछि।

2. यशायाह 61:3 - इस्राएल मे शोक करय बला सभ केँ ओ राखक बदला सौन्दर्यक मुकुट, शोकक बदला आनन्दक आशीर्वाद, निराशाक बदला उत्सवक प्रशंसा देत।

यिर्मयाह 2:19 उठू, राति मे चिचियाउ, प्रहरक प्रारंभ मे परमेश् वरक सामने अपन मोन केँ पानि जकाँ उझलि दियौक हर गली के चोटी पर भूख।

यिर्मयाह यरूशलेम में भुखमरी के कारण बच्चा सिनी के कष्ट के विलाप करै छै। ओ लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ प्रार्थना मे प्रभु सँ मदद आ मुक्ति लेल पुकारथि।

1. दुखक पुकार: विपत्तिक समय मे कोना प्रार्थना कयल जाय

2. भूखक बेहोश: एहि मे सँ कम सँ कम केर देखभाल

1. मत्ती 25:40, "आ राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाइ सभ मे सँ एकटा केँ ई काज केलहुँ, हमरा संग सेहो कयल गेल।"

2. याकूब 1:27, "परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध धर्म आ निर्मल धर्म ई अछि, जे पितामह आ विधवा सभक क्लेश मे हुनका सभक सामना करब, आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।"

यिर्मयाह 2:20 के विलाप, हे प्रभु, देखू, आ विचार करू जे अहाँ केकरा लेल ई काज केलहुँ। की स् त्रीगण सभ अपन फल खा लेत, आ एकटा कालखंडक बच्चा सभ? की पुरोहित आ भविष्यवक्ता परमेश् वरक पवित्र स्थान मे मारल जायत?

विलाप 2:20 मे यिर्मयाह प्रभु सँ पुकारैत छथि, विलाप करैत छथि जे प्रभुक पवित्र स्थान मे महिला आ बच्चा सभ केँ मारल गेल अछि।

1. प्रभुक दया सदाक लेल रहैत अछि: दुखद समय मे भगवानक करुणा कोना आशा आनि सकैत अछि

2. विलाप के शक्ति: भगवान के साथ निकटता के मार्ग के रूप में दुख के आत्मसात करना सीखना

1. भजन 136:1-3 - प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि, हुनकर प्रेम अनन्त काल धरि रहैत छनि। देवताक परमेश् वर केँ धन् यवाद दिअ, किएक तँ हुनकर प्रेम सदा-सदा टिकैत अछि। प्रभुक प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण हुनकर प्रेम सदिखन टिकैत अछि।

2. यशायाह 53:4-5 - निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक पीड़ा उठा लेलनि आ हमरा सभक कष्ट केँ सहैत रहलाह, तइयो हम सभ हुनका परमेश् वर द्वारा दंडित, हुनका द्वारा मारल गेल आ पीड़ित मानलहुँ। मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

यिर्मयाह 2:21 के विलाप, जवान आ बूढ़ सड़क पर जमीन पर पड़ल अछि, हमर कुमारि आ हमर युवक तलवार सँ खसि पड़ल अछि। अहाँ अपन क्रोधक दिन हुनका सभ केँ मारि देलहुँ। अहाँ मारि देलियैक, मुदा दया नहि भेल।

परमेश् वरक क्रोधक दिन मे छोट-बड़का बिना दयाक मारल गेल अछि ।

1. दुख मे भगवानक न्याय आ दया

2. मानव विद्रोहक परिणाम

१ खेतक जानवर आ स् वर्गक चिड़ै सभक संग, हँ, समुद्रक माछ सभ सेहो लऽ जायत।”

2. यशायाह 5:25-26 "एहि लेल परमेश् वरक क्रोध अपन लोक पर प्रज्वलित भ' गेलनि, आ ओ हुनका सभक विरुद्ध हाथ बढ़ौलनि आ ओकरा सभ केँ मारि देलनि सड़कक।एहि सभक लेल ओकर क्रोध नहि भ' गेलै, मुदा ओकर हाथ एखनो पसरल छैक।"

यिर्मयाह 2:22 क विलाप अहाँ कोनो गंभीर दिन मे हमर भयावहता केँ चारू कात बजौलहुँ, जाहि सँ प्रभुक क्रोधक दिन मे कियो नहि बचि सकल आ नहि बचल।

ई अंश परमेश् वर के क्रोध आरो न्याय के बात करै छै जे भटकलोॅ छै, आरु ओकरा सें होय वाला तबाही के बारे में।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: यिर्मयाहक विलाप सँ एकटा पाठ

2. भगवान् के क्रोध: प्रभु से भागने के परिणाम

1. इजकिएल 8:18 - "एहि लेल हमहूँ क्रोधित रहब। हमर आँखि कोनो दया नहि करत आ ने हमरा दया होयत। आ जँ ओ सभ हमर कान मे जोर-जोर सँ कानय, मुदा हम ओकरा सभ केँ नहि सुनब।"

2. यशायाह 30:27-30 - "देखू, परमेश् वरक नाम दूर सँ आबि रहल अछि, ओकर क्रोध सँ जरैत अछि, आ ओकर बोझ भारी अछि। ओकर ठोर क्रोध सँ भरल अछि, आ ओकर जीह भस्म करय बला आगि जकाँ। आ ओकर।" साँस, उमड़ैत धार जकाँ, गरदनिक बीच धरि पहुँचि जायत, जाहि सँ राष्ट्र सभ केँ आडंबरक छलनी सँ छानल जायत, आ लोक सभक जबड़ा मे लगाम लागि जायत, जाहि सँ ओ सभ भटकि जायत।”

यिर्मयाह अध्याय ३ के विलाप लेखक के व्यक्तिगत दुख आरू पीड़ा के अभिव्यक्ति करै वाला व्यक्तिगत विलाप छै । ई निराशा के बीच आशा के झलक के चित्रण करै छै आरू भगवान के अडिग प्रेम आरू निष्ठा पर जोर दै छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत लेखक के व्यक्तिगत दुःख आ पीड़ा के वर्णन स होइत अछि | ओ अपना पर भगवानक हाथक बोझक अनुभव करैत अन्हार आ कटुता मे फँसल महसूस करैत अछि । एकरऽ बावजूद, वू परमेश् वर केरऽ अडिग प्रेम आरू दया के आशा स॑ चिपकलऽ रहै छै (विलाप ३:१-२०)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय के आगू लेखक के भगवान के निष्ठा पर चिंतन के साथ। ओ भगवान् के भलाई के स्मरण करैत छथि आ स्वीकार करैत छथि जे हुनकर दया सब दिन भोरे नव होइत छैक | लेखक प्रभु के उद्धार पर अपनऽ भरोसा आरू ई विश्वास व्यक्त करै छै कि परमेश्वर अंततः ओकरा ओकरऽ संकट स॑ मुक्त करी देतै (विलाप ३:२१-४२) ।

तेसर पैराग्राफ: अध्याय लेखकक भगवानक हस्तक्षेप आ न्यायक गुहार दिस शिफ्ट भ' जाइत अछि। अपनऽ दुश्मनऽ के खिलाफ बदला लेबै के इच्छा व्यक्त करै छै आरू भगवान के आह्वान करै छै कि ओकरा पर न्याय आबी जाय । लेखक स्वीकार करै छै कि परमेश्वर ओकरऽ दुख देखै छै आरू जानै छै आरू अपनऽ हस्तक्षेप के अपील करै छै (विलाप ३:४३-६६)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह अध्याय तीन के विलाप प्रकट करैत अछि
व्यक्तिगत विलाप आ भगवानक निष्ठा पर चिंतन,
भगवान् के हस्तक्षेप आ न्याय के गुहार।

व्यक्तिगत क्लेश के वर्णन आ परमेश्वर के अडिग प्रेम में आशा।
भगवान् के निष्ठा पर चिंतन आ हुनकर उद्धार पर भरोसा।
भगवान के हस्तक्षेप आ दुश्मन के खिलाफ न्याय के गुहार।

यिर्मयाह के विलाप के ई अध्याय लेखक के व्यक्तिगत दुख आरू पीड़ा के अभिव्यक्ति करै वाला व्यक्तिगत विलाप छै । एकरऽ शुरुआत लेखक केरऽ अपनऽ व्यक्तिगत दुःख आरू पीड़ा के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा म॑ अन्हार आरू कटुता म॑ फंसलऽ महसूस होय छै । एकर बादो ओ भगवानक अडिग प्रेम आ दयाक आशा सँ चिपकल रहैत छथि | अध्याय आगू बढ़ैत अछि लेखकक भगवानक निष्ठा पर चिंतन, हुनक भलाई केँ स्मरण करैत आ ई स्वीकार करैत जे हुनकर दया सब दिन भोरे नव अछि | लेखक प्रभु के उद्धार पर अपनऽ भरोसा आरू ई विश्वास व्यक्त करै छै कि भगवान अंततः ओकरा ओकरऽ संकट स॑ मुक्त करी देतै । तखन अध्याय लेखकक भगवानक हस्तक्षेप आ न्यायक गुहार दिस बढ़ैत अछि, अपन दुश्मन सभक प्रति बदला लेबाक इच्छा व्यक्त करैत अछि आ भगवान सँ हुनका सभ पर न्याय अनबाक आह्वान करैत अछि | लेखक स्वीकार करै छै कि भगवान ओकरऽ दुख देखै छै आरू जानै छै आरू अपनऽ हस्तक्षेप के अपील करै छै । अध्याय में परमेश् वर के निष्ठा के बारे में व्यक्तिगत विलाप आरू चिंतन के साथ-साथ परमेश्वर के हस्तक्षेप आरू न्याय के गुहार पर भी ध्यान देलऽ गेलऽ छै ।

यिर्मयाह 3:1 के विलाप हम ओ आदमी छी जे अपन क्रोधक लाठी सँ दुःख देखलहुँ।

प्रभु के क्रोध के तहत हम कष्ट के अनुभव केने छी।

1. प्रभु के क्रोध - विलाप 3:1 स हम सब सीख ल सकैत छी

2. क्लेशक आशीर्वाद - दुख मे उद्देश्य ताकब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। दृढ़ता अपन काज समाप्त करू जाहि सँ अहाँ परिपक्व आ पूर्ण भ' सकब, कोनो चीजक कमी नहि।

यिर्मयाह 3:2 के विलाप ओ हमरा अन्हार मे अनलनि, मुदा इजोत मे नहि।

1279

यिर्मयाह विलाप करैत छथि जे परमेश् वर हुनका इजोत मे नहि, अन्हार मे ल' गेल छथि।

1. भगवान हमरा सभकेँ अन्हारसँ बाहर आ इजोतमे लऽ जेताह

2. हमरा सभक लेल परमेश् वरक मोक्षक वाचा

1. यशायाह 9:2 - अन्हार मे चलय बला लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक, जे सभ मृत्युक छायाक देश मे रहैत अछि, ओकरा सभ पर इजोत चमकल अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 3:3 के विलाप, ओ हमरा विरुद्ध भ’ गेल अछि। भरि दिन हमरा पर हाथ घुमाबैत रहैत अछि।

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना परमेश् वर के हाथ पूरा दिन हमरा सिनी के खिलाफ छै।

1: परमेश् वरक दया आ कृपा अनन्त अछि, तखनो जखन एहन लागैत अछि जेना ओ हमरा सभसँ मुँह मोड़ि गेल छथि।

2: हम सब ई जानि क' सान्त्वना ल' सकैत छी जे भगवान हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह, तखनो जखन एहन लागय जेना ओ मुँह घुमा लेने छथि।

1: रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

2: यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

यिर्मयाह 3:4 क विलाप ओ हमर शरीर आ चमड़ा केँ बूढ़ क’ देलनि। ओ हमर हड्डी तोड़ि देलक।

परमेश् वर यिर्मयाहक शरीर केँ बूढ़ क' देने छथि आ हुनकर हड्डी तोड़ि देने छथि।

1. दुःख मे भगवान् की शक्ति एवं जीविका

2. पीड़ाक बीच विश्वासक ताकत

1. मत्ती 11:28-30 - "हे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम कोमल आ नीच हृदय मे छी, आ।" अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत, कारण हमर जुआ सहज अछि, आ हमर भार हल्लुक अछि।

2. भजन 103:14 - कारण ओ हमरा सभक फ्रेम केँ जनैत छथि; ओकरा मोन पड़ैत छैक जे हम सभ धूरा छी।

यिर्मयाह 3:5 के विलाप ओ हमरा विरुद्ध बनौलनि, आ हमरा पित्त आ प्रसव सँ घेरने छथि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ कष्ट आ पीड़ा सँ घेरने छथि।

1. "कठिन समय मे विश्वासक दृढ़ता"।

2. "भगवानक योजना: एकटा उद्देश्यक संग संघर्ष"।

1. रोमियो 8: 28-29 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़य, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि।"

यिर्मयाह 3:6 के विलाप ओ हमरा अन्हार स्थान पर राखि देलनि, जेना कि पहिने मृत लोक सभ।

प्रभु यिर्मयाह केँ बहुत दिन सँ मरल लोक जकाँ अन्हार स्थान पर राखि देने छथि।

1. कठिन समय मे लचीलापन - प्रतिकूलताक बीच कोना वफादार रहब

2. निराशा के बीच आशा खोजब - अन्हार क्षण में भगवान पर भरोसा करब सीखब

1. भजन 139:11-12 - जँ हम कहब जे अन्हार हमरा झाँपि देत। हमरा चारू कात राति सेहो इजोत होयत। हँ, अन्हार तोरा सँ नुकायल नहि अछि। मुदा राति दिन जकाँ चमकैत अछि, अन्हार आ इजोत दुनू अहाँक लेल एक समान अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 3:7 के विलाप ओ हमरा घेरने छथि जे हम बाहर नहि निकलि सकैत छी।

भगवान् हमरा सभ केँ अपन रक्षा सँ घेरने छथि जाहि सँ हम सभ हुनका सँ दूर भटकबा मे असमर्थ छी, आ हुनकर प्रेम आ कृपा एतेक मजबूत अछि जे ई एकटा भारी जंजीर जकाँ अछि जे हमरा सभ केँ बोझि रहल अछि।

1. भगवानक रक्षा आ बिना शर्त प्रेम

2. भगवान् के कृपा के जंजीर

1. भजन 91:4 ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँ अपन पाँखिक नीचाँ भरोसा करब, ओकर सत्य अहाँक ढाल आ बकरी होयत।

2. रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

यिर्मयाह 3:8 के विलाप जखन हम कानैत छी आ चिचियाइत छी त’ ओ हमर प्रार्थना बंद क’ दैत छथि।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ पुकारैत अछि मुदा ओकर प्रार्थनाक उत्तर नहि भेटैत अछि।

1. भगवान् हमर सभक प्रार्थना सदिखन सुनैत छथि - तखनो जखन ओ उत्तर नहि दैत छथि

2. प्रार्थना के शक्ति - तखनो जखन हमरा सब के लगैत अछि जे हमरा सब के सुनल नै जा रहल अछि

1. भजन 55:17 - साँझ, भोर आ दुपहर मे हम प्रार्थना करब आ जोर-जोर सँ चिचियायब, आ ओ हमर आवाज सुनत।

2. यशायाह 65:24 - आ एहन होयत जे ओ सभ बजाबय सँ पहिने हम उत्तर देब। जाबत ओ सभ बाजि रहल छथि ताबत हम सुनब।

यिर्मयाह 3:9 के विलाप ओ हमर बाट के कटल पाथर स’ घेरने छथि, हमर बाट के टेढ़ क’ देलनि।

परमेश् वर यिर्मयाहक बाट केँ कटल पाथर सँ बंद क' क' आ ओकरा टेढ़ क' क' कठिन बना देने छथि।

1. हमरा सभक लेल परमेश्वरक योजना सदिखन आसान नहि होइत अछि - यिर्मयाह 3:9 केर विलाप

2. परमेश् वरक बाट हमरा सभक बाट नहि भ’ सकैत अछि - यिर्मयाह 3:9 क विलाप

1281

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

यिर्मयाह 3:10 के विलाप हमरा लेल ओ भालू जकाँ छल जे गुप्त स्थान पर पड़ल अछि।

यिर्मयाह एहि बातक विलाप करैत छथि जे ओ भालू जेकाँ प्रतीक्षा मे पड़ल आ गुप्त स्थान पर शेर जकाँ महसूस करैत अछि।

1. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब सीखब

2. अपरिचित सेटिंग मे भय पर काबू पाब

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

यिर्मयाह 3:11 के विलाप ओ हमर बाट घुमा देलक आ हमरा टुकड़ा-टुकड़ा क’ देलक।

परमेश् वर यिर्मयाह सँ मुँह मोड़ि कऽ उजाड़ बना देलनि अछि।

1. एकाकीपनक पीड़ा: भगवानक प्रेम मे आशा भेटब

2. जखन अहाँक बाट अप्रत्याशित मोड़ लैत अछि: भगवानक योजना पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 23:4 - "हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी, अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

यिर्मयाह 3:12 के विलाप ओ अपन धनुष मोड़ि क’ हमरा बाणक निशान बना देलनि।

परमेश् वर यिर्मयाह केँ अपन बाणक निशाना बना देने छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वर कठिनाईक अनुमति किएक दैत छथि?

2. कठिनाई के समय भगवान पर भरोसा करना सीखना।

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. यशायाह 41:10 "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ; किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब; हँ, हम अहाँक दहिना हाथसँ सहारा लेब।" हमर धर्म।"

यिर्मयाह 3:13 के विलाप ओ अपन डंका के बाण हमर बागडोर मे घुसा देलनि।

यिर्मयाह विलाप करैत छथि जे परमेश् वर हुनकर शरीर मे अपन कटहरक बाण घुसा देलनि अछि।

1. परमेश् वरक बाणक शक्ति: परमेश् वरक दिव्य शक्ति सँ हम सभ कोना प्रभावित भऽ सकैत छी।

2. विलाप मे ताकत भेटब: कठिन समय मे यिर्मयाह के विश्वास के आकर्षित करब।

1. भजन 38:2 "किएक तँ तोहर बाण हमरा मे मजबूती सँ चिपकल अछि, आ तोहर हाथ हमरा बेसी दबाबैत अछि।"

2. इब्रानी 4:12-13 "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि, आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदय।"

यिर्मयाह 3:14 क विलाप हम अपन सभ लोकक लेल उपहासक पात्र छलहुँ। आ भरि दिन हुनका लोकनिक गीत।

यिर्मयाहक उपहास आ उपहास ओकर अपन लोक सभ रोज-रोज करैत छल।

1. शब्दक शक्ति: शब्द हमरा सभकेँ कोना बना सकैत अछि वा तोड़ि सकैत अछि

2. प्रतिकूलता मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: उपहास सँ पराजित होबय सँ मना करब

1. नीतिवचन 12:18 - एकटा एहन अछि जकर दाना-दोषी बात तलवारक ठोकर जकाँ होइत छैक, मुदा बुद्धिमानक जीह चंगाई दैत छैक।

2. याकूब 5:11 - देखू, हम सभ ओहि धन्य सभ पर विचार करैत छी जे अडिग रहलाह। अहाँ सभ अय्यूबक दृढ़ताक विषय मे सुनलहुँ, आ प्रभुक उद्देश्य देखलहुँ जे प्रभु कोना दयालु आ दयालु छथि।

यिर्मयाह 3:15 क विलाप ओ हमरा कटुता सँ भरि देलनि, हमरा कृमि सँ नशा मे धुत्त कयलनि।

ओ हमरा शोकसँ अभिभूत कऽ कटुतासँ भरि देने छथि ।

1: हम सब अपन परिस्थिति स अभिभूत भ सकैत छी आ कटुता महसूस क सकैत छी, मुदा भगवान एखनो हमरा सबहक दुख मे हमरा सबहक संग छथि।

2: बहुत दुख आ दुखक समय मे सेहो हम सभ भगवान पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ हमरा सभक मददि करथि।

1: यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

2: भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 3:16 क विलाप ओ हमर दाँत सेहो गिट्टीक पाथरसँ तोड़ि देलनि, हमरा राखसँ झाँपि देलनि।

यिर्मयाह विलाप करैत छथि जे परमेश् वर हुनकर दाँत गिट्टीक पाथर सँ तोड़ि कऽ राखि सँ झाँपि देने छथि।

1. भगवान् के अनुशासन के शक्ति: पीड़ा के उद्देश्य के समझना।

2. भगवान् के साथ शोक करना: प्रभु के आराम में सांत्वना पाना।

1. इब्रानी 12:5-11 - परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन भलाईक लेल अनुशासित करैत छथि।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 3:17 के विलाप आ अहाँ हमर प्राण केँ शान्ति सँ दूर क’ देलहुँ, हम समृद्धि केँ बिसरि गेलहुँ।

यिर्मयाह विलाप करै छै कि परमेश् वर ओकरो आत्मा कॅ शांति आरो समृद्धि सें दूर करी देलकै।

1. प्रभुक मार्ग रहस्यमयी आ अथाह अछि

2. संकट के समय में भगवान के ताकत पर भरोसा करना

1. 2 कोरिन्थी 12:9 - मुदा ओ हमरा कहलनि, “हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ गेल अछि।”

2. यशायाह 26:3 - अहाँ सभ ओहि सभ केँ पूर्ण शान्ति मे राखब जिनकर मोन अडिग अछि, कारण ओ सभ अहाँ पर भरोसा करैत छथि।

यिर्मयाह 3:18 के विलाप हम कहलियनि, “हमर शक्ति आ आशा प्रभु सँ नष्ट भ’ गेल अछि।

परमेश् वर बजनिहारक सामर्थ् य आ आशा छीनि लेलनि।

1. प्रभु पर आशा - भजन 42:11 हे हमर प्राण, अहाँ किएक नीचाँ खसा देल गेल छी आ हमरा भीतर अहाँ किएक उथल-पुथल मे पड़ि रहल छी? भगवान् पर आशा; हम फेर हुनकर स्तुति करब, जे हमर उद्धारक आ हमर परमेश् वर छथि।

2. परमेश् वर नीक छथि - भजन 145:9 प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर दया हुनकर सभ किछु पर छनि।

1. रोमियो 15:13 आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ विश् वास करबा मे सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ पवित्र आत् माक सामर्थ् य सँ अहाँ सभ आशा मे प्रचुर भऽ सकब।

2. भजन 33:18-19 देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर अडिग प्रेम मे आशा रखैत छथि, जाहि सँ ओ हुनका सभक प्राण केँ मृत्यु सँ मुक्त करथि आ हुनका सभ केँ अकाल मे जीवित राखथि।

यिर्मयाह 3:19 के विलाप हमर दुःख आ हमर दुःख, कृमि आ पित्तक स्मरण करैत।

यिर्मयाह अपन अनुभवक कटुता केँ मोन पाड़ैत अपन दुखक स्मरण करैत छथि।

1. दुखक कटुता: कठिन परिस्थितिक सामना कोना कयल जाय

2. पीड़ा आ दुखक बीच आशाक खोज

२.

2. भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

यिर्मयाह 3:20 के विलाप हमर आत्मा एखनो ओकरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि आ हमरा मे विनम्र अछि।

यिर्मयाह अपन समस्त कष्ट केँ मोन पाड़ैत छथि आ अपन आत् मा मे विनम्र भ' जाइत छथि।

1. आत्मा के विनम्रता: यिर्मयाह के अनुभव स सीखना

2. स्मरणक शक्ति: विपत्तिक समय मे ताकत आ आशा भेटब

1. भजन 51:17 - परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल आत् मा अछि; टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

यिर्मयाह 3:21 के विलाप हम ई बात अपन मोन मे मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि।

यिर्मयाह अपनऽ पीड़ा आरू दुख के बावजूद परमेश् वर के प्रति जे आशा रखै छै, ओकरा पर चिंतन करै छै।

1. पीड़ाक बीच भगवानक आशा

2. आशा कोना भेटत जखन बाकी सब किछु हेरायल बुझाइत अछि

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि।

यिर्मयाह 3:22 के विलाप प्रभु के दया के कारण छै कि हम्में नष्ट नै होय जाय छियै, कैन्हेंकि हुनकऽ करुणा खत्म नै होय छै।

प्रभुक दया आ करुणा अंतहीन अछि।

1: भगवानक दया असीम अछि आ हमरा सभकेँ कहियो असफल नहि होइत अछि।

2: परमेश् वरक करुणा अनन्त अछि आ हमरा सभक सुरक्षा सुनिश्चित करैत अछि।

1: रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2: यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

यिर्मयाह 3:23 के विलाप सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।

भगवान् के निष्ठा सब दिन भोरे-भोर महान आ नव अछि।

1. "भगवानक अटूट निष्ठा: परेशान समय मे एकटा आराम"।

2. "ईश्वर के निष्ठा के महानता"।

1. 2 कोरिन्थी 1:20 - किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अपन हाँ पाबैत अछि। अतः ओ हुनका द्वारा परमेश् वर लग आबय बला सभ केँ पूर्ण रूप सँ उद्धार करबा मे सक्षम छथि, कारण ओ हुनका सभक लेल बिनती करबाक लेल सदिखन जीबैत छथि।

2. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

यिर्मयाह 3:24 के विलाप हमर प्राणी कहैत छथि जे परमेश् वर हमर भाग छथि। तेँ हम हुनका पर आशा करब।”

यिर्मयाह परमेश् वर पर अपन विश् वास व्यक्त करैत छथि, प्रभु केँ अपन भाग आ आशाक स्रोतक रूप मे घोषित करैत छथि।

1. "प्रभु मे हमर आशा" - निराशाक समय मे भगवान् मे भेटय बला आशाक अन्वेषण।

2. "भगवान काफी छथि" - हमर भागक रूप मे प्रभुक पर्याप्तताक परीक्षण।

1. भजन 146:5 - "धन्य अछि ओ जे याकूबक परमेश् वर अपन सहायताक लेल रखैत अछि, जकर आशा ओकर परमेश् वर परमेश् वर पर अछि।"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

यिर्मयाह 3:25 के विलाप, परमेश् वर हुनकर प्रतीक्षा करनिहार सभक लेल नीक छथि, जे हुनकर खोज करैत छथि।

जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि आ हुनका तकैत छथि हुनका लेल प्रभु नीक छथि ।

1. प्रभुक प्रतीक्षा: धैर्यक लाभ

2. प्रभुक खोज: आज्ञापालनक फल

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू, साहस करू, ओ अहाँक हृदय केँ मजबूत करताह, हम कहैत छी, प्रभुक प्रतीक्षा करू।

2. इब्रानी 11:6 - मुदा बिना विश् वास के ओकरा प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे परमेश् वर लग अबैत अछि ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ छथि आ जे हुनका लगन सँ तकैत छथि, तकरा ओ पुरस्कृत करैत छथि।

यिर्मयाह 3:26 के विलाप ई नीक बात अछि जे मनुष्य परमेश् वरक उद्धारक आशा आ चुपचाप आशा राखय।

प्रभु के उद्धार एकटा एहन चीज अछि जकर आशा आ शांति स इंतजार करबाक चाही।

1. कठिनाई के समय में भगवान के कृपा - भगवान के प्रतिज्ञा पर भरोसा कोना कयल जाय

2. धैर्यपूर्वक प्रभुक प्रतीक्षा - द लॉर्ड मे संतोष सीखब

1. रोमियो 8:25 - मुदा जँ हम सभ ओहि चीजक आशा करैत छी जे हम सभ नहि देखैत छी तँ हम सभ धैर्यपूर्वक ओकर प्रतीक्षा करैत छी।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 3:27 के विलाप मनुष्य के लेल नीक होयत जे ओ अपन युवावस्था मे जुआ उठाबय।

युवावस्था में दुख आ कष्ट के स्वीकार करब व्यक्ति के लेल लाभकारी होइत छैक ।

1. "कोनो पीड़ा नहि, कोनो लाभ नहि: अपन युवावस्था मे पीड़ा केँ आत्मसात करब"।

2. "दुःखक जुआ: ई किएक लाभकारी अछि"।

1. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

2. रोमियो 5:3-5 - "एहि सँ बेसी, हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे कष्ट सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि, आ आशा हमरा सभ केँ शर्मिंदा नहि करैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक प्रेम भेल अछि।" हमरा सभ केँ देल गेल पवित्र आत् माक द्वारा हमरा सभक हृदय मे ढारल गेल अछि।”

यिर्मयाह 3:28 के विलाप ओ असगरे बैसल रहैत अछि आ चुप रहैत अछि, किएक त’ ओ ओकरा पर उठा लेलक अछि।

यिर्मयाह जे कष्ट सहने छथि, ताहि पर दुख व्यक्त करैत छथि, आ ई व्यक्त करैत छथि जे ओ अपन पीड़ा आ दुख मे असगर छथि।

1. धर्मी के दुःख आ एकांत - दुःख के समय में भगवान के आराम आ उपस्थिति पर जोर देब।

2. बोझ उठाबय के ताकत - मंडली के संकट के बीच सेहो अपन विश्वास में मजबूत रहय लेल प्रोत्साहित करब।

1. यशायाह 40:28-31 - परमेश्वरक असीम शक्ति आ आराम जे हुनका पर भरोसा करैत छथि।

2. रोमियो 8:18-39 - कष्टक बादो महिमा आ मोक्षक लेल परमेश्वरक योजना।

यिर्मयाह 3:29 के विलाप ओ अपन मुँह धूरा मे राखि दैत छथि। जँ से अछि तँ आशा भ' सकैत अछि।

यिर्मयाह अपन स्थिति पर अपन निराशा व्यक्त करैत छथि, मुदा तइयो आशा केँ पकड़ने रहैत छथि।

1. भगवान् हमरा सभ सँ कहियो हार नहि मानैत छथि, ओहो हमरा सभक अन्हार घड़ी मे।

2. आशा के फिसलय नहि दियौक, चाहे कतबो अन्हार बात बुझाइत हो।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

यिर्मयाह 3:30 के विलाप ओ अपन गाल ओकरा मारय वाला के दैत अछि, ओ अपमान स भरल अछि।

बिना प्रतिशोध के अपमान आ अन्याय के स्वीकार करय के भगवान के इच्छा।

1: दोसर गाल घुमाबय के महत्व

2: निंदा मे आनन्द लेब

1: मत्ती 5:38-42

2: 1 पत्रुस 4:12-14

यिर्मयाह 3:31 के विलाप किएक तँ परमेश् वर सदाक लेल नहि फेकताह।

प्रभु हमरा सभकेँ कहियो नहि छोड़ताह।

1. भगवानक अटूट प्रेम: कठिन समय मे प्रभु पर भरोसा करब

2. प्रभुक निष्ठा: ई जानि कऽ आराम जे ओ हमरा सभक संग छथि

1. रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

2. इब्रानी 13:5-6 अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

यिर्मयाह 3:32 के विलाप मुदा ओ भले दुखी करथि, मुदा अपन दयाक बहुतायत के अनुसार दया करत।

भगवान् केरऽ दया प्रचुर छै आरू शोक पैदा करला के बावजूद भी हुनका करुणा होतै ।

1. भगवान् के दया के प्रचुरता

2. शोकक बीच भगवानक करुणा

1. भजन 103:8-14

2. यशायाह 54:7-8

यिर्मयाह 3:33 के विलाप किएक तँ ओ मनुष् यक सन् तान सभ केँ स्वेच्छा सँ कष्ट नहि दैत छथि आ ने दुखी करैत छथि।

भगवान् लोकक दुःख मे प्रसन्न नहि होइत छथि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम - ई अन्वेषण करब जे कोना परमेश् वरक प्रेमक प्रदर्शन हुनकर इच् छाक माध्यमे होइत अछि जे हमरा सभ केँ दुख नहि देब।

2. भगवानक दयाक आशा - ई अन्वेषण करब जे कोना भगवानक दया कष्ट भोगनिहार केँ आशा आ शान्ति दैत अछि।

1. यशायाह 57:15-16 - किएक तँ ई कहैत छथि जे अनन्त काल मे रहनिहार ऊँच आ ऊँच छथि, जिनकर नाम पवित्र अछि। हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, हुनका संग जे पश्चाताप आ विनम्र आत् माक अछि, विनम्र लोकक आत् मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल आ पश्चाताप करयवला सभक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

2. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

यिर्मयाह 3:34 के विलाप पृथ् वी के सभ कैदी सभ केँ अपन पएरक नीचाँ कुचलबाक लेल।

परमेश् वरक न्याय आ दया मानव जाति पर हुनकर न्याय मे प्रगट होइत अछि।

1: परमेश् वरक दया आ न्याय हुनक न्याय मे

2: परमेश् वरक न्याय केँ स्वीकार करबाक लेल एकटा आह्वान

1: रोमियो 12:19 "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2: भजन 68:1 परमेश् वर उठथि, हुनकर शत्रु सभ तितर-बितर भ’ जाथि। जे हुनका सँ घृणा करैत अछि से हुनका सँ पहिने भागि जाय!

यिर्मयाह 3:35 के विलाप परमात्मा के सामने एकटा आदमी के दहिना भाग घुमाबय के लेल।

भगवान् बुराई के हावी नै होबय देथिन।

1: भगवान् सदिखन न्यायक लेल ठाढ़ रहताह आ निर्दोषक रक्षा लेल लड़ताह।

2: जे गलत काज करय चाहैत अछि, ओकरा सँ हतोत्साहित नहि होउ, कारण भगवान् सदिखन सही बातक लेल लड़ताह।

1: नीतिवचन 21:3 - "बलिदान सँ बेसी धर्म आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

2: यशायाह 61:8 - "किएक तँ हम, प्रभु, न्याय सँ प्रेम करैत छी; हम डकैती आ गलत काज सँ घृणा करैत छी; हम ओकरा सभ केँ ओकर प्रतिफल निष्ठापूर्वक देब, आ ओकरा सभक संग अनन्त वाचा करब।"

यिर्मयाह 3:36 के विलाप मनुष् य के ओकर काज मे उखाड़ि फेकब, परमेश् वर नीक नहि लगैत छथि।

लोक के दोसर के न्याय में हस्तक्षेप करय के प्रभु के मंजूरी नै छै।

1. दोसरक संग व्यवहार मे न्याय आ निष्पक्षताक प्रति सदिखन ध्यान राखय पड़त।

2. भगवान हमरा सभ पर नजरि रखैत छथि आ दोसरक दुर्व्यवहार नहि होमय देताह।

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. याकूब 2:1 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी, कोनो पक्षपात नहि करू।

यिर्मयाह 3:37 के विलाप के अछि जे कहैत अछि जे जखन प्रभु एकर आज्ञा नहि दैत छथि?

भगवाने टा छथि जे किछु साकार क' सकैत छथि, ओ शक्ति आन ककरो नहि छनि।

1. परमेश्वरक शक्ति: सच्चा पूर्तिक एकमात्र स्रोत

2. सब वस्तु पर भगवानक प्रभुत्व पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 9:19-21 तखन अहाँ हमरा कहब जे ओ एखनो दोष किएक पाबि रहल अछि? कारण ओकर इच्छाक विरोध के क' सकैत अछि? मुदा हे मनुख, अहाँ के छी जे भगवान् केँ उत्तर देब? जे ढालल गेल अछि से अपन ढालनिहार केँ कहत जे अहाँ हमरा एना किएक बनेलहुँ? की कुम्हार के माटि पर कोनो अधिकार नै छै, जे एकहि गांठ स एकटा बर्तन सम्मानजनक उपयोग के लेल आ दोसर बेइज्जत उपयोग के लेल बनाबय?

यिर्मयाह 3:38 के विलाप परमेश् वरक मुँह सँ अधलाह आ नीक नहि निकलैत अछि?

भगवान् अधलाह आ नीक काज नहि करैत छथि।

1. प्रभुक दया: भगवानक कृपाक अन्वेषण

2. परमेश् वरक अटूट प्रेम: हुनकर भलाई केँ बुझब

1. भजन 145:9 - प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर दया हुनकर सभ किछु पर छनि।

2. याकूब 1:17 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

यिर्मयाह 3:39 के विलाप, जीवित मनुष्य अपन पापक सजा के लेल किएक शिकायत करैत अछि?

जीवित मनुष्य प्रश्न करैत अछि जे ओकरा अपन पापक सजाक शिकायत किएक करबाक चाही।

1. पापक परिणाम

2. पश्चाताप के शक्ति

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

यिर्मयाह 3:40 के विलाप आउ, हम सभ अपन बाट खोजि कऽ परखब आ फेर प्रभु दिस घुमि जाइ।

यिर्मयाह लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ अपन जीवनक परीक्षण करथि आ प्रभु दिस घुरि जाथि।

1. पश्चाताप: पुनर्स्थापन के मार्ग

2. आत्मचिंतनक यात्रा

1. योएल 2:12-14 - तेँ आब, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानब आ शोक सँ हमरा दिस घुमि जाउ।

2. भजन 139:23-24 - हे परमेश् वर, हमरा खोजू आ हमर हृदय केँ जानि लिअ, हमरा परीक्षण करू आ हमर विचार केँ जानि लिअ, आ देखू जे हमरा मे कोनो दुष्ट बाट अछि आ हमरा अनन्त बाट पर लऽ जाउ।

यिर्मयाह 3:41 के विलाप आउ, हम सभ अपन हृदय केँ अपन हाथ सँ स्वर्ग मे परमेश् वर दिस ऊपर उठाबी।

यिर्मयाह के विलाप हमरा सिनी कॅ स्वर्ग में परमेश् वर के पास अपनऽ दिल के ऊपर उठाबै लेली बोलै छै।

1. भजन 27:8 - "जखन अहाँ कहलहुँ, 'हमर मुँह ताकू' तखन हमर हृदय अहाँ केँ कहलक, 'हे प्रभु, हम अहाँक मुँह तकब।"

2. भजन 62:8 - "हे लोक सभ, हुनका पर सदिखन भरोसा करू; हुनका सामने अपन मोन केँ उझलि दियौक; परमेश् वर हमरा सभक लेल शरण छथि।"

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत।" आ मन मसीह यीशुक द्वारा।”

2. 1 पत्रुस 5:7 - "अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत छथि।"

यिर्मयाह 3:42 के विलाप हम सभ उल्लंघन केलहुँ आ विद्रोह केलहुँ, अहाँ क्षमा नहि केलहुँ।

यिर्मयाह विलाप करै छै कि लोग परमेश् वर के खिलाफ विद्रोह करलकै आरू परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ माफ नै करलकै।

1) "भगवान के क्षमा: पश्चाताप के आशीर्वाद"।

2) "विलापक हृदय: विपत्तिक समय मे क्षमा कोना भेटत"।

1) लूका 15:11-32 - उड़न पुत्रक दृष्टान्त

1290

2) यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत ओ भेटि सकैत छथि

यिर्मयाह 3:43 के विलाप अहाँ क्रोध सँ झाँपि क’ हमरा सभ केँ सताबैत रहलहुँ, अहाँ मारि देलहुँ, अहाँ केँ दया नहि भेल।

परमेश् वर इस्राएल पर क्रोधित छथि आ बिना दया के मारि कऽ सजा दऽ देने छथि।

1. परमेश् वरक क्रोध: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. भगवानक दया आ प्रेम पर भरोसा करब

1. यशायाह 54:7-10 हम अहाँ सभ केँ थोड़ेक काल लेल छोड़ि देलहुँ, मुदा बहुत दया सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। क्षण भरि लेल उमड़ैत क्रोध मे हम अहाँ सँ अपन चेहरा नुका लेलहुँ, मुदा अनन्त प्रेम सँ हम अहाँ पर दया करब, अहाँक मुक्तिदाता प्रभु कहैत छथि।

2. रोमियो 5:8-10 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

यिर्मयाह 3:44 के विलाप, अहाँ अपना केँ मेघ सँ झाँपि लेलहुँ, जाहि सँ हमर सभक प्रार्थना ओहि मे सँ नहि गुजरय।

भगवान् अपना केँ मेघ सँ झाँपि प्रार्थना केँ सुनबा सँ रोकने छथि।

1. प्रार्थना के शक्ति: भगवान हमरा सब के कोना जवाब दैत छथि आ आशीर्वाद दैत छथिन

2. प्रार्थना के उद्देश्य: परमेश्वर के इच्छा के जानना आरू समझना

1. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप अहाँ सभ सँ हुनकर मुँह नुका कऽ रखने अछि जे ओ नहि सुनत।

2. याकूब 4:3 - अहाँ सभ माँगैत छी, मुदा नहि ग्रहण करैत छी, किएक तँ अहाँ सभ गलत माँगैत छी, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा अपन वासना पर भस्म क’ सकब।

यिर्मयाह 3:45 के विलाप अहाँ हमरा सभ केँ लोकक बीच मे कूड़ा-करकट आ कचरा जकाँ बना देलहुँ।

यिर्मयाह परमेश् वरक विलाप करैत छथि जे हुनका लोक सभक कचरा बनाओल गेलनि।

1. हम अपन विपत्ति मे ताकत पाबि सकैत छी विलाप 3:45

2. भगवान एखनो हमरा सभक संग छथि तखनो जखन हम सभ अपना केँ अस्वीकृत महसूस करैत छी विलाप 3:45

1. यशायाह 41:10 डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी।

2. भजन 23:4 भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी।

यिर्मयाह 3:46 के विलाप हमरा सभक सभ शत्रु हमरा सभक विरुद्ध मुँह खोलने अछि।

जनता के दुश्मन हुनका सब के खिलाफ आवाज उठाबैत रहल अछि।

1. दुश्मन के जीतय नहि दियौक: विपक्ष के सामने ठाढ़ रहब

2. जीवनक कठिनाइसँ उबरब: प्रतिकूलताक बाद पाछू उछलब

1. 1 कोरिन्थी 16:13 - "सावधान रहू; विश्वास मे दृढ़ रहू; साहस करू; मजबूत रहू।"

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि। धैर्य अपन काज पूरा करू जाहि सँ अहाँ सभ रहब।" परिपक्व आ पूर्ण, कोनो चीजक कमी नहि।"

यिर्मयाह 3:47 के विलाप भय आ जाल हमरा सभ पर आबि गेल अछि, उजाड़ आ विनाश।

यिर्मयाह भय आ जाल सँ हुनका सभ पर आनल गेल विनाश आ उजाड़क विलाप करैत छथि।

1. भय के शक्ति: एकर प्रभाव हमर जीवन पर कोना पड़ैत अछि

2. उजाड़ मे आशा खोजब

1. यशायाह 8:14-15: "ओ इस्राएलक दुनू घरानाक लेल पवित्र स्थान आ अपराधक पाथर आ ठोकरक चट्टान बनि जायत, यरूशलेमक निवासी सभक लेल जाल आ जाल बनत। आ बहुतो लोक एहि पर ठोकर खायत।" खसि पड़त आ टूटि जायत, फँसि कऽ फँसि जायत।”

2. भजन 64:4: "जाहि सँ ओ सभ निर्दोष केँ गुप्त रूप सँ गोली मारि सकय; अचानक ओकरा पर गोली मारि दैत अछि आ नहि डरैत अछि।"

यिर्मयाह 3:48 के विलाप हमर लोकक बेटीक विनाशक लेल हमर आँखि पानिक नदी सभ सँ बहैत अछि।

परमेश् वरक लोक सभक विनाश यिर्मयाहक हृदय मे गहींर दुख अनैत अछि।

1. हानि के पीड़ा: भगवान के लोक प्रलय के कोना सामना करैत अछि

2. मसीह मे सान्त्वना: प्रभुक विश्वासी लोकक आशा

1. यशायाह 40:1-2 - हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बात करू, आ ओकरा घोषणा करू जे ओकर कठिन सेवा पूरा भ’ गेलै, ओकर पापक भुगतान भ’ गेलै, जे ओकरा प्रभुक हाथ सँ ओकर सभ पापक दुगुना भेटि गेलै।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 3:49 हमर आँखि टपकैत अछि, बिना कोनो विरामक रुकैत नहि अछि।

वक्ता नोर सॅं विलाप क' रहल छथि जे कहियो बहब नहि रुकैत अछि ।

1. दुःखक शक्ति आ विपत्तिक समय मे भगवानक आराम पर क।

2. पीड़ाक बीच सेहो भगवान् पर भरोसा करब सीखबाक महत्व पर क।

1. यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

यिर्मयाह 3:50 क विलाप जाबत धरि प्रभु नीचाँ नहि तकताह आ स्वर्ग सँ नहि देखथि।

यिर्मयाह परमेश्वर के लेलऽ अपनऽ इच्छा व्यक्त करै छै कि वू स्वर्ग सें नीचें देखै आरू अपनऽ लोगऽ के दुख के संज्ञान लेबै।

1. प्रार्थनाक शक्ति - हमर सभक पुकार सुनबाक भगवानक इच्छा

2. भगवान हमर शरण छथि - विपत्तिक समय मे अपन प्रतिज्ञा सँ चिपकल रहब

1. भजन 121:1-2 - "हम पहाड़ पर अपन नजरि उठबैत छी। हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी बनौलनि।"

2. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनलहुँ? की अहाँ सभ नहि सुनलहुँ? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत छथि आ नहि थकैत छथि; हुनकर समझ अनजान अछि। ओ।" क्षीण लोक केँ शक्ति दैत छैक, जकरा मे सामर्थ्य नहि छैक, ओकरा ओ बल बढ़बैत छैक।युवक सभ बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, युवक सभ थकित भ’ क’ खसि पड़त, मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ्य नव बनाओत, ओ सभ पाँखि ल’ क’ चढ़त गरुड़ जकाँ, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।”

यिर्मयाह 3:51 के विलाप हमर शहरक सभ बेटीक कारणेँ हमर आँखि हमर हृदय केँ प्रभावित करैत अछि।

यिर्मयाहक हृदय टूटि गेल अछि ओकर नगरक विनाशक कारणेँ।

1. टूटब आ हानि: त्रासदीक बाद फेरसँ जीब सीखब

2. दुखक बीच आशा: पीड़ाक समय मे भगवानक आराम भेटब

1. यशायाह 61:1-3 - परमेश् वर परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम पीड़ित सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा टुटल-फुटल हृदय केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, कैदी सभ केँ स्वतंत्रता आ कैदी सभ केँ स्वतंत्रताक घोषणा करबाक लेल।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

यिर्मयाह 3:52 के विलाप हमर शत्रु सभ हमरा चिड़ै जकाँ बेवजह पीछा केलक।

यिर्मयाह एहि बात पर चिंतन करैत छथि जे कोना ओकर दुश्मन सभ ओकरा बिना कोनो कारणेँ, चिड़ै जकाँ पीछा केलक।

1. विपत्तिक बीच भगवानक कृपा

2. अन्यायपूर्ण उत्पीड़न के कोना प्रतिक्रिया देल जाय

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. भजन 34:17-19 - धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि, आ प्रभु हुनका सभक बात सुनैत छथि; ओ ओकरा सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत अछि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि |

यिर्मयाह 3:53 के विलाप ओ सभ कालकोठरी मे हमर प्राण काटि देलक आ हमरा पर पाथर फेकि देलक।

यिर्मयाह कालकोठरी मे फेकल गेल आ ओकरा पर पाथर फेकल गेल क्रूर अन्यायक विलाप करैत अछि।

1. दुख मे ताकत: अन्याय के बीच आशा खोजब

2. स्वतंत्रता ताकब: अनुचित व्यवहारक बेड़ीसँ अपनाकेँ मुक्त करब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. इब्रानी 12:1-3 - तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ हम सभ ओहि दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू जे पहिने राखल गेल अछि हमरा सभ केँ, अपन विश् वासक संस्थापक आ सिद्धकर्ता यीशु दिस तकैत छी, जे हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक कारणेँ लाज केँ तिरस्कृत करैत क्रूस केँ सहन कयलनि आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि। जे पापी सभ सँ अपना विरुद्ध एहन शत्रुता सहने छल, ताहि पर विचार करू, जाहि सँ अहाँ सभ नहि थाकि जायब आ नहिये मंद भऽ जायब।

यिर्मयाह 3:54 के विलाप हमर माथ पर पानि बहैत छल। तखन हम कहलियनि, “हम कटि गेल छी।”

यिर्मयाह तखन विलाप केलनि जखन हुनका लागलनि जेना ओ परमेश् वरक सान्निध्य आ प्रेम सँ कटि गेल छथि।

1. भगवान सदिखन उपस्थित रहैत छथि, ओहो हमरा सभक दुख मे

2. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. भजन 34:18 "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।"

2. रोमियो 8:38-39 "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।”

यिर्मयाह 3:55 के विलाप हम हे प्रभु, नीचाँ कालकोठरी सँ अहाँक नाम पुकारलहुँ।

यिर्मयाह अपन अन्हार आ उदास जेल सँ परमेश् वर केँ आवाज दैत छथि।

1. भगवान सदिखन सुनैत रहैत छथि - हमर सबसँ अन्हार क्षण मे सेहो

2. विपत्ति मे विश्वासक शक्ति

1. भजन 107:10-14 - "किछु गोटे अन्हार आ मृत्युक छाया मे बैसल छलाह, क्लेश आ लोहा मे कैदी छलाह, कारण ओ सभ परमेश् वरक वचनक विरुद्ध विद्रोह कयलनि आ परमेश् वरक सलाह केँ तिरस्कृत कयलनि। तेँ ओ प्रणाम कयलनि।" हुनका सभक हृदय कठिन परिश्रम सँ नीचाँ खसि पड़लनि, कोनो मददगार नहि छलनि।तखन ओ सभ अपन विपत्ति मे प्रभु सँ पुकारलनि, आ ओ हुनका सभ केँ विपत्ति सँ मुक्त कयलनि।ओ हुनका सभ केँ अन्हार आ मृत्युक छाया सँ बाहर निकालि देलनि आ हुनका सभक बंधन केँ फाड़ि देलनि अलग.

2. यशायाह 61:1 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचार पहुँचा सकब। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, कैदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करबाक लेल आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक लेल।

यिर्मयाह 3:56 के विलाप अहाँ हमर आवाज सुनलहुँ, हमर साँस, हमर पुकार पर अपन कान नहि नुकाउ।

भगवान् अपन लोकक पुकार सुनैत छथि आ हुनकर दुख केँ नजरअंदाज नहि करैत छथि |

1. भगवान् हमर सभक पुकार सुनैत छथि: हम सभ हुनकर करुणा पर भरोसा किएक क’ सकैत छी

2. भगवान् केँ जानब सुनब अछि: हुनकर उपस्थितिक आराम

1. भजन 34:17-18 "जखन धर्मी लोक सभ सहायताक लेल पुकारैत छथि तँ परमेश् वर हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ कुटिल आत् मा केँ उद्धार दैत छथि।"

2. यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

यिर्मयाह 3:57 अहाँ ओहि दिन लग आबि गेलहुँ जाहि दिन हम अहाँ केँ पुकारलहुँ।

परमेश् वर जखन हम सभ हुनका पुकारैत छी तखन नजदीक आबि जाइत छथि आ हमरा सभ केँ डरबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1. भगवान सदिखन नजदीक रहैत छथि: आवश्यकताक समय मे आश्वासन

2. डर नहि: कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. भजन 56:3 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

2. यशायाह 43:1-2 - "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ।" हमर अछि।"

यिर्मयाह 3:58 हे परमेश् वर, अहाँ हमर प्राणक कारणेँ विनती केलहुँ। अहाँ हमर प्राण छुटकारा दऽ देलहुँ।

यिर्मयाह परमेश् वर के मोक्षदायी शक्ति के पहचानी क॑ अपनऽ जीवन म॑ परमेश् वर के भागीदारी क॑ स्वीकार करै छै ।

1. परमेश् वरक मोक्षदाता शक्ति: प्रभु हमरा सभ केँ निराशा सँ कोना बचाबैत छथि

2. भगवानक सार्वभौमत्व: प्रभु हमरा सभ केँ हर परिस्थिति मे कोना देखैत छथि आ कोना देखभाल करैत छथि

1. भजन 130:3-4 - "हे प्रभु, जँ अहाँ अधर्मक निशान लगाबी, तँ के ठाढ़ भ' सकैत छल? मुदा अहाँक संग क्षमा अछि, जाहि सँ अहाँ डरि जायब।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

यिर्मयाह 3:59 के विलाप हे प्रभु, अहाँ हमर गलती देखलहुँ।

यिर्मयाह प्रभु सँ निहोरा करै छै कि वू ओकरो मुद्दा के न्याय करै के जेना प्रभु ओकरो गलती देखलकै।

1. परमेश् वरक समक्ष ठाढ़ रहब: यिर्मयाहक निहोराक शक्ति

2. परमेश् वरक न्याय तकबाक आवश्यकता

1. यशायाह 58:1-2 एकरा जोर-जोर सँ चिचियाउ, नहि रोकू। तुरही जकाँ आवाज उठाउ। हमर लोक सभ केँ ओकर विद्रोह आ याकूबक घराना केँ ओकर पापक घोषणा करू। तइयो ओ सभ हमरा नित्य तकैत छथि आ हमर बाट केँ जानि कऽ आनन्दित होइत छथि, जेना ओ सभ कोनो एहन जाति हो जे उचित काज केने होथि आ अपन परमेश् वरक आज्ञा केँ नहि छोड़ने होथि।

2. भजन 37:23-24 मनुष्यक डेग प्रभु द्वारा स्थापित कयल जाइत अछि, जखन ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि। जँ खसि पड़तैक, मुदा ओकरा माथ नहि फेकल जायत, किएक तँ प्रभु ओकर हाथ ठाढ़ करैत छथि।

यिर्मयाह 3:60 के विलाप अहाँ हमरा पर हुनकर सभक प्रतिशोध आ सभ कल्पना देखलहुँ।

यिर्मयाह हुनका पर जे प्रतिशोध आ कल्पना कयल गेल अछि ताहि पर विलाप करैत छथि |

1. दुखक बीच परमेश् वरक प्रेम: विलापक अन्वेषण 3:60

2. क्षमाक शक्ति: यिर्मयाहक विलाप पर चिंतन

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. मत्ती 5:44 - मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ केँ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

यिर्मयाह 3:61 हे परमेश् वर, अहाँ हुनका सभक निन्दा आ हमरा विरुद्ध हुनका सभक सभ कल्पना सुनलहुँ।

यिर्मयाहक विरुद्ध निन्दा आ कल्पना सभ परमेश् वर सुनलनि।

1: प्रभु सदिखन सुनैत रहैत छथि।

2: भगवान हमरा सबहक परेशानी के सदिखन संज्ञान लैत छथि।

1: याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक त' मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2: भजन 4:3 - "मुदा ई जानि लिअ जे परमेश् वर भक् त लोक केँ अपना लेल अलग क' देने छथि; जखन हम हुनका बजबैत छी त' परमेश् वर सुनैत छथि।"

यिर्मयाह 3:62 के विलाप, जे हमरा पर उठल छल, ओकर ठोर, आ भरि दिन हमरा विरुद्ध ओकर षड्यंत्र।

यिर्मयाहक शत्रु सभक ठोर लगातार हुनका विरुद्ध छलनि।

1. कठिन समय मे भगवानक निष्ठा

2. विरोधक बादो दृढ़ताक महत्व

1. यशायाह 40:8: "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. रोमियो 8:31-39: "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

यिर्मयाह 3:63 के विलाप देखू, हुनकर बैसब आ उठब। हम हुनकर म्यूजिक छी।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ के साथ छै, खाली ओकरऽ खुशी में नै बल्कि ओकरऽ दुख में भी, आरू वू ओकरऽ आराम आरू आशा के स्रोत छै ।

1. "हमर जीवन मे भगवान के अटूट उपस्थिति"।

2. "भगवानक आरामक संगीत"।

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

2. भजन 23:4 - "हम अन्हार घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

यिर्मयाह 3:64 के विलाप, हे प्रभु, हुनका सभक हाथक काजक अनुसार प्रतिफल दिअ।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ पुकारैत छथि जे ओ दुष्ट सभ केँ ओहि दुष्टताक बदला देथिन।

1. भगवानक न्याय: ओ दुष्ट केँ दुष्ट काजक प्रतिफल कोना दैत छथि

2. प्रतिशोधक लेल परमेश् वरक योजना केँ बुझब

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 7:11 - परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि, एकटा एहन परमेश् वर छथि जे सभ दिन अपन क्रोध व्यक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 3:65 के विलाप हुनका सभ केँ हृदयक दुःख दिअ, हुनका सभक लेल अपन अभिशाप।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनका सभक विरुद्ध पाप केनिहार सभ केँ हृदयक दुख आ अभिशाप देथि।

1. परमेश् वरक शाप सभक शक्ति - ई अन्वेषण करब जे कोना परमेश् वरक शाप हमरा सभ केँ धर्मी जीवन जीबाक लेल प्रेरित करबाक चाही।

2. पापक भार - पापक परिणाम आ पश्चाताप के महत्व के बुझब।

1. गलाती 3:13 - "मसीह हमरा सभ केँ व्यवस्थाक अभिशाप सँ मुक्त कयलनि, हमरा सभक लेल अभिशाप बनि गेलाह।

2. नीतिवचन 22:8 - "जे अधर्म बोनैत अछि, ओ व्यर्थ काटि लेत, आ ओकर क्रोधक छड़ी क्षीण भ' जायत।"

यिर्मयाह 3:66 के विलाप हुनका सभ केँ प्रभुक आकाशक नीचाँ सँ क्रोध मे सताउ आ नष्ट करू।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे, जे सभ हुनका सभ सँ अन्याय केने छथि, तकरा सभ केँ सतबैत आ नष्ट करथि, क्रोध सँ।

1. परमेश् वरक क्रोध: पाप केनिहार केँ हमरा सभ केँ किएक प्रताड़ित करबाक चाही

2. क्षमाक शक्ति: बदला लेबाक बदला दया कोना कयल जाय

1. रोमियो 12:19-21 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. मत्ती 18:21-22 - तखन पत्रुस यीशु लग आबि पुछलथिन, “प्रभु, हम कतेक बेर अपन भाय वा बहिन केँ माफ करब जे हमरा विरुद्ध पाप करैत अछि? सात बेर तक? यीशु उत्तर देलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सात बेर नहि, बल् कि सत्तरि बेर कहैत छी।”

यिर्मयाह अध्याय 4 के विलाप यरूशलेम के विनाश के विलाप जारी रखै छै, जे लोगऽ के हताश परिस्थिति आरू ओकरऽ पाप के परिणाम पर केंद्रित छै। ई सम्मान के नुकसान आरू शहर के तबाही के चित्रण करै छै जबकि पश्चाताप आरू भगवान के दया के जरूरत पर जोर दै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत लोगऽ के हताश हालत के चित्रण स॑ होय छै, खास करी क॑ भूख आरू प्यास स॑ पीड़ित बच्चा आरू शिशु के । एहि मे घेराबंदी के विनाशकारी प्रभाव आ शहर के उजाड़पन पर प्रकाश देल गेल अछि. अध्याय मे सम्मान के नुकसान आ लोक के अनुभव कयल गेल लाज पर जोर देल गेल अछि (विलाप 4:1-11)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन कयल गेल अछि, एकरा नेता आ पुरोहित के पाप के कारण मानल गेल अछि। ई स्वीकार करै छै कि लोगऽ के पाप के कारण ओकरऽ पतन आरू ओकरऽ अभयारण्य के विनाश होय गेलऽ छै । अध्याय पश्चाताप के आवश्यकता पर जोर दै छै आरू परमेश्वर स॑ आह्वान करै छै कि वू लोगऽ के भाग्य क॑ बहाल करै (विलाप ४:१२-२२)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह अध्याय चार के विलाप प्रकट करैत अछि
जनता के हताश हालत पर विलाप,
यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन।

जनताक हताश अवस्था आ सम्मानक क्षतिक चित्रण ।
यरूशलेम के विनाश के कारण आरू पश्चाताप के जरूरत पर चिंतन।

यिर्मयाह के विलाप के ई अध्याय यरूशलेम के विनाश के विलाप जारी रखै छै, जेकरा में लोगऽ के हताश परिस्थिति आरू ओकरऽ पाप के परिणाम पर केंद्रित छै। एकरऽ शुरुआत लोगऽ के हताश हालत के चित्रण स॑ होय छै, खास करी क॑ भूख आरू प्यास स॑ पीड़ित बच्चा आरू शिशु के । अध्याय म॑ घेराबंदी केरऽ विनाशकारी प्रभाव आरू शहर केरऽ उजाड़पन प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । एहि मे सम्मानक क्षति आ जनता द्वारा अनुभव कयल गेल लाज पर जोर देल गेल अछि । तखन अध्याय मे यरूशलेम के विनाश के कारण पर चिंतन कयल गेल अछि, एकरा नेता आ पुरोहितक पाप के कारण मानल गेल अछि। ई स्वीकार करै छै कि लोगऽ के पाप के कारण ओकरऽ पतन आरू ओकरऽ अभयारण्य के विनाश होय गेलऽ छै । अध्याय में पश्चाताप के आवश्यकता पर जोर देलऽ गेलऽ छै आरू भगवान के आह्वान करलऽ गेलऽ छै कि लोगऽ के भाग्य के पुनर्स्थापित करलऽ जाय । अध्याय लोगऽ के हताश परिस्थिति के विलाप आरू यरूशलेम के विनाश के कारणऽ के चिंतन पर केंद्रित छै ।

यिर्मयाह 4:1 के विलाप सोना कोना मंद भ’ गेल अछि! कोना बदलल जाइत अछि सबसँ महीन सोना! अभयारण्यक पाथर सभ गली-गली मे उझलि गेल अछि।

भगवान् आ हुनक मन्दिरक महिमा कम भऽ नष्ट भऽ गेल अछि ।

1: भगवानक महिमा अनन्त अछि आ ओकरा कियो कम नहि क' सकैत अछि।

2: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे अडिग रहबाक चाही आ अपन आशा केँ कहियो कम नहि होमय देबाक चाही।

1: भजन 19:1-3 "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि। आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि। दिन-दिन बाजब बजैत अछि, आ राति-राति ज्ञानक प्रदर्शन करैत अछि। कोनो एहन वाणी आ ने भाषा नहि होइत अछि, जतय ओकर आवाज नहि सुनल जाइत अछि।" ."

2: यशायाह 40:8 "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

यिर्मयाह 4:2 के विलाप सियोन के अनमोल बेटा, जे महीन सोना के तुलना में छै, ओकरा सब के कोना माटिक घैल के रूप में मानल जाय छै, जे कुम्हार के हाथ के काज छै!

सिय्योन के लोग महीन सोना के समान कीमती देखलऽ जाय छै लेकिन माटी के घैल के तरह बेकार व्यवहार करलऽ जाय छै ।

1. दोसरक बाहरी रूपसँ ओकर न्याय नहि करू।

2. सबहक मूल्य ओकर औकातक हिसाब सँ दियौक, ओकर रूप-रंगक लेल नहि।

1. याकूब 2:1-4

2. मत्ती 7:1-5

यिर्मयाह 4:3 के विलाप समुद्रक राक्षस सभ सेहो अपन बच्चा सभ केँ स्तन निकालि दैत अछि, हमर लोकक बेटी जंगल मे शुतुरमुर्ग जकाँ क्रूर भ’ गेल अछि।

यहूदा के लोग एतना दुष्ट होय गेलऽ छै कि समुद्री राक्षस भी ओकरा सिनी सें बेसी परवाह करै वाला छै।

1. परमेश् वरक लोक केँ हुनकर प्रेम आ दयालुताक प्रतिबिंबित करबाक चाही

2. परमेश् वरक मार्ग केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

1. मत्ती 5:44-45, "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत छथि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ अपन पिताक पुत्र बनि जे अहाँ सभ स् वर्ग मे छथि।"

2. नीतिवचन 14:34, "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

यिर्मयाह 4:4 के विलाप दूध पिबैत बच्चाक जीह प्यासक कारणेँ ओकर मुँहक छत पर चिपकल रहैत छैक, छोट-छोट बच्चा सभ रोटी माँगैत छैक, मुदा ओकरा सभ केँ केओ नहि तोड़ैत छैक।

यरूशलेम के लोग जीवन के मूलभूत जरूरत स॑ वंचित होय गेलऽ छै ।

1. करुणा के आह्वान - जरूरतमंद स मुँह नहि मुड़बाक चाही बल्कि प्रेम आ दया स हाथ बढ़ेबाक चाही।

2. प्रार्थना के शक्ति - प्रार्थना परिवर्तन लाबय आ दोसर के जरूरत के पूरा करय के लेल एकटा प्रभावी उपकरण अछि।

1. याकूब 2:15-17 - जँ कोनो भाइ वा बहिन खराब कपड़ा पहिरने छथि आ नित्य भोजनक अभाव छथि, आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका सभ केँ कहैत छथि जे, “शांति सँ जाउ, गरम आ भरि जाउ, बिना हुनका शरीरक लेल आवश्यक वस्तु देने।” एकर की फायदा?

2. यशायाह 58:6-7 - की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन रोटी बाँटि क' बेघर गरीब केँ अपन घर मे आनब; जखन अहाँ नंगटे देखब तखन ओकरा झाँपि देब आ अपन मांस सँ नुकाबय लेल?

यिर्मयाह 4:5 के विलाप जे सभ नाजुक भोजन करैत छल, ओ सड़क पर उजाड़ भ’ गेल अछि, जे लाल रंग मे पलल-बढ़ल छल, ओ गोबर केँ गला लगा लैत अछि।

जे पहिने विशेषाधिकार प्राप्त आ सम्पन्न छलाह ओ आब निराधार आ गरीबी मे जीबि रहल छथि ।

1. भगवान् ककरो सामाजिक स्थिति वा धन सँ प्रभावित नहि होइत छथि आ जे हुनकर नजरि मे अपन स्थान बिसरि जाइत छथि हुनका विनम्र करताह ।

2. कोनो व्यक्तिक औकातक असली मापदंड ओकर आर्थिक वा सामाजिक स्थिति नहि, अपितु भगवान् पर ओकर विश्वास आ सेवा होइत छैक |

1. नीतिवचन 22:2 - अमीर आ गरीब मे ई समानता अछि जे प्रभु ओकर सभक निर्माता छथि।

2. याकूब 2:1-4 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी, कोनो पक्षपात नहि करू। जँ सोनाक अंगूठी आ नीक वस्त्र पहिरने लोक अहाँक सभा मे आबि जायत, आ जर्जर वस्त्र पहिरने गरीब सेहो भीतर आबि जायत, आ नीक वस्त्र पहिरनिहार पर ध्यान देब आ कहब जे अहाँ एतय नीक जगह पर बैसल छी, जखन कि अहाँ सभ बेचारा केँ कहैत छी जे,

अहाँ ओम्हर ठाढ़ भ' जाउ, वा, हमर पएर पर बैसू, तखन की अहाँ सभ आपस मे भेद नहि क' क' दुष्ट विचार सँ न्यायाधीश नहि बनि गेलहुँ?

यिर्मयाह 4:6 क विलाप किएक तँ हमर प्रजाक बेटीक अधर्मक दंड सदोमक पापक दंडसँ पैघ अछि जे क्षण भरि जकाँ उखाड़ि देल गेल छल आ ओकरा पर कोनो हाथ नहि रुकल।

यहूदा के लोगऽ के सजा सदोम के पाप के सजा स॑ भी अधिक छै, जे पल भर में नष्ट होय गेलै आरू ओकरा पर हाथ भी नै डाललऽ गेलै।

1. परमेश् वरक क्रोध अपरिहार्य अछि - सदोम आ यहूदाक मामला मे पापक परिणामक खोज करब

2. परमेश् वरक अनन्त प्रेम - अपन अपराधक बादो हुनकर दया आ धैर्य केँ बुझब

1. इजकिएल 16:49-50 - देखू, अहाँक बहिन सदोमक ई अधर्म छल, घमंड, रोटीक भरमार आ आलस्यक प्रचुरता हुनका आ हुनकर बेटी सभ मे छल, आ ने ओ गरीब आ गरीबक हाथ केँ मजबूत केलनि। ओ सभ घमंडी छल आ हमरा सोझाँ घृणित काज करैत छल।

2. रोमियो 11:22 - तेँ देखू परमेश् वरक भलाई आ कठोरता। मुदा जँ अहाँ हुनकर भलाई मे रहब तँ अहाँक प्रति भलाई।

यिर्मयाह 4:7 क विलाप हुनकर नासरी बर्फ सँ शुद्ध छल, दूध सँ उज्जर छल, माणिक सँ बेसी लाल छल, ओकर चमक नीलमणि छल।

नासरी लोकनिक सुन्दरता अतुलनीय छल, जे कीमती पाथर सँ सेहो आगू छल।

1. परमेश् वरक लोक हुनक सौन्दर्य आ महिमाक प्रतिबिंब अछि।

2. हमरा सभ केँ परमेश्वरक पवित्रता केँ दर्शाबैत अपना केँ शुद्ध आ निर्दोष रखबाक प्रयास करबाक चाही।

1. भजन 45:11 - "तहिना राजा अहाँक सौन्दर्यक बहुत इच्छा करताह, कारण ओ अहाँक प्रभु छथि; आ अहाँ हुनकर आराधना करू।"

2. इफिसियों 5:25-27 - "पति सभ, अहाँ सभ अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह सेहो मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि; जाहि सँ ओ वचन द्वारा पानि सँ धो क' ओकरा पवित्र आ शुद्ध क' सकथि, जाहि सँ ओ उपस्थित भ' सकथि।" ई अपना लेल एकटा गौरवशाली मण् डली, जाहि मे दाग वा शिकन वा एहन कोनो चीज नहि हो, मुदा पवित्र आ निर्दोष हो।”

यिर्मयाह 4:8 के विलाप हुनका लोकनिक चेहरा कोयला सँ कारी अछि; गली-गली मे नहि चिन्हल जाइत छैक, ओकर चाम हड्डी सँ चिपकल रहैत छैक। मुरझा गेल अछि, लाठी जकाँ भ' गेल अछि।

यरूशलेम के लोग निराश छेलै आरो ओकरोॅ चमड़ी मुरझा गेलऽ छेलै।

1. निराशाक बीच भगवान हमरा सभक संग छथि

2. प्रभु पर आशा, तखनो जखन सब किछु हेरायल देखाइत हो

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

यिर्मयाह 4:9 के विलाप तलवार सँ मारल गेल लोक भूख सँ मारल गेल लोक सँ नीक अछि, कारण ई सभ खेतक फलक अभाव मे मारल गेल पाइन सभ अछि।

तलवार सॅं मारल गेल लोकक स्थिति भूख सॅं मारल गेल लोक सॅं नीक होइत छैक, कारण बादक लोक भोजनक अभाव मे धीरे-धीरे बर्बाद भ' जाइत छैक ।

1. भूखक त्रासदी: खाद्य सुरक्षाक आवश्यकता केँ बुझब

2. मृत्युक महत्व: एकटा तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य

1. भजन 33:18-19 - देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर अडिग प्रेम मे आशा रखैत छथि, जे हुनकर प्राण केँ मृत्यु सँ मुक्त करथि आ हुनका सभ केँ अकाल मे जीवित राखथि।

2. मत्ती 5:4 - धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।

यिर्मयाह 4:10 के विलाप करुणामय स् त्री सभक हाथ अपन संतान केँ भीजा देने अछि, ओ सभ हमर लोकक बेटीक विनाश मे हुनकर सभक भोजन छल।

यरूशलेम केरऽ करुण महिला सिनी न॑ शहर केरऽ विनाश के बीच नरभक्षण के सहारा लेल॑ छै ।

1. युद्धक पीड़ा: हताश समय कोना हताश उपाय दिस ल' जाइत अछि

2. अकल्पनीय शोक: युद्धक दुखद परिणाम

1. यशायाह 49:15 - की स्त्री अपन दूध पिबैत बच्चा केँ बिसरि सकैत अछि जे ओकरा अपन कोखक बेटा पर कोनो दया नहि हो? ईहो बिसरि सकैत अछि, तैयो हम अहाँकेँ नहि बिसरब।

2. अय्यूब 24:7 - ओ सभ नंगटे केँ बिना कपड़ाक ठहराबैत छथि, जे जाड़ मे ओकरा कोनो आवरण नहि होइत छैक।

यिर्मयाह 4:11 के विलाप प्रभु अपन क्रोध पूरा क’ देलनि। ओ अपन प्रचंड क्रोध उझलि देलक आ सिय्योन मे आगि जरा देलक आ ओकर नींव सभ केँ भस्म क' देलक।

प्रभु सिय्योन पर अपन क्रोध छोड़ि देलनि, आ ओ ओकर नींव केँ नष्ट क' देलक।

1. परमेश् वरक क्रोध: जखन हम सभ हुनकर प्रेम केँ अस्वीकार करैत छी

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

1. यशायाह 9:19 - सेना सभक प्रभुक क्रोधक कारणेँ देश अन्हार भ’ गेल अछि, आ लोक आगि केर ईंधन जकाँ भ’ जायत।

2. इजकिएल 15:7 - आ हम हुनका सभक विरुद्ध मुँह ठाढ़ करब। एक आगि मे सँ बुझि जायत आ दोसर आगि ओकरा सभ केँ भस्म क’ देत। जखन हम हुनका सभक विरुद्ध मुँह करब तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।”

यिर्मयाह 4:12 के विलाप पृथ्वी के राजा आ दुनिया के सब निवासी के ई विश्वास नै होतै कि शत्रु आरू शत्रु यरूशलेम के फाटक में प्रवेश करी सकै छेलै।

यरूशलेम पर ओकरऽ दुश्मनऽ के आक्रमण होय गेलै, जे तथ्य एतना अविश्वसनीय छेलै कि पृथ्वी के राजा सिनी भी चौंक गेलै ।

1. संकट के समय में भगवान के रक्षा

2. प्रतिकूलताक सामना करैत विश्वासक ताकत

1. भजन 91:2 - "हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि: हमर परमेश् वर; हम हुनका पर भरोसा करब।"

1301

2. यशायाह 59:19 - "जखन शत्रु बाढ़ि जकाँ आबि जायत तखन प्रभुक आत् मा ओकरा विरुद्ध झंडा उठौताह।"

यिर्मयाह 4:13 क विलाप हुनकर भविष्यवक्ता सभक पाप आ पुरोहित सभक अधर्मक कारणेँ जे हुनका बीच मे धर्मी लोकक खून बहौलनि।

ई अंश भविष्यवक्ता आरू पुरोहितऽ के पाप आरू अधर्म के बात करै छै, जे धर्मी लोगऽ के निर्दोष खून बहाय देल॑ छै ।

1. पाप के परिणाम: न्यायी के खून

2. अधर्मक खतरा: निर्दोष खून बहब

1. इजकिएल 22:27-29 - ओकर भविष्यवक्ता सभ ओकरा सभ केँ व्यर्थता देखि, आ ओकरा सभ केँ झूठक भविष्यवाणी करैत ओकरा सभ केँ अशुद्ध मोर्टार सँ रंगि कऽ कहलक जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि, जखन कि परमेश् वर नहि बाजल छथि।”

2. नीतिवचन 6:17-19 - घमंडी नजरि, झूठ बाजैत जीह, आ हाथ जे निर्दोष खून बहबैत छल।

यिर्मयाह 4:14 के विलाप ओ सभ आन्हर जकाँ सड़क पर भटकल अछि, खून सँ अपना केँ दूषित क’ लेलक, जाहि सँ लोक ओकर वस्त्र केँ नहि छुबि सकल।

यरूशलेमक लोक सभ भटकल अछि आ पाप सँ भरि गेल अछि, जाहि सँ अशुद्ध भ' गेल अछि।

1: भगवान् हमरा सभ केँ धर्मक मार्ग पर रहबाक लेल बजबैत छथि, ओहो पाप आ भ्रष्टाचारक संस्कृतिक बीच।

2: भगवानक समक्ष शुद्ध आ निर्मल रहबाक चाही, ओहो तखन जखन हमरा सभक आसपासक संसार नैतिक क्षय मे पड़ि जाय।

1: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

2: 1 पत्रुस 1:14-16 - आज्ञाकारी बच्चाक रूप मे, जखन अहाँ सभ अज्ञानता मे रहैत छलहुँ तखन अहाँ सभक ओहि दुष्ट इच्छा सभक अनुरूप नहि रहू। मुदा जहिना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तहिना अहाँ सभक सभ काज मे पवित्र रहू। किएक तँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “पवित्र रहू, किएक तँ हम पवित्र छी।”

यिर्मयाह 4:15 क विलाप ओ सभ हुनका सभ केँ पुकारलनि, “अहाँ सभ चलि जाउ। अशुद्ध अछि। जाउ, जाउ, छुउ नहि, जखन ओ सभ भागि कऽ भटकल तँ ओ सभ जाति-जाति सभक बीच कहलक जे, “ओ सभ आब ओतऽ नहि रहत।”

इस्राएलक लोक सभ केँ अपन मातृभूमि सँ निर्वासित कयल गेल आ जाति-जाति मे छिड़ियाओल गेल, ओकरा चेतावनी देल गेल जे वापस नहि आबि जाय।

1. निर्वासनक शक्ति: अविश्वासक परिणाम बुझब

2. भटकैत लोक: निर्वासन मे ताकत भेटब

1. यशायाह 43:1-7 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोक सभ केँ निर्वासन मे कहियो नहि बिसरताह

2. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक चेतावनी जे हुनकर आज्ञाक आज्ञा नहि मानैत छथि।

यिर्मयाह 4:16 परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ केँ बाँटि देने छथि। आब ओ ओकरा सभ केँ नहि मानत: ओ सभ पुरोहित सभक व्यक्तिक आदर नहि केलक, ओ सभ बुजुर्ग सभक अनुग्रह नहि केलक।

1302

भगवान् के क्रोध के कारण जनता में विभाजन भ गेल अछि आ ओ सब पुरोहित आ बुजुर्ग के सम्मान में कोताही केने अछि।

1. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम: विभाजित समुदाय

2. परमेश् वरक क्रोध न्यायसंगत अछि: हुनकर स्थापित अधिकारक आदर करू

1. इब्रानी 13:17 - अपन नेता सभक आज्ञा मानू आ हुनका सभक अधीन रहू, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभक प्राण पर नजरि रखैत छथि, जेना हुनका सभ केँ हिसाब देबऽ पड़तनि।

2. इफिसियों 6:1-3 - बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, कारण ई ठीक अछि। अपन पिता-माँ के आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि एहि प्रतिज्ञा के संग जे अहाँ के नीक लागय आ अहाँ पृथ्वी पर दीर्घायु के आनंद लिय।

यिर्मयाह 4:17 के विलाप हमरा सभक लेल, हमर सभक नजरि एखन धरि अपन व्यर्थ सहायताक लेल विफल भ’ गेल अछि, हम सभ अपन नजरि मे एहन जाति केँ देखैत छी जे हमरा सभ केँ नहि बचा सकल।

यहूदा के लोग व्यर्थ में देखतें रहलै कि कोय जाति ओकरा सिनी के मदद करै, लेकिन ओकरा सिनी कॅ उद्धार नै मिललै।

1. संकट के समय में भगवान के निष्ठा

2. कोनो राष्ट्र मात्र ओतबे मजबूत होइत अछि जतेक ओकर लोक

1. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध जे कोनो शस्त्र बनल अछि से सफल नहि होयत। आ जे कोनो भाषा अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई प्रभुक सेवक सभक उत्तराधिकार अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि। प्रभु कहैत छथि।”

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

यिर्मयाह 4:18 के विलाप ओ सभ हमरा सभक डेगक शिकार करैत अछि जे हम सभ अपन गली-गली मे नहि जा सकैत छी, हमर सभक अंत नजदीक आबि गेल अछि, हमर सभक दिन पूरा भ’ गेल अछि। किएक तँ हमर सभक अंत आबि गेल अछि।

हमर सभक दिन क्षणिक अछि आ हमर सभक अंत नजदीक अछि।

1. शाश्वत परिप्रेक्ष्यक संग जीब

2. जीवनक क्षणिकता केँ आत्मसात करब

1. इब्रानी 9:27 - किएक तँ मनुष् यक एक बेर मरब निर्धारित अछि, मुदा तकर बाद न्याय।

2. उपदेशक 3:1-2 - स्वर्गक नीचाँ सभ वस्तुक एकटा समय होइत छैक, आ सभ काजक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक।

यिर्मयाह 4:19 के विलाप हमरा सभक सताबय वाला सभ स् वर्गक गरुड़ सभ सँ बेसी तेज अछि, ओ सभ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ पहाड़ पर चलैत रहल, जंगल मे हमरा सभक प्रतीक्षा कयलक।

हमर दुश्मन शक्तिशाली आ अथक अछि।

1: जीवनक परीक्षाक बादो हमरा सभकेँ अपन विश्वासमे अडिग रहबाक चाही।

2: विपत्तिक सामना करैत निराशा मे हार नहि मानब।

1: यशायाह 40:31 "मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"
1303

2: याकूब 1:2-4 "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। धैर्य अपन काज पूरा करू जाहि सँ अहाँ सभ परिपक्व भ' सकब।" आ पूर्ण, कोनो चीजक कमी नहि।"

यिर्मयाह 4:20 के विलाप हमरा सभक नाकक छेद, जे परमेश् वरक अभिषिक्त छलाह, हुनका सभक गड्ढा मे फँसि गेलाह, जिनका बारे मे हम सभ कहैत छलहुँ जे, “हम सभ हुनकर छाया मे रहब।”

प्रभु के अभिषिक्त के हमरा सब स एकटा गड्ढा में छीन लेल गेल। हम सभ सोचलहुँ जे हुनकर संरक्षण मे विधर्मी लोकनिक बीच रहि सकैत छी ।

1: हमरा सभकेँ प्रभुक प्रति वफादार रहबाक चाही, ओहो निराशाक सामना करैत।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक रक्षा आ प्रावधान पर भरोसा करबाक चाही, ई भरोसा जे ओ कठिन समयक बीच सेहो हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: यशायाह 43:2, जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2: दानियल 3:17, जँ एहन अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ धधकैत आगि केर भट्ठी सँ मुक्त क’ सकैत छथि। ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।

यिर्मयाह 4:21 के विलाप, हे उज देश मे रहनिहार एदोमक बेटी, आनन्दित रहू आ आनन्दित रहू।
प्याला सेहो तोरा लग पहुँचत।

एदोमक बेटी केँ आनन्दित आ आनन्दित हेबाक चाही, किएक तँ ओकरा परमेश् वरक न्यायक प्याला मे अपन हिस्सा भेटतैक।

1. परमेश् वरक न्याय सभ जाति पर पड़त

2. प्रभुक न्यायक बादो हुनका मे आनन्दित रहू

1. यशायाह 51:17-18 - हे यरूशलेम, जे प्रभुक हाथ सँ हुनकर क्रोधक प्याला पीने छी, जागू, जागू, उठू। अहाँ काँपैत प्याला के मल पीबि कऽ ओकरा निचोड़ि कऽ निकालि लेलहुँ।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

यिर्मयाह 4:22 के विलाप, हे सियोन के बेटी, तोहर अधर्म के सजा पूरा भ’ गेलै। ओ अहाँ केँ आब बंदी मे नहि लऽ जायत। ओ तोहर पापक खोज करत।

परमेश् वर सिय्योन के लोग सिनी कॅ ओकरो अधर्म के सजा द॑ रहलऽ छै आरू ओकरा सिनी कॅ बंदी में नै लेतै, बल्कि ओकरोॅ बदला में ओकरोॅ पाप के प्रकटीकरण करतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: विलाप 4:22 पर एक नजरि

2. सिय्योन के दंड स सीखब: परमेश् वर के न्यायपूर्ण न्याय

1. इजकिएल 16:59-63 - परमेश् वरक अपन लोक सभक मूर्तिपूजा आ आज्ञा नहि मानलाक बादो ओकर न्याय।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी आ आज्ञा नहि मानबाक परिणाम।

यिर्मयाह अध्याय 5 के विलाप एकटा प्रार्थना के विलाप छै जे राष्ट्र के पाप के परिणाम के स्वीकार करै छै आरू परमेश्वर स पुनर्स्थापन आरू दया के लेलऽ अपील करै छै। ई भगवान केरऽ संप्रभुता आरू हुनका पर निर्भरता क॑ पहचानी क॑ लोगऽ के निराशा आरू अपमान क॑ व्यक्त करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत लोक के हताशा आ भगवान के ध्यान के लेल ओकर पुकार के अभिव्यक्ति स होइत अछि | अपन पूर्व वैभव आ वर्तमान अपमान आ दुखक स्थिति केँ स्वीकार करैत छथि | अध्याय में हुनकऽ विरासत के नुकसान आरू विदेशी लोगऽ स॑ हुनका सिनी के सामने आबै वाला अत्याचार पर जोर देलऽ गेलऽ छै (विलाप ५:१-१८)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय में राष्ट्र के पाप के परिणाम आ बाद में भूमि के विनाश पर चिंतन कयल गेल अछि | ई परमेश्वर के खिलाफ हुनकऽ विद्रोह आरू हुनकऽ भविष्यवक्ता सिनी के बात नै मानला के स्वीकार करै छै । अध्याय परमेश्वर स’ पुनर्स्थापन के लेल अपील करैत अछि, हुनकर सार्वभौमिकता आ हुनका पर हुनकर पूर्ण निर्भरता के पहचानैत अछि (विलाप 5:19-22)।

संक्षेप मे, २.
यिर्मयाह अध्याय पाँच के विलाप प्रकट करैत अछि
प्रार्थनापूर्ण विलाप आ परिणामक स्वीकृति, २.
भगवान के संप्रभुता के बहाली आ मान्यता के अपील।

हताशाक अभिव्यक्ति आ भगवानक ध्यान लेल पुकार।
राष्ट्र के पाप के परिणाम पर चिंतन आ पुनर्स्थापन के अपील।

यिर्मयाह के विलाप के ई अध्याय एकटा प्रार्थना के विलाप छै जे राष्ट्र के पाप के परिणाम के स्वीकार करै छै आरू परमेश्वर के पास पुनर्स्थापन आरू दया के अपील करै छै। एकरऽ शुरुआत लोगऽ के हताशा आरू भगवान केरऽ ध्यान लेली ओकरऽ पुकार के अभिव्यक्ति स॑ होय छै । अपन पूर्व वैभव आ वर्तमान अपमान आ दुखक स्थिति केँ स्वीकार करैत छथि | अध्याय में हुनकऽ विरासत के नुकसान आरू विदेशी के तरफऽ स॑ हुनका पर जे अत्याचार के सामना करना पड़ै छै, ओकरा पर जोर देलऽ गेलऽ छै । तखन अध्याय मे राष्ट्रक पापक परिणाम आ तकर बाद भूमिक विनाश पर चिंतन कयल गेल अछि | ई परमेश्वर के खिलाफ हुनकऽ विद्रोह आरू हुनकऽ भविष्यवक्ता सिनी के बात नै मानला के स्वीकार करै छै । अध्याय भगवान स॑ बहाली के अपील करै छै, हुनकऽ संप्रभुता आरू हुनका पर हुनकऽ पूर्ण निर्भरता क॑ पहचानी क॑ । अध्याय प्रार्थना के विलाप आरू परिणाम के स्वीकार के साथ-साथ परमेश्वर के संप्रभुता के बहाली आरू मान्यता के अपील पर केंद्रित छै ।

यिर्मयाह 5:1 के विलाप, हे प्रभु, हमरा सभ पर की आयल अछि, से मोन राखू।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ निहोरा कऽ रहल छथि जे हुनकर लोक सभक संग जे किछु भेल अछि से मोन राखथि आ हुनका सभक निन्दा पर विचार करथि।

1. भगवान् के प्रति विलाप करबाक शक्ति: कठिन समय मे पिता सँ कोना जुड़ब

2. प्रभु पर विश्वास के द्वारा अपमान पर विजय प्राप्त करब

1. भजन 51:17 - "परमेश् वरक बलिदान टूटल आत् मा अछि; टूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।"

2. यशायाह 43:25 - "हम, हम ओ छी जे हमर लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, आ हम अहाँक पापक स्मरण नहि करब।"

यिर्मयाह 5:2 के विलाप हमर सभक उत्तराधिकार परदेशी मे बदलि गेल अछि, हमर घर परदेशी मे बदलि गेल अछि।

इस्राएल राष्ट्र केरऽ विरासत खतम होय गेलऽ छै आरू ओकरऽ घरऽ क॑ पराया लोगऽ न॑ छीनी लेल॑ छै ।

1. दुख आ हानि के समय में भगवान के निष्ठा

2. हमरा सभ लग जे आशीर्वाद भेटैत अछि ताहि लेल धन्यवाद देबाक महत्व, चाहे ओ कतबो छोट हो

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

यिर्मयाह 5:3 के विलाप हम सभ अनाथ आ पिताहीन छी, हमर माय विधवा जकाँ छथि।

यहूदा के लोग संकट आरू निराशा के हालत में छै, जेकरा में ओकरो देखभाल करै लेली माता-पिता या अभिभावक नै छै।

1. "यहूदाक विधवा सभ: आवश्यकताक समय मे प्रभु पर भरोसा करब"।

2. "संघर्ष के समय में भगवान के प्रावधान: विलाप स सबक"।

1. भजन 68:5-6 अनाथ सभक पिता, विधवा सभक रक्षक, परमेश् वर अपन पवित्र निवास मे छथि। भगवान असगर केँ परिवार मे सेट करैत छथि, कैदी केँ गायन सँ बाहर निकालैत छथि;

2. यशायाह 54:5 किएक तँ अहाँक निर्माता अहाँक पति छथि, सेना सभक प्रभु हुनकर नाम छथि। आ इस्राएलक पवित्र परमेश् वर अहाँक उद्धारकर्ता छथि, जे समस्त पृथ्वीक परमेश् वर कहल गेल छथि।

यिर्मयाह 5:4 के विलाप हम सभ पाइक लेल अपन पानि पीने छी। हमर लकड़ी हमरा सभकेँ बिका जाइत अछि।

यहूदा के लोग पानि आ जलाऊ लकड़ी के लेल पैसा देबय लेल मजबूर भ गेल अछि।

1. त्यागक मूल्य - हम सभ अपन सपना आ इच्छाक पाछाँ कतेक दूर धरि जेबाक लेल तैयार छी?

2. कठिनाइक सामना करैत दृढ़ता - जीवन कतबो कठिन भ' जाय, आशा नहि छोड़ू।

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

यिर्मयाह 5:5 के विलाप हमरा सभक गर्दन सताओल गेल अछि, हम सभ मेहनत करैत छी, मुदा आराम नहि भेटैत अछि।

यहूदा के लोग सताबै के कारण कष्ट उठाबै छै, जेकरा आपनो मेहनत सॅ कोनो आराम नै मिलै छै।

1. उत्पीड़नक शक्ति: जखन चलब कठिन भ' जाइत अछि तखन दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

2. उत्पीड़नक सामना करैत सहनशक्ति: कठिनाइक बीच आराम भेटब

1. रोमियो 5:3-4 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे सेहो घमंड करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

2. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, चूँकि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ आउ, जे किछु बाधा उत्पन्न करैत अछि आ जे पाप एतेक सहजता सँ ओझरा जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक। आरू

1306

हम्में दृढ़ता के साथ दौड़ै छियै जे हमरा सिनी लेली चिन्हित करलौ गेलौ छै, विश्वास के अग्रणी आरू सिद्ध करै वाला यीशु पर नजर टिकै के।

यिर्मयाह 5:6 के विलाप हम सभ मिस्र आ अश्शूर सभ केँ रोटी सँ तृप्त होयबाक लेल हाथ द’ देलियैक।

हम भगवान् सँ मुँह मोड़ि क' अपन भरोसा सांसारिक शक्ति सभ पर द' देने छी।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे सांसारिक शक्ति पर नहि, भगवान पर भरोसा करी।

2: हमरा सभ केँ ई बूझबाक चाही जे भगवान् एकमात्र एहन व्यक्ति छथि जे सही मायने मे हमर सभक आवश्यकता केँ पूरा क' सकैत छथि।

1: यशायाह 40:31 मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: यिर्मयाह 17:7-8 धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा परमेश् वर अछि। ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे अपन जड़ि केँ नदीक कात मे पसारि दैत अछि, आ जखन गर्मी आबि जायत तखन नहि देखत, मुदा ओकर पात हरियर भ' जायत। आ रौदीक वर्ष मे सावधान नहि रहत आ ने फल देब छोड़त।

यिर्मयाह 5:7 के विलाप हमरा सभक पूर्वज पाप केने छथि, मुदा नहि क’ रहल छथि। आ हम सभ हुनका सभक अधर्म केँ सहने छी।

इस्राएल के लोग ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि ओकरऽ पूर्वज पाप करी चुकलऽ छै, आरू ओकरऽ अधर्म के परिणाम ओकरा सिनी के सामना करना पड़लऽ छै।

1: परमेश् वरक दया आ न्याय अनन्त अछि।

2: हमरा सभक पापक परिणामक दूरगामी प्रभाव पड़ैत अछि।

1: निकासी 34:7 - हजारों लोकक लेल दया राखब, अधर्म आ अपराध आ पाप केँ क्षमा करब, आ एहि सँ दोषी केँ कोनो तरहेँ शुद्ध नहि कयल जायत; तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि पिताक अधर्मक दोष बच्चा सभ पर आ संतान सभक संतान पर।

2: इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

यिर्मयाह 5:8 के विलाप हमरा सभ पर सेवक सभ राज करैत अछि, जे हमरा सभ केँ अपन हाथ सँ बचाबय वाला कियो नहि अछि।

इस्राएलक लोक सभ ओकर मालिक सभक द्वारा दबल गेल अछि, आ ओकरा सभ केँ कियो नहि बचा सकैत अछि।

1. मसीहक स्वतंत्रता: उत्पीड़ित लोकक लेल आशाक संदेश

2. कैद मे रहनिहार केँ मुक्त करबाक आह्वान

1. गलाती 5:1 - "मसीह हमरा सभ केँ स्वतंत्रताक लेल मुक्त कयलनि अछि। तेँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू, आओर अपना केँ फेर सँ गुलामीक जुआ मे नहि पड़य दियौक।"

2. यशायाह 61:1 - "सार्वभौम प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ प्रभु हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचारक प्रचार करब। ओ हमरा टुटल-फुटल हृदय केँ बान्हि देबाक लेल, बंदी सभ केँ स्वतंत्रताक घोषणा करबाक लेल आ मुक्त करबाक लेल पठौलनि।" कैदी सभक लेल अन्हार सँ।"

1307

यिर्मयाह 5:9 के विलाप हम सब जंगल के तलवार के कारण अपन जान के खतरा के संग अपन रोटी खाइत छी।

बुनियादी रोजी-रोटी सुरक्षित करय के चक्कर में हमरा सब के अपार खतरा के सामना करय पड़ि रहल अछि.

1: हमरा सभकेँ अपन आशीर्वादक कदर करब सीखबाक चाही आ ओकरा हल्का मे नहि लेब।

2: दोसर आ पैघ भलाई लेल बलिदान देबय लेल तैयार रहबाक चाही।

1: मत्ती 6:25-34 - यीशु हमरा सभ केँ चिंतित नहि करबाक आ परमेश् वर पर भरोसा करबाक सिखाबैत छथि।

2: फिलिप्पियों 2:3-4 - पौलुस हमरा सभ केँ विनम्रता आ निस्वार्थताक मनोवृत्ति रखबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

यिर्मयाह 5:10 के विलाप भयंकर अकाल के कारण हमर सभक त्वचा ओतनी जकाँ कारी भ’ गेल छल।

यहूदा के लोग सिनी कॅ एगो भयानक अकाल के अनुभव करलकै, जेकरा चलतें ओकरोॅ चमड़ी अन्हार होय गेलै आरो ओवन के तरह झुलसी गेलै।

1. दुखक समय मे दृढ़ताक शक्ति

2. विपत्ति मे विश्वासी जीवन जीबाक चुनौती

1. याकूब 1:2-3 "हे हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़य, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि।"

2. यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ जखन अहाँ नदी सभ सँ गुजरब तखन ओ अहाँ सभक ऊपर नहि बहत।"

यिर्मयाह 5:11 के विलाप ओ सभ सियोन मे महिला सभ केँ आ यहूदाक नगर सभ मे दासी सभ केँ मारि- पीट केलक।

सियोन आ यहूदाक लोक सभ एकटा शत्रु द्वारा लूटल गेल।

1. दुखक समय मे क्षमाक शक्ति

2. आशाक माध्यमे पीड़ा आ विपत्ति पर काबू करब

1. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराईक बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे जे उदात्त अछि, ताहि पर विचार करू। जँ संभव अछि तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सबहक संग शांतिपूर्वक रहू।

2. भजन 34:19 - धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा प्रभु ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

यिर्मयाह 5:12 क विलाप राजकुमार सभ केँ हाथ सँ लटका देल गेल अछि, बुजुर्ग सभक चेहरा पर आदर नहि कयल गेल।

यिर्मयाह राजकुमार आ बुजुर्ग सभक संग दुर्व्यवहारक विलाप करैत छथि, जिनका सभक आदर नहि होइत छलनि, बल्कि हाथ सँ लटकल छलनि।

1. "अपन बुजुर्ग के सम्मान"।

2. "अधिकार के सम्मान"।

1. नीतिवचन 20:29 - "युवक सभक महिमा ओकर बल होइत छैक, आ बुढ़-पुरान सभक सौन्दर्य धूसर माथ होइत छैक।"

2. इफिसियों 6:2 - "अपन पिता आ मायक आदर करू; जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि।"

यिर्मयाह 5:13 के विलाप ओ सभ युवक सभ केँ पीसय लेल लऽ गेल, आ बच्चा सभ लकड़ीक नीचाँ खसि पड़ल।

यिर्मयाह 5:13 के विलाप में युवक सब के काज पर ल गेल गेल आ बच्चा सब के लकड़ी के भारी भार उठाबय पड़ल।

1. दोसर के मदद करय के महत्व: बाइबिल के परिप्रेक्ष्य

2. हमरा सभ लग जे अछि ताहि लेल काज करब: विलापक परीक्षा 5:13

1. मत्ती 25:36-40 - हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा भोजन देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा पीबैत छलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमर स्वागत केलहुँ

2. याकूब 2:14-17 - जँ कोनो भाइ वा बहिन खराब कपड़ा पहिरने छथि आ रोजमर्राक भोजनक अभाव अछि, आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका कहैत छथि जे, “शांति सँ जाउ, तखन गरम आ पेट भरू।”

यिर्मयाह 5:14 के विलाप, बुजुर्ग सभ फाटक सँ रुकि गेल अछि, युवक सभ अपन संगीत सँ।

आब शहरक फाटक पर बुजुर्ग सभ नहि जमा होइत छथि, आ नवतुरिया सभ आब संगीत नहि बजबैत छथि।

1. कठिनाई के बीच आनन्द भेटब - विलाप 5:14 के आधार के रूप में उपयोग क चर्चा करब जे जखन बात कठिन हो तखनो हम सब कोना आनन्द पाबि सकैत छी।

2. समुदाय मनाबय के - विलाप 5:14 के आधार के रूप में उपयोग क अपन आसपास के समुदाय के मनाबय के महत्व पर चर्चा करब।

1. भजन 137:1-4 - अपन मातृभूमि केँ याद करबाक आ मनाबय के महत्व पर चर्चा करब, ओहो तखन जखन हम निर्वासन मे छी।

2. उपदेशक 3:4 - एहि विचार पर चर्चा करब जे सभ किछुक लेल समय होइत छैक, आओर ई बात हमरा सभक जीवन पर कोना लागू होइत छैक।

यिर्मयाह 5:15 के विलाप हमरा सभक हृदयक आनन्द समाप्त भ’ गेल अछि। हमर सबहक नाच शोक मे बदलि गेल अछि।

जनताक आनन्द आ सुखक स्थान शोक आ शोक ल' लेलक अछि ।

1. शोकपूर्ण परिस्थितिक बादो आनन्द केँ आत्मसात करब सीखब

2. शोकक बीच आशाक खोज

1. यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करय वाला के सान्त्वना देबय लेल, राख के बदला मे सुंदरता देबय लेल, शोक के बदला मे आनन्द के तेल देबय लेल, भारीपन के आत्मा के लेल स्तुति के वस्त्र देबय लेल; ताकि ओकरा सभ केँ धर्मक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

2. भजन 30:5 - कारण हुनकर क्रोध मात्र क्षण भरि लेल अछि, हुनकर अनुग्रह जीवनक लेल अछि; कानब एक राति धरि टिक सकैत अछि, मुदा आनन्द भोरे अबैत अछि।

यिर्मयाह 5:16 के विलाप हमरा सभक माथ सँ मुकुट खसि पड़ल अछि, हमरा सभक लेल हाय, जे हम सभ पाप कयलहुँ!

यहूदाक लोक सभ अपन पापक विलाप करैत अछि, ई जानि जे ओ सभ ओकर पतन के कारण बनल अछि।

1. "पाप के परिणाम"।

2. "मोक्षक मार्ग"।

1. इजकिएल 18:20-21 - "पाप करयवला आत्मा मरत। पुत्र पिताक अधर्मक कारणेँ कष्ट नहि भोगत, आ ने पिता केँ पुत्रक अधर्मक लेल कष्ट होयत। धर्मी लोकक धार्मिकता अपना पर रहत। आ दुष्टक दुष्टता अपना पर होयत।”

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

यिर्मयाह 5:17 के विलाप एहि लेल हमर सभक हृदय क्षीण भ’ गेल अछि। एहि बात सभक लेल हमरा सभक आँखि मंद भ’ गेल अछि।

यिर्मयाह के विलाप में यरूशलेम आरू ओकरऽ लोगऽ के विनाश के बारे में गहरा दुख आरू निराशा के वर्णन छै।

1. दुखक समय मे भगवानक आराम

2. त्रासदी स सीखब: दर्द स की फायदा भ सकैत अछि

1. रोमियो 8:28, "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।"

2. भजन 147:3, "ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।"

यिर्मयाह 5:18 के विलाप सियोन के पहाड़ के कारण जे उजाड़ अछि, लोमड़ी सब ओहि पर चलैत अछि।

सियोन पहाड़ उजाड़ अछि आ ओहि पर लोमड़ी चलैत देखल जा सकैत अछि।

1. उपेक्षा के परिणाम: सियोन के पहाड़

2. उजाड़क चित्र: सियोनक लोमड़ी

1. यशायाह 2:2-3 - अंतिम समय मे प्रभुक घरक पहाड़ सभ सँ ऊँच होयत, आ सभ जाति ओहि मे बहत।

3. भजन 84:7 - ओ सभ एक-एकटा ताकत सँ दोसर ताकत मे जाइत छथि, जाबत धरि प्रत्येक सियोन मे परमेश् वरक समक्ष नहि देखाइत छथि।

यिर्मयाह 5:19 के विलाप हे प्रभु, अहाँ अनन्त काल धरि रहैत छी। पीढ़ी दर पीढ़ी तोहर सिंहासन।

परमेश् वरक सिंहासन पीढ़ी-दर-पीढ़ी अनन्त अछि।

1. परमेश् वरक सिंहासन अनन्त अछि: यिर्मयाह 5:19 क विलाप पर एकटा अध्ययन

2. प्रेम के सहन करबाक शक्ति: यिर्मयाह 5:19 के विलाप के बुझब

1. भजन 48:14 - कारण ई परमेश् वर हमरा सभक परमेश् वर छथि, ओ मृत्यु धरि हमरा सभक मार्गदर्शक रहताह।

2. यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता प्रभु, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि? ओकर समझक कोनो खोज नहि होइत छैक।

यिर्मयाह 5:20 के विलाप अहाँ हमरा सभ केँ सदिखन किएक बिसरि जाइत छी आ एतेक दिन धरि हमरा सभ केँ छोड़ि दैत छी?

यिर्मयाह परमेश् वर द्वारा अपन लोक सभ केँ प्रतीत होमय बला परित्यागक विलाप करैत छथि, ई पूछैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभ केँ एतेक दिन सँ किएक बिसरि गेल छथि आ छोड़ि देलनि अछि।

1. जखन बात उदास बुझाइत अछि तखन भगवान पर विश्वास नहि छोड़ू - विलाप 5:20

2. परमेश् वरक निष्ठाक प्रकृति - विलाप 5:20

1. भजन 55:22 "अपन भार प्रभु पर राखू, ओ अहाँ केँ सहन करत। ओ कहियो धर्मी केँ नहि हिलब नहि देत।"

2. यशायाह 40:28-31 "की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि?...ओ शक्ति दैत छथि।" क्षीण लोक सभ केँ ओ शक्ति बढ़बैत अछि।जवान सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, आ युवक सभ एकदम खसि पड़त गरुड़, दौड़त, थाकि नहि जायत, चलत, बेहोश नहि होयत।”

यिर्मयाह 5:21 के विलाप, हे प्रभु, अहाँ हमरा सभ केँ अपन दिस घुमाउ, तखन हम सभ घुमि जायब। पुरान जकाँ हमर सभक दिन नवीनीकरण करू।

यिर्मयाह परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि हुनी अपनौ लोग सिनी कॅ हुनका पास वापस करी दै आरू ओकरो पुरानऽ दिन कॅ वापस करी दै।

1. भगवान् के दिव्य दया: हम भगवान् स नवीकरण कोना पाबि सकैत छी

2. पश्चाताप के शक्ति: संकट के समय में भगवान के पास वापस आना

1. रोमियो 10:12-13 - कारण यहूदी आ यूनानी मे कोनो भेद नहि अछि; कारण, वैह प्रभु सभक प्रभु छथि, जे हुनका पुकारनिहार सभ केँ अपन धन प्रदान करैत छथि। किएक तँ जे कियो प्रभुक नाम पुकारत, तकरा उद्धार भेटतैक।

2. योएल 2:12-13 - तइयो एखनहु, प्रभु कहैत छथि, अपन पूरा मोन सँ, उपवास, कानब आ शोक संग हमरा लग घुरि जाउ। आ अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर प्रभु लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। आ विपत्ति पर नम्र भ' जाइत अछि।

यिर्मयाह 5:22 के विलाप मुदा अहाँ हमरा सभ केँ एकदम अस्वीकार क’ देलहुँ। अहाँ हमरा सभ पर बहुत क्रोधित छी।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ अस्वीकार कऽ देने छथि आ हुनका सभ पर बहुत क्रोधित छथि।

1. पश्चाताप के आवश्यकता: हमर पापपूर्ण स्वभाव आ परमेश्वर के प्रतिक्रिया

2. अस्वीकृति के सामने भगवान के अटूट प्रेम

1. भजन 51:17 परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि, एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।

2. रोमियो 2:4 की अहाँ ओकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी। ई नहि जानि जे परमेश् वरक भलाई अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाइत अछि?

इजकिएल अध्याय 1 मे एकटा एहन दर्शनक वर्णन अछि जे भविष्यवक्ता इजकिएल केँ परमेश् वर सँ भेटैत अछि। एहि दर्शन मे इजकिएल केँ स्वर्गीय प्राणी आ एकटा दिव्य रथक शानदार प्रदर्शन देखबा मे अबैत छनि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के उत्तर स एकटा पैघ तूफानी हवा के देखबाक विवरण स होइत अछि। आंधी-तूफान के बीच ओकरा एकटा तेजस्वी प्रकाश आ चारि टा जीव-जन्तु देखाइ पड़ैत छैक जे मनुक्खक आकृति स मिलैत जुलैत अछि मुदा असाधारण विशेषता रखैत अछि । एहि प्राणी सभक चारि-चारि चेहरा आ चारि-चारि पाँखि होइत छैक, आ ई सभ तेजी सँ आ सामंजस्यपूर्वक चलैत अछि (इजकिएल 1:1-14)।

2nd पैराग्राफ: इजकिएल ईश्वरीय रथ के रूप के वर्णन करै छै, जेकरा "पहिया के भीतर पहिया" के नाम स॑ जानलऽ जाय छै । पहिया आँखि मे झाँपल रहैत अछि आ जीव-जन्तुक संग समन्वय सँ चलैत अछि । रथ के ऊपर इजकिएल एकटा आकाश के गवाह छै जे स्फटिक के गुंबद स मिलैत जुलैत अछि, जेकर संरचना सिंहासन सदृश अछि आ ओहि पर बैसल आकृति के समान अछि (इजकिएल 1:15-28)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय एक मे प्रकट होइत अछि
इजकिएल के स्वर्गीय प्राणी आ एकटा दिव्य रथ के दर्शन।

एकटा पैघ तूफानी हवा आ चारिटा जीवक उपस्थितिक लेखा-जोखा।
दिव्य रथ एवं सिंहासन पर आकृति का वर्णन |

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ एगो दर्शन के वर्णन करलऽ गेलऽ छै जे भविष्यवक्ता क॑ परमेश् वर स॑ मिलै छै । एकरऽ शुरुआत इजकिएल केरऽ ई विवरण स॑ होय छै कि उत्तर स॑ एगो बड़ऽ तूफानी हवा आबी रहलऽ देखलऽ गेलऽ छेलै आरू एक स॑ अधिक चेहरा आरू पंख वाला चारो असाधारण जीव के साक्षी बनलऽ छेलै । ई जीव सभ तेजीसँ आ सामंजस्यसँ चलैत अछि । एकरऽ बाद इजकिएल आगू बढ़ी क॑ ईश्वरीय रथ केरऽ रूप के वर्णन करै छै, जेकरा "पहिया के भीतर पहिया" के नाम स॑ जानलऽ जाय छै । पहिया आँखि मे झाँपल रहैत अछि आ जीव-जन्तुक संग समन्वय सँ चलैत अछि । रथ के ऊपर इजकिएल स्फटिक के गुंबद जैसनऽ आकाश के गवाह छै, जेकरऽ संरचना सिंहासन जैसनऽ छै आरू ओकरा पर बैठलऽ आकृति के उपमा छै । अध्याय इजकिएल के स्वर्गीय प्राणी आरू ईश्वरीय रथ के दर्शन पर केंद्रित छै।

इजकिएल 1:1 तीसम वर्ष मे, चारिम मास मे, मासक पाँचम दिन, जखन हम केबर नदीक कात मे बंदी सभ मे छलहुँ, तखन आकाश खुजि गेल आ हम दर्शन देखलहुँ ईश्वर.

इजकिएल के तीसम वर्ष मे चारिम मासक पाँचम दिन जखन ओ कबर नदीक कात मे बंदी मे बैसल छलाह तखन हुनका परमेश् वरक दर्शन देखलनि।

1. विश्वास के शक्ति: इजकिएल के दर्शन स सीखना

2. परमेश् वरक समय: तीस वर्षक निशानक महत्व

1. यशायाह 6:1-8 - यशायाह परमेश् वरक दर्शन अछि आ सेवाक लेल बजाओल गेल अछि

2. दानियल 10:4-10 - दानियल केँ एकटा स्वर्गदूतक दर्शन भेलनि आ विश्वास मे मजबूती भेटैत छथि

इजकिएल 1:2 ओहि मासक पाँचम दिन, जे राजा यहोयाकीनक बंदीताक पाँचम वर्ष छल।

राजाक कैदक पाँचम वर्ष मे इजकिएल भविष्यवक्ता केँ भविष्यवाणी करबाक लेल बजाओल गेल छल |

1: भगवानक समय सदिखन एकदम सही रहैत अछि - कतबो समय लागय, ओ हमरा सभक लेल अपन योजना पूरा करताह।

2: हमरा सभक जीवन मे जे संघर्ष आ देरी होइत अछि ओकरा हमरा सभ केँ हतोत्साहित नहि होमय दियौक - भगवान काज मे छथि आ जे शुरू केने छथि से समाप्त क' देताह।

1: 2 कोरिन्थी 4:16-18 - तेँ हम सभ हिम्मत नहि छोड़ैत छी। भले बाहरी रूप स हम सब बर्बाद भ रहल छी, तइयो भीतर स दिन प्रतिदिन नवीनीकरण भ रहल छी। कारण, हमरऽ हल्का आरू क्षणिक परेशानी हमरा लेली एगो अनन्त महिमा प्राप्त करी रहलऽ छै जे ओकरा सब स॑ कहीं अधिक छै ।

2: [illegible] 8:28 - [illegible]

[illegible] 1:3 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 55:11 - [illegible]

2. [illegible] 119:9 - [illegible]

[illegible] 1:4 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] 40:31 - [illegible]

2. [illegible] 18:30 - [illegible]

[illegible] 1:5 [illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 40:22 - [illegible]

2. [illegible] 104:1-2 - [illegible]

[illegible] 1:6 [illegible]

[illegible] 1:6 [illegible]

1: [illegible]

2: [illegible]

1: यशायाह 40:31 "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2: भजन 91:4 "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँक पाँखिक नीचाँ अहाँ भरोसा करब। ओकर सत्य अहाँक ढाल आ बकरी होयत।"

इजकिएल 1:7 हुनकर सभक पएर सोझ पैर छल। ओकर सभक पएरक तलवा बछड़ाक पैरक तलवा जकाँ छलैक आ ओ सभ चमकैत पीतल जकाँ चमकैत छलैक।

इजकिएल के दर्शन में जे जीव-जन्तु के पैर सोझ छेलै आरो बछड़ा के खुर सें मिलै छेलै, आरो पालिश करलोॅ कांसा के तरह चमकै छेलै।

1. भगवान् के साथ चलना सीखना

2. मसीहक पालन करबाक तेजस्वीता

२ जे व्यवस्था करऽ में असमर्थ छेलै, कैन्हेंकि ओकरा शरीर के द्वारा कमजोर करलऽ गेलऽ छेलै, परमेश् वर पापबलि के रूप में पापपूर्ण मांस के उपमा में अपनऽ ही बेटा के भेजलकै धर्म-नियम हमरा सभ मे पूर्ण रूपेण पूरा भ’ सकैत अछि, जे शरीरक अनुसार नहि, बल् कि आत् माक अनुसार जीबैत छी।”

2. इब्रानी 12:1-2 - "तेँ, जखन कि हम सभ गवाह सभक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल छी, तेँ सभ किछु बाधा आ पाप जे एतेक सहजता सँ उलझि जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक। आ हम सभ ओहि दौड़ केँ धैर्यपूर्वक दौड़ू।" हमरा सभ केँ, विश्वासक अग्रणी आ सिद्ध करयवला यीशु पर नजरि गड़ौने। हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक लेल ओ क्रूस केँ सहलनि, ओकर लाज केँ तिरस्कार करैत, आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसलाह।"

इजकिएल 1:8 हुनका सभक चारू कात पाँखिक नीचाँ एकटा आदमीक हाथ छलनि। चारू गोटेक मुँह आ पाँखि छलनि।

पाँखि आ मनुक्खक हाथ बला चारि टा प्राणी, प्रत्येकक मुँह अलग-अलग, भगवानक सिंहासन केँ घेरने छल |

1. भगवान् के महिमा: हुनक पवित्रता के प्रकटीकरण

2. शास्त्र मे प्रतीकवादक शक्ति

1. यशायाह 6:1-3

2. प्रकाशितवाक्य 4:6-8

इजकिएल 1:9 हुनका लोकनिक पाँखि एक दोसरा सँ जुड़ल छलनि। जाइत काल ओ सभ नहि घुमल। एक-एकटा सोझे आगू बढ़ि गेलाह।

चारि जीवक पाँखि एक दोसरासँ जोड़ल गेल आ ओ सभ बिना घुमने आगू बढ़ि गेल।

1. एकता के शक्ति: एक संग काज करब हमरा सब के अपन लक्ष्य तक पहुंचय में कोना मदद क सकैत अछि

2. परमेश् वरक तरीका पर भरोसा करब: बिना कोनो प्रश्नक हुनकर योजनाक पालन किएक करबाक चाही

1. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

2. इब्रानी 12:1 - तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ सभ किछु बाधा आ पाप जे एतेक सहजता सँ ओझरा जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक, आ अपना सभक लेल निर्धारित दौड़ केँ दृढ़ता सँ दौड़ू।

इजकिएल 1:10 जँ हुनका सभक चेहराक उपमा छलनि तँ चारू गोटेक दहिना कात मनुक्खक मुँह आ सिंहक मुँह छलनि। चारू गोटेक मुँह सेहो गरुड़ जकाँ छलनि।

इजकिएल चारिटा प्राणी देखलनि जे मनुक्ख, सिंह, बैल आ गरुड़ जकाँ छल।

1. कल्पनाक शक्ति: इजकिएलक दृष्टिक अन्वेषण

2. जीवित प्रतीक: इजकिएल के चारि चेहरा स सीखब

1. उत्पत्ति 1:26-28 - परमेश् वर कहलथिन, “आउ, हम सभ अपन प्रतिरूप मे मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनाबी...

2. प्रकाशितवाक्य 4:6-7 - सिंहासनक आगू स्फटिक सन काँच समुद्र छल, आ सिंहासनक बीच आ सिंहासनक चारू कात आगू आ पाछू आँखि सँ भरल चारिटा प्राणी छल।

इजकिएल 1:11 हुनका लोकनिक मुँह एहि तरहेँ छलनि, आ पाँखि ऊपर दिस पसारि गेल छलनि।
प्रत्येकक दू टा पाँखि एक दोसरा सँ जुड़ल छल आ दू टा पाँखि अपन देह केँ झाँपि देने छल।

इजकिएल चारिटा प्राणीक दर्शनक वर्णन करैत छथि, जाहि मे प्रत्येक प्राणीक चारिटा मुँह आ चारिटा पाँखि अछि।

1. "सृष्टि के एकता: भगवान आ एक दोसरा स जुड़बाक चयन"।

2. "पवित्रताक सौन्दर्य: रोजमर्राक जीवनक माध्यमे स्वर्ग धरि पहुँचब"।

1. भजन 150:2 - "ओकर पराक्रमक स्तुति करू; ओकर उत्तम महानताक अनुसार ओकर स्तुति करू!"

2. फिलिप्पियों 2:2-3 - "एकहि विचारक, एकहि प्रेमक संग, पूर्ण विचार आ एक विचारक रहि हमर आनन्द केँ पूरा करू। स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, मुदा विनम्रता मे दोसर केँ बेसी महत्वपूर्ण मानू।" अपने सभ।"

इजकिएल 1:12 ओ सभ एक-एक गोटे सोझे आगू बढ़लाह। ओ सभ जाइत काल नहि घुमल।

इजकिएल 1:12 मे लोक सभ आत् माक पाछाँ चलल आ नहि घुमल।

1: भगवान् हमरा सभक नेतृत्व करताह जँ हम सभ पालन करबाक लेल तैयार रहब।

2: हम पवित्र आत्मा पर भरोसा क सकैत छी जे ओ अपन कदम के मार्गदर्शन करत।

1: यशायाह 30:21 - अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस, अहाँक कान मे अहाँक पाछू एकटा आवाज सुनबा मे आओत जे ई बाट अछि। ओहि मे चलब।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 1:13 रहल बात जीव-जन्तु सभक रूप मे, ओकर रूप आगि मे जरैत कोयला जकाँ आ दीपक जकाँ छल। आगि तेज छल आ आगि मे सँ बिजली निकलल।

इजकिएल के दर्शन में जीव-जन्तु के रूप में आगि के कोयला आरू दीप के जरैतऽ रूप छेलै जे एम्हर-ओम्हर घूमै छेलै, जेकरा में सें तेज आगि आरो बिजली निकलै छेलै।

1. अदृश्य देखब: परमेश्वरक राज्यक शक्ति केँ बुझब

2. पवित्र आत्मा के अग्नि के घोषणा: इजकिएल में जीव के महत्व

1. प्रेरित 2:3-4 - "आगि जकाँ आगि जकाँ भाषा सभ प्रकट भेल आ ओ सभ एक-एकटा पर बैसल। ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल आ आत्माक अनुसार आन भाषा मे बाज’ लागल।” उच्चारण।"

2. दानियल 7:9-10 - "हम ताबत धरि देखैत रहलहुँ जाबत धरि सिंहासन सभ नीचाँ नहि खसा देल गेल, आ ओहि प्राचीन लोक बैसल रहलाह, जिनकर वस्त्र बर्फ जकाँ उज्जर छल आ माथक केश शुद्ध ऊन जकाँ छलनि। हुनकर सिंहासन ओहिना छलनि।" आगि के लौ आ ओकर पहिया जरैत आगि जकाँ।ओकरा सामने सँ एकटा आगि सन धार निकलि गेलै, हजारो हजार लोक ओकर सेवा केलक, आ दस हजार गुना दस हजार ओकरा सोझाँ ठाढ़ छलैक।

इजकिएल 1:14 जीव-जन्तु सभ दौड़ैत-दौड़ैत बिजलीक झिलमिलाहट जकाँ घुरि गेल।

इजकिएल चारिटा जीव-जन्तु देखलनि जे बिजलीक चमक जकाँ तेजीसँ चलैत छल।

1. भगवान् के सृष्टि के शक्ति

2. क्षण मे रहब

1. निर्गमन 19:16 - तेसर दिन भोरे गरजल आ बिजली आ पहाड़ पर एकटा मोट मेघ आ बहुत जोर सँ तुरहीक आवाज भेल।

2. यशायाह 30:30 - आ परमेश् वर हुनकर गौरवशाली आवाज सुनौताह, आ हुनकर बाँहि मे इजोत, अपन क्रोधक आक्रोश सँ, आ भस्म करयवला आगि केर लौ सँ, तितर-बितर आ आंधी-तूफान सँ देखाओत, आ ओला पाथर।

इजकिएल 1:15 जखन हम जीव-जन्तु सभ केँ देखैत छलहुँ, तखन देखू, पृथ्वी पर एकटा पहिया जीव-जन्तु सभक चारू कात, ओकर चारि मुँहक संग।

इजकिएल जीवित प्राणी सभक समीप जमीन पर चारि मुँह बला चक्का देखलनि।

1. जीवनक पहिया: इजकिएलक दृष्टिक अन्वेषण।

2. बाइबिल मे पहियाक प्रतीकात्मक शक्ति।

1. प्रकाशितवाक्य 4:6-8 सिंहासनक आगू स्फटिक सन काँच समुद्र छल, आ सिंहासनक बीच आ सिंहासनक चारू कात आगू आ पाछू आँखि सँ भरल चारिटा प्राणी छल। पहिल जानवर सिंह जकाँ छल, दोसर जानवर बछड़ा जकाँ, तेसर जानवरक मुँह मनुक्ख जकाँ छल, आ चारिम जानवर उड़ैत गरुड़ जकाँ छल।

2. दानियल 7:3 समुद्र सँ चारि टा पैघ-पैघ प्राणी ऊपर आबि गेल, जे एक-दोसर सँ भिन्न-भिन्न छल।

इजकिएल 1:16 पहिया आ ओकर काज बेरीक रंग जकाँ छल, चारू गोटेक एक समान छल, आ ओकर रूप आ काज चक्काक बीच मे चक्का जकाँ छल।

इजकिएल के दर्शन के पहिया बेरिल के समान छेलै आरू एकरऽ आकार आरू उद्देश्य भी एक जैसनऽ छेलै।

1: भगवानक दृष्टि अद्वितीय आ अप्रतिम अछि

2: हमरा सभक जिम्मेदारी अछि जे हम सभ भगवानक दृष्टिक पालन करी

1: यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: रोमियो 12:2 एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 1:17 जखन ओ सभ गेलाह तँ ओ सभ चारू कात चलि गेलाह।

इजकिएल 1:17 मे वर्णित प्राणी चारितरफा गठन मे चलैत छल आ हिलला पर घुमैत नहि छल।

1. चारि गुना मार्ग: इजकिएलक दृष्टिक महत्व केँ बुझब

2. ध्यान केंद्रित रहब: इजकिएल के दृष्टि हमरा सब के कोर्स में रहय के बारे में की सिखा सकैत अछि

1. नीतिवचन 4:25-27 - "अहाँक आँखि सोझे आगू दिस देखू, आ अहाँक नजरि सोझे सामने रहय। अपन पएरक बाट पर चिंतन करू; तखन अहाँक सभ बाट निश्चित भ' जायत। दहिना वा बामा दिस नहि मोड़ू।" ; अपन पैर बुराई सँ दूर करू।"

2. यशायाह 30:21 - "अहाँ सभक कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।"

इजकिएल 1:18 रहल बात ओकर सभक अंगूठी एतेक ऊँच छल जे ओ सभ भयावह छल। चारू कात चारू कात हुनका लोकनिक अंगूठी आँखि सँ भरल छलनि।

इजकिएल 1:18 मे देल गेल प्राणी सभक अंगूठी ऊँच आ भयावह दुनू छल, चारू कात आँखि छल।

1. भगवान् के प्राणी: महामहिम के प्रतिबिंब

2. भगवान् के योजना में दृष्टि की शक्ति

1. यशायाह 6:3 - "एकटा दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि। समस्त पृथ्वी हुनकर महिमा सँ भरल अछि।"

2. प्रकाशितवाक्य 4:8 - "आ चारू जानवरक चारू कात छह टा पाँखि छलैक; आ ओ सभ भीतर आँखि सँ भरल छलैक। आ ओ सभ दिन-राति विश्राम नहि करैत अछि, ई कहैत जे, पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश् वर, जे।" छल, आ अछि, आ आबय बला अछि।"

इजकिएल 1:19 जखन जीव-जन्तु सभ जाइत छल, तखन ओकर पहिया सभ चलि जाइत छल, आ जखन जीव-जन्तु सभ पृथ् वी सँ ऊपर उठि गेल छल, तखन ओकर पहिया ऊपर उठि गेल छल।

इजकिएल 1:19 मे जीवित प्राणी सभक संग पहिया सेहो छल जे जखन जीव सभक गति सँ चलैत छल आ जखन जीव सभ केँ ऊपर उठाओल जाइत छल तखन ऊपर उठैत छल।

1. गतिशीलताक शक्ति: भगवान हमरा सभक संग कोना चलैत छथि

2. हुनक सान्निध्य सँ ढोओल जायब: भगवान् हमरा सभ केँ कोना ऊपर उठबैत छथि

1. भजन 121:8 - प्रभु अहाँक आगमन-जाय पर एखन आ अनन्त काल धरि देखैत रहताह।

2. यशायाह 46:4 - अहाँक बुढ़ापा आ धूसर केश धरि हम ओ छी, हम ओ छी जे अहाँक भरण-पोषण करब। हम अहाँकेँ बनौने छी आ हम अहाँकेँ ढोबब; हम अहाँक पोषण करब आ हम अहाँक उद्धार करब।

इजकिएल 1:20 आत् मा जतय जेबाक छल, ओ सभ जाइत छल आ ओतहि हुनकर आत् मा जेबाक छल। पहिया सभ ऊपर उठि गेल छल, किएक तँ ओहि जीव-जन्तुक आत् मा पहिया सभ मे छल।

जीवक आत्मा जतय जाइत छल पहिया केँ चला रहल छल ।

1. आत्मा के शक्ति: पवित्र आत्मा के बल में जीना

2. विश्वास मे अडिग रहब: प्रभुक मार्गदर्शनक संग आगू बढ़ब

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. रोमियो 8:26-27 - "तहिना आत् मा हमरा सभक कमजोरी मे सेहो सहायता करैत अछि। किएक तँ हमरा सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे हमरा सभ केँ की प्रार्थना करबाक चाही, मुदा आत् मा स्वयं हमरा सभक लेल विनती करैत छथि जे कुहरब नहि कयल जा सकैत अछि। आब ओ।" जे हृदयक खोज करैत अछि, ओ जनैत अछि जे आत् माक मन की अछि, किएक तँ ओ परमेश् वरक इच्छाक अनुसार संत सभक लेल बिनती करैत छथि।”

इजकिएल 1:21 जखन ओ सभ गेल तँ ओ सभ गेल। जखन ओ सभ ठाढ़ छल तखन ई सभ ठाढ़ छल। जखन ओ सभ पृथ् वी पर सँ ऊपर उठि गेल तऽ पहिया सभ ओकरा सभक सोझाँ ऊपर उठि गेल, किएक तँ ओहि जीव-जन्तुक आत् मा चक्का सभ मे छल।

जीव के आत्मा पहिया में छेलै, आरो पहिया के गति जीव के गति के अनुसरण करै छेलै।

1. परमेश् वरक आत् मा हमरा सभक संग सदिखन रहैत अछि, जे हमरा सभक दैनिक जीवन मे मार्गदर्शन आ निर्देशन करैत अछि।

2. हम सब प्रभु पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के आगू बढ़य के ताकत प्रदान करथि, चाहे जीवन हमरा सब के रास्ता में जे किछु फेंकय।

1. भजन 25:4-5 - हे प्रभु, हमरा अपन बाट बुझा दिअ; हमरा अपन बाट सिखाउ। हमरा अपन सत्य मे लऽ जाउ आ हमरा सिखाउ, किएक तँ अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी। अहाँक लेल हम भरि दिन प्रतीक्षा करैत छी।

2. यशायाह 30:21 - अहाँक कान अहाँ सभक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।

इजकिएल 1:22 जीव-जन्तुक माथ पर आकाशक उपमा भयावह स्फटिकक रंग जकाँ छल, जे ऊपर हुनका सभक माथ पर पसरल छल।

इजकिएल के दर्शन में जे जीव-जन्तु के माथा के ऊपर एक आकाशगंगा छेलै जे भयानक स्फटिक के समान छेलै।

1. प्रभु के महिमा: इजकिएल के दर्शन के समझना

2. भगवान् के शक्ति पर ध्यान देना: दृढ़ता के भव्यता

1. प्रकाशितवाक्य 4:7-8 - परमेश् वरक सिंहासनक चारू कात चारू जीव आगि आ पाँखि सँ भरल आँखि

2. यशायाह 6:1-3 - परमेश् वरक सिंहासनक चारू कात छह पाँखि बला सेराफिम पवित्र, पवित्र, पवित्र गबैत छथि सेना सभक प्रभु

इजकिएल 1:23 आकाशक नीचाँ ओकर सभक पाँखि सोझ छलैक, एक दोसर दिस, प्रत्येकक दूटा पाँखि छलैक जे एहि कात झाँपल छलैक आ प्रत्येकक दूटा पाँखि छलैक जे ओहि कात झाँपल छलैक।

इजकिएल चारिटा जीवक दर्शनक वर्णन करैत छथि जकर पाँखि ओकर शरीरक दुनू कात झाँपि देने छल |

1. परमेश् वरक सृजनात्मक शक्ति: इजकिएलक चारि जीवक दर्शन

2. भगवानक रक्षा: चारि जीवक पाँखि

1. उत्पत्ति 1:21 - परमेश् वर पैघ-पैघ ह्वेल, सभ जीव-जन्तु जे पानि सँ प्रचुर मात्रा मे उत्पन्न करैत छल, अपन-अपन प्रकारक अनुसार, आ सभ पाँखि बला चिड़ै केँ अपन-अपन तरहक बनाओलनि।

2. यशायाह 6:2 - एकर ऊपर सेराफिम सभ ठाढ़ छल: प्रत्येकक छह टा पाँखि छल। दू टा सँ मुँह झाँपि लेलक, आ दू टा सँ पएर झाँपि लेलक, आ दू टा सँ उड़ि गेल।

इजकिएल 1:24 जखन ओ सभ गेल तँ हम ओकर सभक पाँखिक आवाज सुनलहुँ जे पैघ पानिक आवाज जकाँ, सर्वशक्तिमान परमेश् वरक आवाज जकाँ, बाजबाक आवाज आ सेनाक आवाज जकाँ हुनका लोकनिक पाँखि।

इजकिएल पाँखिक आवाज सुनैत छथि जेना पैघ पानिक शोर आ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक आवाज जखन ओ देखल गेल प्राणी ठाढ़ भऽ अपन पाँखि नीचाँ छोड़ि देलनि।

1. भगवानक आवाजक शक्ति

2. सृष्टि के महामहिम

1. उत्पत्ति 1:1-2:4 क - प्रारम्भ मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि

2. भजन 29:3-9 - प्रभुक आवाज पानि पर अछि, महिमा के परमेश् वर गरजैत छथि, प्रभु बहुत पानि पर छथि

इजकिएल 1:25 जखन ओ सभ ठाढ़ भ’ क’ पाँखि उतारि क’ ओकरा सभक माथक ऊपर आकाश सँ आवाज भेल।

इजकिएल के चारो जीव के दर्शन देलऽ गेलऽ छै जेकरऽ पंख छै जेकरा आकाश सें आवाज होय छै ।

1. परमेश् वरक आवाज: सर्वशक्तिमानक शक्ति आ ई हमरा सभकेँ कोना मार्गदर्शन करैत अछि

2. अपन पाँखि नीचाँ छोड़ब: भगवानक ताकत पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि हुनका नव शक्ति भेटतनि। ओ गरुड़ जकाँ पाँखि पर ऊँच उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि देत। ओ अहाँ केँ अपन पाँखि सँ आश्रय देत। हुनकर विश्वासी प्रतिज्ञा अहाँक कवच आ रक्षा अछि।"

इजकिएल 1:26 हुनका सभक माथक ऊपर जे आकाश छल, तकर ऊपर एकटा सिंहासनक उपमा छल जे नीलमणि पाथर जकाँ छल, आ सिंहासनक उपमा पर एकटा आदमीक उपमा छल।

इजकिएल स्वर्ग मे एकटा सिंहासनक दर्शन देखलनि, जाहि पर एकटा मनुक्ख सन आकृति बैसल छल।

1. स्वर्गक महिमा - भगवानक सिंहासनक महिमा आ हुनकर सम्मान करबाक महत्वक अन्वेषण।

2. भगवानक अथाह स्वभाव - भगवान् केर महानता आ हुनक शक्तिक विशालताक रहस्यक परीक्षण।

1. यशायाह 6:1-4 - "जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि, हम प्रभु केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल, आ हुनकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरल छल।"

2. भजन 8:1 - "हे प्रभु, हमर प्रभु, अहाँक नाम समस्त पृथ्वी मे कतेक भव्य अछि!"

इजकिएल 1:27 हम एम्बरक रंग जकाँ देखलहुँ जे ओकर भीतर चारू कात आगि जकाँ देखलहुँ, ओकर कमर केर रूप सँ ऊपर आ कमर केर रूप सँ नीचाँ धरि आगि, आ ओकर चारू कात चमक छलैक।

इजकिएल भविष्यवक्ता एकटा एहन प्राणी देखलनि जकर कमर सँ ऊपर-नीचाँ आगि केर रूप छल, आ चारू कात एकटा चमक छल।

1. प्रभु के तेज: भगवान के महामहिम की शक्ति का अन्वेषण

2. भगवान् के सान्निध्य के अग्नि: प्रभु के अतुलनीय प्रेम का अनुभव

1319

1. प्रकाशितवाक्य 21:23-24 - एहि नगर केँ ओहि मे चमकबाक लेल सूर्यक आ ने चानक आवश्यकता नहि छलैक, कारण परमेश् वरक महिमा ओकरा रोशन क’ देलकैक आ मेमना ओकर इजोत छै।

24 उद्धार पाओल जाति सभ एकर इजोत मे चलत आ पृथ् वीक राजा सभ अपन महिमा आ आदर एहि मे अनैत अछि।

2. निर्गमन 33:18-19 - ओ कहलनि, “हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे, हमरा अपन महिमा देखाउ।”

19 ओ कहलथिन, “हम अपन सभटा भलाई अहाँक सोझाँ पहुँचा देब आ अहाँ सभक समक्ष प्रभुक नामक प्रचार करब। जकरा पर हम कृपा करब, ओकरा पर कृपा करब, आ जकरा पर हम दया करब, तकरा पर दया करब।

इजकिएल 1:28 जेना बरखाक दिन मेघ मे धनुषक रूप होइत छल, तहिना चारू कात चमकैत छल। परमेश् वरक महिमाक प्रतिरूपक रूप यैह छल। ई देखि हम मुँह पर खसि पड़लहुँ आ बजनिहारक आवाज सुनलहुँ।

इजकिएल परमेश् वरक महिमाक दर्शन होइत अछि आ ओ विस्मय सँ मुँह पर खसि पड़ैत अछि।

1. परमेश् वर हमर सभक आराधनाक योग्य छथि: परमेश् वरक आदर मे ठेहुन धरि खसब सीखब।

2. इजकिएल के प्रभु के महिमा के दर्शन: परमेश् वर के वैभव देखना सीखना।

1. यशायाह 6:1-4 यशायाहक प्रभुक महिमाक दर्शन।

2. निर्गमन 24:16-17 मूसा आ इस्राएलक बुजुर्ग सभ सिनै पहाड़ पर परमेश् वरक महिमा देखैत छथि।

इजकिएल अध्याय 2 इजकिएल के भविष्यवाणी के आह्वान आरू परमेश्वर द्वारा कमीशन के कथ्य के जारी रखै छै। ई हुनकऽ मिशन के चुनौतीपूर्ण प्रकृति आरू विद्रोही इस्राएली सिनी तलक परमेश् वर के संदेश क॑ निष्ठा स॑ पहुँचै के महत्व प॑ जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के इजकिएल के सीधा संबोधन स होइत अछि, जे हुनका ठाढ़ भ क हुनकर वचन सुनबाक निर्देश दैत छथि। परमेश् वर इजकिएल क॑ विद्रोही आरू जिद्दी इस्राएली सिनी लेली एगो भविष्यवक्ता के रूप म॑ नियुक्त करै छै, ओकरा चेतावनी दै छै कि वू ओकरऽ संदेश के अनुकूल नै सुनी सकै छै या ओकरऽ अनुकूल प्रतिक्रिया नै द॑ सकै छै (इजकिएल २:१-५)।

दोसर पैराग्राफ: तखन इजकिएल केँ एकटा स्क्रॉल देल गेल अछि जाहि मे विलाप, शोक आ विपत्तिक शब्द अछि। भगवान् ओकरा आज्ञा दै छै कि वू स्क्रॉल क॑ खाबै आरू ओकरऽ सामग्री क॑ आंतरिक रूप स॑ ग्रहण करै, जे ओकरऽ ईश्वरीय संदेश के पूर्ण रूप स॑ आत्मसात करै के प्रतीक छै । इजकिएल स्क्रॉल के बात मानैत छथि आ खाइत छथि, एकर स्वाद मधु जकाँ मीठ अनुभव करैत छथि (इजकिएल 2:6-10)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय दू मे प्रकट होइत अछि
इजकिएल के भविष्यवाणी के आह्वान आरू आज्ञा,
दिव्य संदेशक संग एकटा स्क्रॉलक प्रतीकात्मक उपभोग।

इजकिएल के परमेश्वर के सीधा संबोधन आरू विद्रोही इस्राएली सिनी कॅ भविष्यवक्ता के रूप में नियुक्ति।
विलाप आ शोक वाला स्क्रॉल खाय के आज्ञा आ इजकिएल के आज्ञाकारिता।

इजकिएल के ई अध्याय इजकिएल के भविष्यवाणी के आह्वान आरू परमेश् वर द्वारा आज्ञा देना के कथ्य के आगू बढ़ाबै छै। एकरऽ शुरुआत इजकिएल क॑ परमेश् वर केरऽ सीधा संबोधन स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू खड़ा होय क॑ ओकरऽ वचन सुन॑ । परमेश् वर इजकिएल क॑ विद्रोही आरू जिद्दी इस्राएली सिनी लेली एगो भविष्यवक्ता के रूप म॑ नियुक्त करै छै, जेकरा स॑ ओकरा चेतावनी देलऽ जाय छै कि शायद वू ओकरऽ संदेश के अनुकूल नै सुनी सकै छै या

ओकरा अनुकूल प्रतिक्रिया नै दै । तखन इजकिएल केँ एकटा स्क्रॉल देल जाइत छैक जाहि मे विलाप, शोक आ दुःखक शब्द अछि। भगवान् ओकरा आज्ञा दै छै कि वू स्क्रॉल क॑ खाबै आरू ओकरऽ सामग्री क॑ आंतरिक रूप स॑ ग्रहण करै, जे ओकरऽ ईश्वरीय संदेश के पूर्ण रूप स॑ आत्मसात करै के प्रतीक छै । इजकिएल स्क्रॉल के बात मानैत अछि आ खाइत अछि, ओकर स्वाद मधु जकाँ मीठ अनुभव करैत अछि। अध्याय इजकिएल के भविष्यवाणी के आह्वान आरू कमीशनिंग के साथ-साथ ईश्वरीय संदेश के साथ स्क्रॉल के प्रतीकात्मक उपभोग पर केंद्रित छै।

इजकिएल 2:1 ओ हमरा कहलनि, “मनुख-पुत्र, अपन पएर पर ठाढ़ रहू, हम अहाँ सँ बात करब।”

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि आ हुनका कहैत छथि जे ठाढ़ भऽ कऽ सुनू।

1. भगवानक आवाज: हमरा सभकेँ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. अहाँ सुनैत छी?

1. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, तखन अहाँक प्राण जीवित रहत"।

2. याकूब 1:19 - "एही लेल हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ कियो सुनबा मे जल्दी आ बाजबा मे देरी करू"।

इजकिएल 2:2 जखन ओ हमरा सँ बात कयलनि तखन हमरा मे आत् मा घुसि गेल आ हमरा अपन पयर पर ठाढ़ कयलनि, जाहि सँ हम हमरा सँ बात करय बला बात सुनलहुँ।

परमेश् वरक आत् मा इजकिएल पर आबि कऽ हुनका ठाढ़ भऽ हुनकर वचन सुनबाक सामर्थ् य देलकनि।

1. "पवित्र आत्माक शक्ति"।

2. "भगवानक सान्निध्य मे ठाढ़ रहब"।

1. प्रेरित 2:1-4 - जखन पेन्टेकोस्टक दिन आयल तखन सभ एक ठाम एक ठाम छल। अचानक स्वर्गसँ एकटा प्रचंड हवाक बहाव सन आवाज आबि गेल आ पूरा घर मे भरि गेल जतय दुनू गोटे बैसल छलाह । ओ सभ देखलक जे आगि केर जीह बुझाइत छल जे अलग भ' क' एक-एकटा पर टिकि गेल। सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल छलाह आ आत् मा द्वारा सक्षम कयला पर दोसर भाषा मे बाजय लगलाह।

2. इजकिएल 36:27 - हम अहाँ मे अपन आत्मा राखब आ अहाँ केँ हमर फरमानक पालन करबाक लेल प्रेरित करब आ हमर नियमक पालन करबा मे सावधान रहब।

इजकिएल 2:3 ओ हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, हम अहाँ केँ इस्राएलक सन्तान सभक पास पठा रहल छी, जे हमरा विरुद्ध विद्रोह करयवला विद्रोही जाति अछि।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ विद्रोही इस्राएल राष्ट्रक लेल भविष्यवक्ता बनथि।

1. "मोक्षक शक्ति: विद्रोहक सोझाँ भगवानक प्रेम कहियो कोना माफी नहि दैत अछि"।

2. "आज्ञाकारिता के आह्वान: परमेश्वर के आज्ञा के प्रति हमरा सब के कोना प्रतिक्रिया देबय पड़त"।

1. यिर्मयाह 7:23 - "मुदा हम हुनका सभ केँ ई आज्ञा देने छलहुँ, हमर आवाज केँ मानू, हम अहाँक परमेश् वर बनब, आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब अहाँक संग।'"

2. गलाती 6:1 - "भाइ लोकनि, जँ केओ कोनो अपराध मे फँसि गेल अछि तँ अहाँ सभ जे आध्यात्मिक छी, ओकरा कोमलताक भावना सँ पुनर्स्थापित करू। अपना पर सतर्क रहू, जाहि सँ अहाँ सभ सेहो परीक्षा मे नहि पड़ब।"

इजकिएल 2:4 किएक तँ ओ सभ अनादरपूर्ण बच्चा आ कठोर हृदयक अछि। हम तोरा हुनका सभ लग पठा रहल छी। अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि।”

1321

परमेश् वर इजकिएल कॅ इस्राएल के लोग सिनी कॅ एगो संदेश दै लेली भेजै छै, जेकरा में हुनी ओकरा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि वू जिद्दी आरू विद्रोही छै।

1. परमेश् वरक बात सुनबाक महत्व - इजकिएल 2:4

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन - इजकिएल 2:4

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

इजकिएल 2:5 ओ सभ जँ सुनत वा सहन करत, (किएक तँ ओ सभ विद्रोही घर अछि,) तखनो ओ सभ बुझत जे ओकरा सभक बीच एकटा भविष्यवक्ता सेहो रहल अछि।

परमेश् वर इजकिएल के माध्यम सँ इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि ओकरा सिनी क॑ पता चलतै कि ओकरा सिनी के बीच एगो भविष्यवक्ता भी रहलै, चाहे वू सुनै या नै सुनै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक लेल चेतावनी: पैगम्बरक वचन सुनब आ ओकरा पर ध्यान देब

2. परमेश् वरक आवाज सुनबाक महत्व: इजकिएल सँ एकटा पाठ

1. 2 इतिहास 36:15-16 "ओकर सभक पूर्वज सभक परमेश् वर परमेश् वर अपन दूत सभक द्वारा चेतावनी पठौलनि, भोरे उठि कऽ हुनका सभ केँ पठा देलनि, कारण ओ अपन लोक आ अपन निवास स्थान पर दया करैत छलाह भगवान्, आ ओकर वचन केँ तिरस्कार केलक, आ अपन भविष्यवक्ता सभक दुरुपयोग केलक "

2. यिर्मयाह 25:3-5 "यहूदाक राजा आमोनक पुत्र योशियाहक तेरहम वर्ष सँ आइ धरि, यानी बीसम वर्ष धरि, परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेल अछि आ हम बाजि रहल छी।" अहाँ सभ केँ भोरे उठि कऽ बजैत छी, मुदा अहाँ सभ बात नहि सुनलहुँ। आ परमेश् वर अहाँ सभ केँ भोरे उठि कऽ पठौलनि अछि।

इजकिएल 2:6 हे मनुष् य-पुत्र, ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने ओकर सभक बात सँ डेराउ, भले काँट-काँट आ काँट तोरा संग हो आ बिच्छू सभक बीच मे रहैत छी ओकर नजरि, भले ओ विद्रोही घर हो।

परमेश् वर इजकिएल कॅ आज्ञा दै छै कि वू जे विद्रोही लोगऽ के बीच में छै, ओकरा सें नै डरै, काँट-काँट आरू बिच्छू के बावजूद।

1. कठिन परिस्थिति मे भय सँ उबरब: इजकिएल 2:6 केर अध्ययन

2. परमेश् वरक वचन मे साहस करू: इजकिएल 2:6 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. यहोशू 1:9 - "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि, आ निराश नहि होउ, कारण अहाँ जतय जाउ, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।"

इजकिएल 2:7 अहाँ हुनका सभ केँ हमर बात कहब जे ओ सभ सुनत वा नहि, किएक तँ ओ सभ बेसी विद्रोही छथि।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ सँ विद्रोही लोक सभ सँ अपन बात बाजथि, चाहे ओ सभ सुनत वा नहि।

1. हमर शब्दक शक्ति - हम जे शब्द बजैत छी ओकर स्थायी प्रभाव कोना भ' सकैत अछि

2. प्रतिकूलताक सामना करैत दृढ़ता - प्रतिरोधक बादो परिवर्तनक लेल कोना धक्का दैत रहब

1. याकूब 3:3-5 - देखू, हम सभ घोड़ा सभक मुँह मे टुकड़ा-टुकड़ा लगा दैत छी, जाहि सँ ओ सभ हमरा सभक आज्ञा मानथि। आ हम सभ हुनका सभक पूरा शरीर मे घुमि जाइत छी।

4 ओहि नाव सभ केँ सेहो देखू जे ओ सभ एतेक पैघ भऽ कऽ प्रचंड हवा सँ चलैत अछि, मुदा ओ सभ बहुत छोट पतवार सँ घुमाओल जाइत अछि, जतय राज्यपाल चाहैत छथि।

5 तहिना जीह छोट-छोट अंग अछि आ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि।

2. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि, ओकर फल खा लेत।

इजकिएल 2:8 मुदा अहाँ, मनुष्यक बेटा, सुनू जे हम अहाँ केँ की कहैत छी। अहाँ ओहि विद्रोही घर जकाँ विद्रोही नहि बनू, मुँह खोलू आ जे हम अहाँ केँ दैत छी से खाउ।

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन वचन केँ स्वीकार करबाक लेल आ ओकर पालन करबाक लेल बिना विद्रोही केने आह्वान करैत छथि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचन केँ स्वीकार करबाक चाही आ हुनकर इच्छाक अधीन रहबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ परमेश् वरक आज्ञाकारी रहबाक चाही आ हुनका विरुद्ध विद्रोह नहि करबाक चाही।

1: याकूब 1:22 - अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

2: व्यवस्था 5:29 - जँ हुनका सभ मे एहन हृदय रहैत जे ओ सभ हमरा सँ डेराइत आ हमर सभ आज्ञा केँ सदिखन पालन करैत, जाहि सँ हुनका सभक आ हुनका सभक संतान सभक लेल सदाक लेल नीक भऽ जाय!

इजकिएल 2:9 जखन हम देखलहुँ तँ हमरा लग एकटा हाथ पठाओल गेल छल। देखू, ओहि मे एकटा पोथीक रोल छल।

परमेश् वर इजकिएल के पास एक किताब के साथ हाथ भेजलकै, जेकरा में परमेश् वर के वचन के पढ़ै आरू समझै के महत्व के दर्शाबै छेलै।

1. परमेश् वरक वचन केँ बुझब: इजकिएलक हाथ।

2. किताबक महत्व: इजकिएल केँ परमेश् वरक वरदान।

1. यिर्मयाह 15:16 - "अहाँक वचन भेटल, हम ओकरा खा गेलहुँ, आ अहाँक वचन हमरा लेल हमर हृदयक आनन्द आ आनन्द छल, कारण, हे सेना सभक परमेश् वर, हम अहाँक नाम सँ बजाओल गेल छी।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

इजकिएल 2:10 ओ हमरा सोझाँ एकरा पसारि देलनि। ओ भीतर आ बाहर लिखल छल, आ ओहि मे विलाप, शोक आ धिक्कार लिखल छल।

इजकिएल भविष्यवक्ता के सामने एकटा स्क्रॉल देल गेल छै, जेकरा में विलाप, शोक आ विपत्ति के शब्द छै।

1. विलाप के बीच आशा खोजना

2. शोक आ विपत्ति: कोना सामना कयल जाय आ ताकत कोना भेटत

1. विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, किएक तँ हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास पैघ अछि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।"

इजकिएल अध्याय 3 इजकिएल के भविष्यवाणी मिशन के विवरण जारी रखै छै। ई एक चौकीदार के रूप में हुनको भूमिका आरू इस्राएल के लोग सिनी के बीच परमेश्वर के संदेश पहुँचै के जिम्मेदारी पर प्रकाश डालै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के आज्ञा दै के साथ होय छै कि वू एगो स्क्रॉल खाय, जेकरा में ओकरो वचन छै। जेना-जेना इजकिएल स्क्रॉल खाइत छथि, ओ परमेश् वरक आत् मा सँ भरि जाइत छथि आ ईश्वरीय संदेश प्राप्त करैत छथि। तखन परमेश् वर ओकरा इस्राएल पर पहरेदारक रूप मे नियुक्त करैत छथि, हुनका चेतावनी दैत छथि जे ओ विद्रोही जाति मे अपन वचन केँ निष्ठापूर्वक पहुँचाबथि (इजकिएल 3:1-11)।

2 पैराग्राफ: इजकिएल क॑ ओकरऽ मिशन केरऽ चुनौतीपूर्ण प्रकृति के बारे म॑ जानकारी देलऽ जाय छै । इस्राएल के लोगऽ क॑ जिद्दी आरू सुनै लेली तैयार नै करलऽ गेलऽ छै । लेकिन, परमेश् वर इजकिएल कॅ आश्वस्त करै छै कि हुनी ओकरा मजबूत आरू लचीला बनाबै छै, जेकरा स॑ हुनी एगो भविष्यवक्ता के रूप म॑ अपनऽ भूमिका क॑ पूरा करै म॑ सक्षम होय जैतै । इजकिएल क॑ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै कि वू हुनकऽ प्रतिक्रिया स॑ नै डर॑ आरू ओकरा देलऽ गेलऽ संदेश क॑ निष्ठा स॑ बोलै (यहेजकिएल ३:१२-२१)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय तीन मे प्रकट होइत अछि
इजकिएल के परमेश् वर के वचन के साथ एक पुस्तक के सेवन,
इस्राएल पर चौकीदार के रूप में ओकर नियुक्ति।

एकटा स्क्रॉल खाबाक आज्ञा जाहि मे परमेश् वरक वचन आ चौकीदारक रूप मे नियुक्ति अछि। इजकिएल के मिशन के चुनौतीपूर्ण प्रकृति के वर्णन आरू परमेश्वर के ताकत के आश्वासन।

इजकिएल के ई अध्याय इजकिएल के भविष्यवाणी मिशन के विवरण के आगू बढ़ाबै छै। एकरऽ शुरुआत ई स॑ होय छै कि परमेश्वर इजकिएल क॑ अपनऽ वचन वाला एगो स्क्रॉल खाय के आज्ञा दै छै, ओकरा परमेश् वर के आत्मा स॑ भर॑ आरू ईश्वरीय संदेश दै छै । परमेश् वर ओकरा इस्राएल पर पहरेदार के रूप में नियुक्त करै छै, ओकरा निर्देश दै छै कि वू विद्रोही जाति के बीच निष्ठापूर्वक अपनऽ वचन पहुँचाबै। इजकिएल क॑ ओकरऽ मिशन केरऽ चुनौतीपूर्ण प्रकृति के बारे म॑ जानकारी देलऽ जाय छै, कैन्हेंकि इस्राएल केरऽ लोगऽ क॑ जिद्दी आरू सुनै लेली तैयार नै करलऽ गेलऽ छै । लेकिन, परमेश् वर इजकिएल कॅ आश्वस्त करै छै कि हुनी ओकरा मजबूत आरू लचीला बनाबै छै, जेकरा स॑ हुनी एगो भविष्यवक्ता के रूप म॑ अपनऽ भूमिका क॑ पूरा करै म॑ सक्षम होय जैतै । इजकिएल क॑ चेतावनी देलऽ जाय छै कि वू हुनकऽ प्रतिक्रिया स॑ नै डर॑ आरू ओकरा देलऽ गेलऽ संदेश क॑ निष्ठा स॑ बोलै । अध्याय इजकिएल के परमेश् वर के वचन के साथ स्क्रॉल के सेवन आरू इस्राएल के पहरादार के रूप में नियुक्ति पर केंद्रित छै।

इजकिएल 3:1 ओ हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, जे भेटत से खाउ। ई रोल खाउ आ जाउ इस्राएलक घराना सँ गप्प करू।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ एकटा स्क्रॉल खाउ आ तखन इस्राएलक घराना सँ बात करथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स कोना प्रचुर आशीर्वाद भेटत

2. परमेश् वरक पवित्र वचन: परमेश् वरक संदेश सँ अपन आत्मा केँ पोषण करू

1. यहोशू 1:8 ई धर्म-नियमक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत। मुदा अहाँ ओहि मे दिन-राति मनन करब जाहि सँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करब।

2. फिलिप्पियों 4:8 अंत मे, भाइ लोकनि, जे किछु सत्य अछि, जे किछु ईमानदार अछि, जे किछु न्यायसंगत अछि, जे किछु शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु नीक जकाँ अछि। जँ कोनो गुण अछि आ जँ कोनो प्रशंसा अछि तँ एहि सभ बात पर सोचू।

1324

इजकिएल 3:2 तखन हम अपन मुँह खोललहुँ, आ ओ हमरा ओहि रोल केँ खाय देलनि।

प्रभु इजकिएल के मुँह खोलि कऽ ओकरा खाय लेल एकटा रोल दऽ देलकै।

1. प्रभु अपन वचन सँ हमरा सभक पोषण करबाक इच्छा रखैत छथि

2. परमेश् वरक प्रावधान हमरा सभक आवश्यकता केँ पूरा करैत अछि

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे हुनकर शरण लैत अछि।

2. यिर्मयाह 15:16 - जखन अहाँक बात आयल तखन हम ओकरा खा लेलहुँ; ओ सभ हमर आनन्द आ हृदयक आनन्द छल, कारण हम अहाँक नाम धारण करैत छी, सर्वशक्तिमान परमेश् वर।

इजकिएल 3:3 ओ हमरा कहलनि, “मनुष्य-पुत्र, अपन पेट केँ खाउ आ एहि रोल सँ अपन आंत भरि दियौक जे हम अहाँ केँ दैत छी।” तखन हम खा लेलहुँ; आ मधुरताक लेल मधु जकाँ हमर मुँह मे छल।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ एकटा रोल खाउ जे हुनका देल गेल छल, जे मधु जकाँ मीठ छल।

1. भगवान् के आज्ञापालन के मिठास।

2. हमरा सभक जीवन मे भगवानक मिठास।

1. भजन 19:10 - "सोना सँ बेसी वांछनीय अछि, बहुत नीक सोना सँ बेसी, मधु आ मधुकोश सँ मीठ सेहो।"

2. यूहन्ना 15:10-11 - "जँ अहाँ सभ हमर आज्ञा सभक पालन करब तँ अहाँ सभ हमर प्रेम मे रहब, जेना हम अपन पिताक आज्ञा केँ पालन केलहुँ आ हुनकर प्रेम मे रहब। ई बात हम अहाँ सभ सँ कहलहुँ जाहि सँ हमर आनन्द हो।" अहाँ सभ मे, आ अहाँ सभक आनन्द पूरा होअय।”

इजकिएल 3:4 ओ हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, जाउ, इस्राएलक घराना मे जाउ आ हुनका सभ सँ हमर वचन बाजू।”

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ इस्राएलक घराना केँ अपन बात कहथि।

1: भगवानक आह्वान पर ध्यान दियौक जे हुनकर वचन दोसरो धरि पसारल जाय।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञाकारी रहबाक चाही आ हुनकर संदेश संसार मे साझा करबाक चाही।

1: मत्ती 28:19-20 तेँ अहाँ सभ जाउ आ सभ जाति केँ सिखाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ दियौक, देखू, हम अहाँ सभक संग सदिखन छी, संसारक अंत धरि। आमीन।

2: प्रेरित 1:8 मुदा पवित्र आत् मा अहाँ सभ पर आबि गेलाक बाद अहाँ सभ केँ सामर्थ् य भेटत, आ अहाँ सभ यरूशलेम, समस्त यहूदिया, सामरिया आ पृथ् वीक अन् त भाग धरि हमर गवाह बनब.

इजकिएल 3:5 अहाँ केँ कोनो पराया भाषा आ कठोर भाषा बजनिहार लोक लग नहि, बल् कि इस्राएलक घराना दिस पठाओल गेल अछि।

परमेश् वर इजकिएल केँ इस्राएलक घरानाक चौकीदार बनौलनि।

1: हम सभ परमेश् वरक लोकक पहरेदार बनबाक लेल बजाओल गेल छी।

2: हम सभ परमेश् वरक लोकक सेवा सत्य आ निष्ठा सँ करबाक लेल बजाओल गेल छी।

1325

1: यशायाह 62:6 - "हे यरूशलेम, हम तोहर देबाल पर पहरेदार राखि देने छी, जे दिन आ राति कहियो चुप नहि रहत।

2: 2 इतिहास 16:9 - "किएक तँ परमेश् वरक नजरि समस्त पृथ् वी पर एम्हर-ओम्हर दौड़ैत अछि, जे हुनका सभक लेल अपना केँ बलवान देखाबथि, जिनकर हृदय हुनका प्रति सिद्ध छनि।"

इजकिएल 3:6 बहुतो एहन लोक केँ नहि जे अजीब बाजब आ कठोर भाषा बजैत छथि, जिनकर बात अहाँ नहि बुझि सकैत छी। जँ हम अहाँ केँ हुनका सभक लग पठौने रहितहुँ तँ ओ सभ अहाँक बात सुनितथि।

प्रभु इजकिएल सँ ई बात के बारे में बात करै छै कि ओकरा कोनो अजीब बोलै वाला या कठोर भाषा के लोगऽ के पास नै भेजलऽ जाय, कैन्हेंकि वू ओकरा नै समझतै।

1. बुझबाक शक्ति: संचार मे भाषाक महत्व

2. प्रभुक सार्वभौमत्व: ओ केकरा बजबैत छथि ताहि पर हुनकर नियंत्रण

1. प्रेरित 2:1-4 - पेन्टेकोस्ट आ दोसर भाषा मे बाजब

2. 1 कोरिन्थी 14:13-19 - भाषाक व्याख्या करबाक वरदान

इजकिएल 3:7 मुदा इस्राएलक घराना अहाँक बात नहि मानत। किएक तँ ओ सभ हमर बात नहि मानत, किएक तँ इस्राएलक समस्त वंशज अधलाह आ कठोर हृदयक अछि।

इजकिएल इस्राएल के घराना के चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि वू ओकरऽ बात नै सुनतै, कैन्हेंकि वू जिद्दी छै आरू परमेश् वर के प्रति कोनो प्रतिक्रिया नै दै छै।

1. हमर जिद्दक बादो भगवानक प्रेम

2. भगवान् के प्रति अपन हृदय के नरम करब

1. यिर्मयाह 17:9-10 - "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी, हम बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ ओकर मार्गक अनुसार द' दी, आ।" ओकर कर्म के फल के अनुसार।"

2. भजन 51:10-11 - "हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदयक निर्माण करू; आ हमरा भीतर एकटा सही आत्मा केँ नवीनीकरण करू। हमरा अपन सोझाँ सँ दूर नहि फेकि दिअ; आ अपन पवित्र आत् मा हमरा सँ नहि छीनू।"

इजकिएल 3:8 देखू, हम अहाँक मुँह हुनका सभक मुँह पर मजबूत कएने छी आ अहाँक कपार हुनका सभक कपार पर मजबूत कएने छी।

परमेश् वर इजकिएल केँ अपन शत्रु सभ सँ बचाबय के वादा केने छथि आ हुनका सभक सामना करबाक सामर्थ् य देने छथि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् केर ताकत एकदम पर्याप्त होइत छैक

2. प्रभुक बल सँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. इफिसियों 6:10-13 - "अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब। कारण हमर सभक संघर्ष विरुद्ध नहि अछि।" खून-मांस, मुदा शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि अन्हार संसारक शक्ति सभक विरुद्ध आ स् वर्गीय क्षेत्र मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध। भ' सकैछ जे अहाँ अपन जमीन पर ठाढ़ भ' सकब, आ सब किछु केलाक बाद ठाढ़ भ' सकब।"

इजकिएल 3:9 हम अहाँक कपार केँ चकमक पत्थर सँ कठोर अडिग केँ बना देलहुँ, ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने ओकर नजरि सँ चकित होउ, भले ओ सभ विद्रोही घर हो।

परमेश् वर इजकिएल भविष्यवक्ता के कपार क॑ एक अडिग के रूप म॑ कठोर करी देल॑ छै, ताकि ओकरा कोनो विद्रोही लोगऽ के बीच परमेश् वर के संदेश पहुँचै म॑ डर या निराश नै होना चाहियऽ ।

1. विपत्तिक सामना मे मजबूती सँ ठाढ़ रहब

2. विश्वास के साथ भय पर काबू पाना

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. 2 तीमुथियुस 1:7 - "किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ भय केर नहि, बल् कि सामर्थ् य आ प्रेम आ संयमक आत् मा देलनि।"

इजकिएल 3:10 ओ हमरा कहलनि, “मनुख-पुत्र, हमर सभ बात जे हम अहाँ केँ कहब, से अहाँक मोन मे ग्रहण करू आ कान सँ सुनू।”

भगवानक वचन केँ अपन हृदय मे ग्रहण करू आ कान सँ सुनू।

1. खुलल हृदय सँ भगवान् केर बात सुनब

2. परमेश् वरक वचनक स्वागत अपन जीवन मे करब

1. नीतिवचन 8:34 - धन्य अछि ओ जे हमर बात सुनैत अछि, हमर फाटक पर नित्य देखैत अछि, हमर दरबज्जाक कात मे प्रतीक्षा करैत अछि।

2. याकूब 1:19 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू।

इजकिएल 3:11 जाउ, बंदी मे बैसल लोक सभ लग जाउ, अपन लोकक संतान सभ लग जाउ, आ हुनका सभ सँ बात करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। सुनत, आकि सहन करत।

प्रभु इजकिएल क॑ निर्देश दै छै कि वू अपनऽ लोगऽ के बंदी सिनी के पास जाय क॑ ओकरा सिनी स॑ बात करी क॑ ओकरा सिनी क॑ प्रभु केरऽ वचन आरू सुनतै या नै सुनतै ।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ सभ सँ सत्य आ प्रेम बजबाक लेल बजबैत छथि, चाहे हुनकर प्रतिक्रिया कोनो हो।

2. हम सभ परमेश् वरक वचन पर भरोसा क' सकैत छी जे आशा आ साहस आनत, ओहो तखन जखन ओकर स्वागत नहि हो।

1. यूहन्ना 3:17 (कारण परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि, बल् कि एहि लेल जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।)

२.

इजकिएल 3:12 तखन आत् मा हमरा ऊपर उठा लेलक आ हम अपन पाछू मे एकटा एहन आवाज सुनलहुँ जे ई कहैत छल जे, “प्रभुक महिमा हुनकर स्थान सँ धन्य हो।”

इजकिएल भविष्यवक्ता क॑ एक दर्शन म॑ उठाय देलऽ जाय छै आरू ओकरा अपनऽ जगह स॑ प्रभु केरऽ महिमा के घोषणा करै वाला बहुत दौड़-धूप के आवाज सुनलऽ जाय छै ।

1. भगवानक आवाज: प्रभुक आवाज सुनब सीखब

2. परमेश् वरक महिमा: अपन जीवन मे परमेश् वरक उपस्थितिक अनुभव करब

1. भजन 29:3-4 - प्रभुक आवाज पानि पर अछि; महिमा के परमेश् वर गरजै छै, प्रभु बहुत पानी के ऊपर छै। प्रभुक आवाज शक्तिशाली होइत अछि; प्रभुक आवाज महिमा सँ भरल अछि।

2. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ आवाज दैत कहलथिन, “पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि सेना सभक प्रभु; पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि!

इजकिएल 3:13 हम ओहि जीव-जन्तु सभक पाँखिक आवाज सेहो सुनलहुँ जे एक-दोसर केँ छूबैत छल, आ ओकरा सभ पर चक्का सभक आवाज आ बहुत दौड़-धूप केर आवाज।

इजकिएल जीव-जन्तुक पाँखि आ पहिया सँ एकटा जोरदार आवाज सुनलक।

1. भगवान् के सान्निध्य के शक्ति

2. भगवान सब ठाम छथि

1. इजकिएल 3:13

2. भजन 139:7-10 - "हम अहाँक आत्मा सँ कतय जायब? वा अहाँक सोझाँ सँ कतय भागब? जँ हम स्वर्ग मे चढ़ब त' अहाँ ओतहि छी! जँ हम अपन बिछाओन सीओल मे बनाबी त' अहाँ ओतहि छी! जँ।" हम भोरका पाँखि लऽ कऽ समुद्रक अन्त मे रहैत छी, ओतहि अहाँक हाथ हमरा लऽ जायत आ अहाँक दहिना हाथ हमरा पकड़त।”

इजकिएल 3:14 तखन आत् मा हमरा उठौलक आ हमरा लऽ गेल आ हम अपन आत् माक ताप मे कटुता मे चलि गेलहुँ। मुदा परमेश् वरक हाथ हमरा पर प्रबल छल।

परमेश् वरक आत् मा इजकिएल केँ उठा कऽ लऽ गेलाह आ ओ कटुता आ आत् माक ताप मे चलि गेलाह, मुदा प्रभुक हाथ हुनका पर प्रबल छलनि।

1. भगवान हमरा सभक संग सदिखन रहैत छथि, चाहे स्थिति कतबो कठिन किएक नहि हो।

2. प्रभु हमरा सभकेँ अपन परेशानीक सामना करबाक लेल शक्ति दैत छथि।

1. भजन 46:1 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

2. यशायाह 40:31 "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

इजकिएल 3:15 तखन हम कैबर नदीक कात मे रहनिहार तेलाबीब मे बंदी मे सँ हुनका सभक लग पहुँचलहुँ, आ ओ सभ जतय बैसल छलाह, ओतय बैसल रही आ हुनका सभक बीच सात दिन धरि आश्चर्यचकित भ’ गेलहुँ।

इजकिएल केँ तेलाबीब मे कैदी सभ लग पठाओल गेल जे चेबर नदीक कात मे रहैत छल। ओ चकित भऽ सात दिन धरि हुनका सभक संग रहलाह ।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वफादारी - इजकिएल 3:15

2. उपस्थिति के शक्ति - इजकिएल 3:15

1. यशायाह 43:2-3 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त

सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

इजकिएल 3:16 सात दिनक अंत मे परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ अपन लोकक चौकीदार बनय लेल बजौलनि।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन संगी-साथी सभक लेल सतर्क चौकीदार बनबाक लेल बजबैत छथि आ परमेश् वरक संदेश केँ दोसर सभक संग बाँटबाक लेल सदिखन तैयार रहबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभ केँ सदिखन सतर्क आ परमेश् वरक आह्वान सुनबाक लेल तैयार रहबाक चाही, कारण ओ सदिखन उपस्थित छथि आ हमरा सभ सँ संवाद करबाक इच्छा रखैत छथि।

1: 1 पत्रुस 5:8 - "सोझल रहू। जागरूक रहू। अहाँक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाय लेल तकैत अछि।"

2: भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

इजकिएल 3:17 मनुष्यक बेटा, हम अहाँ केँ इस्राएलक घरानाक पहरेदार बना देने छी, तेँ हमर मुँह सँ वचन सुनू आ हमरा दिस सँ हुनका सभ केँ चेतावनी दिअ।

परमेश् वर इजकिएल केँ इस्राएलक लोक सभ केँ चेतावनी देबाक लेल चौकीदार नियुक्त कयलनि।

1. चौकीदार बनबाक आह्वान: परमेश् वरक लेल सुनब आ बाजब

2. चेतावनी आ मार्गदर्शन: इजकिएल के एकटा चौकीदार के रूप में जिम्मेदारी

1. यिर्मयाह 6:17-19 - हम अहाँ सभक ऊपर चौकीदार राखि दैत छी जे, “तुरहीक आवाज सुनू! मुदा ओ सभ कहलथिन, “हम सभ नहि सुनब।”

2. यशायाह 62:6 - चौकीदार आन्हर अछि; सब ज्ञानहीन छथि; सब गूंगा कुकुर अछि, भौंक नहि सकैत अछि; सपना देखब, पड़ल रहब, नींद मे प्रेम करब।

इजकिएल 3:18 जखन हम दुष्ट केँ कहैत छी जे, अहाँ अवश्य मरि जायब। अहाँ ओकरा कोनो चेतावनी नहि दैत छी आ ने दुष्ट केँ ओकर दुष्ट मार्ग सँ चेताबय लेल बजैत छी जे ओकर जान बचाबय। वएह दुष्ट अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा ओकर खून हम तोहर हाथ सँ माँगब।”

परमेश् वर ई माँग करै छै कि हुनकऽ लोग दुष्ट सिनी क॑ हुनकऽ काम के परिणाम के बारे म॑ चेताबै आरू अगर नै कर॑ त॑ दुष्ट आदमी के मौत के जिम्मेदार ठहराबै छै ।

1. दुष्ट के चेताबय के हमर जिम्मेदारी

2. अपन जिम्मेदारी के उपेक्षा के परिणाम

1. नीतिवचन 24:11-12 - "जेकरा मृत्युक लेल लऽ जा रहल अछि ओकरा बचाउ; जे ठोकर खा रहल अछि ओकरा वध मे रोकि दियौक। जँ अहाँ कहैत छी जे देखू, हम सभ ई बात नहि जनैत छलहुँ, त' की हृदयक तौलनिहार नहि बुझैत अछि।" की अहाँ सभक प्राण पर नजरि रखनिहार ई बात नहि जनैत अछि आ की ओ मनुष् य केँ ओकर काजक अनुसार प्रतिफल नहि देत?

2. इजकिएल 33:8 - "जखन हम दुष्ट केँ कहब जे, हे दुष्ट, तखन अहाँ मरि जायब, आ अहाँ दुष्ट केँ चेताबय लेल नहि बाजब जे ओ अपन बाट सँ मुड़ि जाय, तखन ओ दुष्ट अपन अधर्म मे मरत, बल्कि ओकर अधर्म मे मरत।" खून हम अहाँक हाथ सँ माँगब।"

इजकिएल 3:19 मुदा जँ अहाँ दुष्ट केँ चेताबैत छी आ ओ अपन दुष्टता सँ नहि घुमि जायत आ ने अपन दुष्ट मार्ग सँ नहि घुमि जायत, तखन ओ अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा अहाँ अपन प्राण केँ बचा लेलहुँ।

1329

परमेश् वर इजकिएल कॅ आज्ञा दै छै कि दुष्ट सिनी कॅ ओकरोॅ आसन्न सजा के बारे में चेतावलोॅ जाय, लेकिन अगर वू पश्चाताप करै सें मना करी दै छै, तॅ वू अपनऽ पाप में मरतै।

1. चेतावनी के शक्ति: परमेश्वर के आह्वान के जवाब देना कि बोलै के

2. निर्णायक अंतर: पश्चाताप आ अधर्म

1. मत्ती 3:2 - "पश्चाताप करू, कारण स् वर्गक राज्य नजदीक आबि गेल अछि।"

2. याकूब 4: 17 - "तेँ जे सही काज बुझैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

इजकिएल 3:20 फेर, जखन कोनो धर्मी अपन धार्मिकता सँ हटि क’ अधर्म करब, आ हम ओकरा सोझाँ ठोकर खायब, तखन ओ मरि जायत, कारण अहाँ ओकरा चेतावनी नहि देलहुँ, तखन ओ अपन पाप मे मरि जायत, आ ओकर धार्मिकता जे ओ केने छथि, से स्मरण नहि कयल जायत। मुदा ओकर खून हम तोहर हाथ सँ माँगब।”

जखन कोनो धर्मी आदमी धार्मिकता सँ मुँह मोड़ि कऽ पाप करैत अछि तखन परमेश् वर ओकरा सभक आज्ञा नहि मानबाक सजाय देतैक जँ ओकरा पहिने सँ चेतावनी नहि देल गेलैक।

1. इजकिएल 3:20 मे परमेश्वरक न्याय आ दया

2. धर्मसँ मोड़बाक परिणाम

1. याकूब 1:14-15 - मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि। तखन इच्छाक गर्भधारणक बाद पापक जन्म होइत छैक; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 3:21 मुदा जँ अहाँ धर्मी केँ चेताबैत छी जे धर्मी पाप नहि करैत अछि आ ओ पाप नहि करैत अछि, तँ ओ निश्चित रूप सँ जीवित रहत, किएक तँ ओकरा चेताओल गेल अछि। अहाँ अपन प्राण केँ सेहो बचा लेलहुँ।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे धर्मी सभ केँ पाप सँ बचबाक लेल चेताबथि जाहि सँ ओ सभ जीबि सकथि।

1. हमरा सभकेँ अपन जिम्मेदारीकेँ चिन्हबाक चाही जे एक दोसराकेँ धर्मपूर्वक जीबाक लेल प्रोत्साहित करी।

2. हमरा सभ केँ अपन आत्माक रक्षा आ उद्धार करबाक लेल परमेश् वरक आमंत्रण केँ स्वीकार करबाक चाही।

1. फिलिप्पियों 2:12-13 - "तेँ हमर प्रियजन सभ, जेना अहाँ सभ सदिखन आज्ञा मानैत रहलहुँ अछि, मात्र हमर सान्निध्य मे नहि, बल् कि आब हमर अनुपस्थिति मे बहुत बेसी, भय आ काँपैत अपन उद्धारक काज करू, कारण ओ परमेश् वर छथि।" जे अहाँ सभ मे अपन प्रसन्नताक लेल इच्छा आ करबाक दुनू काज करैत छथि |”

2. याकूब 5:19-20 - "हे भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभ मे सँ केओ सत् य सँ भटकैत अछि आ कियो ओकरा पाछू घुमा दैत अछि तँ ओकरा ई जानि दियौक जे जे पापी केँ अपन भ्रष्ट मार्ग सँ मोड़ि दैत अछि, ओ अपन प्राण केँ मृत्यु सँ बचाओत आ ओकरा झाँपि देत।" पापक भीड़।”

इजकिएल 3:22 परमेश् वरक हाथ हमरा पर छल। ओ हमरा कहलथिन, “उठू, मैदान मे जाउ, आ हम ओतहि अहाँ सँ गप्प करब।”

प्रभु इजकिएलक संग उपस्थित छलाह आ हुनका मैदान मे जेबाक आज्ञा देलनि, जतय ओ हुनका सँ गप्प करताह।

1. सुनब सीखब: भगवानक आवाज कोना सुनल जाय

2. निष्ठावान आज्ञाकारिता: परमेश् वरक आह्वानक प्रतिक्रिया देब

1. यशायाह 30:21 - अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस, अहाँक कान मे अहाँक पाछू एकटा आवाज सुनबा मे आओत जे, "ई बाट अछि, एहि मे चलू।"

2. याकूब 1:22 - खाली वचन नहि सुनू, आ एहि तरहेँ अपना केँ धोखा दियौक। जे कहैत अछि से करू।

इजकिएल 3:23 तखन हम उठि कऽ मैदान मे गेलहुँ, आ देखू, परमेश् वरक महिमा ओहिना ठाढ़ छल जेना हम कबर नदीक कात मे देखलहुँ।

इजकिएल मैदान मे जाइत काल प्रभुक महिमा के अनुभव करैत छथि |

1. परमेश् वरक महिमाक शक्ति: प्रभुक सान्निध्य केँ चिन्हब आ ओकर प्रतिक्रिया देब

2. भगवान् सँ भेंट करबाक लेल एकटा आह्वान: हुनकर उपस्थिति केना खोजल जाय आ कोना प्राप्त कयल जाय

1. निकासी 33:18-23 - मूसाक सिनै पहाड़ पर परमेश्वरक संग मुलाकात

2. यशायाह 6:1-7 - यशायाह के मंदिर में परमेश्वर के महिमा के दर्शन

इजकिएल 3:24 तखन आत्मा हमरा मे घुसि क’ हमरा पयर पर ठाढ़ क’ क’ हमरा सँ बाजल आ हमरा कहलक, “जाउ, अपन घर मे बंद रहू।”

प्रभुक आत् मा इजकिएल मे प्रवेश कऽ कऽ कहलथिन जे घर जा कऽ ओतहि रहू।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: आत्मा इजकिएल के की सिखबैत छल

2. कठिन समय मे प्रभु मे बल पाना

1. 1 यूहन्ना 2:6 - "जे कियो हुनका मे रहबाक दावा करैत अछि, ओकरा यीशु जकाँ जीबाक चाही।"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

इजकिएल 3:25 मुदा अहाँ, हे मनुष् य-पुत्र, देखू, ओ सभ अहाँ पर पट्टी बान्हि देत आ अहाँ केँ ओकरा सभ सँ बान्हि देत, आ अहाँ हुनका सभक बीच नहि जायब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि, तखनो जखन संसार हमरा सभक विरुद्ध अछि।

1: भगवान् पर भरोसा राखू: ओ अहाँ केँ ओहि मे सँ गुजरि जायत

2: दुनियाँ केँ जंजीर मे नहि बान्हि दियौक: भगवान् पर अपन विश्वास राखू

1: मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

1331

इजकिएल 3:26 हम अहाँक जीह केँ अहाँक मुँहक छत पर चिपका देब जाहि सँ अहाँ गूंगा बनि जायब आ हुनका सभक लेल डाँटयवला नहि बनब, कारण ओ सभ विद्रोही घर अछि।

प्रभु हुनका आ हुनकर लोकक विरुद्ध बजनिहार केँ चुप करा देताह।

1: हमरा लोकनि केँ ई कहियो नहि बिसरबाक चाही जे प्रभु सार्वभौम छथि आ विद्रोह केँ बर्दाश्त नहि करताह।

2: प्रभु केरऽ आज्ञाकारिता ही हुनकऽ सुरक्षा सुनिश्चित करै के एकमात्र तरीका छै ।

1: याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

2: रोमियो 12:1-2 - तेँ, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे परमेश् वरक दया सँ अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदान अछि, जे अहाँ सभक आत् मक आराधना अछि। एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 3:27 मुदा जखन हम अहाँ सँ बात करब तखन हम अहाँक मुँह खोलब आ अहाँ हुनका सभ केँ कहब जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जे सुनैत अछि से सुनय। जे सहन करैत अछि से सहन करथि, किएक तँ ओ सभ विद्रोही घर अछि।”

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ विद्रोही घर सँ बात करथि आ हुनका सभ केँ सुनथि आ आज्ञा मानथि।

1. प्रभु के आज्ञापालन के आह्वान: विद्रोह के सामने आज्ञाकारिता

2. आज्ञाकारिता के हृदय: परमेश्वर के आज्ञा के पालन करब

२.

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतान के विरोध करू आ ओ अहाँ स भागि जायत।

इजकिएल अध्याय 4 मे यरूशलेम पर आबै वाला न्याय के प्रतीकात्मक अधिनियम के चित्रण छै। विभिन्न कार्य आरू संकेत के माध्यम स॑ इजकिएल इस्राएल केरऽ आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप शहर केरऽ आसन्न घेराबंदी आरू विनाश के चित्रण करै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के माटिक पाटी लऽ कऽ ओकरा पर यरूशलेम के प्रतिनिधित्व आकर्षित करै के निर्देश दै के साथ होय छै। तखन ओकरा आज्ञा देल जाइत छैक जे ओ लोहाक कड़ाही अपना आ शहरक बीच विरहक देबाल बनाबथि । ई यरूशलेम के घेराबंदी आरू अलग-थलग होय के संकेत दै छै (यहेजकिएल 4:1-3)।

2nd पैराग्राफ: इजकिएल के आगू निर्देश देल गेल अछि जे ओ इस्राएल के अधर्म के सहन करैत एकटा निर्धारित संख्या में दिन तक अपन बामा कात लेट जाथि। प्रत्येक दिन एक साल के सजा के प्रतिनिधित्व करै छै। ई अवधि पूरा करला के बाद ओकरा यहूदा के अधर्म आरू ओकरऽ दंड के प्रतीक के रूप में अपनऽ दहिना तरफ लेटना छै (इजकिएल 4:4-8)।

3 पैराग्राफ: तखन परमेश् वर इजकिएल केँ ओकर भोजन आ पानि के संबंध मे विशिष्ट निर्देश दैत छथि, जे सीमित अछि आ घेराबंदी के दौरान यरूशलेम के लोक के जे कमी आ कठिनाई के सामना करय पड़तैक ओकर प्रतीक अछि। एकरऽ संकेत के रूप म॑ इजकिएल क॑ अपरंपरागत सामग्री के प्रयोग करी क॑ रोटी सेकना छै आरू ओकरा मनुष्य के मल-मूत्र प॑ पकाबै के छै, जेकरा म॑ अशुद्धता आरू हताशा प॑ जोर देलऽ जाय छै (इजकिएल ४:९-१७)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय चार चित्रित अछि
यरूशलेम पर न्याय के प्रतीकात्मक अधिनियम,

1332

आसन्न घेराबंदी आ विनाशक चित्रण।

माटिक पाटी पर यरूशलेम के चित्र बनाना आ लोहा के कड़ाही के देबाल के रूप में ठाढ़ करब।
इस्राएल आरू यहूदा के अधर्म आरू दंड के प्रतीक के रूप में बायां आरू दहिना तरफ पड़लऽ। सीमित भोजन आ पानी कें संबंध मे निर्देश, आ अपरंपरागत सामग्री कें उपयोग सं रोटी बेकिंग.

इजकिएल के ई अध्याय में यरूशलेम पर न्याय के प्रतीकात्मक अधिनियम के चित्रण छै। एकरऽ शुरुआत ई स॑ होय छै कि परमेश् वर इजकिएल क॑ माटी के एगो पाटी ल॑ क॑ ओकरा प॑ यरूशलेम के प्रतिनिधित्व बनाबै के निर्देश दै छै । तखन ओकरा आज्ञा देल गेल छैक जे ओ अपना आ शहरक बीच अलगावक देबाल के रूप मे लोहाक पैन लगाबय, जे यरूशलेम के आसन्न घेराबंदी आ अलगाव के प्रतीक अछि। इजकिएल क॑ आरू निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू अपनऽ बायां तरफ एक निश्चित संख्या म॑ दिन लेली लेट॑, इस्राएल केरऽ अधर्म क॑ सहन करी क॑, आरू ओकरा बाद अपनऽ दहिना तरफ यहूदा केरऽ अधर्म आरू ओकरऽ सजा के प्रतीक के रूप म॑ । परमेश् वर इजकिएल क॑ ओकरऽ भोजन आरू पानी के संबंध म॑ विशिष्ट निर्देश दै छै, जे सीमित छै आरू घेराबंदी के दौरान यरूशलेम के लोगऽ क॑ जे कमी आरू कठिनाई के सामना करना पड़तै, ओकरऽ प्रतीक छै । एकरऽ संकेत के रूप म॑ इजकिएल क॑ अपरंपरागत सामग्री के इस्तेमाल करी क॑ रोटी सेकना छै आरू ओकरा मनुष्य के मल-मूत्र प॑ पकाबै के छै, जेकरा म॑ अशुद्धता आरू हताशा प॑ जोर देलऽ जाय छै । अध्याय यरूशलेम पर न्याय के प्रतीकात्मक अधिनियमन आरू आसन्न घेराबंदी आरू विनाश के चित्रण पर केंद्रित छै ।

इजकिएल 4:1 हे मनुष्य-पुत्र, अहाँ सेहो एकटा खपड़ा लऽ कऽ अपन सोझाँ राखि दियौक आ ओहि पर यरूशलेम शहर केँ ढारि दियौक।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ एकटा टाइल लऽ कऽ ओहि पर यरूशलेमक चित्र बनाबथि।

1. परमेश् वरक आह्वान: हम सभ कोना प्रतिक्रिया द’ रहल छी?

2. इजकिएल के आज्ञाकारिता: हमरा सब के लेल एकटा आदर्श।

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2. यशायाह 6:1-8 - जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि, हम प्रभु केँ, ऊँच आ ऊँच, सिंहासन पर बैसल देखलहुँ। आ ओकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरि गेल। हुनका ऊपर सराफिम छल, प्रत्येक के छह टा पाँखि छलैक, दू पाँखि सँ ओ सभ मुँह झाँपि लेने छल, दू पाँखि सँ अपन पैर झाँपि लेने छल आ दू टा पाँखि सँ उड़ैत छल। ओ सभ एक-दोसर केँ पुकारैत रहलाह, “पवित्र, पवित्र, सर्वशक्तिमान प्रभु पवित्र छथि। पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि। हुनका लोकनिक आवाजक आवाज पर दरबज्जाक खंभा आ दहलीज हिलल आ मंदिर धुँआसँ भरल छल ।

इजकिएल 4:2 ओकरा घेराबंदी करू आ ओकरा विरुद्ध किला बनाउ आ ओकरा विरुद्ध एकटा पहाड़ बनाउ। डेरा सेहो ओकरा पर राखि दियौक आ चारू कात ओकरा पर मारि-पीट करय बला मेढ़ा सभ राखि दियौक।

इजकिएल क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू एगो शहर के घेराबंदी करी क॑ एक किला बनाबै आरू ओकरा चारो तरफ चढ़ी क॑ ओकरा पर मारपीट करै वाला मेढ़ा लगाबै ।

1. संकट के समय में भगवान के ताकत पर भरोसा करना

2. प्रयासरत समय मे धैर्य के शक्ति

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ई सभ ओहि द्वारा क' सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।"

1333

इजकिएल 4:3 आओर लोहाक कड़ाही ल’ क’ ओकरा अपन आ शहरक बीच लोहाक देबाल बनाउ, आ ओकरा पर मुँह राखू, तखन ओकरा घेराबंदी कयल जायत आ अहाँ ओकरा घेराबंदी क’ लेब। ई इस्राएलक घरानाक लेल एकटा संकेत होयत।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे यरूशलेमक चारूकात लोहाक देबाल बनाबथि जे इस्राएलक घरानाक लेल चिन् ह।

1. कोनो संकेतक शक्ति: इजकिएल मे परमेश्वरक संकेत आइ हमरा सभक कोना मदद क’ सकैत अछि

2. लोहाक देबाल: परमेश् वरक वचनक ताकत

1. यशायाह 40:8-9 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

इजकिएल 4:4 अहाँ अपन बामा कात सेहो पड़ल रहू आ इस्राएलक घरानाक अपराध ओकरा पर राखू।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ प्रतीकात्मक रूप सँ इस्राएलक अधर्म केँ सहन करथि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ अपन संगी-साथीक बोझ उठाबय लेल बजबैत छथि आ ओकरा अपन नाम पर उठाबी।

2. परमेश्वरक इच्छा आ संदेशक चित्रण करबाक लेल प्रतीकात्मकताक शक्ति।

1. गलाती 6:2 - "एक-दोसरक भार उठाउ, आ एहि तरहेँ मसीहक व्यवस्था केँ पूरा करू।"

2. यशायाह 53:4-6 - "ओ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि आ हमरा सभक दुःख केँ सहन कयलनि; तइयो हम सभ ओकरा मारल गेल, परमेश् वर द्वारा मारल गेल आ दुःखित मानलहुँ। मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ घायल भेलाह; ओ हमरा सभक अधर्मक कारणेँ कुचलल गेलाह। पर।" हुनका ओ दंड छल जे हमरा सभ केँ शान्ति देलक, आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

इजकिएल 4:5 हम अहाँ पर हुनकर सभक अधर्मक वर्ष, दिनक संख्याक अनुसार, तीन सय नब्बे दिन राखि देने छी, तेना अहाँ इस्राएलक घरानाक अपराध केँ सहब।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ इस्राएलक अधर्म केँ 390 दिन धरि सहन करथि जे न्यायक निशानी छल।

1. परमेश्वरक न्याय न्यायसंगत अछि: इजकिएल 4:5 पर क

2. अधर्मक भार उठाब: इजकिएल 4:5 पर एकटा चिंतन

1. लेवीय 26:18-24 - परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत अछि आ ओ अपन लोक सभ केँ ओकर पापक सजाय देत।

2. यशायाह 53:4-6 - मसीह हमरा सभक अधर्म केँ सहन कयलनि आ हमरा सभक पापक सजाय लेलनि।

इजकिएल 4:6 जखन अहाँ ओकरा सभ केँ पूरा क’ लेब तखन फेर अपन दहिना कात पड़ि जाउ, आ अहाँ चालीस दिन धरि यहूदाक घरक अपराध केँ सहन करब।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यहूदाक घरानाक अधर्म केँ सहन करबाक लेल 40 दिन धरि अपन दहिना कात, जे एक वर्षक प्रतिनिधित्व करैत अछि।

1. एक दिनक शक्ति: ई बुझब जे भगवान हमर समयक उपयोग कोना करैत छथि

2. भगवान् के दया आ न्याय: दोसर के अधर्म के सहन करब

1334

1. याकूब 4:14 - "अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2. 1 पत्रुस 4:1,2 - "तेँ मसीह अपन शरीर मे कष्ट भोगलनि, तेँ अहाँ सभ सेहो ओहिना मनोवृत्ति सँ हथियारबंद रहू, किएक तँ जे कियो शरीर मे कष्ट भोगैत अछि, ओ पापक संग भ' गेल अछि। परिणामस्वरूप, ओ सभ शेष समय नहि जीबैत अछि।" हुनका लोकनिक पार्थिव जीवन दुष्ट मानवीय इच्छाक लेल, बल्कि परमेश्वरक इच्छाक लेल।"

इजकिएल 4:7 तेँ अहाँ यरूशलेमक घेराबंदी दिस मुँह करब, आ अहाँक बाँहि उघार भ’ जायत आ अहाँ ओकरा विरुद्ध भविष्यवाणी करब।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यरूशलेमक सामना करथि आ ओकर पापक विरुद्ध बाजथि।

1: परमेश् वरक सामर्थ् य कोनो पाप सँ बेसी अछि। ओ हमरा सभकेँ बजा रहल छथि जे जखन गलत काज होइत देखि ठाढ़ भऽ कऽ बाजब।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर दिस मुँह घुमाबय पड़त आ पाप सँ दूर रहबाक चाही, हुनकर शक्ति पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ जीतय मे मदद करत।

1: रोमियो 12:1-2 - तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी, भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2: यूहन्ना 8:12 - जखन यीशु फेर लोक सभ सँ बात कयलनि तऽ ओ कहलनि, “हम संसारक इजोत छी।” जे हमरा पाछाँ चलत से कहियो अन्हार मे नहि चलत, बल्कि ओकरा जीवनक इजोत भेटतैक।

इजकिएल 4:8 देखू, हम अहाँ पर पट्टी बान्हि देब, आ जाबत धरि अहाँ अपन घेराबंदीक दिन समाप्त नहि क’ लेब, ताबत धरि अहाँ एक कात सँ दोसर कात नहि घुमब।

यरूशलेम के घेराबंदी के दौरान परमेश् वर इजकिएल के एक जगह पर रहै के आज्ञा दै छै।

1. परमेश् वरक अपन प्रतिज्ञाक प्रति निष्ठा

2. विपत्तिक समय मे भगवानक आज्ञाक पालन करब

1. व्यवस्था 7:9: तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

2. दानियल 6:10: जखन दानियल केँ पता चललनि जे पत्र पर हस्ताक्षर अछि, तखन ओ अपन घर मे गेलाह। यरूशलेम दिस अपन कोठली मे ओकर खिड़की खुजल छलैक, ओ दिन मे तीन बेर ठेहुन पर ठेहुन पर बैसि क’ प्रार्थना करैत छलाह आ अपन परमेश् वरक समक्ष धन्यवाद दैत छलाह, जेना पहिने करैत छलाह।

इजकिएल 4:9 अहाँ गहूम, जौ, बीन, मसूर, बाजरा आ फीच सेहो ल’ क’ एक बर्तन मे राखि दियौक आ ओहि दिनक संख्याक अनुसार रोटी बनाउ अपन कात मे तीन सय नब्बे दिन तक ओकर फल खायब।

परमेश् वर इजकिएल केँ सात प्रकारक अनाज लऽ कऽ ३९० दिन धरि रोटी बनेबाक निर्देश दैत छथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के निर्देश के पालन करना सीखना

2. जीवनक रोटी: भगवानक प्रावधानक स्मरण करब

1. व्यवस्था 8:3 - "ओ अहाँ केँ नम्र क' देलनि, आ अहाँ केँ भूखल रहय देलनि, आ अहाँ केँ मन्ना खुआ देलनि, जकरा अहाँ नहि जनैत छलहुँ, आ अहाँक पूर्वज सेहो नहि जनैत छलाह, जाहि सँ ओ अहाँ

केँ ई बुझा सकथि जे मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि जीबैत अछि।" , मुदा प्रभुक मुँह सँ निकलल प्रत्येक वचन सँ मनुष्य जीवित रहैत अछि |”

2. मत्ती 6:11 - "हमरा सभ केँ आइ हमर सभक रोजक रोटी दिअ।"

इजकिएल 4:10 अहाँ जे भोजन करब से तौल मे बीस शेकेल प्रतिदिन होयत।

परमेश् वर इजकिएल केँ हिदायत दैत छथिन जे ओ रोजाना 20 शेकेल भोजन करथि।

1. परमेश् वरक प्रावधान: प्रभुक प्रचुरता पर भरोसा करब

2. आत्मसंयम के महत्व

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु द्वारा महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

2. नीतिवचन 16:3 - अपन काज प्रभु केँ सौंप दिअ, तखन अहाँक विचार स्थापित भ’ जायत।

इजकिएल 4:11 अहाँ एक हिनक छठम भाग नाप-जोख सँ पानि सेहो पीब।

परमेश् वर इजकिएल भविष्यवक्ता केँ एक नापल मात्रा मे पानि पीबाक निर्देश देलनि।

1: भगवान् हमरा सभ केँ जतेक रोजी-रोटी चाही से उपलब्ध कराबैत छथि।

2: परमेश् वरक निर्देश हमरा सभ केँ जे चाही तकर सही संतुलन प्रदान करैत अछि।

1: मत्ती 6:25-34 - यीशु अपन शिष्य सभ केँ सिखाबैत छथि जे ओ सभ अपन शारीरिक आवश्यकताक चिन्ता नहि करथि।

2: भजन 23:1-6 - प्रभु ओ चरबाह छथि जे अपन लोकक भरण-पोषण करैत छथि।

इजकिएल 4:12 अहाँ एकरा जौक रोट जकाँ खाउ आ ओकरा मनुक्ख सँ निकलल गोबर सँ सेकब, ओकरा सभक नजरि मे।

इजकिएल 4:12 मे ई अंश ई प्रकट करैत अछि जे परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलनि जे ओ जौ सँ बनल केक आ मनुष्य सँ बनल गोबर केँ दोसरक उपस्थिति मे खाथि।

1. परमेश् वरक आज्ञा अजीब लागि सकैत अछि, मुदा हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे हुनकर बाट हमरा सभ सँ बेसी ऊँच अछि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छा पूरा करबा मे लाज नहि करबाक चाही, भले ओ हमरा सभक आशा सँ भिन्न लागय।

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 1:16-17 - किएक तँ हम सुसमाचार पर लाज नहि करैत छी, किएक तँ ई परमेश् वरक सामर्थ् य अछि जे सभ विश् वास करयवला केँ उद्धार दैत अछि: पहिने यहूदी केँ, फेर गैर-यहूदी केँ। किएक तँ सुसमाचार मे परमेश् वरक धार्मिकता एकटा एहन धार्मिकताक प्रगट होइत अछि जे विश् वास सँ पहिने सँ अन् त धरि होइत अछि, ठीक ओहिना जेना लिखल अछि जे “धर्मी लोक विश् वास सँ जीओत।”

इजकिएल 4:13 परमेश् वर कहलथिन, “इस्राएलक सन् तान सभ गैर-यहूदी सभक बीच अपन अशुद्ध रोटी एहि तरहेँ खायत, जतय हम ओकरा सभ केँ भगा देब।”

1336

परमेश् वर घोषणा कयलनि जे इस्राएलक लोक गैर-यहूदी सभक लग भगाओल जायत आ ओकरा अशुद्ध रोटी खाय लेल बाध्य कयल जायत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा कठिन परिस्थितिक बादो एखनो मान्य अछि

2. प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक निष्ठा

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो परीक्षा नहि आयल अछि सिवाय ओहि बातक जे मनुष्यक लेल सामान्य अछि। आ परमेश् वर वफादार छथि। ओ अहाँकेँ जतेक सहन कऽ सकैत छी ताहिसँ बेसी प्रलोभन नहि होमय देत। मुदा जखन अहाँकेँ प्रलोभन भेटत तँ ओ एकटा बाट सेहो उपलब्ध करौताह जाहिसँ अहाँ ओकरा सहि सकब।

इजकिएल 4:14 तखन हम कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर! देखू, हमर प्राण दूषित नहि भेल अछि, कारण, जवानी सँ एखन धरि हम ओहि मे सँ नहि खयलहुँ जे अपने सँ मरि गेल अछि आ ने टुकड़-टुकड़ भऽ गेल अछि। आ ने हमरा मुँह मे घृणित मांस आयल।

इजकिएल 4:14 के ई अंश इजकिएल भविष्यवक्ता के पवित्रता के बात करै छै, जे युवावस्था स॑ भी अशुद्ध भोजन के सेवन स॑ परहेज करी रहलऽ छै ।

1. पवित्रता के शक्ति: प्रलोभन के सामने पवित्रता के निर्वाह करना |

2. घृणितता सँ परहेज: सब रूप मे पवित्रता केँ आत्मसात करब

1. 1 थिस्सलुनीकियों 4:3-5 - किएक तँ परमेश् वरक इच् छा अछि जे अहाँ सभक पवित्रता अछि जे अहाँ सभ व्यभिचार सँ परहेज करू। लोभक वासना मे नहि, जेना गैर-यहूदी सभ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि।

2. लेवीय 11:1-8 - तखन परमेश् वर मूसा आ हारून सँ कहलथिन, “इस्राएलक सन् तान सभ सँ ई कहू जे, “ई सभ पशु अछि जे अहाँ सभ पृथ् वी पर अछि।” जे किछु खुर फाड़ि कऽ पएर फाटि कऽ काट चबा लेत, से अहाँ सभ खाएब। तैयो ई सभ उँट जकाँ नहि खाउ जे कटहर चबाबऽ वला आ खुर बाँटि रहल अछि। ओ अहाँ सभक लेल अशुद्ध अछि।

इजकिएल 4:15 तखन ओ हमरा कहलथिन, “देखू, हम अहाँ केँ मनुखक गोबरक बदला मे गायक गोबर द’ देने छी, आ अहाँ ओहि मे अपन रोटी तैयार करब।”

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ रोटी सेकबाक लेल गायक गोबरक उपयोग करथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: भगवान के इच्छा करब सीखब चाहे ओ कतबो कठिन लागय।

2. विश्वासक ताकत: असंभावित परिस्थिति मे सेहो भगवान पर भरोसा करब जे ओ प्रावधान करथि।

1. उत्पत्ति 22:1-14 - अब्राहम के विश्वास के परीक्षा।

2. यूहन्ना 6:1-15 - यीशु पाँच हजार केँ खुआबैत छथि।

इजकिएल 4:16 ओ हमरा कहलनि, “मनुख-पुत्र, देखू, हम यरूशलेम मे रोटीक लाठी तोड़ब। ओ सभ नाप-जोख मे पानि पीत आ आश्चर्यचकित भ’ क’।

परमेश् वर इजकिएल कॅ चेतावनी दै छै कि हुनी यरूशलेम में रोटी के डंडा तोड़ी देतै, जेकरा चलतें लोग सिनी कॅ आपनो खाना आरू पानी के राशन करै ल॑ पड़तै।

1. सावधानी आ भय के साथ जीना: परमेश्वर के अनुशासन हमरा सब के कोना संतुष्ट रहना सिखाबै छै

2. प्रचुरता वा अभाव: भगवान् हमरा सभक लेल सभ परिस्थिति मे कोना प्रबंध करैत छथि

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।

2. नीतिवचन 30:7-9 - हम अहाँ सँ दू टा बात माँगैत छी; मरबासँ पहिने हमरा ओकरा सभकेँ अस्वीकार नहि करू। हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन। हमरा लेल जे भोजन चाही से खुआउ, जाहि सँ हम पेट भरि कऽ अहाँ केँ अस्वीकार कऽ कऽ कहब जे प्रभु के छथि? कहीं हम गरीब नहि भ' क' अपन परमेश् वरक नाम चोरा कऽ अपवित्र नहि क' देब।

इजकिएल 4:17 जाहि सँ हुनका सभ केँ रोटी आ पानि चाही, आ एक-दोसर मे आश्चर्यचकित भ’ जाय आ अपन अधर्मक कारणेँ भस्म भ’ जाय।

इजकिएल 4:17 केरऽ ई अंश अधर्म केरऽ परिणाम के रूपरेखा दै छै कि रोटी आरू पानी के कमी छै जे लोगऽ क॑ संकट म॑ डालै छै आरू ओकरऽ पापऽ स॑ भस्म करी दै छै ।

1. "अधर्म के सामने भगवान के दया"।

2. "पाप के परिणाम"।

1. व्यवस्था 8:3 - "ओ अहाँ केँ नम्र क' देलनि, आ अहाँ केँ भूखल रहय देलनि, आ अहाँ केँ मन्ना खुआ देलनि, जकरा अहाँ नहि जनैत छलहुँ, आ अहाँक पूर्वज सेहो नहि जनैत छलाह, जाहि सँ ओ अहाँ केँ ई बुझा सकथि जे मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि जीबैत अछि।" , मुदा परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ वचन सँ मनुष् य जीवित अछि।”

2. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

इजकिएल अध्याय 5 मे ओकर लगातार विद्रोह आ मूर्तिपूजा के परिणामस्वरूप यरूशलेम पर परमेश् वर जे कठोर न्याय आनताह, ओकर वर्णन कयल गेल अछि। जीवंत बिम्ब आरू प्रतीकात्मक क्रिया के माध्यम स॑ इजकिएल शहर क॑ सामने आबै वाला विनाशकारी परिणाम के संप्रेषण करै छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के आज्ञा दै छै कि वू एगो तेज तलवार ल॑ क॑ ओकरा यरूशलेम पर आबै वाला न्याय के प्रतीक के रूप म॑ इस्तेमाल करै। इजकिएल के निर्देश देल गेल छै कि ओ केश के तौल क तीन भाग में बांट क अपन माथ आ दाढ़ी मुंडन करथि। ई शहर के तीन तरह के न्याय के प्रतिनिधित्व करै छै: एक भाग जला देलऽ जाय छै, एक भाग तलवार सें मारलऽ जाय छै, आरू एक भाग हवा में छिड़िया जाय छै (इजकिएल 5:1-4)।

2nd Paragraph: तखन इजकिएल के निर्देश देल गेल अछि जे किछु केश के किनारा लऽ कऽ अपन कपड़ा मे बान्हि दियौक। ई एकटा अवशेष के प्रतिनिधित्व करै छै जे न्याय स॑ सुरक्षित रहतै । मुदा, एहि अवशेष केँ सेहो अकाल, तलवार आ जाति सभक बीच तितर-बितर होयबाक कष्टक सामना करय पड़तनि (इजकिएल 5:5-17)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय पाँच मे चित्रित कयल गेल अछि
यरूशलेम पर कठोर न्याय,
विद्रोह के परिणाम के प्रतिनिधित्व करय वाला प्रतीकात्मक क्रिया |

इजकिएल के माथ आ दाढ़ी के न्याय आ मुंडन के प्रतीक के रूप में तेज तलवार के प्रयोग करबाक आज्ञा।
केश के तीन भाग में विभाजन जे जलन, तलवार स प्रहार, आ छिड़काव के प्रतिनिधित्व करैत अछि |
इजकिएल के वस्त्र में केश के कुछ किनारा के बान्हना जे संरक्षित अवशेष के प्रतीक छेकै।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय में परमेश् वर यरूशलेम पर ओकरऽ लगातार विद्रोह आरू मूर्तिपूजा के कारण कठोर न्याय के वर्णन करै छै । एकरऽ शुरुआत ई बात स॑ होय छै कि परमेश् वर इजकिएल क॑ न्याय के प्रतीक के रूप म॑ तेज तलवार लेबै के आज्ञा दै छै । तखन इजकिएल केँ निर्देश देल गेल अछि जे ओ अपन माथ आ दाढ़ी मुंडन क' केश तौलि क' तीन भाग मे बाँटि क' शहरक तीन तरहक न्यायक प्रतिनिधित्व करैत अछि: जरेब, तलवार सँ मारब आ छिड़ियाब। इजकिएल क॑ आगू निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि केश के कुछ तार ल॑ क॑ ओकरा अपनऽ कपड़ा म॑ बांधै के, जे एगो अवशेष के प्रतीक छै जे न्याय स॑ सुरक्षित रहतै । मुदा, एहि अवशेष केँ सेहो अकाल, तलवार आ जाति-जाति मे छिड़ियायल कष्टक सामना करय पड़तैक। अध्याय यरूशलेम पर कठोर न्याय के चित्रण आरू विद्रोह के परिणाम के प्रतिनिधित्व करै वाला प्रतीकात्मक कार्यऽ पर केंद्रित छै ।

इजकिएल 5:1 हे मनुष्यक बेटा, एकटा तेज चाकू लऽ कऽ नाईक रेजर लऽ कऽ माथ आ दाढ़ी पर लगा दियौक, तखन तोरा तौलबाक लेल तराजू लऽ कऽ केश बाँटि दियौक।

प्रभु इजकिएल के निर्देश दै छै कि एक तेज चाकू आरू नाई के उस्तरा ल॑ क॑ केश के तौलना आरू बाँटै स॑ पहल॑ ओकरऽ माथा आरू दाढ़ी मुंडवाबै के चाही।

1. अभिषेक: परमेश् वरक सेवाक लेल अलग रहब

2. आत्मत्याग: भगवान् के प्रति अपना के जीवित बलिदान बनाना

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि।

2. 1 शमूएल 16:1-7 - परमेश् वर शमूएल केँ कहलथिन, “हम शाऊल केँ इस्राएल पर राजा बना कऽ अस्वीकार कऽ देलहुँ अछि? अपन सींग मे तेल भरू आ रस्ता पर चलि जाउ; हम अहाँ सभ केँ बेतलेहेमक यिशै लग पठा रहल छी। हम हुनकर एकटा बेटा के राजा बनेबाक लेल चुनने छी।

इजकिएल 5:2 जखन घेराबंदीक दिन पूरा भ’ जायत तखन अहाँ शहरक बीच मे एक तिहाई भाग आगि सँ जरा देब, आ एक तिहाई भाग ल’ क’ ओकरा चारू कात चाकू सँ मारि देब हवा मे छिड़िया जायब; हम हुनका सभक पाछाँ तलवार निकालब।”

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे शहरक एक तिहाई भाग जरा दियौक, एक तिहाई भाग चाकू सँ काटि दियौक आ एक तिहाई भाग हवा मे छिड़िया दियौक, आ परमेश् वर हुनका सभक पाछाँ तलवार निकालि लेताह।

1. परमेश् वरक न्याय: इजकिएल 5:2 केर महत्व केँ बुझब

2. परमेश् वरक तलवार: इजकिएल 5:2 हुनकर ईश्वरीय न्यायक पूर्वाभास कोना दैत अछि

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. नीतिवचन 16:9 - "मनुष्य के हृदय अपन बाट के कल्पना करैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग के निर्देशित करैत छथि।"

इजकिएल 5:3 अहाँ ओहि मे सँ किछु गोटे केँ सेहो लऽ कऽ ओकरा सभ केँ अपन वस्त्र मे बान्हि दियौक।

एहि अंश मे किछु किछु ल' क' अपन स्कर्ट मे बान्हबाक बात कयल गेल अछि ।

1. बात केँ हृदय मे लेबाक महत्व

2. परमेश् वरक वचनक स्मरणक संग लऽ कऽ चलब

1. व्यवस्था 6:6-9

1339

2. भजन 119:11

इजकिएल 5:4 तखन फेर ओकरा सभ केँ लऽ कऽ आगि मे फेकि दियौक आ ओकरा सभ केँ आगि मे जरा दियौक।
किएक तँ एहि मे सँ आगि समस्त इस्राएलक घराना मे निकलत।”

ई अंश परमेश् वर के आज्ञा के पालन नै करला के परिणाम के बारे में बात करै छै: पूरा इस्राएल में आगि निकलतै।

1. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक प्रति वफादार रहबाक चाही नहि तँ एकर परिणाम भोगय पड़त।

2. आगि भगवानक न्यायक प्रतीक अछि; परमेश् वरक वचनक चेतावनी पर ध्यान दियौक।

1. व्यवस्था 28:15-20 - परमेश् वर आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे चेतावनी दैत छथि।

2. इब्रानी 12:25-29 - परमेश् वर हुनका सभ केँ अनुशासित करैत छथि जकरा ओ प्रेम करैत छथि; हमरा सभकेँ चौकस रहबाक चाही।

इजकिएल 5:5 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ई यरूशलेम अछि, हम एकरा ओकर चारूकातक जाति आ देशक बीच मे राखि देने छी।

प्रभु घोषणा करै छै कि यरूशलेम बहुत जाति आरू देश के बीच में स्थित छै।

1. यरूशलेम के लेलऽ परमेश् वर के योजना - यरूशलेम के बहुत जाति के बीच में रखै के परमेश् वर के निर्णय के समझना।

2. राष्ट्र के बीच यरूशलेम - यरूशलेम के लेलऽ परमेश्वर के योजना के उद्देश्य आरू निहितार्थ के खोज करना।

1. भजन 122:6 - "यरूशलेम के शांति के लेल प्रार्थना करू। जे तोरा स प्रेम करैत अछि, ओ सभ सफल हेताह।"

2. यशायाह 52:1 - "जागू, जागू; हे सियोन, अपन शक्ति पहिरू; हे यरूशलेम, पवित्र नगर, अपन सुन्दर वस्त्र पहिरू, किएक तँ आब अहाँ मे अखतना आ अशुद्ध नहि आओत।"

इजकिएल 5:6 ओ हमर निर्णय केँ जाति सँ बेसी दुष्टता मे बदलि देलनि आ हमर नियम केँ अपन चारूकातक देश सँ बेसी, किएक तँ ओ सभ हमर निर्णय आ हमर नियम केँ अस्वीकार क’ देलक, ओ सभ ओहि मे नहि चलल।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के न्याय आरु विधान कॅ अस्वीकार करी कॅ अपनऽ आसपास के जाति सिनी सें भी जादा दुष्ट काम करलकै।

1. परमेश् वरक वचन केँ अस्वीकार करबाक खतरा

2. परमेश् वरक निर्णय आ विधान हमरा सभक भलाईक लेल अछि

1. रोमियो 2:12-16

2. भजन 119:9-11

इजकिएल 5:7 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ सभ अहाँ सभक चारूकातक जाति सभ सँ बेसी बढ़लहुँ आ हमर नियम सभ मे नहि चललहुँ आ ने हमर निर्णय सभक पालन केलहुँ आ ने अहाँ सभक चारूकातक जाति सभक निर्णयक अनुसार काज केलहुँ।

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेताबै छै, कैन्हेंकि हुनी हुनको नियम या न्याय के पालन नै करलकै, नै ही आसपास के जाति के न्याय के पालन करलकै।

1) आस्था आ आज्ञाकारिता के जीवन जीबाक महत्व

2) परमेश्वर के वचन के अवहेलना के परिणाम

1) व्यवस्था 4:1-2, "तेँ हे इस्राएल, आब हम अहाँ सभ केँ जे नियम आ न्याय सिखाबैत छी, ओकर बात सुनू, जाहि सँ अहाँ सभ जीवित रहब आ ओहि देशक मालिक बनब जे प्रभु परमेश् वर अछि।" अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ दऽ दैत छथि।

2) याकूब 1:22-25, "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ देखनिहारक समान अछि।" काँच मे ओकर स्वाभाविक चेहरा: किएक तँ ओ अपना केँ देखैत अछि आ अपन बाट पर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन मनुक्ख छल काज करनिहार, ई आदमी अपन काज मे धन्य होयत।"

इजकिएल 5:8 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम, हम अहाँक विरोध मे छी, आ जाति-जाति सभक सामने अहाँक बीच मे न्याय करब।

परमेश् वर इस्राएल के लोगऽ के सामने अपनऽ विरोध के घोषणा करी रहलऽ छै, आरू वू ऐन्हऽ तरीका स॑ करतै जे दोसरऽ जाति सिनी क॑ देखतै ।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: सब पर हुनक अधिकार केँ बुझब

2. पापक सजाय: परमेश् वरक न्यायपूर्ण न्याय।

1. यशायाह 40:15 - "देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि, आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि। देखू, ओ द्वीप सभ केँ बहुत छोट वस्तु जकाँ उठा लैत अछि।"

2. यिर्मयाह 18:7-8 - "हम कोन क्षण कोनो जाति आ राज्यक विषय मे कहब जे ओकरा उखाड़ि कऽ उखाड़ि कऽ उखाड़ि कऽ नष्ट करब। जँ ओ जाति, जकरा विरुद्ध हम घोषणा केने छी, ओ घुमि जायत।" हुनका सभक बुराई सँ हम पश्चाताप करब जे हम हुनका सभक संग जे अधलाह करबाक विचार केने रही।”

इजकिएल 5:9 हम अहाँक सभ घृणित काजक कारणेँ अहाँ मे ओ काज करब जे हम नहि केलहुँ आ जकरा लेल हम आब एहन काज नहि करब।

परमेश् वर यरूशलेम केँ एहन काज करताह जे ओ पहिने कहियो नहि केने छलाह, कारण ओकर घृणित काज।

1. भगवान् के क्रोध आ दया

2. पापक परिणाम

1. यिर्मयाह 32:35 - "ओ सभ बेन हिन्नोमक घाटी मे बालक लेल ऊँच स्थान बनौलनि जाहि सँ ओ सभ अपन बेटा-बेटी केँ मोलेक केँ बलिदान कयल जाय, यद्यपि हम कहियो आज्ञा नहि देलहुँ आ ने हमरा मोन मे ई बात नहि आयल जे ओ सभ एहन घृणित काज करथि आ एना बनाबथि।" यहूदा पाप।"

2. विलाप 2:17 - "प्रभु जे योजना बनौने छलाह से कयलनि; ओ अपन वचन केँ पूरा कयलनि, जे ओ बहुत पहिने निर्धारित केने छलाह। ओ अहाँ सभ केँ बिना दया के उखाड़ि देलनि, ओ अहाँ सभ पर शत्रु केँ उल्लासित कयलनि, ओ अहाँक सींग केँ ऊँच कयलनि।" अहाँक दुश्मन सभ।"

इजकिएल 5:10 तेँ बाप-पिता अहाँक बीचक बेटा सभ केँ खा जायत आ पुत्र सभ अपन पिता केँ खा जायत। हम अहाँ मे न् याय करब, आ अहाँक समस्त शेष लोक केँ हम सभ हवा मे छिड़िया देब।”

इजकिएल 5:10 के ई श्लोक एकटा भयानक न्याय के बात करै छै जे परमेश् वर इस्राएल के लोग पर लाबै वाला छै, जे एतना कठोर छै कि माता-पिता आरू बच्चा सिनी एकरा द्वारा भस्म होय जैतै।

1. इजकिएल 5:10 के कठिन सत्य स सीखब

2. परमेश् वरक न्याय आ दया हुनकर न्यायक सोझाँ

1. यिर्मयाह 15:2-3 - "जँ ओ सभ अहाँ केँ कहत जे हम सभ कतय जायब? तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, प्रभु ई कहैत छथि, जे सभ मृत्युक लेल अछि, मृत्युक लेल। आ।" जे तलवारक लेल, तलवारक लेल, आ जे अकाल आ अकालक लेल अछि, आ जे कैदक लेल, बंदी मे अछि।”

2. रोमियो 11:22 - "तेँ देखू परमेश् वरक भलाई आ कठोरता। जे सभ खसल छल, ओकरा पर कठोरता; मुदा अहाँक प्रति भलाई, जँ अहाँ हुनकर भलाई मे रहब, नहि तँ अहाँ सेहो कटि जायब।"

इजकिएल 5:11 तेँ हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। निश्चय, अहाँ अपन सभ घृणित वस्तु आ सभ घृणित काज सँ हमर पवित्र स्थान केँ अशुद्ध कयलहुँ, तेँ हम अहाँ केँ सेहो कम करब। ने हमर आँखि बख्शत आ ने हमरा कोनो दया होयत।

परमेश् वर ओहि सभ केँ नहि छोड़ताह जे घृणित काज सभ सँ हुनकर पवित्र स्थान केँ अशुद्ध आ दूषित कएने छथि।

1. भगवान् के अभयारण्य के अशुद्ध करने के परिणाम

2. भगवान् के दया के शक्ति

1. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग कऽ देलक अछि। तोहर पाप ओकर मुँह तोरा सँ नुका देने छैक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

2. योएल 2:13 - अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर परमेश् वर लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि, आ विपत्ति पठेबा सँ मुक्त भऽ जाइत छथि।

इजकिएल 5:12 तोहर एक तिहाई भाग महामारी सँ मरत, आ अकाल मे ओ सभ तोहर बीच मे समाप्त भ’ जायत। हम एक तिहाई भाग सभ हवा मे छिड़िया देब आ ओकरा सभक पाछाँ तलवार निकालब।

ई अंश इस्राएली सिनी के आज्ञा नै मानला के कारण परमेश् वर के न्याय के प्रकट करै छै, जेकरऽ परिणाम मौत, विनाश आरू निर्वासन होतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 5:12 सँ सीखब

2. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् हमरा सभक जीवन पर कोना नियंत्रण रखैत छथि

1. रोमियो 6:23: पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यिर्मयाह 29:11: कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

इजकिएल 5:13 एहि तरहेँ हमर क्रोध पूरा होयत, आ हम हुनका सभ पर अपन क्रोध राखब आ हमरा सान्त्वना भेटत, आ जखन हम अपन क्रोध पूरा क’ लेब तखन ओ सभ ई जानि लेताह जे हम प्रभु अपन क्रोध मे ई बात कहलहुँ हुनकर.

परमेश् वर के क्रोध के उद्देश्य न्याय आबै के छै आरू जेकरा पर अन्याय करलऽ गेलऽ छै, ओकरा दिलासा दै के छै।

1: भगवान् के क्रोध जरूरतमंद के न्याय आ दिलासा दै छै।

2: जखन एहन बुझाइत अछि जे भगवानक क्रोध अथाह अछि तखन ओकर उद्देश्य न्याय केँ पुनर्स्थापित करब आ आराम देब अछि।

1: रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2: मत्ती 5:43-45 - अहाँ सुनने छी जे कहल गेल छल जे, “अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू आ अपन दुश्मन सँ घृणा करू।” मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे अपन पिताक संतान बनि जायब। ओ अपन सूर्य अधलाह आ नीक पर उगबैत छथि, आ धर्मात्मा आ अधर्मी पर वर्षा करैत छथि |

इजकिएल 5:14 हम अहाँ केँ उजड़ि देब आ अहाँक चारूकातक जाति सभक बीच अपमानित करब।

परमेश् वर यरूशलेम केँ ओहि जाति सभक बीच उजाड़ आ निन्दा बना देताह, आ ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभ केँ ई देखबा मे आओत।

1. यरूशलेम पर परमेश् वरक न्याय: हमरा सभक लेल एकटा चेतावनी

2. पापक परिणाम: यरूशलेम सँ हम की सीख सकैत छी

1. यशायाह 3:8-9 - किएक तँ यरूशलेम ठोकर खा गेल अछि आ यहूदा खसि पड़ल अछि, किएक तँ ओकर सभक बात आ काज प्रभुक विरोध मे अछि, जे हुनकर गौरवशाली उपस्थितिक अवहेलना करैत अछि। हुनका लोकनिक चेहरा पर जे नजरि छनि से हुनका सभक विरुद्ध गवाही दैत छनि; ओ सभ सदोम जकाँ अपन पापक प्रचार करैत छथि। एकरा नुकाबैत नहि छथि। धिक्कार हुनका सभक लेल!

2. विलाप 5:1-2 - हे प्रभु, हमरा सभ पर की आयल अछि, से मोन राखू; देखू, आ देखू, हमरा सभक निन्दा! हमर सभक धरोहर एलियन के सौंपल गेल अछि, आ हमर घर परदेशी के।

इजकिएल 5:15 तखन ई अहाँक चारूकातक जाति सभक लेल एकटा निन्दा आ ताना मारब, उपदेश आ आश्चर्य होयत, जखन हम अहाँ पर क्रोध आ क्रोध आ क्रोधित डाँट मे न्याय करब। हम परमेश् वर कहने छी।

निंदा, ताना, निर्देश आरू आश्चर्य वू न्याय छै जे प्रभु इजकिएल के आसपास के जाति सिनी पर लागू करतै।

1. प्रभुक न्याय: परमेश् वरक क्रोध आ क्रोध

2. अवज्ञा के परिणाम: निंदा, ताना, निर्देश आ विस्मय

१.

2. इजकिएल 18:30 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, प्रत्येक गोटेक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ' जाय।

इजकिएल 5:16 जखन हम हुनका सभ पर अकाल केर दुष्ट बाण पठा देब, जे हुनका सभक विनाशक लेल होयत आ जकरा हम अहाँ सभ केँ नष्ट करबाक लेल पठा देब।

परमेश् वर हुनकर आज्ञा नहि माननिहार सभ केँ दंडक रूप मे अकालक बाण पठौताह, जाहि सँ विनाश आ अकाल मे वृद्धि होयत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 5:16 के अध्ययन

2. परमेश् वरक औजारक रूप मे अकाल: इजकिएल 5:16 क उद्देश्य केँ बुझब

1. यिर्मयाह 14:13-15 प्रभु एहि लोक सभ केँ ई कहैत छथि, “ओ सभ एहि तरहेँ भटकब प्रेम करैत छथि, अपन पएर नहि रोकलनि, तेँ प्रभु हुनका सभ केँ स्वीकार नहि करैत छथि। आब ओ हुनका सभक अधर्म केँ मोन पाड़त आ हुनका सभक पापक दण्ड देत। तखन प्रभु हमरा कहलथिन, “एहि लोक सभक भलाईक लेल प्रार्थना नहि करू।” जखन ओ सभ उपवास करताह तखन हम हुनकर सभक चीत्कार नहि सुनब। जखन ओ सभ होमबलि आ बलि चढ़बैत छथि तँ हम ओकरा सभ केँ स्वीकार नहि करब, मुदा हम ओकरा सभ केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ नष्ट कऽ देब।”

2. भजन 33:18-19 देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत अछि, जे हुनकर दया पर आशा करैत अछि। हुनका सभक प्राण केँ मृत्यु सँ मुक्त करबाक लेल, आ अकाल मे जीवित रखबाक लेल।

इजकिएल 5:17 तहिना हम अहाँ पर अकाल आ दुष्ट जानवर पठा देब, आ ओ सभ अहाँ केँ लूटत। अहाँ मे महामारी आ खून बहत। हम अहाँ पर तलवार आनि देब।” हम परमेश् वर कहने छी।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ इजकिएल के माध्यम सें चेताबै छै कि अगर वू सिनी ओकरो वचन के अनुसार काम नै करतै त वू अकाल, दुष्ट जानवर, महामारी आरू तलवार भेजतै।

1. अधर्मक परिणाम काटि लेब

2. आज्ञाकारिता के शक्ति

1. गलाती 6:7-8: "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बीजत, ओ आत् मा सँ अनन्त जीवनक फसल काटत।”

2. व्यवस्था 11:26-28: "देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद जँ अहाँ सभ अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी आ शाप, जँ अहाँ सभ।" अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू, बल् कि आइ जे बाट हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दऽ रहल छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागि जाउ, जकरा अहाँ सभ नहि चिन्हने छी।”

इजकिएल अध्याय 6 में इस्राएल में मूर्तिपूजक प्रथा आरू उच्च आराधना के जगह के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा के चित्रण छै। इजकिएल भविष्यवक्ता के माध्यम स॑ परमेश् वर हुनका सिनी के आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप देश पर आबै वाला आसन्न विनाश आरू तबाही के बारे म॑ चेतावनी दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के इस्राएल के पहाड़ आरू पहाड़ी के खिलाफ भविष्यवाणी करै के आज्ञा दै के साथ करै छै, जहां लोग सिनी अपनौ मूर्ति खड़ा करी कॅ बलिदान चढ़ैलकै। परमेश् वर अपन क्रोध व्यक्त करैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे ओ एहि ऊँच स्थान सभ केँ उजाड़ि देत आ ओकर वेदी आ मूर्ति सभ केँ नष्ट कऽ देताह (इजकिएल 6:1-7)।

2nd Paragraph: भगवान् अपन न्याय के कठोरता के वर्णन करैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे लोक तलवार स मारल जायत, अकाल आ महामारी के अनुभव करत, आ अपन शहर आ पवित्र स्थान के उजाड़ के सामना करत। बची गेलऽ लोगऽ क॑ जाति-जाति के बीच छिड़ियालऽ जैतै, आरू ओकरऽ मूर्तिपूजक प्रथा क॑ व्यर्थ आरू शक्तिहीन के रूप म॑ उजागर करलऽ जैतै (इजकिएल ६:८-१०)।

3 पैराग्राफ: तबाही के बावजूद भगवान अपन लोक के एकटा अवशेष के बचाबय के वादा करैत छथि। ई बचि गेल लोक हुनका स्मरण करताह आ अपन मूर्तिपूजाक व्यर्थताक अहसास करताह । भविष्य में हुनकऽ दया आरू पुनर्स्थापन के अनुभव करतै, एक बार जब॑ वू न्याय के माध्यम स॑ विनम्र आरू शुद्ध होय गेलऽ छै (यहेजकिएल ६:११-१४)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल छठम अध्याय मे प्रकट होइत अछि
मूर्तिपूजक प्रथाक विरुद्ध परमेश् वरक न्यायक घोषणा,
जनता के विनाश आ छिड़काव के चेतावनी।

जाहि पहाड़ आ पहाड़ी पर मूर्तिक पूजा होइत छल, ओहि पर भविष्यवाणी करबाक आज्ञा।
भगवान् के क्रोध के घोषणा आ वेदी आ मूर्ति के नाश।
तलवार, अकाल, महामारी, आ उजाड़ के माध्यम स कठोर न्याय के वर्णन।
एकटा अवशेष के संरक्षण आ भविष्य में बहाली के वादा।

इजकिएल के ई अध्याय में इस्राएल में मूर्तिपूजक प्रथा आरू उच्च आराधना के जगह के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा के चित्रण छै। एकरऽ शुरुआत ई बात स॑ होय छै कि परमेश् वर इजकिएल क॑ आज्ञा दै छै कि वू पहाड़ आरू पहाड़ी के खिलाफ भविष्यवाणी करै, जहाँ लोगऽ न॑ अपनऽ मूर्ति खड़ा करी क॑ बलिदान देल॑ छै । भगवान् अपन क्रोध व्यक्त करैत घोषणा करैत छथि जे ओ एहि ऊँच स्थान सभ केँ उजाड़ि देत, ओकर वेदी आ मूर्ति सभ केँ नष्ट क' देत। परमेश् वर अपन न्यायक कठोरताक वर्णन करैत छथि, लोकक काजक परिणाम पर जोर दैत छथि: ओ सभ तलवार सँ मारि देल जेताह, अकाल आ महामारीक अनुभव करताह, आ अपन शहर आ पवित्र स्थानक उजड़बाक गवाह बनताह। बचि गेल लोक राष्ट्रक बीच छिड़िया जायत, आ ओकर मूर्तिपूजक प्रथा व्यर्थ आ शक्तिहीनक रूप मे उजागर भ' जायत। तबाही के बावजूद भगवान अपनऽ लोगऽ के एक अवशेष के बचाबै के वादा करै छै । ई बचि गेल लोक हुनका स्मरण करताह आ अपन मूर्तिपूजाक व्यर्थताक अहसास करताह । भविष्य में हुनकऽ दया आरू पुनर्स्थापन के अनुभव करतै, एक बार जब॑ वू न्याय के माध्यम स॑ विनम्र आरू शुद्ध होय गेलऽ छै । अध्याय मूर्तिपूजक प्रथा के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा, लोगऽ के विनाश आरू बिखरऽ के चेतावनी, आरू एक अवशेष आरू भविष्य के बहाली के संरक्षण के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै।

इजकिएल 6:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु के वचन इजकिएल के पास आबी गेलै कि हुनी इस्राएल के पहाड़ के खिलाफ भविष्यवाणी करै।

1. "भविष्यवाणी करबाक आह्वान: इजकिएल 6:1"।

2. "परमेश् वरक वचन आ ओकर प्रभाव हमरा सभक जीवन पर: इजकिएल 6:1"।

1. यिर्मयाह 23:29 - "की हमर वचन आगि जकाँ नहि अछि, आ हथौड़ा जकाँ नहि अछि जे चट्टान केँ टुकड़ा-टुकड़ा करैत अछि?"

2. यशायाह 55:10-11 - "जेना बरखा आ बर्फ स् वर्ग सँ नीचाँ उतरैत अछि, आ पृथ्वी केँ पानि देने आ ओकरा कलरी आ पनपने बिना ओकरा दिस नहि घुरि जाइत अछि, जाहि सँ ओ बोनिहार लेल बीया आ रोटी पैदा करैत अछि।" खाए वाला, तहिना हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि: ई हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल्कि हमर इच्छा केँ पूरा करत आ ओहि उद्देश्य केँ प्राप्त करत जकरा लेल हम एकरा पठौने रही।"

इजकिएल 6:2 मनुष्यक बेटा, इस्राएलक पहाड़ दिस मुँह करू आ ओकरा सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

प्रभु इजकिएल के इस्राएल के पहाड़ के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश दै छै।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक निर्देशक पालन करबाक लेल तैयार रहबाक चाही, चाहे ओ कतबो कठिन वा कठिन बुझाइत हो।

2: भगवान् पर हमर विश्वास हमरा सभ केँ आज्ञा मानय लेल प्रेरित करबाक चाही, चाहे किछुओ खर्च हो।

1: मत्ती 16:24-25 - "तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "जे केओ हमर शिष्य बनय चाहैत अछि, ओकरा अपना केँ नकारबाक चाही आ अपन क्रूस उठा क' हमरा पाछाँ पड़बाक चाही। किएक त' जे अपन जान बचाब' चाहैत अछि, ओ ओकरा गमाओत, मुदा जे अपन प्राण गमा लेत।" हमरा लेल जीवन भेटत।

2: फिलिप्पियों 3:7-8 - मुदा हमरा लेल जे किछु लाभ छल, हम आब मसीहक लेल हानि मानैत छी। एकरऽ अलावा, हम्में सब कुछ क॑ नुकसान मान॑ छियै, कैन्हेंकि हम्में मसीह यीशु क॑ अपनऽ प्रभु क॑ जान॑ के अत्यधिक औकात छै, जेकरा लेली हम्में सब कुछ गंवाय देल॑ छियै । हम ओकरा सभ केँ कचरा बुझैत छी, जाहि सँ हम मसीह केँ पाबि सकब।

इजकिएल 6:3 आ कहब जे, “हे इस्राएलक पहाड़ सभ, प्रभु परमेश् वरक वचन सुनू। प्रभु परमेश् वर पहाड़, पहाड़ी, नदी आ घाटी सभ केँ ई कहैत छथि। देखू, हम, हम अहाँ सभ पर तलवार आनि देब, आ अहाँक ऊँच स्थान सभ केँ नष्ट कऽ देब।

1345

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के पहाड़, पहाड़ी, नदी आरू घाटी स॑ बात करै छै आरू ओकरा सिनी क॑ अपनऽ आबै वाला तलवार के कारण ओकरऽ ऊंचऽ जगह के विनाश के बारे म॑ चेतावनी दै छै ।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. विद्रोही दुनिया मे आज्ञाकारिता के मूल्य

1. व्यवस्था 28:15-68 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा आज्ञापालनक लेल आशीर्वाद आ आज्ञा नहि मानबाक लेल अभिशाप।

2. यशायाह 65:17 - परमेश् वर एकटा नव आकाश आ नव धरतीक निर्माण करताह आ अपन लोक सभक बीच रहताह।

इजकिएल 6:4 अहाँक वेदी सभ उजाड़ भ’ जायत, आ अहाँक मूर्ति सभ टूटि जायत।

परमेश् वर अपन लोकक वेदी आ मूर्ति सभ आ ओकरा सभक सोझाँ मे मारल गेल लोक सभ केँ नष्ट कऽ देताह।

1. मूर्तिपूजाक विनाश: जखन हम सभ भगवान् केँ अस्वीकार करैत छी तखन की होइत अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: पापक प्रति परमेश् वर कोना प्रतिक्रिया दैत छथि

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपन मूर्ति नहि बनाउ। प्रणाम नहि करू।" हुनका सभक समक्ष उतरू वा हुनका सभक आराधना करू, किएक तँ हम, अहाँ सभक परमेश् वर, ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. यिर्मयाह 10:11 - "तहिना अहाँ अपन सभ दुष्टताक कारणेँ लज्जित आ लज्जित होयब, जाहि मे अहाँ हमरा छोड़ि देलहुँ।"

इजकिएल 6:5 हम इस्राएलक संतानक मृत शव केँ ओकर मूर्ति सभक सोझाँ राखब। हम अहाँक हड्डी केँ अहाँक वेदी सभक चारू कात छिड़िया देब।

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ ओकर मूर्ति सभक चारू कात हड्डी छिड़िया कऽ सजा देताह।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम

2. प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ थिक

1. यशायाह 45:22 "हे सभ पृथ्वीक छोर, हमरा दिस घुरू आ उद्धार पाउ, किएक तँ हम परमेश् वर छी, आओर दोसर नहि अछि।"

2. रोमियो 1:25 "ओ सभ परमेश् वरक सत् य केँ झूठ मे बदलि लेलक, आ सृष्टिकर्ताक बजाय सृष्टिक वस्तुक आराधना आ सेवा केलक, जेकर स्तुति अनन्त काल धरि होइत अछि। आमीन।"

इजकिएल 6:6 अहाँक सभ निवास स्थान मे नगर सभ उजाड़ भ’ जायत आ ऊँच स्थान उजाड़ भ’ जायत। जाहि सँ अहाँक वेदी सभ उजाड़ भ' क' उजाड़ भ' जाय, आ अहाँक मूर्ति सभ तोड़ि क' समाप्त भ' जाय, आ अहाँक मूर्ति सभ केँ काटि देल जाय आ अहाँक काज सभ समाप्त भ' जाय।

मूर्तिपूजा के सजा के रूप में परमेश् वर इस्राएल के सब शहर आरू मंदिर के विनाश करी देतै।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

1. यिर्मयाह 7:13-14 जखन हम आकाश केँ बंद क’ देब जाहि सँ बरखा नहि हो, वा टिड्डी केँ देश केँ खायबाक आज्ञा देब, वा हमर लोक मे महामारी पठायब, जँ हमर लोक जे हमर नाम सँ बजाओल गेल

1346

अछि, अपना केँ नम्र बनाबय आ... प्रार्थना करू आ हमर मुँह ताकब आ हुनका सभक दुष् ट मार्ग सँ मुड़ि जाउ, तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ हुनका सभक पाप क्षमा करब आ हुनका सभक देश केँ ठीक करब।

2. भजन 115:1-8 हे प्रभु, हमरा सभ केँ नहि, हमरा सभ केँ नहि, बल् कि अपन अडिग प्रेम आ अपन विश्वासक लेल अपन नामक महिमा करू! जाति सभ किएक कहत जे ओकर परमेश् वर कतय छथि? हमर सभक परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ जे किछु नीक लगैत अछि से करैत अछि। हुनका लोकनिक मूर्ति चानी आ सोनाक अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि | मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि। कान छै, मुदा सुनै नै छै। नाक, मुदा गंध नहि। हाथ छै, मुदा महसूस नै करै छै; पैर, मुदा चलब नहि। आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। जे ओकरा सभकेँ हुनका सभ जकाँ बनबैत अछि; तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

इजकिएल 6:7 मारल गेल लोक अहाँ सभक बीच खसि पड़त आ अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर पापक लेल सजा देथिन, ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ कऽ ओकरा सभ केँ मारि देथिन।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 6:7 मे परमेश्वरक न्याय

2. इजकिएल 6:7 मे परमेश्वरक आवाज केँ चिन्हब सीखब

1. व्यवस्था 28:15-68 - आज्ञा नहि मानबाक परिणामक बारे मे परमेश् वरक चेतावनी

2. यशायाह 45:18-19 - परमेश् वरक अपन संप्रभुता आ न्यायक आश्वासन

इजकिएल 6:8 तइयो हम एकटा अवशेष छोड़ि देब, जाहि सँ अहाँ सभ केँ किछु एहन लोक भेटय जे जाति सभक बीच तलवार सँ बचि जायत, जखन अहाँ सभ देश मे छिड़िया जायब।

तितर-बितर के समय में भगवान के लोक के अवशेष बख्शल जायत।

1. परीक्षा आ क्लेशक समयक माध्यमे परमेश् वरक अवशेष सदिखन सुरक्षित रहत

2. परमेश् वरक वफादारी हुनकर अपन लोकक अवशेष केँ रखबाक क्षमताक माध्यमे देखल जाइत अछि।

1. यशायाह 10:20-22 - ओहि दिन इस्राएलक शेष आ याकूबक घराना सँ बचल लोक सभ आब फेर ओहि पर नहि रहत जे ओकरा सभ केँ मारि देलक। मुदा सत्य मे इस्राएलक पवित्र परमेश् वर पर रहत।

2. रोमियो 11:5 - तहिना एहि वर्तमान समय मे सेहो अनुग्रहक चयनक अनुसार एकटा अवशेष अछि।

इजकिएल 6:9 अहाँ सभ सँ बचल लोक सभ हमरा ओहि जाति सभक बीच मे स्मरण करत जतय ओ सभ बंदी बनाओल जायत, कारण हम हुनकर वेश्या हृदय सँ टूटि गेल छी जे हमरा सँ विदा भ’ गेल अछि आ हुनकर आँखि सँ टूटि गेल छी जे अपन मूर्ति सभक पाछाँ वेश्यावृत्ति करैत अछि: आ ओ सभ अपन सभ घृणित काज मे जे अधलाह काज केने छथि, ताहि लेल अपना केँ घृणा करत।

ई अंश ऐन्हऽ लोगऽ के बात करै छै जे भगवान के याद करतै जब॑ ओकरा कैदी के रूप म॑ बहाय देलऽ जैतै, ओकरऽ बेवफाई के कारण ।

1: भगवान् तखनो विश्वासी छथि जखन हम सभ नहि छी, आ हुनकर अडिग प्रेम कहियो खत्म नहि होइत अछि।

2: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे अपन हृदय केँ परमेश् वर सँ आ हुनकर आज्ञा सँ दूर नहि भ' जाय।

1: विलाप 3:22-23 प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत छनि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

2: 2 तीमुथियुस 2:13 जँ हम सभ अविश्वासी छी तँ ओ विश्वासी रहैत छथि। ओ अपना केँ नकारि नहि सकैत अछि।

इजकिएल 6:10 ओ सभ ई जानि लेत जे हम प्रभु छी, आ हम व्यर्थ नहि कहलहुँ जे हम हुनका सभक संग ई अधलाह करब।

प्रभु वचन देलकै कि लोगऽ पर बुराई आबी जैतै, आरू ओकरा सिनी क॑ पता चलतै कि प्रभु अपनऽ वचन के प्रति सच्चा छेलै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा विश् वासपूर्ण आ सत्य अछि

2. अपन जीवन मे प्रभुक हाथ केँ चिन्हब

1. यशायाह 55:10-11 - किएक तँ जहिना बरखा आ बर्फ स् वर्गसँ नीचाँ अबैत अछि आ ओतऽ घुरि कऽ नहि आबि जाइत अछि अपितु पृथ्वीकेँ पानि दैत अछि आ ओकरा अंकुरित करैत अछि आ बोनिहारकेँ बीया आ खाएबलाकेँ रोटी दैत अछि, तहिना हमर... हमर मुँह सँ निकलय बला शब्द हो। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

इजकिएल 6:11 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हाथ सँ मारू, पैर सँ मुहर लगाउ, आ कहू जे, “इस्राएलक घरानाक सभटा घृणित काजक लेल हाय!” कारण, ओ सभ तलवार, अकाल आ महामारी सँ खसि पड़त।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे इस्राएलक दुष्टताक कारणेँ दुख देखाबथि, जकर परिणाम तलवार, अकाल आ महामारी सँ हुनका सभक नाश होयत।

1. पापक गुरुत्वाकर्षण: दोसरक दुष्टताक शोक किएक करबाक चाही

2. पाप के परिणाम: हमर कर्म के प्रभाव के बुझब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

इजकिएल 6:12 जे दूर अछि से महामारी सँ मरत। जे लग मे अछि से तलवार सँ खसि पड़त। जे रहत आ घेराबंदी मे रहत से अकाल मे मरि जायत।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ ओकर आज्ञा नहि मानबाक सजा दऽ रहल छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 6:12 पर क

2. परमेश् वरक क्रोध: इजकिएल 6:12 पर क

1. यिर्मयाह 15:2-3 जँ ओ सभ अहाँ केँ कहत जे, “हम सभ कतय जायब?” तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि।” जेना मृत्युक लेल, मृत्युक लेल; आ जे तलवारक लेल अछि, से तलवारक लेल। आ जे अकाल लेल अछि, से अकाल मे। आ जे कैदक लेल अछि, बंदी मे।

2. व्यवस्था 28:15-68 मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सब शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेतै....

1348

इजकिएल 6:13 तखन अहाँ सभ जनब जे हम प्रभु छी, जखन हुनकर सभक मारल गेल लोक सभ हुनकर मूर्ति सभक बीच हुनकर वेदी सभक चारू कात, हर ऊँच पहाड़ी पर, सभ पहाड़क चोटी पर, हरियर-हरियर गाछक नीचाँ आ हरेक हरियर गाछक नीचाँ रहताह मोटका ओक, ओ स्थान जतय ओ सभ अपन सभ मूर्ति केँ मधुर स्वाद अवश्य अर्पित करैत छलाह |

परमेश् वर अपन उपस्थितिक ज्ञापन करथिन जे मारल गेल लोक सभ केँ ऊँच पहाड़ी, पहाड़, हरियर गाछ आ मोटका ओक गाछ पर मूर्ति सभक बीच पड़ल रहबाक अनुमति दऽ देताह जतय मूर्ति सभ केँ मधुर सुगंध चढ़ाओल गेल छल।

1. प्रभु के उपस्थिति: इजकिएल 6:13 के महत्व के समझना

2. मनुष्यक मूर्तिपूजक स्वभाव: इजकिएल 6:13 सँ सीखब

1. यशायाह 66:1-2 - "परमेश् वर ई कहैत छथि, 'स्वर्ग हमर सिंहासन अछि आ धरती हमर पैरक आधार अछि। अहाँ सभ जे घर हमरा लेल बनबैत छी से कतय अछि? आ हमर विश्रामक स्थान कतय अछि? ओहि सभक लेल।" परमेश् वर कहैत छथि जे हमर हाथ सँ सभ किछु बनल अछि, मुदा हम एहि आदमी दिस तकब, जे गरीब आ पश्चाताप करयवला आत्माक अछि आ हमर वचन सँ काँपि रहल अछि।”

2. यिर्मयाह 7:30-31 - "किएक तँ यहूदाक सन् तान सभ हमर नजरि मे अधलाह काज केलक अछि, परमेश् वर कहैत छथि तोफेत के ऊंच जगह पर, जे हिन्नोम के बेटा के घाटी में छै, ताकि ओकरोॅ बेटा-बेटी सिनी कॅ आगि में जलाबै के कोशिश करलोॅ जाय।

इजकिएल 6:14 तेँ हम हुनका सभ पर हाथ बढ़ा देब आ ओहि देश केँ उजाड़ बना देब, हँ, हुनका सभक सभ आवास मे डिब्लात दिसक जंगल सँ बेसी उजाड़ बना देब।

ई अंश परमेश् वरक न्यायक बात करैत अछि जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेने छथि, आ एकर परिणामस्वरूप देश उजाड़ भऽ जायत।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

2. परमेश् वरक दया अपन न् याय मे

1. यिर्मयाह 2:7 - "हम अहाँ सभ केँ प्रचुर देश मे अनलहुँ, जाहि सँ ओकर फल आ नीक-नीकता खा सकब। मुदा जखन अहाँ सभ भीतर गेलहुँ तँ हमर देश केँ अशुद्ध कयलहुँ आ हमर धरोहर केँ घृणित बना देलियैक।"

2. नीतिवचन 11:31 - "देखू, धर्मी केँ पृथ्वी मे प्रतिफल भेटतैक। दुष्ट आ पापी केँ बहुत बेसी।"

इजकिएल अध्याय 7 मे अंतिम न्याय के वर्णन छै जे परमेश्वर इस्राएल के भूमि पर ओकर व्यापक भ्रष्टाचार आरू मूर्तिपूजा के कारण लाबै वाला छै। अध्याय मे ओहि तबाही आ निराशा के सजीव चित्रण कयल गेल अछि जे लोक के पापपूर्ण काज के परिणामस्वरूप अपना मे समेटत।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के घोषणा स होइत अछि जे इस्राएल पर न्याय के दिन आबि गेल अछि। भूमि के वर्णन करलऽ गेलऽ छै कि ओकरऽ अंतिम अंत के सामना करना पड़॑ छै, आरू भगवान के क्रोध लोगऽ पर ओकरऽ घृणित काम के लेलऽ उतारलऽ जाय छै । अध्याय एहि बात पर जोर दैत अछि जे आसन्न विनाश सँ कियो नहि बचि जायत (इजकिएल 7:1-9)।

दोसर पैराग्राफ: एहि अंश मे ओहि व्यापक आतंक आ अराजकताक विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि जे आसन्न निर्णयक सोझाँ लोक केँ भस्म क' देत। हुनका लोकनिक धन आ भौतिक सम्पत्ति बेकार भ' जायत, आ हुनका लोकनिक हृदय भय आ शोक मे जकड़ि जायत। अध्याय घोषणा करै छै कि ओकरऽ मूर्ति ओकरा बचाबै में असमर्थ होतै, आरू ओकरऽ झूठा भविष्यवक्ता चुप होय जैतै (यहेजकिएल 7:10-15)।

तृतीय पैराग्राफ: भगवान् अपन क्रोध के बिना दया के लोक पर उझलबाक संकल्प व्यक्त करैत छथि | राष्ट्र केरऽ दुष्टता चरम पर पहुँची गेलऽ छै, आरो भगवान हर व्यक्ति केरऽ कर्म के 1349

अनुसार न्याय करतै । अध्याय के अंत में ओहि उजाड़ आ खंडहर के वर्णन कयल गेल अछि जे ओहि देश के उजाड़ आ खाली छोड़ि देत (इजकिएल 7:16-27)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सात मे चित्रित कयल गेल अछि
इस्राएल पर अंतिम न्याय,
तबाही आ निराशा के वर्णन करैत।

घोषणा जे इस्राएल पर न्यायक दिन आबि गेल अछि।
व्यापक आतंक आ अराजकता के वर्णन, धन आ मूर्ति के बेकार बनाबय के।
भगवान् केरऽ दृढ़ संकल्प कि बिना दया के अपनऽ क्रोध उड़ाबै के ।
उजाड़ आ बर्बादी जे भूमि पर पड़ैत अछि।

इजकिएल के ई अध्याय में अंतिम न्याय के वर्णन छै जे परमेश्वर इस्राएल के देश पर लाबै वाला छै। एकरऽ शुरुआत परमेश् वर के घोषणा स॑ होय छै कि न्याय के दिन इस्राएल प॑ आबी गेलऽ छै, कैन्हेंकि देश अपनऽ अंतिम अंत के सामना करी रहलऽ छै आरू परमेश्वर के क्रोध लोगऽ प॑ ओकरऽ घृणित काम के लेलऽ उतारलऽ जाय छै । एहि अंश मे ओहि व्यापक आतंक आ अराजकताक विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि जे आसन्न निर्णयक सोझाँ लोक केँ भस्म क' देत. हुनका लोकनिक धन आ भौतिक सम्पत्ति बेकार भ' जायत, आ हुनका लोकनिक हृदय भय आ शोक मे जकड़ि जायत। अध्याय में ई बात पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि ओकरऽ मूर्ति ओकरा बचाबै में असमर्थ होय जैतै, आरो ओकरऽ झूठा भविष्यवक्ता चुप होय जैतै । भगवान् अपन क्रोध के बिना कोनो दया के लोक पर उझलबाक संकल्प व्यक्त करैत छथि, जेना कि राष्ट्र के दुष्टता चरम पर पहुँचि गेल अछि | प्रत्येक व्यक्ति के ओकर कर्म के अनुसार न्याय कयल जायत। अध्याय के अंत में ओहि उजाड़ आ खंडहर के वर्णन कयल गेल अछि जे एहि भूमि के उजाड़ आ खाली छोड़ि देत। अध्याय के केंद्र इजरायल पर अंतिम न्याय के चित्रण आरू ओकरा बाद आबै वाला तबाही आरू निराशा के चित्रण पर छै ।

इजकिएल 7:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

प्रभु इजकिएल केँ एकटा वचन देने छथि।

1. प्रभु बजैत छथि: भगवानक आवाज केँ कोना चिन्हल जाय आ ओकर प्रतिक्रिया कोना देल जाय

2. परमेश् वरक संप्रभुता: भविष्यवाणीक संदेशक शक्ति आ उद्देश्य

1. यिर्मयाह 29:11, "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. यशायाह 55:11, "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

इजकिएल 7:2 हे मनुष् य-पुत्र, प्रभु परमेश् वर इस्राएल देश केँ ई कहैत छथि। एकटा अंत, अंत भूमिक चारू कोन पर आबि गेल अछि।

प्रभु परमेश् वर इस्राएल देश केँ कहैत छथि जे अंत नजदीक आबि गेल अछि।

1: प्रभु परमेश् वर हमरा सभ केँ चेतावनी दऽ रहल छथि जे अंत नजदीक आबि गेल अछि। हमरा सभकेँ तैयार रहबाक चाही आ उद्धारक लेल हुनका दिस घुमबाक चाही।

2: प्रभु परमेश् वर हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक आ दया आ अनुग्रहक लेल हुनका दिस घुरबाक तत्काल आवश्यकता मोन पाड़ि रहल छथि।

1: यहोशू 24:15 - मुदा जँ अहाँ सभ केँ प्रभुक सेवा करब अवांछनीय बुझाइत अछि तँ आइ अपना लेल चुनू जे अहाँ सभ केकर सेवा करब, चाहे अहाँ सभक पूर्वज यूफ्रेटिस नदीक ओहि पारक देवता सभक सेवा कयलनि वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ छी रहनाइ. मुदा रहल बात हमरा आ हमर घरक लोकक तऽ हम सभ प्रभुक सेवा करब।

2: याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, तखन ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक।

इजकिएल 7:3 आब अहाँक अंत आबि गेल अछि, आ हम अहाँ पर अपन क्रोध पठा देब, आ अहाँक तरीकाक अनुसार अहाँक न्याय करब, आ अहाँक सभ घृणित काजक बदला अहाँ पर देब।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ ओकर दुष्टताक सजा दऽ रहल छथि आ ओकर सभक तरीकाक अनुसार न्याय करताह।

1. परमेश् वरक न्याय: हमर सभक कर्मक परिणाम

2. पश्चाताप: पाप सँ मुँह मोड़ब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 1:18 - आब आउ, हम सभ एक संग तर्क-वितर्क करी, प्रभु कहैत छथि, यद्यपि अहाँक पाप लाल रंगक समान अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत।

इजकिएल 7:4 हमर आँखि तोरा नहि दया करत आ ने हमरा दया होयत, मुदा हम तोहर बाट पर बदला देब, आ तोहर घृणित काज तोहर बीच मे होयत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएलक लोक सभ पर दया नहि करताह आ हुनका सभक पापक सजाय देताह।

1. परमेश् वर न्यायी आ दयालु छथि: इजकिएल 7:4 केँ बुझब

2. परमेश् वरक पवित्रता: इजकिएल 7:4 केर शिक्षा सँ सीखब

१.

2. याकूब 1:13 - जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी, किएक तँ परमेश् वर बुराई सँ परीक्षा मे नहि पड़ि सकैत अछि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत छथि।

इजकिएल 7:5 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। एकटा अधलाह, एकमात्र अधलाह, देखू, आबि गेल अछि।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे एकटा बुराई आबि रहल अछि।

1. एकटा आसन्न बुराई: हमरा सभकेँ कोना तैयारी करबाक चाही आ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. प्रभु के चेतावनी: पश्चाताप आ नवीकरण के हमर प्रतिक्रिया

1. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

2. भजन 34:15 - "प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि, आ हुनकर कान हुनकर पुकार पर ध्यान दैत छनि।"

इजकिएल 7:6 एकटा अंत आबि गेल अछि, अंत आबि गेल अछि। देखू, आबि गेल अछि।

दिनक अंत आबि गेल अछि आ हमरा सभ पर आबि गेल अछि।

1: अंतिम समय स कोनो बचब नहि अछि, आ जखन ओ आओत तखन ओकरा लेल तैयार रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अंतिम समय सँ डरबाक नहि चाही, बल्कि ई मोन राखबाक चाही जे परमेश् वर हमरा सभक संग छथि।

1: रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

2: यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

इजकिएल 7:7 हे देश मे रहनिहार, अहाँक लेल भोर भ’ गेल अछि, समय आबि गेल अछि, विपत्तिक दिन नजदीक आबि गेल अछि, आ पहाड़क आवाज फेर नहि।

विपत्तिक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ ओकर परिणाम महसूस होयत।

1. विपत्तिक दिन आबि रहल अछि: परिणामक तैयारी करू

2. भगवान सर्वज्ञ छथि: अहाँक लेल हुनकर योजना पर भरोसा करू

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

इजकिएल 7:8 आब हम जल्दिये अहाँ पर अपन क्रोध उझलि देब आ अहाँ पर अपन क्रोध पूरा करब।

परमेश् वर सभ पाप आ दुष्टताक न्याय आ दंडित करताह।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम

2. पश्चाताप के महत्व

1. रोमियो 6:23- पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. नीतिवचन 28:13- जे अपन अपराध नुकाबैत अछि, ओकर सफलता नहि भेटत, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया भेटत।

इजकिएल 7:9 हमर आँखि कोनो दया नहि करत, आ ने हमरा दया होयत, हम अहाँक बीच मे अहाँक बाट आ घृणित काजक प्रतिफल देब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम प्रभु छी जे मारि दैत छी।”

प्रभु नै दया करतै आरू नै दया करतै, बल्कि जे घृणित काम करै छै ओकरा ओकरऽ तरीका के अनुसार दंडित करतै।

1. न्यायक प्रभु: परमेश् वरक धार्मिक न्याय केँ बुझब

2. प्रभुक दया: दया प्राप्त करबाक की अर्थ होइत छैक से जानब

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. नीतिवचन 15:2 - बुद्धिमानक जीह ज्ञानक सही उपयोग करैत अछि, मुदा मूर्खक मुँह मूर्खता बहाबैत अछि।

इजकिएल 7:10 देखू, दिन आबि गेल अछि, भोर भ’ गेल अछि। छड़ी खिलल अछि, घमंड कली उठल अछि।

भगवान चेतावनी दऽ रहलऽ छै कि न्याय के दिन आबी गेलऽ छै आरू एकरऽ परिणाम अपरिहार्य छै ।

1. कयामतक दिन नजदीक अछि - कोना तैयारी आ धर्मपूर्वक जीबी

2. पतनसँ पहिने घमंड अबैत अछि - अपनाकेँ विनम्र बनब सीखब

1. रोमियो 2:5-6 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

इजकिएल 7:11 हिंसा दुष्टताक डंडा बनि गेल अछि, ओकरा सभ मे सँ कियो नहि रहत, ने ओकर भीड़ मे सँ कोनो लोक, आ ने ओकरा सभक लेल विलाप करत।

दुष्टताक हिंसा बर्दाश्त नहि होयत, आ ओकर परिणाम पूर्ण आ पूर्ण होयत।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायपूर्ण आ पूर्ण अछि

2. दुष्टताक खतरा गंभीर होइत छैक

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. गलाती 6:7 - धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से सेहो काटि लेत।

इजकिएल 7:12 समय आबि गेल अछि, दिन नजदीक आबि रहल अछि, खरीदनिहार आनन्दित नहि होथि आ बेचनिहार शोक नहि करथि, किएक तँ ओकर सभ भीड़ पर क्रोध अछि।

न्यायक समय नजदीक आबि गेल अछि आ ई ककरो लेल आनन्द वा दुखक समय नहि होयत।

1: भगवान् के न्याय आबि रहल अछि आ सब के तैयार रहय पड़त।

2: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे संतुष्ट नहि बनबाक चाही, कारण न्याय जल्दिये आबि रहल अछि।

1: यशायाह 13:9-11 - देखू, प्रभुक दिन आबि रहल अछि, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग क्रूर, देश केँ उजाड़ करबाक लेल, आ ओ ओहि मे सँ पापी सभ केँ नष्ट कऽ देत।

2: मत्ती 24:36-44 - मुदा ओहि दिन आ घड़ीक विषय मे केओ नहि जनैत अछि, स् वर्गक स् वर्गदूत नहि, सिवाय हमर पिता मात्र।

इजकिएल 7:13 किएक तँ बेचनिहार ओहि बिकाएल वस्तु दिस नहि घुरि जायत, यद्यपि ओ सभ जीवित छल, किएक तँ ई दर्शन ओकर समस्त भीड़ केँ छूबि रहल अछि जे घुरि कऽ नहि आओत। आ ने केओ अपन जीवनक अधर्म मे अपना केँ मजबूत करत।

इजकिएल चेतावनी दै छै कि जे पाप करै छै, वू अपनऽ पूर्व जीवन में वापस नै आबी सकै छै, कैन्हेंकि ई दर्शन पूरा भीड़ पर लागू होय छै।

1. भगवानक न्याय अपरिहार्य अछि

2. बल के लेल अधर्म पर केओ भरोसा नहि क सकैत अछि

1. रोमियो 2:5-8 मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश् वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

2. इब्रानी 10:26-27 किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत।

इजकिएल 7:14 ओ सभ तुरही बजबैत अछि, जाहि सँ सभ केँ तैयार कयल जा सकय। मुदा कियो युद्ध मे नहि जाइत अछि, किएक तँ हमर क्रोध ओकर सभ लोक पर अछि।”

जनता युद्ध मे बजाओल गेल अछि, मुदा भगवानक क्रोध ओकरा पर अछि ताहि लेल कियो नहि जा रहल अछि।

1: भगवानक क्रोध हमरा सभ पर अछि तेँ हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर इच्छाक सेवा करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1: व्यवस्था 28:1-2 - जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ निष्ठापूर्वक मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करबा मे सावधान रहब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ पृथ् वीक सभ जाति सँ ऊपर राखि देताह. जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा मानब तँ ई सभ आशीर्वाद अहाँ सभ पर आबि जायत आ अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत।

2: इब्रानी 12:1-2 - तेँ हम सभ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल छी, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ हम सभ ओहि दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू जे पहिने राखल गेल अछि हमरा सभ केँ, अपन विश् वासक संस्थापक आ सिद्धकर्ता यीशु दिस तकैत छी, जे हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक कारणेँ लाज केँ तिरस्कृत करैत क्रूस केँ सहन कयलनि आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि।

इजकिएल 7:15 तलवार बाहर अछि, आ भीतर महामारी आ अकाल अछि। जे नगर मे अछि, तकरा अकाल आ महामारी ओकरा खा जायत।

भगवान् तलवार, महामारी आ अकाल के रूप में आबै वाला सजा के चेतावनी दै छै। खेत मे रहनिहार तलवार मे मरत, आ नगर मे रहनिहार अकाल आ महामारी सँ नाश भ’ जेताह।

1. भगवानक न्यायक खतरा

2. पापक प्रभाव हमरा सभक जीवन पर

1. यिर्मयाह 14:12-15 - परमेश् वरक न्याय हुनकर चेतावनी पर ध्यान नहि देबाक लेल

2. आमोस 4:6-10 - परमेश् वरक न्याय जे ओ अपन आशीष केँ हल्का मे लेलनि

इजकिएल 7:16 मुदा जे सभ ओकरा सभ सँ बचैत अछि से बचत आ पहाड़ पर घाटी सभक कबूतर जकाँ रहत, सभ कियो अपन अधर्मक कारणेँ शोक मना रहल अछि।

ई अंश ओहि सभक बात करैत अछि जे परमेश् वरक न् याय सँ बचि जायत, मुदा ओ सभ अपन पापक शोक करैत दुख मे एहन करत।

1. पलायनक दुःख: न्याय सँ बचय बला लोकक शोक बुझब

2. अधर्म पर काबू पाना: पश्चाताप के माध्यम स पलायन प्राप्त करब

1. यशायाह 55:7 "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. भजन 51:17 "परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि: एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कार नहि करब।"

इजकिएल 7:17 सभ हाथ कमजोर होयत, आ सभ ठेहुन पानि जकाँ कमजोर होयत।

प्रभु केरऽ न्याय स॑ लोगऽ कमजोर होय जैतै आरू अपनऽ बचाव करै म॑ असमर्थ होय जैतै ।

1. कमजोरीक समय: भगवानक ताकत पर भरोसा करब सीखब

2. परमेश् वरक न्याय सँ कियो सुरक्षित नहि अछि: हुनकर निर्णयक लेल अपन हृदय केँ कोना तैयार कयल जाय

1. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

2. 2 कोरिन्थी 12:9-10 - हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ गेल अछि।

इजकिएल 7:18 ओ सभ सेहो बोरा पहिरत आ भयावहता ओकरा सभ केँ झाँपि देत। सभ मुँह पर लाज आ सभ माथ पर गंजापन होयत।

परमेश् वरक न्यायक आगमन लोक सभ केँ लाज आ भयावहता अनैत अछि।

1: आबै वाला न्याय के चेतावनी

2: भगवानक न्यायक लाज

1: योएल 2:13 - "अपन वस्त्र नहि फाड़ू। अपन परमेश् वर परमेश् वर लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि, आ ओ विपत्ति पठेबा सँ मुक्त छथि।"

2: याकूब 4:8 - "परमेश् वरक लग आबि जाउ आ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी लोकनि, अहाँ सभक हाथ धोउ आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू।"

इजकिएल 7:19 ओ सभ अपन चानी गली-गली मे फेकि देत, आ ओकर सोना हटि जायत, ओकर चानी आ ओकर सोना ओकरा सभ केँ परमेश् वरक क्रोधक दिन नहि बचा सकैत अछि, ओ सभ अपन प्राण केँ नहि तृप्त करत आ ने हुनका सभक आंत भरि दियौक, किएक तँ ई हुनका सभक अधर्मक ठोकर अछि।

प्रभुक क्रोधक दिन आओत, आ दुष्टक चानी आ सोना ओकरा सभ केँ नहि बचा सकैत अछि।

1. धनक मूल्य बनाम धर्मक मूल्य

2. धर्मक कीमत पर धनक खोज

1. नीतिवचन 11:4 - क्रोधक दिन धनक लाभ नहि होइत छैक, मुदा धर्म मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

2. हग्गी 2:8 - चानी हमर अछि, आ सोना हमर अछि, सेना सभक प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 7:20 अपन आभूषणक सौन्दर्यक बात ओ ओकरा महिमा मे राखि देलनि, मुदा ओ सभ ओहि मे अपन घृणित काज आ घृणित वस्तुक मूर्ति बनौलनि, तेँ हम ओकरा ओकरा सभ सँ दूर राखि देलहुँ।

परमेश् वरक आभूषणक सौन्दर्य महिमा मे राखल गेल अछि, मुदा लोक सभ ओहि मे घृणित आ घृणित वस्तुक मूर्ति ठाढ़ करैत अछि।

1. भगवान् केर सौन्दर्य कालजयी होइत अछि आ एकरा बेसी सम्मान देबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ घृणित चीज सँ नहि, बल्कि अपन जीवन सँ भगवान् केर सम्मान करबाक विकल्प चुनबाक चाही।

1. यशायाह 43:7 - जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

1355

2. इफिसियों 5:8-10 - अहाँ सभ पहिने अन्हार छलहुँ, मुदा आब प्रभु मे इजोत छी। इजोतक संतान बनि रहू, किएक तँ इजोतक फल सभ भलाई, धार्मिकता आ सत्य मे रहैत अछि।

इजकिएल 7:21 हम एकरा परदेशी सभक हाथ मे दऽ देब जे लूट लेल आ पृथ्वीक दुष्ट केँ लूट लेल। आ ओकरा प्रदूषित कऽ देत।

परमेश् वर पृथ्वीक दुष् ट लोक सभ केँ जे किछु देथिन, जे ओ सभ लूटने छथि, तकरा सभ केँ छीनि लेताह।

1. न्याय देबा मे भगवान वफादार छथि

2. धर्म आशीर्वाद दैत अछि, दुष्टता सँ परिणाम भेटैत अछि

२.

2. नीतिवचन 11:21 - निश्चिंत रहू, दुष्ट व्यक्ति अदण्डित नहि होयत, बल्कि धर्मी के संतान के मुक्ति भेटत।

इजकिएल 7:22 हमहूँ हुनका सभ सँ हमर मुँह घुमब, आ ओ सभ हमर गुप्त स्थान केँ अशुद्ध करत, किएक तँ डकैत सभ ओहि मे घुसि कऽ ओकरा अशुद्ध कऽ देत।

भगवान् ओहि लोक सभ सँ मुँह मोड़ि गेल छथि जे हुनकर गुप्त स्थान केँ अशुद्ध आ लूटने छथि ।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक गुप्त स्थानक रक्षा करबाक चाही, कारण ओ ओकरा अशुद्ध करयवला केँ बर्दाश्त नहि करताह।

2: हमरा सभ केँ अपन सभ काज मे प्रभुक आदर आ आदर करबाक लेल सावधान रहबाक चाही, कारण ओ हुनकर रहस्य लूटनिहार केँ दयापूर्वक नहि देखताह।

1: भजन 24:3-4 परमेश् वरक पहाड़ी पर के चढ़त? आकि ओकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ होयत? जे हाथ साफ अछि आ शुद्ध हृदय रखैत अछि। जे अपन प्राण केँ व्यर्थ मे नहि उठौलक आ ने छलक शपथ लेलक।

2: 1 पत्रुस 1:15-17 मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तहिना अहाँ सभ सभ तरहक व्यवहार मे पवित्र रहू। किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “पवित्र रहू। किएक तँ हम पवित्र छी। जँ अहाँ सभ पिता केँ पुकारैत छी जे बिना कोनो व्यक्तिक काजक अनुसार न्याय करैत छथि, तँ अहाँ सभक प्रवासक समय एहि ठाम भयभीत भ’ क’ बिताउ।

इजकिएल 7:23 एकटा जंजीर बनाउ, कारण देश खूनी अपराध सँ भरल अछि, आ शहर हिंसा सँ भरल अछि।

भूमि अन्याय आ हिंसा स भरल अछि।

1. अन्याय के अनचाहा परिणाम

2. हिंसक संसार मे धर्मक शक्ति

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. याकूब 2:8-9 - जँ अहाँ वास्तव मे शास्त्रक अनुसार राजकीय नियम केँ पूरा करैत छी, त' अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू, त' अहाँ नीक क' रहल छी। मुदा जँ अहाँ सभ पक्षपात करैत छी तँ अहाँ सभ पाप कऽ रहल छी आ कानून द्वारा अपराधी बुझि दोषी ठहराओल गेल अछि।

इजकिएल 7:24 एहि लेल हम जाति-जाति मे सँ अधलाह लोक केँ आनि देब, आ ओ सभ अपन घर पर कब्जा क’ लेत। आ हुनका लोकनिक पवित्र स्थान अशुद्ध भ’ जायत।

1356

परमेश् वर विधर्मी सभ मे सँ अधलाह लोक सभ केँ अनताह आ बलवान सभ केँ ओकर सामर्थ् य छीन लेताह, आ ओकर पवित्र स्थान सभ केँ अपवित्र कयल जायत।

1. "भगवानक न्याय: बलवान केँ उतारब आ पवित्र केँ अपवित्र करब"।

2. "विधर्मी के सबसे खराब: भगवान के न्याय कर्म में"।

1. यिर्मयाह 25:31-33 - "पृथ्वीक छोर धरि हल्ला आओत; किएक तँ परमेश् वर केँ जाति सभक संग विवाद छनि, ओ सभ प्राणी सँ निहोरा करताह, ओ दुष्ट सभ केँ तलवार मे द' देताह। परमेश् वर कहैत छथि पृथ्वीक छोर धरि धरतीक दोसर छोर धरि, ओ सभ विलाप नहि कयल जायत, ने जमा कयल जायत आ ने गाड़ल जायत, ओ सभ जमीन पर गोबर होयत।”

2. यशायाह 66:15-16 - "किएक तँ देखू, परमेश् वर आगि ल' क' आ अपन रथ सभक संग बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे अपन क्रोध केँ क्रोध सँ आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन। कारण आगि आ अपन।" तलवार परमेश् वर सभ मनुखक संग गुहार लगाओत, आ परमेश् वरक मारल गेल लोक सभ बेसी होयत।”

इजकिएल 7:25 विनाश आबि रहल अछि। ओ सभ शान्तिक खोज करत, मुदा शान्ति नहि होयत।

भगवान् आबै वाला विनाश के चेतावनी द॑ रहलऽ छै आरू ओकरा खोजै वाला के लेलऽ शांति नै होतै ।

1. परमेश् वरक चेतावनी: विनाशक तैयारी

2. भगवान् पर आशा: हुनकर रक्षा पर भरोसा

1. यशायाह 33:20-22 हमरा सभक पाबनि-तिहारक नगर सियोन केँ देखू। तोहर नजरि यरूशलेम देखब, जे शान्तिक निवास अछि, एकटा डेरा जे नहि हिलत। ओकर खूँटा कहियो ऊपर नहि खींचल जायत, आ ने ओकर कोनो रस्सी टूटत।

2. रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

इजकिएल 7:26 अफवाह पर अफवाह आओत आ अफवाह पर अफवाह होयत। तखन ओ सभ प्रवक् ताक दर्शन ताकत।
मुदा धर्म-नियम पुरोहितक आ पूर्ववर्ती लोकक सलाह-शंसा नष्ट भऽ जायत।

ई अंश एकटा संकट के समय के बात करै छै, जहाँ लोग मार्गदर्शन के खोज करतै, लेकिन अब॑ अपनऽ धार्मिक नेता सिनी स॑ नै मिलतै ।

1. परेशान समय मे मानव निर्मित समाधान पर निर्भर रहबाक खतरा

2. परिवर्तनक संसार मे परमेश् वरक अनन्त बुद्धि

1. यिर्मयाह 23:16-17 - सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि, जे भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि, जे अहाँ सभ केँ व्यर्थ आशा सँ भरैत छथि, हुनकर बात नहि सुनू। ओ सभ अपन मनक दर्शन बजैत छथि, प्रभुक मुँह सँ नहि। प्रभु के वचन के तिरस्कार करै वाला सिनी कॅ लगातार कहै छै, “अहाँ सिनी के अच्छा होतै; आ जे कियो जिद्दी भ' क' अपन हृदयक पालन करैत अछि, ओकरा कहैत अछि जे, अहाँ सभ पर कोनो विपत्ति नहि आओत।

2. यूहन्ना 14:6 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम बाट, सत् य आ जीवन छी। हमरा छोड़ि कियो पिता लग नहि अबैत अछि।

इजकिएल 7:27 राजा शोक करत, आ राजकुमार उजाड़क कपड़ा पहिरताह, आ देशक लोकक हाथ घबराहट होयत, हम हुनका सभक बाट पर काज करब, आ हुनकर मरुभूमिक अनुसार हम हुनका सभक न्याय करब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर ओहि देशक लोक सभक न् याय करताह आ ओ सभ ई जानि लेताह जे ओ परमेश् वर छथि।

1357

1. परमेश् वर न्यायी आ धार्मिक छथि: इजकिएल 7:27 क सत्य

2. परमेश्वर के जानब: इजकिएल 7:27 के परिणाम

1. यशायाह 30:18 - "एहि लेल प्रभु अहाँ सभ पर कृपा करबाक प्रतीक्षा करैत छथि, आ तेँ अहाँ सभ पर दया करबाक लेल अपना केँ ऊपर उठबैत छथि। कारण प्रभु न्यायक परमेश् वर छथि; धन्य छथि सभ जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि।"

2. भजन 9:7-8 - "मुदा परमेश् वर अनन्त काल धरि सिंहासन पर बैसल रहैत छथि; ओ न्यायक लेल अपन सिंहासन केँ स्थापित कयलनि, आ ओ संसारक न्याय धार्मिकता सँ करैत छथि; ओ लोक सभक न्याय करैत छथि।"

इजकिएल अध्याय 8 मे एकटा दर्शन के प्रकट कयल गेल अछि जे इजकिएल केँ परमेश् वर सँ भेटैत अछि, जाहि मे यरूशलेम मे मंदिरक देबाल सभक भीतर घटित मूर्तिपूजक प्रथा आ घृणित काज सभक पर्दाफाश कयल गेल अछि। एहि दर्शनक माध्यमे भगवान् लोकक विद्रोहक विस्तार आ अपन आसन्न निर्णयक कारण केँ प्रकट करैत छथि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के दर्शन में यरूशलेम के मंदिर में पहुँचाबै के साथ होय छै। ओतय ओकरा एकटा आदमी सँ मिलैत जुलैत आकृति देखैत छैक, जे ओकरा विभिन्न कोठली मे ल' जाइत छैक आ इस्राएलक बुजुर्ग लोकनि द्वारा कयल जा रहल घृणित प्रथाक खुलासा करैत छैक | इजकिएल मूर्ति के पूजा आरू मंदिर के परिसर के भीतर विभिन्न रूप के दुष्टता के उपस्थिति के गवाह छै (इजकिएल 8:1-6)।

दोसर पैराग्राफ: दर्शन जारी अछि, आ इजकिएल केँ मंदिरक देबाल मे छेद देखाओल गेल अछि। भीतर तकैत देखै छै कि इस्राएल के सत्तर बुजुर्ग गुप्त मूर्तिपूजा में लागल छै, जेकरा में देवाल पर मूर्ति आरू जीव के चित्रण छै। परमेश् वर बतबैत छथि जे मूर्तिपूजाक ई काज सभ हुनकर क्रोध भड़का देने अछि, आओर ओ कठोर न्यायक संग जवाब देथिन (इजकिएल 8:7-18)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय आठ मे प्रकट होइत अछि
मूर्तिपूजा प्रथा के उजागर करय वाला एकटा दर्शन,
मंदिर परिसर के भीतर घृणित कार्य।

यरूशलेम के मंदिर में एक दर्शन में इजकिएल के परिवहन |
बुजुर्ग द्वारा घृणित प्रथा आ मूर्तिपूजाक प्रकटीकरण।
गुप्त मूर्तिपूजा आ देबाल पर मूर्तिक पहचान।
क्रोध आ आसन्न न्यायक भगवानक व्याख्या।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ एक दर्शन के चित्रण करलऽ गेलऽ छै जे इजकिएल क॑ परमेश् वर स॑ मिलै छै, जेकरा म॑ यरूशलेम के मंदिर के देवाल के भीतर घटित मूर्तिपूजक प्रथा आरू घृणित काम के उजागर करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत इजकिएल क॑ एक दर्शन म॑ मंदिर म॑ पहुँचै स॑ होय छै, जहां ओकरा विभिन्न कोठरी के माध्यम स॑ मार्गदर्शन करलऽ जाय छै आरू इस्राएल केरऽ बुजुर्ग सिनी द्वारा करलऽ जाय रहलऽ घृणित प्रथा के गवाह छै । इजकिएल मूर्ति के पूजा आरू मंदिर के परिसर के भीतर विभिन्न रूप के दुष्टता के उपस्थिति देखै छै। दर्शन जारी छै, आरू इजकिएल क॑ मंदिर केरऽ देवाल म॑ एगो छेद देखालऽ जाय छै, जहाँ ओकरा देखै छै कि इस्राएल केरऽ सत्तर बुजुर्ग गुप्त मूर्तिपूजा में लागलऽ छै, जेकरऽ देवालऽ पर मूर्ति आरू प्राणी के चित्रण छै । परमेश् वर बतबैत छथि जे मूर्तिपूजाक ई काज सभ हुनकर क्रोध भड़का देने अछि, आ ओ कठोर न्यायक संग जवाब देथिन। अध्याय के केंद्र मंदिर के भीतर मूर्तिपूजक प्रथा के प्रकटीकरण आरू ई घृणित कार्य के परिणामस्वरूप आसन्न न्याय पर छै ।

इजकिएल 8:1 छठम साल मे, छठम मास मे, मासक पाँचम दिन जखन हम अपन घर मे बैसल रही, आ यहूदाक बुजुर्ग सभ हमरा सोझाँ बैसल रही, तखन प्रभु परमेश् वरक हाथ ओतहि हमरा पर खसि पड़ल।

छठम वर्ष मे छठम मासक पाँचम दिन इजकिएल यहूदाक बुजुर्ग सभक संग अपन घर मे बैसल छलाह कि प्रभुक हाथ हुनका पर खसि पड़लनि।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनकर हाथ हमरा सभक जीवन पर कोना प्रभाव डालि सकैत अछि

2. भगवानक दिव्य समय: जखन हुनकर हाथ हमरा सभ पर खसैत अछि

1. नीतिवचन 16:9 - मनुष्य अपन हृदय मे अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग स्थापित करैत अछि।

2. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ! अहाँकेँ बुझल अछि जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचारकेँ दूरसँ बूझैत छी। अहाँ हमर बाट आ हमर लेटब खोजैत छी आ हमर सभ बाटसँ परिचित छी । हमर जीह पर कोनो शब्द नहि आबय सँ पहिने देखू, हे प्रभु, अहाँ एकरा एकदम सँ जनैत छी।

इजकिएल 8:2 तखन हम आगि जकाँ एकटा उपमा देखलहुँ। आ कमरसँ ऊपर धरि, चमकक रूप जकाँ, अम्बरक रंग जकाँ।

इजकिएल एकटा आकृति देखलनि जाहि मे कमर सँ नीचाँ दिस आगि निकलैत छल आ कमर सँ ऊपर एम्बर जकाँ चमक छल।

1. परमेश् वरक महिमा हमरा सभ केँ कोना बदलैत अछि

2. प्रभुक सान्निध्यक शक्ति

1. यशायाह 6:1-8, सेना के प्रभु महिमा के दर्शन में देखलऽ जाय छै

2. निकासी 33:17-23, मूसा परमेश् वरक महिमा सँ सामना करैत छथि आ ओहि सँ बदलि जाइत छथि

इजकिएल 8:3 ओ हाथक रूप मे आगू बढ़ौलनि आ हमरा माथक एकटा ताला पकड़ि लेलनि। आत् मा हमरा पृथ् वी आ आकाशक बीच उठा कऽ परमेश् वरक दर्शन मे हमरा यरूशलेम, भीतरक फाटकक दरबज्जा पर पहुँचा देलक जे उत्तर दिस तकैत अछि। ईर्ष्या के मूर्ति के आसन कतय छल, जे ईर्ष्या के भड़काबैत अछि।

परमेश् वरक आत् मा इजकिएल केँ पृथ्वी सँ आकाश मे उठा लेलक आ यरूशलेम मे ओहि भीतरक फाटक पर पहुँचा देलक जे उत्तर दिस तकैत छल।

1. इजकिएल के दर्शन के माध्यम स परमेश् वर के शक्ति के जानना

2. रोजमर्रा के जीवन में भगवान के उपस्थिति के पहचानना

1. प्रेरित सभक काज 2:17 - परमेश् वर कहैत छथि, “हम अपन आत् मा सभ शरीर पर बहायब, आ अहाँक बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत, आ अहाँक युवक सभ दर्शन देखत आ... तोहर बूढ़-पुरान सभ सपना देखताह

2. प्रकाशितवाक्य 4:1 - एकर बाद हम देखलहुँ तँ स् वर्ग मे एकटा दरबज्जा खुजल छल, आ हम जे पहिल आवाज सुनलहुँ से हमरा संग गप्प करैत तुरही जकाँ छल। ओ कहने छल जे, “एतय चढ़ू, आ हम अहाँ केँ ओहि बात सभ केँ देखा देब जे आब जे किछु होयत।”

इजकिएल 8:4 देखू, इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओतहि छल, जेना हम मैदान मे देखलहुँ।

इजकिएल एकटा मैदान मे एकटा दर्शन मे परमेश् वरक महिमा के गवाह बनलाह।

1. हमर जीवन मे भगवानक उपस्थिति

2. परमेश् वरक महिमाक कदर करब

1. यशायाह 6:1-4 - यशायाह के परमेश्वर के महिमा के दर्शन

2. भजन 8:1-9 - परमेश् वरक महिमा आ हुनकर काज

1359

इजकिएल 8:5 तखन ओ हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, उत्तर दिसक बाट पर नजरि उठाउ।” तखन हम उत्तर दिसक बाट पर नजरि उठौलहुँ आ वेदीक फाटक पर उत्तर दिस देखलहुँ जे प्रवेश द्वार मे ई ईर्ष्याक मूर्ति अछि।

प्रभु इजकिएल केँ उत्तर दिस देखबाक निर्देश देलनि, आ ओतय वेदीक द्वार पर ईर्ष्याक मूर्ति देखलनि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: इजकिएल 8:5 सँ एकटा पाठ

2. ईर्ष्या सँ मुँह मोड़ब: इजकिएल 8:5 सँ प्रलोभन पर कोना उबरल जाय

1. निकासी 20:3-5 "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।"

2. याकूब 4:7 "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

इजकिएल 8:6 ओ हमरा आगू कहलनि, “मनुख-पुत्र, की अहाँ देखैत छी जे ओ सभ की करैत छथि?” इस्राएलक वंशज एतय जे पैघ घृणित काज करैत अछि, तकरा हम अपन पवित्र स्थान सँ दूर जाइ? मुदा फेर घुमि कऽ फेर सँ घृणित काज देखब।”

इस्राएल के घराना बहुत घृणित काम करलकै, जेकरा चलतें परमेश् वर अपनऽ पवित्र स्थान छोड़ै के विचार करलकै।

1. भगवान् सँ दूर खसबाक खतरा

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. नीतिवचन 14:14 - "हृदय मे पछुआएल अपन बाट सँ भरल रहत, आ नीक लोक अपना सँ तृप्त होयत।"

2. मत्ती 6:24 - "कोनो दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, किएक त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, नहि त' एक केँ पकड़ि क' दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ सभ परमेश् वर आ धन-सम्पत्तिक सेवा नहि क' सकैत छी।"

इजकिएल 8:7 ओ हमरा आँगनक दरबज्जा पर अनलनि। जखन हम देखलहुँ तँ देबाल मे एकटा छेद देखलहुँ।

इजकिएल केँ आँगनक दरबज्जा पर आनल गेलनि, जतय ओ देबाल मे एकटा छेद देखलनि।

1. परमेश् वर गुप्त बात सभ केँ प्रकट करैत छथि: इजकिएल 8:7 केर संदेशक अन्वेषण

2. देबाल मे छेद: इजकिएल 8:7 मे परमेश्वरक उद्देश्यक अध्ययन

1. मत्ती 7:7, "माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तखन अहाँ सभ केँ भेटत; खटखटाउ, तखन अहाँ सभ केँ खुजल रहत।"

2. इफिसियों 3:20, "आब ओकरा लेल जे हमरा सभक भीतर काज करय बला शक्तिक अनुसार जे किछु माँगैत छी वा सोचैत छी ताहि सँ कहीं बेसी क' सकैत अछि।"

इजकिएल 8:8 तखन ओ हमरा कहलथिन, “मनुखक बेटा, आब देबाल मे खोदब।

इजकिएल परमेश् वर द्वारा आज्ञा देल गेल अछि जे ओ देबाल मे छेद खोदथि जाहि सँ एकटा दरबज्जा खोलल जा सकय।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति - भगवान के आज्ञा मानला स अप्रत्याशित अवसर कोना भेट सकैत अछि

2. बाधा पर काबू पाब - गहींर खोदबाक आ दरबज्जा तकबाक साहस

1. यशायाह 35:8-9 - ओतय एकटा राजमार्ग आ बाट रहत, आ ओकरा पवित्रताक बाट कहल जायत। अशुद्ध लोक ओकरा पर सँ नहि गुजरत। मुदा ई ओहि सभक लेल होयत।

2. फिलिप्पियों 3:13-14 - भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि बुझैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी, पाछूक बात सभ केँ बिसरि क’ आ आगूक बात सभ दिस बढ़ि क’ निशान दिस बढ़ैत छी मसीह यीशु मे परमेश् वरक उच्च आह्वानक पुरस्कार।

इजकिएल 8:9 ओ हमरा कहलथिन, “अहाँ जाउ, आ देखू जे ओ सभ एतय जे घृणित घृणित काज करैत छथि।”

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे जा कऽ मन् दिर मे कयल जा रहल दुष्ट घृणित काज सभ केँ देखथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: हम परमेश्वर के आज्ञा के प्रति कोना प्रतिक्रिया दैत छी

2. पापक परिणाम: आज्ञा नहि मानबाक खतरा

1. मत्ती 4:4 - मुदा ओ उत्तर देलनि, "लिखल अछि जे, मनुष्य मात्र रोटी सँ नहि, बल्कि परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात पर जीबैत रहत।"

2. व्यवस्था 28:15 - मुदा जँ अहाँ सभ अपन प्रभु परमेश् वरक आज्ञा नहि मानब, हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करैत, जे हम आइ अहाँ सभ केँ द’ रहल छी, तखन ई सभ शाप अहाँ सभ पर आबि अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत।

इजकिएल 8:10 तखन हम भीतर गेलहुँ आ देखलहुँ। देखू, चारू कात देबाल पर रेंगैत सभ रूप, घृणित जानवर आ इस्राएलक घरानाक सभ मूर्ति सभ उझलि गेल अछि।

इजकिएल के इस्राएल के घरऽ में ल॑ जायलऽ जाय छै आरू देखै छै कि देवाल पर मूर्ति ढारलऽ गेलऽ छै ।

1: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे इस्राएली सभ मूर्तिपूजाक ओहि जाल मे नहि पड़ि जाय।

2: हमरा सभ केँ ई सुनिश्चित करबाक लेल सतर्क रहबाक चाही जे हम सभ भगवानक सान्निध्य सँ विचलित नहि भ' जाय।

1: मत्ती 6:24 दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि। कारण या त एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, या एक मे समर्पित भ' दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ भगवान आ धनक सेवा नहि क सकैत छी।

2: कुलुस्सी 3:5-6 तेँ अपन पार्थिव शरीरक अंग केँ अनैतिकता, अशुद्धता, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभक लेल मृत बुझू, जे मूर्तिपूजाक बराबर अछि। कारण, एहि सभ बातक कारणेँ परमेश् वरक क्रोध आज्ञा नहि मानय बला पुत्र सभ पर आओत।

इजकिएल 8:11 हुनका सभक सोझाँ इस्राएलक घरानाक प्राचीन लोक मे सँ सत्तर आदमी ठाढ़ छल आ हुनका सभक बीच मे शाफानक पुत्र याजनियाह ठाढ़ छल, जकरा हाथ मे अपन-अपन धूप-पात्र छल। धूपक मोटका मेघ चढ़ि गेल।

इस्राएलक वंशक प्राचीन लोक मे सँ सत्तरि आदमी शाफानक पुत्र याजनियाहक समक्ष ठाढ़ छल, जाहि मे एक-एकटा धूप-पात्र आ धूप-पानीक मेघ उठि रहल छल।

1. एकताक शक्ति: प्रार्थना मे एक संग ठाढ़ रहब

2. पूजा के प्रभाव: धूप के शक्ति

1. भजन 141:2 - हमर प्रार्थना धूप जकाँ अहाँक सोझाँ राखल जाय। आ साँझक बलि जकाँ हमर हाथ उठब।

1361

2. इब्रानी 6:1-2 - तेँ मसीहक शिक्षाक सिद्धांत केँ छोड़ि, हम सभ पूर्णता दिस बढ़ब। मृत कर्म सँ पश्चाताप करबाक आ परमेश् वरक प्रति विश् वास करबाक नींव नहि राखब, बपतिस् मा, हाथ रखबाक, मृत् युक पुनरुत्थान आ अनन्त न् यायक शिक्षाक।

इजकिएल 8:12 तखन ओ हमरा कहलथिन, “मनुष्य-पुत्र, की अहाँ देखलहुँ जे इस्राएलक घरानाक प्राचीन लोक सभ अन्हार मे, प्रत्येक लोक अपन मूर्तिक कोठली मे की करैत छथि?” किएक तँ ओ सभ कहैत अछि जे, “प्रभु हमरा सभ केँ नहि देखैत छथि।” परमेश् वर पृथ् वी केँ छोड़ि देलनि।

परमेश् वर इजकिएल सँ पुछलथिन जे की अहाँ देखने छी जे इस्राएलक घरानाक प्राचीन लोक सभ अपन कोठली मे अन्हार मे जे काज क' रहल छल, जे कहैत छल जे परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि देखैत छथि आ पृथ्वी केँ छोड़ि देने छथि।

1. "प्रभु सब किछु देखैत छथि"।

2. "भगवानक अविचल उपस्थिति"।

1. यशायाह 40:27-29 हे याकूब, अहाँ किएक कहैत छी, हे इस्राएल, हमर बाट प्रभु सँ नुकायल अछि, आ हमर न्यायसंगत दावा हमर परमेश् वर द्वारा पार कयल गेल अछि? अहाँकेँ नहि बुझल अछि? अहाँ सभ नहि सुनने छी? सनातन परमेश् वर, प्रभु, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता, ने बेहोश होते हैं न थकते हैं | हुनकर समझ अनजान अछि।

2. मत्ती 10:29-30 की दूटा गौरैया तांबाक सिक्का मे नहि बेचल जाइत अछि? आ अहाँक पिताक इच्छा सँ अलग ओहि मे सँ एको जमीन पर नहि खसैत अछि। मुदा अहाँक माथक केश सभ गिनल गेल अछि।

इजकिएल 8:13 ओ हमरा इहो कहलथिन, “अहाँ फेर घुमि जाउ, तखन अहाँ हुनका सभक काज सँ पैघ घृणित काज देखब।”

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ चारू कात देखथि आ ओहि देश मे घटित घृणित काज सभ केँ देखथि।

1. घृणित वस्तु: भगवानक नियमक अवहेलना करबाक परिणाम

2. घृणित वस्तु देखब: चिंतन आ पश्चाताप करबाक आमंत्रण

1. व्यवस्था 25:16 - "किएक तँ जे सभ एहन काज करैत अछि, जे सभ बेईमानी करैत अछि, से सभ अहाँ सभक परमेश् वरक लेल घृणित अछि।"

2. नीतिवचन 6:16-19 - "छह टा बात अछि जकरा प्रभु घृणा करैत छथि, सातटा हुनका लेल घृणित अछि: घमंडी आँखि, झूठ बाजनिहार जीह आ हाथ जे निर्दोष खून बहबैत अछि, हृदय जे दुष्ट योजना बनबैत अछि, पैर जे।" जल्दबाजी मे अधलाह दिस दौड़ू, झूठक साँस छोड़य बला झूठ गवाह आ भाइ-बहिन मे विवाद बीजनिहार।”

इजकिएल 8:14 तखन ओ हमरा परमेश् वरक घरक फाटक पर ल’ गेलाह जे उत्तर दिस छल। ओतऽ स् त्रीगण सभ बैसल तम्मूजक लेल कानि रहल छल।

इजकिएल के प्रभु के घर के उत्तरी फाटक पर लऽ जायलऽ जाय छै, जहाँ ओकरा देखै छै कि महिला सिनी तम्मूज के लेलऽ कान॑ छै।

1. तम्मूज के लेल कानब: इजकिएल के उदाहरण स सीखब

2. अपन पापक शोक: तम्मूज के आध्यात्मिक नुकसान के बुझब

1. यिर्मयाह 3:6-13 - प्रभुक अपन लोकक प्रति विश्वास आ करुणा

2. भजन 51:10-15 - परमेश् वर सँ दया आ अनुग्रहक निश्छल गुहार करब

1362

इजकिएल 8:15 तखन ओ हमरा कहलथिन, “हे मनुष्य-पुत्र, की अहाँ ई देखलहुँ? फेर घुमि कऽ घुमब, तखन अहाँ एहि सभ सँ पैघ घृणित काज देखब।”

प्रभु इजकिएल भविष्यवक्ता केँ एहि सँ पैघ घृणित काज देखौलनि।

1: परमेश् वरक पवित्रता दुष्टक लेल न्यायक माँग करैत अछि।

2: हमरा सभकेँ पापसँ मुड़ि कऽ परमेश् वर दिस घुरबाक चाही।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2: 2 कोरिन्थी 7:10 - किएक तँ ईश्वरीय दुःख सँ पश्चाताप होइत अछि जे उद्धार दिस लऽ जाइत अछि, पछतावा नहि करबाक चाही। मुदा संसारक दुखसँ मृत्यु होइत छैक।

इजकिएल 8:16 ओ हमरा परमेश् वरक घरक भीतरक आँगन मे अनलनि आ देखू, परमेश् वरक मन् दिरक दरबज्जा पर, ओसारा आ वेदीक बीच मे, करीब पाँच बीस आदमी छल, जेकर पीठ पीठ दिस छल परमेश् वरक मन् दिर आ ओकर सभक मुँह पूब दिस। ओ सभ पूब दिस सूर्यक आराधना केलनि।

परमेश् वरक घरक भीतरक आँगन मे पच्चीस गोटे पूरब मुँहे आ मन् दिर दिस पीठ कए सूर्यक आराधना कऽ रहल छलाह।

1. भगवानक अतिरिक्त अन्य वस्तुक पूजा: मूर्तिपूजाक खतरा

2. अनुरूपता आ भगवानक लेल अलग रहबाक आवश्यकता

1. यशायाह 44:9-20

2. रोमियो 12:2

इजकिएल 8:17 तखन ओ हमरा कहलथिन, “हे मनुष्य-पुत्र, की अहाँ ई देखलहुँ? की यहूदाक घरानाक लेल ई हल्लुक बात अछि जे ओ सभ एतय जे घृणित काज करैत अछि? कारण, ओ सभ ओहि देश केँ हिंसा सँ भरि देलक आ हमरा क्रोधित करबाक लेल घुरि गेल अछि।

यहूदाक लोक सभ ओहि देश केँ हिंसा सँ भरि देलक आ परमेश् वरक क्रोध भड़का देलक।

1. पापक परिणाम

2. दुष्टतासँ मुड़ब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. नीतिवचन 14:34 - धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा थिक।

इजकिएल 8:18 तेँ हमहूँ क्रोध मे काज करब, हमर आँखि कोनो दया नहि करत आ ने हमरा दया होयत, आ जँ ओ सभ हमर कान मे जोर-जोर सँ कानय, मुदा हम ओकरा सभ केँ नहि सुनब।

जे पाप करैत अछि, तकरा परमेश् वर माफ नहि करताह।

1: हम कतबो दयाक गुहार लगाबी, पापक परिणाम तइयो रहत।

2: हमरा सभकेँ अपन दुष्टतासँ मुँह मोड़ि कऽ परमेश् वरसँ क्षमा माँगबाक चाही।

1: यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग

घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2: भजन 51:1-2 - हे परमेश् वर, अपन अडिग प्रेमक अनुसार हमरा पर दया करू। अपन प्रचुर दयाक अनुसार हमर अपराध मेटा दिअ। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू!

इजकिएल अध्याय 9 मे एकटा एहन दर्शनक वर्णन अछि जाहि मे परमेश्वर अपन न्याय केँ यरूशलेम शहर पर निष्पादित करबाक आज्ञा दैत छथि। दर्शन धर्मात्मा आरू दुष्ट के बीच के भेद पर जोर दै छै, आरू आसन्न विनाश के बीच विश्वासी अवशेष के भूमिका पर जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के छह जल्लाद के आगमन के गवाह बनला स होइत अछि, जाहि में प्रत्येक के पास विनाशकारी हथियार छल। ओहि मे सन्नी कपड़ा पहिरने एकटा आदमी सेहो अछि, जकरा परमेश् वर द्वारा निर्देश देल गेल अछि जे नगर मे घृणित काज पर शोक करयवला लोकक कपार पर निशान लगाबय। ई निशान धर्मी के सुरक्षा के निशानी के रूप में काम करै छै (यहेजकेल 9:1-7)।

2nd Paragraph: भगवान जल्लाद सब के आज्ञा दैत छथिन जे शहर में जा क सब के मारि दियौन जेकरा पर निशान नै छै। हुनका सभ केँ कोनो दया आ दया नहि देखबाक चाही, कारण लोकक दुष्टता अपन सीमा धरि पहुँचि गेल अछि। शहर हिंसा आरू भ्रष्टाचार स॑ भरलऽ छै, आरू परमेश्वर केरऽ न्याय तेज आरू कठोर होतै (इजकिएल ९:८-१०)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय नौ प्रस्तुत
यरूशलेम पर परमेश् वरक न्यायक दर्शन,
धर्मात्मा आ दुष्टक बीच भेद।

छह जल्लादक आगमन, जाहि मे लिनेन पहिरने एकटा आदमी धर्मी केँ चिन्हित करैत छल |
जेकरा पर निशान नै छै, ओकरा पर प्रहार करै के आज्ञा, बिना दया या दया के।
शहर के दुष्टता आ भगवान के न्याय के कठोरता के वर्णन।

इजकिएल के ई अध्याय में एक दर्शन के वर्णन छै, जेकरा में परमेश् वर यरूशलेम शहर पर ओकरो न्याय के निष्पादन करै के आज्ञा दै छै। एकरऽ शुरुआत इजकिएल के छह जल्लाद के आगमन के गवाह बनला स॑ होय छै, जेकरा म॑ हर एक के साथ विनाशकारी हथियार छै । ओहि मे एकटा लिनेन कपड़ा पहिरने एकटा आदमी सेहो अछि, जकरा परमेश् वर द्वारा नगर मे घृणित काज पर शोक करयवला सभक कपार पर निशान लगाबय के निर्देश देल गेल अछि। ई चिह्न धर्मात्मा के सुरक्षा के निशानी के काम करै छै । तखन भगवान जल्लाद सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे शहर मे जा क' ओहि सभ केँ मारि दियौक जेकरा पर निशान नहि छैक। हुनका लोकनि केँ कोनो दया आ दया नहि देखबाक छनि, कारण जनताक दुष्टता अपन सीमा धरि पहुँचि गेल अछि। शहर केरऽ वर्णन हिंसा आरू भ्रष्टाचार स॑ भरलऽ छै, आरू भगवान केरऽ न्याय तेज आरू कठोर होतै । अध्याय के केंद्र यरूशलेम पर परमेश्वर के न्याय के दर्शन आरू धर्मी आरू दुष्ट के बीच के भेद पर छै।

इजकिएल 9:1 ओ हमर कान मे जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह जे, “शहर पर काज करयवला सभ केँ नजदीक आनि दियौक।

परमेश् वर ओहि सभ लोक केँ बजबैत छथि जे शहरक प्रभारी सभ केँ नजदीक आबि जाय, प्रत्येक विनाशक हथियार ल' क'।

1. परमेश् वरक आज्ञाक शक्ति - इजकिएल 9:1

2. आज्ञा नहि मानबाक खर्च - इजकिएल 9:1

1. यिर्मयाह 21:4-7 - परमेश् वरक आज्ञा केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

2. 1 शमूएल 15:22-23 - परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

1364

इजकिएल 9:2 देखू, उत्तर दिस पड़ल ऊँच फाटकक बाट सँ छह गोटे आबि गेलाह आ प्रत्येक गोटेक हाथ मे वधक हथियार छलनि। ओहि मे सँ एक आदमी लिनेन कपड़ा पहिरने छल आ ओकर कात मे लेखकक स्याहीक घैल छलैक।

हाथ मे हथियार ल' क' छह गोटे मंदिरक उत्तर द्वार सँ पीतलक वेदी पर पहुँचैत छथि | एकटा आदमी लिनेन पहिरने छल आ ओकर कात मे स्याहीक चोटी छलैक।

1. परमेश् वरक कवच पहिरब (इफिसियों 6:10-18)

2. परमेश्वरक उपस्थितिक शक्ति (निर्गमन 33:12-23)

1. यशायाह 59:17 ओ धार्मिकता केँ छाती जकाँ पहिरने छलाह, आ माथ पर उद्धारक हेलमेट पहिरने छलाह। ओ वस्त्रक बदला प्रतिशोधक वस्त्र पहिरने छलाह आ वस्त्र जकाँ उत्साह पहिरने छलाह।

2. प्रकाशितवाक्य 19:14-15 स् वर्ग मे जे सेना सभ छल, से सभ उज्जर घोड़ा पर सवार भ’ क’ हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलैत छल, जे नीक लिनेन, उज्जर आ साफ-सफाई पहिरने छल। ओकर मुँह सँ एकटा तेज तलवार निकलैत छैक, जाहि सँ ओ जाति सभ केँ मारि देतैक, आ ओ लोहाक छड़ी सँ ओकरा सभ पर राज करतैक।

इजकिएल 9:3 इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओहि करुब सँ घरक दहलीज पर चलि गेल। ओ लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी केँ बजा लेलक, जकर कात मे लेखकक स्याही छलैक।

परमेश् वरक महिमा करुब केँ छोड़ि घरक दहलीज पर चलि जाइत अछि। तखन ओ एकटा आदमी केँ लिनेन वस्त्र आ स्याहीक चोटी ल' क' बजबैत छथि।

1. परमेश् वरक महिमाक शक्ति: ई हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलैत अछि

2. आज्ञाकारिता के महत्व: भगवान के आवाज सुनना

1. निर्गमन 40:34-38 प्रभुक महिमा तम्बू मे भरि गेल

2. यशायाह 6:1-7 यशायाह के मंदिर में परमेश्वर के महिमा के दर्शन

इजकिएल 9:4 तखन परमेश् वर हुनका कहलथिन, “नगरक बीच मे, यरूशलेमक बीच मे जाउ, आ ओहि लोक सभक कपार पर निशान लगाउ जे बीच मे कयल गेल सभ घृणित काजक लेल आह भरैत आ पुकारैत अछि ओकर।

परमेश् वर एकटा आदमी केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यरूशलेम मे जा कऽ ओहि शहर मे घटित घृणित काज सभक शोक मना रहल लोक सभक कपार पर निशान लगाबथि।

1. प्रभु हमरा सभकेँ घृणित काजक लेल आह आ कानबाक लेल बजबैत छथि

2. घृणित वस्तुक प्रति करुणा आ विश्वासक प्रतिक्रिया देब

1. यिर्मयाह 4:19-21 - हमर आंत, हमर आंत! हम अपन हृदय मे दुखी छी; हमर हृदय हमरा मे हल्ला करैत अछि। हम चुप नहि रहि सकैत छी, कारण अहाँ सुनलहुँ, हे हमर आत्मा, तुरहीक आवाज, युद्धक अलार्म।

20 विनाश पर विनाश चिचियाइत अछि। किएक तँ पूरा देश लूटि गेल अछि।

21 हम कतेक दिन धरि झंडा देखब आ तुरहीक आवाज सुनब?

2. यशायाह 65:19 - हम यरूशलेम मे आनन्दित रहब आ अपन लोक मे आनन्दित रहब, आ आब ओकरा मे कानबाक आवाज नहि सुनल जायत आ ने कानबाक आवाज।

इजकिएल 9:5 ओ हमरा सुनैत दोसर लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ हुनकर पाछाँ-पाछाँ शहर मे जाउ आ मारि मारू।

प्रभु अपन लोक सभ केँ आज्ञा देलनि जे कोनो दया नहि करू आ शहर केँ नष्ट करू।

1: प्रभु हमरा सभकेँ बिना सीमाक प्रेम करबाक लेल बजबैत छथि।

2: न्याय मे सेहो प्रभुक प्रेम उपस्थित रहैत अछि।

1: रोमियो 8:38-39, कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2: मत्ती 18:21-22, तखन पत्रुस यीशु लग आबि पुछलथिन, “प्रभु, हम कतेक बेर अपन भाय वा बहिन केँ माफ करब जे हमरा विरुद्ध पाप करैत अछि? सात बेर तक? यीशु उत्तर देलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सात बेर नहि, बल् कि सत्तरि बेर कहैत छी।”

इजकिएल 9:6 बूढ़ आ छोट-छोट, दासी, छोट-छोट बच्चा आ स्त्री-पुरुष दुनू केँ मारि दियौक। आ हमर अभयारण्य सँ शुरू करू। तखन ओ सभ प्राचीन लोक सभ सँ शुरू भेल जे घर सँ पहिने छल |

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ निर्देश दैत छथि जे यरूशलेम मे सभ लोक केँ मारि देथिन, छोट-बड़, सिवाय ओहि लोक सभक जे हुनका सभ पर परमेश् वरक निशान अछि।

1. भगवान् के आज्ञापालन के महत्व

2. न्याय मे परमेश् वरक दया

२.

2. इब्रानी 11:7- विश्वास सँ नूह, परमेश् वर द्वारा एखन धरि अनदेखल घटनाक विषय मे चेताओल गेल, आदरपूर्वक भय सँ अपन घरक लोकक उद्धारक लेल एकटा जहाज बनौलनि। एहि द्वारा ओ संसारक दोषी ठहरौलनि आ विश्वास सँ भेटयवला धार्मिकताक उत्तराधिकारी बनि गेलाह।

इजकिएल 9:7 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “घर केँ अशुद्ध करू आ आँगन केँ मारल गेल लोक सँ भरू। ओ सभ जा कऽ नगर मे मारि देलक।

भगवान् लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे बाहर जा कऽ शहरक निवासी सभ केँ मारि दियौक।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के आज्ञा के पालन करब चाहे कोनो लागत हो

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक योजना आ उद्देश्य केँ बुझब

1. व्यवस्था 32:4 - ओ चट्टान अछि, ओकर काज सिद्ध अछि, किएक तँ ओकर सभ बाट न्याय अछि, ओ सत् य आ अधर्मक परमेश् वर छथि, धार्मिक आ उचित छथि।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

इजकिएल 9:8 जखन ओ सभ हुनका सभ केँ मारि रहल छल आ हम रहि गेलहुँ तखन हम मुँह पर खसि पड़लहुँ आ चिचिया उठलहुँ आ कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर! की अहाँ यरूशलेम पर अपन क्रोधक उफान मे इस्राएलक सभ शेष लोक केँ नष्ट कऽ देब?

इजकिएल भविष्यवक्ता यरूशलेम के विनाश के साक्षी बनलै आरू परमेश् वर कॅ बची गेलऽ इस्राएली सिनी के भाग्य के बारे में सवाल उठैलकै।

1. दुखक बीच भगवान् पर भरोसा करब

2. भगवान् के निष्ठा आ क्रोध के विरोधाभास

1. यशायाह 43:2-3 जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

2. हबक्कूक 3:17-18 भले अंजीरक गाछ नहि फूलय आ ने बेल पर फल नहि हो, जैतूनक उपज खतम भ’ जाइत अछि आ खेत मे अन्न नहि भेटैत अछि, झुंड केँ झुंड सँ काटि देल जायत आ झुंड मे नहि होयत ठेला सभ, तैयो हम प्रभु मे आनन्दित रहब। हम अपन उद्धारक परमेश् वर मे आनन्दित रहब।

इजकिएल 9:9 तखन ओ हमरा कहलनि, “इस्राएल आ यहूदाक घरानाक अधर्म बहुत बेसी अछि, आ देश खून सँ भरल अछि, आ नगर विकृतता सँ भरल अछि प्रभु नहि देखैत छथि।

इस्राएली आरू यहूदा के अधर्म बहुत छै आरू ई देश खून-खराबा आरू दुष्टता स॑ भरलऽ छै । लोक कहि रहल अछि जे भगवान धरती छोड़ि देलनि अछि आ देखैत नहि छथि ।

1. हमरा सभ केँ पश्चाताप मे प्रभु केँ तकबाक चाही आ अपन पाप केँ अपना पर नहि आबय देबाक चाही।

2. भगवान सदिखन देखैत रहैत छथि, आ हमर सभक कर्म हुनकर नजरि सँ कहियो नुकायल नहि रहैत अछि।

1. भजन 34:15 - प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि, आ हुनकर कान हुनकर पुकार पर ध्यान दैत छनि।

2. यिर्मयाह 29:13 - अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।

इजकिएल 9:10 आ हमरा लेल सेहो हमर आँखि कोनो दया नहि करत, नहिये हमरा दया होयत, मुदा हम हुनका सभक माथ पर हुनकर सभक बाट पर बदला देब।

परमेश् वर दया नहि करताह, बल् कि पाप केनिहार केँ सजा देताह।

1. अक्षम्य के खतरा: भगवान के न्याय जवाबदेही के कोना मांग करैत अछि

2. परमेश् वरक न्यायक यथार्थ: परमेश् वरक सुधार केँ कोना स्वीकार कयल जाय

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. इजकिएल 18:20 - "पाप करय बला आत्मा मरत। पुत्र पिताक अधर्मक लेल कष्ट नहि उठाओत, आ ने पिता केँ पुत्रक अधर्मक लेल कष्ट होयत। धर्मी लोकक धार्मिकता अपना पर रहत, आ... दुष्टक दुष्टता अपना पर होयत।"

इजकिएल 9:11 देखू, ओ लिनन कपड़ा पहिरने, जकरा कात मे स्याहीक घोंट छलैक, ओ एहि बातक सूचना देलक आ कहलक जे, “हम जेना अहाँ हमरा आज्ञा देने छी, तेना कएलहुँ।”

एकटा आदमी लिनेन कपड़ा पहिरने, कात मे स्याहीक चोटी, रिपोर्ट करैत अछि जे ओ जेना निर्देश देल गेल छल, तेना केलक।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब: इजकिएल 9:11 क उदाहरण

2. परमेश् वरक निर्देश केँ पूरा करबाक शक्ति: इजकिएल 9:11 पर एक नजरि

१.

2. यहोशू 1:8 - ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि हटि जायत, बल् कि अहाँ एहि पर दिन-राति मनन करू, जाहि सँ अहाँ एहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करबा मे सावधान रहब। कारण तखन अहाँ अपन बाट समृद्ध करब, तखन अहाँ केँ नीक सफलता भेटत।

इजकिएल अध्याय 10 यरूशलेम पर परमेश्वर के न्याय के दर्शन के जारी रखै छै, जेकरा में मंदिर स॑ निकलै वाला परमेश्वर के महिमा पर विशेष ध्यान देलऽ गेलऽ छै । अध्याय में स्वर्गीय प्राणी के प्रकटीकरण आरू परमेश्वर के न्याय के निष्पादन में ओकरऽ संलग्नता के वर्णन छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के ओहि करुब के दर्शन स होइत अछि जे ओ अपन पहिने के दर्शन में अध्याय 1 में देखने छलाह। परमेश् वरक महिमा एक बेर फेर हुनका सभक ऊपर चित्रित कयल गेल अछि (इजकिएल 10:1-2)।

2nd पैराग्राफ: अंश में करूब आ पहिया के गति के विस्तार स कहल गेल अछि जेना कि ओ परमेश्वर के महिमा के संग दैत अछि। जेना-जेना करूब सभ चलैत अछि, ओकर पाँखिक आवाजक तुलना सर्वशक्तिमान वरक आवाज सँ कयल जाइत अछि। इजकिएल परमेश् वर के महिमा के मंदिर सं॑ निकलै के गवाह छै, जे हुनकऽ उपस्थिति के वापसी आरू आसन्न न्याय के संकेत दै छै (इजकिएल १०:३-२२)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल दसवाँ अध्याय के अनावरण
परमेश् वरक महिमाक मन् दिर सँ विदा होयब,
करूब आ पहियाक गति।

करूब आ ओकर अनेक चेहरा, पाँखि आ पहियाक दर्शन।
करूब के ऊपर परमेश् वर के महिमा के उपस्थिति।
करूबक गति आ ओकर पाँखिक आवाजक वर्णन।
परमेश् वरक महिमाक मन् दिर सँ विदा होयब, जे आसन्न न्यायक द्योतक अछि।

इजकिएल के ई अध्याय यरूशलेम पर परमेश् वर के न्याय के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। एकरऽ शुरुआत इजकिएल केरऽ करुबऽ के दर्शन स॑ होय छै, वू ही स्वर्गीय प्राणी जेकरा वू अपनऽ पूर्व दर्शन म॑ अध्याय १ म॑ देखलकै । भगवानक महिमा एक बेर फेर हुनका लोकनिक ऊपर चित्रित अछि । अंश में करूब आ पहिया के गति के विस्तार स कहल गेल अछि जेना कि ओ परमेश्वर के महिमा के संग दैत अछि | हुनका लोकनिक पाँखिक आवाजक तुलना सर्वशक्तिमानक आवाज सँ कयल जाइत अछि | इजकिएल परमेश्वर केरऽ महिमा के मंदिर स॑ निकलै के गवाह छै, जे हुनकऽ उपस्थिति के वापसी आरू आसन्न न्याय के प्रतीक छेकै । अध्याय के केंद्र मंदिर स परमेश् वर के महिमा के विदा होय के आरू करुब आरू पहिया के गति पर छै।

इजकिएल 10:1 तखन हम देखलहुँ जे करूब सभक माथक ऊपर जे आकाश छल, ओहि मे नीलमणिक पाथर जकाँ, सिंहासनक उपमा जकाँ देखाओल गेल।

इजकिएल करुब सभक ऊपर आकाश मे एकटा नीलमणि पाथर देखलनि जे सिंहासन जकाँ छल।

1. भगवानक महिमा स्वर्ग मे प्रदर्शित होइत अछि।

2. परमेश् वरक सान्निध्य मे हमरा सभ केँ शान्ति आ आराम भेटि सकैत अछि।

1. यशायाह 6:1-4 - यशायाह के परमेश्वर के महिमा के दर्शन।

2. भजन 11:4 - प्रभु अपन पवित्र मंदिर मे छथि।

इजकिएल 10:2 तखन ओ लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी सँ कहलथिन, “करुबक नीचाँ चक्का सभक बीच मे जाउ आ करूब सभक बीच सँ आगि के कोयला सँ हाथ भरि कऽ शहर मे छिड़िया दियौक।” आ ओ हमरा नजरि मे भीतर गेलाह।

प्रभु एकटा लिनन कपड़ा पहिरने आदमी केँ आज्ञा देलथिन जे करुब सभक बीच मे जा कऽ ओकरा सभक बीच सँ आगि के कोयला लऽ कऽ शहर मे छिड़िया देथिन।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति - बिना कोनो प्रश्न के आज्ञापालन दुष्ट पर परमेश्वर के न्याय आनि सकैत अछि

2. आज्ञाकारिता के फल भेटैत अछि - भगवान के आज्ञा के पालन करब विश्वास के निशानी अछि आ ईश्वरीय फल भेटत

1. 1 यूहन्ना 5:3 - किएक तँ परमेश् वरक प्रेम ई अछि जे हम सभ हुनकर आज्ञा सभक पालन करी।

2. रोमियो 6:16-17 - अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभ जकरा आज्ञा मानबाक लेल अपना केँ दास बना दैत छी, ओकर सेवक छी जकर आज्ञा मानैत छी। पापक मृत्युक कारणेँ, आकि धार्मिकताक आज्ञापालनक कारणेँ?

इजकिएल 10:3 जखन ओ आदमी घरक भीतर गेल तखन करुब सभ घरक दहिना कात ठाढ़ छल। आ मेघ भीतरक आँगन मे भरि गेल।

घरक दहिना कात करुब सभ ठाढ़ छल जखन एक आदमी भीतर गेल आ भीतरक आँगन मेघ सँ भरल छल।

1. करूब आ मेघक शक्ति केँ बुझब

2. सदनक दहिना कातक महत्व देखैत

1. भजन 18:10 - ओ एकटा करूब पर सवार भ’ क’ उड़ि गेल; हवाक पाँखि पर तेजीसँ आबि गेल।

2. प्रकाशितवाक्य 8:2 - हम सातटा स् वर्गदूत केँ देखलहुँ जे परमेश् वरक समक्ष ठाढ़ छथि, आ हुनका सभ केँ सात टा तुरही देल गेलनि।

इजकिएल 10:4 तखन परमेश् वरक महिमा करुब सँ ऊपर चलि गेल आ घरक दहलीज पर ठाढ़ भ’ गेल। घर मेघ सँ भरल छल आ आँगन परमेश् वरक महिमाक चमक सँ भरल छल।

मंदिरक घर आ आँगन मे प्रभुक महिमा भरि गेल।

1: भगवानक महिमा सब किछु घेरने अछि, आ ई हमरा सभक जीवन केँ किनार धरि भरैत अछि।

2: हमरा सभ केँ प्रयास करबाक चाही जे परमेश्वरक महिमा केँ अपन जीवन मे चमकय दियौक, जाहि सँ दोसरो लोकनि हुनका दिस आकर्षित भ' सकय।

1: रोमियो 8:18-19 हम ई बुझैत छी जे एहि समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत। कारण सृष्टि केरऽ गंभीर अपेक्षा परमेश् वर केरऽ पुत्रऽ के प्रकट होय के आतुरता सें प्रतीक्षा करी रहलऽ छै ।

2: 2 कोरिन्थी 4:6 किएक तँ ओ परमेश् वर छथि जे अन् हार मे सँ इजोत केँ चमकबाक आज्ञा देलनि, जे हमरा सभक हृदय मे चमकल छथि जे यीशु मसीहक मुँह मे परमेश् वरक महिमाक ज्ञानक इजोत देब।

इजकिएल 10:5 करुब सभक पाँखिक आवाज बाहरी आँगन धरि सुनल गेल जेना सर्वशक्तिमान परमेश् वरक आवाज सुनबा मे अबैत अछि जखन ओ बजैत छथि।

करुबक पाँखिक आवाज बाहरक आँगन धरि सुनबा मे आयल, जे परमेश् वरक आवाज जकाँ बजैत छल।

1. भगवानक आवाजक शक्ति 2. भगवानक आवाज सुनब

1. यूहन्ना 10:27-28 - "हमर बरद सभ हमर आवाज सुनैत अछि, आ हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत छी, आ ओ सभ हमरा पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि।" 2. भजन 29:3-4 - "परमेश् वरक आवाज पानि पर अछि; महिमाक परमेश् वर गरजैत छथि, परमेश् वर बहुतो पानि पर छथि। परमेश् वरक आवाज शक्तिशाली अछि; परमेश् वरक आवाज महिमा सँ भरल अछि।" .

इजकिएल 10:6 जखन ओ लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी केँ आज्ञा देलथिन जे, “पहिया सभक बीच सँ आ करुब सभक बीच सँ आगि ल’ लिअ।” तखन ओ भीतर गेलाह आ पहियाक बगल मे ठाढ़ भ’ गेलाह।

एकटा लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी केँ निर्देश देल गेल जे ओ करूबक पहियाक बीच सँ आगि ली।

1. आज्ञापालन के शक्ति: परमेश्वर के आज्ञा कोना आशीर्वाद के तरफ ल जाइत अछि

2. अग्नि के महत्व: आध्यात्मिक परिवर्तन में इसकी भूमिका |

1. निष्कासन 24:17 - प्रभुक महिमाक दर्शन पहाड़क चोटी पर भस्म करयवला आगि जकाँ छल।

2. लूका 12:49 - हम पृथ्वी पर आगि अनबाक लेल आयल छी, आ कतेक चाहैत छी जे ई पहिने सँ जरि गेल रहैत!

इजकिएल 10:7 एकटा करुब करुब सभक बीच सँ अपन हाथ बढ़ौलनि आ ओहि आगि मे जे लिनेन पहिरने छल, ओकरा लऽ कऽ बाहर निकलि गेल।

इजकिएल 10:7 के ई अंश के वर्णन छै कि करुब लिनन पहिरने आदमी के हाथ में आगि डाललकै, जेकरा बाद वू ओकरा साथ चली जाय छै।

1. परमेश् वरक उपस्थिति हमरा सभ केँ कोना सशक्त बना सकैत अछि जे ओ हमरा सभ केँ ओ काज करबाक लेल बजौने छथि।

2. पवित्र आत्मा द्वारा प्रेरित भेला पर कार्रवाई करबाक लेल तैयार रहबाक महत्व।

1. यशायाह 6:8 - "तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम केकरा पठाउ? आ हमरा सभक लेल के जायत? आ हम कहलियनि, हम एतय छी। हमरा पठाउ!

2. इब्रानी 11:1-3 - "आब विश् वास आशा कयल गेल बातक आश्वासन अछि, जे नहि देखल गेल अछि, तकर निश्चय। किएक तँ एहि सँ पुरान लोक सभ अपन प्रशंसा पाबि रहल छल। विश्वास सँ हम सभ बुझैत छी जे ब्रह्माण्ड वचन द्वारा बनाओल गेल अछि।" परमेश् वरक, जाहि सँ जे देखल जाइत अछि, से देखबा मे अबैत वस्तु सँ नहि बनल अछि।”

इजकिएल 10:8 करुब सभक पाँखिक नीचाँ एक आदमीक हाथक रूप मे देखा पड़ल।

करुबक पाँखिक नीचाँ एक आदमीक हाथक रूप प्रकट भेल।

1. भगवानक हाथ: ईश्वरीय हस्तक्षेपक खोज

2. करूब: परमेश् वरक रक्षाक प्रतीक

1. भजन 91:11-12 - किएक तँ ओ अहाँक विषय मे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन जे अहाँक सभ बाट मे अहाँक रक्षा करथि। ओ सभ अहाँ केँ हाथ मे उठा लेत, जाहि सँ अहाँ अपन पैर पाथर पर नहि मारब।

2. निर्गमन 25:18-20 - अहाँ सोनाक दूटा करूब बनाउ। हथौड़ाक काज सँ अहाँ सभ ओकरा सभ केँ बनाउ, दयाक आसनक दुनू छोर पर। एक छोर पर एकटा करूब आ दोसर छोर पर एकटा करूब बनाउ। एक टुकड़ी मे दया आसनक संग करूब सभ ओकर दुनू छोर पर बनाउ। करुब सभ अपन पाँखि पसारि कऽ दया आसन पर अपन पाँखि सँ छाँटि लेत आ एक-दोसरक सामना करत। करुब सभक मुँह दया आसन दिस रहत।

इजकिएल 10:9 जखन हम देखलहुँ तँ देखलहुँ जे चारू पहिया करूब सभक कात मे, एक पहिया एक करुबक कात मे आ दोसर पहिया दोसर करुबक कात मे।

इजकिएल एकटा करूबक चारिटा पहिया देखलनि, जाहि मे प्रत्येक पहियाक रंग बेरिल पाथरक समान छल।

1. करूबक रहस्यमयी पहिया: परमेश्वरक अथाह शक्ति।

2. परिवर्तन के पहिया: बेरिल पत्थर के महत्व।

1. प्रकाशितवाक्य 4:6-8 - सिंहासनक चारूकात चौबीस सिंहासन छल, आ सिंहासन पर चौबीस बूढ़ बैसल छलाह, जे उज्जर वस्त्र पहिरने छलाह आ माथ पर सोनाक मुकुट पहिरने छलाह। सिंहासन सँ

बिजलीक झिलमिलाहट, गूँज आ गरजबाक चीत्कार आबि रहल छल, आ सिंहासनक आगू मे सात टा आगि मशाल जरि रहल छल, जे परमेश् वरक सातटा आत् मा अछि, आ सिंहासनक सोझाँ स्फटिक जकाँ काँच समुद्र जकाँ छल.

2. दानियल 10:5-6 - हम आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे एकटा आदमी लिनेन कपड़ा पहिरने छल आ कमर मे उफाजक महीन सोनाक पट्टी पहिरने छल। ओकर देह बेरिल जकाँ छलैक, चेहरा बिजलीक रूप जकाँ छलैक, आँखि ज्वालामुखी मशाल जकाँ छलैक, हाथ-पैर चमकैत कांस्यक चमक जकाँ छलैक आ ओकर शब्दक आवाज भीड़क आवाज जकाँ छलैक ।

इजकिएल 10:10 जँ हुनका सभक रूप-रंगक विषय मे चारू गोटेक एक समानता छलनि, जेना कोनो चक्काक बीच मे कोनो पहिया हो।

इजकिएल १०:१० मे वर्णित चारि प्राणी सभ एक समान छल, जेना कोनो पहिया कोनो पहियाक भीतर हो।

1. भगवान् के सृष्टि के परस्पर संपर्क

2. बाइबिल मे पहियाक प्रतीकात्मकता

1. यशायाह 28:28 - "की ओत' बैल सँ जोतैत अछि? की घाटी केँ निरन्तर खोदैत रहैत अछि? की अपन जमीन केँ निरंतर खोलैत अछि आ कातैत अछि?"

2. प्रकाशितवाक्य 4:6-8 - "सिंहासनक आगू स्फटिक सन काँच समुद्र छल। आ सिंहासनक बीच आ सिंहासनक चारू कात आगू आ पाछू आँखि सँ भरल चारिटा जानवर छल। आ... पहिल जानवर सिंह जकाँ छल, आ दोसर जानवर बछड़ा जकाँ, आ तेसर जानवरक मुँह मनुक्ख जकाँ छल, आ चारिम जानवर उड़ैत गरुड़ जकाँ छल।”

इजकिएल 10:11 जखन ओ सभ गेलाह तँ चारू कात चलि गेलाह। ओ सभ जाइत-जाइत नहि, बल् कि ओहि ठाम दिस घुमि गेल जतय माथ देखैत छल, ओकर पाछाँ-पाछाँ चलल। जाइत-जाइत नहि घुमल।

इजकिएल 10:11 मे देल गेल प्राणी ओहि दिशा मे बढ़ैत छल जाहि दिशा मे माथ देखैत छल, बिना जाइत-जाइत घुमने।

1. दिशा-निर्देशक संग रहब: जीवन मे भगवानक नेतृत्वक पालन कोना कयल जाय

2. एकताक शक्ति: सामंजस्य मे एक संग काज करबाक लाभ

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. नीतिवचन 16:9 - मनुष् यक हृदय अपन बाट गढ़ैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ निर्देशित करैत छथि।

इजकिएल 10:12 ओकर सभक पूरा शरीर, ओकर सभक पीठ, ओकर सभक हाथ, ओकर सभक पाँखि आ पहिया सभ चारू कात आँखि सँ भरल छलैक।

एहि अंश मे करूब सभक दर्शनक वर्णन अछि, जाहि मे ओ सभ आँखि सँ झाँपल छल आ चारि टा पहिया छल जकर चारू कात आँखि छल।

1. सर्वदर्शी भगवान्: प्रभु के सर्वव्यापीता को पहचानना

2. आध्यात्मिक दृष्टि के आवश्यकता: स्वर्गीय आँखि सँ देखब सीखब

1. भजन 33:13-14 - "प्रभु स्वर्ग सँ नीचाँ तकैत छथि; ओ मनुष्यक सभ संतान केँ देखैत छथि। जतय सँ ओ सिंहासन पर बैसल बैसल छथि, ओतय सँ ओ पृथ्वीक सभ निवासी केँ देखैत छथि।"

2. इब्रानी 4:13 - "आ कोनो प्राणी ओकर नजरि सँ नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकरा हमरा सभ केँ हिसाब देबाक चाही।"

इजकिएल 10:13 पहियाक बात त’ हमरा सुनैत काल ओकरा सभ केँ पुकारल गेल, हे पहिया।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना परमेश् वर इजकिएल के सुनय मे पहिया सभ सँ बात केलनि।

1. भगवान् हर परिस्थिति मे हमरा सभ सँ गप्प करैत छथि, जँ हम सभ सुनय लेल तैयार छी।

2. हम कहियो असगर नहि छी, भगवान सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि।

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब।"

2. याकूब 1:19 - "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही।"

इजकिएल 10:14 प्रत्येकक चारिटा मुँह छलैक, पहिल मुँह एकटा करुबक मुँह छलैक, आ दोसर मुँह मनुक्खक मुँह छलैक, तेसर मुँह सिंहक मुँह छलैक आ चारिम मुँह गरुड़क छलैक।

इजकिएल 10:14 मे एकटा सत्ताक चारिटा चेहराक वर्णन अछि - एकटा करुब, एकटा आदमी, एकटा शेर आ एकटा गरुड़।

1. सृष्टि के विविधता: इजकिएल 10:14 के अन्वेषण

2. हमर अलग-अलग ताकत: इजकिएल 10:14 मे चारि चेहराक अध्ययन

1. भजन 8:5-8

2. यशायाह 40:25-26

इजकिएल 10:15 करुब सभ उठि गेल। ई ओ जीव अछि जे हम चेबर नदीक कात मे देखलहुँ ।

इजकिएल कबर नदीक कात जे जीव-जन्तु देखलनि, से करुबक रूप मे प्रगट भेल।

1. प्रकृति मे प्रकट ईश्वरीय शक्ति

2. भगवान् के प्राणी के रहस्य

1. भजन 104:4 - जे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आत् मा बनबैत अछि। ओकर मंत्री सभ एकटा ज्वालामुखी आगि।

2. लूका 24:4-5 - जखन ओ सभ एहि विषय मे बहुत आश्चर्यचकित भ’ गेल छल, तखन देखलहुँ जे दू गोटे चमकैत वस्त्र मे हुनका सभक लग मे ठाढ़ छल, आ ओ सभ डरैत-डरैत पृथ् वी दिस मुँह झुका कऽ कहलक हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ मृत् यु मे जीवित लोक केँ किएक तकैत छी?”

इजकिएल 10:16 जखन करूब सभ जाइत छल तखन ओकर पहिया सभ ओकरा सभक कात सँ गुजरैत छल, आ जखन करूब सभ अपन पाँखि उठौलक जे धरती सँ ऊपर चढ़ि गेल छल, तखन ओ पहिया सभ सेहो ओकरा सभक कात सँ नहि घुमैत छल।

इजकिएल 10:16 के ई अंश करुब के गति आरू ओकरऽ बगल के पहिया के साथ ओकरऽ संबंध के वर्णन करै छै।

1. भगवान् के पहिया - समस्त सृष्टि के दिव्य परस्पर संपर्क का अन्वेषण |

2. पूर्ण सामंजस्य मे चलब - भगवानक सृष्टि सँ एकता मे कोना जीबि सकैत छी।

1. उत्पत्ति 1:1 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

इजकिएल 10:17 जखन ओ सभ ठाढ़ भेलाह तखन ई सभ ठाढ़ भ’ गेलाह। जखन ओ सभ ऊपर उठौलनि तखन ई सभ सेहो उठि गेलाह, किएक तँ ओकरा सभ मे जीव-जन्तुक आत् मा छलनि।

जीव-जन्तु में भगवान के आत्मा छेलै, जेकरा चलतें वू समन्वय में चलै में सक्षम होय जाय छेलै।

1: हम सब अपन एकता आ भगवान पर विश्वास मे ताकत पाबि सकैत छी।

2: परमेश् वरक आत् मा हमरा सभक यात्राक मार्गदर्शन आ सहायता करत।

1: फिलिप्पियों 4:13 - हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा शक्ति दैत छथि।

2: भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।

इजकिएल 10:18 तखन परमेश् वरक महिमा घरक दहलीज सँ हटि क’ करुब सभक ऊपर ठाढ़ भ’ गेल।

परमेश् वरक महिमा घरक दहलीज छोड़ि करुब सभक ऊपर ठाढ़ भऽ गेल।

1. महिमा के हस्तांतरण: प्रभु के अपन लोक के लेल मध्यस्थता

2. परमेश् वरक उपस्थितिक प्रकटीकरण: परमेश् वरक रक्षाक प्रतीकक रूप मे करूब

1. निकासी 25:18-22 - वाचा के सन्दूक पर करूब के वर्णन

2. भजन 104:4 - प्रभुक महिमा के तुलना करूब के पाँखि स कयल गेल अछि।

इजकिएल 10:19 करुब सभ अपन पाँखि उठौलक आ हमरा नजरि मे पृथ्वी पर सँ ऊपर चढ़ि गेल। इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओकरा सभ पर ऊपर छल।

करुब सभ अपन पाँखि उठा कऽ पहिया सभक संग पृथ् वी छोड़ि परमेश् वरक घरक पूरब फाटक पर ठाढ़ भऽ गेलाह जाबत इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओकरा सभ पर छल।

1. प्रभु के सान्निध्य के शक्ति - भगवान के महिमा कोना रक्षा के ढाल छै

2. करूबक यात्रा - परमेश् वर हमरा सभक डेग केँ कोना मार्गदर्शन करैत छथि

1. यशायाह 40:31- मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 18:30- रहल बात परमेश् वरक, हुनकर बाट सिद्ध अछि; प्रभुक वचन परखल जाइत अछि, ओ सभ लोकक लेल बकसुआ छथि जे हुनका पर भरोसा करैत छथि।

इजकिएल 10:20 ई ओ जीव अछि जे हम इस्राएलक परमेश् वरक नीचाँ कबर नदीक कात मे देखलहुँ। हम बुझि गेलहुँ जे ओ सभ करूब छथि।

इजकिएल कबर नदीक कात मे जीव-जन्तु देखलनि जकरा ओ करुबक रूप मे चिन्हलनि।

1. इजकिएल के दर्शन: करूब के प्रतीकात्मकता के अन्वेषण

2. प्रकाशितवाक्य के शक्ति: इजकिएल के करूब के साथ मुठभेड़ के परखना

1. यूहन्ना 1:14, "ओ वचन शरीर बनि हमरा सभक बीच रहलाह, आ हम सभ हुनकर महिमा देखलहुँ, जे पिताक एकलौता पुत्रक महिमा अछि, जे अनुग्रह आ सत्य सँ भरल अछि।"

2. यशायाह 6:2-3, "ओकर ऊपर सराफी सभ ठाढ़ छल। प्रत्येकक छह टा पाँखि छलैक। दू टा पाँखि सँ ओ अपन मुँह झाँपि लेलक, आ दू टा सँ अपन पैर झाँपि लेलक, आ दू टा सँ उड़ि गेल। एक गोटे दोसर केँ आवाज देलक आ कहलक। सेना के प्रभु पवित्र, पवित्र, पवित्र छै, पूरा पृथ्वी ओकरऽ महिमा स॑ भरलऽ छै!

इजकिएल 10:21 प्रत्येकक चारि-चारि मुँह आ चारि-चारि पाँखि। ओकरा सभक पाँखिक नीचाँ मनुक्खक हाथक उपमा छलैक।

पाँखि आ हाथक चारि मुँहबला प्राणीक उपमा इजकिएल देखलनि।

1. अदृश्य देखब: इजकिएलक दृष्टिक अन्वेषण

2. कल्पनाक शक्ति: विभिन्न आध्यात्मिक यथार्थ केँ बुझब

1. उत्पत्ति 1:26-27 - परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि।

2. यशायाह 6:1-2 - यशायाह प्रभु केँ अपन महिमा मे देखलनि।

इजकिएल 10:22 हुनका सभक चेहराक उपमा वैह मुँह छल जे हम कबर नदीक कात मे देखलहुँ, हुनकर सभक रूप आ अपना केँ।

इजकिएल केबर नदी के किनारे जे प्राणी के चेहरा देखलकै, ओकरऽ चेहरा वू ही छेलै जे दर्शन में देखलऽ गेलऽ प्राणी के चेहरा छेलै।

1. विश्वासपूर्वक आज्ञाकारिता: परमेश्वरक निर्देशक संग कोना जीबी

2. भगवान् के शक्ति आ प्रोविडेंस: हुनकर प्रेम के स्थिरता

1. यशायाह 40:31: "मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि हुनका नव शक्ति भेटतनि। ओ गरुड़ जकाँ पाँखि पर ऊँच उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. रोमियो 8:28: "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

इजकिएल अध्याय 11 यरूशलेम पर परमेश्वर के न्याय के दर्शन के जारी रखै छै, जेकरा में शहर के नेता सिनी के पाप आरू विश्वासी अवशेष के लेलऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै। अध्याय में परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू हुनकऽ धर्मी न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के परमेश् वर के आत् मा द्वारा मन्दिर के पूर्वी द्वार पर लानलऽ जाय के साथ होय छै, जहाँ ओकरा प्रभु के उपस्थिति के सामना करना पड़ै छै आरू परमेश्वर के महिमा देखै छै। परमेश् वर इस्राएल के दुष्ट नेता सिनी कॅ संबोधित करै छै, जे दमनकारी आरू भ्रष्ट प्रथा में संलग्न छै (इजकिएल 11:1-12)।

2nd Paragraph: परमेश् वर एहि नेता सभ पर न्याय करैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओ सभ तलवार सँ खसि पड़त आ जाति सभक बीच छिड़िया जायत। तथापि, परमेश् वर इजकिएल केँ आश्वासन दैत छथि जे लोकक एकटा अवशेष निर्वासन मे सुरक्षित रहत आ अंततः इस्राएल देश मे वापस आबि जायत (इजकिएल 11:13-21)।

3 वां पैराग्राफ: ई अंश के समापन परमेश् वर के महिमा के दर्शन के साथ होय छै जे शहर सें विदा होय के जैतून के पहाड़ पर चढ़ै छै। ई परमेश् वर के उपस्थिति के प्रस्थान आरू यरूशलेम पर जे न्याय होतै, ओकरा दर्शाबै छै। एकरऽ बावजूद परमेश् वर वादा करै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ जाति-जाति स॑ इकट्ठा करी क॑ ओकरऽ मूर्तिपूजा स॑ साफ करी क॑ ओकरा नया दिल आरू आत्मा देतै (यहेजकिएल ११:२२-२५)।

संक्षेप मे, २.

1374

इजकिएल अध्याय ग्यारह पर अनावरण
यरूशलेम के नेता सिनी पर परमेश् वर के न् याय,
विश्वासी अवशेष के लेल पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा।

मंदिर के फाटक पर परमेश्वर के उपस्थिति आ महिमा के साथ इजकिएल के मुठभेड़।
दमनकारी प्रथा मे लागल दुष्ट नेता सब के संबोधित करब।
नेता सभ पर न्यायक घोषणा, जाति-जाति मे छिड़ियायल।
अवशेष के लेल संरक्षण आ अंततः बहाली के वादा।
शहर सॅं विदा होइत भगवानक महिमाक दर्शन आ लोक सभ केँ एकत्रित करबाक वचन।

इजकिएल के ई अध्याय यरूशलेम पर परमेश् वर के न्याय के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। एकरऽ शुरुआत ईजकिएल क॑ परमेश् वर के आत् मा द्वारा मन्दिर के पूर्वी फाटक पर लानै स॑ होय छै, जहाँ ओकरा परमेश् वर के उपस्थिति आरू महिमा के सामना करना पड़ै छै । परमेश् वर इस्राएल के दुष्ट नेता सिनी कॅ संबोधित करै छै, जे दमनकारी आरू भ्रष्ट प्रथा में लागल छै। ओ एहि नेता सभ पर न्याय करैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओ सभ तलवार सँ खसि पड़त आ जाति-जाति मे छिड़िया जायत। लेकिन, परमेश् वर इजकिएल कॅ आश्वासन दै छै कि लोगो के एक अवशेष निर्वासन में सुरक्षित रहतै आरू अंततः इस्राएल के देश में वापस आबी जैतै। अध्याय के समापन परमेश् वर के महिमा के दर्शन के साथ होय छै जे शहर सें विदा होय के जैतून के पहाड़ पर चढ़ै छै, जे परमेश्वर के उपस्थिति के प्रस्थान आरू आसन्न न्याय के संकेत दै छै। एकरऽ बावजूद परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ जाति-जाति स॑ जुटाबै के वचन दै छै, ओकरा ओकरऽ मूर्तिपूजा स॑ साफ करी क॑ ओकरा एगो नया दिल आरू आत्मा दै छै । अध्याय के केंद्र यरूशलेम के नेता सिनी पर न्याय आरू विश्वासी अवशेष के लेलऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर छै।

इजकिएल 11:1 आत् मा हमरा उठौलक आ हमरा परमेश् वरक घरक पूरब फाटक दिस लऽ गेल जे पूब दिस तकैत अछि। हुनका सभ मे हम अजूरक पुत्र याजनियाह आ बेनायाक पुत्र पलातिया केँ देखलहुँ जे लोकक प्रमुख छलाह।

आत्मा इजकिएल के प्रभु के घर के पूर्व द्वार पर लानै छै, जहां ओकरा 25 आदमी देखै छै, जेकरा में यजनियाह आरू पलातिया भी शामिल छै, जे लोग सिनी के राजकुमार छै।

1. हमर जीवन मे आध्यात्मिक मार्गदर्शन के महत्व

2. परमेश् वरक सामर्थ् य जे हमरा सभ केँ सही समय पर सही जगह पर पहुँचा सकथि

1. यशायाह 30:21 - आ अहाँक कान अहाँक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 11:2 तखन ओ हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, ई सभ लोक सभ छथि जे एहि नगर मे दुष्टताक योजना बनबैत छथि आ दुष्ट सलाह दैत छथि।

यरूशलेम के आदमी सब बदमाशी के योजना बनाबै छै आरू दुष्ट सलाह दै छै।

1: शरारती आ दुष्ट सलाहक खतरा

2: शरारती आ दुष्ट सलाह स बचबाक तरीका

1: याकूब 3:14-18 - हमरा सभ केँ एहि बात सँ सावधान रहबाक चाही जे हम सभ की कहैत छी आ एकर प्रभाव दोसर पर कोना पड़ैत अछि

2: नीतिवचन 16:27-28 - मनुष्यक वचन बजबा सँ पहिने ओकर विचारक तौलल जाइत छैक

इजकिएल 11:3 ओ सभ कहैत अछि जे, ई नजदीक नहि अछि। घर बनाबी, ई नगर कड़ाही अछि, आ हम सभ मांस छी।

यरूशलेम के लोग परमेश् वर के न्याय के प्रति चिंतित नै छेलै आरू एकरऽ बदला में शहर के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करी रहलऽ छेलै।

1: भगवान् हमरा सभ केँ आज्ञाकारिता आ विश्वासक संग जीबय लेल बजबैत छथि, लापरवाह परित्याग आ अपन इच्छाक अवहेलनाक संग नहि।

2: हमरा सभ केँ यरूशलेमक लोक जकाँ नहि बनबाक चाही, जे परमेश् वरक योजना सँ आगू अपन योजना केँ राखि दैत छथि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: रोमियो 12:1-2 - "तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी, यौ भाइ-बहिन सभ, परमेश् वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, जे पवित्र आ परमेश् वर केँ प्रसन्न करैत अछि। ई अहाँ सभक सत् य आ उचित आराधना अछि। करू।" एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि, अपितु अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क' सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा अछि।"

इजकिएल 11:4 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, हुनका सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू, भविष्यवाणी करू।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ इस्राएलक लोकक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक आज्ञा देल गेल अछि।

1. पैगम्बर के आज्ञाकारिता: भगवान के आह्वान के पालन करब जे हुनकर वचन बाजब

2. मूर्तिपूजा के अस्वीकार करब: विश्वास में दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब आ झूठ देवता के पालन नहि करब

1. यिर्मयाह 1:7 8: "मुदा प्रभु हमरा कहलथिन, 'हम मात्र युवा छी, ई नहि कहब, किएक त' अहाँ सभ लग जाउ, जिनका लग हम अहाँ केँ पठबैत छी, आ हम जे किछु आज्ञा देब, से अहाँ बाजब।' . हुनका सभक मुँह सँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ सभ केँ उद्धार करबाक लेल अहाँक संग छी,' प्रभु कहैत छथि।"

2. याकूब 4:7: "तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू आ ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

इजकिएल 11:5 परमेश् वरक आत् मा हमरा पर खसि पड़ल आ कहलक जे, “बाजू। परमेश् वर ई कहैत छथि। हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ एहि तरहेँ कहलहुँ, किएक तँ अहाँ सभक मोन मे जे बात अबैत अछि, से हम जनैत छी।”

प्रभु इजकिएल के माध्यम से बोलै छै आरू ई प्रकट करै छै कि हुनी इस्राएल के घराना के विचार कॅ जानै छै।

1. भगवान् के सर्वज्ञता - अपन विचार के जानब

2. भगवान् के ज्ञान के आराम - ताकत आ आशा के स्रोत

1. भजन 139:1-4 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि कऽ हमरा चिन्हलहुँ।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 11:6 अहाँ सभ एहि नगर मे अपन मारल गेल लोक केँ बढ़ा देलहुँ आ ओकर सड़क केँ मारल गेल लोक सँ भरलहुँ।

शहर के सड़क पर लाश स भरल अछि, जेकर कारण अछि जे लोक के मौत भ गेल अछि.

1. पाप के खतरा: भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

2. परमेश् वरक निर्णय आ न्याय: विद्रोहक लागत

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 3:10-11 - अहाँ सभ धर्मी केँ कहि दियौक जे ओकर नीक हेतैक, किएक तँ ओ सभ अपन काजक फल खा लेत। दुष्टक धिक्कार! ओकरा बीमार पड़तैक, किएक तँ ओकर हाथक इनाम ओकरा देल जेतै।”

इजकिएल 11:7 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँक मारल गेल लोक सभ जकरा अहाँ सभ ओकरा बीच मे राखि देलहुँ, ओ सभ मांस अछि आ ई नगर कड़ाही अछि, मुदा हम अहाँ सभ केँ ओहि बीच सँ बाहर निकालब।”

परमेश् वर यरूशलेमक लोक सभ सँ गप्प करैत छथि, ई कहैत छथि जे जे सभ शहर मे मारल गेल अछि, ओ सभ कड़ाही मे राखल मांस जकाँ अछि, मुदा ओ ओकरा सभ केँ बीच सँ बाहर निकालि देत।

1. परमेश् वरक मोक्षक सामर्थ् य: परमेश् वरक क्षमता पर भरोसा करब जे हमरा सभ केँ अपन परेशानी सँ मुक्त करथि

2. त्रासदीक बीच आशा: दुखक सामना करैत भगवानक निष्ठा केँ मोन पाड़ब

1. भजन 107:13-14 - तखन ओ सभ अपन संकट मे प्रभु सँ पुकारलनि, आ ओ हुनका सभ केँ अपन संकट सँ बचा लेलनि। ओ ओकरा सभ केँ अन्हार आ मृत्युक छाया सँ बाहर निकालि कऽ ओकरा सभक जंजीर तोड़ि देलक।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

इजकिएल 11:8 अहाँ सभ तलवार सँ डेरा गेलहुँ। हम अहाँ सभ पर तलवार आनब, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

प्रभु परमेश् वर चेताबैत छथि जे ओ तलवार सँ डरय बला सभ पर आनि देताह।

1. तलवारसँ डरब: पापक परिणाम

2. आस्थाक संग भयसँ लड़ब

1. यशायाह 8:12-13 षड्यंत्र केँ ओ सभ किछु नहि कहब जकरा ई लोक षड्यंत्र कहैत अछि, आ जे डरैत अछि ताहि सँ नहि डेराउ, आ ने भय मे रहू। 13 मुदा सेना सभक प्रभु, हुनका पवित्र मानबाक आदर करू। ओ अहाँक डर बनय, आ ओ अहाँक भय बनय।

2. 1 यूहन्ना 4:18 प्रेम मे कोनो डर नहि होइत छैक, मुदा पूर्ण प्रेम भय केँ बाहर निकालि दैत छैक। कारण डर के संबंध सजा स छै, आ जे डरै छै, ओकरा प्रेम में सिद्ध नै भेलै।

इजकिएल 11:9 हम अहाँ सभ केँ ओकर बीच सँ बाहर निकालब आ परदेशी सभक हाथ मे सौंपब आ अहाँ सभक बीच न्याय करब।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ ओकर वर्तमान स्थिति सँ बाहर निकालि कऽ अनजान लोकक हाथ मे राखि देथिन, जतय ओ न्याय केँ निष्पादित करताह।

1. परमेश् वरक दया आ न्याय - अपन लोक केँ क्लेश सँ मुक्त करब

2. भगवानक सार्वभौमत्व - हुनक निर्णय आ फरमान पर भरोसा करब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

इजकिएल 11:10 अहाँ सभ तलवार सँ खसि पड़ब। हम इस्राएलक सीमा मे अहाँक न्याय करब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

इजकिएल के ई अंश इस्राएल पर परमेश्वर के न्याय के बात करै छै, जे इस्राएल के सीमा में सैन्य हार के रूप में आबै वाला छै।

1: भगवान् के न्याय अपरिहार्य छै - हमरा सब के अपन कर्म के प्रति ध्यान राखय पड़त आ परिणाम के स्वीकार करय लेल तैयार रहय पड़त।

2: भगवानक न्याय सिद्ध अछि - जखन कठोर बुझाइत हो तखनो ई सदिखन हमरा सभक भलाई लेल आ हुनकर कृपा मे हमरा सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक लेल होइत अछि।

1: व्यवस्था 32:4 - ओ चट्टान अछि, ओकर काज सिद्ध अछि, किएक तँ ओकर सभ बाट न्याय अछि, ओ सत् य आ अधर्मक परमेश् वर छथि, धार्मिक आ उचित छथि।

2: यिर्मयाह 17:10 - हम प्रभु हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन बाट आ कर्मक फलक अनुसार देब।

इजकिएल 11:11 ई नगर अहाँक कड़ाही नहि होयत आ ने अहाँ सभक बीच मे मांस बनब। मुदा हम इस्राएलक सीमा मे अहाँक न्याय करब।

प्रभु अपन लोकक न्याय शहरक भीतर नहि, इस्राएलक किनार पर करताह।

1: भगवान् केरऽ न्याय कोनो एक जगह तक सीमित नै छै, बल्कि सब तक पहुँची जाय छै ।

2: परमेश् वरक न्यायक सोझाँ सेहो ओ हमरा सभ सँ प्रेम आ परवाह करैत छथि।

1: मत्ती 7:1-2 - "अहाँ सभक न्याय नहि करू, जाहि सँ अहाँ सभक न्याय नहि हो। किएक तँ अहाँ सभ जाहि न्याय सँ न्याय करब, ताहि सँ अहाँ सभक न्याय कयल जायत।

2: इब्रानी 4:12-13 - "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदयक। आ ओकर नजरि सँ कोनो प्राणी नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।"

इजकिएल 11:12 अहाँ सभ जनब जे हम परमेश् वर छी, किएक तँ अहाँ सभ हमर नियमक अनुसार नहि चललहुँ आ ने हमर निर्णय केँ पूरा केलहुँ, बल् कि अहाँ सभक चारूकातक गैर-यहूदी सभक आचार-विचारक अनुसार चललहुँ।

प्रभु इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि अगर वू ओकरो विधान आरू न्याय के पालन नै करतै, बल्कि ओकरो बदला में ओकरोॅ बुतपरस्त पड़ोसी के रीति-रिवाज के पालन करतै, त ओकरा पता चलतै कि वू प्रभु छै।

1. "प्रभुक चेतावनी: परमेश्वरक विधान आ निर्णयक पालन करब"।

2. "प्रभु अनुशासन के माध्यम स आज्ञाकारिता सीखना"।

1. व्यवस्था 28:1-2 - "आब जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा लगन सँ मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक ध्यान सँ पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ ऊँच ठाढ़ करताह।" पृथ्वीक सभ जाति सँ ऊपर।

1378

2. यशायाह 1:16-17 - "अपना केँ धोउ, अपना केँ शुद्ध करू; अपन काजक अधलाह केँ हमर आँखिक सोझाँ सँ दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक काज करब सीखू। न्याय ताकू, अत्याचारी केँ डाँटब; अनाथक रक्षा करू। विधवाक लेल निहोरा करू।"

इजकिएल 11:13 जखन हम भविष्यवाणी केलहुँ तखन बेनायाक पुत्र पलातिया मरि गेल। तखन हम मुँह पर खसि पड़लहुँ आ जोर-जोर सँ चिचिया उठलहुँ आ कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर! की अहाँ इस्राएलक शेष लोक सभ केँ पूरा तरहेँ समाप्त कऽ देब?

इजकिएल भविष्यवक्ता के बिन्याह के बेटा पलातिया के मृत्यु के भविष्यवाणी के दर्शन छै आरू परमेश्वर पर सवाल उठै छै कि की वू इस्राएल के अवशेष के पूरा अंत करी लेतै।

1. जखन जीवन मोड़ लैत अछि: अराजकताक बीच भगवान पर कोना भरोसा कयल जाय

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक प्रति वफादार रहबाक महत्व

1. फिलिप्पियों 4:6-7: कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. रोमियो 15:4: किएक तँ पहिने जे किछु लिखल गेल छल से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ सहनशक्ति आ धर्मशास्त्रक प्रोत्साहन द्वारा हमरा सभ केँ आशा भेटय।

इजकिएल 11:14 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ इस्राएल के लोगऽ के लेलऽ अपनऽ योजना के बारे म॑ बात करै छै ।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: इजकिएल 11:14 क अध्ययन

2. परमेश् वरक दया आ निष्ठा: इजकिएल 11:14 पर एकटा चिंतन

1. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

इजकिएल 11:15 मनुष्यक बेटा, तोहर भाइ सभ, तोहर भाय सभ, तोहर जाति-जाति आ समस्त इस्राएलक वंशज, ओ सभ छथि, जिनका यरूशलेमक निवासी सभ कहने छथि जे, “अहाँ प्रभु सँ दूर भ’ जाउ।” ई जमीन कब्जा मे देल गेल।

यरूशलेमक निवासी इस्राएलक लोक सभ केँ कहैत छथि जे प्रभु सँ दूर रहू आ ई देश हुनका सभ केँ देल गेल अछि।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. भगवानक भूमि वरदान केँ चिन्हब

1. व्यवस्था 30:20 - जाहि सँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करी आ हुनकर बात मानब आ हुनका सँ चिपकल रहब, किएक तँ ओ अहाँक जीवन आ अहाँक जीवनक लंबाई छथि।

2. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटत ता धरि प्रभु केँ ताकू, जखन तक ओ लग मे रहत ताबत तक हुनका बजाउ:7 दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

1379

इजकिएल 11:16 तेँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। यद्यपि हम ओकरा सभ केँ विधर्मी सभक बीच दूर-दूर धरि फेकि देलियैक आ देश-देश मे छिड़िया देलियैक, मुदा जाहि देश मे ओ सभ आओत, ताहि मे हम ओकरा सभक लेल एकटा छोट सन अभयारण्य जकाँ रहब।

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ आश्वस्त करै छै कि भले ही ओकरा सिनी क॑ विधर्मी सिनी के बीच निर्वासित करी क॑ देशऽ के बीच छिड़ियालऽ जाय, लेकिन वू तभियो ओकरऽ पवित्र स्थान बनलऽ रहतै।

1. प्रभु तूफान मे हमर आश्रय

2. निर्वासन मे रक्षाक भगवानक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 51:16 - "हम अपन बात अहाँक मुँह मे राखि क' अहाँ केँ अपन हाथक छाया मे झाँपि देलहुँ, आकाश केँ स्थापित क' क' पृथ्वीक नींव राखि, आ सियोन केँ कहैत छी जे, 'अहाँ हमर लोक छी।' " .

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

इजकिएल 11:17 तेँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अहाँ सभ केँ लोक मे सँ जुटा लेब आ जाहि देश मे अहाँ सभ छिड़िया गेल छी, ओहि मे सँ अहाँ सभ केँ एकत्रित करब, आ हम अहाँ सभ केँ इस्राएलक देश दऽ देब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ ओहि देश सभ सँ एकत्रित करताह जाहि मे ओ सभ छिड़ियाएल अछि आ ओकरा सभ केँ इस्राएलक देश देथिन।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: इजकिएल 11:17 पर एक नजरि

2. परमेश् वरक वाचाक सामर्थ् य: इजकिएल 11:17 केँ मोन पाड़ब

1. इजकिएल 34:11-13 - किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम, हमहूँ अपन बरद सभ केँ खोजब आ ओकरा सभ केँ खोजब।

2. यशायाह 66:20 - ओ सभ अहाँ सभक सभ भाय केँ सभ जाति मे सँ घोड़ा, रथ, कूड़ा-करकट, खच्चर आ तेज-तर्रार पशु पर सवार भ’ क’ हमर पवित्र पहाड़ यरूशलेम पर प्रभुक बलिदानक रूप मे आनत। परमेश् वर कहैत छथि, जेना इस्राएलक सन् तान सभ परमेश् वरक घर मे शुद्ध बर्तन मे बलिदान अनैत छथि।

इजकिएल 11:18 ओ सभ ओतय आबि क’ ओकर सभ घृणित वस्तु आ ओकर सभ घृणित वस्तु सभ केँ दूर क’ देत।

इस्राएलक लोक सभ केँ आज्ञा देल गेल अछि जे ओ सभ घृणित आ घृणित वस्तु सभ केँ अपन बीच सँ हटा दियौक।

1. अपन जीवन के शुद्ध करबाक महत्व

2. अधर्म सँ अपना केँ शुद्ध करब

२.

२.

इजकिएल 11:19 हम हुनका सभ केँ एक हृदय देबनि, आ अहाँ सभक भीतर एकटा नव आत् मा राखब। हम हुनका सभक शरीर मे सँ पाथरक हृदय केँ निकालि देबनि आ ओकरा सभ केँ शरीरक हृदय देबनि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ एकटा नव हृदय देबाक आ ओकर पाथरक हृदय केँ हटा कऽ ओकर जगह पर मांस सँ भरल हृदय देबाक वचन देलनि।

1. एकटा नव हृदय: भगवान पर हमर ध्यान के नवीनीकरण

2. पाथरक हृदयक परिवर्तन: जीवनक नव परिप्रेक्ष्य खोजब

1. यिर्मयाह 24:7 - हम हुनका सभ केँ ई मोन देबनि जे हम प्रभु छी।

2. रोमियो 2:29 - किएक तँ केओ यहूदी नहि अछि जे बाहरी रूप सँ मात्र एक अछि, आ ने खतना बाहरी आ शारीरिक अछि।

इजकिएल 11:20 जाहि सँ ओ सभ हमर नियम सभ मे चलथि आ हमर नियम सभक पालन करथि आ ओकर पालन करथि।

प्रभु अपन विधान आ नियमक पालन करयवला सभक परमेश् वर बनबाक वचन देने छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे हमर सभक परमेश् वर बनब

2. भगवान् के विधान के पालन के आशीर्वाद

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. यहोशू 24:14-15 - आब प्रभु सँ डेराउ आ निश्छलता आ विश्वासपूर्वक हुनकर सेवा करू। अहाँ सभक पूर्वज नदीक ओहि पार आ मिस्र मे जे देवता सभ सेवा करैत छलाह, तकरा सभ केँ दूर कऽ कऽ प्रभुक सेवा करू। जँ अहाँ सभक नजरि मे प्रभुक सेवा करब अधलाह अछि तँ आइ चुनू जे अहाँ केकर सेवा करब, चाहे अहाँक पूर्वज नदीक ओहि पारक क्षेत्र मे जे देवताक सेवा करैत छलाह, वा अमोरी लोकनिक देवता, जिनकर देश मे अहाँ रहैत छी। मुदा रहल बात हमरा आ हमर घरक तऽ हम सभ प्रभुक सेवा करब।

इजकिएल 11:21 मुदा जिनकर हृदय हुनकर घृणित बात आ घृणित काजक हृदयक अनुसरण करैत अछि, हम हुनका सभक माथ पर बदला देबनि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

जे हुनकर घृणित आ घृणित इच्छाक पालन करैत छथि हुनका सभ केँ प्रभु दंड देताह।

1: भगवानक अनुशासन न्यायसंगत अछि।

2: हमरा सभकेँ सभ घृणित आ घृणित इच्छाकेँ अस्वीकार करबाक चाही।

1: गलाती 6:7-8 धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2: रोमियो 12:2 एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 11:22 तखन करुब सभ अपन पाँखि आ बगल मे पहिया उठौलक। इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओकरा सभ पर ऊपर छल।

करुब आ बगलक पहिया सभ अपन पाँखि उठौलक आ इस्राएलक परमेश् वरक महिमा ओकरा सभक ऊपर छल।

1. विनम्रता आ पूजाक शक्ति

2. परमेश् वरक महिमा केँ स्वीकार करबाक महत्व

1. यशायाह 6:1-4 जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेल छल, हम प्रभु केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल। आ ओकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरि गेल।

2. भजन 103:19-20 प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।

इजकिएल 11:23 परमेश् वरक महिमा शहरक बीचोबीच चढ़ि गेल आ ओहि पहाड़ पर ठाढ़ भ’ गेल जे शहरक पूरब दिस अछि।

परमेश् वरक महिमा यरूशलेम सँ चढ़ि कऽ शहरक पूरब मे पहाड़ पर ठाढ़ भऽ गेलाह।

1. परमेश् वरक महिमा नगर आ ओहि पार देखबा मे अबैत अछि।

2. भगवानक शक्ति आ उपस्थिति सदिखन हमरा सभक संग रहैत अछि।

1. भजन 24:7-10 - हे फाटक, अपन माथ उठाउ, हे प्राचीन दरबज्जा, ऊपर उठू, जाहि सँ महिमा के राजा प्रवेश करथि! ई वैभवक राजा के छथि? बलवान आ पराक्रमी प्रभु, युद्ध मे पराक्रमी प्रभु!

2. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय। परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि, बल् कि एहि लेल पठौलनि जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।

इजकिएल 11:24 तकर बाद आत् मा हमरा ऊपर लऽ गेल आ परमेश् वरक आत् मा द्वारा हमरा दर्शन मे कल्दिया मे, बंदी मे बैसल लोक सभक लग अनलक। तेँ जे दर्शन देखलहुँ से हमरासँ ऊपर चलि गेल ।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ परमेश् वरक आत् मा द्वारा बंदी मे कल्दी सभ केँ दर्शन मे लऽ गेलनि।

1. बंदी के समय में भगवान के उपस्थिति

2. हमरा सभक भीतर दृष्टिक शक्ति

1. दानियल 2:19-23; दानियल के परमेश् वर के तरफऽ स॑ एगो सपना छेलै जे ओकरा भविष्य क॑ समझै म॑ मदद करलकै ।

2. यशायाह 43:18-19; परमेश् वर अपन लोक केँ निर्वासन सँ बाहर निकालबाक आ ओकरा सभक लेल एकटा नव बाट बनेबाक वचन देलनि।

इजकिएल 11:25 तखन हम हुनका सभ केँ कैदक विषय मे ओ सभ बात कहलियनि जे परमेश् वर हमरा देखौने छलाह।

इजकिएल बंदी मे बैसल लोक सभ सँ ओहि सभ बातक विषय मे बाजल जे परमेश् वर हुनका देखौने छलाह।

1. परमेश् वरक उद्धारक प्रतिज्ञा - इजकिएल 11:25

2. परमेश् वरक वफादारी - इजकिएल 11:25

1. यिर्मयाह 29:11-14 - प्रभुक प्रतिज्ञा जे पुनर्स्थापन आ भविष्यक आशा।

2. यशायाह 40:31 - जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नवीन बनाओत।

इजकिएल अध्याय 12 निर्वासित के लेलऽ संकेत के रूप म॑ भविष्यवक्ता के भूमिका आरू परमेश्वर के आसन्न न्याय के संबंध म॑ लोगऽ के अविश्वास प॑ केंद्रित छै । अध्याय में निर्वासन के निश्चय आ अनिवार्यता आ भगवान के वचन के पूर्ति पर जोर देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के निर्देश दैत छथिन जे ओ अपन सामान पैक क' क' आ दिन मे अपन घर सँ बाहर निकलि क' एकटा प्रतीकात्मक भविष्यवाणी के अभिनय करथि, जेना निर्वासन मे जा रहल होथि। ई दृश्य प्रतिनिधित्व के उद्देश्य निर्वासित लोगऽ क॑

ओकरऽ आसन्न कैद आरू यरूशलेम के विनाश के वास्तविकता क॑ प्रदर्शित करना छै (इजकिएल १२:१-
१६) ।

2 पैराग्राफ: इजकिएल के काज के गवाह बनला के बावजूद निर्वासन में रहल लोक परमेश् वर के वचन के पूरा होय पर संदेह करै छै आरू भविष्यवाणी करलोॅ गेलौ न्याय के देरी पर मजाक उड़ाबै के तरीका पर सवाल उठाबै छै। एकरऽ जवाब म॑ परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनकऽ वचनऽ म॑ आब देरी नै होतै आरू जे बात हुनी कहलकै, वू पूरा होय जैतै (इजकिएल १२:१७-२८)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय बारह शोकेस
इजकिएल के निर्वासन के प्रतीकात्मक भविष्यवाणी,
परमेश् वरक न्यायक संबंध मे लोकक अविश्वास।

इजकिएल के लेल निर्देश जे ओ निर्वासन के प्रतीकात्मक भविष्यवाणी के अभिनय करथि।
आसन्न कैद आ विनाशक यथार्थक प्रदर्शन।
निर्वासन मे रहल लोक सँ न्याय मे देरी के संबंध मे संदेह आ उपहास।
भगवान् केरऽ ई पुष्टि कि हुनकऽ वचन म॑ देरी नै होतै आरू पूरा होय जैतै ।

इजकिएल के ई अध्याय निर्वासित के लेलऽ संकेत के रूप में भविष्यवक्ता के भूमिका आरू परमेश्वर के आसन्न न्याय के संबंध में लोगऽ के अविश्वास पर केंद्रित छै। एकरऽ शुरुआत परमेश् वर इजकिएल क॑ निर्देश दै स॑ होय छै कि वू अपनऽ सामान पैक करी क॑ आरू दिन म॑ अपनऽ घर स॑ बाहर निकली क॑ एक प्रतीकात्मक भविष्यवाणी के अभिनय करै, जेना कि निर्वासन म॑ जाय रहलऽ होय । ई दृश्य प्रतिनिधित्व के उद्देश्य निर्वासित लोगऽ क॑ ओकरऽ आसन्न कैद आरू यरूशलेम के विनाश के वास्तविकता के प्रदर्शन करना छै । इजकिएल केरऽ काम के गवाह बनला के बावजूद निर्वासन में बैठलऽ लोगऽ क॑ परमेश् वर केरऽ वचनऽ के पूरा होय के संदेह छै आरू भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ न्याय के देरी पर मजाक उड़ाबै के तरीका पर सवाल उठै छै । एकरऽ जवाब म॑ भगवान घोषणा करै छै कि हुनकऽ वचन म॑ आब॑ देरी नै होतै आरू जे बात हुनी कहल॑ छै, वू पूरा होय जैतै । अध्याय के केंद्र इजकिएल के निर्वासन के प्रतीकात्मक भविष्यवाणी आरू परमेश्वर के न्याय के संबंध में लोगऽ के अविश्वास पर छै।

इजकिएल 12:1 परमेश् वरक वचन सेहो हमरा लग आयल जे।

परमेश् वरक वचन इजकिएल लग एकटा संदेश देबाक लेल आयल।

1. सुनब सीखब: परमेश् वरक वचन कोना सुनब

2. हमरा सभ मे सँ प्रत्येकक लेल परमेश् वरक अद्वितीय संदेश केँ बुझब

1. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

इजकिएल 12:2 मनुष्यक बेटा, अहाँ एकटा विद्रोही घरक बीच मे रहैत छी, जकरा देखबाक आँखि अछि, मुदा नहि देखैत अछि। सुनबा लेल कान अछि, मुदा नहि सुनैत अछि, किएक तँ ओ सभ विद्रोही घर अछि।

इस्राएल के लोग जिद्दी आरू विद्रोही छै, जे परमेश् वर के आज्ञा सुनै सें इनकार करै छै।

1. भगवान् पर विश्वास के माध्यम स विद्रोह पर कोना विजय प्राप्त कयल जाय

2. परमेश् वरक वचनक विवेक आ आज्ञापालनक महत्व

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

1383

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

इजकिएल 12:3 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, ओकरा सभ केँ हटाबय लेल सामान तैयार करू आ ओकरा सभक नजरि मे दिन मे हटा दियौक। अहाँ हुनका सभक नजरि मे अपन स्थान सँ दोसर ठाम चलि जायब।

ई श्लोक परमेश् वर के तरफऽ स॑ इजकिएल के आह्वान छै कि वू खुद क॑ यात्रा के लेलऽ तैयार करै आरू लोगऽ के सामने एक जगह स॑ दोसरऽ जगह प॑ जाय, ई आशा म॑ कि वू विद्रोही होय के बावजूद भी परमेश् वर के संदेश प॑ विचार करतै ।

1. भगवान हमरा सभ केँ विद्रोही संसारक बीच मे सेहो हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि।

2. भगवान् हमरा सभ पर अनुग्रह करैत छथि, तखनो जखन हम सभ आज्ञा नहि मानैत छी।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 5:8 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

इजकिएल 12:4 तखन अहाँ दिन मे अपन सामान हुनका सभक सोझाँ मे निकालब, जेना ओकरा सभक नजरि मे बंदी मे जायब।

ई अंश परमेश् वर के लोगऽ क॑ अपनऽ मातृभूमि स॑ निर्वासित करी क॑ अपनऽ संपत्ति छोड़ै लेली मजबूर करलऽ जाय के बारे म॑ छै ।

1. कष्ट आ निर्वासन के समय में भगवान के निष्ठा आ प्रावधान

2. भगवानक योजना पर भरोसा करबाक महत्व जखन कठिन हो

1. भजन 23:4, "हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत काल सेहो कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

2. फिलिप्पियों 4:19, "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

इजकिएल 12:5 अहाँ हुनका सभक नजरि मे देबाल खोदब आ ओहि मे सँ काज करू।

मार्ग परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ एकटा देबाल खोदथि आ लोकक सोझाँ चीज सभ केँ बाहर निकालथि।

1. प्रभुक आह्वान: कर्म मे आज्ञाकारिता

2. अपरिचित परिस्थिति मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यहोशू 1:9 - "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि, आ निराश नहि होउ, कारण अहाँ जतय जाउ, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

इजकिएल 12:6 हुनका सभक नजरि मे अहाँ ओकरा अपन कान्ह पर राखब आ गोधूलि बेला मे ओकरा आगू बढ़ा देब, जाहि सँ अहाँ जमीन नहि देखब, कारण हम अहाँ केँ इस्राएलक घरानाक लेल एकटा चिन्हक रूप मे राखि देने छी।

प्रभु इजकिएल के आज्ञा दै छै कि गोधूलि बेला में अपनऽ कान्हऽ पर एगो संदेश उठाय क॑ अपनऽ चेहरा ढक॑ ताकि जमीन नै देखै । ओकरा इस्राएलक घरानाक लेल एकटा संकेत बनबाक चाही।

1. प्रभु के लिये संदेश धारण करने का महत्व

2. गोधूलि बेला मे अपना केँ ढकब: भक्तिक निशानी

1. यशायाह 6:1-8

2. यिर्मयाह 1:4-10

इजकिएल 12:7 हम जेना आज्ञा देल गेल छल, तेना केलहुँ, हम दिन मे अपन सामान बंदी बनाबय लेल सामानक रूप मे अनलहुँ आ साँझ मे हम अपन हाथ सँ देबाल खोदलहुँ। हम ओकरा गोधूलि बेला मे बाहर अनलहुँ आ ओकरा सभक नजरि मे कान्ह पर उतारलहुँ।

परमेश्वर केरऽ शक्ति आरू अपनऽ प्रतिज्ञा के पालन करै के निष्ठा के प्रदर्शन इजकिएल के आज्ञाकारिता में होय छै ।

1: भगवान् के आज्ञा मानब आ हुनकर चमत्कार देखब

2: परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1: यशायाह 55:11, हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ ओहि वस्तु मे सफल होयत जाहि मे हम ओकरा पठौने रही।

2: यहोशू 1:8-9, ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत। मुदा अहाँ ओहि मे दिन-राति मनन करब जाहि सँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करब। की हम तोरा आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ नीक साहसक रहू; नहि डेराउ आ ने त्रस्त होउ, किएक तँ अहाँ जतय जाउ, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँक संग छथि।”

इजकिएल 12:8 भोरे परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु भोरे इजकिएल सँ बात कयलनि।

1. प्रभुक समय एकदम सही अछि

2. भगवान सदिखन बजैत रहैत छथि

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 12:9 मनुष्यक पुत्र, की इस्राएलक घराना, विद्रोही घराना, तोरा नहि कहलक जे, “अहाँ की क’ रहल छी?”

इस्राएलक घराना मनुष् यक पुत्रक काज पर सवाल ठाढ़ क’ रहल छल।

1. प्रश्नक समयक माध्यमे भगवानक मार्गदर्शन

2. दोसरक संदेहक बादो विश्वास आ आज्ञाकारिता मे रहब

1385

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचार।"

2. मत्ती 7:13-14 "संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण फाटक चौड़ा अछि आ विनाश दिस जायबला बाट सहज अछि, आ ओहि सँ प्रवेश करय बला लोक बहुत अछि। कारण फाटक संकीर्ण अछि आ बाट कठिन अछि।" जीवन दिस ल' जाइत अछि, आ जे पाबैत अछि से कम अछि।"

इजकिएल 12:10 अहाँ हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ई भार यरूशलेम मे राजपुत्र आ ओहि सभ इस्राएलक वंशज पर अछि जे हुनका सभक बीच अछि।

परमेश् वर परमेश् वर यरूशलेमक राजकुमार आ इस्राएलक समस्त वंशजक विषय मे भार जारी कऽ रहल छथि।

1. रोजमर्राक जीवन मे परमेश् वरक वचन पर ध्यान देबाक महत्व

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करैत रहब

1. व्यवस्था 30:11-14 - "ई आज्ञा जे हम अहाँ केँ आइ आज्ञा दैत छी, से अहाँ सँ नुकायल नहि अछि आ ने दूर अछि। 12 ई स्वर्ग मे नहि अछि जे अहाँ कहब जे, केकरा लेल चढ़त।" हमरा सभ केँ स् वर्ग मे आनि दिअ, जाहि सँ हम सभ ई बात सुनि कऽ कऽ सकब सुनि कऽ कऽ सकैत छी?’ 14 मुदा ई वचन अहाँक मुँह आ हृदय मे बहुत नजदीक अछि, जाहि सँ अहाँ ई काज कऽ सकब।”

2. यिर्मयाह 22:3 - "परमेश् वर ई कहैत छथि जे, अहाँ सभ न्याय आ धार्मिकताक निर्वहन करू, आ लूटल केँ अत्याचारी सभक हाथ सँ बचाउ। ने एहि ठाम निर्दोष खून बहौलक।"

इजकिएल 12:11 कहू, हम अहाँक चिन् ह छी, जेना हम केलहुँ, तहिना हुनका सभक संग सेहो कयल जायत।

इजकिएल 12:11 के ई अंश इस्राएल के लोगऽ के आज्ञा नै मानला के कारण कैद में जाय के बात करै छै।

1. भगवान् अपन प्रतिज्ञाक प्रति सदिखन वफादार रहैत छथि, आशीर्वाद आ अनुशासन दुनूक।

2. हमरा सभकेँ भगवानक प्रति वफादार रहबाक चाही, चाहे किछुओ खर्च हो।

1. व्यवस्था 28:1-14 - आज्ञापालन के लेल परमेश् वर के आशीर्वाद आ आज्ञा नै मानबाक लेल अभिशाप।

2. इब्रानी 12:6-11 - परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन भलाईक लेल अनुशासित करैत छथि।

इजकिएल 12:12 जे राजकुमार हुनका सभक बीच मे अछि, ओ गोधूलि बेला मे अपन कान्ह पर धारण करत आ बाहर निकलत, ओ सभ देबाल केँ खोदत जे ओहि मे सँ आगू बढ़ि जायत आंखि.

इस्राएल के लोगऽ के राजकुमार क॑ एगो कठिन मिशन के काम सौंपलऽ गेलऽ छै जेकरा म॑ ओकरा गोधूलि बेला म॑ असगरे बाहर निकलै के जरूरत छै आरू ओकरा अपनऽ चेहरा ढकना जरूरी छै ताकि ओकरा जमीन नै देखै ल॑ मिल॑ सक॑ ।

1. इस्राएलक लोकक राजकुमारक साहस आ विश्वास।

2. विनम्र हृदयक महत्व।

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. मत्ती 8:18-22 - "यीशु हुनका चारू कात बहुत भीड़ देखि ओ दोसर कात जेबाक आज्ञा देलनि।
तखन एकटा धर्मशास्त्री आबि हुनका कहलथिन, “गुरु, हम अहाँक पाछाँ-पाछाँ जहाँ जायब।" यीशु ओकरा कहलथिन, “लोमड़ी सभक छेद होइत छैक, आ आकाशक चिड़ै सभक खोंता होइत छैक, मुदा मनुक्खक

पुत्र केँ माथ राखय लेल जगह नहि छैक।”तखन ओकर एकटा आओर शिष्य ओकरा कहलथिन, “प्रभु, पहिने हमरा जाय दियौक आ।” हमर पिता केँ गाड़ि दियौक। मुदा यीशु हुनका कहलथिन, “हमर पाछाँ चलू, आ मुर्दा केँ अपन मुर्दा गाड़य दियौक।”

इजकिएल 12:13 हम ओकरा पर हमर जाल सेहो पसारि देब, आ ओ हमर जाल मे फँसि जायत। तैयो ओ ओकरा नहि देखत, भले ओ ओतहि मरि जायत।”

परमेश् वर एकटा व्यक्ति केँ कल्दी सभक देश बेबिलोन मे अनताह आ ओ सभ ओतहि मरि गेलाक बादो ओकरा नहि देखताह।

1. जीवन मे भगवानक सार्वभौमिकता आ प्रोविडेंस

2. परमेश् वरक लोक सभक उत्पीड़न

1. यशायाह 46:9-10 - पुरान बात सभ केँ मोन पाड़ू, कारण हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि। हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ अन्तक घोषणा करैत छी, आ प्राचीन काल सँ एखन धरि जे काज नहि भेल अछि, तकरा कहैत छी जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ प्रसन्नता पूरा करब।”

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।

इजकिएल 12:14 हम हर हवा दिस तितर-बितर क’ देबनि जे हुनकर चारू कात हुनकर सहायता करबाक लेल आ हुनकर सभ दल केँ। हम हुनका सभक पाछाँ तलवार निकालब।”

भगवान् जकरा ओ मददि क' रहल छथि ओकर चारू कात छिड़िया देथिन आ ओकरा सभक पाछाँ तलवार निकालि लेताह।

1. भगवानक न्यायक तलवार

2. दोसरक लेल अंतराल मे ठाढ़ रहब

1. भजन 7:12-13 - "जँ ओ नहि घुमि जायत तँ ओ अपन तलवार केँ तेज करत। ओ अपन धनुष मोड़ि क' तैयार क' लेने अछि। ओ ओकरा लेल मृत्युक औजार सेहो तैयार क' देने अछि। ओ अपन बाण सभ सतबैत अछि।" ."

2. यशायाह 59:16-18 - "ओ देखलक जे कोनो केओ नहि अछि, आ आश्चर्यचकित भेल जे कोनो मध्यस्थ नहि अछि। तेँ ओकर बाँहि ओकरा उद्धार अनलक; आ ओकर धार्मिकता ओकरा सहन केलक। किएक तँ ओ धार्मिकता केँ एक... छाती पर, उद्धारक हेलमेट पहिरने छलाह, आ वस्त्रक बदला मे प्रतिशोधक वस्त्र पहिरने छलाह आ वस्त्र जकाँ उत्साह पहिरने छलाह |”

इजकिएल 12:15 जखन हम ओकरा सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देब आ देश मे तितर-बितर करब तखन ओ सभ जनत जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर लोक सभ केँ जाति-जाति मे छिड़ियाओत आ तितर-बितर करताह, जाहि सँ ओ सभ ई जानि लेत जे ओ परमेश् वर छथि।

1. प्रभु सार्वभौम छथि: निर्वासनक समय मे परमेश्वरक सार्वभौमिकता केँ बुझब

2. हमरऽ तितर-बितर होय में परमेश् वर के उद्देश्य: निर्वासन में शांति कोना पाबी सकै छियै

1. व्यवस्था 28:64 प्रभु अहाँ सभ केँ पृथ् वीक एक छोर सँ दोसर छोर धरि सभ जाति मे छिड़ियाओत।

2. यशायाह 55:8-9 हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि, आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

इजकिएल 12:16 मुदा हम हुनका सभ मे सँ किछु गोटे केँ तलवार सँ, अकाल आ महामारी सँ छोड़ि देब। जाहि सँ ओ सभ अपन सभ घृणित काज ओहि जाति सभक बीच मे प्रचार करथि जतय ओ सभ अबैत छथि। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर इस्राएली सभ मे सँ किछु गोटे केँ तलवार, अकाल आ महामारी सँ बचाओत जाहि सँ ओ सभ गैर-यहूदी सभ केँ अपन पापक विषय मे कहि सकथि आ ई जानि सकथि जे परमेश् वर प्रभु छथि।

1. न्यायक बीच परमेश् वरक दया

2. परमेश् वरक पश्चाताप करबाक आह्वानक पालन करब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि मे करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. योना 3:10 - जखन परमेश् वर देखलनि जे ओ सभ की करैत छथि आ कोना ओ सभ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि गेलाह, तखन ओ नम्र भ’ गेलाह आ हुनका सभ पर ओ विनाश नहि अनलनि जे ओ धमकी देने छलाह।

इजकिएल 12:17 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि आ हुनका न्यायक संदेश दैत छथिन।

1. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. भगवानक संदेश सुनू

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ उत्तर देब आ अहाँ केँ पैघ आ अनजान बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छी।"

इजकिएल 12:18 मनुष्यक बेटा, काँपैत-काँपैत अपन रोटी खाउ आ काँपैत आ सावधानीपूर्वक अपन पानि पीबू।

इजकिएल केरऽ अंश हमरा सिनी क॑ अपनऽ रोजी-रोटी के तरफ भय आरू श्रद्धा के साथ पहुँचै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. खान-पान मे भय आ श्रद्धा

2. परमेश् वरक प्रबन्ध आ कृतज्ञता

1. नीतिवचन 3:9-10 - अपन धन आ अपन सभ उपज सँ पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू; तखन अहाँक कोठी सभ भरि मे भरि जायत, आ अहाँक कुटी मे मदिरा फाटि जायत।

2. मत्ती 6:25-26 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि?

इजकिएल 12:19 एहि देशक लोक सभ केँ कहू जे, “यरूशलेम आ इस्राएलक निवासी सभक बारे मे प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ओ सभ अपन रोटी सावधानीपूर्वक खायत आ अपन पानि आश्चर्यचकित भ' क' पीत, जाहि सँ ओकर देश ओहि मे रहनिहार सभक हिंसाक कारणेँ ओहि मे जे किछु अछि, ताहि सँ उजाड़ भ' जाय।
1388

प्रभु परमेश् वर ओहि देशक लोक सभ सँ बात करैत छथि, हुनका सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे हुनका सभ केँ सावधानीपूर्वक भोजन-पीन करबाक चाही, नहि तँ हुनकर सभक भूमि ओकर निवासीक हिंसाक कारणेँ उजाड़ भऽ जायत।

1. "हिंसा के परिणाम"।

2. "भय मे रहब: बुद्धिक आवश्यकता"।

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन हृदय सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

इजकिएल 12:20 जे नगर सभ मे लोक रहैत अछि से उजाड़ भ’ जायत आ देश उजाड़ भ’ जायत। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर आबाद नगर सभ केँ उजाड़ि देताह आ देश केँ उजड़ि देताह, जाहि सँ लोक केँ ई बुझबा मे आओत जे ओ प्रभु छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: उजाड़क समय मे प्रभु केँ जानब

2. प्रभुक योजना: अनिश्चितताक समय मे प्रभुक उद्देश्य पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

इजकिएल 12:21 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि, हुनका आश्वस्त करैत छथि जे हुनकर चेतावनी पूरा होयत।

1. परमेश् वरक वचन विश्वसनीय आ सत्य अछि

2. प्रभुक प्रतिज्ञा पर भरोसा करू

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. 2 कोरिन्थी 1:20 - किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अछि आ हुनका मे अछि आमेन, जाहि सँ हमरा सभक द्वारा परमेश् वरक महिमा होयत।

इजकिएल 12:22 मनुष्यक पुत्र, इस्राएल देश मे अहाँ सभक ई कहावत की अछि जे, “दिन लंबा भ’ जाइत अछि आ सभ दर्शन क्षीण भ’ जाइत अछि?”

ई अंश इस्राएल में ई कहावत के बात करै छै जे लम्बा दिन आरू दर्शन के असफलता के बात करै छै।

1. धैर्य आ दृढ़ता: देरी के बादो भगवान पर भरोसा करब

2. लोकोक्तिक शक्ति: दिशाक लेल भगवान् दिस तकब

१.
1389

2. रोमियो 8:24-25 - "किएक तँ एहि आशा सँ हम सभ उद्धार पाबि गेलहुँ। आब जे आशा देखल जाइत अछि से आशा नहि अछि। किएक तँ जे देखैत छी तकर आशा के करैत अछि? मुदा जँ हम सभ जे नहि देखैत छी तकर आशा करैत छी तँ ओकर प्रतीक्षा करैत छी।" धैर्यक संग।"

इजकिएल 12:23 तेँ हुनका सभ केँ कहि दियौन जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम एहि फकड़ा केँ समाप्त क’ देब, आ ओ सभ एकरा इस्राएल मे लोकोक्ति नहि बनाओत। मुदा ओकरा सभ केँ कहि दियौक जे, “दिन आबि गेल अछि आ सभ दर्शनक प्रभाव।”

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के बीच प्रयुक्त फकड़ा के समाप्त करी देतै आरू ओकरा सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि दर्शन के दिन नजदीक आबी गेलऽ छै।

1. समय आब अछि: भगवानक इच्छा केँ जानब आ ओहि पर काज करब

2. आबै के तैयारी करू: प्रभु के लेल तैयार रहू

1. रोमियो 13:11-14: एकर अतिरिक्त अहाँ सभ समय जनैत छी जे अहाँ सभ नींद सँ जागबाक समय आबि गेल अछि। कारण, जखन हम सभ पहिने विश् वास केने रही, ताहि सँ बेसी एखन हमरा सभक उद्धार नजदीक अछि। राति बहुत दूर भ' गेलै; दिन लग आबि गेल अछि। तखन हम सभ अन्हारक काज सभ केँ फेकि कऽ इजोतक कवच पहिरि ली। दिन मे जेकाँ ठीक सँ चलब, नंगा नाच आ नशा मे नहि, यौन अनैतिकता आ कामुकता मे नहि, झगड़ा आ ईर्ष्या मे नहि।

2. 1 थिस्सलुनीकियों 5:4-8: मुदा अहाँ सभ अन्हार मे नहि छी, भाइ लोकनि, ओहि दिन अहाँ सभ केँ चोर जकाँ आश्चर्यचकित करबाक लेल। किएक तँ अहाँ सभ इजोतक सन् तान छी, दिनक सन् तान छी। हम सभ रातिक नहि छी आ ने अन्हारक। तखन हम सभ आन लोक जकाँ सुतब नहि, बल् कि जागल रहू आ सोझ रहू। जे सुतैत अछि, राति मे सुतैत अछि, आ जे नशा मे धुत्त भ' जाइत अछि, राति मे नशा मे धुत्त रहैत अछि। मुदा जखन हम सभ दिनक छी, तेँ विश् वास आ प्रेमक छाती मे आ हेलमेटक लेल उद्धारक आशा पहिरि कऽ सोझ रहू। कारण, परमेश् वर हमरा सभ केँ क्रोधक नियत नहि रखने छथि, बल् कि हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा उद्धार पाबबाक लेल।

इजकिएल 12:24 किएक तँ इस्राएलक घरानाक भीतर आब कोनो व्यर्थ दर्शन आ चापलूसीक भविष्यवाणी नहि होयत।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ चेतावनी देलनि जे आब हुनका सभक घरक भीतर व्यर्थ दर्शन वा चापलूसीक भविष्यवाणी नहि होयत।

1. व्यर्थ दर्शन आ भविष्यवाणीक भगवानक चेतावनी

2. झूठक भविष्यवाणी: इजकिएल 12:24

1. यिर्मयाह 23:16-17 - सेना के प्रभु ई कहैत छथि: "भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनू जे अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि, जे अहाँ सभ केँ व्यर्थ आशा सँ भरैत छथि। ओ सभ अपन मोन सँ दर्शन बजैत छथि, मुँह सँ नहि।" प्रभु।

2. यशायाह 8:19-20 - जखन ओ सभ अहाँ सभ केँ कहैत अछि जे, “चहकैत आ बड़बड़ाब’ बला विडंबीक आ मृत् यु-मृत्वक लोक सभ सँ पूछताछ करू, तखन की कोनो लोक अपन परमेश् वर सँ पूछताछ नहि करत? की हुनका सभ केँ जीवित लोकक दिस सँ मृतक सँ पूछताछ करबाक चाही? शिक्षा आ गवाही के लेल! जँ एहि शब्दक अनुसार नहि बाजताह तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभकेँ भोर नहि छनि ।

इजकिएल 12:25 हम प्रभु छी, हम बाजब आ जे वचन कहब से पूरा होयत। आब ई बेसी दिन नहि होयत, कारण, हे विद्रोही घराना, तोहर दिन मे हम वचन कहब आ ओकरा पूरा करब, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

भगवान बजताह आ जे किछु कहताह से पूरा भ' जेतै, भले ओ कोनो विद्रोही घर मे हो।

1. प्रभुक आज्ञा मानू आ हुनकर वचन पूरा होयत

2. भगवान विद्रोही के लेल सेहो विश्वासी छथि

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

इजकिएल 12:26 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल भविष्यवक्ता सँ बात करैत छथि।

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि आ भविष्यवक्ता केँ एकटा संदेश दैत छथिन।

1. भगवान आइयो हमरा सभसँ गप्प करैत छथि, आ हमरा सभकेँ सुनबाक चाही।

2. भगवानक वचन कालजयी आ प्रासंगिक अछि।

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. इब्रानी 4:12 - "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ विभाजित करबाक लेल बेधैत अछि, आ मनुष् य सभक विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदय."

इजकिएल 12:27 मनुष्यक बेटा, देखू, इस्राएलक घरानाक लोक सभ कहैत छथि, “ओ जे दर्शन देखैत छथि से बहुत दिनक लेल अछि, आ ओ दूरक समयक भविष्यवाणी करैत छथि।”

इस्राएल के घराना के लोग ई मानलकै कि इजकिएल के दर्शन दूर-दूर के समय के छै।

1. परमेश् वरक वचन कालजयी अछि - आइ इजकिएलक भविष्यवाणीक प्रासंगिकताक खोज करब

2. आब मे जीब - वर्तमान क्षण पर चिंतन

1. भजन 119:89 - हे प्रभु, सदा-सदा लेल अहाँक वचन स्वर्ग मे स्थिर अछि।

2. फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। पुनः हम कहब, आनन्दित होउ! अहाँक सौम्यता सब मनुष्य केँ ज्ञात हो। प्रभु हाथ मे छथि। कोनो बातक लेल चिंतित नहि रहू, मुदा सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती आ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती सभक जानकारी देल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

इजकिएल 12:28 तेँ हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। आब हमर कोनो बात लम्बा नहि होयत, मुदा जे वचन हम कहलहुँ से पूरा होयत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् अपन सब वचन पूरा करताह आ आगू लम्बा नहि करताह।

1. हमर सभक विश्वास परमेश्वरक पूर्ति मे अछि - इजकिएल 12:28

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति - इजकिएल 12:28

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. याकूब 1:22-25 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन

स्वाभाविक मुँह देखैत अछि। मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे टिकैत रहत, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल् कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।

इजकिएल अध्याय 13 झूठा भविष्यवक्ता आरू भविष्यवक्ता सिनी कॅ संबोधित करै छै जे लोग सिनी कॅ अपनौ धोखा देबै वाला संदेश कॅ गुमराह करी रहलोॅ छेलै। अध्याय में सच्चा विवेक के आवश्यकता आरू झूठ फैलाबै के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के निर्देश दै के साथ होय छै कि वू झूठा भविष्यवक्ता आरू भविष्यवक्ता सिनी के खिलाफ भविष्यवाणी करै जे लोग सिनी के बीच झूठ फैलाबै छेलै। ई व्यक्ति परमेश्वर के तरफऽ स॑ बोलै के दावा करी रहलऽ छेलै, लेकिन ओकरऽ संदेश ओकरऽ अपनऽ कल्पना प॑ आधारित छेलै आरू ईश्वरीय प्रकाशन म॑ जड़ नै छेलै (यहेजकिएल १३:१-९)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर झूठा भविष्यवक्ता सभ पर अपन न्यायक घोषणा करैत छथि, ई कहैत जे ओ हुनका सभक धोखा देबयवला काज सभक अंत करताह। ओ हुनका सभक संदेशक तुलना एकटा कमजोर बनल देबाल सँ करैत छथि जे परमेश् वरक न्यायक भार सँ ढहि जायत। हुनकऽ झूठा भविष्यवाणी लोगऽ क॑ झूठा आशा दै छै, जेकरा स॑ हुनका पश्चाताप करै आरू परमेश्वर के तरफ मुड़ै स॑ रोकै छै (इजकिएल १३:१०-१६)।

तेसर पैराग्राफ: एहि अंशक समापन परमेश् वर द्वारा ओहि भविष्यवक्ता सभक निन्दा कयल गेल अछि जे भविष्यवाणी आ मंत्रमुग्ध क' रहल छलीह। ओ ओकरा सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ लोक सभ केँ भटका देलनि आ हुनका सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे हुनका सभ केँ अपन धोखा देबयवला काजक लेल की परिणामक सामना करय पड़तनि (इजकिएल 13:17-23)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल तेरह अध्याय उजागर करैत अछि
झूठ भविष्यवक्ता आ भविष्यवक्ता।
झूठ फैलाने के परिणाम।

झूठ फैलाबै वाला झूठा भविष्यवक्ता आरू भविष्यवक्ता सिनी के खिलाफ भविष्यवाणी करना।
हुनका लोकनिक धोखाधड़ीक निन्दा आ दिव्य प्रकटीकरणक अभाव ।
झूठ भविष्यवक्ता पर न्याय आ ओकर संदेशक पतन।
भविष्यवाणी आ मंत्रमुग्ध के अभ्यास करय वाली भविष्यवक्ता के निंदा।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय झूठा भविष्यवक्ता आरू भविष्यवक्ता सिनी क॑ संबोधित करै छै जे लोगऽ क॑ अपनऽ धोखा देबै वाला संदेश स॑ गुमराह करी रहलऽ छेलै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर इजकिएल क॑ ई व्यक्ति सिनी के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश दै स॑ होय छै, जे परमेश्वर के तरफ स॑ बोलै के दावा करै छेलै लेकिन अपनऽ कल्पना के आधार प॑ झूठ फैलाय रहलऽ छेलै । परमेश् वर झूठा भविष्यवक्ता सिनी पर अपनऽ न्याय के घोषणा करै छै, ओकरऽ संदेश के तुलना एगो कमजोर बनलऽ देवाल स॑ करै छै जे हुनकऽ न्याय के तहत ढहतै । हुनकऽ झूठा भविष्यवाणी लोगऽ क॑ झूठा आशा दै छै, जेकरा स॑ हुनका पश्चाताप करै आरू परमेश् वर के तरफ मुड़ै स॑ रोकै छै । एहि अंश मे परमेश् वर द्वारा ओहि भविष्यवक्ता सभक निन्दा सेहो शामिल अछि जे भविष्यवाणी आ मंत्रमुग्ध क' रहल छलीह, जाहि सँ लोक सभ केँ भटका देल गेल छलनि। अध्याय में सच्चा विवेक के आवश्यकता आरू झूठ फैलाबै के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 13:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात कयलनि।

1. भगवानक आवाज सुनबाक महत्व।

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक शक्ति।

1. 1 शमूएल 3:8-10 - तखन प्रभु तेसर बेर शमूएल केँ फेर बजौलनि। ओ उठि कऽ एली लग जा कऽ कहलथिन, “हम एतऽ छी। किएक तँ अहाँ हमरा बजौने रही। एली बुझि गेल जे परमेश् वर ओहि बच्चा केँ बजौने छथि। तेँ एली शमूएल केँ कहलथिन, “जाउ, लेट जाउ।” किएक तँ तोहर सेवक सुनैत अछि।” तेँ शमूएल जा कऽ अपन जगह पर सुति गेलाह।

2. रोमियो 10:17 - तखन विश्वास सुनला सँ आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।

इजकिएल 13:2 मनुष्यक पुत्र, इस्राएलक भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू जे भविष्यवाणी करैत छथि, आ जे सभ अपन हृदय सँ भविष्यवाणी करैत छथि हुनका सभ केँ कहू जे, “परमेश् वरक वचन सुनू।”

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे इस्राएलक झूठा भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करथि जे सभ अपन विचार कहैत छथि आ प्रभुक वचन नहि।

1. मानवीय राय पर परमेश् वरक वचन - इजकिएल 13:2 केर अध्ययन

2. शास्त्र के अधिकार - इजकिएल 13:2 के महत्व के समझना

1. यिर्मयाह 29:8-9 - "किएक तँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे अहाँ सभक बीच मे रहनिहार भविष्यवक्ता आ भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ धोखा नहि देथि आ अहाँ सभक सपना नहि सुनू।" सपना देखै के लेलऽ।

2. 2 पत्रुस 1:19-21 - "हमरा सभ लग एकटा आओर निश्चित भविष्यवाणीक वचन अछि, जाहि सँ अहाँ सभ नीक काज करैत छी जे अहाँ सभ सावधान रहब, जेना अन्हार स्थान मे चमकैत इजोत पर, जाबत धरि भोर नहि भ' जाय आ दिनक तारा नहि।" अहाँ सभक हृदय मे उठू, ई पहिने ई जानि लिअ जे धर्मशास् त्रक कोनो भविष्यवाणी कोनो एक-एकटा अर्थक नहि अछि। " .

इजकिएल 13:3 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार अछि मूर्ख प्रवक् ता सभ जे अपन आत् माक पालन करैत छथि आ किछु नहि देखने छथि!

परमेश् वर झूठा भविष्यवक्ता सभक निन्दा करैत छथि जे परमेश् वरक समझक बदला अपन समझ पर निर्भर छथि।

1. "झूठा भविष्यवक्ता के खतरा"।

2. "भगवानक आवाज सुनब"।

1. यिर्मयाह 23:16-17, "सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि, जे भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि, हुनकर बात नहि सुनू। ओ सभ अहाँ सभ केँ व्यर्थ बना दैत छथि प्रभुक।ओ सभ हमरा तिरस्कृत करयवला सभ केँ एखनो कहैत छथि, ‘प्रभु कहने छथि, ‘अहाँ सभ केँ शान्ति भेटत।

2. 2 पत्रुस 2:1-3, "मुदा लोक सभ मे झूठ भविष्यवक्ता सभ सेहो छलाह, जेना अहाँ सभक बीच मे झूठा शिक्षक सभ हेताह, जे गुप्त रूप सँ निन्दनीय पाखण्ड केँ आनि देताह, और प्रभु केँ अस्वीकार करैत छथि जे ओकरा कीनने छलाह आ ओकरा सभ पर अनने छथि।" अपना केँ शीघ्र विनाश कयल जायत हुनका लोकनिक अभिशाप नींद नहि आबि रहल छनि।”

इजकिएल 13:4 हे इस्राएल, तोहर भविष्यवक्ता मरुभूमि मे लोमड़ी जकाँ छथि।

इस्राएल के भविष्यवक्ता सिनी के तुलना मरुभूमि में लोमड़ी के साथ करलऽ जाय छै ।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. सच्चा आ झूठ भविष्यवक्ता मे अंतर जानब

1. यिर्मयाह 5:31 - "भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ अपन सामर्थ्य सँ शासन करैत छथि, आ हमर लोक सभ केँ ई एहन करब नीक लगैत अछि; आ तकर अंत मे अहाँ सभ की करब?"

2. मत्ती 7:15-20 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया छथि।"

इजकिएल 13:5 अहाँ सभ फाँक मे नहि चढ़लहुँ आ ने इस्राएलक घरानाक लेल परमेश् वरक दिन मे युद्ध मे ठाढ़ हेबाक लेल बेड़ नहि बनौलहुँ।

परमेश् वर इस्राएल केँ डाँटि रहल छथि जे प्रभुक दिन मे अपन शत्रु सभक विरुद्ध लड़बाक लेल ठाढ़ नहि भेलाह।

1. "प्रभुक दिन आ हमरा सभकेँ कोना तैयारी करबाक चाही"।

2. "विपत्तिपूर्ण समय मे भगवानक लोकक लेल ठाढ़ रहब"।

1. इफिसियों 6:12-13 - "किएक तँ हम सभ मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल् कि रियासत सभक विरुद्ध, शक्ति सभक विरुद्ध, एहि युगक अन्हारक शासक सभक विरुद्ध, स् वर्ग मे दुष्टताक आत् मिक सेना सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी। तेँ उठाउ।" परमेश् वरक समस्त कवच, जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन मे सहन कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ ठाढ़ भऽ सकब।”

2. यशायाह 5:5-6 - "एखन हम अहाँ सभ केँ कहब जे हम अपन अंगूरक बगीचा केँ की करब। हम ओकर बाड़ि छीनि कऽ जरि जायत, आ ओकर देबाल तोड़ि देब आ ओकरा रौंदल जायत।" . हम ओकरा उजाड़ि देब, ओकरा छंटाई आ नहि खोदल जायत, मुदा काँट-काँट निकलत।

इजकिएल 13:6 ओ सभ व्यर्थ आ झूठ भविष्यवाणी देखि क’ कहैत छथि जे, प्रभु कहैत छथि, मुदा परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि पठौलनि।

झूठा भविष्यवक्ता आरू भविष्यवाणी करै वाला झूठ फैलाय रहलऽ छै, ई दावा करी क॑ कि ओकरऽ वचन प्रभु के तरफऽ स॑ छै, भले ही वू ओकरा नै भेजलकै, आरू वू दोसरऽ क॑ भटकाय रहलऽ छै ।

1. "झूठा भविष्यवक्ता: कोना चिन्हल जाय आ कोना बचल जाय"।

2. "भगवानक वचन: एकमात्र निश्चित आधार"।

1. यिर्मयाह 14:14 - "तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, 'भविष्यवक्ता सभ हमर नाम सँ झूठक भविष्यवाणी करैत छथि। हम हुनका सभ केँ नहि पठौलहुँ आ ने हुनका सभ केँ आज्ञा देलहुँ आ ने हुनका सभ सँ बात केलहुँ। ओ सभ अहाँ सभ केँ कोनो झूठ दर्शन आ भविष्यवाणी करैत छथि आ।" एकटा व्यर्थ बात आ हुनका सभक हृदयक छल।”

2. मत्ती 7:15-16 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया छथि। अहाँ सभ हुनका सभक फल सँ चिन्हब।"

इजकिएल 13:7 की अहाँ सभ कोनो व्यर्थ दर्शन नहि देखलहुँ आ की अहाँ सभ झूठक भविष्यवाणी नहि केलहुँ, जखन कि अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभु कहैत छथि।” यद्यपि हम नहि बाजल छी?

इजकिएल भविष्यवक्ता झूठ भविष्यवक्ता सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ झूठ दावा करैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभ सँ बात केने छथि जखन कि ओ हुनका सभ सँ बात नहि केने छथि।

1. भगवान् के गलत तरीका स प्रस्तुत करबाक खतरा

2. झूठ भविष्यवाणीक परिणाम

1. यिर्मयाह 23:16-17 - "सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि जे, 'अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करय बला भविष्यवक्ता सभक वचन नहि सुनू। ओ सभ अहाँ सभ केँ बेकार बना दैत छथि; ओ सभ अपन हृदय सँ दर्शन बजैत छथि, मुँह सँ नहि।' प्रभुक।'

2. मत्ती 7:15-16 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ क्षुद्र भेड़िया छथि। अहाँ सभ हुनका सभ केँ ओकर फल सँ चिन्हब। की मनुष्य काँटक झाड़ी सँ अंगूर बटोरैत अछि आ कि काँट-पात सँ अंजीर?

इजकिएल 13:8 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ व्यर्थ बजलहुँ आ झूठ देखलहुँ, तेँ देखू, हम अहाँ सभक विरोध मे छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

जे झूठ बाजै छै आ झूठ देखै छै ओकरा भगवानक विरुद्ध छै।

1. "प्रभु झूठ अस्वीकार करैत छथि"।

2. "असत्य बात सँ भगवानक नाराजगी"।

1. यूहन्ना 8:44 - "अहाँ अपन पिता शैतानक छी, आ अहाँ अपन पिताक इच्छा केँ पूरा करय चाहैत छी। ओ शुरूए सँ हत्यारा छलाह, सत्य केँ नहि पकड़ने छलाह, कारण हुनका मे कोनो सत्य नहि छनि। जखन।" झूठ बाजैत अछि, अपन मातृभाषा बजैत अछि, कारण ओ झूठ बाजनिहार आ झूठक जनक अछि |"

2. कुलुस्सी 3:9 - "एक दोसरा सँ झूठ नहि बाजू, किएक तँ अहाँ सभ अपन पुरान स्वभाव केँ ओकर व्यवहार सँ उतारने छी।"

इजकिएल 13:9 हमर हाथ ओहि भविष्यवक्ता सभ पर रहत जे आडंबर केँ देखैत छथि आ जे ईश्वरीय झूठ देखैत छथि, ओ सभ हमर लोकक सभा मे नहि रहताह आ ने इस्राएलक घरानाक लेखन मे लिखल रहताह आ ने ओ सभ प्रवेश करताह इस्राएल देश मे घुसि गेल। अहाँ सभ जनब जे हम प्रभु परमेश् वर छी।”

परमेश् वर झूठ आ आडंबरक भविष्यवाणी करय बला झूठ भविष्यवक्ता सभ केँ सजा दऽ रहल छथि, आ ओ सभ परमेश् वरक लोकक सभा मे नहि रहत, जे इस्राएलक लेखन मे लिखल अछि, आ ने इस्राएलक देश मे प्रवेश करत।

1. परमेश् वरक दंडक शक्ति - इजकिएल 13:9 मे झूठ भविष्यवाणीक परिणामक परीक्षण।

2. आडंबर के दर्शन - इजकिएल 13:9 के माध्यम स अपन आध्यात्मिक जीवन में सत्य आ सटीकता के महत्व के बुझब।

1. यिर्मयाह 23:16-17 - सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, ‘अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करय बला भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनू, ओ सभ अहाँ सभ केँ व्यर्थ बना दैत छथि प्रभु। ओ सभ हमरा तिरस्कृत करयवला सभ केँ एखनो कहैत अछि जे, “प्रभु कहने छथि जे, “अहाँ सभ केँ शान्ति भेटत।” ओ सभ जे कियो अपन मनक कल्पनाक अनुसार चलैत अछि ओकरा कहैत अछि जे, “अहाँ सभ पर कोनो दुष् टता नहि होयत।”

2. यिर्मयाह 5:31 - भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ अपन साधन सँ शासन करैत छथि; हमर लोक सभ केँ ई नीक लगैत अछि, आ तकर अंत मे अहाँ सभ की करब?

इजकिएल 13:10 किएक तँ ओ सभ हमर लोक सभ केँ बहका कऽ कऽ कऽ बहका देलक जे, “शांति! आ शान्ति नहि भेल। एक गोटे देबाल बनौलक आ देखू, आन लोक ओकरा बिना कोनो तरहक मोर्टार सँ लथौलक।

झूठा भविष्यवक्ता सब शांति के दावा क के लोक के गुमराह केने छैथ जखन कि शांति नै छै, आ ओ सब देबाल बना क ओकरा बिना स्वभाव के मोर्टार स पैच लगा क केने छैथ।

1. झूठा भविष्यवक्ता आ धोखाक खतरा

2. सतर्कता आ विवेकक आवश्यकता

1. यिर्मयाह 6:14 - ओ सभ हमर लोकक बेटीक चोट केँ कनेक ठीक क’ देलनि, ई कहैत जे, “शान्ति, शान्ति; जखन शांति नहि अछि।

2. मत्ती 7:15-16 - झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ भेड़ियाधसान छथि। अहाँ सभ ओकरा सभक फल सँ चिन्हब।

इजकिएल 13:11 जे सभ एकरा अशुद्ध कण्ठ सँ लेपैत अछि, ओकरा सभ केँ कहि दियौक जे ओ खसि पड़त।
आ अहाँ सभ, हे बड़का-बड़का ओला, खसि पड़ब। आ तूफानी हवा ओकरा फाड़ि देत।

ई अंश झूठ भविष्यवाणी करै वाला सिनी पर परमेश् वर के न्याय के बारे में बात करै छै।

1. झूठा पैगम्बर आ अविश्वास के परिणाम

2. परमेश् वरक निर्णय आ हमर सभक प्रतिक्रिया

1. यिर्मयाह 5:31 - "भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ अपन सामर्थ्य सँ शासन करैत छथि, आ हमर लोक सभ केँ ई एहन करब नीक लगैत अछि; आ तकर अंत मे अहाँ सभ की करब?"

2. मत्ती 7:15-20 - "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया छथि। अहाँ सभ हुनका सभ केँ ओकर फल सँ चिन्हब। की मनुष्य काँट सँ अंगूर बटोरैत अछि वा काँट केर अंजीर? " .

इजकिएल 13:12 देखू, जखन देबाल खसि पड़त, तखन की अहाँ सभ केँ ई नहि कहल जायत जे, अहाँ सभ ओकरा लगाओल गेल दाना कतय अछि?

देबाल खसय बला अछि, आ लोक पूछत जे ओहि डौबिंग के की भेल जे एकरा बनेबा मे लागल छल।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वर जे बनबैत छथि से ठाढ़ रहत

2. आस्था के नींव पर निर्माण: हमर कर्म के स्थायी प्रभाव

1. मत्ती 7:24-27 - तेँ जे केओ हमर ई बात सुनत आ ओकर पालन करत, हम ओकरा एकटा बुद्धिमान आदमी सँ तुलना करब, जे अपन घर चट्टान पर बनौलक हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक। ओ नहि खसल, किएक तँ ओ चट्टान पर नींव पड़ल छल। मुदा जे केओ हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा नहि मानत, ओकर उपमा एकटा मूर्ख आदमी सँ कयल जायत जे बालु पर अपन घर बनौलक घर; ओ खसि पड़ल, आ ओकर पतन बहुत पैघ भेल।

२, आ हर विचार केँ मसीहक आज्ञापालन मे बंदी बना कऽ लऽ कऽ।

इजकिएल 13:13 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। एतेक धरि जे हम अपन क्रोध मे तूफानी हवा सँ एकरा फाड़ि देब; हमर क्रोध मे उमड़ैत बरखा होयत आ ओकरा भस्म करबाक लेल हमर क्रोध मे पैघ-पैघ ओला पड़ि जायत।

भगवान् अपन क्रोध मे दुष्ट केँ भयंकर तूफान आ पैघ ओला सँ सजा देथिन।

1. भगवानक क्रोध: दुष्टक लेल चेतावनी

2. भगवानक क्रोधक शक्ति: हुनक दिव्य न्यायक एकटा उदाहरण

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. याकूब 1:20 - किएक तँ मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकताक काज नहि करैत अछि।

इजकिएल 13:14 तेँ हम ओहि देबाल केँ तोड़ि देब जकरा अहाँ सभ केँ अशुद्ध भटका सँ लऽ गेल अछि आ ओकरा जमीन पर उतारब, जाहि सँ ओकर नींव टूटि जायत आ ओ खसि जायत आ अहाँ सभ ओकर बीच मे नष्ट भ’ जायब: तखन अहाँ सभ बुझब जे हम परमेश् वर छी।

भगवान लोक द्वारा बनाओल गेल देबाल के तोड़ि देत, ओकर खराब नींव के उजागर करत आ एहि क्रम में ओकरा नष्ट क देत।

1: अपन जीवनक चारूकात देबाल बनेनाइ एकर जवाब नहि अछि; हमरा सभ केँ परमेश् वरक सामर्थ् य आ मार्गदर्शन पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे अपन भरोसा अपन काज पर नहि राखी बल्कि भगवानक प्रेम आ शक्ति पर भरोसा करी।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 13:15 हम एहि तरहेँ अपन क्रोध देबाल पर आ ओकरा सभ पर पूरा करब जे ओकरा सभ पर अशुद्ध भटका लगाओल गेल अछि आ अहाँ सभ केँ कहब जे, देबाल आब नहि अछि आ ने ओकरा लेपनिहार सभ।

जे देबाल बनौने छथि हुनका भगवान् अनटैम्पर्ड मोर्टार सँ सजा देथिन आ कहताह जे आब देबाल नहि अछि।

1. अस्थिर नींव पर निर्माण के खतरा

2. देवताक क्रोध आ न्याय

1. मत्ती 7:24-27 जे कियो हमर ई बात सुनत आ ओकरा पर काज करत, ओ ओहि बुद्धिमान आदमी जकाँ होयत जे चट्टान पर अपन घर बनौलक।

2. भजन 37:23-24 मनुष्यक डेग प्रभु द्वारा स्थापित कयल जाइत अछि जखन ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि; खसि पड़ला पर सेहो माथ पर नहि फेकल जायत, कारण प्रभु ओकरा हाथ सँ सहारा दैत छथि।

इजकिएल 13:16 इस्राएल के भविष्यवक्ता जे यरूशलेम के बारे में भविष्यवाणी करै छै, आरू ओकरा लेली शांति के दर्शन देखै छै, लेकिन शांति नै छै, प्रभु परमेश् वर कहै छै।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि झूठा भविष्यवक्ता सिनी के तरफ सें शांति के झूठा भविष्यवाणी के बावजूद इस्राएल के लेलऽ शांति नै छै।

1: झूठ भविष्यवाणी पर पश्चाताप करू - इजकिएल 13:16

2: झूठा भविष्यवक्ता सभक पालन नहि करू - इजकिएल 13:16

1: यिर्मयाह 14:14-16

2: मत्ती 7:15-17

इजकिएल 13:17 तहिना हे मनुष् य-पुत्र, अपन लोकक बेटी सभ पर मुँह लगाउ, जे सभ अपन हृदय सँ भविष्यवाणी करैत अछि। आ अहाँ हुनका सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

परमेश् वर झूठा भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध चेतावनी दऽ रहल छथि जे परमेश् वरक वचन सँ बेसी अपन हृदय सँ प्रचार करैत छथि।

1: परमेश् वरक वचनक पालन करू - इजकिएल 13:17

2: झूठा भविष्यवक्ता सँ सावधान रहू - इजकिएल 13:17

1: यिर्मयाह 23:16-17 प्रभु इएह कहैत छथि: "भविष्यवक्ता सभ जे भविष्यवाणी अहाँ सभ केँ क' रहल छथि, से नहि सुनू; ओ सभ अहाँ सभ केँ झूठ आशा सँ भरि दैत छथि। ओ सभ अपन मोन सँ दर्शन बजैत छथि, प्रभुक मुँह सँ नहि।" .

2: मत्ती 7:15-20 झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू। बरदक वस्त्र मे अहाँ लग अबैत अछि, मुदा भीतर सँ उग्र भेड़िया अछि । हुनका लोकनिक फल सँ अहाँ हुनका सभ केँ चिन्हब। लोक काँटक झाड़ीसँ अंगूर तोड़ैत अछि, आकि काँटक झाड़ीसँ अंजीर? तहिना हर नीक गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा अधलाह गाछ अधलाह फल दैत अछि । नीक गाछ खराब फल नहि दऽ सकैत अछि, आ अधलाह गाछ नीक फल नहि दऽ सकैत अछि । जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि ओकरा काटि कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि । एहि तरहें हुनका लोकनिक फल सँ अहाँ हुनका सभ केँ चिन्हब।

1397

इजकिएल 13:18 आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार अछि ओहि महिला सभक जे सभ बांह मे तकिया सियैत छथि, आ हर कदक माथ पर गमछा बना क' आत्माक शिकार करैत छथि! की अहाँ सभ हमर लोक सभक प्राणी सभक शिकार करब, आ की अहाँ सभ ओहि प्राण सभ केँ जीवित उद्धार करब जे अहाँ सभ लग अबैत अछि?

भगवान भगवान् आत्मा के शिकार करै के चक्कर में तकिया आरू गमछा बनाबै वाला महिला सिनी के खिलाफ चेतावनी दै छै। ओ सवाल उठबैत छथि जे ओ सभ भगवानक लोकक आत्मा केँ बचाओत वा नहि।

1. आत्मा-शिकार के खतरा: इजकिएल के चेतावनी

2. आत्माओं के उद्धार के लिये प्रभु भगवान की गुहार

1. नीतिवचन 11:30 - धर्मी के फल जीवन के गाछ होइत छैक; जे प्राणी जीतैत अछि से बुद्धिमान अछि।

2. 1 पत्रुस 3:15 - मुदा अहाँ सभक हृदय मे मसीह केँ प्रभुक रूप मे आदर करू। जे कियो आशा के कारण बताबय लेल कहय छथिन्ह हुनका जवाब देबय लेल सदिखन तैयार रहु. मुदा ई काज कोमलता आ सम्मानक संग करू।

इजकिएल 13:19 की अहाँ सभ हमरा हमर लोक सभक बीच मुट्ठी भरि जौ आ रोटीक टुकड़ीक लेल गंदा करब, जाहि सँ ओहि प्राण सभ केँ मारल जाय जे नहि मरबाक चाही, आ जे प्राणी केँ जीवित नहि रहबाक चाही, तकरा सभ केँ जीवित करबाक लेल, हमर सुननिहार लोक सभ सँ झूठ बाजब अहाँक झूठ?

भगवान् ओहि लोकक निन्दा क' रहल छथि जे अपन स्वार्थक लेल लोक सँ झूठ बाजैत छथि ।

1. स्वार्थक लाभक लेल झूठ बाजबाक खतरा

2. छलक परिणाम

1. याकूब 3:5-6 - "तहिना जीह छोट अंग अछि आ पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कतेक पैघ बात छोट आगि जराबैत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। तहिना... जीह हमरा सभक अंग-अंगक बीच मे, जे समस्त शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि आ प्रकृतिक मार्ग केँ आगि लगा दैत अछि, आ नरक मे आगि लगा दैत अछि।

2. नीतिवचन 12:22 - झूठ बाजबऽ बला ठोर प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा जे सच्चा व्यवहार करैत अछि, से हुनकर प्रसन्नता अछि।

इजकिएल 13:20 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँक तकियाक विरोध मे छी, जाहि सँ अहाँ सभ ओतय ओहि आत्मा सभक शिकार करैत छी जे ओकरा उड़ाबय लेल, आ हम ओकरा अहाँक कोरा सँ नोचि देब आ ओहि आत्मा सभ केँ छोड़ि देब।

भगवान लोकक तकियाक विरुद्ध छथि कारण एकर उपयोग आत्माक शिकार आ उड़ाबय लेल होइत छैक | ओ ओकरा सभकेँ कोरासँ नोचि कऽ आत्मा सभकेँ छोड़ि देत।

1. पाप आ बुराई पर विजय प्राप्त करबाक भगवानक शक्ति

2. परमेश् वरक समक्ष विनम्रता आ पश्चातापक आवश्यकता

1. यशायाह 45:22 - पृथ्वीक सभ छोर, हमरा दिस घुमू आ उद्धार पाउ। किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि।”

2. मत्ती 12:36 - हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, न्यायक दिन लोक सभ लापरवाह बजबाक हरेक बातक हिसाब देत।

इजकिएल 13:21 हम अहाँक गमछा सेहो नोचि क’ अपन लोक केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेब, आ ओ सभ आब अहाँक हाथ मे नहि रहत। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

भगवान् अपन लोक के ओकर अत्याचारी के हाथ स बचा लेताह आ आब ओकर शिकार नहि होयत।

1. परमेश् वर हमरा सभक उद्धारकर्ता छथि - इजकिएल 13:21

2. प्रभुक रक्षा - इजकिएल 13:21

1. निष्कासन 3:7-10 - प्रभुक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोक सभ केँ बंधन सँ मुक्त करताह

2. भजन 34:17-19 - प्रभु हुनका पुकारनिहारक रक्षा आ उद्धार करैत छथि

इजकिएल 13:22 किएक तँ अहाँ सभ झूठ सँ धर्मी लोकक हृदय केँ दुखी कयलहुँ, जकरा हम दुखी नहि केलहुँ। ओ दुष् ट लोकक हाथ केँ मजगूत कयलनि, जाहि सँ ओ अपन दुष्ट बाट सँ नहि घुरय, ओकरा जीवनक प्रतिज्ञा दऽ कऽ।

प्रभु ओहि लोक सभ सँ नाराज छथि जे धर्मी सभ केँ भटकौने छथि आ दुष्ट सभ केँ झूठ आशा देने छथि, हुनका सभ केँ अपन दुष्ट मार्ग मे रहबाक लेल प्रोत्साहित कयलनि अछि।

1. प्रभुक अप्रसन्नता: झूठ प्रतिज्ञाक विरुद्ध चेतावनी

2. प्रभुक इच्छा: हुनकर वचन पर अडिग रहब

1. यिर्मयाह 17:5-8

2. नीतिवचन 21:4

इजकिएल 13:23 तेँ अहाँ सभ आब व्यर्थ नहि देखब आ ने भविष्यक भविष्यवाणी, किएक तँ हम अपन लोक केँ अहाँ सभक हाथ सँ बचा लेब।

भगवान् अपन लोक के अत्याचार स मुक्ति देताह आ ओ सब जानताह जे ओ प्रभु छथि।

1: भगवान् हमर उद्धारकर्ता छथि आ हम हुनका पर भरोसा क सकैत छी।

2: भगवान् हमर सभक रक्षक छथि आ ओ वफादार छथि।

1: निष्कर्ष 14:14 - "प्रभु तोरा लेल लड़ताह; अहाँ केँ मात्र शान्त रहबाक आवश्यकता अछि।"

2: भजन 34:17 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि त' प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ हुनकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।"

इजकिएल अध्याय १४ इस्राएल के प्राचीन सिनी के मूर्तिपूजा आरू झूठा आराधना के प्रथा के बारे में बताबै छै। अध्याय में वास्तविक पश्चाताप के महत्व आरू परमेश्वर के खिलाफ लगातार विद्रोह के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के प्राचीन सिनी के यहेजकेल के पास प्रभु से पूछताछ करै लेली ऐला के साथ होय छै। मुदा भगवान् हुनका सभ केँ डाँटैत छथि, ई कहैत जे हुनकर सभक हृदय एखनो मूर्ति पर टिकल अछि आ हुनकर पूजा हुनका लोकनिक पापपूर्ण आचरण सँ कलंकित अछि | ओ घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभक हृदय मे मूर्तिपूजाक अनुसार उत्तर देथिन (इजकिएल 14:1-5)।

2nd पैराग्राफ: भगवान् हुनका विरुद्ध विद्रोह पर अडिग रहय वाला के लेल परिणाम के गंभीरता के वर्णन करैत छथि | भले ही नूह, दानियल आ अय्यूब ओहि देश मे उपस्थित रहितथि, मुदा हुनकर धार्मिकता मात्र अपना केँ बचा सकैत छल आ हुनकर आसपासक दुष्ट लोक केँ नहि। परमेश् वरक न्याय ओहि लोक पर कयल जायत जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेने छथि (इजकिएल 14:6-11)।

तृतीय पैराग्राफ: ई अंश के समापन परमेश् वर के आश्वासन के साथ होय छै कि लोगऽ के एक अवशेष हुनकऽ न्याय स॑ बची जैतै । ई विश्वासी व्यक्ति परमेश्वर के धार्मिकता आरू अनुग्रह के

गवाही होतै, जबकि विद्रोही आरू मूर्तिपूजक अपनऽ काम के परिणाम उठाबै वाला छै (यहेजकिएल १४:१२-२३)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल चौदह अध्याय मे प्रकट होइत अछि
मूर्तिपूजाक लेल बुजुर्ग सभ केँ डाँटब।
लगातार विद्रोह के परिणाम।

प्रभु सँ पूछताछ करय लेल अबैत बुजुर्ग सभ, मुदा अपन मूर्तिपूजक हृदयक लेल डाँटैत छलाह |
लगातार विद्रोह के लिये गंभीर परिणाम का वर्णन |
एकटा बख्शल अवशेषक आश्वासन आ परमेश् वरक धार्मिकताक गवाही।

इजकिएल के ई अध्याय इस्राएल के प्राचीन सिनी के मूर्तिपूजा आरू झूठा आराधना के प्रथा के बारे में बताबै छै। एकरऽ शुरुआत ई बात स॑ होय छै कि बुजुर्ग सिनी के प्रभु स॑ पूछताछ करै लेली ऐला स॑ होय छै, लेकिन भगवान ओकरा सिनी क॑ डाँटै छै, ई कहतें कि ओकरऽ दिल अखनी भी मूर्ति प॑ टिकलऽ छै आरू ओकरऽ पूजा ओकरऽ पापपूर्ण आचरण स॑ कलंकित छै । ओ घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभक हृदय मे मूर्तिपूजाक अनुसार उत्तर देथिन | परमेश् वर हुनका विरुद्ध विद्रोह पर अडिग रहय बला सभक लेल परिणामक कठोरताक वर्णन करैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे नूह, दानियल आ अय्यूब सन धर्मी व्यक्तिक उपस्थिति सेहो मात्र अपना केँ बचाओत आ ओकर आसपासक दुष्ट लोक केँ नहि। ई अंश परमेश् वर के आश्वासन के साथ समाप्त होय छै कि लोगऽ के एक अवशेष हुनकऽ न्याय स॑ बची जैतै । ई विश्वासी व्यक्ति परमेश्वर के धार्मिकता आरू अनुग्रह के गवाही के रूप में काम करतै, जबकि विद्रोही आरू मूर्तिपूजक अपनऽ काम के परिणाम उठाबै वाला छै । अध्याय में वास्तविक पश्चाताप के महत्व आरू परमेश्वर के खिलाफ लगातार विद्रोह के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 14:1 तखन इस्राएलक किछु प्राचीन लोकनि हमरा लग आबि हमरा आगू बैसलाह।

इस्राएलक बुजुर्ग सभ इजकिएल सँ भेंट करय लेल आयल छलाह।

1. मार्गदर्शन ताकब: बुजुर्ग स बुद्धि तकब

2. गप्प-सप्पक शक्ति: दोसरसँ जुड़ब

1. नीतिवचन 11:14 - "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

2. कुलुस्सी 4:5-6 - "समयक सदुपयोग करैत बाहरी लोकक प्रति बुद्धिपूर्वक चलू। अपन बात सदिखन अनुग्रहपूर्ण हो, नून सँ मसालेदार हो, जाहि सँ अहाँ सभ केँ बुझल जा सकय जे अहाँ सभ केँ प्रत्येक व्यक्ति केँ कोना उत्तर देबाक चाही।"

इजकिएल 14:2 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात करैत छथि।

1. प्रभुक आह्वानक पालन करब

2. परमेश् वरक वचन सुनब आ ओकर मानब

1. यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि। तखन अहाँ सभ आह्वान करब।" हमरा आऊ आ हमरा प्रार्थना करू, हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।"

2. भजन 37:3-6 - प्रभु पर भरोसा करू आ नीक करू; भूमि मे रहू आ सुरक्षित चारागाह के आनंद लिय। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित

करू; ओकरा पर भरोसा राखू आ ओ ई काज करत: ओ अहाँक धर्मी इनाम केँ भोर जकाँ चमकाओत, अहाँक निंदा केँ दुपहरक रौद जकाँ चमका देत।

इजकिएल 14:3 मनुष्यक पुत्र, ई लोकनि अपन मूर्ति केँ अपन हृदय मे ठाढ़ क’ क’ अपन अधर्मक ठोकर केँ अपन मुँहक सोझाँ राखि देने छथि।

एहि अंश मे चर्चा कयल गेल अछि जे कोना लोकक हृदय मे मूर्ति भ' सकैत अछि आ ओ भगवान् सँ मार्गदर्शनक लेल नहि ताकत।

1. मूर्तिपूजाक खतरा - जखन हम सभ भगवानक अतिरिक्त कोनो आन चीज पर भरोसा करैत छी तखन की होइत अछि?

2. प्रभुक निहोरा - हम सभ भगवानक अतिरिक्त कोनो आन चीजसँ मार्गदर्शन किएक लैत छी?

1. यशायाह 44:9-20 - मूर्तिपूजाक मूर्खता आ प्रभुक अतिरिक्त कोनो आन चीज पर भरोसा करबाक मूर्खता।

2. यिर्मयाह 2:11-13 - प्रभुक निहोरा जे हम सभ मूर्ति सभ सँ मुँह घुमाबी आ ओकर बदला मे हुनकर खोज करी।

इजकिएल 14:4 तेँ हुनका सभ सँ बात करू आ हुनका सभ सँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। इस्राएलक वंशक जे केओ अपन मूर्ति सभ केँ अपन हृदय मे ठाढ़ करैत अछि आ अपन अधर्मक ठोकर केँ अपन मुँहक सोझाँ राखि कऽ भविष्यवक्ता लग अबैत अछि। हम परमेश् वर, जे आओत, तकरा ओकर मूर्तिक भीड़क अनुसार उत्तर देब।

जे सभ अपन हृदय मे मूर्ति ठाढ़ करैत छथि आ अधर्म मे ठोकर खाइत छथि हुनका सभ केँ प्रभु परमेश् वर चेताबैत छथि जे ओ हुनका सभक मूर्तिक संख्याक अनुसार उत्तर देथिन।

1. हृदय मे मूर्तिपूजाक खतरा

2. पाप सँ मुड़ब आ भगवान् दिस घुरब

1. कुलुस्सी 3:5 - तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा थिक।

2. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

इजकिएल 14:5 जाहि सँ हम इस्राएलक घराना केँ हुनका सभक हृदय मे ल’ सकब, किएक तँ ओ सभ अपन मूर्तिक कारणेँ हमरा सँ दूर भ’ गेल छथि।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ मूर्ति के कारण अलग होय के बावजूद भी ओकरा साथ सही संबंध में बहाल करै के इच्छा रखै छै।

1. "क्षमा के शक्ति: भगवान के साथ हमरऽ संबंध के पुनर्स्थापित करना"।

2. "मूर्ति पर भगवान् के चयन: पुनर्स्थापन आ नवीकरण के खोज"।

1. यशायाह 57:15-19

2. यिर्मयाह 3:12-14

इजकिएल 14:6 तेँ इस्राएलक घराना केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन मूर्ति सभ सँ अपना केँ मोड़ू। आ अपन सभ घृणित काज सँ मुँह मोड़ि दियौक।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ पश्चाताप करबाक आज्ञा दैत छथि आ अपन मूर्ति आ घृणित काज सभ सँ मुँह मोड़ि लेथि।

1. मूर्तिपूजा स मुँह मोड़ब: पश्चाताप के आह्वान

2. पश्चाताप: आशीर्वाद आ स्वतंत्रताक मार्ग

1. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. 1 यूहन्ना 1:9 जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

इजकिएल 14:7 इस्राएलक वंशज वा इस्राएल मे रहनिहार परदेशी जे हमरा सँ अलग भ’ जाइत अछि, अपन मूर्ति सभ केँ अपन हृदय मे ठाढ़ करैत अछि, आ अपन अधर्मक ठोकर केँ अपन मुँहक सोझाँ राखि क’ आबि जाइत अछि एकटा भविष्यवक्ता केँ हमरा विषय मे पूछताछ करबाक लेल। हम परमेश् वर हुनका अपन उत्तर देबनि।

प्रभु ओहि सभ केँ चेताबैत छथि जे अपन हृदय मे मूर्ति ठाढ़ करैत छथि आ हुनका बारे मे उत्तरक लेल भविष्यवक्ता सभक दिस तकैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ व्यक्तिगत रूप सँ उत्तर देथिन।

1. भगवानक वचन स्पष्ट अछि: अपन हृदय मे मूर्ति नहि राखू

2. भगवान् सँ उत्तर माँगब: हुनका दिस सोझे मुड़बाक महत्व

1. निर्गमन 20:3-4 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि।

2. यिर्मयाह 29:13 जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

इजकिएल 14:8 हम ओहि आदमीक विरुद्ध अपन मुँह ठाढ़ करब, आ ओकरा एकटा निशानी आ फकड़ा बना देब, आ ओकरा अपन लोकक बीच सँ काटि देब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

भगवान् हुनकर आज्ञा नहि माननिहार केँ सजा देताह आ हुनका दोसर लोकक लेल उदाहरण बना देताह।

1. परमेश् वरक न्याय: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. भगवानक शक्ति: पापक विरुद्ध ठाढ़ रहब

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. इफिसियों 5:11 - "अन्हारक निष्फल काज मे भाग नहि लिअ, बल्कि ओकरा उजागर करू।"

इजकिएल 14:9 जँ भविष्यवक्ता कोनो बात बजला पर धोखा खा जायत, त’ हम प्रभु ओहि भविष्यवक्ता केँ धोखा द’ देलहुँ, आ हम ओकरा पर हाथ बढ़ा देब आ ओकरा अपन प्रजा इस्राएलक बीच सँ नष्ट क’ देब।

जे दोसरो के भटकाबै वाला छै, ओकरा सिनी कॅ प्रभु झूठा भविष्यवाणी करी कॅ दंड देतै।

1. झूठा भविष्यवक्ता सभक लेल प्रभुक चेतावनी

2. दोसर के गुमराह करय वाला पर परमेश् वर के न्याय

1. यिर्मयाह 23:16-17 - "सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि, जे भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि, जे अहाँ सभ केँ व्यर्थ आशा सँ भरैत छथि, हुनकर बात नहि सुनू। ओ सभ अपन मोन सँ दर्शन बजैत छथि, मुँह सँ नहि।" प्रभु।प्रभु के वचन के तिरस्कार करै वाला सिनी

कॅ लगातार कहै छै, ‘अहाँ सिनी के ठीक होय जैतै, आरु जे भी जे भी हठपूर्वक अपनऽ दिल के पालन करै छै, ओकरा सिनी कॅ कहै छै कि तोरा सिनी पर कोनो विपत्ति नै आबै छै।

2. मत्ती 7:15-20 - झूठ भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभक लग अबैत छथि मुदा भीतर सँ लूटपाट करयवला भेड़िया छथि। अहाँ ओकरा सभकेँ ओकर फलसँ चिन्हब। अंगूर काँटक झाड़ी सँ जुटाओल जाइत अछि आ कि अंजीर ठंढा सँ? अस्तु, हर स्वस्थ गाछ नीक फल दैत अछि, मुदा रोगग्रस्त गाछ अधलाह फल दैत अछि । स्वस्थ गाछ खराब फल नहि दऽ सकैत अछि आ ने रोगग्रस्त गाछ नीक फल दऽ सकैत अछि । जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि ओकरा काटि कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि । एहि तरहेँ अहाँ हुनका सभक फल सँ चिन्हब।

इजकिएल 14:10 ओ सभ अपन अधर्मक दण्ड उठाओत।

पैगम्बर आ हुनका सँ मार्गदर्शन लेबय वाला के सजा बराबर होयत।

1. मार्गदर्शन चाहैत काल परिणाम मोन राखू

2. सबहक लेल समान परिणामक महत्व

1. व्यवस्था 24:16 - "पिता केँ अपन संतानक लेल नहि मारल जायत, आ ने संतान केँ अपन पिताक लेल मारल जायत; प्रत्येक केँ अपन पापक लेल मारल जायत।"

2. गलाती 6:7 - "धोखा नहि करू, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु बोओत, ओ काटि सेहो काटि लेत।"

इजकिएल 14:11 जाहि सँ इस्राएलक वंशज हमरा सँ आब भटकय आ अपन सभ अपराध सँ आब दूषित नहि भ’ जाय। मुदा एहि लेल जे ओ सभ हमर प्रजा बनय आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनि जायब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर, इजकिएल भविष्यवक्ता के माध्यम सँ, के घराना सं॑ आह्वान करी रहलऽ छै कि वू अपनऽ सं॑ हटी क॑ ओकरा तरफ मुड़ै, ताकि वू ओकरऽ परमेश् वर बनी जाय आरू वू ओकरऽ लोग बनी जाय।

1. अतिक्रमण सँ मुँह घुमा कऽ भगवान् दिस मुड़ब

2. भगवानक अपन लोकक आमंत्रण

1. 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि; पुरान चलि गेल, नव आबि गेल!

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 14:12 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करै छै, मूर्तिपूजा आरू झूठा भविष्यवक्ता सिनी के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै।

1. मूर्तिपूजा: एकर खतरा के प्रति सतर्क रहू

2. झूठा भविष्यवक्ता: धोखा स बचब

1. यिर्मयाह 10:2-5 - जाति-जाति सभक रीति-रिवाज नहि सीखू आ ने आकाश मे देखबा मे आबि रहल चिन्ह सभ सँ आतंकित होउ, यद्यपि जाति सभ ओकरा सभ सँ आतंकित अछि।

3. रोमियो 1:18-32 - ओ सभ परमेश् वरक सत्य केँ झूठक बदला मे बदलि लेलक, आ सृष्टिकर्ताक बजाय सृष्टि सभक आराधना आ सेवा केलक।

इजकिएल 14:13 मनुष्यक पुत्र, जखन देश हमरा पर बहुत अपराध क’ क’ पाप करत, तखन हम ओकरा पर अपन हाथ पसारि देब आ ओकर रोटीक लाठी तोड़ब आ ओकरा पर अकाल पठायब आ मनुक्ख केँ काटि देब आ ओहि मे सँ जानवर।

भगवान् ओहि देश केँ सजा देथिन जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेत।

1: भगवान् पापक लेल ठाढ़ नहि हेताह।

2: हमरा सभ केँ पापक प्रलोभन मे नहि पड़य देबाक चाही।

1: रोमियो 6:12-14 तेँ पाप अपन नश्वर शरीर मे राज नहि करय, जाहि सँ अहाँ ओकर इच्छा मे ओकर आज्ञा मानब।

2: याकूब 1:13-15 जखन केओ परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वरक परीक्षा मे छी, किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि कयल जा सकैत अछि आ ने ककरो परीक्षा मे पड़ि सकैत अछि।

इजकिएल 14:14 जँ ई तीनू आदमी, नूह, दानियल आ अय्यूब एहि मे रहितथि, मुदा ओ सभ अपन धार्मिकताक कारणेँ अपन प्राण केँ बचाबथि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश अपनऽ उद्धार लेली धर्म के महत्व पर जोर दै छै, कैन्हेंकि तीन सबसें धर्मी आदमी नूह, दानियल आरू अय्यूब भी खाली अपनऽ धार्मिकता के माध्यम स॑ खुद क॑ बचाबै म॑ सक्षम छेलै ।

1. धर्मक माध्यमे मोक्षक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

2. धर्म के सब पर विजय प्राप्त करबाक शक्ति

1. यशायाह 1:16-17 - "अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध करू। हमर आँखिक सोझाँ सँ अपन काजक अधलाह केँ दूर करू; अधलाह काज छोड़ू, नीक करब सीखू; न्यायक खोज करू, अत्याचार केँ सुधारू; अनाथ केँ न्याय करू। विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।"

२. आ मुँह सँ स्वीकार क' क' उद्धार भ' जाइत छैक।"

इजकिएल 14:15 जँ हम शोरगुल करय बला जानवर सभ केँ ओहि देश मे घुमा दैत छी आ ओ सभ ओकरा लूटैत अछि जाहि सँ ओ उजाड़ भ’ जायत, जाहि सँ कियो जानवरक कारणेँ ओहि मे सँ नहि गुजरि सकय।

परमेश् वर देश पर विनाश अनताह जँ लोक पश्चाताप नहि करत आ अपन दुष्टता सँ नहि हटत।

1. परमेश् वरक क्रोध आ दया: इजकिएल 14:15 केँ बुझब

2. पश्चाताप: जीवित रहबाक एकटा आवश्यकता

1. यशायाह 66:15-16 देखू, प्रभु आगि ल’ क’ आ अपन रथ सभक संग बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे हुनकर क्रोध केँ क्रोध सँ आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन। कारण, प्रभु आगि आ तलवार सँ सभ प्राणी सँ निहोरा करताह।

2. यिर्मयाह 5:1-3 यिर्मयाह 5:1-3 अहाँ सभ यरूशलेमक गली-गली मे एम्हर-ओम्हर दौड़ू, आब देखू, आ जानि लिअ आ ओकर चौड़ा-चौड़ा जगह पर खोजू, जँ अहाँ सभ केँ कोनो आदमी भेटि सकैत अछि, जँ कोनो एहन आदमी अछि जे न्याय करैत अछि, जे... सत्यक खोज करैत अछि। आ हम एकरा माफ करब। ओ सभ ई कहैत छथि जे, “प्रभु जीबैत छथि।” निश्चित रूप सँ ओ सभ झूठक शपथ लैत छथि। हे प्रभु, की अहाँक नजरि सत्य पर नहि अछि? अहाँ ओकरा सभ केँ मारि देलहुँ, मुदा ओ सभ दुखी नहि भेल। अहाँ ओकरा सभ केँ भस्म कऽ देलहुँ, मुदा ओ सभ सुधार करबा सँ मना कऽ देलक। ओ सभ घुरबासँ मना कऽ देने छथि ।

इजकिएल 14:16 जँ ई तीनू आदमी ओहि मे रहितथि, जेना हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, मुदा ओ सभ ने बेटा आ ने बेटी केँ बचाओत। ओ सभ मात्र उद्धार होयत, मुदा देश उजाड़ भऽ जायत।”

तीन आदमी के भगवान चेतावनी दै छै कि वू अपनऽ बेटा-बेटी के बचाबै में सक्षम नै छै, बल्कि खाली खुद के उद्धार होय जैतै, आरो देश उजाड़ होय जैतै।

1. जाबत धरि हमर सभक विश्वास मजबूत नहि होयत ता धरि प्रभु हमरा सभ केँ उद्धार नहि होमय देताह। 2. हमर सभक विश्वास एतेक मजबूत हेबाक चाही जे कठिनतम समय मे सेहो हमरा सभ केँ आगू बढ़ा सकब।

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।" 2. मत्ती 5:4 - "धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।"

इजकिएल 14:17 जँ हम ओहि देश पर तलवार ल’ क’ कहब जे, ‘तलवार, ओहि देश मे जाउ। एहि तरहेँ हम ओहि मे सँ मनुष्य-पशु केँ काटि देलियैक।

परमेश् वर हुनका सँ न् याय आनताह जे हुनका सँ विमुख भऽ गेल छथि।

1: भगवान् अपन बाट सँ भटकल लोकक न्याय करताह।

2: भगवान् के आज्ञा के अनदेखी के परिणाम भयावह होइत अछि।

1: यिर्मयाह 17:5-10 - परमेश्वर पर भरोसा करला स जीवन भेटैत अछि।

2: नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे सही बुझाइत अछि मुदा मृत्यु दिस ल' जाइत अछि।

इजकिएल 14:18 जँ ई तीनू आदमी ओहि मे रहितथि, जेना हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, मुदा ओ सभ ने बेटा आ बेटी केँ बचाओत, बल् कि ओ सभ मात्र उद्धार कयल जायत।

ई अंश तीन आदमी के कोनो परिस्थिति स॑ बचाबै के बात करै छै, लेकिन ओकरऽ बच्चा के उद्धार नै होय छै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वरक इच्छा केँ पहिचान आ भरोसा करब

2. भगवान् के प्रेम आ दया: हुनकर अटूट करुणा के स्मरण करब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 145:9 - प्रभु सबहक लेल नीक छथि; ओकरा अपन जे किछु बनौने अछि ताहि पर दया होइत छैक।

इजकिएल 14:19 जँ हम ओहि देश मे कोनो महामारी पठा देब आ ओकरा खून मे अपन क्रोध उझलि देब आ ओकरा मे सँ मनुष्य आ जानवर केँ काटि देब।

भगवान् मनुष्य पर सटीक न्याय के लेल महामारी आ अन्य प्रकार के दंड के प्रयोग क सकैत छथि |

1: परमेश् वर प्राकृतिक आपदाक उपयोग पापक दंड देबाक लेल आ न्याय अनबाक लेल करैत छथि।

2: पापक परिणाम गंभीर होइत अछि आ मनुष्य आ जानवर दुनूक लेल विनाश होइत अछि।

1: यिर्मयाह 15:1-3 - प्रभु ई कहैत छथि जे जँ मूसा आ शमूएल हमरा सोझाँ ठाढ़ रहितथि तँ हमर मोन एहि लोक सभक प्रति नहि गमैत। हमरा सान्निध्यसँ दूर पठा दियौक! हुनका सभकेँ जाय दियौक! आ जँ ओ सभ पूछत जे हम सभ कतय जायब? हुनका सभ केँ कहि दियौन, “प्रभु ई कहैत छथि जे जे सभ मृत्युक नियति अछि, मरबाक नियति अछि। जे तलवारक लेल, तलवारक लेल। जे भूखक लेल, भूखक लेल; जे बंदी के लेल, कैद के लेल।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

1405

इजकिएल 14:20 जँ हम जीबैत छी तहिना नूह, दानियल आ अय्यूब एहि मे रहितथि, मुदा ओ सभ ने बेटा आ ने बेटी केँ बचाओत। ओ सभ अपन धार्मिकताक कारणेँ अपन प्राणी केँ उद्धार करत।

भले ही तीन सबसें धर्मी आदमी - नूह, दानियल आरू अय्यूब - दुष्टऽ के बीच में छेलै, लेकिन वू खाली अपनऽ धार्मिकता के द्वारा ही अपनऽ आत्मा के उद्धार करी सकै छेलै।

1. धर्मक शक्ति: इजकिएल 14:20 मे विश्वासक ताकत केँ बुझब

2. धर्मपूर्वक जीना: नूह, दानियल आ अय्यूबक उदाहरणक अनुकरण करब

1. 1 पत्रुस 3:20-21 - "ओ सभ पहिने आज्ञा नहि मानैत छलाह, जखन एक बेर नूहक समय मे ईश्वरीय दीर्घधीनता प्रतीक्षा करैत छल, जखन जहाज तैयार कयल जा रहल छल, जाहि मे किछुए, अर्थात् आठ आत्मा केँ पानि सँ उद्धार कयल गेल छल।" .एकटा एंटीटाइप सेहो अछि जे आब हमरा सभ केँ बपतिस्मा (शरीरक गंदगी केँ दूर करब नहि, बल्कि परमेश्वरक प्रति नीक विवेकक उत्तर) सँ बचाबैत अछि, यीशु मसीहक पुनरुत्थानक द्वारा"।

2. इब्रानी 11:7 - "विश्वास सँ नूह केँ ईश्वर सँ चेताओल गेल जे एखन धरि नहि देखल गेल अछि, ओ भक्ति भय सँ अपन घरक उद्धारक लेल एकटा जहाज तैयार कयलनि, जाहि सँ ओ संसार केँ दोषी ठहरौलनि आ धार्मिकताक उत्तराधिकारी बनलाह जे अछि।" विश्वास के अनुसार।"

इजकिएल 14:21 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जखन हम यरूशलेम पर अपन चारिटा कड़ा न्याय, तलवार, अकाल, आ शोरगुल करय बला जानवर आ महामारी केँ ओहि मे सँ मनुष्य-पशु केँ काटि देब, तखन कतेक आओर?

परमेश् वर यरूशलेम के लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि हुनी चारो दंड - तलवार, अकाल, शोरगुल करै वाला जानवर आरू महामारी - भेजतै ताकि लोग आरू जानवर दोनों के काटै के कोशिश करलौ जाय।

1. यरूशलेम के लेल परमेश्वर के चेतावनी: आह्वान सुनू आ पश्चाताप करू

2. प्रभुक न्याय: हुनकर दया केँ हल्का मे नहि लिअ

1. यशायाह 5:24 - तेँ जहिना आगि केर जीभ भूसा चाटि लैत अछि आ जेना सूखल घास आगि मे डूबि जाइत अछि, तहिना ओकर जड़ि सड़त आ ओकर फूल धूरा जकाँ उड़ि जायत। कारण, ओ सभ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक नियम केँ अस्वीकार कयलनि आ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक वचन केँ तिरस्कृत कयलनि।

2. योएल 2:12-13 - एखनहु, प्रभु कहैत छथि, उपवास आ कानब आ शोक संग पूरा मोन सँ हमरा लग घुरि जाउ। अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू। अपन परमेश् वर परमेश् वर लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ प्रेम मे प्रचुर छथि, आ विपत्ति पठेबा सँ मुक्त भऽ जाइत छथि।

इजकिएल 14:22 तइयो देखू, ओहि मे एकटा एहन अवशेष बचल रहत जे बेटा-बेटी दुनू केँ जन्म लेत जे अधलाह हम यरूशलेम पर अनने छी, तकरा जे किछु हम यरूशलेम पर अनने छी।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे यरूशलेम सँ बेटा-बेटी दुनूक शेष लोक बाहर आबि जायत आ परमेश् वर शहर पर जे बुराई अनने छथि, ताहि सँ लोक सभ केँ सान्त्वना भेटतनि।

1. कठिन समय मे परमेश् वरक आरामक वादा

2. विनाशक सोझाँ आशा भेटब

1. यिर्मयाह 30:18-19 - "प्रभु ई कहैत छथि, 'देखू, हम याकूबक डेराक बंदी केँ वापस अनब आ हुनकर निवास स्थान पर दया करब, शहर अपन टीला पर बनत आ महल।' अपन योजनाक अनुसार रहत।तहिना ओकरा सभ मे सँ धन्यवाद आ मस्ती करयवला सभक आवाज निकलत, हम ओकरा सभ केँ बढ़ा देब, आ ओ सभ कम नहि होयत, हम ओकरा सभक महिमा सेहो करब, आ ओ सभ छोट नहि होयत।'

2. भजन 33:18-19 - "देखू, प्रभुक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत छथि, जे हुनकर दया पर आशा रखैत छथि, जे हुनकर प्राण केँ मृत्यु सँ मुक्त करथि आ हुनका सभ केँ अकाल मे जीवित राखथि।"

इजकिएल 14:23 जखन अहाँ सभ हुनकर सभक तरीका आ काज देखब तखन ओ सभ अहाँ सभ केँ सान्त्वना देत, आ अहाँ सभ जनब जे हम जे किछु एहि मे केलहुँ से बेवजह नहि केलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर के न्याय आरू दया के बारे में इस्राएल के लोग सिनी कॅ ओकरोॅ अनुभव के माध्यम सें पता चलै छै।

1: परमेश् वरक न्याय आ दया - रोमियो 8:18-21

2: परमेश् वरक वफादारी - व्यवस्था 7:9

1: यशायाह 48:17-19

2: भजन 136:1-3

इजकिएल अध्याय १५ मे यरूशलेम आरू ओकरऽ लोगऽ के परमेश् वर के प्रति अविश्वास के कारण बेकार होय के चित्रण करै लेली बेल के बिम्ब के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम आरू हुनका पर जे न्याय होतै, ओकरा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर यरूशलेम के निष्फलता आरू बेकारता के वर्णन करै लेली बेल के रूपक प्रस्तुत करै स॑ होय छै । जेना बेल के गाछ केवल अपन फल या लकड़ी के लेल मूल्यवान होइत अछि, तहिना यरूशलेम कोनो नीक फल देबय मे असफल रहल अछि आ आब केवल विनाश के योग्य अछि (इजकिएल 15:1-5)।

दोसर पैराग्राफ: परमेश् वर यरूशलेम पर अपन न्यायक घोषणा करैत छथि, ई कहैत जे ओ शहरक विरुद्ध अपन मुँह ठाढ़ करताह आ ओकर निवासी सभक लेल विनाशकारी परिणाम अनताह। लोक अकाल, तलवार आ महामारीक शिकार होयत आ देश उजाड़ भ’ जायत। न्याय हुनकऽ अविश्वास आरू परमेश्वर के तरफ वापस आबै स॑ मना करै के सीधा परिणाम छै (इजकिएल १५:६-८)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल पन्द्रह अध्याय मे चित्रित अछि
यरूशलेम बेल जकाँ बेकारता,
बेवफाई के परिणाम।

यरूशलेम के निष्फलता के दर्शाबै लेली बेल के रूपक।
शहर आ ओकर निवासी पर न्यायक घोषणा।
अकाल, तलवार, आ महामारी के परिणाम।
हुनका लोकनिक बेवफाई आ पश्चाताप करबा सँ मना करबाक प्रत्यक्ष परिणाम ।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ यरूशलेम आरू ओकरऽ लोगऽ के बेकारपन के चित्रण करै लेली बेल के बिम्ब के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर के एक बेल के रूपक प्रस्तुत करै स॑ होय छै, जेकरा म॑ यरूशलेम के निष्फलता आरू बेकारपन प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । जेना बेल के मोल केवल ओकर फल या लकड़ी के लेलऽ छै, तहिना यरूशलेम कोनो भी अच्छा फल नै पैदा करी सकलऽ छै आरू अब॑ खाली विनाश के योग्य छै । भगवान् शहर आरू ओकरऽ निवासी सिनी पर अपनऽ न्याय के घोषणा करै छै, ई कहतें हुअ॑ कि वू ओकरा खिलाफ अपनऽ मुँह रखतै आरू एकरऽ विनाशकारी परिणाम आबै वाला छै । लोक सभ केँ अकाल, तलवार आ महामारीक अनुभव होयत आ देश उजाड़ भ' जायत। न्याय हुनकऽ बेवफाई आरू परमेश्वर के तरफ वापस आबै स॑ मना करै के सीधा परिणाम छै । अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम आरू यरूशलेम पर आबै वाला आसन्न न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 15:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ यरूशलेम के प्रति अपन क्रोध के बारे में बात करै छै।

1: परमेश् वरक क्रोध उचित अछि - इजकिएल 15:1

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक क्रोध नहि उकसाबक चाही - इजकिएल 15:1

1: यिर्मयाह 5:29 - "की हम हुनका सभ केँ एहि सभ बातक सजा नहि देब? प्रभु कहैत छथि, आ की हम एहि तरहक जाति सँ अपन बदला नहि लेब?"

2: यिर्मयाह 32:18 - "अहाँ हजारों लोकक प्रति अडिग प्रेम करैत छी, मुदा पिता सभक अपराधक बदला हुनका सभक बादक संतान सभ केँ दैत छी, हे महान आ पराक्रमी परमेश् वर, जिनकर नाम सेना सभक प्रभु छथि।"

इजकिएल 15:2 मनुष्यक पुत्र, बेलक गाछ कोनो गाछ सँ बेसी की होइत अछि आ कि जंगलक गाछक बीच मे जे डारि अछि?

भगवान् इजकिएल पैगम्बर स॑ पूछै छै कि जंगल केरऽ अन्य गाछऽ स॑ बेल केरऽ गाछ क॑ की खास बनाबै छै ।

1. इजकिएल 15:2 मे परमेश्वरक प्रश्नक अर्थ

2. बेल गाछक विशेष प्रकृति

1. यशायाह 5:1-7 - अंगूरक बगीचाक दृष्टान्त

2. भजन 80:8-11 - इस्राएल के परमेश्वर के अंगूर के बगीचा

इजकिएल 15:3 की ओहि मे सँ कोनो काज करबाक लेल लकड़ी निकालल जायत? आकि मनुक्ख एकर पिन ल' क' कोनो बर्तन लटका लेत?

इजकिएल 15:3 मे देल गेल अंश लकड़ी के कोनो भी उद्देश्य के लेल उपयोगिता पर सवाल ठाढ़ करैत अछि।

1. प्रत्येक व्यक्तिक विशिष्टता: भगवान् हमरा सभक उपयोग अपन उद्देश्यक लेल कोना करैत छथि

2. विनम्रताक मूल्य: परमेश्वरक इच्छा पूरा करबाक शक्ति केँ चिन्हब

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन बुद्धि पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।"

इजकिएल 15:4 देखू, एकरा ईंधन के लेल आगि मे फेकल गेल अछि। आगि ओकर दुनू छोर भसि जाइत छैक आ ओकर बीच जरि जाइत छैक। कोनो काज लेल मीट अछि की?

ई श्लोक टूटल डारि के बेकारपन के उजागर करैत अछि, ई दर्शाबैत अछि जे ईंधन के रूप में जरेला पर सेहो ओकर कोनो उपयोग नै होइत छैक |

1. "भगवान के शुद्धि के आगि" - प्रभु हमरा सब के परिष्कृत आ शुद्ध करय लेल हमर परीक्षा के कोना उपयोग क सकैत छथि।

2. "पाप के दुर्भाग्यपूर्ण बेकारता" - पाप अंततः कोना टूटब आ बेकारपन के तरफ ल जाइत अछि |

1. यशायाह 48:10 - देखू, हम अहाँ सभ केँ शुद्ध कयलहुँ, मुदा चानी जकाँ नहि। हम अहाँ सभ केँ क्लेशक भट्ठी मे परीक्षा देलहुँ।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 15:5 देखू, जखन ओ स्वस्थ भ’ गेल तखन ओ कोनो काजक लेल उचित नहि छल, जखन कि आगि ओकरा भस्म क’ क’ जरि गेल अछि तखन कोनो काज मे कतेक कम फायदा होयत?

आगि एकटा गाछ के खा गेल अछि, जाहि स ओकर उपयोग कोनो काज मे नहि भ सकैत अछि।

1. विनाशक परिणाम: जड़ल गाछसँ सीख

2. हमरा सभ लग जे किछु अछि ओकर बेसी सँ बेसी लाभ उठाबय के: इजकिएल 15:5 पर एक नजरि

1. यशायाह 28:24-27 - की अहाँ नहि देखैत छी जे ई सभ बात कोना नीक लेल एक संग काज करैत अछि?

2. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।

इजकिएल 15:6 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जहिना जंगलक गाछक बीचक बेल गाछ, जकरा हम आगि मे ईंधन देबाक लेल देने छी, तहिना हम यरूशलेमक निवासी सभ केँ देब।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ यरूशलेमक निवासी सभ केँ ओहिना जरा कऽ सजा देताह जेना जंगल मे गाछ जे ईंधन लेल आगि लगाओल जाइत अछि।

1. परमेश् वरक क्रोध आ दया: इजकिएल 15:6

2. यरूशलेम के जला देना: परमेश् वर के न्याय के एक पाठ

1. यशायाह 24:1-2 - देखू, प्रभु पृथ्वी केँ खाली बना दैत छथिन, ओकरा उजड़ि दैत छथिन, उल्टा क’ दैत छथिन आ ओहि मे रहनिहार केँ छिड़िया दैत छथिन।

2. यिर्मयाह 7:20 - तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हमर क्रोध आ क्रोध एहि स्थान पर, मनुष् यक आ जानवर पर, खेतक गाछ-बिरिछ आ जमीनक फल पर उझलि जायत। ओ जरि जायत आ नहि बुझत।

इजकिएल 15:7 हम हुनका सभक विरुद्ध मुँह राखब। एक आगि मे सँ बुझि जायत आ दोसर आगि ओकरा सभ केँ भस्म क’ देत। जखन हम हुनका सभक विरुद्ध मुँह करब तखन अहाँ सभ बुझब जे हम परमेश् वर छी।”

जे हुनका अप्रसन्न करैत छथि हुनका पर आगि पठा कऽ परमेश् वर दंडित करताह, जाहि सँ ओ सभ हुनका प्रभुक रूप मे चिन्हत।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक क्रोध सँ बचबाक लेल परमेश् वरक वचनक आज्ञाकारी रहबाक चाही।

2: भगवान् प्रेमी परमेश् वर छथि, मुदा आज्ञा नहि मानबाक लेल ठाढ़ नहि हेताह।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2: व्यवस्था 28:15 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज नहि सुनब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सभ शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

इजकिएल 15:8 हम ओहि देश केँ उजाड़ बना देब, कारण ओ सभ अपराध कयलक, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे लोक सभक अपराधक कारणेँ ओ देश केँ उजाड़ बना देताह।

1. उल्लंघन के परिणाम: भगवान के क्रोध स कोना बचल जाय

2. आज्ञाकारिता के महत्व: स्वस्थ जीवन के लेल परमेश्वर के आज्ञा के पालन करब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

इजकिएल अध्याय 16 एकटा सशक्त रूपक छै जे यरूशलेम के एकटा बेवफा महिला के रूप में चित्रित करै छै जेकरा परमेश् वर के द्वारा भरपूर आशीर्वाद मिललऽ छै लेकिन मूर्तिपूजा आरू दुष्टता के तरफ मुड़लऽ छै। अध्याय में परमेश् वर के वफादारी, यरूशलेम पर ओकरो न्याय आरू पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर यरूशलेम के उत्पत्ति के इतिहास के बारे में बताबै के साथ करै छै आरू कोना ओकरा ई शहर एक परित्यक्त बच्चा के रूप में मिललै, जे खून सें लथपथ छेलै, आरू विनाश के नियति छेलै। ओ अपना के एकटा दयालु देखभाल करय वाला के रूप में चित्रित करैत छथि जे यरूशलेम के पोषण आ आशीर्वाद दैत छथि, हुनका सुंदर आ समृद्ध बना दैत छथि (इजकिएल 16:1-14)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर यरूशलेम के अविश्वास के वर्णन करै छै आरू ओकरा एक व्यभिचारी महिला स॑ तुलना करै छै जे मूर्तिपूजा आरू वेश्यावृत्ति म॑ लगै छै । ओ शहर पर आरोप लगबैत छथि जे ओ अपन सौन्दर्य आ आशीर्वाद दोसर देवता केँ अर्पित करैत छथि, हुनका संग जे वाचा केने छलीह से छोड़ि दैत छथि (इजकिएल 16:15-34)।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर यरूशलेम पर ओकर बेवफाई के लेल अपन न्याय के घोषणा करैत छथि, ई कहैत जे ओकर प्रेमी ओकरा विरुद्ध भ’ जायत, ओकरा नंगटे उतारत आ ओकरा पर तबाही आनत। ओ ओकर दुष्टता केँ सोझाँ अनताह आ ओकर मूर्तिपूजाक लेल सजा देताह (इजकिएल 16:35-43)।

4 म पैराग्राफ: एहि अंशक समापन परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञाक संग होइत अछि। यरूशलेम के बेवफाई के बावजूद परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी अपनऽ वाचा क॑ याद करतै आरू ओकरा साथ अनन्त वाचा स्थापित करतै। ओ ओकर पाप क्षमा करताह, ओकरा शुद्ध करताह आ ओकरा अपन पूर्व महिमा मे वापस क’ देताह (इजकिएल 16:44-63)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सोलह प्रस्तुत
अविश्वासी यरूशलेम के रूपक,
परमेश् वरक न्याय, आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

यरूशलेम के चित्रण परमेश् वर द्वारा आशीर्वादित परित्यक्त बच्चा के रूप में |
यरूशलेम के बेवफाई, एक व्यभिचारी महिला के तुलना में।
मूर्तिपूजा के आरोप आ भगवान के साथ वाचा के त्याग।
न्याय के घोषणा, विनाश आ दण्ड के साथ।
पुनर्स्थापन, क्षमा आ अनन्त वाचा के प्रतिज्ञा।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ एगो शक्तिशाली रूपक प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ यरूशलेम क॑ एगो अविश्वासी महिला के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै जेकरा परमेश् वर द्वारा भरपूर आशीर्वाद मिललऽ छै लेकिन मूर्तिपूजा आरू दुष्टता के तरफ मुड़लऽ छै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर यरूशलेम के उत्पत्ति के इतिहास के बखान करै स॑ होय छै, जेकरा म॑ ई वर्णन करलऽ गेलऽ छै कि कोना हुनी ई शहर क॑ एगो परित्यक्त बच्चा के रूप म॑ मिललै आरू ओकरा समृद्धि म॑ पोसलकै । मुदा, यरूशलेम अविश्वासी भ' जाइत अछि, मूर्तिपूजा मे संलग्न भ' जाइत अछि आ परमेश् वरक संग अपन वाचा छोड़ि दैत अछि। परमेश् वर यरूशलेम पर अपन न् याय दैत छथिन, ई कहैत जे हुनकर प्रेमी हुनका विरुद्ध भऽ जेताह आ ओकरा पर तबाही आनि देताह। ओ ओकर दुष्टता केँ सोझाँ अनताह आ ओकर मूर्तिपूजाक सजा देताह। एहि न्यायक बादो परमेश् वर पुनर्स्थापनक वादा करैत छथि। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ अपन वाचा केँ स्मरण करताह, यरूशलेम सँ अनन्त वाचा स्थापित करताह, ओकर पाप क्षमा करताह, ओकरा शुद्ध करताह आ ओकरा अपन पूर्व महिमा मे वापस करताह।

अध्याय परमेश् वर के वफादारी, यरूशलेम पर ओकरो अविश्वास के कारण ओकरो न्याय, आरू पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै।

इजकिएल 16:1 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु फेर इजकिएल सँ बात कयलनि।

1. प्रभु सदिखन बजैत छथि: परमेश्वरक आवाज सुनब सीखब

2. परमेश् वर वफादार छथि: हुनकर वचन पर कोना भरोसा कयल जाय

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

इजकिएल 16:2 मनुष्यक बेटा, यरूशलेम केँ ओकर घृणित काज सभ केँ बुझा दियौक।

ई अंश परमेश् वर इजकिएल के निर्देश दै के बारे में छै कि यरूशलेम कॅ ओकरो घृणित काम के याद दिलाबै।

1. पापक सामना करब: परमेश् वरक पवित्रताक प्रकाश मे हमर घृणित वस्तु सभ केँ देखब

2. पापक यथार्थ: हमर घृणित वस्तुक सामना करबाक परमेश् वरक आरोप

1. यशायाह 59:1-2: देखू, प्रभुक हाथ छोट नहि भेल अछि जे ओ उद्धार नहि क’ सकैत अछि। आ ने ओकर कान भारी जे ओ सुनि नहि सकैत अछि।

2. इब्रानी 12:1-2: तेँ हम सभ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल छी, तेँ हम सभ हर भार आ पाप केँ एक कात राखि जे हमरा सभ केँ एतेक सहजता सँ घेरने अछि, आ धैर्यपूर्वक दौड़ैत छी जे हमरा सभक सोझाँ राखल गेल अछि, “हमरा सभक विश् वासक रचयिता आ समापन करयवला यीशु दिस तकैत छी। ओ हुनका सामने राखल गेल आनन्दक कारणेँ लज्जा केँ तुच्छ बुझैत क्रूस केँ सहन कयलनि आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि।

इजकिएल 16:3 आ कहब जे, प्रभु परमेश् वर यरूशलेम सँ ई कहैत छथि। तोहर जन्म आ जन्म कनान देशक अछि। तोहर बाप अमोरी आ माय हित्ती।

परमेश् वर यरूशलेम सँ हुनका सभक माता-पिताक विषय मे बात करैत छथि, जे अमोरी आ हित्ती छलाह।

1. हमर धरोहर के शक्ति: हमर पूर्वज हमर जीवन के कोना आकार दैत छथि

2. भविष्यक कल्पना करबाक लेल अतीत दिस देखू

1. रोमियो 11:17-18 - जँ किछु डारि टूटि गेल छल आ अहाँ जंगली जैतूनक गाछ छी तँ ओकरा सभक बीच कलम लगाओल गेलहुँ आ ओकरा सभक संग जैतूनक गाछक जड़ि आ मोटाई मे भाग लैत छी। डारि सभक विरुद्ध घमंड नहि करू। मुदा जँ अहाँ घमंड करैत छी तँ जड़ि नहि, जड़ि अहाँ धारण करैत छी।

2. गलाती 3:28-29 - ने यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने दास अछि आ ने स्वतंत्र, ने पुरुष अछि आ ने स्त्री, किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी। जँ अहाँ सभ मसीहक छी तँ अहाँ सभ अब्राहमक वंशज आ प्रतिज्ञाक अनुसार उत्तराधिकारी छी।

इजकिएल 16:4 जखन अहाँक जन्म भेल छल, ताहि दिन अहाँक नाभि नहि काटल गेल छल आ ने अहाँ केँ कोमल करबाक लेल पानि मे धोओल गेल छल। अहाँ एकदम नून नहि पील गेलहुँ आ ने एकदम लपेटल गेलहुँ।

1411

कोनो व्यक्तिक जन्मक दिन ओकर नाभि नहि काटल जाइत छलैक आ ने पानि सँ धोओल जाइत छलैक, नून देल जाइत छलैक आ ने लपेटल जाइत छलैक ।

1. नवजात शिशु कें देखभाल कें महत्व.

2. जीवनक प्रारंभिक अवस्था मे प्रेम आ देखभाल देखाबय के महत्व।

1. भजन 139:13-16 - "किएक तँ अहाँ हमर बागडोर सम्हारने छी। अहाँ हमरा मायक कोखि मे झाँपि देने छी। हम अहाँक स्तुति करब। कारण हम भयभीत आ आश्चर्यक रूप सँ बनल छी। अहाँक काज अद्भुत अछि, आ हमर प्राण ई जनैत अछि।" ठीक नीक।, जखन हम गुप्त रूपेँ बनल रही आ पृथ्वीक निचला भाग मे कौतुहल सँ काज कयल गेल रही तखन हमर सम्पत्ति अहाँ सँ नुकायल नहि छल।अहाँक आँखि हमर सम्पत्ति देखि रहल छल, तइयो अपूर्ण छल, आ अहाँक पुस्तक मे हमर सभ अंग लिखल छल। जे एखनो धरि बनल छल, जखन कि एखन धरि ओकरा मे सँ कियो नहि छल।”

2. याकूब 1:17 - "सब नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आओर इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।"

इजकिएल 16:5 ककरो आँखि तोरा पर दया नहि केलक जे अहाँ पर एहि मे सँ कोनो काज करऽ आ तोरा पर दया करय। मुदा जइ दिन अहाँक जन्म भेल छल, तहिया अहाँ खुला मैदान मे फेकल गेल छलहुँ, जाहि सँ अहाँ अपन व्यक्ति केँ घृणा कयल गेल छल।

जन्मक समय अहाँ पर कियो दया आ करुणा नहि देखौलक, आ अहाँ केँ अपमानित करबाक लेल खुला मैदान मे फेकि देल गेल।

1. परमेश् वरक प्रेम कोनो अपमान वा कष्ट सँ बेसी अछि जे हम सभ सहैत छी।

2. अपन परिस्थिति के बावजूद हमरा सब के याद राखय पड़त जे अपन आसपास के लोक के प्रति प्रेम आ करुणा देखाबय के चाही।

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

२. जे प्रेम नहि करैत अछि से भगवान् केँ नहि जनैत अछि, कारण भगवान् प्रेम छथि।

इजकिएल 16:6 जखन हम अहाँक लग सँ गुजरलहुँ आ अहाँ केँ अपन खून मे दूषित देखलहुँ, तखन हम अहाँ केँ कहलियनि जे अहाँ अपन खून मे छलहुँ। हँ, जखन अहाँ अपन खून मे छलहुँ तखन हम अहाँ केँ कहने रही जे, “जीवित रहू।”

हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेम बिना शर्त अछि, तखनो जखन हम सभ अपन पाप मे छी।

1: परमेश्वरक बिना शर्त प्रेम - इजकिएल 16:6

2: परमेश् वरक प्रेमक शक्ति - इजकिएल 16:6

1: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: 1 यूहन्ना 4:10 - ई प्रेम अछि, ई नहि जे हम सभ परमेश् वर सँ प्रेम केलहुँ, बल् कि ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि आ अपन पुत्र केँ हमरा सभक पापक प्रायश्चित बलिदानक रूप मे पठौलनि।

इजकिएल 16:7 हम तोरा खेतक कली जकाँ बढ़ा देलहुँ, आ तोँ बढ़ि गेलहुँ आ पैघ भ’ गेलहुँ, आ तोहर उत्तम आभूषण मे आबि गेलहुँ, तोहर छाती बनल अछि, आ तोहर केश बढ़ि गेल अछि, जखन कि तोँ नंगटे आ नंगटे छलहुँ.

हमरा सब के प्रति भगवान के प्रेम आ निष्ठा अंतहीन अछि।

1: परमेश् वरक अन्तहीन प्रेम आ निष्ठा

1412

2: भगवान् के आशीर्वाद के प्रचुरता

1: भजन 145:8-9 "प्रभु कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर दया हुनकर सभ किछु पर छनि।"

2: रोमियो 5:8 "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

इजकिएल 16:8 जखन हम अहाँक लग सँ गुजरलहुँ आ अहाँ दिस तकलहुँ तँ देखलहुँ जे अहाँक समय प्रेमक समय छल। हम अपन वस्त्र तोहर पर पसारि कऽ तोहर नंगटेपन झाँपि देलियैक।

भगवान भगवान् ओहि ठाम सँ गुजरि प्रेमक समय देखलनि, अपन स्कर्ट पसारि क' ओहि व्यक्तिक नग्नता केँ झाँपि देलनि। तखन ओ हुनका सभक संग एकटा वाचा केलनि।

1. प्रेम आ मोक्ष: परमेश् वरक प्रेम कोना वाचा दिस लऽ जाइत अछि

2. वाचाक शक्ति: परमेश्वरक प्रतिज्ञा कोना पूरा होइत अछि

1. भजन 25:10 - "प्रभुक सभ बाट अडिग प्रेम आ विश्वास अछि, जे हुनकर वाचा आ हुनकर गवाही केँ पालन करैत छथि।"

2. यशायाह 54:10 - "किएक तँ पहाड़ सभ चलि सकैत अछि आ पहाड़ सभ दूर भ' सकैत अछि, मुदा हमर अडिग प्रेम अहाँ सभ सँ नहि हटत, आ हमर शान्तिक वाचा नहि हटत, अहाँ सभ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 16:9 तखन हम अहाँ केँ पानि सँ धो देलहुँ। हँ, हम अहाँक खून केँ पूरा तरहेँ धो लेलहुँ आ अहाँ केँ तेल सँ अभिषेक कयल।

भगवान् हमरा सभ केँ प्रेम आ कृपा सँ धोबैत छथि आ अभिषेक करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रेम आ कृपाक वरदान

2. मसीह मे अपन नव पहिचान केँ आत्मसात करब

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत; भले ओ किरमिजी रंगक लाल रंगक हो, ओ ऊन जकाँ होयत।"

2. तीतुस 3:3-5 - "किएक तँ हम सभ सेहो कखनो काल मूर्ख, आज्ञा नहि मानैत, धोखा खाइत छलहुँ, विविध वासना आ भोगक सेवा करैत छलहुँ, दुर्भावना आ ईर्ष्या मे रहैत छलहुँ, घृणा करैत छलहुँ आ एक दोसरा सँ घृणा करैत छलहुँ। मुदा तकर बाद परमेश् वरक दया आ प्रेम हमरऽ उद्धारकर्ता मनुष्य के सामने प्रकट होय गेलै, हम्में जे धार्मिकता के काम करलियै, ओकरा सें नै, बल्कि अपनऽ दया के अनुसार, पुनर्जन्म के धोला आरो पवित्र आत्मा के नवीकरण के द्वारा हमरा सिनी कॅ उद्धार करलकै।”

इजकिएल 16:10 हम तोरा सेहो झाड़ू लगा देलहुँ, आ तोरा बेजरक चमड़ा सँ जूता पहिरलहुँ, आ तोरा महीन लिनेन सँ बान्हलहुँ आ रेशम सँ झाँपि देलहुँ।

परमेश् वर इजकिएल के ब्राइडर के काज, बेजर के खाल, महीन लिनेन आ रेशम के कपड़ा पहिरा क ओकर इंतजाम आ सुरक्षा केलनि।

1. प्रभु हमर प्रदाता छथि - हमरा सभकेँ अपन अद्भुत प्रबंध आ रक्षा देखा रहल छथि

2. भगवान् द्वारा वस्त्र पहिरल - भगवानक उपस्थिति हमरा सभक जीवन केँ कोना परिवर्तित क' सकैत अछि

1. यशायाह 61:10 - हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत। ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धार्मिकताक वस्त्र पहिरने छथि।

2. व्यवस्था 8:4 - एहि चालीस वर्ष मे तोहर वस्त्र अहाँ पर पुरान नहि भेल आ ने अहाँक पैर फूलल।

इजकिएल 16:11 हम अहाँ केँ सेहो आभूषण सँ सजाओल, आ अहाँक हाथ मे कंगन आ गरदनि मे जंजीर लगा देलहुँ।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ गहना आ गहना सँ सजौलनि आ सजा देलनि।

1. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रेम आ देखभाल: इजकिएल 16:11 क कथा

2. सराहना आ कृतज्ञता: इजकिएल 16:11 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 61:10 - हम प्रभु मे बहुत आनन्दित होयब; हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि। ओ हमरा धर्मक वस्त्र सँ झाँपि देने छथि, जेना वर पुरोहित जकाँ सुन्दर माथक पट्टी पहिरने अपना केँ सजबैत छथि आ कनियाँ अपन गहना सँ अपना केँ सजबैत छथि।

2. रोमियो 8:38-39 - कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

इजकिएल 16:12 हम अहाँक कपार पर एकटा गहना, कान मे झुमका आ माथ पर एकटा सुन्दर मुकुट लगा देलहुँ।

परमेश् वर इजकिएल केँ अपन प्रेमक प्रदर्शन करबाक लेल सुन्दर गहना सँ सजा देलनि।

1. "भगवानक प्रेम सुन्दर अछि"।

2. "भगवानक प्रेमक गहना"।

1. यशायाह 61:10 - "हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत, किएक तँ ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धार्मिकताक वस्त्र सँ झाँपि देलनि, जेना वर कनैत छथि।" अपना केँ आभूषण सँ आ जहिना कनियाँ अपन गहना सँ सजैत छथि |”

2. प्रकाशितवाक्य 21:2 - "हम यूहन् ना पवित्र नगर नव यरूशलेम केँ देखलहुँ जे परमेश् वर सँ स् वर्ग सँ उतरैत अछि, जे अपन पतिक लेल सजल कनियाँ जकाँ तैयार अछि।"

इजकिएल 16:13 अहाँ एहि तरहेँ सोना आ चानी सँ सजाओल गेलहुँ। तोहर वस्त्र महीन लिनन, रेशम आ झाड़ीक काज सँ बनल छल। अहाँ महीन आटा, मधु आ तेल खाइत छलहुँ, आ अहाँ बहुत सुन्दर छलहुँ आ राज्य मे समृद्ध भेलहुँ।

इजकिएल 16:13 प्रभु के शिक्षा के पालन करला के साथ आबै वाला सुंदरता आरू समृद्धि पर जोर दै छै।

1: प्रभु के रास्ता पर चलला पर सौन्दर्य आ समृद्धि के अनुभव क सकैत छी।

2: प्रभुक निर्देशक पालन करबा मे सावधान रहू, कारण ओतहि हमरा लोकनि केँ सच्चा सौन्दर्य आ सफलताक अनुभव होयत।

1: नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2: याकूब 1:22-25 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि। मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे टिकैत रहत, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल् कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।

इजकिएल 16:14 अहाँक सौन्दर्यक कारणेँ अहाँक प्रसिद्धि गैर-जातीय सभक बीच बढ़ि गेल, किएक तँ ई हमर सौन्दर्यक कारणेँ सिद्ध भेल जे हम अहाँ पर लगा देने रही, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर परमेश् वर इस्राएल जाति केँ सौन्दर्य दऽ देने छलाह, जकर प्रशंसा विधर्मी जाति सभ करैत छल।

1. अपन चुनल लोकक लेल परमेश् वरक कृपा: इजकिएल 16:14 मे इस्राएलक सौन्दर्य केँ बुझब

2. परमेश् वरक प्रेमक सिद्धता: इजकिएल 16:14 मे इस्राएलक सौन्दर्यक उत्सव

1. भजन 45:11 - "तहिना राजा अहाँक सौन्दर्यक बहुत इच्छा करताह, कारण ओ अहाँक प्रभु छथि; आ अहाँ हुनकर आराधना करू।"

2. 1 पत्रुस 3:4 - "मुदा ओ हृदयक नुकायल आदमी हो, जे नाश नहि होइत अछि, ओ नम्र आ शान्त आत्माक आभूषण हो, जे परमेश् वरक नजरि मे बहुत कीमती अछि।"

इजकिएल 16:15 मुदा अहाँ अपन सौन्दर्य पर भरोसा केलहुँ आ अपन नामक कारणेँ वेश्यावृत्ति केलहुँ आ ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभ पर अपन व्यभिचार उझलि देलहुँ। ओकर ई छलैक।

परमेश् वर के प्रेम आरू सुरक्षा के बावजूद यरूशलेम अपनऽ सुंदरता पर भरोसा करना चुनलकै आरू अपनऽ प्रसिद्धि के उपयोग करी क॑ जे भी ओकरा स॑ गुजरै छेलै, ओकरा साथ व्यभिचार करै छेलै।

1. परमेश् वरक प्रेम आ रक्षा पर्याप्त नहि अछि - इजकिएल 16:15

2. सौन्दर्यक झूठ मूर्ति सँ मूर्ख नहि बनू - इजकिएल 16:15

1. नीतिवचन 11:2 - जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।

2. 1 पत्रुस 5:5 - तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, पैघ सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।

इजकिएल 16:16 अहाँ अपन वस्त्र लऽ कऽ अपन ऊँच स्थान सभ केँ तरह-तरह सँ सजा देलहुँ आ ओहि पर वेश्यावृत्ति केलहुँ।

भगवान् आध्यात्मिक वेश्यावृत्ति मे संलग्न रहबाक चेतावनी देने छथि आ चेतावनी देने छथि जे एहन काज बर्दाश्त नहि कयल जायत।

1. परमेश् वरक पवित्रता अतुलनीय अछि - इजकिएल 16:16

2. हमर आध्यात्मिक प्रतिबद्धता अटूट हेबाक चाही - इजकिएल 16:16

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपन मूर्ति नहि बनाउ। प्रणाम नहि करू।" हुनका सभक समक्ष उतरू वा हुनका सभक आराधना करू, किएक तँ हम, अहाँ सभक परमेश् वर, ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. नीतिवचन 6:26-29 - "किएक तँ वेश्या रोटीक बदला मे भेटि सकैत अछि, मुदा दोसरक पत्नी अहाँक प्राणक शिकार करैत अछि। की आदमी अपन गोदी मे आगि क' सकैत अछि, बिना कपड़ा जरेने? की

ओ चलि सकैत अछि।" गरम कोयला पर बिना ओकर पएर झुलसने? तहिना जे दोसर पुरुषक पत्नीक संग सुतैत अछि;

इजकिएल 16:17 अहाँ सेहो हमर सोना आ चानी सँ अपन सुन्दर गहना लऽ कऽ अपना लेल मनुक्खक मूर्ति बना लेलहुँ आ ओकरा सभक संग वेश्यावृत्ति केलहुँ।

परमेश् वर मूर्तिपूजा के निंदा करै छै आरू इस्राएल कॅ ओकरो बेवफाई के कारण ताड़ना दै छै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: इजकिएल 16:17 सँ सीखब

2. वफादार रहबाक लेल एकटा आह्वान: इजकिएल 16:17 मे अविश्वासक परिणाम

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि होयत। अहाँ अहाँक लेल कोनो उकेरल मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक कोनो प्रतिरूप जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, आ जे नीचाँ पृथ्वी मे अछि, वा।" जे पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि, अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर प्रभु ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2. रोमियो 1:18-21 - "किएक तँ परमेश् वरक क्रोध स् वर्ग सँ प्रगट होइत अछि जे सत् य केँ अधर्म मे धारण करैत अछि। किएक तँ परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ मे प्रगट होइत अछि।" हुनका सभ केँ ई बात देखौलनि परमेश् वर, ओ सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे महिमा नहि कयलनि आ ने कृतज्ञता कयलनि, बल् कि हुनका सभक कल्पना मे व्यर्थ भऽ गेलनि आ हुनकर सभक मूर्ख हृदय अन्हार भऽ गेलनि।”

इजकिएल 16:18 अहाँ अपन झाड़ीदार वस्त्र लऽ कऽ ओकरा झाँपि देलियैक।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश देलथिन जे ओ अपन दया आ अनुग्रहक प्रतिनिधित्वक रूप मे झाड़ीदार वस्त्र लऽ कऽ ओकरा तेल आ धूप सँ झाँपि दियौक।

1. दया आ अनुग्रहक शक्ति - कोना भगवान् अपन कृपा केँ क्षमा करबाक आ विस्तार देबाक लेल सदिखन तैयार रहैत छथि।

2. भगवान् के लेल बलिदान देब - हम सब जे काज करैत छी ओकर माध्यमे भगवान् के कोना चढ़ावा द सकैत छी।

1. कुलुस्सी 3:12-13 - तखन, परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे, पवित्र आ प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू।

२.

इजकिएल 16:19 हमर भोजन सेहो जे हम अहाँ केँ देलहुँ, महीन आटा, तेल आ मधु, जाहि सँ हम अहाँ केँ खुआ देलहुँ, अहाँ ओकरा सभक सोझाँ मे मधुर गंधक लेल राखि देलहुँ।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी इजकिएल कॅ महीन आटा, तेल आरू शहद के व्यवस्था करलकै, जेकरा बाद इजकिएल दोसरो के सामने मीठऽ सुगंध के रूप में रखलकै।

1. परमेश् वरक कृपालु प्रावधान - प्रभु हमरा सभक सभटा आवश्यकता कोना प्रदान करैत छथि।

2. प्रचुरता बाँटब - अपन आशीर्वाद दोसर के संग बाँटबाक महत्व।

२.

2. भजन 136:25 - ओ सभ प्राणी केँ भोजन दैत छथिन, प्रभु पशु केँ अपन भोजन दैत छथिन, आ कानय बला काग केँ।

इजकिएल 16:20 तहू मे अहाँ अपन बेटा आ बेटी सभ केँ सेहो ल’ लेलहुँ, जकरा अहाँ हमरा लेल जन्म देने छी, आ एहि सभ केँ अहाँ ओकरा सभ केँ भक्षण करबाक लेल बलि देलहुँ। की ई तोहर वेश्यावृत्तिक छोट बात अछि?

इजकिएल इस्राएल के लोग सिनी कॅ निंदा करै छै कि हुनी अपनऽ बच्चा सिनी कॅ मूर्ति सिनी के बलिदान दै छै।

1: भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ मात्र हुनका प्रति समर्पित रही, आ मूर्तिपूजा आ अपन संतानक बलिदान सँ चेतावनी दैत छथि।

2: हमरा सभकेँ अपन आध्यात्मिक चुनावक प्रति ध्यान राखब चाही, मूर्तिक बलिदान करबाक बदला भगवानकेँ एकमात्र सच्चा परमेश्वरक रूपमे सम्मान करबाक चाही।

1: 1 कोरिन्थी 10:14 तेँ हे प्रिय मित्र लोकनि, मूर्तिक पूजा सँ भागि जाउ।

2: व्यवस्था 12:31 अहाँ सभ अपन परमेश् वर यहोवाक आराधना हुनका सभक तरीका सँ नहि करू, किएक तँ ओ सभ अपन देवता सभक आराधना करैत सभ तरहक घृणित काज करैत छथि जकरा परमेश् वर घृणा करैत छथि। एतेक धरि जे अपन देवताक बलि मे बेटा-बेटी केँ आगि मे जरा दैत छथि ।

इजकिएल 16:21 की अहाँ हमर बच्चा सभ केँ मारि देलियैक आ ओकरा सभक लेल आगि मे सँ गुजरबाक लेल ओकरा सभ केँ छोड़ि देलियैक?

ई अंश परमेश् वर के ई पूछै के बारे में छै कि हुनको बच्चा सिनी कॅ हत्या करी कॅ आगि में चढ़ाबै के कारण छै।

1. परमेश् वरक प्रेमक शक्ति: कोनो उच्च शक्ति पर विश्वास रखबाक की अर्थ होइत छैक

2. अपन संतानक बलिदानक पाप: अपन कर्मक परिणामक परीक्षण

1. व्यवस्था 12:29-31 - दोसर देवताक पालन नहि करू, आ ने हुनकर पूजा करू आ ने हुनका प्रणाम करू; अपन हाथक काज सँ हमरा क्रोधित नहि करू। आ अपन बच्चा सभक बलि आगि मे नहि दियौक।

2. यशायाह 1:16-17 - धोउ आ अपना केँ साफ करू। अपन दुष्कर्म हमरा नजरि सँ हटा दियौक। गलत करब छोड़ि दियौक। सही करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।

इजकिएल 16:22 अपन सभ घृणित काज आ वेश्यावृत्ति मे अहाँ अपन युवावस्थाक दिन नहि मोन पाड़लहुँ, जखन अहाँ नंगटे आ नंगटे छलहुँ आ अपन खून सँ दूषित छलहुँ।

इजकिएल 16:22 एहि बात पर जोर दैत अछि जे अपन सभ पाप मे ओकरा अपन युवावस्थाक दिन नहि बिसरबाक चाही आओर कोना ओ कहियो कमजोर आ असहाय छल।

1. हम कतय सँ आयल छी से मोन पाड़ब - अपन युवावस्थाक प्रतिबिंब

2. अपन अतीतक स्मरण - अपन युवावस्थाक दिन

1. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

2. 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि; पुरान चलि गेल, नव आबि गेल!

इजकिएल 16:23 अहाँक सभटा दुष्टताक बाद भेल, (हाय, अहाँ पर धिक्कार! परमेश् वर परमेश् वर कहैत छथि।)

परमेश् वर लोकक दुष्टता केँ डाँटैत छथि आ परिणामक बारे मे चेताबैत छथि।

1: हम सभ अपना केँ कतबो दुष्ट बुझू, परमेश् वरक प्रेम बेसी अछि आ ओ हमरा सभ केँ सदिखन माफ करताह।

1417

2: हमरा सभकेँ अपन काजक प्रति सदिखन ध्यान राखब चाही, कारण परमेश् वर हमरा सभक दुष्टताक लेल न्याय करताह।

1: 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

2: लूका 13:3 - हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, नहि; मुदा जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब ता धरि अहाँ सभ तहिना नष्ट भऽ जायब।

इजकिएल 16:24 जे अहाँ अपन लेल एकटा नामी स्थान बनौने छी आ हर गली मे एकटा ऊँच स्थान बनौने छी।

इजकिएल 16:24 मे परमेश् वर लोक सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ सभ गली मे ऊँच जगह बनबैत छथि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: ऊँच स्थान बनेबाक आग्रह के कोना प्रतिकार कयल जाय।

2. विश्वासक शक्ति: ऊँच स्थानक बदला भगवान पर कोना भरोसा कयल जाय।

1. निर्गमन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।"

2. भजन 33:12 - "धन्य अछि ओ जाति जकर परमेश् वर प्रभु छथि।"

इजकिएल 16:25 अहाँ अपन ऊँच स्थान बनौने छी, आ अपन सौन्दर्य केँ घृणित बना देलहुँ, आ ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभक लेल अपन पैर खोललहुँ आ अपन वेश्यावृत्ति केँ बढ़ा देलहुँ।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ के झूठा आराधना आरू ओकरऽ मानक के अवहेलना स॑ नाराज छै ।

1: भगवानक लोक केँ असगर भगवानक आराधना करबाक चाही

2: भगवान् के प्रसन्न करयवला पूजा

1: निष्कर्ष 20:3-4 हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि।

2: यूहन्ना 4:23-24 मुदा ओ समय आबि रहल अछि आ आब आबि गेल अछि, जखन सत् य उपासक सभ पिताक आत् मा आ सत् य सँ आराधना करताह, किएक तँ पिता एहन लोक सभ केँ हुनकर आराधना करबाक लेल ताकि रहल छथि। परमेश् वर आत् मा छथि, आ जे हुनकर आराधना करैत छथि हुनका आत् मा आ सत् य मे आराधना करबाक चाही।

इजकिएल 16:26 अहाँ सेहो अपन पड़ोसी मिस्रक संग व्यभिचार केलहुँ, जे मांसक पैघ अछि। आ हमरा क्रोधित करबाक लेल तोहर वेश्यावृत्ति बढ़ौने छी।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ पर क्रोधित छथि जे ओ सभ अपन पड़ोसी मिस्रक लोक सभक संग व्यभिचार केलक।

1. "परमेश् वर दिस मुड़ू आ पश्चाताप करू: इजकिएल 16:26 क अध्ययन"।

2. "परमेश् वर पवित्रता चाहैत छथि: इजकिएल 16:26 मे इस्राएली सभक उदाहरण सँ सीखब"।

१.

2. याकूब 4:7-8 - "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, आ ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जायत। अहाँ सभ पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू आ अपन सभ केँ शुद्ध करू।" हृदय, अहाँ दोहरी विचारक।"

1418

इजकिएल 16:27 देखू, तेँ हम तोरा पर अपन हाथ पसारि देलहुँ आ अहाँक साधारण भोजन केँ कम कऽ देलहुँ आ अहाँ केँ घृणा करयवला सभक इच्छा मे सौंपलहुँ, जे पलिस्तीक बेटी सभ अछि जे अहाँक अश्लील तरीका सँ लजाइत अछि।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर अश्लील व्यवहारक लेल दंडित करैत छथि आ ओकरा सभ केँ ओकर शत्रु, पलिस्तीनी महिला सभक हाथ मे सौंपि दैत छथि।

1. पापक परिणाम: इजकिएल 16:27 पर एकटा अध्ययन

2. परमेश् वरक अनुशासन: इजकिएल 16:27 के माध्यम सँ हुनकर न्याय केँ बुझब

1. रोमियो 2:4-5 - "या की अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जा रहल अछि? मुदा अहाँ सभ अपन कठोर आ पश्चाताप नहि करयवला हृदयक कारणेँ संग्रह क' रहल छी।" क्रोधक दिन जखन परमेश् वरक धार्मिक न् याय प्रगट होयत तखन अपना लेल क्रोध करू।"

2. इब्रानी 12:5-6 - "आ अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ पुत्रक रूप मे सम्बोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ नहि हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु ओकरा अनुशासित करैत छथि।" प्रेम करै छै, आ जेकरा ग्रहण करै छै, ओकरा ताड़ना दै छै।

इजकिएल 16:28 अहाँ अश्शूर सभक संग सेहो वेश्यावृत्ति केलहुँ, कारण अहाँ अतृप्त छलहुँ।
हँ, अहाँ हुनका सभक संग वेश्यावृत्ति केलहुँ, मुदा तृप्त नहि भ' सकलहुँ।

इजकिएल 16:28 मे अतृप्त, व्यभिचारी जीवनशैली के परिणाम के वर्णन छै।

1. "अतृप्त इच्छाक लागत"।

2. "व्यभिचारक खतरा"।

1. नीतिवचन 6:27-29 - "की आदमी अपन कोरा मे आगि ल' सकैत अछि, आ ओकर कपड़ा नहि जरि सकैत अछि? की केओ गरम कोयला पर चढ़ि सकैत अछि, आ ओकर पएर नहि जरि सकैत अछि? तेँ जे अपन पड़ोसीक पत्नी लग जाइत अछि; जे ओकरा छूओत से निर्दोष नहि होयत।”

2. 1 कोरिन्थी 6:18 - "व्यभिचार सँ पलायन करू। जे कोनो पाप करैत अछि से शरीर सँ बाहर अछि, मुदा जे व्यभिचार करैत अछि ओ अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि।"

इजकिएल 16:29 अहाँ कनान देश मे अपन व्यभिचार केँ कल्दी धरि बढ़ा देलहुँ। आ तैयो अहाँ एहि बात सँ संतुष्ट नहि भेलहुँ।

परमेश् वर इस्राएल के लोगो पर आरोप लगैलकै कि हुनी कनान आरू कल्दिया दोनों देशऽ में अनैतिक काम करै छै, आरो वू लोग अखनी भी अपनऽ काम सें संतुष्ट नै छेलै।

1. भगवान् के प्रेम आ दया बिना शर्त अछि - हुनकर लोक के पाप के बावजूद

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - भगवानक इच्छा सँ मुँह मोड़ब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. यिर्मयाह 17:9 - हृदय सब किछु सँ बेसी छल आ इलाज सँ परे अछि। के बुझि सकैत अछि।

इजकिएल 16:30 तोहर हृदय कतेक कमजोर अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ ई सभ काज करैत छी, जे एकटा आज्ञाकारी वेश्यानीक काज अछि।

परमेश् वर परमेश् वर एकटा व्यभिचारी स् त्रीक काजक निन्दा करैत छथि।

1. अविश्वासी संसार मे हम सभ परमेश् वरक आज्ञाक पालन कोना करब?

2. हमरा सभक पापक बादो परमेश् वरक प्रेम आ क्षमा।

1. रोमियो 3:23 - "किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।"

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

इजकिएल 16:31 एहि तरहेँ अहाँ सभ बाट मे अपन उन्नयन स्थान बनबैत छी आ हर गली मे अपन ऊँच स्थान बनबैत छी। अहाँ वेश्या जकाँ नहि भेलहुँ, जे अहाँ भाड़ाक तिरस्कार करैत छी।

भगवान लोक के डाँटैत छथि जे हर गली मे वेदी आ ऊँच स्थान बनबैत छथि आ वेश्या के भुगतान के आदर नहि करैत छथि |

1. मूर्तिपूजा आ घमंड के भगवान के डांट

2. विनम्रता आ सम्मानक शक्ति

1. नीतिवचन 16:18 - "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2. रोमियो 12:10 - "भाई-बहिनक प्रेम सँ एक-दोसर सँ दयालु स्नेह करू; आदर मे एक-दोसर केँ प्राथमिकता दियौक।"

इजकिएल 16:32 मुदा ओहि पत्नी जकाँ जे व्यभिचार करैत अछि, जे अपन पतिक बदला परदेशी केँ ल’ लैत अछि!

एहि अंश मे एकटा एहन पत्नीक गप्प कयल गेल अछि जे अपन पति केँ धोखा द' क' ओकर बदला मे अनजान लोक केँ ल' लेलक अछि.

1: व्यभिचार एकटा पाप अछि - व्यभिचार के परिणाम आ रिश्ता में निष्ठा के महत्व के बारे में एकटा संदेश।

2: परमेश्वर के प्रेम आ क्षमा - परमेश्वर स भटकल लोक के लेल आशा आ मोक्ष के संदेश।

1: इब्रानी 13:4 - विवाह केँ सभक बीच आदर देल जाय आ विवाहक बिछौन अशुद्ध हो, कारण परमेश् वर यौन-अनैतिक आ व्यभिचारी सभक न्याय करताह।

2: 1 कोरिन्थी 6:18 - यौन अनैतिकता सँ भागू। मनुष्य केरऽ हर दोसरऽ पाप शरीर स॑ बाहर होय छै, लेकिन यौन-अनैतिक व्यक्ति अपनऽ शरीर के खिलाफ पाप करै छै ।

इजकिएल 16:33 ओ सभ वेश्या केँ वरदान दैत अछि, मुदा अहाँ अपन सभ प्रेमी केँ अपन वरदान दैत छी आ ओकरा सभ केँ भाड़ा पर लैत छी जाहि सँ ओ सभ अहाँक वेश्यावृत्तिक लेल चारू कात अहाँक लग आबि सकय।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ सभ हुनका प्रति अविश्वास करैत छथि आ हुनकर बदला मे अपन प्रेमी सभ केँ वरदान दैत छथि।

1. भगवान् के प्रति अविश्वास के परिणाम

2. भगवान् के प्रति निष्ठा के फल

1. मत्ती 22:37-40 - यीशु कहलनि, अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ पूरा मोन सँ प्रेम करू।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

इजकिएल 16:34 अहाँक वेश्यावृत्ति मे दोसर स्त्रीगण सँ एकर विपरीत अछि, जखन कि वेश्यावृत्ति मे अहाँक पाछाँ कियो नहि चलैत अछि, आ अहाँ इनाम दैत छी आ अहाँ केँ कोनो इनाम नहि देल जाइत अछि, तेँ अहाँ विपरीत छी।

ई अंश कोनो महिला के बेवफाई के बारे में बात करै छै आरू कोना वू अपनऽ वेश्यावृत्ति में दोसरऽ महिला के विपरीत छै, कैन्हेंकि वू इनाम दै छै लेकिन ओकरा नै मिलै छै ।

1. अविश्वास आ एहन काजक परिणामक विरुद्ध परमेश् वरक चेतावनी

2. निस्वार्थता आ कृतज्ञताक महत्व

1. नीतिवचन 5:3-5 - किएक तँ कोनो अनजान स् त्रीक ठोर मधुक छत्ता जकाँ खसि पड़ैत अछि, आ ओकर मुँह तेलसँ चिकना होइत छैक: मुदा ओकर छोर कृमि जकाँ तीत होइत छैक, दूधारी तलवार जकाँ तेज।
ओकर पएर नीचाँ मरि जाइत छैक; ओकर डेग नरक पर पकड़ि लैत छैक।

2. नीतिवचन 6:32 - मुदा जे केओ स् त्रीक संग व्यभिचार करैत अछि, ओकरा बुद्धिक अभाव होइत छैक, जे ई काज करैत अछि से अपन प्राण केँ नष्ट करैत अछि।

इजकिएल 16:35 तेँ हे वेश्या, परमेश् वरक वचन सुनू।

परमेश् वर यरूशलेमक लोक सभ केँ दोषी ठहरबैत छथि जे ओ हुनका प्रति अविश्वासी छथि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही आ यरूशलेमक लोक जकाँ नहि बनबाक चाही।

2: प्रभुक आज्ञा मानू आ हुनकर दया प्राप्त करबाक लेल अपन पाप सँ पश्चाताप करू।

1: यिर्मयाह 3:1-2 "जँ कोनो पुरुष अपन पत्नी केँ तलाक द' दैत अछि आ ओ ओकरा छोड़ि क' दोसर पुरुष सँ विवाह क' लेत त' की ओ फेर ओकरा लग घुरि जायत? की ओ देश पूर्ण रूप सँ अशुद्ध नहि होयत? मुदा अहाँ सभ ओहि वेश्या जकाँ जीबैत छी जेना बहुत प्रेमी सभक संग रहैत अछि।" अहाँ आब हमरा लग घुरैत छी?"

2: याकूब 4:7-10 "तखन, अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ आ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी सभ, हाथ धोउ आ अपन शुद्ध करू।" हृदय, अहाँ दोहरी विचारक। शोक करू, शोक करू आ विलाप करू। अपन हँसी केँ शोक मे बदलू आ अपन आनन्द केँ उदास मे बदलू। प्रभुक समक्ष विनम्र भ' जाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

इजकिएल 16:36 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ तोहर गंदगी उझलि गेल छल आ तोहर नंगटेपन तोहर प्रेमी सभक संग, तोहर घृणित काजक सभ मूर्ति आ अपन संतान सभक खून सँ, जे अहाँ ओकरा सभ केँ देलियैक, से अहाँक वेश्यावृत्ति सँ पता चलल।

परमेश् वर परमेश् वर इस्राएलक लोक सभक अनैतिकता आ मूर्तिपूजक आ अपन संतान केँ बलिदानक रूप मे चढ़ाबय लेल दोषी ठहरबैत छथि।

1. "नैतिकता सँ समझौता करबाक परिणाम"।

2. "मूर्तिपूजाक खतरा"।

1. यिर्मयाह 2:20-23 - परमेश् वर द्वारा इस्राएल पर ओकर अविश्वास आ मूर्तिपूजाक आरोप लगाओल गेल।

2. होशे 4:1-3 - परमेश् वर द्वारा इस्राएल केँ ओकर अनैतिक आ मूर्तिपूजक काजक लेल निन्दा कयल गेल।

इजकिएल 16:37 देखू, तेँ हम अहाँक सभ प्रेमी केँ, जिनका सभ सँ अहाँ प्रसन्न भेलहुँ, आ ओहि सभ प्रेमी सभ केँ, जिनका सभ सँ अहाँ घृणा केने रही, हुनका सभ केँ एकत्रित करब। हम ओकरा सभ

केँ तोहर विरुद्ध चारू कात जमा करब, आ ओकरा सभ केँ तोहर नंगटेपनक पता लगा लेब, जाहि सँ ओ सभ तोहर सभ नंगटेपन देखि सकब।

भगवान् प्रेमी-प्रेमिका सभ केँ, प्रिय आ घृणित दुनू केँ जमा करत आ ओकर नग्नता केँ सजाक रूप मे ओकरा सभ केँ प्रकट करत।

1. भगवान् हमरा सभक सभ गलत काज देखैत छथि आ अंतिम न्यायाधीश छथि।

2. भगवानक आज्ञाक पालन करबा मे सावधान रहबाक चाही आ भटकब नहि।

1. गलाती 6:7-8 धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2. रोमियो 14:12 तखन हमरा सभ मे सँ प्रत्येक अपन-अपन हिसाब परमेश् वर केँ देब।

इजकिएल 16:38 हम अहाँक न्याय ओहिना करब जेना विवाह तोड़निहार आ खून बहाबय वाली महिला सभक न्याय कयल जाइत अछि। हम अहाँ केँ क्रोध आ ईर्ष्या मे खून देब।”

परमेश् वर यरूशलेम केँ ओकर पापक लेल ओहिना सजा देत जेना ओ व्यभिचार आ हत्या करय बला स् त्रीगण केँ दंडित करैत छथि।

1. परमेश् वरक न्याय अदम्य अछि: इजकिएल 16:38 पर एकटा अध्ययन

2. पापक परिणाम: इजकिएल 16:38 संदर्भ मे

1. इब्रानी 13:4 - विवाह केँ सभक बीच आदर-सत्कार करबाक चाही, आ विवाहक बिछौन केँ निर्मल करबाक चाही, कारण परमेश् वर यौन-अनैतिक आ व्यभिचारी सभक न्याय करताह।

2. यिर्मयाह 5:9 - की हम हुनका सभ केँ एहि सभक लेल सजा नहि देब? प्रभु घोषणा करैत छथि; आ की हम एहि तरहक जाति पर अपन बदला नहि लेब?

इजकिएल 16:39 हम अहाँ केँ सेहो हुनका सभक हाथ मे द’ देब, आ ओ सभ अहाँक नामक स्थान केँ फेकि देत आ अहाँक ऊँच स्थान केँ तोड़ि देत नंगटे आ नंगटे।

यरूशलेम पर परमेश् वरक न्याय हुनका सभक अविश्वासक कारणेँ।

1: भगवानक आशीर्वाद प्राप्त करबाक लेल हमरा सभकेँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ ई सावधान रहबाक चाही जे पापक प्रलोभन नहि भेटय आ एकर बदला मे परमेश् वरक नियमक प्रति सच्चा रहबाक चाही।

1: यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 16:40 ओ सभ सेहो अहाँक विरुद्ध एकटा दल आनि देत, आ अहाँ केँ पाथर सँ पाथर मारत आ अहाँ केँ अपन तलवार सँ ठोकि देत।

हमरा सभक पापक लेल परमेश् वरक दंड कठोर भऽ सकैत अछि।

1: परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक पापसँ पैघ अछि

2: पश्चाताप स क्षमा भेटैत अछि

1422

1: यशायाह 1:18-19 "आब आउ, हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी," प्रभु कहैत छथि। "अहाँ सभक पाप लाल रंगक समान होअय, मुदा बर्फ जकाँ उज्जर होयत, किरमिजी रंगक लाल रंगक हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

2: रोमियो 8:1-2 तेँ आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक लेल कोनो दोष नहि अछि, किएक तँ मसीह यीशुक द्वारा जीवन प्रदान करय बला आत् माक नियम अहाँ सभ केँ पाप आ मृत्युक नियम सँ मुक्त कऽ देलक अछि।

इजकिएल 16:41 ओ सभ तोहर घर सभ केँ आगि सँ जरा देत आ बहुतो स्त्रीगणक नजरि मे तोरा पर न्याय करत।

परमेश् वर पापी सभक घर जरा कऽ बहुतो स् त्रीगणक सान्निध मे न् याय करबाक दंड देथिन, आ ओ सभ आब अनैतिक काज मे नहि लागि सकैत छथि।

1. नैतिक उल्लंघन के परिणाम: इजकिएल 16:41 के अध्ययन

2. भगवानक क्रोध: हुनकर निर्णयक कठोरता केँ बुझब।

1. इजकिएल 16:41 ओ सभ तोहर घर सभ केँ आगि सँ जरा देत आ बहुतो स्त्रीगणक नजरि मे तोरा पर न्याय करत।

2. यिर्मयाह 22:13-14 धिक्कार अछि जे अधर्मक द्वारा अपन घर बनबैत अछि आ अधर्मक द्वारा अपन कोठली बनबैत अछि। जे अपन पड़ोसीक सेवा बिना मजदूरी के उपयोग करैत अछि आ ओकरा अपन काजक लेल नहि दैत अछि। ओ कहैत अछि जे हम हमरा लेल एकटा चौड़ा घर आ पैघ कोठली बना देब आ ओकरा खिड़की सभ काटि देब। देवदारक चढ़ल आ सिंदूर रंगक रंगल अछि।

इजकिएल 16:42 तेँ हम अहाँक प्रति अपन क्रोध केँ शान्त करब, आ हमर ईर्ष्या अहाँ सँ दूर भ’ जायत, आ हम चुप रहब आ आब क्रोध नहि करब।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे पश्चाताप करय बला सभ पर आब क्षमा करब आ आब क्रोध नहि करब।

1: परमेश् वरक प्रेम आ क्षमा - हम सभ यीशु मे पुनर्स्थापन आ मोक्ष पाबि सकैत छी जखन हम सभ पश्चाताप मे हुनका दिस घुरैत छी।

2: पश्चाताप के शक्ति - पश्चाताप हमरा सब के भगवान के नीक कृपा में वापस ला सकैत अछि आ हुनकर क्रोध के समाप्त क सकैत अछि।

1: मत्ती 6:14-15 - जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स्वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।

2: भजन 103:8-14 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि। पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतबे ऊँच अछि, ततेक ओकर भयभीत करयवला सभक प्रति ओकर अडिग प्रेम अछि। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि। जेना पिता अपन संतान पर दया करैत छथि, तहिना प्रभु हुनका सँ डरय बला पर दया करैत छथि।

इजकिएल 16:43 किएक तँ अहाँ अपन युवावस्थाक दिन नहि मोन पाड़लहुँ, बल् कि एहि सभ बात मे हमरा चिंतित कयलहुँ। देखू, तेँ हमहूँ अहाँक माथ पर अहाँक मार्गक बदला देब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चेता रहल छथि जे ओ अश्लीलता नहि करथि, आ वादा कऽ रहल छथि जे ओ हुनका सभक आज्ञा नहि मानबाक बदला देथिन।

1. परमेश् वरक न्याय: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. प्रभुक चेतावनी: अश्लीलता केँ अस्वीकार करब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

इजकिएल 16:44 देखू, जे कियो लोकोक्तिक प्रयोग करैत अछि, से अहाँक विरुद्ध एहि लोकोक्तिक प्रयोग करत, “जहिना माय अछि, तहिना ओकर बेटी सेहो अछि।”

एहि लोकोक्तिक प्रयोग ई वर्णन करबाक लेल कयल जा रहल अछि जे व्यक्ति अपन माय सँ कतेक मिलैत जुलैत अछि |

1. "माँ के लोकोक्ति बुद्धि"।

2. "अपन माता-पिताक विरासत पर खरा उतरब"।

1. नीतिवचन 22:6 - "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही। आ जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

2. इफिसियों 6:1-3 - "बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई ठीक अछि। अपन बाप-माताक आदर करू। (जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि।) जाहि सँ अहाँक आ अहाँ सभक नीक भ' जाय।" mayest पृथ्वी पर लंबा समय तक जीवित रहब।"

इजकिएल 16:45 अहाँ अपन मायक बेटी छी, जे अपन पति आ अपन बच्चा सभ सँ घृणा करैत छी। अहाँ अपन बहिन सभक बहिन छी जे अपन पति आ अपन बच्चा सभ सँ घृणा करैत छल।

इजकिएल एकटा एहन महिला के बारे में कहैत छथि जे अपन पति आ बच्चा के तिरस्कार करैत छथि आ बहिन सं संबंधित छथि जे अपन पति आ बच्चा के सेहो तिरस्कार करैत छथि। महिलाक माय हित्ती आ पिता अमोरी छथि।

1. "घर मे प्रेम: स्वस्थ पारिवारिक वातावरण कोना बनाबी"।

2. "पारिवारिक संरचना मे बिना शर्त प्रेमक शक्ति"।

1. इफिसियों 5:25-33 - "पति सभ, अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कयलनि।"

2. 1 पत्रुस 3:7 - "पति सभ, जेना अहाँ सभ अपन पत्नी सभक संग रहैत छी तहिना विचारशील रहू, आ हुनका सभ केँ कमजोर संगी आ जीवनक कृपाक वरदानक उत्तराधिकारी जकाँ आदरपूर्वक व्यवहार करू, जाहि सँ किछुओ बाधा नहि पहुँचय।" अहाँक प्रार्थना।"

इजकिएल 16:46 अहाँक पैघ बहिन सामरिया अछि, ओ आ ओकर बेटी सभ जे अहाँक बामा कात रहैत अछि, आ अहाँक छोट बहिन जे अहाँक दहिना कात रहैत अछि, सदोम आ ओकर बेटी सभ अछि।

इजकिएल 16:46 दू बहिनक बात करैत अछि - सामरिया आ सदोम - जे अपन धार्मिकताक दृष्टिएँ विपरीत छथि।

1. धर्मक विपरीतता - इजकिएल 16:46

2. परमेश् वरक कृपाक शक्ति - इजकिएल 16:46

1. यशायाह 5:20 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. भजन 36:7 - हे परमेश् वर, अहाँक प्रेम कतेक उत्तम अछि! तेँ मनुष् यक संतान सभ अहाँक पाँखिक छाया मे अपन भरोसा राखि लेलक।

इजकिएल 16:47 तइयो अहाँ हुनका सभक बाट पर नहि चललहुँ आ ने हुनकर घृणित काजक अनुसरण केलहुँ, मुदा जेना ई बात बहुत छोट बात हो, अहाँ अपन सभ मार्ग मे हुनका सभ सँ बेसी नष्ट भ’ गेलहुँ।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सलाह दैत छथि जे ओ हुनकर बाट पर नहि चलैत छथि, बल् कि अपन दुष्टता मे आओर आगू बढ़ि जाइत छथि।

1. परमेश् वरक बाट पर चलबाक महत् व हमरा सभ केँ कहियो नहि बिसरबाक चाही

2. परमेश् वरक कृपा केँ हल्का मे लेला सँ आओर पाप कयल जा सकैत अछि

1. रोमियो 6:1-2 - तखन हम की कहब? की हमरा सभ केँ पाप मे रहबाक चाही जाहि सँ अनुग्रहक भरमार हो? कोनो तरहेँ नहि! हम जे पापक लेल मरि गेलहुँ से एखनो ओहि मे कोना जीबि सकैत छी?

2. मत्ती 7:21 - जे कियो हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि ओ जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा पूरा करत।

इजकिएल 16:48 प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे हम जीबैत छी, अहाँक बहिन सदोम आ ने ओकर बेटी सभ, जेना अहाँ आ अहाँक बेटी सभ केलहुँ।

प्रभु परमेश् वर वचन दै छै कि सदोम के पाप यरूशलेम के पाप के तरह खराब नै छै।

1. आज्ञा नहि मानबाक गंभीर परिणाम

2. हमर असफलताक बादो भगवानक दया

1. रोमियो 2:4 - या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश्वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय?

2. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

इजकिएल 16:49 देखू, अहाँक बहिन सदोमक ई अधर्म छल, घमंड, रोटीक भरमार आ आलस्यक प्रचुरता हुनका आ हुनकर बेटी सभ मे छलनि, आ ने ओ गरीब आ गरीबक हाथ केँ मजबूत केलनि।

सदोम के अधर्म घमंड, प्रचुर भोजन आ आलस्य छल जखन कि गरीब आ जरूरतमंद के मदद नहि करैत छल।

1. घमंड के खतरा: सदोम के पाप के अध्ययन

2. गरीब आ जरूरतमंद के मदद करब: भगवान के आज्ञा के परीक्षा

1. याकूब 4:6 (मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।)

2. लूका 3:11 (ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “जेकरा लग दू टा कोट अछि, ओकरा ओहि कोट मे बाँटि दियौक, जकरा लग भोजन अछि, ओकरा सेहो एहने करऽ।)

इजकिएल 16:50 ओ सभ घमंडी छल आ हमरा सामने घृणित काज करैत छल, तेँ हम ओकरा सभ केँ जेना नीक देखलहुँ, तकरा सभ केँ लऽ गेलहुँ।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ ओकर अहंकार आ अनैतिकताक दंडित कयलनि।

1. घमंड के परिणाम

1425

2. भगवान् के आज्ञापालन के महत्व

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. रोमियो 12:1-2 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, परमेश् वरक दया सँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदान अछि, जे अहाँ सभक आत् मक आराधना अछि एहि संसार मे, मुदा अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।”

इजकिएल 16:51 आ सामरिया अहाँक आधा पाप नहि केलक अछि। मुदा अहाँ अपन घृणित काज सभ सँ बेसी अपन घृणित काज केँ बढ़ा देलहुँ आ अपन सभ घृणित काज मे अपन बहिन सभ केँ धर्मी ठहरौलहुँ।

सामरिया आरू यरूशलेम के तुलना ओकरऽ दुष्टता में करलऽ जाय छै आरू दोनों प्रभु के नजर में घृणित पाबै जाय छै।

1. पाप पर परमेश् वरक न्यायक अनिवार्यता

2. पाप मे अपन तुलना दोसर सँ करबाक खतरा

1. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

इजकिएल 16:52 अहाँ सेहो, जे अपन बहिन सभक न्याय केलहुँ, अपन पापक लेल अपन लाज उठाउ जे अहाँ हुनका सभ सँ बेसी घृणित काज केलहुँ, ओ सभ अहाँ सँ बेसी धर्मी छथि अहाँ अपन बहिन सभ केँ धर्मी ठहरौलहुँ।

इजकिएल 16:52 चेतावनी दै छै कि जे लोग अपनऽ बहिनऽ के न्याय करतै, वू अपनऽ पापऽ के लेलऽ लाज करतै, जे ओकरऽ बहिनऽ स॑ भी खराब छै ।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ दोसरक न्याय करबा सँ दूर आ अपन पाप पर विनम्रतापूर्वक चिंतन करबाक दिस बजबैत छथि।

2. जेना-जेना हम सभ प्रभु पर भरोसा राखब, हम सभ अपन लाज सँ मुक्त भ' सकैत छी।

1. याकूब 4:11-12 - "हे भाइ लोकनि, एक-दोसर केँ अधलाह नहि बाजू। जे अपन भाय केँ अधलाह बजैत अछि आ अपन भाइक न्याय करैत अछि, से धर्म-नियमक अधलाह बजैत अछि आ धर्म-नियमक न्याय करैत अछि। मुदा जँ अहाँ सभ धर्म-नियमक न्याय करैत छी तँ अहाँ धर्म-नियमक पालन करयवला नहि, बल् कि न्यायी छी।एकटा कानून देनिहार अछि जे उद्धार आ विनाश करबा मे सक्षम अछि।

2. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत; भले ओ किरमिजी रंगक लाल रंगक हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

इजकिएल 16:53 जखन हम हुनका सभक बंदी, सदोम आ ओकर बेटी सभक बंदी आ सामरिया आ ओकर बेटी सभक बंदी केँ फेर सँ आनब, तखन हम हुनका सभक बीच मे अहाँक बंदी सभक बंदी केँ फेर सँ आनि देब।

परमेश् वर सदोम आ सामरियाक बंदी सभ केँ वापस अनबाक वादा करैत छथि जखन ओ इजकिएलक बंदी सभ केँ वापस अनताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा - हुनकर मुक्ति हमरा सभ केँ कोना छुटकारा दैत अछि

2. इस्राएलक अवशेष - परमेश् वरक अपन लोक मे वफादारी

1. यशायाह 43:25-26 - हम, हमहीं छी जे हमर लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, आ अहाँक पापक स्मरण नहि करब। हमरा मोन पाड़ू, हम सभ एक संग निहोरा करू, अहाँ घोषणा करू जाहि सँ अहाँ धर्मी ठहरा सकब।”

2. रोमियो 8:14-17 - किएक तँ जे सभ परमेश् वरक आत् माक नेतृत्व मे छथि, ओ सभ परमेश् वरक पुत्र छथि। किएक तँ अहाँ सभ फेर सँ डरबाक आत् मा नहि पाबि गेलहुँ। मुदा अहाँ सभ केँ गोद लेबाक आत् मा भेटल अछि, जाहि सँ हम सभ पुकारैत छी, “अब्बा, पिता।” आत् मा हमरा सभक आत् माक संग गवाही दैत अछि जे हम सभ परमेश् वरक सन् तान छी।

इजकिएल 16:54 जाहि सँ अहाँ अपन लाज सहब आ अपन सभ काज मे लज्जित होयब, जाहि सँ अहाँ हुनका सभक लेल सान्त्वना छी।

इजकिएल केरऽ अंश हमरा सिनी क॑ आग्रह करै छै कि हम्में अपनऽ लाज सहन करी क॑ अपनऽ काम स॑ भ्रमित होय जाय ताकि दोसरऽ के लेलऽ आराम मिल॑ सकियै ।

1. विनम्रताक शक्ति - ई अन्वेषण करब जे कोना अपना केँ विनम्र कयला सँ दोसर केँ बेसी आराम भेटि सकैत अछि।

2. सेवा करबाक आनन्द - ई देखब जे कोना दोसरक सेवा एकटा पैघ आनन्दक स्रोत भ' सकैत अछि।

1. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

2. रोमियो 12:10 - एक दोसरा सँ भाई-बहिनक स्नेह सँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

इजकिएल 16:55 जखन अहाँक बहिन सदोम आ ओकर बेटी सभ अपन पूर्वक सम्पत्ति मे वापस आबि जायत, आ सामरिया आ ओकर बेटी सभ अपन पूर्व सम्पत्ति मे वापस आबि जायत, तखन अहाँ आ अहाँक बेटी सभ अपन पूर्व सम्पत्ति मे वापस आबि जायब।

इजकिएल केरऽ ई अंश सदोम, सामरिया आरू ओकरऽ बेटी सिनी के अपनऽ पूर्व संपत्ति में वापसी के बारे में बात करै छै ।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेम आ पुनर्स्थापना

2. अपन काजक लेल जवाबदेही लेब

1. लूका 15:11-32 - हेरायल बेटाक दृष्टान्त

2. यिर्मयाह 29:10-14 - नवीकरण आ पुनर्स्थापनक परमेश्वरक प्रतिज्ञा

इजकिएल 16:56 किएक तँ अहाँक घमंडक दिन अहाँक बहिन सदोमक नाम अहाँक मुँह सँ नहि भेल छल।

यरूशलेम के घमंड के कारण ओ अपन बहिन सदोम के बिसरि गेलीह।

1: घमंड बिसरि सकैत अछि

2: बिसरल लोकक स्मरण करब

1: लूका 14:7-11 (मुदा जखन अहाँ केँ आमंत्रित कयल जायत तखन सभ सँ नीचाँक स्थान पर रहू, जाहि सँ जखन अहाँक मेजबान आओत तखन ओ अहाँ केँ कहत जे, “मित्र, नीक स्थान पर चलि जाउ। तखन अहाँ केँ सान्निध्य मे सम्मान भेटत।” आन सभ पाहुन सभक बीच।

2: रोमियो 12:3 (किएक तँ हमरा देल गेल अनुग्रहक कारणेँ हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ कहैत छी जे अहाँ सभ केँ अपना केँ बेसी ऊँच नहि बुझू, बल् कि परमेश् वर जे विश् वास केँ बाँटि देने छथि, ताहि अनुसार अपना केँ सोझ विवेक सँ सोचू अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक।)

इजकिएल 16:57 तोहर दुष्टताक पता चलबा सँ पहिने, जेना अरामक बेटी सभ आ ओकर चारूकातक सभ, पलिस्तीक बेटी सभ, जे चारू कात तोरा तिरस्कार करैत अछि, तकरा निन्दा करबाक समय मे।

इजकिएल के अंश इस्राएल के लोगऽ के दुष्टता आरू सीरिया आरू पलिस्ती के बेटी सिनी के अपमान के बात करै छै।

1. दुष्टता के परिणाम: इजकिएल 16:57 के अध्ययन

2. हमर पाप आ पश्चाताप केँ बुझब: इजकिएल 16:57 पर एक नजरि

1. यशायाह 5:20 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. नीतिवचन 11:21 - भले हाथ जोड़ल जाय, मुदा दुष्ट केँ दंड नहि भेटतैक, मुदा धर्मी लोकक वंशक उद्धार होयत।

इजकिएल 16:58 अहाँ अपन अश्लीलता आ घृणित काज केँ सहने छी, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ पर अनैतिक व्यवहार मे लागल रहबाक आरोप लगा रहल छथि।

1. भगवान अनैतिकता सँ घृणा करैत छथि

2. पापक लेल परमेश् वरक न्याय

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. नीतिवचन 6:16-19 - "छह टा बात अछि जकरा प्रभु घृणा करैत छथि, सातटा हुनका लेल घृणित अछि: घमंडी आँखि, झूठ बाजनिहार जीह आ हाथ जे निर्दोष खून बहबैत अछि, हृदय जे दुष्ट योजना बनबैत अछि, पैर जे।" जल्दबाजी मे अधलाह दिस दौड़ू, झूठक साँस छोड़य बला झूठ गवाह आ भाइ-बहिन मे विवाद बीजनिहार।”

इजकिएल 16:59 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अहाँक संग ओहिना व्यवहार करब जेना अहाँ केलहुँ, जे वाचा तोड़बा मे शपथ केँ तिरस्कार केलहुँ।

परमेश् वर हुनका संग अपन वाचा तोड़निहार केँ सजा देताह।

1. वाचा तोड़बाक परिणाम

2. अपन वचन के पालन करू: परमेश् वरक वाचा के पालन करबाक महत्व

1. यशायाह 24:5 - पृथ्वी सेहो ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ’ गेल अछि। कारण, ओ सभ नियमक उल्लंघन कयलनि, नियम केँ बदलि देलनि, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलनि।

2. याकूब 5:12 - मुदा, हमर भाइ लोकनि, सभ सँ ऊपर, ने आकाश, ने पृथ् वी, आ ने कोनो आन शपथक शपथ नहि करू। आ अहाँक नहि, नहि; कहीं अहाँ सभ दण्ड मे नहि पड़ि जायब।”

इजकिएल 16:60 तइयो हम तोहर युवावस्था मे तोरा संग अपन वाचा केँ मोन पाड़ब आ तोरा लेल अनन्त वाचा स्थापित करब।

भगवान् अपन वाचा केँ मोन पाड़ैत छथि आ पूरा करैत छथि, ओहो दंडक बीच मे।

1: भगवान सब परिस्थिति मे वफादार छथि

2: भगवान दयालु आ न्यायी छथि

1: इब्रानी 13:5 - "अहाँ सभक आचरण मे लोभ नहि रहू। जे किछु अछि, ओहि मे संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ स्वयं कहने छथि, "हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

2: व्यवस्था 7:9 - "तेँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासपूर्ण परमेश् वर छथि जे हुनका सँ प्रेम करयवला आ हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभक संग हजार पीढ़ी धरि वाचा आ दयाक पालन करैत छथि।"

इजकिएल 16:61 तखन अहाँ अपन बाट मोन पाड़ब आ लाज करब, जखन अहाँ अपन बहिन सभ, अहाँक जेठ आ छोटका केँ ग्रहण करब, आ हम ओकरा सभ केँ अहाँ केँ बेटीक रूप मे देब, मुदा अहाँक वाचा सँ नहि।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर पैघ आ छोट बहिन सभ केँ बेटीक रूप मे देबाक धमकी दैत छथि, मुदा वाचा सँ नहि।

1. भगवानक दण्ड: टूटल वाचाक परिणाम

2. मोक्षक शक्ति: हमरा सभक गलतीक बादो परमेश् वरक कृपा

1. यिर्मयाह 31:31-34 - देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, प्रभु कहैत छथि, जखन हम इस्राएलक घराना आ यहूदाक घरानाक संग एकटा नव वाचा करब, जेना कि हम हुनकर पूर्वज सभक संग ओहि वाचा जकाँ नहि जखन हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ निकालबाक लेल हुनका सभक हाथ पकड़ने छलहुँ, तखन हमर वचन जे ओ सभ तोड़ि देलनि, से हम हुनकर सभक पति रहितहुँ, से प्रभु कहैत छथि। मुदा ओहि दिनक बाद हम इस्राएलक घरानाक संग ई वाचा करब, प्रभु कहैत छथि जे हम अपन व्यवस्था हुनका सभक भीतर राखब आ हुनका सभक हृदय मे लिखब। हम हुनका सभक परमेश् वर बनब आ ओ सभ हमर प्रजा होयत। आब एक-एकटा अपन पड़ोसी आ अपन भाय केँ ई नहि सिखाओत जे, “प्रभु केँ जानू, किएक तँ ओ सभ हमरा छोट-छोट सँ ल’ क’ पैघ धरि केँ चिन्हत।” हम हुनका सभक पाप क्षमा करब आ हुनका सभक पाप आब नहि मोन पाड़ब।

2. रोमियो 5:20-21 - धर्म-नियम अपराध केँ बढ़ेबाक लेल आयल, मुदा जतय पाप बढ़ल, ओतय अनुग्रह आओर बेसी बढ़ि गेल, जाहि सँ जेना पाप मृत्यु मे राज करैत छल, तहिना अनुग्रह सेहो धार्मिकताक द्वारा राज करय जे अनन्त जीवन मे पहुँचा सकैत छल यीशु मसीह हमर सभक प्रभु।

इजकिएल 16:62 हम अहाँक संग अपन वाचा स्थापित करब। अहाँ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।

प्रभु अपनऽ लोगऽ के साथ एगो वाचा स्थापित करै के प्रतिज्ञा करै छै ।

1: परमेश् वरक संग वाचा मे रहब - परमेश् वरक प्रेम आ हमर सभक आज्ञाकारिता

2: भगवान् के साथ वाचा - विश्वास आ विश्वास के संबंध

1: यिर्मयाह 31:31-34 - परमेश् वरक नव वाचा

2: रोमियो 8:31-39 - हमरा सभक संग वाचा मे परमेश् वरक अटूट प्रेम

इजकिएल 16:63 जाहि सँ अहाँ मोन राखब आ लज्जित होयब आ अहाँक लाजक कारणेँ आब कहियो मुँह नहि खोलब, जखन हम अहाँक सभ काजक लेल अहाँक प्रति शान्त भ’ जायब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वरक दया गलत काज केनिहार तक पहुँचि सकैत अछि, आ जँ हम सभ ओकरा खोजब तँ ओ हमरा सभ केँ माफ क’ सकैत छथि।

1. परमेश् वरक दयाक शक्ति: क्षमाक हमर आवश्यकता केँ बुझब

2. लाजक स्मरण: ई जानि जे हम सभ क्षमासँ परे नहि छी

1. भजन 51:1-2 - हे परमेश् वर, अपन अटूट प्रेमक अनुसार हमरा पर दया करू। अपन बहुत करुणाक अनुसार हमर अपराध मेटा दिअ। हमर समस्त अधर्म केँ धोउ आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू।

2. यशायाह 1:18 - आब आउ, आउ, एहि बातक निपटारा करी, प्रभु कहैत छथि। अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत।

इजकिएल अध्याय 17 में दू रूपक दर्शन छै जे बेबिलोन के निर्वासन के दौरान इस्राएल के राजनीतिक उथल-पुथल आरू गठबंधन के संबोधित करै छै। अध्याय में परमेश् वर के संप्रभुता, विद्रोही नेता सिनी पर हुनको न्याय आरू भविष्य में बहाली के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत महान गरुड़ आ देवदार के गाछ के पहिल रूपक स होइत अछि | एहि दर्शन मे एकटा महान गरुड़ देवदारक गाछक ऊपरी डारि लऽ कऽ ओकरा नव देश मे रोपैत अछि, जे यहूदाक राजा यहोयाकीनक निर्वासनक प्रतीक अछि। लेकिन, एकटा आओर गरुड़ उठैत अछि आ रोपल देवदारक गाछ ओकरा प्रति अपन निष्ठा घुमा दैत अछि, जे बेबिलोन के खिलाफ विद्रोह के प्रतिनिधित्व करैत अछि (इजकिएल 17:1-10)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर पहिल दर्शनक व्याख्या करैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओ विद्रोही नेता सभक न्याय करताह आ हुनका सभ केँ बेबिलोनक संग हुनकर वाचा तोड़बाक सजा देताह। ओ कहैत छथि जे हुनका सभ केँ अपन काजक परिणामक सामना करय पड़तनि आओर यहूदाक राज्य उखाड़ि क’ नष्ट भ’ जायत (इजकिएल 17:11-21)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय आगू बढ़ैत अछि बेल आ देवदारक गाछक दोसर रूपक। एहि दर्शन मे एकटा बेल रोपल जाइत अछि आ पनपैत अछि, मुदा ओ दोसर देवदारक गाछक लोभ सँ लोभित भ' जाइत अछि आ अपन जड़ि केँ त्यागि दैत अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ विद्रोही बेल के अविश्वास के लेल न्याय करताह आ ओ मुरझा जायत आ नष्ट भ जायत (इजकिएल 17:22-24)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सत्रह प्रस्तुत
राजनीतिक उथल-पुथल आ गठबंधन के रूपक,
परमेश् वरक न्याय, आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

महान गरुड़ आ देवदारक गाछक पहिल रूपक, जे निर्वासन आ विद्रोहक प्रतिनिधित्व करैत अछि |
पहिल दर्शनक व्याख्या, परमेश् वरक न्याय आ यहूदाक विनाश पर जोर दैत।
बेल आ देवदारक गाछक दोसर रूपक, जे बेवफाईक प्रतीक अछि |
विद्रोही बेल पर परमेश् वरक न्यायक घोषणा आ ओकर अंततः विनाश।

इजकिएल के ई अध्याय में दू रूपक दर्शन छै जे बेबिलोन के निर्वासन के दौरान इस्राएल के राजनीतिक उथल-पुथल आरू गठबंधन के संबोधित करै छै। पहिल रूपक मे एकटा महान गरुड़ देवदारक गाछक ऊपरी डारि ल' क' नव देश मे रोपैत देखाओल गेल अछि, जे यहूदाक राजा यहोयाकीनक निर्वासनक प्रतीक अछि। लेकिन, रोपल गेल देवदार के गाछ बेबिलोन के खिलाफ विद्रोह करै छै आरू ओकरा परमेश् वर के न्याय के सामना करना पड़ै छै। दोसर रूपक मे एकटा एहन बेल केर चित्रण अछि जे पनपैत अछि मुदा अपन जड़ि केँ त्यागि एकटा आओर देवदारक गाछ सँ लोभित भ' जाइत अछि । परमेश् वर विद्रोही बेल पर ओकर बेवफाई के कारण न्याय के घोषणा करै छै। अध्याय में परमेश् वर के संप्रभुता, विद्रोही नेता सिनी पर हुनको न्याय आरू भविष्य में बहाली के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 17:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वरक वचन इजकिएल लग आबि गेलनि जे ओ दूटा गरुड़ आ एकटा बेल केर दृष् टान् ट देथि।

1. दृष्टान्तक शक्ति: इजकिएल 17:1 के संदेशक अन्वेषण

2. परमेश् वरक वचन: परिवर्तनक आमंत्रण

1. लूका 13:6-9 - बंजर अंजीरक गाछक दृष्टान्त

2. यूहन्ना 15:1-8 - बेल आ डारि सभक यीशुक दृष्टान्त

इजकिएल 17:2 मनुष्यक बेटा, एकटा पहेली राखू आ इस्राएलक घराना केँ एकटा दृष्टान्त बाजू।

इस्राएलक घराना केँ एकटा पहेली आ दृष्टान्त देल गेल अछि।

1. "दृष्टान्तक शक्ति"।

2. "पहेली के बुद्धि"।

1. लूका 8:4-8 - जखन बहुत रास भीड़ जमा भ’ गेल छल आ ओ सभ शहर-नगर सँ हुनका लग आबि गेल छल, तखन ओ एकटा दृष्टान्त द्वारा बजलाह।

2. नीतिवचन 1:6-7 - कोनो फकड़ा आ कोनो पहेली, ज्ञानी लोकनिक वचन आ ओकर पहेली केँ बुझब।

इजकिएल 17:3 आ कहब जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। एकटा पैघ पाँखि बला, लम्बा पाँखि बला, पंख सँ भरल, जे विविध रंगक छल, लेबनान आबि देवदारक सभसँ ऊँच डारि पकड़ि लेलक।

प्रभु परमेश् वर एकटा देवदारक गाछक सभसँ ऊँच डारि लेबय लेल अनेक रंगक एकटा पैघ गरुड़केँ लेबनान पठा दैत छथि।

1. हमरऽ जीवन परमेश्वर के हाथऽ में छै: प्रभु केरऽ विश्वासी प्रोविडेंस के खोज करना

2. परमेश् वरक सार्वभौमिक शक्ति: हमरा सभक जीवन पर हुनक दिव्य नियंत्रण केँ बुझब

1. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; ओकर निष्ठा अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे प्रभु पर आशा रखैत छथि, ओ अपन शक्ति नव बना लेताह। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

इजकिएल 17:4 ओ अपन छोट-छोट डारि सभक चोटी केँ काटि कऽ ओकरा कारोबारक देश मे लऽ गेलाह। ओ एकरा बनियाक नगर मे राखि देलक।

भगवान् एकटा विद्रोही राजा के सजा देलखिन जे ओकर छोट-छोट टहनी के चोटी काटि विदेशी व्यापार के भूमि में ल गेल छल जतय ओ व्यापारी के शहर में रोपल गेल छल |

1. वास्तव मे केकर नियंत्रण अछि? सब जाति पर परमेश् वरक प्रभुत्व।

2. भगवान् के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम।

1. यशायाह 40:15-17 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजू पर धूरा जकाँ मानल जाइत अछि। देखू, समुद्रक कात केँ महीन धूरा जकाँ उठा लैत अछि।

2. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

इजकिएल 17:5 ओ ओहि देशक बीया मे सँ किछु केँ लऽ कऽ एकटा फलदार खेत मे रोपलनि। ओ ओकरा बड़का-बड़का पानि लग राखि देलक आ ओकरा विलोक गाछ जकाँ राखि देलक।

भगवान् ओहि जमीन सँ एकटा बीया लऽ कऽ एकटा फलदार खेत मे रोपलनि। तखन ओकरा पैघ-पैघ पानि लग राखि विलोक गाछ बना देलक।

1. उपजाऊ भविष्यक लेल बीज रोपब

2. निष्ठा के फल काटब

1. यशायाह 55:10-11 - किएक तँ जहिना बरखा आ बर्फ स् वर्गसँ नीचाँ अबैत अछि आ ओतऽ घुरि कऽ नहि आबि जाइत अछि, बल् कि पृथ्वीकेँ पानि दैत अछि आ ओकरा अंकुरित करैत अछि, बीया

बजनिहारकेँ आ खाएबलाकेँ रोटी दैत अछि, तहिना होयत हमर वचन हो जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. याकूब 1:17-18 - हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो भिन्नता वा छाया नहि अछि। ओ अपन इच्छा सँ हमरा सभ केँ सत् य वचन द्वारा उत्पन्न कयलनि, जाहि सँ हम सभ हुनकर सृष्टि मे एक तरहक पहिल फल बनी।

इजकिएल 17:6 ओ बढ़ल आ एकटा नीचाँ कदक पसरल बेल बनि गेल, जकर डारि हुनका दिस घुमि गेल छल आ ओकर जड़ि हुनका नीचाँ छल, तेँ ओ बेल बनि गेल, डारि निकलल आ डारि निकलल।

एकटा बेल रोपल आ बढ़ल, जे डारि ओकरा दिस घुमा क' पसरल छलैक आ ओकर नीचाँ जड़ि छलैक।

1. हमरा सभक लेल भगवानक योजनाक शुरुआत प्रायः धीमा होइत अछि मुदा अंत मे अद्भुत परिणाम भ' सकैत अछि। 2. हम सब भरोसा क सकैत छी जे भगवान हमरा सब लेल सबस नीक परिणाम अनताह।

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचार।" 2. फिलिप्पियों 4:6-7 "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अहाँ सभक आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत आ।" मसीह यीशु मे अहाँ सभक मोन राखू।”

इजकिएल 17:7 एकटा आओर पैघ गरुड़ सेहो छल, जकर पाँखि पैघ आ बहुत पंख छलैक, आ देखू, ई बेल ओकरा दिस अपन जड़ि मोड़ि क’ ओकर डारि ओकरा दिस उड़ा देलक, जाहि सँ ओ ओकरा अपन बागानक खाई मे पानि द’ सकय।

एहि अंश मे एकटा पैघ गरुड़क गप्प कयल गेल अछि जकर अनेक पंख आ एकटा बेल अछि जकर जड़ि आ डारि गरुड़ दिस झुकि जाइत अछि |

1. प्रभु गरुड़ जकाँ छथि, हमरा सभकेँ आश्रय आ रक्षा प्रदान करैत छथि।

2. प्रभुक प्रेम बेल जकाँ अछि, सदिखन हमरा सभ लग पहुँचैत अछि आ गले लगाबैत अछि।

1. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; हुनकर विश्वास अहाँक ढाल आ प्राचीर बनत।"

2. भजन 36:7 - "हे परमेश् वर, अहाँक अडिग प्रेम कतेक अनमोल अछि! मनुष्यक संतान अहाँक पाँखिक छाया मे शरण मे रहैत अछि।"

इजकिएल 17:8 एकरा नीक माटि मे पैघ पानि मे रोपल गेल छल, जाहि सँ ओ डारि उत्पन्न करय आ फल देबय, जाहि सँ ओ नीक बेल बनि जाय।

भगवान् पैघ पानि के पास नीक माटि मे बेल रोपलनि जाहि सँ ओहि मे डारि निकलि सकय आ फल भ सकय।

1. आस्थाक माध्यमे प्रचुर जीवनक खेती करब।

2. आज्ञाकारिता के माध्यम से फल देना।

1. यूहन्ना 15:5 - हम बेल छी; अहाँ सभ डारि छी। जे हमरा मे रहैत अछि आ हम ओकरा मे, ओ अछि जे बहुत फल दैत अछि, कारण हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।

2. भजन 1:3 - ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि जे अपन मौसम मे फल दैत अछि, आ ओकर पात नहि मुरझाइत अछि। जे किछु करैत छथि ताहि मे ओ समृद्ध होइत छथि ।

इजकिएल 17:9 अहाँ कहू, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। की एकर समृद्धि होयत? की ओ ओकर जड़ि केँ नहि खींचत आ ओकर फल केँ काटि कऽ मुरझाएब नहि? ओ अपन झरना केर सभ पात मे मुरझा जायत, भले ओकर जड़ि सँ तोड़बाक कोनो पैघ शक्ति वा बहुत लोक नहि।

प्रभु भगवान एकटा अलंकारिक प्रश्न ठाढ़ करैत छथि - की अन्याय करयवला केँ सफलता भेटतैक, वा हुनकर प्रयास कटैत असफल भ' जायत?

1. परमेश् वरक न्याय: धर्मक अनिवार्यता

2. विश्वासक शक्ति: परमेश् वरक सहायता सँ प्रतिकूलता पर काबू पाबब

1. भजन 37:1-2 - "दुष्ट करनिहार सभक कारणेँ अपना केँ नहि चिंतित करू, आ अधर्म करनिहार सभ सँ ईर्ष्या नहि करू। किएक तँ ओ सभ जल्दिये घास जकाँ काटल जायत आ हरियर जड़ी-बूटी जकाँ मुरझा जायत।"

2. याकूब 1:12 - "धन्य अछि ओ आदमी जे परीक्षा सहैत अछि, किएक त' जखन ओकरा परीक्षा मे आओत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटतैक, जे प्रभु ओकरा सँ प्रेम करय बला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।"

इजकिएल 17:10 हँ, देखू, रोपला पर की ई सफल होयत? जखन पूबक हवा ओकरा स्पर्श करत तखन की ओ एकदम मुरझाएब नहि? जत' ओ बढ़ल छल, ओहि खाई मे मुरझा जायत।

रोपल बेल पूबक हवाक स्पर्श भेला पर मुरझा जायत।

1. जीवन आ समृद्धिक अस्थायी प्रकृति

2. सब परिस्थिति मे भगवान् पर भरोसा करब

1. याकूब 1:10-11 - मुदा जे स्वतंत्रताक सिद्ध नियम केँ ध्यान सँ देखैत अछि आ ओहि मे दृढ़ता सँ अडिग रहैत अछि, आ बिसरनिहार श्रोता नहि अपितु प्रभावी कर्मकर्ता अछि, ई व्यक्ति जे किछु करैत अछि ताहि मे धन्य होयत।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। हुनका अपन सब रास्ता मे स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 17:11 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ एकटा पैघ गरुड़ आ एकटा बेल केर गाछक विषय मे बात कयलनि।

परमेश् वर इजकिएल भविष्यवक्ता सँ एकटा पैघ गरुड़ आ एकटा बेल केर गाछक विषय मे बात कयलनि।

1. गरुड़ आ बेल के दृष्टान्त: परमेश् वरक योजना पर भरोसा करू

2. गरुड़ आ बेल: भगवानक ताकत हुनकर प्रेम मे कोना जड़ि जमा लेने अछि

1. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठाबैत अछि, आ गर्मी मे डरैत नहि अछि।" अबैत अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे चिंतित नहि होइत अछि, कारण ओकर फल देबय सँ नहि रुकैत अछि |”

2. भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पिण्डी सँ झाँपि देत, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत; हुनकर विश्वास ढाल आ बकलर अछि।"

इजकिएल 17:12 आब विद्रोही घर सँ कहू, “की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे एहि बात सभक की अर्थ अछि? ओकरा सभ केँ कहि दियौक, “देखू, बाबुलक राजा यरूशलेम आबि गेल छथि आ ओकर राजा आ ओकर मुखिया सभ केँ लऽ कऽ हुनका सभ केँ अपना संग बाबुल लऽ गेलाह।

बाबुलक राजा यरूशलेम आबि ओकर राजा आ राजकुमार सभ केँ बंदी बना लेलक अछि।

1. भगवान सार्वभौम छथि आ अपन इच्छा केँ पूरा करबाक लेल कठिन परिस्थिति मे सेहो उपयोग क' सकैत छथि।

2. हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही आ प्रभुक अधिकारकेँ चिन्हबाक चाही आ हुनकर आज्ञाक प्रतिक्रिया देबाक चाही।

1. यशायाह 46:10 हम शुरूए सँ, प्राचीन काल सँ, जे आब आबय बला अछि, से अंतक बारे मे बताबैत छी। हम कहैत छी, हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

2. दानियल 4:34-35 ओहि समयक अंत मे हम नबूकदनेस्सर स्वर्ग दिस आँखि उठौलहुँ आ हमर विवेक फेर सँ आबि गेल। तखन हम परमात्माक स्तुति केलहुँ। हम हुनकर सम्मान आ महिमामंडन केलियैन जे सदा-सदा जीबैत छथि। हुनकर प्रभुत्व एकटा अनन्त प्रभुत्व अछि; ओकर राज्य पीढ़ी दर पीढ़ी टिकैत छैक।

इजकिएल 17:13 ओ राजाक वंशज मे सँ एक सँ वाचा कयलनि आ हुनका सँ शपथ लेलनि।

परमेश् वर यहूदाक राजा केँ दंडित करैत छथि जे ओ शत्रु सँ वाचा कयलनि आ पराक्रमी सभ केँ ओहि देश सँ निकालि देलनि।

1. शत्रुसँ वाचा करबाक परिणाम

2. अविवेकी गठबंधन पर भगवानक निर्णय

1. नीतिवचन 21:30 - "कोनो बुद्धि, कोनो अंतर्दृष्टि, कोनो योजना नहि अछि जे प्रभुक विरुद्ध सफल भ' सकैत अछि।"

2. यिर्मयाह 17:5-8 - "शापित ओ अछि जे मनुष्य पर भरोसा करैत अछि, जे मात्र मांस सँ शक्ति लैत अछि आ जिनकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ि लैत अछि।"

इजकिएल 17:14 एहि लेल जे राज्य नीच हो, जाहि सँ ओ अपना केँ ऊपर नहि उठय, बल् कि ओकर वाचा केँ पालन करैत ओ ठाढ़ भ’ सकय।

परमेश् वरक वाचा स्थिरता आ विनम्रता अनैत अछि।

1. वाचा-पालन के आशीर्वाद

2. विनम्रताक शक्ति

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

2. मत्ती 5:5 - धन्य छथि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी हेताह।

इजकिएल 17:15 मुदा ओ अपन राजदूत सभ केँ मिस्र पठा कऽ हुनका विरुद्ध विद्रोह कयलनि जाहि सँ ओ सभ हुनका घोड़ा आ बहुत रास लोक दऽ सकथि। की ओ समृद्ध हेताह? जे एहन काज करैत अछि, से की ओ बचि सकैत अछि? की ओ वाचा तोड़ि कऽ मुक्त भऽ जायत?

परमेश् वर सवाल करै छै कि जे आदमी घोड़ा आरू लोगऽ के लेलऽ मिस्र में राजदूत भेजी क॑ हुनका खिलाफ विद्रोह करै छै, वू समृद्ध होय जैतै आरू भागी जैतै, या की वू वाचा तोड़ी क॑ मुक्त होय जैतै ।

1. आज्ञा नहि मानबाक खतरा - इजकिएल 17:15 केर एकटा परीक्षा

2. विद्रोह के परिणाम - हम इजकिएल 17:15 स कोना सीख सकैत छी

1434

1. व्यवस्था 28:15 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। ई सभ शाप अहाँ पर आबि कऽ अहाँ केँ पकड़ि लेत।

2. यशायाह 1:19 - जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।

इजकिएल 17:16 जखन हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, जाहि ठाम ओ राजा रहैत छथि जे हुनका राजा बनौलनि, जकर शपथ ओ तिरस्कृत केलनि आ जकर वाचा तोड़ि देलनि, तखन ओ हुनका संग बाबुलक बीच मे मरि जेताह।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे जे कियो शपथ वा वाचा तोड़त से ओहि ठाम मरि जायत जतय ओकरा राजा बनाओल गेल छल |

1. शब्दक शक्ति: शपथ आ वाचा तोड़बाक परिणाम बुझब

2. अपन वचनक पालन करब: प्रतिज्ञाक पालन करबाक महत्व

1. याकूब 5:12 - "मुदा हमर भाइ लोकनि, सभ सँ बेसी, स् वर्ग वा पृथ् वी वा आन कोनो बातक शपथ नहि करू। अहाँ सभक हाँ हाँ आ नहि हो, नहि तँ अहाँ सभक दोषी ठहराओल जायत।"

2. मत्ती 5:33-37 - अहाँ सभ फेर सुनलहुँ जे पुरान लोक सभ सँ कहल गेल छल जे, “अहाँ झूठ शपथ नहि खाउ, बल् कि प्रभुक संग जे शपथ केने छी से पूरा करू।” मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, कोनो तरहेँ शपथ नहि लिअ, आ ने स् वर्गक शपथ ग्रहण करू, किएक तँ ई परमेश् वरक सिंहासन अछि आ ने पृथ् वीक, किएक तँ ई हुनकर पैरक ठाठ अछि आ ने यरूशलेम, किएक तँ ई महान राजाक नगर अछि. आ माथ पकड़ि शपथ नहि लिअ, किएक तँ एक केशकेँ उज्जर वा कारी नहि कऽ सकैत छी। अहाँ जे कहब से मात्र हाँ वा नहि हो; एहि सँ बेसी किछु बुराई सँ होइत छैक।

इजकिएल 17:17 आ फेर फिरौन अपन पराक्रमी सेना आ पैघ दलक संग हुनका लेल युद्ध मे पहाड़ नहि बनाओत आ किला बना क’ बहुतो लोक केँ मारि नहि देत।

परमेश् वर फिरौनक महान सेना केँ पराजित कऽ अपन लोकक रक्षा करताह।

1: हम सभ भगवानक रक्षा पर भरोसा क' सकैत छी, चाहे दुश्मनक आकार कोनो हो।

2: भगवान कोनो सेना स पैघ छथि आ कोनो बाधा के पार क सकैत छथि।

1: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2: भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

इजकिएल 17:18 ओ वाचा तोड़ि कऽ शपथ केँ तुच्छ बुझि कऽ नहि बचि सकैत छथि।

भगवान् अपन वाचा तोड़निहार केँ सजा देथिन।

1: भगवान सदिखन देखैत रहैत छथि आ अवज्ञा बर्दाश्त नहि करताह।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक वाचा पर सत् य रहबाक चाही आ हुनकर आज्ञाक प्रति वफादार रहबाक चाही।

1: याकूब 4:17 तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि क’ रहल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

2: भजन 37:21 दुष्ट उधार लैत अछि मुदा चुका नहि दैत अछि, मुदा धर्मी उदार आ दैत अछि।

इजकिएल 17:19 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम जीबैत छी, हमर शपथ जे ओ तिरस्कृत केलक आ हमर वाचा जे ओ तोड़ि देलक, ओकर बदला हम ओकर माथ पर देब।

जे हुनका संग अपन शपथ आ वाचा तोड़ैत छथि हुनका परमेश् वर दंडित करताह।

1. भगवान् सँ प्रतिज्ञा तोड़बाक परिणाम

2. भगवान् के प्रति अपन प्रतिबद्धता के पालन के महत्व

1. मत्ती 5:33-37 - शपथ के पालन के महत्व पर यीशु के शिक्षा।

2. इब्रानी 10:26-31 - परमेश् वरक वाचा केँ छोड़बाक चेतावनी।

इजकिएल 17:20 हम ओकरा पर अपन जाल पसारि देब, आ ओ हमर जाल मे फँसि जायत, आ हम ओकरा बेबिलोन ल’ जायब आ ओतय ओकर अपराधक लेल निहोरा करब जे ओ हमरा पर अपराध केने अछि।

प्रभु हुनका विरुद्ध पाप केनिहार लोक सभ केँ बाबुल अनताह आ हुनका सभक अपराधक लेल न्याय करताह।

1: प्रभुक न्याय सँ ऊपर केओ नहि - ओ हमरा सभ केँ न्यायक समक्ष अनताह चाहे हम सभ कतहु नुकाबी।

2: प्रभु धैर्य रखैत छथि, मुदा नहि बिसरताह - हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही आ अपन पापक क्षतिपूर्ति करबाक चाही।

1: रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।”

2: भजन 7:11 - परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि, आ एहन परमेश् वर छथि जे सभ दिन आक्रोशक अनुभव करैत छथि।

इजकिएल 17:21 ओकर सभ भगोड़ा सभ ओकर सभ दलक संग तलवार सँ खसि पड़त आ जे बचल अछि से सभ हवा दिस छिड़िया जायत।

एहि अंश मे कहल गेल अछि जे प्रभुक पाछाँ चलनिहार केँ हानि सँ बचाओल जायत, मुदा जे मुँह घुमा लेत से विनाशक लेल विवश होयत।

1: परमेश् वर अपन वफादार सेवक सभ केँ हानि सँ बचाओत, मुदा जे हुनका सँ मुँह मोड़ि लेत, हुनका सभ केँ हुनकर न्यायक अनुभव होयत।

2: हमरा सभकेँ भगवानक प्रति वफादार रहबाक चाही आ हुनका पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभकेँ खतरासँ मुक्त करथि, नहि तँ हमरा सभकेँ अपन आज्ञा नहि मानबाक परिणाम भोगब।

1: भजन 91:1-2 - जे परमात्माक गुप्त स्थान मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक छाया मे रहत। हम परमेश् वरक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि। हम हुनका पर भरोसा करब।

2: यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ नीक साहसक रहू; नहि डेराउ आ ने त्रस्त होउ, किएक तँ अहाँ जतय जाउ, अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँक संग छथि।”

इजकिएल 17:22 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम ऊँच देवदारक सभसँ ऊँच डारि सेहो लऽ कऽ राखब। हम ओकर छोट-छोट टहनी सभक चोटी सँ कोमल टहनी निकालब आ ओकरा ऊँच पहाड़ पर रोपब।

भगवान् एकटा ऊँच देवदारक गाछक डारि ल' क' एकटा ऊँच आ प्रख्यात पहाड़ पर रोप रहल छथि |

1. परमेश् वरक प्रबन्धक शक्ति

1436

2. भगवान् के सृष्टि के सौन्दर्य

1. भजन 29:5 - "परमेश् वरक आवाज देवदारक गाछ तोड़ैत छथि; हँ, परमेश् वर लेबनानक देवदार केँ तोड़ैत छथि।"

2. यशायाह 40:12 - "ओ अपन हाथक खोखला मे पानि केँ नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ फाँसी सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तौललक।" एकटा संतुलन?"

इजकिएल 17:23 हम एकरा इस्राएलक ऊँचाईक पहाड़ मे रोपब, आ ओ डारि पैदा करत, फल देत आ एकटा नीक देवदार बनत। ओकर डारि सभक छाहरि मे ओ सभ रहत।

परमेश् वर इस्राएल के पहाड़ में एगो अच्छा देवदार के गाछ रोपै के वादा करै छै, जेकरऽ नीचे सब तरह के चिड़ै ओकरऽ छाया में रहतै।

1. परमेश् वरक रक्षाक प्रतिज्ञा

2. भगवान् के छाया में निवास के आशीर्वाद

1. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत।

2. यशायाह 32:2 - मनुष्य हवा सँ नुकायल जगह जकाँ होयत, आ आंधी-तूफान सँ आच्छादन जकाँ होयत, जेना शुष्क स्थान मे पानिक नदी, थकल देश मे पैघ चट्टानक छाया जकाँ होयत।

इजकिएल 17:24 खेतक सभ गाछ बुझत जे हम प्रभु ऊँच गाछ केँ उतारने छी, नीचाँक गाछ केँ ऊपर उठौने छी, हरियर गाछ केँ सुखा देलहुँ आ सुखायल गाछ केँ पनपने छी बाजल आ केने छथि।

भगवान् के पास असंभव प्रतीत होबय वाला के संभव बनाबय के सामर्थ्य छनि.

1: कठिन परिस्थितिक बादो भगवान एखनो नियंत्रण मे छथि।

2: भगवान् के शक्ति कोनो भी परिस्थिति के घुमाबै में सक्षम छै।

1: फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

2: यशायाह 40:29 - "ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।"

इजकिएल अध्याय १८ व्यक्तिगत जिम्मेदारी के अवधारणा के संबोधित करै छै आरू परमेश्वर के सामने अपनऽ काम के लेलऽ व्यक्तिगत जवाबदेही पर जोर दै छै । अध्याय धर्म, पश्चाताप आरू परमेश्वर के न्याय के निष्पक्षता के महत्व पर जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के पाप के पीढ़ीगत परिणाम के बारे में लोगऽ के विश्वास के चुनौती दै के साथ होय छै । ओ एहि बात पर जोर दैत छथि जे प्रत्येक व्यक्ति अपन काजक लेल जिम्मेदार अछि आ तदनुसार ओकर न्याय कयल जायत । धार्मिकता आरू आज्ञाकारिता जीवन के तरफ ले जाय छै, जबकि दुष्टता आरू आज्ञा नै मानला के कारण मौत होय जाय छै (इजकिएल 18:1-20)।

2nd पैराग्राफ: भगवान् लोकक आरोप केँ संबोधित करैत छथि जे हुनकर बाट अन्याय अछि। ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे हुनकर निर्णय उचित अछि आ दुष्टक मृत्यु मे हुनका कोनो प्रसन्नता नहि होइत छनि | ओ लोक सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल, अपन दुष्टता सँ मुड़बाक लेल आ जीबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि (इजकिएल 18:21-32)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय अठारह हाइलाइट
व्यक्तिगत जिम्मेदारी एवं जवाबदेही, २.
धर्म, पश्चाताप, आरू परमेश्वर के न्याय के निष्पक्षता के महत्व।

पाप के पीढ़ीगत परिणाम के विश्वास के चुनौती।
अपन काजक लेल व्यक्तिगत जवाबदेही पर जोर।
धर्म आ आज्ञाकारिता जीवन दिस लऽ जाइत अछि, दुष्टता मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि ।
भगवान् के उचित न्याय के आश्वासन आ पश्चाताप के आह्वान।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय परमेश्वर के सामने व्यक्तिगत जिम्मेदारी आरू जवाबदेही के अवधारणा के संबोधित करै छै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर के पाप के पीढ़ी के परिणाम के प्रति लोगऽ के विश्वास क॑ चुनौती दै स॑ होय छै, जेकरा म॑ ई बात प॑ जोर देलऽ जाय छै कि हर व्यक्ति अपनऽ काम के लेलऽ जिम्मेदार छै आरू ओकरऽ अनुसार न्याय करलऽ जैतै । धर्म आ आज्ञापालन जीवन दिस लऽ जाइत अछि, जखन कि दुष्टता आ आज्ञा नहि मानला सँ मृत्यु होइत अछि। परमेश् वर लोगऽ के ई आरोप के संबोधित करै छै कि ओकरऽ तरीका अन्याय छै, ओकरा ई आश्वासन दै छै कि ओकरऽ न्याय न्यायसंगत छै आरू दुष्ट के मौत में ओकरा कोय मजा नै आबै छै । ओ लोक सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल, अपन दुष्टता सँ मुड़बाक लेल आ जीबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि। अध्याय धर्म, पश्चाताप आरू परमेश्वर के न्याय के निष्पक्षता के महत्व पर जोर दै छै।

इजकिएल 18:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

न्याय आरू दया के लेलऽ परमेश्वर के इच्छा के घोषणा इजकिएल १८:१ म॑ करलऽ गेलऽ छै ।

1. दया आ न्याय: अपन लोकक लेल भगवानक इच्छा

2. न्याय आ दया के माध्यम स भगवान के बिना शर्त प्रेम के आत्मसात करब

1. मीका 6:8, ओ अहाँ केँ कहने छथि, हे मनुष्य, की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?”

2. याकूब 2:13, कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

इजकिएल 18:2 अहाँ सभक की मतलब अछि जे अहाँ इस्राएलक देशक विषय मे एहि लोकोक्ति केँ कहैत छी जे, “पिता सभ खट्टा अंगूर खा गेल छथि आ बच्चा सभक दाँत किनार भ’ गेल अछि?”

इस्राएल के लोगऽ के ई कहावत के प्रयोग करना गलत छै कि पिता के पाप बच्चा सिनी तक पहुँची जाय छै।

1. "भगवानक दया आ कृपा: दोसरक पाप किएक नहि सहबाक चाही"।

2. "विश्वास के विरासत: झूठ फकड़ा के अस्वीकार करब आ भगवान के सत्य के आत्मसात करब"।

1. इजकिएल 18:19-20 - "तइयो अहाँ सभ कहैत छी जे, किएक? बेटा पिताक अधर्म नहि सहैत अछि? जखन बेटा उचित आ उचित काज केलक, आ हमर सभ नियमक पालन केलक आ ओकरा पूरा केलक।" , ओ अवश्य जीवित रहत।जे प्राणी पाप करत, ओ मरि जायत।पुत्र पिताक अधर्म नहि उठाओत, आ ने पिता पुत्रक अपराध सहन करत दुष्टक हुनका पर रहतनि।”

2. व्यवस्था 24:16 - "बाप केँ बच्चा सभक लेल नहि मारल जायत, आ ने संतान केँ पिताक लेल मारल जायत। प्रत्येक केँ अपन पापक लेल मारल जायत।"

इजकिएल 18:3 जखन हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ केँ इस्राएल मे एहि लोकोक्तिक प्रयोग करबाक अवसर नहि भेटत।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि इस्राएल के लोग अब॑ इजकिएल १८:३ म॑ उल्लेखित कहावत के प्रयोग नै करतै ।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: प्रभुक दया कोना क्षमा करैत अछि आ पुनर्स्थापित करैत अछि

2. हमर शब्दक शक्ति: हमरा लोकनिक जीवन पर हमर लोकोक्तिक प्रभाव

1. यशायाह 43:25 - "हम, हमहीं छी, जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।"

2. रोमियो 8:38-39 - "किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु।" अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

इजकिएल 18:4 देखू, सभ प्राणी हमर अछि। जहिना पिताक प्राणी, तहिना पुत्रक प्राण सेहो हमर अछि।

भगवान् के सब आत्मा के मालिकाना हक छै, आ जे पाप करै छै, वू मरतै।

1. हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे भगवान् हमर सभक आत्माक परम मालिक छथि आ हमरा सभ केँ एहन जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही जे हुनका प्रसन्न करय।

2. भले ही हम सब पापी छी, मुदा हम सब एहि ज्ञान स ताकत आ सान्त्वना ल सकैत छी जे अंततः परमेश्वर हमर जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि।

1. इजकिएल 18:4

2. रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

इजकिएल 18:5 मुदा जँ केओ न्यायी अछि आ उचित आ उचित काज करैत अछि।

एहि अंश मे सही करबाक आ न्यायपूर्ण रहबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि ।

1. जे सही आ न्यायसंगत अछि से करब: एकटा आह्वान

2. न्यायक गुण: धर्मक अर्थक अन्वेषण

1. यशायाह 1:17 - "सही काज करब सीखू; न्यायक खोज करू। दबलल लोकक रक्षा करू। अनाथक बात उठाउ; विधवाक मुकदमा करू।"

2. याकूब 1:27 - "हमर सभक पिता परमेश् वर जे धर्म शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ संसार सँ अपना केँ दूषित नहि होमय सँ बचाब।"

इजकिएल 18:6 ओ पहाड़ पर नहि भोजन केलक आ ने इस्राएलक घरानाक मूर्ति सभ दिस नजरि उठौलक आ ने अपन पड़ोसीक पत्नी केँ अशुद्ध केलक आ ने मासिक धर्म मे पड़ल स्त्रिक लग आबि गेल।

ई अंश पहाड़ पर भोजन नै करै के बात करै छै, मूर्ति के तरफ नै देखै के, पड़ोसी के पत्नी के अशुद्ध नै करै के, आरू मासिक धर्म के नजदीक नै आबै के बात करै छै।

1. पवित्रता आ पवित्रताक जीवन जीबाक महत्व

2. मूर्तिपूजा सँ बचबाक आ पड़ोसीक सम्मान करबाक महत्व

१.

2. निर्गमन 20:14 - "अहाँ व्यभिचार नहि करू।"

इजकिएल 18:7 ओ ककरो पर अत्याचार नहि केलक, बल् कि ऋणी केँ अपन प्रतिज्ञा वापस क’ देलक, ककरो हिंसा सँ लूटि नहि लेलक, भूखल केँ अपन रोटी देलक आ नंगटे केँ वस्त्र सँ झाँपि देलक।

भगवान् एकटा धर्मी जीवन के आह्वान करै छै, जेकरऽ विशेषता छै कि दोसरऽ पर अत्याचार नै करलऽ जाय, प्रतिज्ञा के पुनर्स्थापित करलऽ जाय, हिंसा स॑ बचै के छै, भूखलऽ के भरण-पोषण करलऽ जाय आरू नंगटे के कपड़ा पहनै के होय ।

1. धर्मक आह्वान: परमेश् वरक मानदंडक अनुसार जीब

2. करुणा आ न्याय: अपन जीवन मे भगवानक इच्छा प्राप्त करब

1. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। प्रभु तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया प्रेम करै के आरो आपनो परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

2. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध धर्म आ निर्मल धर्म ई अछि, जे पितामह आ विधवा सभक क्लेश मे विदा करब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

इजकिएल 18:8 जे सूद नहि देलक आ ने कोनो वृद्धि भेल, जे अधर्म सँ हाथ हटि लेलक, से मनुष् यक आ मनुष् यक बीच सत् य न्याय कयलक।

ई अंश एकटा एहन धर्मी आदमी के बात करै छै जे ब्याज पर पैसा उधार नै दै छै, दोसर के फायदा नै उठाबै छै, आरू लोगऽ के बीच उचित निर्णय करै छै।

1. सूदखोरीसँ परहेज आ दोसरक संग न्यायसँ उचित व्यवहारक प्रदर्शन होइत अछि।

2. दोसरक फायदा नहि उठाउ; बल्कि निष्पक्षता आ धार्मिकताक अभ्यास करू।

1. निर्गमन 22:25-26 - जँ अहाँ हमर लोक मे सँ कोनो गरीब केँ पाइ उधार देब तँ ओकरा लेल साहूकार जकाँ नहि बनब आ ओकरा सँ ब्याज नहि लेब।

2. नीतिवचन 19:1 - अपन ईमानदारी मे चलय वाला गरीब व्यक्ति स नीक अछि जे बाज मे टेढ़ आ मूर्ख अछि।

इजकिएल 18:9 हमर नियम मे चलैत रहलाह, आ हमर निर्णय केँ पालन करैत छथि, जाहि सँ सच्चा व्यवहार कयल जाय। ओ धर्मी अछि, ओ अवश्य जीवित रहत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर हुनका सभ केँ अनन्त जीवनक प्रतिज्ञा करैत छथि जे हुनकर नियम आ न्यायक पालन करैत छथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के आज्ञा के पालन करना अनन्त जीवन के लेलऽ कियैक आवश्यक छै

2. जीवनक प्रतिज्ञा: धर्मी जीवनक फल काटि लिअ

1. रोमियो 2:6-8 - "परमेश् वर 'प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।' जे नीक काज मे अडिग रहला सँ महिमा, सम्मान आ अमरत्वक खोज करैत छथि, हुनका ओ अनन्त जीवन देथिन।मुदा जे स्वार्थी छथि आ जे सत्य केँ अस्वीकार करैत अधलाहक पालन करैत छथि, हुनका लेल क्रोध आ क्रोध होयत।"

2. मत्ती 7:21 - "जे सभ हमरा कहैत अछि, 'प्रभु, प्रभु', से सभ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि केवल ओ जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा पूरा करत।"

इजकिएल 18:10 जँ ओ एकटा एहन बेटा पैदा करैत अछि जे डकैत अछि, खून बहाबय बला अछि आ जे एहि मे सँ कोनो एहन काज करैत अछि।

इजकिएल केरऽ ई अंश पाप के जीवन जीबै के खिलाफ चेतावनी दै छै आरू चेतावनी दै छै कि पाप के परिणाम अपनऽ संतान तक पहुँची जैतै ।

1. हमरऽ कर्म केरऽ प्रभाव - हमरऽ पसंद खाली खुद ही नै, बल्कि आसपास केरऽ लोगऽ के कोना प्रभावित करै छै ।

2. पापक परिणाम - दुष्टताक काज करबा सँ बचबाक लेल सावधान किएक रहबाक चाही।

1. नीतिवचन 22:6 - बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जाहि पर ओ जेबाक चाही, आ जखन ओ बूढ़ भ’ जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 18:11 ओ ओहि मे सँ कोनो काज नहि करैत अछि, बल् कि पहाड़ पर भोजन क’ क’ अपन पड़ोसीक पत्नी केँ अशुद्ध क’ देलक।

परमेश् वर अपन आज्ञाक पालन नहि करनिहार सभक निन्दा करैत छथि आ व्यभिचार करैत छथि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: परमेश् वरक निर्णय केँ बुझब

2. ईश्वरहीन संसार मे ईश्वरीय रहब: भगवानक आज्ञाक पालन करबाक मूल्य

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

इजकिएल 18:12 गरीब आ गरीब पर अत्याचार केलक, हिंसा द्वारा लूटि लेलक, प्रतिज्ञा वापस नहि केलक, आ मूर्ति पर नजरि उठौलक, घृणित काज केलक।

ई अंश एकटा एहन व्यक्ति के बात करैत अछि जे गलत तरीका स गरीब आ जरूरतमंद पर अत्याचार केने अछि, आ विभिन्न तरहक घृणित काज केने अछि |

1. "अत्याचार के पाप: गरीब आ जरूरतमंद के संग कोना व्यवहार करबाक चाही"।

2. "मूर्तिपूजा के खतरा: घृणित चीज स कियैक बचबाक चाही"।

1. नीतिवचन 29:7 - "धर्मात्मा गरीबक काज बुझैत अछि, मुदा दुष्ट एहन ज्ञान नहि बुझैत अछि।"

2. निर्गमन 20:4-5 - "अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपन मूर्ति नहि बनाउ। ओकरा सभ केँ प्रणाम नहि करब आ ने ओकर पूजा करब।"

इजकिएल 18:13 ओ सूद पर सूद देलक आ बढ़ल, तखन की ओ जीवित रहत? ओ जीवित नहि रहत। ओ अवश्य मरत। ओकर खून ओकरा पर रहतैक।

एहि अंश मे सूद आ अन्य घृणित काजक परिणामक बात कयल गेल अछि |

1. सूद आ घृणितक खतरा

2. सूद आ घृणित काज मे लागल रहबाक परिणाम

1. मत्ती 6:24, कियो दू मालिकक सेवा नहि क’ सकैत अछि, कारण या त’ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, या फेर एक केँ समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ भगवान आ पाइक सेवा नहि क' सकैत छी।

2. भजन 15:5, जे अपन पाइ ब्याज पर नहि निकालैत अछि आ निर्दोष पर घूस नहि लैत अछि। जे ई सभ काज करैत अछि से कहियो नहि हिलत।

इजकिएल 18:14 आब देखू, जँ ओ एकटा एहन पुत्र पैदा करैत अछि, जे अपन पिताक सभ पाप केँ देखि कऽ सोचैत अछि आ एहन नहि करैत अछि।

ई अंश पिता के पाप के बात करै छै आरू कोना अगर ओकरा बेटा होतै त॑ बेटा अपनऽ पिता के पाप देखै आरू ओकरा पर विचार करतै लेकिन ओकरा नै करतै ।

1. पाप के पीढ़ीगत प्रभाव

2. अपन माता-पिता स अलग विकल्प चुनू

1. निर्गमन 20:5-6 "अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, कारण हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे सभ तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि पिता सभक अधर्मक दण्ड दैत छी हमरासँ घृणा करू।

2. नीतिवचन 22:6 "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू, जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखनो ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

इजकिएल 18:15 जे पहाड़ पर भोजन नहि केने अछि आ ने इस्राएलक घरानाक मूर्ति सभ दिस अपन नजरि उठौलक, ओ अपन पड़ोसीक पत्नी केँ अशुद्ध नहि केलक।

भगवान् के मांग छै कि हम सब एक दोसरा के आ अपन पड़ोसी के सम्मान करी।

1. दोसरक सम्मान करब - मसीही संगतिक हृदय

2. अपन पड़ोसी के सम्मान करब - परमेश्वर के नवीन वाचा के पूरा करब

1. याकूब 2:8 - "जँ अहाँ वास्तव मे धर्मशास्त्र मे भेटय बला राजकीय नियम केँ पालन करैत छी, अपन पड़ोसी केँ अपना जकाँ प्रेम करू, त' अहाँ सही काज क' रहल छी।"

2. लेवीय 19:18 - अपन लोक मे ककरो सँ बदला नहि लेबाक चाही आ ने ककरो सँ क्रोध नहि उठाउ, बल्कि अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू। हम प्रभु छी।

इजकिएल 18:16 ने ककरो पर अत्याचार केलक, ने प्रतिज्ञा नहि रोकलक आ ने हिंसा द्वारा लूटलक, बल् कि भूखल लोक केँ अपन रोटी द’ देलक आ नंगटे केँ वस्त्र सँ झाँपि देलक।

एहि अंश मे एकटा एहन धर्मी व्यक्तिक गप्प कयल गेल अछि जे हिंसा सँ नहि दमन करैत अछि, नहि रोकैत अछि आ नहि लूटैत अछि, बल्कि ओकर बदला मे भूखल केँ अपन रोटी दैत अछि आ नंगटे केँ वस्त्र सँ झाँपि दैत अछि |

1. करुणा आ उदारताक शक्ति

2. गरीब आ जरूरतमंदक देखभाल करब

1. मत्ती 25:40 राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जेना अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाय सभ मे सँ एकटा केँ केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा संग सेहो केलहुँ।”

2. याकूब 1:27 पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

इजकिएल 18:17 जे गरीब सभ सँ अपन हाथ हँटि लेलक, जे सूद आ वृद्धि नहि केलक, हमर निर्णय केँ पूरा केलक आ हमर नियम मे चलल। ओ अपन पिताक अधर्मक कारणेँ नहि मरत, ओ अवश्य जीवित रहत।

इजकिएल केरऽ ई अंश सिखाबै छै कि जे व्यक्ति गरीबऽ के फायदा उठाबै स॑ परहेज करै छै, परमेश्वर के नजर म॑ जे सही छै, ओकरा करै छै आरू ओकरऽ नियम के पालन करै छै, ओकरा अपनऽ पूर्वज के पाप के सजा नै मिलतै ।

1. परमेश् वरक कृपा: परमेश् वरक दया हमरा सभ केँ अपन पिताक पाप पर कोना विजय प्राप्त करबाक अनुमति दैत अछि

2. धर्मक जीवन जीब: सूद सँ परहेज आ परमेश्वरक नियमक पालन करब अनन्त जीवन कोना पहुँचा सकैत अछि

1. यशायाह 53:8 - "ओ जेल आ न्याय सँ निकालल गेलाह, आ ओकर पीढ़ी के के बताओत? किएक त' ओ जीवित लोकक देश सँ कटि गेल छलाह, कारण ओ हमर लोकक अपराधक कारणेँ मारल गेलाह।"

2. गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोनत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोबैत अछि, से शरीर सँ विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि।" आत् मा आत् मा अनन्त जीवन काटि लेत।”

इजकिएल 18:18 जँ ओकर पिता क्रूरतापूर्वक अत्याचार कयलनि, अपन भाय केँ हिंसा द्वारा लूटि लेलनि, आ अपन लोकक बीच जे नीक नहि छल, से कयलनि, तखन ओ अपन अधर्म मे मरि जेताह।

परमेश् वर लोगऽ क॑ ओकरऽ कर्म केरऽ जवाबदेह ठहराबै छै, जेकरा म॑ ओकरऽ माता-पिता भी शामिल छै, आरू जे अपनऽ नियम के अनुसार नै जीबै छै, ओकरा सजा देतै ।

1. "भगवानक धार्मिकता: हुनक नियमक अनुसार जीब"।

2. "अन्याय के परिणाम: इजकिएल 18:18 के एक परीक्षण"।

1. निकासी 20:1-17 - परमेश् वरक दस आज्ञा

2. यशायाह 59:14-15 - परमेश् वरक न्याय आ धार्मिकता

इजकिएल 18:19 तइयो अहाँ सभ कहैत छी जे, किएक? की पुत्र पिताक अधर्म नहि सहैत अछि? जखन बेटा उचित आ उचित काज कऽ लेत आ हमर सभ नियमक पालन करत आ ओकरा पूरा कऽ लेत तँ ओ अवश्य जीवित रहत।

बेटा जँ उचित आ उचित काज केने हो आ परमेश् वरक नियमक पालन केलक तँ पिताक अधर्म नहि उठाओत।

1: सही काज करब जीवनक एकमात्र बाट अछि।

2: भगवान न्यायी छथि आ पिताक पापक लेल बेटा केँ सजा नहि देताह।

1: व्यवस्था 24:16 - बच्चा सभक लेल पिता केँ नहि मारल जायत, आ ने संतान केँ पिताक लेल मारल जायत।

2: गलाती 6:7 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत।

इजकिएल 18:20 जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

जे आत्मा पाप करै छै, वू मरतै, आरो हर व्यक्ति अपनऽ कर्म के जिम्मेदार छै; दोसरक पापक लेल ककरो जिम्मेदार नहि ठहराओल जाय।

1. पाप के परिणाम: हम अपन कर्म के लेल कोना जिम्मेदार छी

2. धर्मक भार: धर्मी जीवन जीबाक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 24:16 - "बाप केँ बच्चा सभक लेल नहि मारल जायत, आ ने संतान केँ पिताक लेल मारल जायत। प्रत्येक केँ अपन पापक लेल मारल जायत।"

2. यशायाह 5:16 - "मुदा सेना सभक प्रभु न्याय मे उदात्त हेताह, आ पवित्र परमेश् वर धार्मिकता मे पवित्र होयत।"

1443

इजकिएल 18:21 मुदा जँ दुष्ट अपन सभ पाप सँ मुड़ि लेत आ हमर सभ नियमक पालन करत आ जे उचित आ उचित अछि से करत तँ ओ निश्चित रूप सँ जीवित रहत तँ ओ नहि मरत।

दुष्ट लोकनि एखनो उद्धार पाबि सकैत छथि जँ ओ अपन पाप सँ मुँह मोड़ि कऽ परमेश् वरक नियमक पालन करथि।

1: हमर सभक अन्हार क्षण मे सेहो भगवान् हमरा सभ केँ बचा सकैत छथि जँ हम सभ हुनका दिस घुरब।

2: भगवान् मोक्षक मार्ग प्रदान करैत छथि जे एकर पालन करय लेल तैयार छथि।

1: यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, तखन ओ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2: रोमियो 10:13 - कारण जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटत।

इजकिएल 18:22 हुनकर सभ अपराधक उल्लेख हुनका नहि कयल जायत।

परमेश् वर पापक क्षमा आ धार्मिकताक नव जीवन अर्पित करैत छथि।

1: "क्षमा के प्रतिज्ञा - इजकिएल 18:22"।

2: "धर्मक नव जीवन - इजकिएल 18:22"।

1: यशायाह 1:18-20 - आब आउ, हम सभ एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भऽ कऽ ओन जकाँ भऽ जायत।

2: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

इजकिएल 18:23 की हमरा कोनो खुशी अछि जे दुष्ट मरि जाय? प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के इच्छा के बारे में बात करै छै कि लोग अपनऽ पाप के तरीका में रहना आरू सजा मिलै के बजाय पश्चाताप करै।

1. पश्चाताप के शक्ति: क्षमा में परमेश्वर के प्रसन्नता

2. पाप के अस्वीकार करब: परमेश् वरक अपन लोकक प्रति इच्छा

1. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब, आ हम ओकर पाप क्षमा करब आ।" हुनका लोकनिक भूमि केँ ठीक क' देतनि।"

2. याकूब 5:19-20 - "हमर भाइ-बहिन सभ, जँ अहाँ सभ मे सँ कियो सत्य सँ भटकैत अछि आ कियो ओहि व्यक्ति केँ वापस अनैत अछि, तँ ई बात मोन राखू जे जे कोनो पापी केँ अपन मार्गक गलती सँ मोड़त, ओ ओकरा मृत्यु सँ बचाओत।" आ पापक भरमार पर झाँपि दियौक।”

इजकिएल 18:24 मुदा जखन धर्मी अपन धार्मिकता सँ हटि कऽ अधर्म करैत अछि आ दुष्टक सभ घृणित काजक अनुसार करत तखन की ओ जीवित रहत? ओकर सभटा धार्मिकताक जिक्र नहि होयतैक।

धर्मात्मा लोकक स्मरण नहि होयत जँ ओ धार्मिकता सँ मुँह मोड़ि कऽ अधर्म करब आ तदनुसार न्याय कयल जायत।

1. "धर्म सँ मुँह मोड़बाक परिणाम"।

2. "सही जीवन जीब: एकर की अर्थ आ एकर की आवश्यकता अछि"।

1. रोमियो 2:6-8 - परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।

2. याकूब 2:14-17 - बिना काजक विश्वास मरि गेल अछि।

इजकिएल 18:25 तइयो अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभुक बाट बराबर नहि अछि।” हे इस्राएलक घराना, आब सुनू। हमर बाट बराबर नहि अछि? की अहाँक बाट असमान नहि अछि?

इस्राएल के लोग परमेश् वर के न्याय पर सवाल उठैलकै, लेकिन परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ ई बात पर विचार करै लेली कहलकै कि ओकरो सिनी के अपनऽ तरीका न्यायसंगत छै कि नै।

1. "भगवान न्यायी छथि: हमर बाट परख"।

2. "प्रभुक न्याय: धर्मक आह्वान"।

1. यशायाह 40:27-31

2. यिर्मयाह 9:23-24

इजकिएल 18:26 जखन कोनो धर्मी अपन धार्मिकता सँ हटि जाइत अछि आ अधर्म करैत अछि आ ओकरा मे मरि जाइत अछि। किएक तँ ओ जे अधर्म केने छथि, ओ मरि जेताह।”

जे धर्मात्मा अपन धार्मिकता सँ मुँह घुमा कऽ कोनो अधर्म करैत अछि, ओ अपन अधर्मक कारणेँ मरि जायत।

1. परमेश् वरक दया आ न्याय - इजकिएल 18:26

2. पापक परिणाम - इजकिएल 18:26

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 1:15 - तखन जखन इच्छा गर्भवती भ’ जाइत अछि तखन ओ पापक जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण रूपेण बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।

इजकिएल 18:27 फेर जखन दुष्ट अपन दुष्टता सँ मुँह मोड़ि क’ जे उचित आ उचित काज करत, तखन ओ अपन प्राण केँ जीवित बचा लेत।

दुष्टक उद्धार भ सकैत अछि जँ ओ अपन दुष्टता सँ मुँह मोड़ि कऽ उचित आ उचित काज करथि।

1. "भगवानक दया: एकटा दोसर मौका"।

2. "धर्मपूर्वक जीना: मोक्ष के मार्ग"।

1. यशायाह 1:16-18 - "अहाँ सभ केँ धोउ, अहाँ केँ शुद्ध करू; हमर आँखिक सोझाँ सँ अपन काजक अधलाह केँ दूर करू; अधलाह करब छोड़ू; नीक काज करब सीखू; न्यायक खोज करू, उत्पीड़ित केँ मुक्त करू, अनाथ सभक न्याय करू। विधवाक लेल निहोरा करू।"

2. याकूब 5:20 - "ओ ई जानि लेथि जे जे पापी केँ अपन भ्रष्टाचार सँ बदलि दैत अछि, ओ कोनो प्राण केँ मृत्यु सँ बचाओत आ बहुत रास पापक नुकाओत।"

इजकिएल 18:28 किएक तँ ओ अपन सभ अपराधक विचार करैत अछि आ ओकरा सँ मुँह मोड़ि लैत अछि, तेँ ओ निश्चित रूप सँ जीवित रहत, ओ नहि मरत।

परमेश् वरक दया सभ गोटेक लेल उपलब्ध अछि जे पश्चाताप करैत छथि आ अपन पाप सभ सँ मुँह मोड़ि लैत छथि।

1445

1: परमेश् वरक कृपा आ दया हमरा सभ केँ अपन पाप सँ बचा सकैत अछि।

2: पश्चाताप जीवन दैत अछि, मृत्यु नहि।

1: यशायाह 55:7, "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2: 1 यूहन्ना 1:8-9, "जँ हम सभ कहैत छी जे हमरा सभ लग कोनो पाप नहि अछि, तँ हम सभ अपना केँ धोखा दैत छी, आ सत्य हमरा सभ मे नहि अछि। जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी अछि जे हमरा सभक पाप क्षमा करत, आ।" हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करबाक लेल।”

इजकिएल 18:29 तइयो इस्राएलक घराना कहैत अछि जे, “प्रभुक बाट बराबर नहि अछि।” हे इस्राएलक घराना, की हमर बाट बराबर नहि अछि? की अहाँक बाट असमान नहि अछि?

इस्राएल के घराना सवाल उठाबै छै कि प्रभु के रास्ता बराबर कियैक नै छै। भगवान् ई पूछि क' जवाब दैत छथि जे हुनकर अपन तरीका असमान नहि अछि की नहि।

1. प्रभुक मार्ग न्यायसंगत अछि- प्रभुक मार्गक न्यायक खोज करब, आ कोना हम सभ हुनका पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ सभ काज मे धर्मी हेताह।

2. अपन बाट मे अधर्म- ई परखब जे हमर अपन तरीका कोना असमान भ सकैत अछि आ कोना हम प्रभुक इच्छाक अनुरूप बेसी जीबाक प्रयास क’ सकैत छी।

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

इजकिएल 18:30 तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ू। तेँ अधर्म अहाँक विनाश नहि होयत।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी इस्राएल के लोग सिनी के कर्म के अनुसार न्याय करतै, आरू ओकरा सिनी कॅ आग्रह करै छै कि पश्चाताप करी कॅ ओकरो अपराध सें दूर होय जाय ताकि अधर्म विनाश नै आबै।

1. "प्रभु के न्याय: हमर कर्म के परिणाम"।

2. "पश्चाताप के शक्ति: उल्लंघन स मुँह मोड़ब"।

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. लूका 13:3 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे नहि, मुदा, जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत धरि अहाँ सभ तहिना नाश भ' जायब।"

इजकिएल 18:31 अपन सभ अपराध केँ अहाँ सभ सँ दूर करू, जाहि सँ अहाँ सभ उल्लंघन केलहुँ। आ अहाँ सभ केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ, किएक तँ हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन पाप पर पश्चाताप करथि आ एकटा नव हृदय आ आत् मा बनाबथि, किएक तँ ओ सभ किएक मरत?

1. पश्चाताप के शक्ति - अपन अपराध स मुँह मोड़ला स कोना नव हृदय आ नव आत्मा के जन्म भ सकैत अछि।

2. हृदयक सुधार - नव हृदय आ आत्माक निर्माणक महत्व, आ ई कोना मृत्यु केँ रोकि सकैत अछि।

1. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।

इजकिएल 18:32 किएक तँ हमरा मरनिहारक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् के इच्छा छै कि मानवता अपनऽ दुष्ट रास्ता स॑ मुड़ी क॑ जीबै ।

1: भगवानक दया: दुष्टता सँ मुड़ब आ जीब

2: भगवानक प्रेम: ओ चाहैत छथि जे अहाँ जीब

1: यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु थिक। मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल अध्याय १९ यहूदा के राजा सिनी के पतन के विलाप करै छै आरू शेर के बच्चा के बिम्ब के उपयोग ओकरऽ असफल नेतृत्व के चित्रण करै लेली करै छै । अध्याय में हुनकऽ कर्म के परिणाम आरू शक्ति आरू वैभव के नुकसान पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के राजकुमार सिनी के शोक के साथ होय छै, जे विशेष रूप से यहूदा के राजा सिनी पर केंद्रित छै। एहि मे वर्णन अछि जे कोना राजवंशक प्रतिनिधित्व करयवला सिंहनी मे दू टा सिंहक बच्चा भेल जे राजा लोकनिक प्रतीक छल | पहिल बच्चा, जे यहोआहाजक प्रतिनिधित्व करैत छल, पकड़ि मिस्र आनल गेल। दोसर बच्चा, जे यहोयाकीन के प्रतिनिधित्व करै छेलै, बेबिलोन द्वारा बंदी बना लेलकै (इजकिएल 19:1-9)।

2 पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि दोसर बच्चा यहोयाकीन पर विलाप। एहि मे वर्णन अछि जे कोना हुनका बेबिलोन मे आनल गेल आ हुनकर शक्ति आ महिमा कोना कम भ गेल। अपनऽ पुनर्स्थापन के आशा के बावजूद, वू कैद में ही रहलै (इजकिएल १९:१०-१४)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय उन्नीस शोक
यहूदा के राजा सिनी के पतन,
शेर के बच्चा के बिम्ब के प्रयोग।

इस्राएल के राजकुमार, विशेष रूप से यहूदा के राजा सिनी पर विलाप।
राजा के रूप में दू टा सिंह के बच्चा पैदा करय वाला सिंहनी के चित्रण।
पहिल बच्चा यहोआहाज के पकड़ि क मिस्र आनल गेल।
दोसर बच्चा, यहोयाकीन, जेकरा बेबिलोन बंदी बना लेलकै आरू शक्ति आरू महिमा में कम होय गेलै।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ सिंह केरऽ बच्चा के बिम्ब के प्रयोग करी क॑ यहूदा के राजा सिनी के पतन के विलाप करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत इस्राएल केरऽ राजकुमारऽ के शोक मनाबै वाला विलाप स॑ होय छै, जेकरा म॑ यहूदा के राजा सिनी प॑ विशेष ध्यान देलऽ गेलऽ छै । एहि मे वर्णन अछि जे कोना एकटा सिंहनी, जे राजवंशक प्रतिनिधित्व करैत छल, दू टा सिंहक बच्चा केँ जन्म देलक, जे राजा लोकनिक प्रतीक छल | पहिल बच्चा, जे यहोआहाजक प्रतिनिधित्व करैत छल, पकड़ि मिस्र आनल गेल। दोसर बच्चा, जे यहोयाकीन के प्रतिनिधित्व करै छेलै, ओकरा बेबिलोन बंदी बना लेलकै। अध्याय आगू बढ़ै छै दोसरऽ बच्चा यहोयाकीन के बारे में विलाप के साथ, जेकरा में वर्णन करलऽ गेलऽ छै कि ओकरा कोना बेबिलोन में लानलऽ गेलै आरू ओकरऽ शक्ति आरू महिमा

1447

केना कम होय गेलै। अपन पुनर्स्थापनक आशाक बादो ओ बंदी मे रहलाह । अध्याय मे राजा लोकनिक कर्म के परिणाम आ हुनकर शक्ति आ वैभव के नुकसान पर जोर देल गेल अछि |

इजकिएल 19:1 और इस्राएलक राजकुमार सभक लेल विलाप करू।

ई अंश परमेश् वर के इस्राएल के राजकुमार सिनी के शोक के बारे में बात करै छै जे हुनका सें दूर होय गेलऽ छै।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. अपन कर्म के परिणाम के सामना करब

1. मत्ती 7:13-14 - संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू। कारण, फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि जे विनाश दिस जाइत अछि, आ ओहि मे सँ बहुतो लोक प्रवेश करैत छथि। मुदा फाटक छोट आ जीवन दिस जायबला बाट संकीर्ण अछि, आ किछुए गोटेकेँ भेटैत अछि ।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जाबत ओ लग मे अछि ताबे ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ सभ प्रभु दिस घुरथि, तखन ओ हुनका सभ पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करताह, किएक तँ ओ मुफ्त मे क्षमा करताह।

इजकिएल 19:2 आ कहब, “अहाँक माय की छथि?” एकटा सिंहनी: ओ सिंहक बीच पड़ल छलीह, ओ अपन बच्चा सभ केँ सिंहक बच्चाक बीच पोसैत छलीह |

इजकिएल 19:2 एकटा रूपक अछि जे एकटा माँ के ताकत आ साहस के बात करैत अछि।

1. "एक माँ के ताकत आ साहस"।

2. "माता-पिताक प्रेमक शक्ति"।

1. नीतिवचन 31:25-26 "ओ शक्ति आ मर्यादाक वस्त्र पहिरने छथि; आगामी दिन मे हँसि सकैत छथि। बुद्धि सँ बजैत छथि, आ विश्वासपूर्वक शिक्षा हुनकर जीह पर अछि।"

2. 1 पत्रुस 5:8 "सतर्क आ सोझ मोन राखू। अहाँक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि जे ककरो खाय लेल तकैत अछि।"

इजकिएल 19:3 ओ अपन एकटा बच्चा केँ पोसलक, ओ सिंहक बच्चा बनि गेल आ ओ शिकार पकड़ब सीख गेल। मनुष्य केँ खा गेल।

सिंहनी द्वारा पलल-बढ़ल सिंहक बच्चा मनुक्खक शिकार आ भक्षण सीखल।

1. पापक खतरा: सिंहसँ सीखब

2. परमेश् वरक दया आ प्रावधान: इजकिएल 19:3 दिस तकैत

1. नीतिवचन 1:10-19 - पाप के प्रलोभन के खतरा

2. भजन 130:3-4 - परमेश् वरक प्रचुर दया आ क्षमा

इजकिएल 19:4 जाति सभ सेहो हुनकर विषय मे सुनलनि। हुनका अपन गड्ढा मे लऽ गेलनि आ ओ सभ जंजीर मे बान्हि कऽ मिस्र देश मे अनलनि।

इजकिएल 19:4 परमेश् वरक अपन लोकक जीवन पर प्रयोजनक स्मरण कराबैत अछि, ओहो ओकर बंदी मे।

1. बंदी मे परमेश् वरक सार्वभौमिकता: इजकिएल 19:4

2. दुखक बीच परमेश् वरक योजना पर भरोसा करब: इजकिएल 19:4

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

इजकिएल 19:5 जखन ओ देखलक जे ओ प्रतीक्षा क’ रहल छल, आ ओकर आशा खत्म भ’ गेलै, तखन ओ अपन एकटा आओर बच्चा केँ पकड़ि लेलकै आ ओकरा एकटा सिंहक बच्चा बना देलकैक।

एकटा माँ सिंह आशा गमा लेलक आ अपन एकटा आओर बच्चा केँ लऽ कऽ ओकरा सिंहक बच्चा बना लेलक।

1. आशाक शक्ति - आशा कोना अप्रत्याशित परिणाम दिस ल' सकैत अछि।

2. मायक ताकत - माय अपन बच्चाक रक्षा लेल कतेक दूर धरि जायत।

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू, आ अपन मोन केँ साहस होउ। प्रभुक प्रतीक्षा करू!

2. यशायाह 40:31 - जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

इजकिएल 19:6 ओ सिंह सभक बीच ऊपर-नीचाँ करैत छलाह, ओ सिंहक बच्चा बनि गेलाह, आ शिकार पकड़ब सीखलनि आ मनुक्ख सभ केँ खा गेलाह।

इजकिएल 19:6 एकटा सिंहक बच्चाक बारे मे कहैत अछि जे शेर सभक बीच ऊपर-नीचाँ गेलाक बाद शिकार पकड़ब आ खाएब सीखलक।

1. हम सब की मे पड़ि रहल छी से नहि जानबाक खतरा

2. अनुकूलन क्षमता के शक्ति

1. नीतिवचन 22:3 विवेकी खतरा देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक आगू बढ़ैत अछि आ ओकरा लेल कष्ट भोगैत अछि।

2. याकूब 4:13-17 अहाँ सभ जे कहैत छी जे आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा कऽ एक साल ओतय बितब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब। जेना अछि, अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि। तेँ जे कियो सही काज जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल भ' जाइत अछि, ओकरा लेल ई पाप अछि।

इजकिएल 19:7 ओ हुनका सभक उजड़ल महल सभ केँ जनैत छलाह आ हुनकर सभक शहर सभ केँ उजाड़ि देलनि। ओकर गर्जनाक हल्ला सँ देश उजाड़ भ’ गेलै आ ओकर पूर्णता।

परमेश् वरक क्रोधक कारणेँ ओ देश उजाड़ भऽ गेल आ शहर सभ केँ बर्बाद कऽ देलक।

1. भगवानक क्रोध केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही

2. परमेश् वरक क्रोध कोना विनाश दिस ल’ जाइत अछि?

1. यशायाह 24:1-12 - पापक लेल परमेश् वरक दंड पृथ्वीक विनाश मे देखल जाइत अछि।

2. यिर्मयाह 4:23-28 - यहूदाक विनाश परमेश् वरक क्रोधक परिणामक उदाहरण अछि।

इजकिएल 19:8 तखन जाति सभ प्रांत सँ चारू कात हुनका सँ विरुद्ध भ’ गेल आ हुनका पर अपन जाल पसारि देलकनि।

1449

प्रांतक जाति सभ इजकिएल पर बैसि गेल आ ओकरा ऊपर अपन जाल पसारि देलक आ ओकरा गड्ढा मे फँसा देलक।

1. उथल-पुथल के बीच भगवान के सार्वभौमिकता

2. विश्वासक संग प्रतिकूलता पर विजय प्राप्त करब

1. भजन 34:17-18 "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

2. यशायाह 54:17 "अहाँ सभक विरुद्ध जे कोनो शस्त्र बनाओल गेल अछि से सफल नहि होयत, आ अहाँ सभक विरुद्ध न्याय मे उठय बला हरेक जीह केँ खंडन करब। ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ हमरा सँ हुनकर सभक निर्दोषता, प्रभु कहैत छथि।" " .

इजकिएल 19:9 ओ सभ ओकरा जंजीर मे बान्हि कऽ बेबिलोनक राजा लग लऽ गेल, जाहि सँ ओकर आवाज इस्राएलक पहाड़ पर आब नहि सुनल जाय।

इस्राएलक लोक सभ अपन सरदार केँ जंजीर मे बान्हि बाबुलक राजा लग अनलनि।

1. कठिन समय मे भगवानक निष्ठा

2. परमेश् वरक नियमक पालन करबाक महत्व

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

इजकिएल 19:10 तोहर माय तोहर खून मे बेल जकाँ अछि, जे पानि मे रोपल गेल अछि।

इजकिएल केरऽ माय केरऽ तुलना पानी केरऽ एगो बड़ऽ स्रोत के पास रोपलऽ फलदार बेल स॑ करलऽ जाय छै ।

1: परमेश् वरक प्रचुर प्रावधान - इजकिएल 19:10

2: एकटा माँ के प्रेम - इजकिएल 19:10

1: यशायाह 5:1-7

2: भजन 1:1-3

इजकिएल 19:11 हुनका लग शासन करयवला सभक राजदंडक लेल मजबूत छड़ी छलनि, आ हुनकर कद मोट डारि सभक बीच ऊँच छलनि, आ ओ अपन डारि सभक भरमारक संग अपन ऊँचाई मे देखाइत छलीह।

भगवान् शासन करय वाला के ताकत देलखिन्ह आओर दोसर डारि के भीड़ मे ऊँच ठाढ़ रहय देलखिन्ह.

1. शक्ति आ दिशाक लेल भगवान् पर भरोसा करबाक आह्वान

2. भगवान् के अधिकार के प्रणाम के आशीर्वाद

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. याकूब 4:7 तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

इजकिएल 19:12 मुदा ओ क्रोध मे उखाड़ि क’ जमीन पर फेकि देल गेल, आ पूबक हवा ओकर फल सुखाय देलक। आगि ओकरा सभकेँ भस्म क’ देलक।

एहि अंश मे यहूदा राज्यक विनाशक वर्णन अछि, जे "क्रोध मे उखाड़ि क' ओकर "मजगर छड़ी" टूटि क' मुरझा क' जमीन पर फेकि देल गेल छल, आ ओकर फल पूर्वी हवा सँ सुखा गेल छल।

1: परमेश्वरक न्याय निश्चित आ निश्चित अछि - ओहो तखन जखन यहूदा सन शक्तिशाली राज्यक बात हो।

2: हमरा सभ केँ एहि संसारक वस्तु सभ पर भरोसा नहि करबाक चाही, कारण ओ सभ क्षणिक होइत अछि आ क्षणहि मे छीन लेल जा सकैत अछि।

1: यशायाह 40:8 घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2: याकूब 4:14 तइयो अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि ।

इजकिएल 19:13 आब ओ जंगल मे, शुष्क आ प्यासल जमीन मे रोपल गेल छथि।

इजकिएल 19:13 के अंश एकटा एहन स्थिति के वर्णन करैत अछि जाहि में एकटा शेरनी के शुष्क आ प्यासल जंगल में रोपल गेल अछि |

1. "जंगल मे रोपनी: कठिन समय मे पनपब सीखब"।

2. "शुष्क आ प्यासल जमीन: संघर्ष के ताकत में बदलब"।

1. यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी। आब ई झरझरा उठैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब आ मरुभूमि मे नदी मे।

2. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ हम सभ ओहि दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू जे पहिने राखल गेल अछि हमरा सभ केँ, अपन विश्वासक संस्थापक आ सिद्ध करयवला यीशु दिस तकैत।

इजकिएल 19:14 ओकर डारि मे सँ आगि निकलि गेल छैक जे ओकर फल केँ खा गेल छैक, जाहि सँ ओकरा लग कोनो मजबूत लाठी नहि छैक जे शासन करबाक लेल राजदंड बनय। ई विलाप अछि, आ विलाप लेल होयत।

ई अंश एकटा शक्तिशाली राष्ट्र के पतन आरू ओकरा पर शासन करै लेली मजबूत नेतृत्व के कमी के विलाप छै ।

1. कमजोर नेतृत्वक खतरा

2. विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक महत्व

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. यिर्मयाह 17:7-8 - धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा प्रभु छथि। ओ पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत, जे अपन जड़ि केँ नदीक कात मे पसारि दैत अछि, आ जखन गर्मी आबि जायत तखन नहि देखत, मुदा ओकर पात हरियर भ' जायत। आ रौदीक वर्ष मे सावधान नहि रहत आ ने फल देब छोड़त।

इजकिएल अध्याय 20 में इस्राएल के परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह के इतिहास, ओकरा सिनी के प्रति ओकर धैर्य आरू अनुशासन, आरू ओकरा सिनी के बहाली के लेलऽ ओकरो अंतिम योजना के बारे 1451

में बतैलऽ गेलऽ छै। अध्याय में आज्ञाकारिता के महत्व, परमेश् वर के निष्ठा आरू हुनकऽ सच्चा आराधना के इच्छा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के प्राचीन सिनी के इजकिएल के सलाह लेबै लेली ऐला के साथ होय छै। एकरऽ जवाब में परमेश् वर इस्राएल के विद्रोह के इतिहास के बारे में बतैलकै, जे मिस्र में रहला के समय सें शुरू होय के छै। हुनकऽ निरंतर उपस्थिति आरू मार्गदर्शन के बावजूद, वू लगातार हुनकऽ आज्ञा नै मानलकै आरू अपनऽ आसपास के जाति के मूर्ति के पीछू-पीछू चललै (इजकिएल २०:१-९)।

2 पैराग्राफ: भगवान् वर्णन करैत छथि जे कोना ओ अपन दया देखौलनि जे जंगल मे हुनका सभ केँ पूर्णतः नष्ट नहि कयलनि, भले ओ सभ हुनका भड़का देलनि। ओ हुनका सभ केँ आज्ञापालनक परीक्षाक रूप मे अपन आज्ञा देलनि, मुदा ओ सभ तइयो विद्रोह केलनि, जाहि सँ हुनकर क्रोध आ अनुशासन भेटलनि (इजकिएल 20:10-26)।

तेसर पैराग्राफ: भगवान् बतबैत छथि जे कोना ओ लोक सभ केँ अपन मूर्तिपूजा जारी रखबाक अनुमति देलनि जाहि सँ हुनका सभ केँ साकार आ पश्चाताप केर बिन्दु पर पहुँचा सकथि। ओ सच्चा आराधना के लेल अपन इच्छा आ अपन लोक के जाति स’ एकत्रित करबाक, ओकरा शुद्ध करबाक आ इस्राएल के देश मे पुनर्स्थापित करबाक अपन योजना के व्यक्त करैत छथि (इजकिएल 20:27-44)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के विद्रोही घराना के चेतावनी के साथ होय छै कि भविष्य में ओकरा अपनऽ मूर्तिपूजा के प्रथा जारी नै रखै के अनुमति नै देलऽ जैतै । परमेश् वर हुनका सभक न्याय करबाक आ शुद्ध करबाक वादा करैत छथि, आओर ओ हुनकर सभक परमेश् वर हेताह जखन कि ओ सभ हुनकर लोक हेताह (इजकिएल 20:45-49)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय बीस के पुनर्कथन
इस्राएल के विद्रोह, परमेश् वर के अनुशासन,
हुनक वास्तविक पूजाक इच्छा, आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

मिस्र स वर्तमान तक इजरायल के विद्रोह के इतिहास।
परमेश् वरक दया, आज्ञा आ लोकक निरंतर आज्ञा नहि मानब।
मूर्तिपूजा के साकार आ पश्चाताप लाबय देबय के उद्देश्य।
असली पूजा के इच्छा आ हुनकर लोक के एकत्रित आ पुनर्स्थापित करबाक योजना।
न्याय, शुद्धि, आ वाचा संबंधक चेतावनी।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ इस्राएल केरऽ परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह के इतिहास, ओकरा सिनी के प्रति ओकरऽ अनुशासन, आरू ओकरऽ बहाली के लेलऽ ओकरऽ अंतिम योजना के बारे में बतैलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत इस्राएल के प्राचीन सिनी के इजकिएल के सलाह लेबै स॑ होय छै, जेकरा स॑ परमेश् वर क॑ ओकरऽ विद्रोही इतिहास के बारे म॑ बताबै लेली प्रेरित करलऽ जाय छै जब॑ वू मिस्र म॑ छेलै । परमेश् वरक निरंतर उपस्थिति आ मार्गदर्शनक बादो लोक सभ हुनकर आज्ञा नहि मानैत रहल आ अपन आसपासक जाति सभक मूर्ति सभक पालन करैत रहल। परमेश् वर अपन दया देखाबैत छथि जे जंगल मे हुनका सभ केँ एकदम सं नष्ट नहि क' दैत छथि, भले ओ सभ हुनका भड़का देने होथि। ओ हुनका सभ केँ आज्ञापालनक परीक्षा मे अपन आज्ञा देलनि, मुदा ओ सभ तइयो विद्रोह केलनि, जाहि सँ हुनकर क्रोध आ अनुशासन भेलनि। लेकिन भगवान लोगऽ क॑ अपनऽ मूर्तिपूजा जारी रखै के अनुमति दै छै ताकि ओकरा साकार आरू पश्चाताप के बिंदु प॑ पहुँचैलऽ जाय सक॑ । ओ सच्चा आराधना के लेल अपन इच्छा व्यक्त करैत छथि आ अपन लोक के जाति स जुटेबाक, ओकरा शुद्ध करबाक आ इस्राएल देश मे पुनर्स्थापित करबाक अपन योजना के प्रकट करैत छथि। अध्याय के समापन इस्राएल के विद्रोही घराना के चेतावनी के साथ होय छै, जेकरा में न्याय, शुद्धि आरू वाचा के संबंध के स्थापना के वादा करलऽ गेलऽ छै। अध्याय में आज्ञाकारिता के महत्व, परमेश् वर के निष्ठा आरू हुनकऽ सच्चा आराधना के इच्छा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 20:1 सातम साल पाँचम मास मे, मासक दसम दिन इस्राएलक किछु प्राचीन लोकनि परमेश् वर सँ पूछय लेल आयल आ हमरा सोझाँ बैसल।

इस्राएल केरऽ कुछ प्राचीन लोगऽ के सातवाँ साल, पाँचवाँ महीना आरू दसवाँ दिन में मार्गदर्शन माँगै लेली प्रभु के पास आबी गेलै।

1. भगवान सदिखन हमर सभक सहायताक पुकार सुनैत छथि

2. प्रभुक आवाज सुनब विश्वासक निशानी अछि

1. भजन 18:6 - हम अपन संकट मे प्रभु केँ बजौलहुँ; हम अपन भगवान स मददि लेल कानलहुं। अपन मंदिर सँ हमर आवाज सुनलनि। हमर चीत्कार हुनका सोझाँ आबि गेलनि, हुनकर कान मे।

2. यिर्मयाह 33:3 - हमरा फोन करू आ हम अहाँ केँ जवाब देब आ अहाँ केँ पैघ आ अनसोद बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छी।

इजकिएल 20:2 तखन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात कयलनि।

1.प्रभु हमरा सभसँ गप्प करबाक लेल सदिखन तैयार रहैत छथि

2.आज्ञापालन आशीर्वाद दैत अछि

1.यहोशू 1:8 "ई व्यवस्थाक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि हटि जायत, बल् कि अहाँ एहि पर दिन-राति मनन करू, जाहि सँ अहाँ एहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करबा मे सावधान रहब। कारण तखन अहाँ करब।" अपन बाट समृद्ध करू, तखन नीक सफलता भेटत।

2.भजन 46:10 "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब!"

इजकिएल 20:3 मनुष्यक पुत्र, इस्राएलक बूढ़ सभ सँ बात करू आ हुनका सभ सँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। की अहाँ सभ हमरा सँ पूछताछ करऽ आयल छी? हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ हमरा सँ पूछताछ नहि करब।

परमेश् वर परमेश् वर इस्राएलक बुजुर्ग सभ सँ बात करैत छथि जे हुनका सभ सँ हुनका सँ पूछताछ नहि कयल जायत।

1. हमरा सभ केँ विनम्रतापूर्वक प्रभुक प्रति आदर करबाक चाही आ ई स्वीकार करबाक चाही जे सच्चा ज्ञानक स्रोत ओ मात्र छथि।

2. हमरा लोकनि केँ प्रभु केँ नियंत्रित करबाक प्रयास नहि करबाक चाही आ ने हुनका अपन इच्छाक अनुसार परिभाषित करबाक चाही।

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. 1 पत्रुस 5:5-6 तहिना अहाँ सभ छोट, जेठक अधीन रहू। हँ, अहाँ सभ एक-दोसरक अधीन रहू आ विनम्रताक वस्त्र पहिरि लिअ, किएक तँ परमेश् वर घमंडी लोक सभक विरोध करैत छथि आ विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ समय पर अहाँ सभ केँ ऊपर उठाबथि।

इजकिएल 20:4 हे मनुष्यक बेटा, की अहाँ हुनका सभक न्याय करब? हुनका सभ केँ अपन पूर्वजक घृणित काज सभ केँ बुझा दियौक।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ इस्राएल केँ ओकर दुष्टता आ मूर्तिपूजाक लेल सामना करथि, आ हुनका सभ केँ अपन पूर्वजक घृणित काज सभक स्मरण करथि।

1. अतीत सँ सीखब: हमर पिताक घृणित बात

2. पश्चाताप के आवश्यकता: दुष्टता आ मूर्तिपूजा के सामना करब

1. व्यवस्था 29:16-20 - प्रभु आज्ञा दैत छथि जे हुनका लोकनिक पूर्वजक संग कयल गेल वाचा केँ स्मरण मे राखल जाय।

2. यिर्मयाह 7:6 - प्रभु पश्चाताप आ घृणित काज छोड़बाक आह्वान करैत छथि।

इजकिएल 20:5 आ हुनका सभ केँ कहू, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जाहि दिन हम इस्राएल केँ चुनलहुँ आ याकूबक वंशजक वंशजक समक्ष अपन हाथ उठौलहुँ आ मिस्र देश मे हुनका सभक समक्ष अपना केँ चिन्हलहुँ, तखन हम हुनका सभक समक्ष अपन हाथ उठौलहुँ जे हम अहाँक प्रभु छी।” ईश्वर;

परमेश् वर इस्राएल केँ चुनलनि आ मिस्र देश मे हाथ उठौला पर हुनका सभक प्रभु आ परमेश् वरक घोषणा कयलनि जे ओ हुनका सभक बीच अपना केँ जनौलनि।

1. इस्राएल के साथ परमेश् वर के वाचा: वफादारी के एक कहानी

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: एकटा अनन्त वाचा

1. व्यवस्था 7:8-9 - मुदा प्रभु अहाँ सभ सँ प्रेम कयलनि आ अहाँ सभक पूर्वज सभक शपथ केँ पूरा कयलनि, तेँ ओ अहाँ सभ केँ एकटा पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि देलनि आ अहाँ सभ केँ गुलामीक देश सँ, मिस्रक राजा फिरौनक शक्ति सँ मुक्त कयलनि. तेँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर छथि। ओ विश्वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि, हुनका सभक हजार पीढ़ी धरि अपन प्रेमक वाचा केँ पालन करैत छथि।

2. यिर्मयाह 31:3 - हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ; हम अहाँकेँ अटूट दयासँ खींचने छी।

इजकिएल 20:6 जाहि दिन हम हुनका सभक दिस हाथ उठौलहुँ जे मिस्र देश सँ हुनका सभ केँ ओहि देश मे अनबाक लेल जे हम हुनका सभक लेल जासूसी केने रही, जे दूध आ मधु सँ बहैत छल, जे सभ देशक महिमा अछि।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ प्रचुरता आ आशीर्वादक भूमिक प्रतिज्ञा कयलनि, आ ओहि प्रतिज्ञा केँ पूरा कयलनि आ ओकरा सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालि कऽ प्रतिज्ञात देश मे आनि देलनि।

1. "भगवानक प्रतिज्ञाक पूर्ति"।

2. "प्रतिज्ञात भूमिक आशीर्वाद"।

1. निष्कासन 3:7-10

2. व्यवस्था 8:7-10

इजकिएल 20:7 तखन हम हुनका सभ केँ कहलियनि, “अहाँ सभ अपन आँखिक घृणित बात सभ केँ फेकि दियौक, आ मिस्रक मूर्ति सभ सँ अपना केँ अशुद्ध नहि करू।

परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे मिस्रक मूर्ति सभक आराधना नहि करथि आ अपन आँखिक घृणित वस्तु सभ केँ फेकि दियौक, ई मोन पाड़ि जे ओ हुनकर सभक परमेश् वर प्रभु छथि।

1. "मूर्तिपूजा: मिथ्या देवता पर भरोसा करबाक खतरा"।

2. "अकेल भगवान: हमरा सभकेँ आन सभ देवताकेँ किएक अस्वीकार करबाक चाही"।

1. व्यवस्था 6:13-15 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ भय करू आ हुनकर सेवा करू आ हुनकर नाम सँ शपथ खाउ। अहाँ सभ आन देवता सभक पाछाँ नहि जाउ, जे अहाँक आसपासक लोक सभक देवता अछि। कारण अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा मे।" तोहर बीच ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि, जाहि

सँ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक क्रोध नहि भड़कि जाय आ ओ अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर सँ नष्ट नहि कऽ देथिन।”

2. भजन 115:3-8 - "हमर सभक परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ सभ जे चाहैत छथि से करैत छथि। हुनकर मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। हुनका सभक मुँह छनि, मुदा नहि बजैत छथि; हुनका सभक आँखि छनि, मुदा नहि देखैत छथि, हुनका सभक कान छनि, मुदा नहि सुनैत छथि, आ ने हुनका सभक मुँह मे कोनो साँस होइत छनि।ओ सभ हुनका सभ जकाँ बनबैत छथि, तहिना हुनका सभ पर भरोसा करयवला सभ सेहो करैत छथि।हे इस्राएल, प्रभु पर भरोसा करू, ओ हुनका सभक छथि सहायता आ ओकर ढाल।हे हारूनक घराना, प्रभु पर भरोसा करू, ओ ओकर सभक सहायक आ ढाल छथि।”

इजकिएल 20:8 मुदा ओ सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक आ हमर बात नहि सुनलक, ओ सभ अपन आँखिक घृणित बात सभ केँ नहि फेकि देलक आ ने मिस्रक मूर्ति सभ केँ छोड़ि देलक मिस्र देशक बीच मे हुनका सभक विरुद्ध हमर क्रोध पूरा करबाक लेल।

मिस्र देशक लोक सभ परमेश् वरक आज्ञा मानय सँ मना कऽ देलक आ अपन मूर्तिपूजा करैत रहल। जवाब मे भगवान कहलखिन जे ओ हुनका सब के आज्ञा नहि मानय के सजा देब।

1. परमेश् वरक न्याय: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. मूर्तिपूजाक खतरा

1. व्यवस्था 6:13-14 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ भय हुनकर सेवा करू आ हुनकर नाम सँ शपथ ग्रहण करू। अहाँ सभ दोसर देवता सभक पाछाँ नहि जाउ, जे अहाँक चारू कात अछि जे लोक सभक देवता अछि।"

2. भजन 115:4-8 - "ओकर सभक मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। हुनका सभक मुँह छनि, मुदा ओ सभ नहि बजैत छथि; आँखि छनि, मुदा नहि देखैत छथि; हुनका सभक कान छनि, मुदा ओ सभ बजैत छथि।" नहि सुनैत अछि, नाक अछि, मुदा गंध नहि अबैत अछि, हाथ अछि, मुदा सम्हारैत नहि अछि, पैर अछि, मुदा चलैत नहि अछि, आ ने कंठ मे बड़बड़ाइत अछि जे कियो हुनका सभ पर भरोसा करैत अछि।"

इजकिएल 20:9 मुदा हम अपन नामक लेल काज केलहुँ जे ओहि जाति सभक समक्ष ई दूषित नहि हो, जिनका सभक बीच ओ सभ छल, जकरा सभक नजरि मे हम ओकरा सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर निकालि क’ ओकरा सभ केँ अपना केँ चिन्हित केलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालि कऽ अपन नाम केँ गैर-यहूदी सभक द्वारा प्रदूषित नहि करबाक लेल अनलनि।

1. भगवान् के अपन लोक के प्रति प्रेम एतेक मजबूत अछि जे हुनकर नाम के रक्षा क सकैत अछि।

2. भगवान् के कर्म हुनकर नाम आ प्रतिष्ठा के प्रति हुनकर प्रतिबद्धता के दर्शाबैत अछि।

1. निष्कासन 3:7-8, "तखन प्रभु कहलथिन, “हम मिस्र मे अपन लोकक कष्ट देखलहुँ आ हुनकर सभक काजक मालिक सभक कारणेँ हुनकर पुकार सुनलहुँ, कारण हम हुनकर सभक दुःख केँ जनैत छी; आ हम आबि गेल छी।" नीचाँ ओकरा सभ केँ मिस्रवासी सभक हाथ सँ बचाबय लेल आ ओहि देश सँ नीक देश आ पैघ देश मे, दूध आ मधु सँ बहय बला देश मे लऽ जेबाक लेल।”

2. यशायाह 48:9-11, "हम अपन नामक लेल अपन क्रोध केँ स्थगित करब, आ अपन स्तुतिक लेल हम अहाँक लेल रोकब, जाहि सँ हम अहाँ केँ नहि काटि देब। देखू, हम अहाँ केँ शुद्ध कयलहुँ, मुदा चानी सँ नहि; हम।" अहाँ केँ क्लेशक भट्ठी मे चुनने छी।हम अपन लेल, अपना लेल सेहो ई काज करब, कारण हमर नाम कोना दूषित होयत? आ हम अपन महिमा दोसर केँ नहि देब।"

इजकिएल 20:10 एहि लेल हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर निकालि क’ जंगल मे अनलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालि कऽ जंगल मे लऽ गेलाह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक नेतृत्व करबा मे निष्ठा - इजकिएल 20:10

1455

2. परमेश् वर अपन लोकक रक्षा - इजकिएल 20:10

1. निष्कासन 14:13-14 - परमेश् वर इस्राएली सभ केँ लाल सागरक बीच सँ लऽ जाइत छथि आ फिरौनक सेना सभ सँ बचाबैत छथि।

2. व्यवस्था 8:2-3 - परमेश् वर इस्राएली सभ केँ जंगल मे परीक्षा देलनि आ हुनका सभ केँ भूख आ प्यास सँ नम्र कयलनि जाहि सँ हुनका सभ केँ हुनका पर भरोसा करबाक सिखाओल जाय।

इजकिएल 20:11 हम हुनका सभ केँ अपन नियम-नियम द’ देलियनि आ हुनका सभ केँ अपन निर्णय देखौलियनि, जे जँ केओ करत तँ ओ ओहि मे जीवित रहत।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ अपन नियम आ न् याय देलनि, जकर पालन हुनका सभ केँ जीबाक लेल करबाक चाही।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक शक्ति

2. भगवानक इच्छाक पालन करबाक फल

1. व्यवस्था 30:16 - "हम आइ तोरा आज्ञा दैत छी जे अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू, हुनकर बाट पर चलू, आ हुनकर आज्ञा आ नियम आ हुनकर विधानक पालन करू, जाहि सँ अहाँ जीवित रहब आ बढ़ब। आ प्रभु।" तोहर परमेश् वर तोरा ओहि देश मे आशीर्वाद देथिन, जाहि देश मे अहाँ ओकरा अपन कब्जा मे लेबऽ जायब।”

2. याकूब 1:25 - "मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे रहैत अछि, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल्कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।"

इजकिएल 20:12 हम हुनका सभ केँ अपन विश्राम-दिन सेहो देलियैक, जाहि सँ ओ सभ हमरा आ हुनका सभक बीच एकटा चिन्ह बनय, जाहि सँ ओ सभ ई जानि सकथि जे हम हुनका सभ केँ पवित्र करयवला प्रभु छी।

ई श्लोक इस्राएली सिनी के साथ परमेश् वर के वाचा संबंध के बात करै छै, जेकरा में हुनी अपनऽ पवित्रता के निशानी के रूप में आरू अपनऽ उपस्थिति के याद दिलाबै के रूप में सब्त के दिन के अलग करी देल॑ छै।

1. "ईश्वर के पवित्रता के एक चिन्ह: सब्त के पवित्रता के पुनः पुष्टि"।

2. "इस्राएल के साथ परमेश् वर के वाचा: हुनक उपस्थिति के याद करै लेली विश्राम के दिन के पालन करना"।

1. यशायाह 56:4-7

2. निष्कासन 31:12-17

इजकिएल 20:13 मुदा इस्राएलक वंशज जंगल मे हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक, ओ सभ हमर नियम मे नहि चलल, आ हमर निर्णय केँ तुच्छ बुझलक, जे जँ केओ करत तँ ओ ओहि मे जीवित रहत। हमर विश्राम-दिन केँ ओ सभ बहुत दूषित कऽ देलक, तखन हम कहलियनि, “हम हुनका सभ केँ मरुजब मे अपन क्रोध हुनका सभ पर उझलि देबनि।”

इस्राएल के घराना जंगल में परमेश् वर के विधान में नै चलै के, ओकरोॅ न्याय कॅ तिरस्कार करी कॅ, आरु ओकरोॅ विश्राम के दिन बहुत दूषित करी कॅ परमेश् वर के खिलाफ विद्रोह करलकै। एकरऽ परिणाम ई छेलै कि भगवान कहलकै कि वू जंगल में ओकरा सिनी पर अपनऽ क्रोध उझड़ी देतै ।

1. भगवानक इच्छा केँ अस्वीकार करब: विद्रोहक खतरा

2. भगवान् के पवित्रता आ पालन करबाक हमर दायित्व

1. व्यवस्था 11:1 - तेँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू, आ हुनकर आज्ञा, हुनकर नियम, हुनकर नियम आ हुनकर आज्ञा सभ केँ सदिखन पालन करू।

2. कुलुस्सी 1:21-23 - आ अहाँ सभ जे कहियो पराया आ शत्रुतापूर्ण विचार मे छलहुँ, दुष्ट काज करैत छलहुँ, आब ओ अपन मृत्यु द्वारा अपन शरीर मे मेल मिलाप क’ लेने छी, जाहि सँ अहाँ सभ केँ पवित्र आ निर्दोष आ निन्दा सँ ऊपर प्रस्तुत कयल जाय हुनका, जँ अहाँ सभ विश् वास मे स्थिर आ अडिग रहू, आ ओहि सुसमाचारक आशा सँ नहि हटैत छी जे अहाँ सभ सुनलहुँ, जे स् वर्गक नीचाँ सभ सृष्टि मे प्रचारित भेल अछि आ जकर सेवक हम पौलुस बनि गेलहुँ।

इजकिएल 20:14 मुदा हम अपन नामक लेल काज केलहुँ जे ओहि गैर-यहूदी सभक सामने ई दूषित नहि हो, जकरा सभक नजरि मे हम ओकरा सभ केँ बाहर निकाललहुँ।

परमेश् वरक नाम गैर-यहूदी सभक बीच पवित्र रखबाक छल।

1: हमरा सभ केँ सदिखन अपन आसपासक लोकक नजरि मे परमेश् वरक नाम केँ पवित्र रखबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ भगवानक नामक आदर करबाक लेल मोन राखय पड़त जखन कि हम सभ ओहि लोक मे छी जे विश्वास नहि करैत अछि।

1: यशायाह 48:11 - हम अपन लेल, अपन लेल, ई काज करैत छी। हम अपना केँ कोना बदनाम होमय देब।
हम अपन महिमा दोसर केँ नहि देब।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।
तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क' सकब जे परमेश् वरक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि।

इजकिएल 20:15 तइयो हम जंगल मे हुनका सभ लग हाथ उठौलहुँ जे हम हुनका सभ केँ ओहि देश मे नहि आनब जे हम हुनका सभ केँ देने छलहुँ, जे दूध आ मधु सँ बहैत अछि, जे सभ देशक महिमा अछि।

परमेश् वर इस्राएली सभ सँ प्रचुरताक भूमिक प्रतिज्ञा कयलनि, तइयो ओ सभ पाप करबा काल ओकरा रोकलनि।

1. भगवान विश्वासी आ न्यायी छथि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. व्यवस्था 6:10-12 - अहाँ परमेश् वरक नजरि मे जे उचित आ नीक अछि से करू, जाहि सँ अहाँक नीक होअय आ अहाँ भीतर जा कऽ ओहि नीक देश पर कब्जा कऽ सकब जकरा परमेश् वर शपथ देने छलाह तोहर बाप-पिता।

11 परमेश् वरक आज्ञा आ हुनकर नियम सभक पालन करबाक लेल, जे आइ हम अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दैत छी?

12 जाहि सँ अहाँक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ केँ आशीष दऽ सकथि जे अहाँ सभ जे किछु करैत छी आ जाहि मे अहाँ अपना केँ घुमा रहल छी।

2. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप अहाँ सभ सँ हुनकर मुँह नुका कऽ रखने अछि जे ओ नहि सुनत।

इजकिएल 20:16 किएक तँ ओ सभ हमर न्याय केँ तुच्छ बुझैत छल आ हमर नियम मे नहि चलैत छल, बल् कि हमर विश्राम-दिन केँ अशुद्ध करैत छल, किएक तँ ओ सभ अपन मूर्ति सभक पाछाँ लागल छल।

इजकिएल के ई अंश परमेश् वर के न्याय कॅ तिरस्कार करै के परिणाम के बारे में बात करै छै आरू हुनकऽ नियम के पालन नै करै के परिणाम के बारे में बात करै छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप हुनकऽ सब्त के दिन प्रदूषित होय जाय छै।

1457

1. परमेश् वरक नियमक पालन करब: सच्चा पवित्रताक मार्ग

2. विश्राम-दिनक महत्व: परमेश् वरक लेल अलग रहब

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल

2. रोमियो 14:5-6 - एक आदमी एक दिन केँ दोसर दिन सँ बेसी मानैत अछि, दोसर लोक सभ दिन केँ एक समान मानैत अछि। प्रत्येक मनुष्य अपन-अपन मनमे पूर्ण रूपेण विन्वासी रहय।

इजकिएल 20:17 तैयो हमर आँखि ओकरा सभ केँ नष्ट करबा सँ बचा लेलक आ हम ओकरा सभ केँ जंगल मे समाप्त नहि क’ सकलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ जंगल मे नष्ट नहि कयलनि, बल् कि हुनका सभ केँ बख्शलनि।

1. भगवानक दया: अपन लोकक प्रति भगवानक करुणा केँ प्रकट करब

2. क्षमाक शक्ति: परमेश् वरक प्रचुर कृपाक अनुभव करब

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इफिसियों 2:4-5 - मुदा हमरा सभक प्रति अपन बहुत प्रेमक कारणेँ परमेश् वर, जे दया सँ भरपूर छथि, हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि, जखन कि हम सभ अपराध मे मरि गेल रही, ई कृपा सँ अहाँ सभक उद्धार भेल अछि।

इजकिएल 20:18 मुदा हम हुनका लोकनिक बच्चा सभ केँ जंगल मे कहलियनि, “अपन पूर्वजक नियम मे नहि चलू, आ ने हुनकर निर्णय केँ पालन करू आ ने हुनकर मूर्ति सँ अपना केँ अशुद्ध करू।

भगवान् जनता सँ आह्वान केलनि जे ओ अपन पूर्वजक परंपरा सँ मुँह मोड़ि कऽ मूर्तिपूजा सँ अपना केँ अशुद्ध नहि करथि।

1. भगवान हमरा सभकेँ परंपरासँ टूटि कऽ हुनकर पालन करबाक लेल बजा रहल छथि

2. मूर्तिपूजा प्रभुक मार्ग नहि थिक

1. व्यवस्था 30:19-20: आइ हम आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाह बजबैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देने छी। आब जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक बच्चा सभ जीबि सकब आ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम कऽ सकब, हुनकर आवाज सुनब आ हुनका पकड़ि सकब।

2. यिर्मयाह 29:13: अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ तकब।

इजकिएल 20:19 हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी। हमर नियम मे चलू आ हमर निर्णय केँ पालन करू आ ओकरा पालन करू।

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन नियम आ न्यायक पालन करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक नियमक पालन करबाक महत्व

2. प्रभु के आज्ञाकारिता के जीवन जीना

1. मत्ती 28:20 - हुनका सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, ओकर पालन करथि।

2. याकूब 1:22 - खाली वचन नहि सुनू, आ एहि तरहेँ अपना केँ धोखा दियौक। जे कहैत अछि से करू।

इजकिएल 20:20 हमर विश्राम-दिन केँ पवित्र करू। ओ सभ हमरा आ अहाँ सभक बीच एकटा चिन्ह बनत जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे हम अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर छी।

परमेश् वर अपन सभ लोक केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन विश्राम-दिन केँ पवित्र राखथि आ ओकरा अपन उपस्थितिक चिन्हक रूप मे प्रयोग करथि।

1. सब्त के महत्व: परमेश् वर के पवित्र दिन के उद्देश्य के खोज

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब: विश्राम-दिनक आदर कोना कयल जाय

1. निष्कासन 31:13-17; परमेश् वर मूसा सँ विश्राम-दिनक पवित्रताक विषय मे गप्प करैत छथि

2. यशायाह 58:13-14; सब्त के पवित्र रखबाक सच्चा तरीका।

इजकिएल 20:21 मुदा बच्चा सभ हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक, ओ सभ हमर नियमक अनुसार नहि चलल, आ ने हमर नियमक पालन केलक जे जँ केओ पूरा करत तँ ओ ओहि मे जीवित रहत। ओ सभ हमर विश्राम-दिन केँ दूषित कऽ देलक, तखन हम कहलियनि, “हम हुनका सभ पर अपन क्रोध उझलि देबनि जाहि सँ जंगल मे हुनका सभक विरुद्ध अपन क्रोध पूरा कयल जाय।”

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ पर क्रोधित छथि जे ओ अपन नियम आ न्यायक पालन नहि कयलनि, आ अपन विश्राम-दिन केँ दूषित कयलनि। तेँ ओ निर्जन मे हुनका सभ पर अपन क्रोध उझलबाक निर्णय कएने छथि ।

1. परमेश् वरक आज्ञापालनक महत्व - इजकिएल 20:21

2. परमेश् वरक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - इजकिएल 20:21

1. व्यवस्था 5:29-30 - हे जँ हुनका सभ मे एहन हृदय रहैत जे ओ सभ हमरा सँ डेराइत आ हमर सभ आज्ञा केँ सदिखन पालन करितथि, जाहि सँ हुनका सभ केँ आ हुनका सभक संतान सभक लेल सदाक लेल नीक भऽ जाय!

2. भजन 1:1-2 - धन्य अछि ओ आदमी जे अभक्तक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने तिरस्कार करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि। मुदा प्रभुक व्यवस्था मे हुनकर प्रसन्नता छनि। आ अपन नियम मे दिन-राति मनन करैत अछि।

इजकिएल 20:22 तैयो हम अपन हाथ हटि कऽ अपन नामक लेल काज केलहुँ, जाहि सँ ओ गैर-यहूदी सभक नजरि मे ई दूषित नहि हो, जकरा सभक नजरि मे हम ओकरा सभ केँ बाहर अनलहुँ।

परमेश् वर अपन लोकक प्रति दया देखाबय के विकल्प चुनलनि, ओहो तखन जखन ओ सभ एकर हकदार नहि छलाह।

1. भगवानक दया निःशर्त अछि

2. प्रभु के नाम के शक्ति

२ हुनका माध्यमे भगवानक क्रोध!"

2. भजन 109:21-22 - "मुदा अहाँ, प्रभु, अहाँ अपन नामक लेल हमरा संग नीक व्यवहार करू; अपन प्रेमक भलाई सँ हमरा बचाउ। कारण हम गरीब आ गरीब छी, आ हमर हृदय हमरा भीतर घायल अछि।" ."

इजकिएल 20:23 हम जंगल मे सेहो हुनका सभक दिस हाथ उठौलहुँ जे हम हुनका सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देब आ देश-देश मे तितर-बितर कऽ देब।

परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे इस्राएल केँ जाति सभक बीच तितर-बितर कऽ देथिन जे ओकर आज्ञा नहि मानबाक सजा देत।

1: हमरा सभकेँ परमेश् वरक प्रति समर्पित रहबाक चाही आ हुनकर प्रतिज्ञा पर विश्वास रखबाक चाही, नहि तँ अपन आज्ञा नहि मानबाक परिणामक सामना करबाक चाही।

2: भगवान् जखन अपन लोक केँ सजा दैत छथि तखनो हुनकर प्रेम आ दया बनल रहैत छनि।

1: व्यवस्था 28:64 प्रभु अहाँ केँ पृथ्वीक एक छोर सँ दोसर छोर धरि सभ लोकक बीच छिड़ियाओत। ओतहि अहाँ आन देवताक सेवा करब, जकरा अहाँ आ ने अहाँक पूर्वज नहि जनैत छी, लकड़ी आ पाथर।

2: यशायाह 11:12 ओ जाति सभक लेल एकटा झंडा ठाढ़ करत, आ इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ एकत्रित करत आ पृथ् वीक चारू कोन सँ यहूदाक तितर-बितर लोक सभ केँ एकत्रित करत।

इजकिएल 20:24 किएक तँ ओ सभ हमर निर्णय केँ पूरा नहि केने छल, बल् कि हमर नियम सभ केँ तुच्छ बुझि कऽ हमर विश्राम-दिन केँ अशुद्ध कयने छल, आ ओकर सभक नजरि अपन पूर्वजक मूर्ति सभक दिस छल।

परमेश् वर मूर्तिपूजा के विरुद्ध आज्ञा दै छै आरू अपनऽ विधान के पालन करै आरू अपनऽ सब्त के पालन करै के महत्व पर जोर दै छै ।

1. परमेश् वरक विधान आ आज्ञाक प्रति वफादारीक महत्व

2. मूर्तिपूजाक खतरा आ भगवानक आज्ञाक पालन नहि करबाक परिणाम

1. व्यवस्था 6:5, "अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।"

2. रोमियो 1:25, "ओ सभ परमेश् वरक सत् य केँ झूठक बदला मे बदलि लेलक, आ सृष्टिकर्ताक बजाय सृष्टिक वस्तुक आराधना आ सेवा केलक जे अनन्त काल धरि स्तुति कयल जाइत अछि।"

इजकिएल 20:25 एहि लेल हम हुनका सभ केँ एहन नियम सेहो देलियैक जे नीक नहि छल, आ एहन न्याय सेहो देलियैक जाहि सँ ओ सभ नहि जीबथि।

प्रभु अपन लोक सभ केँ एहन खराब विधान आ निर्णय देलनि जे ओकरा सभ केँ जीवन मे नहि लऽ जायत।

1: खराब परिस्थिति के बादो जीवन केना खोजल जाय

2: भगवानक न्याय आ दया

1: भजन 119:105, "अहाँक वचन हमर पैरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।"

2: फिलिप्पियों 4:13, "हम ओहि द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत अछि।"

इजकिएल 20:26 हम हुनका सभ केँ अपन वरदान सँ अशुद्ध कऽ देलियनि, जाहि सँ ओ सभ गर्भ खोलनिहार सभ केँ आगि मे सँ गुजरय देलहुँ, जाहि सँ हम ओकरा सभ केँ उजाड़ क’ सकब, जाहि सँ ओ सभ ई जानि सकथि जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ दंडित करैत छथि जे ओ सभ हुनका प्रभुक रूप मे चिन्हथि।

1. प्रभुक अनुशासन: भगवान् सँ प्रेम करब आ ओकर आज्ञा मानब सीखब

2. परमेश् वरक संप्रभुता: अपन जीवन मे हुनकर इच्छा केँ स्वीकार करब

1. इब्रानी 12:5-11 - अनुशासन आ परमेश् वरक परिष्कृत आगि

2. रोमियो 8:28-30 - हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक सार्वभौमिकता आ भलाई

1460

इजकिएल 20:27 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, इस्राएलक घराना सँ बात करू आ ओकरा सभ सँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। तैयो अहाँ सभक पूर्वज एहि बात मे हमरा निन्दा कयलनि जे ओ सभ हमरा पर अपराध कयलनि।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना सँ बात करैत छथि जे हुनका सभक पूर्वज हुनका निन्दा कयलनि आ हुनका पर अपराध कयलनि।

1. निन्दा आ उल्लंघन के परिणाम

2. प्रभु परमेश् वरक आदर आ आदर करू

1. निष्कासन 20:7 - "अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक नाम व्यर्थ नहि लिअ, किएक तँ परमेश् वर ओकरा निर्दोष नहि मानताह जे अपन नाम व्यर्थ लेत।"

2. निष्कासन 34:14 - "किएक तँ अहाँ कोनो आन देवताक आराधना नहि करब, किएक तँ प्रभु, जिनकर नाम ईर्ष्यालु अछि, ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि।"

इजकिएल 20:28 जखन हम ओकरा सभ केँ ओहि देश मे अनलहुँ, जकरा लेल हम ओकरा सभ केँ देबाक लेल अपन हाथ उठौलहुँ, तखन ओ सभ ऊँच पहाड़ आ सभटा मोट गाछ देखलक आ ओतहि अपन बलि चढ़ौलनि ओ सभ अपन बलिदानक प्रलोभन दैत छलाह, ओतहि सेहो अपन मधुर सुगंध बनबैत छलाह आ ओतहि अपन पेयबलि उझलि दैत छलाह |

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ प्रतिज्ञात देश मे अनलनि आ ओ सभ बलि चढ़ौलनि, अपन मधुर सुगंध बनौलनि आ ऊँच पहाड़ी आ मोट गाछ सभ पर पेयबलि उझलि देलनि।

1. स्तुति के प्रसाद: अपन जीवन स भगवान के पूजा कोना करी

2. परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा: प्रतिज्ञात भूमिक आशीष कोना भेटत

1. व्यवस्था 12:5-7 - अहाँ ओहि स्थानक खोज करू जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक सभ गोत्र मे सँ चुनताह जे हुनकर नाम राखि कऽ ओतहि अपन निवास बना सकथि। ओहि स्थान पर अहाँ अपन होमबलि आ अपन बलिदान, अपन दसम भाग आ जे दान दैत छी, अपन व्रतबलि, अपन स्वेच्छा सँ बलिदान आ अपन भेँड़ा आ अपन भेड़क जेठ बच्चा आनब।

2. भजन 57:9-10 - हे प्रभु, हम जाति सभक बीच अहाँक धन्यवाद देब। हम जाति-जाति मे अहाँक गुणगान करब। कारण, अहाँक अडिग प्रेम स् वर्गक लेल पैघ अछि, अहाँक विश् वास मेघ धरि।

इजकिएल 20:29 तखन हम हुनका सभ केँ कहलियनि, “अहाँ सभ कोन ऊँच स्थान पर जा रहल छी?” ओकर नाम आइ धरि बमाह कहल जाइत छैक।

भगवान लोक सब स पूछलखिन जे बमाह नामक ऊँच स्थान पर किएक जा रहल छी आ तहिया स ओहि नाम स जानल जाइत अछि।

1. अपन परंपराक उत्पत्ति केँ बुझबाक महत्व

2. मिथ्या देवताक पूजाक परिणाम

1. व्यवस्था 12:2-4 - अहाँ सभ ओहिना नहि करू जेना आइ हम सभ एतय क’ रहल छी, प्रत्येक मनुख अपन नजरि मे जे किछु उचित अछि

2. यशायाह 57:7 - एकटा ऊँच आ ऊँच पहाड़ पर अहाँ अपन बिछाओन राखि देलहुँ, आ ओतय बलि चढ़बाक लेल चढ़लहुँ।

इजकिएल 20:30 तेँ इस्राएलक घराना केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। की अहाँ सभ अपन पूर्वजक ढंग सँ दूषित छी? आ अहाँ सभ हुनका सभक घृणित काजक अनुसार वेश्यावृत्ति करैत छी?

परमेश् वर इस्राएल के घराना के चुनौती दै छै कि वू ओकरऽ व्यवहार पर विचार करै आरू की वू अपनऽ पूर्वज के तरह जी रहलऽ छै ।

1. बुद्धिमानी के विकल्प बनाना: पवित्रता के जीवन जीना।

2. प्रभावक शक्ति: अपन पसंदक प्रभावक परीक्षण।

1. नीतिवचन 14:15 - साधारण लोक कोनो बात पर विश्वास करैत अछि, मुदा विवेकी लोक अपन डेग पर विचार करैत अछि।

2. यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

इजकिएल 20:31 किएक तँ जखन अहाँ सभ अपन वरदान चढ़बैत छी, जखन अहाँ सभ अपन पुत्र सभ केँ आगि मे सँ गुजरय दैत छी, तखन अहाँ सभ आइ धरि अपन सभ मूर्ति सँ अपना केँ गंदा करैत छी। हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ हमरा सँ पूछताछ नहि करब।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ कहैत छथि जे हुनका सभ सँ पूछताछ नहि होयत किएक तँ ओ सभ वरदान चढ़बैत छथि आ अपन पुत्र सभ केँ आगि मे सँ गुजरय दैत छथि, जे हुनकर मूर्ति सभ सँ अपना केँ दूषित करैत अछि।

1. प्रभु केरऽ बेमेल पवित्रता: इजकिएल 20:31 पर चिंतन करना

2. मूर्तिपूजा: अटल पाप के सामने प्रभु के नाराजगी

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ ओहि वस्तुक कोनो उपमा नहि बनाउ।" पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि।

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 20:32 जे बात अहाँ सभक मोन मे आओत से अहाँ सभ ई कहब जे हम सभ गैर-जातिक लोक जकाँ बनब, जेना देशक परिवार सभ लकड़ी आ पाथरक सेवा करब।”

परमेश् वर लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे आन जाति सभक उदाहरण नहि चलय जे लकड़ी आ पाथर सँ बनल मूर्तिक सेवा करैत अछि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: अन्य राष्ट्रक उदाहरणसँ सीखब

2. परमेश् वरक आज्ञा जे असगर हुनकर आराधना करू: आन जातिक मिथ्या देवता केँ अस्वीकार करब

1. यिर्मयाह 10:2-5: प्रभु ई कहैत छथि, “जाति-जाति सभक बाट नहि सीखू आ स् वर्गक संकेत सभ सँ त्रस्त नहि होउ। किएक तँ विधर्मी लोक सभ ओकरा सभ पर चकित भऽ जाइत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 10:14-22: तेँ हे हमर प्रियजन, मूर्तिपूजा सँ भागू।

इजकिएल 20:33 हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हम अहाँ सभ पर एकटा पराक्रमी हाथ आ पसरल बाँहि आ क्रोधक संग शासन करब।

परमेश् वर हमरा सभ पर एकटा पराक्रमी हाथ, पसारि कऽ बाँहि आ क्रोध उझलि कऽ शासन करताह।

1: परमेश् वरक शासन न्याय आ धार्मिक अछि।

2: भगवान् के आज्ञा मानू आ हुनकर रक्षा प्राप्त करू।

1: यशायाह 40:10-11 देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल’ क’ आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करत, देखू, हुनकर इनाम हुनका संग छनि आ हुनकर काज हुनका सामने छनि।

2: नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

इजकिएल 20:34 हम अहाँ सभ केँ लोक मे सँ बाहर निकालब, आ अहाँ सभ केँ ओहि देश सँ बाहर निकालब, जाहि मे अहाँ सभ छिड़ियाएल छी, एकटा शक्तिशाली हाथ आ पसरल बाँहि आ क्रोधक संग।

परमेश् वर वादा करै छै कि इस्राएली सिनी कॅ निर्वासन स॑ बाहर निकाली क॑ अपनऽ मातृभूमि म॑ वापस आबी क॑ एगो शक्तिशाली हाथ आरू फैललऽ बांह के साथ वापस आबी जैतै ।

1. परमेश् वरक अविचल निष्ठा: इस्राएली सभक मोक्ष

2. परमेश् वरक प्रेमक सामर्थ् य: इस्राएली सभक उद्धार

1. भजन 107:2 - प्रभुक उद्धार कयल गेल लोक सभ एना कहय, जकरा ओ शत्रुक हाथ सँ मुक्त क’ लेने छथि

2. यशायाह 43:1-3 - डेराउ नहि, किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेलहुँ, तोहर नाम सँ बजौलहुँ। अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत। हम तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी।

इजकिएल 20:35 हम अहाँ केँ लोकक जंगल मे ल’ जायब, आ ओतय हम अहाँ सँ आमने-सामने निहोरा करब।

परमेश् वर इस्राएली सभ सँ बात करैत छथि आ हुनका सभ केँ लोकक जंगल मे लऽ जाइत छथि, जतय ओ हुनका सभ सँ आमने-सामने निहोरा करताह।

1. जंगल मे भगवानक प्रेम आ क्षमा

2. आमने-सामने संवादक शक्ति

1. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

2. याकूब 4:8 - "परमेश् वर लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक नजदीक आओत..."

इजकिएल 20:36 जेना हम मिस्र देशक जंगल मे अहाँक पूर्वज सभ सँ विनती केलहुँ, तहिना हम अहाँ सभ सँ निहोरा करब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ निहोरा करैत छथि जे ओ अपन नियम आ आज्ञाक पालन करथि।

1. प्रभु हमरा सभसँ निहोरा करैत छथि: परमेश्वरक इच्छाक पालन करबाक आह्वान

2. प्रभुक धैर्य आ प्रेम: इजकिएल 20:36 पर एकटा चिंतन

1. यूहन्ना 14:15 जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करब तँ हमर आज्ञाक पालन करब।

2. व्यवस्था 10:12-13 आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ सभक संग अपन परमेश् वरक सेवा करबाक अहाँक हृदय आ पूरा प्राण सँ, आ प्रभुक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा द’ रहल छी?

इजकिएल 20:37 हम अहाँ केँ लाठीक नीचाँ सँ गुजरि देब आ अहाँ केँ वाचाक बंधन मे राखब।

प्रभु अपन लोक सभ केँ वाचाक बंधन मे अनताह।
1463

1. प्रभुक मोक्षक वाचा

2. प्रभु के आशीर्वाद के छड़ी के नीचे रहना

1. यिर्मयाह 31:31-34 - प्रभु s अपन लोकक संग नव वाचा के प्रतिज्ञा।

2. भजन 23:4 - प्रभु के छड़ी आ लाठी हुनकर लोक के दिलासा दैत अछि आ मार्गदर्शन करैत अछि।

इजकिएल 20:38 हम अहाँ सभक बीच सँ विद्रोही सभ केँ आ हमरा विरुद्ध अपराध करयवला सभ केँ शुद्ध करब, हम ओकरा सभ केँ ओहि देश सँ बाहर निकालि देब जतय ओ सभ प्रवास करैत छथि, आ ओ सभ इस्राएल देश मे नहि प्रवेश करत कि हम परमेश् वर छी।

परमेश् वर हुनका विरुद्ध विद्रोह आ उल्लंघन करय बला लोक सभ केँ अपन वर्तमान भूमि सँ हटा देताह आ हुनका इस्राएल देश मे प्रवेश नहि देथिन।

1. भगवान् के इच्छा के आज्ञापालन में जीना

2. निष्ठा के फल

1. रोमियो 6:12-13 - तेँ पाप केँ अपन नश्वर शरीर मे राज नहि करय दियौक जाहि सँ अहाँ ओकर दुष्ट इच्छाक पालन करब। अपन कोनो हिस्सा केँ पाप मे दुष्टताक साधन नहि बनाउ, बल्कि अपना केँ परमेश् वरक समक्ष ओहि लोकक रूप मे अर्पित करू जे मृत् यु सँ जीवित भऽ गेल छथि। आ अपन एक-एकटा अंग ओकरा धर्मक साधन बनि चढ़ा दियौक।

2. 1 पत्रुस 4:17-19 - किएक तँ परमेश् वरक घर-परिवार सँ न्यायक शुरुआत करबाक समय आबि गेल अछि। आ जँ ई हमरा सभ सँ शुरू होयत तँ जे सभ परमेश् वरक सुसमाचारक आज्ञा नहि मानैत अछि, ओकर की परिणाम होयत? आ, जँ धर्मी लोकक उद्धार करब कठिन अछि तँ अभक्त आ पापी के की हेतैक? त तखन जे भगवान के इच्छा के अनुसार कष्ट उठाबैत छथि हुनका अपन विश्वासी सृष्टिकर्ता के प्रति समर्पित करबाक चाही आ नीक काज करैत रहबाक चाही।

इजकिएल 20:39 हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभक बात, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जँ अहाँ सभ हमर बात नहि मानब तँ जाउ, एक-एक गोटे ओकर मूर्तिक सेवा करू आ परलोक मे सेहो।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ अपन मूर्तिक सेवा करबाक आज्ञा दैत छथि, मुदा अपन वरदान आ मूर्ति सँ हुनकर पवित्र नाम केँ दूषित नहि करबाक चाही।

1. इस्राएलक घराना केँ प्रभुक आज्ञा

2. प्रभु के पवित्र नाम के सम्मान के महत्व

1. यिर्मयाह 2:11-13 - कारण जखन हम हुनका सभ केँ ओहि देश मे अनलहुँ जाहि मे हम हुनका सभ केँ शपथ लेने रही, तखन ओ सभ ऊँच पहाड़ आ सभटा मोट-मोट गाछ देखलनि आ ओतहि ओ सभ अपन बलि चढ़ौलनि आ ओतहि ओ सभ प्रलोभित कयलनि अपन बलिदानक प्रसाद सेहो ओतहि अपन मधुर सुगंध बनबैत छलाह आ ओतहि अपन पेयबलि ढारि दैत छलाह। हम हुनका सभ केँ कहलियनि, “अहाँ सभ कोन ऊँच स्थान पर जा रहल छी?” ओकर नाम आइ धरि बमाह कहल जाइत छैक।

2. निर्गमन 20:7 - अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक नाम व्यर्थ नहि लिअ। किएक तँ परमेश् वर ओकरा निर्दोष नहि मानताह जे ओकर नाम व्यर्थ लेत।”

इजकिएल 20:40 किएक तँ हमर पवित्र पहाड़, इस्राएलक ऊँचाईक पहाड़ पर, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, ओतहि इस्राएलक समस्त वंशज, जे सभ देश मे अछि, हमर सेवा करत, हम ओतहि हुनका सभ केँ स्वीकार करब आ ओतहि की हम अहाँक बलिदान आ अहाँक बलिदानक पहिल फल आ अहाँक सभ पवित्र वस्तुक संग माँगब।”

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के घराना के प्रति वादा करै छै कि अगर वू इस्राएल के ऊंचाई के पहाड़ में ओकरो सेवा करतै, त वू ओकरोॅ चढ़ावा आरू ओकरोॅ सब पवित्र वस्तु के स्वीकार करी लेतै।

1. सच्चा आराधना के प्रकृति: भगवान् के पवित्र पर्वत पर सेवा करना

2. आज्ञाकारिता आ बलिदान: भगवान् केँ स्वीकार्य प्रसाद कोना देल जाय

1. भजन 24:3-4 प्रभुक पहाड़ पर के चढ़ि सकैत अछि? हुनकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ भ' सकैत अछि? जेकर हाथ शुद्ध आ शुद्ध हृदय हो।

2. रोमियो 12:1-2 तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, भाइ-बहिन सभ, परमेश् वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँ सभक सत् य आ उचित आराधना अछि।

इजकिएल 20:41 हम अहाँक मधुर सुगंध सँ स्वीकार करब, जखन हम अहाँ सभ केँ लोक मे सँ बाहर निकालब आ अहाँ सभ केँ ओहि देश सँ जमा करब जाहि मे अहाँ सभ छिड़िया गेल छी। हम अहाँ सभ मे गैर-यहूदी सभक सामने पवित्र भ’ जायब।”

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ स्वीकार करबाक आ पवित्र करबाक वादा करैत छथि जखन ओ सभ ओहि जाति सभक बीच सँ बाहर निकालताह जाहि मे ओ सभ छिड़िया गेल छथि।

1. इस्राएली सभक परमेश् वरक उद्धार

2. परमेश् वरक अपन लोकक पवित्रीकरण

1. व्यवस्था 4:29-30 - "मुदा ओतहि सँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ तकब आ हुनका पाबि लेब, जँ अहाँ हुनका पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ तकब। जखन अहाँ विपत्ति मे रहब आ ई सभ बात।" अंतिम समय मे अहाँ सभ पर आबि जायत, जखन अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस घुरब आ हुनकर आवाज मानब।

2. यशायाह 43:1-3 - "मुदा आब, हे याकूब, जे तोहर सृष्टि केने छथि, आ जे तोरा बनौलनि, हे इस्राएल, परमेश् वर ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ, हम अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी।" ;अहाँ हमर छी।जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी मे ओ अहाँ पर नहि उमड़त।जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ ने लौ अहाँ केँ झुलसत।कारण हम यहोवा तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी।

इजकिएल 20:42 जखन हम अहाँ सभ केँ इस्राएलक देश मे आनब, जाहि देशक लेल हम अहाँ सभक पूर्वज केँ देबाक लेल अपन हाथ उठौने रही तखन अहाँ सभ केँ बुझल होयत जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ इस्राएल देश मे वापस अनबाक वादा करैत छथि, जे ओ हुनका सभक पूर्वज केँ देबाक वादा केने छलाह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा वफादार अछि - इजकिएल 20:42

2. प्रभु के समय पर भरोसा करब - इजकिएल 20:42

1. भजन 37:3-5 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।”

2. गलाती 3:26 - किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे विश्वास करबाक कारणेँ परमेश् वरक संतान छी।

इजकिएल 20:43 ओतहि अहाँ सभ अपन बाट आ अपन सभ काज केँ मोन पाड़ब, जाहि मे अहाँ सभ अशुद्ध भेलहुँ। अहाँ सभ अपन सभटा दुष्कर्मक कारणेँ अपना केँ घृणा करब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ कहैत छथि जे ओ सभ अपन पापपूर्ण तरीका केँ मोन राखू आ अपन सभटा गलत काज पर लाज करथि।

1465

1. पश्चाताप के शक्ति: हमर गलती स सीखब

2. पापक परिणाम: अपराधबोध आ लाज पर काबू पाब

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, तखन ओ हुनका पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. याकूब 5:16 - एक-दोसर सँ अपन दोष स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मी मनुष्यक प्रखर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।

इजकिएल 20:44 हे इस्राएलक घराना, जखन हम अहाँ सभक संग अपन नामक लेल काज करब तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।

प्रभु परमेश् वर, इजकिएल के माध्यम सें बोलतें हुवें इस्राएल के घराना कॅ चेताबै छै कि हुनी ओकरा सिनी के दुष्ट आरू भ्रष्ट तरीका के सजा दै छै।

1. "भगवानक नाम आ अहाँक बाट: हमरा सभकेँ हुनकर पालन किएक करबाक चाही"।

2. "प्रभुक डाँट आ डाँट: दुष्टता केँ अस्वीकार करब"।

१.

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

इजकिएल 20:45 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल कॅ निर्देश दै छै कि हुनी अपनौ लोग सिनी कॅ पश्चाताप के संदेश दै।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: आज्ञाकारिता में परमेश्वर के पास वापसी

2. परमेश् वरक आवाज पर ध्यान देब: पवित्रताक मार्ग

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू।

2. मत्ती 4:17 - तहिया सँ यीशु प्रचार करऽ लगलाह, “पश्चाताप करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य लग आबि गेल अछि।”

इजकिएल 20:46 मनुष्यक बेटा, दक्षिण दिस मुँह करू आ दक्षिण दिस अपन वचन छोड़ू आ दक्षिण खेतक जंगलक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

परमेश् वर इजकिएल कॅ दक्षिण के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी करै के निर्देश दै छै।

1: हमरा सभ केँ भगवानक निर्देश केँ स्वीकार करबाक चाही आ ओकर पालन करबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ कठिन हो।

2: न्याय करबाक अधिकार एकमात्र भगवान् छथि, आ हमरा सभ केँ हुनका पर भरोसा करबाक चाही।

1: यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: यूहन्ना 14:15 जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू।

इजकिएल 20:47 दक्षिणक जंगल केँ कहू जे, “प्रभुक वचन सुनू।” प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि।
देखू, हम अहाँ मे आगि जरा देब, आ ओ अहाँक हरियर गाछ आ हर सुखल गाछ केँ भस्म क' देत, ज्वालामुखी लौ नहि बुझत आ दक्षिण सँ उत्तर दिसक सभ मुँह ओहि मे जरि जायत।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि दक्षिण के जंगल में आगि लगाबै छै जे हर हरियर आरो सूखल गाछ के खा जाय छै आरो नै बुझाय सकै छै। दक्षिण स उत्तर तक क सबटा क्षेत्र जरि जाएत।

1. परमेश् वरक क्रोधक आगि: इजकिएल 20:47 केँ बुझब

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति: इजकिएल 20:47 सँ सीखब

1. रोमियो 5:9 - तखन, आब हुनकर खून द्वारा धर्मी ठहराओल गेलाक बाद, हुनका द्वारा हम सभ क्रोध सँ उद्धार पाबि जायब।

2. याकूब 1:12 - धन्य अछि जे परीक्षा सहैत अछि, कारण जखन ओकरा परीक्षा मे आओत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे प्रभु ओकरा सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

इजकिएल 20:48 सभ प्राणी देखत जे हम प्रभु एकरा जरा देने छी।

भगवान् लोक केँ मोन पाड़ि रहल छथि जे ओ न्याय केँ सामने अनताह आ ई संसार केँ देखबा मे आओत।

1. परमेश् वरक न्यायक प्रज्वलन - परमेश् वरक क्रोधक शक्ति केँ बुझब

2. भगवान् के न्याय के अमिट अग्नि - हुनकर कृपा के दया के अनुभव करब

२.

2. यशायाह 31:2 - "तइयो ओ बुद्धिमान छथि आ विपत्ति अनैत छथि; ओ अपन वचन केँ वापस नहि बजबैत छथि, बल् कि दुष्टक घर आ अधर्मक सहायताक विरुद्ध उठत।"

इजकिएल 20:49 तखन हम कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर! ओ सभ हमरा बारे मे कहैत छथि, “की ओ दृष्टान्त नहि बजैत छथि?”

परमेश् वर के लोग इजकिएल के भविष्यवाणी वाला वचन पर सवाल उठैलकै आरू पूछलकै कि की हुनी दृष्टान्त बोलै छै।

1. परमेश् वरक लोक केँ हुनकर भविष्यवक्ता सभ केँ गंभीरता सँ लेबाक चाही

2. परमेश् वरक भविष्यवाणी पर कहियो संदेह नहि करू

1. यिर्मयाह 23:28-29 - "जे भविष्यवक्ता सपना देखने छथि, ओ सपना कहथि, मुदा हमर वचन रखनिहार हमर वचन निष्ठापूर्वक बाजथि। गहूम मे भूसा मे की समानता अछि?" प्रभु घोषित करैत छथि।

2. मत्ती 13:34-35 - यीशु ई सभ बात लोक सभ केँ दृष्टान्त मे कहलनि; ओ हुनका सभ केँ बिना कोनो दृष्टान्तक प्रयोग नहि कयलनि। भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल बात तहिना पूरा भेल: हम दृष्टान्त मे मुँह खोलब, संसारक सृष्टि सँ नुकायल बात कहब।

इजकिएल अध्याय 21 में तलवार के बिम्ब के उपयोग करी क॑ यरूशलेम पर परमेश्वर के न्याय के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । अध्याय में आसन्न विनाश के गंभीरता, परमेश्वर के न्याय के निश्चितता आरू शहर के साथ जे विनाश होतै, ओकरा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के तरफ सँ इजकिएल के संदेश सँ होय छै, जेकरा में ओकरा यरूशलेम आरू इस्राएल के देश के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश देलऽ गेलऽ छै।

परमेश् वर अपन तलवार केँ न्यायक लेल म्यान खोलबाक वर्णन करैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे जा धरि ओ अपन उद्देश्य पूरा नहि कऽ लेत ता धरि ओ वापस नहि आओत (इजकिएल 21:1-7)।

2nd पैराग्राफ: परमेश् वर आगू यरूशलेम पर जे विनाश होयत ओकर वर्णन करैत छथि, तलवारक लेल विभिन्न रूपकक प्रयोग करैत। ओ घोषणा करैत छथि जे तलवार तेज भ' जायत, पालिश कयल जायत आ वधक लेल तैयार भ' जायत। ई शहर आ ओकर निवासी पर आतंक, निराशा आ विनाश आनत (इजकिएल 21:8-17)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय तलवार आ ओकर विनाशकारी शक्ति पर विलाप के संग आगू बढ़ैत अछि | परमेश् वर तलवार क॑ बेबिलोन के हाथऽ म॑ देलऽ गेलऽ चित्रित करै छै, जे यरूशलेम प॑ ओकरऽ न्याय के प्रतिनिधित्व करै छै । अध्याय के समापन पश्चाताप के आह्वान आरू ई बात के स्वीकार के साथ होय छै कि तलवार प्रभु के न्याय के प्रतिनिधित्व करै छै (इजकिएल 21:18-32)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल एकइस अध्याय मे चित्रित अछि
यरूशलेम पर परमेश् वरक न्याय,
तलवारक बिम्बक प्रयोग करैत।

यरूशलेम आ इस्राएल देशक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक संदेश।
न्याय के बिना म्यान के तलवार के वर्णन, अपने उद्देश्य के पूरा करना निश्चित |
यरूशलेम पर जे तबाही आरो आतंक होयत ओकर चित्रण।
तलवार के विनाशकारी शक्ति आ भगवान के न्याय के साथ ओकर संगति पर विलाप।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ तलवार केरऽ बिम्ब के प्रयोग करी क॑ यरूशलेम प॑ परमेश्वर केरऽ न्याय के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर के तरफऽ स॑ इजकिएल क॑ देलऽ गेलऽ संदेश स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा यरूशलेम आरू इस्राएल के देश के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश देलऽ गेलऽ छै । भगवान् अपन तलवार के न्याय के लेलऽ म्यान खोलै के वर्णन करै छै, ई घोषणा करै छै कि जबे तलक वू अपनऽ उद्देश्य पूरा नै करी लेतै, तब तलक वू वापस नै आबै वाला छै । ओ आगू यरूशलेम पर जे तबाही होयत ओकर वर्णन करैत छथि, तलवारक लेल विभिन्न रूपकक प्रयोग करैत छथि | तलवार तेज, पालिश आ वधक लेल तैयार भ' जायत, जाहि सँ शहर आ ओकर निवासी पर आतंक, निराशा आ विनाश आबि जायत। अध्याय के समापन तलवार आरू ओकरऽ विनाशकारी शक्ति के विलाप के साथ होय छै, जेकरा में ई बात के स्वीकार करलऽ जाय छै कि ई प्रभु के न्याय के प्रतिनिधित्व करै छै । अध्याय में आसन्न विनाश के गंभीरता, परमेश्वर के न्याय के निश्चितता आरू शहर के साथ जे विनाश होतै, ओकरा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 21:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात करैत छथि।

1. भगवान् हमरा सभसँ अप्रत्याशित तरीकासँ गप्प करैत छथि

2. प्रभु केँ अहाँक मार्गदर्शन आ निर्देशन करबाक अनुमति दियौक

1. यूहन्ना 10:27 हमर बरद सभ हमर आवाज सुनैत अछि। हम हुनका सभकेँ चिन्हैत छी, आ ओ सभ हमरा पाछाँ-पाछाँ चलैत छथि।

2. भजन 32:8 हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखा देब। हम अहाँ पर अपन प्रेमपूर्ण नजरि राखि अहाँ केँ सलाह देब।

इजकिएल 21:2 मनुष्यक बेटा, यरूशलेम दिस मुँह करू आ पवित्र स्थान दिस अपन वचन छोड़ू आ इस्राएल देशक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

ई अंश इजकिएल भविष्यवक्ता के निर्देश दै छै कि वू इस्राएल के देश के सामने न्याय आरू चेतावनी के शब्द के साथ भविष्यवाणी करै।

1. "पश्चाताप के आवश्यकता: इजकिएल के संदेश"।

2. "परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल चेतावनी: इजकिएल 21 केर अध्ययन"।

1. यिर्मयाह 7:21-28 - यहूदाक लोक सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी जे पश्चाताप करू वा सजाय भेटय।

2. यशायाह 55:6-7 - परमेश् वरक आमंत्रण हुनका तकबाक लेल आ हुनकर दया प्राप्त करबाक लेल।

इजकिएल 21:3 इस्राएल देश केँ कहू जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँक विरुद्ध छी, आ ओकर म्यान मे सँ हमर तलवार निकालि कऽ अहाँ सँ धर्मात्मा आ दुष्ट केँ काटि देब।”

प्रभु इजकिएल के माध्यम स॑ घोषणा करै छै कि हुनी अपनऽ तलवार निकाली क॑ इस्राएल के देश स॑ धर्मी आरू दुष्ट दोनों क॑ काट॑ वाला छै ।

1. प्रभुक तलवार: सभ लोक पर परमेश् वरक न्याय

2. प्रभुक दृष्टि मे धर्मपूर्वक जीब: पवित्रताक आह्वान

1. रोमियो 3:10-12 - "केओ धर्मी नहि, एको नहि, 11 केओ नहि अछि जे बुझैत अछि, नहि अछि जे परमेश् वरक खोज करैत अछि। 12 ओ सभ बाट सँ हटि गेल अछि, एक संग बेकार भऽ गेल अछि।" ; नीक काज करयवला कियो नहि अछि, एको नहि अछि।"

2. इब्रानी 12:14 - "सब लोकक संग शान्ति आ पवित्रताक पालन करू, जकरा बिना केओ प्रभु केँ नहि देखत।"

इजकिएल 21:4 हम अहाँ सँ धर्मात्मा आ दुष्ट केँ काटि देब, तेँ हमर तलवार ओकर म्यान सँ बाहर निकलि जायत, दक्षिण सँ उत्तर दिसक सभ मांसक विरुद्ध।

परमेश् वरक न्याय दक्षिण सँ उत्तर धरि सभ लोक पर आओत।

1. परमेश् वरक न्यायक तलवार - इजकिएल 21:4

2. परमेश् वरक न्याय निष्पक्ष अछि - इजकिएल 21:4

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यिर्मयाह 17:10 - हम प्रभु, हृदयक खोज करैत छी आ मनक परीक्षण करैत छी, जे प्रत्येक व्यक्ति केँ ओकर आचरणक अनुसार, ओकर काजक अनुसार पुरस्कृत करब।

इजकिएल 21:5 जाहि सँ सभ प्राणी ई जानि सकय जे हम प्रभु ओकर म्यान सँ अपन तलवार निकालि लेने छी।

भगवान् अपन तलवार निकालि लेने छथि आ ओ अपन म्यान मे वापस नहि आबि जायत।

1.ईश्वरक न्यायक तलवार: ई घुरि क' नहि आओत

2.प्रभुक शक्ति आ संप्रभुता: अपन तलवार निकालब

1.यशायाह 34:5-6 "हमर तलवार स् वर्ग मे नहाओल जायत। देखू, ई इदुमिया आ हमर श्रापक लोक पर न्याय करबाक लेल उतरत। परमेश् वरक तलवार खून सँ भरल अछि, से अछि।" मोटा-मोटी, मेमना-बकरीक खून सँ, मेढ़क गुर्दाक चर्बी सँ मोट कयल गेल।”

2.रोमियो 13:1-4 "प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक अतिरिक्त कोनो सामर्थ् य नहि अछि। जे सामर्थ् य अछि से परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, ओ परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि। आ।" विरोध करऽ वला सभ केँ अपना केँ दण्ड भेटतैक।किएक तँ शासक सभ नीक काजक लेल आतंकित नहि होइत अछि,

बल् कि अधलाह काजक लेल आतंकित होइत अछि।तखन की अहाँ शक्ति सँ डरब नहि?जे नीक काज करू, आ अहाँ केँ ओकर प्रशंसा होयत ओ अहाँक भलाईक लेल परमेश् वरक सेवक छथि."

इजकिएल 21:6 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, कमर टूटि कऽ आह भरू। आ आँखिक सोझाँ कटुताक संग आह भरैत अछि।

प्रभु इजकिएल के निर्देश दै छै कि यरूशलेम के लोगऽ के सामने गहराई सें शोक कर॑।

1: हमरा सभकेँ दोसरक पापक लेल गहींर शोक करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

2: कानय वाला के संग कानब सीखय पड़त।

1: विलाप 3:19-20 - हमर दुःख आ हमर दुःख, कृमि आ पित्तक स्मरण करैत। हमर प्राणी एखनो हुनका सभ केँ स्मरण मे अछि, आ हमरा मे विनम्र अछि।

2: रोमियो 12:15 - जे सभ आनन्दित अछि, ओकर संग आनन्दित रहू आ काननिहार सभक संग कानू।

इजकिएल 21:7 जखन ओ सभ अहाँ केँ कहत जे, “अहाँ किएक आह भरैत छी?” जे अहाँ उत्तर देब, “समाचारक लेल।” किएक तँ ई अबैत अछि, आ सभ हृदय पिघलि जायत, सभ हाथ कमजोर भऽ जायत, आ सभ आत् मा बेहोश भऽ जायत, आ सभ ठेहुन पानि जकाँ कमजोर भऽ जायत।

भगवान् आबै वाला खराब खबर के चेतावनी दै छै आरू कहै छै कि सब आतंक आरू भय स॑ भरलऽ होतै ।

1. प्रभुक भय: खराब समाचारक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

2. संकट के समय में भगवान के प्रभुत्व

1. यशायाह 8:11-13 - किएक तँ परमेश् वर हमरा पर अपन मजबूत हाथ दऽ कऽ हमरा ई बात कहलनि आ हमरा चेतौलनि जे एहि लोकक बाट पर नहि चलब, 12 जे ई लोक षड्यंत्र कहैत अछि, तकरा षड्यंत्र नहि कहब। आ जे डरैत अछि ताहि सँ नहि डेराउ, आ ने भय मे रहू। 13 मुदा सेनाक परमेश् वर केँ अहाँ सभ पवित्र मानब। ओ अहाँक डर बनय, आ ओ अहाँक भय बनय।

2. मत्ती 10:28 - आ ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डरू जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।

इजकिएल 21:8 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ यरूशलेमक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक निर्देश दैत छथि।

1. अपन जीवन मे परमेश् वरक निर्देशक पालन करबाक महत्व

2. हमरा सभक लेल भगवानक योजना सदिखन हमरा सभक हितक लेल होइत अछि

1. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. व्यवस्था 11:26-28 देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी, जँ अहाँ सभ अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब जे हम आइ अहाँ सभ केँ दऽ रहल छी। जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करब आ आइ जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सँ भटकि जायब।

इजकिएल 21:9 मनुष्यक बेटा, भविष्यवाणी करू आ कहू जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि। कहू, “तलवार, तलवार तेज कएल जाइत अछि आ ओकरा सेहो फरिश कएल जाइत अछि।”

एकटा तलवार तेज भ' क' उपयोग करबाक लेल तैयार भ' जाइत अछि।

1. भगवान् परम अधिकार आ न्यायाधीश छथि।

2. न्यायक तलवारक तैयारी करू।

1. यूहन्ना 19:11 - "यीशु उत्तर देलथिन, 'जँ अहाँ केँ ऊपर सँ नहि देल गेल रहैत त' अहाँक हमरा पर कोनो अधिकार नहि रहैत।'

2. रोमियो 12:19 - हमर मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 21:10 एकरा तेज क’ देल जाइत छैक जाहि सँ कोनो तरहक वध कयल जा सकय। एकरा चकनाचूर कयल गेल अछि जे ओ चमकि सकय, तखन की हमरा सभ केँ हँसी-मजाक करबाक चाही? ओ हमर बेटाक लाठी केँ हर गाछ जकाँ तिरस्कार करैत अछि।

ई अंश एकटा एहन हथियार के बात करै छै जेकरा बहुत विनाश करै लेली तेज करलऽ गेलऽ छै, तभियो एकरऽ प्रयोग ऐन्हऽ तरीका स॑ करलऽ गेलऽ छै कि प्रभु के अधिकार के मजाक उड़ाबै छै ।

1. पाप के विनाश: हमर सबहक पसंद कोना विनाश दिस ल जाइत अछि

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनकर अधिकारक कोना सम्मान करबाक चाही

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग कऽ देलक अछि। तोहर पाप ओकर मुँह तोरा सँ नुका देने छैक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

इजकिएल 21:11 ओ ओकरा तलवार केँ चकनाचूर करबाक लेल द’ देलनि अछि जाहि सँ ओकरा पकड़ल जा सकय।

भगवान् वध करऽ वाला के तेज करलऽ तलवार दै छै जेकरा संभाललऽ जाय ।

1. भगवानक तलवार तेज अछि आ उपयोग करबाक लेल तैयार अछि

2. हमरा सभकेँ भगवानक तलवारक प्रयोग करबाक लेल तैयार रहबाक चाही

1. इब्रानी 4:12 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा केँ विभाजित करबाक लेल बेधैत अछि आ हृदयक विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि.

2. मत्ती 10:34-36 - ई नहि सोचू जे हम पृथ्वी पर शांति अनबाक लेल आयल छी। हम शान्ति लाबय लेल नहि आयल छी, तलवार आनय लेल आयल छी। हम एक आदमी के ओकर बाप के खिलाफ, एकटा बेटी के ओकर माय के खिलाफ आ एकटा पुतोहु के ओकर सासु के खिलाफ राखय लेल आयल छी। आ व्यक्तिक दुश्मन ओकर अपन घरक दुश्मन होयत।

इजकिएल 21:12 हे मनुष्यक बेटा, चिचियाउ आ हुंकार करू, किएक तँ ई हमर प्रजा पर होयत, ई इस्राएलक सभ राजकुमार पर होयत, तलवारक कारणेँ हमर लोक पर भयावहता होयत, तेँ अहाँक जाँघ पर प्रहार करू।

इजकिएल केरऽ ई अंश इस्राएली सिनी लेली एगो चेतावनी के काम करै छै कि ओकरऽ अधर्म के कारण न्याय आबी रहलऽ छै ।

1. "सही न्याय के तलवार" - अधर्म के परिणाम आ पश्चाताप के महत्व पर क।

2. "पश्चाताप के जांघ" - अपन गलत काज के स्वीकार करय आ भगवान के तरफ वापस घुरय के महत्व पर एकटा।

1. यशायाह 1:16-17 - "अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध करू। हमर आँखिक सोझाँ सँ अपन काजक अधलाह केँ दूर करू; अधलाह काज छोड़ू, नीक करब सीखू; न्यायक खोज करू, अत्याचार केँ सुधारू; अनाथ केँ न्याय करू। विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।"

2. भजन 51:1-2 - "हे परमेश् वर, अपन अडिग प्रेमक अनुसार हमरा पर दया करू; अपन प्रचुर दयाक अनुसार हमर अपराध केँ मेटा दिअ। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमर पाप सँ शुद्ध करू!"

इजकिएल 21:13 कारण ई एकटा परीक्षा अछि, आ जँ तलवार छड़ी केँ सेहो तिरस्कार करत त’ की? आब नहि रहत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् आज्ञा नहि मानताह, भले ओ एकटा परीक्षा हो।

१ - हमरा सभकेँ प्रलोभनकेँ भगवानक मार्गसँ दूर नहि लऽ जेबाक चाही।

२ - कोनो भी परीक्षा या प्रलोभन के बावजूद भी भगवान के प्रति वफादार रहना चाहियऽ ।

1 - याकूब 1:12-15 - धन्य अछि ओ आदमी जे परीक्षा मे अडिग रहत, कारण जखन ओ परीक्षा मे ठाढ़ रहत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे परमेश् वर हुनका सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

2 - नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 21:14 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, भविष्यवाणी करू आ अपन हाथ केँ एक संग मारि दियौक, आ तेसर बेर तलवार केँ दुगुना कयल जाय, मारल गेल लोकक तलवार अपन प्राइवी चैम्बर।

प्रभु इजकिएल के भविष्यवाणी करै के आज्ञा दै छै कि वू ओकरऽ हाथ तीन बार एक साथ मारी क॑ वू महान आदमी सिनी के संकेत दै छै जे मारलऽ गेलऽ छै ।

1. भविष्यवाणी करबाक शक्ति आ महत्व

2. प्रभु के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. यिर्मयाह 1:9 - तखन प्रभु अपन हाथ बढ़ा क’ हमर मुँह छूबि लेलनि। प्रभु हमरा कहलथिन, “देखू, हम अपन बात अहाँक मुँह मे राखि देलहुँ।”

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

इजकिएल 21:15 हम तलवारक नोक ओकरा सभक सभ फाटक पर राखि देने छी, जाहि सँ ओकर मोन बेहोश भ’ जाय आ ओकर खंडहर बढ़ि जाय। एकरा उज्ज्वल बना देल जाइत छैक, वधक लेल लपेटल जाइत छैक |

परमेश् वरक तलवार दुष्ट सभक फाटक पर लगा देल गेल अछि, जाहि सँ ओकर हृदय बेहोश भ' जाइत छैक आ ओकर खंडहर बढ़ि जाइत छैक।

1. परमेश् वरक न्याय पक्का अछि - इजकिएल 21:15

2. अपन दुश्मनक बादो दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब - इजकिएल 21:15

1. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. भजन 27:1 - प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरासँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि। हम ककरासँ डरब?

इजकिएल 21:16 अहाँ कोनो ने कोनो रस्ता दिस जाउ, या त’ दहिना वा बामा कात, जतय अहाँक मुँह राखल अछि।

1472

परमेश् वर इजकिएल केँ कहैत छथि जे ओ जे रास्ता चुनथि, दाहिना वा बामा दिस जाउ।

1. भगवानक मार्गदर्शन पर भरोसा करू - तखनो जखन अहाँ केँ ई नहि बुझल हो जे अहाँ कतय जा रहल छी

2. भगवान् अहाँक समक्ष जे मार्ग निर्धारित केने छथि ओकर पालन करब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यशायाह 30:21-22 - अहाँ दहिना दिस घुमि जाउ वा बामा दिस, अहाँक कान मे अहाँक पाछाँ एकटा आवाज सुनबा मे आओत जे ई बाट अछि। ओहि मे चलब।

इजकिएल 21:17 हम अपन हाथ सेहो मारब आ अपन क्रोध केँ शान्त करब।

भगवान् केरऽ क्रोध हुनकऽ शक्ति केरऽ प्रदर्शन के माध्यम स॑ पूरा होय जैतै ।

1. परमेश् वरक दया हुनक प्रेमक सशक्त अभिव्यक्ति अछि

2. भगवान् के क्रोध के उद्देश्य के समझना

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, प्रेम मे भरपूर छथि। ओ सदिखन आरोप नहि लगाओत, आ ने अपन क्रोध केँ सदाक लेल पनाह देत; ओ हमरा सभ केँ ओहिना व्यवहार नहि करैत अछि जेना हमर सभक पापक हकदार अछि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत अछि।

इजकिएल 21:18 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ आबै वाला न्याय के बारे में बात करलकै।

1. परमेश् वरक न्याय अनिवार्य अछि

2. प्रभुक चेतावनी पर ध्यान देब

1. यिर्मयाह 17:5-10

2. नीतिवचन 3:5-6

इजकिएल 21:19 हे मनुष्य-पुत्र, दूटा बाट तय करू, जाहि सँ बाबुलक राजाक तलवार आबि जाय, दुनू एकहि देश सँ निकलत शहर के रास्ता।

परमेश् वर इजकिएल कॅ निर्देश दै छै कि बेबिलोन के राजा के तलवार के आबै लेली दू रास्ता तय करै, आरू शहर के तरफ जाय वाला रास्ता में से एक के सिर में जगह चुनै के।

1. दिशाक शक्ति: जीवनक सर्वोत्तम मार्ग कोना चुनल जाय

2. विवेकक महत्व: कठिन परिस्थिति मे भगवानक इच्छा केँ चिन्हब

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

इजकिएल 21:20 एकटा बाट तय करू जाहि सँ तलवार अम्मोनी सभक रब्बत आ यरूशलेम मे यरूशलेम मे यरूशलेम मे तलवार आबि जाय।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे तलवार केँ अम्मोनी सभक रब्बत आ यहूदा मे यरूशलेम मे आबय के बाट तय करथि।

1. हम जे चुनाव करैत छी से परिणाम दिस ल जाइत अछि: इजकिएल 21:20 सँ सीख

2. विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: इजकिएल 21:20 पर चिंतन

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

2. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

इजकिएल 21:21 कारण, बाबुलक राजा दू बाटक मुड़ी पर, बाटक विच्छेद पर, भविष्यवाणी करबाक लेल ठाढ़ छलाह।

बेबिलोन के राजा निर्णय लेबय लेल भविष्यवाणी के प्रयोग करैत छलाह।

1: भगवान् के रास्ता एकमात्र सच्चा रास्ता छै। नीतिवचन 3:5-6

2: झूठ मूर्ति सँ धोखा नहि खाउ। 1 यूहन्ना 4:1

1: यिर्मयाह 10:2-3

2: यशायाह 44:9-20

इजकिएल 21:22 हुनकर दहिना कात यरूशलेमक लेल भविष्यवाणी छलनि, जे सेनापति सभ नियुक्त करथि, वध मे मुँह खोलथि, चिचिया क’ आवाज उठाबथि, फाटक पर मारि मारय बला मेढ़क लगाबथि, पहाड़ फेकब आ निर्माण करथि एकटा किला।

इजकिएल भविष्यवक्ता यरूशलेम के खिलाफ युद्ध के निर्णय लेबै वाला बेबिलोन के राजा के दाहिना हाथ के प्रभु के तरफ सें एगो छवि के वर्णन करै छै।

1. भगवान नियंत्रण मे छथि: युद्धक समय मे सेहो

2. भगवानक योजना पर भरोसा करब: तखनो जखन ई कठिन हो

1. यशायाह 55:8-9 - 'हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि,' प्रभु कहैत छथि। 'जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।'

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

इजकिएल 21:23 ओ सभ शपथ ग्रहण करनिहार सभक नजरि मे झूठ भविष्यवाणी जकाँ होयत।

ई श्लोक परमेश् वर के न्याय आरू सच्चाई के बात करै छै जेकरा झूठ शपथ लेन॑ छै ।

1: भगवानक न्याय आ सत्य सदिखन हावी रहत।

2: भगवानक समक्ष अपन शपथ पूरा करबा मे सावधान रहबाक चाही।

1: याकूब 5:12 - "मुदा हमर भाइ लोकनि, सभ सँ बेसी, स् वर्ग वा पृथ् वी वा आन कोनो बातक शपथ नहि करू। अहाँ सभक हाँ हाँ, आ नहि, नहि, नहि तँ अहाँ सभक दोषी ठहराओल जायत।"

2: रोमियो 12:17-18 - ककरो बुराई के बदला मे बुराई नहि दियौक। सबहक नजरि मे जे उचित अछि से करबा मे सावधान रहू। जँ संभव अछि तऽ जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि तऽ सबहक संग शांति सँ रहू।

इजकिएल 21:24 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ सभ अपन पाप केँ मोन पाड़ि देलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभक अपराधक पता चलैत अछि, जाहि सँ अहाँ सभक सभ काज मे अहाँ सभक पाप प्रगट भऽ जाइत अछि। कारण, हम कहैत छी जे अहाँ सभ केँ मोन पड़ि गेल अछि, अहाँ सभ केँ हाथ सँ पकड़ल जायत।”

प्रभु परमेश् वर चेतावनी दैत छथि जे लोकक अपराधक पता चलत आ ओकर अधर्मक स्मरण करबाक परिणामस्वरूप ओकरा हाथ सँ पकड़ल जायत।

1. "स्मरणीय अधर्म के परिणाम"।

2. "ईश्वर के न्याय के हाथ"।

1. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

2. याकूब 2:10-11 - "किएक तँ जे केओ पूरा व्यवस्थाक पालन करैत अछि, मुदा एकहि बात मे असफल भ' जाइत अछि, से सभ बातक लेल जवाबदेह बनि गेल अछि। किएक तँ जे कहलक जे, 'व्यभिचार नहि करू, ओ इहो कहलक जे, 'हत्या नहि करू। जँ अहाँ सभ नहि करब।" व्यभिचार करू मुदा हत्या करू, अहाँ धर्म-नियमक उल्लंघन कऽ रहल छी।”

इजकिएल 21:25 आ अहाँ, इस्राएलक अपवित्र दुष्ट राजकुमार, जकर दिन आबि गेल अछि जखन अधर्मक अंत भ’ जायत।

परमेश् वर दुष्ट नेता सिनी कॅ ओकरोॅ आसन्न न्याय के बारे में चेताबै छै।

1. दुष्ट नेतृत्व के परिणाम

2. पश्चाताप आ भगवानक क्षमा

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न् याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ' जाय। अहाँ सभ जे अपराध केने छी, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ जाउ, आ अपना केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ! हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब? कारण, हमरा ककरो मृत्यु मे प्रसन्नता नहि होइत अछि, ई बात प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। तेँ घुमि कऽ जीबू।

इजकिएल 21:26 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। मुकुट हटि कऽ मुकुट उतारू, ई एक समान नहि होयत, नीच के ऊपर उठाउ आ ऊँच के नीचा देखाउ।

भगवान् हमरा सब के आज्ञा दै छै कि सब तरह के पदानुक्रम आरू शक्ति असंतुलन के दूर करी, आरू एकरऽ बदला में जे विनम्र छै ओकरा बढ़ावा देलऽ जाय आरू जे शक्तिशाली छै ओकरा विनम्र छै ।

1. "विनय के शक्ति: सत्ता के पदानुक्रम के उलटना"।

2. "सत्ता के समतलीकरण: ताज के अस्वीकार करब"।

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

1475

2. फिलिप्पियों 2:3-5 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता में दोसर के अपना स बेसी महत्व दियौ, अपन हित के नै बल्कि अहाँ सब में स प्रत्येक के दोसर के हित के तरफ देखू।

इजकिएल 21:27 हम ओकरा पलटि देब, पलटि देब, पलटि देब। आ हम ओकरा द’ देब।

ई अंश हमरा सब क॑ बताबै छै कि भगवान अंततः न्याय लानै छै आरू खाली हुनका ही ऐसनऽ करै के अधिकार छै ।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: न्याय अनबाक लेल भगवान् पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक धार्मिकता: हुनक अधिकार केँ स्वीकार करब

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. यशायाह 46:10 - शुरू सँ अंतक घोषणा करैत, आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, से कहैत, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।

इजकिएल 21:28 अहाँ, मनुष्यक पुत्र, भविष्यवाणी करू आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर अम्मोनीक विषय मे आ हुनका सभक अपमानक विषय मे ई कहैत छथि। एतेक तक कहब जे, तलवार, तलवार खीचल गेल अछि।

परमेश् वर अम्मोनी सभ केँ तलवार सँ सजाय लेल आह्वान क' रहल छथि, जे वधक लेल तेज कएल जा रहल अछि।

1. परमेश् वरक न्यायक तलवार: इजकिएल 21:28 क निहितार्थ

2. परमेश् वरक क्रोधक अर्थ निकालब: इजकिएल 21:28 क प्रतिक्रिया केँ बुझब

1. यशायाह 49:2 - ओ हमर मुँह केँ तेज तलवार जकाँ बना देलनि, अपन हाथक छाया मे हमरा नुका देलनि; ओ हमरा एकटा पालिश कएल तीर बना देलक, अपन कुइवर मे हमरा नुका लेलक।

2. यिर्मयाह 46:10 - किएक तँ ई सेना सभक परमेश् वर परमेश् वरक प्रतिशोधक दिन अछि, जाहि सँ ओ ओकरा अपन विरोधी सभक बदला लेत: किएक तँ सेना सभक परमेश् वर परमेश् वरक उत्तर देश मे यूफ्रेटिस नदीक कात मे बलिदान अछि।

इजकिएल 21:29 जखन ओ सभ अहाँ केँ आडंबर देखैत अछि, जखन कि ओ सभ अहाँ केँ झूठ बाजबैत अछि, जाहि सँ अहाँ केँ मारल गेल, दुष्ट सभक, जकर दिन आबि गेल अछि, जखन हुनकर अधर्मक अंत भ’ जायत।

यहूदा के लोग झूठा भविष्यवक्ता सिनी द्वारा भ्रमित होय गेलऽ छै जे ओकरा सिनी पर विनाश लानी देतै।

1. भगवानक न्याय अंत मे होयत, चाहे लोक झूठ आ धोखा किछुओ कहय।

2. झूठ भविष्यवक्ता लोक सभ केँ भटका देत, आ सत्य केँ बूझब हमरा सभ पर निर्भर करैत अछि।

1. यशायाह 8:19-20 - जखन ओ सभ अहाँ सभ केँ कहैत छथि जे, “चहकैत आ बड़बड़ाब’ बला माध्यम आ मृत् यु-भोजक लोक सभ सँ पूछताछ करू, तखन की कोनो लोक अपन परमेश् वर सँ पूछताछ नहि करत? की हुनका सभ केँ जीवित लोकक दिस सँ मृतक सँ पूछताछ करबाक चाही? शिक्षा आ गवाही के लेल! जँ एहि शब्दक अनुसार नहि बाजताह तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभकेँ भोर नहि छनि ।

2. यिर्मयाह 29:8-9 - किएक तँ सेना सभक प्रभु, इस्राएलक परमेश् वर, ई कहैत छथि जे, अहाँ सभक प्रवक् ता आ अहाँक बीचक भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ धोखा नहि देबऽ दियौक, आ ओहि सपना सभक बात नहि सुनू जे ओ सभ सपना देखैत छथि झूठ अछि जे ओ सभ हमरा नाम सँ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी क' रहल छथि। हम हुनका सभ केँ नहि पठेलहुँ, प्रभु कहैत छथि।

1476

इजकिएल 21:30 की हम ओकरा ओकर म्यान मे घुमा देब? हम अहाँक न्याय ओहि स्थान पर करब जतय अहाँक सृष्टि भेल छल, अहाँक जन्मक देश मे।

प्रभु हमरा सब के ओहि हिसाब स न्याय करताह जे हम सब कतय सृष्टि आ जन्मल छी।

1. भगवानक न्याय निष्पक्ष होइत अछि आ हमरा सभक उत्पत्ति केँ कहियो नहि बिसरैत अछि

2. प्रभु हमरा सभक न्याय करैत छथि जे हम सभ कतय सँ आयल छी

1. यिर्मयाह 1:5 - "हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ अलग क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे भविष्यवक्ता बनेने रही।"

2. भजन 139:13-16 - "किएक तँ अहाँ हमर अन्तर्निहित केँ सृष्टि केलहुँ; अहाँ हमरा मायक गर्भ मे बुनलहुँ। हम अहाँक प्रशंसा करैत छी, कारण हम भयभीत आ अद्भुत रूप सँ बनल छी; अहाँक काज अद्भुत अछि, हम ई बात नीक जकाँ जनैत छी। हमर फ्रेम तोरा सँ नुकायल नहि छल जखन हम गुप्त स्थान पर बनल रही, जखन हम धरतीक गहींर मे एक संग बुनल रही।तोहर आँखि हमर अनिर्मित शरीर केँ देखलक, हमरा लेल निर्धारित सभ दिन अहाँक पोथी मे लिखल छल, ताहि मे सँ एक गोटेक अयबा सँ पहिने होए बला.

इजकिएल 21:31 हम अपन क्रोध अहाँ पर उझलि देब, हम अहाँक विरुद्ध अपन क्रोधक आगि मे उड़ा देब, आ अहाँ केँ क्रूर लोकक हाथ मे सौंपब आ नष्ट करबा मे कुशल।

परमेश् वरक क्रोध लोक सभ पर उझलि जायत आ ओ सभ विनाशकारी लोकक हाथ मे सौंपल जायत।

1. अवज्ञा के परिणाम: भगवान के क्रोध के समझना

2. अविश्वास के खतरा: भगवान के इच्छा के अस्वीकार करय के कीमत

1. रोमियो 1:18-32 - परमेश् वरक क्रोध ओहि सभ पर प्रगट होइत अछि जे हुनका अस्वीकार करैत अछि।

2. यशायाह 5:20-24 - परमेश् वरक न्याय जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि।

इजकिएल 21:32 अहाँ आगि मे ईंधन बनब। तोहर खून देशक बीच मे रहत। आब तोहर स्मरण नहि कएल जाएत, किएक तँ हम परमेश् वर ई बात कहने छी।

भगवान् हमरऽ जीवन पर नियंत्रण रखै छै आरू जे भी कार्रवाई वू जरूरी समझतै, वू करी लेतै ।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक पवित्रता: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 45:7 - हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी, हम समृद्धि अनैत छी आ विपत्ति पैदा करैत छी; हम, परमेश् वर, ई सभ काज करैत छी।

2. व्यवस्था 28:15 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज नहि सुनब तँ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। कि ई सभ शाप तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

इजकिएल अध्याय 22 यरूशलेम के पाप आरू भ्रष्टाचार के बारे में संबोधित करै छै, जेकरा में शहर के भीतर सामाजिक आरू नैतिक क्षय के उजागर करलऽ गेलऽ छै। अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम, धर्मी नेतृत्व के अभाव आरू परमेश्वर के धर्मी न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के लोगऽ द्वारा करलऽ गेलऽ पापऽ के सूची स॑ होय छै । एहि मे निर्दोष खून बहाबय, मूर्तिपूजा, गरीब आ जरूरतमंद पर अत्याचार, आ विभिन्न

प्रकारक यौन अनैतिकता शामिल अछि। शहर के दुष्टता के भट्ठी के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै (इजकिएल 22:1-12)।

2nd Paragraph: भगवान् एहन धर्मी नेता के अभाव के विलाप करैत छथि जे खाई में ठाढ़ भ शहर के लेल बिनती करत। बल्कि नेता सब बेईमान रहल अछि, अपन फायदा के लेल जनता के शोषण करैत रहल अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभ पर अपन न्याय अनताह (इजकिएल 22:13-22)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू यरूशलेम पर आबै वाला न्याय के जीवंत वर्णन के साथ छै। भगवान् के कहना छै कि हुनी लोगऽ क॑ इकट्ठा करी क॑ ओकरा अपनऽ परिष्कृत आगि के अधीन करी क॑ ओकरऽ अशुद्धि क॑ शुद्ध करी क॑ रखतै । शहर नष्ट भ’ जायत, आ लोक जाति-जाति मे छिड़िया जायत (इजकिएल 22:23-31)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय बाइस संबोधन
यरूशलेम के पाप आ भ्रष्टाचार,
धर्मी नेतृत्व के अभाव के विलाप करी क॑ परमेश्वर के न्याय के घोषणा करी रहलऽ छै ।

यरूशलेम के लोगऽ द्वारा करलऽ गेलऽ पापऽ के सूची।
धर्मात्मा नेता के अनुपस्थिति पर विलाप।
भगवान् के न्याय के घोषणा आ शहर के आसन्न विनाश।

इजकिएल के ई अध्याय यरूशलेम के पाप आरू भ्रष्टाचार के संबोधित करै छै, धर्मी नेतृत्व के अभाव के विलाप करै छै आरू परमेश्वर के न्याय के घोषणा करै छै। एकरऽ शुरुआत यरूशलेम के लोगऽ द्वारा करलऽ गेलऽ पापऽ के सूची स॑ होय छै, जेकरा म॑ निर्दोष खून बहना, मूर्तिपूजा, गरीब आरू जरूरतमंदऽ प॑ अत्याचार, आरू विभिन्न प्रकार के यौन अनैतिकता शामिल छै । नगर के दुष्टता के भट्ठी के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै । भगवान् एहन धर्मी नेता सभक अभावक विलाप करैत छथि जे शहरक लेल मध्यस्थता करथि आ खाई मे ठाढ़ भ' जाथि। बल्कि नेता सब बेईमान भ अपन फायदा के लेल जनता के शोषण केलक अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ हुनका सभ पर अपन न्याय अनताह। अध्याय आगू यरूशलेम पर आबै वाला न्याय के जीवंत वर्णन के साथ छै। भगवान् के कहना छै कि हुनी लोगऽ क॑ इकट्ठा करी क॑ ओकरा अपनऽ परिष्कृत आगि के अधीन करी क॑ ओकरऽ अशुद्धि क॑ शुद्ध करी क॑ रखतै । नगर नष्ट भऽ जायत, आ लोक सभ जाति-जाति मे छिड़ियाओत। अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम, धर्मी नेतृत्व के अभाव आरू परमेश्वर के धर्मी न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 22:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

प्रभु इजकिएल सँ बात कयलनि आ हुनका एकटा संदेश देलनि जे ओ पहुँचाबथि।

1. परमेश् वरक वचन महत्वपूर्ण आ जीवन बदलय बला अछि।

2. परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभक माध्यमे हमरा सभसँ गप्प करैत छथि।

1. यिर्मयाह 23:22 - "मुदा जँ ओ सभ हमर परिषद् मे ठाढ़ रहितथि तँ हमर लोक सभ केँ हमर वचनक प्रचार करितथि आ हुनका सभ केँ अपन दुष्ट मार्ग सँ आ अपन काजक अधलाह बात सँ मोड़ि दैतथिन।"

2. 2 तीमुथियुस 3:16 - "सब शास्त्र परमेश् वरक साँस सँ निकलल अछि आ शिक्षा, डाँट, सुधार आ धार्मिकताक प्रशिक्षण देबाक लेल उपयोगी अछि।"

इजकिएल 22:2 आब, हे मनुष्यक बेटा, की अहाँ न्याय करब, की अहाँ खूनी नगरक न्याय करब? हँ, अहाँ ओकरा ओकर सभ घृणित काज देखा देब।

प्रभु इजकिएल के आह्वान करै छै कि वू पापपूर्ण नगर के दुष्टता देखाबै के माध्यम स॑ ओकरा न्याय करै।

1: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे अडिग रहबाक चाही आ आसपासक लोकक दुष्टता मे पड़बाक प्रलोभन केँ अस्वीकार करबाक चाही।

2: [illegible]

1: [illegible] 12:2 - [illegible]

2: [illegible] 4:7 - [illegible]

[illegible] 22:3 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 6:16-19 - [illegible]

2. [illegible] 6:23 - [illegible]

[illegible] 22:4 [illegible]

[illegible]

1. "[illegible]: [illegible]"

2. "[illegible]: [illegible]"

1. [illegible] 6:23 - [illegible]

2. [illegible] 4:17 - [illegible]

[illegible] 22:5 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible] : [illegible]

1. [illegible] 41:10-13 "[illegible]"

2. [illegible] 34:17-19 "[illegible]"

इजकिएल 22:6 देखू, इस्राएलक राजकुमार सभ, सभ कियो खून बहाबय लेल अहाँ मे छल।

इस्राएलक राजकुमार सभ अपन सत्ताक दुरुपयोग केलक, जाहि सँ खून-खराबा भेल।

1: शक्ति के अनुचित प्रयोग भेला पर खतरनाक शक्ति भ सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन शक्तिक जिम्मेदारीसँ उपयोग करबामे सावधान रहबाक चाही।

1: मत्ती 20:25-26 "मुदा यीशु हुनका सभ केँ बजा कऽ कहलथिन, "अहाँ सभ जनैत छी जे गैर-यहूदी सभक मुखिया सभ हुनका सभ पर प्रभुत्व रखैत छथि आ पैघ लोक सभ हुनका सभ पर अधिकार रखैत छथि। मुदा अहाँ सभक बीच एहन नहि होयत।" : मुदा अहाँ सभ मे जे कियो पैघ बनय चाहैत अछि, से अहाँक सेवक बनय।”

2: याकूब 3:17 "मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि अछि ओ पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक।"

इजकिएल 22:7 तोरा मे ओ सभ बाप-माँ द्वारा इजोत देलक, तोहर बीच मे ओ सभ परदेशी केँ अत्याचार केलक, तोरा मे ओ सभ अनाथ आ विधवा केँ परेशान केलक।

एहि अंश मे परमेश् वर इस्राएल केँ अनाथ, विधवा आ परदेशी सभक संग दुर्व्यवहार करबाक लेल निन्दा क' रहल छथि।

1. भगवान गरीबक परवाह करैत छथि: एकटा आह्वान

2. अपन पड़ोसीसँ प्रेम करू: अपन विश्वासकेँ काजमे जीब

1. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

2. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

इजकिएल 22:8 अहाँ हमर पवित्र वस्तु केँ तुच्छ बुझलहुँ आ हमर विश्राम-दिन केँ अपवित्र कयलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ अपन पवित्र वस्तु सभ केँ तुच्छ मानैत छथि आ हुनकर विश्राम-दिन केँ अपवित्र करैत छथि।

1. परमेश् वरक पवित्र वस्तुक आदर करबाक आवश्यकता

2. परमेश् वरक विश्राम-दिन रखबाक महत्व

1. निष्कासन 20:8-11; विश्रामक दिन मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. लेवीय 19:30; अहाँ सभ हमर पवित्र स्थानक आदर करब, हम परमेश् वर छी।

इजकिएल 22:9 तोरा मे एहन लोक अछि जे खून बहाबय लेल कथा-कहानी लऽ कऽ चलैत अछि, आ तोरा मे ओ सभ पहाड़ पर भोजन करैत अछि, तोहर बीच मे ओ सभ अश्लीलता करैत अछि।

इजकिएल के समुदाय के लोग ऐन्हऽ गतिविधि में शामिल छै जे अनैतिक आरू समुदाय के लेलऽ नुकसानदेह छै, जेना कि अफवाह फैलाना आरू हिंसा करना।

1. गपशप के खतरा: अफवाह फैलाबै के परिणाम

2. दुष्ट के लेल भगवान के चेतावनी: अनैतिक व्यवहार के परिणाम

1. नीतिवचन 16:28, "विकृत आदमी झगड़ा बीजैत अछि, आ फुसफुसाहटि मे नीक मित्र केँ अलग क' दैत अछि।"

2. रोमियो 13:8-10, "एक-दोसर सँ प्रेम करबाक अतिरिक्त ककरो किछु ऋणी नहि होउ, किएक तँ जे अपन पड़ोसी सँ प्रेम करैत अछि, से व्यवस्था केँ पूरा कयलक। आज्ञा सभक कारणेँ, अहाँ व्यभिचार नहि करू, हत्या नहि करू, नहि करू।" चोरी करू, लोभ नहि करू, आओर कोनो आन आज्ञा एहि कहावत मे संक्षेप मे कहल गेल अछि जे, अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू। प्रेम पड़ोसी पर कोनो दुष्कृत नहि करैत अछि, तेँ प्रेम व्यवस्थाक पूर्ति थिक।"

इजकिएल 22:10 अहाँ मे ओ सभ अपन पूर्वजक नग्नताक पता चललनि, अहाँ मे ओ सभ ओहि प्रदूषणक लेल नम्र कयलनि।

एहि अंश मे प्रभु इस्राएली सभ केँ हुनकर आज्ञा नहि मानबाक आ अपन माता-पिताक अपमान करबाक लेल निन्दा क' रहल छथि।

1. परमेश् वर आ हमर माता-पिताक आदर करब: बाइबिल केर अनिवार्यता

2. परिवारक पवित्रता: परमेश्वरक आज्ञाक पालन कोना कयल जाय

1. निकासी 20:12 अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँ ओहि देश मे बेसी दिन धरि जीबि सकब जे अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ द’ रहल छथि।

2. व्यवस्था 5:16 अपन पिता आ मायक आदर करू, जेना अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ आज्ञा देने छथि, जाहि सँ अहाँ दीर्घायु जीवित रहब आ जाहि देश मे अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ द’ रहल छथि, ताहि मे अहाँक नीक काज भ’ सकय।

इजकिएल 22:11 आ केओ अपन पड़ोसीक पत्नीक संग घृणित काज केने अछि। आ दोसर अपन पुतहु केँ अश्लीलतापूर्वक अशुद्ध क’ देलक। आ तोरा मे एकटा आओर अपन बहिन, अपन पिताक बेटी केँ नम्र बना देने अछि।

इजकिएल के समय के लोग अपनऽ परिवार के सदस्यऽ के साथ तरह-तरह के यौन पाप करी रहलऽ छै ।

1. अनैतिक व्यवहारक परिणाम

2. विवाह, परिवार, आ यौन शुद्धताक पवित्रता

1. रोमियो 13:13 - "हम सभ दिन मे जेकाँ ईमानदारी सँ चलब। दंगा आ नशा मे नहि, व्यंग्य आ बेशर्मी मे नहि, झगड़ा आ ईर्ष्या मे नहि।"

2. 1 थिस्सलुनीकियों 4:3-5 - "किएक तँ परमेश् वरक इच् छा अछि जे अहाँ सभक पवित्रता अछि जे अहाँ सभ व्यभिचार सँ परहेज करी। जे अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अपन पात्र केँ पवित्रता आ आदर मे रखबाक तरीका बुझबाक चाही; नहि लोभक वासना, जेना गैर-यहूदी सभ परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि।”

इजकिएल 22:12 अहाँ मे ओ सभ खून बहाबय लेल वरदान लेलक। अहाँ सूद आ बढ़ोत्तरी लेलहुँ, आ लोभ सँ अपन पड़ोसी सभ सँ रंगदारी सँ लाभ उठा लेलहुँ आ हमरा बिसरि गेलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश वरदान आरू सूद लेना, पड़ोसी स॑ रंगदारी लेना, आरू भगवान क॑ बिसरै के परिणाम के बात करै छै ।

1. परमेश् वर केँ बिसरबाक लागत: इजकिएल 22:12

2. लोभक परिणाम: इजकिएल 22:12

1. नीतिवचन 11:24-26 - जे उदार अछि ओकरा आशीर्वाद भेटतैक, किएक तँ ओ सभ अपन रोटी गरीब सभक संग बाँटि लैत अछि।

2. लूका 6:38 - दिअ आ अहाँकेँ देल जाएत। नीक नाप, दबाओल, एक संग हिलाओल आ दौड़ैत, अहाँक गोदी मे ढारि जायत।

इजकिएल 22:13 देखू, तेँ हम अहाँक बेईमान लाभ पर अपन हाथ मारि देलहुँ जे अहाँक बीच मे अछि।

परमेश् वर यरूशलेम के लोगऽ के बेईमानी आरू हिंसा के कारण निंदा करी रहलऽ छै ।

1. परमेश् वर बेईमानी आ हिंसा सँ घृणा करैत छथि - इजकिएल 22:13

2. परमेश् वर पाप केँ दंडित करैत छथि - इजकिएल 22:13

1. नीतिवचन 11:1 - झूठ तराजू परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनका प्रसन्नता अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

इजकिएल 22:14 की तोहर हृदय सहन क’ सकैत छी वा अहाँक हाथ मजबूत भ’ सकैत अछि, जाहि दिन मे हम अहाँक संग व्यवहार करब? हम परमेश् वर ई बात कहने छी आ पूरा करब।

परमेश् वर इजकिएल कॅ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि हुनी ओकरा स॑ निपटतै आरू सवाल उठाबै छै कि की वू एकरा सहन करै म॑ सक्षम छै ।

1: भगवान् स ताकत स चुनौती के सहन करब

2: परमेश् वरक न्यायक तैयारी

1: फिलिप्पियों 4:13 - "हम मसीह द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि"।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

इजकिएल 22:15 हम तोरा जाति-जाति मे छिड़िया देब आ देश मे तितर-बितर कऽ देब आ तोहर गंदगी केँ तोरा मे सँ समाप्त कऽ देब।

परमेश् वर दुष्ट सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया कऽ ओकर अशुद्धि केँ दूर कऽ दण् ड देथिन।

1. पश्चाताप के आह्वान: पाप के परिणाम के समझना

2. गंदगी के अस्वीकार करब: पवित्र जीवन जीबाक महत्व

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तहिना अहाँ सभ सेहो अपन सभ आचरण मे पवित्र रहू, किएक तँ लिखल अछि जे, "अहाँ सभ पवित्र रहब, कारण हम पवित्र छी।"

इजकिएल 22:16 अहाँ अपन उत्तराधिकार केँ जाति-जाति सभक नजरि मे अपना मे समेटब आ अहाँ ई जानि लेब जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन उत्तराधिकार पर कब्जा करथि आ ई जानथि जे ओ प्रभु छथि।

1. कब्जाक शक्ति: प्रभु मे अपन उत्तराधिकारक दावा करब

1482

2. अपन प्रभु के जानब: सच्चा उत्तराधिकार के मार्ग

1. भजन 16:5-6: प्रभु हमर चुनल भाग आ हमर प्याला छथि; अहाँ हमर भाग्य पकड़ने छी। पाँति सभ हमरा लेल सुखद स्थान पर खसि पड़ल अछि; सत्ते, हमरा एकटा सुन्दर उत्तराधिकार अछि।

2. इफिसियों 1:18: हम प्रार्थना करैत छी जे अहाँ सभक हृदयक आँखि प्रबुद्ध हो जाहि सँ अहाँ सभ ओहि आशा केँ जानि सकब जाहि लेल ओ अहाँ सभ केँ बजौने छथि, अपन पवित्र लोक मे हुनकर गौरवशाली उत्तराधिकारक धन।

इजकिएल 22:17 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात करैत छथि।

1. प्रभुक स्वर: सुनब आ आज्ञा मानब

2. विवेक: परमेश् वरक वचन केँ चिन्हब

1. याकूब 1:19-20 - सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे धीमा आ क्रोध मे धीमा रहू

2. यशायाह 50:4 - प्रभु हमरा सिखाओल गेल लोकक जीह देने छथि, जाहि सँ हम थकल लोक केँ एक वचन सँ भरण-पोषण करब बुझि सकब।

इजकिएल 22:18 मनुष्यक बेटा, इस्राएलक घर हमरा लेल मचल बनि गेल अछि, भट्ठीक बीच मे सभटा पीतल, टीन, लोहा आ सीसा अछि। चानीक कचरा धरि अछि।

इस्राएल के घराना परमेश् वर के लेलऽ कचरा के तरह बनी गेलऽ छेलै, जेकरा में शुद्ध चानी के जगह छोटऽ धातु छेलै।

1. शुद्धि के आवश्यकता: भगवान के लोक शुद्ध चानी के तरह कोना भ सकैत अछि

2. जे शुद्ध आ सत्य अछि ओकर महत्व देब: हम इस्राएलक घराना सँ की सीख सकैत छी

1. जकरयाह 13:9 - "हम तेसर भाग आगि मे आनि देब, आ ओकरा सभ केँ ओहिना शुद्ध करब जेना चानी केँ शुद्ध कयल जाइत छैक, आ ओकरा सभ केँ ओहिना परीक्षण करब जेना सोनाक परीक्षण कयल जाइत छैक। ओ सभ हमर नाम पुकारत आ हम ओकरा सभ केँ सुनब। हम कहब जे ई हमर लोक अछि, आ ओ सभ कहत जे प्रभु हमर परमेश् वर छथि।”

2. मलाकी 3:2-3 - "मुदा ओकर आगमनक दिन के टिकत? आ जखन ओ प्रकट होयत तखन के ठाढ़ रहत? किएक त' ओ शुद्ध करय बला आगि जकाँ आ भरय बला साबुन जकाँ अछि। ओ शुद्ध करय बला आ... चानी के शुद्ध करऽ वाला, आरू वू लेवी के बेटा सिनी क॑ शुद्ध करी क॑ ओकरा सोना-चानी के तरह शुद्ध करी क॑ प्रभु के सामने धर्म के बलिदान चढ़ाबै के कोशिश करतै।”

इजकिएल 22:19 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ गंदगी बनि गेल छी, तेँ हम अहाँ सभ केँ यरूशलेमक बीच मे जमा करब।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे यरूशलेम ओहि सभ लोकक जमावड़ा होयत जे कचरा बनि गेल अछि।

1. द्रोषक जुटान मे भगवानक दया आ कृपा

2. यरूशलेम मे जमा होयबाक उद्देश्य आ स्थान

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. भजन 147:2 - प्रभु यरूशलेम के निर्माण करैत छथि; ओ इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ जमा करैत अछि।

1483

इजकिएल 22:20 जेना ओ सभ भट्ठी मे चानी, पीतल, लोहा, सीसा आ टीन जमा करैत छथि, जाहि सँ ओ सभ भट्ठी पर आगि उड़ाबैत छथि आ ओकरा पिघलाबथि। तहिना हम अहाँ सभ केँ अपन क्रोध आ क्रोध मे जमा करब, आ अहाँ सभ केँ ओतहि छोड़ि कऽ अहाँ सभ केँ पिघला देब।

परमेश् वर अपन क्रोध आ क्रोधक उपयोग पाप केनिहार सभ केँ एकत्रित करबाक आ सजा देबाक लेल करताह।

1: देर होबय सँ पहिने पश्चाताप करू, कारण जे नहि करत ओकरा पर भगवानक क्रोध आबि जायत।

2: प्रभुक प्रेम आ दया केँ चिन्हू, आ हुनकर क्रोध आ न्याय सँ बचबाक लेल आब पश्चाताप करू।

1: रोमियो 2:4-10: या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय?

2: मत्ती 3:7-12: मुदा जखन ओ बहुतो फरिसी आ सदुकी सभ केँ बपतिस् मा लेल अबैत देखि हुनका सभ केँ कहलथिन, "हे साँपक संतान सभ! आगामी क्रोध सँ पलायन करबाक लेल के चेतावनी देलक?

इजकिएल 22:21 हँ, हम अहाँ सभ केँ जमा करब, आ अहाँ सभ पर अपन क्रोधक आगि मे उड़ा देब, आ अहाँ सभ ओकर बीच मे पिघलि जायब।

भगवान् लोक सभ केँ जमा क' अपन क्रोध सँ ओकरा सभ पर उड़ाओत, जाहि सँ ओ सभ आगि मे पिघलि जायत।

1. "परमेश् वर केँ अस्वीकार करबाक खतरा: इजकिएल 22:21 सँ एकटा चेतावनी"।

2. "भगवानक क्रोध: हम एकरा कोना बचि सकैत छी"।

1. आमोस 5:15 - "बुराई सँ घृणा करू, नीक सँ प्रेम करू, आ फाटक मे न्याय केँ स्थापित करू। भ' सकैत अछि जे सेना सभक परमेश् वर यहोवा यूसुफक शेष लोक पर कृपा करथि।"

2. याकूब 1:19-20 - "एही लेल हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी।

इजकिएल 22:22 जेना चानी भट्ठीक बीच मे पिघलैत अछि, तहिना अहाँ सभ ओकर बीच मे पिघल जायब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर अहाँ सभ पर अपन क्रोध उझलि देलहुँ।”

परमेश् वर यरूशलेम के लोग सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ओकरो सिनी के आज्ञा नै मानला के कारण ओकरोॅ क्रोध के भट्ठी में पिघली जैतै।

1. परमेश् वर धार्मिक आ न्यायी छथि: इजकिएल 22:22 मे परमेश् वरक क्रोध केँ बुझब।

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 22:22 के चेतावनी स सीखब।

1. रोमियो 2:5-8 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

2. भजन 76:7 - अहाँ, प्रभु, पृथ्वीक सभ छोर आ दूर-दूरक समुद्रक आशा छी।

इजकिएल 22:23 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ बात कयलनि आ हुनका आज्ञा देलनि जे ओ लोक सभक दुष्टताक विरुद्ध बाजथि।

1. दुष्टता बर्दाश्त नहि करू - इजकिएल 22:23

2. अन्यायक विरुद्ध बाजू - इजकिएल 22:23

1. नीतिवचन 29:7 - "धर्मी लोक केँ गरीबक लेल न्यायक चिन्ता होइत छैक, मुदा दुष्ट केँ एहन कोनो चिन्ता नहि छैक।"

2. यशायाह 58:6 - की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, उत्पीड़ित केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब?

इजकिएल 22:24 मनुष्यक बेटा, ओकरा कहि दियौक, “अहाँ ओ देश छी जे शुद्ध नहि होइत अछि आ ने क्रोधक दिन मे बरखा होइत अछि।”

प्रभु लोगऽ क॑ ओकरऽ आज्ञा नै मान॑ आरू पश्चाताप नै करै के चेतावनी द॑ रहलऽ छै ।

1: पश्चाताप करू आ बहुत देर होबय सँ पहिने प्रभु दिस घुरि जाउ।

2: प्रभुक आज्ञाकारी रहू आ ओ दया करताह।

1: यशायाह 55:6-7 "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ खोजू। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय जाहि सँ ओ आबि सकय।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2: याकूब 4:7-10 "तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, आ ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जायत। अहाँ सभ पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू।" , अहाँ सभ दोहरी विचारक लोक। दयनीय बनू आ शोक करू आ कानू। अहाँ सभक हँसी शोक मे बदलि जाउ आ अहाँक आनन्द उदास भ' जाउ। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।"

इजकिएल 22:25 ओकर बीच मे ओकर भविष्यवक्ता सभक षड्यंत्र अछि, जेना गर्जैत सिंह शिकार केँ चीरैत अछि। आत्मा सभकेँ खा गेल अछि। ओ सभ खजाना आ अनमोल वस्तु सभ लऽ लेलक अछि। ओकरा बीच मे ओकरा अनेक विधवा बना देलकैक।

इस्राएलक भविष्यवक्ता सभ गर्जैत शेर जकाँ काज केने छथि, अपनहि लोक केँ तबाह क' क' हुनकर सम्पत्ति सेहो ल' लेने छथि। एहि क्रम मे कतेको विधवाक कारण बनल छथि ।

1. लोभ आ शक्तिक खतरा: इजकिएल 22:25 पर क

2. स्वार्थक बुराई: इजकिएल 22:25 पर क

1. याकूब 4:1-3 - अहाँ सभक बीच झगड़ा की होइत अछि आ अहाँ सभक बीच झगड़ा की होइत अछि? की ई बात नहि जे अहाँक भीतर अहाँक जुनून युद्ध मे अछि? अहाँक इच्छा अछि आ नहि अछि, तेँ अहाँ हत्या करैत छी। अहाँ लोभ करैत छी आ प्राप्त नहि क' सकैत छी, तेँ अहाँ लड़ैत छी आ झगड़ा करैत छी ।

2. 1 पत्रुस 5:8-9 - सोझ विचार राखू; चौकस रहू। तोहर शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाइ लेल तकैत अछि। अपन विश्वास पर दृढ़तापूर्वक हुनकर विरोध करू, ई जानि जे दुनिया भरि मे अहाँक भाई-बहिन केँ सेहो एहने तरहक कष्ट भ' रहल अछि।

इजकिएल 22:26 ओकर पुरोहित हमर नियमक उल्लंघन केलक आ हमर पवित्र वस्तु केँ अपवित्र केलक, पवित्र आ अपवित्र मे कोनो भेद नहि केलक, आ ने अशुद्ध आ शुद्ध मे भेद केलक, आ हमर विश्राम-दिन सँ अपन नजरि नुका लेलक। आ हम हुनका सभक बीच अपवित्र छी।

इस्राएल के पुरोहित सिनी पवित्र आरू अपवित्र, शुद्ध आरू अशुद्ध के बीच भेद नै करी कॅ आरू सब्त के दिन के अनदेखी करी कॅ परमेश् वर के नियम के तोड़ी कॅ पवित्र चीज कॅ अशुद्ध करी देलकै।

1. पवित्र आ अपवित्र के अलग करबाक महत्व

2. विश्राम-दिनक पालन करबाक आवश्यकता

1. लेवीय 10:10-11 आ 19:2 - "आओर एहि लेल जे अहाँ सभ पवित्र आ अपवित्र, आ अशुद्ध आ शुद्ध मे अंतर राखब। आ एहि लेल जे अहाँ सभ इस्राएलक लोक सभ केँ ओ सभ नियम सिखाबी जे परमेश् वर हुनका सभ केँ कहने छथि।" मूसाक हाथ सँ।”

2. यशायाह 58:13-14 - "जँ अहाँ सभ विश्राम-दिन सँ अपन पएर मोड़ि कऽ हमर पवित्र दिन मे अपन मनपसंद करऽ सँ हटि कऽ विश्राम-दिन केँ आनन्दित, परमेश् वरक पवित्र आदरणीय कहब। आ हुनकर आदर करब, नहि।" अपन-अपन तरीका पर काज करब, आ ने अपन प्रसन्नता पाबि, आ ने अपन वचन बाजब, तखन अहाँ प्रभु मे आनन्दित होयब।”

इजकिएल 22:27 ओकर बीच मे ओकर राजकुमार सभ भेड़िया जकाँ अछि जे शिकार केँ चीर-फाड़ करैत अछि, खून बहबैत अछि आ आत्मा केँ नष्ट करैत अछि, जाहि सँ बेईमान लाभ भेटैत अछि।

राष्ट्रक नेता भेड़िया जकाँ छथि, बेसी सत्ता आ धन प्राप्त करबाक चक्कर मे अपनहि लोक केँ नष्ट क' रहल छथि ।

1: हमरा सभक बीच मे जे भेड़िया अछि, ओकरा सभ सँ सावधान रहू, जे धोखा देबय आ नुकसान पहुँचेबाक काज क' रहल अछि, ओकर बेईमान लाभक लेल।

2: जे हमर हित के ध्यान में राखय के दावा करैत छथि, मुदा वास्तव में हमरा सब के नुकसान पहुंचेबाक प्रयास करैत छथि, हुनकर झूठ वचन स धोखा नै करू।

1: मत्ती 7:15-20 - झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ क्षुद्र भेड़िया छथि।

2: 1 पत्रुस 5:8 - सोझ विचार राखू; चौकस रहू। तोहर शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत अछि, ककरो खाइ लेल तकैत अछि।

इजकिएल 22:28 ओकर भविष्यवक्ता सभ ओकरा सभ केँ व्यर्थता देखि, आ ओकरा सभ केँ झूठ बाजि क’, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि, जखन कि परमेश् वर नहि बाजल छथि।”

इस्राएल के भविष्यवक्ता सिनी झूठा भविष्यवाणी करतें रहलै, जे प्रभु के तरफ सें बोलै के दावा करतें रहलै, जबेॅ हुनी नै बोललकै।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा 2. विवेक के महत्व

1. यिर्मयाह 23:16-32 - झूठ भविष्यवक्ता सभक विरुद्ध चेतावनी 2. 2 तीमुथियुस 3:14-17 - सत्य केँ बूझबा मे शास्त्रक महत्व।

इजकिएल 22:29 देशक लोक सभ अत्याचार केलक, आ डकैती केलक, आ गरीब आ गरीब केँ परेशान केलक।

देशक लोक अत्याचार, डकैती, गरीब आ जरूरतमंदक संग दुर्व्यवहार केने अछि, संगहि अनजान पर गलत अत्याचार सेहो केलक अछि।

1. अत्याचारक पाप: अधर्मक हृदयक परीक्षण

2. अपन पड़ोसी सँ प्रेम करब: मसीहक करुणाक परीक्षा

1. भजन 82:3-4 - "कमजोर आ अनाथ केँ न्याय दिअ; दुःखी आ निराधार लोकक अधिकार केँ निर्वाह करू। कमजोर आ जरूरतमंद केँ उद्धार करू; दुष्टक हाथ सँ मुक्त करू।"

2. याकूब 1:27 - "परमेश् वर, पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि: अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।"

इजकिएल 22:30 हम हुनका सभक बीच एकटा एहन आदमीक खोज केलहुँ जे ओहि देशक लेल बाड़ि बनाबय आ हमरा सोझाँ फाँक मे ठाढ़ भ’ सकय, जाहि सँ हम ओकरा नष्ट नहि क’ सकब।

भगवान् ककरो खोजलनि जे जमीनक लेल ठाढ़ होथि, रक्षात्मक बाधा उत्पन्न करथि, मुदा ककरो नहि पाबि सकलाह।

1. "अंतराल मे ठाढ़ रहब: भगवान आ अपन पड़ोसी के प्रति अपन जिम्मेदारी के पूरा करब"।

2. "एकक शक्ति: एक व्यक्ति कोना अंतर आनि सकैत अछि"।

1. यशायाह 59:16-19

2. याकूब 1:22-25

इजकिएल 22:31 तेँ हम हुनका सभ पर अपन क्रोध उझलि देलहुँ। हम हुनका सभ केँ अपन क्रोधक आगि सँ भस्म क’ देलहुँ, हुनका सभक माथ पर ओकर सभक प्रतिफल देलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् अपन क्रोध ओहि लोक पर उझलि देने छथि जे हुनकर नियम तोड़ने छथि आ हुनका जे हकदार छथि से देथिन।

1. परमेश् वरक क्रोध न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि

2. हमरा सभकेँ भगवानक आज्ञा मानबाक चाही नहि तँ हुनकर क्रोधक सामना करबाक चाही

1. रोमियो 12:19- हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, कारण लिखल अछि: "बदली लेब हमर अछि; हम बदला लेब" प्रभु कहैत छथि।

2. इब्रानी 10:30- किएक तँ हम सभ ओकरा जनैत छी जे कहने छल, "बदली लेब हमर अछि; हम बदला लेब," आओर फेर, "प्रभु अपन लोक सभक न्याय करताह।"

इजकिएल अध्याय २३ मे इस्राएल आरू यहूदा के अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के चित्रण करै लेली दू बहिन ओहोला आरू ओहोलिबा के रूपक के प्रयोग करलौ गेलौ छै । अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम, परमेश्वर के न्याय आरू भविष्य में आबै वाला पुनर्स्थापन पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत दू बहिन ओहोला आ ओहोलिबा के रूपक कथा स होइत अछि जे क्रमशः सामरिया (इस्राएल) आ यरूशलेम (यहूदा) के प्रतिनिधित्व करैत छथि। दुनू बहिन मूर्तिपूजा मे लागल छलीह, विदेशी राष्ट्रक संग गठबंधन चाहैत छलीह आ अनैतिक काज मे लिप्त छलीह (इजकिएल 23:1-21)।

2nd Paragraph: भगवान् अपन क्रोध व्यक्त करैत छथि आ बहिन सब पर अपन न्याय के घोषणा करैत छथि | ओ वर्णन करैत छथि जे कोना ओ हुनकर प्रेमी सभ केँ हुनका सभक विरुद्ध आनत, जाहि सँ हुनका सभ केँ अपमानित कयल जायत, उजागर कयल जायत आ हुनकर बेवफाईक लेल सजा देल जायत (इजकिएल 23:22-35)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे बहिन सभक सजाक जीवंत वर्णन अछि, जाहि मे हुनकर शहरक विनाश आ बच्चा सभक क्षति सेहो शामिल अछि | परमेश् वर एहि बात पर जोर दैत छथि जे हुनकर सभक काज हुनकर पवित्र स्थान केँ अशुद्ध क’ देने छथि आ हुनका सभ पर हुनकर क्रोध अनने छथि (इजकिएल 23:36-49)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय तेइस प्रयोग
दू बहिनक रूपक
इस्राएल आ यहूदाक अविश्वासक चित्रण करबाक लेल,
परमेश् वरक न्याय, आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

दू बहिन ओहोला आ ओहोलिबा के रूपक कहानी, जे इस्राएल आरू यहूदा के प्रतिनिधित्व करै छै।
मूर्तिपूजा, गठबंधन के खोज, आ अनैतिक व्यवहार में संलग्न रहब।
भगवान के क्रोध आ बहिन सब पर न्याय के घोषणा।
दंड, विनाश, आ संतानक क्षतिक वर्णन।

परमेश् वरक पवित्र स्थान आ हुनकर सभक काजक परिणाम पर जोर देब।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ इस्राएल आरू यहूदा केरऽ अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के चित्रण करै लेली दू बहिन ओहोला आरू ओहोलिबा के रूपक के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । बहिन सब मूर्तिपूजा में लागल छल, विदेशी राष्ट्र के संग गठबंधन के खोज में लागल छल आ अनैतिक काज में लिप्त छल। भगवान् अपनऽ क्रोध व्यक्त करै छै आरू ओकरा सिनी पर अपनऽ न्याय के घोषणा करै छै, ई वर्णन करै छै कि कोना वू ओकरऽ प्रेमी सिनी क॑ ओकरा सिनी के खिलाफ लानी देतै, जेकरा स॑ ओकरा अपमानित करलऽ जैतै, उजागर करलऽ जैतै आरू ओकरऽ बेवफाई के सजा मिलतै । अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे बहिन सभक सजाक जीवंत वर्णन अछि, जाहि मे ओकर शहरक विनाश आ बच्चा सभक क्षति सेहो शामिल अछि | परमेश् वर एहि बात पर जोर दैत छथि जे हुनकर सभक काज हुनकर पवित्र स्थान केँ अशुद्ध क' देलनि अछि आ हुनका सभ पर हुनकर क्रोध आनि देलनि अछि। अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम, परमेश्वर के न्याय आरू भविष्य में पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 23:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

भगवान् दू बहिन के अनैतिकता के लेल डांटैत छथि।

1. अनैतिक जीवन जीबाक परिणाम

2. परमेश् वरक धार्मिकताक मानकक अनुरूप

1. रोमियो 6:12-14, "तेँ पाप अपन नश्वर शरीर मे राज नहि करू, जाहि सँ अहाँ ओकर इच्छा मे ओकर आज्ञा मानब। आ ने अहाँ सभ अपन अंग केँ अधर्मक औजार बना पाप मे नहि दियौक। बल् कि अपना केँ परमेश् वरक समक्ष समर्पण करू, जेना ओ सभ।" जे मृत् यु सँ जीवित छी आ अहाँक अंग-अंग परमेश् वरक लेल धार्मिकताक औजार बनि गेल अछि।

2. 1 पत्रुस 1:13-16, "एही लेल अपन मनक कमर बान्हि, सोझ रहू, आ अंत धरि आशा करू जे यीशु मसीहक प्रकटीकरणक समय अहाँ सभ पर जे अनुग्रह आनल जायत; आज्ञाकारी सन्तान जकाँ नहि।" अपन अज्ञानता मे पूर्वक वासना जकाँ अपना केँ बनाउ, मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र अछि, तहिना अहाँ सभ तरह-तरह मे पवित्र रहू, कारण धर्म मे लिखल अछि जे, “पवित्र रहू, किएक तँ हम पवित्र छी।”

इजकिएल 23:2 मनुष्यक पुत्र, दूटा स्त्री छलीह, जे एक मायक बेटी छलीह।

एकहि माय के बेटी दू टा महिला के प्रयोग यरूशलेम आ सामरिया के बेवफाई के प्रतिनिधित्व करय लेल कयल गेल अछि।

1. "भगवानक निष्ठा आ हमर अविश्वास"।

2. "अविश्वास के परिणाम"।

1. होशे 4:1-3

2. यिर्मयाह 3:6-10

इजकिएल 23:3 ओ सभ मिस्र मे वेश्यावृत्ति केलक। ओ सभ जवानी मे वेश्यावृत्ति करैत छल, ओतय ओकर स्तन दबाओल गेल छलैक आ ओतहि ओ सभ अपन कुमारित्वक स्तन केँ चोट पहुँचबैत छलैक।

इस्राएल के लोग अपनऽ युवावस्था में मिस्र में व्यभिचार आरू यौन अनैतिकता के काम करलकै।

1. पवित्रता आ यौन शुद्धताक लेल भगवानक योजना

2. यौन अनैतिकताक खतरा

1. 1 कोरिन्थी 6:18-20 - व्यभिचार सँ पलायन करू। मनुष्य जे पाप करैत अछि से शरीरक बाहर होइत अछि। मुदा जे व्यभिचार करैत अछि से अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि।

1488

2. इब्रानी 13:4 - विवाह सभ मे सम्मानजनक अछि, आ बिछौन निर्मल अछि, मुदा वेश्या आ व्यभिचारी सभक परमेश् वर न्याय करताह।

इजकिएल 23:4 हुनका सभक नाम छलनि जेठ अहोला आ हुनकर बहिन अहोलीबा। एहि तरहेँ हुनका लोकनिक नाम छलनि; सामरिया अहोला आ यरूशलेम अहोलीबा।

इजकिएल भविष्यवक्ता दू बहिन अहोला आरू अहोलीबा के बारे में बतैलकै, जेकरा दोनों के बारे में कहलऽ जाय छै कि वू परमेश् वर के छेलै। हुनका सभक एक-एकटा बेटा-बेटी अछि, आ सामरिया अहोला आ यरूशलेम अहोलीबा।

1. "पीढ़ी-पीढ़ी के माध्यम स भगवान के निष्ठा"।

2. "अहोला आ अहोलीबा के प्रतीकात्मक अर्थ"।

1. व्यवस्था 7:9 - तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर छथि। ओ विश्वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि, हुनका सभक हजार पीढ़ी धरि अपन प्रेमक वाचा केँ पालन करैत छथि।

2. होशे 2:1 - "अपन भाइ सभक बारे मे कहू, 'हमर लोक' आ अपन बहिन सभक बारे मे कहब जे हमर प्रियजन।"

इजकिएल 23:5 जखन अहोला हमर छलीह तखन वेश्यावृत्ति केलनि। ओ अपन प्रेमी-प्रेमिका, अपन पड़ोसी अश्शूर सभक प्रति प्रेम करैत छलीह।

अहोला तखन आध्यात्मिक व्यभिचार केलक जखन ओ दोसर देवताक आराधना करबाक लेल मुड़लीह।

1: भगवान् हमरा सभ केँ असगर हुनका प्रति वफादार रहबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभकेँ अपन प्रभुक प्रति समर्पित रहबाक प्रयास करबाक चाही, संसारक प्रलोभनक बादो।

1: नीतिवचन 4:14-15 - दुष्टक बाट मे नहि जाउ, आ अधलाहक बाट पर नहि चलू। एकरा सँ बचू; एहि पर नहि जाउ; ओकरासँ मुँह मोड़ि कऽ आगू बढ़ू।

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 23:6 ओ सभ नील रंगक कपड़ा पहिरने छल, सेनापति आ शासक, सभ वांछनीय युवक, घोड़ा पर सवार घुड़सवार।

इजकिएल 23:6 नील रंगक कपड़ा पहिरने वांछनीय युवक सभक बात करैत अछि, जे कप्तान आ शासक छलाह आ घोड़ा पर सवार छलाह।

1: हमरा सभकेँ मजबूत नेता बनबाक प्रयास करबाक चाही आ एहन नेता बनबाक प्रयास करबाक चाही जिनका पर लोक भरोसा क' सकय आ ऊपर देखि सकय।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे मामूली कपड़ा पहिरब आ कपड़ाक उपयोग भ' क' ईश्वरीय जीवन जीबाक प्रतिबद्धताक प्रदर्शन करी।

1: 1 तीमुथियुस 2:9-10 "तहिना स् त्रीगण सभ आदरपूर्ण परिधान मे, विनम्रता आ संयम सँ, लट केश आ सोना वा मोती वा महग परिधान सँ नहि, बल् कि ओहि स् त्रीगण सभक लेल जे उचित अछि जे परमेश् वरक भक्ति मानैत छथि।" नीक काजक संग।"

2: नीतिवचन 31:25 "शक्ति आ मर्यादा ओकर वस्त्र अछि, आ आबै बला समय मे ओ हँसैत अछि।"

इजकिएल 23:7 एहि तरहेँ ओ हुनका सभक संग, अश्शूरक सभ चुनल लोक सभक संग आ सभ गोटेक संग अपन वेश्यावृत्ति केलनि, जिनका सभ पर ओ प्रेम करैत छलीह।

इजकिएल इस्राएलक लोक सभक आध्यात्मिक व्यभिचारक बात करैत छथि, जे मूर्ति सभक लेल प्रभु केँ छोड़ि देने छथि।

1: आध्यात्मिक व्यभिचारक दोषी नहि बनू; भगवान् के प्रति वफादार रहना।

2: मूर्ति अहाँ केँ प्रभु सँ दूर नहि खींचय दियौक।

1: रोमियो 1:21-23 - किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ जनैत छल, मुदा ओ सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे आदर नहि केलक आ ने हुनका धन्यवाद देलक, बल् कि ओ सभ अपन सोच मे व्यर्थ भऽ गेल आ ओकर मूर्ख हृदय अन्हार भऽ गेल। बुद्धिमान होय के दावा करतें हुवें मूर्ख होय गेलै, आरो अमर भगवान के महिमा के आदान-प्रदान नश्वर मनुष्य आरो चिड़िया-चुनमुनी आरो जानवर आरो रेंगना- रेंगत वस्तु के समान मूर्ति के साथ करी देलकै।

2: 1 कोरिन्थी 10:14 - तेँ हे हमर प्रियजन, मूर्तिपूजा सँ भागू।

इजकिएल 23:8 ओ मिस्र सँ आनल गेल अपन वेश्यावृत्ति केँ सेहो नहि छोड़लीह, कारण ओकर जवानी मे ओ सभ ओकरा संग पड़ल छल, आ ओकर कुमारिपनक छाती केँ चोट क’ देलक आ ओकरा पर अपन वेश्यावृत्ति ढारि देलक।

युवावस्था में मिस्र ओहि अंश में महिला के फायदा उठा क ओकरा संग यौन क्रिया में संलग्न भ गेल छल आ ओकरा संग दुर्व्यवहार केने छल।

1. यौन शुद्धता आ एक दोसराक सम्मानक महत्व

2. पाप आ अनैतिकताक परिणाम

१ अहाँ सभक भीतर पवित्र आत् मा, जे अहाँ सभ केँ परमेश् वर सँ भेटल अछि? अहाँ सभ अपन नहि छी, किएक तँ अहाँ सभ दाम सँ कीनल गेल छी। तेँ अपन शरीर मे परमेश् वरक महिमा करू।"

2. नीतिवचन 5:15-20 - "अपन कुंड सँ पानि पीबू, अपन इनार सँ बहैत पानि। की अहाँक झरना छिड़िया जाय, सड़क पर पानि केर धार? ओ असगर अपन लेल हो, आ अनजान लोकक लेल नहि।" अहाँ। अहाँक फव्वारा धन्य हो, आ अपन युवावस्थाक पत्नी, एकटा प्रिय मृग, एकटा ललित हरि मे आनन्दित होउ।ओकर स्तन अहाँ केँ सदिखन आनन्द सँ भरय, ओकर प्रेम मे सदिखन नशा मे धुत्त रहू।अहाँ नशा मे किएक रहब, हमर बेटा, निषिद्ध स्त्री के संग आ व्यभिचारी के छाती गले लगाउ?"

इजकिएल 23:9 तेँ हम ओकरा ओकर प्रेमी सभक हाथ मे, अश्शूर सभक हाथ मे सौंप देलहुँ, जिनका पर ओ प्रेम करैत छलीह।

प्रभु इस्राएल क॑ अश्शूर सिनी द्वारा कैद करै के अनुमति द॑ देल॑ छै, जेकरा पर वू प्यार करै छेली।

1: मूर्तिपूजाक परिणाम - इजकिएल 23:9

2: अविश्वास पर परमेश् वरक न्याय - इजकिएल 23:9

1: यिर्मयाह 2:20 - पहिने सँ हम अहाँक जुआ तोड़ि देलहुँ आ अहाँक पट्टी फाड़ि देलहुँ। अहाँ कहलहुँ जे हम उल्लंघन नहि करब। जखन हर ऊँच पहाड़ी पर आ हरियर गाछक नीचाँ अहाँ वेश्यावृत्ति करैत भटकैत छी।

2: होशे 4:11-13 - वेश्यावृत्ति आ मदिरा आ नव मदिरा हृदय केँ छीन लैत अछि। हमर लोक अपन दल मे सलाह माँगैत अछि आ ओकर लाठी ओकरा सभ केँ घोषणा करैत अछि, किएक तँ वेश्यावृत्तिक आत्मा ओकरा सभ केँ भटका देलक आ ओ सभ अपन परमेश् वरक अधीन सँ वेश्यावृत्ति कऽ लेलक। ओ सभ पहाड़क चोटी पर बलिदान करैत अछि आ पहाड़ी सभ पर ओक आ पीपल आ एल्म सभक नीचाँ धूप जराबैत अछि, कारण

1490

ओकर छाया नीक अछि, तेँ अहाँक बेटी सभ वेश्यावृत्ति करत आ अहाँक जीवनसाथी सभ व्यभिचार करत।

इजकिएल 23:10 ई सभ हुनकर नंगटेपनक पता चललनि, हुनकर बेटा आ बेटी सभ केँ लऽ कऽ तलवार सँ मारि देलनि। किएक तँ ओ सभ ओकरा पर न् याय दऽ देने छल।

एकटा अनाम महिला के बेटा-बेटी के लऽ कऽ मारल गेल छल, जाहि के कारण जे न्याय भेल छल ओकर कारणेँ ओ महिला के बीच प्रसिद्ध भ’ गेल छल ।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे परमेश् वर जे आशीर्वाद देलनि अछि, ओकर लेल धन्य रहब, चाहे कोनो परिस्थिति किएक नहि हो।

2: हमरा सब के अपन पसंद के प्रति ध्यान राखय पड़त आ ओ हमर जीवन आ आसपास के लोक के कोना प्रभावित क सकैत अछि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

इजकिएल 23:11 जखन ओकर बहिन अहोलीबा ई देखलकै त’ ओ अपन अत्यधिक प्रेम मे ओकरा सँ बेसी भ्रष्ट भ’ गेलै आ अपन वेश्यावृत्ति मे अपन बहिन सँ बेसी अपन वेश्यावृत्ति मे।

एहि अंश सँ पता चलैत अछि जे अहोलीबा अपन बहिन सँ बेसी भ्रष्ट आ वेश्या छल।

1: पाप हमरा सभकेँ ओहिसँ बेसी दूर धरि लऽ जा सकैत अछि जे हम सभ कहियो संभव नहि सोचने रही।

2: ई सोचि धोखा नहि खाउ जे कनिको पाप कोनो पैघ बात नहि अछि।

1: रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2: याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि।" , मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

इजकिएल 23:12 ओ अपन पड़ोसी, कप्तान आ शासक सभ केँ, घोड़ा पर सवार घोड़ा पर सवार, सभ वांछनीय युवक सभ केँ अश्शूर सभक प्रति प्रेम करैत छलीह।

इजकिएल २३:१२ मे महिला केँ अश्शूर शासक आ घुड़सवारक प्रति आकर्षणक रूप मे चित्रित कयल गेल अछि, ओकरा वांछनीय युवकक रूप मे देखैत अछि।

1. काम-वासना पाप आकर्षण दिस ल जाइत अछि

2. सांसारिक इच्छाक मूर्ति बनेबाक खतरा

1. 1 यूहन्ना 2:15-17 "संसार आ संसारक कोनो चीज सँ प्रेम नहि करू। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि तँ पिताक प्रति प्रेम ओकरा मे नहि अछि। संसार मे सभ किछु शरीरक वासना, वासना आँखि, आ जीवनक घमंड पिता सँ नहि, संसार सँ होइत अछि। संसार आ ओकर इच्छा बीतैत अछि, मुदा जे परमेश्वरक इच्छा करैत अछि, ओ अनन्त काल धरि जीबैत अछि।"

2. याकूब 1:13-15 "जखन परीक्षा लेल जाइत अछि तखन केओ ई नहि कहबाक चाही जे परमेश् वर हमरा परीक्षा दैत छथि। किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि पाबि सकैत छथि आ ने ककरो परीक्षा मे नहि दैत छथि; मुदा प्रत्येक व्यक्ति केँ परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन दुष्टताक कारणेँ घसीटल जाइत अछि।" इच्छा आ लोभित।तखन इच्छा गर्भधारणक बाद पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि।"

इजकिएल 23:13 तखन हम देखलहुँ जे ओ अशुद्ध छथि, दुनू गोटे एक रस्ता धऽ लेलनि।

ओ सभ ओकर वेश्यावृत्ति केँ बढ़ा देलक, किएक तँ ओ देखि कऽ जे लोक सभ देबाल पर उझलि गेल अछि तँ कसदी सभक मूर्ति सभ सिंदूर सँ उझलि गेल।

इजकिएल दुनू महिला के व्यभिचार करै के गवाह छै, आरू देखै छै कि कल्दी सिनी के छवि देवाल पर सिंदूर के साथ खींचलोॅ छै।

1. भ्रष्ट दुनिया मे शुद्ध कोना रहब

2. प्रलोभन के शक्ति के समझना

1. याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि।" , मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

2. गलाती 5:16-17 - "तँ हम कहैत छी जे, आत् माक अनुसार चलू, तखन अहाँ सभ शरीरक इच्छा केँ पूरा नहि करब। किएक तँ शरीर आत् माक विपरीत चाहैत अछि आ आत् मा शरीरक विपरीत चाहैत अछि।" .ओ सभ एक दोसरा सँ टकराव मे अछि, जाहि सँ अहाँ केँ जे चाही से नहि करबाक अछि।"

इजकिएल 23:14 ओ अपन वेश्यावृत्ति केँ बढ़ा देलनि, कारण जखन ओ देखथिन जे लोक सभ केँ देबाल पर ढारल गेल अछि, तखन कल्दी सभक मूर्ति सभ सिन्दुर रंग सँ ढारल गेल।

इजकिएल 23:14 इस्राएली सभक परमेश् वरक प्रति अविश्वासक बात करैत अछि, जेना कि ओ सभ कसदी सभक प्रतिरूप दिस आकर्षित भेल छल।

1. भगवान् के निष्ठा बनाम अविश्वास

2. मूर्तिपूजा आ एकर परिणाम

1. 1 यूहन्ना 5:21 - छोट-छोट बच्चा सभ मूर्ति सँ अपना केँ बचाउ

2. रोमियो 1:21-23 - किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ जनैत छल, मुदा ओ सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे आदर नहि केलक आ ने हुनकर धन्यवाद देलक, बल् कि ओ सभ अपन सोच मे व्यर्थ भऽ गेल आ ओकर मूर्ख हृदय अन्हार भऽ गेल। बुद्धिमान होयबाक दावा करैत मूर्ख बनि गेल

इजकिएल 23:15 कमर मे कमरबंद, माथ पर बहुत रंगक परिधान मे, सभ राजकुमार छथि जे कल्दीक बेबिलोनक लोकक अनुसार अपन जन्मक देश दिस तकैत छलाह।

इस्राएल के लोग के वर्णन इजकिएल 23:15 में कल्दीय के बेबिलोन के लोग के समान कपड़ा पहिरने के रूप में करलऽ गेलऽ छै ।

1. आत्मसात करबाक लागत: इजकिएल 23:15 आओर फिटिंग के खतरा

2. इजकिएल 23:15 - सांस्कृतिक समझौताक परिणाम

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. यिर्मयाह 2:7 - आ हम अहाँ सभ केँ एकटा प्रचुर देश मे अनलहुँ जे ओकर फल आ ओकर नीक वस्तुक आनंद लेब। मुदा जखन अहाँ सभ प्रवेश केलहुँ तँ हमर भूमि केँ अशुद्ध कऽ देलियैक आ हमर धरोहर केँ घृणित बना देलियैक।

इजकिएल 23:16 जखन ओ हुनका सभ केँ आँखि सँ देखि क’ हुनका सभ केँ मोन पाड़ि क’ कल्दीया मे दूत पठौलनि।

इजकिएल 23:16 मे जे महिला अछि, ओ बेबिलोनवासी सभ केँ देखलक आ तुरन्त ओकरा सभक मोह मे आबि गेल, आ ओकरा सभ केँ कल्दी मे दूत पठा देलक।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर संसारक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. अनियंत्रित हृदयक खतरा

1. यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

2. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

इजकिएल 23:17 बेबिलोनक लोक सभ प्रेमक बिछौन पर हुनका लग आबि गेलाह, आ ओ सभ हुनका अपन वेश्यावृत्ति सँ अशुद्ध क’ देलनि, आ हुनका सभक संग ओ दूषित भ’ गेलीह, आ हुनकर मोन हुनका सभ सँ दूर भ’ गेलनि।

बेबिलोनवासी इजकिएल 23:17 मे ओहि महिला लग आबि गेल आ ओकरा संग वेश्यावृत्ति केलक, ओकरा भ्रष्ट आ पराया बना देलक।

1. अनैतिकताक खतरा

2. पापक परिणाम

1. इब्रानी 13:4 - विवाह केँ सभक बीच आदर देल जाय, आ विवाहक बिछौन अशुद्ध हो, कारण परमेश् वर यौन-अनैतिक आ व्यभिचारी सभक न्याय करताह।

2. 1 कोरिन्थी 6:18-20 - यौन अनैतिकता सँ भागू। मनुष्य केरऽ हर दोसरऽ पाप शरीर स॑ बाहर होय छै, लेकिन यौन-अनैतिक व्यक्ति अपनऽ शरीर के खिलाफ पाप करै छै । की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँक शरीर अहाँ सभक भीतर पवित्र आत् माक मन् दिर अछि, जे अहाँ सभ केँ परमेश् वर सँ भेटल अछि? अहाँ अपन नहि छी, किएक तँ अहाँकेँ दामसँ कीनल गेल छल। तेँ अपन शरीर मे परमेश् वरक महिमा करू।

इजकिएल 23:18 तखन ओ अपन वेश्यावृत्ति केँ पाबि लेलक, आ अपन नंगटेपनक पता चललनि, तखन हमर मोन हुनका सँ दूर भ’ गेलनि, जेना हमर मोन हुनकर बहिन सँ दूर भ’ गेल छलनि।

भगवान् अपन मोन केँ वेश्यावृत्ति आ नग्नता करयवला लोक सँ दूर क' देलनि।

1: हमरा सभ केँ अपन कर्म पर सदिखन ध्यान राखय पड़त, कारण प्रभु पाप करयवला सभक नजदीक नहि रहताह।

2: जखन हम सभ भगवानक बाटसँ भटकि जायब तँ ओ हमरा सभकेँ मुँह मोड़बामे कोनो संकोच नहि करताह आ हमरा सभकेँ अपन मर्जी पर छोड़ि देताह।

1: 1 कोरिन्थी 6:15-20 - हमर शरीर प्रभुक लेल मंदिर बनबाक लेल बनल अछि आ जखन हम सभ अनैतिक काज करैत छी तखन हम हुनकर आदर नहि क’ रहल छी।

2: रोमियो 6:12-14 - हमरा सभ केँ पाप सँ दूर भ’ क’ यीशु जकाँ जीब’ पड़त, किएक तँ हुनका द्वारा हमरा सभ केँ उद्धार भेटबाक चाही।

इजकिएल 23:19 तइयो ओ अपन युवावस्थाक दिनक स्मरण करैत अपन वेश्यावृत्ति केँ बढ़ौलनि, जाहि मे ओ मिस्र देश मे वेश्यावृत्ति केने छलीह।

इजकिएल 23:19 मे एकटा महिलाक बेवफाई आ ओकर ओहि दिनक स्मरण करबाक बात कयल गेल अछि जखन ओ मिस्र मे वेश्या छलीह।

1. "अविश्वास के खतरा" 2. "भूतकाल के पाप के याद करब"।

1. इब्रानी 10:26-31; "किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ आ स्वेच्छा सँ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह अपेक्षा आ अग्निक क्रोध रहि जायत जे विरोधी सभ केँ भस्म क' देत।" 2. रोमियो 6:12-14; "तेँ पाप केँ अपन नश्वर शरीर मे राज नहि कर' दियौक जाहि सँ अहाँ ओकर इच्छाक आज्ञा मानब, आ अपन शरीरक अंग केँ अधर्मक औजार बना पाप मे नहि राखू, बल् कि अपना केँ मृत् यु मे सँ जीवित लोक आ अपन शरीरक रूप मे परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू।" अंग परमेश् वर के प्रति धार्मिकता के साधन के रूप में |”

इजकिएल 23:20 किएक तँ ओ हुनका सभक प्रेमी-प्रेमिका सभक प्रति प्रेम करैत छलीह, जिनकर मांस गदहाक मांस जकाँ अछि आ घोड़ाक चोट जकाँ अछि।

ई अंश ऐन्हऽ व्यक्ति के बात करै छै जे भगवान के प्रति बेवफा छै आरू एकरऽ बदला में दोसरऽ के प्रति समर्पित छै जेकरऽ मांस आरू मुद्दा मनुष्य के नै छै ।

1. बेवफाई के खतरा

2. भगवान् के प्रति निष्ठा के मूल्य

1. 1 यूहन्ना 2:15-17 - संसार आ संसारक वस्तु सभसँ प्रेम नहि करू। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि तँ पिताक प्रेम ओकरा मे नहि अछि।

2. होशे 4:11-12 - वेश्यावृत्ति, शराब, आ नव शराब, जे समझ केँ दूर क’ दैत अछि। हमर लोक अपन लकड़ीक मूर्ति सभ सँ सलाह लैत अछि आ ओकर लाठी ओकरा सभ केँ घोषणा करैत अछि। कारण, वेश्यावृत्तिक आत् मा हुनका सभ केँ भटका देलकनि, आ ओ सभ अपन परमेश् वरक अधीन सँ वेश्यावृत्ति मे चलि गेलाह।

इजकिएल 23:21 एहि तरहेँ अहाँ अपन युवावस्थाक अश्लीलताक स्मरण करौलहुँ, जे अहाँ अपन युवावस्थाक पाप सभक लेल मिस्रवासी सभक द्वारा अपन स्तन केँ चोट लगेलहुँ।

इजकिएल 23:21 मे इस्राएली सभक अश्लीलताक बात अछि जखन ओ मिस्र मे छलाह, आओर मिस्र मे हुनका सभक फायदा कोना उठौलनि।

1. पाप मे जीबाक खतरा - पाप कोना विनाश दिस ल' सकैत अछि

2. पश्चाताप के शक्ति - पश्चाताप कोना मोक्ष के तरफ ल जा सकैत अछि

1. यशायाह 1:18-20 - भले अहाँ सभक पाप लाल रंगक समान हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत।

2. रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कमजोर भऽ गेल छथि आ हुनकर कृपा द्वारा मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, हुनका द्वारा धर्मी ठहराओल गेल अछि।

इजकिएल 23:22 तेँ हे अहोलीबा, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम तोहर प्रेमी- प्रेमिका सभ केँ तोहर विरुद्ध ठाढ़ करब, जिनका सँ तोहर मन दूर अछि, आ ओकरा सभ केँ चारू कात तोहर विरुद्ध आनब।

परमेश् वर अहोलीबा केँ ओकर अविश्वासक कारणेँ ओकर प्रेमी सभ केँ ओकर विरुद्ध आनि दण् ड देथिन।

1. परमेश् वरक अविचल न्याय: अहोलीबाक दंड

2. भगवान् सँ अपना केँ दूर करबाक खतरा

1. नीतिवचन 16:18 - "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

इजकिएल 23:23 बेबिलोन, सभ कसदी, पेकोद, शोआ, कोआ, आ सभ अश्शूर हुनका सभक संग, सभटा वांछनीय युवक, सेनापति आ शासक, महान स्वामी आ प्रसिद्ध, सभ घोड़ा पर सवार छल।

एहि अंश मे बेबिलोन, कल्दी, पेकोद, शोआ, कोआ आ अश्शूरक उल्लेख अछि जे घोड़ा पर सवार युवा, शक्तिशाली पुरुषक समूह छल |

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वरक वचन हमरा सभक जीवन केँ कोना सूचित करैत अछि

2. एकता के शक्ति: एक संग काज करब हमर आस्था के कोना मजबूत करैत अछि

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि! पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तँ गरम होइत छथि, मुदा असगरे कोना गरम भ’ सकैत अछि। आ असगर रहल आदमी पर भले जीत भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक।

इजकिएल 23:24 ओ सभ रथ, गाड़ी आ पहिया ल’ क’ आ लोकक मंडली ल’ क’ अहाँक विरुद्ध आओत, जे चारू कात बकलर, ढाल आ हेलमेट अहाँ पर ठाढ़ करत अहाँ हुनका सभक निर्णयक अनुसार।

परमेश् वर यरूशलेमक विरुद्ध लोकक एकटा पैघ मंडली अनताह जे हुनका सभक नियमक अनुसार न्याय करथिन।

1. भगवानक न्याय अनिवार्य अछि

2. अधर्मक परिणाम

1. यशायाह 33:22 - कारण, प्रभु हमरा सभक न्यायाधीश छथि; प्रभु हमरा सभक व्यवस्था देनिहार छथि। प्रभु हमरा सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 23:25 हम अहाँ पर अपन ईर्ष्या करब, आ ओ सभ अहाँ पर क्रोधित भ’ जायत। तोहर शेष लोक तलवार सँ खसि पड़त। आ तोहर अवशेष आगि मे भस्म भ’ जायत।

परमेश् वरक ईर्ष्या ओहि सभक विरुद्ध व्यक्त कयल जायत जे बेवफाई केने छथि, आ हुनका सभ केँ नाक आ कानक संग-संग अपन संतानक क्षति आ शेष सम्पत्तिक विनाशक कठोर सजा भेटतनि।

1. अविश्वास के परिणाम: इजकिएल 23:25 के अध्ययन

2. परमेश् वरक ईर्ष्या केँ बुझब: इजकिएल 23:25 केर अन्वेषण

1. निकासी 20:5 - अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, कारण हम प्रभु अहाँक परमेश् वर एकटा ईर्ष्यालु परमेश् वर छी, जे हमरा सँ घृणा करयवला सभक तेसर आ चारिम पीढ़ी धरि पिता सभक अधर्मक दोष संतान सभ पर करैत छी...

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 23:26 ओ सभ तोहर कपड़ा उतारत आ तोहर सुन्दर गहना सेहो छीन लेत।

भगवान् हुनकर आज्ञा नहि माननिहारक विलासिता छीनि लेताह।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

2. पापक परिणाम

1. नीतिवचन 10:22, "प्रभुक आशीर्वाद धन-दौलत अनैत अछि, आओर ओ ओकरा मे कोनो कष्ट नहि जोड़ैत अछि।"

2. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

इजकिएल 23:27 एहि तरहेँ हम अहाँक अश्लीलता आ मिस्र देश सँ आनल गेल अहाँक वेश्यावृत्ति केँ समाप्त क’ देब, जाहि सँ अहाँ हुनका सभ दिस नजरि नहि उठबैत छी आ ने मिस्र केँ मोन पाड़ब।

परमेश् वर इस्राएल के वेश्यावृत्ति के लेलऽ माफ करी देतै आरू ओकरा सिनी क॑ अब॑ मिस्र के बारे म॑ नै सोचै देतै।

1. परमेश् वरक क्षमाक प्रतिज्ञा - इजकिएल 23:27

2. मिस्र सँ मुँह मोड़ब - इजकिएल 23:27

1. यशायाह 43:25 - "हम, हमहीं छी, जे हमर लेल अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, आ अहाँक पापक स्मरण नहि करब।"

2. यिर्मयाह 31:34 - "ओ सभ आब अपन पड़ोसी आ अपन भाइ केँ ई नहि सिखाओत जे, 'प्रभु केँ चिन्हू।' प्रभु;

इजकिएल 23:28 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ केँ ओहि लोकक हाथ मे सौंप देब, जकरा सँ अहाँ घृणा करैत छी, जिनका सँ अहाँक मोन अलग अछि।

परमेश् वर इजकिएल केँ ओहि सभक हाथ मे सौंपबाक वादा करैत छथि जिनका सँ ओ घृणा करैत छथि, जिनका सभ सँ हुनकर मोन दूर भ' गेल छनि।

1. ई परमेश् वरक हाथ मे अछि: परमेश् वरक सार्वभौमिकता पर भरोसा करब

2. घृणा पर काबू पाब: जे हमरा सभकेँ आहत केने अछि ओकरासँ प्रेम करब सीखब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. मत्ती 5:44 - मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभक शत्रु सभ सँ प्रेम करू, जे अहाँ सभ केँ गारि पढ़ैत अछि, हुनका सभ केँ आशीर्वाद दिअ, जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि, हुनका सभक भलाई करू आ जे सभ अहाँ सभ केँ घृणा करैत अछि आ अहाँ सभ केँ सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।

इजकिएल 23:29 ओ सभ अहाँ सँ घृणित व्यवहार करत, आ अहाँक सभटा मेहनति छीनि लेत आ अहाँ केँ नंगटे आ नंगटे छोड़ि देत।

व्यभिचार करय वाला के प्रति परमेश् वर के क्रोध इजकिएल 23:29 मे प्रकट भेल अछि।

1. "व्यभिचार: उल्लंघन के कीमत चुकाना"।

2. "व्यभिचार के विरुद्ध चेतावनी: जे बोबैत छी ओकर काटि"।

1. याकूब 4:17 - तेँ जे सही काज जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2. नीतिवचन 6:32 - मुदा व्यभिचार केनिहार के कोनो ज्ञान नहि होइत छैक; जे एहन करैत अछि से अपना केँ नष्ट क' लैत अछि।

इजकिएल 23:30 हम अहाँक संग ई सभ काज करब, कारण अहाँ गैर-यहूदी सभक पाछाँ वेश्यावृत्ति कयलहुँ आ हुनकर मूर्ति सभ सँ अहाँ दूषित छी।
परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ मूर्तिपूजा आ विदेशी देवताक आराधनाक सजा देताह।
1. परमेश् वरक क्रोध आ न्याय - इजकिएल 23:30
2. मूर्तिपूजाक खतरा - इजकिएल 23:30
1. गलाती 5:19-21 - आब शरीरक काज प्रगट भ’ गेल अछि, जे ई सभ अछि। व्यभिचार, व्यभिचार, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, घृणा, विचरण, अनुकरण, क्रोध, कलह, विद्रोह, पाखण्ड |
2. 1 कोरिन्थी 10:14 - तेँ हे हमर प्रियजन, मूर्तिपूजा सँ भागू।
इजकिएल 23:31 अहाँ अपन बहिनक बाट पर चललहुँ। तेँ हम ओकर प्याला तोहर हाथ मे दऽ देब।” भगवान् हमरा सभ केँ गलत बाट पर चलबाक परिणामक बारे मे चेताबैत छथि।
1. परिणामक प्याला: इजकिएल 23:31 के उदाहरण स सीखब
2. गलत मार्ग पर नहि चलू: इजकिएल 23:31 के चेतावनी पर ध्यान देब
1. उपदेशक 11:9 - हे युवक, अपन जवानी मे आनन्दित रहू। जवानीक दिन मे तोहर मोन केँ हौसला बढ़ाबैत रहू, आ अपन हृदयक बाट आ आँखिक नजरि मे चलैत रहू।
2. नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।
इजकिएल 23:32 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ अपन बहिनक प्याला गहींर-बड़का पीबह, अहाँ केँ तिरस्कार मे हँसी आ उपहास कयल जायत। एहि मे बहुत किछु समाहित अछि।
परमेश् वर पाप के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै, कि जे लोग ओकरा में भाग लेतै, ओकरा दोसरो के द्वारा उपहास आरू उपहास करलऽ जैतै।
1. पाप के खतरा: ओकर परिणाम के चिन्हब आ ओकरा स बचब
2. प्रलोभन के सामने मजबूती से खड़ा रहना
1. नीतिवचन 1:10-19 - बुराई के अस्वीकार करबाक लेल बुद्धि के आह्वान
2. याकूब 1:13-15 - प्रलोभन आ एकर विरोध कोना कयल जाय
इजकिएल 23:33 अहाँ नशा आ शोक सँ भरल रहब, आश्चर्य आ उजाड़क प्याला सँ, अपन बहिन सामरियाक प्याला सँ भरल रहब।
भगवान् लोक सभ केँ ओकर मूर्तिपूजा आ दुष्टताक कारणेँ ओकर आबै बला उजाड़पनक चेतावनी द' रहल छथि।
1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल सँ एकटा चेतावनी
2. दुखक प्याला: जे बोबैत छी से काटि लेब
1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

इजकिएल 23:34 अहाँ एकरा पीबि कऽ चूसि कऽ बाहर निकालब आ एकर टुकड़ी तोड़ि कऽ अपन छाती तोड़ि लेब, किएक तँ हम ई बात कहलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी अपनऽ क्रोध के प्याला पीबै आरू पश्चाताप के निशानी के रूप में अपनऽ छाती फाड़ी दै।

1. भगवानक क्रोधक प्याला: पापक गंभीरता केँ बुझब

2. परमेश् वरक क्रोधक प्याला: पश्चाताप आ पुनर्स्थापना भेटब

1. यिर्मयाह 25:15-17 परमेश् वरक क्रोधक प्याला उझलि देल गेल अछि

2. विलाप 5:7 हमर सभक पाप हमरा सभक विरुद्ध गवाही दैत अछि

इजकिएल 23:35 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ हमरा बिसरि गेलहुँ आ हमरा अपन पीठ पाछाँ फेकि गेल छी, तेँ अहाँ अपन अश्लीलता आ वेश्यावृत्ति केँ सेहो सहू।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि हुनी हुनका बिसरी क॑ अनैतिक व्यवहार करै छै ।

1. भगवान् के साथ सम्बन्ध को पुनः प्रज्वलित करना

2. अपन जीवन के प्रभु के पुनः समर्पित करब

1. व्यवस्था 6:5 - "आ अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।"

2. यिर्मयाह 29:13 - "अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।"

इजकिएल 23:36 परमेश् वर हमरा आओर कहलथिन। मनुष्यक पुत्र, की अहाँ अहोला आ अहोलीबाक न् याय करब? हँ, हुनका सभक घृणित काज सभ केँ सुनाउ।

अहोला आ अहोलीबा केँ अपन घृणित काजक घोषणा करबाक लेल न्यायक लेल बजाओल गेल अछि।

1: परमेश् वरक पूर्ण न्याय ई माँग करैत अछि जे पाप करय बला सभ केँ जवाबदेह ठहराओल जाय आ हुनकर न्यायक सामना करय पड़य।

2: प्रभु प्रेम आ दयाक परमेश् वर छथि, मुदा ओ एकटा धर्मी न्यायाधीश सेहो छथि जे पाप केँ अदण्डित नहि होमय देथिन।

1: रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि।

2: इब्रानी 10:30-31 - प्रभु कहैत छथि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब।” आ फेर, “प्रभु अपन लोकक न्याय करताह।”

इजकिएल 23:37 ओ सभ व्यभिचार केने छथि, आ हुनका सभक हाथ मे खून अछि, आ हुनकर मूर्ति सभक संग व्यभिचार केने छथि, आओर हुनका सभक लेल जे बेटा सभ हमरा लेल जनमलनि, हुनका सभक लेल आगि मे सँ गुजरि क’ हुनका सभ केँ खा गेलनि.

इजकिएल २३:३७ मूर्तिपूजा, व्यभिचार आरू बुतपरस्त देवता सिनी के सामने बच्चा सिनी के बलिदान दै के प्रथा के बात करै छै।

1498

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. व्यभिचारक गंभीर पाप

1. यशायाह 5:20-21 - "धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि; जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि; जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत कहैत अछि!"

2. यिर्मयाह 17:9 - "हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?"

इजकिएल 23:38 ओ सभ हमरा संग ई काज कयलनि, ओही दिन हमर पवित्र स्थान केँ अशुद्ध कयलनि आ हमर विश्राम-दिन केँ अपवित्र कयलनि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के पवित्र मंदिर कॅ अपवित्र करी कॅ हुनको विश्राम के दिन के उल्लंघन करलकै।

1. "विश्रामदिन के पवित्र रखबाक महत्व"।

2. "ईश्वर के मंदिर के अपवित्र करय के परिणाम"।

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ मोन राखू, ओकरा पवित्र रखबाक लेल।

2. व्यवस्था 12:1-4 - ओहि सभ ठाम केँ नष्ट करू जतय अहाँ जे जाति केँ बेदखल क’ रहल छी, ओ सभ ऊँच पहाड़ आ पहाड़ी पर आ हर पसरल गाछक नीचाँ अपन देवताक सेवा करैत छल।

इजकिएल 23:39 किएक तँ ओ सभ अपन मूर्ति सभक लेल अपन बच्चा सभ केँ मारि कऽ ओहि दिन हमर पवित्र स्थान मे आबि गेलाह। आ देखू, हमर घरक बीच मे ओ सभ एना कयलनि।

लोक अपन बच्चा सभकेँ मूर्तिक बलिदान दैत रहल अछि, आ एहि तरहेँ परमेश् वरक पवित्र स्थानकेँ अपवित्र करैत रहल अछि।

1. मूर्तिपूजाक शक्ति: कोना एहि सँ भगवानक अभयारण्य केँ अपवित्र कयल जा सकैत अछि

2. भगवान् के अभयारण्य के संरक्षण: हम एकरा अश्लीलता स कोना बचा सकैत छी

1. यिर्मयाह 32:35 - "ओ सभ बालक ऊँच स्थान सभ बनौलनि जे हिन्नोमक बेटाक घाटी मे अछि, जाहि सँ ओ सभ अपन बेटा आ बेटी सभ केँ आगि मे सँ मोलोक धरि पहुँचा सकथि। जे हम हुनका सभ केँ आज्ञा नहि देलियनि हमरा मोन मे ई बात आयल जे ओ सभ यहूदा केँ पाप करबाक लेल ई घृणित काज करथि।”

2. निर्गमन 20:3-4 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि होयत। अहाँ अहाँक लेल कोनो उकेरल मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक कोनो उपमा जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, आ जे नीचाँ पृथ्वी मे अछि, वा।" जे पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि।”

इजकिएल 23:40 आओर, अहाँ सभ दूर सँ आबय लेल लोक सभ केँ बजा लेलहुँ, जिनका लग एकटा दूत पठाओल गेल छल। देखू, ओ सभ आबि गेल, जकरा लेल अहाँ अपना केँ धो लेलहुँ, आँखि मे रंगि लेलहुँ आ आभूषण सँ सजाओल गेलहुँ।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर व्यभिचारी व्यवहार आ दूर सँ आबय लेल आदमी केँ आकर्षित करबाक लेल अपना केँ अलंकृत करबाक लेल डाँटैत छथि।

1. भगवान् के क्रोध के सामने विनम्र पश्चाताप के शक्ति

2. मूर्तिपूजा आ भगवानक प्रति अविश्वासक परिणाम

1. याकूब 4:7-10 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। दयनीय रहू आ शोक करू आ कानू। अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द उदासी मे बदलि जाय।

10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

इजकिएल 23:41 ओ एकटा भव्य पलंग पर बैसल रहलाह आ ओकर आगू मे एकटा टेबुल पर बैसल रहलाह, जाहि पर अहाँ हमर धूप आ तेल राखि देने छी।

प्रभु इजकिएल केँ एकटा महिलाक विषय मे कहलथिन जे एकटा भव्य पलंग पर बैसल छलीह आ ओकर आगू मे टेबुल तैयार कयल गेल छल, जतय ओ धूप आ तेल राखने छलीह।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: कोना हमर सभक हृदय सहजहि घुमि जाइत अछि

2. प्रार्थनाक शक्ति: प्रभु हमरा सभक भक्ति कोना तकैत छथि

1. यशायाह 57:20 मुदा दुष्ट सभ उथल-पुथल समुद्र जकाँ अछि, जखन ओ आराम नहि क’ सकैत अछि, जकर पानि दलदल आ गंदगी फेकि दैत अछि।

2. भजन 66:18 जँ हम अपन हृदय मे अधर्म केँ मानब तँ प्रभु हमर बात नहि सुनताह।

इजकिएल 23:42 हुनका संग बहुतो लोकक आवाज आराम सँ छल, आ जंगल सँ साबियन लोक सभक संग आनल गेल छल, जे हाथ पर कंगन आ माथ पर सुन्दर मुकुट पहिरने छल।

एकटा महिलाक संग लोकक एकटा पैघ समूह छल आ ओहि मे जंगल सँ आयल सबियन सेहो छल, जे ओकरा कंगन आ मुकुट सँ सजाबैत छल |

1. समुदायक शक्ति: एक दोसरा पर झुकब सीखू।

2. आस्थाक सौन्दर्य: भगवान् असंभावित संगी केँ सेहो एक ठाम आनि सकैत छथि।

२.

2. 1 यूहन्ना 4:7-12 - प्रियतम, हम सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश् वर सँ अछि। जे प्रेम करैत अछि से परमेश् वर सँ जनमल अछि आ परमेश् वर केँ जनैत अछि। जे प्रेम नहि करैत अछि, ओ परमेश्वर केँ नहि जनैत अछि। किएक तँ परमेश् वर प्रेम छथि।

इजकिएल 23:43 तखन हम व्यभिचार मे बुढ़बा सँ कहलियनि, “की आब ओ सभ ओकरा संग वेश्यावृत्ति करत आ ओ ओकरा सभक संग?

परमेश् वर मूर्तिपूजा आ इस्राएली सभक मूर्तिपूजाक विरुद्ध बाजि रहल छथि।

1: मूर्तिपूजा के विरुद्ध परमेश्वर के चेतावनी - इजकिएल 23:43

2: मूर्तिपूजाक परिणाम - इजकिएल 23:43

1: व्यवस्था 4:15 19

2: यशायाह 44:9 20

इजकिएल 23:44 तैयो ओ सभ ओकरा लग गेलाह जेना वेश्यावृत्ति करयवला स्त्री लग जाइत छथि।

1500

अहोला आ अहोलीबा अश्लील स् त्रीगण छलीह, आ पुरुष हुनका सभक लग ओहिना जाइत छल जेना कोनो वेश्या लग जाइत छल।

1. अनैतिकताक खतरा

2. व्यभिचारक पाप

1. गलाती 5:19-21 "आब शरीरक काज सभ स्पष्ट अछि: यौन अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, शत्रुता, कलह, ईर्ष्या, क्रोध, प्रतिद्वंद्विता, विवाद, विभाजन, ईर्ष्या, नशा, नशा, नंगा नाच।" .

2. 1 कोरिन्थी 6:18-20 "अनैतिकता सँ पलायन करू। जे किछु आन पाप करैत अछि से शरीर सँ बाहर अछि, मुदा यौन-अनैतिक व्यक्ति अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि। वा की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँक शरीर लोकक मंदिर अछि।" अहाँ सभक भीतर पवित्र आत् मा, जे अहाँ सभ केँ परमेश् वर सँ भेटल अछि? अहाँ सभ अपन नहि छी, किएक तँ अहाँ सभ केँ दाम सँ कीनल गेल अछि।

इजकिएल 23:45 धर्मी पुरुष सभक न्याय ओ व्यभिचारी आ खून बहाबय बला स् त्री सभक तरीकाक अनुसार करत। किएक तँ ओ सभ व्यभिचारी छथि आ हुनका सभक हाथ मे खून अछि।

परमेश् वर धर्मी पुरुष सभ केँ निर्देश दैत छथि जे ओ व्यभिचारी आ स् त्रीगण सभ केँ अपन काजक अनुसार न् याय करथि जे खून बहबैत छथि।

1. धार्मिक न्यायक शक्ति: पापी सभक न्याय करबाक लेल परमेश् वरक आज्ञा

2. उल्लंघन के परिणाम: न्याय के आवश्यकता

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. याकूब 1:20 - कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

इजकिएल 23:46 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम ओकरा सभ पर एकटा दल बना कऽ ओकरा सभ केँ हटा देब आ ओकरा सभ केँ तोड़ि देब।

भगवान् अपन लोकक विरुद्ध एकटा कंपनी अनताह आ ओकरा सभ केँ हटाबय आ बिगाड़य देथिन।

1: भगवानक प्रेम हमरा सभक व्यवहार पर निर्भर नहि अछि। हमरा सब क॑ हमेशा ई बात के ध्यान रखना चाहियऽ कि हम्में कोना काम करै छियै आरू हमरऽ फैसला भगवान के साथ हमरऽ संबंध क॑ कोना प्रभावित करै छै ।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखबाक चाही जे भगवान् नियंत्रण मे छथि आ ओ हमरा सभक प्रतिकूलताक सामना करैत सदिखन हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

इजकिएल 23:47 दल ओकरा सभ केँ पाथर सँ मारि देतैक आ तलवार सँ ओकरा सभ केँ पठा देतैक। ओ सभ अपन बेटा-बेटी केँ मारि देत आ अपन घर केँ आगि सँ जरा देत।

इजकिएल 23:47 मे लोकक संगति केँ आज्ञा देल गेल अछि जे ओ दोसरक बेटा, बेटी आ घर केँ पाथर मारि दियौक, मारि दियौक आ जरा दियौक।

1. पापक गुरुत्वाकर्षण: इजकिएल के अधर्म के विरुद्ध चेतावनी

1501

2. भगवान् के रक्षा: हुनकर आज्ञा पर भरोसा करब आ ओकर पालन करब

1. व्यवस्था 6:16-17 अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ ओहिना परीक्षा मे नहि डालब, जेना अहाँ हुनका मस्सा मे परीक्षा देलहुँ। अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा आ हुनकर गवाही आ हुनकर नियम सभक पालन करू जे ओ अहाँ सभ केँ देने छथि।

2. भजन 119:11 हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा कएने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

इजकिएल 23:48 एहि तरहेँ हम एहि देश मे अश्लीलता केँ समाप्त क’ देब, जाहि सँ सभ स्त्रीगण केँ सिखाओल जाय जे अहाँक अश्लीलताक अनुसरण नहि करबाक चाही।

परमेश् वर देश मे अश्लीलताक अंत कऽ देथिन, जाहि सँ सभ स्त्रीगण अश्लील व्यवहार नहि करब सीखय।

1. परिवर्तन लाबय लेल भगवानक शक्ति

2. धर्मी जीवन जीबाक महत्व

1. लूका 6:45 - "नीक अपन हृदयक नीक भंडार सँ नीक पैदा करैत अछि, आ दुष्ट अपन अधलाह धन सँ अधलाह पैदा करैत अछि, कारण हृदयक प्रचुरता सँ ओकर मुँह बजैत अछि।"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

इजकिएल 23:49 ओ सभ अहाँ सभक अश्लीलताक बदला अहाँ सभ पर देत, आ अहाँ सभ अपन मूर्ति सभक पाप केँ सहन करब।

पाप आ मूर्तिपूजा करनिहार पर परमेश् वर न्याय करताह आ दंडित करताह।

1. भगवान् के न्याय सिद्ध अछि आ हुनकर दण्ड निश्चित अछि।

2. केवल भगवान् केर पूजा करू आ कोनो आन झूठ मूर्तिक पूजा नहि करू।

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. 1 यूहन्ना 5:21 - छोट-छोट बच्चा सभ, मूर्ति सभ सँ अपना केँ बचाउ। आमीन।

इजकिएल अध्याय २४ मे एकटा उबलैत बर्तन के जीवंत आ प्रतीकात्मक दर्शन के वर्णन अछि, जे यरूशलेम के आसन्न विनाश आ परमेश्वर के न्याय के प्रतिनिधित्व करैत अछि। अध्याय में न्याय के गंभीरता, इजकिएल के दुख आरू लोगऽ के लेलऽ एक संकेत के रूप में ई घटना के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल सँ बात करला सँ होइ छै, जे ओकरा सूचित करै छै कि यरूशलेम पर न्याय के निष्पादन के समय आबी गेलऽ छै। परमेश् वर उबलैत घैल के रूपक के प्रयोग शहर आरू ओकरऽ लोगऽ के प्रतिनिधित्व करै लेली करै छै, जे भ्रष्टाचार आरू दुष्टता स॑ भरलऽ छै (इजकिएल २४:१-१४)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ अपन पत्नीक मृत्युक लेल खुलि कऽ शोक नहि करथि, कारण ई लोक सभक लेल ओहि दुःख आ शोकक संकेतक काज करत जे यरूशलेमक विनाश भेला पर हुनका सभ पर आओत। इजकिएल परमेश् वरक आज्ञाक पालन करैत छथि आ सार्वजनिक रूप सँ शोक नहि करैत छथि (इजकिएल 24:15-27)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल चौबीस अध्याय मे चित्रित कयल गेल अछि

यरूशलेम के आसन्न विनाश,
उबलैत बर्तनक रूपकक प्रयोग करैत।

परमेश् वरक घोषणा जे यरूशलेम पर न्यायक समय आबि गेल अछि।
शहर आ ओकर लोकक प्रतिनिधित्व करय बला उबलैत घैल के रूपक।
इजकिएल केँ निर्देश जे ओ अपन पत्नीक मृत्युक लेल खुलि क' शोक नहि करथि।
लोकक लेल एकटा संकेतक रूप मे इजकिएलक आज्ञापालनक महत्व।

इजकिएल के ई अध्याय में यरूशलेम के आसन्न विनाश के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में उबलतें बर्तन के रूपक के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत परमेश् वर इजकिएल स॑ बात करी क॑ ओकरा सूचित करै स॑ होय छै कि यरूशलेम प॑ न्याय केरऽ निष्पादन के समय आबी गेलऽ छै । भगवान् उबलैत घैल के रूपक के प्रयोग शहर आरू ओकरऽ लोगऽ के प्रतिनिधित्व करै लेली करै छै, जे भ्रष्टाचार आरू दुष्टता स॑ भरलऽ छै । परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ अपन पत्नीक मृत्युक लेल खुलि कऽ शोक नहि करथि, किएक तँ ई लोक सभक लेल ओहि दुःख आ शोकक संकेतक काज करत जे जखन यरूशलेमक विनाश होयत तखन हुनका सभ पर आओत। इजकिएल परमेश् वरक आज्ञाक पालन करैत छथि आ सार्वजनिक रूप सँ शोक नहि करैत छथि। अध्याय में न्याय के गंभीरता, इजकिएल के दुख आरू लोगऽ के लेलऽ एक संकेत के रूप में ई घटना के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 24:1 फेर नवम वर्ष दसम मास मे दसम दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यरूशलेमक लोक सभ केँ एकटा संदेश पहुँचाबथि।

1: भगवानक आज्ञा के मानब कहियो नहि बिसरबाक चाही, चाहे ओ कतबो कठिन किएक नहि हो।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक इच्छा सुनबाक लेल आ हुनकर वचनक आज्ञाकारी रहबाक लेल सदिखन तैयार रहबाक चाही।

1: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2: यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब।"

इजकिएल 24:2 मनुष्यक बेटा, अहाँ केँ ओहि दिनक नाम लिखू।

बेबिलोनक राजा एहि दिन यरूशलेमक विरुद्ध अपना केँ ठाढ़ कयलनि।

1: भगवानक समय एकदम सही अछि; भले ही ऐन्हऽ लगै कि हमरा सिनी के खिलाफ बुराई उठी रहलऽ छै, लेकिन भगवान केरऽ नियंत्रण अखनी भी छै ।

2: हमरा सभ केँ ओहि सभ सँ सावधान रहबाक चाही जे हमरा सभ पर अत्याचार करय चाहैत छथि आ परमेश् वरक रक्षाक प्रतिज्ञा केँ दृढ़तापूर्वक पकड़ने रहबाक चाही।

1: यशायाह 54:17 अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत। आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि।

2: इफिसियों 6:10-11 अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। भगवानक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन रुख राखि सकब।

इजकिएल 24:3 विद्रोही घराना केँ एकटा दृष्टान्त सुनाउ आ ओकरा सभ केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। एकटा बर्तन पर राखि कऽ राखि दियौक आ ओहि मे पानि सेहो ढारि दियौक।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे विद्रोही घर मे एकटा दृष्टान्त सुनाउ जे एकटा घैल आगि मे लगाओल गेल आ पानि सँ भरल अछि।

1. भगवानक दया आ क्षमा: एकरा कोना ग्रहण करी आ कोना आगू बढ़ाबी

2. आज्ञाकारिता के जीवन जीना: घैल के दृष्टांत
1503

1. यिर्मयाह 18:1-11 - कुम्हार आ माटि

2. याकूब 1:19-27 - सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे धीमा आ क्रोध मे धीमा रहू

इजकिएल 24:4 ओकर टुकड़ा सभ केँ ओहि मे जमा करू, जे नीक टुकड़ा, जाँघ आ कान्ह। एकरा चुनिंदा हड्डीसँ भरि दियौक।

परमेश् वर इजकिएल के निर्देश दै छै कि वधल भेड़ के सबसे अच्छा टुकड़ा ल॑ क॑ ओकरा एक बर्तन में स्टू बनाबै में इस्तेमाल करलऽ जाय।

1: भगवान् हमरा सभ केँ सिखा रहल छथि जे जीवन मे जे किछु भेटैत अछि ओकर सर्वोत्तम उपयोग करू आ ओकर अधिकतम लाभ उठाबी।

2: भगवान हमरा सब के कहि रहल छथि जे अपन निर्णय लेबय में सावधान रहू, आ बेहतरीन गुणवत्ता वाला विकल्प चुनू।

1: कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल, मनुष्यक लेल नहि।

2: नीतिवचन 4:23 - सबसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, कारण अहाँक सभ काज ओहि सँ बहैत अछि।

इजकिएल 24:5 भेँड़ाक चयन लऽ कऽ ओकर नीचाँक हड्डी सभ केँ सेहो जरा दियौक आ ओकरा नीक जकाँ उबालि दियौक आ ओकरा सभ केँ ओहि मे उबालि लिअ।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे झुंड मे सँ एकटा चुनि कऽ ओकर हड्डी उबालि लिअ।

1. पसंद के शक्ति - जीवन में कोना बुद्धिमान निर्णय ल सकैत छी।

2. आज्ञाकारिता के ताकत - भगवान के निर्देश के कोना आज्ञाकारी होबाक चाही।

1. फिलिप्पियों 4:8-9 - "अंत मे, भाइ-बहिन सभ, जे किछु सत्य अछि, जे किछु उदात्त अछि, जे उचित अछि, जे शुद्ध अछि, जे किछु प्रिय अछि, जे किछु प्रशंसनीय अछि जँ किछु उत्तम वा प्रशंसनीय अछि त' एहन बात सभ पर सोचू।" अहाँ सभ जे किछु हमरा सँ सीखलहुँ वा प्राप्त केलहुँ वा सुनलहुँ वा हमरा मे देखलहुँ से ओकरा व्यवहार मे आनि दियौक। आ शान्तिक परमेश् वर अहाँ सभक संग रहताह।"

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 24:6 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार अछि खूनी नगरक, ओहि घैल पर जकर मल ओहि मे अछि आ जकर मल ओहि मे सँ नहि निकलल अछि! टुकड़ा-टुकड़ा मे बाहर निकालू; ओकरा पर बहुत किछु नहि पड़य।

प्रभु परमेश् वर खून-खराबा आ गंदगी सँ भरल शहर केँ हायक घोषणा करैत छथि, आ आदेश दैत छथि जे एकरा टुकड़ा-टुकड़ा मे हटा देल जाय।

1. दुष्टता आ अन्याय पर परमेश् वरक न्याय

2. पापक विनाश आ दूर करबाक परिणाम

1. भजन 37:8-9 "क्रोध छोड़ू आ क्रोध केँ त्याग करू। कोनो तरहेँ अधलाह करबाक लेल चिंतित नहि होउ। किएक तँ दुष्ट सभ समाप्त भ' जेताह, मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी बनताह।"

2. 1 पत्रुस 4:17-19 "किएक त’ समय आबि गेल अछि जे न्याय परमेश् वरक घर मे शुरू होयत, आ जँ पहिने हमरा सभ सँ शुरू होयत त’ परमेश् वरक सुसमाचार नहि माननिहार सभक अंत की होयत? आ जँ।" धर्मी लोकक उद्धार शायदे भेटत, अभक्त आ पापी कतय प्रगट होयत? तेँ जे सभ परमेश् वरक

इच्छाक अनुसार कष्ट उठा रहल अछि, से सभ अपन प्राण केँ नीक काज करबाक काज हुनका लग सौंपि दियौक, जेना कोनो विश्वासी सृष्टिकर्ता केँ।"

इजकिएल 24:7 किएक तँ ओकर खून ओकर बीच मे अछि। ओ ओकरा एकटा चट्टानक चोटी पर राखि देलक। ओ ओकरा जमीन पर नहि ढारि देलनि, जाहि सँ ओकरा धूरा सँ झाँपि देल जाय।

इजकिएल 24:7 एकटा स्मरण कराबैत अछि जे परमेश् वर हमरा सभक जीवन केँ महत्व दैत छथि।

1: भगवानक नजरि मे हमर सभक जीवन अनमोल अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन जानकेँ हल्कामे नहि लेबाक चाही।

1: यिर्मयाह 15:19 तेँ प्रभु ई कहैत छथि जे जँ अहाँ घुरि कऽ आबि जायब तँ हम अहाँ केँ फेर सँ आनि देब आ अहाँ हमरा सोझाँ ठाढ़ रहब।

2: भजन 119:72 तोहर मुँहक नियम हमरा लेल हजारों सोना-चानी सँ नीक अछि।

इजकिएल 24:8 जाहि सँ प्रतिशोध लेबाक लेल क्रोध आबि जाय। हम ओकर खून पाथरक चोटी पर राखि देने छी, जाहि सँ ओ नहि झाँपि जाय।

परमेश् वर प्रतिशोधक आज्ञा देलनि अछि आ दोषी सभक खून एकटा चट्टान पर राखि देलनि अछि जाहि सँ ओ बिसरल नहि जाय।

1. प्रतिशोधक आह्वान: एकर की अर्थ अछि?

2. भगवान् के न्याय: सत्य के उजागर करना

२.

2. यशायाह 26:21 - कारण देखू, प्रभु अपन स्थान सँ बाहर आबि रहल छथि जे पृथ् वी पर रहनिहार सभ केँ ओकर अधर्मक दंडित करथि, आ पृथ्वी ओकरा पर बहल खून केँ प्रकट करत आ आब अपन मारल गेल लोक केँ नहि झाँपि देत।

इजकिएल 24:9 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। धिक्कार अछि खूनी शहर! एतेक धरि जे आगि लेल ढेर केँ महान बना देब।

प्रभु परमेश् वर यरूशलेम शहर के खून-खराबा के कारण धिक्कार के घोषणा करै छै, आरू घोषणा करै छै कि वू शहर के भस्म करै लेली आगि के एगो बड़ऽ ढेर बनाबै छै।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम कटब

2. परमेश् वरक न्याय: हुनकर धार्मिकता केँ बुझब

1. इब्रानी 10:31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 24:10 लकड़ीक ढेर लगाउ, आगि जराउ, मांस केँ भस्म करू आ ओकरा नीक जकाँ मसाला दियौक आ हड्डी केँ जरा दियौक।

परमेश् वर इजकिएल केँ आगि मे मांस आ हड्डीक बर्तन बनाबय के आज्ञा दैत छथिन।

1. आस्थाक आगि: भगवानक संग संबंध मे कोना बढ़ल जाय

2. जीवनक मसाला: उद्देश्य आ अर्थक जीवनक खेती

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

इजकिएल 24:11 तखन ओकरा ओकर कोयला पर खाली राखि दियौक, जाहि सँ ओकर पीतल गरम भ’ जाय आ जरि जाय आ ओकर गंदगी ओकरा मे पिघलि जाय आ ओकर मल भस्म भ’ जाय।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे एकटा घैल खाली करू आ ओकरा ता धरि गरम करू जा धरि ओकर गंदगी आ मैल नहि जरि जायत।

1. "परिवर्तन के शक्ति: जीवन के गंदगी दूर करब"।

2. "पाप के शुद्धि: अपन अशुद्धि के छोड़ब"।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. मत्ती 3:11-12 - हम अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल पानि सँ बपतिस्मा दैत छी, मुदा जे हमरा पाछाँ आबि रहल अछि से हमरा सँ बेसी पराक्रमी अछि, जकर चप्पल हम उठाबय योग्य नहि छी।
ओ अहाँ सभ केँ पवित्र आत् मा आ आगि सँ बपतिस् मा देताह। ओकर हवाक हँसुआ हाथ मे छैक, आ ओ अपन कुटनी केँ साफ क' क' अपन गहूम केँ कोठी मे जमा करत, मुदा भूसा केँ ओ अमिट आगि मे जरा देत।

इजकिएल 24:12 ओ झूठ सँ थक गेल अछि, आ ओकर पैघ मल ओकरा मे सँ नहि निकलल, ओकर मल आगि मे रहत।

जे झूठ आ छल-प्रपंच पसारि देने छथि, तकरा परमेश् वर न् याय करताह।

1: भगवान् परम न्यायाधीश छथि आ जे हुनका विरुद्ध पाप केने छथि हुनका सजा देताह।

2: हमरा सभ केँ अपन सभ व्यवहार मे ईमानदार रहबाक प्रयास करबाक चाही, कारण भगवान् अंततः धोखा देबयवला केँ सजा देथिन।

1: नीतिवचन 12:19 - सच्चा ठोर सदाक लेल टिकैत अछि, मुदा झूठ बाजबला जीह क्षण भरि लेल अछि।

2: भजन 5:6 - अहाँ झूठ बाजनिहार केँ नष्ट करैत छी; खूनखराबा आ धोखेबाज पुरुष सँ प्रभु घृणा करैत छथि।

इजकिएल 24:13 अहाँक गंदगी मे अश्लीलता अछि, कारण हम अहाँ केँ शुद्ध क’ देलहुँ, आ अहाँ केँ शुद्ध नहि कयल गेल, तखन धरि अहाँ अपन गंदगी सँ आब शुद्ध नहि होयब, जाबत धरि हम अहाँक क्रोध अहाँ पर नहि राखब।

परमेश् वर चेतावनी दै छै कि जे लोग अपनऽ पाप स॑ शुद्ध नै करै छै, ओकरा तब तलक माफ नै करलऽ जैतै जब॑ तलक परमेश्वर के क्रोध पूरा नै होय जैतै ।

1. सफाई के आवश्यकता: इजकिएल 24:13 के अध्ययन

2. परमेश् वरक क्रोध आ क्षमा: इजकिएल 24:13 केँ बुझब

1. यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ि दियौक।

2. भजन 51:2,7-8 - हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमर पाप सँ शुद्ध करू। हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, हम शुद्ध भ’ जायब। हमरा धोउ, हम बर्फसँ उज्जर भ’ जायब।

1506

इजकिएल 24:14 हम परमेश् वर ई बात कहलहुँ, ई बात होयत आ हम पूरा करब। हम घुरि कऽ नहि जायब आ ने हम छोड़ब आ ने पश्चाताप करब। प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे अहाँक तरीका आ अहाँक काजक अनुसार ओ सभ अहाँक न् याय करत।

प्रभु अपन वचन पूरा करबाक वचन देने छथि आ अपन निर्णय मे कोनो हार नहि मानताह।

1: हमरा सभकेँ अपन कर्म आ प्रतिक्रियाक प्रति सजग रहबाक चाही, कारण प्रभु हमरा सभक कर्मक अनुसार न्याय करताह।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छाक प्रति सदिखन सजग रहबाक चाही आ हुनकर आज्ञा पर खरा रहबाक प्रयास करबाक चाही, कारण ओ अपन निर्णय पर पाछू नहि जायत।

1: याकूब 2:17 - तहिना विश्वास अपने आप मे जँ काज नहि अछि तँ मरि गेल अछि।

2: मत्ती 7:21 - जे कियो हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि स् वर्ग मे हमर पिताक इच्छाक पालन करयवला।

इजकिएल 24:15 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ यरूशलेम पर घेराबंदीक तैयारी करथि।

1. भगवान् हमरा सभक लेल योजना बनौने छथि, ओहो दुख आ पीड़ाक समय मे।

2. आज्ञाकारी बनू आ परमेश्वरक इच्छा पर भरोसा करू, तखनो जखन हम सभ ओकरा नहि बुझैत छी।

1. रोमियो 8:28- "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. यशायाह 55:8-9- "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

इजकिएल 24:16 मनुष्यक बेटा, देखू, हम तोहर आँखिक इच्छा केँ एक झटका सँ दूर क’ दैत छी, तइयो अहाँ ने शोक करब आ ने कानब आ ने अहाँक नोर बहत।

भगवान् हमरा सभक आँखिक इच्छा केँ दूर करैत छथि मुदा जखन हम सभ नहि बुझैत छी तखनो हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि।

1. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. हानि मे ताकत खोजब

1. यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. रोमियो 12:12 "आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।"

इजकिएल 24:17 कानब सहन करू, मृतकक लेल शोक नहि करू, माथक टायर केँ अपना पर बान्हि दियौक, आ अपन जूता अपन पएर पर पहिरि लिअ, आ अपन ठोर नहि झाँपि जाउ आ मनुक्खक रोटी नहि खाउ।

परमेश् वर यरूशलेम के लोग सिनी कॅ सलाह दै छै कि मृतक के लेलऽ कान॑ आरू शोक नै कर॑, बल्कि एकरऽ बदला में अपनऽ माथा के पट्टी, जूता पहिनै आरू ठोर ढकने रहै। मनुष्यक रोटी सेहो नहि खाय।

1. शोक मनुक्खक अनुभवक हिस्सा अछि, मुदा दुखक समय मे भगवानक सलाह मोन राखब जरूरी अछि।

1507

.

1. फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक उचितता सब केँ ज्ञात हो। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. याकूब 1:19-20 - हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक जल्दी सुनबा मे, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

इजकिएल 24:18 हम भोरे लोक सभ सँ बात केलहुँ, आ साँझ मे हमर पत्नी मरि गेलीह। आ हम भोरे- भोर जेना हमरा आज्ञा देल गेल छल, तेना केलहुँ।

इजकिएल भोरे-भोर लोक सभ सँ गप्प करैत छथि आ हुनकर पत्नी साँझ मे मरि जाइत छथि। जे आज्ञा देल गेल छल ओकर पालन करैत अछि।

1. वफादारी के एकटा पाठ - इजकिएल हमरा सभ के सिखाबैत छथि जे हम सभ वफादार रहब आ परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञाकारी रहू, चाहे व्यक्तिगत खर्च किएक नहि हो।

2. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करू - त्रासदीक बीच सेहो प्रभु मे शक्तिक खोज करबाक चाही।

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

इजकिएल 24:19 लोक सभ हमरा कहलथिन, “की अहाँ हमरा सभ केँ ई नहि कहब जे ई सभ हमरा सभक लेल की अछि जे अहाँ एना करैत छी?”

भगवान चाहै छै कि हम्में ई बात के बारे में जागरूक होय कि हुनी हमरऽ जीवन में कोना काम करी रहलऽ छै आरू काम करै वाला हुनकऽ हाथ क॑ पहचानी लै ।

1. हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक काज करब: हुनकर काज केँ चिन्हब आ ओकर प्रतिक्रिया देब

2. विश्वास सँ चलब: भगवानक अदृश्य हाथ देखब

1. इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि।

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

इजकिएल 24:20 तखन हम हुनका सभ केँ उत्तर देलियनि, “प्रभुक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

प्रभु इजकिएल केँ अपन वचन बजबाक निर्देश दैत छथि।

1: परमेश् वरक वचन जीवनक लेल शक्तिशाली आ आवश्यक अछि

2: प्रभु के वचन के पालन करला स आशीर्वाद भेटैत अछि

1: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देब।

2: प्रेरित 17:11 ई यहूदी सभ थिस्सलुनीकीक लोक सभ सँ बेसी कुलीन छलाह। ओ सभ तत्परता सँ वचन ग्रहण कयलनि, आ नित्य धर्मशास् त्र मे खोजैत रहलाह जे ई सभ बात एहन अछि की नहि।

इजकिएल 24:21 इस्राएलक घराना सँ कहू, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अपन पवित्र स्थान, अहाँक सामर्थ्यक श्रेष्ठता, अहाँक आँखिक इच्छा आ जे अहाँक प्राणी दया करैत अछि, तकरा अपवित्र करब। तोहर बेटा-बेटी जे छोड़ि गेलहुँ, तलवार सँ खसि पड़त।”

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ कहैत छथि जे ओ अपन पवित्र स्थान केँ अपवित्र करताह आ हुनकर सभक बेटा-बेटी तलवार सँ मरि जेताह।

1. परमेश् वरक न्यायक यथार्थ - इजकिएल 24:21

2. सबसँ खराबक तैयारी - इजकिएल 24:21

1. विलाप 5:11 - "हमर सभक पवित्र आ गौरवशाली मन्दिर, जतय हमर पूर्वज अहाँक स्तुति केने छलाह, आगि मे जरि गेल अछि, आ हमर सभक सभ सुखद वस्तु उजाड़ भ' गेल अछि।"

2. इब्रानी 12:25-27 - "देखू जे बजनिहार केँ अस्वीकार नहि करू। किएक तँ जँ ओ सभ पृथ् वी पर बाजनिहार केँ अस्वीकार केनिहार नहि बचि गेलाह, तँ हम सभ आओर बेसी नहि बचि सकब, जँ हम सभ स् वर्ग सँ बजनिहार सँ विमुख भ' जायब। तखन हुनकर आवाज पृथ् वी केँ हिला देलकनि, मुदा आब ओ वचन देने छथि जे, “हम एक बेर फेर मात्र पृथ्वी केँ नहि, बल् कि स् वर्ग केँ सेहो हिला देब।” जे बनाओल गेल अछि, से सभ बनल रहय।”

इजकिएल 24:22 अहाँ सभ जेना हम केलहुँ, तेना करब, अहाँ सभ अपन ठोर नहि झाँपब आ नहिये मनुष् यक रोटी खायब।

इजकिएल लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे ओ सभ अपन ठोर नहि झाँपि दियौक आ ने मनुष् यक रोटी नहि खाउ।

1. मनुष्यक नहि, भगवानक महिमा लेल जीब

2. विश्वक मूल्य केँ अस्वीकार करब

1. यशायाह 8:20 "व्यवस्था आ गवाही केँ। जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।"

2. 1 थिस्सलुनीकियों 5:21-22 "सब बातक परीक्षण करू; नीक केँ पकड़ू। अधलाह केँ सब तरहक रूप सँ परहेज करू।"

इजकिएल 24:23 अहाँक टायर अहाँक माथ पर रहत आ अहाँक जूता अहाँक पैर पर रहत। मुदा अहाँ सभ अपन अधर्मक कारणेँ त्रस्त रहब आ एक-दोसरक प्रति शोक करब।

लोक अपन पापक परिणाम भोगत जेना ओ अपन अधर्मक लेल पीन करत आ एक दोसराक प्रति शोक करत।

1. पापक परिणाम: जिम्मेदारी स्वीकार करब सीखब

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: हमर कर्म के परिणाम

1. नीतिवचन 1:31 - "तेँ ओ सभ अपन-अपन तरीकाक फल खाओत आ अपन-अपन युक्ति सँ भरल रहत।"

2. गलाती 6:7 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु मनुष् य बोओत, से सेहो काटि लेत।"

इजकिएल 24:24 एहि तरहेँ इजकिएल अहाँ सभक लेल एकटा चिन्ह अछि, जेना हुनकर सभ काज कयलनि अछि, तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु परमेश् वर छी।

परमेश् वर इजकिएल के माध्यम स॑ इस्राएल के लोगऽ क॑ निर्देश द॑ रहलऽ छै कि वू ओकरऽ आज्ञा के अनुसार काम करै आरू वू समझतै कि वू प्रभु छै ।

1. भगवान् के आज्ञाकारिता के जीवन जीना

2. भगवान् के हुनकर कर्म के माध्यम स जानब

1. 1 यूहन्ना 2:3-5 - आ एहि सँ हम सभ जनैत छी जे हम सभ हुनका चिन्हलहुँ, जँ हम सभ हुनकर आज्ञा सभक पालन करब। जे कहैत अछि जे हम ओकरा चिन्हैत छी मुदा ओकर आज्ञा नहि मानैत अछि, ओ झूठ बाजैत अछि, आ ओकरा मे सत्य नहि अछि

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 24:25 हे मनुष्यक बेटा, की ओ ओहि दिन नहि होयत जखन हम हुनका सभक शक्ति, हुनकर वैभवक आनन्द, हुनकर सभक आँखिक इच्छा आ जे हुनका सभक मोन, अपन पुत्र आ अपन बेटी, २.

प्रभु अपन लोकक आनन्द, महिमा आ इच्छा केँ छीन लेताह।

1. भगवानक प्रावधान हमरा सभक इच्छा सँ पैघ अछि

2. सच्चा आनन्द आ महिमा की होइत छैक?

1. यशायाह 53:4-5 - निश्चित रूप सँ ओ हमरा सभक दुःख केँ सहने छथि आ हमरा सभक दुःख केँ ढोने छथि; तैयो हम सभ हुनका मारल गेल, परमेश् वरक प्रहार आ दुःखित मानैत छलहुँ। मुदा हमरा सभक अपराधक कारणेँ ओ घायल भ’ गेलाह। हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह। हुनका पर ओ दंड छल जे हमरा सभ केँ शान्ति देलक आ हुनकर प्रहार सँ हम सभ ठीक भ' गेल छी।

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

इजकिएल 24:26 कि ओहि दिन जे बचि जायत से अहाँक कान सँ सुनय लेल अहाँ लग आबि जायत?

परमेश् वर इजकिएल कॅ कहै छै कि जे लोग न्याय सँ बची जैतै, वू हुनका लग आबै छै कि हुनी की कहै छै।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: इजकिएलक कथा आइ हमरा सभ केँ कोना मार्गदर्शन क' सकैत अछि

2. परमेश् वरक न्याय सँ बचब: इजकिएलक भविष्यवाणी सँ हम सभ की सीख सकैत छी

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. यिर्मयाह 23:29 - की हमर वचन आगि जकाँ नहि अछि? प्रभु कहैत छथिन। आ हथौड़ा जकाँ जे पाथर केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ दैत अछि?

इजकिएल 24:27 ओहि दिन अहाँक मुँह ओहि बचल लोकक लेल खुजि जायत आ अहाँ बाजब आ आब गूंगा नहि रहब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

एहि अंश मे परमेश् वर इजकिएल के मुँह खोलबाक वादा करैत छथि जे ओ बाजथि आ हुनकर लोक सभक लेल एकटा संकेत बनताह, जाहि सँ ओ सभ ई जानि सकथि जे ओ प्रभु छथि।

1. परमेश् वरक प्रावधानक शक्ति: भगवान् अपन सत्य बजबाक लेल हमरा सभक मुँह कोना खोलैत छथि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: हुनकर वचन केँ पूरा करबाक लेल हम सभ हुनका पर कोना भरोसा क’ सकैत छी

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ पाँखि ल' क' गरुड़ जकाँ चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. रोमियो 10:17 - "तखन विश्वास सुनला सँ अबैत अछि आ सुनब परमेश् वरक वचन सँ अबैत अछि।"

इजकिएल अध्याय 25 मे इस्राएल के आसपास के पड़ोसी राष्ट्र के खिलाफ भविष्यवाणी छै। अध्याय में ई जाति सिनी पर परमेश् वर के न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ अहंकार, इस्राएल के प्रति दुश्मनी, आरू परमेश्वर के सार्वभौमिकता के स्वीकार नै करै के कारण छेलै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत अम्मोन के खिलाफ भविष्यवाणी स होइत अछि, जे यरूशलेम के विनाश पर आनन्दित छल आ अपन देश पर कब्जा करय चाहैत छल। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अम्मोन पर न्याय आनताह, जाहि सँ हुनका सभ केँ उजाड़ बनाओल जायत (इजकिएल 25:1-7)।

2 पैराग्राफ: भविष्यवाणी मोआब के खिलाफ घोषणा के साथ जारी छै, जे इस्राएल के पतन पर भी आनन्दित छेलै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ मोआब पर न्याय अनताह, हुनकर महिमा केँ कम करत आ हुनका सभ केँ उजाड़ बंजर भूमि बना देताह (इजकिएल 25:8-11)।

3 पैराग्राफ: तखन अध्याय एदोम के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी दिस बढ़ैत अछि, जे इस्राएल के प्रति दुश्मनी के पनाह रखने छल आ ओकरा सब स बदला लेबय के कोशिश केलक। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ एदोम पर अपन बदला लेताह, जाहि सँ ओ सभ सदा-सदा उजाड़ बनत (इजकिएल 25:12-14)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन फिलिस्ती के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ होय छै, जे इस्राएल के खिलाफ प्रतिशोध आरू दुर्भावना के काम करलकै। परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी पलिष्टियऽ पर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै, जेकरा स॑ हुनकऽ शहर आरू लोगऽ प॑ तबाही आबी जैतै (इजकिएल २५:१५-१७)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल पच्चीस अध्याय मे अछि
अम्मोन, मोआब, अदोम आ पलिस्तीक विरुद्ध भविष्यवाणी।
हुनका सभ पर परमेश् वरक न्यायक उच्चारण करैत।

यरूशलेम के विनाश पर आनन्दित होय के कारण अम्मोन के खिलाफ भविष्यवाणी।
इस्राएल के पतन पर आनन्दित होय के कारण मोआब के खिलाफ भविष्यवाणी।
इस्राएल के प्रति दुश्मनी के आश्रय दै के कारण एदोम के खिलाफ भविष्यवाणी।
प्रतिशोध आ दुर्भावना मे काज करबाक लेल पलिष्टियाक विरुद्ध भविष्यवाणी।

इजकिएल के ई अध्याय में पड़ोसी अम्मोन, मोआब, एदोम आरू पलिष्टिया के खिलाफ भविष्यवाणी छै। ई भविष्यवाणी ओकरा सिनी के अहंकार, इस्राएल के प्रति दुश्मनी आरू परमेश् वर के सार्वभौमिकता कॅ स्वीकार नै करै के कारण ओकरा सिनी पर परमेश् वर के न्याय के घोषणा करै छै। अध्याय के शुरुआत अम्मोन के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ होय छै, जे यरूशलेम के विनाश पर आनन्दित होय गेलै आरू अपनऽ देश पर कब्जा करै के कोशिश करलकै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अम्मोन पर न्याय अनताह, जाहि सँ हुनका सभ केँ उजाड़ बना देल जायत। भविष्यवाणी मोआब के खिलाफ घोषणा के साथ जारी छै, जे इस्राएल के पतन पर भी खुश छेलै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ मोआब पर न्याय अनताह, हुनकर महिमा केँ कम करत आ हुनका सभ केँ उजाड़ उजाड़ बना देताह। एकरऽ बाद अध्याय एदोम के खिलाफ एगो भविष्यवाणी में बदली जाय छै, जे इस्राएल के प्रति दुश्मनी के पनाह दै छेलै आरू ओकरा सिनी के बदला लेबै के कोशिश करै छेलै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ एदोम पर अपन बदला लेताह, जाहि सँ ओ सभ सदा-सदा उजाड़ भऽ जायत। अध्याय के समापन फिलिस्ती के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ होय छै, जे इस्राएल के खिलाफ प्रतिशोध आरू दुर्भावना के काम करलकै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ पलिश् ती पर अपन न् याय पूरा करताह, जाहि सँ हुनकर शहर आ लोक पर विनाश होयत। अध्याय में ई जाति सिनी पर परमेश् वर के न्याय आरू इस्राएल के खिलाफ ओकरोॅ काम पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

इजकिएल 25:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि आ हुनका अम्मोनी सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक आज्ञा दैत छथिन।

1. परमेश् वरक अदम्य वचन: हुनकर सार्वभौमिकता मे आनन्दित रहू

2. प्रभुक स्वर सुनब: विरोधक सोझाँ आज्ञापालन

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

2. लूका 6:46-49 - अहाँ हमरा प्रभु, प्रभु किएक कहैत छी, आ हम जे कहैत छी से नहि करैत छी? जे कियो हमरा लग आबि हमर बात सुनि ओकरा पूरा करत, हम अहाँ केँ देखा देब जे ओ केहन छथि: ओ घर बनबैत आदमी जकाँ छथि, जे गहींर धरि खोदने आ पाथर पर नींव रखने छथि। जखन बाढ़ि उठल तखन ओहि घर पर धार टूटि गेल आ ओकरा नहि हिला सकल, कारण ओ घर नीक जकाँ बनल छल। मुदा जे सुनैत अछि आ नहि करैत अछि से ओहि आदमी जकाँ अछि जे बिना नींव के जमीन पर घर बनौलक। जखन धार ओकरा पर टूटि गेलै तऽ तुरन्त ओ खसि पड़ल आ ओहि घरक खंडहर बहुत भ’ गेलै।

इजकिएल 25:2 मनुष्यक बेटा, अम्मोनी सभक विरुद्ध मुँह बनाउ आ ओकरा सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

प्रभु इजकिएल केँ अम्मोनी सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक लेल बजबैत छथि।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक आह्वानक आज्ञाकारी रहबाक चाही आ हुनकर इच्छा करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक चाही, कारण प्रभु हमरा सभक संग सदिखन रहताह।

1: यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, किएक तँ अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।

2: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

इजकिएल 25:3 अम्मोनी सभ केँ कहू, “प्रभु परमेश् वरक वचन सुनू। प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, अहाँ कहने रही जे, “अहा, हमर पवित्र स्थान केँ अपवित्र कयल गेल छल।” आ इस्राएल देशक विरुद्ध, जखन ओ उजाड़ छल। आ यहूदाक घरानाक विरोध मे जखन ओ सभ बंदी मे गेलाह।

प्रभु परमेश् वर अम्मोनी सिनी के लेलऽ एगो संदेश दै छै कि हुनी अपनऽ पवित्र स्थान के अपवित्र होय के कारण, इस्राएल के देश के उजाड़ होय के कारण आरू यहूदा के घरऽ के बंदी होय के कारण ओकरा सिनी के सजा मिल॑ लगलऽ छै।

1. दोसरक दुर्भाग्य मे आनन्दित होयब: पापक परिणाम

2. विपत्तिक सामना करैत विनम्रता: अम्मोनी लोकनि सँ सीखब

1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2. रोमियो 12:15 - "आनन्द करनिहार सभक संग आनन्दित रहू, आ काननिहार सभक संग कानू।"

इजकिएल 25:4 देखू, तेँ हम अहाँ केँ पूरबक लोक सभक हाथ मे सम्पत्तिक रूप मे सौंपब, आ ओ सभ अहाँ मे अपन महल राखत आ अहाँ मे अपन निवास बनाओत।

जे अधर्मी अछि ओकरा परमेश् वर दंड देथिन आ ओकरा सभ केँ सम्पत्तिक रूप मे दोसर केँ देथिन।

1: भगवान् न्यायी छथि आ अधर्मक न्याय करताह।

1512

रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सँ बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2: भगवान् वफादार छथि आ न्याय प्रदान करताह।

भजन 9:7-8 - मुदा प्रभु अनन्त काल धरि रहताह, ओ अपन सिंहासन न्यायक लेल तैयार कयलनि अछि।
ओ संसारक न् याय धार्मिकता सँ करताह, ओ लोक सभक न् याय सत् यता मे करताह।

1: मत्ती 25:31-33 - जखन मनुष् यक पुत्र अपन महिमा मे आओत आ सभ पवित्र स् वर्गदूत हुनका संग आओत, तखन ओ अपन महिमाक सिंहासन पर बैसताह एक दोसरा सँ अलग करत, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ बकरी सँ अलग करैत अछि।

2: नीतिवचन 8:15-16 - हमरा द्वारा राजा सभ राज करैत छथि, आ राजकुमार सभ न्यायक आदेश दैत छथि। हमरा द्वारा राजकुमार सभ राज करैत छथि, आ कुलीन लोकनि, पृथ्वीक सभ न्यायाधीश सेहो।

इजकिएल 25:5 हम रब्बा केँ ऊँटक अस्तबल बना देब आ अम्मोनी केँ भेँड़ाक लेल बिछौन बना देब, तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।

ई अंश परमेश् वर के सामर्थ् य के बात करै छै कि वू लोग सिनी के साथ न्याय लानै छै, जे सिनी हुनको लोग सिनी के साथ अन्याय करलकै।

१ - परमेश् वरक न्यायक प्रतिज्ञा: कियो हुनकर क्रोधसँ ऊपर नहि अछि

२ - भगवानक दया आ न्याय: नीक आ अधलाहक संतुलन

1 - यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2 - रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 25:6 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ अहाँ ताली बजौने छी, पैर सँ ठूंठ मारने छी आ इस्राएलक देशक प्रति अपन सभटा घृणा सँ हृदय मे आनन्दित भेलहुँ।

प्रभु परमेश् वर इस्राएल भूमि के विरुद्ध आनन्द आरू तिरस्कार व्यक्त करै वाला सिनी पर न्याय के घोषणा करै छै।

1. पाप मे आनन्दित करबाक खतरा

2. घमंडी आनन्दक परिणाम

1. नीतिवचन 14:21 - जे अपन पड़ोसी केँ तिरस्कार करैत अछि, ओ पाप करैत अछि, मुदा जे गरीब पर दया करैत अछि, ओ धन्य अछि।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 25:7 देखू, तेँ हम अहाँ पर अपन हाथ पसारि देब आ अहाँ केँ लूट मे अनजान सभक हाथ मे सौंपि देब। हम तोरा लोक मे सँ काटि देब, आ तोरा देश मे सँ नष्ट कऽ देबौक। अहाँ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर हुनकर आज्ञा नहि माननिहार केँ सजा देथिन, ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देथिन आ ओकरा सभ केँ अपन लोक सभ सँ काटि देथिन।

1. प्रभु दुष्ट के दंड देथिन

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. रोमियो 13:1-4 - प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। तेँ जे केओ सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, से परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि।

2. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप अहाँ सभ सँ हुनकर मुँह नुका कऽ रखने अछि जे ओ नहि सुनत।

इजकिएल 25:8 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, मोआब आ सेइर कहैत अछि जे, “देखू, यहूदाक घराना सभ जाति-जातिक समान अछि।

परमेश् वर परमेश् वर मोआब आ सेइर सँ बात करैत छथि आ हुनका सभक निन्दा करैत छथि जे ई कहैत छथि जे यहूदाक घराना सभ गैर-यहूदी सभक समान अछि।

1. झूठ अफवाह फैलाबै के कारण मोआब आ सेइर पर प्रभु के न्याय

2. अपन लोकक रक्षा मे परमेश् वरक निष्ठा

1. यिर्मयाह 9:24-25 - "मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बात पर गर्व करथि जे ओ हमरा बुझैत अछि आ जनैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ्वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी, किएक तँ हम एहि सभ बात मे प्रसन्न छी।" , परमेश् वर कहैत छथि ।

२.

इजकिएल 25:9 तेँ देखू, हम मोआबक कात केँ नगर सभ सँ, ओकर सीमा मे जे नगर सभ अछि, देशक महिमा, बेतजेशीमोत, बालमेओन आ किरियाथैम सँ खोलब।

परमेश् वर मोआब केँ ओकर नगर बेतजेशीमोत, बालमेओन आ किरियाथैम, जे देशक महिमा मानल जाइत अछि, ओकरा सभ केँ छीन क’ दंड देत।

1. परमेश् वर न्यायी छथि आ सभ जाननिहार छथि: आज्ञा नहि करबाक परिणाम पर एकटा जेना कि इजकिएल 25:9 मे देखल गेल अछि

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वरक शक्ति आ अधिकार पर एकटा जेना कि इजकिएल 25:9 मे प्रदर्शित कयल गेल अछि

1. यशायाह 40:22-24 - ओ पृथ्वीक घेरा सँ ऊपर सिंहासन पर बैसल बैसल छथि, आ ओकर लोक टिड्डी जकाँ अछि। ओ आकाश केँ छतरी जकाँ तानैत अछि, आ ओकरा रहबाक लेल डेरा जकाँ पसारि दैत अछि, राजकुमार सभ केँ शून्य करैत अछि आ एहि संसारक शासक सभ केँ शून्य मे घटा दैत अछि।

25:9 मे

2. भजन 119:89-91 - अहाँक वचन, प्रभु, अनन्त अछि; आकाश मे दृढ़ता सँ ठाढ़ अछि। अहाँक वफादारी सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रहैत अछि; अहाँ पृथ्वी केँ स्थापित केलहुँ, आ ओ टिकैत अछि। अहाँक नियम आइ धरि बनल अछि, कारण सभ किछु अहाँक सेवा करैत अछि।

इजकिएल 25:10 अम्मोनी सभक संग पूरबक लोक सभ केँ, आ ओकरा सभ केँ अपन कब्जा मे द’ देब, जाहि सँ अम्मोनी लोकनि केँ जाति-जाति मे स्मरण नहि कयल जाय।

एहि अंश मे कहल गेल अछि जे परमेश् वर अम्मोनी सभ केँ पूरबक लोक सभ केँ दऽ देताह, जाहि सँ अम्मोनी सभ जाति सभक बीच स्मरण नहि कयल जायत।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति निष्ठा आ प्रावधान

2. भगवान् केर कृपा आ दया केँ स्मरण करबाक महत्व

1. भजन 103:17-18 - मुदा अनन्त काल सँ अनन्त धरि प्रभुक प्रेम हुनका सँ डरय बला सभक संग छनि, आ हुनकर धार्मिकता अपन संतानक संतानक संग छनि जे हुनकर वाचा केँ पालन करैत छथि आ हुनकर उपदेशक पालन करब मोन रखैत छथि।

2. यशायाह 49:15-16 - की माय अपन छाती मे बच्चा केँ बिसरि सकैत छथि आ अपन जन्मल बच्चा पर कोनो दया नहि राखि सकैत छथि? भले ओ बिसरि जाथि, मुदा हम अहाँकेँ नहि बिसरब! देखू, हम अहाँकेँ अपन हाथक हथेली पर उकेरने छी; तोहर देबाल हमरा सदा सोझाँ मे अछि।

इजकिएल 25:11 हम मोआब पर न्याय करब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

प्रभु मोआब पर न्याय करतै आरू वू परमेश् वर के अधिकार कॅ पहचानी लेतै।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया: मोआबक उदाहरण

2. अपन जीवन मे परमेश् वरक अधिकार केँ स्वीकार करब

1. इजकिएल 25:11

2. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 25:12 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ ओ एदोम यहूदाक वंशजक संग प्रतिशोध लेलक आ ओकरा सभ सँ बहुत अपराध कयलक आ ओकरा सभक प्रतिशोध लेलक।

प्रभु परमेश् वर एदोम केँ संबोधित करैत छथि जे ओ यहूदाक घराना सँ बदला लेबाक आ बदला लेबाक लेल।

1. एदोम के प्रभु के डांट: अपन दुश्मन के क्षमा करब आ प्रेम करब सीखब

2. प्रतिशोधक हृदयक प्रतिक्रिया: भगवानक क्रोध सँ बचब

1. रोमियो 12:19-21 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँ सभक शत्रु अछि।" भूखल, ओकरा खुआ दियौक, जँ ओकरा प्यासल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक, किएक तँ एना कऽ ओकरा माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब।

2. मत्ती 5:44-45 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ केँ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे रहनिहार पिताक पुत्र बनि सकब। किएक तँ ओ अपन सूर्य अधलाह पर उगबैत छथि।" आ नीक लोक पर, आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत अछि।"

इजकिएल 25:13 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम एदोम पर सेहो अपन हाथ बढ़ा देब आ ओहि मे सँ मनुष्य आ जानवर केँ काटि देब। हम ओकरा तेमन सँ उजाड़ बना देब। डेदानक लोक सभ तलवारक मारि कऽ खसि पड़त।

परमेश् वर परमेश् वर एदोम केँ ओकर लोक आ जानवर सभ केँ नष्ट कऽ कऽ ओकर गलत काज सभक सजा देथिन।

1. पापक परिणाम: एदोम के सजा उदाहरण के रूप में।

2. परमेश् वरक न्याय आ दया: एदोमक दंड आ मोक्ष।

1. आमोस 1:11-12 परमेश् वर ई कहैत छथि। एदोमक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ तलवार सँ अपन भाय केँ पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह, आ सभ दया केँ छोड़ि देलनि, आ हुनकर क्रोध सदिखन फाड़ि रहल छलनि, आ ओ अपन क्रोध केँ अनन्त काल धरि रखलनि।

2. यशायाह 63:1-3 ई के अछि जे एदोम सँ बोस्रा सँ रंगल वस्त्र ल’ क’ आबि रहल अछि? ई जे अपन परिधान मे गौरवशाली अछि, अपन सामर्थ्यक महानता मे यात्रा करैत अछि? हम जे धार्मिकता मे बजैत छी, उद्धार करबाक लेल पराक्रमी। अहाँ अपन परिधान मे किएक लाल भऽ गेल छी आ अहाँक वस्त्र मदिरा मे रौदनिहारक समान किएक अछि? हम असगरे दारू-कुंड केँ दबा देलियैक। लोक मे सँ कियो हमरा संग नहि छल, किएक तँ हम अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब आ क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब। हमर वस्त्र पर ओकर सभक खून छिड़कि जायत आ हम अपन सभ वस्त्र पर दाग लगा देब।

इजकिएल 25:14 हम अपन प्रजा इस्राएलक हाथ सँ एदोम पर अपन बदला लेब, आ ओ सभ एदोम मे हमर क्रोध आ हमर क्रोधक अनुसार काज करत। ओ सभ हमर प्रतिशोध केँ बुझि लेताह, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

परमेश् वर इस्राएल जाति के उपयोग एदोम पर ओकरो अपराध के बदला लेबै लेली करतै।

1. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक क्रोध केँ बुझब

2. दया आ प्रतिशोध: हम अपन दुश्मन के कोना प्रतिक्रिया दैत छी

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. नीतिवचन 20:22 - ई नहि कहब, हम अहाँ केँ एहि गलतीक बदला देब! प्रभुक प्रतीक्षा करू, ओ अहाँ सभ केँ उद्धार करताह।

इजकिएल 25:15 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, पलिस्ती सभ बदला लेबऽ लगलाह, आ पुरान घृणा सभक कारणेँ ओकरा नष्ट करबाक लेल तिरस्कृत मोन सँ बदला लेलक।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल के माध्यम सें बोलै छै, पलिस्ती सिनी कॅ डांटै छै कि हुनी द्वेषपूर्ण दिल सें बदला लेबै छै।

1. क्षमा के साथ जीना: बाइबिल में हमरा सब के की सिखाबै के छै?

2. प्रतिशोध: बदला लेबय के आग्रह के हम सब कोना प्रतिक्रिया दैत छी?

1. भजन 37:8 - "क्रोध सँ परहेज करू, आ क्रोध केँ छोड़ू! अपना केँ चिंतित नहि करू; ई केवल बुराई दिस बढ़ैत अछि।"

2. मत्ती 5:38-41 - "अहाँ सभ सुनलहुँ जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत।' मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे दुष्टक विरोध नहि करू।मुदा जँ केओ अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत तँ दोसर गाल सेहो ओकरा दिस घुमाउ।आ जँ कियो अहाँ पर मुकदमा आ अहाँक अंगरखा ल' लेत त' ओकरा अहाँक वस्त्र सेहो हो.आ जँ कियो एक मील जाय लेल मजबूर क' देत त' ओकरा संग दू मील जाउ."

इजकिएल 25:16 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम पलिस्ती सभ पर अपन हाथ पसारि देब आ केरेथी सभ केँ काटि देब आ समुद्रक कात मे बचल लोक सभ केँ नष्ट कऽ देब।

प्रभु परमेश् वर पलिस्ती सिनी कॅ दंडित करै के अपनऽ योजना के घोषणा करै छै आरू चेरेथिम आरू समुद्र तट पर रहै वाला लोग सिनी कॅ नष्ट करै के घोषणा करै छै।

1. दुष्टक परमेश् वरक दण्ड

2. न्यायक लेल परमेश् वरक योजना केँ बुझब

२.

2. व्यवस्था 32:35 - प्रतिशोध आ बदला हमर अछि, जखन हुनका सभक पैर फिसलत। कारण, हुनका सभक विपत्तिक दिन लग आबि गेल अछि, आ हुनका सभक प्रलय जल्दी आबि रहल अछि।

इजकिएल 25:17 हम हुनका सभक प्रति क्रोधित डाँट सँ बहुत प्रतिशोध करब। जखन हम हुनका सभ पर अपन प्रतिशोध लेब तखन ओ सभ बुझत जे हम परमेश् वर छी।

परमेश् वर हुनका संग अन्याय केनिहार सभक विरुद्ध बहुत प्रतिशोध करताह।

1. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक क्रोधक परीक्षण

2. प्रतिशोधक शक्ति केँ बुझब: इजकिएल 25:17

१.

2. व्यवस्था 32:35 - प्रतिशोध आ बदला हमर अछि, जखन हुनका सभक पैर फिसलत। कारण, हुनका सभक विपत्तिक दिन लग आबि गेल अछि, आ हुनका सभक प्रलय जल्दी आबि रहल अछि।

इजकिएल अध्याय २६ मे सोर शहरक विरुद्ध एकटा भविष्यवाणी अछि, जे प्राचीन काल मे एकटा प्रमुख व्यापारिक केंद्र छल। अध्याय में सोर केरऽ घमंड, अहंकार आरू इस्राएल के साथ दुर्व्यवहार के कारण ओकरऽ विनाश आरू पतन के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । भविष्यवाणी शहर के तबाही के विस्तार आरू परमेश्वर के न्याय के अंतिम पूर्ति पर जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सोर के आसन्न विनाश आ विनाश के घोषणा स होइत अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ सोरक विरुद्ध बहुत रास राष्ट्र केँ अनताह, जाहि मे बेबिलोन सेहो शामिल अछि, जे शहर केँ घेराबंदी करत आ ओकरा खंडहर बना देत (इजकिएल 26:1-14)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे सोर के विनाश के विस्तार के वर्णन कयल गेल अछि | शहर तोड़ि देल जायत, ओकर देबाल तोड़ल जायत आ ओकर मलबा समुद्र मे फेकि देल जायत। सोर केरऽ धन आरू प्रभाव मिटा देलऽ जैतै, आरू ई मछुआरा सिनी लेली एगो नंगा चट्टान बनी जैतै, जेकरा पर जाल फैलाय देलऽ जैतै (इजकिएल २६:१५-२१)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय छब्बीस भविष्यवाणी
सोर के विनाश आ पतन,
अपन घमंड के कारण, इस्राएल के साथ दुर्व्यवहार,
आ परमेश् वरक न्यायक पूर्ति।

टायर के आसन्न विनाश आ तबाही के घोषणा।
बेबिलोन सहित अनेक राष्ट्र द्वारा आक्रमण आ घेराबंदी।
सोर के पूर्ण विनाश आ नंगे चट्टान में परिवर्तन के वर्णन |

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ सोर शहर के खिलाफ एगो भविष्यवाणी छै, जेकरा म॑ ओकरऽ विनाश आरू पतन के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । सोर क॑ ओकरऽ घमंड, इस्राएल के साथ दुर्व्यवहार आरू परमेश्वर केरऽ सार्वभौमिकता क॑ स्वीकार नै करै के कारण निंदा करलऽ जाय छै । अध्याय के शुरुआत सोर के आसन्न विनाश आरू विनाश के घोषणा स॑ होय छै । परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी बेबिलोन सहित बहुत जाति सिनी कॅ सोर के खिलाफ लानी देतै, जे शहर के घेराबंदी करी कॅ ओकरा खंडहर करी देतै। भविष्यवाणी में सोर के विनाश के विस्तार के वर्णन छै, जेकरा में शहर के तोड़ना, ओकरऽ देवाल तोड़ना आरू ओकरऽ मलबा के समुद्र में फेंकना शामिल छै। सोरक धन आ प्रभाव मेटा जायत, आ ई मछुआरा सभक लेल एकटा नंगटे चट्टान बनि जायत जाहि पर जाल पसरल जायत। अध्याय में सोर के विनाश के विस्तार आरू परमेश् वर के न्याय के पूर्ति पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 26:1 एगारहम वर्ष मे मासक पहिल दिन हमरा लग परमेश् वरक वचन आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ एगारहम वर्ष मे, मासक पहिल दिन गप्प कयलनि।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: हुनकर समयक महत्व केँ बुझब

2. निष्ठावान आज्ञाकारिता: परमेश् वरक आह्वानक प्रतिक्रिया देब

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

इजकिएल 26:2 मनुष्यक पुत्र, किएक तँ सोर यरूशलेमक विरुद्ध कहने अछि जे, “आहा, ओ जे लोकक फाटक छल, से टूटि गेल अछि।

यरूशलेम के प्रति घमंड आ घमंड के कारण सोर शहर के परमेश् वर के न्याय।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि

2. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

1. यशायाह 10:12-15 - तेँ ई होयत जे जखन प्रभु सियोन पर्वत आ यरूशलेम पर अपन पूरा काज क’ लेताह तखन हम अश्शूरक राजाक मोट हृदयक फल आ महिमा केँ सजा देब ओकर ऊँच नजरि के। ओ कहैत छथि, “हम अपन हाथक बल सँ आ अपन बुद्धि सँ ई काज केलहुँ। हम विवेकी छी, आ लोकक सीमा हटा देलियैक, ओकर खजाना लूटि लेलियैक, आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ वीर आदमी जकाँ नीचाँ खसा देलियैक जे अंडा बचल अछि से जमा करैत अछि, की हम समस्त धरती जमा केने छी। आ कियो एहन नहि छल जे पाँखि हिलाबैत छल, आ ने मुँह खोलैत छल, आ ने झाँकैत छल। की कुल्हाड़ी ओहि पर घमंड करत जे ओकरा काटि रहल अछि? की आरा ओकरा हिलाबै वाला के विरुद्ध अपना के बड़ाई करतै? जेना छड़ी ओकरा ऊपर उठाबय बला लोक पर अपना केँ हिलाबय, वा जेना लाठी अपना केँ ऊपर उठाबय, जेना कोनो लकड़ी नहि हो।

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

इजकिएल 26:3 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे सोर, देखू, हम अहाँक विरुद्ध छी, आ समुद्र अपन लहरि केँ चढ़ाबैत बहुत रास जाति केँ अहाँ पर चढ़ा देब।”

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी सोर के खिलाफ छै आरू बहुत जाति कॅ ओकरा सिनी के खिलाफ लानी देतै, ठीक वैसने जइसे समुद्र अपनौ लहरी लाबै छै।

1. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति: सोरक विनाश

2. भगवान् के उद्देश्य के अदम्य ज्वार

1. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत। आ जे कोनो भाषा अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई प्रभुक सेवक सभक उत्तराधिकार अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि। प्रभु कहैत छथि।”

2. भजन 33:10-11 - "परमेश् वर जाति-जाति सभक सलाह केँ अन्त्य बना दैत छथि। ओ लोक सभक षड्यंत्र केँ बेकार करैत छथि। परमेश् वरक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।" " .

इजकिएल 26:4 ओ सभ सोरक देबाल सभ केँ तोड़ि देत आ ओकर बुर्ज सभ केँ तोड़ि देत, हम ओकर धूल-धूसरित सेहो ओकरा खुरचब आ ओकरा चट्टानक चोटी जकाँ बना देब।

सोरसक देबाल सभ नष्ट भऽ जाएत आ बुर्ज सभ तोड़ि देल जायत। एकर धूरा खुरचत आ चट्टानक चोटी जकाँ बनाओल जायत।

1. विनाश के सामने ताकत

2. प्रभुक स्थायी शक्ति

1. यशायाह 25:12 अहाँक देबालक ऊँच किलाक किला केँ ओ नीचाँ उतारत, नीचाँ राखत आ जमीन पर धूरा धरि उतारत।

2. भजन 18:2 प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर, हमर सामर्थ् य, जिनका पर हम भरोसा करब। हमर बकसुआ आ हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।

इजकिएल 26:5 ई समुद्रक बीच जाल पसरबाक स्थान होयत, कारण हम ई बात कहलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, आ ई जाति सभक लेल लूट बनि जायत।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे सोर नगर माछ मारबाक जगह बनत आ जाति सभक लेल लूटपाट बनि जायत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा निश्चित अछि - इजकिएल 26:5

2. परमेश् वरक आज्ञा मानबाक आशीर्वाद - इजकिएल 26:5

1. यशायाह 54:9-10 - "ई हमरा लेल नूहक समय जकाँ अछि, जेना हम शपथ केने रही जे आब नूहक पानि पृथ्वी पर नहि जायत; तहिना हम शपथ केने छी जे हम अहाँ पर क्रोध नहि करब आ ने।" अहाँ केँ डाँट दियौक। किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत, मुदा हमर दया अहाँ सँ नहि हटि जायत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत।”

2. भजन 33:10-11 - "परमेश् वर जाति-जाति सभक सलाह केँ अन्त्य बना दैत छथि। ओ लोक सभक षड्यंत्र केँ बेकार करैत छथि। परमेश् वरक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।" " .

इजकिएल 26:6 ओकर बेटी सभ जे खेत मे अछि, तलवार सँ मारल जायत। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर सोरक बेटी सभ केँ तलवार सँ मारि दऽ देताह जे खेत मे अछि।

1. परमेश् वरक दंड न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि

2. प्रभुक सार्वभौमत्व केँ हमरा सभ केँ नहि बिसरबाक चाही

२.

2. यिर्मयाह 15:1-2 - तखन प्रभु हमरा कहलथिन, “मूसा आ शमूएल हमरा सामने ठाढ़ रहितथि, मुदा हमर मोन एहि लोक दिस नहि घुमल। हमरा नजरि सँ बाहर पठा दियौक, आ ओकरा सभ केँ छोड़ि दियौक! आ जखन ओ सभ अहाँ सभ सँ पूछत जे हम सभ कतय जायब? अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे प्रभु ई कहैत छथि जे जे महामारी, महामारीक लेल अछि, आ जे तलवारक लेल अछि, से तलवारक लेल अछि। जे अकाल, अकाल मे अछि, आ जे बंदी मे अछि, बंदी मे।

इजकिएल 26:7 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम उत्तर दिस सँ बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ घोड़ा, रथ, घुड़सवार, दल आ बहुत रास लोकक संग सोर पर आनि देब।

प्रभु परमेश् वर बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के बहुत सेना के साथ सोरस शहर में लानै छै।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वरक सामर्थ् य आ अधिकार केँ जानब

2. प्रभु सँ डरब सीखब: आज्ञा नहि आज्ञा करबाक परिणाम बुझब

1. यिर्मयाह 25:9 - "देखू, हम उत्तरक सभ कुल केँ पठा कऽ ल' जायब, प्रभु कहैत छथि, आ हमर सेवक बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ एहि देश आ ओहि मे रहनिहार सभक विरुद्ध आनब। आ चारू कातक एहि सभ जाति सभक विरुद्ध, ओकरा सभ केँ एकदम सँ नष्ट कऽ देत, आ ओकरा सभ केँ आश्चर्यचकित करयवला, सिसकी मारब, आ सदा-सदा उजाड़ बना देत।”

2. दानियल 5:18-21 - "हे राजा, परमात्मा परमेश् वर तोहर पिता नबूकदनेस्सर केँ राज्य, महिमा, महिमा आ आदर देलनि, ओकरा सामने काँपि उठल आ डरि गेल, केकरा मारय चाहैत छल, केकरा

जीवित राखय चाहैत छल, आ केकरा ठाढ़ करय चाहैत छल, आ ककरा नीचाँ राखय चाहैत छल।मुदा जखन ओकर मोन उठि गेलै आ ओकर मोन कठोर भ’ गेलै घमंड सँ हुनका अपन राजसिंहासन सँ उतारल गेलनि, आ ओ सभ हुनकर महिमा हुनका सँ छीनि लेलनि, आ मनुष् यक सन्तान सभ सँ भगा देल गेलनि, आ हुनकर हृदय पशु जकाँ भ' गेलनि, आ हुनकर निवास जंगली गदहा सभक संग छलनि बैल जकाँ घास, आ ओकर देह स् वर्गक ओससँ भीजल छल, जाबत धरि ओकरा बुझल नहि गेलैक जे परमात्मा परमेश् वर मनुष् यक राज् य मे राज करैत छथि आ जकरा चाहथि तकरा ओकरा पर नियुक्ति करैत छथि।”

इजकिएल 26:8 ओ अहाँक बेटी सभ केँ खेत मे तलवार सँ मारि देत, आ अहाँक विरुद्ध एकटा किला बनाओत आ अहाँक विरुद्ध एकटा पहाड़ फेकत आ अहाँक विरुद्ध बकरी उठाओत।

प्रभु इजकिएलक बेटी सभ केँ खेत मे विनाश अनताह आ इजकिएल पर किलाबंदी बनाओताह, हुनका पर पहाड़ फेकताह आ हुनका पर ढाल उठौताह।

1. क्लेशक बीच परमेश् वर पर भरोसा करब

2. भगवान् के रक्षा के शक्ति

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि, से कोनो शस्त्र सफल नहि होयत; आ जे कोनो जीह अहाँ पर न् याय मे आरोप लगाओत, तकरा अहाँ सभ निन्दा करब। ई प्रभु के सेवक के धरोहर छै, आरो ओकरोॅ न्याय हमरा सें छै, ई बात प्रभु कहै छै।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हँ, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

इजकिएल 26:9 ओ अहाँक देबाल पर युद्धक इंजन लगाओत आ अपन कुल्हाड़ी सँ अहाँक बुर्ज केँ तोड़ि देत।

प्रभु युद्ध के इंजन के उपयोग करी क॑ सोर शहर के देवाल आरू बुर्ज के तोड़ी देतै।

1. प्रभुक शक्ति: भगवानक शक्ति सभ पर कोना विजय प्राप्त करत

2. सोर के विनाश: भगवान के विरुद्ध विद्रोह करय वाला सब के लेल चेतावनी

1. यशायाह 31:3 - "आब मिस्रवासी मनुष्य छथि, परमेश् वर नहि; हुनकर घोड़ा सभ मांस अछि, आत् मा नहि। जखन प्रभु अपन हाथ पसारि लेताह, तखन जे मदद करैत अछि, ओ ठोकर खायत, आ जे चोटगर अछि, ओ खसि पड़त।" , आ सभ एक संग असफल भ' जेताह।"

2. भजन 18:29 - "किएक त' हम अहाँक द्वारा एकटा दलक बीच सँ दौड़लहुँ; आ अपन परमेश् वरक द्वारा हम एकटा देबाल पर कूदि गेलहुँ।"

इजकिएल 26:10 ओकर घोड़ाक प्रचुरताक कारणेँ ओकर धूरा तोरा झाँपि देतैक, घुड़सवार, पहिया आ रथक आवाज पर तोहर देबाल हिलत, जखन ओ तोहर फाटक मे प्रवेश करत, जेना मनुष्य प्रवेश करत एकटा एहन शहर मे जाहि मे एकटा उल्लंघन भ' गेल अछि।

1. प्रभुक बल अप्रतिम अछि

2. प्रभुक भय एकटा शक्तिशाली प्रेरक अछि

1. प्रकाशितवाक्य 19:11-16 - हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ जे एकटा उज्जर घोड़ा। जे हुनका पर बैसल छल, ओकरा विश्वासी आ सच्चा कहल गेल छल, आ धार्मिकता मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि।

2. 2 इतिहास 20:15-17 - प्रभु अहाँ सभ केँ ई कहैत छथि, “एहि बहुत रास भीड़क कारणेँ नहि डेराउ आ ने निराश भ’ जाउ। किएक तँ युद्ध अहाँ सभक नहि, बल् कि परमेश् वरक अछि।

1520

इजकिएल 26:11 ओ अपन घोड़ाक खुर सँ अहाँक सभ गली-गली मे चलत, अहाँक लोक केँ तलवार सँ मारि देत आ अहाँक मजबूत सेना जमीन पर उतरत।

प्रभु अपन घोड़ा आ तलवार सँ सोर नगर मे विनाश अनताह आ मजबूत सेना केँ खसा देताह।

1. परमेश् वरक निर्णय: हमरा सभक लेल एकटा चेतावनी

2. प्रभुक शक्ति: ओ कोना विनाश अनैत छथि

1. यशायाह 24:1-3 - देखू, प्रभु पृथ्वी केँ खाली बना दैत छथिन, ओकरा उजड़ि दैत छथिन, उल्टा क’ दैत छथिन, आ ओहि मे रहनिहार लोकनि केँ छिड़िया दैत छथिन।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 26:12 ओ सभ अहाँक धन-दौलत केँ लूटत आ अहाँक माल-जाल केँ लूटत, आ अहाँक देबाल केँ तोड़ि देत आ अहाँक सुखद घर केँ नष्ट करत पानि के बीच।

सोर शहर लूट आ नष्ट होमय जा रहल अछि।

1. परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि आ जे हुनका सँ प्रेम आ सेवा करबा मे असफल छथि हुनका सजा देताह।

2. जखन हम सभ परमेश् वरक प्रति बेवफा रहब तखन हम सभ अपन चुनावक परिणाम भोगब।

२. सत्यक खोज मे आज्ञा नहि मानू, बल् कि अधर्मक आक्रोश आ क्रोधक आज्ञा मानू।”

2. नीतिवचन 6:16-19 - "ई छह टा बात सँ प्रभु घृणा करैत छथि, हँ, सात टा हुनका लेल घृणित अछि: घमंडी नजरि, झूठ बाजबला जीह, निर्दोष खून बहाबय बला हाथ, दुष्ट योजना बनेनिहार हृदय, पैर जे अछि।" बुराई मे दौड़य मे तेज, झूठ बजनिहार झूठ गवाह, आ भाइ सभक बीच विवाद बीजनिहार।"

इजकिएल 26:13 हम अहाँक गीतक हल्ला केँ समाप्त क’ देब। आब तोहर वीणाक आवाज नहि सुनल जायत।

परमेश् वर सोर के लोग के गीत आरो संगीत के चुप करी देतै, जे ओकरोॅ खुशी आरो उत्सव के अंत के प्रतीक होतै।

1. हृदय के अंतिम विजय: भगवान हमरा सब के कोना ठेहुन पर आनि सकैत छथि

2. भगवानक शक्ति: आनन्द आ उत्सवक अंत

1. यशायाह 24:8-9 - प्रभु आनन्द आ आनन्दक अंत आ ओहि भावना सभक आदान-प्रदान दुख आ शोकक लेल निर्धारित करैत छथि।

2. भजन 137:1-3 - बेबिलोन मे निर्वासित यरूशलेम के लोक यरूशलेम के दुखद स्मरण मे शोक क रहल अछि आ गाबि रहल अछि।

इजकिएल 26:14 हम अहाँ केँ चट्टानक चोटी जकाँ बना देब। तोहर आब नहि बनबह, किएक तँ हम परमेश् वर ई बात कहने छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर कहने छथि जे सोर नष्ट भऽ जायत आ आब फेर सँ नहि बनत।

1. प्रभु परमेश् वरक वचन अंतिम अछि 2. भगवान् परम प्राधिकारी छथि

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत। 2. मत्ती 24:35 - आकाश आ पृथ्वी समाप्त भ’ जायत, मुदा हमर वचन समाप्त नहि होयत।

इजकिएल 26:15 प्रभु परमेश् वर सोरस केँ ई कहैत छथि। की तोहर खसबाक आवाज सुनि द्वीप सभ नहि हिलत, जखन घायल लोक सभ कानब आ अहाँक बीच मे वध कयल जायत?

प्रभु परमेश् वर सोरस सँ बात करैत छथि आ ओकर राज्यक विनाशक चेतावनी दैत छथि, कोना ओकर पतन द्वीप सभ सुनत आ घायल सभक पुकार सुनल जायत।

1. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. प्रभुक चेतावनी: हुनकर आवाज पर ध्यान दियौक वा एकर परिणाम भोगि लिअ

1. यशायाह 24:1-3 - देखू, प्रभु पृथ्वी केँ खाली बना दैत छथिन, ओकरा उजड़ि दैत छथिन, उल्टा क’ दैत छथिन, आ ओहि मे रहनिहार लोकनि केँ छिड़िया दैत छथिन।

2. आमोस 3:2 - हम पृथ्वीक सभ कुल मे सँ मात्र अहाँ केँ जनैत छी, तेँ हम अहाँ केँ अहाँक सभ अधर्मक सजाय देब।

इजकिएल 26:16 तखन समुद्रक सभ राजकुमार अपन सिंहासन सँ उतरि कऽ अपन वस्त्र छोड़ि कऽ अपन वस्त्र पहिरि लेत। ओ सभ जमीन पर बैसि कऽ हर क्षण काँपि जायत आ तोरा देखि आश्चर्यचकित भऽ जायत।”

समुद्रक राजकुमार भगवानक समक्ष विनम्र भ' भय आ सदमाक अनुभव करताह।

1: भगवान् परम अधिकार छथि, आ हुनका आगू कियो ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि।

2: हमरा सभकेँ भगवानक सार्वभौमिकताक अधीन रहबाक चाही आ हुनकर सान्निध्यमे विनम्र रहबाक चाही।

१: यशायाह ६:१-५; जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि ताहि वर्ष मे हम प्रभु केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल, आ हुनकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरल छल।

२: भजन ४६:१०; "शांत रहू, आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब।"

इजकिएल 26:17 ओ सभ तोरा लेल विलाप करत आ तोरा कहत जे, “तोँ कोना नष्ट भऽ गेलहुँ, जे समुद्री आदमी सभक निवास छल, ओ प्रसिद्ध शहर, जे समुद्र मे मजबूत छल, ओ आ ओकर निवासी सभ, जे ओकर कारण बनैत छल।” आतंक सब पर रहब जे एकरा सताबैत अछि!

समुद्री यात्रा के लेलऽ प्रसिद्ध सोर शहर के विलाप के वर्णन इजकिएल २६:१७ में करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ई नोट करलऽ गेलऽ छै कि कोना एकरऽ निवासी न॑ जहाज स॑ गुजरै वाला लोगऽ प॑ अपनऽ छाप छोड़लकै ।

1. उदाहरणक शक्ति: हम अपन जीवनक माध्यमे की सिखाबैत छी

2. भगवानक सार्वभौमत्व: ओ प्राकृतिक शक्तिक माध्यमे कोना काज करैत छथि |

1. मत्ती 5:13-16 - अहाँ पृथ्वीक नून आ संसारक इजोत छी।

2. यशायाह 26:1-3 - परमेश् वर ओहि सभ केँ पूर्ण शान्ति मे राखताह जे हुनका पर भरोसा करैत छथि जिनकर मन हुनका पर टिकल छनि।

इजकिएल 26:18 आब तोहर पतनक दिन द्वीप सभ काँपि जायत। हँ, समुद्र मे जे द्वीप अछि से तोहर गेला पर परेशान भ' जायत।

जखन सोर शहर पर परमेश् वरक न् याय होयत तँ द्वीप सभ काँपि उठत।

1. परमेश्वर के न्याय के समझना: इजकिएल 26:18 के अध्ययन
1522

2. प्रभुक आदर करब: इजकिएल 26:18 मे प्रभुक भय पर एक नजरि

1. यशायाह 41:1-2 "द्वीप सभ, हमरा सोझाँ चुप रहू। आ लोक सभ अपन सामर्थ् य नव बनाबय; ओ सभ लग आबि जाय, तखन ओ सभ बाजय; हम सभ एक संग न्यायक लेल नजदीक आबि जाइ। पूरब दिस सँ के उठौलक? के धार्मिकता मे ओकरा अपन पयर पर ठाढ़ क’ देलकैक? ओ अपन आगू जाति सभ केँ द’ देलकै आ ओकरा राजा सभ पर शासन करौलकै, ओकरा सभ केँ अपन तलवारक धूरा जकाँ द’ देलकैक, जेना धनुष मे धकेलल ठूंठ।”

2. प्रकाशितवाक्य 16:18-20 "आवाज, गरज, आ बिजली गिरल; आ एकटा पैघ भूकम्प भेल, जे पृथ्वी पर मनुष्यक रहला सँ नहि भेल छल, एतेक शक्तिशाली भूकम्प आ एतेक पैघ। आ पैघ।" नगर तीन भाग मे बँटि गेल, आ जाति-जाति सभक नगर सभ खसि पड़ल, आ महान बाबुल परमेश् वरक समक्ष मोन पड़ि गेल जे ओकरा ओकर क्रोधक प्रकोपक मदिराक प्याला देबाक लेल आबि गेल नहि भेटल।"

इजकिएल 26:19 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जखन हम अहाँ केँ उजाड़ नगर बना देब, जेना ओहि नगर मे लोकक लोक नहि रहैत अछि। जखन हम गहींर केँ तोरा पर उतारब, आ पैघ-पैघ पानि अहाँ केँ झाँपि देत।

परमेश् वर सोर नगर केँ अन्य निर्जन नगर सभ जकाँ उजाड़ बना देत आ ओकरा गहींर पानि मे झाँपि देत।

1. परमेश् वरक प्रेम आ न्याय: ओ राष्ट्र आ लोकक संग कोना व्यवहार करैत छथि। 2. सोर के पतन स सीख: परमेश् वर के चेतावनी पर ध्यान दियौ।

1. भजन 107:23-24 - जे जहाज पर समुद्र मे उतरैत छथि, जे पैघ पानि मे व्यापार करैत छथि; ओ सभ प्रभुक काज देखैत छथि, आ हुनकर आश्चर्य गहींर मे। 2. यिर्मयाह 51:41-42 - शेशक कोना लेल गेल अछि! आ पूरा धरती के स्तुति लेल गेल! बाबुल कोना जाति-जाति मे आश्चर्यक विषय बनि गेल अछि! समुद्र बाबुल पर चढ़ि गेल अछि।

इजकिएल 26:20 जखन हम अहाँ केँ गड्ढा मे उतरय बला लोक सभक संग, पुरान समयक लोक सभक संग उतारब आ अहाँ केँ पृथ्वीक नीचाँ मे, पहिने सँ उजड़ल स्थान पर, नीचाँ उतरय बला लोक सभक संग राखब गड्ढा, जे अहाँ मे आबाद नहि होउ। हम जीवित लोकक देश मे महिमा राखब।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे सोर नगर केँ पुरान लोक सभक संग खसा देब आ ओकरा उजाड़ जगह पर राखब, मुदा ओ जीवित लोकक देश मे सेहो महिमा राखताह।

1. न्याय मे परमेश् वरक दया

2. भगवान् मे पुनर्स्थापनक आशा

२.

2. यशायाह 40:1-2 - "अहाँ सभ हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ ओकर सभ पापक लेल प्रभुक हाथ दुगुना।”

इजकिएल 26:21 हम अहाँ केँ भयावह बना देब, आ अहाँ आब नहि रहब।

इजकिएल केरऽ ई श्लोक प्रभु केरऽ चेतावनी छेकै कि जे बुराई करलकै ओकरा सजा मिलतै आरू अब॑ ओकरऽ अस्तित्व नै छै ।

1. "प्रभुक न्याय: अभाव मे नहि पाओल जाउ"।

2. "प्रभुक आराम: कहियो नहि बिसरब"।

1. मत्ती 10:28, "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. भजन 34:15-16, "प्रभुक नजरि धर्मी लोक पर रहैत छनि, आ हुनकर कान हुनका सभक पुकारक लेल खुजल छनि। परमेश् वरक मुँह अधलाह काज करयवला सभक विरुद्ध छनि, जे हुनका सभक स्मृति केँ काटि देथिन।" धरती."

इजकिएल अध्याय 27 मे समुद्री व्यापारिक प्रमुख शहर सोर के पतन पर एकटा जीवंत विलाप देल गेल अछि। अध्याय म॑ टायर केरऽ धन, प्रभाव आरू व्यावसायिक गतिविधि के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ओकरऽ घमंड आरू अहंकार प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । विलाप शहर केरऽ आसन्न विनाश के शोक मनाबै छै आरू एकरऽ भव्यता आरू समृद्धि के नुकसान प॑ जोर दै छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सोर के विलाप स होइत अछि, जाहि में शहर के एकटा गर्वित आ गौरवशाली जहाज के रूप में संबोधित कयल गेल अछि। अध्याय म॑ टायर केरऽ धन, व्यावसायिक गतिविधि आरू एक प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र के रूप म॑ एकरऽ स्थिति के जीवंत वर्णन करलऽ गेलऽ छै । टायर के चित्रण एकटा भव्य बर्तन के रूप में कयल गेल अछि जे कीमती सामग्री स सजल अछि (इजकिएल 27:1-25)।

2nd पैराग्राफ: सोर के विविध व्यापारिक भागीदार के वर्णन करी क॑ विलाप जारी छै, जेकरा म॑ विभिन्न राष्ट्रऽ के व्यापारी भी शामिल छै जे शहर के साथ व्यापार करै छेलै । अध्याय में आदान-प्रदान कयल गेल माल के प्रचुरता आ सोर में जे समृद्धि आयल छल ताहि पर प्रकाश देल गेल अछि (इजकिएल 27:26-36)।

तृतीय पैराग्राफ: विलाप सोर के आसन्न पतन के शोक करैत अछि, ओकर वैभव आ समृद्धि के नुकसान पर जोर दैत अछि। शहर केरऽ विनाश क॑ जहाज केरऽ डूबला के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एकरऽ निवासी आरू व्यापारी क॑ समुद्र म॑ फेंकलऽ जाय छै । अध्याय के समापन एक कथन के साथ होय छै कि सोर के पतन स॑ जाति सिनी के बीच आतंक पैदा होय जैतै (इजकिएल 27:37-36)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सत्ताईस प्रस्तुत
सोर के पतन पर विलाप,
एकर धन, व्यावसायिक गतिविधिक चित्रण,
आ ओकर आसन्न विनाशक शोक करैत।

टायर के पतन पर विलाप, ओकरा गर्वित जहाज के रूप में संबोधित।
टायर के धन, व्यावसायिक गतिविधि, आ व्यापारिक भागीदार के वर्णन।
सोर के भव्यता आ समृद्धि के नुकसान के शोक।
सोर के विनाश के चित्रण जहाज के डूबला के रूप में, जेकरा स॑ राष्ट्रऽ के बीच आतंक पैदा होय गेलऽ छेलै ।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ समुद्री व्यापार केरऽ एगो प्रमुख शहर सोर केरऽ पतन के विलाप प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । विलाप में टायर क॑ एगो गौरवशाली जहाज के रूप म॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एकरऽ धन, व्यावसायिक गतिविधि आरू एक प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र के रूप म॑ एकरऽ स्थिति के जीवंत वर्णन करलऽ गेलऽ छै । अध्याय म॑ शहर केरऽ घमंड आरू अहंकार प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ आदान-प्रदान करलऽ जाय वाला सामान केरऽ प्रचुरता आरू सोर म॑ एकरा स॑ मिललऽ समृद्धि प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । विलाप सोर के आसन्न विनाश के शोक मनाबै छै, जेकरा में ओकरऽ वैभव आरू समृद्धि के नुकसान पर जोर देलऽ गेलऽ छै । शहर केरऽ पतन क॑ जहाज केरऽ डूबला के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एकरऽ निवासी आरू व्यापारी क॑ समुद्र म॑ फेंकलऽ जाय छै । अध्याय के समापन एक बयान के साथ होय छै कि सोर के पतन स॑ राष्ट्रऽ के बीच आतंक पैदा होय जैतै । अध्याय में सोर के पतन, ओकरऽ भव्यता के नुकसान आरू ओकरऽ आसन्न विनाश के शोक पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 27:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ गप्प करैत छथि जे कोना सोर सत्ता आ धन मे बढ़ि गेल अछि।

1. परमेश् वरक आशीर्वाद: हुनकर प्रावधानक लाभ हम सभ कोना पाबि लैत छी

2. धनक जाल: हमरा सभकेँ कोना घमंडी वा आत्मसंतुष्ट नहि बनबाक चाही

1. याकूब 4:13-16 - विनम्र रहू आ एहि बातक प्रति जागरूक रहू जे हमर धन आ सम्पत्ति कतेक क्षणिक भ’ सकैत अछि।

2. नीतिवचन 11:28 - जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी पनपत।

इजकिएल 27:2 आब, हे मनुष् य-पुत्र, सोरसक लेल विलाप करू।

टायरस शहरक लेल एकटा विलाप।

1. भगवानक नजरि मे विनम्र आ धर्मी हेबाक महत्व

2. धन आ धन पर बेसी भरोसा करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 5:1-3 - हे धनिक लोक सभ, एखन जाउ, अहाँ सभक दुःखक लेल जे अहाँ सभ पर आओत, ताहि लेल कानब आ कुहरब।

इजकिएल 27:3 सोरस केँ कहि दियौक, “हे समुद्रक प्रवेश द्वार पर रहनिहार, जे बहुतो द्वीपक लेल लोकक व्यापारी छी, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे सोर, अहाँ कहलहुँ, हम पूर्ण सौन्दर्यक छी।

परमेश् वर समुद्रक कात मे एकटा व्यापारी नगर सोर सँ गप्प करैत छथि आ हुनका सभ पर घमंडक आरोप लगबैत छथि जे ओ सभ पूर्ण सुंदरताक कहैत छथि।

1. घमंड पतनसँ पहिने जाइत अछि

2. झूठ घमंड सँ सावधान रहू

1. नीतिवचन 11:2 - "जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।"

2. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

इजकिएल 27:4 तोहर सीमा समुद्रक बीच मे अछि, तोहर बनौनिहार सभ तोहर सौन्दर्य केँ सिद्ध क’ देलक।

इजकिएल समुद्र के बीच में स्थित एक राष्ट्र के बात करै छै, जेकरऽ सुंदरता ओकरऽ निर्माता सिनी न॑ सिद्ध करी देल॑ छै ।

1. भगवान् के सृष्टि के सिद्धता

2. सौन्दर्यक नींव बनेनाइ

1. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

2. भजन 127:1 - "जखन परमेश् वर घर नहि बनौताह, तँ ओकरा बनबै बला सभ व्यर्थ परिश्रम करैत छथि। जाबत धरि प्रभु नगरक रक्षा नहि करताह, ताबत चौकीदार जागत मुदा व्यर्थ।"

इजकिएल 27:5 ओ सभ तोहर जहाजक सभटा बोर्ड सेनीरक देवदारक गाछसँ बनौने अछि, लेबनानसँ देवदारक गाछ लऽ कऽ तोरा लेल मस्तूल बनौने अछि।

सोर के लोगऽ न॑ जहाज बनाबै लेली सेनीर आरू लेबनान के सामग्री के इस्तेमाल करलकै ।

1. एकटा स्मरण जे भगवान हमरा सभक लेल अपन इच्छा पूरा करबाक लेल आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराबैत छथि।

2. परमेश् वरक महिमा लेल एक संग काज करब हुनकर उद्देश्य केँ पूरा करबाक लेल अनिवार्य अछि।

1. यशायाह 54:2 - "अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू, आ ओकरा सभ केँ अपन आवासक पर्दा तानय दियौक। नहि छोड़ू, अपन डोरी केँ नमहर करू आ अपन खंभा केँ मजबूत करू।"

2. नीतिवचन 16:3 - "अपन काज प्रभु पर सौंपि दियौक, तखन अहाँक विचार स्थिर भ' जायत।"

इजकिएल 27:6 बाशानक ओम गाछ सँ अहाँक पाँव बनौने छथि। अशूरी सभक संगत अहाँक चौकी सभ हाथीक दांत सँ बनौने अछि, जे कित्तीम द्वीप सभ सँ बाहर आनल गेल अछि।

बाशानक ओक गाछक उपयोग इजकिएलक लोक सभक लेल पाँवड़ा बनेबा मे होइत छल आ अशूरी सभक दल चित्तीम द्वीप सभ सँ हाथीक दांत सँ अपन बेंच बनबैत छल |

1. परमेश् वरक वफादारी इजकिएलक लोक सभक लेल सामग्रीक प्रावधान मे देखल जाइत अछि।

2. भगवानक प्रबन्धक सौन्दर्य लोकक लेल जे सामग्री उपलब्ध कराओल गेल अछि ताहि मे देखबा मे अबैत अछि।

1. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि। थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 37:3-6 - प्रभु पर भरोसा करू आ नीक करू; भूमि मे रहू आ सुरक्षित चारागाह के आनंद लिय। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा राखू आ ओ ई काज करत: ओ अहाँक धर्म केँ भोर जकाँ चमकाओत, अहाँक काजक न्याय केँ दुपहरक सूर्य जकाँ चमका देत।

इजकिएल 27:7 मिस्र सँ आयल महीन लिनन छल जे अहाँ अपन पाल बनय लेल पसारि देलहुँ। एलीशाक द्वीप सभ सँ नील आ बैंगनी रंगक ओ छल जे अहाँ केँ झाँपि देने छल।

इजकिएल 27:7 मे जहाज के पाल मिस्र के महीन लिनन आ ब्राइडिंग के काज स बनल छल, आ एलीशा द्वीप स नील आ बैंगनी रंग स ढकल छल।

1. हमरा सभक लेल परमेश् वरक प्रावधान: इजकिएल 27:7 क कथा

2. नीतिवचन 22:1: इजकिएल 27:7 सँ लगन केर एकटा पाठ

1. नीतिवचन 22:1 - "बड़का धन सँ नीक नाम चुनल जाय, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

इजकिएल 27:8 सिदोन आ अरवादक निवासी तोहर नाविक छल, हे सोर, जे तोहर मे छल, तोहर बुद्धिमान सभ तोहर पायलट छल।

सिदोन आ अरवादक निवासी सोरसक कुशल आ बुद्धिमान नाविक छलाह |

1: कोनो परिस्थिति मे बुद्धि एकटा बहुमूल्य औजार होइत छैक; हम कतबो कुशल होइ, बुद्धिक खोज करब मोन राखब जरूरी अछि।

2: हमरा सब के अपन जीवन में ओहि लोक के लेल धन्यवाद देबय पड़त जिनका पास हमरा सब के जरूरत के समय में मार्गदर्शन करय के बुद्धि अछि।

1526

1: नीतिवचन 24:3-4 "बुद्धि सँ घर बनैत अछि, आ समझ सँ ओ स्थापित होइत अछि; ज्ञान सँ कोठली सभ अनमोल आ सुखद धन सँ भरल होइत अछि।"

2: याकूब 1:5 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

इजकिएल 27:9 गेबलक प्राचीन लोक आ ओकर ज्ञानी लोक सभ तोहर चक्करदार छल, समुद्रक सभ जहाज अपन नाविक सभक संग तोहर मे छल जे तोहर माल-जाल पर कब्जा क’ सकय।

गेबल के लोग आरो ओकरोॅ ज्ञानी लोग जहाज के कैलक करै में निपुण छेलै, आरो जहाज आरो ओकरोॅ नाविक व्यापारी व्यापार में मदद करै लेली शहर में छेलै।

1. अपन व्यवसाय मे कुशल हेबाक महत्व

2. एक संग काज करबाक मूल्य

1. नीतिवचन 22:29 - "की अहाँ अपन काज मे निपुण आदमी केँ देखैत छी? ओ राजा सभक सामने ठाढ़ रहत; ओ अस्पष्ट लोकक सोझाँ नहि ठाढ़ होयत।"

2. उपदेशक 4:9-12 - "एक सँ दू गोटे नीक अछि किएक त' ओकरा सभ केँ अपन मेहनतिक नीक प्रतिफल भेटैत छैक। किएक त' जँ ओकरा सभ मे सँ कियो खसि पड़त त' केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे जखन अछि तखन खसि पड़ैत अछि।" दोसर नहि जे ओकरा ऊपर उठाबय लेल।ततबे नहि, जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तँ गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि।आ असगर रहला पर जँ कियो हावी भ' सकैत अछि त' दू गोटे ओकर विरोध क' सकैत छथि।तीन तारक डोरी जल्दी नहि फाटि जाइत अछि अलग."

इजकिएल 27:10 फारस, लुद आ फुतक लोक सभ तोहर सेना मे छल, तोहर युद्धकर्मी। ओ सभ तोहर सुन्दरता केँ उजागर करैत छथि।

ई अंश यरूशलेम के सुंदरता के बात करै छै, जेकरा में परमेश् वर के प्रयोजन आरू ओकरो लोग पर सुरक्षा के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै ।

1: परमेश् वरक प्रयोजन यरूशलेम मे प्रगट अछि - भजन 147:2

2: यरूशलेम के सुंदरता - यशायाह 52:1

1: यशायाह 62:1 - हम सियोन के लेल चुप नहि रहब, आ यरूशलेम के लेल हम आराम नहि करब

2: भजन 122:6 - यरूशलेम के शांति के लेल प्रार्थना करू: "जे अहाँ स प्रेम करैत अछि, ओ सुरक्षित रहय।"

इजकिएल 27:11 अहाँक सेनाक संग अरवादक लोक सभ चारू कात अहाँक देबाल पर छल आ गम्मादी सभ अहाँक बुर्ज मे छल। तोहर सौन्दर्य केँ सिद्ध बना देलक।

अरवाद के आदमी आरू ओकरऽ सेना इजकिएल के देवाल के चारो तरफ रक्षात्मक तरीका सें स्थित छेलै। गमादीम टावर सभ मे छल आ ओकर ढाल देबाल पर टांगल छल, जाहि सँ इजकिएलक सौन्दर्य एकदम सही भ' गेल छल।

1. भगवानक रक्षा सिद्ध आ पूर्ण अछि।

2. भगवान् के योजना पर भरोसा करला स बहुत सुंदरता आओत।

1. निर्गमन 14:14 - प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह, आ अहाँ सभ चुप रहब।

2. फिलिप्पियों 4:7 - परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशुक द्वारा अहाँ सभक हृदय आ मन केँ सुरक्षित राखत।

इजकिएल 27:12 सभ तरहक धनक भरमारक कारणेँ तर्शीश अहाँक व्यापारी छल। चानी, लोहा, टीन आ सीसाक संग तोहर मेला मे व्यापार करैत छल।

तरशीशक व्यापारी मेला मे चानी, लोहा, टीन, सीसा सहित अनेक तरहक धनक संग व्यापार करैत छल |

1. हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक प्रचुर प्रावधान।

2. संचालन के महत्व आ अपन संसाधन के बुद्धिमानी स उपयोग।

1. नीतिवचन 11:24-25 केओ मुफ्त मे दैत अछि, तइयो बेसी धनिक होइत अछि; दोसर जे देबाक चाही से रोकैत अछि, आ मात्र अभाव भोगैत अछि। जे आशीर्वाद आनत से समृद्ध होयत, आ जे पानि देत से स्वयं पानि देल जायत।

2. 1 तीमुथियुस 6:17-19 रहल बात एहि वर्तमान युग मे धनिक लोक सभक लेल, हुनका सभ केँ ई आज्ञा दियौन जे ओ घमंडी नहि होथि, आ ने धनक अनिश्चितता पर अपन आशा राखथि, बल् कि परमेश् वर पर, जे हमरा सभ केँ भोग करबाक लेल सभ किछु भरपूर उपलब्ध कराबैत छथि। नीक काज करबाक चाही, नीक काज मे धनी हेबाक चाही, उदार आ बाँटय लेल तैयार रहबाक चाही, एहि तरहेँ भविष्यक लेल नीक नींवक रूप मे अपना लेल खजाना जमा करबाक चाही, जाहि सँ ओ सभ ओहि चीज केँ पकड़ि सकथि जे वास्तव मे जीवन अछि।

इजकिएल 27:13 जेवन, तुबल आ मेशेक, ओ सभ तोहर व्यापारी छल, ओ सभ तोहर बजार मे लोकक आ पीतलक बर्तनक व्यापार करैत छल।

जवान, तुबल आ मेशेक के व्यापारी इजकिएल के बाजार में मनुष्य आ तांबा के बर्तन के व्यापार करैत छल।

1. सुसमाचार के परिवर्तनकारी शक्ति: सुसमाचार मानव तस्करी के मानव स्वतंत्रता में कोना बदलि सकैत अछि

2. लोभक खतरा: लोभक कारण मानव तस्करी सन घृणित काज कोना भ' सकैत अछि

1. मत्ती 25:35-36: "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाएलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।"

2. यशायाह 1:17: "सही काज करब सीखू; न्यायक खोज करू। दबल-कुचलल लोकक रक्षा करू। अनाथक बात उठाउ; विधवाक मुकदमा करू।"

इजकिएल 27:14 तोगरमा घरक लोक सभ तोहर मेला मे घोड़ा, घुड़सवार आ खच्चर सँ व्यापार करैत छल।

एहि अंश मे तोगरमाह इजकिएल के मेला मे घोड़ा, घुड़सवार आ खच्चर के व्यापार के बात करैत अछि |

1. "व्यापारक शक्ति: हम वस्तु आ सेवाक आदान-प्रदान कोना करैत छी"।

2. "घुड़सवारक मूल्य: घुड़सवारी किएक मायने रखैत अछि"।

1. नीतिवचन 14:4, "जतय बैल नहि अछि, ओतय गर्त साफ होइत अछि; मुदा बैल केर बल सँ बहुत वृद्धि होइत अछि।"

2. भजन 32:9, "घोड़ा वा खच्चर जकाँ नहि बनू, जकर कोनो समझ नहि हो, जकरा कटहर आ लगाम सँ रोकल जाय, नहि त' ओ अहाँक लग मे नहि रहत।"

इजकिएल 27:15 देदानक लोक सभ तोहर व्यापारी छल। बहुत रास द्वीप तोहर हाथक माल छल, ओ सभ तोरा हाथीदांत आ आबनूसक सींग उपहारक रूप मे अनने छल।

देदानक लोक सभ इजकिएल सँ हाथीक दांत आ आबनूसक सींगक आदान-प्रदान करैत व्यापार करैत छल।

1. व्यापारक मूल्य: इजकिएल 27:15

2. समुदायक शक्ति: देदान आ इजकिएल एक संग काज करब

1. नीतिवचन 11:14 जतय कोनो सलाह नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा सलाहकारक भीड़ मे सुरक्षित अछि।

2. एस्थेर 9:22 जेना यहूदी सभक शत्रु सभ सँ विश्रामक समय आ ओ मास जे हुनका सभक लेल शोक सँ आनन्द मे बदलि गेल छल, आ शोक सँ नीक दिन मे बदलि गेल छल, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभ केँ भोज आ आनन्दक दिन बनाबय। आ एक-दोसर केँ भाग आ गरीब केँ दान पठेबाक।

इजकिएल 27:16 तोहर बनाओल गेल सामानक भरमारक कारणेँ सीरिया तोहर व्यापारी छल, ओ सभ तोहर मेला मे पन्ना, बैंगनी आ झाड़ीक काज, महीन लिनेन, मूंगा आ सुलेमानक काज मे लागल छल।

सीरियाक लोक इजकिएलक मातृभूमि मे बनल सामानक व्यापारी छल।

1. अपन परिवार के भरण-पोषण के लेल अपन शिल्प के प्रति मेहनत आ समर्पण के महत्व।

2. प्रभु के सृष्टि के सौन्दर्य आ ओकर उपयोग हुनकर नाम के महिमा आनय लेल कोना कयल जा सकैत अछि।

1. नीतिवचन 14:23 - सभ मेहनत मे लाभ होइत छैक, मुदा मात्र गप्प मात्र गरीबी दिस बढ़ैत छैक।

2. भजन 19:1 - आकाश परमेश् वरक महिमाक घोषणा करैत अछि, आ ऊपरक आकाश हुनकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

इजकिएल 27:17 यहूदा आ इस्राएल देश अहाँक व्यापारी छल, अहाँक बजार मे मिन्नीत, पनाग, मधु, तेल आ बामक व्यापार करैत छल।

यहूदा आरू इस्राएल के व्यापारी इजकिएल के बाजार में गहूम, मधु, तेल आरू बाम के व्यापार करै छेलै।

1. अपन समुदाय के सहायता के लेल माल के व्यापार के महत्व

2. व्यवसाय मे ईमानदारी आ ईमानदारी के मूल्य

1. नीतिवचन 11:1 - "झूठा तराजू प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2. मत्ती 25:14-30 - "किएक तँ स् वर्गक राज् य ओहिना अछि जेना कोनो एहन आदमी दूरक देश मे जाइत अछि, जे अपन नोकर सभ केँ बजा कऽ अपन सम् पत्ति ओकरा सभ केँ सौंपलक।"

इजकिएल 27:18 दमिश्क अहाँक बनाओल सामानक भरमार मे, सभ धनक भरमारक कारणेँ अहाँक व्यापारी छल। हेलबोनक मदिरा मे, आ उज्जर ऊन मे।

दमिश्क धनक बदला मे बहुत रास वस्तुक व्यापार करैत छल, खास क' हेलबन सँ निकलल शराब आ उज्जर ऊन मे।

1. व्यापार के मूल्य: माल के आदान-प्रदान हमरा सब के भगवान के कोना नजदीक आनि सकैत अछि।

2. धन के आशीर्वाद: धन के प्रचुरता के उपयोग भगवान के महिमा के लेल कोना कयल जा सकैत अछि।

1. नीतिवचन 11:24-25: "केओ मुफ्त मे दैत अछि, तइयो सभटा धनिक बढ़ैत अछि; दोसर जे देबाक चाही से रोकैत अछि, आ मात्र अभाव भोगैत अछि। जे आशीर्वाद अनत, से समृद्ध होयत, आ पानि देनिहार स्वयं पानि देल जायत।"

2. उपदेशक 5:19: "जेकरो परमेश् वर धन आ धन-दौलत देलनि अछि, आ ओकरा ओहि मे सँ खायबाक अधिकार देलनि अछि, अपन धरोहर केँ ग्रहण करबाक आ अपन परिश्रम मे आनन्दित हेबाक लेल, ई परमेश् वरक वरदान अछि।"

इजकिएल 27:19 दान आ जवान सेहो अहाँक मेला मे एम्हर-ओम्हर घुमैत रहलाह।

इजकिएल 27:19 मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना दान आ जावन क्षेत्रक व्यापारी सोरक बाजार मे व्यापार क’ रहल छल।

1. शहर आ राष्ट्रक निर्माण मे व्यापार आ वाणिज्य के महत्व

2. सार्थक काजक माध्यमे पूर्ति आ उद्देश्यक खोज

1. नीतिवचन 31:16-24 - ओ खेत पर विचार करैत छथि आ ओकरा कीनि लैत छथि; कमाइसँ अंगूरक बाग रोपैत छथि ।

2. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ जनैत छी जे अहाँ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकारक रूप मे भेटत। ओ प्रभु मसीह छथि जकर सेवा अहाँ क' रहल छी।

इजकिएल 27:20 देदान रथक लेल बहुमूल्य वस्त्र पहिरने तोहर व्यापारी छल।

ओहि अंश मे देदान केँ रथक व्यापारीक रूप मे उल्लेख कयल गेल अछि, जे हुनका सभ केँ अनमोल वस्त्र उपलब्ध कराबैत छल |

1. गुणवत्ता आ देखभाल कें साथ उपलब्ध करावा कें महत्व।

2. दोसरक भरण-पोषण करयवला पर भगवान् केर आशीर्वाद।

1. नीतिवचन 22:1 - पैघ धन सँ नीक नाम चुनबाक चाही, आ अनुग्रह चानी वा सोना सँ नीक।

2. यूहन्ना 13:34-35 - हम अहाँ सभ केँ एकटा नव आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू, जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ, तहिना अहाँ सभ सेहो एक-दोसर सँ प्रेम करू। जँ अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करब तँ सभ लोक ई जानि लेत जे अहाँ सभ हमर शिष् य छी।

इजकिएल 27:21 अरब आ केदारक सभ राजकुमार अहाँक संग मेमना, मेढ़ा आ बकरी मे बैसल छल।

एहि अंश मे अरब आ केदारक व्यापारी सभक बात कयल गेल अछि जे बरद, मेमना, मेढ़क आ बकरीक व्यापार करैत छल |

1. दोसरक सेवा करबाक मूल्य: वस्तुक व्यापार कोना संबंध केँ मजबूत क' सकैत अछि।

2. काजक महत्व: अपन परिवारक भरण-पोषणक फल।

1. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।

2. नीतिवचन 22:29 - की अहाँ कोनो आदमी केँ अपन काज मे निपुण देखैत छी? राजा सभक समक्ष ठाढ़ हेताह। ओ अस्पष्ट मनुक्खक सोझाँ ठाढ़ नहि हेताह।

इजकिएल 27:22 शेबा आ रामाक व्यापारी सभ अहाँक व्यापारी छल, ओ सभ अहाँक मेला सभ मे सभ मसाला आ सभटा कीमती पाथर आ सोना सँ काज करैत छल।

शेबा आ रामा सँ व्यापारी सभ इजकिएलक मेला मे व्यापार करैत छल, अपना संग नीक मसाला, कीमती पाथर आ सोना ल' क' अबैत छल।

1. उदारताक मूल्य - भगवान् द्वारा देल गेल वस्तुक संग उदार रहब

2. निष्ठावान व्यापारक शक्ति - जीवनक बाजार मे निष्ठापूर्वक व्यापार करब सीखब।

1. नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि, आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।

2. याकूब 2:15-17 - जँ कोनो भाइ वा बहिन खराब कपड़ा पहिरने छथि आ नित्य भोजनक अभाव छथि, आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका सभ केँ कहैत छथि जे, “शांति सँ जाउ, गरम आ तृप्त रहू, बिना हुनका शरीरक लेल आवश्यक वस्तु देने।” एकर की फायदा?

इजकिएल 27:23 हारान, कनेह आ अदन, शेबा, अशूर आ किलमादक व्यापारी, अहाँक व्यापारी छल।

हारान, कन्ने, अदन, शेबा, अशूर आ किलमादक व्यापारी सभ इजकिएलक लोक सभक संग व्यापार करैत छल।

1. परमेश् वरक प्रोविडेंस: बाइबिल मे लोकक परस्पर जुड़ाव

2. व्यापारक बुद्धि: परस्पर जुड़ावक लाभ

1. प्रेरित सभक काज 17:26-27 - परमेश् वर पृथ् वीक सभ जाति केँ एके खून सँ बनौलनि अछि।

2. नीतिवचन 27:17 - लोहा लोहा केँ तेज करैत अछि, तेँ एक व्यक्ति दोसर केँ तेज करैत अछि।

इजकिएल 27:24 ई सभ अहाँक माल-जाल मे सभ तरहक वस्तु मे, नील रंगक वस्त्र, झाड़ू-बहारक काज मे आ धनिक वस्त्रक संदूक मे, डोरी सँ बान्हल आ देवदार सँ बनल संदूक मे अहाँक व्यापारी छल।

इजकिएल सोर के व्यापारी के वर्णन करै छै, जे कपड़ा, कढ़ाई आरू देवदार सें बान्हलोॅ समृद्ध परिधान के संदूक सहित कई तरह के वस्तु के व्यापार करै छेलै।

1. परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करू: अपन आवश्यकताक लेल परमेश् वर पर भरोसा करब सीखब

2. एकटा व्यापारीक हृदय: हम सभ धन आ सम्पत्ति केँ कोना देखैत छी तकर परीक्षा

1. व्यवस्था 8:18 - मुदा अहाँक परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन राखू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि आ अपन वाचा केँ एहि तरहेँ पुष्ट करैत छथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

2. लूका 12:15 - तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “देखू! सब तरहक लोभ सँ सावधान रहू। जीवन सम्पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक |

इजकिएल 27:25 तर्शीशक नाव सभ तोहर बजार मे तोहर गाबि रहल छल, आ तोँ समुद्रक बीच मे भरि गेलहुँ आ बहुत गौरवशाली भ’ गेलहुँ।

तर्शीश सँ जहाज सभ यरूशलेम शहरक बजार मे महानताक गबैत छल आ समुद्रक बीच मे शहर महिमा सँ भरल छल |

1. हमरा सभक जीवन मे भगवानक उपस्थितिक महिमा

2. परीक्षा के बीच आनन्दित होबय के सीखब

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

1531

2. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ आवाज देलक आ कहलक: पवित्र, पवित्र, पवित्र सेना सभक प्रभु छथि। पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि!

इजकिएल 27:26 तोहर नाव चलाब’ बला सभ तोरा बड़का पानि मे लऽ गेल अछि, पूरबक हवा तोरा समुद्रक बीच मे तोड़ि देलक।

पूब के तेज हवा समुद्र के बीच में एकटा जहाज के तोड़ि देलक अछि।

1. प्रकृति मे भगवान् की शक्ति

2. कठिनाई के बीच प्रतिकूलता पर काबू पाना

1. भजन 107:23-30 - जे जहाज पर समुद्र मे उतरैत छथि, जे पैघ पानि पर व्यापार करैत छथि; ओ सभ प्रभुक काज देखैत छथि, आ हुनकर आश्चर्य गहींर मे।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

इजकिएल 27:27 तोहर धन, तोहर मेला, तोहर व्यापार, तोहर नाविक, आ तोहर पायलट, तोहर कालकर, आ तोहर माल पर कब्जा करनिहार, आ तोहर सभ युद्धकर्मी, जे तोहर आ तोहर समस्त दल मे अछि तोहर बीच मे, तोहर विनाशक दिन समुद्रक बीच मे खसि पड़त।”

सोर शहर केरऽ सब पहलू, जेकरा म॑ ओकरऽ धन, व्यापारी आरू ओकरऽ सैन्य सेना भी शामिल छै, ओकरऽ बर्बादी के दिन समुद्र में गिरी जैतै ।

1. भगवान् के न्याय सब के महसूस होइत छैक, चाहे ओकर धन, हैसियत, या शक्ति कोनो हो।

2. हमरा सभ केँ ई बूझबाक चाही जे हमर सभक जीवन परमेश् वरक हाथ मे अछि, आ हम सभ एखनो हुनकर इच्छाक प्रति कमजोर छी।

1. लूका 12:15 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ सभ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ककरो जीवन ओकर सम् पत्तिक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।

2. भजन 33:16-17 राजा केँ अपन पैघ सेना द्वारा उद्धार नहि भेटैत छनि; योद्धा ओकर पैघ शक्ति सँ मुक्त नहि होइत छैक | युद्ध घोड़ा मोक्षक झूठ आशा अछि, आ अपन पैघ पराक्रम सँ ओ उद्धार नहि क' सकैत अछि ।

इजकिएल 27:28 तोहर पायलट सभक चीत्कार सुनि उपनगर सभ हिलत।

संकट मे पड़ल जहाज के पायलट सब अपन कानब स उपनगर के हिलाबय लागत।

1. भगवान् विपत्ति मे पड़ल लोकक कानब सुनैत छथि।

2. प्रार्थनाक शक्ति दूर-दूर धरि पहुँचि सकैत अछि।

1. भजन 107:23-24 - "जे सभ जहाज मे समुद्र मे उतरैत छथि, जे पैघ पानि मे व्यापार करैत छथि; ओ सभ प्रभुक काज, हुनकर अद्भुत काज गहींर मे देखलनि।"

2. याकूब 5:16 - "तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

इजकिएल 27:29 पाँव चलाब’ बला सभ, नाविक आ समुद्रक सभ चालक, अपन जहाज सँ उतरि क’ जमीन पर ठाढ़ भ’ जेताह।

एहि अंश मे नाविक लोकनिक जहाज सँ उतरि जमीन पर ठाढ़ हेबाक बात कयल गेल अछि |

1532

1. "भूमिक ताकत: अस्थिर समय मे स्थिरता ताकब"।

2. "खोज के यात्रा: अपन जीवन के गहराई के खोज"।

1. भजन 107:23-24 - "किछु लोक जहाज पर समुद्र पर निकलल; ओ सभ पराक्रमी पानि पर व्यापारी छल। ओ सभ प्रभुक काज, ओकर अद्भुत काज गहींर मे देखलक।"

2. मरकुस 4:35-41 - "ओहि दिन साँझ भेला पर ओ अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "आउ, ओहि पार चलि जाउ। भीड़ केँ छोड़ि ओ सभ हुनका नाव मे जेना छल।" हुनका संग आन नाव सेहो छल।एकटा उग्र तूफान आबि गेल, आ लहरि नाव पर टूटि गेल, जाहि सँ ओ दलदल मे पड़ि गेल।यीशु नावक पाछु मे, कुशन पर सुतल छलाह।शिष्य सभ हुनका जगौलनि आ हुनका कहलथिन, “गुरु।” , अहाँकेँ कोनो मतलब नहि जे हम सभ डूबि जायब? ओ उठि हवाकेँ डाँटि लहरिकेँ कहलक, चुप रहू! शान्त रहू! तखन हवा मरि गेल आ एकदम शान्त भ ’ गेल ।"

इजकिएल 27:30 ओ सभ अहाँक विरुद्ध हुनका सभक आवाज सुनौताह, आ कटु चिचियाओत आ माथ पर धूरा फेकत, ओ सभ राख मे लहराओत।

सोरक लोक सभ केँ माथ पर धूरा फेकि कऽ कटु चिचियाहटि आ छाउर मे लहराइत शोक करबाक अछि।

1. शोक के शक्ति: कोना छोड़ल जाय आ चंगाई कोना भेटत

2. अपन पीड़ा मे भगवानक न्याय केँ चिन्हब

1. भजन 34:18 प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार दैत छथि।

2. विलाप 3:21-23 मुदा हम ई बात मोन पाड़ैत छी, तेँ हमरा आशा अछि जे प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि। ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

इजकिएल 27:31 ओ सभ अहाँक लेल अपना केँ एकदम गंजा बना लेत, आ ओकरा सभ केँ बोरा पहिरि लेत, आ ओ सभ अहाँक लेल कटु हृदय आ कटु विलाप सँ कानत।

लोक इजकिएल के प्रति अपन दुख अपन माथ मुंडन क', बोरा पहिरि क' आ ओकर कटु शोक क' क' व्यक्त करत।

1. शोक के शक्ति: अपन गहींर दुख के कोना चिन्हल जाय आ व्यक्त कयल जाय

2. शोकक आशीर्वाद: अपन कमजोरी मे ताकत कोना भेटत

1. यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करयवला केँ सान्त्वना देब, ओकरा राखक बदला सौन्दर्य देब, शोकक बदला आनन्दक तेल, भारीपनक आत्माक स्तुतिक वस्त्र देब; जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ हुनकर महिमा हो।

2. भजन 30:5 - कानब एक राति धरि टिक सकैत अछि, मुदा आनन्द भोरे-भोर अबैत अछि।

इजकिएल 27:32 ओ सभ अपन विलाप मे अहाँक लेल विलाप करत आ अहाँ पर विलाप करत जे, “कोन शहर सोर जकाँ अछि, समुद्रक बीच मे नष्ट भेल लोक जकाँ?

इजकिएल केरऽ ई अंश सोर केरऽ विनाश आरू आसपास के राष्ट्रऽ द्वारा ओकरऽ विलाप के बात करै छै ।

1. राष्ट्रक विलाप: जीवनक विपत्तिक प्रतिक्रिया कोना देल जाय

2. विलापक शक्ति: हानि आ शोकक सामना कोना कयल जाय

1. याकूब 4:13-15 - तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक।

2. भजन 30:11 - अहाँ हमरा लेल हमर शोक केँ नाच मे बदलि देलहुँ; अहाँ हमर बोरा ढीला कए हमरा खुशीक वस्त्र पहिरा देलहुँ।

इजकिएल 27:33 जखन अहाँक माल समुद्र सँ बाहर निकलल तखन अहाँ बहुत लोक केँ भरि देलियैक।
अहाँ अपन धन-दौलत आ अपन माल-जाल सँ पृथ् वीक राजा सभ केँ समृद्ध केलहुँ।

इजकिएल समुद्र सँ निकालल गेल सामानक प्रचुरताक गप्प करैत छथि, जे पृथ्वीक राजा सभ केँ बहुत धन सँ समृद्ध कयलनि।

1. प्रचुरता के शक्ति - भगवान के धन आ समृद्धि सब लोक के कोना आशीर्वाद द सकैत अछि।

2. पृथ्वीक धन - संसारक धनक उपयोग कोना भगवानक महिमा अनबाक लेल कयल जा सकैत अछि |

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि।

2. व्यवस्था 8:18 - अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ पुष्ट करथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

इजकिएल 27:34 जाहि समय मे अहाँ पानिक गहींर मे समुद्र द्वारा तोड़ि देब तखन अहाँक माल-जाल आ अहाँक बीच मे अहाँक समस्त दल खसि पड़त।

अंश एकटा एहन समयक गप्प करैत अछि जखन समुद्र टूटि जायत आ ओकर बीचक लोक खसि पड़त।

1. विपत्तिक समय मे भगवानक प्रेम आ दया

2. विश्वास के माध्यम स प्रतिकूलता स उबरब

1. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

इजकिएल 27:35 द्वीप सभक सभ निवासी तोरा देखि आश्चर्यचकित भ’ जेताह, आ ओकर राजा सभ बहुत भयभीत भ’ जेताह, ओ सभ अपन चेहरा पर चकित भ’ जेताह।

परमेश् वरक महान सामर्थ् य देखि सभ जाति चकित भऽ जायत आ राजा सभ भय सँ भरल रहत।

1. भगवानक अप्रतिम शक्ति केँ चिन्हब

2. सब बात मे भगवान् के प्रति आदर आ सम्मान

1. भजन 33:8 - सभ पृथ् वी प्रभु सँ भयभीत रहय, संसारक सभ निवासी हुनका पर भयभीत भ’ क’ ठाढ़ रहथि।

2. यशायाह 64:3 - जखन अहाँ भयावह काज केलहुँ जकर हम सभ नहि ताकि रहल छलहुँ, तखन अहाँ नीचाँ उतरलहुँ, अहाँक सोझाँ पहाड़ सभ बहैत छल।

इजकिएल 27:36 लोकक बीचक व्यापारी सभ अहाँ पर सिसकी मारत। अहाँ आतंकित होयब, आ आब कहियो नहि रहब।
1534

लोक सोर राष्ट्रक तिरस्कार मे सिसकी मारत, आ ई आतंक बनि जायत, फेर कहियो नहि उठत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा सत्य अछि: इजकिएल 27:36 क अध्ययन

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 27:36 के अध्ययन

1. यशायाह 23:9 - "सेना सभक प्रभु ई योजना बनौने छथि जे सभ महिमाक घमंड केँ दाग लगाबथि आ पृथ् वीक सभ आदरणीय लोक केँ तिरस्कृत करथि।"

2. इब्रानी 10:31 - "जीबैत परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।"

इजकिएल अध्याय २८ मे सोर के राजा आरू ओकरऽ पीछू के आध्यात्मिक शक्ति के खिलाफ भविष्यवाणी छै, जेकरऽ व्याख्या अक्सर शैतान के संदर्भ म॑ करलऽ जाय छै । अध्याय में राजा के अभिमान, अहंकार, आ आत्मदेवीकरण, आरू ओकरा पर जे परिणाम होतै, ओकरा संबोधित करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत सोर के राजा के खिलाफ भविष्यवाणी स॑ होय छै, जेकरा खुद क॑ देवता मान॑ वाला आरू ईश्वरीय बुद्धि के दावा करै वाला के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ राजा पर ओकर घमंड आ अहंकारक कारणेँ न्याय आनताह (इजकिएल 28:1-10)।

2 पैराग्राफ: भविष्यवाणी सोर के राजा के पाछू के आध्यात्मिक शक्ति के संबोधित करै लेली शिफ्ट होय जाय छै, जेकरऽ व्याख्या अक्सर शैतान के संदर्भ में करलऽ जाय छै। एहि जीव के रक्षक करुब के रूप में वर्णित कयल गेल अछि, जे शुरू में सिद्ध बनल छल मुदा घमंड स भ्रष्ट भ गेल अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ एहि जीव केँ नीचाँ फेकि देताह आ ओकरा पर विनाश अनताह (इजकिएल 28:11-19)।

3 पैराग्राफ: अध्याय के समापन आशा के संदेश के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश्वर इस्राएल के पुनर्स्थापित करै के वादा करै छै आरू भविष्य में ओकरा आशीर्वाद दै छै। ई बहाली के विपरीत न्याय के साथ छै जे सोर पर आबै वाला छै, जेकरा म॑ परमेश्वर के अपनऽ लोगऽ के प्रति वफादारी पर जोर देलऽ गेलऽ छै (यहेजकेल २८:२०-२६)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अट्ठाईस अध्याय मे अछि
सोर के राजा के विरुद्ध भविष्यवाणी,
ओकर घमंड केँ संबोधित करैत, आ ओकर पाछूक आध्यात्मिक शक्ति केँ।

सोर के राजा के अभिमान आ आत्मदेवता के लेल भविष्यवाणी।
राजा के पाछू के आध्यात्मिक शक्ति के संबोधित करना, जेकरऽ व्याख्या अक्सर शैतान के संदर्भ में करलऽ जाय छै ।
राजा आ आध्यात्मिक शक्ति पर न्याय आ विनाशक घोषणा।
इजरायल के भविष्य के बहाली आरू आशीर्वाद के लेलऽ आशा के संदेश ।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ सोर केरऽ राजा के खिलाफ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ओकरऽ घमंड, अहंकार आरू आत्मदेवता के बारे म॑ कहलऽ गेलऽ छै । अध्याय के शुरुआत राजा के खिलाफ भविष्यवाणी स॑ होय छै, जेकरा म॑ खुद क॑ देवता मान॑ वाला आरू दिव्य बुद्धि के दावा करै वाला के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै । भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ राजा पर ओकर घमंड आ अहंकार के लेल न्याय आनि देताह | तखन भविष्यवाणी राजा के पाछू के आध्यात्मिक शक्ति के संबोधित करै लेली शिफ्ट होय जाय छै, जेकरऽ व्याख्या अक्सर शैतान के संदर्भ में करलऽ जाय छै । एहि जीव के रक्षक करुब के रूप में वर्णित कयल गेल अछि, जे शुरू में सिद्ध बनल छल मुदा घमंड स भ्रष्ट भ गेल अछि | भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ एहि जीव केँ नीचाँ फेकि देताह आ ओकरा पर विनाश अनताह | अध्याय के समापन आशा के संदेश के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश् वर इस्राएल कॅ पुनर्स्थापित करै के वादा करै छै आरू भविष्य में ओकरा आशीर्वाद दै छै। ई बहाली के विपरीत सोर पर जे न्याय होतै, ओकरा में परमेश् वर के अपनऽ लोगऽ के प्रति वफादारी पर जोर देलऽ गेलऽ छै । अध्याय में सोर के राजा के गौरव आरू ओकरऽ पीछू के आध्यात्मिक शक्ति के बारे में संबोधित करलऽ गेलऽ छै, आरू ओकरा में न्याय के चेतावनी आरू पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा दोनों छै।

इजकिएल 28:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

प्रभु इजकिएल सँ एकटा संदेशक विषय मे बात करैत छथि।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व।

2. परमेश् वरक संदेशक शक्ति।

1. यूहन्ना 15:17 "जँ अहाँ हमर आज्ञाक पालन करब तँ हमर प्रेम मे रहब।"

2. याकूब 1:19-20 "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।"

इजकिएल 28:2 मनुष्यक पुत्र, सोरक राजकुमार केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, तोहर हृदय उठल अछि, आ अहाँ कहलहुँ जे, हम परमेश् वर छी, हम परमेश् वरक आसन मे, समुद्रक बीच मे बैसल छी। तैयो अहाँ मनुष् य छी, परमेश् वर नहि, यद्यपि अहाँ अपन हृदय केँ परमेश् वरक हृदयक रूप मे राखि दैत छी।

प्रभु भगवान सोर के राजकुमार के आज्ञा द॑ रहलऽ छै कि ई याद रखै कि, ओकरऽ घमंड के बावजूद, वू खाली मनुष्य छै, भगवान नै ।

1. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

2. केवल भगवान् स्तुति के पात्र छथि

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. भजन 115:1 - हे प्रभु, हमरा सभ केँ नहि, हमरा सभ केँ नहि, बल् कि अपन दया आ अपन सत्यक लेल अपन नाम केँ महिमा दिअ।

इजकिएल 28:3 देखू, अहाँ दानियल सँ बेसी बुद्धिमान छी। कोनो रहस्य नहि जे ओ सभ अहाँ सँ नुका सकैत छथि।

प्रभु घोषणा करै छै कि संबोधित व्यक्ति दानियल स॑ भी बुद्धिमान छै, आरू ओकरा सिनी स॑ कोय रहस्य छिपा नै सकै छै ।

1. प्रभुक नजरि मे बुद्धि

2. ज्ञानक शक्ति

1. नीतिवचन 16:16 - सोना सँ कतेक नीक बुद्धि भेटब! समझ प्राप्त करब चानी स बेसी चुनब अछि।

2. नीतिवचन 2:1-5 - हमर बेटा, जँ अहाँ हमर वचन ग्रहण करैत छी आ हमर आज्ञा सभ केँ अपना संग राखि दैत छी, अपन कान केँ बुद्धि दिस बढ़बैत छी आ अपन मोन केँ बुझबाक दिस झुकाबैत छी। हँ, जँ अहाँ अंतर्दृष्टि लेल आवाज उठाउ आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी, जँ चानी जकाँ ओकरा खोजब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब, तखन अहाँ प्रभुक भय केँ बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।

इजकिएल 28:4 अपन बुद्धि आ बुद्धि सँ अहाँ केँ धन-सम्पत्ति भेटल अछि, आ सोना-चानी केँ अपन खजाना मे जमा कयल गेल अछि।

इजकिएल चेतावनी दै छै कि कोय भी धन के कारण बहुत घमंडी आरू अति आत्मविश्वासी होय के खतरा छै।

1: परमेश् वर जे धन दैत छथि, ताहि सँ हमरा सभ केँ विनम्र होबाक चाही, आ घमंड केँ हमरा सभ केँ भस्म नहि होमय देबाक चाही।

2: भगवान् हमरा सभ केँ वरदान दैत छथि, मुदा एहि सभक उपयोग अपना केँ गुमराह करबाक लेल नहि करबाक चाही जे हम सभ हुनका सँ ऊपर छी।

1: नीतिवचन 16:18 घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने जाइत अछि।

2: याकूब 4:10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

इजकिएल 28:5 अपन पैघ बुद्धि आ व्यापारिक कारणेँ अहाँ अपन धन बढ़ेलहुँ आ अहाँक धनक कारणेँ अहाँक हृदय उठल अछि।

बहुत बुद्धि आरू व्यापारिक सफलता के माध्यम स॑ इजकिएल २८:५ म॑ देलऽ गेलऽ व्यक्ति केरऽ धन बढ़ी गेलऽ छै आरू ओकरऽ घमंड बढ़ी गेलऽ छै ।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि: इजकिएल 28:5 स सबक

2. बुद्धिक आशीर्वाद: इजकिएल 28:5 मे परमेश्वरक आशीर्वाद

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

इजकिएल 28:6 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, अहाँ अपन हृदय केँ परमेश् वरक हृदयक रूप मे राखि देलहुँ।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि व्यक्ति के दिल परमेश् वर के दिल के रूप में सेट होय के कारण ओकरा न्याय के सामना करना पड़तै ।

1. घमंड आ अहंकार के लेल भगवान के न्याय

2. अपन हृदय मे विनम्रताक आवश्यकता

1. नीतिवचन 16:18-19 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत् मा। नीच लोकक संग नम्रता सँ नीक होयत, लूट केँ घमंडी लोकक संग बाँटि देब।"

2. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

इजकिएल 28:7 देखू, हम अहाँ पर परदेशी सभ केँ, जाति सभक भयावह लोक केँ, आनि देब, आ ओ सभ अहाँक बुद्धिक सौन्दर्यक विरुद्ध अपन तलवार खींचत आ अहाँक चमक केँ अशुद्ध करत।

भगवान चेताबैत छथि जे बुद्धि आ सौन्दर्यक दुश्मन आबि ओकरा अपवित्र क' देत।

1. भगवानक चेतावनी: बुद्धि आ सौन्दर्यक दुश्मन आओत

2. बुद्धिक सौन्दर्य आ ओकर रक्षा कोना कयल जाय

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओकरा परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई हुनका देल जायत।

2. भजन 27:4 - हम प्रभु सँ एकटा बात माँगैत छी जे हम ई चाहैत छी जे हम अपन जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब, प्रभुक सौन्दर्य केँ देखैत रहब आ हुनका तकब अपन मंदिर मे।

इजकिएल 28:8 ओ सभ तोरा गड्ढा मे उतारत आ समुद्रक बीच मे मारल गेल लोकक मृत्युक बाद मरब।

इजकिएल 28:8 परमेश् वरक विरुद्ध पाप केनिहार सभक परिणामक बात करैत अछि जे ओकरा सभ केँ गड्ढा मे उतारल जायत आ समुद्रक बीच मे मारल गेल लोकक मृत्युक संग मरि जायत।

1. पापक परिणाम - जखन हम भगवानक आज्ञा नहि मानैत छी तखन की होइत अछि

2. मृत्युक गड्ढा - भगवान् सँ मुँह मोड़बाक अंतिम परिणाम

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप हुनकर मुँह अहाँ सभ सँ नुका देने अछि जाहि सँ ओ नहि सुनैत अछि।

इजकिएल 28:9 की अहाँ एखनो ओहि लोकक समक्ष कहब जे अहाँ केँ मारि दैत अछि, “हम परमेश् वर छी?” मुदा अहाँ मनुख बनब आ कोनो परमेश् वर नहि, जे अहाँ केँ मारय बला हाथ मे अछि।”

इजकिएल 28:9 के अंश घमंड के खतरा आरू परमेश्वर के दावा करै के परिणाम के बारे में बात करै छै जबे कि कोय नै छै।

1. "अहंकार के खतरा - इजकिएल 28:9 पर एकटा चिंतन"।

2. "झूठा घमंड के भ्रमात्मक शक्ति - इजकिएल 28:9 के अध्ययन"।

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. रोमियो 12:3 - किएक तँ हमरा देल गेल अनुग्रह सँ हम अहाँ सभ मे सँ सभ केँ कहैत छी जे अपना केँ ओहि सँ बेसी ऊँच नहि बुझू, बल् कि एक-एक गोटे केँ परमेश् वरक विश् वासक नाप पर, सोझ-विचार सँ सोचू असाइन कयल गेल।

इजकिएल 28:10 अहाँ परदेशी सभक हाथ सँ खतना नहि कयल गेल लोकक मृत्युक संग मरब, कारण हम ई बात कहलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर इजकिएल के माध्यम सँ बजै छै कि जे खतना नै छै, ओकरा लेली परदेशी सिनी के हाथोॅ मौत के बारे में चेतावनी दै छै।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स कोना फल भेटैत अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: परमेश् वरक वचनक पालन नहि करबाक परिणामक सामना करब

1. व्यवस्था 30:19 - हम आइ आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही देबय लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान जीबि सकब।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 28:11 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

परमेश् वर इजकिएल सँ सोर के राजा के पतन के बारे में बात करलकै, जे एगो घमंडी आरू धनी आदमी छेलै।

1: घमंड खसबा स पहिने अबैत अछि।

2: भगवान् घमंडी केँ विनम्र करैत छथि।

1: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

इजकिएल 28:12 मनुष्यक बेटा, सोरक राजा पर विलाप करू आ हुनका कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ योग पर मोहर लगा दैत छी, बुद्धि सँ भरल आ सौन्दर्य मे सिद्ध।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल केँ कहैत छथि जे सोरक राजाक विलाप करथि, हुनकर प्रशंसा करैत छथि जे ओ बुद्धि आ सौन्दर्य सँ भरल छथि।

1. "बुद्धि आ सौन्दर्यक विशेषता"।

2. "विलाप के शक्ति"।

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि।

2. नीतिवचन 8:12-13 - हम बुद्धि, विवेकक संग रहैत छी। हमरा मे ज्ञान आ विवेक अछि। प्रभु सँ डरब बुराई सँ घृणा करब थिक; हमरा घमंडी अहंकार, दुष्ट व्यवहार आ विकृत वाणी स घृणा अछि।

इजकिएल 28:13 अहाँ परमेश् वरक बगीचा अदन मे रहलहुँ। हर कीमती पाथर तोहर आवरण छल, सार्डियस, पुखराज आ हीरा, बेरिल, गोमेद आ यास्पर, नीलम, पन्ना, कार्बंकल आ सोना जाहि दिन तोहर सृष्टि भेलौह, तहिया तोरा मे।

इजकिएल 28:13 अदन के बगीचा के सुंदरता के बारे में बात करै छै।

1. हमरा सभ केँ संसार मे सौंदर्य ताकबाक प्रयास करबाक चाही जेना परमेश् वर अदन बगीचा मे केने छलाह।

2. भगवानक सृष्टि के प्रति श्रद्धा देखाबय पड़त, हुनकर बनाओल संसार के सुंदरता के सराहना क' क'।

1. उत्पत्ति 2:8-9 - परमेश् वर परमेश् वर अदन मे पूरब दिस एकटा बगीचा लगौलनि। ओतहि ओहि आदमी केँ राखि देलनि, जकरा ओ बनौने छलाह। परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर सभ ओहि गाछ सभ केँ उगा देलनि जे देखबा मे नीक आ भोजनक लेल नीक अछि। गाछी के बीच में जीवन के गाछ आ नीक-बेजाय के ज्ञान के गाछ।

2. भजन 19:1 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आ आकाश ओकर हाथक काज देखाबैत अछि।

इजकिएल 28:14 अहाँ अभिषिक्त करुब छी जे झाँपैत अछि। हम तोरा एना राखि देलहुँ, अहाँ परमेश् वरक पवित्र पहाड़ पर छलहुँ। आगिक पाथरक बीच मे ऊपर-नीचाँ चललहुँ।

परमेश् वर इजकिएल केँ अपन पवित्र पहाड़क रक्षा आ ढकबाक लेल अभिषिक्त करुबक रूप मे नियुक्त कयलनि।

1. भगवान् हमरा सभ मे सँ प्रत्येक के लेल एकटा विशेष योजना रखैत छथि।

2. भगवान् पर विश्वासक शक्ति हमरा सभ केँ किछु सुन्दर चीज मे बदलि सकैत अछि।

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 91:11 - किएक तँ ओ अहाँक सभ बाट मे अहाँक रक्षा करबाक लेल अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन।

इजकिएल 28:15 अहाँ जहिया सँ सृष्टि भेलहुँ, ताबत धरि अहाँ अपन मार्ग मे सिद्ध छलहुँ, जाबत अहाँ मे अधर्म नहि भेटल।

भगवान् मनुष्य केँ सिद्ध बनौलनि, मुदा मनुष्य अधर्म केँ घुसय देलनि।

1: पाप परमेश् वरक नजरि मे अहाँक सिद्धता नहि छीनय दियौक।

2: हमरा सब के अपन भगवान् द्वारा देल गेल सिद्धता के कायम रखबाक प्रयास करबाक चाही।

1: याकूब 1:13-15 - जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी, किएक तँ परमेश् वर अधलाहक परीक्षा नहि देल जा सकैत अछि आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत अछि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित होइत अछि । तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि |

2: रोमियो 3:23-25 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ वंचित भऽ गेल छथि, आ हुनकर कृपा द्वारा मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, हुनका द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छथि खून, विश्वास द्वारा प्राप्त करबाक लेल।

इजकिएल 28:16 तोहर माल-जालक भीड़ सँ ओ सभ तोहर बीच हिंसा सँ भरि देलक आ अहाँ पाप कयलहुँ, तेँ हम अहाँ केँ परमेश् वरक पहाड़ सँ अशुद्ध जकाँ फेकि देब आगि के पाथर के बीच।

परमेश् वर लोकक बीच मे हिंसाक निन्दा करैत छथि आ परमेश् वरक पहाड़ सँ झाँपने करुब केँ बाहर निकालि दैत छथि।

1. पापक परिणाम

2. पश्चाताप के शक्ति

1. याकूब 4:17 - तेँ जे सही काज जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

इजकिएल 28:17 तोहर सौन्दर्यक कारणेँ तोहर हृदय उठल छल, तोँ अपन चमकक कारणेँ अपन बुद्धि केँ नष्ट कऽ देलहुँ, हम तोरा जमीन पर फेकि देब, राजा सभक सोझाँ राखब जाहि सँ ओ सभ तोरा देखथि।

जे अपन सुन्दरता आ बुद्धि के कारण घमंडी भ जाइत छथि हुनका लेल भगवान के चेतावनी।

1: घमंड गिरला स पहिने अबैत अछि

2: अहंकार के खतरा

1: याकूब 4:6 "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2: नीतिवचन 16:18 "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने जाइत अछि।"

इजकिएल 28:18 अहाँ अपन अधर्मक बहुतायत सँ, अपन कारोबारक अधर्म सँ अपन पवित्र स्थान केँ अशुद्ध कयलहुँ। तेँ हम अहाँक बीच सँ आगि निकालब, ओ अहाँ केँ भस्म क' देत, आ अहाँ केँ देखनिहार सभ लोकक नजरि मे अहाँ केँ पृथ्वी पर राखि देब।

परमेश् वर चेताबैत छथि जे पाप आ अधर्मक भीड़ भीतर सँ आगि आनि पापी केँ भस्म कऽ देत, सभक नजरि मे ओकरा राख मे बदलि देत।

1. पाप के परिणाम: इजकिएल 28:18 के अध्ययन

1540

2. भीतरक आगि: विश्वासक माध्यमे प्रलोभन पर काबू पाबब

1. याकूब 1:14-15 "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन दुष्ट इच्छा सँ घसीटल आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भधारण के बाद पाप के जन्म दैत अछि; आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि। मृत्यु के जन्म दैत अछि।"

2. 1 पत्रुस 4:17-19 "किएक तँ जे समय गैर-यहूदी सभ चाहैत अछि, से करबाक लेल काफी अछि, कामुकता, राग, नशा, नंगा नाच, शराब पीबय आ अनियमित मूर्तिपूजा मे जीबय लेल। एहि बातक संबंध मे ओ सभ आश्चर्यचकित भ' जाइत छथि।" जखन अहाँ हुनका सभक संग ओहि व्यभिचारक बाढ़ि मे नहि जायब, आ ओ सभ अहाँ सभक बदनामी करत, मुदा ओ सभ ओहि लोकक हिसाब देत जे जीवित आ मृतकक न्याय करबाक लेल तैयार अछि।”

इजकिएल 28:19 लोक मे जे सभ अहाँ केँ चिन्हैत अछि, से सभ अहाँ पर आश्चर्यचकित होयत।

परमेश् वरक चेतावनी आ न्याय सभ चीज पर हुनकर शक्ति आ अधिकारक स्मरण कराबैत अछि।

1. प्रभु नियंत्रण मे छथि: इजकिएल 28:19

2. परमेश् वरक वचन सत्य अछि: इजकिएल 28:19

1. यशायाह 8:13-14 - "सेना सभक परमेश् वर केँ पवित्र करू; आ ओ अहाँक भय बनय, आ ओ अहाँक भयावह बनय। ओ पवित्र स्थानक लेल होयत; मुदा ठोकरक पाथर आ चट्टानक रूप मे।" इस्राएल के दुनु घराना के अपराध, यरूशलेम के निवासी के लेलऽ एक जिन आरू जाल के लेलऽ।”

2. निर्गमन 15:11 - "हे प्रभु, देवता सभ मे अहाँक सदृश के अछि? अहाँक समान के अछि, पवित्रता मे महिमावान, स्तुति मे भयभीत आ आश्चर्य करैत अछि?"

इजकिएल 28:20 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ संदेश देबाक लेल गप्प करैत छथि।

1. प्रभु हमरा सभसँ सदिखन बाजि रहल छथि

2. प्रभुक वचन सुनब

1. यशायाह 55:11, "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हम चाहैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

2. रोमियो 10:17, "एहि तरहेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन सँ अबैत अछि।"

इजकिएल 28:21 मनुष्यक पुत्र, सिदोनक विरुद्ध मुँह राखू आ ओकर विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

प्रभु इजकिएल के सिदोन के खिलाफ भविष्यवाणी करै के आज्ञा दै छै।

1: सावधान रहू: पापक परिणाम

2: भगवान न्यायी छथि: ओ पापक न्याय करताह

1: यिर्मयाह 18:7-10

2: आमोस 3:6-12

इजकिएल 28:22 आ कहब जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे सिदोन, देखू, हम अहाँक विरोध मे छी। अहाँक बीच मे हम महिमामंडित होयब, तखन ओ सभ बुझत जे हम परमेश् वर छी, जखन हम ओकरा पर न् याय करब आ ओकरा मे पवित्र भऽ जायब।”
1541

परमेश् वर सिदोन शहर के प्रति अपनऽ विरोध के घोषणा करै छै, आरू ओकरा पर न्याय आरू महिमा लाबै के प्रतिज्ञा करै छै, ताकि सब क॑ पता चल॑ सक॑ कि हुनी प्रभु छै ।

1. न्याय मे परमेश् वरक महिमा: परमेश् वरक क्रोधक उद्देश्य केँ बुझब

2. परमेश् वरक अपन वाचाक प्रति निष्ठा: हम सभ कोना जानि सकैत छी जे प्रभु नीक छथि

२ दया, जेकरा ओ पहिने सँ महिमा लेल तैयार क' लेने छथि

2. व्यवस्था 7:7-9 - ई एहि लेल नहि जे अहाँ सभक संख्या आन लोक सँ बेसी छल जे परमेश् वर अहाँ सभ पर अपन प्रेम रखलनि आ अहाँ सभ केँ चुनलनि, किएक तँ अहाँ सभ जाति मे सभ सँ कम छलहुँ, मुदा ई एहि लेल जे प्रभु प्रेम करैत छथि अहाँ सभ आ ओहि शपथ केँ पूरा कऽ रहल छी जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह जे परमेश् वर अहाँ सभ केँ बलशाली हाथ सँ बाहर निकालि कऽ मिस्रक राजा फिरौनक हाथ सँ गुलामीक घर सँ मुक्त कऽ देलनि।

इजकिएल 28:23 हम ओकरा महामारी आ ओकर गली मे खून पठा देब। घायल लोकक न् याय ओकरा बीच मे चारू कात तलवार सँ कयल जायत। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर कोनो दुष्ट राष्ट्र केँ मृत्यु आ विनाशक सजा देताह।

1. दुष्टता आ अवज्ञाक परिणाम

2. राष्ट्र पर भगवानक शक्ति

1. उत्पत्ति 15:13-16 - परमेश् वरक वाचा अब्राहम सँ हुनकर वंशजक विषय मे

2. लेवीय 26:14-17 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे आज्ञा नहि मानला केँ दंडित करत आ आज्ञापालन केँ पुरस्कृत करत

इजकिएल 28:24 इस्राएलक घराना मे आब कोनो चुभन करयवला काँट नहि होयत आ ने ओकर चारूकातक सभ लोकक कोनो दुखद काँट होयत जे ओकरा तुच्छ बुझलक। ओ सभ ई जानि लेत जे हम प्रभु परमेश् वर छी।

भगवान् अपन लोक के नुकसान स बचा लेताह आ जिनका संग दुर्व्यवहार भेल अछि हुनका सही ठहराओल जायत।

1: परमेश् वरक रक्षा: आस्थावान सभक लेल एकटा आराम

2: अस्वीकृति पर काबू पाब आ परमेश् वर मे मोक्ष पाब

1: भजन 91:4 - "ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँ अपन पाँखिक नीचाँ भरोसा करब। ओकर सत्य अहाँक ढाल आ बकरी होयत।"

2: यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोहर संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम तोहर परमेश् वर छी। हम तोरा बल देबौक। हँ, हम तोहर सहायता करब। हँ, हम तोहर दहिना हाथ सँ सहारा लेब।" हमर धर्मक।”

इजकिएल 28:25 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जखन हम इस्राएलक वंशज केँ ओहि लोक सभ मे सँ जुटा लेब, जकरा मे ओ सभ छिड़ियाएल अछि आ ओकरा सभ मे पवित्र कयल जायत, तखन ओ सभ अपन देश मे रहत जे हम अपन सेवक याकूब केँ देने छी।

परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ पवित्र करताह, आ ओ सभ ओहि देश मे रहय मे सक्षम हेताह जकर प्रतिज्ञा ओ याकूब सँ केने छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा वफादार अछि - इजकिएल 28:25

2. परमेश् वरक पवित्र करबाक शक्ति - इजकिएल 28:25

1. यिर्मयाह 32:44 - पाइ सँ कीनल खेत, हमर सोझाँ मे मुहर लगाओल गेल, यहूदाक नगर सभ मे आ यरूशलेमक गली मे गवाही देल गेल, कारण हम हुनकर सभक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करब।

2. लेवीय 26:10 - अहाँ केँ ओहि देश मे रहय पड़त जे हम अहाँक पूर्वज केँ देने छलहुँ; अहाँ सभ हमर प्रजा बनब आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।

इजकिएल 28:26 ओ सभ ओहि मे सुरक्षित रहत आ घर बनाओत आ अंगूरक बाग लगाओत। हँ, ओ सभ विश्वासक संग रहताह, जखन हम हुनका सभक चारूकात हुनका सभ केँ तिरस्कार करयवला सभ पर न्याय करब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम हुनका सभक परमेश् वर परमेश् वर छी।”

परमेश् वर ई सुनिश्चित करताह जे हुनकर लोक अपन भूमि मे सुरक्षित आ सुरक्षित रहथि, आ हुनकर शत्रु सभक न्याय तखन होयत जखन ओ परमेश् वर पर भरोसा क' क' रहताह।

1. भगवान् हमर सभक रक्षक छथि, आ ओ हमरा सभ केँ कहियो असफल नहि करताह।

2. परमेश् वरक निर्णय पर भरोसा करू आ हुनका पर भरोसा करू, आ ओ सुरक्षा आ सुरक्षा अनताह।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 27:1 - "प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरा सँ डरब?"

इजकिएल अध्याय २९ मे मिस्र के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी अछि, जे एकटा शक्तिशाली राष्ट्र छल जे इस्राएल पर अत्याचार आ दुर्व्यवहार केने छल। अध्याय मिस्र पर परमेश्वर के न्याय, देश पर जे उजाड़ होतै, आरू मिस्र के पतन के विपरीत इस्राएल के पुनर्स्थापन पर जोर दै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मिस्र के शासक फिरौन के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ होय छै, जेकरा में घोषणा करलऽ गेलऽ छै कि परमेश् वर ओकरा आरू राष्ट्र पर न्याय आबै वाला छै। मिस्र क॑ ओकरऽ नदी के बीच म॑ एगो बड़ऽ राक्षस के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, आरू परमेश्वर घोषणा करै छै कि वू फिरौन के जबड़ा म॑ हुक लगाय क॑ ओकरा पानी स॑ बाहर निकाली देतै (इजकिएल २९:१-७)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे मिस्र पर जे तबाही होयत ओकर वर्णन अछि। देश उजाड़ भऽ जायत, ओकर पानि सुखायत आ ओकर लोक जाति-जाति मे छिड़ियाओत। मिस्र चालीस वर्ष धरि उजाड़ बंजर भूमि बनि जायत, जाहि मे कियो नहि रहत (इजकिएल 29:8-16)।

3 पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के लेलऽ बहाली के वादा के साथ होय छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ तितर-बितरल इस्राएली सभ केँ जाति-जाति मे सँ एकत्रित क' क' हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह। ई बहाली परमेश् वर के वफादारी आरू हुनकऽ संप्रभुता के पहचान के निशानी के रूप म॑ काम करतै (इजकिएल २९:१७-२१)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल उनइस अध्याय प्रस्तुत
मिस्र के विरुद्ध एकटा भविष्यवाणी,
परमेश् वरक न् याय, देशक उजाड़ करबाक घोषणा करैत।
आ इस्राएलक लेल पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा।

इस्राएल पर अत्याचार के कारण फिरौन आरू मिस्र के खिलाफ भविष्यवाणी।
मिस्र पर जे तबाही आओत ओकर वर्णन।
मिस्र के उजाड़ आ ओकर लोक के तितर-बितर होय के भविष्यवाणी।
इस्राएल के लेलऽ बहाली के वादा, बिखरी गेलऽ इस्राएली सिनी के जमा होय के साथ।

1543

इजकिएल के ई अध्याय में मिस्र के खिलाफ एगो भविष्यवाणी छै, जेकरा में इस्राएल के साथ ओकरऽ अत्याचार आरू दुर्व्यवहार के कारण राष्ट्र पर परमेश् वर के न्याय के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै। भविष्यवाणी के शुरुआत मिस्र के शासक फिरौन के खिलाफ घोषणा स॑ होय छै, जेकरा म॑ मिस्र क॑ ओकरऽ नदी के बीच म॑ एगो महान राक्षस के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी फिरौन आरू राष्ट्र पर न्याय लानै छै, फिरौन के जबड़ा में हुक के बिम्ब के उपयोग करी कॅ ओकरा पानी सें बाहर निकालै छै। तखन भविष्यवाणी मे मिस्र पर जे विनाश होयत, ओकर वर्णन कयल गेल अछि, जाहि मे देशक उजड़ब, ओकर पानि सुखायब आ ओकर लोकक जाति-जाति मे छिड़ियाएब शामिल अछि। मिस्र चालीस वर्ष धरि उजड़ल उजाड़ भूमि बनि जायत, जाहि मे कियो नहि रहत। लेकिन, अध्याय के समापन इस्राएल के लेलऽ बहाली के वादा के साथ होय छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ तितर-बितरल इस्राएली सभ केँ जाति-जाति मे सँ एकत्रित क' क' हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह। ई बहाली परमेश् वर के निष्ठा आरू हुनकऽ संप्रभुता के मान्यता के निशानी के काम करतै । अध्याय मिस्र पर परमेश्वर के न्याय, देश पर जे उजाड़ होतै, आरू इस्राएल के लेलऽ पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै।

इजकिएल 29:1 दसम वर्ष मे दसम मास मे बारहम दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ दसम वर्ष, दसम मास आ बारहम दिन मे बात कयलनि।

1: हिसाब-किताब के दिन - भगवान के समय एकदम सही आ सदिखन समय पर सही अछि।

2: धैर्य एकटा गुण अछि - भगवान् अपन समय मे काज करैत छथि, हमरा सभक नहि।

1: इब्रानियों 11:1 - "आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।"

2: हबक्कूक 2:3 - "किएक तँ दर्शन एखन धरि निर्धारित समयक लेल अछि, मुदा अंत मे ओ बाजत, मुदा झूठ नहि बाजत। यद्यपि ओ देरी करत, मुदा ओकर प्रतीक्षा करू, किएक तँ ओ निश्चित रूप सँ आबि जायत, मुदा ओ देरी नहि करत।"

इजकिएल 29:2 मनुष्यक बेटा, मिस्रक राजा फिरौनक विरुद्ध मुँह बनाउ आ हुनका आ समस्त मिस्रक विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

परमेश् वर इजकिएल कॅ फिरौन आरू पूरा मिस्र के खिलाफ भविष्यवाणी करै लेली बोलै छै।

1. परमेश् वरक पश्चाताप करबाक आह्वान: फिरौन आ मिस्रक विरुद्ध इजकिएलक भविष्यवाणी

2. प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक आह्वानक पालन करब

1. यशायाह 55:7 दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, तखन ओ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. यिर्मयाह 29:13 जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब तखन अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब।

इजकिएल 29:3 बाजू आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँक विरुद्ध छी, हे मिस्रक राजा फिरौन, ओ महान अजगर जे अपन नदीक बीच मे पड़ल अछि, जे कहने अछि जे हमर नदी हमर अछि आ हम ओकरा अपना लेल बना लेने छी।”

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी मिस्र के राजा फिरौन के खिलाफ छै, जे नदी के मालिकाना हक के दावा करी चुकलऽ छै ।

1. सब वस्तु पर भगवानक प्रभुत्व

2. घमंड के परिणाम

1. [illegible] 13:1-2 - [illegible]

2. [illegible] 24:1 - [illegible]

[illegible] 29:4 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 7:7-11 - [illegible]

2. [illegible] 43:2 - [illegible]

[illegible] 29:5 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]: [illegible] 29:5 [illegible]

2. [illegible]: [illegible] 29:5 [illegible]

1. [illegible] 24:17-20 - [illegible]

2. [illegible] 46:9-11 - [illegible]

[illegible] 29:6 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] - [illegible]

2. [illegible] - [illegible]

1. [illegible] 41:10 - [illegible]

2. [illegible] 23:4 - [illegible]

[illegible] 29:7 [illegible]

[illegible] |

1: [illegible]

2: हम सभ सदिखन भगवान् पर भरोसा क' सकैत छी; ओ कहियो कोनो वचन नहि तोड़त।

1: यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: फिलिप्पियों 4:13 जे हमरा मजबूत करैत छथि, हुनका द्वारा हम सभ किछु क’ सकैत छी।

इजकिएल 29:8 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ पर तलवार आनि देब आ अहाँ मे सँ मनुख आ जानवर केँ काटि देब।”

परमेश् वर मिस्र पर न्यायक तलवार आनि देताह, जे लोक आ जानवर सभ केँ एक समान रूप सँ मारि देताह।

1: परमेश् वरक न्याय तेज आ निश्चित अछि, आ हुनकर उपहास नहि कयल जायत।

2: भगवानक न्याय सँ कियो मुक्त नहि होइत अछि - सब केँ हुनकर इच्छाक आज्ञाकारी हेबाक चाही।

1: भजन 9:7-8 - "मुदा प्रभु अनन्त काल धरि रहैत छथि, ओ अपन सिंहासन केँ न्यायक लेल तैयार कयलनि। ओ संसारक न्याय धार्मिकता मे करताह, ओ लोक सभक न्याय केँ सोझतापूर्वक करताह।"

2: यशायाह 24:4-6 - "पृथ्वी शोक करैत अछि आ फीका भ' जाइत अछि, संसार क्षीण होइत अछि आ फीका भ' जाइत अछि, पृथ् वीक घमंडी लोक सभ क्षीण भ' जाइत अछि। पृथ् वी ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ' गेल अछि। किएक तँ ओ सभ नियमक उल्लंघन केलक अछि। नियम बदलि कऽ अनन्त वाचा तोड़ि देलक। तेँ श्राप पृथ्वी केँ खा गेल अछि आ ओहि मे रहनिहार सभ उजाड़ भ' गेल अछि, तेँ पृथ् वी पर रहनिहार सभ जरि गेल अछि आ किछुए लोक बचि गेल अछि।"

इजकिएल 29:9 मिस्र देश उजाड़ आ उजाड़ भ’ जायत। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे मिस्र देश उजाड़ भऽ जायत, आ हुनकर लोक सभ केँ बुझल हेतनि जे ओ प्रभु छथि, जेना ओ नदी केँ अपन दावा करैत छथि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सृष्टि पर प्रभुक शक्ति केँ बुझब

2. प्रभु केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति प्रतिज्ञा: नदी क॑ अपनऽ प्रेम केरऽ निशानी के रूप म॑ दावा करना

1. यशायाह 43:1-3 - मुदा आब, हे याकूब, तोरा सृष्टि करनिहार प्रभु, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ, अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी। अहाँ हमर छी।

2. यिर्मयाह 9:24 - मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बात पर गर्व करय, जे ओ हमरा बुझैत अछि आ जनैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ्वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी, किएक त’ हम एहि सभ बात मे प्रसन्न छी, ई कहैत छथि भगवान्.

इजकिएल 29:10 देखू, हम अहाँक आ अहाँक नदी सभक विरुद्ध छी, आ हम मिस्र देश केँ सयेनक बुर्ज सँ ल’ क’ इथियोपियाक सीमा धरि एकदम उजाड़ आ उजाड़ बना देब।

प्रभु मिस्र के प्रति अपनऽ विरोध के घोषणा करलकै आरू सियने स॑ ल॑ क॑ इथियोपिया तक के भूमि क॑ उजाड़ करी देतै ।

1. भगवान् सब राष्ट्र पर नियंत्रण मे छथि

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी। ओकर हाथ मे हम अपन क्रोध उठा लैत छी। हम ओकरा एकटा अविश्वासी जाति पर पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा देब जे ओ लूट-पाट पकड़ि कऽ लूट-पाट केँ हड़पि लेत आ सड़कक दलदल जकाँ ओकरा सभ केँ रौदब।

2. यशायाह 14:24-27 - सेना सभक प्रभु शपथ लेने छथि: जेना हम योजना बनौने छी, तेना होयत आ जेना हम योजना बनौने छी, तेना ठाढ़ रहत जे हम अपन देश मे आ अपन देश मे अश्शूर केँ तोड़ि देब पहाड़ ओकरा पएर नीचाँ रौंदैत छैक। ओकर जुआ ओकरा सभ सँ हटि जायत आ ओकर भार ओकरा सभक कान्ह पर सँ हटि जायत। इएह उद्देश्य अछि जे समस्त पृथ्वीक विषय मे अछि, आ ई ओ हाथ अछि जे सभ जाति पर पसरल अछि।

इजकिएल 29:11 एहि मे सँ कोनो मनुक्खक पैर नहि गुजरत, आ ने जानवरक पएर एहि मे सँ गुजरत, आ ने चालीस वर्ष धरि एहि मे रहबाक चाही।

परमेश् वर मिस्र पर बहुत उजाड़क समय अनताह।

1. भगवानक न्याय आओत आ ओ गहन आ पूर्ण होयत।

2. हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखब जे हम सभ अपन काज आ निर्णयक लेल भगवानक समक्ष जवाबदेह छी।

1. यशायाह 24:1-6 - देखू, परमेश् वर पृथ् वी केँ खाली बना दैत छथि आ उजड़ि कऽ उल्टा कऽ दैत छथि आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ छिड़िया दैत छथि।

2. भजन 37:10-11 - किएक तँ एखन किछुए काल धरि दुष्ट नहि रहत। मुदा नम्र लोक केँ पृथ्वीक उत्तराधिकार भेटतैक। आ शान्तिक प्रचुरता मे आनन्दित हेताह।

इजकिएल 29:12 हम मिस्र देश केँ उजड़ल देश सभक बीच उजाड़ बना देब आ ओकर शहर सभ केँ चालीस वर्ष धरि उजाड़ भ’ जायत, आ हम मिस्रक लोक सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देब, आ देशक माध्यमे ओकरा सभकेँ तितर-बितर करत।

परमेश् वर मिस्र केँ उजाड़ बना देताह आ मिस्रवासी केँ चालीस वर्ष धरि जाति-जाति मे तितर-बितर करताह।

1. दण्ड मे भगवानक न्याय आ दया

2. राष्ट्र पर परमेश् वरक प्रभुत्व

1. यशायाह 10:5-7 - "धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी; ओकर हाथ मे हमर क्रोधक लाठी अछि! हम ओकरा एकटा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध हम ओकरा आज्ञा दैत छी जे।" लूट लूटब आ लूट-पाट पकड़ि कऽ सड़कक दलदली जकाँ ओकरा सभ केँ रौंदब."

2. यिर्मयाह 15:4 - "हम ओकरा सभ केँ पृथ्वीक सभ राज्यक लेल भयावह बना देब, कारण यहूदाक राजा हिजकियाहक पुत्र मनश्शे, जे यरूशलेम मे कयलनि।"

इजकिएल 29:13 तइयो प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। चालीस वर्षक अंत मे हम मिस्रवासी सभ केँ ओहि लोक सभ मे सँ जमा करब जतय ओ सभ छिड़ियाएल छल।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ४० वर्षक बाद ओ मिस्रवासी सभ केँ ओहि ठाम सँ वापस जमा करताह जतय ओ सभ छिड़ियाएल छल।

1. परमेश् वरक निष्ठा - हुनकर पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञाक माध्यमे

2. भगवान् के समय के शक्ति - धैर्य आ हुनकर पूर्ण योजना पर भरोसा

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

1547

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह अनन्त काल धरि ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

इजकिएल 29:14 हम मिस्रक बंदी सभ केँ फेर सँ आनि देब आ ओकरा सभ केँ पथरोस देश मे, अपन निवास देश मे घुरि देब। ओ सभ ओतहि एकटा नीच राज्य होयत।

परमेश् वर मिस्र के बंदी के बहाल करै के वचन दै छै आरू ओकरा सिनी कॅ ओकरोॅ निवास के देश में वापस लानै के वचन दै छै।

1. पुनर्स्थापित करबाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा - हमरा सभक लेल एकर की अर्थ अछि?

2. भगवान् के दया - हुनकर प्रतिज्ञा के पूर्ति के अनुभव करब

1. यशायाह 43:5-6 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; हम अहाँक संतान केँ पूरब सँ आनि देब, आ पश्चिम सँ अहाँ सभ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ देश केँ।" दक्षिण, नहि रोकू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू।

2. यिर्मयाह 29:10-14 - "किएक तँ प्रभु ई कहैत छथि जे जखन बाबुलक लेल सत्तरि वर्ष पूरा भऽ जायत तखन हम अहाँक ओतय जायब, आ हम अहाँ सभ सँ अपन प्रतिज्ञा पूरा करब आ अहाँ सभ केँ एहि ठाम घुरा देब। किएक तँ हम योजना सभ जनैत छी।" हमरा लग अहाँक लेल अछि, प्रभु घोषणा करैत छथि, कल्याणक योजना अछि आ बुराई लेल नहि, अहाँ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल।तखन अहाँ हमरा बजा लेब आ आबि हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब।अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि, जखन अहाँ सभ हमरा मोन सँ खोजब। हम अहाँ सभ सँ पाबि जायब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 29:15 ई राज्य सभ मे सबसँ नीचाँ होयत। आ ने ओ अपना केँ जाति-जाति सँ ऊपर उठत, किएक तँ हम ओकरा सभ केँ कम कऽ देब, जाहि सँ ओ सभ आब जाति सभ पर राज नहि करत।”

परमेश् वर मिस्र राज्य केँ नम्र बना देताह जाहि सँ आब ओकर दोसर जाति पर अधिकार नहि रहत।

1. परमेश् वरक विनम्रता: विनम्रता परमेश् वरक चरित्रक एकटा प्रमुख अंग अछि आ एकर उदाहरण इजकिएल 29:15 मे मिस्रक संग हुनकर व्यवहार मे देल गेल अछि।

2. परमेश् वरक सामर्थ् य: परमेश् वर मे पैघ-पैघ जाति केँ सेहो नम्र करबाक सामर्थ् य अछि, जेना कि इजकिएल 29:15 मे देखल गेल अछि।

1. दानियल 4:37 - "आब हम नबूकदनेस्सर, स् वर्गक राजाक स्तुति आ स्तुति आ आदर करैत छी, किएक तँ हुनकर सभ काज सत्य अछि आ हुनकर बाट धार्मिक अछि, आओर ओ घमंडी लोक सभ केँ नीचाँ उतारबा मे सक्षम छथि।"

2. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।"

इजकिएल 29:16 आब इस्राएलक घरानाक भरोसा नहि रहत जे हुनकर सभक अधर्म केँ मोन पाड़त, जखन ओ सभ हुनका सभक देखभाल करत, मुदा ओ सभ ई जानि लेत जे हम प्रभु परमेश् वर छी।

इस्राएल के घराना आब सुरक्षा के स्रोत के रूप में अपनऽ दुष्कर्म पर भरोसा नै करतै। बल्कि ओ सभ प्रभु परमेश् वर केँ अपन प्रदाताक रूप मे चिन्हत।

1. प्रभु पर भरोसा करू, अपना पर नहि

2. सब पर भगवानक प्रभुत्व

1. यशायाह 26:3 - अहाँ सभ ओहि सभ केँ पूर्ण शान्ति मे राखब जिनकर मोन अडिग अछि, कारण ओ सभ अहाँ पर भरोसा करैत छथि।

2. भजन 20:7 - किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम पर भरोसा करैत छी।

इजकिएल 29:17 सात बीसम वर्ष मे पहिल मास मे, मासक पहिल दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल सँ 27 म वर्ष, पहिल मास, पहिल दिन मे बात केलनि।

1. भगवानक समय एकदम सही अछि - हुनकर योजना पर कोना भरोसा कयल जाय

2. परमेश् वरक वचनक पालन करब - पूर्तिक सच्चा मार्ग

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

इजकिएल 29:18 मनुष्यक पुत्र, बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर अपन सेना केँ सोरक विरुद्ध बहुत पैघ सेवा करौलनि, प्रत्येक माथ गंजा भ’ गेल छल, आ प्रत्येक कान्ह छिलल भ’ गेल छल, तइयो हुनका सोरक लेल कोनो मजदूरी नहि छलनि आ ने हुनकर सेना छलनि सेवा जे ओ एकर विरुद्ध केने छलाह।

बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर अपन सेना के सोरस के खिलाफ बहुत पैघ सेवा में सेवा देलकै, लेकिन सेवा के लेलऽ ओकरा पास कोनो मजदूरी नै छेलै।

1. आवश्यकता के समय में भगवान के प्रावधान

2. निष्ठावान सेवा के फल

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. 1 कोरिन्थी 15:58 - तेँ हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, अडिग रहू, अचल रहू, प्रभुक काज मे सदिखन प्रचुर रहू, ई जानि जे प्रभु मे अहाँ सभक परिश्रम व्यर्थ नहि अछि।

इजकिएल 29:19 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम मिस्र देश बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर केँ दऽ देब। ओ ओकर भीड़ केँ पकड़ि कऽ ओकर लूट-पाट लऽ कऽ ओकरा पकड़ि लेत। आ ई ओकर सेनाक मजदूरी होयत।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी मिस्र के भूमि बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के अपनऽ सेना के इनाम के रूप में देतै।

1. आज्ञाकारिता के लेल आशीर्वाद के परमेश्वर के प्रतिज्ञा

2. निष्ठावान सेवाक मूल्य

1. रोमियो 8:28- आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

२.

इजकिएल 29:20 हम हुनका मिस्र देश हुनकर परिश्रमक लेल दऽ देलियनि, जाहि सँ ओ ओकर विरुद्ध सेवा केलक, किएक तँ ओ सभ हमरा लेल काज केलक, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर हुनका सभ केँ पुरस्कृत करैत छथि जे हुनकर निष्ठापूर्वक सेवा करैत छथि।

1: निष्ठापूर्वक सेवा परमेश् वरक आशीर्वाद भेटैत अछि

2: भगवान् के सेवा के आशीर्वाद

1: गलाती 6:9 नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ हम सभ बेहोश नहि होयब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

2: उपदेशक 11:1 अपन रोटी पानि पर फेकि दियौक, कारण अहाँ केँ ओ रोटी बहुत दिनक बाद भेटत।

इजकिएल 29:21 ओहि दिन हम इस्राएलक घरानाक सींग केँ अंकुरित करब, आ ओकरा सभक बीच मे अहाँ केँ मुँह खोलब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

ओहि दिन प्रभु इस्राएल जाति केँ नव जीवन आ शक्ति अनताह।

1: प्रभु निराशाक समय मे आशा अनैत छथि।

2: प्रभु अपन वचनक सामर्थ्य सभ विश् वास करयवला सभक बीच अनैत छथि।

1: यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।" " .

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।"

इजकिएल अध्याय ३० मे मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ के खिलाफ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आसन्न पतन आरू ओकरा सिनी प॑ होबै वाला विनाश के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । अध्याय मिस्र आरू आसपास के राष्ट्रऽ पर परमेश् वर के न्याय पर जोर दै छै कि ओकरऽ घमंड, मूर्तिपूजा आरू इस्राएल के साथ दुर्व्यवहार के कारण छेलै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मिस्र के खिलाफ एकटा भविष्यवाणी स होइत अछि, जाहि में घोषणा कयल गेल अछि जे ओकर न्याय के दिन नजदीक आबि गेल अछि। परमेश् वर मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ प॑ जे विनाशकारी परिणाम आबै वाला छै, ओकरऽ वर्णन करै छै, जेकरा स॑ पीड़ा आरू विनाश होतै (इजकिएल ३०:१-५)।

2nd पैराग्राफ: भविष्यवाणी जारी अछि मिस्र के पतन आ ओकर बाद जे अराजकता होयत ओकर वर्णन। राष्ट्र अन्हार मे डूबि जायत, ओकर घमंड नीचाँ कयल जायत आ ओकर मूर्ति सभ नष्ट भ' जायत। परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी मिस्र पर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै, जेकरा स॑ ई देश उजाड़ होय जैतै (इजकिएल ३०:६-१९)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन मिस्र के भविष्य के बहाली के आशा के संदेश के साथ होय छै। परमेश् वर बाबुल के बाँहि कॅ मजबूत करै के वादा करै छै, जे मिस्र पर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै। मुदा, उजाड़पन के अवधि के बाद मिस्र एक बेर फेर स’ पुनर्जीवित भ’ जायत आ ओतय आबाद भ’ जायत (इजकिएल 30:20-26)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय तीस प्रस्तुत
मिस्र आ ओकर सहयोगी देशक विरुद्ध भविष्यवाणी,
अपन पतन, तबाही, आ भविष्यक बहाली के घोषणा करैत।

मिस्र आ ओकर सहयोगी देशक गौरव आ मूर्तिपूजाक विरुद्ध भविष्यवाणी।
हुनका सब पर जे विनाशकारी परिणाम होयत तकर वर्णन।
मिस्र के पतन, अन्हार आ उजाड़ के भविष्यवाणी।
मिस्र के भविष्य के बहाली के लेल आशा के संदेश।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ के खिलाफ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आसन्न पतन आरू ओकरा सिनी प॑ होबै वाला विनाश के भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै ।
अध्याय के शुरुआत मिस्र के खिलाफ भविष्यवाणी के साथ होय छै, जेकरा में घोषणा करलऽ गेलऽ छै कि ओकरऽ न्याय के दिन नजदीक आबी गेलऽ छै। भगवान् मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ प॑ जे

विनाशकारी परिणाम आबै वाला छै, ओकरऽ वर्णन करै छै, जेकरा स॑ पीड़ा आरू विनाश होतै ।
भविष्यवाणी मिस्र के पतन आरू ओकरा बाद आबै वाला अराजकता के वर्णन के साथ जारी छै।
राष्ट्र अन्हार मे डूबि जायत, ओकर घमंड नीचाँ कयल जायत आ ओकर मूर्ति सभ नष्ट भ' जायत। परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी मिस्र पर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै, जेकरा स॑ ई देश उजाड़ होय जैतै । लेकिन, अध्याय के समापन मिस्र के भविष्य के बहाली के आशा के संदेश के साथ होय छै. परमेश् वर बाबुल के बाँहि कॅ मजबूत करै के वादा करै छै, जे मिस्र पर अपनऽ न्याय के निष्पादन करतै। एक बेर उजाड़पन के बाद मिस्र एक बेर फेर स जीवित भ जायत आ आब ओकरा आबाद भ जायत। अध्याय मिस्र पर परमेश् वर के न्याय, राष्ट्र पर जे तबाही होतै, आरू अंततः जे पुनर्स्थापन होतै, ओकरा पर जोर दै छै।

इजकिएल 30:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

प्रभु फेर इजकिएल सँ गप्प करैत छथि।

1. परमेश् वरक वफादारी: प्रभु अपन प्रतिज्ञाक कोना पालन करैत छथि

2. भविष्यवाणीक शक्ति: प्रभुक वचन हमरा सभक जीवनक लेल कोना मार्गदर्शक अछि

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना अछि: ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हम जे चाहैत छी से पूरा करत आ ओहि उद्देश्य केँ पूरा करत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

2. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ उत्तर देब आ अहाँ केँ पैघ आ अनजान बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छी।"

इजकिएल 30:2 मनुष्यक बेटा, भविष्यवाणी करू आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हाउल यौ, दिनक लायक धिक्कार!

परमेश् वर इजकिएल केँ एकटा दुःखक दिनक चेतावनी दैत आवाज दैत छथि।

1. परमेश् वरक क्रोध सँ सावधान रहू: हम सभ एकरा कोना बचि सकैत छी

2. परमेश् वरक चेतावनी: विपत्तिक दिनक तैयारी कोना कयल जाय

1. मत्ती 10:28-31 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारि सकैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. इब्रानी 4:12-13 - "किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि।" हृदय के।"

इजकिएल 30:3 किएक तँ दिन नजदीक आबि गेल अछि, प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि, मेघक दिन। ओ विधर्मी सभक समय होयत।

परमेश् वरक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ ई अनजान सभक लेल मेघक दिन होयत।

1. प्रभुक आगमनक तैयारी करू

2. गैर-यहूदी आ प्रभुक दिन

1. योएल 2:31 - "प्रभुक महान आ भयावह दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।"

2. सफन्याह 1:14 - "प्रभुक महान दिन नजदीक आबि गेल अछि, नजदीक आबि गेल अछि आ बहुत जल्दी भ' रहल अछि, परमेश् वरक दिनक आवाज।

इजकिएल 30:4 मिस्र पर तलवार आबि जायत, आ इथियोपिया मे बहुत पीड़ा होयत, जखन मिस्र मे मारल गेल लोक खसि पड़त, आ ओकर भीड़ केँ छीन लेत आ ओकर नींव तोड़ि जायत।

मिस्र आरू इथियोपिया पर न्याय के तलवार आबै वाला छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप बहुत पीड़ा आरू बहुत लोगऽ के मौत होतै । मिस्र के आबादी आ नींव नष्ट भ जायत।

1. परमेश् वरक न्याय ओहि पर आओत जे हुनकर इच्छाक अनुसार नहि जीबैत छथि।

2. भगवान् केर शक्ति केँ कम नहि बुझू।

1. यशायाह 10:5-6 - "धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी; हुनका सभक हाथक लाठी हमर क्रोध अछि! हम ओकरा एकटा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध हम ओकरा आज्ञा दैत छी जे ओ ल' ली।" लूट-पाट केँ लूटब आ जब्त करब, आ सड़कक दलदल जकाँ ओकरा सभ केँ रौंदब।”

2. भजन 149:7 - "जाति सभक प्रतिशोध आ लोक सभ पर दंड देबाक लेल।"

इजकिएल 30:5 इथियोपिया, लीबिया, लिडिया, सभ मिश्रित लोक, चुब आ ओहि देशक लोक जे लीग मे अछि, हुनका सभक संग तलवार सँ खसि पड़त।

परमेश् वर इथियोपिया, लीबिया, लिडिया, चुब, आरू वू देश के आदमी सिनी के खिलाफ न्याय के चेतावनी दै छै जे लीग में छै।

1. भगवान न्यायी छथि आ हुनकर न्याय अंतिम अछि

2. भगवानक आज्ञा नहि मानबाक खतरा

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, कारण लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. प्रकाशितवाक्य 20:11-15 - तखन हम एकटा पैघ उज्जर सिंहासन आ ओहि पर बैसल लोक केँ देखलहुँ। धरती आ आकाश हुनकर सोझाँ सँ भागि गेल, आ ओकरा सभक लेल कोनो स्थान नहि छलैक। हम देखलहुँ जे छोट-पैघ मृतक सभ सिंहासनक सोझाँ ठाढ़ अछि आ किताब सभ खुजल छल। एकटा आओर पोथी खुजल जे जीवनक पोथी अछि। मृतक सभक न्याय ओकर सभक काजक अनुसार कयल गेल जे किताब सभ मे दर्ज अछि। समुद्र ओहि मृत् यु सभ केँ छोड़ि देलक, आ मृत्यु आ पाताल ओहि मृत् यु सभ केँ छोड़ि देलक आ एक-एक गोटेक न् याय ओकर सभक काजक अनुसार कयल गेल। तखन मृत्यु आ पाताल आगि केर पोखरि मे फेकि देल गेल। आगि के झील दोसर मृत्यु अछि।

इजकिएल 30:6 प्रभु ई कहैत छथि। मिस्र केँ सहारा देनिहार सभ सेहो खसि पड़त। ओकर सामर्थ्यक घमंड नीचाँ आबि जायत, सेनेक बुर्ज सँ ओ सभ ओहि मे तलवार सँ खसि पड़तैक, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

प्रभु घोषणा करै छै कि मिस्र के समर्थन करै वाला गिरी जैतै, आरो ओकरोॅ शक्ति के घमंड गिरी जैतै, आरो वू तलवार सें सियाने के बुर्ज में गिरी जैतै।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि- इजकिएल 30:6 स एकटा पाठ

2. मिस्र के समर्थन के परिणाम- इजकिएल 30:6 के समझना

1. नीतिवचन 16:18, "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2. यशायाह 47:7-8, "तोँ कहलहुँ, हम सदाक लेल एकटा महिला रहब, जाहि सँ तोँ अपन हृदय केँ ई सब बात नहि बिछौने छी, ने एकर अंतिम छोर केँ मोन पाड़लनि। तेँ आब ई सुनू, तोँ, तोह भोग-भोग मे देल गेल छी, जे लापरवाही सँ रहैत अछि, जे अहाँक हृदय मे कहैत अछि, हम छी, आ हमरा छोड़ि कियो नहि, हम विधवा जकाँ नहि बैसब आ ने संतानक क्षति केँ बुझब।"

1552

इजकिएल 30:7 ओ सभ उजाड़ देश सभक बीच मे उजाड़ भ’ जायत आ ओकर शहर सभ उजड़ल नगर सभक बीच मे उजाड़ भ’ जायत।

मिस्र के शहर सब नष्ट भ जायत आ अन्य नष्ट आ बर्बाद शहर के संग उजाड़ भ जायत।

1. जे परमेश् वरक न् याय प्रबल आ सामर्थ् य अछि, आ जे हुनका विरुद्ध जायत, तकरा दंडित कयल जायत

2. अहाँ कतबो शक्तिशाली बुझू, भगवानक योजनाक विपरीत कहियो नहि जाउ

1. रोमियो 12:19 "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. इजकिएल 28:21-22 "मनुष्य-पुत्र, सोरक शासक केँ कहू जे, प्रभु ई कहैत छथि जे, हे सोरक शासक, हम अहाँक विरुद्ध छी, आ हम अहाँक विरुद्ध बहुत रास जाति केँ लहरि जकाँ आनब।" समुद्रक अहाँक तट पर टकराइत अछि।ओ सभ सोरक देबाल सभकेँ नष्ट कऽ देत आ ओकर टावर सभकेँ खसा देत।हम ओकर मलबाकेँ खुरचब आ ओकरा नंगटे चट्टान बना देब।

इजकिएल 30:8 जखन हम मिस्र मे आगि लगा देब आ जखन ओकर सभ सहायक नष्ट भ’ जेताह तखन ओ सभ बुझत जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर मिस्र के मदद करै वाला सिनी कॅ नष्ट करी कॅ अपनऽ शक्ति के प्रदर्शन करतै।

1. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक सामर्थ् य केँ बुझब

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: हमर पसंदक परिणाम

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. इब्रानी 10:31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

इजकिएल 30:9 ओहि दिन हमरा दिस सँ दूत सभ जहाज मे बैसि क’ इथियोपियाई सभ केँ भयभीत करबाक लेल निकलत, आ मिस्रक दिन जकाँ ओकरा सभ पर बहुत पीड़ा होयत, कारण, देखू, ई आबि रहल अछि।

परमेश् वर दूतऽ के उपयोग करी क॑ इथियोपियाई सिनी क॑ वू तरह स॑ भय आरू पीड़ा लानै छै, जेना मिस्र के साथ घटित होय गेलऽ छेलै ।

1. परमेश् वरक न्याय: इजकिएल 30:9 केर चेतावनी केँ बुझब

2. कोनो डर नहि राखू: भगवानक प्रेमक ताकत मे आश्वासन

1. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

२ हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।”

इजकिएल 30:10 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम बाबुलक राजा नबूकदनेस्सरक हाथ सँ मिस्रक भीड़ केँ सेहो समाप्त कऽ देब।

प्रभु घोषणा करै छै कि वू बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के उपयोग करी कॅ मिस्र के भीड़ के समाप्त करी देतै।

1. कर्म मे भगवानक शक्ति

2. प्रभुक सार्वभौमत्व

1. यशायाह 10:5-7 - "धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि। हम ओकरा पाखंडी जाति पर पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा देब।" एकटा आरोप, लूट-लूट केँ ल' क' शिकार केँ ल' क' सड़कक दलदली जकाँ नीचाँ खसा देब।तइयो ओकर मतलब एहन नहि छैक आ ने ओकर मोन एहन सोचैत छैक, मुदा ओकर हृदय मे छैक जे ओकरा नष्ट करब आ ओकरा काटि देब राष्ट्र किछुए नहि।"

2. यशायाह 45:1-3 - "परमेश् वर अपन अभिषिक्त कोरूस केँ ई कहैत छथि, जिनकर दहिना हाथ हम पकड़ने छी, जे जाति सभ केँ हुनका आगू वश मे कयल जाय। आ हम राजा सभक कमर खोलब, जाहि सँ हुनका सामने दूनू पात खोलब।" फाटक सभ बंद नहि होयत, हम अहाँक आगू जा कऽ टेढ़-टेढ़ जगह केँ सोझ करब, पीतल केर फाटक सभ केँ तोड़ि देब आ लोहाक सलाख सभ केँ तोड़ि देब अन्हार आ गुप्त स्थानक नुकायल धन-दौलत, जाहि सँ अहाँ ई जानि सकब जे हम, प्रभु, जे तोहर नाम सँ बजबैत छी, इस्राएलक परमेश् वर छी।”

इजकिएल 30:11 ओ आ ओकर संग ओकर लोक, जाति सभक भयावह, देश केँ नष्ट करबाक लेल आनल जायत, आ ओ सभ मिस्र पर अपन तलवार निकालि क’ ओहि देश केँ मारल गेल लोक सँ भरि देत।

इजकिएल केरऽ ई अंश राष्ट्रऽ के बीच स॑ एगो ऐसनऽ जाति के बात करै छै जे मिस्र क॑ नष्ट करै लेली आबै वाला छै आरू वधलऽ लोगऽ स॑ देश क॑ भर॑ वाला छै ।

1. राष्ट्रक शक्ति: भगवानक अपन उद्देश्य पूरा करबाक लेल राष्ट्रक प्रयोग

2. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवानक अनुमतिक बिना किछु नहि होइत छैक

1. यशायाह 10:5-6 - हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी; हुनका लोकनिक हाथ मे डंडा हमर क्रोध अछि! हम ओकरा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा दैत छी जे लूट-लूट लूटबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

2. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

इजकिएल 30:12 हम नदी सभ केँ सुखायब, आ ओहि देश केँ दुष्टक हाथ मे बेचि देब, आ ओहि देश केँ आ ओहि मे जे किछु अछि, ओकरा परदेशी सभक हाथ सँ उजड़ि देब।

प्रभु वचन दैत छथिन जे नदी सभ केँ सुखायब आ ओहि भूमि केँ दुष्ट केँ बेचि क' उजाड़ भूमि बना देब।

1. प्रभु समस्त सृष्टि पर सार्वभौम छथि

2. मनुष्यक विद्रोहक बादो भगवानक इच्छा पूरा होइत अछि

1. यशायाह 45:7 - हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी, हम शांति बनाबैत छी आ अधलाह के सृजन करैत छी: हम प्रभु ई सब काज करैत छी।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

इजकिएल 30:13 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम मूर्ति सभ केँ सेहो नष्ट कऽ देब आ नोफ सँ ओकर मूर्ति सभ केँ समाप्त कऽ देब। मिस्र देश मे आब कोनो राजकुमार नहि रहत।

प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे ओ नोफक मूर्ति आ मूर्ति सभ केँ नष्ट कऽ देताह, आ आब मिस्र मे कोनो राजकुमार नहि रहताह। मिस्र देश मे सेहो डर लगा देत।

1. मूर्तिपूजा के पराजित करय के लेल भगवान के शक्ति

2. मिस्र मे प्रभुक भय

1. निर्गमन 20:3-4 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि होयत। अहाँ अहाँक लेल कोनो उकेरल मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ मे पृथ् वी मे अछि, वा।" जे पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि।”

2. यशायाह 10:24-27 - "तेँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, हे हमर प्रजा जे सियोन मे रहैत छी, अश्शूर सँ नहि डेराउ: ओ अहाँ केँ लाठी सँ मारि देत आ अहाँ पर अपन लाठी उठाओत।" , मिस्रक प्रथाक अनुसार। किएक तँ एखन बहुत कम समय मे आक्रोश समाप्त भऽ जायत आ हमर क्रोध ओकरा सभक विनाश मे आबि जायत।”

इजकिएल 30:14 हम पथ्रोस केँ उजाड़ बना देब, आ सोआन मे आगि लगा देब, आ सं.

प्रभु पथरो, ज़ोआन आ नो के उजड़ि देताह।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

2. सब जाति पर प्रभुक प्रभुत्व

1. यशायाह 13:9 - देखू, प्रभुक दिन अबैत अछि, क्रूर, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग, जे देश केँ उजाड़ बनाबय आ ओकर पापी सभ केँ ओकरा सँ नष्ट करय।

2. इजकिएल 13:15 - एहि तरहेँ हम अपन क्रोध देबाल पर आ ओहि पर उज्जर रंगक प्लास्टर करनिहार सभ पर पूरा करब, आ हम अहाँ सभ केँ कहब जे, देबाल आब नहि अछि आ ने ओकरा प्लास्टर केनिहार सभ।

इजकिएल 30:15 हम अपन क्रोध मिस्रक सामर्थ् य पाप पर ढारि देब। आ हम नम्बरक भीड़ केँ काटि देब।

परमेश् वर पाप नगर पर न्याय आनताह आ ओकर आबादी केँ काटि देताह।

1. परमेश् वरक न्याय तेज आ निश्चित अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. यिर्मयाह 12:13 - ओ सभ गहूम बोनि लेलक मुदा काँट काटि लेलक; थाकि गेल छथि मुदा किछु फायदा नहि होइत छनि। प्रभुक प्रचंड क्रोधक कारणेँ ओ सभ अपन फसल पर लज्जित हेताह।

इजकिएल 30:16 हम मिस्र मे आगि लगा देब, पाप केँ बहुत पीड़ा होयत, आ कोनो नहि फाटत, आ नोफ केँ प्रतिदिन संकट होयत।

परमेश् वर मिस्र मे सजा आनताह, जकर परिणाम बहुत पीड़ा, विभाजन आ नित्य संकट होयत।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम केँ बुझब

2. परमेश् वरक न्यायक कठोरता: मिस्रक दंडक परीक्षण

1. यिर्मयाह 4:23-29 - हम पृथ् वी दिस तकलहुँ आ देखलहुँ जे ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश धरि, मुदा ओकरा सभक कोनो इजोत नहि छलैक।

2. हबक्कूक 3:17-19 - भले अंजीरक गाछ नहि फूलय, आ ने बेल पर फल हो, जैतूनक उपज खतम भ’ जाइत अछि आ खेत मे अन्न नहि भेटैत अछि, झुंड केँ झुंड सँ काटि देल जायत आ झुंड नहि होयत ठेला सभ मे, तैयो हम प्रभु मे आनन्दित रहब। हम अपन उद्धारक परमेश् वर मे आनन्दित रहब।

इजकिएल 30:17 अवेन आ पिबेसेतक युवक तलवार सँ मारि जायत, आ ई शहर सभ बंदी मे चलि जायत।

अवेन आ पिबेसेथ के युवक युद्ध में मारल जायत आ शहर के बंदी बना लेल जायत।

1. अपन दुश्मन के जानय के महत्व: इजकिएल 30:17 स सबक

2. विपत्तिक सामना मे विश्वासक शक्ति: इजकिएल 30:17 पर चिंतन

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

इजकिएल 30:18 तेहफनेहेस मे सेहो ओ दिन अन्हार भ’ जायत, जखन हम ओतहि मिस्रक जुआ केँ तोड़ब, आ ओकर शक्तिक धूमधाम ओकरा मे समाप्त भ’ जायत, ओकरा मेघ ओकरा झाँपि देतैक आ ओकर बेटी सभ ओहि मे चलि जायत कैद।

न्यायक दिन तेहफनेहेस मे आबि जायत आ मिस्रक सामर्थ् य टूटि जायत।

1. अधर्म पर प्रभु न्याय आनताह

2. प्रभु अपन लोकक रक्षा करताह आ न्याय करताह

1. यशायाह 13:9-10 - देखू, प्रभुक दिन आबि रहल अछि, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग क्रूर, देश केँ उजाड़ करबाक लेल, आ ओ ओहि मे सँ पापी सभ केँ नष्ट कऽ देत। आकाशक तारा आ ओकर नक्षत्र सभ अपन इजोत नहि देत, सूर्य निकलैत काल अन्हार भ' जायत आ चान अपन इजोत नहि चमकाओत।

2. यशायाह 40:1-2 - अहाँ सभ हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँ सभक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ आराम सँ बात करू आ ओकरा सँ पुकारू जे ओकर युद्ध पूरा भ’ गेलै, ओकर अपराध क्षमा भ’ गेलै, किएक त’ ओकरा अपन सभ पापक बदला मे प्रभुक हाथ सँ दुगुना भेटि गेलै।

इजकिएल 30:19 हम एहि तरहेँ मिस्र मे न्याय करब।

परमेश् वर मिस्र मे न्याय करताह आ मिस्रवासी सभ केँ बुझल हेतनि जे ओ प्रभु छथि।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत अछि - इजकिएल 30:19

2. परमेश् वरक न्याय पर भरोसा करब - इजकिएल 30:19

२, जे अहाँ परमेश् वरक न् याय सँ बचि जायब?”

2. इब्रानी 10:30 - "किएक तँ हम सभ हुनका जनैत छी जे कहने छलाह, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि। आ फेर, प्रभु अपन लोक सभक न्याय करताह।"

इजकिएल 30:20 एगारहम वर्ष मे पहिल मास मे सातम दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

एगारहम वर्ष मे पहिल मासक सातम दिन परमेश् वर इजकिएल सँ बात कयलनि।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि क' सकैत अछि।" fathom.ओ थकल केँ बल दैत अछि आ कमजोर केँ शक्ति बढ़बैत अछि।युवक सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सेहो ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि,

मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओकर शक्ति नव होयत।ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 9:9-10 - "प्रभु उत्पीड़ित सभक शरणस्थली छथि, विपत्तिक समय मे गढ़ छथि। जे अहाँक नाम जनैत छथि, अहाँ पर भरोसा करैत छथि, कारण, प्रभु, अहाँ केँ तकनिहार केँ कहियो नहि छोड़लहुँ।"

इजकिएल 30:21 मनुष्यक बेटा, हम मिस्रक राजा फिरौनक बाँहि तोड़ि देलहुँ। देखू, ओकरा ठीक करबाक लेल नहि बान्हल जायत, ओकरा बान्हबाक लेल रोलर लगाओल जायत आ तलवार पकड़बाक लेल ओकरा मजबूत करबाक लेल।

जे हुनकर पाछाँ नहि चलैत छथि हुनका पर परमेश् वर न् याय आनताह।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक चाही नहि तँ हुनकर क्रोधक सामना करबाक चाही

2: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1: 1 पत्रुस 4:17 - किएक तँ परमेश् वरक घर मे न् याय शुरू करबाक समय आबि गेल अछि। आ जँ ई हमरा सभ सँ शुरू होयत तँ जे सभ परमेश् वरक सुसमाचारक आज्ञा नहि मानैत अछि, ओकर की परिणाम होयत?

2: इब्रानी 10:31 - जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

इजकिएल 30:22 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम मिस्रक राजा फिरौनक विरुद्ध छी, आ ओकर बाँहि, बलवान आ जे टूटल छल, ओकरा तोड़ि देब। हम ओकर हाथ सँ तलवार खसा देब।

प्रभु परमेश् वर मिस्र के राजा फिरौन के सामने अपनऽ विरोध के घोषणा करी क॑ ओकरऽ ताकत क॑ तोड़ी क॑ ओकरऽ तलवार क॑ बेकार करै के वचन दै छै ।

1. परमेश् वरक शक्ति राज्य सभ केँ चकनाचूर करैत अछि - इजकिएल 30:22

2. प्रभुक सार्वभौमिकता आ न्याय - इजकिएल 30:22

1. यशायाह 10:5-7 - हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी; आ हुनका लोकनिक हाथ मे लाठी हमर आक्रोश अछि। हम ओकरा पाखंडी राष्ट्रक विरुद्ध पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा देब जे ओ लूट-लूट केँ लऽ कऽ पकड़ि लेबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब। मुदा हुनकर ई मतलब नहि छनि आ ने हुनकर मोन एहन बुझाइत छनि। मुदा ओकर हृदय मे ई अछि जे ओ किछुए नहि जाति केँ नष्ट आ काटि देथि।

2. यशायाह 14:24-25 - सेना सभक प्रभु शपथ लेलनि जे, “जहिना हम सोचने रही, तेना होयत। जेना हम सोचने छी, तेना ई ठाढ़ रहत जे हम अपन देश मे अश्शूर केँ तोड़ि देब आ अपन पहाड़ पर ओकरा पैर पर रौदब, तखन ओकर जुआ ओकरा सभ सँ हटि जायत आ ओकर भार ओकरा सभक कान्ह पर सँ हटि जायत।

इजकिएल 30:23 हम मिस्रवासी सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देब आ ओकरा सभ केँ देश मे तितर-बितर क’ देब।

परमेश् वर मिस्रवासी सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देथिन आ सभ देश मे तितर-बितर कऽ देताह।

1. परमेश् वरक अपन लोक सभ केँ तितर-बितर करबाक योजना

2. तितर-बितर होय के आशीर्वाद

1. व्यवस्था 28:64-68 - प्रभु अहाँ सभ केँ पृथ्वीक एक छोर सँ दोसर छोर धरि सभ जाति मे छिड़ियाओत।

2. भजन 106:27-28 - ओ सभ पीओरक बाल मे सेहो जुड़ि गेल, आ मृतकक बलिदान खा गेल। एहि तरहेँ ओ सभ ओकरा अपन कर्म सँ क्रोधित कयलक। आ हुनका सभक बीच विपत्ति भड़कि गेल।
1557

इजकिएल 30:24 हम बाबुलक राजाक बाँहि केँ मजबूत करब आ हुनकर हाथ मे अपन तलवार राखब, मुदा हम फिरौनक बाँहि तोड़ब, आ ओ हुनका सामने एकटा घातक घायल आदमीक कुहरैत कुहरत।

परमेश् वर बाबुलक राजाक बाँहि केँ मजबूत कऽ कऽ तलवार दऽ देताह, मुदा फिरौनक बाँहि तोड़ि कऽ पीड़ा सँ कुहरब।

1. भगवानक शक्ति: प्रभु कोना मजबूत आ तोड़ैत छथि

2. भगवानक सार्वभौमत्व: ओ हस्तक्षेप करब किएक चुनैत छथि

1. यशायाह 45:1-2 - प्रभु अपन अभिषिक्त कोरूस केँ ई कहैत छथि, जिनकर दहिना हाथ हम पकड़ने छी, जे जाति सभ केँ हुनका आगू वश मे करबाक लेल आ राजा सभक पट्टी खोलबाक लेल, हुनका सोझाँ दरबज्जा खोलबाक लेल जाहि सँ फाटक नहि हो बंद भ’ गेल।

2. इब्रानी 1:3 - ओ परमेश् वरक महिमाक चमक आ अपन स्वभावक सटीक छाप छथि, आ ओ अपन शक्तिक वचन द्वारा ब्रह्माण्ड केँ कायम रखैत छथि।

इजकिएल 30:25 मुदा हम बाबुलक राजाक बाँहि केँ मजबूत करब, आ फिरौनक बाँहि खसि पड़त। जखन हम अपन तलवार बाबुलक राजाक हाथ मे राखि देब आ ओ ओकरा मिस्र देश पर पसारि देब तखन ओ सभ बुझत जे हम परमेश् वर छी।

परमेश् वर बाबुलक राजाक सामर्थ् य केँ मजगूत करताह आ फिरौनक सामर्थ् य कम भऽ जायत।

1: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे अंततः भगवान् नियंत्रण मे छथि आ ओ अपन इच्छा पूरा करताह।

2: हमरा सभ केँ एहि संसारक बात सभ पर अपन आशा नहि राखबाक चाही, बल्कि परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक चाही।

1: यशायाह 40:21-24 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? की शुरूए सँ नहि कहल गेल अछि? की अहाँ सभ पृथ्वीक नींव सँ नहि बुझलहुँ? पृथ्वीक घेरा सँ ऊपर बैसल छथि, आ ओकर निवासी टिड्डी जकाँ छथि, जे आकाश केँ पर्दा जकाँ पसारि दैत छथि, आ ओकरा निवास करबाक लेल डेरा जकाँ पसारि दैत छथि |

2: रोमियो 8:31-39 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल हुनका सौंपि देलनि, से हुनका संग हमरा सभ केँ सभ किछु कोना मुफ्त मे नहि देत? परमेश् वरक चुनल लोक पर के आरोप लगाओत? ई भगवान् छथि जे धर्मी ठहराबैत छथि। के अछि जे निन्दा करैत अछि? ई मसीह छथि जे मरि गेलाह, आ ताहू मे जीबि उठल छथि, जे परमेश् वरक दहिना कात सेहो छथि, जे हमरा सभक लेल सेहो बिनती करैत छथि।

इजकिएल 30:26 हम मिस्रवासी सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देब आ देश मे तितर-बितर क’ देब। ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

ई अंश परमेश् वर के सामर्थ् य के बात करै छै कि मिस्र के लोगऽ कॅ राष्ट्र आरू देशऽ के बीच छिड़ियाबै के छै।

1: भगवान् हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि, तखनो जखन एहन बुझाइत अछि जेना हमर सभक जीवन बेकाबू भ' गेल अछि।

2: हम भगवान् पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सभक नेतृत्व करताह आ मार्गदर्शन करताह, ओहो तखन जखन हमरा सभक सोझाँक बाट अनिश्चित हो।

1: यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

2: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

इजकिएल अध्याय ३१ मे एकटा भविष्यवाणी अछि जे एकटा पैघ देवदारक गाछक बिम्बक प्रयोग कए अश्शूरक पतनक वर्णन कयल गेल अछि, जे कहियो शक्तिशाली आ गर्वित राष्ट्र छल। अध्याय में घमंड के परिणाम, भगवान के अपरिहार्य निर्णय, आरू मानव शक्ति आरू भगवान के संप्रभुता के बीच के विपरीत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा भविष्यवाणी स होइत अछि जे अश्शूर के तुलना लेबनान के एकटा पैघ देवदार के गाछ स करैत अछि, जे ओकर भव्यता आ शक्ति के प्रतीक अछि। परमेश् वर घोषणा करै छै कि अश्शूर के ऊंचाई आरू ऊँचाई के कारण ओकरा घमंडी होय गेलऽ छै आरू अपनऽ महानता के अधिक आकलन करै छै (इजकिएल ३१:१-९)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे अश्शूर के आसन्न पतन के वर्णन अछि | जहिना देवदारक गाछ काटि कऽ नष्ट कएल जाइत अछि, तहिना अश्शूर केँ जाति सभ नीचाँ आ नम्र कयल जायत। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अश्शूर केँ एकटा पराक्रमी विजेताक हाथ मे सौंपताह (इजकिएल 31:10-14)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन अश्शूर के भाग्य पर चिंतन आरू भगवान के संप्रभुता के याद दिलाबै के साथ होय छै। अश्शूर के पतन अन्य जाति के लेलऽ चेतावनी के काम करै छै जे खुद क॑ भी ऊपर उठाबै छै, ई बात प॑ जोर दै छै कि परमेश्वर घमंडी लोगऽ क॑ गिराय दै छै आरू विनम्र लोगऽ क॑ ऊपर उठाबै छै (इजकिएल ३१:१५-१८)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल एकतीस अध्याय प्रस्तुत
एकटा पैघ देवदारक गाछक बिम्बक प्रयोग कयल गेल भविष्यवाणी
अश्शूरक पतनक वर्णन करबाक लेल,
घमंड के परिणाम आ भगवान के संप्रभुता पर जोर दैत।

अश्शूर केरऽ तुलना एगो बड़ऽ देवदार के गाछ स॑ करै वाला भविष्यवाणी, जे ओकरऽ भव्यता आरू शक्ति के प्रतीक छेकै ।
अश्शूर केरऽ घमंड आरू अपनऽ महानता केरऽ अति आकलन के वर्णन ।
अश्शूर के आसन्न पतन आ अपमान के भविष्यवाणी।
अश्शूर के भाग्य पर चिंतन आ भगवान के सार्वभौमिकता के स्मरण।

इजकिएल के ई अध्याय में एक भविष्यवाणी छै जेकरा में एक समय में शक्तिशाली आरू गर्वित राष्ट्र अश्शूर के पतन के वर्णन करै लेली एगो बड़ऽ देवदार के गाछ के बिम्ब के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । अध्याय केरऽ शुरुआत लेबनान केरऽ एगो राजसी देवदार केरऽ गाछ स॑ अश्शूर केरऽ तुलना स॑ होय छै, जे ओकरऽ भव्यता आरू शक्ति के प्रतीक छेकै । मुदा, अश्शूरक ऊँचाई आ ऊँचाईक कारणेँ ओ घमंडी भ' गेल अछि आ अपन महानता केँ बेसी आकलन क' देलक अछि। तखन भविष्यवाणी मे अश्शूरक आसन्न पतनक वर्णन कयल गेल अछि | जहिना देवदारक गाछ काटि कऽ नष्ट कएल जाइत अछि, तहिना अश्शूर केँ जाति सभ नीचाँ आ नम्र कयल जायत। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अश्शूर केँ एकटा पराक्रमी विजेताक हाथ मे सौंपताह। अध्याय के समापन अश्शूर के भाग्य के बारे में चिंतन आरू परमेश्वर के सार्वभौमिकता के याद दिलाबै के साथ होय छै। अश्शूर के पतन दोसरऽ राष्ट्रऽ लेली चेतावनी के काम करै छै जे खुद क॑ भी ऊंचाई दै छै, ई बात प॑ जोर दै छै कि परमेश् वर घमंडी लोगऽ क॑ गिराय दै छै आरू विनम्र लोगऽ क॑ ऊंचाई दै छै । अध्याय में घमंड के परिणाम, परमेश्वर के न्याय, आरू मानव शक्ति आरू परमेश्वर के संप्रभुता के बीच के विपरीत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 31:1 एगारहम वर्ष मे तेसर मास मे, मासक पहिल दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभु इजकिएल के भविष्यवाणी के सेवा के 11 म साल में बात करलकै।

1: प्रभु हमरा सभसँ बहुत आवश्यकताक समयमे गप्प करैत छथि।

2: भगवान् सदिखन उपस्थित रहैत छथि आ जे तकैत छथि हुनका मार्गदर्शन दैत छथि।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पैरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।"

इजकिएल 31:2 मनुष्यक बेटा, मिस्रक राजा फिरौन आ हुनकर भीड़ सँ बात करू। अहाँ अपन महानता मे केकरा सन छी?

प्रभु इजकिएल के आज्ञा दै छै कि वू मिस्र के फिरौन के सामना करै आरू ओकरा से पूछै कि ओकरोॅ महानता में ओकरो तुलना केकरा सें होय छै।

1. घमंड खसबा स पहिने जाइत अछि: अपना बारे मे बेसी उच्च सोचबाक खतरा।

2. भगवान एकमात्र न्यायाधीश छथि: मार्गदर्शन आ विवेकक लेल प्रभु दिस मुड़ब।

1. याकूब 4:6-7 "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक केँ अनुग्रह दैत छथि। तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

2. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

इजकिएल 31:3 देखू, लेबनान मे अश्शूर एकटा देवदार छल, जेकर डारि गोर, छायादार कफन छल आ ऊँच कद छल। ओकर चोटी मोटका डारि सभक बीच छलैक।

अश्शूर के लेबनान में एकटा ऊँच आ मजबूत देवदार के गाछ के रूप में वर्णित कयल गेल छल जेकर मोट डारि आ मजबूत उपस्थिति छल |

1. परमेश् वरक लोकक ताकत: अश्शूरक उदाहरणक लाभ उठाबय

2. कठिन समय मे विश्वास के खेती: अश्शूर के देवदार स सबक

1. यशायाह 9:10 - "ईंट खसि पड़ल अछि, मुदा हम सभ कटल पाथर सँ निर्माण करब, सिकोमोर काटि देल गेल अछि, मुदा हम सभ ओकरा देवदार मे बदलि देब।"

2. भजन 92:12 - "धर्मी ताड़क गाछ जकाँ पनपत। ओ लेबनान मे देवदार जकाँ उगत।"

इजकिएल 31:4 पानि ओकरा पैघ बना देलक, गहींर ओकरा ऊँच पर ठाढ़ क’ देलक, ओकर नदी ओकर पौधा सभक चारू कात बहैत छलैक आ ओकर छोट-छोट नदी सभ खेतक सभ गाछ मे पठा देलकैक।

गहींरक पानि एकटा पैघ गाछकेँ ऊपर उठौलक आ ओकरा अपन नदीसँ घेर लेलक।

1. भगवान प्राकृतिक दुनिया के उपयोग हमरा आ हमर जरूरत के पूरा करय लेल करैत छथि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रावधानक लेल आभारी रहबाक चाही।

1. भजन 104:24-25 हे प्रभु, अहाँक काज कतेक अनेक अछि! अहाँ सभ ओकरा सभ केँ बुद्धि मे बनौने छी। धरती तोहर प्राणीसँ भरल अछि।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

इजकिएल 31:5 तेँ हुनकर ऊँचाई खेतक सभ गाछ सभ सँ ऊपर भ’ गेलनि, आ हुनकर डारि सभ बढ़ि गेलनि, आ पानिक भरमारक कारणेँ हुनकर डारि सभ नमहर भ’ गेलनि।

इजकिएल 31:5 मे देल गेल राजसी गाछ अपन अपार आकार आ पानि के प्रचुरता के कारण खेत के सब गाछ स ऊपर उठल छल।

1. भगवानक प्रचुरता खेतक राजसी गाछ सहित समस्त सृष्टि मे प्रकट होइत अछि।

2. परमेश् वरक प्रेम आ कृपाक प्रचुरता सँ हमर सभक जीवन समृद्ध होइत अछि।

1. भजन 36:5-9 - हे प्रभु, अहाँक प्रेम आकाश धरि पहुँचैत अछि, अहाँक निष्ठा आकाश धरि।

2. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

इजकिएल 31:6 स्वर्गक सभ चिड़ै ओकर डारि मे अपन खोंता बनौलक आ ओकर डारि सभक नीचाँ खेतक सभ जानवर अपन बच्चा पैदा केलक आ ओकर छाया मे सभ पैघ जाति निवास केलक।

आकाश, भूमि आ समुद्रक सभ प्राणी इजकिएल 31:6 केर गाछ मे आश्रय पाबि गेल।

1. प्रभु सब प्राणी के शरण प्रदान करैत छथि।

2. हमरऽ स्वर्गीय पिता केरऽ प्रेम हुनकऽ सब सृष्टि तक फैललऽ छै ।

1. भजन 36:7 - हे परमेश् वर, अहाँक अडिग प्रेम कतेक अनमोल अछि! मनुष्यक संतान अहाँक पाँखिक छाया मे शरण लैत अछि ।

2. यशायाह 25:4 किएक तँ अहाँ गरीबक लेल गढ़, गरीबक विपत्ति मे गढ़, आंधी-तूफान सँ आश्रय आ गर्मी सँ छाहरि बनि गेलहुँ। कारण निर्दयी लोकक साँस देबाल पर टकराइत तूफान जकाँ होइत छैक।

इजकिएल 31:7 ओ अपन पैघता मे, डारि सभक लम्बाई मे एहि तरहेँ सुन्दर छलाह, कारण हुनकर जड़ि पैघ पानि लग छलनि।

ई अंश एकटा एहन गाछक गप्प करैत अछि जे प्रचुर पानिक नजदीक रहबाक कारणेँ अपन आकार आ मजबूती मे सुन्दर छल |

1. भगवानक आशीर्वाद प्रायः अप्रत्याशित तरीका सँ भेटैत अछि।

2. विश्वास मे ताकत तखन भेट सकैत अछि जखन हम सभ ओकरा परमेश् वरक प्रेम सँ पोसब।

1. भजन 1:3 - "ओ पानिक धारक कात मे रोपल गाछ जकाँ अछि जे अपन समय मे फल दैत अछि, आ ओकर पात नहि मुरझाइत अछि। ओ जे किछु करैत अछि, ओ सफल होइत अछि।"

2. यूहन्ना 15:5 - "हम बेल छी; अहाँ सभ डारि छी। जँ अहाँ हमरा मे रहब आ हम अहाँ मे रहब त' अहाँ सभ बहुत फल देब; हमरा छोड़ि अहाँ किछु नहि क' सकैत छी।"

इजकिएल 31:8 परमेश् वरक बगीचा मे देवदारक गाछ सभ ओकरा नुका नहि सकल, देवदारक गाछ ओकर डारि जकाँ नहि छलैक आ चेस्टनट केर गाछ ओकर डारि जकाँ नहि छलैक। आ ने परमेश् वरक बगीचा मे कोनो गाछ हुनका सन छलनि।

भगवान् के बगीचा में महान गाछ के सुंदरता के तुलना केकरो नै करलऽ जाब॑ सकै छेलै ।

1. भगवानक सौन्दर्य अतुलनीय अछि।

2. भगवानक सृष्टिक सौन्दर्य सँ सीख सकैत छी।

1. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

2. यशायाह 45:18 - "किएक तँ आकाशक रचना करनिहार प्रभु ई कहैत छथि जे पृथ् वी केँ बनौनिहार परमेश् वर स्वयं एकरा बनौलनि प्रभु;आ आर कियो नहि अछि।"

इजकिएल 31:9 हम ओकर डारि सभक भरमार सँ ओकरा सुन्दर बना देने छी, जाहि सँ परमेश् वरक बगीचा मे अदनक सभ गाछ ओकरा सँ ईर्ष्या केलक।

लेबनान के राजसी देवदार के गाछ पर परमेश् वर के बगीचा में अदन के सब गाछ के ईर्ष्या होय छेलै।

1. भगवान् के सृष्टि सौन्दर्य आ ईर्ष्या के स्रोत अछि

2. भगवानक वरदानक लेल कृतज्ञताक हृदयक खेती करब

1. भजन 18:1-2 हे प्रभु, हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी, हमर सामर्थ्य। प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2. 1 इतिहास 16:24 हुनकर महिमा केँ जाति-जाति मे, हुनकर अद्भुत काज सभ जाति मे घोषित करू!

इजकिएल 31:10 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। कारण, अहाँ अपना केँ ऊँच-ऊँच ऊपर उठौने छी, आ ओ मोटका डारि सभक बीच अपन चोटी केँ उछालि देलक, आ ओकर हृदय ऊँचाई मे ऊपर उठि गेल अछि।

परमेश् वर घमंड आ घमंड सँ चेतावनी दैत छथि, जे हमरा सभ केँ विनम्र रहबाक स्मरण कराबैत छथि।

1. घमंड आ अहंकार के खतरा

2. विनम्रताक बुद्धि

1. याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. नीतिवचन 11:2 - "जखन घमंड अबैत अछि तखन अपमान सेहो अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।"

इजकिएल 31:11 हम हुनका गैर-यहूदी पराक्रमी के हाथ मे सौंप देलियनि। ओ ओकरा संग अवश्य व्यवहार करत, हम ओकरा ओकर दुष्टताक कारणेँ भगा देलियैक।

परमेश् वर एकटा दुष्ट आदमी केँ कोनो विदेशी राष्ट्रक हाथ मे सौंपि कऽ सजा देने छथि जे ओकरा दुष्टताक लेल आओर सजा देत।

1. दुष्टताक परिणाम: पाप सँ सजा कोना भेटैत छैक

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: कर्म आ परिणामक बीचक कड़ी बुझब

1. नीतिवचन 11:31 - धर्मी केँ नीकक इनाम भेटतैक, आ दुष्ट केँ ओकर उचित सजा भेटतैक।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 31:12 आ परदेशी सभ, जाति सभक भयावह लोक सभ ओकरा काटि कऽ छोड़ि देलक। पृथ् वीक सभ लोक हुनकर छाहरि सँ उतरि कऽ हुनका छोड़ि कऽ चलि गेल छथि।

इस्राएल राष्ट्र पराया लोगऽ द्वारा काटलऽ गेलऽ छै आरो छोड़ी देलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ डाढ़ देश केरऽ सब नदी सें टूटी गेलऽ छै आरू ओकरऽ लोग चली गेलऽ छै ।

1. कठिनाई आ विपत्तिक बादो भगवान एखनो नियंत्रण मे छथि

2. अनिश्चितताक बीच भगवानक योजना पर भरोसा करब सीखब

1. रोमियो 8:28-39: आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 46:1-3: परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।
तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

इजकिएल 31:13 ओकर विनाश पर स्वर्गक सभ चिड़ै रहत आ खेतक सभ जानवर ओकर डारि पर रहत।

एकटा पैघ गाछक खंडहर खेतक चिड़ै-चुनमुनीक विश्राम स्थल होयत।

1. प्रकृतिक कमजोरी मे भगवानक ताकत देखल जाइत अछि

2. पतित सोझ लोकक नींव होयत

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 37:10-11 - एखन किछुए काल धरि दुष्ट नहि रहत। मुदा नम्र लोक केँ पृथ्वीक उत्तराधिकार भेटतैक। आ शान्तिक प्रचुरता मे आनन्दित हेताह।

इजकिएल 31:14 एहि लेल जे पानिक कातक सभ गाछ मे सँ कोनो गाछ अपन ऊँचाईक कारणेँ अपना केँ ऊपर नहि उठबैत अछि आ ने मोट डारि सभक बीच अपन चोटी नहि उठबैत अछि आ ने ओकर गाछ सभ अपन ऊँच-ऊँच ठाढ़ होइत अछि, जे सभ पानि पीबैत अछि, किएक तँ ई सभ अछि मनुखक सन्तानक बीच, गड्ढा मे उतरय बला लोक सभक बीच, पृथ् वीक नीचाँ मे मृत्युक लेल सौंपल गेल।

भगवान घमंड के खिलाफ चेतावनी द॑ रहलऽ छै, कैन्हेंकि सब चीज, चाहे ओकरऽ भव्यता केरऽ कोय भी बात होय, अंततः मृत्यु आरू क्षय के सामना करना पड़ै छै ।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - घमंड के खतरा के खोज करब आ अंततः ई कोना विनाश के तरफ ल जाइत अछि।

2. सब बात गुजरैत अछि - जीवनक क्षणिक प्रकृति आ वर्तमान क्षण मे जीबाक महत्वक परीक्षण।

1. रोमियो 12:3 - किएक तँ हमरा देल गेल कृपा सँ हम अहाँ सभ मे सँ सभ केँ कहैत छी जे अपना केँ ओहि सँ बेसी ऊँच नहि बुझू, बल् कि एक-एक गोटे केँ परमेश् वरक विश् वासक नाप-मानक अनुसार सोचू असाइन कयल गेल।

2. याकूब 4:14-15 - तइयो अहाँ सभ नहि जनैत छी जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब।

इजकिएल 31:15 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जाहि दिन ओ कब्र पर उतरलाह तखन हम शोक मना देलियनि, हम हुनका लेल गहींर भाग केँ झाँपि देलियनि, आ ओकर बाढ़ि केँ रोकि देलियनि, आ पैघ पानि रुकि गेल छल, आ हम लेबनान केँ हुनका लेल शोक करौलियनि आ ओकर सभ गाछ-बिरिछ खेत ओकरा लेल बेहोश भ’ गेलै।

प्रभु परमेश् वर जखन ककरो कब्र पर पठौलनि तखन शोक उत्पन्न कयलनि, आ बाढ़िक पानि केँ रोकलनि आ पैघ पानि केँ रोकलनि। ओ लेबनान केँ शोक सेहो करौलनि आ खेतक सभ गाछ बेहोश भ' गेलाह।

1. शोकक समय मे भगवानक आराम: कठिन समय मे ताकत कोना भेटत

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति केँ मोन पाड़ब: अपन विश् वास मे कोना दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

२.

2. भजन 30:5 - "कानब राति धरि रहि सकैत अछि, मुदा भोर मे आनन्द सेहो अबैत अछि।"

इजकिएल 31:16 हम हुनकर खसबाक आवाज सुनि जाति सभ केँ हिलाय देलियैक, जखन हम हुनका गड्ढा मे उतरय बला सभक संग नरक मे फेकि देलियनि, आ अदनक सभ गाछ, जे लेबनानक नीक आ नीक गाछ, सभ पानि पीबैत अछि, पृथ्वीक निचला भाग मे सान्त्वना भेटत।

ई अंश एकटा पैघ गाछक विनाशक बात करैत अछि, आ ओकर खसला पर राष्ट्र सभ काँपि रहल अछि।

1. "विनम्रताक शक्ति: नीच लोकक आदर करब सीखब"।

2. "प्रभुक सान्त्वना: हुनक प्रावधान पर भरोसा"।

1. भजन 147:3 - "ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।"

2. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

इजकिएल 31:17 ओ सभ सेहो हुनका संग नरक मे तलवार सँ मारल गेल लोक सभक लग गेलाह। आ जे सभ हुनकर बाँहि छलनि, जे हुनकर छाया मे जाति-जातिक बीच मे रहैत छलाह।

तलवारसँ मारल गेल आ ओकरा सभक संग ठाढ़ लोक सभकेँ परमेश् वर नरकक गहींर धरि उतारि देथिन।

1. अधर्मक कीमत: इजकिएल 31:17 क अध्ययन

2. परमेश् वरक संप्रभुता आ न्याय: इजकिएल 31:17 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 14:9-15 - बेबिलोन के राजा के पतन

2. भजन 107:10-16 - परमेश् वर द्वारा पीड़ित सभ केँ विनाशक गड्ढा सँ मुक्ति

इजकिएल 31:18 अदनक गाछ सभक बीच अहाँ एहि तरहेँ महिमा आ महानता मे केकरा जकाँ छी? तइयो अहाँ अदनक गाछ सभक संग पृथ् वीक निचला भाग मे उतारल जायब। ई फिरौन आ ओकर समस्त भीड़ छथि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे फिरौन आ हुनकर भीड़ केँ तलवार सँ मारल गेल लोक सभक संग अखतना के बीच मे पड़बाक लेल पृथ् वीक गहराई मे उतारल जायत।

1. घमंड के परिणाम: फिरौन आ अदन के गाछ स एकटा सीख

2. परमेश् वरक न्यायक अनिवार्यता: फिरौन आ हुनकर भीड़क भाग्य केँ बुझब।

1. याकूब 4:6 "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

2. रोमियो 6:23 "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

इजकिएल अध्याय ३२ मे मिस्र के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आसन्न पतन के चित्रण करै लेली जीवंत आरू काव्यात्मक भाषा के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै । अध्याय मिस्र आरू ओकरऽ भाग्य के साझा करै वाला राष्ट्रऽ प॑ परमेश्वर केरऽ न्याय के निश्चितता आरू कठोरता प॑ जोर दै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मिस्र के पतन के विलाप स॑ होय छै, जेकरा म॑ एकरऽ तुलना एगो राजसी समुद्री जीव स॑ करलऽ गेलऽ छै जेकरा ओकरऽ उच्च स्थान स॑ उतारलऽ जैतै ।

भविष्यवाणी मे वर्णन अछि जे कोना मिस्र अन्हार मे फेकल जायत आ ओकर जलमार्ग सुखायत (इजकिएल 32:1-8)।

2nd पैराग्राफ: भविष्यवाणी मिस्र केरऽ विनाश आरू ई राष्ट्रऽ के बीच पैदा होय वाला आतंक के जीवंत वर्णन के साथ जारी छै । अध्याय मे तलवार आ मारल गेल लोकक बिम्बक प्रयोग कयल गेल अछि जाहि सँ तबाहीक विस्तारक चित्रण कयल गेल अछि | मिस्र क॑ एगो शक्तिशाली राष्ट्र के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै जेकरा नीचें करी देलऽ जैतै आरू उजाड़ बंजर भूमि बनी जैतै (इजकिएल ३२:९-१६)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के अंत में विभिन्न राष्ट्र आ ओकर शासक के सूची देल गेल अछि जे मिस्र के भाग्य में भाग लेताह | प्रत्येक राष्ट्र के नीचा फेंकल गेल छै, जेकरऽ लोगऽ आरू नेता के अंत भी एक जैसनऽ होय छै । अध्याय के अंत में एक कथन के साथ होय छै कि परमेश्वर के न्याय के दिन नजदीक आबी गेलऽ छै आरू मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ के अंत होय जैतै (इजकिएल 32:17-32)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय बत्तीस प्रस्तुत
मिस्र के विरुद्ध न्याय के भविष्यवाणी,
एकरऽ आसन्न पतन आरू एकरा आरू अन्य राष्ट्रऽ प॑ जे तबाही होतै, ओकरऽ चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

मिस्र के पतन पर विलाप, एकर तुलना एकटा राजसी समुद्री जीव स।
मिस्र के अन्हार में फेंकना आरू ओकरऽ जलमार्ग के सुखाय के वर्णन ।
मिस्र केरऽ विनाश आरू एकरा स॑ राष्ट्रऽ के बीच जे आतंक पैदा होतै ओकरऽ जीवंत चित्रण ।
अन्य राष्ट्र आ ओकर शासक के सूची जे मिस्र के भाग्य में हिस्सा लेत।
भगवान् केरऽ न्याय केरऽ आसन्न दिन आरू मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ के अंत के बयान ।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ मिस्र के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आसन्न पतन आरू ओकरा आरू अन्य राष्ट्रऽ प॑ जे विनाश होतै, ओकरऽ चित्रण करलऽ गेलऽ छै । अध्याय के शुरुआत मिस्र के पतन के विलाप स॑ होय छै, जेकरा म॑ एकरऽ तुलना एगो राजसी समुद्री जीव स॑ करलऽ गेलऽ छै जेकरा ओकरऽ उच्च स्थान स॑ उतारलऽ जैतै । भविष्यवाणी मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना मिस्र अन्हार मे फेकल जायत आ ओकर जलमार्ग सुखायत। भविष्यवाणी मिस्र के विनाश आरू एकरा स॑ राष्ट्रऽ के बीच पैदा होय वाला आतंक के जीवंत वर्णन के साथ जारी छै । मिस्र क॑ एगो पराक्रमी राष्ट्र के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै जेकरा नीच करी क॑ उजाड़ बंजर भूमि बनी जैतै । एकरऽ बाद अध्याय म॑ विभिन्न राष्ट्र आरू ओकरऽ शासकऽ के सूची देलऽ गेलऽ छै जे मिस्र केरऽ भाग्य म॑ हिस्सा लेतै, जेकरा म॑ वर्णन करलऽ गेलऽ छै कि कोना हर राष्ट्र क॑ नीचें गिराय देलऽ जैतै आरू एक समान अंत स॑ मिलतै । अध्याय के अंत में ई कथन छै कि परमेश्वर के न्याय के दिन नजदीक आबी गेलऽ छै आरू मिस्र आरू ओकरऽ सहयोगी देशऽ के अंत होय जैतै। अध्याय मिस्र आरू ओकरऽ भाग्य के साझा करै वाला राष्ट्रऽ प॑ परमेश्वर केरऽ न्याय के निश्चितता आरू कठोरता प॑ जोर दै छै ।

इजकिएल 32:1 बारहम वर्ष मे बारहम मास मे, मासक पहिल दिन परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेल।

बारहम वर्ष बारहम मासक पहिल दिन इजकिएल पर प्रभुक वचन आयल।

1) "शक्तिशाली चमत्कार: भगवान् अपन वचन के माध्यम स हमरा सब स कोना बात करैत छथि"।

2) "आज्ञापालन: भगवान के वचन हमरा सब के कोना मार्गदर्शन करैत अछि"।

1) रोमियो 10:17 - "एहि तरहेँ विश्वास सुनबा सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन सँ अबैत अछि।"

2) यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ जे हमर योजना अछि से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

इजकिएल 32:2 मनुष्यक पुत्र, मिस्रक राजा फिरौनक लेल विलाप करू आ हुनका कहू जे अहाँ जाति- जातिक सिंहक बच्चा जकाँ छी आ समुद्र मे ह्वेल जकाँ छी.

इजकिएल मनुष्य के बेटा के निर्देश दै छै कि मिस्र के राजा फिरौन के लेलऽ विलाप करी क॑ ओकरा शेर आरू व्हेल स॑ तुलना करी क॑ ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: इजकिएल 32:2 केर अध्ययन

2. प्रलोभन आ मिस्रक राजा: इजकिएल 32:2

1. रोमियो 13:1-2 - प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि।

2. नीतिवचन 21:1 - राजाक हृदय परमेश् वरक हाथ मे अछि, जेना पानिक नदी, ओ ओकरा जतय चाहैत अछि घुमा दैत अछि।

इजकिएल 32:3 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। तेँ हम बहुत लोकक संग अहाँक ऊपर अपन जाल पसारि देब। ओ सभ तोरा हमर जाल मे पोसत।”

भगवान् एकटा व्यक्ति के अपन जाल में ऊपर उठाबय लेल लोक के भीड़ के उपयोग करताह।

1. परमेश् वरक शक्तिशाली जाल - कोना परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन नजदीक अनबाक लेल लोकक भीड़क उपयोग करैत छथि।

2. परमेश् वरक दयाक पहुँच - परमेश् वरक दया अपन लोकक माध्यमे हमरा सभ पर कोना पसरल अछि।

1. मत्ती 18:20 - किएक तँ जतऽ दू-तीन गोटे हमर नामसँ एकत्रित छथि, ओतहि हम हुनका सभक बीच छी।

2. भजन 64:7 - मुदा परमेश् वर ओकरा सभ पर बाण चलाओत। अचानक घायल भ’ जेताह।

इजकिएल 32:4 तखन हम अहाँ केँ देश पर छोड़ि देब, अहाँ केँ खुला मैदान मे फेकि देब, आ आकाशक सभ चिड़ै केँ अहाँ पर राखब, आ पूरा पृथ्वीक जानवर केँ अहाँ सँ भरब।

ई अंश कोनो राष्ट्र के उजाड़ भूमि में छोड़ी क॑ चिड़ै-चुनमुनी आरू जानवरऽ क॑ अपनऽ कब्जा जमाबै के अनुमति द॑ क॑ परमेश् वर केरऽ दंड के बात करै छै ।

१: "भगवानक दण्ड: कर्म मे हुनक न्याय"।

२: "भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक धार्मिकता अपरिहार्य अछि"।

1: यशायाह 26:9-11 - "जखन पृथ्वी अहाँक न्यायक अनुभव करैत अछि तखन संसारक निवासी धार्मिकता सीखैत अछि। दुष्ट पर अनुग्रह कयल गेलाक बादो ओ धार्मिकता नहि सीखैत अछि; सोझ लोक मे ओ सभ विकृत व्यवहार करैत अछि आ नहि करैत अछि।" प्रभुक महिमा देखू। प्रभु, अहाँक हाथ ऊँच उठाओल गेल अछि, मुदा ओ सभ नहि देखैत अछि। ओ सभ अहाँक लोकक प्रति अहाँक उत्साह देखथि आ लज्जित होथि, अहाँक विरोधी सभक लेल सुरक्षित आगि हुनका सभ केँ भस्म क' देथिन।"

2: विलाप 3:33 - "किएक तँ ओ मनुष् यक संतान केँ स्वेच्छा सँ कष्ट नहि दैत छथि आ ने दुखी करैत छथि।"

इजकिएल 32:5 हम तोहर मांस पहाड़ पर राखब आ घाटी सभ केँ तोहर ऊँचाई सँ भरब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ घाटी सभ केँ ओकर लाश सँ भरि कऽ ओकर मांस पहाड़ पर राखि दण् ड देथिन।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इस्राएली सभ सँ सीखब

2. परमेश्वरक शक्ति: इजकिएल 32:5 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 5:25 - तेँ परमेश् वरक क्रोध अपन लोक पर भड़कि गेल अछि, आ ओ ओकरा सभक विरुद्ध हाथ बढ़ौलनि आ ओकरा सभ केँ मारि देलनि गली-गली।

2. यिर्मयाह 16:16 - देखू, हम बहुतो मछुआरा केँ बजाबयब, प्रभु कहैत छथि, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ माछ मारत। आ तकर बाद हम बहुत रास शिकारी केँ बजा लेब, आ ओ सभ हर पहाड़ सँ, हर पहाड़ी सँ आ पाथरक छेद सँ ओकरा सभक शिकार करत।

इजकिएल 32:6 हम अहाँक खून सँ ओहि देश केँ सेहो पानि देब जाहि मे अहाँ हेलैत छी, पहाड़ धरि। नदी सभ तोरा सँ भरल रहत।”

परमेश् वर ओहि भूमि केँ ओहि मे हेलनिहारक खून सँ पानि देथिन आ नदी सभ ओहि सभ सँ भरि जायत।

1. विश्वासक शक्ति: हमर सभक काजक शाश्वत परिणाम कोना होइत अछि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: भगवान के आज्ञाकारिता स आशीर्वाद कोना भेटैत अछि

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यहोशू 24:15 - मुदा जँ अहाँ सभ केँ प्रभुक सेवा करब अवांछनीय बुझाइत अछि तँ आइ अहाँ सभ अपना लेल चुनू जे अहाँ सभ केकर सेवा करब, चाहे अहाँ सभक पूर्वज यूफ्रेटिसक ओहि पारक देवता सभक सेवा कयलनि वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ छी रहनाइ. मुदा रहल बात हमरा आ हमर घरक लोकक तऽ हम सभ प्रभुक सेवा करब।

इजकिएल 32:7 जखन हम अहाँ केँ बाहर निकालब तखन हम आकाश केँ झाँपि देब आ ओकर तारा सभ केँ अन्हार क’ देब। हम सूर्य केँ मेघ सँ झाँपि देब, आ चान ओकरा इजोत नहि देत।

भगवान् अन्हार के उपयोग आकाश के झाँपै लेली करतै, सूर्य आरू चान के इजोत के रोकी क॑।

1. भगवानक अन्हारक शक्ति - भगवानक अन्हार हमरा सभक जीवन मे कोना परिवर्तन आनि सकैत अछि।

2. प्रकाश मे चलबाक लेल चुनब - हम कोना परमेश्वरक प्रकाशक उपयोग क' सकैत छी जे हमरा सभ केँ अपन बाट पर मार्गदर्शन क' सकैत छी।

1. मत्ती 5:14-16 - "अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल नगर नुकाओल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा क' टोकरीक नीचा नहि राखि दैत अछि, बल् कि ठाढ़ि पर राखि दैत अछि, आ ओ इजोत दैत अछि।" घर मे सभ केँ।ओहि तरहेँ अहाँ सभक इजोत दोसर सभक सोझाँ चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।”

2. भजन 27:1 - "प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि; हम ककरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि; हम ककरा सँ डरब?"

इजकिएल 32:8 हम स्वर्गक सभटा उज्ज्वल इजोत केँ अहाँक ऊपर अन्हार बना देब आ अहाँक देश पर अन्हार करब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

जे हुनकर इच्छाक आज्ञाकारी नहि छथि हुनका लेल परमेश् वर अन्हार अनताह।

1. आज्ञा नहि मानबाक अन्हार: परमेश् वरक इच्छाक इजोत मे रहब

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम पर प्रकाश देब

1. मत्ती 6:22-23 - आँखि शरीरक दीप अछि। अस्तु, आँखि स्वस्थ रहत त' पूरा शरीर इजोत सं भरल रहत, मुदा आँखि खराब रहत त' पूरा शरीर अन्हार सं भरल रहत. तखन जँ अहाँ मे इजोत अन्हार अछि तऽ अन्हार कतेक पैघ अछि!

2. यशायाह 59:9 - तेँ न्याय हमरा सभ सँ दूर अछि, आ धार्मिकता हमरा सभ केँ नहि पहुँचबैत अछि। हम सभ इजोतक आशा करैत छी, अन्हार आ उज्ज्वलताक आशा करैत छी, मुदा अन्हार मे चलैत छी। 1567

इजकिएल 32:9 हम बहुत लोकक हृदय केँ सेहो परेशान करब, जखन हम अहाँक विनाश जाति-जाति सभक बीच, ओहि देश सभ मे आनब, जकरा अहाँ नहि जनैत छलहुँ।

परमेश् वर ओहि जाति सभक लेल विनाश अनताह जे इजकिएलक लोक सभक लेल अपरिचित अछि।

1. भगवान् के क्रोध: अविश्वास के परिणाम के समझना

2. परमेश् वरक संप्रभुता: राष्ट्र सभक लेल परमेश् वरक योजना पर भरोसा करब

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर पर, जे हमर क्रोधक छड़ी अछि, जकर हाथ मे हमर क्रोधक गदा अछि!

2. यिर्मयाह 12:14-17 - प्रभु ई कहैत छथि जे हमर सभ दुष्ट पड़ोसी जे हमर प्रजा इस्राएल केँ देल गेल उत्तराधिकार छीनि लेत, हम ओकरा सभ केँ ओकर देश सँ उखाड़ि देब आ यहूदाक लोक केँ बीच सँ उखाड़ि देब हुनकर.

इजकिएल 32:10 हँ, हम अहाँ पर बहुतो लोक केँ आश्चर्यचकित क’ देब, आ ओकर राजा सभ अहाँक लेल भयंकर भयभीत भ’ जेताह, जखन हम हुनका सभक सोझाँ अपन तलवार चला देब। आ तोहर पतनक दिन ओ सभ हर क्षण काँपि उठत, एक-एक गोटे अपन जानक लेल।

भगवान् बहुतो लोक केँ ओकर काजक परिणाम सँ आश्चर्यचकित आ भयभीत क' देताह जखन ओ हुनका सभक विरुद्ध अपन तलवार उतारताह।

1. तलवारक चेतावनी: अपन काजक परिणाम बुझब

2. डर नहि: विपत्तिक समय मे भगवानक रक्षा केँ जानब

1. मत्ती 10:28 - "ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि, ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. भजन 56:3-4 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी। परमेश् वर पर, जिनकर वचनक हम स्तुति करैत छी, परमेश् वर पर हम भरोसा करैत छी; हम नहि डरब। मांस हमरा की क' सकैत अछि?"

इजकिएल 32:11 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। बाबुलक राजाक तलवार अहाँ पर आबि जायत।

परमेश् वर बाबुलक राजा आ ओकर तलवारक आगमनक चेतावनी दैत छथि।

1. परमेश् वरक चेतावनी: पश्चातापक आह्वान पर ध्यान देब

2. बेबिलोनक तलवार: पापसँ मुँह घुमा कऽ धार्मिकता दिस घुमब

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जाबत ओ लग मे अछि ताबे ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट आ दुष्ट अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर दिस घुरय, तखन ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करत, किएक तँ ओ मुक्ति मे क्षमा कऽ देत।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 32:12 हम पराक्रमी सभक तलवार सँ अहाँक भीड़ केँ खसा देब, जाति सभक भयावह, सभ केँ, आ ओ सभ मिस्रक धूमधाम केँ लूटि लेत आ ओकर सभ भीड़ नष्ट भ’ जायत।

परमेश् वर जाति सभक पराक्रमी तलवारक उपयोग मिस्रक भीड़ केँ पराजित करबाक लेल करताह, आ ओकर सभ धूमधाम केँ नष्ट करताह।

1. परमेश् वरक न्याय आ क्रोध मिस्र पर हुनकर न्याय मे देखल जा सकैत अछि।

2. परमेश् वरक सामर्थ् य कोनो जाति सँ बेसी अछि आ ओकर उपयोग हुनकर इच् छा पूरा करबाक लेल कयल जायत।

1. यशायाह 10:5, "हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि।"

2. यशायाह 10:12, "तेँ एहन होयत जे जखन प्रभु सियोन पर्वत आ यरूशलेम पर अपन पूरा काज क' लेताह, तखन हम अश्शूरक राजाक मोट हृदयक फल आ महिमा केँ दंडित करब।" ओकर ऊँच नजरि।"

इजकिएल 32:13 हम ओकर सभटा पशु केँ सेहो नष्ट कऽ देब जे पैघ पानिक कात सँ। आ ने मनुष् यक पएर ओकरा सभ केँ परेशान करत आ ने जानवरक खुर ओकरा सभ केँ परेशान करत।

भगवान् अपन लोक के सब नुकसान आ संकट स बचा लेताह।

1. भगवान हमरा सब के सब बुराई आ हानि स बचा लेताह।

2. भगवान् केर प्रयोजन आ हुनक दया पर भरोसा करू।

1. भजन 46:1-4 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत। एकटा एहन नदी अछि जकर धार सभ परमेश् वरक नगर केँ आनन्दित करैत अछि, जे पवित्र स्थान अछि जतय परमात्माक निवास अछि |

2. भजन 121:2-3 हमर सहायता स्वर्ग आ पृथ्वीक निर्माता प्रभु सँ भेटैत अछि। ओ अहाँक पएर नहि फिसलत जे अहाँ पर नजरि रखैत अछि ओ नींद नहि लेत।

इजकिएल 32:14 तखन हम हुनकर सभक पानि केँ गहींर बना देब आ हुनकर सभक नदी केँ तेल जकाँ बहायब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर केरऽ प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू अपनऽ लोगऽ के पानी क॑ गहरा करी क॑ ओकरऽ नदी तेल के तरह बहतै ।

1: परमेश् वर अपन प्रतिज्ञाक प्रति वफादार छथि

2: प्रचुरता के आशीर्वाद

1: यशायाह 43:2-3 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2: फिलिप्पियों 4:19 हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

इजकिएल 32:15 जखन हम मिस्र देश केँ उजाड़ बना देब आ ओहि देश केँ ओहि सँ रहित भ’ जायत, जखन हम ओहि मे रहनिहार सभ केँ मारि देब, तखन ओ सभ बुझत जे हम प्रभु छी।

परमेश् वर मिस्र केँ उजाड़ बना देताह आ ओकर सभ निवासी केँ मारि देताह जाहि सँ ओ सभ हुनका प्रभुक रूप मे चिन्हत।

1. अपन परीक्षा के माध्यम स प्रभु के पहचानब

2. अपन जीवन मे परमेश् वरक संप्रभुता केँ बुझब

1. यशायाह 43:1-3 - "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ।" हमर छी।जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब,

आ नदीक बीच सँ ओ अहाँ पर भारी नहि पड़त, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत प्रभु, तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अहाँ सभक आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, अहाँ सभक हृदयक रक्षा करत।" आ अहाँ सभक मन मसीह यीशु मे राखू।”

इजकिएल 32:16 ई विलाप अछि जाहि सँ ओ सभ ओकरा विलाप करत, जाति-जाति सभक बेटी सभ ओकरा विलाप करत, ओ सभ ओकरा लेल, मिस्र आ ओकर सभ भीड़क लेल विलाप करत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर घोषणा कएने छथि जे सभ जाति मिस्र आ ओकर लोकक लेल विलाप आ शोक करत।

1. सब राष्ट्र पर भगवान के संप्रभुता

2. दोसरक दुर्दशाक शोक करबाक आवश्यकता

1. यिर्मयाह 9:17-20

2. मत्ती 5:4

इजकिएल 32:17 बारहम वर्ष मे, मासक पन्द्रहम दिन मे परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल कॅ मिस्र के लेलऽ आसन्न प्रलय के बारे में चेतावनी दै छै।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही आ मिस्रक विनाशक बाट पर नहि चलबाक चाही।

2: भगवान सदिखन सत्य बजैत छथि आ हुनकर चेतावनी के गंभीरता स लेबाक चाही।

1: नीतिवचन 19:21 - "मनुष्यक मन मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य ठाढ़ रहत।"

2: यिर्मयाह 17:9 - "हृदय सब किछु सँ बेसी छल, आ बहुत बीमार अछि; एकरा के बुझि सकैत अछि?"

इजकिएल 32:18 मनुष्यक बेटा, मिस्रक भीड़क लेल विलाप करू आ ओकरा सभ केँ, ओकरा आ प्रसिद्ध जाति सभक बेटी सभ केँ, गड्ढा मे उतरयवला सभक संग पृथ्वीक नीचाँ धरि फेकि दियौक।

इजकिएल 32:18 के अंश मिस्र के भीड़ आरू प्रसिद्ध जाति के बेटी सिनी के शोक करै के आह्वान करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ धरती के निचला भाग में फेंकै के आह्वान करै छै।

1. प्रभुक दया आ न्याय: इजकिएल 32:18 के आह्वान

2. परमेश् वरक न्याय: इजकिएल 32:18 मे मिस्रक चित्रण केँ बुझब

1. यशायाह 14:19 - मुदा अहाँ अपन कब्र सँ घृणित डारि जकाँ फेकल गेल छी, आ तलवार सँ मारल गेल लोकक वस्त्र जकाँ जे गड्ढाक पाथर पर उतरैत अछि। जेना पैरक नीचाँ दबाएल शव।

2. नीतिवचन 1:12 - किएक तँ सहज लोकक मुँह घुमा देब ओकरा सभ केँ मारि देतैक, आ मूर्ख सभक समृद्धि ओकरा सभ केँ नष्ट क’ देतैक।

इजकिएल 32:19 अहाँ केकरा सौन्दर्य मे गुजरैत छी? नीचाँ जाउ, आ अहाँ अखतना के संग सुतल रहू।”

इजकिएल 32:19 मे कहल गेल अछि जे जे खतना नहि करैत छथि हुनका ओहिना सम्मान आ सौन्दर्यक अभाव मे दफनाओल जेबाक चाही जेना ओ रहैत छलाह।

1. "सम्मान के साथ जीना: भगवान के आह्वान"।

2. "खतना के आशीर्वाद: विश्वास के वाचा"।

1. लेवीय 12:3 - "आठम दिन ओकर अग्रचर्मक मांसक खतना कयल जायत।"

2. इफिसियों 2:11-12 - "तेँ मोन राखू जे एक समय मे अहाँ सभ शरीर मे गैर-यहूदी सभ, जे खतना नहि केनिहार केँ खतना कहल जाइत अछि, जे हाथ सँ शरीर मे बनैत अछि, से मोन राखू जे ओहि समय मे अहाँ सभ मसीह सँ अलग भ' गेल छलहुँ।" , इस्राएल केरऽ राष्ट्रमंडल स॑ दूर आरू प्रतिज्ञा केरऽ वाचा स॑ पराया, जेकरा पास कोनो आशा नै छेलै आरू दुनिया म॑ परमेश्वर के बिना छेलै।"

इजकिएल 32:20 ओ सभ तलवार सँ मारल गेल लोकक बीच मे खसि पड़त, ओ तलवारक हाथ मे सौंपल गेल अछि, ओकरा आ ओकर सभ भीड़ केँ खींचू।

इजकिएल भविष्यवाणी करैत छथि जे मिस्रक लोक सभ अपन भीड़क संग तलवार सँ मारल जायत आ तलवारक हाथ मे सौंपल जायत।

1. परमेश् वरक न्याय: परमेश् वरक धार्मिक न्याय केँ स्वीकार करब जे हुनका अस्वीकार करैत छथि

2. विश्वासक शक्ति: कठिन परिस्थितिक बादो परमेश्वरक संप्रभुता पर भरोसा करब

1. व्यवस्था 32:4 - "ओ चट्टान छथि, हुनकर काज सिद्ध अछि, आ हुनकर सभ बाट न्यायी अछि। ओ एकटा विश्वासी परमेश् वर छथि जे कोनो दुष् ट नहि करैत छथि, सोझ आ न्यायी छथि।"

2. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 32:21 पराक्रमी सभ मे सँ बलवान लोक सभ नरकक बीच सँ ओकर सहायता करयवला सभक संग बात करत।

बलवान आ पराक्रमी लोकनि नरकक गहींर मे सँ परमेश् वर सँ गप्प करताह, संग मे तलवार सँ मारल गेल लोक सभ सेहो रहताह आ अखतना केने पड़ल छथि।

1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि - भगवानक कृपा आ दया नरकक गहराई मे बैसल लोक धरि कोना पसरल अछि।

2. पापक मूल्य - हमर पापक स्थायी परिणाम कोना भ' सकैत अछि, मृत्यु मे सेहो।

1. यशायाह 33:24 - ओहि मे रहनिहार लोक ई नहि कहत जे हम बीमार छी।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 32:22 अशूर आ ओकर सभ दल ओतय अछि, ओकर कब्र ओकरा चारू कात अछि, सभ मारल गेल, तलवार सँ मारल गेल।

परमेश् वर अपन सभ न्याय मे न्यायी छथि आ दुष्ट सभ केँ ओकर गलत काजक सजा देताह।

1. परमेश् वरक न्याय: धर्म आ दंड

2. प्रभु पर भरोसा करब: धर्मी जीवन जीब

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. नीतिवचन 11:21 - एहि बात पर निश्चिंत रहू जे दुष्ट केँ सजा नहि भेटतैक, मुदा जे धर्मी अछि से मुक्त भ’ जायत।

इजकिएल 32:23 ओकर कब्र गड्ढाक कात मे राखल गेल छैक आ ओकर कब्र ओकर कब्रक चारू कात छैक।

युद्ध मे मरि गेल लोक केँ अपन संगी सभक संग गड्ढा मे गाड़ल जाइत छैक, सब केँ तलवार सँ मारल जाइत छैक आ जीवित लोकक भूमि मे भय आनि दैत छैक |

1. मृत्युक भय: एकरा कोना पार कयल जाय

2. भय के विश्वास में बदलब: भगवान पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. इब्रानी 13:6 तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे, प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

इजकिएल 32:24 ओकर कब्रक चारू कात एलाम आ ओकर सभ भीड़ अछि, सभ मारल गेल अछि, तलवार सँ खसल अछि, जे बिना खतना केने पृथ्वीक निचला भाग मे उतरि गेल अछि, जे जीवित लोकक देश मे ओकरा सभ केँ आतंकित क’ देलक। तैयो ओ सभ अपन लाज गड्ढा मे उतरनिहार सभक संग सहने छथि।

एलाम आ ओकर सभ भीड़ मारल गेल अछि आ आब धरतीक गहराई मे खतना नहि पड़ल पड़ल अछि जे जीवन मे अपन आतंक आ मृत्यु मे लाजक स्मरण करा रहल अछि।

1. पापक गंभीर परिणाम

2. जीवन आ मृत्यु मे लाजक शक्ति

1. यशायाह 5:14 - तेँ नरक अपना केँ बढ़ि गेल अछि आ ओकर मुँह बिना कोनो नाप मे खोलि लेलक, आ ओकर महिमा, ओकर भीड़, ओकर धूमधाम आ जे आनन्दित होइत अछि, ओ ओहि मे उतरत।

2. यिर्मयाह 5:15 - हे इस्राएलक घराना, देखू, हम अहाँ सभ पर दूर सँ एकटा राष्ट्र आनि देब, परमेश् वर कहैत छथि, ई एकटा पराक्रमी जाति अछि, ई एकटा प्राचीन जाति अछि, जकर भाषा अहाँ नहि जनैत छी आ ने बुझैत छी जे कहैत छथि।

इजकिएल 32:25 ओ सभ ओकरा ओकर सभ भीड़क संग मारल गेल लोकक बीच ओछाओन राखि देलक, ओकर कब्र ओकरा चारू कात अछि, सभ अखतना भेल, तलवार सँ मारल गेल, यद्यपि ओकरा सभक आतंक जीवित लोकक देश मे भेलैक। तैयो ओ सभ अपन लाज गड्ढा मे उतरनिहार सभक संग सहैत अछि।

परमेश् वर मिस्रक लेल एकटा बिछाओन निर्धारित कएने छथि जे मारल गेल लोक सभ मे, जे खतना नहि कयल गेल अछि आ तलवार सँ मारल गेल अछि। जीवित लोकक भूमि मे आतंक उत्पन्न केने रहितो गड्ढा मे अपन लाज सहैत छथि ।

1. पाप के परिणाम: इजकिएल 32:25 के अध्ययन

2. अखतना के संग लाज सहन करब: इजकिएल 32:25 के अध्ययन

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप हुनकर मुँह अहाँ सभ सँ नुका देने अछि जाहि सँ ओ नहि सुनैत अछि।

इजकिएल 32:26 मेशेक, तुबल आ ओकर सभ भीड़ अछि, ओकर कब्र ओकरा चारू कात अछि, सभ खतना नहि भेल, तलवार सँ मारल गेल, यद्यपि ओ सभ जीवित लोकक देश मे आतंकित कयलक।

इजकिएल 32:26 मेशेक, तुबल आ ओकर भीड़क कब्रक बात करैत अछि, जे सभ तलवार सँ मरि गेल आ जीवित लोकक देश मे आतंक मचा देलक।

1. दुष्टता के परिणाम: इजकिएल 32:26 के अध्ययन

2. दुष्टक मृत्यु: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

1. भजन 37:38- "मुदा अपराधी सभ एक संग नष्ट भ' जेताह, दुष्टक अंत समाप्त भ' जेताह।"

2. रोमियो 6:23- "किएक तँ पापक मजदूरी मृत्यु थिक; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

इजकिएल 32:27 ओ सभ अखतना के पतित पराक्रमी सभक संग नहि रहताह, जे अपन युद्धक हथियार ल’ क’ नरक मे उतरि गेल छथि, आ ओ सभ अपन तलवार माथक नीचाँ राखि देने छथि, मुदा हुनकर सभक अधर्म हुनका सभक हड्डी पर रहत। यद्यपि ओ सभ जीवित लोकक देश मे पराक्रमी सभक आतंक छल।

अखतना के पतित पराक्रमी नरक मे उतरल लोकक संग नहि लेत, जेना ओकर युद्धक हथियार माथक नीचाँ राखल गेल छैक। जीवित लोकक भूमि मे आतंक रहितो ओकर दुष्टता मृत्यु मे सेहो ओकरा सभक संग रहत।

1. दुष्टताक परिणाम - दुष्टताक परिणामक अन्वेषण, जीवन आ मृत्यु दुनू मे।

2. धर्मी जीवन जीब - धर्मी जीवन जीबाक महत्वक परीक्षण करब, आ एहि सँ जे फल भेटैत अछि।

1. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

इजकिएल 32:28 हँ, अहाँ खतना नहि भेल लोकक बीच मे टूटि जायब आ तलवार सँ मारल गेल लोक सभक संग सुतब।

इजकिएल भविष्यवाणी करै छै कि इस्राएल के लोग अखतना के बीच तोड़ी क मारल जैतै।

1. परमेश् वरक वचन पूरा होयत: इजकिएल 32:28

2. अविश्वासक शक्ति: परमेश् वरक वचनक पालन करबा सँ मना करबाक परिणाम

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

2. व्यवस्था 28:15-20 - जँ अहाँ सभ प्रभु परमेश् वरक आज्ञा नहि मानब, जे हम आइ अहाँ सभ केँ आज्ञा द’ रहल छी, से पूरा लगन सँ पालन करब, तखन ई सभ शाप अहाँ सभ पर आबि अहाँ सभ केँ पकड़ि लेत।

इजकिएल 32:29 एदोम, ओकर राजा आ ओकर सभ राजकुमार सभ अछि, जे तलवार सँ मारल गेल लोक सभक द्वारा अपन सामर्थ्य सँ लगाओल गेल अछि।

इजकिएल भविष्यवाणी केलकै कि एदोम के राजा आरू राजकुमार सिनी तलवार के साथ मरी जैतै आरू खतना नै करलोॅ आरो गड्ढा में बैठलो सिनी के साथ लेटतै।

1. परमेश् वरक न्याय केँ चिन्हब: इजकिएल 32:29 पर चिंतन करब

2. परमेश्वर के वचन के शक्ति: इजकिएल 32:29 के अनुभव

1. यशायाह 34:5-6 - कारण हमर तलवार स् वर्ग मे नहाओल जायत, देखू, ओ इदुमिया आ हमर अभिशापक लोक पर न्याय करबाक लेल उतरत। परमेश् वरक तलवार खून सँ भरल अछि, मोटापा सँ मोट भऽ जाइत

अछि, मेमना आ बकरी सभक खून सँ, मेढ़क गुर्दाक चर्बी सँ, किएक तँ परमेश् वरक बोजरा मे बलिदान अछि आ ओहि मे बहुत पैघ वध अछि इदुमिया के भूमि।

2. योएल 3:19 - मिस्र उजाड़ भ’ जायत, आ एदोम उजाड़ जंगल होयत, यहूदाक सन्तान सभक संग हिंसाक कारणेँ, किएक तँ ओ सभ अपन देश मे निर्दोष खून बहौने अछि।

इजकिएल 32:30 उत्तर दिसक राजकुमार सभ आ सभ सिदोन लोक जे मारल गेल लोक सभक संग उतरल अछि। अपन आतंक सँ ओ सभ अपन सामर्थ्य सँ लज्जित छथि। ओ सभ तलवार सँ मारल गेल लोक सभक संग अखतना केने पड़ल रहैत अछि आ गड्ढा मे उतरनिहार सभक संग अपन लाज सहैत अछि।

ई अंश उत्तर के राजकुमार आरू सिदोन के बात करै छै, जे युद्ध में मारलऽ गेलऽ छेलै । ओ सभ अपन एक समयक पराक्रमी शक्ति सँ लजा जाइत छथि आ तलवार सँ मारल गेल लोकक संग अखतना भ' क' पड़ल रहैत छथि।

1. विनम्रताक शक्ति: उत्तरक राजकुमार सभसँ सीखब

2. जीवनक अनिश्चितता: मारल गेल आ जिडोनियन

1. मत्ती 5:5 - "धन्य छथि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी हेताह।"

2. रोमियो 12:3 - "किएक तँ हमरा देल गेल अनुग्रह सँ हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ कहैत छी जे अहाँ सभ केँ अपना केँ जेतेक चाही ताहि सँ बेसी नहि बुझू, बल् कि परमेश् वर द्वारा बाँटल गेल विश् वासक अनुसार अपना केँ सोझ विवेक सँ सोचू।" अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ।"

इजकिएल 32:31 फिरौन हुनका सभ केँ देखताह आ हुनकर सभ भीड़ पर सान्त्वना भेटतनि, फारो आ हुनकर समस्त सेना केँ तलवार सँ मारल गेल, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

युद्ध मे मारल गेल लोकक लेल प्रभुक न्यायक प्रतिज्ञा मे फिरौन केँ सान्त्वना भेटतनि।

1: भगवानक न्याय निश्चित अछि आ हुनकर प्रतिज्ञा सत्य अछि।

2: भगवान निर्दोषक बदला लेताह आ शोक करयवला केँ सान्त्वना देताह।

1: यशायाह 26:20-21 "हे हमर प्रजा, आऊ, अपन कोठली मे घुसि क' अपन दरबज्जा बंद क' दिअ। जाबत धरि क्रोध नहि भ' जायत, ताबत धरि अपना केँ नुका क' रहू। किएक त' देखू, प्रभु आबि रहल छथि।" अपन स्थान सँ बाहर निकलि कऽ पृथ् वी पर रहनिहार सभ केँ ओकर अधर्मक सजा देबाक लेल, पृथ् वी अपन खूनक खुलासा करत आ आब ओकरा मारल गेल लोक सभ केँ नहि झाँपि देत।”

2: रोमियो 12:19 "प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि; हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 32:32 हम जीवित लोकक देश मे अपन आतंक उत्पन्न क’ देलहुँ, आ ओकरा तलवार सँ मारल गेल लोक सभक बीच मे राखल जायत, जे फारो आ ओकर समस्त भीड़ अछि।”

परमेश् वरक आतंक जीवित लोकक देश मे व्याप्त अछि, आ एकर परिणामस्वरूप फिरौन आ ओकर लोक केँ मारल गेल अछि।

1. भगवान् केर आज्ञा मानय सँ मना करबाक परिणाम

2. भगवान् के क्रोध के शक्ति

1. निष्कासन 14:13-14 - मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ, ठाढ़ रहू आ प्रभुक उद्धार केँ देखू, जे ओ आइ अहाँ सभ केँ देखौताह। अहाँ सभ ओकरा सभ केँ फेर अनन्त काल धरि नहि देखब।” 14 प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह आ अहाँ सभ चुप रहब।

2. व्यवस्था 28:58-59 - जँ अहाँ एहि पुस्तक मे लिखल एहि व्यवस्थाक सभ वचनक पालन नहि करब, जाहि सँ अहाँ एहि गौरवशाली आ भयावह नाम सँ डेरा सकब, जे अहाँक परमेश् वर अछि। 59 तखन

परमेश् वर अहाँक विपत्ति केँ आ अहाँक वंशक विपत्ति केँ, बहुत पैघ विपत्ति, बहुत दिन धरि चलय बला विपत्ति आ बहुत दिन धरि चलयवला विपत्ति केँ आचरित करथिन।

इजकिएल अध्याय ३३ एकटा चौकीदार के रूप में भविष्यवक्ता के भूमिका पर केंद्रित छै आरू पश्चाताप के संदेश आरू उद्धार के अवसर दै छै। अध्याय में भविष्यवक्ता के जिम्मेदारी पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि वू लोगऽ क॑ आसन्न न्याय के बारे म॑ चेतावनी दै आरू परमेश्वर के सामने हर व्यक्ति के व्यक्तिगत जवाबदेही पर।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के इस्राएल के घराना के लेलऽ चौकीदार के रूप में ओकरऽ भूमिका के याद दिलाबै के साथ होय छै । परमेश् वर इजकिएल कॅ निर्देश दै छै कि लोग सिनी कॅ ओकरो पापपूर्ण तरीका आरु ओकरो काम के परिणाम के बारे में चेताबै। भविष्यवक्ता के जिम्मेदारी छै कि ओ अलार्म बजाबै आरू लोगऽ के बीच परमेश्वर के संदेश पहुँचै (यहेजकिएल 33:1-9)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी लोकक आपत्ति केँ संबोधित करैत अछि जे परमेश्वरक बाट अनुचित अछि। परमेश् वर हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ दुष्टक मृत्यु मे कोनो आनन्द नहि लैत छथि, बल् कि चाहैत छथि जे ओ सभ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि कऽ जीबि सकय। ओ व्यक्तिगत जवाबदेही आ पश्चाताप आ उद्धार के अवसर पर जोर दैत छथि (इजकिएल 33:10-20)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन ओहि लोक के खिलाफ डांट के संग होइत अछि जे दावा करैत छथि जे प्रभु के रास्ता न्यायसंगत नै अछि | भगवान् घोषणा करै छै कि ई ओकरऽ अपनऽ तरीका छै जे अन्याय छै आरू ओकरा सिनी के कर्म के अनुसार न्याय करलऽ जैतै । ओ उजाड़ भूमि केँ पुनर्स्थापित करबाक आ एक बेर फेर लोक केँ आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि (इजकिएल 33:21-33)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय तेतीस प्रस्तुत
एकटा चौकीदार के रूप में भविष्यवक्ता के भूमिका,
पश्चाताप, व्यक्तिगत जवाबदेही, आरू उद्धार के अवसर के संदेश देना।

इजकिएल के इस्राएल के घराना के चौकीदार के रूप में ओकरो भूमिका के याद दिलाबै।
लोक के ओकर पापपूर्ण तरीका आ ओकर परिणाम के बारे में चेताबय के निर्देश।
भगवान् के निष्पक्षता के संबंध में जनता के आपत्ति को संबोधित करते हुए |
व्यक्तिगत जवाबदेही आ पश्चाताप के अवसर पर जोर।
जे दावा करैत छथि जे प्रभुक बाट अन्याय अछि, हुनका सभ केँ डाँट दियौक।
लोक के लेल बहाली आ आशीर्वाद के वादा।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय एगो चौकीदार के रूप म॑ भविष्यवक्ता के भूमिका प॑ केंद्रित छै आरू पश्चाताप, व्यक्तिगत जवाबदेही आरू उद्धार के अवसर के संदेश दै छै । अध्याय के शुरुआत इजकिएल के इस्राएल के घराना के चौकीदार के रूप में ओकरो जिम्मेदारी के याद दिलाबै के साथ होय छै। परमेश् वर ओकरा निर्देश दै छै कि लोग सिनी कॅ ओकरो पापपूर्ण तरीका आरु ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के बारे में चेताबै। भविष्यवाणी लोगऽ के आपत्ति के संबोधित करै छै कि परमेश् वर के रास्ता अनुचित छै, ओकरा आश्वस्त करै छै कि वू दुष्टऽ के मौत में कोय मजा नै लै छै बल्कि ओकरऽ पश्चाताप आरू जीवन के इच्छा करै छै। परमेश् वर व्यक्तिगत जवाबदेही आ उद्धारक अवसर पर जोर दैत छथि। अध्याय के समापन वू लोगऽ के खिलाफ डांट के साथ होय छै जे दावा करै छै कि प्रभु के रास्ता अन्याय छै, ई घोषणा करै छै कि ई ओकरऽ अपनऽ तरीका छै जे अन्यायी छै आरू ओकरऽ अनुसार ओकरऽ न्याय करलऽ जैतै । भगवान् सेहो वादा करैत छथि जे उजाड़ भूमि के पुनर्स्थापित करब आ एक बेर फेर लोक के आशीर्वाद देब। अध्याय में भविष्यवक्ता के जिम्मेदारी पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि वू लोगऽ क॑ चेतावनी दै, परमेश् वर के सामने व्यक्तिगत जवाबदेही, आरू पश्चाताप आरू उद्धार के अवसर पर जोर दै छै ।

इजकिएल 33:1 फेर परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ इस्राएलक लोकक लेल चौकीदार बनय लेल बजबैत छथि।

1. एकटा चौकीदार के जिम्मेदारी: इजकिएल 33:1 के अध्ययन

2. परमेश् वरक आह्वानक पालन करब: इजकिएलक उदाहरण

1575

1. यशायाह 62:6-7 - "हे यरूशलेम, हम तोहर देबाल पर पहरेदार राखि देने छी; ओ सभ दिन-राति कहियो चुप नहि रहत। अहाँ जे सभ परमेश् वरक जिक्र करैत छी, चुप नहि रहू आ जाबत धरि हुनका विश्राम नहि दिअ।" ओ यरूशलेम केँ स्थापित करैत छथि आ जाबत धरि ओ पृथ्वी पर स्तुति नहि बनबैत छथि |”

2. यिर्मयाह 6:17 - "हम अहाँ सभक ऊपर चौकीदार राखि दैत छी जे, 'तुरहीक आवाज सुनू!' मुदा ओ सभ कहलक जे हम सभ बात नहि सुनब।'

इजकिएल 33:2 यौ मनुष् य, अपन प्रजाक सन् तान सभ सँ बात करू आ हुनका सभ सँ कहू जे, “जखन हम कोनो देश पर तलवार अनब, तखन जँ ओहि देशक लोक सभ अपन इलाकाक कोनो आदमी केँ पकड़ि कऽ ओकरा अपन पहरेदारक रूप मे राखि दैत अछि।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ देशक लोक सभ केँ कहथि जे जखन ओ विनाश अनताह तखन हुनका सभ केँ चेतावनी देबाक लेल एकटा चौकीदार नियुक्त करबाक चाही।

1. "विश्वास आ आज्ञापालन करबाक आह्वान: मुसीबतक समय मे चौकीदारक भूमिका"।

2. "भगवान सँ चेतावनी सुनबाक महत्व"।

1. यशायाह 21:6-9

2. यिर्मयाह 6:17-19

इजकिएल 33:3 जँ ओ तलवार केँ देश पर अबैत देखि त’ तुरही बजा क’ लोक सभ केँ चेताबैत छथि।

1: हमरा सब के अलार्म बजाबय पड़त आ दोसर के अपन समय के खतरा के बारे में चेताबय पड़त।

2: आसन्न खतरा के बारे में दोसर के चेताबै के जिम्मेदारी हमरा सब के गंभीरता स लेबाक चाही।

1: लूका 12:48, मुदा जे नहि जनैत छल आ जे सजाय योग्य छल से केलक, ओकरा कम कोड़ा भेटत

2: नीतिवचन 24:11-12, मृत्यु दिस ल’ जा रहल लोक सभ केँ बचाउ; वध दिस डगमगाइत लोक केँ रोकि दियौक। जँ अहाँ कहैत छी जे, मुदा हमरा सभ केँ एहि विषय मे किछु नहि बुझल छल, तखन की हृदयक तौलनिहार केँ ई बात नहि बुझल छनि? जे अहाँक प्राणक रक्षा करैत अछि से नहि जनैत अछि? की ओ सभ के जे काज केने अछि, ओकर प्रतिफल नहि देत?

इजकिएल 33:4 तखन जे केओ तुरहीक आवाज सुनैत अछि आ चेतावनी नहि लैत अछि। जँ तलवार आबि कऽ ओकरा लऽ जेतै तँ ओकर खून ओकर माथ पर पड़तैक।”

ई श्लोक परमेश् वर के चेतावनी पर ध्यान नै देला के परिणाम के बात करै छै ।

1: भगवान् के चेतावनी के अनदेखी करय वाला आओर ओकर परिणाम भोगय वाला के तरह नहि बनू.

2: एकर परिणाम भोगय सँ बचबाक लेल भगवानक चेतावनी पर ध्यान दियौक।

1: नीतिवचन 29:1 - जे बेर-बेर डाँटैत अछि, ओ अपन गरदनि कठोर करैत अछि, ओ अचानक नष्ट भ’ जायत, आ से बिना कोनो उपायक।

2: इब्रानी 12:25 - देखू जे बजनिहार केँ अस्वीकार नहि करू। जँ पृथ् वी पर बजनिहार केँ अस्वीकार केनिहार जँ ओ सभ नहि बचि सकलाह तँ हम सभ स् वर्ग सँ बाजनिहार सँ दूर भऽ कऽ नहि बचि सकब।

इजकिएल 33:5 ओ तुरहीक आवाज सुनलनि, मुदा कोनो चेतावनी नहि लेलनि। ओकर खून ओकरा पर रहतैक।
मुदा जे चेतावनी लेत से अपन प्राण केँ बचाओत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ चेताबैत छथि जे सतर्क रहू आ हुनकर चेतावनी पर ध्यान दियौक, कारण जे नहि करत ओ अपन विनाशक लेल अपनहि जिम्मेदार होयत।

1. "भगवानक चेतावनी: आह्वान पर ध्यान दियौक वा कीमत चुकाउ"।

2. "भगवानक चेतावनी: हुनकर दया केँ गले लगाउ आ उद्धार पाउ"।

1. नीतिवचन 29:1 "जेकरा बेर-बेर डाँटल जाइत अछि, ओ अपन गरदनि कठोर करैत अछि, ओ अचानक नष्ट भ' जायत, आ जेकर कोनो उपाय नहि होयत।"

2. याकूब 4:17 "अतः जे नीक काज करय जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।"

इजकिएल 33:6 मुदा जँ चौकीदार तलवार अबैत देखि तुरही नहि बजाबैत अछि आ लोक सभ केँ चेतावनी नहि देल जायत। जँ तलवार आबि कऽ ओकरा सभ मे सँ ककरो पकड़ि लेत तँ ओ अपन अधर्मक कारणेँ चलि जाइत अछि। मुदा हम चौकीदारक हाथ सँ ओकर खून माँगब।

चौकीदार के जिम्मेदारी छै कि लोगऽ क॑ आसन्न खतरा के बारे म॑ चेतावनी देलऽ जाय आरू अगर वू ऐसनऽ नै कर॑ पारै छै त॑ भगवान ओकरा जवाबदेह ठहराबै छै ।

1. भगवानक आज्ञा मानू आ दोसर केँ खतरा सँ चेताउ

2. चौकीदारक जिम्मेदारी

1. नीतिवचन 24:11-12 - जे मृत्यु दिस खींचल गेल अछि ओकरा बचाउ, आ ठोकर खायबला केँ वध मे रोकि दियौक। जँ अहाँ कहैत छी जे, निश्चित रूप सँ हमरा सभ केँ ई बात नहि बुझल छल, तखन की हृदयक तौलनिहार एकरा नहि मानैत अछि? जे अहाँक आत्मा केँ राखैत अछि, से नहि जनैत अछि? आ की ओ एक-एकटा केँ ओकर कर्मक अनुसार बदला नहि देत?

2. यिर्मयाह 6:17-19 - हम अहाँ सभक ऊपर चौकीदार राखि दैत छी जे, “तुरहीक आवाज सुनू! मुदा ओ सभ कहलथिन, “हम सभ नहि सुनब।” तेँ हे मंडली, सुनू, आ जानि लिअ जे ओकरा सभक बीच की अछि। सुनू हे धरती! देखू, हम एहि लोक पर विपत्ति अवश्य आनि देब हुनका सभक विचारक फल, किएक तँ ओ सभ हमर बात आ ने हमर नियम पर ध्यान नहि देलक, बल् कि ओकरा अस्वीकार कऽ देलक।

इजकिएल 33:7 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, हम तोरा इस्राएलक घरानाक लेल एकटा पहरेदार बना देने छी। तेँ अहाँ हमर मुँह सँ वचन सुनब आ हमरा दिस सँ ओकरा सभ केँ चेता देब।”

परमेश् वर इजकिएल केँ इस्राएलक लोक सभक लेल चौकीदार बना देने छथि, जे परमेश् वरक वचन सुनबाक आ हुनका सभ केँ चेतावनी देबाक लेल।

1. परमेश् वरक लोकक लेल चौकीदार बनबाक महत्व

2. परमेश् वरक आवाज सुनब आ हुनकर आज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 56:10-12 - हुनकर पहरेदार आन्हर अछि, सभ ज्ञानहीन अछि; सब गूंगा कुकुर अछि, भौंक नहि सकैत अछि; सुतल, पड़ल, नींदक प्रेम।

2. रोमियो 13:11-14 - एकर अतिरिक्त अहाँ सभ समय जनैत छी जे अहाँ सभक नींद सँ जागबाक समय आबि गेल अछि। कारण, जखन हम सभ पहिने विश् वास केने रही, ताहि सँ बेसी एखन हमरा सभक उद्धार नजदीक अछि।

इजकिएल 33:8 जखन हम दुष्ट केँ कहब जे, “हे दुष्ट, अहाँ अवश्य मरि जायब। जँ अहाँ दुष्ट केँ ओकर बाट सँ सचेत करबाक लेल नहि बाजब तँ ओ दुष्ट अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा ओकर खून हम तोहर हाथ सँ माँगब।”

ई अंश चेतावनी दै छै कि जे दुष्टऽ क॑ ओकरऽ आसन्न मृत्यु के बारे म॑ चेतावनी दै लेली नै बोलतै, ओकरा ओकरऽ खून के जिम्मेदार ठहरालऽ जैतै ।

1577

1. हमरा सभकेँ दुष्टताक विरुद्ध बजबाक चाही आ चुप नहि रहबाक चाही।

2. हमर निष्क्रियताक परिणाम होइत अछि आ हम सभ अपन बात आ काजक लेल जवाबदेह छी।

1. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

2. नीतिवचन 24:11 - जेकरा मृत्युक लेल लऽ जा रहल अछि ओकरा बचाउ; जे वध मे ठोकर खा रहल अछि ओकरा रोकि दियौक।

इजकिएल 33:9 मुदा, जँ अहाँ दुष्ट केँ ओकर बाट सँ मुँह घुमबाक लेल चेताबैत छी। जँ ओ अपन बाट सँ नहि घुरत तँ ओ अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा अहाँ अपन प्राण केँ बचा लेलहुँ।

ई अंश दुष्टऽ क॑ ओकरऽ अनैतिक व्यवहार के बारे म॑ चेतावनी दै के महत्व आरू चेतावनी प॑ ध्यान नै देला के परिणाम प॑ जोर दै छै ।

1. चेतावनी के शक्ति: हम अपन शब्द के उपयोग परिवर्तन लाबय लेल कोना क सकैत छी?

2. पापक परिणाम: पश्चाताप के महत्व के बुझब।

1. नीतिवचन 24:11-12 "जेकरा मृत् युक लेल लऽ जा रहल अछि, तकरा सभ केँ बचाउ। जे सभ ठोकर खा रहल अछि, ओकरा सभ केँ वध मे रोकि दियौक। जँ अहाँ कहैत छी जे देखू, हम सभ ई बात नहि जनैत छलहुँ, तँ की हृदयक तौलनिहार केँ ई बात नहि बुझल अछि।" की जे अहाँक प्राण पर पहरा दैत अछि से नहि जनैत अछि आ की ओ मनुष् य केँ ओकर काजक अनुसार प्रतिफल नहि देत?

2. याकूब 5:19-20 हमर भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभ मे सँ कियो सत् य सँ भटकैत अछि आ कियो ओकरा घुराबैत अछि तँ ओकरा ई जानि दिअ जे जे कियो पापी केँ ओकर भटकला सँ वापस अनत, ओ ओकर प्राण केँ मृत्यु सँ बचाओत आ बहुत रास पापक झाँपि देत.

इजकिएल 33:10 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, इस्राएलक घराना सँ बात करू। अहाँ सभ एहि तरहेँ कहैत छी जे, “जँ हमरा सभक अपराध आ पाप हमरा सभ पर आबि गेल अछि आ हम सभ ओकरा सभ मे त्रस्त छी तँ हम सभ कोना जीब?

इस्राएल के घराना स॑ कहलऽ गेलऽ छै कि अगर ओकरऽ अपराध आरू पाप के कारण ओकरा कष्ट होय गेलऽ छै त॑ ओकरा कोना जीना चाहियऽ ।

1. अपन पापक प्रकाश मे जीब

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. मत्ती 5:3-12 - धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 33:11 हुनका सभ केँ कहू जे, “हम जीवित छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि। मुदा दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीबैत रहू। हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

ई अंश परमेश् वर के इच्छा पर जोर दै छै कि लोग अपनऽ दुष्ट रास्ता स॑ मुड़ै आरू जीबै, मरै के बजाय।

1: परमेश् वर हमरा सभसँ प्रेम करैत छथि आ चाहैत छथि जे हम सभ अपन पापपूर्ण बाटसँ मुड़ि कऽ हुनकर उद्धार पाबी।

2: हमर सबहक पसंदक परिणाम होइत छैक - मृत्यु पर जीवन चुनू।

1578

1: प्रेरित 3:19-20 - पश्चाताप करू आ फेर घुमू, जाहि सँ अहाँक पाप मेटा जाय, जाहि सँ प्रभुक सान्निध्य सँ आरामक समय आबि जाय।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 33:12 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, अपन प्रजाक सन् तान सभ केँ कहू जे, ‘धर्मात्माक धार्मिकता ओकर अपराधक दिन ओकरा नहि बचाओत जे दिन ओ अपन दुष्टता सँ मुँह फेर लेत। आ ने धर्मी अपन धार्मिकताक लेल ओहि दिन नहि जीबि सकैत अछि जाहि दिन ओ पाप करत।

धर्मात्माक धार्मिकता ओकरा सभ केँ नहि बचाओत जँ ओ पाप करत, आ दुष्टक दुष्टता ओकरा सभ केँ उद्धार नहि दऽ सकैत अछि जँ ओ सभ ओकरा सँ मुँह मोड़ि लेत।

1. पाप के खतरा: पाप धर्मी के सेहो कोना प्रभावित क सकैत अछि

2. पश्चाताप के आवश्यकता: अपन अपराध में मोक्ष कोना भेटत

1. याकूब 5:16 - एक-दोसर केँ अपन अपराध स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब।

2. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

इजकिएल 33:13 जखन हम धर्मी केँ कहब जे ओ निश्चित रूप सँ जीवित रहत। जँ ओ अपन धार्मिकता पर भरोसा करैत अछि आ अधर्म करैत अछि तँ ओकर सभ धार्मिकताक स्मरण नहि कयल जायत। मुदा ओ अपन अधर्मक कारणेँ मरि जेताह।

धर्मात्मा के उद्धार नै होतै अगर वू अपनऽ धर्म पर भरोसा करी क॑ अधर्म करी, बल्कि ओकरऽ बदला में ओकरा द्वारा करलऽ गेलऽ अधर्म के सजा मिलतै ।

1. सच्चा धर्म भगवान् सँ भेटैत अछि, हमरा सभ सँ नहि

2. अपन धर्म पर भरोसा नहि करू, भगवानक धार्मिकता पर भरोसा करू

1. यशायाह 64:6 - मुदा हम सभ अशुद्ध वस्तु जकाँ छी, आ हमर सभक सभ धार्मिकता गंदा चीर जकाँ अछि। आ हम सभ पात जकाँ फीका पड़ि जाइत छी। आ हमरा सभक अधर्म, हवा जकाँ, हमरा सभ केँ लऽ गेल अछि।

2. याकूब 2:10 - कारण जे केओ पूरा व्यवस्थाक पालन करैत अछि, मुदा एकहि बात मे अपराध करैत अछि, ओ सभ दोषी अछि।

इजकिएल 33:14 जखन हम फेर दुष्ट केँ कहैत छी जे, अहाँ अवश्य मरि जायब। जँ ओ अपन पाप सँ मुड़ि कऽ जे उचित आ उचित काज करैत अछि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक आ उचित काज करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. पश्चाताप करबाक आह्वान: इजकिएल 33:14

2. धर्मपूर्वक जीना: मोक्षक प्रतिज्ञा

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

इजकिएल 33:15 जँ दुष्ट प्रतिज्ञा केँ पुनर्स्थापित कऽ दैत अछि तँ ओ जे लूटने छल, ओकरा फेर सँ दऽ दियौक, जीवनक नियम मे चलैत रहू, बिना कोनो अपराध केने। ओ अवश्य जीवित रहत, मरत नहि।

प्रभु पश्चाताप करै वाला आरू अपनऽ विधान के अनुसार जीबै वाला के पुरस्कृत करै छै, ओकरा जीवन प्रदान करी क॑ ।

1. प्रभु धर्म के पुरस्कृत करैत छथि

2. पश्चाताप जीवन दैत अछि

1. मत्ती 5:17-20 (ई नहि सोचू जे हम व्यवस्था वा भविष्यवक्ता सभ केँ समाप्त करबाक लेल आयल छी; हम ओकरा सभ केँ समाप्त करबाक लेल नहि आयल छी, बल्कि ओकरा पूरा करबाक लेल आयल छी। कारण, हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि स् वर्ग आ पृथ् वी नहि खतम भऽ जायत, एक आयोटा, एक बिन्दु नहि, व्यवस्था सँ ताबत धरि गुजरत जा धरि सब किछु पूरा नहि भ' जायत, तेँ जे एहि मे सँ एकटा छोट आज्ञा केँ शिथिल करत आ दोसरो केँ सेहो एहने करबाक सिखाओत, ओ स्वर्गक राज्य मे कम सँ कम कहल जायत, मुदा जे ओकरा पूरा करत आ सिखाबैत अछि जे स्वर्गक राज्य मे हुनका सभ केँ महान कहल जायत।)

2. रोमियो 6:23 (पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।)

इजकिएल 33:16 हुनकर कोनो पाप जे ओ केने छथि, ताहि मे सँ कोनो पाप हुनका नहि कहल जायत। ओ अवश्य जीवित रहत।

परमेश् वरक कृपा ओहि सभ केँ क्षमा करबाक लेल पर्याप्त अछि जे पश्चाताप करैत अछि आ पाप सँ मुँह मोड़ि लैत अछि।

1: परमेश् वरक कृपा हुनक प्रेम आ दयाक स्मरण कराबैत अछि।

2: पश्चाताप आ आज्ञाकारिता परमेश् वरक कृपाक ताला खोलबाक प्रमुख कदम अछि।

1: रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

2: इजकिएल 18:21-22 - "मुदा जँ कोनो दुष्ट व्यक्ति अपन कयल गेल सभ पाप सँ मुँह मोड़ि क' हमर सभ नियमक पालन करत आ उचित आ उचित काज करत, त' ओ व्यक्ति अवश्य जीवित रहत; ओ सभ नहि मरत। मे सँ कियो नहि।" जे अपराध केलकै, ओकरा ओकरा सिनी के खिलाफ याद करलऽ जैतै।

इजकिएल 33:17 तइयो तोहर लोकक सन् तान सभ कहैत अछि जे, “प्रभुक बाट बराबर नहि अछि, मुदा हुनका सभक बाट बराबर नहि अछि।”

लोक प्रभु केरऽ काम करै के तरीका पर सवाल उठाय रहलऽ छै आरू दावा करी रहलऽ छै कि ई बराबर नै छै ।

1. परमेश्वरक बाट न्यायसंगत अछि: इजकिएल 33:17 मे अविश्वासक शक्तिक परीक्षण

2. भगवानक अथाह बुद्धि: कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 11:33-36 - "हे परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञान दुनूक धनक गहींर अछि! हुनकर निर्णय आ हुनकर बाट कतेक अनजान अछि! किएक तँ प्रभुक मन के के जनैत अछि? वा के।" की ओकर सलाहकार रहल अछि? वा पहिने के ओकरा देलक आ ओकर बदला ओकरा फेर सँ भेटतैक?

इजकिएल 33:18 जखन धर्मी अपन धार्मिकता सँ हटि क’ अधर्म करैत अछि, तखन ओ एहि सँ मरि जायत।

इजकिएल 33:18 चेतावनी दैत अछि जे जँ कोनो धर्मी अपन धार्मिकता सँ मुड़ि क’ अधर्म करैत अछि त’ ओ मरि जायत।

1. "धर्म सँ मुड़ब: पापक परिणाम"।

2. "धर्मक मूल्य आ अधर्मक व्यय"।

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. नीतिवचन 11:19 - जेना धर्म जीवन दिस बढ़ैत अछि, तहिना जे अधलाहक पाछाँ चलैत अछि, ओकर पाछाँ अपन मृत्यु धरि चलैत अछि।

इजकिएल 33:19 मुदा जँ दुष्ट अपन दुष्टता सँ मुक्त भ’ क’ जे उचित आ उचित काज करत, त’ ओ ओहि मे जीबैत रहत।

जँ दुष्ट सभ अपन गलत काज सँ मुँह मोड़ि कऽ उचित काज करत तँ ओकरा उद्धार भेटतैक।

1. धर्मक माध्यमे मोक्ष

2. पश्चाताप के माध्यम स मुक्ति के मार्ग

1. प्रेरित 3:19 - तखन पश्चाताप करू आ परमेश् वर दिस मुड़ू, जाहि सँ अहाँक पाप मेटा जाय, जाहि सँ प्रभु सँ स्फूर्तिक समय आबि जाय।

2. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

इजकिएल 33:20 तइयो अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभुक बाट बराबर नहि अछि।” हे इस्राएलक वंशज, हम अहाँ सभक एक-एक गोटेक अपन-अपन तरीकाक अनुसार न् याय करब।

इस्राएल के लोग परमेश् वर सँ शिकायत करलकै कि ओकरो रास्ता बराबर नै छै, आरु परमेश् वर जवाब देलकै कि हुनी ओकरा सिनी के अपनऽ तरीका के अनुसार न्याय करतै।

1. भगवानक न्याय निष्पक्ष आ निष्पक्षता भगवानक तरीका अछि

2. हमरा सभक न्याय एहि हिसाबे कयल जाइत अछि जे हम सभ अपन जीवन कोना जीबैत छी

1. लेवीय 19:15 अहाँ कोर्ट मे कोनो अन्याय नहि करू। गरीबक प्रति पक्षपात नहि करब आ पैघ लोकक प्रति स्थगित नहि रहब, मुदा धार्मिकता मे अपन पड़ोसीक न्याय करब।

2. रोमियो 2:11 किएक तँ परमेश् वर कोनो पक्षपात नहि करैत छथि।

इजकिएल 33:21 हमरा सभक कैदक बारहम वर्ष मे दसम मास मे पाँचम दिन यरूशलेम सँ बचल एक गोटे हमरा लग आबि कहलनि जे, “शहर मारल गेल अछि।”

कैदक बारहम वर्ष मे यरूशलेम सँ एकटा दूत इजकिएल केँ कहबाक लेल पहुँचल जे शहर पर प्रहार भ’ गेल अछि।

1. विपत्तिक समय मे प्रभुक आराम

2. प्रतिकूलताक सामना मे भगवानक शक्ति

1. विलाप 3:22 23 - "प्रभुक दयाक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, किएक तँ हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब, हँ, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

इजकिएल 33:22 साँझ मे परमेश् वरक हाथ हमरा पर आबि गेल छल, जखन कि बचल लोक आबि गेल छल। ओ हमर मुँह खोलि लेने छल, जाबत ओ भोर मे हमरा लग नहि आबि गेल छल। हमर मुँह खुजि गेल आ हम आब गूंगा नहि रहि गेलहुँ।

साँझ मे प्रभुक हाथ इजकिएल पर छलनि, भोर धरि मुँह खोलैत छलाह जाहि सँ ओ फेर सँ बाजि सकथि।

1. परमेश् वरक हाथक शक्ति - इजकिएल 33:22

2. कठिन समय मे ताकत भेटब - इजकिएल 33:22

1. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि क' सकैत अछि।" fathom.ओ थकल केँ बल दैत अछि आ कमजोर केँ शक्ति बढ़बैत अछि।युवक सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सेहो ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि, मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओकर शक्ति नव होयत।ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ई सभ ओहि द्वारा क' सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।"

इजकिएल 33:23 तखन परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ भविष्यवाणीक सेवा मे बजबैत छथि।

1. भविष्यवाणीक सेवाक आह्वान

2. प्रभुक वचन: एकटा आह्वान

1. यिर्मयाह 1:4-10

2. यशायाह 6:8-10

इजकिएल 33:24 मनुष्यक पुत्र, इस्राएलक ओहि उजाड़ मे रहनिहार लोक सभ ई कहैत अछि जे, “अब्राहम एक छलाह, आ ओ देशक उत्तराधिकारी छलाह। जमीन हमरा सभकेँ उत्तराधिकारक लेल देल गेल अछि।

इस्राएल देश के लोग सिनी के तर्क छै कि अब्राहम एक छेलै आरू ओकरा ई देश के उत्तराधिकार मिललै, लेकिन वू बहुत छै आरू ई देश ओकरा सिनी कॅ उत्तराधिकार के रूप में देलऽ गेलै।

1. परमेश् वरक वफादारी अब्राहम आ हुनकर वंशज सभ केँ एहि देशक उत्तराधिकारी बनबाक प्रतिज्ञा मे प्रकट कयल गेल अछि।

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा आ आशीर्वादक मूल्य केँ अपन जीवन मे चिन्हबाक महत्व।

1. उत्पत्ति 17:8 - हम तोरा आ तोहर बादक वंशज केँ ओहि देश केँ देब जाहि मे अहाँ परदेशी छी, पूरा कनान देश, अनन्त सम्पत्तिक लेल। आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब।

2. रोमियो 4:13 - किएक तँ ई प्रतिज्ञा जे ओ संसारक उत्तराधिकारी बनताह, से अब्राहम वा हुनकर वंशज केँ व्यवस्थाक द्वारा नहि, बल् कि विश् वासक धार्मिकताक कारणेँ छल।

इजकिएल 33:25 तेँ हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ खूनक संग भोजन करैत छी आ अपन मूर्ति सभ दिस आँखि उठा कऽ खून बहबैत छी।

भगवान् लोक सभ केँ चेताबैत छथि जे खूनक संग नहि भोजन करू आ ने मूर्तिक पूजा करू, नहि तँ ओ सभ ओहि भूमि पर कब्जा नहि कऽ सकैत छथि।

1. मूर्तिपूजा परमेश् वरक आज्ञाक आज्ञा नहि मानैत अछि

2. खूनक संग भोजनक परिणाम

1. निष्कासन 20:3-4 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। "अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपना लेल मूर्ति नहि बनाउ।"

2. रोमियो 8:7 - शरीर द्वारा संचालित मन परमेश् वरक प्रति शत्रुतापूर्ण अछि; ई परमेश् वरक नियमक अधीन नहि अछि, आ ने कऽ सकैत अछि।

इजकिएल 33:26 अहाँ सभ अपन तलवार पर ठाढ़ छी, घृणित काज करैत छी, आ अहाँ सभ अपन-अपन पड़ोसीक पत्नी केँ अशुद्ध करैत छी।

इस्राएली सभ केँ चेतावनी देल गेल छल जे जँ ओ सभ दुष्टता करैत रहब तँ ओकरा सभ केँ ओहि देश पर कब्जा नहि करबाक अनुमति देल जायत।

1.दुष्टताक कीमत की होइत छैक?

2.पाप के परिणाम।

1.रोमियो 6:23 "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि"।

2.भजन 1:1-2 "धन्य अछि ओ आदमी जे दुष्टक सलाह मे नहि चलैत अछि, आ ने पापी सभक बाट मे ठाढ़ अछि, आ ने उपहास करयवला लोकक आसन मे बैसैत अछि"।

इजकिएल 33:27 अहाँ हुनका सभ केँ ई कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जहिना हम जीबैत छी तहिना उजाड़ मे रहनिहार सभ तलवार सँ खसि पड़त आ जे खुला मैदान मे अछि ओकरा हम जानवर सभ केँ खाय लेल दऽ देब आ जे किला आ गुफा मे अछि से मरि जायत महामारी।

प्रभु घोषणा करै छै कि जे बंजर भूमि में छै, ओकरा तलवार सें मारलऽ जैतै, आरो जे खुला खेत में छै, ओकरा जंगली जानवर के खाय लेली देलऽ जैतै। किला-गुफा मे जे छथि से प्लेग सँ मरि जेताह।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 33:27 पर एकटा अध्ययन

2. परमेश् वरक क्रोध: इजकिएल 33:27 पर बाइबिल केर नजरि

1. यिर्मयाह 15:2-4 - जँ ओ सभ अहाँ केँ कहत जे हम सभ कतय जायब? तखन अहाँ हुनका सभ केँ कहबनि जे, “परमेश् वर ई कहैत छथि।” जेना मृत्युक लेल, मृत्युक लेल; आ जे तलवारक लेल अछि, से तलवारक लेल। आ जे अकाल लेल अछि, से अकाल मे। आ जे कैदक लेल अछि, बंदी मे। परमेश् वर कहैत छथि जे हम ओकरा सभक ऊपर चारि तरहक नियुक्ति करब, मारबाक लेल तलवार, नोचबाक लेल कुकुर, आ आकाशक चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ् वीक जानवर सभ केँ खा कऽ नष्ट करबाक लेल।

2. यिर्मयाह 16:4 - ओ सभ गंभीर मृत्यु सँ मरत; हुनका सभ केँ विलाप नहि कयल जायत। ने गाड़ल जायत। मुदा ओ सभ पृथ् वी पर गोबर जकाँ भऽ जायत। ओकर शव स् वर्गक चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ् वीक जानवरक भोजन होयत।

इजकिएल 33:28 हम देश केँ बहुत उजाड़ क’ देब, आ ओकर शक्तिक धूमधाम समाप्त भ’ जायत। इस्राएलक पहाड़ उजाड़ भ’ जायत, जाहि सँ कियो नहि गुजरत।”

परमेश् वर इस्राएलक देश केँ उजाड़ कऽ देताह, आ पहाड़ सभ एतेक बंजर भऽ जायत जे कियो ओकरा पार नहि कऽ सकैत अछि।

1583

1. भगवानक भूमिक उजाड़ आ हुनक पराक्रमक शक्ति

2. परमेश् वरक क्रोध आ न्यायक अथाह शक्ति

1. यशायाह 24:1-3 - देखू, परमेश् वर पृथ् वी केँ खाली बना दैत छथि आ उजड़ि कऽ उल्टा कऽ दैत छथि आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ छिड़िया दैत छथि।

2. यिर्मयाह 4:23-26 - हम पृथ्वी केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश, आ ओकरा सभ मे इजोत नहि छलैक।

इजकिएल 33:29 तखन ओ सभ बुझत जे हम प्रभु छी, जखन हम ओकर सभ घृणित काजक कारणेँ ओहि देश केँ बहुत उजाड़ क’ देब।

गलत काज करनिहार पर परमेश् वर न् याय करताह।

1. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक चाही वा हुनकर न्यायक सामना करबाक चाही।

2. परमेश् वरक आज्ञा मानू, आ हुनकर सत्यक ज्ञान बाँटि लिअ।

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. मत्ती 28:19-20 - तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता आ पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

इजकिएल 33:30 हे मनुख-पुत्र, तोहर लोकक सन्तान सभ एखनो देबाल आ घरक दरबज्जा मे अहाँक विरोध मे गप्प क’ रहल अछि आ एक-दोसर केँ अपन भाय सँ गप्प करैत अछि जे, “आउ, हम प्रार्थना करैत छी।” अहाँ सभ सुनू जे परमेश् वरक वचन की अछि।”

इजकिएलक समयक लोक सभ हुनका विरोध मे बाजि रहल छल, अपन घर मे आ सड़क पर परमेश् वर सँ हुनकर बात पर चर्चा क' रहल छल।

1. परमेश् वरक वचन गप्प करबाक लायक अछि

2. शब्दक शक्ति

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि।

2. याकूब 3:3-10 - जँ हम सभ घोड़ाक मुँह मे बिट लगा दैत छी जाहि सँ ओ हमरा सभक आज्ञा मानैत अछि, तँ हम सभ ओकर पूरा शरीर केँ सेहो मार्गदर्शन करैत छी।

इजकिएल 33:31 ओ सभ जेना लोक सभ अबैत अछि, तेना अहाँ लग अबैत अछि, आ ओ सभ हमर लोक जकाँ अहाँक सोझाँ बैसैत अछि, आ अहाँक बात सुनैत अछि, मुदा ओ सभ ओकरा पूरा नहि करत, किएक तँ ओ सभ अपन मुँह सँ बहुत प्रेम करैत अछि, मुदा ओकर मोन पाछाँ चलैत अछि हुनका लोकनिक लोभ।

लोक भगवानक वचन सुनय लेल अबैत छथि मुदा ओकर पालन नहि करैत छथि कारण हुनका अपन स्वार्थ मे बेसी रुचि होइत छनि |

1. लोभक खतरा

2. प्रलोभन के बावजूद परमेश्वर के वचन के पालन करब

1. नीतिवचन 28:25 जे घमंडी हृदयक अछि से झगड़ा करैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, से मोट भ’ जायत।

2. याकूब 1:22-24 मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि।

इजकिएल 33:32 देखू, अहाँ हुनका सभक लेल एकटा एहन गीत जकाँ छी जे नीक आवाज रखैत अछि आ वाद्ययंत्र पर नीक जकाँ बजबैत अछि, किएक तँ ओ सभ अहाँक बात सुनैत अछि, मुदा नहि करैत अछि।

इस्राएलक लोक सभ परमेश् वरक वचन सुनलाक बादो नहि सुनि रहल छल।

1: परमेश् वरक वचनक आज्ञा मानू - हमरा सभ केँ सदिखन ओ काज करबाक विकल्प चुनबाक चाही जे परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञा देने छथि, चाहे हुनकर वचन केँ अनदेखी करब कतबो प्रलोभनकारी किएक नहि हो।

2: भगवानक वचनक सौन्दर्य - भगवानक वचन एकटा एहन सुन्दर गीत अछि जकरा पोसब आ ओकर पालन करबाक चाही, नजरअंदाज नहि करबाक चाही।

1: याकूब 1:22-25 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ कर्म करय बला नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना कोनो आदमी अपन स्वाभाविक चेहरा पर नजरि रखैत अछि ऐना;कारण ओ अपना केँ देखैत अछि, चलि जाइत अछि, आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन आदमी छल।मुदा जे स्वतंत्रताक सिद्ध नियम मे देखैत अछि आ ओहि मे चलैत रहैत अछि, आ बिसरल श्रोता नहि अपितु काजक कर्ता अछि, ओ ई अछि जे काज करैत छथि ताहि मे धन्य हेताह।"

2: व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद, जँ अहाँ सभ अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, आ शाप जँ अहाँ सभ केँ मानब।" अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू, बल् कि आइ जे बाट हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सँ हटि कऽ आन देवता सभक पाछाँ लागि जाउ, जकरा अहाँ सभ नहि जनने छी।”

इजकिएल 33:33 जखन ई होयत, (देखू, ई आओत,) तखन ओ सभ बुझताह जे हुनका सभक बीच एकटा भविष्यवक्ता सेहो छलाह।

इस्राएल के लोग सिनी कॅ पता चलतै कि जबे परमेश् वर के वचन पूरा होतै, तबेॅ ओकरा सिनी के बीच एगो भविष्यवक्ता भी रहलो छै।

1. परमेश् वरक वचन सत्य अछि: अनिश्चितताक सामना करैत परमेश् वर पर भरोसा करब

2. भगवानक भविष्यवक्ता: विपत्तिक समय मे आशाक संदेश

1. भजन 33:4 - कारण, प्रभुक वचन सही आ सत्य अछि। ओ अपन सभ काज मे निष्ठावान अछि।

2. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

इजकिएल अध्याय ३४ मे इस्राएल के चरवाहा के खिलाफ भविष्यवाणी छै, जे लोग सिनी के देखभाल करै के जिम्मेदारी में असफल रहलै। अध्याय में सच्चा चरवाहा के रूप में परमेश्वर के भूमिका आरू ओकरोॅ बिखरी गेलऽ झुंड के इकट्ठा करै आरू ओकरा बहाल करै के प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के चरबाह के खिलाफ डांट स होइत अछि, जे अपन कर्तव्य के उपेक्षा क अपन लाभ के लेल झुंड के शोषण केने छथि। परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी ओकरा सिनी के काम के लेलऽ जवाबदेह ठहराबै छै आरू मोटऽ भेड़ आरू दुबला भेड़ऽ के बीच न्याय करै के वादा करै छै (इजकिएल ३४:१-१०)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी आशा आ पुनर्स्थापनक संदेशक संग जारी अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ स्वयं अपन लोकक चरबाह बनताह, हेरायल लोकक खोज करताह, हुनका सभ केँ भोजन

करताह आ नीक चारागाहक व्यवस्था करताह। ओ हुनका सभ केँ ओहि ठाम सँ बचाबय के वादा करैत छथि जतय ओ सभ छिड़िया गेल छथि आ हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह (इजकिएल 34:11-24)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन इजरायल के शोषण करै वाला दमनकारी आरू शक्तिशाली राष्ट्रऽ पर न्याय के वादा के साथ होय छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ भेँड़ा आ बकरी सभक बीच न्याय करताह, आ न्याय आ धार्मिकताक अपन शासन स्थापित करताह। ओ अपन लोक सभक संग शांति के वाचा करबाक आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि (इजकिएल 34:25-31)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय चौंतीस प्रस्तुत
इस्राएलक चरबाह सभक विरुद्ध एकटा भविष्यवाणी।
सच्चा चरबाह के रूप में परमेश्वर के भूमिका पर जोर दैत
आ हुनकर प्रतिज्ञा जे ओ अपन छिड़ियाएल झुंड केँ जमा क' क' पुनर्स्थापित करताह।

इस्राएलक चरबाह सभ केँ डाँट दियौक जे ओ सभ अपन कर्तव्यक उपेक्षा केलक।
मोटका बरद आ दुबला भेड़ पर न्यायक प्रतिज्ञा।
सच्चा चरबाह के रूप में परमेश् वर के साथ आशा आरू बहाली के संदेश।
हेरायल लोक के खोजब, झुंड के पेट भरब, आ नीक चारागाह उपलब्ध कराबय के वादा करू।
छिड़ियाएल झुंडक उद्धार आ ओकर अपन भूमि पर वापसी।
दमनकारी राष्ट्र पर न्याय के प्रतिज्ञा आ भगवान के शासन के स्थापना |
परमेश् वरक लोक सभक लेल शांति आ प्रचुर आशीषक वाचा।

इजकिएल के ई अध्याय में इस्राएल के चरवाहा सिनी के खिलाफ एगो भविष्यवाणी छै, जे लोग सिनी के देखभाल करै के जिम्मेदारी में असफल रहलै। अध्याय केरऽ शुरुआत ई चरवाहा सिनी के खिलाफ डांट के साथ होय छै, जे अपनऽ कर्तव्य के उपेक्षा करी क॑ अपनऽ लाभ के लेलऽ झुंड के शोषण करी चुकलऽ छै । परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी ओकरा सिनी कॅ ओकरोॅ काम के जवाबदेह ठहराबै छै आरू मोटका भेड़ आरू दुबला भेड़ के बीच न्याय करै के वचन दै छै। तखन भविष्यवाणी आशा आ पुनर्स्थापनक संदेश दिस शिफ्ट भ' जाइत अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ स्वयं अपन लोकक चरबाह बनताह, हेरायल लोकक खोज करताह, हुनका सभ केँ भोजन करताह आ नीक चारागाहक व्यवस्था करताह। ओ वचन दैत छथि जे जतय ओ सभ छिड़ियाएल अछि ओहि ठाम सँ बचा क' अपन भूमि पर आनब। अध्याय के समापन इजरायल के शोषण करै वाला दमनकारी आरू शक्तिशाली राष्ट्रऽ पर न्याय के वादा के साथ होय छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ भेँड़ा आ बकरी सभक बीच न्याय करताह, अपन न्याय आ धार्मिकताक शासन स्थापित करताह। ओ अपन लोक सभक संग शांति के वाचा करबाक आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि। अध्याय में सच्चा चरवाहा के रूप में परमेश्वर के भूमिका पर जोर देलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ बिखरी गेलऽ झुंड के इकट्ठा करै आरू ओकरा बहाल करै के प्रतिज्ञा, आरू जे लोग अपनऽ जिम्मेदारी के उपेक्षा करी चुकलऽ छै, ओकरा पर ओकरऽ न्याय पर जोर दै छै ।

इजकिएल 34:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ अपन लोकक दिस सँ बजबाक लेल बजबैत छथि।

1. हमरा सभ मे सँ प्रत्येकक लेल परमेश् वरक एकटा विशेष आह्वान अछि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आह्वानक उत्तर देबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. यिर्मयाह 1:5 - "हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ अलग क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे भविष्यवक्ता बनेने रही।"

2. भजन 37:5 - "अपन बाट प्रभुक समक्ष राखू; हुनका पर भरोसा करू, तखन ओ काज करताह।"

इजकिएल 34:2 मनुष्यक पुत्र, इस्राएलक चरबाह सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू, भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर चरबाह सभ केँ ई कहैत छथि। धिक्कार अछि इस्राएलक चरबाह सभ जे अपना केँ पोसैत अछि! चरबाह सभ केँ झुंडक चरबाह नहि करबाक चाही?

परमेश् वर इजकिएल कॅ आज्ञा दै छै कि वू इस्राएल के चरवाहा सिनी के खिलाफ भविष्यवाणी करै, ओकरो स्वार्थ के निंदा करै आरू ओकरा झुंड के देखभाल करै के कर्तव्य के याद दिलाबै।

1. निस्वार्थ सेवा के आह्वान

2. लोभी चरबाह सभक लेल एकटा निन्दा

1. मत्ती 20:25-28 - यीशु दोसरक सेवा करबाक महत्वक बारे मे सिखाबैत छथि

2. 1 पत्रुस 5:2-4 - पत्रुसक उपदेश जे विनम्र आ निस्वार्थ भाव सँ एक-दोसरक सेवा करू।

इजकिएल 34:3 अहाँ सभ चर्बी खाइत छी, आ ऊन पहिरैत छी, अहाँ सभ पोसल गेल लोक सभ केँ मारि दैत छी, मुदा अहाँ सभ भेँड़ा केँ नहि पोसैत छी।

ई अंश परमेश् वर के झुंड के देखभाल के महत्व पर जोर दै छै।

1. "धर्म मे रहब: परमेश् वरक झुंडक देखभाल"।

2. "आह्वान पूरा करब: भगवानक लोकक जिम्मेदारी"।

1. 1 पत्रुस 5:2-3, "परमेश् वरक भेँड़ाक चरबाह बनू जे अहाँ सभक देखभाल मे अछि, हुनका सभक देखभाल एहि लेल नहि करू, बल् कि अहाँ सभ इच्छुक छी, जेना परमेश् वर चाहैत छथि; बेईमान लाभक पाछाँ नहि, बल् कि।" सेवा कर’ लेल आतुर, 3 अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक पर प्रभुत्व नहि, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।”

2. यिर्मयाह 23:4, "हम ओकरा सभक ऊपर चरबाह राखब जे ओकरा सभक देखभाल करत; आ ओ सभ आब नहि डरताह, आ ने भयभीत हेताह, आ ने हुनका सभक अभाव होयत," प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 34:4 अहाँ सभ बीमार केँ मजबूत नहि केलहुँ, ने बीमार केँ ठीक केलहुँ, ने टूटल-फूटल केँ बान्हि देलहुँ, आ ने भगाओल गेल केँ फेर सँ अनलहुँ आ ने हेरायल केँ तकलहुँ। मुदा अहाँ सभ ओकरा सभ पर बल आ क्रूरता सँ शासन केलहुँ।

इजरायल के लोगऽ न॑ कमजोर आरू कमजोर लोगऽ के देखभाल आरू सुरक्षा के अपनऽ कर्तव्य के उपेक्षा करलकै ।

1. भगवान हमरा सभ केँ कमजोर आ जरूरतमंद लोकक देखभाल करबाक लेल बजबैत छथि।

2. हमरा सभकेँ दोसरक संग दया आ करुणाक संग व्यवहार करबाक चाही।

1. मत्ती 25:35-36 "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाय लेलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।"

2. याकूब 1:27 जे धर्म हमरा सभक पिता परमेश् वर शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसारक द्वारा प्रदूषित नहि करब।

इजकिएल 34:5 ओ सभ तितर-बितर भ’ गेल, कारण चरबाह नहि अछि, आ जखन ओ सभ छिड़िया गेल छल तखन ओ सभ खेतक सभ जानवरक भोजन बनि गेल।

झुंडक रक्षाक लेल चरबाह आवश्यक अछि।

1: यीशु नीक चरबाह छथि, जे अपन भेँड़ा सँ प्रेम करैत छथि आ ओकर रक्षा करैत छथि

2: चर्च मे आध्यात्मिक नेतृत्व के आवश्यकता

1: यूहन्ना 10:11-15 - यीशु नीक चरबाह छथि जे भेँड़ा सभक लेल अपन प्राण दैत छथि।

2: 1 पत्रुस 5:1-4 - आध्यात्मिक नेता सभ केँ झुंडक विनम्र आ चौकस चरबाह हेबाक चाही।

1587

इजकिएल 34:6 हमर भेँड़ा सभ पहाड़ आ सभ ऊँच पहाड़ पर भटकैत छल, हँ, हमर भेँड़ा सभ पृथ्वी पर छिड़िया गेल छल, आ कियो ओकरा सभक खोज-खबर नहि केलक।

प्रभुक बरद सभ भटकल छल, आ कियो ओकरा सभ केँ खोजि नहि सकल छल।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक झुंडक देखभाल करब नहि बिसरबाक चाही, ई सुनिश्चित करबाक चाही जे ओ सुरक्षित आ सुरक्षित अछि।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक भेँड़ा सभ केँ तकबाक लेल तैयार आ लगनशील रहबाक चाही जे भटकल अछि।

1: मत्ती 18:12-14 "अहाँ सभक की विचार अछि? जँ ककरो सौ भेँड़ा अछि आ ओहि मे सँ एकटा भेँड़ा भटकल अछि तँ की ओ उननबेटा भेँड़ा केँ पहाड़ पर छोड़ि जे गेल छल तकरा खोजय नहि जायत।" भटकल अछि?’ आ जँ ओकरा पाबि लेत तऽ हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, ओ एहि उननबे गोटे सँ बेसी आनन्दित होइत अछि जे कहियो भटकल नहि छल नाश भ' जेबाक चाही।"

2: यिर्मयाह 50:6 "हमर लोक सभ हेरायल भेँड़ा बनि गेल अछि; ओकर चरबाह ओकरा सभ केँ भटका देलक, ओकरा सभ केँ पहाड़ पर घुमा देलक; ओ सभ पहाड़ सँ दोसर पहाड़ पर चलि गेल, ओ सभ अपन झुंड केँ बिसरि गेल।"

इजकिएल 34:7 तेँ हे चरबाह सभ, प्रभुक वचन सुनू।

परमेश् वर चरबाह सभ केँ अपन वचन सुनबाक आज्ञा दैत छथि।

1. प्रभुक आज्ञा सुनू आ पालन करू

2. प्रभुक वचन सुनबाक महत्व

1. भजन 95:7 किएक तँ ओ हमर सभक परमेश् वर छथि, आ हम सभ हुनकर चारागाहक लोक छी आ हुनकर हाथक भेँड़ा छी।

2. यशायाह 50:4 प्रभु परमेश् वर हमरा विद्वानक जीह देने छथि, जाहि सँ हम थकल लोक केँ मौसम मे एक शब्द बाजब बुझि सकब.

इजकिएल 34:8 हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, निश्चय एहि लेल जे हमर भेँड़ा शिकार बनि गेल, आ हमर भेँड़ा खेतक हरेक जानवरक भोजन बनि गेल, किएक तँ कोनो चरबाह नहि छल, आ ने हमर चरबाह सभ हमर भेँड़ा केँ तकैत छल, मुदा... चरबाह सभ अपना केँ पोसैत छल आ हमर भेँड़ा केँ नहि पोसैत छल।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे ओ ओहि चरबाह सभ केँ सजा देथिन जे हुनकर लोक सभक देखभाल नहि केने छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: परमेश् वरक वचन हमरा सभक जीवन केँ कोना बदलि सकैत अछि।

2. परमेश् वरक अपन लोकक देखभाल: हम सभ कोना जरूरतमंद लोकक प्रति दया देखा सकैत छी।

1. रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

2. भजन 23:1-3 प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि। ओ हमरा अपन नामक लेल धर्मक बाट पर ल ’ जाइत छथि ।

इजकिएल 34:9 तेँ हे चरबाह सभ, प्रभुक वचन सुनू।

परमेश् वर चरबाह सभ केँ अपन वचन सुनबाक लेल बजबैत छथि।

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 1:19-21 - "[illegible]"

2. [illegible] 119:9-11 - "[illegible]"

[illegible] 34:10 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 40:11 - [illegible]

2. [illegible] 23:1 - [illegible]

[illegible] 34:11 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 10:11 - "[illegible]"

2. [illegible] 40:11 - "[illegible]"

[illegible] 34:12 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] - [illegible] 34:12 [illegible]

2. एकटा चरबाहक हृदय - इजकिएल 34:12 मे एकटा चरबाहक रूप मे परमेश्वरक प्रेम आ देखभालक परीक्षण करब

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ चरबैत छथि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत छथि आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक ल’ जाइत छथि; जेकरा बच्चा छै, ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करै छै।

इजकिएल 34:13 हम ओकरा सभ केँ लोक मे सँ बाहर निकालब, आ देश-देश सँ ओकरा सभ केँ जमा करब, आ ओकरा सभ केँ अपन देश मे आनि देब, आ नदी सभक कात मे इस्राएलक पहाड़ सभ पर आ सभ आबाद स्थान सभ मे ओकरा सभ केँ चरा देब देश.

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ अपन देश मे अनबाक आ इस्राएलक पहाड़ आ नदी मे हुनकर सभक भरण-पोषण करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रावधानक प्रतिज्ञा: परमेश् वर अपन लोकक कोना परवाह करैत छथि

2. घर वापसी: कोनो समुदाय स संबंधित हेबाक महत्व

1. यशायाह 49:10 - "ओ सभ भूख नहि लागत आ ने प्यास; आ ने गर्मी आ ने रौद ओकरा सभ केँ मारि देतैक।

2. भजन 23:2 - "ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शान्त पानिक कात मे ल' जाइत छथि।"

इजकिएल 34:14 हम ओकरा सभ केँ नीक चारागाह मे चरब, आ इस्राएलक ऊँच पहाड़ पर ओकर झुंड होयत, ओतहि ओ सभ नीक चारागाह मे पड़ल रहत आ मोटका चारागाह मे इस्राएलक पहाड़ पर चराओत।

परमेश् वर अपन लोक सभक भरण-पोषण नीक चारागाह मे आ इस्राएलक ऊँच पहाड़ पर करताह।

1.भगवानक प्रावधान: हुनकर देखभाल पर भरोसा करब

2.भगवानक भलाई: हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करब

1.भजन 23:2 - ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा शांत पानि के कात मे ल' जाइत छथि।

2.यशायाह 55:1 - आऊ, अहाँ सभ जे प्यासल छी, पानि दिस आउ; आ अहाँ जिनका लग पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना खर्च के शराब आ दूध कीनू।

इजकिएल 34:15 हम अपन भेँड़ा केँ पोसब आ ओकरा सभ केँ सुता देब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोकक देखभाल करबाक आ ओकर सभक भरण-पोषण करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रतिबद्धता: नीक चरबाहक प्रेम

2. परमेश् वरक अपन लोकक लेल प्रावधान: प्रचुरताक प्रतिज्ञा

1. यूहन्ना 10:11 - हम नीक चरबाह छी, नीक चरबाह भेँड़ाक बदला मे अपन प्राण दैत अछि।

2. भजन 23:1 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

इजकिएल 34:16 हम जे हेरायल छल तकरा खोजब, आ जे भगाओल गेल छल ओकरा फेर सँ आनि देब, आ जे टूटल छल ओकरा बान्हि देब आ जे बीमार छल ओकरा मजबूत करब, मुदा हम मोट आ मजबूत केँ नष्ट करब।
हम हुनका सभ केँ न्याय सँ खुआ देबनि।

1590

परमेश् वर टूटल-फूटल, बीमार आ हेरायल लोक सभ केँ ठीक क' क' अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक प्रयास करैत छथि। ओ बलवान आ मोटका केँ न्याय पहुँचाओत।

1. परमेश् वरक अपन लोकक पुनर्स्थापन

2. न्याय आ दया कर्म मे

1. यशायाह 61:1 - "प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; किएक तँ परमेश् वर हमरा नम्र सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि; ओ हमरा पठौलनि अछि जे हम टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि दियौक, बंदी सभ केँ मुक्तिक घोषणा करबाक लेल आ।" जे बान्हल अछि तकरा लेल जेल खोलब।"

2. यिर्मयाह 33:6 - "देखू, हम एकरा स्वास्थ्य आ इलाज अनब, आ ओकरा सभ केँ ठीक करब, आ ओकरा सभ केँ शान्ति आ सत्यक प्रचुरता प्रकट करब।"

इजकिएल 34:17 हे हमर भेँड़ा, अहाँ सभक बात, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम मवेशी आ मवेशी, मेढ़क आ बकरी के बीच न्याय करैत छी।

भगवान् परमेश् वर विभिन्न प्रकारक मवेशी, जेना मेढ़क आ ओ बकरीक बीच न्याय क' रहल छथि |

1. प्रभु परमात्मा परम न्यायाधीश छथि

2. भगवानक न्याय निष्पक्ष आ न्यायपूर्ण अछि

1. यशायाह 11:3-5 - ओ जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत, आ ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फँसि देत, आ अपन भाला केँ छंटाई मे फँसा देत, जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत आ ने ओ सभ आब युद्ध सीखू।

2. यूहन्ना 5:22-23 - किएक तँ पिता ककरो न् याय नहि करैत छथि, बल् कि सभ न् याय पुत्रक हाथ मे सौंपि देने छथि, जाहि सँ सभ लोक पुत्रक आदर करथि, जेना पिताक आदर करैत छथि। जे पुत्रक आदर नहि करैत अछि, से पिताक आदर नहि करैत अछि जे ओकरा पठौने छथि।

इजकिएल 34:18 की अहाँ सभ केँ ई छोट बात बुझाइत अछि जे अहाँ सभ नीक चारागाह केँ खा गेलहुँ, मुदा अहाँ सभ केँ अपन चारागाहक अवशेष केँ अपन पएर सँ नीचाँ चलय पड़त? आ गहींर पानि पीने छी, मुदा शेष पानि केँ पएर सँ गंदा करबाक चाही?

परमेश् वर चरबाह सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ भेँड़ा सभक देखभाल नहि करैत छथि।

1. परमेश् वरक झुंडक देखभाल करब - इजकिएल 34:18

2. चरबाहक जिम्मेदारी - इजकिएल 34:18

१. बेईमान लाभक पाछाँ नहि, सेवा करबाक लेल आतुर। अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक पर प्रभुत्व नहि, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।

2. यूहन्ना 21:16-17 - ओ तेसर बेर हुनका कहलथिन, “यूहन्नाक पुत्र सिमोन, की अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी? पत्रुस एहि लेल आहत भेलाह जे यीशु हुनका तेसर बेर पुछलथिन, “की अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी? ओ कहलनि, “प्रभु, अहाँ सभ किछु जनैत छी। अहाँकेँ बुझल अछि जे हम अहाँसँ प्रेम करैत छी। यीशु कहलथिन, “हमर बरद सभ केँ खुआउ।”

इजकिएल 34:19 हमर भेँड़ाक भेँड़ा केँ ओ सभ खाइत अछि जकरा अहाँ सभ अपन पएर सँ दबा देने छी। अहाँ सभ जे पएर सँ गंदा केने छी से ओ सभ पीबैत छथि।”

परमेश् वरक झुंड जे चरबाह सभ रौंदने अछि तकरा खाओत आ जे पएरसँ गंदा कएने अछि ताहिसँ पीओत।

1. नीक नेतृत्वक शक्ति: नीक चरबाहक उपस्थिति मे परमेश् वरक भेड़ कोना पनपैत अछि

2. खराब नेतृत्व के परिणाम: खराब चरबाह के उपस्थिति में भगवान के भेड़ केना कष्ट होइत छैक

1. भजन 23:2-4 - ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि, हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि, हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि। ओ हमरा अपन नामक लेल धर्मक बाट पर ल' जाइत छथि ।

2. यिर्मयाह 23:1-4 - धिक्कार अछि ओहि चरबाह सभक जे हमर चारागाहक भेँड़ा सभ केँ नष्ट आ तितर-बितर करैत अछि! प्रभु घोषित करैत छथि। तेँ इस्राएलक परमेश् वर प्रभु हमर प्रजाक देखभाल करयवला चरबाह सभक विषय मे ई कहैत छथि जे अहाँ सभ हमर भेँड़ा केँ तितर-बितर कऽ देलियैक आ ओकरा सभ केँ भगा देलियैक आ ओकरा सभक कोनो ध्यान नहि देलियैक। देखू, हम अहाँक दुष्कर्मक लेल अहाँ सभक सेवा करब, ई प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 34:20 तेँ प्रभु परमेश् वर हुनका सभ केँ ई कहैत छथि। देखू, हम, हमहूँ, मोटगर मवेशी आ दुबला मवेशीक बीच न्याय करब।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ मोट मवेशी आ दुबला मवेशीक बीच न्याय करताह |

1. परमेश् वर एकटा न्यायी न्यायाधीश छथि - इजकिएल 34:20

2. प्रभु निष्पक्ष छथि - इजकिएल 34:20

1. भजन 7:11 - परमेश् वर एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि, आ एहन परमेश् वर छथि जिनका सभ दिन आक्रोश होइत छनि।

2. यशायाह 11:3-4 - ओ जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत, आ ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे आ अपन भाला केँ छंटाई मे फँसाओत, जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने ओ सभ आब युद्ध सीखू।

इजकिएल 34:21 किएक तँ अहाँ सभ कात आ कान्हसँ धकेलि देलहुँ आ सभ बीमार सभकेँ सींगसँ धकेलि देलहुँ जाबत तक अहाँ सभ ओकरा सभकेँ तितर-बितर नहि कऽ देलहुँ।

प्रभु अपन भेँड़ा केँ बचाओत आ ओकर देखभाल करताह जकर दुर्व्यवहार भेल अछि।

1: हमरा सभकेँ दोसरक चिन्ता करबाक चाही, भले हम सभ स्वयं दुर्व्यवहार कयल जाय।

2: भगवान् न्याय आनताह आ जिनका संग दुर्व्यवहार होइत छनि ओकर देखभाल करताह।

1: मत्ती 25:40, आ राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी, जेना अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाय सभ मे सँ एकटा केँ केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा संग सेहो केलहुँ।”

2: 1 पत्रुस 5:2-3, परमेश् वरक भेँड़ाक चरबाह बनू जे अहाँ सभक देखभाल मे अछि, हुनका सभक देखभाल एहि लेल नहि करू जे अहाँ सभ केँ करबाक चाही, बल् कि अहाँ सभ इच्छुक छी, जेना परमेश् वर चाहैत छथि। बेईमान लाभक पाछाँ नहि, सेवा करबाक लेल आतुर। अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक पर प्रभुत्व नहि, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।

इजकिएल 34:22 तेँ हम अपन भेँड़ा केँ बचा लेब, आ ओ सभ आब शिकार नहि होयत। हम मवेशी आ मवेशीक बीच न्याय करब।

भगवान् अपन झुंडक रक्षा करताह आ न्याय करताह।

1. परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि - भजन 91:1-2

2. परमेश् वर हमर सभक न्यायाधीश छथि - भजन 75:7

1. भजन 91:1-2 - जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, हमर शरण आ किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।

2. भजन 75:7 - मुदा परमेश् वर छथि जे न्याय करैत छथि, एकटा केँ नीचाँ राखि दोसर केँ ऊपर उठाबैत छथि।

इजकिएल 34:23 हम हुनका सभक ऊपर एकटा चरबाह राखब, आ ओ हुनका सभक चरबाह करत, हमर सेवक दाऊद। ओ ओकरा सभक चरबाह करत आ ओकरा सभक चरबाह बनत।”

परमेश् वर एकटा चरबाह दाऊद केँ नियुक्त क’ रहल छथि जे ओ अपन लोक सभक नेतृत्व करथि आ हुनकर सभक भरण-पोषण करथि।

1: परमेश् वरक प्रावधान - परमेश् वर अपन चुनल चरबाहक माध्यमे हमरा सभक प्रबंध कोना करैत छथि।

2: परमेश् वरक चरबाहक पालन करब - परमेश् वरक नियुक्त चरबाहक निष्ठापूर्वक पालन करब आ ओकरा पर भरोसा कोना करब।

1: भजन 23:1-6 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

2: यिर्मयाह 3:15 - हम अहाँ सभ केँ अपन हृदयक अनुसार चरबाह देब, जे अहाँ सभ केँ ज्ञान आ समझ सँ पोसत।

इजकिएल 34:24 हम परमेश् वर हुनका सभक परमेश् वर रहब आ हमर सेवक दाऊद हुनका सभक बीच मे राजकुमार रहब। हम परमेश् वर कहने छी।

परमेश् वर अपन लोकक परमेश् वर बनबाक वादा करैत छथि, जकर राजकुमार दाऊद छथि।

1. भगवान् अपन प्रतिज्ञाक प्रति सदिखन वफादार रहैत छथि।

2. भगवान हमरा सभकेँ सदिखन एकटा नेताक व्यवस्था करताह।

1. यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि क' सकैत अछि।" fathom.ओ थकल केँ बल दैत अछि आ कमजोर केँ शक्ति बढ़बैत अछि।युवक सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सेहो ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि, मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओकर शक्ति नव होयत।ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब, आ हम ओकर पाप क्षमा करब आ।" हुनका लोकनिक भूमि केँ ठीक क' देतनि।"

इजकिएल 34:25 हम हुनका सभक संग शान्तिक वाचा करब, आ दुष्ट जानवर सभ केँ ओहि देश सँ समाप्त क’ देब, आ ओ सभ निर्जन मे सुरक्षित रहत आ जंगल मे सुति जायत।

परमेश् वर अपन लोक सभक संग शान्तिक वाचा करताह आ देश सँ सभटा खतरा केँ दूर करताह, जाहि सँ ओ सभ जंगल मे सुरक्षित रहबाक आ सुतबाक अनुमति देताह।

1. भगवानक प्रतिज्ञा: विपत्तिक समय मे शान्तिक अनुभव करब

2. द्वंद्व आ अराजकताक बीच भगवान दिस मुड़ब

1. फिलिप्पियों 4:6-7 कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. यशायाह 26:3 अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखू, जकर मोन अहाँ पर रहैत अछि, किएक त’ ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।

इजकिएल 34:26 हम ओकरा सभ आ अपन पहाड़ी चारूकातक चारूकात केँ आशीर्वाद बना देब। हम ओकर समय मे बरखा उतारब। आशीर्वादक बरखा होयत।

परमेश् वर अपन लोक सभक लेल आशीर्वाद अनबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक आशीर्वादक प्रतिज्ञा मे आनन्दित रहब

2. भगवानक आशीर्वाद मे आराम भेटब

1. इफिसियों 1:3 - हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिताक धन्य हो, जे हमरा सभ केँ मसीह मे स् वर्गीय स्थान सभ मे सभ आत् मक आशीष दऽ कऽ आशीर्वाद देलनि।

2. भजन 103:1-5 - हे हमर आत्मा, प्रभु केँ आशीर्वाद दियौक, आ हमरा भीतर जे किछु अछि, ओकर पवित्र नाम केँ आशीर्वाद दियौक! हे हमर आत्मा, प्रभु के आशीर्वाद दियौ आ हुनकर सब लाभ के नहि बिसरि जाउ, जे अहाँक सब अधर्म के क्षमा करैत छथि, जे अहाँक सब रोग के ठीक करैत छथि, जे अहाँक जीवन के गड्ढा स मुक्त करैत छथि, जे अहाँ के अडिग प्रेम आ दया के मुकुट पहिरबैत छथि, जे अहाँ के नीक स तृप्त करैत छथि कि अहाँक जवानी गरुड़ जकाँ नवीन भ' जाइत अछि।

इजकिएल 34:27 खेतक गाछ अपन फल देत, आ धरती अपन फल देत, आ ओ सभ अपन देश मे सुरक्षित रहत, आ जखन हम हुनकर जुआक पट्टी तोड़ि देब तखन बुझत जे हम प्रभु छी, आ ओकरा सभ केँ अपन सेवा करनिहार सभक हाथ सँ बचा लेलक।

भगवान् अपन लोकक भरण-पोषण करताह आ ओकरा सभ हानि सँ बचाओत।

1: परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा

2: प्रभु हमरा सभकेँ अत्याचारसँ मुक्त करताह

1: भजन 37:25 हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ’ गेल छी। तैयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ आ ने ओकर वंशज रोटी भीख मँगैत देखलहुँ।

2: मत्ती 6:31-33 तेँ एहि लेल कोनो विचार नहि करू जे, “हम सभ की खाएब?” वा, हम सभ की पीब? वा, हम सभ कोन चीजक कपड़ा पहिरब? (किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज करैत अछि।) किएक तँ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभ वस्तुक आवश्यकता अछि। मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

इजकिएल 34:28 आब ओ सभ जाति-जातिक शिकार नहि होयत आ ने देशक जानवर ओकरा सभ केँ खा जायत। मुदा ओ सभ सुरक्षित रहत, आ कियो ओकरा सभ केँ डराओत।

भगवान् अपन लोकक रक्षा करताह आ ओकरा सभ केँ नुकसान सँ बचाओत।

1. भगवानक रक्षा - हुनकर प्रतिज्ञा आ हमर सुरक्षा

2. निर्भीकतापूर्वक रहब - भगवानक रक्षा पर निर्भर रहब

1. भजन 91:11-12 - कारण ओ अहाँक विषय मे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन जे ओ अहाँक सभ बाट मे अहाँक रक्षा करथि।

2. यशायाह 43:1-2 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी; अहाँ हमर छी।

इजकिएल 34:29 हम हुनका सभक लेल एकटा नामी पौधा ठाढ़ करब, आ ओ सभ आब देश मे भूख सँ डूबल नहि रहताह आ ने जाति-जाति सभक लाज नहि सहत।

1594

भगवान् अपन लोकक भरण-पोषण करताह आ ओकरा जाति-जातिक लाज सँ बचाओत।

1. परमेश् वरक प्रचुरताक प्रतिज्ञा - इजकिएल 34:29

2. परमेश् वरक रक्षाक शक्ति - इजकिएल 34:29

1. यशायाह 49:23 - "आ राजा सभ तोहर दूध पियाबय बला पिता आ ओकर रानी तोहर दूध पियाबय बला माय हेताह। ओ सभ तोहर मुँह धरती दिस झुकि क' प्रणाम करताह आ अहाँक पएरक धूरा चाटि लेताह; आ अहाँ ई बात बुझि जायब।" हम परमेश् वर छी, किएक तँ हमरा प्रतीक्षा करनिहार सभ लाज नहि करताह।”

२.

इजकिएल 34:30 एहि तरहेँ ओ सभ जनत जे हम हुनका सभक परमेश् वर परमेश् वर हुनका सभक संग छी आ ओ सभ, इस्राएलक वंशज हमर लोक छथि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् अपन लोकक संग छथि आ ओ सभ हुनकर लोक छथि।

1: भगवान् हमरा सभक संग सदिखन रहैत छथि, आ ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

2: हमरा सभ केँ ई स्वीकार करबाक अछि जे हम सभ परमेश् वरक लोक छी आ ओ हमर सभक परमेश् वर छथि।

1: व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। हुनका सभक कारणेँ नहि डेराउ आ ने भयभीत होउ, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभक संग जाइत छथि। ओ अहाँकेँ कहियो नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

2: इब्रानी 13:5 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब। हम अहाँकेँ कहियो नहि छोड़ब।

इजकिएल 34:31 अहाँ सभ हमर भेँड़ा, हमर चारागाहक झुंड, मनुक्ख छी, आ हम अहाँक परमेश् वर छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोकक चरबाह छथि, आ ओ सभ हुनकर झुंड छथि।

1. चरबाह के लेल आभारी रहू - भगवान के अपन लोक के देखभाल

2. परमेश् वरक अपन प्रतिज्ञाक पूर्ति - अपन लोकक प्रति हुनकर निष्ठा

1. भजन 23:1 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ चरबैत छथि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत छथि आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक ल’ जाइत छथि; जेकरा बच्चा छै, ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करै छै।

इजकिएल अध्याय ३५ मे सेइर पर्वत के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै, जे इस्राएल के पड़ोसी राष्ट्र एदोम के प्रतिनिधित्व करै छै। अध्याय में एदोम के प्रति परमेश् वर के क्रोध पर जोर देलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ दुश्मनी आरू इस्राएल के देश पर कब्जा करै के इच्छा छेलै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सेइर पहाड़ (एदोम) के खिलाफ परमेश् वर के क्रोध के घोषणा स॑ होय छै, कैन्हेंकि ओकरऽ इस्राएल के प्रति सनातन दुश्मनी छेलै। परमेश् वर एदोम पर आरोप लगबैत छथि जे ओ प्राचीन द्वेष केँ पनाह दैत अछि आ ओहि भूमि पर कब्जा करबाक प्रयास करैत अछि जे उचित रूप सँ इस्राएलक अछि (इजकिएल 35:1-6)।

2nd पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे एदोम के अपन काज के परिणामस्वरूप जे परिणाम के सामना करय पड़तैक ओकर वर्णन कयल गेल अछि। परमेश् वर वादा करैत छथि जे सेइर पहाड़ केँ एकटा उजाड़ बंजर भूमि बना देब, जाहि मे कोनो निवासी आ माल-जाल नहि। ई देश विनाश आरू विनाश के जगह बनी जैतै, जे एदोम के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के गवाही के रूप में काम करतै (यहेजकिएल 35:7-9)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के धार्मिकता के घोषणा आरू इस्राएल के देश के पुनर्स्थापन के साथ होय छै। परमेश् वर अपन लोकक बीच अपन नामक प्रचार-प्रसार करबाक आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि। इस्राएल के पुनर्स्थापन एदोम के उजाड़ के विपरीत के रूप में काम करतै, जे राष्ट्रऽ क॑ ई देखाबै छै कि परमेश्वर अपनऽ प्रतिज्ञा के प्रति वफादार छै (यहेजकिएल ३५:१०-१५)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय पैंतीस प्रस्तुत
सेइर पर्वत (एदोम) के विरुद्ध न्याय के भविष्यवाणी,
एदोम के दुश्मनी के प्रति परमेश् वर के क्रोध पर जोर दैत
आ इस्राएलक देश पर कब्जा करबाक ओकर इच्छा।

सेइर पहाड़ (एदोम) के विरुद्ध परमेश् वर के क्रोध के घोषणा ओकरऽ सदा दुश्मनी के लेलऽ । एदोम पर आरोप जे ओ प्राचीन द्वेष के पनाह दैत अछि आ इस्राएल के भूमि पर कब्जा करय चाहैत अछि |
माउंट सेयर के एकटा उजाड़ बंजर भूमि बनाबय के वादा करू जाहि में कोनो निवासी नहिं. परमेश् वरक धार्मिकताक घोषणा आ इस्राएल देशक पुनर्स्थापन।
प्रतिज्ञा करू जे परमेश् वरक नाम हुनकर लोकक बीच प्रचारित करब आ हुनका सभ केँ भरपूर आशीर्वाद दिअ।

इजकिएल के ई अध्याय में सेइर पहाड़ के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै, जे इस्राएल के पड़ोसी राष्ट्र एदोम के प्रतिनिधित्व करै छै। अध्याय के शुरुआत एदोम के खिलाफ परमेश् वर के क्रोध के घोषणा स॑ होय छै, कैन्हेंकि ओकरऽ इस्राएल के प्रति सनातन दुश्मनी छेलै। परमेश् वर एदोम पर आरोप लगबैत छथि जे ओ प्राचीन द्वेष केँ पनाह दैत अछि आ ओहि भूमि पर कब्जा करबाक प्रयास करैत अछि जे उचित रूप सँ इस्राएलक अछि। तखन भविष्यवाणी मे एदोम केँ ओकर काजक परिणामस्वरूप कोन परिणामक सामना करय पड़तैक, तकर वर्णन कयल गेल अछि। परमेश् वर सेइर पर्वत केँ एकटा उजाड़ बंजर भूमि बनेबाक वादा करैत छथि, जे निवासी आ पशुधन सँ रहित होयत। ई देश विनाश आरो विनाश के जगह बनी जैतै, जे एदोम के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के गवाही के रूप में काम करतै। अध्याय के समापन परमेश् वर के धार्मिकता के घोषणा आरू इस्राएल के देश के पुनर्स्थापन के साथ होय छै। परमेश् वर अपन लोकक बीच अपन नामक प्रचार-प्रसार करबाक आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि। इस्राएल के पुनर्स्थापन एदोम के उजाड़ के विपरीत के रूप में काम करतै, जे ई दर्शाबै छै कि परमेश्वर अपनऽ प्रतिज्ञा के प्रति वफादार छै। अध्याय में एदोम के प्रति परमेश्वर के क्रोध, ओकरा सामने आबै वाला परिणाम आरू इस्राएल के पुनर्स्थापन पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

इजकिएल 35:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आबि गेलनि।

परमेश् वर इजकिएल भविष्यवक्ता सँ एदोमक दुष्टताक विषय मे बात करैत छथि।

1. परमेश् वरक न्याय: दुष्टताक परिणाम

2. भगवानक वचन पर ध्यान देब: पैगम्बरक आह्वान

1. यिर्मयाह 49:7-9 - एदोमक संबंध मे। सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। की तेमन मे बुद्धि नहि रहि गेल अछि? की विवेकी लोक सँ सलाह नष्ट भ' जाइत अछि? की हुनका लोकनिक बुद्धि विलुप्त भ' गेल छनि?

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 35:2 मनुष्य-पुत्र, सेइर पहाड़ पर मुँह राखू आ ओकर विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

प्रभु इजकिएल के आज्ञा दैत छथिन जे ओ अपन मुँह सेइर पहाड़ पर राखथि आ ओकर विरुद्ध भविष्यवाणी करथि।

1. परमेश् वरक न्याय कोना न्यायसंगत अछि: इजकिएल 35:2 केर अध्ययन

2. एकटा आह्वान: इजकिएल 35:2 मे परमेश्वरक आज्ञाक पालन करबाक जिम्मेदारी

1. व्यवस्था 32:35 - "ओहि समयक प्रतिशोध आ बदला हमर अछि, जखन हुनका सभक पैर फिसलत, कारण हुनका सभक विपत्तिक दिन नजदीक आबि गेल अछि, आ हुनकर सभक प्रलय जल्दी आबि रहल अछि।"

2. रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 35:3 आ ओकरा कहू, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हे सेइर पर्वत, हम अहाँक विरुद्ध छी, आ हम अहाँक विरुद्ध हाथ पसारि देब आ अहाँ केँ बहुत उजाड़ बना देब।”

प्रभु सेइर पर्वत सँ बात करै छै, ई घोषणा करै छै कि हुनी ओकरा पर हाथ बढ़ाबै छै आरू ओकरा सबसें उजाड़ करी दै छै।

1. प्रभु सब पर सार्वभौम छथि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पक्का अछि

1. व्यवस्था 28:15-17 - मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। ई सभ शाप अहाँ पर आबि कऽ अहाँ केँ पकड़ि लेत। 17 तोहर टोकरी आ तोहर भंडार शापित होयत।

2. प्रकाशितवाक्य 6:12-17 - हम देखलहुँ जे जखन ओ छठम मोहर खोललनि, आ देखू, एकटा पैघ भूकम्प भेल। सूर्य केशक बोरा जकाँ कारी भ’ गेल आ चान खून जकाँ भ’ गेल। 13 आकाशक तारा सभ पृथ्वी पर खसि पड़ल, जेना अंजीरक गाछ अपन असमय अंजीर केँ फेकि दैत अछि, जखन ओ तेज हवा सँ हिलैत अछि। 14 आकाश गुड़कला पर एकटा ग्रन्थक रूप मे चलि गेल। आ हरेक पहाड़ आ द्वीप अपन-अपन स्थान सँ हटि गेल। 15 पृथ् वीक राजा सभ, महापुरुष सभ, धनिक लोक सभ, सर-सेनापति सभ, पराक्रमी सभ, प्रत् येक दास सभ, आ प्रत् येक स् वतंत्र लोक सभ, माध् यम आ पहाड़क चट्टान सभ मे नुका गेलाह। 16 ओ पहाड़ आ चट्टान सभ केँ कहलथिन, “हमरा सभ पर खसि जाउ आ सिंहासन पर बैसल लोकक मुँह सँ आ मेमनाक क्रोध सँ नुका दियौक। आ के ठाढ़ भ’ सकैत अछि?

इजकिएल 35:4 हम अहाँक शहर सभ केँ उजाड़ क’ देब, आ अहाँ उजाड़ भ’ जायब, आ अहाँ बुझब जे हम प्रभु छी।

एदोम के निवासी पर परमेश् वर के न्याय ओकरौ घमंड आरू अहंकार के कारण।

1: परमेश्वरक न्याय न्यायसंगत आ कठोर अछि जे अपन शक्तिक घमंड करैत छथि आ हुनका अस्वीकार करैत छथि।

2: घमंड आ अहंकार विनाश दिस ल जाइत अछि आ भगवान हुनका अस्वीकार करय वाला के न्याय करताह।

1: नीतिवचन 16:18 घमंड विनाश सँ पहिने चलैत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: याकूब 4:6-7 मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि | तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

इजकिएल 35:5 किएक तँ अहाँ केँ सदा घृणा भेल छल, आ अहाँ इस्राएलक संतान सभक विपत्तिक समय मे तलवारक बल सँ खून बहा देलहुँ, जाहि समय मे हुनका सभक अधर्मक अंत भेल छलनि।

1597

ई अंश इस्राएल के लोगऽ क॑ विपत्ति के समय म॑ जे सनातन घृणा आरू खून-खराबा के सामना करना पड़लऽ छै, ओकरऽ बात करै छै ।

1. क्षमाक शक्ति: घृणा पर काबू पाब

2. विश्वासक ताकत: विपत्तिक समय मे सहन करब

1. रोमियो 12:14-21 - जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, ओकरा सभ केँ आशीर्वाद दियौक। अधलाहक बदला अधलाह सँ नहि करू।

2. मीका 6:8 - प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्याय करबाक लेल, दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

इजकिएल 35:6 तेँ, हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हम अहाँ केँ खूनक लेल तैयार करब, आ खून अहाँक पीछा करत।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी एदोम के लोग सिनी कॅ एक-दूसरा के प्रति प्रेम के कमी के कारण ओकरा खून-खराबा के कष्ट उठाबै के सजा देतै।

1. प्रेमक शक्ति: एदोमक लेल प्रभुक चेतावनी

2. घृणा के परिणाम: एदोम पर परमेश्वर के प्रतिशोध

1. मत्ती 5:44-45 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ केँ शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे रहनिहार पिताक पुत्र बनि सकब, किएक तँ ओ अपन सूर्य अधलाह पर उगबैत छथि।" आ नीक लोक पर, आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत अछि।"

2. रोमियो 12:19-21 - "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि। एकर विपरीत जँ अहाँ सभक शत्रु अछि।" भूखल ओकरा खुआ दियौक, जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक, किएक तँ एहि तरहेँ अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयलाक ढेर लगा देब।

इजकिएल 35:7 एहि तरहेँ हम सेइर पर्वत केँ बहुत उजाड़ बना देब आ ओहि मे सँ बेहोश भ’ क’ जे घुरि अबैत अछि, तकरा काटि देब।

सेइर पर्वत सबसँ बेसी उजाड़ भ' जायत आ जे कियो गुजरैत अछि वा घुरैत अछि, ओकरा काटि देल जायत।

1. परमेश् वरक न्याय न्यायपूर्ण आ पूर्ण अछि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 45:7 "हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी: हम शांति बनाबैत छी आ बुराई के सृजन करैत छी: हम प्रभु ई सब काज करैत छी।"

2. रोमियो 12:19 "प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि; हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 35:8 हम ओकर पहाड़ सभ केँ ओकर मारल लोक सभ सँ भरब, अहाँक पहाड़ी सभ मे, अहाँक घाटी सभ मे आ अहाँक सभ नदी सभ मे, ओ सभ तलवार सँ मारल गेल लोक सभ खसि पड़त।

भगवान् ओहि देशक पहाड़, पहाड़ी, घाटी आ नदी सभ केँ तलवार सँ मारल गेल लोक सभ सँ भरि देताह।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

1598

2. जे बोइ छी से काटि लेब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि , मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा मार्गदर्शन करैत छैक , मुदा विश्वासघाती सभक कुटिलता ओकरा नष्ट क ’ दैत छैक।

इजकिएल 35:9 हम अहाँ केँ अनन्त उजाड़ बना देब , आ अहाँक शहर सभ घुरि क ’ नहि आओत।

जे हुनकर शिक्षाक पालन नहि करैत छथि आ हुनका सँ मुँह मोड़ि लेताह हुनका परमेश् वर दंडित करताह।

1: भगवान् न्यायी छथि आ हुनकर दण्ड धर्मी छथि

2: भगवान् दिस मुड़ू आ हुनकर क्षमा माँगू

1: यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक , आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक , आ ओ प्रभु लग घुरि जाय , आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर , किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत। "

2: इजकिएल 18:30-32 - "एहि लेल , हे इस्राएलक घराना , हम अहाँ सभक न्याय करब , अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार , प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ि लिअ। तँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत। " ।

इजकिएल 35:10 किएक तँ अहाँ कहलहुँ जे , ई दुनू जाति आ ई दुनू देश हमर होयत , आ हम सभ एकर मालिक बनब। जखन कि परमेश् वर ओतहि छलाह।

कोनो भूमि मे प्रभु उपस्थित रहैत छथि जकरा अपन दावा करैत अछि ।

1. परमेश् वर सभ ठाम छथि : इजकिएल 35:10 पर क

2. जे अहाँक नहि अछि ओकर दावा करब : इजकिएल 35:10 पर क

1. भजन 139:7-10 (हम अहाँक आत्मा सँ कतय जा सकैत छी ? वा अहाँक सोझाँ सँ कतय भागब ?)

2. यिर्मयाह 23:24 (की केओ गुप्त स्थान मे नुका सकैत अछि जे हम ओकरा नहि देखब ? प्रभु कहैत छथि।)

इजकिएल 35:11 तेँ , जखन हम जीबैत छी , प्रभु परमेश् वर कहैत छथि , हम अहाँक क्रोध आ अपन ईर्ष्याक अनुसार करब जे अहाँ हुनका सभक प्रति अपन घृणा सँ प्रयोग केने छी। जखन हम अहाँक न् याय करब तखन हम हुनका सभक बीच अपना केँ प्रकट करब। ”

भगवान् लोकक क्रोध आ ईर्ष्याक अनुसार काज करताह , आ जखन ओ न्याय करताह तखन अपना केँ प्रकट करताह।

1. परमेश् वरक न्याय अंतिम अछि - इजकिएल 35:11

2. परमेश् वर अपना केँ ज्ञात करौताह - इजकिएल 35:11

1. निर्गमन 34:5-7 - "प्रभु मेघ मे उतरि हुनका संग ठाढ़ भ ' गेलाह आ परमेश् वरक नामक प्रचार कयलनि। परमेश् वर हुनका आगू बढ़ि कऽ घोषणा कयलनि , "प्रभु , प्रभु , दयालु आ कृपालु परमेश् वर। क्रोध मे मंद , आ दृढ़ प्रेम आ विश्वास मे प्रचुरता , हजारों लोकक लेल अडिग प्रेम रखनिहार , अधर्म आ अपराध आ पाप केँ क्षमा करैत।

2. रोमियो 2:4-6 - या की अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी , ई नहि जानि जे परमेश्वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल ’ जाय? लेकिन तोरों कठोर आरो पश्चाताप नै करै वाला दिल के कारण तोहें क्रोध के दिन अपना लेली क्रोध के संग्रह करी

1599

रहलोॅ छैं, जबे परमेश् वर के धार्मिक न्याय प्रकट होतै। ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार बदला देत।

इजकिएल 35:12 अहाँ ई जानि लेब जे हम प्रभु छी, आ हम अहाँक सभ निन्दा सुनलहुँ जे अहाँ इस्राएलक पहाड़ सभक विरुद्ध कहलहुँ जे, “ओ सभ उजाड़ भ’ गेल अछि, हमरा सभ केँ नष्ट करबाक लेल देल गेल अछि।”

परमेश् वर इस्राएल के पहाड़ऽ के विरुद्ध कहलऽ जाय वाला सब निन्दा सुनी क॑ ई घोषणा करै छै कि वू प्रभु छै ।

1. शब्दक शक्ति: हमर वचन भगवान् सँ हमर संबंध केँ कोना प्रभावित करैत अछि

2. अपन निन्दा केँ परमेश् वर लग पहुँचब: परीक्षाक समय मे हमरा सभ केँ परमेश् वर दिस किएक घुमबाक चाही

1. याकूब 3:10 - "एकहि मुँह सँ स्तुति आ गारि निकलैत अछि। हमर भाइ लोकनि, ई नहि हेबाक चाही।"

2. भजन 107:2 - "प्रभु द्वारा मुक्त कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जकरा ओ शत्रुक हाथ सँ मुक्त क' लेने छथि।"

इजकिएल 35:13 एहि तरहेँ अहाँ सभ अपन मुँह सँ हमरा विरुद्ध घमंड केलहुँ आ हमरा विरुद्ध अपन बात केँ बढ़ा देलहुँ।

इस्राएलक लोक सभ परमेश् वरक विरोध मे बाजि रहल अछि आ हुनका विरुद्ध अपन बात बढ़ौलक आ परमेश् वर ओकरा सभक बात सुनलक।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि: इजकिएल 35:13 क अध्ययन

2. जीभक शक्ति: हमर सभक बात हमरा सभक बारे मे की कहैत अछि

1. नीतिवचन 16:18 (अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।)

2. याकूब 3:5-8 (तहिना जीह छोट अंग अछि, आ ओ पैघ बातक घमंड क’ सकैत अछि। देखू जे कतेक पैघ जंगल मे छोट आगि जड़ैत अछि! आ जीह आगि अछि, अधर्मक संसार। जीह हमरा सभक अंगक बीच एतेक राखल गेल अछि जे समस्त शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि, आ प्रकृतिक मार्ग केँ आगि लगा दैत अछि, आ नरक द्वारा आगि लगा दैत अछि मनुष्य द्वारा वश मे कयल गेल अछि।मुदा जीह केँ कोनो मनुष्य वश मे नहि क' सकैत अछि।ई एकटा बेकाबू बुराई अछि, घातक जहर सँ भरल।)

इजकिएल 35:14 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जखन समस्त धरती आनन्दित होयत तखन हम अहाँ केँ उजाड़ बना देब।

परमेश् वर चेतावनी दैत छथि जे जखन दोसर लोक आनन्दित होयत तखन ओ एदोम देश केँ उजाड़ बना देत।

1. एदोम के उदाहरण स सीखी जे विनम्रता स आनन्दित होउ आ अपन सफलता पर बेसी विश्वास नहि करू।

2.भगवानक न्याय हावी होयत आ हुनकर उपहास नहि होयत; अपन सफलता मे विनम्र बनल रहू।

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. भजन 37:7 - प्रभुक समक्ष शान्त रहू आ धैर्यपूर्वक हुनकर प्रतीक्षा करू। जखन लोक अपन तरीका मे सफल भ' जाइत अछि तखन चिंतित नहि होउ।

1600

इजकिएल 35:15 जेना अहाँ इस्राएलक घरानाक उत्तराधिकार पर आनन्दित भेलहुँ, कारण ओ उजाड़ भ’ गेल छल, तहिना हम अहाँक संग करब, हे सेइर पर्वत आ समस्त इदुमिया, ओकर सभटा, अहाँ उजाड़ भ’ जायब जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।

प्रभु घोषणा करै छै कि सेइर पर्वत आरू इदुमिया उजाड़ होय जैतै, जेना कि एक समय में इस्राएल के घराना उजाड़ छेलै।

1. इस्राएल के उजाड़पन स सीखब: परमेश्वर के न्याय हमरा सब के कोना हुनकर नजदीक लाबैत अछि।

2. दोसरक दुर्भाग्य मे आनन्दित करबाक खतरा: इजकिएल 35:15 सँ एकटा संदेश।

1. यशायाह 42:9 - "देखू, पहिने के बात भ' गेल अछि, आओर हम नव बात सभ के घोषणा करैत छी।

2. आमोस 3:7 - "निश्चय प्रभु परमेश् वर किछु नहि करताह, मुदा ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि।"

इजकिएल अध्याय ३६ मे इस्राएल के भूमि के लेलऽ पुनर्स्थापन आरू नवीकरण के भविष्यवाणी छै । अध्याय में परमेश् वर के वाचा के प्रति निष्ठा आरू हुनकऽ प्रतिज्ञा पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ अपनऽ देश म॑ वापस लानै, ओकरा ओकरऽ अशुद्धि स॑ साफ करी क॑ ओकरा एगो नया दिल आरू आत्मा देतै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत आशा आ पुनर्स्थापन के संदेश स होइत अछि। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अपन पवित्र नामक लेल काज करताह आ अपन लोक सभ केँ अपन भूमि पर वापस अनताह। ओ हुनका सभ केँ हुनकर अशुद्धि सँ शुद्ध करबाक आ नव हृदय आ आत्मा देबाक वादा करैत छथि, जाहि सँ हुनका सभ केँ हुनकर आज्ञाक पालन करबा मे सक्षम बनाओल जायत (इजकिएल 36:1-15)।

2nd पैराग्राफ: भविष्यवाणी ओहि निंदा आ उपहास के संबोधित करैत अछि जे इस्राएल के आसपास के राष्ट्र सब स सामना करय पड़ल अछि। भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ भूमिक उर्वरता केँ पुनर्स्थापित करताह, जाहि सँ ओ एक बेर फेर सँ पनपब आ फलदायी होयत। उजाड़ शहर सभक पुनर्निर्माण होयत, आ ओहि भूमि मे लोक आ माल-जाल सँ आबाद होयत (इजकिएल 36:16-30)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के निष्ठा के घोषणा आरू हुनकऽ प्रतिज्ञा के साथ होय छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ भरपूर आशीर्वाद देतै । परमेश् वर इस्राएल कॅ आश्वस्त करै छै कि हुनी ओकरो सिनी के प्रार्थना के जवाब देतै, ओकरा समृद्धि के आशीर्वाद देतै आरू ओकरोॅ संख्या बढ़ाबै छै। इस्राएल के पुनर्स्थापन के माध्यम स’ जाति सभ परमेश् वरक भलाई आ निष्ठा केँ चिन्हत (इजकिएल 36:31-38)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल छत्तीस अध्याय प्रस्तुत
बहाली आ नवीकरणक भविष्यवाणी
इस्राएल देशक लेल, जोर दैत
परमेश् वरक अपन वाचा के प्रति वफादारी
आ अपन लोक सभ केँ शुद्ध करबाक प्रतिज्ञा,
हुनका सभ केँ नव हृदय आ आत्मा दियौक,
आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद दियौक।

इस्राएल के भूमि के लेलऽ आशा आरू बहाली के संदेश।
जनता के अपन धरती पर वापस आनब आ ओकरा अशुद्धि स साफ करबाक वादा करू।
परमेश् वर के वफादारी के घोषणा आरू अपनऽ लोगऽ क॑ नया दिल आरू आत्मा दै के प्रतिज्ञा ।
इस्राएल के सामने आबै वाला निंदा आरू उपहास के संबोधित करतें हुअय।
जमीनक उर्वरता बहाल करबाक आ उजड़ल शहरक पुनर्निर्माण करबाक वादा करू।
परमेश् वरक आशीष, समृद्धि आ अपन लोकक लेल गुणा-भागक आश्वासन।
इस्राएल के पुनर्स्थापन के माध्यम स॑ परमेश् वर के भलाई आरू निष्ठा के पहचान।

इजकिएल के ई अध्याय में इस्राएल के देश के लेलऽ पुनर्स्थापन आरू नवीकरण के भविष्यवाणी छै। अध्याय के शुरुआत आशा आरू बहाली के संदेश स॑ होय छै, कैन्हेंकि परमेश्वर घोषणा करै छै कि वू अपनऽ पवित्र नाम के लेलऽ काम करतै आरू अपनऽ लोगऽ क॑ अपनऽ भूमि म॑ वापस लानै छै ।

ओ हुनका सभक अशुद्धि सँ शुद्ध करबाक आ नव हृदय आ आत्मा देबाक वचन दैत छथि, जाहि सँ हुनका सभ केँ हुनकर आज्ञाक पालन करबा मे सक्षम बनाओल जायत। तखन ई भविष्यवाणी ओहि निन्दा आ उपहास केँ संबोधित करैत अछि जे इस्राएल केँ आसपासक राष्ट्र सभ सँ सामना करय पड़ल अछि। भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ भूमिक उर्वरता केँ पुनर्स्थापित करताह, जाहि सँ ओ एक बेर फेर सँ पनपब आ फलदायी होयत। उजाड़ शहर सभक पुनर्निर्माण होयत, आ जमीन मे लोक आ माल-जाल सँ आबाद होयत। अध्याय के समापन परमेश् वर के निष्ठा के घोषणा आरू हुनकऽ प्रतिज्ञा के साथ होय छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ भरपूर आशीर्वाद दै छै । परमेश् वर इस्राएल कॅ आश्वस्त करै छै कि हुनी ओकरो सिनी के प्रार्थना के जवाब देतै, ओकरा समृद्धि के आशीर्वाद देतै आरू ओकरोॅ संख्या बढ़ाबै छै। इस्राएल के पुनर्स्थापन के माध्यम स॑ जाति सिनी परमेश् वर के भलाई आरू वफादारी क॑ पहचानी लेतै । अध्याय में परमेश्वर के अपनऽ वाचा के प्रति निष्ठा, शुद्धि आरू नवीकरण के प्रतिज्ञा, आरू अपनऽ लोगऽ के लेलऽ हुनकऽ प्रचुर आशीष पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 36:1 हे मनुष्यक बेटा, इस्राएलक पहाड़ सभ केँ भविष्यवाणी करू आ कहू जे, “हे इस्राएलक पहाड़ सभ, परमेश् वरक वचन सुनू।”

इजकिएल केँ निर्देश देल गेल अछि जे इस्राएलक पहाड़ सभ केँ भविष्यवाणी करथि आ हुनका सभ केँ प्रभुक वचन सुनबाक लेल कहथिन।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश्वर के वचन हमरा सब के कोना काज करय लेल बजबैत अछि

2. सुनबाक महत्व: भगवानक आवाजक प्रतिक्रिया देब

1. प्रेरित 5:32 - आ हम सभ हुनकर गवाह छी। आ पवित्र आत् मा सेहो, जिनका परमेश् वर हुनकर आज्ञा माननिहार सभ केँ देने छथि।

2. याकूब 1:22 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

इजकिएल 36:2 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। शत्रु अहाँ सभक विरुद्ध कहने अछि जे, “आहा, प्राचीन ऊँच स्थान सभ सेहो हमरा सभक कब्जा मे अछि।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि, चेतावनी दैत छथि जे शत्रु प्राचीन ऊँच स्थान सभ केँ अपन मानने अछि।

1. परमेश् वरक अपन लोक आ ओकर भूमिक मालिकाना हक - इजकिएल 36:2

2. दुश्मनक दावा केँ बुझब आ ओकर मुकाबला कोना कयल जाय - इजकिएल 36:2

1. व्यवस्था 11:12 - "ओ देश जकर चिन्ता तोहर परमेश् वर परमेश् वर करैत छथि। अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक नजरि सालक प्रारंभ सँ वर्षक अंत धरि सदिखन ओहि पर रहैत अछि।"

2. भजन 24:1 - "पृथ्वी आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ प्रभुक अछि।"

इजकिएल 36:3 तेँ भविष्यवाणी करू आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ केँ उजाड़ कऽ देलक आ चारू कात निगल गेल, जाहि सँ अहाँ सभ गैर-यहूदी सभक सम्पत्ति बनि जायब आ अहाँ सभ गप्प-सप्प करयवला सभक ठोर मे उठाओल गेल छी आ लोक सभक बदनामी छी।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ के प्रति अपनऽ क्रोध व्यक्त करी रहलऽ छै कि हुनी खुद क॑ विधर्मी जाति सिनी के फायदा उठाबै आरू ओकरा लेली कब्जा बनै के अनुमति दै छै ।

1. अपन पहिचान आ उद्देश्य स अनभिज्ञ रहबाक खतरा

2. अपन विश्वास मे कोना दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब आ प्रलोभन केँ कोना अस्वीकार करब

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

1602

2. फिलिप्पियों 4:13 - जे हमरा मजबूत करैत अछि, हम सभ किछु क’ सकैत छी।

इजकिएल 36:4 तेँ हे इस्राएलक पहाड़ सभ, प्रभु परमेश् वरक वचन सुनू। प्रभु परमेश् वर पहाड़, पहाड़ी, नदी, घाटी, उजड़ल उजाड़ आ छोड़ल गेल नगर सभ केँ ई कहैत छथि जे विधर्मी सभक अवशेषक शिकार आ उपहास बनि गेल अछि गोल-गोल;

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के पहाड़, पहाड़ी, नदी, घाटी, उजड़लऽ कचरा आरू शहरऽ स॑ बात करी क॑ ओकरा सिनी क॑ ई बताबै छै कि ई सब जाति-जाति के बीच उपहास के विषय बनी गेलऽ छै ।

1. इस्राएल के प्रति परमेश् वर के देखभाल - प्रभु परमेश् वर इस्राएल के लोगऽ के प्रति अपनऽ प्रतिज्ञा केना पूरा करलकै आरू पूरा करै छै।

2. उपहासक बीच आराम - दुख आ लाजक समय मे प्रभु मे शक्ति प्राप्त करब।

1. व्यवस्था 7:7-8 - "प्रभु अहाँ सभ पर अपन प्रेम नहि रखलनि आ ने अहाँ सभ केँ चुनलनि, कारण अहाँ सभक संख्या मे सँ बेसी छल। आ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ जे शपथ केने छलाह, तकरा पूरा करबाक लेल, प्रभु अहाँ सभ केँ एकटा पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि देलनि आ मिस्रक राजा फिरौनक हाथ सँ दास सभक घर सँ मुक्त कऽ देलनि।”

2. रोमियो 8:28-29 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि अपन पुत्रक प्रतिरूपक रूप मे, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय।”

इजकिएल 36:5 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अपन ईर्ष्याक आगि मे गैर-यहूदी आ समस्त इदुमियाक अवशेषक विरुद्ध बजलहुँ अछि, जे हमर भूमि केँ पूरा हृदयक आनन्द सँ, घृणित मोन सँ, ओकरा शिकारक लेल बाहर निकालबाक लेल अपन कब्जा मे राखि देने अछि।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल के माध्यम सें विधर्मी जाति सिनी के खिलाफ बोलै छै, जे हुनको भूमि पर हर्ष आरू घृणा के साथ कब्जा करै छै।

1. प्रभुक ईर्ष्या आ राष्ट्र सभ: परमेश् वरक क्रोध कोना जायज अछि

2. भगवान् के भूमि आ कब्जा: हुनकर संपत्ति के कोना सम्मान करबाक चाही

1. व्यवस्था 32:21 ओ सभ हमरा ओहि बात सँ ईर्ष्या करबाक लेल प्रेरित कयलक जे परमेश् वर नहि छथि। ओ सभ हमरा अपन व्यर्थता सँ क्रोधित कऽ देलक, आ हम ओकरा सभ केँ ईर्ष्या करऽ देब जे जे लोक नहि अछि। हम ओकरा सभ केँ मूर्ख राष्ट्र सँ क्रोधित करब।

2. भजन 79:1-2 हे परमेश् वर, जाति-जाति सभ अहाँक उत्तराधिकार मे आबि गेल अछि। तोहर पवित्र मन्दिर केँ ओ सभ अशुद्ध कऽ देलक। यरूशलेम केँ ढेर पर राखि देने छथि। तोहर नोकर सभक मृत शरीर आकाशक चिड़ै सभ केँ भोजन करबाक लेल, पृथ् वी परक जानवर सभ केँ तोहर पवित्र लोक सभक मांस।

इजकिएल 36:6 एहि लेल इस्राएलक देशक विषय मे भविष्यवाणी करू आ पहाड़, पहाड़ी, नदी आ घाटी सभ केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अपन ईर्ष्या आ क्रोध मे बाजि रहल छी, किएक तँ अहाँ सभ जाति-जाति सभक लाज सहने छी।

परमेश् वर इस्राएली सभक प्रति अपन क्रोध आ ईर्ष्या मे बजैत छथि जे ओ दोसर जाति सभक तिरस्कार सहैत छथि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: इजकिएल सँ एकटा चेतावनी

2. विनम्रताक शक्ति: इजकिएल सँ एकटा पाठ

1. यशायाह 5:14-15 -एहि लेल नरक अपना केँ बढ़ि गेल अछि आ ओकर मुँह बिना नाप-जोख खोलि लेलक, आ ओकर महिमा, ओकर भीड़, ओकर धूमधाम आ जे आनन्दित अछि, ओ ओहि मे उतरत। नीच लोक केँ नीचाँ खसाओल जायत, आ पराक्रमी नम्र भ’ जायत, आ ऊँच लोकक आँखि नम्र भ’ जायत।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।

इजकिएल 36:7 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अपन हाथ उठौने छी, अहाँ सभक आसपास जे गैर-यहूदी अछि, से सभ अपन लाज सहत।

परमेश् वर वादा केने छथि जे इस्राएल केँ घेरने विधर्मी जाति सभ केँ अपन गलत काजक लेल सजा देब।

1. प्रभु विश्वासी छथि - इजकिएल 36:7

2. पापक परिणाम - इजकिएल 36:7

1. यशायाह 40:10 - देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल’ क’ आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करत, देखू, हुनकर इनाम हुनका संग छनि आ हुनकर काज हुनका सामने छनि।

2. भजन 5:5 - मूर्ख अहाँक नजरि मे ठाढ़ नहि होयत, अहाँ सभ अधर्मक काज करयवला सँ घृणा करैत छी।

इजकिएल 36:8 मुदा, हे इस्राएलक पहाड़, अहाँ सभ अपन डारि उघारब आ हमर इस्राएलक लोक केँ अपन फल देब। किएक तँ ओ सभ आबए लग आबि गेल अछि।

परमेश् वर अपन लोक केँ इस्राएलक पहाड़ पर वापस अनबाक वादा करैत छथि, जाहि सँ ओ सभ फल दऽ सकथि आ हुनकर लोक सभक भरण-पोषण क’ सकथि।

1. विश्वास मे प्रतीक्षा करब: परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करताह

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: पुनर्स्थापनक आशा पर भरोसा करब

1. यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज करब। आब ई उमड़त। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे रस्ता तक बना देब, आ मरुभूमि मे नदी।

2. यिर्मयाह 31:4 - हे इस्राएलक कुमारि, हम फेर अहाँक निर्माण करब, आ अहाँ बनबह, अहाँ फेर सँ अपन तम्बू सँ सजल रहब आ मस्ती करयवला सभक नाच मे निकलब।

इजकिएल 36:9 किएक तँ देखू, हम अहाँ सभक लेल छी, आ हम अहाँ सभ दिस घुरब, आ अहाँ सभ जोतब आ बोओल जायब।

भगवान् हमरा सभक बगल मे सदिखन रहताह, आ हमरा सभ केँ आशा आ मार्गदर्शन प्रदान करताह।

1: भगवान् हमरा सभक संग छथि आ हमरा सभकेँ जे आशा आ दिशा चाही से प्रदान करताह।

2: भगवान् दिस मुड़ब आ ओ हमरा सभकेँ बाट देखाओताह आ हमरा सभकेँ उज्जवल भविष्य प्रदान करताह।

1: यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझदारी केओ नहि क' सकैत अछि।" फथम।थकल लोक के ताकत दैत अछि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत अछि, युवा सब सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, आ युवक ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि, मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ अपन शक्ति के नवीनीकरण करत।ओ सब गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2: यिर्मयाह 29:11-13 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि। तखन अहाँ हमरा बजाउ आ।" आबि हमरा

सँ प्रार्थना करू, हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।"

इजकिएल 36:10 हम अहाँ सभ, इस्राएलक समस्त वंशज आ ओकर सभटा लोक पर लोक सभ केँ बढ़ा देब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ बढ़ा देताह आ नगर सभ आ उजाड़ भूमि सभक निर्माण करताह।

1. परमेश् वरक प्रचुरताक प्रतिज्ञा - परमेश् वरक प्रतिज्ञाक खोज करब जे ओ अपन लोक केँ बढ़ाबथि आ भूमि केँ पुनर्स्थापित करताह।

2. एकटा नव जीवन आ नव आशा - ई देखब जे कोना भगवान उजाड़ जगह पर आशा अनैत छथि आ जरूरतमंद के जीवन दैत छथि।

1. भजन 107:34 - प्रसन्न हृदय प्रसन्न चेहरा बनबैत अछि, मुदा जखन हृदय उदास होइत अछि तखन आत्मा टूटि जाइत अछि।

2. यशायाह 58:12 - अहाँक लोक प्राचीन खंडहर केँ फेर सँ बनाओत आ युग-युग सँ पुरान नींव केँ ठाढ़ करत; अहाँ के टूटल देबाल के मरम्मत करय वाला, आवास वाला सड़क के पुनर्स्थापित करय वाला कहल जायत.

इजकिएल 36:11 हम अहाँ सभ पर मनुक्ख आ पशु केँ बढ़ा देब। ओ सभ बढ़ि कऽ फल देत।

प्रभु अपन लोक केँ प्रचुर मात्रा मे लोक आ पशु-पक्षी सँ आशीर्वाद देथिन, आ ओकरा सभ केँ अपन पूर्वक महिमा मे वापस आनि देताह आ ओकरा सभक लेल आओर नीक काज करताह।

1. प्रभु के पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक प्रबन्ध आ आशीर्वाद

1. यशायाह 1:19 - जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।

2. भजन 31:19 - हे अहाँक भलाई कतेक पैघ अछि, जे अहाँ अहाँ सँ डरय बला सभक लेल जमा कएने छी। जे अहाँ मनुष् य-पुत्रक समक्ष अहाँ पर भरोसा रखनिहार सभक लेल काज केने छी!

इजकिएल 36:12 हँ, हम अपन प्रजा इस्राएल, अहाँ सभ पर लोक सभ केँ चलय देब। ओ सभ अहाँ पर कब्जा कऽ लेत आ अहाँ हुनका सभक उत्तराधिकार बनि जायब, आ आब अहाँ ओकरा सभ केँ मनुष् य नहि छोड़ब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ इस्राएल देश मे अनबाक वादा करैत छथि आ ओ सभ फेर कहियो लोक सभ सँ वंचित नहि होयत।

1. परमेश् वरक प्रावधानक प्रतिज्ञा - इजकिएल 36:12 मे परमेश् वरक वफादारीक खोज करब

2. अपन उत्तराधिकारक मालिक बनब - इजकिएल 36:12 मे परमेश्वरक प्रतिज्ञाक वरदान केँ बुझब

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।”

2. भजन 37:3 - प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक करू; तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।”

इजकिएल 36:13 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ केँ कहैत अछि जे, “अहाँ देश मनुष् य सभ केँ खा जाइत छी आ अपन जाति सभ केँ क्षति पहुँचा रहल छी।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि, जे सभ कहने छथि जे ई देश लोक सभ केँ खा जाइत अछि आ जाति सभक विनाशक कारण बनल अछि।

1. भगवानक प्रेम बुराई सँ बेसी मजबूत अछि

1605

2. पाप पर विजय प्राप्त करबाक लेल परमेश् वरक सामर्थ् य

1. रोमियो 8:37-39 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स्वर्गदूत आ ने राक्षस, ने वर्तमान आ ने भविष्य, आ ने कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु, हमरा सभ केँ भगवानक प्रेम सँ अलग क' सकैत अछि जे हमर प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

इजकिएल 36:14 तेँ अहाँ आब मनुक्ख केँ नहि खाएब आ ने अपन जाति केँ आब नहि छोड़ब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के प्रकट करै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ क॑ आरू अत्याचार के सामना नै करै देतै ।

1. परमेश् वरक प्रेम सदाक लेल टिकैत अछि - परमेश् वरक अपन लोकक रक्षाक अटूट प्रतिबद्धताक विषय मे एकटा।

2. मोक्षक शक्ति - परमेश् वरक क्षमा आ दयाक शक्तिक विषय मे एकटा।

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भ' गेल छथि जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. यशायाह 54:10 - "किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत; मुदा हमर दया अहाँ सँ नहि हटि जायत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत, अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।"

इजकिएल 36:15 आ ने हम अहाँ मे लोक केँ आब जाति-जातिक लाज नहि सुनब, आ ने अहाँ लोकक अपमान केँ आब सहब, आ ने अहाँ अपन जाति केँ आब खसब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ लाज आ निन्दा दूर करबाक वादा करैत छथि।

1. भगवानक लाज आ निन्दा सँ रक्षाक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वफादारीक स्मरण

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 34:22 - प्रभु अपन सेवक सभक प्राण मोक्ष दैत छथि; जे हुनका शरण मे बैसल छथि, हुनका मे सँ कियो निन्दा नहि होयत।

इजकिएल 36:16 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

इस्राएल के पुनर्स्थापित करै के परमेश् वर के प्रतिज्ञा।

1. प्रभुक बिना शर्त प्रेम आ मोक्ष

2. आवश्यकताक समय मे प्रभुक निष्ठा पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:39 - ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन चीज, हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

1606

इजकिएल 36:17 मनुष्यक पुत्र, जखन इस्राएलक वंशज अपन देश मे रहैत छल, तखन ओ सभ अपन-अपन तरीका आ अपन काज सँ ओकरा अशुद्ध क’ देलक।

इस्राएलक घराना अपन कर्म आ व्यवहार सँ अपनहि देश केँ अशुद्ध क' देने छल, जे परमेश् वरक लेल आपत्तिजनक छल।

1: "भगवान पाप बर्दाश्त नहि करैत छथि"।

२: "आज्ञाभंग के परिणाम"।

1: गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि करू। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बीजत, ओ आत् मा सँ अनन्त जीवनक फसल काटत।”

2: नीतिवचन 11:20 - "कुटिल हृदयक लोक प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा निर्दोष मार्गक लोक हुनकर प्रसन्नता अछि।"

इजकिएल 36:18 एहि लेल हम हुनका सभ पर अपन क्रोध उझलि देलियनि जे ओ सभ देश पर जे खून बहौने छल आ ओकर मूर्ति सभक लेल जाहि सँ ओ सभ ओकरा दूषित केने छल।

परमेश् वरक क्रोध इस्राएली सभ पर उझलि गेल छल जे ओहि देश केँ प्रदूषित कयल गेल खून बहौलनि आ मूर्तिपूजाक कारणेँ।

1. भगवानक क्रोध: पापक परिणाम बुझब

2. आस्था आ मूर्तिपूजा के बीच के लड़ाई: प्रलोभन के कोना प्रतिरोध करब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि

2. कुलुस्सी 3:5 - तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा अछि।

इजकिएल 36:19 हम हुनका सभ केँ जाति-जाति मे छिड़िया देलियनि आ ओ सभ देश मे तितर-बितर भ’ गेलाह।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ जाति-जाति मे तितर-बितर कयलनि आ हुनकर सभक काजक अनुसार न्याय कयलनि।

1. "भगवान न्यायी न्यायाधीश छथि"।

2. "हमर कर्म के परिणाम"।

1. याकूब 4:12 - "एकटा कानून देनिहार आ न्यायकर्ता अछि, जे उद्धार आ नाश करबा मे सक्षम अछि। मुदा अहाँ के छी जे अपन पड़ोसीक न्याय करब?"

2. व्यवस्था 32:4 - "ओ चट्टान अछि, ओकर काज सिद्ध अछि, कारण ओकर सभ बाट न्याय अछि।

इजकिएल 36:20 जखन ओ सभ ओहि जाति मे प्रवेश कयलनि, जतय ओ सभ गेल छलाह, तखन ओ सभ हमर पवित्र नाम केँ अपवित्र कयलनि, जखन ओ सभ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ई सभ परमेश् वरक लोक छथि आ हुनकर देश सँ बाहर चलि गेल छथि।”

परमेश् वरक लोक सभ विधर्मी सभ मे गेला पर हुनकर नाम केँ अपवित्र कऽ देलक।

1: हमरा सभ केँ अपन विश्वास मे अडिग रहबाक चाही आ भटकला पर प्रभु केँ नहि बिसरबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखय पड़त जे हम सभ के छी आ जे किछु करैत छी ताहि मे ओहि बात केँ प्रतिबिंबित करबाक चाही।

1: याकूब 1:22 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

2: मत्ती 5:16 - अहाँ सभक इजोत मनुष् य सभक सोझाँ एना चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज देखि आ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।

इजकिएल 36:21 मुदा हमरा हमर पवित्र नाम पर दया आबि गेल, जकरा इस्राएलक घराना ओहि जाति सभक बीच अपवित्र कएने छल, जतय ओ सभ गेल छल।

परमेश् वर अपन पवित्र नाम पर दया करैत छथि, जकरा इस्राएलक घराना गैर-यहूदी सभक बीच अपवित्र कएने अछि।

1. भगवान् केर क्षमा आ दया

2. विनम्रताक शक्ति

1. लूका 6:36-38 - दयालु रहू, जेना अहाँक पिता दयालु छथि।

2. याकूब 4:6-10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

इजकिएल 36:22 तेँ इस्राएलक घराना केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे इस्राएलक घराना, हम ई काज अहाँ सभक लेल नहि करैत छी, बल् कि हमर पवित्र नामक लेल, जकरा अहाँ सभ ओहि जाति सभक बीच अपवित्र केलहुँ, जतय अहाँ सभ गेलहुँ।

प्रभु परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ हुनका सभक लेल नहि अपितु अपन पवित्र नामक लेल काज कऽ रहल छथि, जकरा ओ सभ विधर्मी सभक बीच अपवित्र कएने छथि।

1. भगवान् के पवित्र नाम के रक्षा के महत्व

2. भगवान् हमरा सभक आराधना आ स्तुतिक योग्य छथि

1. यशायाह 43:7 - जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

2. भजन 9:11 - प्रभुक स्तुति गाउ, जे सियोन मे सिंहासन पर बैसल बैसल छथि! लोकक बीच ओकर कर्म कहू!

इजकिएल 36:23 हम अपन महान नाम केँ पवित्र करब, जे जाति-जाति सभक बीच अपवित्र कयल गेल छल, जकरा अहाँ सभ ओकरा सभक बीच अपवित्र केलहुँ। जखन हम हुनका सभक नजरि मे अहाँ सभ मे पवित्र भ’ जायब तखन जाति-जाति सभ बुझत जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर अपन महान नाम केँ पवित्र करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि जे हुनकर लोक द्वारा विधर्मी सभक बीच अपवित्र कयल गेल अछि। विधर्मी लोकनि तखन ई बूझि लेत जे ओ प्रभु छथि जखन ओ अपन लोक मे पवित्र भ' जेताह।

1. पवित्रीकरणक शक्ति: परमेश् वरक लोक हुनकर पवित्रताक प्रदर्शन कोना कऽ सकैत अछि

2. आज्ञाकारिता के प्रभाव: हमरऽ कर्म परमेश्वर के महानता के कोना दर्शाबै छै

1. यशायाह 43:25 - "हम, हमहीं छी, जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।"

2. रोमियो 8:29 - "किएक तँ परमेश् वर पहिने सँ जनैत छलाह जे ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक अनुरूप बनबाक लेल सेहो पूर्वनिर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाइ-बहिन मे जेठ बनि जाय।"

इजकिएल 36:24 हम अहाँ सभ केँ जाति-जाति मे सँ लऽ कऽ सभ देश सँ बाहर निकालब आ अहाँ सभ केँ अपन देश मे आनि देब।

परमेश् वर इस्राएल जाति केँ अपन देश मे पुनर्स्थापित करताह।

1: भगवान् अपन लोक केँ सदिखन अपना लग वापस अनताह।

2: भगवानक प्रतिज्ञा कहियो नहि तोड़ल जा सकैत अछि।

1: यशायाह 43:5-6 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक संतान पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, हार मानू, आ दक्षिण दिस। पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनि दियौक।”

2: रोमियो 11:26-27 - "एहि तरहेँ समस्त इस्राएल उद्धार होयत। जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “मुक् तिदाता सियोन सँ निकलत आ याकूब सँ अभक्ति केँ मोड़ि लेताह हुनका सभक पाप दूर क' देतनि।"

इजकिएल 36:25 तखन हम अहाँ सभ पर शुद्ध पानि छिड़कि देब आ अहाँ सभ शुद्ध भ’ जायब।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ ओकर पाप आ मूर्ति सभ सँ शुद्ध करबाक वचन दैत छथि।

1. अपन हृदय केँ साफ करू: परमेश्वरक मोक्षक शक्ति केँ बुझब

2. शुद्ध जीवन जीब: मूर्तिपूजा के अस्वीकार करब आ परमेश्वर के वचन के आत्मसात करब

1. प्रेरित 15:9 - आ हमरा सभ आ हुनका सभक बीच कोनो अंतर नहि करू, विश्वास सँ हुनकर सभक हृदय केँ शुद्ध करू।

2. 1 कोरिन्थी 10:14 - तेँ हे हमर प्रियजन, मूर्तिपूजा सँ भागू।

इजकिएल 36:26 हम अहाँ सभ केँ नव हृदय सेहो देब आ अहाँ सभक भीतर एकटा नव आत् मा राखब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ एकटा नव हृदय आ आत्मा देबाक वादा करैत छथि, आ हमरा सभक कठोर हृदय केँ हमरा सभ सँ दूर करबाक लेल।

1. नव हृदय परमेश् वर हमरा सभ सँ वादा करैत छथि - इजकिएल 36:26 मे परमेश् वरक परिवर्तनकारी शक्तिक अन्वेषण

2. मांसक हृदय - इजकिएल 36:26 क अनुसार मांसक हृदयक महत्वक परीक्षण

1. यिर्मयाह 24:7 - हम हुनका सभ केँ एकटा हृदय देबनि जे ओ हमरा चिन्हथि जे हम प्रभु छी, आ ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनकर परमेश् वर बनब, किएक तँ ओ सभ अपन पूरा मोन सँ हमरा लग घुरि जेताह।

2. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू।

इजकिएल 36:27 हम अहाँक भीतर अपन आत्मा राखब आ अहाँ सभ केँ अपन नियम मे चलब, आ अहाँ सभ हमर निर्णय सभक पालन करब आ ओकर पालन करब।

परमेश् वर अपन आत् मा हमरा सभक भीतर राखताह आ हमरा सभ केँ अपन नियम मे चलब आ हुनकर निर्णय केँ पालन करथि।

1. जीवन के परिवर्तित करय के लेल पवित्र आत्मा के शक्ति

2. हम जेना जीबैत छी ताहि मे परमेश् वरक आज्ञापालन

1. रोमियो 8:14 15 किएक तँ जे सभ परमेश् वरक आत् माक नेतृत्व मे छथि, ओ सभ परमेश् वरक पुत्र छथि।

2. याकूब 1:22 25 मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।

इजकिएल 36:28 अहाँ सभ ओहि देश मे रहब जे हम अहाँ सभक पूर्वज केँ देने छलहुँ। अहाँ सभ हमर प्रजा बनब आ हम अहाँक परमेश् वर बनब।”

परमेश् वर इस्राएल सँ वचन दैत छथि जे ओ हुनकर सभक परमेश् वर हेताह आ ओ सभ हुनकर लोक बनताह, जे ओहि देश मे रहताह जे ओ हुनका सभक पूर्वज केँ देने छलाह।

1. परमेश्वर के निवास के प्रतिज्ञा: इजकिएल 36:28 के वाचा के अन्वेषण

2. परमेश् वरक निष्ठा: हुनकर वाचा प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 31:33-34 - "मुदा ओहि दिनक बाद हम इस्राएलक घरानाक संग ई वाचा करब, प्रभु कहैत छथि: हम अपन व्यवस्था हुनका सभक भीतर राखब आ हुनका सभक हृदय पर लिखब। आ।" हम हुनका सभक परमेश् वर बनब, आ ओ सभ हमर लोक होयत।”

२ परमेश् वर, आ ओ सभ हमर प्रजा होयत।

इजकिएल 36:29 हम अहाँ सभ केँ अहाँक सभटा अशुद्धता सँ सेहो बचा लेब।

भगवान् प्रतिज्ञा करै छै कि लोगऽ क॑ ओकरऽ अशुद्धता स॑ बचाबै के आरू अकाल स॑ बचाबै लेली भोजन के व्यवस्था करै के ।

1. भगवानक रक्षा आ प्रावधान

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक सामर्थ् य

1. यशायाह 54:10 - "किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत; मुदा हमर दया अहाँ सँ नहि हटत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत, अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।"

2. भजन 145:15-16 - "सबके नजरि तोरा दिस प्रतीक्षा करैत अछि; आ अहाँ ओकरा सभ केँ समय पर ओकर भोजन दैत छी। अहाँ अपन हाथ खोलैत छी आ सभ जीवक इच्छा केँ पूरा करैत छी।"

इजकिएल 36:30 हम गाछक फल आ खेतक बढ़ब केँ बढ़ा देब, जाहि सँ अहाँ सभ केँ आब जाति-जाति मे अकाल केर निन्दा नहि भेटय।

परमेश् वर अपन लोक सभक लेल पर्याप्त भोजनक व्यवस्था करबाक वादा करैत छथि जाहि सँ ओ सभ आब पर्याप्त भोजन नहि करबाक कारणेँ लाज नहि करथि।

1. परमेश् वरक प्रबन्ध - प्रभुक प्रबंध करबाक क्षमता पर भरोसा करब।

2. लाज पर विजय प्राप्त करब - भगवानक कृपाक शक्ति मे जीब।

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु द्वारा महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

2. यशायाह 54:4 - डेराउ नहि; किएक तँ अहाँ लाज नहि करब। किएक तँ अहाँ लजित नहि होयब, किएक तँ अहाँ अपन जवानीक लाज बिसरि जायब आ अपन विधवाक अपमान केँ आब नहि मोन पाड़ब।”

इजकिएल 36:31 तखन अहाँ सभ अपन दुष्ट मार्ग आ अपन काज सभ केँ मोन पाड़ब जे नीक नहि छल, आ अपन अधर्म आ घृणित काज सभक कारणेँ अपना केँ अपन नजरि मे घृणा करब।

परमेश् वर हमरा सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे हम सभ अपन पापपूर्ण बाट सभ केँ मोन राखी आ अपन अधर्म आ घृणित काज सभक लेल अपना केँ घृणा करी।

1610

1. पश्चाताप: पाप के अस्वीकार करब आ परमेश्वर के पालन करब सीखब

2. अपन हृदयक परीक्षण: अपन पापपूर्ण स्वभाव केँ चिन्हब

१.

2. 1 यूहन्ना 1:8-9 - जँ हम सभ कहैत छी जे हमरा सभ लग कोनो पाप नहि अछि, तँ हम सभ अपना केँ धोखा दैत छी, आ सत्य हमरा सभ मे नहि अछि। यदि हम अपन पाप स्वीकार करब त ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

इजकिएल 36:32 हम अहाँ सभक लेल ई नहि करैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ केँ ई बात बुझल जाय।

भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ अपन-अपन तरीकाक लेल लाज आ भ्रमित रही।

1. अपन पाप स्वीकार करबाक आ अपन बाट स मुड़बाक आवश्यकता

2. हमरा सभक पापक बादो परमेश् वरक प्रेम आ क्षमा

1. यशायाह 43:25 - "हम, हमहीं छी, जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।"

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

इजकिएल 36:33 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जाहि दिन हम अहाँ सभ केँ अहाँक सभ अधर्म सँ शुद्ध करब, हम अहाँ सभ केँ नगर सभ मे सेहो रहब, आ उजाड़ सभ बनि जायत।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पाप सँ शुद्ध करबाक वचन दैत छथि आ हुनका सभ केँ शहर मे रहबाक आ देशक पुनर्निर्माण करबाक आशा दैत छथि।

1. भगवान् मे हमर आशा: नव शुरुआत के प्रतिज्ञा मे जीवन जीब

2. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: जे हेरायल गेल अछि तकरा पुनः प्राप्त करब

1. यशायाह 54:2-3 अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू, आ अपन आवासक पर्दा केँ पसरल रहू। पाछू नहि हटब; अपन डोरी नमहर करू आ दाँव मजबूत करू। कारण, अहाँ दहिना-बामा दिस पसरि जायब, आ अहाँक संतान जाति-जाति सभ पर अपन कब्जा कऽ लेत आ उजड़ल नगर सभ केँ लोक बनाओत।

2. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक लेल नहि, भलाईक योजना अछि।

इजकिएल 36:34 उजाड़ जमीन खेती कएल जाएत, जखन कि ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभक नजरि मे उजाड़ भ’ गेल छल।

जे जमीन कहियो उजाड़ छल से आब जोत कए पुनर्स्थापित कएल जाएत।

1: हम सभ परमेश् वरक प्रतिज्ञा मे आशा आ ताकत पाबि सकैत छी।

2: भगवान् जे हेरायल अछि ओकरा पुनर्स्थापित क' सकैत छथि।

1: यशायाह 54:10 - "पहाड़ भले हिलल जाय आ पहाड़ हटि जायत, मुदा अहाँ सभक प्रति हमर अटूट प्रेम नहि हिलत आ ने हमर शान्तिक वाचा दूर होयत," अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।

2: यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ बिसरि जाउ; अतीत पर नहि रहू। देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी! आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना रहल छी।" आ बंजर भूमि मे धार सभ।"

इजकिएल 36:35 ओ सभ कहताह, “ई देश जे उजाड़ छल, अदनक बगीचा जकाँ भ’ गेल अछि। उजाड़ आ उजड़ल आ उजड़ल नगर सभ बाड़ि मे बाड़ि बनि गेल अछि आ लोकक लोक बनि जाइत अछि।

जे भूमि कहियो उजाड़ छल, ओकरा पुनर्स्थापित क' अदनक बगीचा मे बदलि देल गेल अछि।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापन आशा आ प्रतिज्ञासँ भरल अछि।

2. उजाड़ भूमिक परिवर्तन मे भगवानक निष्ठा स्पष्ट अछि।

1. यशायाह 51:3 - "कारण परमेश् वर सियोन केँ सान्त्वना देताह; ओकर सभ उजाड़ स्थान केँ सान्त्वना देताह, आ ओकर जंगल केँ अदन जकाँ बना देताह, ओकर मरुभूमि केँ परमेश् वरक बगीचा जकाँ बना देताह। ओकरा मे आनन्द आ आनन्द भेटत। धन्यवाद आ गीतक आवाज।"

2. भजन 145:17 - "प्रभु अपन सभ मार्ग मे धर्मी छथि आ अपन सभ काज मे दयालु छथि।"

इजकिएल 36:36 तखन अहाँक चारूकात जे जाति बचल अछि, से बुझत जे हम परमेश् वर, उजड़ल जगह सभक निर्माण करैत छी आ उजड़ल जगह केँ रोपैत छी।

भगवान् वादा करै छै कि जे बर्बाद आरो उजाड़ होय गेलऽ छै ओकरा फेर सें बनाबै आरू फेर से रोपना।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

2. नवीकरणक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 43:18-19 पहिने के बात पर नहि मोन राखू आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी। आब ई झरझरा उठैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब आ मरुभूमि मे नदी मे।

2. भजन 147:2-3 प्रभु यरूशलेम के निर्माण करैत छथि; ओ इस्राएलक बहिष्कृत लोक सभ केँ जमा करैत अछि। टूटल-फूटल हृदय के ठीक करैत छथि आ घाव के बान्हि दैत छथि ।

इजकिएल 36:37 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम एखनो एहि लेल इस्राएलक घराना सँ पूछताछ करब जे हम हुनका सभक लेल ई काज कऽ सकब। हम ओकरा सभ केँ झुंड जकाँ मनुक्खक संग बढ़ा देब।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे इस्राएलक घराना मे झुंड जकाँ लोकक संख्या बढ़ाओत।

1. परमेश् वरक वफादारी - इस्राएलक झुंड केँ बढ़ेबाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा अपन लोक सभक प्रति हुनकर वफादारीक स्मरण कराबैत अछि।

2. परमेश् वरक प्रबंध - परमेश् वरक इस्राएलक झुंड केँ बढ़ेबाक प्रतिज्ञा अपन लोक सभक लेल हुनकर प्रावधानक स्मरण कराबैत अछि।

1. मत्ती 6:25-26 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि?

2. भजन 23:1-3 - प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। हमरा हरियर चारागाह मे सुता दैत छथि। ओ हमरा स्थिर पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर आत्मा केँ पुनर्स्थापित करैत छथि।

इजकिएल 36:38 पवित्र झुंड जकाँ, जेना यरूशलेमक भेँड़ा अपन भोज मे। तेना उजाड़ नगर सभ मनुष् य सभक झुंड सँ भरल रहत, आ ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।”

1612

परमेश् वरक वचन जे उजाड़ शहर लोक सभ सँ भरल रहत आ ओ सभ जनत जे ओ प्रभु छथि।

1. परमेश् वरक मोक्षक प्रतिज्ञा: इजकिएल 36:38 क अध्ययन

2. परमेश्वर के हुनकर प्रतिज्ञा के माध्यम स जानब: इजकिएल 36:38 हमर जीवन के कोना बदलि सकैत अछि

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

इजकिएल अध्याय ३७ मे सूखल हड्डी के घाटी के दर्शन छै, जे इस्राएल राष्ट्र के बहाली आरू पुनरुद्धार के प्रतीक छै। अध्याय में परमेश् वर के शक्ति पर जोर देलऽ गेलऽ छै कि वू निर्जीव लोगऽ क॑ जीवन लानै छै आरू ओकरऽ प्रतिज्ञा पर जोर दै छै कि वू विभाजित इस्राएल के राज्य क॑ फेर स॑ एक करी देतै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के प्रभु के आत्मा द्वारा सूखल हड्डी स भरल घाटी में ल जाय स होइत अछि। परमेश् वर इजकिएल सँ पूछैत छथि जे की ई हड्डी सभ जीवित भऽ सकैत अछि, आ इजकिएल उत्तर दैत छथि जे केवल परमेश्वर जनैत छथि। तखन परमेश् वर इजकिएल केँ हड्डी धरि भविष्यवाणी करबाक आज्ञा दैत छथि, घोषणा करैत छथि जे ओ ओकरा सभ केँ फेर सँ जीवित क’ देताह आ ओकरा सभ मे मांस आ साँस डालताह (इजकिएल 37:1-10)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे परमेश् वरक प्रतिज्ञाक पूर्तिक वर्णन अछि। जेना कि इजकिएल भविष्यवाणी करै छै, हड्डी एक साथ आबी जाय छै, नस आरू मांस ओकरा ढकी दै छै आरू ओकरा में साँस प्रवेश करी कॅ ओकरा फेर सें जीवित करी दै छै। दर्शन इस्राएल राष्ट्र के पुनरुद्धार के प्रतिनिधित्व करै छै, जे परमेश्वर के शक्ति के प्रतीक छै कि वू अपनऽ लोगऽ में पुनर्स्थापित करी क॑ जीवन दै छै (यहेजकिएल ३७:११-१४)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय दू लाठी के भविष्यवाणी के साथ आगू बढ़ै छै, जे विभाजित इस्राएल के राज्य के पुनर्गठन के प्रतीक छै। परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे दू टा लाठी लऽ कऽ एकटा यहूदाक प्रतिनिधित्व करैत अछि आ दोसर इस्राएलक उत्तरी राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि आ ओकरा सभ केँ एक संग जोड़ि देथिन। ई एक राजा दाऊद के अधीन एकजुट राज्य के पुनर्स्थापन के संकेत दै छै (इजकिएल 37:15-28)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सत्तीस प्रस्तुत
सूखल हड्डी के घाटी के दर्शन,
बहाली आ पुनरुद्धार के प्रतीक
इस्राएल राष्ट्र के, जोर देत
निर्जीव के जीवन लाबय के भगवान के शक्ति
आ विभाजित राज्य के पुनर्मिलन के हुनकर प्रतिज्ञा।

सूखल हड्डी के घाटी के दर्शन आरू ओकरा सिनी के भविष्यवाणी करै के भगवान के आज्ञा।
हड्डी एक संग आबि, मांस आ साँस प्राप्त करैत भगवानक प्रतिज्ञाक पूर्ति।
इस्राएल राष्ट्र के पुनरुद्धार आरू बहाली करै के परमेश्वर के शक्ति के प्रतिनिधित्व।
विभाजित राज्यक पुनर्मिलनक प्रतीक दुनू लाठीक भविष्यवाणी |
दुनू लाठी के जोड़बाक निर्देश, जे संयुक्त राज्य के बहाली के सूचक अछि |
दाऊद के वंशज दाऊद के शासन में भविष्य के राज्य के प्रतिज्ञा |

इजकिएल के ई अध्याय में सूखा हड्डी के घाटी के दर्शन छै, जे इस्राएल राष्ट्र के बहाली आरू पुनरुद्धार के प्रतीक छेकै। अध्याय के शुरुआत इजकिएल के प्रभु के आत्मा द्वारा सूखल हड्डी स भरल घाटी में ले जाय के साथ होय छै। परमेश् वर इजकिएल सँ पूछै छै कि की ई हड्डी

जीवित होय सकै छै, आरू इजकिएल के जवाब के बाद कि केवल परमेश्वर ही जानै छै, परमेश् वर ओकरा हड्डी तक भविष्यवाणी करै के आज्ञा दै छै। जेना कि इजकिएल भविष्यवाणी करै छै, हड्डी एक साथ आबी जाय छै, नस आरू मांस ओकरा ढकी दै छै आरू ओकरा में साँस प्रवेश करी कॅ ओकरा फेर सें जीवित करी दै छै। ई दर्शन इस्राएल राष्ट्र के पुनरुद्धार के प्रतिनिधित्व करै छै आरू परमेश् वर के शक्ति के प्रतीक छै कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ बहाल करै आरू ओकरा म॑ जीवन के सांस दै छै । अध्याय दू लाठी के भविष्यवाणी के साथ आगू बढ़ै छै, जहाँ परमेश् वर इजकिएल के निर्देश दै छै कि यहूदा आरू इस्राएल के उत्तरी राज्य के प्रतिनिधित्व करै वाला दू लाठी ल॑ क॑ ओकरा एक साथ जोड़ै के चाही। ई एक राजा दाऊद के अधीन विभाजित राज्य के पुनर्गठन के प्रतीक छेकै । अध्याय के समापन दाऊद के वंशज दाऊद के शासन के तहत भविष्य के राज्य के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। अध्याय में निर्जीव के जीवन लानै के परमेश्वर के शक्ति, इस्राएल के पुनर्स्थापन आरू विभाजित राज्य के पुनर्गठन पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

इजकिएल 37:1 परमेश् वरक हाथ हमरा पर छल आ हमरा परमेश् वरक आत् मा मे लऽ गेल आ हमरा ओहि घाटी मे बैसा देलक जे हड्डी सँ भरल छल।

परमेश् वर इजकिएल केँ हड्डी सँ भरल घाटी मे लऽ गेलाह।

1: इजकिएल के दर्शन एकटा सशक्त स्मरण के काज करैत अछि जे परमेश् वर भयावह परिस्थिति मे सेहो आशा आ जीवन आनि सकैत छथि।

2: इजकिएल के दर्शन में हमरा सब के पता चलै छै कि परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ दोसरऽ मौका द॑ सकै छै जेकरा बिसराय देलऽ गेलऽ छै या पाछू छोड़ी देलऽ गेलऽ छै।

1: यशायाह 43:19 - देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी! आब उभरैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल आ उजाड़ मे धार मे बाट बना रहल छी।

2: यिर्मयाह 29:11 - कारण हम जनैत छी जे अहाँक लेल हमर योजना अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

इजकिएल 37:2 ओ हमरा चारू कात हुनका सभक लग सँ गुजरि गेलाह। आ देखू, ओ सभ बहुत सुखायल छल।

घाटी मे बहुत रास बहुत सूखल हड्डी भरल छल ।

1. हताशा के समय में आशा के पुनः प्रज्वलित करब

2. मृत्यु मे जीवन पाना

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. रोमियो 8:11 - जँ यीशु केँ मृत् यु मे सँ जियानिहारक आत् मा अहाँ सभ मे रहैत अछि, तँ मसीह यीशु केँ मृत् यु मे सँ जियानिहार सेहो अहाँक नश्वर शरीर केँ सेहो अपन आत् मा द्वारा जीवित करत जे अहाँ सभ मे रहैत अछि।

इजकिएल 37:3 ओ हमरा कहलथिन, “मनुखक बेटा, की ई हड्डी सभ जीवित अछि?” हम उत्तर देलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ जनैत छी।”

प्रभु परमेश् वर इजकिएल सँ पुछलथिन जे की ओ देखल हड्डी सभ फेर सँ जीवित भऽ सकैत अछि, आ इजकिएल उत्तर देलथिन जे केवल परमेश् वर जनैत छथि।

1. भगवान् एकमात्र एहन व्यक्ति छथि जे सही मायने मे भविष्य आ की संभव अछि से जनैत छथि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक ज्ञान आ निष्ठा पर भरोसा करबाक चाही।

1. भजन 33:4, "किएक तँ प्रभुक वचन सही आ सत् य अछि; ओ सभ काज मे विश् वास रखैत छथि।"

1614

2. रोमियो 8:28, "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

इजकिएल 37:4 ओ हमरा फेर कहलथिन, “एहि हड्डी सभ पर भविष्यवाणी करू आ ओकरा सभ केँ कहू जे, हे सुखल हड्डी सभ, प्रभुक वचन सुनू।”

प्रभु इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथिन जे ओ सभ सुखायल हड्डी सभ केँ भविष्यवाणी करथि, जाहि सँ ओ सभ प्रभुक वचन सुनथि।

1: प्रभुक जीवनक आह्वान - जखन सभ आशा खत्म बुझाइत हो तखनो प्रभु हमरा सभ मे जीवनक साँस द' सकैत छथि आ हमरा सभ केँ हुनकर सेवा करबाक लेल बजा सकैत छथि।

2: वचनक शक्ति - प्रभु बजैत छथि आ सुखायल हड्डी केँ जीवन दैत छथि, तहिना हुनकर वचन आइ हमरा सभ केँ जीवन द' सकैत अछि।

1: प्रेरित 17:24-25 - परमेश् वर, जे संसार आ ओहि मे सभ किछु केँ बनौलनि, चूँकि ओ स् वर्ग आ पृथ्वीक मालिक छथि, तेँ हाथ सँ बनल मंदिर मे नहि रहैत छथि। आ ने हुनकर पूजा मनुक्खक हाथ सँ कयल जाइत छनि जेना हुनका कोनो वस्तुक आवश्यकता होनि, किएक तँ ओ सभ केँ जीवन, साँस आ सभ वस्तु दैत छथि |

2: यशायाह 40:29 - ओ कमजोर केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

इजकिएल 37:5 प्रभु परमेश् वर एहि हड्डी सभ केँ ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभ मे साँस घुसा देब, आ अहाँ सभ जीवित रहब।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल के सूखल हड्डी के दर्शन के साथ बात करै छै, ओकरा जीवन दै के वचन दै छै।

1. पुनरुत्थानक शक्ति: प्रभु जीवन आ नवीकरण कोना अर्पित करैत छथि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: परमेश् वर जीवन आ आशा अनबाक लेल अपन प्रतिज्ञा केँ कोना पूरा करैत छथि

२.

2. यूहन्ना 11:25 - यीशु हुनका कहलथिन, हम पुनरुत्थान आ जीवन छी। जे हमरा पर विश्वास करत से जीवित रहत, भले ओ मरि गेल हो।

इजकिएल 37:6 हम अहाँ सभ पर नस लगा देब, आ अहाँ सभ पर मांस आनब, आ अहाँ सभ केँ चमड़ा सँ झाँपि देब आ अहाँ सभ मे साँस राखब, आ अहाँ सभ जीवित रहब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।”

परमेश् वर इस्राएली सभक सूखल हड्डी केँ जीवित करबाक आ ओकरा सभ केँ फेर सँ जीवित करबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वर हमर सभक ताकत आ आशाक स्रोत छथि - इजकिएल 37:6

2. हम परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा क’ सकैत छी - इजकिएल 37:6

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. रोमियो 4:17 - जेना कि लिखल गेल अछि, हम अहाँ केँ ओहि परमेश् वरक सान्निध मे बहुत रास जाति सभक पिता बनौने छी, जिनका पर ओ विश् वास केने छलाह, जे मृत् यु केँ जीवन दैत छथि आ जे नहि अछि, तकरा अस्तित्व मे बजबैत छथि।

इजकिएल 37:7 हम जेना आज्ञा देल गेल छल, तेना भविष्यवाणी केलहुँ, आ जखन हम भविष्यवाणी केलहुँ, तखन एकटा हल्ला भेल आ देखलहुँ जे हड्डी सभ एक ठाम भ’ गेल, हड्डी सँ हड्डी धरि।

परमेश् वर इजकिएल केँ भविष्यवाणी करबाक आज्ञा देलनि, आ जखन ओ भविष्यवाणी कयलनि तखन एकटा हल्ला सुनल गेल आ हड्डी सभ एक संग होमय लागल।

1. परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि आ हमरा सभक आज्ञाक पालन करैत अछि

2. जखन हम सभ परमेश् वरक निर्देशक पालन करब तखन चमत्कार भऽ सकैत अछि

1. भजन 33:6 प्रभुक वचन सँ आकाश आ सभ सेना हुनकर मुँहक साँस सँ बनल।

2. इब्रानी 11:3 विश्वासक द्वारा हम सभ ई बुझैत छी जे संसार सभ परमेश् वरक वचन द्वारा बनाओल गेल छल, जाहि सँ जे किछु देखल जाइत अछि, ओ सभ जे देखाइ पड़ैत अछि, से नहि बनल अछि।

इजकिएल 37:8 जखन हम देखलहुँ तँ ओकरा सभ पर नस आ मांस ऊपर आबि गेल आ चमड़ा ओकरा सभ पर झाँपि देलक, मुदा ओकरा सभ मे कोनो साँस नहि छलैक।

प्रभु इजकिएल के आज्ञा देलकै कि ओ सूखल हड्डी के भविष्यवाणी करै, आरू ऐसनऽ करला पर हड्डी चमड़ा, नस आरू मांस सें ढकी गेलै, लेकिन तभियो ओकरा में सांस के कमी छेलै।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य: परमेश् वरक वचन मृत् यु केँ कोना जीवन दऽ सकैत अछि

2. जीवनक साँस: भगवानक जीवनदायिनी आत्माक आवश्यकता

1. यूहन्ना 3:5-7: यीशु कहलनि, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत तक कियो पानि आ आत् मा सँ नहि जनम लेत, ता धरि ओ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश नहि कऽ सकैत अछि। जे शरीर सँ जन्मल अछि से मांस अछि, आ जे आत् मा सँ जन्म लैत अछि से आत् मा अछि। आश्चर्य नहि करू जे हम अहाँ केँ कहलियनि जे अहाँ केँ नव जन्म लेबय पड़त।

2. उत्पत्ति 2:7: तखन प्रभु परमेश् वर जमीन सँ माटिक आदमी केँ बनौलनि आ ओकर नाकक छेद मे जीवनक साँस देलनि आ ओ मनुष्य जीवित प्राणी बनि गेल।

इजकिएल 37:9 तखन ओ हमरा कहलनि, “हवा केँ भविष्यवाणी करू, मनुष्यक पुत्र, भविष्यवाणी करू आ हवा केँ कहू, ‘प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे साँस, चारू हवा सँ आबि, एहि मारल गेल सभ पर साँस लिअ, जाहि सँ ओ सभ जीवित रहय।

परमेश् वर इजकिएल केँ हवा मे भविष्यवाणी करबाक आज्ञा दैत छथि, जे परमेश् वरक साँस मारल गेल लोक सभ मे जीवनक साँस देत, जाहि सँ हुनका सभ केँ फेर सँ जीवित कयल जायत।

1. मृतक केँ पुनर्जीवित करबा मे परमेश् वरक सामर्थ् य आ कृपा

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आवश्यकता

1. यूहन्ना 5:25-29 - यीशु मृतक केँ जीवित करबाक अपन शक्तिक बात करैत छथि

2. प्रेरित 2:1-4 - पवित्र आत्मा शिष्य सभ पर साँस देल जाइत अछि, जे हुनका मिशनक लेल सशक्त करैत अछि

इजकिएल 37:10 हम हुनकर आज्ञाक अनुसार भविष्यवाणी केलहुँ, आ हुनका सभ मे साँस आबि गेलनि, आ ओ सभ जीवित रहलाह आ अपन पएर पर ठाढ़ भ’ गेलाह, एकटा अत्यंत पैघ सेना।

परमेश् वरक साँस इस्राएली सभक सेना केँ जीवन अनलक।

1. जीवनक साँस - भगवान हमरा सभकेँ कोना जीवित क' सकैत छथि

1616

2. सर्वशक्तिमान के शक्ति - भगवान असंभव के कोना पूरा क सकैत छथि

1. यूहन्ना 6:63 - ई आत्मा अछि जे जीवन दैत अछि; मांस कोनो सहायक नहि अछि। हम अहाँ सभ सँ जे बात कहलहुँ से आत् मा आ जीवन अछि।

2. भजन 104:29-30 - जखन अहाँ अपन चेहरा नुका लैत छी त’ ओ सभ निराश भ’ जाइत छथि; जखन अहाँ हुनका सभक साँस छीन लैत छी तखन ओ सभ मरि जाइत छथि आ अपन धूरा मे घुरि जाइत छथि | जखन अहाँ अपन आत्मा केँ पठाबैत छी तखन ओ सभ सृजित भ' जाइत अछि, आ अहाँ जमीनक मुँह केँ नवीकरण करैत छी।

इजकिएल 37:11 तखन ओ हमरा कहलनि, “मनुख-पुत्र, ई हड्डी सभ इस्राएलक घर अछि।

परमेश् वर इजकिएल कॅ कहै छै कि पूरा इस्राएल के घराना आशा खतम होय गेलऽ छै आरू ओकरा कटाय देलऽ गेलऽ छै।

1. भगवानक आशा: कठिन समय मे प्रभु पर भरोसा करब

2. इस्राएल राष्ट्र के पुनर्स्थापना: परमेश् वर के प्रतिज्ञा के एक निशानी

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।

इजकिएल 37:12 तेँ भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे हमर प्रजा, देखू, हम अहाँ सभक कब्र खोलब आ अहाँ सभ केँ अपन कब्र सँ बाहर निकालि कऽ इस्राएल देश मे आनि देब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ ओकर कब्र सँ बाहर निकालि कऽ इस्राएल देश मे वापस अनबाक वादा करैत छथि।

1. पुनरुत्थानक आशा: परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: इस्राएलक देश मे घुरब

1. यूहन्ना 5:28-29 "एहि देखि आश्चर्यचकित नहि होउ, किएक तँ एहन समय आबि रहल अछि जखन सभ अपन कब्र मे बैसल लोक हुनकर आवाज सुनत आ बाहर निकलत जे नीक काज केने अछि, ओ जीबि कऽ उठत आ जे सभ।" जे अधलाह केने छी से निन्दा करबाक लेल उठत।”

2. रोमियो 8:11 "आ जँ यीशु केँ मृत् यु मे सँ जियानिहारक आत् मा अहाँ सभ मे जीवित अछि, तँ जे मसीह केँ मृत् यु मे सँ जिया केने छथि, से अहाँ सभक नश्वर शरीर केँ सेहो जीवित करताह, अपन आत् माक कारणे जे अहाँ सभ मे रहैत छथि।"

इजकिएल 37:13 हे हमर प्रजा, जखन हम अहाँ सभक कब्र खोलब आ अहाँ सभ केँ अहाँक कब्र सँ बाहर निकालब तखन अहाँ सभ बुझब जे हम प्रभु छी।

भगवान् अपन लोक केँ फेर सँ जीवित करबाक वादा करैत छथि।

1. पुनरुत्थान के आशा: परमेश् वर के अनन्त जीवन के प्रतिज्ञा

2. बहाली के परमेश्वर के प्रतिज्ञा: एतय आ आब में परमेश्वर के आशीर्वाद के अनुभव करब

1. रोमियो 6:4-5 तेँ हम सभ हुनका संग मृत् यु मे बपतिस् मा दऽ कऽ दफना गेल छी, जाहि सँ जहिना मसीह पिताक महिमा द्वारा मृत् यु मे सँ जीबि उठलाह, तहिना हम सभ सेहो नव जीवन मे

चलब। जँ हम सभ हुनकर मृत्युक प्रतिरूप मे एक संग रोपल गेल छी तँ हुनकर पुनरुत्थानक प्रतिरूप मे सेहो रहब।

2. यूहन्ना 11:25-26 यीशु ओकरा कहलथिन, “हम पुनरुत्थान आ जीवन छी, जे हमरा पर विश्वास करत, भले ओ मरि गेल हो, मुदा ओ जीवित रहत। की अहाँ एहि बात पर विश्वास करैत छी?

इजकिएल 37:14 अहाँ सभ मे हमर आत् मा राखब आ अहाँ सभ जीवित रहब आ हम अहाँ सभ केँ अपन देश मे राखब, तखन अहाँ सभ केँ पता चलत जे हम प्रभु ई बात कहलहुँ आ पूरा केलहुँ।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ जीवन अनबाक आ अपन देश मे पुनर्स्थापित करबाक वादा करैत छथि।

1. "पुनर्स्थापन के शक्ति: परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भरोसा"।

2. "भगवानक अटूट प्रेम: हुनक प्रतिज्ञाक स्वतंत्रताक अनुभव"।

1. यशायाह 43:18-19 - "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज करब; आब ओ उगताह; की अहाँ सभ ओकरा नहि बुझब? हम एकटा... जंगल मे बाट आ मरुभूमि मे नदी।”

2. यूहन्ना 14:18-19 - "हम अहाँ सभ केँ अस्वस्थ नहि छोड़ब। हम अहाँ सभ लग आबि जायब। एखन किछुए काल मे संसार हमरा नहि देखैत अछि; मुदा अहाँ सभ हमरा देखैत छी, कारण हम जीबैत छी, अहाँ सभ सेहो जीवित रहब।" " .

इजकिएल 37:15 परमेश् वरक वचन हमरा लग फेर आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सूखल हड्डीक घाटीक हड्डी सभक ऊपर भविष्यवाणी करथि: हड्डी सभ फेर जीवित रहत।

1. पुनरुत्थान के शक्ति: जीवन के नवीनीकरण के लेल परमेश्वर के प्रतिज्ञा

2. आशा आ मोक्ष: मसीह मे मृतक केँ पुनर्जीवित करब

२.

2. यूहन्ना 5:25 - हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी, एकटा समय आबि रहल अछि आ आब आबि गेल अछि जखन मृत् यु परमेश् वरक पुत्रक आवाज सुनत आ सुननिहार सभ जीवित रहत।

इजकिएल 37:16 एतबे नहि, हे मनुष् य-पुत्र, एकटा लाठी लऽ कऽ ओहि पर लिखू, ‘यहूदा आ ओकर संगी इस्राएलक सन् तान सभक लेल, आ ओकर संगी सभ इस्राएलक वंशजक लेल।

प्रभु इजकिएल के दू टा लाठी लऽ कऽ एकटा पर "यहूदा के लेल" आ दोसर पर "यूसुफ के लेल, एप्रैम के लाठी" लिखबाक निर्देश दैत छथि |

1. एकता के अर्थ: इजकिएल 37:16 के परखना

2. इजकिएल के लाठी के प्रतीकात्मकता: ओकर शिलालेख स हम की सीख सकैत छी

1. भजन 133:1-3 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ सुखद अछि!

2. इफिसियों 4:1-6 - तेँ हम प्रभुक कैदी अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे अहाँ सभ ओहि आह्वानक योग्य चलब जाहि सँ अहाँ सभ बजाओल गेल छी।

इजकिएल 37:17 एक-दोसर केँ एक लाठी मे जोड़ि दियौक। ओ सभ तोहर हाथ मे एक भऽ जायत।”

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे दू टा लाठी केँ एक संग जोड़ि दियौक आ ओ सभ हुनकर हाथ मे एक भ' जायत।

1. एकता के शक्ति: भगवान हमरा सब के कोना अपन हाथ में एकजुट क सकैत छथि

2. भगवानक हाथ मे एक: हम सब कोना एक संग एक भ' सकैत छी

1. यूहन्ना 17:21-23 - जाहि सँ ओ सभ एक भ’ सकय; जेना अहाँ हे पिता, अहाँ हमरा मे छी आ हम अहाँ मे छी, जाहि सँ ओहो सभ हमरा सभ मे एक भ’ जाय।

22 अहाँ हमरा जे महिमा देलहुँ से हम हुनका सभ केँ दऽ देलहुँ। जहिना हम सभ एक छी तहिना ओ सभ एक भऽ जाय।

23 हम ओकरा सभ मे छी आ अहाँ हमरा मे, जाहि सँ ओ सभ एक मे सिद्ध भऽ जाय। आ एहि तरहेँ संसार ई जानि लेत जे अहाँ हमरा पठौने छी आ ओकरा सभ सँ प्रेम केलहुँ, जेना अहाँ हमरा सँ प्रेम केलहुँ।”

2. इफिसियों 4:3-6 - आत्मा के एकता के शांति के बंधन में रखै के प्रयास।

4 एक शरीर आ एक आत् मा अछि, जेना अहाँ सभ अपन बजाओल गेल आशा मे बजाओल गेल छी।

5 एक प्रभु, एक विश् वास, एक बपतिस् मा।

6 एकटा परमेश् वर आ सभक पिता, जे सभ सँ ऊपर छथि, सभ सँ ऊपर आ अहाँ सभ मे छथि।

इजकिएल 37:18 जखन अहाँक लोकक सन् तान सभ अहाँ सँ ई कहत जे, “की अहाँ हमरा सभ केँ ई नहि देखाबब जे अहाँ एहि सभ सँ की चाहैत छी?”

लोक सभ इजकिएल भविष्यवक्ता सँ कहैत छथि जे हुनकर दर्शन सँ हुनकर की मतलब अछि।

1. "भगवानक अटूट प्रतिज्ञा"।

2. "प्रार्थना के शक्ति"।

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. 2 कोरिन्थी 1:20 - "किएक तँ परमेश् वरक सभ प्रतिज्ञा हुनका मे अछि, आ हुनका मे आमेन अछि, जे हमरा सभक द्वारा परमेश् वरक महिमा होयत।"

इजकिएल 37:19 हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम यूसुफक लाठी जे एप्रैमक हाथ मे अछि आ ओकर संगी इस्राएलक गोत्र सभ केँ लऽ कऽ ओकरा सभ केँ यहूदाक लाठीक संग राखि देब आ ओकरा सभ केँ एकटा लाठी बना देब एकटा हमर हाथ मे।

परमेश् वर यूसुफ (इप्रैम) आ इस्राएलक गोत्रक लाठी लऽ कऽ यहूदाक लाठी सँ जोड़ि इस्राएलक दुनू गोत्र केँ फेर सँ एकीकृत करताह।

1. एकताक शक्ति: परमेश् वर इस्राएलक गोत्र सभ केँ एक ठाम अनबाक लेल कोना मेल-मिलापक उपयोग केलनि

2. यूसुफक लाठी: कोना एक आदमीक निष्ठा सँ समस्त इस्राएलक लेल आशीर्वाद भेटल

1. भजन 133:1 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!

2. रोमियो 12:10 - एक-दोसर केँ भाइ-बहिनक प्रेम सँ दयालु स्नेह करू, एक-दोसर केँ आदरपूर्वक पी दियौक।

इजकिएल 37:20 जाहि लाठी पर अहाँ लिखैत छी से हुनका सभक आँखिक सोझाँ अहाँक हाथ मे रहत।

इजकिएल केँ कहल गेल छैक जे लोकक सोझाँ दू टा लाठी पर लिखू, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभ केँ देखि सकय।

1. परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि - हम सभ हुनकर वचनक माध्यमे परमेश् वरक शक्तिक गवाह कोना भ’ सकैत छी

2. देबाल पर लिखब - परमेश्वरक वचन केँ चिन्हबाक आ ओकर पालन करबाक महत्व

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. 2 तीमुथियुस 3:16-17 - "सब शास्त्र परमेश् वरक प्रेरणा सँ देल गेल अछि, आ शिक्षा, डाँट, सुधार आ धार्मिकताक शिक्षाक लेल लाभदायक अछि नीक काज करैत अछि।"

इजकिएल 37:21 आ हुनका सभ केँ कहू, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम इस्राएलक लोक सभ केँ ओहि जाति सभक बीच सँ लऽ जायब, जतय ओ सभ गेल छल आ ओकरा सभ केँ चारू कात जमा कऽ अपन देश मे आनि देब।

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ जाति-जाति मे सँ लऽ कऽ अपन देश मे जमा कऽ लेताह।

1. इस्राएल केँ एकत्रित करबाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा: इजकिएल 37:21

2. परमेश् वरक अपन प्रतिज्ञाक पालन करबाक लेल निष्ठा: इजकिएल 37:21

1. यिर्मयाह 32:37 - देखू, हम ओकरा सभ केँ ओहि सभ देश सँ जमा करब, जतय हम ओकरा सभ केँ अपन क्रोध मे, अपन क्रोध मे आ बहुत क्रोध मे भगा देलहुँ। हम ओकरा सभ केँ एहि ठाम फेर सँ आनि देब आ ओकरा सभ केँ सुरक्षित रहब।

2. यशायाह 43:5-6 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानू। आ दक्षिण दिस, “पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनि दियौक।”

इजकिएल 37:22 हम ओकरा सभ केँ इस्राएलक पहाड़ पर एक जाति बना देब। एकटा राजा हुनका सभक लेल राजा हेताह, आ ओ सभ आब दू जाति नहि होयत आ ने दू राज्य मे बँटल रहताह।

परमेश् वर इस्राएल जाति केँ एकजुट करताह आ ओकरा सभ पर राज करबाक लेल एकटा राजा नियुक्त करताह।

1. परमेश् वरक एकीकरण करय बला शक्ति 2. कलीसिया मे एकताक आवश्यकता

1. इफिसियों 4:3-6 - शांति के बंधन के माध्यम स आत्मा के एकता के कायम रखबाक हर संभव प्रयास करब। 2. रोमियो 12:4-5 - किएक तँ जहिना एक शरीर मे हमरा सभक अनेक अंग अछि, आ अंग सभक काज एक समान नहि होइत अछि, तहिना हम सभ, यद्यपि बहुतो, मसीह मे एक शरीर छी, आ व्यक्तिगत रूप सँ एक-दोसरक अंग छी।

इजकिएल 37:23 ओ सभ आब अपन मूर्ति सँ आ ने अपन घृणित वस्तु सँ आ ने अपन कोनो अपराध सँ अपना केँ अशुद्ध करत, बल् कि हम ओकरा सभ केँ ओकर सभ निवास स्थान सँ बचा लेब, जाहि मे ओ सभ पाप केने छथि आ ओकरा सभ केँ शुद्ध करब की ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ उद्धार आ शुद्ध करबाक वादा करैत छथि जँ ओ सभ अपन मूर्ति आ अपराध केँ दूर कऽ देताह।

1. "भगवानक उद्धार आ शुद्धि के प्रतिज्ञा"।

2. "पश्चाताप के शक्ति"।

1. यशायाह 43:25 - "हम, हमहीं छी, जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।"

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

इजकिएल 37:24 हमर सेवक दाऊद हुनका सभक राजा होयत। ओ सभ एकेटा चरबाह राखत, ओ सभ हमर विधान सभ मे चलत आ हमर नियम सभक पालन करत आ ओकर पालन करत।”

परमेश् वर दाऊद केँ अपन लोकक राजा बनौताह, आ ओ सभ एक चरबाहक अधीन एकजुट भऽ जेताह। ओ सभ परमेश् वरक नियमक पालन करताह आ निष्ठापूर्वक हुनकर आज्ञा मानताह।

1. "आज्ञाकारिता मे एकता खोजब: इजकिएल 37:24 के अध्ययन"।

2. "आज्ञापालन करबाक आह्वान: निष्ठावान आज्ञाकारिता के इनाम"।

1. भजन 78:72 - "ओ अपन हृदयक अखंडताक अनुसार हुनका सभ केँ भोजन करौलनि; आ अपन हाथक कुशलता सँ हुनका सभ केँ मार्गदर्शन कयलनि।"

2. यशायाह 11:5 - "आ धर्म ओकर कमरक पट्टी होयत आ विश्वास ओकर बागडोरक पट्टी होयत।"

इजकिएल 37:25 ओ सभ ओहि देश मे रहताह जे हम हमर सेवक याकूब केँ देने छी, जाहि मे अहाँक पूर्वज सभ रहैत छलाह। ओ सभ, ओ सभ, अपन संतान आ अपन संतानक संतान सभ ओहि मे सदा-सदा धरि रहताह।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे हुनकर चुनल लोक याकूब केँ देल गेल देश मे रहत आ हुनकर सेवक दाऊद सदाक लेल हुनकर राजकुमार बनत।

1. एकटा राजाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा: दाऊदक अभिषेक कोना सभ किछु बदलि देलक

2. अनन्त भूमिक प्रतिज्ञा: बाइबिल मे याकूबक विरासत

1. यशायाह 9:6-7

2. 2 शमूएल 7:16-17

इजकिएल 37:26 हम हुनका सभक संग शान्तिक वाचा करब। ई हुनका सभक संग अनन्त काल धरिक वाचा होयत।

परमेश् वर अपन लोक सभक संग शान्तिक अनन्त वाचा करताह, आ हुनका सभक बीच मे अपन पवित्र स्थान केँ सदाक लेल राखताह, बढ़ताह आ ठाढ़ करताह।

1: परमेश् वरक शान्तिक वाचा - हुनकर शान्तिक अनन्त वाचा हमरा सभ केँ कोना हुनका लग अनैत अछि।

2: भगवानक अभयारण्य - हमरा सभक बीच भगवानक पवित्र स्थानक महत्व।

1: रोमियो 5:1-2 - तेँ हम सभ विश् वास द्वारा धार्मिक ठहराओल गेल छी, हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति भेटैत अछि.

2: इब्रानियों 6:13-14 - जखन परमेश् वर अब्राहम सँ वचन देलनि, कारण ओ एहि सँ पैघ शपथ नहि खा सकैत छलाह, तखन ओ अपना नाम सँ शपथ लेलनि, “हम अहाँ केँ आशीष द’ क’ आशीष देब, आ बढ़ैत-बढ़ैत अहाँ केँ बढ़ा देब।”

इजकिएल 37:27 हमर तम्बू सेहो हुनका सभक संग रहत।

परमेश् वरक वचन जे हुनकर लोक हुनकर हेताह आ ओ हुनकर हेताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम - इजकिएल 37:27

2. सुरक्षाक प्रतिज्ञा - इजकिएल 37:27

1. इब्रानी 13:5-6 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

इजकिएल 37:28 जखन हमर पवित्र स्थान हुनका सभक बीच सदाक लेल रहत तखन जाति-जाति सभ जनत जे हम प्रभु इस्राएल केँ पवित्र करैत छी।

प्रभु इस्राएल क॑ पवित्र करै छै आरू अपनऽ पवित्र स्थान क॑ अनन्त काल लेली ओकरा सिनी के बीच मौजूद रखै छै ।

1. प्रभुक अपन लोकक प्रति अनन्त निष्ठा

2. भगवान् के अटूट उपस्थिति के आशीर्वाद

1. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, आ अहाँक प्राण जीवित रहत। हम अहाँ सभक संग अनन्त वाचा करब, दाऊदक निश्चित दया।"

2. भजन 103:17 - "मुदा प्रभुक दया अनन्त सँ अनन्त धरि हुनका डरय बला लोक पर रहैत छनि आ हुनकर धार्मिकता संतानक सन्तान पर।"

इजकिएल अध्याय ३८ मे राष्ट्रक गठबंधनक संग मागोग देशक एकटा शक्तिशाली नेता गोग द्वारा इस्राएल पर आक्रमणक संबंध मे एकटा भविष्यवाणी प्रस्तुत कयल गेल अछि। अध्याय में परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू इस्राएल के दुश्मनऽ पर ओकरऽ अंतिम जीत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल के मागोग राष्ट्र के नेता गोग के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश दै के साथ होय छै। परमेश् वर गोग के एकटा दुश्मन के रूप में वर्णित करै छै जे इस्राएल पर आक्रमण करै लेली जाति सिनी के गठबंधन जुटाबै छै (इजकिएल 38:1-9)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे ओहि विशिष्ट राष्ट्रक वर्णन कयल गेल अछि जे गोगक संग इस्राएल पर आक्रमण करत। एहि राष्ट्र मे फारस, कुश, पुट, गोमेर आ बेथ तोगरमाह शामिल अछि। ओ सभ इस्राएलक देश केँ लूटबाक आ लूटबाक इरादा सँ एक संग आबि जायत (इजकिएल 38:10-13)।

तृतीय पैराग्राफ: आक्रमण के प्रति भगवान के प्रतिक्रिया के साथ अध्याय जारी छै। ओ घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएलक दिस सँ हस्तक्षेप करताह आ एकटा पैघ हिलाओन आनताह। आक्रमणकारी एक दोसरा के खिलाफ भ जायत, आ परमेश् वर ओकरा सभ केँ पराजित करबाक लेल एकटा पैघ भूकम्प, महामारी आ मुसलाधार बरखा पठौताह (इजकिएल 38:14-23)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय अड़तीस प्रस्तुत
इस्राएल पर आक्रमणक विषय मे एकटा भविष्यवाणी
के साथ-साथ मागोग के नेता गोग द्वारा
राष्ट्रक गठबंधन, जोर दैत
भगवान् के सार्वभौमिकता आ हुनकर विजय
इस्राएलक शत्रु सभक ऊपर।

मागोगक नेता गोगक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक निर्देश।
गोग के वर्णन जे इजरायल पर आक्रमण करै लेली राष्ट्रऽ के गठबंधन क॑ इकट्ठा करी रहलऽ छै ।
आक्रमण में गोग के साथ जुड़ने वाला विशिष्ट राष्ट्रों के नामकरण |

परमेश् वर के वचन जे इस्राएल के तरफ सें हस्तक्षेप करी कॅ ओकरोॅ जीत आबी जैतै।
आक्रमणकारी के एक दोसरा के खिलाफ मुड़ला के भविष्यवाणी आ दिव्य न्याय के सामना करय के।
दुश्मन के पराजित करय लेल एकटा पैघ भूकंप, महामारी, आ मुसलाधार बरखा के भेजब।

इजकिएल के ई अध्याय में जाति के गठबंधन के साथ-साथ मागोग के नेता गोग के इस्राएल पर आक्रमण के बारे में एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इजकिएल कॅ गोग के खिलाफ भविष्यवाणी करै के निर्देश दै के साथ होय छै, जेकरा में ओकरा एगो दुश्मन के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै जे इस्राएल पर आक्रमण करै लेली राष्ट्रऽ के गठबंधन इकट्ठा करतै। जे विशिष्ट राष्ट्र गोग के साथ आक्रमण में शामिल होतै ओकरऽ नाम छै, जेकरा में फारस, कुश, पुट, गोमेर, आरू बेथ तोगरमाह शामिल छै । ई जाति सभ इस्राएलक देश केँ लूटबाक आ लूटबाक इरादा सँ एक ठाम आबि जायत। तथापि, परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएलक दिस सँ हस्तक्षेप करताह। ओ एकटा पैघ हिल-डुल आनि देत, जाहि सँ आक्रमणकारी एक दोसराक विरुद्ध भ' जायत। भगवान् शत्रु केँ पराजित करबाक लेल एकटा पैघ भूकम्प, महामारी आ मुसलाधार बरखा पठा देताह। अध्याय में परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू इस्राएल के दुश्मनऽ पर ओकरऽ अंतिम जीत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 38:1 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर इजकिएल केँ भविष्यवाणी करबाक लेल बजा रहल छथि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ सदिखन अपन सेवा आ हुनकर वचनक प्रसार करबाक लेल बजा रहल छथि।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक आह्वानक पालन करबाक लेल आ निष्ठापूर्वक हुनकर सेवा करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. मत्ती 28:19-20 - "तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दैत, ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करथि।"

2. यशायाह 6:8 - "हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठाबी आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, हम एतय छी! हमरा पठाउ।"

इजकिएल 38:2 मनुष्यक पुत्र, मेशेक आ तुबलक प्रमुख राजकुमार मागोगक देश गोगक विरुद्ध मुँह करू आ हुनका विरुद्ध भविष्यवाणी करू।

परमेश् वर इजकिएल केँ गोग आ मागोगक देशक विरुद्ध भविष्यवाणी करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक आज्ञा हमरा सभ लेल बुराईक विरुद्ध ठाढ़ रहबाक

2. बाइबिल मे इजकिएल के संदेश के बुझब

1. यूहन्ना 16:33 - एहि संसार मे अहाँ केँ परेशानी होयत। मुदा हिम्मत करू! हम दुनियाँ पर विजय पाबि गेल छी।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीनीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

इजकिएल 38:3 आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे मेशेक आ तुबलक मुखिया गोग, हम अहाँक विरोध मे छी।

प्रभु परमेश् वर मेशेक आ तुबल के राजकुमार गोग के प्रति अपन विरोध के घोषणा क रहल छैथ।

1. भगवानक सार्वभौमिकता: बुराईक विरुद्ध ठाढ़ रहब

2. प्रतिकूलताक सामना करैत साहस

1623

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 46:1-3, परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

इजकिएल 38:4 हम तोरा पाछू घुमि कऽ तोहर जबड़ा मे हुक लगा देब, आ तोरा आ तोहर सभ सेना, घोड़ा आ घुड़सवार सभ केँ, सभ तरहक कवच पहिरने, एकटा पैघ दल केँ बकलर बला, बाहर निकालब आ ढाल, सभ तलवार पकड़ने।

परमेश् वर घुमि कऽ गोगक जबड़ा मे हुक लगाओत आ ओकरा आ ओकर घोड़ा आ घुड़सवारक सेना केँ सभ तरहक कवच ल' क' युद्धक लेल आनत।

1. भगवानक शक्ति: भगवान युद्ध मे विजय कोना अनताह

2. दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू: प्रतिकूलताक सामना करैत वीर कोना रहब

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. इफिसियों 6:10-18 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब। कारण, हम सभ मांस-मज्जा सँ नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान सभ मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी। तेँ परमेश् वरक समस्त कवच धारण करू जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन मे सहन कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भऽ सकब।

इजकिएल 38:5 फारस, इथियोपिया आ लीबिया हुनका सभक संग। सब ढाल आ हेलमेट के संग:

फारस, इथियोपिया आरू लीबिया केरऽ सेना एकजुट होय क॑ ढाल आरू हेलमेट के साथ युद्ध लेली तैयार छै ।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत एकता आ तत्परताक महत्व।

2. द्वंद्वक समय मे भगवान् पर विश्वास आ भरोसाक शक्ति।

1. इफिसियों 6:10-18 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

2. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

इजकिएल 38:6 गोमेर आ ओकर सभ दल। उत्तर दिसक तोगरमाक घर आ ओकर सभ दल।

उत्तर में स्थित गोमेर आ तोगरमाह दू टा घर के संग बहुत लोक रहैत छथि |

1. समुदायक शक्ति: एक संग रहबाक ताकतक परीक्षण

2. अपना के एहन लोक स घेराउ जे अहाँ के बढ़य लेल चुनौती दैत अछि

1. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।” पुनः जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहत तखन ओकरा सभ मे गर्मी छैक, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि? जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत तँ दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

2. नीतिवचन 13:20 - जे बुद्धिमान लोकक संग चलत, ओ बुद्धिमान होयत, मुदा मूर्खक संगी नष्ट भ’ जायत।

इजकिएल 38:7 अहाँ तैयार रहू आ अपना लेल तैयार रहू, अहाँ आ अहाँक समस्त दल जे अहाँक संग जमा अछि, आ अहाँ हुनका सभक पहरेदार बनू।

अंश तैयार होय के बात करै छै आरू जे एक साथ जमा होय गेलऽ छै ओकरऽ पहरा देना ।

1: 'तैयार रहू आ सतर्क रहू'।

2: 'संरक्षण प्रदान करबा मे भगवानक निष्ठा'।

1: यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, भलाईक योजना अछि।

इजकिएल 38:8 बहुत दिनक बाद अहाँक दर्शन होयत, बादक वर्ष मे अहाँ ओहि देश मे आबि जायब जे तलवार सँ वापस आबि गेल अछि आ बहुत लोक मे सँ जमा कयल गेल अछि, इस्राएलक पहाड़ सभक विरुद्ध, जे सदिखन उजाड़ रहल अछि। मुदा ई जाति-जाति मे सँ निकालल गेल अछि, आ ओ सभ ओकरा सभ मे सुरक्षित रहत।

प्रभु एहन भूमि के दौरा करताह जे विनाश स पुनर्स्थापित भ गेल अछि आ बहुत लोक के निवास अछि जे शांति स रहत।

1. परमेश् वरक शान्तिक प्रतिज्ञा - इजकिएल 38:8

2. विनाशक बाद पुनर्स्थापन - इजकिएल 38:8

1. यशायाह 2:2-4 - आ अंतिम समय मे ई होयत जे परमेश् वरक घरक पहाड़ पहाड़क चोटी मे स्थिर होयत आ पहाड़ सँ ऊपर उठत। आ सभ जाति ओहि दिस बहत।

2. जकरयाह 14:9 - आ परमेश् वर समस्त पृथ् वी पर राजा हेताह, ओहि दिन एकेटा परमेश् वर रहताह आ हुनकर नाम एक रहताह।

इजकिएल 38:9 अहाँ चढ़ब आ तूफान जकाँ आबि जायब, अहाँ मेघ जकाँ बनब जे देश केँ झाँपि देत, अहाँ आ अहाँक सभ दल आ अहाँक संग बहुतो लोक।

प्रभु बहुत लोकक संग तूफान जकाँ आबि जेताह।

1. प्रभुक आगमन आसन्न अछि

2. प्रभुक आगमनक तैयारी करू

1. मत्ती 24:36-44

2. प्रकाशितवाक्य 1:7

इजकिएल 38:10 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ईहो होयत जे ओही समय अहाँक मोन मे बात आओत आ अहाँ कोनो अधलाह विचार सोचब।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल के माध्यम सें बोलै छै, भविष्यवाणी करै छै कि एक निश्चित समय में, आदमी के दिमाग में बुरा विचार आबै वाला छै।

1. परमेश् वर हमरा सभक विचार पर नियंत्रण मे छथि: इजकिएल 38:10 के माध्यम सँ एकटा अध्ययन

2. बुरा विचार के प्रलोभन पर कोना उबरल जाय: बाइबिल के परिप्रेक्ष्य

1. इजकिएल 38:10 - "प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे ओही समय अहाँक मोन मे बात आओत आ अहाँ कोनो दुष् ट विचार सोचब।"

2. याकूब 1:15 - "तखन वासना गर्भवती भ' जाइत अछि त' ओ पाप उत्पन्न करैत अछि; आ पाप समाप्त भेला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।"

इजकिएल 38:11 अहाँ कहब जे हम बिना देबाल गामक देश मे चढ़ब। हम ओहि सभ लग जायब जे विश्राम मे छथि, जे सुरक्षित रहैत छथि, सभ बिना देबाल के रहनिहार छथि, आ ने सलाख आ ने फाटक छथि।

भगवान हमरा सब के आराम, सुरक्षा आ शांति के जगह पर आबय लेल बजा रहल छथि।

1: शांति आ सुरक्षाक स्थान मे प्रवेश करबा मे नहि डेराउ, कारण परमेश् वर हमरा सभक संग रहबाक वचन देने छथि।

2: भगवान् पर भरोसा करू आ हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करू जे ओ हमरा सभ केँ आराम आ सुरक्षाक स्थान पर ल' जायत।

1: यशायाह 26:3 - "अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जकर मन तोरा पर टिकल अछि, कारण ओ तोरा पर भरोसा करैत अछि।"

2: भजन 4:8 - "हम हमरा शान्ति मे सुति देब आ सुतिब, कारण, प्रभु, अहाँ हमरा मात्र सुरक्षित रहय दैत छी।"

इजकिएल 38:12 लूट लेब आ शिकार लेब। आब ओहि उजाड़ स्थान पर आ ओहि देशक बीच मे रहय बला जाति-जाति मे सँ जुटल लोक पर, जे पशु-पक्षी आ माल-जाल पाबि गेल अछि, ताहि पर अपन हाथ घुमाब।”

ई अंश ओहि जाति सभ पर परमेश् वरक न्यायक बात करैत अछि जे जाति सभ मे सँ जमा कयल गेल अछि, जे ओहि देश आ ओकर लूट-पाट केँ ओहि लोक सभ सँ ल' लेलक अछि जे आब ओत' रहि रहल अछि।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया - इजकिएल 38:12

2. परमेश् वरक प्रावधान आ सुरक्षा - इजकिएल 38:12

1. यशायाह 42:13 - प्रभु एकटा पराक्रमी बनि जेताह, ओ युद्धक आदमी जकाँ ईर्ष्या जगौताह, ओ चिचियाओत, हँ, गर्जत। ओ अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त करत।

2. यिर्मयाह 32:17 - आह प्रभु परमेश्वर! देखू, अहाँ अपन महान शक्ति सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी आ बाँहि पसारि देलहुँ, आ अहाँक लेल कोनो बेसी कठिन किछु नहि अछि।

इजकिएल 38:13 शेबा, देदान आ तारशीशक व्यापारी सभ, ओकर सभ शेरक बच्चा सभक संग, अहाँ केँ कहत जे, “की अहाँ लूट लेबय लेल आयल छी?” की अहाँ अपन संगति केँ शिकार करबाक लेल जमा केने छी? चानी-सोना लऽ जायब, माल-जाल आ माल-जाल छीनब, पैघ लूट लेब?

शेबा, देदान आरू तर्शीश के राष्ट्र के साथ-साथ ओकरऽ सहयोगी देश मगोग के गोग के आक्रमण के चुनौती दै छै, ई पूछै छै कि गोग ओकरऽ संसाधन लेली कियैक आबी गेलऽ छै ।

1. गोग जकाँ नहि बनू - दोसरक संसाधनक सम्मान करू

2. दोसरक संसाधनक सम्मान करब चुनब आशीर्वाद दैत अछि

1. नीतिवचन 11:24-25 - केओ मुफ्त मे दैत अछि, तइयो बेसी धनिक होइत अछि; दोसर जे देबाक चाही से रोकैत अछि, आ मात्र अभाव भोगैत अछि। जे आशीर्वाद आनत से समृद्ध होयत, आ जे पानि देत से स्वयं पानि देल जायत।

1626

2. 2 कोरिन्थी 8:13-15 - हमर सभक इच्छा ई नहि अछि जे अहाँक कठिनाई मे रहैत दोसरो केँ राहत भेटय, बल्कि ई अछि जे समानता हो। वर्तमान समय मे अहाँक भरमार हुनका सभक जरूरतक आपूर्ति करत, जाहि सँ बदला मे हुनकर भरपूर मात्रा मे अहाँक जरूरतक आपूर्ति होयत। लक्ष्य अछि समानता, जेना लिखल अछि: जे बेसी जमा केलक ओकरा बेसी नहि छलैक, आ जे कम जमा केलक ओकरा बेसी कम नहि छलैक।

इजकिएल 38:14 तेँ हे मनुष्यक बेटा, भविष्यवाणी करू आ गोग केँ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ओहि दिन जखन हमर इस्राएलक लोक सुरक्षित रहत तखन की अहाँ एकरा नहि बुझब?

एहि अंश मे परमेश् वर गोग सँ बात कऽ रहल छथि आ हुनका चेतावनी दऽ रहल छथि जे जखन हुनकर लोक सुरक्षित रहैत छथि तखन हुनका एहि बारे मे पता चलतनि।

1. भगवान् सदिखन जनैत छथि जे हुनकर लोक कखन सुरक्षित आ सुरक्षित रहैत छथि।

2. जखन हम सभ भगवान पर भरोसा करब तखन ओ हमरा सभक देखभाल करताह।

1. भजन 91:9-10 - कारण जे अहाँ प्रभु केँ अपन शरण, परमात्मा केँ अपन निवास स्थान बना लेने छी, तेँ अहाँ पर कोनो दुष् टता नहि होयत आ कोनो विपत्ति अहाँक डेरा लग नहि आओत।

2. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत, आ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी नहि ठहराब। ई प्रभु के सेवक के धरोहर छै, आरो ओकरो धर्म हमरा से छै, प्रभु कहै छै।

इजकिएल 38:15 अहाँ अपन स्थान सँ उत्तर भाग सँ बाहर आबि जायब, अहाँ आ अहाँक संग बहुतो लोक, सभ घोड़ा पर सवार भ’ क’, एकटा पैघ दल आ एकटा पराक्रमी सेना।

घोड़ा पर सवार कतेको लोकक संग उत्तर दिस सँ सेना आओत।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक रक्षा

2. भय के सामने आस्था के शक्ति

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 56:3 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

इजकिएल 38:16 अहाँ हमर इस्राएलक लोकक विरुद्ध मेघ जकाँ चढ़ब जे देश केँ झाँपि देब। ई अंतिम समय मे होयत, आ हम अहाँ केँ अपन देशक विरुद्ध आनब, जाहि सँ जाति-जाति हमरा चिन्हत, जखन हम अहाँ मे पवित्र भ’ जायब, हे गोग, हुनका सभक नजरि मे।”

अंतिम समय मे परमेश् वर गोग केँ अपन लोक इस्राएल पर आक्रमण करबाक लेल अनताह, जाहि सँ विधर्मी जाति सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे चिन्ह सकय जखन ओ गोग मे पवित्र कयल जायत।

1. परमेश् वरक दया आ इस्राएलक लेल हुनकर योजना - इजकिएल 38:16 मे गोगक माध्यमे परमेश्वरक पवित्रीकरणक महत्वक अन्वेषण

2. परमेश् वरक शक्ति आ संप्रभुताक प्रकटीकरण - इजकिएल 38:16 मे गोग पर परमेश् वरक न्यायक निहितार्थ केँ बुझब

1. इजकिएल 39:6-7 - हम मागोग आओर द्वीप सभ मे बेपरवाह रहय बला लोक सभक बीच आगि लगा देब, तखन ओ सभ बुझत जे हम प्रभु छी। तेना हम अपन प्रजा इस्राएलक बीच अपन पवित्र नामक प्रचार करब। हम ओकरा सभ केँ आब अपन पवित्र नाम केँ अशुद्ध नहि करय देब, आ जाति-जाति सभ केँ ई बुझबा मे आओत जे हम इस्राएल मे पवित्र परमेश् वर छी।”

2. यशायाह 43:3-4 - हम यहोवा तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी। जहिया सँ अहाँ हमरा नजरि मे बहुमूल्य छलहुँ, तेँ अहाँ आदरणीय छी आ हम अहाँ सँ प्रेम केलहुँ।

इजकिएल 38:17 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। की अहाँ वैह छी, जकरा बारे मे हम अपन सेवक इस्राएलक प्रवक् ता सभक द्वारा पहिने कहने रही, जे ओहि समय मे बहुत वर्ष धरि भविष्यवाणी केने छलाह जे हम अहाँ केँ हुनका सभक विरुद्ध आनब?

परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि, पुछैत छथि जे की ओ वैह व्यक्ति छथि जे इस्राएलक भविष्यवक्ता सभ भविष्यवाणी केने छलाह जे हुनका सभक विरुद्ध के आओत।

1. हमरा सभक लेल प्रभुक चुनौती: की हम सभ ओ छी जिनका ओ बजौलनि?

2. परमेश् वरक संदेश सदियो सँ कोना चलैत अछि: इजकिएलक कथा सँ हम सभ की सीख सकैत छी

1. यशायाह 43:18-19 "पहिल बात केँ नहि मोन पाड़ू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज करब; आब ओ उगताह; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम एकटा बाट तक बना देब।" जंगल मे, आ मरुभूमि मे नदी।”

2. प्रेरित 2:16-18 "मुदा ई बात योएल भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल अछि; आ अंतिम समय मे होयत, परमेश् वर कहैत छथि, हम अपन आत् मा सभ शरीर पर बहायब तोहर बेटी सभ भविष्यवाणी करत, आ तोहर युवक सभ दर्शन देखत, आ तोहर बूढ़-पुरान सभ सपना देखत, आ हम ओहि दिन मे हमर सेवक आ दासी सभ पर अपन आत् मा उझलि देब, आ ओ सभ भविष्यवाणी करत।”

इजकिएल 38:18 प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे जखन गोग इस्राएल देशक विरुद्ध आओत, तखनहि हमर क्रोध हमरा मुँह पर आबि जायत।

परमेश् वर घोषणा करै छै कि जबे गोग इस्राएल के देश पर आक्रमण करतै, तबे ओकरोॅ क्रोध प्रकट होय जैतै।

1. परमेश् वरक क्रोध: एकर की अर्थ अछि आ कोना प्रतिक्रिया देल जाय

2. सर्वशक्तिमान भगवान: हुनकर न्याय आ दया

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रियजन, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि, "प्रतिशोध हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. याकूब 1:20 - कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

इजकिएल 38:19 किएक तँ हम अपन ईर्ष्या आ अपन क्रोधक आगि मे कहलहुँ जे, “ओहि दिन इस्राएल देश मे बहुत हिलत।

परमेश् वरक न्याय इस्राएल पर बहुत हिलैत-डुलैत होयत।

1: भगवान् केर न्याय अनिवार्य आ शक्तिशाली अछि।

2: भगवानक समक्ष विनम्र रहब आ हुनकर क्षमा माँगब मोन राखब।

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

2: भजन 34:18 - "प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

इजकिएल 38:20 एहि तरहेँ समुद्रक माछ, आकाशक चिड़ै, खेतक जानवर, आ पृथ्वी पर रेंगय बला सभटा प्राणी आ पृथ् वी पर रहय बला सभ मनुक्ख, एहन होयत हमर सोझाँ मे हिलब, पहाड़ सभ खसि पड़त, आ खड़ी जगह खसि पड़त, आ सभ देबाल जमीन पर खसि पड़त।

भगवान् केर उपस्थिति सँ पृथ्वी पर सब प्राणी आ लोक भय सँ हिलत आ पहाड़ केँ नीचाँ फेकि देल जायत आ बाकी सब संरचना ध्वस्त भ' जायत।

1. भगवान् के अदम्य शक्ति

2. प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ थिक

1. यशायाह 64:1-3

2. भजन 29:1-11

इजकिएल 38:21 हम अपन सभ पहाड़ पर हुनका विरुद्ध तलवार बजाबनि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर अपन सभ पहाड़ पर एक-दोसर पर तलवार बजाओत।

1. द्वंद्वक लागत: विवादक शांतिपूर्ण समाधान सीखब

2. क्षमाक शक्ति: मेल-मिलापक महत्व

1. मत्ती 5:23-24 "तेँ जँ अहाँ वेदी पर अपन वरदान चढ़ा रहल छी आ ओतहि मोन राखू जे अहाँक भाइ वा बहिन अहाँक विरुद्ध किछु अछि तँ अपन वरदान ओतहि वेदीक सोझाँ छोड़ि दियौक। पहिने जाउ आ हुनका सभक संग मेल मिलाप करू।" ;तखन आबि अपन उपहार चढ़ाउ।

2. नीतिवचन 25:21-22 "जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा भोजन दिअ, जँ ओकरा प्यासल अछि तँ ओकरा पानि पीब। एहि तरहेँ अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयलाक ढेर लगा देब, आ प्रभु प्रतिफल देत।" अहां.

इजकिएल 38:22 हम हुनका सँ महामारी आ खून सँ निहोरा करब। हम ओकरा आ ओकर दल आ ओकर संग रहनिहार अनेक लोक पर उमड़ैत बरखा आ बड़का-बड़का ओला, आगि आ गंधक बरसाबब।

परमेश् वर गोग आ ओकर लोक सभ केँ पापक लेल दंडित करत, उफनैत बरखा, पैघ-पैघ ओला, आगि आ गंधक पठा देत।

1. परमेश् वरक धार्मिक न्याय - इजकिएल 38:22

2. परमेश् वरक प्रतिशोधक शक्ति - इजकिएल 38:22

1. यशायाह 30:30 - आ परमेश् वर हुनकर गौरवशाली आवाज सुनौताह, आ हुनकर बाँहिक इजोत, अपन क्रोधक आक्रोश सँ, आ भस्म करयवला आगि केर लौ सँ, तितर-बितर आ आंधी-तूफान सँ देखाओताह, आ ओला पाथर।

2. प्रकाशितवाक्य 16:21 - स् वर्ग सँ मनुष् य सभ पर एकटा पैघ ओला खसल, जे एक-टोला भार छल।
किएक तँ ओकर विपत्ति बहुत बेसी छल।

इजकिएल 38:23 एहि तरहेँ हम अपना केँ महिमा करब आ अपना केँ पवित्र करब। हमरा बहुत रास जाति सभक नजरि मे चिन्हल जायत, आ ओ सभ ई जानि लेत जे हम परमेश् वर छी।

भगवान् अपन महिमा करत आ बहुत रास जाति के चिन्हल जायत।

1. परमेश् वरक महिमा - रोमियो 11:36

2. परमेश् वर केँ जानब - मत्ती 7:21-23

1. यशायाह 60:1-3

2. फिलिप्पियों 2:9-11

इजकिएल अध्याय ३९ गोग आ ओकर जाति गठबंधन के हार आ न्याय के बारे में भविष्यवाणी के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय में परमेश् वर के शक्ति, इस्राएल के शत्रु सिनी पर हुनकौ न्याय आरू हुनकऽ लोग सिनी के पुनर्स्थापन पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत गोग आरू ओकरऽ गठबंधन के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा स॑ होय छै । परमेश् वर वादा करै छै कि गोग आरो ओकरो सेना सिनी कॅ ओकरोॅ अंत में लानी देतै आरू ओकरा सिनी में से एक छठम हिस्सा ही बची जैतै। चिड़ै आ जंगली जानवर ओकर मांस पर भोज करत, आ ओकर हथियार नष्ट भ’ जायत (इजकिएल 39:1-8)।

दोसर पैराग्राफ: भविष्यवाणी मे युद्धक बादक परिणामक वर्णन अछि | इस्राएल के लोग सात महीना तक आक्रमणकारी के शव के गाड़ै में आरो देश के शुद्ध करै में बिताबै वाला छै। ओ सभ हथियार जमा क’ ईंधन के लेल जरा देत, ई सुनिश्चित करत जे सात साल धरि लकड़ीक कोनो आवश्यकता नहि हो (इजकिएल 39:9-16)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा आरू जाति सिनी के बीच हुनको महिमा के प्रदर्शन के साथ होय छै। परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अपन लोक सभक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करताह, हुनका सभ केँ जाति सभ सँ एकत्रित करताह आ हुनका सभ पर अपन आत् मा उझलि देताह। जाति सभ परमेश् वरक वफादारीक गवाह बनत आ हुनकर सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करत (इजकिएल 39:17-29)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय उनतीस प्रस्तुत
हार आ न्यायक विषय मे भविष्यवाणी
गोग आ ओकर राष्ट्र गठबंधन के,
परमेश् वरक सामर्थ् य, शत्रु सभ पर हुनक न्याय पर जोर दैत, आ अपन लोकक पुनर्स्थापना।

गोग आ ओकर गठबंधन के खिलाफ भगवान के न्याय के घोषणा।
अपन सेना के समाप्त करबाक वादा करू, मात्र छठम सेना बचल अछि।
आक्रमणकारीक मांस पर चिड़ै-चुनमुनी आ जंगली जानवरक भोज।
हुनका लोकनिक शस्त्रक विनाश।
युद्धक बादक वर्णन आ लाशक दफन।
हथियार जमा करब आ ईंधन के लेल ओकरा जरेब।
बहाली के प्रतिज्ञा आरू राष्ट्र के बीच परमेश्वर के महिमा के प्रदर्शन।
परमेश् वर के लोग के भाग्य के पुनर्स्थापना आरू हुनकऽ आत्मा के बहाव ।
परमेश् वरक वफादारी आ हुनक संप्रभुता केँ स्वीकार करबाक राष्ट्र सभक गवाह।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय गोग आरू ओकरऽ जाति के गठबंधन के हार आरू न्याय के बारे में भविष्यवाणी के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय के शुरुआत गोग के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के घोषणा स॑ होय छै, जेकरा म॑ हुनकऽ सेना के अंत करै के वादा करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा म॑ स॑ खाली छठमवां हिस्सा बची गेलऽ छै । चिड़ै-चुनमुनी आ जंगली जानवर ओकर मांस पर भोज करत आ ओकर हथियार नष्ट भ’ जायत। तखन भविष्यवाणी मे युद्धक बादक परिणामक वर्णन कयल गेल अछि, कारण इस्राएलक लोक सात मास धरि आक्रमणकारीक शव गाड़बा मे आ देश केँ साफ करबा मे बिताबैत अछि | ओ सभ हथियार जमा कए ईंधन लेल जरा देत, जाहि स इ सुनिश्चित कैल जाएत जे सात साल तक लकड़ी क जरूरत नहि होए। अध्याय के समापन परमेश् वर के पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा के साथ होय छै, कैन्हेंकि वू घोषणा करै छै कि वू अपनऽ लोगऽ के भाग्य के पुनर्स्थापित करतै, ओकरा जाति- जाति स॑ जुटाबै छै आरू ओकरा पर अपनऽ आत्मा डालतै । जाति सभ परमेश् वरक वफादारीक गवाह बनत आ हुनकर सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करत। अध्याय में परमेश् वर के शक्ति, इस्राएल के शत्रु सिनी पर हुनकौ न्याय आरू हुनकऽ लोग सिनी के पुनर्स्थापन पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 39:1 तेँ हे मनुष् य-पुत्र, गोगक विरुद्ध भविष्यवाणी करू आ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे मेशेक आ तुबलक मुखिया गोग, हम अहाँक विरोध मे छी।

परमेश् वर मेशेक आ तुबलक नेता गोगक प्रति अपन विरोधक घोषणा करैत छथि।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवानक अंतिम बात सदिखन कोना रहत

1630

2. आज्ञापालन के महत्व: परमेश् वरक वचन सुनब चाहे किछुओ हो

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2. व्यवस्था 30:19-20 - आइ हम आकाश आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाह बजबैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखने छी। आब जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक बच्चा सभ जीबि सकब आ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम कऽ सकब, हुनकर आवाज सुनब आ हुनका पकड़ि सकब। कारण, प्रभु अहाँक प्राण छथि, आ ओ अहाँ केँ ओहि देश मे बहुत वर्ष धरि देथिन जे ओ अहाँ सभक पूर्वज अब्राहम, इसहाक आ याकूब केँ देबाक शपथ केने छलाह।

इजकिएल 39:2 हम अहाँ केँ पाछू घुमा देब आ अहाँक छठम भाग छोड़ि देब आ अहाँ केँ उत्तर भाग सँ चढ़ा देब आ अहाँ केँ इस्राएलक पहाड़ पर पहुँचा देब।

इजकिएल 39:2 केरऽ ई अंश परमेश् वर केरऽ योजना के वर्णन करै छै कि वू लोगऽ के एगो अवशेष क॑ इस्राएल के पहाड़ऽ प॑ वापस लानै छै ।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वफादारी: चाहे कोनो परिस्थिति हो, परमेश् वर वफादार छथि

2. मोक्षक शक्ति: परमेश् वरक कृपा आ दया अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करबा मे

1. यशायाह 43:5-6 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक वंश पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ दक्षिण दिस। पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनि दियौक।”

2. यिर्मयाह 29:10-14 - "किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे सत्तर वर्षक बाद बाबुल मे पूरा भेलाक बाद हम अहाँ सभक ओतय जायब आ अहाँ सभक प्रति अपन नीक वचन पूरा करब आ अहाँ सभ केँ एहि ठाम घुरि देब। किएक तँ हम जनैत छी जे... जे विचार हम अहाँ सभक प्रति सोचैत छी, से परमेश् वर कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ एकटा अपेक्षित अंत देब।तखन अहाँ सभ हमरा पुकारब, आ अहाँ सभ जा कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँ सभक बात सुनब। अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ मोन सँ हमरा खोजब।

इजकिएल 39:3 हम अहाँक बामा हाथ सँ अहाँक धनुष केँ मारि देब आ अहाँक दहिना हाथ सँ अहाँक तीर खसा देब।

भगवान् अपन लोक द्वारा उपयोग कयल गेल विनाशक औजार छीनि क' खसाबय पड़तनि।

1. समर्पणक शक्ति: प्रबंध करबाक लेल प्रभु पर भरोसा करब

2. भगवानक प्रेम कर्म मे: हुनकर रक्षा केँ बुझब

1. यशायाह 41:10, "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. नीतिवचन 3:5-6, "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

इजकिएल 39:4 अहाँ इस्राएलक पहाड़ सभ पर खसि पड़ब, अहाँ आ अहाँक समस्त दल आ अहाँक संग अछि.

जे हुनका अवहेलना करैत छथि हुनका पर परमेश् वरक न्याय पूर्ण आ निर्दय होयत।

1. हमरा सभ केँ परमेश् वरक न्याय केँ स्वीकार करबाक चाही आ अपन पापक लेल पश्चाताप करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक अधिकारक आदर करबाक चाही आ हुनकर आज्ञाक पालन करबाक चाही।

1. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. भजन 103:10, "ओ हमरा सभक पापक अनुसरण नहि केलनि, आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल देलनि।"

इजकिएल 39:5 अहाँ खुला मैदान पर खसि पड़ब, कारण हम ई बात कहि देलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

इजकिएल 39:5 के ई अंश हमरा सब के याद दिलाबै छै कि परमेश्वर के वचन शक्तिशाली छै आरू हमेशा पूरा होतै।

1: हम सभ परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा क' सकैत छी, किएक तँ ओ सदिखन ओकरा पूरा करताह।

2: परमेश् वरक वचन पर हमरा सभक विश्वास ताकत आ आशाक स्रोत अछि।

1: यहोशू 21:45 - प्रभु इस्राएलक घराना सँ जे नीक प्रतिज्ञा केने छलाह, ताहि मे सँ एको शब्द असफल नहि भेल। सब किछु भ' गेलै।

2: यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

इजकिएल 39:6 हम मागोग आओर द्वीप सभ मे बेपरवाह रहय बला लोक सभक बीच आगि लगा देब, तखन ओ सभ बुझत जे हम प्रभु छी।

लापरवाह काज करय वाला के भगवान सजा देथिन।

1: भगवानक इच्छाक अनुसार अपन जीवन जीबाक लेल सावधान रहबाक चाही।

2: भगवानक दया केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही, कारण ओ दुष्ट केँ सजा देबा मे कोनो संकोच नहि करताह।

1: रोमियो 2:4-5 - "या की अहाँ हुनकर दया, सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी, ई नहि बुझैत छी जे परमेश् वरक दया अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाय? मुदा अहाँक जिद्द आ अपश्चाताप करयवला हृदयक कारणेँ, अहाँ परमेश् वरक क्रोधक दिनक लेल अपना पर क्रोध जमा कऽ रहल छी, जखन हुनकर धार्मिक न्याय प्रगट होयत |”

2: इब्रानी 10:31 - "जीबैत परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।"

इजकिएल 39:7 हम अपन प्रजा इस्राएलक बीच अपन पवित्र नामक प्रचार करब। हम ओकरा सभ केँ आब अपन पवित्र नाम केँ अशुद्ध नहि करय देब, आ जाति-जाति सभ केँ ई बुझबा मे आओत जे हम इस्राएल मे पवित्र परमेश् वर छी।”

परमेश् वर अपन पवित्र नाम अपन लोक इस्राएल केँ जनौताह आ ओकरा सभ केँ ओकरा प्रदूषित करबा सँ रोकताह। गैर-यहूदी सभ बुझत जे ओ प्रभु छथि, इस्राएल मे पवित्र छथि।

1. भगवानक पवित्रता: हुनक नामक शक्ति केँ बुझब

2. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रतिज्ञा: अपन पवित्र नामक पालन करब

1. निकासी 3:14-15 - "परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "हम जे छी, हम एहि तरहेँ छी।" , अहाँ इस्राएलक लोक सभ केँ एहि तरहेँ कहब जे, ‘अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर, अब्राहमक परमेश् वर, इसहाकक परमेश् वर आ याकूबक परमेश् वर, हमरा अहाँ सभक लग पठौलनि अछि हमर स्मारक सभ पीढ़ी धरि।"

2. यशायाह 12:4-5 - "ओहि दिन अहाँ सभ कहब जे, 'प्रभुक स्तुति करू, हुनकर नाम पुकारू, हुनकर काज लोक सभक बीच सुनाउ, हुनकर नाम ऊँच अछि उत्तम काज कयलनि: ई बात समस्त पृथ्वी मे ज्ञात अछि |”

इजकिएल 39:8 देखू, ई आबि गेल, आ पूरा भ’ गेल, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। ई ओ दिन अछि जकर बात हम कहलहुँ।

भगवान घोषणा करै छै कि जे दिन के बात करलकै, वू दिन आबी गेलऽ छै आरू पूरा होय गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक सामर्थ् य

2. पूर्तिक समय

1. यिर्मयाह 29:10-14 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, भलाईक योजना अछि।

2. भजन 33:11 - प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।

इजकिएल 39:9 इस्राएलक नगर मे रहनिहार लोक सभ बाहर निकलि क’ आगि लगा क’ हथियार, ढाल आ बकरी, धनुष आ बाण, हाथक छड़ी आ भाला आ ओ सभ जरा देत सात वर्ष धरि ओकरा सभ केँ आगि मे जरा देत।

इस्राएलक लोक सभ केँ सात वर्ष धरि अपन हथियार जरेबाक आज्ञा देल गेल अछि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: इजकिएल 39:9 के अध्ययन

2. शांतिपूर्ण राष्ट्रक सौन्दर्य: भगवानक आज्ञापालन मे शांति भेटब

1. यशायाह 2:4 - "ओ जाति-जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटनी मे फँसि जायत। जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने सीखत।" युद्ध आब आब।"

2. यशायाह 60:18 - "अहाँक देश मे आब हिंसा नहि सुनल जायत, अहाँक सीमा मे बर्बादी आ विनाश नहि होयत; मुदा अहाँ अपन देबाल केँ उद्धार कहब आ अपन फाटक केँ स्तुति कहब।"

इजकिएल 39:10 जाहि सँ ओ सभ खेत मे सँ कोनो लकड़ी नहि निकालत आ ने जंगल मे सँ कोनो लकड़ी नहि काटि सकैत अछि। किएक तँ ओ सभ शस्त्र सभ केँ आगि मे जरा देत, आ ओकरा लूटनिहार केँ लूटि लेत आ ओकरा लूटनिहार केँ लूटि लेत।”

प्रभु परमेश् वर हुनका सभक रक्षा करताह, जकरा पर अन्याय भेल अछि आ ओकर अत्याचारी सभक बदला लेताह।

1: प्रभु अपन लोकक रक्षा करताह

2: प्रतिशोध भगवानक जिम्मेदारी अछि

1: भजन 37:39 - मुदा धर्मी लोकनिक उद्धार प्रभुक अछि, ओ विपत्तिक समय मे हुनका सभक सामर्थ्य छथि।

2: रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 39:11 ओहि दिन हम गोग केँ इस्राएल मे कब्रक स्थान देबनि, जे समुद्रक पूरब मे यात्री सभक घाटी अछि। ओतहि ओ सभ गोग आ ओकर समस्त भीड़ केँ गाड़ि देत।

न्याय के दिन भगवान गोग के समुद्र के पूर्व में यात्री के घाटी में कब्र के जगह देतै।
एकरा हामोन-गोगक घाटी कहल जायत, आ गोगक सभ भीड़ ओतहि दफनाओल जायत।

1. परमेश् वरक न्याय: हामोन-गोगक घाटी

2. भगवानक शक्ति आ महिमा: यात्रीक घाटी

1. इजकिएल 39:11

2. यशायाह 34:3-4 "ओकर मारल गेल लोक सभ सेहो बाहर फेकल जायत, आ ओकर शव मे सँ ओकर दुर्गन्ध निकलत, आ पहाड़ ओकर खून सँ पिघलि जायत। आ स् वर्गक सभ सेना भंग भ' जायत, आ ओकर सभक गंध ओकरा सभक शव सँ बाहर निकलत आकाश एकटा ग्रंथ जकाँ गुड़कि जायत, आ ओकर सभ सेना खसि पड़तैक, जेना बेल सँ पात खसि पड़ैत छैक आ अंजीरक गाछ सँ खसैत अंजीर जकाँ।”

इजकिएल 39:12 इस्राएलक घराना सात मास धरि ओकरा सभ केँ गाड़ि देत, जाहि सँ ओ सभ देश केँ शुद्ध क’ सकय।

इस्राएलक लोक सभ सात मास धरि अपन मृत् यु केँ गाड़ि देत, जाहि सँ देश केँ शुद्ध कयल जा सकय।

1. क्षमाक शक्ति - परमेश् वरक कृपा आ दया कोना चंगाई आ शुद्धि आनि सकैत अछि।

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद - परमेश्वर के आज्ञा हमरा सब के कोना हुनका आ हुनकर प्रतिज्ञा के नजदीक लाबैत अछि।

1. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू।

2. यशायाह 6:7 - ओ हमरा मुँह पर राखि कहलथिन, “देखू, ई अहाँक ठोर केँ छूबि गेल अछि। अहाँक अधर्म दूर भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप शुद्ध भऽ गेल अछि।”

इजकिएल 39:13 हँ, देशक सभ लोक ओकरा सभ केँ गाड़ि देत। जाहि दिन हमर महिमा होयत, ओहि दिन हुनका सभक लेल ई प्रसिद्धि होयत, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

प्रभु परमेश् वरक महिमा तखन होयत जखन देशक सभ लोक मृत् यु केँ गाड़ि देत।

1: हमरा सभकेँ मृतकक आदर कए प्रभुक महिमा करबाक चाही।

2: जखन हम सभ मृतकक आदर करैत छी तखन हम सभ भगवानक आदर करैत छी।

1: उपदेशक 3:1-2 - सब किछु के समय छै, आ आकाश के नीचा हर काज के लेल एकटा मौसम छै: जन्म के समय आ मरय के समय छै।

2: नीतिवचन 22:8 - जे कियो अन्याय के बीजत, ओ विपत्ति काटि लेत, आ क्रोधक छड़ी विफल भ' जायत।

इजकिएल 39:14 ओ सभ निरंतर काज कर’ बला लोक सभ केँ अलग-अलग क’ क’ ओहि देश मे जा क’ ओहि ठाम सँ गुजरैत रहत जे ओहि पृथ्वी पर जे बचल अछि, ओकरा शुद्ध करबाक लेल यात्री सभक संग गाड़ि देत।

इस्राएल के लोग सात महीना के बाद देश के साफ करै के चक्कर में, देश के बीच से गुजरै आरो मृतक के गाड़ै के काम में लगाय देतै।

1. भगवानक सेवा आ हुनकर इच्छा पूरा करबाक महत्व।

2. इजकिएल 39:14 मे सात मासक अवधिक महत्व केँ बुझब।

1. मत्ती 6:33: मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. भजन 37:5: प्रभुक दिस अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा करू आ ओ ई काज करत।

इजकिएल 39:15 आ ओहि देश सँ गुजरय बला यात्री सभ जखन ककरो हड्डी देखय तँ ओकरा लग एकटा चिन्ह लगाओत जाबत धरि गाड़बनिहार सभ ओकरा हमोगक घाटी मे नहि गाड़ि देत।

जखन कोनो व्यक्ति भूमि सँ गुजरैत अछि आ मनुक्खक हड्डी देखैत अछि तखन ओकरा ओहि स्थान केँ चिन्हित करबाक लेल एकटा चिन्ह लगा देबाक चाही जा धरि हड्डी हमोगोग घाटी मे नहि गाड़ल नहि जायत |

1. "सतर्क रहू: पतित के स्थान के चिन्हित करब"।

2. "जीवनक चिन्ह: मृतकक सम्मान आ सम्मान"।

1. नीतिवचन 22:28 - "ओहि प्राचीन स्थल केँ नहि हटाउ, जे अहाँक पूर्वज सभ ठाढ़ केने छलाह।"

2. व्यवस्था 19:14 - "अहाँ अपन पड़ोसीक ओहि स्थल केँ नहि हटाउ, जे पुरान समय मे ओ सभ अहाँक उत्तराधिकार मे राखने छलाह, जे अहाँ ओहि देश मे उत्तराधिकारी बनब, जाहि देश मे अहाँ केँ परमेश् वर परमेश् वर अहाँ केँ ओकरा पर कब्जा करबाक लेल देने छथि।"

इजकिएल 39:16 आ शहरक नाम सेहो हमोनाह होयत। एहि तरहेँ ओ सभ देश केँ शुद्ध करताह।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ घोषणा करथि जे एहि नगरक नाम हमोनाह होयत, आ ई शुद्धिकरणक स्थान होयत।

1. हमर पुनर्स्थापित भूमि के पुनः प्राप्त करब: इजकिएल 39:16 के अन्वेषण

2. भूमि के शुद्ध करू: भगवान के शुद्ध करय वाला कृपा के अनुभव करब

1. यशायाह 1:16-18 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ि दियौक,

2. भजन 51:7 - हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, तखन हम शुद्ध भ’ जायब। हमरा धोउ, हम बर्फसँ उज्जर भ’ जायब।

इजकिएल 39:17 हे मनुष्यक बेटा, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हर पंखबला चिड़ै आ खेतक हरेक जानवर सँ ई कहि दियौक जे, “एकटा जुटि कऽ आबि जाउ। हमर बलिदान मे चारू कात जुटि जाउ जे हम अहाँ सभक लेल बलि चढ़बैत छी, जे इस्राएलक पहाड़ पर एकटा पैघ बलिदान अछि, जाहि सँ अहाँ सभ मांस खा सकब आ खून पीबि सकब।”

परमेश् वर खेतक सभ चिड़ै-चुनमुनी आ जानवर केँ आह्वान करैत छथि जे आबि कऽ इस्राएलक पहाड़ पर जे महान बलिदान दऽ रहल छथि ताहि मे भाग ली।

1. महान बलिदान के आमंत्रण - एकटा पैघ आध्यात्मिक भोज में भाग लेबय लेल परमेश्वर के आह्वान के महत्व के खोज करब।

2. पंखबला मुर्गी आ जानवरक बलिदान - बलिदानक महत्व आ आइ हमरा सभक लेल एकर निहितार्थक अन्वेषण।

1. यशायाह 55:1 - "जे कियो प्यासल अछि, पानि मे आबि जाउ; आ जकर पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना दाम के शराब आ दूध कीनू।"

2. फिलिप्पियों 2:17 - "अहाँ सभक विश्वासक बलिदान पर जँ हमरा पेयबलि बलि देल जाय तँ हम अहाँ सभक संग प्रसन्न छी आ आनन्दित छी।"

इजकिएल 39:18 अहाँ सभ पराक्रमी सभक मांस खाएब आ पृथ् वीक राजकुमार सभक खून पीबब, मेढ़क, मेमना आ बकरी, बैल सभक, सभ बाशानक मोटका बच्चा सभक।

एहि अंश मे मेढ़क, मेमना, बकरी, आ बैल सन जानवरक सेवनक बात कयल गेल अछि |

1. प्रचुरता के आशीर्वाद: अपन जीवन में भगवान के प्रावधान के जश्न मनाबय के

2. भंडारी: परमेश् वरक वरदानक देखभाल करब सीखब

1. व्यवस्था 12:15-16 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक जे आशीर्वाद देने छथि, ताहि अनुसार अहाँ सभ अपन कोनो नगरक भीतर जतेक चाहैत छी, वध कऽ मांस खाउ। अशुद्ध आ शुद्ध लोक सभ खा सकैत अछि।" एकरऽ, जेना कि गजरा आरू मृग केरऽ, खाली तोहें खून नै खाबै, तोहें ओकरा पानि जकाँ धरती पर उझलि देबै।”

2. भजन 104:14-15 - "अहाँ माल-जाल लेल घास उगाबैत छी आ मनुक्खक खेती करबाक लेल पौधा उगाबैत छी, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन आ मदिरा आनय जे मनुष्यक हृदय केँ प्रसन्न करय, तेल ओकर चेहरा चमकाबय।" आ मनुक्खक हृदय केँ मजबूत करबाक लेल रोटी।"

इजकिएल 39:19 जा धरि अहाँ सभ पेट नहि भरब ता धरि मोटा-मोटी खाएब आ जा धरि अहाँ सभ हमर बलिदानक बलिदानक बलिदान सँ नशा मे नहि रहब ता धरि खून पीब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभक लेल बलि चढ़ा रहल छथि आ हुनका सभ केँ निर्देश देल गेल अछि जे जा धरि ओ सभ पेट नहि भरि जायत ता धरि मोटा-मोटी खाउ आ खून पीबथि।

1. भगवान् के प्रावधान के अतिप्रचुरता

2. फसह बलिदानक शक्ति

1. यूहन्ना 6:35 - यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "हम जीवनक रोटी छी; जे हमरा लग आओत, ओकरा भूख नहि लागत, आ जे हमरा पर विश्वास करत, से कहियो प्यास नहि करत।"

2. लेवीय 23:10-14 - इस्राएलक लोक सभ सँ कहू जे, जखन अहाँ सभ ओहि देश मे आबि जे हम अहाँ सभ केँ दैत छी आ ओकर फसल काटि लेब, तखन अहाँ सभ अपन फसलक पहिल फलक गुच्छा पुरोहित केँ आनब। ओ ओहि गुच्छा केँ प्रभुक समक्ष लहराओत, जाहि सँ अहाँ सभ केँ स्वीकार कयल जाय।” विश्राम-दिनक दोसर दिन पुरोहित ओकरा लहराओत।

इजकिएल 39:20 एहि तरहेँ अहाँ सभ हमर टेबुल पर घोड़ा आ रथ, पराक्रमी आ सभ युद्धकर्मी सँ भरल रहब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् अपन लोकक लेल प्रचुरताक व्यवस्था करताह, ओहो युद्धक समय मे।

1: भगवान् सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि आ जरूरतक समय मे हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

2: प्रभु पर भरोसा करू कारण ओ हमरा सभक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

1: फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 39:21 हम अपन महिमा केँ जाति-जाति सभक बीच राखब, आ सभ जाति हमरा द्वारा कयल गेल न्याय आ हमर हाथ जे हम ओकरा सभ पर राखने छी, से देखत।

परमेश् वर जाति सभक बीच अपन महिमाक प्रदर्शन करताह आ सभ लोक हुनकर निर्णय आ काज देखताह।

1. परमेश् वरक महिमा प्रकट भेल: परमेश् वरक न्यायक आलोक मे कोना जीबी

2. परमेश् वरक उपस्थितिक शक्ति: हुनकर महिमाक अनुभव हमरा सभक जीवन मे करब

1636

1. [illegible] 3:21-26 - [illegible]

2. 1 [illegible] 2:9-10 - [illegible]

[illegible] 39:22 [illegible] [illegible] [illegible]

परमेश् वर याकूब केँ बंदी मे वापस अनताह आ इस्राएलक लोक सभ पर दया करताह आ संगहि हुनकर पवित्र नामक आदर करताह।

1. परमेश् वरक अटूट दया आ याकूबक वापसी

2. भगवानक पवित्र नामक शक्ति

1. यशायाह 41:17-20 - जखन गरीब आ गरीब पानि ताकत, मुदा पानि नहि रहत, आ ओकर जीह प्यास सँ क्षीण भ’ जायत, तखन हम प्रभु हुनका सभक बात सुनब, हम इस्राएलक परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि छोड़ब।

2. भजन 25:6-7 - हे प्रभु, अपन कोमल दया आ अपन प्रेम केँ मोन राखू। किएक तँ ओ सभ पहिनेसँ अछि। हमर युवावस्थाक पाप आ ने हमर अपराधक स्मरण नहि करू, हे प्रभु, अपन दयाक अनुसार हमरा मोन पाड़ू।

इजकिएल 39:26 तकर बाद ओ सभ अपन लाज आ अपन सभ अपराध केँ सहन कयलनि जाहि सँ ओ सभ हमरा पर अपराध कयलनि, जखन ओ सभ अपन देश मे सुरक्षित रहैत छलाह आ कियो हुनका सभ केँ डरा नहि देलनि।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ अपनऽ मातृभूमि में वापस करी देतै, जबेॅ वू अपनऽ पिछला उल्लंघन आरू पाप के शर्म के जिम्मेदारी स्वीकार करी लेतै।

1. परमेश् वरक मोक्ष - इजकिएल 39:26 क एकटा परीक्षा

2. भगवानक दया - हुनक लोकक पुनर्स्थापन

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत तक प्रभु केँ ताकू; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

इजकिएल 39:27 जखन हम ओकरा सभ केँ लोक सभक बीच सँ फेर सँ अनलहुँ आ ओकरा सभ केँ शत्रु सभक देश सँ निकालि कऽ ओकरा सभ मे बहुत रास जाति सभक नजरि मे पवित्र कयल गेल छी।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ शत्रु सभ सँ अपना लग वापस अनताह आ जाति सभक समक्ष महिमामंडन करताह।

1: परमेश् वरक प्रेम आ मोक्ष ओहि सभ गोटेक लेल उपलब्ध अछि जे हुनका लग हाथ बढ़बैत छथि।

2: हम सभ कतबो दूर धरि गेलहुँ, भगवानक कृपा हमरा सभ केँ हुनका लग वापस आनि सकैत अछि।

1: यशायाह 43:1-4 "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ छी।" हमर। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ केँ नहि जरि जायत, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।"

2: जकर्याह 10:6-10 "हम यहूदाक घराना केँ मजबूत करब, आ यूसुफक घराना केँ उद्धार करब। हम ओकरा सभ केँ वापस आनि देब, कारण हमरा ओकरा सभ पर दया अछि, आ ओ सभ एना होयत जेना हम ओकरा सभ केँ अस्वीकार नहि केने रही। कारण, हम हुनका सभक परमेश् वर प्रभु छी आ हम हुनका सभक उत्तर देबनि।तखन एप्रैमक लोक सभ योद्धा जकाँ भऽ जायत, आ ओकर सभक मोन मदिरा जकाँ प्रसन्न होयत। हम ओकरा सभक लेल सीटी बजा देब आ ओकरा सभ केँ जमा करब, कारण हम ओकरा सभ केँ मुक्त क’ देलहुँ, आ ओ सभ पहिने जकाँ बेसी होयत।”

1638

इजकिएल 39:28 तखन ओ सभ जनत जे हम हुनकर सभक परमेश् वर यहोवा छी, जे हुनका सभ केँ जाति- जाति सभक बीच बंदी बना देलनि।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ ई देखाबै छै कि वू ओकरऽ सच्चा प्रभु आरू उद्धारकर्ता छै, ओकरा सिनी क॑ विधर्मी सिनी के बीच कैद स॑ मुक्त करी क॑ आरू ओकरा सिनी क॑ अपनऽ देश म॑ जमा करी क॑, जेकरा म॑ ओकरा सिनी म॑ स॑ कोय भी निर्वासन म॑ नै छोड़तै ।

1. परमेश् वर परम उद्धारक छथि, जे हमरा सभक सभ परीक्षा आ क्लेश सँ मुक्ति दैत छथि।

2. परिस्थिति चाहे जे हो, भगवान सदिखन घरक बाट उपलब्ध कराबैत छथि।

क्रॉस संदर्भ : १.

1. भजन 91:14-16 प्रभु कहैत छथि जे ओ हमरा सँ प्रेम करैत छथि, हम हुनका उद्धार करब। हम ओकर रक्षा करब, कारण ओ हमर नाम स्वीकार करैत अछि। ओ हमरा बजौताह आ हम हुनका उत्तर देबनि। हम विपत्ति मे हुनका संग रहब, हुनका उद्धार करब आ सम्मान करब।

2. यशायाह 43:1-3 मुदा आब, परमेश् वर ई कहैत छथि जे जे अहाँ सभ केँ सृष्टि केने छथि, याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, इस्राएल: अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी; अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

इजकिएल 39:29 हम आब हुनका सभ सँ अपन मुँह नहि नुकाएब, किएक तँ हम इस्राएलक घराना पर अपन आत् मा उझलि देलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे इस्राएलक लोक सभ सँ अपन मुँह नहि नुकाओत आ हुनका सभ पर अपन आत् मा उझलि देथिन।

1. "परमेश् वर सँ पुनः जुड़ब: इजकिएल 39:29 केर प्रतिज्ञा"।

2. "परमेश् वरक आत् मा: इजकिएल 39:29 मे आशाक नवीकरण"।

1. योएल 2:28-29 - "आ बाद मे एहन होयत जे हम अपन आत् मा सभ शरीर पर उझलि देब। आ अहाँक बेटा- बेटी सभ भविष्यवाणी करत, अहाँक बूढ़-पुरान लोकनि सपना देखताह, अहाँक युवक सभ देखताह।" दर्शन: आ ओहि दिन मे नोकर आ दासी सभ पर सेहो हम अपन आत् मा उझलि देब।”

2. यशायाह 44:3 - "किएक तँ हम प्यासल पर पानि ढारि देब आ शुष्क जमीन पर बाढ़ि ढारि देब। हम अहाँक बीया पर अपन आत्मा आ अहाँक संतान पर अपन आशीर्वाद ढारि देब।"

इजकिएल अध्याय 40 में भविष्य के मंदिर आरू ओकरऽ नाप के संबंध में इजकिएल क॑ देलऽ गेलऽ विस्तृत दर्शन के शुरुआत होय छै । अध्याय में सटीक नाप के महत्व आ मंदिर के पवित्रता पर जोर देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजकिएल के दर्शन में एकटा ऊँच पहाड़ पर ल जायल गेल अछि जतय ओ कांस्य के रूप में एकटा आदमी के देखैत छथि | आदमी मंदिर आ ओकर विभिन्न क्षेत्र के नापैत अछि, प्रत्येक खंड के लेल विस्तृत नाप प्रदान करैत अछि (इजकिएल 40:1-49)।

द्वितीय अनुच्छेद: दर्शन मे मंदिरक बाहरी द्वार, ओकर कोठली, आ फाटक आ देबाल के नाप के वर्णन अछि | आदमी बाहरी आँगन आरू भीतर के पवित्र स्थान सहित विभिन्न क्षेत्रऽ के लम्बाई आरू चौड़ाई नापै छै (इजकिएल ४०:१-४९)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन मंदिर तक जाय वाला सीढ़ी आरू वेदी के नाप के उल्लेख के साथ होय छै । दर्शन सटीक माप के महत्व पर प्रकाश डालै छै आरू मंदिर के पवित्रता पर जोर दै छै (इजकिएल 40:35-49)।

संक्षेप मे, २.

इजकिएल अध्याय चालीस प्रस्तुत
इजकिएल के देल गेल विस्तृत दर्शन
भविष्यक कोनो मंदिर आ ओकर मापक संबंध मे,
सटीक मापन के महत्व पर जोर देत
आ मंदिरक पवित्रता।

इजकिएल के दर्शन जे ऊँच पहाड़ पर कांस्य के रूप में एक आदमी के छै।
मंदिर आ ओकर विभिन्न क्षेत्रक विस्तृत माप।
बाहरी फाटक, कक्ष, फाटक, आ देबालक वर्णन।
बाहरी दरबार आ भीतरक अभयारण्यक नाप।
मंदिर तक जाय वाला सीढ़ी आ वेदी के नाप।
सटीक नाप आ मंदिरक पवित्रता पर जोर।

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ भविष्य केरऽ मंदिर आरू ओकरऽ नाप के संबंध म॑ इजकिएल क॑ देलऽ गेलऽ विस्तृत दर्शन के परिचय देलऽ गेलऽ छै । अध्याय के शुरुआत इजकिएल के दर्शन में एकटा ऊँच पहाड़ पर लऽ जाय के साथ होय छै, जहाँ ओकरा कांस्य के रूप में एक आदमी देखै छै। ई आदमी मंदिर आ ओकर विभिन्न क्षेत्र के नापैत अछि, प्रत्येक खंड के विस्तृत नाप प्रदान करैत अछि | दर्शन मे मंदिर के बाहरी द्वार, ओकर कोठरी आ फाटक आ देबाल के नाप के वर्णन अछि | आदमी बाहरी दरबार आ भीतरक अभयारण्य सहित विभिन्न क्षेत्रक लम्बाई आ चौड़ाई नापैत अछि | अध्याय के समापन मंदिर तक जाय वाला सीढ़ी आरू वेदी के नाप के उल्लेख के साथ होय छै । दर्शन में सटीक माप के महत्व पर जोर देल गेल अछि आ मंदिर के पवित्रता पर प्रकाश देल गेल अछि | अध्याय में मंदिर के महत्व आरू एकरऽ सावधानीपूर्वक डिजाइन पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 40:1 हमरा सभक कैदक पाँच बीसम वर्ष मे, वर्षक प्रारंभ मे, मासक दसम दिन, शहर पर प्रहार भेलाक चौदहम वर्ष मे, ओही दिन परमेश् वरक हाथ भेल हमरा पर आबि हमरा ओतहि अनलनि।

कैदक पच्चीसम वर्षक दसम दिन इजकिएल पर प्रभुक हाथ आबि गेलनि आ हुनका एक ठाम आनल गेलनि।

1. मुक्ति देनिहार परमेश् वर: परमेश् वर इजकिएल केँ कोना बंदी सँ बचा लेलनि

2. भगवानक प्रोविडेंशियल हाथ: प्रभु हमरा सभक जीवनक मार्गदर्शन आ निर्देशन कोना करैत छथि

1. यशायाह 43:2, जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. भजन 107:2, परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जकरा ओ विपत्ति सँ मुक्त कएने छथि।

इजकिएल 40:2 परमेश् वरक दर्शन मे ओ हमरा इस्राएल देश मे अनलनि आ हमरा एकटा बहुत ऊँच पहाड़ पर बैसा देलनि, जे दक्षिण दिस एकटा नगरक फ्रेम जकाँ छल।

परमेश् वर इजकिएल केँ इस्राएल देश मे अनलनि आ दक्षिण दिस एकटा ऊँच पहाड़ पर एकटा शहर देखौलनि।

1. भगवान् के सृष्टि के आश्चर्य

2. भगवान् के योजना के महिमा

1. प्रकाशितवाक्य 21:10-11 - ओ हमरा आत् मा सँ एकटा पैघ आ ऊँच पहाड़ पर लऽ गेलाह आ हमरा ओहि महान शहर पवित्र यरूशलेम केँ देखौलनि जे परमेश् वर सँ स् वर्ग सँ उतरैत छल।

2. भजन 48:1-2 - प्रभु महान छथि, आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे, हुनकर पवित्रताक पहाड़ मे हुनकर बहुत स्तुति करबाक चाही। परिस्थिति के लेलऽ सुंदर, पूरा धरती के आनन्द, उत्तर के तरफ सियोन पर्वत छै, महान राजा के शहर ।

1640

इजकिएल 40:3 ओ हमरा ओतऽ अनलनि आ देखलहुँ जे एकटा एहन आदमी छल, जकर रूप पीतल जकाँ छल, हाथ मे सनक रेखा आ नापबाक खढ़ छल। ओ फाटक मे ठाढ़ भ’ गेलाह।

पीतल सन रूप आ नापबाक खढ़ वाला आदमी फाटक मे ठाढ़ छल जेना कि इजकिएल 40:3 मे वर्णित अछि।

1. परमेश् वरक मानदंडक अनुसार अपन जीवन नापबाक महत्व।

2. परमेश् वरक वचन केँ बुझबा मे हुनकर मार्गदर्शनक आवश्यकता।

1. मत्ती 7:21-23 - जे कियो हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि ओ हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छाक पालन करयवला प्रवेश करत। ओहि दिन हमरा बहुतो लोक कहताह, “प्रभु, प्रभु, की हम सभ अहाँक नाम सँ भविष्यवाणी नहि केलहुँ आ अहाँक नाम सँ भूत-प्रेत केँ बाहर निकाललहुँ आ अहाँक नाम सँ बहुत रास पराक्रम नहि केलहुँ? आ तखन हम हुनका सभ केँ घोषणा करब जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि चिन्हलहुँ; हे अधर्मक कार्यकर्ता सभ, हमरा सँ विदा भ’ जाउ।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 40:4 ओ आदमी हमरा कहलक, “मनुष्य-पुत्र, देखू, अपन आँखि सँ सुनू, आ कान सँ सुनू, आ जे किछु हम अहाँ केँ देखा देब, ताहि पर अपन मोन राखू। किएक तँ हम ओकरा सभ केँ देखबाक लेल अहाँ केँ एतऽ आनल गेल छी।

एक आदमी इजकिएल भविष्यवक्ता क॑ निर्देश दै छै कि वू अपनऽ इंद्रियऽ के इस्तेमाल करी क॑ ओकरा पर ध्यान दै कि वू ओकरा जे देखाबै वाला छै, ताकि वू एकरा इस्राएल के घराना के सामने घोषणा करी सक॑ ।

1. "बोध की शक्ति: प्रभु के वचन पर ध्यान देना"।

2. "इस्राएलक घराना केँ प्रभुक वचनक घोषणा"।

1. मत्ती 7:24-27 - तेँ जे केओ हमर ई बात सुनत आ ओकरा पालन करत, हम ओकरा एकटा एहन बुद्धिमान आदमी सँ तुलना करब जे अपन घर चट्टान पर बनौने छल।

2. 1 कोरिन्थी 2:13 - ई बात हम सभ ओहि बात मे नहि कहैत छी जे मनुष्यक बुद्धि सिखाबैत अछि, बल् कि पवित्र आत् मा सिखाबैत अछि। आध्यात्मिक वस्तुक तुलना आध्यात्मिक वस्तुक संग करब।

इजकिएल 40:5 घरक बाहर चारू कात एकटा देबाल देखलक, आ आदमीक हाथ मे छह हाथ नमहर आ हाथ चौड़ाईक नापबाक खढ़ छल। आ ऊँचाई, एकटा खढ़।

एक आदमी छह हाथ नमहर नापबाक खढ़ सँ भवन नापि रहल छल।

1. जीवन मे नाप-जोखक महत्व।

2. मापन मे सटीकता के मान।

1. मत्ती 7:24-27 - जे कियो हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा व्यवहार मे उतारैत अछि, ओ एहन बुद्धिमान आदमी जकाँ अछि जे चट्टान पर अपन घर बनौलक।

2. नीतिवचन 19:2 - बिना ज्ञानक उत्साह रहब नीक नहि, आ ने जल्दबाजी आ बाट चूकि जायब।

इजकिएल 40:6 तखन ओ ओहि फाटक पर पहुँचलाह जे पूरब दिस देखाइ पड़ैत अछि, आ ओकर सीढ़ी पर चढ़ि क’ ओहि फाटकक द्वार नापि लेलनि, जे एक खढ़ चौड़ा छल। आ फाटकक दोसर दहलीज जे एक खढ़ चौड़ा छल।

इजकिएल भविष्यवक्ता मन्दिरक पूब दिसक फाटक सभ नापने छलाह, जे एक-एकटा खढ़ चौड़ा छल।

1641

1. "आज्ञापालन के माप"।

2. "भगवानक पूर्ण डिजाइन"।

1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप आ हमर बाट पर इजोत अछि"।

2. 1 पत्रुस 1:13-14 - "तेँ, अपन मोन केँ काज करबाक लेल तैयार करू, आ सोझ-बुद्धि सँ, यीशु मसीहक प्रगट भेला पर जे अनुग्रह अहाँ सभ पर आनल जायत, ताहि पर पूरा आशा राखू। आज्ञाकारी बच्चा जकाँ करू।" अपन पूर्व अज्ञानताक रागक अनुरूप नहि रहू।"

इजकिएल 40:7 प्रत्येक छोट-छोट कोठली एक खढ़ नमहर आ एक खढ़ चौड़ा छल। छोट-छोट कोठली सभक बीच पाँच हाथ छल। आ भीतरक फाटकक ओसारा लग फाटकक दहलीज एकटा खढ़ छल।

इजकिएल 40:7 मे एकटा फाटकक वर्णन अछि जाहि मे एकटा खढ़ नमहर आ एक खढ़ चौड़ा कोठली अछि, जे पाँच हाथ सँ अलग अछि आ फाटकक दहलीज एक खढ़ अछि।

1. परमेश् वरक सिद्धताक माप: इजकिएल 40:7

2. परमेश् वरक घरक डिजाइन: इजकिएल 40:7

1. यशायाह 40:12 - "ओ अपन हाथक खोखला मे पानि नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ तार-तार सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक।" एकटा संतुलन?"

2. प्रकाशितवाक्य 21:17 - "ओ ओकर देबाल एक सय चौवालीस हाथ नापि लेलक, जे एक आदमी अर्थात स्वर्गदूत के नाप के अनुसार छल।"

इजकिएल 40:8 ओ भीतरक फाटकक ओसारा सेहो नापि लेलक, एकटा खढ़।

फाटकक ओसारा मे एकटा खढ़ नापल छल।

1. छोट-छोट चीजक शक्ति - एहि छोट बुझाइत नापसँ की सीख सकैत छी।

2. नाप के महत्व - नाप कोना हमर आस्था के प्रतीक भ सकैत अछि।

1. मत्ती 6:30 - तेँ जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ अछि आ काल्हि भोज मे फेकल जायत, तखन की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत?

2. लूका 16:10 - जे छोट-छोट बात मे विश्वासी अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो विश्वासी अछि, आ जे छोट-छोट बात मे अन्यायी अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो अन्यायी अछि।

इजकिएल 40:9 तखन ओ फाटकक ओसारा आठ हाथ नापि लेलनि। आ ओकर खंभा दू हाथ। फाटकक ओसारा भीतर दिस छल।

इजकिएल 40:9 मे फाटक के बरामदा के नाप के वर्णन आठ हाथ चौड़ा आ दू हाथ गहींर के रूप में कयल गेल अछि।

1. परमेश् वरक राज्य मे नाप-जोखक महत्व

2. परमेश् वरक अपन राज्यक लेल पूर्ण डिजाइन

1. नीतिवचन 21:5 - लगनशील लोकक योजना अवश्य प्रचुरता दिस ल' जाइत अछि, मुदा जे कियो जल्दबाजी करैत अछि से मात्र गरीबी मे अबैत अछि।

2. भजन 19:1 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आकाश ओकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

इजकिएल 40:10 पूर्व दिसक फाटकक छोट-छोट कोठली सभ एहि कात तीन आ ओहि कात तीनटा छल। तीनू एक नाप के छल, आ खंभा सभक एहि कात आ ओहि कात एक नाप छल।

मंदिरक पूब द्वारक छोट-छोट कोठली सभ फाटकक खंभाक बराबर छल।

1. पूर्णतः समान मापन के लिये भगवान के निर्देश

2. प्रभु के मंदिर के निर्माण में पूर्ण माप के महत्व

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. यशायाह 28:10 - कारण ई अछि: करू आ करू, करू आ करू, शासन पर शासन करू, शासन पर शासन करू; कनि एतय, कनि ओतय।

इजकिएल 40:11 ओ फाटकक प्रवेश द्वारक चौड़ाई दस हाथ नापि लेलनि। फाटकक लम्बाई तेरह हाथ।

इजकिएल 40:11 मे एकटा फाटकक वर्णन अछि जकर चौड़ाई 10 हाथ आ लंबाई 13 हाथ अछि।

1. प्रभुक द्वार एतेक चौड़ा अछि जे हुनका तकनिहार सभक स्वागत कयल जा सकैत अछि।

2. परमेश् वरक हुनकर सान्निध्य मे एबाक आमंत्रण सभ गोटेक लेल खुजल अछि जे आह्वानक उत्तर दैत छथि।

1. प्रकाशितवाक्य 21:21 - "बारह फाटक बारह टा मोती छल; प्रत्येक अनेक फाटक एक मोतीक छल, आ शहरक गली शुद्ध सोनाक छल, जेना पारदर्शी काँच।"

2. यूहन्ना 10:9 - "हम दरबज्जा छी, जँ केओ भीतर प्रवेश करत तँ हमरा द्वारा उद्धार भेटत।

इजकिएल 40:12 छोट-छोट कोठली सभक आगूक दूरी एहि कात एक हाथ छल आ ओहि कात एक हाथ छल, आ छोट-छोट कोठली सभक ओहि कात छह हाथ आ ओहि कात छह हाथ छल।

एहि अंश मे एकटा एहन संरचना के वर्णन अछि जाहि मे छोट-छोट कोठली के प्रत्येक कात एक हाथ के जगह छल आ प्रत्येक कोठली के एक-एक कात छह हाथ छल |

1. भगवान् व्यवस्था आ संरचना के भगवान छथि।

2. हमरा सभकेँ सेहो अपन जीवनमे व्यवस्थित आ संरचित रहबाक प्रयास करबाक चाही।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. उपदेशक 3:1-8 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक हर वस्तुक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक। रोपबाक समय, आ रोपल गेल चीज केँ तोड़बाक समय; मारबाक समय आ ठीक करबाक समय। तोड़बाक समय आ निर्माण करबाक समय। कानबाक समय आ हँसबाक समय। शोकक समय आ नाचबाक समय। पाथर फेकबाक समय आ पाथर जमा करबाक समय। गले मिलै के समय, आ गले मिलै से परहेज करै के समय; खोजबाक समय आ हारबाक समय। रखबाक समय आ फेकबाक समय। नोचबाक समय आ सिलाई करबाक समय। चुप रहबाक समय, आ बजबाक समय।

इजकिएल 40:13 ओ एकटा छोट कोठलीक छत सँ दोसर कोठलीक छत धरि फाटक नापि लेलनि, चौड़ाई पाँच बीस हाथ छल, दरबज्जा पर दरबज्जा।

प्रभु दू टा छोट-छोट कोठलीक बीचक फाटक नापि कऽ देखलनि जे ओ 25 हाथ चौड़ा छल।

1. प्रभु अपन नाप मे विश्वासी छथि

2. भगवान् के नाप के शक्ति

1. यशायाह 40:12 - "के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि क' आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हलक?"

2. भजन 39:5 - "अहाँ हमर जीवन केँ मात्र हाथक चौड़ाई बना देलहुँ; हमर वर्षक काल अहाँक सोझाँ किछु नहि जेकाँ अछि। प्रत्येक आदमीक जीवन मात्र एकटा साँस अछि।"

इजकिएल 40:14 ओ साठि हाथक खंभा सेहो बनौलनि, जे फाटकक चारू कात आँगनक खंभा धरि।

इजकिएल भविष्यवक्ता एकटा फाटकक वर्णन केलनि जाहि मे साठि हाथक परिधिक खंभा छल।

1. परमेश् वरक पूर्ण माप: इजकिएल 40:14 क महत्वक परीक्षण

2. फाटक के प्रतीकात्मकता: इजकिएल 40:14 मे अर्थ खोजब

1. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

2. यशायाह 40:12 - "ओ अपन हाथक खोखला मे पानि केँ नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ फाँसी सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तौललक।" एकटा संतुलन?"

इजकिएल 40:15 प्रवेश द्वारक द्वारक मुँह सँ लऽ कऽ भीतरक फाटकक ओसारा धरि पचास हाथ छल।

मन्दिरक भीतरक द्वारक प्रवेश द्वार पचास हाथ नमहर छल।

1. भगवानक मंदिर: हुनक महामहिम आ भव्यताक प्रतीक

2. बाइबिल मे माप के महत्व

1. यशायाह 6:1-3: जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि, हम प्रभु केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल। आ ओकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरि गेल।

2. 1 राजा 7:13-14: राजा सुलेमान सूर सँ हीराम केँ पठा कऽ अनलनि। ओ नफ्ताली गोत्रक विधवाक बेटा छलाह आ हुनकर पिता सोरक लोक छलाह, जे कांस्य काज करैत छलाह। ओ बुद्धि, समझ आ कांसा मे कोनो काज करबाक लूरि सँ भरल छलाह।

इजकिएल 40:16 छोट-छोट कोठली सभक लेल, फाटकक भीतर ओकर खंभा सभक लेल चारू कात आ मेहराब सभक लेल सेहो छोट-छोट खिड़की सभ छलैक आ चारू कात भीतरक खिड़की सभ छलैक आ प्रत्येक खंभा पर ताड़क गाछ छलैक।

इजकिएल 40:16 मे फाटक के वास्तुकला के वर्णन अछि, जाहि मे संकीर्ण खिड़की, खंभा, मेहराब आ भीतर मुँहे ताड़क गाछ अछि।

1. भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ सौन्दर्य आ कृपाक स्थान पर रहब।

2. हम सभ एहन स्थान पर शांति आ आनन्द पाबि सकैत छी जे प्रभु केँ प्रसन्न करय।

1. भजन 16:11 अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी। अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि।
अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

2. यशायाह 58:11 आ प्रभु अहाँ सभक मार्गदर्शन करताह आ झुलसल जगह पर अहाँक इच्छा केँ पूरा करताह आ अहाँक हड्डी केँ मजबूत करताह। अहाँ सभ पानि सँ भरल गाछी जकाँ होयब, पानि केर झरना जकाँ, जकर पानि क्षीण नहि होइत अछि।

इजकिएल 40:17 तखन ओ हमरा बाहरी आँगन मे अनलनि, आ देखू, चारू कात कोठली आ आँगनक लेल फुटपाथ बनल छल, फुटपाथ पर तीस कोठली छल।

इजकिएल क॑ ३० कोठरी वाला बाहरी आँगन म॑ लानलऽ जाय छै ।

1. शास्त्र मे 30 संख्या की प्रतीक अछि?

2. परमेश् वरक सिद्ध डिजाइन: इजकिएल 40 क दरबारक परीक्षण।

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ।

2. भजन 19:1 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आकाश ओकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

इजकिएल 40:18 फाटक सभक कात मे जे फुटपाथ फाटक सभक लम्बाईक विपरीत छल, से निचला फुटपाथ छल।

इजकिएल केरऽ ई अंश शहर केरऽ फाटकऽ के बगल में निचला फुटपाथ के वर्णन करै छै ।

1. परमेश् वरक पूर्ण शहर: इजकिएल 40 पर एक नजरि

2. इजकिएल 40 मे निचला फुटपाथक महत्व

1. यशायाह 54:11-12 - हे पीड़ित, आँधी-तूफान सँ उछालल, मुदा सान्त्वना नहि भेटल, देखू, हम अहाँक पाथर गोर रंगक पाथर राखब आ नीलमणि सँ अहाँक नींव राखब। हम तोहर खिड़की सभ केँ सुगंध सँ बना देब, आ तोहर फाटक केँ कार्बंकल सँ बना देब आ तोहर सभ सीमा केँ नीक पाथर सँ बना देब।”

2. भजन 122:1-2 - हमरा खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलथिन, “आउ, प्रभुक घर मे जाउ।” हे यरूशलेम, तोहर फाटकक भीतर हमर सभक पएर ठाढ़ रहत।

इजकिएल 40:19 तखन ओ निचला फाटकक आगू सँ बाहर भीतरक आँगनक आगू धरि चौड़ाई नापि लेलनि, जे पूब आ उत्तर दिस सौ हाथ छल।

इजकिएल 40:19 मे कोनो संरचना के निचला फाटक आ भीतरी आँगन के नाप के वर्णन कयल गेल अछि |

1. भगवानक विस्तार पर ध्यान आ अपन सृष्टिक देखभाल

2. वस्तुक सटीक आ सावधानीपूर्वक नापबाक महत्व

1. इब्रानी 11:3 "हम सभ विश्वास सँ बुझैत छी जे ब्रह्माण्ड परमेश् वरक वचन द्वारा बनाओल गेल अछि, जाहि सँ जे देखल जाइत अछि से दृश्यमान वस्तु सँ नहि बनल अछि।"

2. नीतिवचन 22:20-21 "की हम अहाँ सभक लेल नीक सलाह आ ज्ञानक बात नहि लिखने छी, जाहि सँ हम अहाँ सभ केँ सत्यक वचनक निश्चय क' सकब, जाहि सँ अहाँ सभ अहाँ केँ पठेनिहार सभ केँ सत्यक वचन देब? " .

इजकिएल 40:20 बाहरी आँगनक फाटक जे उत्तर दिस तकैत छल, ओकर लम्बाई आ चौड़ाई नापि लेलनि।

इजकिएल उत्तर मुँहे एकटा फाटकक लम्बाई आ चौड़ाई नापि रहल छथि।

1. "उत्तर हवा के शक्ति: प्रतिकूलता के समय में ताकत खोजना"।

2. "एकटा अपरिचित दिशा: जीवन मे नव मार्ग पर चलब"।

1. भजन 16:5-6 - "प्रभु, अहाँ असगरे हमर भाग आ प्याला छी; अहाँ हमर भाग्य सुरक्षित करैत छी। सीमा रेखा हमरा लेल सुखद स्थान पर खसि पड़ल अछि; हमरा लेल एकटा आनन्ददायक उत्तराधिकार अछि।"

2. यशायाह 43:19 - "देखू, हम एकटा नव काज क' रहल छी! आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे आ उजाड़ मे धार मे बाट बना रहल छी।"

इजकिएल 40:21 ओकर छोट-छोट कोठली सभ एहि कात तीन आ ओहि कात तीनटा छल। ओकर खंभा आ मेहराब पहिल फाटकक नाप जकाँ छलैक, ओकर लम्बाई पचास हाथ आ चौड़ाई पाँच बीस हाथ छलैक।

इजकिएल 40:21 मे वर्णित फाटकक नाप पचास हाथ लंबाई आ पच्चीस हाथ चौड़ाई अछि।

1. पूर्ण माप - इजकिएल 40:21

2. आनुपातिक पूर्णता - इजकिएल 40:21

1. नीतिवचन 11:1 - झूठ तराजू प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनकर प्रसन्नता अछि।

2. मत्ती 7:12 - तेँ अहाँ सभ जे चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

इजकिएल 40:22 ओकर सभक खिड़की, ओकर मेहराब आ ओकर सभक ताड़क गाछ सभ ओहि फाटकक नाप जकाँ छल जे पूर्व दिस देखैत अछि। ओ सभ सात सीढ़ी सँ ओहि पर चढ़ि गेलाह। ओकर मेहराब ओकरा सभक आगू छलैक।

इजकिएल 40:22 मे एकटा फाटकक वर्णन अछि जाहि मे सात सीढ़ी अछि, जाहि मे खिड़की, मेहराब आ ताड़क गाछ सेहो अछि।

1. इजकिएल 40:22 मे सात चरणक महत्व

2. इजकिएल 40:22 मे खिड़की, मेहराब आ ताड़क गाछक पाछूक अर्थ

1. प्रकाशितवाक्य 21:21 - बारह फाटक बारह मोती छल। हर कतेको फाटक एक मोतीक छल, आ शहरक गली शुद्ध सोनाक छल, जेना पारदर्शी काँच।

2. यशायाह 60:13 - लेबनानक महिमा तोरा लग आबि जायत, देवदारक गाछ, देवदारक गाछ आ डिब्बा एक संग, हमर पवित्र स्थान केँ सुन्दर करबाक लेल। हम अपन पएरक स्थान केँ गौरवशाली बना देब।

इजकिएल 40:23 भीतरक आँगनक फाटक उत्तर आ पूर्व दिस फाटकक सोझाँ छल। एक फाटक सँ दोसर फाटक मे सय हाथ नापलनि।

इजकिएल के दर्शन के भीतर के आँगन में उत्तर आरू पूर्व के तरफ एक फाटक छेलै। फाटकक नाप 100 हाथ छल।

1. पवित्रता के लेल भगवान के डिजाइन एकटा निश्चित स्तर के प्रतिबद्धता आ समर्पण के मांग करैत अछि।

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन हमरा सभक जीवन मे व्यवस्था आ पवित्रता अनैत अछि।

1. निर्गमन 26:1-37 - तम्बू आ ओकर चारूकातक आँगनक लेल निर्देश।

2. लेवीय 19:2 - "अहाँ पवित्र रहब, कारण हम अहाँक परमेश् वर प्रभु पवित्र छी।"

इजकिएल 40:24 तकर बाद ओ हमरा दक्षिण दिस लऽ गेलाह आ देखू दक्षिण दिस एकटा फाटक।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ मन्दिरक दक्षिण द्वार पर लऽ जाइत छथि आ हुनका खंभा आ मेहराबक नाप देल जाइत छनि |

1. हमर जीवन मे मापन आ विस्तार पर ध्यान देबाक महत्व

2. हमरा लोकनिक जीवन मे गेट आ प्रवेश द्वारक महत्व

1. नीतिवचन 4:23-24 - सभसँ बेसी अपन हृदयक रक्षा करू, किएक तँ अहाँक सभ काज ओहिसँ बहैत अछि। मुँह विकृति सँ मुक्त राखू; भ्रष्ट गप्प ठोर स दूर राखू।

2. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

इजकिएल 40:25 ओहि खिड़की सभ जकाँ ओहि मे आ ओकर मेहराब सभ मे चारू कात खिड़की सभ छल।

इजकिएल 40:25 मे एकटा भवनक वर्णन अछि जाहि मे 50 हाथ लंबा खिड़की आ 25 हाथ चौड़ा मेहराब अछि।

1. अवसरक खिड़की: जीवनक अवसरक अधिकतम उपयोग

2. विश्वास के खिड़की: विश्वास के माध्यम स जीवन के चुनौती स उबरब

1. यशायाह 45:2-3 - "हम अहाँक आगू बढ़ब आ ऊँच स्थान सभ केँ समतल करब, हम कांस्यक दरबज्जा सभ केँ तोड़ि देब आ लोहाक सलाख सभ केँ काटि देब, हम अहाँ सभ केँ अन्हारक खजाना आ नुकायल धन देब।" गुप्त स्थान, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे हम, प्रभु, जे अहाँ सभ केँ अहाँक नाम सँ बजबैत छी, इस्राएलक परमेश् वर छी।”

2. भजन 121:1-2 - "हम पहाड़ी पर अपन नजरि उठबैत छी जे हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी केँ बनौलनि।"

इजकिएल 40:26 एहि पर चढ़बाक लेल सात टा सीढ़ी छल, आ ओकर मेहराब ओकर आगू मे छल, आ ओकर खंभा पर ताड़क गाछ छल, एकटा एहि कात आ दोसर ओहि कात।

एकटा संरचना दिस जायबला सीढ़ी छलैक जाहि मे खंभाक एक-एक कात ताड़क गाछ छलैक ।

1. भगवानक प्रावधान: ताड़क गाछसँ सीख।

2. भगवानक योजना पर डेग बढ़ब: सीढ़ी मे आराम ताकू।

1. मत्ती 7:13-14 (संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू; कारण फाटक चौड़ा अछि आ विनाश दिस जायबला बाट आसान अछि, आ ओहि सँ प्रवेश करय बला लोक बहुत अछि। कारण फाटक संकीर्ण अछि आ बाट कठिन अछि जीवन दिस ल' जाइत अछि, आ जे पाबैत अछि से कम अछि।)

2. भजन 91:1-2 (जे परमात्माक आश्रय मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमानक छाया मे रहत। हम प्रभु केँ कहब, हमर शरण आ हमर किला, हमर परमेश्वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।)

इजकिएल 40:27 भीतरक आँगन मे दक्षिण दिस एकटा फाटक छल।

इजकिएल 40:27 मे वर्णित अछि जे भीतरक आँगन मे एकटा फाटक छल, आ एक फाटक सँ दोसर फाटकक दूरी सौ हाथ नापल गेल छल।

1. "हुनकर प्रेमक नाप" - ई देखैत जे कोना प्रभुक हमरा सभक प्रति प्रेम अथाह अछि

2. "स्वर्गक द्वार" - द्वार आ भीतरक दरबारक आध्यात्मिक महत्वक अन्वेषण

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. भजन 24:7-10 - "हे फाटक, अपन माथ ऊपर उठाउ, हे प्राचीन दरबज्जा, ऊपर उठू, जाहि सँ महिमा के राजा प्रवेश करथि। ई महिमा के राजा के छथि? प्रभु, बलवान आ पराक्रमी, प्रभु, युद्ध मे

1647

पराक्रमी!हे फाटक, माथ उठाउ, हे प्राचीन दरबज्जा, ओकरा ऊपर उठाउ, जाहि सँ महिमा के राजा प्रवेश करथि।ई महिमा के राजा के छथि?सेना के प्रभु, ओ के राजा छथि महिमा!"

इजकिएल 40:28 ओ हमरा दक्षिण फाटक लग भीतरक आँगन मे अनलनि।

भीतरक दरबारक दक्षिण फाटक विशिष्ट नाप के अनुसार नापल जाइत छल |

1. सच्चा सफलता के कोना नापल जाय

2. भगवान् के नाप से जीना

1. भजन 33:4-5 - कारण, प्रभुक वचन सोझ अछि, आ हुनकर सभ काज निष्ठापूर्वक कयल जाइत अछि। ओ धर्म आ न्याय सँ प्रेम करैत छथि; पृथ्वी परमेश् वरक अडिग प्रेम सँ भरल अछि।

2. नीतिवचन 16:2 - मनुष्यक सभ बाट अपन नजरि मे शुद्ध होइत अछि, मुदा प्रभु आत् मा केँ तौलैत छथि।

इजकिएल 40:29 एकर छोट-छोट कोठली, खंभा आ मेहराब एहि नाप के अनुसार छल, आ चारू कात ओकर मेहराब मे खिड़की छल, जे पचास हाथ नमहर आ पाँच बीस हाथ छल चौड़ा.

एहि अंश मे एकटा भवनक नाप-जोखक वर्णन अछि, जे 50 हाथ लंबा आ 25 हाथ चौड़ा छल, जाहि मे छोट-छोट कोठली, खंभा, मेहराब आ खिड़की छल।

1. भगवान् के पूर्ण माप - भगवान् के सिद्धता हुनकर समस्त सृष्टि मे कोना देखल जाइत अछि |

2. हुनक वास्तुकला के सौन्दर्य - भगवान के मंदिर के निर्माण में हुनकर डिजाइन आ उद्देश्य के सुंदरता के सराहना करब।

1. 1 इतिहास 28:11-12 - "तखन दाऊद अपन पुत्र सुलेमान केँ मन्दिरक बरामदा, ओकर भवन, ओकर भंडार, ओकर ऊपरी भाग, ओकर भीतरक कोठली आ प्रायश्चितक स्थानक योजना देलथिन। ओ ओकरा योजना देलथिन।" प्रभुक मन्दिरक प्रांगण आ आसपासक सभ कोठलीक लेल आत् मा हुनका मोन मे जे किछु राखि देने छलाह।”

2. निष्कासन 25:8-9 - "ओ सभ हमरा एकटा पवित्र स्थान बनाबथि, जाहि सँ हम हुनका सभक बीच रहब। हम जे किछु अहाँ केँ देखा रहल छी, ताहि अनुसारेँ तम्बूक नमुना आ ओकर सभ वाद्ययंत्रक नमुना जकाँ।" तहिना अहाँ सभ एकरा बनाउ।”

इजकिएल 40:30 चारू कात मेहराब पाँच बीस हाथ नमहर आ पाँच हाथ चौड़ा छल।

इजकिएल 40:30 मे मंदिर के चारू कात मेहराब के वर्णन अछि जे 25 हाथ लंबा आ पांच हाथ चौड़ा अछि।

1. मंदिरक विवरण मे परमेश्वरक महिमा आ महिमा प्रकट कयल गेल देख सकैत छी।

2. भगवानक सौन्दर्य आ भव्यताक इच्छा हुनक समस्त सृष्टि मे एकरूप अछि।

1. यशायाह 66:1 - प्रभु ई कहैत छथि जे स्वर्ग हमर सिंहासन अछि, आ पृथ्वी हमर पैरक आधार अछि। हमरा लेल कहियो मंदिर कतय बना सकैत छलहुँ? हमर विश्राम स्थल कतय भ' सकैत छल?

2. भजन 19:1 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आकाश ओकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।

इजकिएल 40:31 ओकर मेहराब सभ आँगन दिस छल। ओकर खंभा पर ताड़क गाछ छलैक, आ ओहि पर चढ़बाक लेल आठ सीढ़ी छलैक।

इजकिएल 40:31 मे एकटा एहन संरचना के वर्णन अछि जाहि मे मेहराब बाहरी आँगन दिस मुँह केने अछि, जाहि मे खंभा पर ताड़क गाछ अछि आ ओकरा दिस 8 सीढ़ी अछि।

1. भगवानक डिजाइन: सृष्टिक सौन्दर्य

2. 8 चरण के बाइबिल के महत्व

1. 1 राजा 6:29-36 - सुलेमानक मंदिरक निर्माणक वर्णन

2. भजन 92:12 - "धर्मात्मा ताड़क गाछ जकाँ पनपत"।

इजकिएल 40:32 ओ हमरा पूब दिस भीतरक आँगन मे अनलनि।

परमेश् वर इजकिएल केँ भीतरक आँगन मे अनलनि आ अपन नाप सँ फाटक नापि लेलनि।

1. परमेश् वरक दयाक माप - इजकिएल 40:32 केँ बुझब

2. परमेश्वर के पूर्ण माप - इजकिएल 40:32 के माध्यम स परमेश्वर के नजदीक आना

1. भजन 103:11 - किएक तँ पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतेक ऊँच अछि, ओतेक पैघ अछि हुनकर अडिग प्रेम जे हुनका सँ डरैत अछि।

2. यशायाह 40:12 - के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि क’ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हित केने अछि?

इजकिएल 40:33 एकर छोट-छोट कोठली, खंभा आ मेहराब एहि नाप के अनुसार छल, आ चारू कात ओकर मेहराब मे खिड़की छल, जे पचास हाथ नमहर आ बीस हाथ छल चौड़ा.

इजकिएल 40:33 एकटा एहन संरचना के वर्णन करैत अछि जे 50 हाथ लंबा आ 25 हाथ चौड़ा अछि जाहि मे खिड़की आ मेहराब अछि।

1. परमेश् वरक सिद्धता आ मापन: परमेश् वरक डिजाइनक सिद्धताक परीक्षण

2. भगवान् के डिजाइन: हुनकर माप के उद्देश्य के अन्वेषण

1. नीतिवचन 22:2, "नीक आदमी अपन हृदय मे संग्रहित नीक सँ नीक चीज निकालैत अछि, आ दुष्ट अपन हृदय मे संग्रहित अधलाह सँ अधलाह चीज निकालैत अछि। कारण अपन हृदयक उफान सँ ओकर।" मुँह बजैत अछि।"

2. रोमियो 12:2, "एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण द्वारा परिवर्तित भ' जाउ। तखन अहाँ परमेश् वरक इच्छा जे हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा अछि, तकरा परखबा आ अनुमोदन करबा मे सक्षम होयब।" " .

इजकिएल 40:34 ओकर मेहराब बाहरी आँगन दिस छल। ओकर खंभा पर, एहि कात आ ओहि कात ताड़क गाछ छलैक।

मंदिरक भीतरक प्रांगणक प्रवेश द्वार पर ताड़क गाछक सहारा मेहराब आ ओहि दिस बढ़य बला आठ सीढ़ी छल |

1. दृढ़ता के ताड़ के गाछ: कठिन समय के माध्यम स ताकत खोजब

2. पवित्रता के आठ कदम: धर्म के जीवन जीबाक लेल एकटा मार्गदर्शक

1. यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. इब्रानी 12:1-2 तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ अपना सभक सोझाँ राखल दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू.

इजकिएल 40:35 ओ हमरा उत्तर फाटक दिस लऽ गेलाह आ एहि नाप सभक अनुसार नापि लेलनि। उत्तर द्वारक नाप निर्धारित नाप के अनुसार होइत छल |
1. सृष्टि मे भगवान् केर सिद्धता आ परिशुद्धता
2. बाइबिल मे माप के अर्थ
1. यशायाह 40:12 - अपन हाथक खोखला मे पानि के नापने अछि, वा अपन हाथक चौड़ाई केँ आकाश सँ चिन्हित कयलक?
2. प्रकाशितवाक्य 21:17 - ओ ओकर देबाल केँ मानवीय नाप सँ नापलनि, आ ओकर मोट 144 हाथ छल। इजकिएल 40:36 एकर छोट-छोट कोठली, खंभा आ मेहराब आ चारू कातक खिड़की, लम्बाई पचास हाथ आ चौड़ाई पाँच बीस हाथ छल।
इजकिएल 40:36 एकटा एहन संरचना के वर्णन करैत अछि जे पचास हाथ लंबा आ पच्चीस हाथ चौड़ा अछि जाहि मे छोट-छोट कोठली, खंभा, मेहराब आ खिड़की अछि।
1. हमर आस्थाक संरचना: हम अपन लक्ष्यक दिस कोना बढ़ैत छी
2. भगवानक घरक आयाम: हुनक सृष्टि पर एकटा चिंतन
1. यशायाह 54:2, "अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू, आ ओकरा सभ केँ अपन आवासक पर्दा तानय दियौक। नहि छोड़ू, अपन डोरी केँ नमहर करू आ अपन खंभा केँ मजबूत करू।"
2. भजन 127:1, "जखन परमेश् वर घर नहि बनौताह, ताबत तक ओकरा बनय बला सभ व्यर्थ मे परिश्रम करैत छथि। जाबत धरि प्रभु नगर केँ नहि रखताह, ताबत धरि पहरेदार जागल रहत मुदा व्यर्थ।" इजकिएल 40:37 ओकर खंभा सभ आँगन दिस छल। ओकर खंभा पर, एहि कात आ ओहि कात ताड़क गाछ छलैक। एहि अंश मे इजकिएल के मंदिर के बाहरी आँगन में एकटा भवन के सीढ़ी के वर्णन अछि जेकर दुनू कात ताड़ के गाछ स सजाओल खंभा छल |
1. "मन्दिरक सौन्दर्य: भगवानक वैभवक एकटा स्तोत्र"।
2. "विश्वास के कदम: भगवान् के साथ निकटतम साझेदारी के आमंत्रण"।
1. भजन 96:6 - वैभव आ महिमा हुनका सामने छनि; बल आ आनन्द ओकर निवास स्थान मे अछि।
2. यूहन्ना 15:4-5 - हमरा मे रहू, जेना हमहूँ अहाँ मे रहैत छी। कोनो डारि अपने सँ फल नहि दऽ सकैत अछि; बेल मे रहय पड़तैक। आ ने अहाँ हमरा मे रहब ता धरि फल नहि दऽ सकब।
इजकिएल 40:38 कोठली आ प्रवेश द्वार फाटकक खंभाक कात मे छल, जतय ओ सभ होमबलि धोबैत छलाह।
इजकिएल 40:38 मे तम्बू के फाटक के कोठली आ प्रवेश द्वार के वर्णन अछि, जतय होमबलि के धोबय के छल।
1. "यज्ञ व्यवस्था: होमबलि धोना"।
2. "बलिदान आ शुद्धि: होमबलि के अर्थ"।
1. लेवीय 1:1-17 - परमेश् वर इस्राएली सभ केँ होमबलि केर नियमक निर्देश दैत छथि।

2. यशायाह 1:11-15 - परमेश् वर इस्राएली सभ केँ डाँटैत छथि जे ओ बिना सच्चा पश्चाताप केने बलिदान चढ़बैत छथि।

इजकिएल 40:39 फाटकक ओसारा मे एहि कात दू टा टेबुल आ ओहि कात दू टा टेबुल छल, जाहि पर होमबलि आ पापबलि आ अपराधबलि केँ वध कयल जा सकय।

इजकिएल 40 मे फाटकक बरामदा मे प्रत्येक कात दू टा टेबुल छल, जकर उपयोग होमय, पाप आ अपराधक बलिदानक लेल होइत छल।

1. इजकिएल 40 मे बलिदानक महत्व

2. यज्ञ व्यवस्था मे भगवानक दया आ कृपा

1. लेवीय 1:1-3 - प्रभु मूसा केँ बजा क’ सभाक तम्बू सँ हुनका सँ बात कयलनि, होमबलि आ अन्य बलिदानक बलिदानक निर्देश देलनि।

2. इब्रानी 9:22 - आ व्यवस्थाक अनुसार लगभग कहि सकैत अछि जे सभ किछु खून सँ शुद्ध भ’ जाइत अछि, आ बिना खून बहौने क्षमा नहि होइत अछि।

इजकिएल 40:40 जखन कियो उत्तर फाटकक प्रवेश द्वार धरि जाइत अछि तहिना बाहरक कात मे दू टा टेबुल छल। आ दोसर कात जे फाटकक ओसारा मे छल, दूटा टेबुल छल।

यरूशलेम के मन् दिर के उत्तरी फाटक पर चारि टा टेबुल छलैक, जे एक-एक कात दू टा टेबुल छलैक।

1) पूजा में संगति के महत्व

2) मंदिर के पवित्रता आ एकर महत्व किएक

1) इब्रानियों 10:19-25 - मसीह के पर्दा के द्वारा परमेश् वर के नजदीक आना

2) 1 राजा 6:3-5 - मंदिरक आयाम आ ओकर साज-सज्जा

इजकिएल 40:41 फाटकक कात मे चारि टा टेबुल आ ओहि कात चारि टेबुल छल। आठ टेबुल, जाहि पर ओ सभ अपन बलिदानक वध केलक।

इजकिएल फाटक के प्रत्येक कात चारि टा टेबुल के वर्णन केने छथि, कुल आठ टेबुल के लेल जेकर उपयोग जानवर के बलि देबय लेल होइत छल।

1. बलिदानक शक्ति - यीशुक बलिदान हमरा सभकेँ कोना उद्धार दैत अछि

2. तम्बूक प्रसादक महत्व - पुरान नियमक अनुष्ठानक समृद्ध प्रतीकात्मकताक अन्वेषण

१ झुंड।

2. इब्रानी 9:24-26 - किएक तँ मसीह हाथ सँ बनल पवित्र स्थान मे नहि प्रवेश कयलनि, जे सत् यक आकृति अछि। बल् कि स् वर्ग मे, आब हमरा सभक लेल परमेश् वरक समक्ष प्रगट होयबाक लेल। किएक तँ संसारक स्थान्त स्थान्त सँ हुनका बहुत बेर कष्ट भोगय पड़तनि।

इजकिएल 40:42 होमबलि के लेल चारिटा पाथर कटल पाथरक छल, जे डेढ़ हाथ लंबा, डेढ़ हाथ चौड़ा आ एक हाथ ऊँच छल, जाहि पर ओ सभ होमबलि के वध करबाक वाद्ययंत्र सेहो राखि देलक आ बलिदान।

इजकिएल 40:42 मे लिखल गेल अछि जे होमबलि के लेल चारि टा पाथर कटल पाथर सँ बनल छल, जे डेढ़ हाथ लंबा, डेढ़ हाथ चौड़ा आ एक हाथ ऊँच अछि।

1. पूर्ण बलिदान प्रदान करबा मे प्रभुक निष्ठा

2. परमेश् वरक अपन लोकक संग कयल गेल वाचाक पवित्रता

1. यूहन्ना 1:29 - "अगिला दिन यीशु केँ हुनका दिस अबैत देखलनि आ कहलथिन, “एतय परमेश् वरक मेमना छथि जे संसारक पाप केँ दूर करैत छथि!"

2. इब्रानियों 10:1-4 - कारण, चूँकि व्यवस्था मे एहि यथार्थ सभक असली रूपक बदला मे आबय बला नीक चीजक छाया मात्र अछि, तेँ ओ कहियो ओहि बलिदान सभक द्वारा जे हर साल निरंतर चढ़ाओल जाइत अछि, ओहि बलिदान सभ केँ सिद्ध नहि क’ सकैत अछि जे नजदीक आबि जाइत छथि। नै तँ की ओ सभ चढ़ब छोड़ि नहि दैत, किएक तँ एक बेर शुद्ध भऽ कऽ उपासक सभकेँ आब पापक कोनो चेतना नहि रहतैक? मुदा एहि यज्ञ सभ मे हर साल पापक स्मरण होइत अछि । कारण, बैल-बकरीक खून सँ पाप दूर करब असंभव अछि।

इजकिएल 40:43 भीतर एकटा हाथ चौड़ा हुक छल, चारू कात बान्हल छल।

इजकिएल 40:43 मे मंदिरक भीतर एकटा कोठलीक वर्णन अछि जाहि मे हुक आ टेबुल अछि जाहि पर मांसक बलिदान अछि।

1. बलिदानक वरदान: बाइबिल मे अर्पणक अर्थक परीक्षण

2. भगवानक मन्दिर: शास्त्र मे एकर महत्वक अन्वेषण

1. इब्रानी 10:1-4 - व्यवस्था मात्र ओहि नीक चीजक छाया अछि जे आबि रहल अछि, स्वयं वास्तविकता नहि। एहि कारणेँ ई कहियो साल दर साल अंतहीन दोहराओल गेल ओही बलिदान सँ पूजाक समीप आबय बला लोक केँ सिद्ध नहि क' सकैत अछि । नै तँ की ओ सभ चढ़ब छोड़ि नहि दैत? कारण, उपासक सभ एक बेर सदाक लेल शुद्ध भ' जाइत, आ आब अपन पापक लेल दोषी नहि बुझितथि। मुदा ओ बलिदान सभ पापक वार्षिक स्मरण होइत अछि, कारण बैल-बकरीक खून सँ पाप दूर करब असंभव अछि।

2. भजन 51:17 - परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल आत् मा अछि; टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।

इजकिएल 40:44 भीतरक फाटकक बाहर भीतरक आँगन मे गायक सभक कोठली छल जे उत्तर फाटकक कात मे छल। ओकर सभक बाट दक्षिण दिस छलैक, एकटा पूरब फाटक कात मे जे उत्तर दिस छलैक।

मंदिरक भीतरक प्रांगण मे दक्षिण मुँहे गायक लोकनिक लेल कक्ष छल, एकटा पूब दिस उत्तर मुँहे ।

1. मंदिर मे स्तुति के महत्व

2. पूजा आ धन्यवादक जीवन जीब

1. भजन 150:1-6

2. कुलुस्सी 3:15-17

इजकिएल 40:45 ओ हमरा कहलनि, “ई कोठली जे दक्षिण दिस अछि, पुरोहित सभक लेल अछि, जे घरक प्रभारी छथि।”

दक्षिण दिसक दृश्य बला कोठली घर पर नजरि रखनिहार पुरोहित लोकनिक लेल छल |

1. कोनो उद्देश्य मे अपना केँ समर्पित करबाक महत्व

2. भगवानक घरक अंग बनबाक सौभाग्य

१.

२ हर फाटक पर अपन-अपन डिवीजन मे द्वारपाल। किएक तँ परमेश् वरक पुरुष दाऊद एना आज्ञा देने छलाह।

इजकिएल 40:46 जे कोठली उत्तर दिस अछि, ओ पुरोहित सभक लेल अछि, जे वेदीक प्रभारी सभ छथि।

इजकिएल 40:46 मे ओहि पुरोहित सभक कर्तव्यक वर्णन अछि जे सादोकक पुत्र छथि, लेवीक पुत्र सभक बीच सँ आ प्रभुक सेवा करैत छथि।

1. शुद्ध हृदय सँ प्रभुक सेवा करबाक महत्व

2. समर्पित जीवनक संग प्रभुक सेवा करबाक सौभाग्य

1. 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र छथि, तेना अहाँ सभ सेहो अपन सभ आचरण मे पवित्र रहू, किएक तँ लिखल अछि जे, “अहाँ पवित्र रहब, कारण हम पवित्र छी।”

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

इजकिएल 40:47 तखन ओ आँगनक नाप कयलनि, जे सौ हाथ नमहर आ सौ हाथ चौड़ा छल आ चारि चौकोर। घरक आगूक वेदी सेहो।

प्रभु इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे ओ प्रभुक घरक आँगन केँ नापथि, जे 100 हाथ लंबा आ चौड़ा छल आ घरक आगूक वेदी केँ नापब।

1. पवित्रता आ समर्पणक प्रभुक माप

2. वेदी पूजा के महत्व

1. यशायाह 66:1 - "प्रभु ई कहैत छथि जे, आकाश हमर सिंहासन अछि, आ पृथ्वी हमर पैरक आधार अछि। अहाँ सभ जे घर हमरा लेल बनबैत छी से कतय अछि? आ हमर विश्रामक स्थान कतय अछि?"

2. इब्रानियों 10:22 - "आउ, हम सभ विश्वासक पूर्ण आश्वासन मे सच्चा हृदय सँ नजदीक आबि जाइ, अपन हृदय पर दुष्ट विवेक सँ छिड़कल आ अपन शरीर शुद्ध पानि सँ धोओल गेल।"

इजकिएल 40:48 ओ हमरा घरक ओसारा मे अनलनि आ ओसारा मे एक-एकटा खंभा नापि लेलनि, एहि कात पाँच हाथ आ ओहि कात पाँच हाथ ओहि कात तीन हाथ।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ एकटा घरक ओसारा दिस लऽ गेलाह आ ओ खंभा सभ नाप लेलनि, जे एक-एक कात पाँच हाथ छल आ फाटक एक कात तीन हाथ छल।

1. आज्ञाकारिता के माप: भगवान के प्रति हमर जिम्मेदारी के बुझब

2. भगवानक घरक वैभव: हुनक उपस्थितिक सौन्दर्य

1. भजन 48:1-2 प्रभु महान छथि, आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे, हुनकर पवित्रताक पहाड़ मे हुनकर बहुत प्रशंसा करबाक चाही। परिस्थिति के लेलऽ सुंदर, पूरा धरती के आनन्द, उत्तर के तरफ सियोन पर्वत छै, महान राजा के शहर ।

2. मत्ती 6:33 मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

इजकिएल 40:49 ओसारा के लम्बाई बीस हाथ आ चौड़ाई एगारह हाथ छल। ओ हमरा ओहि सीढ़ी सँ लऽ गेलाह जाहि सँ ओ सभ ओहि सीढ़ी पर चढ़ैत छलाह, आ खंभा सभक कात मे एकटा खंभा छल, एकटा एहि कात आ दोसर ओहि कात।

इजकिएल द्वारा वर्णित मंदिरक ओसारा 20 हाथ लंबा आ 11 हाथ चौड़ा छल, जकर प्रत्येक कात खंभा छल।

1. मंदिरक डिजाइनक महत्व: अपन लोकक लेल परमेश्वरक योजना मंदिरक विशेषता मे कोना परिलक्षित होइत अछि

2. स्तम्भक प्रतीकात्मक अर्थ: पवित्र स्थान मे स्तम्भक उद्देश्यक अन्वेषण

1. 1 राजा 6:3 - घरक आगूक ओसारा जे घरक चौड़ाईक अनुसार छल, ओकर लम्बाई घरक चौड़ाईक अनुसार बीस हाथ छल, आ ऊँचाई एक सय बीस हाथ छल शुद्ध सोना के साथ।

2. निर्गमन 36:13 - चारू कात आँगनक खंभा, ओकर आधार, ओकर कोठली, ओकर पिन आ ओकर डोरी।

इजकिएल अध्याय 41 मे इजकिएल केँ देल गेल मंदिरक दर्शन केँ आगू बढ़बैत अछि। अध्याय में भीतर के अभयारण्य, साइड कक्ष, आरू मंदिर परिसर के समग्र आयाम के बारे में आरू विवरण देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत भीतर के अभयारण्य के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा परम पवित्र स्थान के नाम स॑ भी जानलऽ जाय छै । कोठली के आयाम देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एकरऽ चौकोर आकार आरू एकरऽ पवित्रता के प्रतीकऽ क॑ उजागर करलऽ गेलऽ छै । कोठली बाहरी पवित्र स्थान सँ लकड़ीक विभाजन सँ अलग अछि (इजकिएल 41:1-4)।

2nd पैराग्राफ: तखन दृष्टि मंदिर परिसर के चारू कात साइड कक्ष पर केंद्रित अछि | ई कक्ष तीन मंजिला मे व्यवस्थित अछि आ एकर आयाम भिन्न-भिन्न अछि । प्रत्येक कथा ओकर नीचाँक कथा सँ बेसी चौड़ा अछि, जे एकटा डेग सन संरचना बनबैत अछि (इजकिएल 41:5-11)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि मंदिरक देबालक मोटाई आ दरबज्जाक नाप-जोखक वर्णन। दर्शन मंदिर के निर्माण में विस्तार पर ध्यान देबय पर जोर दैत अछि, जाहि में देबाल आ दरवाजा पर अलंकरण आ नक्काशी सेहो शामिल अछि (इजकिएल 41:12-26)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल एकतालीस अध्याय प्रस्तुत
मंदिर के दर्शन के आगू के विवरण
इजकिएल के देल गेल, जोर दैत
भीतरक अभयारण्य, साइड कक्ष, २.
आ मंदिर परिसरक समग्र आयाम।

आन्तरिक अभयारण्य एवं उसके आयाम का वर्णन |
लकड़ीक विभाजनसँ भीतरक अभयारण्यकेँ बाहरी अभयारण्यसँ अलग करब।
मंदिर परिसर के चारू कात साइड चैम्बर पर ध्यान दियौ।
तीन मंजिला मे कोठलीक व्यवस्था भिन्न-भिन्न आयाम।
मंदिर के देवाल के मोटाई आ दरवाजा के नाप के वर्णन।
मंदिर के निर्माण में विस्तार पर ध्यान, जाहि में अलंकरण आ नक्काशी शामिल अछि |

इजकिएल केरऽ ई अध्याय म॑ मंदिर केरऽ दर्शन के बारे म॑ आरू विस्तार स॑ जानकारी देलऽ गेलऽ छै । अध्याय के शुरुआत भीतर के अभयारण्य के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा परम पवित्र स्थान के नाम स॑ भी जानलऽ जाय छै, जेकरा म॑ एकरऽ चौकोर आकार आरू एकरऽ पवित्रता के प्रतीकऽ प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । कोठली बाहरी अभयारण्यसँ लकड़ीक विभाजनसँ अलग अछि । एकरऽ बाद दृष्टि मंदिर परिसर के चारो तरफ के साइड कक्षऽ प॑ केंद्रित छै, जे तीन मंजिला म॑ व्यवस्थित छै आरू एकरऽ आयाम अलग-अलग छै । प्रत्येक कथा ओकर नीचाँक कथासँ चौड़ा अछि, जे एकटा डेग सन संरचना बनबैत अछि । अध्याय आगू बढ़ैत अछि मंदिरक देबालक मोटाई आ दरबज्जाक नाप-जोखक वर्णन। दृष्टि मंदिर के निर्माण में विस्तार पर ध्यान देबय पर जोर दैत अछि, जाहि में देबाल आ दरवाजा पर अलंकरण आ नक्काशी शामिल अछि | अध्याय म॑ मंदिर परिसर केरऽ आयाम आरू विशेषता के बारे म॑ आरू जानकारी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ एकरऽ महत्व आरू सावधानीपूर्वक डिजाइन प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 41:1 तकर बाद ओ हमरा मंदिर मे लऽ गेलाह आ एक कात छह हाथ चौड़ा आ दोसर कात छह हाथ चौड़ा, जे तम्बूक चौड़ाई छल, खंभा सभ नापि लेलनि।

1: भगवान् परम शिल्पकार छथि, जे अपन योजनाक अनुसार सब किछु के डिजाइन आ सृजन करैत छथि।

2: तम्बू पवित्रताक स्थान छल आ अपन लोकक बीच परमेश् वरक उपस्थितिक प्रतीक छल।

1: 1 राजा 6:2-3 - प्रभु मंदिर के निर्माण के लेल विशिष्ट निर्देश देलनि, जे ई दर्शाबैत छल जे ओ परम वास्तुकार छथि।

2: निकासी 25:8-9 - परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा देलनि जे पवित्रताक स्थानक रूप मे एकटा तम्बू बनाबथि, जे हुनका सभक बीच हुनकर उपस्थितिक प्रतीक छल।

इजकिएल 41:2 दरबज्जाक चौड़ाई दस हाथ छल। दरबज्जाक कात एक कात पाँच हाथ आ दोसर कात पाँच हाथ छल।

परमेश् वर इजकिएल केँ मन् दिरक दरबज्जा नापबाक आज्ञा देलथिन, जकर लम्बाई चालीस हाथ आ चौड़ाई बीस हाथ आ कात पाँच-पाँच हाथ छलैक।

1. "हमर आस्थाक माप: मंदिरक द्वारक आयामक परीक्षण"।

2. "पवित्र आयाम: चालीस हाथक दरबज्जाक महत्वक अन्वेषण"।

1. कुलुस्सी 2:6-7 - एहि लेल जेना अहाँ सभ मसीह यीशु प्रभु केँ ग्रहण कएने छी, तेना हुनका मे चलैत रहू, हुनका मे जड़ि जमा क’ क’ बनैत रहू आ विश्वास मे स्थिर रहू, जेना अहाँ सभ केँ सिखाओल गेल अछि, ओहि मे धन्यवादक भरमार रहू।

2. निर्गमन 26:31-33 - अहाँ नील, बैंगनी, लाल, आ महीन गुथल लिनेन सँ धूर्तताक काज बनाउ, एकरा करूब सँ बनाओल जायत, आ ओकरा शितिम लकड़ीक चारि टा खंभा पर लटका दियौक सोना सँ आच्छादित, चानीक चारि टा आधार पर ओकर हड़का सोनाक होयत। अहाँ पर्दा केँ ताशक नीचाँ लटका दियौक, जाहि सँ अहाँ ओतहि पर्दाक भीतर गवाही-सन्दूक केँ आनि सकब।

इजकिएल 41:3 तखन ओ भीतर जा कऽ दरबज्जाक खंभा दू हाथ नापि लेलक। आ दरबज्जा छह हाथ। दरबज्जाक चौड़ाई सात हाथ।

इजकिएल भविष्यवक्ता मन्दिरक दरबज्जाक आयाम नापि लेलनि, जे खंभा मे दू हाथ, लंबाई छह हाथ आ चौड़ाई सात हाथ छल।

1. मंदिरक द्वार: भगवानक स्वागतक एकटा प्रेरणादायक प्रतीक

2. दरबज्जाक माप: भगवानक सिद्धता आ विस्तार पर ध्यान

1. मत्ती 7:7-8 "माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तखन भेटत; खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत। किएक त’ जे माँगैत अछि, से भेटैत अछि, आ तकनिहार केँ भेटैत अछि, आ।" जे खटखटाओत तकरा खुजल रहत।”

2. यूहन्ना 10:9 "हम दरबज्जा छी। जँ केओ हमरा द्वारा प्रवेश करत तँ ओ उद्धार पाबि जायत आ भीतर-बाहर जा कऽ चारागाह ताकि लेत।"

इजकिएल 41:4 ओ ओकर लम्बाई बीस हाथ नापि लेलक। ओकर चौड़ाई मन्दिरक आगू बीस हाथ छलैक।

परम पवित्र स्थानक लम्बाई आ चौड़ाई बीस हाथ छल।

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ पवित्रताक महत्व देखाबैत छथि, अपन मन् दिरक एकटा विशेष भाग केँ सर्वाधिक पवित्र स्थान बनबाक लेल समर्पित कऽ दैत छथि।

2: हमरा सभ केँ पवित्र जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही, मात्र स्वयं भगवान् जकाँ बेसी नहि, बल्कि हुनका आ हुनकर पवित्र स्थानक सम्मान करबाक लेल।

1: 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र अछि, तहिना अहाँ सभ सभ तरहक व्यवहार मे पवित्र रहू। किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “पवित्र रहू। किएक तँ हम पवित्र छी।

2: लेवीय 20:7 - तेँ अपना केँ पवित्र करू आ पवित्र बनू, कारण हम अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु छी।

इजकिएल 41:5 ओ घरक देबाल केँ नापलाक बाद छह हाथ। घरक चारू कात चारि हाथक चौड़ाई चारि हाथ।

घरक देबाल छह हाथ आ कातक कोठलीक चौड़ाई चारि हाथ छल।

1. मापन के महत्व: इजकिएल 41:5 के महत्व के समझना

2. परमेश् वरक डिजाइनक पूर्णता: इजकिएल 41:5 क सौन्दर्यक परीक्षण

1. 1 राजा 6:2-3 - प्रभु सुलेमान केँ मंदिर बनेबाक निर्देश देलनि।

2. मत्ती 7:24-27 - बुद्धिमान आ मूर्ख निर्माता सभक यीशुक दृष्टान्त।

इजकिएल 41:6 कात मे तीनटा कोठली, एक दोसरा पर तीन आ तीस क्रम मे छल। ओ सभ घरक देबाल मे चारू कातक कातक कोठलीक लेल प्रवेश कयलनि, जाहि सँ ओ सभ पकड़ि सकथि, मुदा घरक देबाल मे नहि पकड़ि सकलाह।

इजकिएल 41 के मंदिर में तीन साइड कोठरी छेलै, जे हर कोठरी के क्रम में तीस छेलै, जे घर के मुख्य देवाल सें जुड़लोॅ छेलै।

1. परमेश् वरक पूर्ण क्रम: इजकिएल 41 मे संख्याक महत्व

2. परमेश् वरक घरक एकता: इजकिएल 41 मे साइड कक्षक प्रतीकात्मकता

1. नीतिवचन 16:9 मनुष् य अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग तय करैत अछि।

2. मत्ती 6:24-25 दू मालिकक सेवा केओ नहि क’ सकैत अछि। या त एक स घृणा करब आ दोसर स प्रेम करब, या एक के प्रति समर्पित रहब आ दोसर के तिरस्कार करब। अहाँ भगवान आ पाइ दुनूक सेवा नहि क' सकैत छी।

इजकिएल 41:7 एकटा बढ़ैत छल आ एकटा घुमावदार ऊपर दिस कातक कोठली सभ धरि छल, कारण घरक घुमावदार घरक चारू कात ऊपर दिस बढ़ैत छल, तेँ घरक चौड़ाई एखनो ऊपर दिस छल आ ओहिना बढ़ि गेल छल सबसँ निचला कक्ष सँ सबसँ ऊँच धरि बीच सँ।

ई अंश घर केरऽ घुमावदार संरचना के वर्णन करै छै, जेकरऽ आकार सबसें निचला कक्ष स॑ ल॑ क॑ सबसें ऊँचऽ कक्ष तक बढ़ी जाय छै ।

1. भगवानक डिजाइन एकदम सही अछि: हमरा सभक जीवनक लेल हुनकर योजनाक सुंदरताक सराहना करब।

2. ऊपर दिस अपन बाट घुमाबय: अपन विश्वास यात्रा मे आध्यात्मिक प्रगति के लेल प्रयास करब।

1. नीतिवचन 19:21 "व्यक्तिक हृदय मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य प्रबल होइत छैक।"

2. यशायाह 55:8-9 " कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक बाट सँ ऊँच अछि।" विचार सभ.

इजकिएल 41:8 हम घरक चारू कात ऊँचाई सेहो देखलहुँ, कातक कोठली सभक नींव छह पैघ हाथक भरल खढ़ छल।

इजकिएल घरक ऊँचाई देखलनि, जाहि मे छह पैघ हाथक नींवक संग कात मे कोठली छल।

1. हमर जीवनक नींव: ठोस नींव पर निर्माण
1656

2. मापन के महत्व: एकटा मजबूत नींव बनेबाक लेल माप लेब

१ हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक, मुदा ओ नहि खसल, किएक तँ ओकर नींव पाथर पर बनल छल बालु: बरखा भेलै, बाढ़ि आबि गेलै आ हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलकैक, आ ओ घर खसि पड़लै।

2. भजन 127:1 "जखन परमेश् वर घर नहि बनौताह, तखन तक ओकरा बनबै बला सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि। जाबत धरि प्रभु नगर केँ नहि रखताह, ताबत चौकीदार जागल रहत मुदा व्यर्थ।"

इजकिएल 41:9 ओहि देबालक मोटाई जे बाहरक कातक कोठलीक लेल छल, से पाँच हाथ छल, आ जे बचल छल से भीतरक कातक कोठली सभक स्थान छल।

इजकिएल के ई श्लोक कात के कोठरी के देवाल के बारे में बात करै छै, जे पाँच हाथ मोट छेलै।

1. देबालक मजबूती: इजकिएल 41:9 सँ हम की सीख सकैत छी?

2. मापन के महत्व: इजकिएल 41:9 मे अर्थ खोजब

1. नीतिवचन 18:10: प्रभुक नाम एकटा मजबूत बुर्ज अछि; धर्मी लोकनि ओहि मे दौड़ैत छथि आ सुरक्षित रहैत छथि।

2. भजन 91:2: हम प्रभु केँ कहब जे, हमर शरण आ हमर किला, हमर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी।

इजकिएल 41:10 कोठली सभक बीच घरक चारू कात बीस हाथ चौड़ा छल।

इजकिएल 41:10 मे देल गेल घर ओकर सभ कोठलीक चारू कात 20 हाथ चौड़ा छल।

1. भगवानक घर: अंतरिक्षक महत्व

2. इजकिएल के दृष्टि: ईश्वरीय रूप स नियुक्त घर पर एकटा चिंतन

1. यूहन्ना 14:2-3 - "हमर पिताक घर मे बहुत रास कोठली अछि। जँ एहन नहि रहैत त' की हम अहाँ सभ केँ कहितहुँ जे हम अहाँ सभक लेल जगह तैयार कर' जा रहल छी? आ जँ हम जा क' अहाँ सभक लेल जगह तैयार करब त' की हम अहाँ सभ केँ कहितहुँ? हम फेर आबि कऽ अहाँ सभ केँ अपना लग लऽ जायब, जाहि सँ अहाँ सभ सेहो रहब।”

2. भजन 127:1 - "जखन धरि प्रभु घर नहि बनौताह, ताबत तक ओकरा बनौनिहार सभ व्यर्थ मे मेहनति करैत छथि।"

इजकिएल 41:11 पागल कोठली सभक दरबज्जा बामा दिस, एक दरबज्जा उत्तर दिस आ दोसर दरबज्जा दक्षिण दिस, आ बाँचल जगहक चौड़ाई चारू कात पाँच हाथ छल।

ई अंश यरूशलेम के मंदिर के लेआउट के वर्णन करै छै, जेकरा में साइड के कोठरी के आकार आरू दरवाजा के संख्या भी शामिल छै।

1: मंदिर के लेल भगवान के डिजाइन हुनकर पूर्ण योजना के उदाहरण के काज करैत अछि।

2: हम सब भरोसा क सकैत छी जे भगवान के योजना हमरा सब लेल सदिखन नीक रहैत अछि, तखनो जखन हम सब ओकरा नहि बुझैत छी।

1: यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।”

2: नीतिवचन 16:9 मनुष्यक हृदय अपन बाट के योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग के निर्देशन करैत छथि।

इजकिएल 41:12 पश्चिम दिस अलग-अलग स्थानक आगू मे जे भवन छल, से सत्तर हाथ चौड़ा छल। भवनक देबाल चारू कात पाँच हाथ मोट आ नब्बे हाथ नमहर छल।

पश्चिम दिस अलग जगहक आगूक भवन 70 हाथ चौड़ा छल, जकर देबाल 5 हाथ मोट आ 90 हाथ लंबा छल।

1. परमेश् वरक वफादारीक नाप - परमेश् वरक प्रति हमर सभक वफादारी हुनकर वचनक प्रति प्रतिबद्धता सँ कोना नापल जाइत अछि।

2. परमेश् वरक प्रेमक ताकत - परमेश् वरक प्रति हमर प्रेम हुनकर आज्ञाक पालन करबाक माध्यमे कोना प्रदर्शित होइत अछि।

1. इजकिएल 41:12 - परमेश् वर हमरा कहलनि, "ई हमर सिंहासनक स्थान अछि आ हमर पैरक तलवाक स्थान अछि। एहि ठाम हम इस्राएली सभक बीच सदाक लेल रहब।"

२.

इजकिएल 41:13 ओ घरक नाप कयलनि, जे सौ हाथ नमहर छल। आ अलग-अलग जगह आ भवन, ओकर देबाल सभक संग सौ हाथ नमहर।

घरक नाप एक सय हाथ छल, संगहि अलग-अलग जगह, भवन आ देबाल सेहो।

1. भगवान् के घर में माप के महत्व

2. प्रेमक आयामक संग आस्थाक घरक निर्माण

1. इफिसियों 2:19-22 - तखन अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि अहाँ सभ संत आ परमेश् वरक घरक सदस्य सभक संगी-साथी छी।

2. 1 पत्रुस 2:5 - अहाँ सभ स्वयं जीवित पाथर जकाँ आध्यात्मिक घरक रूप मे बनाओल जा रहल छी, पवित्र पुरोहितक दल बनबाक लेल, यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक स्वीकार्य आध्यात्मिक बलिदान देबाक लेल।

इजकिएल 41:14 घरक चौड़ाई आ पूब दिस अलग-अलग स्थानक चौड़ाई सौ हाथ।

इजकिएल 41:14 मे कहल गेल अछि जे मंदिरक चौड़ाई आ पूर्व दिस अलग-अलग स्थान सौ हाथ छल।

1. हमरा सभक जीवनक लेल भगवानक दृष्टि हमरा सभक कल्पना सँ बेसी पैघ अछि।

2. हमरा सभ केँ परमेश्वरक योजना पर भरोसा करबाक प्रयास करबाक चाही, तखनो जखन ओ असंभव बुझाइत हो।

1. हबक्कूक 2:2-3 - तखन प्रभु हमरा उत्तर देलनि आ कहलनि: दर्शन लिखू आ पाटी पर साफ करू, जाहि सँ जे पढ़ैत अछि, ओ दौड़ि सकय। कारण, दर्शन एखन धरि निर्धारित समयक लेल अछि। मुदा अंत मे बाजत, आ झूठ नहि बाजत। भले ही देर होय जाय, लेकिन एकरऽ इंतजार करऽ; कारण अवश्य आओत, ई नहि रुकत।

2. यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देब।

इजकिएल 41:15 ओ भवनक लम्बाई ओकर पाछूक अलग-अलग जगह आ ओकर एक कात आ दोसर कातक गलारी सभ केँ सौ हाथ नापि लेलक, भीतरक मंदिर आ ओसारा सभक संग न्यायालय;

भवनक भीतरक मंदिर आ आँगनक नाप सौ हाथ छल।

1. परमेश् वरक मन् दिर: महामहिमक एकटा वसीयत

2. पवित्रता के वातावरण बनाना: भगवान के मंदिर के निर्माण |

1. 1 इतिहास 28:19 - ई सभटा," दाऊद कहलनि, "प्रभु हमरा पर अपन हाथ सँ लिखि क' बुझौलनि, जे एहि नमुनाक सभ काज अछि।

2. भजन 127:1 - जाबत परमेश् वर घर नहि बनौताह, ताबत तक ओ सभ ओकरा बनौनिहार व्यर्थ मेहनति करैत छथि, जाबत धरि प्रभु नगर केँ नहि रखताह, ताबत धरि पहरेदार जागल रहत मुदा व्यर्थ।

इजकिएल 41:16 दरबज्जाक खंभा आ संकीर्ण खिड़की आ चारू कात अपन तीन मंजिल पर दरबज्जाक सोझाँ लकड़ीक चारू कात, जमीन सँ खिड़की धरि आ खिड़की सभ झाँपल छल।

भगवानक मंदिर मे दरबज्जाक खंभा, संकीर्ण खिड़की आ तीन मंजिला लकड़ीक सीलिंग छल। खिड़की सेहो झाँपल छल।

1. भगवानक घर सौन्दर्यक घर थिक: मंदिरक डिजाइनक महत्व

2. भगवानक रक्षा मे आच्छादित: खिड़की केँ ढकबाक महत्व

1. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत तक घर बनेनिहार व्यर्थ मेहनति करैत छथि।

2. यशायाह 54:2 - अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू, आ अपन आवासक पर्दा केँ पसरल रहू। पाछू नहि हटब; अपन डोरी नमहर करू आ दाँव मजबूत करू।

इजकिएल 41:17 दरबज्जाक ऊपर, भीतरक घर आ बाहर, आ भीतर आ बाहरक चारू कात देबाल सभक नाप मे।

इजकिएल 41:17 सँ श्लोक मे कहल गेल अछि जे दरबज्जा, भीतरक घर आ देबालक नाप चारू कात नापल जेबाक चाही।

1. "भगवानक घरक नाप"।

2. "ईश्वर के पूर्णता के माप"।

1. यशायाह 40:12 - "ओ अपन हाथक खोखला मे पानि नापि लेलक, आ स् वर्ग केँ तार-तार सँ नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक।" एकटा संतुलन?"

2. प्रकाशितवाक्य 21:17 - "ओ ओकर देबाल एक सय चौवालीस हाथ नापि लेलक, जे एक आदमी अर्थात स्वर्गदूत के नाप के अनुसार छल।"

इजकिएल 41:18 ई करुब आ ताड़क गाछ सँ बनल छल जे एकटा ताड़क गाछ करुब आ करुबक बीच मे छल। प्रत्येक करुबक दूटा मुँह छलनि।

एहि अंश मे करूब आ ताड़क गाछ सँ बनल एकटा संरचना के वर्णन अछि, जतय प्रत्येक करुब के दू टा चेहरा छल |

1. परमेश्वर के सृजनात्मक हाथ: इजकिएल 41:18 के पाछु के प्रतीकात्मकता

2. स्वर्गक कलात्मकता: बाइबिल मे करूब आ ताड़क गाछ

1. प्रकाशितवाक्य 4:6-8

2. 1 राजा 6:29-32

इजकिएल 41:19 एक कात एकटा आदमीक मुँह ताड़क गाछ दिस आ दोसर कात एकटा सिंहक बच्चाक मुँह ताड़क गाछ दिस, ई चारू कात घरक चारू कात बनल छल।

इजकिएल 41:19 केरऽ सब घरऽ के माध्यम स॑ एक आदमी आरू एक सिंह केरऽ बच्चा के दू चेहरा ताड़ के गाछ के रूप म॑ बनलऽ छेलै, जेकरऽ हर तरफ एक-एक छेलै ।
1. शास्त्र मे प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्वक शक्ति
2. बाइबिल मे प्रतीकक पाछूक अर्थ
1. उत्पत्ति 3:24 - ओ ओहि आदमी केँ भगा देलथिन; ओ अदन बगीचा के पूरब में करुब आ एकटा ज्वालामुखी तलवार जे चारू कात घुमैत छल, जीवनक गाछक बाट रखबाक लेल राखि देलनि।
2. गणना 21:8-9 - तखन प्रभु मूसा केँ कहलथिन, “तोरा एकटा आगि सन साँप बना कऽ एकटा खंभा पर राखि दियौक सीधा प्रसारण. मूसा पीतल सँ एकटा साँप बनौलनि आ ओकरा खंभा पर राखि देलनि, तखन जँ साँप ककरो काटि लेलक तऽ ओ पीतल के साँप केँ देखि कऽ जीवित रहि गेल।
इजकिएल 41:20 जमीन सँ दरबज्जाक ऊपर धरि करूब आ ताड़क गाछ बनौने छल आ मंदिरक देबाल पर।
इजकिएल 41:20 मे मंदिरक देबाल केँ करूब आ ताड़क गाछ सँ सजाओल गेल अछि।
1. पवित्रताक सौन्दर्य: करूब आ ताड़क गाछ परमेश् वरक महिमाक प्रतीकक रूप मे। 2. विश्वासी लोकनिक मेहनत: परमेश् वरक महिमा करबाक लेल समय आ संसाधन समर्पित करब।
1. निष्कासन 25:18-20 - परमेश् वर मूसा केँ आज्ञा दैत छथि जे करूब आ ताड़क गाछ सभक संग एकटा तम्बू बनाबथि। 2. भजन 78:69 - परमेश् वरक मन् दिर विश् वासी सभक काज सँ सदाक लेल स्थापित अछि।
इजकिएल 41:21 मंदिरक खंभा चौकोर छल आ पवित्र स्थानक मुँह। एक के रूप दोसर के रूप के रूप में।
मंदिर आ अभयारण्यक खंभा आ चेहरा चौकोर आ समान रूपक छल |
1. चर्च मे समानताक सौन्दर्य
2. चर्च के भीतर एकरूपता के उद्देश्य
1. "किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक छी" (गलाती 3:28)
2. "देखू, कतेक नीक आ सुखद होइत छैक जखन भाइ एकता मे रहैत छथि!" (भजन संहिता १३३:१) इजकिएल 41:22 लकड़ीक वेदी तीन हाथ ऊँच छल आ ओकर लम्बाई दू हाथ छल। ओकर कोना, ओकर लम्बाई आ देबाल लकड़ीक छलैक।
परमेश् वर इजकिएल केँ एकटा लकड़ीक वेदी देखौलनि जे तीन हाथ ऊँच आ दू हाथ नमहर छल, आ बुझेलनि जे ई प्रभुक सोझाँ मे राखल टेबुल अछि।
1. प्रभुक वेदी: हुनक वाचाक प्रतीक
2. प्रभुक मेज: हुनक उपस्थितिक स्मरण
1. निकासी 25:23-30 - परमेश् वर मूसा केँ लकड़ीक वेदी बनेबाक निर्देश दैत छथि
2. भजन 23:5 - "अहाँ हमर शत्रु सभक सोझाँ हमरा सोझाँ एकटा टेबुल तैयार करू"।
इजकिएल 41:23 मंदिर आ पवित्र स्थानक दू टा दरबज्जा छल।
ई अंश मंदिर आरू अभयारण्य के दू दरवाजा पर केंद्रित छै ।
1. मंदिर आ अभयारण्य मे दू टा दरबज्जा हेबाक महत्व।

2. मंदिर आ अभयारण्यक दुनू द्वारक प्रतीकात्मक अर्थ।

1. प्रकाशितवाक्य 21:13 - आ शहर पर चमकय लेल सूर्य आ चान के कोनो आवश्यकता नहि अछि, कारण परमेश् वरक महिमा ओकरा इजोत दैत अछि, आ ओकर दीप मेमना अछि।

2. निर्गमन 26:1 - संगहि, अहाँ तम्बू केँ दस पर्दा सँ महीन गुथल लिनेन आ नील, बैंगनी आ लाल रंगक सूत सँ बनाउ। अहाँ ओकरा सभ केँ करुब सभक संग बनाउ जे ओकरा सभ मे कुशलतापूर्वक काज कयल गेल अछि।

इजकिएल 41:24 दरबज्जा सभ मे दू-दू पात छल, दू-दू टा घुमैत-फिरैत पात। एक दरबज्जा लेल दू पात, आ दोसर दरबज्जा लेल दू पात।

प्रभु के मंदिर में जे दरवाजा के वर्णन इजकिएल करी रहलऽ छै, ओकरा में दू-दू पात छेलै।

1. भगवानक सान्निध्यक दरबज्जा खोलब, 2. डबल दरबज्जाक सौन्दर्य।

1. यशायाह 45:2 हम अहाँक आगू बढ़ब आ पहाड़ सभ केँ समतल करब। हम कांस्यक फाटक तोड़ब आ लोहाक सलाखकेँ काटि देब। 2. प्रकाशितवाक्य 3:20 देखू, हम दरबज्जा पर ठाढ़ भ’ क’ खटखटबैत छी। जँ केओ हमर आवाज सुनि दरबज्जा खोलत तँ हम ओकरा लग आबि कऽ ओकरा संग भोजन करब आ ओ हमरा संग।

इजकिएल 41:25 मंदिरक दरबज्जा पर ओकरा सभ पर करुब आ ताड़क गाछ बनाओल गेल छल जेना देबाल पर बनल छल। बाहर ओसारा पर मोटका तख्ता छल।

मंदिरक दरबज्जा पर करुब आ ताड़क गाछ सजल छल आ ओसारा पर मोटका तख्ता लागल छल।

1. भगवानक घरक सौन्दर्य आ महिमा

2. भगवान् के घर में शरण लेबय वाला के देल गेल सुरक्षा

1. भजन 27:4-5 - हम प्रभु सँ एकटा बात माँगैत छी, हम मात्र एतबे चाहैत छी जे हम अपन जीवन भरि प्रभुक घर मे रहब, प्रभुक सौन्दर्य केँ देखैत रहब आ... ओकर मंदिर मे ओकरा खोजू।

2. इब्रानी 10:19-22 - तेँ, भाइ-बहिन लोकनि, जखन कि हमरा सभ केँ विश्वास अछि जे हम सभ यीशुक खून सँ परम पवित्र स्थान मे प्रवेश क’ सकब, तखन पर्दा अर्थात हुनकर शरीर सँ हमरा सभक लेल खुजल नव आ जीवित बाट द्वारा। आ चूँकि हमरा सभक परमेश् वरक घर पर एकटा पैघ पुरोहित अछि, तेँ हम सभ निश्छल हृदय सँ आ पूर्ण आश्वासन सँ परमेश् वरक लग आबि जाइ जे विश्वास सँ भेटैत अछि।

इजकिएल 41:26 एक कात आ दोसर कात, बरामदाक कात मे आ घरक कात मे कोठली मे संकीर्ण खिड़की आ ताड़क गाछ आ मोटका तख्ता छल।

इजकिएल जे मंदिरक वर्णन क' रहल छथि, ओहि मे संकीर्ण खिड़की, ताड़क गाछ, कात मे कोठली आ मोट-मोट तख्ता सजल अछि।

1. भगवानक योजना हमरा सभक योजनासँ सदिखन पैघ होइत अछि।

2. अपन जीवन केँ सुन्दर वस्तु सँ सजाबय के महत्व।

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 19:14 - "हे प्रभु, हमर शक्ति आ हमर मुक्तिदाता, हमर मुँहक वचन आ हमर हृदयक ध्यान अहाँक नजरि मे स्वीकार्य हो।"

इजकिएल अध्याय 42 इजकिएल के देल गेल मंदिर परिसर के दर्शन के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय में पुरोहित के लेलऽ कोठरी के वर्णन आरू आसपास के क्षेत्र के नाप पर केंद्रित छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में स्थित पुरोहित के लेलऽ कक्ष के वर्णन स॑ होय छै । ई कोठरी दू पंक्ति में व्यवस्थित छै आरू मंदिर में सेवा करै वाला पुरोहितऽ के रहना के काम करै छै । एहि कोठली सभक आयाम आ लेआउट देल गेल अछि (इजकिएल 42:1-14)।

2nd पैराग्राफ: दर्शन तखन मंदिर के चारू कात बाहरी प्रांगण के नाप पर आगू बढ़ैत अछि | अध्याय म॑ बाहरी दरबार केरऽ आयाम आरू खाना बनाबै आरू धोबै लेली निर्धारित क्षेत्रऽ के वर्णन करलऽ गेलऽ छै । ई क्षेत्र पवित्र स्थान स॑ अलग छै आरू पुरोहितऽ द्वारा अपनऽ संस्कार आरू सेवा के लेलऽ एकरऽ उपयोग करलऽ जाय छै (इजकिएल ४२:१५-२०) ।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय बयालीस प्रस्तुत
मंदिर परिसर के दर्शन के निरंतरता
इजकिएल के देल गेल, पर ध्यान केंद्रित करैत
पुरोहितक लेल कोठली आ
आसपास के क्षेत्र के माप।

मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में पुरोहितों के लिये कक्षों का वर्णन |
पुरोहित लोकनिक रहबाक स्थानक रूप मे दू पंक्ति मे कोठलीक व्यवस्था |
पुरोहित कक्ष के आयाम आ लेआउट प्रदान करब।
मंदिर के चारू कात बाहरी दरबार के नाप।
खाना बनाना एवं धोने के लिये निर्धारित क्षेत्रों का वर्णन |
पुरोहितक संस्कार आ सेवाक लेल एहि क्षेत्र सभकेँ अभयारण्यसँ अलग करब।

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर परिसर के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय के शुरुआत मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में स्थित पुरोहित के लेलऽ कक्ष के वर्णन स॑ होय छै । ई कोठरी मंदिर में सेवा करै वाला पुरोहितऽ के रहना के काम करै छै आरू दू पंक्ति में व्यवस्थित होय छै । एहि कक्ष सभक आयाम आ लेआउट उपलब्ध कराओल गेल अछि । तखन दर्शन मंदिर के चारू कात बाहरी दरबार के नाप पर आगू बढ़ैत अछि | अध्याय में बाहरी दरबार के आयाम आरू खाना बनाबै आरू धोबै लेली निर्धारित क्षेत्र के वर्णन छै, जे अभयारण्य स॑ अलग छै । एहि क्षेत्र सभक उपयोग पुरोहित लोकनि अपन संस्कार आ सेवाक लेल करैत छथि | अध्याय म॑ मंदिर परिसर केरऽ लेआउट आरू कार्यक्षमता के बारे म॑ आरू जानकारी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ पुरोहितऽ के कक्ष आरू पुरोहितऽ के गतिविधि लेली निर्धारित क्षेत्रऽ के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 42:1 तखन ओ हमरा उत्तर दिसक बाट पर पूर्ण आँगन मे अनलनि आ हमरा ओहि कोठली मे अनलनि जे अलग स्थानक सामने छल आ जे भवनक आगू उत्तर दिस छल।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ मंदिरक बाहरी आँगन मे आनल गेल जे भवनक उत्तर मे छल।

1. मंदिरक उत्तर मुँहे प्रवेश द्वार पवित्रताक दिशाक प्रतीक अछि।

2. हमर आध्यात्मिक यात्रा मे अभिविन्यास के महत्व।

1. यशायाह 43:19 - "देखू, हम एकटा नव काज करब; आब ओ उगैत अछि; की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? हम जंगल मे बाट तक बना देब आ मरुभूमि मे नदी।"

2. फिलिप्पियों 3:13-14 - " भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि मानैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी, पाछूक बात सभ केँ बिसरि क' आ आगूक बात सभ दिस बढ़ि क' निशान दिस बढ़ैत छी।" मसीह यीशु मे परमेश् वरक उच्च आह्वानक पुरस्कार।”

इजकिएल 42:2 सय हाथक आगू उत्तर दरबज्जा छल आ पचास हाथ चौड़ाई छल।

एहि अंश मे प्रभुक घरक उत्तरी दरबज्जाक आकारक वर्णन कयल गेल अछि जे इजकिएल भविष्यवक्ता द्वारा एकटा दर्शन मे देखल गेल छल |

1662

1. प्रभुक घर: भगवानक निष्ठाक प्रतीक

2. भगवानक अटूट प्रेम: हुनक घरक भव्यता मे परिलक्षित होइत अछि

1. यशायाह 43:1-3 "डरब नहि, किएक तँ हम अहाँकेँ छुड़ा देने छी; हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानिसँ गुजरब तँ हम अहाँक संग रहब। आ नदी सभक बीचसँ ओ सभ नहि होयत।" अहाँ सभ पर भारी पड़ि जाउ, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।”

2. इब्रानी 11:10 "ओ ओहि नगरक प्रतीक्षा मे छलाह जकर नींव अछि, जकर डिजाइनर आ निर्माता परमेश् वर छथि।"

इजकिएल 42:3 बीस हाथ जे भीतरक आँगनक लेल छल आ ओहि फुटपाथक सामने जे पूर्ण आँगनक लेल छल, तीन मंजिला मे गलारी छल।

इजकिएल के दर्शन में मंदिर के बाहरी आँगन दू भाग में बंटलऽ छेलै, भीतरी आँगन आरू बाहरी आँगन, आरू बाहरी आँगन के चारो तरफ तीन मंजिला गैलरी छेलै।

1. भगवानक काज मे समर्पणक महत्व।

2. भगवानक मंदिरक सौन्दर्य: एकर उद्देश्य आ प्रतीकात्मकता।

1. 1 इतिहास 28:11-13 - परमेश् वरक मन् दिरक लेल राजा दाऊदक दर्शन।

2. इफिसियों 2:20-22 - परमेश्वर के आध्यात्मिक मंदिर के रूप में कलीसिया।

इजकिएल 42:4 कोठली सभक आगू मे दस हाथ चौड़ाई एक हाथक बाट छल। आ उत्तर दिस ओकर सभक दरबज्जा।

एहि अंश मे एकटा एहन संरचना के वर्णन अछि जाहि मे कोठली अछि जकर चारू कात एकटा पैदल मार्ग अछि जे एक हाथ चौड़ा आ दस हाथ भीतर अछि |

1. भगवानक सान्निध्य मे रहब: भगवानक इच्छा मे चलबाक लेल समय निकालब

2. कठिन समय मे ताकत खोजब: छोट जगह के अधिकतम उपयोग करब

1. भजन 84:5-7 - धन्य अछि ओ जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जिनकर भरोसा हुनका पर अछि। ओ सभ पानि लग रोपल गाछ जकाँ होयत जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि। गर्मी अबैत काल ओकरा डर नहि लगैत छैक; एकर पात सदिखन हरियर रहैत अछि। एक सालक रौदी मे एकरा कोनो चिन्ता नहि होइत छैक आ कहियो फल देबा मे नहि चूकैत अछि ।

2. 2 कोरिन्थी 4:16-18 - तेँ हम सभ हिम्मत नहि छोड़ैत छी। भले बाहरी रूप स हम सब बर्बाद भ रहल छी, तइयो भीतर स दिन प्रतिदिन नवीनीकरण भ रहल छी। कारण, हमरऽ हल्का आरू क्षणिक परेशानी हमरा लेली एगो अनन्त महिमा प्राप्त करी रहलऽ छै जे ओकरा सब स॑ कहीं अधिक छै । तेँ हम सभ अपन नजरि जे देखल जाइत अछि ताहि पर नहि, अदृश्य पर टिकबैत छी, किएक तँ जे देखल जाइत अछि से क्षणिक होइत अछि, मुदा जे अदृश्य अछि से शाश्वत अछि ।

इजकिएल 42:5 ऊपरक कोठली सभ छोट छल, किएक तँ एहि सभसँ, नीचाँक कोठली सभसँ आ भवनक सभसँ बीचक कोठली सभसँ ऊँच छल।

भवनक ऊपरी कोठली निचला आ बीचक कोठलीसँ छोट छल, कारण गैलरी ऊँच छल ।

1. भगवान् के लिये जगह बनाना: हमरऽ विश्वास में बढ़ै के जगह खोजना

2. ऊँच धरि पहुँचबाक लेल अपना केँ खिंचब: अपन आराम क्षेत्र सँ आगू बढ़ब

1. भजन 18:2 प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2. फिलिप्पियों 4:13 हम ई सभ ओहि द्वारा क’ सकैत छी जे हमरा ताकत दैत छथि।

इजकिएल 42:6 किएक तँ ओ सभ तीन मंजिला छल, मुदा आँगनक खंभा जकाँ खंभा नहि छल, तेँ ओ भवन जमीन सँ नीचाँ आ मध्य सँ बेसी सोझ छल।

इजकिएल 42:6 तीन मंजिला भवन के वर्णन करै छै जेकरा म॑ अन्य भवनऽ के विपरीत, संरचना क॑ सहारा दै लेली खंभा नै छै, जेकरा स॑ ई अन्य दू स्तरऽ स॑ अधिक संकीर्ण होय जाय छै ।

1. परमेश् वरक बाट हमर सभक बाट नहि अछि: इजकिएल 42:6

2. विपत्ति मे ताकत: इजकिएल 42:6

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

इजकिएल 42:7 बाहर जे देबाल कोठली सभक सामने छल, कोठली सभक आगूक भाग मे पूर्ण आँगन दिस, ओकर लम्बाई पचास हाथ छल।

इजकिएल 42:7 एकटा देबाल के वर्णन करै छै जे पचास हाथ लम्बा छेलै जे भीतर के आँगन के बाहर कोठरी के सामने स्थित छेलै।

1. "विश्वास के लंबाई: भगवान पर भरोसा के माध्यम स बाधा के दूर करब"।

2. "प्रतिबद्धता के माप: भगवान के आज्ञाकारिता के जीवन जीना"।

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ पाँखि ल' क' गरुड़ जकाँ चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

इजकिएल 42:8 पूर्ण आँगन मे जे कोठली छल, ओकर लम्बाई पचास हाथ छलैक, आ देखू, मंदिरक आगू मे सौ हाथ छलैक।

इजकिएल के मंदिर के पूर्ण आँगन पचास हाथ लम्बा छेलै, आरो मंदिर के सामने के क्षेत्र एक सौ हाथ अतिरिक्त छेलै।

1. भगवानक पवित्रता आ हुनक मंदिरक पवित्रता केँ बुझब

2. बाइबिल मे माप के महत्व

1. प्रकाशितवाक्य 21:16 - ई शहर चारि चौकोर अछि, आ एकर लम्बाई चौड़ाई जकाँ पैघ अछि, आ ओ शहर केँ खढ़ सँ बारह हजार फरलांग नापि लेलनि। एकर लम्बाई आ चौड़ाई आ ऊँचाई बराबर अछि ।

2. भजन 24:3-4 - परमेश् वरक पहाड़ी पर के चढ़त? आकि ओकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ होयत? जे हाथ साफ अछि आ मन शुद्ध अछि।

इजकिएल 42:9 एहि कोठली सभक नीचाँ सँ पूब दिस प्रवेश द्वार छल, जेना कियो पूर्ण आँगन सँ ओकरा सभ मे जाइत अछि।

मंदिरक कोठली मे पूब दिस एकटा प्रवेश द्वार छलैक, जे बाहरी आँगन सँ निकलैत छलैक |
1664

1. मंदिर आ भगवानक प्रावधान - कोना भगवान मंदिर आ ओकर डिजाइनक माध्यमे हमरा सभक प्रबंध करैत छथि

2. भगवानक घर मे अपन स्थान ताकब - भगवानक घर मे अपन स्थानक पहचान आ कब्जा कोना कयल जाय

1. मत्ती 6:33 - पहिने परमेश् वरक राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू

2. भजन 23:6 - निश्चय हमर जीवन भरि नीक आ दया हमरा पाछाँ रहत

इजकिएल 42:10 कोठली सभ पूरब दिस, अलग-अलग जगहक सोझाँ आ भवनक सोझाँ आँगनक देबालक मोटका मे छल।

कोठरी सब पूब दिस दरबारक देबाल मे बनल छल, जे अलग-अलग जगह आ भवन स सटल छल।

1: हमरा सभक लेल परमेश् वरक योजना हमरा सभ केँ पहिने मे कोनो अर्थ नहि राखि सकैत अछि, मुदा हुनकर बुद्धि आ उद्देश्य सदिखन उचित समय पर प्रकट होयत।

2: प्रभुक डिजाइन प्रायः रहस्यमयी होइत अछि, मुदा हम सभ भरोसा क' सकैत छी जे ओ सदिखन हमरा सभक भलाई लेल होइत अछि।

1: यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

इजकिएल 42:11 हुनका सभक आगूक बाट उत्तर दिसक कोठली सभक रूप जकाँ छल, जेतेक नमहर आ चौड़ा छल.

एहि अंश मे प्रभुक मंदिरक कोठली आ ओकर प्रवेश द्वारक वर्णन ओकर फैशनक अनुसार कयल गेल अछि |

1. परमेश् वरक मन् दिर: आराधनाक निमंत्रण

2. भगवान् के पवित्रता के आलिंगन

1. निर्गमन 25:8-9 - आ ओ सभ हमरा पवित्र स्थान बनाबथि; जाहि सँ हम हुनका सभक बीच रहब।” हम अहाँ केँ जे किछु देखाबैत छी, ताहि अनुसारेँ अहाँ सभ तम्बूक नमुना आ ओकर सभ वाद्ययंत्रक नमुना जकाँ बनाउ।

2. 1 कोरिन्थी 3:16-17 - की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभ परमेश् वरक मन् दिर छी आ परमेश् वरक आत् मा अहाँ सभ मे निवास करैत अछि? जँ केओ परमेश् वरक मन् दिर केँ अशुद्ध करत तँ परमेश् वर ओकरा नष्ट कऽ देथिन। किएक तँ परमेश् वरक मन् दिर पवित्र अछि, जे मन् दिर अहाँ सभ छी।”

इजकिएल 42:12 दक्षिण दिसक कोठली सभक दरबज्जा सभक अनुसार बाट केर माथ मे एकटा दरबज्जा छल, जे ओहि मे प्रवेश करैत अछि।

एहि अंश मे एकटा कोठलीक दक्षिण मे एकटा दरबज्जाक वर्णन अछि, जे एकटा बाट दिस जाइत अछि जे पूर्व दिस मुँह करैत अछि |

1. हमरा सभक लेल भगवानक प्रावधान अप्रत्याशित स्थान पर भेटि सकैत अछि।

2. सब मार्ग भगवानक परम दिशा दिस इशारा करैत अछि।

1. मत्ती 7:14 - कारण जे फाटक संकीर्ण अछि आ जीवन दिस जायबला बाट कठिन अछि, आओर जे ओकरा पाबि लैत अछि, से कम अछि।

2. फिलिप्पियों 3:13-14 - भाइ लोकनि, हम ई नहि मानैत छी जे हम एकरा अपन बना लेने छी। मुदा एकटा काज हम करैत छी: जे पाछू अछि ओकरा बिसरि आ आगू जे अछि तकरा लेल आगू बढ़ैत छी, हम मसीह यीशु मे परमेश् वरक ऊपरक आह्वानक पुरस्कारक लेल लक्ष्य दिस बढ़ैत छी।

इजकिएल 42:13 तखन ओ हमरा कहलनि, “उत्तर कोठली आ दक्षिण कोठली जे अलग-अलग स्थानक आगू अछि, ओ सभ पवित्र कोठली अछि, जतय परमेश् वरक लग जे पुरोहित सभ परम पवित्र वस्तु सभ खायत परम पवित्र वस्तु, अन्नबलि, पापबलि आ अपराधबलि। किएक तँ ओ स्थान पवित्र अछि।

ई अंश परमेश् वर के मन् दिर के कोठरी के पवित्रता के बात करै छै, आरू एकरऽ उपयोग पुरोहित सिनी लेली सबसें पवित्र चीज खाबै के महत्व के बारे में करै छै।

1. भगवान् के मंदिर के पवित्रता: हमरऽ जीवन में हुनकऽ घर के पवित्रता केना प्रतिबिंबित करलऽ जाय

2. पुरोहिताई के शक्ति: परमेश् वर के पवित्रता के कायम रखै के पादरी के जिम्मेदारी

1. निष्कासन 25:8-9 - "ओ सभ हमरा एकटा पवित्र स्थान बनाबथि, जाहि सँ हम हुनका सभक बीच रहब। हम जे किछु अहाँ केँ देखा रहल छी, ताहि अनुसारेँ तम्बूक नमुना आ ओकर सभ वाद्ययंत्रक नमुना जकाँ।" तहिना अहाँ सभ एकरा बनाउ।”

2. यशायाह 43:3 - "किएक तँ हम यहोवा तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी।

इजकिएल 42:14 जखन पुरोहित सभ ओहि मे प्रवेश करत तखन ओ सभ पवित्र स्थान सँ बाहरक आँगन मे नहि जायत, बल्कि ओतहि अपन वस्त्र राखत जाहि मे ओ सेवा करैत छथि। किएक तँ ओ सभ पवित्र अछि। आन-आन वस्त्र पहिरि कऽ जे लोक सभक लेल अछि, तकरा लग आबि जायत।

पुरोहित सभ केँ मंदिरक पवित्र स्थान सँ बाहर निकलि बाहरी आँगन मे प्रवेश नहि देल जायत, आ लोकक सेवा करबा सँ पहिने अपन वस्त्र बदलय पड़तनि।

1. पुरोहिताई के पवित्रता

2. मंदिरक पवित्रता

1. निष्कासन 28:2-4 - अहाँ अपन भाय हारूनक लेल महिमा आ सौन्दर्यक लेल पवित्र वस्त्र बनाउ।

2. 1 पत्रुस 2:5 - अहाँ सभ सेहो, जीवंत पाथर जकाँ, एकटा आध्यात्मिक घर, पवित्र पुरोहितक दल बनाओल गेल छी, जे आध्यात्मिक बलिदान चढ़ाबय लेल, जे यीशु मसीह द्वारा परमेश् वरक स्वीकार्य अछि।

इजकिएल 42:15 जखन ओ भीतरक घरक नाप कऽ कऽ हमरा ओहि फाटक दिस लऽ गेलाह जकरा पूरब दिस अछि आ चारू कात नापि लेलक।

इजकिएल भविष्यवक्ता के भीतर के घर के पूर्व द्वार पर लऽ जायलऽ जाय छै आरू ओकरा नापलऽ जाय छै ।

1. भगवान् के घर में माप के महत्व

2. पूर्वी फाटक दिस अपन बाट खोजब

1. इजकिएल 42:15

1666

2. प्रकाशितवाक्य 21:13-14 - "ओ नगर केँ ओहि मे चमकबाक लेल सूर्यक आ ने चानक आवश्यकता नहि छलैक, कारण परमेश् वरक महिमा ओकरा रोशन कऽ देलकैक आ मेमना ओकर इजोत छै। आ जाति सभ सेहो।" उद्धार पाओल गेल लोक मे सँ एकर इजोत मे चलत, आ पृथ् वीक राजा सभ अपन महिमा आ आदर एहि मे अनैत अछि।”

इजकिएल 42:16 ओ पूब दिस नापबाक खढ़ सँ नापलाह, पाँच सय खढ़ आ चारू कात नापबाक खढ़।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा देलथिन जे एकटा नगरक पूरब भाग केँ नापबाक खढ़ सँ नापल जाय, जे 500 खढ़ पाओल गेल।

1. हमर जीवन मे मापन के महत्व

2. सब परिस्थिति मे भगवान् केर आज्ञा मानब

१.

2. नीतिवचन 25:15 - चिर सहनशीलता सँ राजकुमार केँ मनाओल जाइत छैक, आ कोमल जीह हड्डी केँ तोड़ि दैत छैक।

इजकिएल 42:17 ओ उत्तर दिस पाँच सय खढ़ नापलनि, चारू कात नापबाक खढ़।

एहि अंश मे भगवानक वर्णन अछि जे मंदिरक प्रांगणक उत्तरी भाग केँ 500 खढ़ नापैत छथि |

1. भगवानक आशीर्वादक नाप - भगवान् कोना उदारतापूर्वक दैत छथि आ हुनका सँ प्रेम करयवला केँ अपन प्रचुरता केँ नापैत छथि।

2. आज्ञाकारिता के माप - परमेश्वर हमरा सब स कोना अपेक्षा करैत छथि जे हम हुनकर धार्मिकता के मानक के अनुसार नापब।

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. 2 कोरिन्थी 5:9-10 - तेँ घर मे हो वा दूर, हुनका प्रसन्न करब अपन लक्ष्य बना लैत छी।
कारण, हमरा सभ केँ मसीहक न्यायक आसनक समक्ष उपस्थित हेबाक चाही, जाहि सँ प्रत्येक केँ शरीर मे जे किछु कयल गेल अछि, से नीक हो वा अधलाह, जे किछु भेटय।

इजकिएल 42:18 ओ दक्षिण दिस पाँच सय खढ़ नापलनि, नापबाक खढ़क संग।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ निर्देश देल गेल छलनि जे ओ मंदिरक दक्षिण भाग नापथि, आ ओहि मे 500 खढ़ नापल गेल।

1. परमेश् वरक वफादारीक माप: इजकिएलक अनुभव परमेश् वरक विश्वसनीयता केँ कोना प्रगट करैत अछि

2. भगवानक पूर्ण माप: 500 खढ़क महत्व केँ बुझब

1. यशायाह 40:12 - के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि क’ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हलक?

2. नीतिवचन 16:11 - न्यायसंगत संतुलन आ तराजू प्रभुक अछि; झोरा मे जतेक वजन अछि से ओकर काज छैक।

इजकिएल 42:19 ओ पश्चिम दिस घुमि कऽ नापबाक खढ़ सँ पाँच सय खढ़ नापि लेलक।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना इजकिएल पश्चिम दिस 500 खढ़ नापलनि।

1. जे हमरा सभक लेल महत्वपूर्ण अछि तकरा नापबाक आ गिनती करबाक लेल समय निकालबाक महत्व।

2. अपन विश्वासक विवरण बुझबाक महत्व।

1. लूका 16:10 - जे बहुत कम काज मे विश् वास करैत अछि, ओ बहुत किछु मे सेहो विश् वास करैत अछि। आ जे बहुत कम काज मे अधर्मी अछि से बहुत किछु मे सेहो अधर्मी अछि।

२. मुदा ओ सभ अपना केँ नापैत आ अपना आप मे तुलना करैत बुद्धिमान नहि छथि।

इजकिएल 42:20 ओ एकरा चारू कात सँ नापि लेलक: एकर चारू कात एकटा देबाल छलैक, जे पाँच सय खढ़क नमहर आ पाँच सय चौड़ा छलैक, जाहि सँ पवित्र स्थान आ अपवित्र स्थानक बीच अलग भ’ सकय।

पवित्र स्थान के नाप के वर्णन इजकिएल 42:20 में करलऽ गेलऽ छै ।

1. भगवान् के अभयारण्य के पवित्रता

2. अपवित्र केँ पवित्र सँ अलग करब

1. यूहन्ना 4:24 - परमेश् वर आत् मा छथि, आ जे हुनकर आराधना करैत छथि हुनका आत् मा आ सत्य मे आराधना करबाक चाही।

2. निर्गमन 25:8 -आ ओ सभ हमरा पवित्र स्थान बनाबय; जाहि सँ हम हुनका सभक बीच रहब।”

इजकिएल अध्याय 43 इजकिएल के देल गेल मंदिर के दर्शन के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय मंदिर में वापस आबै वाला परमेश्वर के महिमा आरू ओकरऽ अभिषेक के निर्देश पर केंद्रित छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत भगवान के महिमा के मंदिर में वापस आबै के दर्शन स॑ होय छै । भगवानक महिमा पूब दिस सँ मंदिर मे प्रवेश करैत अछि, संगहि एकटा जोरदार आवाज सेहो होइत अछि | दर्शन मंदिर में परमेश्वर के उपस्थिति के पवित्रता आरू वैभव पर जोर दै छै (इजकिएल 43:1-5)।

दोसर पैराग्राफ: तखन अध्याय मे मंदिरक भीतर सँ इजकिएल सँ गप्प करय बला परमेश् वरक आवाजक वर्णन कयल गेल अछि। भगवान् मंदिर के अभिषेक के निर्देश दै छै, जेकरा में ओकरो शुद्धि आरो जे चढ़ाबै के छै, ओकरा भी शामिल छै। दर्शन मंदिर के पवित्रता के कायम रखै के लेलऽ ई निर्देशऽ के पालन करै के महत्व पर जोर दै छै (इजकिएल ४३:६-१२)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय वेदी के नाप एवं वर्णन के साथ जारी है | दर्शन वेदी के निर्माण आरू आयाम के बारे में विशिष्ट विवरण प्रदान करै छै, जेकरा में बलिदान आरू पूजा के स्थान के रूप में एकरऽ महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै (इजकिएल 43:13-17)।

चतुर्थ अनुच्छेद: अध्याय के समापन वेदी के अभिषेक के निर्देश के साथ होयत अछि | परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे वेदी पर बलि चढ़ाओल जाय, जाहि मे होमबलि आ पापबलि सेहो शामिल अछि। दर्शन वेदी आरू मंदिर के पवित्रता के कायम रखै में ई बलिदान के महत्व के उजागर करै छै (इजकिएल 43:18-27)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय तेतालीस प्रस्तुत
मंदिर के दर्शन के निरंतरता,
भगवान् के महिमा के वापसी पर ध्यान केंद्रित
आ एकर अभिषेकक निर्देश सेहो।

पूर्व दिस सँ मंदिर मे लौटैत भगवानक महिमा के दर्शन।
मंदिर में भगवान के उपस्थिति के पवित्रता एवं वैभव का वर्णन |
इजकिएल स बात करैत आ मंदिर के अभिषेक के निर्देश दैत परमेश्वर के आवाज।
मंदिर के शुद्धि आ चढ़ाबय वाला प्रसाद पर जोर।
वेदी के नाप-जोख आ वर्णन, यज्ञ स्थल के रूप में एकर महत्व पर जोर दैत |
वेदी के अभिषेक आ चढ़ाबय के निर्देश।
मंदिर के पवित्रता के कायम रखबाक लेल एहि निर्देश के पालन करबाक महत्व।

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत पूर्व स॑ मंदिर म॑ वापस आबै वाला परमेश्वर केरऽ महिमा के दर्शन स॑ होय छै, जेकरा म॑ परमेश्वर केरऽ उपस्थिति के पवित्रता आरू वैभव प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै । एकरऽ बाद अध्याय म॑ मंदिर के भीतर स॑ इजकिएल स॑ बात करै वाला परमेश्वर के आवाज के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ मंदिर के अभिषेक के निर्देश देलऽ गेलऽ छै । एहि निर्देश मे मंदिरक शुद्धि आ जे प्रसाद करबाक अछि से शामिल अछि | अध्याय में वेदी के निर्माण आरू आयाम के बारे में विशिष्ट विवरण देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में यज्ञ आरू पूजा के स्थान के रूप में एकरऽ महत्व पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । अध्याय के समापन वेदी के अभिषेक के निर्देश के साथ होय छै, जेकरा में मंदिर के पवित्रता के कायम रखै में ई प्रसाद के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै । अध्याय में परमेश्वर के महिमा के मंदिर में वापसी आरू एकरऽ अभिषेक के लेलऽ हुनकऽ निर्देश के पालन करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 43:1 तकर बाद ओ हमरा ओहि फाटक दिस लऽ गेलाह जे पूब दिस तकैत अछि।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ ओहि मंदिरक फाटक पर आनल गेल जे पूब दिस मुँहे छल।

1. आध्यात्मिक यात्राक महत्व आ एक-एक डेग कोना आगू बढ़ल जाय।

2. मंदिरक पूर्व दिसक उन्मुखीकरण कोना हमरा लोकनिक विश्वास आ आध्यात्मिक विकासक स्मरण करा सकैत अछि।

1. भजन 84:11, "किएक तँ प्रभु परमेश् वर एकटा सूर्य आ ढाल छथि: प्रभु अनुग्रह आ महिमा देथिन। ओ सोझ चलनिहार सभ सँ कोनो नीक बात नहि रोकताह।"

2. यशायाह 58:8, "तखन तोहर इजोत भोर जकाँ फूटत, आ तोहर स्वास्थ्य जल्दी-जल्दी उगत, आ तोहर धार्मिकता तोहर आगू बढ़त; प्रभुक महिमा अहाँक फल होयत।"

इजकिएल 43:2 देखू, इस्राएलक परमेश् वरक महिमा पूरब दिस सँ आबि रहल छल, आ हुनकर आवाज बहुत रास पानिक आवाज जकाँ छल।

पूब दिससँ भगवानक महिमा आएल आ हुनकर आवाज अनेक पानिक आवाज जकाँ छल ।

1. परमेश् वरक महिमा: इजकिएल 43:2 पर एक नजरि

2. परमेश् वरक महिमा के अनुभव करब: इजकिएल 43:2 सँ हम की सीख सकैत छी

1. प्रकाशितवाक्य 19:6 - "हम बहुत भीड़क आवाज जकाँ सुनलहुँ, जेना बहुतो पानिक आवाज आ प्रबल गरजबाक आवाज जकाँ, ई कहैत अछि जे, हलेलुया, किएक तँ सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश् वर राज करैत छथि।"

2. यशायाह 55:12 - "किएक तँ अहाँ सभ हर्षोल्लाससँ बाहर निकलब आ शान्तिक संग आगू बढ़ब। पहाड़ आ पहाड़ अहाँ सभक सोझाँ फुटि कऽ गाबि उठत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।"

इजकिएल 43:3 हम जे दर्शन देखलहुँ, ओहि दर्शनक अनुसार भेल जे हम शहर केँ नष्ट करय लेल आयल रही। हम मुँह पर खसि पड़लहुँ।

इजकिएल एकटा एहन दर्शन देखैत छथि जे ओ कबर नदीक कात मे देखल गेल दर्शन सँ मिलैत जुलैत अछि, आ आश्चर्यचकित भ' क' मुँह पर खसि पड़ैत छथि।

1. परमेश् वरक वचनक भयानक शक्ति

2. अपन जीवन मे परमेश्वरक उपस्थिति केँ चिन्हब

1. यशायाह 6:1-5

2. प्रकाशितवाक्य 1:17-18

इजकिएल 43:4 परमेश् वरक महिमा ओहि फाटकक बाट मे घर मे आबि गेल, जकर बाट पूब दिस अछि।

पूबक द्वारसँ प्रभुक महिमा घरमे प्रवेश केलक।

1. प्रभु के सान्निध्य के शक्ति

2. परमेश् वरक प्रबन्धक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 60:1-3

2. भजन 24:7-10

इजकिएल 43:5 तखन आत् मा हमरा ऊपर उठा कऽ भीतरक आँगन मे लऽ गेल। परमेश् वरक महिमा घर मे भरि गेल।

परमेश् वरक महिमा घर मे भरि गेल।

1: हम सब प्रभु के महिमा स भरल छी आ अपन जीवन के एहन तरीका स जीबाक प्रयास करबाक चाही जे ओहि बात के दर्शाबय।

2: जहिना परमेश् वरक महिमा घर मे भरि जाइत अछि, तहिना हमरा सभक हृदय आ जीवन मे सेहो भरल रहबाक चाही।

1: कुलुस्सी 3:16 - मसीहक संदेश अहाँ सभक बीच भरपूर रहय, जखन अहाँ सभ भजन, भजन आ आत्माक गीतक माध्यमे सभ बुद्धि सँ एक-दोसर केँ सिखाबैत छी आ उपदेश दैत छी, अपन हृदय मे कृतज्ञताक संग परमेश् वर केँ गबैत छी।

2: इफिसियों 4:1-3 - तेँ हम, जे प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल छी, ओहि तरहेँ चलू, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल छी, पूरा विनम्रता आ सौम्यताक संग, धैर्यक संग आ एक-दोसर केँ सहन करू प्रेम, शांति के बंधन में आत्मा के एकता के कायम रखै के लेल आतुर |

इजकिएल 43:6 हम हुनका घर सँ बाहर हमरा सँ गप्प करैत सुनलहुँ। ओ आदमी हमरा लग ठाढ़ भ’ गेल।

परमेश् वर इजकिएल सँ अपन घरक भीतर सँ बात कयलनि आ एकटा आदमी हुनका लग ठाढ़ भऽ गेलाह।

1. भगवान हमरा सभक जीवन मे बाजबाक लेल सदिखन उपस्थित रहैत छथि

2. भगवानक आवाज सुनबाक महत्व

1. यशायाह 30:21 अहाँक कान अहाँ सभक पाछू एकटा बात सुनत जे ई बाट अछि, जखन अहाँ दहिना दिस घुमब वा बामा दिस घुमब तखन एहि मे चलू।

2. याकूब 1:19-20 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

इजकिएल 43:7 ओ हमरा कहलनि, “मनुष्य-पुत्र, हमर सिंहासनक स्थान आ हमर पएरक तलवाक स्थान, जतय हम इस्राएलक संतानक बीच सदाक लेल रहब आ हमर पवित्र नाम। इस्राएलक वंशज आब अशुद्ध नहि करत, ने ओ सभ, ने ओकर राजा सभ, अपन वेश्यावृत्ति सँ आ ने अपन ऊँच स्थान पर अपन राजा सभक शव सँ।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ चेताबै छै कि हुनी अब॑ अपनऽ पापपूर्ण काम या अपनऽ मृत राजा सिनी के उपस्थिति स॑ हुनकऽ पवित्र नाम क॑ अशुद्ध नै करै ।

1. भगवान् के साथ चलना: एक वफादार जीवन की शक्ति

2. परमेश् वरक नियम आ हुनक नामक पवित्रता

1. यिर्मयाह 2:7, "हम अहाँ सभ केँ एकटा प्रचुर देश मे अनलहुँ जाहि सँ अहाँ ओकर फल आ भलाईक आनंद ली। मुदा जखन अहाँ सभ प्रवेश केलहुँ तँ हमर देश केँ अशुद्ध कयलहुँ आ हमर धरोहर केँ घृणित बना देलियैक।"

2. भजन 24:3-4, "प्रभुक पहाड़ पर के चढ़त? हुनकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ भ' सकैत अछि? जे शुद्ध हाथ आ शुद्ध हृदयक अछि, जे मूर्ति पर भरोसा नहि करैत अछि आ ने झूठक शपथ लैत अछि।" ईश्वर."

इजकिएल 43:8 हमर दहलीजक संग अपन दहलीज आ हमर खंभाक संग अपन चौकी आ हमरा आ हुनका सभक बीचक देबाल केँ ठाढ़ करबा मे, ओ सभ अपन घृणित काज सभ सँ हमर पवित्र नाम केँ अशुद्ध क’ देलनि, जाहि सँ हम हुनका सभ केँ समाप्त क’ देलहुँ हमर क्रोध।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ पर क्रोधित छथि जे ओ सभ अपन घृणित काज सभ सँ अपन पवित्र नाम केँ अशुद्ध कऽ देलनि।

1. प्रभुक नाम अशुद्ध करबाक खतरा

2. पापक परिणाम बुझब

1. निकासी 20:7 - अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक नाम व्यर्थ नहि लिअ, किएक तँ प्रभु ओकरा निर्दोष नहि मानत जे अपन नाम व्यर्थ लेत।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 43:9 आब ओ सभ अपन वेश्यावृत्ति आ अपन राजा सभक शव केँ हमरा सँ दूर राखय, आ हम हुनका सभक बीच सदाक लेल रहब।

परमेश् वर इस्राएली सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी अपनऽ मूर्तिपूजा क॑ दूर करी क॑ अपनऽ राजा सिनी के लाश क॑ हुनकऽ सान्निध्य स॑ हटाबै ताकि हुनी अपनऽ लोगऽ के बीच अनन्त काल लेली रह॑ सक॑ ।

1. भगवानक बिना शर्त प्रेम: भगवानक हमरा सभक बीच रहबाक आमंत्रण कोना हमरा सभक प्रति हुनकर अटूट प्रेमक पूर्वाभास दैत अछि

2. आराधना के लागत: सच्चा आराधना के लागत के परीक्षण आ भगवान के उपस्थिति प्राप्त करय लेल मूर्तिपूजा के कोना दूर करय पड़त

१.

2. यशायाह 57:15 - "किएक तँ जे ऊँच आ ऊँच अछि, जे अनन्त काल मे रहैत अछि, जिनकर नाम पवित्र अछि, से कहैत अछि जे हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, आ ओहि पर सेहो जे पश्चाताप आ नीच आत् माक अछि।" , नीच लोकक आत्मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल, आ पश्चाताप करयवला लोकक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।"

इजकिएल 43:10 हे मनुष् य-पुत्र, इस्राएलक घराना केँ घर देखाउ, जाहि सँ ओ सभ अपन अधर्म सँ लज्जित होथि।

इजकिएल के ई अंश इस्राएल के लोगऽ के लेलऽ एगो आह्वान छै कि वू परमेश्वर के नमूना देखै कि ओकरा कोना जीना चाहियऽ आरू अपनऽ अधर्मऽ पर शर्म आबै के चाही।

1. "पवित्रता के आह्वान: भगवान के पैटर्न के अनुसार जीना"।

2. "शर्म के आवश्यकता: जखन हम भगवान के योजना स भटकैत छी"।

१.

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

इजकिएल 43:11 जँ ओ सभ अपन सभ काज सँ लजाइत छथि तँ हुनका सभ केँ घरक रूप, ओकर फैशन, ओकर बाहर निकलबाक, ओहि मे आबय बला, ओकर सभ रूप आ सभटा देखाउ ओकर नियम आ ओकर सभ रूप आ ओकर सभ नियम सभ ओकरा सभक नजरि मे लिखू, जाहि सँ ओ सभ ओकर पूरा रूप आ ओकर सभ नियम केँ पालन कऽ कऽ ओकरा सभक पालन करथि।”

एहि अंश मे इजकिएल केँ परमेश् वरक निर्देशक चर्चा कयल गेल अछि जे लोक सभ केँ घरक रूप, ओकर फैशन आ ओकर सभ नियम आ नियम देखाबथि, जाहि सँ ओ सभ पूरा रूप केँ राखि सकथि आ ओकरा सभ केँ पूरा करथि।

1. "भगवानक घरक रूप आ फैशन: भगवानक निर्देशक पालन"।

2. "भगवानक घरक सम्पूर्ण रूप रखबाक महत्व"।

1. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. व्यवस्था 6:4-9 - "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई वचन सभ।" आइ जे हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।’ अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ लगन सँ ओकरा सभ केँ सिखाब, आ जखन अहाँ अपन घर मे बैसब, आ बाट मे चलब, आ जखन अहाँ लेटब आ जखन अहाँ उठब तखन हुनका सभक गप्प करब ।

इजकिएल 43:12 ई घरक नियम अछि। पहाड़क चोटी पर ओकर चारू कात पूरा सीमा परम पवित्र होयत।
देखू, ई घरक नियम अछि।

भगवान् के घर के नियम में कहलऽ गेलऽ छै कि पहाड़ के चोटी के चारो तरफ के पूरा क्षेत्र के पवित्र रखना जरूरी छै ।

1. भगवान् के पवित्रता आ हमर जीवन पर ओकर प्रभाव

2. भगवानक घरक पवित्रता आ ओकरा निर्वाह करबाक हमर सभक दायित्व

1. यशायाह 11:9 - हमर समस्त पवित्र पहाड़ मे ओ सभ कोनो चोट नहि करत आ ने विनाश करत, किएक तँ पृथ्वी प्रभुक ज्ञान सँ भरल रहत, जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

2. 1 पत्रुस 1:15-16 - मुदा जेना अहाँ सभ केँ बजौनिहार पवित्र अछि, तहिना अहाँ सभ सभ तरहक व्यवहार मे पवित्र रहू। किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “पवित्र रहू। किएक तँ हम पवित्र छी।

इजकिएल 43:13 वेदीक नाप हाथक अनुसार अछि: एक हाथ एक हाथ आ एक हाथ चौड़ाई अछि। नीचाँ एक हाथ आ चौड़ाई एक हाथ आ चारू कात ओकर किनारक सीमा एक चौड़ाहट होयत।

इजकिएल 43:13 मे वेदी के वर्णन एक हाथ आ एक हाथ चौड़ाई के रूप में कयल गेल अछि, जकर तल एक हाथ आ एक स्पैन के सीमा अछि।

1. प्रभु के अपन सर्वश्रेष्ठ अर्पित करू: परमेश्वर के पवित्रता के सामने धर्म आ आज्ञाकारिता में रहब

2. बलिदान आ पूजा: अपन बलिदान के माध्यम स भगवान के सम्मान कोना कयल जाय

1. रोमियो 12:1 - तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी, भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि।

2. इब्रानी 12:28 - अतः, चूँकि हमरा सभ केँ एहन राज्य भेटि रहल अछि जे हिलल नहि जा सकैत अछि, तेँ हम सभ धन्यवादक पात्र रही, आ तेँ परमेश्वरक स्वीकार्य रूप सँ आदर आ भय सँ आराधना करी।

इजकिएल 43:14 जमीन पर नीचाँ सँ नीचाँ धरि दू हाथ आ चौड़ाई एक हाथ होयत। छोटका बस्ती सँ पैघ बस्ती धरि चारि हाथ आ चौड़ाई एक हाथ होयत।

इजकिएल 43:14 मे वेदी के नाप मे वेदी के वर्णन कयल गेल अछि जे जमीन सँ निचला बस्ती धरि दू हाथ ऊँच अछि, आ निचला बस्ती सँ पैघ बस्ती धरि चारि हाथ ऊँच अछि, दुनूक लेल एक हाथ चौड़ाई।

1. पूर्ण वेदी: इजकिएल 43:14 के एकटा परीक्षा

2. इजकिएल 43 मे वेदी के माप मे प्रतीकात्मकता के अध्ययन

1. निकासी 27:1 - "अहाँ बबूल के लकड़ी सँ एकटा वेदी बनाउ, जे पाँच हाथ नमहर आ पाँच हाथ चौड़ा होयत; वेदी चौकोर होयत आ ओकर ऊँचाई तीन हाथ होयत।"

2. 1 राजा 8:22 - "तखन सुलेमान इस्राएलक समस्त सभाक समक्ष प्रभुक वेदीक समक्ष ठाढ़ भ' गेलाह आ स्वर्ग दिस हाथ पसारि देलनि।"

इजकिएल 43:15 तेँ वेदी चारि हाथक होयत। वेदी सँ ऊपर चारि टा सींग होयत।

इजकिएल 43:15 मे वेदी चारि हाथ ऊँच अछि आ चारि सींग अछि।

1. परमेश् वर विवरण मे छथि: इजकिएल 43:15 मे वेदी बनेनाइ

2. परमेश्वर के वेदी के विशिष्टता: इजकिएल 43:15 में बाइबिल के शिक्षा

1. निर्गमन 27:1-8, प्रभुक वेदी

2. यिर्मयाह 7:22, हमर पवित्र नाम केँ अपवित्र नहि करू

इजकिएल 43:16 वेदी बारह हाथ नमहर, बारह चौड़ा आ चारि चौकोर चौकोर होयत।

प्रभुक पवित्र स्थान मे वेदी बारह हाथ लंबा आ बारह हाथ चौड़ा आ चारि चौकोर कात हेबाक चाही।

1. प्रभु के वेदी के अभिषेक: पूजा स्थल के अलग रखला के की मतलब छै

2. चौकोर वेदी के महत्व: पवित्रता के अर्थ समझना |

1. निष्कासन 20:24-26 - "अहाँ एकटा वेदी बनाउ, जे पाँच हाथ नमहर आ पाँच हाथ चौड़ा होयत; वेदी चारि चौकोर होयत, आ ओकर ऊँचाई तीन हाथ होयत। आ अहाँ सींग बनाउ।" ओकर चारू कोन मे ओकर सींग एक टुकड़ा मे होयत, आ ओकरा पीतल सँ झाँपि दियौक।ओकर कड़ाही बना कऽ ओकर भस्म, ओकर फावड़ा, ओकर बर्तन आ ओकर मांसक हड़ू ग्रहण करब। आ ओकर फायर पैन..."

2. निर्गमन 27:1-2 - "आ अहाँ एकटा वेदी बनाउ, जे पाँच हाथ नमहर आ पाँच हाथ चौड़ा होयत; वेदी चारि चौकोर होयत, आ ओकर ऊँचाई तीन हाथ होयत। आ अहाँ सींग बनाउ।" ओकर चारू कोन मे ओकर सींग एक टुकड़ा मे होयत, आ ओकरा पीतल सँ झाँपि दियौक।”

इजकिएल 43:17 बस्ती चौदह हाथ लंबा आ चौदह हाथ चौड़ा होयत। एकर सीमा आधा हाथ होयत। ओकर नीचाँ एक हाथक होयत। ओकर सीढ़ी पूब दिस देखत।

एहि मे मंदिर के वेदी के नाप के वर्णन अछि |

1: परमेश् वरक राज् य मे हमरा सभक अपन-अपन भूमिका अछि। जेना वेदी के बहुत विशिष्ट नाप छल, तहिना हमरा सब के सेहो विशिष्ट निर्देश, भूमिका आ अपेक्षा अछि जे भगवान हमरा सब लेल रखैत छथि।

2: भगवानक योजना मे एकटा सौन्दर्य आ संतुलन होइत छैक। जेना वेदी के एकटा विशिष्ट आकार आ आकार छलैक, तहिना भगवानक योजना मे सेहो सटीकता आ परिशुद्धता छैक |

1: 1 कोरिन्थी 3:16-17 - की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभ परमेश् वरक मन् दिर छी आ परमेश् वरक आत् मा अहाँ सभ मे निवास करैत अछि? जँ केओ परमेश् वरक मन् दिर केँ अशुद्ध करत तँ परमेश् वर ओकरा नष्ट कऽ देथिन। किएक तँ परमेश् वरक मन् दिर पवित्र अछि, जे मन् दिर अहाँ सभ छी।”

2: रोमियो 12:4-5 - किएक तँ जहिना हमरा सभक एक शरीर मे बहुतो अंग अछि, आ सभ अंगक एक समान पद नहि अछि, तहिना हम सभ बहुतो भ’ क’ मसीह मे एक शरीर छी आ प्रत्येक एक-दोसरक अंग छी।

इजकिएल 43:18 ओ हमरा कहलनि, “मनुख-पुत्र, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ई सभ वेदी पर होमबलि चढ़ाबय आ ओहि पर खून छिड़काबय के नियम अछि।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल सँ बात करैत छथि आ होमबलि चढ़ेबाक आ वेदी पर खून छिड़कबाक निर्देश दैत छथि।

1. बलिदानक शक्ति आ भगवानक आज्ञापालन

2. रक्त अर्पण के महत्व के समझना

1. इब्रानी 9:22 - आ प्रायः सभ किछु धर्म-नियमक द्वारा खून सँ शुद्ध कयल गेल अछि। आ बिना खून बहौने कोनो छूट नहि

2. लेवीय 17:11 - कारण, शरीरक जीवन खून मे अछि, आ हम अहाँ सभ केँ वेदी पर अहाँ सभ केँ प्रायश्चित करबाक लेल दऽ देलहुँ अछि, किएक तँ ई खून अछि जे आत् माक प्रायश्चित करैत अछि।

इजकिएल 43:19 अहाँ सादोक वंशक लेवी लोकनि केँ जे हमरा लग आबि रहल छथि, जे हमर सेवा करबाक लेल अबैत छथि, हुनका सभ केँ पापक बलिदानक लेल एकटा बैलक बच्चा द’ देबनि।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ सादोक वंशक पुरोहित सभ केँ पापबलि मे एकटा बैलक बच्चा दऽ दियौक।

1. बलिदानक शक्ति: इजकिएल 43:19 मे एकटा अध्ययन

2. इजकिएल 43:19 मे सादोक के महत्व

1. इब्रानी 9:22 - आ प्रायः सभ किछु धर्म-नियमक द्वारा खून सँ शुद्ध कयल गेल अछि। आ बिना खून बहौने कोनो छूट नहि।

2. लेवीय 4:3 - जँ अभिषिक्त पुरोहित लोकक पापक अनुसार पाप करैत छथि; तखन ओ अपन पापक पापक लेल पापबलि मे एकटा निर्दोष बैल केँ परमेश् वरक समक्ष आनय।

इजकिएल 43:20 एकर खून लऽ कऽ ओकर चारि सींग पर, बस्तीक चारू कोन पर आ चारू कातक सीमा पर लगाउ।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ कोनो बलिदानक खून लऽ कऽ वेदी, ओकर चारि सींग, चारि कोन आ ओकर सीमा पर लगाबथि।

1. बलिदानक रक्तक शक्ति

2. [illegible]

1. [illegible] 9:22 - "[illegible]

2. [illegible] 4:7 - "[illegible]

[illegible] 43:21 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible] :

1. [illegible] 4:33-35 - [illegible]

2. [illegible] 9:11-13 - [illegible]

[illegible] 43:22 [illegible]

[illegible] |

1. [illegible]

2. [illegible] :

1. [illegible] 4:3-12 - [illegible]

2. [illegible] 10:1-4 - [illegible]

[illegible] 43:23 [illegible]

[illegible] |

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 22:19-25 - [illegible]

2. [illegible] 12:1 - [illegible]

[illegible] 43:24 [illegible]

[illegible]

1. बलिदानक महत्व: भगवान हमरा सभसँ की आज्ञा दैत छथि

2. नमक: पवित्रता आ पवित्रताक निशानी

1. लेवीय 2:13 - "अपन अन्नबलि मे हरेक बलिदान मे नमक मसाला लगाउ; अहाँ अपन परमेश् वरक वाचा मे नून केँ अपन अन्नबलि मे कमी नहि होमय दियौक। अपन सभ बलिदानक संग नमक चढ़ाउ।" " .

2. मत्ती 5:13 - अहाँ सभ पृथ्वीक नून छी, मुदा जँ नूनक स्वाद खतम भ’ गेल अछि त’ ओकर नमकीनता कोना बहाल होयत? आब कोनो चीजक लेल नीक नहि अछि सिवाय बाहर फेकि क ’ लोकक पएर नीचाँ रौंदब ।

इजकिएल 43:25 सात दिन धरि अहाँ सभ दिन पापक बलिदानक लेल एकटा बकरी तैयार करू, ओ सभ भेँड़ा मे सँ एकटा बैल आ एकटा मेढ़ा सेहो तैयार करत, जे निर्दोष होयत।

ई अंश सात दिन के लेलऽ पापबलि तैयार करै के महत्व पर जोर दै छै, जेकरा में बकरी, बैल के बच्चा आरू बिना दाग के मेढ़ा शामिल होना चाहियऽ ।

1. क्षमाक शक्ति: पापक बलिदानक महत्व केँ बुझब

2. भगवान् के पवित्रता: बिना दाग के पापबलि तैयार करब

1. यशायाह 53:6 - हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकल छी; हम सभ एक-एकटा अपन-अपन बाट दिस घुमि गेल छी।
परमेश् वर हुनका पर हमरा सभक अधर्मक दोष लगा देने छथि।

2. लेवीय 4:35 - ओ ओकर सभ चर्बी हटा लेत, जेना मेलबलि मे मेमना के चर्बी निकालल जाइत छैक।
पुरोहित ओकरा सभ केँ वेदी पर जरा देताह, जेना परमेश् वर केँ आगि मे बलि देल गेल अछि।

इजकिएल 43:26 ओ सभ सात दिन धरि वेदी केँ शुद्ध करत आ ओकरा शुद्ध करत। आ ओ सभ अपना केँ पवित्र कऽ लेताह।

सात दिन वेदी के शुद्धि आ पवित्र करय के लेल समर्पित करय के अछि.

1. भगवान् के समर्पण के शक्ति

2. शुद्धि के सौन्दर्य

1. यशायाह 6:6-7 तखन एकटा सराफी हमरा लग उड़ि गेल, हाथ मे एकटा जरैत कोयला छल जे ओ वेदी पर सँ चिमटा सँ लऽ गेल छल। ओ हमर मुँह छूबि बजलाह: देखू, ई अहाँक ठोर छूबि गेल अछि। तोहर अपराध दूर भऽ गेल अछि आ तोहर पापक प्रायश्चित भऽ गेल अछि।

2. यूहन्ना 15:3 हम जे वचन अहाँ सभ केँ कहने छी, ताहि कारणेँ अहाँ सभ पहिने सँ शुद्ध छी।

इजकिएल 43:27 जखन ई दिन सभ समाप्त भ’ जायत तखन आठम दिन आओर एहि सँ आगू, पुरोहित लोकनि अहाँक होमबलि वेदी पर आ अहाँ सभक मेल-बलि देताह। हम अहाँ सभ केँ स्वीकार करब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

आठम दिन पुरोहित सभ प्रभु केँ होमबलि आ शांति बलि चढ़ौताह आ ओ ओकरा स्वीकार करताह।

1. इजकिएल 43:27 मे बलिदान व्यवस्था हमरा सभ केँ देखाबैत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ हुनका अपन सर्वश्रेष्ठ अर्पित करी।

2. भगवान् कृपालु छथि जे हमरा सभक प्रसाद स्वीकार करैत छथि, चाहे ओ कतबो अपूर्ण किएक नहि हो।

२. एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |
1676

2. इब्रानियों 13:15-16 अतः, यीशुक द्वारा, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, जे ठोर खुलि कऽ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि। आ नीक काज करब आ दोसरक संग बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

इजकिएल अध्याय 44 इजकिएल के देल गेल मंदिर के दर्शन के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय लेवीय पुरोहितऽ के भूमिका आरू जिम्मेदारी आरू मंदिर के सेवा के नियमऽ पर केंद्रित छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत ई पुष्टि स॑ होय छै कि पवित्र स्थान केरऽ पूर्वी द्वार बंद रहना चाहियऽ, कैन्हेंकि प्रभु ओकरा स॑ प्रवेश करी गेलऽ छै । एहि फाटक सँ आन ककरो प्रवेशक अनुमति नहि अछि, कारण ई विशेष रूप सँ प्रभुक लेल आरक्षित अछि (इजकिएल 44:1-3)।

2nd पैराग्राफ: तखन दर्शन लेवीक पुरोहित आ मंदिर मे हुनकर कर्तव्य के संबोधित करैत अछि। परमेश् वर ई निर्दिष्ट करै छै कि केवल सादोक के वंशज सिनी कॅ ही, जे मूर्तिपूजा के समय में वफादार रहलै, ओकरा भीतर के पवित्र स्थान तक पहुँचै के छै आरू सेवा करै लेली ओकरा पास पहुँचै के छै। लेवीय पुरोहितऽ क॑ बलिदान, संस्कार संचालन, आरू लोगऽ क॑ पवित्र आरू आम के बीच के अंतर सिखाना जैसनऽ जिम्मेदारी देलऽ जाय छै (इजकिएल ४४:४-१६)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे पुरोहितक आचरणक नियम अछि | परमेश् वर पुरोहित सभ केँ ऊन सँ बनल वस्त्र पहिरबाक, बाहरी आँगन मे प्रवेश करबा सँ, जतय लोक सभ अछि, वा विधवा वा तलाकशुदा स्त्री सँ विवाह करबा सँ मना करैत छथि। हुनका सभ केँ पवित्रता बनौने रहबाक चाही आ लोक सभक लेल एकटा उदाहरण बनेबाक चाही (इजकिएल 44:17-31)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय चौवालीस प्रस्तुत
मंदिर के दर्शन के निरंतरता,
भूमिका आ जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करैत
लेवीक पुरोहित सभक आ मन् दिरक सेवाक नियम।

अभयारण्य के पूर्वी द्वार बंद रहै के पुष्टि, कैन्हेंकि प्रभु ओकरा सें प्रवेश करी चुकलऽ छै ।
एहि फाटक सँ ककरो प्रवेश पर रोक, कारण ई विशेष रूप सँ प्रभुक लेल आरक्षित अछि |
सादोक के वंशज के विनिर्देश कि एकमात्र जिनका भीतर के अभयारण्य में सेवा करै के अनुमति छेलै।
बलि चढ़ाबय, संस्कार करय आ लोक के शिक्षा देबय मे लेवी के पुरोहित के जिम्मेदारी।
पुरोहित के आचरण के नियम, जाहि में विशिष्ट वस्त्र पर रोक, बाहरी दरबार में प्रवेश, आ किछु व्यक्ति के विवाह करब शामिल अछि |
पवित्रता कायम रखबा आ लोकक लेल मिसाल बनेबा पर जोर।

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत ई पुष्टि स॑ होय छै कि अभयारण्य केरऽ पूर्वी द्वार बंद रहना चाहियऽ, कैन्हेंकि प्रभु ओकरा स॑ प्रवेश करी क॑ ओकरा विशेष रूप स॑ हुनका लेली आरक्षित करी क॑ प्रवेश करी चुकलऽ छै । तखन दर्शन लेवीक पुरोहित आ मंदिर मे हुनकर कर्तव्य के संबोधित करैत अछि | केवल सादोक के वंशज के, जे मूर्तिपूजा के समय में विश्वासी रहलै, ओकरा भीतर के पवित्र स्थान तक पहुँचै के छै आरू सेवा करै लेली परमेश्वर के पास पहुँचै के छै। लेवीय पुरोहितऽ क॑ बलिदान, संस्कार संचालन, आरू लोगऽ क॑ पवित्र आरू आम के अंतर सिखाना जैसनऽ जिम्मेदारी देलऽ जाय छै । अध्याय में पुरोहित के आचरण के नियम भी छै, जेकरा में विशिष्ट वस्त्र पर रोक, बाहरी दरबार में प्रवेश, जहाँ लोग छै, आरू कुछ व्यक्ति के साथ शादी करना शामिल छै । पवित्रता के कायम राखय आ लोक के लेल एकटा मिसाल कायम करय पर जोर देल गेल अछि. अध्याय मन्दिर के सेवा में लेवीय पुरोहित के भूमिका आरू जिम्मेदारी के महत्व आरू ओकरा परमेश् वर के नियम के पालन करै आरू पवित्रता के कायम रखै के जरूरत पर प्रकाश डालै छै।

इजकिएल 44:1 तखन ओ हमरा बाहरी पवित्र स्थानक फाटकक बाट वापस अनलनि जे पूर्व दिस देखैत अछि। आ ओ बंद भ’ गेल।

परमेश् वर इजकिएल केँ पवित्र स्थानक पूरब फाटक पर अनैत छथि, जे बंद अछि।

1677

1. भगवानक योजना एकदम सही समय पर अछि

2. भगवानक मार्ग रहस्यमयी अछि

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. उपदेशक 3:1-2 सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँ सभ वस्तुक समय होइत छैक, जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक। रोपबाक समय, आ जे रोपल गेल अछि ओकरा तोड़बाक समय।

इजकिएल 44:2 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन। ई फाटक बन्द रहत, नहि खुजत आ एहि मे केओ प्रवेश नहि करत। किएक तँ इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर एहि मे प्रवेश कयलनि, तेँ ओ बंद भऽ जायत।

ई अंश परमेश् वर के अधिकार आरू शक्ति के बारे में बात करै छै, कैन्हेंकि वू फाटक सॅ प्रवेश करी चुकलऽ छै आरू वू बंद होय जैतै।

1: यीशु द्वारपाल छथि - यूहन्ना 10:7-9

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आदर आ आज्ञा मानबाक अछि - रोमियो 13:1-2

1: भजन 24:7-10

2: फिलिप्पियों 2:9-11

इजकिएल 44:3 ई राजकुमारक लेल अछि। राजकुमार, ओ ओहि मे बैसि कऽ परमेश् वरक समक्ष रोटी खाएत। ओ ओहि फाटकक ओसारा मे प्रवेश करत आ ओहि फाटक बाट सँ बाहर निकलत।

लोकक राजकुमार केँ मन्दिर मे प्रभुक समक्ष भोजन करबाक अधिकार देल जाइत छैक |

1. राजकुमारक अधिकार: प्रभुक समक्ष अपन स्थान बुझब

2. राजकुमार पर भगवानक आशीर्वाद: विनम्रता मे सेवा करबाक लेल एकटा आदर्श

1. यशायाह 66:1 - प्रभु ई कहैत छथि जे स्वर्ग हमर सिंहासन अछि, आ धरती हमर पैरक आधार अछि। अहाँ हमरा लेल कोन घर बनबैत छलहुँ आ हमर विश्रामक स्थान की अछि?

2. भजन 84:10 - किएक तँ अहाँक दरबार मे एक दिन आन ठाम हजार दिन सँ नीक अछि। हम अपन परमेश् वरक घर मे दरबज्जा बनब नीक बुझब, नहि कि दुष्टताक डेरा मे रहब।

इजकिएल 44:4 तखन ओ हमरा घरक आगू उत्तर फाटकक बाट अनलनि, तखन हम देखलहुँ जे परमेश् वरक महिमा परमेश् वरक घर मे भरि गेल, आ हम मुँह पर खसि पड़लहुँ।

इजकिएल प्रभु के सान्निध्य के अनुभव करलकै आरू प्रभु के महिमा के प्रभु के घर में भरतें देखी के मुँह पर गिरी गेलै।

1. प्रभुक उपस्थिति एतेक शक्तिशाली अछि जे हमरा सभकेँ विस्मयसँ अभिभूत क' सकैत अछि

2. प्रभु एतेक राजसी छथि जे ओ हमरा सभक आदर आ श्रद्धा योग्य छथि

1. निष्कासन 33:18-19 ओ कहलनि, “हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे, हमरा अपन महिमा देखाउ।” ओ कहलथिन, “हम अपन सभटा भलाई अहाँक सोझाँ पहुँचा देब आ अहाँ सभक समक्ष परमेश् वरक नामक प्रचार करब। जकरा पर हम कृपा करब, ओकरा पर कृपा करब, आ जकरा पर हम दया करब, तकरा पर दया करब।

2. यशायाह 6:3-5 एक गोटे दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि। चीत्कार करनिहारक आवाज पर दरबज्जाक खंभा सभ हिलैत-डुलैत घर मे धुँआ भरि गेल। तखन हम कहलियनि, “धिक्कार हम! किएक तँ हम क्षीण छी। किएक तँ हम अशुद्ध ठोर बला लोक छी आ अशुद्ध ठोर बला लोकक बीच मे रहैत छी, किएक तँ हमर आँखि सेना सभक परमेश् वर राजा केँ देखलक अछि।”

इजकिएल 44:5 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “मनुख-पुत्र, नीक जकाँ चिन्हू, आ अपन आँखि सँ देखू आ कान सँ सुनू जे हम अहाँ केँ परमेश् वरक घरक सभ नियम आ सभ नियमक विषय मे कहैत छी।” ओकर; आ पवित्र स्थान सँ बाहर निकलैत घरक प्रवेश द्वार पर नीक जकाँ चिन्हित करू।

परमेश् वर इजकिएल केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ प्रभुक घरक सभ नियम आ नियमक ध्यान सँ पालन करथि आ सुनथि।

1. भगवानक आज्ञा पर ध्यान देबाक महत्व

2. प्रभु के घर के महत्व

1. भजन 119:105 अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि, हमर बाट पर इजोत अछि।

2. याकूब 1:22-25 खाली वचन नहि सुनू, आ एहि तरहेँ अपना केँ धोखा करू। जे कहैत अछि से करू। जे कियो शब्द सुनैत अछि मुदा ओहि मे जे कहल गेल अछि से नहि करैत अछि ओ ओहिना होइत अछि जेना ऐना मे मुँह तकैत अछि आ अपना केँ देखलाक बाद दूर चलि जाइत अछि आ तुरन्त बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन अछि । मुदा जे कियो स्वतंत्रता देबय बला सिद्ध नियम मे ध्यान सँ देखैत अछि, आ ओहि मे जारी रहत जे ओ सुनल बात केँ नहि बिसरैत अछि, बल्कि ओकरा पूरा करैत ओ जे काज करैत अछि ताहि मे धन्य होयत।

इजकिएल 44:6 अहाँ विद्रोही सभ केँ, इस्राएलक घराना केँ कहब जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे इस्राएलक वंशज, अहाँ सभ केँ अपन सभ घृणित काज सँ पूरा होअय।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ अपन घृणित काज छोड़बाक आज्ञा दैत छथि।

1. हमरा सभक घृणित काज केँ क्षमा करबा मे परमेश् वरक दया

2. घृणित काजसँ दूर हटबामे पश्चातापक शक्ति

1. भजन 103:12-13: पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर क’ देलनि। जहिना पिता अपन संतान पर दया करैत अछि, तहिना परमेश् वर हुनका डरय बला सभ पर दया करैत छथि।

2. यशायाह 1:18-20: आब आउ, आउ, हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, परमेश् वर कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै। जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन खाएब, मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ भस्म भऽ जायब।

इजकिएल 44:7 एहि तरहेँ अहाँ सभ हमर पवित्र स्थान मे परदेशी सभ केँ अनलहुँ, जे हृदय मे खतना नहि कयल गेल अछि आ मांस मे खतना नहि भेल अछि, जे हमर पवित्र स्थान मे रहय, हमर घर केँ दूषित करबाक लेल, जखन अहाँ हमर रोटी, चर्बी आ खून चढ़बैत छी आ... अहाँक सभ घृणित काजक कारणेँ ओ सभ हमर वाचा तोड़ि देलक।

परमेश् वर ओहि सभक निन्दा करैत छथि जे अपन घृणित काजक कारणेँ अपन वाचा तोड़ैत छथि जे परदेशी केँ अपन पवित्र स्थान मे अनैत छथि आ ओकरा प्रदूषित करैत छथि |

1. भगवान् के साथ वाचा तोड़ने के परिणाम

2. भगवान् के अभयारण्य के शुद्ध रखने के महत्व

1. इजकिएल 44:7

1679

2. व्यवस्था 7:3-4 - "नहि अहाँ हुनका सभक संग विवाह करू; अपन बेटी केँ ओकर बेटा केँ नहि दियौक आ ने ओकर बेटी केँ अपन बेटा केँ नहि दियौक। किएक तँ ओ सभ अहाँक बेटा केँ हमरा पाछाँ छोड़बा सँ मोड़ि देत, जे।" ओ सभ आन देवताक सेवा क' सकैत छथि, तहिना प्रभुक क्रोध अहाँ सभ पर प्रज्वलित भ' जेताह आ अहाँ केँ अचानक नष्ट क' देताह।"

इजकिएल 44:8 अहाँ सभ हमर पवित्र वस्तुक प्रभार नहि रखलहुँ, मुदा अहाँ सभ अपन लेल हमर पवित्र स्थान मे हमर प्रभारक रखनिहार राखलहुँ।

इस्राएल के लोग प्रभु के पवित्र वस्तु के प्रभार नै रखलकै, बल्कि ओकरो बदला में हुनको पवित्र स्थान में हुनको प्रभार के अपनऽ रखवाला नियुक्त करी लेलकै।

1. प्रभु के प्रभार: परमेश् वर के अभयारण्य में आज्ञा के पालन करना

2. रखबारक नियुक्ति: चर्च मे नेताक चयन

1. व्यवस्था 28:1-2 - जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ लगन सँ सुनब, हुनकर सभ आज्ञाक पालन आ पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ केँ सभ सँ ऊपर ठाढ़ करताह पृथ् वीक जाति सभ, जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज सुनब तँ ई सभ आशीर्वाद अहाँ पर आबि जायत आ अहाँ केँ पकड़ि लेत।

2. 1 तीमुथियुस 3:1-2 - ई सत् य कहब अछि, जँ केओ बिशप पदक इच्छा रखैत अछि तँ ओ नीक काज चाहैत अछि। तखन बिशप निर्दोष होबाक चाही, एक पत्नीक पति, सतर्क, सोझ, नीक व्यवहारक, सत्कार करय बला, पढ़ेबाक योग्य।

इजकिएल 44:9 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। इस्राएलक संतान मे सँ कोनो परदेशी, जे हृदय मे खतना नहि, आ शरीर मे खतना नहि, हमर पवित्र स्थान मे प्रवेश नहि करत।

परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे केवल ओहि लोक सभ हुनकर पबित्र मे प्रवेश कऽ सकथि जे हृदय आ शरीर मे खतना कयल गेल छथि, आ इस्राएली सभक बीच सँ छथि।

1. "पवित्रताक आह्वान: अभयारण्य सँ बहिष्कार"।

2. "खतनाक आवश्यकता: भगवान् सँ जुड़ब"।

1. रोमियो 2:28-29 - किएक तँ ओ यहूदी नहि छथि जे बाहरी रूप सँ एक अछि आ ने खतना शरीर मे बाहरी अछि। मुदा ओ यहूदी अछि जे भीतर सँ एक अछि। खतना हृदयक होइत छैक, आत् मा मे, अक्षर मे नहि। जिनकर स्तुति मनुष्य सँ नहि, परमेश् वर सँ होइत अछि।

2. कुलुस्सी 2:11-12 - हुनका मे अहाँ सभ सेहो बिना हाथक खतना सँ खतना कयल गेलहुँ, शरीरक पापक शरीर केँ उतारि कऽ, मसीहक खतना द्वारा, हुनका संग बपतिस्मा मे दफना देल गेलहुँ, जाहि मे अहाँ सभ सेहो परमेश् वरक काज मे विश् वासक कारणेँ हुनका संग जीबि उठल छलाह, जे हुनका मृत् यु मे सँ जीबि उठौलनि।

इजकिएल 44:10 हमरा सँ दूर चलि गेल लेवी सभ जखन इस्राएल भटकल छल, जे अपन मूर्ति सभक पाछाँ हमरा सँ भटकल छल। ओ सभ अपन अधर्म तक सहन करत।

जे लेवी परमेश् वर सँ भटकल अछि, से सभ अपन अधर्मक परिणाम उठाओत।

1. अपन पापक परिणाम सहन करब। (इजकिएल ४४:१०) २.

2. परमेश् वर पर अपन विश् वास केँ पुनः प्रज्वलित करब। (इजकिएल ४४:१०) २.

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

इजकिएल 44:11 तइयो ओ सभ हमर पवित्र स्थान मे सेवक होयत, घरक फाटक पर काज करत आ घरक सेवा करत हुनकर.

इस्राएलक पुरोहित सभ परमेश् वरक घरक सेवाक जिम् मेदार छथि, आ ओ सभ लोक सभक लेल बलिदानक बलिदानक देखरेख करताह।

1. भगवानक घरक सेवा करबाक महत्व

2. बलिदानक अर्थ बुझब

१. आ ने अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक सभक मालिक बनब, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।

2. इब्रानी 13:15-16 - तेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान, अर्थात् अपन ठोरक फल, हुनकर नामक धन्यवाद दैत निरंतर अर्पित करी। मुदा नीक काज करब आ बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

इजकिएल 44:12 किएक तँ ओ सभ अपन मूर्ति सभक समक्ष हुनका सभक सेवा करैत छलाह आ इस्राएलक घराना केँ अधर्म मे फँसा देलनि। तेँ हम हुनका सभक विरुद्ध अपन हाथ उठौलहुँ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, आ ओ सभ अपन अधर्म केँ सहन करत।

प्रभु परमेश् वर इजकिएल सँ बात करै छै, इस्राएल के पुरोहित सिनी के खिलाफ अपनऽ क्रोध के घोषणा करै छै कि हुनी लोग सिनी कॅ भटकाय देलकै आरू ओकरा सिनी कॅ अधर्म करै के कारण बनैलकै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इजकिएल 44:12 के अध्ययन

2. परमेश् वरक क्रोध आ दया: इजकिएल 44:12 मे अधर्म केँ बुझब

1. व्यवस्था 10:12-13, "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक आ हुनका सँ प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक सेवा करबाक।" अपन पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ, आ प्रभुक आज्ञा आ हुनकर नियम सभक पालन करबाक लेल जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दैत छी?”

2. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

इजकिएल 44:13 ओ सभ हमरा लग पुरोहितक काज करबाक लेल नहि आओत आ ने हमर कोनो पवित्र वस्तुक नजदीक आओत, परम पवित्र स्थान पर, मुदा ओ सभ अपन लाज आ घृणित काज केँ सहन करत जे ओ सभ प्रतिबद्ध कएने छथि।

पुरोहित सब के अपन लाज आ घृणित काज के कारण परमेश् वर के पवित्र वस्तु या परम पवित्र स्थान के नजदीक नै आबय के अनुमति छै।

1. पश्चाताप के आह्वान: लाज आ घृणितता पर काबू पाब

2. भगवान् के पवित्रता: हुनक उपस्थिति के सीमा के सम्मान करब

1. यशायाह 59:2 मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भऽ गेल अछि आ अहाँक पाप अहाँ सभ सँ हुनकर मुँह नुका लेलक जे ओ नहि सुनत।

2. इब्रानी 10:22 आउ, हम सभ विश्वासक पूर्ण आश्वासन मे सत् य हृदय सँ नजदीक आबि जाइ, अपन हृदय पर दुष्ट विवेक सँ छिड़कल आ अपन शरीर शुद्ध पानि सँ धोओल गेल।

1681

इजकिएल 44:14 मुदा हम हुनका सभ केँ घरक सभ सेवा आ ओहि मे जे किछु होयत ताहि लेल घरक प्रभारी बना देबनि।

भगवान् लोक केँ मंदिरक सेवा आ कर्तव्यक जिम्मेदारी लेबय लेल नियुक्त करताह।

1. भगवान् लोक केँ जिम्मेदारी आ सेवा मे नियुक्त करैत छथि

2. भगवानक सेवा करबाक लेल एक संग काज करब

1. इब्रानी 10:24-25 - आओर विचार करी जे एक दोसरा केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाओल जाय, एक संग भेंट करबा मे कोताही नहि करब, जेना किछु गोटेक आदति अछि, बल्कि एक दोसरा केँ प्रोत्साहित करब, आओर ओहि सँ बेसी जेना अहाँ सभ देखैत छी दिन नजदीक आबि रहल अछि।

2. 1 इतिहास 28:20 - तखन दाऊद अपन पुत्र सुलेमान केँ कहलथिन, “मजगूत आ साहसी बनू आ ई काज करू।” डरब आ निराश नहि होउ, किएक तँ प्रभु परमेश् वर, हमर परमेश् वर सेहो अहाँक संग छथि। जाबे तक प्रभुक घरक सेवाक सभ काज समाप्त नहि भऽ जायत ताबे तक ओ अहाँकेँ नहि छोड़त आ ने छोड़त।

इजकिएल 44:15 मुदा सादोकक पुत्र लेवी याजक, जे हमर पवित्र स्थानक जिम्मा रखलनि, जखन इस्राएलक सन्तान हमरा सँ भटकि गेल छल, ओ सभ हमरा लग आबि क’ हमर सेवा करबाक लेल आओत आ ओ सभ हमरा सोझाँ ठाढ़ भ’ जेताह हमरा चर्बी आ खून चढ़ाउ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे लेवी पुरोहित सभ, जे सादोकक पुत्र सभ छथि, हुनका लग आबि हुनकर सेवा करताह, चर्बी आ खूनक बलि चढ़ाओताह।

1. परमेश् वर निष्ठावान सेवाक पुरस्कृत करैत छथि - लेवीक वफादारी आ परमेश् वरक सेवाक फल पर ध्यान देब।

2. बलिदानक अर्थ - भगवान् आ हुनक लोकक बीचक संबंधक संदर्भ मे बलिदानक आध्यात्मिक महत्वक अन्वेषण करब।

1. इब्रानी 11:4 - विश् वास सँ हाबिल परमेश् वर केँ कैन सँ बेसी उत्तम बलिदान चढ़ौलनि, जाहि सँ ओ गवाही पाबि लेलनि जे ओ धर्मी छथि, परमेश् वर अपन वरदानक गवाही दैत छलाह। आ ओकर माध्यमे ओ मरि गेल रहैत एखनो बजैत अछि।

2. 1 यूहन्ना 3:16 - एहि सँ हम सभ प्रेम केँ जनैत छी, किएक तँ ओ हमरा सभक लेल अपन प्राण दऽ देलनि। आ हमरा सभ केँ सेहो भाइ सभक लेल अपन प्राण देबाक चाही।

इजकिएल 44:16 ओ सभ हमर पवित्र स्थान मे प्रवेश करत, आ हमर सेवा करबाक लेल हमर टेबुल लग आबि जायत आ हमर काज पूरा करत।

पुरोहित सभ परमेश् वरक आज्ञाक सेवा आ पालन करबाक लेल परमेश् वरक पवित्र स्थान मे प्रवेश करताह।

1: भगवान के आज्ञा के पालन करला स आशीर्वाद भेटैत अछि

2: भगवानक अभयारण्य मे सेवा करबाक पुरोहितक महत्व

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2: व्यवस्था 11:26-28 - आज्ञा मानू आ अहाँ धन्य होयब।

इजकिएल 44:17 जखन ओ सभ भीतरक आँगनक फाटक पर प्रवेश करत तखन ओ सभ लिनेन कपड़ा पहिरने रहत।
जाबत ओ सभ भीतरक आँगनक फाटक आ भीतरक सेवा करैत छथि, ताबत हुनका सभ पर कोनो ऊन नहि आओत।

1682

एहि अंश मे पुरोहितक परिधानक चर्चा कयल गेल अछि जखन ओ मंदिरक भीतरक प्रांगण मे काज करैत छथि |

1. अपन लोकक लेल परमेश् वरक निर्देश विशिष्ट आ सार्थक अछि

2. आदर आ पवित्रता मे परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

1. निकासी 28:2-4 - पुरोहितक वस्त्रक संबंध मे मूसा केँ निर्देश

2. लेवीय 16:4 - प्रायश्चित के दिन के संस्कार के संबंध में हारून के लेल निर्देश

इजकिएल 44:18 हुनका सभक माथ पर लिनेनक बोनट आ कमर पर लिनेनक ब्रेस रहत। ओ सभ पसीना बहय बला कोनो वस्तु सँ अपना केँ कमरबंद नहि करत।

प्रभुक पुरोहित सभ केँ लिनेन कपड़ा पहिरबाक चाही जाहि सँ पसीना नहि निकलय।

1: धर्मक परिधान: पुरोहितक परिधानक आशीर्वाद

2: विश्रामक वरदान: पुरोहितक वस्त्रक दया

1: मत्ती 22:11-14 - विवाहक भोजक दृष्टान्त

2: यशायाह 61:10 - भारीपन के आत्मा के लेल स्तुति के वस्त्र

इजकिएल 44:19 जखन ओ सभ लोक सभक लेल पूर्ण आँगन मे, पूर्ण आँगन मे जायब, तखन ओ सभ अपन वस्त्र उतारि कऽ पवित्र कोठली मे राखत आ दोसर वस्त्र पहिरत। ओ सभ अपन वस्त्र सँ लोक केँ पवित्र नहि करत।

मंदिर मे पुरोहित लोकनि केँ लोक सँ भेंट करबाक लेल भीतरक आँगन सँ बाहरक आँगन मे जाइत काल अपन वस्त्र बदलय पड़तनि आ हुनका लोकनि केँ अपन वस्त्र सँ लोक केँ पवित्र नहि करबाक चाही।

1: दोसर के सेवा में विनम्रता आ विनम्रता के महत्व पर क।

2: भगवान् के सेवा में पवित्रता के महत्व पर क।

1: फिलिप्पियों 2:3-7 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता में दोसर के अपना स बेसी महत्व दियौ, अपन हित के नै बल्कि अहाँ सब में स प्रत्येक के दोसर के हित के तरफ देखू।

2: कुलुस्सी 3:12-17 - अतः परमेश् वरक चुनल लोक, पवित्र आ प्रिय प्रिय, दया, दया, विनम्रता, कोमलता आ धैर्यक कपड़ा पहिराउ। एक दोसरा के सहन करू आ एक दोसरा के माफ करू जँ अहाँ मे सँ किनको ककरो विरुद्ध कोनो शिकायत हो। जेना प्रभु अहाँ केँ क्षमा कयलनि, क्षमा करू।

इजकिएल 44:20 ने ओ सभ माथ मुंडन करत आ ने अपन ताला नमहर होबय देत। ओ सभ मात्र माथ पोल करत।

परमेश् वर इस्राएलक पुरोहित सभ केँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ माथ मुंडन नहि करथि आ केश केँ नमहर नहि करथि, बल् कि केश छोट राखथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: इजकिएल 44:20 के पाछु के अर्थ के खोज

2. केश आइ, काल्हि चलि गेल: इजकिएल 44:20 सँ हम की सीख सकैत छी?

1. 1 शमूएल 16:7 - "मुदा परमेश् वर शमूएल केँ कहलथिन, "ओकर रूप आ कदक ऊँचाई केँ नहि देखू, किएक तँ हम ओकरा अस्वीकार कऽ देलहुँ। किएक तँ प्रभु ओहिना नहि देखैत अछि जेना मनुष्य देखैत अछि। मनुष्य बाहरी दिस तकैत अछि।" रूप, मुदा प्रभु हृदय दिस तकैत छथि।

2. मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँक मोल हुनका सभसँ बेसी नहि अछि? आ अहाँ मे सँ के बेचैन भ' क' ओकर जीवन काल मे एक घंटा जोड़ि सकैत अछि? आ कपड़ाक चिन्ता किएक अछि? खेतक कुमुद पर विचार करू जे ओ कोना बढ़ैत अछि, ओ सभ ने मेहनत करैत अछि आ ने घुमैत अछि, तइयो हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ नहि सजल छलाह।...

इजकिएल 44:21 आ कोनो पुरोहित भीतरक आँगन मे प्रवेश करबा काल मदिरा नहि पीत।

प्रभुक पुरोहित सभ भीतरक आँगन मे रहैत मदिरा नहि पीबथि।

1. मदिरा सँ परहेज करब प्रभुक प्रति आदर करबाक काज थिक।

2. प्रभु के वचन के पालन करला स बेसी पवित्रता भेटैत अछि।

1. नीतिवचन 20:1 - "मदिरा उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।"

2. रोमियो 14:21 - "नहि मांस खाएब नीक अछि, ने मदिरा पीब, आ ने कोनो एहन चीज जाहि सँ अहाँक भाय ठोकर खाइत अछि, आकि ठेस पहुँचैत अछि, वा कमजोर भ' जाइत अछि।"

इजकिएल 44:22 ओ सभ अपन स् त्री केँ कोनो विधवा केँ नहि बनाओत आ ने विदा भेला केँ, बल् कि ओ सभ इस्राएलक वंशजक कन्या सभ केँ ल’ लेत, आ ने कोनो एहन विधवा केँ, जकरा पहिने पुरोहित छल।

इस्राएल के पुरोहित सिनी के खाली इस्राएल के घराना के कुमारी सिनी के शादी करना छै, या कोनो विधवा के साथ जेकरऽ पहलें पति के रूप में एगो पुरोहित छेलै।

1. परमेश् वरक पवित्रताक आह्वान: इस्राएलक पुरोहित सभक लेल एकटा उपदेश

2. ईश्वरीय विवाह: भगवान आ मनुष्यक बीच एकटा वाचा

1. 1 थिस्सलुनीकियों 4:3-8 - किएक तँ परमेश् वरक इच् छा अछि जे अहाँ सभक पवित्रता अछि। कि अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अपन शरीर केँ पवित्रता आ आदर मे नियंत्रित करबाक तरीका बुझल अछि, नहि कि गैर-यहूदी सभ जे परमेश् वर केँ नहि जनैत अछि, वासना-विलास मे। एहि बात मे कियो अपन भाय पर उल्लंघन आ अन्याय नहि करय, किएक तँ प्रभु एहि सभ बात मे बदला लेबय बला छथि, जेना हम सभ अहाँ सभ केँ पहिने कहने रही आ अहाँ सभ केँ गंभीरता सँ चेतावनी देने रही। किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ अशुद्धताक लेल नहि, बल् कि पवित्रताक लेल बजौलनि अछि। तेँ जे कियो एहि बातक अवहेलना करैत अछि, से मनुष्य केँ नहि, बल्कि परमेश् वरक अवहेलना करैत अछि, जे अहाँ सभ केँ अपन पवित्र आत् मा दैत छथि।

2. इफिसियों 5:22-33 - पत्नी सभ, अपन पतिक अधीन रहू, जेना प्रभुक अधीन रहू। किएक तँ पति पत्नीक माथ छथि जेना मसीह मण् डलीक सिर छथि, हुनकर शरीर आ स्वयं ओकर उद्धारकर्ता छथि। आब जेना मण् डली मसीहक अधीन होइत अछि, तहिना पत्नी सभ केँ सेहो सभ किछु मे अपन पतिक अधीन रहबाक चाही। पति सभ, अहाँ सभ अपन पत्नी सभ सँ प्रेम करू, जेना मसीह मण् डली सँ प्रेम कयलनि आ ओकरा लेल अपना केँ समर्पित कऽ देलनि, जाहि सँ ओ ओकरा पवित्र कऽ सकथि, आ ओकरा वचन सँ पानि सँ धो कऽ शुद्ध कऽ देलथिन, जाहि सँ ओ मण् डली केँ वैभव सँ, बिना दाग केँ अपना समक्ष प्रस्तुत कऽ सकथि वा शिकन वा एहन कोनो चीज, जाहि सँ ओ पवित्र आ निर्दोष होथि। तहिना पति केँ अपन पत्नी सँ अपन शरीर जकाँ प्रेम करबाक चाही। जे अपन पत्नीसँ प्रेम करैत अछि ओ अपनासँ प्रेम करैत अछि । कियो अपन शरीर सँ घृणा नहि केलक, बल् कि ओकरा पोसैत आ पोसैत अछि, जेना मसीह मण् डली केँ करैत अछि।

इजकिएल 44:23 ओ सभ हमर लोक केँ पवित्र आ अशुद्ध मे अंतर सिखाओत आ अशुद्ध आ शुद्ध मे भेद करथि।

परमेश् वर पुरोहित सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन लोक सभ केँ पवित्र आ अशुद्ध मे अंतर सिखाबथि आ अशुद्ध आ शुद्ध मे भेद करथि।

1. विवेकक शक्ति: परमेश् वरक अपन लोकक लेल आह्वान

2. पवित्रता: एक आस्तिक के जीवन

1. 1 थिस्सलुनीकियों 4:7-8 परमेश् वर हमरा सभ केँ पवित्र रहबाक लेल बजौने छथि, अशुद्ध जीवन जीबाक लेल नहि। अतः जे कियो एहि निर्देश केँ अस्वीकार करैत अछि, ओ मनुक्ख केँ नहि अपितु भगवान केँ अस्वीकार करैत अछि, ओएह भगवान् जे अहाँ केँ अपन पवित्र आत्मा दैत छथि |

2. याकूब 1:27 जे धर्म हमरा सभक पिता परमेश् वर शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसारक द्वारा प्रदूषित नहि करब।

इजकिएल 44:24 विवाद मे ओ सभ न्याय मे ठाढ़ रहताह। ओ सभ हमर निर्णयक अनुसार एकर न्याय करत। ओ सभ हमर विश्राम-दिन केँ पवित्र करत।”

मन्दिरक पुरोहित सभ केँ अपन सभ सभा मे परमेश् वरक नियम आ नियमक पालन करबाक चाही आ परमेश् वरक विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक चाही।

1. परमेश् वरक नियम आ विधानक आदर करब

2. विश्राम-दिन केँ पवित्र राखब

1. यशायाह 56:1-7

2. निष्कासन 20:8-11

इजकिएल 44:25 ओ सभ अपना केँ अशुद्ध करबाक लेल कोनो मृतक व्यक्ति सँ नहि आओत, बल् कि पिता वा मायक लेल, बेटाक लेल, बेटीक लेल, भाइ वा बहिनक लेल, जकर पति नहि छल, ओ सभ अपना केँ अशुद्ध क’ सकैत अछि।

लोक के मृतक के लेल अपना के अशुद्ध करय के अनुमति नै छै, सिवाय करीबी रिश्तेदार जेना माता-पिता, बच्चा, भाई-बहिन, आ अविवाहित भाई-बहिन के।

1. जे निधन भ गेल छथि हुनका सम्मान देबाक महत्व।

2. परिवारक सदस्यक सम्मान करबाक महत्व, ओहो मृत्यु मे।

1. रोमियो 12:10 - "प्रेम मे एक-दोसर केँ समर्पित रहू। एक-दोसर केँ अपना सँ बेसी आदर करू।"

2. 1 तीमुथियुस 5:4 - "मुदा जँ कोनो विधवा केँ संतान वा पोता-पोती अछि तँ एहि सभ केँ सभ सँ पहिने ई सीखबाक चाही जे अपन परिवारक देखभाल क' अपन धर्म केँ व्यवहार मे उतारब आ एहि तरहें अपन माता-पिता आ दादा-दादी केँ बदला द' क', किएक त' ई परमेश् वर केँ नीक लगैत छनि।" ."

इजकिएल 44:26 हुनकर शुद्ध भेलाक बाद ओ सभ हुनका सात दिनक हिसाब लगाओत।

कोनो व्यक्ति के शुद्ध भेला के बाद ओकरा सात दिन के गिनती करय पड़तनि जा धरि नव शुरुआत नहि भ जायत।

1. "एकटा नव शुरुआत: सात दिनक शक्ति"।

2. "सफाई के शक्ति: एकटा नव शुरुआत"।

1. मत्ती 6:14-15 - जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स्वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा कऽ देताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।

2. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय बनाउ आ हमरा भीतर एकटा सही आत्मा केँ नव बनाउ।

इजकिएल 44:27 जाहि दिन ओ पवित्र स्थान मे, भीतरक आँगन मे, पवित्र स्थान मे सेवा करबाक लेल जायत, तखन ओ अपन पापबलि चढ़ौताह, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वरक अनुसार जखन कोनो पुरोहित सेवा करबाक लेल पवित्र स्थान मे प्रवेश करैत छथि तखन हुनका पापबलि चढ़ाबय पड़तनि।

1. परमेश् वरक पवित्रता: इजकिएल 44:27 क अध्ययन

2. प्रायश्चितक बलिदान: परमेश् वरक क्षमाक परीक्षा

1. इब्रानी 9:22 - बिना खून बहौने पापक क्षमा नहि होइत अछि।

2. रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कमजोर भऽ गेल छथि आ हुनकर कृपा द्वारा मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, हुनका द्वारा धर्मी ठहराओल गेल अछि।

इजकिएल 44:28 ई हुनका सभक लेल उत्तराधिकारक रूप मे होयत, हम हुनका सभक उत्तराधिकार छी, आ अहाँ सभ हुनका सभ केँ इस्राएल मे कोनो सम्पत्ति नहि देबनि, हम हुनकर सभक सम्पत्ति छी।

प्रभु इस्राएलक लोकक उत्तराधिकार छथि आ इस्राएलक देश मे हुनका सभ केँ कोनो आन सम्पत्ति नहि भेटतनि।

1. प्रभु पर्याप्त छथि: प्रभुक प्रावधान मे आराम भेटब

2. हृदयक सम्पत्ति: प्रभुक उत्तराधिकारक मूल्य बुझब

1. भजन 16:5-6 "प्रभु हमर चुनल भाग आ हमर प्याला छथि; अहाँ हमर भाग्य पकड़ने छी। हमरा लेल रेखा सभ सुखद स्थान पर खसि पड़ल अछि; सचमुच हमरा एकटा सुन्दर उत्तराधिकार अछि।"

2. व्यवस्था 8:18 "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ पुष्ट करथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।"

इजकिएल 44:29 ओ सभ अन्नबलि, पापबलि आ अपराधबलि खायत, आ इस्राएल मे समर्पित सभ वस्तु हुनका सभक होयत।

परमेश् वर इस्राएलक पुरोहित सभ सँ वचन देलथिन जे ओ सभ इस्राएलक लोक सभ सँ चढ़ा लेताह।

1. समर्पणक शक्ति: भगवान् अपन कदर कोना देखाबैत छथि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: भगवान के लेल जीला स कोना प्रचुरता भेटैत अछि

1. इब्रानी 13:15-16: "तखन हम सभ हुनका द्वारा परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, अर्थात् हुनकर नाम केँ स्वीकार करय बला ठोर सभक फल। कारण, एहन बलिदान परमेश् वर केँ नीक लगैत छनि।”

2. फिलिप्पियों 4:18: "हमरा पूरा भुगतान भेटि गेल अछि, आओर बेसी; आब जखन हमरा इपफ्रोदीत सँ अहाँ पठाओल गेल वरदान भेटल अछि, सुगन्धित बलिदान, परमेश् वरक लेल स्वीकार्य आ प्रसन्न बलिदान भेटल अछि।"

1686

इजकिएल 44:30 आ सभ वस्तुक पहिल फल आ सभटा बलिदान, अहाँक सभ तरहक बलिदान मे सँ पहिल फल पुरोहितक होयत तोहर घर मे आराम करबाक आशीर्वाद।

इजकिएल 44:30 मे परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे सभ बलिदानक पहिल भाग पुरोहित सभक हाथ मे जेबाक चाही, जाहि मे सभ सँ पहिने आटा सेहो शामिल अछि, जाहि सँ आशीर्वाद ककरो घर मे रहय।

1. परमेश् वर उदारताक आज्ञा दैत छथि - उदारता मसीही विश्वासक एकटा प्रमुख अंग अछि, आ परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे हम सभ अपन प्रसादक संग उदार रहू आ सभ प्रसादक पहिल भाग पुरोहित केँ दियौक।

2. उदारता के आशीर्वाद - उदारता एकटा तरीका छै भगवान के आशीर्वाद के अपन घर में लाबय के, आ जे किछु अछि ओकरा जरूरतमंद के द क हम सब सेहो धन्य छी।

1. मत्ती 5:42 - "जे अहाँ सँ माँगैत अछि, ओकरा दिअ, आ जे अहाँ सँ उधार लेबय चाहैत अछि, ओकरा सँ मुँह नहि घुमाउ।"

२.

इजकिएल 44:31 पुरोहित सभ कोनो एहन चीज नहि खाउ जे अपने सँ मरि गेल हो वा फाटल हो, चाहे ओ चिड़ै हो वा जानवर।

पुरोहित लोकनि केँ कोनो एहन जानवर नहि खाय पड़ैत छल जे अपने सँ मरि गेल हो वा फाटि गेल हो।

1: हमरा सभकेँ भगवानक प्राणी सभक संग आदर आ सावधानीपूर्वक व्यवहार करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ जे किछु खाइत छी ताहि पर ध्यान देबाक चाही, ई सुनिश्चित करबाक चाही जे ओ साफ आ सेवनक योग्य हो।

1: व्यवस्था 14:3-21 - स्वच्छ आ अशुद्ध भोजनक संबंध मे नियम।

2: उत्पत्ति 9:3-4 - परमेश् वरक आज्ञा जे कोनो एहन जानवर नहि खाउ जे अपने सँ मरि गेल हो।

इजकिएल अध्याय 45 इजकिएल के देल गेल मंदिर के दर्शन के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय में राजकुमार के लेल जमीन के आवंटन, प्रसाद, आ प्रावधान पर ध्यान देल गेल अछि |

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत पवित्र स्थान आ पुरोहित के लेल भूमि के बंटवारा स होइत अछि | देश के पवित्र भाग पवित्र स्थान के लेलऽ अलग करलऽ जाय छै, आरू पुरोहितऽ क॑ रहै लेली एगो हिस्सा आवंटित करलऽ जाय छै ।लेवी सिनी क॑ मंदिर के सेवा के जिम्मेदारी देलऽ जाय छै (इजकिएल ४५:१-६)।

2nd पैराग्राफ: तखन विजन मे राजकुमार के लेल जमीन के आवंटन के संबोधित कयल गेल अछि | राजकुमार के उत्तराधिकार देल जाइत छैक, आ ओकरा आ ओकर वंशज के लेल जमीन के किछु हिस्सा निर्धारित कयल जाइत छैक | राजकुमार के जिम्मेदारी छै कि वू लोगऽ के लेलऽ बलिदान आरू बलिदान के व्यवस्था करै आरू न्याय आरू धर्म के कायम रखै (यहेजकिएल ४५:७-९)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय वजन आ माप के संबंध में निर्देश के साथ जारी अछि | दृष्टि वाणिज्य में निष्पक्ष आरू न्यायपूर्ण प्रथा के महत्व पर जोर दै छै, व्यापार में बेईमानी पर रोक लगाबै छै (इजकिएल 45:10-12)।

चतुर्थ अनुच्छेद: अध्याय के समापन निर्धारित भोज आ पाबनि के दौरान चढ़ाबय के निर्देश के संग होइत अछि | प्रसाद के प्रकार आरू मात्रा के लेलऽ विशिष्ट निर्देश देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ई धार्मिक पालन के पालन के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै (इजकिएल ४५:१३-२५)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय पैंतालीस प्रस्तुत
मंदिर के दर्शन के निरंतरता,

जमीन के आवंटन पर ध्यान केंद्रित करैत,
प्रसाद, आ राजकुमारक लेल भोजन।

पवित्र स्थान आ पुरोहितक लेल भूमिक बंटवारा।
पवित्र स्थानक लेल पवित्र भाग आ पुरोहित सभक रहबाक लेल एकटा भागक आवंटन।
मंदिर के सेवा के लेल लेवी के जिम्मेदारी।
राजकुमार आ हुनक वंशज लेल जमीनक आवंटन।
प्रसाद प्रदान करबाक आ न्याय आ धर्म केँ निर्वाह करबाक लेल राजकुमारक जिम्मेदारी।
वजन आ माप मे उचित प्रथाक संबंध मे निर्देश।
व्यापार मे बेईमानी पर निषेध।
निर्धारित भोज आ पावनि मे जे प्रसाद होयत ताहि लेल निर्देश।
एहि धार्मिक अनुष्ठान के पालन के महत्व पर जोर।

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय के शुरुआत पवित्र स्थान आरू पुरोहित के लेलऽ भूमि के बंटवारा स॑ होय छै । देशक एकटा पवित्र भाग पवित्र स्थानक लेल अलग कयल गेल अछि, आ पुरोहित सभ केँ रहबाक लेल एकटा भाग आवंटित कयल गेल अछि।लेवी लोकनि केँ मन्दिरक सेवाक जिम्मेदारी देल गेल अछि। तखन विजन मे राजकुमारक लेल जमीनक आवंटन केँ संबोधित कयल गेल अछि, जकरा उत्तराधिकार देल जाइत छैक | जमीनक किछु भाग राजकुमार आ हुनक वंशजक लेल निर्धारित अछि | राजकुमार के जिम्मेदारी छै कि जनता के लेलऽ प्रसाद आरू बलिदान के व्यवस्था करलऽ जाय आरू न्याय आरू धर्म के निर्वाह करलऽ जाय । अध्याय म॑ वजन आरू माप के संबंध म॑ निर्देश भी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ वाणिज्य म॑ निष्पक्ष आरू न्यायसंगत प्रथा के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै आरू व्यापार म॑ बेईमानी प॑ रोक लगाय देलऽ गेलऽ छै । अध्याय के समापन में निर्धारित भोज आ पाबनि के दौरान प्रसाद के निर्देश देल गेल अछि, जाहि में प्रसाद के प्रकार आ मात्रा निर्दिष्ट कयल गेल अछि | राजकुमार के लेल जमीन, प्रसाद, आ प्रावधान के आवंटन के संग संग धार्मिक पालन के महत्व पर जोर देल गेल अछि |

इजकिएल 45:1 संगहि जखन अहाँ सभ भूमि केँ चिट्ठी सँ उत्तराधिकारक लेल बाँटि देब तखन प्रभु केँ बलिदान देब, जे देशक पवित्र भाग होयत दस हजार हो। एकर चारू कातक समस्त सीमा मे ई पवित्र होयत।

परमेश् वर ओहि भूमिक पवित्र भागक बलिदानक माँग करैत छथि जखन ओकरा उत्तराधिकारक लेल बाँटि देल जायत।

1. अपन आशीर्वादक एकटा हिस्सा भगवान् केँ समर्पित करबाक महत्व।

2. भगवान् द्वारा देल गेल संसाधन सँ हुनकर सम्मान करबाक लेल व्यावहारिक कदम।

1. व्यवस्था 16:16-17; "एक साल मे तीन बेर तोहर सभ पुरुष अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक समक्ष ओहि स्थान पर दर्शन करताह, जाहि ठाम ओ चुनताह, अखमीर रोटीक पर्व मे, सप्ताहक पर्व मे आ तम्बूक पर्व मे परमेश् वरक समक्ष खाली, सभ केओ अपन परमेश् वर परमेश् वरक जे आशीष अहाँ केँ देने छथि, तकरा अनुसार अपन सामर्थ्य देबाक चाही।”

2. 2 कोरिन्थी 9:6-7; "मुदा हम ई कहैत छी जे जे कम बोनि लेत से कम फसल सेहो काटि लेत, आ जे बेसी बोनि लेत से भरपूर फसल सेहो काटि लेत। प्रत्येक केओ अपन मन मे जेना चाहैत अछि, तेना देबाक चाही। अनिच्छा सँ वा आवश्यकता सँ नहि। किएक तँ परमेश् वर प्रेम करैत छथि।" एकटा हँसमुख दाता।"

इजकिएल 45:2 एहि मे सँ पवित्र स्थानक लेल पाँच सय लंबाई आ पाँच सय चौड़ाई चारू कात चौकोर होयत। आ चारू कात पचास हाथ ओकर उपनगरक लेल।

एहि अंश मे एकटा मंदिरक वर्णन अछि जाहि मे एकटा पवित्र स्थान अछि जे 500 हाथ लंबाई आ 500 हाथ चौड़ाई अछि जकर उपनगर 50 हाथ अछि |

1. भगवान् के लेल जगह अलग करय के महत्व 2. हमर जीवन में पवित्रता के महत्व

1. निकासी 20:1-17 - पवित्रता के लेल परमेश्वर के आज्ञा 2. रोमियो 12:1-2 - परमेश्वर के लेल अपन शरीर के जीवित बलिदान के रूप में अर्पित करब

इजकिएल 45:3 एहि नाप सँ अहाँ पाँच बीस हजार आ चौड़ाई दस हजार नापब, आ ओहि मे पवित्र स्थान आ परम पवित्र स्थान होयत।

प्रभु इजकिएल के निर्देश देलकै कि एक पवित्र स्थान आरू सबसें पवित्र स्थान के नाप 25,000 बाई 10,000 छै।

1. अभयारण्य के पवित्रता: भगवान के पवित्र स्थान के महत्व को समझना

2. प्रभु के प्रति समर्पण: भगवान के इच्छा के लेल अपना आ अपन जीवन के समर्पित करब

1. निकासी 36:8-17 - तम्बू बनेबाक निर्देश

2. भजन 84:1-2 - प्रभुक घर: सच्चा आशीर्वादक स्थान

इजकिएल 45:4 देशक पवित्र भाग पवित्र स्थानक सेवक पुरोहित सभक लेल होयत, जे परमेश् वरक सेवा करबाक लेल लग आओत।

एहि अंश मे ओहि भूमिक पवित्र भागक बात कयल गेल अछि जे पुरोहित सभ केँ अपन घर आ पवित्र स्थानक लेल देल गेल अछि |

1. पुरोहिताई के पवित्रता

2. भगवानक सेवा मे अपना केँ समर्पित करब

1. निष्कासन 28:41-42 - अहाँ ओकरा सभ केँ अपन भाय हारून आ ओकर बेटा सभ पर लगा दियौक। आ अहाँ ओकरा सभ केँ अभिषेक करू आ ओकरा सभ केँ नियुक्त करू आ ओकरा सभ केँ पवित्र करू, जाहि सँ ओ सभ हमरा पुरोहितक रूप मे सेवा करथि।

2. 1 पत्रुस 2:5 - अहाँ सभ सेहो जीवित पाथरक रूप मे एकटा आध्यात्मिक घर, पवित्र पुरोहितक दल बनाओल जा रहल छी, जाहि सँ यीशु मसीहक द्वारा परमेश्वरक स्वीकार्य आध्यात्मिक बलिदान चढ़ा सकब।

इजकिएल 45:5 पाँच बीस हजार लंबाई आ दस हजार चौड़ाई, घरक सेवक लेवी सभक लेल सेहो बीस कोठलीक लेल सम्पत्ति होयत।

एहि अंश मे ओहि परिसरक गप्प कयल गेल अछि जे घरक सेवक लेवी सभ केँ इस्राएली सभ सँ कब्जाक रूप मे भेटबाक चाही।

1: भगवान् उदार छथि जेना ओ अपन सेवक सभक भरण-पोषण करैत छथि।

2: निष्ठापूर्वक परमेश् वरक सेवा करला सँ आशीर्वाद आ लाभ भेटैत अछि।

1: गलाती 6:7-8 धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

2: 2 इतिहास 15:7 मुदा अहाँ सभ, हिम्मत करू! हाथ कमजोर नहि होबय दियौक, कारण अहाँक काजक फल भेटत।

इजकिएल 45:6 पवित्र भागक बलिदानक सोझाँ पाँच हजार चौड़ा आ पाँच बीस हजार नमहर शहरक सम्पत्ति राखब।

प्रभु इस्राएल के लोग सिनी कॅ निर्देश दै छै कि एक विशिष्ट नाप के अनुसार शहर के लेलऽ जमीन के नापलऽ जाय।

1. भगवान् के पूर्ण माप: भगवान् के सिद्धता में जीना

2. पवित्र भागक बलिदान: परमेश्वरक इच्छा मे कोना जीबी

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि। एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

2. इफिसियों 2:8-10 - किएक तँ अनुग्रह सँ अहाँ सभक उद्धार भेल अछि, विश्वासक कारणेँ आ ई अहाँ सभक दिस सँ नहि अछि, ई परमेश् वरक वरदान अछि, काज सभक द्वारा नहि, जाहि सँ कियो घमंड नहि कऽ सकैत अछि। कारण, हम सभ परमेश् वरक हाथक काज छी, मसीह यीशु मे नीक काज करबाक लेल बनाओल गेल छी, जे परमेश् वर हमरा सभक लेल पहिने सँ तैयार कएने छलाह।

इजकिएल 45:7 पवित्र भागक बलिदानक एक कात आ दोसर कात, पवित्र भागक बलिदान आ नगरक कब्जाक एक कात आ दोसर कात, पवित्र भागक बलिदान सँ पहिने आ कब्जा करबा सँ पहिने एकटा भाग राजकुमारक लेल होयत नगर पश्चिम दिस सँ पश्चिम दिस आ पूब दिस सँ पूब दिस, आ एकर लम्बाई पश्चिम सीमा सँ पूरब सीमा धरि एक भागक सामने होयत।

परमेश् वर इजकिएल केँ देश बाँटि देबाक निर्देश दैत छथिन; जमीनक एक भाग राजकुमारक लेल अलग कयल जायत, आ शेष भाग पवित्र भाग आ नगरक कब्जा मे बराबर बाँटल जायत।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

2. अपन लोकक रक्षा मे परमेश् वरक प्रावधानक शक्ति

1. व्यवस्था 28:1-14 (आज्ञापालन के लेल इस्राएल के लोक पर परमेश् वर के आशीष)

2. भजन 68:7-10 (परमेश् वरक प्रबंध आ अपन लोकक देखभाल)

इजकिएल 45:8 इस्राएल मे ओकर सम्पत्ति ओहि देश मे होयत, आ हमर राजकुमार सभ आब हमर लोक केँ अत्याचार नहि करत। आ शेष देश ओ सभ अपन गोत्रक अनुसार इस्राएलक घराना केँ देथिन।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे इस्राएलक देश राजकुमार सभक कब्जा मे होयत आ ओकरा सभ केँ लोक सभ पर अत्याचार नहि करबाक चाही। शेष भूमि इस्राएलक गोत्र सभ केँ देल जायत।

1. परमेश् वरक मोक्षक प्रतिज्ञा - परमेश् वरक कृपा हुनकर लोक सभ केँ कोना स्वतंत्रता आ न्याय दैत अछि

2. परमेश् वरक न्याय - इस्राएलक भूमि मे न्याय केँ कायम रखबाक महत्व

1. यशायाह 58:6 - "की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलबाक लेल, भारी बोझ केँ उतारबाक लेल, आ दबलल लोक केँ मुक्त करबाक लेल, आ अहाँ सभ हर जुआ केँ तोड़बाक लेल?"

2. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की अछि से देखा देलनि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

इजकिएल 45:9 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे इस्राएलक राजकुमार सभ, अहाँ सभ एतबे पर्याप्त रहू, हिंसा आ लूट-पाट केँ दूर करू, आ न्याय आ न्याय करू, हमर लोक सभ सँ अपन वसूली छीनि लिअ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर इस्राएल के राजकुमार सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि वू इस्राएल के लोग सिनी के खिलाफ ओकरोॅ हिंसा आरू अत्याचार के रोकै।

1. परमेश् वरक न्याय: इजकिएल 45:9 केर परीक्षा

2. शासकक जिम्मेदारी: इस्राएलक राजकुमार सभक प्रति परमेश् वरक आज्ञा पर एक नजरि

1. मीका 6:8 - "हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक की देखौलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि? न्यायपूर्वक काज करब आ दया सँ प्रेम करब आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलब।"

2. याकूब 2:12-13 - "ओहि लोक जकाँ बाजू आ काज करू जे स्वतंत्रता प्रदान करय बला व्यवस्थाक अनुसार न्याय होबय बला अछि, कारण जे कियो दया नहि केलक ओकरा पर बिना दया के न्याय कयल जायत। न्याय पर दया विजयी होइत अछि!"

इजकिएल 45:10 अहाँ सभ केँ न्यायपूर्ण तराजू आ न्यायपूर्ण एफा आ न्यायपूर्ण स्नान होयत।

इजकिएल केरऽ ई अंश लोगऽ क॑ निर्देश दै छै कि खरीददारी या व्यापार करै के समय ईमानदार वजन आरू नाप के प्रयोग करलऽ जाय ।

1. हमर लेनदेन मे ईमानदारी के महत्व

2. धर्म आ अखंडताक आह्वान

1. लेवीय 19:35-36 - "अहाँ सभ न्याय मे, लम्बाई, वजन वा आयतन मे कोनो अन्याय नहि करू। अहाँक पास ईमानदार तराजू, ईमानदार तौल, एकटा ईमानदार एफाह आ एकटा ईमानदार हिन होयत।"

2. नीतिवचन 11:1 - "झूठा तराजू प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनकर प्रसन्नता अछि।"

इजकिएल 45:11 एफा आ स्नान एक नाप के होयत, जाहि स स्नान मे होमर के दसवां भाग आ एफा होमर के दसम भाग होयत।

एहि अंश मे एकटा माप प्रणालीक वर्णन अछि, जाहि मे एफा आ स्नान एकहि नाप के होबाक चाही, स्नान मे होमर के दसवां हिस्सा आ एफा एकहि होबाक चाही |

1. विश्वास के माप - परमेश् वर के मानक के द्वारा हमरऽ विश्वास के मापन के महत्व के खोज करना।

2. आज्ञाकारिता के माप - ई परखना कि परमेश्वर के आज्ञा के पालन करला स॑ आशीर्वाद केना मिलै छै ।

1. व्यवस्था 10:12-13 - "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक।" पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ प्रभुक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा द’ रहल छी?”

2. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

इजकिएल 45:12 आ शेकेल बीस गेरा होयत, बीस शेकेल, पाँच बीस शेकेल, पन्द्रह शेकेल अहाँक माने होयत।

एहि अंश मे एक शेकेल आ एक मानेह के नाप के वर्णन एक दोसरा के संबंध में कयल गेल अछि |

1. परमेश् वरक नाप: हुनकासँ जे किछु भेटैत अछि तकर मूल्य बुझब

2. परमेश् वरक वचनक ताकत: हमरा सभ केँ जे किछु प्रकट कयल गेल अछि ओकर मूल्य जानब

1. व्यवस्था 16:18-20 - "...जे अहाँ सभ सँ पहिने जे किछु बढ़ैत अछि से प्रभुक लेल अलग करू..."

2. भजन 147:3 - "ओ टूटल-फूटल हृदय केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।"

1691

इजकिएल 45:13 ई ओ बलिदान अछि जे अहाँ सभ चढ़ब। एक होमर गहूम के एक एफा के छठम भाग आ जौ के एक होमर के एक एफा के छठम भाग देब।

भगवान् एक होमर गहूम आ जौ के एक एफा के छठम हिस्सा बलिदान के रूप में चाहैत छथि |

1. भगवान् के अर्पण के महत्व।

2. बलिदानक मूल्य।

1. इब्रानी 13:15-16 - यीशुक द्वारा, आउ, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, जे ठोरक फल अछि जे खुलि कऽ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि। 16 नीक काज करब आ दोसरो सभक संग बाँटब नहि बिसरब, किएक तँ एहि तरहक बलिदान सँ परमेश् वर प्रसन्न होइत छथि।

2. लेवीय 2:1 - जखन कियो प्रभुक लेल अन्नबलि अनैत अछि तखन ओकर बलिदान महीन आटाक होयत। ओहि पर तेल ढारबाक अछि, लोबान लगाबय के अछि

इजकिएल 45:14 तेल के नियम, तेल के स्नान के बारे में, तोहें कोर में से एक स्नान के दसवां भाग, जे दस स्नान के होमर छै, चढ़ाबै के चाही। कारण दस स्नान होमर होइत छैक।

प्रभु के आज्ञा छै कि तेल के स्नान के दसवां भाग, जे होमर छै, चढ़ाबै के छै।

1. परमेश् वरक अपन नियम मे सिद्धता: आराधनाक लेल परमेश् वरक निर्देश हुनकर पूर्ण क्रम केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. प्रसादक महत्व: तेल चढ़ेबाक भगवानक आज्ञाक पाछूक अर्थ

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. व्यवस्था 10:12-13 - अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक, अपन प्रभु परमेश् वरक सेवा पूरा मोन आ सभ सँ करबाक अहाँक आत्मा, आ प्रभुक आज्ञा आ फरमानक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाई लेल दऽ रहल छी?

इजकिएल 45:15 इस्राएलक मोटका चारागाह मे सँ दू सय मे सँ एकटा मेमना। हुनका सभक लेल मेल-मिलाप करबाक लेल अन्नबलि आ होमबलि आ मेल-मिलापक लेल, “प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

ई अंश प्रभु परमेश् वर के मेल-मिलाप के लेलऽ बलिदान के प्रावधान के बात करै छै ।

1. भगवानक दया आ प्रावधान: मेल-मिलापक बलिदानक अन्वेषण

2. भगवानक अटूट प्रेम: मेल-मिलापक बलिदानक अन्वेषण

1. रोमियो 5:11 - "एतबे नहि, बल् कि हम सभ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वर मे सेहो आनन्दित छी, जिनका द्वारा आब हमरा सभ केँ प्रायश्चित भेटल अछि।"

2. इब्रानी 9:14 - "मसीहक खून, जे अनन्त आत्माक द्वारा अपना केँ परमेश् वरक लेल निर्दोष अर्पित कयलनि, अहाँ सभक विवेक केँ जीवित परमेश् वरक सेवा करबाक लेल मृत कर्म सँ कतेक बेसी शुद्ध करत?"

इजकिएल 45:16 एहि देशक सभ लोक इस्राएल मे राजकुमारक लेल ई बलिदान देत।

एहि अंश मे एहि देशक लोक सभ इस्राएल मे राजकुमार केँ बलिदान देबाक बात अछि।

1. देबाक आनन्द: भगवानक आज्ञापालन कोना आशीर्वाद दैत अछि

2. सेवा करबाक लेल भगवानक आह्वान: नेतृत्वक दायित्व पर एकटा चिंतन

२.

2. नीतिवचन 3:9-10 - अपन धन सँ, अपन सभ फसलक पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू। तखन अहाँक कोठी सभ उमड़ि कऽ भरि जायत आ अहाँक वट सभ नव-नव मदिरासँ भरल भऽ जायत।

इजकिएल 45:17 इस्राएलक घरानाक सभ उत्सव मे होमबलि, अन्नबलि आ पेयबलि, अमावस्या आ विश्राम-दिन मे, राजकुमारक भाग होयत पापबलि, अन्नबलि, होमबलि आ मेलबलि तैयार करू जाहि सँ इस्राएलक घराना सभक लेल मेल-मिलाप हो।

इस्राएल के राजकुमार के जिम्मेदारी छै कि वू भोज, अमावस्या, विश्राम के दिन आरू सब गंभीरता के दिन होमबलि, मांस बलि, आरू पेयबलि के व्यवस्था करै ताकि इस्राएल के घराना के लेलऽ मेल-मिलाप होय जाय।

1: भगवान् हमरा सभ केँ उचित बलिदान आ हुनकर सेवाक जिम्मेदारी देने छथि।

2: मेल-मिलाप उचित बलिदान आ भगवानक सेवाक माध्यमे होइत अछि।

1: लेवीय 1:1-17 - परमेश् वर मूसा केँ बजा कऽ सभा-तम्बू सँ हुनका सँ कहलथिन, “इस्राएलक लोक सभ सँ बात करू आ हुनका सभ सँ कहू जे जखन अहाँ सभ मे सँ कियो प्रभुक लेल बलिदान अनत तँ अहाँ सभ।” झुंड सँ वा भेँड़ा सँ अहाँक माल-जाल आनब।

2: इब्रानी 10:1-10 - कारण, चूँकि व्यवस्था मे एहि यथार्थ सभक असली रूपक बदला आबय बला नीक बात सभक छाया मात्र अछि, तेँ ओ कहियो ओहि बलिदान सभक द्वारा जे सभ साल निरंतर चढ़ाओल जाइत अछि, ओहि बलिदान सभ केँ सिद्ध नहि क’ सकैत अछि जे नजदीक आबि जाइत छथि। नै तँ की ओ सभ चढ़ब छोड़ि नहि दैत, किएक तँ एक बेर शुद्ध भऽ कऽ उपासक सभकेँ आब पापक कोनो चेतना नहि रहतैक? मुदा एहि यज्ञ सभ मे हर साल पापक स्मरण होइत अछि ।

इजकिएल 45:18 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। पहिल मास मे, मासक पहिल दिन अहाँ निर्दोष बैल केँ लऽ कऽ पवित्र स्थान केँ शुद्ध करू।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे पहिल मासक पहिल दिन एकटा बैलक बच्चा केँ बलिदान कयल जाय जाहि सँ पवित्र स्थान केँ शुद्ध कयल जाय।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के आज्ञा के पालन करना आरू पवित्र स्थान के शुद्ध करै लेली बलिदान करना।

2. पवित्रताक खर्च: पवित्र बनबाक लेल महग बलिदान देबाक महत्व।

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि।

2. इब्रानी 9:13-14 - बकरी आ बैल के खून आ बछड़ा के राख जे विधिवत अशुद्ध अछि ओकरा पर छिड़कल ओकरा पवित्र करैत अछि जाहि स ओ बाहर स साफ भ जाइत अछि। तखन मसीहक खून, जे अनन्त आत्माक द्वारा अपना केँ निर्दोष परमेश् वरक समक्ष अर्पित कयलनि, हमरा सभक विवेक केँ ओहि काज सभ सँ कतेक बेसी शुद्ध करत जे मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि, जाहि सँ हम सभ जीवित परमेश् वरक सेवा कऽ सकब!

इजकिएल 45:19 पुरोहित पापबलि के खून लऽ कऽ घरक खंभा पर आ वेदीक बस्तीक चारू कोन मे आ भीतरक आँगनक फाटकक खंभा पर राखत.

एहि अंश मे पापबलि चढ़बा मे पुरोहितक कर्तव्यक वर्णन कयल गेल अछि, जाहि मे पापबलि केर खून घरक खंभा, वेदीक चारि कोन आ भीतरक आँगनक द्वारक खंभा पर राखब शामिल अछि।

1. पापबलि के रक्त के महत्व

2. पापबलि मे पुरोहितक भूमिकाक महत्व

1. लेवीय 4:6 - "पुरोहित अपन आँगुर खून मे डुबा क' पवित्र स्थानक पर्दाक आगू परमेश् वरक समक्ष सात बेर खून छिड़कि देताह।"

2. इब्रानी 10:19-22 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, यीशुक खून द्वारा पवित्रतम स्थान मे प्रवेश करबाक साहस अछि, एकटा नव आ जीवित बाट द्वारा, जे ओ हमरा सभक लेल पर्दा द्वारा पवित्र कयलनि अछि, अर्थात्। ओकर मांस, आ परमेश् वरक घर पर एकटा महापुरोहित, आऊ, हम सभ विश् वासक पूर्ण आश्वासन मे सत् य हृदय सँ नजदीक आबि जाइ, अपन हृदय केँ दुष्ट विवेक सँ छिड़कि कऽ आ अपन शरीर शुद्ध पानि सँ धो कऽ।”

इजकिएल 45:20 अहाँ सभ महिनाक सातम दिन सभ केँ एहि तरहेँ करू जे अहाँ सभ कोनो त्रुटिपूर्ण आ साधारण लोकक लेल करू।

इजकिएल 45:20 केरऽ ई अंश वर्णन करै छै कि कोना इस्राएल केरऽ घराना क॑ महीना केरऽ सातवाँ दिन परमेश्वर के साथ खुद क॑ मेल मिलाप करै के चाही, जे व्यक्ति धर्म केरऽ मार्ग स॑ भटकलऽ छै ।

1. "क्षमा के माध्यम स मेलमिलाप: इजकिएल 45:20 मे परमेश्वर के मार्ग के पालन करब"।

2. "इस्राएल के घराना: मेल-मिलाप के माध्यम स धर्म के खोज"।

1. यशायाह 55:6-7 "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत, ताबत तक प्रभु केँ खोजू। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू; दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।

" .

2. मत्ती 6:14-15 "किएक तँ जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध क्षमा करब तँ अहाँक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ केँ क्षमा करताह, मुदा जँ अहाँ सभ दोसरक अपराध माफ नहि करब तँ अहाँक पिता सेहो अहाँक अपराध केँ माफ नहि करताह।"

इजकिएल 45:21 पहिल मास मे, मासक चौदहम दिन, अहाँ सभ केँ फसह-पाबनि होयत, जे सात दिनक पाबनि होयत। अखमीरी रोटी खाएल जाएत।

फसह सात दिनक पाबनि अछि जे सालक पहिल मास मे मनाओल जाइत अछि | एहि उत्सव मे अखमीरी रोटी खायल जाइत अछि ।

1. फसह मनाबय के महत्व

2. अखमीरी रोटीक महत्व

1. निर्गमन 12:14 - "ई दिन अहाँ सभक लेल एकटा स्मरण दिवस होयत, आ अहाँ सभ एकरा परमेश् वरक भोजक रूप मे मनाउ। अहाँ सभक पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभ दिन, अहाँ सभ एकरा भोजक रूप मे राखब।"

2. लूका 22:19 - ओ रोटी लऽ लेलनि आ धन्यवाद दऽ कऽ ओकरा तोड़ि कऽ हुनका सभ केँ देलथिन आ कहलथिन, “ई हमर शरीर अछि जे अहाँ सभक लेल देल गेल अछि।” हमरा स्मरण मे ई काज करू।

इजकिएल 45:22 ओहि दिन राजकुमार अपना आ देशक सभ लोकक लेल पापबलि लेल एकटा बैल तैयार करत।

राजकुमार के अपना आ देश के सब लोक के पापबलि के लेल एकटा बैल के इंतजाम करय के छनि.

1. राजकुमारक बलिदानक शक्ति

2. प्रायश्चित आ मेलमिलाप के महत्व

1. लेवीय 4:3-4 - "जँ अभिषिक्त पुरोहित लोकक पापक अनुसार पाप करैत अछि, तखन ओ अपन पापक पापक लेल एकटा निर्दोष बैल केँ पापक लेल परमेश् वरक समक्ष आनय।" बलिदान।ओ बैल केँ परमेश् वरक समक्ष सभा तम्बूक दरबज्जा पर आनत आ बैलक माथ पर हाथ राखि कऽ परमेश् वरक समक्ष बैल केँ मारत।”

2. इब्रानी 9:22 - "आ प्रायः सभ किछु धर्म-नियमक द्वारा खून सँ शुद्ध कयल जाइत अछि, आ बिना खून बहौने कोनो क्षमा नहि होइत अछि।"

इजकिएल 45:23 भोजक सात दिन मे ओ सात दिन मे प्रतिदिन सातटा बैल आ सात मेढ़क निर्दोष परमेश् वरक होमबलि तैयार करत। आ पापबलि के लेल रोज एकटा बकरी के बच्चा।

भोज मे सात दिन धरि सातटा बैल, सात मेढ़ आ एकटा बकरी होमबलि आ पापबलि मे चढ़ाओल जायत।

1. प्रभु के बलिदान के महत्व

2. सात दिनक भोजक महत्व

1. लेवीय 16:15-17 प्रायश्चित के दिन के लेल विस्तृत निर्देश

2. इब्रानी 13:15-16 आध्यात्मिक बलिदानक संग प्रभुक स्तुति आ धन्यवाद देब।

इजकिएल 45:24 ओ एकटा बैल के बदला मे एक एफा, मेढ़क लेल एक एफा आ एक एफा के बदला मे एक हिन तेल के बलिदान तैयार करत।

परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे एक एफा मे एकटा बैल, एकटा मेढ़ा आ एक हिन तेल के लेल मांस बलि तैयार कयल जाय।

1. बलिदानक शक्ति: इजकिएल 45:24 सँ सीख

2. परमेश् वर केँ अपन सर्वश्रेष्ठ देब: एफाहक बलिदान केँ बुझब

1. इब्रानी 10:1-18 बलिदानक शक्ति

2. रोमियो 12:1-2 परमेश् वरक लेल जीवित बलिदान

इजकिएल 45:25 सातम मास मे, मासक पन्द्रहम दिन, ओ सात दिनक पर्व मे, पापबलि, होमबलि आ अन्नबलि आ अन्नबलि आ तेल के अनुसार।

सातम मासक पन्द्रहम दिन सात दिनक पर्वक अनुसार पाप, होम, मांस आ तेल सँ चढ़ाओल जायत।

1. बलिदानक शक्ति: सात दिनक भोजक महत्वक अन्वेषण

2. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: पापबलि के पाछु के अर्थ के बुझब

1. लेवीय 23:27 - एहि सातम मासक ठीक दसम दिन प्रायश्चितक दिन होइत अछि।

2. इजकिएल 46:12 - विश्राम-दिन मे राजकुमार जे होमबलि दैत छथि से छह टा मेमना निर्दोष आ एकटा मेढ़क निर्दोष होयत।

इजकिएल अध्याय 46 इजकिएल के देल गेल मंदिर के दर्शन के आगू बढ़बैत अछि। अध्याय में राजकुमार के पूजा के नियम आरू सब्त आरू अमावस्या के बलिदान पर ध्यान देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत ओहि फाटक के वर्णन स होइत अछि जाहि स राजकुमार मंदिर परिसर में प्रवेश करैत छथि आ बाहर निकलैत छथि | छह काजक दिन मे फाटक बंद रहबाक चाही, मुदा ओकरा विश्रामक दिन आ अमावस्या मे राजकुमारक आराधना लेल खोलबाक चाही (इजकिएल 46:1-3)।

2nd पैराग्राफ: दर्शन तखन विश्रामदिन आ अमावस्या पर राजकुमारक प्रसाद के संबोधित करैत अछि | राजकुमार के एहि दिन होमबलि, अन्नबलि, आ पेयबलि देबाक छनि | दर्शन ई प्रसाद के महत्व आरू पूजा में लोगऽ के नेतृत्व करै में राजकुमार के भूमिका पर जोर दै छै (इजकिएल 46:4-12)।

तृतीय अनुच्छेद: राजकुमार के उत्तराधिकार आ सम्पत्ति के संबंध में नियम के संग अध्याय जारी अछि | राजकुमार के अपन सम्पत्ति स प्रसाद आ मंदिर के रखरखाव के व्यवस्था करय के अछि | दर्शन में भूमि के पवित्र भाग के नाप आरू मंदिर में सेवा करै वाला मजदूरऽ के प्रावधान भी निर्दिष्ट करलऽ गेलऽ छै (इजकिएल 46:13-18)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल छियालीस अध्याय प्रस्तुत अछि
मंदिर के दर्शन के निरंतरता,
राजकुमारक पूजाक नियम पर ध्यान केंद्रित करैत
आ विश्राम-दिन आ अमावस्या के बलिदान।

राजकुमार के प्रवेश आ निकास के लेल गेट के वर्णन।
सब्त के दिन फाटक खुजब आ राजकुमार के पूजा के लेल अमावस्या।
सब्त आ अमावस्या पर राजकुमारक प्रसादक निर्देश।
एहि प्रसादक महत्व आ पूजाक नेतृत्व करबा मे राजकुमारक भूमिका पर जोर।
राजकुमार के उत्तराधिकार एवं सम्पत्ति के सम्बन्ध में नियम |
राजकुमारक सम्पत्तिसँ मंदिरक प्रसाद आ रखरखावक प्रावधान।
भूमि के पवित्र भागों के माप के विनिर्देश |
मंदिर मे सेवा करय वाला मजदूर के लेल प्रावधान।

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर के दर्शन के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत वू फाटक के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा स॑ राजकुमार मंदिर परिसर म॑ प्रवेश करै छै आरू बाहर निकलै छै, जेकरा म॑ सब्त के दिन एकरऽ उद्घाटन आरू राजकुमार के पूजा लेली अमावस्या प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै । तखन दर्शन मे राजकुमार द्वारा एहि अवसर पर होमय बलि, अन्नबलि, आ पेयबलि शामिल अछि | अध्याय में एहि प्रसाद के महत्व आ पूजा में लोक के नेतृत्व करय में राजकुमार के भूमिका पर प्रकाश देल गेल अछि | अध्याय में राजकुमार के उत्तराधिकार आरू सम्पत्ति के संबंध में नियम भी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ई निर्दिष्ट करलऽ गेलऽ छै कि प्रसाद के व्यवस्था करना आरू अपनऽ संपत्ति स॑ मंदिर के रखरखाव के जिम्मेदारी ओकरऽ छै । भूमि के पवित्र भाग के नाप भी निर्दिष्ट करलऽ गेलऽ छै, साथ ही मंदिर में सेवा करै वाला मजदूरऽ के प्रावधान भी छै । अध्याय में राजकुमार के पूजा आरू प्रसाद के नियम के साथ-साथ मंदिर के रखरखाव में ओकरऽ जिम्मेदारी पर भी जोर देलऽ गेलऽ छै ।

इजकिएल 46:1 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। भीतरक आँगनक फाटक जे पूब दिस तकैत अछि, से छह काजक दिन मे बंद रहत। मुदा विश्राम-दिन मे ओ खुजत आ अमावस्या मे ओ खुजत।

प्रभु परमेश् वर के निर्देश छै कि भीतर के आँगन के फाटक जे पूरब मुँहे छै, ओकरा सप्ताह के दिन बंद करी देलऽ जाय, लेकिन विश्राम के दिन आरू अमावस्या के दिन खुलै छै।

1. काज आ आराम के बीच अपन जीवन के संतुलन बनाबय के सीखब।

2. सब्त आ अमावस्या के सम्मान के महत्व के स्वीकार करब।

1. निकासी 20:8-11 - विश्राम-दिन केँ पवित्र राखि ओकरा मोन राखू।

2. कुलुस्सी 2:16-17 - अहाँ की खाइत छी वा की पीबैत छी, वा कोनो धार्मिक पाबनि, अमावस्या उत्सव वा विश्रामक दिनक संबंध मे, ककरो अहाँक न्याय नहि करय दियौक।

इजकिएल 46:2 आर राजकुमार ओहि फाटकक बरामदाक बाटसँ प्रवेश करत आ फाटकक चौकी लग ठाढ़ रहत, आ पुरोहित सभ ओकर होमबलि आ ओकर मेलबलि तैयार करत आ ओ दहलीज पर पूजा करत फाटकक, तखन ओ बाहर निकलत। मुदा साँझ धरि फाटक बंद नहि रहत।

राजकुमार के गेट के प्रवेश द्वार पर विशिष्ट तरीका स पूजा करय पड़तनि आ साँझ धरि खुजल रहय पड़तनि ।

1. सत्य पूजाक अर्थ - द्वारक प्रवेश द्वार पर राजकुमारक पूजाक महत्वक अन्वेषण।

2. खुजल दरबज्जा - गेट के साँझ धरि खुजल रहबाक महत्व आ अपन जीवन पर एकर निहितार्थक खोज करब।

1. यूहन्ना 10:9 - हम दरबज्जा छी, जँ केओ भीतर प्रवेश करत तँ हमरा द्वारा उद्धार भेटतैक, आ ओ भीतर-बाहर जायत आ चारागाह पाओत।

2. भजन 95:6 - हे आऊ, हम सभ आराधना करी आ प्रणाम करी, हम सभ अपन निर्माता प्रभुक समक्ष ठेहुन टेकब।

इजकिएल 46:3 तहिना देशक लोक सभ विश्राम-दिन आ अमावस्या मे परमेश् वरक समक्ष एहि फाटकक द्वार पर आराधना करत।

देशक लोक सभ केँ विश्राम-दिन आ अमावस्या मे फाटक दरबज्जा पर परमेश् वरक आराधना करबाक चाही।

1. हमर जीवन मे पूजा के महत्व

2. भगवानक निर्धारित समय केँ आत्मसात करब

1. भजन 95:6 - आऊ, आराधना मे प्रणाम करी, अपन निर्माता प्रभुक समक्ष ठेहुन टेकब।

2. यशायाह 66:23 - एक अमावस्या सँ दोसर अमावस्या धरि आ एक विश्राम-दिन सँ दोसर विश्राम-दिन धरि सभ मनुष्य आबि कऽ हमरा सोझाँ प्रणाम करत, प्रभु कहैत छथि।

इजकिएल 46:4 विश्राम-दिन मे जे होमबलि राजकुमार परमेश् वर केँ चढ़ाओत, से छह टा मेमना निर्दोष आ एकटा मेढ़क निर्दोष होयत।

राजकुमार केँ निर्देश देल गेल छनि जे विश्राम-दिन मे छह टा मेमना आ एकटा मेढ़ा परमेश् वरक होमबलि चढ़ाबथि।

1. प्रभु के बलिदान के महत्व

2. विश्राम-दिन केँ पवित्र राखब

1. लेवीय 1:3 - "जँ ओकर बलि भेँड़ाक होमबलि अछि तँ ओ निर्दोष नर चढ़ाबय"।

2. निष्कासन 20:8 - "विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक लेल मोन राखू"।

इजकिएल 46:5 एकटा मेढ़क बदला मे एक एफा आ मेमना सभक लेल अन्नबलि जेना ओ दऽ सकैत अछि, आ एक एफा मे एक हिन तेल।

परमेश् वर इजकिएल केँ निर्देश दैत छथि जे ओ एक एफा अनाज, एक मेढ़ा आ एक हिन तेल परमेश् वरक लेल मांस बलि चढ़ाबथि।

1. भगवानक प्रावधान - भगवानक प्रावधान आ उदारताक प्रति कृतज्ञता देखब।

2. दान के शक्ति - प्रभु के अर्पण के आध्यात्मिक महत्व के अन्वेषण।

1. व्यवस्था 16:17 - प्रत्येक केओ अपन परमेश् वरक जे आशीष अहाँ सभ केँ देने छथि, तकरा अनुसार अपन सामर्थ्य देबाक चाही।

2. इब्रानी 13:15-16 - यीशुक द्वारा हम सभ निरंतर परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान अर्पित करी, अर्थात् ठोर सभक फल जे हुनकर नाम केँ स्वीकार करैत अछि। नीक काज करबा मे आ जे किछु अछि ओकरा बाँटि देबा मे कोताही नहि करू, कारण एहन बलिदान परमेश् वर केँ नीक लगैत छनि।

इजकिएल 46:6 अमावस्या के दिन ओ एकटा निर्दोष बैल, छह टा मेमना आ एकटा मेढ़क होयत।

अमावस्या के दिन परमेश् वर के बलिदान के रूप में एकटा बैल के बच्चा, छह टा मेमना आ एकटा मेढ़ा के आवश्यकता छै।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: अमावस्या के दिन के पवित्र प्रसाद

2. निर्दोष बलिदान के महत्व: इजकिएल 46:6 के पाछु के अर्थ

1. भजन 51:17 - "परमेश् वरक बलिदान टूटल आत् मा अछि; टूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।"

2. लेवीय 22:20-21 - "मुदा जे किछु दोष अछि, तकरा अर्पित नहि करू, किएक तँ ओ अहाँक दिस सँ स्वीकार्य नहि होयत। आ जे कियो कोनो व्रत पूरा करबाक लेल वा स्वेच्छा सँ प्रभु केँ शान्ति बलि चढ़बैत अछि।" झुंड सँ वा झुंड सँ चढ़ाब, स्वीकार करबाक लेल ओ सिद्ध हेबाक चाही, एहि मे कोनो दोष नहि होयत।"

इजकिएल 46:7 ओ अन्नबलि तैयार करत, एकटा बैल के लेल एक एफा आ एकटा मेढ़क लेल एक एफा आ मेमना के लेल जेना ओकर हाथ मिलत, आ एक एफा के लेल एक हिन तेल।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे ओ सभ बैल, मेढ़क आ मेमना सभक लेल बलिदान तैयार करथि, जे हुनका सभक सामर्थ्यक अनुपात मे, एक हिन तेल एक एफा धरि।

1. देबाक आशीर्वाद: भगवान् जे किछु प्रदान केने छथि ताहि मे सँ हँसी-खुशी आ त्यागपूर्वक दान करब।

2. आराधना के प्राथमिकता: भगवान् के सम्मान आ महिमा के तरीका के रूप में हुनका एकटा बलिदान प्रदान करब।

२.

2. भजन 96:8 - प्रभु के नाम के महिमा दियौन; प्रसाद आनि हुनकर दरबार मे आबि जाउ।

इजकिएल 46:8 जखन राजकुमार प्रवेश करत तखन ओ ओहि फाटकक ओसारा मे प्रवेश करत आ ओकर बाट सँ बाहर निकलत।

राजकुमार के मंदिर के द्वार में ओसारा के माध्यम स प्रवेश आ बाहर निकलय के अछि |

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक राज्यक समीप श्रद्धापूर्वक पहुँचबाक प्रयास करबाक चाही, विनम्रतापूर्वक प्रवेश करबाक चाही आ हर्ष सँ बाहर निकलबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ सदिखन मोन राखय पड़त जे परमेश् वरक राज्य मे प्रवेशक संग जिम्मेदारी आ समर्पणक आवश्यकता होइत अछि।

1: इफिसियों 2:19-22 - तखन अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि अहाँ सभ संत आ परमेश् वरक घरक सदस्य सभक संग-संगी छी, जे प्रेरित आ भविष्यवक्ता सभक नींव पर बनल छी, मसीह यीशु स्वयं छथि कोनाक पाथर, जाहि मे पूरा संरचना एक दोसरा सँ जोड़ि क' प्रभु मे पवित्र मंदिर बनि जाइत अछि | हुनका मे अहाँ सभ सेहो आत् माक द्वारा परमेश् वरक निवास स्थान बनाओल जा रहल छी।

2: मत्ती 7:21-23 - जे कियो हमरा कहैत अछि, प्रभु, प्रभु, स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत, बल् कि ओ हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छाक पालन करयवला प्रवेश करत। ओहि दिन हमरा बहुतो लोक कहताह, “प्रभु, प्रभु, की हम सभ अहाँक नाम सँ भविष्यवाणी नहि केलहुँ आ अहाँक नाम सँ भूत-प्रेत केँ बाहर निकाललहुँ आ अहाँक नाम सँ बहुत रास पराक्रम नहि केलहुँ? आ तखन हम हुनका सभ केँ घोषणा करब जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि चिन्हलहुँ; हे अधर्मक कार्यकर्ता सभ, हमरा सँ विदा भ’ जाउ।

इजकिएल 46:9 मुदा जखन देशक लोक सभ भोज मे परमेश् वरक समक्ष आबि जायत, तखन जे उत्तर फाटकक बाट सँ आराधना करबाक लेल प्रवेश करत, से दक्षिण द्वारक बाट सँ बाहर निकलत। दक्षिण फाटकक बाट सँ जे प्रवेश करत से उत्तर फाटकक बाट सँ निकलत।

गंभीर भोज के दौरान जे प्रभु के उत्तर द्वार में प्रवेश करै छै, ओकरा दक्षिण द्वार से बाहर निकलना जरूरी छै आरू एकरऽ विपरीत भी। भ' सकैछ जे ओ सभ ओहि फाटक सँ नहि घुरि क' आबि जाथि जाहि मे ओ सभ प्रवेश केने छलाह।

1. नव परिप्रेक्ष्यक महत्व

2. कम यात्राक सड़क पर चलब

1. फिलिप्पियों 3:13-14 - "भाई लोकनि, हम अपना केँ एकरा पकड़ने नहि मानैत छी। मुदा एकटा काज हम करैत छी जे पाछू जे अछि से बिसरि आ आगू जे अछि तकरा आगू बढ़बैत छी, हम जीतबाक लेल लक्ष्य दिस बढ़ैत छी।" मसीह यीशु मे परमेश् वरक स् वर्गीय आह्वानक पुरस्कार।”

2. नीतिवचन 4:25-27 - "अहाँक आँखि सोझे आगू देखू आ अहाँक नजरि सोझे सामने टिकय। अपन पैरक बाट पर विचार करू आ अपन सभ बाट स्थापित हो। दहिना दिस वा दहिना दिस नहि घुमू।" बामा; अपन पैर बुराई सँ दूर करू।"

इजकिएल 46:10 जखन ओ सभ भीतर जेताह तखन हुनका सभक बीच मे जे राजकुमार छथि, ओ भीतर जायत। जखन ओ सभ आगू बढ़त तखन आगू बढ़ि जेताह।

इस्राएलक राजकुमार जखन लोक सभ मंदिर मे जेताह आ अबैत छथि तखन हुनका संग प्रवेश आ बाहर निकलत।

1. शांति के राजकुमार: यीशु के पालन करै के की मतलब छै

2. एकता मे चलब: भगवानक सान्निध्य मे एकता करब

1. यशायाह 9:6 किएक तँ हमरा सभ केँ एकटा बच्चा भेल, हमरा सभ केँ एकटा बेटा देल गेल अछि। ओकर कान्ह पर सरकार रहतैक आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

2. भजन 133:1 देखू, कतेक नीक आ सुखद होइत छैक जखन भाइ सभ एकता मे रहैत छथि!

इजकिएल 46:11 पाबनि आ उत्सव मे भोजनक बलि एकटा बैल केँ एक एफा, एकटा मेढ़क लेल एक एफा आ मेमना केँ जेना द’ सकैत अछि, आ एक एफा मे एक हिन तेल होयत।

इजकिएल केरऽ ई अंश म॑ विभिन्न उत्सव आरू गंभीरता के लेलऽ आवश्यक मांस आरू तेल केरऽ बलिदान के वर्णन करलऽ गेलऽ छै ।

1. भगवान् के आज्ञा के अनुसार बलिदान के महत्व।

2. भगवान् के प्रति अपन भक्ति के अभिव्यक्ति के लेल बलिदान के महत्व।

1. इब्रानियों 13:15-16 - अतः, आउ, यीशुक द्वारा, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, जे ठोर सभक स्तुति फल अछि जे खुलि कऽ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि। आ नीक काज करब आ दोसरक संग बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

2. व्यवस्था 16:16-17 - साल मे तीन बेर अहाँक सभ आदमी केँ प्रभु परमेश् वरक समक्ष ओहि स्थान पर उपस्थित हेबाक चाही जतय ओ चुनताह: अखमीरी रोटीक पर्व, सप्ताहक पर्व आ तम्बूक पर्व मे। केओ खाली हाथ प्रभुक समक्ष उपस्थित नहि होअय।

इजकिएल 46:12 जखन राजकुमार स्वेच्छा सँ परमेश् वरक लेल होमबलि वा मेलबलि तैयार करताह, तखन ओकरा ओहि फाटक खोलल जायत जे पूरब दिस तकैत अछि, आ ओ अपन होमबलि आ अपन मेलबलि तैयार

करत, जेना ओ केने छल विश्राम-दिन मे ओ बाहर निकलताह। हुनकर निकललाक बाद दरबज्जा बन्न कऽ देल जायत।

राजकुमार क॑ विश्राम के दिन प्रभु क॑ स्वेच्छा स॑ होम आरू शांति बलि चढ़ै के अनुमति छै, पूर्व द्वार स॑ प्रवेश करी क॑ आरू ओकरऽ बाद फेर स॑ बाहर निकली क॑ ।

1. हृदय सँ दान: स्वैच्छिक प्रसादक महत्व

2. प्रभु के विश्राम आ नवीकरण के दिन: सब्त के प्रथा के अन्वेषण

1. व्यवस्था 16:1-17 - प्रभुक निर्धारित समय

2. लेवीय 23:1-3 - प्रभुक सात पाबनि

इजकिएल 46:13 अहाँ सभ दिन भोरे-भोर एकटा पहिल वर्षक मेमना केर होमबलि परमेश् वरक लेल तैयार करब।

प्रत्येक दिन भोरे-भोर एकटा पहिल वर्षक मेमना केर होमबलि प्रभुक लेल तैयार करबाक चाही।

1. होमबलि के अर्थ - कोना ई प्रसाद भगवान् के प्रति भक्ति आ समर्पण के अभिव्यक्ति के तरीका छल |

2. भक्ति के महत्व - प्रसाद के माध्यम स भगवान के प्रति अपन भक्ति के देखाबय के कियैक जरूरी अछि।

1. इब्रानी 13:15-16 - तेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान, अर्थात् अपन ठोरक फल, हुनकर नामक धन्यवाद दैत निरंतर अर्पित करी। मुदा नीक काज करब आ बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

2. भजन 51:17 - परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत्मा, टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय अछि एहि सभ केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।

इजकिएल 46:14 अहाँ एकरा लेल सभ दिन भोरे-भोर एकटा एफाक छठम भाग आ एक हिन तेल केर तिहाई भाग तैयार करू, जाहि सँ महीन आटा सँ चीर-फाड़ कयल जाय। परमेश् वरक लेल अनन्त आज्ञाक अनुसार नित्य भोजन बलि देल जाय।

सभ दिन भोरे-भोर परमेश् वरक लेल महीन आटा, एक्फाक छठम भाग आ एक तिहाई हिन तेलक बलिदान परमेश् वरक लेल तैयार कयल जायत।

1. सदा आज्ञापालन के शक्ति

2. बलिदानक आशीर्वाद

1. मत्ती 6:21 - कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक हृदय सेहो रहत।

२.

इजकिएल 46:15 एहि तरहेँ ओ सभ मेमना, अन्नबलि आ तेल सभ दिन भोरे-भोर नित्य होमबलि लेल तैयार करताह।

इस्राएलक लोक सभ केँ सभ दिन भोरे-भोर मेमना, मांस-बलि आ तेल केर होमबलि चढ़ाबय पड़ैत छलनि।

1. मेमना के बलिदान: यीशु के मृत्यु उद्धार के कोना बदललकै

2. भोरका बलिदान के अर्थ: इजकिएल 46:15 के अन्वेषण

1. रोमियो 10:4 - किएक तँ मसीह धर्म-नियमक अंत छथि जे सभ विश् वास करैत छथि।

2. इब्रानी 9:22 - वास्तव मे मूसाक नियमक अनुसार लगभग सभ किछु खून सँ शुद्ध कयल गेल छल।
कारण बिना खून बहौने क्षमा नहि होइत छैक।

इजकिएल 46:16 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जँ राजकुमार अपन कोनो पुत्र केँ दान देत तँ ओकर उत्तराधिकार ओकर बेटा सभक होयत। ई उत्तराधिकारक द्वारा हुनका लोकनिक सम्पत्ति होयत।

प्रभु भगवान केरऽ कहना छै कि अगर कोय राजकुमार अपनऽ कोय भी पुत्र क॑ वरदान दै छै त॑ वू वरदान केरऽ उत्तराधिकार पुत्रऽ के होतै, आरू वू उत्तराधिकार के द्वारा ओकरऽ कब्जा होतै ।

1. उत्तराधिकार के आशीर्वाद: इजकिएल 46:16 के अध्ययन

2. परमेश् वरक उदारता: इजकिएल 46:16 मे उत्तराधिकारक वरदान केँ बुझब

1. गलाती 3:29 - "आ जँ अहाँ सभ मसीहक छी तँ अहाँ सभ अब्राहमक वंशज छी आ प्रतिज्ञाक अनुसार उत्तराधिकारी छी।"

2. इब्रानी 9:15 - "आ एहि लेल ओ नव नियमक मध्यस्थ छथि, जाहि सँ मृत्युक द्वारा पहिल नियम मे जे अपराध भेल छल, ओकर मोक्षक लेल, जे सभ बजाओल गेल अछि, ओकरा अनन्तक प्रतिज्ञा भेटय।" विरासत."

इजकिएल 46:17 मुदा जँ ओ अपन कोनो नोकर केँ अपन उत्तराधिकार मे सँ कोनो दान दैत छथि तँ ओ मुक्ति वर्ष धरि हुनकर होयत। ओकर बाद ई राजकुंवर केँ वापस आबि जायत, मुदा ओकर उत्तराधिकार ओकर पुत्र सभक लेल होयत।”

नौकर के देल गेल उत्तराधिकार के दान स्वतंत्रता के वर्ष तक मान्य रहैत अछि, तकर बाद ओ राजकुमार के वापस आबि जायत, मुदा नौकर के बेटा सब अपन उत्तराधिकार के बरकरार राखत।

1. भगवानक उदारता: जे हमरा सभक सेवा करैत छथि हुनका उत्तराधिकारक वरदान कोना चढ़ाओल जाय।

2. स्वतंत्रताक यथार्थ: स्वतंत्रताक महत्व केँ बुझब आ एकर प्रभाव हमरा लोकनिक जीवन पर कोना पड़ैत अछि।

1. व्यवस्था 15:12-15 - प्रभुक आज्ञा जे हमरा सभक सेवा करयवला केँ मुफ्त मे देबाक चाही।

2. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर नहि, स्वर्ग मे खजाना जमा करबाक महत्व।

इजकिएल 46:18 आर राजकुमार लोकक उत्तराधिकार मे सँ कोनो अत्याचार नहि लेत आ ओकरा सभ केँ ओकर सम्पत्ति सँ बाहर निकालि देत। मुदा ओ अपन पुत्र सभ केँ अपन सम्पत्ति सँ उत्तराधिकार देत, जाहि सँ हमर लोक सभ एक-एक गोटे अपन सम्पत्ति सँ तितर-बितर नहि भऽ जाय।”

राजकुमार के दमनकारी रणनीति के प्रयोग क जनता के विरासत नै छीनबाक चाही, बल्कि अपन बेटा के अपन उत्तराधिकार देबाक चाही ताकि जनता अपन सम्पत्ति स तितर-बितर नै हो।

1. उत्तराधिकारक लेल परमेश्वरक योजना: हमरा सभ केँ अपन शक्तिक दुरुपयोग कहियो किएक नहि करबाक चाही

2. कब्जाक शक्ति: हम सभ परमेश् वरक आशीर्वाद कोना पाबि सकैत छी

1. व्यवस्था 16:20 - अहाँ न्याय आ मात्र न्यायक पालन करू, जाहि सँ अहाँ ओहि देश केँ जीबि सकब आ ओकर उत्तराधिकारी भ’ सकब जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ द’ रहल छथि।

2. नीतिवचन 13:22 - नीक लोक अपन संतानक संतानक लेल उत्तराधिकार छोड़ि दैत अछि, मुदा पापीक धन धर्मी लोकक लेल जमा कयल जाइत अछि।

इजकिएल 46:19 जखन ओ हमरा फाटकक कात मे प्रवेश द्वार सँ पुरोहित सभक पवित्र कोठली मे अनलनि जे उत्तर दिस तकैत छल।

इजकिएल भविष्यवक्ता केँ परमेश् वर फाटक सँ पुरोहित सभक कोठली मे अनैत छथि जे उत्तर दिस तकैत अछि। दुनू कात पश्चिम दिस एकटा स्थान अछि।

1. भगवानक दिव्य मार्गदर्शन - भगवानक मार्गदर्शनक पालन करब, चाहे कोनो खर्चा किएक नहि हो

2. पूजाक हृदय - भगवानक पूजाक जीवनशैलीक खेती करब

1. यहोशू 3:11 - "देखू, समस्त पृथ्वीक प्रभुक वाचाक सन्दूक अहाँ सभक आगू सँ यरदन नदी मे गुजरि रहल अछि।"

2. मत्ती 7:7 - "माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तखन भेटत; खटखटाउ, तखन अहाँ सभ केँ खुजल जायत।"

इजकिएल 46:20 तखन ओ हमरा कहलनि, “ई ओ स्थान अछि जतय पुरोहित सभ अपराध बलि आ पापबलि उबालि देताह, जतय ओ सभ अन्नबलि सेकताह। लोक सभ केँ पवित्र करबाक लेल ओ सभ ओकरा सभ केँ पूर्ण आँगन मे नहि लऽ जाय।”

पुरोहित सभ केँ अपराध आ पापबलि उबालि कऽ मांस बलि केँ सेकबाक छलनि, जाहि सँ बाहरी आँगन मे लोक केँ पवित्र नहि कयल जाय।

1. भगवानक पवित्रता आ बलिदानक आवश्यकता

2. एकटा समर्पित पुरोहितक शक्ति

1. लेवीय 6:24-30 - पुरोहित सभक लेल बलि चढ़ाबय के निर्देश

2. इब्रानी 13:10-17 - जे किछु हमरा सभ लग अछि ताहि सँ संतुष्ट रहबाक आवश्यकता आ पवित्र जीवन जीबाक महत्व।

इजकिएल 46:21 तखन ओ हमरा आँगनक चारू कोन सँ गुजरि गेलाह। आँगनक चारू कोन मे एकटा आँगन छल।

इजकिएल केँ एकटा दरबार मे लऽ गेल गेलाह आ एक-एक कोन मे चारि टा दरबार देखलनि।

1. परमेश् वरक दरबारक चारि कोन - इजकिएलक ईश्वरीय न्यायक दृष्टि

2. न्याय के सब कोण स देखब - चारि न्यायालय के इजकिएल के दृष्टि

1. भजन 89:14 - धर्म आ न्याय अहाँक सिंहासनक नींव अछि; अडिग प्रेम आ निष्ठा अहाँक आगू अछि।

2. निकासी 23:6-7 - अहाँ अपन गरीबक मुकदमा मे न्याय केँ विकृत नहि करब। झूठ आरोप सँ दूर रहू, निर्दोष आ धर्मी केँ नहि मारू, कारण हम दुष्ट केँ निर्दोष नहि देब।

इजकिएल 46:22 आँगनक चारू कोन मे चालीस हाथ लंबा आ तीस हाथ चौड़ा आँगन छल, ई चारू कोन एक नाप के छल।

इजकिएल 46 के मंदिर के आँगन के चारो कोना छेलै, जेकरऽ हर एक के नाप चालीस हाथ लम्बा आरू चौड़ाई तीस हाथ छेलै।

1. पवित्रताक स्थिरता: भगवानक मंदिरक माप

2. पवित्रता के महत्व: भगवान के मंदिर में एकता

1. इफिसियों 2:19-22 अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल्कि परमेश् वरक घरक लोक सभक संग-संग सहनागरिक छी, जे प्रेरित आ भविष्यवक्ता सभक नींव पर बनल छी, यीशु मसीह स्वयं मुख्य आधारशिला छथि, जिनका मे पूरा भवन एक संग सजल भ' क' प्रभु मे पवित्र मन्दिर बनि जाइत अछि, जाहि मे अहाँ सभ सेहो एक संग परमेश् वरक आत् मा मे निवास करबाक लेल बनैत छी।

2. 1 पत्रुस 2:5 अहाँ सभ सेहो जीवित पाथर जकाँ एकटा आध्यात्मिक घर, पवित्र पुरोहितक दल बनाओल जा रहल छी, जाहि सँ यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक स्वीकार्य आत् मिक बलिदान चढ़ा सकब।

इजकिएल 46:23 चारू कात चारू कात भवनक पाँति छल आ चारू कात पाँतिक नीचाँ उबलैत जगह पर बनल छल।

इजकिएल 46:23 मे एकटा मंदिर के निर्माण के वर्णन अछि जेकर चारि देबाल आ ओकर नीचा एकटा उबलैत जगह बनल अछि।

1. पूजा स्थल के निर्माण के महत्व

2. पवित्रता आ शुद्धि केँ आत्मसात करब

1. निकासी 29:38-41 - नियमित होमबलि के निर्देश

2. 2 इतिहास 7:1-3 - मंदिरक निर्माण आ सुलेमानक समर्पणक प्रार्थना

इजकिएल 46:24 तखन ओ हमरा कहलथिन, “ई सभ उबालबला सभक स्थान अछि, जतय घरक सेवक लोकक बलिदान उबालत।”

परमेश् वर इजकिएल केँ मन् दिरक विभिन्न स्थान सभक प्रगट करैत छथि जतय पुरोहित सभ लोक सभक लेल बलिदान तैयार करताह।

1. पूजा में यज्ञ के महत्व

2. मंदिर मे पुरोहितक भूमिका

1. इब्रानी 13:15-16 (ESV) - तखन हम सभ हुनका द्वारा निरंतर परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, अर्थात् हुनकर नाम केँ स्वीकार करय बला ठोर सभक फल। नीक काज करबा मे आ जे किछु अछि ओकरा बाँटि देबा मे कोताही नहि करू, कारण एहन बलिदान परमेश् वर केँ नीक लगैत छनि।

2. लेवीय 1:1-13 (ESV) - प्रभु मूसा केँ बजा क’ साक्षात्कार तम्बू सँ हुनका सँ बजलाह जे, “इस्राएलक लोक सभ सँ बाजू आ हुनका सभ सँ कहू जे, “जखन अहाँ सभ मे सँ कियो प्रभुक लेल बलिदान अनत।” , अहाँ अपन प्रसाद झुंड सँ वा झुंड सँ आनब।

इजकिएल अध्याय 47 मे मंदिर सँ बहैत नदीक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि, जे एहि देश मे जीवन आ चंगाई अनैत अछि।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मंदिर के प्रवेश द्वार स पानि के बहय के दर्शन स होइत अछि | पानि टपकैत शुरू होइत अछि आ धीरे-धीरे पूर्व दिस बहैत गहींर नदी बनि जाइत अछि । दर्शन पानि के जीवनदायी गुण पर जोर दै छै, जे भूमि में चंगाई आरू फलदायी बनाबै छै (इजकिएल 47:1-12)।

2nd पैराग्राफ: तखन दर्शन मे इस्राएल के बारह गोत्र मे देश के बंटवारा के वर्णन कयल गेल अछि | जमीनक बँटवारा जनजाति मे समान रूपेँ करबाक अछि, ओकर पैतृक उत्तराधिकारक आधार पर भाग आवंटित करबाक अछि | दृष्टि जमीन के वितरण में निष्पक्षता आरू समानता पर जोर दै छै (इजकिएल 47:13-23)।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय सत्तालीस प्रस्तुत
मंदिर सँ बहैत नदीक दर्शन,
देश मे जीवन आ चंगाई अनैत,
आ बारह गोत्र मे देशक बँटवारा।

मंदिर के प्रवेश द्वार स पानि बहैत आ गहींर नदी बनबाक दर्शन।
पानिक जीवनदायी गुण आ जमीन पर ओकर उपचारात्मक प्रभाव पर जोर।
इस्राएल के बारह गोत्र में भूमि के विभाजन के वर्णन |
पैतृक उत्तराधिकार के आधार पर जनजाति के बीच जमीन के समान वितरण |
जमीन आवंटन मे निष्पक्षता आ समानता पर जोर।

इजकिएल के ई अध्याय में मंदिर स बहैत नदी के दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि | पानि टपकैत शुरू होइत अछि आ धीरे-धीरे पूर्व दिस बहैत गहींर नदी बनि जाइत अछि । दृष्टि में जल के जीवनदायी गुण पर जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा सें भूमि में चिकित्सा आरू फलदायी होय छै । अध्याय में इस्राएल के बारह गोत्र में देश के बंटवारा के भी वर्णन छै। जमीनक बँटवारा जनजाति मे समान रूपेँ करबाक अछि, ओकर पैतृक उत्तराधिकारक आधार पर भाग आवंटित करबाक अछि | अध्याय मे जमीनक वितरण मे निष्पक्षता आ समानता पर जोर देल गेल अछि । नदी के दर्शन आरू भूमि के विभाजन वू पुनर्स्थापन आरू आशीर्वाद के प्रतीक छै जे भगवान अपनऽ लोगऽ लेली लानै छै ।

इजकिएल 47:1 तकर बाद ओ हमरा घरक दरबज्जा पर लऽ गेलाह। घरक दहलीजक नीचाँ सँ पूब दिस पानि निकलि रहल छल, कारण घरक अग्रभाग पूब दिस ठाढ़ छल आ घरक दहिना कात, वेदीक दक्षिण दिस सँ पानि नीचाँ सँ नीचाँ उतरैत छल।

परमेश् वरक घरक पानि दहलीजक नीचाँ सँ निकलैत छल, जे घरक दहिना कात सँ पूब दिस बहैत छल।

1. पानिक ताज़ा आ पुनर्स्थापित करबाक शक्ति

2. भगवानक दया हुनक घर सँ बहैत

1. यशायाह 12:3 - "तेँ अहाँ सभ उद्धारक इनार सभ सँ हर्ष सँ पानि निकालब।"

2. यूहन्ना 7:38 - "जे हमरा पर विश्वास करत, जेना कि शास्त्र मे कहल गेल अछि, ओकर पेट सँ जीवित जलक नदी बहत।"

इजकिएल 47:2 तखन ओ हमरा उत्तर दिसक फाटकक बाट सँ बाहर निकालि क’ हमरा बाहरक बाट मे घुमा क’ पूब दिस देखबाक बाट पर पूरा फाटक धरि पहुँचा देलनि। देखू, दहिना कात पानि बहैत छल।

पैगम्बर इजकिएल क॑ मंदिर केरऽ उत्तरी फाटक प॑ ल॑ जायलऽ जाय छै, जे पूर्वी फाटक प॑ जाय छै, जहां ओकरा दहिना तरफ स॑ पानी बहैत॑ देखै छै ।

1. परमेश् वरक प्रावधानक प्रतिज्ञा: अपन सभ आवश्यकताक लेल प्रभु पर भरोसा करब सीखब

2. जीवित जलक शक्ति: यीशु हमरा सभक प्यास कोना पूरा करैत छथि

1. भजन 23:1-6

2. यूहन्ना 4:1-15

इजकिएल 47:3 जखन हाथ मे रेखा वाला आदमी पूरब दिस बढ़ल त’ ओ एक हजार हाथ नापि लेलक आ हमरा पानि मे ल’ गेल। पानि टखने धरि छल।

इजकिएल 47:3 के ई अंश में इजकिएल भविष्यवक्ता के वर्णन छै कि ओकरा एक पानी के निकाय के माध्यम स॑ लानलऽ गेलऽ छेलै, जे केवल टखने के गहराई में छेलै।

1. विश्वास के शक्ति: जीवन के चुनौती के गहराई के बावजूद परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भरोसा करना

2. विश्वासक छलांग लगाब: अनिश्चितताक बादो आज्ञाकारिता मे कदम रखब

1. इब्रानी 11:7 - विश्वासक कारणेँ नूह केँ परमेश् वर द्वारा एखन धरि नहि देखल गेल बात सभक चेतावनी देल गेलनि। जाहि सँ ओ संसारक दोषी ठहरौलनि आ विश्वासक कारणेँ जे धार्मिकताक उत्तराधिकारी बनि गेलाह।

2. मत्ती 14:22-33 - यीशु तुरन्त अपन शिष् य सभ केँ जहाज पर चढ़बाक लेल बाध्य कयलनि आ हुनका सँ आगू बढ़ि कऽ दोसर कात जेबाक लेल बाध्य कयलनि, जखन कि ओ भीड़ सभ केँ विदा कयलनि। लोक सभ केँ विदा कऽ कऽ ओ प्रार्थना करऽ लेल अलग-अलग पहाड़ पर चढ़ि गेलाह। मुदा जहाज आब समुद्रक बीचोबीच छल आ लहरि सँ झटकि रहल छल, कारण हवा उल्टा छल। राति मे चारिम प्रहर मे यीशु समुद्र पर चलैत हुनका सभक लग गेलाह। शिष्य सभ जखन हुनका समुद्र पर चलैत देखि कऽ घबरा गेलाह आ कहलथिन, “ई आत् मा अछि। ओ सभ डरसँ चिचिया उठल। मुदा यीशु तुरन्त हुनका सभ सँ कहलथिन, “हैर रहू। ई हम छी; डरब नहि। पत्रुस हुनका उत्तर देलथिन, “प्रभु, जँ अहाँ छी तँ हमरा पानि पर अहाँक लग आबय लेल कहब।” ओ कहलथिन, “आउ।” जखन पत्रुस नाव सँ उतरलाह तँ ओ पानि पर चलि कऽ यीशु लग जेबाक लेल चलि गेलाह। मुदा हवाक उधम मचबैत देखि ओ डरि गेल। ओ डूबय लगलाह, “प्रभु, हमरा बचाउ।” तुरन्त यीशु हाथ बढ़ा कऽ हुनका पकड़ि कऽ कहलथिन, “हे कम विश् वासक लोक, अहाँ केँ किएक संदेह भेल?

इजकिएल 47:4 ओ फेर एक हजार नापि क’ हमरा पानि मे अनलनि। पानि ठेहुन धरि छल। ओ फेर हजार नापि कऽ हमरा ओहि मे सँ गुजरि गेलाह। पानि कमर धरि छल।

ई अंश में एक दर्शन के वर्णन छै कि परमेश् वर इजकिएल के पानी के बीच सें ले जाय छै जे ओकरो ठेहुना तक पहुँचै छै, आरू फेरू ओकरो कमर तक।

1) भगवान के मार्गदर्शन: जरूरत के समय में भगवान हमरा सब के कोना नेतृत्व करैत छथि |

2) जीवन के जल: भगवान के पालन करला स हमरा सब के जे आशीर्वाद भेटैत अछि

1) इजकिएल 47:4

2) यूहन्ना 7:37-38 - पाबनि के अंतिम दिन, जे महान दिन छल, यीशु ठाढ़ भ’ क’ चिचिया उठलाह, “जँ केओ पियासल अछि त’ ओ हमरा लग आबि क’ पीबय।

इजकिएल 47:5 तकर बाद ओ एक हजार नापलनि। ओ एकटा एहन नदी छल जकरा हम पार नहि कऽ सकलहुँ, किएक तँ पानि बढ़ि गेल छल, हेलबाक लेल पानि, ओहि नदी केँ पार नहि कएल जा सकैत छल।

नदी बहुत गहींर छल जे पार नहि भ' सकैत छल, आ पानि बहुत ऊँच भ' गेल छल।

1. जीवनक बाढ़ि: भारी परिस्थिति मे कोना नेविगेट कयल जाय

2. कठिन समय मे अपन विश्वास राखब

1. भजन 124:4-5 - "तखन पानि हमरा सभ पर भारी पड़ि जाइत, धार हमरा सभक आत्मा पर चलि जाइत; तखन सूजल पानि हमरा सभक आत्मा पर चलि जाइत।"

2. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त।"

इजकिएल 47:6 ओ हमरा कहलथिन, “मनुखक बेटा, की अहाँ ई देखलहुँ?” तखन ओ हमरा अनलनि, आ हमरा नदीक कात मे घुरि गेलाह।

परमेश् वर इजकिएल केँ एकटा नदीक कात मे लऽ जाइत छथि आ पुछैत छथि जे की अहाँ देखलहुँ अछि।

1. जीवनक नदी देखबाक लेल भगवानक आमंत्रण

2. जीवन बदलबाक लेल परमेश्वरक वचनक शक्ति

1. यूहन्ना 4:13-14 यीशु उत्तर देलथिन, “जे कियो ई पानि पीबैत अछि, से फेर प्यास लागत, मुदा जे कियो हम जे पानि दैत छी से कहियो प्यास नहि करत। सचमुच, हम जे पानि हुनका सभ केँ देबनि से हुनका सभ मे अनन्त जीवनक लेल उमड़ैत पानिक झरना बनि जायत।

2. रोमियो 5:1-2 तेँ जखन हम सभ विश्वासक कारणेँ धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति अछि, जिनका द्वारा हम सभ विश् वास द्वारा एहि अनुग्रह मे पहुँचि सकलहुँ, जाहि मे हम सभ एखन ठाढ़ छी। आ हम सभ परमेश् वरक महिमाक आशा मे घमंड करैत छी।

इजकिएल 47:7 जखन हम घुरलहुँ तँ देखलहुँ जे नदीक कात मे एक कात आ दोसर कात बहुत रास गाछ छल।

इजकिएल एकटा नदी देखलनि जाहि मे दुनू कात बहुत रास गाछ छल।

1. प्रकृति मे सौन्दर्य आ प्रचुरताक भगवानक प्रावधान

2. जखन हम सभ अपना केँ हेरायल बुझैत छी तखनो भगवानक भलाई पर भरोसा करब

1. भजन 36:8-9 - "ओ सभ अहाँक घरक प्रचुरता पर भोज करैत अछि; आ अहाँ ओकरा सभ केँ अपन भोग-विलासक नदी सँ पीबैत छी। किएक तँ अहाँक संग जीवनक फव्वारा अछि; अहाँक इजोत मे हम सभ इजोत देखैत छी।"

2. यूहन्ना 4:14 - "मुदा जे केओ हम जे पानि देब, से कहियो प्यास नहि करत। मुदा हम जे पानि ओकरा देब से ओकरा मे पानिक फव्वारा बनि जायत जे अनन्त जीवन मे उगैत अछि।"

इजकिएल 47:8 तखन ओ हमरा कहलथिन, “ई पानि पूर्व दिस बहैत अछि आ मरुभूमि मे उतरि समुद्र मे जाइत अछि।

ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू समुद्र के पानी में चंगाई लाबै छै।

1. परमेश् वरक चंगाईक प्रतिज्ञा: इजकिएल 47:8 क अध्ययन

2. परमेश् वरक चंगाईक शक्ति: इजकिएल 47:8 पर एक नजरि

1. यिर्मयाह 17:14 - हे प्रभु, हमरा ठीक करू, हम ठीक भ’ जायब; हमरा बचाउ, आ हम उद्धार पाबि लेब, किएक तँ अहाँ हमर स्तुति छी।”

2. निर्गमन 15:26 - ओ कहलनि, “जँ अहाँ अपन परमेश् वर प्रभुक आवाज केँ लगन सँ सुनब आ हुनकर नजरि मे जे उचित अछि से करब, आ हुनकर आज्ञा पर कान करब आ हुनकर सभ नियमक पालन करब, तँ हम हम एहि मे सँ कोनो बीमारी अहाँ पर नहि लगाओत, जे हम मिस्रवासी सभ पर अनने छी, किएक तँ हम प्रभु छी जे अहाँ केँ ठीक करैत छी।”

इजकिएल 47:9 एहन होयत जे जे किछु जीवित अछि, जे चलि जायत, ओतहि नदी सभ आओत, ओ जीवित रहत ठीक भ’ जाउ; जतए नदी अबैत अछि, सभ किछु जीवित रहत।”

इजकिएल के ई अंश परमेश् वर के नदी के पास जे लोग छै, ओकरा सिनी के जीवन आरू चंगाई के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक प्रेमक चंगाईक शक्ति

2. भगवानक कृपा सँ जीवनक नवीकरणक अनुभव करब

1706

1. यशायाह 43:2, "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

2. यूहन्ना 4:14, "मुदा जे केओ हम जे पानि देब से पीबैत अछि, ओकरा फेर कहियो प्यास नहि लागत। हम जे पानि ओकरा देब से ओकरा मे अनन्त जीवनक लेल उमड़ैत पानिक झरना बनि जायत।"

इजकिएल 47:10 एहि पर मछुआरा सभ एन्गेदी सँ लऽ कऽ एनेग्लाइम धरि ठाढ़ रहत। ओ सभ जाल पसरबाक स्थान होयत। ओकर सभक माछ अपन-अपन प्रकारक अनुसार होयत, जेना महान समुद्रक माछ, बेसी सँ बेसी।

इजकिएल भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करै छै कि एन्गेदी आरू एनेग्लाइम के बीच के इलाका मछुआरा सिनी स॑ भरलऽ होय जैतै, जे महान समुद्र स॑ तरह-तरह के माछ पकड़तै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा - परमेश् वरक भविष्यवाणीक प्रतिज्ञा पूरा करबाक लेल परमेश् वरक अविश्वसनीय वफादारीक खोज करब।

2. प्रचुरता - जखन हम हुनका पर भरोसा करैत छी आ हुनकर आज्ञा मानैत छी तखन भगवान् हमरा सभ केँ जे प्रचुरता प्रदान करैत छथि ताहि पर शिक्षा देब।

1. उत्पत्ति 1:20-22 - परमेश् वर कहलथिन, “पानि मे जीव-जन्तुक भरमार हो, आ चिड़ै सभ पृथ्वीक ऊपर आकाशक विस्तार मे उड़य।” तेँ परमेश् वर समुद्रक पैघ-पैघ प्राणी आ पानि मे भरल सभ जीव-जन्तु आ सभ पाँखि बला चिड़ै केँ अपन-अपन प्रकारक अनुसार सृजित कयलनि। परमेश् वर देखलनि जे ई नीक अछि।

22 परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीष दऽ कऽ कहलथिन, “बढ़ू आ बढ़ि जाउ आ समुद्र मे पानि भरू आ पृथ् वी पर चिड़ै सभ बढ़य।”

2. भजन 107:23-26 - किछु गोटे जहाज पर समुद्र पर निकललाह; ओ सभ प्रबल पानि पर व्यापारी छलाह। ओ सभ प्रभुक काज, ओकर अद्भुत काज गहींर मे देखलक। किएक तँ ओ बजैत छलाह आ एकटा एहन तूफान उठौलनि जे लहरि केँ ऊँच क' देलक। ओ सभ आकाश मे चढ़ि कऽ गहींर मे उतरि गेलाह। हुनका लोकनिक खतरा मे हुनका लोकनिक साहस पिघलि गेलनि।

इजकिएल 47:11 मुदा ओकर दलदली जगह आ ओकर दलदल ठीक नहि होयत। नून मे देल जायत।

ई अंश एकटा एहन भूमिक गप्प करैत अछि जे रहबाक योग्य नहि रहत आ नून मे देल जायत |

1. अनिवास योग्य भूमि: प्रतिकूल परिस्थिति के लेल भगवान के योजना के बुझब

2. नमकक शक्ति: शास्त्र मे नमकक महत्वक उजागर करब

1. यशायाह 34:9-10 ओकर धार सभ गड्ढा मे बदलि जायत, आ ओकर धूरा गंधक मे बदलि जायत, आ ओकर देश जरैत गड्ढा बनि जायत। राति-दिन नहि बुझाओल जायत। ओकर धुँआ अनन्त काल धरि चलि जायत। एहि मे सँ कियो अनन्त काल धरि नहि गुजरत।

2. मरकुस 9:49-50 किएक तँ सभ केँ आगि सँ नून देल जायत आ हर बलिदान केँ नून सँ नून देल जायत। नून नीक होइत छैक, मुदा जँ नूनक नून खतम भ’ गेल छैक त’ अहाँ ओकरा कोन चीज मे मसाला देब? अपना मे नून राखू, आ एक-दोसर मे शान्ति राखू।

इजकिएल 47:12 नदीक कात मे, एहि कात आ ओहि कात, भोजनक लेल सभ गाछ उगत, जकर पात फीका नहि होयत आ ने ओकर फल खतम होयत ओकर मास, किएक तँ ओ सभ पवित्र स्थान सँ पानि निकलैत छल, आ ओकर फल भोजनक लेल होयत आ ओकर पात औषधिक रूप मे होयत।

अभयारण्य स बाहर बहैत नदी स एहन गाछ पैदा होएत जेकर पात आ फल कहियो फीका नहि होएत या खपत नहि होएत, जाहि स हर महीना ताजा फल निकलत जेकर उपयोग भोजन आ दवाई क रूप मे कैल जा सकैत अछि।

1707

1. जीवन आ प्रचुरताक स्रोत

2. भगवान् के अलौकिक प्रावधान

1. यूहन्ना 6:35 - यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “हम जीवनक रोटी छी। जे हमरा लग आओत से भूख नहि लागत, आ जे हमरा पर विश्वास करत से कहियो प्यास नहि करत।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि।

इजकिएल 47:13 प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। इएह सीमा होयत, जाहि सँ अहाँ सभ इस्राएलक बारह गोत्रक अनुसार देशक उत्तराधिकारी बनब।

प्रभु परमेश् वर एहि देश केँ इस्राएलक बारह गोत्र मे बाँटि देबाक निर्देश दैत छथि, जाहि मे यूसुफ केँ दू भाग भेटैत छनि।

1. "परमेश् वरक वफादार प्रावधान: इजकिएल 47:13 क अध्ययन"।

2. "विरासतक शक्ति: इजकिएल 47:13 पर एकटा चिंतन"।

1. भजन 37:11 - "मुदा नम्र लोक सभ पृथ्वीक उत्तराधिकारी बनताह, आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित हेताह।"

2. व्यवस्था 32:9 - "कारण परमेश् वरक भाग ओकर लोक अछि; याकूब ओकर उत्तराधिकारक भाग्य अछि।"

इजकिएल 47:14 अहाँ सभ एक-दोसर केँ एकर उत्तराधिकारी बनब, जाहि विषय मे हम अहाँक पूर्वज केँ देबाक लेल अपन हाथ उठौने रही।

परमेश् वर इस्राएलक भूमि केँ लोक सभ केँ अपन उत्तराधिकारक रूप मे देबाक वचन देने छथि।

1. परमेश् वरक उत्तराधिकारक प्रतिज्ञा: इजकिएल 47:14 क अध्ययन

2. प्रतिज्ञा के पकड़ना: परमेश्वर के आशीर्वाद केना प्राप्त करब

1. इजकिएल 47:14

2. व्यवस्था 11:9-12

इजकिएल 47:15 ई देशक सीमा उत्तर दिस, महान समुद्र सँ, हेतलोनक बाट, जेना लोक सभ सिदाद जाइत अछि।

एहि अंश मे इस्राएल देशक सीमाक वर्णन कयल गेल अछि |

1. भगवान् अपन लोकक लेल सीमाक व्यवस्था करबा मे सदिखन निष्ठावान रहलाह अछि।

2. प्रभु हमरा सभकेँ जमीन आ सीमाक सिद्ध वरदान देने छथि।

1. यशायाह 26:1 ओहि दिन यहूदा देश मे ई गीत गाओल जायत: हमरा सभक एकटा मजबूत शहर अछि।
भगवान् मोक्ष के ओकर देबाल आ प्राचीर बनाबै छै।

2. भजन 78:54 ओ हुनका सभ केँ अपन पवित्र देश मे अनलनि, ओहि पहाड़ी इलाका मे जे हुनकर दहिना हाथ पकड़ने छलनि।

इजकिएल 47:16 हमत, बेरोथा, सिब्राइम, जे दमिश्कक सीमा आ हमतक सीमाक बीच अछि।
हजारहट्टीकोन, जे हौरन के तट पर अछि।

इजकिएल 47:16 के ई अंश दमिश्क आरू हमत के सीमा के बीच, आरू हौरान के तट के पास चारो शहर के स्थान के वर्णन करै छै।

1. हमर जीवन मे भगवानक अटूट प्रोविडेंस

2. प्रभु के योजना पर विश्वास के साथ जीना

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

इजकिएल 47:17 समुद्र सँ सीमा हजरेनन, दमिश्कक सीमा, उत्तर उत्तर आ हमतक सीमा होयत। आ ई उत्तर दिस अछि।

प्रतिज्ञात देशक सीमा हसरेनन समुद्र सँ हमतक उत्तर सीमा धरि छल, आ बीच मे दमिश्क छल।

1. प्रतिज्ञात भूमि मे हमर सभक उत्तराधिकार - परमेश् वर अपन लोक सभक प्रतिज्ञा कयल गेल भूमिक सीमाक खोज करब।

2. एकटा नव घर - परमेश्वरक राज्य मे अपन प्रतिज्ञात स्थानक खोज करबाक यात्रा।

1. यहोशू 1:2-3 - "हमर सेवक मूसा मरि गेल अछि। आब उठू, अहाँ आ ई सभ लोक, एहि यरदन पार क' ओहि देश मे जाउ जे हम ओकरा सभ केँ इस्राएलक लोक सभ केँ द' रहल छी।"

2. भजन 37:11 - "मुदा नम्र लोक सभ देशक उत्तराधिकारी बनताह आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित हेताह।"

इजकिएल 47:18 अहाँ सभ पूब दिस हौरान, दमिश्क, गिलियद आ इस्राएल भूमि सँ यरदन नदीक सीमा सँ पूरब समुद्र धरि नापब। आ ई पूब दिस अछि।

इजकिएल 47:18 केरऽ ई अंश उत्तर म॑ हौरान आरू दमिश्क स॑ ल॑ क॑ दक्षिण म॑ पूर्वी समुद्र तक इस्राएल केरऽ देश केरऽ पूर्वी सीमा के वर्णन करै छै ।

1: हम इजकिएल 47:18 सँ सीख सकैत छी जे परमेश्वर अपन प्रतिज्ञाक प्रति वफादार छथि। ओ वचन देलनि जे ओ इस्राएलक लोक केँ ओकर अपन देश देथिन आ ओ ओहि प्रतिज्ञा केँ पूरा कयलनि अछि।

2: हम इजकिएल 47:18 सँ सेहो सीख सकैत छी जे परमेश् वर अंतिम प्रदाता छथि। भौतिक भूमि मात्र नहि आध्यात्मिक भरण-पोषण सेहो करैत छथि ।

1: यहोशू 1:3-5 - "जतय जगह पर अहाँक पैरक तलवा चलत, हम अहाँ सभ केँ द' देने छी, जेना हम मूसा केँ कहने रही। जंगल आ एहि लेबनान सँ ल' क' पैघ नदी, यूफ्रेटिस नदी धरि।" , हित्तीक समस्त देश आ सूर्यास्तक दिसक महान समुद्र धरि अहाँक तट होयत।अहाँ सभक सोझाँ केओ ठाढ़ नहि भऽ सकैत अछि, किएक तँ अहाँक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभक भय आ अहाँक भय ओहि समस्त देश पर अछि जाहि पर अहाँ चलब, जेना ओ अहाँ केँ कहने छथि।”

2: भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू। तहिना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पोसल जायब। प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ अहाँ केँ अहाँक इच्छा प्रदान करताह।" हृदय."

इजकिएल 47:19 दक्षिण दिस तामार सँ ल’ क’ कादेश मे झगड़ाक पानि धरि, नदी सँ महासागर धरि। आ ई दक्षिण दिस दक्षिण दिस अछि।

इजकिएल प्रतिज्ञात भूमि के सीमा के वर्णन करी रहलऽ छै, जे तामार नदी स॑ शुरू होय क॑ महान सागर म॑ समाप्त होय छै, जेकरा म॑ कादेश म॑ झगड़ा के पानी भी शामिल छै ।

1. प्रतिज्ञात भूमि मे आशीष आ प्रावधानक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

2. सीमा स्थापित करबा मे भगवानक मार्गदर्शन आ निष्ठा

1. भजन 37:3-6 - प्रभु पर भरोसा करू आ नीक करू; भूमि मे रहू आ सुरक्षित चारागाह के आनंद लिय। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभुक प्रति अपन बाट समर्पित करू; ओकरा पर भरोसा राखू आ ओ ई काज करत: ओ अहाँक धर्मी इनाम केँ भोर जकाँ चमकाओत, अहाँक निंदा केँ दुपहरक रौद जकाँ चमका देत।

2. यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

इजकिएल 47:20 पश्चिम दिस सीमा सँ ल’ क’ जाबत धरि कोनो आदमी हमतक विरुद्ध नहि आबि जायत, ताबत धरि महान समुद्र होयत। ई पश्चिम दिस अछि।

इजकिएल 47:20 परमेश् वर के प्रतिज्ञात देश के सीमा के वर्णन करै छै, जे महान समुद्र के किनारे सीमा स॑ ल॑ क॑ हमत के क्षेत्र तक फैललऽ छै।

1. परमेश् वरक असीम प्रतिज्ञा: हुनकर प्रतिज्ञा हमरा सभक अपेक्षा सँ बहुत आगू कोना पहुँचि जाइत अछि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक सीमा: ओ अपन आशीषक सीमा कोना निर्धारित करैत छथि

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

इजकिएल 47:21 एहि तरहेँ अहाँ सभ एहि देश केँ इस्राएलक गोत्रक अनुसार बाँटि देब।

इजकिएल 47:21 के ई अंश परमेश् वर के प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू इस्राएल के लोगऽ के बीच ओकरऽ गोत्र के अनुसार देश के बाँटी देतै।

1. परमेश् वरक अपन चुनल लोकक बीच भूमि बाँटि देबाक अपन प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा।

2. ई स्वीकार करब जे परमेश् वरक हमरा सभ मे सँ प्रत्येकक लेल एकटा योजना छनि आ ओ योजना हमरा सभक जीवन मे कोना मार्गदर्शन करबाक चाही।

1. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. व्यवस्था 8:18 मुदा अहाँक परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन राखू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन-सम् पत्ति पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि आ अपन वाचा केँ एहि तरहेँ पुष्ट करैत छथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

इजकिएल 47:22 अहाँ सभ एकरा चिट्ठी मे बाँटि देब जे अहाँ सभक आ अहाँ सभक बीच प्रवासी परदेशी सभक लेल उत्तराधिकारक रूप मे बाँटि देब, जे अहाँ सभक बीच संतान पैदा करत इस्राएलक सन् तान सभक बीचक देश। हुनका सभ केँ इस्राएलक गोत्र मे सँ अहाँ सभक संग उत्तराधिकार भेटतनि।

इजकिएल 47:22 केरऽ ई अंश म॑ कहलऽ गेलऽ छै कि जे परदेशी इस्राएल केरऽ लोगऽ के बीच पैदा होय छै, ओकरा इस्राएल केरऽ गोत्रऽ के बीच उत्तराधिकार मिलतै ।

1710

1. परमेश् वरक परमेश् वरक प्रेम: इजकिएल 47:22 क अन्वेषण

2. उत्तराधिकार के महत्व: इजकिएल 47:22 के बाइबिल के महत्व के समझना

1. व्यवस्था 10:18-19 - कारण, अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु देवता सभक परमेश् वर छथि, आ प्रभु सभक प्रभु छथि, महान परमेश् वर, पराक्रमी आ भयंकर छथि, जे व्यक्तिक परवाह नहि करैत छथि आ ने फल लैत छथि अनाथ आ विधवा केँ, आ परदेशी केँ भोजन आ वस्त्र देबा मे प्रेम करैत अछि।

2. लेवीय 19:33-34 - जँ कोनो परदेशी अहाँक देश मे अहाँक संग प्रवास करैत अछि तँ अहाँ सभ ओकरा परेशान नहि करू। मुदा जे परदेशी अहाँ सभक संग रहैत अछि से अहाँ सभक बीच जन्मल व्यक्ति जकाँ होयत आ अहाँ ओकरा अपना जकाँ प्रेम करब। किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे परदेशी छलहुँ।

इजकिएल 47:23 प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे जाहि गोत्र मे परदेशी प्रवासी रहत, ओहि मे अहाँ सभ ओकरा ओकर उत्तराधिकार देब।

एहि अंश मे अनजान लोकक स्वागत आ ओकर इंतजाम करबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि ।

1: अजनबी के स्वागत: भगवान के आज्ञा आ हमर अनिवार्यता

2: अजनबी के लेल भगवान के प्रावधान: प्रेमपूर्ण काज के लेल एकटा आह्वान

1: लेवीय 19:33-34 - "जखन कोनो परदेशी अहाँक देश मे अहाँक संग रहत तखन अहाँ परदेशी पर अत्याचार नहि करू। जे परदेशी अहाँ सभक संग रहत ओ अहाँ सभक बीचक नागरिक जकाँ होयत; अहाँ परदेशी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।" , किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे परदेशी छलहुँ, हम अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा छी।”

2: मत्ती 25:35-40 - "किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा भोजन देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबि देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा स्वागत केलहुँ, हम नंगटे छलहुँ आ अहाँ हमरा कपड़ा देलहुँ, हम।" बीमार छल आ अहाँ हमर देखभाल केलहुँ, हम जेल मे छलहुँ आ अहाँ हमरा लग गेलहुँ।"

इजकिएल अध्याय 48 मे इजकिएल के देल गेल मंदिर के दर्शन के समापन कयल गेल अछि | अध्याय इस्राएल के बारह गोत्र के बीच देश के बंटवारा आरू शहर के नाप पर केंद्रित छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत भूमि के आदिवासी भागों के वर्णन से होती है | भूमि बारह जनजाति मे बँटल अछि, जाहि मे प्रत्येक जनजातिक भागक लेल विशिष्ट सीमा आ नाप-जोख अछि | दर्शन मे जमीनक निष्पक्षता आ समान वितरण पर जोर देल गेल अछि (इजकिएल 48:1-7)।

द्वितीय अनुच्छेद: तखन दर्शन मे पवित्र स्थान आ पुरोहितक लेल अलग कयल गेल जमीनक भागक वर्णन कयल गेल अछि | पवित्र जिला अभयारण्य के लेल आरक्षित अछि, जाहि में विशिष्ट माप आ क्षेत्र अलग-अलग उद्देश्य के लेल निर्धारित अछि | दर्शन भूमि के ई भाग के पवित्रता आरू महत्व पर प्रकाश डालै छै (यहेजकिएल 48:8-14)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय आगू लेवी आ शहरक जिलाक लेल जमीनक भागक वर्णन अछि। लेवी सभ केँ अपन निवास स्थानक लेल भाग देल गेल अछि आ नगर केँ राजकुंवर, आम लोक आ पुरोहित सभक लेल भाग मे बाँटल गेल अछि। दर्शन प्रत्येक खंड के लेल विशिष्ट माप आ पदनाम प्रदान करैत अछि (इजकिएल 48:15-22)।

4 म पैराग्राफ: अध्यायक समापन शहरक फाटकक वर्णन आ राजकुमारक लेल जमीनक आवंटनसँ होइत अछि | विजन म॑ गेट आरू ओकरऽ नाम के बारे म॑ विस्तार स॑ जानकारी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ई गेट स॑ प्रवेश आरू बाहर निकलै के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै । राजकुमार क॑ पवित्र जिला केरऽ दोनों तरफ जमीन आवंटित करलऽ गेलऽ छै, जे ओकरऽ विशेष स्थिति क॑ उजागर करै छै (इजकिएल ४८:२३-२९) ।

संक्षेप मे, २.
इजकिएल अध्याय अड़तालीस प्रस्तुत

मंदिर के दर्शन के समापन,
जमीनक बँटवारा पर ध्यान केंद्रित करैत
इस्राएलक बारह गोत्रक बीच
आ नगरक नाप-जोख।

विशिष्ट सीमा एवं माप के साथ भूमि के आदिवासी भागों का वर्णन |
बारह जनजाति मे जमीनक निष्पक्षता आ समान वितरण पर जोर।
अभयारण्य कें लेल अलग कैल गेल जमीन कें हिस्सा कें साथ विशिष्ट माप आ विभिन्न उद्देश्यक कें लेल क्षेत्र.
लेवी आ शहरक जिलाक लेल जमीनक भागक वर्णन।
पवित्र जिला के दुनू कात राजकुमार के लेल जमीन के आवंटन।
शहर के फाटक आ ओकर नाम के बारे में विवरण, ओकर महत्व पर जोर दैत.

इजकिएल के ई अध्याय मंदिर के दर्शन के समापन करै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत भूमि केरऽ आदिवासी भागऽ के वर्णन स॑ होय छै, जेकरा म॑ हर जनजाति केरऽ भाग केरऽ विशिष्ट सीमा आरू माप के व्यवस्था करलऽ गेलऽ छै । विजन मे बारह जनजाति मे जमीनक निष्पक्षता आ समान वितरण पर जोर देल गेल अछि | एकरऽ बाद अध्याय म॑ अभयारण्य लेली अलग करलऽ गेलऽ जमीन केरऽ हिस्सा के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ विशिष्ट मापन आरू अलग-अलग उद्देश्य लेली निर्धारित क्षेत्र के वर्णन करलऽ गेलऽ छै । विजन मे जमीनक एहि भागक पवित्रता आ महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि । अध्याय आगू लेवी आरू शहर के जिला के लेलऽ जमीन के हिस्सा के वर्णन के साथ जारी छै, जेकरा में हर खंड के लेलऽ विशिष्ट माप आरू पदनाम देलऽ गेलऽ छै । अध्याय के समापन शहर के द्वार के वर्णन आरू राजकुमार के लेलऽ जमीन के आवंटन के साथ होय छै । विजन म॑ गेट आरू ओकरऽ नाम के बारे म॑ विस्तार स॑ जानकारी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ई गेट स॑ प्रवेश आरू बाहर निकलै के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै । राजकुमार के पवित्र जिला के दुनु कात जमीन आवंटित कयल गेल अछि, जे हुनकर विशेष स्थिति के उजागर करैत अछि | अध्याय में जनजाति के बीच भूमि के विभाजन पर जोर देल गेल अछि आ विभिन्न भाग आ जिला के लेल विशिष्ट माप आ विवरण देल गेल अछि |

इजकिएल 48:1 आब ई सभ गोत्रक नाम अछि। उत्तर छोर सँ हेथलोन मार्गक तट धरि, जखन कियो हमत, हसरेनन, दमिश्कक सीमा उत्तर दिस, हमतक तट धरि जाइत अछि। कारण, ई सभ ओकर पूब आ पश्चिम दिस अछि। दान के लिये एक भाग।

एहि अंश मे हेथलोन के तट पर हमथ आ दमिश्क के उत्तर मे स्थित जनजाति के नाम देल गेल अछि |

1. अपन जड़ि जानबाक महत्व

2. स्थानक शक्ति

1. यहोशू 19:47 - "आ दानक सन्तान सभक तट ओकरा सभक लेल बहुत कम निकलल। तेँ दानक लोक सभ लेशेम सँ लड़बाक लेल चलि गेल आ ओकरा पकड़ि लेलक आ ओकरा तलवारक धार सँ मारि देलक आ।" ओ ओहि ठाम रहि गेलाह आ लेशेम केँ अपन पिता दानक नाम पर दान नाम देलनि।

2. उत्पत्ति 49:16-17 - दान अपन लोकक न्याय करत, जेना इस्राएलक गोत्र मे सँ एक अछि। दान बाट मे एकटा साँप, बाट मे एकटा घोड़ा, जे घोड़ाक एड़ी केँ काटि लैत अछि, जाहि सँ ओकर सवार पाछू खसि पड़त।

इजकिएल 48:2 आ दानक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस, आशेरक लेल एकटा हिस्सा।

एहि अंश मे दान के सीमा द्वारा आशेर के पूरब स पश्चिम तक के जमीन के बंटवारा के वर्णन अछि |

1. परमेश् वरक अपन लोकक भरण-पोषण मे निष्ठा - कोना ओ हमरा सभ केँ सभ किछु आशीर्वाद देलनि अछि जकर हमरा सभक आवश्यकता अछि।

2. परमेश् वरक योजना पर भरोसा करबाक आ हुनका हमरा सभक मार्गदर्शन करबाक अनुमति देबाक महत्व।

1712

1. मत्ती 6:31-33 - "तेँ चिन्ता नहि करू जे, हम की खाएब? वा की पीब? वा की पहिरब? किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज मे लागल छथि, आ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता ई बात जनैत छथि।" अहाँ सभ केँ सभटा चाही।

2. भजन 37:3-5 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू। देश मे रहू आ विश्वास मे मित्रता करू। प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभुक दिस अपन बाट समर्पित करू।" ; ओकरा पर भरोसा करू, ओ काज करत।"

इजकिएल 48:3 आशेरक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस धरि, नफ्तालीक लेल एकटा हिस्सा।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओहि देश केँ बारह गोत्र मे बाँटि कऽ नफ्ताली केँ पूरब दिस सँ पश्चिम दिस एक भाग देल जाय।

1. परमेश् वरक प्रावधान मे रहू - इजकिएल 48:3

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद प्राप्त करू - इजकिएल 48:3

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. व्यवस्था 28:1-2 - "आब जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज केँ पूरा मन सँ मानब आ हुनकर सभ आज्ञाक ध्यान सँ पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ ऊँच ठाढ़ करताह।" पृथ्वीक सभ जाति सँ ऊपर।

इजकिएल 48:4 नफ्तालीक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस, मनश्शेक लेल।

परमेश् वर मनश्शे केँ नफ्तालीक सीमा पर पूब सँ पश्चिम धरि जमीनक भाग देलनि।

1. परमेश् वरक प्रावधान देखब: इजकिएल 48:4 केर अध्ययन

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: इजकिएल 48:4 क परीक्षा

1. व्यवस्था 19:14 - "अहाँ अपन पड़ोसीक सीमा केँ नहि हिलाब, जे पूर्वज सभ निर्धारित केने छथि, अपन उत्तराधिकार मे जे अहाँ ओहि देश मे उत्तराधिकारी बनब जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ केँ प्रभु देबाक लेल दैत छथि।"

2. यहोशू 17:14-18 - "यूसुफक सन्तान सभ यहोशू सँ कहलथिन, “अहाँ हमरा उत्तराधिकारक लेल मात्र एकटा भाग आ एकटा भाग किएक देलियैक, जखन कि हम बहुत रास लोक छी, जकरा प्रभु एखन धरि आशीर्वाद देने छथि? आ।" यहोशू हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “जँ अहाँ सभ बेसी लोक छी तँ जंगल मे जाउ आ ओतऽ परीजी आ रेफाइम देश मे अपना लेल साफ जमीन पर जाउ, किएक तँ एप्रैमक पहाड़ी इलाका अहाँ सभक लेल बहुत संकीर्ण अछि। पहाड़ी देश हमरा सभक लेल पर्याप्त नहि अछि, आ घाटी मे रहनिहार सभ कनानी लोकक लोहाक रथ अछि, जे बेत शीन आ ओकर नगर सभ मे अछि आ यिजरेल घाटी मे अछि।

इजकिएल 48:5 मनश्शेक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस, एप्रैमक लेल एकटा हिस्सा।

इजकिएल 48:5 मे कहल गेल अछि जे मनश्शेक सीमाक हिस्साक रूप मे, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस एफ्राइम केँ जमीनक एकटा हिस्सा आवंटित कयल गेल अछि।

1. हमरा सब के भगवान के तरफ स एकटा हिस्सा आवंटित कयल गेल अछि आ ओकर अधिकतम लाभ उठाबय पड़त।

2. भगवान् हमरा सभ केँ ओहि संसाधनक उपयोग करबाक अवसर दैत छथि जे ओ हमरा सभ केँ उपलब्ध करौने छथि, किछु सुन्दर निर्माण मे।

1. व्यवस्था 16:18-20 अहाँ अपन कुल-जातिक अनुसार अपन सभ नगर सभ मे न्यायाधीश आ अधिकारी सभ केँ नियुक्त करू जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ दऽ रहल छथि, आ ओ सभ लोक सभक न्याय

धार्मिक न्यायक संग करताह। अहाँ न्याय केँ विकृत नहि करब। अहाँ पक्षपात नहि करू आ घूस नहि ग्रहण करू, कारण घूस ज्ञानी लोकनिक आँखि आन्हर क' दैत अछि आ धर्मात्माक काज केँ उखाड़ि दैत अछि। अहाँ सभ न्याय आ मात्र न्यायक पालन करू, जाहि सँ अहाँ सभ ओहि देश केँ जीबि सकब आ ओकर उत्तराधिकारी बनब जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ दऽ रहल छथि।

2. भजन 37:3-4 प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक काज करू। भूमि मे रहू आ निष्ठा सँ दोस्ती करू।
प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करताह।

इजकिएल 48:6 एप्रैमक सीमा मे, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस धरि, रूबेनक लेल एकटा हिस्सा।

रूबेन केँ देल गेल जमीनक सीमा पूर्व सँ पश्चिम धरि एप्रैम सँ लागल छल।

1. जखन परमेश् वर विभाजन करैत छथि: रूबेनक आशीर्वाद

2. वितरण मे परमेश्वर के सिद्धता: रूबेन के भाग

1. उत्पत्ति 49:3-4 रूबेन, अहाँ हमर जेठ पुत्र छी, हमर पराक्रम आ हमर शक्तिक प्रारम्भ, मर्यादा आ सामर्थ्यक श्रेष्ठता छी: पानि जकाँ अस्थिर, अहाँ उत्कृष्ट नहि होउ। कारण, अहाँ अपन पिताक बिछौन पर चढ़ि गेलहुँ। तखन अहाँ ओकरा अशुद्ध कऽ देलियैक।

2. व्यवस्था 33:6 रूबेन केँ जीवित रहय, नहि मरय। आ ओकर आदमी कम नहि होअय।

इजकिएल 48:7 रूबेनक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस, यहूदाक लेल।

यहूदाक भागक सीमा पूर्व आ पश्चिम दिस रूबेन सँ अछि।

1: भगवान् हमरा सभ केँ एकटा एहन हिस्सा देने छथि जकरा हल्का मे नहि लेबाक चाही।

2: जीवन मे हमर सभक हिस्सा भगवान् द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि, आ एकर माध्यमे हुनकर सम्मान आ प्रेम करब हमर सभक जिम्मेदारी अछि।

1: व्यवस्था 8:18 - मुदा अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ सिद्ध कऽ सकथि जे ओ अहाँक पूर्वज सभक संग शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

2: याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

इजकिएल 48:8 यहूदाक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस धरि, जे बलिदान अहाँ सभ पाँच बीस हजार खढ़क चौड़ाई आ दोसर भाग मे सँ एक भागक समान, पूरब सँ चढ़ा देब कात पश्चिम दिस, पवित्र स्थान ओकर बीच मे रहत।

एहि अंश मे यहूदाक सीमा आ ओकर बीच मे पवित्र स्थानक लेल पाँच बीस हजार खढ़क बलिदानक बात कयल गेल अछि |

1. भगवान् के अभयारण्य के महत्व

2. भगवान् के प्रावधान के आश्चर्य

1. निर्गमन 25:8-9 - मूसा सँ कहू, “ओ सभ हमरा पवित्र स्थान बनाबय दियौक। जाहि सँ हम हुनका सभक बीच रहब।”

2. इब्रानी 8:5 - ओ सभ स् वर्गीय वस्तुक उदाहरण आ छायाक सेवा करैत छी, जेना मूसा केँ परमेश् वर द्वारा सलाह देल गेल छलनि, जखन ओ तम्बू बनेबाक लेल तैयार छलाह, कारण, “देखू, ओ कहैत छथि जे अहाँ सभ किछु केँ देखाओल गेल नमूनाक अनुसार बनबैत छी।” पहाड़ मे तोरा लग।

1714

इजकिएल 48:9 जे बलिदान अहाँ सभ परमेश् वर केँ चढ़ा देब से पाँच बीस हजार आ चौड़ाई दस हजार होयत।

परमेश् वर 25,000 लम्बाई आ 10,000 चौड़ाईक बलिदानक आज्ञा देने छथि।

1. प्रभुक उदार प्रावधान - अपन लोकक भरण-पोषण मे परमेश् वरक उदारता एहि नाप सभक अर्पण मे कोना देखल जाइत अछि।

2. आशीर्वादक प्रचुरता - भगवानक प्रेम आ निष्ठा हुनकर आज्ञा देल गेल प्रसादक प्रचुरता मे कोना देखल जाइत अछि।

1. व्यवस्था 28:11-13 - प्रभु अपन लोक सभक आज्ञापालनक लेल जे आशीर्वादक प्रतिज्ञा केने छथि।

2. 2 कोरिन्थी 9:6-8 - हँसी-खुशी सँ देबाक मनोवृत्ति जे परमेश् वर अपन लोक सभ सँ चाहैत छथि।

इजकिएल 48:10 हुनका सभक लेल, पुरोहित सभक लेल, ई पवित्र बलिदान होयत। उत्तर दिस पाँच बीस हजार, पश्चिम दिस दस हजार चौड़ा आ पूर्व दिस दस हजार चौड़ा आ दक्षिण दिस पाँच बीस हजार, आ बीच मे परमेश् वरक पवित्र स्थान होयत ओकर।

भगवान् पुरोहित सभक लेल एकटा पवित्र बलिदान अलग रखने छथि जकर सीमा 25,000 लंबाई आ 10,000 चौड़ाई अछि। प्रभुक पवित्र स्थान ओकर बीच मे रहत।

1. परमेश्वरक पवित्र स्थानक पवित्रता - इजकिएल 48:10

2. परमेश् वरक बलिदानक महत्व - इजकिएल 48:10

1. यूहन्ना 4:21-24 - यीशु हुनका कहलथिन, "महिला, हमरा पर विश्वास करू, ओ समय आबि रहल अछि जखन अहाँ सभ पिताक आराधना नहि करब, ने एहि पहाड़ पर आ ने यरूशलेम मे। अहाँ सभ जे नहि जनैत छी, तकरा आराधना करैत छी, हम सभ ओहि बातक आराधना करैत छी।" जानू, किएक तँ उद्धार यहूदी सभ सँ भेटैत अछि।मुदा ओ समय आबि रहल अछि, आ आब एतय आबि गेल अछि, जखन सत् य उपासक सभ आत् मा आ सत्य सँ पिताक आराधना करताह, किएक तँ पिता एहन लोक सभ केँ हुनकर आराधना करबाक लेल ताकि रहल छथि।

24 परमेश् वर आत् मा छथि, आ जे हुनकर आराधना करैत छथि हुनका आत् मा आ सत् य सँ आराधना करबाक चाही।

2. यशायाह 66:1 - प्रभु ई कहैत छथि जे स्वर्ग हमर सिंहासन अछि, आ धरती हमर पैरक आधार अछि। अहाँ हमरा लेल कोन घर बनबैत छलहुँ आ हमर विश्रामक स्थान की अछि?

इजकिएल 48:11 ई ओहि पुरोहित सभक लेल होयत जे सादोकक पुत्र सभ सँ पवित्र कयल गेल अछि। जे हमर आज्ञाक पालन करैत अछि, जे इस्राएलक लोक सभ भटकला पर नहि भटकल छल, जेना लेवी सभ भटकल छल।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे ओ सादोकक पुरोहित सभक भरण-पोषण करत, जे इस्राएली सभ भटकला पर सेहो हुनका प्रति वफादार रहलाह।

1. निष्ठा के आशीर्वाद - भगवान के प्रति सच्चा रहबाक इनाम

2. आज्ञा नहि मानबाक खतरा - परमेश् वरक आज्ञा सँ भटकबाक परिणाम

1. 1 कोरिन्थी 4:2 - "एतबे नहि, भंडारी मे ई जरूरी अछि जे विश्वासी पाओल जाय।"

2. इब्रानी 11:6 - "मुदा बिना विश्वासक ओकरा प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे परमेश् वर लग अबैत अछि ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ छथि आ जे हुनका लगन सँ तकैत छथि हुनका सभक प्रतिफल दैत छथि।"

इजकिएल 48:12 ओहि देशक ई बलिदान लेवी सभक सीमा मे हुनका सभक लेल परम पवित्र वस्तु होयत।

ई अंश लेवी सिनी कॅ देलऽ जाय वाला जमीन के चढ़ावा के पवित्रता पर जोर दै छै।

1. भूमि के समर्पण: भगवान के वरदान के पवित्रता

2. भगवान् के प्रति भक्ति: कृतज्ञता के हृदय के खेती

1. व्यवस्था 10:8-9 - ओहि समय मे प्रभु लेवीक गोत्र केँ अलग कयलनि जे ओ प्रभुक वाचाक सन्दूक केँ लऽ जाय, प्रभुक समक्ष ठाढ़ भ’ क’ हुनकर सेवा करथि आ हुनकर नाम पर आशीर्वाद देताह, आइ धरि.

9 तेँ लेवी केँ अपन भाय सभक संग कोनो भाग वा उत्तराधिकार नहि छनि। प्रभु हुनकर उत्तराधिकार छथि, जेना अहाँक परमेश् वर हुनका कहने छलाह।)

2. लेवीय 25:23 जमीन स्थायी रूप सँ नहि बेचल जाय, किएक त’ ओ जमीन हमर अछि आ अहाँ सभ हमर देश मे परदेशी आ परदेशी बनि रहैत छी।

इजकिएल 48:13 पुरोहित सभक सीमाक ओहि पार लेवी सभक लंबाई पाँच बीस हजार आ चौड़ाई दस हजार होयत।

एहि अंश मे प्रतिज्ञात देशक पुरोहित आ लेवीक भागक आकार आ सीमाक वर्णन कयल गेल अछि, जकर लंबाई 25,000 आ चौड़ाई 10,000 अछि।

1: प्रभु अपन लोक सभ सँ प्रचुरताक भूमिक प्रतिज्ञा केलनि। हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे प्रभु चाहैत छथि जे हम सभ जे किछु देलनि अछि ताहि सँ संतुष्ट रही।

2: इजकिएलक अंश मे प्रभु प्रतिज्ञात देशक पुरोहित आ लेवीक भागक सटीक नाप देलनि। हमरा सभ केँ प्रभुक आज्ञाक पालन करबाक लेल लगनशील रहबाक चाही आ हुनकर वचनक आज्ञाकारी रहबाक चाही।

1: यहोशू 1:3-4 - अहाँ सभक पैरक तलवा जे जगह पर चलत, से हम अहाँ सभ केँ देने छी, जेना हम मूसा केँ कहने रही। जंगल आ एहि लेबनान सँ ल' क' पैघ नदी यूफ्रेटिस नदी धरि, हित्ती सभक समस्त देश आ सूर्यास्तक दिसक महान समुद्र धरि अहाँक तट होयत।

2: व्यवस्था 6:4-5 - हे इस्राएल, सुनू: हमर सभक परमेश् वर परमेश् वर एकेटा प्रभु छथि, आ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, अपन पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।

इजकिएल 48:14 ओ सभ ओहि देशक पहिल फल केँ नहि बेचत, आ ने आदान-प्रदान करत आ ने देशक पहिल फल केँ पराया करत, किएक तँ ई परमेश् वरक लेल पवित्र अछि।

ई अंश भूमि के पवित्रता पर जोर दै छै आरू ई जानकारी दै छै कि एकरऽ आदान-प्रदान या बिक्री नै करलऽ जाय ।

1. भूमि के पवित्रता: इजकिएल 48:14 के एक परीक्षा

2. प्रभु के वरदान के मूल्य: इजकिएल 48:14 के अध्ययन

1. व्यवस्था 15:4 - "हालांकि, अहाँ सभक बीच कोनो गरीब लोक नहि हेबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर जाहि देश केँ अहाँक उत्तराधिकारक रूप मे दऽ रहल छथि, ओहि मे ओ अहाँ सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देथिन"।

2. लेवीय 25:23 - "देश स्थायी रूप सँ नहि बेचल जाय, किएक त' ओ भूमि हमर अछि आ अहाँ सभ हमर देश मे परदेशी आ परदेशी बनि रहैत छी"।

इजकिएल 48:15 पाँच हजार बीस हजारक चौड़ाई मे जे पाँच हजार बचल अछि, से शहरक लेल, निवास आ उपनगरक लेल एकटा अपवित्र स्थान होयत, आ शहर ओकर बीच मे रहत।

ई श्लोक इस्राएल के गोत्रऽ के बीच भूमि के बंटवारा के बात करै छै, जेकरा बीच में शहर आरू ओकरऽ उपनगर के लेलऽ एगो अपवित्र जगह छोड़लऽ गेलऽ छै ।

1. "अश्लील स्थान पर रहब: दुनिया के प्रलोभन के बीच पवित्रता के आह्वान"।

2. "अशुद्ध के मुक्ति: अपन लोक के लेल भगवान के उद्देश्य"।

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2. 1 पत्रुस 1:16 - "जखन सँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “अहाँ पवित्र रहब, किएक तँ हम पवित्र छी।"

इजकिएल 48:16 एकर नाप ई सभ होयत। उत्तर दिस चारि हजार पाँच सय आ दक्षिण दिस चारि हजार पाँच सय आ पूर्व दिस चारि हजार पाँच सय आ पश्चिम दिस चारि हजार पाँच सय।

एहि अंश मे पवित्र नगर यरूशलेम के नाप के वर्णन अछि |

1: यरूशलेम शहर के लेल परमेश् वर के योजना जटिल आ सटीक छल, जे हुनकर सिद्ध डिजाइन आ अनंत बुद्धि के दर्शाबैत छल।

2: परमेश् वरक शक्ति आ महिमाक मूर्त उपस्थिति यरूशलेम शहर मे प्रगट होइत अछि, आ हमरा सभ केँ हुनकर महानता केँ सदिखन स्वीकार करब मोन राखय पड़त।

1: यशायाह 40:28 - की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता प्रभु, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि? ओकर समझक कोनो खोज नहि होइत छैक।

2: भजन 33:11 - प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ अछि, हुनकर हृदयक विचार सभ पीढ़ी धरि।

इजकिएल 48:17 शहरक उपदेश उत्तर दिस दू सय पचास, दक्षिण दिस दू सय पचास, आ पूर्व दिस दू सय पचास आ पश्चिम दिस दू सय पचास होयत।

इजकिएल 48:17 मे शहरक चारि कातक वर्णन अछि, प्रत्येक कातक लंबाई 250 इकाई अछि।

1. जीवन मे संतुलन बनेबाक महत्व।

2. अपन शहरक देखभाल करबाक महत्व।

1. नीतिवचन 11:1 - "झूठा तराजू प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2. मत्ती 5:13-14 - "अहाँ सभ पृथ् वीक नून छी, मुदा जँ नूनक सुगंध खतम भऽ गेल अछि तँ ओकरा कोन तरहेँ नून कएल जाएत? तहिया सँ ई किछुओ नीक नहि अछि, सिवाय बाहर फेकि देब आ दबाओल गेल।" मनुष्यक पैरक नीचाँ।"

इजकिएल 48:18 पवित्र भागक बलिदानक सामनेक शेष भाग पूरब दिस दस हजार आ पश्चिम दिस दस हजार होयत। ओकर बढ़ल नगरक सेवा करनिहार सभक भोजनक लेल होयत।

यरूशलेम नगरक भूमि प्रत्येक दिशा मे 10,000 हाथ पसरल पवित्र भाग सँ नापल जायत आ ओहि भूमिक वृद्धि सँ शहरक सेवा करयवला सभक भोजन कयल जायत।

1. भगवान् के उदारता के आशीर्वाद

2. शहरक सेवाक फल

१.

2. मत्ती 25:21, हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, “हे नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ, अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ केँ बहुतो बात पर शासक बना देब, अहाँ अपन मालिकक आनन्द मे प्रवेश करू।”

इजकिएल 48:19 एहि शहरक सेवा करनिहार सभ इस्राएलक सभ गोत्र मे सँ एकर सेवा करत।

इजकिएल 48:19 के ई अंश में कहलऽ गेलऽ छै कि इस्राएल के सब गोत्र शहर के सेवा करतै।

1. भगवान् के सेवा में एकता के महत्व

2. परमेश् वरक योजना केँ पूरा करबाक लेल एक संग काज करब

1. भजन 133:1 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!

2. फिलिप्पियों 2:2-3 - हमर आनन्द केँ पूरा करू जे अहाँ सभ एक समान प्रेम राखब, एक विचार आ एक विचारक रहब। झगड़ा-झंझट वा व्यर्थक घमंड सँ कोनो काज नहि होअय। मुदा नम्रता मे प्रत्येक दोसर केँ अपना सँ नीक मानय।

इजकिएल 48:20 सभ बलिदान पाँच बीस हजार बाई बीस हजार होयत।

एहि अंश मे परमेश् वर केँ चढ़ाओल गेल पवित्र बलिदानक आयामक वर्णन कयल गेल अछि |

1. परमेश् वर केँ देबाक मूल्य: इजकिएल 48:20 पर एक नजरि

2. चौकोर प्रसाद के महत्व: इजकिएल 48:20 के अध्ययन

1. मलाकी 3:10 - अहाँ सभ सभ दसम भाग भंडार मे आनू, जाहि सँ हमर घर मे भोजन हो, आ हमरा एखन एहि सँ परीक्षण करू, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, जँ हम अहाँ सभ केँ स् वर्गक खिड़की नहि खोलब आ ढारि देब अहाँ सभ आशीर्वाद दिअ जे ओकरा ग्रहण करबाक लेल एतेक जगह नहि रहत।

2. लूका 21:1-4 - ओ आँखि उठा कऽ देखलक जे धनी लोक सभ अपन वरदान खजाना मे फेकि रहल अछि। ओ एकटा गरीब विधवा केँ सेहो ओहि मे दू टा कटहर फेकैत देखलनि। ओ कहलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे ई गरीब विधवा सभ सँ बेसी आदान-प्रदान कयलनि अछि जे हुनका लग छलनि।

इजकिएल 48:21 आ शेष पवित्र बलिदानक एक कात आ दोसर कात, आ नगरक कब्जा मे, बलिदानक पाँच बीस हजारक समक्ष पूर्व सीमा दिस, आ... पश्चिम दिस पाँच बीस हजारक पश्चिम सीमा दिस, राजकुमारक भागक सामने। घरक पवित्र स्थान ओकर बीच मे रहत।

पवित्र बलिदान आ नगरक कब्जा सँ बचल भूमिक भाग राजकुमार केँ देल जायत, जे दू भाग मे बाँटल जायत आ पूर्व आ पश्चिम सीमा पर 25,000। पवित्र हवन घरक पवित्र स्थानक बीच मे होयत।

1. प्रभु के उदारता से दान के महत्व

2. भगवान् के निष्ठावान आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

1. व्यवस्था 16:16-17 - वर्ष मे तीन बेर अहाँक सभ पुरुष प्रभु अहाँक परमेश् वरक समक्ष ओहि स्थान पर उपस्थित होयत जे ओ चुनताह: अखमीरी रोटीक पर्व मे, सप्ताहक पर्व मे आ तम्बूक पर्व मे। ओ सभ खाली हाथ प्रभुक समक्ष नहि देखाओत।

2. नीतिवचन 3:9-10 - अपन धन आ अपन सभ उपज सँ पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू; तखन अहाँक कोठी सभ भरि मे भरि जायत, आ अहाँक कुटी मे मदिरा फाटि जायत।

इजकिएल 48:22 आओर लेवी सभक कब्जा सँ आ नगरक कब्जा सँ, जे राजकुमारक अछि, ओकर बीच मे, यहूदाक सीमा आ बिन्यामीनक सीमाक बीच, राजकुमारक लेल होयत।

ई अंश में राजकुमार के कब्जा के भौगोलिक सीमा के वर्णन छै, जे यहूदा आरू बिन्यामीन के सीमा के बीच में छै।

1. भगवानक दिव्य योजना: सीमा हुनकर पूर्ण डिजाइन के कोना प्रदर्शित करैत अछि |

2. परमेश् वरक राज्य मे हुनकर सीमाक माध्यमे अपन स्थान केँ बुझब

1. प्रेरित 17:26-27: "ओ एक आदमी सँ मनुष् यक सभ जाति केँ पूरा पृथ् वी पर रहबाक लेल बनौलनि, आ अपन निवास स्थानक सीमा निर्धारित कयलनि"।

2. व्यवस्था 19:14: "अहाँ अपन पड़ोसीक सीमा चिन्ह केँ नहि हिलाउ, जे पूर्वज सभ रखने छथि, अपन उत्तराधिकार मे जे अहाँ ओहि देश मे उत्तराधिकारी बनब, जाहि देश मे अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभ केँ अपन कब्जा मे देब।"

इजकिएल 48:23 जखन कि बाकी गोत्र सभक पूरब दिस सँ पश्चिम दिस धरि बिन्यामीनक भाग होयत।

परमेश् वर इस्राएलक भूमि केँ इस्राएलक बारह गोत्र मे बाँटि देने छथि आ बिन्यामीन केँ पूरब सँ पश्चिम धरि एक भाग होयत।

1. प्रभुक प्रावधान: परमेश् वर अपन लोकक कोना परवाह करैत छथि

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक उत्तराधिकार प्राप्त करबाक आशीर्वाद

1. उत्पत्ति 12:1-3 - प्रभु अब्राहम केँ कहैत छथि जे ओ हुनका सँ एकटा पैघ जाति बनाओत आ हुनका आशीर्वाद देनिहार केँ आशीर्वाद देताह

2. मत्ती 6:33 - पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू आ ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

इजकिएल 48:24 बिन्यामीनक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस धरि, शिमोन केँ एकटा हिस्सा होयत।

शिमोनक भाग पूब दिस सँ पश्चिम दिस बिन्यामीनक सीमा मे पसरल होयत।

1. परमेश् वरक सीमाक निष्ठा

2. भूमि आवंटन के लिये प्रभु की योजना

1. उत्पत्ति 1:27-28 - तेँ परमेश् वर मनुष्य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर-स्त्री ओ ओकरा सभकेँ सृजित केलथि। आ परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलनि। परमेश् वर हुनका सभ केँ कहलथिन, “बढ़ू आ बढ़ू आ पृथ् वी केँ भरू आ ओकरा वश मे करू आ समुद्रक माछ आ आकाशक चिड़ै सभ पर आ पृथ्वी पर चलयवला सभ जीव पर प्रभुत्व राखू।”

2. यहोशू 1:3 - हम अहाँ केँ ओहि ठाम देलियैक जेना हम मूसा सँ प्रतिज्ञा केने रही।

इजकिएल 48:25 शिमोनक सीमा पर, पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस, इस्साकरक एकटा भाग।

परमेश् वर शिमोन के सीमा के हिस्सा के रूप में इस्साकर के जमीन के एक हिस्सा सौंपलकै, जे पूरब तरफ पश्चिम तरफ स्थित छेलै।

1. परमेश् वर निष्ठावान आज्ञाकारिता के पुरस्कृत करैत छथि - इजकिएल 48:25

2. परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल प्रावधान - इजकिएल 48:25

1. व्यवस्था 8:18 - "मुदा अहाँ अपन प्रभु परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ स्थापित करथि जे ओ अहाँक पूर्वज सभक संग शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।"

2. भजन 4:8 - "हम हमरा शान्ति मे सुति देब आ सुतिब, कारण, प्रभु, अहाँ हमरा मात्र सुरक्षित रहय दैत छी।"

इजकिएल 48:26 इस्साकरक सीमा पर पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस जबूलूनक एकटा भाग।

जेबुलन केँ इस्साकरक सीमा सँ पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस एकटा भाग देल गेल अछि।

1. परमेश् वरक प्रावधान: हमर सभक भाग कोना सुरक्षित अछि

2. निष्ठा के मार्ग पर चलना: प्रतिज्ञा के भूमि में जीवन

1. व्यवस्था 33:18-19 ओ जबूलूनक विषय मे कहलथिन, “हे जबूलून, बाहर निकलबा मे आनन्दित रहू। आ, यशाकर, तोहर डेरा मे।” ओ सभ लोक सभ केँ पहाड़ पर बजौताह। ओतहि ओ सभ धर्मक बलि चढ़ाओत, किएक तँ ओ सभ समुद्रक प्रचुरता आ बालु मे नुकायल खजाना सँ चूसत।

2. यहोशू 19:10-11 तेसर चिट्ठी जबूलूनक सन्तान सभक लेल अपन कुल-परिवारक अनुसार चढ़ल, आ ओकर सभक उत्तराधिकारक सीमा सरीद धरि पहुँचल, आ ओकर सभक सीमा समुद्र आ मराला दिस बढ़ि गेल आ दब्बाशेत धरि पहुँचि गेल, आ जोकनीमक आगूक नदी धरि पहुँचि गेलाह।

इजकिएल 48:27 जबूलूनक सीमा पर पूर्व दिस सँ पश्चिम दिस गादक भाग।

इजकिएल के ई अंश में वर्णन छै कि कोना गाद के गोत्र के जबबुलन के सीमा के पास जमीन के एक हिस्सा देलऽ गेलै।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा

2. भूमि उत्तराधिकारक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 32:8-9 - जखन परमेश् वर जाति सभ केँ ओकर उत्तराधिकार देलनि, जखन ओ मनुष्य केँ बाँटि देलनि, तखन ओ परमेश् वरक पुत्र सभक संख्याक अनुसार जाति सभक सीमा तय कयलनि।

2. भजन 115:16 - स्वर्ग, आकाश, प्रभुक अछि; मुदा पृथ् वी मनुष् यक सन् तान सभ केँ दऽ देने छथि।

इजकिएल 48:28 गादक सीमा दक्षिण दिस दक्षिण दिस तामार सँ ल’ क’ कादेश मे झगड़ाक पानि धरि आ महासागर दिस नदी धरि रहत।

गाद के सीमा के वर्णन तमार स॑ ल॑ क॑ कादेश केरऽ झगड़ा के पानी आरू महासागर म॑ जाय वाला नदी तक फैललऽ छै ।

1. महानताक मार्ग: गदक सीमा मे अपन उद्देश्यक खोज

2. कहियो हार नहि मानब: गडक सीमा मे ताकत भेटब

1. रोमियो 8:37-39 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

2. फिलिप्पियों 4:13 - हम ई सभ ओहि द्वारा क’ सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।

इजकिएल 48:29 ई ओ देश अछि जकरा अहाँ सभ इस्राएलक गोत्र सभ केँ चिट्ठी सँ उत्तराधिकारक लेल बाँटि देब, आ ई सभ ओकर सभक हिस्सा अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश ओहि देशक बात करैत अछि जे प्रभु परमेश् वर इस्राएलक गोत्र सभ केँ देने छथि।

1: परमेश् वरक अपन लोकक लेल निष्ठावान प्रावधान।

2: प्रभुक इच्छा केँ जानब आ ओकरा पर भरोसा करब।

1: व्यवस्था 10:11-12 - तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “उठू, लोकक आगू बढ़ू, जाहि सँ ओ सभ ओहि देश केँ अपना मे समेटि लेत, जे हम हुनका लोकनिक पूर्वज केँ देबाक शपथ देने छलहुँ।” आब, हे इस्राएल, तोहर परमेश् वर यहोवा तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय तोहर परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब, ओकर सभ बाट मे चलब आ ओकरा सँ प्रेम करब आ तोहर परमेश् वर परमेश् वरक सेवा पूरा मोन आ पूरा मन सँ करब आत्मा.

2: यहोशू 24:13-15 - हम अहाँ सभ केँ एकटा एहन देश देलहुँ जकरा लेल अहाँ सभ मेहनति नहि केलहुँ, आ एहन शहर जे अहाँ सभ नहि बनौलहुँ, आ अहाँ सभ ओहि मे रहैत छी। जे अंगूरक बगीचा आ जैतूनक बगीचा अहाँ सभ नहि रोपने छी, से अहाँ सभ खाइत छी। आब परमेश् वरक भय मानू आ सत् य आ सत् यपूर्वक हुनकर सेवा करू। आ अहाँ सभ परमेश् वरक सेवा करू।” जँ अहाँ सभ केँ परमेश् वरक सेवा करब अधलाह बुझाइत अछि तँ आइ अहाँ सभ केँ चुनू जे केकर सेवा करब। चाहे अहाँ सभक पूर्वज जलप्रलयक दोसर कात जे देवता सभ सेवा करैत छलाह, वा अमोरी सभक देवता, जिनकर देश मे अहाँ सभ रहैत छी।

इजकिएल 48:30 ई नगर सँ बाहर निकलबाक उत्तर दिस चारि हजार पाँच सय नाप अछि।

इजकिएल 48:30 शहर के उत्तरी भाग के नाप के वर्णन 4500 नाप के रूप में करै छै।

1. परमेश् वरक सिद्धता: इजकिएल 48:30 मे शहरक नाप

2. परमेश्वरक सृष्टिक वैभव: इजकिएल 48:30 मे शहरक परिमाण

1. यशायाह 40:12-14 - जे अपन हाथक खोखला मे पानि नापि कऽ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हित केने छथि, पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे घेरने छथि आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तराजू मे तौलने छथि?

2. भजन 103:11-12 - किएक तँ पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतेक ऊँच अछि, ओतबे पैघ अछि ओकर भयंकर सभक प्रति अडिग प्रेम। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि।

इजकिएल 48:31 शहरक फाटक इस्राएलक गोत्रक नामक अनुसार होयत: उत्तर दिस तीन फाटक। एक फाटक रूबेन, एकटा यहूदाक एक फाटक, एक लेवीक फाटक।

इजकिएल 48 मे एहि शहरक तीन टा फाटक छल, जाहि मे प्रत्येक फाटकक नाम इस्राएलक गोत्रक नाम पर राखल गेल छल - रूबेन, यहूदा आ लेवी।

1. इस्राएल के एकता: इजकिएल 48 मे इस्राएल के गोत्र कोना एकजुट भ गेल

2. इजकिएल 48 मे शहरक फाटकक दिव्य प्रतीकात्मकता

1. उत्पत्ति 49:8-12 - सिंहक बच्चा यहूदा जीतत, मुदा ओकर भाय सभ ओकरा प्रणाम करत।

2. व्यवस्था 33:8-11 - प्रभु लेवी, रूबेन आ यहूदा केँ आशीर्वाद दैत छथि।

इजकिएल 48:32 आ पूर्व दिस चारि हजार पाँच सय, आ तीनटा फाटक। यूसुफक एक फाटक, बिन्यामीनक एक फाटक, दानक एक फाटक।

इजकिएल 48:32 शहर के पूर्वी भाग के विन्यास के वर्णन करै छै, जेकरा में चारि हजार पांच सौ हाथ आरू तीन फाटक छै, जे यूसुफ, बिन्यामीन आरू दान के हर गोत्र के लेलऽ एक-एक फाटक छै।

1. पूर्व के तीन फाटक: इजकिएल 48:32 मे जनजाति के पहचान के अध्ययन

2. जनजाति के एकटा शहर: इजकिएल के एकता 48:32

1. उत्पत्ति 48:5, "आब तोहर दुनू बेटा एफ्राइम आ मनश्शे, जे हमरा मिस्र मे एबा सँ पहिने मिस्र देश मे अहाँक जन्म भेल छल, हमर अछि; रूबेन आ शिमोन जकाँ हमर होयत।"

.

इजकिएल 48:33 दक्षिण दिस चारि हजार पाँच सय नाप आ तीनटा फाटक। एक फाटक शिमोन, एक द्वार इस्साकर, एक फाटक जबूलून।

इजकिएल 48 मे इस्राएल के बारह गोत्र के सौंपल जाय वाला देश के सीमा के वर्णन छै। एहि मे जमीनक नाप-जोख सेहो शामिल अछि आ दक्षिण दिसक तीनू फाटकक नाम सेहो देल गेल अछि |

1. परमेश् वरक अपन लोकक लेल प्रावधान: प्रतिज्ञात भूमि।

2. परमेश् वरक संग वाचा मे रहब: हुनकर आशीष कोना ग्रहण कयल जाय आ ओकर आदर कयल जाय।

1. उत्पत्ति 12:1-3 - प्रभु s अब्राहम सँ वचन देलनि जे ओ हुनका एकटा पैघ जाति बना देताह आ हुनका कनान देश देथिन।

2. यहोशू 1:1-6 - यहोशू केँ परमेश् वरक आज्ञा जे ओ इस्राएली सभ केँ प्रतिज्ञात देश मे ल ’ जाइत छथि तखन ओ मजबूत आ साहसी रहथि।

इजकिएल 48:34 पश्चिम दिस चारि हजार पाँच सय, अपन तीनू फाटकक संग। गादक एक फाटक, आशेरक एक फाटक, नफ्तालीक एक फाटक।

इजकिएल 48:34 मे यरूशलेम शहरक सीमाक रूपरेखा देल गेल अछि, जकर पश्चिम दिस चारि हजार पाँच सौ हाथ आ तीन-तीन फाटक अछि जे गाद, आशेर आ नफ्तालीक गोत्रक प्रतिनिधित्व करैत अछि।

1. सीमाक महत्व: इजकिएल 48:34 आ यरूशलेम शहर

2. इजकिएल 48:34 मे तीन गोत्रक महत्व: गाद, आशेर आ नफ्ताली

1. इजकिएल 48:34

2. उत्पत्ति 49:19-20 गाद, एकटा आक्रमणकारी दल ओकरा पर हमला करत, मुदा ओ ओकरा सभक एड़ी पर हमला करत। आशेर के भोजन भरपूर होयत, आ ओ राजसी स्वादिष्ट भोजन सेहो उपलब्ध कराओत।

इजकिएल 48:35 ई लगभग अठारह हजार नाप के आसपास छल, आ ओहि दिन सँ शहरक नाम रहत जे, “प्रभु ओतहि छथि।”

ओहि दिन सँ एकटा नगरक नाम परमेश् वर अछि, जकर परिधि अठारह हजार नाप अछि।

1. हम सभ सदिखन मोन राखू जे प्रभु हमरा सभक संग सदिखन रहैत छथि, चाहे हम सभ कतहु रही।

2. हमरा सभ केँ ई जानबाक लेल प्रोत्साहित करबाक चाही जे प्रभु कोनो शहर वा समुदायक आधारशिला छथि।

1. भजन 46:5 परमेश् वर ओकर बीच मे छथि; ओ नहि हिलत: भगवान ओकर मदद करत, आ से ठीक जल्दी।

2. यशायाह 12:6 हे सियोन निवासी, चिचियाउ आ चिचियाउ, किएक तँ तोहर बीच मे इस्राएलक पवित्र परमेश् वर महान छथि।

दानियल अध्याय 1 दानियल के किताब के परिचय दै छै आरू ओकरा बाद के घटना के मंच तैयार करै छै। अध्याय दानियल आरू ओकरो तीन दोस्त के बेबिलोन में कैद होय के, राजा के भोजन सें खुद कॅ अशुद्ध करै सें मना करै के आरू परमेश् वर के प्रति अनुग्रह पर केंद्रित छै।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम पर बेबिलोन के विजय आरू इस्राएली सिनी के निर्वासन के ऐतिहासिक संदर्भ स॑ होय छै, जेकरा म॑ दानियल आरू ओकरऽ दोस्त भी शामिल छै । हुनका सभ केँ बेबिलोन लऽ जाइत अछि आ नपुंसक सभक मुखिया अशपेनाजक देखरेख मे राखल जाइत अछि (दानियल १:१-२)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे राजाक दरबार मे दानियल आ ओकर मित्र लोकनिक चयन आ प्रशिक्षणक वर्णन कयल गेल अछि | हुनका अपनऽ बुद्धि, बुद्धि आरू रूप के कारण चुनलऽ जाय छै, आरू हुनका बेबिलोन के भाषा आरू साहित्य के निर्देश देलऽ जाय छै (दानियल १:३-७)।

3 पैराग्राफ: तखन दर्शन दानियल के निर्णय पर केंद्रित अछि जे ओ राजा के भोजन आ शराब स अपना के अशुद्ध नहि करत। ओ सब्जी आ पानि के वैकल्पिक आहार के प्रस्ताव दैत छथि, जे हुनकर मानब छनि जे हुनका आ हुनकर मित्र के स्वस्थ आ हुनकर विश्वास के अनुरूप राखत (दानियल 1:8-16)।

4 पैराग्राफ: अध्याय के समापन डेनियल के आहार पसंद के परिणाम के साथ होयत अछि | परमेश् वर दानियल आरू ओकरो दोस्त सिनी कॅ आशीर्वाद दै छै, अशपेनाज के नजर में ओकरा सिनी कॅ बुद्धि, ज्ञान आरू अनुग्रह दै छै, जेकरा राजा के खाना खाय वाला सिनी के तुलना में स्वस्थ आरू बेहतर पोषित पाबै छै (दानियल 1:17-21)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय एक प्रस्तुत करैत अछि
दानियल के किताब के परिचय,
दानियल आ ओकर मित्र सभक बेबिलोन मे बंदी पर ध्यान केंद्रित करैत,
राजाक भोजन सँ अपना केँ अशुद्ध करबा सँ मना करब,
आ परमेश् वरक प्रति हुनका सभक अनुग्रह।

यरूशलेम पर बेबिलोन के विजय आ इस्राएली के निर्वासन के ऐतिहासिक संदर्भ |
राजाक दरबार मे दानियल आ ओकर मित्र सभक चयन आ प्रशिक्षण।
दानियल के निर्णय जे राजा के भोजन आ शराब स अपना के अशुद्ध नै करब।
सब्जी आ पानी के वैकल्पिक आहार के प्रस्ताव।
दानियल केरऽ आहार पसंद के परिणाम आरू ओकरा आरू ओकरऽ दोस्तऽ प॑ भगवान केरऽ अनुग्रह ।

दानियल केरऽ ई अध्याय म॑ किताब के परिचय देलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा बाद के घटना के मंच तैयार करलऽ गेलऽ छै । अध्याय केरऽ शुरुआत यरूशलेम पर बेबिलोन केरऽ विजय आरू दानियल आरू ओकरऽ दोस्त सहित इस्राएली सिनी के निर्वासन के ऐतिहासिक संदर्भ प्रदान करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । हुनका सभ केँ बाबुल लऽ जा कऽ नपुंसक सभक मुखिया अशपेनाजक देखरेख मे राखल जाइत अछि। एकरऽ बाद अध्याय म॑ राजा केरऽ दरबार म॑ दानियल आरू ओकरऽ दोस्तऽ के चयन आरू प्रशिक्षण के वर्णन करलऽ गेलऽ छै, जेकरा ओकरऽ बुद्धि, बुद्धि आरू रूप-रंग के कारण चुनलऽ गेलऽ छेलै । हुनका सब के बेबिलोन के भाषा आरू साहित्य के निर्देश देलऽ जाय छै । अध्याय दानियल केरऽ फैसला पर केंद्रित छै कि वू राजा केरऽ भोजन आरू शराब स॑ खुद क॑ अशुद्ध नै करै छै । ओ तरकारी आ पानि के वैकल्पिक आहार के प्रस्ताव दैत छथि, ई मानैत जे एहि सं हुनका आ हुनकर दोस्त सब स्वस्थ आ हुनकर आस्था के अनुरूप रहत. अध्याय के समापन डेनियल के आहार पसंद के परिणाम के साथ होय छै. परमेश् वर दानियल आरो ओकरोॅ दोस्त सिनी कॅ आशीर्वाद दै छै, जेकरा सें ओकरा सिनी कॅ अशपेनाज के नजर में बुद्धि, ज्ञान आरू अनुग्रह मिलै छै। राजाक भोजन खयनिहार सँ बेसी स्वस्थ आ नीक पोषित भेटैत अछि । अध्याय दानियल के अटूट विश्वास आरू परमेश्वर के प्रतिबद्धता के सम्मान करै के निष्ठा पर प्रकाश डालै छै।

दानियल 1:1 यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासन के तेसरऽ साल में बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर यरूशलेम पहुँची क॑ ओकरा घेराबंदी करी देलकै।

यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासन के तेसरऽ साल में बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर यरूशलेम के घेराबंदी करी लेलकै।

1. कठिन समय के बावजूद परमेश्वर पर भरोसा करू - दानियल 1:1

2. अप्रत्याशित परिवर्तनक लेल तैयार रहू - दानियल 1:1

1. यिर्मयाह 25:1-11; यहूदा पर परमेश् वरक न्याय हुनका सभक आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ।

2. 2 इतिहास 36:11-21; यरूशलेम के पतन नबूकदनेस्सर के हाथ में।

दानियल 1:2 परमेश् वर यहूदाक राजा यहोयाकीम केँ परमेश् वरक घरक किछु बर्तनक संग हुनका हाथ मे दऽ देलथिन। ओ ओहि बर्तन सभ केँ अपन देवताक खजाना मे अनलनि।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर यहूदा केँ जीत लेलनि आ परमेश्वरक घरक किछु बर्तन केँ शिनार देश मे ल' गेलाह।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही चाहे हमरा सभक बाट मे कोनो तरहक परीक्षा आ क्लेश आबि जाय।

2: हमरा सभ केँ मोन राखबाक चाही जे कठिनाईक समय मे भगवान् पर भरोसा करी आ अपन शक्ति पर भरोसा नहि करी।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत छथि हुनका सभ केँ नव शक्ति भेटतनि। गरुड़ जकाँ पाँखि पर ऊँच उड़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

दानियल 1:3 राजा अपन नपुंसक मालिक अशपेनाज सँ कहलथिन जे ओ इस्राएलक किछु लोक आ राजाक वंशज आ राजकुमार सभ मे सँ किछु आनथि।

दानियल आरू ओकरऽ दोस्त सिनी क॑ राजा नबूकदनेस्सर न॑ अपनऽ दरबार म॑ सेवा करै लेली चुनै छै ।

1: अपन परिस्थिति के अहाँ के परिभाषित नै करय दियौ, बल्कि भगवान के प्रति वफादार रहबाक प्रयास करू आ ताकत आ साहस के उदाहरण बनू।

2: कठिनाई के समय में भगवान पर भरोसा करू जे ओ अहाँ के दृढ़ता के लेल आवश्यक शक्ति आ साहस प्रदान करथि।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: व्यवस्था 31:6 - "बलवान आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डरू, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँ सभ केँ नहि छोड़ताह आ नहि छोड़ताह।"

दानियल 1:4 बच्चा सभ जिनका मे कोनो दोष नहि छलनि, मुदा नीक जकाँ अनुग्रहित छलाह, आ सभ बुद्धि मे निपुण छलाह, ज्ञान मे धूर्त आ विज्ञान मे धूर्त छलाह, आ एहन लोक सभ मे राजाक महल मे ठाढ़ हेबाक सामर्थ्य छलनि, आ जिनका ओ सभ सिखा सकैत छलाह विद्या आ कसदी सभक जीह।

चारि टा बच्चा केँ राजाक महल मे ठाढ़ हेबाक लेल चुनल गेल छल, ओ सभ निर्दोष, आकर्षक, बुद्धिमान, जानकार आ विज्ञान मे निपुण छल, आ ओकरा कसदी भाषा सिखाओल जेबाक छलैक।

1. बुद्धिक शक्ति: कौशल आ ज्ञान सँ अवसर कोना भेटि सकैत अछि

2. शिक्षाक मूल्य: पैघ काज प्राप्त करबाक लेल अपना केँ विकसित करब

1. नीतिवचन 3:13-18

2. कुलुस्सी 3:16-17

दानियल 1:5 राजा हुनका सभ केँ राजाक भोजन आ शराबक प्रतिदिनक भोजन निर्धारित कयलनि, जाहि सँ तीन साल धरि हुनका सभक पोषण कयलनि, जाहि सँ अंत मे ओ सभ राजाक सोझाँ ठाढ़ भ’ सकथि।

राजा दानियल, हनानिया, मिशाएल आ अजरिया केँ तीन वर्षक लेल नित्य भोजन निर्धारित कयलनि जाहि सँ हुनका सभ केँ राजाक समक्ष ठाढ़ हेबाक लेल तैयार कयल जा सकय।

1. भगवान् अपन लोकक कोना प्रबंध करैत छथि

2. भविष्यक तैयारी के महत्व

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

2. नीतिवचन 22:3 - विवेकी खतरा देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक आगू बढ़ैत अछि आ ओकरा लेल कष्ट भोगैत अछि।

दानियल 1:6 एहि सभ मे यहूदाक संतान मे सँ दानियल, हनानिया, मिशाएल आ अजरिया छल।

यहूदा के चारो संतान दानियल, हनानिया, मिशाएल आरू अजर्याह बेबिलोन के राजा के आंगन में सेवा करै लेली चुनलोॅ गेलोॅ छेलै।

1. कठिन परिस्थिति मे सेहो विश्वासपूर्वक आज्ञापालनक महत्व।

2. हर परिस्थिति मे परमेश्वरक अनुग्रह अनबाक लेल विश्वासक शक्ति।

1. यहोशू 1:9 - "की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? बलवान आ साहसी बनू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग रहताह।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह। "

दानियल 1:7 हुनका नपुंसक सभक मुखिया हुनका सभ केँ नाम देलनि, कारण ओ दानियल केँ बेल्तशस्सर नाम देलनि। आ शद्राकक हाननिया केँ। आ मेशाकक मिशाएल केँ। आ अबेदनेगोक अजरिया केँ।

भगवान् कठिन समय मे सेहो हमरा सभक देखभाल करैत छथि आ हमरा सभक भरण-पोषण करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रावधान: दानियल 1:7 पर चिंतन

2. अन्हार समय मे परमेश् वर हमरा सभक कोना देखभाल करैत छथि: दानियल 1:7 सँ सीख

1. भजन 91:15 - ओ हमरा बजाओत, आ हम ओकरा उत्तर देब; हम विपत्ति मे हुनका संग रहब। हम ओकरा उद्धार करब आ ओकर आदर करब।

2. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

दानियल 1:8 मुदा दानियल अपन मोन मे ई योजना बनौलनि जे ओ राजाक भोजनक भाग आ शराब पीबि कऽ अपना केँ अशुद्ध नहि करथि।

दानियल सांसारिक जीवनशैली के प्रलोभन के बावजूद परमेश् वर के प्रति वफादार रहै के ठान लेलकै।

1. प्रलोभन के बावजूद निष्ठा में दृढ़ रहना

2. कठिन परिस्थिति मे सही चुनाव करब

1725

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष् यक लेल सामान्य अछि, मुदा परमेश् वर विश् वासयोग् य छथि, जे अहाँ सभ केँ परीक्षा मे नहि पड़य देताह जे अहाँ सभक सामर्थ् य अछि। मुदा परीक्षा सँ बचबाक बाट सेहो बनाओत जाहि सँ अहाँ सभ सहन कऽ सकब।”

दानियल 1:9 परमेश् वर दानियल केँ नपुंसक सभक मुखियाक प्रति अनुग्रह आ कोमल प्रेम मे अनने छलाह।

दानियल केँ नपुंसक राजकुमारक अनुग्रह आ प्रेम छलनि।

1. "भगवान अप्रत्याशित स्थान पर अनुग्रह प्रदान करैत छथि"।

2. "भगवानक बिना शर्त प्रेम"।

1. नीतिवचन 3:34 - "ओ घमंडी उपहास करयवला सभक उपहास करैत अछि मुदा विनम्र आ उत्पीड़ित लोक पर अनुग्रह करैत अछि।"

2. 1 यूहन्ना 4:19 - "हम सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।"

दानियल 1:10 तखन नपुंसक सभक मुखिया दानियल केँ कहलथिन, “हम हमर मालिक राजा सँ डरैत छी जे अहाँ सभक भोजन आ पेय पदार्थ केँ निर्धारित केने छथि, किएक तँ ओ अहाँ सभक मुँह केँ अहाँ सभक तरहक बच्चा सभ सँ बेसी नीक किएक देखत?” तखन अहाँ सभ हमरा राजाक सामने अपन माथ खतरा मे डालब।”

दानियल आ ओकर संगी सभ केँ राजाक भोजन करबाक निर्देश देल गेल छलैक, मुदा जँ ओकर सभक चेहरा आन बच्चा सभ सँ बेसी नीक लागय तँ ओकर परिणामक डर छलैक।

1. अस्वीकृति के डर: भय के कोना दूर कयल जाय आ साहसपूर्वक कोना जीबी

2. भगवानक प्रावधान: कठिन समय मे आराम आ ताकत भेटब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. मत्ती 6:25-34 - "तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी नहि अछि।" , आ कपड़ासँ बेसी देह?"

दानियल 1:11 तखन दानियल मेल्जर केँ कहलथिन, जकरा नपुंसक सरदार दानियल, हनानिया, मिशाएल आ अजर्याह पर नियुक्त केने छलाह।

दानियल आ ओकर संगी सभ परमेश् वरक नियमक प्रति वफादार रहैत छथि।

1. हम सभ अपन परिस्थितिक परवाह केने बिना परमेश् वरक नियमक प्रति वफादार रहबाक विकल्प चुनि सकैत छी।

2. परमेश् वरक नियमक प्रति निष्ठा आ आज्ञापालनक शक्ति।

1. 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

2. इब्रानी 11:25 - दुःखक समय मे विश्वासी बनब चुनब, जेना मूसा केने छलाह, परमेश् वर पर बहुत विश्वासक दर्शाबैत अछि।

दानियल 1:12 हम अहाँ सँ विनती करैत छी, दस दिन धरि अपन सेवक सभक परीक्षण करू। आ हमरा सभकेँ खाइ लेल दाल, आ पानि पीबए दिअ।

ई अंश दानियल आरू ओकरऽ साथी सिनी के बारे में छै कि वू परमेश्वर सें कहै छै कि वू ओकरा सिनी कॅ दस दिन लेली परखै, खाली दाल आरू पानी के व्यवस्था करी क॑ खाय-पीबै लेली।

1. परमेश् वरक प्रावधान पर भरोसा करब - आवश्यकताक समय मे परमेश् वर पर भरोसा करब आ हुनकर निष्ठा पर भरोसा करब।

2. परमेश् वरक परीक्षा मे विश्वास विकसित करब - परीक्षाक दौरान परमेश् वरक बुद्धि आ शक्ति पर भरोसा करब सीखब।

1. मत्ती 6:31-34 - अपन जरूरतक लेल परमेश् वर पर भरोसा करबाक यीशुक शिक्षा।

2. याकूब 1:2-4 - परीक्षा के दौरान दृढ़ता के बारे में याकूब के शिक्षा।

दानियल 1:13 तखन हमरा सभक चेहरा आ राजाक भोजनक भाग खायवला बच्चा सभक चेहरा देखल जाय।

राजाक सेवक लोकनि राजाक भोजन खयलाक बाद अपन रूप-रंगक आधार पर न्याय करबाक आग्रह केलनि |

1. भगवान् पर विश्वास आ भरोसाक शक्ति

2. कठिन परिस्थितिक सामना करबा काल विनम्रता आ साहसक महत्व

1. मत्ती 6:25 34 - अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब वा अपन शरीरक चिन्ता नहि करू, की पहिरब

2. फिलिप्पियों 4:6 7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ।

दानियल 1:14 ओ एहि विषय मे हुनका सभक बात सँ सहमत भेलाह आ दस दिन धरि हुनका सभ केँ परख कयलनि।

एहि अंश मे डेनियल के 10 दिन के परीक्षा के लेल सहमति देबय के बात कहल गेल अछि आओर ओ अपना के सफल साबित करय के बात अछि.

1: भगवान् ओहि लोक केँ पुरस्कृत करैत छथि जे हुनकर प्रतिज्ञा पर भरोसा करैत छथि।

2: हमरा सभ केँ ई विश्वास भ' सकैत अछि जे परमेश् वर कठिन समय मे हमरा सभक भरण-पोषण करताह।

1: यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: 1 पत्रुस 5:7 अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, किएक तँ ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

दानियल 1:15 दस दिनक अंत मे हुनका लोकनिक चेहरा राजाक मांसक भाग खानिहार सभ बच्चा सभ सँ बेसी सुन्दर आ मोटगर देखा पड़लनि।

दानियल, शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो राजाक भोजन खाय सँ मना क' देलनि, आ ओकर बदला मे तरकारी आ पानि केर आहार खा लेलनि। दस दिनक बाद हुनका लोकनिक रूप राजाक भोजन खानिहार लोकनि सँ बेसी स्वस्थ छल |

1. स्वस्थ आहारक शक्ति: दानियल, शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक उदाहरण।

2. सुविधा स बेसी निष्ठा चुनब: दानियल 1:15 स एकटा उदाहरण।

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. नीतिवचन 16:24 - अनुग्रहपूर्ण शब्द मधुक छत्ता होइत अछि, आत्माक लेल मधुर आ हड्डीक लेल चंगाई।

दानियल 1:16 एहि तरहेँ मेल्जर हुनका सभक भोजन आ शराबक हिस्सा छीनि लेलनि जे हुनका सभ केँ पीबाक छलनि। आ नाड़ी देलक।

डेनियल आरू ओकरऽ दोस्त सिनी क॑ अलग तरह के आहार देलऽ गेलै, जेकरा म॑ मांस आरू शराब के जगह दाल छेलै ।

1. भगवान् हमरा सभक लेल अलग-अलग तरहेँ प्रबंध करैत छथि।

2. हम प्रभु के प्रावधान पर भरोसा क सकैत छी तखनो जखन ओ ओहिना नहि लागय जेना हम सब अपेक्षा करैत छी।

1. मत्ती 6:26-27 "आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँ सभ ओकरा सभ सँ बेसी मोल नहि रखैत छी? आ अहाँ सभ मे सँ केओ भ' क'।" चिंतित ओकर जीवन काल मे एक घंटा जोड़ि सकैत अछि?"

2. फिलिप्पियों 4:19 "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।"

दानियल 1:17 एहि चारू बच्चाक विषय मे परमेश् वर हुनका सभ केँ ज्ञान आ कौशल देलनि, आ सभ दर्शन आ सपना मे दानियल केँ बुझल छलनि।

भगवान् चारू बच्चा के ज्ञान, बुद्धि, समझ आ कौशल के वरदान देलखिन।

1. हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ कोनो काजक लेल आवश्यक बुद्धि आ ज्ञान प्रदान करथि।

2. भगवानक अनुग्रह कोनो पार्थिव विद्या सँ बेसी होइत छैक; हुनकर मार्गदर्शन ताकू आ अहाँ सफल होयब।

1. नीतिवचन 3:5-6 अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। 6 अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

दानियल 1:18 जखन राजा कहने छलाह जे हुनका सभ केँ भीतर आनब, तखन नपुंसक सभक सरदार हुनका सभ केँ नबूकदनेस्सरक समक्ष अनलनि।

नपुंसक सभक राजकुमार दानियल, हन्नायाह, मिशाएल आ अजरिया केँ राजा नबूकदनेस्सरक समक्ष आवंटित दिनक अंत मे अनलनि।

1. प्रतिकूलताक सामना करबा काल सेहो भगवान् पर भरोसा करब

2. आज्ञाकारिता के महत्व

1. रोमियो 8:31 तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. निकासी 20:12 अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश अहाँ केँ द’ रहल छथि, ताहि मे अहाँक दिन लंबा रहय।

दानियल 1:19 राजा हुनका सभ सँ गप्प-सप्प कयलनि। ओ सभ मे सँ दानियल, हननिया, मिशाएल आ अजरिया सन कियो नहि भेटल।

दानियल, हनानिया, मिशाएल आ अजरिया आन सभ मे सबसँ नीक पाओल गेल आ राजाक अनुग्रह छल।

1. कोनो पार्थिव धन सँ बेसी मूल्यवान भगवानक अनुग्रह अछि।

2. जखन हम सभ सर्वश्रेष्ठ बनबाक प्रयास करब तखन भगवान हमरा सभकेँ पुरस्कृत करताह।

1. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। दृढ़ता अपन काज समाप्त करू जाहि सँ अहाँ परिपक्व आ पूर्ण भ' सकब, कोनो चीजक कमी नहि।

2. कुलुस्सी 3:23 - अहाँ जे किछु करब, ओकरा पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि।

दानियल 1:20 राजा हुनका सभ सँ जे किछु बुद्धि आ समझदारी सँ पूछलनि, ताहि मे हुनका सभ केँ अपन पूरा क्षेत्र मे रहनिहार सभ जादूगर आ ज्योतिषी सभ सँ दस गुना नीक भेटलनि।

इस्राएली बंदी दानियल आरू ओकरऽ दोस्त सिनी के बुद्धि आरू समझ राजा के जादूगर आरू ज्योतिषी सिनी के तुलना में दस गुना बेहतर पाबै गेलै।

1. हमरा सभक जीवन मे बुद्धि आ समझक शक्ति

2. भगवान् पर विश्वास रखबाक महत्व

1. नीतिवचन 2:6-7 "किएक तँ प्रभु बुद्धि दैत छथि; हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत अछि; ओ सोझ लोकक लेल नीक बुद्धि जमा करैत छथि।"

2. याकूब 1:5-6 "जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

दानियल 1:21 दानियल राजा कोरसक पहिल वर्ष धरि चलैत रहलाह।

दानियल बेबिलोन के निर्वासन के दौरान राजा कोरस के पहिल साल तक परमेश् वर के प्रति वफादार रहलै।

1. परीक्षा आ क्लेशक समय मे दानियलक वफादारी

2. कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व

1. इब्रानी 11:24-25 विश्वासक कारणेँ मूसा जखन पैघ भेलाह तखन ओ फिरौनक बेटीक बेटा कहबा सँ मना कऽ देलनि, पापक क्षणभंगुर सुखक आनन्द लेबऽ सँ बेसी परमेश् वरक लोक सभक संग दुर्व्यवहार करब पसिन कयलनि।

2. 1 कोरिन्थी 10:13 अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

दानियल 2:1 नबूकदनेस्सरक शासनक दोसर वर्ष मे नबूकदनेस्सर सपना देखलनि, जाहि सँ हुनकर आत्मा परेशान भ’ गेलनि आ हुनकर नींद हुनका सँ टूटि गेलनि।

1729

नबूकदनेस्सर के शासन के दोसर साल में हुनका परेशान सपना देखै छेलै आरो नींद नै आबै छेलै।
1. भगवान् पर विश्वास के माध्यम स परेशान करय वाला सपना आ चिंता पर काबू पाना
2. प्रभु पर भरोसा के माध्यम स आराम आ आराम भेटब
1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।
2. भजन 4:8 - हम शान्ति सँ सुति जायब, कारण, प्रभु, असगरे हमरा सुरक्षित रहब।
दानियल 2:2 तखन राजा आज्ञा देलथिन जे जादूगर, ज्योतिषी, जादूगर आ कसदी सभ केँ बजा क’ राजा केँ अपन सपना देखाबय। तेँ ओ सभ आबि राजाक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह।
राजा जादूगर, ज्योतिषी, जादूगर आ कसदी सभ केँ अपन सपना बुझेबाक आज्ञा देलनि।
1: मनुष्य पर नहि, भगवान पर भरोसा करब। यिर्मयाह 17:5-8
2: परमेश् वरक बुद्धि तकबाक लेल, संसारक नहि। याकूब 1:5-8
1: नीतिवचन 3:5-7
2: यशायाह 55:8-9
दानियल 2:3 राजा हुनका सभ केँ कहलथिन, “हम सपना देखलहुँ, आ ओहि सपना केँ जानि हमर आत्मा घबरा गेल।”
बेबिलोन के राजा के एकटा सपना देखल गेलैन जे हुनका परेशान क देलकै आ अपन ज्ञानी सब स कहलखिन जे ओ सपना की छै।
1. भगवान् प्रायः सपना के प्रयोग अपन इच्छा के प्रकट करय लेल करैत छथि।
2. राजा सभ केँ सेहो परमेश् वरक बुद्धिक खोज करबाक चाही।
1. उत्पत्ति 28:12-15 - बेथेल मे याकूबक सपना।
2. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर पूरा मोन सँ भरोसा करू।
दानियल 2:4 तखन कल्दी सभ राजा सँ सिरियाक भाषा मे कहलथिन, “हे राजा, अनन्त काल धरि जीबू।
कल्दी लोकनि राजा सँ कहलथिन जे हुनकर सपना हुनका सभ केँ बताउ जाहि सँ ओ सभ एकर व्याख्या क' सकथि।
1: भगवान् प्रायः लोकक उपयोग हमरा सभ केँ अंतर्दृष्टि आ समझ प्रदान करबाक लेल करैत छथि।
2: हमरा सभकेँ ई विश्वास हेबाक चाही जे परमेश् वर हमरा सभकेँ मार्गदर्शन करबाक लेल बुद्धि प्रदान करताह।
1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो अपमानित उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"
2: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

दानियल 2:5 राजा कल्दी सभ केँ उत्तर देलथिन, “हमरा सँ ई बात चलि गेल अछि, जँ अहाँ सभ हमरा सपना केँ ओकर अर्थक संग नहि बताबब त’ अहाँ सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल जायत आ अहाँ सभक घर सभ केँ एकटा... गोबर के ढाल।

ई अंश राजा केरऽ ई मांग के बात करै छै कि कल्दी सिनी अपनऽ रहस्यमय सपना के व्याख्या करै या गंभीर परिणाम के सामना करै ।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता आ मनुष्य के जिम्मेदारी

2. भगवान् के भय ही बुद्धि के आरंभ है

1. मत्ती 12:25-27 - यीशु परमेश् वरक सार्वभौमिकता आ मनुष् यक प्रतिक्रिया देबाक जिम्मेदारी पर सिखाबैत छथि।

2. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक आरंभ थिक।

दानियल 2:6 मुदा जँ अहाँ सभ सपना आ ओकर अर्थ देखबैत छी तँ हमरा सँ वरदान आ पुरस्कार आ पैघ सम्मान भेटत, तेँ हमरा सपना आ ओकर अर्थ देखाउ।

एकर सपना आ व्याख्या के पुरस्कार वरदान, सम्मान, आ पुरस्कार स भेटत।

1: मनुक्खक बदला भगवानक इनाम ताकू।

2: भगवान् के महिमा के लेल सत्य आ बुद्धि के पीछा करू।

1: मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ चीज अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2: नीतिवचन 3:13-14 - धन्य अछि जे बुद्धि पाबैत अछि आ जे बुद्धि पाबैत अछि, किएक त’ ओकरा सँ लाभ चानी सँ नीक आ ओकर लाभ सोना सँ नीक।

दानियल 2:7 ओ सभ फेर उत्तर देलथिन, “राजा अपन सेवक सभ केँ ई सपना बताबथि, आ हम सभ एकर अर्थ देखा देब।”

राजा नबूकदनेस्सरक सलाहकार सभ हुनका अपन सपना केँ साझा करबाक लेल कहलनि जाहि सँ ओ सभ एकर व्याख्या क' सकथि।

1: हमर सभक विश्वास तखन बेसी मजबूत होइत अछि जखन हम सभ अपन परेशानी दोसर के संग बाँटि सकैत छी।

2: अपन सपना के बांटला के माध्यम स हम सब बुद्धि प्राप्त क सकैत छी।

1: याकूब 1:5 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: नीतिवचन 15:22 "बिना परामर्शक उद्देश्य निराश भ' जाइत अछि, मुदा परामर्शदाताक भीड़ मे ओ सभ स्थिर भ' जाइत अछि।"

दानियल 2:8 राजा उत्तर देलथिन, “हम निश्चित रूप सँ जनैत छी जे अहाँ सभ समय प्राप्त करब, किएक तँ अहाँ सभ देखैत छी जे ई बात हमरा सँ चलि गेल अछि।”

राजा बूझि जाइत छथि जे ज्ञानी लोकनि समय कीनबाक प्रयास क' रहल छथि आ हुनकर आग्रह मे देरी क' रहल छथि ।

1. सच्चा बुद्धि आ ज्ञान के स्रोत के रूप में भगवान पर भरोसा करू।

2. भगवान् शक्ति आ अधिकारक परम स्रोत छथि।

1731

1. नीतिवचन 3:19 - प्रभु बुद्धि सँ पृथ्वीक नींव बनौलनि अछि; बुद्धि सँ ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि।

2. यहोशू 1:7-8 - केवल बलवान आ बहुत साहसी रहू, ओहि सभ व्यवस्थाक अनुसार पूरा करबाक लेल सावधान रहू जे हमर सेवक मूसा अहाँ सभ केँ आज्ञा देने छलाह। एकरा सँ दहिना हाथ वा बामा दिस नहि घुमू, जाहि सँ जतय जाउ नीक सफलता भेटय।

दानियल 2:9 मुदा जँ अहाँ सभ हमरा सपना नहि बताबब तँ अहाँ सभक लेल एकटा नियम अछि, किएक तँ अहाँ सभ हमरा सोझाँ बाजबाक लेल झूठ आ भ्रष्ट शब्द तैयार कएने छी, जाबत धरि समय नहि बदलि जायत, तेँ हमरा सपना कहू आ... हम बुझब जे अहाँ सभ हमरा एकर व्याख्या देखा सकैत छी।

राजा माँग केलनि जे ज्ञानी लोकनि सपना आ ओकर व्याख्या प्रकट करथि नहि त दण्डक सामना करथि |

1. घमंड सँ सजा भेटैत छैक

2. भगवान् हमरा सभक वचनक लेल जवाबदेह ठहरबैत छथि

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 3:1-2 - हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ मे सँ बहुतो गोटे केँ शिक्षक नहि बनबाक चाही, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे हम सभ जे शिक्षा दैत छी, हुनका सभ केँ एहि सँ बेसी कठोरता सँ न्याय कयल जायत।

दानियल 2:10 कल्दी लोकनि राजाक समक्ष उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “पृथ्वी पर एहन कोनो आदमी नहि अछि जे राजाक बात कहि सकैत अछि, तेँ एहन कोनो राजा, प्रभु आ शासक नहि अछि जे कोनो जादूगर वा ज्योतिषी सँ एहन बात पूछने हो।” , या कसदी।

कल्दी लोकनि राजा केँ कहलखिन जे पृथ्वी पर एहन केओ नहि अछि जे राजाक प्रश्नक उत्तर द' सकय।

1. हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे हमर सभक क्षमता सीमित अछि आ हमरा सभ केँ भगवानक दया पर भरोसा करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ ई कहियो नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् सर्वज्ञ आ सर्वशक्तिमान छथि।

1. भजन 147:5 - हमर प्रभु महान छथि, आ बहुत शक्तिक छथि: हुनकर समझ अनंत अछि।

2. 2 कोरिन्थी 3:5 - ई नहि जे हम सभ अपना सँ पर्याप्त छी जे कोनो बात केँ अपना लेल बुझि सकैत छी; मुदा हमरा सभक पर्याप्तता परमेश् वरक अछि।

दानियल 2:11 ई दुर्लभ बात अछि जे राजा चाहैत छथि, आ राजाक समक्ष एकरा देखाबय बला दोसर कियो नहि अछि, सिवाय देवता सभक, जिनकर निवास मांसक संग नहि अछि।

राजा बहुत दुर्लभ चीज माँगि रहल छलाह आ देवता के छोड़ि कियो नहि उपलब्ध करा सकैत छल |

1. देवता लोकनि सँ बुद्धि कोना ताकल जाय

2. मांस आ दिव्यक अंतर केँ चिन्हब

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2. अय्यूब 28:12-28 - "मुदा बुद्धि कतय भेटत? आ बुझबाक स्थान कतय अछि?...देखू, प्रभुक भय, जे बुद्धि थिक, आ अधलाह सँ मुँह मोड़ब बुद्धि थिक।"

दानियल 2:12 एहि कारणेँ राजा क्रोधित आ बहुत क्रोधित भ’ गेलाह आ बाबुलक सभ बुद्धिमान केँ नष्ट करबाक आज्ञा देलनि।

ई अंश बेबिलोन के राजा के राज्य के ज्ञानी सिनी के प्रति क्रोध आरू क्रोध के खुलासा करै छै, जेकरा चलतें अंततः ओकरा सिनी के नष्ट करै के आज्ञा मिलै छै।

1. हमर सभक काजक परिणाम होइत छैक, आ जँ हम सभ सावधान नहि रहब तँ विनाशक कारण भ' सकैत अछि।

2. हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे हम सभ अपन आसपासक लोकक संग केहन व्यवहार करैत छी, खास क' अधिकारक पद पर बैसल लोकक संग।

1. नीतिवचन 16:14, बुद्धिमान राजा दुष्ट केँ हवा निकालैत अछि; ओ ओकरा सभ पर कुटिया चलाबैत अछि।

2. याकूब 3:17, मुदा जे बुद्धि स् वर्ग सँ अबैत अछि से सभ सँ पहिने शुद्ध अछि। तखन शांतिप्रिय, विचारशील, अधीनस्थ, दया आ नीक फल सँ भरल, निष्पक्ष आ निश्छल |

दानियल 2:13 तखन ई नियम निकलल जे ज्ञानी लोकनि केँ मारल जाय। ओ सभ दानियल आ ओकर संगी सभ केँ मारि देबाक लेल तकलनि।

राजा नबूकदनेस्सर आज्ञा देलथिन जे बाबुलक सभ ज्ञानी केँ मारल जाय, जाहि मे दानियल आ ओकर संगी सभ सेहो छल।

1. भगवानक योजना कोनो मनुक्खक योजनासँ पैघ होइत अछि।

2. जखन कठिन परिस्थितिक सामना करब तखन भगवान हमरा सभक संग रहताह आ हमरा सभक रक्षा करताह।

1. यशायाह 46:10- "हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।"

2. इब्रानी 13:5-6 - "अहाँ सभ लग जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू। किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। जाहि सँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक कहि सकब जे, प्रभु हमर सहायक छथि आ हम करब।" मनुष्य हमरा की करत, से नहि डेराउ।”

दानियल 2:14 तखन दानियल राजाक पहरेदारक सेनापति अरियोक केँ सलाह आ बुद्धि सँ उत्तर देलथिन जे बाबुलक बुद्धिमान लोकनि केँ मारबाक लेल निकलल छलाह।

दानियल अपन बुद्धि आ सलाह द्वारा बाबुलक ज्ञानी लोकनि केँ उद्धार करैत छथि।

1: परमेश् वर हमरऽ बुद्धि के उपयोग अपनऽ उद्देश्य पूरा करै लेली करी सकै छै ।

2: हम सभ अपन चुनावक माध्यमे परमेश् वरक बुद्धि देखा सकैत छी।

1: याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2: कुलुस्सी 3:17 - अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत।

दानियल 2:15 ओ उत्तर देलथिन आ राजाक सेनापति अरियोक केँ कहलथिन, “राजा सँ एतेक जल्दबाजी मे ई फरमान किएक अछि? तखन आरिओक दानियल केँ ई बात बुझौलनि।

दानियल के राजा के सपना के व्याख्या करै के काम देलऽ जाय छै, आरो वू सवाल उठै छै कि राजा के एतना जल्दी कियैक छै।

1. ध्यान केंद्रित रहबाक महत्व आ निर्णय लेबा मे अपना केँ हड़बड़ी नहि होमय देबाक।

1733

2. भगवान् हमरा सभ केँ ई बुद्धि देने छथि जे छोट समय रेखाक सामना करबा पर सेहो सही निर्णय ली।

1. नीतिवचन 16:9 - मनुष्य अपन हृदय मे अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग स्थापित करैत अछि।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

दानियल 2:16 तखन दानियल भीतर गेलाह आ राजा सँ निहोरा केलनि जे ओ हुनका समय द’ दियौन आ राजा केँ एकर अर्थ बताबथि।

दानियल भविष्यवक्ता राजा सँ सपना के व्याख्या करबाक लेल समय मंगलनि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वर पर भरोसा करबाक आवश्यकता अछि आ विश्वास रखबाक आवश्यकता अछि जे ओ हमरा सभ जे उत्तर चाहैत छी से प्रदान करताह।

2: भगवान स मदद मांगबा काल हमरा सब कए धैर्य आ विनम्रता रखबाक जरूरत अछि।

1: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2: याकूब 1:5-6 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत छथि, तखन ओकरा देल जेतै जे संदेह करैत अछि, ओ समुद्रक लहरि जकाँ होइत अछि जे हवा द्वारा चलाओल जाइत अछि आ उछालैत अछि |"

दानियल 2:17 तखन दानियल अपन घर गेलाह आ अपन संगी हन्नानिया, मिशाएल आ अजरिया केँ ई बात बता देलथिन।

दानियल नबूकदनेस्सर के सपना के समझै लेली अपनऽ तीन साथी के मदद लै छै।

1. भगवान् अपन इच्छा पूरा करबाक लेल सबसँ बेसी असंभावित परिस्थितिक उपयोग क' सकैत छथि।

2. भगवान् अपन दिव्य उद्देश्य केँ प्राप्त करबाक लेल हमरा सभक संबंधक माध्यमे काज करैत छथि।

1. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ओहि द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत अछि।"

2. उपदेशक 4:9-12 - "एक सँ दू गोटे नीक छथि, किएक तँ हुनका सभक परिश्रमक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ एक गोटे अपन संगीकेँ ऊपर उठा लेत। मुदा धिक्कार अछि जे असगर अछि जखन ओ खसैत अछि आ अछि।" ओकरा उठाबय लेल दोसर नहि!"

दानियल 2:18 जे ओ सभ एहि रहस्यक विषय मे स् वर्गक परमेश् वर सँ दया चाहैत छथि। कि दानियल आ ओकर संगी सभ बाबुलक बाकी ज्ञानी सभक संग नष्ट नहि होथि।

बेबिलोनक ज्ञानी लोकनि भगवान् सँ दया मंगलनि जाहि सँ ओ सभ बाकी ज्ञानी लोकनि जकाँ नष्ट नहि भ' जाय।

1. दया माँगबाक शक्ति: भगवानक कृपा कोना प्राप्त कयल जाय

2. ऊपरसँ बुद्धिक खोज: बेबिलोनक ज्ञानी लोकनिसँ सीखब

1. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. नीतिवचन 2:6 - कारण प्रभु बुद्धि दैत छथि; ओकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत छैक।

दानियल 2:19 तखन ई रहस्य दानियल केँ राति मे दर्शन मे प्रकट कयल गेल। तखन दानियल स् वर्गक परमेश् वर केँ आशीष देलनि।

दानियल केँ सपना मे परमेश् वर सँ एकटा प्रकटीकरण भेटलनि, आ एकर जवाब मे ओ परमेश् वरक स्तुति कयलनि।

1. कठिन परिस्थितिक बीच सेहो सभ बात मे परमेश् वरक स्तुति करू।

2. भगवान् हुनका तकनिहार केँ बुद्धि दैत छथि।

1. याकूब 1:5-8 - जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

2. फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू; पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक उचितता सब केँ ज्ञात हो। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय।

दानियल 2:20 दानियल उत्तर देलथिन, “परमेश् वरक नाम अनन्त काल धरि धन्य होउ, किएक तँ बुद्धि आ सामर्थ्य हुनकर अछि।

दानियल परमेश् वरक बुद्धि आ पराक्रमक स्तुति करैत छथि।

1: हमरा सभकेँ अपन बाटकेँ मार्गदर्शन करबाक लेल भगवानक बुद्धि आ पराक्रमक खोज करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखबाक चाही जे भगवानक बुद्धि आ पराक्रमक महिमा करब।

1: याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि, मुदा डाँट नहि दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2: भजन 147:5 - "हमरऽ प्रभु महान छै, आरू बहुत शक्ति के छै, ओकरऽ समझ अनंत छै।"

दानियल 2:21 ओ समय आ समय बदलैत छथि, राजा सभ केँ हटा दैत छथि आ राजा सभ केँ ठाढ़ करैत छथि, बुद्धिमान केँ बुद्धि दैत छथि आ बुद्धि जननिहार केँ ज्ञान दैत छथि।

परमेश् वर सभ जाति, राजा आ समय पर सार्वभौमिक छथि।

1: भगवान पर भरोसा करू: भगवान हमर सबहक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि, चाहे हमर परिस्थिति कोनो हो।

2: बुद्धि आ समझ भगवान् सँ भेटैत अछि: सब बात मे बुद्धि आ समझ के लेल भगवान के खोजू।

1: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: याकूब 1:5 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

दानियल 2:22 ओ गहींर आ गुप्त बात केँ प्रकट करैत छथि, ओ जनैत छथि जे अन्हार मे की अछि आ इजोत हुनका संग रहैत अछि।

भगवान् हमरा सभक गहींर रहस्य केँ जनैत छथि आ इजोत आ अन्हार दुनू मे हमरा सभक संग छथि।

1. अन्हार मे भगवानक प्रकाश

2. भगवान् के अविचल उपस्थिति

1. भजन 139:7-12

2. मत्ती 6:25-34

दानियल 2:23 हे हमर पूर्वज सभक परमेश् वर, हम अहाँक धन्यवाद दैत छी आ स्तुति करैत छी, जे हमरा बुद्धि आ पराक्रम देलनि आ आब हमरा सभ केँ बुझा देलहुँ जे हम सभ अहाँ सँ की चाहैत छलहुँ मामला.

परमेश् वरक बुद्धि आ शक्ति हमरा सभ केँ देल गेल अछि जे हमरा सभक जरूरत मे मदद करी।

1: परमेश् वरक बुद्धि आ सामर्थ् य हमरा सभक जरूरतक उत्तर अछि

2: चुनौतीपूर्ण समय मे भगवानक बुद्धि आ शक्ति पर भरोसा करब

फिलिप्पियों 4:13 - "हमरा मजबूत करै वाला के द्वारा हम सब किछु क' सकैत छी।"

याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

दानियल 2:24 तेँ दानियल अरियोक लग गेलाह, जकरा राजा बाबुलक बुद्धिमान सभ केँ नष्ट करबाक लेल निर्धारित केने छलाह। बाबुलक बुद्धिमान सभ केँ नष्ट नहि करू, हमरा राजाक सोझाँ आनि दिअ, आ हम राजा केँ एकर अर्थ देखा देब।”

दानियल बेबिलोन के ज्ञानी सिनी कॅ फांसी दै लेली नियुक्त राजा के अधिकारी अरियोक के बीच बिनती करै छै आरो राजा के सामने लानै के आग्रह करै छै ताकि सपना के व्याख्या समझैलऽ जाय।

1. बिनती के शक्ति: दानियल के निहोरा बेबिलोन के ज्ञानी सब के कोना बचा लेलकै

2. दानियलक बुद्धि: ओ हमरा सभ केँ कोना देखौलनि जे कोना परमेश् वर सँ भय आ आदर कयल जाय

1. याकूब 5:16 (NIV) - तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मात्मा केरऽ प्रार्थना शक्तिशाली आरू प्रभावी होय छै ।

2. इफिसियों 6:18 (NIV) - आ सभ अवसर पर सभ तरहक प्रार्थना आ आग्रहक संग आत्मा मे प्रार्थना करू। एहि बात के ध्यान में राखि सतर्क रहू आ सदिखन प्रभु के सब लोक के लेल प्रार्थना करैत रहू।

दानियल 2:25 तखन अरिओक जल्दी-जल्दी दानियल केँ राजाक समक्ष अनलनि आ कहलथिन, “हमरा यहूदाक बंदी मे सँ एकटा एहन आदमी भेटल अछि जे राजा केँ एकर अर्थ बताओत।”

अरिओक दानियल के बेबिलोन के राजा के सामने लानै छै आरू राजा के सूचित करै छै कि ओकरा यहूदा के बंदी में से कोय मिललो छै जे राजा के सपना के व्याख्या करी सकै छै।

1. परमेश् वरक प्रोविडेंटल समय आ संप्रभुता: दानियल 2:25 मे, हम सभ परमेश् वरक समय आ सार्वभौमिकता केँ काज मे देखैत छी। अपनऽ माटी स॑ कैद होय के बावजूद, परमेश् वर दानियल क॑ बेबिलोन के राजा के सामने लानी क॑ कैद यहूदी सिनी लेली अनुकूल परिणाम लानै छै ।

2. परमेश् वरक वफादारी: दानियल 2:25 हमरा सभक जीवन मे परमेश् वरक वफादारीक स्मरण कराबैत अछि। यहूदी सभ केँ अपन मातृभूमि सँ हटा देल गेलाक बादो परमेश् वर हुनका सभक प्रति वफादार रहलाह आ हुनका सभ केँ अनुकूल स्थिति मे अनलनि।

1. यशायाह 46:10-11 - "शुरुआत सँ, प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, तकरा अन्तक घोषणा करैत छी, ई कहैत जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब पूब, ओ आदमी जे दूर देश सँ हमर सलाह केँ पूरा करैत अछि।

2. मत्ती 10:29-31 - "की दू टा गौरैया एक फारथ मे नहि बिकाइत अछि? आ एकटा गौरैया अहाँक पिताक बिना जमीन पर नहि खसि पड़त। मुदा अहाँ सभक माथक केश सभ गिनल गेल अछि। तेँ अहाँ सभ नहि डेराउ।" बहुतो गौरैया सँ बेसी मूल्यवान होइत अछि |"

दानियल 2:26 राजा उत्तर देलथिन आ दानियल केँ कहलथिन, जिनकर नाम बेल्तशस्सर छल, “की अहाँ हमरा ओ सपना आ ओकर अर्थ बता सकैत छी?”

दानियल के राजा अपन सपना के व्याख्या करै लेली आरू एकरऽ व्याख्या करै लेली कहै छै ।

1. भगवान् बुद्धिक स्रोत छथि, आ कठिन प्रश्नक सामना करबा काल हमरा सभ केँ हुनकर मार्गदर्शन लेबय पड़त।

2. प्रार्थना आ विश्वास के शक्ति हमरा सब के रहस्यमयी सपना के सेहो बुझय में मदद क सकैत अछि।

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

2. भजन 62:5 - "हमर प्राण, अहाँ मात्र परमेश् वरक प्रतीक्षा करू, कारण हमर आशा हुनका सँ अछि।"

दानियल 2:27 दानियल राजाक सोझाँ उत्तर देलथिन, “राजा जे रहस्य मांगने छथि से ज्ञानी, ज्योतिषी, जादूगर, भविष्यवक्ता राजा केँ नहि कहि सकैत छथि।

दानियल राजा नबूकदनेस्सर के सामने ई बात के खुलासा करै छै कि ज्ञानी, ज्योतिषी, जादूगर आरू भविष्यवक्ता राजा के रहस्य के खुलासा करै में असमर्थ छै।

1: हमरा सभ केँ अपन विश्वास प्रभु पर रखबाक आवश्यकता अछि आ मनुष्य पर नहि।

2: भगवान् सर्वज्ञ छथि आ मनुष्य अपन समझ मे सीमित छथि।

1: यिर्मयाह 17:9 हृदय सभ सँ बेसी छल, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

2: यशायाह 40:13-14 प्रभुक आत् मा के के निर्देशन केने छथि वा हुनकर सलाहकार बनि हुनका सिखबैत छथि? केकरा सँ सलाह लेलक आ के ओकरा शिक्षा देलक आ ओकरा न्यायक बाट मे सिखबैत छलैक आ ओकरा ज्ञान सिखबैत छलैक आ ओकरा बुझबाक बाट देखबैत छलैक?

दानियल 2:28 मुदा स् वर्ग मे एकटा एहन परमेश् वर छथि जे गुप्त बात सभ केँ प्रकट करैत छथि आ राजा नबूकदनेस्सर केँ बुझबैत छथि जे अंतिम समय मे की होयत। तोहर सपना, आ तोहर पलंग पर माथक दर्शन, ई सभ अछि।

ई अंश ई बात पर प्रकाश डालै छै कि परमेश् वर राजा सिनी कॅ, खास करी कॅ नबूकदनेस्सर कॅ भविष्य में की होतै, एकरा लेली रहस्य प्रकट करै छै।

1. भगवान् नियंत्रण मे छथि आ जे विश्वासी छथि हुनका सभ केँ अपन योजना प्रकट करताह।

2. हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ भविष्यक समझ प्रदान करथि।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू।

2. यशायाह 46:9-10 - पुरान समयक पूर्वक बात मोन राखू; किएक तँ हम परमेश् वर छी, आर कियो नहि अछि। हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ अंतक घोषणा करैत छी, आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि।

दानियल 2:29 हे राजा, अहाँक विचार अहाँक बिछाओन पर आबि गेल जे आब की होयत।

भगवान राजा सब के रहस्य प्रकट करैत छथि आ भविष्य में की होयत से प्रकट करैत छथि |

1. "ईश्वर के इच्छा के जानना: भगवान के दिव्य मार्गदर्शन सुनना"।

2. "भगवानक सार्वभौमत्व: एकटा सार्वभौम भगवान भविष्यक प्रकट करैत छथि"।

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. नीतिवचन 16:9 - "मनुष्य अपन हृदय मे अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ स्थापित करैत अछि।"

दानियल 2:30 मुदा हमरा लेल ई रहस्य हमरा कोनो एहन बुद्धिक लेल नहि प्रकट कयल गेल अछि जे हमरा लग कोनो जीवित सँ बेसी अछि, बल् कि हुनका सभक लेल जे एकर अर्थ राजा केँ बुझा देत आ अहाँ अपन विचार केँ बुझि सकब हृदय.

दानियल राजा के ई बात के खुलासा करै छै कि ओकरा राजा के सपना के गुप्त व्याख्या ओकरऽ अपनऽ बुद्धि के कारण नै मिललै, बल्कि वू लोगऽ के खातिर जे व्याख्या के बारे में राजा के सामने बताबै वाला छै।

1. परमेश् वर अपन योजना केँ प्रकट करबाक लेल हमर बुद्धिक उपयोग करैत छथि

2. अपन बुद्धि सँ ऊपर भगवानक बुद्धि पर भरोसा करू

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ माँगबाक चाही, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, आ ई अहाँ सभ केँ देल जायत।

दानियल 2:31 हे राजा, अहाँ एकटा पैघ मूर्ति देखलहुँ आ देखलहुँ। ई महान मूर्ति, जकर चमक उत्तम छल, अहाँक सोझाँ ठाढ़ छल। आ ओकर रूप भयावह छल।

राजा एकटा पैघ आ भयंकर मूर्ति देखलनि।

1. हमरऽ जीवन में भगवान केरऽ महिमा आरू उत्कृष्टता के प्रतिबिंब होना चाहियऽ ।

2. जीवन मे जे भयानक बिम्ब भेटैत अछि ताहि सँ हमरा सभ केँ नहि डरबाक चाही, बल्कि शक्ति आ साहसक लेल भगवान् पर निर्भर रहबाक चाही।

२ कोनो शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहराई, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन चीज, हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग क' सकैत अछि जे हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अछि।"

2. भजन 18:2: "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

दानियल 2:32 एहि मूर्तिक माथ नीक सोनाक छल, ओकर छाती आ बाँहि चानीक छल, ओकर पेट आ जाँघ पीतल के छल।

दानियल २:३२ मे देल गेल मूर्तिक माथ महीन सोनाक, हाथ आ छाती चानीक, आ पेट आ जांघ पीतल सँ बनल छल।

1. बुद्धिक बदलैत स्वभाव: प्रतिकूलताक माध्यमे कोना समझ प्राप्त होइत अछि

2. आज्ञाकारिता के महत्व: भगवान् हुनका पर भरोसा करय वाला के कोना पुरस्कृत करैत छथि

1. याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

दानियल 2:33 हुनकर पैर लोहाक, पैर लोहाक आ किछु माटिक।

एहि श्लोक मे एकटा शक्तिशाली आ तइयो नाजुक शासकक छविक वर्णन अछि |

1. सत्ताक ताकत आ कमजोरी

2. कमजोरी मे ताकत ताकब

1. यशायाह 40:28-31 (मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़ताह, ओ दौड़त आ थाकि नहि जेताह, ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।)

2. भजन 18:2 (प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।)

दानियल 2:34 अहाँ ताबत धरि देखलहुँ जे बिना हाथक पाथर काटल गेल, जे लोहा आ माटिक मूर्ति केँ ओकर पैर पर प्रहार क’ क’ ओकरा तोड़ि देलक।

बिना हाथक काटल पाथर लोहा आ माटिक बनल मूर्ति पर प्रहार करैत ओकरा टुकड़ा-टुकड़ा क' देलक।

1. भगवान् केरऽ शक्ति कोनो भी मानव निर्मित संरचना केरऽ पराक्रम स॑ भी बड़ऽ छै ।

2. प्रभुक शक्तिक समक्ष विनम्र रहबाक चाही।

1. यशायाह 40:18-20 - तखन अहाँ सभ परमेश् वर केकरा सँ उपमा देब? आकि अहाँ सभ हुनका सँ कोन उपमा करब? मजदूर उकेरल मूर्ति केँ पिघलाबैत अछि आ सोनार ओकरा सोना सँ पसारि दैत अछि आ चानीक जंजीर फेकि दैत अछि। जे एतेक गरीब अछि जे ओकरा लग कोनो बलिदान नहि अछि, ओ एहन गाछ चुनैत अछि जे सड़त नहि। ओ ओकरा लेल एकटा धूर्त मजदूर तकैत अछि जे ओ एकटा उकेरल मूर्ति तैयार करथि जे नहि हिलत।

2. अय्यूब 40:1-2 - परमेश् वर अय्यूब केँ उत्तर देलथिन, “की सर्वशक्तिमान परमेश् वर सँ विवाद करनिहार हुनका शिक्षा देथिन?” जे परमेश् वर केँ डाँटैत अछि, से ओकर उत्तर देथि।”

दानियल 2:35 तखन लोहा, माटि, पीतल, चानी आ सोना टुकड़ा-टुकड़ा भ’ गेल आ गर्मीक कुटीक भूसा जकाँ भ’ गेल। हवा ओकरा सभ केँ लऽ गेल जे ओकरा सभक लेल कोनो जगह नहि भेटलैक।

दानियल के सपना के मूर्ति नष्ट होय गेलै आरू ओकरऽ जगह पर एगो बड़ऽ पहाड़ आबी गेलै जे पूरा धरती पर भरी गेलै ।

1. भगवानक अधिकार कोनो बाधा केँ पार क' सकैत अछि।

2. विश्वासक शक्ति पहाड़केँ हिला सकैत अछि।

1. मत्ती 21:21 - यीशु उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जँ अहाँ सभक विश् वास अछि आ अहाँ सभ केँ शंका नहि अछि, तँ अहाँ सभ अंजीरक गाछक संग जे कयल गेल छल, से नहि कऽ सकैत छी, बल्कि एहि पहाड़ केँ सेहो कहि सकैत छी, 'जाउ, समुद्र मे फेकि दियौक,’ तखन पूरा भ’ जायत।

1739

2. यशायाह 40:4 - हर घाटी ऊपर उठाओल जायत, आ हर पहाड़ आ पहाड़ नीचाँ कयल जायत। असमान जमीन समतल भ' जेतै, आ खुरदुरा स्थान एकटा मैदान।

दानियल 2:36 ई सपना अछि। एकर व्याख्या राजाक समक्ष कहि देब।

दानियल राजा नबूकदनेस्सर के सपना के व्याख्या करै छै, ओकरऽ व्याख्या राजा के सामने पेश करै छै।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन योजनाक प्रगट करताह: नबूकदनेस्सरक प्रति दानियलक प्रतिक्रिया सँ सीखब

2. सपना के शक्ति: नबूकदनेस्सर के सपना के महत्व के खोज

1. अय्यूब 33:14-17

2. उत्पत्ति 41:8-10

दानियल 2:37 हे राजा, अहाँ राजा सभक राजा छी, किएक तँ स् वर्गक परमेश् वर अहाँ केँ राज्य, सामर्थ् य आ सामर्थ् य आ महिमा देने छथि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन राज्यक द्वारा सामर्थ् य, सामर्थ् य आ महिमा देने छथि।

1. भगवान हमर प्रदाता छथि: हुनकर ताकत आ महिमा पर भरोसा करब सीखब

2. राजा बनबाक शक्ति आ जिम्मेदारी: अपन भगवान् द्वारा देल गेल अधिकारक संग दोसर सँ प्रेम आ सेवा करब

1. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ओहि द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत अछि।"

2. मत्ती 25:21 - "हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, 'नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ। अहाँ किछु काल मे विश्वासी रहलहुँ; हम अहाँ केँ बहुत काज पर राखब। अपन मालिकक आनन्द मे प्रवेश करू।"

दानियल 2:38 आ मनुष्यक सन्तान जतय रहैत अछि, खेतक जानवर आ आकाशक चिड़ै सभ केँ ओ अहाँक हाथ मे सौंपने छथि आ अहाँ केँ सभ पर शासक बना देने छथि। अहाँ ई सोनाक माथ छी।

भगवान् मानवता केँ संसार पर नियंत्रण द' देलनि अछि, ओकरा सभ सृष्टि पर शासक नियुक्त कयलनि अछि |

1: हमरा सभकेँ सृष्टि पर प्रभुत्व देल गेल अछि आ तकर संग पैघ जिम्मेदारी सेहो अबैत अछि।

2: भगवान् मानवता के सब सृष्टि के भण्डारी के जिम्मा सौंपने छथि, ताहि लेल हम सब अपन शक्ति के बुद्धिमानी स उपयोग करी।

1: उत्पत्ति 1:26-28 - परमेश् वर कहलथिन, “हम सभ अपन प्रतिरूप मे मनुष् य केँ अपन प्रतिरूपक अनुसार बनाबी। आ समस्त पृथ् वी पर, आ पृथ् वी पर रेंगैत सभ रेंगत जीवक ऊपर।

2: भजन 8:3-8 - जखन हम अहाँक आकाश, अहाँक आँगुरक काज, चान आ तारा पर विचार करब, जे अहाँ निर्धारित केने छी। मनुख की होइत छैक, जे अहाँ ओकरा मोन पाड़ैत छी? आ मनुष् यक पुत्र, जे अहाँ ओकरा पर पहुँचैत छी? कारण, अहाँ ओकरा स् वर्गदूत सभ सँ कनेक नीचाँ बना देलियैक आ ओकरा महिमा आ आदरक मुकुट पहिरा देलियैक।

दानियल 2:39 अहाँक बाद अहाँ सँ नीचाँ एकटा आओर राज्य आओर पीतल केर एकटा आओर तेसर राज्य उत्पन्न होयत जे समस्त पृथ्वी पर शासन करत।

दानियल भविष्यवाणी करै छै कि बेबिलोन के राज्य के बाद दू टा आरू राज्य होतै, एक बेबिलोन स॑ नीच आरू दोसरऽ पीतल के राज्य जे पूरा दुनिया पर राज करतै।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनक भविष्यवाणीक शक्ति केँ बुझब

2. भगवानक राज्य: राज्यक संसार मे रहब

1. रोमियो 13:1-7 - सभ कियो शासक अधिकारक अधीन रहू, किएक तँ परमेश् वर द्वारा स्थापित अधिकारक अतिरिक्त कोनो अधिकार नहि अछि।

2. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर शासन करैत अछि।

दानियल 2:40 चारिम राज्य लोहा जकाँ मजगूत होयत, किएक तँ लोहा टूटि कऽ सभ किछु केँ अपना वश मे कऽ दैत अछि।

एहि अंश मे चारिम राज्यक वर्णन अछि जे लोहा जकाँ मजबूत अछि, जे सभ वस्तु केँ तोड़ि क' अपन वश मे क' लेत।

1. राज्यक ताकत: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन राज्यक माध्यमे कोना शक्ति दैत छथि

2. लोहाक शक्ति: हमरा लोकनिक जीवन मे भगवानक ताकत आ शक्ति

1. यशायाह 40:26 - अपन नजरि ऊँच पर उठाउ आ देखू: ई सभ के बनौलक? जे हुनका सभक सेना केँ नंबर सँ बाहर निकालैत अछि, सभ केँ नाम सँ बजबैत अछि। अपन पराक्रमक महानता सँ आ शक्ति मे बलवान हेबाक कारणेँ एकटाक कमी नहि अछि ।

2. इफिसियों 6:10-11 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर शक्तिक बल मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरि लिअ जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

दानियल 2:41 जखन अहाँ पैर आ पैरक आँगुर देखलहुँ, जे किछु कुम्हारक माटि आ किछु लोहाक अछि, तेँ राज्य बँटि जायत। मुदा ओहि मे लोहाक ताकत रहत, किएक तँ अहाँ लोहा केँ दलदली माटि मे मिलाओल देखलहुँ।

ई अंश बताबैत अछि जे कोनो राज्य बँटि जायत मुदा माटि मे मिलाओल लोहाक कारणेँ तइयो ताकत रहत।

1. कोनो राज्यक ताकत ओकर विविधता मे निहित अछि

2. विभाजन के बीच एकता

1. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। कारण जँ खसि पड़त तँ कियो अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि, किएक तँ ओकरा उठयवला केओ नहि अछि। पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहताह तऽ गरम रहताह; मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि।

2. भजन 133:1 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!

दानियल 2:42 जेना पैरक आँगुर लोहाक किछु भाग माटिक छल, तहिना राज्य किछु मजगूत आ किछु टूटल होयत।

राज्य आंशिक रूप स मजबूत आ आंशिक रूप स टूटल रहत।

1. परमेश् वरक राज् य विजय आ पराजय दुनूक मिश्रण अछि।

2. ताकत आ नाजुकताक बीचक तनावक सौन्दर्य केँ आत्मसात करू।

1. भजन 46:1-3, "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, यद्यपि पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफानसँ काँपि उठैत अछि |"

2. उपदेशक 3:4-8, "कानबाक समय आ हँसबाक समय, शोक करबाक समय आ नाचबाक समय, पाथर छिड़कबाक समय आ ओकरा जमा करबाक समय, आलिंगन करबाक समय आ ओकरा जुटेबाक समय।" गले मिलै सँ परहेज करू, खोजबाक समय आ हार मानबाक समय, रखबाक समय आ फेकबाक समय, नोचबाक समय आ सुधारबाक समय, चुप रहबाक समय आ बजबाक समय, बजबाक समय प्रेम आ घृणा के समय, युद्ध के समय आ शांति के समय।"

दानियल 2:43 जखन अहाँ लोहा केँ माटि मे मिलाओल देखलहुँ, ओ सभ मनुष् यक बीया मे घुलि-मिलि जायत।

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना अलग-अलग तत्व एक साथ मिलै में सक्षम नै छै, ठीक वैसने जइसे लोहा आरू माटी मिलै में सक्षम नै छै ।

1. भगवानक शक्ति: भगवान् कोना विरह आ भेदक निर्माण करैत छथि

2. विविधता मे एकता: हमर दुनिया मे अंतर के जश्न मनाबय के काज

1. कुलुस्सी 3:11-14 - "एतय यूनानी आ यहूदी, खतना आ खतना नहि, बर्बर, सिथियन, दास, स्वतंत्र नहि अछि; बल् कि मसीह सभ छथि आ सभ मे छथि। तखन परमेश् वरक चुनल लोक जकाँ पवित्र आ धारण करू।" प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य, एक-दोसर केँ सहन करब आ जँ एक-दोसर पर कोनो शिकायत हो त' एक-दोसर केँ क्षमा करब, जेना प्रभु अहाँ सभ केँ क्षमा क' देने छथि, तहिना अहाँ सभ केँ सेहो क्षमा करबाक चाही।"

2. यिर्मयाह 18:1-6 - "प्रभु द्वारा यिर्मयाह केँ जे वचन आयल छल से: उठू, आ कुम्हारक घर जाउ, आ ओतहि हम अहाँ केँ हमर बात सुनय देब। तेँ हम कुम्हारक घर दिस उतरलहुँ, आ... ओतय ओ अपन चक्का पर काज क' रहल छल। आ माटि सँ जे बर्तन बना रहल छल, से कुम्हारक हाथ मे बिगड़ि गेलै, आ ओकरा फेर सँ दोसर बर्तन मे बना लेलक, जेना कुम्हार केँ नीक लागलैक।"

दानियल 2:44 आ एहि राजा सभक समय मे स् वर्गक परमेश् वर एकटा एहन राज् य ठाढ़ करताह, जे कहियो नष्ट नहि होयत, आ राज् य आन लोकक लेल नहि छोड़ल जायत, बल् कि ओ एहि सभ राज्य केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ क’ भस्म क’ देत। आ ई अनन्त काल धरि ठाढ़ रहत।

स्वर्गक परमेश् वर एकटा एहन राज्य ठाढ़ करताह जे कहियो नष्ट नहि होयत आ अनन्त काल धरि रहत।

1: हमर सभक परमेश् वर एकटा अनन्त परमेश् वर छथि जे एहन राज्यक स्थापना करैत छथि जे कहियो नष्ट नहि होयत।

2: भगवान् नियंत्रण मे छथि आ एकटा अनन्त राज्य स्थापित करैत छथि।

1: भजन 145:13 - तोहर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ तोहर प्रभु सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि।

2: प्रकाशितवाक्य 11:15 - तखन सातम स् वर्गदूत अपन तुरही बजौलनि आ स्वर्ग मे जोर-जोर सँ आवाज आयल जे, “संसारक राज्य हमरा सभक प्रभु आ हुनकर मसीहक राज्य बनि गेल अछि, आ ओ अनन्त काल धरि राज करत।”

दानियल 2:45 अहाँ देखलहुँ जे पहाड़ सँ पाथर बिना हाथक काटल गेल अछि आ लोहा, पीतल, माटि, चानी आ सोना केँ तोड़ि देलक। महान परमेश् वर राजा केँ बुझा देने छथिन जे आब की होयत, आ सपना निश्चित अछि आ ओकर व्याख्या निश्चित अछि।

परमेश् वर राजा केँ एकटा पाथरक दर्शन प्रकट कयलनि जे लोहा, पीतल, माटि, चानी आ सोनाक धातु सभ केँ काटि कऽ तोड़ि देलक आ एहि दर्शनक की अर्थ छल से बतौलनि।

1. परमेश् वरक प्रकटीकरण शक्ति: भगवान् हमरा सभसँ गप्प करबाक लेल सपना आ दर्शनक उपयोग कोना करैत छथि

2. परमेश् वरक योजनाक निश्चय: हम सभ परमेश् वरक प्रकट इरादा पर कोना भरोसा क’ सकैत छी

1. प्रेरित सभक काज 2:17-21 - परमेश् वर कहैत छथि, “हम अपन आत् मा सभ शरीर पर बहायब, आ अहाँ सभक बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत आ अहाँ सभक युवक सभ दर्शन देखत।” , आ तोहर बूढ़- पुरान सभ सपना देखताह।

2. यिर्मयाह 33:3 - हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।

दानियल 2:46 तखन राजा नबूकदनेस्सर मुँह पर खसि पड़लाह आ दानियलक आराधना कयलनि आ आज्ञा देलनि जे ओ सभ हुनका बलिदान आ मधुर गंध चढ़ाबथि।

राजा नबूकदनेस्सर विनम्रतापूर्वक दानियलक आराधना करैत छथि आ अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनका बलिदान आ मधुर गंध चढ़ाउ।

1. विनम्रता: विनम्रतापूर्वक परमेश्वरक आराधना करबाक आवश्यकता

2. आज्ञापालन: परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आवश्यकता

1. फिलिप्पियों 2:8-11 - "ओ मनुष् यक रूप मे पाओल गेलाह, ओ अपना केँ नम्र भ' गेलाह आ मृत्युक सीमा धरि आज्ञाकारी भ' गेलाह, क्रूस पर मरबा धरि। तेँ परमेश् वर हुनका बहुत ऊपर उठौलनि आ हुनका नाम देलनि।" जे सभ नाम सँ ऊपर अछि जे यीशुक नाम पर स् वर्ग मे रहनिहार, पृथ् वी पर आ पृथ् वीक नीचाँक लोक सभक सभ ठेहुन प्रणाम करथि आ सभ जीह स्वीकार करथि जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ महिमा होयत पिता परमेश् वरक।"

2. इब्रानी 13:15-17 - "तेँ हुनका द्वारा हम सभ परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान अर्थात् हुनकर नामक धन् यवाद दैत अपन ठोरक फल अर्पित करैत रही। मुदा नीक काज करब आ बाँटब नहि बिसरब। कारण, एहन बलिदान सँ परमेश् वर प्रसन्न होइत छथि।अहाँ सभ पर जे शासन रखैत छथि, हुनकर आज्ञा मानू आ आज्ञाकारी रहू, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभक प्राणक प्रति सावधान रहैत छथि, जेना कि हुनका सभ केँ हिसाब देबऽ पड़तनि।ओ सभ हर्षोल्लास सँ करथि, शोक सँ नहि, ताहि लेल अहाँक लेल बेफायदा होयत।"

दानियल 2:47 राजा दानियल केँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “सत्ते ई अछि जे तोहर परमेश् वर देवता सभक परमेश् वर छथि, राजा सभक प्रभु छथि आ गुप्त बातक प्रगट करनिहार छथि।

भगवान् सब राजा के शासक छैथ आ गहींरतम रहस्य के उजागर क सकैत छैथ।

1: भगवान सब के शासक छथि आ सब रहस्य के जानैत छथि।

2: हम सभ भगवानक ज्ञान आ सामर्थ्य सँ परे नहि छी।

1: भजन 147:5: "हमर सभक प्रभु महान छथि आ शक्ति मे पराक्रमी छथि; हुनकर समझक कोनो सीमा नहि छनि।"

2: यिर्मयाह 32:17: "आह, सार्वभौम प्रभु, अहाँ अपन महान शक्ति आ पसरल बाँहि सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी। अहाँक लेल कोनो बात बेसी कठिन नहि अछि।"

दानियल 2:48 तखन राजा दानियल केँ एकटा पैघ आदमी बनौलनि, आ हुनका बहुत रास पैघ वरदान देलनि, आ हुनका पूरा बाबुलक प्रान्तक शासक आ बेबिलोनक सभ ज्ञानी लोकक राज्यपालक प्रमुख बनौलनि।

दानियल क॑ राजा द्वारा ओकरऽ बुद्धि केरऽ इनाम देलऽ जाय छै आरू ओकरा बेबिलोन केरऽ शासक बनैलऽ जाय छै ।

1. भगवान् ओहि लोक केँ पुरस्कृत करैत छथि जे हुनका तकैत छथि आ हुनकर बुद्धि पर भरोसा करैत छथि।

2. परमेश् वरक प्रति हमर सभक वफादारीक फल भेटत।

1. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

2. मत्ती 6:33 "मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।"

दानियल 2:49 तखन दानियल राजा सँ आग्रह कयलनि जे ओ शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बेबिलोन प्रांतक काज पर राखि देलनि, मुदा दानियल राजाक फाटक मे बैसल छलाह।

दानियल बेबिलोन के राजा के सेवा में अपनऽ विश्वास आरू बुद्धि के प्रदर्शन करलकै, आरू ओकरा प्रभाव के पद के पुरस्कार मिललै।

1. परमेश् वर ओहि सभ केँ पुरस्कृत करैत छथि जे निष्ठापूर्वक सेवा करैत छथि।

2. दोसरक सेवा मे बुद्धिमान आ साहसी रहू।

1. मत्ती 25:21 - हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, “नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ।” अहाँ कनि काल धरि वफादार रहलहुँ अछि; हम अहाँकेँ बहुत किछु पर सेट कऽ देब।

2. नीतिवचन 11:30 - धर्मी के फल जीवन के गाछ छै, आ जे आत्मा के पकड़ै छै, ओ बुद्धिमान छै।

दानियल अध्याय 3 में शद्राक, मेशक आरू अबेदनेगो के सुप्रसिद्ध कहानी आरू राजा नबूकदनेस्सर द्वारा स्थापित सोना के मूर्ति के सामने झुकै सें मना करला के बारे में कहलऽ गेलऽ छै। ई परमेश् वर के प्रति हुनकऽ वफादारी आरू आगि के भट्ठी स॑ चमत्कारी रूप स॑ मुक्ति प॑ केंद्रित छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत राजा नबूकदनेस्सर के सोना के मूर्ति के निर्माण के साथ होय छै आरू सब लोगऽ के एकरऽ पूजा करै के आज्ञा दै के साथ होय छै । जे लोग प्रणाम करै आरू मूर्ति के पूजा करै स॑ इनकार करै छै, ओकरा आगि के भट्ठी म॑ फेंकै के धमकी देलऽ जाय छै (दानियल ३:१-७)।

दोसर पैराग्राफ: किछु ज्योतिषी राजा केँ रिपोर्ट करैत छथि जे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो, तीन यहूदी अधिकारी, सोनाक मूर्तिक पूजा नहि क' रहल छथि। नबूकदनेस्सर तीनू आदमी के सामना करै छै आरू ओकरा सिनी कॅ प्रणाम करै के मौका दै छै, जेकरा सें ओकरा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि अगर वू बात नै मानतै त ओकरोॅ परिणाम की होतै (दानियल 3:8-15)।

तेसर पैराग्राफ: शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो निर्भीकतापूर्वक परमेश् वर पर अपन विश् वासक घोषणा करैत छथि आ सोनाक मूर्तिक आराधना करबा सँ मना करैत छथि। ओ सभ परमेश्वरक क्षमता पर अपन भरोसा व्यक्त करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ आगि सँ भरल भट्ठी सँ मुक्त क’ सकैत छथि, भले ओ हुनका सभ केँ बचाब’ नहि चुनथि (दानियल 3:16-18)।

4 म पैराग्राफ: नबूकदनेस्सर क्रोधित भ' जाइत छथि आ भट्ठी केँ सामान्य सँ सात गुना बेसी गरम करबाक आदेश दैत छथि। शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बान्हि कऽ आगि मे भट्ठी मे फेकि देल गेल अछि। लेकिन राजा आश्चर्यचकित होय गेलै कि चारो आदमी आगी के बीच में चलै वाला देखै छै, जेकरा में कोनो नुकसान नै आबै छै (दानियल 3:19-25)।

5 म पैराग्राफ: नबूकदनेस्सर तीनू आदमी केँ भट्ठी सँ बाहर बजाबैत छथि आ हुनकर चमत्कारी मुक्ति के गवाह बनैत छथि। ओ परमेश् वर पर हुनकर सभक विश् वास केँ स्वीकार करैत छथि आ फरमान दैत छथि जे जे कियो हुनकर परमेश् वरक विरुद्ध बाजत तकरा दंडित कयल जायत (दानियल 3:26-30)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 3 मे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक कथा अछि,
हुनका लोकनिक सोनाक मूर्तिक पूजा करबा सँ मना करब,
1744

आ अग्नि भट्ठी सँ चमत्कारिक उद्धार।

राजा नबूकदनेस्सर द्वारा सोनाक मूर्तिक निर्माण आ ओकर पूजा करबाक आज्ञा |
जे मूर्ति के पूजा करै स मना करै छै ओकरा लेल आगि के भट्ठी में फेकल जाय के धमकी।
शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक मना करबाक विषय मे राजा केँ सूचना दियौक।
नबूकदनेस्सर द्वारा तीनू आदमीक टकराव आ हुनका सभक पालन करबाक अवसर।
भगवान् पर अपन विश्वासक घोषणा आ सोनाक मूर्तिक पूजा करबा सँ मना करब।
भट्ठी गरम करबाक आदेश आ तीनू आदमीक चमत्कारी मुक्ति।
नबूकदनेस्सर द्वारा हुनका लोकनिक विश्वासक स्वीकार आ हुनकर परमेश् वरक विरुद्ध बजनिहार सभक लेल दंडक फरमान।

दानियल केरऽ ई अध्याय म॑ शद्राक, मेशक आरू अबेदनेगो के कहानी आरू राजा नबूकदनेस्सर द्वारा स्थापित सोना के मूर्ति के पूजा करै स॑ मना करै के कहानी बतैलऽ गेलऽ छै । राजा मूर्ति के निर्माण केने छलाह आ सब लोक के प्रणाम आ पूजा करबाक आज्ञा देने छलाह | जे मना करैत छल ओकरा आगि के भट्ठी मे फेकि देल जाइत छलैक। किछु ज्योतिषी राजा केँ ई सूचना देलनि जे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो, तीन यहूदी अधिकारी मूर्तिक पूजा नहि क' रहल छथि। नबूकदनेस्सर हुनका सभक सामना कयलनि आ हुनका सभक बात मानबाक एकटा आओर मौका देलनि। मुदा, तीनू आदमी निर्भीकतापूर्वक परमेश् वर पर अपन विश् वासक घोषणा कयलनि आ सोनाक मूर्तिक आराधना करबा सँ मना कयलनि, जाहि सँ परमेश् वर हुनका सभ केँ उद्धार करबाक क्षमता पर अपन भरोसा व्यक्त कयलनि। एहि बात सँ नबूकदनेस्सर क्रोधित भेलाह आ ओ भट्ठी केँ सामान्य सँ सात गुना बेसी गरम करबाक आदेश देलनि। शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बान्हि कऽ भट्ठी मे फेकि देल गेल। राजा आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे चारि गोटे आगि के बीच चलैत छथि, अक्षत आ निर्बाध। नबूकदनेस्सर हुनका सभ केँ भट्ठी सँ बाहर बजा कऽ हुनका सभक चमत्कारिक उद्धारक साक्षी बनलाह। ओ हुनका लोकनिक भगवान् पर विश्वास केँ स्वीकार कयलनि आ एकटा फरमान जारी कयलनि जे जे कियो हुनकर भगवानक विरुद्ध बाजत हुनका सजा देल जायत | ई अध्याय शद्राक, मेशक आरू अबेदनेगो के अटूट विश्वास आरू परमेश् वर के अपनऽ विश्वासी सेवक सिनी कॅ उद्धार करै के शक्ति पर प्रकाश डालै छै।

दानियल 3:1 राजा नबूकदनेस्सर सोनाक मूर्ति बनौलनि, जकर ऊँचाई साठि हाथ आ चौड़ाई छह हाथ छल, ओकरा बेबिलोन प्रांतक दुरा मैदान मे ठाढ़ कयलनि।

बाबुलक राजा नबूकदनेस्सर सोनाक मूर्ति बनौलनि जे साठि हाथ ऊँच आ छओ हाथ चौड़ा छल आ ओकरा दुराक मैदान मे ठाढ़ कयलनि।

1. राष्ट्रक काज मे भगवानक सार्वभौमिकता

2. मूर्तिपूजाक खतरा

1. रोमियो 13:1-7

2. दानियल 3:13-18

दानियल 3:2 तखन राजा नबूकदनेस्सर सभ राजकुमार, राज्यपाल आ सेनापति, न्यायाधीश, कोषाध्यक्ष, सलाहकार, शेरिफ आ प्रांतक सभ शासक सभ केँ एक ठाम जमा करबाक लेल पठौलनि जे मूर्तिक समर्पण मे आबि जाय जे राजा नबूकदनेस्सर ठाढ़ कएने छलाह।

राजा नबूकदनेस्सर प्रदेशक सभ शासक केँ अपन ठाढ़ मूर्ति केँ समर्पण करबाक लेल आमंत्रित कयलनि।

1. भगवानक प्रति हमर निष्ठा केँ कोना नेता लोकनिक अपेक्षा चुनौती दैत अछि।

2. हमर निर्णय के प्रभावित करय लेल साथी के दबाव के शक्ति।

1. मत्ती 6:24 - कियो दू मालिकक सेवा नहि क’ सकैत अछि, कारण या त’ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, या फेर एक केँ समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ भगवान आ पाइक सेवा नहि क' सकैत छी।

2. 1 पत्रुस 2:13 - प्रभु के लेल हर मानव संस्था के अधीन रहू, चाहे ओ सम्राट के सर्वोच्च हो,

दानियल 3:3 तखन राजकुमार, राज्यपाल आ सेनापति, न्यायाधीश, कोषाध्यक्ष, सलाहकार, शेरिफ आ प्रांतक सभ शासक सभ ओहि मूर्ति केँ समर्पित करबाक लेल एकत्रित भ’ गेलाह जे राजा नबूकदनेस्सर ठाढ़ केने छलाह; ओ सभ ओहि मूर्तिक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह जे नबूकदनेस्सर ठाढ़ केने छलाह।

प्रांतक नेता सभ राजा नबूकदनेस्सर द्वारा स्थापित एकटा मूर्तिक समर्पणक लेल एकत्रित भेलाह |

1. अपन विश्वास मे दृढ़ रहू आ भगवान पर भरोसा करू, ओहो तखन जखन शक्तिशाली नेता सभक विरोधक सामना करय पड़य।

2. हमरा सभकेँ सभसँ ऊपर भगवानक आज्ञा मानबाक लेल तैयार रहबाक चाही, चाहे एकर परिणाम किछुओ हो।

1. दानियल 3:3

2. मत्ती 10:28 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

दानियल 3:4 तखन एकटा प्रचारक जोर-जोर सँ चिचिया उठल, “हे लोक, जाति आ भाषा सभ, अहाँ सभ केँ ई आज्ञा देल गेल अछि।

राजा लोक, जाति आ भाषा सभ केँ एक ठाम आबि जेबाक आज्ञा देलनि।

1. विभिन्न जनजाति के एकता भगवान के सम्मान कोना दैत अछि

2. विरोधक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. प्रेरित 2:1-4 - जखन पेन्टेकोस्टक दिन आबि गेल छल तखन सभ एक ठाम एक ठाम छल।

2. फिलिप्पियों 2:3-5 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू।

दानियल 3:5 जाहि समय अहाँ सभ कनक, बांसुरी, वीणा, बोरा, भजन, डुलसीमेर आ सभ तरहक संगीतक आवाज सुनब, तखन अहाँ सभ खसि पड़ब आ ओहि सोनाक मूर्तिक पूजा करब जे राजा नबूकदनेस्सर ठाढ़ केने छथि।

बाबुलक लोक सभ केँ राजा नबूकदनेस्सर द्वारा स्थापित सोनाक मूर्तिक पूजा करबाक आज्ञा देल गेल छल |

1. आज्ञाकारिता: आशीर्वादक एकटा कुंजी

2. पूजा मे संगीतक शक्ति

1. रोमियो 13:1-7

2. कुलुस्सी 3:17-24

दानियल 3:6 जे कियो खसि क’ आराधना नहि करत, ओकरा ओही समय एकटा जरैत आगि के भट्ठी मे फेकल जायत।

दानियल 3:6 के श्लोक चेतावनी दै छै कि जे प्रणाम नै करतै आरू पूजा नै करतै, ओकरा जरैतऽ आगि के भट्ठी में फेंकलऽ जैतै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: उत्पीड़न के बावजूद भगवान के पूजा करना।

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: परमेश् वरक अधिकार केँ अस्वीकार करब।

1. यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करू।"

2. रोमियो 6:16 - "की अहाँ केँ ई नहि बुझल अछि जे अहाँ जे किछु मानबाक लेल चुनैत छी ओकर गुलाम बनि जाइत छी?"

दानियल 3:7 ओहि समय मे जखन सभ लोक बांसुरी, बांसुरी, वीणा, बोरा, भजन आ सभ तरहक संगीतक आवाज सुनलक त’ सभ लोक, जाति आ भाषा सभ खसि पड़ल आ आराधना केलक सोनाक मूर्ति जे राजा नबूकदनेस्सर ठाढ़ केने छलाह।

सभ लोक, जाति आ भाषा सभ राजा नबूकदनेस्सर द्वारा बनाओल गेल सोनाक मूर्तिक प्रणाम आ पूजा कयल गेल जखन ओ सभ विभिन्न वाद्ययंत्रक आवाज सुनलक।

1. सांसारिकताक खतरा: नबूकदनेस्सरक उदाहरणसँ सीखब

2. संगीतक शक्ति: भगवानक आराधना दिस अपन ध्यान बदलब

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ।

2. भजन 95:1-2 - आउ, हम सभ प्रभुक लेल आनन्द सँ गाबी; हम सभ अपन उद्धारक चट्टान पर जोर-जोर सँ चिचियाबी। धन्यवादक संग हुनका सोझाँ आबि संगीत आ गीतक संग हुनकर प्रशंसा करी।

दानियल 3:8 तेँ ओहि समय मे किछु कसदी लोक सभ लग आबि यहूदी सभ पर आरोप लगौलनि।

कल्दी दानियल 3:8 के समय यहूदी पर आरोप लगौने छल।

1: भगवान अंततः हमरा सभक रक्षा करताह चाहे दुनिया किछुओ कहय।

2: विरोधक सामना करैत हमरा सभकेँ निष्ठावान रहबाक चाही।

1: रोमियो 8:35-38 हमरा सभ केँ मसीहक प्रेम सँ के अलग करत? की कष्ट, विपत्ति, सताब, अकाल, नंगटेपन, आकि खतरा वा तलवार? जेना लिखल अछि, “अहाँक कारणेँ हम सभ दिन भरि मारल जाइत छी।
हमरा सभकेँ वधक लेल बरदक रूपमे गिनल जाइत अछि। तइयो एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत, ने रियासत, ने अधिकार, आ ने वर्तमान वस्तु आ ने आगामी।

2: यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हँ, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

दानियल 3:9 ओ सभ राजा नबूकदनेस्सर सँ कहलथिन, “हे राजा, अनन्त काल धरि जीवित रहू।”

एहि अंश मे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो द्वारा राजा नबूकदनेस्सर केँ देल गेल प्रतिक्रियाक वर्णन कयल गेल अछि जखन ओ हुनका सभ केँ प्रणाम करबाक आ मूर्तिक पूजा करबाक आज्ञा देलनि। ओ सभ आज्ञा मानय सँ मना कऽ देलक, बरु परमेश् वरक प्रति अपन निष्ठाक घोषणा कयलक।

1. परमेश् वरक वफादारी कोनो पार्थिव अधिकार सँ बेसी अछि।

2. भगवान् के प्रति हमर निष्ठा अटूट हेबाक चाही, ओहो प्रतिकूलताक सामना करैत।

1. दानियल 3:17-18 - "जँ एहन होयत तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ' क' बचा सकैत छथि, आओर ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।

मुदा जँ नहि त' से हो।" हे राजा, तोरा पता छै कि हम्में तोरऽ देवता सिनी के सेवा नै करबै, नै तोरऽ जे सोना के मूर्ति के आराधना करबै।”

2. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे रहताह तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

दानियल 3:10 हे राजा, अहाँ एकटा फरमान जारी कएने छी जे जे केओ कोर्नेट, बांसुरी, वीणा, बोरा, स्तोत्र, आ डुलसीमेर आ सभ तरहक संगीतक आवाज सुनत, ओ खसि क’ सोनाक पूजा करत छवि:

राजा नबूकदनेस्सर एकटा फरमान जारी केलनि जे सभ केँ विभिन्न वाद्ययंत्र सुनला पर प्रणाम आ सोनाक मूर्तिक पूजा करबाक चाही।

1. संगीतक शक्ति: संगीत हमर सभक जीवन पर कोना प्रभाव डालि सकैत अछि

2. आज्ञाकारिता के सौन्दर्य: भगवान के प्रति हमर कर्तव्य के बुझब

२.

2. भजन 150:3-4 - तुरही बजबैत हुनकर स्तुति करू, वीणा आ वीणा सँ हुनकर स्तुति करू, टिम्बर आ नाच सँ हुनकर स्तुति करू, तार आ पाइप सँ हुनकर स्तुति करू।

दानियल 3:11 जे केओ खसि क’ आराधना नहि करैत अछि, जाहि सँ ओकरा जरैत आगि के भट्ठी मे फेकि देल जाय।

तीन इब्रानी के आज्ञा देल गेल छल जे ओ कोनो झूठ देवता के मूर्ति के पूजा करथि या जरैत आगि के भट्ठी में फेंकल जाय, मुदा ओ सब मना क देलखिन।

1. उत्पीड़नक सामना करैत दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

2. हमर जीवन मे विश्वासक ताकत

1. दानियल 3:17-18 - जँ एहन होयत तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ’ गेलाह, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा। मुदा जँ से नहि तँ हे राजा, अहाँ केँ ई जानि लिअ जे हम सभ अहाँक देवता सभक सेवा नहि करब आ ने अहाँ द्वारा ठाढ़ कयल गेल सोनाक मूर्तिक आराधना करब।

2. मत्ती 5:10-12 - धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक कारणेँ सताओल जाइत अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि। अहाँ सभ धन्य छी, जखन लोक अहाँ सभ केँ गारि देत, अहाँ सभ केँ सताओत आ हमरा लेल अहाँ सभक विरुद्ध सभ तरहक दुष् ट बात कहत। आनन्दित होउ आ बेसी आनन्दित रहू, किएक तँ स् वर्ग मे अहाँ सभक इनाम बहुत पैघ अछि, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ सँ पहिने जे प्रवक् ता सभ छलाह, हुनका सभ केँ एना सताबैत रहलाह।

दानियल 3:12 किछु यहूदी सभ छथि जिनका अहाँ बाबुल प्रांतक काज पर राखि देने छी, शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो। हे राजा, ई लोक सभ अहाँक कोनो आदर नहि केलक अछि, ओ सभ अहाँक देवता सभक सेवा नहि करैत अछि आ ने अहाँ द्वारा ठाढ़ कयल गेल सोनाक मूर्तिक आराधना करैत अछि।

तीनू यहूदी शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो राजा नबूकदनेस्सरक आज्ञा केँ अवहेलना कयलनि जे सोनाक मूर्तिक पूजा कयल जाय।

1. शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक अपन विश् वासक लेल ठाढ़ हेबाक साहस।

2. अत्याचारक सोझाँ सच्चा विनम्रता आ निष्ठा।

1. प्रेरित 5:29 - मुदा पत्रुस आ प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।”

1748

2. दानियल 3:17-18 - जँ ई बात अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ’ क’ बचा सकैत छथि, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।
मुदा जँ से नहि तँ हे राजा, अहाँ केँ ई जानि लिअ जे हम सभ अहाँक देवता सभक सेवा नहि करब आ ने अहाँ द्वारा ठाढ़ कयल गेल सोनाक मूर्तिक आराधना करब।

दानियल 3:13 तखन नबूकदनेस्सर अपन क्रोध आ क्रोध मे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ अनबाक आज्ञा देलनि। तखन ओ सभ एहि लोक सभ केँ राजाक समक्ष अनलनि।

नबूकदनेस्सर शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ क्रोध मे आबि क’ हुनका सोझाँ अनबाक आज्ञा दैत छथि।

1. विरोधक सोझाँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

2. परिणाम के बावजूद भगवान में विश्वास

1. मत्ती 5:10-12 - "धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक कारणेँ सताओल जाइत अछि, किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि। अहाँ सभ धन्य छी जखन दोसर लोक अहाँ सभ केँ गारि दैत अछि आ अहाँ सभ केँ सताबैत अछि आ हमर कारणेँ अहाँ सभक विरुद्ध सभ तरहक दुष् ट बात कहैत अछि।" . आनन्दित होउ आ आनन्दित होउ, किएक तँ स् वर्ग मे अहाँक इनाम बहुत बेसी अछि, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ सँ पहिने जे भविष्यवक्ता सभ छलाह, हुनका सभ केँ एना सताबैत रहलाह।”

2. इब्रानी 11:24-26 - "विश्वासक कारणेँ मूसा जखन पैघ भेलाह तखन ओ फिरौनक बेटीक बेटा कहबा सँ मना कऽ देलनि, पापक क्षणभंगुर सुखक आनन्द लेबऽ सँ बेसी परमेश् वरक लोक सभक संग दुर्व्यवहार करब पसिन कयलनि।" ओ मसीहक निन्दा केँ मिस्रक खजाना सँ बेसी धन बुझैत छलाह, कारण ओ इनाम दिस ताकि रहल छलाह |”

दानियल 3:14 नबूकदनेस्सर हुनका सभ केँ कहलथिन, “हे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो, की अहाँ सभ हमर देवता सभक सेवा नहि करैत छी आ ने सोनाक मूर्तिक पूजा नहि करैत छी जे हम ठाढ़ केने छी?

राजा शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो सँ पुछलथिन जे की ओ सभ हुनकर देवता सभक पूजा नहि कऽ रहल छथि आ हुनकर द्वारा स्थापित मूर्तिक समक्ष प्रणाम नहि कऽ रहल छथि।

1. दुनियाँक दबावक बादो अपन आस्था मे दृढ़ रहबाक महत्व।

2. प्रतिकूलताक सामना करैत विश्वासक शक्ति।

1. मत्ती 16:24-25 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, “जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ त्यागि कऽ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ लागय।

2. 1 पत्रुस 5:8-9 - सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत-फिरैत अछि, जकरा खा कऽ खा सकैत अछि।

दानियल 3:15 जँ अहाँ सभ एहि लेल तैयार रहब जे जाहि समय अहाँ सभ कोर्नेट, बांसुरी, वीणा, बोरा, स्तोत्र, आ डुलसिमर आ सभ तरहक संगीतक आवाज सुनब, तखन अहाँ सभ खसि पड़ब आ ओहि मूर्तिक पूजा करब जे हम बनौने छी। नीक, मुदा जँ अहाँ सभ आराधना नहि करब तँ ओही समय मे जरैत आगि केर भट्ठी मे फेकि देल जायब। ओ परमेश् वर के छथि जे अहाँ सभ केँ हमर हाथ सँ बचाओत?

नबूकदनेस्सर इस्राएली सिनी कॅ चुनौती दै छै कि हुनी जे मूर्ति बनाबै छै ओकरो पूजा करै या जरलोॅ आगि के भट्ठी में फेंकलोॅ जाय के सामना करै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: कठिन परिस्थिति में भगवान के आज्ञा मानना सीखना

2. भगवानक सार्वभौमत्व: संदेहक बीच हुनका पर भरोसा करब

1. मत्ती 4:10 - तखन यीशु हुनका कहलथिन, “शैतान, चलि जाउ! कारण धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “अहाँ सभ अपन परमेश् वरक आराधना करू आ हुनकर सेवा मात्र करू।”

1749

2. दानियल 3:17-18 - जँ ई बात अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा हम सभ करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ’ गेलाह, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा। मुदा जँ से नहि तँ हे राजा, अहाँ केँ ई जानि लिअ जे हम सभ अहाँक देवता सभक सेवा नहि करब आ ने अहाँ द्वारा ठाढ़ कयल गेल सोनाक मूर्तिक आराधना करब।

दानियल 3:16 शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो राजा केँ उत्तर देलथिन, “हे नबूकदनेस्सर, हम सभ एहि विषय मे अहाँ केँ उत्तर देबा मे सावधान नहि छी।”

तीनू इब्रानी शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो राजा नबूकदनेस्सरक मूर्ति केँ प्रणाम करबा सँ निर्भीकतापूर्वक मना क' देलनि।

1. विरोधक बादो अपन आस्था मे दृढ़ रहू

2. भगवान् हमरा सभक रक्षा आ खतरा सँ मुक्त क' सकैत छथि

1. दानियल 3:17-18 - "जँ एहन होयत तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ' क' बचा सकैत छथि, आओर ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा। मुदा जँ नहि त' से हो।" हे राजा, तोरा पता छै कि हम्में तोरऽ देवता सिनी के सेवा नै करबै, नै तोरऽ जे सोना के मूर्ति के आराधना करबै।”

2. इब्रानी 11:23-27 - "विश्वासक कारणेँ मूसा जन्म लेला पर तीन मास धरि अपन माता-पिता सँ नुका गेलाह, किएक तँ ओ सभ देखि लेलनि जे ओ नीक बच्चा छथि। आ ओ सभ राजाक आज्ञा सँ नहि डेराइत छलाह। विश् वासक कारणेँ मूसा, जखन ओ वर्षक भऽ गेलाह तखन फिरौनक बेटीक बेटा कहय सँ मना कऽ देलनि, एक समयक लेल पापक भोगक आनन्द लेबऽ सँ नीक परमेश् वरक लोक सभक संग दुःख भोगब पसिन कयलनि मिस्र, किएक तँ ओ इनामक प्रतिफलक आदर करैत छल।विश्वासक कारणेँ ओ राजाक क्रोध सँ नहि डेराइत मिस्र केँ छोड़ि देलक।

दानियल 3:17 जँ एहन होयत तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ’ सकैत छथि, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।

दानियल आरू ओकरऽ दोस्त सिनी मौत के सामना करतें भी परमेश् वर के सामर्थ्य पर अपनऽ अटूट विश्वास के प्रदर्शन करै छै।

1: भगवानक शक्ति कोनो पार्थिव शक्ति सँ पैघ अछि।

2: भगवान् पर हमर सभक विश्वास कहियो व्यर्थ नहि होयत।

1: रोमियो 8:31, "तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2: भजन 118:6, "प्रभु हमर पक्ष मे छथि; हम नहि डरब। मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?"

दानियल 3:18 मुदा जँ से नहि तँ हे राजा, अहाँ केँ ई जानि लिअ जे हम सभ अहाँक देवता सभक सेवा नहि करब आ ने अहाँक द्वारा ठाढ़ कयल गेल सोनाक मूर्तिक आराधना करब।

तीनू हिब्रू युवक एक सच्चा परमेश् वरक अतिरिक्त कोनो आन देवताक आराधना करबासँ मना कऽ देलक।

1: अपन आस्था के प्रति सच्चा रहबाक आ प्रतिकूलता के सामना करय में नहि डगमगाय के महत्व।

2: चुनौती के सामना साहस के साथ करब आ भगवान के ताकत पर भरोसा करब जे हमरा सब के गुजरैत देखब।

1: यहोशू 1:9 - "मजबूत आ साहसी रहू। डरब नहि; हतोत्साहित नहि होउ, कारण अहाँ जतय जायब, प्रभु अहाँक परमेश् वर अहाँक संग रहताह।"

2: यशायाह 40:31 - "मुदा जे प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

दानियल 3:19 तखन नबूकदनेस्सर क्रोध सँ भरल छलाह आ शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक विरुद्ध हुनकर चेहरा बदलि गेलनि, तेँ ओ बजलाह आ आज्ञा देलनि जे भट्ठी केँ गरम करबाक आदति सँ सात गुना बेसी गरम करबाक चाही.

नबूकदनेस्सर शद्राक, मेशक आरू अबेदनेगो के अपनऽ देवता के पूजा करै स॑ इनकार करै स॑ क्रोधित होय जाय छै आरू भट्ठी क॑ सामान्य स॑ सात गुना अधिक गरम करै के आदेश दै छै ।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत विश्वासक ताकत

2. जे विश्वास करैत छी ताहि लेल ठाढ़ रहब

1. प्रेरित 5:29 - मुदा पत्रुस आ प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।”

2. दानियल 3:17 - जँ एहन अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा हम सभ करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भ’ सकैत छथि, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।

दानियल 3:20 ओ अपन सेना मे सँ पराक्रमी सभ केँ आज्ञा देलथिन जे ओ शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बान्हि कऽ जरैत आगि मे फेकि दियौक।

राजा नबूकदनेस्सर अपन परम शक्तिशाली लोक सभ केँ शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बान्हि कऽ जरैत आगि मे फेकि देबाक आज्ञा देलनि।

1. विश्वासक ताकत: शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक प्रतिकूलताक सामना करबा मे अटल साहस

2. परमेश् वरक रक्षा: शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक चमत्कारी मुक्ति

1. इब्रानी 11:34 - किएक तँ ओ सभ हुनका देखलनि, मुदा हुनका कोनो नुकसान नहि भेलनि।

2. यूहन्ना 16:33 - एहि संसार मे, अहाँ केँ परेशानी होयत। मुदा हिम्मत करू! हम दुनियाँ पर विजय पाबि गेल छी।

दानियल 3:21 तखन ई लोकनि अपन कोट, अपन नली, टोपी आ आन वस्त्र मे बान्हि क’ जरैत आगि मे भट्ठी मे फेकि देल गेलाह।

तीनू इब्रानी केँ जरैत आगि मे भट्ठी मे फेकि देल गेल।

1: परीक्षा के समय में भगवान के निष्ठा।

2: भगवान् के योजना पर अटल भरोसा।

1: यशायाह 43:2, जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2: 1 पत्रुस 1:6-7, एहि बात मे अहाँ सभ आनन्दित छी, यद्यपि आब किछु समय लेल, जँ आवश्यक हो, अहाँ सभ विभिन्न परीक्षा सँ दुखी भेलहुँ, जाहि सँ अहाँक विश्वासक परीक्षा कयल गेल सच्चाई सोना सँ बेसी कीमती अछि जे भले ओ नष्ट भ’ जाइत अछि आगि सँ परीक्षा लेल गेल अछि जे यीशु मसीहक प्रकटीकरण पर स्तुति आ महिमा आ सम्मानक परिणाम भेटि सकैत अछि।

दानियल 3:22 एहि लेल राजाक आज्ञा जरूरी छल आ भट्ठी बहुत गरम छल, तेँ आगि केर लौ ओहि लोक सभ केँ मारि देलक जे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ लऽ गेल छल।

1751

शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ एतेक गरम भट्ठी मे फेकि देल गेल जे आगि मे ओहि लोक सभ केँ मारि देलक जे ओकरा सभ केँ राखि देलक।

1. एकटा विश्वासी गवाही: शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक कथा

2. प्रतिकूलताक सामना मे साहस: आगि मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. मत्ती 10:28 - "आओर ओहि सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारि सकैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि, ओहि सँ डेराउ जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।"

2. इब्रानी 11:34 - "स्त्री सभ अपन मृत् यु केँ फेर सँ जीवित क' लेलक।

दानियल 3:23 ई तीनू आदमी शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो, जड़ैत आगि के भट्ठी के बीच मे बान्हल खसि पड़ल।

तीन आदमी शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो के जरैत आगि के भट्ठी में फेंकल गेलै, लेकिन परमेश् वर के सुरक्षा के कारण ओकरा कोनो नुकसान नै भेलै।

1. भगवान् नियंत्रण मे छथि आ परीक्षा के समय मे हमरा सभक रक्षा करताह।

2. भगवान पर भरोसा राखू, तखनो जखन हमर परिस्थिति असंभव बुझाइत हो।

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

2. इब्रानियों 11:34 - आगि के शक्ति बुझायल, तलवार के धार स बचल, कमजोरी स मजबूत भेल, लड़ाई में वीर भ गेल, परदेशी के सेना के भगाबय लेल मुड़ल।

दानियल 3:24 तखन राजा नबूकदनेस्सर आश्चर्यचकित भ’ गेलाह आ जल्दी-जल्दी उठि क’ अपन सलाहकार सभ सँ कहलथिन, “की हम सभ तीन आदमी केँ बान्हल आगि मे नहि फेकि देलियैक? ओ सभ उत्तर देलथिन आ राजा केँ कहलथिन, “सत्ते हे राजा।”

नबूकदनेस्सर तखन आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जखन हुनका बुझना गेलनि जे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ आगि मे फेकि देल गेल अछि, तइयो ओ सभ कोनो नुकसान नहि पहुँचल।

1. भगवान् पर विश्वास मनुष्यक भय पर विजय प्राप्त करैत अछि

2. अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक शक्ति

1. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. मत्ती 10:28 - आ ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डरू जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।

दानियल 3:25 ओ उत्तर देलथिन, “देखू, हम चारि गोटे केँ ढीला देखि रहल छी, जे आगि मे चलैत अछि, मुदा ओकरा सभ केँ कोनो चोट नहि। चारिमक रूप परमेश् वरक पुत्र जकाँ अछि।

आगि मे चारिम आदमी परमेश् वरक पुत्र जकाँ छल, आ ओकरा कोनो क्षति नहि भेलैक।

1: कठिनाई के समय में भगवान हमरा सब के नुकसान स बचा सकैत छथि।

2: हमरा सभकेँ विश्वास भ' सकैत अछि जे भगवान् हरदम हमरा सभक संग रहताह।

1: यशायाह 43:2-3 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

2: भजन 46:1 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।

दानियल 3:26 तखन नबूकदनेस्सर जरैत आगि सँ भरल भट्ठीक मुँह लग आबि बजलाह, “हे परमेश् वर परमेश् वरक सेवक सभ, शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो, बाहर आबि कऽ एतय आबि जाउ।” तखन शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो आगि मे सँ निकलि गेलाह।

नबूकदनेस्सर शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ जरैत आगि सँ भरल भट्ठी सँ बाहर निकलबाक आज्ञा देलथिन, आ ओ सभ कोनो नुकसान नहि पहुँचल।

1. शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो जकाँ विश्वासक जीवन कोना जीबी

2. परीक्षा आ क्लेश पर विजय प्राप्त करबाक लेल विश्वासक शक्ति

1. इब्रानी 11:23-27 - विश्वासक कारणेँ मूसा केँ जन्म भेला पर हुनकर माता-पिता द्वारा तीन मास धरि नुकाओल गेलनि, किएक तँ ओ सभ देखलनि जे ओ एकटा सुन्दर बच्चा छथि। राजाक आज्ञा सँ ओ सभ डरैत नहि छलाह |

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

दानियल 3:27 तखन राजकुमार, राज्यपाल, सेनापति आ राजाक सलाहकार सभ एक ठाम जमा भ’ क’ एहि लोक सभ केँ देखलक, जिनकर शरीर पर आगि मे कोनो शक्ति नहि छल, आ ने हुनका लोकनिक माथक एक केश गाओल गेल छलनि, आ ने हुनका लोकनिक कोट बदलल छलनि। आ ने आगि के गंध हुनका सब पर स गुजरल छल।

तीन आदमी राजा नबूकदनेस्सर द्वारा धधकैत भट्ठी मे फेकि देल गेल, मुदा ओ सभ अक्षत बचि गेल, एको केश सेहो नहि गाओल गेल।

1. भगवानक रक्षा सदिखन हमरा सभक संग रहैत अछि।

2. भगवान् पर विश्वास सब विपत्ति पर विजय प्राप्त करैत अछि।

1. इफिसियों 6:10-20 - शैतानक योजनाक विरुद्ध ठाढ़ रहबाक लेल परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

दानियल 3:28 तखन नबूकदनेस्सर बजलाह, “शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक परमेश् वर धन् य होउ, जे अपन स् वर्गदूत पठौलनि आ हुनकर सेवक सभ केँ उद्धार कऽ देलनि जे हुनका पर भरोसा केने छल आ राजाक वचन बदलि कऽ अपन लाश छोड़ि देलनि। जाहि सँ ओ सभ अपन परमेश् वर छोड़ि कोनो देवताक सेवा नहि करथि आ ने कोनो देवताक आराधना करथि।

नबूकदनेस्सर शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो के परमेश् वर के प्रशंसा करै छै कि हुनी ओकरा सिनी कॅ मृत्यु सें बचाबै लेली एगो स्वर्गदूत भेजलकै आरू ओकरा पर विश्वास करै के कारण, राजा के आदेश के आज्ञा नै मानला के बावजूद भी।

1. "विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक उदाहरण"।

2. "भगवानक रक्षाक शक्ति: जखन बाकी सभ असफल भ' जाइत अछि तखन भगवान् पर भरोसा करब"।

1. इब्रानी 11:24-26 - विश्वासक कारणेँ मूसा जखन वर्षक भ’ गेलाह तखन हुनका फिरौनक बेटीक बेटा कहबा सँ मना कयलनि। एक समयक लेल पापक भोगक आनन्द लेबऽ सँ नीक जे परमेश् वरक लोक सभक संग कष्ट भोगब पसिन करैत छी। मसीहक निन्दा केँ मिस्र देशक खजाना सँ बेसी धन मानैत छलाह, कारण ओ फलक प्रतिफलक आदर करैत छलाह।

1753

2. याकूब 1:12 - धन्य अछि जे परीक्षा सहैत अछि, कारण जखन ओकरा परीक्षा मे आओत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे प्रभु ओकरा सँ प्रेम करयवला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।

दानियल 3:29 तेँ हम एकटा फरमान जारी करैत छी जे, जे सभ लोक, जाति आ भाषा सभ शद्राक, मेशक आ अबेदनेगोक परमेश् वरक विरोध मे कोनो तरहक गड़बड़ी बजैत अछि, ओकरा सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल जायत आ ओकर घर सभ गोबर बना देल जायत। कारण, एहन कोनो आन परमेश् वर नहि छथि जे एहि तरहक उद्धार क' सकैत छथि।

शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ परमेश् वर द्वारा आगि सँ भरल भट्ठी सँ मुक्त कयल गेलनि, आ एकर उत्तर मे राजा फरमान देलनि जे जे कियो अपन परमेश् वरक बारे मे अधलाह बात करत, ओकरा कठोर सजा भेटतैक।

1. भगवान् परम रक्षक आ मुक्तिदाता छथि।

2. जखन हम सभ भगवान पर भरोसा करब तखन ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

2. इब्रानी 13:5 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण परमेश् वर कहने छथि जे हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि छोड़ब। हम अहाँकेँ कहियो नहि छोड़ब।

दानियल 3:30 तखन राजा बाबुल प्रदेश मे शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ पदोन्नति देलनि।

तीनू इब्रानी पुरुष शद्राक, मेशक आ अबेदनेगो केँ बेबिलोनक राजा द्वारा उच्च पद पर पदोन्नति देल गेलनि।

1. परमेश् वरक वफादारी हुनकर लोकक रक्षा मे देखल जाइत अछि।

2. भगवान् केर आज्ञा देला सँ फल भेटैत अछि, ओहो कठिन परिस्थिति मे।

1. दानियल 3:16-18

2. भजन 27:1-3

दानियल अध्याय 4 राजा नबूकदनेस्सर के विनम्र अनुभव आरू बाद के बहाली के बारे में बतैलकै। अध्याय में परमेश्वर के सार्वभौमिकता आरू हुनकऽ अधिकार के स्वीकार करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत राजा नबूकदनेस्सर के अपन सपना के व्यक्तिगत गवाही साझा करै आरू व्याख्या के मांग करै स॑ होय छै । ओ एकटा पैघ गाछक सपना कहैत छथि जे अंततः काटि देल जाइत अछि, जाहि मे मात्र एकटा ठूंठ रहि जाइत अछि । हुनकऽ कोय भी बुद्धिमान सपना के व्याख्या नै करी सकै छै, ई लेली दानियल क॑ बोलैलऽ जाय छै (दानियल ४:१-९)।

दोसर पैराग्राफ: दानियल, जेकरा बेल्तशस्सर के नाम सँ भी जानल जाय छै, राजा के लेलऽ सपना के व्याख्या करै छै । ओ बतबैत छथि जे ई गाछ स्वयं नबूकदनेस्सरक प्रतिनिधित्व करैत अछि आ हुनका किछु समयक लेल काटि कऽ नम्र कयल जायत जाबत धरि ओ परमेश्वरक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार नहि करत (दानियल 4:10-27)।

3 पैराग्राफ: दानियल राजा के सलाह दैत छथिन जे पश्चाताप करू आ अपन घमंडी रास्ता स मुड़ि जाय ताकि आसन्न न्याय स बचल जा सकय। लेकिन, नबूकदनेस्सर चेतावनी के बात नै मानै छै आरू सपना के पूरा होय के अनुभव करै छै (दानियल 4:28-33)।

4 म पैराग्राफ: जेना कि भविष्यवाणी कयल गेल छल, नबूकदनेस्सर केँ अपन राज्य सँ भगा देल जाइत छैक आ ओ एकटा निर्धारित समय धरि जंगली जानवर जकाँ रहैत अछि। अंततः, ओ परमेश्वरक

अधिकार आ संप्रभुता केँ स्वीकार करैत छथि, आ हुनकर विवेक बहाल भ’ जाइत छनि (दानियल 4:34-37)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 4 मे कहल गेल अछि
राजा नबूकदनेस्सर के विनम्र अनुभव
आ तकर बादक बहाली, २.
परमेश् वर के सार्वभौमिकता आरू हुनकऽ अधिकार क॑ स्वीकार करै के महत्व प॑ जोर दै छै ।

राजा नबूकदनेस्सर के एकटा पैघ गाछ के सपना आ ओकर व्याख्या के खोज।
दानियल के सपना के व्याख्या, नबूकदनेस्सर के आसन्न विनम्रता के व्याख्या।
राजा के लेल दानियल के सलाह जे ओ पश्चाताप करथि आ अपन घमंडी रास्ता स मुड़ि जाथि।
नबूकदनेस्सर के चेतावनी पर ध्यान नै देना आरू सपना के पूरा होना।
नबूकदनेस्सर के जंगली जानवर के तरह जीबै के काल आरू अंततः परमेश् वर के अधिकार के स्वीकार करना।
नबूकदनेस्सर के विवेक के पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के महानता के घोषणा।

दानियल केरऽ ई अध्याय राजा नबूकदनेस्सर केरऽ विनम्र अनुभव आरू बाद केरऽ बहाली के बारे में बतैलकै । अध्याय के शुरुआत राजा के सपना साझा करै आरू व्याख्या के खोज स॑ होय छै । ओकर कोनो बुद्धिमान सपना के व्याख्या नै क सकै छै, तेँ दानियल के बजाओल गेलै। दानियल सपना के व्याख्या करै छै, ई बताबै छै कि ई गाछ खुद नबूकदनेस्सर के प्रतिनिधित्व करै छै आरू जबे तलक वू परमेश् वर के सार्वभौमिकता के स्वीकार नै करतै, ओकरा काटी क नम्र करी देलऽ जैतै। दानियल राजा के सलाह दै छै कि पश्चाताप करी क॑ अपनऽ घमंडी रास्ता स॑ मुड़ी जाय, लेकिन नबूकदनेस्सर ई चेतावनी के बात नै मान॑ छै । फलस्वरूप ओ अपन राज्यसँ भगा देल जाइत अछि आ एकटा निर्धारित समय धरि जंगली जानवर जकाँ रहैत अछि । अंततः नबूकदनेस्सर परमेश् वरक अधिकार केँ स्वीकार करैत छथि, आ हुनकर विवेक बहाल भ' जाइत छनि। अध्याय में परमेश्वर के सार्वभौमिकता के स्वीकार करै के महत्व आरू घमंड के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर के शक्ति पर प्रकाश डालै छै कि हुनी घमंडी सिनी कॅ विनम्र करै छै आरू जे हुनको अधिकार कॅ पहचानै छै, ओकरा पुनर्स्थापित करै छै।

दानियल 4:1 राजा नबूकदनेस्सर, समस्त पृथ् वी मे रहय बला सभ लोक, जाति आ भाषा मे। अहाँ सभक लेल शान्ति बढ़य।

नबूकदनेस्सर पूरा दुनिया के सब लोगऽ के साथ शांति आरू सद्भावना व्यक्त करै छै ।

1: हमरा सब के सब के शांति आ सद्भावना के बढ़ावा देबय के प्रयास करबाक चाही चाहे ओ के हो आ कतय स आबय।

2: मसीही के रूप में हमरा सब के मसीह के शांति आ प्रेम सब लोक तक पहुंचाबय के चाही।

1: मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत।"

2: कुलुस्सी 3:14-15 - "आओर एहि सभ गुण पर प्रेम पहिरू, जे सभ केँ एक संग पूर्ण एकता मे बान्हि दैत अछि। मसीहक शान्ति अहाँ सभक हृदय मे राज करू, किएक तँ अहाँ सभ एक शरीरक अंग बनि शान्तिक लेल बजाओल गेल छी।" आ धन्यवादक पात्र रहू।"

दानियल 4:2 हमरा नीक लागल जे हम ओहि चिन् त्र आ चमत्कार सभ केँ देखब जे उच्च परमेश् वर हमरा लेल कयलनि अछि।

ई अंश परमेश् वर दानियल के लेलऽ करलऽ गेलऽ संकेत आरू चमत्कार के बारे में बात करै छै आरू ओकरा कोना ओकरा देखाना जरूरी लगलै।

1: भगवान हमरा सबहक जीवन मे सदिखन काज करैत छथि, ओहो तखन जखन हम सब कम स कम उम्मीद करैत छी।

2: हमरा सभक जीवन मे भगवानक चमत्कारिक काज मनाबय आ दोसर केँ कहबाक लायक अछि।

1: इफिसियों 3:20 - आब ओ हुनका लेल जे हमरा सभक भीतर काज करय बला शक्तिक अनुसार जे किछु माँगैत छी वा सोचैत छी ताहि सँ कहीं बेसी क’ सकैत अछि

2: भजन 107:20 - ओ अपन वचन पठौलनि आ ओकरा सभ केँ ठीक कयलनि, आ ओकरा सभ केँ विनाश सँ मुक्त कयलनि।

दानियल 4:3 हुनकर चिन्ह कतेक पैघ अछि! आ ओकर चमत्कार कतेक पराक्रमी अछि! ओकर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ ओकर शासन पीढ़ी-दर-पीढ़ी अछि।

परमेश्वर केरऽ शक्ति आरू अधिकार अनन्त छै आरू हुनकऽ राज्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलै छै ।

1. परमेश् वरक महिमा आ हुनक अनन्त राज्य

2. भगवान् के अपरिवर्तनीयता एवं अपरिवर्तनीय स्वभाव

1. भजन 93:1-2 - प्रभु राज करैत छथि, ओ महिमा मे वस्त्र पहिरने छथि; प्रभु महिमा वस्त्र पहिरने छथि आ बल सँ सशस्त्र छथि | संसार दृढ़तापूर्वक स्थापित अछि; एकरा हिलाओल नहि जा सकैत अछि।

2. इब्रानी 13:8 - यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

दानियल 4:4 हम नबूकदनेस्सर हमर घर मे आराम करैत छलहुँ आ हमर महल मे फलैत-फूलैत छलहुँ।

नबूकदनेस्सर आराम आ समृद्धिक स्थान पर छलाह।

1. घमंड के खतरा: नबूकदनेस्सर के उदाहरण स सीखब

2. संतोषक आशीर्वाद

1. लूका 12:15 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष्यक जीवन ओकर प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"

2. नीतिवचन 28:25 - "जे घमंडी हृदयक अछि, से झगड़ा भड़काबैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, से मोट भ' जायत।"

दानियल 4:5 हम एकटा सपना देखलहुँ जे हमरा डरा देलक, आ हमर पलंग पर विचार आ माथक दर्शन हमरा परेशान क’ देलक।

सपना परेशान करय वाला भ सकैत अछि, मुदा ओ भगवान के लेल अपन इच्छा के प्रकट करय के तरीका सेहो भ सकैत अछि.

1. सपना के माध्यम स भगवान के संदेश के व्याख्या करब सीखब।

2. भगवानक शक्ति जे हमरा सभक परेशान विचार मे समझ अनैत छथि।

1. उत्पत्ति 40:5-8; यूसुफ फिरौन के सपना के व्याख्या करते हुए।

2. यिर्मयाह 23:28; परमेश् वरक वचन हमरा सभक पएरक लेल दीप अछि आ हमरा सभक बाट लेल इजोत अछि।

दानियल 4:6 तेँ हम आदेश देलियैक जे बाबुलक सभ ज्ञानी केँ हमरा सोझाँ आनब, जाहि सँ ओ सभ हमरा सपनाक अर्थ बुझा सकथि।

बेबिलोनक राजा ज्ञानी लोकनि सँ अपन सपनाक व्याख्या करबाक लेल कहलनि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक बुद्धि पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ निर्णय मे मार्गदर्शन करत।

2: जखन हमरा सभकेँ कठिन निर्णय लेबऽ पड़ैत अछि तखन हमरा सभकेँ बुद्धिमान सलाह लेबाक चाही।

1: नीतिवचन 11:14 "जतय मार्गदर्शन नहि अछि, ओतय लोक खसि पड़ैत अछि, मुदा परामर्शदाताक भरमार मे सुरक्षित अछि।"

2: याकूब 1:5 "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारता सँ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

दानियल 4:7 तखन जादूगर, ज्योतिषी, कसदी आ भविष्यवक्ता सभ आबि गेलाह। मुदा ओ सभ हमरा एकर अर्थ नहि बुझौलनि।

राजा नबूकदनेस्सर केँ एकटा सपना देखलनि आ ओ अपन जादूगर, ज्योतिषी, कल्दी आ भविष्यवक्ता सभ सँ एकर व्याख्या करबाक लेल कहलनि, मुदा ओ सभ असमर्थ रहलाह।

1. परमेश् वरक ज्ञान मनुष्य सँ बेसी अछि: दानियल 4:7

2. मनुष्य के मार्गदर्शन स बेसी परमेश्वर के मार्गदर्शन पर भरोसा करू: भजन 118:8

1. भजन 118:8 मनुष्य पर भरोसा करबा सँ नीक प्रभुक शरण लेब।

2. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

दानियल 4:8 मुदा अंत मे दानियल हमरा सोझाँ आबि गेलाह, जकर नाम हमर परमेश् वरक नामक अनुसार बेल्तशस्सर छल आ जिनका मे पवित्र देवता सभक आत् मा अछि।

सपना के व्याख्या बेल्तशस्सर नाम के एक आदमी करै छै जेकरा में पवित्र देवता के आत्मा छै।

1. अज्ञातक व्याख्या करबाक लेल पवित्र देवताक आत्माक महत्व।

2. सत्य केँ प्रकट करबाक लेल विश्वासक शक्ति।

1. यशायाह 11:2-3 - "आ प्रभुक आत्मा हुनका पर टिकल रहताह, बुद्धि आ समझक आत्मा, परामर्श आ पराक्रमक आत्मा, ज्ञान आ प्रभुक भय।"

2. 1 कोरिन्थी 2:13-14 - "हम सभ सेहो ई सभ बात ओहि शब्द सभ मे नहि बजैत छी जे मनुष्यक बुद्धि सिखाबैत अछि, बल् कि पवित्र आत् मा सिखाबैत अछि, आत् मिक बात सभक तुलना आत् मा सँ करैत छी। मुदा स्वाभाविक मनुष्य केँ आत् माक बात नहि भेटैत अछि।" परमेश् वर, किएक तँ ओ सभ ओकरा लेल मूर्खता अछि, आ ने ओ ओकरा सभ केँ जानि सकैत अछि, किएक तँ ओ सभ आत् मक रूपेँ बूझल अछि।”

दानियल 4:9 हे जादूगर सभक मालिक बेल्तशस्सर, किएक तँ हम जनैत छी जे पवित्र देवता सभक आत् मा तोरा मे अछि आ कोनो गुप्त अहाँ केँ परेशान नहि करैत अछि, तेँ हमरा हमर सपना मे जे दर्शन देखलहुँ आ ओकर व्याख्या हमरा कहू।

राजा नबूकदनेस्सर दानियल सँ कहैत छथि जे ओ एकटा सपना के व्याख्या करथि, ई जानि जे दानियल मे पवित्र देवता सभक आत्मा अछि।

1: भगवान् हमरा सभकेँ अपन परेशानी सभसँ उबरबाक बुद्धि आ शक्ति दैत छथि।

2: विपत्तिक समय मे भगवान् केर मदद आ मार्गदर्शन ताकू।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

दानियल 4:10 हमर ओछाओन पर हमर माथक दर्शन एहि तरहेँ भेल। हम देखलहुँ, पृथ् वीक बीच मे एकटा गाछ देखलहुँ, जकर ऊँचाई बहुत छल।

पृथ्वीक बीच मे एकटा पैघ गाछक दर्शन सपना मे देखल गेल ।

1. "भगवानक महानताक संदेश"।

2. "एकटा पैघ गाछक दर्शन: भगवानक शक्तिक दृष्टान्त"।

1. यशायाह 40:15-17 (देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि, आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि। देखू, ओ द्वीप सभ केँ बहुत छोट वस्तु जकाँ उठा लैत अछि। हुनका सँ पहिने सभक सभ जाति अछि ओ सभ ओकरा किछुओ नहि आ आडंबर सँ कम मानल जाइत अछि।

2. यिर्मयाह 10:12 (ओ अपन शक्ति सँ पृथ्वी केँ बनौलनि, अपन बुद्धि सँ संसार केँ स्थिर कयलनि, आ अपन विवेक सँ आकाश केँ पसारि देलनि।)

दानियल 4:11 ओ गाछ बढ़ि गेल आ मजबूत भेल, ओकर ऊँचाई स् वर्ग धरि पहुँचि गेल आ ओकर दृष्टि समस्त पृथ्वीक अंत धरि पहुँचि गेल।

ई मार्ग एकटा गाछक विषय मे अछि जे एतेक ऊँच छल जे पृथ्वीक छोर सँ देखल जा सकैत छल |

1: भगवानक शक्ति प्रकृतिक चमत्कार मे देखल जाइत अछि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक शक्ति पर भरोसा करबाक चाही आ अपन जीवनक योजना बनाबय के चाही।

1: भजन 65:11 - अहाँ अपन भलाई सँ वर्षक मुकुट पहिरबैत छी। आ तोहर बाट मे मोटाई खसा दैत अछि।

2: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

दानियल 4:12 एकर पात सुन्दर छल, आ ओकर फल बहुत छल, आ ओहि मे सभक लेल भोजन छल, ओकर नीचाँ खेतक जानवर सभक छाया छलैक, आ आकाशक चिड़ै सभ ओकर डारि मे रहैत छलैक आ सभ मांस छलैक एकरा खुआओल गेल।

दानियल 4:12 मे जे गाछ अछि ओ सुन्दर आ फल सँ भरल छल जे सभ जीव-जन्तुक भरण-पोषण प्रदान करैत छल।

1. जंगल मे भगवानक प्रावधान

2. प्रचुर जीवन - भगवानक बगीचा मे पोसल

1. भजन 104:14 - ओ मवेशीक लेल घास उगाबैत छथि आ मनुक्खक सेवाक लेल जड़ी-बूटी उगाबैत छथि, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन निकालि सकथि।

2. मत्ती 6:25-33 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब आ की पीब, एहि विषय मे अपन प्राणक लेल कोनो चिन्तन नहि करू। आ ने एखन धरि अपन शरीरक लेल जे पहिरब। की जीवन मांस सँ बेसी आ शरीर वस्त्र सँ बेसी नहि?

1758

दानियल 4:13 हम अपन माथक दर्शन मे अपन पलंग पर देखलहुँ, आ देखलहुँ जे एकटा पहरेदार आ पवित्र लोक स् वर्ग सँ उतरि गेलाह।

दानियल केँ एकटा दर्शन भेटलनि जाहि मे ओ एकटा पहरेदार आ एकटा पवित्र लोक केँ देखलनि जे स्वर्ग सँ उतरैत छलाह।

1. "स्वर्गक शक्ति: दानियलक दर्शन सँ सीखब"।

2. "भगवानक सान्निध्यक अनुभव: स्वर्ग सँ संदेश प्राप्त करब"।

1. भजन 121:1-2 "हम अपन नजरि पहाड़ी दिस बढ़बैत छी। हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी केँ बनौलनि।"

2. प्रकाशितवाक्य 21:1-2, "तखन हम एकटा नव स् वर्ग आ नव धरती देखलहुँ, किएक तँ पहिल स् वर्ग आ पहिल पृथ् वी बीति गेल छल, आ समुद्र आब नहि छल। हम पवित्र नगर नव यरूशलेम देखलहुँ। परमेश् वर सँ स् वर्ग सँ उतरि रहल छथि, पतिक लेल सुशोभित कनियाँ जकाँ तैयार भ' रहल छथि।"

दानियल 4:14 ओ जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, “गाछ काटि क’ ओकर डारि काटि दियौक, ओकर पात काटि दियौक आ ओकर फल छिड़कि दियौक।

नबूकदनेस्सर अपन लगाओल गाछ केँ नष्ट करबाक आदेश दैत छथि आ आज्ञा दैत छथि जे ओहि मे रहय बला जानवर आ चिड़ै सभ केँ तितर-बितर भ' जाय।

1. पार्थिव खजाना के क्षणिकता - नीतिवचन 23:4-5

2. महानताक विनम्रता - लूका 14:7-11

1. यशायाह 40:6-8 - सभ मांस घास अछि, आ ओकर सभटा सौन्दर्य खेतक फूल जकाँ अछि।

2. भजन 103:13-18 - जेना पिता अपन संतान पर दया करैत छथि, तहिना प्रभु हुनका सँ डरय बला पर दया करैत छथि।

दानियल 4:15 तैयो ओकर जड़िक ठूंठ केँ जमीन मे छोड़ि दियौक, लोहा आ पीतल केर पट्टी सँ खेतक कोमल घास मे। आकाशक ओस सँ भीजल रहय आ ओकर भाग पृथ् वी परक घास मे राखल जानवर सभक संग हो।

प्रभु आज्ञा देलथिन जे गाछक ठूंठ लोहा आ पीतल सँ बान्हल धरती मे रहय आ आकाशक ओस आ खेतक जानवर सँ घेरल रहय।

1. भगवान् के इच्छा के अदम्य ताकत

2. दिव्य प्रोविडेंस के सौन्दर्य

1. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठाबैत अछि, आ गर्मी मे डरैत नहि अछि।" अबैत अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे चिंतित नहि होइत अछि, कारण ओकर फल देबय सँ नहि रुकैत अछि |”

2. यशायाह 11:1-2 - "यशैयाक ठूंठ सँ एकटा डारि निकलत, आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि फल देत। आ प्रभुक आत् मा हुनका पर टिकल रहत, बुद्धि आ बुद्धिक आत् मा। सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञानक आत् मा आ प्रभुक भय।”

दानियल 4:16 ओकर मोन मनुक्खक हृदय सँ बदलि जाय आ ओकरा एकटा जानवरक हृदय देल जाय। आ हुनका पर सात समय बीति जाय।

शक्तिशाली के भी परिवर्तित आरू विनम्र करै के भगवान के शक्ति।

१: "नबूकदनेस्सर सँ सीखब: विनम्रताक शक्ति"।

२: "भगवानक योजनाक अधीनता: विनम्रताक माध्यमे परिवर्तन"।

1: याकूब 4:6 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।"

2: फिलिप्पियों 2:3-11 "स्वार्थक महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू। विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।"

दानियल 4:17 ई बात देखनिहार सभक फरमान आ पवित्र लोक सभक वचन द्वारा कयल गेल अछि, जाहि सँ जीवित लोक सभ ई जानि सकथि जे परमात्मा मनुष् यक राज् य मे राज करैत छथि आ जकरा ओ ओकरा दऽ दैत छथि चाहैत अछि, आ ओकरा ऊपर मनुष् यक सभसँ नीच लोक केँ ठाढ़ कऽ दैत अछि।

परमेश् वर के संप्रभुता के प्रदर्शन मनुष्य के राज्य में होय छै, जेकरा में वू जेकरा चुनै छै, ओकरा भी शक्ति प्रदान करै छै, चाहे वू सबसें कम हकदार होय।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता के समझना

2. मनुष्यक राज्य मे सर्वोच्च शासन

1. यशायाह 40:21-23 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? की शुरूए सँ नहि कहल गेल अछि? की अहाँ सभ पृथ्वीक नींव सँ नहि बुझलहुँ?

2. रोमियो 9:14-16 - तखन हम की कहब? की परमेश् वरक संग अधर्म अछि? निश्चित रूप स नहि! कारण, ओ मूसा केँ कहैत छथि, “हम जकरा पर दया करब, ओकरा पर दया करब, आ जकरा पर हम दया करब, ओकरा पर दया करब।”

दानियल 4:18 ई सपना हम राजा नबूकदनेस्सर देखलहुँ। हे बेल्तशस्सर, अहाँ एकर अर्थ सुनाउ, किएक तँ हमर राज्यक सभ ज्ञानी हमरा एकर व्याख्या नहि कहि सकैत छथि। किएक तँ पवित्र देवता सभक आत् मा अहाँ मे अछि।

दानियल राजा नबूकदनेस्सर के सपना के व्याख्या करै छै, जेकरा में प्रभु के प्रति ओकरो वफादारी के प्रदर्शन करै छै।

1. बहुत आवश्यकताक समय मे परमेश् वरक वफादारी

2. सभ शासक आ अधिकारि पर परमेश् वरक प्रभुत्व

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 33:10-11 - "प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ अन्त करैत छथि; ओ जाति सभक योजना केँ विफल करैत छथि। प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

दानियल 4:19 तखन दानियल, जिनकर नाम बेल्तशस्सर छल, एक घंटा धरि चकित भ’ गेलाह आ हुनकर विचार हुनका परेशान क’ देलकनि। राजा कहलथिन, “बेल्तसस्सर, सपना आ ओकर अर्थ अहाँ केँ परेशान नहि करय।” बेल्तशस्सर उत्तर देलथिन, “हे प्रभु, सपना देखनिहार जे अहाँ सँ घृणा करैत अछि आ ओकर व्याख्या अहाँक शत्रु सभक लेल हो।”

परमेश् वर हमरा सभ केँ परेशान करय बला घटनाक सामना करैत आशा आ ताकत प्रदान क' सकैत छथि।

1. परेशानी के समय में परमेश्वर के प्रेम हमरा सब के कोना प्रोत्साहित करै छै

2. भगवान् पर विश्वास के माध्यम स भय आ चिंता पर काबू पाब

1. रोमियो 15:13, "आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ विश् वास करबा मे सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ पवित्र आत् माक सामर्थ् य सँ अहाँ सभ आशा मे प्रचुर होयब।"

2. 2 तीमुथियुस 1:7, "किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ भय केर नहि, बल् कि सामर्थ् य आ प्रेम आ संयमक आत् मा देलनि।"

दानियल 4:20 ओ गाछ जे अहाँ देखलहुँ, जे बढ़ैत गेल आ मजबूत छल, जकर ऊँचाई आकाश धरि पहुँचि गेल छल आ ओकर दृष्टि पूरा पृथ्वी धरि छल।

दानियल 4:20 एकटा गाछक गप्प करैत अछि जे ऊँच आ मजबूत होइत अछि, ओकर ऊँचाई आकाश धरि पहुँचैत अछि आ ओकर दृष्टि समस्त पृथ्वी धरि होइत अछि।

1. विश्वासक शक्ति: भगवान् मे मजबूत होइत

2. आशीर्वाद बनब: अपन उपहार के उपयोग दुनिया के लाभ पहुंचेबाक लेल करब

1. रोमियो 10:17 - तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि, आ सुनब मसीहक वचन द्वारा।

2. मत्ती 5:13-16 - अहाँ पृथ्वीक नून छी। मुदा जँ नूनक नमकीनता खतम भ’ जायत त’ फेर ओकरा नून कोना बनाओल जायत? आब ई कोनो काज लेल नीक नहि अछि, सिवाय बाहर फेकि देल जाय आ पैरक नीचाँ रौंद देल जाय।

दानियल 4:21 हुनकर पात गोर छल, आ ओकर फल बहुत छल, आ ओहि मे सभक भोजन छल। जकरा नीचाँ खेतक जानवर सभ रहैत छल आ जकर डारि पर आकाशक चिड़ै सभ अपन निवास करैत छल।

दानियल 4:21 मे देल गेल महान गाछ अपन आकार आ सौन्दर्य मे भव्य छल, जे सभ प्राणी केँ रोजी- रोटी आ आश्रय प्रदान करैत छल।

1. भगवान् के परिमाण: प्रभु के सृष्टि के महानता

2. भगवान् के प्रावधान: हम सब हुनकर भलाई के कोना लाभार्थी छी

1. भजन 104:14-18 - ओ मवेशीक लेल घास उगाबैत छथि आ मनुक्खक सेवाक लेल जड़ी-बूटी उगाबैत छथि, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन निकालि सकथि।

2. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

दानियल 4:22 हे राजा, अहाँ पैघ भ’ गेल छी आ मजबूत भ’ गेलहुँ, किएक तँ अहाँक महानता बढ़ि गेल अछि, आ स् वर्ग धरि पहुँचि गेल अछि आ अहाँक प्रभुत्व पृथ्वीक अंत धरि पहुँचि गेल अछि।

दानियल केरऽ धन्यवाद केरऽ प्रार्थना परमेश्वर केरऽ शक्ति आरू महिमा क॑ पहचानै के याद दिलाबै छै, आरू ओकरा स॑ विनम्र होय के बात छै ।

1: परमेश् वरक महानता बेजोड़ अछि - दानियल 4:22

2: परमेश् वरक महिमा लेल धन्यवादक प्रार्थना - दानियल 4:22

1: यशायाह 40:12-17 - के अपन हाथक खोखला मे पानि नापि क’ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हलक?

2: भजन 145:3 - प्रभु महान छथि आ स्तुतिक सभसँ बेसी योग्य छथि; ओकर महानता केओ नहि बुझि सकैत अछि।

दानियल परमेश् वर के प्रति अपन आभार व्यक्त करै छै धन्यवाद के प्रार्थना में, ओकरऽ शक्ति आरू महानता के स्वीकार करै छै जे पूरा दुनिया में फैललऽ छै।

दानियल 4:23 जखन राजा एकटा पहरेदार आ पवित्र लोक केँ स् वर्ग सँ उतरैत देखि कहलथिन, “गाछ काटि कऽ ओकरा नष्ट कऽ दियौक।” तइयो खेतक कोमल घास मे लोहा आ पीतल केर पट्टी सँ ओकर जड़िक ठूंठ धरती मे छोड़ि दियौक। आकाशक ओस सँ भीजल रहय, आ ओकर भाग खेतक जानवर सभक संग रहय, जाबत धरि ओकरा पर सात समय नहि बीति जाय।

राजा देखलक जे एकटा स्वर्गीय प्राणी ओकरा एकटा गाछ काटि कऽ लोहा आ पीतल के पट्टी के संग ठूंठ जमीन मे छोड़ि कऽ सात बेर जाबत धरि अपन हिस्सा जानवर सभक संग रहय देलक।

1. "परमेश् वरक मार्ग रहस्यमयी अछि: दानियलक किताब मे एकटा अध्ययन"।

2. "ईश्वरक प्रयोजन: भगवानक सार्वभौमत्व केँ बुझब"।

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 11:33-36 - "हे परमेश् वरक बुद्धि आ ज्ञान दुनूक धनक गहींर अछि! हुनकर निर्णय आ हुनकर बाट कतेक अनजान अछि! किएक तँ प्रभुक मन के के जनैत अछि? वा के।" की ओकर सलाहकार रहल अछि? वा पहिने के ओकरा देलक आ ओकर बदला ओकरा फेर सँ भेटतैक?

दानियल 4:24 हे राजा, एकर अर्थ ई अछि, आ ई परमेश् वरक फरमान अछि जे हमर प्रभु राजा पर आबि गेल अछि।

परमेश् वर राजा नबूकदनेस्सर केँ ओकर सपना आ परमेश् वरक फरमान जे राजा पर आयल अछि, तकरा प्रगट करैत छथि।

1. परमेश् वरक फरमान केँ स्वीकार करब: नबूकदनेस्सर आ परमेश् वरक प्रकाशन

2. परमेश् वरक मार्गदर्शनक पालन करब सीखब: दानियल 4:24 क अध्ययन

1. यशायाह 45:21 - की हेबाक अछि से घोषणा करू, प्रस्तुत करू दुनू गोटे एक संग सलाह ली जे एहि बातक भविष्यवाणी के बहुत पहिने केने छल, के एकरा पहिने सँ घोषित केने छल?

2. नीतिवचन 16:9 - मनुष्यक हृदय अपन बाट केर योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग केँ स्थापित करैत अछि।

दानियल 4:25 जे ओ सभ तोरा मनुष्य सँ भगा देत, आ तोहर निवास खेतक जानवर सभक संग होयत, आ अहाँ केँ बैल जकाँ घास खाय देत, आ अहाँ केँ आकाशक ओस सँ भीजा देत जाबत धरि अहाँ ई नहि बुझि जायब जे परमेश् वर मनुष् यक राज् य मे राज करैत छथि आ जकरा चाहथि तकरा दऽ दैत छथि।”

परमेश् वर राजा नबूकदनेस्सर केँ दंडित करत, ओकरा मनुष् य सँ दूर कऽ कऽ खेतक जानवर सभक संग रहय आ बैल जकाँ घास खाय पड़तैक। ई सजा सात बेर धरि चलत जा धरि राजा केँ ई नहि बुझल होयत जे परमात्मा मनुष्यक राज्य पर शासन करैत छथि |

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: मनुष्यक राज्य मे सर्वोच्च नियम

2. घमंड के परिणाम: नबूकदनेस्सर के अपमान

1. नीतिवचन 16:18 (अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने)

2. यशायाह 40:15-17 (देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि। देखू, ओ द्वीप सभ केँ बहुत छोट वस्तु जकाँ उठा लैत अछि)

दानियल 4:26 ओ सभ गाछक जड़िक ठूंठ छोड़बाक आज्ञा देलक। तोहर राज्य अहाँक लेल निश्चय होयत, तकर बाद अहाँ केँ पता चलत जे आकाशक राज अछि।”

नबूकदनेस्सर के राज्य एक बेर बहाल भ जायत जखन ओकरा ई बुझना जायत जे स्वर्ग सब पर राज करैत अछि।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: ई बुझब जे भगवान सभ वस्तु पर नियंत्रण रखैत छथि

2. विनम्रताक शक्ति: नबूकदनेस्सरक उदाहरणसँ सीखब

1. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।

2. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

दानियल 4:27 तेँ हे राजा, हमर सलाह अहाँक लेल स्वीकार्य हो, आ अपन पाप केँ धार्मिकता आ गरीब पर दया क’ क’ अपन पाप केँ तोड़ि दियौक। जँ ई अहाँक शान्तिक लम्बाइ भ' सकैत अछि।

राजा नबूकदनेस्सर क॑ सलाह देलऽ जाय रहलऽ छै कि वू अपनऽ पाप क॑ तोड़ी क॑ धार्मिकता करी क॑ गरीबऽ प॑ दया करी क॑ शांतिपूर्ण आरू शांत जीवन प्राप्त करी सक॑ ।

1. धर्म आ दया के शक्ति - भगवान के इच्छा के पालन कोना शांति आ सुकून के जीवन के जन्म द सकैत अछि।

2. क्षमा के लाभ - गरीब के खोजब आ ओकरा पर दया करब सब के लेल कियैक लाभकारी होइत छैक।

1. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की देखौलनि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक, दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

2. मत्ती 5:7 - "धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका दया भेटतनि।"

दानियल 4:28 ई सबटा राजा नबूकदनेस्सर पर भेल।

राजा नबूकदनेस्सर केँ बहुत कष्ट भेलनि।

1. परमेश् वरक इच्छा अछि जे कष्ट भोगनिहार सभ पर विनम्रता आ दया आनथि।

2. परमेश् वरक इच्छा केँ चिन्हब आ स्वीकार करब हमरा सभ केँ हुनका लग आनत।

1. मत्ती 5:4 - धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।

2. व्यवस्था 8:2-3 - अहाँ सभ ओहि पूरा बाट केँ मोन राखब जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ केँ एहि चालीस वर्ष धरि जंगल मे लऽ गेल छथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ नम्र बना सकथि आ अहाँ सभ केँ ई जानि सकब जे अहाँक हृदय मे की अछि, की अहाँ चाहैत छी ओकर आज्ञा पालन करू वा नहि करू।

दानियल 4:29 बारह मासक अंत मे ओ बाबुल राज्यक महल मे घुमलाह।

एक साल के अंत में राजा नबूकदनेस्सर बेबिलोन के महल में घुमै में सक्षम छेलै।

1. सर्वशक्तिमान भगवानक शक्ति: भगवान कोना हमर संघर्ष केँ विजय मे बदलबा मे सक्षम छथि

2. परमेश् वरक संप्रभुता: हम सभ अपन जीवन मे परमेश् वरक समय पर कोना भरोसा क' सकैत छी

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब!"

2. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

दानियल 4:30 राजा बजलाह, “की ई महान बेबिलोन नहि अछि जे हम अपन सामर्थ् य आ अपन महिमाक आदरक लेल राज्यक घरक लेल बनौने छी?”

राजा नबूकदनेस्सर अपन महानता आ अपन बेबिलोन नगरक महानताक घमंड करैत छलाह |

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. सब सृष्टि पर परमेश्वरक प्रभुत्व - दानियल 4:35

1. यशायाह 14:14 - "हम मेघक ऊँचाई सँ ऊपर चढ़ब; हम अपना केँ परमात्मा जकाँ बना लेब।"

2. भजन 115:3 - हमर परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ जे किछु नीक लगैत अछि से करैत अछि।

दानियल 4:31 जखन राजाक मुँह मे ई वचन छल तखन स्वर्ग सँ एकटा आवाज बाजल जे, “हे राजा नबूकदनेस्सर, अहाँ सँ ई बात कहल गेल अछि। राज्य अहाँसँ विदा भ’ गेल अछि।

प्रभु नबूकदनेस्सर राजा घमंडी बजला पर हुनकर राज्य हटा देलनि।

1. घमंड गिरला सँ पहिने अबैत अछि - नीतिवचन 16:18

2. विनम्रता एकटा गुण अछि - फिलिप्पियों 2:3

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 2:3 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक।

दानियल 4:32 ओ सभ अहाँ केँ मनुक्ख सँ भगा देत, आ अहाँक निवास खेतक जानवर सभक संग होयत, अहाँ केँ बैल जकाँ घास खाय देत, आ सात बेर अहाँ पर बीति जायत, जाबत अहाँ नहि बुझि जायब जे परमात्मा शासन करैत छथि मनुष् यक राज् य मे, जकरा चाहथि तकरा दऽ दैत छथि।

परम परम मनुष्य के राज्य में शासन करै छै आरू जेकरा चाहै छै ओकरा दै छै।

1. परमेश् वर सभक सार्वभौम प्रभु छथि - रोमियो 8:31-39

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - नीतिवचन 16:33

1. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।

2. यशायाह 40:15 - देखू, जाति सभ लोटा मे बूंद जकाँ अछि, आ तराजू पर धूलक बूंद जकाँ मानल जाइत अछि। देखू, ओ द्वीप सभ केँ महीन धूरा जकाँ उठा लैत छथि।

दानियल 4:33 ओही समय नबूकदनेस्सर पर बात पूरा भेल, आ ओ मनुष् य सँ भगा देल गेल, आ बैल जकाँ घास खा गेल, आ ओकर शरीर स्वर्गक ओस सँ भीजल छल, जाबत ओकर केश गरुड़क पंख जकाँ नहि बढ़ि गेल ओकर नाखून चिड़ै-चुनमुनी जकाँ।

नबूकदनेस्सर केँ मनुष्य सँ भगा देल गेलै आ बैल जकाँ घास खाय लेल बाध्य कयल गेलैक आ स्वर्गक ओस सँ ओकर शरीर भीजल छलैक जाबत ओकर केश आ नाखून क्रमशः गरुड़ आ चिड़ै सँ मिलैत जुलैत नहि भ गेलै।

1. घमंड के अपमान: नबूकदनेस्सर स सबक

2. पुनर्स्थापन मे परमेश् वरक कृपा: नबूकदनेस्सरक मोक्ष

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

दानियल 4:34 दिनक अंत मे हम नबूकदनेस्सर अपन नजरि स् वर्ग दिस उठौलहुँ, आ हमर बुद्धि हमरा दिस घुरि गेल, आ हम परमात्मा केँ आशीर्वाद देलहुँ, आ हम ओहि अनन्त काल धरि जीवित रहनिहारक स्तुति आ आदर केलहुँ, जिनकर शासन अनन्त अछि प्रभु, ओकर राज्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी अछि।

नबूकदनेस्सर अपन नजरि स्वर्ग दिस ऊपर उठबैत छथि आ अपन पूर्व समझ मे वापस आबि जाइत छथि, आ ओ परमेश्वरक स्तुति आ सम्मान करैत छथि जे हुनकर अनन्त प्रभुत्व आ राज्यक लेल।

1. स्तुति के शक्ति: भगवान के स्तुति करब हमर समझ के कोना बहाल क सकैत अछि

2. परमेश् वरक अनन्त प्रभुत्व: परमेश् वरक अनन्त राज्य पर चिंतन

1. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन तैयार कयलनि अछि; ओकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

2. यशायाह 9:7 - ओकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ ओकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल. सेना के प्रभु के उत्साह एकरा पूरा करतै।

दानियल 4:35 पृथ् वी पर रहनिहार सभ केँ किछुओ नहि मानल जाइत छनि, आ ओ स् वर्गक सेना मे आ पृथ् वी मे रहनिहार मे अपन इच्छाक अनुसार काज करैत छथि, आ कियो हुनकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ नहि कहि सकैत अछि जे, “की।” अहाँ करैत छी?

पृथ्वी के सब लोग आरू प्राणी पर प्रभु के अंतिम अधिकार आरू शक्ति छै, आरू ओकरा पर जे चाहै छै, ओकरा पर सवाल नै उठै सकै छै या नै रोकी सकै छै।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: हम सभ हुनकर शक्ति केँ अपन जीवन मे कोना देखि सकैत छी

2. भगवान् के सर्वशक्तिमानता के समझना: सब वस्तु पर हुनकर पूर्ण अधिकार

1. अय्यूब 42:2 - "हम जनैत छी जे अहाँ सभ काज क' सकैत छी, आओर अहाँक कोनो उद्देश्य विफल नहि भ' सकैत अछि।"

2. भजन 115:3 - "हमर सभक परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ अपन मनपसंद सभ काज करैत छथि।"

दानियल 4:36 ओही समय हमर तर्क हमरा दिस घुरि गेल। आ हमर राज्यक महिमा लेल हमर आदर आ चमक हमरा दिस घुरि गेल। हमर सलाहकार आ हमर मालिक सभ हमरा तकैत रहलाह। हम अपन राज्य मे स्थिर भ’ गेलहुँ, आ हमरा मे उत्तम महिमा जोड़ल गेल।

राजा नबूकदनेस्सर क॑ अपनऽ विवेक वापस आबी गेलै आरू ओकरा नवीन महिमा आरू सम्मान के साथ अपनऽ सिंहासन प॑ बहाल करी देलऽ गेलै ।

1. परमेश् वरक दया: परमेश् वर नबूकदनेस्सर केँ कोना पुनर्स्थापित कयलनि

2. पश्चाताप के शक्ति: नबूकदनेस्सर स एकटा पाठ

1. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकब। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, कारण ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।

2. भजन 51:12 - हमरा अपन उद्धारक आनन्द केँ पुनर्स्थापित करू, आ हमरा इच्छुक भावना सँ समर्थन करू।

दानियल 4:37 आब हम नबूकदनेस्सर स् वर्गक राजाक प्रशंसा करैत छी आ प्रशंसा करैत छी आ आदर करैत छी, जिनकर सभ काज सत्य अछि आ हुनकर बाट पर न्याय अछि, आ घमंड मे चलय बला सभ केँ ओ नीचाँ करबा मे सक्षम अछि।

राजा नबूकदनेस्सर स्वर्ग के राजा के प्रशंसा करै छै आरू ओकरऽ सत्य आरू न्याय के स्वीकार करै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ कि ओकरा म॑ घमंडी लोगऽ क॑ विनम्र करै के शक्ति छै ।

1. विनम्रताक शक्ति: नबूकदनेस्सरक अनुभवसँ सीखब

2. कृतज्ञता आ स्तुति: प्रभुक सत्य आ न्यायक सराहना करब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6-7 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।” तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

दानियल अध्याय ५ मे बेलसस्सर के भोज आ देबाल पर रहस्यमयी हस्तलेख के कहानी कहल गेल अछि |
अध्याय में परमेश् वर के न्याय आरू बेबिलोन के पतन पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत राजा बेलशस्सर के एकटा पैघ भोज के आयोजन आ यरूशलेम के मंदिर स लेल गेल पवित्र बर्तन के उपयोग मदिरा पीबय आ अपन देवता के स्तुति करय स होइत अछि।
अचानक, एकटा हाथ आबि गेलै आ देबाल पर लिखि गेलै, जाहि सँ बेलशस्सर आतंकित भ’ गेलै (दानियल 5:1-6)।

द्वितीय अनुच्छेद: राजा अपन ज्ञानी लोकनि केँ लेखनक व्याख्या करबाक लेल आह्वान करैत छथि मुदा हुनका मे सँ कियो एकर अर्थ नहि बुझि सकैत छथि | रानी दानियल के फोन करै के सुझाव दै छै, जे अपनऽ बुद्धि आरू समझदारी के लेलऽ जानलऽ जाय छै । दानियल के राजा के सामने लानलऽ जाय छै (दानियल ५:७-१४)।

3 पैराग्राफ: दानियल बेलसस्सर के सामना करै छै, जेकरा में ओकरा अपनऽ पिता नबूकदनेस्सर के घमंड आरू अहंकार के याद दिलाबै छै, आरू परमेश् वर ओकरा कोना नम्र करलकै। दानियल देबाल पर लिखल गेल बातक व्याख्या करैत छथि, जाहि मे कहल गेल अछि जे बेलसस्सरक राज्य तौलल गेल अछि आ अभाव पाओल गेल अछि (दानियल 5:18-28)।

4 म पैराग्राफ: ओही राति बेलसस्सर के मारल गेलैन, आ बाबुल के राज्य मादी आ फारसी के देल गेलैन। मादी दारा बासठि वर्षक उम्र मे राज्य पर कब्जा क’ लैत छथि (दानियल 5:30-31)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 5 मे कहल गेल अछि
बेलससरक भोज, २.
देबाल पर रहस्यमयी हस्तलेख, २.
आ बाबुलक पतन।

मंदिर स लेल गेल पवित्र बर्तन के उपयोग क बेलसस्सर के भोज।
देबाल पर लिखल हाथक उपस्थिति, भय आ भ्रम उत्पन्न करैत।
लेखनक व्याख्या करबा मे ज्ञानी लोकनिक असमर्थता।
दानियल के आगमन आ लेखन के व्याख्या, बेलसस्सर के राज्य के पतन के भविष्यवाणी करै वाला।
बेलसस्सर के मृत्यु आ दारा के अधीन राज्य के मादी आ फारसी के हस्तांतरित।

दानियल के ई अध्याय में बेलसस्सर के भोज के कहानी आरू देवाल पर रहस्यमय हस्तलेख के कहानी छै। बेबिलोन के राजा बेलशस्सर एगो बड़ऽ भोज के आयोजन करै छै आरू यरूशलेम के मंदिर स॑ लेलऽ गेलऽ पवित्र बर्तन के उपयोग अपनऽ मस्ती के लेलऽ करै छै । अचानक एकटा हाथ आबि जाइत

अछि आ देबाल पर लिखैत अछि, जाहि सँ बेलशस्सर आतंकित भ' जाइत अछि। ओ अपन ज्ञानी लोकनि केँ लेखनक व्याख्या करबाक आह्वान करैत छथि, मुदा ओहि मे सँ कियो एकर अर्थ नहि बुझि सकैत छथि । रानी के सुझाव पर डेनियल के बजाओल जाइत छैक | दानियल बेलसस्सर के सामना करै छै, जेकरा सें ओकरा ओकरऽ पिता नबूकदनेस्सर के घमंड आरू अहंकार के याद दिलाबै छै आरू परमेश् वर ओकरा कोना नम्र करलकै। दानियल देबाल पर लिखल गेल बातक व्याख्या करैत छथि, जाहि सँ ई पता चलैत अछि जे बेलससरक राज्यक तौलल गेल अछि आ अभाव पाओल गेल अछि। ओही राति बेलसस्सर के मारल गेलै आरू बेबिलोन के राज्य मादी आरो फारसी के देलऽ गेलै, जेकरा में मादी दारा राज्य पर कब्जा करी लेलकै। ई अध्याय परमेश् वर के न्याय आरू बेबिलोन के घमंड आरू मूर्तिपूजा के कारण ओकरऽ पतन पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर के अधिकार के पहचानै आरू सम्मान करै के महत्व पर प्रकाश डालै छै।

दानियल 5:1 राजा बेलसस्सर अपन हजार मालिकक लेल एकटा पैघ भोज केलनि आ हजार लोकक समक्ष मदिरा पीलनि।

बेलसस्सर एकटा भव्य भोज फेकि अपन कुलीन लोकक सोझाँ मदिरा पीबि लेलक।

1. सांसारिक भोग मे बेसी लिप्त हेबाक खतरा।

2. जीवन मे संयम के महत्व।

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2. फिलिप्पियों 4:5 - "अहाँ सभक तर्क-वितर्क सभ केँ बुझल रहय। प्रभु लग आबि गेल छथि।"

दानियल 5:2 बेलशस्सर जखन शराबक स्वाद चखैत छलाह तखन आज्ञा देलथिन जे हुनकर पिता नबूकदनेस्सर जे यरूशलेमक मन् दिर सँ निकालने छलाह, से सोनाक आ चानीक बर्तन सभ अनने छलाह।
जाहि सँ राजा, ओकर राजकुमार, ओकर पत्नी आ ओकर उपपत्नी सभ ओहि मे पीबथि।

बेलसस्सर के घमंड आ अहंकार के कारण ओ यरूशलेम के पवित्र बर्तन के अनादर करय लागल।

1: भगवान् के सामने विनम्रता सच्चे सम्मान आ महिमा के तरफ ल जाइत अछि।

2: घमंड खसबासँ पहिने अबैत अछि।

1: नीतिवचन 16:18-19 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने। नीच लोकक संग विनम्र भावनाक रहब नीक, एहि सँ नीक जे लूट केँ घमंडी लोकक संग बाँटि देब।

2: याकूब 4:6-10 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि | तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। दयनीय रहू आ शोक करू आ कानू। अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द उदासी मे बदलि जाय। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तँ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

दानियल 5:3 तखन ओ सभ सोनाक बर्तन सभ अनलनि जे परमेश् वरक मन् दिरक मन् दिर जे यरूशलेम मे छल। राजा, हुनकर राजकुमार सभ, हुनकर स् त्रीगण आ उपपत्नी सभ हुनका सभ मे पीबि गेलाह।

राजा बेलसस्सर आ ओकर अतिथि सभ यरूशलेम मे परमेश् वरक मन् दिर सँ लेल गेल सोनाक बर्तन सँ पीबैत छथि।

1. भगवान के घर के अपवित्र करय के परिणाम

2. परमेश् वरक आज्ञाक अवहेलना करबाक खतरा

1. यशायाह 5:22-23 - धिक्कार अछि जे शराब पीबय मे वीर छथि, आ मद्यपानक मिश्रण मे वीर लोक छथि, जे घूसक लेल दुष्ट केँ धर्मी ठहरबैत छथि, आ धर्मी सँ न्याय छीनि लैत छथि!

2. मत्ती 22:37-39 - यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा मोन, पूरा प्राण आ पूरा मोन सँ प्रेम करू। ई पहिल आ पैघ आज्ञा अछि। आ दोसर सेहो एहने अछि जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।

दानियल 5:4 ओ सभ मदिरा पीबि सोना, चानी, पीतल, लोहा, लकड़ी आ पाथरक देवता सभक स्तुति केलक।

ओहि अंश मे लोक शराब पीबि झूठ देवताक स्तुति करैत छल |

1. परमेश् वर भौतिक वस्तुक परमेश् वर नहि छथि - भजन 115:4-8

2. मूर्तिपूजाक खतरा - 1 कोरिन्थी 10:19-22

1. भजन 115:4-8 - हुनकर मूर्ति चानी आ सोना अछि, जे मनुष्यक हाथक काज अछि। 5 हुनका सभक मुँह छनि, मुदा बजैत नहि छथि। आँखि, मुदा नहि देखैत अछि। 6 हुनका सभक कान छनि, मुदा नहि सुनैत छथि। नाक, मुदा गंध नहि। 7 हुनका सभक हाथ छनि, मुदा हुनका सभक मोन नहि छनि। पैर, मुदा चलब नहि। आ कंठ मे आवाज नहि करैत अछि। 8 जे ओकरा सभ केँ बनबैत अछि। तहिना जे सभ हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि।

2. 1 कोरिन्थी 10:19-22 - तखन हमर की तात्पर्य अछि? मूर्ति के चढ़ाओल भोजन किछुओ अछि, आकि मूर्ति किछुओ अछि? 20 नहि, हमर तात्पर्य ई अछि जे बुतपरस्त जे बलिदान दैत छथि से ओ सभ परमेश् वर केँ नहि, परमेश् वर केँ नहि। हम नहि चाहैत छी जे अहाँ राक्षसक संग सहभागी बनी। 21 अहाँ सभ प्रभुक प्याला आ दुष् टात् माक प्याला नहि पीबि सकैत छी। अहाँ प्रभुक मेज आ राक्षसक मेज मे भाग नहि ल' सकैत छी। 22 की हम सभ प्रभु केँ ईर्ष्या करबाक लेल उकसाब? की हम सभ हुनकासँ बेसी मजबूत छी?

दानियल 5:5 ओही समय एक आदमीक हाथक आँगुर निकलल आ राजाक महलक देबालक प्लास्टर पर दीपकक कात मे लिखल गेल।

राजा देखलनि जे एकटा हाथक एकटा भाग अपन महलक देबाल पर लिखल अछि |

1: भगवान् हमरा सभसँ रहस्यमयी तरीकासँ गप्प क’ सकैत छथि, आ भ’ सकैत अछि जे ओ हमरा सभकेँ अप्रत्याशित क्षणमे ध्यान दिस बजा रहल होथि।

2: भगवानक आह्वान पर ध्यान देबाक लेल हमरा सभ केँ निरंतर चौकस रहबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ अजीब रूप मे अबैत हो।

1: यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2: यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।"

दानियल 5:6 तखन राजाक चेहरा बदलि गेलनि आ हुनकर विचार हुनका परेशान कयलनि, जाहि सँ हुनकर कमरक जोड़ ढीला भ’ गेलनि आ हुनकर ठेहुन एक दोसरा सँ टकरा गेलनि।

राजाक व्यवहार मे भारी परिवर्तन आबि गेलनि आ ओ भय आ चिन्ता सँ भरल छलाह |

1: डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी - यशायाह 41:10

2: हिम्मत करू आ मजबूत बनू - यहोशू 1:9

1: भले अहाँ मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो बुराई सँ नहि डेराउ - भजन 23:4

2: हम प्रभु केँ तकलहुँ, आ ओ हमरा उत्तर देलनि आ हमर सभ भय सँ हमरा मुक्त कयलनि - भजन 34:4

दानियल 5:7 राजा जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह जे ज्योतिषी, कसदी आ भविष्यवक्ता सभ केँ आनय। राजा बाबुलक ज्ञानी लोकनि केँ कहलथिन, “जे केओ एहि लेखन केँ पढ़ि क’ एकर अर्थ हमरा देखाओत, ओ लाल रंगक कपड़ा पहिरने रहत आ ओकर गरदनि मे सोनाक जंजीर लगाओल जायत आ ओहि मे तेसर शासक होयत।” राज्य के।

बेबिलोन के राजा ज्योतिषी, कसदी आरू भविष्यवक्ता सिनी कॅ कोनो लेखन के व्याख्या करै लेली आह्वान करलकै आरू जे भी ई काम करै में सक्षम होतै ओकरा बहुत बड़ऽ इनाम दै के वचन देलकै।

1. "शब्दक शक्ति: अपन शब्दक बुद्धिमानीपूर्वक प्रयोग"।

2. "विश्वास के इनाम: भगवान के इच्छा के पूर्ति के आशीर्वाद"।

.

2. रोमियो 6:17-18 - "मुदा परमेश् वरक धन्यवाद जे अहाँ सभ जे पहिने पापक दास छलहुँ, अहाँ सभ हृदय सँ ओहि शिक्षाक आज्ञाकारी भ' गेलहुँ, जकरा पर अहाँ सभ बलि गेल छलहुँ, आ पाप सँ मुक्त भ' गेलहुँ। धर्मक दास बनि गेल छथि।”

दानियल 5:8 तखन राजाक सभ ज्ञानी लोक सभ भीतर आबि गेलाह, मुदा ओ सभ ओहि लेखन केँ नहि पढ़ि सकलाह आ ने राजा केँ एकर व्याख्या नहि कहि सकलाह।

राजाक ज्ञानी लोकनि देबाल पर लिखल लिखल बातक व्याख्या नहि क' सकलाह |

1: सावधान रहू जे अपन बुद्धि पर बेसी भरोसा नहि करी, किएक त' सभ किछु भगवाने देखि सकैत छथि आ जानि सकैत छथि।

2: जखन हम सब असहाय आ बिना आशा के महसूस करैत छी तखनो हम सब मार्गदर्शन आ समझ के लेल प्रभु पर भरोसा क सकैत छी।

1: 1 कोरिन्थी 1:18-21 - "किएक तँ क्रूसक वचन नाश भऽ रहल सभक लेल मूर्खता अछि, मुदा हमरा सभक लेल जे उद्धार पाबि रहल छी, ई परमेश् वरक सामर्थ् य अछि। किएक तँ लिखल अछि जे, “हम ओकर बुद्धि केँ नष्ट कऽ देब।" बुद्धिमान, आ विवेकी के विवेक के हम विफल क देब, बुद्धिमान कतय अछि, शास्त्री कतय अछि?एहि युग के बहस करय वाला कतय?की परमेश् वर संसारक बुद्धि केँ मूर्ख नहि बनौने छथि, कारण तहिया सँ, मे परमेश् वरक बुद्धि, संसार बुद्धिक द्वारा परमेश् वर केँ नहि जनैत छल, हम सभ जे उपदेश दैत छी, तकर मूर्खता सँ परमेश् वर केँ प्रसन्न कयलनि जे विश् वास करयवला सभ केँ उद्धार कयल जाय।"

2: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

दानियल 5:9 तखन राजा बेलसस्सर बहुत परेशान भ’ गेलाह, हुनकर चेहरा बदलि गेलनि आ हुनकर मालिक सभ चकित भ’ गेलाह।

राजा बेलसस्सर केरऽ घमंड के कारण ओकरऽ पतन होय गेलै, कैन्हेंकि ओकरऽ चेहरा बहुत परेशान होय गेलऽ छेलै आरू ओकरऽ मालिक सब चकित होय गेलऽ छेलै ।

1. घमंड पतनसँ पहिने अबैत अछि

2. विनम्रता सच्चा महानताक मार्ग थिक

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. फिलिप्पियों 2:3-4 - "स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा व्यर्थ अभिमान सँ किछु नहि करू। बल्कि, विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व दियौक, अपन हित दिस नहि बल्कि अहाँ मे सँ प्रत्येक केँ दोसरक हित दिस देखू।"

दानियल 5:10 राजा आ हुनकर मालिक सभक बातक कारणेँ रानी भोज-भात मे आबि गेलीह, आ रानी बजलीह, “हे राजा, अनन्त काल धरि जीवित रहू, अहाँक विचार अहाँ केँ परेशान नहि करय आ ने अहाँक चेहरा केँ परेशान करय।” बदलल गेल:

रानी राजा के प्रोत्साहित केलनि जे ओ परेशान नहि होथि आ अडिग रहथि |

1. "प्रभु मे अडिग रहू"।

2. "डर नहि करू, कारण भगवान अहाँक संग छथि"।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 56:3 - "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

दानियल 5:11 तोहर राज्य मे एकटा एहन आदमी अछि, जकरा मे पवित्र देवता सभक आत् मा अछि। तोहर पिताक समय मे देवता सभक बुद्धि जकाँ इजोत आ समझ आ बुद्धि हुनका मे भेटलनि। जकरा राजा नबूकदनेस्सर तोहर पिता, राजा, हम कहैत छी, तोहर पिता, जादूगर, ज्योतिषी, कसदी आ भविष्यवक्ता सभक मालिक बनौलनि।

बेबिलोन के राजा नबूकदनेस्सर के राज्य में एक आदमी छेलै जेकरा में पवित्र देवता के आत्मा छेलै आरू जेकरा में देवता के बुद्धि के समान बुद्धि, समझ आरू प्रकाश के वरदान छेलै। एहि आदमी केँ जादूगर, ज्योतिषी, कसदी आ भविष्यवक्ता सभक मालिक बनाओल गेल।

1. परमेश् वरक बुद्धि अतुलनीय अछि: सर्वशक्तिमानक महानताक अन्वेषण

2. आत्मा के शक्ति: पवित्र आत्मा के प्रभाव के खोलना

1. नीतिवचन 3:19 - प्रभु बुद्धि सँ पृथ्वीक नींव बनौलनि अछि; बुद्धि सँ ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि।

2. इफिसियों 2:8-9 - किएक तँ अहाँ सभ विश्वासक कारणेँ अनुग्रह सँ उद्धार पाबि गेल छी। आ से अहाँ सभ सँ नहि, ई परमेश् वरक वरदान अछि, काजक वरदान नहि, जाहि सँ केओ घमंड नहि करय।

दानियल 5:12 किएक तँ ओहि दानियल मे एकटा उत्तम आत् मा, ज्ञान, आ समझ, सपना सभक व्याख्या, कठोर वाक्य सभ आ संदेह सभ केँ दूर करबाक लेल भेटल छल, जकरा राजा बेल्तशस्सर नाम देलनि। ओ एकर व्याख्या देखाओत।

ई अंश सपना के व्याख्या करै, कठिन वाक्य के व्याख्या करै आरू समस्या के समाधान करै में दानियल के क्षमता के बात करै छै। तेँ राजा दानियल सँ एकटा सपना केर व्याख्या करबाक आग्रह करैत छथि।

1. ज्ञान आ समझक शक्ति आ एकर उपयोग कठिन समस्याक समाधान मे कोना कयल जा सकैत अछि।

2. आध्यात्मिक वरदान आ ज्ञान रखनिहार सँ सहायता लेबाक महत्व।

1. नीतिवचन 24:3-4 - बुद्धि सँ घर बनैत अछि, आ बुझला सँ घर स्थापित होइत अछि; ज्ञान सॅं कोठली सभ अनमोल आ सुखद धन सॅं भरल अछि ।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

दानियल 5:13 तखन दानियल केँ राजाक समक्ष आनल गेल। राजा दानियल सँ कहलथिन, “की अहाँ ओ दानियल छी, जे यहूदाक बंदी मे सँ लोक मे सँ छी, जकरा हमर पिता राजा यहूदी धर्म सँ बाहर अनने छलाह?”

दानियल केँ राजाक समक्ष बजाओल गेलनि, आ राजा पुछलथिन जे की दानियल यहूदाक वनवास मे सँ छथि, जे हुनकर पिता इस्राएल सँ अनने छलाह।

1: भगवान् हमरा सभक लेल योजना बनौने छथि, ओहो निर्वासन आ कठिनाइक समय मे।

2: अनिश्चितता आ कठिनाई के समय में भगवान हमरा सब के उपयोग क सकैत छथि।

1: यशायाह 43:1-7 - जखन हम सभ पानि, आ नदी सभसँ गुजरब तखनो ओ सभ हमरा सभ पर भारी नहि पड़त।

2: भजन 34:17-19 - प्रभु पीड़ित सभक पुकार सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ बचाबैत छथि।

दानियल 5:14 हम तोहर बारे मे सुनने छी जे देवता सभक आत् मा तोरा मे अछि, आ तोरा मे इजोत आ समझ आ उत्तम बुद्धि भेटैत अछि।

बेबिलोन के राजा बेलसस्सर दानियल के परमेश् वर द्वारा देलऽ गेलऽ बुद्धि आरू समझ के गुणऽ क॑ पहचानी लै छै ।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन महिमा लेल उपयोग करबाक लेल विशेष वरदान दैत छथि।

2. हमरा सभ केँ दोसर मे परमेश् वर द्वारा देल गेल वरदान केँ चिन्हबाक आ ओकर आदर करबाक लेल उपयोग करबाक आवश्यकता अछि।

1. इफिसियों 4:7-8 - मुदा हमरा सभ मे सँ प्रत्येक केँ मसीहक वरदानक नाप मे अनुग्रह देल गेल अछि।

2. कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत।

दानियल 5:15 आब ज्ञानी लोकनि, ज्योतिषी सभ केँ हमरा सोझाँ आनल गेल अछि जे ओ सभ एहि लेखन केँ पढ़ि क’ एकर अर्थ हमरा बुझाबथि।

देबाल पर लिखल लिखल बातक व्याख्या करबाक लेल ज्ञानी लोकनि वा ज्योतिषी लोकनि केँ बजाओल गेल छलनि, मुदा ओ लोकनि एहन नहि क' सकलाह |

1. भगवानक वचन अथाह अछि: बुद्धिमान मनुक्ख सेहो एकर व्याख्या नहि क' सकैत अछि

2. परमेश् वरक सामर्थ् यसँ परे किछु नहि अछि: ओ असगरे अपन वचन प्रकट करबाक योग्य छथि

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। 9 जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. व्यवस्था 29:29 गुप्त बात हमरा सभक परमेश् वर प्रभुक अछि, मुदा जे बात प्रकट कयल गेल अछि से हमरा सभक आ हमरा सभक संतान सभक अछि, जाहि सँ हम सभ एहि व्यवस्थाक सभ वचनक पालन करी।

दानियल 5:16 हम अहाँक बारे मे सुनने छी जे अहाँ व्याख्या क’ सकैत छी आ संदेह केँ भंग क’ सकैत छी, आब जँ अहाँ लेखन केँ पढ़ि सकैत छी आ ओकर व्याख्या हमरा बुझा सकैत छी तँ अहाँ लाल रंगक कपड़ा पहिरब आ एकटा जंजीर राखब गरदनि मे सोना राखू, आ राज्य मे तेसर शासक बनब।”

ई अंश कोनो लेखन के व्याख्या के बात करै छै आरू ऐसनऽ करला स॑ जे फल मिलतै ।

1. व्याख्याक शक्ति - समझ आ बुद्धि कोना पैघ फल द' सकैत अछि

2. अज्ञानताक लागत - समझ नहि ताकलाक परिणाम

1. नीतिवचन 2:3-5 - "हँ, जँ अहाँ बुझबाक लेल चिचियाब, आ विवेकक लेल आवाज उठाब, जँ ओकरा चानी जकाँ तकब आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ खोजब; तखन अहाँ सभक डर बुझब।" प्रभु, आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि।”

2. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ उदारतापूर्वक आ बिना कोनो निन्दा दैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

दानियल 5:17 तखन दानियल राजाक समक्ष उत्तर देलथिन, “अपन वरदान अपना लेल हो आ अपन इनाम दोसर केँ दिअ। तैयो हम राजा केँ ओहि लेखन केँ पढ़ि कऽ ओकर अर्थ बता देबनि।”

दानियल राजाक लेल देबाल पर लिखल लिखल बातक व्याख्या करैत छथि आ हुनका सलाह दैत छथि जे अपन वरदान राखू आ अपन इनाम ककरो आन केँ दियौक।

1. दानियल के बुद्धि: निर्णय लेबय मे परमेश् वर के मार्गदर्शन ताकब

2. उदारता आ विनम्रताक संग भगवानक सेवा करब

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

दानियल 5:18 हे राजा, परमेश् वर परमेश् वर अहाँक पिता नबूकदनेस्सर केँ राज्य, महिमा, महिमा आ आदर देलनि।

परमेश् वर परमेश् वर नबूकदनेस्सर केँ राज् य, महिमा, महिमा आ आदर देलनि।

1. भगवान् केर आशीर्वाद हुनक कृपा आ दया सँ भेटैत अछि।

2. भगवान् के आशीर्वाद के पहचानना हुनकर कृपा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करबाक एकटा तरीका अछि।

1. इफिसियों 2:8-9 किएक तँ अनुग्रह सँ अहाँ सभ विश् वासक कारणेँ उद्धार पाबि गेल छी। आ ई अहाँक अपन काज नहि अछि; ई भगवानक वरदान थिक।

2. भजन 103:1-2 हे हमर आत्मा, प्रभु केँ आशीर्वाद दियौक, आ हमरा भीतर जे किछु अछि, ओकर पवित्र नाम केँ आशीर्वाद दियौक! हे हमर आत्मा प्रभु के आशीर्वाद दियौ आ हुनकर सब लाभ के नहि बिसरब।

दानियल 5:19 हुनका जे महिमा देलनि, ताहि लेल सभ लोक, जाति आ भाषा हुनका सामने काँपि उठल आ डरि गेल। आ जकरा ओ चाहैत छल, ओकरा जीवित राखि लेलक। आ जकरा ओ ठाढ़ करय चाहैत छलाह। आ जकरा ओ नीचाँ राखय चाहैत छल।

प्रभु राजा बेलसस्सर के बहुत सम्मान आरू अधिकार देलकै, जेकरा सें वू सब लोग के जीवन पर असर डालै वाला निर्णय ले सकै छेलै।

1. प्रभु सार्वभौम आ सर्वशक्तिमान छथि, आ हुनकर अधिकार आ शक्तिक आदर करबाक चाही।

2. भगवान् जेकरा ओ चुनैत छथि ओकरा अधिकार दैत छथि, आ हमरा सभ केँ हुनकर आज्ञा मानबाक चाही जे ओ अधिकारक पद पर राखने छथि।

1. रोमियो 13:1-7

2. दानियल 4:17-37

दानियल 5:20 मुदा जखन हुनकर मोन उठि गेलनि आ घमंड मे हुनकर मोन कठोर भ’ गेलनि, तखन हुनका अपन राजसिंहासन सँ उतारल गेलनि आ ओ सभ हुनकर महिमा हुनका सँ छीनि लेलनि।

दानियल ५ एकटा राजा के कहानी छै जे अपनऽ घमंड के लेलऽ विनम्र होय गेलऽ छै ।

1: हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही, कारण घमंड हमरा सभक पतन दिस लऽ जायत।

2: मसीही के रूप में हमर सबहक कर्तव्य अछि जे हम परमेश्वर के सामने अपना के नम्र करी।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

दानियल 5:21 ओ मनुष् यक सन्तान सभ सँ भगा देल गेलाह। ओकर हृदय जानवर जकाँ भ’ गेलै आ ओकर निवास जंगली गदहा सभक संग छलैक। जाबे तक ओ ई नहि बुझि गेल जे परमेश् वर मनुष् यक राज् य मे राज करैत छथि आ जकरा चाहथि तकरा ओहि पर नियुक्त करैत छथि।

ई अंश ई बात के बारे में छै कि कोना परमेश् वर बेबिलोन के राजा बेलशस्सर के नम्र करी देलकै आरू ओकरा ई बात के प्रकट करलकै कि वू सब राज्य के अंतिम अधिकार छै।

1. सब राज्य पर परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ स्वीकार करब

2. राजा बेलसस्सरक विनम्रता: परमेश् वरक अधीनताक एकटा पाठ

1. भजन 24:1-2 - "पृथ्वी आ ओकर पूर्णता प्रभुक अछि, संसार आ ओहि मे रहनिहार।

2. दानियल 4:25 - "आओर सात समय अहाँक ऊपर बीति जायत, जाबत धरि अहाँ नहि बुझब जे परमात्मा मनुष्यक राज्य मे शासन करैत छथि आ जकरा ओ चाहैत छथि तकरा द' देताह।"

दानियल 5:22 आ अहाँ हुनकर पुत्र, हे बेलसस्सर, अहाँ ई सभ बात जनैत छलहुँ, अपन हृदय केँ नम्र नहि केलहुँ।

सच्चाई के जानला के बादो अपनऽ दिल के विनम्र करै के आरू भगवान के सार्वभौमिकता के पहचान करै के महत्व।

1: "ज्ञानक संग तइयो विनम्रताक अभाव" - दानियल 5:22

2: "सत्यक सामने विनम्रता" - दानियल 5:22

1: नीतिवचन 11:2 - "जखन घमंड अबैत अछि तखन बेइज्जती अबैत अछि, मुदा विनम्रताक संग बुद्धि सेहो अबैत अछि।"

2: याकूब 4:6-7 - "मुदा ओ हमरा सभ केँ बेसी अनुग्रह दैत छथि। ताहि लेल धर्मशास्त्र कहैत अछि: परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि। तखन अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ भागि जायत।" अहाँसँ।"

दानियल 5:23 मुदा स् वर्गक प्रभुक विरुद्ध अपना केँ उठौने छी। ओ सभ हुनकर घरक बर्तन सभ केँ अहाँक सोझाँ अनने छथि, आ अहाँ, अहाँक मालिक सभ, अहाँक पत्नी सभ आ अहाँक उपपत्नी सभ ओहि मे शराब पीबि लेलहुँ। चानी, सोना, पीतल, लोहा, लकड़ी आ पाथरक देवता सभक स्तुति केलहुँ, जे नहि देखैत अछि, नहि सुनैत अछि आ नहि जनैत अछि अहाँक महिमा नहि भेल।

बेबिलोनक राजा बेलशस्सर अपन घरक बर्तनसँ मदिरा पीबि आ चानी, सोना, पीतल, लोहा, लकड़ी आ पाथरक देवता सभक स्तुति कए स् वर्गक प्रभुक विरुद्ध उठि गेल छलाह, जे नहि देखि सकैत छलाह, नहि सुनि सकैत छलाह। वा जानब। बेलसस्सर ओहि परमेश् वरक महिमा नहि केने छलाह, जिनकर हाथ मे हुनकर साँस छलनि आ हुनकर सभटा बाट हुनकर अछि।

1. असगर भगवान् के आराधना करब: निष्ठावान आज्ञाकारिता के लेल एकटा आह्वान

2. मूर्तिपूजाक खतरा: समाजक मिथ्या देवता केँ अस्वीकार करब

1. व्यवस्था 6:13-15 अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब। अहाँ ओकर सेवा करब आ ओकरा पकड़ि कऽ पकड़ब आ ओकर नाम सँ शपथ खाउ।” ओ अहाँक प्रशंसा छथि। अहाँ सभ आन देवताक पाछाँ नहि जाउ, अहाँक चारूकात जे लोक सभक देवता अछि, कारण अहाँक बीच मे अहाँक परमेश् वर प्रभु ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि, कहीं अहाँक परमेश् वरक क्रोध अहाँ पर नहि भड़कि जाय आ ओ अहाँ सभ केँ मुँह सँ नष्ट कऽ देत पृथ्वी के।

2. रोमियो 1:18-25 किएक तँ परमेश् वरक क्रोध स् वर्ग सँ मनुखक सभ अभक्ति आ अधर्मक विरुद्ध प्रगट होइत अछि, जे अपन अधर्मक कारणेँ सत् य केँ दबा दैत अछि। परमेश् वरक विषय मे जे किछु जानि सकैत अछि से हुनका सभ केँ स्पष्ट अछि, किएक तँ परमेश् वर हुनका सभ केँ ई बात देखौलनि अछि। कारण, हुनक अदृश्य गुण अर्थात् हुनक शाश्वत शक्ति आ दिव्य स्वभाव, संसारक सृष्टि सँहि सँ, जे वस्तु बनल अछि, ताहि मे स्पष्ट रूप सँ बूझल गेल अछि | तेँ ओ सभ बिना बहानाक छथि । किएक तँ ओ सभ परमेश् वर केँ चिन्हैत छल, मुदा ओ सभ हुनका परमेश् वरक रूप मे आदर नहि केलक आ ने हुनका धन्यवाद देलक, बल् कि ओ सभ अपन सोच मे व्यर्थ भऽ गेल आ ओकर सभक मूर्ख हृदय अन् हार भऽ गेल। बुद्धिमान होय के दावा करतें हुवें मूर्ख होय गेलै, आरो अमर भगवान के महिमा के आदान-प्रदान नश्वर मनुष्य आरो चिड़िया-चुनमुनी आरो जानवर आरो रेंगना- रेंगत वस्तु के समान मूर्ति के साथ करी देलकै।

दानियल 5:24 तखन हुनका दिस सँ हाथक भाग पठाओल गेलनि। आ ई लेखन लिखल गेल।

दानियल देबाल पर लिखल गेल बातक व्याख्या परमेश् वरक संदेशक रूप मे करैत छथि जे आसन्न न्यायक चेतावनी दैत अछि।

1: भगवानक निर्णय निश्चित अछि आ ओकरा टालल नहि जा सकैत अछि।

2: भगवान् के सान्निध्य में हमर सबहक कर्म के लेल सब के जवाबदेही होयत।

1: इजकिएल 18:20 जे आत्मा पाप करत, ओ मरत।

2: रोमियो 14:12 तखन हमरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे परमेश् वरक समक्ष अपन हिसाब देब।

दानियल 5:25 ई लेख अछि जे लिखल गेल अछि, मेने, मेने, टेकेल, उफारसीन।

एहि अंश मे देबाल पर लिखल लेखन के वर्णन कयल गेल अछि जे बेबिलोन के राजा बेलसस्सर केँ देखबा मे आयल छल |

1: हम सभ परमेश् वरक न्याय सँ नहि बचि सकैत छी।

2: भगवानक समक्ष विनम्र रहबाक चाही।

1: यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2: उपदेशक 12:13-14 आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

दानियल 5:26 एहि बातक व्याख्या ई अछि: मेने; परमेश् वर तोहर राज्यक गिनती कऽ कऽ समाप्त कऽ देलनि।

बात के व्याख्या ई छै कि भगवान राज्य के गिनती करी क॑ समाप्त करी देल॑ छै ।

1: परमेश् वर नियंत्रण मे छथि - दानियल 5:26 हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे परमेश् वर हमरा सभक जीवन आ हमरा सभक आसपासक दुनिया पर नियंत्रण मे छथि।

2: परमेश् वरक समय एकदम सही अछि - दानियल 5:26 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे परमेश् वरक समय एकदम सही अछि आ ओ जनैत छथि जे कखन कोनो बातक अंत करबाक समय आबि गेल अछि।

1: यशायाह 46:10 - हम शुरूए स’, प्राचीन काल स’, जे एखनो आबै बला अछि, से अंत के बारे मे बताबैत छी। हम कहैत छी, हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

2: उपदेशक 3:1-2 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँक सभ वस्तुक समय होइत छैक, जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक। रोपबाक समय, आ जे रोपल गेल अछि ओकरा तोड़बाक समय।

दानियल 5:27 टेकेल; अहाँ तराजू मे तौलल गेल छी, आ अभाव मे पाओल गेल छी।

अंश मे कहल गेल अछि जे भगवान हमरा सभ केँ तराजू मे तौलैत छथि आ हमरा सभ केँ कमी पाबैत छथि।

1. विश्वक मानक द्वारा आत्म-मूल्य तौलबाक खतरा

2. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

1. नीतिवचन 16:2 - मनुष्यक सभ बाट अपन नजरि मे शुद्ध होइत छैक; मुदा परमेश् वर आत् मा सभक तौलैत छथि।

2. भजन 62:9 - निश्चित रूप सँ नीचाँक लोक आडंबर अछि, आ उच्च पदक लोक झूठ अछि: तराजू मे राखल गेल अछि, ओ सभ आडंबर सँ एकदम हल्लुक अछि।

दानियल 5:28 पेरेस; तोहर राज्य बँटि गेल अछि आ मादी आ फारसी केँ देल गेल अछि।

दानियल के भविष्यवाणी के अनुसार बेबिलोन के राज्य बंटै के आरू मादी आरू फारसी के देलऽ जाय छै।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: हुनकर योजना सदिखन कोना प्रबल होइत अछि

2. भविष्यवाणीक शक्ति: परमेश् वरक वचन कोना पूरा होइत अछि

1. यशायाह 46:9-11 - "किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि; हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल बात सभ केँ अन् तिक घोषणा करैत छी। कहैत, 'हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।'

2. नीतिवचन 19:21 - "मनुष्यक हृदय मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य प्रबल होइत छैक।"

दानियल 5:29 तखन बेलसस्सर केँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ दानियल केँ लाल रंगक कपड़ा पहिरा देलथिन आ हुनकर गला मे सोनाक जंजीर लगा देलथिन आ हुनका विषय मे घोषणा कयलनि जे ओ राज्य मे तेसर शासक बनथि।

बेबिलोन के राजा बेलशस्सर दानियल के लाल रंग के कपड़ा आरू गरदन में सोना के जंजीर लगाय के आदर करै छै आरू ओकरा राज्य के तेसरऽ शासक के रूप में घोषित करै छै।

1. निष्ठावान सेवाक मूल्य - दानियल 5:29

2. आज्ञाकारिता के लेल पुरस्कृत - दानियल 5:29

1. मत्ती 10:42 - आ जे कियो एहि छोट-छोट बच्चा मे सँ कोनो एकटा केँ ठंढा पानि तक देत, कारण ओ शिष्य अछि, हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे, ओ अपन इनाम केँ कोनो तरहेँ नहि गमाओत।

1775

2. कुलुस्सी 3:23-24 - अहाँ जे किछु करब, हृदय सँ काज करू, जेना प्रभुक लेल, मनुक्खक लेल नहि, ई जानि जे प्रभु सँ अहाँ केँ उत्तराधिकार भेटत। अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।

दानियल 5:30 ओहि राति कल्दी सभक राजा बेलसस्सर केँ मारल गेल।

कल्दीक राजा बेलसस्सर राति मे मारल गेलाह।

1. परमेश् वरक शक्ति: बेलसस्सरक दुर्भाग्यपूर्ण निधन

2. धर्मक महत्व: चेतावनी के रूप मे बेलशस्सर के भाग्य

1. "प्रभु दोषी केँ अदण्डित नहि छोड़ताह" (नहूम 1:3)

2. "प्रभु मृत्यु लाबैत छथि आ जीवित करैत छथि; ओ कबर मे उतारैत छथि आ जिबैत छथि" (1 शमूएल 2:6)

दानियल 5:31 तखन मदीय दारा लगभग दूसठ वर्षक छलाह।

मीडियन दारा 62 वर्षक उम्र मे राज्य ग्रहण कयलनि।

1) नेतृत्व मे धैर्य आ विनम्रता के महत्व

2) नेता के ऊपर उठाबय के भगवान के शक्ति

1) 1 पत्रुस 5:5 - "अहाँ सभ, एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।"

2) दानियल 4:37 - आब हम नबूकदनेस्सर स्वर्गक राजाक स्तुति आ स्तुति आ आदर करैत छी, कारण हुनकर सभ काज ठीक अछि आ हुनकर बाट न्यायसंगत अछि। आ जे घमंड मे चलैत अछि ओकरा ओ विनम्र करबा मे सक्षम अछि।

दानियल अध्याय 6 मे शेरक मांद मे दानियलक कथा कहल गेल अछि। अध्याय में दानियल के परमेश् वर के प्रति वफादारी आरू उत्पीड़न के सामना में परमेश् वर के उद्धार पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत राजा दारा दानियल के अपन राज्य के तीन प्रशासक में स एक के रूप में नियुक्त करय स होइत अछि। दानियल असाधारण गुणऽ स॑ खुद क॑ अलग करै छै, जेकरा चलतें राजा ओकरा पूरा राज्य केरऽ प्रभारी बनाबै प॑ विचार करै छै (दानियल ६:१-३) ।

दोसर पैराग्राफ: डेनियल के पद आ प्रभाव स ईर्ष्या करैत आन प्रशासक आ सत्रप हुनका खिलाफ साजिश रचैत छथि। ओ सभ राजा केँ एकटा फरमान जारी करबाक लेल राजी करैत छथि जे जे कियो तीस दिन धरि राजाक अतिरिक्त कोनो देवता वा मनुष्य सँ प्रार्थना करत, ओकरा सिंहक मांद मे फेकि देल जायत (दानियल 6:4-9)।

तेसर पैराग्राफ: दानियल, अपन परमेश् वरक प्रति वफादार, दिन मे तीन बेर प्रभु सँ प्रार्थना करैत रहैत छथि। प्रशासक ओकरा एहि काज मे पकड़ि लैत अछि आ राजा केँ रिपोर्ट करैत अछि, जे स्थिति सँ व्यथित अछि मुदा ओकर अपन फरमान सँ बान्हल अछि (दानियल 6:10-14)।

4 म पैराग्राफ: दानियल के प्रति स्नेह के बावजूद राजा हुनका सिंह के मांद में फेंकय लेल मजबूर भ जाइत छथि। तथापि, ओ अपन आशा व्यक्त करैत छथि जे दानियलक परमेश् वर हुनका उद्धार करताह (दानियल 6:15-18)।

5 म पैराग्राफ: चमत्कारिक रूप स भगवान शेर क मुँह बंद क दैत छथि, जे राति भरि दानियल क रक्षा करैत छथि। दोसर दिन भोरे दारा मांद मे दौड़ैत अछि आ दानियल केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचला पर आनन्दित भ’ जाइत अछि (दानियल 6:19-23)।

6 म पैराग्राफ: राजा दारा एकटा नव फरमान जारी करैत छथि, जाहि मे दानियल के परमेश्वर के शक्ति के स्वीकार कयल गेल अछि आ सब लोक के हुनका स डरबाक आ आदर करबाक आज्ञा देल गेल अछि। राजाक शासनकाल मे दानियल समृद्ध होइत छथि (दानियल 6:24-28)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 6 मे शेरक मांद मे दानियलक कथा कहल गेल अछि,
भगवान् के प्रति हुनक निष्ठा के उजागर करैत
आ उत्पीड़नक सामना करैत परमेश् वरक उद्धार।

राज्य पर तीन प्रशासक मे सँ एक के रूप मे दानियल के नियुक्ति।
अन्य प्रशासक आ सत्रप द्वारा दानियल के खिलाफ साजिश।
राजा द्वारा जारी फरमान, राजा के अलावा कोनो देवता या मनुष्य के प्रार्थना पर रोक लगाबैत |
प्रभु सँ प्रार्थना करै में दानियल के निरंतर निष्ठा।
दानियल के पकड़ल गेल आ राजा के रिपोर्ट।
सिंह के मांद में दानियल के चमत्कारी मुक्ति।
राजा दारा के दानियल के परमेश्वर के स्वीकार करना आरू श्रद्धा के नया फरमान।
राजाक शासनकाल मे दानियलक समृद्धि।

दानियल के ई अध्याय में सिंह के मांद में दानियल के कहानी कहलऽ गेलऽ छै । दानियल क॑ राजा दारा द्वारा राज्य केरऽ तीन प्रशासकऽ म॑ स॑ एक के रूप म॑ नियुक्त करलऽ गेलऽ छै । दानियल केरऽ पद आरू प्रभाव स॑ ईर्ष्या करी क॑ दोसरऽ प्रशासक आरू सत्रप ओकरा खिलाफ साजिश रचै छै । राजा के राजी के एकटा फरमान जारी करय लेल राजी करैत छथि जे राजा के अलावा कोनो देवता या मनुष्य के तीस दिन तक प्रार्थना करय पर रोक लगा दैत अछि | फरमान के बावजूद दानियल अपनऽ परमेश् वर के प्रति वफादार छै आरू दिन में तीन बार प्रार्थना करतें रहै छै। प्रशासक लोकनि हुनका एहि काज मे पकड़ि राजा केँ रिपोर्ट करैत छथि, जे व्यथित छथि मुदा अपनहि फरमान सँ बान्हल छथि | राजा दानियल के शेर के मांद में फेंकै लेली मजबूर होय जाय छै, ई आशा व्यक्त करी कॅ कि दानियल के परमेश् वर ओकरा बचाबै छै। चमत्कारिक रूप सँ परमेश् वर शेर सभक मुँह बन्न कऽ दैत छथि आ राति भरि दानियलक रक्षा करैत छथि। दोसर दिन भोरे दारा मांद दिस दौड़ैत अछि आ डेनियल केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचबैत पाबैत अछि। राजा एकटा नव फरमान जारी करैत छथि, जाहि मे दानियलक परमेश् वरक सामर्थ् य केँ स्वीकार कयल गेल अछि आ सभ लोक केँ हुनका सँ भय आ आदर करबाक आज्ञा देल गेल अछि। राजाक शासनकाल मे दानियल समृद्ध होइत छथि। ई अध्याय दानियल के अटूट विश्वास आरू परमेश्वर के निष्ठा पर प्रकाश डालै छै कि हुनी अपनऽ सेवक क॑ नुकसान स॑ बचाबै छै ।

दानियल 6:1 दारा केँ ई नीक लागल जे ओ एक सय बीस राजकुमार केँ राज्यक देखरेख करथि, जे पूरा राज्यक ऊपर रहताह।

एहि अंश मे दारा के निर्णय के वर्णन अछि जे ओ अपन राज्य के देखरेख के लेल 120 शासक के नियुक्ति करथि।

1. भगवान अपन इच्छा के पूरा करय लेल नेतृत्व के उपयोग करैत छथि।

2. सेवा मे निष्ठा के शक्ति के कहियो कम नहि आंकू।

१ जाबे तक अहाँ परमेश् वरक घरक सेवाक सभटा काज पूरा नहि कऽ लेब, ताबत धरि अहाँ केँ नहि छोड़त आ ने अहाँ केँ छोड़ि देत।”

2. मत्ती 25:21 - "हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, “हे नीक आ विश्वासी सेवक, नीक काज केलहुँ, अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ केँ बहुतो बात पर शासक बना देब। अहाँ अपन मालिकक आनन्द मे प्रवेश करू।" " .

दानियल 6:2 आ एहि तीनू अध्यक्षक ऊपर। दानियल हुनका सभक पहिल लोक छलाह, जाहि सँ राजकुमार सभ हुनका सभक हिसाब देथिन आ राजा केँ कोनो नुकसान नहि होनि।

दानियल क॑ बेबिलोन राज्य केरऽ तीन राष्ट्रपति म॑ स॑ एक के रूप म॑ नियुक्त करलऽ गेलै, जेकरऽ जिम्मेदारी छेलै कि वू राजकुमारऽ के देखरेख करै आरू ई सुनिश्चित करै कि राजा क॑ कोनो नुकसान नै होय ।

1: भगवान हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि - जखन हम सभ परदेश मे छी तखनो ओ हमरा सभक उपयोग अपन काज करबाक लेल क' सकैत छथि।

2: हमरा सब के अपन नौकरी में न्याय आ निष्पक्षता सुनिश्चित करय लेल सदिखन मेहनत करबाक चाही आ घूस आ भ्रष्टाचार के प्रलोभन में नहि पड़बाक चाही।

1: दानियल 5:19 - "तखन दानियल (जेकरा बेल्तशस्सर सेहो कहल जाइत अछि) किछु समय धरि बहुत भ्रमित भ' गेलाह आ हुनकर विचार हुनका आतंकित क' देलनि। राजा बाजल, 'बेल्तशस्सर, सपना आ ओकर व्याख्या अहाँ केँ घबराबय नहि दियौक।' बेल्तशस्सर उत्तर देलथिन, ‘हे मालिक, सपना अहाँक घृणा करयवला सभक विषय मे हो, आ एकर व्याख्या अहाँक शत्रु सभक विषय मे हो।”

2: फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग अपन निहोरा परमेश् वरक समक्ष राखू। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ परे अछि, अहाँक रक्षा करत।" हृदय आ मन मसीह यीशु मे राखू।”

दानियल 6:3 तखन एहि दानियल केँ राष्ट्रपति आ राजकुमार सभ सँ बेसी नीक कयल गेलनि, कारण हुनका मे एकटा उत्तम आत् मा छलनि। राजा सोचलनि जे हुनका पूरा राज्य पर राखि देल जाय।

दानियल केरऽ उत्कृष्ट भावना के कारण राजा केरऽ अनुग्रह छेलै ।

1. एकटा उत्कृष्ट आत्माक शक्ति

2. अत्यधिक अनुग्रहित हेबाक आशीर्वाद

1. नीतिवचन 15:30 - "हँसमुख नजरि हृदय मे आनन्द दैत अछि; शुभ समाचार सँ नीक स्वास्थ्य होइत अछि।"

2. इफिसियों 4:29 - "अहाँ सभक मुँह सँ कोनो भ्रष्ट गप्प नहि निकलय, बल् कि ओहि बात केँ बाहर निकलय जे नीक हो, जेना कि अवसरक अनुकूल हो, जाहि सँ सुननिहार केँ अनुग्रह भेटय।"

दानियल 6:4 तखन राष्ट्रपति आ राजकुमार सभ दानियलक विरुद्ध राज्यक विषय मे कोनो अवसर ताकय चाहैत छलाह। मुदा हुनका सभ केँ कोनो अवसर आ ने कोनो दोष नहि भेटलनि। किएक तँ ओ विश् वासवान छलाह, तेँ हुनका मे कोनो त्रुटि वा दोष नहि भेटलनि।

दानियल केरऽ निष्ठा आरू ईमानदारी पर कोनो संदेह नै छेलै, बावजूद एकरऽ कि सत्ताधारी सिनी न॑ ओकरा म॑ दोष खोजै के कोशिश करलकै ।

1. विश्वासक शक्ति: दानियलक उदाहरण कोना विश्वासी आ सच्चा रहबाक ताकत केँ दर्शाबैत अछि।

2. विपत्तिक सामना मे ईमानदारी: दानियलक धार्मिकताक प्रति अटूट प्रतिबद्धता सँ की सीखल जा सकैत अछि।

1. भजन 15:2 ख - जे निर्दोष चलैत अछि आ उचित काज करैत अछि आ अपन हृदय मे सत्य बजैत अछि।

2. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा मार्गदर्शन करैत छैक, मुदा विश्वासघाती सभक कुटिलता ओकरा नष्ट क’ दैत छैक।

दानियल 6:5 तखन ई लोकनि कहलथिन, “हमरा सभ केँ एहि दानियलक विरुद्ध कोनो अवसर नहि भेटत, जाबत धरि हुनकर परमेश् वरक नियमक विषय मे हुनका विरुद्ध नहि भेटत।”

दानियल मृत्युक धमकी के बादो परमेश् वरक प्रति वफादार रहलाह।

1: हमरा सभ केँ भगवानक प्रति अपन निष्ठा मे अडिग रहबाक चाही चाहे किछुओ खर्च हो।

2: आउ, हम सभ दानियलक उदाहरण सँ साहस करू आ अपन विश्वास मे मजबूत रहू।

1778

1: मत्ती 10:28 - आ ओहि सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर केँ मारैत अछि मुदा आत्मा केँ नहि मारि सकैत अछि। बल्कि ओहि सँ डरू जे नरक मे आत्मा आ शरीर दुनू केँ नष्ट क' सकैत अछि।

2: रोमियो 8:31- तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

दानियल 6:6 तखन ई सभ अध्यक्ष आ राजकुमार सभ राजाक लग जमा भ’ क’ हुनका कहलथिन, “राजा दारा, अनन्त काल धरि जीवित रहू।”

बेबिलोन राज्य के अध्यक्ष आ राजकुमार सब अपन निष्ठा के स्वीकार करय लेल आ हुनका दीर्घायु के कामना करय लेल राजा दारा लग आयल छलाह |

1. निष्ठा आशीर्वाद दैत अछि: दानियल 6:6 पर एकटा अध्ययन

2. निष्ठा के शक्ति: दानियल 6:6 पर एकटा चिंतन

1. मत्ती 6:21 - कारण, जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक हृदय सेहो रहत।

2. नीतिवचन 18:24 - बहुत संगी के आदमी बर्बाद भ सकैत अछि, मुदा एकटा मित्र अछि जे भाई स बेसी नजदीक स चिपकल रहैत अछि।

दानियल 6:7 राज्यक सभ अध्यक्ष, राज्यपाल, राजकुमार, सलाहकार आ सेनापति सभ एक संग राजसी विधान स्थापित करबाक लेल आ एकटा दृढ़ फरमान बनेबाक लेल विचार केने छथि जे केओ कोनो परमेश् वर सँ याचना मांगत या मनुष्य तीस दिन धरि, अहाँ केँ छोड़ि, हे राजा, सिंहक मांद मे फेकल जायत।

एहि अंश मे राज्यक शासक द्वारा स्थापित एकटा राजकीय फरमानक वर्णन अछि जे जे कियो तीस दिन धरि राजाक अतिरिक्त कोनो भगवान वा मनुष्य सँ प्रार्थना करत ओकरा सिंहक मांद मे फेकि देल जायत |

1. प्रार्थनाक शक्ति: जखन संसार हमरा सभक विरुद्ध अछि तखनो परमेश् वर हमरा सभक कोना मदद कऽ सकैत छथि।

2. परमेश् वरक सार्वभौमत्व: सांसारिक विरोधक सामना करैत सेहो परमेश् वरक इच्छा कोना प्रबल होइत अछि।

1. दानियल 6:7 - "राज्यक सभ अध्यक्ष, राज्यपाल, राजकुमार, सलाहकार आ सेनापति सभ एक संग राजसी विधान स्थापित करबाक लेल आ एकटा दृढ़ फरमान बनेबाक लेल परामर्श केने छथि, जे केओ माँगैत अछि तीस दिन धरि कोनो परमेश् वर वा मनुष्यक याचना, अहाँ केँ छोड़ि, हे राजा, ओकरा सिंहक मांद मे फेकि देल जायत।”

2. रोमियो 8:18-21 - "हम बुझैत छी जे वर्तमान समयक कष्टक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ प्रगट होमय जा रहल अछि। किएक तँ सृष्टि परमेश् वरक पुत्र सभक प्रगट होयबाक लेल आतुरतापूर्वक प्रतीक्षा करैत अछि।" .किएक तँ सृष्टि व्यर्थताक अधीन भेल, स्वेच्छा सँ नहि, बल् कि ओकरा अधीन केनिहारक कारणेँ, एहि आशा मे जे सृष्टि स्वयं अपन भ्रष्टताक बंधन सँ मुक्त भ’ जायत आ परमेश् वरक सन् तान सभक महिमा सँ मुक्ति पाबि जायत जानू जे एखन धरि प्रसवक पीड़ा मे समस्त सृष्टि एक संग कुहरैत रहल अछि |"

दानियल 6:8 आब, हे राजा, एहि फरमान केँ स्थापित करू आ लेखन पर हस्ताक्षर करू, जाहि सँ ओ मादी आ फारसक नियमक अनुसार नहि बदलल जाय, जे कोनो परिवर्तन नहि करैत अछि।

ई अंश मादी आ फारसी के नियम पर केंद्रित छै, जेकरा बदललऽ नै जाब॑ सकलऽ छेलै ।

1: हमरा सब के अपन व्यक्तिगत भावना के परवाह केने बिना निर्धारित कानून के पालन करय पड़त।

2: कोनो केओ कानून सँ ऊपर नहि होइत अछि, आ हमरा सभ केँ देशक नियमक आदर करबाक चाही।

1: रोमियो 13:1-7 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि।

2: निष्कासन 20:1-17 - हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी, जे अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ, गुलामीक घर सँ निकालि देलहुँ। हमरासँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।

दानियल 6:9 तेँ राजा दारा लेखन आ फरमान पर हस्ताक्षर कयलनि।

राजा दारा दानियलक आग्रह पर एकटा फरमान जारी कयलनि।

1. भगवान् के आज्ञापालन के स्थायी फल भेटत।

2. हमरा सभ केँ दानियल केर विश्वास केँ आत्मसात आ अनुकरण करबाक चाही।

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. इफिसियों 6:5-7 - दास सभ, अहाँ सभ अपन पार्थिव मालिक सभक आज्ञा भय आ काँपैत आ निश्छल हृदय सँ करू, जेना अहाँ सभ मसीहक आज्ञा करैत छी, आँखिक सेवाक मार्ग सँ नहि, लोक केँ प्रसन्न करयवला बल् कि मसीहक सेवक बनि। हृदय सँ परमेश् वरक इच् छा करैत।

दानियल 6:10 जखन दानियल केँ पता चललनि जे पत्र पर हस्ताक्षर अछि, तखन ओ अपन घर मे गेलाह। यरूशलेम दिस अपन कोठली मे ओकर खिड़की खुजल छलैक, ओ दिन मे तीन बेर ठेहुन पर ठेहुन पर बैसि क’ प्रार्थना करैत छलाह आ अपन परमेश् वरक समक्ष धन्यवाद दैत छलाह, जेना पहिने करैत छलाह।

दानियल, ई जानी क॑ कि लेखन प॑ हस्ताक्षर छै, अपनऽ घर वापस आबी गेलै, अपनऽ कोठरी म॑ यरूशलेम के तरफ के खिड़की खोललकै आरू दिन म॑ तीन बार परमेश् वर के धन्यवाद दै के साथ प्रार्थना करलकै, जेना कि वू पहलें करलकै।

1. कठिनाइक समय मे विश्वास बनौने रहब

2. नित्य भगवान् के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करब

1. लूका 18:1 ओ हुनका सभ केँ एहि लेल एकटा दृष्टान्त कहलनि जे, मनुष् य सभ केँ सदिखन प्रार्थना करबाक चाही, आ बेहोश नहि रहबाक चाही

2. भजन 95:2 धन्यवादक संग हुनकर सान्निध्यक सोझाँ आबि जाइ

दानियल 6:11 तखन ई लोकनि जमा भ’ गेलाह आ दानियल केँ अपन परमेश् वरक समक्ष प्रार्थना करैत आ विनती करैत देखलनि।

दानियल परमेश् वर पर अटूट विश् वास आ भरोसाक प्रदर्शन करैत छथि, ओहो उत्पीड़नक सामना करैत।

1: कठिनाई आ संकट के समय में हम सब अपन विश्वास में सांत्वना ल सकैत छी आ भगवान पर भरोसा क सकैत छी।

2: जखन हमरा सभ केँ उत्पीड़नक सामना करय पड़ैत अछि तखनो हम सभ अपन विश्वास मे अडिग रहि सकैत छी आ परमेश् वर पर भरोसा क' सकैत छी।

1: इब्रानी 10:36 - "किएक तँ अहाँ सभ केँ सहनशक्तिक आवश्यकता अछि, जाहि सँ जखन अहाँ सभ परमेश् वरक इच् छा पूरा कऽ लेब तखन अहाँ सभ केँ जे प्रतिज्ञा कयल गेल अछि से पाबि सकब।"

2: यशायाह 50:7 - "किएक त' प्रभु परमेश् वर हमरा मदद करैत छथि; तेँ हम अपमानित नहि भेलहुँ; तेँ हम अपन मुँह चकमक पत्थर जकाँ राखि देलहुँ, आ हम जनैत छी जे हमरा लाज नहि होयत।"

दानियल 6:12 तखन ओ सभ लग आबि राजाक समक्ष राजाक नियमक विषय मे गप्प कयलनि। की अहाँ कोनो फरमान पर हस्ताक्षर नहि केने छी जे तीस दिनक भीतर जे केओ अहाँ केँ छोड़ि कोनो परमेश् वर वा मनुष् य सँ याचना मांगत, से सिंहक मांद मे फेकि देल जायत? राजा उत्तर देलथिन, “मादी आ फारसक नियमक अनुसार जे बात नहि बदलैत अछि, से सत्य अछि।”

1: हमरा सभकेँ भगवानक प्रति अडिग आ निष्ठावान रहबाक चाही, ओहो तखन जखन ई कठिन हो।

2: हमरा सब के अपन पसंद के परिणाम के कहियो नै बिसरबाक चाही आ ओकर सामना करय लेल तैयार रहबाक चाही।

1: मत्ती 6:24 कियो दू मालिकक सेवा नहि क’ सकैत अछि, कारण या त’ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, वा एक केँ समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ भगवान आ पाइक सेवा नहि क' सकैत छी।

2: याकूब 4:7-8 तखन परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ आ ओ अहाँक लग आबि जेताह। हे पापी, हाथ धोउ, आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारधारा।

दानियल 6 मे राजा दारा के एकटा फरमान पर हस्ताक्षर करबाक बात कहल गेल अछि जे जे कियो हुनका छोड़ि कोनो परमेश् वर वा मनुष्य सँ याचना मांगत, ओकरा 30 दिनक भीतर शेरक मांद मे फेकि देल जायत। ई कहानी एगो याद दिलाबै के काम करै छै कि भगवान के प्रति वफादार रहना, भले ही ई मुश्किल होय, आरू हमेशा अपनऽ पसंद के परिणाम पर विचार करना।

दानियल 6:13 तखन ओ सभ राजाक समक्ष उत्तर देलथिन, “हे राजा, दानियल, जे यहूदाक बंदी मे सँ अछि, अहाँ केँ नहि मानैत अछि, आ ने अहाँ जे फरमान पर हस्ताक्षर केने छी, बल् कि दिन मे तीन बेर अपन याचना करैत अछि।” .

दानियल अपन विश्वास मे राजाक फरमानक बादो परमेश् वर सँ लगातार प्रार्थना करबाक लेल दृढ़ संकल्पित छलाह |

1. प्रार्थनाक शक्ति: विरोधक बादो भगवान् पर भरोसा करब।

2. विश्वास मे दृढ़ता: दानियल के उदाहरण।

1. याकूब 5:13-18

2. मत्ती 21:22

दानियल 6:14 तखन राजा ई बात सुनि अपना पर बहुत नाराज भ’ गेलाह आ दानियल केँ उद्धार करबाक लेल अपन मोन राखि देलनि।

राजा ई खबर सुनी क॑ बहुत परेशान होय गेलै कि दानियल क॑ सिंह केरऽ मांद म॑ सजा देलऽ गेलऽ छै आरू वू ओकरा बचाबै लेली अथक परिश्रम करी रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य जे हमरा सभ केँ कठिन परिस्थिति सँ मुक्त करथि।

2. प्रेमी भगवानक करुणा आ दया।

1. भजन 34:17 - जखन धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ हुनकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

दानियल 6:15 तखन ई लोकनि राजा लग जमा भ’ राजा केँ कहलथिन, “हे राजा, ई जानि लिअ जे मादी आ फारसक नियम अछि जे राजा द्वारा स्थापित कोनो नियम आ कानून मे कोनो परिवर्तन नहि कयल जा सकय।”

1781

मादी आ फारसी के एकटा कानून छल जे राजा द्वारा स्थापित कोनो फरमान आ विधान मे कोनो बदलाव नहि कयल जा सकैत छल |

1. भगवानक नियम अपरिवर्तनीय आ अटल अछि।

2. हमरा सभकेँ अधिकारक नियमक आदर आ पालन करबाक चाही।

1. याकूब 4:17 तेँ जे सही काज बुझैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2. रोमियो 13:1-2 प्रत्येक प्राणी शासक अधिकारक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे अधिकार अछि से परमेश् वर द्वारा नियुक्त कयल गेल अछि। तेँ जे कियो अधिकारक विरोध करत से परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि आ जे विरोध करत से अपना पर न् याय आनत।

दानियल 6:16 तखन राजा आज्ञा देलथिन जे ओ सभ दानियल केँ अनलनि आ सिंहक मांद मे फेकि देलनि। राजा दानियल सँ कहलथिन, “अहाँक परमेश् वर, जिनकर सेवा अहाँ सदिखन करैत छी, ओ अहाँ केँ उद्धार करताह।”

राजा दानियल के शेर के मांद में फेंकै के आदेश दै छै, तथापि राजा दानियल के आश्वस्त करै छै कि ओकरऽ परमेश् वर ओकरा बचाबै छै।

1. जखन परमेश्वर हमर विश्वासक परीक्षण करैत छथि - दानियल 6:16

2. दानियल के अटल विश्वास - दानियल 6:16

1. इब्रानी 11:6 - "बिना विश्वासक परमेश् वर केँ प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे कियो हुनका लग अबैत छथि हुनका ई मानबाक चाही जे ओ छथि आ जे हुनका सभ केँ गंभीरता सँ तकैत छथि हुनका सभ केँ ओ पुरस्कृत करैत छथि।"

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

दानियल 6:17 एकटा पाथर आनि कऽ मांदक मुँह पर राखल गेल। राजा ओकरा पर अपन चश्मा आ अपन मालिक सभक चश्मा सँ मुहर लगा देलथिन। ताकि दानियलक विषय मे उद्देश्य नहि बदलल जा सकय।

दानियल केँ परमेश् वरक अनुग्रह भेटलनि आ ओ देशक अपरिवर्तनीय नियमक बादो वफादार रहबा मे सक्षम छलाह।

1. भगवान् केरऽ निष्ठा मनुष्य केरऽ निर्मित नियमऽ स॑ परे छै

2. दानियल के वफादारी एकटा उदाहरण के रूप में काज करैत अछि जे विरोध के बावजूद परमेश्वर के प्रति कोना वफादार रहब

1. प्रेरित 5:29 - "मुदा पत्रुस आओर दोसर प्रेरित सभ उत्तर देलथिन: हमरा सभ केँ मनुक्खक आज्ञा नहि मानबाक चाही!"

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि क' रहल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

दानियल 6:18 तखन राजा अपन महल मे गेलाह आ राति भरि उपवास क’ रहलाह, आ ने हुनका सोझाँ वाद्ययंत्र नहि आनल गेलनि।

राजा एकटा निन्नहीन राति उपवास आ बिना संगीतक बिता देलनि ।

1: भगवान् सब ठाम आ सब समय मे हमरा सभक संग छथि, ओहो हमरा सभक एकाकीपन आ उजाड़पनक क्षण मे।

2: [illegible]

1: [illegible] 46:1 - "[illegible]"

2: [illegible] 41:10 - "[illegible]"

[illegible] 6:19 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 11:33-34 [illegible]

2. [illegible] 91:11-12 [illegible]

[illegible] 6:20 [illegible]

[illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible]: [illegible]

1. [illegible] 11:33-34 - [illegible]

2. [illegible] 43:2 - [illegible]

[illegible] 6:21 [illegible]

[illegible]

1: [illegible]

2: [illegible]

1: रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू। प्रेम मे एक दोसरा के प्रति समर्पित रहू। एक दोसरा के अपना स बेसी आदर करू।

2: याकूब 1:2-4 - हमर भाइ-बहिन सभ, जखन कखनो अहाँ सभ केँ अनेक तरहक परीक्षाक सामना करय पड़ैत अछि, तखन-तखन अहाँ सभ केँ ई शुद्ध आनन्द बुझू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। दृढ़ता अपन काज समाप्त करू जाहि सँ अहाँ परिपक्व आ पूर्ण भ' सकब, कोनो चीजक कमी नहि।

दानियल 6:22 हमर परमेश् वर अपन स् वर्गदूत पठौलनि आ सिंह सभक मुँह बन्न कऽ देलनि जाहि सँ ओ सभ हमरा कोनो आपत्ति नहि करथि। आ अहाँक सोझाँ सेहो, हे राजा, की हम कोनो आपत्ति नहि केलहुँ।

दानियल केँ परमेश् वरक स् वर्गदूत द्वारा शेर सभक मुँह सँ उद्धार कयल गेल अछि, कारण ओ परमेश् वर आ राजाक समक्ष कोनो गलती नहि केने अछि।

1. भगवान हमरा सभ पर सदिखन नजरि रखैत छथि आ जखन हम सभ निर्दोष रहब तखन हमरा सभ केँ नुकसान सँ बचाओत।

2. जे निर्दोष छथि आ कोनो गलती नहि करैत छथि हुनका लेल भगवानक प्रेम आ रक्षा सदिखन उपलब्ध रहैत छनि।

1. भजन 34:7 - परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका डरय बला सभक चारूकात डेरा लगा दैत छथि आ हुनका सभ केँ उद्धार दैत छथि।

2. नीतिवचन 11:8 - धर्मी विपत्ति सँ मुक्त भ’ जाइत अछि, आ दुष्ट ओकर बदला मे अबैत अछि।

दानियल 6:23 तखन राजा हुनका लेल बहुत प्रसन्न भेलाह आ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ दानियल केँ मांद सँ बाहर निकालि ली। तखन दानियल केँ ओहि मांद सँ बाहर निकालल गेलनि, आ हुनका पर कोनो तरहक चोट नहि भेटलनि, कारण ओ अपन परमेश् वर पर विश् वास करैत छलाह।

दानियल राजा के देवता के पूजा नै करै के कारण सिंह के मांद में फेंकलऽ जाय छै, लेकिन परमेश् वर पर भरोसा करै के कारण ओकरा कोनो नुकसान नै होय छै।

1. विश्वासक शक्ति: कठिन समय मे भगवान् पर भरोसा करब

2. भगवान् के चमत्कारी रक्षा

1. यशायाह 43:2: "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

2. भजन 18:2: "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

दानियल 6:24 राजा आज्ञा देलथिन जे ओ सभ ओहि आदमी सभ केँ अनलनि जे दानियल पर आरोप लगेने छल आ ओकरा सभ केँ, ओकरा सभ केँ, ओकर सभक बच्चा सभ केँ आ ओकर सभक पत्नी सभ केँ, सिंह सभक मांद मे फेकि देलक। सिंह सभ ओकरा सभ पर महारत हासिल करैत छलैक, आ ओकर सभटा हड्डी केँ तोड़ि दैत छलैक वा कहियो ओ सभ मांदक नीचाँ आबि जाइत छलैक।

राजा आज्ञा देलथिन जे दानियल पर आरोप लगौनिहार लोक सभ केँ आनि कऽ सिंहक मांद मे फेकि देल जाय। सिंह सभ ओकरा सभ पर प्रभुत्व रखने छल आ मांदक नीचाँ पहुँचबा सँ पहिने ओकर सभटा हड्डी तोड़ि देलक ।

1. भगवान् पृथ्वी के प्राणी के उपयोग न्याय लाबै आरू निर्दोष के रक्षा करै लेली करी सकै छै।

1784

2. भगवान निर्दोष पर अत्याचार करयवला पर न्याय करताह।

1. भजन 91:13 - "अहाँ सिंह आ कोबरा पर पैर राखब; महान सिंह आ साँप केँ रौंदब।"

2. मत्ती 10:29-31 - "की दू टा गौरैया एक पाइ मे नहि बिकाइत अछि? तइयो अहाँक पिताक देखभाल सँ बाहर एकटा गौरैया जमीन पर नहि खसि पड़त। आ अहाँक माथक केश सेहो सभ गिनल गेल अछि। तेँ नहि।" डरू, अहाँक मोल कतेको गौरैया सँ बेसी अछि।”

दानियल 6:25 तखन राजा दारा सभ पृथ् वी मे रहनिहार सभ लोक, जाति आ भाषा सभ केँ लिखलनि। अहाँ सभक लेल शान्ति बढ़य।

राजा दारा संसारक सभ लोक आ राष्ट्र केँ एकटा पत्र लिखलनि, जाहि मे शांति केर गुणा-भाग करबाक इच्छा व्यक्त कयल गेल छल |

1. शांति के शक्ति: अपन रोजमर्रा के जीवन में सामंजस्य कोना भेटत

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: परमेश्वर के इच्छा के पालन करला स शांति आ संतोष कोना भेटैत अछि

1. मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत।"

2. रोमियो 14:19 - "एहि लेल हम सभ ओहि काजक लेल पूरा प्रयास करी जे शांति आ आपसी संस्कारक लेल लऽ जाइत अछि।"

दानियल 6:26 हम एकटा फरमान दैत छी जे हमर राज्यक प्रत्येक शासन मे लोक दानियलक परमेश् वरक समक्ष काँपि जाय आ भयभीत भऽ जाय, किएक तँ ओ जीवित परमेश् वर छथि, आ अनन्त काल धरि दृढ़ छथि, आ हुनकर राज जे नष्ट नहि होयत आ हुनकर प्रभुत्व अन्त धरि रहत।

राजा दारा एकटा फरमान दैत छथि जे हुनकर राज्यक सभ लोक केँ जीवित परमेश् वर, दानियलक परमेश् वरक आदर आ भय करबाक चाही, जिनकर राज्य आ प्रभुत्व कहियो समाप्त नहि होयत।

1. परमेश्वरक राज्यक शक्ति: अनन्त आशीर्वादक लेल कोना जीबी

2. दानियल के विश्वास के प्रासंगिकता: उच्च उद्देश्य के लेल कोना जीबी

1. भजन 46:10: "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. रोमियो 1:16-17: "हम सुसमाचार पर लाज नहि करैत छी, कारण ई परमेश् वरक सामर्थ् य अछि जे सभ विश् वास करैत अछि, पहिने यहूदी आ यूनानी केँ सेहो। किएक तँ एहि मे परमेश् वरक धार्मिकता अछि।" विश्वासक बदला विश्वास सँ प्रगट होइत अछि, जेना कि धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, 'धर्मी विश् वास सँ जीबैत अछि।'"

दानियल 6:27 ओ उद्धार करैत छथि आ उद्धार करैत छथि, आ ओ स् वर्ग आ पृथ् वी मे चिन् त्र आ चमत् कार करैत छथि, जे दानियल केँ शेर सभक सामर्थ् य सँ बचाओलनि अछि।

दानियल केँ चमत्कारिक रूप सँ शेर सभक सामर्थ् य सँ परमेश् वर द्वारा उद्धार कयल गेलनि, जे आकाश आ पृथ् वी पर चिन् त्र आ चमत् कार करैत छथि।

1. परमेश् वर नियंत्रण मे छथि: दानियल के चमत्कारी मुक्ति

2. भगवानक शक्ति: स्वर्ग आ पृथ्वी पर संकेत आ आश्चर्य

1. भजन 34:17 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि।

2. मत्ती 19:26 - यीशु हुनका सभ दिस तकैत कहलनि, “मनुष्य लेल ई असंभव अछि, मुदा परमेश् वरक लेल सभ किछु संभव अछि।
1785

दानियल 6:28 एहि तरहेँ ई दानियल दारा आ फारसी कोरसक शासनकाल मे समृद्ध भेलाह।

दारा आ फारसी कोरस दुनूक शासन काल मे दानियल सफल भेलाह।

1. परमेश् वरक शक्ति अरोपित अछि - दानियल 6:28

2. विपत्तिक सामना करबा मे सफलता - दानियल 6:28

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि।

दानियल अध्याय 7 मे चारि जानवर के दर्शन आ "दिन के प्राचीन" आ "मनुष्य के बेटा" के आगमन प्रस्तुत कयल गेल अछि | अध्याय पार्थिव राज्य के उदय आरू पतन आरू परमेश्वर के अनन्त राज्य के स्थापना पर केंद्रित छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत बेलसस्सर के शासन के पहिल साल में दानियल के सपना या दर्शन के साथ होय छै। अपन दर्शन मे ओ समुद्र सँ चारि टा पैघ जानवर केँ निकलैत देखैत छथि (दानियल 7:1-3)।

दोसर पैराग्राफ: पहिल जानवर गरुड़क पाँखि बला सिंह जकाँ अछि, जे बेबिलोन साम्राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि | दोसर जानवर भालू जकाँ अछि, जे मादी-फारसी साम्राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि | तेसर जानवर तेंदुआ जकाँ अछि जकर चारि पाँखि आ चारि टा माथ अछि, जे सिकंदर महानक समय मे यूनानी साम्राज्यक प्रतीक अछि (दानियल 7:4-6)।

तृतीय पैराग्राफ: चारिम जानवर के भयावह आ अत्यंत मजबूत, लोहा के दाँत आ दस सींग वाला के रूप में वर्णित कयल गेल अछि | ई एकटा शक्तिशाली आ विनाशकारी राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि जे पूर्वक साम्राज्यक बाद उत्पन्न होइत अछि | दस सींग मे सँ एकटा आओर छोट सींग निकलैत अछि, जे पैघ अधिकारक घमंड करैत अछि आ परमेश्वरक विरुद्ध बजैत अछि (दानियल 7:7-8)।

4 म पैराग्राफ: दृष्टि एकटा सिंहासन पर बैसल "दिन के प्राचीन" के दृश्य में शिफ्ट भ जायत अछि, जे भगवान के दिव्य निर्णय के प्रतीक अछि | चारिम जानवर के नष्ट क देल गेल अछि, आओर दोसर जानवर के अधिकार छीन लेल गेल अछि (दानियल 7:9-12)।

5 म पैराग्राफ: दानियल देखैत छथि जे "मनुष्य के पुत्र" जकाँ स्वर्गक मेघक संग आबि रहल अछि, जे "दिनक प्राचीन" सँ प्रभुत्व, महिमा आ अनन्त राज्य प्राप्त करैत अछि | मनुष् यक पुत्रक राज् य अनन् त होयत, आ सभ जाति हुनकर सेवा आ आराधना करत (दानियल 7:13-14)।

6 म पैराग्राफ: दानियल दर्शनक अर्थ बुझबाक लेल एकटा स्वर्गीय प्राणी लग जाइत छथि | ओकरा कहलऽ गेलऽ छै कि चारो जानवर चारो राज्य के प्रतिनिधित्व करै छै जे उठतै आरू गिरी जैतै, आरू "परमेशवर के संत" अंततः राज्य प्राप्त करतै आरू ओकरा हमेशा के लेलऽ कब्जा करी लेतै (दानियल 7:15-18)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 7 मे चारि जानवरक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि
आ "दिनक प्राचीन" आ "मनुष्यक पुत्र" केर आगमन।
पार्थिव राज्यक उदय आ पतन पर प्रकाश दैत |
आ भगवानक अनन्त राज्यक स्थापना।

दानियल केरऽ सपना या दर्शन कि समुद्र सें निकललो चारो महान जानवर।
जानवरक व्याख्या जे बेबिलोन, मादी-फारसी आ यूनानी साम्राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि |
एकटा भयावह चारिम जानवरक वर्णन आ एकटा छोट सन सींगक उद्भव बहुत अधिकारक संग ।
सिंहासन पर बैसल "दिन के प्राचीन" के दर्शन आ चारिम जानवर के विनाश |
"मनुष्य के पुत्र" के प्रकटीकरण "दिन के प्राचीन" से एक अनन्त राज्य प्राप्त करते हुए |

एक स्वर्गीय प्राणी द्वारा दर्शन के व्याख्या, चारो राज्य के पहचान आरू "परम परमात्मा के संत" द्वारा राज्य के अंतिम कब्जा |

दानियल के ई अध्याय में एकटा एहन दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि जे दानियल के बेलशस्सर के शासन के पहिल साल में भेटल छल। दानियल अपन दर्शन मे समुद्र सँ चारि टा पैघ-पैघ जानवर निकलैत देखैत छथि। पहिल जानवर गरुड़क पाँखि बला सिंह जकाँ अछि, जे बेबिलोन साम्राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि। दोसर जानवर भालू जकाँ अछि, जे मादी-फारसी साम्राज्यक प्रतीक अछि | तेसर जानवर चारि पाँखि आ चारि माथ बला तेंदुआ जकाँ अछि जे सिकंदर महानक शासनकाल मे यूनानी साम्राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि | चारिम पशुक वर्णन भयावह आ अत्यंत बलवान, लोहाक दाँत आ दस सींगक रूप मे कयल गेल अछि | ई एकटा शक्तिशाली आ विनाशकारी राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि जे पूर्वक साम्राज्यक बाद उत्पन्न होइत अछि | दस सींग मे एकटा आओर छोट सींग निकलैत अछि, जे पैघ अधिकारक घमंड करैत अछि आ भगवानक विरुद्ध बजैत अछि। तखन दृष्टि एकटा सिंहासन पर बैसल "दिन के प्राचीन" के दृश्य में शिफ्ट भ जायत अछि, जे भगवान के दिव्य निर्णय के प्रतीक अछि | चारिम जानवरक नाश भ' जाइत छैक, आ आन जानवर सभक अधिकार छीन लेल जाइत छैक। दानियल देखै छै कि एक "मनुष्य के बेटा" के तरह स्वर्ग के बादल के साथ आबै छै, जेकरा "दिन के प्राचीन" सँ प्रभुत्व, महिमा आरू अनन्त राज्य प्राप्त होय छै। मनुष् यक पुत्रक राज् य अनन् त रहत आ सभ जाति हुनकर सेवा आ आराधना करत। दानियल एकटा स्वर्गीय प्राणी सँ समझ मँगै छै, जे समझै छै कि चारो जानवर चारो राज्य के प्रतिनिधित्व करै छै जे उठतै आरू गिरतै। अंततः "परम परमात्मा के संत" राज्य प्राप्त करतै आरू ओकरा हमेशा के लेलऽ कब्जा करी लेतै । ई अध्याय पार्थिव राज्य के उदय आरू पतन आरू मनुष्य के पुत्र के अधिकार के तहत परमेश्वर के अनन्त राज्य के स्थापना पर जोर दै छै।

दानियल 7:1 बेबिलोनक राजा बेलसस्सरक पहिल वर्ष मे दानियल केँ अपन पलंग पर एकटा सपना आ माथक दर्शन भेलनि, तखन ओ सपना लिखि कऽ बात सभक सारांश कहलनि।

दानियल के एकटा सपना देखलक आ ओ बेलशस्सर के बेबिलोन के राजा के रूप में शासन के पहिल साल में ओकर विवरण लिखलकै।

1. सपना जीवन मे कोना मार्गदर्शन क सकैत अछि

2. भगवान् के आज्ञापालन के शक्ति

1. उत्पत्ति 37:5-12 - यूसुफक सपना आ ओकर भाइ सभक ईर्ष्या

2. मत्ती 2:12-13 - यूसुफक सपना जे यीशु केँ हेरोदेस सँ बचाबय लेल मिस्र भागि गेल

दानियल 7:2 दानियल बजलाह, “हम अपन दर्शन मे राति मे देखलहुँ, आ देखू, आकाशक चारि हवा महान समुद्र पर झगड़ा क’ रहल छल।”

दानियल एकटा दर्शन मे चारिटा हवा एकटा पैघ समुद्र पर दौड़ैत देखलनि।

1: चारि हवाक संघर्ष हमरा सभकेँ मोन पाड़ैत अछि जे जीवनक बाट प्रायः कठिन होइत अछि, मुदा भगवान् हर तूफानमे हमरा सभक संग रहैत छथि।

2: चारि हवाक संघर्ष हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत अछि जे हम सभ अपन विश्वास मे अडिग रहू, भगवान पर भरोसा करू जे ओ हमरा सभ केँ जीवनक तूफान मे मार्गदर्शन करताह।

1: मत्ती 14:22-26 - यीशु पानि पर चलैत छथि जखन कि चेला सभ एकटा तूफानक बीच संघर्षरत छथि।

2: भजन 107:29 - ओ तूफान केँ शान्त करैत छथि, जाहि सँ ओकर लहरि शान्त रहैत अछि।

दानियल 7:3 समुद्र सँ चारि टा पैघ-पैघ प्राणी एक-दोसर सँ भिन्न-भिन्न छल।

एहि अंश मे समुद्र सँ बाहर निकलैत चारि टा पैघ जानवरक दर्शनक वर्णन कयल गेल अछि |

1. दृष्टि के शक्ति: तूफान में ताकत खोजना

1787

2. विविधता: भगवानक सभ सृष्टि केँ आत्मसात करब

1. यशायाह 11:6-9

2. प्रकाशितवाक्य 5:11-14

दानियल 7:4 पहिल शेर जकाँ छल, जकर पाँखि गरुड़क पाँखि छल, हम ताबत धरि देखैत रहलहुँ जाबत धरि ओकर पाँखि उखाड़ल नहि गेल, आ ओ धरती सँ ऊपर नहि उठि गेल, आ आदमी जकाँ पैर पर ठाढ़ भ’ गेल आ मनुक्खक हृदय नहि देल गेल एकरा लेल।

दानियल चारि टा जानवरक दर्शन देखलनि, जाहि मे पहिल एकटा सिंह छल जकर पाँखि गरुड़क छल।
जखन पाँखि उखाड़ल गेल तखन ओ मनुक्ख जकाँ दू पैर पर ठाढ़ भ' गेल आ ओकरा मनुक्खक हृदय देल गेल।

1. परिवर्तन के शक्ति - भगवान हमरा सब के भीतर स बाहर कोना बदलि सकैत छथि।

2. प्रतिकूलता सँ उबरब - कठिनाईक समय मे भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व।

1. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

दानियल 7:5 एकटा आओर जानवर देखलहुँ, दोसर, भालू जकाँ, आ एक कात उठि गेल, आ ओकर दाँतक बीच ओकर मुँह मे तीन टा पसली छलैक, बहुत मांस खाइए।

दानियल एकटा दोसर जानवर देखलनि जे भालू जकाँ छल, जकर मुँह मे तीन टा पसली छल। एकरा बहुत मांस खाय के आज्ञा देल गेल छल।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: परमेश् वरक वचन कोना पूरा होइत अछि

2. भगवानक लोकक जिम्मेदारी: सही भोजन आ उचित काज करब

1. भजन 33:9 - "किएक तँ ओ बाजल, आ ओ आज्ञा देलक, आ ओ दृढ़ रहल।"

2. नीतिवचन 13:19 - "पूर्ण इच्छा आत्माक लेल मधुर होइत छैक, मुदा बुराई सँ मुँह मोड़ब मूर्खक लेल घृणित अछि।"

दानियल 7:6 एकर बाद हम एकटा आओर तेन्दुआ जकाँ देखलहुँ, जकर पीठ पर चिड़ै सभक चारिटा पाँखि छलैक। ओहि जानवरक चारि टा माथ सेहो छलैक। आ ओकरा प्रभुत्व देल गेलै।

एहि अंश सँ ई पता चलैत अछि जे चारि पाँखि आ चारि माथ बला जानवर केँ पृथ्वी पर प्रभुत्व देल गेल छैक |

1. भगवान् मनुष्य केँ प्रभुत्व देने छथि, मुदा एहि अधिकारक उपयोग सावधानीपूर्वक आ भगवानक इच्छाक अनुसार करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ ई सावधान रहबाक चाही जे सत्ता आ नियंत्रणक प्रलोभन मे हार नहि मानब, कारण एकर परिणाम विनाशकारी भ' सकैत अछि।

1. मत्ती 28:18-20 - यीशु आबि हुनका सभ केँ कहलथिन, “स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि।” तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष् य बनाउ आ ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करऽ। आ देखू, हम युगक अंत धरि अहाँ सभक संग सदिखन छी।

2. उत्पत्ति 1:26-28 - तखन परमेश् वर कहलथिन, “आउ, हम सभ अपन प्रतिरूप मे मनुष् यक बनाबी। समुद्रक माछ आ आकाशक चिड़ै सभ पर, माल-जाल आ समस्त पृथ्वी पर आ पृथ्वी पर रेंगैत हरेक रेंगैत जीव पर ओकर प्रभुत्व हो। तेँ परमेश् वर मनुष् य केँ अपन प्रतिरूप मे बनौलनि, परमेश् वरक प्रतिरूप मे बनौलनि। नर-स्त्री ओ ओकरा सभकेँ सृजित केलथि। आ परमेश् वर हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलनि। परमेश् वर हुनका सभ केँ कहलथिन, “बढ़ू आ बढ़ू आ पृथ् वी केँ भरू आ ओकरा वश मे करू आ समुद्रक माछ आ आकाशक चिड़ै सभ पर आ पृथ्वी पर चलयवला सभ जीव पर प्रभुत्व राखू।”

दानियल 7:7 एकर बाद हम राति मे दर्शन मे देखलहुँ, आ देखलहुँ जे एकटा चारिम जानवर, भयावह आ भयावह आ अत्यंत बलवान। लोहाक बड़का-बड़का दाँत छलैक, ओ खा जाइत छलैक आ ओकरा तोड़ि-टुटि कऽ ओकर पएर सँ अवशेष केँ मुहर लगा दैत छलैक। आ ओकरा दसटा सींग छलैक।

ई अंश एकटा चारिम जानवरक वर्णन क' रहल अछि जे पहिने देखल कोनो जानवर सँ बेसी शक्तिशाली आ भिन्न अछि | एकरऽ विशेषता छै कि एकरऽ बड़ऽ-बड़ऽ लोहा केरऽ दाँत आरू दस सींग होय छै ।

1. भगवानक शक्ति: भगवान् कोना पैघ काज पूरा करबाक लेल अत्यंत असामान्य बातक उपयोग करैत छथि |

2. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् कोना सब वस्तु पर नियंत्रण रखैत छथि, अप्रत्याशित पर सेहो

1. यशायाह 11:1-2 - "यिशै के डारि सँ एकटा छड़ी निकलत, आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि निकलत। आ परमेश् वरक आत् मा ओकरा पर टिकल रहत, बुद्धि आ।" समझ, सलाह आ पराक्रम, ज्ञान आ परमेश् वरक भय।”

2. प्रकाशितवाक्य 17:13-14 - "ई सभ एक विचार रखैत छथि, आ अपन सामर्थ् य आ सामर्थ् य पशु केँ देत। ई सभ मेमना सँ युद्ध करताह, आ मेमना हुनका सभ पर विजय प्राप्त करताह। किएक तँ ओ प्रभु सभक प्रभु आ राजा छथि।" राजा सभक, हुनका संग जे सभ छथि, से सभ बजाओल गेल, चुनल आ विश् वासयोग् य छथि।”

दानियल 7:8 हम सींग सभ पर विचार केलहुँ, आ देखलहुँ, ओकरा सभक बीच एकटा आओर छोट सन सींग उठल, जकर आगू मे पहिल सींग मे सँ तीनटा सींग जड़ि सँ उखाड़ल छल, आ देखू, एहि सींग मे आँखि जकाँ आँखि छल आदमी, आ बड़का-बड़का बात बजनिहार मुँह।

दानियल केँ एकटा जानवर पर चारि टा सींगक दर्शन कयल गेल अछि, जकर एकटा सींग दोसर सँ छोट अछि आ ओकर आँखि मनुक्ख जकाँ अछि आ मुँह पैघ बात बजैत अछि।

1. घमंडक शक्ति: अपना बारे मे बेसी ऊँच सोचबाक खतरा

2. विवेक के बुद्धि: अपन जीवन में परमेश्वर के आवाज के कोना चिन्हल जाय

1. नीतिवचन 16:18: "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यूहन्ना 10:27: "हमर बरद सभ हमर आवाज सुनैत अछि, आ हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत छी, आ ओ सभ हमरा पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि।"

दानियल 7:9 हम ताबत धरि देखैत रहलहुँ जाबत धरि सिंहासन सभ नहि खसा देल गेल, आ दिनक प्राचीन लोक बैसल रहलाह, जिनकर वस्त्र बर्फ जकाँ उज्जर छल आ माथक केश शुद्ध ऊन जकाँ छलनि, हुनकर सिंहासन आगि के लौ जकाँ छल आ हुनकर पहिया जरैत आगि जकाँ।

प्राचीन काल के आगि के सिंहासन पर बैसल छल आ ओकर रूप बर्फ जकाँ उज्जर छल |

1. भगवान् के महिमा: युगों के प्राचीन के पवित्रता पर चिंतन

2. भगवान् के शक्ति: युगों के प्राचीन के अधिकार को पहचानना

1. यशायाह 6:1-7 - प्रभु के एकटा दर्शन जे हुनकर महिमा के सिंहासन पर बैसल अछि

2. भजन 93:1-5 - प्रभु महिमा के कपड़ा पहिरने छथि आ सदा के लेल राजा के रूप में स्थापित छथि

दानियल 7:10 हुनका सोझाँ सँ एकटा आगि सन धार निकलि गेलनि आ हजारो लोक हुनकर सेवा केलनि आ दस हजार गुना दस हजार लोक हुनका सोझाँ ठाढ़ भ’ गेलाह।

ई अंश परमेश् वर के महिमा आरू शक्ति के बात करै छै, कैन्हेंकि हुनकऽ ईश्वरीय न्याय के दौरान बहुत स्वर्गीय प्राणी हुनकऽ उपस्थिति दै छै ।

1. भगवानक महिमा आ पराक्रम: हुनका सँ डरबाक आ आदर करबाक हमर आवश्यकता

2. जवाबदेही के महत्व: धर्मी जीवन जीबाक लेल एकटा आह्वान

1. भजन 97:9 - कारण, प्रभु, अहाँ समस्त पृथ्वी सँ ऊपर छी, अहाँ सभ देवता सँ बहुत ऊपर ऊँच छी।

2. नीतिवचन 15:3 - प्रभुक आँखि सभ ठाम अछि, अधलाह आ नीक केँ देखैत अछि।

दानियल 7:11 तखन हम सींग द्वारा कहल गेल महान शब्दक आवाजक कारणेँ देखलहुँ, जाबत धरि ओ जानवर नहि मारल गेल आ ओकर शरीर नष्ट नहि भ’ गेल आ जरैत लौ मे नहि देल गेल।

सींग बड़का-बड़का बात बाजल, आ जानवर नष्ट भ’ क’ जरैत लौ मे द’ देल गेल।

1: परमेश् वरक न्याय प्रबल अछि - दानियल 7:11

2: चेताओल जाउ आ परमेश् वरक आज्ञा मानू - दानियल 7:11

1: प्रकाशितवाक्य 19:20 - तखन ओ जानवर आ ओकरा संग ओहि झूठ भविष्यवक्ता केँ सेहो पकड़ल गेल जे ओकरा सामने चमत्कार कयलनि, जाहि सँ ओ ओहि जानवरक निशानी पाबि रहल लोक सभ केँ आ ओकर मूर्तिक पूजा करयवला सभ केँ धोखा देलक। ई दुनू गोटे जीबैत गंधक सँ जरैत आगि केर पोखरि मे फेकि देल गेल।

2: यशायाह 30:33 - किएक तँ तोफेत पहिने सँ नियुक्त छथि। हँ, राजाक लेल ई तैयार कयल गेल अछि। ओ ओकरा गहींर आ पैघ बना देने अछि, ओकर ढेर आगि आ बहुत लकड़ी अछि। परमेश् वरक साँस गंधकक धार जकाँ ओकरा जरा दैत अछि।

दानियल 7:12 जेना कि बाकी जानवर सभक प्रभुत्व छीन लेल गेल छल, मुदा ओकर सभक जीवन काल आ समय धरि लंबा भ’ गेल छल।

दानियल केरऽ चारो जानवर के दर्शन चारो विश्व साम्राज्य के प्रतीक छेकै जे आबै-जाबै वाला छै, लेकिन परमेश् वर के राज्य हमेशा लेली रहतै।

1. कोनो राज्य स्थायी नहि होइत छैक: सब किछु भगवानक इच्छाक अधीन होइत छैक।

2. परमेश् वरक राज् य सदाक लेल रहत: हुनकर राज्यक निर्माण आ सेवा करबाक प्रयास करू।

1. इब्रानी 12:27-29 - "एक बेर फेर ई वचन, जे हिलल अछि, ओकरा सभ केँ बनाओल गेल वस्तु जकाँ हटा देबाक बोध कराबैत अछि, जाहि सँ जे सभ हिलल नहि जा सकैत अछि, से बनल रहय। तेँ हमरा सभ केँ एकटा राज्य भेटि रहल अछि।" जे हिलल नहि जा सकैत अछि, हमरा सभ केँ कृपा हो, जाहि सँ हम सभ आदर आ भक्ति सँ परमेश् वरक स्वीकार्य सेवा कऽ सकब।

2. भजन 145:13 - "तोहर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ तोहर प्रभु सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि।"

दानियल 7:13 हम राति मे दर्शन मे देखलहुँ, आ देखलहुँ, मनुष्यक पुत्र जकाँ एक गोटे स् वर्गक मेघक संग आबि गेलाह आ प्राचीन दिनक लग आबि गेलाह आ ओ सभ हुनका हुनका सोझाँ लग अनलनि।

मनुष्यक पुत्र केँ एकटा दर्शन मे देखल गेलनि, जे स्वर्गक मेघक संग प्राचीन काल मे आबि रहल छलाह |

1. मनुष्यक पुत्रक महिमा आ महिमा

2. दृष्टि आ सपना के शक्ति

1. यशायाह 6:1-3 - जाहि साल राजा उजियाहक मृत्यु भेलनि, हम प्रभु केँ एकटा सिंहासन पर बैसल देखलहुँ, जे ऊँच आ ऊँच छल। आ ओकर वस्त्रक रेल मंदिर मे भरि गेल।

2. प्रकाशितवाक्य 1:12-16 - हम सात टा सोनाक दीप-स्तम्भ देखलहुँ, आ सातटा दीप-स्तम्भक बीच मे एकटा मनुक्खक बेटा जकाँ, नम्हर वस्त्र पहिरने आ छाती पर सोनाक पट्टी पहिरने।

दानियल 7:14 हुनका अधिकार, महिमा आ एकटा राज्य देल गेलनि, जाहि सँ सभ लोक, जाति आ भाषा हुनकर सेवा करथि, हुनकर प्रभु एकटा अनन्त शासन अछि, जे नहि बीतत, आ हुनकर राज्य जे होयत नष्ट नहि होएत।

ई अंश परमेश् वर के अनन्त प्रभुत्व आरू राज्य के बारे में बात करै छै।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेम: हुनक प्रभुत्व आ राज्यक अनन्त प्रकृति

2. परमेश् वरक अनन्त शक्ति: हुनक निष्ठा आ संप्रभुताक स्मरण

1. यिर्मयाह 32:27 - देखू, हम प्रभु छी, सभ शरीरक परमेश् वर छी।

2. भजन 145:13 - अहाँक राज्य एकटा अनन्त राज्य अछि, आ अहाँक प्रभु सभ पीढ़ी धरि टिकैत अछि।

दानियल 7:15 हम दानियल हमर शरीरक बीच हमर आत्मा मे दुखी छलहुँ, आ हमर माथक दर्शन हमरा परेशान क’ देलक।

दानियल क॑ जे दर्शन मिल॑ लगलऽ छेलै, ओकरा चलतें ओकरा गहरी आध्यात्मिक संकट छेलै ।

1: जखन हमरा सभ केँ दिव्य दर्शन भेटैत अछि तखन ई भारी पड़ि सकैत अछि मुदा भगवान हमरा सभक संकटक समय मे हमरा सभक संग देबाक लेल सदिखन ठाढ़ रहैत छथि।

2: प्रार्थना आ ध्यान के माध्यम स हम सब शक्ति आ आराम के लेल भगवान के तरफ मुड़ सकैत छी जखन हम सब एहन दर्शन स परेशान छी जे हमरा सब के बुझल नै अछि।

1: फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष राखू। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ परे अछि, अहाँक रक्षा करत।" हृदय आ मन मसीह यीशु मे राखू।”

2: भजन 34:17-18 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

दानियल 7:16 हम ओहि ठाम ठाढ़ लोक मे सँ एकटा लग पहुँचलहुँ आ हुनका सँ एहि सभक सत्यता पुछलियनि। तेँ ओ हमरा कहलथिन आ ओहि बात सभक व्याख्या हमरा बुझा देलथिन।

दानियल क॑ समुद्र स॑ बाहर निकली क॑ चारो जानवर के दर्शन होय छै आरू वू देखै वाला म॑ स॑ एक स॑ पूछी क॑ दर्शन के अर्थ समझै के कोशिश करै छै ।

1: भगवानक बाट रहस्यमयी होइत छैक मुदा ओ सदिखन सत्यक खोज करयवला केँ प्रकट करैत छथि।

2: भगवान् हमरा सभ केँ सदिखन ओ समझ प्रदान करताह जे हमरा सभ केँ हुनकर इच्छा पूरा करबाक लेल चाही।

1: यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ आ हम अहाँ केँ उत्तर देब आ अहाँ केँ पैघ आ अनसोद बात कहब जे अहाँ नहि जनैत छी।"

2: यूहन्ना 16:13 - "जखन सत्यक आत्मा आओत तखन ओ अहाँ सभ केँ समस्त सत्य मे मार्गदर्शन करत।"

दानियल 7:17 ई महान जानवर जे चारि अछि, चारिटा राजा अछि, जे पृथ्वी सँ उठत।

दानियल अपन दर्शन मे चारिटा जानवर देखैत छथि जे चारिटा राजाक प्रतिनिधित्व करैत अछि जे पृथ्वी सँ उठत।

1. परमेश् वरक अटूट संप्रभुता: हम सभ दानियलक दर्शन मे देखैत छी जे जे अराजकता बुझाइत अछि तकर बादो परमेश् वर एखनो नियंत्रण मे छथि।

2. राष्ट्रक उदय: एहि अंश सँ हम सभ ई सीख सकैत छी जे राष्ट्र आओत आ जायत, मुदा परमेश्वरक अंतिम योजना अपरिवर्तित अछि।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

2. यशायाह 46:10 - शुरू सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल काज केँ अंतक घोषणा करैत कहैत, ‘हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ उद्देश्य पूरा करब।’

दानियल 7:18 मुदा परमेश् वरक पवित्र लोक सभ राज् य केँ अपना मे समेटि लेताह आ राज् य केँ अनन् त काल धरि, अनन् त काल धरि अपन कब्जा मे राखि लेताह।

परमात्माक संत लोकनि अनन्त काल धरि राज्य केँ लऽ कऽ अपन कब्जा मे राखि लेताह।

1: परमेश् वर अपन लोक सभ केँ अनन्त राज्यक प्रतिज्ञा देने छथि।

2: प्रतिकूलताक सामना करैत हमरा सभ केँ विश्वासी रहबाक चाही आ ई मोन राखय पड़त जे प्रभु हमरा सभक संग सदिखन रहताह।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: कुलुस्सी 3:15-17 - परमेश् वरक शान्ति अहाँ सभक हृदय मे राज करऽ, जकरा लेल अहाँ सभ एक शरीर मे बजाओल गेल छी। आ अहाँ सभ धन्य रहू। मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि सँ भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी। अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से सभ प्रभु यीशुक नाम पर करू आ हुनका द्वारा पिता परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दियौक।

दानियल 7:19 तखन हम चारिम जानवरक सत्यता जनब, जे सभ सँ भिन्न छल, बहुत भयावह छल, जकर दाँत लोहाक आ नाखून पीतल सँ बनल छल। जे खा गेल, टुकड़ा-टुकड़ा क' क' अवशेष पर पैर सँ मुहर लगा देलक।

दानियल चारि टा जानवरक दर्शन सँ परेशान अछि, जाहि मे सँ एकटा विशेष रूप सँ भयावह आ विनाशकारी अछि, जकर दाँत लोहा आ पीतल केर पंजा अछि।

1. प्रतिकूलताक सामना करैत भय पर काबू पाबब

2. कठिन समय मे भगवानक योजना केँ बुझब

1. यशायाह 43:1-3 मुदा आब, प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि: डेराउ नहि, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क’ देलहुँ। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

2. व्यवस्था 31:6 मजबूत आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँकेँ नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

दानियल 7:20 हुनकर माथ मे जे दस सींग छल आ दोसर जे ऊपर उठल छल, ताहि मे सँ तीनटा सींग खसि पड़ल छल। ओहो सींगक जे आँखि छलैक आ मुँह बहुत पैघ बात बजबैत छलैक, जकर नजरि ओकर संगी सभ सँ बेसी मोट छलैक।

दानियल देखै छै कि दस सींग वाला जानवर के दर्शन छै, जेकरा में से तीन सींग गिरी कॅ आँख आरो मुँह वाला सींग के जगह बनाबै छै जे बड़ऽ बात बोलै छै।

1. बाजल वचनक शक्ति

2. कमजोरक ताकत

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि

2. इब्रानी 11:34 - आगि के हिंसा बुझेलनि, तलवारक धार सँ बचि गेलाह, कमजोरी सँ मजबूत कयल गेलाह।

दानियल 7:21 हम देखलहुँ, आ वैह सींग पवित्र लोक सभ सँ युद्ध कयलक आ हुनका सभ पर विजयी भ’ गेल।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना एकटा जानवरक सींग संत सभक विरुद्ध युद्ध केलक आ ओकरा सभ पर विजयी भेल |

1. गवाही के शक्ति: प्रतिकूलता के सामने दृढ़ता स ठाढ़ रहला स हमर विश्वास कोना मजबूत होइत अछि

2. प्रलोभन पर काबू पाब: दुनिया के दबाव के बावजूद अपन आस्था के प्रति कोना सच्चा रहब

1. मत्ती 16:24-25 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, जे कियो हमर शिष् य बनय चाहैत अछि, से अपना केँ नकारबाक चाही आ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़बाक चाही। किएक तँ जे अपन जान बचाबए चाहैत अछि से ओकरा गमा लेत, मुदा जे हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत से ओकरा भेटत।

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

दानियल 7:22 जाबत धरि प्राचीन लोक नहि आबि गेलाह आ परम परमेश् वरक पवित्र लोक सभ केँ न्याय नहि कयल गेलनि। आ समय आबि गेल जे पवित्र लोक सभ राज्य पर कब्जा क' लेलक।

भगवान् परम न्यायाधीश छथि आ ओ अपन लोक के न्याय आ शांति अनताह।

1: भगवान् विश्वासी के न्याय आ शांति आनताह।

2: भगवान् परम न्यायाधीश छथि आ धर्मी के न्याय आनताह।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

1793

दानियल 7:23 ओ एहि तरहेँ कहलनि, “चारिम प्राणी पृथ्वी पर चारिम राज्य होयत, जे सभ राज्य सँ भिन्न होयत, आ समस्त पृथ्वी केँ खा जायत आ ओकरा रौदत आ ओकरा तोड़ि देत।”

दानियल के एकटा चारिम जानवर के दर्शन छै जे चारिम राज्य होयत आ आन सब राज्य स अलग होयत, आ पूरा पृथ्वी पर हावी होयत।

1. परमेश् वरक प्रभुत्व: दानियल 7:23 मे चारिम जानवर केँ बुझब

2. दृढ़ता के शक्ति: दानियल 7:23 मे चारिम जानवर के चुनौती स उबरब

1. प्रकाशितवाक्य 13:7 - ओकरा पवित्र लोक सभ सँ युद्ध करबाक आ ओकरा सभ पर विजय देबाक अधिकार देल गेलनि, आ ओकरा सभ जाति, भाषा आ जाति पर अधिकार देल गेलनि।

2. यशायाह 11:4 - मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत, आ ओ पृथ्वी केँ मुँहक छड़ी सँ मारि देत, आ ठोरक साँस सँ मारि देत दुष्ट।

दानियल 7:24 एहि राज्य सँ दस सींग दसटा राजा अछि जे उठत। ओ पहिलुका सँ भिन्न होयत, आ तीन राजा केँ अपन वश मे क’ लेत।

भगवान केरऽ राज्य दस राजा के माध्यम स॑ लानलऽ जैतै, जेकरा बाद एगो अनूठा व्यक्ति सत्ता म॑ आबै वाला छै आरू तीन आरू राजा क॑ वश म॑ करी लेतै ।

1. भगवानक योजना: दस राजा आ एकटा अद्वितीय वश मे करयवला के महत्व बुझब

2. परमेश् वरक संप्रभुता केँ बुझब: राजा आ राज्यक लेल हुनकर योजना

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन रहत, शांति के राजकुमार।

2. प्रकाशितवाक्य 11:15 - सातम स् वर्गदूत बजौलनि। स् वर्ग मे जोर-जोर सँ आवाज आबि रहल छल जे, “एहि संसारक राज् य हमरा सभक प्रभु आ हुनकर मसीहक राज् य बनि गेल अछि।” ओ अनन्त काल धरि राज करत।

दानियल 7:25 ओ परमात्माक विरुद्ध बड़का-बड़का बात कहताह, आ परमात्माक पवित्र लोक सभ केँ थका देताह, आ समय आ नियम केँ बदलबाक विचार करताह समय के।

दानियल 7:25 मे मसीह विरोधी पर भविष्यवाणी कयल गेल अछि जे ओ परमात्माक विरोध करत, संत सभ केँ सताओत आ समय आ नियम केँ बदलबाक प्रयास करत।

1. मसीह विरोधी: एकटा झूठ मसीहा आ परमेश् वरक शत्रु

2. उत्पीड़नक सामना करैत दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. प्रकाशितवाक्य 13:7-8 - हुनका पवित्र लोक सभ सँ युद्ध करबाक आ हुनका सभ पर विजय देबाक अधिकार देल गेलनि आ हुनका सभ जाति, भाषा आ जाति पर अधिकार देल गेलनि। पृथ् वी पर रहनिहार सभ हुनकर आराधना करत, जिनकर नाम संसारक सृष्टि सँ मारल गेल मेमनाक जीवनक पुस्तक मे नहि लिखल अछि।

2. मत्ती 10:22 - हमर नामक कारणेँ अहाँ सभ सँ घृणा होयत, मुदा जे अंत धरि सहन करत, से उद्धार होयत।

दानियल 7:26 मुदा न्याय बैसल रहत, आ ओ सभ ओकर प्रभुत्व छीनि लेत, ओकरा अंत धरि नष्ट करबाक लेल आ नष्ट करबाक लेल।

परमेश् वरक न्याय दुष् ट सभक प्रभुत्व केँ दूर कऽ देत आ विनाश केँ अन् त धरि पहुँचाओत।

1794

1. "भगवानक न्याय आ सभ वस्तु पर हुनक प्रभुत्व"।

2. "दुष्टक विनाश आ परमेश् वरक अनन्त राज्य"।

1. रोमियो 14:17- किएक तँ परमेश् वरक राज् य खान-पानक बात नहि अछि, बल् कि पवित्र आत् मा मे धार्मिकता, शान्ति आ आनन्दक बात अछि।

2. प्रकाशितवाक्य 11:15- तखन सातम स् वर्गदूत अपन तुरही बजौलनि, आ स्वर्ग मे जोर-जोर सँ आवाज आयल जे कहैत छल: संसारक राज्य हमरा सभक प्रभु आ हुनकर मसीहक राज्य बनि गेल अछि, आ ओ अनन्त काल धरि राज करत.

दानियल 7:27 आ समस्त आकाशक नीचाँक राज्य आ प्रभुत्व आ राज्यक महानता परमात्माक पवित्र लोक सभक लोक केँ देल जायत, जिनकर राज्य अनन्त राज्य अछि, आ सभ प्रभु हुनकर सेवा करत आ हुनकर आज्ञा मानत.

परमेश् वरक राज् य अनन् त अछि आ हुनकर सेवा करनिहार सभ केँ फल भेटतनि।

1: परमेश् वरक राज्यक अन्तहीन प्रतिज्ञा

2: प्रभु के सेवा आ आज्ञापालन के शक्ति

1: यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

दानियल 7:28 एखन धरि बातक अंत अछि। रहल हमर दानियल, हमर चिंतन हमरा बहुत परेशान केलक, आ हमर चेहरा हमरा मे बदलि गेल, मुदा हम एहि बात केँ मोन मे राखि लेलहुँ।

ई अंश दानियल के देल गेल दर्शन के अंत के बात करै छै। विचारसँ भरि गेलाह आ चेहरा बदलि गेलनि, मुदा ओ बात अपनामे राखि लेलनि।

1. चुप रहब एकटा गवाही भ' सकैत अछि: दानियल के अपन दृष्टि के बारे में बात करय सं मना करब हुनकर विश्वास के कोना देखा देलक

2. कठिन परिस्थिति के बीच परमेश् वर पर भरोसा करब: दानियल के उदाहरण स सीखब

1. नीतिवचन 17:27-28 - जे ज्ञान रखैत अछि ओ अपन बात केँ बख्शैत अछि, आ बुद्धिमान आदमी शान्त आत्माक होइत अछि। मूर्ख सेहो बुद्धिमान मानल जाइत अछि जखन ओ चुप रहैत अछि; जखन ओ ठोर बन्न करैत छथि तखन हुनका बोधगम्य मानल जाइत छनि ।

2. याकूब 1:2-3 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ विभिन्न परीक्षा मे पड़ब तखन ई सभटा आनन्द मानू, ई जानि जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ धैर्य उत्पन्न होइत अछि।

दानियल अध्याय 8 मे दानियल के सामने एकटा आओर दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि, जे एकटा मेढ़क, एकटा बकरी आ एकटा छोट सन सींग पर केंद्रित अछि। अध्याय भविष्य के घटना के बारे में जानकारी दै छै आरू परमेश् वर के लोग के अंतिम जीत के उजागर करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत राजा बेलसस्सर के शासन के तेसरऽ साल के दौरान दानियल के दर्शन के साथ होय छै । अपनऽ दर्शन म॑ दानियल खुद क॑ सुसा के किला म॑ पाबै छै, जे उलाई नहर के पास खड़ा छै (दानियल ८:१-२)।

दोसर पैराग्राफ: दानियल एकटा मेढ़ देखैत छथि जकर दू टा सींग अछि, एकटा दोसर सँ नमहर। मेढ़ा पश्चिम, उत्तर आ दक्षिण दिस धक्का दैत अछि, अपन शक्ति आ वर्चस्वक प्रदर्शन करैत अछि (दानियल 8:3-4)।

तृतीय पैराग्राफ: आँखिक बीच एकटा उल्लेखनीय सींग बला नर बकरी अचानक आबि जाइत अछि आ मेढ़ा पर बहुत गति आ क्रोध सँ चार्ज करैत अछि | बकरी मेढ़ा के हरा दैत अछि, ओकर सींग तोड़ैत अछि आ ओकरा रौंदैत अछि (दानियल 8:5-7)।

4 म पैराग्राफ: बकरी अत्यंत शक्तिशाली भ जाइत अछि, मुदा ओकर पैघ सींग टूटि जाइत अछि। एकरऽ जगह पर चारो उल्लेखनीय सींग निकलै छै, जे चारो राज्य के प्रतिनिधित्व करै छै जे राष्ट्र स॑ उठतै (दानियल ८:८-९)।

5 म पैराग्राफ: चारि सींग मे सँ एकटा सींग सँ एकटा छोट सन सींग निकलैत अछि आ शक्ति मे बढ़ैत अछि, भगवानक विरुद्ध घमंड करैत अछि आ हुनकर लोक केँ सताबैत अछि। एतेक धरि जे ई नित्य बलिदान केँ समाप्त करबाक आ पवित्र स्थान केँ अपवित्र करबाक प्रयास सेहो करैत अछि (दानियल 8:9-12)।

6 म पैराग्राफ: दानियल दू टा आओर स्वर्गीय प्राणीक बीच गप्प-सप्प सुनैत छथि, आ एकटा पूछैत छथि जे ई दर्शन कतेक दिन धरि चलत। प्रतिक्रिया ई छै कि दर्शन दूर के भविष्य आरू अंत के निर्धारित समय स॑ संबंधित छै (दानियल ८:१३-१४)।

7 म पैराग्राफ: दानियल आओर स्पष्टीकरण चाहैत छथि, आ हुनका कहल गेल छनि जे छोटका सींग समृद्ध होइत रहत आ परमेश्वरक लोकक विरुद्ध युद्ध लड़त। तथापि, अंततः ई ईश्वरीय हस्तक्षेप सँ नष्ट भ’ जायत (दानियल 8:23-25)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 8 मे दानियल केँ एकटा आओर दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि,
एकटा मेढ़क, एकटा बकरी आ एकटा छोट सन सींगक विशेषता,
भविष्य के घटना के अंतर्दृष्टि प्रदान करब
आ परमेश् वरक लोकक अंतिम विजय पर प्रकाश दैत।

उलाई नहर के किनारे सुसा के किला में डेनियल के दर्शन |
दू टा सींग वाला मेढ़क उपस्थिति, जे ओकर ताकत आ वर्चस्वक प्रतीक अछि |
उल्लेखनीय सींग वाला नर बकरी के आगमन, मेढ़ा के पराजित करते हुए |
बकरी के टूटल सींग स चारि टा उल्लेखनीय सींग के उदय, जे चारि राज्य के प्रतिनिधित्व करैत अछि |
चारि सींग मे सँ एकटा सींग सँ छोट सन सींग उठू, परमेश् वरक विरुद्ध घमंड करू आ हुनकर लोक केँ सताबैत छी।
स्वर्गीय प्राणीक बीच सुनल गप्प-सप्प, जे दूर भविष्य आ अंतक निर्धारित समयक संकेत दैत छल |
छोटका सींग के निरंतर समृद्धि आ भगवान के लोक के उत्पीड़न के भविष्यवाणी, ओकर बाद ईश्वरीय हस्तक्षेप स ओकर अंततः विनाश |

दानियल केरऽ ई अध्याय म॑ एगो आरू दर्शन प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै जे दानियल क॑ राजा बेलससर केरऽ शासन के तेसरऽ साल के दौरान मिललऽ छेलै । अपनऽ दर्शन में डेनियल खुद क॑ सुसा के किला में पाबै छै, जे उलाई नहर के किनारे खड़ा छै । ओ देखैत छथि जे दू टा सींग वाला मेढ़ा, एकटा दोसर सँ नमहर, पश्चिम, उत्तर आ दक्षिण दिस धकेलि रहल अछि, अपन शक्ति आ वर्चस्वक प्रदर्शन करैत अछि | तखन, आँखिक बीच एकटा उल्लेखनीय सींग बला नर बकरी प्रकट होइत अछि आ मेढ़ पर बहुत गति आ क्रोध सँ आक्रमण करैत अछि, ओकरा पराजित करैत अछि आ ओकर सींग तोड़ैत अछि | बकरी अत्यंत शक्तिशाली भ' जाइत अछि मुदा ओकर पैघ सींग टूटि जाइत अछि, आ ओकर स्थान पर चारि टा उल्लेखनीय सींग निकलैत अछि, जे चारि राज्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि | चारि सींग मे सँ एकटा सींग सँ एकटा छोट सन सींग निकलैत अछि आ शक्ति मे बढ़ैत अछि, भगवानक विरुद्ध घमंड करैत अछि आ हुनकर लोक केँ सताबैत अछि | एतेक धरि जे नित्य यज्ञ केँ समाप्त करबाक आ अभयारण्य केँ अपवित्र करबाक प्रयास सेहो कयल गेल अछि | दानियल दू स्वर्गीय प्राणी के बीच के बातचीत सुनै छै, आरू ओकरा कहलऽ जाय छै कि ई दर्शन दूर के भविष्य आरू अंत के निर्धारित समय स॑ संबंधित छै। दानियल आरू स्पष्टीकरण मँगै छै आरू ओकरा सूचित करलौ जाय छै कि छोटऽ सींग समृद्ध होय जैतै आरू परमेश्वर के लोग के खिलाफ युद्ध करतै लेकिन अंततः ईश्वरीय 1796

हस्तक्षेप स॑ नष्ट होय जैतै । ई अध्याय भविष्य के घटना के बारे में जानकारी दै छै आरू परमेश् वर के लोग सिनी के अपनऽ अत्याचारी पर अंतिम जीत के उजागर करै छै।

दानियल 8:1 राजा बेलसस्सरक शासनक तेसर वर्ष मे हमरा एकटा दर्शन भेल, हमरा दानियल केँ, जे हमरा पहिने देखाओल गेल छल।

दानियल के राजा बेलसस्सर के शासन के तेसरऽ साल में एक मेढ़ा आरू बकरी के दर्शन छै।

1. कठिन समय मे भगवानक मार्गदर्शन पर भरोसा करब

2. दूरदर्शी सपना के शक्ति के आत्मसात करब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 20:4 - "ओ अहाँक हृदयक इच्छा पूरा करथि आ अहाँक सभ योजना केँ पूरा करथि!"

दानियल 8:2 हम एकटा दर्शन मे देखलहुँ। हम देखलहुँ जे हम एलाम प्रदेशक महल मे शुशान मे छी। हम एक दर्शन मे देखलहुँ, आ हम उलाई नदीक कात मे छलहुँ।

दानियल एलाम प्रांत में स्थित शुशान महल में दर्शन में छै आरू वू उलाई नदी के किनारे छै।

1. हमर जीवनक लेल परमेश् वरक दृष्टि: हुनकर इच्छाक मार्ग पर चलब

2. बाइबिल मे सपना के महत्व के समझना

1. प्रेरित 2:17 - आ अंतिम समय मे ई होयत, परमेश् वर घोषणा करैत छथि, जे हम अपन आत् मा सभ शरीर पर उझलि देब, आ अहाँक बेटा-बेटी भविष्यवाणी करत, आ अहाँक युवक सभ दर्शन देखत आ अहाँक बूढ़ मनुष्य सपना देखत

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी, से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि

दानियल 8:3 तखन हम आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे नदीक कात मे एकटा मेढ़ा ठाढ़ छल जकर दूटा सींग छलैक। मुदा एकटा दोसरसँ ऊँच छल आ जे ऊँच अछि से सभसँ अंतमे ऊपर आबि गेल।

एहि अंश मे दू टा सींग वाला मेढ़क गप्प कयल गेल अछि, जाहि मे एकटा सींग दोसर सँ ऊँच अछि |

1. दृढ़ताक शक्ति - मेढ़क उच्च सींगक उदाहरणक आधार पर हम सभ अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक रहब सीख सकैत छी आ अपन प्रयासक फल पाबि सकैत छी।

2. विनम्रताक ताकत - मेढ़ा सँ सीख सकैत छी जे सच्चा शक्ति विनम्रता सँ होइत छैक, कारण उच्चतर सींग अंतिम बेर उठल।

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन ठाढ़ भ’ सकब।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। अतः ओ कहैत छथि: "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |"

दानियल 8:4 हम देखलहुँ जे मेढ़ा पश्चिम दिस, उत्तर दिस आ दक्षिण दिस धकेलि रहल छल। जाहि सँ हुनका सामने कोनो जानवर ठाढ़ नहि भ' सकैत छल आ ने कोनो एहन जानवर छल जे हुनका हाथ सँ बचा सकैत छल। मुदा ओ अपन इच् छाक अनुसार कयलनि आ महान भऽ गेलाह।

दानियल एकटा एहन मेढ़ा देखलनि जे शक्तिशाली आ अरोपित छल, जे चाहैत छल से करैत छल आ महान बनैत छल।

1. हमरा सभकेँ अपन शक्तिक बदला भगवानक बल पर निर्भर रहबाक चाही।

2. अपन इच्छाक बदला परमेश् वरक इच्छाक पालन करबाक महत्व।

1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक कवच

2. यशायाह 40:29 - ओ थकल लोक केँ ताकत दैत छथि

दानियल 8:5 जखन हम सोचैत रही तखन देखलहुँ जे पश्चिम दिस सँ एकटा बकरी समस्त पृथ्वी पर आबि गेल आ जमीन केँ नहि छुलक।

एकटा हे बकरी पश्चिम दिससँ आबैत देखल जाइत अछि, जे पृथ्वीक ऊपर उड़ैत अछि, जकर आँखिक बीच एकटा उल्लेखनीय सींग अछि ।

1. भगवान् के अनन्त उपस्थिति

2. विश्वासक शक्ति

1. भजन 46:1-2 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब, यद्यपि पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।"

2. इब्रानी 11:1 "आब विश्वास अछि जे हम सभ आशा करैत छी ताहि पर भरोसा आ जे नहि देखैत छी ताहि पर आश्वासन अछि।"

दानियल 8:6 ओ दूटा सींग वाला मेढ़क लग पहुँचलाह, जकरा हम नदीक कात मे ठाढ़ देखने छलहुँ, आ अपन शक्तिक क्रोध मे दौड़ल हुनका लग आबि गेलाह।

एकटा आकृति दू टा सींग बला मेढ़क लग आबि जाइत अछि जे कोनो नदीक कात मे ठाढ़ छल आ ओकरा लग बहुत शक्ति सँ दौड़ैत अछि ।

1. विश्वास के शक्ति: हम अपन विश्वास के उपयोग चुनौती स उबरय लेल कोना क सकैत छी

2. दृढ़ संकल्पक ताकत: अपन लक्ष्य सँ कहियो हार नहि मानब

1. इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि।

2. रोमियो 12:12 - "आशा मे आनन्दित रहू, क्लेश मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।"

दानियल 8:7 हम ओकरा मेढ़क लग अबैत देखलहुँ, आ ओ मेढ़ा केँ मारि देलक आ ओकर दुनू सींग तोड़ि देलक ओकरा जमीन पर खसि पड़लै आ ओकरा पर दबा देलकैक।

एहि अंश मे एकटा स्वर्गदूत मेढ़क लग आबि ओकरा ताकत सँ भारी पड़बाक वर्णन कयल गेल अछि, एतेक धरि जे मेढ़क मे स्वर्गदूतक विरुद्ध ठाढ़ हेबाक कोनो शक्ति नहि छैक आ ओकरा जमीन पर फेकि देल जाइत छैक |

1. परमेश् वरक सामर्थ् य हमरा सभक सामना करय बला कोनो प्रतिद्वन्द्वी सँ बेसी अछि।

2. हम सभ परमेश् वरक शक्ति पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ कोनो चुनौती सँ उबरबा मे मदद करत।

1. इफिसियों 6:10-13 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। भगवानक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन रुख राखि सकब। कारण, हमर सभक संघर्ष खून-मांसक विरुद्ध नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि अन्हार संसारक शक्ति सभक विरुद्ध आ स् वर्गीय क्षेत्र मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध अछि। तेँ परमेश् वरक पूरा कवच पहिरि लिअ, जाहि सँ जखन अधलाह दिन आओत तँ अहाँ सभ अपन जमीन पर ठाढ़ भऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ ठाढ़ भऽ सकब।

1798

2. यशायाह 40:29-31 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

दानियल 8:8 तेँ बकरी बहुत पैघ भेल, जखन ओ मजबूत भेल तखन ओकर पैघ सींग टूटि गेल। आ एहि लेल चारिटा उल्लेखनीय आकाशक चारिटा हवा दिस बढ़ल।

बकरी बहुत शक्तिशाली भ गेलै, आ जखन ओ शक्तिशाली भेलै तखन ओकर पैघ सींग टूटि गेलै आ ओकर जगह पर चारि टा उल्लेखनीय सींग बढ़ि गेलै आ स्वर्गक चारि हवाक सामना करय लागल।

1: भले हम सभ कखनो काल शक्तिशाली आ सफल भ' सकैत छी, मुदा हमरा सभ केँ ई मोन राख' पड़त जे हमर सभक शक्ति आ शक्ति हमरा सभ सँ नहि, बल्कि भगवान् सँ भेटैत अछि।

2: जखन हम सब अपन शक्ति पर निर्भर रहब तखन अंततः ओ टूटि जायत, मुदा जखन भगवानक शक्ति पर भरोसा करब तखन ओ सदिखन बनल रहत।

1: भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2: यशायाह 40:29 - ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

दानियल 8:9 हुनका सभ मे सँ एकटा छोट सन सींग निकलल जे दक्षिण दिस आ पूब दिस आ सुखद देश दिस बहुत पैघ भ’ गेल।

चारि जानवर मे सँ एकटा जानवर सँ एकटा छोट सन सींग निकलल, जे दक्षिण, पूर्व आ सुखद भूमि मे पैघ भेल।

1. परमेश्वरक सार्वभौमिकता: दानियल 8 मे छोट सींग

2. हमर कमजोरी मे परमेश्वरक शक्ति: दानियल 8 मे छोट सींग सँ सीख

1. दानियल 8:9

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

दानियल 8:10 ई बात स् वर्गक सेना धरि पैघ भ’ गेल। ओ किछु सेना आ तारा सभ केँ जमीन पर फेकि देलक आ ओकरा सभ पर ठूंठ मारि देलक।

दानियल 8:10 एकटा पैघ शक्तिक बारे मे कहैत अछि जे एतेक पैघ छल जे स्वर्गक सेना पर सेहो प्रभाव डाललक, किछु तारा सभ केँ जमीन पर फेकि देलक आ ओकरा सभ पर ठूंठ मारि देलक।

1. भगवान् के सार्वभौमिकता: सर्वशक्तिमान के शक्ति के समक्ष आत्मसमर्पण

2. भगवान् के सर्वशक्तिमान: प्रभु के बल को समझना

1. यशायाह 40:21-22 - "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? की अहाँ सभ केँ शुरू सँ नहि कहल गेल अछि? की अहाँ सभ पृथ्वीक स्थापनाक बाद सँ नहि बुझलहुँ? ओ पृथ्वीक घेरा सँ ऊपर सिंहासन पर बैसल बैसल छथि, ओकर लोक टिड्डी जकाँ अछि।ओ आकाश केँ छतरी जकाँ पसारि दैत अछि, आ ओकरा रहबाक लेल डेरा जकाँ पसारि दैत अछि।

2. भजन 103:19-21 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत अछि। हे हुनकर स् वर्गदूत, अहाँ सभ पराक्रमी जे हुनकर आज्ञा पूरा करैत छी, जे 1799

हुनकर वचन मानैत छी, प्रभुक स्तुति करू। प्रभुक स्तुति करू, हुनकर सभ स् वर्गीय सेना, अहाँ हुनकर सेवक जे हुनकर इच्छा पूरा करैत छी।

दानियल 8:11 हँ, ओ सेनाक मुखिया धरि अपना केँ महिमामंडित कयलनि, आ हुनका द्वारा प्रतिदिनक बलिदान चलि गेलनि, आ हुनकर पवित्र स्थानक स्थान खसा देल गेलनि।

दानियल के दर्शन में एकटा शक्तिशाली आकृति के पता चलैत अछि, जे सेना के राजकुमार के सामने अपना के बढ़ाबैत अछि, आ दैनिक बलिदान आ पवित्र स्थान के छीन लेबय के कारण बनैत अछि।

1. घमंड के खतरा: घमंड हमरा सब के भगवान स कोना दूर क सकैत अछि

2. भगवानक सार्वभौमत्व: हमरा लोकनिक कमीक बादो भगवान कोना नियंत्रण मे छथि

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यशायाह 45:7 - "हम इजोत के निर्माण करैत छी आ अन्हार के सृजन करैत छी, हम समृद्धि आनैत छी आ विपत्ति पैदा करैत छी; हम, प्रभु, ई सब काज करैत छी।"

दानियल 8:12 अपराधक कारणेँ हुनका नित्य बलिदानक विरुद्ध एकटा सेना देल गेलनि आ ओ सत् य केँ जमीन पर फेकि देलकनि। आ अभ्यास केलक आ समृद्ध भेल।

अतिक्रमण के कारण नित्य यज्ञ के विरुद्ध मेजबान के देल गेल छल आ ओ सत्य के नीचा फेकि क अभ्यास करय में सफल भ गेल छल |

1. अतिक्रमणक परिणाम - एहि सँ जे विनाश होइत अछि ताहि सँ कोना बचि सकैत छी

2. सत्यक शक्ति - आस्थाक नींव केँ कोना पुनः पुष्ट कयल जाय

1. यशायाह 59:14 - न्याय पाछू भ’ जाइत अछि, आ धार्मिकता दूर ठाढ़ भ’ जाइत अछि; कारण गली मे सत् य खसि गेल अछि, आ समता प्रवेश नहि क' सकैत अछि।

2. नीतिवचन 11:3 - सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

दानियल 8:13 तखन हम एकटा संत केँ बजैत सुनलहुँ, आ दोसर संत ओहि संत केँ कहलथिन जे, “नित्य बलिदान आ उजड़बाक अपराधक दर्शन कतेक दिन धरि रहत, जाहि सँ पवित्र स्थान आ सेना दुनू केँ दबाओल जायत।” पैरक नीचाँ?

नित्य यज्ञ आ उजाड़ के उल्लंघन के दर्शन पर सवाल उठि रहल अछि जे ई कतेक दिन धरि चलत।

1. आशाक दृष्टि: उजाड़क माध्यमे स्थायी

2. अतिक्रमण के पार करब: अभयारण्य के एकटा मार्ग

1. रोमियो 8:18-25 - हमरा सभक जीवन मे महिमा आ आत्माक शक्तिक आशा

2. भजन 27:1-5 - प्रभु हमरा सभक इजोत आ उद्धार छथि, अन्हारक समय मे हुनका पर भरोसा करैत छी।

दानियल 8:14 ओ हमरा कहलनि, “दू हजार तीन सय दिन धरि। तखन पवित्र स्थान शुद्ध होयत।

दानियल के एकटा स्वर्गदूत कहैत अछि जे 2300 दिन के बाद पवित्र स्थान के शुद्ध कयल जायत।

1. भगवान् के समय: 2300 दिन के महत्व के समझना

2. अभयारण्यक सफाई: अपरिचित ऋतु मे भगवान् पर भरोसा करब

1800

1. भजन 25:5 - "हमरा अपन सत्य मे लऽ जाउ आ हमरा सिखाउ, किएक तँ अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी; हम दिन भरि अहाँक प्रतीक्षा करैत छी।"

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

दानियल 8:15 जखन हम, हम दानियल, ओहि दर्शन केँ देखलहुँ आ अर्थ तकलहुँ, तखन देखलहुँ, हमरा सामने एकटा आदमी जकाँ ठाढ़ छल।

दानियल एकटा दर्शन देखलनि आ ओकर अर्थ बुझबाक प्रयास केलनि, तखने अचानक हुनका सामने एकटा आदमी प्रकट भेलाह।

1. हमरा सभकेँ अपन प्रश्नक उत्तरक लेल भगवान् तकबाक चाही।

2. जखन जरूरत पड़त तखन भगवान मदद करताह।

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. यशायाह 41:13 - हम अहाँक परमेश् वर परमेश् वर अहाँक दहिना हाथ पकड़ि कऽ कहब जे, “डरब नहि।” हम तोहर मदति करब।

दानियल 8:16 हम उलाईक कात मे एक आदमीक आवाज सुनलहुँ, जे आवाज देलक आ कहलक, “गैब्रिएल, एहि आदमी केँ ओहि दर्शन केँ बुझा दियौक।”

उलाई के किनारे के बीच में एक आदमी के आवाज सुनाई पड़लै, जेकरा में जिब्राइल के आज्ञा देलऽ गेलै कि दानियल के एगो दर्शन समझै में मदद करलऽ जाय।

1. भगवान् हमरा सभ केँ अपन दर्शन केँ बुझबाक समझ प्रदान करताह।

2. हम पवित्र आत्मा पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सभ केँ परमेश् वरक वचनक रहस्य केँ बुझबा मे मदद करत।

1. यशायाह 40:13-14 - ओ अपन हाथक खोखला मे पानि नापि कऽ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हित केने छथि, पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे घेरने छथि आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तराजू मे तौलने छथि?

2. रोमियो 8:26-27 - तहिना आत्मा हमरा सभक कमजोरी मे मदद करैत अछि। हमरा सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे हमरा सभ केँ की प्रार्थना करबाक चाही, मुदा आत् मा स्वयं हमरा सभक लेल अशब्द-विहीन कराहक माध्यमे बिनती करैत छथि। आरू जे हमरा सिनी के दिल के खोज करै छै, वू आत्मा के मन के जान॑ छै, कैन्हेंकि आत्मा परमेश् वर के इच्छा के अनुसार परमेश् वर के लोगऽ के बिनती करै छै।

दानियल 8:17 तखन ओ जतय हम ठाढ़ छलहुँ, ओतय लग आबि गेलाह, जखन ओ पहुँचला पर हम डरि गेलहुँ आ मुँह पर खसि पड़लहुँ, मुदा ओ हमरा कहलनि, “हे मनुष् य-पुत्र, बुझू, किएक तँ अंतक समय होयत दृष्टि.

दानियल क॑ एगो स्वर्गदूत स॑ दर्शन मिलै छै आरू ओकरा कहलऽ जाय छै कि अंत के समय म॑ दर्शन साफ होय जैतै ।

1. दृष्टिक शक्ति: कठिन समय मे साहस करब

2. चुनौती के माध्यम स बढ़ैत विश्वास: दृष्टि के बुझब

1. हबक्कूक 2:2-3: "तखन प्रभु हमरा उत्तर देलनि: दर्शन लिखू; पाटी पर साफ करू, जाहि सँ ओ जे पढ़ैत अछि, ओ दौड़ि सकय। किएक तँ दर्शन एखनो अपन निर्धारित समयक प्रतीक्षा मे अछि; ओ

अंत धरि जल्दबाजी करैत अछि।" झूठ नहि। जँ धीमा बुझाइत अछि तँ एकर प्रतीक्षा करू, अवश्य आओत; देरी नहि करत।"

2. फिलिप्पियों 4:6-7: कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

दानियल 8:18 जखन ओ हमरा सँ गप्प क’ रहल छलाह तखन हम जमीन दिस मुँह पर गहींर नींद मे छलहुँ, मुदा ओ हमरा छूबि क’ हमरा सोझ क’ देलनि।

दानियल के पास एगो स्वर्गीय दूत आबै छै जे ओकरा गहरी नींद स॑ जगै छै।

1. भगवान् के स्पर्श के शक्ति

2. भगवान् के सान्निध्य में जागना

1. यशायाह 6:1-7 - यशायाह केँ परमेश् वर बजौलनि आ गहींर नींद सँ जगायल गेलाह

2. लूका 24:13-32 - इम्माउस के रास्ता पर दू गोट शिष्य यरूशलेम स’ गहींर अवसाद मे गेलाक बाद यीशुक उपस्थितिक अनुभव करैत छथि।

दानियल 8:19 ओ कहलनि, “देखू, हम अहाँ केँ ई बता देब जे क्रोधक अंतिम अंत मे की होयत, कारण जे समय निर्धारित समय मे अंत होयत।”

दानियल के कहलऽ जाय छै कि वू भविष्य के ईश्वरीय न्याय के परिणाम समझतै, आरू ई निर्धारित समय पर होतै।

1. ईश्वरीय न्याय के आशा में जीना

2. भगवानक समय पर भरोसा करब

1. रोमियो 5:5 - "आ आशा हमरा सभ केँ लज्जित नहि करैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक हृदय मे उझलि गेल अछि, जे हमरा सभ केँ देल गेल अछि।"

2. उपदेशक 3:1 - "सब किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँ सभ बातक समय होइत छैक।"

दानियल 8:20 अहाँ जे मेढ़ा केँ दू टा सींग बला देखलहुँ से मीडिया आ फारसक राजा अछि।

दानियल 8 के ई श्लोक मेढ़क दू सींग के मीडिया आ फारस के राजा के रूप में वर्णित करैत अछि |

1: हमरा सभ केँ मीडिया आ फारसक राजा सभ आ हुनका सभक अधिकार केँ मोन राखय पड़त।

2: मीडिया आ फारस के राजा के उदाहरण आ नेतृत्व के प्रति हुनकर प्रतिबद्धता स सीख सकैत छी।

1: 1 पत्रुस 5:2-3 - "परमेश् वरक भेँड़ाक चरबाह बनू जे अहाँ सभक देखरेख मे अछि, हुनका सभक देखभाल एहि लेल नहि करू जे अहाँ सभ केँ ई जरूरी अछि, बल् कि अहाँ सभ इच्छुक छी, जेना परमेश् वर चाहैत छथि; बेईमान लाभक पाछाँ नहि, बल् कि आतुर रहू।" सेवा करबाक लेल, अहाँ सभ केँ सौंपल गेल लोक पर प्रभुत्व नहि, बल् कि झुंडक लेल उदाहरण बनब।”

2: नीतिवचन 11:14 - "मार्गदर्शनक अभाव मे एकटा राष्ट्र खसि पड़ैत अछि, मुदा जीत बहुत रास सलाहकारक माध्यमे होइत अछि।"

दानियल 8:21 खुरदुरा बकरी यूनानीक राजा अछि, आ ओकर आँखिक बीच जे पैघ सींग अछि से पहिल राजा अछि।

दानियल के एकटा खुरदुरा बकरी के दर्शन छै, जे यूनान के राजा के प्रतीक छै, आरू ओकरऽ आँख के बीच में एगो बड़ऽ सींग छै, जे पहिलऽ राजा के संकेत दै छै।
1802

1. संसारक राष्ट्र मे परमेश् वरक प्रभुत्व

2. इतिहासक भगवानक पूर्वज्ञान

1. भजन 2:1-3 - जाति सभ किएक क्रोधित होइत अछि आ लोक सभ व्यर्थ साजिश किएक करैत अछि?

2. यशायाह 46:9-10 - हम परमेश् वर छी, आ हमरा सन कियो नहि अछि, जे शुरूए सँ आ प्राचीन काल सँ एखन धरि नहि कयल गेल काज सभक अंतक घोषणा करैत छी।

दानियल 8:22 जखन कि चारि गोटे टूटि गेल छल, जखन कि चारिटा राज्य एकरा लेल ठाढ़ भ’ गेल छल, तखन जाति मे सँ चारिटा राज्य ठाढ़ होयत, मुदा ओकर अधिकार मे नहि।

टूटल राज्यक स्थान पर चारि टा नव राज्य आबि गेल अछि जकर अधिकार ओतेक नहि होयत।

1. भगवान् कोनो टूटल चीज केँ ल' क' ओकरा किछु नव आ अलग मे बदलि सकैत छथि।

2. भगवान् कोनो एहन चीज जे शक्तिहीन बुझाइत अछि ओकरा कोनो शक्तिशाली आ सार्थक चीज मे बदलि सकैत छथि।

क्रॉस संदर्भ : १.

1. 2 कोरिन्थी 5:17 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि; पुरान बात बीति गेल।
देखू, सभ किछु नव भ’ गेल अछि।

2. यशायाह 43:18-19 - पहिने के बात के याद नहि करू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज करब, आब ओ उगैत अछि। की अहाँ सभ एकरा नहि बुझब? एतेक धरि जे हम जंगल मे सड़क आ मरुभूमि मे नदी बना देब।

दानियल 8:23 आ हुनका सभक राज्यक अंतिम समय मे जखन अपराधी सभ पूर्ण भ’ जेताह तखन एकटा उग्र चेहरा आ अन्हार वाक्य बुझनिहार राजा ठाढ़ भ’ जेताह।

दानियल भविष्यवाणी करै छै कि कोनो राज्य के अंतिम दिन में उग्र चेहरा आरू अन्हार वाक्य के समझै वाला राजा पैदा होतै।

1. भविष्यक लेल परमेश्वरक योजना: दानियल 8:23

2. आज्ञाकारिता के महत्व: दानियल 8:23

1. यशायाह 14:12-14 - अहाँ कोना स्वर्ग सँ खसि पड़ल छी, भोरका तारा, भोरक बेटा! अहाँ सभ पृथ्वी पर फेकि देल गेल छी, अहाँ जे कहियो जाति-जाति सभ केँ नीचाँ खसा देने छलहुँ!

2. इजकिएल 28:12-17 - मनुष्यक पुत्र, सोरक राजाक विषय मे विलाप उठाउ आ ओकरा कहब: 'सार्वभौम प्रभु ई कहैत छथि: "अहाँ सिद्धताक मोहर छलहुँ, बुद्धि सँ भरल आ सिद्ध मे।' सुन्नरता.

दानियल 8:24 ओकर शक्ति पराक्रमी होयत, मुदा ओकर अपन शक्ति सँ नहि, आ ओ आश्चर्यचकित ढंग सँ विनाश करत, समृद्ध होयत, आ अभ्यास करत आ शक्तिशाली आ पवित्र लोक केँ नष्ट करत।

मसीह विरोधी केरऽ शक्ति बहुत बड़ऽ होतै, लेकिन ओकरऽ अपनऽ ताकत स॑ नै, आरू वू शक्तिशाली आरू पवित्र क॑ तोड़ी क॑ विनाश पैदा करी क॑ सफलता हासिल करी सकै छै ।

1. मसीह विरोधी के खतरा: ओकर रणनीति के कोना पहचानल जाय आ ओकर विरोध कयल जाय

2. प्रार्थनाक शक्ति: विपत्तिक समय मे भगवान् पर कोना भरोसा कयल जाय

1. मत्ती 24:24 - किएक तँ झूठ मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता उठि कऽ चिन् त्र आ चमत् कार करत, जँ संभव हो तँ चुनल लोक सभ केँ भटका देत।

2. याकूब 5:16 - तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मात्मा के प्रार्थना में बहुत शक्ति छै जेना कि ई काम करी रहलऽ छै ।

दानियल 8:25 अपन नीतिक द्वारा सेहो ओ अपन हाथ मे कारीगरी केँ सफल बनाओत। ओ अपन हृदय मे अपना केँ बड़ाई करत, आ शान्ति सँ बहुतो केँ नाश करत। मुदा ओ बिना हाथक टूटि जायत।

अपन नीति के माध्यम स राजकुमार अपना के महिमामंडन करत आ शांति के उपयोग क कतेको के नष्ट क देत। राजकुमारक राजकुमारक विरुद्ध ठाढ़ हेताह, मुदा अंततः बिना हाथक टूटि जेताह ।

1. विनम्रताक एकटा पाठ: अहंकारी पर भगवानक निर्णय

2. शांति के शक्ति: हम कोना बदलाव ला सकैत छी

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता में दोसर के अपना स बेसी महत्व दियौ, अपन हित के नै बल्कि अहाँ सब में स प्रत्येक के दोसर के हित के तरफ देखू।

दानियल 8:26 साँझ आ भोरक जे दर्शन कहल गेल छल से सत्य अछि। किएक तँ ई कतेको दिन धरि रहत।

ई श्लोक दर्शन केरऽ सत्यता के बात करै छै, आरू पाठकऽ क॑ एकरऽ विवरण क॑ बहुत दिन तलक याद रखै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. परमेश् वरक वचन सदिखन सत् य होइत अछि, आ हमरा सभ केँ ओकरा मोन पाड़बाक आ ओकर पालन करबाक प्रयास करबाक चाही।

2. हम परमेश्वरक प्रतिज्ञाक विश्वसनीयता पर भरोसा क’ सकैत छी, आओर ओकर आलोक मे जीबाक लेल प्रोत्साहित भ’ सकैत छी।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. यूहन्ना 14:15 - जँ अहाँ हमरासँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करू।

दानियल 8:27 हम दानियल किछु दिन बेहोश भ’ गेलहुँ। तकर बाद हम उठि कऽ राजाक काज केलहुँ। हम ओहि दर्शन केँ देखि आश्चर्यचकित भ’ गेलहुँ, मुदा कियो एकरा नहि बुझलक।

डेनियल के एकटा एहन दर्शन भेल जे ओकरा सदमा मे पड़ि गेलै। ओ ततेक अभिभूत छलाह जे दिन भरि बीमार छलाह, मुदा अंततः ओ ठीक भ' गेलाह आ फेर राजाक काज मे लागि गेलाह | ओना कियो दर्शन नहि बुझि सकल।

1. दृढ़ता के शक्ति: प्रतिकूलता में दानियल के ताकत हमरा सब के कोना प्रेरित क सकैत अछि

2. जखन हम सभ नहि बुझैत छी: जखन जीवनक कोनो अर्थ नहि हो तखन भगवान पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. यूहन्ना 16:33 - हम ई सभ बात अहाँ सभ सँ कहलहुँ जाहि सँ अहाँ सभ हमरा मे शान्ति भेटय। संसार मे अहाँ सभ केँ कष्ट भेटत। हम दुनियाँ पर विजय पाबि गेल छी।

1804

दानियल अध्याय 9 दानियल के स्वीकारोक्ति के प्रार्थना आरू सत्तर साल के निर्वासन के संबंध में यिर्मयाह के भविष्यवाणी के बारे में ओकरऽ समझ पर केंद्रित छै। अध्याय में पश्चाताप, परमेश् वर के वफादारी आरू यरूशलेम के पुनर्स्थापन पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत दानियल यिर्मयाह भविष्यवक्ता के लेखन पर चिंतन करै स॑ आरू ई अहसास करै स॑ होय छै कि यरूशलेम के उजाड़ सत्तर साल तक चलतै, जैसनऽ कि भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै (दानियल 9:1-2)।

2 पैराग्राफ: दानियल प्रार्थना में परमेश्वर के तरफ मुड़ै छै, ओकरऽ महानता, धार्मिकता आरू निष्ठा के स्वीकार करै छै। ओ इस्राएलक लोकक पाप आ परमेश्वरक आज्ञाक अवहेलना केँ स्वीकार करैत छथि (दानियल 9:3-11)।

तेसर पैराग्राफ: दानियल परमेश् वर सँ दया आ क्षमाक गुहार लगबैत छथि, ई स्वीकार करैत छथि जे इस्राएलक लोक सभ अपन विद्रोहक कारणेँ अपना पर विपत्ति अनने छथि। ओ ई बूझैत छथि जे परमेश् वर अपन न्याय मे धर्मी छथि (दानियल 9:12-16)।

4 म पैराग्राफ: दानियल परमेश् वर सँ निहोरा करैत छथि जे ओ यरूशलेम आ हुनकर लोक सभ सँ अपन क्रोध केँ दूर करथि। ओ परमेश् वरक प्रतिष्ठाक अपील करैत छथि आ हुनकर दया आ शहर आ मंदिरक पुनर्स्थापना माँगैत छथि (दानियल ९:१७-१९)।

5 म पैराग्राफ: जखन दानियल एखनो प्रार्थना क रहल छथि, तखन जिब्राईल स्वर्गदूत हुनका प्रकट होइत छथि आ आओर समझ आ अंतर्दृष्टि प्रदान करैत छथि। जिब्राईल प्रकट करै छै कि सत्तर सप्ताह लोगऽ आरू पवित्र नगर के लेलऽ निर्धारित छै, जेकरा स॑ मसीह के आगमन के तरफ ले जाय छै (दानियल ९:२०-२७)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 9 दानियल के स्वीकारोक्ति के प्रार्थना के इर्द-गिर्द केंद्रित छै
आ यिर्मयाहक भविष्यवाणीक बारे मे हुनकर समझ
सत्तर वर्षक निर्वासनक सम्बन्धमे, २.
पश्चाताप, परमेश्वर के निष्ठा पर प्रकाश डालते हुए,
आ यरूशलेम के पुनर्स्थापना।

सत्तर वर्षक निर्वासनक यिर्मयाहक भविष्यवाणी पर दानियलक चिंतन।
दानियल के स्वीकारोक्ति के प्रार्थना, इस्राएल के लोग के पाप के स्वीकार करै के।
परमेश् वरक दया, क्षमा आ पुनर्स्थापनक लेल दानियलक गुहार।
परमेश् वरक प्रतिष्ठा आ धार्मिकताक प्रति दानियलक आह्वान।
जिब्राईल स्वर्गदूत के प्रकटीकरण आरू सत्तर सप्ताह आरू मसीह के आगमन के बारे में ओकरऽ प्रकटीकरण।

दानियल के ई अध्याय दानियल के स्वीकारोक्ति के प्रार्थना आरू सत्तर साल के निर्वासन के संबंध में यिर्मयाह के भविष्यवाणी के समझ पर केंद्रित छै। दानियल यिर्मयाह के लेखन पर चिंतन करै छै आरू ओकरा ई अहसास होय छै कि यरूशलेम के उजाड़ सत्तर साल तक चलतै, जेना कि भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै। ओ प्रार्थना मे परमेश् वर दिस मुड़ैत छथि, हुनकर महानता, धार्मिकता आ निष्ठा केँ स्वीकार करैत छथि। दानियल इस्राएल के लोगऽ के पाप आरू परमेश् वर के आज्ञा के आज्ञा नै मानना कबूल करै छै। ओ भगवान सँ दया आ क्षमाक निहोरा करैत छथि, ई बूझि जे लोक अपन विद्रोहक कारणेँ अपना पर विपत्ति अनने अछि | दानियल परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि हुनी अपनऽ क्रोध क॑ यरूशलेम आरू हुनकऽ लोगऽ स॑ दूर करी दै, हुनकऽ प्रतिष्ठा के अपील करै छै आरू हुनकऽ दया आरू शहर आरू मंदिर के पुनर्स्थापन के मांग करै छै । दानियल अखनी भी प्रार्थना करी रहलऽ छै, तखनी जिब्राईल स्वर्गदूत ओकरा सामने आबी जाय छै आरू ओकरा आरू समझ आरू अंतर्दृष्टि दै छै। जिब्राईल प्रकट करै छै कि लोगऽ आरू पवित्र नगर के लेलऽ सत्तर सप्ताह निर्धारित छै, जेकरा स॑ मसीह के आगमन के तरफ ले जाय छै । ई अध्याय पश्चाताप के महत्व, परमेश्वर के प्रतिज्ञा के पालन करै में निष्ठा आरू अंततः यरूशलेम के पुनर्स्थापन पर प्रकाश डालै छै।

दानियल 9:1 मादीक वंशज अहशूरक पुत्र दाराक पहिल वर्ष मे, जकरा कल्दी सभक राज्य पर राजा बनाओल गेल छल।

मादी के वंशज दारा के पहिल साल में बेबिलोन राज्य के राजा बनाओल गेलै।

1. शासकक स्थापना आ हटाबय मे भगवानक संप्रभुता।

2. अधिकारक सम्मान आ सम्मानक महत्व।

1. रोमियो 13:1-2 प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहू। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो अधिकार नहि अछि आ जे सभ अछि से परमेश् वर द्वारा स् थापित कयल गेल अछि। तेँ जे कियो अधिकारि सभक विरोध करत, ओ परमेश् वर द्वारा निर्धारित कयल गेल बातक विरोध करैत अछि, आ विरोध करयवला केँ न्यायक सामना करय पड़तैक।

2. दानियल 4:17 निर्णय देखनिहार सभक फरमान द्वारा, वाक्य पवित्र लोकक वचन द्वारा, जाहि सँ जीवित लोक सभ ई जानि सकय जे परमात्मा मनुष्यक राज्य पर शासन करैत छथि आ जकरा ओ चाहैत छथि तकरा दैत छथि आ ओकरा ऊपर मनुष् यक सभसँ नीच लोककेँ ठाढ़ करैत अछि।

दानियल 9:2 अपन शासनक पहिल वर्ष मे हम दानियल ओहि वर्षक संख्या केँ किताब सभक द्वारा बुझि गेलहुँ जे परमेश् वरक वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता केँ आयल जे ओ यरूशलेमक उजाड़ मे सत्तर वर्ष पूरा करताह।

दानियल किताब सब स बुझैत छलाह जे यरूशलेम के उजाड़ 70 साल तक रहत, जेना कि प्रभु यिर्मयाह भविष्यवक्ता के कहने छलाह।

1. भगवान् हमरा सभक लेल योजना बनौने छथि, ओहो उजाड़क समय मे।

2. हमरा सभ केँ हमरा सभक लेल परमेश्वरक योजना पर भरोसा करबाक चाही आ ओकर पालन करबाक चाही चाहे किछुओ हो।

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण हम जनैत छी जे अहाँक लेल हमर योजना अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

दानियल 9:3 हम परमेश् वर परमेश् वर दिस मुँह धऽ लेलहुँ जे प्रार्थना आ विनती द्वारा, उपवास, बोरा आ राखक संग ताकब।

दानियल उपवास, विनती आ बोरा आ राख सँ परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि।

1. भगवान् के सामने प्रार्थना के शक्ति आरो विनम्रता के बारे में क।

2. पश्चाताप के महत्व आ परमेश्वर के मदद लेबय के बारे में क।

1. याकूब 5:16 - "धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे बहुत शक्ति होइत छैक जेना ओ काज करैत अछि।"

2. यशायाह 58:5-7 - "की हम जे उपवास चुनैत छी, से मनुष्य केँ अपना केँ नम्र करबाक दिन अछि? की ई खढ़ जकाँ माथ झुकाबय आ ओकरा नीचाँ बोरा आ राख पसारि देब? की अहाँ बजाब।" ई उपवास आ प्रभुक स्वीकार्य दिन?”

दानियल 9:4 हम अपन परमेश् वर यहोवा सँ प्रार्थना केलहुँ आ अपन स्वीकारोक्ति केलहुँ आ कहलियनि, “हे प्रभु, महान आ भयावह परमेश् वर, हुनका सँ प्रेम करयवला आ हुनकर आज्ञाक पालन करयवला सभक प्रति वाचा आ दयाक पालन करैत छी।

दानियल प्रभु के सामने स्वीकारोक्ति के प्रार्थना करलकै, जेकरा में ओकरा एगो महान आरू शक्तिशाली परमेश्वर के रूप में स्वीकार करलऽ गेलै, जे अपनऽ वाचा के पालन करै छै आरू ओकरा पर दया करै छै जे ओकरा स॑ प्रेम करै छै आरू ओकरऽ आज्ञा मानै छै।

1806

1. स्वीकारोक्ति के शक्ति - हम अपन पाप के स्वीकार के माध्यम स अपना के कोना परमेश्वर के नजदीक आनि सकैत छी।

2. भगवान् सँ प्रेम करब आ ओकर आज्ञा मानब - हुनकर आज्ञाक पालन करबाक माध्यम सँ परमेश्वरक प्रति अपन प्रेम कोना देखाबी।

1. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

2. मत्ती 22:37-39 - यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ पूरा मन सँ प्रेम करू। ई पहिल आ पैघ आज्ञा अछि। दोसर एहि तरहक अछि जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।”

दानियल 9:5 हम सभ पाप केलहुँ, अधर्म केलहुँ, दुष्ट काज केलहुँ, आ अहाँक उपदेश आ अहाँक न्याय सँ हटि कए विद्रोह कयलहुँ।

इस्राएल के लोग अपनऽ पाप क॑ स्वीकार करै छै आरू ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि वू परमेश् वर केरऽ आज्ञा आरू नियमऽ स॑ भटक गेलऽ छै ।

1. पश्चाताप के शक्ति: अपन पाप के बावजूद भगवान के पास वापसी

2. अपन पाप स्वीकार करबाक माध्यमे आज्ञाकारिता सीखब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

दानियल 9:6 आ ने हम सभ अहाँक सेवक भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनलहुँ जे अहाँक नाम सँ हमरा सभक राजा, हमर सभक राजकुमार सभ आ हमर सभक पूर्वज सभ आ एहि देशक सभ लोक सँ बात कयलनि।

एहि अंश सँ ई पता चलैत अछि जे इस्राएलक लोक सभ ओहि भविष्यवक्ता सभक बात नहि सुनने छल जे परमेश् वरक नाम सँ अपन राजा, राजकुमार आ पिता सभ सँ बात केने छल।

1. परमेश् वरक वचन पर ध्यान देबाक महत्व केँ चिन्हब

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यिर्मयाह 7:25-26 - तेँ सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन होमबलि अपन बलिदान मे राखू आ मांस खाउ। जहिया हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर अनलहुँ ताहि दिन मे अहाँ सभक पूर्वज सभ सँ होमबलि वा बलिदानक विषय मे नहि बजलहुँ आ ने हुनका सभ केँ आज्ञा देलहुँ।

2. इब्रानी 11:7 - विश्वासक कारणेँ नूह केँ परमेश् वर द्वारा एखन धरि नहि देखल गेल बात सभक चेतावनी देल गेलनि। जाहि सँ ओ संसारक दोषी ठहरौलनि आ विश्वासक कारणेँ जे धार्मिकताक उत्तराधिकारी बनि गेलाह।

दानियल 9:7 हे प्रभु, धार्मिकता अहाँक अछि, मुदा हमरा सभक चेहराक भ्रम अछि, जेना आइ अछि।
यहूदा के लोग, यरूशलेम के निवासी आरू समस्त इस्राएल, जे नजदीक आरो दूर छै, वू सब देश में, जहाँ तोहें ओकरा सिनी कॅ भगा देलेॅ छेल्हौ, ओकरा सिनी के अपराध के कारण।

ई अंश परमेश् वर के धार्मिकता आरू यहूदा, यरूशलेम आरू पूरा इस्राएल के लोग सिनी के हुनका खिलाफ अपराध के कारण भ्रम के बात करै छै।

1. स्वीकारोक्तिक शक्ति: अपन पाप केँ चिन्हब आ स्वीकार करब

2. भ्रमक सोझाँ भगवानक अन्तहीन दया आ कृपा

1807

1. 1 यूहन्ना 1:9 "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

2. रोमियो 3:23 24 "किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ वंचित छथि, आ मसीह यीशुक द्वारा आयल मोक्षक द्वारा हुनकर कृपा सँ सभ मुफ्त मे धर्मी ठहराओल गेल छथि।"

दानियल 9:8 हे प्रभु, मुँहक भ्रम हमरा सभक अछि, हमरा सभक राजा सभक, हमरा सभक राजकुमार सभक आ हमर सभक पूर्वज सभक अछि, किएक तँ हम सभ अहाँक विरुद्ध पाप केलहुँ।

दानियल परमेश्वर के आज्ञा नै मानला के कारण अपनऽ आरू ओकरऽ लोगऽ के अपराध आरू लाज स्वीकार करै छै।

1. अपन पापक मालिक बनबाक आ परमेश्वरक इच्छाक पालन करबाक प्रयास करबाक महत्व।

2. गलत काज स्वीकार करबाक आ क्षमा मांगबाक साहस भेटब।

1. याकूब 5:16 - "एहि लेल एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी लोकक प्रार्थना मे काज करैत-करैत बहुत शक्ति होइत छैक।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

दानियल 9:9 हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक दया आ क्षमा अछि, यद्यपि हम सभ हुनका विरुद्ध विद्रोह कयलहुँ।

प्रभु दयालु आ क्षमाशील छथि, तखनो जखन हम हुनका विरुद्ध पाप करैत छी।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा: दानियल 9:9 मे एकटा अध्ययन

2. भगवान् के करुणा: हुनकर दया आ क्षमा के अनुभव करब

1. भजन 103:8-12 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि। पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतबे ऊँच अछि, ततेक ओकर भयभीत करयवला सभक प्रति ओकर अडिग प्रेम अछि। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि।

2. विलाप 3:22-26 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि। प्रभु हमर भाग छथि, हमर आत्मा कहैत छथि, तेँ हम हुनका पर आशा करब। प्रभु हुनकर प्रतीक्षा करय वाला के लेल, हुनकर खोज करय वाला आत्मा के लेल नीक छथिन्ह. नीक बात जे चुपचाप प्रभुक मोक्षक प्रतीक्षा कयल जाय।

दानियल 9:10 आ ने हम सभ अपन परमेश् वर यहोवाक बात नहि मानलहुँ जे हुनकर नियम सभ पर चलब, जे ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभक द्वारा हमरा सभक सोझाँ रखलनि।

हम सभ परमेश् वरक नियम आ निर्देशक पालन करबा मे असफल रहलहुँ जे भविष्यवक्ता सभ कहने छथि।

1: हमरा सभ केँ सदिखन प्रभु आ हुनकर नियमक पालन करबाक प्रयास करबाक चाही, जाहि सँ हम सभ आशीर्वाद पाबि सकब आ हुनकर सान्निध्य मे आनन्द पाबि सकब।

2: हमरा सभ केँ प्रभु आ हुनकर नियमक आदर करबाक महत्व मोन राखय पड़त, आ ओकर पालन करबाक लेल तैयार रहबाक चाही चाहे कोनो खर्चा किएक नहि हो।

1: व्यवस्था 6:4-6 - "हे इस्राएल, सुनू: प्रभु हमर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू। आ ई वचन।" जे आइ हम अहाँ केँ आज्ञा दैत छी से अहाँक हृदय पर रहत।”

2: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

दानियल 9:11 हँ, समस्त इस्राएल अहाँक नियमक उल्लंघन कऽ कऽ चलि गेल अछि, जाहि सँ ओ सभ अहाँक आवाज नहि मानथि। तेँ हमरा सभ पर शाप आ शपथ जे परमेश् वरक सेवक मूसाक धर्म-नियम मे लिखल गेल अछि, से ढारल गेल अछि, किएक तँ हम सभ हुनका विरुद्ध पाप कयलहुँ।

सब इस्राएल परमेश् वर के आवाज के बात नै मानला के कारण परमेश् वर के नियम के आज्ञा नै मानलकै, आरू एकरऽ परिणामस्वरूप, ओकरा सिनी क॑ शाप मिललऽ छै आरू मूसा के व्यवस्था म॑ लिखलऽ शपथ के तहत छै।

1. परमेश् वरक नियमक अनदेखी नहि करबाक चाही - दानियल 9:11

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - दानियल 9:11

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. नीतिवचन 28:9 - "जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि लैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।"

दानियल 9:12 ओ अपन बात केँ, जे ओ हमरा सभक विरुद्ध आ हमरा सभक न् याय करयवला न्यायाधीश सभक विरुद्ध कहलनि, हमरा सभ पर एकटा पैघ अधलाह आनि कऽ पुष्ट कयलनि, किएक तँ पूरा स् वर्गक नीचाँ ओहिना नहि भेल जेना यरूशलेम पर भेल अछि।

परमेश् वर अपन प्रतिज्ञा पूरा कएने छथि जे यरूशलेमक लोक सभ केँ ओकर आज्ञा नहि मानबाक लेल दंडित कयल जायत आ ओकरा सभ पर एकटा एहन पैघ बुराई आनि देलनि जे पहिने पूरा आकाशक नीचाँ नहि देखल गेल छल।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: दानियल 9:12 सँ एकटा पाठ

2. परमेश् वरक वचनक पालन करब: दानियल 9:12 सँ पश्चाताप करबाक आह्वान

1. इजकिएल 18:20-22 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

2. यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी धोखेबाज अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम प्रभु हृदय के खोजैत छी, बागडोर परखैत छी, एतय तक कि प्रत्येक आदमी के ओकर तरीका आ ओकर कर्म के फल के अनुसार देब।

दानियल 9:13 जेना मूसाक नियम मे लिखल अछि जे, ई सभटा दुष् टता हमरा सभ पर आबि गेल अछि, तइयो हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक समक्ष अपन प्रार्थना नहि केलहुँ जाहि सँ हम सभ अपन अधर्म सभ सँ मुड़ि सकब आ अहाँक सत्य केँ बुझि सकब।

हम सभ परमेश् वर सँ प्रार्थना नहि केने छी जे ओ अपन पाप सँ मुड़ि कऽ हुनकर सत्य केँ बुझथि, जखन कि मूसाक व्यवस्था मे लिखल गेल बुराई हमरा सभ पर आबि गेल अछि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वर दिस मुड़बाक चाही आ हुनकर सत्यक खोज करबाक चाही जाहि सँ हम सभ अपन पाप सँ उद्धार पाबि सकब।

2: हमरा सभ केँ अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही आ विनम्रतापूर्वक परमेश्वर सँ हुनकर मार्गदर्शन माँगबाक चाही जाहि सँ हुनकर दया भेटि सकय।

1: याकूब 4:8-10 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ आ ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। दुःखित रहू, शोक करू आ कानू, अहाँ सभक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँ सभक आनन्द केँ गंभीरता मे बदलि जाय।

2: 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

दानियल 9:14 तेँ परमेश् वर अधलाह केँ देखैत रहलाह आ हमरा सभ पर आनि देलनि, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर अपन सभ काज मे धार्मिक छथि, किएक तँ हम सभ हुनकर बात नहि मानलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ हुनकर आ हुनकर आज्ञाक अवहेलना करबाक कारणेँ सजा देलनि।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - रोमियो 6:23

2. परमेश् वरक धार्मिकता - यशायाह 45:21-25

1. व्यवस्था 28:15-20

2. भजन 33:5

दानियल 9:15 आब, हे प्रभु हमरा सभक परमेश् वर, जे अहाँक लोक केँ मिस्र देश सँ एकटा शक्तिशाली हाथ सँ बाहर निकालि लेलहुँ आ अहाँ केँ आइ जेकाँ प्रसिद्धि भेटल अछि। हम सभ पाप केलहुँ, हम सभ अधलाह काज केलहुँ।

दानियल परमेश् वर के सामने स्वीकार करै छै कि इस्राएली सिनी पाप करलकै आरू गलत काम करलकै।

1. परमेश् वर वफादार छथि - ई बूझि कऽ जे कोना परमेश् वर इस्राएली सभ केँ निष्ठापूर्वक मिस्र सँ बाहर निकालने छथि आ एखनो हुनका सभक भरण-पोषण कऽ रहल छथि।

2. पश्चाताप - पाप स्वीकार करबाक आ ओकरा सँ मुँह मोड़बाक महत्व।

1. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

2. भजन 103:11-12 - "जतबे ऊँच आकाश पृथ् वी सँ ऊपर अछि, ओतेक प्रेम हुनका सँ डरय बला सभक प्रति ओतेक पैघ अछि। जहिना पूब पश्चिम सँ दूर अछि, ओतेक दूर सँ हमरा सभक अपराध केँ दूर कयलनि।" हम सब."

दानियल 9:16 हे प्रभु, अहाँक समस्त धार्मिकताक अनुसार हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे, अहाँक क्रोध आ क्रोध अपन नगर यरूशलेम, अहाँक पवित्र पहाड़ सँ दूर भ’ जाय तोहर लोक हमरा सभक आसपासक सभ लोकक लेल निन्दा बनि गेल अछि।

दानियल परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि वू यरूशलेम आरू ओकरो सिनी कॅ ओकरो सिनी आरू ओकरो सिनी के पाप के कारण ओकरोॅ क्रोध आरू क्रोध कॅ दूर करी दै।

1. पश्चाताप आ क्षमाक महत्व

2. मध्यस्थताक प्रार्थनाक शक्ति

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. याकूब 5:16 - "अपन दोष एक-दोसर सँ स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी लोकक गंभीर प्रार्थना बहुत काज करैत अछि।"

दानियल 9:17 आब, हे हमर परमेश् वर, अपन सेवकक प्रार्थना आ हुनकर विनती सुनू, आ प्रभुक लेल अपन उजड़ल पवित्र स्थान पर अपन मुँह चमकाउ।

दानियल परमेश् वर सँ प्रार्थना करै छै कि प्रभु के लेलऽ, अपनऽ पवित्र स्थान पर जे उजड़ छै, ओकरऽ चेहरा चमकाबै ।

1. प्रार्थनाक शक्ति: परमेश् वर सँ दानियलक निष्ठावान आग्रह हुनकर जीवन आ दोसरक जीवन केँ कोना बदलि देलक

2. दोसरक लेल बिनती करबाक महत्व: दानियलक परमेश् वरक आग्रह आ ओकर अर्थ

1. यशायाह 40:1-2 - "हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा सँ पुकारू जे ओकर युद्ध समाप्त भ' गेलै, ओकर अपराध क्षमा भ' गेलै।"

2. याकूब 5:16 - "एहि लेल एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे काज करैत-करैत बहुत शक्ति होइत छैक।"

दानियल 9:18 हे हमर परमेश् वर, कान झुका कऽ सुनू। आँखि खोलि कऽ देखू, हमरा सभक उजाड़ आ अहाँक नाम सँ बजाओल गेल नगर, किएक तँ हम सभ अपन धार्मिकताक लेल अहाँक सोझाँ अपन विनती नहि, बल् कि अहाँक पैघ दयाक लेल प्रस्तुत करैत छी।

दानियल परमेश् वर सँ निहोरा करै छै कि ओकरा सिनी के उजाड़पन के तरफ देखै आरू ओकरो सिनी के प्रार्थना सुनै, ओकरऽ अपनऽ धार्मिकता के कारण नै बल्कि ओकरऽ बहुत दया के कारण।

1. दयालु भगवान: हम कोना भगवानक महान दया पर भरोसा क सकैत छी

2. दानियल के दया के लेल प्रार्थना

1. विलाप 3:22-24 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

2. भजन 86:5 - कारण, हे प्रभु, अहाँ नीक आ क्षमाशील छी, जे सभ अहाँ केँ पुकारैत अछि, हुनका सभक प्रति अडिग प्रेमक भरमार अछि।

दानियल 9:19 हे प्रभु, सुनू। हे प्रभु, क्षमा करू; हे प्रभु, सुनू आ करू; हे हमर परमेश् वर, अपना लेल स्थगित नहि करू, किएक तँ अहाँक नगर आ अहाँक लोक अहाँक नाम सँ बजाओल गेल अछि।

दानियल परमेश् वर सँ प्रार्थना करै छै कि हुनी अपनौ शहर आरू हुनकऽ नाम धारण करै वाला हुनकऽ लोग के लेलऽ हुनकऽ इच्छा के बात सुनी आरू पूरा कर॑ ।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ दया

2. भगवानक नाम धारण करबाक आशीर्वाद

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. यशायाह 43:7 - "जे केओ हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने छी, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।"

दानियल 9:20 जखन हम बजैत छलहुँ, प्रार्थना करैत छलहुँ, अपन पाप आ अपन प्रजा इस्राएलक पाप केँ स्वीकार करैत छलहुँ आ हमर परमेश् वरक पवित्र पहाड़क लेल हमर परमेश् वर यहोवाक समक्ष अपन विनती करैत छलहुँ।

दानियल प्रार्थना कयलनि आ अपना आ इस्राएलक लोकक पाप स्वीकार कयलनि, आ परमेश् वरक पवित्र पहाड़क लेल परमेश् वर सँ याचना कयलनि।

1. पापक स्वीकारोक्ति आ प्रार्थनाक शक्ति

2. हमरा सभक जीवन मे पश्चाताप आ पवित्रताक महत्व

1. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

2. यशायाह 57:15 - कारण, अनन्त काल मे निवास करय बला उच्च आ ऊँच, जिनकर नाम पवित्र अछि, कहैत छथि: "हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, जकरा पश्चाताप आ विनम्र आत् मा छनि, जाहि सँ हम हुनकर आत् मा केँ जीवित क' सकब।" विनम्र, आ पश्चाताप करयवला के हृदय के पुनर्जीवित करय लेल।

दानियल 9:21 हँ, जखन हम प्रार्थना मे बाजि रहल छलहुँ, तखन ओ जिब्राईल सेहो, जकरा हम शुरू मे दर्शन मे देखलहुँ, तेजी सँ उड़ि गेल, साँझक बलिदानक समय मे हमरा छूबि लेलक।

दानियल जखन प्रार्थना कऽ रहल छल, तखने जब्राईल स् वर्गदूत, जिनका ओ शुरू मे दर्शन मे देखने छलाह, अचानक प्रकट भ’ गेलाह आ साँझक बलिदानक समय हुनका सँ बात कयलनि।

1: हमरा सभ केँ सदिखन तैयार रहबाक चाही जे भगवानक इच्छा हमरा सभ केँ प्रकट हो, ओहो अप्रत्याशित क्षण मे।

2: भगवान् केरऽ समय एकदम सही छै आरू हुनकऽ योजना हमेशा हमरा सिनी के कल्पना स॑ भी बड़ऽ होय छै ।

1: यूहन्ना 14:27 "हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी; हम अहाँ सभ केँ अपन शान्ति दैत छी। हम अहाँ सभ केँ ओहिना नहि दैत छी जेना संसार दैत अछि। अहाँ सभक मोन परेशान नहि होअय आ ने डरय।"

2: भजन 46:10 "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

दानियल 9:22 ओ हमरा सूचना देलनि आ हमरा सँ गप्प कयलनि आ कहलनि, “हे दानियल, हम आब अहाँ केँ लूरि आ समझ देबाक लेल निकलल छी।”

ई अंश परमेश् वर दानियल क॑ कौशल आरू समझ दै के बारे म॑ छै ।

1: भगवानक कृपा हमरा सभक सभ आवश्यकताक लेल पर्याप्त अछि।

2: जखन भगवान हमरा सभकेँ कोनो काज लेल बजबैत छथि तँ ओ हमरा सभकेँ ओहि कौशलसँ लैस करैत छथि जे हमरा सभकेँ सफल बनबाक लेल चाही।

1: 1 कोरिन्थी 10:13 - अहाँ सभ केँ कोनो एहन परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष्यक लेल सामान्य नहि अछि। परमेश् वर विश् वासी छथि, आ ओ अहाँ सभ केँ अहाँक सामर्थ्य सँ बेसी परीक्षा मे नहि पड़य देताह, बल् कि ओहि परीक्षा सँ ओ बचबाक बाट सेहो उपलब्ध कराओत, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सहन कऽ सकब।

2: 2 कोरिन्थी 12:9 - मुदा ओ हमरा कहलनि, “हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ जाइत अछि।” तेँ हम अपन कमजोरी पर आओर बेसी आनन्दित भ’ क’ घमंड करब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ्य हमरा पर टिकल रहय।

दानियल 9:23 अहाँक विनतीक प्रारंभ मे आज्ञा सामने आयल छल, आ हम अहाँ केँ देखाबय लेल आयल छी। अहाँ बहुत प्रिय छी, तेँ एहि बात केँ बुझू आ दर्शन पर विचार करू।

1812

ई अंश दानियल के प्रति परमेश् वर के प्रेम पर जोर दै छै आरू ओकरा ओकरा देलऽ गेलऽ दर्शन कॅ समझै आरू ओकरा पर विचार करै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. भगवान् के प्रेम बिना शर्त आ अप्रत्याशित अछि

2. दृष्टि केँ बुझब: सतह सँ परे देखब

1. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. यूहन्ना 15:13 - एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि छैक जे मनुष्य अपन मित्रक लेल अपन प्राण दऽ दैत अछि।

दानियल 9:24 अहाँक लोक आ अहाँक पवित्र नगर पर सत्तर सप्ताह निर्धारित अछि जे अपराध समाप्त करबाक लेल आ पापक अंत करबाक लेल आ अधर्मक लेल मेल-मिलाप करबाक लेल आ अनन्त धार्मिकता अनबाक लेल आ दर्शन पर मुहर लगाबय लेल आ भविष्यवाणी करब, आ परम पवित्र केँ अभिषेक करबाक लेल।

परमेश् वर 70 सप्ताहक समय अवधि निर्धारित केने छथि जे अपराध, पाप, अधर्म केँ समाप्त कयल जाय आ अनन्त धार्मिकता अनबाक लेल, दर्शन आ भविष्यवाणी केँ पूरा कयल जाय आ परम पवित्र केँ अभिषेक कयल जाय।

1. "परमेश् वरक अनन्त धार्मिकताक प्रकाश मे रहब"।

2. "दानियल के दर्शन आ भविष्यवाणी: परमेश्वर के योजना के आत्मसात करब"।

1. यशायाह 46:10-11 - "शुरुआत सँ, प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, तकरा अन्तक घोषणा करैत छी, ई कहैत जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब पूब, ओ आदमी जे दूर देश सँ हमर सलाह केँ पूरा करैत अछि।

२ यीशु मसीहक द्वारा अपना लेल, आ हमरा सभ केँ मेल-मिलापक सेवा देने छथि, ई जे परमेश् वर मसीह मे छलाह, संसार केँ अपना संग मेल-मिलाप करैत छलाह, हुनका सभक अपराध केँ नहि मानैत छलाह, आ मेल-मिलापक वचन हमरा सभ केँ सौंपने छथि।"

दानियल 9:25 एहि लेल ई जानि लिअ आ बुझू जे यरूशलेम केँ पुनर्स्थापित करबाक आज्ञा देबाक आज्ञा आगू बढ़ि कऽ मसीहा राजकुमार धरि सात सप्ताह आ सठि सप्ताह धरि होयत। परेशानी के समय में भी।

यरूशलेम के पुनर्स्थापित आरू निर्माण के आज्ञा देलऽ गेलै आरू भविष्यवाणी करलऽ गेलै कि मसीह के आबै तक सात सप्ताह आरू बासठ हफ्ता लगतै। ओहि समय मे यरूशलेमक गली-गली आ देबाल केँ विपत्तिक समय मे फेर सँ बनाओल जायत।

1. वफादार बहाली: परेशानी के समय में परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

2. अटूट धैर्य: भगवानक समय मे अडिग आशाक आवश्यकता

1. रोमियो 15:4-5 - "किएक तँ पहिने जे किछु लिखल गेल छल से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ हमरा सभ केँ सहनशक्ति आ शास्त्रक प्रोत्साहन सँ आशा भेटय। सहनशक्ति आ प्रोत्साहन देनिहार परमेश् वर अहाँ सभ केँ ओहि मे रहबाक अनुमति देथि।" एक-दोसरक संग एहन सामंजस्य, मसीह यीशुक अनुरूप।”

2. यशायाह 40:29-31 - "ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, तकरा ओ बल बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, आ युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त, मुदा जे प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि।" अपन शक्ति नवीनीकरण करत, गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

1813

दानियल 9:26 साठि सप्ताहक बाद मसीहक नाश भ’ जेताह, मुदा अपना लेल नहि, आ जे राजकुमार आओत, ओकर लोक सभ शहर आ पवित्र स्थान केँ नष्ट क’ देत। एकर अंत बाढ़ि सँ होयत, आ युद्धक अंत धरि उजाड़ता निर्धारित कयल गेल अछि।

62 सप्ताह के अवधि के बाद मसीह के कटौती भ जायत आ ओकर बाद जे राजकुमार आओत ओकर लोक शहर आ पवित्र स्थान के नष्ट क देत, जाहि स बाढ़ि आ युद्ध शुरू भ जायत।

1. बहुत दुखक समय मे हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे मसीह केँ काटि देल गेल छल, तइयो अपना लेल नहि।

2. परमेश् वरक मोक्षक अंतिम योजना पूरा होयत, ओहो विनाश आ उजाड़क माध्यमे।

1. यशायाह 53:8 - ओ जेल आ न्याय सँ निकालल गेलाह, आ ओकर पीढ़ी के के बताओत? किएक तँ ओ जीवित लोकक देश सँ कटि गेल छलाह।

2. लूका 19:41-44 - जखन ओ लग पहुँचलाह तखन ओ शहर केँ देखि कऽ कानि उठलाह, “जँ अहाँ सभ कम सँ कम आइ अपन दिन मे अपन शान्तिक बात सभ जनैत रहितहुँ।” ! मुदा आब ओ सभ अहाँक आँखि सँ नुकायल अछि। अहाँ पर एहन दिन आओत जे अहाँक शत्रु अहाँक चारू कात खाई फेकत आ अहाँ केँ चारू कात घुमा देत आ अहाँ केँ जमीनक संग राखत आ अहाँक भीतर अहाँक सन्तान सभ सेहो। ओ सभ अहाँ मे एक पाथर पर एक पाथर नहि छोड़त। किएक तँ अहाँ अपन मुलाकातक समय नहि जनैत छलहुँ।

दानियल 9:27 ओ एक सप्ताह धरि बहुतो लोकक संग वाचा केँ दृढ़ करताह, आ सप्ताहक बीच मे ओ बलिदान आ बलिदान केँ समाप्त क’ देताह, आ घृणित काज सभक प्रसारक कारणेँ ओ एकरा उजड़ि देताह, जाबत धरि समाप्त नहि भ’ जायत, आ जे निर्धारित अछि से उजाड़ पर ढारल जायत।

दानियल भविष्यवाणी केलकै कि सात साल तक बहुत लोगऽ के साथ एक वाचा के पुष्टि होतै, आरू बलिदान आरू बलिदान सप्ताह के बीच में बंद होय जैतै आरू अंत तक उजाड़ होय जैतै।

1. परमेश् वरक वाचा: हुनक अटूट प्रेमक निशानी

2. घृणित काज: अपन जीवन मे पाप प्रथा स बचब

1. यशायाह 55:3 - कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ। सुनू, जाहि सँ अहाँक प्राण जीवित रहय। हम अहाँ सभक संग एकटा अनन्त वाचा करब, जे दाऊदक प्रति हमर दृढ़ आ निश्चिंत प्रेम अछि।

2. रोमियो 7:12-13 - तेँ व्यवस्था पवित्र अछि, आ आज्ञा पवित्र, धार्मिक आ नीक अछि। तखन की जे नीक अछि से हमरा लेल मृत्यु अनलक? कोनो तरहेँ नहि! ई पाप छल, जे नीक चीजक द्वारा हमरा मे मृत्यु उत्पन्न करैत छल, जाहि सँ पाप पाप देखाओल जाय आ आज्ञाक द्वारा अथाह पापपूर्ण बनि जाय।

दानियल अध्याय 10 में दानियल के दर्शन आरू स्वर्गीय दूत के साथ मुठभेड़ के वर्णन छै। अध्याय में आध्यात्मिक युद्ध, प्रार्थना के शक्ति, आरू भविष्य के घटना के प्रकटीकरण पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत फारस के राजा कोरस के तेसरऽ साल के दौरान दानियल के दर्शन के साथ होय छै । दानियल तीन सप्ताह धरि शोक करैत छथि आ उपवास करैत छथि, परमेश्वर सँ समझ आ मार्गदर्शन चाहैत छथि (दानियल 10:1-3)।

दोसर पैराग्राफ: चौबीसम दिन दानियल अपना केँ टाइग्रिस नदीक कात मे पाबैत छथि जखन हुनका एकटा एहन आदमीक दर्शन होइत छनि जे बिजली जकाँ मुँह बला लिनेन पहिरने छथि, जाहि सँ हुनकर संगी सभ भय सँ भागि जाइत छथि (दानियल १०:४- 6)।

3 पैराग्राफ: ओ आदमी दानियल के संबोधित करैत अछि, ओकरा बहुत प्रिय आदमी कहैत अछि आ ओकरा आश्वस्त करैत अछि जे ओकर प्रार्थना पहिल दिन स सुनल गेल अछि। मुदा, फारस राज्यक राजकुमार हुनका ताबत धरि विरोध केलनि जाबत धरि महादूत माइकल हुनकर सहायता नहि केलनि (दानियल 10:10-14)।

4 म पैराग्राफ: ओ आदमी दानियल के भविष्य के घटना के खुलासा करैत रहैत अछि, जाहि में फारस आ यूनान के बीच संघर्ष आ एकटा शक्तिशाली राजा के उदय शामिल अछि जे भगवान के खिलाफ अपना के ऊपर उठाओत। ओ दानियल केँ आश्वस्त करैत छथि जे परमेश् वरक लोक सभ केँ उद्धार कयल जायत आ ई दर्शन दूरक भविष्य सँ संबंधित अछि (दानियल 10:20-21)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 10 मे दानियल के दर्शन आ मुठभेड़ के चित्रण अछि
एकटा स्वर्गीय दूतक संग,
आध्यात्मिक युद्ध, प्रार्थना के शक्ति पर जोर दैत,
आ भविष्यक घटनाक खुलासा।

दानियल के शोक आ तीन सप्ताह तक उपवास, समझ आ मार्गदर्शन के मांग।
बिजली सन चेहरा वाला लिनेन पहिरने आदमी के दर्शन।
दानियल के एकटा बहुत प्रिय आदमी के रूप में संबोधित करैत, ई आश्वासन के संग जे हुनकर प्रार्थना सुनल गेल अछि।
फारस राज्य के राजकुमार के प्रकटीकरण जे स्वर्गीय दूत के सामना करते हुए जब तक कि महादूत माइकल के हस्तक्षेप |
फारस आ यूनान के बीच भविष्य के संघर्ष आ भगवान के खिलाफ एकटा पराक्रमी राजा के उदय के भविष्यवाणी |
भगवान् के लोग के लिये मुक्ति के आश्वासन एवं दर्शन के दूर भविष्य की प्रकृति |

दानियल के ई अध्याय में दानियल के दर्शन आरू स्वर्गीय दूत के साथ मुलाकात के वर्णन छै। फारस के राजा कोरस के तेसरऽ साल के दौरान दानियल तीन सप्ताह तक शोक आरो उपवास करी क॑ परमेश् वर स॑ समझ आरू मार्गदर्शन के मांग करै छै । चौबीसवाँ दिन दानियल अपना के टाइग्रिस नदी के किनारे पाबै छै जबेॅ ओकरा एक आदमी के दर्शन देखै छै जे बिजली के तरह चेहरा वाला लिनेन में सजलोॅ छै, जेकरा चलतें ओकरोॅ साथी सिनी डर सें भागी जाय छै। ओ आदमी दानियल के एकटा बहुत प्रिय आदमी के रूप में संबोधित करैत अछि आ ओकरा आश्वस्त करैत अछि जे ओकर प्रार्थना पहिल दिन स सुनल गेल अछि। मुदा, फारस राज्यक राजकुमार स्वर्गीय दूतक सामना ताबत धरि ठाढ़ रहलाह जाबत धरि महादूत माइकल हुनकर सहायता मे नहि आबि गेलाह | ई आदमी दानियल के सामने भविष्य के घटना के खुलासा करतें रहै छै, जेकरा में फारस आरू यूनान के बीच के संघर्ष आरू एगो पराक्रमी राजा के उदय भी शामिल छै जे परमेश्वर के खिलाफ खुद क ऊपर उठाबै वाला छै। ओ दानियल केँ आश्वस्त करैत छथि जे परमेश् वरक लोक सभ केँ उद्धार कयल जायत आ ई दर्शन दूरक भविष्य सँ संबंधित अछि। ई अध्याय में स्वर्गीय क्षेत्र में घटित आध्यात्मिक युद्ध, प्रार्थना के शक्ति आरू भविष्य के घटना के प्रकटीकरण पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

दानियल 10:1 फारसक राजा कोरसक तेसर वर्ष मे दानियल केँ एकटा बात प्रकट भेलनि, जिनकर नाम बेल्तशस्सर छलनि। ओ बात सत् य छल, मुदा निर्धारित समय बहुत बेसी छल, आ ओ बात बुझि गेलाह आ दर्शनक बारे मे बुझि गेलाह।

प्रभु दानियल केँ किछु प्रगट कयलनि, जिनकर नाम बेल्तशस्सर छल, आ बात सत्य छल मुदा निर्धारित समय बहुत बेसी छल।

1: भगवान् अपन पूर्ण समय मे सत्य केँ प्रकट करैत छथि।

2: भगवानक सत्य केँ बुझब कठिन भ' सकैत अछि मुदा ओ हमरा सभ केँ बुझब देत।

1: यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; हुनकर समझ अनजान अछि।

2: याकूब 1:5-6 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

दानियल 10:2 ओहि दिन मे हम दानियल पूरा तीन सप्ताह धरि शोक मना रहल छलहुँ।

दानियल तीन सप्ताह धरि शोक मना रहल छल।

1: कठिन समय स हमरा सब कए हतोत्साहित नहि करबाक चाही, बल्कि भगवान मे ताकत तकबाक चाही।

2: हमरऽ जीवन म॑ शोक के महत्व आरू ई हमरऽ आध्यात्मिक विकास म॑ कोना बहुमूल्य भूमिका निभा सकै छै ।

1: भजन 30:5 - "कानब राति धरि रहि सकैत अछि, मुदा भोर मे आनन्द सेहो अबैत अछि।"

2: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

दानियल 10:3 हम कोनो नीक रोटी नहि खयलहुँ, ने मांस आ ने मदिरा मुँह मे आयल, आ ने हम अपना पर अभिषेक केलहुँ, जाबत धरि तीन सप्ताह पूरा नहि भ’ गेल।

दानियल तीन सप्ताह के उपवास के अनुभव करलकै, जेकरा में सुखद भोजन, शराब आरू खुद के अभिषेक से परहेज करलकै।

1. आध्यात्मिक प्रयोजन के लिये उपवास की शक्ति

2. भगवानक इच्छाक खोज करबाक लेल सुख सँ परहेज करब

1. यशायाह 58:6-7 - की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनैत छी: दुष्टताक बान्ह खोलब, जुआक पट्टा खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन रोटी बाँटि क' बेघर गरीब केँ अपन घर मे आनब; जखन अहाँ नंगटे देखब तखन ओकरा झाँपि देब आ अपन मांस सँ नुकाबय लेल?

2. मत्ती 6:16-18 - जखन अहाँ उपवास करैत छी तखन पाखंडी सभ जकाँ उदास नहि देखाउ, कारण ओ सभ अपन चेहरा केँ विकृत करैत अछि जाहि सँ हुनकर उपवास दोसर लोक देखि सकय। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ अपन फल भेटि गेलनि। मुदा जखन अहाँ उपवास करब तखन माथ पर अभिषेक करू आ मुँह धोउ, जाहि सँ अहाँक उपवास दोसर नहि देखय, बल्कि अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ छथि। आ अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ देखैत छथि, अहाँ केँ इनाम देताह।

दानियल 10:4 पहिल मासक चौबीसम दिन जखन हम पैघ नदीक कात मे छलहुँ, जे हिद्देकेल अछि।

दानियल पहिल मासक 24 म दिन हिद्देकेल नामक महान नदीक कात मे छलाह।

1. प्रार्थना आ चिंतन मे समय बिताबय के महत्व।

2. कठिन समय मे शक्ति आ मार्गदर्शन देबाक लेल भगवानक शक्ति।

1. भजन 46:10 "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. यशायाह 40:29-31 "ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, तकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, आ युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त, मुदा जे प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि।" अपन शक्ति केँ नवीनीकरण करू, गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

दानियल 10:5 तखन हम आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे एकटा एहन आदमी लिनेन पहिरने छल, जकर कमर उफाजक महीन सोना सँ बान्हल छल।

दानियल के कहानी जे सोना के करधनी वाला लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी के गवाह बनलै।

1. कठिन समय मे विश्वास आ आशाक महत्व।

2. कठिन समय मे भगवानक रक्षा आ प्रावधान।

1. इब्रानी 11:1 - आब विश्वास आशा कयल गेल वस्तुक सार अछि, नहि देखल गेल वस्तुक प्रमाण अछि।

2. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँक पाँखिक नीचाँ अहाँ भरोसा करब, ओकर सत्य अहाँक ढाल आ बकरी होयत।

दानियल 10:6 हुनकर शरीर सेहो बेरिल जकाँ छल, आ हुनकर चेहरा बिजली जकाँ छलनि, आ आँखि आगि केर दीपक जकाँ छलनि, आ हुनकर बाँहि आ पैर चमकल पीतल जकाँ छलनि, आ हुनकर वचनक आवाज सेहो एहन छलनि भीड़ के आवाज।

दानियल के एकटा स्वर्गदूत के दर्शन भेलै जेकरऽ रूप चकाचौंध करै वाला छेलै, जेकरा में बिजली जैसनऽ विशेषता छेलै।

1: हम सब प्रायः कठिन परिस्थिति के सामना करैत अपना के अभिभूत आ शक्तिहीन महसूस क सकैत छी, मुदा भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के स्वर्गीय दूत के रूप में मदद भेजताह।

2: भगवानक शक्ति हमरा सभक शक्ति सँ बहुत आगू अछि। हम सब निश्चिंत भ सकैत छी जे ओ हमरा सब के जरूरत के समय में शक्ति प्रदान करताह।

1: इब्रानियों 1:14 की ओ सभ सेवा कर’ बला आत्मा सभ नहि पठाओल गेल अछि जे उद्धारक उत्तराधिकारी सभक लेल सेवा करबाक लेल पठाओल गेल अछि?

2: भजन 91:11 12 ओ अहाँक विषय मे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन जे अहाँक सभ बाट मे अहाँक रक्षा करथि। हुनका सभक हाथ पर ओ सभ अहाँ केँ सहन करत, जाहि सँ अहाँ अपन पैर पाथर पर नहि मारि देब।

दानियल 10:7 हम दानियल असगरे ई दर्शन देखलहुँ, किएक तँ हमरा संग जे लोक सभ छल, से दर्शन नहि देखलक। मुदा हुनका सभ पर एकटा पैघ भूकंप आबि गेलनि जे ओ सभ नुकाबए लेल भागि गेलाह।

दानियल के एकटा एहन दर्शन भेलै जे ओकर संगी सब नै देखलकै, ओकरा सब के ओकर बदला में एकटा पैघ काँप महसूस भेलै जेकरा चलते ओ सब भागि गेलै।

1. परीक्षा के माध्यम स हमर सबहक विश्वास मजबूत भ सकैत अछि

2. भगवान् हमरा सभ केँ अप्रत्याशित तरीका सँ अपना केँ प्रकट करैत छथि

1. इब्रानी 11:1-2, "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि।"

2. उत्पत्ति 12:1, "आब प्रभु अब्राम केँ कहलथिन, 'अपन देश, अपन परिजन आ अपन पिताक घर सँ ओहि देश मे जाउ जे हम अहाँ केँ देखा देब।'"

दानियल 10:8 तेँ हम असगरे रहि गेलहुँ आ ई महान दर्शन देखलहुँ, मुदा हमरा मे कोनो शक्ति नहि रहल, कारण हमर सुन्दरता हमरा मे भ्रष्ट भ’ गेल छल, आ हम कोनो शक्ति नहि राखलहुँ।

डेनियल अपन दृष्टि के भयानकता पर हावी भ गेलै आ ओकरा लागलै जे ओकर ताकत कम भ गेलै।

1. कठिन परिस्थिति मे भगवान् सँ शक्ति खींचब

2. भगवानक महिमा आ शक्तिक कदर करब सीखब

1. यशायाह 40:29-31 - ओ थकल लोक के ताकत दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि।

2. 2 कोरिन्थी 12:7-10 - परमेश्वरक शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ जाइत अछि।

दानियल 10:9 तइयो हम हुनकर वचनक आवाज सुनलहुँ, आ जखन हम हुनकर वचनक आवाज सुनलहुँ, तखन हम अपन मुँह पर गहींर नींद मे पड़ि गेलहुँ आ मुँह जमीन दिस।

दानियल 10:9 मे कथाकार परमेश्वरक आवाज सुनैत छथि आ अपन मुँह जमीन दिस राखि गहींर नींद मे पड़ि जाइत छथि।

1. परमेश् वरक आवाजक शक्ति - परमेश् वरक आवाज सुनला सँ हमरा सभ केँ हुनकर शक्तिक प्रति कोना भय भ' सकैत अछि।

2. भगवान् के सान्निध्य में विनम्रता - प्रभु के सान्निध्य में विनम्र एवं श्रद्धा केना हो |

1. यशायाह 6:1-4 - जखन यशायाह परमेश् वरक दर्शन करैत छथि आ विनम्रता आ आदरपूर्वक प्रतिक्रिया दैत छथि।

2. यूहन्ना 12:27-30 - जखन यीशु अपन आसन्न मृत्युक बात करैत छथि आ हुनकर शिष्य सभ भ्रमित आ भयभीत रहैत छथि।

दानियल 10:10 देखू, एकटा हाथ हमरा छूबि गेल, जे हमरा ठेहुन आ हाथक हथेली पर राखि देलक।

परमेश् वरक स् वर्गदूत दानियल केँ ठेहुन आ हाथक हथेली पर बैसा कऽ छूबि लेलक।

1. प्रभु के शक्ति: विश्वास में प्रतिक्रिया देना सीखना

2. भगवानक स्पर्श: परिवर्तनक आमंत्रण

1. यशायाह 6:1-8 - यशायाह के प्रभु के साथ मुठभेड़

2. निर्गमन 3:1-15 - मूसाक प्रभुक संग मुठभेड़

दानियल 10:11 ओ हमरा कहलथिन, “हे दानियल, जे बहुत प्रिय आदमी छी, हम जे बात अहाँ सँ कहैत छी से बुझू आ सोझ ठाढ़ रहू, किएक तँ हम आब अहाँक लग पठाओल गेल छी।” जखन ओ हमरा ई बात कहलनि तँ हम काँपि कऽ ठाढ़ भऽ गेलहुँ।

दानियल क॑ एगो स्वर्गदूत स॑ ईश्वरीय संदेश मिलै छै जे ओकरा बहुत प्रिय आदमी कहै छै । स् वर्गदूत ओकरा कहै छै जे ओ जे बात बजै छै ओकरा बुझै आ सोझ ठाढ़ रहै, जेना कि आब ओकरा लग पठाओल गेल छै। संदेशक बाद दानियल काँपैत ठाढ़ भ' जाइत अछि।

1. परमेश् वरक शक्तिशाली प्रेम - परमेश् वर अपन दिव्य संदेशक माध्यमे हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करबाक तरीका सभक परीक्षण करब।

2. परमेश् वरक सान्निध मे सीधा ठाढ़ रहब - परमेश् वरक सान्निध्य आ संदेशक प्रति श्रद्धा आ सम्मानक प्रतिक्रिया कोना देल जाय तकर खोज करब।

१.

2. भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे उदात्त होयब, पृथ्वी पर हम ऊँच होयब!

दानियल 10:12 तखन ओ हमरा कहलथिन, “दानियल, नहि डेराउ, किएक तँ जहिया सँ अहाँ अपन परमेश् वरक समक्ष बुझबाक आ अपना केँ ताड़बाक लेल अपन मोन राखि देलहुँ, तखनहि सँ अहाँक बात सुनल गेल आ हम अहाँक वचनक लेल आबि गेल छी।”

दानियल के प्रार्थना सुनल गेलै आरू परमेश् वर ओकर जवाब देलकै।

1. प्रार्थना के शक्ति: भगवान हमर प्रार्थना के कोना जवाब दैत छथि

2. विश्वास राखू: भगवान सदिखन सुनैत रहैत छथि

1. भजन 66:19-20 "मुदा परमेश् वर हमरा सुनलनि अछि; ओ हमर प्रार्थनाक आवाज पर ध्यान देलनि। परमेश् वरक धन्य हो, जे हमर प्रार्थना केँ नहि मोड़लनि आ ने अपन दया हमरा दिस सँ घुमा देलनि!"

2. याकूब 5:16 "धर्मी आदमीक प्रभावी, गंभीर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।"

दानियल 10:13 मुदा फारस राज्यक राजकुमार बीस दिन धरि हमरा विरोध कयलनि, मुदा देखू, माइकल, जे प्रमुख राजकुमार मे सँ एक छलाह, हमर सहायता कर’ लेल आयल छलाह। हम ओतहि फारसक राजा सभक संग रहलहुँ।

दानियल केँ एकटा दर्शन भेटलनि जाहि मे प्रभुक एकटा स् वर्गदूत हुनका दर्शन कयलनि। स्वर्गदूत केँ फारस राज्यक राजकुमार द्वारा बाधा पहुँचलनि, मुदा मुख्य राजकुमार मे सँ एक माइकल द्वारा हुनकर सहायता कयल गेलनि |

1. प्रार्थना आ विश्वासक शक्ति: भगवान हमरा सभक प्रार्थनाक उत्तर कोना दैत छथि

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: परमेश् वर अपन इच्छा पूरा करबाक लेल अविश् वासी सभ केँ सेहो कोना उपयोग कऽ सकैत छथि

1. मत्ती 21:22 - आ अहाँ प्रार्थना मे जे किछु माँगब, से अहाँ केँ भेटत, जँ अहाँक विश्वास अछि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

दानियल 10:14 आब हम अहाँ केँ ई बुझेबाक लेल आयल छी जे अहाँक लोक सभक संग अंतिम समय मे की होयत, किएक तँ ई दर्शन बहुत दिनक लेल अछि।

ई अंश एक दर्शन के बात करै छै कि भविष्य में परमेश् वर के लोग सिनी के साथ की होतै।

1: भगवान् केर शक्ति आ ज्ञान अनंत अछि, आ ओ हमरा सभक जीवन मे जे किछु होयत से देखैत छथि।

2: हम सभ हमरा सभक लेल भगवानक योजना पर भरोसा क' सकैत छी, भले वर्तमान मे ई अनिश्चित बुझाइत हो।

1: यशायाह 46:10 - हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब।

2: नीतिवचन 19:21 - व्यक्तिक हृदय मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य प्रबल होइत छैक |

दानियल 10:15 जखन ओ हमरा एहन बात कहलथिन तखन हम अपन मुँह जमीन दिस राखि देलियनि आ हम गूंगा भ’ गेलहुँ।

दानियल केँ एकटा दर्शन भेटलनि जाहि मे एकटा स् वर्गदूत हुनका सँ बात कयलनि, आ दानियल हुनका प्रणाम क' क' बेजुबान भ' क' जवाब देलनि।

1. "भगवानक वचनक शक्ति"।

2. "भगवानक सान्निध्य मे एखनो रहब"।

1. यशायाह 6:1-8

2. प्रकाशितवाक्य 1:17-18

दानियल 10:16 देखू, मनुष् यक पुत्र जकाँ एक गोटे हमर ठोर छूबि गेल, तखन हम अपन मुँह खोलि कऽ कहलियनि जे हमरा सोझाँ ठाढ़ लोक केँ कहलियनि, “हे हमर मालिक, ओहि दर्शन सँ हमर दुख घुमि गेल अछि।” हमरा पर, आ हम कोनो ताकत नहि रखने छी।

दानियल भविष्यवक्ता केँ परमेश् वर सँ दर्शन भेटैत छनि, आ मनुष् य जकाँ किछु एहन बात छूबि जाइत छथि। अपन दुख आ शक्तिक अभाव व्यक्त करैत छथि ।

1: परमेश् वरक सामर्थ् य हमरा सभक कमजोरी मे प्रगट होइत अछि

2: दुखक समय बढ़बाक समय भ' सकैत अछि

1: 2 कोरिन्थी 12:7-10 "तेँ हमरा घमंड नहि करबाक लेल हमरा अपन शरीर मे एकटा काँट देल गेल, जे शैतानक दूत छल, जे हमरा सताबय। हम तीन बेर प्रभु सँ विनती केलहुँ जे ओकरा छीनि ली।" हमरा दिस सँ।मुदा ओ हमरा कहलनि, "हमर कृपा अहाँ सभक लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ' जाइत अछि। तेँ हम अपन कमजोरीक विषय मे आओर बेसी खुशी सँ घमंड करब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ्य हमरा पर टिकल रहय।एही लेल, मसीहक लेल हम कमजोरी मे, अपमान मे, कष्ट मे, उत्पीड़न मे, कठिनाई मे आनन्दित होइत छी, कारण जखन हम कमजोर छी तखन हम मजबूत होइत छी।

2: फिलिप्पियों 4:11-13 "ई नहि जे हम जरूरतमंद होयबाक बात क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो आ।" हर परिस्थिति में, हम बहुत आ भूख, प्रचुरता आ जरूरत के सामना करय के रहस्य सीख लेने छी। हम ओहि के माध्यम स सब काज क सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

दानियल 10:17 हमर प्रभुक सेवक एहि मालिक सँ कोना गप्प क’ सकैत अछि? हम तऽ तुरन्त हमरा मे कोनो शक्ति नहि रहि गेल आ ने हमरा मे साँस बचल अछि।

दानियल के परमेश् वर के प्रार्थना में ओकरो विनम्रता आरू परमेश् वर के सामर्थ् य के प्रति आदर प्रकट होय छै।

1. विनम्रताक शक्ति: परमेश्वरक सान्निध्यक प्रति भय कोना विकसित कयल जाय

2. विश्वासक आँखि सँ भगवान् केँ देखब: अपन जीवन मे परमेश्वरक शक्तिक अनुभव करब

1. 1 पत्रुस 5:5-7 - "एहि तरहेँ, अहाँ सभ जे छोट छी, पैघ सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, किएक तँ परमेश् वर घमंडी सभक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक सभ पर कृपा करैत छथि।"

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त।
दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

दानियल 10:18 तखन फेर आबि क’ हमरा एक आदमी केँ छूबि लेलक जे मनुष्यक रूप जकाँ अछि।

दानियल केँ एकटा स्वर्गदूतक आकृति सँ मजबूती भेटलनि।

1. "एन्जेलिक हेल्प के ताकत"।

2. "स्वर्गीय समर्थन के शक्ति"।

1. भजन 121:2 - "हमर सहायता स्वर्ग आ पृथ्वीक निर्माता प्रभु सँ भेटैत अछि।"

2. इब्रानियों 1:14 - "की ओ सभ सेवा करऽ वला आत्मा सभ नहि पठाओल गेल अछि जे उद्धारक उत्तराधिकारी सभक लेल सेवा कर' लेल पठाओल गेल अछि?"

दानियल 10:19 ओ कहलनि, “हे बहुत प्रिय मनुष्य, डरब नहि, अहाँ केँ शान्ति हो, बलवान बनू, हँ, बलवान रहू।” जखन ओ हमरा सँ बात कयलनि तँ हम बलवान भऽ कऽ कहलियनि, “हमर मालिक बाजऽ दियौक। किएक तँ अहाँ हमरा बल देलहुँ।”

एकटा स् वर्गदूत दानियल सँ बात करैत अछि आ ओकरा मजबूत बनबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, ओकरा कहैत अछि जे डरब नहि। तखन दानियल केँ मजबूती भेटैत छैक आ स् वर्गदूत केँ बजैत रहबाक अनुमति दैत छैक।

1. "प्रभु मे मजबूत रहू: कठिन समय मे आत्मविश्वास भेटब"।

2. "भगवानक ताकत: विजय प्राप्त करबाक साहस केँ आत्मसात करब"।

1. इफिसियों 6:10-11 - "अंत मे, प्रभु आ हुनकर पराक्रमी मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

2. फिलिप्पियों 4:13 - "हम ई सभ ओहि द्वारा क' सकैत छी जे हमरा ताकत दैत अछि।"

दानियल 10:20 तखन ओ कहलथिन, “की अहाँ जनैत छी जे हम अहाँ लग किएक आबि रहल छी?” आब हम फारसक राजकुमार सँ लड़य लेल घुरि जायब।

एकटा स्वर्गदूत दानियल के ई बात के खुलासा करै छै कि वू फारस के राजकुमार के साथ लड़ै लेली वापस आबी रहलऽ छै आरू जबेॅ वू चलै छै, तबे यूनान के राजकुमार आबै वाला छै।

1. आध्यात्मिक युद्धक शक्ति - जे आध्यात्मिक युद्ध लड़ल जा रहल अछि ओकरा बुझब।

2. प्रतिकूलतासँ उबरब - विरोधक विरुद्ध अडिग ठाढ़ भऽ संघर्षक बीच विजय कोना पाबी।

1. इफिसियों 6:12 - "किएक तँ हम सभ मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान सभ मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी।"

2. रोमियो 8:37 - "नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम केलक।"

दानियल 10:21 मुदा हम अहाँ केँ ओहि बात केँ देखा देब जे सत्यक शास्त्र मे उल्लेख कयल गेल अछि।

सत्य के शास्त्र स॑ पता चलै छै कि माइकल वू राजकुमार छै जे दानियल के साथ खड़ा छै ।

1: भगवान हमरा सभक कात मे एकटा राजकुमार राखि देने छथि जे कठिन समय मे हमरा सभक मदद करत।

2: हम भगवान के प्रतिज्ञा पर भरोसा क सकैत छी, ओहो तखन जखन हम असगर महसूस करैत छी।

1: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: इब्रानी 13:5-6 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब। तेँ हम सभ विश्वासपूर्वक कहि सकैत छी जे प्रभु हमर सहायक छथि; हम डरब नहि; मनुष्य हमरा की क' सकैत अछि?

दानियल अध्याय 11 में ऐतिहासिक घटना के विस्तृत भविष्यवाणी के विवरण देल गेल अछि, जे मुख्य रूप स उत्तर के राजा (सीरिया) आ दक्षिण के राजा (मिस्र) के बीच के संघर्ष पर केंद्रित अछि | अध्याय में विभिन्न शासक आरू राज्य के उदय आरू पतन के साथ-साथ परमेश् वर के लोगऽ के उत्पीड़न आरू सहनशक्ति के बारे में भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा स्वर्गदूत के दूत स होइत अछि जे ओ दानियल के सच्चाई बताओत जे अंतिम समय में की होयत। ओ तीन टा आओर फारसी राजा आ एकटा पराक्रमी राजाक जिक्र करैत छथि जे उठि क’ बहुत शक्तिक संग हावी होयत (दानियल 11:1-3)।

1821

2nd Paragraph : स्वर्गदूत दूत उत्तर के राजा आ दक्षिण के राजा के बीच के द्वंद्व के वर्णन करैत छथि | ओ एहि दुनू शक्तिक बीच युद्ध, गठबंधन आ विश्वासघातक विस्तृत विवरण दैत छथि, जाहि मे विभिन्न शासकक जीत आ हार पर प्रकाश देल गेल अछि (दानियल 11:4-20)।

तृतीय पैराग्राफ: दूत कोनो विशेष शासक पर ध्यान केंद्रित करैत अछि, जकरा "तिरस्कारजनक व्यक्ति" कहल जाइत अछि | ई शासक शान्तिक समय मे उठत आ अपन चापलूसी सँ बहुतो केँ धोखा देत। ओ साजिशक माध्यमे सत्ता पर कब्जा करत आ परमेश् वरक लोक सभ केँ सताओत (दानियल 11:21-35)।

4 म अनुच्छेद: दूत एकटा आओर शासकक उदयक वर्णन करैत छथि, जे अपना केँ उच्चता करत आ सभ देवता सँ ऊपर अपना केँ महिमा करत। ई शासक बहुत रास देश पर विजय प्राप्त करत आ इस्राएल देश मे तबाही मचाओत। मुदा, ओ अपन अंत मे आबि जेताह जखन कियो हुनकर मददि नहि करत (दानियल 11:36-45)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 11 मे एकटा विस्तृत भविष्यवाणीक विवरण देल गेल अछि
ऐतिहासिक घटना के, उत्तर के राजा आ दक्षिण के राजा के बीच संघर्ष पर केंद्रित,
शासक आ राज्यक उदय आ पतन पर प्रकाश दैत |
आ परमेश् वरक लोक सभक उत्पीड़न आ सहनशीलता।

अंतिम समय में भविष्य के घटना के एन्जिलिक दूत के खुलासा |
तीन फारसी राजा आ एकटा पराक्रमी राजाक वर्णन जे हावी होयत।
उत्तर के राजा आ दक्षिण के राजा के बीच युद्ध, गठबंधन, आ विश्वासघात के लेखा-जोखा |
एकटा तिरस्कृत शासक पर ध्यान दियौ जे परमेश् वरक लोक सभ केँ धोखा देत, सत्ता पर कब्जा करत आ सताओत।
एकटा आओर शासकक वर्णन जे अपना केँ ऊँच करत, भूमि जीतत, आ अपन अंत मे आबि जायत।

दानियल केरऽ ई अध्याय म॑ ऐतिहासिक घटना के विस्तृत भविष्यवाणी के विवरण देलऽ गेलऽ छै, जे मुख्य रूप स॑ उत्तर केरऽ राजा (सीरिया) आरू दक्षिण केरऽ राजा (मिस्र) के बीच के संघर्ष प॑ केंद्रित छै । एकटा स्वर्गदूत दूत दानियल केँ ई सत्य प्रकट करैत छथि जे अंतिम समय मे की होयत। दूत तीन टा आओर फारसी राजा आ एकटा पराक्रमी राजाक जिक्र करैत छथि जे उठि क' बहुत शक्तिक संग प्रभुत्व राखत। तखन ओ उत्तरक राजा आ दक्षिणक राजाक बीच भेल युद्ध, गठबंधन आ विश्वासघातक वर्णन करैत विभिन्न शासकक विजय-पराजयक विस्तृत विवरण दैत छथि | दूत एकटा विशेष शासक पर ध्यान केंद्रित करैत अछि, जकरा "तिरस्कारजनक व्यक्ति" कहल जाइत अछि, जे शांति के समय में उठत आ अपन चापलूसी स बहुतो के धोखा देत | ई शासक साजिशक माध्यमे सत्ता पर कब्जा करत आ परमेश् वरक लोक सभ केँ सताओत। दूत एकटा आओर शासक के उदय के सेहो वर्णन करैत छथि जे अपना के उच्च बनाओत आ सब देवता स ऊपर अपना के महिमामंडन करत | ई शासक बहुत रास देश जीतत आ इस्राएल देश मे तबाही मचाओत मुदा ओकर अंत मे आबि जायत जखन किओ ओकर मददि नहि करत। ई अध्याय में शासक आरू राज्य के उदय आरू पतन के साथ-साथ ई संघर्ष के बीच परमेश् वर के लोग सिनी के उत्पीड़न आरू सहनशक्ति के बारे में भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

दानियल 11:1 हम मादी दारा केर पहिल वर्ष मे हुनका पुष्ट करबाक आ मजबूत करबाक लेल ठाढ़ छलहुँ।

ई अंश मादी दारा के पहिल साल के बारे में छै आरू परमेश्वर ओकरा पुष्टि आरू मजबूत करै लेली खड़ा छेलै।

1. आवश्यकताक समय मे परमेश्वरक निष्ठा आ प्रावधान।

2. भगवानक समय पर भरोसा करबाक महत्व।

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

दानियल 11:2 आब हम अहाँ केँ सत् य देखा देब। देखू, फारस मे तीनटा राजा ठाढ़ हेताह। चारिम सभ सँ कहीं बेसी धनी होयत।

फारस मे तीन टा राजा हेताह आ चारिम राजा सभ सँ कहीं बेसी धनिक हेताह। ओ अपन धन आ शक्तिक उपयोग यूनानक क्षेत्रक विरुद्ध सभकेँ उकसाओत।

1. धन आ सत्ताक खतरा

2. एकटा साझा शत्रु के विरुद्ध एकजुट होय के शक्ति

1. नीतिवचन 28:20 विश्वासी आदमी केँ भरपूर आशीर्वाद भेटतैक, मुदा धनिक बनबाक लेल आतुर लोक केँ सजा नहि भेटतैक।

2. उपदेशक 5:10 जे पाइ सँ प्रेम करैत अछि, ओकरा कहियो पर्याप्त पाइ नहि भेटैत छैक; जे धन प्रेम करैत अछि से कहियो अपन आमदनी सँ संतुष्ट नहि होइत अछि ।

दानियल 11:3 एकटा पराक्रमी राजा ठाढ़ हेताह, जे बहुत अधिकारक संग शासन करत आ अपन इच्छाक अनुसार काज करत।

एकटा पराक्रमी राजा सत्ता मे उठत आ ओकर बहुत अधिकार होयत, ओकर प्रयोग अपन इच्छानुसार करत।

1. अधिकारक शक्ति आ भगवानक इच्छा

2. राजाक ताकत आ भगवानक अधिकार

1. रोमियो 13:1-7

2. मत्ती 28:18-20

दानियल 11:4 जखन ओ ठाढ़ होयत तखन ओकर राज्य टूटि जायत आ आकाशक चारि हवा दिस बँटि जायत। आ ने ओकर वंशज केँ आ ने ओकर शासनक अनुसार जकरा ओ शासन करैत छलाह, किएक तँ ओकर राज्य उखाड़ल जायत, ओहो लोक सभक अतिरिक्त आन लोकक लेल।

नेता के राज्य बँटि क' ओकर वंशज के जगह दोसर के देल जाइत छैक आ ओकर प्रभुत्व के अनुसार नै जे ओ शासन केने छल |

1: एहि श्लोकक माध्यमे हमरा लोकनि केँ ई पता चलैत अछि जे भगवान् सार्वभौम छथि आ हुनकर योजना मनुक्खक योजना सँ पैघ अछि।

2: हमरा सभ केँ ई नहि मानबाक चाही जे हमर सभक योजना आ महत्वाकांक्षा सदिखन पूरा होयत, बल्कि एकर बदला मे भरोसा करबाक चाही जे भगवानक योजना आ इच्छा कहीं बेसी अछि।

1: नीतिवचन 19:21 - व्यक्तिक हृदय मे बहुत रास योजना होइत छैक, मुदा प्रभुक उद्देश्य प्रबल होइत छैक।

2: यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

दानियल 11:5 दक्षिणक राजा बलवान होयत आ ओकर एकटा राजकुमार। ओ ओकरा सँ ऊपर बलवान होयत आ ओकर प्रभुत्व होयत। ओकर प्रभुत्व एकटा पैघ प्रभु होयत।

दक्षिण के राजा शक्तिशाली होयत आ ओकर एकटा नेता आओर शक्तिशाली होयत, जे एकटा पैघ राज्य पर शासन करत।

1. भगवान् सार्वभौम छथि आ अपन इच्छा पूरा करबाक लेल जाति सभक उपयोग करैत छथि।

2. नेतृत्वक पद पर रहला स बहुत पैघ जिम्मेदारी होइत छैक।

1. रोमियो 13:1-7 - प्रत्येक व्यक्ति शासक अधिकारक अधीन रहय।

2. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन स्थापित कएने छथि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।

दानियल 11:6 वर्षक अंत मे ओ सभ अपना केँ एक संग मिलत। किएक तँ दक्षिणक राजाक बेटी उत्तरक राजा लग समझौता करबाक लेल आओत। ने ओ ठाढ़ रहत आ ने ओकर बाँहि, बल् कि ओकरा छोड़ि देल जेतै, जे ओकरा लऽ कऽ आएल छलैक, जे ओकरा जन्म देलकैक, आ जे ओकरा एहि समय मे मजबूत केलकैक।”

दक्षिण के राजा के बेटी उत्तर के राजा के साथ समझौता करै के कोशिश करतै, लेकिन वू आरू ओकरऽ समर्थक ई प्रयास में सफल नै होतै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: जखन हमरा सभक अपेक्षाक अनुसार काज नहि होइत अछि तखनो परमेश् वरक नियंत्रण मे रहैत छथि।

2. भगवान् पर भरोसा राखब: हमरा सभ केँ कहियो मात्र अपन शक्ति पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि एकर बदला मे भगवान पर भरोसा करबाक चाही।

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेताह; गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

दानियल 11:7 मुदा ओकर जड़ि मे सँ एकटा डारि सँ एक गोटे ओकर सम्पत्ति मे ठाढ़ होयत, जे सेनाक संग आबि उत्तरक राजाक किला मे प्रवेश करत आ ओकरा सभक संग मुकाबला करत आ विजयी होयत।

दक्षिणक राजाक जड़ि सँ एकटा डारि सेनाक संग उठि उत्तर राजाक किला मे प्रवेश करत, आ अंततः ओकरा सभ पर विजय प्राप्त करत |

1. भगवानक शक्ति: भगवान असंभव केँ कोना संभव बना सकैत छथि

2. प्रतिकूलता पर काबू पाब: कठिन परिस्थिति मे विजय प्राप्त करब सीखब

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 1:2-4 हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभ केँ आनन्दित करू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि। मुदा धैर्य केँ ओकर सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ आ किछुओक अभाव नहि।

दानियल 11:8 ओ अपन देवता, अपन राजकुमार आ चानी आ सोनाक कीमती बर्तन सभक संग मिस्र मे बंदी बना लेत। उत्तरक राजा सँ बेसी वर्ष धरि रहत।

दक्षिण के राजा उत्तर के राजा के जीत क हुनकर देवता, राजकुमार, आ बहुमूल्य वस्तु ल जायत।
उत्तरक राजासँ बेसी वर्ष धरि शासन करताह।

1. घमंड के परिणाम: दानियल 11:8 के अध्ययन

2. मूर्तिपूजा के मूर्खता: दानियल 11:8 के अध्ययन

1. नीतिवचन 16:18 घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. यशायाह 40:18-20 तखन अहाँ परमेश् वरक तुलना केकरा सँ करब? अहाँ हुनकर तुलना कोन छवि सँ करब? रहल मूर्तिक तऽ कारीगर ओकरा फेकि दैत छैक आ सोनार ओकरा सोना सँ झाँपि कऽ चानीक जंजीर बना दैत छैक। एहन प्रसाद देबय लेल बेसी गरीब आदमी एहन लकड़ी चुनैत अछि जे सड़त नहि। ओ कोनो एहन मूर्ति ठाढ़ करबाक लेल कुशल कारीगरक खोज करैत अछि जे नहि उखड़त।

दानियल 11:9 तेँ दक्षिणक राजा अपन राज्य मे आबि अपन देश मे घुरि जेताह।

दक्षिण के राजा अपन राज्य पर नियंत्रण पाबि अपन मातृभूमि वापस आबि जायत।

1. परमेश् वरक योजना अरोपित अछि - रोमियो 8:28

2. जे सही तरीका स हमर अछि ओकरा वापस लेब - मत्ती 6:33

1. निकासी 15:2 - प्रभु हमर शक्ति आ गीत छथि, आ ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि; ई हमर परमेश् वर छथि, आ हम हुनकर स्तुति करब, जे हमर पिताक परमेश् वर छथि, आ हम हुनका ऊँच करब।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

दानियल 11:10 मुदा ओकर पुत्र सभ हलचल मे आबि जायत आ बहुत रास सेना जमा करत, आ एक गोटे अवश्य आबि कऽ उमड़ि कऽ ओहि मे सँ गुजरत, तखन ओ घुरि कऽ अपन किला मे घुरि कऽ हलचल भऽ जेताह।

दानियल 11:10 मे एकटा अनाम व्यक्तिक बेटा सभक बहुत रास भीड़ जमा करबाक बात अछि आ ओहि मे सँ एकटा आबि रहल अछि, उमड़ैत आ ओहि मे सँ गुजरैत अछि। तखन ओ अपन किला मे घुरि जाइत छथि।

1. एकत्रित करबाक शक्ति: दानियल 11:10 सँ सीखब

2. प्रतिकूलता पर काबू पाबब: दानियल 11:10 के ताकत

1. लूका 18:1-8 - जिद्दी विधवाक यीशुक दृष्टान्त

2. नहेमायाह 4:14-23 - यरूशलेम के देवाल के पुनर्निर्माण में नहेम्याह के नेतृत्व

दानियल 11:11 दक्षिणक राजा चिरहत भ’ जेताह, आ उत्तरक राजाक संग हुनका संग लड़ि क’ लड़ताह। मुदा भीड़ हुनका हाथ मे सौंपल जायत।

दक्षिणक राजा क्रोधित भऽ उत्तरक राजासँ लड़य अबैत छथि । उत्तरक राजाकेँ पैघ सेनाक संग फायदा हेतनि।

1. अप्रत्याशित परिस्थिति मे भगवानक सार्वभौमिकता

2. हमर जीवन पर क्रोध के प्रभाव

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. याकूब 1:19-20 - तेँ हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, सभ केओ सुनबा मे जल्दी, बाजबा मे देरी आ क्रोध मे देरी, किएक त’ मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि बनबैत अछि।

दानियल 11:12 जखन ओ भीड़ केँ दूर क’ लेताह तखन हुनकर मोन उठि जायत। ओ बहुतो दस हजार लोक केँ नीचाँ खसा देत, मुदा ओकरा एहि सँ बल नहि भेटतैक।

राजाक हृदय उठत, आ कतेको केँ नीचाँ खसाओल जायत, मुदा ओकर शक्ति नहि बढ़त।

1. घमंड आ विनम्रता: अपन सीमा केँ स्वीकार करब सीखब

2. मसीहक शक्ति: परमेश् वर मे ताकत पाबब
1825

1. नीतिवचन 16:18: घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 4:13: हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

दानियल 11:13 उत्तरक राजा घुरि क’ आबि जेताह, आ पहिने सँ बेसी भीड़ जमा करत, आ किछु वर्षक बाद बहुत पैघ सेना आ बहुत धन-दौलत ल’ क’ आबि जेताह।

उत्तरक राजा एकटा निश्चित समयक बाद बहुत पैघ सेना आ बेसी धन लऽ कऽ घुरि जेताह |

1. धैर्यक शक्ति: अनिश्चितताक सामना कोना कयल जाय

2. भगवान् के प्रचुरता: प्रभु के प्रावधान पर भरोसा करना

1. यशायाह 46:10-11 - हम अंत केँ शुरू सँ, प्राचीन काल सँ, जे एखनो आबय बला अछि, से जनबैत छी। हम कहैत छी: हमर उद्देश्य ठाढ़ रहत, आ हम जे किछु चाहब से करब। पूबसँ हम एकटा शिकारी चिड़ै बजबैत छी। दूर-दूरक भूमि सँ, हमर उद्देश्य पूरा करय बला आदमी। हम जे कहलहुँ, से हम आनब; जे योजना बनौने छी, से करब।

2. भजन 33:11 - मुदा प्रभुक योजना सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हुनकर हृदयक उद्देश्य सदा-सदा लेल दृढ़ रहैत अछि।

दानियल 11:14 ओहि समय मे बहुतो लोक दक्षिणक राजाक विरुद्ध ठाढ़ होयत। मुदा ओ सभ खसि पड़त।

दक्षिण के राजा के समय में बहुतो उठि क अपन विजन पूरा करय के कोशिश करत, मुदा अंततः असफल भ जायत।

1. अभिमान आ आत्मनिर्भरताक खतरा

2. मानवीय मामलों मे भगवान् के सार्वभौमत्व

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. भजन 33:10-11 - प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ बेकार करैत छथि; ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

दानियल 11:15 उत्तरक राजा आबि क’ एकटा पहाड़ ठाढ़ क’ क’ बेसी बाड़िबला नगर सभ केँ पकड़ि लेत, आ दक्षिणक बाँहि आ ने ओकर चुनल लोक, आ ने ओकर सामना करबाक कोनो ताकत नहि करत।

उत्तरक राजा दक्षिण पर आक्रमण करत, आ सबसँ बेसी गढ़बला शहर सभ पर कब्जा क' लेत, आ दक्षिण विरोध करबा मे असमर्थ भ' जायत।

1. दक्षिणक ताकत: कठिन परिस्थितिक बादो भगवान् पर भरोसा करब सीखब

2. उत्तरक शक्ति: भय पर काबू पाबि अपना केँ चुनौती देब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

दानियल 11:16 मुदा जे हुनका विरुद्ध आओत से अपन इच्छाक अनुसार करत, आ कियो हुनका सामने ठाढ़ नहि होयत।

एकटा शक्तिशाली शत्रु गौरवशाली भूमिक विरुद्ध आओत आ ओकरा सामने कियो ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि, आ ओकर हाथ सँ भूमि भस्म भ' जायत।

1. घमंड के खतरा: अहंकार के खतरा के पहचानब

2. कठिन समय मे कोना दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

दानियल 11:17 ओ अपन समस्त राज्यक सामर्थ्यक संग आ सोझ लोक सभक संग प्रवेश करबाक लेल मुँह बनाओत। ओ एना करत, आ स् त्रीगणक बेटी ओकरा नाश कऽ देतैक, मुदा ओ ओकरा कात मे ठाढ़ नहि होयत आ ने ओकर पक्ष मे रहतैक।”

एहि अंश मे एकटा राजाक वर्णन अछि जे सत्ता प्राप्त करबाक लेल गठबंधनक उपयोग करबाक प्रयास करैत छथि, मुदा जाहि महिला सँ ओ विवाह करबाक लेल चुनैत छथि, ओ हुनका प्रति वफादार नहि होयत |

1. ईश्वरीय गठबंधन भ्रष्टाचार पर नहि, विश्वास आ ईमानदारी पर बनैत अछि।

2. विवाह एकटा पवित्र वाचा अछि आ एकरा श्रद्धा आ सम्मानक संग करबाक चाही।

1. नीतिवचन 4:7- "बुद्धि सबसँ पैघ बात अछि; तेँ बुद्धि प्राप्त करू। आ अपन सभ प्राप्ति सँ बुद्धि प्राप्त करू।"

2. इफिसियों 5:21-33- "परमेश् वरक भय मे एक-दोसर केँ अधीन करू।"

दानियल 11:18 एकर बाद ओ द्वीप सभ दिस मुँह घुमा लेत आ बहुतो केँ पकड़त, मुदा अपन लेल एकटा राजकुमार ओकरा द्वारा देल गेल अपमान केँ समाप्त क’ देत। बिना अपन अपमान के ओ ओकरा पर घुमा देत।

एहि अंश मे एकटा एहन राजकुमारक चर्चा अछि जे अपन मुँह द्वीप दिस घुमा लेत आ बहुतो केँ ल' लेत, संगहि ओकरा द्वारा देल गेल निंदा सेहो समाप्त भ' जायत।

1. राजकुमारक शक्ति: नेताक निन्दा कोना घुमाओल जा सकैत अछि

2. द्वीप दिस मुँह घुमाबय: भगवानक नेतृत्व पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:31: मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 34:17: जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि।

दानियल 11:19 तखन ओ अपन देशक किला दिस मुँह घुमा लेत, मुदा ठोकर खा क’ खसि पड़त, मुदा नहि भेटत।

राजाक कोनो दुश्मन अपन ध्यान अपनहि भूमि दिस घुमा लेत, मुदा अंततः ठोकर खा क' खसि पड़त, जे फेर कहियो नहि देखल जायत।

1. भगवानक नियंत्रण अछि: जखन हमर दुश्मन सभ शक्ति प्राप्त करैत देखाइत छथि तखनो अंततः भगवानक नियंत्रण अछि।

2. अति आत्मविश्वास असफलता के तरफ ल जाइत अछि: जखन हम सब अपन ताकत पर बेसी आत्मविश्वासी भ जाइत छी त हम सब ठोकर खा सकैत छी आ खसि सकैत छी।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. भजन 91:2 - हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि: हमर परमेश् वर। हम हुनका पर भरोसा करब।

दानियल 11:20 तखन राज्यक महिमा मे कर जुटेनिहार अपन सम्पत्ति मे ठाढ़ भ’ जेताह, मुदा किछुए दिन मे ओ नष्ट भ’ जेताह, ने क्रोध मे आ ने युद्ध मे।

राज्यक कोनो शासक उपस्थित भ' कर लेबाक प्रयास करत, मुदा किछुए दिन मे नष्ट भ' जायत।

1. भगवानक योजना सदिखन रहैत छनि, तखनो जखन बातक कोनो अर्थ नहि बुझाइत हो।

2. हम सभ परमेश् वर पर भरोसा क' सकैत छी जे ओ हमरा सभक देखभाल करताह, ओहो प्रतिकूलताक सामना करैत।

1. यशायाह 55:8-9 "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2. भजन 46:10 "शांत रहू, आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

दानियल 11:21 ओकर सम्पत्ति मे एकटा नीच व्यक्ति ठाढ़ होयत, जकरा ओ सभ राज्यक आदर नहि देत, मुदा ओ शान्तिपूर्वक आबि क’ चापलूसी क’ क’ राज्य प्राप्त करत।

एहि अंश मे एहन व्यक्तिक वर्णन कयल गेल अछि जे उचित अधिकार सँ नहि अपितु छल सँ सत्ता प्राप्त करत |

1. छलक महत्वाकांक्षाक खतरा

2. सफलताक लेल भगवानक मार्ग पर चलब

1. नीतिवचन 12:2 - "नीक लोक प्रभु सँ अनुग्रह पाबैत अछि, मुदा दुष्ट षड्यंत्रक लोक केँ ओ निन्दा करैत अछि।"

2. इफिसियों 4:14-15 - "एहि सँ आब हम सभ आब संतान नहि बनि जायब, जे शिक्षाक हर हवाक संग, मनुष् यक छल-प्रपंच आ धूर्तताक संग घुमाओल जाइत छी, जाहि सँ ओ सभ धोखा देबाक लेल प्रतीक्षा मे पड़ि जाइत छथि।" " .

दानियल 11:22 ओ सभ बाढ़िक बाँहि सँ ओकर आगू सँ उमड़ि जायत आ टूटि जायत। हँ, वाचाक राजकुमार सेहो।

वाचा के राजकुमार पर हावी भ जायत आ विनाशकारी बाढ़ि के सामने टूटि जायत।

1: प्रतिकूलताक सामना करैत भगवानक शक्ति हमरा सभक सोझाँ जे कोनो बाधा अछि ताहि सँ बेसी होइत अछि।

2: जीवनक उथल-पुथल के बीच प्रभु हमर सबहक निश्चित नींव आ शरण छथि।

1: भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता, हमर परमेश् वर, हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

1828

2: यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" ."

दानियल 11:23 हुनका संग जे लीग कयल गेल अछि तकर बाद ओ छल-प्रपंच करत, किएक त’ ओ ऊपर आबि क’ छोट लोकक संग मजबूत भ’ जायत।

दानियल 11:23 एकटा एहन नेता के बात करैत अछि जे एकटा छोट गुट के समर्थन स सत्ता में आओत आ धोखा स शासन करत।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन सभ व्यवहार मे विश्वासी आ ईमानदार रहबाक लेल बजबैत छथि।

2: अपन मतभेदक बादो हमरा सभकेँ आम भलाई तकबाक प्रयास करबाक चाही।

1: नीतिवचन 11:3 सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभ केँ मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट करत।

2: मत्ती 7:12 तेँ अहाँ सभ जे किछु चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करय, अहाँ सभ हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई धर्म-नियम आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

दानियल 11:24 ओ प्रांतक मोटगर स्थान पर सेहो शान्तिपूर्वक प्रवेश करत। ओ ओ काज करत जे ओकर पूर्वज आ ने ओकर बाप-पिता नहि केने छथि। ओ ओकरा सभक बीच शिकार, लूट आ धन-दौलत छिड़ियाओत।

ई अंश एकटा एहन नेताक विषय मे अछि जे शांतिपूर्वक प्रवेश करत आ एहन काज करत जे ओकर पूर्वज नहि केने छल, जेना शिकार, लूट आ धन केँ छिड़ियाब। गढ़क विरुद्ध योजना सेहो बनौताह।

1. परमेश् वरक इच्छा अविचल अछि: विपत्तिक समय मे परमेश् वरक योजनाक पालन कोना कयल जाय

2. उदारता के शक्ति: दुनिया में भलाई के लेल भगवान के योजना के कोना कायम राखल जाय

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। परमेश् वरक शान्ति, जे सभ समझ सँ परे अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, जखन कि हमरा सभ केँ एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल अछि, तेँ हम सभ सेहो हरेक वजन आ पाप केँ एक कात राखि जे एतेक नजदीक सँ चिपकल अछि, आ हम सभ ओहि दौड़ केँ सहनशीलता सँ दौड़ू जे पहिने राखल गेल अछि हमरा सभ केँ, अपन विश् वासक संस्थापक आ सिद्धकर्ता यीशु दिस तकैत छी, जे हुनका सोझाँ राखल गेल आनन्दक कारणेँ लाज केँ तिरस्कृत करैत क्रूस केँ सहन कयलनि आ परमेश् वरक सिंहासनक दहिना कात बैसल छथि।

दानियल 11:25 ओ एकटा पैघ सेनाक संग दक्षिणक राजाक विरुद्ध अपन शक्ति आ साहस केँ भड़काओत। दक्षिणक राजा बहुत पैघ आ पराक्रमी सेनाक संग युद्धक लेल उकसाओल जायत। मुदा ओ ठाढ़ नहि होयत, किएक तँ ओ सभ ओकरा विरुद्ध षड्यंत्रक पूर्वानुमान लगाओत।”

दक्षिण के राजा युद्ध में हलचल होयत, मुदा ओ ठाढ़ नै हेताह, ओकरा खिलाफ षड्यंत्र के कारण।

1. अपन दुश्मनक ताकत: दुश्मनक यंत्र पर कोना विजय प्राप्त कयल जाय

2. ताकत के शक्ति: कखन ठाढ़ हेबाक चाही आ कखन हिलबाक चाही से जानब

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. इफिसियों 6:11-13 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ सभ शैतानक छल-प्रपंचक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब। कारण, हम सभ खून-मांस सँ नहि, बल् कि राज् य-शास् य सभक विरुद्ध, 1829

सामर्थ् य सभक विरुद्ध, एहि संसारक अन् हारक शासक सभक विरुद्ध, आत् मक दुष् टताक विरुद्ध ऊँच स्थान पर कुश्ती करैत छी। तेँ परमेश् वरक समस्त कवच अपना लग लऽ लिअ जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन मे सामना कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ ठाढ़ भऽ सकब।

दानियल 11:26 हँ, जे हुनकर भोजनक भाग चरबैत छथि, हुनका नष्ट क’ देतनि, आ हुनकर सेना उमड़ि जायत, आ बहुतो लोक मारि क’ खसि पड़तनि।

ई अंश एकटा महान शासक के बात करै छै जेकरा ओकरऽ सबसें नजदीकी लोगऽ द्वारा धोखा करी क॑ नष्ट करी देलऽ जैतै ।

1. महानताक समय मे विश्वासघात - एकटा अपन सबसँ नजदीकी लोक पर सेहो भरोसा करबाक खतरा पर।

2. घमंडक खतरा - अपन शक्ति आ सफलता पर बेसी गर्व करबाक परिणाम पर क।

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2. लूका 12:15-21 - अमीर मूर्खक दृष्टान्त, जाहि मे यीशु अपन धन आ शक्ति सँ बेसी लगाव नहि करबाक चेतावनी दैत छथि।

दानियल 11:27 एहि दुनू राजाक हृदय दुष्टता करबाक लेल रहत आ ओ सभ एकहि टेबुल पर झूठ बाजत।
मुदा ई सफल नहि होयत, किएक तँ अन् त समय निर्धारित समय पर होयत।

दू राजाक हृदय बुराई आ एक दोसरा सँ झूठ बाजब दिस झुकल अछि, मुदा ओकर योजना अंततः असफल भ' जायत।

1. बेईमानी के खतरा

2. भगवानक योजनाक परम विजय

1. यशायाह 59:14, "न्याय पाछू भ' जाइत अछि, आ न्याय दूर ठाढ़ भ' जाइत अछि;

2. नीतिवचन 19:5, "झूठा गवाह केँ दंड नहि भेटतैक, आओर जे झूठ बाजत से नहि बचि सकैत अछि।"

दानियल 11:28 तखन ओ बहुत धन-दौलत ल’ क’ अपन देश मे वापस आबि जेताह। ओकर हृदय पवित्र वाचाक विरोध मे रहतैक। ओ कारनामा करत आ अपन देश मे घुरि जायत।

दानियल 11:28 एकटा आदमी के बारे में बात करै छै जे बहुत धन के साथ अपनऽ देश में वापस आबै छै, तभियो पवित्र वाचा के खिलाफ दिल के साथ।

1. सच्चा धन परमेश् वरक वाचा पर अडिग रहला सँ अबैत अछि

2. भगवानक इच्छाक पालन करबाक स्थान धन नहि ल' सकैत अछि

1. व्यवस्था 8:18 - मुदा अहाँक परमेश् वर परमेश् वर केँ मोन राखू, किएक तँ ओएह छथि जे अहाँ सभ केँ धन पैदा करबाक सामर्थ्य दैत छथि, आ एहि तरहेँ हुनकर वाचा केँ पुष्ट करैत छथि, जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।

2. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर नहि घुसैत अछि आ ने चोरी करैत अछि। किएक तँ जतए अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

दानियल 11:29 निर्धारित समय पर ओ घुरि क’ दक्षिण दिस आबि जेताह। मुदा ई पूर्वक जकाँ नहि होयत आ ने बादक जकाँ।

दानियल 11:29 एकटा शासक के वापसी के भविष्यवाणी करै छै, हालांकि ई पिछला या बाद के अवसर स अलग होयत।

1. परमेश् वरक योजना अविचल अछि: दानियल 11:29 क अध्ययन

2. परमेश् वरक समयक विशिष्टता: दानियल 11:29 क मार्गक अन्वेषण

1. यशायाह 46:10-11 "शुरुआत सँ आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, तकरा अन्तक घोषणा करैत, ई कहैत जे, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब, जे आदमी दूर देश सँ हमर सलाह केँ पूरा करैत अछि, हम कहलहुँ, हम ओकरा पूरा करब, हम एकरा पूरा करब, हम एकरा पूरा करब।"

2. याकूब 4:13-15 "अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ एहन शहर मे जाउ, आ ओतय एक साल धरि रहब आ कीनब-बेचब आ लाभ पाबब दोसर दिन होयत।किएक तँ अहाँक जीवन की अछि?ओ वाष्प अछि, जे किछु समयक लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भऽ जाइत अछि। वा से।"

दानियल 11:30 कित्तीमक नाव सभ हुनका पर आबि जायत, तेँ ओ दुखी भ’ क’ घुरि क’ आबि जेताह आ पवित्र वाचा पर क्रोधित भ’ जेताह। ओ घुरि कऽ आबि जेताह, आ पवित्र वाचा छोड़निहार सभक संग बुद्धिमानी राखि लेताह।

ई श्लोक पवित्र वाचा केरऽ एगो शत्रु के बात करै छै जेकरा प्रतिरोध के सामना करना पड़ी जैतै आरू अंततः आक्रोश के साथ वापस आबी जैतै ।

1. अपन विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक आ प्रलोभनक विरोध करबाक महत्व।

2. पवित्र वाचा के उपेक्षा के परिणाम।

1. इफिसियों 6:10-13 - परमेश् वरक कवच।

2. 2 कोरिन्थी 10:3-5 - हमर युद्धक हथियार।

दानियल 11:31 ओकर हाथ मे बाँहि ठाढ़ भ’ जायत, आ ओ सभ शक्तिक पवित्र स्थान केँ दूषित करत, आ नित्य बलिदान केँ दूर करत, आ ओ सभ घृणित वस्तु केँ राखि देत जे उजड़ि दैत अछि।

एकटा शक्तिशाली शत्रु परमेश् वरक पवित्र स्थान पर आक्रमण करत, नित्य बलिदान केँ छीनि लेलक आ एकटा घृणित वस्तु राखत जे ओकरा अपवित्र करत।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: उजाड़क घृणितता हमरा सभकेँ की सिखाबैत अछि

2. भगवानक लेल ठाढ़ रहब: दुश्मनक आक्रमणक विरोध कोना कयल जाय

1. यिर्मयाह 7:11-14

2. मत्ती 24:15-20

दानियल 11:32 जे सभ वाचाक विरोध मे दुष्टता करैत अछि, तकरा ओ चापलूसी मे विनाश करत, मुदा जे लोक अपन परमेश् वर केँ जनैत अछि, से सभ बलवान होयत आ कारनामा करत।

जे लोक अपन भगवानक ज्ञान रखैत अछि ओ मजबूत होयत आ पैघ काज प्राप्त करत, मुदा जे वाचा के खिलाफ जायत ओ चापलूसी स भ्रष्ट भ जायत।

1. अपन भगवान के जानय के ताकत

2. चापलूसीक प्रलोभनक शिकार नहि होउ

1. नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू, साहस करू, ओ अहाँक हृदय केँ मजबूत करताह, हम कहैत छी, प्रभुक प्रतीक्षा करू।

दानियल 11:33 लोक सभक बीच जे सभ बुझैत अछि, ओ सभ बहुतो केँ शिक्षा देत, मुदा ओ सभ बहुत दिन धरि तलवार, लौ, बंदी आ लूटपाट मे खसि पड़त।

ज्ञानी बहुतो के सिखाओत, मुदा अंत मे तइयो कष्ट उठाओत।

1. प्रभु मे सहनशक्ति: कठिन समय मे सेहो

2. बुद्धिक फल: प्रतिकूलताक बादो दोसर केँ सिखाब

1. रोमियो 8:35-37: हमरा सभ केँ मसीहक प्रेम सँ के अलग करत? की कष्ट, विपत्ति, सताब, अकाल, वा नंगटेपन, आकि खतरा वा तलवार? जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “अहाँ सभक लेल हम सभ दिन भरि मारल जा रहल छी। हमरा सभ केँ वध करबाक लेल बरद जकाँ मानल जाइत अछि। नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

2. याकूब 1:2-4: हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

दानियल 11:34 जखन ओ सभ खसताह तखन ओ सभ कनि सहायता सँ त्रस्त भ’ जेताह, मुदा बहुतो लोक चापलूसी मे हुनका सभ सँ चिपकल रहताह।

ई अंश गिरै वाला के बात करै छै, आरो कोना ओकरा दोसरोॅ मदद करतै जे चापलूसी के साथ ओकरा सें चिपकतै।

1. झूठ चापलूसी के खतरा: एकर प्रलोभन के कोना प्रतिरोध क सकैत छी

2. करुणा के ताकत: जरूरतमंद दोसर के कोना मदद क सकैत छी

1. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

2. मत्ती 25:40 - राजा हुनका सभ केँ उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी, जेना अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाय सभ मे सँ एकटा केँ केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा संग सेहो केलहुँ।

दानियल 11:35 किछु बुद्धिमान लोक सभ ओकरा सभ केँ परखबाक आ शुद्ध करबाक लेल आ ओकरा सभ केँ उज्जर करबाक लेल, अंतक समय धरि खसि पड़त।

किछु गोटेक समझक परीक्षा निर्धारित समय धरि शुद्ध आ परिष्कृत करबाक लेल होयत।

1: भगवान् हमरा सभ केँ परिष्कृत करबाक लेल आ हमरा सभ केँ हुनका जकाँ बेसी बनेबाक लेल परीक्षा सभक उपयोग करैत छथि।

2: परीक्षा के बीच में भी हम परमेश्वर के सही समय पर भरोसा क सकै छियै।

1: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2: याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभ केँ आनन्दित करू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि। मुदा धैर्य केँ ओकर सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ आ किछुओक अभाव नहि।

1832

दानियल 11:36 राजा अपन इच्छाक अनुसार करत। ओ अपना केँ ऊपर उठाओत, आ सभ देवता सँ ऊपर अपना केँ महिमा करत, आ देवता सभक परमेश् वरक विरुद्ध आश्चर्यचकित बात बाजत, आ जाबत धरि क्रोध पूरा नहि भऽ जायत ता धरि सफल रहत।

राजा जे चाहथि से करत, आ सभ देवता सँ ऊपर अपना केँ ऊपर उठौताह, देवताक परमेश् वरक निन्दा करैत, आ जा धरि परमेश् वरक क्रोध समाप्त नहि भऽ जायत ता धरि सफल रहताह।

1. परमेश् वरक इच्छा पूरा होअय: हमरा सभक लेल एकर की अर्थ अछि

2. मनुष्यक घमंड पर विजय प्राप्त करब: भगवानक समक्ष विनम्रता

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. फिलिप्पियों 2:5-8 - ई मन अहाँ सभ मे रहू जे मसीह यीशु मे सेहो छल: ओ परमेश् वरक रूप मे रहि परमेश् वरक बराबर रहब डकैती नहि बुझलनि नोकरक रूप धारण कयलनि आ मनुष् यक रूप मे बनलाह।

दानियल 11:37 ओ अपन पूर्वजक परमेश् वर केँ आ ने स् त्रीगणक इच्छा केँ आ ने कोनो देवता केँ परवाह करत, किएक तँ ओ सभ सँ बेसी अपना केँ महिमा राखत।

ओ भगवानक आदर नहि करत आ ने स्त्रीगणक इच्छाक आदर करत, बल्कि ओ अपना केँ सब सँ ऊपर उठाओत।

1: हमरा सभकेँ सभसँ बेसी भगवानक आदर आ आदर करब मोन राखब।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे स्त्रीगणक इच्छा आ इच्छा केँ महत्व दियौक, जाहि सँ हम सभ ओहि तरहक नहि भ’ जायब जकर उल्लेख दानियल 11:37 मे कयल गेल अछि।

1: फिलिप्पियों 2:9-11 - तेँ परमेश् वर हुनका बहुत ऊपर उठौलनि आ हुनका ओ नाम देलनि जे सभ नाम सँ ऊपर अछि।

2: नीतिवचन 31:25-26 - ताकत आ मर्यादा ओकर वस्त्र अछि, आ आबै बला समय पर ओ हँसैत अछि। ओ बुद्धि सँ मुँह खोलैत छथि, आ दयाक शिक्षा हुनकर जीह पर अछि।

दानियल 11:38 मुदा अपन सम्पत्ति मे ओ बलशाली परमेश् वरक आदर करताह, आ जकरा ओकर पूर्वज नहि जनैत छलाह, तकरा ओ सोना, चानी, कीमती पाथर आ सुखद वस्तु सँ आदर करत।

अपन राज्य मे शासक सोना, चानी, कीमती पाथर आ अन्य विलासिताक आडंबरपूर्ण उपहार सँ कोनो अज्ञात देवता केँ सम्मान करत।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. धनक क्षणिक प्रकृति

1. व्यवस्था 6:13-15 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू

2. यशायाह 46:9-10 - पहिने के बात, बहुत पहिने के बात याद करू; हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि; हम भगवान छी, हमरा सन कियो नहि अछि।

दानियल 11:39 ओ एकटा विदेशी देवताक संग परम गढ़ मे एहि तरहे करताह, जकरा ओ स्वीकार करत आ महिमा सँ बढ़ाओत, आ ओ ओकरा सभ केँ बहुतो पर शासन करत आ लाभक लेल देश केँ बाँटि देत।

कोनो शासक कोनो अनजान देवता के सम्मान करत, ओकर वैभव बढ़ाओत, आ लाभ के लेल जमीन के बंटवारा करैत बहुत लोक पर राज करत।

1. मूर्तिपूजा के खतरा: कोनो अजीब भगवान के अपन जीवन पर राज नै करय दियौ

2. भौतिक लाभ के समय में ईमानदारी के साथ प्रभु की सेवा कैसे करे |

1. व्यवस्था 6:10-12 - अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर केँ ओहिना परीक्षा मे नहि डालब, जेना अहाँ हुनका मस्सा मे परीक्षा देलहुँ। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब, हुनकर सेवा करब आ हुनकर नामक शपथ करब। अहाँ सभ आन देवताक पाछाँ नहि जायब, जे अहाँक आसपासक लोक सभक देवता अछि।

2. भजन 24:1-2 - पृथ्वी प्रभु s आ ओकर पूर्णता, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ अछि। किएक तँ ओ एकरा समुद्र सभ पर नींव बनौने छथि आ नदी सभ पर स्थापित कएने छथि।

दानियल 11:40 अंतक समय मे दक्षिणक राजा हुनका पर धक्का देताह, आ उत्तरक राजा हुनका पर बवंडर जकाँ आबि जायत, रथ, घुड़सवार आ बहुत रास जहाज ल’ क’। ओ देश-देश मे प्रवेश करत आ उमड़ि कऽ ओहि पार भ’ जायत।

अंतक समय दक्षिणक राजा उत्तरक राजा पर आक्रमण करत, जे रथ, घुड़सवार आ अनेक जहाज सँ बनल पैघ सेना सँ प्रतिकार करत आ देश सभ पर विजय प्राप्त करत।

1. कठिन समय मे भगवान् के रक्षा की शक्ति

2. संकट के समय में आध्यात्मिक तैयारी के महत्व

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभक प्रतिक्रिया मे की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. यहोशू 1:9 - "मजगूत आ साहसी बनू। डरब नहि, आ निराश नहि होउ, किएक तँ अहाँ जतय जाउ, अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँक संग छथि।"

दानियल 11:41 ओ गौरवशाली देश मे सेहो प्रवेश करत, आ बहुत रास देश उखाड़ि जायत, मुदा ई सभ हुनका हाथ सँ बचत, एदोम, मोआब आ अम्मोनक मुखिया।

दानियल 11:41 एकटा शक्तिशाली विजेता के बात करैत अछि जे गौरवशाली भूमि मे प्रवेश करत आ बहुतो देश के उखाड़ि देत, मुदा एदोम, मोआब आ अम्मोन के सन्तान बचत।

1. भगवानक रक्षा सदिखन हमरा सभक संग अछि - भगवान् अपन लोकक रक्षा कोना करैत छथि, ओहो भारी विषमताक सामना करैत।

2. कठिनाइ पर काबू पाबब - कोनो भी प्रतिद्वंदी पर विजय प्राप्त करबाक लेल भगवानक शक्ति पर कोना भरोसा कयल जाय।

1. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ हम सभ नहि डेराएब, चाहे पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।

2. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

दानियल 11:42 ओ देश सभ पर सेहो अपन हाथ बढ़ाओत, आ मिस्र देश नहि बचि जायत।

ई अंश एकटा विदेशी शासक के बात करै छै जे हाथ बढ़ाबै आरू मिस्र के भूमि पर नियंत्रण करी लेतै ।

1. राष्ट्र पर परमेश् वरक संप्रभुता: परमेश् वर अपन योजना केँ पूरा करबाक लेल मानवीय नेता सभक उपयोग कोना करैत छथि

2. सब जाति के विनम्रता: हमर जीवन में भगवान के श्रेष्ठ स्थान के पहचान करब

1834

1. यशायाह 40:15 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजू पर धूरा जकाँ मानल जाइत अछि। देखू, समुद्रक कात केँ महीन धूरा जकाँ उठा लैत अछि।

2. भजन 46:10 - शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति मे उदात्त होयब, पृथ्वी पर हम ऊँच होयब!

दानियल 11:43 मुदा सोना आ चानीक खजाना आ मिस्रक सभ कीमती वस्तु पर हुनका अधिकार रहतनि आ लीबिया आ इथियोपिया हुनकर कदम पर रहताह।

एहि श्लोक मे मिस्र आ ओकर निवासी पर शत्रु के जे शक्ति होयत से व्याख्या कयल गेल अछि | लीबियाई आरू इथियोपियाई हुनकऽ अधिकार के अधीन होतै ।

1. झूठा नेताक पालन करबाक खतरा: दानियल 11:43 पर एकटा अध्ययन

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: दानियल 11:43 मे दुश्मनक शक्ति केँ बुझब

1. यिर्मयाह 29:11, "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

२ सब कोना ओहो अपन संग-संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सब किछु नहि देथिन?"

दानियल 11:44 मुदा पूब आ उत्तर दिसक खबरि ओकरा परेशान करत, तेँ ओ बहुत क्रोध सँ बहुतो केँ नष्ट करबाक लेल निकलत।

एहि श्लोक मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना पूब आ उत्तर सँ आयल लोक शासक केँ परेशानी उत्पन्न करत, आ एकर प्रतिक्रिया मे ओ बहुतो केँ नष्ट करबाक लेल बहुत क्रोध सँ काज करत।

1: हमरा सभकेँ अपन दुश्मन सभसँ सावधान रहबाक चाही जे हमरा सभकेँ नुकसान पहुँचेबाक प्रयास करैत अछि, आ हमरा सभकेँ ताकत आ साहससँ प्रतिक्रिया देबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ ई जानि कऽ सान्त्वना भेटि सकैत अछि जे भगवान हमरा सभक संग छथि, हमरा सभकेँ नुकसानसँ बचा रहल छथि आ हमरा सभकेँ अपन दुश्मनक सामना करबाक साहस दऽ रहल छथि।

1: यशायाह 41:10 "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 18:2 "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

दानियल 11:45 ओ अपन महल मे महिमामंडित पवित्र पहाड़ मे समुद्रक बीच मे अपन तम्बू लगाओत। तैयो ओ अपन अन्त मे पहुँचि जेताह, आ कियो हुनकर सहायता नहि करत।

ई अंश एक शासक के बात करै छै जे समुद्र आरू गौरवशाली पवित्र पहाड़ के बीच अपनऽ महल के स्थापना करै छै, लेकिन अंततः ओकरऽ अंत होय जैतै कि ओकरऽ मदद करै वाला कोय नै छै ।

1. मानवीय इच्छाक आडंबर: ई सोचबाक मूर्खताक परीक्षण जे हम सभ अपन अपरिहार्य भाग्यसँ बचि सकैत छी

2. मृत्यु दरक श्रवण आह्वान: अपन सीमित समय केँ चिन्हब आ जीवन केँ पूर्णतः जीब

1. भजन 39:4-6 हे प्रभु, हमरा देखाउ, हमर जीवनक अंत आ हमर दिनक संख्या। हमर जीवन कतेक क्षणभंगुर अछि से हमरा बुझा दिअ। अहाँ हमर दिन केँ मात्र हाथक चौड़ाई बना देलहुँ। हमर वर्षक कालखंड अहाँक सोझाँ किछुओ नहि जकाँ अछि। सब कियो एकटा साँस मात्र अछि, ओहो जे सुरक्षित बुझाइत अछि।

2. उपदेशक 8:8 हवा पर ककरो ओकरा रोकबाक अधिकार नहि छैक। तेँ ओकर मृत्युक दिन पर ककरो अधिकार नहि छैक। जेना युद्धक समय मे ककरो छुट्टी नहि भेटैत छैक, तहिना दुष्टता ओकर अभ्यास करयवला केँ नहि छोड़त।

दानियल अध्याय 12 में पुस्तक के समापन अंत समय, पुनरुत्थान, आरू परमेश्वर के लोग के अंतिम भाग्य पर केंद्रित छै। अध्याय में दृढ़ता के महत्व आरू परमेश्वर के राज्य के अंतिम विजय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत इतिहास में बेजोड़ बहुत संकट के समय के उल्लेख स होइत अछि | एहि दौरान परमेश् वरक लोक सभ केँ उद्धार कयल जायत, आओर जिनकर नाम किताब मे लिखल अछि, हुनका सभ केँ उद्धार कयल जायत (दानियल 12:1)।

2 पैराग्राफ: स्वर्गदूत दूत दानियल केँ कहैत छथि जे पृथ्वीक धूरा मे सुतल बहुतो लोक जागत, किछु अनन्त जीवन मे आ किछु लज्जा आ अनन्त तिरस्कारक लेल (दानियल 12:2)।

3 पैराग्राफ: दूत दानियल केँ निर्देश दैत छथि जे भविष्यक वचन पर अंतक समय धरि मुहर लगाबथि जखन ज्ञान बढ़त (दानियल 12:4)।

4 म पैराग्राफ: दानियल दू टा स्वर्गीय प्राणी केँ एहि घटना सभक अवधि पर चर्चा करैत देखैत छथि | एकटा पूछैत अछि जे एहि आश्चर्यक अंत धरि कतेक समय लागत, आ दोसर उत्तर दैत अछि, समय, आधा समय आ 1,290 दिनक समय सीमाक जिक्र करैत अछि (दानियल 12:5-7)।

5 म पैराग्राफ: दानियल स्वर्गदूतक दूत केँ फेर सँ बजैत सुनैत छथि जे ई बात सभ अंतक समय धरि मुहर लगाओल रहबाक चाही। बहुतो शुद्ध, उज्जर आ परिष्कृत होयत, मुदा दुष्ट दुष्ट काज करैत रहत (दानियल 12:8-10)।

6 म पैराग्राफ: दूत दानियल केँ आश्वासन दैत छथि जे ओ आराम करत आ उठि क’ दिनक अंत मे अपन आवंटित उत्तराधिकार प्राप्त करत (दानियल 12:13)।

संक्षेप मे, २.
दानियल अध्याय 12 अंत समय पर केंद्रित अछि,
पुनरुत्थान, आ परमेश् वरक लोकक अंतिम भाग्य,
दृढ़ता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए
आ परमेश् वरक राज् यक परम विजय।

बहुत संकट के समय आ भगवान के लोक के मुक्ति के उल्लेख।
पृथ्वी के धूल से बहुतो के जागृति अनन्त जीवन या लाज के भविष्यवाणी |
भविष्यवाणी के वचन पर अंत के समय तक मुहर लगाबै के निर्देश।
एहि घटना सभक अवधिक संबंध मे स्वर्गीय प्राणीक बीच चर्चा।
आश्वासन जे अंतक समय धरि शब्द पर मोहर लागल रहत।
दिनक अंत मे दानियल लेल विश्राम आ उत्तराधिकारक वादा।

दानियल केरऽ ई अध्याय अंत समय, पुनरुत्थान आरू परमेश्वर केरऽ लोगऽ के अंतिम भाग्य पर केंद्रित करी क॑ पुस्तक के समापन करै छै । एहि मे एकटा पैघ संकट के समय के जिक्र अछि, जे इतिहास मे बेजोड़ अछि, जाहि दौरान भगवान के लोक के उद्धार होयत आ जिनकर नाम किताब मे लिखल अछि ओकर उद्धार होयत। स्वर्गदूतक दूत दानियल केँ कहैत छथि जे धरतीक धूरा मे सुतल बहुतो लोक जागत, किछु अनन्त जीवनक लेल आ कियो लाज आ अनन्त तिरस्कारक लेल। दानियल क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू भविष्यवाणी के वचनऽ पर मुहर लगाय क॑ अंत के समय तलक लगाय दै, जबे ज्ञान बढ़तै। दानियल देखै छै कि दू स्वर्गीय प्राणी ई घटना के अवधि के बारे में चर्चा करी रहलऽ छै, आरो वू स्वर्गदूत के दूत के फेर से बोलतें सुनै छै, जे ई कहै छै कि अंत के समय तक वचन पर मुहर लगाय के रहना छै। बहुतो केँ शुद्ध, उज्जर आ परिष्कृत कयल जायत, मुदा दुष्ट सभ दुष्ट काज करैत रहत। दूत दानियल केँ आश्वस्त करैत अछि जे ओ आराम करत आ उठि क' दिनक अंत मे अपन आवंटित उत्तराधिकार प्राप्त करत। ई अध्याय बहुत संकट के सामना में दृढ़ता के महत्व आरू अंतिम समय में परमेश्वर के राज्य के अंतिम विजय पर जोर दै छै।

दानियल 12:1 ओहि समय मे माइकल, जे महान राजकुमार अहाँक प्रजाक सन् तान सभक लेल ठाढ़ छथि, ठाढ़ हेताह, आ एहन विपत्तिक समय होयत जे कोनो जाति बनलाक बाद सँ ओहि समय धरि कहियो नहि छल ओहि समय मे अहाँक लोक सभ केँ उद्धार कयल जायत, जे कियो पुस्तक मे लिखल भेटत।”

बहुत परेशानी के समय में माइकल, महान राजकुमार, परमेश् वर के लोग के संतान के लेलऽ खड़ा होतै । जे किताब मे लिखल गेल अछि ओ एहि परेशानी स मुक्त भ जाएत।

1. संकट के समय में भगवान के रक्षा

2. मोक्षक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत। जखन आगि मे चलब तखन नहि जरि जायब। लौ अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।

2. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

दानियल 12:2 पृथ्वीक धूरा मे सुतल बहुतो लोक जागत, किछु अनन्त जीवनक लेल, आ किछु लज्जा आ अनन्त तिरस्कारक लेल।

मृतक सभ जीबि उठत, कियो अनन्त जीवनक लेल आ किछु लाज आ अनन्त तिरस्कारक लेल।

1. मृतकक पुनरुत्थान आ ओकर हमरा सभक जीवन पर निहितार्थ

2. पुनरुत्थान के आलोक में धर्मी जीवन जीने के महत्व

1. यूहन्ना 5:28-29 - "एहि देखि आश्चर्यचकित नहि होउ, किएक तँ एहन समय आबि रहल अछि जखन सभ अपन कब्र मे बैसल सभ हुनकर आवाज सुनत आ बाहर निकलत जे सभ नीक काज केने अछि, ओ सभ जीब' लेल उठत।" जे अधलाह काज केने अछि, ओ निन्दा करबाक लेल उठत।”

2. 1 कोरिन्थी 15:51-52 - "सुनू, हम अहाँ सभ केँ एकटा रहस्य कहैत छी: हम सभ नहि सुतब, मुदा हम सभ एक झटका मे, पलक झपकैत, अंतिम तुरहीक समय मे बदलि जायब। तुरही बजबाक लेल।" बाजत, मृतक अविनाशी जीबि उठत, आ हम सभ बदलि जायब।”

दानियल 12:3 बुद्धिमान लोक आकाशक चमक जकाँ चमकत। आ जे बहुतो केँ धार्मिकता दिस तारा जकाँ अनन्त काल धरि घुमा दैत अछि।

ज्ञानी के अनन्त महिमा के पुरस्कार मिलतै, जबकि जे दोसरो के धार्मिकता के तरफ ले जाय छै, वू तारा के तरह चमकतै।

1: हमरा सभ केँ बुद्धिमान बनबाक आ दोसर केँ धार्मिकता दिस लऽ जेबाक प्रयास करबाक चाही, कारण तखन हमरा सभ केँ अनन्त महिमाक फल भेटत।

2: हम दोसर के लेल इजोत बनि सकैत छी, ओकरा धर्म दिस ल' जा सकैत छी आ ओकरा महिमा के बाट देखा सकैत छी।

1: मत्ती 5:14-16 अहाँ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल शहर नुकायल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा कऽ बासनक नीचाँ राखि दैत अछि । बल्कि ओकरा ओकर स्टैंड पर राखि दैत छैक, आ घर मे सब केँ इजोत भेटैत छैक। तहिना अहाँक इजोत दोसरक सामने चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज देखि स् वर्ग मे अहाँक पिताक महिमा करथि।

2: रोमियो 10:14-15 तखन ओ सभ कोना बजा सकैत छथि जकरा पर ओ सभ विश्वास नहि केने छथि? आ जकरा बारे मे ओ सभ नहि सुनने छथि, तकरा पर कोना विश्वास करताह? आ बिना ककरो प्रचार केने कोना सुनत। आ जा धरि कियो नहि पठाओल जायत ता धरि प्रचार कोना करत? जेना लिखल अछि: शुभ समाचार अननिहारक पएर कतेक सुन्दर अछि!

दानियल 12:4 मुदा अहाँ, हे दानियल, अंतक समय धरि वचन सभ केँ बंद करू आ किताब पर मुहर लगा दियौक।

दानियल के किताब समय के अंत तक मुहर लगाय के रहतै, जबेॅ बहुत लोग यात्रा करतै आरू ज्ञान के विस्तार होतै।

1. ज्ञान बढ़ेबाक महत्व - दानियल 12:4

2. अंतक समय केँ बुझब - दानियल 12:4

1. नीतिवचन 4:7 - "बुद्धिक प्रारम्भ ई अछि जे बुद्धि प्राप्त करू, आ जे किछु भेटत, से अंतर्दृष्टि प्राप्त करू"।

2. उपदेशक 1:18 - "किएक तँ बहुत बुद्धि मे बहुत परेशानी होइत छैक, आ जे ज्ञान बढ़बैत अछि से दुख बढ़बैत अछि।"

दानियल 12:5 तखन हम दानियल देखलहुँ आ देखलहुँ जे दूटा आओर ठाढ़ छल, एकटा नदीक कात मे आ दोसर नदीक ओहि कात।

एहि अंश मे एकटा नदीक दुनू कात ठाढ़ एकटा स्वर्गदूतक वर्णन अछि |

1. विनम्रताक महत्व - यीशु कोना हमरा सभक जीवनक रक्षकक रूप मे ठाढ़ छथि

2. विश्वासक शक्ति - कोना स्वर्गदूतक उपस्थिति परमेश्वरक प्रेमक स्मरणक काज क' सकैत अछि

1. यशायाह 43:2 - "जखन अहाँ पानि सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ जखन अहाँ नदी सभ सँ गुजरब तखन ओ सभ अहाँ सभ पर नहि बहत। कारण हम प्रभु, अहाँक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र छी।" , अहाँक उद्धारकर्ता"।

2. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन आ पहाड़ अपन उफान स काँपैत अछि"।

दानियल 12:6 एक गोटे नदीक पानि पर लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी केँ कहलथिन, “ई आश्चर्यक अंत कतेक दिन धरि रहत?

लिनेन पहिरने आदमी सँ पूछल जाइत छैक जे आश्चर्यक अंत धरि कतेक दिन चलत।

1. कठिन समय मे कोना दृढ़ रहब - दानियल 12:6

2. विश्वासक शक्ति - दानियल 12:6

१.

2. रोमियो 8:18 - "किएक तँ हम ई बुझैत छी जे एहि समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।"

दानियल 12:7 हम सुनलहुँ जे ओहि आदमी केँ लिनेन कपड़ा पहिरने, जे नदीक पानि पर छल, जखन ओ अपन दहिना आ बामा हाथ केँ स्वर्ग दिस बढ़ौलक आ जे अनन्त काल धरि जीबैत अछि, ओकर शपथ खयलक जे ई एक दिनक लेल होयत समय, समय आ आधा; जखन ओ पवित्र लोकक सामर्थ् य केँ छिड़ियाबऽ पूरा कऽ लेताह तखन ई सभ काज समाप्त भऽ जायत।

लिनेन कपड़ा पहिरने आदमी शपथ खा लेलक जे पवित्र लोकक सामर्थ्य तितर-बितर भ’ जायत आ काज समाप्त नहि भ’ जायत, ताबत धरि एक समय, डेढ़ समय रहत।

1. पवित्र लोकक शक्ति: भगवानक शक्ति आ रक्षा

2. समय, समय आ आधा: एकर की मतलब अछि आ एकर प्रभाव हमरा सभक जीवन पर कोना पड़ैत अछि?

1. व्यवस्था 7:6-9 - अहाँ सभ अपन परमेश् वरक लेल पवित्र प्रजा छी, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ केँ अपना लेल विशेष प्रजा बनबाक लेल चुनने छथि, जे पृथ् वी पर जे सभ लोक अछि।

2. रोमियो 8:31-34 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

दानियल 12:8 हम सुनलहुँ, मुदा नहि बुझलहुँ, तखन हम कहलियनि, “हे हमर प्रभु, एहि सभक अंत की होयत?”

ई अंश एहि पर सवाल ठाढ़ करबाक अछि जे घटनाक परिणाम की होयत।

1. भगवानक योजना पर भरोसा करब: ई जानि जे, परिणाम चाहे जे हो, भगवानक नियंत्रण मे छथि।

2. पूछू आ अहाँकेँ भेटत: विश्वास आ धैर्यक संग भगवानसँ उत्तर ताकब।

1. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. याकूब 1:5-6 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।

दानियल 12:9 ओ कहलनि, “दानियल, जाउ, किएक तँ अंतक समय धरि वचन सभ बंद आ मुहर लगाओल गेल अछि।”

दानियल के वचन पर अंत के समय तक मुहर लगाय देलऽ गेलऽ छै।

1: एखन मे रहब: एखन जे किछु हमरा सभ लग अछि ओकर सराहना करब

2: धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करब: ई जानि जे भगवानक समय एकदम सही अछि

1: उपदेशक 3:1-8

2: याकूब 5:7-8

दानियल 12:10 बहुतो लोक शुद्ध भ’ जेताह, उज्जर भ’ जेताह आ परीक्षण कयल जायत। मुदा दुष्ट सभ अधलाह काज करत। मुदा ज्ञानी बुझत।

बहुतो शुद्ध आ परीक्षा होयत, तइयो दुष्ट दुष्ट रहत आ ज्ञानी मात्र बुझत।

1: हमरा सभकेँ सदिखन बुद्धिमान आ समझदार बनबाक प्रयास करबाक चाही, जाहिसँ हम सभ शुद्ध आ परीक्षा पाबि सकब।

2: परमेश् वरक प्रेम अटूट अछि, आ जे बुद्धिमान अछि, ओ शुद्ध भऽ जायत आ परीक्षा होयत, दुष्टताक द्वारा सेहो रहि सकैत अछि।

1: यशायाह 8:20 - "व्यवस्था आ गवाही केँ। जँ ओ सभ एहि वचनक अनुसार नहि बजैत छथि तँ एकर कारण अछि जे हुनका सभ मे इजोत नहि अछि।"

2: याकूब 1:2-4 - "हे हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ आनन्दित करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि परिपूर्ण आ पूर्ण, कोनो चीजक अभाव नहि।"

दानियल 12:11 जाहि समय सँ प्रतिदिनक बलिदान हटि जायत आ उजाड़ करयवला घृणित काज ठाढ़ कयल जायत, ताहि समय सँ एक हजार दू सय नब्बे दिन होयत।

1839

दानियल 12:11 मे ओहि समय सँ 1,290 दिनक अवधिक भविष्यवाणी कयल गेल अछि जखन प्रतिदिनक बलिदान हटाओल जायत आ घृणित काज जे उजड़ि दैत अछि ओकरा स्थापित कयल जायत।

1. भविष्यवाणीक आत्मा: दानियल 12:11 केँ बुझब

2. प्रभुक दिनक तैयारी: क्षणक लेल जीब

1. यशायाह 2:12 - किएक तँ सेना सभक प्रभुक दिन सभ घमंडी आ ऊँच लोक पर होयत आ जे कियो ऊँच अछि। आ ओकरा नीचाँ उतारल जायत।

2. प्रकाशितवाक्य 3:10 - अहाँ हमर धैर्यक वचनक पालन केलहुँ, तेँ हमहूँ अहाँ केँ ओहि परीक्षाक घड़ी सँ बचा लेब, जे समस्त संसार पर आओत, जाहि सँ पृथ्वी पर रहनिहार लोक सभक परीक्षण कयल जाय।

दानियल 12:12 धन्य अछि जे प्रतीक्षा करैत अछि आ हजार तीन सय पैंतीस दिन धरि पहुँचैत अछि।

ई श्लोक धैर्य आरू दृढ़ता के महत्व पर जोर दै छै, कैन्हेंकि परमेश्वर के विश्वासी अनुयायी समय के अंत के इंतजार करै छै।

1. मसीही जीवन मे धैर्य के मूल्य

2. विपत्तिक सामना करैत दृढ़ रहू: दानियल 12:12 सँ सीख

1. याकूब 5:7-11 - दुख मे धैर्य

2. यशायाह 40:31 - जीवनक यात्राक लेल सहनशक्ति आ ताकत

दानियल 12:13 मुदा अहाँ अंत धरि जाउ, किएक तँ अहाँ विश्राम करब आ दिनक अंत मे अपन भाग्य मे ठाढ़ रहब।

दानियल केँ एकटा भविष्यवाणी देल गेल छनि जे ओ आराम करत आ दिनक अंत मे अपन भाग्य मे ठाढ़ भ' जेताह।

1. अनन्त विश्रामक प्रतिज्ञा: अंतिम समयक तैयारी कोना कयल जाय

2. अपन भाग्य मे ठाढ़ रहब: निष्ठा के जीवन कोना जीबी

1. रोमियो 8:18-39 - महिमा के आशा

2. इब्रानी 4:1-11 - परमेश् वरक लोक सभक लेल विश्रामक प्रतिज्ञा

होशे अध्याय १ में होशे भविष्यवक्ता के परिचय देलऽ गेलऽ छै आरू एक प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै जे इस्राएल के अविश्वासी लोगऽ के साथ परमेश्वर के संबंध के दर्शाबै छै । अध्याय में हुनकऽ आध्यात्मिक व्यभिचार के परिणाम आरू भविष्य में बहाली के वादा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत होशे के पास प्रभु के वचन स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू वेश्यावृत्ति के पत्नी लेली आरू वेश्यावृत्ति के संतान पैदा करै, जे इस्राएल के आध्यात्मिक व्यभिचार के प्रतीक छै (होशे 1:2)।

दोसर पैराग्राफ: होशेक विवाह गोमेर सँ होइत छनि, जे हुनका तीन टा संतान पैदा करैत छथि | बच्चा सिनी के नाम परमेश् वर के न्याय आरू इस्राएल के अविश्वास के प्रतिनिधित्व करै छै: यिजरेल, लो-रूहामा आरू लो-अम्मी (होशे 1:3-9)।

3 पैराग्राफ: यिजरेल नाम यिजरेल शहर मे खून-खराबा के कारण यहू के घर पर परमेश् वर के न्याय के बोध कराबै छै। लो-रूहामा नाम ई दर्शाबै छै कि परमेश् वर के आब इस्राएल के घराना

पर दया नै होतै। लो-अम्मी नाम ई दर्शाबै छै कि इस्राएल आब परमेश्वर के लोग नै छै (होशे 1:4-9)।

4 म पैराग्राफ: इस्राएल के बेवफाई आरू ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के बावजूद, परमेश् वर भविष्य के बहाली के वादा करै छै। ओ घोषणा करैत छथि जे इस्राएलक संतानक संख्या समुद्रक कातक बालु जकाँ होयत आ हुनका सभ केँ "जीवित परमेश् वरक पुत्र" कहल जायत (होशे 1:10-11)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 1 मे होशे भविष्यवक्ता के परिचय देल गेल अछि
आरू एक प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत करै छै जे अविश्वासी इस्राएल के साथ परमेश्वर के संबंध के प्रतिबिंबित करै छै,
हुनका लोकनिक आध्यात्मिक व्यभिचारक परिणाम पर प्रकाश दैत |
आ भविष्य मे बहाली के वादा।

होशे केरऽ निर्देश जे वेश्यावृत्ति केरऽ पत्नी के साथ शादी करी क॑ वेश्यावृत्ति केरऽ संतान पैदा करी देलऽ जाय ।
होशे के विवाह गोमेर के साथ आरू तीन प्रतीकात्मक संतान के जन्म: यज्रेल, लो-रूहामा आरू लो-अम्मी।
परमेश् वर के न्याय आरू इस्राएल के अविश्वास के प्रतिनिधित्व करै वाला नाम के महत्व। भविष्य में बहाली आ इस्राएल के सन्तान के संख्या में वृद्धि के वादा।

होशे केरऽ ई अध्याय म॑ होशे भविष्यवक्ता के परिचय देलऽ गेलऽ छै आरू एक प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै जे इस्राएल केरऽ अविश्वासी लोगऽ के साथ परमेश्वर केरऽ संबंध क॑ दर्शाबै छै । होशे क॑ प्रभु केरऽ वचन स॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू वेश्यावृत्ति केरऽ पत्नी ल॑ क॑ वेश्यावृत्ति केरऽ संतान पैदा करै, जे इस्राएल केरऽ आध्यात्मिक व्यभिचार के प्रतीक छेकै । हुनकर विवाह गोमेर नामक महिला सँ होइत छनि, जाहि सँ हुनका तीन टा संतान होइत छनि | बच्चा सभक नाम यज्रेल, लो-रूहामा आ लो-अम्मी परमेश् वरक न्याय आ इस्राएलक अविश्वासक प्रतिनिधित्व करैत अछि। यिजरेल नाम यिजरेल शहर मे खून-खराबा के कारण यहू के घर पर परमेश् वर के न्याय के बोध कराबै छै। लो-रूहामा नाम ई दर्शाबै छै कि परमेश् वर के आब इस्राएल के घराना पर दया नै होतै। लो-अम्मी नाम ई दर्शाबै छै कि इस्राएल क॑ अब॑ परमेश् वर के लोग नै मानलऽ जाय छै । इस्राएल के बेवफाई आरू ओकरा सिनी के सामने आबै वाला परिणाम के बावजूद, परमेश् वर भविष्य के बहाली के वादा करै छै। ओ घोषणा करैत छथि जे इस्राएलक संतानक संख्या समुद्रक कातक बालु जकाँ होयत आ ओकरा सभ केँ "जीवित परमेश् वरक पुत्र" कहल जायत। ई अध्याय आध्यात्मिक व्यभिचार के परिणाम आरू परमेश्वर के लोगऽ के लेलऽ भविष्य के मोक्ष आरू पुनर्स्थापन के आशा पर प्रकाश डालै छै।

होशे 1:1 यहूदाक राजा उजियाह, योथाम, अहाज आ हिजकियाह आ इस्राएलक राजा योआशक पुत्र यारोबामक समय मे जे परमेश् वरक वचन आयल छल.

यहूदा आ इस्राएल के राजा के समय में होशे प्रभु के भविष्यवक्ता छेलै।

1. परमेश् वर अपन संदेश देबाक लेल लोकक उपयोग करैत छथि।

2. हमरा सभकेँ भगवान् द्वारा उपयोग करबाक लेल तैयार रहबाक चाही।

1. यशायाह 6:8 - तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठाबी? आ हमरा सभक लेल के जायत। आ हम कहलियनि, एतय हम छी, हमरा पठाउ!

२. एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

होशे 1:2 होशेक द्वारा प्रभुक वचनक शुरुआत। परमेश् वर होशे केँ कहलथिन, “जाउ, वेश्यावृत्तिक स् त्री आ वेश्यावृत्तिक संतान केँ ल’ लिअ, किएक तँ ई देश परमेश् वर सँ विदा भऽ कऽ बहुत पैघ वेश्यावृत्ति कयल गेल अछि।”

होशे परमेश् वर द्वारा एकटा भविष्यवक्ता बनबाक लेल आ अपन वचनक प्रचार करबाक लेल बजौल गेल अछि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ हुनका पर विश्वास आ भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि चाहे कोनो परिस्थिति हो।

2. भगवान हमरा सभकेँ सदिखन माफ करताह चाहे हम सभ कतबो दूर भटकल रही।

1. मत्ती 18:12-14 - अहाँक की विचार अछि? जँ ककरो लग सौ बरद अछि आ ओहि मे सँ एकटा बरद भटकल अछि तँ की ओ उननबेटा बरद केँ पहाड़ पर छोड़ि कऽ ओहि भटकल बरदक खोज मे नहि जाइत अछि? आ जँ ओकरा ई भेटि जाय तँ हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे ओ एहि उननबे सँ बेसी आनन्दित होइत अछि जे कहियो भटकल नहि छल। तेँ हमर पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनकर इच् छा नहि अछि जे एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एक गोटेक नाश भ' जाय।

2. याकूब 5:15 - आ विश्वासक प्रार्थना बीमार केँ उद्धार करत, आ प्रभु ओकरा जीबि लेताह। आ जँ पाप केने अछि तँ ओकरा क्षमा कयल जायत।

होशे 1:3 तखन ओ जा क’ दिब्लाइमक बेटी गोमेर केँ लऽ गेलाह। जे गर्भवती भेल आ ओकरा एकटा पुत्रक जन्म देलक।

होशे के परमेश् वर के प्रति अविश्वास के उदाहरण गोमेर के साथ ओकरऽ विवाह में मिलै छै।

1. भगवानक प्रेम बिना शर्त अछि, हमरा सभक बेवफाईक बादो।

2. निष्ठा कोनो संबंधक आधार होइत छैक।

1. यूहन्ना 3:16, "किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।"

2. 1 कोरिन्थी 7:1-5, "आब अहाँ सभ जे विषय मे लिखने छी, ताहि विषय मे: पुरुषक लेल ई नीक अछि जे ओ स् त्रीक संग यौन संबंध नहि राखय। मुदा यौन-अनैतिकताक प्रलोभनक कारणेँ प्रत्येक पुरुषक अपन-अपन संबंध होबाक चाही।" पत्नी आ प्रत्येक स्त्री केँ अपन पति, पति अपन पत्नी केँ ओकर दाम्पत्य अधिकार देथिन, तहिना पत्नी केँ अपन पति केँ, कारण पत्नी केँ अपन शरीर पर अधिकार नहि छैक, मुदा पति केँ छैक।तहिना पति केँ नहि छैक अपन शरीर पर अधिकार, मुदा पत्नी करैत छथि।एक दोसरा केँ वंचित नहि करू, सिवाय शायद सीमित समयक लेल सहमति सँ, जाहि सँ अहाँ सभ प्रार्थना मे समर्पित भ' जाउ, मुदा फेर एक ठाम आबि जाउ, जाहि सँ शैतान अहाँ सभक कारणेँ अहाँ सभ केँ प्रलोभन नहि देत आत्मसंयम के कमी।"

होशे 1:4 परमेश् वर हुनका कहलथिन, “ओकर नाम यज्रेल राखू। किएक तँ कनेक काल धरि हम यिज्रेएलक खूनक बदला येहूक घराना पर उठा लेब आ इस्राएलक घरानाक राज् य केँ समाप्त कऽ देब।”

परमेश् वर होशे केँ कहलथिन जे इस्राएल राज्यक आगामी विनाशक प्रतीकक रूप मे अपन पुत्रक नाम यज्रेल राखू।

1. परमेश् वरक न्याय: यज्रेल आ येहूक घरानाक खून

2. इस्राएल के राज्य आ परमेश्वर के योजना में ओकर पूर्ति

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर पर, जे हमर क्रोधक छड़ी अछि, जकर हाथ मे हमर क्रोधक गदा अछि! हम ओकरा एकटा अभक्त राष्ट्रक विरुद्ध पठा दैत छी, हमरा क्रोधित करयवला लोकक विरुद्ध पठा दैत छी, लूट-पाट पकड़य लेल आ लूटपाट छीनय लेल आ सड़क पर थाल-कादो जकाँ रौंदय लेल। मुदा ई हुनकर इरादा नहि छनि, ई हुनकर मोन मे छनि; ओकर उद्देश्य अछि जे कतेको जाति केँ नष्ट करब, अंत करब।

2. आमोस 9:5-6 - प्रभु, सर्वशक्तिमान प्रभु, जे पृथ्वी केँ छूबैत छथि आ ओ पिघलि जाइत छथि, आ ओहि मे रहनिहार सभ शोक करैत छथि जे पूरा देश नील नदी जकाँ उठैत छथि, तखन मिस्र नदी जकाँ डूबि जाइत छथि जे निर्माण करैत छथि आकाश मे ओकर ऊँच महल आ पृथ्वी पर ओकर नींव ठाढ़ करैत

अछि, जे समुद्रक पानि केँ बजबैत अछि आ ओकरा ओहि देश पर उझलि दैत अछि जे ओकर नाम परमेश् वर अछि।

होशे 1:5 ओहि दिन हम इस्राएलक धनुष केँ यज्रेल घाटी मे तोड़ि देब।

परमेश् वर यिज्रेल घाटी मे इस्राएलक धनुष तोड़ि देथिन।

1. परमेश् वरक ताकत: होशे 1:5 केँ परखब

2. परमेश् वरक दया: होशे 1:5 केर अध्ययन

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

होशे 1:6 ओ फेर गर्भवती भ’ गेलीह आ एकटा बेटीक जन्म लेलनि। परमेश् वर हुनका कहलथिन, “ओकर नाम लोरुहमा राखू, किएक तँ हम इस्राएलक घराना पर आब दया नहि करब। मुदा हम ओकरा सभ केँ एकदम सँ लऽ जायब।

परमेश् वर इस्राएल के घराना पर न्याय करै छै, अपनऽ दया दूर करी कॅ ओकरा सिनी कॅ छीनी दै छै।

1. भगवानक दया टिकैत अछि, मुदा एकर सीमा होइत छैक

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

1. रोमियो 11:22- तेँ देखू परमेश् वरक भलाई आ कठोरता। मुदा जँ अहाँ हुनकर भलाई मे रहब तँ अहाँक प्रति भलाई।

2. भजन 145:8-9 "प्रभु कृपालु, करुणा सँ भरल छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि। प्रभु सभक प्रति नीक छथि। हुनकर कोमल दया हुनकर सभ काज पर छनि।"

होशे 1:7 मुदा हम यहूदाक घराना पर दया करब, आ हुनका सभक परमेश् वर परमेश् वरक द्वारा उद्धार करब, आ धनुष, तलवार, युद्ध, घोड़ा आ घुड़सवार द्वारा नहि उद्धार करब।

परमेश् वर यहूदा के घराना पर दया करतै आरू ओकरा सिनी कॅ सैन्य शक्ति सें नै बल्कि ओकरा पर विश्वास के द्वारा बचाबै छै।

1. विश्वास के शक्ति: भगवान पर भरोसा कोना कोनो चुनौती पर काबू पाबि सकैत अछि

2. दयाक मार्ग: भगवानक क्षमा आ हमर प्रतिक्रिया

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच लऽ कऽ चलि जायत, तखनो हम सभ डरब नहि।

होशे 1:8 जखन ओ लोरुहामा केँ दुध छुड़ा क’ गर्भवती भ’ गेलीह आ एकटा बेटा भेलनि।

होशेक पत्नी हुनका लोकनिक बेटी लोरुहमा केँ दुध छुड़ा देने छलीह आ फेर एकटा बेटा केँ जन्म देने छलीह |

1. पेरेंटिंग कें शक्ति: बच्चाक कें प्रेम आ देखभाल सं पालन-पोषण करनाय

2. अप्रत्याशित आशीर्वाद: अप्रत्याशित स्थान पर आशा आ आनन्द भेटब

1. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 127:3 संतान प्रभुक उत्तराधिकार थिक, हुनका सँ इनामक संतान।

होशे 1:9 तखन परमेश् वर कहलथिन, “ओकर नाम लोअम्मी राखू, किएक तँ अहाँ सभ हमर प्रजा नहि छी आ हम अहाँक परमेश् वर नहि बनब।”

परमेश् वर इस्राएल राष्ट्र केँ नकारैत छथि, अपन रक्षा केँ हटा दैत छथि आ हुनका सभ केँ लोअम्मी कहैत छथि।

1. परमेश् वरक वफादारी तखनो जखन हम सभ हुनकर वाचा तोड़ैत छी।

2. परमेश् वरक मार्गदर्शन आ रक्षा केँ अस्वीकार करबाक परिणाम।

1. व्यवस्था 28:15-20 - इस्राएल के साथ परमेश्वर के वाचा आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम।

2. होशे 4:1-6 - परमेश् वरक वाचा आ न्यायक चेतावनी केँ अस्वीकार करबाक परिणाम।

होशे 1:10 तइयो इस्राएलक सन् तानक संख्या समुद्रक बालु जकाँ होयत, जकर नापल आ ने गिनल जा सकैत अछि। जाहि ठाम हुनका सभ केँ कहल गेल छलनि जे, ‘अहाँ सभ हमर प्रजा नहि छी, ओतहि हुनका सभ केँ कहल जायत जे, ‘अहाँ सभ जीवित परमेश् वरक पुत्र छी।

प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि इस्राएल के सन्तान के संख्या गिनै लेली बहुत ज्यादा होतै, आरो जहाँ ओकरा सिनी कॅ परमेश् वर के लोग के रूप में अस्वीकार करी देलऽ गेलऽ छै, वहाँ ओकरा सिनी कॅ जीवित परमेश् वर के बेटा के रूप में स्वीकार करलऽ जैतै।

1. प्रचुर लोकक प्रतिज्ञा: जीवित भगवानक समीप आबय

2. एकटा अथाह चमत्कार: एकटा पैघ भीड़क आशीर्वाद

1. रोमियो 9:25-26 - जेना ओ होशे मे कहैत छथि: हम हुनका सभ केँ अपन लोक कहब जे हमर लोक नहि अछि। आ हम ओकरा अपन प्रियजन कहब जे हमर प्रियजन नहि अछि।

2. यशायाह 54:2-3 - अपन डेराक स्थान केँ पैघ करू, अपन डेराक पर्दा केँ चौड़ा करू, नहि रोकू; अपन डोरी नमहर करू, अपन दाँव मजबूत करू। कारण, अहाँ दहिना आ बामा दिस पसरल रहब। तोहर वंशज जाति-जाति केँ बेदखल कऽ ओकर उजड़ल नगर मे बसत।

होशे 1:11 तखन यहूदा आ इस्राएलक सन्तान सभ एक ठाम जमा भ’ जेताह आ अपना केँ एक-एकटा सिर बना लेताह, आ ओ सभ ओहि देश सँ बाहर निकलि जेताह, किएक तँ यिजरेलक दिन बहुत पैघ होयत।

यहूदा आ इस्राएलक सन् तान एकजुट भऽ एकटा नेता नियुक्त करत आ देश सँ चढ़त। यिजरेल के दिन बड़का दिन होयत।

1: हम सब एकजुट भ सकैत छी जखन हम सब एक संग आबि अपन मतभेद के एक कात राखब।

2: यिजरेल के दिन एकटा पैघ दिन होयत जखन हम सब एकता के आत्मसात करब आ एक दोसरा स प्रेम करब।

1: इफिसियों 4:1-3 - तेँ हम, जे प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि, ओहि तरहेँ चलू, जाहि तरहेँ अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि, सभ विनम्रता आ सौम्यताक संग, धैर्यक संग आ एक-दोसर केँ सहन करू प्रेम, शांति के बंधन में आत्मा के एकता के कायम रखै के लेल आतुर |

2: फिलिप्पियों 2:1-4 - त’ जँ मसीह मे कोनो प्रोत्साहन अछि, प्रेम सँ कोनो सान्त्वना अछि, आत्मा मे कोनो सहभागिता अछि, कोनो स्नेह आ सहानुभूति अछि, त’ एकहि विचारक रहि, एकहि प्रेमक संग, एकहि रहबाक कारणेँ हमर आनन्द केँ पूरा करू पूर्ण सहमति आ एक मनक संग। स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अहंकार सँ किछु नहि करू, मुदा विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू।

होशे अध्याय 2 होशे के भविष्यवाणी संदेश के जारी रखै छै, जेकरा में परमेश्वर के प्रेम, न्याय आरू अंततः हुनकऽ अविश्वासी लोगऽ के पुनर्स्थापन के चित्रण छै। अध्याय में इस्राएल के आध्यात्मिक व्यभिचार के परिणाम आरू ओकरा छुटकारा दै के परमेश्वर के इच्छा के संप्रेषण करै लेली शक्तिशाली बिम्ब के प्रयोग करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के साथ लड़ै के आह्वान स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा प॑ बेवफाई आरू मूर्तिपूजा के आरोप लगैलऽ जाय छै । परमेश् वर चेताबैत छथि जे ओ इस्राएल केँ नंगटे उतारताह, ओकर लाज उजागर करताह आ ओकर उत्सवक अंत करताह (होशे 2:2-3)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएल के आशीष छीनय के अपन इरादा के घोषणा करैत छथि, जाहि मे ओकर अंगूर के बगीचा, ओकर अनाज, आ ओकर ऊन आ लिनेन शामिल अछि। ओ ओकर पाप केँ उजागर करत आ ओकर झूठ देवताक पीछा करबाक अंत करत (होशे 2:8-10)।

3 पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएल पर अपन न्यायक बात करैत छथि, वर्णन करैत छथि जे कोना ओ ओकर आनन्द आ उत्सवक अंत करताह। ओ ओकर प्रेमी सभक पर्दाफाश करत आ ओकरा लाज आ अपमान आनत (होशे 2:11-13)।

4 म पैराग्राफ: इस्राएल के बेवफाई के बावजूद, परमेश् वर ओकरा वापस जंगल में लुभाबै के वादा करै छै, जहां वू ओकरा सें कोमलता सें बात करतै आरू ओकरोॅ वाचा संबंध बहाल करतै। ओ इस्राएलक मुँह सँ बाल सभक नाम हटा देत आ ओकरा सदा-सदा लेल अपना संग सगाई क’ देत (होशे 2:14-20)।

5 म पैराग्राफ: परमेश् वर प्रेम, निष्ठा, धार्मिकता, न्याय, आ करुणाक संग प्रतिक्रिया देबाक वादा करैत छथि। ओ इस्राएलक समृद्धि केँ पुनर्स्थापित करत आ देश केँ आशीर्वाद देत, आ ओ सभ प्रभु केँ अपन परमेश्वरक रूप मे चिन्हत (होशे 2:21-23)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 2 होशेक भविष्यवाणी संदेश केँ आगू बढ़बैत अछि,
परमेश्वर के प्रेम, न्याय आरू अंततः पुनर्स्थापन के चित्रण करै वाला
अपन बेवफा लोकक।

इस्राएल के साथ लड़ै के आह्वान आरू बेवफाई आरू मूर्तिपूजा के आरोप।
आशीर्वाद छीनब आ पापक उजागर करबाक चेतावनी।
इजरायल पर न्याय आ अपमान के घोषणा।
वाचा संबंध के बहाली आरू नवीकरण के लेलऽ इस्राएल क॑ वापस जंगल म॑ लुभाबै के वादा ।
परमेश् वरक प्रेम, निष्ठा, धार्मिकता, न्याय आ करुणाक आश्वासन।
समृद्धि, आशीर्वाद, आ प्रभु के अपन भगवान के रूप में ज्ञान के प्रतिज्ञा।

होशे केरऽ ई अध्याय होशे केरऽ भविष्यवाणी वाला संदेश क॑ जारी रखै छै, जेकरा म॑ परमेश्वर केरऽ प्रेम, न्याय आरू अंततः ओकरऽ अविश्वासी लोगऽ के पुनर्स्थापन के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत इस्राएल के साथ लड़ै के आह्वान स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा प॑ अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के आरोप लगैलऽ जाय छै । परमेश् वर चेतावनी दै छै कि हुनी इस्राएल कॅ नंगा करी देतै, ओकरोॅ लाज के उजागर करतै, आरू ओकरोॅ उत्सव के अंत करी देतै। ओ इस्राएल के आशीष छीनै के आरू ओकरो पाप के उजागर करै के अपनऽ इरादा के घोषणा करै छै, जेकरा सें ओकरो झूठा देवता के पीछा करै के अंत होय जाय छै। परमेश् वर इस्राएल पर अपनऽ न्याय के बात करै छै, ई वर्णन करै छै कि कोना हुनी ओकरऽ खुशी आरू उत्सव के अंत करी देतै, ओकरऽ प्रेमी सिनी के उजागर करतै आरू ओकरा लाज आरू अपमान करी देतै। लेकिन, इस्राएल के बेवफाई के बावजूद, परमेश् वर ओकरा वापस जंगल में लुभाबै के वादा करै छै, जहां वू ओकरा सें कोमलता सें बात करतै आरू ओकरोॅ वाचा संबंध बहाल करतै। ओ इस्राएलक मुँह सँ बाल सभक नाम हटा कऽ ओकरा सदा- सदा लेल अपना संग सगाई कऽ लेताह। परमेश् वर प्रेम, निष्ठा, धार्मिकता, न्याय, आरू करुणा

के साथ जवाब दै के वादा करै छै। ओ इस्राएलक समृद्धि केँ पुनर्स्थापित करत आ देश केँ आशीर्वाद देत, आ ओ सभ प्रभु केँ अपन परमेश् वरक रूप मे चिन्हत। ई अध्याय इस्राएल के अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के परिणाम पर प्रकाश डालै छै, लेकिन परमेश्वर के बहाली के इच्छा आरू ओकरो संबंध के नवीकरण पर भी जोर दै छै।

होशे 2:1 अहाँ सभ अपन भाइ सभ केँ कहू जे अम्मी। आ तोहर बहिन सभ केँ, रुहामा।

होशे 2:1 केरऽ ई अंश इस्राएली सिनी क॑ परमेश्वर केरऽ चुनलऽ लोगऽ के रूप म॑ अपनऽ पहचान याद रखै लेली बोलै छै ।

1: परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम - परमेश् वरक अपन चुनल लोकक प्रति प्रेम अडिग अछि आ कहियो नहि बदलैत अछि, चाहे ओ कतबो दूर भटकल हो।

2: मोन राखू जे अहाँ के छी - परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे अपन पहिचान मोन राखू आ हुनका प्रति वफादार रहू।

1: रोमियो 8:38-39 - किएक तँ हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2: व्यवस्था 7:6-9 - किएक तँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक लेल पवित्र प्रजा छी। तोहर परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभ केँ पृथ् वी पर जे सभ जाति अछि, ताहि मे सँ अपन प्रजा बनबाक लेल चुनने छथि। ई एहि लेल नहि छल जे अहाँ सभक संख्या आन लोक सँ बेसी छल जे परमेश् वर अहाँ सभ पर अपन प्रेम रखलनि आ अहाँ सभ केँ चुनलनि, किएक तँ अहाँ सभ जाति मे सभ सँ कम छलहुँ, मुदा ई एहि लेल जे परमेश् वर अहाँ सभ सँ प्रेम करैत छथि आ ओ शपथ केँ पूरा कऽ रहल छथि अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ कहब जे परमेश् वर अहाँ सभ केँ पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि कऽ मिस्रक राजा फिरौनक हाथ सँ गुलामीक घर सँ मुक्त कऽ देलनि।

होशे 2:2 अपन माय सँ निहोरा करू, निहोरा करू, कारण ओ हमर पत्नी नहि छथि आ ने हम हुनकर पति छी, तेँ ओ अपन वेश्यावृत्ति केँ अपन छाती सँ दूर करथि।

प्रभु इस्राएल केँ अपन व्यभिचार सँ पश्चाताप करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. प्रभु के आह्वान इस्राएल के लेलऽ पश्चाताप करै आरू पाप के त्याग करै के

2. पवित्रताक लेल प्रभुक आज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. गलाती 5:16-17 - "तखन हम ई कहैत छी जे आत् मा मे चलू, तखन अहाँ सभ शरीरक कामना पूरा नहि करब। किएक तँ शरीर आत् माक विरुद्ध आ आत् मा शरीरक विरुद्ध वासना करैत अछि। आ ई सभ विपरीत अछि।" एक दोसर केँ, जाहि सँ अहाँ सभ जे चाहैत छी से नहि कऽ सकब।”

होसे 2:3 कहीं हम ओकरा नंगटे क’ क’ ओकरा जन्मक दिन जकाँ नहि राखि देब आ ओकरा जंगल जकाँ नहि बनाबी आ ओकरा शुष्क भूमि जकाँ नहि बनाबी आ ओकरा प्यास सँ मारि दी।

परमेश् वर चेताबैत छथि जे जँ ओ पश्चाताप नहि करत तँ ओ इस्राएल केँ ओकर धन छीनि लेत आ ओकरा शुष्क आ बंजर भूमि बना देत।

1. हमर कर्म के परिणाम होइत अछि

2. पश्चाताप करू आ पुनर्स्थापित होउ

1. होशे 2:3

2. लूका 13:3 - "जखन धरि अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ता धरि अहाँ सभ सेहो नष्ट भ' जायब।"

होशे 2:4 हम ओकर बच्चा सभ पर दया नहि करब। किएक तँ ओ सभ वेश्यावृत्तिक संतान छथि।

ई अंश पापपूर्ण व्यवहार के संतान पर परमेश् वर के दया के कमी के प्रकट करै छै।

1: परमेश् वरक न्याय हुनकर दया प्राप्त करबाक लेल पश्चाताप आ पवित्रताक मांग करैत अछि।

2: भगवानक दया प्राप्त करबाक लेल पाप व्यवहार छोड़बाक चाही।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2: मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

होशे 2:5 कारण, हुनका सभक माय वेश्यावृत्ति केने छथि, जे हुनका सभ केँ गर्भवती भेलनि, ओ लज्जाजनक काज केने छथि, कारण ओ कहने छलीह जे, “हम अपन प्रेमी सभक पाछाँ लागब, जे हमरा हमर रोटी आ पानि, हमर ऊन आ सन, हमर तेल आ हमर देत।” पीबू.

होशे केरऽ बच्चा सिनी के माय व्यभिचार करी चुकलऽ छै, आरो अपनऽ प्रेमी-प्रेमिका सिनी के पीछू-पीछू चलै के फैसला करी लेल॑ छै जे ओकरा मूलभूत जरूरत के सामान उपलब्ध करै छै ।

1. भौतिक आराम के लेल अपन मूल्य के त्याग नै करू

2. झूठ मूर्तिक पालन नहि करू

1. नीतिवचन 12:11 - "जे अपन देशक काज करत ओकरा भरपूर भोजन भेटतैक, मुदा कल्पनाक पीछा करयवला केँ गरीबी सँ भरल रहत।"

2. मत्ती 6:24 - "केओ दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि। या त' अहाँ एक सँ घृणा करब आ दोसर सँ प्रेम करब, वा एक मे समर्पित रहब आ दोसर केँ तिरस्कार करब। अहाँ परमेश् वर आ पाइ दुनूक सेवा नहि क' सकैत छी।"

होशे 2:6 तेँ देखू, हम अहाँक बाट केँ काँट सँ बान्हब आ देबाल बना देब जाहि सँ ओ अपन बाट नहि पाबि सकय।

भगवान् बेवफा लोकक बाट रोकि देथिन जाहि सँ ओ हुनका लग वापसीक बाट नहि ताकि सकथि।

1) भगवान् की निष्ठा बनाम अविश्वास

2) भगवान के रक्षा के दीवार

1) रोमियो 3:23 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि।

2) गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ: परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, ओ सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

होशे 2:7 ओ अपन प्रेमी सभक पाछाँ चलत, मुदा ओकरा सभ केँ नहि पछाड़त। ओ ओकरा सभ केँ ताकत, मुदा ओकरा सभ केँ नहि भेटतैक। कारण तखन हमरा संग एखन सँ नीक छल।

स्त्री अपन प्रेमी-प्रेमिकाक पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि, मुदा ओकरा सभकेँ नहि भेटैत छैक । तखन ओकरा बुझना जाइत छैक जे ओकर पहिल पति छलैक जे ओकरा सबसँ नीक जीवन देलक।

1. प्रतिबद्धता के आशीर्वाद: अपन संबंध में पूर्ति पाना

2. परमेश् वरक प्रेम: सही स्थान पर पूर्तिक खोज

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. 1 कोरिन्थी 7:2-4 - तइयो व्यभिचार सँ बचबाक लेल प्रत्येक पुरुषक अपन पत्नी हो, आ प्रत्येक स् त्रीक अपन पति हो। पति पत्नी पर उचित उपकार करथिन। पत्नी केँ अपन शरीर पर अधिकार नहि, बल् कि पतिक अधिकार छैक, तहिना पति केँ सेहो अपन शरीर पर अधिकार नहि छैक, बल् कि पत्नी पर।

होशे 2:8 किएक तँ ओ ई नहि जनैत छलीह जे हम हुनका धान, मदिरा आ तेल दऽ देलियनि आ हुनकर चानी आ सोना बढ़ा देलियनि, जे ओ सभ बालक लेल तैयार केने छलाह।

परमेश् वर इस्राएल केँ मकई, मदिरा, तेल, चानी आ सोनाक भरमार दऽ देने छलाह, मुदा ओ सभ अपन आशीष केँ चिन्हबाक बदला मूर्ति पर खर्च करब पसिन कयलनि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: इस्राएली सभक गलती सँ सीखब

2. अपन जीवन मे भगवानक आशीर्वाद पर नजरि नहि हटाउ

1. रोमियो 1:21-23 - परमेश् वरक सत्यक आदान-प्रदान एकटा झूठ आ सृष्टिकर्ताक बदला सृष्टिक वस्तुक आराधना

2. 1 यूहन्ना 5:21 - परमेश् वरक संग संगति करबाक लेल मूर्ति सभसँ दूर रहू

होसे 2:9 तेँ हम घुरि क’ आबि जायब, आ ओकर समय मे अपन धान आ ओकर मौसम मे अपन शराब ल’ लेब, आ ओकर नंगटेपन केँ झाँपबाक लेल देल गेल हमर ऊन आ हमर सन केँ वापस क’ लेब।

ई अंश परमेश् वर केरऽ प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू एक बार इस्राएल क॑ देलऽ गेलऽ आशीष क॑ बहाल करी देतै ।

1: भगवानक प्रतिज्ञा निश्चित आ विश्वसनीय अछि, आ ओ ओकरा सदिखन पूरा करताह।

2: हम सभ परमेश् वरक वफादारी पर भरोसा क' सकैत छी, अपन जीवनक टूटल-फूटलाक बादो।

1: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बना लेत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

होशे 2:10 आब हम ओकर प्रेमी सभक नजरि मे ओकर अश्लीलताक पता लगा लेब, आ कियो ओकरा हमर हाथ सँ नहि बचाओत।

परमेश् वर अपन लोकक पापपूर्णता ओकर प्रेमी सभक समक्ष प्रगट करताह आ कियो हुनका सभ केँ अपन न्याय सँ नहि बचा सकैत अछि।

1. पापक परिणाम: परमेश् वरक क्रोध आ न्याय

2. पश्चाताप के हमर आवश्यकता: क्षमा आ मोक्ष के मांग करब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय। परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि, बल् कि एहि लेल पठौलनि जे संसार हुनका द्वारा उद्धार पाबि सकय।

होशे 2:11 हम ओकर सभटा आनन्द, ओकर पाबनि, अमावस्या, ओकर विश्राम-दिन आ ओकर सभटा गंभीर भोज केँ समाप्त क’ देब।

परमेश् वर इस्राएल के सभ धार्मिक उत्सव के बंद करी देतै।

1. परमेश् वरक अनुशासन: सुधारक माध्यमे हुनका ताकब सीखब

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: परमेश्वर के निष्ठा के अनुभव करब

1. यिर्मयाह 16:19, हे प्रभु, हमर शक्ति आ हमर गढ़, विपत्तिक दिन हमर शरण, अहाँ लग जाति सभ पृथ्वीक छोर सँ आबि कऽ कहत जे: हमरा सभक पूर्वज सभ केँ झूठक अतिरिक्त किछु नहि भेटल अछि, बेकार चीज मे जकरा कोनो लाभ नहि होइत छैक।

2. इब्रानी 12:5-11, आ की अहाँ सभ ओहि उपदेश केँ बिसरि गेलहुँ जे अहाँ सभ केँ बेटाक रूप मे संबोधित करैत अछि? हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्लुक नहि मानू, आ ने हुनका द्वारा डाँटला पर थाकि जाउ। किएक तँ प्रभु जकरा ओ प्रेम करैत छथि तकरा अनुशासित करैत छथि आ जे पुत्र केँ ग्रहण करैत छथि तकरा दंडित करैत छथि। अनुशासन लेल अछि जे सहय पड़त। भगवान् अहाँ सभ केँ बेटा जकाँ व्यवहार क' रहल छथि। किएक तँ एहन कोन पुत्र अछि जकरा पिता अनुशासित नहि करैत अछि? जँ अहाँ अनुशासनहीन रहि गेल छी, जाहि मे सब भाग लेने छी, तखन अहाँ नाजायज संतान छी बेटा नहि। एकर अतिरिक्त हमरा सभक पार्थिव पिता सेहो रहल छथि जे हमरा सभकेँ अनुशासित करैत छलाह आ हम सभ हुनका सभक आदर करैत छलहुँ । की हम सभ एहि सँ बेसी आत् माक पिताक अधीन नहि रहब आ जीबैत रहब? कारण, ओ सभ हमरा सभ केँ कम समय लेल अनुशासित कयलनि जेना हुनका सभ केँ नीक लागल, मुदा ओ हमरा सभक भलाईक लेल अनुशासित करैत छथि, जाहि सँ हम सभ हुनकर पवित्रता मे भागि सकब। क्षण भरि लेल सभ अनुशासन सुखद नहि कष्टदायक बुझाइत अछि, मुदा बाद मे एहि सँ प्रशिक्षित लोक केँ धर्मक शांतिपूर्ण फल भेटैत छैक |

होशे 2:12 हम ओकर बेल आ अंजीरक गाछ सभ केँ नष्ट कऽ देब, जकरा बारे मे ओ कहने छलीह, “ई हमर इनाम अछि जे हमर प्रेमी सभ हमरा देने छथि।”

इस्राएल पर परमेश् वरक न्याय ओकर मूर्तिपूजा आ आध्यात्मिक व्यभिचारक लेल।

1: भगवानक प्रेम बिना शर्त अछि, मुदा ओ मूर्तिपूजा आ आध्यात्मिक व्यभिचार बर्दाश्त नहि करताह।

2: हमरा सभ केँ अपन मूर्तिपूजा आ आध्यात्मिक व्यभिचार सँ पश्चाताप करबाक चाही आ परमेश् वर दिस घुरबाक चाही नहि तँ हुनकर निर्णयक परिणामक सामना करबाक चाही।

1: यिर्मयाह 2:20-21 "पहिने सँ हम तोहर जुआ तोड़ि कऽ तोहर पट्टी फाड़ि देलहुँ। आ अहाँ कहलहुँ जे हम अपराध नहि करब। जखन अहाँ हर ऊँच पहाड़ पर आ हरियर गाछक नीचाँ वेश्यावृत्ति करैत भटकैत छी।" " .

2: होशे 4:14-15 "हम अहाँक बेटी सभ केँ वेश्यावृत्ति करबा काल, आ अहाँक कनियाँ सभ केँ व्यभिचार करबा काल दंड नहि देब, किएक तँ पुरुष सभ वेश्या सभक संग अलग भ' जाइत छथि आ एकटा विधिवत वेश्या संग बलि चढ़बैत छथि। तेँ जे सभ नहि करैत छथि।" बुझू रौंदल जायत।"

होशे 2:13 हम ओकरा बालिमक ओहि दिनक दर्शन करब, जाहि मे ओ ओकरा सभ केँ धूप जराबैत छलीह, आ अपन झुमका आ गहना सँ सजाबैत छलीह, आ अपन प्रेमी सभक पाछाँ लागि गेल छलीह आ हमरा बिसरि गेल छलीह, प्रभु कहैत छथि।

प्रभु इस्राएल केँ ओकर मूर्तिपूजाक सजा देतैक, जेना ओ अपन प्रेमी सभक पाछाँ लागि गेल अछि आ परमेश् वर केँ बिसरि गेल अछि।

1. "इस्राएलक मूर्तिपूजा: हमरा सभक लेल एकटा चेतावनी"।

2. "प्रभुक अनुशासन: हुनक महान प्रेमक एकटा आवश्यक स्मरण"।

1. यिर्मयाह 2:2-3 - "जाउ यरूशलेमक कान मे चिचिया कऽ कहब जे, परमेश् वर ई कहैत छथि, हम अहाँक जवानीक दया आ विवाहक प्रेम केँ मोन पाड़ैत छी, जखन अहाँ हमरा पाछाँ जंगल मे गेल रही।" .

2. रोमियो 11:22 - "तेँ देखू परमेश् वरक भलाई आ कठोरता। जे सभ खसल छल, ओकरा पर कठोरता; मुदा अहाँक प्रति भलाई, जँ अहाँ हुनकर भलाई मे रहब, नहि तँ अहाँ सेहो कटि जायब।"

होशे 2:14 तेँ देखू, हम ओकरा लोभाबयब आ ओकरा जंगल मे ल’ जायब आ ओकरा सँ आराम सँ गप्प करब।

परमेश् वर अपन लोक सभक संग मेल मिलाप करबाक आ ओकरा सभ केँ फेर सँ झुंड मे अनबाक वादा करैत छथि।

1: भगवान् अपन प्रेम आ दया अर्पित करबाक लेल सदिखन तैयार रहैत छथि, चाहे हम कतबो दूर भटकब।

2: भगवान् के प्रेम आ कृपा सदिखन उपलब्ध रहैत अछि, ओहो तखन जखन हम सब हेरायल आ असगर महसूस करैत छी।

1: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: विलाप 3:22-23 - प्रभुक दयाक द्वारा हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा खत्म नहि होइत अछि। सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; महान अछि अहाँक निष्ठा।

होसे 2:15 हम ओकरा ओतय सँ ओकर अंगूरक बगीचा आ अकोरक घाटी केँ आशाक दरबज्जा बना देब, आ ओ ओतहि गाओत जेना अपन जवानी मे आ ओहि दिन मे जखन ओ बाहर निकललीह मिस्र देश।

परमेश् वर इस्राएल कॅ आशा आरू आनन्द पाबै लेली ओकरा पास वापस आबै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1. परमेश् वरक आशा आ आनन्दक प्रतिज्ञा

2. जे हेरायल छल तकरा पुनः प्राप्त करब: अपन युवावस्थाक आनन्दक पुनः खोज

1. यशायाह 40:31, "मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ्य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत"।

2. रोमियो 5:2-5, "हम सभ हुनका द्वारा विश् वास द्वारा एहि अनुग्रह मे प्रवेश क' सकलहुँ, जाहि मे हम सभ ठाढ़ छी, आ हम सभ परमेश् वरक महिमाक आशा मे आनन्दित छी। एहि सँ बेसी, हम सभ ई जानि क' अपन दुख मे आनन्दित छी।" दुख सहनशक्ति पैदा करै छै, आरू सहनशक्ति चरित्र पैदा करै छै, आरो चरित्र आशा पैदा करै छै, आरो आशा हमरा सिनी कॅ शर्मिंदा नै करै छै, कैन्हेंकि परमेश् वर के प्रेम हमरा सिनी कॅ पवित्र आत्मा के माध्यम सें हमरा सिनी कॅ दिल में डाललोॅ छै।"

होशे 2:16 प्रभु कहैत छथि जे ओहि दिन अहाँ हमरा ईशी कहब। आ हमरा आब बाली नहि कहब।”

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि हुनी ओकरा बाली नै कहै, बल्कि ओकरा ईशी के नाम सें संबोधित करै।

1. शास्त्र मे भगवान् के नाम मे ओ के छथि आ हुनकर चरित्र के दर्शाओल गेल अछि

2. भगवानक बिना शर्त प्रेमक सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व हुनक नव नाम इशी द्वारा कयल गेल अछि |

1. यशायाह 9:6 - "किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि; आ ओकर कान्ह पर शासन रहत, आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।" ."

2. उत्पत्ति 17:5 - "आब तोहर नाम अब्राम नहि राखल जायत, बल् कि तोहर नाम अब्राम रहत, कारण हम तोरा बहुत रास जाति के पिता बना देने छी।"

होशे 2:17 कारण, हम बालिम सभक नाम ओकर मुँह सँ हटा देब, आ ओकरा सभ केँ आब ओकर नाम सँ स्मरण नहि कयल जायत।

भगवान् अपन लोक केँ पुनर्स्थापित करताह आ ओकर जीवन सँ झूठ मूर्ति केँ हटा देताह।

1. भगवान् मे विश्वासक माध्यमे पुनर्स्थापन

2. मूर्तिपूजा परमेश् वरक सामर्थ् य बिसरि जाइत छी

1. यशायाह 43:25 - हम, हमहीं छी जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।

2. इब्रानी 10:14 - किएक तँ ओ एके बलिदान द्वारा ओहि सभ केँ सदा-सदा लेल सिद्ध कयलनि अछि जे पवित्र कयल जा रहल अछि।

होशे 2:18 ओहि दिन हम हुनका सभक लेल खेतक जानवर, स् वर्गक चिड़ै सभ आ जमीनक रेंगैत जीव सभक संग वाचा करब, आ धनुष आ तलवार आ युद्ध केँ तोड़ब पृथ्वी सँ बाहर निकलि कऽ ओकरा सभ केँ सुरक्षित सुता देत।

भगवान् धरती के जानवर के साथ वाचा करी क॑ युद्ध के हथियार तोड़ी क॑ लोगऽ क॑ सुरक्षित लेट॑ सक॑ ।

1. परमेश् वरक रक्षा: परमेश् वरक वाचा शांति कोना अनैत अछि

2. क्षमा के शक्ति: परमेश्वर के वाचा शांति के कोना संभव बनाबै छै

1. यशायाह 2:4 - "ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे, आ अपन भाला केँ छंटाई मे फँसाओत। जाति जाति पर तलवार नहि उठौत, आ ने आब युद्ध सीखत।"

2. मीका 4:3 - "ओ बहुतो लोकक बीच न्याय करत, दूर सँ बलवान जाति सभ केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फँसाओत, आ अपन भाला केँ छंटाई मे फँसाओत। जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत आ ने करत।" ओ सभ आब युद्ध सीखैत अछि।"

होशे 2:19 हम अहाँक संग सदाक लेल सगाई करब। हँ, हम अहाँ केँ धार्मिकता, न्याय, आ प्रेम आ दया मे हमरा संग सगाई करब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ धार्मिकता, न्याय, प्रेम-दया आ दयाक संग सदा-सदा लेल हुनका संग सगाई करबाक वादा करैत छथि।

1. "भगवानक सगाई: प्रेम आ दया"।

2. "भगवानक अटूट प्रतिबद्धता: धर्म आ न्याय"।

२ अपन प्रभु मसीह यीशु मे हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबा मे सक्षम।”

2. भजन 103:17 - "मुदा प्रभुक अडिग प्रेम अनन्त सँ अनन्त धरि हुनका सँ डरय बला लोक पर अछि आ हुनकर धार्मिकता संतानक संतान सभक लेल अछि।"

होशे 2:20 हम अहाँ केँ विश्वासपूर्वक हमरा संग सगाई करब, आ अहाँ प्रभु केँ चिन्हब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ निष्ठा सँ हुनका संग सगाई करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि, आ ओ सभ प्रभु केँ चिन्हत।

1. भगवान् के निष्ठा: भगवान के जानला स सब किछु कोना बदलैत अछि

2. निष्ठा के एकटा वाचा: परमेश्वर के अटूट प्रतिज्ञा

1. यशायाह 54:5 - कारण, तोहर निर्माता तोहर पति छथि। सेना के प्रभु ओकर नाम छै। आ तोहर मुक्तिदाता इस्राएलक पवित्र। समस्त पृथ्वीक परमेश् वर कहल जायत।

2. यिर्मयाह 31:3 - प्रभु हमरा पहिने प्रगट भेलाह जे, “हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ, तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।

होशे 2:21 ओहि दिन हम सुनब, परमेश् वर कहैत छथि, हम आकाश केँ सुनब आ ओ सभ पृथ् वी केँ सुनब।

भगवान् सब सृष्टि के सुनैत छथि आ सुनैत छथि।

1: हमरा सभकेँ सभ सृष्टिक बात सुनबाक प्रयास करबाक चाही आ अपन जीवनमे भगवानक उपस्थितिक प्रति सजग रहबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखबाक चाही जे एक क्षण निकालि कए अपन दुनियाँक सभटा सौन्दर्य आ विविधताकेँ सुनब आ ओकर सराहना करी, आ भगवानक उपस्थितिक सम्मान करी।

1: भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि; आकाश हुनकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।"

2: यशायाह 40:12 - "अपन हाथक खोखला मे पानि के नापने अछि आ हाथक चौड़ाई केँ आकाश सँ चिन्हित कयलक?"

होशे 2:22 पृथ् वी धान, मदिरा आ तेल सुनत। ओ सभ यिजरेएलक बात सुनत।”

धरती मकई, मदिरा आ तेल के प्रचुरता सुनत आ यजरेल के सेहो सुनत।

1: परमेश् वरक प्रचुरता: पृथ्वी मकई, मदिरा आ तेलक प्रचुरता सुनत, जे परमेश् वरक अपन लोक सभक लेल प्रबंधक स्मरण कराबैत अछि।

2: परमेश् वरक वफादारी: परमेश् वर अपन लोक सभक प्रबंध करताह आ यज्रेल केँ सेहो सुनताह, जे परमेश् वरक वफादारी आ मोक्षक प्रतिज्ञाक स्मरण कराबैत अछि।

1: यशायाह 55:1-3 - "हे सभ प्यासल छी, पानि मे आबि जाउ; आ अहाँ सभ जिनका लग पाइ नहि अछि, आऊ, कीनि क' खाउ! आऊ, बिना पाइ आ बिना खर्चक शराब आ दूध कीनू। खर्च किएक करू।" जे रोटी नहि अछि ताहि पर पाइ, आ जे तृप्त नहि होइत अछि ताहि पर अहाँक मेहनत? सुनू, हमर बात सुनू, आ जे नीक अछि, से खाउ, तखन अहाँक आत्मा सभसँ समृद्ध किराया मे आनन्दित होयत।"

2: याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

होशे 2:23 हम ओकरा हमरा लेल पृथ् वी पर बोइब। हम ओहि पर दया करब जे दया नहि केने छल। हम हुनका सभ केँ कहबनि जे हमर लोक नहि छल। ओ सभ कहताह, “अहाँ हमर परमेश् वर छी।”

भगवान् ओहि पर दया करताह जिनका दया नहि भेटल छलनि आ हुनका सभ केँ अपन लोक कहताह।

1. भगवानक दया आ सभक प्रति प्रेम

2. परमेश् वरक मोक्षक शक्ति

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इफिसियों 2:13-14 - मुदा आब मसीह यीशु मे अहाँ सभ जे पहिने दूर छलहुँ, मसीहक खून द्वारा नजदीक आबि गेल छी। कारण, ओ स्वयं हमरा सभक शांति छथि, जे दुनू समूह केँ एक बना देलनि आ बाधा, वैरभावक विभाजन करयवला देबाल केँ नष्ट क' देलनि।

होशे अध्याय ३ एकटा छोट मुदा सशक्त प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत करैत अछि जे परमेश् वरक अपन अविश्वासी लोक सभक प्रति प्रेम आ ओकरा सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक हुनकर इच्छा केँ दर्शाबैत अछि। अध्याय में मोक्ष के अवधारणा आरू टूटलऽ संबंध के बहाली पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर होशे के निर्देश दै के साथ होय छै कि वू ऐन्हऽ महिला स॑ प्रेम करै जेकरा दोसरऽ पुरुष प्रेम करै छै आरू व्यभिचार करी रहलऽ छै । ई अविश्वासी इस्राएली सिनी के प्रति परमेश् वर के प्रेम के प्रतीक छै, ओकरऽ आध्यात्मिक व्यभिचार के बावजूद (होशे 3:1)।

दोसर पैराग्राफ: होशे परमेश् वरक आज्ञाक पालन करैत ओहि स्त्री केँ पन्द्रह शेकेल चानी आ डेढ़ होमर जौ मे कीनि लैत अछि। ओ ओकरा कहैत अछि जे ओ ओकरा संग रहू आ आगूक कोनो व्यभिचार सँ परहेज करू, जे परमेश् वरक इस्राएलक संग अपन संबंध केँ बहाल करबाक योजनाक प्रतीक अछि (होशे 3:2-3)।

3 पैराग्राफ: तखन कथ्य इस्राएली सभक वर्णन दिस बढ़ैत अछि, जे बिना कोनो राजा, राजकुमार, बलिदान वा पवित्र स्तम्भक कतेको दिन धरि रहत। ओ सभ अंतिम समय मे प्रभु आ अपन राजा दाऊद केँ तकबाक लेल वापस आबि जेताह (होशे 3:4-5)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय ३ मे एकटा छोट मुदा सशक्त प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत कयल गेल अछि |
जे परमेश् वरक अपन अविश्वासी लोकक प्रति प्रेम केँ दर्शाबैत अछि
आ ओकरा सभकेँ पुनर्स्थापित करबाक हुनकर इच्छा।

होशे क॑ परमेश् वर केरऽ निर्देश कि वू एगो व्यभिचारी महिला स॑ प्रेम करै, जे अविश्वासी इस्राएल के प्रति ओकरऽ प्रेम के प्रतीक छेकै ।
होशे केरऽ महिला क॑ खरीदना आरू ओकरा ओकरा साथ रहै के आज्ञा, जे परमेश्वर केरऽ इस्राएल के साथ अपनऽ संबंध क॑ बहाल करै के योजना के प्रतीक छेकै ।
बिना कोनो राजा, राजकुमार, बलिदान या पवित्र खंभा के रहय वाला इस्राएली के वर्णन। अंतिम समय मे प्रभु आ अपन राजा दाऊद केँ तकबाक लेल हुनका लोकनिक वापसीक भविष्यवाणी।

होशेक ई अध्याय एकटा छोट मुदा सशक्त प्रतीकात्मक कथ्य प्रस्तुत करैत अछि | परमेश् वर होशे केँ निर्देश दैत छथि जे ओहि स् त्री सँ प्रेम करथि जे दोसर पुरुष प्रेम करैत छथि आ व्यभिचार कऽ रहल छथि। ई अविश्वासी इस्राएली सिनी के प्रति परमेश् वर के प्रेम के प्रतीक छै, ओकरऽ आध्यात्मिक व्यभिचार के बावजूद। होशे परमेश् वरक आज्ञा मानैत अछि आ ओहि स्त्री केँ पन्द्रह शेकेल चानी आ डेढ़ होमर जौ मे कीनि लैत अछि। ओ ओकरा कहैत अछि जे ओ ओकरा संग रहू आ आगूक कोनो व्यभिचार सँ परहेज करू, जे परमेश् वरक इस्राएलक संग अपन संबंध केँ बहाल करबाक योजनाक प्रतीक अछि। तखन कथ्य इस्राएली सभक वर्णन दिस बढ़ैत अछि, जे बिना कोनो राजा, राजकुमार, बलिदान वा पवित्र स्तम्भक कतेको दिन धरि जीवित रहत। मुदा, ओ सभ अंततः अंतिम समय मे प्रभु आ अपन राजा दाऊद केँ ताकय लेल घुरि जेताह। ई अध्याय परमेश्वर के प्रेम, मोक्ष आरू हुनकऽ इच्छा पर जोर दै छै कि हुनी अपनऽ अविश्वासी लोगऽ के साथ टूटलऽ संबंध क॑ बहाल करी दै ।

होशे 3:1 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “तखन जाउ, अपन मित्रक प्रिय स् त्री केँ प्रेम करू, मुदा ओ व्यभिचारी छथि, जे इस्राएलक सन् तान सभक प्रति परमेश् वरक प्रेमक अनुसार प्रेम करैत छथि.

प्रभु होशे के आज्ञा दै छै कि एक अविश्वासी महिला के साथ इस्राएल के प्रति परमेश् वर के प्रेम के अनुसार प्रेम करै।

1. भगवानक अटूट प्रेम: प्रभुक प्रचुर कृपा मानव निष्ठा केँ कोना पार करैत अछि
1853

2. अप्रिय सँ प्रेम करब: होशे सँ करुणाक पाठ

1. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।"

2. 1 पत्रुस 4:8 - "सबसँ बेसी एक-दोसरसँ प्रेम करैत रहू, किएक तँ प्रेम बहुत पापकेँ झाँपि दैत अछि।"

होसे 3:2 हम ओकरा हमरा लेल पन्द्रह चानी, एक होमर जौ आ आधा होमर जौ मे कीनि लेलहुँ।

परमेश् वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति बिना शर्त प्रेम के उदाहरण हुनकऽ होशे केरऽ बेवफा पत्नी के खरीदना मिलै छै ।

1: परमेश् वरक बिना शर्त प्रेम - होशे 3:2

2: प्रेमक कीमत - होशे 3:2

1: यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

होशे 3:3 हम हुनका कहलियनि, “अहाँ हमरा लेल बहुत दिन धरि रहब। अहाँ वेश्या नहि करब आ दोसरक लेल नहि बनब।

परमेश् वर होशेक पत्नी गोमेर केँ कहैत छथि जे ओ हुनका प्रति वफादार रहू आ व्यभिचार नहि करू।

1. परमेश् वरक मोक्षक शक्ति: होशे आ गोमेरक कथा

2. विवाह मे निष्ठावान प्रेमक महत्व

1. इफिसियों 5:22-33 - पति-पत्नी के संबंध के निर्देश

2. रोमियो 6:12-14 - पापक लेल मृत, मसीह मे जीवित

होशे 3:4 किएक तँ इस्राएलक लोक सभ बहुत दिन धरि बिना राजा, बिना कोनो राजकुमारक, बिना बलिदानक, बिना मूर्तिक, बिना कोनो एफोड आ बिना टेराफीमक रहत।

इस्राएलक लोक बहुत दिन धरि राजा, राजकुमार, बलिदान, मूर्ति, एफोद आ टेराफीमक बिना रहत।

1: हमरा सभक लेल भगवानक योजना प्रायः ओहि सँ भिन्न होइत अछि जे हम सभ अपेक्षा करैत छी।

2: जखन हमरा सभ लग किछु नहि अछि तखनो भगवान् हमरा सभक संग छथि आ हम सभ एखनो हुनका पर भरोसा क' सकैत छी।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: व्यवस्था 31:6 - मजबूत आ साहसी बनू। ओकरा सभ सँ नहि डेराउ आ ने डेराउ, किएक तँ अहाँक संग प्रभु अहाँक परमेश् वर छथि। ओ अहाँकेँ नहि छोड़त आ ने अहाँकेँ छोड़त।

1854

होशे 3:5 तकर बाद इस्राएलक सन्तान घुरि कऽ अपन परमेश् वर यहोवा आ अपन राजा दाऊद केँ ताकत। आ अंतिम समय मे परमेश् वर आ हुनकर भलाई केँ भयभीत करत।

इस्राएलक सन्तान सभ परमेश् वर दिस घुमि कऽ हुनका ताकत, आ भविष्य मे हुनकर भलाई सँ भय आ आदर करत।

1. प्रभु के पुनः खोज: वापसी के लेल एकटा आह्वान

2. प्रभुक भय केँ पुनः प्रज्वलित करब: नवीकरणक मार्ग

1. यिर्मयाह 24:7 - "हम हुनका सभ केँ हमरा चिन्हबाक हृदय देबनि जे हम प्रभु छी। ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनकर सभक परमेश् वर बनब, किएक तँ ओ सभ पूरा मोन सँ हमरा लग घुरि जेताह।"

.

होशे अध्याय 4 इस्राएल के लोगऽ के आध्यात्मिक आरू नैतिक पतन के बारे में संबोधित करै छै। अध्याय में हुनकऽ आज्ञा नै आज्ञा, मूर्तिपूजा आरू ज्ञान के कमी पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप परमेश् वर के तरफऽ स॑ व्यापक भ्रष्टाचार आरू न्याय के सामना करना पड़लऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के तरफ सँ इस्राएल के लोग सिनी कॅ कड़ा डांट के साथ होय छै। ओ हुनका सभ पर आरोप लगबैत छथि जे हुनका सभ मे परमेश् वरक प्रति कोनो वफादारी, प्रेम आ ज्ञान नहि अछि। बल्कि, हुनका सब के विशेषता छै कि गारी, झूठ, हत्या, चोरी आरू व्यभिचार (होशे 4:1-2)।

2nd Paragraph: भगवान् हुनका लोकनिक कर्म के परिणाम के विलाप करैत छथि, ई कहैत जे हुनकर दुष्टता के कारण भूमि शोक करैत अछि आ मुरझा जाइत अछि | जानवर, चिड़ै आरू माछ भी प्रभावित होय छै, कैन्हेंकि लोगऽ के परमेश् वर के रास्ता के समझै के कमी आरू अस्वीकार करै के कारण ई नष्ट होय जाय छै (होशे 4:3-5)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे पुरोहित आ धार्मिक नेता लोकनिक निंदा कयल गेल अछि | परमेश् वर हुनका सभ पर आरोप लगबैत छथि जे ओ लोक सभ केँ भटकबैत छथि आ लोकक पापपूर्ण बाट मे भाग लैत छथि। एकरऽ परिणाम ई छै कि परमेश् वर हुनकऽ बच्चा सिनी क॑ अस्वीकार करी क॑ बिसरी जैतै (होशे ४:६-९)।

4 म पैराग्राफ: लोकक मूर्तिपूजा पर प्रकाश देल गेल अछि, कारण ओ लकड़ीक मूर्ति सँ परामर्श लैत छथि आ अपन डंडा सँ मार्गदर्शन लैत छथि | ओ सभ प्रभु केँ बिसरि गेल छथि आ वेश्यावृत्ति दिस रुखि गेल छथि, जकर परिणाम अछि जे हुनकर समझ आ विवेकक क्षति भ’ गेलनि (होशे 4:12-14)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन हुनकर काज के परिणाम के चेतावनी के संग होइत अछि | जनता खा लेत मुदा तृप्त नहि होयत, व्यभिचार मे लागि जायत, मुदा संख्या मे नहि बढ़त। ओ सभ प्रभु केँ छोड़ि देने छथि आ अपन अविश्वासक लेल सजाय भेटतनि (होशे 4:16-19)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय ४ इस्राएल के लोगऽ के आध्यात्मिक आरू नैतिक पतन के बारे में संबोधित करै छै, हुनका लोकनिक अवज्ञा, मूर्तिपूजा आ ज्ञानक अभाव केँ उजागर करैत,
जेकरऽ परिणामस्वरूप भगवान केरऽ तरफ सें व्यापक भ्रष्टाचार आरू न्याय होय गेलऽ छै ।

परमेश् वरक दिस सँ डाँट दियौक, लोक सभ पर ई आरोप लगाउ जे परमेश् वरक प्रति विश् वास, प्रेम आ ज्ञानक अभाव अछि।
हुनका लोकनिक कर्मक परिणाम, जाहि मे जमीन, जानवर, चिड़ै-चुनमुनी आ माछ हुनकर दुष्टता सँ प्रभावित होइत अछि |
जनता के भटकाबय के लेल पुरोहित आ धर्मगुरु के निंदा।
जनता के मूर्तिपूजा आ समझ आ विवेक के नुकसान के उजागर करब।
हुनकऽ काम के परिणाम के चेतावनी, जेकरा म॑ असंतोष आरू हुनकऽ बेवफाई के सजा भी शामिल छै ।

होशे के ई अध्याय इस्राएल के लोगऽ के आध्यात्मिक आरू नैतिक पतन के बारे में संबोधित करै छै। परमेश् वर हुनका सभ केँ कड़ा डाँटैत छथि, हुनका सभ पर आरोप लगाबैत छथि जे हुनका सभ पर विश्वास, प्रेम आ ज्ञानक अभाव अछि। बल्कि गारि-गरौबलि, झूठ बाजब, हत्या, चोरी आ व्यभिचार मे लागि जाइत छथि। हुनका लोकनिक काजक परिणाम स्पष्ट होइत अछि जेना-जेना भूमि शोक करैत अछि आ मुरझा जाइत अछि, आ जानवर, चिड़ै-चुनमुनी आ माछ अपन दुष्टता आ भगवानक मार्ग केँ अस्वीकार करबाक कारणेँ नष्ट भ' जाइत अछि | पुरोहित आ धर्मगुरु के सेहो निंदा कयल जाइत छैक जे ओ लोक के भटकबैत छथि आ अपन पापपूर्ण तरीका मे भाग लैत छथि | लोक मूर्तिपूजा दिस मुड़ि गेल अछि, लकड़ीक मूर्ति सँ मार्गदर्शन ल' क' वेश्यावृत्ति मे लागि गेल अछि। एकरऽ परिणाम ई छै कि हुनकऽ समझ आरू विवेक केरऽ क्षमता खतम होय गेलऽ छै । अध्याय के अंत में हुनकऽ काम के परिणाम के चेतावनी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में असंतोष आरू हुनकऽ बेवफाई के सजा भी शामिल छै । ई अध्याय में लोगऽ के आज्ञा नै मानला, मूर्तिपूजा, आरू ज्ञान के कमी के परिणामस्वरूप जे व्यापक भ्रष्टाचार आरू निर्णय होय छै, ओकरा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

होशे 4:1 हे इस्राएलक सन्तान सभ, प्रभुक वचन सुनू, किएक तँ एहि देशक निवासी सभक संग परमेश् वरक विवाद अछि, किएक तँ एहि देश मे कोनो सत्य, ने दया आ ने परमेश् वरक ज्ञान अछि।

इस्राएल के लोग सिनी के साथ परमेश् वर के विवाद छै, कैन्हेंकि ओकरा सिनी कॅ सत् य, दया आरू परमेश् वर के ज्ञान के कमी छै।

1. दया के शक्ति: अपन जीवन में परमेश्वर के प्रेम के पहचानना

2. सत्यक आवश्यकता: दैनिक जीवन मे परमेश्वरक वचन पर भरोसा करब

1. लूका 6:36-37 - दयालु रहू, जेना अहाँक पिता दयालु छथि। न्याय नहि करू, आ अहाँ सभक न्याय नहि होयत। दोषी नहि करू, आ अहाँ केँ दोषी नहि ठहराओल जायत। क्षमा करू, तखन अहाँ क्षमा भ' जायब।

2. भजन 19:7-8 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि।

होशे 4:2 गारि पढ़ि कऽ, झूठ बाजि कऽ, हत्या कऽ कऽ, चोरी कऽ कऽ व्यभिचार कऽ कऽ ओ सभ बाहर निकलि जाइत अछि आ खून खून छूबैत अछि।

इस्राएल के लोग पाप के काम में शामिल होय कॅ परमेश् वर के वाचा तोड़ी देलकै।

1: हमरा सभ केँ पापपूर्ण काज मे लिप्त भ' क' परमेश् वरक वाचा तोड़बाक प्रलोभन सँ सावधान रहबाक चाही।

2: पाप विनाश के तरफ ल जायत आ हमर परिवार आ समुदाय के भीतर विनाश के लहरदार प्रभाव पैदा करत।

1: याकूब 1:14-15 - "मुदा प्रत्येक व्यक्ति अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित भेला पर परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन इच्छा गर्भवती भेला पर पापक जन्म दैत अछि, आ पाप पूर्ण रूप सँ बढ़ला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।"

2: भजन 119:11 - हम अहाँक वचन केँ अपन हृदय मे जमा कएने छी, जाहि सँ हम अहाँक विरुद्ध पाप नहि करी।

होशे 4:3 तेँ देश शोक करत, आ ओहि मे रहनिहार सभ खेतक जानवर आ स्वर्गक चिड़ै सभक संग सुस्त भ’ जायत। हँ, समुद्रक माछ सभ सेहो लऽ जायत।

भूमि शोक मे अछि आ ओहि मे रहनिहार लोकनि सेहो सुस्त अछि, एकर अतिरिक्त जंगली जानवर, चिड़ै-चुनमुनी आ माछ सेहो।

1. "भगवानक दण्ड आ ओकर प्रभाव"।

1856

2. "भगवानक दया आ ओकर शक्ति"।

1. याकूब 5:1-3 - हे धनिक लोक सभ, आब जाउ, अहाँ सभक दुःखक लेल जे अहाँ सभ पर आओत, ताहि लेल कानब आ कुहरब।

2. यशायाह 43:1-3 - डेराउ नहि, किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेलहुँ, तोहर नाम सँ बजौलहुँ।
अहाँ हमर छी।

होशे 4:4 तइयो केओ झगड़ा नहि करय आ दोसर केँ डाँटय नहि, किएक तँ अहाँक लोक पुरोहितक संग झगड़ा करयवला जकाँ अछि।

लोक के एक दोसरा स बहस नै करबाक चाही, कियाक त ई कोनो पुरोहित स बहस स मिलैत जुलैत अछि।

1. "सब विश्वासी के पुरोहिताई: हमर जीवन के लेल एकर की मतलब"।

2. "कोमलता के शक्ति: बाइबिल के अनुसार द्वंद्व के कोना संभालल जाय"।

1. 1 पत्रुस 2:9 - "मुदा अहाँ सभ एकटा चुनल जाति छी, राजकीय पुरोहिताई छी, पवित्र जाति छी, अपन सम्पत्तिक लेल लोक छी, जाहि सँ अहाँ सभ ओहि लोकक श्रेष्ठताक प्रचार करब जे अहाँ सभ केँ अन्हार सँ अपन अद्भुत इजोत मे बजौलनि।" " .

2. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

होशे 4:5 तेँ अहाँ दिन मे खसि पड़ब, आ भविष्यवक्ता सेहो राति मे अहाँक संग खसि पड़त, आ हम अहाँक माय केँ नष्ट क’ देब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ दिन मे आ राति मे हुनका सभक लेल बजनिहार भविष्यवक्ता केँ नष्ट कऽ कऽ सजा देताह।

1) आज्ञा नहि मानबाक परिणाम; 2) भगवान् के क्रोध की शक्ति।

1) रोमियो 6:23 - "किएक तँ पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"; 2) यिर्मयाह 22:5 - "मुदा जँ अहाँ सभ ई बात नहि सुनब तँ हम अपन कसम खाइत छी जे ई घर उजाड़ भ' जायत।"

होशे 4:6 हमर लोक ज्ञानक अभाव मे नष्ट भ’ गेल अछि, कारण अहाँ ज्ञान केँ अस्वीकार क’ देलहुँ, हम अहाँ केँ सेहो अस्वीकार करब, जाहि सँ अहाँ हमरा लेल पुरोहित नहि बनब.

हमर लोक खतरा मे अछि, कारण ओ ज्ञान केँ अस्वीकार क' भगवानक नियम केँ बिसरि गेल अछि।

1. अज्ञानताक मूल्य: ज्ञान केँ अस्वीकार करबाक परिणाम केँ चिन्हब

2. परमेश् वरक नियम: परमेश् वरक बाट पर चलबाक लाभ आ आशीर्वाद केँ बुझब

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक शुरुआत होइत छैक, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. भजन 19:7-9 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि। प्रभुक उपदेश सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि। प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि। प्रभुक भय शुद्ध अछि, अनन्त काल धरि चलैत अछि। प्रभुक नियम सत्य अछि, आ एकदम धर्मी अछि।

होशे 4:7 जेना ओ सभ बढ़ल, तेना ओ सभ हमरा विरुद्ध पाप केलक, तेँ हम ओकर महिमा केँ लज्जा मे बदलब।

इस्राएल के लोगऽ के संख्या बढ़ी गेलै, लेकिन जेना-जेना वू लोगऽ के संख्या बढ़लै, वू परमेश् वर के खिलाफ पाप करलकै, ई लेली वू ओकरऽ महिमा छीनी क॑ ओकरा जगह पर लाज डालतै।

1. भगवान न्यायी छथि आ पापक सजाय देताह

2. परमेश् वरक विरुद्ध पाप करबासँ सावधान रहू

1. इजकिएल 18:20-22 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

होशे 4:8 ओ सभ हमर लोकक पाप खा जाइत अछि आ अपन अधर्म पर अपन मोन राखि दैत अछि।

इस्राएलक लोक परमेश् वरक बाट सँ भटकि गेल अछि आ हुनका विरुद्ध पाप क ’ रहल अछि।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. पापक परिणाम

1. यिर्मयाह 17:9, "हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?"

2. इब्रानी 3:12-13, "हे भाइ लोकनि, सावधान रहू जे अहाँ सभ मे सँ ककरो मे कोनो दुष्ट, अविश्वासी हृदय नहि हो, जे अहाँ सभ केँ जीवित परमेश् वर सँ दूर भ' जाय। मुदा जाबत धरि अछि, सभ दिन एक-दोसर केँ उपदेश करू।" आइ बजाओल गेल अछि, जाहि सँ अहाँ मे सँ कियो पापक छल सँ कठोर नहि भ' जाय।"

होशे 4:9 लोक सभ जकाँ पुरोहित जकाँ होयत, आ हम ओकरा सभ केँ ओकर सभक बाट पर सजा देब आ ओकर सभक काजक फल देब।

प्रभु लोक आ पुरोहित दुनूक कर्मक आधार पर न्याय करताह।

1. भगवान सब देखैत छथि: हर कर्म के परिणाम होइत छैक

2. जवाबदेह रहू: हम अपन पसंद के जिम्मेदार ठहराएब

1. मत्ती 12:36-37 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे न्यायक दिन सभ केँ अपन कहल सभ एक-एकटा खाली वचनक हिसाब देबऽ पड़त। किएक तँ अहाँ सभक बात सँ अहाँ सभ निर्दोष भऽ जायब आ अपन बात सभ सँ अहाँ सभ निर्दोष होयब।" निंदा कयल गेल।"

2. रोमियो 2:6-11 - "परमेश् वर 'प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।" जे नीक काज मे अडिग रहला सँ महिमा, सम्मान आ अमरत्वक खोज करैत छथि, हुनका ओ अनन्त जीवन देथिन।मुदा जे स्वार्थी छथि आ जे सत्य केँ अस्वीकार करैत अधलाहक पालन करैत छथि, हुनका लेल क्रोध आ क्रोध होयत।"

होशे 4:10 किएक तँ ओ सभ भोजन करत, मुदा ओकरा सभ केँ पेट नहि भेटतैक, ओ सभ वेश्यावृत्ति करत आ नहि बढ़त।

लोक के कष्ट होयत जँ ओ प्रभु पर ध्यान नहि देत आ हुनकर शिक्षा के पालन नहि करत।

1. प्रभु हुनकर शिक्षा के पालन करय वाला के पुरस्कृत करैत छथि

2. प्रभुक वचन पर ध्यान नहि देलाक परिणाम

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. नीतिवचन 14:34 - धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल बेइज्जती अछि।

होशे 4:11 वेश्यावृत्ति आ मदिरा आ नव मदिरा हृदय केँ दूर क’ दैत अछि।

होशे 4:11 अनैतिकता आ नशाक हानिकारक प्रभावक विरुद्ध चेतावनी दैत अछि।

1. "अनैतिकताक खतरा"।

2. "नशाक परिणाम"।

1. नीतिवचन 23:29-35 - "ककरा दुख अछि? केकरा दुख अछि? केकरा झगड़ा अछि? केकरा शिकायत अछि? केकरा बेवजह घाव अछि? केकरा आँखि मे लाली अछि? जे मदिरा पर बहुत दिन धरि टिकैत अछि; जे कोशिश करय लेल जाइत अछि।" मिश्रित शराब।मदिरा जखन लाल होइत अछि, जखन ओ प्याला मे चमकैत अछि आ सुचारू रूप सँ नीचाँ जाइत अछि तखन नहि देखू।अंत मे ओ साँप जकाँ काटि लैत अछि आ मसूर जकाँ डंक मारैत अछि।अहाँक आँखि अजीब-अजीब चीज देखत, आ अहाँक हृदय विकृत अछि चीज सभ.

2. इफिसियों 5:18 - आ मदिरा मे नशा नहि करू, कारण ओ व्यभिचार अछि, बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।

होशे 4:12 हमर लोक अपन दल मे सलाह माँगैत अछि, आ ओकर लाठी ओकरा सभ केँ ई बात कहैत अछि, किएक तँ वेश्यावृत्तिक आत् मा ओकरा सभ केँ भटका देलक आ ओ सभ अपन परमेश् वरक अधीन सँ वेश्यावृत्ति कऽ लेलक।

लोक भगवान् सँ मुँह मोड़ि गेल अछि आ ओकर बदला मे मूर्ति सँ सलाह लैत अछि।

1: हमरा सभकेँ सदिखन भगवान् दिस मार्गदर्शनक लेल मुड़बाक चाही, मूर्तिक दिस नहि।

2: मूर्तिपूजा विनाश अनैत अछि, उद्धारक लेल एकर बदला भगवान दिस घुमू।

1: मत्ती 6:24 - "केओ दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, किएक त' या त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, वा एक मे समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ परमेश् वर आ पाइक सेवा नहि क' सकैत छी।"

2: यिर्मयाह 29:13 - "अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ तकब।"

होशे 4:13 ओ सभ पहाड़क चोटी पर बलिदान दैत अछि, आ पहाड़ी पर, ओक, पीपल आ एल्म गाछक नीचा धूप जराबैत अछि, कारण ओकर छाया नीक अछि, तेँ अहाँक बेटी सभ वेश्यावृत्ति करत आ अहाँक जीवनसाथी व्यभिचार करत।

इस्राएलक लोक परमेश् वर केँ बिसरि गेल अछि आ ओकर बदला मे पहाड़ पर बलि चढ़ा रहल अछि आ पहाड़ पर धूप जरा रहल अछि।

1. पाप तखन होइत अछि जखन हम सभ भगवान् केँ बिसरि जाइत छी

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक परिणाम

1. यशायाह 1:11-20

2. यिर्मयाह 2:7-13

होशे 4:14 हम अहाँक बेटी सभ केँ वेश्यावृत्ति करबा काल, आ अहाँक जीवनसाथी सभ केँ व्यभिचार करबा काल दंड नहि देब, किएक तँ वेश्या सँ अलग भ’ गेल अछि आ वेश्या सभक संग बलिदान दैत अछि, तेँ जे लोक नहि बुझैत अछि, ओ खसि पड़त।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के प्रति बेवफा रहलै, व्यभिचार आरू वेश्यावृत्ति करलकै, ई लेली परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ पाप के सजा नै देतै।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा: प्रभुक कृपा केँ बुझब

2. पश्चाताप के शक्ति: प्रभु के मार्ग पर वापस आना

1. यिर्मयाह 31:3 - "प्रभु हमरा लग पहिने प्रगट भ' गेल छथि जे, हम अहाँ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम केलहुँ। तेँ हम अहाँ केँ दया सँ खींचने छी।"

2. इजकिएल 16:60-63 - "तइयो हम तोहर युवावस्था मे तोरा संग अपन वाचा केँ मोन पाड़ब, आ हम तोरा लेल अनन्त वाचा स्थापित करब। तखन अहाँ अपन बाट मोन पाड़ब आ जखन पाबि लेब तखन लज्जित होयब।" तोहर बहिन, तोहर जेठ आ छोटका, हम ओकरा सभ केँ बेटीक रूप मे दऽ देब, मुदा तोहर वाचा सँ नहि।आ हम तोरा संग अपन वाचा सिद्ध करब, आ तोँ बुझब जे हम प्रभु छी, जाहि सँ अहाँ मोन राखब आ लज्जित रहू, आ अहाँक लाजक कारणेँ आब कहियो मुँह नहि खोलू, जखन हम अहाँक सभ काजक लेल अहाँक प्रति शान्त भ’ जायब, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।”

होशे 4:15 हे इस्राएल, भले अहाँ वेश्यावृत्ति करैत छी, मुदा यहूदा केँ कोनो आपत्ति नहि होअय। अहाँ सभ गिलगाल नहि आबि जाउ आ ने बेथावेन जाउ आ ने शपथ खाउ जे, “प्रभु जीवित छथि।”

परमेश् वर इस्राएल केँ चेताबैत छथि जे बेवफा नहि होउ, आ गिलगाल वा बेथावेन मे मूर्तिपूजा नहि करथि, वा व्यर्थ मे प्रभुक नाम नहि लेथि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. परमेश् वरक वाचाक सामर्थ् य

1. याकूब 1:14-15 "मुदा प्रत्येक केओ जखन अपन इच्छा सँ खींच लेल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन जखन इच्छा गर्भवती भ' जाइत अछि त' ओ पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण भ' जाइत अछि त' ओ पापक जन्म दैत अछि।" आगू मृत्यु।"

2. भजन 24:3-4 "प्रभुक पहाड़ी पर के चढ़ि सकैत अछि? वा हुनकर पवित्र स्थान मे के ठाढ़ भ' सकैत अछि? जे शुद्ध हाथ आ शुद्ध हृदयक अछि।"

होसे 4:16 इस्राएल पाछू हटि रहल बछिया जकाँ पाछू हटि जाइत अछि, आब परमेश् वर ओकरा सभ केँ मेमना जकाँ पैघ जगह पर पोसताह।

इस्राएल परमेश् वर सँ भटक गेल छल आ आब ओकरा पश्चाताप करबाक आ घुरबाक मौका देल जा रहल छल।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा सदिखन उपलब्ध अछि जँ हम सभ पश्चाताप करी आ हुनका दिस घुरि जाइ।

2. हम सब इस्राएल के उदाहरण स सीख सकैत छी आ परमेश् वर के प्रति वफादार रहबाक प्रयास क सकैत छी।

1. होशे 4:16

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बना लेत, प्रार्थना करत, आ हमर मुँह तकत, आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ ओकरा सभ केँ क्षमा करब।" पाप करब, आ ओकरा सभक देश केँ ठीक करत।”

होशे 4:17 एफ्राइम मूर्ति सँ जुड़ल अछि, ओकरा छोड़ू।

होशे मूर्तिपूजा के खिलाफ चेतावनी दै छै, ई आग्रह करै छै कि एफ्राइम के अपनऽ मूर्ति के सामने असगरे छोड़ी देलऽ जाय।

1. "मूर्तिपूजाक खतरा: होशे 4:17 सँ सीख"।

1860

2. "मूर्तिपूजा सँ भागब: होशे 4:17 सँ काज करबाक आह्वान"।

1. 1 यूहन्ना 5:21 - "बच्चा सभ, मूर्ति सँ अपना केँ बचाउ।"

2. यशायाह 2:20-21 - "मात्र मनुष्य पर भरोसा करब छोड़ू, जकर नाकक छेद मे एकटा साँस मात्र अछि। ओकरा सभक आदर किएक? कारण ओकर सभटा भलाई मात्र एकटा धुंध अछि जे गायब भ' जाइत अछि; ओ सभ छाया मात्र अछि, जकर कोनो पदार्थ नहि अछि।" बिल्कुल नहि।"

होशे 4:18 हुनका सभक पेय खट्टा अछि, ओ सभ निरंतर वेश्यावृत्ति करैत अछि, ओकर शासक सभ लाज सँ प्रेम करैत अछि, अहाँ सभ दऽ दियौक।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के प्रति लगातार बेवफा रहलै आरू ओकरोॅ शासक सिनी कॅ एकरा में कोय लाज नै छै।

1: हमरा सभ केँ हरदम परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही आ पाप केँ अस्वीकार करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ ईमानदारी सँ काज करबाक चाही आ जे किछु करैत छी ताहि मे भगवान् केर आदर करबाक चाही।

1: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

होशे 4:19 हवा ओकरा पाँखि मे बान्हि देने छैक, आ ओ सभ अपन बलिदानक कारणेँ लज्जित होयत।

हवा लोक केँ बलिदान सँ दूर क' देलक अछि, आ ओकरा सभ केँ लाज होइत छैक।

1: परमेश् वरक सार्वभौमिकता हमरा सभक समझ सँ परे अछि, आ सभ चीज पर हुनकर नियंत्रण छनि, तखनो जखन हम सभ नहि बुझैत छी।

2: भगवान् के इच्छा के याद राखब जरूरी अछि, आ कखनो काल हमर अपन इच्छा आ विचार के हुनकर इच्छा आ विचार के पाछू के सीट पर बैसय पड़ैत अछि।

1: यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ थाकि जायत आ ने थाकि जायत, आ ओकर समझ केओ नहि बुझि सकैत अछि। थकल के बल दैत छथि आ कमजोर के शक्ति बढ़बैत छथि । युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत खसि पड़ैत अछि। मुदा जे सभ परमेश् वरक आशा रखैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: यिर्मयाह 22:29 - हे देश, भूमि, भूमि, प्रभुक वचन सुनू! परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “एहि आदमी केँ निःसंतान जकाँ लिखू, जे अपन जीवन मे सफल नहि होयत। किएक तँ हुनकर वंशज मे सँ कियो दाऊदक सिंहासन पर बैसल आ यहूदा मे शासन नहि करत।

होशे अध्याय 5 इस्राएल के लोगऽ के खिलाफ डांट आरू न्याय के संदेश के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय में हुनकऽ अविश्वास, मूर्तिपूजा, आरू हुनकऽ आज्ञा नै मानला के कारण हुनका सामने आबै वाला परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ध्यान के आह्वान स होइत अछि, जेना परमेश् वर पुरोहित, इस्राएल के घराना आ राजघराना पर आरोप लगबैत छथि जे ओ आध्यात्मिक व्यभिचार करैत छथि आ अपना के अशुद्ध करैत छथि (होशे 5:1-3)।

2nd Paragraph: भगवान घोषणा करैत छथि जे हुनकर कर्म हुनका हुनका लग वापस नहि आबय देत, कियाक त हुनकर घमंड आ अपश् चात्तापी हृदय हुनका हुनका तकबा स रोकैत अछि। ओ सभ आन जाति सभक मददि लेल तकने छथि, मुदा अंततः हुनका सभ केँ न्याय आ बंदी बनेबाक सामना करय पड़तनि (होशे 5:4-7)।

तेसर पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएलक गोत्र मे सँ एक एप्रैम केँ ओकर घमंड आ अत्याचारक कारणेँ डाँटैत छथि। ओ एफ्राइमक लेल पतंग जकाँ आ यहूदाक लोक सभक लेल सड़न जकाँ बनबाक वादा करैत छथि, जाहि सँ हुनकर विनाश होयत (होशे 5:8-14)।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन इजरायल के हताश स्थिति के वर्णन के साथ होय छै। ओ सभ अपन संकट मे परमेश् वर सँ पुकारैत छथि, मुदा हुनकर कर्म आ बेवफाई हुनका सभ केँ हुनकर मदद आ चंगाई नहि पाबि दैत छनि। ओ सभ अपन पापक परिणाम ताबत धरि उठाओत जाबत धरि ओ सभ अपन अपराध केँ स्वीकार नहि करत आ परमेश् वरक मुँह नहि ताकत (होशे 5:15-6:1)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय ५ मे डाँट आ न्यायक संदेश जारी अछि
इस्राएलक अविश्वासी लोकक विरुद्ध,
अपनऽ मूर्तिपूजा, अपश् चात्तापी दिल, आरू ओकरा सिनी के सामना करै वाला परिणाम के उजागर करी क॑।

पुरोहित, इस्राएलक घराना आ राजघराना पर आध्यात्मिक व्यभिचार आ अशुद्धताक आरोप।
घोषणा जे हुनकर कर्म हुनका भगवान लग घुरबा स रोकैत अछि।
एफ्राइम के घमंड आ अत्याचार के लेल सजाय।
एप्रैम आ यहूदाक लोक पर विनाश आ न्यायक प्रतिज्ञा।
इजरायल केरऽ हताश स्थिति आरू ओकरऽ बेवफाई के कारण मदद आरू चंगाई नै मिलै के वर्णन ।
अपराधबोध आ भगवानक चेहराक खोज करबाक आह्वान करू।

होशे के ई अध्याय इस्राएल के अविश्वासी लोगऽ के खिलाफ डांट आरू न्याय के संदेश के आगू बढ़ाबै छै। परमेश् वर पुरोहित, इस्राएलक घराना आ राजघराना पर आत् मक व्यभिचार आ अपना केँ अशुद्ध करबाक आरोप लगबैत छथि। ओ घोषणा करैत छथि जे हुनकर कर्म हुनका हुनका लग वापस आबय सँ रोकैत अछि, कारण हुनकर घमंड आ अपश् चात्तापी हृदय हुनका हुनका तकबा मे बाधा उत्पन्न करैत अछि | भले ही वू दोसरऽ राष्ट्रऽ स॑ मदद लै छै, लेकिन अंततः ओकरा सिनी क॑ न्याय आरू कैद के सामना करना पड़तै । इस्राएल केरऽ गोत्रऽ में से एक एफ्राइम क॑ ओकरऽ घमंड आरू अत्याचार के कारण दंडित करलऽ जाय छै । परमेश् वर एफ्राइमक लेल पतंग जकाँ आ यहूदाक लोक सभक लेल सड़न जकाँ बनबाक वादा करैत छथि, जाहि सँ हुनका सभक विनाश होयत। अध्याय के अंत में इजरायल के हताश स्थिति के वर्णन करलऽ गेलऽ छै । ओ सभ अपन संकट मे परमेश् वर सँ पुकारैत छथि, मुदा हुनकर कर्म आ बेवफाई हुनका सभ केँ हुनकर मदद आ चंगाई नहि पाबि दैत छनि। ओ सभ अपन पापक परिणाम ताबत धरि सहन करत जाबत धरि ओ सभ अपन अपराध केँ स्वीकार नहि करत आ परमेश् वरक मुँह नहि ताकत। ई अध्याय में अविश्वास, मूर्तिपूजा आरू आसन्न न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै जे इस्राएल के लोगऽ क॑ ओकरऽ आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप सामना करना पड़तै।

होसे 5:1 हे पुरोहित सभ, अहाँ सभ ई बात सुनू। हे इस्राएलक घराना, सुनू। हे राजाक घर, अहाँ सभ कान करू। किएक तँ अहाँ सभ मिस्पा पर जाल आ ताबोर पर पसरल जाल बनि गेलहुँ।

हे पुरोहित सभ, प्रभुक न्याय सुनू, आ हे इस्राएलक घराना आ राजाक घराना सुनू।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक न्याय सुनबाक चाही आ हुनकर आज्ञाक पालन करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक कहल बात पर ध्यान देबाक चाही आ पापक परीक्षा मे फँसय नहि पड़त।

1: नीतिवचन 28:13 जे अपन पाप केँ झाँपैत अछि, से सफल नहि होयत, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया कयल जायत।

2: याकूब 1:14-15 मुदा प्रत्येक आदमी परीक्षा मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ दूर भ’ जाइत अछि आ लोभित भ’ जाइत अछि। तखन जखन काम-वासना गर्भ मे आबि जाइत अछि तखन पाप उत्पन्न करैत अछि, आ पाप समाप्त भेला पर मृत्युक जन्म दैत अछि।

होशे 5:2 आ विद्रोही सभ वध करबाक लेल गहींर अछि, यद्यपि हम सभ केँ डाँटय बला छी।

लोक विद्रोह क' रहल अछि आ एक दोसरा के मारि रहल अछि, भगवान के चेतावनी के बादो.

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही आ पाप सँ मुँह मोड़बाक चाही, नहि तँ एकर परिणाम हम सभ भोगब।

2: हमरा सभ केँ भगवान् पर विश्वास राखय पड़त आ भरोसा राखय पड़त जे ओ हमरा सभ केँ सही बाट पर मार्गदर्शन करताह।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

होसे 5:3 हम एप्रैम केँ जनैत छी, आ इस्राएल हमरा सँ नुकायल नहि अछि, कारण, हे एप्रैम, एखन अहाँ वेश्यावृत्ति करैत छी, आ इस्राएल अशुद्ध भ’ गेल अछि।

परमेश् वर एफ्राइम आ इस्राएलक पाप केँ जनैत छथि, आ हुनका सभक वेश्यावृत्ति सँ ओ प्रसन्न नहि छथि जे हुनका सभक अशुद्धताक कारण बनल अछि।

1. पापक परिणाम: होशे 5:3 पर क

2. परमेश् वर हमर पाप केँ जनैत छथि: होशे 5:3 पर क

1. इजकिएल 16:15-17 इस्राएल के अविश्वास के बावजूद परमेश् वर के वफादारी

2. याकूब 4:17 परमेश् वरक विरुद्ध पाप करबाक व्यर्थता

होशे 5:4 ओ सभ अपन परमेश् वर दिस घुरबाक लेल अपन काज नहि बनाओत, किएक तँ वेश्यावृत्तिक आत् मा हुनका सभक बीच मे अछि आ ओ सभ प्रभु केँ नहि चिन्हलक।

होशेक लोक परमेश् वर सँ भटकि गेल अछि आ हुनका प्रति अविश्वासी रहल अछि। वेश्यावृत्ति के भावना हुनका सब के बीच में छै आ ओ सब प्रभु के नै चिन्है छैथ।

1. मूर्तिपूजाक परिणाम - होशे 5:4

2. आध्यात्मिक व्यभिचारक यथार्थ - होशे 5:4

1. यिर्मयाह 2:20, "पहिने सँ हम तोहर जुआ तोड़ि कऽ तोहर पट्टी फाड़ि देलहुँ; आ अहाँ कहलहुँ जे, हम अपराध नहि करब; जखन अहाँ हर ऊँच पहाड़ी आ हरियर गाछक नीचाँ वेश्यावृत्ति करैत भटकैत छी।"

2. इजकिएल 6:9, "अहाँ सभ सँ बचल लोक सभ हमरा ओहि जाति सभक बीच मे स्मरण करत जतय ओ सभ बंदी बनाओल जायत, किएक तँ हम हुनकर वेश्यालु हृदय सँ टूटि गेल छी जे हमरा सँ विदा भ' गेल अछि आ हुनकर सभक आँखि सँ जे क अपन मूर्तिक पाछाँ वेश्यावृत्ति करैत छथि, आ ओ सभ अपन सभ घृणित काज मे कयल गेल दुष् टताक कारणेँ अपना केँ घृणा करत।”

होशे 5:5 इस्राएलक घमंड हुनकर मुँह पर गवाही दैत अछि, तेँ इस्राएल आ एप्रैम अपन अपराध मे खसि पड़त। यहूदा सेहो हुनका सभक संग खसि पड़त।

इस्राएल आरू यहूदा अपनऽ घमंड के कारण अपनऽ अधर्म में गिरी गेलऽ छै ।

1. घमंड के खतरा - होशे 5:5

2. अधर्मक परिणाम - होशे 5:5

1. नीतिवचन 16:18 - "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2. याकूब 4:6 - "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"
1863

होशे 5:6 ओ सभ अपन भेँड़ा आ भेँड़ाक संग प्रभु केँ ताकय लेल जायत। मुदा ओकरा सभ केँ नहि भेटतैक। ओ अपना केँ ओकरा सभ सँ हटि गेल अछि।

भगवान् अपना केँ ओहि लोक सँ दूर क' लेने छथि जे हुनका तकैत छथि।

1. भगवानक मौन: शोरगुल भरल दुनिया मे सुनब सीखब

2. प्रभुक निवृत्ति: जखन भगवान अनुपस्थित बुझाइत छथि

1. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। 7 दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. भजन 27:8 जखन अहाँ कहलियनि, “हमर मुँह ताकू, तखन हमर मोन अहाँ केँ कहलक जे, “हे प्रभु, हम अहाँक मुँह तकैत छी।”

होशे 5:7 ओ सभ परमेश् वरक संग धोखा केलक, किएक तँ ओ सभ परदेशी संतान पैदा केलक, आब एक मास ओकरा सभ केँ ओकर सभक भागक संग खा जायत।

परमेश् वरक लोक हुनका सँ मुँह घुमा कऽ झूठ मूर्तिक पालन कयलनि अछि, जकर परिणाम आध्यात्मिक विनाश भेल अछि।

1: भगवान् सँ मुँह मोड़ला सँ भयावह परिणाम होइत छैक।

2: हमरा सभकेँ परमेश् वरक प्रति वफादार रहबाक चाही, ओहो तखन जखन ई कठिन हो।

1: व्यवस्था 6:16 - "हँ, अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।"

2: रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

होसे 5:8 हे बिन्यामीन, अहाँक पाछाँ-पाछाँ बेथावेन मे जोर-जोर सँ चिचियाउ।

होशे इस्राएल के लोगऽ स॑ आह्वान करी रहलऽ छै कि वू पश्चाताप के अलार्म बजाबै ।

1. अलार्म बजाउ: पश्चाताप करू आ प्रभु लग वापस आबि जाउ

2. परमेश् वरक दयाक खोज: पश्चाताप करबाक आह्वान

1. योएल 2:1-2 - "सिय्योन मे तुरही बजाउ; हमर पवित्र पहाड़ पर अलार्म बजाउ। देश मे रहनिहार सभ काँपि जाय, कारण प्रभुक दिन आबि रहल अछि। नजदीक आबि गेल अछि"।

2. योना 3:4-5 - "जोनाह शहर मे जाय लागल, एक दिनक यात्रा करैत। आ ओ चिचिया उठलाह, तइयो चालीस दिन, आ निनवे केँ उखाड़ि देल जायत! आ निनवेक लोक सभ परमेश् वर पर विश्वास करैत छलाह। ओ सभ लेल आह्वान कयलनि। उपवास आ बोरा पहिरब, पैघ सँ छोटका धरि।

होशे 5:9 एप्रैम डाँटबाक दिन उजाड़ भ’ जायत, हम इस्राएलक गोत्र मे ओ बातक बारे मे बता देलहुँ जे निश्चित रूप सँ होयत।

एप्रैम केँ अपन पापक सजाय भेटतनि आ परमेश् वर अपन न् यायक घोषणा कएने छथि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रतिशोध आ न्यायक प्रतिज्ञा केँ नहि बिसरबाक चाही जे हुनका सँ भटकि गेल छथि।

2: हमरा सभ केँ सदिखन ई मोन राखय पड़त जे हमर सभक काजक परिणाम होइत अछि आ परमेश् वर हमरा सभक पापक न्याय करताह।

1: यशायाह 5:20-23 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2: रोमियो 2:4-5 - की अहाँ ओकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी। ई नहि जानि जे परमेश् वरक भलाई अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाइत अछि?

होशे 5:10 यहूदाक राजकुमार सभ ओहि सभ जकाँ छलाह जे बान्हल लोक केँ हटा दैत छथि, तेँ हम हुनका सभ पर अपन क्रोध पानि जकाँ उझलि देबनि।

यहूदा के राजकुमार सिनी के व्यवहार वू लोगऽ के तरह छै जे सीमा के अनदेखी करै छै, ई लेली परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ अपनऽ क्रोध के सजा दै छै।

1. भगवान न्यायी छथि आ हुनकर क्रोध वास्तविक छथि

2. परमेश् वरक सीमाक पालन करू आ हुनकर मानकक आदर करू

1. मत्ती 7:13-14 - संकीर्ण फाटक सँ प्रवेश करू; कारण, फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि जे विनाश दिस जाइत अछि, आ ओहि मे सँ बहुतो लोक प्रवेश करैत अछि।

14 किएक तँ जीवन दिस जायबला फाटक छोट आ बाट संकीर्ण अछि, आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।

2. रोमियो 12:18 - जँ संभव हो, जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, सभ लोकक संग शांति मे रहू।

होशे 5:11 एप्रैम न्याय मे दबल आ टूटल जाइत अछि, कारण ओ स्वेच्छा सँ आज्ञाक पालन करैत छल।

एफ्राइम परमेश् वरक आज्ञाक स्वेच्छा सँ पालन करबाक कारणेँ अत्याचार आ न्याय कयल गेल अछि।

1. "आज्ञापालन के शक्ति"।

2. "अधीनता के आशीर्वाद"।

1. मत्ती 11:29 हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, कारण हम हृदय मे कोमल आ विनम्र छी, आ अहाँ सभ केँ अपन प्राणक लेल विश्राम भेटत।

2. नीतिवचन 19:16 जे केओ आज्ञाक पालन करैत अछि से अपन जीवनक पालन करैत अछि, मुदा जे हुनकर बाट पर तिरस्कार करैत अछि से मरत।

होसे 5:12 तेँ हम एफ्राइमक लेल पतंग जकाँ रहब आ यहूदाक घरक लेल सड़ल-गलल जकाँ।

परमेश् वर एप्रैम आ यहूदा केँ ओकर पापक सजाय देतैक, ओकरा सभ केँ धूरा आ सड़न मे बदलि देतैक।

1. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति: पापक परिणाम केँ बुझब

2. पाप सँ मुड़ब: भगवान् सँ अपन संबंध कोना बहाल कयल जाय

1. मत्ती 12:34-37 "किएक तँ हृदयक प्रचुरता सँ मुँह बजैत अछि। नीक लोक अपन नीक धन सँ नीक निकालैत अछि, आ अधलाह अपन अधलाह धन सँ अधलाह निकालैत अछि। हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, न्यायक दिन लोक सभ लापरवाह बजबाक हरेक बातक हिसाब देत, किएक तँ अहाँक वचन सँ अहाँ धर्मी ठहराओल जायत आ अहाँक वचन सँ अहाँ केँ दोषी ठहराओल जायत।

2. याकूब 4:7-10 तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। दयनीय रहू आ शोक करू आ कानू। अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द उदासी मे बदलि जाय। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तँ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

होशे 5:13 जखन एप्रैम हुनकर बीमारी देखलनि आ यहूदा हुनकर घाव देखलनि, तखन एप्रैम अश्शूर मे गेलाह आ राजा यारेब लग पठौलनि।

एप्रैम आ यहूदा अपन बीमारी आ घाव केँ चिन्हैत अछि, तेँ एफ्राइम अश्शूरक राजा यारेब सँ मददि लैत अछि, मुदा राजा ओकरा सभ केँ ठीक नहि क’ सकैत अछि।

1. भगवान् हमर एकमात्र सच्चा चिकित्सक छथि

2. गलत स्रोत स मदद लेला स निराशा होइत अछि

1. यशायाह 53:5 - "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह; जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सभ सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

2. मत्ती 9:12-13 - "ई बात सुनि यीशु कहलनि, 'स्वस्थ लोक केँ डाक्टरक आवश्यकता नहि, बल्कि बीमार केँ। मुदा जाउ आ सीखू जे एकर मतलब की अछि: 'हम दया चाहैत छी, बलिदान नहि।' हम धर्मी केँ नहि बल् कि पापी सभ केँ बजबय लेल आयल छी।'

होसे 5:14 हम एफ्राइमक लेल सिंह जकाँ रहब आ यहूदाक घरक लेल सिंहक बच्चा जकाँ रहब। हम लऽ जायब, आ कियो ओकरा नहि बचाओत।

होशे परमेश् वर के लोग सिनी कॅ ओकरो आज्ञा नै मानै के बारे में चेताबै छै आरू ओकरा सिनी कॅ सामने आबै वाला परिणाम के बारे में चेताबै छै।

1: हमरा सभकेँ भगवानक आज्ञाकारी रहबाक चाही, नहि तँ ओ हमरा सभकेँ नोचि लेताह आ कियो हमरा सभकेँ नहि बचा सकैत अछि।

2: भगवान् शक्तिशाली छथि आ जँ हुनकर आज्ञाक अवहेलना करब तँ हमरा सभकेँ नोचबाक क्षमता रखैत छथि।

1: व्यवस्था 28:15-20 परमेश् वर अपन लोक सभ केँ ओहि गारि सभक चेतावनी दैत छथि जे जँ ओ सभ हुनकर आज्ञा नहि मानताह तँ हुनका सभ केँ सामना करय पड़तनि।

2: यिर्मयाह 17:5-10 परमेश् वर अपन लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे हुनका पर नहि, अपना पर भरोसा करबाक परिणाम की होयत।

होशे 5:15 हम जाबत धरि ओ सभ अपन अपराध केँ स्वीकार नहि क’ लेत आ हमर मुँह ताकत, हम जाबत धरि जाबत धरि अपन जगह पर घुरि जायब।

भगवान् ताबत धरि इंतजार करत जाबत धरि लोक अपन गलत काज केँ स्वीकार नहि करत आ अपन संकट मे हुनका ताकत।

1. पश्चाताप के शक्ति: अपन संकट में भगवान के खोज करब कियैक आवश्यक अछि

2. परमेश् वरक दया आ धैर्य: होशे 5:15 सँ सीखब

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

1866

2. इजकिएल 33:11 - हुनका सभ केँ कहू जे, “जखन हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट छोड़ि कऽ जीवित रहय। पाछू घुमि कऽ अपन अधलाह बाट छोड़ि दियौक, हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब?

होशे अध्याय 6 पश्चाताप के आह्वान आरू सतही धार्मिक संस्कार के बजाय परमेश्वर के वास्तविक प्रेम आरू ज्ञान के इच्छा के विषय के चित्रण करै छै। अध्याय में जनता के अस्थायी पछतावा के विपरीत परिवर्तन के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता के कमी के साथ करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत लोगऽ के प्रभु के पास वापस आबै के इच्छा व्यक्त करै स॑ होय छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ कि हुनी ओकरा घायल करी देल॑ छै आरू ओकरा ठीक करी देतै । ओ सभ हुनका तकबाक आ हुनकर धार्मिकता केँ स्वीकार करबाक अपन इरादाक घोषणा करैत छथि (होशे 6:1-3)।

2nd पैराग्राफ: भगवान हुनकर अस्थायी पछतावा के प्रतिक्रिया दैत छथि, हुनकर असंगति आ वास्तविक प्रतिबद्धता के कमी के उजागर करैत छथि | ओ हुनका लोकनिक निष्ठा के तुलना भोर के क्षणभंगुर धुंध स करैत छथि आ धार्मिक बलिदान स बेसी हुनका प्रति अडिग प्रेम आ ज्ञान के इच्छा पर जोर दैत छथि (होशे 6:4-6)।

तेसर पैराग्राफ: परमेश् वर लोक सभ पर आरोप लगबैत छथि जे ओ आदम जकाँ वाचा के उल्लंघन करैत छथि आ हुनका संग विश्वास तोड़ि रहल छथि। ओ हुनका लोकनिक अविश्वास, छल आ हिंसाक वर्णन करैत छथि | एकरऽ परिणाम ई छै कि ओकरा सिनी पर न्याय आबै वाला छै (होशे 6:7-10)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन होमबलि के बजाय भगवान के दया आ हुनकर ज्ञान के इच्छा के याद दिलाबैत अछि | ओ लोक सभ केँ हुनका लग वापस आबय लेल बजबैत छथि आ बहाली आ पुनरुद्धारक वादा करैत छथि जँ ओ सभ सच मे हुनका ईमानदारी आ प्रतिबद्धताक संग तकैत छथि (होशे 6:11)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 6 मे पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान के चित्रण कयल गेल अछि
आरू परमेश् वर के वास्तविक प्रेम आरू ज्ञान के इच्छा पर जोर दै छै
सतही धार्मिक संस्कार के बजाय।

प्रभु के पास वापस आबै के इच्छा व्यक्त करै वाला लोग, हुनकऽ घाव के स्वीकार करी क॑ हुनकऽ खोज करी रहलऽ छै ।
भगवान् हुनकर अस्थायी पछतावा आ वास्तविक प्रतिबद्धता के कमी के उजागर करैत।
भोरका क्षणभंगुर धुंधसँ हुनका लोकनिक निष्ठाक तुलना।
धार्मिक बलिदान स बेसी हुनका प्रति अडिग प्रेम आ ज्ञान के लेल भगवान के इच्छा।
वाचा के उल्लंघन आरू भगवान के साथ विश्वास तोड़ै के आरोप।
होमबलि के बजाय भगवान के दया आ ज्ञान के इच्छा के स्मरण।
ईमानदारी आरू बहाली आरू पुनरुद्धार के वादा के साथ परमेश्वर के पास वापस आबै के आह्वान।

होशे के ई अध्याय पश्चाताप के आह्वान के चित्रण करै छै आरू सतही धार्मिक संस्कार के बजाय परमेश्वर के वास्तविक प्रेम आरू ज्ञान के इच्छा के उजागर करै छै। लोक प्रभु के पास वापस आबै के इच्छा व्यक्त करै छै, ई स्वीकार करी क॑ कि हुनी ओकरा घायल करी देलकै आरू ओकरा ठीक करी देतै । लेकिन, भगवान हुनकऽ अस्थायी पछतावा के प्रतिक्रिया दै छै, ओकरऽ असंगति आरू वास्तविक प्रतिबद्धता के कमी पर जोर दै छै । ओ हुनका लोकनिक निष्ठा के तुलना क्षणभंगुर भोरका धुंध सँ करैत छथि आ धार्मिक बलिदान सँ बेसी हुनका प्रति अडिग प्रेम आ ज्ञानक इच्छा पर जोर दैत छथि | परमेश् वर लोक सभ पर आदम जकाँ वाचा के उल्लंघन करबाक आ हुनका संग विश्वास तोड़बाक आरोप लगबैत छथि। ओ हुनका लोकनिक अविश्वास, छल आ हिंसाक वर्णन करैत छथि, जकर परिणाम न्याय होयत। अध्याय के समापन होमबलि के बजाय परमेश् वर के दया आरू ज्ञान के इच्छा के याद दिलाबै के साथ होय छै। ओ लोक सभ केँ ईमानदारी सँ हुनका लग घुरबाक लेल बजबैत छथि आ जँ ओ सभ सही मे हुनका वास्तविक प्रतिबद्धताक संग तकैत छथि तँ बहाली आ पुनरुद्धारक वादा करैत छथि | ई अध्याय खाली धार्मिक प्रथा के बजाय सच्चा पश्चाताप, निश्छल प्रेम आरू परमेश्वर के ज्ञान के महत्व पर जोर दै छै।

होशे 6:1 आऊ, हम सभ प्रभु लग घुरि जाइ, किएक तँ ओ फाड़ि देलनि आ ओ हमरा सभ केँ ठीक करताह। ओ मारि देलक, आ हमरा सभ केँ बान्हि देत।”

1867

होशे प्रभु के पास वापसी के आह्वान करै छै, कैन्हेंकि वू ही हमरा सिनी कॅ ठीक करी कॅ बांधै सकै छै।

१: "प्रभु हमरा सभकेँ ठीक करैत छथि आ बान्हि दैत छथि"।

२: "प्रभु लग घुरि जाउ"।

1: यशायाह 53:5 "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ बेधल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह; जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सभ सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

2: याकूब 5:15-16 "विश् वास मे कयल गेल प्रार्थना बीमार केँ ठीक करत; प्रभु ओकरा सभ केँ जीबि लेताह। जँ ओ सभ पाप केने छथि तँ हुनका क्षमा कयल जायत। तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ प्रत्येकक लेल प्रार्थना करू।" दोसर ताकि अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

होशे 6:2 दू दिनक बाद ओ हमरा सभ केँ पुनर्जीवित करताह, तेसर दिन मे ओ हमरा सभ केँ जीबि लेताह आ हम सभ हुनकर नजरि मे जीवित रहब।

भगवान् तेसर दिन हमरा सभकेँ फेरसँ जीवित करथि आ हम सभ हुनकर सान्निध्यमे जीब।

1. तेसर दिनक पुनरुत्थानक शक्ति

2. भगवानक सान्निध्य मे रहबाक प्रतिज्ञा

1. यूहन्ना 11:25-26 यीशु ओकरा कहलथिन, “हम पुनरुत्थान आ जीवन छी।

2. रोमियो 6:4-5 तेँ हम सभ हुनका संग मृत् यु मे बपतिस् मा दऽ कऽ दफना गेल छी, जाहि सँ जहिना मसीह पिताक महिमा द्वारा मृत् यु मे सँ जीबि उठलाह, तहिना हम सभ सेहो नव जीवन मे चलब।

होशे 6:3 तखन हम सभ बुझब जे जँ हम सभ परमेश् वर केँ चिन्हब। ओ हमरा सभ लग बरखा जकाँ आओत, जेना बादक आ पूर्वक वर्षा पृथ्वी पर अबैत अछि।

प्रभु हमरा सभ लग भोर-साँझक बरखा जकाँ आबि जेताह जँ हम सभ हुनका चिन्हबाक प्रयास करब।

1. प्रभु के जानय लेल आगू बढ़ब

2. प्रभुक आशीर्वादक अनुभव करब

1. यिर्मयाह 29:10-13 किएक तँ प्रभु ई कहैत छथि जे बाबुल मे सत्तर वर्ष पूरा भेलाक बाद हम अहाँ सभक ओतय जायब आ अहाँ सभक प्रति अपन नीक वचन पूरा करब आ अहाँ सभ केँ एहि ठाम घुरि कऽ आनब। प्रभु कहैत छथि जे हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, अहाँ सभ केँ अधलाह नहि, बल्कि शान्तिक विचार। तखन अहाँ सभ हमरा पुकारब, आ अहाँ सभ जा कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँ सभक बात सुनब।” अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ मोन सँ हमरा खोजब।

2. याकूब 4:8 परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ, ओ अहाँ सभक नजदीक आओत। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। अहाँ सभ दोग-दोसर विचारक लोक सभ, अपन हृदय केँ शुद्ध करू।

होसे 6:4 हे एप्रैम, हम तोरा की करब? हे यहूदा, हम तोरा की करबौ? अहाँ सभक भलाई भोर मेघ जकाँ अछि आ भोरक ओस जकाँ चलि जाइत अछि।

होशे भविष्यवक्ता यहूदा आरू एफ्राइम पर ओकरोॅ अस्थायी भलाई के बारे में पूछताछ करै छै, कैन्हेंकि ई भोर के बादल या भोर के ओस के तरह क्षणभंगुर होय छै।

1. भलाई के क्षणभंगुर स्वभाव - होशे 6:4

2. हमरा सभसँ परमेश् वरक अपेक्षा - होशे 6:4

1. भजन 103:15-16 - मनुष्यक दिन घास जकाँ होइत छैक, खेतक फूल जकाँ फलैत-फूलैत अछि। किएक तँ हवा ओकरा ऊपरसँ गुजरैत अछि आ ओ चलि गेल अछि। ओकर स्थान आब ओकरा नहि चिन्हत।”

2. याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

होशे 6:5 तेँ हम हुनका सभ केँ भविष्यवक्ता सभक द्वारा काटि लेलहुँ। हम हुनका सभ केँ अपन मुँहक वचन सँ मारि देलियैक।

परमेश् वर अपन भविष्यवक्ता सभक उपयोग अपन न्याय अनबाक लेल करैत छथि आ हुनकर वचन एकटा इजोतक रूप मे अछि जे उद्धार अनैत अछि।

1. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

2. परमेश् वरक भविष्यवक्ता आ हुनकर न्याय

1. भजन 19:8 - प्रभुक नियम सही अछि, हृदय केँ आनन्दित करैत अछि; प्रभुक आज्ञा शुद्ध अछि, आँखि केँ प्रबुद्ध करैत अछि।

2. इब्रानी 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ सक्रिय अछि, कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि आ ओकर विचार आ अभिप्राय केँ बूझैत अछि हृदय के। आ कोनो प्राणी ओकर नजरि सँ नुकायल नहि अछि, मुदा सब नंगटे आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकर हिसाब हमरा सभ केँ देबय पड़त।

होशे 6:6 हम दया चाहैत छलहुँ, बलिदान नहि। होमबलि सँ बेसी परमेश् वरक ज्ञान।

होशे 6:6 हमरा सभ केँ सलाह दैत अछि जे होमबलि सँ बेसी दया आ परमेश्वरक ज्ञान केँ प्राथमिकता दियौक।

1. "दयाक शक्ति: होशे 6:6 केँ बुझब"।

2. "परमेश् वरक ज्ञानक खोज: होशे 6:6 पर एकटा चिंतन"।

1. मत्ती 9:13 - "मुदा अहाँ सभ जाउ आ सीखू जे एकर की अर्थ होइत छैक, हम दया करब, बलिदान नहि।"

2. कुलुस्सी 3:12-14 - "एहि लेल परमेश् वरक चुनल लोक, पवित्र आ प्रिय सभ जकाँ दया, दया, विनम्रता, नम्रता, धैर्यक आंत पहिरू। एक-दोसर केँ सहन करू आ जँ केओ एक-दोसर केँ क्षमा करू।" ककरो सँ झगड़ा करू, जेना मसीह अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि, तहिना अहाँ सभ सेहो करू।

होशे 6:7 मुदा ओ सभ मनुष् य जकाँ वाचाक उल्लंघन कयलक, ओतहि ओ सभ हमरा संग धोखा केलक।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के साथ आपनो वाचा तोड़ी कॅ हुनका विरुद्ध विश्वासघात के काम करलकै।

1. भगवान् के साथ वाचा तोड़ने के खतरा

2. भगवान् के विरुद्ध विश्वासघात के परिणाम

1. यशायाह 24:5 - पृथ्वी सेहो ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ’ गेल अछि। कारण, ओ सभ नियमक उल्लंघन कयलनि, नियम केँ बदलि देलनि, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलनि।

2. याकूब 2:10 - कारण जे केओ पूरा व्यवस्थाक पालन करैत अछि, मुदा एकहि बात मे अपराध करैत अछि, ओ सभ दोषी अछि।

1869

होशे 6:8 गिलिआद अधर्म करनिहार सभक शहर अछि, आ खून सँ दूषित अछि।

गिलिआद शहर गलत काज करय बला लोक सभ सँ भरल अछि आ खून-खराबा सँ दागदार अछि।

1. पापक परिणाम

2. पश्चाताप के माध्यम स नवीकरण के शक्ति

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, भले ओ किरमिजी जकाँ लाल हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

होशे 6:9 जेना डकैत सभक दल कोनो आदमीक प्रतीक्षा करैत अछि, तहिना पुरोहितक दल सहमति सँ बाट मे हत्या करैत अछि, कारण ओ सभ अश्लीलता करैत अछि।

पुरोहितक संगति सहमति सँ अश्लीलता आ हत्या करैत अछि ।

1. सहमति मे हत्याक अधर्म

2. अश्लीलताक परिणाम

1. निकासी 20:13 - "अहाँ हत्या नहि करू।"

2. रोमियो 1:24-31 - "परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन हृदयक इच्छा मे, अशुद्धि मे, अपन शरीरक अपमान करबाक लेल समर्पित क' देलनि।"

होशे 6:10 हम इस्राएलक घराना मे एकटा भयावह बात देखलहुँ, एप्रैमक वेश्यावृत्ति अछि, इस्राएल अशुद्ध अछि।

परमेश् वर इस्राएलक घराना मे एकटा पैघ बुराई देखने छथि, जे एप्रैमक वेश्यावृत्ति आ इस्राएल अशुद्ध अछि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. हमर पापक सोझाँ परमेश् वरक अटूट प्रेम

1. यिर्मयाह 2:20-25

2. इजकिएल 16:1-63

होसे 6:11 हे यहूदा, जखन हम अपन लोकक बंदी मे वापस आबि गेलहुँ तखन ओ अहाँक लेल फसल निर्धारित कयलनि।

परमेश् वर यहूदा के लेलऽ एक फसल के इंतजाम करलकै जबेॅ हुनी अपनऽ लोगऽ के बंदी में वापस आबी गेलै।

1. कैदक समय मे सेहो प्रबंध करबा मे भगवानक निष्ठा

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक महत्व

1. यशायाह 49:8-9 - प्रभु ई कहैत छथि, “हम अहाँ केँ स्वीकार्य समय मे सुनलहुँ, आ उद्धारक दिन मे हम अहाँक सहायता केलहुँ। पृथ्वी के स्थापित करय लेल, उजाड़ धरोहर के उत्तराधिकार देबय लेल;

2. यिर्मयाह 30:18 - प्रभु ई कहैत छथि; देखू, हम याकूबक डेराक बंदी सभ केँ फेर सँ आनि देब आ हुनकर निवास पर दया करब। नगर अपन ढेर पर बनत आ महल ओहिना रहत।

होशे अध्याय 7 इस्राएल के लोगऽ के बेवफाई आरू दुष्टता के उजागर करना जारी रखै छै। अध्याय में हुनकऽ धोखा, मूर्तिपूजा आरू पश्चाताप करै स॑ इनकार करै के बात पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, जेकरा स॑ अंततः हुनकऽ पतन होय जाय छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के पाप के बारे में परमेश् वर के विलाप स होय छै। ओ हुनका सभ पर आरोप लगाबैत छथि जे ओ छल-प्रपंच करैत छथि आ हुनका लग घुरबा सँ मना करैत छथि | हुनकऽ दिल दुष्टता स॑ भरलऽ छै, आरू राजा सहित हुनकऽ नेता झूठ आरू विश्वासघात म॑ लिप्त होय जाय छै (होशे ७:१-७)।

2nd Paragraph: लोकक मूर्तिपूजा उजागर होइत अछि जेना ओ भगवान पर भरोसा करबाक बदला विदेशी राष्ट्रक मददि लेल मुड़ैत छथि | आधा पकाएल केक जकाँ भ' गेल अछि, जकर निर्णय मे स्थिरता आ परिपक्वताक अभाव अछि । विदेशी शक्ति के साथ हुनकऽ गठबंधन हुनका सब के लाज आरू विनाश के कारण आबै वाला छै (होशे 7:8-12)।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू इस्राएल के बेवफाई के वर्णन के साथ छै। भगवान् केँ बिसरि गेल छथि आ बेमतलबक कबूतर जकाँ भ' गेल छथि, सहजहि धोखा खाइत छथि आ आन जाति दिस आकर्षित भ' जाइत छथि । ओ सभ मिस्र आ अश्शूर केँ मददि लेल पुकारैत छथि, मुदा अंततः हुनका सभ केँ सजा आ कैदक सामना करय पड़तनि (होशे 7:13-16)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 7 मे अविश्वास आ दुष्टता के उजागर कयल गेल अछि
इस्राएलक लोकक छल, मूर्तिपूजा केँ उजागर करैत,
आ पश्चाताप करबा स मना करब, जाहि स हुनकर पतन भ जाइत अछि।

इस्राएल के पाप पर परमेश् वर के विलाप, जेकरा में धोखा आरू हुनका पास वापस आबै सें मना करना शामिल छै।
जनता के हृदय में दुष्टता के आरोप आ अपन नेता के बीच झूठ आ विश्वासघात के आरोप।
जनताक मूर्तिपूजाक पर्दाफाश आ सहायताक लेल विदेशी राष्ट्र पर निर्भरता।
इजरायल केरऽ बेवफाई आरू धोखा आरू कैद के प्रति ओकरऽ कमजोरी के वर्णन ।
अपन कर्म के लेल दण्ड आ पतन के भविष्यवाणी।

होशे के ई अध्याय इस्राएल के लोगऽ के अविश्वास आरू दुष्टता के उजागर करै छै। परमेश् वर हुनका सभक पाप पर विलाप करैत छथि, हुनका सभ पर छल-प्रपंच करबाक आ हुनका लग वापस आबय सँ मना करबाक आरोप लगाबैत छथि। हुनका लोकनिक हृदय दुष्टता सँ भरल छनि आ राजा सहित हुनकर नेता लोकनि झूठ आ विश्वासघात मे लिप्त छथि | लोकक मूर्तिपूजा पर्दाफाश भ' जाइत छैक जखन ओ भगवान पर भरोसा करबाक बदला विदेशी राष्ट्रक मददि लेल जाइत छथि । आधा पकाएल केक जकाँ भ' गेल अछि, जकर निर्णय मे स्थिरता आ परिपक्वताक अभाव अछि । लेकिन विदेशी शक्ति के साथ हुनकऽ गठबंधन अंततः हुनका सब के लाज आरू विनाश के कारण बनतै । इस्राएल के बेवफाई के आरू वर्णन ऐन्हऽ छै कि वू परमेश्वर क॑ बिसरी क॑ एगो बेमतलब कबूतर के तरह बनी गेलऽ छै, जेकरा सहजता स॑ धोखा देलऽ जाय छै आरू दोसरऽ जाति के तरफ आकर्षित होय जाय छै । ओ सभ मिस्र आ अश्शूर केँ मददि लेल पुकारैत छथि, मुदा हुनका सभ केँ अपन काजक परिणामस्वरूप सजा आ कैदक सामना करय पड़तनि। ई अध्याय धोखा, मूर्तिपूजा आरू अविश्वास के परिणाम पर जोर दै छै, जे अंततः इस्राएल के पतन के तरफ ले जाय छै।

होशे 7:1 जखन हम इस्राएल केँ ठीक करऽ चाहैत छलहुँ तखन एफ्राइमक अधर्म आ सामरियाक दुष्टताक पता चलल, कारण ओ सभ झूठ बाजैत अछि। चोर भीतर आबि जाइत अछि आ डकैत सभक दल बाहर लूटैत अछि।

परमेश् वर इस्राएल केँ ठीक करबाक इरादा रखैत छलाह, मुदा एफ्राइम आ सामरियाक पाप प्रगट भेल, जेना ओ सभ झूठ बाजि रहल छलाह आ दोसर सँ चोरी करैत रहलाह।

1. यीशु टूटल मोन के ठीक करैत छथि: होशे 7:1 मे परमेश् वरक दया केँ बुझब

2. हम जे विश्वास करैत छी ताहि लेल कार्रवाई करब: होशे 7:1 के अनुसार धोखा आ डकैती पर काबू पाब

1. यिर्मयाह 29:11-14 - कारण हम जनैत छी जे हमर योजना अहाँ सभक लेल अछि, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

2. यशायाह 61:1-3 - ओ हमरा पठौने छथि जे हम टूटल-फूटल मोन केँ बान्हि दियौक, कैदी सभक लेल स्वतंत्रताक घोषणा करी आ कैदी सभक लेल अन्हार सँ मुक्ति देब।

होशे 7:2 ओ सभ अपन हृदय मे ई नहि सोचैत छथि जे हम हुनकर सभ दुष्टता केँ मोन पाड़ैत छी। ओ सभ हमर चेहराक सोझाँ अछि।

ओ सभ अपन दुष्टता आ ओकर परिणाम जे भगवान मोन पाड़ैत छथि, तकरा ध्यान मे नहि रखने छथि, आ आब ओ परिणाम फलित भ' गेल अछि।

1. भगवान सब स्मरण करैत छथि: दुष्टताक परिणाम

2. होशे सँ एकटा सीख: परमेश् वरक चेतावनी केँ अनदेखी करबाक परिणाम

1. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

2. इजकिएल 18:20 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

होशे 7:3 ओ सभ अपन दुष्टता सँ राजा केँ प्रसन्न करैत छथि, आ राजकुमार सभ केँ अपन झूठ सँ।

इस्राएल के लोग अपनऽ पापपूर्ण व्यवहार आरू झूठ स॑ राजा आरू राजकुमार सिनी क॑ खुश करी रहलऽ छै ।

1. पाप के खतरा: पाप जीवन के कोना नष्ट क दैत अछि आ हमर सोच के कोना टेढ़ क दैत अछि

2. सत्य मे चलब: जीवन मे जे सही अछि से करबाक महत्व

1. नीतिवचन 14:12: "एकटा बाट अछि जे सही बुझाइत अछि, मुदा अंत मे ओ मृत्यु दिस लऽ जाइत अछि।"

2. इफिसियों 4:15: "बल् कि प्रेम मे सत् य बाजब, हम सभ सभ बात मे ओहि मे बढ़ब, जे सिर छथि, अर्थात मसीह।"

होशे 7:4 ओ सभ व्यभिचारी छथि, जेना बेकर द्वारा गरम कएल गेल भंडार, जे आटा गूथलाक बाद ता धरि उठब छोड़ि दैत अछि, जाबत धरि ओ खमीर नहि भ’ जाइत अछि।

इस्राएल के लोग व्यभिचारी के तरह छै, जेना कि कोय बेकर छै, जे आटा के गूंधला के बाद ओवन के गरम करना बंद करी दै छै, जब तक कि ओकरा खमीर नै होय जाय छै।

1. अविश्वासी के प्रति परमेश् वर के प्रेम आ क्षमा

2. अनैतिक जीवन जीबाक खतरा

1. इजकिएल 16:15-59 - इस्राएल के अविश्वास

2. होशे 4:1-14 - इस्राएलक आध्यात्मिक व्यभिचार

होशे 7:5 हमरा सभक राजाक दिन मे राजकुमार सभ हुनका शराबक बोतल सँ बीमार क’ देलनि। ओ तिरस्कार करयवला लोकक संग हाथ पसारि लेलक।

राज्यक राजकुमार लोकनि राजा केँ बेसी मदिरा पीबि क' बीमार क' देने छथि, आ एहि लेल हुनकर मजाक उड़ौने छथि।
1. अति के खतरा: होशे 7:5 पर एकटा अध्ययन
2. घमंड आ ओकर परिणाम: होशे 7:5 पर एकटा चिंतन
1. नीतिवचन 23:29-35
2. भजन 10:12-18
होसे 7:6 किएक तँ ओ सभ अपन मोन केँ भंडार जकाँ तैयार कएने छथि, जखन ओ सभ प्रतीक्षा मे पड़ल रहैत छथि। भोरे-भोर ज्वालामुखी आगि जकाँ जरि जाइत अछि।
ई श्लोक इस्राएल के लोगऽ के बारे में बात करै छै जे आध्यात्मिक आरू नैतिक रूप सें उदासीन छै, जेना कि एगो ओवन हमेशा तैयार रहै छै आरू भोर में भी जरै छै।
1. आध्यात्मिक उदासीनता स कोना बचल जाय आ आध्यात्मिक रूप स सतर्क रहब।
2. नैतिक उदासीनताक खतरा आ ओकर परिणाम।
1. रोमियो 12:11 - "उत्साह मे आलसी नहि बनू, आत् मा मे उग्र रहू, प्रभुक सेवा करू।"
2. भजन 119:60 - "हम अहाँक आज्ञाक पालन करबा मे जल्दी-जल्दी केलहुँ आ देरी नहि केलहुँ।" होशे 7:7 ओ सभ भोज जकाँ गरम अछि आ अपन न्यायाधीश सभ केँ खा गेल अछि। ओकर सभ राजा पतित भऽ गेल अछि।
इस्राएलक लोक सभ अपन विश् वास आ न्याय केँ छोड़ि देलक आ ओकर सभ राजा पतित भऽ गेल। आब भगवान् केँ नहि पुकारैत छथि।
1. धर्मत्यागक खतरा: इस्राएलक लोक सभसँ सीखब
2. विश्वासक शक्ति आ आवश्यकता: भगवान् दिस वापस घुमब
1. यिर्मयाह 2:13 - "हमर लोक दूटा अधलाह केलक अछि; ओ सभ हमरा जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ कुंड, टूटल-फूटल कुंड सभ केँ काटि देलक, जे पानि नहि राखि सकैत अछि।"
2. भजन 50:15 - "आ विपत्तिक दिन हमरा पुकारब, हम अहाँ केँ बचा लेब, आ अहाँ हमर महिमा करब।" होशे 7:8 एप्रैम, ओ लोकक बीच अपना केँ मिला लेलक। एफ्राइम एकटा केक अछि जे घुमल नहि अछि। एफ्राइम लोकक हिस्सा बनि गेल अछि आ परमेश् वरक पूरा अधीन नहि अछि।
1. भगवान् स विचलित हेबाक खतरा
2. आज्ञा नहि मानबाक लागत
1. यिर्मयाह 17:9 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?
2. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”
होशे 7:9 परदेशी सभ हुनकर शक्ति केँ खा गेलनि, मुदा ओ एकरा नहि जनैत छथि, हँ, हुनका पर एम्हर-ओम्हर धूसर केश अछि, मुदा ओ नहि जनैत छथि।

होशे 7:9 मे देल गेल व्यक्तिक फायदा अनजान लोक सभ उठौने अछि आ ओ अनभिज्ञ अछि, भले ओ उम्र बढ़ि रहल अछि।

1. अज्ञानता सदिखन आनंद नहि होइत छैक: होशे 7:9 केर परीक्षा

2. धारणा के शक्ति: होशे 7:9 के माध्यम स अपन जीवन पर नियंत्रण करब

1. नीतिवचन 1:7 - प्रभुक भय ज्ञानक प्रारंभ होइत अछि, मुदा मूर्ख बुद्धि आ शिक्षा केँ तिरस्कार करैत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 15:34 - धार्मिकताक लेल जागू, आ पाप नहि करू। किएक तँ किछु गोटे केँ परमेश् वरक ज्ञान नहि छनि।

होशे 7:10 इस्राएलक घमंड हुनकर मुँह पर गवाही दैत अछि, आ ओ सभ अपन परमेश् वर यहोवा लग नहि घुरैत अछि आ ने हुनका तकैत अछि।

इस्राएल के घमंड परमेश् वर के चेहरा के गवाही छेलै, कैन्हेंकि वू ओकरा पास नै घुरलै आरू नै ओकरा खोजै छेलै।

1: घमंड हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम आ कृपाक खोज करबा सँ आन्हर क' सकैत अछि।

2: जखन हम सभ भगवान् सँ मुँह घुमा लैत छी तखन हुनकर कृपाक अनुभव नहि क' सकैत छी।

1: याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत छथि: भगवान् घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि |

2: यिर्मयाह 29:13 अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।

होशे 7:11 एप्रैम सेहो एकटा मूर्ख कबूतर जकाँ अछि, जकरा ओ सभ मिस्र केँ आवाज दैत अछि, ओ सभ अश्शूर जाइत अछि।

होशे इस्राएली सिनी के आलोचना करी रहलऽ छै कि हुनी परमेश् वर के प्रति निष्ठा आरू वफादारी के कमी छै, बल्कि मदद लेली विदेशी राष्ट्रऽ के तरफ मुड़ै छै ।

1. अपना केँ दुनियाँ सँ प्रभावित होमय देबाक खतरा

2. भगवान् के प्रति निष्ठा आ निष्ठा के महत्व

1. मत्ती 6:24 - "कोनो दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, किएक त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, नहि त' एक केँ पकड़ि क' दोसर केँ तिरस्कार करत।"

2. यिर्मयाह 17:5-8 - "परमेश् वर ई कहैत छथि, जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि, आ जकर हृदय परमेश् वर सँ हटि जाइत अछि, ओ अभिशप्त होयत जखन नीक आओत तखन नहि देखत, बल् कि मरुभूमि मे, नमकीन देश मे, जकरा मे आब लोक नहि रहैत अछि, ओ सुखल स्थान पर रहत।धन्य अछि ओ आदमी जे परमेश् वर पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा परमेश् वर अछि पानिक कात मे, आ जे नदीक कात मे अपन जड़ि पसरल अछि, तखन नहि देखत जखन गर्मी आबि जायत, मुदा ओकर पात हरियर भ' जायत, आ रौदीक वर्ष मे सावधान नहि रहत आ ने फल देब छोड़त।"

होशे 7:12 जखन ओ सभ जेताह तखन हम हुनका सभ पर अपन जाल पसारि देब। हम ओकरा सभ केँ स्वर्गक चिड़ै जकाँ उतारब। हम ओकरा सभ केँ डाँटब, जेना ओकर सभक मंडली सुनने अछि।”

जे हुनकर इच्छाक पालन नहि करैत छथि हुनका परमेश् वर दंडित करताह।

1: परमेश् वरक बाटसँ नहि भटकि जाउ, किएक तँ ओ अहाँ सभ पर न् याय आनताह।

2: परमेश् वरक मार्गदर्शन केँ अहाँक नेतृत्व करबाक अनुमति देला सँ अहाँ केँ शांति आ समृद्धि भेटत।

1: नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2: भजन 119:105 "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।"

होशे 7:13 हुनका सभ पर धिक्कार! किएक तँ ओ सभ हमरासँ भागि गेल अछि। किएक तँ ओ सभ हमरा विरुद्ध अपराध कयलनि।

होशेक लोक परमेश् वर सँ मुड़ि गेल अछि आ हुनकर मोक्षक बादो हुनका विरुद्ध झूठ बाजल अछि।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. भगवान् के प्रति वफादार रहबाक महत्व

1. यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग कऽ देलक अछि। तोहर पाप ओकर मुँह तोरा सँ नुका देने छैक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

2. याकूब 4:7-10 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। दयनीय रहू आ शोक करू आ कानू। अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द उदासी मे बदलि जाय। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तँ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

होशे 7:14 ओ सभ अपन बिछौन पर कूदैत काल हमरा मोन सँ नहि पुकारलनि।

लोक अपन हृदय सँ भगवान् केँ नहि बजा रहल अछि, बल्कि भौतिक भोगक लेल जमा भ' रहल अछि आ हुनका विरुद्ध विद्रोह क' रहल अछि।

1. भौतिक सुख पर भरोसा करबाक खतरा - होशे 7:14

2. अपन हृदय सँ परमेश् वर सँ पुकारबाक शक्ति - होशे 7:14

1. व्यवस्था 8:17-18 आ सावधान रहू जे अहाँ अपन मोन मे ई नहि कहब जे हमर सामर्थ्य आ हमर हाथक पराक्रम हमरा ई धन भेटल अछि। अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन प्राप्त करबाक सामर्थ् य दैत छथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ जे शपथ केने छलाह, तकरा अपन वाचा केँ पुष्ट करथि, जेना आइ अछि।

2. भजन 62:8 हे लोक सभ, हुनका पर सदिखन भरोसा करू। हुनका सामने अपन मोन उझलि दियौक। भगवान् हमरा सभक लेल शरण छथि। सेलाह

होशे 7:15 हम हुनका सभक बाँहि बान्हि कऽ मजबूत केने छी, मुदा ओ सभ हमरा विरुद्ध दुष्टताक कल्पना करैत छथि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर द्वारा बान्हल आरो मजबूती देलऽ गेलऽ छेलै, तभियो भी वू ओकरा खिलाफ विद्रोह करी रहलऽ छेलै।

1. भगवानक ताकत बेजोड़ अछि: एकर उपयोग कोना करबाक चाही

2. विद्रोहक खतरा: एकरासँ कोना बचि सकैत छी

1. रोमियो 6:12-14 - पाप केँ अपन नश्वर शरीर मे राज नहि करबाक चाही जाहि सँ अहाँ ओकर दुष्ट इच्छाक पालन करब। अपन कोनो हिस्सा केँ पाप मे दुष्टताक साधन नहि बनाउ, बल्कि अपना केँ परमेश् वरक समक्ष ओहि लोकक रूप मे अर्पित करू जे मृत् यु सँ जीवित भऽ गेल छथि। आ अपन एक-एकटा अंग ओकरा धर्मक साधन बनि चढ़ा दियौक।
1875

2. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीतक बदला मे राखैत अछि। धिक्कार अछि जे अपन नजरि मे बुद्धिमान आ अपन नजरि मे चतुर अछि।

होशे 7:16 ओ सभ घुरैत अछि, मुदा परमात्मा दिस नहि, ओ सभ छल-प्रपंचक धनुष जकाँ अछि, ओकर सभक मुखिया सभ ओकर जीहक क्रोधक कारणेँ तलवार सँ खसि पड़तैक, मिस्र देश मे ओकर सभक उपहास ई होयत।

परमेश् वरक लोक हुनका सँ मुँह मोड़ब आ ओकर बदला मे छल आ क्रोध मे रहब पसिन केने छथि।

1: परमेश् वर सँ मुँह मोड़ब - होशे 7:16

2: छल आ क्रोध मे जीबाक परिणाम - होशे 7:16

1: यिर्मयाह 2:13 - हमर लोक दू टा पाप केलक अछि: ओ सभ हमरा, जीवित पानिक झरना केँ छोड़ि देलक, आ ओ सभ अपन कुंड खोदलक, टूटल कुंड जे पानि नहि राखि सकैत अछि।

2: यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग कऽ देलक अछि। तोहर पाप ओकर मुँह तोरा सँ नुका देने छैक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

होशे अध्याय 8 इस्राएल के लोगऽ के बेवफाई के बारे में जारी रखै छै आरू ओकरा सिनी के काम के आसन्न परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै। अध्याय हुनकऽ मूर्तिपूजा, झूठा आराधना आरू सुरक्षा लेली विदेशी राष्ट्रऽ प॑ हुनकऽ भरोसा पर केंद्रित छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के सामने परमेश्वर के घोषणा स॑ होय छै, जेकरा म॑ हुनकऽ वाचा के उल्लंघन आरू एकरऽ परिणामस्वरूप हुनका सामने आबै वाला परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर हुनका सभ पर आरोप लगबैत छथि जे ओ अपन सहमति के बिना राजा आ राजकुमार के स्थापना करैत छथि आ अपना लेल मूर्ति बनबैत छथि (होशे 8:1-4)।

2nd Paragraph: भगवान् हुनकर पूजा आ बलिदान के अस्वीकार करैत छथि, ई कहैत जे हुनका पर अनुग्रह नहि भेटतनि। ओ हुनका सभ केँ बेथेल मे बनौने बछड़ा मोन पाड़ैत छथि, जे हुनका सभक वेदी सभक संग नष्ट भ' जायत। हुनका सब के अपन मूर्तिपूजा के लेल निर्वासन आ सजा के सामना करय पड़तनि (होशे 8:5-10)।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू इस्राएल के परमेश् वर के विरुद्ध विद्रोह के वर्णन के साथ जारी छै। अपन निर्माता बिसरि महल बनौने छथि, मुदा चिड़ै जकाँ बहल जेताह। ओ सभ हवाक बोन करत आ बवंडर केँ काटि लेत, विनाश आ कैदक अनुभव करत (होशे 8:11-14)।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन इजरायल के लगातार अवज्ञा आरू सुरक्षा के लेलऽ विदेशी राष्ट्रऽ प॑ ओकरऽ निर्भरता के चिंतन के साथ होय छै । ओ सभ अश्शूरक संग गठबंधन केने छथि मुदा अंततः हुनका सभ केँ न्यायक सामना करय पड़तनि आ बंदी बनाओल जायत (होशे 8:15)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 8 इस्राएलक लोकक अविश्वास केँ संबोधित करैत अछि,
अपन मूर्तिपूजा आ मिथ्या आराधना के परिणाम के बारे में चेतावनी दैत।
संगहि सुरक्षाक लेल विदेशी राष्ट्र पर निर्भरता सेहो।

वाचा के उल्लंघन आ मूर्ति बनेबाक आरोप।
हुनका लोकनिक पूजा आ बलिदानक अस्वीकार।
बेथेल मे बछड़ा के विनाश आ ओकर मूर्तिपूजा के सजा।
इस्राएल के विद्रोह आरू परमेश्वर के बिसरला के वर्णन।
निर्वासन आ विनाशक भविष्यवाणी।
हुनका लोकनिक लगातार अवज्ञा आ विदेशी राष्ट्र पर निर्भरता पर चिंतन ।
न्याय आ बंदी के चेतावनी।

होशे केरऽ ई अध्याय इस्राएल केरऽ लोगऽ के बेवफाई के बारे में बताबै छै आरू ओकरा सिनी क॑ ओकरऽ मूर्तिपूजा, झूठा आराधना आरू सुरक्षा लेली विदेशी राष्ट्रऽ प॑ भरोसा करै के परिणाम

के बारे म॑ चेतावनी दै छै । भगवान् हुनका सिनी के वाचा के उल्लंघन के घोषणा करै छै आरू हुनका सिनी पर आरोप लगाबै छै कि हुनी बिना हुनकऽ सहमति के राजा के स्थापना करी क॑ मूर्ति बनाबै छै । ओ हुनका लोकनिक पूजा आ बलिदान केँ अस्वीकार करैत छथि, ई कहैत जे हुनका लोकनि केँ हुनकर अनुग्रह नहि भेटतनि | बेथेल मे जे बछड़ा बनौलनि से ओकर वेदी सभक संग नष्ट भ’ जायत। हुनका लोकनि केँ अपन मूर्तिपूजक प्रथाक लेल निर्वासन आ दंडक सामना करय पड़तनि। इस्राएल के परमेश् वर के खिलाफ विद्रोह के वर्णन ऐन्हऽ छै कि वू अपनऽ निर्माता क॑ बिसरी क॑ महल बनैलकै, लेकिन ओकरा चिड़िया के तरह बहाय देलऽ जैतै । ओ सभ हवाक बोइर करत आ बवंडर केँ काटि लेत, विनाश आ कैदक अनुभव करत। अध्याय के समापन इजरायल केरऽ लगातार अवज्ञा आरू सुरक्षा लेली विदेशी राष्ट्रऽ प॑ ओकरऽ निर्भरता के चिंतन स॑ होय छै । हालांकि अश्शूर के साथ गठबंधन करी चुकलऽ छै, लेकिन अंततः ओकरा सिनी क॑ न्याय के सामना करना पड़ी जैतै आरू ओकरा बंदी बना लेलऽ जैतै । ई अध्याय मूर्तिपूजा, झूठा पूजा आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम के साथ-साथ आसन्न न्याय आरू कैद के चेतावनी पर भी जोर दै छै।

होशे 8:1 तुरही मुँह पर राखू। ओ गरुड़ जकाँ परमेश् वरक घरक विरुद्ध आओत, किएक तँ ओ सभ हमर वाचाक उल्लंघन केलक आ हमर नियमक उल्लंघन केलक।

प्रभु ओहि सभक विरुद्ध न्यायक संग आबि जेताह जे हुनकर वाचा आ व्यवस्था केँ तोड़ने छथि।

1. परमेश् वरक नियमक अवहेलना करबाक परिणाम

2. परमेश् वरक न्यायक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 5:20 - "धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि; जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि; जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत केँ बदलि दैत अछि!"

2. भजन 119:37 - "हमर आँखि केँ आडंबर देखबा सँ दूर करू; आ अहाँ हमरा अपन बाट मे जीवित करू।"

होशे 8:2 इस्राएल हमरा पुकारत, “हे परमेश् वर, हम सभ अहाँ केँ चिन्हैत छी।”

इस्राएल परमेश् वर के सामने पुकार रहल छेलै, ओकरा अपनऽ प्रभु आरू उद्धारकर्ता के रूप में पहचानी रहलऽ छेलै आरू स्वीकार करी रहलऽ छेलै।

1. प्रभु मे विश्वास के पुनः पुष्टि करब: सर्वशक्तिमान के शक्ति के पहचान करब।

2. आध्यात्मिक नवीकरणक असली ताकत: आवश्यकताक समय मे प्रभुक खोज।

1. भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान आ किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर, हमर चट्टान, जिनका हम शरण मे छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़।

2. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ आ ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, अहाँ दोहरी विचारधारा।

होशे 8:3 इस्राएल नीक चीज केँ फेकि देलक, दुश्मन ओकर पाछाँ लागि जायत।

इजरायल नीक के खारिज क देलक अछि आ दुश्मन ओकर पीछा करत।

1. परमेश् वरक भलाई केँ अस्वीकार करबाक परिणाम होइत अछि

2. जे नीक अछि ताहि सँ मुँह नहि घुमाउ

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. मत्ती 6:24 - "केओ दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि, किएक त' या त' ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, वा एक मे समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत। अहाँ परमेश् वर आ पाइक सेवा नहि क' सकैत छी।"

होशे 8:4 ओ सभ राजा बनौलनि, मुदा हमरा द्वारा नहि, ओ सभ राजकुमार बनौलनि, आ हम ई नहि जनैत छलहुँ।

इस्राएलक लोक सभ अपन-अपन राजा आ राजकुमार सभ ठाढ़ कएने अछि आ अपन चानी आ सोना सँ मूर्ति बनौने अछि, जखन कि परमेश् वर केँ ई बात नहि बुझल छलनि।

1. परमेश् वरक संप्रभुता: हमरा सभक जीवन आ निर्णय मे परमेश् वरक अधिकार केँ स्वीकार करब।

2. मूर्तिपूजाक खतरा: मूर्तिक पूजाक परिणाम केँ चिन्हब।

1. यशायाह 33:22 - कारण, यहोवा हमर सभक न्यायाधीश छथि, प्रभु हमर सभक नियम देनिहार छथि, प्रभु हमर सभक राजा छथि। ओ हमरा सभकेँ बचाओत।

2. व्यवस्था 7:25 - हुनका सभक देवता सभक उकेरल मूर्ति सभ केँ आगि मे जरा दियौक, ओकरा सभ पर जे चानी वा सोना अछि तकरा अहाँ सभ केँ नहि चाहब आ ने ओकरा अपना हाथ मे लऽ लिअ, जाहि सँ अहाँ ओहि मे फँसि नहि जायब, किएक तँ ई घृणित बात अछि तोहर परमेश् वर यहोवा।

होशे 8:5 हे सामरिया, तोहर बछड़ा तोरा फेकि देलक। हमर क्रोध हुनका सभ पर प्रज्वलित अछि: ओ सभ निर्दोषता प्राप्त करबा सँ पहिने कतेक दिन चलत?

सामरिया परमेश् वर आ हुनकर बाट केँ अस्वीकार कऽ देने अछि, आ परमेश् वर एहि बातक लेल हुनका सभ पर क्रोधित छथि।

1. पापक परिणाम होइत छैक, आ हमरा सभ केँ शुद्धता आ निर्दोषताक लेल प्रयास करबाक चाही।

2. परमेश् वरक संग हमर सभक संबंध हमरा सभक जीवनक लेल आवश्यक अछि, आ हमरा सभ केँ हुनका सँ मुँह नहि घुमबाक चाही।

1. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश्वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

होशे 8:6 किएक तँ ई इस्राएल सँ सेहो आयल छल। तेँ ई परमेश् वर नहि छथि, बल् कि सामरियाक बछड़ा टूटि जायत।

सामरियाक बछड़ा परमेश् वर नहि, इस्राएली सभ बनौने छल, आ ओ नष्ट भऽ जायत।

1. भगवान् एकमात्र सृष्टिकर्ता छथि; मानव सृष्टि लौकिक आ अस्थिर होइत अछि

2. मानव सृष्टि पर भरोसा नहि करू; असगर भगवान् पर भरोसा करू

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. रोमियो 1:22-23 - अपना केँ बुद्धिमान कहैत मूर्ख बनि गेल, आ अविनाशी परमेश् वरक महिमा केँ नाशवान मनुष्य, चिड़ै-चुनमुनी, चारि पैरक जानवर आ रेंगैत वस्तुक प्रतिरूप मे बदलि देलक।

होशे 8:7 किएक तँ ओ सभ हवाक बोरि कएने अछि, आ ओ सभ बवंडर केँ काटि लेत, एकर कोनो डंठल नहि अछि, कली सँ भोजन नहि होयत, जँ उपज होयत तँ परदेशी सभ ओकरा निगल जायत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ चेतावनी देने छथि जे जँ हम सभ अपन दुष्टता सँ नहि मुँह फेरब तँ हमर सभक काजक परिणाम गंभीर होयत।

1: बोवाई आ कटनी - हमरा सब के अपन पसंद के परिणाम के लेल तैयार रहय पड़त

2: जे बोबैत छी से काटि लिअ - हम अपन कर्म के परिणाम स नहि बचि सकैत छी

1: गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोनत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर मे सँ विनाश काटि लेत। मुदा जे आत् माक लेल बोनि लेत से आत् मा सँ अनन् त जीवन काटि लेत।

2: नीतिवचन 11:18 - दुष्ट छलक काज करैत अछि, मुदा जे धार्मिकताक बोन करैत अछि, ओकरा लेल निश्चित फल भेटत।

होशे 8:8 इस्राएल निगल गेल अछि, आब ओ सभ गैर-यहूदी सभक बीच ओहि बर्तन जकाँ रहत जाहि मे कोनो सुख नहि।

इजरायल निगल गेल अछि आ राष्ट्र सभक बीच कोनो सुखक पात्र बनि गेल अछि।

1. भगवान् केँ की प्रसन्न करैत अछि: हम सभ कोना आनन्द आ उद्देश्यक जीवन जीबि सकैत छी

2. जखन हम सभ परमेश् वर पर नजरि हटा दैत छी: इस्राएलक उदाहरण सँ सीखब

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ।

2. यिर्मयाह 18:1-12 - कुम्हार आ माटि।

होशे 8:9 किएक तँ ओ सभ असगर जंगली गदहा अश्शूर चलि गेल अछि।

एफ्राइम परमेश् वर पर भरोसा करबाक बदला विदेशी सहयोगी सभक खोज केलक अछि।

1. अविश्वास के बीच भगवान के निष्ठा

2. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

1. होशे 11:8-9 - "हे एप्रैम, हम अहाँ केँ कोना छोड़ि सकैत छी? हे इस्राएल, हम अहाँ केँ कोना सौंपब? हम अहाँ केँ अदमा जकाँ कोना बना सकब? हम अहाँ केँ जबोयम जकाँ कोना व्यवहार करब? हमर हृदय भीतर सँ पाछू हटि जाइत अछि।" हमरा;हमर करुणा गर्म आ कोमल भ' जाइत अछि।

2. यशायाह 30:1-2 - आह, जिद्दी बच्चा सभ, प्रभु कहैत छथि, जे एकटा योजना केँ पूरा करैत छथि, मुदा हमर नहि, आ जे गठबंधन करैत छथि, मुदा हमर आत्मा सँ नहि, जाहि सँ ओ सभ पाप मे पाप जोड़ि सकथि। जे हमरा सँ बिना कोनो दिशा मँगने मिस्र उतरबाक लेल विदा भेलाह, फिरौन केर रक्षा मे शरण लेबाक लेल आ मिस्र केर छाया मे शरण लेबाक लेल!

होशे 8:10 हँ, भले ओ सभ जाति सभक बीच भाड़ा पर काज क’ लेने होथि, मुदा आब हम ओकरा सभ केँ जमा करब, आ ओ सभ राजकुमार सभक राजाक भार सँ कनेक दुखी हेताह।

यद्यपि इस्राएल के लोग दोसरऽ जाति स॑ मदद मँगल॑ छै, लेकिन परमेश् वर ओकरा सिनी क॑ अब॑ जमा करी लेतै आरू ओकरा सिनी क॑ अपनऽ फैसला के परिणाम के लेलऽ कष्ट उठाबै के पड़ी ।

1. परमेश् वरक योजना केँ अस्वीकार करबाक परिणाम

2. परमेश् वरक बाटसँ बेसी अपन बाट चुनब

1. यिर्मयाह 16:19 - "हे प्रभु, हमर शक्ति, हमर किला आ हमर शरण क्लेशक दिन, गैर-यहूदी सभ पृथ् वीक छोर सँ अहाँक लग आबि क' कहत जे, 'हमर सभक पूर्वज सभ केँ झूठक उत्तराधिकार मे भेटलनि अछि।' , आडंबर, आ एहन चीज जाहि मे कोनो लाभ नहि हो।"

2. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

होशे 8:11 एप्रैम पाप करबाक लेल बहुत रास वेदी बनौने छथि, तेँ हुनका लेल पाप करबाक लेल वेदी होयत।

एप्रैम पापक लेल बहुतो वेदी बनौने छल, आ ई वेदी सभ पाप जारी रखबाक स्रोत बनत।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: मूर्तिपूजाक परिणाम बुझब

2. धर्म के पुनर्स्थापना: परमेश्वर के दया में आशा पाना

1. यिर्मयाह 17:5-10

2. रोमियो 5:20-21

होशे 8:12 हम हुनका अपन व्यवस्थाक पैघ बात लिखने छी, मुदा ओ सभ विचित्र बात मानल गेल।

परमेश् वर अपन नियमक पैघ-पैघ बात सभ केँ लिखि देने छथि, तथापि ओकरा मान्यता वा स्वीकार नहि कयल गेल अछि |

1. परमेश् वरक नियमक महानता: परमेश् वरक बाट केँ चिन्हब आ ओकर सराहना करब

2. परमेश् वरक नियम केँ जानब: परिचित सँ बाहर निकलि अजीब मे कदम रखब

1. भजन 119:18 - हमर आँखि खोलू, जाहि सँ हम अहाँक व्यवस्था सँ आश्चर्यजनक बात देखि सकब।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

होशे 8:13 ओ सभ हमर बलिदानक बलिदानक लेल मांस बलि दैत छथि आ ओकरा खाइत छथि। मुदा परमेश् वर ओकरा सभ केँ स्वीकार नहि करैत छथि। आब ओ हुनका सभक अधर्म केँ मोन पाड़त आ हुनका सभक पापक दण्ड देत।

लोक सभ प्रभुक बलिदानक लेल मांसक बलि चढ़ा रहल अछि, मुदा ओ ओकरा स्वीकार नहि करैत छथि | ओ हुनका लोकनिक अधर्म केँ स्मरण करत आ हुनका लोकनिक पापक दर्शन करताह। ओ सभ मिस्र घुरि जेताह।

1. परमेश् वर केँ सत् य आराधना अर्पित करबाक महत् व।

2. भगवान् केँ मिथ्या पूजा अर्पित करबाक परिणाम।

1. रोमियो 12:1-2 - तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे भाइ-बहिन सभ, परमेश्वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश्वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सच्चा आ उचित आराधना अछि।

2. यशायाह 1:12-15 - जखन अहाँ हमरा समक्ष उपस्थित होबय लेल आयल छी तखन अहाँ सँ ई के पूछने अछि जे हमर आँगन केँ रौंदब? निरर्थक प्रसाद आनब बंद करू! अहाँक धूप हमरा लेल घृणित अछि।
अमावस्या, विश्राम-दिन आ दीक्षांत समारोह हम अहाँक दुष्ट सभा सभ केँ सहन नहि क' सकैत छी।
अहाँक अमावस्या पावनि आ अहाँक निर्धारित भोज हमर आत्मा घृणा करैत अछि । हमरा लेल ओ सभ बोझ बनि गेल अछि; हम ओकरा सभकेँ सहैत थाकि गेल छी।

होशे 8:14 किएक तँ इस्राएल अपन निर्माता केँ बिसरि गेल अछि आ मन् दिर बनबैत अछि। यहूदा बाड़ि कऽ नगर सभ केँ बढ़ा देने अछि, मुदा हम ओकर नगर सभ पर आगि लगा देब आ ओकर महल सभ केँ भस्म कऽ देत।”

इस्राएल आरू यहूदा अपनऽ निर्माता क॑ बिसरी क॑ मंदिर आरू नगर बनैलकै, लेकिन परमेश् वर ओकरा सिनी के शहर आरू महल क॑ जलाबै लेली आगि भेजतै।

1. भगवान् के बिसरि गेलाक परिणाम

2. मानव शक्ति पर निर्भर रहबाक खतरा

1. यिर्मयाह 2:13, "हमर लोक दूटा अधलाह केलक अछि; ओ सभ हमरा जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ कुंड, टूटल-फूटल कुंड सभ केँ काटि देलक, जे पानि नहि राखि सकैत अछि।"

2. नीतिवचन 14:12, "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

होशे अध्याय 9 इस्राएल के लोगऽ के लगातार मूर्तिपूजा आरू अविश्वास के कारण आबै वाला आसन्न न्याय आरू निर्वासन पर केंद्रित छै। अध्याय में हुनकऽ निष्फलता आरू एक समय में जे आशीर्वाद के नुकसान होय छेलै, ओकरा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा चेतावनी स होइत अछि जे इस्राएल के लोक के मूर्तिपूजा आ दुष्टता के कारण हिसाब-किताब आ सजा के समय के सामना करय पड़त। होशे भविष्यवक्ता घोषणा करै छै कि वू अपनऽ अशुद्ध होय के कारण भोज आरू पाबऽ क॑ एक जैसनऽ नै मनाबै सकै छै (होशे ९:१-५)।

2 पैराग्राफ: अध्याय आगू इस्राएल के निष्फलता आरू आशीर्वाद के नुकसान के वर्णन के साथ छै। हुनका सभ केँ प्रभुक बलि मे चढ़ाबय लेल अनाज नहि रहतनि, आ हुनकर फसल बाहरक लोक सभ खा लेताह। ओ सभ ओहि आनन्द आ समृद्धि सँ वंचित रहताह जे कहियो अनुभव केने छलाह (होशे 9:6-9)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे लोकक मूर्तिपूजा आ ओकर मिथ्या देवता पर निर्भरताक चित्रण कयल गेल अछि | ओ सभ तिरस्कृत बेल जकाँ भ' जायत, परित्यक्त आ विनाशक सामना करय पड़त। हुनका लोकनिक प्रिय संतान सभ केँ लऽ जायत, आ ओ सभ अपन क्षतिक शोक मनाओत (होशे 9:10-14)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के लोग पर आसन्न निर्वासन आरू न्याय के घोषणा के साथ होय छै। ओ सभ जाति-जाति मे छिड़ियाओत, आ ओकर सभक देश उजाड़ भ’ जायत। हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा आ अविश्वास हुनका लोकनिक पतन के कारण बनल अछि (होशे 9:15-17)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय ९ आसन्न न्याय आ निर्वासन पर केंद्रित अछि
जे इस्राएलक लोक सभ पर ओकर लगातार मूर्तिपूजाक कारणेँ आओत
आ बेवफाई, हुनकर निष्फलता आ आशीर्वाद के नुकसान के उजागर करैत |

दण्ड आ मूर्तिपूजा आ दुष्टताक हिसाब-किताबक चेतावनी।
अशुद्धता के कारण भोज आ पावनि मनाबय में असमर्थता।
इजरायल के निष्फलता आ आशीर्वाद के नुकसान के वर्णन।
अनाज आ फसल सँ वंचित, बाहरी लोक द्वारा खा गेल।
मूर्तिपूजा आ मिथ्या देवता पर निर्भरताक चित्रण।
अस्वीकृत बेल जकाँ बनब, प्रिय संतानक संग छीन लेल गेल।
आसन्न निर्वासन एवं न्याय की घोषणा।
राष्ट्रक बीच छिड़ियाएल आ भूमिक उजाड़।

होशे केरऽ ई अध्याय इस्राएल केरऽ लोगऽ के लगातार मूर्तिपूजा आरू अविश्वास के परिणामस्वरूप आबै वाला आसन्न न्याय आरू निर्वासन पर केंद्रित छै । होशे भविष्यवक्ता हुनका सब क॑ हिसाब-किताब आरू सजा के समय के बारे म॑ चेतावनी दै छै, ई बात प॑ जोर दै छै कि हुनी अपनऽ अशुद्ध होय के कारण भोज आरू पाबऽ क॑ एक जैसनऽ नै मनाबै सकै छै । इस्राएल के

निष्फलता आरू आशीर्वाद के नुकसान के वर्णन ऐन्हऽ करलऽ गेलऽ छै कि ओकरा सिनी के पास प्रभु के चढ़ै लेली अनाज के कमी होतै, आरू ओकरऽ फसल बाहरी लोगऽ के द्वारा भस्म होय जैतै। ओ सभ ओहि आनन्द आ समृद्धि सँ वंचित भ' जेताह जे कहियो अनुभव केने छलाह । अध्याय में आगू हुनकऽ मूर्तिपूजा आरू झूठा देवता पर निर्भरता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में हुनकऽ तुलना एगो अस्वीकृत बेल स॑ करलऽ गेलऽ छै जेकरा छोड़ी क॑ विनाश के सामना करना पड़ी जैतै । हुनका लोकनिक प्रिय संतान सभ केँ लऽ जायत, आ ओ सभ अपन क्षतिक शोक मनाओत। अध्याय के समापन इस्राएल के लोगऽ पर आसन्न निर्वासन आरू न्याय के घोषणा स॑ होय छै । ओ सभ जाति-जाति मे छिड़ियाओत, आ ओकर सभक देश उजाड़ भ’ जायत। हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा आ बेवफाई हुनका लोकनिक पतन अनने अछि । ई अध्याय मूर्तिपूजा आरू अविश्वास के परिणाम के साथ-साथ आसन्न न्याय आरू निर्वासन पर भी जोर दै छै जे इस्राएल के लोगऽ के इंतजार करी रहलऽ छै ।

होशे 9:1 हे इस्राएल, आन लोक जकाँ आनन्द सँ आनन्दित नहि होउ, किएक तँ अहाँ अपन परमेश् वरक वेश्यावृत्ति मे चलि गेलहुँ, अहाँ हर मकई पर इनाम देबय चाहैत छी।

इस्राएल परमेश् वर के प्रति बेवफा रहलै आरू ओकरा एकरऽ फल मिललै।

1. मूर्तिपूजाक खतरा

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यिर्मयाह 3:8-10 "हम देखलहुँ जे जखन पाछू हटि कऽ इस्राएल व्यभिचार केलक ताहि सभ कारणेँ हम ओकरा छोड़ि देने छलहुँ आ ओकरा तलाकक पत्र दऽ देलहुँ; तइयो ओकर विश्वासघाती बहिन यहूदा डरैत नहि छल, बल् कि जा कऽ खेलाइत छल।" वेश्या सेहो।’ अपन वेश्यावृत्तिक हल्लुकताक कारणेँ ओ देश केँ अशुद्ध क’ देलनि, आ पाथर आ कोठली सँ व्यभिचार कयलनि नाटक मे, प्रभु कहैत छथि।”

2. रोमियो 2:4-6 "की अहाँ हुनकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्यक धन केँ तिरस्कार करैत छी; ई नहि जनैत छी जे परमेश् वरक भलाई अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जाइत अछि? मुदा अहाँक कठोरता आ पश्चाताप करयवला हृदयक बाद क्रोध केँ अपना लेल जमा करैत छी।" क्रोध आ परमेश् वरक धार्मिक न् यायक प्रगटीकरण, जे प्रत्येक मनुख केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।”

होशे 9:2 फर्श आ दारूदब ओकरा सभ केँ नहि खुआओत, आ ओकरा मे नव दारू क्षीण भ’ जायत।

इस्राएल के लोग अपनऽ पाप के परिणाम के रूप में भोजन या शराब नै मिलतै।

1. भगवान् अपन आज्ञाक अवहेलना करयवला केँ अनुशासित करैत छथि

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. इब्रानियों 12:6-8 - प्रभु जकरा सँ प्रेम करै छै, ओकरा ओ सजा दै छै, आ जेकरा ओ ग्रहण करै छै ओकरा कोड़ा मारै छै।

2. व्यवस्था 28:15-20 - मुदा जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि मानब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक ध्यानपूर्वक पालन करब जे आइ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तँ ई सभ शाप आबि जायत अहाँ पर आ अहाँकेँ पछाड़ि दैत अछि।

होशे 9:3 ओ सभ प्रभुक देश मे नहि रहताह। मुदा एप्रैम मिस्र देश घुरि कऽ अश्शूर मे अशुद्ध चीज खा जायत।

एप्रैमक लोक सभ केँ प्रभुक देश सँ भगा देल जायत आ मिस्र आ अश्शूर मे निर्वासित कयल जायत, जतय ओ सभ अशुद्ध भोजन करत।

1. परमेश् वरक अनुशासन: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक दया: निर्वासनक माध्यमे मोक्ष

1882

1. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. यिर्मयाह 29:4-14 सेना सभक प्रभु, इस्राएलक परमेश् वर, ओहि सभ निर्वासित सभ केँ कहैत छथि जे हम यरूशलेम सँ बेबिलोन वनवास मे पठौने छी, “घर बनाउ आ ओहि मे रहू। गाछी लगा क ओकर उपज खाउ। पत्नी लऽ कऽ बेटा-बेटी पैदा करू। बेटा सभक लेल पत्नी बनाउ आ अपन बेटी सभ केँ विवाह मे दऽ दियौक जाहि सँ ओ सभ बेटा-बेटीक जन्म देत। ओतय गुणा करू, आ कम नहि होउ। मुदा जाहि नगर मे हम अहाँ केँ निर्वासन मे पठौने छी, ओकर कल्याण ताकू, आ ओकर दिस सँ प्रभु सँ प्रार्थना करू, कारण ओकर कल्याण मे अहाँ केँ अपन कल्याण भेटत।

होशे 9:4 ओ सभ परमेश् वर केँ मदिरा बलि नहि चढ़ाओत आ ने हुनका नीक लागत। जे सभ एकर खाइत अछि से दूषित भऽ जायत, किएक तँ ओकर सभक आत् माक रोटी परमेश् वरक घर मे नहि आओत।”

इस्राएलक लोक सभ परमेश् वरक लेल प्रसन्नताक बलिदान नहि चढ़ा रहल छल, बल् कि ओकर सभक बलिदान शोक संतप्त लोकक रोटी जकाँ छल, आ जे कियो ओकरा सभ केँ खाएत से दूषित भ’ जायत।

1. पूजाक शक्ति: प्रभु केँ प्रसन्न करयवला बलि कोना चढ़ाओल जाय

2. अस्वीकार्य बलिदान के खतरा: अपन आत्मा के प्रदूषित करय स कोना बचल जाय।

1. भजन 51:16-17 - "किएक तँ अहाँ बलिदान मे प्रसन्न नहि होयब, नहि त हम ओकरा देब; अहाँ होमबलि सँ प्रसन्न नहि होयब। हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।"

2. मत्ती 15:7-9 - "हे पाखंडी सभ! यशायाह अहाँ सभक विषय मे नीक जकाँ भविष्यवाणी कयलनि, जखन ओ कहलनि, 8 ई लोक हमरा अपन ठोर सँ आदर करैत अछि, मुदा ओकर हृदय हमरा सँ दूर अछि; 9 ओ सभ व्यर्थ मे हमर आराधना करैत अछि, शिक्षा दैत अछि।" जेना मनुष्यक आज्ञा सिद्धांत अछि।

होशे 9:5 अहाँ सभ गंभीर दिन आ परमेश् वरक पर्वक दिन की करब?

होशे 9:5 मे देल गेल अंश विशेष दिन पर परमेश् वरक आराधना करबाक महत्वक गप्प करैत अछि।

1. भगवानक छुट्टी मनाबय के आशीर्वाद

2. पर्वक दिन पूजाक शक्ति

1. लेवीय 23:4-5 - "ई सभ परमेश् वरक निर्धारित पाबनि अछि, पवित्र सभा सभ जकर घोषणा अहाँ सभ केँ अपन निर्धारित समय पर करबाक अछि।

2. व्यवस्था 16:16 - साल मे तीन बेर सभ आदमी केँ इस्राएलक परमेश् वर सार्वभौम प्रभुक समक्ष उपस्थित हेबाक चाही।

होशे 9:6 देखू, ओ सभ विनाशक कारणेँ चलि गेल अछि, मिस्र ओकरा सभ केँ जमा करत, मेम्फिस ओकरा सभ केँ गाड़त, ओकर चानीक लेल सुखद स्थान, बिछुआ ओकरा सभ पर कब्जा करत, ओकर सभक तम्बू मे काँट होयत।

विनाशक कारणेँ इस्राएलक लोक सभ अपन देश सँ छीन लेल गेल अछि। मिस्र आ मेम्फिस ओकरा सभकेँ लऽ गेल अछि आ ओकर सभक सुखद स्थान ओकरा सभसँ छीन लेल गेल अछि ।

1. भगवान् विनाशक बीच सेहो अपन लोकक प्रति वफादार रहैत छथि।

2. हमरा सभकेँ भगवानक प्रति वफादार रहबाक चाही चाहे कोनो परिस्थिति हो।

1. यशायाह 51:12 - हम, हमहीं छी जे अहाँ सभ केँ सान्त्वना दैत छी, अहाँ के छी, जे मरय बला आदमी आ घास जकाँ मनुखक बेटा सँ डरब।

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि। आ पछतावा वाला के उद्धार करै छै।
1883

होशे 9:7 दण्डक दिन आबि गेल अछि, प्रतिफलक दिन आबि गेल अछि। इस्राएल एकरा जानतै, भविष्यवक्ता मूर्ख छै, आत् मक आदमी पागल छै, तोरऽ अधर्म के भीड़ आरो बहुत घृणा के कारण।

परमेश् वरक न्यायक दिन आबि गेल अछि आ इस्राएल केँ एकर परिणाम सँ अवगत कराओल जायत।

1: भगवानक न्याय अपरिहार्य अछि

2: भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1: यशायाह 3:10-11 - "धर्मी केँ कहि दियौक जे ओकर भलाई होयत। किएक तँ ओ सभ अपन काजक फल खा लेत। धिक्कार दुष्ट केँ! ओकरा लेल ओ बीमार होयत। ओकर हाथक फलक लेल।" ओकरा देल जेतै।”

2: गलाती 6:7-8 - "धोखा नहि खाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ मनुष् य जे किछु बोओत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोबैत अछि, से मांसक विनाश काटि लेत, मुदा जे बोनैत अछि।" आत् मा आत् मा अनन्त जीवन काटि लेत।”

होशे 9:8 एप्रैमक पहरेदार हमर परमेश् वरक संग छल, मुदा भविष्यवक्ता अपन सभ बाट मे चिड़ै- चुनमुनीक जाल अछि आ अपन परमेश् वरक घर मे घृणा।

एप्रैम के चौकीदार परमेश् वर के प्रति वफादार छै, लेकिन भविष्यवक्ता परमेश् वर के घर में जाल आरू घृणा के स्रोत बनी गेलऽ छै।

1. परमेश् वरक वफादार चौकीदार: एफ्राइमक उदाहरण

2. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा: होशे के चेतावनी

1. यिर्मयाह 6:13-15; किएक तँ हुनका सभ मे सँ छोट-छोट सँ ल' क' पैघ लोक धरि सभ कियो लोभ मे डूबल छथि। भविष्यवक्ता सँ ल' क' पुरोहित धरि सभ झूठ-झूठ काज करैत अछि।

2. यिर्मयाह 23:9-12; भविष्यवक्ता सभक कारणेँ हमरा भीतर हमर हृदय टूटि गेल अछि। हमर सभ हड्डी हिलैत अछि। हम एकटा नशा मे धुत्त आदमी जकाँ छी आ ओहि आदमी जकाँ छी जकरा पर मदिरा परास्त भऽ गेल अछि, परमेश् वरक कारणेँ आ हुनकर पवित्रताक वचन सभक कारणेँ।

होशे 9:9 ओ सभ अपना केँ गहींर धरि बिगाड़ि गेल अछि, जेना गिबियाक समय मे छल, तेँ ओ हुनका सभक पाप केँ मोन पाड़त, आ हुनका सभक पापक दण्ड देत।

हुनका लोकनिक एहि काज सँ हुनका सभ केँ गहींर पाप कयल गेल छनि, जेना गिबियाक समय मे छलनि। तेँ परमेश् वर हुनका सभक कुकर्म केँ स्मरण करताह आ हुनका सभक पापक सजाय देताह।

1. पापक परिणाम: गिबियाक समय सँ सीखब

2. अपना केँ भ्रष्ट करबाक खतरा: होशे 9:9 सँ एकटा चेतावनी

1. उत्पत्ति 19:24-25 - सदोम आ अमोरा के विनाश

2. इजकिएल 16:49-50 - यरूशलेम पर प्रभुक न्याय ओकर दुष्टताक लेल

होशे 9:10 हमरा इस्राएल केँ जंगल मे अंगूर जकाँ भेटल। हम अहाँक पूर्वज सभ केँ पहिल बेर अंजीरक गाछ मे पहिल पाकल जकाँ देखलहुँ, मुदा ओ सभ बालपेओर गेलाह आ लाजक लेल अलग भ’ गेलाह। आ हुनका सभक घृणित काज ओहिना छल जेना ओ सभ प्रेम करैत छल।

परमेश् वर इस्राएल केँ जंगल मे अंगूर जकाँ पाबि गेलाह आ हुनका सभक पूर्वज केँ अंजीरक गाछ मे पहिल पाकल जकाँ देखलनि, मुदा ओ सभ बालपेओरक पाछाँ-पाछाँ आराधना करैत छलाह आ अपन प्रेमक अनुसार घृणित काज करैत छलाह।

1) इस्राएल पर परमेश् वरक दया आ कृपा हुनकर पापक बादो

2) पाप आ भगवानक आज्ञाक अवज्ञाक परिणाम

1) गलाती 5:19-21 - आब शरीरक काज स्पष्ट अछि: यौन अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तिपूजा, जादू-टोना, वैरभाव, कलह, ईर्ष्या, क्रोधक झटका, प्रतिद्वंद्विता, विवाद, विभाजन, ईर्ष्या, नशा, नशा, नंगा नाच, आ एहि तरहक चीज। हम अहाँ सभ केँ ओहिना चेतावनी दैत छी जेना हम अहाँ सभ केँ पहिने चेतौने रही जे एहन काज करनिहार केँ परमेश् वरक राज् य नहि भेटतनि।

2) रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

होशे 9:11 एप्रैमक महिमा चिड़ै जकाँ उड़ि जायत, जन्म आ गर्भ आ गर्भ मे।

एप्रैम के महिमा चिड़ै के महिमा के तरह, जन्म स॑ ल॑ क॑ गर्भ तक आरू गर्भधारण तक गायब होय जैतै।

1. महिमा के चंचल प्रकृति: एफ्राइम स सबक

2. महिमा के अनिश्चितता: एफ्राइम हमरा सब के की सिखा सकैत अछि

1. भजन 49:12: तैयो मनुष् य आदर मे नहि रहैत अछि, ओ नाश भऽ वला जानवर जकाँ अछि।

2. अय्यूब 14:1: जे आदमी स्त्री सँ जन्म लैत अछि, ओ कम दिनक होइत अछि, आ विपत्ति सँ भरल अछि।

होशे 9:12 भले ओ सभ अपन बच्चा सभक पालन-पोषण करथि, मुदा हम ओकरा सभ केँ छोड़ि देब, जाहि सँ एको आदमी नहि रहि जायत।

होशे भविष्यवाणी करै छै कि परमेश् वर इस्राएल सँ सब लोग सिनी कॅ छीनी लेतै, जेकरा सँ एक दुःख के समय आबी जैतै जबे परमेश् वर ओकरा सिनी सँ दूर होय जैतै।

1. परमेश् वरक सार्वभौमत्व: परमेश् वरक छीनबाक अधिकार केँ बुझब

2. पाप के प्रतिक्रिया: भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. रोमियो 9:15-16 - कारण ओ मूसा केँ कहैत छथि, “हम जकरा पर दया करब, ओकरा पर दया करब, आ जकरा पर हम दया करब, ओकरा पर दया करब। त तखन ई मानवीय इच्छा वा परिश्रम पर नहि, बल्कि भगवान पर निर्भर करैत अछि, जे दया करैत छथि |

2. यशायाह 1:16-17 - अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

होसे 9:13 एप्रैम, जेना हम सोरस केँ देखलहुँ, एकटा सुखद स्थान पर रोपल गेल अछि, मुदा एप्रैम अपन बच्चा सभ केँ हत्याराक लग पहुँचाओत।

होशे भविष्यवक्ता एप्रैम के तुलना सोर शहर स॑ करै छै, ई नोट करी क॑ कि ई एगो सुखद जगह प॑ रोपलऽ गेलऽ छै, तभियो एफ्राइम अपनऽ बच्चा सिनी क॑ हत्यारा के पास पैदा करी देतै।

1. पापक खतरा आ धर्मक आशीर्वाद

2. आज्ञा नहि मानबाक खतरा आ आज्ञापालनक फल

1. नीतिवचन 11:19 - जेना धर्म जीवन दिस लऽ जाइत अछि, तहिना जे अधलाहक पाछाँ चलैत अछि, तकरा अपन मृत्यु धरि ओकर पाछाँ चलैत अछि।

1885

2. यशायाह 3:11 - दुष्टक धिक्कार! ओकरा बीमार पड़तैक, किएक तँ ओकर हाथक इनाम ओकरा देल जेतै।”

होशे 9:14 हे प्रभु, ओकरा सभ केँ दिअ, अहाँ की देब? गर्भपात भेल गर्भ आ सूखल स्तन दियौक।

प्रभु हुनका सब के गर्भपात के गर्भ आ सूखल स्तन के बहुत पैघ सजा देथिन।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम

2. पश्चाताप आ पुनर्स्थापना: प्रभु लग वापसी

1. यशायाह 13:18 - "ओकर धनुष युवक सभ केँ मारि देत; ओकरा सभ केँ गर्भक फल पर कोनो दया नहि होयत; ओकर आँखि बच्चा सभ पर दया नहि करत।"

2. यिर्मयाह 31:15 - "प्रभु ई कहैत छथि: रामा मे विलाप आ कटु कानब सुनल जाइत अछि। राहेल अपन बच्चा सभक लेल कानैत अछि; ओ अपन बच्चा सभक लेल सान्त्वना देबा सँ मना क' दैत अछि, किएक त' ओ सभ आब नहि अछि।"

होशे 9:15 हुनका सभक सभटा दुष्टता गिलगाल मे अछि, कारण ओतहि हम हुनका सभ सँ घृणा करैत छलहुँ, हुनका सभक दुष्टताक कारणेँ हम हुनका सभ केँ अपन घर सँ भगा देब, हम हुनका सभ सँ आब प्रेम नहि करब।

गिलगाल में इस्राएल के लोगऽ के दुष्टता पर परमेश् वर के क्रोध एतना अधिक छेलै कि हुनी प्रण करलकै कि हुनी ओकरा सिनी कॅ अपनऽ घरऽ सें बाहर निकाली देतै आरू अब॑ ओकरा सिनी सें प्रेम नै करतै।

1. हमरऽ कर्म केरऽ परिणाम - हमरऽ आज्ञा नै मानला के कारण परमेश्वर केरऽ न्याय आरू दुख केना पहुँची सकै छै ।

2. भगवानक अन्तहीन प्रेम - हमरा सभक असफलताक बादो भगवानक प्रेम आ दया बनल रहैत अछि।

1. नीतिवचन 12:15, "मूर्खक बाट अपन नजरि मे ठीक होइत छैक, मुदा बुद्धिमान सलाह सुनैत अछि।"

2. भजन 103:17, "मुदा प्रभुक प्रेम अनन्त सँ अनन्त धरि हुनका सँ डरय बला सभक संग अछि आ हुनकर धार्मिकता हुनका सभक संतान सभक संग अछि।"

होशे 9:16 एप्रैम मारल गेल अछि, ओकर जड़ि सुखा गेल अछि, ओ सभ कोनो फल नहि देत।

परमेश् वर एप्रैम केँ सजा दऽ कऽ ओकर जड़ि केँ सुखा देने छथि, जाहि सँ ओ सभ कोनो फल नहि देत, भले ओ सभ पैदा करथि, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ केँ तइयो मारि देताह।

1. भगवान् के आज्ञापालन के महत्व

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 1:19-20 - जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक चीज खाएब, मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ खा गेल होयब, किएक तँ प्रभुक मुँह बाजल अछि।

2. नीतिवचन 10:27 - प्रभुक भय दिन लम्बा करैत अछि, मुदा दुष्टक वर्ष छोट भ’ जायत।

होशे 9:17 हमर परमेश् वर हुनका सभ केँ फेकि देताह, किएक तँ ओ सभ हुनकर बात नहि सुनलनि।

जे हुनकर बात नहि सुनैत छथि हुनका परमेश् वर अस्वीकार करताह आ ओ सभ जाति-जाति मे तितर-बितर भ' जेताह।

1. अविश्वास के प्रतिक्रिया - भगवान के अस्वीकार जे हुनकर बात नै सुनैत छथि हुनका केना हमरा सबहक जीवन में प्रकट होइत अछि।

2. परमेश् वरक दया आ मार्गदर्शन - परमेश् वरक प्रेम कोना हुनका सभ धरि पसरल अछि जे हुनकर पाछाँ चलय लेल तैयार छथि।

1. यिर्मयाह 29:13 - "अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।"

2. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

होशे अध्याय 10 में इस्राएल के लोगऽ के मूर्तिपूजा आरू विद्रोह के बारे में जारी छै। अध्याय में हुनकऽ पापपूर्ण प्रथा के चित्रण करलऽ गेलऽ छै आरू एकरऽ परिणामस्वरूप हुनका पर जे विनाश आबै वाला छै, ओकरऽ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के प्रचुर आरू फलदायी अतीत के चित्रण स॑ होय छै । मुदा, हुनका लोकनिक समृद्धिक कारणेँ मूर्तिपूजाक लेल वेदीक संख्या बढ़बैत छथि आ मिथ्या आ छल-प्रपंच मे लागि गेल छथि | हुनका लोकनिक काजक परिणाम विनाश आ निर्वासन होयत (होशे 10:1-4)।

2nd Paragraph: भगवान् लोकक मूर्तिपूजा के निंदा करैत छथि आ हुनकर ऊँच स्थान आ मूर्ति के नष्ट करबाक प्रण करैत छथि | हुनका सभ केँ बंदी आ निर्वासनक न्यायक सामना करय पड़तनि, आ हुनकर सभक झूठ देवता सभ हुनका सभ केँ उद्धार नहि दऽ सकैत छथि। लोक सभ अपन मूर्तिपूजाक व्यर्थताक अहसास करैत भय आ दुख सँ भरल रहत (होशे 10:5-8)।

3 पैराग्राफ: अध्याय आगू इस्राएल के अपन पाप के सजा के वर्णन के साथ छै। खरपतवार जकाँ उखाड़ि देल जेतै, आ ओकर सभक नगर सभ नष्ट भऽ जेतै। लोक सभ मूर्तिक आराधना आ झूठ देवता पर निर्भर रहबाक लेल जवाबदेह होयत (होशे 10:9-10)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन पश्चाताप के आह्वान स होइत अछि। लोक सभ सँ आग्रह कयल गेल अछि जे ओ धर्मक बोन करय आ प्रभुक खोज करय, ई स्वीकार करैत जे आब हुनका दिस मुड़बाक आ हुनका सँ क्षमा माँगबाक समय आबि गेल अछि | हुनका सब क॑ प्रोत्साहित करलऽ जाय छै कि हुनी अपनऽ परती जमीन क॑ तोड़ी क॑ प्रभु क॑ खोजै, जब॑ तलक कि हुनी नै आबी क॑ हुनका प॑ अपनऽ धार्मिकता के बरसात नै करी दै छै (होशे १०:११-१२)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय १० मे इस्राएलक लोकक मूर्तिपूजा आ विद्रोह केँ संबोधित कयल गेल अछि,
एकरऽ परिणामस्वरूप ओकरा सिनी पर जे विनाश आबै वाला छै, ओकरऽ भविष्यवाणी करी रहलऽ छै ।

इस्राएल के प्रचुर अतीत के चित्रण आरू मूर्ति पूजा के लेलऽ वेदी के गुणा ।
अपन मूर्तिपूजक प्रथाक लेल विनाश आ निर्वासनक परिणाम।
भगवान् केरऽ हुनकऽ मूर्तिपूजा केरऽ निंदा आरू हुनकऽ ऊंच स्थान आरू मूर्ति केरऽ नाश करै के व्रत ।
न्याय, बंदी, आ झूठ देवताक हुनका सभक उद्धार करबा मे असमर्थताक भविष्यवाणी।
इस्राएल के सजा आरू ओकरऽ शहरऽ के विनाश के वर्णन ।
पश्चाताप के लेल आह्वान करू, लोक सब स आग्रह करू जे ओ धार्मिकता बोबय आ प्रभु के खोजय।
परती जमीन तोड़ि प्रभुक क्षमा माँगबाक प्रोत्साहन।
हुनका लोकनिक पश्चाताप पर परमेश् वरक धार्मिकताक प्रतिज्ञा।

होशे केरऽ ई अध्याय म॑ इस्राएल केरऽ लोगऽ के मूर्तिपूजा आरू विद्रोह के बारे म॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै आरू एकरऽ परिणामस्वरूप ओकरा सिनी प॑ जे विनाश होतै, ओकरऽ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । इजरायल केरऽ अतीत के समृद्धि के कारण वू मूर्ति पूजा के लेलऽ वेदी के संख्या बढ़ाबै छै आरू झूठ आरू धोखा में शामिल होय गेलऽ छै । हुनका लोकनिक कर्मक परिणाम विनाश आ निर्वासन होयत । परमेश् वर हुनका सभक मूर्तिपूजाक निन्दा करैत छथि आ हुनकर ऊँच स्थान आ मूर्ति सभ केँ नष्ट करबाक प्रण करैत छथि, एहि बात पर जोर दैत छथि जे हुनकर सभक झूठ देवता हुनका सभक उद्धार करबा मे असमर्थ भ' जेताह। अपन मूर्तिपूजाक व्यर्थताक बोध होइत-होइत लोक भय आ शोक सँ भरल रहत। खरपतवार जकाँ उखाड़ि देल जेतै, आ ओकर सभक नगर सभ नष्ट भऽ जेतै। इस्राएल मूर्ति के पूजा आरू झूठा देवता के भरोसा के लेलऽ जवाबदेह ठहराबै वाला होतै ।

अध्याय के समापन पश्चाताप के आह्वान के साथ होय छै, जेकरा में लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू धार्मिकता बोय क॑ प्रभु के खोज करै । हुनका सब क॑ प्रोत्साहित करलऽ जाय छै कि हुनी अपनऽ परती जमीन तोड़ी क॑ प्रभु केरऽ क्षमा मँग॑ जब॑ तलक कि हुनी नै आबी क॑ हुनका सिनी प॑ अपनऽ धर्म केरऽ बरसात नै करी दै छै । ई अध्याय मूर्तिपूजा आरू विद्रोह के परिणाम के साथ-साथ पश्चाताप के आह्वान आरू परमेश्वर के धार्मिकता के खोज पर भी जोर दै छै।

होशे 10:1 इस्राएल एकटा खाली बेल अछि, ओ अपना लेल फल दैत अछि। हुनकर देशक भलाईक अनुसार ओ सभ नीक मूर्ति बनौलनि अछि।

इस्राएल परमेश् वर केँ छोड़ि हुनकर जगह पर अपन देवता सभ राखि लेने छल।

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. मिथ्या उपासना के परिणाम

1. यिर्मयाह 2:13 - "हमर लोक दूटा अधलाह केलक अछि; ओ सभ हमरा जीवित पानिक फव्वारा केँ छोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ कुंड, टूटल-फूटल कुंड सभ केँ काटि देलक, जे पानि नहि राखि सकैत अछि।"

2. यिर्मयाह 25:6 - "आओर दोसर देवता सभक पाछाँ नहि जाउ, हुनकर सेवा आ आराधना करू, आ हमरा अहाँक हाथक काज सँ क्रोधित नहि करू; हम अहाँ सभ केँ कोनो आपत्ति नहि करब।"

होशे 10:2 हुनका सभक हृदय बँटल अछि। आब ओ सभ दोषपूर्ण पाओल जायत, ओ ओकरा सभक वेदी सभ केँ तोड़ि देत, ओकर मूर्ति सभ केँ लूटि लेत।”

इस्राएल के लोगऽ के दिल में विभाजन होय गेलऽ छै आरू ओकरा दोषी पाबैलऽ जाय छै, ई लेली परमेश् वर ओकरऽ वेदी के तोड़ी क॑ ओकरऽ मूर्ति के बिगाड़ी देतै।

1. विभाजित हृदय सँ रहब - विश्वास आ अपन दैनिक जीवन मे कोना सामंजस्य बनाबी

2. परमेश् वरक निर्णय आ हमर प्रतिक्रिया - अपन काजक परिणाम केँ बुझब

1. यशायाह 29:13 - "प्रभु कहैत छथि: "ई लोक सभ अपन मुँह सँ हमरा लग अबैत छथि आ अपन ठोर सँ हमरा आदर करैत छथि, मुदा हुनकर सभक हृदय हमरा सँ दूर अछि। हमरा प्रति हुनका लोकनिक पूजा मात्र मानवीय नियम पर आधारित छनि जे हुनका लोकनि केँ सिखाओल गेल छनि |"

2. मत्ती 6:24 - "कियो दू मालिकक सेवा नहि क' सकैत अछि। या त' अहाँ एक सँ घृणा करब आ दोसर सँ प्रेम करब, वा एक मे समर्पित रहब आ दोसर केँ तिरस्कार करब।"

होशे 10:3 आब ओ सभ कहत जे, हमरा सभक कोनो राजा नहि अछि, किएक तँ हम सभ प्रभु सँ नहि डेरलहुँ। तखन राजा हमरा सभक संग की करथि?

इस्राएली सभक कोनो राजा नहि छल, कारण ओ सभ प्रभु सँ डेर नहि करैत छल।

1. भगवान् सँ डरबाक महत्व: एकर हमरा सभक जीवनक लेल की अर्थ अछि

2. जखन हम सभ प्रभु सँ डेराइत छी तखन राजा जे अंतर करैत अछि

1. 2 इतिहास 19:6-7 - "तखन न्यायाधीश सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ जे काज करैत छी ताहि पर सावधान रहू, किएक तँ अहाँ सभ मनुष्यक लेल नहि, बल् कि न्यायक समय मे अहाँ सभक संग रहय बला प्रभुक लेल न्याय करैत छी। तेँ आब न्यायक समय मे अहाँ सभक संग छथि प्रभु अहाँ सभ पर रहथि, सावधान रहू आ एकरा करू, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक संग कोनो अधर्म नहि, आ ने व्यक्तिक आदर, आ ने वरदान।”

2. भजन 25:14 - "परमेश् वरक रहस्य हुनका सभ मे अछि जे हुनका डरैत अछि, आ ओ हुनका सभ केँ अपन वाचा देखाओत।"

1888

होशे 10:4 ओ सभ बात बाजल अछि, वाचा करबाक लेल झूठ शपथ खा रहल अछि।

जनता एकटा वाचा बनेबाक चक्कर मे झूठ वादा केने अछि, जकर परिणाम अछि जे खेत मे जहर जकाँ न्याय होइत अछि।

1. झूठ वादाक खतरा

2. वाचा तोड़बाक परिणाम

1. याकूब 5:12 - "मुदा हमर भाइ लोकनि, सभ सँ बेसी, स्वर्ग वा पृथ्वी वा कोनो आन शपथक शपथ नहि करू, बल् कि अहाँ सभक हाँ हाँ आ नहि हो, जाहि सँ अहाँ सभ एहि मे नहि पड़ब।" निंदा करब।

2. भजन 15:4 - जकर नजरि मे नीच व्यक्ति केँ तिरस्कृत कयल जाइत छैक, मुदा जे प्रभु सँ भयभीत करयवला केँ आदर करैत अछि; जे अपन आहतक कसम खाइत अछि आ नहि बदलैत अछि;

होशे 10:5 सामरियाक निवासी बेथावेनक बछड़ा सभक कारणेँ डरत, किएक तँ ओकर लोक सभ एकर महिमा लेल शोक मनाओत आ ओहि पर आनन्दित पुरोहित सभ एकर महिमा लेल शोक करत।

सामरियाक लोक बेथावेनक बछड़ा सभ सँ डरैत आ शोक मनाओत, कारण ओकर महिमा चलि गेल अछि।

1. मोन राखू जे भगवानक महिमा हमरा सभक सर्वोच्च प्राथमिकता हेबाक चाही।

2. पार्थिव वस्तु सँ बेसी आसक्ति नहि करू, कारण ओ अनिवार्य रूप सँ फीका भ' जायत।

1. भजन 115:3 - हमर परमेश् वर स् वर्ग मे छथि; ओ जे किछु नीक लगैत अछि से करैत अछि।

2. उपदेशक 1:2 - व्यर्थक व्यर्थता, प्रचारक कहैत छथि, व्यर्थक व्यर्थ; सब आडंबर अछि।

होशे 10:6 एकरा राजा यारेब केँ उपहार मे अश्शूर मे सेहो लऽ जायत, एप्रैम केँ लाज भेटतैक, आ इस्राएल अपन सलाह पर लाज करत।

होशे 10:6 इस्राएल सँ राजा यारेब केँ देल गेल उपहारक बात करैत अछि, जकर परिणामस्वरूप एफ्राइम आ इस्राएल दुनू गोटे अपन सलाह पर लाज करैत छथि।

1. अपन कर्म के परिणाम के रूप में लाज के स्वीकार करब सीखब

2. निर्णय लेबय मे भगवान सँ बुद्धि आ मार्गदर्शन ताकब

1. याकूब 1:5 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत अछि आ डाँट नहि करैत अछि, तखन ओकरा देल जायत।"

2. नीतिवचन 14:12 - "एकटा बाट अछि जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट होइत छैक।"

होशे 10:7 सामरियाक राजा पानि पर फेन जकाँ काटि देल गेल अछि।

सामरिया के पतन के उपमा पानि पर फेन के क्षणिक प्रकृति स देल गेल अछि |

1. मानव शक्तिक अस्थायित्व

2. सांसारिक के क्षणिकता

1. याकूब 4:14 - "तइयो अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि।"

2. पृ. 37:10-11 - "कनि काल मे दुष्ट आब नहि रहत। जँ अहाँ सभ ओकर स्थान केँ ध्यान सँ देखब, ओ ओतय नहि रहत। मुदा नम्र लोक सभ एहि देशक उत्तराधिकारी होयत आ प्रचुर शान्ति मे आनन्दित होयत।"

होशे 10:8 इस्राएलक पाप अवेनक ऊँच स्थान सभ सेहो नष्ट भ’ जायत। ओ सभ पहाड़ सभ केँ कहत जे, “हमरा सभ केँ झाँपि दियौक।” आ पहाड़ी दिस, हमरा सभ पर खसब।

इस्राएल के पाप के सजा मिलतै आरू अवेन के ऊंच स्थान नष्ट होय जैतै। ओकर सभक वेदी पर काँट-काँट आ काँट-कुश उगत, आ लोक सभ विनती करत जे पहाड़ सभ ओकरा सभ केँ झाँपि दियौक आ पहाड़ सभ ओकरा सभ पर खसय।

1. पापक परिणाम: होशे 10:8

2. पाप पर परमेश् वरक न्याय: होशे 10:8

1. यशायाह 26:20-21 - हे हमर लोक सभ, आऊ, अपन कोठली मे प्रवेश करू आ अपन दरबज्जा बंद करू, जेना कनि काल लेल नुका लिअ, जाबत धरि क्रोध नहि खत्म भ’ जायत। कारण, देखू, परमेश् वर पृथ् वी पर रहनिहार सभ केँ ओकर अधर्मक दंड देबाक लेल अपन स् थान सँ बाहर आबि रहल छथि।

2. प्रकाशितवाक्य 6:15-16 - आ पृथ् वीक राजा सभ, महापुरुष सभ, धनिक लोक सभ, सरदार सभ, पराक्रमी सभ, हरेक दास सभ, आ प्रत्येक स्वतन्त्र लोक सभ ओहि मांद मे नुका गेलाह आ पहाड़क चट्टान मे। ओ पहाड़ आ चट्टान सभ केँ कहलथिन, “हमरा सभ पर खसि जाउ आ सिंहासन पर बैसल लोकक मुँह सँ आ मेमनाक क्रोध सँ नुका दियौक।”

होशे 10:9 हे इस्राएल, अहाँ गिबियाक समय सँ पाप केलहुँ, ओ सभ ओतहि ठाढ़ रहलाह, गिबिया मे अधर्मक सन् तान सभक विरुद्ध युद्ध हुनका सभ केँ नहि पसरलनि।

इस्राएल गिबिया मे पाप केलक आ अधर्मक सन् तान सभक विरुद्ध युद्ध सँ बचि गेल।

1. दया के शक्ति: होशे 10:9 मे इस्राएल के उदाहरण स सीखब

2. पापक परिणाम: होशे 10:9 पर चिंतन

1. मीका 7:18-19 - अहाँ सन परमेश् वर के छथि, जे अपन उत्तराधिकारक शेष लोकक लेल अधर्म केँ क्षमा करैत छथि आ अपराध केँ पार करैत छथि? ओ अपन क्रोध केँ सदाक लेल नहि राखैत अछि, कारण ओ स्थिर प्रेम मे आनन्दित होइत अछि।

2. भजन 103:8-12 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि। पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतबे ऊँच अछि, ततेक ओकर भयभीत करयवला सभक प्रति ओकर अडिग प्रेम अछि। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि।

होशे 10:10 हमर इच्छा अछि जे हम हुनका सभ केँ दंडित करी। जखन ओ सभ अपन दुनू खाड़ी मे बान्हि लेत तखन लोक ओकरा सभक विरुद्ध जमा भ’ जायत।”

परमेश् वर लोक सभ केँ दंडित करबाक इच्छा रखैत छथि, आ जखन ओ सभ दूटा खाधि मे बान्हि लेत तखन ओ सभ ओकरा सभक विरुद्ध जमा भऽ जेताह।

1. परमेश् वरक दंडक इच्छा - होशे 10:10

2. पापक परिणाम - होशे 10:10

1. रोमियो 8:28-29 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि अपन पुत्र सँ जे ओ बहुतो भाइ-बहिन मे जेठ बनि जाय।”

2. इब्रानी 12:5-6 - "आ की अहाँ ई प्रोत्साहनक वचन एकदम बिसरि गेल छी जे अहाँ केँ ओहिना सम्बोधित करैत अछि जेना पिता अपन बेटा केँ संबोधित करैत अछि? एहि मे लिखल अछि जे, हमर बेटा, प्रभुक अनुशासन केँ हल्का नहि करू, आ हिम्मत नहि हारब।" जखन ओ अहाँ सभ केँ डाँटैत छथि, किएक तँ प्रभु अपन प्रेमी केँ अनुशासित करैत छथि, आ जे सभ केँ ओ अपन पुत्र मानैत छथि, तकरा दंडित करैत छथि।

होशे 10:11 एप्रैम एकटा बछिया जकाँ अछि जे सिखाओल गेल अछि आ ओकरा धानक रौदब नीक लगैत अछि। मुदा हम ओकर गोरा गरदनि पर चलि गेलहुँ। यहूदा जोतत, आ याकूब ओकर कटहर तोड़त।

बछिया के रूपक के प्रयोग एफ्राइम के वर्णन करै लेली करलौ गेलौ छै, जे एक ऐन्हऽ लोगऽ के प्रतीक छेकै जेकरा सिखालऽ जाय छै आरू जमीन के काम करना बहुत पसंद छै । परमेश् वर ओकरा सभ केँ सवारी करौताह, जखन कि यहूदा आ याकूब देशक काज करताह।

1. काजक आशीर्वाद: कोना भूमि पर काज करब भगवानक वरदान थिक

2. आज्ञाकारिता के आनन्द: भगवान विश्वासी के कोना पुरस्कृत करैत छथि

1. व्यवस्था 28:1-14 (आज्ञाकारिता के आशीर्वाद)

2. उपदेशक 3:1-13 (कार्यक आनन्द)

होशे 10:12 अपना लेल धार्मिकता मे बोउ, दया मे कटनी करू। अपन परती जमीन तोड़ि दियौक, किएक तँ परमेश् वर केँ ताकबाक समय आबि गेल अछि जाबत धरि ओ नहि आबि अहाँ सभ पर धार्मिकताक वर्षा नहि करथि।”

ई अंश हमरा सिनी कॅ धार्मिकता के बोना आरू दया काटै लेली, अपनऽ परती जमीन के तोड़ै लेली आरू प्रभु के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै।

1: धर्मक बोन आ दया काटब

2: हमर परती जमीन तोड़ब

1: याकूब 3:17-18 - मुदा ऊपर सँ जे बुद्धि भेटैत अछि से पहिने शुद्ध अछि, तखन शान्तिपूर्ण, सौम्य आ सहज अछि, दया आ नीक फल सँ भरल, बिना पक्षपात आ पाखंडक। शान्ति करनिहार सभक शान्ति मे धार्मिकताक फल बोओल जाइत छैक।

2: मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

होशे 10:13 अहाँ सभ दुष्टता जोतलहुँ, अहाँ सभ अधर्मक काटि लेलहुँ। अहाँ सभ झूठक फल खा गेलहुँ, किएक तँ अहाँ अपन बाट पर आ अपन पराक्रमी सभक भीड़ पर भरोसा केलहुँ।

दुष्टता, अधर्म, आ झूठक परिणाम भयावह होइत छैक आ अपन शक्ति पर भरोसा करब मूर्खता थिक ।

1. पापक कीमत - नीतिवचन 13:15

2. अपना पर भरोसा करबाक मूर्खता - यिर्मयाह 17:5-8

1. नीतिवचन 11:18 - दुष्ट मनुष्य धोखा देबयवला मजदूरी कमाबैत अछि, मुदा जे धार्मिकताक बोन करैत अछि, से निश्चित फल काटि लैत अछि।

2. याकूब 4:13-17 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जायब, ओतय एक साल बिताब, कीनब-बेचब, आ लाभ करब; जखन कि काल्हि की होयत से नहि बुझल अछि। अहाँक जीवन की अछि? एतेक धरि जे ई एकटा वाष्प सेहो अछि जे कनि काल लेल देखाइत अछि आ फेर गायब भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीवित रहब आ ई वा ओ करब। मुदा आब अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि। तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि ओकरा लेल पाप अछि।

होशे 10:14 तेँ अहाँक लोकक बीच हंगामा होयत आ अहाँक सभ किला लूटि जायत, जेना शलमान युद्धक दिन बेतरबेल केँ लूटि लेलक।

परमेश् वरक लोक सभक बीच हंगामा भऽ जायत, जाहि सँ ओकर सभ किला बिगाड़ि जायत।

1. परमेश् वरक अनुशासनक शक्ति: होशे 10:14 क परीक्षा

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: होशे 10:14 केर अध्ययन

1. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि। युवा सभ सेहो बेहोश भ' क' थाकि जायत, युवक सभ थकित भ' क' खसि पड़त। मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. इब्रानी 12:11-13 - फिलहाल सभ अनुशासन सुखद नहि बल्कि कष्टदायक बुझाइत अछि, मुदा बाद मे ओ धर्मक शांतिपूर्ण फल दैत अछि जेकरा एहि सँ प्रशिक्षित कयल गेल अछि। तेँ अपन झुकल हाथ उठाउ आ कमजोर ठेहुन केँ मजबूत करू आ पैरक लेल सोझ बाट बनाउ, जाहि सँ जे लंगड़ा अछि से जोड़ सँ बाहर नहि निकलि बल्कि ठीक भ' जाय।

होशे 10:15 अहाँक पैघ दुष्टताक कारणेँ बेथेल अहाँ सभक संग एहन काज करत।

परमेश् वर इस्राएलक राजा केँ हुनका सभक दुष् टताक कारणेँ काटि देथिन।

1. दुष्टताक परिणाम

2. पश्चाताप: एकमात्र विकल्प

1. होशे 4:6 - हमर लोक ज्ञानक अभाव मे नष्ट भ’ गेल अछि, कारण अहाँ ज्ञान केँ अस्वीकार कयलहुँ, हमहूँ अहाँ केँ अस्वीकार करब, जाहि सँ अहाँ हमरा लेल पुरोहित नहि बनब अपन बच्चा सभकेँ बिसरि जाउ।

2. नीतिवचन 14:34 - धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।

होशे अध्याय 11 में इस्राएल के लोगऽ के प्रति परमेश् वर के गहरा प्रेम आरू करुणा के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ लगातार विद्रोह आरू बेवफाई के बावजूद। अध्याय में परमेश्वर के कोमल देखभाल, ओकरऽ पश्चाताप के लेलऽ ओकरऽ लालसा, आरू अगर वू अपनऽ आज्ञा नै मानला पर अडिग रहतै त॑ ओकरा कोनऽ परिणाम के सामना करना पड़तै, के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर इस्राएल के प्रति अपनऽ प्रेम आरू देखभाल के याद करै स॑ होय छै, जेकरा म॑ हुनकऽ एगो राष्ट्र के रूप म॑ शुरूआती दौर स॑ ही होय छै । ओ वर्णन करैत छथि जे कोना ओ हुनका सभ केँ मिस्र सँ बाहर बजौलनि, चलब सिखौलनि आ हुनका सभ केँ ठीक कयलनि। मुदा, ओ जतेक बेसी बजौलनि, ओतेक बेसी भटकल आ झूठ देवता दिस मुड़ल (होशे 11:1-4)।

2nd पैराग्राफ: भगवान के प्रेम आ करुणा के अभिव्यक्ति होइत छैक जखन ओ अपन परस्पर विरोधी भावना के संग कुश्ती करैत छथि | दया देखै के इच्छा आरू इस्राएल के आज्ञा नै मानला के प्रति ओकरो धार्मिक क्रोध के बीच में फाटी गेलऽ छै। यद्यपि न्याय आसन्न अछि, मुदा हुनकर प्रेम आ करुणा हुनका सभ केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट करबा सँ रोकैत अछि (होशे 11:5-9)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन बहाली के वादा स होइत अछि। परमेश् वर घोषणा करै छै कि हुनी अपनऽ भयंकर क्रोध क॑ निष्पादित नै करतै आरू नै ही इस्राएल क॑ पूरा तरह स॑ नष्ट करी देतै । बल्कि ओ ओकरा सभ केँ जाति-जाति मे सँ जमा क' क' अपन देश मे वापस अनताह। ओ सभ हुनकर बाट पर चलत, आओर ओ हुनकर परमेश् वर बनताह जाबत ओ सभ पश्चाताप करताह आ हुनका लग घुरि जेताह (होशे 11:10-11)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 11 मे परमेश् वरक गहींर प्रेम आ करुणाक चित्रण कयल गेल अछि इस्राएलक लोक सभ अपन विद्रोह आ अविश्वासक बादो,
आरू पुनर्स्थापन के वादा करै छै अगर वू पश्चाताप करै छै आरू ओकरा पास वापस आबै छै।

इस्राएल के प्रति परमेश् वर के प्रेम आरू देखभाल के स्मरण ओकरऽ शुरुआती दौर स॑ ही।
हुनका लोकनिक विद्रोह आ मिथ्या देवताक दिस मुड़बाक वर्णन।
दया आ धर्म क्रोध के बीच भगवान के परस्पर विरोधी भावना के अभिव्यक्ति।
न्याय के प्रतिज्ञा मुदा हुनक प्रेम आ करुणा के कारण पूर्ण विनाश के रोकथाम |
इस्राएल के बहाली आरू राष्ट्रऽ स॑ जुटाबै के आश्वासन ।
परमेश् वरक बाट पर चलबाक वादा आ हुनकर सभक परमेश् वरक रूप मे हुनकर भूमिका।
पश्चाताप के लेल आह्वान करू आ हुनका लग वापस आबि जाउ।

होशे केरऽ ई अध्याय म॑ इस्राएल केरऽ लोगऽ के प्रति परमेश् वर केरऽ गहरा प्रेम आरू करुणा के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, ओकरऽ लगातार विद्रोह आरू अविश्वास के बावजूद। परमेश् वर इस्राएल के प्रति अपनऽ प्रेम आरू देखभाल क॑ याद करै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ एगो राष्ट्र के रूप म॑ शुरूआती दौर स॑ ही, ई बात प॑ जोर दै छै कि कोना हुनी ओकरा सिनी क॑ मिस्र स॑ बाहर बोलैलकै, ओकरा सिनी क॑ चलै के सिखालकै आरू ओकरा सिनी क॑ ठीक करलकै । लेकिन, हुनकऽ आह्वान के प्रति इस्राएल के प्रतिक्रिया छेलै कि भटकना आरू झूठा देवता के तरफ मुड़ना। परमेश् वर के प्रेम आरू करुणा के अभिव्यक्ति तखनिये होय छै जबे हुनी अपनऽ परस्पर विरोधी भावना के साथ कुश्ती लड़ै छै, जे दया करै के अपनऽ इच्छा आरू ओकरऽ आज्ञा नै मानला के प्रति ओकरऽ धर्मी क्रोध के बीच फाटलऽ छै । यद्यपि न्याय आसन्न अछि, मुदा हुनकर प्रेम आ करुणा हुनका पूर्ण रूप सँ नष्ट करबा सँ रोकैत अछि | अध्याय के समापन पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश्वर घोषणा करै छै कि वू अपनऽ भयंकर क्रोध के निष्पादन नै करतै या इस्राएल के पूरा तरह सें नष्ट नै करतै। बल्कि ओ ओकरा सभ केँ जाति-जाति मे सँ जमा क' क' अपन देश मे वापस अनताह। ओ सभ हुनकर बाट पर चलत, आ ओ हुनका सभक परमेश् वर हेताह जखन ओ सभ पश्चाताप करताह आ हुनका लग घुरताह। ई अध्याय परमेश् वर के स्थायी प्रेम, पश्चाताप के लेलऽ हुनकऽ लालसा आरू इस्राएल के लोगऽ लेली पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै ।

होशे 11:1 जखन इस्राएल बच्चा छल तखन हम ओकरा सँ प्रेम करैत छलहुँ आ अपन बेटा केँ मिस्र सँ बाहर बजबैत छलहुँ।

परमेश् वर बचपन मे इस्राएल सँ प्रेम करैत छलाह आ हुनका सभ केँ मिस्र सँ बाहर बजौलनि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: मोक्षक कथा

2. भगवान् के प्रेम बिना शर्त आ अटूट अछि

1. यशायाह 43:1-3 - हे याकूब, जे तोहर सृष्टि केने छथि, आ जे तोरा बनौलनि, हे इस्राएल, प्रभु ई कहैत छथि: "नहि डरू, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी; अहाँ।" हमर छथि।

2. रोमियो 8:35-39 - मसीहक प्रेम सँ हमरा सभ केँ के अलग करत? की कष्ट, विपत्ति, सताब, अकाल, नंगटेपन, आकि खतरा वा तलवार? जेना लिखल अछि: "अहाँक कारणेँ हम सभ दिन भरि मारल जाइत छी; हमरा सभ केँ वधक लेल बरद जकाँ मानल जाइत अछि।" तइयो एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण, हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने रियासत आ ने शक्ति, आ ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने कोनो आन सृष्टि हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि जे भीतर अछि मसीह यीशु हमर सभक प्रभु।

होशे 11:2 जेना ओ सभ ओकरा सभ केँ बजबैत छलाह, तेना ओ सभ ओकरा सभ सँ चलि गेलाह, ओ सभ बालिम सभक लेल बलि चढ़बैत छलाह आ उकेरल मूर्ति सभक लेल धूप जराबैत छलाह।

इस्राएली सभ परमेश् वर सँ भटकल छल आ बालिम सभक बलिदान आ उकेरल मूर्ति सभक लेल धूप जरा कऽ मूर्तिपूजाक समक्ष झुकि गेल छल।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: होशे 11:2 सँ एकटा चेतावनी

2. परमेश् वर के प्रति वफादार कोना रहब: होशे 11:2 के अध्ययन

1. व्यवस्था 32:17 - ओ सभ परमेश् वरक नहि, शैतान सभक बलिदान दैत छल। जे देवता सभ केँ ओ सभ नहि चिन्हैत छल, नव देवता सभ केँ, जे नव-नव देवता सभ केँ, जिनका सँ अहाँ सभक पूर्वज सभ नहि डेराइत छलाह।

2. यशायाह 40:18-20 - तखन अहाँ सभ परमेश् वर केकरा सँ उपमा देब? आकि अहाँ सभ हुनका सँ कोन उपमा करब? मजदूर उकेरल मूर्ति केँ पिघलाबैत अछि आ सोनार ओकरा सोना सँ पसारि दैत अछि आ चानीक जंजीर फेकि दैत अछि। जे एतेक गरीब अछि जे ओकरा लग कोनो बलिदान नहि अछि, ओ एहन गाछ चुनैत अछि जे सड़त नहि। ओ ओकरा लेल एकटा धूर्त मजदूर तकैत अछि जे ओ एकटा उकेरल मूर्ति तैयार करथि जे नहि हिलत।

होशे 11:3 हम एप्रैम केँ सेहो हुनका सभक बाँहि पकड़ि क’ जेबाक सिखबैत छलहुँ। मुदा ओ सभ ई नहि जनैत छल जे हम ओकरा सभ केँ ठीक कऽ देलहुँ।

परमेश् वर एफ्राइमक लोक सभ केँ हुनका सभक बाँहि पकड़ि कऽ सिखौलनि, मुदा ओ सभ ई नहि बूझि सकलाह जे ओ ओकरा सभ केँ ठीक कऽ देने छथि।

1. प्रभु के चंगाई के हाथ के पहचानना - होशे 11:3

2. प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करब - होशे 11:3

1. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

2. यशायाह 58:8 - तखन अहाँक इजोत भोर जकाँ फूटत, अहाँक चंगाई जल्दीए उगत आ अहाँक धार्मिकता अहाँक आगू बढ़त। प्रभुक महिमा अहाँक पाछूक पहरा रहत।

होशे 11:4 हम ओकरा सभ केँ एक आदमीक डोरी सँ, प्रेमक पट्टी सँ खींचने छलहुँ, आ ओकरा सभक लेल हम ओहि सभ जकाँ छलहुँ जे ओकरा सभक जबड़ा पर जुआ उतारैत अछि आ ओकरा सभ केँ भोजन देलियैक।

परमेश् वर हमरा सभ सँ अनन्त प्रेम सँ प्रेम करैत छथि, आओर ओ हमरा सभ केँ पापक भारी बोझ सँ मुक्त करैत छथि।

1. "भगवानक प्रेम: हुनक दया आ कृपाक अनुभव"।

2. "पाप के बोझ: भगवान के प्रेम में अपना के मुक्त करब"।

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. यूहन्ना 3:16 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

होशे 11:5 ओ मिस्र देश मे नहि घुरि जेताह, मुदा अश्शूर हुनकर राजा हेताह, किएक त’ ओ सभ घुरबा सँ मना क’ देलनि।

इस्राएल के लोग मिस्र वापस आबै सें मना करी देलकै आरो ओकरो बदला में अश्शूर के शासन छेलै।

1: हम इस्राएली सभ सँ ई सीख सकैत छी जे आराम सँ बेसी वफादारी जरूरी अछि।

2: भगवानक इच्छा हमरा सभक अपन इच्छा आ योजना सँ पैघ अछि।

1: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, भलाईक योजना अछि।"

2: मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

होशे 11:6 ओकर अपन योजनाक कारणेँ तलवार ओकर शहर सभ पर रहत आ ओकर डारि सभ केँ भस्म क’ देत।

परमेश् वरक न्याय ओहि सभ पर पड़त जे अपन सलाहक पालन करैत छथि आ हुनका अस्वीकार करैत छथि।

1: परमेश् वरक दया हुनका दिस घुरनिहार सभ पर कयल जायत, मुदा हुनका अस्वीकार करयवला केँ न्यायक सामना करय पड़तनि।

2: हमरा सभकेँ बुद्धिमान बनबाक चाही आ अपन सभ काजमे भगवानक मार्गदर्शन लेबाक चाही, नहि कि अपन समझ पर भरोसा करबाक चाही।

1: यिर्मयाह 17:13 हे यहोवा, इस्राएलक आशा, जे सभ अहाँ केँ छोड़ि देत, से सभ लज्जित होयत।
जे सभ अहाँ सभ सँ विमुख भऽ जायत, से सभ पृथ् वी पर लिखल जायत, किएक तँ ओ सभ जीवित पानिक झरना परमेश् वर केँ छोड़ि देलक।

2: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

होशे 11:7 हमर लोक हमरा सँ पाछू हटि गेल अछि, भले ओ सभ ओकरा सभ केँ परमात्माक लग बजौने छल, मुदा कियो हुनका ऊपर नहि उठबैत छल।

लोग परमेश् वर सं॑ मुँह हटाय देलकै आरू हुनका परमात्मा के रूप मं॑ स्वीकार करै लेली तैयार नै छै ।

1. हमरा सभक विद्रोहक बादो हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेम

2. भगवान् केँ परमात्मा के रूप मे स्वीकार करबाक महत्व

1. व्यवस्था 30:19-20 - हम आइ स्वर्ग आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही बनयबाक लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान जीबि सकब।

20 अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा मोन, पूरा प्राण आ समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।

2. यशायाह 59:1-2 - देखू, प्रभुक हाथ छोट नहि भेल अछि, जे ओ उद्धार नहि क’ सकैत अछि, वा हुनकर कान मंद नहि अछि जे ओ नहि सुनि सकैत अछि। मुदा अहाँक अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग-अलग भऽ गेल अछि आ अहाँ सभक पाप हुनकर मुँह अहाँ सभ सँ नुका कऽ रखने अछि जाहि सँ ओ नहि सुनैत अछि।

होशे 11:8 एप्रैम, हम अहाँ केँ कोना छोड़ि देब? हे इस्राएल, हम तोरा कोना उद्धार करब? हम अहाँ केँ अदमाह कोना बनाबी? हम तोरा जबोइम के रूप मे कोना राखब? हमर हृदय हमरा भीतर घुमि गेल अछि, हमर पश्चाताप एक संग प्रज्वलित अछि।

इस्राएल केरऽ सब गलत काम के बावजूद परमेश् वर ओकरा सिनी स॑ अखनी भी प्रेम करै छै आरू ओकरा छोड़ना नै चाहै छै ।

1. परमेश् वरक अटूट प्रेम: होशे 11:8

2. पश्चाताप आ पुनर्स्थापना: अपन हृदय केँ वापस परमेश् वर दिस घुमाब

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय बनाउ आ हमरा भीतर एकटा सही आत्मा केँ नव बनाउ।

होशे 11:9 हम अपन क्रोधक उग्रता केँ नहि पूरा करब, हम एफ्राइम केँ नष्ट करबाक लेल नहि घुरि जायब, कारण हम परमेश् वर छी, मनुष्य नहि। पवित्र परमेश् वर अहाँक बीच मे छथि।

परमेश् वर अपन दिव्य स्वभाव आ दयाक कारणे एफ्राइम केँ दंडित नहि करताह।

1. भगवानक प्रेम बिना शर्त अछि

2. क्रोध पर दिव्य दया प्रबल होइत अछि

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

होशे 11:10 ओ सभ प्रभुक पाछाँ चलत, ओ सिंह जकाँ गर्जत, जखन ओ गर्जत तखन पश्चिम दिस सँ बच्चा सभ काँपि जायत।

प्रभु सिंह जकाँ गर्जत आ पश्चिम दिससँ बच्चा सभ भयसँ काँपि उठत।

1. प्रभु सँ डरब सीखब - भगवानक गर्जन हमरा सभ केँ कोना हुनका लग पहुँचबैत अछि

2. प्रभु के गर्जन के शक्ति - प्रभु के भय ही बुद्धि के आरंभ है |

1. यशायाह 11:10 - ओहि दिन यिशै के जड़ि, जे ओकर जाति सभक लेल संकेतक रूप मे ठाढ़ होयत, जाति सभ पूछताछ करत, आ ओकर विश्राम स्थल महिमामंडित होयत।

2. नीतिवचन 9:10 - प्रभुक भय बुद्धिक शुरुआत होइत छैक, आ पवित्र परमेश् वरक ज्ञान अंतर्दृष्टि होइत छैक।

होशे 11:11 ओ सभ मिस्र सँ निकलल चिड़ै आ अश्शूर देश सँ कबूतर जकाँ काँपि जायत, आ हम ओकरा सभ केँ ओकर घर मे राखब।”

ई श्लोक प्रभु केरऽ प्रतिज्ञा के बात करै छै कि वू निर्वासित इस्राएली सिनी कॅ अपनऽ घरऽ में वापस करी देतै।

1. प्रभु के मोक्ष के प्रतिज्ञा: परमेश् वर के निष्ठा पर भरोसा करना

2. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा: निर्वासनक बीच आशा

1. यशायाह 43:1-7 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे ओ छुटकारा देत आ पुनर्स्थापित करत

2. यिर्मयाह 16:14-21 - इस्राएल केँ नवीकरण आ पुनर्स्थापित करबाक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

होशे 11:12 एफ्राइम हमरा झूठ आ इस्राएलक घराना केँ छल-कपट सँ चारू कात घुमैत अछि, मुदा यहूदा एखनो परमेश् वरक संग राज करैत अछि आ पवित्र लोक सभक संग विश् वास करैत अछि।

एप्रैम आरू इस्राएल के घराना के झूठ आरू धोखा के बावजूद यहूदा अखनी भी परमेश् वर के प्रति वफादार छै।

1. यहूदा के निष्ठा: ईश्वरीय निष्ठा के एक पाठ

2. एफ्राइम के झूठ: हमरा सब के अपन विश्वास में सतर्क रहबाक चाही

1. नीतिवचन 3:3 - "दया आ सत्य अहाँ केँ नहि छोड़ि दियौक। ओकरा अपन गरदनि मे बान्हि दियौक; अपन हृदयक मेज पर लिखू।"

२.

होशे अध्याय 12 याकूब आरू इस्राएल के लोगऽ के इतिहास पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ ओकरऽ धोखा आरू बेवफा व्यवहार प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । अध्याय में परमेश् वर के धार्मिकता के खोज के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै आरू धन आरू झूठा देवता के भरोसे के खिलाफ चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत याकूब के अतीत के संदर्भ स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरऽ युवावस्था स॑ ही ओकरऽ धोखाधड़ी वाला स्वभाव के उजागर करलऽ गेलऽ छै । याकूब एकटा स् वर्गदूतक संग कुश्ती लड़लनि आ परमेश् वरक अनुग्रह मँगैत कानैत रहलाह। हुनकऽ परिवर्तन के बावजूद इस्राएल के लोग धोखा आरू मूर्तिपूजा में संलग्न रहलै (होशे 12:1-4)।

2 पैराग्राफ: अध्याय आगू इस्राएल के परमेश् वर के साथ संबंध के ऐतिहासिक विवरण के साथ छै। ई परमेश् वर के वफादारी आरू ओकरऽ उद्धारकर्ता के रूप म॑ ओकरऽ भूमिका प॑ जोर दै छै, लेकिन इस्राएल के विद्रोह आरू धन आरू झूठा देवता प॑ ओकरऽ भरोसा प॑ भी प्रकाश डालै छै । ओ सभ प्रभुक खोज करबाक बदला अपन शक्ति आ धन पर भरोसा करैत छलाह (होशे 12:5-9)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय मे हुनका लोकनिक काजक परिणामक चेतावनी देल गेल अछि | इस्राएल क॑ सजा के सामना करना पड़तै आरू ओकरा अपनऽ पापऽ के लेलऽ जवाबदेह ठहरालऽ जैतै । जंगली गदहा जकाँ जिद्दी आ सुधारक प्रतिरोधी हेताह। अध्याय के समापन प्रभु के पास वापस आबै के आह्वान के साथ होय छै आरू असगरे हुनका पर निर्भर करै के आह्वान के साथ होय छै (होशे 12:10-14)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय 12 याकूब आ इस्राएलक लोकक इतिहास पर केंद्रित अछि,
हुनकऽ धोखाधड़ी आरू बेवफा व्यवहार प॑ प्रकाश डालतें हुअ॑ आरू एकरऽ परिणाम के चेतावनी देतें हुअ॑ ।

याकूब के धोखेबाज स्वभाव आ ओकर परिवर्तन के संदर्भ।
इस्राएलक लोकक बीच धोखा आ मूर्तिपूजा जारी रहल।
परमेश् वरक वफादारी आ इस्राएलक विद्रोहक ऐतिहासिक विवरण।
प्रभु के खोज के बजाय धन एवं मिथ्या देवता पर भरोसा करना |
दंड आ अपन पापक जवाबदेही के चेतावनी।
जिद्दी आ प्रतिरोधी जंगली गदहासँ तुलना।
प्रभु के पास वापस आबै के आह्वान आरू असगरे हुनका पर निर्भर रहै के लेलऽ आह्वान करऽ ।

होशे केरऽ ई अध्याय याकूब आरू इस्राएल के लोगऽ के इतिहास पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ ओकरऽ धोखा आरू बेवफा व्यवहार क॑ उजागर करलऽ गेलऽ छै । एहि मे याकूबक अतीतक संदर्भ देल गेल अछि, जाहि मे ओकर युवावस्था सँ धोखेबाज स्वभाव पर जोर देल गेल अछि | हुनकऽ परिवर्तन आरू एगो स्वर्गदूत के साथ कुश्ती के माध्यम स॑ परमेश् वर के अनुग्रह मँगला के बावजूद भी इस्राएल के लोग धोखा आरू मूर्तिपूजा में लागलऽ रहलै । अध्याय में परमेश् वर के साथ इस्राएल के संबंध के ऐतिहासिक विवरण देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में ओकरऽ उद्धारकर्ता के रूप में ओकरऽ निष्ठा पर जोर देलऽ गेलऽ छै लेकिन इस्राएल के विद्रोह आरू धन आरू झूठा देवता पर ओकरऽ भरोसा पर भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । प्रभुक खोजक बदला अपन शक्ति आ धन पर भरोसा करैत छलाह | अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम के बारे में चेतावनी देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में कहलऽ गेलऽ छै कि हुनका सजा के सामना करना पड़तै आरू हुनका अपनऽ पाप के जवाबदेह ठहरालऽ जैतै । एकरऽ तुलना जिद्दी आरू प्रतिरोधी जंगली गदहा स॑ करलऽ जाय छै । अध्याय के समापन प्रभु के पास वापस आबै के आह्वान के साथ होय छै आरू असगरे हुनका पर निर्भर होय के आह्वान के साथ होय छै । ई अध्याय परमेश् वर के धार्मिकता के खोज के महत्व पर जोर दै छै आरू धोखा, मूर्तिपूजा आरू सांसारिक धन पर भरोसा करै के खिलाफ चेतावनी दै छै।

होशे 12:1 एप्रैम हवाक पालन करैत अछि आ पूरबक हवाक पाछाँ चलैत अछि। ओ सभ अश्शूर सभक संग वाचा करैत अछि आ तेल मिस्र मे लऽ जाइत अछि।

एप्रैम झूठ आ उजाड़पन बढ़बैत झूठ देवता सभक पाछाँ चलैत रहलाह। ओ अश्शूर सँ वाचा कयलनि आ मिस्र देश मे तेल पठौलनि।

1: झूठ देवताक पालन नहि करू, बल्कि भगवान पर भरोसा राखू।

2: सावधान रहू जे अहाँ केकरा संग वाचा करैत छी, कारण एकर असर अहाँक भविष्य पर पड़त।

1: यिर्मयाह 17:5 - प्रभु ई कहैत छथि; जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन बाँहि बना लैत अछि आ जकर हृदय प्रभु सँ हटि जाइत अछि, तकरा अभिशप्त होअय।

2: यशायाह 48:17 - प्रभु, तोहर मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र, ई कहैत छथि। हम अहाँक प्रभु परमेश् वर छी जे अहाँ केँ लाभक लेल सिखाबैत छी, जे अहाँ केँ ओहि बाट पर लऽ जाइत छी।

होशे 12:2 यहूदाक संग परमेश् वरक विवाद सेहो अछि आ ओ याकूब केँ ओकर तरीकाक अनुसार सजा देत। ओकर कर्म के अनुसार ओकर प्रतिफल देतैक।

परमेश् वर यहूदा केँ ओकर सभक काजक लेल जवाबदेह ठहरबैत छथि आ ओहि अनुसार हुनका सभक न्याय करताह।

1. "आज्ञा आज्ञा नहि करबाक लागत: यहूदाक गलती सँ सीखब"।

2. "परमेश् वरक न्याय आ दया: होशे 12:2"।

1. यशायाह 1:17-19 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

होशे 12:3 ओ अपन भाय केँ गर्भ मे एड़ी पकड़ि लेलनि, आ अपन सामर्थ् य सँ परमेश् वरक समक्ष हुनका सामर्थ् य छलनि।

इब्रानी 12 हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे विश्वासक शक्ति कोनो सांसारिक शक्ति सँ बेसी अछि।

1. भगवान् पर विश्वास करला स हमरा सब के कोनो भी बाधा स उबरय के ताकत भेटैत अछि

2. विश्वासक शक्ति हमर सबसँ पैघ ताकत अछि

1. इब्रानी 12:1-2 - तेँ, चूँकि हमरा सभ केँ गवाहक एतेक पैघ मेघ सँ घेरल अछि, तेँ आउ, जे किछु बाधा उत्पन्न करैत अछि आ जे पाप एतेक सहजता सँ ओझरा जाइत अछि, ओकरा फेकि दियौक। आरू हम्में दृढ़ता के साथ दौड़ै छियै जे हमरा सिनी लेली चिन्हित करलौ गेलौ छै, विश्वास के अग्रणी आरू सिद्ध करै वाला यीशु पर नजर टिकै के।

2. रोमियो 8:37 - नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

होशे 12:4 हँ, हुनका स् वर्गदूत पर अधिकार छलनि, आ ओ विजयी भ’ गेलाह, ओ कानि क’ हुनका सँ विनती केलनि, ओ हुनका बेथेल मे पाबि गेलाह आ ओतहि ओ हमरा सभ सँ गप्प केलनि।

परमेश् वर शक्तिशाली आ दयालु छथि, आ हुनकर विनती सुनबाक लेल बेथेल मे होशे सँ भेंट करबाक लेल तैयार छलाह।

1: जखन हम सभ भगवानक समक्ष अपना केँ नम्र करैत छी तखन ओ हमर सभक पुकार सुनैत छथि आ हमरा सभक आवश्यकताक समय मे हमरा सभ सँ भेंट करैत छथि।

2: हम सभ एहि बात सँ सान्त्वना पाबि सकैत छी जे भगवान शक्तिशाली आ दयालु छथि, आ ओ हमरा सभक आवश्यकताक समय मे हमरा सभ सँ भेंट करताह।

1: याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

2: भजन 34:17-19 - "धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि, आ प्रभु सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल हृदयक नजदीक छथि आ पश्चाताप करयवला केँ उद्धार करैत छथि।" धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा प्रभु ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि |”

होशे 12:5 सेना सभक परमेश् वर परमेश् वर। प्रभु हुनकर स्मारक छथि।

ई अंश प्रभु के नाम आरू हुनकऽ स्मारक के महत्व पर जोर दै छै ।

1. प्रभुक नाम मोन पाड़ब: हुनक स्मारकक शक्ति

2. प्रभु हमर सेनाक परमेश् वर छथि: होशेक अर्थ 12:5

1. भजन 139:1-3 - हे प्रभु, अहाँ हमरा खोजि लेलहुँ आ हमरा चिन्हलहुँ! अहाँकेँ बुझल अछि जे हम कखन बैसैत छी आ कखन उठैत छी; अहाँ हमर विचारकेँ दूरसँ बूझैत छी। अहाँ हमर बाट आ हमर लेटब खोजैत छी आ हमर सभ बाटसँ परिचित छी ।

2. यशायाह 43:10-11 - अहाँ सभ हमर गवाह छी, यहोवा कहैत छथि, आ हमर सेवक जकरा हम चुनने छी, जाहि सँ अहाँ सभ हमरा चिन्हब आ विश्वास करब आ बुझब जे हम ओ छी। हमरा सँ पहिने कोनो देवता नहि बनल आ ने हमरा बाद कोनो देवता हेताह। हम, हम परमेश् वर छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।

होशे 12:6 तेँ अहाँ अपन परमेश् वर दिस मुड़ू, दया आ न्याय केँ राखू आ अपन परमेश् वरक प्रतीक्षा मे सदिखन रहू।

भगवान् दिस मुड़ू आ निरंतर दया आ न्याय करू।

1: भगवान् हमरा सभक लेल सदिखन रहैत छथि आ हमरा सभ सँ अपन जीवन मे दया आ न्याय देखाबय के आग्रह करैत छथि।

2: हमरा सभकेँ सदिखन भगवान् दिस मुड़बाक चाही आ अपन जीवनमे दया आ न्याय करबाक चाही।

1: मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2: याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

होशे 12:7 ओ व्यापारी अछि, धोखाक तराजू ओकर हाथ मे अछि, ओकरा दमन करब नीक लगैत छैक।

होशे एकटा एहन व्यापारी के बात करै छै जेकरा दमन करै के शौक छै, जेकरा हाथ में धोखाधड़ी के तराजू छै।

1. धोखेबाज जीवन जीबाक खतरा

2. लोभ आ अत्याचारक खतरा

1. नीतिवचन 16:11 - न्यायसंगत वजन आ संतुलन प्रभुक अछि: बैगक सभ तौल हुनकर काज अछि।

2. याकूब 5:4 - देखू, अहाँक खेत मे काटि लेनिहार मजदूर सभक भाड़ा, जे अहाँ सभ मे सँ छल, जे धोखाधड़ी सँ रोकल गेल अछि, चिचिया रहल अछि, आ कटनी करयवला सभक कानब सबओतक प्रभुक कान मे आबि गेल अछि.

होशे 12:8 एफ्राइम कहलथिन, “हम धनिक भ’ गेल छी, हमरा सम्पत्ति भेटल अछि।

एप्रैम घमंड करै छै कि ओकरा धन-दौलत मिललै आरू ओकरा खोजै में कोनो गलत काम नै करलकै।

1. घमंड के खतरा - एफ्राइम के घमंड के कारण ओकर पतन कोना भेल

2. धनक प्रलोभन - सफलताक सोझाँ कोना विनम्र रहब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।”

होशे 12:9 हम जे मिस्र देश सँ अहाँक परमेश् वर यहोवा छी, अहाँ केँ एखनो तम्बू मे रहब, जेना कि भोजक दिन मे होइत अछि।

होशे 12:9 मे परमेश् वर इस्राएली सभ सँ प्रतिज्ञा करैत छथि जे ओ हुनका सभ केँ तम्बू मे रहय देताह, जेना गंभीर भोजक दिन मे होइत अछि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: हुनकर लोकक लेल एकटा निवास स्थान

2. भोज के पोसब: परमेश् वरक निष्ठा के स्मरण करब

1. निष्कासन 33:14 - ओ कहलनि, “हमर उपस्थिति अहाँक संग जायत, आ हम अहाँ केँ विश्राम देब।”

2. भजन 63:2 - अहाँक सामर्थ्य आ महिमा केँ देखबाक लेल, जेना हम अहाँ केँ पवित्र स्थान मे देखलहुँ।

होशे 12:10 हम भविष्यवक्ता सभक द्वारा सेहो बजलहुँ, आ भविष्यवक्ता सभक सेवाक द्वारा दर्शन सभ केँ बढ़ाओल आ उपमा सभक प्रयोग केलहुँ।

परमेश् वर भविष्यवक्ता सिनी के माध्यम स॑ बात करलकै आरू अपनऽ संदेश के संप्रेषण करै लेली उपमा आरू दर्शन के प्रयोग करलकै ।

1. भविष्यवाणीक शक्ति: परमेश् वर अपन संदेश कोना संप्रेषित करैत छथि

2. उपमाक अर्थ: परमेश् वरक वचन केँ बुझब

1. इजकिएल 3:17 - मनुष्यक बेटा, हम अहाँ केँ इस्राएलक घरानाक चौकीदार बना देलहुँ, तेँ हमर मुँह सँ वचन सुनू आ हमरा दिस सँ हुनका सभ केँ चेतावनी दिअ।

2. यशायाह 28:9-13 - ओ केकरा ज्ञान सिखाओत? ओ केकरा सिद्धांत केँ बुझबाक लेल बनाओत? जे दूध सँ दुध छुड़ा कऽ स्तन सँ खीचल जाइत अछि। कारण उपदेश उपदेश पर, उपदेश पर उपदेश हेबाक चाही; रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; एतय कनि, आ ओतय कनि:

होशे 12:11 की गिलिआद मे अधर्म अछि? निश्चय ओ सभ व्यर्थ अछि, ओ सभ गिलगाल मे बैल बलि दैत छथि। हँ, हुनका लोकनिक वेदी खेतक खज मे ढेर जकाँ अछि।

होशे केरऽ ई अंश गिलाद में बेईमानी आरू निष्ठा के कमी के संबोधित करै छै।

1. हमर जीवन मे निष्ठा के महत्व

2. मूर्तिपूजा आ आडंबरक परिणाम

1. यिर्मयाह 7:9-10 - "की अहाँ चोरी करब, हत्या करब, व्यभिचार करब, झूठ शपथ करब, बाल केँ धूप जराब, आ दोसर देवताक पाछाँ चलब, जिनका अहाँ नहि चिन्हैत छी...आओर आबि क' हमरा सामने

एहि घर मे ठाढ़ भ' जायब जे... हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, आ कहैत अछि जे, हमरा सभ केँ ई सभ घृणित काज करबाक लेल मुक्त कयल गेल अछि?"

2. व्यवस्था 12:2-4 - "अहाँ सभ ओहि ठाम सभ केँ नष्ट कऽ देब जतय अहाँ सभ जे जाति सभ केँ बेदखल करब, ओ सभ अपन देवताक सेवा करैत छल, ऊँच पहाड़ सभ पर आ पहाड़ी सभ पर आ हरियर-हरियर गाछ सभक नीचाँ। अहाँ सभ ओकर वेदी सभ केँ तोड़ि कऽ तोड़ि देब।" ओकर सभक पवित्र खंभा सभ केँ आगि सँ जरा दियौक, ओकर देवता सभक नक्काशीदार मूर्ति सभ केँ काटि कऽ ओकर सभक नाम ओहि स्थान सँ नष्ट कऽ दियौक।”

होशे 12:12 याकूब अराम देश मे भागि गेल, आ इस्राएल एकटा पत्नीक लेल सेवा केलक आ पत्नीक लेल ओ भेड़ पोसलक।

याकूब सीरिया भागि गेल आ इस्राएल भेड़ चरा क' एकटा स्त्री सँ विवाह करबाक काज केलक।

1. वाचाक लागत: होशे 12:12 केँ बुझब

2. याकूबक यात्रा: हुनकर संघर्ष दुनियाँकेँ कोना बदलि देलक

1. उत्पत्ति 32:22-30 - याकूब जबबोक मे परमेश् वरक संग कुश्ती लड़ैत छथि

2. यहोशू 24:1-15 - शेकेम मे प्रभुक संग इस्राएलक वाचा

होशे 12:13 एकटा भविष्यवक्ता द्वारा परमेश् वर इस्राएल केँ मिस्र सँ बाहर निकाललनि आ एकटा भविष्यवक्ता द्वारा हुनका सुरक्षित कयल गेलनि।

परमेश् वर एकटा भविष्यवक्ता केँ इस्राएल केँ मिस्र सँ बाहर निकालबाक लेल आ ओकरा सभ केँ सुरक्षित रखबाक लेल प्रयोग कयलनि।

1. भविष्यवक्ता के शक्ति: भगवान अपन लोक के नेतृत्व आ संरक्षण के लेल भविष्यवक्ता के कोना उपयोग केलनि

2. परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक पालन करबाक लेल एकटा आह्वान: हमरा सभ केँ परमेश् वरक भविष्यवक्ता सभक बात किएक सुनबाक चाही आ हुनकर आज्ञा मानबाक चाही

1. निष्कासन 3:7-10; 4:10-17 - परमेश् वर मूसा केँ इस्राएल केँ मिस्र सँ बाहर निकालबाक लेल बजौलनि।

2. यिर्मयाह 26:20-24 - यिर्मयाह लोक सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे परमेश्वरक भविष्यवक्ता सभक आज्ञा मानू।

होशे 12:14 एप्रैम ओकरा बहुत कटुता सँ क्रोधित क’ देलकैक, तेँ ओ ओकरा पर अपन खून छोड़ि देतैक आ ओकर प्रभु ओकरा पर ओकर अपमान घुरि जेतै।

एप्रैम परमेश् वर केँ क्रोधित कऽ देने छथि, आ परमेश् वर हुनका सभक अपमान केँ वापस कऽ देथिन।

1. प्रभु के उकसावे के परिणाम

2. निन्दाक प्रति प्रभुक प्रतिक्रिया

1. व्यवस्था 8:19 - जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवा केँ बिसरि जायब आ दोसर देवता सभक पाछाँ लागब आ हुनकर सेवा करब आ हुनकर आराधना करब तँ हम आइ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही दैत छी जे अहाँ सभ अवश्य नाश भऽ जायब।

2. नीतिवचन 14:34 - धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।

होशे अध्याय 13 इस्राएल के लोगऽ के अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के बारे में जारी रखै छै। अध्याय में हुनकऽ काम के परिणाम आरू हुनका पर परमेश् वर के धार्मिक न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के लोगऽ के खिलाफ परमेश् वर के अभियोग स॑ होय छै, जेकरा म॑ ओकरा सिनी प॑ मूर्तिपूजा आरू झूठा देवता के आराधना करै के आरोप लगैलऽ गेलऽ छै । ओ हुनका लोकनिक व्यवहारक तुलना भोरका धुंध आ ओस सँ करैत छथि जे जल्दी विलुप्त भ' जाइत अछि । मूर्ति आरू झूठा देवता पर हुनकऽ भरोसा हुनकऽ पतन के तरफ ले जैतै (होशे 13:1-4)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर इस्राएल के लोगऽ के लेलऽ अपनऽ पिछला मुक्ति के काम के बारे में बतैलकै, मिस्र में ओकरऽ गुलामी स॑ ल॑ क॑ प्रतिज्ञात देश में ओकरऽ स्थापना तक। मुदा, ओ सभ अपन उद्धारकर्ता केँ बिसरि मूर्तिपूजा दिस बढ़ि गेल, जाहि सँ परमेश् वरक क्रोध भड़का देलक। ओ घोषणा करैत छथि जे हुनका लोकनिक काजक परिणाम सँ कोनो मुक्ति नहि होयत (होशे 13:5-9)।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे इस्राएलक प्रतीक्षा मे जे सजा अछि तकर वर्णन अछि। ओ सभ सिंह, तेन्दुआ आ भालू जकाँ भ' जेताह, जे विद्रोहक कारणेँ ओकरा सभ केँ नोचि-फाड़ि देत। परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ पर उतारल जायत, आ हुनकर सभक विनाश अनिवार्य अछि (होशे 13:10-16)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय १३ मे इस्राएलक लोकक अविश्वास आ मूर्तिपूजा केँ संबोधित कयल गेल अछि, हुनका लोकनिक कर्म के परिणाम आ हुनका पर परमेश् वरक धार्मिक न्याय पर जोर दैत।

मूर्तिपूजा आ मिथ्या देवताक पूजाक आरोप।
भोरका क्षणभंगुर धुंध आ ओससँ हुनका लोकनिक व्यवहारक तुलना ।
मूर्ति पर निर्भरता के कारण पतन के भविष्यवाणी।
परमेश्वर केरऽ पिछला मुक्ति केरऽ काम आरू इस्राएल केरऽ बिसरला के स्मरण ।
हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा आ कोनो मुक्तिक घोषणा सँ उत्पन्न क्रोध |
दण्ड के वर्णन एवं सिंह, तेंदुआ, भालू से तुलना |
भगवान् के क्रोध आ अनिवार्य विनाश के मुक्ति।

होशे के ई अध्याय इस्राएल के लोगऽ के अविश्वास आरू मूर्तिपूजा के बारे में संबोधित करै छै, जेकरा में ओकरऽ काम के परिणाम आरू ओकरा पर परमेश् वर के धार्मिक न्याय पर जोर देलऽ गेलऽ छै। अध्याय के शुरुआत इस्राएल के खिलाफ परमेश् वर के आरोप लगाबै के साथ होय छै, जेकरा में ओकरा पर मूर्तिपूजा आरू झूठा देवता के आराधना करै के आरोप लगैलऽ गेलऽ छै। हिनका लोकनिक व्यवहारक तुलना भोरका धुंध आ ओस सँ कयल जाइत अछि जे जल्दीए विलुप्त भ' जाइत अछि । मूर्ति आ मिथ्या देवता पर निर्भर रहला स हुनकर पतन भ जायत। परमेश् वर इस्राएल के लेलऽ अपनऽ पिछला मुक्ति के काम के बारे में बतैलकै, मिस्र में ओकरऽ गुलामी स॑ ल॑ क॑ प्रतिज्ञात देश में ओकरऽ स्थापना तक। मुदा, ओ सभ अपन उद्धारकर्ता केँ बिसरि मूर्तिपूजा दिस बढ़ि गेल, जाहि सँ परमेश् वरक क्रोध भड़का देलक। ओ घोषणा करैत छथि जे हुनका लोकनिक काजक परिणाम सँ कोनो मुक्ति नहि होयत । अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे इस्राएलक प्रतीक्षा मे जे सजाय अछि ओकर वर्णन अछि। ओ सभ सिंह, तेन्दुआ आ भालू जकाँ भ' जेताह, जे विद्रोहक कारणेँ ओकरा सभ केँ नोचि-फाड़ि देत। परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ पर उतारल जायत, आ हुनका सभक विनाश अनिवार्य अछि। ई अध्याय मूर्तिपूजा आरू अविश्वास के परिणाम के साथ-साथ इस्राएल के लोगऽ पर परमेश् वर के धार्मिक न्याय पर भी जोर दै छै।

होशे 13:1 जखन एप्रैम काँपैत बाजल, तखन ओ इस्राएल मे अपना केँ ऊपर उठौलनि। मुदा जखन ओ बाल मे अपराध कयलनि तखन ओ मरि गेलाह।

एप्रैम इस्राएल मे अपना पर घमंड करैत छल, मुदा जखन ओ परमेश् वरक विरुद्ध पाप केलक तखन ओ नष्ट भऽ गेल।

1. घमंड के खतरा आ भगवान के न्याय के शक्ति।

2. पश्चाताप आ परमेश्वरक प्रति निष्ठा के महत्व।

1. नीतिवचन 16:18, "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने"।

2. यशायाह 59:2, "मुदा तोहर अधर्म अहाँ आ अहाँक परमेश् वरक बीच अलग भ' गेल अछि, आ अहाँक पाप हुनकर मुँह अहाँ सँ नुका क' राखि देने अछि, जाहि सँ ओ नहि सुनत।"

होशे 13:2 आब ओ सभ बेसी सँ बेसी पाप करैत अछि, आ अपन बुद्धिक अनुसार अपन चानीक पिघलल मूर्ति आ मूर्ति सभ बनबैत अछि, ई सभ कारीगर सभक काज अछि बछड़ा सभ।

इस्राएलक लोक सभ बेसी सँ बेसी पाप करैत अछि आ चानी सँ मूर्ति सभ बनबैत अछि। ओ सभ एहि मूर्ति सभक पूजा क' क' बलि चढ़ा रहल छथि ।

1: मूर्तिपूजा शास्त्र के अनुसार पाप अछि आ भगवान के लोक के नै करबाक चाही।

2: सच्चा पूजा केवल भगवान् सँ होइत अछि आ कोनो मानव निर्मित मूर्ति सँ नहि।

1: निर्गमन 20:3-5 "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ ऊपर स्वर्ग मे वा नीचाँ पृथ्वी पर वा नीचाँ पानि मे कोनो वस्तुक रूप मे अपन मूर्ति नहि बनाउ। प्रणाम नहि करू।" हुनका सभक आराधना करू, किएक तँ हम, अहाँ सभक परमेश् वर, ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।”

2: यशायाह 44:9-11 "मूर्ति बनबै बला सभ किछु नहि अछि, आ जे किछु ओ सभ खजाना रखैत अछि से बेकार अछि। जे सभ ओकरा सभक लेल बाज' चाहैत अछि, ओ सभ आन्हर अछि; ओ सभ अज्ञानी अछि, अपन लाजक लेल। जे देवता केँ आकार दैत अछि आ ओकरा फेकैत अछि।" मूर्ति, जे ओकरा किछुओ फायदा नहि क' सकैत अछि? ओ आ ओकर जाति केँ लज्जित कयल जायत, कारीगर मनुक्खक अतिरिक्त किछु नहि। सभ एक ठाम आबि अपन ठाढ़ रहय, ओकरा सभ केँ आतंक आ लाज मे उतारल जायत।"

होशे 13:3 तेँ ओ सभ भोर मेघ जकाँ होयत, आ भोरक ओस जकाँ जे बीतैत अछि, ओहि भूसा जकाँ होयत जे बवंडर सँ फर्श सँ भगाओल जाइत अछि आ चिमनी सँ निकलल धुँआ जकाँ।

जनता भगवान् के बिसरि गेल अछि आ मेघ, ओस, भूसा आ धुँआ जकाँ गायब भ' क' सजा भेटत।

1. भगवान् के बिना हम किछु नहि छी

2. भगवान् के बिसरि गेलाक परिणाम

1. भजन 121:1-2 - "हम अपन नजरि पहाड़ी दिस उठा लेब, जतय सँ हमर सहायता अबैत अछि। हमर सहायता प्रभु सँ अबैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी केँ बनौलनि।"

2. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

होशे 13:4 तइयो हम मिस्र देश सँ अहाँक परमेश् वर यहोवा छी, आ अहाँ हमरा छोड़ि कोनो देवता केँ नहि चिन्हब, किएक तँ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि वू ओकरोॅ एकमात्र उद्धारकर्ता छै आरू ओकरा सिनी कॅ कोनो दोसरो परमेश् वर कॅ नै जानना आरू ओकरा पर भरोसा नै करै के चाही।

1. प्रभु पर भरोसा करब: केवल भगवान मे मोक्ष कोना भेटत

2. भगवान् के विशिष्टता: हमर उद्धारकर्ता के अनन्य स्वभाव के जश्न मनाबय के

1. यशायाह 43:11 - हम, हम प्रभु छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।

2. मत्ती 1:21 - ओ एकटा बेटा पैदा करतीह, आ अहाँ हुनकर नाम यीशु राखब, कारण ओ अपन लोक सभ केँ पाप सँ बचाओत।

होशे 13:5 हम अहाँ केँ जंगल मे, बहुत रौदीक देश मे चिन्हैत छलहुँ।

भगवान् हमरा सब के बहुत कठिनाई आ कष्ट के समय में सेहो चिन्हैत छथि।

1. परीक्षा के समय में परमेश्वर के अनन्त प्रेम

2. कठिन समय मे ताकत ताकब

1. व्यवस्था 31:8 - "अहाँ सभक आगू जे प्रभु छथि। ओ अहाँ सभक संग रहताह। ओ अहाँ सभ केँ नहि छोड़ताह आ ने अहाँ सभ केँ छोड़ताह। नहि डरू आ ने निराश भ' जाउ।"

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

होशे 13:6 अपन चारागाहक अनुसार ओ सभ पेट भरि गेल। ओ सभ भरि गेल, आ ओकर सभक हृदय ऊँच भ’ गेल। तेँ हमरा बिसरि गेल अछि।

होशे 13:6 एकटा स्मरणक काज करैत अछि जे परमेश् वरक कृपा पर भरोसा करू आ सांसारिक सम्पत्ति पर नहि। 1. "संतोषक हृदय" 2. "अभिमानक खतरा"। 1. फिलिप्पियों 4:11-13 - "ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक गप्प क' रहल छी, किएक त' हम जे कोनो परिस्थिति मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ उतरब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। कोनो मे।" आ हर परिस्थिति मे, हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी।" 2. याकूब 4:13-17
- "अखन आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा क' एक साल ओत' व्यापार करब आ लाभ कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत।" अहाँक जीवन की अछि, कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि, बल्कि अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि त' हम सभ जीब' आ ई वा ओ काज करब।जेना अछि, अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि।"

होशे 13:7 तेँ हम हुनका सभक लेल सिंह जकाँ रहब, बाट मे तेंदुआ जकाँ हुनका सभक पालन करब।

भगवान् अपन लोक पर सिंह आ तेंदुआ जकाँ नजरि रखताह।

1. परमेश् वर सदिखन हमरा सभ पर नजरि रखैत छथि आ रक्षा करैत छथि - भजन 121:3-4

2. परमेश् वरक प्रति हमर सभक वफादारीक परिणाम हुनकर रक्षा होयत - होशे 11:4

1. भजन 121:3-4: "ओ तोहर पएर नहि हिलय देत; जे तोहर राखत से नींद नहि लागत। देखू, जे इस्राएल केँ राखत, ओ ने नींद करत आ ने सुतत।"

2. होशे 11:4: "हम हुनका सभ केँ दयालुताक डोरी सँ, प्रेमक पट्टी सँ लऽ गेलियनि, आ हम हुनका सभक लेल ओहिना बनि गेलहुँ जे हुनका सभक जबड़ा पर जूआ केँ हल्लुक करैत छथि, आ हम हुनका सभक समक्ष झुकि क' हुनका सभ केँ खुआ देलियनि।"

होशे 13:8 हम ओकरा सभ सँ ओहि भालू जकाँ भेंट करब जे ओकर बच्चा सभ सँ वंचित अछि, आ ओकर सभक हृदयक गड़बड़ी फाड़ब, आ ओतहि हम ओकरा सभ केँ सिंह जकाँ खा लेब, जंगली जानवर ओकरा सभ केँ नोचि देत।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ ओकर पापक सजाय देत, जे शोक संतप्त भालू आ भक्षक शेर जकाँ काज करत।

1. भगवानक क्रोध: हुनकर दण्डक शक्ति केँ बुझब

2. परमेश् वरक प्रेम आ दया: पापक सोझाँ क्षमा

1. यिर्मयाह 30:14-15 - अहाँक सभ प्रेमी अहाँ केँ बिसरि गेल अछि; ओ सभ अहाँकेँ नहि तकैत अछि। कारण, हम अहाँ सभ केँ शत्रु केर घाव सँ, क्रूरक दंड सँ घायल कऽ देलहुँ, अहाँ सभक अधर्मक बहुत कारणेँ। किएक तँ अहाँक पाप बढ़ि गेल अछि।

2. इजकिएल 34:11-16 - कारण प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे हम स्वयं अपन भेँड़ा सभ केँ खोजब आ ओकरा सभ केँ तकब। जहिना चरबाह अपन छिड़ियाएल बरदक बीच मे अपन भेँड़ा केँ तकैत अछि, तहिना हम अपन बरद सभ केँ ताकब आ ओकरा सभ केँ ओहि सभ ठाम सँ उद्धार करब जतय ओ सभ मेघ आ अन्हार दिन मे छिड़ियाएल छल। हम ओकरा सभ केँ जाति-जाति मे सँ बाहर निकालब आ देश-देश सँ ओकरा सभ केँ जमा करब आ ओकरा सभ केँ अपन देश मे आनि देब। हम ओकरा सभ केँ इस्राएलक पहाड़ पर, उपत्यका मे आ देशक सभटा लोक सभ मे पेट भरब। हम ओकरा सभ केँ नीक चारागाह मे पोसब, आ ओकर सभक झुंड इस्राएलक ऊँच पहाड़ पर रहत। ओतय ओ सभ नीक झुंड मे पड़ल रहत आ इस्राएलक पहाड़ पर समृद्ध चारागाह मे भोजन करत। हम अपन भेँड़ा केँ पोसब आ ओकरा सभ केँ सुता देब, ई बात प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

होशे 13:9 हे इस्राएल, अहाँ अपना केँ नष्ट क’ लेलहुँ। मुदा अहाँक सहायता हमरा मे अछि।

इस्राएल अपना केँ नष्ट क’ लेलक, मुदा परमेश् वर ओकर सहायक छथि।

1. "आवश्यकता के समय में भगवान के मदद"।

2. "पश्चाताप आ पुनर्स्थापनक शक्ति"।

1. यशायाह 40:29-31 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि; जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2. याकूब 4:7-8 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

होशे 13:10 हम अहाँक राजा बनब, अहाँक सभ शहर मे अहाँ केँ बचाबय बला दोसर कतय अछि? आ तोहर न्यायाधीश सभ, जिनका बारे मे अहाँ कहलहुँ, “हमरा राजा आ राजकुमार सभ दिअ?”

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ याद दिलाबै छै कि वू ओकरो सच्चा राजा छै आरु वू ही ओकरा सिनी कॅ बचाबै सकै छै।

1. भगवान् कोनो आन राजा सँ पैघ छथि

2. हमर स्वर्गीय राजाक शक्ति

1. यशायाह 43:3 - "किएक तँ हम प्रभु अहाँक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी; हम अहाँक बदला मे मिस्र केँ अहाँक फिरौती मे, कुश आ सेबा केँ दैत छी।"

2. भजन 24:8-10 - "ई महिमा के राजा के छथि? प्रभु बलवान आ पराक्रमी, युद्ध मे पराक्रमी प्रभु। हे फाटक सभ, अपन माथ उठाउ। हे प्राचीन दरबज्जा, जे राजा छथि।" महिमा आबि सकैत अछि। ओ के छथि, ई महिमा के राजा? सर्वशक्तिमान प्रभु ओ महिमा के राजा छथि।"

होशे 13:11 हम अपन क्रोध मे अहाँ केँ राजा द’ देलियनि, आ हुनका अपन क्रोध मे ल’ गेलहुँ।

परमेश् वर अपन क्रोध मे इस्राएल केँ राजा देलनि आ फेर ओकरा अपन क्रोध मे लऽ गेलाह।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता - होशे 13:11 क कथा हमरा सभ केँ सिखाबैत अछि जे परमेश् वर सार्वभौमिक छथि आ हुनकर इच्छाक विरोध कियो नहि क’ सकैत अछि।

2. पाप के परिणाम - जखन हम सब भगवान आ पाप स मुँह घुमा लैत छी त हुनकर क्रोध के परिणाम के सामना करय पड़ैत अछि।

२.

2. दानियल 4:34-35 - दिनक अंत मे हम नबूकदनेस्सर अपन नजरि स्वर्ग दिस उठौलहुँ, आ हमर तर्क हमरा दिस घुरि गेल, आ हम परमात्मा केँ आशीर्वाद देलहुँ, आ जे अनन्त काल धरि जीबैत छथि, हुनकर प्रशंसा आ सम्मान केलहुँ, हुनकर लेल प्रभु एकटा अनन्त शासन अछि, आ ओकर राज्य पीढ़ी- दर-पीढ़ी टिकैत अछि। पृथ्वी पर रहनिहार सभ केँ किछुओ नहि मानल जाइत छैक, आ ओ स् वर्गक

सेना आ पृथ् वीक निवासी सभक बीच अपन इच्छाक अनुसार काज करैत अछि। कियो ओकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने ओकरा कहि सकैत अछि जे, “अहाँ की केलहुँ?”

होशे 13:12 एफ्राइमक अधर्म बान्हल अछि। ओकर पाप नुकायल अछि।

एप्रैम के पाप के सजा मिलतै।

1. पाप के परिणाम: एफ्राइम के सजा

2. धर्मक महत्व: दंड सँ बचबाक उपाय

1. नीतिवचन 28:13 - "जे अपन पाप नुकाबैत अछि, ओकर सफलता नहि होइत छैक, मुदा जे ओकरा स्वीकार करैत अछि आ ओकरा त्याग करैत अछि, ओकरा दया भेटैत छैक।"

2. याकूब 5:16 - "तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

होशे 13:13 प्रसव करनिहार स् त्रीक दुख ओकरा पर आओत। किएक तँ ओकरा संतानक टूटबाक स्थान पर बेसी दिन नहि रहबाक चाही।

भगवान् केरऽ न्याय वू लोगऽ प॑ आबै वाला छै जे बुद्धिमानी नै छै आरू अपनऽ स्थिति के वास्तविकता क॑ स्वीकार करै स॑ इनकार करी दै छै ।

1. परमेश् वरक न्यायक यथार्थ

2. अपन परिस्थिति केँ स्वीकार करबाक बुद्धि

1. इब्रानी 10:31- जीवित परमेश् वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।

2. भजन 119:67-68- हम कष्ट सँ पहिने भटकल छलहुँ, मुदा आब हम अहाँक वचनक पालन करैत छी।
अहाँ नीक छी आ नीक काज करैत छी; हमरा अपन विधान सिखाउ।

होशे 13:14 हम हुनका सभ केँ कबरक सामर्थ्य सँ मुक्ति देबनि। हम हुनका सभ केँ मृत्यु सँ मुक्त कऽ देबनि, हे मृत्यु, हम अहाँक विपत्ति बनि जायब। हे कब्र, हम तोहर विनाश होयब, पश्चाताप हमर आँखि सँ नुकायल रहत।

परमेश् वर हमरा सभ केँ मृत्यु आ कबर सँ मुक्त करबाक लेल तैयार छथि।

1. मोक्षक शक्ति: परमेश् वरक दया सदाक लेल टिकैत अछि

2. कब्र मे हमर आशा: भगवानक प्रेम मृत्यु पर विजय प्राप्त करैत अछि

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. यशायाह 43:1-3 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

होशे 13:15 जँ ओ अपन भाइ सभक बीच फलदार होयत, मुदा पूरबक हवा आबि जायत, मुदा परमेश् वरक हवा जंगल सँ ऊपर आबि जायत, आ ओकर झरना सुखायत आ ओकर फव्वारा सुखायत, ओ खजाना लूटि लेत सब सुखद पात्र के।

परमेश् वरक लोक सभ केँ प्रचुरता सँ आशीर्वाद भेटल अछि, मुदा जँ ओ सभ वफादार नहि रहत तँ ओ ओकरा छीनि लेताह।

1. "प्रचुरता के आशीर्वाद आ अभिशाप: प्रचुरता के समय में निष्ठावान रहब"।

2. "भगवानक आशीर्वादक खोज: निष्ठा आ धनक बीचक विकल्प"।

1. व्यवस्था 28:1-14 - परमेश् वरक आशीष आ अभिशापक प्रतिज्ञा

2. याकूब 5:2-5 - प्रचुरता आ लोभक विरुद्ध चेतावनी

होशे 13:16 सामरिया उजाड़ भ’ जायत। किएक तँ ओ अपन परमेश् वरक विद्रोह कऽ लेने अछि, ओ सभ तलवारसँ खसि पड़तैक, ओकर शिशु सभकेँ टुकड़-टुकड़ कऽ देल जेतै आ ओकर गर्भवती स् त्रीगण सभ नोचि कऽ चलि जेतै।

ई अंश परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह के कारण सामरिया के विनाश के बारे में छै।

1. अपन निष्ठा के याद करब: भगवान के विरुद्ध विद्रोह के परिणाम के बुझब

2. पश्चाताप के आह्वान: परमेश् वर सँ मुँह मोड़बाक क्षतिपूर्ति करब

1. यशायाह 1:2-20 - परमेश् वरक पश्चाताप करबाक आह्वान आ आज्ञा नहि मानबाक परिणामक चेतावनी

2. यिर्मयाह 2:19 - परमेश् वरक निहोरा जे हुनका लग अपन पूरा मोन आ प्राण सँ वापस आबि जाउ

होशे अध्याय 14 पश्चाताप, पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के साथ नवीन संबंध के आह्वान के साथ पुस्तक के समापन करै छै। अध्याय में सच्चा पश्चाताप, मूर्तिपूजा स॑ मुँह मोड़ना, आरू उद्धार आरू आशीर्वाद लेली केवल परमेश्वर पर भरोसा करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत प्रभु के पास वापस आबी क॑ हुनकऽ क्षमा माँगै के आह्वान स॑ होय छै । लोक सब स आग्रह कयल गेल अछि जे ओ पश्चाताप के शब्द ल क अपन पाप के स्वीकार करथि, परमेश्वर स आग्रह करैत छथि जे ओ हुनका कृपा स ग्रहण करथि आ प्रतिज्ञा करथि जे आब मूर्ति पर भरोसा नहि करथि (होशे 14:1-3)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे मानव शक्ति आ सांसारिक शक्ति पर निर्भर रहबाक व्यर्थता पर जोर देल गेल अछि | ई लोगऽ क॑ केवल परमेश्वर प॑ भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करै छै, जेकरा स॑ ओकरा हुनकऽ चंगाई आरू बहाली के आश्वासन मिलै छै । परमेश् वर ओस जकाँ हेताह जे ताजा आ पुनर्जीवित करैत अछि, जाहि सँ ओ सभ फूल आ पनपैत अछि (होशे 14:4-7)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के प्रेम आरू करुणा के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। हुनकऽ पिछला विद्रोह के बावजूद, परमेश् वर हुनकऽ पथभ्रष्टता क॑ ठीक करै आरू हुनका सिनी स॑ स्वतंत्र रूप स॑ प्रेम करै के अपनऽ प्रतिबद्धता के घोषणा करै छै । धर्मी लोक पनपताह, आ परमेश् वर अपन लोक सभ केँ प्रचुर आशीष प्रदान करताह (होशे 14:8-9)।

संक्षेप मे, २.
होशे अध्याय १४ मे पश्चाताप करबाक आह्वान सँ पुस्तकक समापन कयल गेल अछि,
बहाली, आरू परमेश्वर के साथ नवीन संबंध, वास्तविक पश्चाताप पर जोर दै वाला
आ उद्धार आ आशीर्वादक लेल भगवान् पर निर्भर रहब।

प्रभु के पास वापस आबै के लेल आह्वान करू आ हुनकर क्षमा मांगू।
पश्चाताप के शब्द लाबय के आग्रह करू आ मूर्ति पर निर्भरता के त्याग करू।
मानवीय शक्ति आ सांसारिक शक्ति पर निर्भर रहबाक व्यर्थता पर जोर।
केवल परमेश्वर पर भरोसा करै के प्रोत्साहन आरू हुनकऽ चंगाई आरू पुनर्स्थापन के आश्वासन ।
पिछला विद्रोह के बावजूद भगवान के प्रेम आ करुणा के वादा।
हुनकर पथभ्रष्टता के ठीक करबाक प्रतिबद्धता आ हुनका सब स स्वतंत्र रूप स प्रेम करबाक प्रतिबद्धता।
भगवान् स धर्मात्मा आ प्रचुर आशीर्वाद लेल पनपबाक घोषणा।

होशे के ई अध्याय पश्चाताप, पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के साथ नवीन संबंध के आह्वान के साथ पुस्तक के समापन करै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत प्रभु के पास वापस आबी क॑ हुनकऽ क्षमा

माँगै के हृदय स॑ आह्वान स॑ होय छै । लोक सब स आग्रह कयल गेल अछि जे पश्चाताप के वचन ल क आबय, अपन पाप के स्वीकार करय आ आब मूर्ति पर निर्भर नै रहबाक वचन देबय। अध्याय में मानव शक्ति आरू सांसारिक शक्ति पर भरोसा करै के व्यर्थता पर जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा स॑ लोगऽ क॑ केवल भगवान प॑ भरोसा करै लेली प्रोत्साहित करलऽ गेलऽ छै । ई हुनका सब क॑ हुनकऽ चंगाई आरू पुनर्स्थापन के आश्वासन दै छै, हुनकऽ उपस्थिति के तुलना ताजा आरू पुनर्जीवित करै वाला ओस स॑ करै छै जेकरा स॑ हुनका फूलऽ आरू पनपना छै । अध्याय के समापन परमेश् वर के प्रेम आरू करुणा के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। हुनकऽ पिछला विद्रोह के बावजूद, परमेश् वर हुनकऽ पथभ्रष्टता क॑ ठीक करै आरू हुनका सिनी स॑ स्वतंत्र रूप स॑ प्रेम करै के अपनऽ प्रतिबद्धता के घोषणा करै छै । धर्मी लोक पनपत, आ परमेश् वर अपन लोक सभ केँ प्रचुर आशीष प्रदान करताह। ई अध्याय में सच्चा पश्चाताप, मूर्ति के अस्वीकार, आरू उद्धार आरू आशीर्वाद के लेलऽ परमेश्वर पर भरोसा के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई होशे के किताब के समापन आशाजनक नोट पर करै छै, जेकरा में परमेश्वर के प्रेम, दया आरू अपनऽ लोगऽ के साथ पुनर्स्थापित संबंध के इच्छा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

होशे 14:1 हे इस्राएल, अपन परमेश् वर यहोवा लग घुरि जाउ। कारण, अहाँ अपन अधर्मक कारणेँ खसि पड़ल छी।”

होशे भविष्यवक्ता इस्राएल के लोग सिनी कॅ प्रभु के पास वापस आबै लेली आह्वान करै छै।

1. "पश्चाताप करबाक आह्वान: होशे 14:1"।

2. "परमेश् वरक दया आ क्षमा: होशे 14:1 सँ एकटा संदेश"।

1. योएल 2:12-13 - "तेँ आब, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानैत आ शोक सँ हमरा दिस घुमू। आ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस मुड़ू, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि आ हुनका पर अधलाह काज पर पश्चाताप करैत छथि।”

2. यूहन्ना 3:16 - "परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय।"

होशे 14:2 अपना संग वचन लऽ कऽ प्रभु दिस घुमि जाउ, हुनका कहू जे, “सब अधर्म दूर करू आ हमरा सभ केँ कृपापूर्वक ग्रहण करू।”

परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ अपन वचन हुनका लग पहुँचाबी आ अपन पाप सँ मुँह घुमाबी। हमरा सभ केँ हुनका सँ माँगबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ क्षमा करथि आ कृपापूर्वक हमरा सभ केँ ग्रहण करथि। तखन हमरा लोकनि केँ बदला मे हुनक स्तुति करबाक चाही।

1. स्वीकारोक्ति के शक्ति: पश्चाताप के वचन के साथ भगवान के तरफ कोना मुड़ल जाय

2. कृपाक आशीर्वाद: भगवानक क्षमा आ स्वीकृतिक अनुभव

1. भजन 51:1-2 - हे परमेश् वर, अपन अटूट प्रेमक अनुसार हमरा पर दया करू। अपन बहुत करुणाक अनुसार हमर अपराध मेटा दिअ। हमर समस्त अधर्म केँ धोउ आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू।

2. याकूब 4:8 - परमेश् वरक नजदीक आबि जाउ आ ओ अहाँक नजदीक आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक।

होशे 14:3 अशूर हमरा सभ केँ नहि बचाओत। हम सभ घोड़ा पर सवार नहि रहब, आ ने अपन हाथक काज केँ आब कहब जे, ‘अहाँ सभ हमर सभक देवता छी, किएक तँ अहाँ सभ मे अनाथ केँ दया भेटैत छैक।”

इस्राएल के लोगऽ क॑ झूठा देवता सिनी स॑ मुड़ी क॑ दया लेली असगरे परमेश् वर प॑ भरोसा करना चाहियऽ ।

1. पश्चाताप के शक्ति: झूठ देवता स केवल भगवान् दिस मुड़ब

2. दया के प्रतिज्ञा: मुक्ति के लेल भगवान पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. यिर्मयाह 29:12-13 तखन अहाँ हमरा पुकारब आ आबि कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब। हम अहाँ सभ सँ पाबि जायब, प्रभु कहैत छथि, आ हम अहाँक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करब आ अहाँ सभ केँ ओहि सभ जाति आ सभ ठाम सँ एकत्रित करब जतय हम अहाँ केँ भगा देलहुँ, प्रभु कहैत छथि, आ हम अहाँ केँ ओहि स्थान पर वापस आनि देब जतय सँ हम अहाँकेँ निर्वासनमे पठा देलक।

होशे 14:4 हम हुनका सभक पाछू हटब केँ ठीक करब, हम हुनका सभ सँ मुक्त प्रेम करब, किएक तँ हमर क्रोध हुनका सँ दूर भ’ गेल अछि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ ठीक करबाक आ स्वतंत्र रूप सँ प्रेम करबाक वादा करैत छथि, हमरा सभक पाछू हटि गेलाक बादो।

1: परमेश् वरक बिना शर्त प्रेम: होशे 14:4

2: घर आबि रहल अछि: होशे 14:4

1: 1 यूहन्ना 4:8 - परमेश् वर प्रेम छथि।

2: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम केँ एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

होशे 14:5 हम इस्राएलक लेल ओस जकाँ रहब, ओ कुमुद जकाँ बढ़त आ लेबनान जकाँ अपन जड़ि फेकत।

इस्राएल के प्रति परमेश् वर के प्रेम ई सुनिश्चित करतै कि वू कुमुद के तरह बढ़तै आरू पनपतै।

1. भगवान् के प्रेम के शक्ति: ई जीवन के कोना बदलै छै

2. विश्वास मे बढ़ब: परमेश् वरक आशीर्वादक फलक अनुभव करब

1. यिर्मयाह 17:7-8 - "धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि। ओ पानि मे रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठाबैत अछि, आ गर्मी मे डरैत नहि अछि।" अबैत अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे चिंतित नहि होइत अछि, कारण ओकर फल देबय सँ नहि रुकैत अछि।

2. मत्ती 6:25-34 - तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ अपन जीवनक चिन्ता नहि करू, की खाएब आ की पीब, आ ने अपन शरीरक विषय मे, की पहिरब। की जीवन भोजन सँ बेसी आ शरीर कपड़ा सँ बेसी नहि? आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, ओ सभ ने बोइछ करैत अछि आ ने काटैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि, मुदा तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता ओकरा सभ केँ पोसैत अछि। की अहाँक मोल हुनका सभसँ बेसी नहि अछि? आ अहाँ मे सँ के बेचैन भ' क' ओकर जीवन काल मे एक घंटा जोड़ि सकैत अछि? आ कपड़ाक चिन्ता किएक अछि? खेतक कुमुद पर विचार करू जे ओ कोना बढ़ैत अछि, ओ सभ ने मेहनत करैत अछि आ ने घुमैत अछि, तइयो हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ नहि सजल छलाह।... आ की खाएब आ की पीब से नहि ताकू, आ ने चिन्ता करू। किएक तँ संसारक सभ जाति एहि सभ बातक खोज करैत अछि, आ अहाँ सभक पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एकर आवश्यकता अछि।

होशे 14:6 ओकर डारि पसरि जायत, ओकर सौन्दर्य जैतूनक गाछ जकाँ होयत आ ओकर गंध लेबनान जकाँ होयत।

परमेश् वर वादा करै छै कि जे लोग पश्चाताप करी कॅ हुनका तरफ मुड़ै छै, ओकरा जैतून के गाछ आरू लेबनान के तरह सुंदरता आरू सुगंध के इनाम मिलतै।

1. भगवानक क्षमा: सौन्दर्य आ सुगंधक एकटा जैतूनक गाछ

2. पश्चाताप मे सौन्दर्य आ सुगंध भेटब

1. यूहन्ना 15:1-5 - यीशु सच्चा बेल छथि आ जे हुनका मे रहताह से बहुत फल देत

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु केँ ताबत तक खोजू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि आ जाबत ओ नजदीक छथि ताबत हुनका पुकारू

होशे 14:7 हुनकर छाया मे रहनिहार सभ घुरि क’ आबि जेताह। ओ सभ धान जकाँ जीवित भऽ जायत आ बेल जकाँ बढ़ि जायत।

परमेश् वरक लोक घुरि कऽ लेबनानक अनाज आ अंगूर जकाँ पनपत।

1. पुनर्स्थापित आ पुनर्जीवित करबाक लेल परमेश्वरक कृपाक शक्ति

2. भगवान् के छाया में प्रचुरता के प्रतिज्ञा

1. इजकिएल 34:26-28 - हम हुनका सभ आ हमर पहाड़ीक चारूकातक स्थान सभ केँ आशीर्वाद बना देब। हम मौसम मे बौछार पठा देब; आशीर्वादक बरखा होयत।

2. यशायाह 35:1-2 - मरुभूमि आ सुखायल भूमि आनन्दित होयत; जंगल आनन्दित होयत आ फूलि जायत। क्रोकस जकाँ फुटि क' फूलि जायत; ओ बहुत हर्षित होयत आ आनन्द सँ चिचियाओत।

होशे 14:8 एप्रैम कहताह, “मूर्ति सभक संग हमरा आओर की काज अछि?” हम हुनका सुनने छी, आ अवलोकन केने छी: हम हरियर देवदारक गाछ जकाँ छी। हमरा सँ तोहर फल भेटैत अछि।

एफ्राइम के आब मूर्ति के पूजा में कोनो रुचि नै छै, आ ओ अपना के तुलना एकटा हरियर देवदार के गाछ स करैत छै जे फल दैत छै।

1. नवीकरणक शक्ति: एफ्राइमक कथा।

2. नवीकरणक फल: भगवान् केँ सबसँ पहिने राखब।

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. गलाती 5:22-23 - मुदा आत् माक फल अछि प्रेम, आनन्द, शान्ति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वास, कोमलता, आत्मसंयम; एहन बातक विरुद्ध कोनो कानून नहि अछि।

होशे 14:9 के बुद्धिमान अछि, आ ओ ई सभ बात बुझत? विवेकी, आ ओ ओकरा सभ केँ चिन्हत? कारण, परमेश् वरक बाट ठीक अछि, आ धर्मी लोक ओहि मे चलत, मुदा अपराधी सभ ओहि मे खसि पड़त।”

प्रभु के रास्ता न्यायसंगत आरो सही छै, आरो जे बुद्धिमान आरो विवेकी छै, वू एकरा जानतै आरो समझतै। अपराधी तथापि एकर कारणेँ खसि पड़त।

1. परमेश् वरक बाट न्यायी आ सही अछि

2. उल्लंघनकारी खसि पड़त

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 12:2 - "आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरणक द्वारा परिवर्तित भ' जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

योएल अध्याय 1 मे एकटा विनाशकारी टिड्डी प्लेग के वर्णन अछि जे यहूदा के देश पर आबि गेल अछि। अध्याय में टिड्डी के कारण विनाश के चित्रण करलऽ गेलऽ छै आरू लोगऽ स॑ विलाप आरू पश्चाताप के आह्वान करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ध्यान के आह्वान आ लोक के सुनय के आह्वान आ भविष्य के पीढ़ी तक संदेश देबय के आह्वान सं होइत अछि. टिड्डी द्वारा कयल गेल तबाही के वर्णन कयल गेल अछि, जेना कि ओ फसल के भस्म क’ देने अछि, जाहि सँ जमीन बंजर आ उजाड़ भ’ गेल अछि (योएल 1:1-4)।

2nd Paragraph : अध्याय आगू बढ़ैत अछि टिड्डी आक्रमणक जीवंत वर्णन। टिड्डी के उपमा एकटा सेना स कयल गेल अछि, जे अपन विनाश मे अदम्य आ अथक अछि। ओ सभ अपन बाट मे सभ किछु खा गेल अछि, लोक सभ केँ शोक आ निराशा मे छोड़ि देलक (योएल 1:5-12)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय में विलाप आ शोक के प्रतिक्रिया के आह्वान कयल गेल अछि | पुरोहित सब के निर्देश देल गेल छै कि ओ बोरा पहिर क लोक के उपवास आ प्रार्थना में नेतृत्व करथि। विनाश क॑ लोगऽ के पाप के परिणाम के रूप म॑ देखलऽ जाय छै, आरू ओकरा सिनी क॑ ईमानदारी स॑ पश्चाताप करी क॑ परमेश्वर के तरफ मुड़ै लेली आग्रह करलऽ जाय छै (योएल १:१३-१४)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के दया आ हस्तक्षेप के गुहार के संग होइत अछि | जनता अपन हताश स्थिति के स्वीकार करैत भगवान स विनती करैत छथि जे हुनका सब के आगू के विपत्ति स बचि जाय। ओ सभ हुनका पर अपन निर्भरता केँ चिन्हैत छथि आ हुनकर करुणा आ पुनर्स्थापना मे अपन आशा व्यक्त करैत छथि (योएल 1:15-20)।

संक्षेप मे, २.
योएल अध्याय 1 मे एकटा विनाशकारी टिड्डी विपत्तिक वर्णन अछि जे यहूदा देश पर आबि गेल अछि,
लोक सँ विलाप आ पश्चाताप के आह्वान करैत।

ध्यान आह्वान आ टिड्डी तबाही के वर्णन।
फसलक सेवन आ जमीन बंजर छोड़ब।
टिड्डी आक्रमण आ ओकर विनाशकारी प्रकृतिक सजीव वर्णन ।
विलाप आ शोक के आह्वान।
पुरोहित के लेल निर्देश जे लोक के उपवास आ प्रार्थना में नेतृत्व करथि।
पाप के परिणाम के रूप में विनाश के पहचान।
भगवान् की दया एवं हस्तक्षेप की गुहार।
भगवान् पर निर्भरता के स्वीकृति आ हुनकर करुणा आ पुनर्स्थापना में आशा।

योएल के ई अध्याय में एकटा विनाशकारी टिड्डी के विपत्ति के वर्णन छै जे यहूदा के देश में आबी गेलऽ छै। अध्याय के शुरुआत ध्यान के आह्वान आरू जनता के आह्वान स॑ होय छै कि वू सुन॑ आरू आबै वाला पीढ़ी तलक संदेश पहुँचाबै । टिड्डी केरऽ तबाही के जीवंत वर्णन करलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि ई फसल के भस्म करी क॑ जमीन बंजर आरू उजाड़ करी देल॑ छै । टिड्डी आक्रमणक उपमा एकटा अदम्य सेना सँ कयल गेल अछि, जे अथक रूप सँ अपन बाट मे सब किछु केँ नष्ट क' रहल अछि । अध्याय म॑ विलाप आरू शोक के प्रतिक्रिया के आह्वान करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ पुरोहितऽ क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि वू लोगऽ क॑ उपवास आरू प्रार्थना म॑ नेतृत्व करै । विनाश के लोक के पाप के परिणाम के रूप में देखलऽ जाय छै, आरू ओकरा सिनी सें आग्रह करलऽ जाय छै कि वू ईमानदारी सें पश्चाताप करी क॑ भगवान के तरफ मुड़ै । अध्याय के समापन भगवान के दया आरू हस्तक्षेप के गुहार के साथ होय छै, कैन्हेंकि लोग अपनऽ हताश स्थिति के स्वीकार करै छै आरू हुनकऽ करुणा आरू बहाली में अपनऽ आशा व्यक्त करै छै । ई अध्याय में विपत्ति के सामना में पश्चाताप आरू भगवान पर निर्भरता के जरूरत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

योएल 1:1 परमेश् वरक वचन जे पथुएलक पुत्र योएल लग आयल छल।

परमेश् वरक वचन योएल केँ प्रगट कयल गेलनि।

1: हमर जीवन मे भगवानक उपस्थिति

2: परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1: भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2: यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि, से तहिना होयत; ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे इच्छा रखैत छी से पूरा करत, आ ओहि काज मे सफल होयत जकरा लेल हम ओकरा पठौने रही।"

योएल 1:2 हे बुढ़-पुरान लोकनि, ई बात सुनू, आ अहाँ सभ एहि देशक निवासी, कान करू। की ई बात अहाँ सभक समय मे भेल अछि आकि अहाँ सभक पूर्वजक समय मे सेहो?

जोएल ओहि भूमि के बुजुर्ग आ निवासी सब स आह्वान करैत छथि जे ओ कोनो कठिन परिस्थिति पर विचार करथि जे हुनका सब के सामने आबि रहल अछि।

1. कठिन समय मे ताकत खोजब - योएल 1:2

2. विपत्ति के माध्यम स आशा के फेर स खोजब - योएल 1:2

1. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू, आ अपन मोन केँ साहस होउ। प्रभुक प्रतीक्षा करू!

2. फिलिप्पियों 4:13 - जे हमरा मजबूत करैत अछि, हम सभ किछु क’ सकैत छी।

योएल 1:3 अहाँ सभ अपन बच्चा सभ केँ ई बात कहि दियौक, आ अपन बच्चा सभ अपन बच्चा सभ केँ आ अपन बच्चा सभ केँ दोसर पीढ़ीक बात कहय।

योएल लोक सभ केँ चेताबैत अछि जे ओ अपन बच्चा सभ केँ, आओर अपन बच्चा सभक बच्चा सभ केँ, जे संदेश अनैत अछि, ओकर बारे मे बताउ।

1. हमर सभक कर्तव्य अछि जे अपन आस्था आगामी पीढ़ी धरि पहुँचाबी।

2. हमरा सभकेँ ई सुनिश्चित करबाक चाही जे भगवानक ज्ञान प्रत्येक पीढ़ीक माध्यमे संरक्षित आ संचारित हो।

1. व्यवस्था 6:4-9 - भविष्यक पीढ़ी केँ परमेश्वरक आज्ञा सिखाब’ के आज्ञा।

2. 2 तीमुथियुस 2:2 - अगिला पीढ़ी केँ प्रभुक प्रति वफादार रहबाक सिखाब।

योएल 1:4 जे ताड़क कीड़ा छोड़ने अछि से टिड्डी खा गेल अछि। टिड्डी जे छोड़ि गेल अछि से कँसर खा गेल अछि। आ जे कैंकरवर्म छोड़ि गेल अछि से कैटरपिलर खा गेल अछि।

ताड़क कीड़ा, टिड्डी, कैंकरवर्म, आ कैटरपिलर सबटा जमीन खा गेल अछि, किछु नहि छोड़ि गेल अछि।

1. जीवनक कठोर यथार्थ: हानिसँ निपटब सीखब

2. दृढ़ताक शक्ति: प्रतिकूलताक सामना करैत विश्वास राखब

1. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि।

2. भजन 23:4 - भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

योएल 1:5 हे नशा मे धुत्त लोक सभ जागू आ कानू। अहाँ सभ मदिरा पीनिहार, नव मदिराक कारणेँ हुंकार करू। किएक तँ ई अहाँक मुँहसँ कटि गेल अछि।

ई अंश शराब केरऽ आदी लोगऽ क॑ सलाह दै छै कि वू पश्चाताप करी क॑ अपनऽ व्यवहार स॑ मुँह मोड़॑ ।

1. नशाक खतरा: पश्चाताप करबाक आवश्यकता केँ चिन्हब

2. पश्चाताप के आराम: पाप स मुँह घुमाबय के विकल्प चुनब

1. 1 कोरिन्थी 6:12 - हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा सभ किछु उचित नहि अछि, हमरा लेल सभ किछु उचित अछि, मुदा हम ककरो अधिकार मे नहि आनल जायब।

2. 1 पत्रुस 5:8 - सोझ रहू, सतर्क रहू; किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत रहैत अछि आ ककरा खा सकैत अछि।

योएल 1:6 हमर देश पर एकटा एहन जाति आबि गेल अछि, जे मजबूत आ असंख्य अछि, जकर दाँत सिंहक दाँत अछि आ ओकरा गाल पर पैघ सिंहक दाँत अछि।

इस्राएल के भूमि पर एक शक्तिशाली दुश्मन के आक्रमण होय रहलऽ छै ।

1: हमरा सभकेँ ओहि दुश्मनक विरुद्ध मजबूतीसँ ठाढ़ हेबाक चाही जे हमरा सभकेँ भस्म करबाक धमकी दैत अछि।

2: दुश्मन पर विजय प्राप्त करबाक लेल भगवानक शक्ति पर भरोसा करबाक चाही।

1: इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।

2: भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

योएल 1:7 ओ हमर बेल केँ उजाड़ि देलक आ हमर अंजीरक गाछ केँ भौंक देलक। ओकर डारि उज्जर भ' जाइत छैक।

परमेश् वर योएलक अंगूरक बगीचा आ अंजीरक गाछ केँ नष्ट कऽ देलनि आ ओकरा सभ केँ बंजर आ बिना डारि छोड़ि देलनि।

1. भगवानक शक्ति: भगवान् कोना विनाश आ नवीकरण आनि सकैत छथि

2. दुखक मौसम: हमरा सभक जीवनक लेल भगवानक योजना

1. यशायाह 5:1-7 - अधर्म पर परमेश् वरक न्याय

2. व्यवस्था 28:38-41 - आज्ञाकारिता आ आज्ञा नहि मानबाक आशीर्वाद आ अभिशाप

योएल 1:8 अपन युवावस्थाक पतिक लेल बोरा पहिरने कुमारि जकाँ विलाप करू।

भविष्यवक्ता योएल लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू अपनऽ हेरायलऽ प्रियजनऽ के शोक म॑ बोरा पहिन॑ अपनऽ दुख व्यक्त करै ।

1. सही तरीका स शोक करब: पैगम्बर योएल स सीखब।

2. उदासी के बीच आशा खोजना: योएल 1:8 पर चिंतन।

1. मत्ती 5:4, धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।

२ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

योएल 1:9 अन्नबलि आ पेयबलि परमेश् वरक घर सँ काटि देल गेल अछि। परमेश् वरक सेवक पुरोहित सभ शोक करैत छथि।

पुरोहित सभ परमेश् वरक घर मे बलिदानक क्षतिक शोक मनाबैत छथि।

1: भगवान् के लोक के हुनका प्रसाद देबय के याद राखय पड़तनि, चाहे कोनो परिस्थिति हो।

2: भगवान् के लेल जे बलिदान देल जाइत अछि ओ व्यर्थ नहि होइत अछि आ अंततः ओकर फल भेटत।

1: यशायाह 40:10 - "देखू, प्रभु परमेश् वर मजबूत हाथ ल' क' आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करतनि। देखू, हुनकर इनाम हुनका संग छनि आ हुनकर काज हुनका सामने छनि।"

2: मलाकी 3:10-11 - "अहाँ सभ दसम भाग भंडार मे आनि दिअ, जाहि सँ हमर घर मे भोजन हो, आ आब हमरा एहि सँ परखू, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, जँ हम अहाँ सभ केँ स् वर्गक खिड़की नहि खोलब।" , आ अहाँ सभ केँ एकटा आशीर्वाद उझलि दियौक जे ओकरा ग्रहण करबाक लेल एतेक जगह नहि होयत"।

योएल 1:10 खेत उजाड़ भ’ गेल अछि, देश शोक करैत अछि। किएक तँ मकई बर्बाद भऽ गेल अछि, नवका मदिरा सुखा जाइत अछि, तेल सुस्त भऽ जाइत अछि।

जमीन बहुत रौदीक कारणेँ अपन फसलक क्षतिक शोक मना रहल अछि ।

1: जरूरत के समय में भगवान के प्रावधान

2: भगवान् के आशीर्वाद के लेल धन्यवाद देबय के महत्व

1: याकूब 1:17-18 सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि। ओ अपना इच्छा सँ हमरा सभ केँ सत् य वचन सँ जनम देलनि, जाहि सँ हम सभ हुनकर सृष्टि मे एक तरहक पहिल फल बनी।

2: भजन 104:14-15 ओ मवेशीक लेल घास आ मनुक्खक सेवाक लेल जड़ी-बूटी उगाबैत छथि, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ भोजन निकालि सकथि। मनुष् यक हृदय केँ आनन्दित करयवला मदिरा आ ओकर मुँह चमकाबय लेल तेल आ मनुष् यक हृदय केँ मजगूत करयवला रोटी।

योएल 1:11 हे किसान सभ, अहाँ सभ लाज करू। हे अंगूरक खेती करनिहार, गहूम आ जौक लेल कूदब।
कारण खेतक फसल नष्ट भ’ गेल अछि।

नव लाइन गहूम-जौक खेतक बर्बाद फसलसँ किसान आ अंगूरक खेतीबालाकेँ लाज हेबाक चाही।

1. कठिन समय मे भगवान् के प्रावधान

2. जे बोबैत छी से काटि लेब

1. उत्पत्ति 8:22 - "जखन धरि पृथ्वी रहत, बीज आ फसल, ठंढा आ गर्मी, गर्मी आ जाड़ आ दिन-राति नहि रुकत।"

2. भजन 126:5-6 - "जे नोर बोबैत अछि, ओ सभ हर्ष मे काटि लेत। जे अनमोल बीया लऽ कऽ आगू बढ़ैत अछि आ कानैत अछि, से निस्संदेह हर्षित भ' क' अपन गुच्छा ल' क' आबि जायत।"

योएल 1:12 बेल सुखा गेल अछि आ अंजीरक गाछ सुस्त भ’ गेल अछि। अनारक गाछ, ताड़क गाछ आ नेबोक गाछ, खेतक सभ गाछ मुरझा गेल अछि।

खेतक सभ गाछ मुरझि गेल अछि आ आनन्द नहि अछि, कारण मनुक्खक बेटा सभक आनन्द खतम भ’ गेल अछि।

1. कठिन समय मे आनन्द: पीड़ाक बीच आनन्द भेटब

2. परमेश्वरक सान्निध्यक आनन्द: पवित्र आत्माक माध्यमे आनन्दक अनुभव करब

1. यशायाह 12:3 - अहाँ सभ आनन्दक संग उद्धारक इनार सभ सँ पानि निकालब।

2. भजन 16:11 - अहाँ हमरा जीवनक बाट बताबैत छी; अहाँक सान्निध्य मे आनन्दक पूर्णता अछि। अहाँक दहिना हाथ मे सदाक लेल भोग अछि।

योएल 1:13 हे पुरोहित सभ, अहाँ सभ, अहाँ सभ केँ कमरबंद करू आ विलाप करू, हे वेदीक सेवक सभ, आऊ, भरि राति बोरा मे पड़ल रहू, हे हमर परमेश् वरक सेवक सभ, किएक तँ अहाँ सभक घर सँ अन्नबलि आ पेयबलि रोकल गेल अछि ईश्वर.

परमेश् वरक घर सँ बलिदान रोकल गेलाक कारणेँ वेदीक पुरोहित आ सेवक सभ केँ बोरा पहिरने आ विलाप करबाक लेल बजाओल गेल अछि।

1. आवश्यकताक समय मे प्रभुक प्रावधान केँ स्मरण करब

2. परमेश् वरक प्रचुरता मे आनन्दित रहब, तखनो जखन परिस्थिति बदलैत अछि

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

योएल 1:14 अहाँ सभ उपवास पवित्र करू, एकटा गंभीर सभा बजाउ, एहि देशक बुजुर्ग आ सभ निवासी केँ अपन परमेश् वरक घर मे जमा करू आ प्रभु सँ पुकारू।

परमेश् वरक लोक सभ केँ आज्ञा देल गेल अछि जे ओ सभ प्रभुक घर मे एक ठाम जमा होथि, उपवास केँ पवित्र करथि आ प्रभु सँ पुकारथि।

1. कॉर्पोरेट प्रार्थना के शक्ति

2. पवित्रताक आवश्यकता

1. याकूब 5:16 - "तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

2. इब्रानी 12:14 - "सबके संग शान्तिपूर्वक रहबाक आ पवित्र रहबाक पूरा प्रयास करू; बिना पवित्रताक केओ प्रभु केँ नहि देखत।"

योएल 1:15 दिनक लेल अफसोस! किएक तँ परमेश् वरक दिन लग आबि गेल अछि आ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक विनाशक रूप मे आओत।”

परमेश् वरक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक विनाश आओत।

1. पश्चाताप के तात्कालिकता: प्रभु के आगमन के तैयारी

2. परमेश् वरक न्यायक यथार्थ: अपन पापक परिणामक सामना करब

1. नीतिवचन 22:3 - "बुद्धिमानक आँखि ओकर माथ मे रहैत छैक, मुदा मूर्ख अन्हार मे चलैत छैक।"

2. आमोस 5:18-20 - "हाय अहाँ सभ परमेश् वरक दिन चाहैत छी! अहाँ सभक लेल कोन काज अछि? परमेश् वरक दिन अन् हार अछि, इजोत नहि। जेना कोनो आदमी सिंह सँ भागि गेल हो।" , एकटा भालू

ओकरा सँ भेंट केलक, वा घर मे जा क’ देबाल पर हाथ राखि लेलक आ साँप ओकरा काटि लेलक।की परमेश् वरक दिन अन्हार नहि होयत, आ इजोत नहि होयत? ?"

योएल 1:16 की हमरा सभक आँखिक सोझाँ भोजन नहि कटल गेल अछि, हँ, हमरा सभक परमेश् वरक घर सँ आनन्द आ आनन्द?

भगवानक घर सँ जे आनन्द आ आनन्द छल से दूर भ' गेल अछि।

1. आनन्द आ आनन्दक पैघ हानि - जखन हम सभ परमेश् वरक सान्निध्यक आनन्द गमा लैत छी तखन की होइत अछि?

2. शोक केँ आशा मे बदलब - दुखक बादो फेर सँ आनन्द कोना पाबि सकब?

1. भजन 51:12 - हमरा अपन उद्धारक आनन्द केँ पुनर्स्थापित करू आ हमरा इच्छुक आत्मा प्रदान करू।

2. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू, संकट मे धैर्य राखू, प्रार्थना मे निरंतर रहू।

योएल 1:17 बीया ओकर ढ़ंगक नीचाँ सड़ल अछि, संग्रह उजाड़ भ’ गेल अछि, कोठी तोड़ि देल गेल अछि। किएक तँ मकई मुरझा गेल अछि।

जमीनक फसल नष्ट भ’ गेल अछि आ कोठी सभ बर्बाद भ’ गेल अछि।

1. विनाशक समय मे प्रभु पर भरोसा करबाक महत्व

2. भगवानक शक्ति आ प्रकृतिक माध्यमे एकर उदाहरण कोना देल जाइत अछि

1. नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. अय्यूब 38:22-26 की अहाँ बर्फक भंडार मे प्रवेश केलहुँ वा ओला के भंडार देखलहुँ, जे हम विपत्तिक समय लेल, युद्ध आ युद्धक दिनक लेल सुरक्षित रखैत छी? जाहि ठाम बिजली छिड़ियाएल अछि, वा ओहि ठामक कोन बाट अछि जतय पूरबक हवा पृथ्वी पर छिड़ियाएल अछि? जे बरखाक धारक लेल एकटा नाली काटि दैत अछि, आ ठनका लेल एकटा बाट, जे ओहि भूमि केँ पानि देब जाहि मे मनुक्ख नहि रहैत अछि, एहन मरुभूमि जाहि मे कियो नहि।

योएल 1:18 जानवर सभ कोना कुहरैत अछि! मवेशीक झुंड सभ भ्रमित अछि, कारण ओकरा सभ लग चारागाह नहि अछि। हँ, बरदक झुंड सभ उजाड़ भ’ गेल अछि।

चारागाह के अभाव में जानवर आ माल-जाल विपत्ति में अछि।

1. संकट के समय भगवान पर भरोसा।

2. हमरा सभकेँ जे आशीर्वाद भेटल अछि ताहि लेल धन्य रहू।

1. भजन 37:3-5 प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक काज करू। तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।” प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू। ओ तोहर हृदयक इच्छा अहाँ केँ देत।” अपन बाट प्रभुक समक्ष राखू। हुनका पर सेहो भरोसा करू। ओ एकरा पूरा कऽ लेताह।”

2. नीतिवचन 16:20 जे कोनो बात केँ बुद्धिमानी सँ सम्हारैत अछि, ओकरा नीक भेटतैक, आ जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ धन्य अछि।

योएल 1:19 हे प्रभु, हम तोरा लग पुकारब, किएक तँ आगि जंगलक चारागाह सभ केँ भस्म क’ देलक, आ लौ खेतक सभ गाछ केँ जरा देलक।

योएल भविष्यवक्ता प्रभु सँ कानैत छथि, विलाप करैत छथि जे आगि जंगल केँ नष्ट क' देलक आ सभ गाछ केँ जरा देलक।
1916

1. "परमेश् वरक क्रोध आ दया: योएल 1:19 सँ सीख"।

2. "प्रकृति के विनाश के सांत्वना: योएल 1:19 पर चिंतन"।

1. भजन 47:1-2 - "हे सभ लोक, ताली बजाउ! परमेश् वर केँ जोर-जोर सँ आनन्दक गीत मे चिचियाउ! कारण, परमेश् वर परमेश् वर सँ भयभीत करबाक चाही, जे समस्त पृथ्वी पर एकटा पैघ राजा छथि।"

2. यशायाह 25:4 - "किएक तँ अहाँ गरीबक लेल गढ़, गरीबक विपत्ति मे गढ़, आंधी-तूफान सँ आश्रय आ गर्मी सँ छाहरि रहलहुँ; कारण निर्दयी सभक साँस आँधी-तूफान जकाँ होइत अछि।" एकटा देबाल।"

योएल 1:20 खेतक जानवर सभ सेहो तोरा लग चिचिया रहल अछि, किएक तँ पानिक नदी सभ सुखि गेल अछि आ आगि जंगलक चारागाह सभ केँ खा गेल अछि।

जंगलक जानवर सभ भगवानक पुकारि रहल अछि, कारण नदी सभ सुखि गेल अछि आ आगि चारागाह केँ नष्ट क' देलक अछि।

1. भगवान् प्रदान करताह: प्रभु पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहन

2. प्रभु पर विश्वास करके प्रतिकूलता पर काबू पाना

1. रोमियो 8:28 आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 41:10 नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

योएल अध्याय 2 भविष्यवाणी के संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जे आबै वाला न्याय के दिन आरू पश्चाताप के आह्वान पर केंद्रित छै। अध्याय में एकटा शक्तिशाली आरू भयावह सेना के वर्णन छै जे देश पर आक्रमण करतै, जेकरा में लोग सिनी कॅ उपवास, कानना आरू सच्चा पश्चाताप के साथ परमेश्वर के तरफ मुड़ै के आग्रह करतै।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा दुर्जेय सेना के जीवंत वर्णन स होइत अछि जे भूमि पर आगू बढ़ि रहल अछि | सेना क॑ एगो महान आरू शक्तिशाली ताकत के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा स॑ व्यापक विनाश होय छै । लोक सभ केँ एहि आसन्न न्यायक तैयारी करबाक लेल आ अलार्म बजाबय लेल बजाओल गेल अछि (योएल 2:1-11)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे पश्चाताप के तात्कालिकता पर जोर देल गेल अछि | लोक सभ केँ उपवास, कानब आ शोक संग प्रभु लग घुरबाक लेल बजाओल गेल अछि। हुनका सभ केँ सच्चा पश्चाताप मे मात्र अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय केँ फाड़बाक छनि। परमेश् वर के कृपालु आरू दयालु के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै, आरू आशा के झलक छै कि वू अपनऽ न्याय स॑ मुड़ी क॑ दया करी सकै छै (योएल २:१२-१४)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू एकटा पवित्र सभाक आह्वानक संग अछि, जाहि मे लोक सभ केँ एकत्रित कयल गेल अछि जे परमेश्वर सँ क्षमा माँगय। पुरोहित सब के निर्देश देल गेल छै कि ओ लोक के तरफ स मध्यस्थता करथि, भगवान के दया के गुहार लगाबथि। देश क॑ एक बार फेरू आशीर्वादित होय के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, आरू लोगऽ क॑ परमेश् वर केरऽ पुनर्स्थापन आरू प्रावधान के आश्वासन देलऽ गेलऽ छै (योएल २:१५-२७)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भविष्य में परमेश् वर के अपन आत् मा के बहाबै के प्रतिज्ञा के साथ होय छै। आकाश आ पृथ् वी पर चिन् ह आ चमत् कार सभ होयत, जे प्रभुक आबै बला दिनक संकेत देत। जे प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटतैक, आओर परमेश् वरक लोकक शेष लोकक लेल उद्धार होयत (योएल 2:28-32)।

संक्षेप मे, २.

योएल अध्याय 2 भविष्यवाणी के संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जे आबै वाला न्याय के दिन पर केंद्रित छै
आरू पश्चाताप के आह्वान, पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा आरू परमेश् वर के आत् मा के बहाव के साथ।

भूमि पर आगू बढ़ैत एकटा दुर्जेय सेनाक वर्णन।
आसन्न फैसला के तैयारी आ अलार्म बजाबय लेल फोन करू.
पश्चाताप के तात्कालिकता आ उपवास, कानब, आ शोक के संग प्रभु के पास वापसी।
सच्चा पश्चाताप, दिल के फाड़ना, आरू परमेश्वर के दया के आशा पर जोर।
पवित्र सभा आ भगवान के क्षमा के लेल बिनती के आह्वान करू।
भगवान के जीर्णोद्धार आ भूमि आ लोक के प्रावधान के वादा।
भविष्य मे परमेश् वरक अपन आत् माक बहाबक वादा।
प्रभु के आबै वाला दिन के संकेत आरू चमत्कार।
प्रभु के नाम पुकारने वाले के लिये मोक्ष का आश्वासन |

योएल के ई अध्याय भविष्यवाणी के संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जे आबै वाला न्याय के दिन आरू पश्चाताप के आह्वान पर केंद्रित छै। अध्याय केरऽ शुरुआत एगो दुर्जेय सेना के जीवंत वर्णन स॑ होय छै जे जमीन प॑ आगू बढ़ी रहलऽ छै, जेकरा स॑ व्यापक विनाश होय रहलऽ छै । जनता के एहि आसन्न फैसला के तैयारी आ अलार्म बजाबय लेल बजाओल गेल अछि. अध्याय में पश्चाताप के तात्कालिकता पर जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू उपवास, कानना आरू शोक के साथ प्रभु के पास वापस आबी जाय । हृदय के फाड़ना सहित असली पश्चाताप पर जोर देलऽ गेलऽ छै, आरू आशा के झलक छै कि परमेश्वर अपनऽ न्याय स॑ मुड़ी क॑ दया करी सक॑ । अध्याय म॑ एगो पवित्र सभा के भी आह्वान करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ लोगऽ क॑ एकत्रित करी क॑ परमेश् वर केरऽ क्षमा माँगै के लेलऽ कहलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ पुरोहितऽ क॑ लोगऽ के तरफ स॑ मध्यस्थता करै के निर्देश देलऽ गेलऽ छै । भूमि के एक बेर फेर आशीर्वाद के रूप में चित्रित कयल गेल अछि, आ लोक के भगवान के पुनर्स्थापन आ प्रावधान के आश्वासन देल गेल अछि | अध्याय के समापन भविष्य में परमेश्वर के अपनऽ आत्मा के बहाव के प्रतिज्ञा के साथ होय छै, जेकरा में प्रभु के आबै वाला दिन के संकेत दै वाला संकेत आरू आश्चर्य के साथ होय छै। जे प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटतैक, आ परमेश् वरक लोकक शेष लोकक उद्धार होयत। ई अध्याय पश्चाताप के जरूरत, परमेश्वर के क्षमा आरू पुनर्स्थापन के आश्वासन, आरू भविष्य में परमेश्वर के आत्मा के बहाव के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै।

योएल 2:1 अहाँ सभ सिय्योन मे तुरही बजाउ आ हमर पवित्र पहाड़ पर गजब बजाउ।

परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे सिय्योन मे तुरही बजाउ आ अपन पवित्र पहाड़ मे अलार्म बजाउ, किएक तँ प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि।

1. पश्चाताप के लेल एकटा आह्वान: परमेश्वर के न्याय के प्रकाश में योएल 2:1 के परखना

2. प्रभु के दिन के तैयारी: योएल 2:1 के अध्ययन

1. योएल 3:14, निर्णयक घाटी मे भीड़, भीड़, कारण निर्णयक घाटी मे परमेश् वरक दिन नजदीक अछि।

2. रोमियो 13:11-12, आ ई जे समय केँ जानि क’ जे आब नींद सँ जागबाक समय आबि गेल अछि, किएक तँ आब हमरा सभक उद्धार ओहि समय सँ बेसी नजदीक अछि जखन हम सभ विश्वास केलहुँ। राति दूर भऽ गेल, दिन लग आबि गेल अछि, तेँ अन्हारक काज सभ केँ त्यागि कऽ इजोतक कवच पहिरि ली।

योएल 2:2 अन्हार आ उदास दिन, मेघ आ घनघोर अन्हारक दिन, जेना भोर पहाड़ पर पसरि गेल। कतेको पीढ़ीक वर्ष धरि एहन कहियो नहि भेल अछि आ ने एकर बाद आओत।

अन्हार आ उदासी के दिन आबि रहल अछि, एकटा शक्तिशाली राष्ट्र उठत आ आबै बला पीढ़ी में एकर अभूतपूर्व आ बेजोड़ रहत।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: हमरा सभ केँ योएलक चेतावनी पर किएक ध्यान देबाक चाही

2. एकटा अभूतपूर्व राष्ट्र: अकल्पनीय के तैयारी

1918

1. यशायाह 55:11 - "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत। ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे ओ सफल होयत।" " .

2. रोमियो 15:4 - "किएक तँ जे किछु पहिने लिखल गेल अछि से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ हमरा सभ केँ धैर्य आ शास्त्रक सान्त्वना सँ आशा भेटय।"

योएल 2:3 हुनका सभक सामने आगि भसि जाइत अछि। हुनका सभक पाछू एकटा लौ जरि रहल अछि, देश हुनका सभक सोझाँ अदनक बगीचा जकाँ अछि आ हुनका सभक पाछू एकटा उजड़ल जंगल अछि। हँ, आ हुनका सभ सँ किछु नहि बचि सकैत अछि।

अंश में प्रभु के सेना के अदम्य शक्ति के वर्णन छै।

1: प्रभु सेना की अदम्य शक्ति

2: सृष्टि आ विनाश मे प्रभुक शक्ति

1: यशायाह 40:3-5 - एकटा आवाज चिचिया रहल अछि: जंगल मे प्रभुक बाट तैयार करू। मरुभूमि मे सोझे हमरा सभक परमेश् वरक लेल राजमार्ग बनाउ। हर घाटी ऊपर उठाओल जायत, आ हर पहाड़ आ पहाड़ी नीचाँ कयल जायत। असमान जमीन समतल भ' जेतै, आ खुरदुरा स्थान एकटा मैदान। प्रभुक महिमा प्रगट होयत आ सभ प्राणी एक संग देखत, किएक तँ प्रभुक मुँह बाजि गेल अछि।

2: दानियल 7:13-14 - हम राति मे दर्शन मे देखलहुँ, आ देखलहुँ, स्वर्गक मेघक संग मनुष्यक पुत्र जकाँ एक गोटे आबि गेलाह, आ ओ दिनक प्राचीन लग आबि हुनका सोझाँ आबि गेलाह। हुनका प्रभु, महिमा आ राज्य देल गेलनि, जाहि सँ सभ जाति, जाति आ भाषा हुनकर सेवा करथि। ओकर प्रभु एकटा अनन्त अधिकार अछि, जे नहि बीतत, आ ओकर राज्य एहन जे नष्ट नहि होयत।

योएल 2:4 हुनका सभक रूप घोड़ाक रूप जकाँ अछि। आ घुड़सवार जकाँ दौड़त।

भगवान् केरऽ लोगऽ के रूप-रंग के उपमा गठन में दौड़ै वाला शक्तिशाली घोड़ा के रूप में करलऽ गेलऽ छै ।

1. एकताक शक्ति: भगवानक लोक एक संग कोना मजबूत अछि

2. एकटा आह्वान: हम सभ परमेश्वरक लोकक अनुकरण कोना क’ सकैत छी

1. भजन 20:7 - कियो रथ पर भरोसा करैत अछि आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम पर भरोसा करैत छी।

2. फिलिप्पियों 2:3 4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

योएल 2:5 पहाड़क चोटी पर रथक आवाज जकाँ ओ सभ उछलत, जेना आगि केर लौक आवाज जे कूड़ा-करकट केँ भस्म क’ दैत अछि, जेना युद्धक घेरा मे बैसल मजबूत लोक।

भगवानक सेना युद्ध मे अबैत काल रथ आ आगि जकाँ जोरदार आवाज करत।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति - भगवान के आज्ञा के पालन कोना बहुत ताकत पैदा करत।

2. भगवान् के सेना के ताकत - भगवान के सेना एकजुट भेला पर कोना शक्तिशाली आ अरोपनीय होइत अछि।

1. प्रकाशितवाक्य 19:11-16 - हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ जे एकटा उज्जर घोड़ा। जे हुनका पर बैसल छल, ओकरा विश्वासी आ सच्चा कहल गेल छल, आ धार्मिकता मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि।

1919

2. भजन 46:10 - शान्त रहू आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी, हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब।

योएल 2:6 लोक सभ अपन मुँहक सोझाँ बहुत दुखी होयत, सभ मुँह कारी भ’ जायत।

प्रभु आबै वाला विनाश के चेतावनी दै छै जेकरा स॑ लोगऽ क॑ बहुत पीड़ा होतै, जेकरा स॑ ओकरऽ चेहरा अन्हार होय जैतै ।

1. परमेश् वरक विनाशक चेतावनी - हमरा सभकेँ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. आबय बला न्याय - एखनहि अपना केँ तैयार करू

1. लूका 21:25-26 - "सूर्य, चन्द्रमा आ तारा मे चिन्हार होयत; आ पृथ्वी पर जाति-जाति सभक संकट, भ्रम सँ, समुद्र आ लहरि गर्जैत; मनुष्यक हृदय क्षीण भ' जायत।" ओकरा सभ केँ डर सँ आ पृथ् वी पर आबय बला बात सभक देखभाल करबाक लेल, किएक तँ स् वर्गक सामर्थ् य सभ हिलत।”

2. यशायाह 13:8-9 - "ओ सभ भयभीत भ' जेताह: पीड़ा आ दुख ओकरा सभ केँ पकड़ि लेत। ओ सभ प्रसव करनिहार स्त्री जकाँ पीड़ा मे रहताह। ओ सभ एक-दोसर केँ आश्चर्यचकित भ' जेताह; ओकर सभक मुँह ज्वाला जकाँ होयत।" .देखू, परमेश् वरक दिन आबि रहल अछि, क्रोध आ प्रचंड क्रोधक संग क्रूर भऽ कऽ देश केँ उजाड़ करबाक लेल।

योएल 2:7 ओ सभ पराक्रमी लोक जकाँ दौड़त। युद्धक लोक जकाँ देबाल पर चढ़त। ओ सभ अपन-अपन बाट पर चलत आ अपन पाँति नहि तोड़त।

भगवान् हमरा सब क॑ अपनऽ सेना म॑ योद्धा के रूप म॑ जीबै लेली बोलै छै, अपनऽ इच्छा के तरफ भागी क॑ आरू हुनका प्रति अपनऽ प्रतिबद्धता स॑ नै टूटी क॑ ।

1. प्रभु सेना में मजबूती से खड़ा होना

2. प्रभु सेवा मे विजय दिस दौड़ब

1. रोमियो 8:37, नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि।

2. इफिसियों 6:10-11, अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। भगवानक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजनाक विरुद्ध अपन रुख राखि सकब।

योएल 2:8 आ ने केओ दोसर केँ धकेलत। ओ सभ अपन बाट पर चलत, आ जखन तलवार पर खसि पड़त तखन ओ सभ घायल नहि होयत।

प्रभु अपन लोक केँ युद्ध मे रक्षाक वचन दैत छथि |

1. द्वंद्वक समय मे भगवानक रक्षा पर भरोसा करब

2. युद्धक बीच विश्वासक ताकत

1. रोमियो 8:31 तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

योएल 2:9 ओ सभ शहर मे एम्हर-ओम्हर दौड़त। देबाल पर दौड़त, घर पर चढ़त। खिड़की पर चोर जकाँ प्रवेश करत।

भगवान के लोक एकटा पैघ परिवर्तन के अनुभव करत आ प्रभु के आशीर्वाद के उत्तराधिकारी होयत।

1. परिवर्तनक शक्ति: भगवान हमरा सभक जीवन मे कोना परिवर्तन आनि सकैत छथि

2. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: प्रभु के पालन के फल के अनुभव

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

योएल 2:10 हुनका सभक सोझाँ पृथ्वी काँपि जायत। आकाश काँपत, सूर्य आ चान अन्हार भऽ जायत, आ तारा सभ अपन चमक वापस कऽ लेत।

परमेश् वरक लोक सभ परमेश् वरक पराक्रमी सामर्थ् य आ महिमा केँ देखताह जखन पृथ्वी काँपत, आकाश काँपत, आ तारा आ सूर्य अन् हार भऽ जायत।

1. भगवान् केर अद्भुत शक्ति आ महिमा

2. परमेश् वरक महिमाक आश्चर्यक अनुभव करू

1. यशायाह 64:1-3

2. भजन 104:1-4

योएल 2:11 परमेश् वर अपन सेनाक समक्ष अपन आवाज बाजताह, किएक तँ ओकर डेरा बहुत पैघ अछि, किएक तँ ओ अपन वचनक पालन करयवला बलवान अछि, किएक तँ परमेश् वरक दिन पैघ आ बहुत भयावह अछि। आ एकर पालन के क' सकैत अछि?

परमेश् वर अपन सेनाक समक्ष बाजताह, किएक तँ हुनकर सामर्थ् य बहुत अछि आ हुनकर वचन पूरा होयत। प्रभुक दिन महान आ भयावह अछि, एकरा के सहत?

1: भगवानक शक्ति असीम अछि - ओकर विरुद्ध किछुओ ठाढ़ नहि भ' सकैत अछि।

2: आउ, हम सभ सदिखन परमेश् वरक दिनक प्रति मोन राखू आ ओकरासँ भेंट करबाक लेल अपन हृदय तैयार करी।

1: अय्यूब 12:13 - "हुनकर संग सामर्थ्य आ बुद्धि अछि; गुमराह आ भ्रामक हुनकर अछि।"

2: यशायाह 40:28-31 - "की अहाँ सभ नहि जनलहुँ? की अहाँ सभ नहि सुनलहुँ? प्रभु अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत छथि आ नहि थकैत छथि; हुनकर समझ अनजान अछि। ओ।" बेहोश केँ शक्ति दैत छैक, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छैक, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छैक, युवा सभ सेहो बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, युवक सभ थकित भ’ क’ खसि पड़त, मुदा जे प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेत, ओ सभ पाँखि ल’ क’ चढ़त गरुड़ जकाँ दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

योएल 2:12 तेँ आब, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानैत आ शोक सँ हमरा दिस घुमि जाउ।

प्रभु अपनऽ सब लोगऽ क॑ उपवास, कानना आरू शोक के माध्यम स॑, पूरा दिल स॑ हुनका तरफ मुड़ै लेली आह्वान करै छै ।

1. प्रभु के पश्चाताप के आह्वान

2. गहींर संबंधक लेल प्रभुक आमंत्रण

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु केँ ताबत तक खोजू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि, जाबत ओ नजदीक छथि ताबत हुनका पुकारू।

2. मत्ती 3:2 - पश्चाताप करू, कारण स् वर्गक राज्य लग आबि गेल अछि।

योएल 2:13 अपन वस्त्र नहि, अपन हृदय फाड़ू आ अपन परमेश् वर यहोवा दिस मुड़ू, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि आ हुनका पर अधलाह काज पर पश्चाताप करैत छथि।

योएल 2:13 लोक सभ केँ परमेश्वर दिस मुड़बाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, कारण ओ क्षमाशील, धैर्यवान आ दयालु छथि।

1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि

2. पश्चाताप मे भगवान् दिस मुड़ब

1. भजन 145:8-9 - "प्रभु कृपालु आ दया सँ भरल छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि। प्रभु सभक लेल नीक छथि, आ हुनकर कोमल दया हुनकर सभ काज पर छनि।"

2. इजकिएल 18:30-32 - "एहि लेल हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न्याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन मार्गक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ अपना केँ मोड़ि लिअ। तेँ अधर्म अहाँ सभक विनाश नहि होयत।" ।

योएल 2:14 के जनैत अछि जे ओ घुरि क’ पश्चाताप करत आ अपन पाछाँ आशीर्वाद छोड़ि जायत। अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर केँ अन्नबलि आ पेयबलि?

परमेश् वर दयालु छथि आ जँ हम सभ पश्चाताप करब तँ हमरा सभक पाप क्षमा करय लेल तैयार छथि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक दया आ क्षमा करबाक चाही।

2: पश्चाताप भगवान सँ बहुत पैघ आशीर्वाद दैत अछि।

1: लूका 15:7 - हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ओहिना एकटा पापी पर स् वर्ग मे बेसी आनन्द होयत जे पश्चाताप करत, ओहि सँ बेसी उननबे धर्मी लोक पर जे पश्चाताप करबाक आवश्यकता नहि अछि।

2: 2 कोरिन्थी 5:17-19 - तेँ जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ नव सृष्टि अछि। पुरान चलि गेल, नव आबि गेल! ई सब परमेश् वरक दिस सँ अछि, जे मसीहक द्वारा हमरा सभ केँ अपना संग मेल मिलाप कयलनि आ मेल-मिलापक सेवा देलनि: जे परमेश् वर मसीह मे संसार केँ अपना सँ मेल मिलाप कऽ रहल छलाह, मनुष् यक पाप केँ हुनका सभक विरुद्ध नहि गिनैत छलाह। आ हमरा सभकेँ मेल-मिलापक संदेश प्रतिबद्ध केने छथि ।

योएल 2:15 सियोन मे तुरही बजाउ, उपवास केँ पवित्र करू, सभा केँ बजाउ।

योएल 2:15 के अंश सियोन में एकटा गंभीर सभा के आयोजन के आह्वान करै छै।

1: योएल 2:15 मे परमेश् वर हमरा सभ केँ सिय्योन मे एकटा गंभीर सभा लेल एकत्रित होबय लेल बजबैत छथि। ई हमरा सब के लेलऽ एगो अवसर छै कि हम्में एक साथ आबी क॑ परमेश् वर के इच्छा के खोज करी सकै छियै आरू हुनका लेली खुद क॑ पुनः समर्पित करी सकै छियै ।

2: योएल 2:15 मे, परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन इच्छाक खोज करबाक लेल एक संग आबय लेल बजा रहल छथि। हमरा सब के एहि मौका के फायदा उठा क अपन एजेंडा के अलग राखि हुनकर योजना पर ध्यान देबय पड़त. एकरा करऽ लेली हमरा सिनी क॑ एक उपवास क॑ पवित्र करी क॑ सिय्योन म॑ एगो गंभीर सभा लेली जमा होना चाहियऽ ।

1: 1 पत्रुस 5:5-7 - तहिना अहाँ सभ जे छोट छी, अपन पैघ लोक सभक अधीन रहू। अहाँ सभ एक-दोसरक प्रति विनम्रताक कपड़ा पहिरू, कारण, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि। तेँ परमेश् वरक पराक्रमी हाथक नीचाँ अपना केँ नम्र बनाउ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ उचित समय पर ऊपर उठा सकय। अपन सभटा बेचैनी ओकरा पर फेकि दियौक, कारण ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।
1922

2: इब्रानी 10:24-25 - आओर विचार करी जे एक दोसरा केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाओल जाय, एक संग भेंट करबाक कोताही नहि, जेना किछु गोटेक आदति अछि, बल्कि एक दोसरा केँ प्रोत्साहित करब, आओर ओहि सँ बेसी जेना अहाँ सभ देखैत छी दिन नजदीक आबि रहल अछि।

योएल 2:16 लोक सभ केँ जमा करू, मंडली केँ पवित्र करू, बुजुर्ग सभ केँ एकत्रित करू, बच्चा सभ आ स्तन चूसनिहार सभ केँ जमा करू।

योएल 2:16 लोक सभ केँ एकटा उत्सवक लेल सभा मे एकत्रित होयबाक निर्देश दैत अछि।

1. समुदाय के आनन्द के समझना: योएल 2:16 के खोज

2. एक संग उत्सव मनाबय के: योएल के आह्वान के जश्न मनाबय के 2:16

1. रोमियो 12:5 - "तेँ हम सभ, यद्यपि बहुतो, मसीह मे एक शरीर छी आ व्यक्तिगत रूप सँ एक-दोसरक अंग छी।"

2. यूहन्ना 13:34-35 - "हम अहाँ सभ केँ एकटा नव आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू। जहिना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ, तहिना अहाँ सभ सेहो एक-दोसर सँ प्रेम करू। एहि सँ सभ लोक बुझत जे अहाँ सभ हमर शिष् य छी।" , जँ एक दोसरासँ प्रेम अछि तँ।"

योएल 2:17 परमेश् वरक सेवक पुरोहित सभ ओसारा आ वेदीक बीच कानथि आ कहथि जे, हे प्रभु, अपन लोक केँ बख्शाउ, आ अपन धरोहर केँ निन्दा नहि दिअ, जाहि सँ जाति-जाति हुनका सभ पर शासन करय। लोक सभक बीच किएक कहत जे, “ओकर परमेश् वर कतय छथि?”

पुरोहित सभ केँ प्रभु सँ निहोरा करबाक चाही जे ओ अपन लोक केँ बख्शब आ ओकरा विधर्मी लोकक अपमान नहि भोगय दियौक।

1. प्रार्थनाक शक्ति: प्रभु सँ हुनकर लोकक दिस सँ विनती करब

2. भगवान् केँ अस्वीकार करबाक परिणाम: विधर्मी लोकनि सँ निन्दा भोगब

1. यशायाह 59:1-2 - देखू, प्रभुक हाथ छोट नहि भेल अछि जे ओ उद्धार नहि क’ सकैत अछि। आ ने ओकर कान भारी जे ओ सुनि नहि सकैत अछि।

2. याकूब 5:16 - एक-दोसर सँ अपन दोष स्वीकार करू, आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ’ सकब। धर्मी मनुष्यक प्रखर प्रार्थना बहुत लाभान्वित करैत अछि।

योएल 2:18 तखन प्रभु अपन देशक लेल ईर्ष्या करताह आ अपन लोक पर दया करताह।

प्रभु अपन लोक आ जाहि भूमि मे ओ रहैत छथि, ताहि पर दुख आ करुणा सँ भरल रहताह।

1.परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ करुणा

2.भगवानक अपन सृष्टिक देखभाल

१ प्रेम."

2. भजन 37:3-4 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ हुनकर विश्वास पर पोषण करू। प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू, आ ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन।"

योएल 2:19 हँ, परमेश् वर अपन लोक सभ केँ उत्तर देताह, “देखू, हम अहाँ सभ केँ अन्न, मदिरा आ तेल पठा देब, आ अहाँ सभ एहि सँ तृप्त होयब।

भगवान् अपन लोकक भरण-पोषण करताह आ आब ओकरा सभ केँ लाज नहि होमय देताह।

1. भगवानक प्रावधान - ई जानि जे किछुओ हो, भगवान् अपन लोकक प्रबंध सदिखन करताह

2. भगवानक रक्षा - भगवान् पर भरोसा करब जे ओ हमरा सभ केँ निन्दा आ लाज सँ बचाबथि

1. मत्ती 6:25-34 - चिन्ता नहि करू, कारण अहाँक स्वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ केँ की चाही

2. रोमियो 8:31-39 - परमेश् वरक प्रेम सँ हमरा सभ केँ किछुओ अलग नहि क’ सकैत अछि

योएल 2:20 मुदा हम अहाँ सभ सँ उत्तरक सेना केँ दूर दूर कऽ देब आ ओकरा बंजर आ उजाड़ देश मे भगा देब, जकर मुँह पूर्वी समुद्र दिस आ पाछूक भाग परम समुद्र दिस होयत, आ ओकर दुर्गन्ध ऊपर आबि जायत, आ ओकर दुर्गन्ध उठत, कारण ओ पैघ काज केने अछि।

प्रभु उत्तरक सेना केँ दूर आ उजड़ल भूमि मे भगा देताह आ सेनाक उपस्थिति सँ दुर्गन्ध आबि जायत।

1. हमरा सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक चाही जे ओ अपन जीवन मे कोनो कठिन आ परेशान करय बला शक्ति केँ दूर करथि।

2. भगवान मे ई शक्ति छनि जे जखन हमरा सभ केँ जरूरत पड़ैत अछि तखन न्याय आ सुरक्षा प्रदान करथि।

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 34:17 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।"

योएल 2:21 हे देश, नहि डेराउ। आनन्दित होउ आ आनन्दित होउ, किएक तँ परमेश् वर पैघ काज करताह।”

परमेश् वरक पैघ-पैघ बातक प्रतिज्ञा हमरा सभ केँ विश् वास आ आनन्द रखबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. आनन्दित विश्वास: परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर विश्वास करबाक आशीर्वाद

2. प्रभु मे आनन्दित रहब: परमेश् वरक महान बातक अनुभव करब

1. रोमियो 15:13 - "आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ हुनका पर भरोसा करैत काल सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरथि, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य सँ आशा सँ उमड़ि सकब।"

2. यशायाह 12:2 - "सत्ते परमेश् वर हमर उद्धार छथि; हम भरोसा करब आ नहि डरब। प्रभु, स्वयं हमर सामर्थ् य आ हमर रक्षा छथि; ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि।"

योएल 2:22 हे खेतक जानवर, नहि डेराउ, किएक तँ जंगलक चारागाह मे झरना अबैत अछि, किएक तँ गाछ ओकर फल दैत अछि, अंजीरक गाछ आ बेल अपन ताकत दैत अछि।

भगवान् अपन सब प्राणी के भरपूर आशीर्वाद द रहल छैथ।

1. भगवान् के प्रावधान के प्रचुरता

2. प्रभु के आशीर्वाद में आनन्दित होना

1. भजन 65:9-13

2. यशायाह 55:10-11

योएल 2:23 तखन, हे सियोनक सन्तान सभ, आनन्दित रहू, आ अपन परमेश् वर परमेश् वर मे आनन्दित रहू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ पूर्वक वर्षा मध्यम मात्रा मे देलनि, आ ओ अहाँ सभक लेल बरखा, पूर्वक वर्षा आ बादक वर्षा केँ उतारि देथिन पहिल मास मे बरखा।

परमेश् वर परमेश् वर कृपापूर्वक सिय्योनक संतान सभ केँ मध्यम वर्षा कयलनि अछि आ पहिल मास मे आओर प्रचुर मात्रा मे वर्षा करताह।

1. प्रभुक प्रचुर प्रावधान पर भरोसा करब

2. प्रभुक निष्ठा मे आनन्दित रहब

1. नीतिवचन 10:22 - "प्रभुक आशीर्वाद धन-दौलत दैत अछि, जकरा लेल कोनो कष्टदायक परिश्रम नहि।"

.

योएल 2:24 फर्श गहूम सँ भरल रहत, आ कुटी मे शराब आ तेल उमड़ि जायत।

परमेश् वर अपन लोक सभक लेल गहूम, मदिरा आ तेलक प्रचुरता प्रदान करताह।

1. परमेश् वरक प्रचुर प्रावधान: परमेश् वरक उदारताक आशीषक अनुभव करब

2. परमेश् वरक अविचल निष्ठा: हुनकर प्रबन्धक वरदान पर भरोसा करब

1. भजन 34:10 - "सिंहक बच्चा सभक अभाव अछि आ भूख सँ ग्रसित अछि; मुदा जे प्रभुक खोज करैत अछि, ओकरा सभ मे कोनो नीक वस्तुक अभाव नहि होयत।"

2. व्यवस्था 8:18 - "अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक स्मरण करू, किएक तँ ओ अहाँ सभ केँ धन प्राप्त करबाक अधिकार दैत छथि, जाहि सँ ओ अपन वाचा केँ स्थापित करथि जे ओ अहाँ सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह, जेना आइ अछि।"

योएल 2:25 हम अहाँ सभ केँ ओहि वर्ष सभ केँ वापस क’ देब जे टिड्डी खा गेल अछि, कैंकरवर्म, कैटरपिलर आ ताड़क कीड़ा, हमर पैघ सेना जे हम अहाँ सभक बीच पठौने रही।

भगवान् वादा करै छै कि टिड्डी आरू अन्य विपत्ति के कारण लोगऽ स॑ जे साल छीनी लेलऽ गेलऽ छै, ओकरा बहाल करी देतै ।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापन आ मोक्ष

2. नव शुरुआत के आशा

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यशायाह 43:18-19 - पहिने के बात पर नहि मोन राखू, आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी। आब ई झरझरा उठैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब आ मरुभूमि मे नदी मे।

योएल 2:26 अहाँ सभ भरपूर भोजन करब आ तृप्त होयब आ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक नामक स्तुति करब, जे अहाँ सभक संग आश्चर्य कयलनि।

परमेश् वर अपन लोक सभक लेल प्रचुरता करथिन, आ हुनका सभ केँ हुनकर अद्भुत काज सभक लेल हुनकर प्रशंसा करबाक चाही।

1. परमेश् वरक प्रावधान: प्रभुक आशीर्वाद हमरा सभ केँ कोना नवीनीकरण करैत अछि

2. प्रभुक स्तुति: प्रभुक अद्भुत काजक उत्सव मनबैत

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु द्वारा महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

2. भजन 103:2 - हे हमर आत्मा, प्रभुक आशीष करू, आ हुनकर सभ लाभ नहि बिसरि जाउ।

योएल 2:27 अहाँ सभ ई बुझब जे हम इस्राएलक बीच मे छी आ हम अहाँक परमेश् वर यहोवा छी, आओर कियो नहि, आ हमर लोक कहियो लाज नहि करत।

परमेश् वर इस्राएल के बीच में छै आरू एकमात्र सच्चा परमेश् वर छै।

1. भगवान् सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि आ कहियो नहि छोड़ताह।

2. हमरा सभ केँ अपन विश्वास पर गर्व करबाक चाही आ परमेश् वर पर भरोसा करबाक चाही।

1. व्यवस्था 7:9 - तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

2. भजन 33:18 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका डरैत अछि आ जे हुनकर दया पर आशा करैत अछि।

योएल 2:28 बाद मे एहन होयत जे हम अपन आत् मा सभ शरीर पर उझलि देब। तोहर बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत, तोहर बूढ़-पुरान सभ सपना देखत, तोहर युवक सभ दर्शन देखत।

परमेश् वर वादा करै छै कि हुनी सब लोगौ पर अपनऽ आत्मा के उझड़ी दै छै आरू ओकरा सिनी कॅ भविष्यवाणी के वरदान देलऽ जैतै जेना कि सपना देखना आरू दर्शन देखना।

1. परमेश् वरक आत् मा हमरा सभकेँ सपना आ दृष्टि देखबाक लेल सशक्त करैत अछि

2. परमेश् वरक आत् माक शक्तिक अनुभव करब

1. प्रेरित 2:4 - ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल, आ आत् मा हुनका सभ केँ बजबाक अनुसार आन भाषा मे बाजय लगलाह।

2. यशायाह 11:2 - परमेश् वरक आत् मा हुनका पर टिकल रहतनि, बुद्धि आ बुद्धिक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ परमेश् वरक भय।

योएल 2:29 हम ओहि दिन मे नोकर आ दासी सभ पर सेहो अपन आत् मा उझलि देब।

परमेश् वर आगामी दिन मे सेवक आ दासी दुनू पर अपन आत् मा उझलि देबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: प्रभु अपन आत् मा कोना उझलि देताह

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा सभ केँ पकड़ब: आत् माक शक्तिक अनुभव करब

1. प्रेरितों के काम 2:17-18: "परमेश् वर कहैत छथि, अंतिम समय मे होयत, हम अपन आत् मा सभ शरीर पर बहायब। आ अहाँक बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत आ अहाँ सभक युवक सभ देखताह।" दर्शन देखब, आ तोहर बूढ़-पुरान लोकनि सपना देखताह, आ हम ओहि दिन मे हमर सेवक आ दासी सभ पर अपन आत् मा उझरा देब, आ ओ सभ भविष्यवाणी करताह"।

2. इफिसियों 1:13-14: "अहाँ सभ सेहो हुनका पर भरोसा केलहुँ, जखन अहाँ सभ सत्यक वचन, अपन उद्धारक सुसमाचार सुनलहुँ खरीदल सम्पत्ति के मोक्ष ता धरि हमर सभक उत्तराधिकारक गंभीरता अछि, जाहि सँ हुनकर महिमाक प्रशंसा होयत।"

योएल 2:30 हम आकाश आ पृथ्वी मे चमत्कार करब, खून, आगि आ धुँआक खंभा।

1926

प्रभु आकाश आ पृथ्वी पर खून, आगि आ धुँआक खंभा सँ चमत्कारिक संकेत देखौताह।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक शक्ति आ संसार मे उपस्थितिक प्रति आदर करबाक चाही।

2: प्रभु के चमत्कारी चमत्कार आ आश्चर्य के प्रति हमरा सब के आश्चर्यचकित रहबाक चाही।

1: भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि; आकाश हुनकर हाथक काजक घोषणा करैत अछि।"

2: यशायाह 40:26 - "अपन आँखि उठा कऽ आकाश दिस देखू: ई सभ के बनौलनि? जे एक-एक कए तारा सँ भरल सेना केँ बाहर निकालैत अछि आ एक-एकटा केँ नाम सँ बजबैत अछि। अपन महान शक्ति आ पराक्रमी शक्तिक कारणेँ, एकटा सेहो गायब नहि अछि।"

योएल 2:31 परमेश् वरक पैघ आ भयावह दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।

ई अंश प्रभु केरऽ महान आरू भयावह न्याय के दिन के बात करै छै ।

1. यीशु आबि रहल छथि: की अहाँ तैयार छी?

2. प्रभुक दिन: पश्चाताप करबाक आह्वान

1. मत्ती 24:36-44 (प्रभुक पुनरागमनक दिन आ घड़ी केओ नहि जनैत अछि)

2. प्रकाशितवाक्य 6:12-17 (परमेश् वरक क्रोधक महान दिन)

योएल 2:32 जे केओ परमेश् वरक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटतैक, किएक तँ सियोन पहाड़ आ यरूशलेम मे उद्धार होयत, जेना कि परमेश् वर कहने छथि आ जे शेष लोक सभ परमेश् वर करताह बुलाहट.

ई अंश ई बात पर प्रकाश डालै छै कि जबे कोय प्रभु के आह्वान करतै, तबे ओकरा उद्धार मिलतै। ई बात खास करी क॑ यरूशलेम आरू सिय्योन के लोगऽ लेली सही छै, जैसनऽ कि परमेश् वर न॑ वादा करल॑ छै ।

1. "प्रार्थना के शक्ति: प्रभु के आह्वान कोना मुक्ति के तरफ ल जा सकैत अछि"।

2. "परमेश् वरक प्रतिज्ञा: यरूशलेम आ सियोन मे रहनिहार सभक प्रति अपन प्रतिज्ञा कोना पूरा करैत छथि"।

1. रोमियो 10:13 - कारण जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटत।

2. यशायाह 62:12 - ओ सभ पवित्र लोक कहल जायत, परमेश् वरक उद्धार कयल गेल।

योएल अध्याय 3 भविष्य के भविष्यवाणी के दृष्टि प्रस्तुत करै छै, जे जाति सिनी के न्याय आरू परमेश्वर के लोग के पुनर्स्थापन पर केंद्रित छै। अध्याय में न्याय के लेलऽ जाति सिनी के जमा होय के वर्णन छै आरू परमेश् वर के विश्वासी सिनी के इंतजार करै वाला आशीष के वर्णन छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहोशाफात के घाटी में न्याय के लेलऽ एक साथ जमा करलऽ जाय वाला राष्ट्रऽ के चित्रण स॑ होय छै । परमेश् वर हुनका सभ पर अपन लोकक संग दुर्व्यवहार आ अपन भूमि केँ बाँटि देबाक कारणेँ न्याय करताह। जाति सभ केँ युद्धक तैयारी करबाक लेल बजाओल गेल अछि, मुदा परमेश् वर आश्वासन दैत छथि जे ओ हुनकर शरण आ ताकत बनताह (योएल 3:1-8)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे ओहि न्यायक वर्णन अछि जे राष्ट्र सभक प्रतीक्षा मे अछि | प्रभु हुनका सभक दुष्टता आ हिंसाक लेल न्याय करताह आ हुनकर सभक काजक बदला भेटतनि। देश पुनर्स्थापित आ आशीर्वादित होयत, आ परमेश् वरक लोक एकरा सदाक लेल उत्तराधिकारी बनत (योएल 3:9-17)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन परमेश् वर के आशीष के दर्शन के साथ होय छै। आशीर्वादक भरमार होयत, जाहि मे जमीन मे भरपूर फसल होयत। परमेश् वर सियोन मे रहताह, आ हुनकर लोक सुरक्षित आ सुरक्षित रहताह। अध्याय के अंत एक घोषणा के साथ होय छै कि प्रभु हुनकऽ परमेश्वर छै, आरू वू हुनकऽ लोग होतै (योएल 3:18-21)।

संक्षेप मे, २.
योएल अध्याय 3 भविष्य के भविष्यवाणी के दृष्टि प्रस्तुत करै छै, जे न्याय पर केंद्रित छै जाति सभक आ परमेश् वरक लोकक पुनर्स्थापनक।

न्याय के लेल यहोशाफात के घाटी में जाति-जाति के जमा होय के।
अपनऽ लोगऽ के साथ दुर्व्यवहार करै के आरू अपनऽ भूमि के बंटवारा करै के कारण जाति सिनी पर परमेश् वर के न्याय।
जाति सभ केँ युद्धक तैयारी करबाक आह्वान करू, परमेश् वर केँ ओकर शरण आ सामर्थ् य बनाकय।
जाति सभक दुष्टताक न्याय आ प्रतिफलक वर्णन।
भगवान के लोक के लेल भूमि के जीर्णोद्धार आ आशीर्वाद।
परमेश् वरक लोक द्वारा सदाक लेल भूमिक उत्तराधिकार।
परमेश् वरक आशीषक दर्शन अपन लोक पर, प्रचुर फसल आ सुरक्षाक संग।
प्रभु के अपन भगवान आ हुनकर लोक के अपन लोक के रूप में घोषणा।

योएल के ई अध्याय भविष्य के भविष्यवाणी के दृष्टि प्रस्तुत करै छै, जे जाति सिनी के न्याय आरू परमेश्वर के लोग के पुनर्स्थापन पर केंद्रित छै। अध्याय के शुरुआत यहोशाफात के घाटी में न्याय के लेलऽ जाति सिनी के एक साथ जमा होय के चित्रण स॑ होय छै । परमेश् वर हुनका सभ पर अपन लोकक संग दुर्व्यवहार आ अपन भूमि केँ बाँटि देबाक कारणेँ न्याय करताह। जाति सभ केँ युद्धक तैयारी करबाक लेल बजाओल गेल अछि, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ केँ आश्वासन दैत छथि जे ओ सभक शरण आ सामर्थ् य बनताह। अध्याय आगू बढ़ै छै, जे न्याय के वर्णन छै जे जाति सिनी के इंतजार करी रहलऽ छै, जेना कि प्रभु ओकरा सिनी के दुष्टता आरू हिंसा के कारण न्याय करै छै। हुनका लोकनिक काजक बदला भेटतनि, आ परमेश् वरक लोकक लेल जमीन पुनर्स्थापित आ आशीर्वाद देल जायत, जे एकरा सदाक लेल उत्तराधिकारी बनत। अध्याय के समापन परमेश् वर के आशीष के दर्शन के साथ होय छै, जेकरा में प्रचुर फसल आरू सुरक्षा के साथ होय छै। परमेश् वर सियोन मे रहताह, आ हुनकर लोक केँ हुनकर अपन घोषित कयल जायत। ई अध्याय परमेश् वर के न्याय, हुनकऽ लोगऽ के पुनर्स्थापन आरू भविष्य म॑ हुनका सिनी के इंतजार करै वाला आशीष पर जोर दै छै ।

योएल 3:1 किएक तँ देखू, ओहि दिन आ ओहि समय मे जखन हम यहूदा आ यरूशलेम केँ बंदी बना लेब।

परमेश् वर यहूदा आ यरूशलेम केँ पुनर्स्थापित करताह।

1: भगवान् वफादार छथि आ अपन प्रतिज्ञा के पालन करैत छथि।

2: परमेश् वरक लोक सभक लेल पुनर्स्थापन निष्ठा सँ होइत अछि।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: यिर्मयाह 29:11-14 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि। तखन अहाँ हमरा बजा कऽ आबि कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब। हम अहाँ सभ सँ पाबि जायब, प्रभु कहैत छथि, आ हम अहाँक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करब आ अहाँ सभ केँ ओहि सभ जाति आ सभ ठाम सँ एकत्रित करब जतय हम अहाँ केँ भगा देलहुँ, प्रभु कहैत छथि, आ हम अहाँ केँ ओहि स्थान पर वापस आनि देब जतय सँ हम अहाँकेँ निर्वासनमे पठा देलक।

योएल 3:2 हम सभ जाति केँ सेहो जमा करब, आ ओकरा सभ केँ यहोशाफातक घाटी मे उतारब, आ ओतहि हुनका सभ सँ हमर लोक आ हमर धरोहर इस्राएलक लेल निहोरा करब, जकरा ओ सभ जाति सभक बीच छिड़िया कऽ हमर देश केँ बाँटि देलक।

परमेश् वर सभ जाति केँ एकट्ठा कऽ कऽ यहोशाफातक घाटी मे अनताह जे हुनका सभ केँ अपन लोक आ अपन देशक संग दुर्व्यवहारक न्याय करथि।

1. सब जाति पर परमेश् वरक न्याय

2. यहोशापातक घाटीक महत्व

1. इजकिएल 37:12-14 - तेँ भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे हमर प्रजा, देखू, हम अहाँ सभक कब्र खोलब आ अहाँ सभ केँ अपन कब्र सँ बाहर निकालि कऽ इस्राएल देश मे आनि देब। हे हमर प्रजा, जखन हम अहाँ सभक कब्र खोलब आ अहाँ सभ केँ अहाँक कब्र सँ बाहर निकालब, आ अहाँ सभ मे हमर आत् मा राखब आ अहाँ सभ जीवित रहब आ हम अहाँ सभ केँ अहाँ सभ मे राखब।” अपन देश, तखन अहाँ सभ जनब जे हम परमेश् वर एकरा बाजि कऽ पूरा कऽ देलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि।

2. जकरयाह 14:4 - ओहि दिन ओकर पएर जैतूनक पहाड़ पर ठाढ़ होयत जे पूरब दिस यरूशलेम सँ आगू अछि आ जैतूनक पहाड़ ओकर बीच मे पूब दिस आ पश्चिम दिस आ ओतहि फाटि जायत बहुत पैघ घाटी होयत। आ आधा पहाड़ उत्तर दिस हटि जायत आ आधा दक्षिण दिस।

योएल 3:3 ओ सभ हमर लोकक लेल चिट्ठी खेलौलक। एकटा लड़का वेश्या के बदला मे दऽ देने छी आ एकटा लड़की के शराब के बदला मे बेचि देने छी जाहि सँ ओ सभ पीबय।

योएल 3:3 मे लिखल लोक सभ दोसर लोकक लेल चिट्ठी मारने छथि, आओर ओकरा अनैतिक धंधाक हिस्साक रूप मे उपयोग केने छथि, जेना लड़का केँ वेश्या आ लड़की केँ शराबक बदला मे बदलब।

1. "अनैतिक व्यापारक खतरा"।

2. "पाप के हानिकारक प्रभाव"।

1. नीतिवचन 6:26-29, "किएक तँ वेश्या स्त्रीक द्वारा पुरुष केँ रोटीक टुकड़ी मे आनल जाइत अछि, आ व्यभिचारी अनमोल प्राणक शिकार करत। की मनुष्य अपन कोरा मे आगि ल' सकैत अछि, जखन कि अपन कपड़ा नहि ल' सकैत अछि।" जड़ल जा सकैत अछि? की केओ गरम कोयला पर जा सकैत अछि आ ओकर पएर नहि जरि सकैत अछि? तेँ जे अपन पड़ोसीक पत्नी लग जायत, जे ओकरा छूओत से निर्दोष नहि होयत।"

2. याकूब 1:14-15, "मुदा प्रत्येक मनुष्य जखन अपन काम-वासना सँ खींच लेल जाइत अछि आ लोभित होइत अछि तखन परीक्षा मे पड़ैत अछि। तखन जखन काम-वासना गर्भवती भ’ जाइत अछि तखन ओ पाप उत्पन्न करैत अछि। आ पाप जखन समाप्त भ’ जाइत अछि तखन जन्म दैत अछि।" मृत्यु."

योएल 3:4 हँ, हे सोर, सिदोन आ फिलिस्तीनक समस्त तट, अहाँ सभक हमरा सँ की संबंध अछि? की अहाँ सभ हमरा प्रतिफल देब? आ जँ अहाँ सभ हमरा प्रतिफल देब तँ हम अहाँ सभक प्रतिफल अहाँ सभक माथ पर शीघ्र आ शीघ्र घुरा देब।

परमेश् वर सोर, सिदोन आरू फिलिस्तीन के तट कॅ चेतावनी दै छै कि हुनी अपनऽ लोगऽ के लेलऽ हुनकऽ योजना में हस्तक्षेप नै करै ।

1. भगवानक न्याय हुनका विरोध करयवला पर आओत

2. भगवानक योजना मे हस्तक्षेप नहि करबाक स्मरण

1. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. यशायाह 40:10-11 - देखू, सार्वभौम प्रभु शक्तिक संग अबैत छथि, आ ओ एकटा शक्तिशाली बाँहिक संग शासन करैत छथि। देखू, ओकर इनाम ओकरा संग छैक, आ ओकर प्रतिफल ओकर संग छैक। ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसैत अछि: मेमना सभ केँ कोरा मे जमा क' क' हृदयक नजदीक ल' जाइत अछि; जेकरा बच्चा छै, ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करै छै।

योएल 3:5 किएक तँ अहाँ सभ हमर चानी आ हमर सोना लऽ कऽ हमर नीक वस्तु सभ अपन मन्दिर मे लऽ गेलहुँ।

यहूदा के लोग परमेश् वर के चानी, सोना आरू अच्छा-खासा चीजऽ क॑ ल॑ क॑ अपनऽ मंदिर म॑ लानै के कारण डांटलऽ जाय रहलऽ छै ।

1. मूर्तिपूजा के खतरा: जखन हम भौतिक चीज के भगवान स ऊपर राखैत छी त की होइत अछि

2. ईश्वरीय सम्पत्तिक मूल्य: भगवान् हमरा सभ केँ जे देलनि अछि तकरा संजोबब सीखब

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि होयत। अहाँ अहाँक लेल कोनो उकेरल मूर्ति नहि बनाउ, आ ने कोनो वस्तुक कोनो प्रतिरूप जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, आ जे नीचाँ पृथ्वी मे अछि, वा।" जे पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि, अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब..."

2. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपन लेल धन नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग खराब करैत अछि, आ जतय चोर तोड़ि क' चोरा लैत अछि, आ जतऽ चोर सभ चोरि नहि करैत अछि आ ने चोरी करैत अछि, किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

योएल 3:6 अहाँ सभ यहूदा आ यरूशलेमक सन् तान सभ केँ यूनानी सभ केँ बेचि देलियैक, जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा सभ केँ ओकर सीमा सँ दूर भ’ जाय।

यहूदा आ यरूशलेमक सन् तान यूनानी सभक गुलाम मे बेचि देल गेल।

1. स्वतंत्रताक आशीर्वाद: मुक्तिक आवश्यकता

2. एकताक आह्वान: हाशिया पर पड़ल लोकक रक्षा मे एकजुट

1. निष्कासन 1:8-14

2. यशायाह 58:6-12

योएल 3:7 देखू, हम ओकरा सभ केँ ओहि ठाम सँ उठा देब जतय अहाँ ओकरा सभ केँ बेचने छी, आ अहाँक बदला अहाँ सभक माथ पर वापस करब।

भगवान् ओकरा पुनर्स्थापित करतै आरू ओकरा प्रतिफल देतै जेकरा पर अन्याय या अत्याचार करलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनात्मक न्याय: उत्पीड़ितक गलती केँ पहिचान आ सुधारब

2. प्रतिफलक आशीर्वाद: परमेश् वरक मोक्षदायक प्रेमक अनुभव करब

1. यशायाह 61:7-8 - हमर लोक केँ लाजक बदला मे दुगुना भाग भेटत, आ अपमानक बदला मे ओ सभ अपन उत्तराधिकार मे आनन्दित होयत। आ एहि तरहेँ हुनका सभ केँ अपन देश मे दुगुना हिस्सा भेटतनि, आ अनन्त आनन्द हुनका सभक होयत।

2. भजन 103:6-7 - प्रभु सभ उत्पीड़ित लोकक लेल धर्म आ न्याय करैत छथि। ओ मूसा केँ अपन बाट, इस्राएलक लोक सभ केँ अपन काजक जानकारी देलनि: परमेश् वर दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, प्रेम मे प्रचुर छथि।

योएल 3:8 हम अहाँक बेटा आ बेटी सभ केँ यहूदाक सन् तान सभक हाथ मे बेचि देब आ ओ सभ ओकरा सभ केँ दूरक लोक केँ बेचि देब।

परमेश् वर यहूदाक सन् तान सभ केँ दोसरक बेटा-बेटी केँ दूर-दूरक लोक केँ बेचबाक अनुमति देथिन।

1: भगवानक संप्रभुता हमरा सभक जीवनक घटना मे स्पष्ट अछि, चाहे ओ कतबो दूरगामी वा अप्रत्याशित लागय।

2: हमरा सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक लेल आ हुनकर इच्छाक अधीन रहबाक लेल बजाओल गेल अछि, तखनो जखन हुनकर योजना हमर सभक अपन नहि हो।

1: यशायाह 55:8-9 "किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार सँ ऊँच अछि।" अहाँक विचारसँ बेसी।"

2: व्यवस्था 8:2-3 "आ तोहर ओहि सभ बाट केँ मोन राखब जे अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ एहि चालीस वर्ष धरि जंगल मे लऽ गेल छलाह, अहाँ केँ नम्र करबाक लेल आ अहाँ केँ परखबाक लेल, जाहि सँ अहाँ केँ ई जानि सकब जे अहाँक हृदय मे की अछि, की अहाँ चाहैत छी।" अपन आज्ञा केँ पालन करू वा नहि। मुदा परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात सँ मनुष् य जीवित अछि।”

योएल 3:9 अहाँ सभ गैर-यहूदी सभक बीच ई बात प्रचार करू। युद्धक तैयारी करू, पराक्रमी सभ केँ जगाउ, सभ युद्धक लोक सभ लग आबि जाउ। ऊपर आबि जाउ।

परमेश् वर सभ जाति केँ युद्धक तैयारी करबाक आ अपन सेना सभ केँ जमा करबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: युद्धक तैयारी करबाक परमेश् वरक आज्ञा हुनकर संप्रभुता केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. राष्ट्रक जिम्मेदारी: परमेश् वरक वचनक पालन करबाक हमर सभक दायित्व केँ बुझब।

1. यशायाह 2:4 ओ जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुत रास लोकक विवादक निर्णय करताह। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे आ भाला केँ छंटाईक हड़ मे पीटि लेत। जाति जाति पर तलवार नहि उठाओत आ ने युद्ध सीखत।

2. यिर्मयाह 6:4 ओकरा विरुद्ध युद्ध तैयार करू; उठू, आ दुपहर मे ऊपर चलि जाइ। हमरा सभक धिक्कार! किएक तँ दिन चलि जाइत अछि, किएक तँ साँझक छाया पसरल अछि।

योएल 3:10 अपन हल केँ तलवार बनाउ आ अपन छंटाई केँ भाला बनाउ।

ई अंश प्रतिकूलता के सामना करतें ताकत के प्रोत्साहित करै छै आरू आत्मसंतोष के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1. प्रतिकूलता मे ताकत के शक्ति

2. कठिनाईक सामना करैत आत्मसंतोष पर काबू पाबब

1. इफिसियों 6:10-13 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू।

2. याकूब 4:7 - तखन, अपना केँ परमेश् वरक अधीन करू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

योएल 3:11 हे प्रभु, अहाँ सभ जमा भ’ क’ आबि जाउ आ चारू कात जमा भ’ जाउ।

प्रभु गैर-यहूदी सभ केँ एकत्रित करबाक आ अपन पराक्रमी सभ केँ अपन सान्निध्य मे अनबाक लेल आह्वान करैत छथि।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक सान्निध्य मे एक संग आबि अपन सबसँ शक्तिशाली शक्ति आ विश्वास अनबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक आह्वान सुनबाक लेल एकत्रित हेबाक चाही आ हुनका लग अपन सर्वोत्तम बलिदान अनबाक चाही।

1931

1: इफिसियों 6:10-18 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू।
2: भजन 105:4 - प्रभु आ हुनकर सामर्थ्य दिस देखू; हुनकर मुँह सदिखन ताकब।
योएल 3:12 जाति-जाति सभ जागि कऽ यहोशाफातक घाटी मे चढ़ि जाउ, किएक तँ हम ओतहि बैसल रहब जे चारू कातक समस्त जाति सभक न्याय करब।
योएल के ई श्लोक गैर-यहूदी सिनी कॅ आग्रह करै छै कि वू यहोशाफात के घाटी में आबी कॅ न्याय के सामना करै।
1. न्याय के दिन आबि रहल अछि: योएल 3:12 के परीक्षा
2. यहोशाफात के घाटी: पश्चाताप के आह्वान
1. प्रकाशितवाक्य 20:11-15 - हम एकटा पैघ उज्जर सिंहासन आ ओहि पर बैसल लोक केँ देखलहुँ, जिनकर मुँह सँ पृथ्वी आ आकाश भागि गेल। आ हुनका सभक लेल कोनो जगह नहि भेटलनि।
2. यिर्मयाह 4:12-13 - ओहि ठाम सँ पूरा हवा हमरा लग आबि जायत। आ अहाँ देखब।
योएल 3:13 अहाँ सभ हँसुआ मे राखू, कारण फसल पाकि गेल अछि। कारण, दबाब भरल अछि, चर्बी उमड़ि जाइत अछि। कारण, हुनका लोकनिक दुष्टता बहुत पैघ अछि।
फसल पाकल अछि आ प्रेस भरि गेल अछि - न्यायक समय आबि गेल अछि ।
1. परमेश् वरक न्याय ओहि सभ पर आओत जे दुष्टता करैत अछि
2. दुष्टक फसलसँ कोनो पलायन नहि
1. रोमियो 2:5-9 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।
2. लूका 3:17 - ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “जेकरा लग दू टा अंगूर अछि, ओकरा संग बाँटि देबाक चाही, जकरा लग भोजन नहि अछि, ओकरा ओहिना करबाक चाही।
योएल 3:14 निर्णयक घाटी मे भीड़, भीड़, कारण निर्णयक घाटी मे प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि।
प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ लोक केँ ई तय करबाक चाही जे ओ कोना प्रतिक्रिया देत।
1. अनिश्चितताक समय मे बुद्धिमान निर्णय लेब
2. प्रभुक दिनक तैयारी
1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।
2. आमोस 4:12 - हे इस्राएल, अपन परमेश् वर सँ भेंट करबाक तैयारी करू।
योएल 3:15 सूर्य आ चान अन्हार भ’ जायत, आ तारा सभ अपन चमक वापस क’ लेत।
योएल 3:15 एकटा एहन समयक भविष्यवाणी करैत अछि जखन सूर्य, चान आ तारा अन्हार भ’ जायत।
1. योएल 3:15 के अर्थ के अन्वेषण
2. अन्हारक समय मे आशा खोजब

1932

1. यशायाह 13:10 किएक तँ स् वर्गक तारा आ ओकर नक्षत्र सभ अपन इजोत नहि देत। सूर्य उगैत काल अन्हार भ' जायत, आ चान अपन इजोत नहि देत।

2. आमोस 5:18-20 हाय अहाँ सभ जे प्रभुक दिन चाहैत छी! अहाँकेँ प्रभुक दिन किएक रहत? ई अन्हार छै, इजोत नै छै, जेना कोनो आदमी सिंह सॅं भागि गेलै, आ भालू ओकरा सॅं भेंट क' गेलै, वा घर मे जा क' देबाल पर हाथ झुका देलकैक आ साँप ओकरा काटि लेलकै। की प्रभुक दिन अन्हार नहि अछि, आ इजोत नहि आ अन्हार नहि अछि जाहि मे कोनो चमक नहि?

योएल 3:16 परमेश् वर सेहो सियोन सँ गर्जैत छथि आ यरूशलेम सँ अपन आवाज बाजताह। आकाश आ पृथ् वी हिलत, मुदा परमेश् वर हुनकर लोकक आशा आ इस्राएलक सन् तान सभक सामर्थ् य बनताह।

परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभक रक्षा आ सामर्थ् य प्रदान करताह।

1. भगवानक रक्षा अटल अछि

2. प्रभु पर भरोसा

1. यशायाह 40:28-31 "की अहाँ सभ नहि जनैत छी? की अहाँ सभ नहि सुनने छी? परमेश् वर अनन्त परमेश् वर छथि, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता छथि। ओ नहि थाकि जेताह आ नहि थकताह, आ हुनकर समझ केँ केओ नहि बुझि सकैत अछि।" .ओ थकल लोक केँ बल दैत अछि आ कमजोर केँ शक्ति बढ़बैत अछि, युवा सभ सेहो थाकि जाइत अछि आ थाकि जाइत अछि, युवक सभ ठोकर खाइत अछि आ खसि पड़ैत अछि, मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत।ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त, ओ सभ दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 27:1, "प्रभु हमर इजोत आ हमर उद्धार छथि, हम ककरा सँ डरब? प्रभु हमर जीवनक गढ़ छथि, हम ककरा सँ डरब?"

योएल 3:17 तेँ अहाँ सभ जनब जे हम अहाँक परमेश् वर परमेश् वर छी जे हमर पवित्र पहाड़ सियोन मे रहैत छी, तखन यरूशलेम पवित्र होयत आ फेर ओहि मे सँ कोनो परदेशी नहि गुजरत।

परमेश् वर सियोन मे रहैत छथि, आ यरूशलेम पवित्र आ परदेशी लोक सँ मुक्त होयत।

1. पवित्रता के महत्व

2. भगवान् के निष्ठा

1. यशायाह 8:13-14 "सेना सभक परमेश् वर केँ पवित्र करू; आ ओ अहाँ सभक भय बनय, आ ओ अहाँक भयावह बनय। ओ पवित्र स्थानक लेल होयत, मुदा ठोकरक पाथर आ अपराधक चट्टानक लेल।" इस्राएलक दुनू घराना केँ, यरूशलेमक निवासी सभक लेल एकटा जिन आ जालक लेल।”

2. भजन 2:6 "तइयो हम अपन राजा केँ अपन पवित्र पहाड़ सियोन पर राखि देलहुँ।"

योएल 3:18 ओहि दिन पहाड़ पर नव मदिरा खसत, पहाड़ पर दूध बहत, आ यहूदाक सभ नदी मे पानि बहत, आ ओहि मे सँ एकटा फव्वारा निकलत परमेश् वरक घर आ सित्तीम उपत्यका मे पानि देत।

परमेश् वरक दिन पहाड़ सभ मदिरा सँ भरल रहत, पहाड़ सभ दूध सँ बहत, आ यहूदाक सभ नदी पानि सँ भरल होयत, आ परमेश् वरक घर सँ घाटी मे पानि देबाक लेल एकटा फव्वारा होयत शितिम के।

1. परमेश् वरक आशीषक प्रचुरता: योएल 3:18 पर एकटा ध्यान

2. परमेश् वरक प्रावधानक अविचल धारा: योएल 3:18 मे जीवनक जलक अन्वेषण

1. भजन 104:10-14 - ओ झरना सभ केँ घाटी मे पठा दैत छथि, ओ सभ पहाड़क बीच बहैत अछि;

2. यशायाह 25:6-8 - एहि पहाड़ पर सर्वशक्तिमान परमेश् वर सभ लोकक लेल समृद्ध भोजनक भोज, वृद्ध मदिराक भोज, उत्तम मांस आ उत्तम मदिराक भोज तैयार करताह।

योएल 3:19 मिस्र उजाड़ भ’ जायत, आ एदोम एकटा उजाड़ जंगल भ’ जायत, कारण यहूदाक सन्तान सभक संग हिंसाक कारणेँ ओ सभ अपन देश मे निर्दोष खून बहौने अछि।

दोसर पर हिंसाक परिणाम उजाड़पन आनि देत।

1. हिंसाक परिणाम भयावह होइत अछि आ एहि सँ हर हाल मे बचबाक चाही।

2. हिंसा मे संलग्न रहबाक बजाय, शांति आ एकता दिस काज करबाक चाही।

1. नीतिवचन 16:7 - "जखन मनुष्यक मार्ग प्रभु केँ प्रसन्न करैत अछि, तखन ओ अपन शत्रु सभ केँ सेहो हुनका संग शांति बना दैत अछि।"

2. रोमियो 12:18 - "जँ संभव अछि, जतेक अहाँ सभ पर निर्भर करैत अछि, तँ सभ लोकक संग शांतिपूर्वक रहू।"

योएल 3:20 मुदा यहूदा अनन्त काल धरि रहत आ यरूशलेम पीढ़ी-दर-पीढ़ी।

यहूदा आ यरूशलेम सदाक लेल आबाद रहत।

1. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रतिज्ञा: यहूदा आ यरूशलेमक अनन्त निवास

2. परमेश् वरक वफादारी: यहूदा आ यरूशलेमक निवासी सभ केँ अनन्त काल धरि सुरक्षित रखबाक हुनकर वाचा

1. भजन 105:8-9 - ओ अपन वाचा केँ सदाक लेल याद करैत छथि, जे वचन ओ आज्ञा देने छलाह, हजार पीढ़ी धरि।

2. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

योएल 3:21 हम हुनका सभक खून केँ शुद्ध करब जे हम शुद्ध नहि केने छी, किएक तँ परमेश् वर सियोन मे रहैत छथि।

परमेश् वर प्रतिज्ञा करै छै कि जे लोग हुनका प्रति वफादार छै आरु सिय्योन में रहै छै, ओकरो पाप शुद्ध करै छै।

1. शुद्धि के प्रतिज्ञा: निष्ठा के लेल एकटा दिव्य आमंत्रण

2. सियोन मे रहबाक आशीर्वाद

1. भजन 51:7 - हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, हम शुद्ध भ’ जायब, हमरा धोउ, हम बर्फ सँ उज्जर भ’ जायब।

2. यशायाह 35:8 - ओतय एकटा राजमार्ग आ बाट रहत, आ ओकरा पवित्रताक बाट कहल जायत। अशुद्ध लोक ओकरा पर सँ नहि गुजरत। मुदा ई ओहि सभक लेल होयत।

आमोस अध्याय 1 में भविष्यवाणी के संदेश के एक श्रृंखला छै जेकरा में पड़ोसी राष्ट्रऽ के पापऽ के निंदा करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा पर आसन्न न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत अराम के राजधानी दमिश्क के खिलाफ न्याय के घोषणा स॑ होय छै । हुनकऽ क्रूरता आरू हिंसा, खास करी क॑ गिलाद के लोगऽ के खिलाफ, हुनकऽ विनाश के परिणाम होतै (आमोस १:१-५)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि आ पलिस्ती सभक विरुद्ध न्यायक संदेश देल गेल अछि।
हुनका लोकनिक पाप, जाहि मे इस्राएली सभ केँ गुलामी मे बेचब सेहो शामिल अछि, हुनका सभक सजा आ हुनकर शहर सभक विनाशक कारण बनत (आमोस 1:6-8)।

3 पैराग्राफ: अध्याय में तटीय एकटा शक्तिशाली शहर सोर के आओर निंदा कयल गेल अछि | सोर क॑ इस्राएल के साथ एगो वाचा तोड़ै के कारण, दास व्यापार में शामिल होय के आरू एदोम में कैदी सिनी के पहुँचै के कारण निंदा करलऽ जाय छै। परमेश् वर सोर पर आगि लाओताह, ओकर गढ़ सभ केँ भस्म करत (आमोस 1:9-10)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे एसावक वंशज एदोमक विरुद्ध न्याय कयल गेल अछि। एदोम क॑ अपनऽ भाई इस्राएल के खिलाफ बदला लेली आरू हिंसा के अथक खोज के कारण डांटलऽ जाय छै । परमेश् वरक क्रोध एदोम पर आबि जायत, आ ओकर शहर सभ नष्ट भ’ जायत (आमोस 1:11-12)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन अम्मोन के खिलाफ न्याय के संदेश स होइत अछि। अम्मोन के निंदा करलऽ जाय छै कि वू गिलियद के लोगऽ के साथ क्रूर व्यवहार करी क॑ गर्भवती महिला सिनी क॑ फाड़ी क॑ खोललकै । एकरऽ परिणामस्वरूप अम्मोन क॑ विनाश के सामना करना पड़तै आरू ओकरऽ राजा निर्वासित होय जैतै (आमोस १:१३-१५)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 1 में पड़ोसी राष्ट्र के निंदा करै वाला भविष्यवाणी के संदेश के एक श्रृंखला छै,
हुनका सभक पापक न् याय दैत।

दमिश्क केरऽ क्रूरता आरू हिंसा के लेलऽ फैसला के घोषणा ।
इस्राएली सिनी कॅ गुलामी में बेचै के कारण पलिस्ती सिनी के खिलाफ न्याय के संदेश।
एकटा वाचा तोड़बाक, दास व्यापार मे संलग्न रहबाक आ एदोम मे बंदी केँ पहुँचेबाक कारणेँ सोरक निन्दा।
इस्राएल के खिलाफ बदला आरू हिंसा के पीछा करै के कारण एदोम के खिलाफ न्याय के घोषणा।
अम्मोन के खिलाफ न्याय के संदेश गिलियद के लोगऽ के साथ ओकरऽ क्रूर व्यवहार के लेलऽ।

आमोस के ई अध्याय में पड़ोसी जाति के निंदा करै वाला भविष्यवाणी के संदेश के एक श्रृंखला छै आरू ओकरा पर ओकरो पाप के न्याय के घोषणा करै छै। अध्याय के शुरुआत अराम के राजधानी दमिश्क के खिलाफ ओकरऽ क्रूरता आरू हिंसा के खिलाफ न्याय के घोषणा स॑ होय छै, खास करी क॑ गिलियद के लोगऽ के खिलाफ । अध्याय आगू बढ़ै छै पलिस्ती सिनी के खिलाफ न्याय के संदेश के साथ, कि हुनी दास व्यापार में भाग लेलकै आरू इस्राएली सिनी के साथ दुर्व्यवहार करलकै। तखन सोर के इस्राएल के साथ करलौ गेलौ वाचा तोड़ै के कारण, दास व्यापार में शामिल होय के आरू कैदी सिनी कॅ एदोम में पहुँचै के कारण निंदा करलऽ जाय छै। एदोम क॑ अपनऽ भाई इस्राएल के खिलाफ बदला लेली आरू हिंसा के अथक खोज के कारण डांटलऽ जाय छै । अंत में, अम्मोन के निंदा करलऽ जाय छै कि ओकरऽ गिलियद के लोगऽ के साथ क्रूर व्यवहार, खास करी क॑ गर्भवती महिला सिनी के फाड़ना के काम छै । ई जाति सिनी कॅ ओकरा सिनी के पाप के परिणामस्वरूप ओकरा सिनी पर आबै वाला आसन्न न्याय आरू विनाश के बारे में चेतावनी देलऽ जाय छै। ई अध्याय परमेश् वर के न्याय आरू राष्ट्र सिनी कॅ ओकरोॅ काम के लेलऽ जवाबदेह ठहराबै के हुनकऽ इच्छा पर जोर दै छै।

आमोस 1:1 आमोस, जे टेकोआक चरबाह सभ मे सँ छलाह, जे ओ इस्राएलक विषय मे देखलनि, जे यहूदाक राजा उजियाह आ इस्राएलक राजा योआशक पुत्र यारोबामक समय मे, भूकम्प सँ दू वर्ष पहिने.

आमोस भविष्यवक्ता उज्जियाह आ यारोबाम नामक दूटा राजाक शासन काल मे इस्राएलक विषय मे देखलनि आ बजलाह।

1. उजियाह आ योआशक समय मे आमोसक भविष्यवाणीक वचन।

2. एकटा सच्चा आ न्यायपूर्ण राज्यक स्थापना मे भविष्यवाणीक महत्व।

1. यिर्मयाह 29:11 - कारण, हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि।

2. भजन 82:3 - कमजोर आ अनाथ के न्याय दिअ; पीड़ित आ निराश्रित के अधिकार कायम राखू।

आमोस 1:2 ओ कहलनि, “परमेश् वर सियोन सँ गर्जना करताह आ यरूशलेम सँ अपन आवाज बाजताह।
चरबाह सभक आवास शोक करत आ कर्मेलक चोटी मुरझा जायत।

परमेश् वरक सामर्थ् य आ अधिकार इस्राएलक शत्रु सभक विनाशक माध्यमे प्रदर्शित होयत।

1. भगवान् परम अधिकार छथि आ अपन लोकक रक्षा लेल अपन शक्तिक उपयोग करताह।

2. हमर सभक अन्हार क्षण मे सेहो भगवान् नियंत्रण मे रहैत छथि आ हुनकर इच्छा पूरा भ' जेताह।

1. भजन 29:3-9 - प्रभुक आवाज पानि पर अछि; महिमा के परमेश् वर गरजै छै, प्रभु बहुत पानी के ऊपर छै।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत।
ओ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ कऽ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।

आमोस 1:3 प्रभु ई कहैत छथि। दमिश्कक तीनटा अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ सभ लोहाक कुटनी सँ गिलिआद केँ कुटैत छथि।

प्रभु दमिश्क के गिलाद के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार के कारण सजा के घोषणा करै छै।

1. प्रभु अन्याय के दण्ड दैत छथि

2. दोसर पर अत्याचार करबाक परिणाम

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

आमोस 1:4 मुदा हम हजाएलक घर मे आगि पठा देब जे बेनहददक महल सभ केँ भस्म क’ देत।

परमेश् वर अरामक राजा बेनहददक महल सभ केँ जरेबाक लेल आगि पठौताह।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य: परमेश् वरक निर्णयक माध्यमे हुनकर ताकत देखब

2. भय आ अनिश्चितताक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 5:14 - "तेँ सेना सभक परमेश् वर प्रभु ई कहैत छथि जे अहाँ ई वचन बजबाक कारणेँ देखू, हम अहाँक मुँह मे अपन बात केँ आगि बना देब, आ एहि लोक सभ केँ लकड़ी बना देब, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ खा जायत।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

आमोस 1:5 हम दमिश्कक सलाख केँ तोड़ि देब आ अवेनक मैदान सँ रहनिहार केँ आ अदनक घर सँ राजदंड पकड़निहार केँ काटि देब भगवान्.

प्रभु दमिश्क आ ओकर निवासी सभक विनाश अनताह आ अरामक लोक सभ केँ किर मे बंदी बनाओल जायत।

1. प्रभुक न्यायक शक्ति

2. सब राष्ट्र पर प्रभुक प्रभुत्व

1. यशायाह 17:1-3 - दमिश्कक बोझ। देखू, दमिश्क नगर सँ हटा देल गेल अछि आ ओ एकटा विनाशकारी ढेर बनि जायत।

2. यिर्मयाह 49:23-27 - दमिश्क के संबंध मे। देखू, हमत आ अर्पद लज्जित अछि, किएक तँ ओ सभ कुसमाचार सुनने अछि। समुद्र पर दुख अछि; चुप नहि भ' सकैत अछि।

आमोस 1:6 प्रभु ई कहैत छथि। गाजाक तीन अपराध आ चारि अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। कारण, ओ सभ पूरा बंदी केँ बंदी बना कऽ एदोम मे सौंपि देलक।

प्रभु घोषणा करै छै कि वू गाजा के अपराध के अनदेखी नै करतै, कैन्हेंकि वू सब पूरा लोग कॅ बंदी करी कॅ एदोम में द॑ देल॑ छै।

1. "भगवानक अटूट न्याय: गाजाक सजा"।

2. "बंदी के शक्ति: परीक्षा के बीच भगवान के दया"।

1. यिर्मयाह 51:34-36 - "बेबिलोनक राजा नबूकदनेस्सर हमरा खा गेलाह, हमरा कुचललनि, हमरा खाली बर्तन बना देलनि, हमरा अजगर जकाँ निगल गेलनि, हमर नाजुक भोजन सँ अपन पेट भरि लेलनि।" हमरा बाहर निकालि देलक।’ हमरा आ हमर शरीर पर जे हिंसा भेल अछि से सियोनक निवासी कहत, आ हमर खून कल्दियाक निवासी पर, यरूशलेम कहत कारण, अहाँक बदला लेब, हम ओकर समुद्र केँ सुखायब आ ओकर झरना केँ सुखायब।”

2. यशायाह 42:24-25 - "याकूब केँ लूट लेल के देलक आ इस्राएल केँ डकैत सभ केँ देलक? की परमेश् वर, जकरा विरुद्ध हम सभ पाप केलहुँ? नहि? किएक तँ ओ सभ हुनकर बाट पर नहि चलय चाहैत छल, आ ने हुनकर आज्ञाकारी छल।" कानून। तेँ ओ ओकरा पर अपन क्रोधक क्रोध आ युद्धक सामर्थ्य ढारि देलक, आ ओ ओकरा चारू कात आगि लगा देलक, मुदा ओ नहि जनैत छल, आ ओ ओकरा जरा देलक, मुदा ओ ओकरा हृदय मे नहि राखि देलक।"

आमोस 1:7 मुदा हम गाजाक देबाल पर आगि पठा देब जे ओकर महल सभ केँ भस्म क’ देत।

आमोस चेतावनी दै छै कि भगवान गाजा शहर क॑ ओकरऽ महल क॑ भस्म करै लेली आगी भेजी क॑ सजा देतै ।

1. पापक परिणाम: अपश् चात्तापी परमेश् वरक न्याय

2. परमेश् वरक निष्ठा: हुनकर न्यायक प्रतिज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 5:24-25 - तेँ जहिना आगि ठूंठ केँ भस्म क’ दैत अछि, आ लौ भूसा केँ भस्म क’ दैत अछि, तहिना ओकर जड़ि सड़ल भ’ जायत, आ ओकर फूल धूरा जकाँ चलि जायत, कारण ओ सभ धर्म-नियम केँ फेकि देने अछि सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक वचन केँ तिरस् कार कयलनि।

2. यिर्मयाह 17:27 - मुदा जँ अहाँ सभ विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक लेल हमर बात नहि मानब आ विश्राम-दिन मे यरूशलेमक फाटक पर प्रवेश नहि करब। तखन हम ओकर फाटक मे आगि जरा देब आ ओ यरूशलेमक महल सभ केँ भस्म कऽ देत आ ओ नहि बुझत।”

आमोस 1:8 हम अश्दोद मे रहनिहार केँ आ अश्केलोन सँ राजदंड पकड़निहार केँ काटि देब, आ एक्रोन पर अपन हाथ घुमा देब, आ पलिस्तीक शेष लोक सभ नाश भ’ जायत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ अश्दोद, अश्कलोन आ एक्रोनक निवासी सभ केँ नष्ट कऽ देताह, जाहि सँ कोनो पलिस्तीनी नहि बचलनि।

1. परमेश् वरक न्याय: पलिस्ती सभक विनाश

2. भगवानक पहुँचसँ बाहर कियो नहि अछि

२.

2. इजकिएल 25:15-17 - "प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि; किएक तँ पलिश् ती सभ पुरान घृणा सभक कारणेँ ओकरा नष्ट करबाक लेल प्रतिशोध लेल आ घृणित हृदय सँ प्रतिशोध लेलक। तेँ प्रभु

परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू। हम पलिस्ती सभ पर अपन हाथ पसारि देब आ केरेथी सभ केँ काटि देब आ समुद्रक कात मे सँ बचल लोक सभ केँ नष्ट करब हम हुनका सभ पर अपन प्रतिशोध देबनि।”

आमोस 1:9 प्रभु ई कहैत छथि। सोरक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। कारण, ओ सभ पूरा बंदी केँ एदोम मे सौंपि देलक, आ भाइ-बहिनक वाचा केँ नहि मोन पाड़लक।

प्रभु चेतावनी दैत छथिन जे ओ सोरस केँ माफ नहि करताह जे ओ पूरा कैद केँ एदोम केँ सौंप देलनि आ भाई-बहिनक वाचा तोड़ि देलनि।

1. वाचा के पालन के महत्व

2. वाचा तोड़बाक परिणाम

1. उत्पत्ति 21:22-34, अब्राहम आ अबीमेलेक एकटा वाचा करैत छथि

2. इजकिएल 17:13-21, दाऊदक संग परमेश्वरक वाचा बतौल गेल अछि

आमोस 1:10 मुदा हम सोरक देबाल पर आगि पठा देब जे ओकर महल सभ केँ भस्म क’ देत।

आमोस भविष्यवाणी करै छै कि परमेश् वर सोर के महल के भस्म करै लेली आगि भेजतै।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति: परमेश् वरक क्रोध कोना विनाश आनि सकैत अछि

2. परमेश् वरक समय एकदम सही अछि: ई भरोसा जे परमेश् वरक योजना सदिखन प्रबल रहत

1. यशायाह 30:27-30 - देखू, प्रभुक नाम दूर सँ आबि रहल अछि, ओकर क्रोध सँ जरैत अछि आ घनघोर उगैत धुँआ मे। ओकर ठोर आक्रोश सँ भरल अछि आ ओकर जीह भस्म करयवला आगि जकाँ अछि।

2. भजन 97:3-5 - आगि ओकरा आगू जा क’ ओकर विरोधी सभ केँ चारू कात जरा दैत छैक। ओकर बिजली संसार केँ रोशन करैत छैक; धरती देखैत अछि आ काँपि उठैत अछि। पहाड़ मोम जकाँ पिघलि जाइत अछि प्रभुक समक्ष, समस्त पृथ्वीक प्रभुक समक्ष।

आमोस 1:11 प्रभु ई कहैत छथि। एदोमक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ तलवार सँ अपन भाय केँ पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह आ सभ दया केँ छोड़ि देलनि, आ हुनकर क्रोध सदाक लेल फाटि गेलनि आ ओ अपन क्रोध केँ अनन्त काल धरि रखलनि।

प्रभु एदोम के तीन आरू चारि अपराध के सजा के घोषणा करै छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप वू अपनऽ भाय के तलवार सें पीछू-पीछू चलै छै, आरो सब दया फेंकी दै छै, आरो अपनऽ क्रोध के हमेशा लेली रखलकै।

1. अनियंत्रित क्रोधक खतरा - आमोस 1:11

2. करुणाक शक्ति - आमोस 1:11

1. याकूब 1:19-20 - "हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे देरी, किएक तँ मनुष् यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।"

2. नीतिवचन 14:29 - "जेकरा क्रोध करबा मे देरी होइत अछि, ओकर बहुत बुद्धि होइत छैक, मुदा जे जल्दबाजी मे आक्रोश करैत अछि, ओ मूर्खता केँ ऊपर उठबैत अछि।"

आमोस 1:12 मुदा हम तेमान पर आगि पठा देब जे बोजराक महल सभ केँ भस्म क’ देत।

परमेश् वर तेमान नगर केँ विनाशकारी आगि सँ सजा देथिन, जे बोजराक महल सभ केँ भस्म क' देत।

1. परमेश् वरक दंड न्यायपूर्ण आ धार्मिक अछि
1938

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 13:9 - "देखू, प्रभुक दिन अबैत अछि, क्रूर, क्रोध आ भयंकर क्रोध दुनूक संग, जे देश केँ उजाड़ क' देत, आ ओ ओकर पापी सभ केँ ओहि सँ नष्ट क' देत।"

2. यिर्मयाह 21:13 - "देखू, हम अहाँक विरुद्ध छी, हे घाटी आ मैदानक चट्टान, जे कहैत छी, 'हमरा सभक विरुद्ध के उतरत? वा हमरा सभक निवास मे के प्रवेश करत।" ?'"

आमोस 1:13 प्रभु ई कहैत छथि। अम्मोनक तीनटा अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ सभ गिलिआदक गर्भवती स् त्री सभ केँ नोचि लेलक जाहि सँ ओ सभ अपन सीमा केँ बढ़ा सकय।

परमेश् वर अम्मोनक सन् तान सभ केँ गिलादक स् त्रीगण सभक विरुद्ध अपराधक दण्डक घोषणा करैत छथि।

1. प्रभुक न्याय आ दया

2. उल्लंघन के परिणाम

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

आमोस 1:14 मुदा हम रब्बाक देबाल मे आगि जरा देब आ ओ ओकर महल सभ केँ भस्म क’ देत, युद्धक दिन मे चिचियाहटि आ बवंडरक दिन मे आँधी-तूफान।

प्रभु रब्बा नगर मे आगि, चिल्लाहट आ तूफान सँ विनाश अनताह।

1. प्रभुक न्याय: आमोस 1:14

2. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति: आमोस 1:14

1. यशायाह 30:30 - कारण, परमेश् वर ऊपर सँ गर्जैत छथि आ अपन पवित्र निवास सँ अपन आवाज बजताह। ओ अपन आवास पर प्रबल गर्जना करत। ओ अंगूर पर रौदनिहार सभ जकाँ चिचियाओत।

2. यिर्मयाह 25:30 - तेँ अहाँ हुनका सभक विरुद्ध ई सभ बातक भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, “परमेश् वर ऊपर सँ गर्जना करताह आ अपन पवित्र निवास सँ अपन आवाज बाजताह। ओ अपन आवास पर जोर-जोर सँ गर्जत। ओ अंगूर पर रौदनिहार सभ जकाँ चिचियाओत।

आमोस 1:15 ओकर सभक राजा आ ओकर राजकुमार सभ एक संग बंदी मे जेताह, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर अम्मोनक लोक सभ केँ ओकर राजा आ ओकर राजकुमार सभ केँ बंदी बना कऽ सजा देत।

1. भगवान् न्यायी छथि आ ओ अधर्मक न्याय करताह

2. परमेश् वरक क्रोध हमरा सभ केँ हुनका लग अनबाक लेल अछि

१.

2. यशायाह 11:4 - मुदा ओ धार्मिकताक संग गरीब सभक न्याय करत, आ पृथ् वीक नम्र लोक सभक लेल न्यायपूर्वक निर्णय करत। ओ अपन मुँहक छड़ी सँ पृथ्वी पर प्रहार करत आ ठोरक साँस सँ दुष्ट केँ मारि देत।

आमोस अध्याय 2 न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के जारी रखै छै, जेकरा में ई बार यहूदा आरू इस्राएल द्वारा करलो गेलऽ पाप पर केंद्रित छै। अध्याय में हुनकऽ उल्लंघन के उजागर करलऽ गेलऽ छै आरू हुनका पर जे परिणाम आबै वाला छै, ओकरऽ घोषणा करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत मोआब केरऽ उल्लंघन केरऽ निंदा स॑ होय छै । मोआब के निंदा करलऽ जाय छै कि वू एदोम के राजा के हड्डी जलाबै के कारण मृतक के प्रति पूर्ण रूप सें आदर के कमी के प्रदर्शन करै छै। एकरऽ परिणामस्वरूप मोआब क॑ विनाश के सामना करना पड़तै आरू ओकरऽ नेता सिनी क॑ मारलऽ जैतै (आमोस २:१-३)।

2 पैराग्राफ: अध्याय दक्षिणी राज्य यहूदा के खिलाफ न्याय के संदेश के साथ आगू बढ़ै छै। यहूदा परमेश् वर के नियम के अस्वीकार करै के आरू झूठा देवता के पालन करै के कारण डांटलऽ जाय छै। हुनकऽ आज्ञा नै मानला स॑ सजा आरू कैद होय जैतै (आमोस २:४-५)।

3 पैराग्राफ: अध्याय इस्राएल, उत्तरी राज्य के पाप पर केंद्रित छै। इजरायल के निंदा करलऽ जाय छै कि वू गरीब आरू जरूरतमंद पर अत्याचार करै छै, घूस लेबै छै आरू न्याय क॑ विकृत करै छै। परमेश् वर हुनका सभक अपराध केँ नजरअंदाज नहि करताह, आओर हुनका सभ केँ अपन काजक परिणामक सामना करय पड़तनि (आमोस 2:6-8)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के प्रति परमेश् वर के वफादारी के याद दिलाबै के साथ होय छै। हुनकऽ बेवफाई के बावजूद, परमेश् वर अपनऽ चुनलऽ लोगऽ लेली अपनऽ पूर्व मुक्ति आरू आशीर्वाद के काम के बारे म॑ बतैलकै । मुदा, हुनका सभक निरंतर आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ परमेश् वर हुनका सभ पर न्याय आनताह (आमोस 2:9-16)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 2 न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के जारी रखै छै, जेकरा में के पापऽ पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै
मोआब, यहूदा आ इस्राएल, आ ओकरा सभ पर जे परिणाम होयत तकर घोषणा करब।

एदोम के मृत राजा के अनादर के कारण मोआब के निंदा |
मोआब के खिलाफ न्याय के घोषणा, जेकरा चलतें विनाश आरो ओकरोॅ नेता सिनी के हत्या होय गेलै।
यहूदा के डाँटै के कारण परमेश् वर के व्यवस्था के अस्वीकार करै के आरू झूठा देवता के पालन करै के कारण।
यहूदा के लेलऽ दंड आरू कैद के भविष्यवाणी।
गरीब पर अत्याचार, घूस आ न्याय के विकृति के कारण इस्राएल के निंदा।
आश्वासन जे परमेश् वर हुनका सभक उल्लंघन केँ नजरअंदाज नहि करताह, आ हुनका सभ केँ परिणामक सामना करय पड़तनि।
इस्राएल के प्रति परमेश् वर के अतीत के वफादारी के याद दिलाबै के बावजूद ओकरऽ अविश्वास के बावजूद।
इस्राएल पर ओकरऽ लगातार आज्ञा नै मानला के कारण न्याय के घोषणा ।

आमोस के ई अध्याय न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के आगू बढ़ाबै छै, जे मोआब, यहूदा आरू इस्राएल द्वारा करलो गेलऽ पाप पर केंद्रित छै। अध्याय के शुरुआत एदोम के राजा के हड्डी जलाबै के अनादरपूर्ण काम के कारण मोआब के निंदा के साथ होय छै, जेकरा में मृतक के प्रति आदर के पूर्ण कमी के प्रदर्शन होय छै। एकर परिणाम मोआब केँ विनाशक सामना करय पड़तैक, आ ओकर नेता सभ मारल जायत। तखन अध्याय दक्षिणी राज्य यहूदा के खिलाफ न्याय के संदेश के साथ आगू बढ़ै छै, जे परमेश्वर के व्यवस्था के अस्वीकार करै छै आरू झूठा देवता के पालन करै छै। हुनका लोकनिक आज्ञा नहि मानला सँ सजा आ कैद भ' जायत। तखन इस्राएल, उत्तरी राज्य के पाप के निंदा करलऽ जाय छै, खास करी क॑ ओकरऽ गरीब आरू जरूरतमंद के साथ ओकरऽ अत्याचार, घूस स्वीकार करना, आरू ओकरऽ न्याय के विकृति। परमेश् वर हुनका सभक अपराध केँ नजरअंदाज नहि करताह, आ हुनका सभ केँ अपन काजक परिणामक सामना करय पड़तनि। अध्याय के समापन इस्राएल के प्रति परमेश् वर के अतीत के वफादारी के याद दिलाबै के साथ होय छै, जेकरा में हुनकऽ मुक्ति आरू आशीष के काम के बारे में कहलऽ गेलऽ छै । मुदा, हुनका लोकनिक निरंतर आज्ञा नहि मानबाक कारणेँ परमेश् वर हुनका सभ पर न्याय आनताह। ई अध्याय पाप के लेलऽ जवाबदेही आरू ओकरऽ बाद के परिणाम पर जोर दै छै, यहाँ तक कि परमेश्वर के चुनलऽ लोगऽ के लेलऽ भी।

आमोस 2:1 प्रभु ई कहैत छथि। मोआबक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ एदोमक राजाक हड्डीकेँ जरा कऽ चून बना देलनि।
1940

प्रभु मोआब के सजा के घोषणा करै छै कि हुनी एदोम के राजा के हड्डी के चून में जला देलकै।

1. परमेश् वर न्यायी छथि आ पापक सजा दैत छथि - आमोस 2:1

2. पापक परिणाम - आमोस 2:1

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. यिर्मयाह 17:10 - हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी आ मन केँ परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन कर्मक फलक अनुसार अपन मार्गक अनुसार देब।

आमोस 2:2 मुदा हम मोआब पर आगि पठा देब आ ओ किरिओतक महल सभ केँ भस्म क’ देत, आ मोआब हल्ला- गुल्ला, चिचियाहटि आ तुरहीक आवाज सँ मरि जायत।

परमेश् वर मोआब केँ सजा देबाक लेल आगि पठौताह, जकर परिणाम हुनका सभक विनाश आ मृत्यु होयत।

1. जखन हम सभ दुखी होइत छी तखन भगवान् छथि - परीक्षा आ दुखक बीच भगवानक उपस्थितिक विषय मे एकटा संदेश।

2. भगवान् के आज्ञाकारिता में जीना - भगवान के इच्छा आ उद्देश्य के संग तालमेल बैसा क जीबय के आह्वान, चाहे ओकर कीमत किछुओ हो।

1. आमोस 2:2 - मुदा हम मोआब पर आगि लगा देब, आ ओ किरिओतक महल सभ केँ भस्म क’ देत, आ मोआब हल्ला-गुल्ला, चिचियाहटि आ तुरहीक आवाज सँ मरि जायत।

2. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

आमोस 2:3 हम न्यायाधीश केँ ओकर बीच सँ काटि देब आ ओकर सभ राजकुमार केँ ओकरा संग मारि देब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल केँ ओकर नेता आ शासक वर्ग केँ नष्ट क' क' सजा देत।

1. भगवान् हमरा सभक काजक लेल जवाबदेह ठहराओत।

2. हमर सबहक पसंदक परिणाम स्थायी प्रभाव पड़त।

1. रोमियो 6:23, "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि"।

2. मत्ती 7:24-27, "एहि लेल जे हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा व्यवहार मे उतारैत अछि, ओ एकटा एहन बुद्धिमान आदमी जकाँ अछि जे चट्टान पर अपन घर बनौलक। बरखा भेल, धार उठल, आ हवा बहल आ।" ओहि घर पर मारि देलक, तइयो ओ नहि खसल, कारण ओकर नींव चट्टान पर छलैक।”

आमोस 2:4 प्रभु ई कहैत छथि। यहूदाक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक नियम केँ तिरस् कार कयलनि आ हुनकर आज्ञा सभक पालन नहि कयलनि आ हुनकर सभक झूठ हुनका सभ केँ भटका देलकनि।

परमेश् वर यहूदा कॅ चेताबै छै कि हुनी ओकरो सिनी के उल्लंघन के अनदेखी नै करतै, कैन्हेंकि वू सिनी व्यवस्था के पालन करै आरू अपनऽ पूर्वज के नक्शेकदम पर चलै लेली मना करी देलकै।

1. परमेश् वरक नियमक अवहेलना करबाक पाप

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक नियमक पालन करबाक चाही आ पापक सजाय सँ बचबाक चाही

1. व्यवस्था 30:19-20 - हम आइ स्वर्ग आ पृथ्वी केँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाही बनयबाक लेल कहैत छी जे हम अहाँ सभक सोझाँ जीवन आ मृत्यु, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान जीवित रहू, 20 अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करू, हुनकर बात मानू आ हुनका पकड़ने रहू, किएक तँ ओ अहाँक जीवन आ दिनक लंबाई छथि।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

आमोस 2:5 मुदा हम यहूदा पर आगि लगा देब, आ ओ यरूशलेमक महल सभ केँ भस्म क’ देत।

परमेश् वर यरूशलेमक महल सभ केँ नष्ट करबाक लेल आगि पठौताह।

1. परमेश् वरक न्याय: पापक परिणाम

2. भगवान् के पवित्रता: हुनकर क्रोध आ दया

1. यशायाह 5:24-25 - तेँ जहिना आगि ठूंठ केँ भस्म क’ दैत अछि, आ लौ भूसा केँ भस्म क’ दैत अछि, तहिना ओकर जड़ि सड़ल जकाँ भ’ जायत आ ओकर फूल धूरा जकाँ चढ़त। किएक तँ ओ सभ सेना सभक प्रभुक नियम केँ अस्वीकार कऽ कऽ इस्राएलक पवित्र परमेश् वरक वचन केँ तिरस् कार कयलक।

2. यिर्मयाह 21:14 - मुदा हम अहाँ केँ अहाँक मार्गक अनुसार सजा देब, जखन कि अहाँक घृणित काज अहाँक बीच मे रहत। तखन अहाँ सभ केँ बुझल होयत जे हम प्रहार करयवला प्रभु छी।

आमोस 2:6 प्रभु ई कहैत छथि। इस्राएलक तीन अपराधक कारणेँ आ चारिटा अपराधक कारणेँ हम ओकर सजा केँ नहि मोड़ब। कारण ओ सभ धर्मी केँ चानी मे बेचि दैत छल आ गरीब केँ एक जोड़ी जूता मे बेचि दैत छल।

प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी इस्राएल के पाप के सजा नै मोड़तै, जेकरा चलतें हुनी धर्मी सिनी कॅ चानी के बदला में आरो गरीब सिनी कॅ एक जोड़ी जूता के बदला में बेचै छेलै।

1. भगवानक न्याय: गरीब आ कमजोरक सेवा

2. हमर जीवन मे दया आ क्षमाक शक्ति

1. नीतिवचन 22:2 - अमीर आ गरीब मे ई समानता अछि; प्रभु हुनका सभक निर्माता छथि।

2. याकूब 2:14-17 - हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त’ एकर की फायदा? की एहन विश्वास हुनका सभ केँ बचा सकैत अछि?

आमोस 2:7 जे गरीबक माथ पर पृथ्वीक धूरा पाछाँ हँसैत अछि आ नम्र लोकक बाट केँ मोड़ि लैत अछि, आ एकटा आदमी आ ओकर पिता ओही दासी लग जाइत अछि जे हमर पवित्र नाम केँ अपवित्र करय।

गरीब पर अत्याचार कयल जाइत अछि, आ मनुष्य अनैतिक काज क' क' परमेश् वरक पवित्र नाम केँ अपवित्र क' रहल अछि।

1. अत्याचारक खतरा: पापक चक्र तोड़ब

2. ईश्वरीय जीवन जीब: परमेश् वरक नामक आदर करब

1. याकूब 2:5-7 - हमर प्रिय भाइ लोकनि, सुनू, की परमेश् वर एहि संसारक गरीब सभ केँ विश् वास मे धनिक आ ओहि राज्यक उत्तराधिकारी नहि चुनने छथि जे ओ हुनका सँ प्रेम करयवला सभ केँ प्रतिज्ञा केने छथि?

1942

2. व्यवस्था 5:16-20 - अपन पिता आ मायक आदर करू, जेना तोहर परमेश् वर अहाँ केँ आज्ञा देने छथि। जाहि देश मे तोहर परमेश् वर अहाँ केँ जे देश दैत छथि, ताहि मे अहाँक दिन लंबा भ’ जाय आ अहाँ केँ नीक लागय।”

आमोस 2:8 ओ सभ प्रत्येक वेदीक कात मे बंधक बनाओल कपड़ा मे पड़ि जाइत छथि आ अपन देवताक घर मे दोषी सभक मदिरा पीबैत छथि।

आमोस 2:8 मे एहन लोकक वर्णन अछि जे हर वेदी केँ प्रतिज्ञाक रूप मे देल गेल कपड़ा पर सुतय लेल लेटैत अछि आ अपन देवताक घर मे दोषी ठहराओल गेल लोकक शराब पीबैत अछि।

1: भगवान् अपन घरक भीतर दुष्टता आ निन्दा करयवला लोक केँ दयापूर्वक नहि देखैत छथि।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय मे सावधान रहबाक चाही जे भगवानक आज्ञा केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही आ हुनकर घर केँ मात्र नीक आ पवित्र काज लेल उपयोग करबाक चाही।

1: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: यशायाह 1:17 नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

आमोस 2:9 तइयो हम हुनका सभक सामने अमोरी केँ नष्ट कऽ देलियनि, जकर ऊँचाई देवदारक गाछ जकाँ छल आ ओ ओक गाछ जकाँ मजबूत छल। तैयो हम ओकर फल ऊपर सँ आ ओकर जड़ि केँ नीचाँ सँ नष्ट कऽ देलहुँ।

परमेश् वर अमोरी जाति केँ, जे मजबूत आ ऊँच छल, ओकरा सभक फल केँ ऊपर सँ आ ओकर जड़ि केँ नीचाँ सँ नष्ट क’ क’ नष्ट क’ देलनि।

1. परमेश् वरक शक्ति: परमेश् वरक सामर्थ् य आ संप्रभुता

2. भगवानक सार्वभौमत्व: भगवान् सब वस्तु पर कोना नियंत्रण रखैत छथि

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. यिर्मयाह 32:17 - "आह, प्रभु परमेश् वर! अहाँ छी जे अपन महान शक्ति आ पसरल बाँहि सँ आकाश आ पृथ्वी केँ बनौने छी! अहाँक लेल कोनो बात बेसी कठिन नहि अछि।"

आमोस 2:10 हम अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ अनलहुँ आ चालीस वर्ष धरि जंगल मे अमोरी लोकक भूमि पर कब्जा करबाक लेल ल’ गेलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालि कऽ ४० वर्ष धरि जंगल मे घुमा देलथिन जाहि सँ ओ सभ अमोरी सभक देश पर कब्जा कऽ सकथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पूरा करबा मे निष्ठा।

2. जंगल मे चलबा मे आज्ञाकारिता के महत्व।

1. व्यवस्था 8:2-3 - मोन राखू जे कोना अहाँक परमेश् वर अहाँ सभ केँ एहि चालीस वर्ष मे जंगल मे पूरा रास्ता ल’ गेलनि, जाहि सँ अहाँ केँ विनम्र बनाओल आ परीक्षा देलनि जाहि सँ ई जानि सकब जे अहाँक हृदय मे की अछि, की अहाँ हुनकर आज्ञाक पालन करब वा नहि.

3. भजन 136:16 - जे अपन अटूट प्रेमक लेल अपन लोक केँ जंगल मे लऽ गेल छल, ओ अनन्त काल धरि टिकैत अछि।

आमोस 2:11 हम अहाँक पुत्र मे सँ भविष्यवक्ता आ अहाँक युवक केँ नासरीक लेल ठाढ़ केलहुँ।
हे इस्राएलक सन्तान, की एना सेहो नहि अछि? प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएली सभक किछु पुत्र सभ केँ भविष्यवक्ता आ किछु युवक केँ नासरी बनेबाक लेल ठाढ़ कयलनि।

1. परमेश् वरक आह्वान: परमेश् वरक आमंत्रण केँ चिन्हब आ ओकर प्रतिक्रिया देब

2. सेवा करबाक हमर सौभाग्य: परमेश्वरक आह्वानक उत्तर देबाक शक्ति

1. यिर्मयाह 1:4-5: "परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे, 'हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, आ अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ पवित्र क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे एकटा भविष्यवक्ता नियुक्त केलहुँ।' .'"

2. लूका 1:13-17: "मुदा स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, “जकराह, नहि डेराउ, किएक त’ अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि, आ अहाँक पत्नी एलिजाबेथ अहाँ केँ एकटा बेटा पैदा करतीह, आ अहाँ हुनकर नाम यूहन्ना राखि देबनि। आ।" अहाँ सभ केँ आनन्द आ आनन्द होयत, आ बहुतो लोक हुनकर जन्म पर आनन्दित हेताह, कारण ओ प्रभुक समक्ष महान होयत.ओ इस्राएलक बहुतो संतान केँ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस घुमाओत, आ एलियाहक आत् मा आ सामर्थ् य मे हुनका सँ आगू बढ़ि कऽ पिता-पिताक हृदय केँ संतान दिस आ आज्ञा नहि माननिहार सभक बुद्धि दिस घुमा देत बस, प्रभुक लेल एकटा लोक तैयार करबाक लेल।

आमोस 2:12 मुदा अहाँ सभ नासरी सभ केँ शराब पीबय लेल देलियैक। ओ भविष्यवक्ता सभ केँ आज्ञा देलथिन जे, “भविष्यवाणी नहि करू।”

ई अंश ई बात के बात करै छै कि कोना इस्राएल के लोग नासरी आरू भविष्यवक्ता सिनी कॅ नकारलकै, ओकरा सिनी कॅ शराब पीबै लेली प्रोत्साहित करलकै आरू भविष्यवाणी करै सें मना करी देलकै।

1. भगवानक दूत केँ अस्वीकार करब: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

2. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन आ अधीनता मे रहब

1. इफिसियों 5:18 - "आओर मदिरा मे नशा नहि करू, कारण ओ व्यभिचार अछि, बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।"

2. यिर्मयाह 23:21-22 - "हम भविष्यवक्ता सभ केँ नहि पठौलहुँ, तइयो ओ सभ दौड़ल; हम हुनका सभ सँ बात नहि केलहुँ, तइयो ओ सभ भविष्यवाणी कयलनि। मुदा जँ ओ सभ हमर परिषद् मे ठाढ़ रहितथि, तखन ओ सभ हमर वचन हमरा लग प्रचारित करितथि।" लोक सभ केँ, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ अपन दुष्ट बाट सँ आ अपन काजक बुराई सँ मोड़ि दैत।”

आमोस 2:13 देखू, हम अहाँक नीचाँ दबाओल गेल छी, जेना कोनो गाड़ी दबाओल जाइत अछि जे गुच्छा सँ भरल अछि।

परमेश् वर इस्राएली सिनी के प्रति अपनऽ क्रोध व्यक्त करी रहलऽ छै आरू एकरऽ तुलना एक गाड़ी स॑ करी रहलऽ छै जेकरा म॑ गुच्छा दबाय देलऽ जाय रहलऽ छै ।

1. पापक लेल परमेश् वरक दंड: इस्राएली सभक उदाहरण सँ सीखब

2. हमर पापक वजन: जखन भगवान हमरा सभकेँ हमरा सभकेँ सहनसँ बेसी दैत छथि

1. आमोस 2:13

2. मत्ती 11:28-30 "हे सभ परिश्रम आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब। हमर जुआ अहाँ सभ पर उठाउ आ हमरा सँ सीखू, किएक तँ हम कोमल आ नीच हृदय मे छी आ अहाँ सभ।" अहाँ सभक प्राणी केँ विश्राम भेटत, कारण हमर जुआ सहज अछि, आ हमर बोझ हल्लुक अछि।"

आमोस 2:14 तेँ तेज गति सँ पलायन नहि भ’ जायत, आ बलवान अपन बल केँ मजबूत नहि करत, आ ने शक्तिशाली अपना केँ बचाओत।

परमेश् वर तेज, बलवान आ पराक्रमी केँ दंड सँ नहि बचाओत।

1. भगवान् केर न्याय निष्पक्ष होइत अछि आ सभक बीच पहुँचत, चाहे ओकर ताकत वा धन कोनो हो।

2. हम सभ अपन शक्ति वा शक्ति पर भरोसा नहि क' सकैत छी जे हमरा सभ केँ परमेश् वरक न्याय सँ बचा सकय।

1. यशायाह 40:29-31 - ओ कमजोर केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

2. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

आमोस 2:15 आ धनुष सम्हारय बला ठाढ़ नहि होयत। जे पएर तेज होयत से अपना केँ नहि बचाओत, आ घोड़ा पर सवार भ’ क’ अपना केँ नहि बचाओत।”

भगवान् कोनो व्यक्तिक जान खाली ओकर ताकत वा लूरि के कारण नहि बख्शताह।

1: हमरा सभ केँ अपन शक्ति आ प्रतिभा पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि भगवानक दया आ शक्ति पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन वरदान आ क्षमता पर गर्व नहि करबाक चाही, बल्कि विनम्र रहबाक चाही आ ई मोन राखबाक चाही जे सभ आशीर्वाद भगवान् सँ भेटैत अछि।

1: यिर्मयाह 17:5-10 - प्रभु पर भरोसा करू आ अपन शक्ति पर नहि।

2: भजन 33:16-20 - प्रभु विनम्र लोक केँ शक्ति दैत छथि।

आमोस 2:16 जे पराक्रमी सभक बीच साहसी होयत से ओहि दिन नंगटे भागि जायत, परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु घोषणा करै छै कि जे शक्तिशाली लोगऽ के बीच बहादुर छै, वू एक निश्चित दिन, बिना कोनो वस्त्र के, भागी जैतै ।

1. "भगवान नियंत्रण मे छथि: कठिनाईक समय मे प्रभु पर भरोसा करब सीखब"।

2. "विपत्तिक समय मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब: भय के सामना मे साहस के ताकत"।

1. यशायाह 40:31: "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. नीतिवचन 28:1: "दुष्ट तखन भागि जाइत अछि जखन कियो पीछा नहि करैत अछि, मुदा धर्मी सिंह जकाँ साहसी होइत अछि।"

आमोस अध्याय 3 इस्राएल पर जवाबदेही आरू आसन्न न्याय पर जोर दै छै। अध्याय में परमेश्वर आरू इस्राएल के बीच के विशेष संबंध पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै आरू आबै वाला न्याय के पाछू के कारण के खुलासा करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर आरू इस्राएल के बीच के अद्वितीय संबंध पर जोर दै के छै। परमेश् वर सभ जाति मे सँ इस्राएल केँ चुनने छथि, आ परिणामस्वरूप, ओ हुनका सभक काजक लेल जवाबदेह ठहरबैत छथि। हुनका लोकनिक विशेष संबंधक कारणेँ परमेश् वर हुनका सभक पापक सजाय देताह (आमोस 3:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि एकटा अलंकारिक प्रश्नक श्रृंखला जे कारण आ प्रभाव पर प्रकाश दैत अछि | प्रश्न सब एहि बात पर जोर दैत अछि जे घटना संयोगवश वा बिना उद्देश्यक नहि होइत अछि । परमेश् वरक काज आओर ओकर बादक परिणामक बीच सीधा संबंध अछि (आमोस 3:3-8)।

3 पैराग्राफ: अध्याय इस्राएल पर आसन्न न्याय के खुलासा करै छै। आमोस भविष्यवक्ता घोषणा करै छै कि इस्राएल के राजधानी सामरिया शहर के विनाश आरू उजाड़ के सामना करना पड़तै। लोक सभ केँ बंदी बनाओल जायत, आ ओकर आलीशान आवास खंडहर मे बदलि जायत (आमोस 3:9-15)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 3 इस्राएल के जवाबदेही पर जोर दै छै आरू आसन्न न्याय के पाछू के कारण के खुलासा करै छै।

परमेश् वर आ इस्राएल के बीच अद्वितीय संबंध पर जोर।
परमेश् वर के साथ अपनऽ विशेष संबंध के कारण इस्राएल के अपनऽ काम के लेलऽ जवाबदेही ।
कारण आ प्रभाव पर प्रकाश दैत अलंकारिक प्रश्न, क्रिया आ परिणामक बीचक संबंध पर जोर दैत |
इस्राएल पर आसन्न न्याय के प्रकटीकरण, विशेष रूप सॅ सामरिया के विनाश आरू उजाड़।

आमोस के ई अध्याय में इस्राएल के परमेश् वर के साथ ओकरो विशेष संबंध के कारण जवाबदेही पर जोर देलऽ गेलऽ छै । अध्याय केरऽ शुरुआत ई बात प॑ प्रकाश डालै स॑ करलऽ जाय छै कि परमेश् वर न॑ इस्राएल क॑ सब जाति म॑ स॑ चुनलकै, आरू एकरऽ परिणामस्वरूप, वू ओकरा सिनी क॑ ओकरऽ काम के लेलऽ जवाबदेह ठहराबै छै । अध्याय आगू बढ़ैत अछि एकटा अलंकारिक प्रश्नक श्रृंखला जे घटनाक बीच कारण आ प्रभावक संबंध पर जोर दैत अछि | प्रश्न सब स स्पष्ट भ जाइत अछि जे घटना संयोग स या बिना उद्देश्य स नहि होइत अछि। भगवान् केरऽ कर्म आरू ओकरऽ बाद केरऽ परिणाम के बीच सीधा संबंध छै । अध्याय के समापन इस्राएल पर आबै वाला न्याय के खुलासा करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । आमोस भविष्यवक्ता घोषणा करै छै कि इस्राएल के राजधानी सामरिया शहर के विनाश आरू उजाड़ के सामना करना पड़तै। लोक सभ केँ बंदी बनाओल जायत, आ ओकर आलीशान आवास खंडहर मे बदलि जायत। ई अध्याय इजरायल के जवाबदेही आरू ओकरऽ हरकत के आसन्न परिणाम पर जोर दै छै ।

आमोस 3:1 हे इस्राएलक सन्तान, परमेश् वर अहाँ सभक विरुद्ध ई बात सुनू जे हम ओहि समस्त वंशक विरुद्ध कहने छथि, जकरा हम मिस्र देश सँ अनने छी।

परमेश् वर इस्राएली सभक विरुद्ध बजैत छथि, जिनका ओ मिस्र सँ निकालने छलाह।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक निष्ठा केँ सदिखन मोन राखय पड़त आ हुनकर आज्ञाक आज्ञाकारी रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ प्रभु द्वारा देल गेल आशीर्वाद केँ नहि बिसरबाक चाही, आ हुनका प्रति वफादार रहबाक चाही।

1: व्यवस्था 7:9 "तेँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर छथि; ओ विश् वासपूर्ण परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करैत छथि, हुनका सभक हजार पीढ़ी धरि अपन प्रेमक वाचा केँ पालन करैत छथि।"

2: 1 कोरिन्थी 10:11 ई सभ बात हुनका सभक संग एकटा उदाहरणक रूप मे भेलनि, मुदा ई सभ हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल छल, जाहि पर युगक अंत आबि गेल अछि।

आमोस 3:2 हम पृथ्वीक सभ कुल मे सँ अहाँ केँ मात्र जनैत छी, तेँ हम अहाँ केँ अहाँक सभ अधर्मक सजाय देब।

परमेश् वर इस्राएल केँ अपन प्रजाक रूप मे चुनने छथि आ हुनका सभक अपराधक सजाय देताह।

1: इस्राएल के साथ परमेश् वर के विशेष संबंध के मतलब छै कि ओकरा अपनऽ पाप के लेलऽ जवाबदेह होना चाहियऽ।

2: हमरा सभ केँ एहन जीवन जीबाक प्रयास करबाक चाही जे भगवान् केँ प्रसन्न करय, भले एकर मतलब अपन गलत काजक परिणामक सामना करब हो।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2: 2 कोरिन्थी 5:10 - कारण, हमरा सभ केँ मसीहक न्यायपीठक समक्ष उपस्थित हेबाक चाही, जाहि सँ प्रत्येक केँ शरीर मे जे किछु कयल गेल अछि, से नीक हो वा अधलाह।

आमोस 3:3 की दू गोटे एक संग चल सकैत छथि, जखन कि हुनका सभ पर सहमति नहि भ’ जायत?

ई अंश दू पक्ष क॑ एक-दूसरा स॑ जुड़ै स॑ पहल॑ सहमत होय लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1: सफल संबंधक लेल दोसरक संग सहमत रहब अनिवार्य अछि।

2: एक संग काज करबा मे सक्षम हेबाक लेल दोसरक संग सहमत रहब जरूरी अछि।

1: फिलिप्पियों 2:2, हमर आनन्द केँ पूरा करू जे अहाँ सभ एक समान प्रेम राखू, एक विचार आ एक विचारक रहू।

2: उपदेशक 4:9-12, एक सँ दू गोटे नीक अछि; कारण, हुनका सभ केँ अपन मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगी केँ ऊपर उठाओत। किएक तँ ओकरा उठयबाक लेल दोसर नहि अछि।” पुनः जँ दू गोटे एक संग पड़ल रहत तखन ओकरा सभ मे गर्मी छैक, मुदा असगरे कोना गरम भ' सकैत अछि? जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत तँ दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

आमोस 3:4 की सिंह जंगल मे गर्जैत अछि जखन ओकरा कोनो शिकार नहि हो? की सिंहक बच्चा अपन मांद मे सँ कानत, जँ ओ किछु नहि लेलक?

परमेश् वर सार्वभौमिक छथि आ अपन लोकक माध्यमे न्याय आ धार्मिकता केँ बढ़ावा देबाक लेल बजैत छथि।

1: परमेश् वरक सार्वभौमिकता - हमरा सभ केँ सदिखन ई मोन राखय पड़त जे परमेश् वर सार्वभौम छथि आ हुनका मे हमरा सभक माध्यम सँ न्याय आ धार्मिकता केँ बढ़ावा देबाक लेल बाजबाक शक्ति छनि।

2: सिंहक गर्जना - जेना सिंह अपन उपस्थितिक घोषणा आ अपन इलाकाक रक्षाक लेल गर्जैत अछि, तहिना भगवान् हमरा सभक माध्यमे न्याय आ धर्मक प्रचार-प्रसारक लेल बजैत छथि।

1: आमोस 3:4 - की शेर जंगल मे गर्जत, जखन ओकरा कोनो शिकार नहि छैक? की सिंहक बच्चा अपन मांदसँ बाहर कानत, जँ ओ किछु नहि लेने हो?

2: याकूब 1:17 - सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

आमोस 3:5 की कोनो चिड़ै पृथ्वी पर जाल मे खसि सकैत अछि, जतय ओकरा लेल कोनो जिन नहि हो? की केओ धरती सँ जाल उठा कऽ किछु नहि लेत?

प्रभु दुष्ट के पाप के सजा देतै, भले ही ओकरा कोनो स्पष्ट जाल में नै फंसलऽ जाय।

1. भगवान सब देखैत छथि: धर्मपूर्वक जीबाक महत्व

2. पापक परिणाम: प्रभुक न्याय

1. नीतिवचन 15:3 - "प्रभुक आँखि सभ ठाम अछि, अधलाह आ नीक केँ देखैत अछि।"

2. इजकिएल 18:20 - "जे प्राणी पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत, आ ने पिता बेटाक अधर्म सहन करत। धार्मिकक धार्मिकता ओकरा पर रहत, आ।" दुष्टक दुष्टता ओकरा पर पड़तैक।”

आमोस 3:6 की शहर मे तुरही बजाओल जायत आ लोक सभ नहि डरत? की कोनो शहर मे अधलाह होयत, आ परमेश् वर ओकरा नहि केने छथि?

भगवान् अपन इच्छा के पूरा करय लेल नीक आ अधलाह दुनू के प्रयोग करैत छथि।

1. भगवानक सार्वभौमत्व: दुखक उद्देश्य केँ बुझब

2. विश्वास के माध्यम स जीवन के चुनौती में अर्थ खोजना |

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. इब्रानी 4:15-16 - किएक तँ हमरा सभ लग एहन महापुरोहित नहि अछि जे हमरा सभक कमजोरी सभक प्रति सहानुभूति नहि राखि सकैत अछि, बल् कि हमरा सभ लग एहन अछि जे सभ तरहेँ परीक्षा मे पड़ल अछि, ठीक ओहिना जेना हमरा सभ केँ एखन धरि ओ पाप नहि केलक। तखन हम सभ विश्वासक संग परमेश् वरक अनुग्रहक सिंहासन लग जाइ, जाहि सँ हमरा सभ केँ दया भेटय आ जरूरतक समय मे हमरा सभक मदद करबाक कृपा भेटय।

आमोस 3:7 निश्चय प्रभु परमेश् वर किछु नहि करताह, बल् कि ओ अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ अपन रहस्य प्रकट करैत छथि।

परमेश् वर पहिने अपन योजना केँ पहिने अपन भविष्यवक्ता सभ केँ प्रकट केने बिना काज नहि करताह।

1. परमेश् वरक अटूट प्रतिज्ञा: परमेश् वरक अटूट मार्गदर्शन पर भरोसा करब

2. विश्वासी सेवक: परमेश् वरक वचन आ इच्छा पर भरोसा करब

1. यिर्मयाह 23:18-22 - परमेश् वरक वचन मे विवेक

2. यशायाह 40:27-31 - परमेश् वरक ताकत पर अविराम निर्भरता

आमोस 3:8 सिंह गर्जैत अछि, के नहि डरत? प्रभु परमेश् वर कहने छथि, की भविष्यवाणी नहि कऽ सकैत अछि?

प्रभु बजलाह, तखन चुप के रहि सकैत अछि?

1. बाजू: प्रभुक आह्वान जे अपन वचनक घोषणा करू

2. डर नहि: प्रभु नियंत्रण मे छथि

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

२.

आमोस 3:9 अशदोदक महल सभ मे आ मिस्र देशक महल सभ मे प्रचार करू आ कहू जे, “समरियाक पहाड़ सभ पर जमा भ’ जाउ, आ ओकर बीच मे पैघ हंगामा आ ओकर बीच मे दबल-कुचलल लोक सभ केँ देखू।”

परमेश् वर लोक सभ सँ आह्वान करैत छथि जे सामरिया मे उथल-पुथल आ अत्याचार केँ देखथि आ अशदोद आ मिस्र मे ई खबरि पसारथि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ उत्पीड़ित लोकक दुर्दशा केँ चिन्हबाक लेल बजबैत छथि

2. दुनिया मे जे देखैत छी ओकर गवाही देबय पड़त

1. यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय ताकू, उत्पीड़ित के बचाउ, अनाथ के रक्षा करू, विधवा के लेल निहोरा करू।

2. लूका 4:18-19 - प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम गरीब सभ केँ शुभ समाचारक प्रचार करी। ओ हमरा कैदी सभक लेल स्वतंत्रता आ आन्हर सभक लेल दृष्टि ठीक होयबाक घोषणा करबाक लेल, उत्पीड़ित केँ मुक्त करबाक लेल, प्रभुक अनुग्रहक वर्षक घोषणा करबाक लेल पठौने छथि |

आमोस 3:10 किएक तँ ओ सभ सही काज नहि करैत अछि, प्रभु कहैत छथि, जे अपन महल मे हिंसा आ डकैती केँ जमा करैत छथि।

परमेश् वरक दया ग्रहण करबाक लेल परमेश् वरक लोक सभ केँ अपन हिंसक आ चोर-चोरक तरीका सँ हटि जेबाक चाही।

1. "हिंसा आ चोरीसँ मुड़ू आ भगवानक दिस मुड़ू"।

2. "भगवानक दया पाप सँ मुँह मोड़बाक शर्त अछि"।

1. यशायाह 1:16-17 अपना केँ धोउ; अपना केँ शुद्ध बनाउ। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक बुराई दूर करू। अधलाह करब छोड़ू, नीक करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. याकूब 4:17 तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

आमोस 3:11 तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। ओतय एकटा प्रतिद्वंदी देशक चारू कात सेहो रहत। ओ तोहर शक्ति केँ तोरा सँ उतारत आ तोहर महल लूटि जायत।”

प्रभु घोषणा करै छै कि एक प्रतिद्वंदी आबी क॑ देश केरऽ ताकत आरू महल छीनी लेतै ।

1. कठिनाई के समय में परमेश्वर के प्रभुत्व: आमोस 3:11 के एक परीक्षा

2. विश्वास के साथ प्रतिकूलता पर काबू पाना: आमोस 3:11 के अध्ययन

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर पर, जे हमर क्रोधक छड़ी अछि, जकर हाथ मे हमर क्रोधक गदा अछि!

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

आमोस 3:12 प्रभु ई कहैत छथि। जेना चरबाह सिंहक मुँह सँ दू टा टांग वा कानक टुकड़ी निकालैत अछि। एहि तरहेँ इस्राएलक सन् तान सभ केँ बाहर निकालल जायत जे सामरिया मे ओछाओनक कोन मे आ दमिश्क मे पलंग पर बैसल रहैत अछि।

प्रभु घोषणा करैत छथि जे सामरिया आ दमिश्क मे रहनिहार इस्राएल केँ प्रभु ओहिना पकड़ि लेताह जेना चरबाह सिंहक मुँह सँ शिकार निकालैत अछि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: प्रभु कोना अपन ख्याल राखि सकैत छथि

2. भगवान् के प्रोविडेंस: कठिन समय में प्रभु पर भरोसा करना

1. भजन 23:4 - भले हम अन्हार घाटी मे चलैत छी, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2. मत्ती 6:30-32 - मुदा जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ जीवित अछि आ काल्हि भंडार मे फेकल गेल अछि, त’ की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत? तेँ चिन्ता नहि करू जे हम सभ की खाएब? वा की पीब? वा की पहिरब? कारण, गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज मे लागल छथि, आ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभक आवश्यकता अछि।

1949

आमोस 3:13 अहाँ सभ सुनू आ याकूबक घर मे गवाही दिअ, सेना सभक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

सेना सभक परमेश् वर प्रभु परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ याकूबक घर मे गवाही देबाक लेल बजबैत छथि।

1. याकूबक घर मे प्रभुक गवाही देबाक महत्व

2. कोना प्रभु परमेश् वर, सेना सभक परमेश् वर हमरा सभ केँ गवाही देबाक लेल बजबैत छथि

1. यशायाह 43:10-11 - "अहाँ सभ हमर गवाह छी, आ हमर सेवक जे हम चुनने छी, अहाँ सभ हमर गवाह छी। आ ने हमरा बाद आओत। हम, हम परमेश् वर छी, आ हमरा छोड़ि कोनो उद्धारकर्ता नहि अछि।”

2. मत्ती 10:32-33 - "जे कियो हमरा मनुष् यक समक्ष स्वीकार करत, हम अपन स् वर्ग मे रहनिहार पिताक समक्ष सेहो हुनका स्वीकार करब। मुदा जे केओ हमरा मनुष् यक समक्ष अस्वीकार करत, हमहूँ अपन पिताक समक्ष हुनका अस्वीकार करब।" स्वर्ग."

आमोस 3:14 जाहि दिन हम इस्राएलक अपराधक सामना हुनका पर करब ताहि दिन हम बेथेलक वेदी सभ पर सेहो चोट करब।

ई श्लोक इस्राएली सभक अपराधक लेल परमेश् वरक न्यायक बात करैत अछि।

1. परमेश् वरक निर्णय न्यायसंगत आ सत्य अछि आ एकर आदर करबाक चाही

2. हम सभ जे किछु करैत छी ओकर परिणाम होइत छैक आ हमरा सभ केँ अपन पापक क्षमा करबाक चाही

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. याकूब 4:11-12 - भाइ लोकनि, एक दोसरा सँ बुरा नहि बाजब। जे अपन भाय पर अधलाह बजैत अछि आ अपन भाय पर न्याय करैत अछि, से धर्म-नियमक अधलाह बजैत अछि आ धर्म-नियमक न्याय करैत अछि, मुदा जँ अहाँ धर्म-नियमक न्याय करैत छी तँ अहाँ धर्म-नियमक पालन करयवला नहि, बल् कि न्यायकर्ता छी।

आमोस 3:15 हम जाड़क घर केँ गर्मीक घर सँ मारि देब। हाथीक दांतक घर सभ नाश भऽ जायत आ पैघ-पैघ घर सभक अंत भऽ जायत, ई परमेश् वर कहैत छथि।

आमोस केरऽ ई अंश चेतावनी दै छै कि प्रभु धनी आरू शक्तिशाली लोगऽ के विनाश करी देतै, जेकरा स॑ ओकरऽ आलीशान घरऽ क॑ बर्बाद करी देलऽ जैतै ।

1: भगवानक न्याय सबहक लेल होइत छैक, चाहे कोनो व्यक्तिक धन वा शक्ति किछुओ हो।

2: हमरा सभकेँ अपन धन आ शक्तिक उपयोग दोसरक भलाई लेल करबाक चाही, कारण भगवान हमरा सभक कर्मसँ न्याय करताह।

1: याकूब 2:1-4 - "हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह, जे महिमाक प्रभु पर विश् वास करैत छी तखन कोनो पक्षपात नहि करू। किएक तँ जँ सोनाक अंगूठी आ नीक वस्त्र पहिरने केओ अहाँ सभक सभा मे आबि कऽ क जर्जर कपड़ा पहिरने बेचारा सेहो भीतर अबैत अछि, आ जँ अहाँ ओहि महीन वस्त्र पहिरनिहार पर ध्यान दियौक आ कहब जे अहाँ एतय नीक जगह पर बैसल छी, जखन कि बेचारा केँ कहैत छी जे अहाँ ओम्हर ठाढ़ छी, वा बैसू हमर पयर पर, तखन की अहाँ सभ आपस मे भेद नहि क' क' अधलाह विचारक संग न्यायाधीश नहि बनि गेलहुँ?"

2: 1 यूहन्ना 3:17 18 - मुदा जँ केकरो लग संसारक सम्पत्ति अछि आ ओ अपन भाय केँ जरूरतमंद देखैत अछि, तइयो ओकरा विरुद्ध अपन हृदय बंद क’ दैत अछि, त’ परमेश् वरक प्रेम ओकरा मे कोना टिकैत अछि? छोट-छोट बच्चा सभ, हम सभ बात मे वा गप्प मे नहि अपितु कर्म मे आ सत्य मे प्रेम करी।

आमोस अध्याय 4 इस्राएल पर न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के जारी रखै छै, जेकरा में विशेष रूप स॑ सामरिया के धनी आरू प्रभावशाली महिला सिनी क॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै । अध्याय म॑ गरीबऽ प॑ ओकरऽ अत्याचार आरू ओकरऽ खाली धार्मिक प्रथा के उजागर करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ आसन्न परिणाम के चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सामरिया के धनी महिला सब के संबोधित करैत अछि, जेकरा "बाशान के गाय" कहल जाइत अछि | गरीब पर अत्याचार आ स्वार्थी विलासिताक खोजक लेल हुनका लोकनिक निन्दा होइत छनि । हुनका लोकनिक एहि काजक परिणाम ई होयत जे हुनका सभ केँ हुक आ माछक हुक सँ चलि देल जायत (आमोस 4:1-3)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में इस्राएल के खाली धार्मिक प्रथा के उजागर करलऽ गेलऽ छै । लोक पर बलि चढ़ाबय आ अपन दसम भाग आ स्वेच्छा सँ प्रसाद अनबाक आरोप अछि, तइयो ओकर हृदय अपरिवर्तित रहैत छैक | परमेश् वर हुनका सभक बलिदान केँ अस्वीकार करैत छथि आ हुनका सभ केँ ईमानदारी सँ हुनका खोजबाक आज्ञा दैत छथि (आमोस 4:4-5)।

तेसर पैराग्राफ: अध्याय मे ओहि विभिन्न न्यायक वर्णन कयल गेल अछि जे परमेश् वर इस्राएल पर पठौने छथि जे ओकरा हुनका लग वापस अनबाक प्रयास मे कयल गेल अछि। भगवान् अकाल, रौदी, क्षति आ महामारी पठौलनि अछि, तइयो लोक हुनका लग नहि घुरल अछि। एहि चेतावनी सभक बादो ओ सभ अपन आज्ञा नहि मानैत रहैत छथि (आमोस 4:6-11)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन पश्चाताप के आह्वान स होइत अछि। लोक सभ सँ आग्रह कयल गेल अछि जे ओ अपन परमेश् वर सँ भेंट करबाक तैयारी करू, कारण ओ न्यायक संग आबि रहल छथि। अध्याय के अंत ई याद दिलाबै के साथ होय छै कि परमेश्वर सब चीज के सृष्टिकर्ता छै, आरू वू ही छै जे जाति के भाग्य पर नियंत्रण रखै छै (आमोस 4:12-13)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय ४ इस्राएल पर न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के जारी रखै छै, जेकरा में विशेष रूप स॑ सामरिया के धनी महिला सिनी क॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै आरू गरीब आरू खाली धार्मिक प्रथा के प्रति ओकरऽ उत्पीड़न के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

गरीबक संग अत्याचार आ विलासिताक खोजक लेल सामरियाक धनी महिला सभक निन्दा।
हुनका सब पर जे परिणाम होयत ताहि के चेतावनी।
इजरायल के खाली धार्मिक प्रथा के उजागर।
हुनका लोकनिक बलिदान के अस्वीकार आ ईश्वर के ईमानदारी स खोजबाक आह्वान।
परमेश् वर द्वारा इस्राएल केँ हुनका लग वापस अनबाक लेल पठाओल गेल विभिन्न न्यायक वर्णन।
पश्चाताप के आह्वान आरू आसन्न न्याय के साथ परमेश्वर स मिलै के तैयारी।
राष्ट्रक भाग्य पर भगवानक संप्रभुता आ नियंत्रणक स्मरण।

आमोस के ई अध्याय इस्राएल पर न्याय के भविष्यवाणी के संदेश के आगू बढ़ाबै छै। अध्याय केरऽ शुरुआत सामरिया केरऽ धनी महिला सिनी क॑ संबोधित करी क॑ गरीबऽ प॑ अत्याचार आरू विलासिता केरऽ पीछा करै के निंदा करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । हुनका लोकनिक एहि काजक परिणाम ई होयत जे हुनका सभ केँ हुक आ माछक हुक सँ छीनि लेल जायत । तखन अध्याय इस्राएल के खाली धार्मिक प्रथा के उजागर करै छै, जेना कि वू बलिदान चढ़ै छै आरू अपनऽ दसवां भाग आरू स्वेच्छा स॑ बलिदान लानै छै, तभियो ओकरऽ दिल अपरिवर्तित छै । भगवान् हुनका लोकनिक प्रसाद केँ अस्वीकार करैत छथि आ हुनका सभ केँ ईमानदारी सँ हुनका खोजबाक आज्ञा दैत छथि | अध्याय में परमेश् वर इस्राएल पर भेजलोॅ विभिन्न न्याय के बारे में बतैलकै, जेकरा में अकाल, सूखा, क्षति आरो महामारी शामिल छै, जेकरा सें ओकरा सिनी कॅ वापस लानै के कोशिश छै। एहि चेतावनी के बादो जनता अपन अवज्ञा मे जारी अछि। अध्याय के समापन पश्चाताप के आह्वान स॑ होय छै, जेकरा म॑ लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू अपनऽ परमेश्वर स॑ मिलै के तैयारी करै, कैन्हेंकि वू न्याय के साथ आबी रहलऽ छै । एकरऽ अंत भगवान केरऽ संप्रभुता आरू राष्ट्रऽ के भाग्य प॑ नियंत्रण के याद दिलाबै के साथ होय छै । ई अध्याय वास्तविक पश्चाताप के आवश्यकता, खाली धार्मिक प्रथा के परिणाम, आरू परमेश्वर के न्याय के निश्चितता पर जोर दै छै।

आमोस 4:1 हे बाशानक गाछी सभ, जे सामरियाक पहाड़ पर छी, जे गरीब सभ केँ अत्याचार करैत अछि, जे गरीब सभ केँ कुचलैत अछि, जे अपन मालिक सभ केँ कहैत अछि जे, “आउ, आ हम सभ पीबि लिअ।”

आमोस भविष्यवक्ता सामरिया के धनी आरू शक्तिशाली लोगऽ क॑ चेताबै छै, जे गरीबऽ प॑ अत्याचार करै छै आरू विलासिता के मांग करै छै, ओकरऽ काम के परिणाम के बारे म॑ ।

1. गरीब पर अत्याचार करबाक खतरा

2. देखनिहार आ न्याय करयवला भगवान

1. याकूब 2:13 - कारण जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

2. नीतिवचन 14:31 - जे गरीब आदमी पर अत्याचार करैत अछि, ओ ओकर निर्माता के अपमान करैत अछि, मुदा जे जरूरतमंद के प्रति उदार अछि, ओ ओकर आदर करैत अछि।

आमोस 4:2 प्रभु परमेश् वर अपन पवित्रताक शपथ लेने छथि जे देखू, अहाँ सभ पर ओ दिन आओत जे ओ अहाँ सभ केँ हुंकार सँ आ अहाँक संतान केँ माछक हड़ू सँ ल’ जेताह।

परमेश् वर परमेश् वर शपथ लेने छथि जे इस्राएलक लोक सभ केँ हुंकार सँ आ ओकर वंशज सभ केँ माछक हड़ू सँ हटा देब।

1. परमेश् वरक निर्णय: हुनकर चेतावनी सुनब सीखब

2. पवित्रता के महत्व: परमेश्वर के चेतावनी के गंभीरता स लेब

1. इजकिएल 38:4, "तोँ तैयार रहू, आ अपना लेल तैयार रहू, अहाँ आ अहाँक समस्त दल जे अहाँक संग जमा अछि, आ अहाँ हुनका सभक पहरेदार बनू।"

2. यशायाह 5:24, "तेँ जहिना आगि ठूंठ केँ भस्म क' दैत अछि, आ लौ भूसा केँ भस्म क' दैत अछि, तहिना ओकर जड़ि सड़ल भ' जायत, आ ओकर फूल धूरा जकाँ चलि जायत, कारण ओ सभ परमेश् वरक नियम केँ फेकि देलक।" सेना के, इस्राएल के पवित्र परमेश् वर के वचन के तुच्छ समझै छेलै।”

आमोस 4:3 अहाँ सभ फँसला पर निकलब, प्रत्येक गाय ओकरा सामने जे अछि। अहाँ सभ ओकरा सभ केँ महल मे फेकि देब, परमेश् वर कहैत छथि।

ई श्लोक परमेश् वर के न्याय के बात करै छै आरू कोना लोग अपनऽ घर छोड़ै लेली मजबूर होय जैतै ।

1. परमेश् वरक निर्णय केँ हल्का मे नहि लेबाक चाही, आ हमरा सभ केँ एकरा लेल सदिखन तैयार रहबाक चाही।

2. हमरा सभकेँ सदिखन परमेश्वरक इच्छाक अनुरूप रहबाक चाही आ हुनकर नियमक अनुसार जीबाक प्रयास करबाक चाही।

1. यशायाह 5:20 - "धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि; जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि; जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत केँ बदलि दैत अछि!"

2. रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

आमोस 4:4 बेथेल आऊ, आ अपराध करू। गिलगल मे अतिक्रमण केँ गुणा करू; आ सभ दिन भोरे-भोर अपन बलिदान आ तीन वर्षक बाद अपन दसम भाग आनब।

आमोस लोक सभ सँ आह्वान करैत छथि जे बेथेल आ गिलगाल मे उल्लंघन करबाक लेल आबय आ सभ दिन भोरे-भोर आ तीन सालक बाद बलिदान आ दशमांश आनय।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

1952

2. परमेश् वरक तन-मन-धनसँ सेवा करबाक आनन्द

1. व्यवस्था 10:12-13 - आ आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ प्रभुक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दैत छी?

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

आमोस 4:5 आ खमीरक संग धन्यवादक बलिदान चढ़ाउ, आ मुफ्त बलिदानक घोषणा आ प्रचार करू, किएक तँ हे इस्राएलक सन्तान, अहाँ सभ केँ ई नीक लगैत अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएली सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि खमीर के साथ धन्यवाद के बलिदान चढ़ाबै के आरू अपनऽ मुफ्त बलिदान के घोषणा करै आरू प्रकाशित करै के, जेना कि ई हुनका पसंद करै छै।

1. धन्यवादक शक्ति: परमेश् वर केँ हमर सभक चढ़ावा हमरा सभक बारे मे की प्रकट करैत अछि

2. खमीर सँ बलिदान: भगवान् केँ कोना सार्थक चढ़ाओल जाय

1. फिलिप्पियों 4:6-7 - "कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि हर परिस्थिति मे प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू। आ परमेश् वरक शान्ति जे सभ समझ सँ परे अछि, अहाँक रक्षा करत।" हृदय आ मन मसीह यीशु मे राखू।”

२.

आमोस 4:6 हम अहाँ सभ केँ सभ शहर मे दाँत सँ साफ-सफाई आ सभ ठाम रोटीक अभाव सेहो देलहुँ।

भगवान् अपन लोक केँ ओकर शहर मे भरपूर भोजन उपलब्ध करौलाक बादो ओ सभ हुनका लग वापस नहि आबि सकलाह अछि।

1. प्रचुरता के समय में भगवान् के पास वापस आने के महत्व

2. अप्रत्याशित आशीर्वाद: भगवानक संग अपन संबंधक पुनर्मूल्यांकन

1. भजन 34:8 - स्वाद लिअ आ देखू जे प्रभु नीक छथि; धन्य अछि जे ओकर शरण मे रहैत अछि।

2. यशायाह 55:6 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबे ओकरा बजाउ।

आमोस 4:7 आ हम अहाँ सभ सँ बरखा रोकने छी, जखन कि फसल कटबाक तीन मास छल, आ हम एक शहर मे बरखा केलहुँ आ दोसर शहर पर बरखा नहि केलहुँ, एक टुकड़ा पर बरखा भेल। आ जे टुकड़ी पर बरखा भेलैक से मुरझाओल नहि गेल।

भगवान केरऽ न्याय ओकरऽ मौसम पर ओकरऽ नियंत्रण के माध्यम स॑ देखलऽ जाय छै कि वू कुछ के बरसात लानै आरू दोसरऽ के ओकरा रोकी दै ।

1. भगवानक न्याय हुनकर बरखा रोकबा मे देखल जाइत अछि।

2. भगवानक शक्तिक प्रदर्शन मौसम पर हुनक नियंत्रणक माध्यमे होइत छनि।

1. मत्ती 5:45 - "जाहि सँ अहाँ सभ अपन पिताक पुत्र बनि जे स् वर्ग मे छथि, किएक तँ ओ अधलाह आ नीक लोक पर अपन सूर्य उगबैत छथि आ धर्मी आ अधर्मी पर बरखा करैत छथि।"

2. यिर्मयाह 5:24 - "ओ सभ अपन मोन मे ई नहि कहैत छथि जे आब हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरब, जे अपन समय मे पूर्वक आ बादक वर्षा करैत छथि। ओ हमरा सभक लेल निर्धारित सप्ताह सुरक्षित रखैत छथि।" फसल.'"

आमोस 4:8 दू-तीन शहर पानि पीबय लेल एक नगर मे भटकल। मुदा ओ सभ तृप्त नहि भेलाह, मुदा अहाँ सभ हमरा लग नहि घुरल छी।”

भगवान् मानवता स॑ नाराज छै कि हुनी अपनऽ लगातार आह्वान के बावजूद पश्चाताप नै करी क॑ हुनका पास वापस नै ऐलै ।

1. हमरा सभ केँ प्रभु लग घुरबाक चाही - पश्चाताप करबाक लेल परमेश् वरक आह्वान पर ध्यान देबय पड़त।

2. पश्चाताप मसीही जीवनक एकटा आवश्यक अंग अछि - परमेश्वर केँ प्रसन्न करबाक लेल हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही आ हुनका दिस घुमबाक चाही।

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. इजकिएल 18:30-32 - तेँ हे इस्राएलक घराना, हम अहाँ सभक न् याय करब, अहाँ सभक अपन-अपन तरीकाक अनुसार, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। पश्चाताप करू आ अपन सभ अपराध सँ मुड़ू, जाहि सँ अधर्म अहाँक विनाश नहि भ' जाय। अहाँ सभ जे अपराध केने छी, तकरा अहाँ सभ सँ दूर भऽ जाउ, आ अपना केँ नव हृदय आ नव आत् मा बनाउ! हे इस्राएलक घराना, अहाँ किएक मरब? कारण, हमरा ककरो मृत्यु मे प्रसन्नता नहि होइत अछि, ई बात प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। तेँ घुमि कऽ जीबू।

आमोस 4:9 हम अहाँ सभ केँ धमाका आ फफूंदी सँ मारि देलहुँ, जखन अहाँक गाछी, अंगूरक बगीचा, अंजीरक गाछ आ जैतूनक गाछ बढ़ि गेल तखन ताड़क कीड़ा ओकरा सभ केँ खा गेल।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ आज्ञा नै मानला के कारण ओकरोॅ बगीचा, अंगूर के बगीचा, अंजीर के गाछ आरो जैतून के गाछ के ताड़ के कीड़ा खाय देलकै, लेकिन ओकरा सिनी पश्चाताप नै करलकै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: इस्राएली सभ सँ सीखब

2. परमेश् वरक दया आ क्षमा: प्रभु दिस घुरब

1. रोमियो 2:4-6 - परमेश् वरक दया आ सहनशीलता हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल लऽ जेबाक चाही

2. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि कऽ प्रभु लग घुरि जाय

आमोस 4:10 हम अहाँ सभक बीच मिस्रक प्रथा जकाँ महामारी पठौने छी, अहाँ सभक युवक सभ केँ हम तलवार सँ मारि देलहुँ आ अहाँ सभक घोड़ा सभ केँ छीनि लेलहुँ। हम अहाँ सभक डेरा सभक दुर्गन्ध केँ अहाँ सभक नाकक छेद धरि पहुँचा देलहुँ।

परमेश् वर एकटा महामारी पठौने छथि आ लोक सभक घोड़ा सभ केँ छीनि लेलनि आ हुनका सभक डेराक गंध केँ असहनीय बना देलनि अछि, मुदा ओ सभ हुनका लग घुरि कऽ नहि आयल अछि।

1. प्रभु हमरा सभक वापसीक प्रतीक्षा मे धैर्यवान आ दयालु छथि

2. पश्चाताप नहि करबाक आ भगवान दिस घुरबाक परिणाम

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू; दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाउ, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।

2. होशे 14:1-2 - हे इस्राएल, अपन परमेश् वर परमेश् वर लग घुरि जाउ, किएक तँ अहाँ अपन अधर्मक कारणेँ ठोकर खा गेल छी। अपना संग वचन लऽ कऽ प्रभु लग घुरि जाउ; हुनका कहि दियौन, “सब अधर्म केँ दूर करू।” जे नीक अछि से स्वीकार करू, आ हम सभ बैलसँ अपन ठोरक व्रत पूरा करब।

आमोस 4:11 हम अहाँ सभ मे सँ किछु गोटे केँ ओहिना उखाड़ि देलहुँ जेना परमेश् वर सदोम आ अमोरा केँ उखाड़ि देलनि, आ अहाँ सभ जरल मे सँ उखाड़ल गेल आगि जकाँ छी।

परमेश् वर किछु इस्राएली सभ केँ नष्ट कऽ देने छथि, ठीक ओहिना जेना सदोम आ अमोरा केँ नष्ट कयलनि, मुदा हुनका सभ केँ एखन धरि पश्चाताप नहि कयल गेल अछि आ हुनका लग वापस नहि आबि सकल अछि।

1. पाप के परिणाम: सदोम आ अमोरा के विनाश स एकटा सीख

2. पश्चाताप आ क्षमा: आमोस 4:11 सँ एकटा संदेश

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि जेताह, ताबत धरि प्रभु केँ ताकू; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ ओकरा पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

आमोस 4:12 तेँ हे इस्राएल, हम अहाँक संग एना करब, आ हम अहाँक संग एहन काज करब, तेँ हे इस्राएल, अहाँक परमेश् वर सँ भेंट करबाक लेल तैयार रहू।

हे इस्राएल, परमेश् वर सँ भेंट करबाक तैयारी करू।

1. परमेश्वरक न्याय निश्चित आ अपरिहार्य अछि - आमोस 4:12

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक समक्ष ठाढ़ रहबाक लेल तैयार रहबाक चाही - आमोस 4:12

1. लूका 21:36 - "तेँ अहाँ सभ जागल रहू आ सदिखन प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ एहि सभ घटना सँ बचबाक योग्य मानल जाय आ मनुष् य-पुत्रक समक्ष ठाढ़ रहब।"

२.

आमोस 4:13 किएक तँ देखू, जे पहाड़क निर्माण करैत अछि आ हवाक सृजन करैत अछि आ मनुष् य केँ ओकर विचार केँ बताबैत अछि, जे भोर केँ अन्हार बना दैत अछि आ पृथ् वीक ऊँच स्थान सभ पर रौदैत अछि, प्रभु, प्रभुक परमेश् वर मेजबान, ओकर नाम अछि।

सेना के परमेश्वर प्रभु, पहाड़, हवा, आरो भोर के अन्हार के निर्माता, आरू लोगऽ के विचार के पर्यवेक्षक छै ।

1. सृष्टिकर्ता के रूप में प्रभु की शक्ति

2. प्रभु के सर्वशक्तिमानता

1. यशायाह 45:18 - किएक तँ स्वर्गक सृजन करयवला प्रभु ई कहैत छथि। स्वयं भगवान् जे पृथ्वी केँ बनौलनि आ बनौलनि; ओ एकरा स्थापित केने छथि, ओ एकरा व्यर्थ नहि बनौलनि, ओ एकरा रहबाक लेल बनौलनि: हम प्रभु छी; आ आर कियो नहि अछि।

2. भजन 33:6 - प्रभुक वचन सँ स्वर्ग बनल छल; आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ।

आमोस अध्याय 5 पश्चाताप के आह्वान आरू न्याय आरू धार्मिकता के गुहार पर केंद्रित छै। अध्याय में सच्चा आराधना के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै आरू अगर लोग परमेश्वर के तरफ वापस नै आबी जाय छै त॑ आसन्न न्याय के बारे में चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत विलाप के साथ होय छै, जेकरा में इस्राएल के घराना के संदेश सुनै के आह्वान करलऽ गेलऽ छै। लोक सब स आग्रह कयल गेल अछि जे प्रभु के खोजय आ जीबय,

आ बेथेल, गिलगाल आ बेरशेबा के खोजय स बचय, जे मूर्तिपूजा के केंद्र बनि गेल अछि (आमोस 5:1-7)।

2nd Paragraph: अध्याय में भगवान के खोज आरू न्याय आरू धार्मिकता के पीछा करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै । जनता केँ बुराई सँ घृणा करबाक लेल आ नीक सँ प्रेम करबाक लेल बजाओल गेल अछि, फाटक मे न्याय स्थापित करबाक लेल आ न्याय केँ पानि जकाँ नीचाँ गुड़कय देबाक लेल। हुनकऽ खाली धार्मिक संस्कार बिना वास्तविक धर्म के व्यर्थ छै (आमोस ५:१०-१५)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में जनता के पाखंड के निंदा कयल गेल अछि आ आसन्न निर्णय के चेतावनी देल गेल अछि | हुनका लोकनिक धार्मिक पाबनि आ प्रसाद भगवान् द्वारा अस्वीकार कयल जाइत छनि कारण हुनका लोकनिक हृदय हुनका सँ दूर छनि | प्रभु के दिन अन्हार के दिन होतै आरू इजोत के नै, जे विनाश आरू विनाश के साथ आबै वाला छै (आमोस 5:18-20)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय न्याय आ धर्मक आह्वानक संग आगू बढ़ैत अछि। जनता स आग्रह कएल गेल अछि जे ओ अपन दुष्ट मार्ग स मुड़ि कए देश मे न्याय स्थापित करथि। अध्याय के अंत में ई याद दिलाबै के साथ होय छै कि प्रभु आकाश आरू पृथ्वी के सृष्टिकर्ता छै, आरू वू ही न्याय करै छै आरू पुनर्स्थापन करै छै (आमोस 5:21-27)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 5 पश्चाताप के आह्वान पर जोर दै छै, न्याय आरू धार्मिकता के गुहार,
आ जँ लोक परमेश् वर दिस घुरबा मे असफल भऽ जायत तँ आसन्न न्यायक चेतावनी दैत अछि।

इस्राएल के घराना के प्रभु के खोजै आरू जीबै के आह्वान करै वाला विलाप।
मूर्तिपूजा के खिलाफ चेतावनी आ मिथ्या पूजा केन्द्र के खोज।
भगवान् के खोज आरू न्याय आरू धर्म के पीछा करै के महत्व पर जोर।
पाखंडक निन्दा आ खाली धार्मिक संस्कारक अस्वीकार।
आसन्न न्याय आ प्रभुक दिनक चेतावनी।
भूमि मे न्याय आ धर्मक स्थापनाक आह्वान करू।
प्रभु के सृष्टिकर्ता, न्यायाधीश, आ पुनर्स्थापनकर्ता के रूप में स्मरण।

आमोस के ई अध्याय पश्चाताप के आह्वान आरू न्याय आरू धार्मिकता के गुहार पर जोर दै छै।
अध्याय के शुरुआत एक विलाप के साथ होय छै, जेकरा में इस्राएल के घराना स आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू संदेश सुनी क॑ प्रभु के खोज करी क॑ जीयऽ सकै । लोक सभ केँ चेतावनी देल गेल अछि जे बेथेल, गिलगाल आ बेरशेबा केँ खोजय सँ नहि, जे मूर्तिपूजाक केंद्र बनि गेल अछि। अध्याय में परमेश् वर के खोज आरू न्याय आरू धार्मिकता के पीछा करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै । जनता केँ बुराई सँ घृणा करबाक लेल आ नीक सँ प्रेम करबाक लेल बजाओल गेल अछि, फाटक मे न्याय स्थापित करबाक लेल आ न्याय केँ पानि जकाँ नीचाँ गुड़कय देबाक लेल। हुनका लोकनिक खाली धार्मिक संस्कार बिना असली धर्मक व्यर्थ अछि | अध्याय में जनता के पाखंड के निंदा करलऽ गेलऽ छै आरू आसन्न फैसला के चेतावनी देलऽ गेलऽ छै । हुनका लोकनिक धार्मिक पाबनि आ प्रसाद भगवान् द्वारा अस्वीकार कयल जाइत छनि कारण हुनका लोकनिक हृदय हुनका सँ दूर छनि | प्रभुक दिन अन्हार आ विनाश आओत। अध्याय आगू न्याय आरू धर्म के आह्वान के साथ छै, जेकरा म॑ लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि वू अपनऽ दुष्ट रास्ता स॑ मुड़ै । एकरऽ अंत ई याद दिलाबै के साथ होय छै कि प्रभु आकाश आरू पृथ्वी के निर्माता छै, आरू वू ही न्याय करै छै आरू पुनर्स्थापन करै छै । ई अध्याय में वास्तविक पश्चाताप के तात्कालिकता, न्याय आरू धर्म के महत्व, आरू खाली धार्मिक प्रथा के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

आमोस 5:1 हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ ई वचन सुनू जे हम अहाँ सभक विरुद्ध उठबैत छी।

ई अंश परमेश् वर द्वारा इस्राएल के घराना के विलाप छेकै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: इस्राएलक घरानाक लेल एकटा विलाप

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: इस्राएलक घरानाक लेल एकटा विलाप

1. होशे 11:1-4 - इस्राएल के प्रति परमेश्वर के स्थायी प्रेम

2. यशायाह 55:6-7 - परमेश् वरक प्रतिज्ञा अपन लोक सभ सँ

1956

आमोस 5:2 इस्राएलक कुमारि पतित भ’ गेल अछि। आब ओ नहि उठत, ओ अपन देश मे छोड़ि देल गेल अछि।
ओकरा पोसय बला कियो नहि अछि।

इस्राएल राष्ट्र उजाड़ आरू परित्याग के स्थिति में छै, जेकरा में ओकरऽ मदद करै वाला कोय नै छै ।

1: हमरा सभ केँ कहियो ई नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् पर विश्वास राखब जे ओ हमरा सभक अन्हार घड़ी मे हमरा सभक मदद करथि।

2: जखन सब आशा खत्म बुझाइत अछि तखनो हमरा सभ केँ अपन जीवनक लेल भगवानक इच्छाक खोज मे दृढ़तापूर्वक आ सतर्क रहबाक चाही।

1: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2: भजन 145:18-19 - "परमेश् वर हुनका पुकारयवला सभक समीप छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि ओकरा सभकेँ बचाओत।"

आमोस 5:3 किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। जे नगर हजार सँ बाहर निकलल छल, ओहि मे सय आ जे नगर मे सौ सँ बाहर निकलल छल, ओहि मे दस टा बचल रहत, जे इस्राएलक घरानाक लेल।

परमेश् वर परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे जे नगर हजार सँ बाहर निकलल छल, ओहि मे सय टा बचल रहत, आ जे नगर सौ सँ बाहर निकलल छल, ओहि मे इस्राएलक घराना लेल दस टा बचल रहत।

1. प्रभुक दया आ अनुग्रह अनन्त काल धरि रहैत अछि - आमोस 5:3

2. प्रभुक निष्ठा अपरिवर्तनीय अछि - आमोस 5:3

1. व्यवस्था 7:9 - तेँ ई जानि लिअ जे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

2. विलाप 3:22-23 - ई प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

आमोस 5:4 किएक तँ परमेश् वर इस्राएलक घराना केँ ई कहैत छथि जे, “हमरा ताकू, तखन अहाँ सभ जीवित रहब।”

प्रभु इस्राएल के घराना के आज्ञा दै छै कि ओकरा जीबै के लेलऽ ओकरा खोजै।

1. भगवान् के प्रभुत्व में जीना: जीवन के लिये हुनका खोजना

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा सभ केँ जानब: ताकू आ जीब

1. यिर्मयाह 29:13 - "अहाँ सभ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ सभ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।"

2. भजन 27:8 - "जखन अहाँ कहलहुँ जे, 'हमर मुँह ताकू; हमर मोन अहाँ केँ कहलक जे, 'हे प्रभु, हम अहाँक मुँह तकब।"

आमोस 5:5 मुदा बेथेल केँ नहि खोजू आ ने गिलगाल मे प्रवेश करू आ बेरशेबा नहि जाउ, किएक तँ गिलगाल बंदी मे चलि जायत आ बेथेल अविनाशी भ’ जायत।

ई श्लोक झूठ मूर्ति के खोज आरू आशा आरू सुरक्षा के लेलऽ ओकरा पर भरोसा करै के चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि ई मूर्ति सब अंततः नष्ट होय जैतै आरू कैद होय जैतै ।

1: मूर्ति पर नहि, प्रभु पर भरोसा करू।

2: आशा आ सुरक्षा देबय लेल झूठ मूर्ति पर भरोसा नहि करू।

1: यिर्मयाह 17:7 धन्य अछि ओ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि आ जकर आशा प्रभु छथि।

2: यशायाह 31:1 धिक्कार अछि ओ सभ जे सहायताक लेल मिस्र जाइत अछि। घोड़ा पर सवार रहू आ रथ पर भरोसा करू, कारण ओ सभ बहुत अछि। आ घुड़सवार मे, कारण ओ सभ बहुत बलवान अछि। मुदा ओ सभ इस्राएलक पवित्र परमेश् वर दिस नहि तकैत छथि आ ने प्रभुक खोज करैत छथि!

आमोस 5:6 प्रभु केँ खोजू, तखन अहाँ सभ जीवित रहब। कहीं ओ यूसुफक घर मे आगि जकाँ फटि कऽ ओकरा भसि नहि जाय आ बेथेल मे ओकरा बुझाबय बला कियो नहि हो।”

आमोस 5:6 लोक सभ केँ प्रभु केँ ताकय आ जीबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि, चेतावनी दैत अछि जे जँ ओ सभ नहि करत तँ प्रभुक क्रोध ओकरा सभ केँ भस्म क’ देत।

1: भगवान चाहैत छथि जे हम सभ हुनका दिस मुड़ि क' जीबी; जँ हुनका अस्वीकार करब तँ हुनकर क्रोधक सामना करब।

2: हमरा सभ केँ अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही आ एखन भगवान् दिस घुमबाक चाही, नहि त' हुनकर आगि हमरा सभ केँ भस्म क' देत।

1: इजकिएल 18:32 - "किएक तँ जे मरैत अछि ओकर मृत्यु मे हमरा कोनो प्रसन्नता नहि होइत अछि," प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। "तेँ पश्चाताप करू आ जीबू।"

2: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

आमोस 5:7 अहाँ सभ जे न्याय केँ कृमि मे बदलि दैत छी आ पृथ् वी मे धार्मिकता केँ छोड़ि दैत छी।

ई अंश भ्रष्टाचार आरू स्वार्थ के पक्ष म॑ न्याय आरू धर्म के अनदेखी करै के चेतावनी दै छै ।

1. "अधर्मी संसार मे सही रहब"।

2. "न्याय आ धर्मक आह्वान"।

1. याकूब 2:13 - "किएक तँ जे कोनो दया नहि केने अछि ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। न्याय पर दया विजयी होइत छैक।"

2. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की कहने छथि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक, दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

आमोस 5:8 जे सात तारा आ ओरियन बनबैत अछि, आ मृत्युक छाया केँ भोर मे बदलि दैत अछि, आ दिन केँ राति सँ अन्हार करैत अछि, जे समुद्रक पानि केँ बजबैत अछि आ ओकरा समुद्रक मुँह पर उझलि दैत अछि पृथ्वी: प्रभु ओकर नाम छै।

तारा आ अन्हार के सृष्टि केनिहार प्रभु के खोजू।

1. प्रभु स्वर्ग आ पृथ्वीक सृष्टिकर्ता छथि

2. प्रभु के गले लगाउ आ हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करू

1. उत्पत्ति 1:1, आरंभ मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि।

2. यशायाह 43:2, जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; जखन अहाँ नदी सभसँ गुजरब तँ ओ सभ अहाँ सभ पर झाड़ू नहि लगाओत।

आमोस 5:9 जे लूटल केँ बलवानक विरुद्ध मजबूत करैत अछि, जाहि सँ लूटल किलाक विरुद्ध आबि जायत।

प्रभु ओहि लोकक विरुद्ध चेतावनी दैत छथि जे कमजोर आ कमजोर पर अत्याचार करैत छथि आ हुनकर काजक लेल जवाबदेह होयत |

1. कमजोर आ कमजोर पर अत्याचार करय वाला के प्रभु सजा देथिन।

2. कमजोर के फायदा उठाबय वाला के लेल प्रभु ठाढ़ नहि हेताह।

1. मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँकेँ कहि देने छथि जे की नीक अछि। आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

2. याकूब 2:12-13 तेँ जे किछु अहाँ चाहैत छी जे दोसर अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि।

आमोस 5:10 ओ सभ ओहि दरबज्जा मे डाँटनिहार सँ घृणा करैत अछि आ जे सोझ बाजैत अछि तकरा सँ घृणा करैत अछि।

लोक ओहि लोक के नकारैत अछि आ नापसंद करैत अछि जे ओकर गलती के बारे मे ओकर सामना करैत अछि आ सच्चाई बजैत अछि.

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ गलत केँ डाँटय आ सत् य बजबाक लेल बजबैत छथि, ओहो तखन जखन ओ असहज हो।

2. अपन भलाई लेल आलोचना आ ईमानदार डाँट स्वीकार करबा लेल तैयार रहबाक चाही।

1. नीतिवचन 27:5-6 "छुपल प्रेम सँ खुलल डाँट नीक। मित्रक घाव विश्वासी होइत छैक; दुश्मनक चुम्मा प्रचुर होइत छैक।"

2. मत्ती 5:43-44 "अहाँ सभ सुनलहुँ जे ई कहल गेल छल जे अहाँ अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू आ अपन शत्रु सँ घृणा करू। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।"

आमोस 5:11 तेँ अहाँ सभ गरीब पर रौदैत छी आ ओकरा सँ गहूमक भार छीनैत छी। अहाँ सभ नीक अंगूरक बगीचा रोपने छी, मुदा ओहि मे सँ मदिरा नहि पीब।

इस्राएल के लोग गरीबऽ के फायदा उठाय क॑ ओकरऽ गहूम ल॑ लेल॑ छै, लेकिन वू अपनऽ पाप के कारण जे घर आरू अंगूर के बगीचा बनैलकै, ओकरऽ आनंद नै उठाबै पारै छै ।

1. अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू: आमोस 5:11 सँ सीख

2. लोभक लागत: आमोस 5:11 केर अध्ययन

1. मत्ती 22:39 आओर दोसर एहि तरहक अछि जे, अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।

2. नीतिवचन 14:31 जे गरीब केँ अत्याचार करैत अछि, से अपन निर्माता केँ निन्दा करैत अछि, मुदा जे ओकर आदर करैत अछि, से गरीब पर दया करैत अछि।

आमोस 5:12 हम अहाँक अनेक अपराध आ अहाँक पराक्रमी पाप केँ जनैत छी, ओ सभ धर्मी लोक केँ दुख दैत अछि, घूस लैत अछि आ फाटक मे गरीब केँ अपन दहिना दिस सँ भगा दैत अछि।

1959

आमोस 5:12 परमेश् वरक लोक सभक अनेक पापक बात करैत अछि, जाहि मे धर्मी लोक सभ पर अत्याचार करब, घूस लेब आ गरीब सभ केँ ओकर अधिकार सँ दूर करब शामिल अछि।

1. "भगवानक लोकक पाप: न्यायी पर अत्याचार, घूस लेब, आ गरीब केँ मोड़ब"।

2. "भगवान अहाँक अपराधक प्रति आन्हर नहि छथि"।

1. यशायाह 58:6-7 - "की ई उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी: अन्यायक जंजीर खोलब आ जुआक डोरी खोलब, उत्पीड़ित केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? की ई बाँटब नहि अछि।" भूखल लोकक संग अपन भोजन आ नंगटे देखला पर गरीब भटकल केँ आश्रय देब, ओकरा कपड़ा पहिरब, आ अपन खून-मांस सँ मुँह नहि घुमाब?"

2. याकूब 2:12-13 - "ओहि लोक जकाँ बाजू आ काज करू जे स्वतंत्रता देनिहार व्यवस्थाक अनुसार न्याय होमय जा रहल अछि, किएक तँ जे कियो दया नहि केलक ओकरा पर बिना दयाक न्याय कयल जायत। न्याय पर दया विजयी होइत अछि।"

आमोस 5:13 तेँ ओहि समय मे विवेकी लोक चुप रहत। किएक तँ ई अधलाह समय अछि।

विपत्तिक समय मे ज्ञानी केँ चुप रहबाक चाही, कारण ई दुष्ट समय होइत छैक |

1. चुप रहबाक बुद्धि: परेशानी मे विवेकपूर्ण रहब सीखब

2. मौनक शक्ति: कखन विवेकपूर्ण रहबाक चाही आ कखन बाजबाक चाही से सीखब

1. नीतिवचन 17:28 - जे मूर्ख चुप रहैत अछि तकरा बुद्धिमान मानल जाइत अछि; जखन ओ ठोर बन्न करैत छथि तखन हुनका बुद्धिमान मानल जाइत छनि |

2. याकूब 1:19-20 - सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही, कारण मनुष्यक क्रोध सँ ओ धार्मिकता नहि उत्पन्न होइत अछि जे परमेश् वर चाहैत छथि।

आमोस 5:14 अहाँ सभ जीवित रहबाक लेल नीक केँ खोजू, अधलाह नहि।

भलाई के खोज करू आ भगवान के इच्छा के अनुसार जीबू ताकि ओ अहाँक संग रहथि।

1: बुराई पर नीक चुनू - आमोस 5:14

2: प्रभु अहाँक संग रहताह - आमोस 5:14

1: व्यवस्था 30:19-20 - "हम अहाँक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करैत, हुनकर आवाज केँ मानैत आ हुनका पकड़ि कऽ जीवित रहब।" " .

2: नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

आमोस 5:15 अधलाह सँ घृणा करू, नीक सँ प्रेम करू आ फाटक मे न्याय केँ स्थापित करू।

ई अंश हमरा सब क॑ बुराई स॑ घृणा करै लेली आरू अच्छा स॑ प्रेम करै लेली, आरू न्याय के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. प्रभुक कृपा: नीक सँ प्रेम करब आ अधलाह सँ घृणा करब

2. न्याय: अपन दुनिया मे धर्म स्थापित करब

1. रोमियो 12:9-10 - प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू।

2. याकूब 1:27 - हमरा सभक पिता परमेश् वर जे धर्म शुद्ध आ निर्दोष मानैत छथि से ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे देखब आ अपना केँ संसार सँ प्रदूषित नहि करब।

आमोस 5:16 तेँ सेना सभक परमेश् वर परमेश् वर ई कहैत छथि। सभ गली-गली मे विलाप होयत। आ सभ राजमार्ग पर कहताह, “हाय! अफसोस! ओ सभ किसान केँ शोक मे बजौताह, आ जे विलाप मे निपुण छथि, तकरा विलाप मे बजौताह।

भगवान सब गली आ राजमार्ग पर शोक आ विलाप के आह्वान क रहल छथि।

1. शोकक आराम

2. अपन शोक मे भगवान् केँ जानब

1. यशायाह 61:2-3 - प्रभुक अनुग्रहक वर्ष आ अपन परमेश् वरक प्रतिशोधक दिनक घोषणा करब; शोक करयवला सभ केँ सान्त्वना देबय लेल।

2. यूहन्ना 11:33-35 - यीशु कानय लगलाह। तखन यहूदी सभ कहलथिन, “देखू, ओ ओकरा सँ कोना प्रेम करैत छल!”

आमोस 5:17 सभ अंगूरक बगीचा मे विलाप होयत, कारण हम अहाँक बीच सँ गुजरब, प्रभु कहैत छथि।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे अंगूरक बाग मे गुजरि लोक सभक बीच विलाप करथि।

1. भगवानक उपस्थिति आराम आ आशा दैत अछि

2. भगवान् के सान्निध्य के प्रतिज्ञा

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. इब्रानी 13:5 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

आमोस 5:18 हाय अहाँ सभ जे प्रभुक दिन चाहैत छी! अहाँक लेल ई कोन उद्देश्यक लेल अछि? परमेश् वरक दिन अन् हार अछि, इजोत नहि।

प्रभु के दिन आनन्द के दिन नै छै, बल्कि अन्हार आरू उदासी के दिन छै।

1. हमरा सभक लेल प्रभुक दिनक की अर्थ अछि?

2. की हम प्रभुक दिनक इच्छा क' रहल छी?

1. यशायाह 13:9-11 - देखू, प्रभुक दिन अबैत अछि, क्रूर, क्रोध आ भयंकर क्रोधक संग, जे देश केँ उजाड़ बनाबय आ ओकर पापी सभ केँ ओकरा सँ नष्ट करय।

10 आकाशक तारा आ ओकर नक्षत्र सभ अपन इजोत नहि देत। सूर्य उगैत काल अन्हार भ' जायत, आ चान अपन इजोत नहि देत।

2. योएल 2:1-2 - सियोन मे तुरही बजाउ; हमर पवित्र पहाड़ पर अलार्म बजाउ! एहि देशक सभ निवासी काँपि जाय, कारण प्रभुक दिन आबि रहल अछि। लगमे अछि। 2 अन्हार आ अन्हारक दिन, मेघ आ घनघोर अन्हारक दिन!

आमोस 5:19 जेना कोनो आदमी सिंह सँ भागि गेल हो आ भालू ओकरा सँ भेंट केलक। घर मे जा कऽ देबाल पर हाथ झुका लेलक आ साँप ओकरा काटि लेलकै।

सिंह, भालू या साँप के सामना करै वाला आदमी के प्रयोग भगवान के द्वारा एक शक्तिशाली आरू अपरिहार्य न्याय के उदाहरण के लेलऽ करलऽ जाय छै ।

1. परमेश् वरक न्याय अपरिहार्य अछि

2. भगवान् सँ भागबाक खतरा

२ हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करबाक लेल।

2. हबक्कूक 3:17-19 - भले अंजीरक गाछ नहि फूलय, आ ने बेल पर फल हो, जैतूनक उपज खतम भ’ जाइत अछि आ खेत मे अन्न नहि भेटैत अछि, झुंड केँ झुंड सँ काटि देल जायत आ झुंड नहि होयत ठेला सभ मे, तैयो हम प्रभु मे आनन्दित रहब। हम अपन उद्धारक परमेश् वर मे आनन्दित रहब।

आमोस 5:20 की परमेश् वरक दिन अन् हार नहि होयत आ इजोत नहि होयत? बहुत अन्हार सेहो, आ ओहि मे कोनो चमक नहि?

आमोस परमेश् वरक एहन दिनक गप्प करैत छथि जे अन् हार होयत आ इजोत नहि, बहुत अन् हार आ बिना चमकक।

1. "एकटा अन्हार दिन: प्रभुक दिन केँ बुझब"।

2. "प्रभुक दिन: जखन अन्हार पड़ैत अछि"।

1. यशायाह 5:20 - "हाय ओहि सभक लेल जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि, जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि, जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत अछि!"

2. नीतिवचन 4:19 - "दुष्ट लोकक बाट गहींर अन्हार जकाँ होइत छैक; ओ सभ नहि जनैत अछि जे ओ की ठोकर खाइत अछि।"

आमोस 5:21 हम घृणा करैत छी, हम अहाँक पाबनि दिन केँ तिरस्कार करैत छी, आ अहाँक गंभीर सभा मे हम गंध नहि लेब।

परमेश् वर इस्राएली सभक भोज आ सभा सभ सँ घृणा आ तिरस्कार करैत छथि।

1. हमर आराधना सँ प्रभुक नाराजगी

2. सत्य पूजा बनाम झूठ आराधना

1. यशायाह 29:13 - "तेँ प्रभु कहलनि जे, ई लोक सभ अपन मुँह सँ हमरा लग आबि क' ठोर सँ हमरा आदर करैत छथि, मुदा हुनकर सभक हृदय हमरा सँ दूर अछि।"

2. यूहन्ना 4:24 - "परमेश् वर आत् मा छथि, आ हुनकर उपासक सभ केँ आत् मा आ सत् य मे आराधना करबाक चाही।"

आमोस 5:22 जँ अहाँ सभ हमरा होमबलि आ अन्नबलि चढ़बैत छी, मुदा हम ओकरा स्वीकार नहि करब।

भगवान् बलिदान पर आज्ञाकारिता चाहैत छथि।

1: भगवानक आज्ञा मानू आ पूरा मोन सँ हुनकर सेवा करू।

2: भगवान् हमर सभक आज्ञापालन चाहैत छथि, हमर सभक प्रसाद नहि।

1: मीका 6:8, "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की देखौलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि? न्यायपूर्वक काज करब आ दया सँ प्रेम करब आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलब।" 1962

2: रोमियो 12:1, "तेँ, हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, भाइ-बहिन सभ, परमेश् वरक दया केँ देखैत, अपन शरीर केँ जीवित बलिदानक रूप मे अर्पित करू, पवित्र आ परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला ई अहाँक सत् य आ उचित आराधना अछि।"

आमोस 5:23 अहाँ अपन गीतक हल्ला हमरा सँ दूर करू। कारण अहाँक वायोलक राग हम नहि सुनब।

प्रभु अपनऽ लोगऽ स॑ अपनऽ संगीत बंद करै लेली कहै छै, कैन्हेंकि हुनी एकरा सुनना नै चाहै छै ।

1: हमरा सभकेँ मोन राखब जे प्रभुक इच्छा सुनि हुनकर आदर करब, भले एकर मतलब अपन काज छोड़ब हो।

2: प्रभुक सेवा करबाक लेल हमरा सभ केँ अपन इच्छा केँ एक कात राखय लेल तैयार रहबाक चाही।

1: फिलिप्पियों 2:4-5 - अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अपन हित मात्र नहि, बल्कि दोसरक हित दिस सेहो देखू। अपना-अपन मन मे ई बात राखू जे मसीह यीशु मे अहाँ सभक विचार अछि।

2: कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, वचन वा काज मे, सभ किछु प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

आमोस 5:24 मुदा न्याय पानि जकाँ बहय, आ धार्मिकता एकटा प्रबल धार जकाँ।

ई अंश हमरा सभ केँ एकटा प्रबल बाढ़ि जकाँ न्याय आ धार्मिकताक पाछाँ चलबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।

1. न्यायक प्रतिज्ञा: अपन जीवन मे धर्मक पाछाँ

2. धर्मक बाढ़ि: अखंडताक जीवन जीब

1. यशायाह 32:17 धर्मक प्रभाव शान्ति होयत, आ धार्मिकताक परिणाम, शान्तता आ भरोसा सदा- सदा लेल होयत।

2. मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँकेँ कहि देने छथि जे की नीक अछि। आ प्रभु अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

आमोस 5:25 हे इस्राएलक घराना, की अहाँ सभ हमरा लेल जंगल मे बलिदान आ बलि चढ़ौने छी?

प्रभु इस्राएल सँ पूछै छै कि की वू पिछला चालीस साल सें ओकरा जंगल में बलिदान आरू बलिदान चढ़ैलकै।

1: परमेश् वरक अपन लोकक अपेक्षा - हमरा सभ केँ प्रभुक संग अपन वाचा पर ध्यान देबाक चाही आ विश्वास आ आज्ञाकारिता मे हुनका बलिदान आ अर्पण करब नहि बिसरबाक चाही।

2: प्रभु केरऽ अटूट प्रेम - इस्राएल केरऽ आज्ञा नै मानला के बावजूद प्रभु ओकरा सिनी क॑ अपनऽ अटूट प्रेम देखैलकै आरू ओकरा सिनी स॑ कभियो हार नै मानलकै।

1: मलाकी 3:7 - हमरा लग घुरि जाउ, आ हम अहाँ लग घुरि जायब, सर्वशक्तिमान प्रभु कहैत छथि।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

आमोस 5:26 मुदा अहाँ सभ अपन मोलोक आ किउनक तम्बू केँ अपन देवताक तारा, जे अहाँ सभ अपना लेल बनौने रही, ओकरा धारण केलहुँ।

इस्राएलक लोक सभ झूठ देवता सभक पूजा करैत रहल अछि, जेना मोलोक आ चिउन, जे ओ सभ अपना लेल बनौने अछि।

1. मूर्तिपूजाक खतरा: मिथ्या देवताक पूजा करबाक खतरा

2. परमेश् वरक अटूट प्रेम: झूठ देवता सभ केँ अस्वीकार करब आ हुनका दिस मुड़ब

1. व्यवस्था 4:15-19 मूर्तिपूजाक विरुद्ध परमेश् वरक चेतावनी

2. यिर्मयाह 10:2-5 मूर्तिक पूजा करबाक मूर्खता

आमोस 5:27 तेँ हम अहाँ सभ केँ दमिश्कक ओहि पार बंदी बना देब, प्रभु कहैत छथि, जिनकर नाम सेना सभक परमेश् वर छथि।

जे पश्चाताप नै करत ओकरा परमेश् वर सजा देथिन आ ओकरा बंदी बना देताह।

1. पश्चाताप करू वा परमेश्वरक न्यायक सामना करू

2. मोक्ष प्रभु मे भेटैत अछि

1. आमोस 4:12 "तेँ हे इस्राएल, हम तोरा संग एना करब। आ हम तोहर ई काज करब, हे इस्राएल, तोहर परमेश् वर सँ भेंट करबाक लेल तैयार रहू।"

2. यशायाह 45:22 "हमरा दिस देखू, आ अहाँ सभ पृथ् वीक सभ छोर पर उद्धार पाबि जाउ, किएक तँ हम परमेश् वर छी, आओर कियो नहि अछि।"

आमोस अध्याय 6 इजरायल के धनी लोगऽ के आत्मसंतोष आरू विलासिता पर केंद्रित छै । अध्याय में हुनकऽ आत्म-अनुग्रह के निंदा करलऽ गेलऽ छै आरू हुनका पर आबै वाला आसन्न निर्णय के चेतावनी देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के आत्मसंतुष्ट आरू आत्मविश्वासी लोगऽ क॑ संबोधित करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । धनिक लोक विलासिता आ सहजता मे जीबि रहल छथि, जखन कि दोसरक दुख आ जरूरत केँ अनदेखी क' रहल छथि। ओ सभ आसन्न न्याय सँ अनभिज्ञ छथि आ मानैत छथि जे ओ सुरक्षित छथि (आमोस 6:1-3)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे धनिक लोकनिक अत्यधिक भोग आ आत्मकेन्द्रितताक पर्दाफाश कयल गेल अछि | अपन भोज आ मनोरंजन मे मस्त रहैत छथि, अपन भोग मे भव्य खर्च करैत छथि । तथापि, हुनका लोकनिक धन आ आराम छीन लेल जायत, आ हुनका सभ केँ निर्वासन मे ल’ जायत (आमोस 6:4-7)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में जनता के अहंकार आ झूठ सुरक्षा के डांटल गेल अछि | अपन सैन्य शक्ति पर भरोसा करैत छथि आ मानैत छथि जे ओ अजेय छथि । तथापि, परमेश् वर हुनका सभक विरुद्ध एकटा जाति केँ ठाढ़ करताह आ हुनका सभ केँ अपन ऊँच स्थान सँ उतारताह (आमोस 6:8-14)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 6 इस्राएल के धनी लोगऽ के आत्मसंतोष आरू विलासिता के निंदा करै छै आरू ओकरा पर आबै वाला आसन्न न्याय के चेतावनी दै छै।

इजरायल केरऽ आत्मसंतुष्ट आरू आत्मविश्वासी लोगऽ क॑ संबोधित करी क॑ ।
हुनका लोकनिक विलासिता आ आत्म-अनुग्रहक निंदा।
आसन्न फैसला आ हुनका लोकनिक सुरक्षाक झूठ भावक चेतावनी ।
हुनका लोकनिक अत्यधिक भोग आ आत्मकेन्द्रितताक उजागर करब।
अपन धन आ आराम छीनबाक भविष्यवाणी।
हुनका लोकनिक अहंकार आ सैन्य शक्ति पर झूठ भरोसाक डाँट।
हुनका लोकनिक विरुद्ध कोनो राष्ट्र ठाढ़ करबाक घोषणा।

आमोस केरऽ ई अध्याय म॑ इजरायल केरऽ धनी लोगऽ के आत्मसंतोष आरू विलासिता के निंदा करलऽ गेलऽ छै । अध्याय केरऽ शुरुआत आत्मसंतुष्ट आरू आत्मविश्वासी लोगऽ खास करी क॑ धनी लोगऽ क॑

संबोधित करी क॑ करलऽ जाय छै, जे दोसरऽ के दुख आरू जरूरत के अनदेखी करी क॑ विलासिता आरू सहजता म॑ जी रहलऽ छै । आसन्न फैसला सॅं अनभिज्ञ छथि आ मानैत छथि जे ओ सुरक्षित छथि । अध्याय में हुनकऽ अत्यधिक भोग आरू आत्मकेंद्रितता के उजागर करलऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि वू अपनऽ भोज आरू मनोरंजन में मस्त होय जाय छै आरू अपनऽ भोगऽ में भव्य रूप सें खर्च करै छै । तथापि हुनका लोकनिक धन आ आराम छीनि लेल जायत, आ निर्वासन मे ल' जायत। अध्याय में जनता के अहंकार आरू झूठा सुरक्षा के डांटलऽ गेलऽ छै, जे अपनऽ सैन्य शक्ति पर भरोसा करै छै आरू ओकरा अजेय मान॑ छै । तथापि परमेश् वर हुनका सभक विरुद्ध एकटा राष्ट्र ठाढ़ करताह आ हुनका सभ केँ अपन ऊँच पद सँ उतारि देथिन। ई अध्याय आत्मसंतोष, आत्म-अनुग्रह, आरू झूठा सुरक्षा के खिलाफ चेतावनी के काम करै छै, जेकरा स॑ लोगऽ क॑ ओकरऽ हरकत के परिणाम के याद दिलाबै छै ।

आमोस 6:1 धिक्कार अछि जे सियोन मे आराम सँ रहैत अछि आ सामरियाक पहाड़ पर भरोसा करैत अछि, जे ओहि जाति सभक मुखिया कहल गेल अछि, जिनका लग इस्राएलक घराना आयल छल!

जे आत्मसंतुष्ट छथि आ अपन शक्ति पर निर्भर छथि हुनका लेल धिक्कार।

1: ई सदिखन मोन राखब जरूरी अछि जे हमर सभक ताकत भगवान् सँ भेटैत अछि, आ हमरा सभ सँ नहि।

2: हमर सभक भरोसा प्रभु पर हेबाक चाही, अपन बल पर नहि।

1: भजन 20:7 - "किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम मोन पाड़ब।"

2: यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

आमोस 6:2 अहाँ सभ कलनेह दिस जाउ आ देखू। ओतय सँ अहाँ सभ महान हमत जाउ, तखन पलिस्तीक गात मे जाउ, की ओ सभ एहि राज्य सभ सँ नीक अछि? आकि हुनकर सीमा अहाँक सीमासँ पैघ?

प्रभु लोगऽ क॑ चुनौती दै छै कि वू अपनऽ ही राज्य केरऽ महानता के तुलना पलिस्ती सिनी के कलने, महान हमत आरू गात के साथ करै।

1. प्रभु हमरा सभकेँ चुनौती दैत छथि जे हम सभ अपनाकेँ दोसरसँ तुलना करी

2. अपन राज्यक महानता पर चिंतन करब

1. यशायाह 40:15-17 - देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजूक छोट-छोट धूरा जकाँ गिनल जाइत अछि।

2. याकूब 4:6-7 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ ओ कहैत छथि जे, “परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।” तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

आमोस 6:3 अहाँ सभ जे अधलाह दिन केँ दूर क’ दैत छी आ हिंसाक आसन केँ नजदीक पहुँचाबैत छी।

ई अंश न्याय के उपेक्षा आरू हिंसा क॑ जीवन के सामान्य हिस्सा बनै देला के परिणाम के बात करै छै ।

1. "न्याय के उपेक्षा के लागत"।

2. "हिंसा के सामान्य बनेबाक बुराई"।

1. नीतिवचन 17:15 - जे दुष्ट केँ धर्मी ठहरबैत अछि आ जे धर्मी केँ दोषी ठहरबैत अछि, ओ दुनू प्रभुक लेल घृणित अछि।

2. यशायाह 59:14-15 - न्याय पाछू भ’ गेल अछि, आ धार्मिकता दूर ठाढ़ अछि; कारण, सत् य सार्वजनिक चौक पर ठोकर खा गेल अछि, आ सोझता प्रवेश नहि क' सकैत अछि। सत्यक अभाव अछि, आ जे अधलाह सँ हटि जाइत अछि, ओ अपना केँ शिकार बना लैत अछि।

आमोस 6:4 जे हाथीक दांतक बिछौन पर पड़ल रहैत अछि आ अपन पलंग पर पसारि क’ भेँड़ा मे सँ मेमना आ ठंढाक बीच सँ बछड़ा खाइत अछि।

आमोस 6:4 ओहि लोकक बारे मे कहैत अछि जे विलासिता मे रहैत छथि आ अपन भोग-विलासक लेल मेमना आ बछड़ा केँ भेड़क घर सँ ल’ लैत छथि।

1. भगवानक नजरि मे लोभ आ आत्म-अनुग्रहक खतरा

2. विनम्रता आ संतोषक लेल परमेश् वरक आह्वान

1. नीतिवचन 30:7-9; दू टा बात हम अहाँ सभ सँ माँगैत छी, हमरा मरबा सँ पहिने ओकरा सभ सँ इनकार नहि करू: हमरा सँ झूठ आ झूठ बाजब दूर करू; हमरा ने गरीबी दिअ आ ने धन। हमरा लेल जे भोजन चाही से खुआउ, जाहि सँ हम पेट भरि कऽ अहाँ केँ अस्वीकार कऽ कऽ कहब जे प्रभु के छथि? कहीं हम गरीब नहि भ' क' अपन परमेश् वरक नाम चोरा कऽ अपवित्र नहि क' देब।

2. इजकिएल 34:2-4; मनुष्यक पुत्र, इस्राएलक चरबाह सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू। भविष्यवाणी करू आ ओकरा सभ केँ, चरबाह सभ केँ सेहो कहि दियौक जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि, “हौ, इस्राएलक चरबाह सभ जे अपना केँ पोसैत आबि रहल छी!” की चरबाह सभकेँ बरद सभकेँ नहि खुआबए चाही? अहाँ सभ मोट खाइत छी, ऊनसँ कपड़ा पहिरैत छी, मोटकाकेँ मारैत छी, मुदा बरदकेँ नहि खुआबैत छी। कमजोर के अहाँ मजबूत नै केलौं, बीमार के ठीक नै केलौं, घायल के नै बान्हलौं, भटकल के वापस नै आनलौं, हेरायल के खोज नै केलौं, आ बल आ कठोरता स ओकरा पर राज केलौं।

आमोस 6:5 जे वायोल के आवाज पर जाप करैत छथि आ दाऊद जकाँ संगीतक वाद्ययंत्रक आविष्कार करैत छथि।

एहि अंश मे लोकक संगीतक वाद्ययंत्रक आविष्कार करबाक बात कयल गेल अछि, जेना राजा दाऊद केने छलाह |

1: राजा दाऊद के उदाहरण स सीख सकैत छी, जे परमेश्वर के महिमा करय लेल संगीत के प्रयोग केने छलाह।

2: भगवान् के प्रति हमर प्रेम आ कृतज्ञता व्यक्त करय में संगीत एकटा सशक्त उपकरण भ सकैत अछि।

1: भजन 150:3-5 - तुरही के आवाज स हुनकर स्तुति करू, भजन आ वीणा स हुनकर स्तुति करू।
टिम्बर आ नाचसँ ओकर प्रशंसा करू: तारबला वाद्ययंत्र आ ऑर्गनसँ ओकर प्रशंसा करू। जोर-जोर सँ झाँझ पर ओकर स्तुति करू।

2: कुलुस्सी 3:16 - मसीहक वचन अहाँ सभ मे सभ बुद्धि मे भरपूर रहय। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीत मे एक-दोसर केँ सिखाबैत आ उपदेश दैत रहू, प्रभु केँ हृदय मे कृपा सँ गाबि रहल छी।

आमोस 6:6 ओ सभ बासन मे मदिरा पीबैत छथि आ मुख्य मरहम सँ अभिषेक करैत छथि, मुदा यूसुफक दुःख सँ ओ सभ दुखी नहि होइत छथि।

धनिक आ शक्तिशाली लोकक कोनो चिन्ता जनताक दुखक नहि होइत छैक ।

1. भगवान् प्रसन्न नहि होइत छथि जखन हम सभ दोसरक दुख केँ अनदेखी करैत छी।

2. सच्चा पवित्रताक लेल कमजोर लोकक प्रति करुणा आ देखभाल अनिवार्य अछि।

1. याकूब 2:14-17 - हमर भाइ-बहिन, जँ कियो विश्वास करबाक दावा करैत अछि मुदा ओकर कोनो काज नहि अछि त’ एकर की फायदा? की एहन विश्वास हुनका सभ केँ बचा सकैत अछि?

15 मानि लिअ जे कोनो भाइ वा बहिनक कपड़ा आ नित्य भोजन नहि अछि। 16 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो ओकरा सभ केँ कहय जे, “शांति सँ जाउ।” गर्म रहू आ नीक सं भोजन कराउ, मुदा ओकर शारीरिक जरूरतक बारे मे किछु नहि करैत अछि, एकर की फायदा?

17 तहिना विश् वास अपने आप मे मरि गेल अछि।

2. यशायाह 58:6-7 - की हम ई एहन उपवास नहि चुनने छी जे अन्यायक जंजीर केँ ढीला करब आ जुआक डोरी खोलब, दबल-कुचलल लोक केँ मुक्त करब आ हर जुआ केँ तोड़ब? 7 की ई नहि जे भूखल लोकक संग अपन भोजन बाँटिब आ नंगटे देखि गरीब भटकल केँ आश्रय देब, ओकरा कपड़ा पहिरब आ अपन खून-मांस सँ मुँह नहि घुमाबी?

आमोस 6:7 तेँ आब ओ सभ पहिने जे बंदी बनैत अछि, ओकर संग बंदी भ’ जेताह, आ जे सभ तानने छल, ओकर भोज दूर भ’ जायत।

आमोस 6:7 अत्यधिक घमंड आरू विलासिता के परिणाम के खिलाफ चेतावनी दै छै, कैन्हेंकि जे घमंडी छै आरू लिप्त छै, वू सबसें पहलें कैद के शिकार होतै।

1. घमंड के परिणाम - नीतिवचन 16:18

2. सब बात मे संतोष - फिलिप्पियों 4:11-13

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम आवश्यकताक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, संतुष्ट रहब सीखलहुँ: हम नीचाँ रहब जनैत छी, आ प्रचुरता करब जनैत छी। सब ठाम आ सब बात मे हम पेट भरब आ भूखल दुनू सीखलहुँ अछि, प्रचुरता आ आवश्यकता भोगब दुनू।

आमोस 6:8 परमेश् वर परमेश् वर अपना नामक शपथ लेने छथि, सेना सभक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि जे, “हम याकूबक महानता सँ घृणा करैत छी आ हुनकर महल सभ सँ घृणा करैत छी, तेँ हम ओहि शहर केँ ओहि मे जे किछु अछि, ताहि संग सौंपि देब।”

प्रभु परमेश् वर अपना आप सँ शपथ लेन॑ छै कि याकूब केरऽ नगर क॑ ओकरऽ श्रेष्ठता आरू महल स॑ घृणा के कारण नष्ट करी देतै ।

1. घमंड के पाप: याकूब के गलती स सीखू

2. प्रभुक क्रोध: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

1. नीतिवचन 16:18 - "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

२.

आमोस 6:9 जँ एक घर मे दस आदमी रहत तँ ओ सभ मरि जायत।

एक घर मे दस गोटे सब मरि जेताह।

1. अन्याय पर परमेश् वरक निर्णय

2. भगवान् के दण्ड के शक्ति

1. लूका 13:3 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे नहि; मुदा जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब ता धरि अहाँ सभ तहिना नाश भ' जायब।"

1967

2. इजकिएल 33:11 - "हुनका सभ केँ कहि दियौक जे हम जीबैत छी,' प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, 'हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट सँ मुड़ि कऽ जीवित रहथि।"

आमोस 6:10 एकटा आदमीक मामा ओकरा आ ओकरा जराबनिहार केँ घर सँ हड्डी निकालबाक लेल उठा लेताह आ घरक कात मे रहनिहार केँ कहताह जे, “अहाँक संग एखन धरि कियो अछि?” ओ कहताह, ‘नहि।

एक आदमीक काका ओकरा लऽ कऽ जरा दैत छथि, आ फेर पुछैत छथि जे घर मे कियो आओर अछि की नहि । प्रतिक्रिया नै छै आरू काका भगवान के नाम के जिक्र नै करला के कारण चुप रहै के कहै छै।

1. भगवानक नाम पवित्रता अछि: श्रद्धापूर्वक जीवन जीब

2. भगवानक नाम प्रेम थिक: कठिन समय मे हुनक निष्ठा केँ मोन पाड़ब

1. यशायाह 8:13 - सेना सभक प्रभु, अहाँ सभ हुनका पवित्र करब। ओ अहाँक डर बनय, आ ओ अहाँक भय बनय।

2. भजन 91:2 - हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि, हमर परमेश् वर। हम हुनका पर भरोसा करब।

आमोस 6:11 कारण, देखू, परमेश् वर आज्ञा दैत छथि जे ओ पैघ घर केँ फाड़ि कऽ मारि देताह आ छोट घर केँ दरार सँ मारि देताह।

परमेश् वर आज्ञा दऽ रहल छथि जे बड़का-बड़का घर सभ केँ फाड़ि-फाड़ि कऽ मारि देल जाय।

1. परमेश् वरक समय पर भरोसा करू - आमोस 6:11

2. परमेश् वरक अनुशासन केँ चिन्हब - आमोस 6:11

1. यशायाह 30:15 - किएक तँ इस्राएलक पवित्र प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। वापसी आ विश्राम मे अहाँ सभक उद्धार होयत। चुपचाप आ आत्मविश्वास मे अहाँक ताकत होयत।

2. इब्रानी 12:6 - कारण, प्रभु जकरा सँ प्रेम करैत छथि, ओ ओकरा दंडित करैत छथि, आ जकरा ओ ग्रहण करैत छथि, तकरा कोड़ा मारैत छथि।

आमोस 6:12 की घोड़ा सभ चट्टान पर दौड़त? की ओतहि बैल संग जोत करत? अहाँ सभ न्याय केँ पित्त मे बदलि देलहुँ आ धार्मिकताक फल केँ हेमलॉक मे बदलि देलहुँ।

लोक न्याय आ धर्म केँ कटुता आ जहर मे बदलि देलक अछि।

1. धर्मसँ मुँह मोड़बाक परिणाम

2. सच्चा न्यायक शक्ति

1. यिर्मयाह 5:28-29 - "ओ सभ महान आ धनिक भ' गेल अछि; ओ सभ मोट आ चिकना भ' गेल अछि। ओ सभ सेहो व्यवस्थाक अवहेलना केलक आ नियमक पालन नहि केलक। ओ सभ हमर बाट पर नहि चलल। तेँ हम न्याय करब।" हुनका सभ केँ जेना हुनकर कर्मक हकदार छनि," प्रभु घोषणा करैत छथि |

2. याकूब 4:17 - मोन राखू, ई पाप अछि जे अहाँ केँ की करबाक चाही आ फेर नहि करब।

आमोस 6:13 अहाँ सभ जे कोनो व्यर्थ बात मे आनन्दित छी, जे कहैत छी, “की हम सभ अपन बल सँ सींग नहि लेलहुँ?”

लोक एहन चीज पर खुश भ रहल अछि जे कोनो वास्तविक मूल्य नहि दैत अछि, दावा क रहल अछि जे ओकरा लग किछु नहि रहितो ओ शक्तिशाली अछि।

1. झूठ ताकत पर निर्भर रहब: घमंड आ ईर्ष्या के खतरा

1968

2. सत्ताक भ्रम: विश्वासक माध्यमे सच्चा ताकत भेटब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 4:13 - हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

आमोस 6:14 मुदा, देखू, हम अहाँ सभक विरुद्ध एकटा जाति ठाढ़ करब, हे इस्राएलक घराना, सेना सभक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि। ओ सभ अहाँ सभ केँ हेमथक प्रवेश सँ ल' क' जंगलक नदी धरि कष्ट देत।

सेना के परमेश् वर प्रभु इस्राएल के विरुद्ध एक जाति के खड़ा करी कॅ ओकरा सिनी कॅ हेमथ सें मरुभूमि के नदी तक कष्ट देतै।

1. प्रभुक क्रोध: विद्रोहक परिणाम बुझब

2. प्रभु पर भरोसा करब सीखब: जीवनक चुनौती केँ स्वीकार करब

1. यशायाह 10:5-7 - धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथ मे लाठी हमर क्रोध अछि।

2. 2 इतिहास 15:2 - प्रभु अहाँ सभक संग छथि, जाबत अहाँ हुनका संग छी। जँ अहाँ सभ हुनका खोजब तँ ओ अहाँ सभ सँ भेटि जेताह। मुदा जँ अहाँ सभ हुनका छोड़ि देबनि तँ ओ अहाँ सभ केँ छोड़ि देताह।”

आमोस अध्याय 7 आमोस आरू परमेश्वर के बीच के दर्शन आरू बातचीत के एक श्रृंखला के उजागर करै छै, जेकरा म॑ इस्राएल पर आसन्न न्याय आरू ईश्वरीय संदेश पहुँचै म॑ भविष्यवक्ता के भूमिका के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत टिड्डी के भूमि के खाय के दर्शन स होइत अछि | आमोस इस्राएल के तरफ सें बिनती करै छै, परमेश् वर सें नम्र होय के गुहार लगाबै छै। परमेश् वर जाति केँ नम्र भ’ जाइत छथि आ बख्शैत छथि (आमोस 7:1-3)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि आगि जमीन के भस्म करय के दर्शन के संग। पुनः आमोस बिनती करैत छथि, आ परमेश्वर राष्ट्र केँ बख्शैत नम्र भ’ जाइत छथि (आमोस 7:4-6)।

3 पैराग्राफ: अध्याय मे एकटा प्लंब लाइन के दर्शन के खुलासा कयल गेल अछि, जे ईश्वरीय निर्णय के प्रतीक अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएल केँ प्लंब लाइन सँ नापताह आ हुनका सभक पापक सजा देताह। ऊंच स्थान आरू पवित्र स्थान नष्ट होय जैतै, आरू यारोबाम के वंश के अंत होय जैतै (आमोस 7:7-9)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय मे बेथेल के पुरोहित आमोस आ अमासिया के बीच भेल मुठभेड़ के वर्णन अछि। अमासिया आमोस के संदेश के अस्वीकार करै छै आरू ओकरा जाय के आदेश दै छै। आमोस एकटा भविष्यवाणी के घोषणा के साथ जवाब दै छै, जे अमासियाह आरू इस्राएल के लोगऽ के साथ जे न्याय आरू निर्वासन होतै, ओकरऽ भविष्यवाणी करै छै (आमोस 7:10-17)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 7 आमोस आरू परमेश्वर के बीच के दर्शन आरू बातचीत के एक श्रृंखला के उजागर करै छै, जेकरा म॑ इस्राएल पर आसन्न न्याय आरू ईश्वरीय संदेश पहुँचै म॑ भविष्यवक्ता के भूमिका के चित्रण करलऽ गेलऽ छै ।

टिड्डी के दर्शन जे देश के खा रहल छै, जेकरा में आमोस इस्राएल के तरफ से बिनती करै छेलै।
भूमि के भस्म करय वाला आगि के दर्शन, जेकरा में आमोस फेर से बिनती करतै।
एकटा प्लंब लाइन के दर्शन, जे इस्राएल पर ईश्वरीय न्याय के प्रतीक छल |
बेथेल के पुरोहित आमोस आ अमासिया के बीच मुठभेड़।
अमासिया द्वारा आमोस के संदेश के अस्वीकार आ आमोस के जाय के आदेश।

आमोस के भविष्यवाणी के घोषणा जे अमासियाह आरू इस्राएल के लोगऽ के साथ जे न्याय आरू निर्वासन होतै।

आमोस के ई अध्याय में आमोस आरू परमेश्वर के बीच के दर्शन आरू बातचीत के एक श्रृंखला के विशेषता छै, जे इस्राएल पर आबै वाला न्याय के चित्रण करै छै। अध्याय के शुरुआत टिड्डी के दर्शन स॑ होय छै जे देश क॑ खा रहलऽ छै, आरू आमोस इस्राएल के तरफऽ स॑ बिनती करै छै, जेकरा म॑ परमेश्वर स॑ नम्र होय के गुहार लगै छै । भगवान नम्र भ' जाइत छथि आ राष्ट्र केँ बख्शैत छथि। अध्याय आगू बढ़ै छै आगि भूमि के भस्म करै के दर्शन के साथ, आरो एक बार फेरू आमोस बिनती करै छै, आरो भगवान राष्ट्र के बख्शतें हुवें नम्र होय जाय छै। तखन अध्याय मे एकटा प्लंब लाइन के दर्शन के खुलासा कयल गेल अछि, जे ईश्वरीय निर्णय के प्रतीक अछि | परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ इस्राएल केँ प्लंब लाइन सँ नापताह आ हुनका सभक पापक सजा देताह। ऊँच स्थान आ पवित्र स्थान सभ नष्ट भ' जायत आ यारोबामक वंशक अंत भ' जायत। अध्याय के समापन आमोस आरू बेथेल के पुरोहित अमासिया के बीच मुठभेड़ के साथ होय छै। अमासिया आमोस के संदेश के अस्वीकार करै छै आरू ओकरा जाय के आदेश दै छै। एकरऽ जवाब म॑ आमोस एगो भविष्यवाणी के घोषणा करै छै, जेकरा म॑ अमासिया आरू इस्राएल के लोगऽ के साथ जे न्याय आरू निर्वासन होतै, ओकरऽ भविष्यवाणी करलऽ गेलऽ छै । ई अध्याय न्याय के निश्चय आरू परमेश्वर के संदेश पहुँचै में भविष्यवक्ता के भूमिका पर जोर दै छै।

आमोस 7:1 प्रभु परमेश् वर हमरा एहि तरहेँ देखा देलनि। आ, देखू, बादक बढ़ैत-बढ़बाक शुरुआत मे टिड्डी बनौलनि। आ देखू, राजाक घास काटलाक बादक बादक वृद्धि छल।

एहि अंश सँ पता चलैत अछि जे भगवान टिड्डीक भाग्य निर्धारित केने छलाह, जे घासक वृद्धि चक्रक प्रारंभिक भाग मे बनल छल |

1. समस्त सृष्टि पर परमेश् वरक प्रभुत्व

2. हम अपन पसंद के जिम्मेदार छी

1. रोमियो 9:19-21 - तखन अहाँ हमरा कहब जे ओ एखनो दोष किएक पाबि रहल अछि? किएक तँ ओकर इच्छा के विरोध केलकै? मुदा, हे मनुष् य, अहाँ के छी जे परमेश् वरक विरुद्ध उत्तर दैत छी? की बनल वस्तु ओकरा बनौनिहार केँ कहत जे, “अहाँ हमरा एहि तरहेँ किएक बनेलहुँ?”

2. भजन 103:19 - प्रभु स्वर्ग मे अपन सिंहासन तैयार कयलनि अछि; ओकर राज्य सभ पर राज करैत अछि।

आमोस 7:2 जखन ओ सभ एहि देशक घास खा कऽ समाप्त कऽ लेलक तखन हम कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे क्षमा करू, याकूब केकरा द्वारा उठत?” किएक तँ ओ छोट अछि।

आमोस परमेश् वर सँ क्षमा मँगलकै, ई पूछलकै कि याकूब, जे एगो छोटऽ राष्ट्र छेकै, केकरा द्वारा उठतै।

1. भगवान छोट-छोट बातक उपयोग पैघ काज पूरा करबाक लेल क' सकैत छथि

2. प्रार्थनापूर्वक क्षमाक शक्ति

1. लूका 1:37 - कारण परमेश् वरक लेल किछुओ असंभव नहि होयत।

2. याकूब 5:16 - एकटा धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना मे बहुत शक्ति होइत छैक जेना ओ काज क’ रहल अछि।

आमोस 7:3 परमेश् वर एहि बातक लेल पश्चाताप कयलनि, ई नहि होयत, परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु अपन विचार बदलि लेलनि आ निर्णय लेलनि जे ओ एहन काज नहि करब जे ओ पहिने घोषणा केने छलाह जे ओ करताह।

1. भगवानक अपरिवर्तनीय स्वभाव: प्रभुक दया कोना प्रबल होइत अछि

2. आमोस 7:3 सँ एकटा पाठ: पश्चाताप के शक्ति

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. यिर्मयाह 18:8 जँ ओ जाति, जकरा विरुद्ध हम कहलहुँ अछि, अपन दुष्टता सँ हटि जायत, तँ हम ओहि दुष्टताक लेल पश्चाताप करब जे हम ओकरा सभक संग करबाक लेल सोचलहुँ।

आमोस 7:4 प्रभु परमेश् वर हमरा एहि तरहेँ देखा देलनि, आ देखू, प्रभु परमेश् वर आगि सँ लड़बाक लेल बजौलनि, आ ओ पैघ गहींर केँ खा गेल आ एक भाग खा गेल।

एहि अंश मे वर्णन कयल गेल अछि जे कोना प्रभु परमेश् वर महान गहींर केँ भस्म करबाक लेल आ ओकर एक भाग केँ भस्म करबाक लेल आगि बजौलनि |

1. प्रभु के सर्वव्यापी शक्ति

2. भगवानक योजना मे अग्निक शक्ति

1. दानियल 7:9-10 - जखन हम देखैत छलहुँ, सिंहासन राखल गेल आ दिनक प्राचीन अपन आसन पर बैसलाह। ओकर वस्त्र बर्फ जकाँ उज्जर छलैक; माथक केश ऊन जकाँ उज्जर छल। हुनकर सिंहासन आगि सँ ज्वालामुखी भ' रहल छलनि, आ ओकर पहिया सभ मे आगि लागल छलनि।

2. इब्रानी 12:29 - किएक तँ हमर सभक परमेश् वर भस्म करयवला आगि छथि।

आमोस 7:5 तखन हम कहलियनि, “हे प्रभु परमेश् वर, हम अहाँ सँ विनती करैत छी, बंद करू। किएक तँ ओ छोट अछि।

आमोस भविष्यवक्ता परमेश् वर पर ई सवाल उठै छै कि याकूब एतना छोटोॅ छै कि ओकरा कोना उद्धार मिलतै।

1. प्रार्थना के शक्ति: भगवान स मदद मांगला स कोना पुनर्जीवन भेटैत अछि

2. छोटक महत्व: भगवान् कमजोरक उपयोग कोना पैघ काज पूरा करबाक लेल करैत छथि

1. याकूब 4:2-3 - अहाँ लग नहि अछि किएक तँ अहाँ नहि माँगैत छी।

2. यशायाह 40:28-31 - युवा सभ सेहो बेहोश भ’ क’ थाकि जायत, आ युवक सभ थकित भ’ क’ खसि पड़त।
मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

आमोस 7:6 परमेश् वर एहि बातक लेल पश्चाताप कयलनि, ईहो नहि होयत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पापक परिणाम सँ बचेबाक लेल अपन विचार बदलि लेलनि।

1. भगवान् के कृपा आ दया: भगवान के प्रेम हमर असफलता स कोना पार भ जाइत अछि

2. पश्चाताप: पाप सँ मुँह मोड़बाक शक्ति

1. इजकिएल 18:21-32 - परमेश् वरक दया आ क्षमा करबाक इच्छुकता

2. योना 3:1-10 - पश्चाताप के शक्ति आ ओकरा प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया।

आमोस 7:7 ओ हमरा एहि तरहेँ देखौलनि, आ देखू, परमेश् वर हाथ मे प्लम्बल सँ बनल देबाल पर ठाढ़ छलाह।

1971

परमेश् वर अपन लोकक लेल न्याय आ धार्मिकताक प्रतीकक रूप मे ठाढ़ छथि।

1: हम प्रभु पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमर नैतिक कम्पास बनथि आ जीबय के तरीका के उदाहरण बना सकैत छी।

2: हमरा सभ केँ अपन सभ निर्णय मे भगवान् दिस देखबाक चाही जाहि सँ ई सुनिश्चित कयल जा सकय जे हम सभ धर्मी जीवन जीबि रहल छी।

1: यिर्मयाह 17:9-10 - हृदय सभ सँ बेसी छल, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि? हम परमेश् वर हृदयक खोज करैत छी, बागडोर परखैत छी, जे प्रत् येक मनुष् यक अपन-अपन तरीका आ अपन काजक फलक अनुसार दऽ सकैत छी।

2: नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

आमोस 7:8 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “आमोस, अहाँ की देखैत छी? हम कहलियनि, प्लम्बलाइन।
तखन परमेश् वर कहलथिन, “देखू, हम अपन प्रजा इस्राएलक बीच मे एकटा प्लम्बल लगा देब।

परमेश् वर आमोस सँ पुछलथिन जे अहाँ की देखलहुँ, तखन आमोस उत्तर देलथिन जे अहाँ एकटा प्लम्बलाइन देखलहुँ। तखन परमेश् वर घोषणा कयलनि जे ओ अपन लोक इस्राएलक बीच एकटा प्लम्बलाइन लगा देथिन, आ आब ओ हुनका सभक लग सँ नहि गुजरताह।

1. परमेश् वरक न्यायक प्लंबलाइन - रोमियो 3:23-26

2. धर्मक प्लम्बलाइन पर चलब - नीतिवचन 11:1-3

1. रोमियो 3:23-26 - किएक तँ सभ पाप कएने छथि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम छथि। मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, ताहि द्वारा अपन अनुग्रह सँ मुक्त रूप सँ धर्मी ठहराओल गेलाह। हम एहि समय मे हुनकर धार्मिकताक प्रचार करबाक लेल कहैत छी, जाहि सँ ओ धर्मी होथि आ जे यीशु पर विश् वास करैत छथि, तकरा धार्मिक ठहराबथि।

2. नीतिवचन 11:1-3 - झूठ तराजू परमेश् वरक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनका प्रसन्नता अछि। जखन घमंड अबैत अछि तखन लाज अबैत अछि, मुदा नीच लोकक संग बुद्धि होइत छैक।
सोझ लोकक अखंडता ओकरा सभक मार्गदर्शन करत, मुदा अपराधी सभक विकृतता ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देतैक।

आमोस 7:9 इसहाकक ऊँच स्थान सभ उजाड़ भ’ जायत आ इस्राएलक पवित्र स्थान सभ उजाड़ भ’ जायत।
हम तलवार ल’ क’ यारोबामक घराना पर उठब।

आमोस 7:9 के ई अंश परमेश् वर के न्याय के कारण इस्राएल के ऊंच स्थान आरू पवित्र स्थान के विनाश के वर्णन करै छै।

1. परमेश् वरक न्याय आ मूर्तिपूजाक विनाश

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. व्यवस्था 12:2-4 - अहाँ सभ ओहि सभ स्थान केँ अवश्य नष्ट करब जतय अहाँ जाहि जाति केँ बेदखल करब, ओ सभ अपन देवताक सेवा करैत छल, ऊँच पहाड़ पर आ पहाड़ी पर आ हर हरियर गाछक नीचाँ। ओकरा सभक वेदी सभ केँ उखाड़ि कऽ ओकर सभक खंभा सभ तोड़ि कऽ ओकर सभक अशेरी सभ केँ आगि मे जरा देब आ ओकर देवता सभक नक्काशीदार मूर्ति सभ केँ काटि कऽ ओकर सभक नाम ओहि ठाम सँ नष्ट कऽ देब।

2. यशायाह 2:18-20 - मूर्ति सभ एकदम समाप्त भ’ जायत। जखन ओ पृथ्वी केँ आतंकित करबाक लेल उठताह तखन लोक सभ पाथरक गुफा आ जमीनक गड्ढा मे, प्रभुक आतंक सँ आगू आ हुनकर महिमाक महिमा सँ चलि जायत। ओहि दिन मनुक्ख अपन चानीक मूर्ति आ सोनाक मूर्ति जे ओ अपना लेल बनौने छल, ओकरा तिल आ चमगादड़ धरि फेकि देत, जे चट्टानक गुफा आ चट्टानक दरार मे प्रवेश करत, आगू सँ प्रभु के आतंक, आ ओकर महिमा के महिमा स, जखन ओ पृथ्वी के आतंकित करय लेल उठैत छथि।

आमोस 7:10 बेथेल के पुरोहित अमाजिया इस्राएल के राजा यारोबाम के पास भेजलकै कि, “अमोस इस्राएल के घराना के बीच तोरा खिलाफ षड्यंत्र रचलकै।

बेथेल के पुरोहित अमासिया इस्राएल के राजा यारोबाम के चेतावनी भेजलकै कि आमोस इस्राएल के घराना के बीच में ओकरा खिलाफ साजिश रचीने छै।

1. परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि - आमोस 7:10

2. विवेकक महत्व - आमोस 7:10

1. भजन 19:7 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ परिवर्तित करैत अछि; परमेश् वरक गवाही निश्चित अछि, जे सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत छथि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

आमोस 7:11 किएक तँ आमोस ई कहैत छथि, “यरोबाम तलवार सँ मरत आ इस्राएल केँ अपन देश सँ बंदी बनाओल जायत।”

यारोबाम के मृत्यु आरू इस्राएली सिनी के बंदी के बारे में परमेश् वर के न्याय पाप के परिणाम के याद दिलाबै छै।

1. पापक मूल्य: परमेश्वरक न्याय केँ स्वीकार करब आ ओकरा सँ सीखब

2. परमेश् वरक दया: पश्चाताप करबाक अवसर निकालब

1. उपदेशक 8:11-13 - किएक तँ कोनो अधलाह काजक विरुद्ध सजा जल्दी नहि होइत अछि, तेँ मनुष् यक पुत्र सभक हृदय ओकरा सभ मे अधलाह करबाक लेल पूर्ण रूपेण टिकल अछि।

2. यिर्मयाह 29:11 - कारण हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ एकटा अपेक्षित अंत देब।

आमोस 7:12 अमासिया आमोस केँ कहलथिन, “हे द्रष्टा, जाउ, यहूदा देश मे भागि जाउ, आ ओतहि रोटी खाउ आ ओतय भविष्यवाणी करू।

आमोस क॑ इस्राएल स॑ स्थानांतरित होय क॑ यहूदा म॑ भविष्यवाणी करै लेली कहलऽ जाय छै ।

1. विरोधक बादो आस्था मे आगू बढ़बाक शक्ति।

2. परमेश् वरक आह्वानक प्रति हमर सभक निष्ठावान प्रतिक्रिया।

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. फिलिप्पियों 3:14 - "हम दौड़क अंत मे पहुँचबाक लेल आगू बढ़ैत छी आ स्वर्गीय पुरस्कार प्राप्त करैत छी जकरा लेल परमेश् वर मसीह यीशुक द्वारा हमरा सभ केँ बजबैत छथि।"

आमोस 7:13 मुदा बेथेल मे आब फेर भविष्यवाणी नहि करू, किएक त’ ई राजाक चैपिल अछि आ राजाक आँगन अछि।

आमोस के निर्देश देल गेल छै कि बेथेल में आब भविष्यवाणी नै करऽ, कैन्हेंकि ई राजा के आराधना के जगह छै।

1. कखन आ कतय बाजब से जानबाक महत्व

2. अधिकार के अधीनता के शक्ति

1. मत्ती 22:21 - तेँ जे बात कैसरक अछि से कैसर केँ दियौक। आ परमेश् वरक जे किछु अछि से परमेश् वरक लेल।

2. 1 पत्रुस 2:13-17 - प्रभुक लेल मनुष्यक सभ नियमक अधीन रहू। वा राज्यपाल सभ केँ, जेना हुनका द्वारा दुष्कर्मक सजा आ नीक काज करयवला सभक प्रशंसा करबाक लेल पठाओल गेल अछि।

आमोस 7:14 तखन आमोस अमाजिया केँ कहलथिन, “हम कोनो भविष्यवक्ता नहि छलहुँ आ ने भविष्यवक्ताक बेटा छलहुँ। मुदा हम चरबाह आ सिकोमोरक फल बटोरनिहार छलहुँ।

आमोस कोनो पेशेवर भविष्यवक्ता नै छेलै, लेकिन ओकरा इस्राएल के लोगऽ के बीच एगो संदेश दै लेली बोलैलऽ गेलऽ छेलै।

1. भगवान् साधारण लोक केँ असाधारण काज करबाक लेल बजबैत छथि।

2. भगवान् कोनो व्यक्तिक उपयोग अपन इच्छा पूरा करबाक लेल क' सकैत छथि।

1. यिर्मयाह 1:5 - "हम अहाँ केँ गर्भ मे बनेबा सँ पहिने अहाँ केँ चिन्हैत छलहुँ, अहाँक जन्म सँ पहिने हम अहाँ केँ अलग क' देलहुँ; हम अहाँ केँ जाति-जाति मे भविष्यवक्ता बनेने रही।"

2. मत्ती 28:19-20 - "तेँ जाउ, सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दिअ आ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देलहुँ, ओकर पालन करबाक लेल। आ निश्चित रूप सँ।" हम अहाँक संग सदिखन छी, युगक एकदम अंत धरि।

आमोस 7:15 हम भेँड़ाक पाछाँ-पाछाँ चलैत काल परमेश् वर हमरा लऽ गेलाह, आ परमेश् वर हमरा कहलथिन, “जाउ, हमर प्रजा इस्राएल केँ भविष्यवाणी करू।”

आमोस केँ परमेश् वर द्वारा इस्राएलक लोक सभ केँ भविष्यवाणी करबाक लेल बजौल गेल अछि।

1. परमेश् वरक पालन करबाक आह्वान - शिष्य बनब कोना एकटा पैघ आह्वान दिस लऽ जाइत अछि।

2. सेवा करबाक लेल बजाओल गेल अछि - परमेश् वरक आवाजक निष्ठापूर्वक आज्ञा मानब किएक जरूरी अछि।

1. लूका 9:23 - "ओ सभ केँ कहलथिन, “जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ अस्वीकार करय आ प्रतिदिन अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ लागय।"

2. यशायाह 6:8 - "हम प्रभुक आवाज सेहो सुनलहुँ जे हम केकरा पठाबी आ के हमरा सभक लेल जायत? तखन हम कहलियनि, "हम एतय छी; हमरा पठाउ।"

आमोस 7:16 आब अहाँ प्रभुक वचन सुनू, अहाँ कहैत छी जे इस्राएलक विरुद्ध भविष्यवाणी नहि करू आ इसहाकक घरानाक विरुद्ध अपन वचन नहि छोड़ू।

प्रभुक वचन हमरा सभक लेल सुनबाक लेल अछि, आज्ञा नहि मानबाक लेल।

1. परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन: उद्धारक लेल एकटा आवश्यकता

2. परमेश् वरक वचन: धार्मिक जीवनक मार्गदर्शक

1. यशायाह 1:19 - जँ अहाँ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन करब।

2. याकूब 1:22-25 - मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू। किएक तँ जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ एहन आदमी जकाँ अछि जे ऐना मे अपन स्वाभाविक चेहरा केँ ध्यान सँ देखैत अछि। कारण ओ अपना दिस तकैत अछि आ चलि जाइत अछि आ एके

बेर बिसरि जाइत अछि जे ओ केहन छल। मुदा जे सिद्ध नियम, स्वतंत्रताक नियम मे तकैत अछि आ दृढ़ता करैत अछि, जे बिसरनिहार श्रोता नहि अछि, अपितु काज करयवला कर्ता अछि, ओ अपन कर्म मे धन्य होयत।

आमोस 7:17 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। तोहर पत्नी नगर मे वेश्या हेतीह, तोहर बेटा-बेटी तलवार सँ खसि पड़तौक आ तोहर देश रेश मे बाँटि जायत। अहाँ दूषित देश मे मरि जायब।

प्रभु घोषणा करै छै कि इस्राएल के लोग अपनऽ पाप के परिणाम भोगतै, जेकरा में ओकरऽ पत्नी वेश्या बनना, ओकरऽ बच्चा सिनी के हत्या, ओकरऽ देश के बंटवारा आरू बंदी बनाना शामिल छै।

1. "पापक परिणाम: आमोस 7:17 सँ एकटा चेतावनी"।

2. "प्रभुक न्यायक सामना करब: आमोस 7:17 क परीक्षा"।

1. यिर्मयाह 5:30-31 - "ओहि देश मे एकटा आश्चर्यजनक आ भयावह घटना घटल अछि: भविष्यवक्ता सभ झूठ भविष्यवाणी करैत छथि, आ पुरोहित सभ हुनका सभक निर्देश पर शासन करैत छथि; हमर लोक सभ केँ ई बात करब नीक लगैत अछि, मुदा अंत जखन अहाँ सभ की करब।" अबैत अछि?"

2. यशायाह 10:3 - "दंडक दिन, दूर सँ आबय बला विनाश मे की करब? अहाँ केकरा लग मददि लेल भागब, आ अपन धन कतय छोड़ब?"

आमोस अध्याय 8 में गर्मी के फल के टोकरी के दर्शन के चित्रण छै, जे इजरायल के समृद्धि के आसन्न अंत के प्रतीक छै। अध्याय म॑ गरीबऽ के आर्थिक अन्याय आरू शोषण के उजागर करलऽ गेलऽ छै, आरू जरूरतमंद प॑ अत्याचार करै वाला प॑ न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत गर्मी के फल के टोकरी के दर्शन स॑ होय छै, जे इस्राएल के पापऽ के पकना आरू ओकरऽ समृद्धि के आसन्न अंत के प्रतिनिधित्व करै छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे आब ओ हुनका सभक लग सँ नहि गुजरताह (आमोस 8:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे आर्थिक अन्याय आ गरीबक धनिक लोक द्वारा शोषणक पर्दाफाश कयल गेल अछि | व्यापारी सब सब्त के दिन समाप्त होय के लेल आतुर छैथ ताकि ओ सब अपन बेईमानी के काज फेर स शुरू क सकथि। ओ सब बेईमान तराजू के प्रयोग करैत छथि, खराब गुणवत्ता वाला सामान बेचैत छथि, आ जरूरतमंद के लाभ के लेल शोषण करैत छथि (आमोस 8:4-6)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे गरीब पर अत्याचार करय वाला पर न्याय के घोषणा कयल गेल अछि | भगवान् हुनका लोकनिक कर्म केँ कहियो नहि बिसरबाक प्रण करैत छथि आ घोषणा करैत छथि जे भूमि काँपि जायत आ शोक करत। अकाल रोटी या पानि के नै, बल्कि प्रभु के वचन सुनला के अकाल पड़त (आमोस 8:7-12)।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल पर आबै वाला फैसला के वर्णन के साथ होय छै।
लोक सभ समुद्र सँ समुद्र मे डगमगाइत रहत, प्रभुक वचन ताकैत रहत, मुदा ओकरा नहि भेटतैक। पापी सभ केँ दंडित कयल जायत, आ देश हिलत (आमोस 8:13-14)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 8 में गर्मी के फल के टोकरी के दर्शन के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जे इजरायल के समृद्धि के आसन्न अंत के प्रतीक छेकै, आरू गरीबऽ के आर्थिक अन्याय आरू शोषण के उजागर करै छै । अध्याय मे जरूरतमंद पर अत्याचार करय वाला पर न्याय के घोषणा कयल गेल अछि |

गर्मी के फल के टोकरी के दर्शन, जे इजरायल के समृद्धि के अंत के प्रतीक छेलै।
आर्थिक अन्याय के उजागर करब आ धनिक लोक द्वारा गरीब के शोषण।
बेईमान प्रथाक वर्णन, जाहि मे बेईमान तराजूक प्रयोग आ घटिया गुणवत्ताक वस्तु बेचब सेहो शामिल अछि |
गरीब पर अत्याचार करय वाला पर न्याय के घोषणा।
भगवान स प्रण करू जे कहियो नहि बिसरब हुनकर कर्म आ भूमि के काँपैत आ शोक करैत घोषणा।
अकाल के भविष्यवाणी, रोटी या पानि के नै, बल्कि प्रभु के वचन सुनला के।
इस्राएल पर आसन्न न्याय के वर्णन, जेकरा में लोग प्रभु के वचन खोजै छै लेकिन ओकरा नै पाबै छै।

आमोस के ई अध्याय में गर्मी के फल के टोकरी के दर्शन के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जे इजरायल के समृद्धि के आसन्न अंत के प्रतीक छेकै । अध्याय मे धनिक लोक द्वारा गरीबक आर्थिक अन्याय आ शोषणक पर्दाफाश कयल गेल अछि | व्यापारी सब बेसब्री स सब्त के अंत के इंतजार करैत छैथ ताकि ओ सब अपन बेईमानी के काज फेर स शुरू क सकथि। बेईमान तराजू के प्रयोग करैत छथि, खराब क्वालिटी के सामान बेचैत छथि, आ जरूरतमंद के फायदा के लेल शोषण करैत छथि। अध्याय में गरीबऽ पर अत्याचार करै वाला पर न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में भगवान न॑ ओकरऽ कर्म क॑ कभियो नै बिसरै के प्रण करलकै । देश काँपि उठत आ शोक करत, आ अकाल रोटी वा पानि नहि, बल्कि प्रभुक वचन सुनबाक अकाल पड़त। अध्याय के समापन इस्राएल पर आबै वाला न्याय के वर्णन के साथ होय छै, जेकरा में लोग प्रभु के वचन के खोज करै छै लेकिन ओकरा नै पाबै छै। पापी सभ केँ सजा भेटतैक, आ देश हिलत। ई अध्याय आर्थिक अन्याय आरू शोषण के परिणाम के उजागर करै छै, आरू जरूरतमंद पर अत्याचार करै वाला के इंतजार करै वाला न्याय के चेतावनी दै छै.

आमोस 8:1 प्रभु परमेश् वर हमरा एहि तरहेँ देखा देलनि।

ई श्लोक एकटा दर्शन के बात करै छै जेकरा में परमेश् वर आमोस के गर्मी के फल के टोकरी देखाबै छै।

1: भगवान् केरऽ प्रचुर प्रावधान - गर्मी केरऽ फल के माध्यम स॑ भगवान केरऽ प्रावधान हुनकऽ निष्ठा आरू उदारता के याद दिलाबै छै ।

2: प्रभु के खोज करू - हम सब सदिखन प्रभु के प्रावधान पर भरोसा क सकैत छी आ अपन देखभाल क सकैत छी।

1: भजन 34:8-9 - "हे चखू आ देखू जे परमेश् वर नीक छथि; जे मनुष् य हुनकर शरण मे रहैत छथि, ओ कतेक धन्य अछि! हे हुनकर पवित्र लोक सभ, प्रभुक भय मानू, किएक तँ हुनका सँ डरय बला सभक कोनो अभाव नहि अछि।" ."

2: फिलिप्पियों 4:19 - "हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।"

आमोस 8:2 ओ पुछलथिन, “आमोस, अहाँ की देखैत छी?” हम कहलियनि, “ग्रीष्मक फलक टोकरी।” तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “हमर इस्राएलक लोकक अन् त आबि गेल अछि। आब हम फेर हुनका सभक लग सँ नहि गुजरब।

प्रभु अमोस केँ इस्राएलक लोकक अंत प्रगट कयलनि।

1: पृथ्वी पर हमर समय सीमित अछि, तेँ एकर उपयोग भगवानक सेवा मे बुद्धिमानीपूर्वक करबाक चाही।

2: भगवान् के कृपा आ दया के हल्का में नै लेबाक चाही, कियाक त एकरा छीन लेल जा सकैत अछि।

1: याकूब 4:13-17 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब। जेना अछि, अहाँ अपन अहंकार पर घमंड करैत छी। एहन सबटा घमंड दुष्ट अछि। तेँ जे कियो सही काज जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल भ' जाइत अछि, ओकरा लेल ई पाप अछि।

2: मत्ती 25:14-30 - किएक तँ ई ओहिना होयत जेना यात्रा पर निकलल आदमी अपन नोकर सभ केँ बजा कऽ अपन सम्पत्ति ओकरा सभ केँ सौंपलक। एक गोटे के पाँच टोला, दोसर के दू, दोसर के एक-एक, प्रत्येक के अपन सामर्थ्य के अनुसार देलखिन। तखन ओ चलि गेलाह। जे पाँच तोरा पाबि गेल छल से एके बेर जा कऽ ओकरा सभक संग व्यापार केलक आ पाँच तोरा आओर कमा लेलक। तहिना जिनका लग दू टाका छलनि से दू टाका आओर कमा लेलनि। मुदा जे एक टोला पाबि गेल छल, ओ जा कए जमीन मे खोदलक आ अपन मालिकक पाइ नुका लेलक।... किएक तँ जकरा लग अछि ओकरा आरो बेसी देल जायत आ ओकरा प्रचुरता भेटतैक। मुदा जे नहि केने अछि ओकरा सँ जे किछु अछि तकरा छीन लेल जायत।

आमोस 8:3 ओहि दिन मन्दिरक गीत कूजत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। ओ सभ चुपचाप ओकरा सभ केँ फेकि देत।

प्रभु परमेश् वर घोषणा करै छै कि एक निश्चित दिन मन्दिर के गीत शोक के हुंकार बनी जैतै, आरो हर जगह बहुत मृत शरीर मिलतै।

1. भगवान् के कृपा में जीना: दुख में आनन्द पाना सीखना

2. पुनरुत्थानक शक्ति: मृत्यु आ निराशा पर विजय प्राप्त करब

1. रोमियो 8:18-25 - किएक तँ हम मानैत छी जे एहि समयक दुखक तुलना ओहि महिमा सँ करबाक योग्य नहि अछि जे हमरा सभ मे प्रगट होयत।

2. यूहन्ना 11:25-26 - यीशु हुनका कहलथिन, “हम पुनरुत्थान आ जीवन छी। जे हमरा पर विश् वास करत, ओ मरि सकैत अछि, मुदा ओ जीवित रहत।

आमोस 8:4 हे जे गरीब सभ केँ निगलैत छी, आ देशक गरीब केँ विलुप्त करबाक लेल, ई बात सुनू।

धनिक लोक गरीबक फायदा एहन तरहेँ उठा रहल अछि जे भगवानक इच्छाक विपरीत अछि।

1: भगवान हमरा सभकेँ गरीबक प्रति उदार आ प्रेमी बनबाक लेल बजबैत छथि, नहि कि ओकर शोषण अपन लाभक लेल।

2: हमरा सब के अपन बीच के कमजोर के सुरक्षा के लेल अपन जिम्मेदारी के प्रति सजग रहय पड़त।

1: याकूब 2:15-16 - "जँ कोनो भाय वा बहिन खराब कपड़ा पहिरने छथि आ नित्य भोजनक अभाव मे छथि, आ अहाँ सभ मे सँ कियो हुनका कहैत छथि जे, “शांति सँ जाउ, गरम आ तृप्त रहू, बिना हुनका शरीरक लेल आवश्यक वस्तु देने।" , एकर कोन फायदा?"

2: गलाती 6:9-10 - "आउ, हम सभ नीक काज करबा सँ नहि थाकि जायब, कारण, जँ हम सभ हार नहि मानब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब। तेँ जेना अवसर भेटत, सभ सभक संग भलाई करी। आ खास क’ ओहि लोक सभ केँ जे विश् वासक घरक लोक छथि।”

आमोस 8:5 ओ कहैत छथि, अमावस्या कहिया खतम भ’ जायत, जाहि सँ हम सभ मकई बेचि सकब? आ विश्राम-दिन, जाहि सँ हम सभ गहूम निकालि सकब, जाहि सँ एफा छोट आ शेकेल पैघ भऽ जाय आ धोखा सँ तराजू केँ झूठ बनाबी?

इस्राएल के लोग बाजार में हेरफेर करी क॑ आरू सब्त के दिन तोड़ी क॑ परमेश् वर के बेइज्जत करी रहलऽ छै ।

1: हमरा सब के अपन जीवन के सब पहलू में भगवान के सम्मान करबाक चाही, जाहि में अपन व्यापारिक व्यवहार सेहो शामिल अछि।

2: लोभ केँ भगवानक प्रति भक्ति नहि हँटय देबाक चाही।

1: मरकुस 12:30-31 - अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ, पूरा मन सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू, ई पहिल आज्ञा अछि। आ दोसर एहन अछि जे, अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू। एहि सभ सँ पैघ कोनो आज्ञा नहि अछि।

2: व्यवस्था 5:12-15 - विश्राम-दिन केँ पवित्र करबाक लेल मनाउ, जेना अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँ केँ आज्ञा देने छथि। छह दिन परिश्रम करू आ अपन सभ काज करू, मुदा सातम दिन अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक विश्राम-दिन अछि दासी, ने तोहर बैल, ने तोहर गदहा, आ ने तोहर कोनो पशु, आ ने तोहर परदेशी जे तोहर फाटक मे अछि। जे अहाँक नौकर आ दासी सेहो अहाँ जकाँ आराम करथि। आ मोन राखू जे अहाँ मिस्र देश मे सेवक छलहुँ आ अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ ओहि ठाम सँ पराक्रमी हाथ आ पसरल बाँहि सँ बाहर अनने छलाह।

आमोस 8:6 जाहि सँ हम सभ गरीब केँ चानी मे कीनि सकब आ जरूरतमंद केँ एक जोड़ी जूता मे कीनि सकब। हँ, आ गहूमक कचरा बेचब?

धनिक लोक गरीब पर अत्याचार करैत अछि, ओकरा खरीदि क' ओकर संसाधन बेचि क' मुनाफाक लेल।

1. गरीबक अत्याचारक विरुद्ध ठाढ़ हेबाक चाही।

2. जरूरतमंद के देबय लेल अपन संसाधन के उपयोग करय पड़त।

1. याकूब 2:1-7 - प्रभुक नजरि मे धनिक आ गरीबक संग समान व्यवहार करबाक चाही।

2. नीतिवचन 29:7 - धर्मी लोकनि गरीबक लेल न्यायक चिन्ता करैत छथि।

आमोस 8:7 परमेश् वर याकूबक महानताक शपथ खा लेने छथि, “हम हुनका सभक कोनो काज केँ कहियो नहि बिसरब।”

भगवान् अपन लोकक काज कहियो नहि बिसरताह।

1: हमरा सभ केँ ई विश्वास भ' सकैत अछि जे भगवान् हमरा सभक नीक काज केँ मोन पाड़ैत छथि आ तदनुसार हमरा सभ केँ पुरस्कृत करताह।

2: परमेश् वरक निष्ठा हमरा सभक वफादारी पर निर्भर नहि करैत अछि, अपितु हुनकर अपन चरित्र पर निर्भर करैत अछि।

1: यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2: इब्रानी 13:5-6 - "अहाँ सभक व्यवहार मे लोभ नहि हो। आ जे किछु अछि, ताहि मे संतोष करू। किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

आमोस 8:8 की एहि बातक कारणेँ देश नहि काँपिओत आ ओहि मे रहनिहार सभ शोक नहि करत? ओ पूर्ण रूपेण बाढ़ि जकाँ उठि जायत। ओ बाहर फेकि कऽ डूबि जायत, जेना मिस्रक जलप्रलय मे आबि गेल छल।

इस्राएल देश काँपत आ ओकर निवासी सभ शोक करत, जेना मिस्र मे जलप्रलय जकाँ बाढ़ि आबि गेल अछि।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया

2. प्रकृतिक शक्ति

1. आमोस 8:8

2. भजन 46:2-3 - "तेँ हम सभ नहि डेराएब, जँ पृथ्वी बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि गर्जैत आ फेन बनि जायत आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।"

आमोस 8:9 प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे ओहि दिन हम दुपहर मे सूर्यास्त करब आ साफ दिन मे पृथ्वी केँ अन्हार करब।

भगवान घोषणा करैत छथि जे ओ आधा दिन मे धरती केँ अन्हार क' देताह।

1. भगवानक शक्ति: भगवान् मध्याह्न सूर्य के कोना अन्हार क सकैत छथि

2. प्रकाश आ अन्हारक विरोधाभास: भगवानक मार्ग बुझब

1. यशायाह 60:20 - तोहर सूर्य आब अस्त नहि होयत। आ ने तोहर चान हटि जायत, किएक तँ परमेश् वर अहाँक अनन्त इजोत होयत आ अहाँक शोकक दिन समाप्त भऽ जायत।”

2. योएल 2:31 - प्रभुक महान आ भयावह दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।

आमोस 8:10 हम अहाँक भोज केँ शोक मे बदलि देब आ अहाँक सभ गीत केँ विलाप मे बदलि देब। हम सभ कमर पर बोरा आ सभ माथ पर गंजापन आनि देब। हम एकरा एकलौता बेटाक शोक जकाँ बना देब आ ओकर अंत केँ कटु दिन जकाँ बना देब।

भगवान् अपन लोकक भोज केँ शोक मे बदलि देताह, हुनकर आनन्दक गीत केँ विलाप सँ बदलि देताह। ओ लोक सभ पर शोकक निशानी सेहो अनताह, जाहि मे कमर पर बोरा आ माथ पर गंजापन सेहो शामिल अछि, जे एकलौता बेटाक शोक जकाँ बना देत।

1. प्रभुक विलापक आह्वान: परमेश् वरक संग शोक करब सीखब

2. एकमात्र पुत्रक शोक: हानि केर अर्थ बुझब

1. विलाप 1:12 - "अहाँ सभ ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक सभ, की अहाँ सभक लेल किछु नहि अछि? देखू, देखू जे हमर दुख जकाँ कोनो दुःख अछि, जे हमरा संग भेल अछि, जाहि सँ प्रभु हमरा दिन मे दुःख देलनि।" ओकर उग्र क्रोध।"

2. इब्रानियों 12:11 - "आब वर्तमान समयक लेल कोनो दण्ड आनन्ददायक नहि बुझाइत अछि, बल् कि दुखद बुझाइत अछि। तथापि तकर बाद ई धार्मिकताक शांतिपूर्ण फल दैत अछि जे सभ एहि द्वारा कयल जाइत अछि।"

आमोस 8:11 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि जे हम एहि देश मे अकाल पठा देब, रोटीक अकाल नहि, आ ने पानिक प्यास, बल् कि परमेश् वरक वचन सुनबाक अकाल।

प्रभु आबै वाला अकाल के बारे में चेतावनी दै छै जे रोटी या पानी के नै, बल्कि प्रभु के वचन सुनै के होतै।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक आवश्यकता

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक शक्ति

1. इफिसियों 5:17-18 - तेँ मूर्ख नहि बनू, बल् कि प्रभुक इच्छा की अछि से बुझू। आ मदिरा मे नशा मे नशा मे धुत्त नहि होउ, किएक तँ ओ व्यभिचार अछि, बल् कि आत् मा सँ भरल रहू।

2. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप अछि आ हमर बाट लेल इजोत अछि।

आमोस 8:12 ओ सभ समुद्र सँ समुद्र मे आ उत्तर सँ पूर्व दिस भटकत, प्रभुक वचन ताकबाक लेल एम्हर-ओम्हर दौड़त, मुदा ओकरा नहि भेटतैक।

लोक प्रभु सँ मार्गदर्शन खोजि रहल अछि, मुदा ओकरा पाबि नहि पाबि रहल अछि।

1. विश्वासक शक्ति: अनिश्चितताक समय मे सेहो

2. सब ठाम भगवान् के खोज करब

1. भजन 119:105 "अहाँक वचन हमर पएर पर दीप आ हमर बाट पर इजोत अछि"।

2. यिर्मयाह 29:13 "अहाँ सभ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब"।

आमोस 8:13 ओहि दिन गोरी कुमारि आ युवक सभ प्यास सँ बेहोश भ’ जेताह।

आबै वाला दिन में लोक के ततेक प्यास लागत जे स्वस्थ, युवा सेहो बेहोश भ जायत।

1. यीशु मे विश्वासक माध्यमे आध्यात्मिक प्यास बुझेबाक महत्व।

2. शारीरिक प्यास के शक्ति जे हमरा सब के विनम्र आ एकजुट करय।

1. भजन 42:2 - "हमर प्राण परमेश् वरक लेल, जीवित परमेश् वरक लेल प्यासल अछि। हम कहिया आबि परमेश् वरक समक्ष प्रगट होयब?"

2. यूहन्ना 4:13-14 - "यीशु ओकरा कहलथिन, "जे कियो एहि पानि सँ पीबैत अछि, ओकरा फेर सँ प्यास लागत, मुदा जे पानि हम ओकरा देब, ओकरा फेर कहियो पियास नहि लागत। जे पानि हम ओकरा देब।" हुनका मे अनन्त जीवनक लेल बहैत जलक झरना बनि जायत।"

आमोस 8:14 जे सभ सामरियाक पापक शपथ लैत कहैत अछि जे, “हे दान, तोहर देवता जीवित छथि।” आ, “बेरशेबाक प्रथा जीवित अछि।” ओ सभ खसि पड़त, आ फेर कहियो नहि उठत।

जे झूठ शपथ लेत ओकरा प्रभु दंड देथिन।

1: भगवान् केर उपहास नहि होयत आ हुनकर निर्णय तेज आ निश्चित होयत।

2: झूठ देवता पर भरोसा नहि करू, कारण अंत मे ओ सभ अहाँ केँ नहि बचाओत।

1: व्यवस्था 6:13 अहाँ अपन परमेश् वर यहोवा सँ डेरब, हुनकर सेवा करब आ हुनकर नामक शपथ करब।

2: यशायाह 45:23 हम अपन शपथ खा लेने छी जे, हमर मुँह सँ धार्मिकता मे ई वचन निकलि गेल अछि, आ घुरि क’ नहि आओत, जे हमरा सामने सभ ठेहुन झुकत, सभ जीह शपथ करत।

आमोस अध्याय 9 पुस्तक के समापन विनाश आरू पुनर्स्थापन के दर्शन के साथ करै छै। अध्याय में इस्राएल पर ओकरऽ पापऽ के लेलऽ न्याय के निश्चितता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, लेकिन परमेश्वर के लोगऽ के भविष्य के पुनर्स्थापन के आशा के झलक भी देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा दर्शन स होइत अछि जे भगवान वेदी के बगल में ठाढ़ छथि, जे हुनकर उपस्थिति आ न्याय के प्रतीक छथि | देश आरू ओकरऽ निवासी बहुत उथल-पुथल आरू विनाश के अनुभव करतै, जेकरा स॑ कोय भी नै बच॑ सकै छै (आमोस ९:१-६)।

2nd Paragraph: अध्याय में ई बात के खुलासा करलऽ गेलऽ छै कि भले ही लोग समुद्र के गहराई में नुकाय के कोशिश कर॑ या आकाश में चढ़ी जाय, लेकिन परमेश्वर के न्याय ओकरा खोजी लेतै। इस्राएल के शत्रु के जाति नष्ट होय जैतै, लेकिन इस्राएल सजा स॑ नै बची जैतै (आमोस ९:७-१०)।

तेसर पैराग्राफ: अध्याय आशा आ बहाली के संदेश दिस शिफ्ट भ गेल अछि। न्याय के बावजूद परमेश् वर इस्राएल के भाग्य के बहाल करै के वादा करै छै। ओ हुनका सभक शहर सभक पुनर्निर्माण करताह, निर्वासित सभ केँ वापस अनताह आ हुनका सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देताह (आमोस 9:11-15)।

संक्षेप मे, २.
आमोस अध्याय 9 पुस्तक के समापन विनाश आरू पुनर्स्थापन के दर्शन के साथ करै छै, जेकरा में इस्राएल पर ओकरऽ पापऽ के लेलऽ न्याय के निश्चितता के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, लेकिन ओकरऽ भविष्य के पुनर्स्थापन के आशा भी देलऽ गेलऽ छै ।

वेदी के बगल में खड़ा भगवान के दर्शन, जे हुनकऽ उपस्थिति आरू न्याय के प्रतीक छेकै ।
भूमि आ ओकर निवासी पर पैघ उथल-पुथल आ विनाशक भविष्यवाणी।
भगवान केरऽ न्याय केरऽ निश्चितता वू लोगऽ तक पहुँचै छै जे छिपै के कोशिश करै छै या भागै के कोशिश करै छै ।
इजरायल के दुश्मन के विनाश के आश्वासन, लेकिन इजरायल सजा स॑ नै बची सकै छै ।
आशा आ बहाली के संदेश दिस शिफ्ट भ जाउ।
परमेश् वरक प्रतिज्ञा जे इस्राएलक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करब, ओकर शहर सभक पुनर्निर्माण करब, निर्वासित सभ केँ वापस अनब आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देब।

आमोस केरऽ ई अध्याय विनाश आरू पुनर्स्थापन केरऽ दर्शन के साथ पुस्तक के समापन करै छै । अध्याय के शुरुआत वेदी के बगल में खड़ा परमेश्वर के दर्शन स॑ होय छै, जे हुनकऽ उपस्थिति आरू आसन्न न्याय के प्रतीक छेकै । भूमि आ ओकर निवासी बहुत उथल-पुथल आ विनाशक अनुभव करत, जाहि मे कियो नहि बचि सकैत अछि। भले लोक समुद्रक गहींर मे नुकाबय के कोशिश करय या आकाश मे चढ़य, परमेश् वरक न्याय ओकरा सभ केँ पाबि लेत। इस्राएल के शत्रु के जाति नष्ट होय जैतै, लेकिन इस्राएल सजा सॅ नै बची जैतै। मुदा, अध्याय तखन आशा आ बहाली के संदेश दिस बढ़ैत अछि. न्याय के बावजूद परमेश् वर इस्राएल के भाग्य के बहाल करै के वादा करै छै। ओ हुनका सभक नगर सभ केँ फेर सँ बनाओत, निर्वासित सभ केँ वापस अनताह आ ओकरा सभ केँ भरपूर आशीर्वाद देताह। ई अध्याय आज्ञा नै मानला के परिणाम के याद दिलाबै के काम करै छै, लेकिन परमेश्वर के लोग के भविष्य के पुनर्स्थापन के आशा के झलक भी दै छै।

आमोस 9:1 हम परमेश् वर केँ वेदी पर ठाढ़ देखलियनि, आ ओ कहलनि, “बाड़क पाँति केँ मारि दियौक जाहि सँ खंभा हिल जाय। हम ओकरा सभ मे सँ अंतिम केँ तलवार सँ मारि देब, जे ओकरा सभ सँ भागैत अछि से नहि भागत आ जे ओकरा सभ सँ बचैत अछि से नहि मुक्त होयत।”

परमेश् वर आमोस केँ आज्ञा दैत छथि जे हुनकर आज्ञा मानय सँ मना करय बला लोक सभ केँ नष्ट कऽ दियौक, आ कियो नहि बचि सकैत अछि आ ने बचि सकैत अछि।

1. विश्वास मे बाधा के दूर करब: आमोस के कहानी

2. आमोसक किताब मे परमेश् वरक न्याय आ दया

1. यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2. रोमियो 8:31-39 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देताह? परमेश् वरक चुनल गेल विरुद्ध के कोनो आरोप लगाओत? ई भगवान् छथि जे धर्मी ठहराबैत छथि। केकरा निन्दा करबाक अछि? मसीह यीशु वैह छथि जे एहि सँ बेसी मरि गेलाह, जे जीबि उठल छथि जे परमेश् वरक दहिना कात छथि, जे सचमुच हमरा सभक लेल बिनती कऽ रहल छथि। मसीहक प्रेम सँ हमरा सभ केँ के अलग करत? की कष्ट, विपत्ति, सताब, अकाल, वा नंगटेपन, आकि खतरा वा तलवार?

आमोस 9:2 भले ओ सभ नरक मे खोदत, मुदा ओतहि सँ हमर हाथ ओकरा सभ केँ ल’ जायत। जँ ओ सभ स् वर्ग मे चढ़ि जायत, मुदा हम ओकरा सभ केँ ओतय सँ उतारब।

गलत काज करय वाला के भगवान् देखभाल करताह, चाहे ओ कतबो दूर नुकाबय लेल जाथि।

1. भगवानक प्रेम आ न्यायक पहुँच सँ बाहर कियो नहि अछि।

2. हमर सभक अन्हार क्षण मे सेहो भगवान् एखनो नियंत्रण मे छथि।

1. भजन 139:7-12

2. यशायाह 45:21-22

आमोस 9:3 जँ ओ सभ कर्मेलक चोटी मे नुकायल रहत, मुदा हम ओकरा सभ केँ खोजि क’ ओतय सँ बाहर निकालब। समुद्रक तल मे जँ ओ सभ हमरा नजरि सँ नुकायल रहत, मुदा हम ओतय सँ साँप केँ आज्ञा देब जे ओ ओकरा सभ केँ काटि लेत।

प्रभु दुष्टक खोज करताह आ सजा देताह, चाहे ओ कतहु नुका क' रहथि।

1. भगवान सर्वज्ञ आ सर्वशक्तिमान छथि: हुनक न्यायक आश्वासन

2. नुकाबय के कोनो जगह नहि: भगवान के सर्वव्यापी न्याय

1981

1. भजन 139:7-12

2. यशायाह 45:21-24

आमोस 9:4 जँ ओ सभ अपन शत्रु सभक समक्ष बंदी मे चलि जायत, मुदा हम ओतहि सँ तलवार केँ आज्ञा देब, आ ओ ओकरा सभ केँ मारि देत।

परमेश् वर हुनका प्रति अविश्वासी के सजा देथिन, भले ही हुनका शत्रु द्वारा बंदी बनाओल जाय।

1. परमेश् वरक दंड न्यायसंगत अछि - आमोस 9:4

2. अविश्वास के परिणाम - आमोस 9:4

1. व्यवस्था 28:15 - "मुदा जँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आवाज नहि सुनब आ हुनकर सभ आज्ञा आ नियमक पालन करब जे हम आइ अहाँ केँ आज्ञा दैत छी, तँ ई सभ शाप अछि।" तोरा पर आबि कऽ तोरा पकड़ि लेत।”

2. यिर्मयाह 24:9 - "हम ओकरा सभ केँ ओहि सभ ठाम सौंपि देब जे ओकरा सभक आहतक कारणेँ पृथ् वीक सभ राज्य मे हटा देल जाय, जाहि ठाम हम ओकरा सभ केँ भगा देब।" " .

आमोस 9:5 सेना सभक परमेश् वर प्रभु छथि जे देश केँ छूबैत छथि आ ओ पिघलि जायत आ ओहि मे रहनिहार सभ शोक करताह। आ मिस्रक जलप्रलय जकाँ डूबि जायत।

प्रभु ओहि देश केँ छूबि लेताह आ ओ पिघलि जायत, जाहि सँ ओतय रहनिहार सभ शोक मनाओत आ जलप्रलय जकाँ, मिस्रक जलप्रलय जकाँ डूबि जायत।

1: परमेश् वरक न्याय ओहि सभ पर होयत जे हुनकर विरोध करैत छथि आ अधर्म मे जीबैत छथि।

2: हम सब भारी कठिनाइ के सामना करैत सेहो भगवान के शक्ति पर भरोसा क सकैत छी।

1: यशायाह 43:2 जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

2: भजन 46:1 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक।

आमोस 9:6 ओ अछि जे अपन कथा सभ केँ स् वर्ग मे बनबैत अछि आ पृथ् वी मे अपन दल केँ स्थापित करैत अछि। जे समुद्रक पानि केँ बजबैत अछि आ ओकरा पृथ्वी पर उझलि दैत अछि।

प्रभु शक्तिशाली छथि आ ओ आकाश आ पृथ्वी के सृजन करैत छथि आ समुद्र के पानि के बजा क धरती पर उझलि दैत छथि |

1. प्रभु के शक्ति: सृष्टि के चमत्कार के अन्वेषण

2. आस्था के नींव के निर्माण: सर्वशक्तिमान के प्रति भक्ति बढ़ाना

1. उत्पत्ति 1:1 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ् वी केँ सृष्टि कयलनि

2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

आमोस 9:7 हे इस्राएलक सन्तान, की अहाँ सभ हमरा लेल इथियोपियाक सन् तान जकाँ नहि छी? प्रभु कहैत छथि। की हम इस्राएल केँ मिस्र देश सँ नहि निकालने छी? आ पलिस्ती सभ कप्तोर सँ आ अरामी सभ किर सँ?

परमेश् वर इस्राएल केँ मिस्र देश सँ, पलिश् ती सभ केँ कप्तोर सँ आ अरामी सभ केँ किर सँ अनने छथि। ओ पुछै छै जे की ओ सभ ओकरा लेल इथियोपियाक बच्चा जकाँ नै छै।

1. भगवान् हमर उद्धारक आ प्रदाता छथि - कोना भगवान् हमरा सभक इंतजाम केने छथि आ इतिहास भरि मे हमरा सभक अनुग्रह केने छथि

2. भगवानक सार्वभौमिक प्रेम - अपन सभ संतानक प्रति हुनकर प्रेम, चाहे ओकर पृष्ठभूमि कोनो हो

1. निष्कासन 3:7-8 - प्रभु कहलथिन, “हम मिस्र मे अपन लोकक कष्ट देखलहुँ आ ओकर सभक काजक मालिक सभक कारणेँ ओकर पुकार सुनलहुँ। कारण, हम हुनका सभक दुःख केँ जनैत छी। हम ओकरा सभ केँ मिस्रवासी सभक हाथ सँ बचाबय लेल उतरल छी आ ओहि देश सँ ओकरा सभ केँ नीक देश आ पैघ देश मे, दूध आ मधु सँ बहय बला देश मे लऽ जेबाक लेल उतरलहुँ।

2. प्रेरित 10:34-35 - तखन पत्रुस अपन मुँह खोलि कऽ कहलथिन, “हम सत्ते बुझैत छी जे परमेश् वर कोनो व्यक्तिक आदर नहि करैत छथि।

आमोस 9:8 देखू, प्रभु परमेश् वरक नजरि पापपूर्ण राज्य पर अछि, आ हम ओकरा पृथ्वी पर सँ नष्ट कऽ देब। मुदा हम याकूबक घराना केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट नहि करब, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर परमेश् वर इस्राएलक पापपूर्ण राज्य पर नजरि राखि रहल छथि, आ याकूबक घराना केँ बख्शैत ओकरा पृथ्वी पर सँ नष्ट कऽ देताह।

1. प्रभु देखैत छथि: हुनकर उपस्थिति आ हुनकर निर्णयक स्मरण

2. भगवानक दया: हुनक करुणा आ कृपाक अध्ययन

1. यशायाह 1:18-20 - भले अहाँ सभक पाप लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै।

2. इजकिएल 18:20-23 - जे आत्मा पाप करत, ओ मरत। बेटा पिताक अधर्म नहि उठाओत आ ने पिता पुत्रक अधर्म सहन करत।

आमोस 9:9 देखू, हम आज्ञा देब, आ हम इस्राएलक घराना केँ सभ जाति मे छानब, जेना चाननी मे छानल जाइत अछि, तइयो पृथ्वी पर कनिको अनाज नहि खसत।

परमेश् वर इस्राएल के घराना के सब जाति के बीच छानतै, ई सुनिश्चित करतै कि एको दाना नै खतम होय जाय।

1. इस्राएल के घराना के छानने में परमेश् वर के प्रभुत्व

2. अपन लोकक संरक्षण मे भगवानक निष्ठा

1. यिर्मयाह 31:10 - "हे जाति सभ, प्रभुक वचन सुनू, आ दूरक तट पर एकर प्रचार करू। कहू जे, जे इस्राएल केँ छिड़िया देलक, ओकरा जमा करत, आ ओकरा ओहिना राखत जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ पोसैत अछि।'

2. भजन 121:3-4 - ओ अहाँक पैर नहि हिलय देत; जे अहाँकेँ राखत, से नींद नहि लागत। देखू, जे इस्राएलक रक्षा करैत अछि, से ने सुतत आ ने सुतत।

आमोस 9:10 हमर प्रजाक सभ पापी तलवार सँ मरत जे कहैत अछि जे, “अधलाह हमरा सभ केँ नहि पकड़त आ नहि रोकत।”

परमेश् वर चेतावनी दैत छथि जे हुनकर लोकक सभ पापी केँ तलवार सँ मृत्युक सजा भेटतनि, कारण हुनका सभक गलत विश्वास छनि जे हुनका सभ पर बुराई नहि आबि जायत।

1983

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे अपन पाप मे संतुष्ट नहि रहू, कारण ओ हमरा सभ केँ बिना सजाय नहि छोड़ताह।

2. हमरा सभ केँ पश्चाताप करबाक चाही आ अपन पापक लेल परमेश् वर सँ क्षमा करबाक चाही नहि तँ परिणामक सामना करबाक चाही।

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

आमोस 9:11 ओहि दिन हम दाऊदक तम्बू जे खसल अछि ओकरा ठाढ़ करब आ ओकर फाटल सभ केँ बंद करब। हम ओकर खंडहर केँ ठाढ़ करब आ ओकरा पहिने जकाँ बना लेब।

परमेश् वर दाऊदक तम्बू केँ पुनर्स्थापित करबाक आ ओकरा फेर सँ बनाबय के वादा करैत छथि जेना पहिने छल।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

2. भगवान् के निष्ठा

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. भजन 138:8 - हमरा जे किछु अछि से प्रभु सिद्ध करताह, हे प्रभु, अहाँक दया अनन्त काल धरि रहत, अपन हाथक काज नहि छोड़ू।

आमोस 9:12 जाहि सँ ओ सभ एदोमक शेष लोक आ हमर नाम सँ बजाओल गेल सभ जाति केँ अपना मे समेटि लेत।

भगवान् अपन नाम पजाबय वाला सब के बचा लेताह आ ओकरा नव घर देथिन।

1: भगवान् हमरा सभकेँ बचाओत आ नव घरक व्यवस्था करताह।

2: प्रभु के नाम पुकारै वाला सब के उद्धार होयत आ नव घर के आशीर्वाद भेटत।

1: रोमियो 10:13 - "किएक तँ जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, ओकरा उद्धार भेटतैक।"

2: यशायाह 43:7 - "ओहो जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, किएक तँ हम ओकरा अपन महिमा लेल बनौने छी, हम ओकरा बनौने छी; हँ, हम ओकरा बनौने छी।"

आमोस 9:13 देखू, एहन दिन आबि रहल अछि, जखन हल करय बला फसल काटनिहार केँ पकड़ि लेत, आ अंगूर रौदनिहार बीया बोनिहार केँ पकड़ि लेत। पहाड़ सभ मे मधुर मदिरा खसत आ सभ पहाड़ी पिघलि जायत।

भगवान् वचन दैत छथि जे एहन दिन आबि रहल अछि जखन फसल भरपूर होयत आ जमीन मे मीठ शराबक उत्पादन होयत।

1. परमेश् वरक प्रचुरताक प्रतिज्ञा: प्रभुक आशीर्वाद हमरा सभक संघर्षसँ कोना बेसी अछि

2. विश्वासक फल कटब: जे बोबैत छी से कोना काटि लैत छी

1. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने हुनकर राज्य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ सेहो देल जायत।

2. यूहन्ना 4:35-38 - की अहाँ ई नहि कहैत छी जे, 'चारि मास आओर तखन फसल'? हम कहैत छी, आँखि खोलि क' खेत दिस देखू! फसलक लेल पाकि गेल अछि।

1984

आमोस 9:14 हम अपन इस्राएलक लोक सभक बंदी केँ फेर सँ आनि देब, आ ओ सभ उजाड़ नगर सभ केँ बनाओत आ ओहि मे निवास करत। ओ सभ अंगूरक बाग लगाओत आ ओकर मदिरा पीत। ओ सभ गाछी-बिरछी सेहो बनाओत आ ओकर फल खा लेत।

परमेश् वर इस्राएल राष्ट्र केँ पुनर्स्थापित करताह, जाहि सँ ओ सभ अपन शहर सभक पुनर्निर्माण करथि, अंगूरक बाग़क खेती करथि आ बगीचाक खेती करथि आ अपन उपजक आनंद लेताह।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापन: मोक्षक आशीषक अनुभव

2. आपदा के बाद पुनर्निर्माण: नवीकरण के आशा के अनुभव

1. यशायाह 43:18-19 पहिने के बात पर नहि मोन राखू आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी। आब ई झरझरा उठैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब आ मरुभूमि मे नदी मे।

2. भजन 126:1-2 जखन प्रभु सिय्योनक भाग्य केँ पुनर्स्थापित कयलनि तखन हम सभ सपना देखनिहार सभ जकाँ छलहुँ। तखन हमरा सभक मुँह हँसी सँ भरल आ जीह मे आनन्दक चिचियाहटि।

आमोस 9:15 हम ओकरा सभ केँ ओकर सभक देश मे रोपब, आ ओकरा सभ केँ आब ओहि देश सँ नहि निकालल जायत जे हम ओकरा सभ केँ देने छी।”

परमेश् वर अपन लोक केँ ओकर भूमि मे रोपबाक आ ओकरा उखाड़ल जेबा सँ बचाबय के वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: अटल आ अटूट

2. भगवानक प्रेम मे अपन जड़ि स्थापित करब

1. भजन 37:3 प्रभु पर भरोसा करू, आ नीक काज करू। तेना अहाँ ओहि देश मे रहब आ सत्ते पेट भरब।”

2. यिर्मयाह 29:11 किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, भलाईक योजना अछि।

ओबदिया एकटा छोट सन पोथी अछि जाहि मे एकटा अध्याय अछि जे एदोम राष्ट्रक विरुद्ध भविष्यवाणी पर केंद्रित अछि | ई एदोमी लोगऽ के घमंड, अहंकार आरू हिंसा पर प्रकाश डालै छै आरू इस्राएल के साथ ओकरऽ दुर्व्यवहार के कारण ओकरा सिनी पर न्याय के फैसला करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ओबदिया के दर्शन के घोषणा स होइत अछि। प्रभु प्रकट करै छै कि हुनी जाति सिनी के बीच एगो दूत भेजलकै कि हुनी एदोम के खिलाफ उठै। एदोमी लोगऽ क॑ घमंडी आरू अपनऽ पहाड़ी गढ़ऽ के सुरक्षा म॑ रह॑ वाला के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै (ओबदिया १:१-४)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे एदोम के पाप आ अहंकार के उजागर कयल गेल अछि | एदोमी लोगऽ प॑ आरोप छै कि वू इजरायल केरऽ दुर्भाग्य प॑ गड़बड़ी करी रहलऽ छै, अपनऽ ही भाई के साथ धोखा करी रहलऽ छै आरू इजरायल केरऽ संकट के फायदा उठाबै छै । हुनका सभ केँ चेतावनी देल गेल छनि जे हुनकर घमंड आ हिंसा हुनकर पतन दिस ल’ जायत (ओबदिया 1:10-14)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में एदोम पर ओकरोॅ काम के लेलऽ न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै। प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि, आ एदोम केँ इस्राएलक संग ओकर हिंसा आ दुर्व्यवहारक बदला भेटतैक। ओकर सहयोगी ओकरा सभ केँ छोड़ि देत, आओर ओ सभ उजाड़ आ नष्ट भ’ जायत (ओबदिया 1:15-18)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के लेलऽ आशा के संदेश के साथ होय छै । इस्राएलक लोक एदोम देश पर कब्जा कऽ लेत आ राज्य प्रभुक होयत। इस्राएल के पुनर्स्थापित करलऽ जैतै, आरू उद्धारकर्ता सिनी एसाव के पहाड़ऽ के न्याय करै लेली सियोन पहाड़ पर आबै वाला छै (ओबदिया १:१९-२१)।

संक्षेप मे, २.
ओबदिया अध्याय 1 एदोम के खिलाफ भविष्यवाणी पर केंद्रित छै, जेकरा में ओकरऽ घमंड, अहंकार आरू हिंसा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, आरू इस्राएल के साथ ओकरऽ दुर्व्यवहार के कारण ओकरा पर न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै।

ओबदिया के दर्शन के घोषणा आरू एदोम के खिलाफ दूत के उदय।
इस्राएल के प्रति एदोम के पाप, अहंकार आरू विश्वासघात के उजागर करना।
हुनकऽ घमंड आरू हिंसा के परिणामस्वरूप पतन के चेतावनी ।
हुनका लोकनिक काजक लेल एदोम पर न्यायक घोषणा।
प्रभु के दिन के प्रतिज्ञा आरू एदोम के हिंसा के प्रतिफल।
इस्राएल के बहाली आरू एदोम के भूमि पर कब्जा करै के आशा के संदेश।

ओबदिया के ई अध्याय एदोम के खिलाफ भविष्यवाणी पर केंद्रित छै, जे एगो राष्ट्र छेकै जे अपनऽ घमंड, अहंकार आरू इस्राएल के साथ दुर्व्यवहार के लेलऽ जानलऽ जाय छै। अध्याय के शुरुआत ओबदिया के दर्शन के घोषणा स॑ होय छै, जेकरा म॑ प्रभु अदोम के खिलाफ उठै लेली जाति- जाति के बीच एगो दूत भेजै छै। एदोमी लोगऽ क॑ घमंडी के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे सुरक्षा लेली अपनऽ पहाड़ी गढ़ऽ प॑ निर्भर छै । अध्याय में हुनकऽ पाप आरू अहंकार के पर्दाफाश करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में आरोप लगैलऽ गेलऽ छै कि हुनी इस्राएल के दुर्भाग्य पर खुश छै आरू अपनऽ ही भाई के साथ धोखा करै छै । हुनका सब के चेतावनी देल गेल अछि जे हुनकर घमंड आ हिंसा हुनकर पतन के तरफ ल जायत। अध्याय मे एदोम पर ओकर सभक काजक लेल न्यायक घोषणा कयल गेल अछि, जखन कि प्रभुक दिन नजदीक आबि गेल अछि। एदोम के ओकर हिंसा के बदला मिलतै, ओकरोॅ सहयोगी सिनी द्वारा छोड़ी देलऽ जैतै, आरो उजाड़ आरो नष्ट करी देलऽ जैतै। लेकिन, अध्याय के समापन इस्राएल के लेलऽ आशा के संदेश के साथ होय छै । इस्राएलक लोक एदोम देश पर कब्जा कऽ लेत आ राज्य प्रभुक होयत। इस्राएल केँ पुनर्स्थापित कयल जायत, आ उद्धारकर्ता सभ सियोन पहाड़ पर एसावक पहाड़ सभक न्याय करबाक लेल आबि जायत। ई अध्याय घमंड आरू दुर्व्यवहार के परिणाम के याद दिलाबै के काम करै छै, जबकि इजरायल लेली बहाली आरू न्याय के आशा भी दै छै ।

ओबदियाह 1:1 ओबदियाक दर्शन। परमेश् वर परमेश् वर एदोमक विषय मे ई कहैत छथि। हम सभ परमेश् वरक दिस सँ एकटा अफवाह सुनलहुँ आ गैर-जातिक बीच एकटा राजदूत पठाओल गेल अछि जे, “उठू आ हम सभ ओकरा सँ युद्ध मे उठि जाउ।”

प्रभु ओबदिया के एदोम के बारे में एक दर्शन प्रकट करै छै, जेकरा में गैर-यहूदी सिनी कॅ ओकरा सिनी के खिलाफ लड़ाई में उठै के आह्वान करै छै।

1. प्रभुक वचनक शक्ति: प्रभुक आह्वानक आज्ञापालन कोना विजय दिस ल' सकैत अछि

2. मजबूत ठाढ़ रहब: प्रतिकूलताक सामना करैत कोना वफादार रहब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. लूका 18:1 - ओ हुनका सभ केँ एहि लेल एकटा दृष्टान्त कहलनि जे, मनुष् य केँ सदिखन प्रार्थना करबाक चाही, आ बेहोश नहि रहबाक चाही।

ओबदिया 1:2 देखू, हम अहाँ केँ गैर-यहूदी सभक बीच छोट क’ देलहुँ, अहाँ केँ बहुत तिरस्कृत कयल गेल अछि।

भगवान् अपन लोक के नम्र बना देने छथि आ ओ सब बहुत तिरस्कार कयल जाइत छथि |

1. परमेश् वरक लोकक विनम्रता: परमेश् वरक आँखि सँ संसार केँ देखब सीखब

2. विनम्रताक मूल्य: जे सच्चा सम्मान आ सम्मान दैत अछि ओकरा चिन्हब

1. याकूब 4:10; प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तँ ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. जकरयाह 4:6; पराक्रम सँ नहि, आ ने सामर्थ्य सँ, बल् कि हमर आत् मा सँ, सेना सभक प्रभु कहैत छथि।

ओबदिया 1:3 हे चट्टानक दरार मे रहनिहार, जकर आवास ऊँच अछि, तोहर हृदयक घमंड अहाँ केँ धोखा देलक। जे मोन मे कहैत अछि जे, “हमरा के जमीन पर उतारत?”

ओबदिया घमंडी लोक के चेताबैत छथि जे हुनकर अहंकार हुनकर पतन होयत।

1. घमंड केँ धोखा नहि दियौक - ओबदिया 1:3

2. अहंकार के खतरा - ओबदिया 1:3

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

ओबदिया 1:4 भले अहाँ अपना केँ गरुड़ जकाँ ऊपर उठाबी आ तारा सभक बीच अपन खोंता राखब, मुदा हम अहाँ केँ ओतहि सँ उतारब, परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् लोक केँ घमंड नहि करय देताह आ अपना केँ अपना सँ ऊपर नहि बुझय देताह।

1: घमंड खसबा स पहिने अबैत अछि।

2: अपन भरोसा अपना पर नहि राखू, असगर भगवान पर राखू।

1: नीतिवचन 16:18 - "अहंकार विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।"

2: भजन 146:3 - "अपन कोनो राजकुमार पर भरोसा नहि करू आ ने मनुष्यक बेटा पर, जिनका मे कोनो सहायता नहि अछि।"

ओबदिया 1:5 जँ चोर अहाँक लग आबि जाइत छल, जँ राति मे डकैत आबि जाइत छल, (तोरा कोना काटि देल गेल अछि!) त’ की ओ सभ चोरी नहि करितथि जा धरि ओकरा सभक भरमार नहि भ’ जाइत? जँ अंगूर बटोरनिहार सभ अहाँ लग आबि गेल तँ की ओ सभ किछु अंगूर नहि छोड़ि देत?

चोर आ डकैत सभ एदोमक लोक सभ लग आबि गेल अछि आ ओकर सभटा सम्पत्ति लऽ गेल अछि। अंगूर बटोरनिहार सेहो किछु नहि छोड़ल अछि।

1. लोभक खतरा: बेसी प्राप्त करबाक जुनून हमरा सभक पतन कोना पहुँचा सकैत अछि।

2. संतोषक आशीर्वाद: पर्याप्त रहला मे शांति आ आनन्द भेटब।

1. नीतिवचन 15:16-17 - प्रभुक भय सँ कनि नीक अछि, ओहि सँ पैघ धन आ संकट सँ नीक। जड़ी-बूटीक रात्रिभोज जतय प्रेम हो, ओहि ठाम ठमकल बैल आ ओहि सँ घृणा सँ नीक।

2. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ रहब दुनू जनैत छी, आ प्रचुर रहब सेहो जनैत छी: हर जगह आ सभ बात मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक, प्रचुर रहबाक आ आवश्यकता भोगबाक दुनू निर्देश देल गेल अछि। हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

ओबदिया 1:6 एसावक बात कोना खोजल जाइत अछि! ओकर नुकायल चीज कोना खोजल जाइत छैक!

प्रभु एसावक नुकायल बात सभ केँ खोजि रहल छथि।

1. परमेश् वरक सर्वज्ञता: एसावक नुकायल बात सभक खोज करब

2. कर्म के परिणाम: एसाव के कर्म के खोज कयल जा रहल अछि

1. यिर्मयाह 17:10 - "हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी आ मन केँ परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन कर्मक फलक अनुसार अपन मार्गक अनुसार द' सकब।"

2. इब्रानी 4:13 - "आ कोनो प्राणी ओकर नजरि सँ नुकायल नहि अछि, मुदा सभ नंगटे अछि आ ओकर आँखि मे उजागर अछि जकरा हमरा सभ केँ हिसाब देबाक चाही।"

ओबदिया 1:7 तोहर संघक सभ लोक तोरा सीमा धरि पहुँचा देलक। तोहर रोटी खायबला सभ तोहर नीचाँ घाव लगा देने अछि।

ई अंश एक ऐन्हऽ समय के बात करै छै जब॑ जे लोग कोनो व्यक्ति के साथ वाचा में छेलै, ओकरा साथ धोखा करी क॑ ओकरा बहुत नुकसान पहुँचैलकै ।

1: हमरा सभकेँ ओहिसँ सावधान रहबाक चाही जे हमर सभक मित्र हेबाक नाटक करैत अछि।

2: जे हमरा सभक संग वाचा मे रहबाक दावा करैत छथि, हुनका सभ सँ सावधान रहू, कारण ओ सभ हमरा सभ केँ नुकसान पहुँचा सकैत अछि।

1: नीतिवचन 26:24-26 "जे घृणा करैत अछि, ओ अपन ठोर सँ छल-प्रपंच करैत अछि आ अपन भीतर धोखा जमा करैत अछि; जखन ओ नीक बजैत अछि तखन ओकरा पर विश्वास नहि करू दुष्टता पूरा मंडली के सामने देखाओल जायत।”

2: भजन 41:9 "हँ, हमर अपन परिचित मित्र, जकरा पर हम भरोसा केने रही, जे हमर रोटी खाइत छल, ओ हमरा पर अपन एड़ी उठौलक।"

ओबदिया 1:8 की हम ओहि दिन एदोम सँ बुद्धिमान आ एसावक पहाड़ सँ बुद्धिमान लोकनि केँ नहि नष्ट करब?

परमेश् वर एदोमक बुद्धिमान आ समझदार सभक न्याय करताह।

1. ज्ञानी के अतिविश्वास: ओबदिया 1:8 के अध्ययन

2. घमंडी पर न्याय: ओबदिया 1:8 पर एकटा चिंतन

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. याकूब 4:6-7 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि | तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

ओबदिया 1:9 हे तेमान, तोहर पराक्रमी सभ एतेक त्रस्त भ’ जेताह जे एसावक पहाड़क प्रत्येक लोक वध द्वारा नष्ट भ’ जायत।

एसावक तेमानक पराक्रमी सभ केँ नष्ट कयल जायत जाहि सँ एसावक समस्त पहाड़ केँ सफाया कयल जायत।

1. विद्रोहक परिणाम: एसावक पराक्रमी लोक सभक परमेश् वरक दंड

2. भगवान् के सार्वभौमिकता: ईश्वरीय न्याय के समझना

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

2. इब्रानी 10:30 - "किएक तँ हम सभ ओकरा जनैत छी जे कहने छल जे बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, आ फेर, प्रभु अपन लोक सभक न्याय करताह।"

ओबदिया 1:10 किएक तँ अहाँक भाइ याकूबक विरुद्ध अहाँक हिंसा अहाँकेँ लज्जित करत आ अहाँ सदाक लेल कटैत रहब।

1988

ई अंश अपनऽ भायऽ पर अत्याचार करै वाला सिनी प॑ परमेश् वर केरऽ न्याय के बात करै छै ।

1:परमेश् वरक न्याय न्यायसंगत अछि आ अपन भाइ सभक विरुद्ध उल्लंघन करयवला सभ केँ देल जायत।

2: भगवान् केर कृपा आ दया ओहि पर पसरल अछि जे अत्याचारी अछि, ओकर अत्याचारी पर नहि।

1: याकूब 2:13 कारण, जे कोनो दया नहि केने अछि, ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

2: रोमियो 12:19 प्रिय मित्र लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, “प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।”

ओबदिया 1:11 जाहि दिन अहाँ दोसर कात ठाढ़ छलहुँ, जाहि दिन परदेशी सभ हुनकर सेना केँ बंदी बना लेलक, आ परदेशी सभ हुनकर फाटक मे घुसि गेल आ यरूशलेम पर चिट्ठी मारलक, तखन अहाँ ओहि मे सँ एक जकाँ छलहुँ।

परदेशी सभ यरूशलेमक सेना सभ केँ लऽ कऽ नगर पर चिट्ठी लगा देलक। ओबदिया ओहि सभ केँ डाँटैत छथि जे दोसर दिस छल आ अनजान लोकक हिस्सा छल।

1. पापक लेल परमेश् वरक अनुशासन आ डाँट - ओबदिया 1:11

2. गलत पक्ष पर ठाढ़ रहबाक खतरा - ओबदिया 1:11

1. यशायाह 45:9 - धिक्कार अछि जे अपन निर्माताक संग झगड़ा करैत अछि! कुम्हार धरतीक कुम्हारक संग प्रयास करय। की माटि ओकरा बनबैबला केँ कहतैक जे, “अहाँ की बनबैत छी?” आकि तोहर काज, ओकरा हाथ नहि छैक?

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

ओबदिया 1:12 मुदा अहाँ केँ अपन भाय ओहि दिन नहि देखबाक चाही छल जाहि दिन ओ परदेशी भेलाह। आ ने तोरा यहूदाक संतान सभक विनाशक दिन पर आनन्दित होयब। आ ने अहाँ विपत्तिक दिन गर्व सँ बाजितहुँ।

ओबदिया दोसरक कष्ट पर आनन्दित नहि होबय के चेतावनी देलनि, खास क' जखन ओ विपत्ति मे होथि।

1. दोसरक दुर्भाग्य मे आनन्दित हेबाक खतरा

2. विपत्तिक समय मे करुणा देखाबय के आशीर्वाद

1. मत्ती 5:7 - धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका सभ पर दया कयल जायत।

2. नीतिवचन 17:5 - जे गरीबक उपहास करैत अछि, ओ अपन निर्माताक प्रति तिरस्कार करैत अछि; जे विपत्ति पर गड़बड़ाओत से बेदर्द नहि रहत।

ओबदिया 1:13 हमरा लोकक विपत्तिक दिन अहाँ केँ फाटक मे नहि प्रवेश करबाक चाही छल। हँ, अहाँ केँ हुनका सभक विपत्तिक दिन हुनका सभक दुःख केँ नहि देखबाक चाही छल, आ ने हुनका सभक विपत्तिक दिन हुनका सभक सम्पत्ति पर हाथ राखबाक चाही छल;

ओबदिया चेतावनी दैत छथि जे कोनो एहन लोक मे प्रवेश करू आ ओकर फायदा उठाउ जे दुखी अछि।

1. कमजोर के लाभ उठाबय के विरुद्ध भगवान के चेतावनी

2. विपत्तिक समय मे रहनिहारक प्रति करुणा

1. मत्ती 25:31-46 - यीशु एहि मे सँ छोट-छोट लोकक देखभाल करबाक बारे मे सिखाबैत छथि

2. नीतिवचन 21:13 - जे गरीबक कान मे कान बंद करत, से सेहो चिचियाओत आ ओकर कोनो उत्तर नहि भेटत।

ओबदिया 1:14 आ ने तोरा चौराहा पर ठाढ़ भ’ क’ ओकर बचल लोक सभ केँ काटि नहि देबाक चाही। आ ने ओकर जे सभ विपत्ति मे रहि गेल छल, ओकरा सभ केँ नहि सौंपबाक चाही।

लोक के परेशानी आ कष्ट स बचय स रोकय के कोशिश भगवान के मंजूर नै छैन्ह।

1: हमरा सभकेँ दोसरक उद्धारक बाटमे बाधा नहि ठाढ़ करबाक चाही।

2: हमरा सभकेँ दोसरकेँ आराम आ शांति भेटबासँ रोकबाक प्रयास नहि करबाक चाही।

1: मत्ती 5:44-45 - "अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू आ जे अहाँ सभ केँ सताबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ स् वर्ग मे अपन पिताक पुत्र बनि सकब।"

2: रोमियो 12:17-21 - "ककरो अधलाहक बदला मे अधलाह नहि दियौक। सभक नजरि मे जे उचित अछि से करबा मे सावधान रहू। जँ संभव अछि, जतय धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, त' सभक संग शांति सँ रहू।" हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल्कि भगवानक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि- ‘प्रतिशोध लेब हमर अछि, हम प्रतिफल देब,’ प्रभु कहैत छथि, एकर विपरीत: ‘अहाँ सभक शत्रु जँ भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक; जँ ओकरा प्यास लागल छैक तँ ओकरा किछु पीबय दियौक। एना करबा मे अहाँ ओकर माथ पर जरैत कोयला के ढेर लगा देब।' बुराई पर हावी नहि होउ, बल्कि नीक सँ बुराई पर विजय प्राप्त करू।"

ओबदिया 1:15 किएक तँ परमेश् वरक दिन समस्त जाति पर नजदीक आबि गेल अछि, जेना अहाँ केलहुँ, तेना अहाँक संग सेहो होयत।

परमेश् वरक दिन नजदीक आबि गेल अछि आ सभ केँ अपन काजक अनुसार सजा देल जायत।

1. भगवान न्यायी छथि आ सभ लोकक न्याय उचिते करताह

2. हमरा सभकेँ धार्मिकतासँ जीबए पड़त आ दोसरक लेल न्याय ताकब

२. मुदा जे स्वार्थी महत्वाकांक्षी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, बल् कि अधर्म, क्रोध आ क्रोधक आज्ञा मानैत छथि।

2. गलाती 6:7-8 - धोखा नहि खाउ, परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि; किएक तँ मनुष्य जे किछु बोओत, से काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बीजैत अछि, से शरीर सँ भ्रष्टाचार काटि लेत, मुदा जे आत् माक लेल बीजैत अछि, से आत् मा सँ अनन्त जीवनक काटि लेत।

ओबदिया 1:16 किएक तँ जहिना अहाँ सभ हमर पवित्र पहाड़ पर पीने छी, तहिना सभ जाति नित्य पीबि रहल अछि, हँ, ओ सभ पीत आ निगलत, आ ओ सभ एहन होयत जेना ओ सभ नहि छल।

सब जाति केँ अपन पापक लेल वैह परिणाम भोगय पड़तैक जेना इस्राएली सभ केँ भेल छैक।

1: सब लोक के अपन पापक परिणाम भोगय पड़त, चाहे ओ केओ हो।

2: भगवान् सब लोकक न्याय समान रूप सँ करैत छथि आ कोनो राष्ट्रक प्रति पक्षपात नहि करताह।

1: मत्ती 7:2 - "किएक तँ अहाँ सभ जाहि न्याय सँ न्याय करब, ताहि सँ अहाँ सभक न्याय कयल जायत। आ जाहि नाप सँ अहाँ सभ नापब, से अहाँ सभक लेल फेर सँ नापल जायत।"

2: गलाती 6:7 - "धोखा नहि जाउ; परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, कारण जे किछु मनुष् य बोओत, से ओ काटि सेहो लेत।"

1990

ओबदिया 1:17 मुदा सियोन पहाड़ पर उद्धार होयत आ पवित्रता होयत। याकूबक वंशज अपन सम् पत्ति पर कब्जा कऽ लेत।”

सियोन पहाड़ पर मुक्ति आ पवित्रता भेटि सकैत अछि, आ याकूबक घराना अपन सम्पत्ति प्राप्त करत।

1. सियोन पर्वत पर मुक्ति आ पवित्रताक प्रतिज्ञा

2. याकूब के घर के सही कब्जा

1. यशायाह 1:27 सिय्योन केँ न्याय सँ मुक्त कयल जायत, आ ओकर धर्म परिवर्तन करयवला लोक केँ धार्मिकता सँ मुक्त कयल जायत

2. यशायाह 62:1 हम सियोन के लेल चुप नहि रहब आ यरूशलेम के लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत तक ओकर धार्मिकता चमक के रूप मे नहि निकलत आ ओकर उद्धार एकटा दीपक जकाँ नहि निकलत

ओबदिया 1:18 याकूबक घर आगि आ यूसुफक घर लौ आ एसावक घर कूड़ाक रूप मे होयत, आ ओ सभ ओकरा सभ मे जरि क’ भस्म क’ देत। एसावक घराना मे सँ कियो बचल नहि रहत। किएक तँ परमेश् वर ई बात कहने छथि।

याकूब, यूसुफ आ एसावक वंशज परमेश् वरक न् याय होयत आ एसावक घरक लोकक कोनो शेष नहि।

1. भगवानक न्याय अपरिहार्य अछि

2. भगवान् केर आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. रोमियो 2:5-6 (मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ क्रोधक दिन अपना लेल क्रोध जमा क’ रहल छी जखन परमेश् वरक धार्मिक न्याय प्रगट होयत।)

2. भजन 75:7 (मुदा परमेश् वर छथि जे न्याय करैत छथि, एकटा केँ नीचाँ राखि दोसर केँ ऊपर उठाबैत छथि।)

ओबदिया 1:19 दक्षिणक लोक सभ एसावक पहाड़ पर कब्जा क’ लेत। मैदानक लोक सभ पलिस्ती सभ, एप्रैम आ सामरियाक खेत सभ पर कब्जा कऽ लेताह।

दक्षिणक लोक सभ एसाव, पलिस्ती, एप्रैम आ सामरियाक भूमि पर कब्जा कऽ लेत, जखन कि बिन्यामीन गिलाद पर कब्जा करत।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा सत्य अछि आ पूरा होइत अछि - ओबदिया 1:19

2. परमेश् वरक वफादारी पर भरोसा करबाक महत्व - ओबदिया 1:19

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2. यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

ओबदिया 1:20 इस्राएलक एहि सेना सभक बंदी मे कनानी सभक सेना, सरफात धरि रहत। आ यरूशलेम जे सफराद मे बंदी मे राखल गेल अछि, दक्षिण दिसक नगर सभ पर कब्जा कऽ लेत।

इस्राएलक सन् तान सभ कनान लोकक भूमि सभ पर कब्जा कऽ लेत, जाहि मे सरेफात सेहो छल आ यरूशलेमक बंदी सभ दक्षिणक नगर सभ पर कब्जा कऽ लेत।

1. विश्वास राखू: इस्राएली सभ केँ परमेश् वरक भूमिक प्रतिज्ञा

2. बंदी के समय में भगवान के प्रावधान

1. यहोशू 1:3-5 अहाँ सभक पैरक तलवा जे जगह पर चलत, से हम अहाँ सभ केँ दऽ देलहुँ, जेना हम मूसा केँ कहने रही। जंगल आ एहि लेबनान सँ ल' क' पैघ नदी यूफ्रेटिस नदी धरि, हित्ती सभक समस्त देश आ सूर्यास्तक दिसक महान समुद्र धरि अहाँक तट होयत। अहाँक जीवन भरि केओ अहाँक सोझाँ ठाढ़ नहि भऽ सकैत अछि, जेना हम मूसाक संग छलहुँ, तहिना हम अहाँक संग रहब।

2. 2 कोरिन्थी 8:9 किएक तँ अहाँ सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक कृपा केँ जनैत छी जे ओ धनिक छलाह, मुदा अहाँ सभक लेल ओ गरीब भ’ गेलाह जाहि सँ अहाँ सभ हुनकर गरीबी सँ धनिक भ’ सकब।

ओबदिया 1:21 उद्धारकर्ता सभ सियोन पहाड़ पर चढ़ि क’ एसाव पहाड़ पर न्याय करत। आ राज्य परमेश् वरक होयत।

राज्य प्रभुक होयत आ उद्धारकर्ता सभ सियोन पहाड़ पर चढ़ि क' एसावक पहाड़ पर न्याय करत।

1. परमेश् वरक सार्वभौमत्व: परमेश् वरक राज्य कोना सर्वोपरि राज करत

2. उद्धारकर्ता सभक आगमन: एसावक पहाड़क न्यायक तैयारी

1. यशायाह 11:4-5 - मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत, आ ओ पृथ्वी केँ मुँहक छड़ी सँ मारत आ ठोरक साँस सँ ओ दुष्ट केँ मारि दैत अछि। धर्म ओकर कमरक पट्टी बनत आ विश्वास ओकर लगामक पट्टी बनत।

2. भजन 132:13-14 - किएक तँ परमेश् वर सियोन केँ चुनने छथि। ओकरा अपन आवासक लेल चाहने अछि। ई हमर सदा-सदा विश्राम अछि, हम एतहि रहब। किएक तँ हम एकर इच्छा केने छी।

योना अध्याय १ में योना के कहानी छै, जे एगो भविष्यवक्ता छै जे परमेश् वर के आज्ञा स॑ भागै के कोशिश करै छै कि नीनवे शहर जाय आरू न्याय के संदेश दै छै। अध्याय में योना के आज्ञा नै आज्ञा, समुद्र में आबै वाला तूफान आरू जहाज आरू ओकरऽ चालक दल के बचाबै लेली योना के अंततः बलिदान पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत योना के परमेश् वर के आज्ञा स होइत अछि जे ओ नीनवे के महान शहर जा क ओकर दुष्टता के खिलाफ घोषणा करथि। तथापि, योना आज्ञा नहि मानैत छथि आ प्रभुक सान्निध्य सँ भागि जाइत छथि, एकटा जहाज पर चढ़ि जाइत छथि जे विपरीत दिशा मे जाइत छल (योना 1:1-3)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में एकटा पैघ तूफान के चित्रण अछि जे समुद्र में उठैत अछि, जाहि स जहाज के तोड़य के खतरा अछि। जहाज पर सवार नाविक सब अपन देवता स मदद के लेल पुकारैत अछि, जखन कि योना डेक के नीचा सुतल रहैत अछि (योना 1:4-6)।

3 पैराग्राफ: अध्याय में पता चलैत अछि जे समुद्री यात्री सब चिट्ठी चलाबैत छथि जे आंधी के जिम्मेदार के अछि, आ चिट्ठी योना पर पड़ैत अछि। ओ सभ योना सँ ओकर पहिचान आओर ओकर काजक बारे मे पूछताछ करैत छथि, आओर योना स्वीकार करैत छथि जे ओ परमेश् वर सँ भागि रहल छथि (योना 1:7-10)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय मे नाविक लोकनिक बढ़ैत भय आ हताशाक वर्णन अछि जेना कि तूफान जारी अछि । योना हुनका समुद्र मे फेकि देबाक सुझाव दैत छथिन, ई मानैत जे हुनकर आज्ञा नहि मानब तूफानक कारण अछि। अनिच्छा सँ, नाविक लोकनि योना केँ पानि मे फेकि दैत छथि, आ समुद्र शान्त भ’ जाइत अछि (योना 1:11-15)।

5 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के दया के प्रदर्शन स होइत अछि। एकटा पैघ माछ योना केँ निगलैत अछि, आ ओ तीन दिन आ तीन राति धरि माछक भीतर रहैत अछि (योना 1:17)।

संक्षेप मे, २.
योना के अध्याय 1 में योना के आज्ञा नै मानला के कहानी छै, समुद्र में तूफान आरो जहाज आरू ओकरऽ चालक दल के बचाबै लेली योना के बलिदान के कहानी छै।

परमेश् वरक योना केँ नीनवे जेबाक आज्ञा आ योनाक आज्ञा नहि मानब।

प्रभु के सान्निध्य से भागै के योना के प्रयास।
समुद्र मे जे तूफान उठैत अछि, जहाज केँ खतरा मे डालैत अछि।
नाविक लोकनिक अपन देवताक मददि लेल पुकार आ डेकक नीचाँ सुतल योना।
योना के तूफान के कारण के रूप में पहचानै के लेलऽ चिट्ठी डालना।
योना केरऽ स्वीकारोक्ति आरू परमेश् वर स॑ भागै के स्वीकार करना।
नाविक सभक डर आ योना केँ समुद्र मे फेकबाक सुझाव।
योना के पानी में फेंकला के बाद समुद्र के शांत होय के।
योना के एकटा पैघ माछ निगल गेल आ तीन दिन तीन राति भीतर रहब।

योना के ई अध्याय योना के आज्ञा नै मानला के कहानी आरू ओकरा बाद के परिणाम के बारे में बतैलकै। परमेश् वर योना केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ महान नगर नीनवे मे जा कऽ न्यायक संदेश देथि, मुदा योना आज्ञा नहि मानैत छथि आ प्रभुक सान्निध्य सँ भागबाक प्रयास करैत छथि। ओ विपरीत दिशा मे जा रहल जहाज पर चढ़ि जाइत छथि । मुदा, समुद्र में एकटा पैघ तूफान उठैत अछि, जाहि सं जहाज आ ओकर चालक दल खतरा में पड़ि जाइत अछि. नाविक लोकनि अपनहि देवता सँ मददि लेल पुकारैत छथि, जखन कि योना डेकक नीचाँ सुतैत छथि । अंततः समुद्री यात्री सब के पता चलै छै कि चिट्ठी के माध्यम स॑ तूफान के कारण योना छै । योना अपन आज्ञा नहि मानैत अछि, आ जहाज आ ओकर चालक दल केँ बचाबय लेल बलिदानक काज मे ओ सुझाव दैत अछि जे ओ सभ ओकरा समुद्र मे फेकि दियौक। अनिच्छा सँ मल्लाह सभ योना केँ पानि मे फेकि दैत अछि, आ समुद्र शान्त भ' जाइत अछि। परमेश् वरक दयाक प्रदर्शनक रूप मे एकटा पैघ माछ योना केँ निगलैत अछि, आ ओ तीन दिन तीन राति धरि माछक भीतर रहैत अछि। ई अध्याय में आज्ञा नै मानला के परिणाम के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै आरू परमेश्वर के हस्तक्षेप के माध्यम स॑ मोक्ष आरू दोसरऽ मौका के विषय के परिचय देलऽ गेलऽ छै ।

योना 1:1 परमेश् वरक वचन अमित्तैक पुत्र योना लग आबि गेलनि।

योना क॑ परमेश् वर न॑ नीनवे जाय क॑ पश्चाताप के संदेश दै के मिशन देल॑ छेलै ।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: अपन जीवन में परमेश्वर के इच्छा के पूरा करब

2. परमेश् वरक वचन मे ताकत भेटब: प्रभुक आह्वान सुनब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल हमर योजना सभ जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।

योना 1:2 उठि कऽ नीनवे, ओहि पैघ नगर मे जाउ, आ ओकर विरुद्ध चिचियाउ। किएक तँ हुनका सभक दुष्टता हमरा सोझाँ आबि गेल अछि।”

योना केँ परमेश् वर द्वारा आज्ञा देल गेल छलनि जे ओ नीनवे जाउ आ ओकर सभक दुष्टताक कारणेँ शहरक विरुद्ध प्रचार करथि।

1. प्रचार करबाक आह्वान: योना के परमेश् वरक आज्ञापालन

2. परमेश् वरक न्याय: दुष्टताक परिणाम

1. यशायाह 6:8 - हम परमेश् वरक आवाज सेहो सुनलहुँ जे हम ककरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, “हम एतय छी। हमरा पठाउ।

2. इजकिएल 3:17-19 - मनुष्यक पुत्र, हम अहाँ केँ इस्राएलक घरानाक चौकीदार बना देलहुँ, तेँ हमर मुँह सँ वचन सुनू आ हमरा दिस सँ हुनका सभ केँ चेतावनी दिअ। जखन हम दुष्ट सभ केँ कहैत छी जे, “अहाँ अवश्य मरि जायब।” अहाँ ओकरा कोनो चेतावनी नहि दैत छी आ ने दुष्ट केँ ओकर दुष्ट मार्ग सँ चेताबय लेल बजैत छी जे ओकर जान बचाबय। वएह दुष्ट अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा ओकर खून हम तोहर हाथ सँ माँगब।” तइयो जँ अहाँ दुष्ट केँ चेताबैत छी आ ओ अपन

1993

दुष् टता सँ नहि घुरि जायत आ ने अपन अधलाह बाट सँ, तँ ओ अपन अधर्म मे मरि जायत। मुदा अहाँ अपन प्राण केँ बचा लेलहुँ।

योना 1:3 मुदा योना परमेश् वरक समक्ष सँ तरशीश भागबाक लेल उठि गेलाह आ याफा दिस उतरि गेलाह। हुनका एकटा जहाज भेटलनि जे तारशीश जा रहल छल, तखन ओ ओकर किराया चुका कऽ ओहि मे उतरि गेलाह जे हुनका सभक संग परमेश् वरक सोझाँ सँ तरशीश जाय।

योना यॉपा मार्ग सँ तरशीश यात्रा क' क' प्रभुक सान्निध्य सँ भागि जाइत अछि, ओकरा ओतय ल' जेबाक लेल जहाजक किराया दैत अछि।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ आज्ञाकारिता करबाक लेल बजबैत छथि - योना 1:3

2. आज्ञा नहि मानबाक लागत आ परिणाम - योना 1:3

1. भजन 139:7-12 - हम अहाँक आत्मा सँ कतय जा सकैत छी? आकि अहाँक सान्निध्यसँ कतए भागि सकब।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू।

योना 1:4 मुदा परमेश् वर समुद्र मे एकटा तेज हवा पठौलनि, आ समुद्र मे एकटा प्रचंड तूफान आबि गेलनि, जाहि सँ जहाज टूटि गेल छल।

परमेश् वर समुद्र मे एकटा प्रचंड हवा आ प्रचंड तूफान पठौलनि, जाहि सँ योना के जहाज टूटबाक खतरा छल।

1. भगवानक शक्ति हमरा सभक परिस्थिति सँ बेसी अछि

2. हमरा सभ केँ परीक्षाक समय मे प्रभु पर भरोसा करबाक चाही

1. मत्ती 8:23-27 - यीशु समुद्र मे तूफान केँ शान्त क’ दैत छथि

2. भजन 107:23-29 - परमेश् वर तूफान केँ शान्त करैत छथि आ अपन लोक केँ सुरक्षित स्थान पर अनैत छथि

योना 1:5 तखन नाविक सभ डरि गेल, आ सभ-अपन देवता सँ पुकारल, आ जहाज मे जे सामान छल, ओकरा समुद्र मे फेकि देलक, जाहि सँ ओकरा सभ सँ हल्लुक भ' जाय। मुदा योना नावक कात मे उतरि गेलाह। ओ पड़ल छल आ नींद मे आबि गेल छल।

योना जाहि जहाज पर सवार छल, ओहि जहाज पर सवार नाविक सभ डरि गेल आ जहाज केँ हल्का करबाक लेल अपन माल केँ पानि मे फेकि देलक। मुदा, योना जहाजक कात मे नीक जकाँ सुतल छलाह।

1. भय के शक्ति: प्रतिकूलता के सामना करैत भगवान पर भरोसा करब सीखब

2. भगवानक रक्षा: कठिन समय मे सुरक्षा भेटब

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी; हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

योना 1:6 तखन जहाजक मालिक हुनका लग आबि पुछलथिन, “हे सुतल, अहाँक की मतलब अछि? उठू, अपन परमेश् वर केँ पुकारू, जँ एहन अछि जे परमेश् वर हमरा सभ पर सोचताह जे हम सभ नाश नहि भऽ जायब।”

1994

योना क॑ चेतावनी देलऽ गेलै कि अगर वू आंधी-तूफान स॑ बचाबै चाहै छै त॑ अपनऽ परमेश् वर क॑ पुकारै।

1. हमर सभक विश्वासक परीक्षा होयत, मुदा परमेश् वर तइयो जरूरतक समय मे हमर सभक प्रार्थना सुनताह।

2. जखन हम सभ सुतल रहैत छी तखनो भगवान सदिखन जागल रहैत छथि आ हमरा सभक मदद करबाक लेल तैयार रहैत छथि।

1. भजन 121:4 - देखू, जे इस्राएलक रक्षा करत, ओ ने नींद करत आ ने सुतत।

2. मत्ती 7:7 - माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तऽ पाबि जायब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत।”

योना 1:7 ओ सभ अपन-अपन संगी केँ कहलथिन, “आउ, चिट्ठी मारू, जाहि सँ हम सभ ई जानि सकब जे हमरा सभ पर ई दुष् टता केकर कारण अछि।” ओ सभ चिट्ठी मारलनि आ चिट्ठी योना पर पड़ि गेलनि।

एकटा जहाज के चालक दल चिट्ठी लगा क अपन दुर्भाग्य के स्रोत के पहचान करय के संकल्प लेलक आ चिट्ठी योना पर पड़ि गेल।

1. कठिन समय आ नीक समय दुनू मे भगवानक सार्वभौमिकता।

2. भगवान् पर भरोसा करब आ ओकर आज्ञा मानबाक महत्व।

1. नीतिवचन 16:33 - "चिट्ठी गोदी मे फेकल जाइत अछि, मुदा ओकर हर निर्णय प्रभु सँ होइत अछि।"

2. यशायाह 55:9 - "जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।"

योना 1:8 तखन ओ सभ हुनका कहलथिन, “हमरा सभ केँ ई कहू जे हमरा सभ पर ई दुष् टता केकर कारण अछि। अहाँक व्यवसाय की अछि? आ अहाँ कतय सँ आयल छी? तोहर देश की अछि? आ अहाँ कोन लोकक छी?

योना के साथ जहाज पर सवार नाविक सब ओकरा ई बताबै लेली कहलकै कि ओकरा पर हिंसक तूफान कियैक आबी गेलै आरू ओकरऽ पहचान पर सवाल उठैलकै।

1. परमेश् वरक इच्छा: स्वीकार करब आ पालन करब सीखब - योना 1:8

2. सच्चा पहचान: मसीह मे हम के छी - योना 1:8

1. यशायाह 55:8 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि, से परखि सकब।

योना 1:9 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “हम इब्रानी छी। आ हम परमेश् वर, स् वर्गक परमेश् वर सँ भय जनैत छी, जे समुद्र आ शुष्क भूमि केँ बनौने छथि।

योना एकटा इब्रानी आदमी छै जे प्रभु, स्वर्ग के परमेश् वर स डरै छै, जे समुद्र आरू शुष्क भूमि के सृजन करलकै।

1. प्रभुक भय: परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ जानब आ ओकर सराहना करब

2. सृष्टि के आश्चर्य: भगवान के शक्ति पर एक चिंतन

1. अय्यूब 37:2 13 - प्रकृति पर परमेश्वरक शक्ति आ पराक्रम

1995

2. भजन 33:6-9 - परमेश् वरक सृजनात्मक काज आ सभ पर हुनकर प्रभुत्व

योना 1:10 तखन ओ सभ बहुत डरा कऽ कहलथिन, “अहाँ ई किएक केलहुँ? किएक तँ ओ सभ लोक सभ जनैत छल जे ओ परमेश् वरक सामने सँ भागि गेलाह, किएक तँ ओ हुनका सभ केँ कहने छलाह।

योना केरऽ आज्ञा नै मानला आरू प्रभु स॑ पलायन के कारण नाविक सिनी क॑ परमेश् वर केरऽ उपस्थिति के डर पैदा होय गेलै ।

1. हमरा सभ केँ परमेश्वरक इच्छाक आज्ञाकारी रहबाक चाही, चाहे ओ कतबो कठिन किएक नहि हो, वा हुनकर क्रोधक सामना करबाक जोखिम उठाबय पड़त।

2. भगवानक शक्ति आ उपस्थिति सँ भय आ सम्मान करबाक चाही।

1. याकूब 4:7-8 तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।
परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक।

2. यशायाह 55:6-7 प्रभु केँ ताबत धरि ताकू जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

योना 1:11 तखन ओ सभ हुनका कहलथिन, “हम सभ अहाँ केँ की करब जाहि सँ समुद्र हमरा सभक लेल शान्त भ’ जाय?” किएक तँ समुद्र काज करैत छल आ आँधी-तूफान छल।

योना के कहल गेलै कि तूफान के रोकै लेली खुद के बलिदान करी दै।

1: यीशु अंतिम बलिदान छथि, आ हमरा सभ केँ हुनका जकाँ बेसी बनबाक प्रयास करबाक चाही।

2: दोसरक हितक लेल अपन इच्छा राखय लेल तैयार रहबाक चाही।

1: फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक अपन हित मात्र नहि, दोसरक हित दिस सेहो देखू।

2: यूहन्ना 15:13 - एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि छैक जे कियो अपन मित्रक लेल अपन जान दऽ दैत अछि।

योना 1:12 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “हमरा उठा कऽ समुद्र मे फेकि दिअ। तहिना समुद्र अहाँ सभक लेल शान्त होयत, किएक तँ हम जनैत छी जे हमरा लेल ई महान तूफान अहाँ सभ पर आबि रहल अछि।”

योना के जहाज के चालक दल परमेश् वर के दया के गुहार लगाबै छै, आरो योना के सुझाव छै कि समुद्र के शांत करै लेली ओकरा पानी में फेंकै के चाही।

1. भगवान् हमरा सभ केँ कठिन परिस्थिति मे सेहो बाहर कदम रखबाक लेल आ हुनका पर भरोसा करबाक लेल बजबैत छथि।

2. जखन हम सभ परमेश् वरक आह्वानक आज्ञाकारी छी तखन हम सभ हुनका सँ बदला मे विश्वासी हेबाक अपेक्षा क’ सकैत छी।

1. मत्ती 16:24-26 - तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, जे कियो हमर शिष् य बनय चाहैत अछि, से अपना केँ नकारबाक चाही आ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़बाक चाही। किएक तँ जे अपन जान बचाबए चाहैत अछि से ओकरा गमा लेत, मुदा जे हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत से ओकरा भेटत।

2. इब्रानी 11:7 - ई विश्वासक कारणेँ नूह अपन परिवार केँ जलप्रलय सँ बचाबय लेल एकटा पैघ नाव बनौलनि। ओ परमेश् वरक आज्ञा मानैत रहलाह, जे हुनका एहन बातक बारे मे चेताबैत छलाह जे पहिने कहियो नहि भेल छलनि।

योना 1:13 तैयो लोक सभ ओकरा देश मे अनबाक लेल जोर-जोर सँ नाव चला रहल छल। मुदा ओ सभ नहि कऽ सकलाह, किएक तँ समुद्र हुनका सभक विरुद्ध काज करैत छल।

परमेश् वर योना केँ एकटा पैघ माछक निगलबा सँ बचा लेलनि, मुदा नाविक सभ केँ एखनो एकटा पैघ तूफानक सामना करय पड़लनि।

1: हमरा सभकेँ मोन पाड़य पड़त जे भगवानक नियंत्रण तखनो अछि जखन एहन बुझाइत अछि जे हम सभ नहि छी।

2: हमरा सभकेँ मोन पाड़य पड़त जे भगवान हमरा सभक संग छथि चाहे हमरा सभकेँ कोनो तूफानक सामना करय पड़य।

1: रोमियो 8:31 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2: यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

योना 1:14 तेँ ओ सभ परमेश् वर सँ पुकारैत कहलथिन, “हे प्रभु, हम सभ विनती करैत छी, एहि आदमीक जानक लेल हम सभ नष्ट नहि होइ आ हमरा सभ पर निर्दोष खून नहि दऽ दिअ, किएक तँ हे प्रभु, अहाँ ई काज केलहुँ।” जेना अहाँकेँ नीक लागल।

योना के लऽ जाय वाला जहाज के नाविक सिनी परमेश् वर से प्रार्थना करलकै कि योना के जान के कारण ओकरा सिनी कॅ नष्ट नै होय जाय, आरो कोनो निर्दोष खून के कारण ओकरा सिनी कॅ जवाबदेह नै ठहराबै।

1. परमेश् वरक आह्वानक प्रतिक्रिया देब - योना 1:14

2. परमेश् वर सार्वभौम छथि - योना 1:14

1. यशायाह 55:8-11 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. याकूब 4:13-15 - अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ एहन शहर मे जाउ, आ ओतय एक साल रहब आ कीनब-बेचब आ लाभ पाबब।

योना 1:15 तखन ओ सभ योना केँ उठा कऽ समुद्र मे फेकि देलक।

योना केँ लऽ कऽ जहाज पर सवार नाविक सभ ओकरा परमेश् वर आ उग्र समुद्र केँ खुश करबाक लेल ओकरा पानि मे फेकि दैत अछि।

1. विश्वास के शक्ति - विश्वास हमरा सब के अपन डर आ असुरक्षा के दूर करय में कोना मदद क सकैत अछि।

2. परमेश् वरक दया - योनाक आज्ञा नहि मानलाक बादो परमेश् वरक दया आ कृपा।

1. इफिसियों 2:8-9 - किएक तँ अनुग्रह सँ अहाँ सभ विश् वास द्वारा उद्धार पाबि गेल छी। आ ई अहाँक अपन काज नहि अछि; ई परमेश् वरक वरदान अछि, काजक परिणाम नहि, जाहि सँ केओ घमंड नहि करय।

2. भजन 107:23-24 - जे जहाज पर समुद्र मे उतरैत छथि, जे पैघ पानि पर व्यापार करैत छथि; प्रभुक काज आ ओकर आश्चर्य गहींर मे देखलनि।

1997

योना 1:16 तखन ओ सभ परमेश् वर सँ बहुत भयभीत भेल आ परमेश् वर केँ बलि चढ़ौलनि आ प्रण कयलनि।

एहि अंश सँ ई पता चलैत अछि जे योना सँ भेंट करय बला आदमी सभ परमेश् वर सँ डरैत छल आ ओकर प्रतिक्रिया बलि चढ़ा कऽ आ व्रत करैत छल।

1: प्रभु के प्रति हमरऽ प्रतिक्रिया आदर आरू आज्ञाकारिता के होना चाहियऽ।

2: हमरा सभकेँ सदिखन विनम्रता आ समर्पणक भावना रहबाक चाही जखन हम सभ प्रभुक सामना करब।

1: यशायाह 66:2 हम वैह छथि जिनका दिस हम देखब: जे विनम्र आ पश्चाताप करैत अछि आ हमर वचन पर काँपि रहल अछि।

2: फिलिप्पियों 2:8 एक आदमी के रूप में देखला पर ओ क्रूस पर मृत्यु तक आज्ञाकारी भ’ क’ अपना केँ नम्र भ’ गेलाह!

योना 1:17 परमेश् वर योना केँ निगलबाक लेल एकटा पैघ माछ तैयार कएने छलाह। योना तीन दिन तीन राति माछक पेट मे रहलाह।

योना प्रभुक आज्ञाकारी छलाह आ अपन दुर्दशा सँ मुक्त भ’ गेलाह।

1: परमेश् वर वफादार छथि आ जँ हम सभ हुनकर आज्ञाक पालन करब तँ हमरा सभकेँ अपन संकटसँ मुक्त करताह।

2: हमरा सभकेँ प्रभु पर भरोसा करबाक चाही चाहे हमर सभक स्थिति कोनो हो।

1: भजन 56:3, "जखन हम डरैत छी त' हम अहाँ पर भरोसा करैत छी।"

2: रोमियो 10:11, "किएक तँ धर्मशास् त्र कहैत अछि जे, जे कियो हुनका पर विश् वास करत, ओकरा लज्जित नहि कयल जायत।"

योना अध्याय 2 मे योना के पश्चाताप आ मुक्ति के प्रार्थना के बारे में कहल गेल अछि जखन कि ओ महान माछ के पेट के भीतर छथि। अध्याय में योना केरऽ आज्ञा नै मानला के बात, दया केरऽ गुहार आरू परमेश् वर केरऽ ओकरऽ प्रार्थना के प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत माछ के पेट स योना के प्रार्थना स होइत अछि। योना स्वीकार करैत छथि जे ओ विपत्ति मे प्रभु केँ आवाज देलनि, आ परमेश् वर हुनका उत्तर देलनि। ओ अपन हताश स्थितिक वर्णन करैत छथि, जे गहींर पानि मे फेकल गेल छथि आ धारा आ लहर सँ घेरल छथि (योना 2:1-3)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में योना के अपनऽ आज्ञा नै मानला के परिणाम के पहचान के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । ओ वर्णन करैत छथि जे कोना हुनका भगवानक नजरि सँ भगा देल गेलनि, आ हुनकर जीवन क्षीण भ' रहल छलनि। योना स्वीकार करै छै कि हुनी प्रभु के याद करलकै आरू पश्चाताप के साथ हुनका तरफ मुड़लै (योना २:४-७)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में योना के परमेश्वर के दया आरू मुक्ति के लेलऽ याचना के खुलासा करलऽ गेलऽ छै । ओ स्वीकार करैत छथि जे मुक्ति केवल प्रभु सँ भेटैत अछि | योना अपन उद्धार पर अपन व्रत पूरा करबाक आ धन्यवादक बलिदान देबाक प्रण करैत छथि (योना 2:8-9)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन योना के प्रार्थना के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया के साथ होय छै। प्रभु माछ के आज्ञा दै छै कि वू योना के शुष्क जमीन पर उल्टी करै (योना 2:10)।

संक्षेप मे, २.
योना अध्याय 2 मे योना के पश्चाताप आ मुक्ति के प्रार्थना के बारे में कहल गेल अछि जखन कि ओ महान माछ के पेट के भीतर छथि। अध्याय में योना केरऽ आज्ञा नै मानला के बात, दया केरऽ गुहार आरू परमेश् वर केरऽ ओकरऽ प्रार्थना के प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

माछक पेट सँ योना केर प्रार्थना, ओकर संकट आ भगवानक उत्तर केँ स्वीकार करैत।
ओकरऽ आज्ञा नै मानला के परिणाम के पहचान आरू पश्चाताप में प्रभु के तरफ मुड़ना ।
भगवान् के दया आरू मुक्ति के गुहार, ई स्वीकार करी क॑ कि उद्धार केवल प्रभु स॑ मिलै छै ।
व्रत पूरा करबाक प्रण करू आ मुक्ति पर धन्यवादक बलि चढ़ाउ।
परमेश् वरक प्रतिक्रिया, माछ सभ केँ योना केँ शुष्क जमीन पर उल्टी करबाक आज्ञा देलक।

योना के ई अध्याय योना के पश्चाताप आरू मुक्ति के प्रार्थना पर केंद्रित छै, जबे कि वू महान माछ के पेट के भीतर छै। योना स्वीकार करैत छथि जे ओ विपत्ति मे प्रभु केँ आवाज देलनि, आ परमेश् वर हुनका उत्तर देलनि। ओ अपन हताश स्थितिक वर्णन करैत छथि, जे गहींर पानि मे फेकल जाइत छथि आ धारा आ लहरि सँ घेरल छथि । योना अपनऽ आज्ञा नै मानला के परिणाम क॑ पहचानी लै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ कि ओकरा परमेश् वर के नजर स॑ भगा देलऽ गेलै आरू ओकरऽ जीवन क्षीण होय रहलऽ छेलै । ओ प्रभुक स्मरण करैत छथि आ पश्चाताप मे हुनका दिस मुड़ैत छथि | योना परमेश्वर के दया आरू मुक्ति के गुहार लगाबै छै, ई बात क॑ स्वीकार करी क॑ कि उद्धार केवल प्रभु स॑ ही मिलै छै । ओ अपन मुक्ति पर अपन व्रत पूरा करबाक आ धन्यवादक बलि चढ़ेबाक प्रण लैत छथि | अध्याय के समापन योना के प्रार्थना के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया के साथ होय छै, कैन्हेंकि प्रभु मछली के आदेश दै छै कि वू योना के शुष्क जमीन पर उल्टी करै। ई अध्याय पश्चाताप, क्षमा आरू परमेश्वर के उद्धार के शक्ति के विषय पर प्रकाश डालै छै।

योना 2:1 तखन योना माछक पेट सँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि।

योना अपन निराशाक गहराई सँ आशा आ हताशा मे प्रभु सँ चिचिया उठल।

1. भगवान सदिखन उपस्थित रहैत छथि आ हमर सभक मददिक पुकार सुनैत छथि, चाहे हमर सभक निराशा कतबो गहींर किएक नहि हो।

2. भगवान् क्षमा करय लेल तैयार छथि, तखनो जखन हम सभ हुनका सँ दूर भटकल छी।

1. भजन 130:1-2 "हे प्रभु, हम गहींर सँ अहाँ सँ पुकारैत छी! हे प्रभु, हमर आवाज सुनू! अहाँक कान हमर दयाक निहोराक आवाज पर सावधान रहू!"

2. याकूब 4:8-10 "परमेश् वरक लग आबि जाउ, ओ अहाँ सभक नजदीक आबि जेताह। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ साफ करू, आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू शोक दिस घुमि गेलहुँ आ अहाँक आनन्द उदास भ’ गेल।प्रभुक समक्ष नम्र भ’ जाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।”

योना 2:2 ओ कहलनि, “हम अपन दुःखक कारणेँ प्रभु सँ पुकारलहुँ आ ओ हमर बात सुनलनि। हम नरकक पेटसँ चिचिया उठलहुँ आ अहाँ हमर आवाज सुनलहुँ।

योना माछक पेट के भीतर स भगवान स प्रार्थना केलनि आ भगवान हुनकर बात सुनलनि।

1. भगवान् अपन लोकक प्रार्थना सुनैत छथि

2. असामान्य स्थान पर उत्तर देल गेल प्रार्थना

1. 1 पत्रुस 5:7 अपन सभटा चिन्ता हुनका पर राखू, किएक तँ ओ अहाँक चिन्ता करैत अछि।

2. भजन 130:1-2 हे प्रभु, हम गहींर मे सँ अहाँ केँ पुकारैत छी। प्रभु, हमर आवाज सुनू! हमर विनतीक आवाज पर अहाँक कान सावधान रहय!

योना 2:3 अहाँ हमरा समुद्रक गहींर मे, समुद्रक बीच मे फेकि देने छलहुँ। बाढ़ि हमरा चारू कात घेरने छल।

योना अपन परिस्थिति सँ अभिभूत छलाह आ भगवान सँ मददि लेल पुकारलनि।

1: भगवान हमरा सभक संग सदिखन रहैत छथि, चाहे हमर सभक संघर्ष कतबो गहींर वा भारी किएक नहि हो।

1999

2: अपन अन्हार क्षण मे सेहो हम सब बचाव आ आशा के लेल भगवान के तरफ देख सकैत छी।

1: भजन 46:1-3 "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त, यद्यपि ओकर पानि गर्जैत अछि।" आ फेन आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि उठैत अछि।"

2: यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ जखन अहाँ नदी सभ मे सँ गुजरब तखन ओ सभ अहाँ सभ पर नहि बहत। जखन अहाँ आगि मे सँ चलब तखन अहाँ नहि जरि जायत, आगि केर लौ।" अहाँकेँ आगि नहि लगाओत।"

योना 2:4 तखन हम कहलियनि, “हम अहाँक नजरि सँ बाहर भ’ गेल छी। तैयो हम फेर अहाँक पवित्र मन्दिर दिस तकब।

परमेश् वर सँ योना के पश्चाताप के प्रार्थना।

1: हम सभ कतबो दूर धरि गेलहुँ, भगवान् सदिखन हमरा सभक प्रतीक्षा मे रहैत छथि जे हम सभ हुनका दिस घुरब।

2: भगवानक दया आ कृपा हमरा सभ पर सदिखन उपलब्ध अछि, चाहे हमर सभक स्थिति कोनो हो।

1: यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2: लूका 15:17-20 - "तखन ओ मने-मन आबि कहलथिन, "हमर पिताक कतेक भाड़ाक नौकर लग रोटी आ बचल अछि, आ हम भूख सँ नाश भ' जाइत छी! हम उठि क' अपन पिता लग जायब, आ... ओकरा कहतै, ‘पिता, हम स्वर्ग आ तोहर सामने पाप केलहुँ, आब तोहर बेटा कहबाक योग्य नहि छी एखन बहुत दूर छल, ओकर पिता ओकरा देखलक, आ दया आबि गेलै, आ दौड़ल, ओकर गरदनि पर खसि पड़ल आ ओकरा चुम्मा लेलकै।”

योना 2:5 पानि हमरा चारू कात घेरने छल, आत्मा धरि, गहींर हमरा चारू कात बंद क’ देलक, खरपतवार हमर माथ मे लपेटल छल।

आंधी-तूफान स॑ उछाललऽ समुद्री यात्रा के बीच म॑ योना केरऽ हताशा के प्रार्थना परमेश्वर प॑ विश्वास आरू भरोसा के उदाहरण छेकै ।

1: भगवान हमरा सभक अन्हार क्षण मे सदिखन हमरा सभक संग रहैत छथि, हमरा सभ केँ कहियो असगर नहि छोड़ैत छथि।

2: कठिनाई के समय में हम सब शक्ति आ आश्वासन के लेल भगवान के पास जा सकैत छी।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

योना 2:6 हम पहाड़क तल पर उतरलहुँ। धरती अपन सलाखक संग हमरा चारू कात लेल छल, तइयो हे हमर परमेश् वर परमेश् वर, अहाँ हमर प्राण केँ विनाश सँ उतारि देलहुँ।”

योना एकटा हताश परिस्थिति सँ मुक्ति लेल परमेश् वरक स्तुति करैत छथि।

1. हमरा सभक जरूरतक समय मे भगवान सदिखन रहताह।

2. प्रभु पर भरोसा करू कारण ओ हमरा सभ केँ कहियो नहि छोड़ताह।

2000

1. भजन 34:17-18 "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

2. यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

योना 2:7 जखन हमर प्राण हमरा भीतर बेहोश भ’ गेल तखन हम प्रभुक स्मरण केलहुँ, आ हमर प्रार्थना अहाँ लग अहाँक पवित्र मन्दिर मे आबि गेल।

योना निराश भेला पर प्रभुक शरण लेलक।

1. विपत्तिक समय मे भगवान हमर सभक शरण छथि।

2. प्रभु हमरा सभक प्रार्थना सुनबाक लेल सदिखन ठाढ़ रहैत छथि।

1. भजन 34:17-18 - "जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि, तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ संकट सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।"

2. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

योना 2:8 जे सभ झूठक व्यर्थताक पालन करैत अछि, ओ सभ अपन दया छोड़ि दैत अछि।

योना चेतावनी दै छै कि जे लोग झूठा देवता के पूजा करै छै, वू परमेश् वर के दया छोड़ी देतै।

1. मूर्तिपूजा के खतरा: योना के चेतावनी स सीखब।

2. भगवान् केर दया केँ बुझब आ ओकरा झूठ उपासना सँ कोना अस्वीकार कयल जाइत छैक।

1. भजन 106:21 ओ सभ अपन उद्धारकर्ता परमेश् वर केँ बिसरि गेलाह, जे मिस्र मे पैघ काज केने छलाह।

2. यशायाह 44:6-8 इस्राएलक राजा आ ओकर मुक्तिदाता, सेना सभक प्रभु, प्रभु ई कहैत छथि: "हम पहिल छी आ हम अंतिम छी; हमरा छोड़ि कोनो देवता नहि अछि। हमरा सन के छथि? चलू ओ एकर घोषणा करथि।ओ घोषणा करथि आ हमरा सोझाँ राखथि, किएक तँ हम एकटा प्राचीन लोक केँ नियुक्त केने छी।ओ सभ घोषणा करथि जे की आओत आ की होयत ई? आ अहाँ सभ हमर गवाह छी! हमरा छोड़ि कोनो परमेश् वर छथि? कोनो चट्टान नहि, हम कोनो केँ नहि जनैत छी।"

योना 2:9 मुदा हम अहाँ केँ धन्यवादक आवाज मे बलिदान देब। हम जे प्रण केने छी से चुका देब। उद्धार प्रभुक अछि।

योना परमेश्वर के धन्यवाद दै छै आरू ई बात क॑ स्वीकार करै छै कि उद्धार केवल हुनका स॑ ही मिलै छै ।

1. कृतज्ञता के शक्ति: योना 2:9 के अध्ययन

2. उद्धार प्रभुक अछि: परमेश् वरक कृपालु प्रावधानक यथार्थ

1. भजन 107:1-2 - "हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, किएक तँ ओ नीक छथि, किएक तँ हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि। परमेश् वरक उद्धार कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जिनका ओ शत्रु सभक हाथ सँ मुक्त कयलनि।"

2. यशायाह 12:2 - "देखू, परमेश् वर हमर उद्धारक छथि; हम भरोसा करब, आ नहि डरब, कारण, प्रभु यहोवा हमर सामर्थ् य आ हमर गीत छथि; ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि।"

योना 2:10 तखन परमेश् वर माछ सँ कहलथिन आ ओ योना केँ शुष्क भूमि पर उल्टी कऽ देलक।

परमेश् वर एकटा माछ सँ गप्प करैत छथि, जे तखन योना केँ शुष्क जमीन पर थूकैत अछि।

1. "भगवानक अथाह दया"।

2. "आज्ञापालन के शक्ति"।

1. यिर्मयाह 33:3 - "हमरा बजाउ, हम अहाँ केँ उत्तर देब, आ अहाँ केँ पैघ आ पराक्रमी बात देखा देब, जे अहाँ नहि जनैत छी।"

2. भजन 107:28-30 - "तखन ओ सभ अपन विपत्ति मे प्रभु सँ पुकारैत छथि, आ ओ हुनका सभ केँ अपन संकट सँ बाहर निकालैत छथि। ओ तूफान केँ शान्त करैत छथि, जाहि सँ ओकर लहरि शान्त भ' जाइत छनि। तखन ओ सभ प्रसन्न छथि, कारण ओ सभ।" चुप रहू, तेँ ओ ओकरा सभ केँ अपन मनचाहा ठिकाना पर ल’ जाइत छथि।”

योना अध्याय 3 मे योना के परमेश्वर के आज्ञा के पालन के कहानी कहल गेल अछि जे ओ नीनवे शहर में जा क न्याय के संदेश देथि। अध्याय नीनवी के पश्चाताप, परमेश्वर के करुणा आरू एकरऽ परिणामस्वरूप उद्धार आरू क्षमा पर प्रकाश डालै छै।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर योना के दोसर मौका दै के साथ होय छै, जेकरा में एक बार फेरू नीनवे के महान शहर में जाय के आज्ञा देलऽ जाय छै आरू परमेश् वर ओकरा देलऽ गेलऽ संदेश के घोषणा करै के (योना 3:1-2)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में योना के परमेश्वर के आज्ञा के पालन के चित्रण छै। ओ नीनवे जाइत छथि आ न्यायक संदेशक घोषणा करैत छथि, ई घोषणा करैत छथि जे चालीस दिन मे शहर उखाड़ि देल जायत (योना 3:3-4)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में योना के संदेश के प्रति नीनवी के लोग के प्रतिक्रिया के खुलासा करलऽ गेलऽ छै। नीनवे के लोग परमेश् वर के वचन पर विश्वास करै छै आरू पश्चाताप करै छै। ओ सभ उपवासक घोषणा करैत छथि, बोरा पहिरैत छथि आ अपन दुष्ट मार्ग सँ पैघ-पैघ सँ छोट-छोट मार्ग सँ मुड़ैत छथि (योना 3:5-9)।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय में नीनवी के पश्चाताप के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया के वर्णन छै। परमेश् वर हुनका सभक कर्म आ हुनकर सभक असली पश्चाताप केँ देखैत छथि। ओ हुनका सभक लेल जे विपत्ति योजना बनौने छलाह ताहि सँ मुक्त भ’ जाइत छथि आ ओकरा पूरा नहि करैत छथि (योना 3:10)।

संक्षेप मे, २.
योना अध्याय 3 योना के नीनवे जाय के परमेश् वर के आज्ञा के पालन करै के कहानी बतैलकै आरू न्याय के संदेश दै के, नीनवी के पश्चाताप, परमेश् वर के करुणा आरू परिणामस्वरूप उद्धार आरू क्षमा के कहानी बतैलकै।

परमेश् वरक दोसर मौका आ योना केँ नीनवे जेबाक आज्ञा।
योना के आज्ञाकारिता आ न्याय के घोषणा।
योना के संदेश के प्रति नीनवी के लोगऽ के प्रतिक्रिया, जेकरा में विश्वास, पश्चाताप, उपवास आरू बुराई स॑ मुड़ना शामिल छेलै।
नीनवी के लोग के पश्चाताप के प्रति परमेश् वर के प्रतिक्रिया, ओकरा सिनी के लेलऽ योजनाबद्ध आपदा सें नम्र होय के।

योना के ई अध्याय आज्ञाकारिता, पश्चाताप आरू परमेश्वर के करुणा के विषय पर प्रकाश डालै छै। योना क॑ परमेश् वर द्वारा दोसरऽ मौका देलऽ जाय छै आरू ओकरा एक बार फेरू नीनवे जाय के आज्ञा देलऽ जाय छै । ओ आज्ञाकारी भ' क' शहरक आसन्न विनाशक घोषणा करैत न्यायक संदेशक घोषणा करैत छथि | नीनवी के लोग योना के संदेश के प्रति सच्चा विश्वास आरू पश्चाताप के साथ जवाब

दै छै। ओ सभ उपवासक घोषणा करैत छथि, बोरा पहिरैत छथि आ अपन दुष् ट मार्ग सँ मुड़ैत छथि। परमेश् वर हुनका सभक काज आ हुनकर सभक ईमानदारी सँ पश्चाताप देखैत छथि, आ अपन करुणा मे, ओ हुनका सभक लेल जे विपत्ति योजना बनौने छलाह, ताहि सँ मुक्त भ' जाइत छथि। ई अध्याय पश्चाताप के शक्ति आरू वास्तविक पश्चाताप के प्रतिक्रिया में परमेश्वर के दया पर जोर दै छै।

योना 3:1 दोसर बेर परमेश् वरक वचन योना लग आबि गेलनि जे।

योना क॑ परमेश् वर न॑ अपनऽ मिशन क॑ पूरा करै के दोसरऽ मौका देलकै ।

1: हमरा सब के भगवान दोसर मौका द सकैत छी, अगर हम सब ओकरा स्वीकार करय लेल तैयार छी।

2: हमरा सभ केँ कहियो आशा नहि छोड़बाक चाही, कारण परमेश् वर सदिखन क्षमा करबाक लेल तैयार रहैत छथि आ अपन इच्छा केँ पूरा करबाक लेल हमरा सभक संग काज क' सकैत छथि।

1: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2: यशायाह 43:18-19 - पहिने के बात पर नहि मोन राखू आ ने पुरान बात पर विचार करू। देखू, हम एकटा नव काज क’ रहल छी। आब ई झरझरा उठैत अछि, की अहाँ सभ एकरा नहि बुझैत छी? हम जंगल मे बाट बना देब आ मरुभूमि मे नदी मे।

योना 3:2 उठू, ओ महान नगर नीनवे जाउ, आ ओकरा ओहि प्रचारक प्रचार करू जे हम अहाँ केँ कहने छी।

परमेश् वर योना केँ नीनवे जा कऽ अपन संदेश देबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक दया सभ धरि पहुँचैत अछि: योनाक अध्ययन 3

2. परमेश् वरक आज्ञापालन: योना हमरा सभ केँ की सिखा सकैत अछि

1. रोमियो 15:4 - किएक तँ पहिने जे किछु लिखल गेल छल से हमरा सभक शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ सहनशक्ति आ धर्मशास्त्रक प्रोत्साहन सँ हमरा सभ केँ आशा भेटय।

2. याकूब 1:22 - मुदा वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।

योना 3:3 तखन योना उठि कऽ परमेश् वरक वचनक अनुसार नीनवे गेलाह। नीनवे तीन दिनक यात्राक बहुत पैघ शहर छल।

योना परमेश् वरक बात सुनलनि आ नीनवे जा कए हुनकर आज्ञाक पालन कयलनि।

1: परमेश् वरक इच्छा करब - योना 3:3

2: परमेश् वरक निर्देश पर भरोसा करब - योना 3:3

1: मत्ती 7:7 - "माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत; खोजू, तखन अहाँ सभ पाबि जायब; खटखटाउ, तखन अहाँ सभ केँ खुजल जायत।"

2: व्यवस्था 28:2 - "अहाँ जँ अहाँ अपन परमेश् वर यहोवाक आवाज सुनब तँ ई सभ आशीर्वाद अहाँ पर आबि जायत आ अहाँ केँ पकड़ि जायत।"

योना 3:4 तखन योना एक दिनक यात्रा पर शहर मे प्रवेश करय लगलाह, आ ओ चिचिया उठलाह, “अखन धरि चालीस दिन धरि नीनवे उखाड़ि जायत।”

योना भविष्यवाणी केने छलाह जे 40 दिन मे नीनवे शहर उखाड़ि देल जायत।

1. परमेश् वरक दया आ क्षमा: योना 3:4-10

2. पश्चाताप के शक्ति: योना 3:4-10

1. योएल 2:13-14 - "अपन वस्त्र नहि फाड़ू। अपन वस्त्र प्रभु परमेश् वर लग घुरि जाउ, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि; आ ओ विपत्ति पर हार मानैत छथि।"

2. यिर्मयाह 18:7-8 - "जँ हम कोनो समय कोनो जाति वा राज्यक विषय मे घोषणा करब जे हम ओकरा उखाड़ि कऽ तोड़ि कऽ नष्ट कऽ देब, आ जँ ओ जाति, जकर विषय मे हम कहलहुँ अछि, अपन बुराई सँ मुड़ि जायत।" , हम ओहि आपदा सँ हार मानब जे हम एकरा संग करबाक इरादा रखने रही।"

योना 3:5 तखन नीनवेक लोक सभ परमेश् वर पर विश् वास कयलनि आ उपवासक घोषणा कयलनि आ बोरा पहिरने छलाह, हुनका सभ मे सँ पैघ सँ छोटका धरि।

नीनवे के लोग परमेश् वर के संदेश पर विश्वास करलकै आरू व्रत पकड़ी कॅ आरू बोरा पहनै कॅ पश्चाताप में विनम्र होय गेलै।

1. परमेश् वरक वचन हृदय केँ बदलि सकैत अछि

2. पश्चाताप: परमेश् वरक वचनक प्रति एकटा आवश्यक प्रतिक्रिया

1. योएल 2:12-14 - प्रभु अपन लोक सभ केँ विनम्रता आ उपवासक संग हुनका लग वापस आबय लेल बजबैत छथि।

2. यशायाह 58:6-7 - परमेश् वर केँ प्रसन्न करयवला उपवास न्यायक खोज आ अपना केँ विनम्र करबाक उद्देश्य सँ कयल जाइत अछि।

योना 3:6 किएक तँ नीनवेक राजा लग बात आबि गेलनि आ ओ अपन सिंहासन सँ उठि कऽ हुनका सँ अपन वस्त्र राखि लेलनि आ हुनका बोरा सँ झाँपि राखि लेलनि।

नीनवे के राजा परमेश् वर के वचन सुनला के बाद नम्र होय गेलै आरू अपनऽ पापऽ के पश्चाताप करी लेलकै।

1. पश्चाताप के शक्ति - कलीसिया के प्रोत्साहित करब जे ओ अपन पाप स मुँह मोड़ि कऽ परमेश् वर दिस घुरि जाय।

2. योना के संदेश - ई देखाबैत जे नीनवे कोना विनम्र भेल आ कोना ई आइ हमरा सभक लेल एकटा उदाहरण बनि सकैत अछि।

1. यशायाह 57:15 - किएक तँ ई कहैत छथि जे अनन्त काल मे रहनिहार ऊँच आ ऊँच छथि, जिनकर नाम पवित्र अछि। हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, हुनका संग जे पश्चाताप आ विनम्र आत् माक अछि, विनम्र लोकक आत् मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल आ पश्चाताप करयवला सभक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

2. लूका 18:9-14 - ओ ई दृष्टान्त किछु गोटे केँ सेहो कहलनि जे अपना पर भरोसा करैत छलाह जे ओ धर्मी छथि, आ दोसरक संग तिरस्कार करैत छलाह: दू गोटे प्रार्थना करबाक लेल मंदिर मे गेलाह, एकटा फरिसी आ दोसर कर वसूली करयवला. फरिसी अपना बगल मे ठाढ़ भ’ क’ एहि तरहें प्रार्थना कयलनि, “परमेश् वर, हम अहाँ केँ धन्यवाद दैत छी जे हम आन लोक जकाँ नहि छी, लूटपाट करयवला, अन्यायी, व्यभिचारी, वा एतय धरि जे एहि कर वसूली करयवला जकाँ नहि छी।” सप्ताह मे दू बेर उपवास करैत छी; जे किछु भेटैत अछि ओकर दसम भाग दैत छी। मुदा कर वसूली करऽ वला दूर ठाढ़ भऽ स् वर्ग दिस आँखि तक नहि उठबैत छल, बल् कि छाती पीटि कऽ कहैत छल जे, “भगवान, हमरा पर दया करू, जे पापी छी!” हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ई आदमी दोसर सँ बेसी, धर्मी भ' क' अपन घर मे उतरि गेल। किएक तँ जे कियो अपना केँ ऊपर उठबैत अछि, ओ विनम्र होयत, मुदा जे अपना केँ नम्र करैत अछि, से ऊँच होयत।

योना 3:7 ओ राजा आ हुनकर कुलीन लोकक फरमान द्वारा नीनवे मे ई घोषणा आ प्रचार करौलनि जे, “नहि मनुख, ने पशु, ने भेड़ आ ने झुंड, कोनो चीजक स्वाद नहि लेबाक चाही।

नीनवे के राजा एकटा फरमान जारी केलनि जे सब जीव के उपवास आ भोजन आ पानि स परहेज करबाक चाही।

1. उपवास आ संयमक शक्ति

2. अधिकारक आज्ञापालनक महत्व

1. यशायाह 58:6-7 - "की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलबाक लेल, भारी बोझ केँ उतारबाक लेल, आ दबलल लोक केँ मुक्त करबाक लेल आ अहाँ सभ हर जुआ केँ तोड़बाक लेल? की अछि।" भूखल लोक केँ अपन रोटी नहि बाँटब आ बाहर फेकल गरीब केँ अपन घर मे अनबाक लेल नहि, जखन नंगटे देखब आ ओकरा झाँपि दैत छी आ अपन मांस सँ अपना केँ नहि नुकाब?”

2. मत्ती 6:16-18 - "तखन अहाँ सभ उपवास करैत छी तँ पाखंडी सभ जकाँ उदास मुँह नहि बनू। किएक तँ ओ सभ अपन मुँह केँ विकृत कऽ दैत छथि जाहि सँ ओ सभ लोक केँ उपवास करबाक लेल देखाबथि। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ उपवास कयल गेल अछि।" हुनका सभक इनाम।मुदा अहाँ जखन उपवास करब तखन अपन माथ पर अभिषेक करू आ मुँह धोउ, जाहि सँ अहाँ मनुष् य सभक सामने उपवास करबाक लेल नहि, बल् कि अपन पिता जे गुप्त रूप मे छथि, हुनका सामने देखाबथि."

योना 3:8 मुदा मनुख आ जानवर बोरा पहिरि कऽ परमेश् वरक समक्ष जोर-जोर सँ पुकारय।

योना नीनवे के लोगऽ क॑ अपनऽ पापऽ स॑ पश्चाताप करै लेली आरू अपनऽ दुष्टता स॑ दूर होय लेली आह्वान करै छै ।

1: हमर जीवन पश्चाताप आ बुराई आ हिंसा स मुँह मोड़बाक इच्छा स भरल हेबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ क्षमा करबाक लेल परमेश् वर सँ पुकारबाक चाही आ अपन पाप सँ मुँह मोड़बाक चाही।

1: यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ सभ प्रभु दिस घुमि जाय, आ ओ हुनका सभ पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करताह, किएक तँ ओ मुक्ति सँ क्षमा करताह।"

2: लूका 13:3 - "हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, नहि! मुदा जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ता धरि अहाँ सभ सेहो नष्ट भ' जायब।"

योना 3:9 के ई कहि सकैत अछि जे परमेश् वर घुमि कऽ पश्चाताप करताह आ अपन प्रचंड क्रोध सँ मुड़ि जेताह, जाहि सँ हम सभ नाश नहि भ’ जायब?

योना नीनवे के लोगऽ स॑ आह्वान करै छै कि वू पश्चाताप करै आरू परमेश् वर के क्रोध स॑ बचै लेली अपनऽ दुष्टता स॑ मुड़ी जाय।

1: पश्चाताप परमेश् वरक क्रोधक उत्तर अछि।

2: पश्चाताप स क्षमा भेटत कि नहि से केवल भगवाने जनैत छथि।

1: यशायाह 55:7 "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2: याकूब 4:8-10 "परमेश् वरक लग आबि जाउ, ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी सभ, अहाँ सभक हाथ केँ शुद्ध करू। आ अहाँ सभक हृदय केँ शुद्ध करू। अहाँ सभ दुःखी रहू, शोक करू आ कानू। अहाँ सभक हँसी रहय।" शोक दिस घुमि जाउ, आ अपन आनन्द केँ भारी पड़ि जाउ। प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।”

योना 3:10 परमेश् वर हुनका सभक काज देखलनि जे ओ सभ अपन दुष्ट बाट सँ मुड़ि गेलाह। परमेश् वर ओहि अधलाह बात पर पश्चाताप कयलनि, जे ओ कहने छलाह जे ओ हुनका सभक संग करब। आ ओ से नहि केलक।

परमेश् वर नीनवे के लोग सिनी कॅ अपनऽ बुराई के प्रति पश्चाताप करतें देखलकै आरू ओकरा सिनी कॅ जे सजा के वादा करलोॅ छेलै, ओकरा रद्द करै लेली प्रेरित होय गेलै।

1. पश्चाताप के शक्ति: परमेश् वर पश्चाताप आ क्षमा के कोना पुरस्कृत करैत छथि

2. योना सँ सीखब: परमेश् वरक दया आ करुणा केँ बुझब

1. मत्ती 18:21-35 - अक्षम्य सेवकक दृष्टान्त

2. लूका 15:11-32 - उड़ल पुत्रक दृष्टान्त

योना अध्याय 4 पश्चाताप करै वाला नीनवी के प्रति परमेश्वर के करुणा आरू दया के प्रति योना के प्रतिक्रिया पर केंद्रित छै। अध्याय में योना के असंतोष, करुणा के बारे में परमेश् वर के पाठ आरू योना के अंतिम एहसास पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत नीनवे के नष्ट नै करै के परमेश् वर के फैसला के प्रति योना के असंतोष आरू क्रोध स॑ होय छै । ओ अपन कुंठा व्यक्त करैत छथि, ई कहैत जे हुनका बुझल छलनि जे परमेश्वर दयालु आ दयालु हेताह, आ एहि लेल ओ शुरू मे संदेश देबा सँ भागबाक प्रयास केलनि (योना 4:1-3)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में परमेश्वर के करुणा के प्रति योना के प्रतिक्रिया के खुलासा करलऽ गेलऽ छै। ओ शहर सँ बाहर जा कए अपना केँ आश्रय बना लैत अछि जे नीनवे मे की होयत। परमेश् वर योना क॑ तपते गर्मी स॑ छाया दै लेली एगो पौधा उपलब्ध करै छै, जेकरा स॑ ओकरा आराम आरू आनन्द मिलै छै (योना ४:४-६)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में करुणा के बारे में परमेश् वर के पाठ के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । भगवान एकटा कीड़ा के पौधा पर हमला करय लेल नियुक्त करैत छथि, जाहि स ओ पौधा मुरझा जाइत अछि आ मरि जाइत अछि | एहि सँ योना क्रोधित भ' जाइत छथि, आ ओ अपन मरबाक इच्छा व्यक्त करैत छथि। परमेश् वर योना के क्रोध पर सवाल उठाबै छै, जेकरा लेली वू पौधा के प्रति योना के चिंता पर प्रकाश डालै छै, जेकरा लेली वू मेहनत नै करलकै, जबकि नीनवे के महान शहर आरू ओकरो निवासी सिनी के अनदेखी करै छै (योना 4:7-11)।

4 वां पैराग्राफ: अध्याय के समापन योना के अंतिम एहसास के साथ होय छै। परमेश् वर नीनवे के लोगऽ के प्रति अपनऽ करुणा के बारे में बतैलकै, जे अपनऽ दहिना हाथ के बायां हाथ सें नै जान॑ छै, साथ ही साथ शहर के अनेक जानवर के प्रति भी। पुस्तक के अंत में योना स परमेश् वर के सवाल के साथ होय छै, जेकरा में पाठक करुणा के पाठ पर चिंतन करै लेली छोड़ी दै छै (योना 4:10-11)।

संक्षेप मे, २.
योना अध्याय 4 नीनवे के प्रति परमेश्वर के करुणा के साथ योना के असंतोष, करुणा के बारे में परमेश् वर के पाठ, आरू योना के अंतिम एहसास पर केंद्रित छै।

नीनवे के नष्ट नै करै के परमेश् वर के फैसला के प्रति योना के असंतोष आरू क्रोध।
शहर स बाहर जा कए अपना कए आश्रय बनेबाक योना क प्रतिक्रिया।
परमेश् वर द्वारा योना केँ आराम आ आनन्द देबाक लेल एकटा पौधाक प्रावधान।
पौधा के मुरझाबय लेल कीड़ा के नियुक्ति के माध्यम स करुणा पर भगवान के पाठ।
पौधा के क्षय के कारण योना के क्रोध आ मरय के इच्छा।
परमेश् वर द्वारा योना के क्रोध पर सवाल उठाना आरू नीनवे के बारे में पौधा के प्रति योना के चिंता पर प्रकाश डालना।
नीनवे आरू ओकरऽ निवासी सिनी के प्रति परमेश् वर के करुणा के व्याख्या के माध्यम स॑ योना के अंतिम एहसास।

योना केरऽ ई अध्याय म॑ योना केरऽ असंतोष आरू क्रोध के खोज करलऽ गेलऽ छै कि परमेश्वर केरऽ नीनवे क॑ नष्ट नै करै के फैसला के प्रति, ओकरऽ पश्चाताप के बावजूद । योना शहरक बाहर जा कए अपना लेल आश्रय बना लैत अछि जे की होयत। परमेश् वर योना केँ गर्मी सँ छाया देबय लेल एकटा पौधा उपलब्ध करबैत छथि, जे हुनका आराम आ आनन्द दैत छनि। मुदा भगवान एकटा कीड़ा के ओहि पौधा पर हमला करय लेल नियुक्त करैत छथि, जाहि सं ओ मुरझा जाइत अछि आ मरि जाइत अछि. योना तमसा जाइत अछि आ मरबाक इच्छा व्यक्त करैत अछि। परमेश् वर योना के क्रोध पर सवाल उठाबै छै, जे पौधा के प्रति ओकरो चिंता के ओर इशारा करै छै, जेकरा लेली वू मेहनत नै करलकै, जबकि नीनवे के महान शहर आरू ओकरो निवासी सिनी के अनदेखी करै छै। परमेश् वर नीनवे के लोगऽ के प्रति अपनऽ करुणा के बारे में बतैलकै, जे अपनऽ दहिना हाथ के बायां हाथ सें नै जान॑ छै, साथ ही साथ शहर के अनेक जानवर के प्रति भी। पुस्तक के अंत में योना के सामने परमेश् वर के सवाल के साथ होय छै, जेकरा में पाठक करुणा के पाठ पर चिंतन करै लेली छोड़ी दै छै। ई अध्याय परमेश्वर के दया के याद दिलाबै के काम करै छै आरू योना के संकीर्ण दृष्टिकोण के चुनौती दै छै, जेकरा स॑ पाठक क॑ करुणा के महत्व आरू परमेश् वर के संप्रभुता पर विचार करै लेली आमंत्रित करलऽ गेलऽ छै ।

योना 4:1 मुदा ई बात योना केँ बहुत नाराज कयलनि, आ ओ बहुत क्रोधित भ’ गेलाह।

योना परमेश् वरक दया आ करुणा सँ नाराज आ क्रोधित छलाह।

1: भगवानक दया आ करुणा हमरा सभक क्रोध आ निराशा सँ बेसी अछि।

2: कतबो क्रोधित होउ, भगवानक प्रेम आ दया अडिग रहैत अछि।

1: रोमियो 5:8 मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही, तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: विलाप 3:22-23 प्रभुक पैघ प्रेमक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा कहियो खत्म नहि होइत छनि। सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

योना 4:2 ओ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलनि, “हे प्रभु, की ई हमर बात नहि छल जखन हम अपन देश मे छलहुँ? तेँ हम पहिने तर्शीश दिस भागि गेलहुँ, किएक तँ हम जनैत छलहुँ जे अहाँ कृपालु परमेश् वर छी, दयालु, क्रोध मे मंद आ बहुत दयालु आ दुष् टताक लेल पश्चाताप करैत छी।

योना के प्रार्थना परमेश् वर के दया आरू कृपा के याद दिलाबै छै।

1: पश्चाताप के शक्ति - योना 4:2

2: परमेश् वरक दया आ कृपा - योना 4:2

1: रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2: 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करैत छी तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि।

योना 4:3 तेँ आब, हे प्रभु, हम अहाँ सँ विनती करैत छी, हमर प्राण हमरा सँ ल’ लिअ। किएक तँ हमरा जीबसँ नीक जे मरब।”

योना परमेश् वर सँ निहोरा करैत अछि जे ओ अपन जान ल' लेथि किएक त' ओ जीबैत रहबा सँ बेसी मरब पसिन करताह।

1. "प्रार्थना के शक्ति: योना के भगवान स निहोरा"।

2. "अपन परिस्थिति सँ परे रहब: योना सँ सीखब"।

2007

1. भजन 39:12-13 "हे प्रभु, हमर प्रार्थना सुनू, आ हमर पुकार पर कान करू; हमर नोर पर चुप नहि रहू, कारण हम अहाँक संग परदेशी छी आ प्रवासी छी, जेना हमर सभ पूर्वज छलाह। ओ हमरा बख्शी, जाहि सँ हम एतय जेबा सँ पहिने शक्ति वापस पाबि सकब आ आब नहि रहब।”

2. उपदेशक 7:1-2 "अमूल्य मरहम सँ नीक नाम नीक होइत छैक; आ जन्मक दिन सँ मृत्युक दिन। भोज-भात मे जेबा सँ शोक घर जायब नीक। कारण, सभ मनुष् यक अंत एतबे अछि, आ जीवित लोक एकरा अपन हृदय मे राखि लेत।”

योना 4:4 तखन परमेश् वर कहलथिन, “की अहाँ केँ क्रोधित करब नीक अछि?”

परमेश् वर के प्रति योना के क्रोध के बारे में ई अंश में संबोधित करलऽ गेलऽ छै ।

1: भगवान के प्रति अपन क्रोध के अपन जीवन के हुक्म नहि देबय देबाक चाही।

2: भगवान् हमरा सभकेँ माफ करबा लेल सदिखन तैयार रहैत छथि, ओहो जखन हम सभ क्रोधित छी।

1: इफिसियों 4:26-27 - "क्रोधित रहू आ पाप नहि करू; अपन क्रोध पर सूर्यास्त नहि होउ।"

2: भजन 103:12 - "पूब पश्चिम सँ जतेक दूर अछि, ओ हमरा सभक अपराध हमरा सभ सँ ओतेक दूर दूर करैत अछि।"

योना 4:5 तखन योना शहर सँ बाहर निकलि शहरक पूरब दिस बैसि गेलाह आ ओतय हुनका लेल एकटा बूथ बनौलनि आ ओकर नीचाँ छाया मे बैसलाह, जाबत धरि ओ देखि नहि सकथि जे शहरक की होयत।

योना नीनवे शहरक बाहर निकलि एकटा बूथ बनौलनि जे छाया मे बैसि क' प्रतीक्षा करथि जे शहरक की होयत।

1. अनिश्चितताक सोझाँ धैर्य

2. भगवानक समयक प्रतीक्षा

1. याकूब 5:7-8 - "एहि लेल, भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू जे कोना किसान पृथ्वीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि, धैर्य रखैत अछि, जाबत धरि ओकरा भोरे-भोर आ देर नहि भेटैत अछि।" बरखा होइत अछि।अहाँ सभ सेहो धैर्य राखू। अपन हृदय केँ स्थापित करू, कारण प्रभुक आगमन निकट अछि।"

2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!"

योना 4:6 परमेश् वर परमेश् वर एकटा लौकी तैयार कयलनि आ ओकरा योना पर चढ़ा देलनि, जाहि सँ ओ हुनकर माथ पर छाया बनि जाय, जाहि सँ हुनका दुख सँ मुक्ति भेटय। तेँ योना केँ लौकी सँ बेसी प्रसन्नता भेलनि।

योना भगवानक आभारी छलाह जे हुनका तीव्र गर्मी सँ बचाबय लेल एकटा लौकी उपलब्ध करौलनि।

1: परमेश् वर हमरा सभसँ प्रेम करैत छथि आ हमरा सभक आवश्यकताक समयमे हमरा सभकेँ जे चाही से सदिखन उपलब्ध कराओत।

2: हमरा सभ केँ भगवान् केर धन्यवाद देबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ जतेक आशीर्वाद दैत छथि।

1: भजन 145:8-9 प्रभु कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि।
प्रभु सभक प्रति नीक छथि, आ हुनकर दया हुनकर सभ किछु पर अछि।

2: याकूब 1:17 हर नीक वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

योना 4:7 मुदा परमेश् वर दोसर दिन भोर भेला पर एकटा कीड़ा तैयार कयलनि, आ ओ लौकी केँ मारि देलक जे ओ मुरझा गेल।

परमेश् वर एकटा कीड़ा योना के लौकी के पौधा के नष्ट करौलकै, जे दोसरऽ दिन मुरझा जाय छै।

1. भगवानक दंड तेज आ न्यायपूर्ण अछि

2. अपन ताकत पर भरोसा नहि करू

1. यशायाह 40:8 - घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ’ जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।

2. भजन 118:8 - मनुष्य पर भरोसा करबा सँ नीक प्रभुक शरण लेब।

योना 4:8 जखन सूर्य उगलाह तखन परमेश् वर पूर्व दिसक तेज हवा तैयार कयलनि। सूर्य योना के माथ पर धड़कैत छल जे ओ बेहोश भ’ गेलाह आ अपना मे मरबाक इच्छा रखैत छलाह आ कहलथिन, “हमरा लेल जीवित रहबा स’ नीक जे मरब।”

योना अपन परिस्थिति सँ एतेक अभिभूत छल जे ओ मृत्युक कामना केलक।

1: संकट के समय में हमरा सब के ई याद राखय के चाही जे भगवान हमरा सब के जरूरत के समय में आशा आ ताकत प्रदान करैत छथि।

2: हमरा सभकेँ मोन राखबाक चाही जे भगवान रहस्यमयी तरीकासँ काज करैत छथि आ हमरा सभक अन्हार घड़ीमे सेहो ओ एखनो नियंत्रणमे छथि।

1: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: भजन 34:17 - धर्मी लोक सभ चिचियाइत छथि, आ प्रभु सुनैत छथि आ हुनका सभ केँ ओकर सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

योना 4:9 परमेश् वर योना केँ कहलथिन, “की अहाँ लौकीक लेल क्रोधित होयब नीक अछि?” ओ कहलथिन, “हमर क्रोधित रहब नीक अछि, मरबा धरि।”

परमेश् वर योना सँ पुछलथिन जे की हुनका लेल लौकी पर एतेक तमसाहब उचित अछि, आ योना उत्तर देलनि जे ओ एतेक तमसा गेल छथि जे हुनका लागैत छल जे ओ मरि सकैत छथि।

1. क्रोध छोड़ब सीखब

2. प्रतिकूलताक प्रति उचित प्रतिक्रिया रहब

1. कुलुस्सी 3:8 - "मुदा आब अहाँ सभ केँ एहि सभ बात सँ मुक्ति भेटबाक चाही: क्रोध, क्रोध, दुर्भावना, निन्दा, आ अपन ठोर सँ गंदा भाषा।"

2. नीतिवचन 19:11 - "मनुष्य के बुद्धि धैर्य दैत अछि; अपराध के अनदेखी करब ओकर महिमा के लेल अछि।"

योना 4:10 तखन परमेश् वर कहलथिन, “अहाँ केँ ओहि लौकी पर दया आबि गेल अछि, जकरा लेल अहाँ मेहनति नहि केलहुँ आ ने ओकरा बढ़ेलहुँ। जे एक राति मे चढ़ि कऽ एक राति मे नष्ट भऽ गेल।

योना के लौकी के प्रति दया, अयोग्य के प्रति परमेश् वर के दया आरो कृपा छेलै।

1. भगवानक दया हमरा सभक करुणा सँ पैघ अछि

2. परमेश् वरक न् यायक अचानकता

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

योना 4:11 की हम नीनवे केँ ओहि महान नगर केँ नहि छोड़ि दी, जाहि मे छह हजार सँ बेसी लोक अछि जे अपन दहिना हाथ आ बामा हाथ मे भेद नहि क’ सकैत अछि। आ संगहि बहुत मवेशी?

भगवान् ओहि पर दया केलनि जे नीक-बेजाय तक नहि जनैत छल।

1. भगवानक दया: हमर अपूर्णता पर विजय प्राप्त करब

2. परमेश् वरक बिना शर्त प्रेम: योना सँ एकटा पाठ

1. भजन 103:11 - किएक तँ पृथ् वी सँ ऊपर स् वर्ग जतेक ऊँच अछि, ओतबे पैघ अछि हुनकर अडिग प्रेम जे हुनका सँ डरैत अछि।

2. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

मीका अध्याय १ केरऽ शुरुआत सामरिया आरू यरूशलेम के खिलाफ ओकरऽ पापऽ के लेलऽ न्याय के घोषणा स॑ होय छै । अध्याय में ई शहरऽ के आबै वाला विनाश आरू ओकरऽ बाद जे शोक आरू विलाप होतै ओकरा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सब लोग आरू जाति के आह्वान के साथ होय छै कि जबे प्रभु सामरिया आरू यरूशलेम के खिलाफ न्याय करै लेली अपनऽ पवित्र मंदिर स॑ बाहर निकलै छै (मीका 1:1-4)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे सामरिया आ यरूशलेम के आबै वाला विनाश के वर्णन छै। प्रभुक सामने पहाड़ मोम जकाँ पिघलि जायत आ शहर सभ उजाड़ भ' जायत। न्याय हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा आ दुष्टताक परिणाम थिक (मीका 1:5-7)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय मे विनाश के बाद जे शोक आ विलाप होयत ओकर चित्रण अछि | यहूदाक निवासी सभ केँ कानब आ शोक करबाक लेल बजाओल गेल अछि, कारण ओकर सभक नगर सभ उजाड़ आ निर्वासित होयत। ई विपत्ति गाथ शहर मे पसरि जायत, जाहि सँ दुख आ पीड़ा होयत (मीका 1:8-16)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय १ सामरिया आरू यरूशलेम के खिलाफ ओकरऽ पापऽ के लेलऽ न्याय के घोषणा करै छै, जेकरा म॑ आबै वाला विनाश आरू एकरऽ परिणामस्वरूप शोक आरू विलाप के उजागर करलऽ गेलऽ छै ।

सब लोक आ राष्ट्र के आह्वान करू जे न्याय के घोषणा सुनय।
सामरिया आ यरूशलेम के आबै वाला विनाश के वर्णन।
हुनका लोकनिक मूर्तिपूजा आ दुष्टताक परिणाम।
विनाश के बाद जे शोक आ विलाप होयत ओकर चित्रण।
यहूदाक निवासी सभ केँ कानब आ शोक करबाक लेल आह्वान करू।
गाथ नगर मे विपत्ति के प्रसार, दुख आ पीड़ा के कारण।

मीका के ई अध्याय सामरिया आरू यरूशलेम के मूर्तिपूजा आरू दुष्टता के कारण आबै वाला आसन्न न्याय आरू विनाश के चेतावनी के काम करै छै। अध्याय के शुरुआत सब लोग आरू जाति के आह्वान स॑ होय छै कि प्रभु केरऽ न्याय के घोषणा करै लेली बाहर आबै के दौरान सुनलऽ जाय । आबै वाला विनाश के वर्णन में पहाड़ के मोम के तरह पिघलना आरू शहर के उजाड़ होय के चित्रण छै । तखन अध्याय मे शोक आ विलाप पर ध्यान देल गेल अछि जे ओकर बाद होयत। यहूदा के निवासी सिनी कॅ कानै आरो शोक करै लेली बोलैलऽ जाय छै, कैन्हेंकि ओकरोॅ शहर उजाड़ आरू निर्जन होय जाय छै। गाथ शहर मे सेहो विपत्ति पसरि जायत, जाहि सँ दुख आ पीड़ा होयत। ई अध्याय पाप के परिणाम पर जोर दै छै आरू पश्चाताप आरू परमेश्वर के तरफ वापस आबै के महत्व के रेखांकित करै छै।

मीका 1:1 यहूदाक राजा योथम, आहाज आ हिजकियाहक समय मे जे प्रभुक वचन मोरस्थी मीका लग आयल छल, जे ओ सामरिया आ यरूशलेमक विषय मे देखलनि।

यहूदा के तीन राजा के शासनकाल में प्रभु के वचन मोरस्थी मीका के पास आबी गेलै।

1. परमेश् वरक वचनक शक्ति: ई इतिहास भरि मे कोना गुंजायमान होइत अछि

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: ओ राजा आ राज्य पर राज करैत छथि

1. भजन 33:10-11 प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ अन्त्य क’ दैत छथि। ओ लोकक योजना केँ विफल क' दैत छथि। प्रभु केरऽ सलाह हमेशा लेली खड़ा छै, ओकरऽ हृदय केरऽ योजना सब पीढ़ी तक ।

2. यशायाह 55:11 हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से एहने होयत। ओ हमरा लग खाली नहि घुरि जायत, बल् कि हमर जे उद्देश्य अछि से पूरा करत, आ जाहि काज लेल हम ओकरा पठौने रही, ताहि मे सफल होयत।

मीका 1:2 हे सभ लोक, सुनू। हे पृथ्वी आ ओहि मे जे किछु अछि, से सुनू, आ परमेश् वर परमेश् वर अपन पवित्र मन् दिर सँ अहाँ सभक विरुद्ध गवाह बनथि।”

प्रभु परमेश् वर अपन सभ लोक केँ अपन पवित्र मन् दिर सँ सुनबाक आ हुनका सभक विरुद्ध गवाही देबाक लेल आमंत्रित करैत छथि।

1. प्रभु के साक्षी के शक्ति

2. प्रभुक आह्वान सुनब

1. यशायाह 6:1-8

2. यूहन्ना 10:22-30

मीका 1:3 किएक तँ देखू, परमेश् वर अपन स् थान सँ बाहर आबि कऽ पृथ् वीक ऊँच स्थान सभ पर रौदत।

परमेश् वर अपन स् थान सँ पृथ् वीक ऊँच स्थान पर रौदबाक लेल आबि रहल छथि।

1. भगवान आबि रहल छथि: की अहाँ तैयार छी?

2. प्रभुक सार्वभौमत्व: पृथ्वीक न्याय करबाक हुनक अधिकार

1. यशायाह 40:10-11 देखू, प्रभु परमेश् वर एकटा मजबूत हाथ ल’ क’ आबि जेताह, आ हुनकर बाँहि हुनका लेल राज करत।

2. हबक्कूक 3:5-6 हुनका आगू महामारी गेलनि आ हुनकर पयर मे जरैत कोयला निकलि गेलनि। ओ ठाढ़ भऽ कऽ पृथ् वी नापि लेलक, देखि जाति सभ केँ भगा देलक। अनन्त पहाड़ सभ छिड़िया गेल, अनन्त पहाड़ी सभ प्रणाम केलक।

मीका 1:4 ओकर नीचाँ पहाड़ सभ पिघलि जायत आ घाटी सभ फाटि जायत, जेना आगि मे मोम आ खड़ी जगह पर बहल पानि जकाँ।

भगवानक आज्ञा पर पहाड़ पिघल जायत।

1: परमेश् वरक शक्ति पराक्रमी आ अदम्य अछि।

2: परमेश् वरक वचन शक्तिशाली अछि आ ओकर पालन करबाक चाही।

1: यशायाह 55:11 - हमर मुँह सँ निकलल हमर वचन तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2: इब्रानियों 4:12-13 - किएक तँ परमेश् वरक वचन जीवित आ शक्तिशाली अछि, आ कोनो दुधारी तलवार सँ तेज अछि, जे आत्मा आ आत् मा, जोड़ आ मज्जा मे विभाजन धरि बेधैत अछि, आ ई विवेकशील अछि हृदय के विचार आ मंशा।

मीका 1:5 याकूबक अपराध ई सभ अछि आ इस्राएलक घरानाक पाप सभक लेल। याकूबक अपराध की अछि? की ई सामरिया नहि अछि? आ यहूदाक ऊँच स्थान की अछि? की ओ सभ यरूशलेम नहि अछि?

याकूबक अपराध, जे सामरिया अछि, आ यहूदाक ऊँच स्थान जे यरूशलेम अछि, एहि सभक कारणक रूप मे उल्लेख कयल गेल अछि।

1. हमरऽ पसंद के प्रभाव: पाप के परिणाम के समझना

2. पश्चाताप आ क्षमाक शक्ति

1. यिर्मयाह 7:21-22 - सेना सभक प्रभु, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि जे, अपन बलिदान मे अपन होमबलि जोड़ू आ मांस खाउ। जहिया हम हुनका सभ केँ मिस्र देश सँ बाहर अनलहुँ ताहि दिन मे अहाँ सभक पूर्वज सभ सँ होमबलि वा बलिदानक विषय मे नहि बजलहुँ आ ने हुनका सभ केँ आज्ञा देलहुँ।

2. भजन 51:1-2 - हे परमेश् वर, अपन प्रेमक अनुसार हमरा पर दया करू; अपन कोमल दयाक बहुलताक अनुसार हमर अपराध केँ मेटा दियौक। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू।

मीका 1:6 तेँ हम सामरिया केँ खेतक ढेर आ अंगूरक बगीचा जकाँ बना देब, आ ओकर पाथर सभ केँ घाटी मे उतारब आ ओकर नींव सभ केँ खोजब।

भगवान सामरिया के पाथर के ढेर बना क ओकर नींव के उजागर क के सजा द रहल छैथ।

1. परमेश् वरक क्रोध आ पश्चातापक आवश्यकता

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 5:1-7 - यरूशलेम पर परमेश् वरक न्याय हुनका सभक आज्ञा नहि मानबाक लेल

2. इजकिएल 18:20 - परमेश् वर दुष्ट सभ केँ दंडित करबा मे कोनो प्रसन्नता नहि करैत छथि, बल्कि आशा करैत छथि जे ओ सभ घुमि कऽ उद्धार पाबि लेताह।

मीका 1:7 ओकर सभटा उकेरल मूर्ति सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल जायत, आ ओकर सभ किराया आगि मे जरा देल जायत, आ ओकर सभ मूर्ति केँ हम उजाड़ क’ देब, किएक तँ ओ एकरा वेश्याक किराया सँ जमा क’ लेलक आ... वेश्या के किराया पर वापस आबि जायत।

मीका ओहि विनाशक गप्प करैत छथि जे वेश्या सभक भाड़ा मे अपन धन जुटेनिहार सभक लेल जे विनाश होयत।

1. "दुष्ट के लेल एकटा चेतावनी: पाप के परिणाम"।

2. "मोक्षक प्रतिज्ञा: परमेश् वरक क्षमा आ दया"।

1. नीतिवचन 6:26 - किएक तँ वेश्या स्त्रीक द्वारा पुरुष केँ रोटीक टुकड़ी मे आनल जाइत छैक, आ व्यभिचारी अनमोल जीवनक शिकार करत।

2. इजकिएल 16:59 - कारण, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम अहाँक संग ओहिना व्यवहार करब जेना अहाँ केलहुँ, जे वाचा तोड़बा मे शपथ केँ तिरस्कार केलहुँ।

2012

मीका 1:8 तेँ हम विलाप करब आ कुहरब, हम कपड़ा उतारब आ नंगटे जायब, हम अजगर जकाँ विलाप करब आ उल्लू जकाँ शोक करब।

प्रभु अपन लोकक लेल दुःखी आ शोकग्रस्त छथि।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही आ फेर परमेश् वर दिस घुरबाक चाही।

1: विलाप 3:40-41 "आउ, हम सभ अपन बाट तकैत छी आ परखैत छी, आ प्रभु दिस घुरैत छी; अपन हृदय आ हाथ स् वर्ग मे परमेश् वर दिस उठाबी।"

2: यशायाह 55:7 "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी सभ अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु दिस घुमि जाय, जाहि सँ ओ हुनका सभ पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।"

मीका 1:9 कारण ओकर घाव असाध्य अछि। कारण, ई यहूदा मे आबि गेल अछि। ओ हमर लोकक फाटक, यरूशलेम मे आबि गेल छथि।

यहूदा के घाव असाध्य छै आरू परमेश् वर के लोगऽ के फाटक यरूशलेम पहुँची गेलऽ छै।

1: हमरा सभ केँ भगवान् दिस मुड़बाक चाही आ अपन घावक लेल हुनकर चंगाई ताकबाक चाही।

2: पापक परिणाम विनाशकारी भ' सकैत अछि, मुदा भगवान् सदिखन क्षमा करय लेल तैयार रहैत छथि।

1: यशायाह 53:5 - "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह; जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सभ सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

2: 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बनाओत आ प्रार्थना करत आ हमर मुँह तकत आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स्वर्ग सँ सुनब, आ हम ओकर पाप क्षमा करब आ।" हुनका लोकनिक भूमि केँ ठीक क' देतनि।"

मीका 1:10 गाथ मे ई बात नहि कहब, एकदम नहि कानब।

मीका अपन श्रोता सभ केँ कहैत छथि जे गाथ वा अफ्रा मे अपन स्थितिक घोषणा वा कानब नहि, बल्कि धूरा मे गुड़कब।

1. "भगवानक योजना बनाम हमर योजना: हुनकर इच्छा केँ स्वीकार करब"।

2. "पश्चाताप के विनम्र शक्ति"।

1. यशायाह 61:1-3 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; कारण, प्रभु हमरा नम्र लोक सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि अछि। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, जे हम बंदी सभ केँ मुक्ति आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक घोषणा करी।

2. मरकुस 10:45 - किएक तँ मनुष् यक पुत्र सेहो सेवा करऽ लेल नहि, बल् कि सेवा करऽ लेल आ बहुतो सभक फिरौतीक रूप मे अपन प्राण देबऽ लेल आयल छथि।

मीका 1:11 हे सफीर निवासी, अपन लाज नंगटे भ’ क’ चलि जाउ। ओ अहाँ सभ सँ अपन स्थिति ग्रहण करत।

सफीर मे रहनिहार लोक केँ लाज भ' क' चलि जेबाक चाही, आ ज़ानन मे जे लोक बेथेजलक शोक मे भाग नहि लेताह।

1. शर्मनाक काजक परिणाम

2. शोक आ समर्थन के महत्व

1. यशायाह 1:17 नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2. यिर्मयाह 16:5 किएक तँ प्रभु ई कहैत छथि जे शोकक घर मे नहि जाउ, आ ने हुनका सभक लेल विलाप करऽ वा शोक मनाबऽ जाउ, किएक तँ हम एहि लोक सभ सँ अपन शान्ति, हमर अडिग प्रेम आ दया छीनि लेने छी।

मीका 1:12 किएक तँ मरोतक निवासी सभ नीक जकाँ प्रतीक्षा करैत छल, मुदा परमेश् वरक दिस सँ अधलाह यरूशलेमक फाटक धरि उतरि गेल।

मरोथक निवासी सभ नीकक खोज मे छल, मुदा ओकर बदला मे परमेश् वरक दिस सँ यरूशलेम मे अधलाह आबि गेल।

1. अप्रत्याशित: भगवानक योजना पर भरोसा करब सीखब

2. दुखक बीच आशा

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. रोमियो 5:1-5 - तेँ जखन हम सभ विश्वासक द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति अछि, जिनका द्वारा हम सभ विश् वास द्वारा एहि अनुग्रह मे पहुँचि सकलहुँ, जाहि मे हम सभ एखन ठाढ़ छी। आ हम सभ परमेश् वरक महिमाक आशा मे घमंड करैत छी। एतबे नहि, हम सभ अपन दुखक गौरव सेहो करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

मीका 1:13 हे लकीश निवासी, रथ केँ तेज पशु सँ बान्हि दियौक, ओ सियोनक बेटीक लेल पापक आरम्भ अछि, किएक तँ इस्राएलक अपराध अहाँ मे भेटल छल।

लाकीशक निवासी सभ केँ चेतावनी देल गेल अछि जे ओ सभ अपन अपराधक लेल पश्चाताप करथि, जेना इस्राएलक पाप हुनका सभ मे भेटल छलनि।

1. पश्चाताप: पुनर्स्थापन के नींव

2. अपन पाप के चिन्हब आ स्वीकार करब

1. यशायाह 1:18-19 - आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार करू, प्रभु कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंग जकाँ लाल भ’ गेल होइ, मुदा ऊन जकाँ भ’ जेतै।

2. भजन 51:10-12 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू। हमरा अपन सान्निध्य सँ दूर नहि फेकि दिअ। आ अपन पवित्र आत् मा हमरा सँ नहि छीनू।” हमरा अपन उद्धारक आनन्द केँ फेर सँ दऽ दिअ। आ अपन मुक्त आत् मा सँ हमरा सहारा दिअ।

मीका 1:14 तेँ अहाँ मोरेशेतगात केँ उपहार देब, अचजीबक घर इस्राएलक राजा सभक लेल झूठ होयत।

परमेश् वर इस्राएल के राजा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि वू झूठा गठबंधन पर भरोसा नै करै।

1: अपन भरोसा भगवान पर राखू, झूठ गठबंधन पर नहि।

2: संसारक झूठ वचन सँ लोभ मे नहि जाउ।

2014

1: यिर्मयाह 17:5-8 - प्रभु ई कहैत छथि: शापित ओ आदमी अछि जे मनुष्य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन शक्ति बना दैत अछि, जकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ि लैत अछि। ओ मरुभूमि मे झाड़ी जकाँ अछि, आ कोनो नीक काज नहि देखत। ओ मरुभूमिक सुखाएल स्थान मे, अनिवासी नमकीन देश मे रहताह।

2: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

मीका 1:15 हे मारेशाक निवासी, हम तोहर उत्तराधिकारी आनि देब, ओ इस्राएलक महिमा अदुल्लाम लग आबि जेताह।

परमेश् वर मरेशाक निवासी केँ उत्तराधिकारी अनताह आ ओ सभ इस्राएलक महिमा ल' क' अदुल्लाम आबि जेताह।

1. परमेश् वरक महिमा ग्रहण करू

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:5, "आ प्रभुक महिमा प्रगट होयत, आ सभ शरीर एक संग देखत"।

2. इब्रानी 6:17-19, "तखन परमेश् वर प्रतिज्ञाक उत्तराधिकारी सभ केँ अपन उद्देश्यक अपरिवर्तनीय चरित्र केँ बेसी आश्वस्त करयवला रूप सँ देखाबय चाहैत छलाह, तखन ओ शपथ सँ एकर गारंटी देलनि, जाहि सँ दू टा अपरिवर्तनीय बात द्वारा, जाहि मे ई असंभव अछि।" भगवान झूठ बाजब, हमरा सभ जे शरण लेल भागि गेल छी, हमरा सभ केँ सामने राखल आशा केँ मजबूती सँ पकड़बाक लेल मजबूत प्रोत्साहन भेटि सकैत अछि। हमरा सभ लग ई आत्माक एकटा निश्चित आ स्थिर लंगरक रूप मे अछि, एकटा एहन आशा जे पर्दाक पाछू भीतरक स्थान मे प्रवेश करैत अछि"।

मीका 1:16 अहाँ केँ गंजा बनाउ, आ अपन नाजुक बच्चा सभक लेल अहाँ केँ पोल करू। गरुड़ जकाँ अपन गंजापन बढ़ाउ। कारण, ओ सभ अहाँ सँ बंदी मे चलि गेल छथि।”

ई अंश प्रभु अपनऽ लोगऽ के पापऽ के सजा दै के बात करै छै, ओकरऽ बच्चा सिनी क॑ छीनी क॑।

1: प्रभु पाप के दण्ड दैत छथि

2: दण्ड में प्रभु की दया

1: विलाप 3:33-34 - "कहने ओ अपन हृदय सँ दुःख नहि दैत छथि आ नहिये मनुष् यक संतान केँ दुखी करैत छथि। पृथ् वीक सभ कैदी केँ अपन पएरक नीचाँ कुचलबाक लेल"।

2: रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।"

मीका अध्याय 2 मीका के समय में इस्राएल में घटित सामाजिक अन्याय आरू उत्पीड़न के बारे में संबोधित करै छै। अध्याय म॑ जनता द्वारा करलऽ गेलऽ लोभ, बेईमानी, आरू हिंसा के पापऽ प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, आरू ओकरा बाद ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के बारे म॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत ओहि लोक के निंदा स होइत अछि जे राति मे अपन बिछौन पर दुष्ट योजना बना क बुराई के साजिश रचैत छथि। खेतक लोभ करैत छथि आ ओकरा जब्त क' लैत छथि, संगहि घर-घर सेहो ल' जाइत छथि। ओ सभ लोक सभ केँ अत्याचार आ ठकैत अछि, ओकरा सभक उत्तराधिकार सँ वंचित करैत अछि (मीका 2:1-2)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे लोकक पापक प्रति परमेश् वरक प्रतिक्रियाक चित्रण कयल गेल अछि। ओ ओकरा सभ केँ चेताबैत छथि जे घर-घर छीन लेल जायत, खेत-पथार बँटि जायत, आ रहबाक लेल कोनो जगह नहि रहत। हुनका सब के गलत तरीका स भेटल लाभ हुनका सब के सुरक्षा नै देत, आ हुनका सब के लाज आ बेइज्जती के सामना करय पड़तनि (मीका 2:3-5)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में मीका के एकटा भविष्यवक्ता के रूप में प्रकट कयल गेल अछि जे ओहि लोक के खिलाफ बजैत अछि जे अपना के भविष्यवक्ता के झूठ दावा करैत अछि, शांति आ समृद्धि के खाली प्रतिज्ञा के संग लोक के भटकबैत अछि। मीका घोषणा करै छै कि सच्चा भविष्यवाणी के वचन लोगऽ के दुष्टता के खिलाफ न्याय आरू विनाश स॑ भरलऽ छै (मीका २:६-११)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन इस्राएल के अवशेष के लेलऽ बहाली आरू मुक्ति के प्रतिज्ञा के साथ होय छै । परमेश् वर अपन लोक सभ केँ एकत्रित करत आ ओकरा सभ केँ कैद सँ बाहर निकालत, ओकर भाग्य केँ पुनर्स्थापित करत आ ओकरा सभ केँ शांति आ सुरक्षा मे रहबाक अनुमति देत (मीका 2:12-13)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 2 इस्राएल में सामाजिक अन्याय आरू उत्पीड़न के संबोधित करै छै, जेकरा में लोगऽ द्वारा करलऽ गेलऽ लोभ, बेईमानी आरू हिंसा के पापऽ पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, आरू ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के बारे में प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । अध्याय में मीका के झूठा भविष्यवक्ता के निंदा आरू पुनर्स्थापन के प्रतिज्ञा भी शामिल छै।

जे दुष्ट योजना बनबैत अछि, खेतक लोभ करैत अछि, आ लोक पर अत्याचार करैत अछि ओकर निन्दा।
घरक नुकसान आ बेइज्जती सहित लोक केँ कोन परिणामक सामना करय पड़तैक ताहि पर भगवानक चेतावनी।
मीका के झूठा भविष्यवक्ता के आलोचना आरू दुष्टता के खिलाफ न्याय के घोषणा।
इस्राएल के अवशेष के लेलऽ पुनर्स्थापन आरू उद्धार के प्रतिज्ञा।

मीका के ई अध्याय मीका के समय में इस्राएल में प्रचलित सामाजिक अन्याय आरू पाप के खुलासा करै छै। लोक अपन दुष्ट योजना, लोभ आ दोसर पर अत्याचारक लेल निंदा कयल जाइत अछि | परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ चेतावनी दै छै कि ओकरा सिनी कॅ कोन-कोन परिणाम के सामना करना पड़तै, जेकरा में ओकरोॅ घर, खेत आरो सुरक्षा के नुकसान भी शामिल छै। मीका झूठा भविष्यवक्ता सिनी के खिलाफ भी बोलै छै जे खाली प्रतिज्ञा सिनी कॅ लोग सिनी कॅ धोखा दै छै, ई बात पर जोर दै छै कि सच्चा भविष्यवाणी के वचन दुष्टता के खिलाफ न्याय दै छै। आसन्न न्याय के बावजूद इस्राएल के अवशेष के लेलऽ पुनर्स्थापन आरू मुक्ति के वादा छै । भगवान् अपनऽ लोगऽ क॑ इकट्ठा करी क॑ कैद स॑ बाहर निकाली क॑ ओकरऽ भाग्य क॑ बहाल करी क॑ ओकरा शांति आरू सुरक्षा प्रदान करतै । ई अध्याय न्याय, ईमानदारी आरू सच्चा भविष्यवाणी के महत्व के साथ-साथ पुनर्स्थापन आरू मोक्ष के आशा के याद दिलाबै के काम करै छै।

मीका 2:1 धिक्कार अछि जे सभ अधर्मक कल्पना करैत अछि आ अपन बिछौन पर दुष् ट काज करैत अछि! जखन भोर होइत छैक तखन ओकर अभ्यास करैत छथि, कारण ई हुनका लोकनिक हाथक शक्ति मे होइत छनि |

लोक के बुराई के साजिश रचय आ गलत काज करय सं चेतावनी देल गेल अछि, किएक त ओकरा मे भोरे उठला पर एहन करय के ताकत छनि.

1. अपन शक्तिक उपयोग बुराईक लेल नहि करू: मीका 2:1 पर क

2. दुष्टता स’ बेसी धार्मिकता चुनब: मीका 2:1 पर क

1. नीतिवचन 16:2 - "मनुष्यक सभ मार्ग अपन नजरि मे शुद्ध होइत अछि, मुदा प्रभु आत् मा केँ तौलैत छथि।"

2. भजन 32:8-9 - "हम अहाँ केँ ओहि बाट पर शिक्षा देब आ सिखा देब। हम अहाँ पर अपन प्रेमपूर्ण नजरि सँ अहाँ केँ सलाह देब। घोड़ा वा खच्चर जकाँ नहि बनू, जकर कोनो समझ नहि अछि मुदा।" बिट आ लगाम सँ नियंत्रित रहबाक चाही नहि त' ओ सभ अहाँ लग नहि आओत."

मीका 2:2 ओ सभ खेतक लालसा करैत अछि आ ओकरा सभ केँ हिंसा मे पकड़ि लैत अछि। घर-घर आ ओकरा सभ केँ छीन लिअ, तेँ ओ सभ मनुक्ख आ ओकर घर, मनुक्ख आ ओकर धरोहर पर अत्याचार करैत अछि।

लोक अपन जमीन, घर, आ उत्तराधिकार चोरा कए दोसरक फायदा उठा रहल अछि।

1. भगवान देखैत छथि: ई सोचि बेवकूफ नहि बनू जे पड़ोसी सँ ल' क' अहाँ बचि सकैत छी।

2016

2. लोभक कीमत: लोभक परिणाम होयत, आ भगवान अपन लोकक संग दुर्व्यवहार केँ नजरअंदाज नहि करताह।

1. नीतिवचन 10:2- दुष्टता सँ प्राप्त खजाना सँ कोनो फायदा नहि होइत छैक, मुदा धर्म मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

मीका 2:3 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम एहि वंशक विरुद्ध एकटा एहन अधलाह सोचि रहल छी, जाहि सँ अहाँ सभ अपन गरदनि नहि हटब। आ ने अहाँ सभ घमंडी भऽ जायब, किएक तँ ई समय अधलाह अछि।

परमेश् वर लोक सभ केँ कोनो आबै बला बुराईक चेतावनी दैत छथिन जाहि सँ ओ सभ नहि बचि सकैत छथि।

1. घमंड नहि करू: विपत्तिक सामना करैत विनम्रता (मीका 2:3 पर आधारित)

2. परमेश् वरक चेतावनी: विपत्तिक समय मे परमेश् वरक वचन पर ध्यान देब (मीका 2:3 पर आधारित)

1. याकूब 4:10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. यशायाह 5:21 धिक्कार अछि जे सभ अपन नजरि मे बुद्धिमान आ अपन नजरि मे बुद्धिमान छथि!

मीका 2:4 ओहि दिन अहाँ सभक विरुद्ध दृष् टान् त उठा कऽ विलाप करत आ कहत जे, “हमरा सभ केँ एकदम लूटि गेल, ओ हमर लोकक भाग बदलि देलक। घुमि कऽ ओ हमरा सभक खेत बाँटि देलक।

लोकक विरुद्ध एकटा दृष्टान्त देल गेल अछि, जाहि मे ओकर बर्बादी आ ओकर खेतक बँटवारा पर विलाप कयल गेल अछि।

1: "भगवानक न्याय आ प्रावधान: विभाजन सँ निपटब"।

2: "हानि आ परिवर्तनक प्रतिक्रिया कोना देल जाय"।

1: भजन 25:4-5 - "हे प्रभु, हमरा अपन बाट देखाउ, हमरा अपन बाट सिखाउ; हमरा अपन सत्य मे मार्गदर्शन करू आ हमरा सिखाउ, कारण अहाँ हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर छी, आ हमर आशा भरि दिन अहाँ पर अछि।"

2: यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

मीका 2:5 तेँ अहाँ लग एहन कियो नहि रहत जे प्रभुक मंडली मे चिट्ठी मे डोरी फेकत।

परमेश् वरक लोक आब निर्णय लेबाक लेल चिट्ठी छोड़बा पर भरोसा नहि क' सकैत अछि।

1. "प्रभु के मार्गदर्शन: संयोग से परे बढ़ना"।

2. "प्रभु दिशा: बुद्धिमान निर्णय लेब"।

1. नीतिवचन 16:33, "चिट्ठी गोदी मे फेकल जाइत अछि, मुदा ओकर हर निर्णय प्रभु सँ होइत अछि।"

2. याकूब 1:5, "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे सभ केँ बिना कोनो निंदाक उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

मीका 2:6 अहाँ सभ भविष्यवाणी नहि करू, ओ सभ भविष्यवाणी करनिहार सभ केँ कहू, ओ सभ ओकरा सभ केँ भविष्यवाणी नहि करत जे ओ सभ लाज नहि करत।

लोक भविष्यवाणी करय वाला के ई कहि क' भविष्यवाणी के हतोत्साहित क रहल अछि जे एहन नहि करू, लाज सं बचय के चक्कर मे.

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर सभक जीवन पर कोना असरि पड़ैत अछि

2. अज्ञात के भय: भविष्यवाणी के चुनौती पर काबू पाना

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक शक्ति मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

2. यशायाह 6:8 - तखन हम प्रभुक आवाज सुनलहुँ जे हम ककरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, एतय हम छी, हमरा पठाउ!

मीका 2:7 हे जे याकूबक घरक नाम अछि, की परमेश् वरक आत् मा संकुचित भ’ गेल अछि? की ई सभ ओकर काज अछि? की हमर बात सोझ चलनिहारक नीक नहि करैत अछि?

मीका याकूब के लोग सिनी कॅ चुनौती दै छै, ई पूछै छै कि की प्रभु के आत्मा बहुत प्रतिबंधित छै आरू की परमेश् वर के वचन सीधा चलै वाला सिनी लेली अच्छाई नै दै छै।

1. अधर्म संसार मे सोझ चलब

2. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट लेल इजोत अछि।"

2. इफिसियों 4:1 - "तेँ हम, जे प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ ओहि आह्वानक योग्य तरीका सँ चलब जाहि लेल अहाँ सभ केँ बजाओल गेल अछि।"

मीका 2:8 एखन धरि हमर लोक शत्रु बनि उठल अछि, अहाँ सभ ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक सभ सँ वस्त्रक संग वस्त्र उतारैत छी जेना युद्ध सँ विमुख होइत अछि।

परमेश् वरक लोक शत्रु बनि उठि गेल अछि आ शान्तिपूर्वक ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभक सम् पत्ति छीनि लेलक अछि।

1. पसंदक शक्ति: हम सभ द्वंद्वक प्रतिक्रिया कोना चुनैत छी

2. शांति के आह्वान: शांति के अपन जीवन में प्राथमिकता बनाबय के

1. मत्ती 5:38-41 "अहाँ सभ सुनलहुँ जे कहल गेल छल जे आँखिक बदला आँखि आ दाँतक बदला दाँत।' मुदा हम कहैत छी जे कोनो दुष्ट व्यक्तिक विरोध नहि करू।मुदा जे अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़ मारत, ओ दोसर गाल ओकरा दिस सेहो घुमा दियौक, जँ कियो अहाँ पर मुकदमा करय चाहैत अछि आ अहाँक अंगरखा छीनय चाहैत अछि त' ओकरा अहाँक वस्त्र सेहो हो।आ जे अहाँ केँ मजबूर करत एक मील जेबाक लेल, हुनका संग दू टा।

2. रोमियो 12:18-21 जँ संभव अछि, जतेक अहाँ पर निर्भर करैत अछि, तँ सभ लोकक संग शांतिपूर्वक रहू। प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दिअ। किएक तँ लिखल अछि, “प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिफल देब,” प्रभु कहैत छथि। तेँ जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ ओकरा खुआ दियौक। जँ प्यास लागल अछि तँ ओकरा पीबि दियौक। किएक तँ एना कऽ अहाँ ओकर माथ पर आगि के कोयला के ढेर लगा देब। अधलाह पर हावी नहि होउ, बल् कि नीक सँ अधलाह पर विजय प्राप्त करू।

मीका 2:9 हमर लोकक स् त्री सभ केँ अहाँ सभ हुनका सभक सुखद घर सँ बाहर निकालि देलहुँ।
हुनका सभक सन्तान सभ सँ हमर महिमा अनन्त काल लेल छीनि लेलहुँ।

लोक स्त्रीगण केँ घर सँ बाहर निकालि अपन बच्चा सँ भगवानक महिमा छीन लेलक अछि।

1. बहाली के आवश्यकता: परमेश् वर के महिमा के मोचन

2. भगवान् के छवि के पुनः प्राप्त करना: घर वापसी के रास्ता खोजना

1. यशायाह 58:12 - जे सभ अहाँ मे सँ बनत, ओ सभ पुरान उजाड़ सभ केँ बनाओत, अहाँ बहुतो पीढ़ीक नींव ठाढ़ करब। आ तोरा कहल जायब, “भंगक मरम्मत करयवला, रहबाक लेल बाट केँ पुनर्स्थापित करयवला।”

2. भजन 51:10 - हे परमेश् वर, हमरा मे एकटा शुद्ध हृदय सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू।

मीका 2:10 उठू आ चलि जाउ। किएक तँ ई अहाँ सभक विश्राम नहि अछि, किएक तँ ई दूषित अछि, तेँ ई अहाँ सभ केँ नष्ट कऽ देत।

ई अंश चेतावनी छै कि जे जगह भ्रष्ट आरू प्रदूषित होय गेलऽ छै, ओकरा पर नै बसै के चाही ।

1: कम मे संतोष नहि करू - जीवनक हमर सभक यात्रा कहियो एहन नहि होबाक चाही जे भगवान हमरा सभ केँ जे करबाक लेल आ बनय लेल बजौने छथि ताहि सँ कम मे संतोष करबाक चाही।

2: भ्रष्ट आ प्रदूषित स्थान पर नहि रहू - भगवान हमरा सभ केँ प्रदूषित आ भ्रष्ट स्थान सँ भागबाक लेल बजबैत छथि आ हुनकर शरण लेबाक लेल कहैत छथि।

1: यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2: यिर्मयाह 29:13 - अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ तकब।

मीका 2:11 जँ केओ आत् मा आ मिथ्या मे चलैत अछि आ ई कहैत जे, “हम अहाँ केँ मदिरा आ मद्यपानक भविष्यवाणी करब।” ओ एहि लोकक भविष्यवक्ता तक हेताह।

ई अंश झूठा भविष्यवक्ता के बारे में बात करै छै जे परमेश्वर के लेलऽ बोलै के दावा करै छै, लेकिन एकरऽ बदला में लोगऽ क॑ सही रास्ता स॑ दूर करी दै छै ।

1. "सत्य के शक्ति: झूठा भविष्यवक्ता के पहचान"।

2. "धर्मक मार्ग: मिथ्या मार्गदर्शन सँ दूर रहब"।

1. यिर्मयाह 23:16: "सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि, जे भविष्यवक्ता सभ अहाँ सभ केँ भविष्यवाणी करैत छथि, हुनकर बात नहि सुनू। ओ सभ अहाँ सभ केँ व्यर्थ बना दैत छथि भगवान्."

2. मत्ती 7:15: "झूठा भविष्यवक्ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया छथि।"

मीका 2:12 हे याकूब, हम अहाँ सभ केँ अवश्य एकत्रित करब। हम इस्राएलक शेष लोक केँ अवश्य जमा करब। हम ओकरा सभ केँ बोजराक भेँड़ा जकाँ एकठाम राखब, जेना ओकर झुंडक बीच मे राखल भेँड़ा।

मार्ग परमेश् वर इस्राएलक शेष लोक सभ केँ जमा कऽ भेँड़ा जकाँ एक ठाम राखताह, जे लोकक भीड़ सँ बहुत हल्ला करत।

1. अवशेषक जुटान: भगवानक अपन लोकक प्रति प्रतिबद्धता

2. भीड़क हल्ला: भगवानक सान्निध्य मे आनन्दित हेबाक आह्वान

1. व्यवस्था 10:19 - तेँ अहाँ सभ परदेशी सँ प्रेम करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे परदेशी छलहुँ।

2. यशायाह 56:6-8 - परदेशीक बेटा सभ सेहो जे सभ परमेश् वरक सेवा करैत छथि, हुनकर सेवा करैत छथि आ परमेश् वरक नाम सँ प्रेम करैत छथि, हुनकर सेवक बनैत छथि, जे सभ विश्राम-दिन केँ ओकरा दूषित नहि करबाक लेल पालन करैत छथि, आ हमर वाचा केँ पकड़ि लैत अछि। हम ओकरा सभ केँ अपन पवित्र पहाड़ पर आनि देब आ ओकरा सभ केँ अपन प्रार्थनाक घर मे आनन्दित करब। किएक तँ हमर घर सभ लोकक लेल प्रार्थनाक घर कहल जायत।”

मीका 2:13 तोड़निहार ओकरा सभक सोझाँ आबि गेल अछि, ओ सभ तोड़ि कऽ फाटक सँ गुजरि गेल अछि आ ओहि मे सँ बाहर निकलि गेल अछि, आ ओकर सभक राजा ओकरा सभक आगू सँ गुजरि जायत आ प्रभु ओकरा सभक माथ पर बैसल रहत।

प्रभु लोक सभ केँ फाटक तोड़बाक आ ओहि मे सँ गुजरबाक लेल नेतृत्व क' रहल छथि।

1. भगवान् नेता छथि आ हमरा सभ केँ हुनका पर भरोसा करबाक चाही जे ओ हमरा सभ केँ अपन भाग्य दिस ल' जेताह।

2. प्रभु के मार्गदर्शन के पालन करला पर सफल भ सकैत छी।

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

मीका अध्याय 3 मीका के समय में इस्राएल में भ्रष्ट नेतृत्व पर केंद्रित छै। अध्याय में भविष्यवक्ता, पुरोहित आरू शासकऽ के पापऽ पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, आरू एकरऽ परिणामस्वरूप ओकरा सिनी के सामने आबै वाला भयावह परिणाम के बारे में जानकारी देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इस्राएल के शासक आरू नेता सिनी के खिलाफ डांट के साथ होय छै, जेकरा में ओकरा सिनी के अन्यायपूर्ण काम के लेलऽ निंदा करलऽ गेलऽ छै। ओ सभ नीक सँ घृणा करैत अछि आ अधलाह सँ प्रेम करैत अछि, अपन शक्तिक उपयोग लोक सभ पर अत्याचार आ शोषण करबाक लेल करैत अछि (मीका 3:1-3)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे भविष्यवक्ता आ पुरोहितक भ्रष्टाचारक चित्रण कयल गेल अछि | व्यक्तिगत लाभ के लेल भगवान के संदेश के विकृत क दैत छैथ, जे ओकरा भुगतान करै छै ओकरा शांति के झूठ आश्वासन दै छै आ जे नै दै छै ओकरा खिलाफ युद्ध के घोषणा करै छै। हुनकऽ काम स॑ जाति केरऽ आध्यात्मिक अन्हार आरू विनाश होय जाय छै (मीका ३:५-७)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे भ्रष्ट नेता सब पर जे परिणाम होयत से उजागर कयल गेल अछि। यरूशलेम खंडहर भ’ जायत, मंदिरक पहाड़ जंगली पहाड़ी बनि जायत आ लोक सभ केँ निर्वासन मे ल’ जायत (मीका 3:9-12)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 3 मीका के समय में इस्राएल में भ्रष्ट नेतृत्व पर केंद्रित छै, जेकरा में शासक, भविष्यवक्ता आरू याजक के पाप आरू ओकरा सामने आबै वाला भयावह परिणाम के उजागर करलऽ गेलऽ छै।

शासक आ नेता के अन्याय आ जनता के अत्याचार के लेल डांटब।
भविष्यवक्ता आ पुरोहितक भ्रष्टाचार, व्यक्तिगत लाभक लेल परमेश्वरक संदेश केँ विकृत करब।
भ्रष्ट नेतृत्व केरऽ परिणाम, जेकरा म॑ यरूशलेम केरऽ विनाश आरू लोगऽ लेली निर्वासन भी शामिल छेलै ।

मीका के ई अध्याय मीका के समय में इस्राएल में भ्रष्ट नेतृत्व के उजागर करै छै। शासक आ नेता सब के अन्यायी व्यवहार आ जनता के अत्याचार के लेल डांटल जाइत छैन्ह । नीक सँ घृणा करय आ बुराई सँ प्रेम करय, अपन शक्तिक उपयोग दोसर के शोषण आ नुकसान पहुँचेबाक लेल निंदा कयल जाइत छैक | भविष्यवक्ता आरू पुरोहित सिनी कॅ भी भ्रष्ट देखाबै छै, जे व्यक्तिगत लाभ लेली परमेश् वर के संदेश कॅ विकृत करी दै छै। जे पैसा दै छै ओकरा शांति के झूठ आश्वासन दै छै आरू जे नै दै छै ओकरा विरुद्ध युद्ध के घोषणा करै छै। हुनका लोकनिक एहि काजक परिणामस्वरूप यरूशलेम खंडहर भ' जायत, मंदिरक पहाड़ जंगली पहाड़ी बनि जायत आ लोक सभ निर्वासन मे ल' जायत। ई अध्याय भ्रष्टाचार आरू अन्याय के परिणाम के खिलाफ चेतावनी के काम करै छै, जेकरा म॑ धर्मी नेतृत्व आरू सच्चा भविष्यवाणी के आवाज के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै ।

मीका 3:1 हम कहलियनि, “हे याकूबक मुखिया आ इस्राएलक घरानाक मुखिया सभ, सुनू। की अहाँ सभक लेल न्यायक ज्ञान नहि अछि?

परमेश् वर इस्राएल के नेता सिनी स॑ पूछी रहलऽ छै कि की ओकरा सिनी क॑ न्यायसंगत फैसला लेना आबै छै ।

1. धार्मिक न्यायक शक्ति

2. सही गलत जानबाक महत्व

1. यशायाह 1:17 - सही काज करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।

2. याकूब 1:19 - हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ, एहि बात पर ध्यान दियौक: सभ केँ जल्दी सुनबाक चाही, बाजबा मे देरी करबाक चाही आ क्रोध मे देरी करबाक चाही।

मीका 3:2 जे नीक सँ घृणा करैत अछि आ अधलाह सँ प्रेम करैत अछि। जे ओकरा सभक चमड़ा आ हड्डी सँ मांस उखाड़ि लैत अछि।

भगवान् ओहि सभक निन्दा करैत छथि जे नीक सँ घृणा करैत छथि आ अधलाह सँ प्रेम करैत छथि।

1. "नीक करबाक मूल्य: जे सही अछि ओकरा सँ प्रेम करब सीखब"।

2. "बुराई करबाक खतरा: जे गलत अछि ओकरा प्रोत्साहित करब"।

1. रोमियो 12:9 प्रेम निश्छल हेबाक चाही। जे अधलाह अछि ताहि सँ घृणा करू; जे नीक अछि ताहि सँ चिपकल रहू।

2. नीतिवचन 8:13 प्रभुक भय बुराई सँ घृणा अछि। घमंड आ अहंकार आ दुष्ट आ विकृत वाणी के तरीका स हमरा घृणा अछि।

मीका 3:3 ओ सभ हमर लोकक मांस खाइत अछि आ ओकर चमड़ा केँ चमड़ा उतारैत अछि। ओ सभ ओकर हड्डी तोड़ि कऽ ओकरा सभ केँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ दैत अछि, जेना घैल आ कड़ाहीक भीतर मांस जकाँ।

इस्राएल मे अन्यायी शासक सभ लोक सभ केँ मांस जकाँ खा कऽ ओकर चमड़ा नोचि कऽ ओकर हड्डी तोड़बाक दोषी अछि।

1: अन्याय आ भ्रष्टाचार के अपन समाज में जड़ि नै बनय देबाक चाही।

2: समाज मे उत्पीड़ित आ कमजोर लोकक लेल ठाढ़ हेबाक चाही।

1: नीतिवचन 31:8-9 - जे अपना लेल बाजि नहि सकैत अछि, ओकर लेल बाजू; कुचलल जा रहल लोकक लेल न्याय सुनिश्चित करब। हँ, गरीब आ असहाय के लेल बाजू, आ देखू जे ओकरा न्याय भेटय।

2: यशायाह 1:17 - नीक काज करब सीखू; न्याय के खोज करू, अत्याचार के सही करू; अनाथ के न्याय लाउ, विधवा के मुद्दा के गुहार लगाउ।

2021

मीका 3:4 तखन ओ सभ प्रभु सँ पुकारत, मुदा ओ हुनका सभक बात नहि सुनताह, ओ ओहि समय मे हुनका सभ सँ अपन मुँह नुका लेताह, जेना ओ सभ अपन काज मे अधलाह व्यवहार केने छथि।

जे नीक व्यवहार नहि केने छथि हुनका भगवान् नहि सुनताह।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक इच्छा पूरा करबाक प्रयास करबाक चाही जँ हम सभ चाहैत छी जे ओ हमर सभक प्रार्थना सुनथि।

2: हम सब अपन जीवन जीबाक तरीका निर्धारित करैत अछि जे भगवान हमर प्रार्थना के जवाब देथिन या नहि।

1. नीतिवचन 28:9 - जँ केओ व्यवस्था सुनबा सँ कान मोड़ि दैत अछि तँ ओकर प्रार्थना सेहो घृणित अछि।

2. 1 यूहन्ना 3:22 - आ हम सभ जे किछु माँगैत छी से हुनका सँ भेटैत अछि, कारण हम सभ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छी आ जे हुनका नीक लगैत छनि से करैत छी।

मीका 3:5 परमेश् वर एहि प्रवक् ता सभक विषय मे कहैत छथि जे हमर लोक केँ भटका दैत छथि, जे दाँत सँ काटि कऽ चिचियाइत छथि, “शांति।” जे मुँह मे नहि घुसैत अछि, तकरा ओकरा विरुद्ध युद्ध तक तैयार करैत अछि।

परमेश् वर झूठा भविष्यवक्ता सभक निन्दा कऽ रहल छथि जे लोक सभ केँ भटकबैत छथि, अपन वचन सभ सँ शान्तिक वादा करैत छथि आ गुप्त रूप सँ युद्धक तैयारी करैत छथि।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा: परमेश् वर के सत्य के भेद करना सीखना

2. झूठा भविष्यवक्ता के धोखा: सहज उत्तर के प्रलोभन पर काबू पाना

1. यिर्मयाह 23:16-17; ओ सभ अपन हृदय सँ दर्शन बजैत छथि, प्रभुक मुँह सँ नहि।

2. मत्ती 7:15-20; झूठा प्रवक् ता सभ सँ सावधान रहू, जे बरदक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ खरखर भेड़िया अछि।

मीका 3:6 तेँ अहाँ सभक लेल राति होयत जे अहाँ सभ केँ दर्शन नहि भेटत। अहाँ सभक लेल अन्हार भऽ जायत जे अहाँ सभ भविख नहि करब। प्रवक् ता सभ पर सूर्यास्त भऽ जायत आ ओकरा सभ पर दिन अन्हार भऽ जायत।

मीका के समय के लोग सिनी कॅ चेतावनी देलऽ गेलै कि वू अन्हार में रहतै, परमेश् वर के तरफ सें दर्शन या ईश्वरीय सत्य नै पाबै में असमर्थ होतै।

1. अन्हार समयक चुनौती: कठिन परिस्थितिक बीच आनन्द भेटब

2. विश्वास मे चलब: अन्हार समय मे परमेश्वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. भजन 119:105 - "अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीप आ हमर बाट पर इजोत अछि"।

2. यशायाह 9:2 - "अन्हार मे चलय बला लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक; जे सभ गहींर अन्हारक देश मे रहैत छल, ओकरा सभ पर इजोत चमकल अछि।"

मीका 3:7 तखन द्रष्टा सभ लज्जित होयत आ भविष्यवक्ता सभ लज्जित होयत। किएक तँ परमेश् वरक कोनो उत्तर नहि अछि।

द्रष्टा आ भविष्यवक्ता लोकनि लज्जित आ भ्रमित हेताह कारण भगवानक कोनो उत्तर नहि अछि ।

1: हमरा सभ केँ अपन समझ पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि भगवान् पर भरोसा करबाक चाही आ हुनकर मार्गदर्शन लेबाक चाही।

2022

2: हमरा सभ केँ विनम्रतापूर्वक भगवानक आवश्यकता आ हुनका पर निर्भरता केँ स्वीकार करबाक चाही।

1: नीतिवचन 3:5-6 पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सब रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2: यिर्मयाह 17:5-8 प्रभु ई कहैत छथि, जे मनुष्य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन सामर्थ्य बनबैत अछि, ओ अभिशप्त अछि, जकर हृदय प्रभु सँ मुँह मोड़ि लैत अछि। ओ मरुभूमि मे झाड़ी जकाँ अछि, आ कोनो नीक काज नहि देखत। ओ मरुभूमिक सुखाएल स्थान मे, अनिवासी नमकीन देश मे रहताह। धन्य अछि ओ मनुष्य जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, जकर भरोसा प्रभु अछि | ओ पानि लग रोपल गाछ जकाँ अछि, जे अपन जड़ि धारक कात मे पठा दैत अछि, आ गर्मी आबि गेला पर डरैत नहि अछि, कारण ओकर पात हरियर रहैत अछि, आ रौदीक वर्ष मे बेचैन नहि होइत अछि, कारण ओ फल देब नहि छोड़ैत अछि.

मीका 3:8 मुदा सच मे हम परमेश् वरक आत् मा, न्याय आ सामर्थ् य सँ भरल छी जे याकूब केँ हुनकर अपराध आ इस्राएल केँ हुनकर पाप केँ सुना सकब।

मीका भविष्यवक्ता प्रभु केरऽ शक्ति स॑ भरलऽ छै, आरू इस्राएल जाति क॑ ओकरऽ पाप के घोषणा करै म॑ सक्षम छै ।

1. स्वीकारोक्ति के शक्ति: अपन पाप के बुझब आ स्वीकार करब

2. प्रभुक आत्मा: अपन पापक पश्चाताप करबाक लेल परमेश्वरक शक्ति केँ आत्मसात करब

1. रोमियो 3:23-24 - किएक तँ सभ पाप कएने अछि आ परमेश् वरक महिमा सँ कम अछि। मुदा मसीह यीशु मे जे मोक्ष भेटैत अछि, ओकर द्वारा हुनकर कृपा सँ ओ सभ मुक्त रूप सँ धर्मी ठहराओल जाइत छथि।

2. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन्त जीवन भेटय। किएक तँ परमेश् वर अपन पुत्र केँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि पठौलनि, बल् कि हुनका द्वारा संसारक उद्धार करबाक लेल पठौलनि।

मीका 3:9 हे याकूबक घरानाक मुखिया आ इस्राएलक घरानाक मुखिया सभ, जे न्याय सँ घृणा करैत छी आ सभ न्याय केँ विकृत करैत छी, ई बात सुनू।

इजरायल केरऽ नेता सिनी क॑ न्याय आरू निष्पक्षता के अवहेलना करै के चेतावनी देलऽ जाय छै ।

1. "नेतृत्वक वजन: अधिकारक सोझाँ न्याय आ निष्पक्षता"।

2. "नेतृत्व मे धर्म: मीका 3:9 के आह्वान"।

1. नीतिवचन 21:3 - "बलिदान सँ बेसी धर्म आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

2. मीका 6:8 - "हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक की कहने छथि; आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि, सिवाय न्याय करबाक, दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक?"

मीका 3:10 ओ सभ सियोन केँ खून सँ आ यरूशलेम केँ अधर्म सँ बनबैत अछि।

सिय्योन आरू यरूशलेम के लोग अन्याय आरू अनैतिक तरीका स॑ अपनऽ शहर के निर्माण करी रहलऽ छै ।

1. अधर्मक परिणाम

2. ईमानदारी के साथ निर्माण के महत्व

1. नीतिवचन 16:2 मनुष्यक सभ बाट अपन नजरि मे शुद्ध होइत अछि, मुदा प्रभु आत् मा केँ तौलैत छथि।

2. याकूब 4:17 तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

मीका 3:11 ओकर मुखिया इनामक लेल न्याय करैत अछि, आ ओकर पुरोहित सभ भाड़ाक बदला मे शिक्षा दैत अछि आ ओकर भविष्यवक्ता सभ पाइक बदला मे परमेश् वर पर काज करैत अछि। हमरा सभ पर कोनो अधलाह नहि आबि सकैत अछि।

इस्राएल के नेता सिनी अपनऽ व्यक्तिगत लाभ के लेलऽ अपनऽ पद के फायदा उठाबै छेलै, तभियो भी वू प्रभु पर भरोसा करै के दावा करी रहलऽ छेलै ।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक सेवा मे ईमानदार आ विनम्र रहबाक चाही

2: ई सोचि धोखा नहि दियौक जे निष्ठा कीनल वा बेचल जा सकैत अछि

1: नीतिवचन 21:3 "बलिदान सँ बेसी धर्म आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि।"

2: याकूब 4:6-7 "मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे, परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक केँ अनुग्रह दैत छथि। तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।"

मीका 3:12 तेँ अहाँ सभक लेल सियोन खेत जकाँ जोतल जायत, आ यरूशलेम ढेर बनि जायत आ घरक पहाड़ जंगलक ऊँच स्थान जकाँ बनि जायत।

यरूशलेम के विनाश के वर्णन मीका भविष्यवक्ता द्वारा करलऽ गेलऽ छै, जे कहै छेलै कि सियोन आरू यरूशलेम खेत के रूप में जोतलऽ जैतै आरू घर के पहाड़ जंगल के ऊंचऽ जगह बनी जैतै।

1. विनाशक चेतावनी: परमेश्वरक न्याय कोना परिवर्तन अनैत अछि

2. यरूशलेम के विनाश स सीखना: परमेश् वर के प्रोविडेंस के समझना

1. यशायाह 6:11-13 - "तखन हम कहलियनि, प्रभु, कतेक दिन धरि? आ ओ उत्तर देलनि, जाबत धरि नगर सभ बर्बाद नहि भ' जायत, जाबत धरि घर सभ निर्जन नहि भ' जायत आ खेत सभ उजाड़ नहि भ' जायत, जाबत धरि प्रभु नहि पठा देताह।" सब दूर आ जमीन एकदम छोड़ि देल गेल अछि।आ जँ एक दसम भाग देश मे रहि जायत, मुदा ओ फेर उजाड़ भ' जायत।मुदा जेना टेरेबिंथ आ ओक काटि लेला पर ठूंठ छोड़ि दैत अछि, तहिना पवित्र बीज मे ठूंठ बनत जमीन.

2. यिर्मयाह 32:36-44 - आब इस्राएलक परमेश् वर प्रभु, एहि नगरक विषय मे कहैत छथि, जकरा बारे मे अहाँ कहैत छी, ‘ई तलवार, अकाल आ महामारी सँ बेबिलोनक राजाक हाथ मे सौंपल गेल अछि। देखू, हम अपन क्रोध आ क्रोध आ बहुत क्रोध मे जाहि देश मे ओकरा सभ केँ भगा देलहुँ, ताहि सभ देश सँ ओकरा सभ केँ जमा करब। हम ओकरा सभ केँ एहि स्थान पर वापस आनि देब, आ ओकरा सभ केँ सुरक्षित रहय देब। ओ सभ हमर प्रजा होयत आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब। हम हुनका सभ केँ एक हृदय आ एके बाट देबनि, जाहि सँ ओ सभ हमरा सँ सदाक लेल डेरा सकथि, अपन भलाई आ हुनका सभक बादक बच्चा सभक भलाईक लेल। हम हुनका सभक संग अनन्त कालक वाचा बना लेब जे हम हुनका सभक भलाई करबा सँ नहि हटि सकब। हम हुनका सभक हृदय मे हमरा डर केँ राखि देबनि, जाहि सँ ओ सभ हमरा सँ नहि घुरथि। हम हुनका सभक भलाई करबा मे आनन्दित होयब, आ हुनका सभ केँ एहि देश मे विश्वासपूर्वक, पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ रोपब।

मीका अध्याय 4 मे इस्राएल के भविष्य के लेलऽ आशा आरू बहाली के संदेश देलऽ गेलऽ छै । अध्याय आबै वाला मसीही युग पर केंद्रित छै, जहाँ शांति, न्याय आरू समृद्धि के प्रधानता होतै।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भविष्य के दर्शन स होइत अछि, जतय प्रभु के मंदिर के पहाड़ सब पहाड़ स सबस ऊँच के रूप में स्थापित होयत। सब जाति के लोग एकरा दिस बहत, व्यवस्था आ प्रभु के वचन के खोज करत (मीका 4:1-2)।

द्वितीय पैराग्राफ: अध्याय में शांति आरू सौहार्द के समय के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, जहाँ युद्ध के हथियार उत्पादकता के साधन में बदली जैतै । जाति आब द्वंद्व मे नहि रहत, बल्कि प्रभु सँ सीखय आ हुनकर बाट पर चलय लेल एक ठाम आबि जायत (मीका 4:3-5)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय में इस्राएल के अवशेष के बहाली आरू पुनः इकट्ठा करै पर जोर देलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर लंगड़ा, निर्वासित आ छिड़ियाएल लोक सभ केँ एकट्ठा क’ क’ हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह। ओ सभ मुक्तिक अनुभव करत आ प्रभुक अधिकार मे शासन करत (मीका 4:6-8)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के सार्वभौमिकता के घोषणा आरू हुनकऽ लोगऽ के भाग्य के पुनर्स्थापित करै के प्रतिज्ञा के साथ होय छै । पूर्वक राज्य पुनर्स्थापित भऽ जायत आ राज्य सिय्योन मे आबि जायत। प्रभु हुनका सभ पर अनन्त काल धरि राज करताह (मीका 4:9-13)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 4 इस्राएल के भविष्य के लेलऽ आशा आरू बहाली के संदेश प्रस्तुत करै छै, जे शांति, न्याय आरू समृद्धि के आबै वाला मसीही युग प॑ केंद्रित छै ।

भविष्य के दर्शन जहाँ प्रभु के मंदिर के पहाड़ के ऊंचाई पर पहुँचै छै आरू सब जाति के लोग प्रभु के नियम के खोज करै छै।
शांति आ सौहार्द के समय, जतय युद्ध के हथियार के रूपांतरण होइत अछि आ राष्ट्र प्रभु स सीखैत अछि |
इस्राएल के अवशेष के पुनर्स्थापन आरू पुनः इकट्ठा करना, मुक्ति के अनुभव करना आरू प्रभु के अधिकार के तहत शासन करना।
भगवान् के सार्वभौमिकता के घोषणा, प्रभुत्व के पुनर्स्थापन, आरू प्रभु के अनन्त शासन |

मीका के ई अध्याय इस्राएल के भविष्य के आशा के दर्शन दै छै। एहि मे एहन समयक कल्पना कयल गेल अछि जखन प्रभुक मंदिरक पहाड़ ऊँच भ' जायत आ सभ जाति सँ लोक परमेश् वरक नियम आ वचनक खोज करबाक लेल अबैत अछि। ई भविष्य के युग के विशेषता छै शांति आरू सौहार्द, जहाँ युद्ध के हथियार उत्पादकता के साधन में बदली जाय छै । राष्ट्र आब द्वंद्व मे नहि लागि जाइत अछि अपितु प्रभु सँ सीखय आ हुनकर बाट पर चलबाक लेल एकत्रित भ' जाइत अछि । अध्याय में इस्राएल के अवशेष के बहाली आरू पुनः इकट्ठा करै पर जोर देलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर अपन लोक सभ केँ, जाहि मे लंगड़ा, निर्वासित आ छिड़ियाएल लोक सभ केँ जमा क' क' हुनका सभ केँ अपन देश मे वापस अनताह। ओ सभ मुक्तिक अनुभव करत आ प्रभुक अधिकार मे शासन करत। अध्याय के समापन परमेश् वर के संप्रभुता के घोषणा आरू हुनकऽ लोगऽ के भाग्य के पुनर्स्थापित करै के प्रतिज्ञा के साथ होय छै । पूर्वक राज्य पुनर्स्थापित भऽ जायत आ राज्य सिय्योन मे आबि जायत। प्रभु हुनका सभ पर अनन्त काल धरि राज करताह। ई अध्याय में शांति, न्याय आरू प्रभु के शाश्वत शासन के भविष्य के आशा पैदा करलऽ गेलऽ छै ।

मीका 4:1 मुदा अंतिम दिन मे एहन होयत जे परमेश् वरक मंशाक पहाड़ पहाड़क चोटी मे स्थिर होयत आ पहाड़ी सँ ऊपर उठत। लोक सभ ओहि दिस बहत।

प्रभुक घर सर्वोच्च स्थान पर स्थापित होयत आ आन सब पहाड़ सँ ऊपर ऊँच होयत | लोक एहि पर आओत।

1. प्रभुक घरक उदात्तता

2. परमेश् वरक आह्वान जे हुनका लग आबी

१.

2. यशायाह 2:2-4 - आ बहुत रास जाति आबि कऽ कहत: आऊ, हम सभ प्रभुक पहाड़ पर, याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ि जाउ, जाहि सँ ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाबथि आ हम सभ ओकर बाट मे चल सकैत अछि। कारण, सिय्योन सँ धर्म-नियम आ यरूशलेम सँ प्रभुक वचन निकलत।

मीका 4:2 बहुत रास जाति आबि क’ कहत जे, “आउ, हम सभ परमेश् वरक पहाड़ आ याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ब।” ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाओत आ हम सभ ओकर बाट पर चलब, किएक तँ सिय्योन सँ धर्म-नियम आ यरूशलेम सँ परमेश् वरक वचन निकलत।

एहि अंश मे चर्चा कयल गेल अछि जे कतेक राष्ट्र प्रभु आ हुनकर शिक्षा केँ सियोन आ यरूशलेम सँ ताकत।

1. राष्ट्र सभक लेल प्रभुक आमंत्रण: प्रभु आ हुनकर मार्गक खोज

2. सियोन आ यरूशलेम के महत्व: प्रभु के व्यवस्था आ वचन

1. यशायाह 2:2-3 - "अंतिम दिन मे परमेश् वरक घरक पहाड़ पहाड़क चोटी मे स्थिर होयत आ पहाड़ सँ ऊपर ऊँच होयत। आ सभ जाति।" ओहि दिस बहैत जाउ।’ बहुतो लोक जा कऽ कहत जे, “आउ, हम सभ परमेश् वरक पहाड़ पर याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ि जाउ।” ओकर बाट, किएक तँ सियोन सँ धर्म-नियम आ यरूशलेम सँ परमेश् वरक वचन निकलत।”

2. प्रकाशितवाक्य 21:2-3 - "हम यूहन् ना पवित्र नगर, नव यरूशलेम केँ परमेश् वर सँ स् वर्ग सँ उतरैत देखलहुँ, जे अपन पतिक लेल सुशोभित कनियाँ जकाँ तैयार अछि। तखन हम स् वर्ग सँ एकटा पैघ आवाज सुनलहुँ जे, “देखू।" , परमेश् वरक तम्बू मनुष् य सभक संग अछि, आ ओ ओकरा सभक संग रहत, आ ओ सभ ओकर लोक होयत, आ परमेश् वर स्वयं ओकरा सभक संग रहत आ ओकर सभक परमेश् वर होयत।”

मीका 4:3 ओ बहुत लोकक बीच न्याय करत आ दूरक बलवान जाति केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे आ भाला केँ छंटाई मे फँसाओत।

परमेश् वर बहुतो लोकक बीच न्याय करताह आ दूरक शक्तिशाली जाति सभ केँ डाँटताह। तखन ओ सभ अपन तलवार केँ हल आ भाला केँ छंटाईक हुक मे बदलि देत, आब युद्ध मे नहि लागि जायत।

1. "भगवानक न्यायक शक्ति"।

2. "शांति के प्रभाव"।

1. यशायाह 2:4 - "ओ जाति-जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटनी मे फँसि जायत। जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने सीखत।" युद्ध आब आब।"

2. मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक संतान कहल जायत।"

मीका 4:4 मुदा ओ सभ अपन-अपन बेल आ अंजीरक गाछक नीचाँ बैसत। कियो ओकरा सभ केँ डराओत, किएक तँ सेना सभक परमेश् वरक मुँह कहने छथि।

ई अंश परमेश् वर द्वारा देलऽ जाय वाला शांति आरू सुरक्षा के बारे में छै ।

1: भगवान अहाँ के सुरक्षित राखताह

2: प्रभु के रक्षा पर भरोसा करना

भजन 91:1-2 - जे परमात्माक गुप्त स्थान मे रहैत अछि, ओ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक छाया मे रहत।

यशायाह 55:12 - किएक तँ अहाँ सभ हर्षोल्लाससँ बाहर निकलब आ शान्तिक संग आगू बढ़ब, अहाँ सभक सोझाँ पहाड़ आ पहाड़ी सभ गान करबाक लेल फाटि जायत आ खेतक सभ गाछ ताली बजाओत।

मीका 4:5 किएक तँ सभ लोक अपन-अपन देवताक नाम पर चलत, आ हम सभ अपन परमेश् वर यहोवाक नाम सँ अनन्त काल धरि चलब।

ई अंश प्रभु के नाम पर चलै के महत्व पर जोर दै छै।

1. "प्रभु के नाम पर जीना"।

2. "प्रभु पर विश्वास के जीवन के शक्ति"।

1. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक ओ भेटि जायत ता धरि प्रभु केँ ताकू। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, कारण ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।

2. 1 कोरिन्थी 10:31 - "अहाँ सभ खाइ वा पीबैत छी, वा जे किछु करब, सभ किछु परमेश् वरक महिमाक लेल करू।"

मीका 4:6 परमेश् वर कहैत छथि जे, हम ओहि दिन मे जे रुकि गेल अछि, तकरा जमा करब, आ जे भगाओल गेल अछि, ओकरा जमा करब।

एहि अंश मे प्रभु वचन दैत छथि जे जे पीड़ित छथि आ भगाओल गेल छथि हुनका सभ केँ एकत्रित आ एकत्रित करब।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

2. दुखक बीच आशा

1. यशायाह 43:5-6 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक वंश पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ दक्षिण दिस। पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू।"

2. भजन 34:18 - "परमेश् वर टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि, आ पश्चाताप करयवला केँ उद्धार दैत छथि।"

मीका 4:7 जे रोकने छल, ओकरा हम एकटा बचि गेल लोक बना देब आ जे दूर फेकल गेल छल, ओकरा एकटा मजबूत जाति बना देब, आ परमेश् वर ओकरा सभ पर सियोन पहाड़ पर आब सँ अनन्त काल धरि राज करताह।

जे सभ फेकल गेल अछि, ओकरा सभ मे सँ प्रभु एकटा मजबूत राष्ट्र बनाओताह आ सिय्योन पहाड़ पर हुनका सभ पर अनन्त काल धरि राज करताह।

1. भगवानक कृपा: बहिष्कृत लोक धरि पहुँचब

2. भगवान् के प्रतिज्ञा आ हुनकर पूर्ति

1. यशायाह 2:2-3 अंतिम समय मे एहन होयत जे प्रभुक घरक पहाड़ पहाड़ सभ मे सँ सभ सँ ऊँच पहाड़क रूप मे स्थापित होयत आ पहाड़ सभ सँ ऊपर उठाओल जायत। आ सभ जाति एहि दिस बहत, आ बहुत रास लोक आबि कऽ कहत: आउ, हम सभ प्रभुक पहाड़ पर, याकूबक परमेश् वरक घर पर चढ़ि जाउ, जाहि सँ ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखथि आ हम सभ ओकर बाट मे चल सकैत अछि।

2. रोमियो 8:38-39 हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ अपन प्रभु मसीह यीशु मे परमेश् वरक प्रेम सँ अलग करू।

मीका 4:8 हे भेँड़ाक बुर्ज, सिय्योनक बेटीक गढ़, अहाँ लग पहिल राज आओत। राज्य यरूशलेमक बेटी लग आबि जायत।

झुंडक बुर्ज सिय्योनक बेटीक गढ़ होयत आ परमेश् वरक राज् य यरूशलेमक बेटी लग आबि जायत।

1. प्रभुक लोकक ताकत

2. सिय्योनक बेटी आ परमेश् वरक राज् य

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभक लेल एकटा संतान भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा पुत्र देल गेल अछि। आ सरकार हुनकर कान्ह पर रहत। आरू हुनकऽ नाम अद्भुत, परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त पिता, शांति के राजकुमार कहलऽ जैतै ।

2. फिलिप्पियों 3:20-21 - कारण हमर सभक नागरिकता स्वर्ग मे अछि, जाहि सँ हम सभ सेहो उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीहक आतुरता सँ प्रतीक्षा करैत छी, जे हमर सभक नीच शरीर केँ बदलि देत जाहि सँ ओ हुनकर महिमामंडित शरीरक अनुरूप बनत, जेना कि... काज करैत छथि जाहि सँ ओ सब किछु केँ अपना अधीन करबा मे सेहो सक्षम छथि |

मीका 4:9 आब अहाँ जोर-जोर सँ किएक चिचिया रहल छी? की तोरा मे कोनो राजा नहि अछि? की तोहर सल्लाहकार नष्ट भऽ गेल? कारण, पीड़ा अहाँ केँ प्रसव मे पड़ल स्त्री जकाँ ल’ गेल अछि।”

एहि अंश मे पूछल गेल अछि जे लोक परेशानी मे किएक अछि आओर इ सुझाव देल गेल अछि जे एकर कारण नेतृत्व क कमी भ सकैत अछि।

1. संकट के समय में मार्गदर्शन आ नेतृत्व के लेल भगवान के पास जाउ।

2. पीड़ा आ दुखक समय मे विश्वास मे ताकत आ आराम प्राप्त करू।

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि। ओकर कान्ह पर सरकार रहतैक आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ हम सभ नहि डेराएब, चाहे पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।

मीका 4:10 हे सियोनक बेटी, प्रसव मे पड़ल स्त्री जकाँ पीड़ा मे पड़ि जाउ आ प्रसव करबाक लेल परिश्रम करू, किएक तँ आब अहाँ शहर सँ बाहर निकलब आ खेत मे रहब आ साँझ मे जायब बेबिलोन; ओतहि अहाँक उद्धार होयत। ओतहि परमेश् वर तोरा शत्रु सभक हाथ सँ मुक्त करताह।”

सिय्योन के बेटी के निर्देश देल गेल छै कि ओ दर्द में रहय आ बच्चा के जन्म देबय लेल मेहनत करय, आ ओकरा शहर छोड़ि क’ बाबुल जाय पड़तैक, जतय प्रभु ओकरा ओकर शत्रु सभ सँ मुक्त करत।

1. सियोन के बेटी के मोक्ष: कठिन समय में विश्वास के अन्वेषण

2. परमेश् वरक उद्धारक तैयारी: सिय्योनक बेटीक कथा

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. गलाती 6:9 - नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भ’ जायब तँ उचित समय पर फसल काटि लेब।

मीका 4:11 आब बहुत रास जाति अहाँक विरुद्ध जमा भ’ गेल अछि जे कहैत अछि जे, “ओकरा अशुद्ध भ’ जाय आ हमरा सभक नजरि सियोन दिस तकय।”

बहुतो जाति यरूशलेम के खिलाफ जमा छै, जे ओकरा अशुद्ध करै चाहै छै आरू ओकरो विनाश पर उल्लास करै चाहै छै।

1. परीक्षा के समय में परमेश् वर के वफादारी - रोमियो 8:31

2. एकताक ताकत - भजन 133:1

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी," प्रभु घोषणा करैत छथि, "अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना अछि आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. जकरयाह 2:8 - "किएक तँ सर्वशक्तिमान प्रभु ई कहैत छथि जे महिमाशाली हमरा ओहि जाति सभक विरुद्ध पठा देलनि जे अहाँ सभ केँ लूटने अछि, कारण जे अहाँ सभ केँ छूओत से ओकर आँखिक नेबो केँ छूबैत अछि।' जाहि सँ ओकर सभक दास ओकरा सभ केँ लूटि लेत।' " .

मीका 4:12 मुदा ओ सभ परमेश् वरक विचार नहि जनैत छथि आ ने हुनकर सलाह केँ बुझैत छथि, किएक तँ ओ सभ ओकरा सभ केँ गुच्छा जकाँ फर्श मे जमा कऽ लेताह।

प्रभु केरऽ विचार आरू योजना छै जेकरा जनता नै समझै छै । ओ ओकरा सभ केँ अनाजक गुच्छा जकाँ कुटनी मे जमा करत।

1. योजनाक भगवान: प्रभुक विचार केँ बुझब

2. भोजनक भगवान: प्रभु हमरा सभकेँ अनाजक गुच्छा जकाँ जमा करैत छथि

1. यशायाह 55:8-9 किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. भजन 37:5 अपन बाट परमेश् वरक समक्ष राखू। हुनका पर सेहो भरोसा करू। ओ एकरा पूरा कऽ लेताह।”

मीका 4:13 हे सियोनक बेटी, उठू आ कुटी, किएक त’ हम अहाँक सींग केँ लोहा बना देब, आ अहाँक खुर केँ पीतल बना देब, आ अहाँ बहुतो लोक केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ देब, आ हम हुनकर लाभ केँ प्रभु आ हुनकर सभक लेल समर्पित करब समस्त पृथ्वीक प्रभुक लेल सम्पत्ति।

परमेश् वर सिय्योन के लोग सिनी कॅ उठै के आज्ञा दै छै आरु लड़ै, ओकरा सिनी कॅ शत्रु सिनी पर विजयी बनाबै के वादा करै छै आरू युद्ध के लूट के सामान ओकरा समर्पित करै के वादा करै छै।

1. "उठू आ लड़ू: भगवान् सँ कर्म करबाक आह्वान"।

2. "विजय के प्रतिज्ञा: भगवान के अपन लोक के वरदान"।

1. यशायाह 2:4 - "ओ जाति-जाति सभक बीच न्याय करत, आ बहुतो लोक केँ डाँटत। ओ सभ अपन तलवार केँ हल मे फेकि देत, आ अपन भाला केँ छंटनी मे फँसि जायत। जाति जाति मे तलवार नहि उठाओत आ ने सीखत।" युद्ध आब आब।"

2. भजन 68:19 - "धन्य होउ प्रभु, जे हमरा सभ पर नित्य लाभक बोझ दैत छथि, हमर उद्धारक परमेश् वर। सेलाह।"

मीका अध्याय 5 मे बेतलेहेम मे मसीह के जन्म आ इस्राएल के भविष्य के महिमा के भविष्यवाणी कयल गेल अछि। अध्याय मसीह के विनम्र जन्मस्थान के महत्व आरू परमेश् वर के लोगऽ के अंतिम विजय के उजागर करै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत बेतलेहेम में मसीह के जन्म के भविष्यवाणी स होइत अछि, जाहि में इस्राएल के भविष्य के शासक के विनम्र उत्पत्ति पर जोर देल गेल अछि। अपनऽ छोटऽ आकार के बावजूद, बेतलेहेम क॑ वू व्यक्ति के जन्मस्थान के रूप म॑ चुनलऽ गेलऽ छै जे परमेश् वर के लोगऽ के चरवाहा करतै आरू ओकरा सिनी क॑ सुरक्षा आरू शांति लानै छै (मीका ५:१-४)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में मसीह के नेतृत्व में इस्राएल के विजयी भविष्य के चित्रण करलऽ गेलऽ छै । याकूबक शेष लोक जाति-जाति मे सिंह जकाँ होयत जे अपन शत्रु सभ मे भय मारत। परमेश् वर अपन लोकक विरुद्ध उठय बला जाति सभक नाश करताह, हुनकर सुरक्षा आ समृद्धि सुनिश्चित करताह (मीका 5:5-9)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय मे भूमि सँ मूर्तिपूजा के शुद्धि आ हटाबय पर प्रकाश देल गेल अछि | प्रभु जादू-टोना, भविष्यवाणी आ नक्काशीदार मूर्ति सभ केँ काटि देत, जाहि सँ देश केँ झूठ आराधना सँ शुद्ध कयल जायत। आब लोक अपन शक्ति या मूर्तिपूजक प्रथा पर भरोसा नहि करत (मीका 5:10-15)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 5 बेतलेहेम में मसीह के जन्म के भविष्यवाणी करै छै आरू ओकरऽ नेतृत्व में इस्राएल के भविष्य के महिमा के भविष्यवाणी करै छै।

बेतलेहेम में मसीह के जन्म के भविष्यवाणी, भविष्य के शासक के विनम्र उत्पत्ति पर जोर दैत |
मसीह के नेतृत्व में इस्राएल के विजयी भविष्य, याकूब के अवशेष के साथ जे अपनऽ दुश्मनऽ में भय के प्रहार करी रहलऽ छै ।
भूमि स मूर्तिपूजा के शुद्धि आ दूर करब, जाहि में लोक केवल प्रभु के बल पर निर्भर रहत |

मीका के ई अध्याय में बेतलेहेम में मसीह के जन्म के बारे में एगो भविष्यवाणी छै, जेकरा में भविष्य के शासक के विनम्र उत्पत्ति पर जोर देलऽ गेलऽ छै। अपनऽ छोटऽ आकार के बावजूद बेतलेहेम क॑ वू लोगऽ के जन्मस्थान के रूप म॑ चुनलऽ गेलऽ छै जे परमेश् वर के लोगऽ के चरवाहा करतै आरू सुरक्षा आरू शांति लानै छै । अध्याय में मसीह के नेतृत्व में इस्राएल के विजयी भविष्य के भी चित्रण करलऽ गेलऽ छै । याकूबक शेष लोक अपन शत्रु सभ मे भय प्रहार करैत बलवान आ शक्तिशाली होयत। परमेश् वर अपन लोकक विरुद्ध उठय बला राष्ट्र सभ केँ नष्ट कऽ देताह, हुनकर सुरक्षा आ समृद्धि सुनिश्चित करताह। एकरऽ अतिरिक्त, अध्याय म॑ भूमि स॑ मूर्तिपूजा के शुद्धि आरू हटाबै के बात करलऽ गेलऽ छै । प्रभु जादू-टोना, भविष्यवाणी आ नक्काशीदार मूर्ति सभ केँ समाप्त क' क' मिथ्या पूजा सँ भूमि केँ शुद्ध क' देताह। आब जनता अपन शक्ति वा मूर्तिपूजक आचरण पर निर्भर नहि रहत अपितु मात्र प्रभुक बल आ मार्गदर्शन पर निर्भर रहत। ई अध्याय भविष्य के आशा पैदा करै छै, मसीह के जन्म आरू परमेश्वर के लोगऽ के अंतिम विजय के तरफ इशारा करै छै।

मीका 5:1 हे सेनाक बेटी, आब अपना केँ दल मे जमा करू, ओ हमरा सभक विरुद्ध घेराबंदी क’ देलक, ओ सभ इस्राएलक न्यायाधीश केँ गाल पर छड़ी सँ मारि देत।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ एकजुट होय कॅ युद्ध के तैयारी करै लेली आह्वान करी रहलऽ छै, कैन्हेंकि एक दुश्मन ओकरा सिनी पर हमला करै लेली आबी रहलऽ छै।

1. एकता के शक्ति: एक संग एकजुट भेला स विश्वास कोना मजबूत होइत अछि

2. तैयारी के महत्व: तत्परता हार के कोना रोकैत अछि

1. इफिसियों 4:3 - शांति के बंधन के माध्यम स आत्मा के एकता के कायम रखबाक हर संभव प्रयास करू।

2. नीतिवचन 21:31 - घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार कयल गेल अछि, मुदा विजय प्रभुक अछि।

मीका 5:2 मुदा अहाँ बेतलेहेम एफ्राता, भले अहाँ यहूदाक हजारों लोक मे छोट छी, मुदा अहाँ मे सँ ओ हमरा लग निकलत जे इस्राएल मे शासक बनब। जिनकर प्रसव पहिने सँ, अनन्त काल सँ अछि।

ई अंश मसीहा के संदर्भ में छै, जे यहूदा के छोटऽ शहर बेतलेहेम सें आबै वाला छेलै।

1. मसीहक विशिष्टता - ई अंश एहि तथ्य पर प्रकाश दैत अछि जे मसीह एकटा छोट आ महत्वहीन बुझाइत शहर सँ अयला के बादो बहुत महत्व रखैत छथि आ समयक प्रारंभ सँ परमेश्वरक योजनाक हिस्सा रहल छथि।

2. विश्वासक शक्ति - एहि अंश केँ एकटा उदाहरणक रूप मे सेहो देखल जा सकैत अछि जे विश्वास कोना पैघ काज दिस ल' सकैत अछि, ओहो तखन जखन एहन बुझाइत हो जेना सभ आशा खत्म भ' गेल हो।

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि। ओकर कान्ह पर सरकार रहतैक आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

2. यशायाह 11:1-2 - यिशै के ठूंठ सॅं एकटा डारि निकलत आ ओकर जड़ि सॅं एकटा डारि फल देत।
प्रभुक आत् मा हुनका पर टिकल रहतनि, बुद्धि आ समझदारीक आत् मा, सलाह आ पराक्रमक आत् मा, ज्ञान आ प्रभुक भय।

मीका 5:3 तेँ ओ ओकरा सभ केँ ताबत धरि छोड़ि देत जाबत धरि प्रसव करनिहार प्रसव नहि करत।

मीका 5:3 मे प्रभु अपन लोक केँ त्यागि देबाक बात कहैत अछि जाबत धरि प्रसव मे पड़ल महिलाक समय समाप्त नहि भ’ जायत आ ओकर भाय सभक शेष लोक इस्राएली सभ लग वापस नहि आबि जायत।

1. प्रभु के मुक्ति के प्रतिज्ञा: भूत आ वर्तमान के जोड़ब

2. भगवानक प्रतीक्षा: कठिनाइक समय मे धैर्य आ विश्वास

1. यशायाह 11:11-12 - ओहि दिन परमेश् वर दोसर बेर अपन हाथ राखताह जे अश्शूर आ मिस्र सँ अपन प्रजाक शेष जे बचल रहत। पाथ्रोस, कुश, एलाम, शिनार, हमत आ समुद्रक द्वीप सभ सँ।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

मीका 5:4 ओ ठाढ़ भ’ क’ परमेश् वरक सामर्थ् य मे, अपन परमेश् वर परमेश् वरक नामक महिमा मे भोजन करत। ओ सभ टिकत, किएक तँ ओ आब पृथ् वीक छोर धरि महान होयत।”

भगवान् महान हेताह आ हुनका मे रहनिहार केँ शक्ति आ महिमा प्रदान करताह।

1. प्रभुक बल आ महिमा

2. पैघ जीवनक लेल भगवान् मे रहब

1. इफिसियों 3:16-21 - जाहि सँ ओ अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँ सभ केँ अपन आत् मा द्वारा अहाँ सभक भीतर मे सामर्थ् य सँ मजबूत होबय

2. यशायाह 40:28-31 - की अहाँ नहि जनैत छी? अहाँ सभ नहि सुनने छी? प्रभु सनातन परमेश् वर छथि, पृथ् वी के छोर के सृष्टिकर्ता छथि। ओ बेहोश नहि होइत अछि आ ने थाकि जाइत अछि; ओकर समझ अनजान अछि।

मीका 5:5 जखन अश्शूर हमरा सभक देश मे आबि जायत तखन ई आदमी शान्ति होयत, आ जखन ओ हमरा सभक महल मे पैर रखत, तखन हम सभ ओकरा विरुद्ध सातटा चरबाह आ आठ प्रमुख आदमी केँ ठाढ़ करब।

मीका 5:5 एकटा आबै वाला शासक के भविष्यवाणी करै छै जे शांति के स्रोत होतै, अश्शूर के सेना के उपस्थिति के बावजूद जे देश के खतरा में डालतै।

1. शांति के राजकुमार: परेशानी के समय में आराम पाना

2. प्रभु पर भरोसा करू: कमजोरी के समय में भगवान के ताकत

1. यशायाह 9:6 (किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा संतानक जन्म भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा पुत्र देल गेल अछि। आ शासन हुनकर कान्ह पर रहत। आ हुनकर नाम अद्भुत, सलाहकार, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, द... शांति के राजकुमार।)

2. भजन 46:1 (परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।)

2031

मीका 5:6 ओ सभ अश्शूरक देश केँ तलवार सँ उजाड़ि देत, आ ओकर प्रवेश द्वार मे निमरोदक देश केँ, एहि तरहेँ ओ हमरा सभ केँ अश्शूर सँ बचाओत, जखन ओ हमरा सभक देश मे आओत आ जखन ओ हमरा सभक सीमा मे डेग करत।

परमेश् वर अश्शूर आ निमरोदक भूमि केँ नष्ट कऽ अपन लोक केँ अश्शूरक शत्रु सँ मुक्त करताह।

1. परमेश् वर अपन लोक सभ केँ बुराई सँ बचाओत - भजन 46:1

2. परमेश् वरक शक्ति कोनो शत्रु सँ बेसी अछि - यशायाह 45:2-3

1. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

2. यशायाह 45:2-3 - हम अहाँक आगू बढ़ब आ ऊँच स्थान सभ केँ समतल करब, हम कांस्यक दरबज्जा केँ टुकड़ा-टुकड़ा करब आ लोहाक सलाख केँ काटि देब, हम अहाँ केँ अन्हारक खजाना आ नुकायल धन देब गुप्त स्थान।

मीका 5:7 याकूबक शेष लोक बहुतो लोकक बीच परमेश् वरक ओस जकाँ होयत, जेना घास पर बरखा होइत अछि, जे मनुक्खक लेल नहि टिकैत अछि आ नहिये मनुष् यक पुत्रक प्रतीक्षा करैत अछि।

याकूब के अवशेष प्रभु के आशीर्वाद मिलतै आरू ओकरा मनुष्य के अनुग्रह के इंतजार करै के जरूरत नै पड़तै।

1. विश्वासी रहू आ प्रभु अहाँ के अपन अनुग्रह स आशीर्वाद देताह।

2. मनुक्खक विचारसँ नहि डोलब; भगवान् अहाँ केँ जे किछु चाही से उपलब्ध करा देताह।

1. भजन 37:5-6 "अपन बाट परमेश् वर पर सौंपल जाउ; हुनका पर सेहो भरोसा करू। ओ एकरा पूरा करत। ओ अहाँक धार्मिकता केँ इजोत जकाँ आ अहाँक न्याय केँ दुपहर जकाँ आनत।"

2. यशायाह 30:18 "एहि लेल परमेश् वर प्रतीक्षा करताह जे ओ अहाँ सभ पर कृपा करथि आ तेँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ पर दया करथि जे ओकर प्रतीक्षा करैत अछि।"

मीका 5:8 याकूबक शेष लोक बहुतो लोकक बीच गैर-यहूदी सभक बीच जंगलक जानवरक बीच सिंह जकाँ होयत, जेना भेँड़ाक झुंड मे शेरक बच्चा होयत, आ टुकड़ा-टुकड़ा फाड़ि दैत अछि, आ केओ नहि बचा सकैत अछि।

याकूबक अवशेष आन जाति सभक बीच मजबूत आ शक्तिशाली होयत।

1. याकूबक अवशेषक ताकत

2. भगवानक शक्ति अपन लोकक माध्यमे

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. इफिसियों 6:10-20 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

मीका 5:9 तोहर हाथ तोहर विरोधी पर उठाओल जायत आ तोहर सभ शत्रु कटि जायत।

भगवान् अपन लोक के ओकर दुश्मन स बचा लेताह आ ओकरा पर न्याय आनताह।

1: भगवान् हमर सभक रक्षक आ प्रतिशोधक छथि

2: भगवान् के विरोध के परिणाम

1: यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत, आ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराउ।"

2: रोमियो 12:19 - "प्रिय लोकनि, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दिअ, किएक तँ लिखल अछि, 'प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब,' प्रभु कहैत छथि।"

मीका 5:10 प्रभु कहैत छथि जे ओहि दिन हम अहाँक बीच सँ घोड़ा सभ केँ काटि देब आ अहाँक रथ सभ केँ नष्ट कऽ देब।

प्रभु न्यायक दिन लोकक घोड़ा आ रथ केँ हटा देताह।

1. न्याय के दिन प्रभु के क्रोध

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. रोमियो 2:5-8 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

2. हबक्कूक 3:17-18 - भले अंजीरक गाछ नहि फूलय, आ ने बेल पर फल हो, जैतूनक उपज खतम भ’ जाइत अछि आ खेत मे अन्न नहि भेटैत अछि, झुंड केँ झुंड सँ काटि देल जाय आ झुंड नहि होयत ठेला पर, तैयो हम प्रभु मे आनन्दित रहब। हम अपन उद्धारक परमेश् वर मे आनन्दित रहब।

मीका 5:11 हम अहाँक देशक नगर सभ केँ काटि देब आ अहाँक सभ गढ़ केँ उखाड़ि देब।

ई अंश परमेश् वर के शक्ति आरू न्याय के बात करै छै, कैन्हेंकि वू शहर आरू गढ़ऽ म॑ विनाश आरू अराजकता लानै छै ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हुनकर शक्ति आ निर्णय केँ बुझब

2. भगवान् पर भरोसा करब: हुनकर इच्छाक समक्ष आत्मसमर्पण करब

1. भजन 33:10-11 - "प्रभु जाति-जाति सभक सलाह केँ अन्त करैत छथि; ओ जाति सभक योजना केँ बेकार करैत छथि। प्रभुक सलाह सदाक लेल ठाढ़ रहैत छथि, हुनकर हृदयक योजना सभ पीढ़ी धरि।"

2. यशायाह 31:1 - "धिक्कार अछि जे सभ मिस्र मे सहायताक लेल उतरैत छथि, आ घोड़ा पर भरोसा करैत छथि, जे रथ पर भरोसा करैत छथि, कारण ओ बहुत अछि, आ घुड़सवार पर भरोसा करैत छथि, कारण ओ बहुत बलवान छथि, मुदा जे पवित्र स्थान दिस नहि तकैत छथि।" इस्राएलक एक, आ ने प्रभुक खोज करू!”

मीका 5:12 हम अहाँक हाथ सँ जादू-टोना केँ काटि देब। आ अहाँ लग आब कोनो भविक्ख नहि रहत।

पासेज भगवान लोक मे सँ जादू-टोना आ भविष्यवक्ता केँ काटि देताह।

1. भगवान् के रक्षा के शक्ति: बुराई स हमरा सब के बचाबय लेल भगवान पर भरोसा करब

2. जादू-टोना केँ अस्वीकार करब: एकर बदला मे परमेश्वरक बाट पर चलब चुनब

1. व्यवस्था 18:10-12 अहाँ सभक बीच एहन केओ नहि भेटत जे अपन बेटा वा बेटी केँ आगि मे सँ गुजरय, वा भविष्यवाणी करयवला, वा समयक पालन करयवला, वा जादूगर वा चुड़ैल। आकि कोनो जादूगर, वा परिचित आत्माक संग सलाहकार, वा कोनो जादूगर, वा कोनो नेक्रोमैन्सर। किएक तँ जे सभ ई सभ काज करैत अछि, से सभ परमेश् वरक लेल घृणित अछि

2. इफिसियों 6:12 -- किएक तँ हम सभ मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल् कि रियासत सभक विरुद्ध, शक्ति सभक विरुद्ध, एहि संसारक अन्हारक शासक सभक विरुद्ध, ऊँच स्थान पर आध्यात्मिक दुष्टता सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी।

2033

मीका 5:13 हम तोहर उकेरल मूर्ति सभ केँ सेहो काटि देब आ तोहर ठाढ़ मूर्ति सभ केँ सेहो तोहर बीच सँ काटि देब। आब अहाँ अपन हाथक काजक आराधना नहि करब।”

परमेश् वर लोकक बीच सँ सभ मूर्ति आ मूर्ति केँ हटा देताह, आ आब ओकरा सभ केँ ओकर पूजा नहि करबाक चाही।

1. आत्मा आ सत्य मे परमेश् वरक आराधना करब

2. मूर्तिपूजाक खतरा

1. व्यवस्था 5:7-9

2. यशायाह 44:9-20

मीका 5:14 हम तोहर बगीचा सभ केँ तोहर बीच सँ उखाड़ि लेब, तेना हम तोहर शहर सभ केँ नष्ट करब।

भगवान् मूर्तिपूजा बर्दाश्त नै करतै आरू अपनऽ लोगऽ के भीतर स॑ कोनो भी झूठा देवता क॑ हटाय देतै ।

1: हमरा सब के अपन दिल आ जीवन स मूर्ति के हटाबय लेल लगनशील रहय पड़त।

2: झूठ देवताक धोखा नहि खाउ, कारण भगवान् हुनका सभक विरुद्ध कार्रवाई करताह।

1: व्यवस्था 7:4-5 - "किएक तँ ओ सभ तोहर बेटा केँ हमरा पाछाँ छोड़ि कऽ दोसर देवता सभक सेवा कऽ लेताह। तेना परमेश् वरक क्रोध अहाँ सभ पर प्रज्वलित भऽ जेताह आ अहाँ सभ केँ अचानक नष्ट कऽ देताह। मुदा अहाँ सभ एहि तरहेँ व्यवहार करब।" ओकरा सभक संग ओकरा सभक वेदी सभ केँ नष्ट कऽ देब, ओकर मूर्ति सभ केँ तोड़ि देब, ओकर बगीचा सभ केँ काटि देब आ ओकर उकेरल मूर्ति सभ केँ आगि मे जरा देब।”

2: 1 यूहन्ना 5:21 - "छोट-छोट बच्चा सभ, मूर्ति सभ सँ अपना केँ बचाउ। आमीन।"

मीका 5:15 हम क्रोध आ क्रोध मे एहन गैर-यहूदी सभक प्रतिशोध करब, जे ओ सभ नहि सुनने अछि।

परमेश् वर गैर-यहूदी सभक विरुद्ध एहन प्रतिशोध आनताह जे ओ सभ पहिने कहियो नहि देखने छल।

1. परमेश् वरक क्रोध: हमरा सभ केँ कोना प्रतिक्रिया देबाक चाही

2. परमेश् वरक प्रतिशोध ग्रहण करबाक की अर्थ होइत अछि

1. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: 'बदली लेब हमर अछि; हम बदला लेब।'

2. भजन 94:1 - "हे प्रभु, प्रतिशोध लेबयवला परमेश् वर, हे बदला लेबयवला परमेश् वर, चमकू।"

मीका अध्याय 6 इस्राएल के लोग आरू परमेश्वर के साथ ओकरो संबंध के संबोधित करै छै। अध्याय में हुनकऽ पूजा आरू दैनिक जीवन में न्याय, दया आरू विनम्रता के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय केरऽ शुरुआत कोर्टरूम केरऽ दृश्य स॑ होय छै, जब॑ प्रभु इस्राएल के खिलाफ अपनऽ मामला प्रस्तुत करै छै । ओ पहाड़ आरू पृथ्वी के नींव के आह्वान करै छै कि वू अपनऽ लोगऽ के बेवफाई के आरोप के साक्षी बनी जाय (मीका 6:1-2)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में लोक के ई सवाल उठाबै के चित्रण छै कि ओकरा प्रभु के सामने की लाना चाहियऽ ताकि हुनका खुश करलऽ जाय सक॑ । ओ सभ होमबलि, बछड़ा वा अपन जेठ बच्चा धरि के बलि देबाक सुझाव दैत छथि | तथापि, मीका हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे परमेश् वर बाहरी बलिदान सँ बेसी न्याय, दया आ विनम्रता चाहैत छथि (मीका 6:6-8)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे लोकक पापपूर्णता आ गरीब आ जरूरतमंद पर ओकर अत्याचार पर प्रकाश देल गेल अछि | मीका हुनकर बेईमान व्यवहार के उजागर करै छै, जेकरा में धोखाधड़ी के तौल आरू नाप भी शामिल छै, आरू ओकरा सिनी के सामना करै वाला परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै (मीका 6:9-16)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 6 इस्राएल के लोग आरू परमेश्वर के साथ ओकरऽ संबंध पर केंद्रित छै, जेकरा म॑ ओकरऽ आराधना आरू दैनिक जीवन म॑ न्याय, दया आरू विनम्रता के महत्व प॑ जोर देलऽ गेलऽ छै ।

कोर्टरूम के दृश्य जखन प्रभु इस्राएल के खिलाफ अपन मामला प्रस्तुत करैत छथि |
मोन पाड़ू जे परमेश् वर बाहरी बलिदान सँ बेसी न्याय, दया आ विनम्रता चाहैत छथि।
जनता के पापपूर्णता आ गरीब पर अत्याचार के उजागर करब, संगहि परिणाम के चेतावनी सेहो।

मीका केरऽ ई अध्याय म॑ कोर्टरूम केरऽ एगो दृश्य प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जहाँ प्रभु इस्राएल के खिलाफ अपनऽ मामला पेश करै छै । लोक सभ प्रश्न करैत छथि जे प्रभु केँ प्रसन्न करबाक लेल हुनका सभ केँ की आनबाक चाही, विभिन्न प्रसाद आ बलिदानक सुझाव दैत छथि | मुदा, मीका हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे परमेश् वर बाहरी धार्मिक संस्कार सँ बेसी न्याय, दया आ विनम्रता चाहैत छथि। अध्याय में लोगऽ के पापपूर्णता, खास करी क॑ गरीब आरू जरूरतमंद के साथ ओकरऽ अत्याचार के भी उजागर करलऽ गेलऽ छै । मीका हुनकऽ बेईमान प्रथा पर प्रकाश डालै छै, जेना कि धोखाधड़ी वाला वजन आरू नाप के प्रयोग। ओ हुनका सभ के चेताबैत छथि जे हुनकर बेवफाई के परिणामस्वरूप हुनका कोन परिणाम के सामना करय पड़तनि। ई अध्याय सच्चा पूजा के महत्व के याद दिलाबै के काम करै छै, जेकरा में खाली बाहरी धार्मिक पालन के बजाय न्याय, दया आरू विनम्रता के काम शामिल छै।

मीका 6:1 अहाँ सभ आब सुनू जे परमेश् वर की कहैत छथि। उठू, पहाड़क सोझाँ झगड़ा करू, आ पहाड़ी सभ अहाँक आवाज सुनय।

परमेश् वर हमरा सभ केँ ठाढ़ भऽ कऽ अपन आवाज सुनबा लेल बजा रहल छथि।

1: हमरा सभकेँ प्रभुक बात सुनबाक चाही आ सत्यक लेल ठाढ़ हेबाक चाही।

2: प्रभुक सत्यक घोषणा करबा मे हमरा सभ केँ नहि डरबाक चाही।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: 2 तीमुथियुस 1:7 - "किएक तँ परमेश् वर हमरा सभ केँ भय केर नहि, बल् कि सामर्थ् य आ प्रेम आ संयमक आत् मा देलनि।"

मीका 6:2 हे पहाड़, अहाँ सभ परमेश् वरक विवाद आ अहाँ सभ पृथ् वीक मजबूत नींव सभ सुनू, किएक तँ परमेश् वर केँ अपन लोक सभक संग विवाद अछि आ ओ इस्राएल सँ गुहार लगाओत।

प्रभु के अपनऽ लोगऽ के साथ विवाद छै, आरो इस्राएल के साथ निहोरा करतै।

1. प्रभुक अपन लोकक प्रति प्रेम आ अनुशासन

2. प्रभुक अपन लोकक लेल निहोरा

1. यशायाह 1:18 - "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, प्रभु कहैत छथि: अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, भले ओ किरमिजी जकाँ लाल हो, मुदा ऊन जकाँ होयत।"

2. यिर्मयाह 29:11-13 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीकक लेल नहि, कल्याणक योजना अछि। तखन अहाँ हमरा बजा कऽ आबि कऽ हमरा सँ प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।

मीका 6:3 हे हमर लोक, हम अहाँक संग की केलहुँ? आ हम अहाँ केँ कोन काज मे थका देलहुँ? हमरा विरुद्ध गवाही दिअ।

मीका इस्राएलक लोक सभ सँ पूछैत छथि जे ओ हुनका सभक संग की केने छथि, आ हुनका सभ केँ हुनका सभक विरुद्ध गवाही देबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि।

1) गवाही देबय के शक्ति: अपना आ अपन नेता के परखब

2) परमेश् वरक मार्गदर्शन ताकब: ओ हमरा सभसँ की माँगि रहल छथि?

1) भजन 139:23-24 "हे परमेश् वर, हमरा खोजू आ हमर हृदय केँ जानि लिअ।

2) मत्ती 7:3-5 "आ अहाँ अपन भाइक आँखि मे जे कड़ाही अछि तकरा किएक देखैत छी, मुदा अपन आँखि मे जे बीम अछि, तकरा पर विचार नहि करैत छी? वा अहाँ अपन भाय केँ कोना कहब जे, 'हम कटहर निकालि दिअ।" अहाँक आँखि मे एकटा बीम अछि, आ देखू, अहाँक आँखि मे एकटा बीम अछि? हे पाखंडी, पहिने अपन आँखि सँ बीम निकालि दियौक, तखन अहाँ अपन भाइक आँखि मे सँ कटहर निकालबाक लेल साफ-साफ देखब।"

मीका 6:4 किएक तँ हम तोरा मिस्र देश सँ निकालि कऽ नोकरक घर सँ मुक्त कऽ देलहुँ। हम अहाँ सभक सोझाँ मूसा, हारून आ मरियम केँ पठौलहुँ।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ मिस्रक गुलामी सँ मुक्त कयलनि आ मूसा, हारून आ मरियम केँ हुनका सभक नेतृत्व करबाक लेल पठौलनि।

1. परमेश् वरक मोक्ष - परमेश् वर इस्राएली सभ केँ गुलामी सँ कोना मुक्त कयलनि

2. परमेश् वरक मार्गदर्शन - परमेश् वर मूसा, हारून आ मरियमक माध्यमे नेतृत्व कोना देलनि

1. निकासी 20:2-3 - "हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी, जे अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ, गुलामीक घर सँ निकालने छी। हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत।"

2. व्यवस्था 7:8 - "मुदा प्रभु अहाँ सभ सँ प्रेम कयलनि आ अहाँक पूर्वज सभ केँ जे शपथ केने छलाह, तकरा पालन कयलनि जे प्रभु अहाँ सभ केँ एकटा पराक्रमी हाथ सँ बाहर निकालि देलनि आ अहाँ सभ केँ गुलामीक घर सँ, हाथ सँ मुक्त क' देलनि।" मिस्र के राजा फिरौन के।"

मीका 6:5 हे हमर लोक, आब मोन राखू जे मोआबक राजा बालाक की विचार केलनि आ बेओरक पुत्र बिलाम हुनका की उत्तर देलनि। जाहि सँ अहाँ सभ परमेश् वरक धार्मिकता केँ जानि सकब।”

परमेश् वर अपन लोक सभ सँ आह्वान करैत छथि जे प्रभुक धार्मिकता केँ बुझबाक लेल शित्तीम सँ लऽ कऽ गिलगाल धरि बालाक आ बिलामक कथा मोन राखथि।

1. "प्रभुक धर्म"।

2. "बालाक आ बिलाम के याद करब: परमेश् वरक धार्मिकताक एकटा पाठ"।

1. व्यवस्था 32:4 - "ओ चट्टान छथि, हुनकर काज सिद्ध अछि; कारण हुनकर सभ बाट न्याय अछि, सत्य आ अन्याय रहित परमेश् वर छथि; ओ धर्मी आ सोझ छथि।"

2. नीतिवचन 16:11 - "एकटा न्यायपूर्ण वजन आ संतुलन प्रभुक अछि; झोराक सभ तौल हुनकर काज अछि।"

मीका 6:6 हम कोन तरहेँ प्रभुक समक्ष आबि कऽ उच्च परमेश् वरक समक्ष प्रणाम करब? की हम होमबलि, एक वर्षक बछड़ा ल' क' हुनका सोझाँ आबि जायब?

मीका पूछि रहल छथि जे ओ परमेश् वरक समीप कोना पहुँचि सकैत छथि, आ की प्रभुक अनुग्रह प्राप्त करबाक लेल होमबलि आ एक वर्षक बछड़ा चढ़ेनाय पर्याप्त होयत।

1. यज्ञ हृदय: भगवान् के प्रति सच्चा भक्ति के प्रदर्शन कोना कयल जाय

2. बलिदान सँ बेसी बलिदान देब: विनम्र हृदय सँ प्रभुक समीप कोना पहुँचल जाय

1. भजन 51:16-17 किएक तँ अहाँ बलिदान मे प्रसन्न नहि होयब, नहि तऽ हम ओकरा देबऽ चाहैत छी। होमबलि सँ अहाँ सभ प्रसन्न नहि होयब। परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि; टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे भगवान, अहाँ तिरस्कार नहि करब।

2. यशायाह 1:11-15 अहाँक बलिदानक भरमार हमरा लेल की अछि? परमेश् वर कहैत छथि। हमरा मेढ़क होमबलि आ नीक पोसल पशुक चर्बी हमरा भरि गेल अछि। हम बैल, मेमना आ बकरीक खून मे आनन्दित नहि छी। जखन अहाँ हमरा सोझाँ हाजिर होबऽ अबैत छी तखन हमर दरबारक ई रौंद अहाँ सँ के माँगने अछि? आब व्यर्थ प्रसाद नहि आनब। धूप हमरा लेल घृणित अछि। अमावस्या आ विश्राम-दिन आ दीक्षांत समारोहक आह्वान हम अधर्म आ गंभीर सभा नहि सहि सकैत छी । अहाँक अमावस्या आ अहाँक निर्धारित भोज सँ हमर आत्मा घृणा करैत अछि; हमरा लेल ओ सभ बोझ बनि गेल अछि। हम ओकरा सभकेँ सहैत थाकि गेल छी।

मीका 6:7 की परमेश् वर हजारो मेढ़ा सँ प्रसन्न हेताह आ कि दस हजार तेल नदी सँ? की हम अपन अपराधक लेल अपन जेठ बच्चा केँ, अपन प्राणक पापक बदला मे अपन शरीरक फल देब?

प्रभु के मेढ़ा या तेल के बलिदान के आवश्यकता नै छै, नै ही पाप क्षमा करै के चक्कर में कोनो व्यक्ति के जेठ बच्चा के बलिदान के मांग करै छै।

1. प्रभुक प्रेम: एकटा नापसँ परे बलिदान

2. भगवान् के बिना शर्त क्षमा

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन एहि तरहेँ करैत छथि: जखन हम सभ पापी छलहुँ, मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इब्रानी 9:22 - आ प्रायः सभ किछु धर्म-नियमक द्वारा खून सँ शुद्ध कयल गेल अछि। आ बिना खून बहौने कोनो छूट नहि।

मीका 6:8 हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक बात देखौलनि अछि। और परमेश् वर तोरा सँ की माँगै छै, सिवाय न्याय करै के, दया करै के आरु आपने परमेश् वर के साथ विनम्रता के साथ चलै के?

परमेश् वर हमरा सभ सँ न्याय करबाक, दया सँ प्रेम करबाक आ हुनका संग विनम्रतापूर्वक चलबाक माँग करैत छथि।

1. न्याय, दया आ विनम्रता: धर्मपूर्वक जीबाक आह्वान

2. भगवान् के साथ चलना: हुनकर नेतृत्व के प्रति हमर प्रतिक्रिया

1. मीका 4:4-5 - मुदा ओ सभ अपन-अपन बेल आ अंजीरक गाछक नीचाँ बैसत। कियो ओकरा सभ केँ डराओत, किएक तँ सेना सभक परमेश् वरक मुँह कहने छथि। किएक तँ सभ लोक सभ अपन-अपन देवताक नाम पर चलत आ हम सभ अपन परमेश् वर यहोवाक नाम सँ अनन्त काल धरि चलब।

2. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध धर्म आ निर्मल धर्म ई अछि, जे पितामह आ विधवा सभक क्लेश मे विदा करब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

मीका 6:9 प्रभुक आवाज शहर मे चिचिया रहल अछि, आ बुद्धिमान आदमी अहाँक नाम देखत।

परमेश् वर नगर केँ पुकारैत छथि आ बुद्धिमान लोक हुनकर नाम चिन्ह सकैत छथि। हुनकर निर्धारित सजा पर ध्यान दियौक।

1. "प्रभुक आह्वान: परमेश्वरक उपस्थिति केँ चिन्हब आ हुनकर दण्ड पर ध्यान देब"।

2. "भगवानक बुद्धि: हुनकर नाम देखब आ हुनकर छड़ीक पालन करब"।

1. नीतिवचन 8:2-6 "ओ ऊँच स्थानक चोटी पर, बाट मे बाट पर ठाढ़ छथि। ओ फाटक पर, नगरक प्रवेश द्वार पर, दरबज्जा पर प्रवेश करबा पर चिचियाइत छथि। तक हे मनुख, हम अहाँ सभ केँ बजबैत छी, आ हमर आवाज मनुष् य-पुत्र सभ केँ अछि।हे सरल, बुद्धि केँ बुझू हमर ठोर सँ सही बात होयत।”

2. यशायाह 1:18-20 "आब आउ, आ हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत, भले ओ किरमिजी जकाँ लाल हो, ओ ऊन जकाँ होयत।" जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक भोजन खा लेब, मुदा जँ अहाँ सभ मना करब आ विद्रोह करब तँ तलवार सँ खा गेल होयब, किएक तँ परमेश् वरक मुँह बाजल अछि।”

मीका 6:10 की दुष्टक घर मे एखनो दुष्टताक खजाना अछि आ घृणित अल्प माप अछि?

परमेश् वर पूछै छै कि लोग दुष्टता स॑ मिललऽ खजाना क॑ कियैक जमा करी क॑ रखै छै, आरू धोखाधड़ी वाला नाप के प्रयोग कियैक करै छै ।

1. दुष्टताक खतरा: लोभक जालसँ कोना बचि सकैत छी

2. धर्मक शक्ति: अखंडताक जीवन जीब

1. नीतिवचन 15:27 - "जे कियो अन्यायक लाभक लोभी अछि, से अपन घरक लोक केँ परेशान करैत अछि, मुदा जे घूस सँ घृणा करैत अछि, ओ जीवित रहत।"

2. लूका 16:10-12 - "जे कम मे विश् वास करैत अछि, से बहुत किछु मे सेहो विश् वास करैत अछि, आ जे बहुत कम मे बेईमान अछि, से बहुत किछु मे सेहो बेईमान अछि। जँ अहाँ सभ अधर्मक धन मे विश् वास नहि केने छी।" , अहाँ सभ केँ सच्चा धन के सौंपत?आ जँ अहाँ सभ दोसरक वस्तु मे विश्वासी नहि रहलहुँ तँ अहाँ केँ अपन जे अछि से के देत?

मीका 6:11 की हम ओकरा सभ केँ दुष्ट तराजू आ धोखाधड़ीक झोरा सँ शुद्ध मानब?

प्रभु पूछैत छथि जे की ओ लोकक न्याय अनुचित उपाय सँ करताह।

1. निष्पक्ष उपायक आवश्यकता - अपन जीवन मे न्याय आ दयाक प्रयोग

2. प्रभु के धर्म के मानक - छल आ बेईमानी के स्टीयरिंग क्लियर

1. नीतिवचन 11:1 - "झूठा तराजू प्रभुक लेल घृणित अछि, मुदा न्यायसंगत वजन हुनकर प्रसन्नता अछि।"

2. लेवीय 19:35-36 - "अहाँ सभ न्याय मे, लम्बाई वा वजन वा मात्रा मे कोनो दुष्कृत नहि करू। अहाँ सभक पास उचित तराजू, उचित तौल, एक उचित एफा आ एकटा उचित हिन होयत। हम अहाँक प्रभु छी।" परमेश् वर, जे अहाँ सभ केँ मिस्र देश सँ निकालि देलनि।”

मीका 6:12 किएक तँ एहि ठामक धनी लोक सभ हिंसा सँ भरल अछि, आ ओहि ठामक निवासी सभ झूठ बाजैत अछि, आ ओकर सभक मुँह मे जीह छल।

कोनो शहरक लोक हिंसा आ छलसँ भरल रहैत अछि ।

1. छलक खतरा

2. सत्यक शक्ति

1. नीतिवचन 12:17-19 - जे सत्य बजैत अछि से सही कहैत अछि, मुदा झूठ गवाह, छल।

2. भजन 25:5 - हमरा अपन सत्य मे नेतृत्व करू आ हमरा सिखाउ, कारण, अहाँ हमर उद्धारक परमेश् वर छी। अहाँक लेल हम भरि दिन प्रतीक्षा करैत छी।

मीका 6:13 तेँ हम तोरा पापक कारणेँ तोरा मारि क’, तोरा उजाड़ क’ क’ बीमार करब।

भगवान् पापक सजाय लोक केँ बीमार आ उजाड़ बना दैत छथि।

1.भगवानक अनुशासन जीवनक एकटा आवश्यक अंग अछि

2.पाप के परिणाम

1.इब्रानी 12:5-11 - परमेश् वरक अपन संतान सभक अनुशासन हुनका सभक लाभक लेल अछि

2.नीतिवचन 14:12 - एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।

मीका 6:14 अहाँ भोजन करब, मुदा तृप्त नहि होयब। तोहर फेकब तोहर बीच मे होयत। अहाँ पकड़ि लेब, मुदा उद्धार नहि करब। आ जे किछु अहाँ उद्धार करब से हम तलवारक हाथ मे दऽ देब।”

भगवान् हमरा सभक सभ आवश्यकता केँ पूरा नहि करताह आ हमर सभक शत्रु सभ विनाश आनि देताह।

1. असगर अपन संसाधन पर भरोसा नहि करू

2. विपत्तिक बीच दृढ़तापूर्वक रहब

1. याकूब 4:13-15 - तेँ अहाँ सभ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक लग आबि जेताह। हे पापी सभ, अपन हाथ साफ करू। अहाँ सभ दोग-दोसर विचारक लोक सभ, अपन हृदय केँ शुद्ध करू।

2. भजन 16:8 - हम प्रभु केँ सदिखन अपन सोझाँ राखि देने छी, कारण ओ हमर दहिना कात छथि, हम नहि हिलब।

मीका 6:15 अहाँ बोनब, मुदा फसल नहि काटि सकब। जैतून पर रौदब, मुदा तेल सँ अभिषेक नहि करब।
आ मीठ मदिरा पीब, मुदा मदिरा नहि पीब।

ई अंश बोवाई के परिणाम के बात करै छै, लेकिन फसल नै काटै के, जैतून के रौदना लेकिन तेल के अभिषेक नै करै के, आरो मीठऽ शराब दबाबै के लेकिन ओकरा नै पीबै के।

1. विश्वासक जीवन जीब: फसलक आशीर्वाद

2. प्रचुरता के आशीर्वाद आ त्याग

1. गलाती 6:7-9 - "धोखा नहि खाउ। परमेश् वरक उपहास नहि कयल जाइत अछि, किएक तँ जे किछु बोओत, से ओ काटि सेहो काटि लेत। किएक तँ जे अपन शरीरक लेल बोओत, ओ मांस सँ विनाश काटि लेत, मुदा एक गोटे।" जे आत् माक लेल बीजत, ओ आत् मा सँ अनन्त जीवनक फसल काटत।”

2. व्यवस्था 8:7-10 - "किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ नीक देश, पानिक धार, झरना आ झरना सभक देश मे ल' जा रहल छथि, जे घाटी आ पहाड़ी मे बहैत अछि, गहूम आ जौक देश। बेल आ अंजीरक गाछ आ अनारक भूमि, जैतूनक गाछ आ मधुक देश, जाहि देश मे अहाँ सभ बिना कमीक रोटी खाएब, जाहि मे अहाँ सभ केँ किछुओ कमी नहि होयत, एहन देश जकर पाथर लोहाक अछि, आ जकर पहाड़ी सभ सँ तांबा खोदब."

मीका 6:16 किएक तँ ओमरीक नियम आ अहाबक घरक सभ काजक पालन कयल जाइत अछि आ अहाँ सभ ओकर योजना पर चलैत छी। हम अहाँ केँ उजाड़ बना देब आ ओहि मे रहनिहार केँ सिसकी मारब।

ओमरी के विधान आ अहाब के घराना के सब काज के पालन कयल जा रहल अछि, आ एहि स लोक के विनाश आ निंदा के शिकार भ रहल अछि।

1. अधर्म के अस्वीकार करला स धर्म के तरफ ल जायत अछि

2. बुद्धिमानी सँ चुनू, परिणाम काटि लिअ

1. 1 कोरिन्थी 15:33 - गुमराह नहि करू: खराब संगति नीक चरित्र केँ भ्रष्ट करैत अछि।

2. नीतिवचन 1:10-19 - हमर बेटा, जँ पापी सभ अहाँकेँ लुभाबैत अछि तँ ओकरा सभक समक्ष हार नहि मानू।

मीका अध्याय 7 म॑ इस्राएल म॑ आध्यात्मिक आरू नैतिक भ्रष्टाचार के एगो दृश्य के चित्रण करलऽ गेलऽ छै, लेकिन आशा आरू बहाली के संदेश भी देलऽ गेलऽ छै । अध्याय में प्रचलित दुष्टता के बारे में भविष्यवक्ता के विलाप आरू परमेश् वर के वफादारी के आश्वासन पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत मीका के इस्राएल में आध्यात्मिक आरू नैतिक क्षय के बारे में अपनऽ गहरा दुख आरू विलाप व्यक्त करै स॑ होय छै । ओ छल, हिंसा आ उत्पीड़न सँ भरल समाजक वर्णन करैत छथि, जतय घनिष्ठ संबंध सेहो विश्वासघात आ अविश्वास सँ चिन्हित अछि (मीका 7:1-6)।

दोसर पैराग्राफ: प्रचलित अन्हारक बादो मीका परमेश् वर पर अपन अटूट भरोसाक घोषणा करैत छथि। ओ अपन पाप केँ स्वीकार करैत छथि मुदा परमेश् वरक क्षमा आ उद्धार मे अपन आशाक पुष्टि करैत छथि। ओ लोक सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि, जे हुनकर स्थिति मे प्रकाश आ न्याय अनताह (मीका 7:7-10)।

3 वां पैराग्राफ: अध्याय में परमेश् वर के वफादारी आरू हुनको लोग कॅ माफी आरू पुनर्स्थापित करै के इच्छुकता पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । मीका लोक सभ केँ परमेश् वरक अतीत मे कयल गेल पराक्रमी काज सभ केँ मोन पाड़ैत छथि, जेना मिस्र सँ पलायन, आ हुनका सभ केँ हुनकर निरंतर करुणा आ क्षमाक आश्वासन दैत छथि। ओ वादा करैत छथि जे परमेश् वर अपन वाचाक प्रतिज्ञा केँ पूरा करताह आ अपन लोक सभ मे पुनर्स्थापना अनताह (मीका 7:11-17)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के स्तुति के प्रार्थना स होइत अछि, जाहि में हुनकर महानता, दया आ निष्ठा के स्वीकार कयल गेल अछि | मीका अपन विश्वास व्यक्त करैत छथि जे परमेश् वर अपन लोक सभ केँ छुटकारा देत आ ओकरा सभ केँ प्रचुरता आ सुरक्षाक स्थान पर ल’ जेताह (मीका 7:18-20)।

संक्षेप मे, २.
मीका अध्याय 7 म॑ इस्राएल म॑ आध्यात्मिक आरू नैतिक भ्रष्टाचार के एगो दृश्य के चित्रण करलऽ गेलऽ छै लेकिन आशा आरू बहाली के संदेश देलऽ गेलऽ छै ।

इस्राएल मे प्रचलित दुष्टता आ नैतिक क्षय पर विलाप।
परमेश् वरक क्षमा, उद्धार आ न्याय पर भरोसा करबाक आश्वासन।
परमेश् वरक वफादारी, करुणा आ पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा पर जोर।
भगवान् के महानता, दया, आरू निष्ठा के लेलऽ स्तुति के प्रार्थना।

मीका केरऽ ई अध्याय म॑ इस्राएल म॑ आध्यात्मिक आरू नैतिक भ्रष्टाचार के विलाप प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । मीका धोखा, हिंसा, उत्पीड़न आ टूटल-फूटल संबंधक चिन्हित समाज पर अपन गहींर दुख व्यक्त करैत छथि | मुदा, अन्हारक बीच मीका परमेश् वर पर अपन अटूट भरोसा बनौने रहैत अछि। ओ अपन पाप केँ स्वीकार करैत छथि मुदा परमेश् वरक क्षमा आ उद्धार मे अपन आशाक पुष्टि करैत छथि। मीका लोक सभ केँ प्रभु पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि, जे हुनकर स्थिति मे प्रकाश आ न्याय अनताह। अध्याय में परमेश् वर के वफादारी आरू अपनऽ लोगऽ क॑ माफ करै आरू ओकरा बहाल करै के इच्छा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । मीका ओकरा सिनी कॅ परमेश् वर के अतीत में करलोॅ पराक्रमी काम के याद दिलाबै छै आरू ओकरा सिनी कॅ ओकरो निरंतर करुणा आरू क्षमा के आश्वासन दै छै। ओ वादा करैत छथि जे परमेश् वर अपन वाचाक प्रतिज्ञा केँ पूरा करताह आ अपन लोक सभ मे पुनर्स्थापना अनताह। अध्याय के समापन परमेश् वर के स्तुति के प्रार्थना के साथ होय छै, जेकरा में हुनकऽ महानता, दया आरू निष्ठा के स्वीकार करलऽ जाय छै । मीका अपनऽ विश्वास व्यक्त करै छै कि परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ मुक्त करी क॑ ओकरा प्रचुरता आरू सुरक्षा के जगह प॑ पहुँचाय देतै । प्रचलित अन्हार के बावजूद, ई अध्याय आशा के संदेश दै छै, जेकरा में परमेश्वर के निष्ठा आरू पुनर्स्थापन आरू मोक्ष के आश्वासन पर जोर देलऽ गेलऽ छै।

मीका 7:1 हम धिक्कार छी! किएक तँ हम ओहिना छी जेना ओ सभ गर्मीक फल जुटा लेने होथि, जेना बूढ़क अंगूर कटौने होथि।

मीका अपन इच्छा व्यक्त करैत अछि जे गर्मीक फल नहि जुटा सकल जे ओ चाहैत छल ।

1. संतोषसँ जे संतुष्टि भेटैत अछि

2. हमर आशीर्वाद कटबाक आनन्द

1. फिलिप्पियों 4:11-13 - ई नहि जे हम जरूरतमंद रहबाक बात क’ रहल छी, कारण जे कोनो परिस्थिति मे हम संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हमरा नीचाँ आनब बुझल अछि, आ प्रचुरता सेहो बुझल अछि। कोनो आ हर परिस्थिति मे हम भरपूर आ भूख, प्रचुरता आ आवश्यकताक सामना करबाक रहस्य सीख लेने छी। जे हमरा मजबूत करैत छथि हुनका माध्यमे हम सभ काज क' सकैत छी।

2. याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ शहर मे जा कए एक साल ओतय बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब तइयो अहाँ सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे काल्हि की आओत। अहाँक जीवन की अछि? कारण अहाँ एकटा धुंध छी जे कनि काल लेल प्रकट होइत अछि आ फेर विलुप्त भ' जाइत अछि । एकर बदला मे अहाँ केँ ई कहबाक चाही जे जँ प्रभु चाहथि तँ हम सभ जीब आ ई वा ओ काज करब।

मीका 7:2 नीक लोक पृथ् वी सँ नष्ट भ’ गेल अछि, मुदा मनुष्य मे कियो सोझ नहि अछि। हर आदमी जाल सॅं अपन भाइक शिकार करैत छथि ।

नीक लोकक स्थान पर दुष्टक स्थान ल' लेल गेल अछि; ककरो भरोसेमंद नै छै आ सब एक दोसरा के नुकसान के शिकार करै छै।

1. अपन चरित्रसँ समझौता करबाक खतरा

2. पवित्रताक पाछाँ करबाक आवश्यकता

1. नीतिवचन 10:9 - "जे कियो निष्ठापूर्वक चलैत अछि, से सुरक्षित चलैत अछि, मुदा जे अपन बाट टेढ़ करैत अछि, ओकरा पता चलत।"

2. भजन 37:27 - अधलाह सँ हटि जाउ आ नीक काज करू; तहिना अहाँ सभ अनन्त काल धरि रहब।

मीका 7:3 जाहि सँ ओ सभ दुनू हाथ सँ बुराई करथि, राजकुमार माँगैत छथि आ न्यायाधीश इनाम माँगैत छथि। आ महापुरुष अपन दुष्ट इच्छा केँ बजबैत छथि, तेँ ओ सभ ओकरा लपेटि लैत छथि।

राजकुमार, न्यायाधीश, आ महापुरुष सब पुरस्कार माँगि रहल छथि आ अपन शरारती इच्छा व्यक्त क' रहल छथि ।

1. प्रलोभनक शक्ति आ ओकर प्रभाव

2. लोभक खतरा

1. याकूब 1:13-15 - जखन कियो परीक्षा मे पड़ैत अछि तखन ई नहि कहय जे हम परमेश् वर द्वारा परीक्षा मे पड़ि रहल छी, किएक तँ परमेश् वर बुराई सँ परीक्षा नहि लेल जा सकैत अछि, आ ओ स्वयं ककरो परीक्षा नहि दैत अछि। मुदा प्रत्येक व्यक्ति तखन प्रलोभन मे पड़ैत अछि जखन ओ अपन इच्छा सँ लोभित आ लोभित होइत अछि । तखन इच्छा जखन गर्भवती भ' जाइत अछि तखन पापक जन्म दैत अछि, आ पाप जखन पूर्ण रूप सँ बढ़ि जाइत अछि तखन मृत्युक जन्म दैत अछि |

2. नीतिवचन 28:25 - लोभी आदमी झगड़ा भड़काबैत अछि, मुदा जे प्रभु पर भरोसा करैत अछि, ओ समृद्ध होयत।

मीका 7:4 ओकरा सभ मे सँ सभसँ नीक धारक जकाँ अछि, सभसँ सोझ काँटक बाड़ि सँ तेज होइत अछि। आब हुनका लोकनिक भ्रम होयतनि।

परमेश् वरक न्यायक दिन जल्दिये आबि रहल अछि आ हुनकर लोक सभ मे भ्रम आ निराशा उत्पन्न करत।

1. परमेश् वरक आगामी न्यायक आशा केँ आत्मसात करब

2. जखन हम सभ परमेश् वरक दर्शनक प्रतीक्षा करैत छी तखन हम सभ के छी?

1. रोमियो 5:5 - आशा लाज नहि करैत अछि। किएक तँ परमेश् वरक प्रेम हमरा सभक हृदय मे ओहि पवित्र आत् मा द्वारा बहा गेल अछि जे हमरा सभ केँ देल गेल अछि।

2. लूका 21:25-28 - सूर्य, चान आ तारा मे चिन्ह होयत। आ पृथ् वी पर जाति-जाति सभक विपत्ति, भ्रमक संग। समुद्र आ लहरि गर्जैत; मनुष् यक हृदय डर सँ आ पृथ् वी पर आबय बला बात केँ देखबाक कारणेँ ओकरा सभ केँ क्षीण करैत अछि।

मीका 7:5 अहाँ सभ कोनो मित्र पर भरोसा नहि करू, कोनो मार्गदर्शक पर भरोसा नहि करू।

मनुष्य पर नहि, भगवान पर भरोसा करू।

1: हमर सभक भरोसा भगवान् पर हेबाक चाही नहि कि अपन बल पर वा दोसरक बल पर।

2: हमरा सब के एहि बात स सावधान रहबाक चाही जे हम केकरा पर भरोसा करैत छी आ ककरो पर बेसी भरोसा नहि करबाक चाही, जाहि मे हमर सबस नजदीकी लोक सेहो शामिल छथि।

1: नीतिवचन 3:5-6 - प्रभु पर अपन पूरा मोन सँ भरोसा करू। आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2: यशायाह 26:3-4 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि। अहाँ सभ सदिखन प्रभु पर भरोसा करू, किएक तँ प्रभु परमेश् वर मे अनन्त सामर्थ् य अछि।

मीका 7:6 किएक तँ बेटा पिताक अपमान करैत अछि, बेटी अपन मायक विरुद्ध उठैत अछि, पुतोहु अपन सासुक विरुद्ध। मनुक्खक दुश्मन ओकरे घरक आदमी होइत छैक।

प्रभु हमरऽ आंतरिक द्वंद्व स॑ अवगत छै आरू हमरा सब क॑ अपनऽ परिवार केरऽ बेइज्जती करै स॑ चेतावनी दै छै ।

1. सम्मानक शक्ति: प्रभुक चेतावनी जे हमर परिवारक अनादर करब

2. अपन घर मे शांति आ एकता भेटब: प्रभुक आज्ञाक पालन करब

1. इफिसियों 6:2-3 - अपन पिता आ माय के आदर करू जे पहिल आज्ञा अछि एकटा प्रतिज्ञा के संग ताकि अहाँ के नीक लागय आ अहाँ पृथ्वी पर दीर्घायु के आनंद उठा सकब।

2. नीतिवचन 3:1-2 - हे बेटा, हमर शिक्षा केँ नहि बिसरब, बल् कि हमर आज्ञा केँ अपन हृदय मे राखू, कारण ई अहाँक जीवन केँ बहुत वर्ष धरि लम्बा करत आ अहाँ केँ समृद्धि देत।

मीका 7:7 तेँ हम प्रभु दिस तकब। हम अपन उद्धारक परमेश् वरक प्रतीक्षा करब, हमर परमेश् वर हमर बात सुनताह।

ई अंश परमेश् वर के निष्ठा के बात करै छै, जे हुनका तरफ देखै वाला सिनी कॅ उद्धार प्रदान करै छै।

1. "भगवान अहाँक बात सुनताह: प्रभुक विश्वास"।

2. "मुक्ति के भगवान के प्रतीक्षा"।

1. भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक लग छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

2. यशायाह 30:18 - तेँ प्रभु अहाँ सभ पर कृपा करबाक प्रतीक्षा मे छथि, आ तेँ अहाँ सभ पर दया करबाक लेल अपना केँ ऊपर उठबैत छथि। कारण, परमेश् वर न्यायक परमेश् वर छथि। धन्य छथि सभ जे हुनकर प्रतीक्षा करैत छथि।

मीका 7:8 हे हमर शत्रु, हमरा पर आनन्दित नहि होउ, जखन हम खसब तखन हम उठब। जखन हम अन्हार मे बैसब तखन परमेश् वर हमरा लेल इजोत बनताह।

ई अंश कठिन समय में परमेश् वर द्वारा देलऽ जाय वाला आशा आरू ताकत के बात करै छै ।

1: "भगवान पर भरोसा - ओ अन्हार समय मे हमर इजोत हेताह"।

२: "चुनौतीपूर्ण परिस्थिति मे भगवान् के आराम"।

1: यशायाह 9:2 - "अन्हार मे चलय बला लोक सभ एकटा पैघ इजोत देखलक। जे सभ मृत्युक छायाक देश मे रहैत अछि, ओकरा सभ पर इजोत चमकल अछि।"

2: भजन 23:4 - "हँ, भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलब, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

मीका 7:9 हम परमेश् वरक क्रोध सहब, किएक तँ हम हुनका विरुद्ध पाप केलहुँ, जाबत धरि ओ हमर बात नहि करत आ हमरा लेल न्याय नहि करत।

परमेश् वर हुनका पर पाप करनिहार सभ केँ क्षमा कऽ देथिन आ हुनका सभ केँ इजोत मे अनताह जे हुनकर धार्मिकताक गवाह बनथि।

1. परमेश् वरक क्षमा - कोना ओ सदिखन हमरा सभक अपराध केँ क्षमा करबाक लेल तैयार रहैत छथि जँ हम सभ हुनका दिस घुरब।

2. प्रभुक क्रोध सहन करब - अपन पापक परिणाम केँ चिन्हब आ प्रभु सँ क्षमा माँगब।

1. यशायाह 55:7 - "दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक, आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक, आ ओ प्रभु लग घुरि जाय, आ ओकरा पर दया करत, आ हमरा सभक परमेश् वर पर, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करत।"

2. रोमियो 5:8-9 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रशंसा करैत छथि जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह। तखन, आब हुनकर खून द्वारा धर्मी ठहराओल गेलाक बाद, हम सभ क्रोध सँ उद्धार पाबि जायब।" ओ."

मीका 7:10 तखन जे हमर शत्रु अछि, से देखत आ लाज ओकरा झाँपि देत जे हमरा कहने छल, “अहाँक परमेश् वर यहोवा कतय छथि?” हमर आँखि ओकरा देखतैक, आब ओ सड़कक दलदल जकाँ दबाओल जायत।

प्रभुक शत्रु सभ प्रभुक सामर्थ्य देखि लज्जित होयत, आ गली मे थाल जकाँ रौंदल जायत।

1. प्रभुक शक्ति आ महिमा: परमेश् वरक शत्रु सभ केँ कोना लज्जित कयल जायत

2. विश्वासक ताकत: प्रभु केँ जानब सदिखन नियंत्रण मे रहैत अछि

1. भजन 68:1 - "परमेश् वर उठथि, हुनकर शत्रु सभ तितर-बितर भ' जाथि, हुनका सँ घृणा करयवला सभ सेहो हुनका सँ भागि जाथि।"

2. यशायाह 66:14 - "जखन अहाँ सभ ई देखब तँ अहाँक हृदय आनन्दित होयत, आ अहाँक हड्डी एकटा जड़ी-बूटी जकाँ पनपत। आ प्रभुक हाथ हुनकर सेवक सभक प्रति ज्ञात होयत आ हुनकर शत्रु सभक प्रति हुनकर क्रोध।"

मीका 7:11 जाहि दिन अहाँक देबाल बनत, ओहि दिन फरमान बहुत दूर भ’ जायत।

जाहि दिन भगवानक देबाल बनत, ओ दिन सब फरमान हटा देल जाइत अछि।

1. भगवानक कृपा उमड़ि जाइत अछि: भगवानक प्रचुरता मे जीवन जीब

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब: अपना केँ भय सँ मुक्त करब

1. भजन 118:22 - "जे पाथर बिल्डर सभ अस्वीकार केने छल, से आधारशिला बनि गेल अछि।"

2. यशायाह 48:17-18 - "प्रभु ई कहैत छथि-- अहाँक मुक्तिदाता, इस्राएलक पवित्र: "हम अहाँक परमेश् वर प्रभु छी, जे अहाँ सभ केँ सिखाबैत छी जे अहाँक लेल की नीक अछि, जे अहाँ सभ केँ बाट मे मार्गदर्शन करैत छी अहाँकेँ जेबाक चाही। जँ अहाँ हमर आज्ञा पर ध्यान देने रहितहुँ तँ अहाँक शान्ति नदी जकाँ, अहाँक धर्म समुद्रक लहरि जकाँ होइत।"

मीका 7:12 ओहि दिन ओ अश्शूर सँ, गढ़वाला नगर सभ सँ, किला सँ नदी धरि, समुद्र सँ समुद्र धरि, आ पहाड़ सँ दोसर पहाड़ धरि अहाँ लग आबि जायत।

प्रभुक दिन मे अश्शूर, गढ़वाली नगर, किला, नदी, समुद्र, पहाड़ आदि सँ चारू कात सँ लोक हुनका लग उमड़त।

1. भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा: प्रभु मे शरण भेटब

2. भगवानक प्रेमक सार्वभौमिकता: सभ लोक धरि पहुँचब

1. यशायाह 43:1-3 - "मुदा आब प्रभु, जे अहाँ केँ सृष्टि केने छथि, हे याकूब, जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ केँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ नाम सँ बजौने छी, अहाँ।" हमर छी।जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदीक बीच सँ ओ अहाँ पर भारी नहि पड़त, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत प्रभु, तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता।

2. भजन 46:1-3 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

मीका 7:13 मुदा ओहि मे रहनिहार सभक कारणेँ ओ देश उजाड़ भ’ जायत, जाहि सँ ओकर सभक काजक फल भेटत।

जनताक कर्मसँ जमीन उजाड़ भऽ जाएत।

1: परमेश् वर अधलाह काज करनिहार सभक न् याय करताह।

2: नीक काज करबाक प्रयास करबाक चाही आ दोसर के नुकसान पहुंचेबा स बचबाक चाही।

1: रोमियो 2:6-8 - परमेश् वर प्रत्येक केँ ओकर काजक अनुसार बदला देत।

2: मत्ती 7:12 - दोसर के संग ओहिना करू जेना अहाँ चाहैत छी जे ओ अहाँ के संग करय।

मीका 7:14 अपन लोक केँ अपन लाठी सँ चराउ, जे अपन धरोहरक झुंड अछि, जे कारमेलक बीच मे जंगल मे एकांत रहैत अछि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन धरोहरक झुंडक देखभाल करथि, हुनका सभ केँ बाशान, गिलाद आ कर्मेल मे भोजन करबाक अनुमति दैत छथि जेना ओ सभ पुरान समय मे करैत छलाह।

1. "अपन धरोहर सँ प्रेम करब: भगवानक झुंडक देखभाल करबाक जिम्मेदारी"।

2. "झुण्डक पेट भरबाक आशीर्वाद: परमेश्वरक वरदानक रक्षा।"

2044

1. यूहन्ना 10:11-15 "हम नीक चरबाह छी। नीक चरबाह भेँड़ाक लेल अपन प्राण दैत अछि।"
12 जे भाड़ाक हाथ अछि आ चरबाह नहि, जकरा बरदक मालिक नहि अछि, ओ भेड़िया केँ अबैत देखि भेँड़ा केँ छोड़ि कऽ भागि जाइत अछि आ भेड़िया ओकरा सभ केँ छीनि कऽ छिड़िया दैत अछि।
13 ओ भागि जाइत अछि किएक तँ ओ भाड़ाक हाथ अछि आ भेँड़ाक कोनो परवाह नहि करैत अछि।
14 हम नीक चरबाह छी। हम अपन जनैत छी आ हमर अपन हमरा जनैत छी,
15 जहिना पिता हमरा जनैत छथि आ हम पिता केँ जनैत छी। हम बरद सभक लेल अपन प्राण दऽ दैत छी।”
2. यशायाह 40:11 "ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत, ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ जायत आ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।"
मीका 7:15 अहाँक मिस्र देश सँ बाहर निकलबाक दिनक अनुसार हम हुनका अद्भुत काज देखबनि। परमेश् वर अपन लोक सभ केँ मिस्र सँ पलायन करबाक दिनक अनुसार अद्भुत काज देखौताह।
1. परमेश् वरक अपन लोकक लेल अद्भुत प्रावधान
2. परमेश् वरक वफादारीक शक्ति
1. निष्कासन 13:17-18 - जखन फिरौन लोक सभ केँ छोड़ि देलनि तखन परमेश् वर ओकरा सभ केँ पलिस्तीक देशक बाट पर नहि ल’ गेलाह, यद्यपि ओ छोट छल। कारण, परमेश् वर कहने छलाह, “जँ हुनका सभ केँ युद्धक सामना करय पड़तनि तँ ओ सभ अपन विचार बदलि कऽ मिस्र घुरि सकैत छथि।”
2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।
मीका 7:16 जाति सभ अपन सामर्थ् य सँ देखत आ लज् जत, मुँह पर हाथ राखत, कान बहीर भ’ जायत। राष्ट्र सब अपन शक्ति पर स्तब्ध भ जायत आ अपन तुच्छता के अहसास करैत चुप भ जायत।
1. विनम्रता के माध्यम से अभिमान पर काबू पाना
2. मौन के शक्ति
1. याकूब 4:10 - "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"
2. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"
मीका 7:17 ओ सभ साँप जकाँ धूरा चाटि लेत, पृथ् वीक कीड़ा जकाँ अपन खधिया सँ बाहर निकलत, ओ सभ हमरा सभक परमेश् वर यहोवा सँ भयभीत होयत आ अहाँक कारणेँ डरत।
लोक प्रभु के सामर्थ्य स नम्र भ जायत आ हुनका स डरत, अपन पाप के रास्ता स मुँह मोड़ि जायत।
1. भगवान् हमर सभक भय आ सम्मानक हकदार छथि
2. भगवान् के इच्छा के अनुरूप भय के शक्ति
1. भजन 72:9 जे जंगल मे रहैत अछि, ओ हुनका सामने प्रणाम करत, आ हुनकर शत्रु धूरा चाटि लेत।
2. यशायाह 25:9 ओहि दिन कहल जायत, “देखू, ई हमर सभक परमेश् वर छथि जिनका लेल हम सभ प्रतीक्षा कऽ रहल छी जे ओ हमरा सभ केँ उद्धार करथि। ई प्रभु छथि जिनकर प्रतीक्षा हम सभ करैत छी। हुनकर उद्धार मे हम सभ आनन्दित होउ आ प्रसन्न रही।

मीका 7:18 तोरा सन के परमेश् वर छथि जे अधर्म केँ क्षमा करैत छथि आ अपन धरोहरक शेष लोकक अपराध सँ गुजरैत छथि? ओ अपन क्रोध अनन्त काल धरि नहि राखैत अछि, कारण ओ दया मे आनन्दित होइत अछि।

भगवान् अद्वितीय छथि, अधर्म क्षमा करैत छथि आ हुनका संग रहनिहारक अपराध सँ गुजरैत छथि | ओ अपन क्रोध केँ सदाक लेल नहि पकड़ने रहैत छथि, कारण दया करबा मे हुनका प्रसन्नता होइत छनि |

1. भगवान् के दया के विशिष्टता

2. परमेश् वरक अन्त क्षमा

1. भजन 103:11-14 - किएक तँ पृथ् वी सँ ऊपर आकाश जतेक ऊँच अछि, ओतेक पैघ अछि ओकर भयंकर सभक प्रति अडिग प्रेम। पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ततेक दूर ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ दूर करैत अछि। जेना पिता अपन संतान पर दया करैत छथि, तहिना प्रभु हुनका सँ डरय बला पर दया करैत छथि। कारण, ओ हमरा सभक फ्रेम केँ जनैत छथि। ओकरा मोन पड़ैत छैक जे हम सभ धूरा छी।

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; ओकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छैक; सब दिन भोरे-भोर नव-नव रहैत छथि; अहाँक निष्ठा पैघ अछि।

मीका 7:19 ओ फेर घुमि जेताह, हमरा सभ पर दया करत। ओ हमरा सभक अधर्म केँ वश मे क’ देत। आ अहाँ हुनका सभक सभ पाप केँ समुद्रक गहींर मे फेकि देबनि।

परमेश् वर हमरा सभ केँ क्षमा कऽ देथिन आ हमरा सभक सभ पाप केँ फेकि देताह।

1: हम सब कतबो दूर भटकल रही, भगवान हमरा सब के सदिखन खुलल आँचर स स्वागत करताह आ माफ करताह।

2: हम सभ आशा पाबि सकैत छी आ प्रोत्साहित भ' सकैत छी जेना हमर पाप परमेश् वरक कृपा आ दया सँ बहल जाइत अछि।

1: लूका 15:20-24 - उड़ल पुत्रक दृष्टान्त

2: यशायाह 1:18 - आब आउ, आउ, हम सभ एक संग विचार-विमर्श करी, परमेश् वर कहैत छथि, “अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक हो, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत।

मीका 7:20 अहाँ याकूब पर सत् य आ अब्राहम पर दया करब, जे अहाँ हमरा सभक पूर्वज सभ केँ पहिने सँ शपथ देने छी।

परमेश् वर प्राचीन काल सँ अब्राहम आ याकूब पर दया आ सत्य देखाबय के वादा केने छथि।

1. परमेश् वरक वफादारी: परमेश् वरक अनन्त प्रतिज्ञा

2. भगवान् के दया: हुनकर प्रेम आ करुणा के अनुभव करब

1. व्यवस्था 7:9 - तेँ ई जानि लिअ जे अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

2. यशायाह 55:3 - कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ, सुनू, तखन अहाँक प्राण जीवित रहत। हम अहाँ सभक संग अनन्त काल धरि वाचा करब, जे दाऊदक निश् चित दया अछि।

नहुम अध्याय १ अश्शूर के राजधानी नीनवे शहर के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा छै।
अध्याय में परमेश्वर के शक्ति, न्याय आरू क्रोध पर जोर देलऽ गेलऽ छै जे ओकरऽ लोगऽ पर अत्याचार करै छै ।

2046

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भगवान के चरित्र के ईर्ष्यालु आ बदला लेबय वाला भगवान के रूप में घोषणा स होइत अछि | एहि मे हुनक धैर्य केँ उजागर कयल गेल अछि, मुदा दुष्टक प्रति हुनक धार्मिक क्रोध केँ सेहो उजागर कयल गेल अछि | प्रभु क॑ बवंडर आरू तूफान के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा सृष्टि प॑ शक्ति छै (नहूम १:१-६) ।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे नीनवे आ अश्शूर पर परमेश् वरक न्यायक वर्णन अछि। शहर नष्ट भ' जेतै, आ ओकर निवासी सभ केँ एकदम तबाहीक सामना करय पड़तैक। प्रभु हुनकऽ दुष्टता के अंत करी देतै आरू हुनकऽ दमनकारी शासन के अनन्त अंत करी देतै (नहूम १:७-१५)।

संक्षेप मे, २.
नहुम अध्याय 1 नीनवे शहर के खिलाफ परमेश्वर के न्याय के घोषणा करै छै आरू ओकरोॅ शक्ति, न्याय आरू क्रोध पर जोर दै छै जे ओकरो सिनी कॅ अत्याचार करै छै।

ईश्वर के चरित्र के घोषणा एक ईर्ष्यालु आ बदला लेबय वाला भगवान के रूप में, सृष्टि पर शक्ति के साथ |
नीनवे आरू अश्शूर पर परमेश् वर के न्याय के वर्णन, जेकरऽ परिणामस्वरूप ओकरऽ विनाश आरू ओकरऽ दमनकारी शासन के अंत होय गेलऽ छेलै ।

नहुम के ई अध्याय में अश्शूर के राजधानी नीनवे शहर के खिलाफ परमेश् वर के न्याय के घोषणा करलऽ गेलऽ छै । ई परमेश् वर के शक्ति, न्याय आरू क्रोध पर जोर दै छै, जे हुनको लोग सिनी पर अत्याचार करै छै। अध्याय के शुरुआत भगवान के चरित्र के ईर्ष्यालु आरू बदला लेबै वाला भगवान के रूप में घोषणा स॑ होय छै । एहि मे हुनक धैर्य केँ उजागर कयल गेल अछि, मुदा दुष्टक प्रति हुनक धार्मिक क्रोध केँ सेहो उजागर कयल गेल अछि | प्रभु क॑ बवंडर आरू तूफान के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे सृष्टि प॑ हुनकऽ शक्ति आरू अधिकार के प्रतीक छेकै । तखन अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे नीनवे आ अश्शूर पर परमेश् वरक आसन्न न्यायक वर्णन कयल गेल अछि | शहर नष्ट भ' जेतै, आ ओकर निवासी सभ केँ एकदम तबाहीक सामना करय पड़तैक। प्रभु हुनका लोकनिक दुष्टता केँ समाप्त क' देताह आ हुनका लोकनिक दमनकारी शासन केँ अनन्त काल धरि पहुँचा देताह। ई अध्याय परमेश्वर केरऽ संप्रभुता आरू न्याय के प्रति हुनकऽ प्रतिबद्धता के याद दिलाबै के काम करै छै, जेकरा स॑ हुनकऽ लोगऽ क॑ आश्वस्त करलऽ जाय छै कि अंततः हुनी ओकरऽ अत्याचारी के खिलाफ न्याय लानै छै ।

नहुम 1:1 नीनवे के बोझ। एलकोशी नहुम के दर्शन की पुस्तक।

नहुम के किताब नीनवे शहर के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी छै।

1. नीनवे के न्याय: हमरा सब के लेल एकटा चेतावनी

2. भगवानक शक्ति: नहुमक प्रतिशोधक दृष्टि

1. नहुम 1:1-7

2. यिर्मयाह 50:23-24

नहूम 1:2 परमेश् वर ईर्ष्या करैत छथि, आ प्रभु बदला लैत छथि। परमेश् वर बदला लैत छथि आ क्रोधित भऽ जाइत छथि। परमेश् वर अपन शत्रु सभक प्रतिशोध लेताह आ ओ अपन शत्रु सभक लेल क्रोध सुरक्षित रखैत छथि।

भगवान् ईर्ष्यालु आ प्रतिशोधक भगवान छथि जे अपन दुश्मनक गलत काज पर आँखि नहि मुनि लेताह।

1. परमेश् वरक क्रोध: नहूम 1:2 क परीक्षा

2. परमेश् वरक ईर्ष्यालु स्वभाव: नहूम 1:2 क प्रतिबिंब

1. यशायाह 59:18 - "ओकर सभक काजक अनुसार, ओ अपन विरोधी सभक क्रोधक बदला देत, अपन शत्रु सभ केँ प्रतिफल देत।"

२.

नहूम 1:3 परमेश् वर क्रोध मे मंद छथि, आ शक्ति मे पैघ छथि, आ दुष्ट केँ एकदम सँ निर्दोष नहि करताह।

प्रभु धैर्यवान आ सर्वशक्तिमान छथि, आ दुष्ट केँ क्षमा नहि करताह। ओ सर्वशक्तिमान आ सर्वव्यापी छथि।

1. परमेश् वरक न्याय आ दया - परमेश् वरक धैर्यक संग हुनकर धार्मिकताक सामंजस्य कोना कयल जाय

2. भगवानक शक्ति - अपन सृष्टिकर्ताक सर्वशक्तिमानता केँ बुझब

1. भजन 103:8 - "प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि।"

2. अय्यूब 37:5-6 - "परमेश् वरक आवाज अद्भुत तरीका सँ गरजैत अछि; ओ हमरा सभक समझ सँ बाहर पैघ काज करैत छथि। ओ बर्फ केँ कहैत छथि, 'पृथ्वी पर खसि जाउ,' आ बरखाक बरखा केँ, 'एकटा प्रबल बरखा बनू।" '"।

नहूम 1:4 ओ समुद्र केँ डाँटैत अछि आ ओकरा सुखा दैत अछि आ सभ नदी केँ सुखा दैत अछि, बाशान, कर्मेल आ लेबनानक फूल सुस्त अछि।

भगवान् प्रकृति के तत्वों को नियंत्रित करके अपनी शक्ति दिखाते हैं |

1: भगवान् मे असंभव केँ संभव बनेबाक सामर्थ्य छनि।

2: भगवान् मे हमरा सभक जीवन मे चमत्कार करबाक सामर्थ्य छनि।

1: यशायाह 43:16-17 - प्रभु ई कहैत छथि जे समुद्र मे बाट बनबैत छथि, पराक्रमी जल मे बाट बनबैत छथि, जे रथ आ घोड़ा, सेना आ योद्धा केँ बाहर निकालैत छथि। पड़ल रहैत अछि, उठि नहि सकैत अछि, बुझि जाइत अछि, बाती जकाँ बुझि जाइत अछि।

2: भजन 65:7 - अहाँ एखनो समुद्रक गर्जना, ओकर लहरिक गर्जन, जाति सभक कोलाहल।

नहूम 1:5 हुनका पर पहाड़ काँपैत अछि, पहाड़ी सभ पिघलि जाइत अछि, आ हुनकर सान्निध्य मे धरती जरि जाइत अछि, हँ, संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ।

भगवान् केरऽ सान्निध्य स॑ पहाड़ हिल जाय छै आरू पहाड़ी पिघली जाय छै, आरू धरती प॑ आगि लगाय देलऽ जाय छै ।

1. भगवान् के अमिट शक्ति

2. सृष्टि आ विनाशक स्वामी

1. भजन 97:5 - कारण, प्रभु एकटा पैघ परमेश् वर छथि, आ सभ देवता सँ ऊपर एकटा पैघ राजा छथि।

2. यशायाह 66:15 - कारण, देखू, प्रभु आगि ल’ क’ आ अपन रथ सभक संग बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे हुनकर क्रोध केँ क्रोध सँ आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन।

नहूम 1:6 ओकर क्रोधक सामने के ठाढ़ भ’ सकैत अछि? आ ओकर क्रोधक उग्रता मे के टिक सकैत अछि? ओकर क्रोध आगि जकाँ उझलि जाइत छैक आ पाथर ओकरा द्वारा नीचाँ फेकि देल जाइत छैक |

परमेश् वरक क्रोध प्रचंड अछि, आ ओकर क्रोध आगि जकाँ अछि, जाहि सँ पाथर सभ नीचाँ फेकि देल जाइत अछि।

1. भगवान् के भय: हुनकर क्रोध के शक्ति के सम्मान करब

2. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: हुनक पूर्ण निर्णय मे आनन्दित रहब

1. भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि, आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि, आ ने अपन तामस सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि।

2. यशायाह 30:30 - आ प्रभु अपन राजसी आवाज आ हुनकर बाँहिक उतरैत प्रहार केँ देखाय देताह, उग्र क्रोध आ भस्म करयवला आगि केर लौ मे, मेघक फटकार आ तूफान आ ओला सँ।

नहूम 1:7 प्रभु नीक छथि, विपत्तिक दिन मे गढ़ छथि। ओ हुनका पर भरोसा करनिहार सभ केँ चिन्हैत छथि।”

प्रभु हुनका पर भरोसा करय वाला के लेल शरण आ रक्षक छैथ।

1. परेशान समय मे भगवानक रक्षा

2. भगवान् पर भरोसा के माध्यम स ताकत प्राप्त करब

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

नहूम 1:8 मुदा ओ जलप्रलय सँ ओकर स्थान केँ समाप्त करत, आ अन्हार ओकर शत्रु सभक पीछा करत।

भगवान् हुनकर विरोध करय वाला के पूर्ण अंत क देताह आ अन्हार हुनकर पाछाँ चलत।

1. पापक अन्हार पर विजय प्राप्त करब

2. परमेश् वरक इच्छाक विरोध करबाक परिणाम

1. यशायाह 60:2 - कारण देखू, अन्हार पृथ् वी केँ झाँपि देत आ मोटका अन्हार लोक सभ केँ झाँपि देत। मुदा प्रभु अहाँ सभ पर उठि जेताह आ हुनकर महिमा अहाँ सभ पर देखल जायत।

2. प्रकाशितवाक्य 6:12-17 - जखन ओ छठम मोहर खोललनि तखन हम देखलहुँ जे एकटा पैघ भूकम्प भेल, आ सूर्य बोरा जकाँ कारी भ’ गेल, पूर्णिमा खून जकाँ भ’ गेल आ आकाशक तारा खसि पड़ल पृथ्वी पर जेना अंजीरक गाछ आँधी-तूफान सँ हिलला पर अपन जाड़क फल बहा दैत अछि | तखन आकाश ओहिना विलुप्त भ गेल जेना कोनो स्क्रॉल गुड़कल जा रहल अछि आ हर पहाड़ आ द्वीप अपन जगह सँ हटि गेल।

नहूम 1:9 अहाँ सभ प्रभुक विरुद्ध की कल्पना करैत छी? ओ एकदम समाप्त करत, दोसर बेर दुःख नहि उठत।

परमेश् वर सभ क्लेश आ कष्टक अन् त करताह।

1: भगवान् हमरा सभक जीवन पर नियंत्रण रखैत छथि आ सभ दुखक अंत करैत छथि।

2: हम सभ भरोसा क' सकैत छी जे परमेश् वर हमरा सभ केँ सभ दुःख सँ मुक्ति अनताह।

1:रोमियो 8:28 "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

2: यशायाह 41:10 "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

नहूम 1:10 जाबत ओ सभ काँट जकाँ मोड़ल रहत आ जखन तक ओ सभ नशा मे धुत्त रहत तखन ओ सभ पूर्ण रूप सँ सुखायल ठूंठ जकाँ खा जायत।

परमेश् वरक क्रोध दुष्ट सभ केँ भस्म कऽ देत जेना ओ सभ हुनका विरुद्ध असहाय अछि।

1. भगवान् के क्रोध: अधर्म के अनिवार्य अंत

2. परमेश् वरक शक्ति: हमरा सभ केँ हुनका पर विश्वास किएक करबाक चाही

1. भजन 97:2-3 - हुनका चारू कात मेघ आ अन्हार अछि: धर्म आ न्याय हुनकर सिंहासनक निवास अछि। आगि ओकरा आगू बढ़ैत छैक आ ओकर चारू कात दुश्मन सभ केँ जरा दैत छैक।

2. यशायाह 11:4 - मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत, आ ओ पृथ्वी केँ मुँहक छड़ी सँ मारि देत, आ ठोरक साँस सँ मारि देत दुष्ट।

नहूम 1:11 तोरा मे सँ एकटा एहन लोक निकलल अछि जे परमेश् वरक विरुद्ध अधलाह कल्पना करैत अछि, जे दुष्ट सलाहकार अछि।

ई अंश नीनवे शहर सँ निकलै वाला के बात करै छै जे परमेश् वर के खिलाफ बुराई के कल्पना करै छै।

1: हमरा सभ केँ ओहि सभ सँ सावधान रहबाक चाही जे प्रभु आ हुनकर काजक विरुद्ध साजिश रचैत छथि।

2: हमरा सभ केँ अपन विश् वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहबाक चाही आ जे सभ परमेश् वरक विरुद्ध अधलाहक कल्पना करैत छथि, हुनका सभ सँ नहि डोलब।

1: नीतिवचन 16:25 एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

2: नीतिवचन 24:1-2 अहाँ दुष्ट लोक सँ ईर्ष्या नहि करू आ हुनका सभक संग रहबाक इच्छा नहि करू। कारण, हुनका सभक हृदय विनाशक अध्ययन करैत अछि, आ ठोर दुष् टताक गप्प करैत अछि।

नहूम 1:12 प्रभु ई कहैत छथि। भले ओ सभ शान्त होथि आ ओहिना बहुतो, मुदा जखन ओ ओहि मे सँ गुजरत तखन ओकरा सभ केँ एहि तरहेँ काटि देल जायत। हम जँ अहाँ केँ कष्ट देलहुँ, मुदा आब अहाँ केँ कष्ट नहि देब।

परमेश् वर वादा करैत छथि जे आब चुपचाप आ बहुतो लोक केँ दुख नहि देबनि, जखन ओ ओहि सँ गुजरताह।

1. क्लेशक समय मे परमेश् वरक आरामक प्रतिज्ञा

2. विनम्र लोकनिक लेल प्रभुक रक्षा

1. भजन 34:18-19 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि। धर्मी लोकक दुःख बहुत होइत छैक, मुदा परमेश् वर ओकरा सभ सँ मुक्त करैत छथि।

2. यशायाह 57:15 - कारण जे ऊँच आ ऊँच अछि, जे अनन्त काल मे निवास करैत अछि, जिनकर नाम पवित्र अछि, से कहैत अछि जे हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, आ पश्चाताप आ नीच आत् माक संग सेहो। नीच लोकक आत्मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल, आ पश्चाताप करयवला लोकक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

नहूम 1:13 आब हम ओकर जुआ तोरा सँ तोड़ि देब आ तोहर बान्ह केँ तोड़ि देब।

ई अंश उत्पीड़न आरू कैद स॑ मुक्ति के बात करै छै ।

2050

1. अत्याचारक हर जुआ तोड़बाक भगवानक शक्ति

2. भगवानक प्रतिज्ञा जे हमरा सभकेँ बंधनसँ मुक्त करताह

1. गलाती 5:1 - "स्वतंत्रताक कारणेँ मसीह हमरा सभ केँ मुक्त कयलनि अछि; तेँ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहू, आओर फेर गुलामीक जुआक अधीन नहि रहू।"

2. भजन 146:7 - "प्रभु कैदी सभ केँ मुक्त करैत छथि; प्रभु आन्हर सभक आँखि खोलैत छथि।"

नहूम 1:14 परमेश् वर अहाँक विषय मे एकटा आज्ञा देने छथि जे आब अहाँक नाम नहि बोओल जाय। किएक तँ अहाँ नीच छी।

परमेश् वर आज्ञा देलनि अछि जे आब दुष्ट सभक नाम स्मरण नहि कयल जाय आ ओ सभ ओकर मूर्ति सभ केँ नष्ट कऽ दफना देत।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य आ न्याय: नहूम 1:14

2. दुष्टताक परिणाम: नहूम 1:14

1. यिर्मयाह 16:4 आ ओ सभ गंभीर मृत्यु सँ मरत; हुनका सभ केँ विलाप नहि कयल जायत। ने गाड़ल जायत। मुदा ओ सभ पृथ् वी पर गोबर जकाँ होयत।

2. यशायाह 5:14-15 तेँ नरक अपना केँ बढ़ि गेल अछि आ ओकर मुँह अनाप खोलि लेलक, आ ओकर महिमा, ओकर भीड़, ओकर धूमधाम आ जे आनन्दित होइत अछि, ओ ओहि मे उतरत। नीच लोक केँ नीचाँ खसाओल जायत, आ पराक्रमी नम्र भ’ जायत, आ ऊँच लोकक आँखि नम्र भ’ जायत।

नहूम 1:15 पहाड़ पर देखू, जे शुभ समाचार दैत अछि, शान्तिक प्रचार करैत अछि! हे यहूदा, अपन भोज-भात मनाउ, अपन व्रत पूरा करू, किएक तँ आब दुष्ट लोक अहाँक बीच सँ नहि गुजरत। ओ एकदम कटैत अछि।

परमेश् वर यहूदा मे शुभ समाचार आ शान् ति अनैत छथि, ई घोषणा करैत छथि जे आब दुष्ट सभ हुनका सभक बीच सँ नहि गुजरत।

1. परमेश् वरक उद्धारक शुभ समाचार

2. व्रत पूरा करबाक शक्ति

1. भजन 96:3 - जाति सभक बीच हुनकर महिमा, सभ जाति मे हुनकर अद्भुत काजक घोषणा करू!

2. यशायाह 52:7 - पहाड़ पर कतेक सुन्दर अछि ओकर पैर जे शुभ समाचार अनैत अछि, जे शान्तिक प्रचार करैत अछि, जे सुखक शुभ समाचार दैत अछि, जे उद्धारक प्रचार करैत अछि, जे सिय्योन केँ कहैत अछि जे, अहाँक परमेश् वर राज करैत छथि।

नहुम अध्याय 2 में अश्शूर के राजधानी नीनवे के आसन्न विनाश के वर्णन छै, जेकरा में एक शक्तिशाली आक्रमणकारी शक्ति छै। अध्याय में शहर के पतन आरू एकरऽ निवासी के साथ जे आतंक आबै वाला छै, ओकरऽ चित्रण छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत नीनवे के घेराबंदी करै वाला आगू बढ़ै वाला विजेता के जीवंत वर्णन स॑ होय छै । आक्रमणकारी क॑ एगो शक्तिशाली आरू अदम्य शक्ति के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे शहर म॑ आतंक आरू तबाही लानै छै (नहूम २:१-३) ।

2nd पैराग्राफ: अध्याय आगू शहर के कब्जा आ लूट के विस्तृत विवरण के संग अछि। नीनवेक देबाल टूटि जायत, ओकर रक्षा टुटि जायत आ ओकर खजाना सेहो ल’ जायत। कहियो घमंडी शहर खंडहर भ’ जायत (नहूम 2:4-10)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन नीनवे के लोगऽ के विलाप के साथ होय छै । शहरक निवासी शोक करत आ शरण लेत, मुदा आसन्न विनाश सँ कोनो पलायन नहि होयत। अध्याय के अंत में एक अलंकारिक प्रश्न छै जे नीनवे के पतन के अंतिमता पर जोर दै छै (नहूम 2:11-13)।

संक्षेप मे, २.
नहुम अध्याय 2 में अश्शूर के राजधानी नीनवे के आसन्न विनाश के वर्णन छै, जेकरा में एक शक्तिशाली आक्रमणकारी शक्ति छै।

आगू बढ़ैत विजेता के जीवंत वर्णन जे नीनवे में आतंक आ तबाही आनत।
शहर के कब्जा, लूट, आ अंतिम खंडहर के विस्तृत विवरण।
नीनवे के लोगऽ के विलाप आरू ओकरऽ पतन के अंतिमता।

नहुम केरऽ ई अध्याय म॑ अश्शूर केरऽ राजधानी नीनवे केरऽ आसन्न विनाश के चित्रण छै, जेकरा एगो शक्तिशाली आक्रमणकारी शक्ति द्वारा करलऽ गेलऽ छै । एकरऽ शुरुआत शहर केरऽ घेराबंदी करै वाला आगू बढ़ै वाला विजेता के जीवंत वर्णन स॑ होय छै । आक्रमणकारी क॑ एक पराक्रमी आरू अदम्य शक्ति के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे नीनवे म॑ आतंक आरू तबाही लानै छै । अध्याय के आगू शहर के कब्जा आ लूट के विस्तृत विवरण देल गेल अछि | देबाल टूटि जायत, रक्षा टुटि जायत, आ खजाना ल' जायत। कहियो गौरवशाली शहर खंडहर मे रहि जायत। अध्याय के समापन नीनवे के लोगऽ के विलाप के साथ होय छै, जे शोक करतै आरू शरण लेतै लेकिन आसन्न विनाश स॑ कोय पलायन नै पाबै छै । एकरऽ अंत एक अलंकारिक प्रश्न के साथ होय छै जेकरा में नीनवे के पतन के अंतिमता पर जोर देलऽ गेलऽ छै । ई अध्याय नीनवे के शक्तिशाली शहर पर आबै वाला आसन्न न्याय आरू विनाश के चेतावनी के काम करै छै।

नहूम 2:1 जे टुकड़-टुकड़ करैत अछि, से अहाँक सामने आबि गेल अछि, गोला-बारूद राखू, बाट पर नजरि राखू, अपन कमर केँ मजबूत करू, अपन शक्ति केँ बलपूर्वक मजबूत करू।

दुश्मन आबि रहल अछि आ तैयारी के समय आबि गेल अछि।

1. लड़ाई के लेल तैयार होयब: आध्यात्मिक युद्ध के तैयारी

2. प्रभु मे अपना केँ मजबूत करू: कठिन समय मे विश्वासक शक्ति

1. इफिसियों 6:10-13 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध अपन ठाढ़ भ' सकब।

2. भजन 28:7 - प्रभु हमर शक्ति आ ढाल छथि; हमर मोन हुनका पर भरोसा करैत अछि, आ ओ हमरा मदद करैत छथि। हमर मोन हर्षसँ उछलि जाइत अछि, आ अपन गीतसँ हम हुनकर प्रशंसा करैत छी ।

नहूम 2:2 किएक तँ परमेश् वर याकूबक महानता केँ इस्राएलक महानता जकाँ मोड़ि देलनि, किएक तँ खाली सभ ओकरा सभ केँ खाली कऽ देलक आ ओकर बेल केर डारि सभ केँ बिगाड़ि देलक।

परमेश् वर याकूब आ इस्राएलक महानता केँ दूर कऽ देने छथि, कारण हुनकर शत्रु सभ हुनका सभक सम् पत्ति छीन कऽ हुनका सभक बेल केर डारि सभ केँ नुकसान पहुँचा देलनि।

1. भगवान नियंत्रण मे छथि: हर परिस्थिति मे हुनका पर भरोसा करब सीखब

2. प्रभुक सार्वभौमिकता आ हुनक प्रतिज्ञाक निष्ठा

1. यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. भजन 73:26 हमर शरीर आ हृदय क्षीण भ’ जाइत अछि, मुदा परमेश् वर हमर हृदयक सामर्थ् य छथि आ हमर भाग सदाक लेल।

नहूम 2:3 ओकर पराक्रमी सभक ढाल लाल भ’ गेल अछि, वीर लोक सभ लाल रंग मे अछि, ओकर तैयारीक दिन रथ सभ ज्वालामुखी मशाल सँ भरल रहत, आ देवदारक गाछ भयंकर रूप सँ हिलत।

नहुम के पराक्रमी लाल ढाल आ लाल रंग के वर्दी के साथ, ज्वालामुखी रथ के साथ युद्ध के लेल तैयार छै।
1. तैयारी के शक्ति: नहुम के पराक्रमी पुरुष के उदाहरण से सीखना
2. एकताक ताकत: नहुमक वीर पुरुषक संग एकता
1. इफिसियों 6:10-18 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ सभ शैतानक छल-प्रपंचक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब।
2. नीतिवचन 21:31 - घोड़ा युद्धक दिनक लेल तैयार अछि, मुदा सुरक्षा प्रभुक अछि।
नहूम 2:4 रथ सड़क पर क्रोधित होयत, चौड़ा बाट पर एक दोसरा पर न्याय करत, मशाल जकाँ लागत, बिजली जकाँ दौड़त।
रथ सभ गली-गली मे तेजी सँ बढ़ि रहल अछि, मशाल आ बिजली जकाँ देखा रहल अछि ।
1. भगवानक गतिक शक्ति - भगवानक शक्ति हमरा सभकेँ कोना जल्दीसँ अपन भाग्य दिस बढ़बैत अछि।
2. रथक इजोत - भगवानक इजोत जीवनक सबसँ अन्हार क्षण मे कोना मार्गदर्शन करैत अछि।
1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"
2. भजन 147:4 - "ओ तारा सभक संख्या कहैत छथि; सभ केँ ओकर नाम सँ बजबैत छथि।"
नहूम 2:5 ओ अपन योग्यता केँ सुनौताह, ओ सभ अपन चलैत-फिरैत ठोकर खायत। ओ सभ जल्दी-जल्दी ओकर देबाल धरि पहुँचि जायत आ रक्षाक व्यवस्था तैयार भ' जायत।
परमेश् वर अपन शत्रु सभ केँ ठेहुन पर उतारि अपन सामर्थ् य आ सामर्थ् यक प्रदर्शन करताह।
1. प्रभुक शक्ति अतुलनीय अछि
2. भगवान सदिखन युद्ध जीतताह
1. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"
2. यशायाह 40:29 - "ओ कमजोर केँ शक्ति आ शक्तिहीन केँ शक्ति दैत छथि।"
नहूम 2:6 नदी सभक फाटक खुजत आ महल भंग भ’ जायत।
नदीक फाटक खुजि जायत, जाहि स महल नष्ट भ जायत।
1. प्रकृति मे भगवानक शक्ति: भगवान अपन इच्छा पूरा करबाक लेल प्राकृतिक शक्तिक उपयोग कोना करैत छथि |
2. मनुष्यक संरचनाक अस्थायित्व: मनुष्य द्वारा निर्मित कोनो वस्तु कोना स्थायी नहि होइत अछि
1. अय्यूब 38:8-11 - परमेश् वर समुद्र आ तूफान पर अपन शक्तिक गप्प करैत
2. भजन 127:1 - जाबत धरि प्रभु घर नहि बनबैत छथि, ताबत धरि निर्माण करयवला सभ व्यर्थ मेहनति करैत छथि
नहूम 2:7 हुज्जब केँ बंदी बनाओल जायत, ओकर पालन-पोषण कयल जायत, आ ओकर दासी सभ ओकरा कबूतरक आवाज जकाँ अपन छाती पर सवार भ’ क’ ल’ जायत।

नहूम हुज्जब के बारे में बात करै छै, जेकरा कैद में ल॑ जायलऽ जैतै, ओकरऽ दासी सिनी ओकरा दिलासा दै वाला आवाज के साथ ले जाय छै।

1. कठिन समय मे भगवान् के आराम

2. कैदक महत्व

1. यशायाह 43:2-3 जखन अहाँ पानि मे गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

2. भजन 34:17-18 जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि त’ प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि। प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ बचाबैत छथि |

नहूम 2:8 मुदा नीनवे पहिने सँ पानिक पोखरि जकाँ अछि, तइयो ओ सभ भागि जायत। ठाढ़ रहू, ठाढ़ रहू, कानब। मुदा कियो पाछू घुमि कऽ नहि तकत।

नीनवे के पानिक कुंड के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै, आरू एकरऽ निवासी सिनी क॑ निर्देश देलऽ गेलऽ छै कि भागी क॑ पाछू नै देखै ।

1. दुष्टता सँ भागू आ प्रभु पर भरोसा करू।

2. पाप सँ मुँह मोड़ू आ परमेश् वरक न्यायक तैयारी करू।

1. निष्कासन 14:13-14 - "मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, "नहि डरू, दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भ' क' प्रभुक उद्धार देखू, जे ओ आइ अहाँ सभक लेल काज करताह। जे मिस्रवासी सभ आइ अहाँ सभ देखैत छी, अहाँ सभ कहियो नहि करब।" फेर देखू, प्रभु अहाँक लेल लड़ताह, आ अहाँ केँ मात्र चुप रहय पड़त।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

नहूम 2:9 चानीक लूट लऽ लिअ, सोनाक लूट लऽ लिअ, किएक तँ सभ सुखद साज-सज्जा मे भंडार आ महिमाक कोनो छोर नहि अछि।

नहुम चानी आ सोनाक लूट लेबय लेल प्रोत्साहित करैत छथि, कारण सम्पत्ति मे धन आ वैभवक कोनो कमी नहि होइत छैक |

1. परमेश् वरक आशीष प्रचुर अछि - परमेश् वरक प्रबंधक द्वारा हमरा सभ केँ जे धन आ महिमा उपलब्ध अछि ताहि पर चिंतन करैत।

2. हमरा सभ लग जे अछि ताहि मे संतोष - जे किछु अछि ताहि लेल कृतज्ञ रहब सीखब, नहि कि सदिखन बेसी चाहैत छी।

1. भजन 23:1 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

2. 1 तीमुथियुस 6:6-8 - "मुदा संतोषक संग परमेश् वरक भक्ति बहुत लाभ अछि। किएक तँ हम सभ संसार मे किछु नहि अनलहुँ, आ संसार सँ किछु नहि निकालि सकैत छी। मुदा जँ हमरा सभ लग भोजन आ वस्त्र अछि तँ हम सभ एहि सभक संग रहब।" सामग्री."

नहूम 2:10 ओ खाली, शून्य आ उजाड़ अछि, आ हृदय पिघलि जाइत अछि, ठेहुन एक संग मारि दैत अछि, आ सभ कमर मे बहुत दर्द होइत अछि, आ सभक चेहरा पर कारी भ’ जाइत अछि।

नीनवे केरऽ उजाड़ पूरा होय गेलऽ छै; सब निराश आ शोक मे छथि।

1. परमेश् वरक न्याय निश्चित आ पूर्ण अछि

2. निराशाक बीच आशा

1. यशायाह 34:10-11 - किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत। मुदा हमर दया तोरा सँ नहि हटत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत।”

2. विलाप 3:22-23 - प्रभुक दया सँ अछि जे हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि, अहाँक विश् वास पैघ अछि।

नहूम 2:11 सिंहक निवास आ सिंहक बच्चाक भोजनालय कतय अछि, जतय सिंह, बूढ़ सिंह, आ सिंहक बच्चा चलैत छल, आ कियो ओकरा सभ केँ डराबैत नहि छल?

नहूम 2:11 मे लेखक पूछैत छथि जे शेरक निवास आ भोजनक स्थान कतय अछि, आ सोचैत छथि जे की ओकरा कियो डरा नहि सकैत अछि।

1. डर नहि: साहस आ विश्वास पर क

2. एकता मे ताकत: समुदायक शक्ति पर क

1. रोमियो 8:31 - तखन एहि सभक प्रतिक्रिया मे हम सभ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

2. भजन 91:10-11 - अहाँ पर कोनो अधलाह नहि होयत आ कोनो विपत्ति अहाँक डेरा लग नहि आओत। कारण, ओ अहाँक विषय मे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन जे अहाँ सभक सभ बाट मे अहाँक रक्षा करथि।

नहूम 2:12 सिंह अपन बच्चा सभक लेल पर्याप्त टुकड़ा-टुकड़ा कए फाड़ि देलक, आ अपन शेरनी सभक लेल गला दबा देलक, आ ओकर छेद केँ शिकार सँ भरि देलक आ ओकर मांद सभ केँ खाई सँ भरि देलक।

सिंह एतेक शिकार पकड़ि लैत अछि जे अपन परिवारक पेट भरि सकैत अछि ।

1: भगवान् हमरा सभक इंतजाम करैत छथि, ओहो अन्हार समय मे।

2: भगवान् केर प्रावधान कहियो समाप्त नहि होइत अछि आ सदिखन पर्याप्त होइत अछि।

1: मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2: यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

नहूम 2:13 देखू, हम अहाँक विरोध मे छी, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ हम ओकर रथ सभ केँ धुँआ मे जरा देब, आ तलवार अहाँक सिंहक बच्चा सभ केँ खा जायत, आ हम अहाँक शिकार केँ पृथ्वी सँ आ आवाज केँ काटि देब आब तोहर दूत सभक बात नहि सुनल जायत।”

सेना केरऽ परमेश् वर अपनऽ शत्रु सिनी के खिलाफ अपनऽ न्याय के घोषणा करै छै, आरो प्रतिज्ञा करै छै कि वू ओकरऽ रथ आरू सिंह केरऽ बच्चा के नष्ट करी क॑ ओकरऽ शिकार छीनी क॑ ओकरऽ दूतऽ क॑ चुप करी देतै ।

1. परमेश् वरक आबै बला न्याय: नहूम 2:13 केँ बुझब

2. प्रभु के शक्ति: यहोवा के क्रोध के अनुभव करना

1. यशायाह 63:2-6 - प्रभुक क्रोधक वर्णन कयल गेल अछि।

2. हबक्कूक 3:12-15 - प्रभुक शक्तिक प्रशंसा कयल गेल अछि।

नहुम अध्याय 3 नीनवे के खिलाफ भविष्यवाणी के आगू बढ़ाबै छै, जेकरा में शहर के दुष्टता आरू ओकरऽ इंतजार करै वाला न्याय पर केंद्रित छै। अध्याय म॑ नीनवे क॑ एगो भ्रष्ट आरू पापपूर्ण शहर के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे ओकरऽ आसन्न पतन के हकदार छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत में नीनवे के खून-खराबा, छल आ लूटपाट स भरल शहर के रूप में वर्णित कयल गेल अछि। शहर के वेश्या के रूप में चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे अपनऽ जादू- टोना आरू दुष्टता स॑ राष्ट्रऽ क॑ लुभाबै छै । प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी नीनवे स॑ लाज के पर्दा उठाय क॑ ओकरऽ बेइज्जती क॑ उजागर करतै (नहूम ३:१-७)।

2 पैराग्राफ: अध्याय के आगू नीनवे के आसन्न विनाश के जीवंत चित्रण छै। शहरक घेराबंदी होयत, ओकर रक्षा टुटि जायत आ ओकर निवासी छिड़िया जायत। एक समय में अपनऽ महान शक्ति के बावजूद, नीनवे एकदम नष्ट होय जैतै, आरू ओकरऽ प्रसिद्धि बिसरी जैतै (नहूम 3:8-19)।

संक्षेप मे, २.
नहुम अध्याय 3 नीनवे के दुष्टता आरू शहर के इंतजार करै वाला न्याय पर केंद्रित छै।

नीनवे के वर्णन खून-खराबा, छल आ दुष्टता स भरल शहर के रूप में।
नीनवे के वेश्या के रूप में चित्रण, राष्ट्र के लुभाबै वाला आरू लाज के हकदार के रूप में।
नीनवे के आसन्न विनाश आ पतन के जीवंत चित्रण।

नहूम के ई अध्याय नीनवे के खिलाफ भविष्यवाणी के आगू बढ़ाबै छै, जेकरा में शहर के दुष्टता आरू ओकरऽ इंतजार करै वाला न्याय पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै। एकरऽ शुरुआत नीनवे क॑ खून-खराबा, धोखा आरू लूटपाट म॑ डूबलऽ शहर के रूप म॑ वर्णित करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । शहर क॑ वेश्या के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे अपनऽ जादू-टोना आरू दुष्टता स॑ राष्ट्रऽ क॑ लुभाबै छै । प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी नीनवे स॑ लाज के पर्दा उठाय क॑ ओकरऽ बेइज्जती क॑ उजागर करी देतै । तखन अध्याय नीनवे के आसन्न विनाश के जीवंत चित्रण के साथ आगू बढ़ै छै। शहरक घेराबंदी होयत, ओकर रक्षा टुटि जायत आ ओकर निवासी छिड़िया जायत। कहियो अपन महान शक्तिक बादो नीनवे एकदम नष्ट भ' जायत, आ ओकर प्रसिद्धि बिसरि जायत। ई अध्याय नीनवे के दुष्टता के निंदा के काम करै छै आरू शहर पर जे न्याय आबै वाला छै, ओकरो चेतावनी के काम करै छै।

नहूम 3:1 खूनी नगर पर धिक्कार अछि! ई सबटा झूठ आ डकैती सॅं भरल अछि; शिकार नहि जाइत अछि।

शहर हिंसा आ अन्याय स भरल अछि।

1. अपश् चात्तापी शहर पर परमेश् वरक न्याय।

2. पापक परिणाम।

1. आमोस 5:18-24

2. इजकिएल 33:1-6

नहूम 3:2 चाबुकक आवाज, आ पहियाक खड़खड़ाहटि, घोड़ाक खड़खड़ाहटि आ कूदैत रथक आवाज।

एहि अंश मे चाबुक, पहिया, घोड़ा आ रथ द्वारा कयल गेल हल्लाक बात कयल गेल अछि |

1. सेवा के हल्ला: हम अपन जीवन स संगीत कोना बना सकैत छी

2. मोक्षक ध्वनि: हमर सभक निष्ठावान सेवा परमेश् वर द्वारा कोना सुनल जाइत अछि

1. भजन 150:3-5 - तुरही के आवाज स हुनकर स्तुति करू; बांसुरी आ वीणा सँ हुनकर स्तुति करू! टिम्बर आ नाच सँ हुनकर स्तुति करू; तार वाला वाद्ययंत्र आ बांसुरी स हुनकर स्तुति करू! जोर-जोर सँ झांझ बजा कऽ हुनकर स्तुति करू। टकराइत झांझ सँ हुनकर स्तुति करू! जे किछु साँस रखैत अछि, से सभ परमेश् वरक स्तुति करय।

२. एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

नहूम 3:3 घुड़सवार चमकैत तलवार आ चमकैत भाला दुनू उठा लैत अछि। आ हुनका लोकनिक लाशक कोनो छोर नहि छनि। ओ सभ अपन लाश पर ठोकर खाइत छथि।

नीनवे पर परमेश् वर के न्याय के वर्णन तलवार आरू भाला वाला घुड़सवार के जीवंत बिम्ब के माध्यम स॑ करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ मारलऽ गेलऽ शव के भीड़ छोड़ी गेलऽ छै आरू एकरऽ अंत नजर नै आबी रहलऽ छै ।

1. परमेश् वरक क्रोधक शक्ति: नहुम 3:3 हुनकर न्यायक चेतावनी के रूप मे

2. परमेश् वरक न्याय शाश्वत अछि: हुनकर प्रतिशोधक अंतहीन प्रकृति केँ बुझब

1. रोमियो 12:19: "प्रिय लोकनि, कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम प्रतिकार करब, प्रभु कहैत छथि।"

2. भजन 37:13: "प्रभु दुष्ट पर हँसैत छथि, कारण ओ जनैत छथि जे हुनकर दिन आबि रहल अछि।"

नहूम 3:4 एहि लेल जे प्रिय वेश्या, जादू-टोना के मालिक, जे अपन वेश्यावृत्ति के द्वारा जाति-जाति आ अपन जादू-टोना के द्वारा परिवार के बेचैत अछि, के वेश्यावृत्ति के बहुतायत के कारण।

नहूम भविष्यवक्ता "सुप्रिय वेश्या" के निंदा करै छै, जे अपनऽ वेश्यावृत्ति आरू जादू- टोना के उपयोग राष्ट्र आरू परिवार के नियंत्रित करै आरू बेचै लेली करै छै।

1. भगवानक इच्छा: सही आ गलत जानब

2. प्रलोभनक शक्ति: बुराईक विरोध कोना कयल जाय

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

नहूम 3:5 देखू, हम अहाँक विरोध मे छी, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। हम तोहर वस्त्र तोहर मुँह पर पाबि लेब, आ जाति सभ केँ तोहर नंगटेपन आ राज्य सभ केँ तोहर लाज देखा देब।”

परमेश् वर लोकक विरुद्ध छथि आ हुनकर पाप सभ जाति के सामने उजागर करताह।

1. पापी पर परमेश् वरक न्याय

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. यशायाह 5:8-9 - "हाय ओहि सभक लेल जे घर-घर जोड़ैत अछि, जे खेत-पथार मे खेत-पथार करैत अछि, जाबत धरि कोनो जगह नहि रहत, जाहि सँ ओ सभ पृथ् वीक बीच मे असगर राखल जा सकय! हमर कान मे परमेश् वर कहैत छथि।" सेना के, सच में बहुत घर उजाड़ भ जायत, एतय तक कि पैघ आ सुन्दर, बिना कोनो निवासी के।"

2. यिर्मयाह 6:15 - "की ओ सभ घृणित काज कएला पर लाज भेल? नहि, ओ सभ एकदम सँ लाज नहि केलक आ ने लजा सकल। तेँ ओ सभ खसनिहार सभक बीच खसि पड़त। जाहि समय हम हुनका सभक दर्शन करब तखन ओ सभ रहताह।" नीचाँ फेकि दियौक, परमेश् वर कहैत छथि।”

नहूम 3:6 हम अहाँ पर घृणित गंदगी फेकि देब आ अहाँ केँ नीच बना देब आ अहाँ केँ एकटा टकटकी जकाँ राखब।

भगवान् हुनका सँ मुँह मोड़निहार केँ सजा देथिन।

1: भगवान दयालु छथि मुदा हुनकर उपहास नहि होयत।

2: पापक परिणाम कठोर होयत।

1: रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु थिक, मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

2: मत्ती 7:24-27 - "तेँ जे केओ हमर ई बात सुनत आ ओकर पालन करत, हम ओकरा एकटा बुद्धिमान आदमी सँ उपमा देब, जे अपन घर चट्टान पर बनौने छल हवा बहैत छल आ ओहि घर पर प्रहार करैत छल, मुदा ओ नहि खसल, किएक तऽ ओ घरक नींव पाथर पर बनल छल बालु पर बरखा भेल, बाढ़ि आबि गेल, हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक, आ ओ खसि पड़ल।

नहूम 3:7 एहन होयत जे अहाँ केँ देखनिहार सभ अहाँ सँ भागि जायत आ कहत जे, “नीनवे उजाड़ भ’ गेल अछि।” हम अहाँक लेल सान्त्वना देबयवला कतय सँ ताकब?

नीनवे अपनऽ दुष्टता के कारण ईश्वरीय न्याय के अधीन छेलै आरू ओकरा कोय दिलासा नै द॑ सकै छै ।

1. दुष्टक लेल परमेश् वरक न् याय आओत आ एकर परिणाम एतेक कठोर भऽ सकैत अछि जे कियो ओकरा सान्त्वना नहि दऽ सकैत अछि।

2. हमरा सभ केँ सावधान रहबाक चाही जे पाप आ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोहक जीवन नहि जीबी, कारण एक दिन हमरा सभ केँ अपन काजक उत्तर देबाक आवश्यकता होयत।

1. यिर्मयाह 51:36-37 - "तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम अहाँक पक्षक पक्ष लेब आ अहाँक बदला लेब। आ ओकर समुद्र केँ सुखायब आ ओकर झरना सभ केँ सुखायब। आ बाबुल ढेर बनि जायत। अजगरक निवास, विस्मय आ सिसकी मारब, बिना कोनो निवासीक।"

2. इजकिएल 25:12-14 - प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। किएक तँ ओ एदोम यहूदाक वंशजक संग प्रतिशोध लेलक आ ओकरा सभ सँ बहुत अपराध कयलक आ ओकरा सभक प्रतिशोध लेलक। तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हम एदोम पर सेहो अपन हाथ बढ़ा देब आ ओहि मे सँ मनुष्य आ जानवर केँ काटि देब। हम ओकरा तेमन सँ उजाड़ बना देब। डेदानक लोक सभ तलवारक मारि कऽ खसि पड़त। हम अपन प्रजा इस्राएलक हाथ सँ एदोम पर अपन बदला लेब। ओ सभ हमर प्रतिशोध केँ बुझि लेत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि।

नहूम 3:8 की अहाँ जनसंख्या सँ नीक नहि, जे नदी सभक बीच मे छल, जकर चारू कात पानि छल, जकर प्राचीर समुद्र छल आ ओकर देबाल समुद्र सँ छल?

आबादी वाला नो स नीक कोनो शहर नहि, जे समुद्र क कात मे अवस्थित छल आ चारू कात पानि स घेरल छल।

1. परमेश् वरक सृष्टि मनुष्य सँ पैघ अछि - नहूम 3:8

2. प्रभुक ताकत - नहूम 3:8

1. यशायाह 40:12 - ओ अपन हाथक खोखला मे पानि केँ नापि लेलक, आ आकाश केँ एकटा नाप मे नापि लेलक, आ पृथ्वीक धूरा केँ एक नाप मे पकड़ि लेलक, आ पहाड़ केँ तराजू मे आ पहाड़ केँ तराजू मे तौललक संतुलन?

2. भजन 65:7 - जे समुद्रक हल्ला, ओकर लहरिक आवाज आ लोकक कोलाहल केँ शान्त करैत अछि।

नहूम 3:9 इथियोपिया आ मिस्र ओकर सामर्थ् य छल आ ओ अनंत छल। पुत आ लुबिम तोहर सहायक छल।

इथियोपिया आरू मिस्र नहुम क॑ असीम ताकत प्रदान करलकै, जबकि पुट आरू लुबिम ओकरऽ सहायक के रूप म॑ काम करलकै ।

1. हमर सभक ताकत परमेश् वर सँ अबैत अछि - नहूम 3:9

2. एकताक शक्ति - नहूम 3:9

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. उपदेशक 4:12 - जँ एक गोटे ओकरा पर विजय प्राप्त करत तँ दू गोटे ओकरा विरोध करत। आ तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटैत अछि।

नहूम 3:10 तइयो ओ लऽ कऽ बंदी मे चलि गेलीह, ओकर छोट-छोट बच्चा सभ सेहो सभ गली-गली मे टुकड़ा-टुकड़ा क’ देल गेल, आ ओकर आदरणीय लोक सभक लेल चिट्ठी चला देलक, आ ओकर सभ महापुरुष जंजीर मे बान्हि देल गेल।

नीनवे शहर पर विजय प्राप्त कयल गेल आ ओकर निवासी केँ बंदी बना लेल गेल। एकर छोट-छोट बच्चा सभकेँ मारल गेल आ एकर सम्मानित पुरुष आ महापुरुष सभकेँ जंजीरमे बान्हि देल गेल।

1. भगवानक न्याय आ न्याय सब परिस्थिति मे देल जायत।

2. पापक परिणाम गंभीर होइत अछि आ परिणाम हृदयविदारक होइत अछि।

1. यशायाह 53:6 हम सभ भेँड़ा जकाँ भटकल छी। हम सभ एक-एकटा अपन-अपन बाट दिस घुमि गेल छी।
प्रभु हमरा सभक अधर्म ओकरा पर राखि देने छथि।

2. रोमियो 6:23 पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

नहुम 3:11 अहाँ सेहो नशा मे धुत्त रहब, अहाँ नुका जायब, अहाँ सेहो शत्रु के कारण बल ताकब।

नहुम पाप के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै, जेकरा में दुश्मन के कारण नशा आरू असुरक्षा शामिल छै।

1. पापक खतरा - अपन पसंदक परिणाम पर विचार करबाक चेतावनी।

2. भगवानक ताकत - अपन शक्तिक बदला भगवान मे सुरक्षाक खोज करबाक स्मरण।

1. नीतिवचन 20:1 - "मदिरा उपहास करयवला अछि, मद्यपान उग्र होइत अछि, आ जे कियो एहि सँ धोखा खाइत अछि, ओ बुद्धिमान नहि अछि।"

2. भजन 46:1-2 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाय।"

नहूम 3:12 तोहर सभ गढ़ अंजीरक गाछ जकाँ होयत जाहि मे पहिल पाकल अंजीर होइत अछि, जँ हिलल जायत तँ खाएबला के मुँह मे खसि पड़त।

दुश्मनक गढ़ सहजहि नष्ट भ' जायत, जेना पाकल अंजीर जे हिलला पर खाइबला के मुँह मे खसि पड़ैत छैक।

1. हिलल अंजीरक गाछक शक्ति: भगवानक न्याय केँ बुझब

2. कठिन समय मे अपन विश्वास के मजबूत करब: निष्ठा के फल।

1. मत्ती 11:12 - "यूहन्ना बपतिस् मा देनिहारक समय सँ एखन धरि स् वर्गक राज् य हिंसाक शिकार होइत अछि, आ हिंसक लोक ओकरा जबरदस्ती ल' लैत अछि।"

2. याकूब 1:2-4 - "हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन ई सभटा आनन्द मानू। ई जानि जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि सम्पूर्ण, किछु नहि चाहैत।"

नहूम 3:13 देखू, अहाँक बीच मे अहाँक लोक स्त्रीगण अछि, अहाँक देशक फाटक अहाँक शत्रु सभक लेल खुजल रहत, आगि अहाँक सलाख सभ केँ भस्म क’ देत।

देशक लोक कमजोर अछि, आ दुश्मनक लेल फाटक खुजल अछि। शहर असुरक्षित अछि, जेकरा विनाशक लेल खुजल छोड़ि देल गेल अछि।

1. अनिश्चित समय मे भगवान् के रक्षा

2. विनम्रताक शक्ति

1. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँक पाँखिक नीचाँ अहाँ भरोसा करब, ओकर सत्य अहाँक ढाल आ बकरी होयत।

नहूम 3:14 घेराबंदीक लेल पानि खींचू, अपन गढ़ केँ मजबूत करू, माटि मे जाउ, आ भट्ठा केँ दबाउ, ईंटाक भट्ठा केँ मजबूत करू।

ई अंश घेराबंदी के तैयारी म॑ गढ़ऽ क॑ मजबूत करै आरू रक्षा क॑ मजबूत करै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. अपन आस्था के मजबूत करबाक माध्यम स प्रतिकूलता स उबरब

2. तैयार रहू: चुनौती के विरुद्ध अपन रक्षा के मजबूत करब

1. नीतिवचन 22:3 - बुद्धिमान लोक अधलाह केँ पहिने सँ देखैत अछि आ अपना केँ नुका लैत अछि, मुदा साधारण लोक सभ आगू बढ़ैत अछि आ सजा पाओल जाइत अछि।

2. इफिसियों 6:10-17 - अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक षड्यंत्रक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

नहूम 3:15 ओतहि आगि अहाँ केँ भस्म क’ देत। तलवार तोरा काटि लेत, तोरा कैंकर जकाँ खा जायत, अपना केँ कैंकर जकाँ बेसी बनाउ, अपना केँ टिड्डी जकाँ बेसी बनाउ।

प्रभुक न्यायक आगि दुष्ट आ आज्ञा नहि माननिहार केँ भस्म क' देत।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम - नहूम 3:15

2. प्रभुक धार्मिक न्याय - नहूम 3:15

1. यिर्मयाह 5:14 - "तेँ सेना सभक परमेश् वर प्रभु ई कहैत छथि जे अहाँ ई वचन बाजल छी, हम अहाँक मुँह मे अपन बात केँ आगि लगा रहल छी आ एहि लोक सभ केँ लकड़ी बना रहल छी, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ खा जायत।"

2. नीतिवचन 6:30-31 - "लोक चोर केँ तिरस्कार नहि करैत अछि, जँ ओ भूखल रहला पर अपना केँ तृप्त करबाक लेल चोरी करैत अछि। तइयो जखन ओकरा भेटि जायत तखन ओकरा सात गुना फेर सँ ठीक करय पड़तैक; ओकरा अपन सभ वस्तु छोड़य पड़ि सकैत छैक।" घर."

नहूम 3:16 अहाँ अपन व्यापारी सभ केँ स्वर्गक तारा सभ सँ बेसी बढ़ा देलियैक।

व्यापारी केरऽ गुणा एतना होय गेलऽ छै कि आकाश केरऽ तारा स॑ भी अधिक होय गेलऽ छै, आरू वू व्यापारी बर्बाद होय के आरू भागै के खतरा छै ।

1. बेसी लोभी बनबाक खतरा

2. व्यवसाय मे विनम्रताक आवश्यकता

1. नीतिवचन 11:28 - जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी डारि जकाँ पनपत।

2. लूका 12:16-21 - तखन ओ हुनका सभ केँ एकटा दृष्टान्त बजलाह, “एकटा धनी लोकक जमीन मे बहुत किछु पैदा भेलनि हमर फल दान करू? ओ कहलथिन, “हम ई काज करब, हम अपन कोठी सभ केँ तोड़ि कऽ आओर पैघ निर्माण करब। आ ओतहि हम अपन सभ फल आ सम्पत्ति दान करब। हम अपन प्राण केँ कहब, ‘आत्मा, अहाँ लग बहुत वर्षक लेल बहुत रास सम्पत्ति जमा कयल गेल अछि। आराम करू, खाउ, पीबू आ मस्त रहू। मुदा परमेश् वर ओकरा कहलथिन, “हे मूर्ख, आइ राति तोहर प्राण तोरा सँ माँगल जायत। तहिना जे अपना लेल धन जमा करैत अछि आ परमेश् वरक प्रति धनिक नहि अछि।

नहूम 3:17 तोहर मुकुट पहिरने टिड्डी जकाँ अछि, आ तोहर सेनापति सभ पैघ टिड्डी जकाँ अछि, जे ठंढा दिन मे बेड मे डेरा डालैत अछि, मुदा जखन सूर्य उगैत अछि तखन ओ भागि जाइत अछि, आ ओकर स्थान कतय अछि से नहि बुझल जाइत अछि।

जनताक शक्ति आ अधिकारक तुलना टिड्डी आ टिड्डी सँ कयल जाइत अछि, जे नियमित रूप सँ देखाइत अछि मुदा सूर्योदय आ ओकर ठिकाना अज्ञात भ' गेला पर जल्दीए गायब भ' जाइत अछि ।

1. शक्ति के क्षणिकता: नहूम 3:17 के एक परीक्षा

2. सुरक्षा के हेज: नहूम 3:17 के महत्व के समझना

1. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि, बल्कि स्वर्ग मे अपना लेल धन जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि आ कतय।" चोर घुसि क' चोरी नहि करैत अछि, कारण जतय अहाँक खजाना अछि, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।"

2. नीतिवचन 27:1 - "काल्हिक घमंड नहि करू, कारण अहाँ सभ नहि जनैत छी जे एक दिन की आनि सकैत अछि।"

नहूम 3:18 हे अश्शूरक राजा, तोहर चरबाह सभ सुति रहल अछि, तोहर कुलीन लोक सभ धूरा मे रहत, तोहर लोक पहाड़ पर छिड़िया गेल अछि, आ ओकरा सभ केँ केओ नहि जमा करैत अछि।

अश्शूरक राजाक चरबाह सभ सुतल अछि जखन कि ओकर लोक सभ छिड़ियाएल आ असुरक्षित अछि।

1. आलसी नेतृत्व के खतरा

2. कमजोर आ उत्पीड़ित लोकक लेल भगवानक देखभाल

1. इजकिएल 34:2-4 - "मनुष्य-पुत्र, इस्राएलक चरबाह सभक विरुद्ध भविष्यवाणी करू; भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ, चरबाह सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि: आह, इस्राएलक चरबाह सभ जे अपना केँ पोसैत आबि रहल छी! की चरबाह केँ बरद केँ नहि खुआबय पड़त, अहाँ सभ मोट खाइत छी, ऊन सँ कपड़ा पहिरैत छी, मोट केँ मारैत छी, मुदा बरद केँ नहि खुआबैत छी।

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ रखताह; ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करत। ओ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे लऽ कऽ जे बच्चा सभक संग अछि तकरा सभ केँ धीरे-धीरे नेतृत्व करत।

नहूम 3:19 तोहर चोटक कोनो चंगाई नहि अछि। तोहर घाव गंभीर अछि, जे सभ अहाँक चोट सुनैत अछि, से सभ अहाँ पर ताली बजाओत।

2061

लोकक दुष्टता दूर-दूर धरि पसरि गेल अछि आ एकर कोनो चंगाई नहि भेटि रहल अछि ।

1. दुष्टताक परिणाम: अपन नैतिक कर्तव्यक उपेक्षा सँ कोना विनाश होइत अछि

2. अपन कर्म के परिणाम के सामना करब: अपन पसंद के प्रभाव के पहचान आ स्वीकार करब

1. यिर्मयाह 17:9 - हृदय सभ सँ बेसी धोखा देबयवला अछि, आ बहुत दुष्ट अछि, एकरा के जानि सकैत अछि?

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

हबक्कूक अध्याय 1 के शुरुआत भविष्यवक्ता के यहूदा में देखै वाला अन्याय आरू हिंसा के बारे में परमेश् वर पर सवाल उठाबै के साथ होय छै। अध्याय में हबक्कूक के परमेश्वर के साथ संवाद आरू परमेश्वर के प्रतिक्रिया के खोज करलऽ गेलऽ छै, जेकरा में विश्वास, न्याय आरू परमेश्वर के सार्वभौमिकता के विषयऽ पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हबक्कूक यहूदा में हिंसा आरू अन्याय के बारे में अपनऽ दुख आरू भ्रम व्यक्त करै के साथ होय छै। ओ सवाल ठाढ़ करैत छथि जे परमेश् वर गलत काज केँ किएक सहन करैत छथि आ न्याय अनबाक लेल हस्तक्षेप किएक नहि करैत छथि (हबक्कूक 1:1-4)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर हबक्कूक विलाप के जवाब दैत छथि जे ओ अपन योजना के प्रकट करैत छथि जे ओ बेबिलोन के, जे एकटा निर्दयी आ शक्तिशाली राष्ट्र अछि, के उठबैत छथि जे यहूदा पर न्याय आनि सकथि। बेबिलोन के लोगऽ क॑ उग्र आरू भयावह के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जे अपनऽ हिंसा आरू विजय के लेलऽ जानलऽ जाय छै (हबक्कूक १:५-११) ।

3 पैराग्राफ: हबक्कूक, परमेश् वर के प्रकाशन के जवाब में, बेबिलोन जैसनऽ दुष्ट राष्ट्र के उपयोग करला के न्याय पर सवाल उठाबै छै, जे कम दुष्ट छै, ओकरा दंडित करै लेली। ओ बेबिलोन के अहंकार आओर ओकर जाति मे झाड़ू लगाबय, जीत आ लूटपाट के आदत के बारे मे चिंता व्यक्त करैत छथि (हबक्कूक 1:12-17)।

संक्षेप मे, २.
हबक्कूक अध्याय 1 में भविष्यवक्ता के परमेश्वर के साथ संवाद के चित्रण छै, जेकरा में यहूदा में अन्याय आरू हिंसा के संबोधित करलऽ गेलऽ छै।

हबक्कूक के संकट आरू यहूदा में अन्याय के संबंध में परमेश् वर से पूछताछ।
परमेश् वर के प्रतिक्रिया, जेकरा में हुनकऽ योजना के खुलासा करलऽ गेलऽ छै कि हुनी बेबिलोन के लोगऽ क॑ उठैलकै ताकि न्याय लानलऽ जाय सक॑ ।
हबक्कूक के चिंता जे कोनो दुष्ट राष्ट्र के उपयोग कम दुष्ट राष्ट्र के सजा देबय के न्याय के बारे में।

हबक्कूक केरऽ ई अध्याय शुरू होय छै कि भविष्यवक्ता यहूदा में जे हिंसा आरू अन्याय देखै छै, ओकरा पर अपनऽ दुख आरू भ्रम व्यक्त करै छै । ओ सवाल उठबैत छथि जे भगवान एहन गलत काज किएक बर्दाश्त करैत छथि आ न्याय अनबा लेल हस्तक्षेप किएक नहि करैत छथि । एकरऽ जवाब में परमेश् वर यहूदा पर न्याय लानै लेली बेबिलोनियन, एगो निर्दयी आरू शक्तिशाली राष्ट्र कॅ उठै के अपनऽ योजना के प्रकट करै छै। बेबिलोन केरऽ लोगऽ क॑ उग्र आरू भयावह के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै, जे अपनऽ हिंसा आरू विजय के लेलऽ जानलऽ जाय छै । हबक्कूक, बदला में, बेबिलोन जैसनऽ दुष्ट राष्ट्र के उपयोग करी क॑ जे राष्ट्र कम दुष्ट छै, ओकरा दंडित करै के न्याय पर सवाल उठाबै छै । ओ बेबिलोन के अहंकार आ ओकर जीत आ लूटपाट के प्रवृत्ति के बारे में चिंता व्यक्त करैत छथि | ई अध्याय विश्वास, न्याय आरू परमेश्वर के सार्वभौमिकता के विषय के खोज करै छै, जेकरा में अन्याय के सामना करतें परमेश् वर के रास्ता समझै लेली हबक्कूक के संघर्ष के प्रदर्शन करलऽ गेलऽ छै ।

हबक्कूक 1:1 हबक्कूक भविष्यवक्ता जे बोझ देखलनि।

ई अंश हबक्कूक भविष्यवक्ता के बोझ के बारे में छै।

1. पैगम्बर के बोझ: वफादार जीवन जीबाक लेल एकटा आह्वान

2. पैगम्बर के बोझ के प्रति भगवान के प्रतिक्रिया: हुनकर महिमा के प्रकटीकरण

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. रोमियो 8:31-39 - तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि?

हबक्कूक 1:2 हे प्रभु, हम कतेक दिन धरि कानब, आ अहाँ नहि सुनब! एतेक धरि जे अहाँ केँ हिंसाक चीत्कार करू, आ अहाँ उद्धार नहि करब!

भगवान् हमरा सभक बात सुनैत छथि, ओहो दुखक समय मे।

1. दुख मे भगवान् सँ पुकारब: विपत्तिक समय मे आशा

2. हबक्कूक वफादार पुकार: अपन कमजोरी मे ताकत भेटब

1. भजन 34:17-19 - जखन धर्मी लोकनि सहायताक लेल पुकारैत छथि तखन प्रभु हुनका सभ केँ सुनैत छथि आ हुनका सभक सभ विपत्ति सँ मुक्त करैत छथि।

2. विलाप 3:21-23 - तइयो हम ई बात मोन पाड़ैत छी आ तेँ हमरा आशा अछि जे प्रभुक महान प्रेमक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा कहियो खत्म नहि होइत अछि।

हबक्कूक 1:3 अहाँ हमरा अधर्म किएक देखाबैत छी आ हमरा दुःख देखबैत छी? किएक तँ हमरा सामने लूट-पाट आ हिंसा अछि।

ई अंश जीवन के संघर्ष के बारे में चिंतन करै छै आरू कठिन समय में भी भगवान केना मौजूद छै।

1. "कठिन समय मे भगवानक आशा"।

2. "हबक्कूक विपत्ति मे विश्वासक ताकत"।

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. भजन 46:1-2 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

हबक्कूक 1:4 तेँ व्यवस्था शिथिल भ’ गेल अछि, आ न्याय कहियो नहि चलैत अछि, किएक तँ दुष्ट धर्मी लोकक चारू कात घुमैत अछि। तेँ गलत निर्णय आगू बढ़ैत अछि।

कानून के उपेक्षा आरू न्याय के सेवा नै होय छै, जेना कि दुष्ट धर्मी के अत्याचार करै छै आरू न्याय के विकृत करै छै।

1: भगवानक न्याय सिद्ध अछि आ ओकरा नकारल नहि जायत।

2: हमरा सभकेँ न्यायक सेवा करबाक चाही आ धर्मी सभक रक्षा करबाक चाही।

1: नीतिवचन 21:15 - जखन न्याय कयल जाइत अछि तखन धर्मी केँ आनन्द होइत छैक मुदा दुष्ट केँ आतंक होइत छैक।

2: यशायाह 5:20 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

हबक्कूक 1:5 अहाँ सभ जाति-जाति मे देखू, आ आश्चर्य करू आ आश्चर्यचकित भऽ जाउ, किएक तँ हम अहाँक दिन मे एहन काज करब, जकरा पर अहाँ सभ विश्वास नहि करब, भले अहाँ सभ केँ ई बात कहल जाय।

ई अंश परमेश् वर के चमत्कारी काम के बात करै छै जे वर्तमान में होतै, जे एतना आश्चर्यजनक होतै कि लोग विश्वास नै करी सकै छै।

1. "भगवानक चमत्कार: अहाँक की कमी अछि?"

2. "भगवानक चमत्कार: विश्वास करबाक समय आबि गेल अछि!"

1. इब्रानी 11:1 - "आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल अछि, ओहि पर विश्वास करब अछि।

2. यूहन्ना 4:48 - "जखन धरि अहाँ सभ चिन्ह आ चमत्कार नहि देखब" यीशु हुनका कहलनि, "अहाँ सभ कहियो विश्वास नहि करब।"

हबक्कूक 1:6 हम कल्दी सभ केँ उठबैत छी, जे कटु आ जल्दबाजी मे चलैत अछि, जे देशक चौड़ाई मे घुमि क’ ओहि निवास स्थान पर कब्जा क’ लेत जे हुनकर नहि अछि।

एहि अंश मे परमेश् वर कसदी सभ केँ ठाढ़ करबाक वर्णन करैत अछि, जे एकटा एहन राष्ट्र अछि जे कटु आ जल्दबाजी मे रहत, जे ओहि देश मे मार्च करय आ ओहि घर पर कब्जा करय जे ओकर नहि अछि।

1. पूर्वाग्रह आ रूढ़िवादिता के खतरा

2. कठिन समय मे भगवान् के सार्वभौमिकता

1. यशायाह 10:5-7: "हे अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी आ हुनका सभक हाथक लाठी हमर क्रोध अछि। हम ओकरा पाखंडी जातिक विरुद्ध पठा देब, आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध हम ओकरा क लूट-लूट केँ ल' क' शिकार केँ ल' क' सड़कक दलदली जकाँ नीचाँ खसाब' पड़त किछुए नहि।"

2. रोमियो 9:14-18: "तखन हम सभ की कहब? की परमेश् वरक संग अधर्म अछि? परमेश् वर नहि करथि। किएक तँ ओ मूसा केँ कहैत छथि, "हम जकरा पर दया करब, ओकरा पर दया करब आ जकरा पर हम दया करब।" दया करतै अहाँ मे सामर्थ्य अछि, आ हमर नाम पूरा पृथ्वी पर प्रचारित हो। तेँ जकरा पर ओ दया करय चाहैत अछि, ओकरा पर दया होइत छैक आ जकरा पर ओ कठोर करैत अछि।”

हबक्कूक 1:7 ओ सभ भयावह आ भयावह अछि, ओकर न्याय आ मर्यादा अपने सँ निकलत।

जनता भयावह आ भयावह होइत अछि, आ ओकर निर्णय आ मर्यादा भीतर सँ अबैत अछि ।

1. आत्मनिर्णय के शक्ति

2. आत्म-मूल्य के जिम्मेदारी

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल्कि अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ’ जाउ।

2. नीतिवचन 16:9 - मनुष्य अपन हृदय मे अपन मार्गक योजना बनबैत अछि, मुदा प्रभु ओकर डेग स्थापित करैत अछि।

हबक्कूक 1:8 ओकर घोड़ा तेंदुआ सँ तेज अछि, आ साँझक भेड़िया सँ बेसी भयंकर अछि, आ ओकर घोड़ा पर सवार सभ पसरल रहत आ ओकर घुड़सवार दूर सँ आबि जायत। ओ सभ गरुड़ जकाँ उड़त जे जल्दबाजी मे भोजन करय।

भगवान् के शत्रु तेज आ शक्तिशाली छै।

1: भारी विषमता के सामना करैत भगवान पर भरोसा करय पड़त।

2064

2: सत्ता आ घमंड के प्रलोभन स सतर्क रहबाक चाही।

1: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

हबक्कूक 1:9 ओ सभ हिंसाक लेल आओत, ओकर सभक मुँह पूबक हवा जकाँ भोजन करत, आ ओ सभ बंदी सभ केँ बालु जकाँ जमा करत।

परमेश् वर अपन लोकक दुष् टताक दंड त्वरित आ पूर्ण होयत।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक लेल सावधान रहबाक चाही वा हुनकर क्रोधक परिणामक सामना करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर दिस मुड़बाक चाही आ अपन पापक पश्चाताप करबाक चाही जाहि सँ हम सभ हुनकर धार्मिक न्याय सँ उद्धार पाबि सकब।

1: यशायाह 59:2 - मुदा अहाँक अधर्म अहाँ सभ केँ अहाँक परमेश् वर सँ अलग कऽ देलक अछि। तोहर पाप तोरा सँ ओकर मुँह नुका देने छैक, जाहि सँ ओ नहि सुनत।

2: याकूब 4:17 - तेँ जे सही काज जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

हबक्कूक 1:10 ओ सभ राजा सभक उपहास करत, आ राजकुमार सभ ओकरा सभक तिरस्कार करत। किएक तँ ओ सभ धूरा जमा कऽ ओकरा ल’ लेत।”

लोक राजा-राजकुमारक उपहास करत आ सभ गढ़क मजाक उड़ाओत।

1. उपहासक शक्ति: उपहासक प्रभाव बुझब

2. आदर करबासँ मना करब: शक्तिशालीक अधिकारकेँ अस्वीकार करब

1. नीतिवचन 14:9 - मूर्ख पापक उपहास करैत अछि, मुदा धर्मी लोक मे अनुग्रह होइत छैक।

2. यशायाह 5:14-15 - तेँ नरक अपना केँ बढ़ि गेल अछि आ ओकर मुँह बिना कोनो नाप मे खोलि लेलक, आ ओकर महिमा, ओकर भीड़, ओकर धूमधाम आ जे आनन्दित अछि, ओ ओहि मे उतरत। नीच लोक केँ नीचाँ खसाओल जायत, आ पराक्रमी नम्र भ’ जायत, आ ऊँच लोकक आँखि नम्र भ’ जायत।

हबक्कूक 1:11 तखन ओकर विचार बदलि जायत, आ ओ ओहि पार सँ गुजरि क’ अपराध करत, आ ई अपन शक्ति केँ अपन देवता केँ सौंपत।

हबक्कूक मूर्तिपूजा आरू झूठा देवता पर भरोसा करै के परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै।

1: हमरा सभकेँ परमेश् वर पर भरोसा करबाक चाही आ झूठ देवता पर नहि।

2: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे झूठ देवता आ मूर्तिक प्रतिज्ञासँ प्रलोभन नहि भेटय।

1: व्यवस्था 4:15-19 - तेँ अपना सभक प्रति सावधान रहू। कारण, जाहि दिन प्रभु अहाँ सभ सँ होरेब मे आगि मे सँ बात कयलनि, ताहि दिन अहाँ सभ केँ कोनो उपमा नहि देखलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभ अपना केँ नष्ट नहि कऽ कऽ अहाँ सभ केँ कोनो उकेरल मूर्ति बनाबी, जे कोनो आकृतिक उपमा, स्त्री-पुरुषक उपमा हो, पृथ्वी पर जे कोनो जानवरक उपमा अछि, हवा मे उड़ैत कोनो पाँखिबला चिड़ै सभक उपमा, जमीन पर रेंगैत कोनो माछक उपमा जे पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि कहीं अहाँ अपन नजरि आकाश दिस नहि उठाउ आ जखन अहाँ सूर्य, चान आ तारा सभ केँ देखब, स् वर्गक समस्त सेना केँ देखब तँ ओकरा सभक आराधना आ सेवा करबाक लेल प्रेरित नहि भऽ जायब, जकरा अहाँक परमेश् वर परमेश् वर बाँटि देने छथि।” समस्त स्वर्गक नीचाँक सभ जाति।

2: रोमियो 1:22-25 - अपना केँ बुद्धिमान कहैत मूर्ख बनि गेल, आ अविनाशी परमेश् वरक महिमा केँ नाशवान मनुष्य, चिड़ै-चुनमुनी, चारि पैरक जानवर आ रेंगत जानवरक समान मूर्ति मे बदलि देलक। एहि लेल परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन हृदयक वासना सँ अशुद्धता मे समर्पण कयलनि, जाहि सँ ओ सभ अपन-अपन शरीरक अपमान कयलनि. आमीन।

हबक्कूक 1:12 हे हमर परमेश् वर, हमर पवित्र, अहाँ अनन्त काल सँ नहि? हम सभ नहि मरब। हे परमेश् वर, अहाँ ओकरा सभ केँ न् याय करबाक लेल नियुक्त कऽ देलहुँ। आ हे पराक्रमी परमेश् वर, अहाँ ओकरा सभ केँ सुधारक लेल स्थापित कऽ देलहुँ।”

भगवान् अनन्त छथि आ हुनकर न्याय न्यायसंगत अछि।

1. परमेश् वरक अनन्तता आ हुनकर न्याय

2. परमेश् वरक न्याय आ सुधार केँ बुझब

1. भजन 90:2 - पहाड़क जन्म सँ पहिने, वा अहाँ पृथ्वी आ संसार केँ अनन्त सँ अनन्त धरि बनौने छलहुँ, अहाँ परमेश् वर छी।

2. यशायाह 46:10 - शुरू सँ अंतक घोषणा करैत, आ प्राचीन काल सँ जे काज एखन धरि नहि भेल अछि, से कहैत, हमर सलाह ठाढ़ रहत, आ हम अपन सभ इच्छा पूरा करब।

हबक्कूक 1:13 अहाँ अधलाह केँ देखबा सँ बेसी शुद्ध आँखिक छी, आ अधर्म केँ नहि देखि सकैत छी, तखन अहाँ विश्वासघात करयवला केँ किएक देखैत छी आ अपन जीह केँ किएक पकड़ैत छी जखन दुष्ट ओकरा सँ बेसी धर्मी आदमी केँ खा जाइत अछि?

भगवान् बुराई आ अन्याय के देखै लेली बहुत शुद्ध छै, तभियो संसार में ओकरा सहन करै वाला प्रतीत होय छै।

1. परमेश् वरक न्यायक विरोधाभास - परमेश् वरक पवित्रता आ संसार मे हुनकर पापक अनुमतिक बीचक तनावक अन्वेषण।

2. परमेश् वर दुष्टताक अनुमति किएक दैत छथि? - मनुष्यक दुखक बीच भगवानक उद्देश्य आ योजना केँ बुझब।

1. यशायाह 6:3 - "एकटा दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि। समस्त पृथ्वी हुनकर महिमा सँ भरल अछि।"

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करय बला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

हबक्कूक 1:14 आ मनुष्य केँ समुद्रक माछ जकाँ, रेंगैत माछ जकाँ बना दैत छी, जकर कोनो शासक नहि अछि?

हबक्कूक सवाल उठै छै कि परमेश् वर लोगऽ क॑ बिना अधिकार के जीना कियैक दै छै आरू ओकरा समुद्र के माछ आरू अन्य प्राणी के तरह बनाबै छै।

1. मनुष्य के जीवन में भगवान के अधिकार

2. समस्त सृष्टि पर भगवानक प्रभुत्व

1. मत्ती 28:18-20 - यीशु आबि हुनका सभ केँ कहलथिन, “स्वर्ग आ पृथ् वी पर सभ अधिकार हमरा देल गेल अछि।” तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष् य बनाउ आ ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे आज्ञा देने छी, तकरा पालन करऽ।

2. अय्यूब 12:7-10 - मुदा जानवर सभ सँ पूछू, तखन ओ सभ अहाँ सभ केँ सिखाओत। आकाशक चिड़ै सभ, आ ओ सभ अहाँ सभ केँ कहत। वा पृथ्वीक झाड़-झंखाड़, आ ओ सभ अहाँ सभ केँ सिखाओत। समुद्रक माछ 2066

अहाँ सभ केँ घोषणा करत। एहि सभ मे सँ के नहि जनैत अछि जे प्रभुक हाथ ई काज केलक अछि? हुनक हाथ मे हर जीवक जीवन आ समस्त मनुष्यक साँस अछि ।

हबक्कूक 1:15 ओ सभ ओकरा सभ केँ कोण सँ उठा लैत अछि, ओकरा सभ केँ अपन जाल मे पकड़ि लैत अछि आ ओकरा सभ केँ घसीटैत अछि, तेँ ओ सभ आनन्दित होइत अछि आ आनन्दित होइत अछि।

लोक सभ अपन शिकारकेँ कोणसँ लऽ कऽ जालमे पकड़ि घीचि कऽ जमा कऽ रहल अछि आ ओ सभ एहि बातसँ हर्षित आ प्रसन्न भऽ रहल अछि ।

1. परमेश् वरक उद्धारक लेल आनन्दित रहब

2. परमेश् वरक प्रावधान केँ चिन्हब

1. भजन 20:4 - "ओ अहाँक हृदयक इच्छा प्रदान करथि आ अहाँक सभ योजना केँ सफल करथि।"

2. भजन 37:4-5 - "प्रभु मे आनन्दित रहू, ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। प्रभु पर अपन बाट सम्हारू; हुनका पर भरोसा करू आ ओ ई काज करताह।"

हबक्कूक 1:16 तेँ ओ सभ अपन जाल मे बलि चढ़बैत छथि आ अपन घसीटबाक लेल धूप जराबैत छथि। किएक तँ ओकरा सभक भाग मोटगर होइत छैक आ ओकर सभक भोजन प्रचुर मात्रा मे होइत छैक।

हबक्कूक समय के लोग प्रभु के जगह पर अपनऽ आविष्कार के बलिदान करी रहलऽ छै ।

1. "ईश्वर के प्राथमिकता देब: निष्ठावान आराधना के आशीर्वाद"।

2. "आत्मनिर्भरताक मिथ्या मूर्ति"।

1. मत्ती 6:33-34 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. यिर्मयाह 17:5 - "परमेश् वर ई कहैत छथि जे, जे मनुष् य पर भरोसा करैत अछि आ मांस केँ अपन सामर्थ्य बनबैत अछि, ओ अभिशप्त अछि, जकर हृदय परमेश् वर सँ विमुख भ' जाइत अछि।"

हबक्कूक 1:17 की ओ सभ अपन जाल खाली कऽ कऽ जाति सभक वध करबा मे नहि छोड़त?

परमेश् वर बेबिलोनवासी सिनी के काम पर सवाल उठाबै छै, जे सत्ता के खोज में लगातार लोगऽ के वध करी रहलऽ छै।

1. भगवान् केरऽ परम शक्ति कोनो भी पार्थिव शक्ति स॑ भी बड़ऽ छै ।

2. हिंसा आ अत्याचारक माध्यमे सत्ताक खोज करयवला केँ भगवान बर्दाश्त नहि करताह।

1. यशायाह 40:17-18 सभ जाति हुनका सामने किछुओ नहि जकाँ अछि, हुनका द्वारा किछुओ नहि आ शून्यता सँ कम मानल जाइत अछि।

2. भजन 33:13-15 प्रभु स्वर्ग सँ नीचाँ तकैत छथि; ओ मनुष् यक सभ सन् तान केँ देखैत अछि।
जतय सँ ओ सिंहासन पर बैसल बैसल छथि ओतय सँ पृथ्वीक सभ निवासी दिस तकैत छथि |

हबक्कूक अध्याय 2 भविष्यवक्ता आरू परमेश्वर के बीच के संवाद के जारी रखै छै। अध्याय मुख्य रूप स॑ हबक्कूक के चिंता के प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया पर केंद्रित छै आरू बेबिलोन आरू ओकरऽ पापपूर्ण प्रथा के खिलाफ घोषणा या "दुःख" के एक श्रृंखला छै ।

1 पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर हबक्कूक के निर्देश दै के साथ होय छै कि हुनी जे दर्शन प्रकट करै वाला छै, ओकरा लिखै। परमेश् वर हबक्कूक केँ आश्वस्त करैत छथि जे दर्शन अवश्य पूरा होयत, भले एहि मे समय लागि सकैत अछि। ओ विश्वास आ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा के महत्व पर जोर दैत छथि (हबक्कूक 2:1-4)।

2 पैराग्राफ: परमेश् वर बेबिलोन के विरुद्ध "दुःख" के एक श्रृंखला के उच्चारण करै छै, जेकरा में ओकरो पाप आरू ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के उजागर करै छै। "दुःख" हुनकर लोभ, हिंसा, आ दोसर के शोषण के निंदा करैत अछि | घोषणा करलऽ गेलऽ छै कि हुनकऽ गलत तरीका स॑ मिललऽ लाभ स्थायी संतुष्टि या सुरक्षा नै देतै (हबक्कूक २:५-१४)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन भगवान के शक्ति आरू संप्रभुता के याद दिलाबै के साथ होय छै। ई पुष्टि करलऽ गेलऽ छै कि पृथ्वी प्रभु केरऽ महिमा के ज्ञान स॑ भरलऽ होतै, आरू अंततः सब जाति हुनकऽ अधिकार क॑ पहचानी लेतै (हबक्कूक २:१५-२०)।

संक्षेप मे, २.
हबक्कूक अध्याय 2 मे हबक्कूक के चिंता के प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया छै आरू बेबिलोन के खिलाफ "दुःख" के उच्चारण करै छै।

परमेश् वर हबक्कूक केँ दर्शन लिखबाक निर्देश दैत छथि आ विश्वास आ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करबाक महत्व पर जोर दैत छथि।
बेबिलोन के खिलाफ "दुःख" के घोषणा, ओकर पाप आ ओकर सामना करय वाला परिणाम के उजागर करब। परमेश्वर केरऽ शक्ति आरू संप्रभुता के पुष्टि, ई आश्वासन के साथ कि सब राष्ट्र हुनकऽ अधिकार क॑ पहचानी लेतै ।

हबक्कूक के ई अध्याय भविष्यवक्ता आरू परमेश् वर के बीच के संवाद के आगू बढ़ाबै छै। एकरऽ शुरुआत परमेश् वर हबक्कूक क॑ निर्देश दै स॑ होय छै कि वू वू दर्शन क॑ लिखै जेकरा वू प्रकट करै वाला छै, जेकरा म॑ विश्वास आरू धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा के महत्व प॑ जोर देलऽ जाय छै । तखन परमेश् वर बेबिलोन के खिलाफ "दुःख" के एक श्रृंखला के उच्चारण करै छै, जेकरा में ओकरा सिनी के पाप के निंदा करै छै आरू ओकरा सामने आबै वाला परिणाम के खुलासा करै छै। "दुःख" बेबिलोन के लोभ, हिंसा, आरू दोसरऽ के शोषण के उजागर करै छै, ई घोषणा करै छै कि ओकरऽ गलत तरीका स॑ मिललऽ लाभ स्थायी संतुष्टि या सुरक्षा नै देतै । अध्याय के समापन परमेश् वर के शक्ति आरू संप्रभुता के याद दिलाबै के साथ होय छै, जेकरा में ई बात के पुष्टि करलऽ गेलऽ छै कि पृथ्वी प्रभु के महिमा के ज्ञान स॑ भरलऽ होतै, आरू सब राष्ट्र अंततः हुनकऽ अधिकार क॑ पहचानी लेतै । ई अध्याय हबक्कूक के चिंता के प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया के प्रदर्शन करै छै आरू बेबिलोन के पापपूर्ण व्यवहार के परिणाम के बारे में जानकारी दै छै।

हबक्कूक 2:1 हम अपन चौकी पर ठाढ़ रहब आ हमरा बुर्ज पर बैसा देब आ देखैत रहब जे ओ हमरा की कहत आ जखन हमरा डाँटल जायत तखन हम की जवाब देब।

ई अंश परमेश् वर के संदेश ग्रहण करै लेली आरू कोनो भी डांट के जवाब दै लेली आध्यात्मिक रूप स॑ तैयार रहै के महत्व के बात करै छै ।

1. आध्यात्मिक तत्परता के शक्ति

2. आध्यात्मिक रूप स सतर्क बनब

1. इफिसियों 6:10-13 - प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरि लिअ, जाहि सँ अहाँ सभ शैतानक चालबाजीक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकब।

2. 1 पत्रुस 5:8-9 - सोझ रहू, सतर्क रहू। किएक तँ अहाँ सभक शत्रु शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत-फिरैत अछि, जकरा खा कऽ खा सकैत अछि।

हबक्कूक 2:2 तखन परमेश् वर हमरा उत्तर देलथिन, “दृष्टि लिखू आ पाटी पर साफ करू, जाहि सँ ओ पढ़निहार दौड़ि सकय।”

प्रभु हबक्कूक केँ एकटा दर्शन लिखबाक निर्देश देलनि जाहि सँ ओकरा सभ केँ पढ़ल आ बुझल जा सकय।

1. परमेश् वरक वचनक संप्रेषणक लेल लेखनक शक्ति

2. बाइबिल मे जे पढ़ैत छी तकरा कोना जीबी

1. नीतिवचन 3:3 - दया आ सत्य अहाँ केँ नहि छोड़ि दियौक। अपन हृदयक मेज पर लिखू।

2. 2 तीमुथियुस 3:16 - सभ शास्त्र परमेश् वरक प्रेरणा सँ देल गेल अछि, आ शिक्षा, डाँट, सुधार आ धार्मिकताक शिक्षाक लेल लाभकारी अछि।

हबक्कूक 2:3 कारण, दर्शन एखन धरि निर्धारित समयक लेल अछि, मुदा अंत मे ओ बाजत, मुदा झूठ नहि बाजत। कारण ओ अवश्य आओत, ओ देरी नहि करत।

विजन निश्चित रूप स पूरा होएत आ एकर इंतजार करबाक चाही।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक प्रतीक्षा मे धैर्य

2. भगवानक समय एकदम सही अछि

1. रोमियो 8:25 - मुदा जँ हम सभ ओहि चीजक आशा करैत छी जे हमरा सभ लग एखन धरि नहि अछि तँ हम सभ धैर्यपूर्वक ओकर प्रतीक्षा करैत छी।

2. भजन 27:14 - प्रभुक प्रतीक्षा करू; मजबूत रहू आ हिम्मत करू आ प्रभुक प्रतीक्षा करू।

हबक्कूक 2:4 देखू, ओकर आत्मा जे उठल अछि, ओ ओकरा मे सोझ नहि अछि, मुदा धर्मी लोक ओकर विश्वास सँ जीवित रहत।

धर्मी लोक घमंड सँ नहि, विश्वास सँ जीबैत अछि।

1: विश्वास के जीवन: न्यायी विश्वास के द्वारा जीयत

2: अभिमान: धर्म मे बाधा

1: रोमियो 1:17 - किएक तँ ओहि मे परमेश् वरक धार्मिकता विश् वासक बदला मे विश् वास सँ प्रगट होइत अछि, जेना कि धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “धर्मी विश् वास सँ जीबैत अछि।”

2: नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

हबक्कूक 2:5 हँ, किएक तँ ओ मदिरा मे अपराध करैत अछि, तेँ ओ घमंडी लोक अछि आ ने घर मे रहैत अछि, जे अपन इच्छा केँ नरक जकाँ बढ़बैत अछि, आ मृत्यु जकाँ अछि, आ तृप्त नहि भ’ सकैत अछि, बल् कि सभ जाति केँ हुनका लग जमा करैत अछि आ ढेर करैत अछि सभ लोक हुनका लग जाउ।

ई अंश एकटा घमंडी आ लोभी व्यक्ति के बात करै छै जे धन आरू सत्ता के संचय करै के कोशिश करै छै ।

1. लोभक खतरा: अभिमान आ स्वार्थ विनाश किएक पहुँचबैत अछि

2. आत्मसंयमक आशीर्वाद: संतोष आ उदारताक जीवन जीब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. कुलुस्सी 3:5 - तेँ अहाँ सभ मे जे सांसारिक अछि तकरा मारि दियौक: यौन-अनैतिकता, अशुद्धि, राग, दुष्ट इच्छा आ लोभ, जे मूर्तिपूजा अछि।

हबक्कूक 2:6 की ई सभ हुनका पर कोनो दृष्टान्त आ ताना मारबाक फकड़ा नहि कहताह जे, “ओकरा पर धिक्कार अछि जे अपन नहि बढ़बैत अछि! कतेक दिन धरि? आ जे मोट माटि अपना केँ लदैत अछि तकरा!

हबक्कूक ओहि लोकक निन्दा करैत छथि जे हुनकर नहि जे किछु चोरा लैत छथि आ कर्ज सँ लदल भ' जाइत छथि।

1. लोभक अभिशाप: अपन साधनक भीतर रहब सीखब

2. संतोषक आशीर्वाद: बिना कर्ज जमा केने संतोषजनक जीवन कोना जीबी

1. नीतिवचन 11:28 - जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी डारि जकाँ पनपत।

2. लूका 12:15 - ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष् यक जीवन ओहि वस्तुक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।

हबक्कूक 2:7 की ओ सभ अचानक नहि उठत जे अहाँ केँ काटि लेत आ जे अहाँ केँ परेशान करत, आ अहाँ हुनका सभक लूट मे नहि जागत?

प्रभु चेतावनी दैत छथिन जे हुनकर लोक पर अत्याचार आ शोषण करय वाला के सजा भेटतनि।

1: हमरा सभ केँ अपन संगी-साथी पर कोनो फायदा नहि उठाबय पड़त आ नहिये ओकरा पर अत्याचार करबाक चाही, किएक तँ प्रभु अवश्य एहन करयवला केँ दंडित करताह।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर नियमक प्रति वफादार रहबाक चाही, ई भरोसा राखि जे हुनकर न्याय हावी होयत।

1: नीतिवचन 3:31-32 - हिंसक आदमी सँ ईर्ष्या नहि करू आ ओकर कोनो रास्ता चुनू, कारण प्रभु विकृत आदमी सँ घृणा करैत छथि, मुदा सोझ लोक केँ ओकर भरोसा मे ल’ लैत छथि।

2: निकासी 20:16 - अहाँ अपन पड़ोसी के खिलाफ झूठ गवाही नहि देब।

हबक्कूक 2:8 अहाँ बहुत रास जाति केँ लूटने छी, तेँ सभ लोकक शेष लोक अहाँ केँ लूटि लेत।
मनुष् यक खूनक कारणेँ, आ देश, नगर आ ओहि मे रहनिहार सभक हिंसाक कारणेँ।

जे दोसरक हानि केने छथि हुनका प्रभु ओकरा पर हानि आनि दंडित करताह।

1. परमेश् वर दुष्ट केँ दंडित करैत छथि: हबक्कूक 2:8

2. प्रभुक न्याय: हम जे बोबैत छी से काटि लेब

२.

2. यिर्मयाह 17:10 - "हम प्रभु हृदय केँ तकैत छी आ मन केँ परखैत छी, जाहि सँ प्रत्येक केँ अपन कर्मक फलक अनुसार अपन मार्गक अनुसार देब।"

हबक्कूक 2:9 धिक्कार अछि जे अपन घरक लेल दुष्ट लोभक लोभ चाहैत अछि, जाहि सँ ओ अपन खोंता केँ ऊँच राखि सकय, जाहि सँ ओ बुराईक शक्ति सँ मुक्त भ’ सकय!

हबक्कूक लोभ आरू नुकसान स॑ बचै लेली दोसरऽ स॑ ऊपर उठै के कोशिश करै के खतरा के खिलाफ चेतावनी दै छै ।

1. लोभक खतरा: लोभ कोना विनाश दिस ल' सकैत अछि

2. लोभक प्रलोभनसँ उबरब: सच्चा सुरक्षाक एकटा बाट

1. मत्ती 6:19-21 - पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर नहि घुसैत अछि आ ने चोरी करैत अछि। किएक तँ जतए अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

2. नीतिवचन 15:27 - जे लाभक लोभी अछि से अपन घर केँ परेशान करैत अछि, मुदा जे घूस सँ घृणा करैत अछि से जीवित रहत।

हबक्कूक 2:10 अहाँ बहुतो लोक केँ काटि क’ अपन घर मे लाजक विचार कयलहुँ आ अपन प्राणक विरुद्ध पाप केलहुँ।

परमेश् वर हमरा सभक पापपूर्ण काजक लेल न्याय करताह।

1. पापक परिणाम: हबक्कूक 2:10 सँ एकटा चेतावनी

2. परमेश् वरक न्यायक प्रकृति: हबक्कूक 2:10 केँ बुझब

1. यशायाह 5:8-9, धिक्कार अछि जे घर-घर मे जुटि जाइत अछि, जे खेत मे खेत जोड़ैत अछि, जाबत धरि आब जगह नहि रहत, आ अहाँ सभ केँ असगर देशक बीच मे नहि रहि जायत। हमरा कान मे सेना-प्रभु शपथ लेने छथि जे निश्चय बहुतो घर उजाड़ होयत, पैघ-पैघ आ सुन्दर घर, बिना निवासीक।

2. इजकिएल 18:20, जे आत्मा पाप करैत अछि, ओ मरत। पिताक अधर्मक कारणेँ पुत्र केँ कष्ट नहि होयत आ ने पुत्रक अधर्मक कारणेँ पिता केँ कष्ट होयत। धर्मात्माक धार्मिकता अपना पर रहत आ दुष्टक दुष्टता अपना पर रहत।

हबक्कूक 2:11 किएक तँ देबालसँ पाथर चिचियाओत आ लकड़ीक बींटा ओकर उत्तर देत।

ई श्लोक एक समय के बात करै छै जबे निर्जीव वस्तु भी भगवान के महिमा के घोषणा करतै ।

1. मौन गवाहक शक्ति: निर्जीव वस्तु सेहो भगवानक महिमा कोना घोषित करैत अछि

2. देबाल सँ चिचियाब: हबक्कूक 2:11 पर क

1. भजन 19:1-4 - आकाश परमेश्वरक महिमा के घोषणा करैत अछि; आ आकाश ओकर हाथक काज देखाबैत अछि।

२.

हबक्कूक 2:12 धिक्कार अछि जे खून सँ नगर बनबैत अछि आ अधर्म सँ नगर केँ स्थिर करैत अछि!

हबक्कूक भविष्यवक्ता खून-खराबा के साथ कोनो शहर या नगर के निर्माण आरू अन्याय के द्वारा ओकरा स्थापित नै करै के चेतावनी दै छै।

1. प्रगति के मूल्य: निर्माण बनाम तोड़ब

2. अन्यायक परिणाम: हबक्कूक चेतावनी

1. नीतिवचन 14:31 - जे गरीब पर अत्याचार करैत अछि, ओ अपन निर्माताक प्रति तिरस्कार करैत अछि, मुदा जे जरूरतमंद पर दया करैत अछि, ओ परमेश्वरक आदर करैत अछि।

2. यशायाह 1:17 - सही काज करब सीखू; न्याय के तलाश करू। उत्पीड़ित के रक्षा करू। पिताहीनक काज उठाउ; विधवा के मामला के गुहार लगाउ।

हबक्कूक 2:13 देखू, की सेना सभक परमेश् वरक ई नहि अछि जे लोक सभ आगि मे परिश्रम करत आ लोक सभ व्यर्थताक कारणेँ अपना केँ थकैत अछि?

भगवान् हमरा सभ केँ आह्वान करैत छथि जे हम सभ अपन क्षमताक अनुसार काज करी, चाहे परिणाम किछुओ हो।

1: व्यर्थ काजक वजन - हबक्कूक 2:13

2: परमेश्वरक महिमा के लेल काज करब - कुलुस्सी 3:23

1: उपदेशक 2:22-23

2: 1 कोरिन्थी 10:31

हबक्कूक 2:14 किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक महिमाक ज्ञान सँ भरल रहत, जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

पृथ्वी परमेश् वरक महिमाक ज्ञान सँ भरल रहत, जहिना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

1. भगवान् के सर्वव्यापीता: हुनकर महिमा के ज्ञान पृथ्वी के कोना भरि सकैत अछि

2. परमेश् वरक अडिगता: हुनकर प्रतिज्ञा कोना अविनाशी रहैत अछि

1. यशायाह 11:9 हमर समस्त पवित्र पहाड़ मे ओ सभ कोनो चोट नहि करत आ ने विनाश करत, किएक तँ पृथ्वी परमेश् वरक ज्ञान सँ भरल रहत जेना पानि समुद्र केँ झाँपि दैत अछि।

2. भजन 72:19 - हुनकर गौरवशाली नाम सदाक लेल धन्य हो; पूरा धरती हुनकर महिमा सँ भरल रहय! आमीन आ आमीन!

हबक्कूक 2:15 धिक्कार ओहि परोसी केँ जे अपन पड़ोसी केँ पीबैत अछि, जे ओकरा मे अहाँक बोतल पीबि दैत अछि आ ओकरा नशा मे धुत्त सेहो करैत अछि, जाहि सँ अहाँ हुनकर नंगटेपन केँ देखि सकैत छी!

ई अंश दोसरऽ के नशा के हद तक शराब देना के खिलाफ बोलै छै, ताकि ओकरऽ फायदा उठाबै के चक्कर में ।

1: अपन इच्छा के पूर्ति के चक्कर में हमरा सब के कहियो दोसर के फायदा नै उठाबय के चाही।

2: हमरा सभकेँ अपन पड़ोसीक कल्याणक प्रति सदिखन ध्यान देबाक चाही आ ओकरा कहियो कोनो नुकसानमे नहि पहुँचेबाक चाही।

1: गलाती 5:13 - भाइ लोकनि, अहाँ सभ मुक्ति लेल बजाओल गेल छी। केवल स्वतन्त्रताक उपयोग शरीरक अवसरक लेल नहि करू, बल् कि प्रेम सँ एक-दोसरक सेवा करू।

2: इफिसियों 4:27-28 - आ ने शैतान केँ जगह दियौक। चोरी केनिहार आब चोरी नहि करय, बल् कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज कऽ कऽ मेहनति करय, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद केँ देबऽ पड़य।

हबक्कूक 2:16 अहाँ महिमाक लेल लाज सँ भरल छी, अहाँ सेहो पीबू, आ अपन अग्रचर्म उघार रहू, परमेश् वरक दहिना हाथक प्याला अहाँ दिस घुमि जायत, आ लज्जाजनक उगल अहाँक महिमा पर होयत।

परमेश् वरक न् याय ओहि सभ पर आओत जे लाज आ महिमा सँ भरल अछि।

1. परमेश् वरक धार्मिकताक प्याला: पश्चाताप करबाक आह्वान

2. जे बोबैत छी से काटि लेब: लाज आ महिमा के परिणाम

1. रोमियो 2:5-8 परमेश् वरक धार्मिक न्याय

2. गलाती 6:7-8 जे बोबैत अछि से काटि लेब

हबक्कूक 2:17 किएक तँ लेबनानक हिंसा अहाँ केँ आ जानवर सभक लूट केँ झाँपि देत, जे ओकरा सभ केँ डरा देलक, मनुक्खक खूनक कारणेँ, आ देश, शहर आ ओहि मे रहनिहार सभक हिंसाक कारण।

लेबनान केरऽ हिंसा वू लोगऽ प॑ आबै वाला छै जे दोसरऽ के साथ हिंसा करी क॑ जे ओकरऽ नै छै ओकरा छीनी लेल॑ छै ।

1: हमरा सभकेँ अपन काजक परिणामक प्रति सजग रहबाक चाही आ दोसर द्वारा सही करबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सब के शांति निर्माता बनय के प्रयास करबाक चाही आ अपन समुदाय में हिंसा के समाप्त करय के काज करबाक चाही।

1: मत्ती 5:9 - "धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक पुत्र कहल जायत।"

2: रोमियो 12:18 - "जँ संभव हो, जहाँ धरि ई अहाँ पर निर्भर करैत अछि, त' सभक संग शांति सँ रहू।"

हबक्कूक 2:18 उकेरल मूर्ति केँ की फायदा होइत छैक जे ओकर निर्माता ओकरा उकेरने अछि। पिघलल मूर्ति आ झूठक गुरु, जे अपन काज करयवला गूंगा मूर्ति बनेबाक लेल ओकरा पर भरोसा करैत अछि?

हबक्कूक मूर्ति पूजा के मूल्य पर सवाल ठाढ़ करै छै, जे एगो झूठा शिक्षा छै आरू ऐन्हऽ चीज पर भरोसा करना छै जे नै बोल॑ सकै छै आरू नै मदद करी सकै छै।

1. झूठ आराधना स बेसी सच्चा आराधना के मूल्य

2. झूठ मूर्ति स बेसी भगवान पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:18-20 "तखन अहाँ सभ परमेश् वरक उपमा केकरा सँ करब? वा हुनका कोन उपमा देब? मजदूर उत्कीर्ण मूर्ति केँ पिघलाबैत अछि, आ सोनार ओकरा सोना सँ पसारि दैत अछि आ चानीक जंजीर फेकि दैत अछि। जे अछि।" एतेक गरीब जे ओकरा लग कोनो बलिदान नहि छैक, ओ एकटा एहन गाछ चुनैत अछि जे सड़ल नहि जायत, ओ ओकरा लेल एकटा धूर्त मजदूर तकैत अछि जे ओ एकटा उत्कीर्ण मूर्ति तैयार करय, जे नहि हिलत।

2. यिर्मयाह 10: 8-9 "मुदा ओ सभ एकदम क्रूर आ मूर्ख अछि। स्तम्भ आडंबरक शिक्षा अछि। तरशीश सँ चानी, प्लेट मे पसरल सोना आ उफाज सँ सोना आनल जाइत अछि, जे मजदूर आ हाथक काज अछि।" संस्थापक: नील आ बैंगनी रंग हुनका लोकनिक वस्त्र छनि: ई सभ धूर्त लोकक काज छनि |"

हबक्कूक 2:19 धिक्कार अछि जे लकड़ी केँ कहैत अछि, “जागू।” गूंगा पाथर केँ, उठू, ई सिखाओत! देखू, सोना-चानी सँ ओढ़ल अछि, आ ओकर बीच मे कोनो साँस नहि अछि।

जे निर्जीव मूर्ति पर विश्वास रखैत अछि, ओकरा प्रभु डाँटैत छथि।

1: हमरा सभ केँ मूर्ति आ भौतिक सम्पत्ति पर भरोसा नहि करबाक चाही, बल्कि प्रभु पर भरोसा करबाक चाही।

2: हमर सभक विश्वासक जड़ि परमेश् वरक वचन मे होबाक चाही आ भौतिक वस्तु मे नहि जे फीका भ' जायत।

1: यशायाह 44:9-20 - जे सभ एकटा उकेरल मूर्ति बनबैत छथि, ओ सभ व्यर्थ छथि, आ हुनकर अनमोल वस्तु सभक कोनो लाभ नहि होयत।

2: यिर्मयाह 10:3-5 - कारण, जाति सभक रीति-रिवाज व्यर्थ अछि। किएक तँ कुल्हाड़ीसँ जंगलसँ गाछ काटि लैत अछि, जे मजदूरक हाथक काज अछि। चानी आ सोना सँ सजाबैत छथि। कील आ हथौड़ासँ जकड़ैत छथि जाहिसँ ओ नहि खसि पड़य।

हबक्कूक 2:20 मुदा परमेश् वर अपन पवित्र मन् दिर मे छथि।

प्रभु अपन पवित्र मन्दिर मे छथि, आ समस्त पृथ्वी हुनका सामने चुप रहय।

1. मौन मे प्रभुक आदर करब सीखब

2. प्रभु के सान्निध्य में शांति पाना

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. यशायाह 57:15 - "किएक तँ जे ऊँच आ ऊँच अछि, जे अनन्त काल मे रहैत अछि, जिनकर नाम पवित्र अछि, से कहैत अछि जे हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, आ ओहि पर सेहो जे पश्चाताप आ नीच

आत् माक अछि।" , नीच लोकक आत्मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल, आ पश्चाताप करयवला लोकक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।"

हबक्कूक अध्याय ३ हबक्कूक केरऽ प्रार्थना छेकै, जेकरा म॑ परमेश् वर केरऽ शक्ति आरू संप्रभुता के प्रति ओकरऽ आदर आरू श्रद्धा व्यक्त करलऽ गेलऽ छै । अध्याय में परमेश् वर के विगत मुक्ति के काम के बारे में चिंतन करलऽ गेलऽ छै आरू वर्तमान परिस्थिति में हुनकऽ दया आरू हस्तक्षेप के मांग करलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हबक्कूक परमेश् वर के प्रतिष्ठा आरू शक्ति के स्वीकार करै स॑ होय छै । ओ परमेश्वर के राजसी रूप, न्याय आरू उद्धार के सामने लाबै के हुनकऽ क्षमता, आरू हुनकऽ उपस्थिति के भय पैदा करै वाला प्रकृति के वर्णन करै छै (हबक्कूक 3:1-7)।

2 पैराग्राफ: हबक्कूक परमेश् वरक अपन लोकक प्रति मुक्ति आ दयाक विगतक काज सभ केँ मोन पाड़ैत छथि। ओकरा पलायन के चमत्कारी घटना, जंगल में भटकला के दौरान परमेश्वर के उपस्थिति, आरू इस्राएल के दुश्मनऽ पर ओकरऽ जीत याद छै (हबक्कूक ३:८-१५)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन परमेश् वर के निष्ठा पर भरोसा आरू विश्वास के घोषणा के साथ होय छै। हबक्कूक कठिन परिस्थिति के बीच में भी परमेश् वर के हस्तक्षेप के धैर्यपूर्वक इंतजार करै के इच्छा व्यक्त करै छै। ओ परमेश् वर पर अपन निर्भरताक पुष्टि करैत छथि आ ई स्वीकार करैत छथि जे परमेश् वर हुनकर सामर्थ् य आ उद्धारक स्रोत छथि (हबक्कूक 3:16-19)।

संक्षेप मे, २.
हबक्कूक अध्याय ३ हबक्कूक के प्रार्थना छै, जेकरा म॑ परमेश्वर के शक्ति के प्रति आदर व्यक्त करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरऽ पिछला मुक्ति के काम के बारे म॑ बतैलऽ गेलऽ छै ।

भगवान् के प्रतिष्ठा, शक्ति, आ राजसी रूप के स्वीकृति।
भगवान् केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति मुक्ति आरू दया केरऽ पूर्व कार्यऽ के संस्मरण । परमेश् वर के निष्ठा पर भरोसा आरू विश्वास के घोषणा, हुनका पर निर्भरता के पुष्टि करै वाला।

हबक्कूक केरऽ ई अध्याय भविष्यवक्ता केरऽ प्रार्थना के काम करै छै, जेकरा म॑ परमेश्वर केरऽ शक्ति आरू संप्रभुता के प्रति ओकरऽ भय आरू श्रद्धा व्यक्त करलऽ गेलऽ छै । हबक्कूक परमेश्वर केरऽ प्रतिष्ठा आरू शक्ति क॑ स्वीकार करै छै, जेकरा म॑ हुनकऽ राजसी रूप आरू हुनकऽ उपस्थिति केरऽ भय पैदा करै वाला प्रकृति के वर्णन करलऽ गेलऽ छै । तखन ओ परमेश् वरक अपन लोकक प्रति मुक्ति आ दयाक विगतक काज केँ मोन पाड़ैत छथि, पलायनक चमत्कारी घटना, जंगल मे भटकबाक दौरान परमेश् वरक उपस्थिति आ इस्राएलक शत्रु सभ पर हुनकर विजय केँ मोन पाड़ैत छथि। अध्याय के समापन परमेश् वर के निष्ठा पर भरोसा आरू विश्वास के घोषणा के साथ होय छै। हबक्कूक कठिन परिस्थिति के बीच में भी परमेश् वर के हस्तक्षेप के धैर्यपूर्वक इंतजार करै के इच्छा व्यक्त करै छै। ओ भगवान् पर अपन निर्भरताक पुष्टि करैत छथि आ ई स्वीकार करैत छथि जे भगवान हुनकर शक्ति छथि आ हुनकर उद्धारक स्रोत छथि | ई अध्याय परमेश्वर के अतीत के निष्ठा के बारे में चिंतन करै छै आरू वर्तमान परिस्थिति में हुनकऽ दया आरू हस्तक्षेप के मांग करै छै ।

हबक्कूक 3:1 हबक्कूक भविष्यवक्ता के एकटा प्रार्थना शिगियोनोथ पर।

हबक्कूक विपत्ति मे परमेश् वर सँ प्रार्थना।

1: चाहे कोनो परीक्षा वा कष्ट हो, भगवान हमरा सभक संग सदिखन रहताह आ ताकत आ मार्गदर्शन देताह।

2: कठिन समय प्रार्थना आ भगवानक संग गहींर संबंध आनि सकैत अछि।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि।"

हबक्कूक 3:2 हे प्रभु, हम अहाँक बात सुनलहुँ आ डरि गेलहुँ: हे प्रभु, वर्षक बीच मे अपन काज केँ पुनर्जीवित करू। क्रोध मे दया स्मरण करू।

ई अंश परमेश्वर के प्रार्थना छै, जेकरा में हुनका स॑ न्याय आरू दया के साथ काम करै के आग्रह करलऽ गेलऽ छै ।

1. भगवानक दया आ न्याय: संतुलन मे कोना रहब

2. परमेश् वरक योजना पर भरोसा करब: हबक्कूक बुद्धिक लेल प्रार्थना

1. मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. रोमियो 12:19 - हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

हबक्कूक 3:3 परमेश् वर तेमान सँ अयलाह, आ पवित्र परान पर्वत सँ। सेलाह। ओकर महिमा आकाश केँ झाँपि देलकैक, आ पृथ्वी ओकर स्तुति सँ भरल छलैक।

परमेश् वरक महिमा आ सामर्थ् य एहन तरहेँ प्रगट भेल जे आकाश केँ झाँपि देलक आ पृथ्वी केँ स्तुति सँ भरि देलक।

1. परमेश् वरक महिमा - हबक्कूक 3:3 क अध्ययन

2. परमेश् वरक महिमाक प्रति हमर सभक प्रतिक्रिया - हबक्कूक 3:3 सँ सीखब

1. निकासी 19:16-19 - सिनै पहाड़ पर परमेश्वरक महिमा प्रकट भेल

2. भजन 19:1 - स्वर्ग परमेश् वरक महिमा के घोषणा करैत अछि

हबक्कूक 3:4 हुनकर चमक इजोत जकाँ छलनि। ओकरा हाथ सँ सींग निकलैत छलैक, आ ओतहि ओकर सामर्थ्यक नुकायल छलैक।

भगवान् शक्तिशाली आ तेजस्वी छथि, आ हुनकर महिमा हुनकर काज मे देखबा मे अबैत अछि।

1. परमेश् वरक सामर्थ् य आ महिमा: हुनक कर्म मे उज्ज्वल चमकैत

2. भगवान् के सृष्टि के महिमा आ आश्चर्य के आत्मसात करब

1. भजन 19:1 - "आकाश परमेश् वरक महिमा सुनबैत अछि, आ आकाश हुनकर हाथक काज देखाबैत अछि।"

2. भजन 104: 24 - "हे प्रभु, तोहर काज कतेक अनेक अछि! अहाँ ओकरा सभ केँ बुद्धि सँ बनौने छी। पृथ्वी तोहर धन सँ भरल अछि।"

हबक्कूक 3:5 हुनका आगू महामारी आबि गेलनि, आ हुनकर पयर मे जरैत कोयला निकलि गेलनि।

महामारी आ जरैत कोयला भगवानक सान्निध्य सँ पहिने छल |

1. भगवान् के अप्रतिम शक्ति

2. भगवान् के सान्निध्य के आश्वासन आ ताकत

1. यशायाह 30:30 - आ परमेश् वर हुनकर गौरवशाली आवाज सुनौताह, आ हुनकर बाँहिक इजोत, अपन क्रोधक आक्रोश सँ, आ भस्म करयवला आगि केर लौ सँ, छिड़काव आ तूफान सँ देखाओत, आ ओला पाथर।

2. भजन 18:7-12 - तखन पृथ्वी हिलल आ काँपि उठल; पहाड़क नींव हिलैत-डुलैत आ हिलैत-डुलैत छल, कारण ओ तमसा गेल छल। नाकक छेदसँ धुँआ उठि गेलै आ मुँहसँ आगि खाइत। चमकैत कोयला ओकरासँ ज्वालामुखी निकलि गेलै। ओ आकाश केँ प्रणाम क' उतरि गेलाह; पएरक नीचाँ मोटका अन्हार छलैक। ओ एकटा करूब पर सवार भ' क' उड़ि गेल। हवाक पाँखि पर तेजीसँ आबि गेल। ओ अन्हार केँ अपन आवरण बना लेलक, चारू कात अपन छतरी केँ आकाशक अन्हार बरखा मेघ बना लेलक। ओकर सान्निध्यक चमक सँ मेघ आगू बढ़ि गेलै, जाहि मे ओला आ बिजलीक झटका लागल छलैक । परमेश् वर स् वर्ग सँ गरजैत रहलाह। परमात्माक आवाज गूँजि उठल।

हबक्कूक 3:6 ओ ठाढ़ भ’ क’ पृथ्वी केँ नापि लेलक, देखलक आ जाति सभ केँ भगा देलक। अनन्त पहाड़ सभ छिड़िया गेल, अनन्त पहाड़ी सभ प्रणाम केलक।

परमेश् वरक सामर्थ् य आ महानता अनन् त अछि।

1: परमेश् वरक सामर्थ् य सदाक लेल टिकैत अछि

2: अटल भगवान् पर अटल विश्वास

1: भजन 90:2 - "पर्वत सभक जन्म सँ पहिने, वा अहाँ पृथ्वी आ संसारक निर्माण करबा सँ पहिने, अनन्त सँ अनन्त धरि, अहाँ परमेश् वर छी।"

2: इब्रानी 13:8 - "यीशु मसीह काल्हि, आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।"

हबक्कूक 3:7 हम कुशानक डेरा सभ केँ कष्ट मे देखलहुँ, आ मिद्यान देशक पर्दा काँपि उठल।

हबक्कूक कुशानक डेरा आ मिद्यानक पर्दा सभ केँ कष्ट सँ काँपि रहल देखलनि।

1. जखन जीवन अहाँ के नींबू देत त नींबू पानी बनाउ

2. परेशान समय: प्रतिकूलता मे ताकत ताकब

1. यूहन्ना 16:33 - "हम अहाँ सभ केँ ई बात कहलहुँ जाहि सँ अहाँ सभ केँ शान्ति भेटय। संसार मे अहाँ सभ केँ कष्ट होयत। मुदा धैर्य राखू; हम संसार पर विजय प्राप्त क' लेलहुँ।"

2. रोमियो 5:3-5 - "एतबे नहि, बल् कि हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि, आ आशा हमरा सभ केँ लज्जित नहि करैत अछि, किएक तँ परमेश् वरक प्रेम सँ लज्जित अछि।" हमरा सभ केँ देल गेल पवित्र आत् माक द्वारा हमरा सभक हृदय मे ढारल गेल अछि।”

हबक्कूक 3:8 की प्रभु नदी सभ सँ नाराज छलाह? नदी सभक विरुद्ध अहाँक क्रोध छल? समुद्रक विरुद्ध अहाँक क्रोध छल जे अहाँ अपन घोड़ा आ उद्धारक रथ पर सवार भऽ गेलहुँ?

प्रभु केरऽ उद्धार एतना शक्तिशाली छै कि जेना वू उद्धार केरऽ घोड़ा आरू रथ पर सवार होय जाय छै ।

1. परमेश् वरक उद्धार कोना अरोपित अछि

2. परमेश् वरक प्रावधान मे विश्वास विकसित करब

1. यशायाह 43:2 "जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ पर भारी नहि पड़त; जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।" " .

2. भजन 46:1-2 "परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ्वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।"

हबक्कूक 3:9 गोत्र सभक शपथक अनुसार अहाँक धनुष एकदम नंगटे भ’ गेल छल। सेलाह। अहाँ धरती केँ नदी सँ फाड़ि देलियैक।

भगवान् अपन शक्ति आ शक्तिक प्रदर्शन करैत छथि धरती केँ नदी सँ विभाजित क' क'।

1. प्रभुक बल: कठिन समय मे आरामक स्रोत

2. हबक्कूक परमेश् वर पर विश् वास कोना एकटा चमत् कार करबाक प्रेरणा देलक

1. भजन 46:1-3: "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेरब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक बीच मे चलि जायत, यद्यपि ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि।

2. यशायाह 40:29: ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

हबक्कूक 3:10 पहाड़ सभ अहाँ केँ देखि काँपि गेल, पानि केर उफान सँ गुजरैत गेल, गहींर लोक अपन आवाज बाजल आ ऊँच पर हाथ उठौलक।

भगवानक सान्निध्य देखि पहाड़ काँपि उठल आ गहींर लोक विस्मय सँ गर्जैत छल ।

1. भगवान् के महिमा आ शक्ति: भय के आह्वान

2. सर्वशक्तिमान के बल में आशा पाना

1. निकासी 19:16-19 - सिनै पहाड़ पर परमेश्वरक उपस्थिति

2. भजन 42:7 - गहींर आवाज अहाँक जलस्रावक गर्जन मे गहींर धरि

हबक्कूक 3:11 सूर्य आ चान अपन निवास स्थान पर ठाढ़ छल, अहाँक बाणक इजोत आ अहाँक चमकैत भालाक चमक पर ओ सभ गेल।

भगवानक बाण आ चमकैत भालाक प्रतिक्रिया मे सूर्य आ चन्द्रमा स्थिर भ' गेल।

1. प्रकृति पर परमेश्वरक शक्ति: हबक्कूक 3:11

2. हमर जीवन मे परमेश्वरक शक्ति केँ उजागर करब: हबक्कूक 3:11

1. यहोशू 10:12-14 - सूर्य आकाशक बीच मे ठाढ़ रहल, आ लगभग पूरा दिन डूबबाक लेल जल्दबाजी केलक।

2. यशायाह 40:25-26 - तखन अहाँ सभ हमरा ककरा सँ उपमा देब वा हम बराबर रहब? पवित्र भगवान कहैत छथि। अहाँ सभक नजरि ऊपर उठाउ आ देखू जे ई सभ के बनौने अछि जे ओकर सेना केँ संख्या मे बाहर निकालैत अछि। कियो असफल नहि होइत अछि।

हबक्कूक 3:12 अहाँ क्रोध मे देश मे घुमलहुँ, क्रोध मे जाति-जाति केँ कुटि देलहुँ।

ई अंश परमेश् वर के क्रोध के प्रदर्शन के वर्णन करै छै, जबेॅ हुनी देश के बीच सें गुजरी कॅ जाति सिनी कॅ कुटै छै।

1. परमेश् वरक क्रोध आ दया: हबक्कूक 3:12

2. परमेश् वरक क्रोध केँ बुझब: हबक्कूक 3:12 क अध्ययन

1. यशायाह 63:3-4 - हम असगरे दारू-कुंड केँ दबा देलियैक; लोक मे सँ कियो हमरा संग नहि छल, किएक तँ हम अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब आ क्रोध मे ओकरा सभ केँ रौंदब। हमर वस्त्र पर ओकर सभक खून छिड़कि जायत आ हम अपन सभ वस्त्र पर दाग लगा देब।

2. भजन 2:4-5 - जे आकाश मे बैसल अछि से हँसत, प्रभु ओकरा सभक उपहास करत। तखन ओ अपन क्रोध मे हुनका सभ सँ गप्प करत आ अपन घोर नाराजगी मे हुनका सभ केँ परेशान करत।

हबक्कूक 3:13 अहाँ अपन लोकक उद्धारक लेल, अपन अभिषिक्त सभक संग उद्धारक लेल निकललहुँ।
अहाँ दुष्टक घर सँ माथ केँ घायल क' देलहुँ, नींव केँ गर्दन धरि खोजि क'। सेलाह।

परमेश् वर अपन लोकक उद्धार आ दुष्टक विनाशक लेल प्रशंसित छथि।

1. परमेश् वरक उद्धार आ विनाश: हबक्कूक 3:13 क अध्ययन

2. नींव के खोज: हबक्कूक 3:13 मे परमेश्वर के काज

1. यशायाह 53:5 - "मुदा ओ हमरा सभक अपराधक कारणेँ छेदल गेलाह, हमरा सभक अधर्मक कारणेँ ओ कुचलल गेलाह; जे सजा हमरा सभ केँ शान्ति देलक से हुनका पर छल, आ हुनकर घाव सभ सँ हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।"

.

हबक्कूक 3:14 अहाँ ओकर गामक माथ केँ ओकर लाठी सँ मारि देलियैक, ओ सभ हमरा तितर-बितर करबाक लेल बवंडर जकाँ निकलल।

परमेश् वर अपना केँ ऊपर उठयनिहार केँ विनम्र करैत छथि, आ विनम्रताक महत्व मोन पाड़ैत छथि।

1: हमरा सभकेँ विनम्र रहबाक चाही, कारण भगवान् सदिखन देखैत रहैत छथि।

2: हमरा सभकेँ अपनाकेँ ऊँच नहि करबाक चाही, किएक तँ ई परमेश् वर छथि जे हमरा सभकेँ ऊपर उठबैत छथि।

1: नीतिवचन 16:18, "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

2: याकूब 4:10, "प्रभुक समक्ष नम्र होउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।"

हबक्कूक 3:15 अहाँ अपन घोड़ा सभक संग समुद्र मे, पैघ पानिक ढेर मे घुमलहुँ।

भगवान् केरऽ शक्ति अतुलनीय छै आरू पानी क॑ अलग करै के हुनकऽ क्षमता म॑ देखलऽ जाय छै ।

1: भगवान् के शक्ति के कोनो जोड़ नै छै आ लाल सागर के विदाई में देखल जा सकै छै।

2: भगवान् के पास कोनो रास्ता नै निकलै के सामर्थ्य छै, ठीक वैसने जइसे लाल सागर के साथ करलकै।

1: निष्कासन 14:21-22 - तखन मूसा समुद्र पर हाथ बढ़ौलनि, आ परमेश् वर भरि राति पूरबक तेज हवा सँ समुद्र केँ पाछू भगा देलनि आ समुद्र केँ शुष्क बना देलनि आ पानि बँटि गेल।

2: यशायाह 43:16 - यहोवा कहैत छथि जे समुद्र मे बाट बनबैत छथि, पराक्रमी पानि मे बाट बनबैत छथि।

हबक्कूक 3:16 जखन हम सुनलहुँ तँ हमर पेट काँपि उठल। हमर ठोर एहि आवाज पर काँपि उठल, हमर हड्डी मे सड़लपन घुसि गेल, आ हम अपना मे काँपि गेलहुँ, जाहि सँ हम विपत्तिक दिन मे आराम करी।

हबक्कूक एकटा एहन आवाज सुनैत अछि जे ओकर शरीर काँपि उठैत छैक आ ओकर हड्डी सड़ि जाइत छैक। ओ विपत्तिक दिनक डरसँ काँपि उठैत अछि जखन आक्रमणकारी आ ओकर सैनिक लोक पर हमला करए अबैत अछि ।

1. परमेश् वरक वचन आ प्रभुक भय - हबक्कूक परमेश् वरक वचन सँ भय हुनकर जीवन केँ कोना बदलि देलक

2. विपत्ति के दिन आराम करू - हबक्कूक के यात्रा भय स परमेश् वर के प्रावधान में आराम करबाक लेल

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

2. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

हबक्कूक 3:17 यद्यपि अंजीरक गाछ नहि फूलत, मुदा बेल मे फल नहि होयत। जैतूनक श्रम क्षीण भ’ जायत, आ खेत मे अन्न नहि भेटत। भेँड़ा झुंड मे सँ काटि देल जायत, आ झुंड मे भेँड़ा नहि रहत।

समय भले कठिन हो, मुदा भगवानक निष्ठा अपरिवर्तित अछि।

1: परमेश् वरक वफादारी हमरा सभक संघर्ष सँ बेसी अछि - हबक्कूक 3:17

2: परमेश् वरक वफादारीक प्रतिज्ञा अपरिवर्तनीय अछि - हबक्कूक 3:17

1: विलाप 3:22-23 - "प्रभुक दया सँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा क्षीण नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे-भोर नव होइत अछि। अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2: रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

हबक्कूक 3:18 तइयो हम प्रभु मे आनन्दित रहब, हम अपन उद्धारक परमेश् वर मे आनन्दित रहब।

कठिन परिस्थिति के बावजूद हबक्कूक आनन्दित होय छै आरू प्रभु में आनन्द पाबै छै जे ओकरऽ उद्धार छै।

1. प्रभु मे आनन्दित रहब: कठिन परिस्थितिक बीच आनन्द भेटब

2. हमर उद्धारक भगवान: प्रभु मे आनन्द कोना भेटत

1. रोमियो 5:3-5 - एतबे नहि, बल्कि हम सभ अपन दुख मे सेहो घमंड करैत छी, कारण हम सभ जनैत छी जे दुख सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि; दृढ़ता, चरित्र; आ चरित्र, आशा।

2. यशायाह 61:10 - हम प्रभु मे बहुत आनन्दित रहब, हमर प्राण हमर परमेश् वर मे आनन्दित होयत। ओ हमरा उद्धारक वस्त्र पहिरने छथि, हमरा धार्मिकताक वस्त्र पहिरने छथि।

हबक्कूक 3:19 परमेश् वर परमेश् वर हमर सामर्थ् य छथि, आ ओ हमर पएर केँ पिछड़ाक पएर जकाँ बनाओताह, आ हमरा हमर ऊँच स्थान पर चलबैत छथि। हमर तारबला वाद्ययंत्र पर मुख्य गायक केँ।

हबक्कूक घोषणा करैत छथि जे प्रभु परमेश् वर हुनकर सामर्थ् य छथि, आ हुनका ऊँच स्थान पर चलबा मे सक्षम बनाओतनि।

1. "प्रभु मे बल पाना"।

2. "ऊँच स्थान पर चलब"।

2079

1. यशायाह 40:31 - "जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत; आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 18:33-34 - "ओ हमर पएर केँ पिछड़ाक पैर जकाँ बना दैत छथि, आ हमरा हमर ऊँच स्थान पर बैसा दैत छथि। ओ हमर हाथ केँ युद्ध करबाक लेल सिखाबैत छथि, जाहि सँ हमर बाँहि सँ स्टील केर धनुष टूटि जाइत अछि।"

सफनिया अध्याय १ यहूदा आरू यरूशलेम पर ओकरो मूर्तिपूजा आरू परमेश्वर के आज्ञा नै मानला के कारण न्याय आरू आसन्न विनाश के संदेश दै छै। अध्याय में हुनकऽ पाप के गंभीरता आरू ओकरा सामने आबै वाला परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत प्रभु केरऽ इरादा के घोषणा स॑ होय छै कि वू पृथ्वी केरऽ सतह स॑ सब कुछ झाड़ू लगाबै के छै । परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ यहूदा आ यरूशलेम पर न्याय आनि देताह, बाल आराधनाक हर निशान केँ काटि देताह आ हुनका सँ मुँह मोड़निहार केँ सजा देताह (सफनिया 1:1-6)।

2nd Paragraph: अध्याय में प्रभु के आबै वाला दिन के वर्णन छै, जे बहुत क्रोध आरू संकट के समय छेलै। एहि मे प्रभुक भयंकर क्रोधक चित्रण अछि जे पाप कए मिथ्या देवता दिस रुख कएने छथि । प्रभु के दिन के चित्रण अन्हार, विलाप आरू विनाश के समय के रूप में करलऽ गेलऽ छै (सफनिया 1:7-18)।

संक्षेप मे, २.
सफनिया अध्याय १ यहूदा आरू यरूशलेम पर ओकरो मूर्तिपूजा आरू परमेश्वर के आज्ञा नै मानला के कारण न्याय आरू आसन्न विनाश के संदेश दै छै।

यहूदा आरू यरूशलेम पर ओकरऽ मूर्तिपूजा के लेलऽ न्याय लानै के परमेश् वर के इरादा के घोषणा।
भगवान् के आगामी दिन का वर्णन, बड़ा क्रोध और संकट के समय |

सफनिया के ई अध्याय के शुरुआत यहूदा आरू यरूशलेम पर न्याय लानै के प्रभु के इरादा के घोषणा स॑ होय छै । परमेश् वर अपन योजनाक घोषणा करैत छथि जे धरती पर सँ सभ किछु झाड़ि कऽ जे हुनका सँ मुँह मोड़ि बाल आराधना मे लागल छथि हुनका दंडित करथि। तखन अध्याय मे प्रभुक आगामी दिनक वर्णन कयल गेल अछि, जे बहुत क्रोध आ संकटक समय छल | एहि मे प्रभुक भयंकर क्रोधक चित्रण अछि जे पाप कए मिथ्या देवता दिस रुख कएने छथि । प्रभु के दिन के चित्रण अन्हार, विलाप, आरू विनाश के समय के रूप में करलऽ गेलऽ छै । ई अध्याय यहूदा के पाप के गंभीरता पर जोर दै छै आरू ओकरा सिनी के मूर्तिपूजा आरू परमेश्वर के आज्ञा नै मानला के परिणामस्वरूप आबै वाला आसन्न परिणाम के बारे में चेतावनी दै छै।

सफनियाह 1:1 यहूदाक राजा अमोनक पुत्र योशियाहक समय मे परमेश् वरक वचन जे कुशीक पुत्र सफनियाह, हिजकियाहक पुत्र अमारियाक पुत्र गदलियाक पुत्र सोफनियाह लग आयल छल।

सफन्याह के भविष्यवाणी यहूदा के राजा योशियाह के समय में सफन्याह के देलऽ गेलऽ छेलै।

1. परमेश् वरक वचन सदिखन समय पर सही अछि

2. जीवन बदलबाक लेल परमेश्वरक वचनक शक्ति

1. यशायाह 55:10-11 - किएक तँ जहिना बरखा अबैत अछि, आ स् वर्गसँ बर्फ अबैत अछि, आ ओतऽ घुरि कऽ नहि अबैत अछि, बल् कि पृथ्वीकेँ पानि दैत अछि आ ओकरा उगबैत अछि आ कली पैदा करैत अछि, जाहिसँ ओ बोनिहारकेँ बीया दैत अछि आ... खाए वाला के रोटी: १.

2. 2 तीमुथियुस 3:16-17 - सभ शास्त्र परमेश् वरक प्रेरणा सँ देल गेल अछि, आ शिक्षा, डाँट, सुधार आ धार्मिकताक शिक्षाक लेल लाभदायक अछि काज करैत अछि।

सपन्याह 1:2 हम एहि देश सँ सभ किछु केँ एकदम सँ समाप्त क’ देब, परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् ओहि भूमि पर सभ वस्तु केँ पूर्णतः नष्ट कऽ देथिन।

1. भगवान् के क्रोध के समझना

2. पापक विनाश

२.

2. भजन 46:10 - " शान्त रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच होयब, हम पृथ् वी पर ऊँच होयब!

सफनिया 1:3 हम मनुष्य आ जानवर केँ नष्ट क’ देब। हम आकाशक चिड़ै-चुनमुनी, समुद्रक माछ आ दुष्कर्मक संग ठोकर खायबला सभ केँ भस्म क’ देब।

परमेश् वर सभ जीव-जन्तु केँ नष्ट कऽ देताह आ मनुष् य केँ ओहि देश सँ काटि देताह।

1. प्रभुक क्रोध: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. दुष्टताक परिणाम केँ चिन्हब

1. यशायाह 24:5-6 - पृथ्वी सेहो ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ’ गेल अछि। कारण, ओ सभ नियमक उल्लंघन कयलनि, नियम केँ बदलि देलनि, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलनि। एहि लेल श्राप पृथ्वी केँ खा गेल अछि आ ओहि मे रहनिहार सभ उजाड़ भ’ गेल अछि।

2. यिर्मयाह 25:29-30 - किएक तँ देखू, हम ओहि नगर पर अधलाह आनय लगैत छी जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, आ की अहाँ सभ केँ एकदम सँ अदण्डित रहब? अहाँ सभ अदण्डित नहि रहब, किएक तँ हम पृथ् वी पर रहनिहार सभ पर तलवार बजा लेब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। तेँ अहाँ हुनका सभक विरुद्ध ई सभ बातक भविष्यवाणी करू आ हुनका सभ केँ कहू जे, “परमेश् वर ऊपर सँ गर्जना करताह आ अपन पवित्र निवास सँ अपन आवाज बाजताह। ओ अपन आवास पर जोर-जोर सँ गर्जत। ओ अंगूर पर रौदनिहार सभ जकाँ चिचियाओत।

सफनिया 1:4 हम यहूदा आ यरूशलेमक सभ निवासी पर सेहो अपन हाथ बढ़ा देब। हम एहि ठाम सँ बालक शेष लोक आ पुरोहित सभक संग केमारी सभक नाम केँ काटि देब।

परमेश् वर यहूदा आ यरूशलेम केँ ओकर मूर्तिपूजक लेल सजा देताह आ बालक शेष आ ओकर सेवा करय बला पुरोहित सभ केँ काटि देताह।

1. मूर्तिपूजा ईश्वरीय निर्णय दिस लऽ जाइत अछि

2. भगवान मूर्तिपूजा बर्दाश्त नहि करताह

1. निष्कासन 20:3-5 - "हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति नहि बनाउ, आ ने ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ ओहि वस्तुक कोनो उपमा नहि बनाउ।" पृथ्वीक नीचाँक पानि मे अछि, अहाँ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम नहि करब आ ने ओकर सेवा करब, कारण हम प्रभु अहाँक परमेश् वर ईर्ष्यालु परमेश् वर छी...

2. यशायाह 42:8 - हम प्रभु छी; से हमर नाम अछि; हमर महिमा हम दोसर केँ नहि दैत छी, आ ने नक्काशीदार मूर्ति केँ अपन प्रशंसा दैत छी।

सफनिया 1:5 घरक चोटी पर स् वर्गक सेनाक आराधना करयवला सभ। आ जे सभ परमेश् वरक आराधना करैत अछि आ जे सभ परमेश् वरक शपथ खाइत अछि, आ जे मल्कामक शपथ खाइत अछि।

एहि अंश मे ओहि उपासक लोकनिक उल्लेख अछि जे प्रभुक शपथ लैत छथि आ मालचमक सेहो |

1. केवल प्रभु के पूजा के महत्व।

2. अन्य देवताक पूजाक खतरा।

1. व्यवस्था 6:4-5, "हे इस्राएल, सुनू: हमर परमेश् वर परमेश् वर, प्रभु एक छथि। अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त सामर्थ् य सँ प्रेम करू।"

2. यिर्मयाह 10:2-5, "परमेश् वर ई कहैत छथि: 'जाति सभक बाट नहि सीखू, आ ने आकाशक चिन्ह सभ देखि चकित होउ, किएक तँ जाति सभ ओकरा सभसँ त्रस्त अछि, किएक तँ जाति सभक रीति-रिवाज व्यर्थ अछि।' जंगलसँ निकलल गाछकेँ कारीगरक हाथसँ काटि कऽ कुल्हाड़ीसँ काज कएल जाइत अछि, ओकरा चानी-सोनासँ सजाबैत अछि, ओकरा हथौड़ा आ कीलसँ बान्हि दैत अछि जाहिसँ ओ नहि हिल सकैत अछि, ओकर मूर्ति सभ खीराक खेतमे बिजूका जकाँ होइत अछि.

सफनिया 1:6 आ जे सभ परमेश् वर सँ घुरि गेल अछि। आ जे सभ परमेश् वरक खोज नहि केने अछि आ ने हुनका लेल पूछल गेल अछि।

ई अंश ओहि लोकनिक बात करैत अछि जे परमेश्वर सँ मुँह मोड़ि गेल छथि आ हुनका तकबा मे उपेक्षा केने छथि |

1. भगवान् सँ मुँह मोड़बाक खतरा

2. प्रभु के खोज के महत्व

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ।

2. यिर्मयाह 29:13 - अहाँ हमरा ताकब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ तकब।

सफनिया 1:7 प्रभु परमेश् वरक समक्ष चुप रहू, किएक तँ परमेश् वरक दिन नजदीक आबि गेल अछि, किएक तँ परमेश् वर एकटा बलिदान तैयार कयलनि अछि, ओ अपन अतिथि सभ केँ बजौने छथि।

प्रभु के दिन नजदीक आबि गेल अछि आ प्रभु एकटा यज्ञ तैयार केने छथि |

1: प्रभुक दिन आबि रहल अछि - सफनिया 1:7

2: प्रभुक बलिदानक तैयारी - सफनिया 1:7

1: यशायाह 53:10 - तइयो प्रभु केँ नीक लागल जे ओ ओकरा कुचलथि। ओ ओकरा दुखी क’ देलक, जखन अहाँ ओकर प्राण केँ पापक बलिदान बना देब, तखन ओ अपन संतान केँ देखि लेत, ओ अपन दिन लंबा करत, आ प्रभुक प्रसन्नता ओकर हाथ मे सफल होयत।”

2: मत्ती 26:26-28 - जखन ओ सभ भोजन करैत छलाह तखन यीशु रोटी लऽ कऽ आशीष दऽ कऽ तोड़ि कऽ शिष् य सभ केँ दऽ देलथिन आ कहलथिन, “लीह, खाउ। ई हमर देह अछि। ओ प्याला लऽ कऽ धन्यवाद देलथिन आ ओकरा सभ केँ देलथिन आ कहलथिन, “अहाँ सभ एहि मे सँ पीबू। कारण, ई हमर नव नियमक खून अछि, जे पापक क्षमाक लेल बहुतो लोकक लेल बहाओल गेल अछि।

सपन्याह 1:8 प्रभुक बलिदानक दिन हम राजकुमार सभ, राजाक सन्तान सभ आ ओहि सभ लोक सभ केँ दंड देब जे विदेशी वस्त्र पहिरने छथि।

प्रभु बलिदान के दिन परमेश् वर अनजान वस्त्र पहिरनिहार के दंड देथिन।

1. अजीब परिधान पहिरबाक खतरा

2. वस्त्र पर प्रभु के निर्देश के पालन करब

1. यशायाह 5:20 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. व्यवस्था 22:5 - स्त्री पुरुषक वस्त्र नहि पहिरत आ पुरुष स्त्रीक वस्त्र नहि पहिरत, किएक तँ जे सभ एहन करैत अछि, से सभ अहाँक परमेश् वरक लेल घृणित अछि।

सफनिया 1:9 ओही दिन हम ओहि सभ केँ दंड देब जे दहलीज पर कूदैत अछि, जे अपन मालिकक घर मे हिंसा आ छल सँ भरैत अछि।

मालिकक घर मे हिंसा आ छल-प्रपंच करयवला केँ भगवान सजा देथिन।

1. घर मे छल आ हिंसाक खतरा

2. हमर जीवन मे अधर्मक परिणाम

1. इफिसियों 5:3-5 - "मुदा अहाँ सभ मे यौन-अनैतिकता वा कोनो तरहक अशुद्धि वा लोभक संकेत सेहो नहि हो, किएक तँ ई सभ परमेश् वरक पवित्र लोक सभक लेल अनुचित अछि। आ ने अश्लीलता होबाक चाही। मूर्खतापूर्ण गप्प वा मोट-मोट मजाक, जे जगह सँ बाहर अछि, मुदा धन्यवादक बदला मे।कारण एहि बात पर अहाँ निश्चिंत भ' सकैत छी: एहन कोनो अनैतिक, अशुद्ध वा लोभी व्यक्ति एहन व्यक्ति मूर्तिपूजक नहि अछि, मसीह आ परमेश् वरक राज्य मे कोनो उत्तराधिकार नहि अछि।"

2. याकूब 4:17 - "तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ नहि क' रहल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।"

सफनिया 1:10 ओहि दिन माछक फाटक सँ चिचियाहटि आ दोसर द्वार सँ चीत्कार आ पहाड़ी सँ एकटा पैघ चीत्कार होयत।

प्रभु यरूशलेम नगर मे न् याय आनताह, जाहि सँ फाटक आ पहाड़ी सँ बहुत हंगामा होयत।

1. परमेश् वरक आगामी न्याय

2. भगवानक दंडक शोरगुल भरल चेतावनी

1. सफनिया 1:10

2. योएल 2:1-2 सियोन मे तुरही बजाउ, आ हमर पवित्र पहाड़ मे अलार्म बजाउ! एहि देशक सभ निवासी काँपि जाय, कारण प्रभुक दिन आबि रहल अछि। लगमे अछि।

सफन्याह 1:11 हे मक्तेशक निवासी सभ, कूदब, किएक तँ सभ व्यापारी लोक सभ कटैत अछि। चानी धारण करयवला सभ केँ काटि देल गेल अछि।

मकतेश के निवासी के हुंकार के निर्देश देलऽ जाय छै, कैन्हेंकि सब व्यापारी आरू चानी वाहक लोगऽ के काटलऽ गेलऽ छै ।

1. वित्तीय निर्णय मे विवेक के महत्व

2. धनक खोजक परिणाम

1. नीतिवचन 11:28 - "जे अपन धन पर भरोसा करैत अछि, ओ खसि पड़त, मुदा धर्मी पात जकाँ पनपत।"

2. इजकिएल 7:19 - "ओ सभ अपन चानी सड़क पर फेकि देत, आ ओकर सोना कचरा जकाँ होयत; ओकर चानी आ ओकर सोना ओकरा सभ केँ परमेश् वरक क्रोधक दिन मे नहि बचा सकैत अछि; ओ सभ नहि करत।" हुनका लोकनिक आत्मा केँ तृप्त करू, आ ने पेट भरू, कारण ई हुनका लोकनिक अधर्मक ठोकर बनि गेलनि |"

सफनिया 1:12 ओहि समय मे हम यरूशलेम मे मोमबत्ती सँ खोजब आ ओहि लोक सभ केँ सजा देब जे अपन लीज पर बैसल अछि दुष्ट.

निर्धारित समय पर परमेश् वर यरूशलेम के खोज करतै कि वू लोगऽ क॑ सजा दै लेली जे ई सोचै छै कि हुनी या त॑ सकारात्मक या नकारात्मक रूप स॑ काम नै करतै ।

1. प्रभु के भय में जीने का महत्व

2. जखन भगवान पर विश्वास खत्म भ जाइत अछि तखन कोना चिन्हल जाय

1. यशायाह 66:2 - "किएक तँ ओ सभ चीज हमर हाथ सँ बनौने छी आ सभ किछु बनल अछि, परमेश् वर कहैत छथि हमर बात पर।"

2. भजन 34:11 - "हे बच्चा सभ, आऊ, हमर बात सुनू। हम अहाँ सभ केँ प्रभुक भय सिखाएब।"

सफनिया 1:13 तेँ हुनकर सभक सम् पत्ति लूट बनि जायत आ घर उजाड़ भऽ जायत। ओ सभ अंगूरक बाग लगाओत, मुदा ओकर मदिरा नहि पीबथि।

यहूदा के लोग सिनी कॅ कष्ट उठाबै वाला छै, जेकरा सें ओकरोॅ सामान आरो घर-घर के नुकसान होतै, मतरकि जबेॅ वू पुनर्निर्माण करतै, तभियो वू ओकरा में नै रह॑ सकै छै आरो अपनऽ मेहनत के फल के आनंद नै उठाबै सकै छै।

1. "मेहनत करबाक आशीर्वाद आ अभिशाप"।

2. "प्रभु मे स्थायी आनन्द पाबि"।

1. नीतिवचन 21:5 - "कर्मठ लोकक योजना प्रचुरता दिस ल' जाइत अछि, मुदा जे कियो जल्दबाजी करैत अछि, ओ केवल गरीबी मे अबैत अछि।"

2. यशायाह 55:2 - "अहाँ सभ अपन पाइ ओहि लेल किएक खर्च करैत छी जे रोटी नहि अछि, आ अपन मेहनत ओहि लेल किएक खर्च करैत छी जे तृप्त नहि करैत अछि?"

सफनिया 1:14 परमेश् वरक महान दिन नजदीक आबि गेल अछि, नजदीक आबि गेल अछि आ बहुत जल्दी अछि, यहोवाक दिनक आवाज अछि।

परमेश् वरक दिन जल्दीए लग आबि रहल अछि आ ओकर संग-संग पीड़ाक चीत्कार सेहो होयत।

1. प्रभुक दिन: की अहाँ तैयार छी?

2. प्रभुक आगमन: न्याय आ दयाक समय।

1. योएल 2:1-2 - "अहाँ सभ सियोन मे तुरही बजाउ आ हमर पवित्र पहाड़ पर गजब बजाउ। एहि देशक सभ निवासी काँपि जाउ, किएक तँ परमेश् वरक दिन आबि रहल अछि, किएक तँ ओ नजदीक आबि गेल अछि।" " .

2. योएल 2:31 - "प्रभुक महान आ भयावह दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।"

सफनिया 1:15 ओ दिन क्रोधक दिन अछि, संकट आ संकटक दिन अछि, उजाड़ आ उजाड़क दिन अछि, अन्हार आ उदासीक दिन अछि, मेघ आ घनघोर अन्हारक दिन अछि।

प्रभु के दिन क्रोध आरू न्याय के दिन छै, जेकरा कष्ट, संकट, बर्बादी, उजाड़, अन्हार, उदासी, मेघ, आरू घनघोर अन्हार के दिन के रूप में वर्णित करलऽ गेलऽ छै ।

1. प्रभु के दिन के समझना: सफनिया 1:15 के अध्ययन

2. भगवानक क्रोध: प्रभुक दिनक तैयारी कोना कयल जाय

1. योएल 2:2 - अन्हार आ अन्हारक दिन, मेघ आ घनघोर अन्हारक दिन!

2. रोमियो 2:5-8 - परमेश् वर "प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार प्रतिफल देताह: जे सभ धैर्यपूर्वक नीक काज करैत छथि, हुनका सभ केँ महिमा, आदर आ अमरताक खोज मे अनन्त जीवन भेटतनि। मुदा जे सभ स्वार्थी छथि।" आ सत्यक आज्ञा नहि मानू, बल् कि अधर्म, क्रोध आ क्रोधक आज्ञा मानू।

सपन्याह 1:16 बाड़ वाला नगर सभ आ ऊँच-ऊँच बुर्ज सभक विरुद्ध तुरही आ घबराहट बजबाक दिन।

परमेश् वर तुरहीक माध्यमे आ गढ़वाली नगर आ ऊँच-ऊँच बुर्ज सभक विरुद्ध चेतावनी बजौताह।

1. परमेश् वरक चेतावनी सुनबाक महत्व

2. अपश् चात्तापी पापी पर परमेश् वरक न्याय

1. यशायाह 13:6-13 (बेबिलोन पर प्रभुक न्याय)

2. प्रकाशितवाक्य 8:2-13 (न्यायक सात तुरही)

सफनिया 1:17 हम मनुष् य सभ पर संकट आनब जे ओ सभ आन्हर जकाँ चलत, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक विरुद्ध पाप कयलनि।

परमेश् वर हुनका विरुद्ध पाप केनिहार सभ केँ विपत्ति अनताह, आ हुनका सभक सजा कठोर होयत।

1. पापक परिणाम: परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. क्षमाक शक्ति: परमेश् वरक कृपा केँ छोड़ब

1. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2. भजन 103:12 - पश्चिम सँ जतेक दूर पूब अछि, ओ हमरा सभक अपराध केँ हमरा सभ सँ एतेक दूर दूर क’ देलनि।

सफनिया 1:18 परमेश् वरक क्रोधक दिन हुनका सभक चानी आ ने सोना हुनका सभ केँ नहि बचा सकैत अछि। मुदा ओकर ईर्ष्याक आगि मे पूरा देश भस्म भ’ जायत, किएक तँ ओ ओहि देश मे रहनिहार सभ केँ जल्दी सँ मुक्त क’ देत।”

परमेश् वरक क्रोधक दिन अपरिहार्य अछि आ ओहि देश मे रहनिहार सभक लेल विनाश होयत।

1. प्रभुक दिन आबि रहल अछि - तैयार रहू

2. भगवान् केर पालन करबा सँ मना करबाक परिणाम - विनाश

1. प्रेरित 2:20 - प्रभुक ओ महान आ उल्लेखनीय दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत, आ चान खून मे बदलि जायत।

2. रोमियो 2:5-6 - मुदा अपन कठोरता आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक बाद परमेश् वरक धार्मिक न्यायक क्रोध आ प्रकटीकरणक दिनक विरुद्ध क्रोध केँ अपना लेल जमा करू।

सफनिया अध्याय 2 भविष्यवाणी क॑ जारी रखै छै, जेकरा म॑ न्याय स॑ ध्यान क॑ पश्चाताप के आह्वान आरू प्रभु के खोज करै वाला लेली आशा के संदेश प॑ स्थानांतरित करी देलऽ गेलऽ छै । अध्याय में विभिन्न राष्ट्र आ ओकर भाग्य के संबोधित कयल गेल अछि, संगहि यहूदा के अवशेष के लेल बहाली के झलक सेहो देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यहूदा के लेलऽ आह्वान स॑ होय छै कि वू एक साथ जमा होय जाय, धार्मिकता के खोज करै आरू प्रभु के सामने खुद क॑ नम्र होय जाय। हुनका सब स आग्रह कयल गेल अछि जे ओ प्रभु के धार्मिकता के खोज करथि आ शायद प्रभु के क्रोध के दिन स आश्रय पाथि (सफनिया 2:1-3)।

2nd पैराग्राफ: तखन अध्याय यहूदा के आसपास के जाति सब के संबोधित करै छै, जेकरा में ओकरऽ अहंकार, हिंसा आरू मूर्तिपूजा के कारण ओकरा पर न्याय के फैसला करलऽ गेलऽ छै। उल्लेखित

राष्ट्र मे फिलिस्ती, मोआब, अम्मोन, कुश आ अश्शूर शामिल अछि। प्रत्येक राष्ट्र क॑ ओकरऽ आसन्न विनाश आरू ओकरा पर आबै वाला उजाड़ के बारे म॑ चेतावनी देलऽ जाय छै (सफनिया २:४-१५)।

संक्षेप मे, २.
सफनिया अध्याय २ पश्चाताप के आह्वान करै छै आरू प्रभु के खोज करै वाला सिनी लेली आशा के संदेश दै छै, जबकि आसपास के राष्ट्रऽ पर न्याय के घोषणा करै छै।

यहूदा केँ एकत्रित करबाक लेल, धार्मिकताक खोज करबाक लेल आ प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक लेल बजाउ।
आसपास के राष्ट्र पर ओकर अहंकार, हिंसा आ मूर्तिपूजा के लेल न्याय के घोषणा |

सफन्याह के ई अध्याय यहूदा के एक आह्वान स॑ शुरू होय छै कि वू एक साथ जमा होय जाय, धार्मिकता के खोज करै आरू प्रभु के सामने खुद क॑ नम्र होय जाय। हुनका सब स आग्रह कयल गेल अछि जे प्रभु के धार्मिकता के खोज करू आ हुनकर क्रोध के दिन स आश्रय ली। तखन अध्याय यहूदा के आसपास के जाति सिनी कॅ संबोधित करै छै, जेकरा में ओकरा सिनी के अहंकार, हिंसा आरू मूर्तिपूजा के कारण न्याय के फैसला करै छै। फिलिस्ती, मोआब, अम्मोन, कुश, आरू अश्शूर सहित उल्लेखित राष्ट्र सिनी कॅ ओकरोॅ आसन्न विनाश आरू ओकरा सिनी पर आबै वाला उजाड़ के बारे में चेतावनी देलऽ जाय छै। ई अध्याय पश्चाताप के महत्व पर जोर दै छै आरू प्रभु के तरफ मुड़ै वाला सिनी लेली आशा के संदेश दै छै, जबकि आसपास के राष्ट्र सिनी के दुष्टता के इंतजार करै वाला परिणाम के भी उजागर करै छै।

सपन्याह 2:1 हे नहि वांछित जाति, अपना केँ एकत्रित करू, हँ, एकत्रित करू।

परमेश् वरक न्यायक लेल पश्चाताप आ विनम्रता मे एक संग जुटि जाउ।

1: पश्चाताप करू आ प्रभुक समक्ष विनम्र रहू, कारण ओ सभ जाति केँ न्याय करताह।

2: न्याय के समय में, प्रभु के प्रति पश्चाताप आ विनम्रता में एक संग आऊ।

1: याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2: योएल 2:12 - तेँ आब, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानब आ शोक सँ हमरा दिस घुमि जाउ।

सफनिया 2:2 फरमान आबय सँ पहिने, दिन भूसा जकाँ बीतबा सँ पहिने, अहाँ पर परमेश् वरक भयंकर क्रोध आबय सँ पहिने, अहाँ सभ पर परमेश् वरक क्रोधक दिन आबय सँ पहिने।

प्रभु लोगऽ क॑ चेतावनी द॑ रहलऽ छै कि बहुत देर होय स॑ पहल॑ पश्चाताप करी क॑ ओकरा ओकरऽ भयंकर क्रोध के सजा मिलै छै ।

1. पश्चाताप के तात्कालिकता

2. प्रभुक भयंकर क्रोध

1. निष्कासन 33:14-17 - मूसा प्रभु सँ निहोरा करैत छथि जे ओ सभ यात्रा करैत काल हुनका सभक संग जाथि

2. भजन 34:18 - प्रभु टूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

सपन्याह 2:3 हे पृथ्वीक सभ नम्र, जे हुनकर न्याय केलहुँ, अहाँ सभ प्रभुक खोज करू।
धार्मिकताक खोज करू, नम्रताक खोज करू, प्रभुक क्रोधक दिन अहाँ सभ नुकायल रहब।

ई अंश विश्वासी सिनी कॅ प्रभु आरू धर्म के खोज करै लेली प्रोत्साहित करै छै, ताकि हुनकऽ क्रोध स॑ बचालऽ जाय सक॑ ।

1. प्रभुक प्रेम आ रक्षा - विनम्रता आ नम्रता मे प्रभुक खोज करब।

2. परमेश् वरक धार्मिकता - अपन क्रोधसँ नुकायल धार्मिकता आ नम्रताक खोज।

1. यशायाह 55:6 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबे ओकरा बजाउ।

2. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊँच करताह।

सफनिया 2:4 कारण गाजा छोड़ि देल जायत, आ अश्कोलोन उजाड़ भ’ जायत, दुपहर मे अश्दोद केँ भगा देत, आ एक्रोन केँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत।

ई अंश गाजा, अश्केलोन, अशदोद आरू एक्रोन नाम के चारो शहर के बात करै छै, जेकरा छोड़ी देलऽ गेलऽ छै आरू उजाड़ छोड़ी देलऽ गेलऽ छै ।

1. परमेश् वरक वचनक उपेक्षा करबाक परिणाम

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करबाक आवश्यकता

1. यशायाह 9:10 - "ईंट खसि पड़ल अछि, मुदा हम सभ सजाओल पाथर सँ फेर सँ निर्माण करब; सिकोमोर काटि देल गेल अछि, मुदा ओकर जगह देवदारक गाछ लगा देब।"

2. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, कल्याणक योजना अछि।"

सपन्याह 2:5 समुद्रक कात मे रहनिहार, केरेतक जाति पर धिक्कार! परमेश् वरक वचन अहाँ सभक विरुद्ध अछि। हे कनान, पलिस्तीक देश, हम तोरा नष्ट कऽ देबौक, जाहि सँ ओतऽ कोनो निवासी नहि रहत।”

प्रभु समुद्रक कात मे रहय बला लोक, विशेष रूप सँ केरेथी आ पलिस्ती सभक विरुद्ध एकटा दुःखक घोषणा कयलनि अछि। ओ कनान केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट करबाक वादा करैत अछि जाहि सँ कोनो निवासी नहि रहय।

1. प्रभुक न्याय निश्चित अछि: सफनिया 2:5 केर अध्ययन

2. परमेश् वरक क्रोध आ पश्चातापक आवश्यकता: सफनिया 2:5 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 10:5-6 - धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी। हुनका लोकनिक हाथ मे डंडा हमर क्रोध अछि! हम ओकरा अभक्त जातिक विरुद्ध पठबैत छी आ अपन क्रोधक लोक सभक विरुद्ध ओकरा आज्ञा दैत छी जे लूट-लूट लूटबाक आ ओकरा सभ केँ सड़कक दलदल जकाँ रौदब।

2. रोमियो 12:19 - प्रियतम, अहाँ सभ कहियो अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि एकरा परमेश् वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, प्रतिशोध हमर अछि, हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।

सफनिया 2:6 समुद्रक कात चरबाह सभक लेल आवास आ कुटी आ झुंडक लेल झुंड होयत।

समुद्रक कात चरबाह आ ओकर झुंडक निवास आ आश्रय स्थल होयत।

1: भगवान् अपन लोक के शरण आ सुरक्षा प्रदान करैत छथि।

2: परमेश् वरक प्रबंध अपन लोकक लेल सदिखन पर्याप्त रहैत अछि।

1: भजन 23:4, भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलैत छी, मुदा हम कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी। तोहर छड़ी आ तोहर लाठी, हमरा सान्त्वना दैत अछि।

2: यशायाह 41:10, डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी; त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

सफनिया 2:7 समुद्र तट यहूदाक घरानाक शेष लोकक लेल होयत। ओ सभ ओहि पर भोजन करत, अश्कलोनक घर मे साँझ मे सुतल रहत, किएक तँ हुनका सभक परमेश् वर परमेश् वर हुनका सभक सामना करताह आ हुनका सभक बंदी केँ मोड़ि देताह।”

यहूदाक वंशजक बच् चा सभ समुद्रक कात मे बसत आ परमेश् वर हुनका सभक दर्शन करताह आ हुनका सभक बंदी केँ फेर सँ बना देताह।

1. परमेश् वर अपन प्रतिज्ञाक प्रति वफादार छथि

2. यहूदाक लोकक लेल पुनर्स्थापनक आशा

1. यशायाह 43:5-7 डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक संतान पूब दिस सँ आनब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानब आ दक्षिण दिस, रोकब नहि। हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनू, जे कियो हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने रही, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

2. रोमियो 8:31-39 तखन हम सभ एहि सभ बात केँ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल ओकरा छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग कृपापूर्वक हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देताह? परमेश् वरक चुनल लोक पर के कोनो आरोप लगाओत? ई भगवान् छथि जे धर्मी ठहराबैत छथि। केकरा निन्दा करबाक अछि? मसीह यीशु वैह छथि जे एहि सँ बेसी मरि गेलाह, जे जीबि उठल छथि जे परमेश् वरक दहिना कात छथि, जे सचमुच हमरा सभक लेल बिनती कऽ रहल छथि। मसीहक प्रेम सँ हमरा सभ केँ के अलग करत? की कष्ट, विपत्ति, सताब, अकाल, वा नंगटेपन, आकि खतरा वा तलवार? जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “अहाँ सभक लेल हम सभ दिन भरि मारल जा रहल छी। हमरा सभ केँ वध करबाक लेल बरद जकाँ मानल जाइत अछि। नहि, एहि सभ बात मे हम सभ ओहि सँ बेसी विजयी छी जे हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि। कारण हमरा विश्वास अछि जे ने मृत्यु आ ने जीवन, ने स् वर्गदूत आ ने शासक, ने वर्तमान वस्तु आ ने आबय बला वस्तु, आ ने शक्ति, ने ऊँचाई आ ने गहींर, आ ने समस्त सृष्टि मे कोनो आन वस्तु हमरा सभ केँ परमेश् वरक प्रेम सँ अलग कऽ सकैत अछि मसीह यीशु हमर सभक प्रभु।

सफनिया 2:8 हम मोआबक निन्दा आ अम्मोनक गारि सुनलहुँ, जाहि सँ ओ सभ हमर लोक केँ निन्दा कयलनि आ अपन सीमाक विरुद्ध अपना केँ बड़ाई कयलनि।

परमेश् वर मोआब आरू अम्मोन के बुरा बात सुनै छै, जे अपनऽ लोगऽ के अपमान करी रहलऽ छै आरू ओकरऽ सीमा के खिलाफ घमंड करी रहलऽ छै ।

1. शब्दक शक्ति: हमर सभक वाणी हमर चरित्र केँ कोना दर्शाबैत अछि

2. आज्ञापालनक आशीर्वाद: भगवान् अधर्म केँ अदण्डित नहि होमय देथिन

1. नीतिवचन 18:21 - मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा सँ प्रेम करैत अछि, ओ एकर फल खा लेत।

2. भजन 18:47 - ई परमेश् वर छथि जे हमर बदला लैत छथि, आ हमरा अधीन लोक सभ केँ अपना वश मे करैत छथि।

सपन्याह 2:9 तेँ हम जीवित रहब, सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर कहैत छथि जे, निश्चय मोआब सदोम जकाँ होयत आ अम्मोनक सन् तान अमोरा जकाँ होयत, बिछुआ आ नूनक गड्ढाक प्रजनन आ सदा-सदा उजाड़ होयत हमर प्रजाक शेष ओकरा सभ केँ लूटि लेत आ हमर प्रजाक शेष लोक ओकरा सभ पर कब्जा कऽ लेत।”

परमेश् वर घोषणा करै छै कि मोआब आरू अम्मोन नष्ट होय जैतै आरू परमेश् वर के लोग के शेष लोग ओकरा पर कब्जा करी लेतै।

1. पाप के सजा: सफनिया 2:9 के अध्ययन

2. परमेश् वरक न्याय: सफनिया 2:9 क विश्लेषण

1. यशायाह 13:19-20 - आ बेबिलोन, राज्यक महिमा, कसदी सभक श्रेष्ठताक सौन्दर्य, ओहिना होयत जखन परमेश् वर सदोम आ अमोरा केँ उखाड़ि फेकने छलाह। एहि मे कहियो लोक नहि रहत, आ ने ओहि मे पीढ़ी-दर-पीढ़ी रहत। आ ने चरबाह सभ ओतहि अपन झुंड बनाओत।

2. यिर्मयाह 48:11-13 - मोआब अपन युवावस्था सँ आराम करैत रहल अछि, आ ओ अपन लीज पर बैसल अछि, आ एक बर्तन सँ दोसर बर्तन खाली नहि भेल अछि आ ने बंदी मे गेल अछि, तेँ ओकर स्वाद ओकरा मे बनल रहल। आ ओकर गंध मे कोनो बदलाव नहि होइत छैक। तेँ देखू, एहन दिन आबि रहल अछि, जखन हम हुनका लग भटकयवला लोक पठा देबनि जे हुनका भटकौतनि, आ हुनकर बर्तन खाली कऽ कऽ हुनकर डिब्बा तोड़ि देतनि। मोआब केमोश पर लाज करत, जेना इस्राएलक घराना बेथेल पर अपन भरोसा पर लाज करैत छल।

सफनिया 2:10 ई हुनका सभ केँ अपन घमंडक कारणेँ भेटतनि, किएक तँ ओ सभ सेना सभक परमेश् वरक लोक सभक विरुद्ध निन्दा आ महिमामंडन कयलनि अछि।

सेना-प्रभुक लोक सभ केँ निन्दा आ महिमा कयल गेल अछि, आ ई हुनका सभक घमंडक सजा होयत।

1. घमंड पतन स पहिने अबैत अछि: सफनिया 2:10 पर एकटा अध्ययन

2. परमेश् वरक न्याय: प्रभुक लोकक विरुद्ध निन्दा आ महिमा करबाक परिणाम

1. नीतिवचन 16:18: "विनाश सँ पहिने घमंड, आ पतन सँ पहिने घमंडी आत्मा।"

२.

सफनिया 2:11 परमेश् वर हुनका सभक लेल भयावह भऽ जेताह, किएक तँ ओ पृथ् वीक सभ देवता केँ भूख सँ मारि देताह। आ लोक सभ अपन-अपन स् थान सँ, सभ गैर-जातिक द्वीप सभ सँ, हुनकर आराधना करत।

प्रभु सब के लेल भयावह आ विनाशकारी हेताह जे हुनकर पूजा नहि करत। बाकी सब देवता के नाश भ जायत आ सब जाति अपन-अपन स्थान स हुनकर पूजा करत।

1: प्रभु सँ डेराउ, कारण ओ एकमात्र सच्चा परमेश् वर छथि आ आन सभ देवताक नाश भऽ जेताह।

2: अपन स्थान सँ प्रभुक आराधना करू, कारण सभ जाति हुनकर स्तुति मे एक ठाम आबि जेबाक चाही।

1: यशायाह 45:22, पृथ्वीक सभ छोर, हमरा दिस घुमू आ उद्धार पाउ! किएक तँ हम परमेश् वर छी, आ दोसर कोनो नहि।

2: भजन 86:9 हे प्रभु, जे सभ जाति अहाँ बनौने छी, से सभ आबि कऽ अहाँक समक्ष आराधना करत आ अहाँक नामक महिमा करत।

सफनिया 2:12 हे इथियोपियावासी सेहो, अहाँ सभ हमर तलवार सँ मारल जायब।

प्रभु अपनऽ तलवार के उपयोग करी क॑ इथियोपियाई सिनी के न्याय करी लेतै।

1. न्याय के तलवार: प्रभु के क्रोध के तहत धर्म से जीना

2. प्रभुक चेतावनी: हुनकर क्रोध आ दयाक तैयारी

1. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

2. भजन 94:1-2 - हे प्रभु परमेश् वर, जकर प्रतिशोध अछि। हे परमेश् वर, जिनका प्रतिशोध अछि, अहाँ अपना केँ देखाउ। हे पृथ्वीक न्यायाधीश, अपना केँ उठाउ, घमंडी केँ इनाम दियौक।

सफनिया 2:13 ओ उत्तर दिस हाथ बढ़ा क’ अश्शूर केँ नष्ट क’ देत। ओ नीनवे केँ उजाड़ बना देत आ जंगल जकाँ सुखायत।
2089

नीनवे पर परमेश् वरक न्याय निश्चित आ पूर्ण होयत।

1. न्यायक दिन: नीनवेक उदाहरण सँ सीखब

2. भगवानक दया केँ हल्का मे नहि लिअ

1. यशायाह 10:5-6, "धिक्कार अछि अश्शूर, हमर क्रोधक छड़ी; ओकर हाथ मे हमर क्रोधक लाठी अछि! हम ओकरा एकटा अभक्त राष्ट्रक विरुद्ध पठा दैत छी, ओकरा एकटा एहन लोकक विरुद्ध पठा दैत छी जे हमरा क्रोधित करैत अछि, ओकरा पकड़बाक लेल।" लूट-लूट आ छीनब, आ सड़क पर थाल-कादो जकाँ रौंदब।"

2. नहूम 1:15, "देखू, पहाड़ पर, शुभ समाचार अननिहारक पैर, जे शान्तिक घोषणा करैत अछि! यहूदा, अपन पाबनि मनाउ आ अपन व्रत पूरा करू। आब दुष्ट अहाँ पर आक्रमण नहि करत; ओ सभ रहत।" पूर्णतः नष्ट भ' गेल।"

सफनिया 2:14 ओकर बीच मे भेँड़ा, जाति-जातिक सभ जानवर, झुंड सभ ओकर बीच मे पड़ल रहत। खिड़की मे हुनका लोकनिक आवाज गाबि जायत। उजाड़ दहलीज मे रहत, कारण ओ देवदारक काज केँ उजागर करत।

सफनिया 2:14 विनाश आ उजाड़ के दृश्य के वर्णन करै छै, जेकरा में जानवर शहर पर कब्जा करी क॑ खंडहर में अपनऽ घर बनाबै छै।

1. भगवान् नियंत्रण मे छथि: विनाशक बीच सेहो

2. अपन आशीर्वादक गिनती करू: जे किछु अहाँ लग अछि ओकर सराहना करू जे ओ गेल अछि

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ ई जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी। हम जाति-जाति सभक बीच ऊँच भ' जायब, हम पृथ् वी पर ऊँच भ' जायब।"

2. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

सफनिया 2:15 ई ओ आनन्दित नगर अछि जे लापरवाही सँ रहैत छल, जे अपन मोन मे कहैत छल जे, “हम छी, आ हमरा छोड़ि क’ केओ नहि अछि। जे कियो ओकरा लग सँ गुजरैत अछि, से सिसकी मारत आ हाथ हिलाओत।

सफनिया 2:15 एकटा एहन शहर के विनाश के बारे में बात करैत अछि जे मानैत छल जे ओ अजेय अछि आ बिना कोनो विरोध के अछि, मुदा आब उजाड़ खंडहर में पड़ल अछि।

1. घमंड गिरबासँ पहिने जाइत अछि: अत्यधिक घमंडक खतरा

2. विश्वासक विनम्रता: भगवान् सँ संतोष सीखब

1. नीतिवचन 16:18 - घमंड विनाश सँ पहिने जाइत अछि, आ घमंडी आत्मा पतन सँ पहिने।

2. फिलिप्पियों 4:11-12 - ई नहि जे हम अभावक विषय मे बजैत छी, कारण हम जे अवस्था मे छी, ताहि मे संतुष्ट रहब सीखलहुँ। हम नीचाँ रहब दुनू जनैत छी, आ प्रचुर रहब सेहो जनैत छी: हर जगह आ सभ बात मे हमरा पेट भरबाक आ भूखल रहबाक, प्रचुर रहबाक आ आवश्यकता भोगबाक दुनू निर्देश देल गेल अछि।

सफनिया अध्याय 3 भविष्य के बहाली आरू आशीष पर केंद्रित छै जे न्याय के समय के बाद यहूदा के अवशेष के इंतजार करी रहलऽ छै। अध्याय यरूशलेम के पाप आरू अंतिम मोक्ष पर भी प्रकाश डालै छै जे परमेश् वर लानै छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के विद्रोह, उत्पीड़न आरू अपश् चात्तापी लोगऽ स॑ भरलऽ शहर के रूप म॑ चित्रित करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । हुनका लोकनिक पापपूर्ण तरीकाक बादो परमेश् वर एखनो हुनका सभक बीच मे एकटा धर्मी आ न्यायी परमेश् वरक रूप मे छथि जे गलत काज केँ बर्दाश्त नहि करताह (सफनियाह 3:1-5)।

दोसर पैराग्राफ: तखन अध्याय आशा आ बहाली के संदेश दिस बढ़ैत अछि। ई भविष्य केरऽ समय के बात करै छै जब॑ राष्ट्र सिनी एक साथ आबी क॑ प्रभु केरऽ पूजा करतै आरू हुनकऽ सेवा एक ही उद्देश्य स॑ करतै । परमेश् वर अपन लोक सभक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करबाक, तितर-बितरल लोक सभ केँ एकत्रित करबाक आ ओकरा सभ केँ अपन देश मे वापस अनबाक वादा करैत छथि (सफनियाह 3:6-13)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन एकटा दर्शन स होइत अछि जे भगवान अपन लोक पर आनन्दित होइत छथि, हुनकर सजा दूर करैत छथि, आ हुनका सबहक बीच रहैत छथि | ई परमेश्वर आरू हुनकऽ लोगऽ के बीच एगो नवीन संबंध के बात करै छै, जहाँ वू हुनकऽ प्रेम, शांति आरू सुरक्षा के अनुभव करतै (सफनियाह ३:१४-२०)।

संक्षेप मे, २.
सफनिया अध्याय 3 यरूशलेम के पाप आरू भविष्य के पुनर्स्थापन आरू आशीष के उजागर करै छै जे यहूदा के अवशेष के इंतजार करै छै।

यरूशलेम के चित्रण विद्रोह आरू अपश् चात्तापी लोगऽ स॑ भरलऽ शहर के रूप म॑ ।
आशा आरू बहाली के संदेश, भगवान के प्रतिज्ञा के साथ कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ इकट्ठा करी क॑ ओकरऽ भाग्य क॑ बहाल करी देतै ।
परमेश् वर अपन लोक पर आनन्दित होइत, ओकर सजा दूर करैत, आ ओकरा सभक बीच रहबाक दर्शन।

सफनिया के ई अध्याय के शुरुआत यरूशलेम के विद्रोह, उत्पीड़न आरू अपश् चात्तापी लोगऽ स॑ भरलऽ शहर के रूप म॑ चित्रित करी क॑ करलऽ गेलऽ छै । हुनकऽ पापपूर्ण तरीका के बावजूद भगवान क॑ एगो धर्मी आरू न्यायी परमेश्वर के रूप म॑ चित्रित करलऽ गेलऽ छै जे गलत काम क॑ बर्दाश्त नै करतै । मुदा, अध्याय तखन आशा आ बहाली के संदेश दिस बढ़ैत अछि. ई भविष्य केरऽ समय के बात करै छै जब॑ राष्ट्र सिनी एक साथ आबी क॑ प्रभु केरऽ पूजा करतै आरू एकता के साथ हुनकऽ सेवा करतै । भगवान् अपन लोकक भाग्य केँ पुनर्स्थापित करबाक, बिखरि गेल लोक केँ एकत्रित करबाक आ ओकरा सभ केँ अपन भूमि पर वापस अनबाक वादा करैत छथि। अध्याय के समापन एक दर्शन के साथ होय छै कि परमेश् वर अपनऽ लोगऽ पर आनन्दित होय छै, ओकरऽ सजा दूर करी क॑ ओकरा सिनी के बीच रह॑ छै । ई परमेश्वर आरू हुनकऽ लोगऽ के बीच एगो नवीन संबंध के बात करै छै, जहाँ वू हुनकऽ प्रेम, शांति आरू सुरक्षा के अनुभव करतै । ई अध्याय यरूशलेम के पापऽ पर जोर दै छै लेकिन अंततः भविष्य के मोक्ष आरू आशीष के झलक दै छै जे परमेश् वर यहूदा के अवशेष के लेलऽ लानै छै ।

सफन्याह 3:1 धिक्कार अछि जे गंदा आ दूषित अछि, अत्याचारी नगर पर!

प्रभु एकटा एहन नगरक विरुद्ध न्याय व्यक्त करैत छथि जे दमन करैत अछि आ गंदा आ भ्रष्ट अछि |

1. गंदा शहर: उत्पीड़न के परिणाम

2. प्रभुक न्याय: अन्यायक विरुद्ध धर्म आक्रोश

1. आमोस 5:11-15 - "तेँ अहाँ सभ गरीब सभ केँ रौंदैत छी आ ओकरा सभ सँ अनाजक लेवी लैत छी, तेँ अहाँ सभ कटल पाथर सँ घर बनौलहुँ, मुदा ओहि मे नहि रहब; अहाँ सभ नीक अंगूरक बगीचा रोपलहुँ, मुदा करब।" अपन मदिरा नहि पीब।

12 हम जनैत छी जे अहाँ सभक अपराध कतेक अछि आ अहाँ सभक पाप कतेक पैघ अछि जे अहाँ सभ धर्मी लोक केँ कष्ट दैत छी, घूस लैत छी आ गरीब केँ फाटक मे धकेलि दैत छी।

13 तेँ एहन समय मे विवेकी लोक चुप रहत, कारण ई अधलाह समय अछि।

14 अहाँ सभ जीवित रहबाक लेल अधलाह नहि, नीकक खोज करू। आ एहि तरहेँ सेना सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभक संग रहताह, जेना अहाँ सभ कहलहुँ।

15 अधलाह सँ घृणा करू, नीक सँ प्रेम करू, आ दरबज्जा मे न्याय केँ स्थापित करू। भ' सकैछ जे सेना सभक परमेश् वर प्रभु यूसुफक शेष लोक पर कृपा करथि।

2. नीतिवचन 14:34 - "धर्म एकटा जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि।"

सफनियाह 3:2 ओ आवाज नहि मानलीह। ओकरा सुधार नहि भेटलैक; ओ प्रभु पर भरोसा नहि केलनि। ओ अपन भगवानक नजदीक नहि आबि गेलीह।

ई अंश एहन व्यक्तिक गप्प करैत अछि जे प्रभुक आज्ञाक पालन नहि केलक अछि, सुधारल नहि भेल अछि, प्रभु पर भरोसा नहि केलक अछि आ हुनकर नजदीक नहि आयल अछि।

1. "भगवान के आज्ञा नै आज्ञा के परिणाम"।

2. "प्रभु पर भरोसा करबाक आशीर्वाद"।

1. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

2. मत्ती 6:33 - मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

सफनिया 3:3 ओकर भीतर ओकर राजकुमार सभ गर्जैत सिंह अछि। ओकर न्यायाधीश साँझक भेड़िया अछि; काल्हि धरि हड्डी नहि चीरैत अछि।

नेता सब शिकारी तरीका स व्यवहार क रहल छथि आ न्याय स कोनो मतलब नहि।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे न्यायक सेवा हो, हमर अपन क्षुद्र इच्छा नहि।

2: हमरा सभ केँ सफनिया 3:3 मे वर्णित नेता सभक जकाँ नहि बनबाक चाही, बल्कि एकर बदला मे ई सुनिश्चित करबाक प्रयास करबाक चाही जे न्यायक सेवा कयल जाय।

1: नीतिवचन 21:3 - धर्म आ न्याय करब बलिदान सँ बेसी प्रभुक लेल स्वीकार्य अछि।

2: मीका 6:8 - हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ कहि देने छथि जे की नीक अछि; परमेश् वर अहाँ सभ सँ न्याय करबाक आ दया प्रेम करबाक आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक अतिरिक्त की चाहैत छथि?

सफनिया 3:4 ओकर भविष्यवक्ता सभ हल्लुक आ विश्वासघाती लोक छथि, हुनकर पुरोहित सभ पवित्र स्थान केँ दूषित कयलनि, व्यवस्थाक हिंसा कयलनि।

ओकर लोक परमेश् वर आ हुनकर बाट केँ नकारि कऽ धोखा देबयवला आ अविश्वसनीय भविष्यवक्ता आ भ्रष्ट पुरोहितक दिस मुड़ि गेल अछि।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक बाट पर चलब आ प्रलोभन केँ अस्वीकार करब मोन राखय पड़त, कारण ई विनाश दिस ल' जाइत अछि।

2: हमरा सभ केँ लोकक वचन पर नहि, भगवान् आ हुनकर सत्य पर भरोसा करबाक चाही, कारण ओ क्षणिक आ अविश्वसनीय अछि।

1: नीतिवचन 14:12 एकटा एहन बाट अछि जे मनुक्ख केँ ठीक बुझाइत अछि, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट अछि।

2092

2: रोमियो 3:4 परमेश् वर सत् य रहथि मुदा सभ कियो झूठ बाजथि।

सफनिया 3:5 ओकर बीच मे धर्मी प्रभु छथि। ओ अधर्म नहि करत। मुदा अधर्मी लोक लाज नहि जनैत अछि।

धर्मी परमेश् वर अपन प्रजाक बीच रहैत छथि आ कोनो अधलाह नहि करताह। ओ सभ दिन भोरे-भोर अपन निर्णय प्रकट करैत छथि आ असफल नहि होइत छथि, मुदा अन्यायी लोकनि निर्लज्ज रहैत छथि ।

1. धार्मिकता मे रहब: न्यायी प्रभु आ हुनकर न्याय

2. अधर्म केँ बुझब: निर्लज्ज अन्याय

1. भजन 37:28 - कारण, प्रभु न्याय सँ प्रेम करैत छथि, आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि। ओ सभ सदा-सदा लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंश कटैत रहत।

२.

सफनिया 3:6 हम जाति सभ केँ काटि देलहुँ, ओकर बुर्ज उजाड़ भ’ गेल अछि। हम हुनका सभक गली-गली उजड़ि देलियैक जे कियो ओहि ठाम सँ नहि गुजरय, ओकर सभक नगर सभ नष्ट भऽ गेल अछि, जाहि सँ केओ नहि अछि आ कियो निवासी नहि अछि।

प्रभु जाति आ ओकर नगर सभ केँ उजाड़ आ निर्वासित छोड़ि देलनि।

1. परमेश् वरक न् याय तेज आ पूर्ण होइत अछि

2. हमरा सभ केँ परमेश्वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही जाहि सँ हुनकर निर्णय सँ बचल जा सकय

1. यिर्मयाह 4:23-26 हम पृथ्वी केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ अरूप आ शून्य छल। आ आकाश, आ ओकरा सभ मे इजोत नहि छलैक। हम पहाड़ सभ केँ देखलहुँ, आ देखू, ओ सभ काँपि उठल आ सभ पहाड़ी हल्लुक सँ हिलल। हम देखलहुँ, कोनो आदमी नहि छल, आ आकाशक सभ चिड़ै सभ भागि गेल। हम देखलहुँ, फलदार स्थान एकटा जंगल छल, आ ओकर सभटा नगर परमेश् वरक आ हुनकर प्रचंड क्रोधक कारणेँ टूटि गेल छल।

2. यशायाह 24:1-3 देखू, परमेश् वर पृथ् वी केँ खाली बना दैत छथि आ उजड़ि कऽ उल्टा कऽ दैत छथि आ ओहि मे रहनिहार सभ केँ छिड़िया दैत छथि। जेना लोक सभक संग होयत, तेना पुरोहितक संग होयत। जेना नोकरक संग, तहिना ओकर मालिकक संग। जेना नौकरानीक संग, तहिना ओकर मालकिनक संग। जेना खरीददारक संग, बेचनिहारक संग सेहो। जेना उधारकर्ताक संग, तहिना उधारकर्ताक संग।
जेना सूद लेबय वाला के संग, तहिना ओकरा सूद देबय वाला के संग। देश एकदम खाली भऽ जायत आ एकदम लूटल जायत, किएक तँ परमेश् वर ई बात कहने छथि।

सफनिया 3:7 हम कहलियनि, “अहाँ हमरा सँ डरब, अहाँ केँ शिक्षा भेटत। तेँ हुनका सभक निवास नहि कटल जेबाक चाही, जे हम हुनका सभ केँ कतहु सजा देलियनि।

प्रभु अपन लोक सभ सँ निहोरा केलनि जे भय आ शिक्षा ग्रहण करू, जाहि सँ हुनका सभक सजा कम भ' जाय। तथापि हुनकर चेतावनी पर कोनो ध्यान नहि देलनि आ भ्रष्टाचार करैत रहलाह |

1: परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन शिक्षा सँ सीखय लेल आ अपन आज्ञाक अनुसार जीबाक लेल बजबैत छथि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक चेतावनी पर ध्यान देबाक चाही आ पाप आ दुष्टताक बाट सँ मुड़बाक चाही।

1: नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2093

2: रोमियो 12:2 - एहि संसारक नमूनाक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क ’ सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा की अछि |

सफनिया 3:8 तेँ अहाँ सभ हमरा पर प्रतीक्षा करू, जाहि दिन हम शिकारक लेल उठब, किएक तँ हमर संकल्प अछि जे हम जाति सभ केँ एकत्रित करी, जाहि सँ हम राज्य सभ केँ एकत्रित क’ सकब, जाहि सँ हम अपन क्रोध ओकरा सभ पर उझलि सकब हमर प्रचंड क्रोध, किएक तँ हमर ईर्ष्याक आगि सँ समस्त पृथ्वी भस्म भऽ जायत।

परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे जाबत धरि ओ जाति सभ सँ बदला लेबऽ लेल उठताह, ता धरि हुनकर प्रतीक्षा करथि, किएक तँ ओ हुनका सभ पर अपन क्रोध आ क्रोध उझलि देताह आ हुनकर ईर्ष्या सँ पूरा धरती भस्म भऽ जायत।

1. प्रभुक न्याय आ दया

2. भगवान् के ईर्ष्या के शक्ति

1. भजन 2:10-12 - हे राजा सभ, आब बुद्धिमान बनू। भय सँ परमेश् वरक सेवा करू आ काँपैत-काँपैत आनन्दित होउ। पुत्र केँ चुम्मा लिअ, जाहि सँ ओ क्रोधित नहि भ’ जाय आ अहाँ सभ बाट सँ नष्ट भ’ जायब, जखन हुनकर क्रोध कनिको प्रज्वलित भ’ जायत।” धन्य छथि सभ जे हुनका पर भरोसा करैत छथि।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

सफनिया 3:9 तखन हम लोक सभक दिस एकटा शुद्ध भाषा घुमब, जाहि सँ ओ सभ प्रभुक नाम पुकारत आ एक सहमति सँ हुनकर सेवा करथि।

भगवान् हमरा सब दिस एकटा शुद्ध भाषा घुमताह जे सब हुनकर नाम पुकारि सकथि आ एक सहमति स हुनकर सेवा क सकथि।

1. एकता के शक्ति: एक सुर में मिल क काज करब हमरा सब के कोना भगवान के नजदीक आनि सकैत अछि

2. पवित्रता के वरदान: अपन भाषा के साफ रखला स हमरा सब के कोना भगवान के नजदीक आबि जाइत अछि

१ एकहि मन आ एकहि निर्णय मे।

2. भजन 133:1 - देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!

सपन्याह 3:10 इथियोपियाक नदी सभक ओहि पार सँ हमर विनती करयवला, हमर तितर-बितरल लोकक बेटी, हमर बलिदान आनत।

परमेश् वरक लोक इथियोपियाक नदी सभक ओहि पार सँ बलिदान आनत, ओहो ओहि लोक सभक बेटी सँ जे छिड़िया गेल छल।

1. भगवानक लोकक शक्ति: तितर-बितरल बेटी कोना प्रसाद आनि सकैत अछि

2. विश्वास के फल: प्रभु के सेवा के फल

1. यशायाह 43:5-6 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक संतान पूब दिस सँ आनब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानब आ दक्षिण दिस, रोकब नहि। हमर बेटा सभकेँ दूरसँ आ बेटी सभकेँ धरतीक छोरसँ आनि दिअ।

2. भजन 68:31 - मिस्र सँ राजकुमार सभ बाहर आओत; इथियोपिया जल्दी-जल्दी परमेश् वरक दिस हाथ पसारि लेत।

सपन्याह 3:11 ओहि दिन अहाँ अपन सभ काजक लेल लाज नहि करब, जाहि मे अहाँ हमरा विरुद्ध उल्लंघन केलहुँ, कारण तखन हम अहाँक बीच सँ हुनका सभ केँ हटा देब जे अहाँक घमंड मे आनन्दित छथि, आ अहाँ आब घमंडी नहि रहब हमर पवित्र पहाड़क कारणेँ।

परमेश् वर वचन दैत छथि जे परमेश् वरक विरुद्ध उल्लंघन केनिहार आब हुनकर पवित्र पहाड़क कारणे घमंड नहि करत।

1. घमंड पतन स पहिने जाइत अछि: सफनिया 3:11 पर एकटा चिंतन

2. विनम्रता मे आनन्दित होउ: भगवान् केर कृपा सँ शक्ति प्राप्त करब

1. रोमियो 12:3 - "किएक तँ हमरा देल गेल कृपा सँ हम अहाँ सभ मे सँ सभ केँ कहैत छी जे अहाँ सभ मे सँ सभ केँ अपना केँ ओहि सँ बेसी नहि सोचू, बल् कि अहाँ सभ केँ परमेश् वरक विश् वासक नाप-मानक अनुसार सोझ-विचार सँ सोचू।" असाइन कएने अछि।"

2. फिलिप्पियों 2:3-4 - "स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अभिमान सँ किछु नहि करू, बल् कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू। अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ अपन हित मात्र नहि, बल्कि दोसरक हित दिस सेहो देखू।"

सपन्याह 3:12 हम अहाँक बीच एकटा पीड़ित आ गरीब लोक सेहो छोड़ि देब, आ ओ सभ परमेश् वरक नाम पर भरोसा करत।

भगवान् अपन लोकक बीच एकटा पीड़ित आ गरीब लोक केँ छोड़ि देताह, आ ओ सभ प्रभुक नाम पर भरोसा करताह।

1. प्रभु के नाम पर विश्वास की शक्ति

2. प्रभुक द्वारा गरीबी आ दुःख पर विजय प्राप्त करब

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. याकूब 1:2-4 - हमर भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ तरह-तरह केर परीक्षा मे पड़ब तखन एकरा सभटा आनन्द मानू। ई जानि कऽ जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा धैर्य दैत अछि। मुदा धैर्य केँ ओकर सिद्ध काज हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ आ किछुओक अभाव नहि।

सफनिया 3:13 इस्राएलक शेष लोक अधर्म नहि करत आ ने झूठ बाजत। आ ने हुनका सभक मुँह मे छल-प्रपंचक जीह भेटत, किएक तँ ओ सभ भोजन करत आ लेटत, आ केओ ओकरा सभ केँ डराओत।

इस्राएल के शेष लोग भय स॑ मुक्त सच्चाई आरू धार्मिकता के जीवन जीबै वाला छै।

1. धर्मक माध्यमे भय पर विजय प्राप्त करब

2. हमर जीवन मे सत्यक शक्ति

1. भजन 34:4 - हम प्रभुक खोज केलहुँ, ओ हमर बात सुनलनि आ हमरा हमर सभ भय सँ मुक्त कयलनि।

2. यशायाह 26:3 - अहाँ ओकरा पूर्ण शान्ति मे राखब, जिनकर मन अहाँ पर टिकल अछि, कारण ओ अहाँ पर भरोसा करैत अछि।

सपन्याह 3:14 हे सियोनक बेटी, गाउ। हे इस्राएल, चिचियाउ; हे यरूशलेमक बेटी, हर्षित रहू आ पूरा मोन सँ आनन्दित रहू।

प्रभु सिय्योन आरू यरूशलेम के लोग सिनी कॅ हर्षोल्लास आरू पूरा मन के साथ आनन्दित होय के आह्वान करी रहलऽ छै।

1. आनन्द प्रभु सँ अबैत अछि - सफनिया 3:14

2. आनन्द सँ आनन्दित रहू - सफनिया 3:14

1. भजन 100:1-2 -, समस्त पृथ्वी, प्रभु केँ आनन्द सँ चिचियाउ। प्रसन्नतापूर्वक प्रभुक आराधना करू। आनन्दित गीत ल' क' हुनका सोझाँ आबि जाउ।

2. यशायाह 12:2-3 - निश्चय परमेश् वर हमर उद्धार छथि; हम भरोसा करब आ डरब नहि। प्रभु, प्रभु, हमर शक्ति आ हमर गीत छथि; ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि। आनन्द सँ मोक्षक इनार सँ पानि निकालब।

सफनिया 3:15 परमेश् वर तोहर न् याय सभ केँ छीन लेलनि, तोहर शत्रु केँ भगा देलनि, इस्राएलक राजा, परमेश् वर, तोहर बीच मे छथि, अहाँ केँ आब अधलाह नहि देखबा मे आओत।

प्रभु सब न्याय के दूर करी क॑ शत्रु के बाहर निकाली देलकै, आरो वू अपनऽ लोगऽ के बीच में रहै लेली ऐलऽ छै ताकि वू अब॑ बुराई नै देख॑ सक॑ ।

1. प्रभुक शक्ति: हुनकर उपस्थिति कोना सब किछु बदलि दैत अछि

2. प्रभुक आराम: हुनकर उपस्थिति कोना शान्ति अनैत अछि

1. भजन 46:7-11 - सेना सभक प्रभु हमरा सभक संग छथि; याकूबक परमेश् वर हमरा सभक शरण छथि।

2. यशायाह 12:2 - देखू, परमेश् वर हमर उद्धार छथि। हम भरोसा करब, आ डरब नहि। कारण, प्रभु परमेश् वर हमर सामर्थ् य आ गीत छथि। ओहो हमर उद्धार बनि गेल छथि।

सपन्याह 3:16 ओहि दिन यरूशलेम केँ कहल जायत जे, “डरब नहि।”

परमेश् वर यरूशलेम आरू सिय्योन कॅ प्रोत्साहित करै छै कि वू नै डरै आरू ओकरोॅ हाथ व्यस्त रखै।

1. "डरब नहि: अनिश्चितताक समय मे भगवानक इच्छा करब"।

2. "दृढ़ताक शक्ति: परमेश्वरक राज्यक निर्माण मे व्यस्त रहब"।

1. रोमियो 8:31 - "तखन हम सभ एहि सभक प्रतिक्रिया मे की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरोध मे के भ' सकैत अछि?"

2. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभु पर आशा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेताह। गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।

सपन्याह 3:17 अहाँक बीच मे अहाँक परमेश् वर परमेश् वर पराक्रमी छथि। ओ उद्धार करत, अहाँ पर आनन्दित भ' क' आनन्दित होयत। ओ अपन प्रेम मे विश्राम करत, अहाँ पर गायन सँ आनन्दित होयत।

प्रभु पराक्रमी छै आरू अपनऽ लोगऽ के उद्धार करतै आरू आनन्द सें आनन्दित होय जैतै।

1. प्रभुक आनन्द: अपन जीवन मे प्रभुक आनन्दक अनुभव करब

2. उद्धार करय बला पराक्रमी भगवान: हमरा सभक जीवन मे प्रभुक शक्तिक गवाह बनब

1. यशायाह 12:2, "देखू, परमेश् वर हमर उद्धार छथि; हम भरोसा करब, आ नहि डरब, कारण प्रभु यहोवा हमर सामर्थ् य आ हमर गीत छथि; ओ हमर उद्धार बनि गेल छथि।"

2. रोमियो 15:13, "आब आशाक परमेश् वर अहाँ सभ केँ विश् वास करबा मे सभ आनन्द आ शान्ति सँ भरि देथिन, जाहि सँ अहाँ सभ पवित्र आत् माक सामर्थ् य द्वारा आशा मे प्रचुर होयब।"

सपन्याह 3:18 हम ओहि सभ केँ जमा करब जे गंभीर सभाक लेल दुखी छथि, जे अहाँक मे सँ छथि, जिनका सभक लेल एकर निन्दा बोझ छलनि।

भगवान् प्रतिज्ञा करै छै कि दुखी लोगऽ क॑ एगो गंभीर सभा म॑ जुटाबै के, जेकरा स॑ ओकरा ओकरऽ निंदा के बोझ स॑ मुक्त करलऽ जैतै ।

1. भगवान् द्वारा एकत्रित हेबाक आनन्द

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक आराम केँ आत्मसात करब

1. यशायाह 40:1-2 "हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा घोषणा करू जे ओकर कठिन सेवा पूरा भ' गेलै, ओकर पापक भुगतान भ' गेलै, जे ओकरा सँ भेटल छै।" प्रभु के हाथ ओकर सब पाप के लेल दुगुना।"

2. भजन 147:3 "ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि आ ओकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।"

सफनिया 3:19 देखू, ओहि समय हम अहाँ केँ जे किछु पीड़ित करैत अछि, तकरा दूर क’ देब। आ हम हुनका सभ केँ ओहि देश मे प्रशंसा आ प्रसिद्धि पाबि देब जतय हुनका सभ केँ लज्जित कयल गेल अछि।

ओहि समय परमेश् वर ओहि सभ केँ उद्धार आ पुनर्स्थापित करताह जे पीड़ित आ बहिष्कृत छथि।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा - संकटक समय मे परमेश् वरक वफादारी देखब

2. दुखक बीच आशा - भगवानक अटूट प्रेम मे ताकत भेटब

1. यशायाह 40:29-31 - ओ कमजोर लोक केँ शक्ति दैत छथि, आ जकरा मे कोनो शक्ति नहि छनि, ओकरा ओ शक्ति बढ़बैत छथि।

2. भजन 147:3 - ओ टूटल-फूटल मोन केँ ठीक करैत छथि, आ हुनकर घाव केँ बान्हि दैत छथि।

सफनिया 3:20 हम अहाँ सभ केँ ओहि समय मे फेर सँ आनि देब, जखन हम अहाँ सभ केँ जमा करब, कारण हम अहाँ केँ पृथ्वीक सभ लोकक बीच एकटा नाम आ स्तुति बना देब, जखन हम अहाँक बंदी केँ अहाँ सभक आँखि मे घुमा देब।” प्रभु।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक आ पृथ्वीक सभ लोकक बीच हुनका सभक नाम आ स्तुति बनेबाक वादा करैत छथि।

1. परमेश् वरक पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

2. प्रभुक वफादारी

1. यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ भविष्य आ आशा देबाक लेल नीक जकाँ नहि, भलाईक योजना अछि।

2. यशायाह 43:4 - अहाँ हमरा नजरि मे अनमोल छी, आ सम्मानित छी, आ हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।

हग्गै अध्याय १ यहूदा के लोग सिनी कॅ संबोधित करै छै जे प्रभु के मंदिर के पुनर्निर्माण के उपेक्षा करलकै। अध्याय में भगवान के घर के प्राथमिकता दै के महत्व आरू ओकरऽ उदासीनता के परिणाम पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत हग्गै भविष्यवक्ता के माध्यम स प्रभु के संदेश स होइत अछि। मंदिर के उपेक्षा करैत अपन घर के प्राथमिकता देबय लेल लोक के डांटल जाइत अछि. हुनका सब स सवाल उठैत अछि जे ओ सब अपन सुसज्जित घर मे किएक रहैत छथि जखन कि परमेश्वर के घर खंडहर भ गेल अछि (हग्गी 1:1-4)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय मे हुनकर उपेक्षा के परिणाम पर प्रकाश देल गेल अछि | जनता बहुत बोनि लेने अछि मुदा कम काटि लेलक, जीवन मे संतुष्टि आ अभावक अभावक अनुभव करैत अछि । परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन बाट पर विचार करबाक लेल बजबैत छथि आ हुनका सभ केँ आग्रह करैत छथि जे ओ सभ पहाड़ पर चढ़ि कऽ लकड़ी आनि कऽ मन्दिर केँ फेर सँ बनाबथि (हग्गी 1:5-8)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय मे संदेश पर लोकक प्रतिक्रियाक वर्णन अछि | प्रभु के आवाज के पालन करै छै आरू मंदिर के पुनर्निर्माण के लेलऽ सामग्री जुटाबै छै । हग्गै भविष्यवक्ता हुनका ई आश्वासन दैत प्रोत्साहित करैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभक संग छथि आ हुनकर प्रयास केँ आशीर्वाद देथिन (हग्गी 1:12-15)।

संक्षेप मे, २.
हग्गै अध्याय १ यहूदा के लोग सिनी कॅ संबोधित करै छै जे प्रभु के मंदिर के पुनर्निर्माण के उपेक्षा करलकै।

मंदिर स बेसी अपन घर कए प्राथमिकता देबा लेल डांट।
हुनका लोकनिक उपेक्षाक परिणाम, अभाव आ असंतोषक अनुभव।
संदेश पर लोकक प्रतिक्रिया, प्रभुक आवाज मानब आ पुनर्निर्माणक शुरुआत।

हग्गै के ई अध्याय के शुरुआत प्रभु के संदेश स॑ होय छै, जेकरा म॑ यहूदा के लोगऽ क॑ डांटलऽ गेलऽ छै कि हुनी अपनऽ घरऽ के निर्माण क॑ प्राथमिकता दै छै जबकि मंदिर के पुनर्निर्माण के उपेक्षा करलकै । हुनका सब स सवाल उठैत अछि जे ओ सब अपन सुसज्जित घर मे किएक रहैत छथि जखन कि भगवान क घर खंडहर भ गेल अछि। अध्याय में हुनकऽ उदासीनता के परिणाम पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, कैन्हेंकि हुनका अपनऽ जीवन में संतुष्टि के कमी आरू कमी के अनुभव होय चुकलऽ छै । भगवान् हुनका सभ केँ अपन बाट पर विचार करबाक लेल बजबैत छथि आ सामग्री जुटेबाक आ मंदिरक पुनर्निर्माण करबाक आग्रह करैत छथि | लोक प्रभु के आवाज के पालन करी क॑ आरू पुनर्निर्माण के काम शुरू करी क॑ संदेश के प्रतिक्रिया दै छै । हग्गै भविष्यवक्ता हुनका सभ केँ ई आश्वासन दैत प्रोत्साहित करैत छथि जे परमेश् वर हुनका सभक संग छथि आ हुनका सभक प्रयास केँ आशीर्वाद देथिन। ई अध्याय में परमेश्वर के घर के प्राथमिकता दै के महत्व आरू मंदिर के पुनर्स्थापन में लोगऽ के कार्रवाई करै के जरूरत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

हग्गी 1:1 राजा दारा के दोसर वर्ष मे छठम मास मे, महीना के पहिल दिन, परमेश् वरक वचन हग्गै भविष्यवक्ता द्वारा यहूदाक राज्यपाल शाल्तिएलक पुत्र जरुब्बाबेल आ यहोशू केँ आयल महापुरोहित योसेदेकक पुत्र कहलथिन।

परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ मन् दिर बनेबाक आज्ञा दैत छथि।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

2. भगवानक इच्छाक पालन करबाक आशीर्वाद

1. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

2. यहोशू 1:9 - की हम अहाँ केँ आज्ञा नहि देने छी? मजबूत आ साहसी बनू। डरब नहि, आ घबराहट नहि होउ, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर अहाँ सभक संग छथि।

हग्गै 1:2 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि, “ई लोक सभ कहैत अछि जे, “ओ समय नहि आयल अछि जे परमेश् वरक घर बनत।”

सेना केरऽ प्रभु बोलै छै, जेकरा सें लोगऽ के प्रतिक्रिया व्यक्त करलऽ जाय छै कि प्रभु केरऽ घर बनाबै के समय नै आबी गेलऽ छै ।

1. भगवानक समय एकदम सही अछि

2. अनिश्चितताक सोझाँ आज्ञापालन

1. उपदेशक 3:11 - ओ सभ किछु केँ अपन समय मे सुन्दर बना देने छथि।

2098

2. याकूब 4:17 - तेँ जे नीक काज करब जनैत अछि आ नहि करैत अछि, ओकरा लेल पाप अछि।

हग्गी 1:3 तखन परमेश् वरक वचन हग्गै भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल।

परमेश् वर हग्गै भविष्यवक्ता के माध्यम सँ इस्राएल के लोग सिनी कॅ मन्दिर के पुनर्निर्माण करै के याद दिलाबै लेली कहलकै।

1. परमेश् वर वफादार छथि: मन् दिरक पुनर्निर्माण करबाक स्मरण

2. परमेश् वरक काज केँ प्राथमिकता देब: मंदिरक निर्माणक आह्वान

1. इब्रानी 13:8 - यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।

2. भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि।

हग्गी 1:4 हे अहाँ सभ, की अहाँ सभक लेल अपन घर मे रहबाक समय आबि गेल अछि आ ई घर उजाड़ भ’ गेल अछि?

हग्गी सवाल करै छै कि लोग आलीशान घरऽ में कियैक रह॑ छै जबकि परमेश्वर के मंदिर खंडहर होय गेलऽ छै ।

1. परमेश् वर चाहैत छथि जे हम सभ हुनकर काज केँ अपन काज सँ बेसी प्राथमिकता दी।

2. हमरा सभकेँ सदिखन मोन राखय पड़त जे हमर असली मालिक के छथि।

1. मत्ती 6:33 - मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।”

2. रोमियो 12:1 - तेँ, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ परमेश् वरक दयाक द्वारा विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि।

हग्गी 1:5 आब सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन तरीका पर विचार करू।

सेना सभक परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन बाट पर विचार करथि।

1. पवित्रता के जीवन जीना अपन तरीका पर विचार करू

2. भगवान के प्रेमपूर्ण चेतावनी अपन रास्ता पर विचार करू

1. व्यवस्था 8:11-20 - परमेश्वरक निष्ठा आ प्रावधान पर विचार करू।

2. उपदेशक 12:13-14 - अपन काज पर विचार करू, आ परमेश्वरक आज्ञाक पालन करू।

हग्गी 1:6 अहाँ सभ बहुत बोनि लेने छी आ कम आनैत छी। अहाँ सभ भोजन करैत छी, मुदा अहाँ सभ लग पेट नहि अछि। अहाँ सभ पीबैत छी, मुदा अहाँ सभ पीबैत नहि छी। अहाँ सभ कपड़ा पहिरैत छी, मुदा गरम कियो नहि अछि। जे मजदूरी कमाइत अछि से ओकरा छेद वाला झोरा मे राखि कऽ मजदूरी कमाइत अछि।

इजरायल केरऽ लोगऽ न॑ मेहनत करी रहलऽ छै लेकिन अपनऽ मेहनत केरऽ कोय फायदा नै देखल॑ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ प्रयास ओकरा खाना, पेय या कपड़ा के इंतजाम करै लेली पर्याप्त नै छै ।

1. निष्ठावान काज के आशीर्वाद - अपन मेहनत आ भगवान पर भरोसा के कोना बेसी स बेसी फायदा उठाबी

2. कठिनाईक सामना करैत दृढ़ता - जखन फल कम हो तखनो मेहनत करैत रहबाक महत्व

2099

1. मत्ती 6:19-21 - "पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क' चोरा लैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय पतंग आ कीड़ा नष्ट नहि करैत अछि।" , आ जतऽ चोर सभ घुसि कऽ चोरी नहि करत।

2. कुलुस्सी 3:23-24 "अहाँ सभ जे किछु करब, पूरा मोन सँ करू, जेना प्रभुक लेल काज करू, मनुक्खक मालिकक लेल नहि, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभ केँ प्रभु सँ उत्तराधिकार भेटत। से अछि।" अहाँ प्रभु मसीहक सेवा कऽ रहल छी।

हग्गी 1:7 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अपन तरीका पर विचार करू।

सेना सभक परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ सँ माँग करैत छथि जे ओ सभ अपन बाट पर विचार करथि।

1. भगवानक अनुग्रह मे रहबाक लेल हमरा सभ केँ अपन तरीका पर विचार करबाक चाही।

2. सेना के प्रभु चाहैत छथि जे हम सब चिंतन करी आ नीक के लेल बदलाव करी।

1. यशायाह 55:7 - दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक आ ओ प्रभु लग घुरि जाय आ ओकरा पर दया करत। आ हमरा सभक परमेश् वर केँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

2. याकूब 1:22-25 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि। मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे टिकैत रहत, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल् कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।

हग्गी 1:8 पहाड़ पर चढ़ू आ लकड़ी आनि क’ घर बनाउ। हम एहि मे प्रसन्न होयब, आ हमर महिमा होयत, परमेश् वर कहैत छथि।

ई अंश विश्वासी सिनी कॅ प्रोत्साहित करै छै कि वू अपनऽ विश्वास क॑ काम म॑ लाबै आरू परमेश् वर के घर बनाबै लेली मेहनत करै।

1. "विश्वास आ काज: परमेश् वरक सेवा करबाक की अर्थ अछि?"

2. "विश्वास पर बनल घर: हग्गै हमरा सभ केँ परमेश् वरक सेवा करबाक विषय मे की सिखाबैत छथि"।

1. याकूब 2:14-17 - हमर भाइ लोकनि, जँ कियो कहैत अछि जे ओकरा विश्वास अछि मुदा ओकर काज नहि अछि? की ओ विश्वास ओकरा बचा सकैत अछि?

2. इब्रानी 11:6 - आ बिना विश्वासक ओकरा प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे कियो परमेश् वरक नजदीक आओत, ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ अस्तित्व मे छथि आ हुनका तकनिहार केँ ओ पुरस्कृत करैत छथि।

हग्गी 1:9 अहाँ सभ बहुत किछु ताकलहुँ, आ देखू, ओ कम भेल। जखन अहाँ सभ ओकरा घर अनलहुँ तँ हम ओकरा पर उड़ा देलहुँ। किएक? सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। हमर घर जे उजाड़ भ’ गेल अछि, ताहि कारणेँ अहाँ सभ एक-एक गोटे अपन-अपन घर दिस दौड़ैत छी।

यहूदाक लोक सभ केँ परमेश् वर डाँटैत छथि जे ओ सभ अपन घर बनबैत काल अपन मन् दिरक देखभाल नहि करैत छथि।

1. भगवानक घर बनेनाइ: भगवान् केँ सबसँ पहिने रखबाक आह्वान

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद

1. मत्ती 6:33, मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ बात अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।

2. मलाकी 3:10, पूरा दसम भाग भंडार मे आनू, जाहि सँ हमर घर मे भोजन हो। आ एहि तरहेँ हमरा परीक्षा मे डालब, सेना सभक प्रभु कहैत छथि, जँ हम अहाँ सभक लेल स्वर्गक खिड़की नहि खोलब आ अहाँ सभक लेल आशीर्वाद नहि उझरा देब जाबत धरि आब कोनो आवश्यकता नहि होयत।

हग्गी 1:10 तेँ अहाँ सभक ऊपरक आकाश ओस सँ रोकल गेल अछि आ पृथ् वी अपन फल सँ रोकल गेल अछि।

भगवान् रौदीक कारण बनल छथि जाहि सँ आकाश मे ओस नहि भेटय आ धरती मे फल नहि भेटय।

1. भगवानक दया: भगवान् दुखक अनुमति किएक दैत छथि

2. भगवानक संप्रभुता: संघर्षक पाछूक उद्देश्य केँ बुझब

1. यशायाह 55:8-9 - कारण हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. याकूब 1:2-4 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ विभिन्न तरहक परीक्षा भेटैत अछि तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश्वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

हग्गी 1:11 हम देश, पहाड़, धान, नव मदिरा, तेल, आ जमीन पर जे किछु उत्पन्न करैत अछि, आ मनुष्य पर आ लोक पर रौदीक आह्वान केलहुँ मवेशी, आ हाथक सभ श्रम पर।

परमेश् वर भूमि, पहाड़ आ मनुष् य आ जानवरक सभ श्रम पर रौदीक आह्वान कयलनि।

1. हमर सभक काजक परिणाम - हग्गी 1:11

2. संकट के समय में परमेश्वर के प्रभुत्व - हग्गी 1:11

1. व्यवस्था 28:23-24 - "तोहर माथक ऊपर जे आकाश अछि से पीतल होयत, आ तोहर नीचाँ जे धरती अछि से लोहा होयत। परमेश् वर तोहर देशक वर्षा केँ चूर्ण आ धूरा बना देताह जाबत तोहर नष्ट नहि भऽ जायब ताबत तोरा पर उतरि जाउ।”

2. आमोस 4:7 - "आओर हम अहाँ सभ सँ बरखा रोकने छी, जखन कि फसल काटबाक तीन मास छल, आ हम एक नगर मे बरखा केलहुँ आ दोसर शहर पर बरखा नहि केलहुँ: एक टुकड़ा।" बरखा भेलै, आ जाहि टुकड़ा पर बरखा भेलै, से मुरझाबे नै भेलै।”

हग्गै 1:12 तखन शेलतिएलक पुत्र जरुब्बाबेल आ महापुरोहित योसेदकक पुत्र यहोशू आ सभ लोकक शेष लोकक संग अपन परमेश् वर यहोवाक आ हग्गै भविष्यवक्ताक वचन सभ केँ परमेश् वर जकाँ मानैत रहलाह हुनका सभक परमेश् वर हुनका पठौने छलाह आ लोक सभ परमेश् वरक समक्ष भयभीत भऽ गेल।

जरुब्बाबेल, यहोशू आरू बाकी लोग परमेश् वर के प्रति आदर के कारण प्रभु आरू हग्गै भविष्यवक्ता के वचन के पालन करलकै।

1. परमेश् वरक वचनक पालन करबाक शक्ति

2. सब बात मे भगवान् सँ भय करब

1. व्यवस्था 6:5 - "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।"

2. भजन 111:10 - "प्रभुक भय बुद्धिक आरंभ होइत छैक; एकर पालन करयवला सभ केँ नीक बुझल छनि। हुनकर स्तुति अनन्त काल धरि रहैत छनि!"

2101

हग्गी 1:13 तखन परमेश् वरक दूत हग्गी लोक सभ केँ परमेश् वरक संदेश मे कहलथिन, “हम अहाँ सभक संग छी, परमेश् वर कहैत छथि।”

प्रभु केरऽ दूत हग्गी न॑ लोगऽ क॑ प्रभु केरऽ एगो संदेश के घोषणा करी क॑ ओकरा सिनी क॑ आश्वस्त करी देलकै कि हुनी ओकरा सिनी के साथ छै ।

1. परमेश् वर सदिखन हमरा सभक संग छथि: हग्गी 1:13 मे आराम भेटब

2. परमेश् वरक संग चलब: हग्गी 1:13 मे परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब सीखब

1. यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. इब्रानी 13:5 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

हग्गी 1:14 परमेश् वर यहूदाक राज्यपाल शाल्तिएलक पुत्र जरुब्बाबेल आ महापुरोहित योसेदकक पुत्र यहोशू आ सभ लोकक आत् मा केँ भड़कौलनि। ओ सभ आबि कऽ सेना सभक परमेश् वरक घर मे काज कयलक।

प्रभु राज्यपाल, पुरोहित आ यहूदाक लोकक आत् मा केँ भड़का देलनि, जे तखन प्रभुक घर पर काज करय लगलाह।

1. आत्मा के शक्ति: परमेश् वर हमरऽ दिल आरू हमरऽ जीवन क॑ कोना बदली सकै छै

2. एक संग काज करब: एकता आ समुदायक महत्व

1. प्रेरित 2:1-4 - जखन पेन्टेकोस्टक दिन पूर्ण रूपेण आबि गेल छल तखन ओ सभ एकहि ठाम एक-मति छल।

2. इफिसियों 2:19-22 - आब अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि पवित्र लोक सभक संग संगी छी आ परमेश् वरक घरक सदस्य छी।

हग्गी 1:15 छठम मासक चारिम दिन, राजा दाराक दोसर वर्ष मे।

राजा दारा के 2 साल के 6 महीना के 24 तारीख के दिन हग्गै यहूदा के लोग स बात करलकै।

1. अपन दायित्व पर नजरि नहि हटाउ - हग्गी 1:15

2. जखन परमेश्वर बजैत छथि, तखन सुनू आ आज्ञा मानू - हग्गी 1:15

1. यिर्मयाह 29:5-7 - जाहि नगर मे हम अहाँ केँ निर्वासन मे पठौने छी, ओकर कल्याण ताकू, आ ओकर दिस सँ प्रभु सँ प्रार्थना करू, कारण ओकर कल्याण मे अहाँ केँ अपन कल्याण भेटत।

6. फिलिप्पियों 4:6 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ किछु मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग अपन आग्रह परमेश् वर केँ बताउ।

हग्गी अध्याय 2 हग्गै के भविष्यवाणी के जारी रखै छै, जेकरा में मंदिर के पुनर्निर्माण आरू भविष्य के महिमा पर ध्यान देलऽ गेलऽ छै जे एकरऽ पूर्व अवस्था स॑ भी आगू बढ़ी जैतै । अध्याय में अनुष्ठान के अशुद्धता के मुद्दा आरू लोगऽ पर एकरऽ प्रभाव के भी चर्चा करलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत यहूदा के राज्यपाल जरुब्बाबेल आरू महापुरोहित यहोशू के पास प्रभु के संदेश स॑ होय छै। हुनका सब क॑ मजबूत होय लेली आरू मंदिर के पुनर्निर्माण के काम जारी रखै लेली प्रोत्साहित करलऽ जाय छै, कैन्हेंकि परमेश् वर हुनका सिनी के साथ रहना आरू अपनऽ आशीष प्रदान करै के वादा करै छै (हग्गी २:१-५)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे विधिवत अशुद्धता के मुद्दा के संबोधित कयल गेल अछि | लोक के मोन पाड़ल जाइत अछि जे एक बेर जखन ओ अपना के आ अपन कर्म के शुद्ध क लेताह त हुनकर प्रसाद आ काज के आशीर्वाद भेटत। परमेश् वर हुनका सभ केँ अतीत पर विचार करबाक लेल बजबैत छथि आ हुनकर अशुद्धि हुनका सभक फसल पर कोना प्रभाव पड़लनि, हुनका सभ केँ आग्रह करैत छथि जे आब आज्ञाकारी आ पवित्र भ’ जाथि (हग्गी 2:10-19)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय भविष्य के वैभव के संदेश दैत अछि | परमेश् वर लोक सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ आकाश आ पृथ्वी केँ हिला देताह, राज्य सभ केँ उखाड़ि फेकताह आ शांति आ समृद्धिक समय अनताह। बाद के मंदिर के महिमा पहिलुक मंदिर स बेसी भ जायत, आ परमेश् वर लोक के भरपूर आशीर्वाद देताह (हग्गी 2:6-9, 20-23)।

संक्षेप मे, २.
हग्गी अध्याय 2 मंदिर के पुनर्निर्माण, विधिवत अशुद्धता के मुद्दा आरू भविष्य के महिमा के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै।

जरुब्बाबेल आ यहोशू केँ पुनर्निर्माणक काज जारी रखबाक लेल प्रोत्साहन।
विधिवत अशुद्धता आ शुद्धि के आवश्यकता के मुद्दा के संबोधित करैत।
भविष्य के महिमा के संदेश, भगवान के आशीर्वाद के प्रतिज्ञा आ बाद के मंदिर के अतिशय महिमा के संग।

हग्गै के ई अध्याय के शुरुआत यहूदा के राज्यपाल जरुब्बाबेल आरू महापुरोहित यहोशू के पास प्रभु के तरफ सें एगो संदेश के साथ होय छै, जेकरा में ओकरा सिनी कॅ मजबूत होय के आरू मंदिर के पुनर्निर्माण के काम जारी रखै लेली प्रोत्साहित करलऽ गेलऽ छै। हुनका सब के भगवान के उपस्थिति के आश्वासन देल गेल छैन्ह आ हुनकर आशीर्वाद के वचन देल गेल छैन्ह। एकरऽ बाद अध्याय म॑ विधिवत अशुद्धता के मुद्दा क॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ लोगऽ क॑ ई याद दिलाबै छै कि एक बार जब॑ वू खुद क॑ आरू अपनऽ कर्म क॑ शुद्ध करी लेतै त॑ ओकरऽ प्रसाद आरू काम क॑ आशीर्वाद मिलतै । हुनका सब क॑ अतीत आरू हुनकऽ अशुद्धि के प्रभाव के बारे म॑ विचार करै लेली बोलैलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ हुनका सब स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि हुनी अब॑ आज्ञाकारी आरू पवित्र होय जाय । अध्याय के समापन भविष्य के महिमा के संदेश के साथ होय छै, कैन्हेंकि परमेश् वर आकाश आरू पृथ्वी के हिलाबै के, राज्य के उखाड़ै के आरू शांति आरू समृद्धि के समय लाबै के वादा करै छै। बादक मंदिरक महिमा पूर्वक महिमा सँ आगू भ' जायत, आ परमेश् वर लोक सभ केँ प्रचुर आशीर्वाद देथिन। ई अध्याय में पुनर्निर्माण के काम में दृढ़ता के महत्व, पवित्रता आरू अभिषेक के आवश्यकता, आरू भविष्य के आशीर्वाद आरू महिमा के आशा पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

हग्गै 2:1 सातम मास मे, मासक एक बीसम दिन परमेश् वरक वचन हग्गै भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल।

परमेश् वरक वचन हग्गै भविष्यवक्ता केँ सातम मास मे एकैसम दिन आबि गेलनि।

1. परमेश् वरक वचन पर ध्यान केंद्रित रहब: हग्गै भविष्यवक्ताक उदाहरण

2. आज्ञापालन के शक्ति: हग्गी प्रभु के आज्ञा के कोना पालन करलकै

1. यिर्मयाह 29:13 - "अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब, जखन अहाँ हमरा पूरा मोन सँ खोजब।"

2. याकूब 1:22 - "मुदा अपना केँ धोखा दैत, मात्र सुननिहार नहि, वचनक पालन करयवला बनू।"

हग्गी 2:2 आब यहूदाक राज्यपाल शाल्तिएलक पुत्र जरुब्बाबेल आ महापुरोहित यूसेदेकक पुत्र यहोशू आ शेष लोक सभ सँ ई कहू।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे मंदिरक पुनर्निर्माण जारी राखू।

1. परमेश् वर हमरा सभ केँ अपन प्रतिज्ञा तक पहुँचैत रहबाक लेल बजबैत छथि

2. स्थायी विश्वास: विषमता के विरुद्ध मंदिर के पुनर्निर्माण

2103

1. इब्रानी 11:1 - आब विश्वास अछि जे आशा कयल गेल बातक आश्वासन अछि, जे किछु नहि देखल गेल अछि ताहि पर विश्वास करब अछि।

2. इफिसियों 2:10 - कारण, हम सभ हुनकर कृति छी, मसीह यीशु मे नीक काजक लेल बनाओल गेल छी, जे परमेश् वर पहिने सँ तैयार कएने छलाह, जाहि सँ हम सभ ओहि मे चलब।

हग्गी 2:3 अहाँ सभ मे के बचल अछि जे एहि घर केँ अपन पहिल महिमा मे देखलक? आब अहाँ सभ एकरा कोना देखैत छी? की ई अहाँक नजरि मे नहि अछि जे एकर तुलना मे किछु नहि?

इस्राएल के लोगऽ स॑ कहलऽ जाय छै कि ई बात प॑ विचार करलऽ जाय कि मंदिर केरऽ महिमा कोना कम होय गेलऽ छै आरू कोना ई मंदिर केरऽ पूर्व महिमा के तुलना म॑ कुछ नै छै ।

1. "प्रभुक महिमा अविनाशी अछि"।

2. "बहाली के आवश्यकता"।

1. यशायाह 40:8 - "घास मुरझा जाइत अछि, फूल फीका भ' जाइत अछि, मुदा हमरा सभक परमेश् वरक वचन सदाक लेल ठाढ़ रहत।"

2. भजन 30:5 - "कानब राति धरि रहि सकैत अछि, मुदा भोर मे आनन्द सेहो अबैत अछि।"

हग्गी 2:4 मुदा आब बलवान रहू, हे जरुब्बाबेल, परमेश् वर कहैत छथि। हे महापुरोहित योसेदेकक पुत्र यहोशू, बलवान रहू। हे देशक सभ लोक, बलवान रहू, आ काज करू, किएक तँ हम अहाँ सभक संग छी, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु जरुब्बाबेल, यहोशू आरू देश के सब लोग कॅ मजबूत होय लेली आरू काम करै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि वू ओकरा सिनी के साथ छै।

1: उत्साहित रहू आ प्रभु पर भरोसा करू, कारण ओ अहाँक सभ काज मे अहाँक संग छथि।

2: प्रभु के पक्ष में रहला स अहाँ कोनो चुनौती के सामना क सकैत छी आ सफल भ सकैत छी।

1: यशायाह 41:10 - अहाँ नहि डेराउ; हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

2: इब्रानी 13:5-6 - अहाँक गप्प-सप्प मे लोभ नहि हो। अहाँ सभ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, किएक तँ ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।” जाहि सँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक कहि सकैत छी जे, “प्रभु हमर सहायक छथि, आ हम एहि बात सँ डरब नहि जे मनुष् य हमरा संग की करत।”

हग्गी 2:5 जेना हम अहाँ सभ मिस्र सँ निकलला पर अहाँ सभ सँ वाचा केने रही, तेना हमर आत् मा अहाँ सभक बीच रहैत अछि।

ई अंश परमेश् वर केरऽ अपनऽ लोगऽ के प्रति वचन के बात करै छै कि ओकरऽ आत्मा ओकरा सिनी के साथ रहतै आरू डर नै छै ।

1. "डर नहि करू: भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा"।

2. "प्रभुक सान्निध्य मे रहब: हमरा सभक संग भगवानक वाचा"।

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. इब्रानी 13:5 - अपन जीवन केँ पाइक प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।

2104

हग्गी 2:6 किएक तँ सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। तइयो एक बेर, कनि काल भ’ गेल अछि, आ हम आकाश, पृथ्वी, समुद्र आ शुष्क भूमि केँ हिला देब।

भगवान् वचन देलखिन जे थोड़ेक काल मे ओ आकाश, धरती, समुद्र आ शुष्क भूमि केँ हिला देताह।

1. नव स्वर्ग आ नव पृथ्वीक परमेश् वरक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक वचनक शक्ति आ हुनकर पुनर्स्थापनक प्रतिज्ञा

1. इब्रानी 12:26-27, "ओहि समय मे हुनकर आवाज पृथ्वी केँ हिला देलक, मुदा आब ओ वचन देलनि जे, हम एक बेर फेर पृथ्वी केँ नहि, बल्कि आकाश केँ सेहो हिला देब। शब्द एक बेर फेर जे भ' सकैत अछि, तकरा हटबाक संकेत दैत अछि।" हिला देल गेल अर्थात् वस्तु के सृजित कयल जे जे हिलल नहि जा सकैत अछि से रहय।

2. यशायाह 51:16, "हम अपन बात अहाँक मुँह मे राखि देलहुँ आ अहाँ केँ अपन हाथक छाया सँ झाँपि देलहुँ हम जे आकाश केँ ठाढ़ केने छी, जे पृथ्वीक नींव रखलहुँ आ जे सियोन केँ कहैत छी जे, अहाँ हमर छी।" लोक. "

हग्गी 2:7 हम सभ जाति केँ हिला देब, आ सभ जातिक इच्छा आबि जायत, आ हम एहि घर केँ महिमा सँ भरब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर सभ जाति केँ हिला देताह आ सभ लोकक इच्छा केँ पूरा करताह, आ हुनकर महिमा प्रभुक घर मे भरि देताह।

1. परमेश् वरक महिमा मे रहब: हुनकर उपस्थिति केँ ग्रहण करब आ साझा करब सीखब

2. राष्ट्र आ प्रतिज्ञा: पूरा हेबाक की अर्थ होइत छैक?

1. भजन 145:3 - प्रभु महान छथि, आ बहुत प्रशंसा करबाक चाही; आ ओकर महानता अनजान अछि।

2. यशायाह 61:3 - सियोन मे शोक करयवला सभ केँ राखब, ओकरा सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य, शोकक बदला मे आनन्दक तेल, भारीपनक आत् माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देब। जाहि सँ ओ सभ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, जे परमेश् वरक रोपनी अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा होबाक चाही।

हग्गै 2:8 चानी हमर अछि आ सोना हमर अछि, सेना सभक प्रभु कहैत छथि।

भगवान् सबहक प्रभु छथि आ सब पर मालिकाना हक रखैत छथि ।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: सेना सभक प्रभु

2. भगवानक प्रावधान: चानी आ सोना

1. भजन 24:1 पृथ्वी प्रभुक अछि आ ओकर पूर्णता। संसार आ ओहि मे रहनिहार सभ।

2. याकूब 1:17 सभ नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, आ इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तनशीलता आ ने घुमबाक छाया अछि।

हग्गी 2:9 सेनाक परमेश् वर कहैत छथि जे एहि बादक घरक महिमा पहिने सँ बेसी होयत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे बादक घरक महिमा पूर्वक घर सँ बेसी होयत आ एहि ठाम शान्ति देल जायत।

1. परमेश् वरक बेसी महिमा आ शान्तिक प्रतिज्ञा

2. प्रभुक प्रतिज्ञा: एकटा पैघ घर आ शांति

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि। ओकर कान्ह पर सरकार रहतैक आ ओकर नाम अद्भुत परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश् वर, अनन्त पिता, शान्तिक राजकुमार कहल जायत।

2. भजन 122:6-7 - यरूशलेम के शांति के लेल प्रार्थना करू! जे अहाँ स प्रेम करैत छथि ओ सुरक्षित रहथि! अहाँक देबाल के भीतर शांति आ टावर के भीतर सुरक्षा हो!

हग्गी 2:10 नौम मासक चौबीसम दिन दाराक दोसर वर्ष मे परमेश् वरक वचन हग्गै भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल।

दारा केरऽ दोसरऽ साल केरऽ ९ महीना के २४ तारीख के बारे में प्रभु भविष्यवक्ता हग्गै सें बात करलकै ।

1. परमेश् वरक समय एकदम सही अछि - हग्गी 2:10 क अध्ययन

2. एकटा भविष्यवक्ता के आवाज के शक्ति आ अधिकार - हग्गी 2:10

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. प्रेरित 1:7 - "ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, अहाँ सभ केँ ई जानब नहि जे पिता अपन अधिकार सँ जे समय वा तिथि निर्धारित केने छथि।"

हग्गै 2:11 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। आब पुरोहित सभ सँ धर्म-नियमक विषय मे पूछू।

सेनापति लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे पुरोहित सभ सँ व्यवस्थाक विषय मे पूछू।

1. प्राधिकरणक आंकड़ा स मार्गदर्शन लेबाक महत्व

2. नियम जानबाक आ पालन करबाक दायित्व

1. याकूब 1:5 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. यूहन्ना 7:16-17 - यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “हमर शिक्षा हमर नहि, बल् कि हमरा पठेनिहारक अछि।” जँ केओ अपन इच् छा पूरा करऽ चाहैत अछि तँ ओकरा बुझल हेतैक जे ई शिक्षा परमेश् वरक अछि आकि हम अपना सँ बजैत छी।

हग्गी 2:12 जँ केओ अपन वस्त्रक पटरी मे पवित्र मांस धारण करैत अछि आ अपन वस्त्र सँ रोटी, बर्तन, मदिरा, तेल, वा कोनो मांस केँ छुबैत अछि तँ की ओ पवित्र होयत? पुरोहित सभ उत्तर देलथिन, “नहि।”

पुरोहित लोकनि उत्तर देलथिन जे पवित्र मांस भले रोटी, पोटेज, मदिरा, तेल वा कोनो मांस केँ छुबैत हो, मुदा ओकरा पवित्र नहि क' सकैत अछि।

1: हमरा सभकेँ सावधान रहबाक चाही जे ई नहि सोचू जे संगतिसँ पवित्रता प्राप्त कएल जा सकैत अछि ।

2: पवित्रता हस्तांतरणीय नहि होइत छैक; एकरा अपन कर्म के माध्यम स प्राप्त करय पड़त।

1: मत्ती 5:48 - तेँ अहाँ सभ सिद्ध रहू, जेना अहाँक पिता जे स् वर्ग मे छथि, सिद्ध छथि।

2: रोमियो 12:1-2 - तेँ भाइ लोकनि, परमेश् वरक दयाक द्वारा हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे अहाँ सभ अपन शरीर केँ जीवित बलिदान, पवित्र आ परमेश् वरक स्वीकार्य बलिदानक रूप मे प्रस्तुत करू, जे अहाँ सभक उचित सेवा अछि। आ एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अहाँ सभ

2106

अपन मनक नवीकरण सँ बदलि जाउ, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वरक इच् छा की नीक, स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

हग्गी 2:13 तखन हग्गै कहलथिन, “जँ केओ मृत् यु सँ अशुद्ध अछि तँ एहि मे सँ कोनो एकटा केँ स्पर्श करैत अछि तँ की ओ अशुद्ध होयत?” पुरोहित सभ उत्तर देलथिन, “ई अशुद्ध होयत।”

हग्गै पवित्रता आरू मृतक द्वारा अशुद्ध नै होय के महत्व पर जोर दै छै।

1. पवित्र जीवन जीना: विरह के महत्व

2. भगवान् के प्रति समर्पित: अशुद्धता स निपटबाक आवश्यकता

२. एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि रहू, अपितु अपन मनक नवीनीकरण सँ रूपांतरित भ' जाउ।

2. इब्रानी 12:14 सभक संग शांति मे रहबाक आ पवित्र रहबाक पूरा प्रयास करू। पवित्रताक बिना केओ प्रभु केँ नहि देखत।

हग्गी 2:14 तखन हग्गी उत्तर देलथिन, “ई लोक सभ तहिना अछि आ हमरा सामने ई जाति सेहो एहने अछि।” आ तहिना हुनका सभक हाथक हर काज अछि। ओतय जे चढ़ाबैत छथि से अशुद्ध अछि।

हग्गी परमेश् वरक दिस सँ बजैत छथि आ कहैत छथि जे लोक आ ओकर काज हुनकर नजरि मे अशुद्ध अछि।

1. परमेश् वरक पवित्रता: पश्चातापक आह्वान

2. भगवान् के आज्ञापालन के महत्व

1. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि।

2. रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि; मुदा परमेश् वरक वरदान हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा अनन्त जीवन अछि।

हग्गै 2:15 आब, अहाँ सभ सँ आग्रह करू जे, परमेश् वरक मन् दिर मे पाथर पर पाथर बिछाओल गेलाक पहिने सँ आइ सँ ऊपर धरि विचार करू।

हग्गै इस्राएल के लोगऽ क॑ प्रोत्साहित करै छै कि वू मंदिर केरऽ पुनर्निर्माण म॑ जे प्रगति करलऽ गेलऽ छै, ओकरा पर चिंतन करै लेली जे पहिलऽ पत्थर बिछलऽ गेलऽ छेलै ।

1. अपन प्रगति पर पाछू घुमि क' देखबाक आ अपन लक्ष्य धरि पहुँचबाक लेल जे कदम उठौने छी ओकर सराहना करबाक महत्व।

2. चिंतन के शक्ति जे हमरा सब के अपन प्रयास में प्रेरित आ प्रोत्साहित रहय में मदद करत।

1. फिलिप्पियों 3:13-14 - " भाइ लोकनि, हम अपना केँ पकड़ने नहि मानैत छी, मुदा हम ई एकटा काज करैत छी, पाछूक बात सभ केँ बिसरि क' आ आगूक बात सभ दिस बढ़ि क' निशान दिस बढ़ैत छी।" मसीह यीशु मे परमेश् वरक उच्च आह्वानक पुरस्कार।”

2. उपदेशक 3:15 - "जे छल से एखन अछि; आ जे होबय बला अछि से पहिने सँ अछि; आ परमेश् वर बीतल बात चाहैत छथि।"

हग्गै 2:16 जखन कियो बीस नाप के ढेर पर पहुँचैत छल तखन मात्र दस टा छल, जखन कियो चर्बी मे पचास बर्तन निकालय लेल अबैत छल तखन मात्र बीस टा छल।

इस्राएल के लोग संसाधन के घोर कमी के शिकार छेलै।

1. भगवान वफादार छथि - जखन हमर संसाधन कम होयत तखनो ओ प्रबंध करताह।

2107

2. भगवानक प्रावधान हमरा सभक सभ आवश्यकताक लेल पर्याप्त अछि।

1. हग्गै 2:16-17

2. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे महिमा मे अपन धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकताक पूर्ति करताह।

हग्गी 2:17 हम अहाँक हाथक सभ परिश्रम मे अहाँ केँ धमाका, फफूंदी आ ओला सँ मारि देलहुँ।
तैयो अहाँ सभ हमरा दिस नहि घुरलहुँ, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर हग्गै के लोग सिनी कॅ तरह-तरह के विपत्ति के सजा देलकै, तभियो भी वू लोग पश्चाताप नै करलकै।

1: हमरा सभ केँ विपत्तिक सामना करैत सेहो भगवान् दिस घुमबाक चाही, कारण ओ हमर सभक एकमात्र आशा छथि।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे भगवान् हमरा सभ केँ सजा देथिन जाहि सँ ओ हमरा सभ केँ अपना लग वापस खींच सकथि।

1: रोमियो 6:23 - पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।

2: मत्ती 4:17 - ओहि समय सँ यीशु प्रचार करय लगलाह, "पश्चाताप करू, कारण स् वर्गक राज् य नजदीक आबि गेल अछि।"

हग्गी 2:18 आइ सँ ऊपर, नवम मासक बीसम चारि दिन सँ, जाहि दिन सँ परमेश् वरक मन् दिरक नींव राखल गेल छल, ताहि दिन सँ एहि पर विचार करू।

परमेश् वर इस्राएल के लोग सिनी कॅ कहै छै कि जे दिन परमेश् वर के मंदर के नींव रखलौ गेलौ छेलै, ओकरा पर चिंतन करै, जे नौवां महीना के 24 तारीख स॑ शुरू होय छै।

1. भगवानक काज पर चिंतन करबाक महत्व

2. नवम मासक 24 म दिनक महत्व

1. भजन 105:4 प्रभु आ हुनकर शक्तिक खोज करू, हुनकर मुँह सदिखन ताकैत रहू।

2. इफिसियों 5:15-17 तखन ध्यान सँ देखू जे अहाँ कोना अबुद्धिमान नहि बल् कि बुद्धिमान जकाँ चलैत छी, समयक सदुपयोग करैत, किएक तँ दिन अधलाह अछि। तेँ मूर्ख नहि बनू, बल् कि प्रभुक इच्छा की होइत छैक से बुझू।

हग्गी 2:19 की बीया एखन धरि कोठी मे अछि? हँ, एखन धरि बेल, अंजीरक गाछ, अनार आ जैतूनक गाछ नहि निकलल अछि।

भगवान् अपन लोक केँ हुनका पर भरोसा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि भले हुनकर वर्तमान स्थिति निराशाजनक बुझाइत हो - ओ आइ सँ हुनका आशीर्वाद देथिन।

1. कठिन समय मे सेहो भगवान एखनो हमरा सभ केँ आशीर्वाद द' रहल छथि

2. अनिश्चितताक बीच भगवान् पर भरोसा करब

1. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।"

2. याकूब 1:17 - "सब नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।"

2108

हग्गी 2:20 फेर परमेश् वरक वचन मासक चौबीसम दिन हग्गै लग आबि गेलनि जे।

परमेश् वर मासक 24 म दिन हग्गै सँ गप्प करैत छथि।

1. परमेश् वरक समय एकदम सही अछि - हग्गी 2:20

2. प्रभु सँ मार्गदर्शन ताकब - हग्गी 2:20

1. याकूब 4:13-15 - आब आऊ, अहाँ सभ जे कहैत छी, आइ वा काल्हि हम सभ फल्लाँ नगर मे जा कए ओतय एक साल बिताब आ व्यापार करब आ मुनाफा कमायब

2. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

हग्गी 2:21 यहूदाक गवर्नर जरुब्बाबेल सँ ई कहब जे हम आकाश आ पृथ् वी केँ हिला देब।

भगवान् परिवर्तन लाबय लेल आकाश आ धरती के हिला रहल छथि।

1: एकटा आह्वान - भगवान परिवर्तन अनबाक लेल आकाश आ पृथ्वी केँ हिला रहल छथि, आ हमरा सभ केँ परमेश्वरक आह्वानक प्रतिक्रिया देबय पड़त।

2: परमेश् वरक शक्ति - परमेश् वरक शक्ति पराक्रमी अछि आ ओ परिवर्तन अनबाक लेल आकाश आ धरती केँ हिलाबय मे सक्षम छथि।

1: रोमियो 12:2 - "एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।"

2: इफिसियों 6:10-13 - "अंत मे प्रभु मे आ हुनकर सामर्थ्य मे बलवान बनू। परमेश् वरक समस्त कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब। किएक तँ हम सभ करैत छी।" मांस आ खूनक विरुद्ध नहि, बल्कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करू, तेँ परमेश् वरक समस्त कवच लऽ लिअ, जाहि सँ अहाँ सभ सक्षम भ' सकब अधलाह दिन मे सहन करब, आ सभ किछु क' क' दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब।"

हग्गै 2:22 हम राज्य सभक सिंहासन केँ उखाड़ि देब, आ गैर-जातिक राज्य सभक सामर्थ् य केँ नष्ट कऽ देब। हम रथ आ ओहि मे सवार लोक सभ केँ उखाड़ि देब। घोड़ा आ ओकर सवार सभ अपन भायक तलवार पकड़ि कऽ उतरत।

परमेश् वर राज्य सभ केँ उखाड़ि कऽ विधर्मी जाति सभक सामर्थ् य केँ नष्ट कऽ देताह आ ओकर रथ आ सवार सभ एक-दोसरक तलवार सँ मारल जायत।

1. जाति आ राज्य पर परमेश् वरक सामर्थ् य

2. भगवान् केरऽ आज्ञा नै मानला के अंतिम परिणाम

1. यशायाह 40:15-17 - "देखू, जाति सभ लोटाक बूंद जकाँ अछि आ तराजू पर धूरा जकाँ मानल जाइत अछि; देखू, ओ तटीय क्षेत्र सभ केँ महीन धूरा जकाँ उठा लैत अछि। लेबनान ईंधन लेल पर्याप्त नहि होयत। आ ने ओकर पशु होमबलि के लेल पर्याप्त अछि।

2. दानियल 4:34-35 - दिनक अंत मे हम नबूकदनेस्सर अपन नजरि स्वर्ग दिस उठौलहुँ, आ हमर तर्क हमरा दिस घुरि गेल, आ हम परमात्मा केँ आशीर्वाद देलहुँ, आ जे अनन्त काल धरि जीबैत छथि, हुनकर प्रशंसा आ सम्मान केलहुँ, हुनकर लेल प्रभु एकटा अनन्त शासन अछि, आ ओकर राज्य पीढ़ी- दर-पीढ़ी टिकैत अछि। पृथ्वी पर रहनिहार सभ केँ किछुओ नहि मानल जाइत छैक, आ ओ स् वर्गक सेना आ पृथ् वीक निवासी सभक बीच अपन इच्छाक अनुसार काज करैत अछि। आ कियो ओकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने ओकरा कहि सकैत अछि जे “अहाँ की केलहुँ?”

हग्गी 2:23 सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे, हम अहाँ केँ सलातीएलक पुत्र जरुब्बाबेल, हमर सेवक, अहाँ केँ चिह्न बना देब, किएक तँ हम अहाँ केँ चुनने छी सेना के प्रभु।

प्रभु जरुब्बाबेल केँ चिन्हक रूप मे चुनताह, आ ओकरा चुनल गेलाक कारणेँ आशीर्वाद देथिन।

1. "चयनित सेवक के प्रभु के आशीर्वाद"।

2. "प्रभुक अनुग्रह मे रहब"।

1. यशायाह 43:1-5

2. रोमियो 8:28-30

जकरयाह अध्याय १ जकरयाह के किताब के शुरुआत के रूप में चिन्हित करै छै आरू प्रभु के तरफऽ स॑ दर्शन आरू संदेश के एक श्रृंखला के परिचय दै छै । अध्याय पश्चाताप के आह्वान आरू इस्राएल के लोगऽ लेली बहाली के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत प्रभु के तरफऽ स॑ जकरयाह के पास एगो संदेश स॑ होय छै, जेकरा म॑ लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि हुनी हुनका पास वापस आबी क॑ अपनऽ दुष्कर्म स॑ पश्चाताप करै । प्रभु हुनका लोकनिक पूर्वजक आज्ञा नहि मानैत छथि आ हुनका लोकनिक सामना करय बला परिणामक चेतावनी दैत छथि | ओ हुनका सभ केँ भविष्यवक्ता सभक वचन पर ध्यान देबाक लेल बजबैत छथि आ हुनका दिस घुरबाक लेल कहैत छथि (जकर्याह 1:1-6)।

दोसर पैराग्राफ: जकरयाह तखन राति मे दर्शनक श्रृंखला दैत छथि | पहिल दर्शन एकटा आदमी के छै जे मर्टल के गाछ के बीच लाल घोड़ा पर सवार छै, जे यरूशलेम के प्रति परमेश्वर के चिंता आरू करुणा के प्रतीक छै। ओ आदमी रिपोर्ट करैत अछि जे जाति सभ आराम सँ अछि जखन कि यरूशलेम खंडहर मे अछि (जकर्याह 1:7-17)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन प्रथम दर्शन के व्याख्या के साथ होता है | प्रभु यरूशलेम के लेलऽ उत्साही रहना आरू दया के साथ वापस आबै के आरू शहर के पुनर्निर्माण करै के प्रतिज्ञा करै छै। ओ जकरयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जे मंदिरक पुनर्निर्माण होयत आ यरूशलेम एक बेर फेर सँ लोक सभ सँ भरल होयत आ समृद्धि होयत (जकराह 1:18-21)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 1 में प्रभु के तरफऽ स॑ दर्शन आरू संदेशऽ के एक श्रृंखला के परिचय देलऽ गेलऽ छै, जे पश्चाताप के आह्वान आरू इस्राएल के लोगऽ लेली बहाली के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै ।

जकरयाह केँ प्रभुक संदेश, लोक सभ केँ पश्चाताप करबाक आग्रह करैत।
मर्टल के गाछ के बीच लाल घोड़ा पर सवार आदमी के दर्शन, जे यरूशलेम के प्रति परमेश् वर के चिंता के प्रतीक छेकै।
यरूशलेम के प्रति परमेश् वर के उत्साह, मंदिर के पुनर्निर्माण आरू शहर के समृद्धि के प्रतिज्ञा।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत प्रभु के तरफऽ स॑ जकरयाह के पास एगो संदेश स॑ होय छै, जेकरा म॑ लोगऽ स॑ आग्रह करलऽ गेलऽ छै कि हुनी हुनका पास वापस आबी क॑ अपनऽ बुरा कामऽ स॑ पश्चाताप करै । प्रभु हुनका सभ केँ अपन पूर्वजक आज्ञा नहि मानैत छथि आ भविष्यवक्ता सभक वचन पर ध्यान देबाक लेल बजबैत छथि | तखन जकरयाह केँ राति मे दर्शनक श्रृंखला भेटैत छनि। पहिल दर्शन एकटा आदमी के छै जे मर्टल के गाछ के बीच लाल घोड़ा पर सवार छै, जे यरूशलेम के प्रति परमेश्वर के चिंता आरू करुणा के प्रतीक छै। ओ आदमी रिपोर्ट करै छै कि राष्ट्र सब आराम में छै जबकि यरूशलेम खंडहर में छै। अध्याय के समापन पहिल दर्शन के व्याख्या के साथ होय छै, जहाँ प्रभु यरूशलेम के लेलऽ उत्साही रहना, दया के साथ वापस आबै के आरू शहर के पुनर्निर्माण के वादा करै छै। ओ जकरयाह केँ आश्वस्त करैत छथि जे मंदिरक पुनर्निर्माण होयत आ यरूशलेम एक बेर फेर सँ लोक सभ सँ भरल होयत आ समृद्धि होयत। ई अध्याय पश्चाताप के आह्वान, पुनर्स्थापन के आशा आरू परमेश्वर के अपनऽ चुनलऽ शहर के चिंता पर जोर दै छै।

जकर्याह 1:1 आठम मास मे, दाराक दोसर वर्ष मे, परमेश् वरक वचन बेराकियाक पुत्र जकरयाह, इद्दो भविष्यवक्ताक पुत्र केँ कहल गेलनि।

परमेश् वरक वचन बेराकियाक पुत्र जकर्याह लग आबि गेलनि।

1. भविष्यवक्ता के उपलब्ध कराबै में परमेश् वर के निष्ठा

2. भविष्यवाणी सेवा के लेल हमर आह्वान के आत्मसात करब

1. यशायाह 55:11 - हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत, ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि ओ हमरा जे चाहब से पूरा करत, आ जाहि वस्तु मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।

2. यिर्मयाह 23:20-22 - जाबत धरि ओ अपन हृदयक विचार केँ पूरा नहि क’ लेत ता धरि प्रभुक क्रोध नहि घुरि जायत। हम एहि प्रवक् ता सभ केँ नहि पठौने छी, तैयो ओ सभ दौड़ल, हम हुनका सभ सँ बात नहि केलहुँ, तैयो ओ सभ भविष्यवाणी कयलनि। मुदा जँ ओ सभ हमर विचार मे ठाढ़ रहितथि आ हमर लोक केँ हमर बात सुनि लेने रहितथि तऽ ओ सभ ओकरा सभ केँ अपन दुष् ट रस्ता सँ आ अपन अधलाह काज सँ मोड़ि दितथि।

जकरयाह 1:2 परमेश् वर अहाँ सभक पूर्वज सभ सँ बहुत नाराज छथि।

पिताक कर्मसँ प्रभु नाराज छथि ।

1: हमरा सब के अपन पिता के गलती स सीख लेबाक चाही आ आइ नीक निर्णय लेबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र करबाक चाही आ अपन पूर्वजक पापक क्षमा माँगबाक चाही।

1: नीतिवचन 22:6 - बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जाहि पर ओ जेबाक चाही, आ जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।

2: दानियल 9:18-19 - हे हमर परमेश् वर, कान झुका कऽ सुनू। आँखि खोलि कऽ देखू, हमरा सभक उजाड़ आ अहाँक नाम सँ बजाओल गेल नगर, किएक तँ हम सभ अपन धार्मिकताक लेल अहाँक सोझाँ अपन विनती नहि, बल् कि अहाँक पैघ दयाक लेल प्रस्तुत करैत छी।

जकरयाह 1:3 तेँ अहाँ हुनका सभ केँ कहू जे, सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ हमरा दिस घुरू, आ हम अहाँ सभ दिस घुरब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ हुनका दिस मुड़बाक लेल आवाज दैत छथि, आ बदला मे ओ हुनका सभ दिस मुड़बाक वचन दैत छथि।

1. "पश्चाताप के सौन्दर्य: जकरयाह 1:3 के प्रतिज्ञा के परीक्षण"।

2. "परमेश् वरक घुरबाक आमंत्रण: जकरयाह 1:3 क दया"।

1. योएल 2:12-13 - "तेँ आब, परमेश् वर कहैत छथि, अहाँ सभ अपन पूरा मोन सँ, उपवास सँ, कानब आ शोक सँ हमरा दिस घुमि जाउ। आ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस घुरू, किएक तँ ओ कृपालु आ दयालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ बहुत दयालु छथि आ हुनका पर अधलाह काज पर पश्चाताप करैत छथि।”

2. 2 इतिहास 7:14 - "जँ हमर लोक, जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, अपना केँ नम्र बना लेत, प्रार्थना करत, आ हमर मुँह तकत, आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़त, तखन हम स् वर्ग सँ सुनब आ ओकरा सभ केँ क्षमा करब।" पाप करब, आ ओकरा सभक देश केँ ठीक करत।”

जकरयाह 1:4 अहाँ सभ अपन पूर्वज जकाँ नहि बनू, जिनका सभ सँ पहिने के भविष्यवक्ता सभ पुकारैत छलाह जे, “सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि।” आब अहाँ सभ अपन अधलाह बाट आ अधलाह काज सँ मुड़ि जाउ, मुदा ओ सभ हमरा नहि सुनलक आ नहि सुनलक, परमेश् वर कहैत छथि।

सेना के परमेश् वर लोकक पूर्वज सभ केँ एकटा संदेश दैत छथिन जे हुनका सभ केँ अपन दुष् ट मार्ग आ कर्म सँ मुँह मोड़ि दियौक, मुदा ओ सभ सुनबा सँ मना कऽ दैत छथि।

1. प्रलोभन पर विजय प्राप्त करब - भगवानक आवाज सुनब आ बुराई सँ मुँह मोड़ब सीखब।

2. पश्चाताप के शक्ति - पाप स मुँह मोड़बाक आ मोक्ष तकबाक शक्ति प्राप्त करब।

1. नीतिवचन 14:12 - "एकटा एहन बाट होइत छैक जे मनुष्य केँ ठीक बुझाइत छैक, मुदा ओकर अंत मृत्युक बाट छैक।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

जकरयाह 1:5 अहाँक पूर्वज, ओ सभ कतय छथि? आ भविष्यवक्ता सभ, की ओ सभ अनन्त काल धरि जीबैत छथि?

जकरयाह अतीत के पिता आरू भविष्यवक्ता के नश्वरता पर सवाल उठाबै छै।

1. हमरा सभक पिता हमरा सभक लेल आस्थाक एकटा एहन विरासत छोड़ि गेल छथि जकरा कायम रखबाक प्रयास करबाक चाही।

2. हमरा सभ केँ ई मोन राखय पड़त जे हमर सभक भविष्यवक्ता आ पिता सेहो नश्वर छथि, आ हम सभ सेहो एक दिन बीति जायब।

1. इब्रानी 11:13-17 - ई सभ विश् वास मे मरि गेलाह, प्रतिज्ञा नहि पाबि, बल् कि ओकरा सभ केँ दूर सँ देखि, ओकरा सभ केँ मना लेलनि, आ गला लगा लेलनि आ स्वीकार कयलनि जे ओ सभ पृथ् वी पर परदेशी आ तीर्थयात्री छथि।

2. उपदेशक 3:1-2 - सभ किछुक समय होइत छैक, आ स् वर्गक नीचाँ सभ काजक समय होइत छैक: जन्मक समय आ मरबाक समय होइत छैक।

जकरयाह 1:6 मुदा हमर बात आ हमर नियम, जे हम अपन सेवक भविष्यवक्ता सभ केँ आज्ञा देने छलहुँ, की ओ सभ अहाँ सभक पूर्वज केँ नहि पकड़लक? ओ सभ घुरि कऽ कहलथिन, “जेना सेना सभक परमेश् वर हमरा सभक बाट आ हमरा सभक काजक अनुसार हमरा सभक संग करबाक विचार कयलनि।”

1: हमरा सभक लेल परमेश् वरक योजना अछि जे हमरा सभ केँ हुनका लग वापस अनबाक अछि, चाहे हमर सभक पाप आ उल्लंघन किछुओ किएक नहि हो।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक विधानक पालन करबाक चाही आ अपन जीवनक लेल हुनकर योजना पर भरोसा करबाक चाही, ओहो तखन जखन हमर सभक परिस्थिति कठिन बुझाइत हो।

1: रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि, सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

2: यिर्मयाह 29:11 - किएक तँ हम अहाँ सभक प्रति जे विचार सोचैत छी से हम जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, शान्तिक विचार, अधलाह नहि, जे अहाँ सभ केँ अपेक्षित अंत देब।

जकरयाह 1:7 एगारहम मासक चौबीसम दिन, जे सेबत मास अछि, दाराक दोसर वर्ष मे, परमेश् वरक वचन इद्दो भविष्यवक्ता बेराकियाक पुत्र जकरयाह केँ कहल गेलनि, २.

दारा के दोसर वर्ष के 11 महीना के 24 तारीख के दिन परमेश् वर बेराकिया आ इद्दो भविष्यवक्ता के पुत्र जकरयाह सँ बात केलनि।

1. भगवानक समय एकदम सही अछि

2. भविष्यवाणीक शक्ति

2112

1. यशायाह 55:8-9 - "हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि, आ अहाँक बाट हमर बाट नहि अछि, प्रभु कहैत छथि। किएक तँ जहिना आकाश पृथ् वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर।" अहाँक विचारसँ बेसी विचार।"

2. रोमियो 8:28-29 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि अपन पुत्रक प्रतिरूपक रूप मे, जाहि सँ ओ बहुतो भाय मे जेठ बनि जाय।”

जकरयाह 1:8 हम राति मे देखलहुँ जे एकटा आदमी लाल घोड़ा पर सवार छल, आ ओ मर्दिक गाछक बीच मे ठाढ़ छल जे नीचाँ मे छल। ओकर पाछू लाल घोड़ा, धब्बादार आ उज्जर घोड़ा छलैक।

मार्ग जकरयाह एकटा आदमी के लाल घोड़ा पर सवार देखलनि जे नीचा मे मर्टल के गाछ के बीच ठाढ़ छल, ओकर पाछू लाल, धब्बादार आ उज्जर घोड़ा।

1: भगवान हमरा सब पर सदिखन नजरि रखैत छथि।

2: हमरा सभ केँ परमेश् वरक सामर्थ् य आ न्यायक गुणक अनुकरण करबाक प्रयास करबाक चाही।

1: भजन 121:3-4 - ओ अहाँक पैर नहि हिलय देत; जे अहाँकेँ राखत, से नींद नहि लागत। देखू, जे इस्राएलक रक्षा करैत अछि, से ने सुतत आ ने सुतत।

2: यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत छथि, ओ सभ अपन शक्ति नव बना लेताह।
गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। दौड़त आ थाकि नहि जायत। चलत आ बेहोश नहि होयत।

जकरयाह 1:9 तखन हम कहलियनि, “हे हमर मालिक, ई सभ की अछि? हमरा संग गप्प करनिहार स् वर्गदूत हमरा कहलथिन, “हम अहाँ केँ देखा देब जे ई सभ की अछि।”

प्रभु एकटा स् वर्गदूत पठाबैत छथि जे जकरयाह के ओहि दर्शन के बारे में पूछल गेल सवाल के जवाब देल जाय।

1. प्रभु सँ उत्तर कोना ताकल जाय

2. प्रश्न पूछबाक महत्व

1. याकूब 1:5-8 - जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक कमी अछि तँ ओ परमेश् वर सँ माँगय जे सभ लोक केँ उदारतापूर्वक दैत छथि आ डाँट नहि करैत छथि। आ ओकरा देल जेतै।

2. नीतिवचन 2:2-5 - जाहि सँ अहाँ अपन कान बुद्धि दिस झुकाउ आ अपन मोन केँ बुझबाक लेल लगाउ। हँ, जँ अहाँ ज्ञानक पाछाँ चिचियाइत छी आ बुझबाक लेल आवाज उठबैत छी। जँ अहाँ ओकरा चानी जकाँ तकैत छी आ ओकरा नुकायल खजाना जकाँ तकैत छी। तखन अहाँ परमेश् वरक भय बुझब आ परमेश् वरक ज्ञान पाबि लेब।

जकरयाह 1:10 मर्टल गाछक बीच ठाढ़ आदमी उत्तर देलक आ कहलक, “ई सभ छथि जिनका सभ परमेश् वर पृथ्वी पर एम्हर-ओम्हर घुमबाक लेल पठौलनि अछि।”

प्रभु लोक सभ केँ पृथ्वी पर घुमबाक लेल पठौलनि।

1: हमरा सभ केँ प्रभुक पदचिह्न पर चलबाक लेल बजाओल गेल अछि।

2: प्रभुक उदाहरणक अनुकरण करू आ उद्देश्य आ इरादाक संग चलू।

1: मत्ती 28:19-20 - तेँ जाउ आ सभ जाति केँ शिष्य बनाउ, ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत् माक नाम सँ बपतिस् मा दिअ आ ओकरा सभ केँ सिखाउ जे हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देलहुँ, ओकर पालन करबाक लेल। आ निश्चय हम सदिखन अहाँक संग छी, युगक एकदम अंत धरि।

2: कुलुस्सी 1:10 - जाहि सँ अहाँ सभ प्रभुक योग्य जीवन जीबी आ सभ तरहेँ हुनका प्रसन्न करी।
2113

जकरयाह 1:11 ओ सभ प्रभुक स् वर्गदूत केँ उत्तर देलथिन जे मृग गाछ सभक बीच मे ठाढ़ छलाह, “हम सभ पृथ् वी मे एम्हर-ओम्हर घुमलहुँ, आ देखू, समस्त पृथ्वी स्थिर अछि आ आराम मे अछि।”

प्रभुक स् वर्गदूत मर्टल गाछक बीच ठाढ़ छलाह आ लोक सभ हुनका उत्तर देलथिन जे समस्त धरती आराम मे अछि।

1. आराम के शक्ति: अपन जीवन के कोना रिचार्ज करी

2. स्थिरताक महत्व: व्यस्त दुनिया मे शांति आ शांति भेटब

1. भजन 46:10 - "शांत रहू, आ जानि लिअ जे हम परमेश् वर छी।"

2. मत्ती 11:28-30 - "हे सभ मेहनती आ बोझिल छी, हमरा लग आउ, हम अहाँ सभ केँ विश्राम देब।"

जकरयाह 1:12 तखन परमेश् वरक स् वर्गदूत उत्तर देलथिन, “हे सेना सभक परमेश् वर, अहाँ यरूशलेम आ यहूदाक नगर सभ पर कतेक दिन धरि दया नहि करब, जाहि पर अहाँ एहि सत्तरि वर्ष सँ आक्रोशित छी?

परमेश् वरक स् वर्गदूत सेना सभक प्रभु सँ पुछलथिन जे सत्तर वर्ष सँ हुनकर आक्रोशक अधीन रहनिहार यरूशलेम आ यहूदाक नगर सभ सँ ओ कतेक दिन धरि दया रोकत।

1. भगवानक दया: भगवानक प्रेम आ कृपा केँ बुझब

2. परमेश् वरक संप्रभुता: परमेश् वरक पूर्ण योजना पर भरोसा करब

1. यशायाह 55:8-9 - किएक तँ हमर विचार अहाँक विचार नहि अछि आ ने अहाँक बाट हमर बाट अछि, प्रभु कहैत छथि। जहिना आकाश पृथ्वी सँ ऊँच अछि, तहिना हमर बाट अहाँक बाट सँ ऊँच अछि आ हमर विचार अहाँक विचार सँ ऊँच अछि।

2. भजन 103:8-10 - प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ दया मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटत नहि: आ ने अपन तामस केँ सदाक लेल राखत। ओ हमरा सभक पापक बाद हमरा सभक संग व्यवहार नहि कयलनि। आ ने हमरा सभक अधर्मक अनुसार फल देलनि।

जकरयाह 1:13 हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत केँ परमेश् वर नीक-नीक बात आ सहज वचन सँ उत्तर देलनि।

प्रभु एकटा स्वर्गदूत केँ सान्त्वनाक वचन सँ उत्तर देलनि।

1. प्रभुक आराम

2. आवश्यकताक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 40:1-2 - "हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा घोषणा करू जे ओकर कठिन सेवा पूरा भ' गेलै, ओकर पापक फल भ' गेलै।"

2. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

जकरयाह 1:14 हमरा सँ गपशप करय बला स् वर्गदूत हमरा कहलथिन, “तूँ ई कहि कऽ चिचियाहऽ जे, सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम यरूशलेम आ सियोनक लेल बहुत ईर्ष्या करैत छी।

सेना केरऽ परमेश् वर यरूशलेम आरू सिय्योन के प्रति अपनऽ बहुत ईर्ष्या के घोषणा करै छै ।

1. स्मरण करबाक आह्वान: प्रभुक ईर्ष्या अपन लोकक लेल

2. सेना के प्रभु: सियोन के प्रति अपन ईर्ष्या में आनन्दित

1. व्यवस्था 4:24 - "किएक तँ तोहर परमेश् वर परमेश् वर भस्म करयवला आगि छथि, ईर्ष्यालु परमेश् वर छथि।"

2. भजन 78:58 - "किएक तँ ओ सभ ओकरा अपन ऊँच स्थान सभ सँ क्रोधित कयलक, आ अपन उकेरल मूर्ति सभ सँ ओकरा ईर्ष्या करबाक लेल प्रेरित कयलक।"

जकरयाह 1:15 हम ओहि जाति सभ सँ बहुत नाराज छी जे सहज अछि, किएक तँ हम कनेक नाराज छलहुँ आ ओ सभ दुःख केँ आगू बढ़ेबा मे मददि कयलनि।

भगवान् एहन लोक पर क्रोधित छथि जे हुनकर इच्छाक अनुसार नहि जीबि रहल छथि आ ओकर बदला मे दोसरक दुःखक लाभ उठा रहल छथि |

1. सहजताक खतरा: आरामसँ विपत्ति किएक भ' सकैत अछि

2. भगवानक क्रोध: हुनकर नाराजगीक अविस्मरणीय चेतावनी

1. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू; अहाँक सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

2. याकूब 4:17 - तेँ जे केओ सही काज करबाक बात जनैत अछि आ ओकरा करबा मे असफल अछि, ओकरा लेल ओ पाप अछि।

जकरयाह 1:16 तेँ परमेश् वर ई कहैत छथि। हम दयाक संग यरूशलेम घुरि गेल छी, हमर घर ओहि मे बनत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ यरूशलेम पर एकटा रेखा पसरल जायत।

परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे ओ दयाक संग यरूशलेम वापस आबि जेताह आ ओहि मे हुनकर घर बनत।

1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि

2. प्रभुक वापसी आशीर्वाद कोना दैत अछि

1. भजन 136:1 - "हे प्रभु केँ धन्यवाद दियौक, कारण ओ नीक छथि, कारण हुनकर दया अनन्त काल धरि रहैत छनि।"

2. लूका 1:68-70 - इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर केँ धन्य होनि; किएक तँ ओ अपन लोक सभ केँ देखि कऽ मुक् त कयलनि, आ अपन सेवक दाऊदक घर मे हमरा सभक लेल उद्धारक सींग ठाढ़ कयलनि। जेना ओ अपन पवित्र भविष्यवक्ता सभक मुँह सँ बजलाह जे संसारक प्रारम्भहि सँ अछि।

जकरयाह 1:17 एखनो चिचियाउ जे, “सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। समृद्धिक माध्यमे हमर शहर एखनो विदेश मे पसरल रहत। परमेश् वर एखनो सियोन केँ सान्त्वना देताह आ यरूशलेम केँ एखनो चुनताह।

सेना केरऽ परमेश् वर घोषणा करै छै कि ओकरऽ शहर समृद्ध होतै आरू वू सिय्योन में सान्त्वना लानै छै आरू यरूशलेम कॅ चुनतै।

1. विपत्तिक समय मे भगवान् केर अनुग्रह केँ बुझब

2. प्रभुक आराम: परेशानी मे आश्वासन

1. यशायाह 40:1-2 सान्त्वना दिअ, हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा सँ कानब जे ओकर युद्ध समाप्त भ’ गेलै, ओकर अपराध क्षमा भ’ गेलै।

2. यशायाह 62:1-2 हम सियोनक लेल चुप नहि रहब आ यरूशलेमक लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत धरि ओकर धार्मिकता चमक जकाँ नहि निकलत आ ओकर उद्धार एकटा दीपक जकाँ नहि निकलत। जाति सभ अहाँक धार्मिकता आ सभ राजा अहाँक महिमा देखत।

जकरयाह 1:18 तखन हम आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे चारि टा सींग।

जकरयाह चारि टा सींग देखलनि, जे परमेश् वरक सामर्थ् य आ अधिकारक प्रतीक छल।

1. जकरयाह मे परमेश् वर अपन सर्वशक्तिमानता आ प्रभुत्वक प्रदर्शन करैत छथि

2. हम सभ अपन जीवन मे परमेश् वरक सार्वभौमिकता केँ कोना चिन्ह सकैत छी?

1. दानियल 7:7-8 "एकर बाद हम राति मे दर्शन मे देखलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा चारिम जानवर, भयावह आ भयावह आ अत्यंत बलवान, आ ओकर लोहाक पैघ दाँत छल। ओ खा गेल आ टूटि-फूटि क' अवशेष पर मुहर लगा देलक।" ओकर पएर छलैक, आ ओकरा सँ पहिने जे जानवर छलैक ताहि सँ भिन्न छलैक, आ ओकरा दस टा सींग छलैक।”

2. इफिसियों 1:20-22 "ओ मसीह मे काज कयलनि, जखन ओ हुनका मृत् यु मे सँ जीबि कऽ स् वर्ग मे अपन दहिना कात राखि देलनि, सभ रियासत, सामर्थ् य, आ पराक्रम आ प्रभुता सँ बहुत ऊपर। आ जे सभ नाम एहि संसार मे नहि, बल् कि आबय बला संसार मे सेहो नाम देल गेल अछि।

जकरयाह 1:19 हम ओहि स् वर्गदूत केँ कहलियनि जे हमरा संग गप्प करैत छलाह, “ई सभ की अछि?” ओ हमरा उत्तर देलथिन, “ई सभ सींग अछि जे यहूदा, इस्राएल आ यरूशलेम केँ तितर-बितर कऽ देने अछि।”

एकटा स्वर्गदूत जकरयाह केँ बुझबैत छथि जे सींग ओहि जाति सभक प्रतीक अछि जे इस्राएल, यहूदा आ यरूशलेम केँ तितर-बितर कएने अछि।

1. विपत्तिक समय मे प्रभुक अपन लोक पर रक्षा

2. हम कोना अत्याचार पर काबू पाबि सकैत छी आ विश्वास मे पुनर्निर्माण क सकैत छी

1. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि।"

2. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध बनल कोनो हथियार सफल नहि होयत, आ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराउ।"

जकरयाह 1:20 परमेश् वर हमरा चारि टा बढ़ई देखौलनि।

प्रभु जकरयाह केँ चारि टा बढ़ई देखौलनि।

1. टीम वर्क के शक्ति: परमेश् वर के लक्ष्य के पूरा करै लेली एक साथ काम करना

2. शिल्प कौशल के मूल्य: भगवान के महिमा के लिये उत्कृष्टता के साथ काम करना |

1. उपदेशक 4:9-12

2. इफिसियों 4:11-16

जकरयाह 1:21 तखन हम कहलियनि, “ई सभ की करय लेल आबि रहल अछि? ओ बजलाह, “ई सभ ओ सींग अछि जे यहूदा केँ छिड़िया देलक, जाहि सँ केओ माथ नहि उठौलक यहूदा के ओकरा छिड़ियाबै के लेल।

ई अंश यहूदा के लोगऽ के गैर-यहूदी सिनी के अत्याचार स॑ परमेश् वर के सुरक्षा के बात करै छै।

1. भगवान् अपन लोकक रक्षा आ प्रबंध सदिखन करताह।

2. भगवान् अपन प्रतिज्ञा कखनो नहि बिसरैत छथि आ सदिखन हमरा सभक सहायता मे रहताह।

1. भजन 121:1-2 - हम अपन आँखि पहाड़ी दिस उठबैत छी। हमर सहायता कतय सँ अबैत अछि? हमर सहायता प्रभु सँ भेटैत अछि, जे स्वर्ग आ पृथ्वी के बनौलनि।

2. यशायाह 54:17 - जे कोनो हथियार अहाँ सभक विरुद्ध बनाओल गेल अछि से सफल नहि होयत, आ अहाँ सभ जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा खंडन करब। ई प्रभु केरऽ सेवकऽ के धरोहर छै आरू हमरा स॑ ओकरऽ सही ठहराबै के बात छै, ई बात प्रभु कहै छै ।

जकरयाह अध्याय 2 प्रभु केरऽ दर्शन आरू संदेशऽ के श्रृंखला क॑ जारी रखै छै । अध्याय यरूशलेम के भविष्य के बहाली आरू विस्तार के साथ-साथ परमेश् वर के उपस्थिति आरू हुनकऽ लोगऽ के सुरक्षा के प्रतिज्ञा पर केंद्रित छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत एक आदमी के दर्शन स॑ होय छै जेकरा म॑ नापऽ के रेखा छै, जे यरूशलेम के नाप-जोख आरू विस्तार के प्रतीक छै । स्वर्गदूत घोषणा करै छै कि यरूशलेम के भीतर के भीड़ आरू माल-जाल के कारण बिना देवाल के शहर बनी जैतै। परमेश् वर यरूशलेम के चारो तरफ आगि के रक्षात्मक देवाल आरू ओकरा भीतर महिमा बनै के वादा करै छै (जकरयाह 2:1-5)।

2 पैराग्राफ: तखन अध्याय मे लोक सभ केँ बेबिलोन सँ भागि क' यरूशलेम मे प्रभुक लोक सभक संग जुड़बाक आह्वान कयल गेल अछि। परमेश् वर अपन लोकक प्रति अपन प्रेम आ हुनका सभक बीच रहबाक इच्छाक गप्प करैत छथि। ओ अपन लोक सभ केँ बंदी सँ वापस अनबाक आ आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि, आओर ओ ओहि जाति सभ केँ चेताबैत छथि जे हुनकर लोक सभ पर अत्याचार केने छथि (जकर्याह 2:6-13)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय २ प्रभु केरऽ दर्शन आरू संदेशऽ के श्रृंखला क॑ जारी रखै छै, जेकरा म॑ यरूशलेम केरऽ भविष्य केरऽ बहाली आरू विस्तार आरू परमेश्वर केरऽ उपस्थिति आरू ओकरऽ लोगऽ लेली सुरक्षा के प्रतिज्ञा प॑ केंद्रित छै ।

नाप रेखा वाला आदमी के दर्शन, जे यरूशलेम के नाप आरू विस्तार के प्रतीक छेकै।
आगि के देवाल के रूप में परमेश्वर के रक्षात्मक उपस्थिति के प्रतिज्ञा आरू यरूशलेम के भीतर ओकरऽ महिमा।
लोक सभ केँ बाबुल सँ घुरबाक आ यरूशलेम मे प्रभुक लोक सभक संग जुड़बाक लेल आह्वान करू।
परमेश् वर के प्रेम, बहाली आरू आशीष के प्रतिज्ञा अपनऽ लोगऽ के लेलऽ, जेकरा म॑ ओकरा सिनी प॑ अत्याचार करै वाला जाति सिनी के चेतावनी के साथ।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत एक आदमी के दर्शन स॑ होय छै जेकरा म॑ नाप के रेखा छै, जे यरूशलेम के नाप आरू विस्तार के प्रतीक छै । स्वर्गदूत घोषणा करै छै कि यरूशलेम के भीतर के भीड़ आरू माल-जाल के कारण बिना देवाल के शहर बनी जैतै। परमेश् वर यरूशलेम के चारो तरफ आगि के रक्षात्मक देवाल आरू ओकरा भीतर महिमा बनै के वादा करै छै। तखन अध्याय मे लोक सभ केँ बेबिलोन सँ भागि क' यरूशलेम मे प्रभुक लोक सभक संग जुड़बाक आह्वान कयल गेल अछि। परमेश् वर अपन लोकक प्रति अपन प्रेम आ हुनका सभक बीच रहबाक इच्छाक गप्प करैत छथि। ओ अपन लोक केँ बंदी सँ वापस अनबाक आ आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि, संगहि ओहि जाति सभ केँ चेतावनी दैत छथि जे हुनकर लोक पर अत्याचार केने छथि। ई अध्याय यरूशलेम के भविष्य के बहाली आरू विस्तार, परमेश् वर के उपस्थिति आरू सुरक्षा के प्रतिज्ञा आरू हुनकऽ लोग सिनी के हुनका पास वापस आबै के आह्वान पर जोर दै छै।

जकरयाह 2:1 हम फेर आँखि उठौलहुँ आ देखलहुँ जे एकटा आदमी हाथ मे नापबाक रेखा छल।

हाथ मे नापबाक रेखा बला आदमी जकरयाह देखैत छथि।

1. भगवान् के निष्ठा के माप

2. नापब: जकरयाह 2:1 पर एकटा चिंतन

1. यशायाह 40:12-17 (अपन हाथक खोखला मे पानि के नापने अछि आ आकाश केँ फाँसी सँ चिन्हित केने अछि?)

2. यिर्मयाह 31:35-36 (एना कहैत छथि प्रभु, जे दिन मे सूर्य केँ इजोतक लेल आ राति मे इजोतक लेल चान आ तारा सभक निश्चित क्रम दैत छथि, जे समुद्र केँ एहि तरहेँ हिलाबैत छथि जे ओकर लहरि प्रभुक गर्जैत अछि मेजबान हुनकर नाम अछि।)

जकरयाह 2:2 तखन हम कहलियनि, “अहाँ कतय जा रहल छी?” ओ हमरा कहलथिन, “यरूशलेम केँ नापबाक लेल जे ओकर चौड़ाई केहन अछि आ ओकर लम्बाई केहन अछि।”

परमेश् वरक स् वर्गदूत यरूशलेम केँ नापबाक लेल पठाओल गेलाह।

1. हमरा सभक प्रति परमेश् वरक प्रेमक परिमाण: यरूशलेम परमेश् वरक प्रेमक प्रतिनिधित्वक रूप मे

2. मापनक महत्व: ई सुनिश्चित करब जे हम सभ नापब

1. भजन 48:1-2 - "प्रभु महान छथि, आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे, हुनकर पवित्रताक पहाड़ मे, बहुत स्तुति करबाक चाही। स्थितिक लेल सुन्दर, समस्त पृथ्वीक आनन्द, सियोन पर्वत अछि, पर।" उत्तरक कात, महान राजाक नगर।”

2. इफिसियों 2:19-22 - "एखन अहाँ सभ आब परदेशी आ परदेशी नहि छी, बल् कि पवित्र लोक सभक संग-संग आ परमेश् वरक घरक संगी छी। आ प्रेरित आ भविष्यवक्ता सभक नींव पर बनल छी, यीशु मसीह स्वयं छथि।" कोन-कोनक प्रमुख पाथर, जकरा मे सभ भवन एक संग बनल अछि, प्रभु मे पवित्र मन्दिर बनि जाइत अछि।

जकरयाह 2:3 देखू, हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत निकलि गेलाह, आ दोसर स् वर्गदूत हुनका सँ भेंट करय लेल निकललनि।

एहि अंश मे एकटा स्वर्गदूत दोसर सँ भेंट करय लेल निकलबाक बात कयल गेल अछि |

1: हमरा सब के प्रेम आ दयालुता स दोसर स भेंट करय लेल बाहर निकलय पड़त।

2: हमरा सभकेँ कहियो दोसरसँ हाथ बढ़ेबा आ कनेक्शन बनेबासँ नहि डरबाक चाही।

1: कुलुस्सी 3:12-14 - तखन, परमेश् वरक चुनल लोकक रूप मे, पवित्र आ प्रिय, करुणा, दयालुता, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य पहिरू।

2: इफिसियों 4:32 - एक-दोसर पर दयालु रहू, कोमल हृदय सँ एक-दोसर केँ क्षमा करू, जेना मसीह मे परमेश् वर अहाँ सभ केँ क्षमा कयलनि।

जकरयाह 2:4 ओ हुनका कहलथिन, “दौड़ू, एहि युवक सँ ई कहब जे, ‘यरूशलेम मे लोक आ पशु-पक्षी’क भीड़क कारणेँ बिना देबाल नगरक रूप मे आबाद होयत।

परमेश् वर जकरयाह केँ निर्देश दैत छथि जे ओ एकटा युवक केँ कहथि जे यरूशलेम मे ओहि बहुतो लोक आ जानवर सभक लेल बिना देबाल के आबाद होयत जे ओतय रहत।

1. यरूशलेम के विशिष्टता: बिना देबाल के जीबाक की मतलब होइत छैक तकर खोज करब

2. विश्वास के शक्ति: हमर जीवन के लेल परमेश्वर के योजना के पहचानना

1. भजन 122:3-5 - "यरूशलेम एकटा एहन नगर जकाँ बनल अछि जे एक संग संकुचित अछि: जतय गोत्र, प्रभुक गोत्र, इस्राएलक गवाही मे चढ़ैत अछि, प्रभुक नाम केँ धन्यवाद देबाक लेल। कारण।" ओतय न्यायक सिंहासन, दाऊदक घरानाक सिंहासन राखल अछि। यरूशलेमक शान्तिक लेल प्रार्थना करू।

2118

2. यिर्मयाह 29:7 - "आओर ओहि नगर मे शान्ति ताकू, जतय हम अहाँ सभ केँ बंदी बना क' ल' गेलहुँ, आ ओकरा लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू।

जकरयाह 2:5 किएक तँ हम, प्रभु कहैत छथि, हुनका लेल चारू कात आगि केर देबाल बनब आ ओकर बीच मे महिमा बनब।

परमेश् वर अपन लोक केँ घेरने आ ओकर रक्षा करबाक आगि केर देबाल बनबाक वचन दैत छथि, आ हुनका सभ केँ महिमा अनबाक लेल।

1. भगवानक रक्षा: सुरक्षाक लेल प्रभु पर भरोसा करब सीखब

2. भगवान् के महिमा: हुनकर सान्निध्य के वैभव के अनुभव करब

1. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि देत, आ हुनकर पाँखिक नीचाँ अहाँ केँ शरण भेटत।

2. यशायाह 60:2 - किएक तँ देखू, अन्हार पृथ्वी केँ झाँपि देत आ मोटका अन्हार लोक सभ केँ झाँपि देत। मुदा परमेश् वर अहाँ सभ पर उठि जेताह आ हुनकर महिमा अहाँ सभ पर देखल जायत।

जकरयाह 2:6 हो, हो, बाहर आबि उत्तर देश सँ भागि जाउ, परमेश् वर कहैत छथि, किएक तँ हम अहाँ सभ केँ आकाशक चारि हवा जकाँ पसारि देने छी।

1: भगवान् के शक्ति आ संप्रभुता हमरा सब के कोनो भी परिस्थिति में आगू बढ़ा सकैत अछि।

2: परमेश् वरक इच् छा अछि जे हम सभ स्वतंत्रता पाबऽ लेल हुनका पर भरोसा करी आ हुनकर आज्ञा मानी।

1: यशायाह 43:2 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

2: भजन 37:23 - नीक आदमीक डेग प्रभु द्वारा क्रमबद्ध होइत छैक, आ ओ अपन बाट मे आनन्दित होइत अछि।

जकरयाह 2:7 हे सियोन, जे बाबुलक बेटीक संग रहैत छी, अपना केँ बचाउ।

परमेश् वरक लोक सभ केँ आग्रह कयल गेल अछि जे ओ अपना केँ बेबिलोन मे बन्दी मे लेनिहार सभ सँ मुक्त करथि।

1. कैद आ मुक्ति: विश्वास मे स्वतंत्रता भेटब

2. उत्पीड़न पर काबू पाब: भगवानक लोकक शक्ति

1. यशायाह 43:1-3 - "डरब नहि, किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेलहुँ, तोहर नाम सँ बजौलहुँ। तोँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ।" अहाँ पर उमड़ि नहि जायत, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ ने लौ अहाँ पर प्रज्वलित होयत।”

2. निर्गमन 14:13-14 - "मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ, ठाढ़ भ’ क’ प्रभुक उद्धार केँ देखू, जे ओ आइ अहाँ सभ केँ देखाओत।” , अहाँ सभ ओकरा सभ केँ फेर अनन्त काल धरि नहि देखब। प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह, आ अहाँ सभ चुप रहब।"

जकरयाह 2:8 सेनाक प्रभु ई कहैत छथि। महिमा के बाद ओ हमरा ओहि जाति सभ लग पठौलनि जे अहाँ सभ केँ लूटने छल।

परमेश् वर अपन महिमा ओहि जाति सभ केँ पठौलनि जे हुनकर लोक सभ केँ लूटने छल, आ ओ अपन लोक सभ केँ अपन आँखिक सेब कहैत अपन गहींर देखभाल केँ व्यक्त करैत छथि।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम आ रक्षा

2. भगवानक लोकक मूल्य

1. व्यवस्था 32:10 - ओ ओकरा एकटा मरुभूमि मे, आ उजाड़ मे कूजैत जंगल मे पाबि गेल। ओ ओकरा एम्हर-ओम्हर ल' गेल, निर्देश देलक, आँखिक नेबो जकाँ राखि लेलक।

2. भजन 17:8 - हमरा आँखिक नेबो जकाँ राखू, हमरा अपन पाँखिक छाया मे नुकाउ।

जकरयाह 2:9 किएक तँ देखू, हम हुनका सभ पर हाथ मिला देब, आ ओ सभ हुनकर नोकर सभक लेल लूट बनि जायत, आ अहाँ सभ बुझब जे सेना सभक प्रभु हमरा पठौने छथि।

सेना केरऽ परमेश् वर ई संदेश द॑ रहलऽ छै कि जे ओकरऽ आज्ञा नै मानतै ओकरा ओकरऽ सेवक सिनी के लूट के सजा मिलतै।

1. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: जकरयाहक वचन सँ सीखब

2. सेना सभक प्रभुक शक्ति केँ बुझब: भय आ काँपैत परमेश् वरक सेवा करब

1. यूसुफ: उत्पत्ति 50:20; रहल बात अहाँक तऽ अहाँक मतलब हमरा विरुद्ध अधलाह छल, मुदा भगवानक मतलब नीक लेल छलनि।

2. दानियल: दानियल 3:17-18; जँ से अछि तँ हमर सभक परमेश् वर जिनकर सेवा करैत छी, ओ हमरा सभ केँ जरैत आगि सँ मुक्त भऽ सकैत छथि, आ ओ हमरा सभ केँ अहाँक हाथ सँ बचा लेताह, हे राजा।

जकरयाह 2:10 हे सियोनक बेटी, गाउ आ आनन्दित रहू, किएक तँ देखू, हम आबि रहल छी, आ हम अहाँक बीच रहब, परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् हमरा सभक संग आबि क’ रहबाक इच्छा रखैत छथि।

1: हम धन्य छी जे हमरा सभक जीवन मे भगवानक उपस्थिति अछि।

2: हम सब ई जानि क' आनन्दित भ' सकैत छी जे भगवान हमरा सभक संग छथि।

1: यशायाह 43:1-3, "मुदा आब हे याकूब, तोरा सृष्टि करनिहार प्रभु, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, अहाँ नहि डेराउ, किएक तँ हम तोरा छुटकारा दऽ लेलहुँ, तोरा नाम सँ बजौलहुँ।" हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब, आ नदी मे ओ अहाँ पर उमड़ि नहि जायत, जखन अहाँ आगि मे सँ चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ ने लौ अहाँ पर जड़त हम यहोवा तोहर परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, तोहर उद्धारकर्ता छी।”

2: भजन 46:1-3, "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले पृथ्वी हटि जायत, आ पहाड़ समुद्रक बीच मे लऽ जाओल जायत; यद्यपि।" ओकर पानि गर्जैत अछि आ त्रस्त भ' जाइत अछि, यद्यपि ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।"

जकरयाह 2:11 ओहि दिन बहुतो जाति परमेश् वरक संग जुड़त आ हमर प्रजा बनत, आ हम अहाँक बीच रहब आ अहाँ बुझब जे सेना सभक परमेश् वर हमरा अहाँक लग पठौलनि अछि।

जकरयाह 2:11 मे परमेश् वर वादा करैत छथि जे बहुत रास जाति हुनका संग जुड़त आ हुनकर लोक बनत, आओर ओ हुनका सभक बीच रहताह।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञाक शक्ति: हमरा सभक लेल हुनकर योजना पर भरोसा करब

2. समुदाय मे रहब: भगवानक उपस्थिति केँ जानबाक आशीर्वाद केँ बुझब

1. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

2. यशायाह 43:5-7 - डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; हम अहाँक बच्चा सभकेँ पूबसँ आनि कऽ पश्चिमसँ अहाँ सभकेँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हुनका सभ केँ छोड़ि दियौक! आ दक्षिण दिस, “ओकरा सभ केँ नहि रोकू।” हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आ हमर बेटी सभ केँ धरतीक छोर सँ आनि दियौक जे हमर नाम सँ बजाओल गेल अछि, जकरा हम अपन महिमा लेल बनौने रही, जकरा हम बनौने रही आ बनौने रही।

जकरयाह 2:12 परमेश् वर पवित्र देश मे यहूदा केँ अपन भागक उत्तराधिकारी बनताह आ यरूशलेम केँ फेर सँ चुनताह।

प्रभु यहूदा पर कब्जा करी लेतै आरू यरूशलेम कॅ अपनऽ पवित्र भूमि के रूप में चुनी लेतै।

1. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रेम: प्रभु कोना यहूदा केँ पुनः प्राप्त करैत छथि आ यरूशलेम केँ कोना चुनैत छथि

2. निष्ठा के शक्ति: यहूदा के प्रति प्रभु के उत्तराधिकार के प्रतिज्ञा

1. यशायाह 62:1-2: हम सियोन के लेल चुप नहि रहब आ यरूशलेम के लेल हम विश्राम नहि करब, जाबत तक ओकर धार्मिकता चमक के रूप मे नहि निकलत आ ओकर उद्धार एकटा दीपक जकाँ नहि निकलत।

2. यशायाह 44:3: किएक तँ हम प्यासल पर पानि ढारि देब आ शुष्क जमीन पर बाढ़ि ढारि देब।

जकरयाह 2:13 हे समस्त प्राणी, प्रभुक समक्ष चुप रहू, किएक तँ ओ अपन पवित्र निवास सँ उठि गेल छथि।

प्रभु अपन पवित्र निवास स उठि गेल छथि आ हुनका सामने सृष्टि के सब चुप रहबाक चाही।

1. प्रभुक महिमा: हुनक पवित्रता मे आनन्दित रहू

2. पूजाक आह्वान: मौनक समय

1. भजन 47:2: कारण परमेश् वर परमेश् वर भयावह छथि, समस्त पृथ्वी पर महान राजा।

2. यशायाह 6:3: एक गोटे दोसर केँ आवाज दैत कहलथिन, “पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि सेना सभक प्रभु। पूरा धरती ओकर महिमा सँ भरल अछि!

जकरयाह अध्याय 3 मे एकटा दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि जाहि मे महापुरोहित यहोशू आ हुनकर शुद्धि आ पुनर्स्थापनक प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व अछि। अध्याय में परमेश् वर के क्षमा, अपराधबोध के दूर करै आरू भविष्य के मसीहा के प्रतिज्ञा पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय केरऽ शुरुआत यहोशू केरऽ महापुरोहित केरऽ दर्शन स॑ होय छै जे प्रभु केरऽ दूत के सामने खड़ा छै, जेकरा म॑ शैतान ओकरा प॑ आरोप लगाबै छै । यहोशू गंदा वस्त्र पहिरने देखलऽ जाय छै, जे ओकरऽ पाप आरू अशुद्धता के प्रतीक छेकै । प्रभु शैतान के डांटै छै आरू आज्ञा दै छै कि यहोशू के वस्त्र के जगह साफ वस्त्र लगाय देलऽ जाय (जकर्याह 3:1-5)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे यहोशू के शुद्धि आ पुनर्स्थापन के महत्व के चित्रण कयल गेल अछि | प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी यहोशू के अधर्म के दूर करी देलकै, जेकरऽ प्रतीक छै ओकरऽ गंदा वस्त्र हटाबै के। ओ यहोशू सँ सम्मान आ अधिकारक स्थानक वादा करैत छथि, जाहि सँ हुनका मंदिर मे शासन करबाक आ सेवा करबाक अनुमति भेटैत छनि (जकर्याह 3:6-7)।

3 पैराग्राफ: अध्याय के समापन आबै वाला मसीहा के बारे में भविष्यवाणी के संदेश के साथ होय छै, जेकरा शाखा कहलऽ जाय छै। शाखा के सात आँख वाला पाथर के रूप में चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे दिव्य ज्ञान आरू अंतर्दृष्टि के प्रतीक छै । वादा कयल गेल अछि जे शाखा एक दिन मे देशक अधर्म केँ दूर क’ देत, जाहि सँ शांति आ पुनर्स्थापना होयत (जकराह 3:8-10)।

संक्षेप मे, २.

2121

जकरयाह अध्याय 3 मे एकटा दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि जाहि मे महायाजक यहोशू केँ शामिल कयल गेल अछि, जाहि मे परमेश्वरक क्षमा, अपराधबोध केँ दूर करब आ भविष्यक मसीहक प्रतिज्ञा पर जोर देल गेल अछि।

पाप आ अशुद्धताक प्रतीक गंदा वस्त्र पहिरने महापुरोहित यहोशूक दर्शन।
यहोशू के सफाई आरू पुनर्स्थापन, ओकरऽ गंदा वस्त्र के जगह साफ वस्त्र के साथ।
आबै वाला मसीहा के बारे में भविष्यवाणी के संदेश, जेकरा शाखा के रूप में संदर्भित करलऽ जाय छै, जे अधर्म के दूर करतै आरू शांति आरू पुनर्स्थापना लानै छै।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय केरऽ शुरुआत यहोशू केरऽ महापुरोहित केरऽ दर्शन स॑ होय छै जे प्रभु केरऽ दूत के सामने खड़ा छै, जेकरा म॑ शैतान ओकरा पर आरोप लगाबै छै । यहोशू गंदा वस्त्र पहिरने देखलऽ जाय छै, जे ओकरऽ पाप आरू अशुद्धता के प्रतीक छेकै । प्रभु शैतान के डाँटै छै आरू आज्ञा दै छै कि यहोशू के वस्त्र के जगह साफ वस्त्र लगाय देलऽ जाय, जे ओकरो शुद्धि आरू पुनर्स्थापन के प्रतीक छेकै। यहोशू के शुद्धि के महत्व पर प्रकाश डाललोॅ जाय छै, जबेॅ प्रभु घोषणा करै छै कि हुनी यहोशू के अधर्म दूर करी देलकै आरू ओकरा मंदिर में सम्मान आरू अधिकार के स्थान के वादा करै छै। अध्याय के समापन आबै वाला मसीहा के बारे में भविष्यवाणी के संदेश के साथ होय छै, जेकरा शाखा कहलऽ जाय छै। शाखा के सात आँख वाला पाथर के रूप में चित्रित करलऽ गेलऽ छै, जे दिव्य ज्ञान आरू अंतर्दृष्टि के प्रतीक छै । वादा कयल गेल अछि जे शाखा एक दिन मे भूमिक अधर्म केँ दूर करत, जाहि सँ शांति आ पुनर्स्थापना होयत। ई अध्याय परमेश् वर के क्षमा, अपराधबोध के दूर करै आरू भविष्य के मसीहा के प्रतिज्ञा पर जोर दै छै जे मोक्ष आरू पुनर्स्थापना के आबै वाला छै।

जकरयाह 3:1 ओ हमरा महापुरोहित यहोशू केँ देखौलनि जे परमेश् वरक स् वर्गदूतक समक्ष ठाढ़ छलाह आ शैतान हुनकर दहिना कात ठाढ़ छलाह।

ई अंश यहोशू महापुरोहित के वर्णन करै छै जे प्रभु के दूत के सामने खड़ा छै, जेकरा में शैतान ओकरोॅ दहिना हाथ में विरोध में खड़ा छै।

1: हमरा सभ केँ शैतानक प्रलोभन सभक विरुद्ध ठाढ़ रहबाक लेल तैयार रहबाक चाही आ ओकरा सभक समक्ष हार नहि मानबाक चाही।

2: विरोधक सामना करैत हमरा सभ केँ बहादुर आ साहसी रहबाक चाही, ओहो तखन जखन ओ स्वयं शैतान सँ हो।

1: याकूब 4:7 - तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत।

2: इफिसियों 6:11-13 - परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू, जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ’ सकब। कारण, हम सभ मांस-मज्जा सँ नहि, बल् कि शासक सभक विरुद्ध, अधिकारि सभक विरुद्ध, एहि वर्तमान अन्हार पर ब्रह्माण्डीय शक्ति सभक विरुद्ध, स्वर्गीय स्थान सभ मे दुष्टताक आध्यात्मिक शक्ति सभक विरुद्ध कुश्ती करैत छी। तेँ परमेश् वरक समस्त कवच धारण करू जाहि सँ अहाँ सभ अधलाह दिन मे सहन कऽ सकब आ सभ किछु कऽ कऽ दृढ़तापूर्वक ठाढ़ भऽ सकब।

जकरयाह 3:2 तखन परमेश् वर शैतान केँ कहलथिन, “हे शैतान, परमेश् वर अहाँ केँ डाँटथि। यरूशलेम के चुनने वाला यहोवा तोरा डाँटै छै।

प्रभु शैतान केँ डाँटैत छथि आ यरूशलेम केँ चुनैत छथि।

1: चुनौती के बावजूद भगवान के पालन करब चुनब

2: शैतान पर भगवानक शक्ति

1: लूका 4:1-13 - यीशु शैतान के प्रलोभन पर विजय प्राप्त करैत छथि

2: 1 पत्रुस 5:8-9 - शैतानक योजनाक विरुद्ध सतर्क रहू

जकरयाह 3:3 यहोशू गंदा वस्त्र पहिरने छलाह आ स् वर्गदूतक समक्ष ठाढ़ छलाह।

2122

यहोशू गंदा वस्त्र पहिरने छलाह, मुदा तैयो स् वर्गदूतक समक्ष ठाढ़ छलाह।

1: हमरा सब के अपन असफलता आ पाप के क्षण होइत अछि, मुदा भगवान के कृपा आ दया हमरा सब के सदिखन उपलब्ध रहैत अछि जखन हम सब ओकरा खोजैत छी।

2: जखन हम सभ अपन गंदा वस्त्र पहिरने छी तखनो हमरा सभ केँ ई नहि बिसरबाक चाही जे भगवान् छथि, आ ओ हमरा सभ केँ समग्रता मे पुनर्स्थापित क' सकैत छथि।

1: यशायाह 1:18 आब आउ, आउ, एक संग तर्क करू, प्रभु कहैत छथि। अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत।

2: रोमियो 8:1 - तेँ आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक लेल कोनो दोष नहि अछि।

जकरयाह 3:4 ओ उत्तर देलथिन आ हुनका सामने ठाढ़ लोक सभ सँ कहलथिन, “ओकरा सँ गंदा वस्त्र छीनि लिअ।” ओ हुनका कहलथिन, “देखू, हम अहाँक अधर्म केँ अहाँ सँ दूर कऽ देलहुँ आ अहाँ केँ वस्त्र बदलि देब।”

भगवान् उपस्थित लोगऽ स॑ बात करी क॑ ओकरा सिनी क॑ निर्देश देलकै कि वू ओकरा सिनी के सामने के व्यक्ति स॑ गंदा वस्त्र हटाबै के आरू प्रतिज्ञा करलकै कि वू वू व्यक्ति के अधर्म के दूर करी देतै आरू ओकरा सिनी क॑ वस्त्र बदलै के कपड़ा पहनाय देतै ।

1. "एकटा नव अलमारी: भगवानक कृपाक धन मे सजल"।

2. "एकटा नव शुरुआत: भगवानक दयाक माध्यमे अधर्म पर विजय प्राप्त करब"।

1. इफिसियों 2:4-7 - "मुदा परमेश् वर दयाक धनी भ' क', जाहि महान प्रेम सँ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि, तखनो जखन हम सभ अपन अपराध मे मरि गेल रही, तखनो हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि, कृपा सँ अहाँ सभक उद्धार भेल अछि।" आ हमरा सभ केँ हुनका संग उठौलनि आ मसीह यीशु मे हुनका संग स् वर्ग मे बैसा देलनि"।

2. रोमियो 5:1-5 - "तेँ जखन हम सभ विश् वास द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान् ति अछि। हुनका द्वारा हम सभ विश् वास द्वारा एहि अनुग्रह मे सेहो प्रवेश पाबि सकलहुँ जाहि मे हम सभ ठाढ़ छी परमेश् वरक महिमाक आशा मे आनन्दित रहू।एहि सँ बेसी, हम सभ अपन दुख मे आनन्दित होइत छी, ई जानि जे दुख सँ सहनशक्ति उत्पन्न होइत अछि, आ सहनशक्ति सँ चरित्र उत्पन्न होइत अछि, आ चरित्र आशा उत्पन्न करैत अछि, आ आशा हमरा सभ केँ शर्मिंदा नहि करैत अछि, कारण परमेश् वरक प्रेम ढारल गेल अछि हमरा सभक हृदय मे पवित्र आत् मा द्वारा देल गेल अछि।”

जकरयाह 3:5 हम कहलियनि, “ओ सभ हुनकर माथ पर एकटा नीक मिटर लगाबथि।” ओ सभ ओकर माथ पर एकटा सुन्दर मिटर लगा कऽ ओकरा कपड़ा पहिरा देलकैक। परमेश् वरक स् वर्गदूत ठाढ़ भऽ गेलाह।

जकरयाह 3:5 परमेश् वर के आदर करै लेली आरू हुनका द्वारा स्वीकार करै लेली उचित, गोरा वस्त्र आरू सिर के पट्टी पहनै के महत्व के बात करै छै।

1. भगवान् चाहैत छथि जे जखन हम हुनका लग पहुँचब तखन पूर्ण सज-धज आ सजल रही।

2. अपन रूप सँ भगवान् के आदर करबाक महत्व।

1. 1 पत्रुस 3:3-4 - "अहाँक श्रृंगार बाहरी केशक लोट आ सोनाक गहना पहिरब, वा पहिरल कपड़ा नहि होउ बल् कि अहाँक श्रृंगार अविनाशी सौन्दर्यक संग हृदयक नुकायल व्यक्ति हो।" सौम्य आ शान्त आत्मा के, जे भगवान के नजर में बहुत अनमोल छै।"

2. नीतिवचन 31:22 - "ओ अपना लेल बिछाओनक आवरण बनबैत छथि; हुनकर वस्त्र महीन लिनन आ बैंगनी रंगक अछि।"

जकरयाह 3:6 परमेश् वरक स् वर्गदूत यहोशू केँ विरोध कयलनि।

एहि अंश मे प्रभुक दूतक विस्तार सँ वर्णन कयल गेल अछि जे यहोशूक विरोध करैत छल |

1. भगवान हमरा सभक मदद करबाक लेल सदिखन तैयार रहैत छथि

2. भगवान् के विरोध करबाक शक्ति

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. दानियल 10:12 - तखन ओ हमरा कहलथिन, “दानियल, नहि डेराउ, किएक तँ जहिया सँ अहाँ अपन परमेश् वरक समक्ष बुझबाक लेल अपन मोन राखलहुँ आ अपना केँ नम्र कयलहुँ, तखनहि सँ अहाँक बात सुनल गेल अछि आ हम अहाँक कारणेँ आयल छी शब्द सभ.

जकरयाह 3:7 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। जँ अहाँ हमर बाट पर चलब आ जँ हमर आज्ञाक पालन करब तँ हमर घरक न् याय करब आ हमर आँगन सभ सेहो राखब आ हम अहाँ केँ एहि ठाम ठाढ़ लोक सभक बीच घुमबाक लेल जगह देब।”

परमेश् वर हुनका सभ सँ वादा करैत छथि जे हुनकर बाट पर चलैत छथि आ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि जे हुनकर घरक न्याय करबाक आ हुनकर दरबारक देखभाल करबाक सौभाग्य भेटतनि।

1. आज्ञाकारिता के इनाम: परमेश् वर के विशेषाधिकार के प्रतिज्ञा

2. निष्ठा के आशीर्वाद: भगवान के पद के वरदान

1. व्यवस्था 11:22 - "किएक तँ जँ अहाँ सभ एहि सभ आज्ञा सभक पालन करब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, तँ ओकरा सभ केँ पालन करब, अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करब, हुनकर सभ बाट पर चलब आ हुनका सँ चिपकल रहब।"

2. यशायाह 58:13 - "जँ अहाँ हमर पवित्र दिन मे विश्राम-दिन सँ अपन पएर मोड़ि देब। आ विश्राम-दिन केँ आनन्ददायक, परमेश् वरक पवित्र आ आदरणीय कहब। आ हुनकर आदर करब, अपन नहि।।" अपन बाट, आ ने अपन प्रसन्नता पाबि, आ ने अपन वचन बाजब।”

जकरयाह 3:8 हे महापुरोहित यहोशू, अहाँ आ अहाँक सामने बैसल अहाँक संगी सभ, आब सुनू, किएक तँ ओ सभ आश्चर्यचकित छथि, किएक तँ देखू, हम अपन सेवक डारि केँ बाहर निकालब।

परमेश् वर महापुरोहित यहोशू आ ओकर संगी सभ सँ बात करैत छथि, हुनका सभ केँ कहैत छथि जे हुनकर बात सुनू, किएक तँ ओ अपन सेवक डारि केँ सामने अनताह।

1. प्रभुक प्रतीक्षा: शाखाक प्रतिज्ञा

2. परमेश् वरक आश्चर्य: यहोशू सँ शाखा धरि

1. यशायाह 11:1-2 यिशैक डारि सँ एकटा छड़ी निकलत आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि उगत। सलाह आ पराक्रमक आत्मा, ज्ञान आ प्रभुक भय।

2. यिर्मयाह 23:5 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि, प्रभु कहैत छथि, जखन हम दाऊदक लेल एकटा धर्मी शाखा ठाढ़ करब, आ एकटा राजा राज करत आ समृद्ध होयत, आ पृथ्वी पर न्याय आ न्याय करत।

जकरयाह 3:9 देखू, हम यहोशूक समक्ष जे पाथर राखि देने छी। एक पाथर पर सात आँखि रहत, देखू, हम ओकर कब्र उकेरि देब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ एक दिन मे ओहि देशक अधर्म केँ दूर कऽ देब।”

परमेश् वर यहोशू के सामने पाथर रखलकै आरू एक दिन में ओकरा उत्कीर्ण करी कॅ देश के अधर्म के दूर करै के वचन देलकै।

1. हमरा सभक जीवनक लेल परमेश् वरक अटूट प्रतिज्ञा

2. हमर अधर्म पर विजय प्राप्त करबाक कृपाक शक्ति

1. यशायाह 61:1-2 - प्रभु परमेश् वरक आत् मा हमरा पर अछि; कारण, परमेश् वर हमरा अभिषेक कयलनि अछि जे हम नम्र लोक सभ केँ शुभ समाचार प्रचार करी। ओ हमरा टुटल-फुटल मोन केँ बान्हि देबाक लेल पठौने छथि, जे बंदी सभ केँ मुक्ति आ बान्हल लोक केँ जेल खोलबाक घोषणा करी।

2. रोमियो 8:1-2 - तेँ आब मसीह यीशु मे रहनिहार सभक लेल कोनो दोषी नहि ठहराओल गेल अछि, जे शरीरक अनुसार नहि, बल् कि आत् माक अनुसार चलैत अछि। किएक तँ मसीह यीशु मे जीवनक आत् माक नियम हमरा पाप आ मृत्युक नियम सँ मुक्त कऽ देलक अछि।

जकरयाह 3:10 सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे ओहि दिन अहाँ सभ बेल आ अंजीरक गाछक नीचाँ प्रत्येक केँ अपन पड़ोसी कहब।

सेना केरऽ परमेश् वर वचन दै छै कि उद्धार के दिन लोगऽ क॑ शांति आरू सुरक्षा मिलतै, दोस्ती के भावना स॑ अपनऽ पड़ोसी क॑ बुलाबै के मौका मिलतै ।

1. समुदाय के लेल एकटा आह्वान: एकता में शांति आ सुरक्षा के खोज

2. पड़ोसी प्रेमक आनन्द: दोस्ती आ संगति मे आनन्दित होयब

1. रोमियो 12:18 - "जँ संभव हो, जे किछु अहाँ सभ मे अछि, तँ सभ लोकक संग शान्तिपूर्वक रहू।"

2. भजन 133:1 - "देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!"

जकरयाह अध्याय 4 में सोना के दीपक के खंभा आरू दू जैतून के गाछ के दर्शन प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जे परमेश् वर के लोगऽ के बहाली आरू सशक्तीकरण के प्रतीक छै, जे हुनकऽ आत्मा के माध्यम स॑ छै । अध्याय में मानवीय प्रयास के बजाय परमेश्वर के शक्ति पर भरोसा करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत सोना के दीप के स्तम्भ के दर्शन स॑ होय छै, जे परमेश्वर के लोगऽ के बहाली आरू प्रकाश के प्रतिनिधित्व करै छै । दीप के खंभा के ईंधन दू जैतून के गाछ के जैतून के तेल स मिलै छै, जे परमेश्वर के आत्मा के प्रचुर आपूर्ति के प्रतीक छै। एकटा स्वर्गदूत जकरयाह केँ दर्शनक महत्व बुझबैत छथि (जकराह 4:1-5)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे दृष्टि के संदेश पर प्रकाश देल गेल अछि | स्वर्गदूत जकरयाह के आश्वस्त करै छै कि मनुष्य के शक्ति या शक्ति के द्वारा नै, बल्कि परमेश् वर के आत्मा के द्वारा पुनर्स्थापना होतै। ओ जरुब्बाबेल, गवर्नर केँ मंदिरक पुनर्निर्माण पूरा करबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि, हुनका आश्वस्त करैत छथि जे ओ परमेश् वरक आत् माक द्वारा एकरा पूरा करताह (जकर्याह 4:6-9)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जाहि मे दुनू जैतूनक गाछक व्याख्या कयल गेल अछि | स्वर्गदूत प्रकट करै छै कि जैतून के गाछ जरुब्बाबेल आरू यहोशू के प्रतीक छै, जे राजनीतिक आरू आध्यात्मिक नेतृत्व के प्रतिनिधित्व करै छै। हुनका सभ केँ परमेश् वरक आत् मा द्वारा सशक्त कयल जायत जे ओ सभ बहाली मे अपन-अपन भूमिका केँ निर्वहन करथि (जकराह 4:10-14)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 4 में सोना के दीपक के खंभा आरू दू जैतून के गाछ के दर्शन प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै, जे परमेश् वर के लोगऽ के बहाली आरू सशक्तीकरण के प्रतीक छै, जे हुनकऽ आत्मा के माध्यम स॑ छै ।

परमेश् वर के लोगऽ के बहाली आरू प्रकाश के प्रतिनिधित्व करै वाला सोना के दीपक के दर्शन ।
दर्शन के व्याख्या, बहाली में परमेश्वर के आत्मा के भूमिका पर जोर दैत |
आश्वासन जे पुनर्स्थापन मानवीय शक्ति सँ नहि, बल्कि परमेश्वरक आत्मा सँ होयत।

परमेश्वर के आत्मा द्वारा सशक्त राजनीतिक आरू आध्यात्मिक नेतृत्व के प्रतीक दू जैतून के गाछ के व्याख्या |

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत सोना के दीपक के दर्शन स॑ होय छै, जे परमेश् वर के लोगऽ के पुनर्स्थापन आरू प्रकाश के प्रतीक छै। दीपक ठाढ़ी के दू जैतून के गाछ के जैतून के तेल स ईंधन मिलै छै, जे परमेश् वर के आत् मा के प्रचुर आपूर्ति के प्रतिनिधित्व करै छै। एकटा स्वर्गदूत जकरयाह केँ दर्शनक महत्व बुझबैत छथि, हुनका आश्वस्त करैत छथि जे पुनर्स्थापन मानवीय शक्ति वा पराक्रम सँ नहि, बल्कि परमेश् वरक आत् मा द्वारा कयल जायत। स्वर्गदूत जरुब्बाबेल, गवर्नर, मन्दिर के पुनर्निर्माण पूरा करै लेली प्रोत्साहित करै छै, ओकरा करै छै कि वू परमेश् वर के आत् मा के बल सं॑ ई काम पूरा करतै। अध्याय जारी छै दू जैतून के गाछ के व्याख्या के साथ, जे जरुब्बाबेल आरू यहोशू के प्रतिनिधित्व करै छै, जे परमेश्वर के आत्मा द्वारा सशक्त राजनीतिक आरू आध्यात्मिक नेतृत्व के प्रतीक छै जेकरा बहाली में अपनऽ भूमिका के निर्वहन करै लेली सशक्त करलऽ गेलऽ छै । ई अध्याय में परमेश्वर के शक्ति आरू पुनर्स्थापन के काम में हुनकऽ आत्मा के सशक्तीकरण पर भरोसा करै के महत्व पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

जकरयाह 4:1 हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत फेर आबि हमरा जगौलनि, जेना कोनो आदमी नींद सँ जागल अछि।

जकरयाह केँ परमेश् वरक दर्शन देखबाक लेल एकटा स् वर्गदूत द्वारा जगौल गेलनि।

1. परमेश् वरक उपस्थितिक शक्ति: परमेश् वरक दृष्टि केँ ग्रहण करब सीखब

2. कर्म के प्रति जागृत होना: हमरऽ आह्वान के प्रतिक्रिया देना

1. रोमियो 8:19-22 - सृष्टिक कुहरब।

2. इजकिएल 37:1-10 - सूखल हड्डीक घाटी।

जकरयाह 4:2 ओ हमरा कहलथिन, “अहाँ की देखैत छी? हम कहलियनि, “हम देखलहुँ तँ देखलहुँ जे सोनाक एकटा कटोरी अछि, जकर ऊपर एकटा बासन आ ओकर सात टा दीप आ सातटा दीप पर सात टा पाइप लागल अछि जे ओकर ऊपर अछि।

जकरयाह भविष्यवक्ता केँ एकटा मोमबत्ती देखाइ पड़ैत छनि जाहि मे सात टा दीप आ सात टा पाइप अछि।

1. भगवानक इजोत अन्हार समय मे चमकैत अछि

2. हमर जीवन मे प्रकाशक शक्ति

1. भजन 119:105 - अहाँक वचन हमर पएरक लेल दीपक आ हमर बाट पर इजोत अछि।

2. मत्ती 5:14-16 - अहाँ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बनल शहर नुकायल नहि जा सकैत अछि। आ ने लोक दीप जरा कऽ टोकरीक नीचाँ राखि दैत अछि, बल्कि स्टैंड पर राखि दैत अछि, आ घर मे सब केँ इजोत दैत अछि। तहिना अहाँक इजोत दोसरक सामने चमकय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक नीक काज केँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक महिमा करथि।

जकरयाह 4:3 ओकर कात मे दू टा जैतूनक गाछ, एकटा बासनक दहिना कात आ दोसर बामा कात।

जकरयाह 4:3 मे दू टा जैतूनक गाछक वर्णन अछि, एकटा बासनक दहिना कात आ एकटा बामा कात।

1. दू के शक्ति: जकरयाह 4:3 के अर्थ के खोज

2. जकरयाह 4:3 मे जैतूनक गाछक प्रतीकात्मक महत्व

1. नीतिवचन 5:15-20 - अपन कुंड सँ पानि पीबू, आ अपन इनार सँ बहैत पानि पीबू।

2. प्रकाशितवाक्य 11:3-13 - हम अपन दुनू गवाह केँ अधिकार देब, आ ओ सभ बोरा पहिरने 1,260 दिन धरि भविष्यवाणी करत।

जकरयाह 4:4 हम उत्तर देलियैक आ हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत सँ कहलियनि, “हे हमर मालिक, ई सब की अछि?

जकरयाह के सामने एक स्वर्गदूत प्रकट होय जाय छै आरू वू पूछै छै कि जे वस्तु ओकरा देखै छै, वू की छै।

1. प्रश्न पूछबाक शक्ति - जकरयाह 4:4

2. अनिश्चितताक समय मे चिंतन - जकरयाह 4:4

1. प्रेरित 8:34 - तखन नपुंसक फिलिप्पुस केँ उत्तर देलथिन, “हम अहाँ सँ, भविष्यवक्ता ई बात केकर कहैत छथि?” अपन, आकि कोनो आन आदमीक?

2. अय्यूब 38:3 - आब अपन कमर केँ मनुक्ख जकाँ बान्हि दियौक। हम अहाँ सँ माँग करब आ अहाँ हमरा उत्तर देब।”

जकरयाह 4:5 तखन हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत हमरा कहलथिन, “की अहाँ नहि जनैत छी जे ई सभ की अछि?” हम कहलियनि, “नहि, हमर मालिक।”

एक स्वर्गदूत जकरयाह सँ बात करै छै आ ओकरा सँ पूछै छै कि की ओकरा पता छै कि ओकरा सामने के सामान की छै, जेकरा पर जकरयाह जवाब दै छै कि ओकरा नै पता छै।

1. प्रश्न पूछबाक महत्व

2. प्रभुक मार्गदर्शन पर भरोसा करब

1. नीतिवचन 3:5-6 "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनकर अधीन रहू, आ ओ अहाँक बाट केँ सोझ करताह।"

2. याकूब 1:5-6 "जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक कमी अछि तँ अहाँ सभ परमेश् वर सँ माँगू, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत।"

जकरयाह 4:6 तखन ओ हमरा उत्तर देलथिन, “जरुब्बाबेल केँ ई परमेश् वरक वचन अछि जे, “शक्ति सँ नहि, आ ने सामर्थ् य सँ, बल् कि हमर आत् मा सँ, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।”

ई अंश ई बात पर जोर दै छै कि भगवान् शक्ति आरू शक्ति के स्रोत छै, मानवीय शक्ति या शक्ति के नै।

1: हमरा सभकेँ अपन शक्ति आ शक्तिक बदला भगवान पर निर्भर रहबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ ई मोन राखबाक प्रयास करबाक चाही जे हमर सभक शक्ति आ शक्ति भगवान् सँ भेटैत अछि।

1: फिलिप्पियों 4:13 - हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

2: 2 कोरिन्थी 12:9-10 - ओ हमरा कहलथिन, “हमर कृपा तोरा लेल पर्याप्त अछि, कारण हमर शक्ति कमजोरी मे सिद्ध भ’ जाइत अछि।” तेँ हम अपन दुर्बलता पर बहुत खुशी सँ घमंड करब, जाहि सँ मसीहक सामर्थ्य हमरा पर टिकल रहय।

जकरयाह 4:7 हे महान पहाड़, अहाँ के छी? जरुब्बाबेलक सोझाँ अहाँ मैदान बनि जायब, आ ओ चिचिया कऽ ओकर माथक पाथर बाहर निकालि कऽ चिचियाओत, “कृपा, कृपा करू।”

जकरयाह 4:7 परमेश् वरक शक्ति मे विश्वास केँ प्रोत्साहित करैत अछि जे ओ सभ चुनौतीपूर्ण बाधा सभ केँ सेहो दूर कऽ सकैत अछि।

1: भगवान नियंत्रण मे छथि: भगवानक ताकत पर भरोसा करब

2: परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब: कठिनाइ सभ पर काबू पाबब

1: 2 कोरिन्थी 12:9-10 - परमेश्वरक शक्ति हमरा सभक कमजोरी मे सिद्ध भ’ जाइत अछि।

2: फिलिप्पियों 4:13 - हम मसीहक द्वारा सभ किछु क’ सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।

जकरयाह 4:8 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर जकरयाह सँ बात कऽ कऽ हुनका प्रोत्साहित कयलनि जे ओ मजबूत होथि आ हतोत्साहित नहि होथि।

1: भगवान् हमरा सभक संघर्ष मे हमरा सभक संग छथि आ आगू बढ़बाक लेल ताकत देथिन।

2: जखन हम सब निराश महसूस क रहल छी तखन प्रभु दिस ताकि हिम्मत पाबि सकैत छी।

1: यशायाह 41:10 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: इब्रानी 13:5 - "अपन जीवन केँ पैसा प्रेम सँ मुक्त राखू, आ जे किछु अछि ताहि सँ संतुष्ट रहू, कारण ओ कहने छथि जे हम अहाँ केँ कहियो नहि छोड़ब आ ने अहाँ केँ छोड़ब।"

जकरयाह 4:9 जरुब्बाबेलक हाथ एहि घरक नींव रखलनि अछि। ओकर हाथ सेहो ओकरा समाप्त क’ देतैक। अहाँ सभ बुझि जायब जे सेना सभक परमेश् वर हमरा अहाँ सभक लग पठौलनि अछि।”

परमेश् वर के सामर्थ् य मन् दिर के निर्माण पूरा होय में स्पष्ट छै, जेकरऽ निर्माण जरुब्बाबेल न॑ बहुत विरोध के बावजूद भी करलकै ।

1. विश्वासक शक्ति: जरुब्बाबेलक साहस आ लचीलापनक कथा

2. परमेश् वरक इच्छा केँ बुझब: चुनौतीपूर्ण परिस्थितिक बादो हुनका पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।

जकरयाह 4:10 छोट-छोट बातक दिन केँ के तुच्छ बुझलक? किएक तँ ओ सभ आनन्दित हेताह आ ओहि सात गोटेक संग जरुब्बाबेलक हाथ मे खसब देखथिन। ओ सभ परमेश् वरक आँखि अछि जे समस्त पृथ्वी मे एम्हर-ओम्हर दौड़ैत अछि।

जे छोट-छोट बात केँ नीचाँ नहि तकैत अछि, तकरा सभ केँ परमेश् वर आशीष दैत छथिन, आ जरुब्बाबेल केँ परमेश् वरक सात आँखि सँ आशीष भेटतनि जे ओ पूरा पृथ् वी पर नजरि राखत।

1. प्रभु पर भरोसा करू आ छोट-छोट बात केँ नीचाँ नहि देखू, किएक तँ परमेश् वर विश् वास रखनिहार केँ इनाम देथिन।

2. जरुब्बाबेलक वफादारीक फल परमेश् वरक सात आँखिक वरदान भेटलनि, जे हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत छल जे परमेश् वर हमरा सभ पर सदिखन नजरि रखैत छथि।

1. नीतिवचन 3:5-6 - अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू; आ अपन समझ पर झुकि नहि जाउ। अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट केँ निर्देशित करताह।

2128

2. भजन 33:18 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका डरैत अछि आ जे हुनकर दया पर आशा करैत अछि।

जकरयाह 4:11 तखन हम हुनका कहलियनि, “दीमबत्तीक दहिना कात आ बामा कात ई दुनू जैतूनक गाछ की अछि?”

जकरयाह दीप-स्तम्भक बगल मे दूटा जैतूनक गाछक विषय मे एकटा प्रश्न पूछि रहल छथि।

1. प्रश्न पूछबाक शक्ति: जकरयाह 4:11 पर एकटा चिंतन

2. बाइबिल के कथ्य में जैतून के गाछ के महत्व

1. निकासी 25:31-37 - परमेश् वर मूसा केँ दीप-स्तम्भक निर्माणक संबंध मे निर्देश दैत छथि।

2. भजन 52:8 - जैतूनक गाछ परमेश् वरक वफादारीक प्रतीक अछि।

जकरयाह 4:12 हम फेर हुनका कहलियनि, “ई दूनू जैतूनक डारि की अछि जे दुनू सोनाक नली सँ सोनाक तेल केँ अपना मे सँ खाली करैत अछि?”

जकरयाह भविष्यवक्ता परमेश् वरक स् वर्गदूत सँ दूटा जैतूनक डारिक विषय मे पुछलथिन जे दूटा सोनाक पाइप सँ सोनाक तेल बहा रहल छल।

1. जैतून के गाछ के माध्यम स परमेश् वर के प्रावधान: परमेश् वर हमरा सभ के जे चाही से कोना दैत छथि

2. जैतूनक शाखाक महत्व: शांति आ आशाक प्रतीकात्मकता

1. रोमियो 11:17 - जँ किछु डारि टूटि गेल आ अहाँ जंगली जैतूनक गाछ छी तँ ओकरा सभ मे कलम लगाओल गेल आ ओकरा सभक संग जैतूनक गाछक जड़ि आ मोटाई मे भाग लेब।

2. भजन 52:8 - मुदा हम परमेश् वरक घर मे हरियर जैतूनक गाछ जकाँ छी, हम परमेश् वरक दया पर अनन् त काल धरि भरोसा करैत छी।

जकरयाह 4:13 ओ हमरा उत्तर देलथिन, “की अहाँ नहि जनैत छी जे ई सभ की अछि?” हम कहलियनि, “नहि, हमर मालिक।”

जकरयाह भविष्यवक्ता परमेश् वर सँ एकटा प्रश्न पूछैत छथि आ परमेश् वर हुनकर उत्तर दैत छथिन।

1. प्रश्न पूछला स प्रकाशितवाक्य कोना भ सकैत अछि

2. भगवान् के खोज में जिज्ञासा की शक्ति

1. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू; अपन सभ बाट मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

2. याकूब 1:5-6 - "जँ अहाँ सभ मे सँ कियो बुद्धिक अभाव मे अछि तँ ओ परमेश्वर सँ माँगय, जे बिना दोष पाबि सभ केँ उदारता सँ दैत छथि, तखन ओकरा देल जायत।"

जकरयाह 4:14 तखन ओ कहलनि, “ई दुनू अभिषिक्त छथि, जे समस्त पृथ्वीक प्रभुक लग मे ठाढ़ छथि।”

जकरयाह 4:14 मे दुनू अभिषिक्त के बात कयल गेल अछि जे पूरा पृथ्वी के प्रभु के पास ठाढ़ छथि।

1: प्रभु के अभिषिक्त: विश्वास में दृढ़ता से खड़ा रहना

2: प्रभु के अधिकार: हुनकर बल पर भरोसा करब

1: यशायाह 41:10 - "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश्वर छी; हम अहाँ केँ मजबूत करब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: याकूब 1:12 - "धन्य अछि ओ आदमी जे परीक्षा मे अडिग रहत, कारण जखन ओ परीक्षा मे ठाढ़ रहत तखन ओकरा जीवनक मुकुट भेटत, जे परमेश् वर ओकरा सँ प्रेम करय बला सभ सँ प्रतिज्ञा केने छथि।"

जकरयाह अध्याय 5 दर्शन के साथ जारी छै जे पाप, न्याय आरू शुद्धि के विषय पर प्रकाश डालै छै। अध्याय में एकटा उड़ैत स्क्रॉल आ एकटा महिला के टोकरी में चित्रित कयल गेल अछि, जे दुष्टता के परिणाम आ पाप के भूमि स हटाबय के प्रतिनिधित्व करैत अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा उड़ैत स्क्रॉल के दर्शन स होइत अछि, जे एकटा अभिशाप के प्रतीक अछि जे पूरा भूमि पर निकलैत अछि | एहि स्क्रॉल मे चोर आओर परमेश् वरक नाम पर झूठ शपथ लेबय बला सभक विरुद्ध लिखित न् याय अछि। अभिशाप दोषी के घरऽ में प्रवेश करी क॑ ओकरा भस्म करी देतै (जकर्याह ५:१-४)।

2nd पैराग्राफ: तखन अध्याय मे टोकरी मे एकटा महिलाक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि, जे दुष्टताक प्रतिनिधित्व करैत अछि | महिला के "दुष्टता" कहलऽ जाय छै आरू वू टोकरी के भीतर बंद होय जाय छै, जेकरा सीसा के ढक्कन स॑ ढकलऽ रहै छै । ओकरा शिनार देश में लऽ जायलऽ जाय छै, जे देश सें दुष्टता के हटाबै के प्रतीक छेकै (जकर्याह ५:५-११)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 5 दर्शन के साथ जारी छै जे पाप, न्याय आरू शुद्धि के विषय पर प्रकाश डालै छै।

उड़ैत स्क्रॉलक दर्शन जाहि मे चोर आ झूठ गारि पढ़निहारक विरुद्ध न्याय होइत छैक | दुष्टता के प्रतिनिधित्व करै वाला टोकरी में महिला के दर्शन, जेकरा भूमि स॑ हटाय देलऽ जाय छै ।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय के शुरुआत एगो उड़ै वाला स्क्रॉल के दर्शन स॑ होय छै, जे एगो अभिशाप के प्रतीक छेकै जे पूरा देश पर निकली जाय छै । एहि स्क्रॉल मे चोर आओर परमेश् वरक नाम पर झूठ शपथ लेबय बला सभक विरुद्ध लिखित न् याय अछि। गारि दोषी के घर मे घुसि क' भस्म क' देत। तखन अध्याय मे टोकरी मे एकटा महिलाक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि, जे दुष्टताक प्रतिनिधित्व करैत अछि | महिला क॑ टोकरी के भीतर बंद करी क॑ सीसा के ढक्कन स॑ ढकलऽ जाय छै आरू ओकरा शिनार केरऽ भूमि म॑ ल॑ जायलऽ जाय छै, जे भूमि स॑ दुष्टता क॑ दूर करै के प्रतीक छेकै । एहि अध्याय मे पापक परिणाम, दुष्टताक विरुद्ध न्याय आ देशक शुद्धि पर जोर देल गेल अछि |

जकरयाह 5:1 तखन हम घुमि कऽ आँखि उठा कऽ देखलहुँ आ एकटा उड़ैत रोल देखलहुँ।

एहि अंश मे जकरयाह द्वारा देखल गेल उड़ैत ग्रंथक दर्शनक वर्णन कयल गेल अछि |

1. उड़ैत स्क्रॉल के दर्शन: आबै वाला न्याय के परमेश्वर के चेतावनी

2. शास्त्र मे दर्शनक महत्व केँ बुझब

1. यिर्मयाह 36:2-3 - "एकटा किताबक स्क्रॉल लऽ कऽ ओहि पर ओ सभ बात लिखू जे हम इस्राएल, यहूदा आ समस्त जाति सभक विरुद्ध कहलहुँ, जहिया सँ हम हुनका सभ सँ बात केलहुँ, ओहि दिन सँ।" आइ धरि योशियाहक लोक केँ ई भ' सकैत अछि जे हम जे सभ विपत्ति ओकरा सभक संग करय चाहैत छी, से यहूदाक घराना सभ सुनत, जाहि सँ सभ कियो अपन अधलाह बाट सँ मुड़ि सकब आ हम ओकर अपराध आ पाप केँ क्षमा क' सकब।

2. प्रकाशितवाक्य 5:1 - तखन हम सिंहासन पर बैसल लोकक दहिना हाथ मे एकटा पुस्तक देखलहुँ जे भीतर आ पाछू मे लिखल छल, जाहि पर सात टा मोहर लगाओल गेल छल।

जकरयाह 5:2 ओ हमरा कहलथिन, “अहाँ की देखैत छी? हम उत्तर देलियनि, “हमरा एकटा उड़ैत रोल देखाइ पड़ैत अछि। एकर लम्बाई बीस हाथ आ चौड़ाई दस हाथ अछि।

एहि अंश मे बीस हाथ लंबाई आ दस हाथ चौड़ाई वाला उड़ैत रोल के दर्शन के वर्णन अछि |

1. परमेश् वरक वचन अरोपित अछि - जकरयाह 5:2

2. प्रभुक पराक्रम - जकरयाह 5:2

1. हबक्कूक 2:2 "तखन परमेश् वर हमरा उत्तर देलनि जे, दर्शन लिखू आ पाटी पर साफ करू, जाहि सँ ओ पढ़निहार दौड़ि सकय।"

2. यशायाह 55:11 "हमर वचन जे हमर मुँह सँ निकलैत अछि से तहिना होयत: ओ हमरा लग शून्य नहि घुरि जायत, बल् कि हमरा जे चाही से पूरा करत, आ जाहि बात मे हम ओकरा पठौने रही, ओहि मे ओ सफल होयत।"

जकरयाह 5:3 तखन ओ हमरा कहलनि, “ई श्राप अछि जे समस्त पृथ्वी पर चलि रहल अछि, किएक त’ जे कियो चोरी करत, ओकरा एहि कात जकाँ काटि देल जायत। जे कियो शपथ लेत से ओहि कात जकाँ काटि देल जायत।

जकरयाह के एकटा एहन अभिशाप के दर्शन देल गेल छै जे पूरा धरती पर चलि जायत, जे चोरी करय वाला आ गारि पढ़य वाला के दुनू कात कटल जायत।

1. पापक परिणाम: जकरयाह 5:3 पर चिंतन करब

2. शब्दक शक्ति: जकरयाह 5:3 केर निहितार्थक परीक्षण

1. निकासी 20:15 - अहाँ चोरी नहि करू।

2. मत्ती 5:33-37 - अहाँ सभ फेर सुनलहुँ जे पुरान लोक सभ सँ कहल गेल छल जे, “अहाँ झूठ शपथ नहि खाउ, बल् कि प्रभुक संग जे शपथ केने छी से पूरा करू।”

जकरयाह 5:4 हम ओकरा बाहर निकालब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ ई चोरक घर मे प्रवेश करत, जे हमर नाम सँ झूठ शपथ लेत, आ ओकर घरक बीच मे रहत, ओकर लकड़ी आ पाथरक संग ओकरा भस्म क’ देत।

सेना के परमेश् वर न्याय आनि चोर आ अपन नामक झूठ शपथ लेनिहारक घर केँ भस्म क’ देताह।

1. पाप के परिणाम: जकरयाह 5:4 के अध्ययन

2. भगवान् के क्रोध: दुष्ट के कष्ट कियैक होयत।

1. इजकिएल 22:3-4 - तखन हुनका सभ केँ कहू जे, प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे, एकटा एहन नगर जे अपन बीच मे खून बहबैत अछि, जकर समय आबि गेल अछि, जकर दिन समाप्त भ’ गेल अछि, जे शैतानक मांद बनि गेल अछि, भूतिया भ’ गेल अछि हर अशुभ आत् माक, आ हर अशुद्ध आ घृणित चिड़ै सभक गुफा! हम बहुत अपराधक कारणेँ, महान आ पराक्रमी, घृणित, नीच लोक आ दुष्कर्म करयवला सभ लोक केँ नष्ट करय लेल आयल छी।

2. नीतिवचन 6:16-19 - छह एहन बात अछि जकरा प्रभु घृणा करैत छथि, सातटा हुनका लेल घृणित अछि: घमंडी आँखि, झूठ बाजनिहार जीह आ हाथ जे निर्दोष खून बहबैत अछि, हृदय जे दुष्ट योजना बनबैत अछि, पैर बनबैत अछि जल्दी-जल्दी अधलाह दिस दौड़ैत अछि, झूठक साँस छोड़निहार झूठ गवाह आ भाइ-बहिनक बीच विवाद बीजनिहार।

2131

जकरयाह 5:5 तखन हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत हमरा सँ कहलथिन, “अखन आँखि उठा कऽ देखू जे ई की अछि।”

ई अंश के वर्णन छै कि एक स्वर्गदूत जकरयाह भविष्यवक्ता के सामने प्रकट होय क॑ ओकरा निर्देश दै छै कि देखै आरू देखै कि आगू की होय रहलऽ छै।

1. अदृश्य के देखब - आध्यात्मिक क्षेत्र के परीक्षण आ भगवान हमरा सब के की प्रकट करैत छथि

2. परमेश् वरक आवाजक पालन करब - परमेश् वरक मार्गदर्शन केँ बूझब आ ओकर आज्ञा मानब सीखब

1. यूहन्ना 1:18 - परमेश् वर केँ केओ कहियो नहि देखने अछि; एकलौता पुत्र, जे पिताक कोरा मे अछि, ओ हुनका प्रचार कयलनि अछि।

2. यशायाह 6:8 - हम परमेश् वरक आवाज सेहो सुनलहुँ जे हम ककरा पठायब आ हमरा सभक लेल के जायत? तखन हम कहलियनि, “हम एतय छी। हमरा पठाउ।

जकरयाह 5:6 हम कहलियनि, “ई की अछि? ओ कहलथिन, “ई एक एफा अछि जे बाहर निकलैत अछि।” ओ तहूमे बजलाह, ई समस्त पृथ्वी मे हुनका लोकनिक समानता अछि।

ई अंश एक एफाह के दर्शन के वर्णन करै छै जे दुष्टता के प्रतीक छै जे पूरा दुनिया में देखलऽ जाब॑ सकै छै ।

1. सांसारिकता के खतरा: प्रलोभन स कोना बचल जाय आ ईश्वरीय जीवन कोना जीबी

2. विश्वासक शक्ति: परमेश् वरक सामर्थ् य सँ दुष्टता पर कोना विजय प्राप्त कयल जा सकैत अछि

1. 1 यूहन्ना 2:15-17 - संसार आ संसारक वस्तु सभसँ प्रेम नहि करू। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि तँ पिताक प्रेम ओकरा मे नहि अछि।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

जकरयाह 5:7 देखू, एक टोला सीसा उठि गेल छल, आ ई एकटा स् त्री छथि जे एफा के बीच मे बैसल छथि।

एफाह के बीच में महिला बैसल पाबै जाय छै, जे सीसा के एक प्रकार के नाप के बर्तन छै।

1. परमेश् वरक न्यायक माप: जकरयाह 5:7 मे एफा

2. पुनर्स्थापन के चित्र: जकरयाह 5:7 के एफा में महिला

1. यिर्मयाह 32:14 - सेना सभक परमेश् वर, इस्राएलक परमेश् वर ई कहैत छथि। ई सबूत, खरीद के ई प्रमाण, दुनू जे मुहर लागल अछि, आ ई सबूत जे खुजल अछि, दुनू लिअ; एक एफा मे राखि दियौक जाहि सँ ओ सभ बहुत दिन धरि रहय।

2. आमोस 8:5 - ई कहैत, अमावस्या कहिया खतम भ’ जायत, जाहि सँ हम सभ मकई बेचि सकब? आ विश्राम-दिन, जाहि सँ हम सभ गहूम निकालि सकब, जाहि सँ एफा छोट आ शेकेल पैघ भऽ जाय आ धोखा सँ तराजू केँ झूठ बनाबी?

जकरयाह 5:8 ओ कहलनि, “ई दुष्टता अछि।” ओ ओकरा एफाक बीच मे फेकि देलथिन। ओ सीसाक भार ओकर मुँह पर फेकि देलक।

ई अंश परमेश् वर केरऽ दुष्टता के न्याय के वर्णन करै छै, जेकरा में ओकरा एफा में फेंकी क॑ सीसा के मुहर लगाय देलऽ गेलऽ छै ।

1. प्रभु न्यायी छथि: पाप पर परमेश् वरक न्याय केँ बुझब

2. दुष्टताक भार: पापक परिणामक परीक्षण

1. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. नीतिवचन 11:21 - भले हाथ जोड़ल जाय, मुदा दुष्ट केँ दंड नहि भेटतैक, मुदा धर्मी लोकक वंशक उद्धार होयत।

जकरयाह 5:9 तखन हम अपन आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे दूटा स् त्री बाहर निकललीह आ हुनका सभक पाँखि मे हवा चलैत छल। किएक तँ ओकरा सभक पाँखि सारसक पाँखि जकाँ छलैक।

जकरयाह देखलकै जे सारस जकाँ पाँखि बला दू टा स् त्री केँ धरती आ आकाशक बीच एक एफा लऽ कऽ जा रहल छल।

1. दृष्टि के शक्ति: संभावना के देखला स चमत्कार कोना भ सकैत अछि

2. हमर पाँखि के नीचा हवा: अपन लक्ष्य तक पहुंचय लेल भगवान के ताकत पर भरोसा करब

1. नीतिवचन 29:18 - "जतय दर्शन नहि होइत छैक, ओतय लोक नष्ट भ' जाइत अछि".

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, नहि थाकि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

जकरयाह 5:10 तखन हम हमरा संग गप्प करय बला स् वर्गदूत सँ कहलियनि, “ई सभ एफा कतय वहन करैत अछि?

एहि अंश मे एकटा स्वर्गदूतक दर्शनक वर्णन अछि जे दुष्टताक टोकरी वा "एफाह" ल' क' चलैत छथि |

1. दुष्टताक खतरा: हमर सभक पसंदक परिणाम कोना होइत अछि

2. परमेश् वरक शक्ति: ओ सभ केँ कोना देखैत छथि आ कोना न्याय करैत छथि

1. नीतिवचन 8:13 - "प्रभु सँ भय दुष्टता सँ घृणा करब अछि; हम घमंड आ अहंकार, दुष्ट व्यवहार आ विकृत बात सँ घृणा करैत छी।"

2. यशायाह 59:7 - "ओकर सभक पएर पाप मे दौड़ैत अछि; ओ सभ निर्दोष खून बहाबा मे तेज अछि। ओकर सभक विचार दुष्ट विचार अछि; विनाश आ दुःख ओकर बाट पर निशान लगा दैत अछि।"

जकरयाह 5:11 ओ हमरा कहलनि, “शिनार देश मे एकरा घर बनाबय लेल।”

प्रभु जकरयाह केँ शिनार देश मे घर बनाबय आ ओकरा अपन आधार पर स्थापित करबाक निर्देश दैत छथि।

1. आधारक ताकत - जकरयाह 5:11

2. एकटा दृढ़ जमीन स्थापित करब - जकरयाह 5:11

1. भजन 11:3 - "जँ नींव नष्ट भ' जायत त' धर्मी की क' सकैत अछि?"

2. यशायाह 28:16 - "तेँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम सियोन मे एकटा पाथर, एकटा परीक्षित पाथर, एकटा अनमोल कोनाक पाथर, एकटा निश्चित नींवक नींवक रूप मे राखि रहल छी।"

जकरयाह अध्याय 6 मे दर्शनक श्रृंखलाक समापन चारि रथक दर्शन आ महापुरोहित यहोशूक प्रतीकात्मक ताजपोशीक संग कयल गेल अछि | अध्याय में परमेश्वर के संप्रभुता, भविष्य के लेलऽ हुनकऽ योजना, आरू पुरोहित आरू राजा के भूमिका के मिलन पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत कांस्य के दू पहाड़ के बीच स चारि रथ के दर्शन स होइत अछि। रथ सब स्वर्ग के चारि आत्मा के प्रतिनिधित्व करैत अछि जे पूरा पृथ्वी पर जाइत अछि | ओ सभ परमेश् वरक न्याय अनैत छथि आ जाति सभ पर हुनकर शासन स्थापित करैत छथि (जकराह 6:1-8)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे तीनटा निर्वासित मे सँ चानी आ सोना लऽ कऽ महापुरोहित यहोशूक लेल मुकुट बनेबाक आज्ञा देल गेल अछि। ई प्रतीकात्मक ताजपोशी पुरोहित आरू राजा के भूमिका के मिलन के प्रतिनिधित्व करै छै, जे आबै वाला मसीहा के पूर्वाभास दै छै जे दोनों भूमिका के पूरा करतै । मुकुट के स्मारक के रूप में मंदिर में रखना छै (जकर्याह 6:9-15)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 6 मे दर्शनक श्रृंखलाक समापन चारि रथक दर्शन आ महापुरोहित यहोशूक प्रतीकात्मक ताजपोशीक संग कयल गेल अछि |

भगवान् के न्याय आ हुनक शासन के स्थापना के प्रतिनिधित्व करय वाला चारि रथ के दर्शन |
महापुरोहित यहोशू के प्रतीकात्मक ताजपोशी, जे पुरोहित आरू राजा के भूमिका के मिलन के प्रतिनिधित्व करै छै।
आबै वाला मसीहा के पूर्वाभास जे दुनू भूमिका निभाओत।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत कांस्य के दू पहाड़ के बीच स॑ चारो रथ के दर्शन स॑ होय छै । रथ स्वर्ग के चारो आत्मा के प्रतीक छै जे पूरा पृथ्वी पर जाय छै, जे परमेश्वर के न्याय के निष्पादन करै छै आरू राष्ट्रऽ पर ओकरऽ शासन स्थापित करै छै। अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे तीनटा निर्वासन मे सँ चानी आ सोना लऽ कऽ महापुरोहित यहोशूक लेल मुकुट बनाबय के आज्ञा देल गेल अछि। ई प्रतीकात्मक ताजपोशी पुरोहित आरू राजा के भूमिका के मिलन के प्रतिनिधित्व करै छै, जे आबै वाला मसीहा के पूर्वाभास दै छै जे दोनों भूमिका के पूरा करतै । एहि मुकुट के स्मारक के रूप में मंदिर में राखय के अछि. ई अध्याय परमेश् वर के संप्रभुता, भविष्य के लेलऽ हुनकऽ योजना, आरू आबै वाला मसीहा में पुरोहित आरू राजा के भूमिका के एकीकरण पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

जकरयाह 6:1 हम घुमि कऽ आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे दूटा पहाड़क बीचसँ चारिटा रथ निकलल। आ पहाड़ पीतल के पहाड़ छल।

जकरयाह भविष्यवक्ता पीतलक दूटा पहाड़क बीचसँ चारिटा रथ आबि रहल देखलनि।

1. जकरयाह के अविश्वसनीय दृष्टि: विश्वास आ आज्ञाकारिता में कोना चलल जाय

2. विश्वास मे बाहर निकलब: चलैत पहाड़क शक्ति

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. याकूब 1:2-5 - हे भाइ लोकनि, जखन अहाँ सभ केँ तरह-तरह केर परीक्षा भेटैत अछि, तखन अहाँ सभ केँ ई सभ आनन्दक गणना करू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे अहाँ सभक विश् वासक परीक्षा सँ दृढ़ता उत्पन्न होइत अछि। आ स्थिरताक पूर्ण प्रभाव हो, जाहि सँ अहाँ सभ सिद्ध आ पूर्ण भ' जाउ, जाहि मे कोनो चीजक अभाव नहि हो।

जकरयाह 6:2 पहिल रथ मे लाल घोड़ा छल। आ दोसर रथ मे कारी घोड़ा।

जकरयाह भविष्यवक्ता चारिटा रथ देखलनि जे अलग-अलग रंगक घोड़ा सभ खींचैत छल।

1. विश्वास में प्रतीक के शक्ति: जकरयाह 6:2 के पाछु के अर्थ के खोज

2. जकरयाह 6:2 मे लाल आ कारी घोड़ाक महत्व

1. प्रकाशितवाक्य 6:4-8 - प्रलय के चारि घुड़सवार

2. अय्यूब 39:19-25 - बाइबिल मे घोड़ाक महिमा

जकरयाह 6:3 तेसर रथ मे उज्जर घोड़ा। आ चारिम रथ मे ग्रिसल आ बे घोड़ा।

जकरयाह 6:3 मे विभिन्न रंगक घोड़ा द्वारा खींचैत चारि रथक वर्णन कयल गेल अछि |

1. मध्यस्थताक शक्ति: जकरयाह 6:3 केँ बुझब

2. विश्वास मे आगू बढ़ब: जकरयाह 6:3 के पाठ के लागू करब

1. यशायाह 31:1 - "हाय ओहि सभक लेल जे सहायताक लेल मिस्र जाइत छथि, जे घोड़ा पर भरोसा करैत छथि, जे अपन रथक भीड़ आ अपन घुड़सवार सभक पैघ शक्ति पर भरोसा करैत छथि, मुदा पवित्र परमेश् वर दिस नहि तकैत छथि।" इस्राएल, वा प्रभु सँ सहायता माँगू।”

2. प्रकाशितवाक्य 6:2 - "हम देखलहुँ, एकटा उज्जर घोड़ा। जे ओहि पर बैसल छल, ओकरा धनुष छलैक; ओकरा मुकुट देल गेलैक, आ ओ जीतैत आ जीतय लेल निकलल।"

जकरयाह 6:4 तखन हम ओहि स् वर्गदूत केँ उत्तर देलियैक जे हमरा सँ गप्प क’ रहल छल, “ई सभ की अछि, हमर मालिक?”

स्वर्गदूत जकरयाह केँ चारि टा घोड़ा आ रथ भेंट करैत छथि आ जकरयाह ओकर उद्देश्यक बारे मे पूछताछ करैत छथि।

जकरयाह के सामना एकटा स्वर्गदूत सँ होइत छैक जे ओकरा चारि टा घोड़ा आ रथ देखाबैत छैक आ ओ पूछताछ करैत छैक जे ओकर उद्देश्य की छैक।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकता: जकरयाह 6 मे चारि घोड़ा आ रथक उद्देश्य केँ बुझब

2. जकरयाह 6:4 मे जकरयाहक जिज्ञासाक महत्व

1. जकरयाह 6:4

2. यशायाह 41:10-13, "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी, निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी, हम अहाँ केँ बल देब; हँ, हम अहाँक सहायता करब; हँ, हम अहाँक समर्थन करब हमर धार्मिकताक दहिना हाथ।देखू, जे सभ अहाँ पर क्रोधित छल, से सभ लज्जित आ लज्जित होयत, ओ सभ किछु नहि जेकाँ होयत, आ जे सभ अहाँ सँ झगड़ा करैत अछि, से नाश भ’ जायत तोरा सँ झगड़ा केलकै, जे तोरा सँ लड़ै वाला छै, वू सब कुछ भी नै आरो व्यर्थ चीज के तरह होय जैतै।

जकरयाह 6:5 तखन स् वर्गदूत हमरा कहलथिन, “ई सभ आकाशक चारू आत् मा अछि जे समस्त पृथ्वीक प्रभुक समक्ष ठाढ़ भ’ क’ निकलैत अछि।”

जकरयाह 6:5 मे स्वर्गदूत बतबैत छथि जे आकाशक चारि आत्मा समस्त पृथ्वीक प्रभुक समक्ष ठाढ़ भ’ क’ निकलैत अछि।

1. परमेश् वरक सार्वभौमिकताक घोषणा: आकाशक चारि आत् माक परीक्षण

2. स्वर्गक चारि आत्मा भगवानक महिमा केँ कोना प्रकट करैत अछि

1. दानियल 4:35 - "पृथ्वीक सभ निवासी केँ किछु नहि मानल जाइत अछि, आ ओ स् वर्गक सेना आ पृथ्वीक निवासी मे अपन इच्छाक अनुसार करैत छथि; आ कियो हुनकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने हुनका कहि सकैत अछि जे, 'अहाँ की केलहुँ?'"

2. भजन 103:19 - "प्रभु अपन सिंहासन केँ स्वर्ग मे स्थापित कयलनि, आ हुनकर राज्य सभ पर राज करैत छथि।"

जकरयाह 6:6 ओहि मे जे कारी घोड़ा अछि से उत्तर देश मे जाइत अछि। आ उज्जर लोक हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ निकलि जाइत छथि। आ ग्रिस्ले दक्षिण देश दिस बढ़ैत अछि।

ई अंश राष्ट्रऽ पर परमेश् वर केरऽ न्याय के वर्णन करै छै ।

1: भगवानक निर्णय निश्चित आ अनिवार्य अछि।

2: हमरा सभकेँ अपन काजक प्रति सजग रहबाक चाही आ हुनकर इच्छा पूरा करबाक प्रयास करबाक चाही।

1: रोमियो 2:12-16, कारण जे सभ व्यवस्थाक बिना पाप केने छथि, से सभ व्यवस्थाक बिना पाप केने छथि, आ जे सभ व्यवस्थाक अधीन पाप केने छथि, हुनका सभ केँ व्यवस्थाक अनुसार न्याय कयल जायत।

2: यिर्मयाह 17:10, हम प्रभु हृदय के खोजैत छी आ मन के परीक्षा दैत छी, जे प्रत्येक के अपन कर्म के फल के अनुसार अपन रास्ता के अनुसार देब।

जकरयाह 6:7 खाड़ी बाहर निकलि गेल आ ओ सभ धरती पर एम्हर-ओम्हर घुमबाक लेल जाय चाहैत छल।
तेँ ओ सभ धरती मे एम्हर-ओम्हर घुमैत रहलाह।

खाड़ीकेँ पृथ्वी पार करबाक अनुमति देल गेल छल ।

1: भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ पृथ्वीक खोज करी, आ ओकर रहस्य केँ उजागर करी।

2: हमरा सभ केँ संसार मे घुमबाक अछि आ परमेश् वरक प्रेमक शुभ समाचार प्रचार करबाक अछि।

1: इजकिएल 1:20 - ओ सभ जतय आत्मा जाय चाहैत छल, ओतय जाइत छल, आ पहिया सेहो हुनका सभक संग उठैत छल।

2: भजन 139:7-8 - हम अहाँक आत्मा सँ कतय जा सकैत छी? अहाँक सान्निध्यसँ हम कतए भागि सकब।
जँ हम स्वर्ग मे चढ़ब तऽ अहाँ ओतहि छी; जँ हम अपन बिछाओन गहींर मे बनाबी तँ अहाँ ओतहि छी।

जकरयाह 6:8 तखन ओ हमरा पर चिचिया उठल आ हमरा कहलक, “देखू, ई सभ जे उत्तर देश दिस जाइत अछि, उत्तर देश मे हमर आत्मा केँ शान्त क’ देलक अछि।”

जकरयाह भविष्यवक्ता केँ कहल गेल छनि जे उत्तर दिस जा रहल लोक सभ केँ देखू आ एहि सँ परमेश् वरक आत् मा मे शान्ति आओत।

1. दिशा के शक्ति: भगवान के सान्निध्य में शांति पाना

2. शांति के मार्ग चुनना: भगवान के साथ एकता में चलना

1. यशायाह 2:2-3 - आब अंतिम समय मे एहन होयत जे प्रभुक घरक पहाड़ पहाड़क चोटी पर स्थापित होयत आ पहाड़ी सँ ऊपर उठाओल जायत। आ सभ जाति ओहि दिस बहत। बहुतो लोक आबि कऽ कहत जे, “आउ, हम सभ प्रभुक पहाड़, याकूबक परमेश् वरक घर दिस चलि जाइ।” ओ हमरा सभ केँ अपन बाट सिखाओत, आ हम सभ हुनकर बाट पर चलब।

2. भजन 37:37 - निर्दोष आदमी पर निशान लगाउ, आ सोझ लोकक पालन करू। कारण ओहि मनुष्यक भविष्य शान्ति अछि।

जकरयाह 6:9 परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

प्रभुक वचन जकरयाह लग आबि गेल।

1: प्रभु के वचन के पालन के महत्व।

2: प्रभुक वचन सुनब आ ओकर प्रतिक्रिया देब।

2136

1: व्यवस्था 30:19-20 - "हम अहाँक सोझाँ जीवन-मरण, आशीर्वाद आ अभिशाप राखि देलहुँ। तेँ जीवन चुनू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक संतान अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रेम करैत, हुनकर आवाज केँ मानैत आ हुनका पकड़ि कऽ जीवित रहब।" " .

2: यूहन्ना 14:15 - "जँ अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञाक पालन करब।"

जकरयाह 6:10 हेल्दै, तोबिया आ यदयाह केँ बंदी बनाउ, जे बेबिलोन सँ आयल अछि, आ ओही दिन आबि जाउ आ सफनियाक पुत्र योशियाहक घर मे जाउ।

जकरयाह भविष्यवक्ता लोक सभ केँ निर्देश दैत छथि जे ओही दिन बेबिलोन सँ हेल्दै, टोबिया आ यदयाह केँ सफनियाक पुत्र योशियाहक घर लऽ जाथि।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: परमेश् वर के निर्देश के पालन करना सीखना

2. एकता के आशीर्वाद: विविधता के आत्मसात करब आ दोसर के सशक्त करब

1. प्रेरित 5:27-29 - "ओ सभ हुनका सभ केँ परिषद्क समक्ष राखि देलनि। आ महापुरोहित हुनका सभ सँ पुछलथिन, “की हम सभ अहाँ सभ केँ ई बात नहि कहलहुँ जे अहाँ सभ एहि नाम सँ शिक्षा नहि दिअ? आ, देखू, अहाँ सभ यरूशलेम केँ अपन शिक्षा सँ भरि देलहुँ आ एहि आदमीक खून हमरा सभ पर अनबाक इरादा रखैत छी।

2. याकूब 1:22-24 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि।

जकरयाह 6:11 तखन चानी आ सोना लऽ कऽ मुकुट बनाउ आ ओकरा महापुरोहित योसेदेकक पुत्र यहोशूक माथ पर राखि दियौक।

महापुरोहित यहोशू केँ चानी आ सोनाक मुकुट पहिराओल जेबाक चाही।

1: हमरा सभ केँ परमेश् वरक चुनल गेल नेता सभक आदर करबाक लेल बजाओल गेल अछि, आ हुनका सभ केँ चानी आ सोनाक मुकुट सँ मनाबय लेल बजाओल गेल अछि।

2: हमरा सभ केँ भगवान् द्वारा बजाओल गेल अछि जे भगवान् द्वारा अलग कयल गेल लोकक आदर करबाक लेल आ हुनकर विशिष्ट स्थिति केँ चिन्हबाक लेल।

1: 1 पत्रुस 2:17 - सभक आदर करू। भाईचारा से प्रेम। भगवान् से भय। सम्राट के सम्मान।

2: निष्कासन 28:2 - अहाँ अपन भाइ हारूनक लेल पवित्र वस्त्र बनाउ, जे महिमा आ सौन्दर्यक लेल।

जकरयाह 6:12 हुनका सँ ई कहि दियौन जे, “सेना सभक प्रभु ई कहैत छथि जे देखू, ओ आदमी जिनकर नाम डारि अछि। ओ अपन स्थान सँ बढ़ि कऽ परमेश् वरक मन् दिर बनौताह।

सेना के प्रभु जकरयाह सँ शाखा नामक एक आदमी के बारे में बात करै छै जे प्रभु के मंदिर के निर्माण करतै।

सब सं बढ़ियां

1. शाखा: आशाक एकटा निशानी

2. जगह स बाहर बढ़ब: भगवान के अटूट प्रावधान

सब सं बढ़ियां

1. यशायाह 11:1-2 (यिशै के डारि सँ एकटा छड़ी निकलत आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि निकलत।)

2. हग्गै 2:9 (एहि बादक घरक महिमा पहिने सँ बेसी होयत, सेना सभक प्रभु कहैत छथि)

जकरयाह 6:13 ओ परमेश् वरक मन् दिर बनौताह। ओ महिमा धारण करत आ अपन सिंहासन पर बैसि कऽ शासन करत। ओ अपन सिंहासन पर पुरोहित होयत।

ई अंश मसीह के आबै के बात करै छै, जे प्रभु के मंदिर के निर्माण भी करतै आरू हुनकऽ सिंहासन पर पुरोहित भी बनतै।

1. मसीहक आगमन: हुनकर भूमिका आ महत्व

2. सच्चा शांति के प्रकृति: एकरा अपन जीवन में भेटब

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन रहत, शांति के राजकुमार।

2. भजन 85:8-10 - हम सुनब जे परमेश् वर प्रभु की कहताह, किएक तँ ओ अपन लोक आ अपन पवित्र लोक सभ केँ शान्तिक बात कहताह, मुदा ओ सभ फेर सँ मूर्खता मे नहि घुरि जाय। सेलाह।

जकरयाह 6:14 परमेश् वरक मन् दिर मे स्मारकक रूप मे हेलेम, टोबिया, यदयाह आ सफनियाक पुत्र मुर्गीक मुकुट होयत।

एहि अंश मे प्रभुक मंदिर मे चारि गोटे केँ स्मारकक रूप मे मुकुट ग्रहण करबाक बात कयल गेल अछि |

1. प्रभु के मंदिर में स्मारक के महत्व

2. हम सभ हेलेम, टोबिया, यदयाह आ मुर्गीक नक्शेकदम पर कोना चलि सकैत छी

1. 2 इतिहास 9:16-17 - सुलेमान हथौड़ा सँ मारल सोना सँ दू सय पैघ ढाल बनौलनि। प्रत्येक ढाल मे छह सय शेकेल सोना गेल। ओ हथौड़ा सँ मारल सोना सँ तीन सय ढाल बनौलनि। प्रत्येक ढाल मे तीन सय शेकेल सोना गेल। राजा हुनका सभ केँ लेबनानक जंगलक घर मे राखि देलनि।

२. तखन हम हुनका सभ केँ कहलियनि, “जखन धरि रौद नहि भ’ जायत, ता धरि यरूशलेमक फाटक नहि खुजबाक चाही, आ जाबत धरि ओ सभ पहरेदार ठाढ़ भ’ जायत, ताबत धरि ओकरा सभ केँ बंद क’ क’ दरबज्जा सभ केँ बंद क’ दियौक आ दोसर अपन घरक सोझाँ मे।"

जकरयाह 6:15 दूरक लोक सभ आबि कऽ परमेश् वरक मन् दिर बनाओत आ अहाँ सभ बुझब जे सेना सभक परमेश् वर हमरा अहाँ सभक लग पठौलनि अछि। जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा मानब तँ ई बात होयत।

सेनापति जकरयाह केँ पठौने छथि जे ओ लोक सभ केँ कहथिन जे प्रभुक आवाज मानू।

1. आज्ञाकारिता कुंजी अछि: परमेश् वरक वचनक पालन करबाक आवश्यकता केँ बुझब

2. भगवान् के निष्ठावान आज्ञाकारिता के आशीर्वाद

1. 1 यूहन्ना 5:3 - किएक तँ परमेश् वरक प्रेम ई अछि जे हम सभ हुनकर आज्ञा सभक पालन करी।

2. यहोशू 1:8 - ई धर्म-नियमक पुस्तक अहाँक मुँह सँ नहि निकलत। मुदा अहाँ ओहि मे दिन-राति मनन करब जाहि सँ ओहि मे लिखल सभ बातक अनुसार काज करब।

जकरयाह अध्याय 7 में उपवास के मुद्दा आरू धार्मिक संस्कारऽ के बजाय ईमानदारी स॑ आज्ञाकारिता आरू धर्म के महत्व के बारे म॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै । अध्याय में सच्चा पश्चाताप आरू वास्तविक हृदय परिवर्तन के जरूरत पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत बेथेल स भेजल गेल प्रतिनिधिमंडल स होइत अछि जे पांचम महीना के दौरान उपवास के परंपरा के जारी रखबाक बारे में पूछताछ करय। ओ सभ एहि प्रथाक संबंध मे प्रभुक मार्गदर्शन आ अनुमोदन चाहैत छथि (जकराह 7:1-3)।

2 पैराग्राफ: एकरऽ जवाब म॑ जकरयाह लोगऽ क॑ अतीत केरऽ अवज्ञा आरू विद्रोह के याद दिलाबै छै जेकरा चलतें वू निर्वासन होय गेलै । ओ उपवास के पाछु हुनकर उद्देश्य पर सवाल ठाढ़ करैत छथि आ हुनका याद दिलाबैत छथि जे परमेश् वर मात्र धार्मिक संस्कार के बजाय न्याय, दया आ करुणा के निश्छल काज चाहैत छथि (जकर्याह 7:4-7)।

3 पैराग्राफ: जकरयाह परमेश् वर हुनका सभक पूर्वज सभ केँ भविष्यवक्ता सभक माध्यम सँ देल गेल संदेश सभ केँ बतबैत छथि, जाहि मे हुनका सभ सँ आग्रह कयल गेल अछि जे ओ सभ पश्चाताप करथि आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़ि जाथि। मुदा, लोक सभ सुनबा सँ मना क’ देलक आ अपन काजक परिणाम भोगि लेलक (जकर्याह 7:8-14)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 7 उपवास के मुद्दा के संबोधित करै छै आरू धार्मिक संस्कारऽ स॑ बेसी ईमानदारी स॑ आज्ञाकारिता आरू धर्म के महत्व प॑ जोर दै छै ।

पाँचम मास मे व्रत के परंपरा के जारी रखबाक बारे मे पूछताछ।
जकरयाह के सच्चा पश्चाताप के महत्व आरू न्याय, दया आरू करुणा के वास्तविक काम के याद दिलाबै के बात।
भविष्यवक्ता के माध्यम स॑ परमेश् वर के संदेशऽ के स्मरण, पश्चाताप आरू आज्ञा नै मानला के परिणाम के आग्रह करना ।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय के शुरुआत बेथेल केरऽ एगो प्रतिनिधिमंडल स॑ होय छै जे पांचवा महीना के दौरान उपवास केरऽ परंपरा के निरंतरता के बारे म॑ पूछताछ करै छै । एहि प्रथाक संबंध मे प्रभुक मार्गदर्शन आ अनुमोदन चाहैत छथि | एकरऽ जवाब म॑ जकरयाह लोगऽ क॑ अतीत केरऽ अवज्ञा आरू विद्रोह के याद दिलाबै छै जेकरा चलतें ओकरा निर्वासन होय गेलऽ छेलै । उपवास के पाछू हुनकऽ मंशा पर सवाल उठाबै छै आरू ई बात प॑ जोर दै छै कि भगवान खाली धार्मिक संस्कार के बजाय न्याय, दया आरू करुणा के निश्छल काम चाहै छै । जकरयाह परमेश् वर हुनका सभक पूर्वज सभ केँ भविष्यवक्ता सभक माध्यम सँ देल गेल संदेश सभ केँ सेहो बतबैत छथि, जाहि मे हुनका सभ केँ पश्चाताप करबाक आ अपन दुष्ट मार्ग सँ मुड़बाक आग्रह कयल गेल अछि। मुदा, जनता सुनबा स मना क देलक आ अपन एहि काज क परिणाम भोगि लेलक। ई अध्याय में सच्चा पश्चाताप, वास्तविक आज्ञाकारिता, आरू खाली धार्मिक प्रथा के बजाय एक निश्छल हृदय परिवर्तन के आवश्यकता पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

जकरयाह 7:1 राजा दाराक चारिम वर्ष मे नवम मासक चारिम दिन किस्लेउ मे परमेश् वरक वचन जकरयाह पर आबि गेलनि।

राजा दारा केर चारिम वर्ष मे जकरयाह केँ परमेश् वरक वचन आयल।

1. परमेश् वरक समय एकदम सही अछि: प्रभुक प्रतीक्षा करब सीखब

2. अनिश्चित समय मे विश्वासक संग चलब

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन शक्ति केँ नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त, दौड़त आ थाकि नहि जायत, चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. भजन 27:14 - "प्रभुक प्रतीक्षा करू; साहस करू, ओ अहाँक हृदय केँ मजबूत करताह; हम कहैत छी, प्रभुक प्रतीक्षा करू!"

जकरयाह 7:2 जखन ओ सभ परमेश् वरक घर मे शेरेजर आ रेगेम्मेलेक आ अपन लोक सभ केँ परमेश् वरक समक्ष प्रार्थना करबाक लेल पठौलनि।

बेथेल के लोग शेरेजर आरू रेगेमेलेक कॅ परमेश् वर के घर में प्रार्थना करै लेली भेजलकै।

1. एक संग प्रार्थना करब: समुदाय मे ताकत भेटब

2. कार्रवाई करब: हमर जीवन मे प्रार्थनाक शक्ति

1. याकूब 5:16 - "एहि लेल एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी लोकक प्रार्थना मे काज करैत-करैत बहुत शक्ति होइत छैक।"

2. 1 यूहन्ना 1:9 - "जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ धर्मी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।"

जकरयाह 7:3 सेनाक प्रभुक घर मे रहनिहार पुरोहित सभ आ भविष्यवक्ता सभ सँ ई कहबाक लेल जे, “की हम पाँचम मास मे अलग भ’ क’ कानब, जेना हम एतेक वर्ष धरि क’ रहल छी?”

यहूदा के लोग पूछै छै कि की ओकरा सिनी कॅ पाँचम महीना में सालाना व्रत जारी रखै के चाही, जेना कि बहुत साल सें करी रहलऽ छै।

1. भगवान् हृदयक आज्ञापालन चाहैत छथि, मात्र संस्कारक पालन नहि।

2. अपन पीड़ा मे सेहो भगवानक आज्ञापालन सँ आनन्द भेटि सकैत अछि।

1. व्यवस्था 6:5 - अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ आ अपन समस्त शक्ति सँ प्रेम करू।

2. भजन 119:2 - धन्य छथि ओ सभ जे हुनकर नियमक पालन करैत छथि आ हुनका पूरा मोन सँ तकैत छथि।

जकरयाह 7:4 तखन सेना सभक परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

सेना सभक प्रभु जकरयाह सँ न्याय आ दयाक विषय मे गप्प करैत छथि।

1. भगवानक न्याय: हुनकर दयाक आलोक मे हमरा सभ केँ कोना जीबाक चाही

2. सेनापति के सान्निध्य में रहना

1. व्यवस्था 10:17-19 - कारण, अहाँक परमेश् वर परमेश् वर देवता सभक परमेश् वर आ प्रभु सभक प्रभु छथि, महान, पराक्रमी आ भयावह परमेश् वर छथि, जे पक्षपातपूर्ण नहि छथि आ घूस नहि लैत छथि। 18 ओ अनाथ आ विधवा सभक लेल न्याय करैत अछि आ प्रवासी सँ प्रेम करैत अछि आ ओकरा भोजन आ वस्त्र दैत अछि। 19 तेँ प्रवासी सँ प्रेम करू, किएक तँ अहाँ सभ मिस्र देश मे प्रवासी छलहुँ।

2. भजन 103:6-10 - परमेश् वर ओहि सभ लोकक लेल धार्मिक आ न्याय करैत छथि जे दबल अछि। 7 ओ मूसा केँ अपन बाट-बाट, इस्राएलक लोक सभ केँ अपन काजक जानकारी देलनि। 8 प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। 9 ओ सदिखन डाँटत नहि आ ने अपन क्रोध केँ सदाक लेल राखत। 10 ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि आ ने हमरा सभक अधर्मक प्रतिफल दैत छथि।

जकरयाह 7:5 देशक सभ लोक आ पुरोहित सभ सँ ई कहू जे, “जखन अहाँ सभ पाँचम आ सातम मास मे, ओहि सत्तरि वर्ष मे उपवास आ शोक करैत छलहुँ, तखन की अहाँ सभ हमरा लेल, हमरा लेल, उपवास केलहुँ?

देशक लोक आ पुरोहित सभ केँ ई जाँच करबाक लेल बजाओल गेल अछि जे सत्तर वर्षक बंदी मे ओ सभ सही मे प्रभुक उपवास केने छथि वा नहि।

1: हमरा सभ केँ सदिखन ई सुनिश्चित करबाक चाही जे हम सभ अपन उपवास आ शोक सँ सही मायने मे प्रभुक सेवा क' रहल छी।

2: हमरा सभ केँ अपन हृदयक परीक्षण करबाक चाही आ अपना सँ पूछबाक चाही जे की हम सभ सही मे प्रभुक उपवास क' रहल छी।

1: कुलुस्सी 3:17 अहाँ सभ जे किछु वचन वा काज मे करब, से प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा परमेश् वर आ पिता केँ धन्यवाद दैत।

2: मत्ती 6:16-18 जखन अहाँ उपवास करैत छी तँ पाखंडी सभ जकाँ उदास नहि देखू, किएक तँ ओ सभ अपन मुँह केँ विकृत कऽ दैत छथि जे ओ सभ दोसर केँ उपवास कऽ रहल छथि। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ अपन इनाम पूरा भेटि गेलनि अछि। मुदा जखन अहाँ उपवास करब तखन माथ पर तेल लगाउ आ मुँह धोउ, जाहि सँ दोसर केँ ई स्पष्ट नहि हो जे अहाँ उपवास कऽ रहल छी, बल् कि मात्र अहाँक पिता जे अदृश्य छथि। आ अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ कयल गेल काज देखैत छथि, अहाँ सभ केँ इनाम देताह।

जकरयाह 7:6 जखन अहाँ सभ भोजन केलहुँ आ जखन अहाँ सभ पीलहुँ तखन की अहाँ सभ अपना लेल नहि खयलहुँ आ नहि पीलहुँ?

इस्राएलक लोक सभ जकरयाह पुछलनि जे की ओ सभ मात्र अपना लेल खाइत-पीबैत छी।

1. आत्मत्याग के शक्ति: हम अपन कर्म के माध्यम स दोसर के सेवा कोना करैत छी

2. स्वार्थक खतरा: अपना पर बेसी ध्यान देबय सँ कोना बचि सकैत छी

1. फिलिप्पियों 2:3-4 - स्वार्थी महत्वाकांक्षा या व्यर्थ अभिमान स किछु नहि करू। बल्कि विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्व राखू।

2. मत्ती 25:35-40 - किएक तँ हम भूखल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु खाएलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ हमरा किछु पीबय देलहुँ, हम पराया छलहुँ आ अहाँ हमरा भीतर बजौलहुँ।

जकरयाह 7:7 की अहाँ सभ केँ ई बात नहि सुनबाक चाही जे परमेश् वर पूर्वक भविष्यवक्ता सभक द्वारा पुकारलनि, जखन यरूशलेम मे लोक सभ रहैत छल आ ओकर चारूकातक शहर सभ मे लोक सभ रहैत छल आ ओकर चारूकातक शहर सभ मे लोक सभ रहैत छल?

यरूशलेम मे आबाद आ समृद्ध रहला पर सेहो परमेश् वर अपन लोक सभ केँ पूर्वक भविष्यवक्ता सभक बात पर ध्यान देबाक लेल आह्वान कयलनि।

1. समृद्धि के खतरा: पूर्व भविष्यवक्ता सब स सीखब

2. आशीर्वाद आ आरामक समय मे प्रभुक आज्ञा मानब

1. व्यवस्था 6:1-3 प्रभु सँ पूरा मोन सँ प्रेम करू

2. यशायाह 1:16-17 अपना केँ धोउ, अपना केँ साफ करू। हमर आँखिक सोझाँ सँ अहाँक काजक अधलाह केँ दूर करू। अधलाह करब छोड़ि दियौक।

जकरयाह 7:8 तखन परमेश् वरक वचन जकरयाह केँ आयल जे।

परमेश् वर जकरयाह केँ न्याय आ दयाक संग न्याय करबाक आज्ञा देलनि।

1. भगवानक दया आ न्याय: जीवनक मार्गदर्शक तरीका

2. न्याय आ दया के माध्यम स अपन पड़ोसी स प्रेम करब

1. मीका 6:8, "हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक की देखौलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की चाहैत छथि? न्यायपूर्वक काज करब आ दया सँ प्रेम करब आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलब।"

2. मत्ती 7:12, "तँ सभ किछु मे, दोसरो केँ ओहिना करू जेना अहाँ चाहैत छी जे ओ अहाँ सभक संग करय, कारण एहि सँ व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभक सारांश अछि।"

जकरयाह 7:9 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “सत् य न्याय करू, आ प्रत्येक अपन भाय पर दया आ दया करू।

सच्चा न्याय करू, दया करू आ एक दोसरा पर दया करू।

1. मसीही जीवन मे न्याय, दया, आ करुणा के महत्व

2. अपन पड़ोसीसँ अपना जकाँ प्रेम करबाक आह्वान

1. मीका 6:8 - हे नश्वर, ओ अहाँ केँ नीक बात देखा देलनि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि? न्यायपूर्वक काज करबाक लेल आ दया सँ प्रेम करबाक लेल आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलबाक लेल।

2. याकूब 2:8 - जँ अहाँ सचमुच शास्त्र मे भेटय बला राजकीय नियम केँ पालन करैत छी, अपन पड़ोसी केँ अपना जकाँ प्रेम करू, त' अहाँ सही क' रहल छी।

जकरयाह 7:10 आ विधवा, आ ने पिता, परदेशी आ ने गरीब पर अत्याचार नहि करू। आ अहाँ सभ मे सँ कियो अपन भाय पर अधलाहक कल्पना अपन मोन मे नहि करथि।

ई अंश हमरा सब क॑ जरूरतमंद लोगऽ के प्रति उदार आरू दयालु होय लेली प्रोत्साहित करै छै, आरू अपनऽ काम स॑ दोसरऽ क॑ नुकसान नै पहुँचाबै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. "दोसरक संग करू: विधवा, अनाथ, परदेशी आ गरीबक देखभाल"।

2. "अपन पड़ोसी सँ प्रेम करू: दोसरक विरुद्ध बुराईक कल्पना करबा सँ परहेज करबाक आह्वान"।

1. याकूब 1:27 - "पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि: अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।"

2. मत्ती 7:12 - "अहाँ सभ जे चाहैत छी जे दोसर अहाँ सभक संग करथि, हुनका सभक संग सेहो करू, किएक तँ ई व्यवस्था आ भविष्यवक्ता सभ अछि।"

जकरयाह 7:11 मुदा ओ सभ सुनबा सँ मना कऽ देलक आ कान हटि कऽ कान रोकि लेलक जे ओ सभ नहि सुनय।

लोक परमेश् वरक वचन सुनबासँ मना कऽ देलक आ ओकर पालन करबासँ मना कऽ देलक।

1. विश्वासक जीवन जीबाक लेल भगवानक बात सुनब अनिवार्य अछि।

2. आज्ञाकारिता विश्वास आ आशीर्वादक जीवनक कुंजी अछि।

1. व्यवस्था 11:26-28 - "देखू, हम आइ अहाँक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद जँ अहाँ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, आ शाप जँ अहाँ सभ केँ।" अपन परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू।”

2. नीतिवचन 3:5-6 - "अपन पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन बुद्धि पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, ओ अहाँक बाट सोझ करताह।"

जकरयाह 7:12 हँ, ओ सभ अपन हृदय केँ एकटा अडिग पाथर जकाँ बना लेलक, जाहि सँ ओ सभ धर्म-नियम आ ओहि बात सभ केँ नहि सुनथि जे सेना सभक परमेश् वर पूर्वक भविष्यवक्ता सभक द्वारा अपन आत् मा मे पठौने छथि.

लोक सभ प्रभु द्वारा पठाओल गेल व्यवस्था आ वचन सुनबा सँ मना क' देने छल। एकरऽ परिणाम ई छेलै कि प्रभु केरऽ बहुत क्रोध के सामना करना पड़लै ।

1. आज्ञाकारिता बलिदान सँ नीक अछि: भगवान् केर आज्ञा नहि मानलाक परिणाम

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

1. भजन 19:7-11 - प्रभुक व्यवस्था सिद्ध अछि, जे आत्मा केँ पुनर्जीवित करैत अछि; प्रभुक गवाही निश्चित अछि, सरल लोक केँ बुद्धिमान बना दैत अछि।

2. यिर्मयाह 7:23-24 - मुदा हम हुनका सभ केँ ई आज्ञा देलियनि जे हमर बात मानू, हम अहाँक परमेश् वर बनब आ अहाँ सभ हमर प्रजा बनब। आ जाहि तरहेँ हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि सभ बाट पर चलू, जाहि सँ अहाँ सभक भलाई हो।”

जकरयाह 7:13 तेँ एहन भेल जे जखन ओ चिचिया उठलाह, मुदा ओ सभ नहि सुनय लगलाह। तेँ ओ सभ चिचिया उठल आ हम नहि सुनय चाहैत छलहुँ, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना केरऽ प्रभु लोगऽ के पुकार नै सुनी रहलऽ छै, कैन्हेंकि वू लोगऽ के आह्वान सुनै सें मना करी देलकै।

1. परमेश् वरक आह्वान सुनबाक महत्व

2. भगवान् के आवाज के अनदेखी के परिणाम

1. याकूब 1:19-20 हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, ई बात जानि लिअ: सभ लोक सुनबा मे देरी, बाजबा मे देरी, क्रोध मे मंद रहू। कारण मनुष्यक क्रोध परमेश् वरक धार्मिकता नहि उत्पन्न करैत अछि।

2. नीतिवचन 2:6 कारण, प्रभु बुद्धि दैत छथि। ओकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत छैक।

जकरयाह 7:14 मुदा हम ओकरा सभ केँ बवंडर सँ ओहि सभ जाति मे छिड़िया देलहुँ, जकरा ओ सभ नहि चिन्हैत छल। एहि तरहेँ हुनका सभक बाद देश उजाड़ भ’ गेल छल, जाहि सँ केओ ओहि मे सँ नहि गुजरल आ ने घुरल, कारण ओ सभ सुखद देश केँ उजाड़ क’ देलक।

परमेश् वर यहूदाक लोक सभ केँ सभ जाति मे छिड़िया देलनि, जाहि सँ ओ देश उजाड़ आ निर्वासित रहि गेल।

1. प्रभु के अनुशासन: दुख के समय में भगवान के प्रोविडेंस पर भरोसा करना

2. प्रभुक आज्ञा नहि मानब: परमेश् वरक आज्ञाक अवज्ञा करबाक परिणाम

1. यशायाह 54:3, "किएक तँ अहाँ दहिना आ बामा कात तोड़ि देब। आ अहाँक वंशज गैर-यहूदी सभक उत्तराधिकारी बनत आ उजाड़ नगर सभ मे रहबाक लेल बनाओत।"

2. भजन 106:44-46, "तइयो ओ हुनका सभक क्लेश केँ देखलनि, जखन ओ हुनका सभक पुकार सुनि हुनका सभक लेल अपन वाचा केँ स्मरण कयलनि आ अपन दयाक भरमारक अनुसार पश्चाताप कयलनि। ओ सभ हुनका सभ पर दया सेहो कयलनि।" जे ओकरा सभकेँ बंदी बना लेलक।”

जकरयाह अध्याय 8 मे परमेश् वरक पुनर्स्थापन आ यरूशलेम पर आशीषक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि। अध्याय भविष्य के समृद्धि, शांति आरू परमेश्वर के अपनऽ लोगऽ के साथ संबंध के पुनर्स्थापन पर जोर दै छै ।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत प्रभु के प्रतिज्ञा स॑ होय छै कि वू यरूशलेम क॑ पुनर्स्थापित करी क॑ अपनऽ लोगऽ के बीच म॑ रहतै । ओ हुनका सभ केँ यरूशलेम के प्रति अपन उत्साह आ प्रेम के बारे मे आश्वस्त करैत छथि, आओर घोषणा करैत छथि जे शहर के पुनर्निर्माण आ एक बेर फेर सं समृद्धि होयत (जकर्याह 8:1-5)।

2 पैराग्राफ: अध्याय आगू बढ़ैत अछि जे यरूशलेम के पुनर्स्थापन के संग जे आशीर्वाद होयत ओकर वर्णन। बुजुर्ग आ बच्चा सब सड़क पर भरि जायत, आ शहर अपन समृद्धि, सुरक्षा, आ प्रचुरता लेल जानल जायत। यरूशलेम में अलग-अलग जाति के लोग प्रभु के अनुग्रह माँगै लेली आबै वाला छै (जकरयाह 8:6-8)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय मे लोकक जीवनक परिवर्तन पर प्रकाश देल गेल अछि | प्रभु अपनऽ लोगऽ क॑ राष्ट्रऽ स॑ जुटाबै के, ओकरऽ भाग्य क॑ बहाल करै के आरू ओकरा पवित्र लोगऽ के रूप 2143

म॑ स्थापित करै के प्रतिज्ञा करै छै । ओ हुनका सभ केँ आश्वस्त करैत छथि जे ओ सभ हुनकर उपस्थिति केँ जानताह आ हुनकर आशीर्वादक अनुभव करताह (जकराह 8:9-13)।

4 म पैराग्राफ: अध्याय के समापन धर्म आ न्याय के आह्वान स होइत अछि। प्रभु लोक सभ सँ आग्रह करैत छथि जे ओ सत्य बाजथि, उचित न्याय करथि आ एक-दोसर पर दया आ करुणा करथि। ओ एहन समाज चाहैत छथि जेकर विशेषता धर्म आ शांति हो (जकराह 8:14-17)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 8 मे परमेश् वरक पुनर्स्थापन आ यरूशलेम पर आशीषक दर्शन प्रस्तुत कयल गेल अछि।

यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू परमेश्वर के अपनऽ लोगऽ के बीच में निवास के प्रतिज्ञा।
बहाली के साथ जे आशीर्वाद होतै ओकरऽ वर्णन, जेकरा म॑ समृद्धि, सुरक्षा, आरू प्रचुरता शामिल छै ।
लोकक जीवनक परिवर्तन, छिड़ियाएल लोकक जुटान, भाग्यक पुनर्स्थापन, आ पवित्र लोकक रूप मे स्थापनाक संग।
शांति के विशेषता वाला समाज के निर्माण में धर्म, न्याय, सत्य, आरू करुणा के आह्वान।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय प्रभु केरऽ यरूशलेम केरऽ पुनर्स्थापना आरू अपनऽ लोगऽ के बीच में रहै के प्रतिज्ञा स॑ शुरू होय छै । ओ यरूशलेम के प्रति अपन प्रेम आ उत्साह के आश्वस्त करैत छथि, घोषणा करैत छथि जे शहर के पुनर्निर्माण आ एक बेर फेर सं समृद्धि होयत। अध्याय आगू यरूशलेम के बहाली के साथ मिलै वाला आशीष के वर्णन के साथ छै, जेकरा में सड़कऽ पर बुजुर्ग आरू बच्चा सिनी के उपस्थिति, समृद्धि, सुरक्षा आरू प्रचुरता शामिल छै। यरूशलेम में अलग-अलग जाति के लोग प्रभु के अनुग्रह माँगै लेली आबै वाला छै। अध्याय में जनता के जीवन के परिवर्तन पर प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै, जेकरा में बिखरी गेलऽ लोगऽ के इकट्ठा होय के, भाग्य के पुनर्स्थापना, आरू पवित्र जन के रूप में स्थापना होय के बात करलऽ गेलऽ छै । प्रभु शांति के विशेषता वाला समाज के कामना करी क॑ लोगऽ क॑ धर्म, न्याय, सत्य, आरू करुणा के तरफ बुलाबै छै । ई अध्याय भविष्य के समृद्धि, शांति आरू परमेश्वर के अपनऽ लोगऽ के साथ संबंध के पुनर्स्थापन पर जोर दै छै ।

जकरयाह 8:1 फेर सेना सभक परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वरक वचन जकरयाह केँ एकटा दर्शनक माध्यमे आबि गेलनि।

1. परमेश् वरक वचन आइ शक्तिशाली आ प्रासंगिक अछि

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक महत्व

1. रोमियो 10:17 तेँ विश्वास सुनला सँ अबैत अछि आ सुनला सँ मसीहक वचन द्वारा।

२.

जकरयाह 8:2 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। हम सियोन के लेल बहुत ईर्ष्या के संग ईर्ष्या करैत छलहुँ, आ ओकरा लेल बहुत क्रोध सँ ईर्ष्या करैत छलहुँ।

सेना केरऽ प्रभु सिय्योन के प्रति अपनऽ बहुत ईर्ष्या आरू क्रोध व्यक्त करै छै ।

1. "एकटा भगवान जे परवाह करैत छथि: सिय्योन के लेल प्रभु के ईर्ष्या"।

2. "प्रभुक अपन लोकक प्रति अटूट प्रतिबद्धता"।

1. यिर्मयाह 29:11 - "किएक तँ हम अहाँ सभक लेल जे योजना बनौने छी से जनैत छी, प्रभु कहैत छथि, अहाँ सभ केँ समृद्ध करबाक योजना बना रहल छी आ अहाँ सभ केँ कोनो नुकसान नहि पहुँचेबाक योजना अछि, अहाँ सभ केँ आशा आ भविष्य देबाक योजना अछि।"

2. होशे 11:8 - "हे एप्रैम, हम अहाँ केँ कोना छोड़ि सकैत छी? हे इस्राएल, हम अहाँ केँ कोना सौंपब? हम अहाँ केँ अदमा जकाँ कोना बना सकब? हम अहाँ केँ जबोयम जकाँ कोना व्यवहार करब? हमर हृदय हमरा भीतर पाछू भ' जाइत अछि; हमर करुणा गरम आ कोमल भ' जाइत अछि।"

जकरयाह 8:3 प्रभु ई कहैत छथि। हम सियोन घुरि गेल छी आ यरूशलेमक बीच मे रहब। आ सेना सभक परमेश् वरक पहाड़ पवित्र पहाड़।

परमेश् वर सियोन घुरि रहल छथि आ यरूशलेमक बीच मे रहताह, एकरा सत्यक नगर आ सेना सभक परमेश् वरक पहाड़ पवित्र पहाड़ घोषित करताह।

1. परमेश् वरक अटूट निष्ठा

2. सत्यक शहर

1.भजन 48:1-2 "प्रभु महान छथि आ हमरा सभक परमेश् वरक नगर मे बहुत स्तुति करबाक अछि! हुनकर पवित्र पहाड़, ऊँचाई मे सुन्दर, समस्त पृथ्वीक आनन्द अछि, सिय्योन पहाड़, सुदूर उत्तर मे महान राजा के नगर।"

2. यशायाह 52:7 "पर्वत पर कतेक सुन्दर अछि ओकर पैर जे शुभ समाचार अनैत अछि, जे शान्तिक प्रचार करैत अछि, जे सुखक शुभ समाचार दैत अछि, जे उद्धारक प्रचार करैत अछि, जे सिय्योन केँ कहैत अछि जे अहाँक परमेश् वर राज करैत छथि।"

जकरयाह 8:4 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। यरूशलेमक गली-गली मे बूढ़-बूढ़-पुरान आ सभ-अपन लाठी हाथ मे ल' क' बहुत उम्र धरि रहताह।

जकरयाह 8:4 के ई अंश सेना के प्रभु के बारे में बात करै छै, आरू यरूशलेम में रहय वाला बूढ़ऽ लोगऽ के दर्शन के प्रकट करै छै, जेकरा हाथऽ में लाठी छै, ओकरऽ उम्र के कारण।

1. उम्रक बुद्धि: वरिष्ठ नागरिकक बहुमूल्य पाठ केँ आत्मसात करब

2. परमेश् वरक अपन लोक सभक प्रति प्रतिज्ञा: सेना सभक प्रभु मे आशा आ ताकत भेटब

1. यशायाह 46:4 - अहाँक बुढ़ापा आ धूसर केश धरि हम ओ छी, हम ओ छी जे अहाँक भरण-पोषण करब। हम अहाँकेँ बनौने छी आ हम अहाँकेँ ढोबब; हम अहाँक पोषण करब आ हम अहाँक उद्धार करब।

2. भजन 71:9 - बुढ़ापा मे हमरा नहि फेकि दिअ; जखन हमर ताकत खतम भ’ जायत तखन हमरा नहि छोड़ू।

जकरयाह 8:5 शहरक गली-गली मे लड़का-लड़की सभ भरल रहत जे ओकर सड़क पर खेलाइत रहत।

जकरयाह 8:5 समुदाय आरू आनन्द के महत्व पर जोर दै छै, सड़कऽ क॑ खेलै वाला बच्चा सिनी स॑ भरलऽ रहै लेली प्रोत्साहित करै छै ।

1. "समुदाय के आनन्द: एकजुटता के वरदान के गले लगाना"।

2. "एकटा कॉल टू प्ले: बचपन के जादू के पुनः खोज"।

1. भजन 133:1 - "देखू, भाइ सभक एक संग रहब कतेक नीक आ कतेक सुखद अछि!"

2. नीतिवचन 22:6 - "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही। आ जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

जकरयाह 8:6 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। जँ आइ-काल्हि एहि लोकक शेष लोकक नजरि मे ई अद्भुत अछि तऽ की ई हमरा नजरि मे सेहो अद्भुत होयत? सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना के प्रभु सवाल करै छै कि की ई हुनकऽ नजर में अद्भुत छै, जेना कि ई लोगऽ के अवशेष के नजर में छै ।

2145

1. दैनिक जीवन मे भगवान के प्रेम के कोना चिन्हल जाय

2. हम सब जे किछु करैत छी ताहि मे परमेश् वरक अनुमोदन लेबाक आह्वान

1. रोमियो 8:28-39 - परमेश् वरक प्रेम आ अपन लोकक लेल योजना

2. इफिसियों 2:10-14 - हमरा सभ मे परमेश् वरक नीक काज

जकरयाह 8:7 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, हम अपन लोक केँ पूरब आ पश्चिम देश सँ बचा लेब।

भगवान् अपन लोक केँ संसारक चारू कात सँ बचा लेताह।

1. भगवानक रक्षाक प्रतिज्ञा: अनिश्चितताक समय मे आश्वासन

2. परमेश् वरक निष्ठा: विपत्तिक समय मे हुनक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. यशायाह 41:10, डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी; त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2. यशायाह 43:2, जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब; नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।

जकरयाह 8:8 हम हुनका सभ केँ आनि देब, आ ओ सभ यरूशलेमक बीच मे रहताह, आ ओ सभ हमर लोक होयत, आ हम हुनकर सभक परमेश् वर बनब, सत् य आ धार्मिकता मे।

परमेश् वर लोक सभ केँ यरूशलेम मे अनताह आ ओ सभ हुनकर लोक बनताह, आ ओ हुनकर सभक परमेश् वर सत् य आ धार्मिकताक संग बनताह।

1. परमेश् वरक सत्य आ धार्मिकताक वाचा

2. यरूशलेमक बीच मे रहब

1. यशायाह 55:3 - "अपन कान झुकाउ आ हमरा लग आबि जाउ; सुनू, जाहि सँ अहाँक प्राण जीवित रहय; आ हम अहाँक संग अनन्त वाचा करब, जे दाऊदक प्रति हमर दृढ़ आ निश्चिंत प्रेम अछि।"

2. भजन 37:3 - "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; तेँ अहाँ देश मे रहब आ सुरक्षित रहब।"

जकरयाह 8:9 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ जे एहि दिन मे भविष्यवक्ता सभक मुँह सँ ई बात सुनैत छी, जे ओहि दिन मे छल, जखन सेना सभक परमेश् वरक घरक नींव राखल गेल छल, जाहि सँ मन्दिरक निर्माण हो।

सेना केरऽ परमेश् वर सुनै वाला सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि जे समय में परमेश् वर के मंदर के नींव रखलऽ गेलऽ छेलै, तब॑ समय में कहलऽ गेलऽ भविष्यवक्ता सिनी के वचन सुनै, ताकि ओकरऽ निर्माण होय सकै।

1. प्रभुक वचन सुनबा मे जे ताकत भेटैत अछि

2. सेना सभक प्रभुक आज्ञाक पालन करब

1. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; दौड़त, आ थाकि नहि जायत, आ चलत, आ बेहोश नहि होयत।"

2. याकूब 1:22 - "मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत।"

जकरयाह 8:10 किएक तँ एहि दिन सँ पहिने मनुक्खक लेल कोनो भाड़ा नहि छल आ जानवरक लेल कोनो भाड़ा नहि छल। कष्टक कारणेँ जे बाहर निकलल छल वा भीतर गेल छल ओकरा कोनो शान्ति नहि भेलैक।

परमेश् वर हमरा सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे हुनकर कृपा सँ पहिने सभ एक-दोसरक संग दुःख आ झगड़ाक स्थिति मे छलाह।

1: हम सभ धन्य छी जे भगवान् आ एक-दोसरक संग मेल-मिलाप भ' गेल छी, तेँ आउ, शान्ति आ एकता मे रहू।

2: भगवान् हमरा सभकेँ गुजर-बसर करबाक साधन आ अवसर देने छथि, तेँ हम सभ लगन आ निष्ठापूर्वक काज करी।

1: रोमियो 5:1-2 - तेँ हम सभ विश् वास द्वारा धर्मी ठहराओल गेल छी, तेँ हमरा सभ केँ अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वरक संग शान्ति अछि। हुनका द्वारा हम सभ एहि अनुग्रह मे सेहो विश् वास द्वारा प्रवेश पाबि गेल छी जाहि मे हम सभ ठाढ़ छी, आ परमेश् वरक महिमाक आशा मे आनन्दित छी।

2: इफिसियों 2:14-16 - किएक तँ ओ स्वयं हमरा सभक शान्ति छथि, जे हमरा दुनू गोटे केँ एक बनौलनि आ अपन शरीर मे शत्रुताक विभाजन करयवला देबाल केँ तोड़ि देलनि आ नियम मे व्यक्त आज्ञाक व्यवस्था केँ समाप्त क’ देलनि, जाहि सँ ओ अपना मे सृजन करथि दुनूक स्थान पर एकटा नव आदमी, एहि तरहेँ शांति बना, आ क्रूसक माध्यमे हमरा दुनू गोटे केँ एक शरीर मे परमेश् वरक संग मेल मिलाप क' सकय, जाहि सँ शत्रुता केँ मारि देल जाय।

जकरयाह 8:11 मुदा आब हम एहि लोकक शेष लोकक लेल पहिने जकाँ नहि रहब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् जनता पर दया आरू दया देखाबै के वचन दै छै आरू ओकरा पहिने स॑ बेहतर हालत म॑ वापस लाबै छै ।

1. परमेश् वरक दया आ अपन लोकक प्रति दया

2. परमेश् वरक प्रेमक माध्यमे बहाली

1. यशायाह 57:15-18 किएक तँ ई कहैत छथि जे अनन्त काल मे रहनिहार ऊँच आ ऊँच छथि, जिनकर नाम पवित्र अछि। हम ऊँच आ पवित्र स्थान मे रहैत छी, हुनका संग जे पश्चाताप आ विनम्र आत् माक अछि, विनम्र लोकक आत् मा केँ पुनर्जीवित करबाक लेल आ पश्चाताप करयवला सभक हृदय केँ पुनर्जीवित करबाक लेल।

2. व्यवस्था 7:9-10 तेँ ई जानि लिअ जे तोहर परमेश् वर यहोवा, ओ परमेश् वर छथि, विश् वासी परमेश् वर छथि, जे हुनका सँ प्रेम करयवला सभक संग वाचा आ दयाक पालन करैत छथि आ हजार पीढ़ी धरि हुनकर आज्ञाक पालन करैत छथि।

जकरयाह 8:12 किएक तँ वंश सम्पन्न होयत। बेल ओकरा फल देतैक, आ जमीन ओकरा फल देतैक, आ आकाश ओकर ओस देतैक। हम एहि लोकक शेष लोक केँ एहि सभ वस्तु केँ अपना मे समेटि देब।”

प्रभु जे हुनका प्रति वफादार रहत हुनका समृद्धि आ प्रचुरता प्रदान करताह।

1: निष्ठा के आशीर्वाद काटब

2: भगवान् के प्रावधान के प्रचुरता

1: याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2147

2: भजन 65:11 - अहाँ अपन वरदान सँ वर्षक मुकुट पहिरबैत छी, आ अहाँक गाड़ी सभ प्रचुरता सँ उमड़ि जाइत अछि।

जकरयाह 8:13 हे यहूदा आ इस्राएलक वंशज, जेना अहाँ सभ जाति-जाति सभक बीच अभिशाप छलहुँ।
तहिना हम अहाँ सभ केँ उद्धार करब, आ अहाँ सभ आशीष बनि जायब।

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ उद्धार आ आशीर्वाद देबाक वादा करैत छथि जँ ओ सभ हुनका पर भरोसा करथि।

1: प्रभु पर भरोसा करू कारण ओ प्रबंध करताह

2: भगवान् पर विश्वास राखू कारण ओ रक्षा करताह

1: यशायाह 41:10 - डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँकेँ अपन धर्मी दहिना हाथसँ सहारा देब।

2: भजन 46:1 - परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक छथि।

जकरयाह 8:14 सेनाक परमेश् वर ई कहैत छथि। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जेना हम अहाँ सभ केँ दंड देबाक लेल सोचने रही।

हमरऽ बार-बार आज्ञा नै मानला के बावजूद भी परमेश् वर के प्रेम आरू दया अपनऽ लोगऽ के प्रति।

1: परमेश् वर नीक आ दयालु छथि - रोमियो 5:8

2: पश्चाताप के दिल - यशायाह 55:7

1: विलाप 3:22-23 - "प्रभुक अडिग प्रेम कहियो नहि रुकैत अछि; हुनकर दया कहियो समाप्त नहि होइत छनि; ओ सभ दिन भोरे-भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि।"

2: भजन 103:8-14 - "प्रभु दयालु आ कृपालु छथि, क्रोध मे मंद छथि आ अडिग प्रेम मे प्रचुर छथि। ओ सदिखन डाँटि नहि देताह, आ ने अपन क्रोध केँ सदाक लेल राखताह। ओ हमरा सभक पापक अनुसार व्यवहार नहि करैत छथि।" , आ ने हमरा सभक अधर्मक बदला दिअ हम सब."

जकरयाह 8:15 हम एहि दिन मे फेर सोचलहुँ जे यरूशलेम आ यहूदाक घरानाक लेल नीक काज करी।

परमेश् वर यरूशलेम आरू यहूदा के लेलऽ भलाई करै के अपनऽ इच्छा व्यक्त करी रहलऽ छै आरू ओकरा सिनी क॑ डर नै लगै लेली प्रोत्साहित करी रहलऽ छै ।

1. रक्षाक प्रतिज्ञा: परमेश् वरक वचन मे ताकत भेटब

2. भय पर विजय प्राप्त करब: भगवानक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक। तेँ पृथ् वी हटि गेल आ पहाड़ समुद्रक बीचोबीच भऽ जाय तँ हम सभ नहि डेराएब। भले ओकर पानि गर्जैत आ घबराइत हो, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ हिलैत अछि।

2. यशायाह 41:10 अहाँ नहि डेराउ। हम अहाँक संग छी। हम तोहर परमेश् वर छी। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँ केँ अपन धार्मिकताक दहिना हाथ सँ सहारा देब।”

जकरयाह 8:16 ई सभ काज अहाँ सभ करब। अहाँ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ सत् य बाजू। अपन फाटक मे सत्य आ शान्तिक न्याय करू।

हमरा सब के अपन पड़ोसी स सच्चाई स बात करबाक चाही आ अपन समुदाय के शांति आनबाक चाही।

1. सत्यक शक्ति: अपन वचनक उपयोग भलाई लेल करब

2. अपन समुदाय मे शांति प्राप्त करब

1. इफिसियों 4:25 - तेँ अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे अपन पड़ोसी सँ झूठ बाजब, किएक तँ हम सभ एक-दोसरक अंग छी।

2. नीतिवचन 3:17 - ओकर बाट सुखद बाट अछि, आ ओकर सभ बाट शान्ति अछि।

जकरयाह 8:17 अहाँ सभ मे सँ कियो अपन पड़ोसीक विरुद्ध अपन हृदय मे बुराई नहि सोचय। ओ झूठ शपथ नहि खाउ, किएक तँ ई सभटा एहन बात अछि जकरा हम घृणा करैत छी, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर एक-दोसरक विरुद्ध कोनो तरहक बुराईक विचार सँ घृणा करैत छथि, संगहि झूठ शपथ सँ सेहो घृणा करैत छथि।

1. पड़ोसीसँ प्रेम करब: एकता आ दयालुताक महत्व

2. सत्यताक शक्ति: ईमानदारीक मूल्य बुझब

1. लूका 10:27 - "ओ उत्तर देलथिन, “अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ अपन पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ, अपन समस्त सामर्थ् य आ पूरा मोन सँ प्रेम करू, आ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करू।"

2. मत्ती 5:33-37 - "अहाँ सभ फेर सुनलहुँ जे पुरान समयक लोक सभ कहैत छल जे अहाँ अपना केँ गलत शपथ नहि मानब, बल् कि प्रभुक शपथ केँ पूरा करब। मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, शपथ नहि करू।" सब, ने स्वर्ग, किएक तँ ई परमेश् वरक सिंहासन अछि, आ ने पृथ् वी, किएक तँ ई ओकर पएरक आधार अछि, ने यरूशलेम, किएक तँ ई महान राजाक नगर अछि एक केश उज्जर वा कारी। मुदा अहाँ सभक संवाद हो, हँ, हँ, नहि, नहि, किएक तँ एहि सभ सँ बेसी जे किछु अछि से अधलाह सँ होइत अछि।"

जकरयाह 8:18 सेना सभक परमेश् वरक वचन हमरा लग आयल जे।

परमेश् वर अपनऽ लोगऽ क॑ न्याय के पालन करै आरू दया स॑ प्रेम करै लेली आह्वान करी रहलऽ छै ।

1: दयालु आ न्यायी बनू - भगवान् केँ प्रसन्न करबाक लेल हमरा सभ केँ न्याय आ दया सँ प्रेम करबाक चाही।

2: दया सँ प्रेम करबाक आह्वान - भगवानक इच्छा पूरा करबाक लेल हमरा सभ केँ दोसर पर दया करबाक चाही।

1: मीका 6:8: हे मनुष्य, ओ अहाँ केँ नीक देखौलनि अछि। आ प्रभु अहाँ सँ की माँगैत छथि, सिवाय न्याय करब, दया सँ प्रेम करब, आ अपन परमेश् वरक संग विनम्रतापूर्वक चलब?

2: याकूब 2:13: कारण जे कोनो दया नहि केने अछि, ओकरा पर न्याय दया नहि होइत छैक। दया न्याय पर विजय प्राप्त करैत अछि।

जकरयाह 8:19 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। चारिम मासक उपवास, पाँचम मासक उपवास, सातम मासक उपवास आ दसम मासक उपवास, यहूदाक घरानाक लेल आनन्द आ आनन्द आ हँसी-खुशीक भोज होयत।
तेँ सत्य आ शान्ति सँ प्रेम करू।

ई अंश प्रेम आरू सत्य के साथ आबै वाला आनन्द आरू आनन्द के बात करै छै।

1: प्रियजन, हमरा सभकेँ तखन आनन्द आ आनन्द होइत अछि जखन हम सभ सत्य आ शान्तिसँ प्रेम करैत छी।

2: प्रिय मित्र लोकनि, सत्य आ शांति सँ प्रेम करैत आनन्द आ आनन्दक खोज करू।

1: फिलिप्पियों 4:4-7 - प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। पुनः हम कहब, आनन्दित होउ। अहाँक उचितता सब केँ ज्ञात हो। प्रभु लग मे छथि; कोनो बातक चिन्ता नहि करू, बल् कि सभ बात मे प्रार्थना आ विनती सँ धन्यवादक संग परमेश् वर केँ अपन विनती केँ प्रगट कयल जाय। परमेश् वरक शान्ति जे सभ बुद्धि सँ बेसी अछि, मसीह यीशु मे अहाँ सभक हृदय आ मनक रक्षा करत।

2: यूहन्ना 14:27 - हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ि रहल छी। हमर शान्ति हम अहाँकेँ दैत छी।
जेना दुनियाँ दैत अछि तेना नहि हम अहाँकेँ दैत छी। अहाँ सभक मोन नहि घबराउ आ ने ओ सभ डरय।

जकरयाह 8:20 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। एखनो एहन होयत जे लोक आ बहुत नगर मे रहनिहार लोक सभ आओत।

सेना सभक परमेश् वर घोषणा करैत छथि जे बहुतो नगर सँ लोक सभ आओत।

1: हमरा सभकेँ एकताक लेल प्रयास करबाक चाही, चाहे हमर सभक मतभेद किछुओ हो, कारण भगवान् बहुत शहरक लोक सभकेँ एक ठाम आनि रहल छथि।

2: भगवान् बहुत शहर के लोक के एक ठाम ला रहल छथि, आ हमरा सब के दोसर के उपस्थिति के लेल खुलल रहबाक चाही।

1: इफिसियों 4:3-6 - शांति के बंधन के माध्यम स आत्मा के एकता के कायम रखबाक हर संभव प्रयास करू।

2: रोमियो 12:15-16 - जे आनन्दित होइत अछि, ओकर संग आनन्दित रहू। शोक करयवला सभक संग शोक करू।

जकरयाह 8:21 एक नगरक निवासी दोसर नगर मे जा कऽ कहत जे, “हमरा सभ केँ जल्दी सँ परमेश् वरक समक्ष प्रार्थना करबाक लेल आ सेना सभक प्रभु केँ तकबाक लेल जाउ।

एक नगर के निवासी के दोसर नगर में जा क प्रार्थना करय लेल सेना के प्रभु के खोज करबाक चाही।

1. प्रार्थना मे प्रभु के खोज के महत्व

2. परमेश् वरक इच्छाक खोजक इनाम

1. मत्ती 6:33 - "मुदा पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू, तखन ई सभ किछु अहाँ सभ केँ जोड़ल जायत।"

2. यशायाह 55:6-7 - "जाब तक प्रभु केँ भेटि जायत ताबत तक प्रभु केँ ताकब। जखन ओ लग मे अछि ताबत तक हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार केँ छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ।" हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करू, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा करताह।”

जकरयाह 8:22 हँ, बहुतो लोक आ बलवान जाति यरूशलेम मे सेना सभक प्रभु केँ तकबाक लेल आ प्रभुक समक्ष प्रार्थना करबाक लेल आओत।

बलवान जाति सँ बहुतो लोक यरूशलेम मे सेना सभक प्रभु केँ तकबाक आ प्रार्थना करबाक लेल आओत।

1. सेना के प्रभु के खोज करू: भगवान के जानय के फायदा

2. प्रभुक समक्ष प्रार्थना करू: प्रार्थनाक शक्तिक सराहना करब

1. भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक लग छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

2. यिर्मयाह 29:12-13 - तखन अहाँ हमरा बजा कऽ आबि कऽ हमरा प्रार्थना करब, आ हम अहाँक बात सुनब। अहाँ हमरा खोजब आ हमरा पाबि लेब जखन अहाँ हमरा मोन सँ खोजब।

2150

जकरयाह 8:23 सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि। ओहि दिन मे दस आदमी जाति-जातिक सभ भाषा मे पकड़ि लेत आ यहूदीक वस्त्र पकड़ि कऽ कहत जे हम सभ अहाँ सभक संग जायब, किएक तँ हम सभ ई बात सुनने छी भगवान् अहाँक संग छथि।

परमेश् वर वादा करै छै कि एक दिन सब जाति के लोग यहूदी सिनी के पास आबै वाला छै, जेकरा में ई जानी कॅ कि परमेश् वर ओकरा सिनी के साथ छै।

1. भगवानक उपस्थिति: एकटा अदृश्य भगवानक शक्ति

2. विश्वास मे एकजुट होयब: भगवानक अनुयायी सभक लेल एकटा आह्वान

1. यशायाह 2:2-4 - प्रभुक घर दिस बहैत जाति

2. रोमियो 10:12-15 - सभ केँ यीशु पर विश्वास करबाक लेल आह्वान करब

जकरयाह अध्याय 9 मे परमेश् वरक लोकक आगामी न्याय, उद्धार आ विजयक संबंध मे एकटा भविष्यवाणी प्रस्तुत कयल गेल अछि। अध्याय में एकटा विनम्र आ धर्मी राजा के आगमन के सेहो पूर्वाभास देल गेल अछि जे शांति स्थापित करत आ राष्ट्र पर शासन करत।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत आसपास के राष्ट्र के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी स होइत अछि। ध्यान हद्राक, दमिश्क, सोर आ सीदोन शहर पर अछि, जे ईश्वरीय दण्डक अनुभव करत। तथापि, परमेश् वरक लोकक रक्षा होयत आ ओकर शत्रु विनम्र होयत (जकराह 9:1-8)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय परमेश् वर के लोगो के लेलऽ मुक्ति आरू विजय के संदेश में शिफ्ट होय जाय छै। प्रभु हुनका सभक रक्षा करबाक प्रतिज्ञा करैत छथि आ एकटा विनम्र आ धर्मी राजा केँ ठाढ़ करताह जे गदहा पर सवार भ' हुनका सभक लग आबि जेताह। ई राजा जाति-जाति सभ मे शांति अनताह, युद्धक औजार सभ केँ हटा देताह आ समुद्र सँ समुद्र धरि अपन प्रभुत्व स्थापित करताह (जकराह 9:9-10)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय आगू प्रभु केरऽ प्रतिज्ञा के साथ छै कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ कैद स॑ बचाबै आरू ओकरऽ भाग्य क॑ बहाल करी देतै । ओ सभ सुरक्षित रहत आ युद्ध मे विजयी होयत, आ प्रभुक वाचा पर हुनका सभक संग वाचाक खूनक द्वारा मुहर लगाओल जायत (जकर्याह 9:11-17)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 9 मे परमेश् वरक लोकक आगामी न्याय, उद्धार आ विजयक संबंध मे एकटा भविष्यवाणी प्रस्तुत कयल गेल अछि।

आसपास के राष्ट्र के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी आरू परमेश् वर के लोगौ के सुरक्षा के भविष्यवाणी।
एकटा विनम्र आ धर्मात्मा राजाक वचन जे गदहा पर सवार भ' क' आओत, शांति आनत आ अपन प्रभुत्व स्थापित करत।
परमेश् वरक लोक सभक लेल उद्धार, पुनर्स्थापन आ विजयक आश्वासन, वाचा पर मुहर लगाओल गेल।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय आसपास के राष्ट्रऽ के खिलाफ न्याय के भविष्यवाणी स॑ शुरू होय छै, जेकरा म॑ विशिष्ट शहरऽ प॑ ध्यान देलऽ गेलऽ छै । परमेश् वरक लोकक रक्षा होयत, आ ओकर शत्रु विनम्र भऽ जायत। तखन अध्याय मुक्ति आ विजयक संदेश दिस शिफ्ट भ' जाइत अछि । प्रभु एकटा विनम्र आ धर्मी राजा केँ ठाढ़ करबाक वचन दैत छथि जे गदहा पर सवार भ' क' आबि जेताह। ई राजा जाति-जाति मे शान्ति आनत, युद्धक औजार हटा देत आ अपन प्रभुत्व स्थापित करत। अध्याय आगू प्रभु केरऽ प्रतिज्ञा के साथ छै कि वू अपनऽ लोगऽ क॑ कैद स॑ बचाबै, ओकरऽ भाग्य क॑ बहाल करै आरू ओकरा युद्ध म॑ जीत प्रदान करै । प्रभु के वाचा पर ओकरा सिनी के साथ वाचा के खून के द्वारा मुहर लगाय देलऽ जैतै। ई अध्याय परमेश् वर के लोगऽ के आबै वाला न्याय, उद्धार आरू विजय के साथ-साथ एगो विनम्र आरू धर्मी राजा के आगमन के पूर्वाभास दै छै जे शांति स्थापित करतै आरू जाति सिनी पर शासन करतै।

जकरयाह 9:1 हद्राक आ दमिश्क देश मे परमेश् वरक वचनक भार ओकर शेष भाग होयत, जखन मनुष्यक नजरि इस्राएलक सभ गोत्र जकाँ परमेश् वर दिस रहत।

हद्राक आ दमिश्क देश मे परमेश् वरक भार अछि, आ इस्राएलक सभ गोत्र परमेश् वर दिस ताकत।

1. हमर भगवान न्याय आ आशाक भगवान छथि

2. निष्ठावान प्रतीक्षा: अनिश्चितताक समय मे भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 11:4-5 - मुदा ओ गरीबक न्याय धार्मिकताक संग करत, आ पृथ्वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक निर्णय करत, आ ओ पृथ्वी केँ मुँहक छड़ी सँ मारत आ ठोरक साँस सँ मारत ओ दुष्ट केँ मारि दैत अछि। धर्म ओकर कमरक पट्टी बनत आ विश्वास ओकर लगामक पट्टी बनत।

2. भजन 33:18-19 - देखू, परमेश् वरक नजरि ओहि सभ पर अछि जे हुनका सँ डरैत अछि आ जे हुनकर दया पर आशा करैत अछि। हुनका सभक प्राण केँ मृत्यु सँ मुक्त करबाक लेल, आ अकाल मे जीवित रखबाक लेल।

जकरयाह 9:2 हमत सेहो ओकर सीमा मे रहत। टायर, आ सिदोन, यद्यपि ई बहुत बुद्धिमान हो।

परमेश् वर हमत, सोर आ सिदोन नगर सभ पर नजरि राखि रहल छथि।

1. परमेश् वरक रक्षा अनन्त अछि

2. प्रभुक बुद्धि

1. भजन 121:7-8 - प्रभु अहाँ केँ सभ हानि सँ बचा लेताह ओ अहाँक जीवन पर नजरि रखताह; प्रभु तोहर आबै-जाय पर अखन आ अनन्त काल धरि देखैत रहताह।

2. नीतिवचन 3:19-20 - प्रभु बुद्धि सँ पृथ्वीक स्थापना केलनि; बुझि कऽ ओ आकाश केँ स्थापित कयलनि। ओकर ज्ञान सँ गहींर खुजि गेलै, आ मेघ ओस मे खसि पड़लै।

जकरयाह 9:3 सोरस अपना लेल एकटा गढ़ बनौलक, आ चानीक ढेर लगा लेलक जे धूरा जकाँ आ महीन सोना सड़कक दलदल जकाँ।

टायरस एकटा एहन शहर छल जाहि मे बहुत धन छल, जकर प्रतिनिधित्व ओकर गढ़ आ चानी आ सोनाक प्रचुरता सँ होइत छल |

1. भगवान् चाहैत छथि जे हम सभ अपन धनक उपयोग हुनकर राज्यक निर्माण मे करी।

2. हमरा सभ केँ ई ध्यान राखबाक चाही जे दोसर हमर धन केँ कोना बूझि सकैत अछि आ ओकर उपयोग भगवानक महिमा करबा मे क' सकैत अछि।

1. मत्ती 6:19-21, पृथ्वी पर अपना लेल खजाना नहि जमा करू, जतय पतंग आ जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर घुसि क’ चोरी करैत अछि। मुदा स्वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतय ने पतंग आ ने जंग नष्ट करैत अछि, आ जतय चोर नहि घुसैत अछि आ ने चोरी करैत अछि। किएक तँ जतए अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।”

2. नीतिवचन 10:22, प्रभु के आशीर्वाद आदमी के धनिक बनाबै छै, आ ओकरा संग कोनो दुख नै जोड़ै छै।

जकरयाह 9:4 देखू, परमेश् वर ओकरा बाहर निकालि देतैक आ ओकर शक्ति केँ समुद्र मे मारि देतैक। ओ आगि मे भस्म भऽ जेतीह।

परमेश् वर अपन विरोध करनिहार सभक सामर्थ् य केँ बाहर निकालि कऽ नष्ट कऽ देथिन, जकर परिणाम आगि सँ ओकरा सभक नाश होयत।

1. प्रभुक शक्ति अदम्य अछि

2. प्रभु न्यायक देवता छथि

1. यशायाह 54:17 अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत। आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि।

2. प्रकाशितवाक्य 20:9 ओ सभ पृथ्वीक चौड़ाई पर चढ़ि क’ पवित्र लोक सभक डेरा आ प्रिय नगर केँ चारू कात घुमा लेलक, आ परमेश् वरक दिस सँ आगि स् वर्ग सँ उतरि कऽ ओकरा सभ केँ भस्म कऽ देलक।

जकरयाह 9:5 अश्केलोन एकरा देखि लेत आ डरि जायत। गाजा सेहो एकरा देखि कऽ बहुत दुखी होयत आ एक्रोन। किएक तँ ओकर अपेक्षा लज्जित होयत। गाजा सँ राजा नाश भऽ जेताह, आ अश्कलोन मे आब नहि रहताह।

अश्केलोन, गाजा आ एक्रोन केँ भय, शोक आ लाज तखन होयत जखन राजा गाजा सँ नष्ट भ' जेताह, आ अश्केलोन मे आबाद भ' जायत।

1. न्याय मे परमेश् वरक सामर्थ् य आ पापक परिणाम।

2. विपत्तिक समय मे भगवान् पर भरोसा करबाक महत्व।

1. यशायाह 13:11 - "हम संसार केँ ओकर दुष्टताक सजा देब, आ दुष्ट केँ ओकर अधर्मक दंडित करब; हम घमंडी सभक घमंड केँ समाप्त करब, आ निर्दयी सभक घमंड केँ नीचाँ राखब।"

2. रोमियो 6:23 - "पापक मजदूरी मृत्यु अछि, मुदा परमेश् वरक मुफ्त वरदान हमरा सभक प्रभु मसीह यीशु मे अनन्त जीवन अछि।"

जकरयाह 9:6 अश्दोद मे एकटा हरामी रहत आ हम पलिस्ती सभक घमंड केँ काटि देब।

परमेश् वर एकटा विदेशी केँ अश्दोद मे रहबाक लेल अनताह आ पलिस्ती सभक घमंड केँ काटि देताह।

1. विनम्रताक शक्ति: भगवान अपन इच्छा पूरा करबाक लेल विनम्र लोकक उपयोग कोना करैत छथि

2. राष्ट्र पर परमेश् वरक प्रभुत्व: पलिस्तीक उदाहरण

1. याकूब 4:10 - प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

2. दानियल 4:35 - पृथ्वीक सभ निवासी केँ किछुओ नहि मानल जाइत अछि, आ ओ स्वर्गक सेना आ पृथ्वीक निवासी मे अपन इच्छाक अनुसार करैत छथि। आ कियो ओकर हाथ नहि रोकि सकैत अछि आ ने ओकरा कहि सकैत अछि जे “अहाँ की केलहुँ?”

जकरयाह 9:7 हम ओकर मुँह सँ ओकर खून आ ओकर दाँतक बीच सँ ओकर घृणित काज हटा देब, मुदा जे रहत, से हमरा सभक परमेश् वरक लेल होयत, आ ओ यहूदा आ एक्रोन मे राज्यपाल जकाँ होयत जेबूसी के रूप में।

प्रभु अपन लोक केँ शुद्ध आ शुद्ध करताह, आ जे बचल रहत से हुनकर सेवा करत।

1. परमेश् वरक शुद्धिकरण प्रेम - कोना हमर प्रभु हमरा सभ केँ पाप सँ शुद्ध करैत छथि आ हुनकर सेवा करबाक लेल हमरा सभ केँ अलग करैत छथि।

2. हमर भगवानक संबंध - कोना हमरा सभ केँ हुनकर परिवार मे गोद लेल जाइत अछि आ हुनकर सेवा करबाक सौभाग्य देल जाइत अछि।

1. 1 यूहन्ना 1:9 - जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि आ हमरा सभक पाप क्षमा करताह आ हमरा सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह।

2. यशायाह 43:21 - जे लोक हम अपना लेल बनौने छी, ओ हमर प्रशंसा करत।

जकरयाह 9:8 हम सेनाक कारणेँ, जे ओहि ठाम सँ गुजरैत अछि आ जे घुरैत अछि, ओकर कारणेँ अपन घरक चारूकात डेरा राखब, आ आब ओकरा सभ मे सँ कोनो अत्याचारी नहि गुजरत, किएक तँ हम आब अपन आँखि सँ देखलहुँ।

भगवान् अपन घर के अत्याचारी स बचा लेताह आ अपन लोक के नुकसान स बचा लेताह।

1. भगवान् हमर रक्षक आ गढ़ छथि

2. कठिन समय मे भगवानक रक्षा पर भरोसा करब

1. यशायाह 54:17 - "अहाँक विरुद्ध जे कोनो शस्त्र बनल अछि से सफल नहि होयत; आ जे कोनो भाषा अहाँक विरुद्ध न्याय मे उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराओत। ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि, आ हुनकर धार्मिकता हमरा सँ अछि। प्रभु कहैत छथि।”

2. भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान आ हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश्वर, हमर शक्ति छथि, जिनका पर हम भरोसा करब, हमर बकलर, हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।"

जकरयाह 9:9 हे सियोनक बेटी, बहुत आनन्दित रहू। हे यरूशलेमक बेटी, चिचियाउ, देखू, तोहर राजा तोरा लग आबि रहल छथि। नीच, गदहा पर सवार, आ गदहाक बछड़ा पर सवार।

सियोन के राजा के आगमन बहुत आनन्द आ उत्सव के कारण छै।

1. राजाक आगमन: परमेश् वरक उद्धार मे आनन्दित रहब

2. राजाक विनम्र आगमन: गदहा पर सवार

1. यशायाह 40:3-5 - एक गोटेक आवाज जे आवाज दैत अछि: "मरुभूमि मे प्रभुक लेल बाट तैयार करू; मरुभूमि मे हमरा सभक परमेश् वरक लेल एकटा राजमार्ग सोझ करू। सभ घाटी ऊपर उठत, हर पहाड़ आ पहाड़ी नीचाँ कयल जायत।" ; उबड़-खाबड़ जमीन समतल भ' जायत, उबड़-खाबड़ जगह मैदान भ' जायत। आ प्रभुक महिमा प्रकट होयत, आ सभ मनुक्ख एक संग देखत। कारण प्रभुक मुँह बाजल अछि।"

2. लूका 19:37-40 - जखन ओ जैतूनक पहाड़ सँ नीचाँ जाइत बाट लग पहुँचलाह तखन शिष्य सभक समस्त भीड़ हर्षित भ’ क’ सभ चमत्कार सभक लेल जोर-जोर सँ परमेश् वरक स्तुति करय लगलाह: "धन्य छथि ओ।" प्रभु के नाम पर आबै वाला राजा!" "स्वर्ग मे शान्ति आ उच्चतम मे महिमा!" भीड़ मे सँ किछु फरिसी सभ यीशु केँ कहलथिन, “गुरु, अपन शिष् य सभ केँ डाँट दियौक!” ओ जबाब देलनि, "हम कहैत छी, जँ ओ सभ चुप रहताह त' पाथर सभ चिचियाओत."

जकरयाह 9:10 हम एफ्राइम सँ रथ आ यरूशलेम सँ घोड़ा केँ काटि देब आ युद्धक धनुष केँ काटि देब, आ ओ जाति-जाति केँ शान्ति कहत, आ ओकर प्रभुत्व समुद्र सँ समुद्र धरि होयत नदीसँ लऽ कऽ धरतीक छोर धरि।

परमेश् वर अपन सामर्थ् यक उपयोग समुद्र सँ लऽ कऽ समुद्र धरि आ नदी सँ लऽ कऽ पृथ्वीक छोर धरि सभ जाति मे शान्ति अनताह।

1. परमेश् वरक शान्तिक प्रतिज्ञा: समुद्रसँ समुद्र धरि हुनक प्रभुत्व

2. सब जाति मे शांति अनबाक लेल भगवान् पर भरोसा करब

1. यशायाह 54:10 - "किएक तँ पहाड़ सभ चलि जायत आ पहाड़ सभ हटि जायत; मुदा हमर दया अहाँ सँ नहि हटत आ ने हमर शान्तिक वाचा हटि जायत, अहाँ पर दया करयवला प्रभु कहैत छथि।"

2. भजन 29:11 - "परमेश् वर अपन लोक केँ सामर्थ्य देताह; प्रभु अपन लोक केँ शान्ति सँ आशीर्वाद देताह।"

जकरयाह 9:11 तोहर सेहो, तोहर वाचाक खून सँ हम तोहर कैदी सभ केँ ओहि गड्ढा सँ बाहर पठा देलहुँ जाहि मे पानि नहि अछि।

प्रभु अपन लोक के बंदी स मुक्त क देताह आ बिना पानि के जगह स मुक्त करताह।

1. प्रभु के मुक्ति के वाचा

2. प्रभुक दया आ मोक्ष

1. यशायाह 43:1-3 नहि डेराउ, कारण हम अहाँ सभ केँ छुड़ा देने छी। हम अहाँकेँ नामसँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ सभ पर भारी नहि पड़त। जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत। हम अहाँ सभक परमेश् वर, इस्राएलक पवित्र, अहाँक उद्धारकर्ता छी।

2. भजन 107:13-14 तखन ओ सभ अपन विपत्ति मे प्रभु सँ पुकारलनि, आ ओ हुनका सभ केँ विपत्ति सँ मुक्त कयलनि। ओ ओकरा सभ केँ अन्हार आ मृत्युक छाया सँ बाहर निकालि देलक आ ओकर सभक बंधन केँ तोड़ि देलक।

जकरयाह 9:12 हे आशाक कैदी सभ, अहाँ सभ गढ़ दिस घुमाउ।

ई अंश हमरा सब क॑ आशा आरू ताकत के लेलऽ परमेश् वर के तरफ मुड़ै लेली प्रोत्साहित करै छै, कैन्हेंकि हुनी हमरा सिनी क॑ भरपूर आशीर्वाद देतै ।

१: आशाक गढ़

2: भगवान् के प्रचुर आशीर्वाद

1: यशायाह 40:31 मुदा जे सभ प्रभुक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2: भजन 18:2 प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर, हमर सामर्थ् य, जिनका पर हम भरोसा करब। हमर बकसुआ आ हमर उद्धारक सींग आ हमर ऊँच बुर्ज।

जकरयाह 9:13 जखन हम यहूदा केँ हमरा लेल झुका देलहुँ, एप्रैम सँ धनुष भरि देलहुँ आ हे यूनान, अहाँक पुत्र सभक विरुद्ध अहाँक पुत्र सभ केँ उठौलहुँ आ अहाँ केँ एकटा पराक्रमी तलवार जकाँ बना देलहुँ।

प्रभु यहूदा आरू एफ्राइम के उपयोग यूनान के खिलाफ लड़ै लेली करतै, जेकरा स॑ सिय्योन क॑ तलवार वाला पराक्रमी योद्धा के तरह बनैलऽ जैतै।

1. प्रभु के शक्ति: भगवान के ताकत हमरा सब के कोना कोनो विषमता स उबरय के अनुमति दैत अछि

2. हथियार के आह्वान: हम कोना प्रभु के तलवार उठा सकैत छी आ हुनकर राज्य के लेल लड़ि सकैत छी

1. यशायाह 40:29 - ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि; जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै।

2. यशायाह 54:17 - अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि से सफल नहि होयत; आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।” ई प्रभुक सेवक सभक धरोहर अछि आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, प्रभु कहैत छथि।

जकरयाह 9:14 परमेश् वर हुनका सभक ऊपर देखल जेताह, आ हुनकर बाण बिजली जकाँ निकलताह, आ परमेश् वर परमेश् वर तुरही बजाओताह आ दक्षिण दिसक भंवरक संग चलि जेताह।

भगवान् अपन लोकक रक्षा करताह आ अपन शक्तिक माध्यमे न्याय आनताह।

1. कर्म मे भगवानक शक्ति

2. भगवानक न्याय कर्म मे

2155

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।

2. प्रकाशितवाक्य 19:11-14 - हम स्वर्ग खुजल देखलहुँ, आ देखलहुँ जे एकटा उज्जर घोड़ा। जे हुनका पर बैसल छल, ओकरा विश्वासी आ सच्चा कहल गेल छल, आ धार्मिकता मे ओ न्याय करैत अछि आ युद्ध करैत अछि। ओकर आँखि आगि केर लौ जकाँ छलैक आ माथ पर अनेक मुकुट छलैक। हुनका एकटा एहन नाम लिखल छलनि जे हुनका छोड़ि ककरो नहि बुझल छलनि। ओ खून मे डूबल वस्त्र पहिरने छलाह, आ हुनकर नाम परमेश् वरक वचन अछि। स् वर्ग मे जे सेना सभ उज्जर घोड़ा पर सवार भ’ क’ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलैत छल, जे उज्जर आ साफ-सुथरा महीन सन वस्त्र पहिरने छल।

जकरयाह 9:15 सेनाक प्रभु हुनका सभक रक्षा करताह। ओ सभ खा कऽ गोफनक पाथर सँ अपन वश मे कऽ लेत। ओ सभ पीबि कऽ मदिरा जकाँ हल्ला करत। ओ सभ बासन जकाँ आ वेदीक कोन-कोन जकाँ भरल रहत।

सेना सभक परमेश् वर अपन लोक सभक रक्षा करताह आ ओकरा सभ केँ शत्रु सभ पर विजय प्रदान करताह। मदिरासँ भरल बासन जकाँ आनन्द आ उत्सवसँ भरल रहत।

1: भगवान् हमर सभक रक्षक छथि आ हमरा सभ केँ अपन शत्रु सभ पर विजय प्रदान करताह।

2: हम सब अपन जीवन मे आनन्द आ उत्सव महसूस क सकैत छी, ठीक ओहिना जेना शराब स भरल बाउल।

1: भजन 18:2 - प्रभु हमर चट्टान, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि। हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका हम शरण मे छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।

2: यशायाह 41:10 - तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

जकरयाह 9:16 ओहि दिन हुनका सभक परमेश् वर परमेश् वर हुनका सभ केँ अपन लोकक भेँड़ा जकाँ उद्धार करताह, किएक तँ ओ सभ मुकुटक पाथर जकाँ होयत, जे हुनकर देश पर झंडा जकाँ उठाओल जायत।

जकरयाह 9:16 मे परमेश् वर केँ एकटा चरबाहक रूप मे चित्रित कयल गेल अछि जे अपन लोक केँ झुंडक रूप मे बचाबैत अछि, आ ओ सभ अपन देश पर मुकुटक रूप मे ऊँच कयल जायत।

1. नीक चरबाह: परमेश् वरक अपन देखभाल

2. प्रभुक लोक केँ उदात्त करब: हुनक भूमि पर मुकुट

1. भजन 23:1-3

2. यशायाह 62:3-4

जकरयाह 9:17 हुनकर भलाई कतेक पैघ अछि आ हुनकर सौन्दर्य कतेक पैघ अछि! मकई युवक सभ केँ हर्षित करत, आ नव मदिरा दासी सभ केँ।

भगवान् केरऽ अच्छाई आरू सौन्दर्य एतना बड़ऽ छै कि युवक भी हँसमुख होय जाय छै आरू नौकरानी भी आनन्दित होय जाय छै ।

1. भगवानक भलाई आ सौन्दर्य: आनन्दक स्रोत

2. भगवान् केर प्रचुरता मे आनन्दित रहब

1. भजन 126:2-3 हमरा सभक मुँह हँसी सँ भरल छल, आ हमर सभक जीह आनन्दक चिचियाहटि सँ भरल छल। तखन जाति-जाति सभक बीच कहल गेल जे, “प्रभु हुनका सभक लेल बहुत पैघ काज कयलनि अछि।”

2156

2. याकूब 1:17 जे किछु नीक चीज देल गेल अछि आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।

जकरयाह अध्याय 10 परमेश् वर अपन लोकक लेल जे बहाली आ आशीर्वाद अनताह, संगहि ओकर अत्याचारी सभक पतन पर सेहो केंद्रित अछि। ई सच्चा चरवाहा के रूप में परमेश्वर के भूमिका पर जोर दै छै जे अपनऽ झुंड के इकट्ठा करी क॑ मार्गदर्शन करतै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा आह्वान स होइत अछि जे परमेश् वर के लोक बरसात के मौसम मे हुनका स बरखा माँगथि। प्रभु प्रचुर वर्षा के प्रतिज्ञा करै छै, जेकरऽ परिणामस्वरूप हुनकऽ लोगऽ लेली फलदायी फसल आरू आशीर्वाद मिलतै । ओ ओहि झूठ चरबाह आ नेता सभ केँ सेहो उखाड़ि देत जे हुनकर भेँड़ा केँ गुमराह आ अत्याचार केने छथि (जकर्याह 10:1-3)।

2 पैराग्राफ: अध्याय एहि आश्वासन के संग आगू बढ़ैत अछि जे परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सशक्त बना देताह, हुनका सभ केँ मजबूत आ साहसी बना देताह। ओ सभ अपन शत्रु सभ पर विजयी होयत, जाहि मे ओ राष्ट्र सभ सेहो शामिल अछि जे ओकरा सभ पर अत्याचार केने अछि। प्रभु यहूदा के घरऽ क॑ मजबूत करतै आरू यूसुफ के घरऽ क॑ बचाबै वाला छै, जेकरा स॑ ओकरा एक प्रजा के रूप म॑ फेर स॑ एक करी देलऽ जैतै (जकर्याह १०:४-७)।

तेसर पैराग्राफ: अध्याय मे अलग-अलग भूमि सँ परमेश् वरक लोक सभक पुनः एकत्रीकरण पर प्रकाश देल गेल अछि। ओ ओकरा सभ केँ अपन देश मे वापस आनि देत, आ ओकर संख्या बढ़ि जायत। प्रभु हुनका सभ केँ पुनर्स्थापित करताह आ हुनका सभ केँ आशीर्वाद देताह, आओर ओ सभ हुनका अपन परमेश् वरक रूप मे स्वीकार करताह आ हुनकर पालन करताह (जकराह 10:8-12)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 10 मे परमेश् वर अपन लोकक लेल जे बहाली आ आशीर्वाद अनताह, संगहि ओकर अत्याचारी सभक पतनक चर्चा कयल गेल अछि।

परमेश् वरक लोक सभ केँ वर्षा आ प्रचुर आशीषक वचन माँगबाक आह्वान करू।
सशक्तिकरण, दुश्मन पर जीत, आ भगवान के लोक के पुनर्गठन के आश्वासन।
परमेश् वरक लोक सभ केँ पुनः एकत्रित करब, पुनर्स्थापना, आ प्रभु केँ अपन परमेश् वरक रूप मे स्वीकार करब।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के लोग सिनी कॅ बरसात के मौसम में बारिश माँगै के आह्वान के साथ होय छै, जेकरा में प्रचुर आशीष आरू झूठा चरवाहा आरू नेता सिनी के उखाड़ फेंकै के वादा छै। तखन अध्याय आश्वासन दैत अछि जे परमेश् वर अपन लोक सभ केँ सशक्त बनाओत, ओकरा सभ केँ मजबूत आ साहसी बनाओत, जाहि सँ ओकर शत्रु सभ पर विजय आ यहूदाक घराना आ यूसुफक घरानाक पुनर्मिलन होयत। अध्याय म॑ आगू अलग-अलग भूमि स॑ परमेश् वर के लोगऽ के पुनर्गठन, ओकरऽ बहाली, आरू प्रभु क॑ ओकरऽ परमेश्वर के रूप म॑ स्वीकार करै आरू ओकरऽ पालन करै प॑ प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । ई अध्याय परमेश् वर अपनऽ लोगऽ के लेलऽ जे बहाली आरू आशीर्वाद देतै, साथ ही साथ ओकरऽ अत्याचारी के पतन पर भी जोर दै छै ।

जकरयाह 10:1 अहाँ सभ परमेश् वर सँ बादक बरखाक समय मे वर्षा माँगू। तेँ परमेश् वर चमकैत मेघ बना कऽ बरखाक बरसात करथिन, खेत मे हरेक घास-पात।

बादक बरखाक समय मे जे कियो माँगत, ओकरा लेल परमेश् वर बरखाक इंतजाम करताह।

1. भगवान् प्रबंध करबा मे वफादार छथि

2. परमेश् वरक प्रबन्धक लेल प्रार्थना करू

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. भजन 65:9-10 - अहाँ पृथ्वीक देखभाल करैत छी आ ओकरा पानि दैत छी, जाहि सँ ओ समृद्ध आ उपजाऊ बनैत अछि। भगवानक नदी मे पानि भरपूर अछि; एहि मे अनाजक भरपूर फसल भेटैत अछि, कारण अहाँ एकरा एना मंगौने छी।

2157

जकरयाह 10:2 कारण मूर्ति सभ व्यर्थ बजैत अछि, आ भविष्यवक्ता सभ झूठ देखलक आ झूठ सपना सुनलक। ओ सभ व्यर्थ मे सान्त्वना दैत छथिन, तेँ ओ सभ भेँड़ा जकाँ चलि गेलाह, किएक तँ चरबाह नहि छलनि।

मूर्ति आ भविष्यवक्ता लोकनि झूठ बाजि गेल छथि आ झूठ सान्त्वना देलनि अछि, जाहि सँ लोक केँ चरबाह नहि रहि गेल अछि।

1: भगवान् हमर सभक चरबाह छथि आ हमरा सभ केँ हुनका पर सभ सँ बेसी भरोसा करबाक चाही।

2: झूठ मूर्ति आ भविष्यवक्ता सच्चा आराम आ मार्गदर्शन नहि द सकैत अछि, केवल भगवान् क सकैत छथि।

1: भजन 23:1 "प्रभु हमर चरबाह छथि, हमरा कोनो कमी नहि होयत।"

2: यिर्मयाह 23:4 "हम ओकरा सभक चरबाह पर चरबाह राखब, आ ओ सभ आब नहि डरताह, आ ने भयभीत हेताह, आ ने ओकरा सभक कमी होयत, प्रभु कहैत छथि।"

जकरयाह 10:3 हमर क्रोध चरबाह सभ पर प्रज्वलित भेल, आ हम बकरी सभ केँ सजा देलहुँ, किएक तँ सेना सभक परमेश् वर अपन भेँड़ा केँ यहूदाक घरक दर्शन कयलनि आ ओकरा सभ केँ युद्ध मे अपन नीक घोड़ा जकाँ बना देलनि।

सेना केरऽ परमेश् वर यहूदा केरऽ घरऽ में अपनऽ भेड़ऽ के दौरा करी क॑ ओकरा सिनी क॑ युद्ध में पराक्रमी बनैलकै ।

1. "प्रभु हमर चरबाह: हुनकर देखभाल मे ताकत पाबि"।

2. "प्रभुक शक्ति: अपन लोकक लेल अपन शक्तिक उघार करब"।

1. यशायाह 40:11 - "ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ पोसत। ओ अपन बाँहि सँ मेमना सभ केँ जमा करत, आ ओकरा सभ केँ अपन कोरा मे ल' लेत, आ बच्चा सभक संग मंद मंद नेतृत्व करत।"

2. भजन 23:1-3 - "प्रभु हमर चरबाह छथि; हमरा कमी नहि होयत। ओ हमरा हरियर चारागाह मे सुताबैत छथि। ओ हमरा शान्त पानिक कात मे ल' जाइत छथि। ओ हमर प्राण केँ पुनर्स्थापित करैत छथि, ओ हमरा बाट मे लऽ जाइत छथि।" अपन नामक लेल धार्मिकताक।”

जकरयाह 10:4 हुनका सँ कोना निकलल, हुनका सँ कील, हुनका सँ युद्धक धनुष, हुनका सँ सभ अत्याचारी एक संग निकलल।

जकरयाह 10:4 मे परमेश् वर केँ अत्याचारी सभ सँ ताकत आ सुरक्षाक स्रोतक रूप मे वर्णित कयल गेल अछि।

1: भगवान् हमर सभक शक्ति आ सभ अत्याचारी सँ रक्षा छथि।

2: हम सब भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के दुनिया के बुराई स बचाबय।

1: यशायाह 41:10 - "तँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ बल देब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2: भजन 18:2 - "प्रभु हमर चट्टान छथि, हमर किला आ हमर उद्धारकर्ता छथि; हमर परमेश् वर हमर चट्टान छथि, जिनका मे हम शरण लैत छी, हमर ढाल आ हमर उद्धारक सींग, हमर गढ़ छथि।"

जकरयाह 10:5 ओ सभ पराक्रमी लोक जकाँ होयत जे युद्ध मे सड़कक दलदल मे अपन शत्रु केँ रौंदैत अछि, आ लड़त, किएक त’ परमेश् वर हुनका सभक संग छथि आ घोड़ा पर सवार सभ लज्जित भ’ जेताह।

जकरयाह 10:5 मे लिखल गेल अछि जे परमेश् वरक लोक पराक्रमी लोक होयत, जे युद्ध मे अपन शत्रु केँ रौंदबा मे सक्षम होयत। प्रभु हुनका सभक संग रहताह, आ हुनका सभक शत्रु सभ भ्रमित भ' जेताह।

1. भगवानक शक्ति: युद्ध मे हमर ताकत

2. युद्ध मे आस्तिक लोकनिक विश्वास

1. यशायाह 41:10 - "तूँ नहि डेराउ, किएक तँ हम अहाँक संग छी। निराश नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ बल देब। हँ, हम अहाँक सहायता करब। हँ, हम अहाँकेँ दहिना हाथसँ सहारा देब।" हमर धर्मक।”

2. भजन 20:7 - "किछु गोटे रथ पर भरोसा करैत छथि, आ किछु घोड़ा पर, मुदा हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नाम मोन पाड़ब।"

जकरयाह 10:6 हम यहूदाक घराना केँ मजबूत करब, आ यूसुफक घराना केँ उद्धार करब, आ ओकरा सभ केँ फेर सँ राखब। हम हुनका सभ पर दया करैत छी, आ ओ सभ एना भ’ जेताह जेना हम हुनका सभ केँ नहि फेकि देने होइ, किएक तँ हम हुनका सभक परमेश् वर यहोवा छी आ हुनका सभक बात सुनब।”

परमेश् वर यहूदा के घरऽ आरू यूसुफ के घरऽ क॑ मजबूत करै के प्रतिज्ञा करै छै, कैन्हेंकि हुनी ओकरा सिनी के प्रति दयालु आरू वफादार छै।

1. भगवानक दया सदिखन बनल रहैत अछि

2. परमेश् वरक वफादारीक शक्ति

1. यशायाह 54:7-10

2. भजन 136:1-26

जकरयाह 10:7 एप्रैमक लोक सभ एकटा पराक्रमी आदमी जकाँ होयत, आ ओकर सभक मोन मदिरा जकाँ आनन्दित होयत। हुनका सभक मोन परमेश् वर मे आनन्दित होयत।

एप्रैम शक्तिशाली होयत आ प्रभु मे ओकर आनन्द ओकर बच्चा सभ केँ देखबा मे आओत।

1. प्रभु मे आनन्दित रहब: पूजाक शक्ति

2. प्रभुक आनन्द: अपन बच्चा सभकेँ आनन्दित हेबाक सिखाब

1. रोमियो 12:12 - आशा मे आनन्दित रहू; क्लेश मे धैर्यवान; प्रार्थना में क्षण जारी रखना

2. भजन 95:1-2 - हे आऊ, हम सभ प्रभुक लेल गाबी, आउ, हम सभ अपन उद्धारक चट्टान पर आनन्दक आवाज करू। आउ, हम सभ धन्यवादक संग हुनकर सोझाँ आबि जाउ, आ भजन मे हुनका लेल हर्षक हल्ला करू।

जकरयाह 10:8 हम हुनका सभक लेल सिसकी मारब आ ओकरा सभ केँ जमा करब। हम ओकरा सभ केँ मुक्त कऽ देलहुँ, आ ओ सभ जेना बढ़ैत गेल अछि, तेना बढ़त।”

हम इस्राएलक लोक सभ केँ हुनका सभक घर वापस आनि देब आ हुनका सभक उद्धारकर्ताक रूप मे देखभाल करब।

1: भगवान् अपन प्रेमपूर्ण देखभाल सँ हमरा सभ केँ पुनर्स्थापित करबाक इच्छा रखैत छथि।

2: भगवान् एकटा मुक्तिदाता छथि जे अपन लोकक देखभाल करैत छथि।

1: यशायाह 43:1 - "मुदा आब, हे याकूब, अहाँ केँ सृष्टि करयवला प्रभु, आ जे अहाँ केँ बनौलनि, हे इस्राएल, ई कहैत छथि जे, नहि डेराउ, कारण हम अहाँ केँ मुक्त क' देलहुँ; हम अहाँ केँ अहाँक नाम सँ बजौने छी। अहाँ।" हमर छथि।"

2: भजन 107:2 - "प्रभु द्वारा मुक्त कयल गेल लोक सभ एना कहथि, जिनका ओ शत्रु के हाथ सँ मुक्त क' देने छथि।"

जकरयाह 10:9 हम ओकरा सभ केँ लोकक बीच बोइब, आ ओ सभ दूर-दूर मे हमरा मोन पाड़त। ओ सभ अपन संतानक संग रहताह आ फेर घुमि जेताह।

भगवान् अपन लोक के दूर-दूर के भूमि के बीच बोय देताह आ जखन हुनका याद करत तखन ओ सब अपन बच्चा के संग रहताह आ वापस आबि जेताह।

1. परमेश् वरक निष्ठा: प्रभुक स्मरण आ हुनका लग घुरब

2. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति वादा: अपन संतानक संग रहब

1. यशायाह 43:5-7 डेराउ नहि, कारण हम अहाँक संग छी, हम अहाँक वंशज पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे हार मानू। आ दक्षिण दिस, “पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू आ हमर बेटी सभ केँ पृथ्वीक छोर सँ आनि दियौक।”

2. गलाती 6:10 तेँ जेना हमरा सभ केँ अवसर भेटैत अछि, तेँ सभ लोकक लेल भलाई करी, खास क’ विश् वासक घरक लोक सभक लेल।

जकरयाह 10:10 हम ओकरा सभ केँ मिस्र देश सँ फेर सँ आनि देब आ अश्शूर सँ ओकरा सभ केँ जमा करब। हम ओकरा सभ केँ गिलाद आ लेबनान देश मे आनि देब। आ हुनका सभक लेल जगह नहि भेटतनि।

परमेश् वरक वचन जे ओ अपन लोक सभ केँ ओहि भूमि मे वापस अनताह जाहि मे ओ सभ अछि।

1. परमेश् वर अपन लोक सभ सँ जे प्रतिज्ञा करैत छथि, तकरा पूरा करताह।

2. हमरा सभ केँ परमेश् वरक वफादारी पर भरोसा करबाक चाही आ हुनकर प्रतीक्षा करबाक चाही।

1. यशायाह 43:5-6 - "डर नहि करू, कारण हम अहाँक संग छी। हम अहाँक वंश पूरब सँ आनि देब आ पश्चिम सँ अहाँ केँ जमा करब। हम उत्तर दिस कहब जे, 'हार मानू, आ दक्षिण दिस। पाछू नहि रहू, हमर बेटा सभ केँ दूर सँ आनू, आ हमर बेटी सभ केँ धरतीक छोर सँ"।

2. यिर्मयाह 31:10 - "हे जाति सभ, परमेश् वरक वचन सुनू, आ दूर-दूरक द्वीप सभ मे एकर प्रचार करू आ कहू जे, जे इस्राएल केँ छिड़ियाबैत अछि, ओकरा जमा करत आ ओकरा राखत, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ करैत अछि।" " .

जकरयाह 10:11 ओ समुद्र मे कष्ट सँ गुजरत, समुद्र मे लहरि केँ मारि देत, आ नदीक सभ गहींर भाग सुखायत, आ अश्शूरक घमंड नीचाँ खसि पड़त आ मिस्रक राजदंड दूर प्रस्थान।

प्रभु क्लेशक संग समुद्रक बीचसँ गुजरत आ नदीक गहींर भागकेँ सुखायताह। अश्शूरक घमंड आ मिस्रक राजदंड खसि पड़त।

1. परेशान समय मे भगवान् के ताकत

2. भगवान् के सार्वभौमिकता

1. यशायाह 11:15 - आ प्रभु मिस्रक समुद्रक जीह केँ एकदम सँ नष्ट कऽ देताह। ओ अपन प्रचंड हवा सँ नदी पर हाथ हिलाओत आ ओकरा सात धार मे मारि देत आ मनुष्य केँ सूखल पाँति पार कऽ देत।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल, जे सभ हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि, हुनका सभक लेल सभ किछु एक संग भलाईक लेल काज करैत अछि।

जकरयाह 10:12 हम हुनका सभ केँ प्रभु मे मजबूत करब। ओकर नाम पर ओ सभ ऊपर-नीचाँ चलत, परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर हुनकर नाम पर चलय बला सभ केँ मजबूत करताह, आ ओ सभ हुनकर नाम पर चलत।

1. प्रभु मे चलब: हुनकर नाम मे मजबूत होएब

2. अपन विश्वास के मजबूत करब: प्रभु के नाम पर कदम उठाबय के

1. यशायाह 40:31, "मुदा जे सभ प्रभु पर भरोसा करैत छथि, हुनका सभ केँ नव शक्ति भेटतनि। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि पर उड़त; दौड़त आ थाकि नहि जायत; चलत आ बेहोश नहि होयत।"

2. इफिसियों 6:10-11, "अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रमी शक्ति मे मजबूत रहू। परमेश् वरक पूरा कवच पहिरू जाहि सँ अहाँ शैतानक योजना सभक विरुद्ध ठाढ़ भ' सकब।"

जकरयाह अध्याय 11 में प्रभु के न्याय आरू इस्राएल के नेता सिनी के अस्वीकार के जीवंत रूपक चित्र पेश करलऽ गेलऽ छै । ई नीक चरबाह के आगमन के सेहो पूर्वाभास दैत अछि, जे अपन झुंड के देखभाल आ उद्धार करत।

प्रथम पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत इजरायल के नेता सिनी के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व लेबनान आरू बाशान के शोक आरू विलाप करै के आह्वान स॑ होय छै । प्रभु केरऽ न्याय ओकरा सिनी पर आबी रहलऽ छै, कैन्हेंकि ओकरऽ महिमा नष्ट होय रहलऽ छै (जकर्याह ११:१-३)।

2 पैराग्राफ: जकरयाह एकटा चरबाह के रूप में काज करैत अछि, जे परमेश्वर के अपन लोक के चरबाह के रूप में भूमिका के प्रतिनिधित्व करैत अछि। ओ दू टा डंडा लैत छथि, एकटाक नाम "अनुग्रह" आ दोसरक नाम "संघ", आ ओकरा तोड़ि भगवान आ हुनकर लोकक बीचक वाचा केँ रद्द करबाक प्रतीक अछि | इस्राएल के लोग जकरयाह के अस्वीकार करै छै, आरू प्रभु घोषणा करै छै कि वू ओकरा सिनी कॅ भी अस्वीकार करी देतै (जकराह 11:4-14)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के समापन नीक चरबाह के आबै के भविष्यवाणी के साथ होय छै। प्रभु एकटा नव चरबाह ठाढ़ करताह जे झुंडक देखभाल करत, ओकरा सभ केँ ओकर अत्याचारी सभ सँ बचाओत आ ओकरा सभ केँ पुनर्स्थापित करत। मुदा, लोक एहि चरबाह केँ नहि चिन्हत आ ने कदर करत, जाहि सँ हुनका सभक बीच आओर न्याय आ विभाजन होयत (जकराह 11:15-17)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 11 में प्रभु के न्याय आरू इस्राएल के नेता सिनी के अस्वीकार के चित्रण छै, साथ ही साथ अच्छा चरवाहा के आबै के पूर्वाभास भी छै।

शोक आ विलाप के आह्वान करू जेना प्रभु के न्याय इस्राएल के नेता सिनी पर आबै छै।
भगवान आरू हुनकऽ लोगऽ के बीच के वाचा के रद्द करै के प्रतिनिधित्व करै वाला लाठी के प्रतीकात्मक टूटना ।
नीक चरबाह के आगमन के भविष्यवाणी जे अपन झुंड के देखभाल आ उद्धार करत।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत इस्राएल के नेता सिनी के प्रतिनिधित्व करै वाला लेबनान आरू बाशान के आह्वान स॑ होय छै कि जब॑ प्रभु के न्याय ओकरा सिनी पर आबै छै, वू शोक आरू विलाप करै। जकरयाह एक चरवाहा के काम करै छै, जेकरा में "अनुग्रह" आरू "संघ" नाम के दू लाठी लै छै, आरू ओकरा तोड़ी कॅ परमेश्वर आरू ओकरो लोग के बीच के वाचा के रद्द करै के प्रतीक छै। इस्राएल के लोग जकरयाह के अस्वीकार करै छै, आरो प्रभु घोषणा करै छै कि वू ओकरा सिनी कॅ भी अस्वीकार करी देतै। अध्याय के समापन नीक चरबाह के आगमन के भविष्यवाणी स होइत अछि जे हुनकर झुंड के देखभाल आ उद्धार करत। मुदा, जनता एहि चरबाह केँ नहि चिन्हत आ ने कदर करत, जाहि सँ हुनका लोकनिक बीच आओर निर्णय आ विभाजन होयत। ई अध्याय में प्रभु के न्याय आरू इस्राएल के नेता सिनी के अस्वीकार के साथ-साथ अच्छा चरवाहा के आबै के प्रत्याशा पर भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै ।

जकरयाह 11:1 हे लेबनान, अपन दरबज्जा खोलू, जाहि सँ आगि अहाँक देवदार केँ भस्म क’ सकय।

परमेश् वर लेबनान केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ अपन दरबज्जा खोलथि जाहि सँ हुनकर न्यायक आगि ओकर देवदार केँ भस्म क' सकय।

1. विद्रोह के परिणाम: जकरयाह 11:1 के अध्ययन

2. डर नहि: न्यायक बीच सेहो भगवान नियंत्रण मे छथि

1. यशायाह 10:17-19 - इस्राएलक इजोत आगि के रूप मे होयत, आ ओकर पवित्र लोक लौ के रूप मे होयत, आ ओ एकहि दिन मे ओकर काँट आ काँट केँ जरि क’ खा जायत।

2. यिर्मयाह 22:19 - ओकरा गदहा दफनाओल जायत, जेकरा यरूशलेम के फाटक के ओहि पार खींच क फेंकल जायत।

जकरयाह 11:2 हुंकार, देवदारक गाछ; कारण देवदार खसि पड़ल अछि। किएक तँ पराक्रमी सभ लूटल जाइत अछि। किएक तँ विंटेजक जंगल नीचाँ आबि गेल अछि।

पराक्रमी बिगड़ि गेल छल, जकर परिणाम छल देवदारक खसब आ विंटेजक जंगल।

1. प्रभु पर भरोसा करब: हमरा लोकनि केँ पराक्रमी पर विश्वास किएक नहि करबाक चाही

2. क्लेशक आशीर्वाद: हानि कोना आध्यात्मिक विकास दिस ल' सकैत अछि

1. यशायाह 61:3, "ओहि सभ केँ राखक बदला मे सौन्दर्य देबाक लेल, शोकक बदला मे आनन्दक तेल देबाक लेल, भारीपनक आत् माक बदला मे स्तुतिक वस्त्र देबाक लेल; जाहि सँ हुनका सभ केँ धार्मिकताक गाछ कहल जाय, प्रभुक रोपनी, जाहि सँ ओ भ' सकथि।" महिमामंडित होउ।"

2. भजन 37:3-5, "प्रभु पर भरोसा करू आ नीक काज करू; देश मे रहू आ हुनकर विश्वास पर पोषण करू। प्रभु मे सेहो आनन्दित रहू, आ ओ अहाँ केँ हृदयक इच्छा देथिन। अपन प्रभु दिसक बाट, हुनका पर सेहो भरोसा करू, आ ओ एकरा पूरा क' देताह।"

जकरयाह 11:3 चरबाह सभक हुंकारक आवाज अछि। किएक तँ ओकर सभक महिमा लूटि गेल अछि। कारण, यरदनक घमंड बिगड़ि गेल अछि।

ई अंश एकटा हुंकार आ गर्जना के आवाज के बात करै छै, जे वैभव आ अभिमान के बिगड़ै के प्रतीक छै।

1. अभिमानक सोझाँ विनम्रता केँ आत्मसात करब सीखब

2. जीवनक एकटा अंगक रूप मे हानि केँ बुझब

1. याकूब 4:6-10 - "परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि।"

2. यशायाह 40:11 - ओ अपन भेँड़ा केँ चरबाह जकाँ चरबैत छथि: ओ मेमना सभ केँ अपन कोरा मे जमा करैत छथि आ ओकरा अपन हृदयक नजदीक ल’ जाइत छथि; जेकरा बच्चा छै, ओकरा धीरे-धीरे नेतृत्व करै छै।

जकरयाह 11:4 हमर परमेश् वर यहोवा कहैत छथि। वधक झुंड केँ पोसब;

भगवान् अपनऽ लोगऽ क॑ आज्ञा दै छै कि वू लोगऽ के देखभाल करै जेकरा प॑ दुर्व्यवहार आरू उपेक्षा करलऽ गेलऽ छै ।

1. "उत्पीड़ित के देखभाल"।

2. "भगवान के प्रेम के जीना"।

1. यशायाह 58:6-7 - "की ई ओ उपवास नहि अछि जे हम चुनने छी? दुष्टताक पट्टी खोलबाक लेल, भारी बोझ केँ उतारबाक लेल, आ दबलल लोक केँ मुक्त करबाक लेल आ अहाँ सभ हर जुआ केँ तोड़बाक लेल?"

2. याकूब 1:27 - परमेश् वर आ पिताक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक विपत्ति मे पड़ल रहब आ अपना केँ संसार सँ निर्दोष राखब।

जकरयाह 11:5 जकर मालिक सभ ओकरा सभ केँ मारि दैत अछि आ अपना केँ दोषी नहि मानैत अछि। हम धनिक छी, आ ओकर सभक चरबाह ओकरा सभ पर दया नहि करैत अछि।

बरदक मालिक सभ ओकरा सभकेँ मारैत रहल अछि, तइयो ओकरा सभकेँ अपराधबोध नहि होइत छैक, आ ओकरा बेचनिहार सभ धनिक होइत-होइत प्रभुक स्तुति करैत अछि, बरद सभ पर कोनो दया नहि।

1. पाखंडक खतरा

2. उत्पीड़ित लोकक प्रति भगवानक करुणा

1. मत्ती 23:27-28 - "हे शास्त्री आ फरिसी, पाखंडी सभ, अहाँ सभ केँ हाय! किएक तँ अहाँ सभ उज्जर रंगक कब्र जकाँ छी, जे बाहरी रूप सँ सुन्दर देखाइत अछि, मुदा भीतर सँ मृतकक हड्डी आ सभटा अशुद्धता सँ भरल अछि। तेँ अहाँ सभ सेहो बाहरी रूप सँ धर्मी देखाइत छी।" दोसर केँ, मुदा अहाँ सभक भीतर पाखंड आ अधर्म सँ भरल छी।

2. याकूब 1:27 - पिता परमेश् वरक समक्ष शुद्ध आ निर्मल धर्म ई अछि जे अनाथ आ विधवा सभक क्लेश मे देखब आ संसार सँ अपना केँ निर्दोष राखब।

जकरयाह 11:6 हम आब एहि देशक निवासी सभ पर दया नहि करब, मुदा देखू, हम ओहि आदमी सभ केँ अपन-अपन पड़ोसीक हाथ मे आ अपन राजाक हाथ मे सौंप देब, आ हम हुनका सभक हाथ सँ नहि बचा सकब।

भगवान् आब ओहि देशक लोक पर दया नहि करताह, बल्कि ओकरा सभ केँ पड़ोसी आ राजा सभक द्वारा जीतय देताह।

1. भगवानक दया अंतहीन नहि होइत छैक

2. हमर सभक कर्म परमेश् वरक प्रतिक्रिया निर्धारित करैत अछि

1. रोमियो 2:4-5 - या अहाँ हुनकर दया आ सहनशीलता आ धैर्यक धन पर घमंड करैत छी, ई नहि जानि जे परमेश् वरक दया अहाँ केँ पश्चाताप करबाक लेल ल’ जाय?

2. यिर्मयाह 18:7-8 - जँ हम कोनो समय कोनो जाति वा राज्यक विषय मे घोषणा करब जे हम ओकरा तोड़ि कऽ तोड़ि कऽ नष्ट करब, आ जँ ओ जाति, जकर विषय मे हम कहलहुँ अछि, अपन बुराई सँ मुड़ि जायत। हम ओहि विपत्ति सँ हार मानब जे हम एकरा संग करबाक इरादा रखने रही।

जकरयाह 11:7 हम वधक भेँड़ा केँ पोसब, अहाँ सभ, हे झुंडक गरीब। हम दूटा लाठी अपना लग ल’ लेलहुँ। एकटा के हम ब्यूटी कहने रही, आ दोसर के बैंड कहने रही; आ हम भेँड़ा केँ खुआबैत छलहुँ।

जे गरीब आ उत्पीड़ित अछि ओकर भरण-पोषण प्रभु करैत छथि ।

1. जरूरतमंद के लेल भगवान के प्रावधान

2. प्रभुक देखभाल पर भरोसा करब

1. गलाती 6:9-10 "आओर नीक काज करबा मे नहि थकब, किएक त' जँ हम सभ बेहोश नहि होयब त' उचित समय पर फसल काटि लेब। तेँ जेना अवसर भेटत, सभ लोकक संग भलाई करी, खास क' जे सभ लोकक संग भलाई करी।" विश्वासक घरक लोक छथि।”

2. भजन 37:25 "हम छोट छलहुँ, आब बूढ़ भ' गेलहुँ; तइयो हम धर्मी केँ छोड़ल नहि देखलहुँ, आ ने ओकर संतान केँ रोटी माँगैत देखलहुँ।"

जकरयाह 11:8 हम एक मास मे तीन टा चरबाह केँ सेहो काटि देलहुँ। हमर प्राण हुनका सभ सँ घृणा करैत छल आ हुनका सभक प्राण सेहो हमरा सँ घृणा करैत छल।

जकरयाह 11:8 मे परमेश् वर एक महीना मे तीन चरबाह केँ काटि देबाक बात करैत छथि, कारण ओ सभ आ ओ दुनू एक दोसरा सँ घृणा करैत छलाह।

1. परमेश् वरक न्याय: परमेश् वर अविश्वासी चरबाह सभक संग कोना धार्मिक व्यवहार करैत छथि

2. अधर्मक सोझाँ घृणा: पाप आ ओकर परिणाम केँ अस्वीकार करब

1. मत्ती 18:20 - किएक तँ जतऽ दू-तीन गोटे हमर नामसँ जमा छथि, ओतहि हम हुनका सभक बीच छी।

2. तीतुस 3:3-5 - किएक तँ हम सभ स्वयं मूर्ख, आज्ञा नहि मानय बला, भटकल, विभिन्न राग आ भोगक गुलाम छलहुँ, दुर्भावना आ ईर्ष्या मे अपन दिन बिताबैत छलहुँ, दोसरक घृणा करैत छलहुँ आ एक दोसरा सँ घृणा करैत छलहुँ। मुदा जखन हमरा सभक उद्धारकर्ता परमेश् वरक भलाई आ प्रेमक दया प्रगट भेल तँ ओ हमरा सभ केँ धार्मिकताक कारणेँ नहि, बल् कि अपन दयाक अनुसार हमरा सभक उद्धार कयलनि।

जकरयाह 11:9 तखन हम कहलियनि, “हम अहाँ सभ केँ नहि खुआबब। आ जे काटि जेबाक अछि से काटि देल जाय। बाँकी सभ एक-दोसरक मांस खाय।”

जे हुनकर आज्ञा नहि मानैत छथि हुनका पर परमेश् वरक न् याय कठोर अछि।

1: एकटा बेमेल भगवान: परमेश् वरक वचनक आज्ञापालन मे जीब

2: आज्ञा नहि मानबाक परिणाम: जकरयाह 11:9 सँ सीखब

1: यिर्मयाह 5:3, "हे प्रभु, की अहाँक नजरि सत्य पर नहि अछि? अहाँ ओकरा सभ केँ मारि देलहुँ, मुदा ओ सभ दुखी नहि भेल। अहाँ ओकरा सभ केँ भस्म क' देलहुँ, मुदा ओ सभ सुधार करबा सँ मना क' देलक। ओ सभ अपन मुँह केँ कठोर बना देलक।" एकटा चट्टान, ओ सभ घुरबा सँ मना क' देलक अछि।"

2: इब्रानी 10:31, "जीबैत परमेश्वरक हाथ मे पड़ब भयावह बात अछि।"

जकरयाह 11:10 हम अपन लाठी, सौन्दर्य केँ ल’ क’ ओकरा काटि देलहुँ, जाहि सँ हम अपन वाचा केँ तोड़ि सकब जे हम सभ लोकक संग केने रही।

जकरयाह अपन लाठी, जकरा सौन्दर्य कहल जाइत अछि, लऽ कऽ ओकरा तोड़ि दैत अछि जाहि सँ सभ लोकक संग अपन वाचा तोड़ि सकब।

1. वाचा तोड़बाक शक्ति: वादा तोड़बाक परिणाम बुझब

2. सौन्दर्यक महत्व: मूल्यवान वस्तु केँ पोसबाक की अर्थ होइत छैक तकर खोज करब

1. यशायाह 24:5 - पृथ्वी सेहो ओकर निवासी सभक अधीन अशुद्ध भ’ गेल अछि। कारण, ओ सभ नियमक उल्लंघन कयलनि, नियम केँ बदलि देलनि, अनन्त वाचा केँ तोड़ि देलनि।

2. यिर्मयाह 34:8-10 - ई ओ वचन अछि जे यिर्मयाह केँ परमेश् वरक दिस सँ आयल छल, जखन राजा सिदकियाह यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोकक संग एकटा वाचा कएने छलाह जे ओ सभ हुनका सभ केँ स्वतंत्रताक घोषणा करथि।

जकरयाह 11:11 ओहि दिन ओ टूटि गेल, आ हमरा प्रतीक्षा मे बैसल भेँड़ाक गरीब सभ बुझि गेल जे ई परमेश् वरक वचन अछि।

2164

[illegible]

1. [illegible] - [illegible] 11:11

2. [illegible] - [illegible] 11:11

1. [illegible] 40:8 - [illegible]

2. [illegible] 24:35 - [illegible]

[illegible] 11:12 [illegible]

[illegible] 11:12 [illegible]

1. [illegible] : [illegible]

2. [illegible]: [illegible] 11:12 [illegible]

1. [illegible] 26:15 - [illegible]

2. [illegible] 16:4 - [illegible]

[illegible] 11:13 [illegible]

[illegible]

1: [illegible] : [illegible]

2: [illegible] : [illegible]

1: [illegible] 26:14-15 - [illegible]

2: [illegible] 32:9 - [illegible]

[illegible] 11:14 [illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

1. [illegible] 13:8-9 ([illegible]

हमरा सँ अलग भऽ जाउ, जँ अहाँ बामा हाथ पकड़ब तँ हम दहिना दिस जायब, वा जँ अहाँ दहिना दिस चलि जायब तँ हम बामा दिस जायब।)

2. नीतिवचन 18:19 (आहत भेल भाइ केँ मजबूत शहर सँ बेसी कठिन अछि। आ ओकर सभक विवाद महलक सलाख जकाँ होइत छैक।)

जकरयाह 11:15 तखन परमेश् वर हमरा कहलथिन, “एकटा मूर्ख चरबाहक वाद्ययंत्र अपना लग ल’ जाउ।”

प्रभु जकरयाह केँ एकटा मूर्ख चरबाहक औजार लेबाक आज्ञा दैत छथि।

1. "झूठा चरबाहक मूर्खता"।

2. "प्रभुक इच्छा बनाम मूर्ख चरबाह"।

1. इजकिएल 34:1-10 (परमेश् वरक झूठ चरबाह सभक निन्दा)

2. यिर्मयाह 23:1-4 (सच्चा चरबाहक लेल परमेश् वरक इच्छा)

जकरयाह 11:16 देखू, हम ओहि देश मे एकटा एहन चरबाह ठाढ़ करब, जे कटल गेल लोकक सामना नहि करत, आ ने बच्चा केँ खोजत, ने टूटल-फूटल केँ ठीक करत, आ ने ठाढ़ केँ भोजन करत ओ चर्बीक मांस खा लेत आ ओकर पंजा केँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देत।

भगवान् एकटा एहन चरबाह ठाढ़ करताह जे कमजोर वा घायल लोकक परवाह नहि करत अपितु ओकर बदला मे ओकर लाभ उठाओत।

1. "भगवानक न्याय: ओ चरबाह जे नहि छल"।

2. "कमजोरक देखभाल करबाक लेल चरबाहक आह्वान"।

1. भजन 23:4 - "हँ, भले हम मृत्युक छायाक घाटी मे चलब, मुदा कोनो अधलाह सँ नहि डेरब, कारण अहाँ हमरा संग छी; अहाँक लाठी आ अहाँक लाठी हमरा सान्त्वना दैत अछि।"

2. मत्ती 25:31-46 - "जखन मनुष्यक पुत्र अपन महिमा मे आओत, आ सभ पवित्र स् वर्गदूत हुनका संग आओत, तखन ओ अपन महिमाक सिंहासन पर बैसताह। आ हुनका सोझाँ सभ जाति जमा होयत ओ ओकरा सभ केँ एक-दोसर सँ अलग करत, जेना चरबाह अपन भेँड़ा केँ बकरी सँ अलग करैत अछि, अहाँ सभ हमर पिताक आशीर्वादित लोक सभ, संसारक सृष्टि सँ अहाँ सभक लेल तैयार कयल गेल राज्यक उत्तराधिकारी बनू।'"

जकरयाह 11:17 धिक्कार ओहि मूर्ति चरबाह पर जे भेँड़ा छोड़ि जाइत अछि! तलवार ओकर बाँहि पर आ दहिना आँखि पर रहतैक, ओकर बाँहि साफ सुखि गेलैक आ ओकर दहिना आँखि एकदम अन्हार भ’ जायत।

जिम्मेदारी के उपेक्षा के परिणाम भयावह अछि।

1. "अपन जिम्मेदारी पूरा करब: एकटा आह्वान"।

2. "अपन जिम्मेदारी के उपेक्षा के खतरा"।

1. मत्ती 25:14-30 - प्रतिभाक दृष्टान्त

2. यिर्मयाह 23:1-4 - परमेश् वरक आह्वान चरबाह सभ केँ अपन लोक सभक देखभाल करबाक लेल

जकरयाह अध्याय 12 यरूशलेम आरू ओकरा घेरने वाला जाति सिनी के बारे में भविष्य के घटना के बारे में भविष्यवाणी करै छै। ई यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू सुरक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक परिवर्तन आरू शोक के बात करै छै जे लोगऽ के बीच होतै।

2166

पहिल पैराग्राफ: अध्याय केरऽ शुरुआत ई घोषणा स॑ होय छै कि परमेश् वर यरूशलेम क॑ काँपऽ के प्याला आरू आसपास के सब जाति के लेलऽ बोझिल पाथर बनाबै छै । प्रभु यरूशलेम के रक्षा आरू रक्षा करतै, आरू जे भी ओकरा नुकसान पहुँचै के कोशिश करतै, ओकरा जवाबदेह ठहरालऽ जैतै। परमेश् वरक सामर्थ् य यरूशलेमक संरक्षण मे प्रगट होयत (जकराह 12:1-9)।

2 पैराग्राफ: अध्याय में यरूशलेम के लोगऽ के बीच जे आध्यात्मिक परिवर्तन होतै, ओकरऽ वर्णन छै। जेकरा बेधने छै ओकरा चिन्हतै आरू शोक करतै, अपनऽ अपराध के अहसास करी क॑ आरू पश्चाताप करतै। यरूशलेम मे एकटा पैघ शोक होयत, जेना कोनो एकलौता बेटाक शोक होयत (जकर्याह 12:10-14)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 12 यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू सुरक्षा के बारे में बात करै छै, साथ ही साथ आध्यात्मिक परिवर्तन आरू शोक के भी बात करै छै जे लोगऽ के बीच होतै।

यरूशलेम केँ काँपबाक प्याला आ आसपासक राष्ट्र सभक लेल बोझिल पाथरक रूप मे घोषित करब।
यरूशलेम के परमेश् वर के रक्षा आरू रक्षा के प्रतिज्ञा।
लोकक बीच जे आध्यात्मिक परिवर्तन आ शोक होयत ओकर वर्णन।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत एक घोषणा स॑ होय छै कि परमेश् वर यरूशलेम क॑ काँपै के प्याला आरू आसपास के जाति सिनी लेली बोझिल पाथर बनाबै छै। प्रभु यरूशलेम के रक्षा आरू रक्षा करै के वादा करै छै, आरू जे भी ओकरा नुकसान पहुँचै के कोशिश करतै, ओकरा जवाबदेह ठहरालऽ जैतै। एकरऽ बाद अध्याय में यरूशलेम के लोगऽ के बीच जे आध्यात्मिक परिवर्तन होतै, ओकरऽ वर्णन करलऽ गेलऽ छै । जेकरा बेधने छै ओकरा चिन्हतै आरू शोक करतै, अपनऽ अपराध के अहसास करी क॑ आरू पश्चाताप करतै। यरूशलेम मे एकटा पैघ शोक होयत, जेना कोनो एकलौता बेटाक शोक होइत हो। ई अध्याय यरूशलेम के पुनर्स्थापन आरू सुरक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक परिवर्तन आरू शोक के बात करै छै जे लोगऽ के बीच होतै।

जकरयाह 12:1 इस्राएलक लेल परमेश् वरक वचनक भार, परमेश् वर कहैत छथि, जे आकाश केँ पसारि दैत छथि आ पृथ् वीक नींव रखैत छथि आ मनुष् यक आत् मा केँ ओकर भीतर बनबैत छथि।

प्रभु के पास इस्राएल के लेलऽ वचन के बोझ छै, आरो वू ही आकाश-पृथ्वी के रचना करलकै आरू मनुष्य के आत्मा के निर्माण करलकै।

1. प्रभुक भार: इस्राएलक लेल प्रभुक वचन

2. प्रभुक सृष्टि: आकाश, पृथ्वी आ मनुष्यक आत्मा

1. उत्पत्ति 1:1-2 - शुरू मे परमेश् वर आकाश आ पृथ्वी केँ सृष्टि कयलनि।

2. अय्यूब 32:8 - मुदा मनुष् य मे एकटा आत् मा अछि, आ सर्वशक्तिमानक प्रेरणा ओकरा सभ केँ समझ दैत छैक।

जकरयाह 12:2 देखू, हम यरूशलेम केँ चारू कातक समस्त लोकक लेल काँपबाक प्याला बना देब, जखन ओ सभ यहूदा आ यरूशलेम दुनूक विरुद्ध घेराबंदी करत।

परमेश् वर यरूशलेम केँ अपन चारूकातक सभ जाति सभक लेल बहुत भयभीतक विषय बना देताह जखन ओ सभ यहूदा आ यरूशलेमक विरुद्ध घेराबंदीक बीच मे होयत।

1. विपत्तिक समय मे प्रभु हमर सभक ताकत छथि

2. भगवानक प्रेमसँ हमरा सभकेँ किछुओ अलग नहि कऽ सकैत अछि

1. यशायाह 41:10 - "तेँ डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँ केँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

2. भजन 46:1 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन सहायक छथि।"

2167

जकरयाह 12:3 ओहि दिन हम यरूशलेम केँ सभ लोकक लेल बोझिल पाथर बना देब।

परमेश् वर वादा करै छै कि हुनी यरूशलेम के रक्षा करतै, भले ही सब जाति ओकरा खिलाफ जमा होय जाय।

1. परमेश् वरक रक्षा: यरूशलेमक प्रतिज्ञा

2. प्रभु यरूशलेम के रक्षा करै के अपनऽ वाचा के प्रतिज्ञा केना पूरा करतै

1. भजन 46:5 "परमेश् वर ओकर भीतर छथि, ओ नहि खसतीह; परमेश् वर ओकर भोर मे सहायता करताह।"

2. यशायाह 62:6-7 "हे यरूशलेम, हम अहाँक देबाल पर चौकीदार नियुक्त केने छी; भरि दिन आ भरि राति ओ सभ कहियो चुप नहि रहत। अहाँ सभ जे प्रभु केँ मोन पाड़ैत छी, अपना लेल कोनो विश्राम नहि करू; आ जाबत धरि हुनका विश्राम नहि दिअ।" ओ यरूशलेम केँ स्थापित करैत छथि आ पृथ्वी पर स्तुति बनबैत छथि |”

जकरयाह 12:4 प्रभु कहैत छथि, ओहि दिन हम सभ घोड़ा केँ आश्चर्यचकित क’ देब आ ओकर सवार केँ पागलपन सँ मारब।

परमेश् वर यहूदाक घोड़ा आ सवार सभ केँ आश्चर्यचकित आ आन्हरता सँ मारि देताह।

1. परमेश् वरक अपन लोकक प्रति प्रेम: परमेश् वर अपन प्रेमक रक्षा आ प्रबंध कोना करैत छथि

2. भगवानक न्याय: गलत काज करयवला केँ भगवान सजा देताह

1. यशायाह 42:15 - "हम अहाँ केँ एकटा नव, तेज कुटनी जकाँ बना देब जाहि मे बहुत दाँत अछि; अहाँ पहाड़ सभ केँ कुचलब आ ओकरा कुचलब, आ पहाड़ सभ केँ भूसा जकाँ बना देब"।

2. रोमियो 12:19 - "हे हमर प्रिय मित्र लोकनि, बदला नहि लिअ, बल् कि परमेश् वरक क्रोधक लेल जगह छोड़ू, किएक तँ लिखल अछि जे: बदला लेब हमर अछि; हम बदला लेब, प्रभु कहैत छथि।"

जकरयाह 12:5 यहूदाक राज्यपाल सभ अपन मोन मे कहताह जे, “यरूशलेम मे रहनिहार सभ सेना सभक परमेश् वर मे हमर सामर्थ् य बनत।”

यहूदाक राज्यपाल सभ यरूशलेम केँ सेना सभक परमेश् वर मे अपन सामर्थ् य मानत।

1. प्रभुक ताकत: परमेश् वर अपन लोकक माध्यमे की कऽ सकैत छथि

2. विपत्तिक समय मे भगवानक बल पर भरोसा करब

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत वर्तमान सहायक। तेँ पृथ् वी रस् ता छोड़ि कऽ पहाड़ सभ समुद्रक हृदय मे चलि जाय, ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि, मुदा ओकर सूजन सँ पहाड़ काँपि रहल अछि, से हम सभ नहि डेराएब।

2. इफिसियों 6:10 अंत मे, प्रभु मे आ हुनकर पराक्रम मे मजबूत रहू।

जकरयाह 12:6 ओहि दिन हम यहूदाक राज्यपाल सभ केँ लकड़ीक बीच मे आगि केर चूल्हा जकाँ बना देब आ गुच्छा मे आगि केर मशाल जकाँ बना देब। ओ सभ चारू कात, दहिना आ बामा कातक सभ लोक केँ खा जायत, आ यरूशलेम मे फेर सँ अपन स्थान पर, यरूशलेम मे निवास कयल जायत।

प्रभुक दिन मे यहूदाक शासक सभ चारू कातक लोक सभ केँ भस्म करबाक लेल जरैत आगि जकाँ भऽ जेताह। तहिना यरूशलेम केँ अपन उचित स्थान पर पुनर्स्थापित कयल जायत।

1. परमेश् वरक अग्निक शक्ति: परमेश् वरक न्याय अपन लोक केँ कोना पुनर्स्थापित करत

2. प्रभु के दिन: परमेश्वर कोना पुनर्स्थापन के माध्यम स मोक्ष अनैत छथि

1. यशायाह 9:6-7 - किएक तँ हमरा सभकेँ एकटा बच्चा भेल अछि, हमरा सभकेँ एकटा बेटा देल गेल अछि, आ ओकर कान्ह पर शासन रहत, शांति के राजकुमार।

2. यशायाह 11:1-5 - यिशै के डारि सँ एकटा छड़ी निकलत आ ओकर जड़ि सँ एकटा डारि निकलत, आ प्रभुक आत् मा ओकरा पर टिकल रहत, जे बुद्धि आ समझक आत् मा, परामर्श आ पराक्रमक आत्मा, ज्ञान आ प्रभुक भय; प्रभु के भय में ओकरा जल्दी समझदार बनाबै छै, आरो ओकरोॅ आँख के देखला के अनुसार न्याय नै करतै, नै ही ओकरोॅ कान के सुनला के अनुसार डांटतै पृथ्वीक नम्र, ओ अपन मुँहक लाठी सँ पृथ्वी केँ मारि देत, आ ठोरक साँस सँ दुष्ट केँ मारि देत।

जकरयाह 12:7 परमेश् वर पहिने यहूदाक डेरा सभ केँ बचाओत, जाहि सँ दाऊदक वंशजक महिमा आ यरूशलेम मे रहनिहार सभक महिमा यहूदाक विरुद्ध अपन महिमा नहि बढ़य।

प्रभु पहिने यहूदाक डेराक रक्षा करताह, जाहि सँ दाऊदक महिमा आ यरूशलेमक महिमा यहूदा सँ ऊपर नहि उठत।

1. कमजोर आ कमजोर लोकक लेल भगवानक रक्षा

2. विनम्रता आ एकताक महत्व

1. भजन 91:4 - ओ अहाँ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेत, आ अहाँ हुनकर पाँखिक नीचाँ शरण मे रहब। ओकर निष्ठा तोहर ढाल आ बकरी बनत।

2. नीतिवचन 3:34 - ओ घमंडी उपहास करयवला सभक उपहास करैत अछि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत अछि।

जकरयाह 12:8 ओहि दिन परमेश् वर यरूशलेमक निवासी सभक रक्षा करताह। ओहि दिन हुनका सभक बीच जे कमजोर अछि से दाऊद जकाँ होयत। दाऊदक वंशज परमेश् वर जकाँ होयत, जेना हुनका सभक समक्ष परमेश् वरक स् वर्गदूत होयत।

एहि अंश मे परमेश् वर यरूशलेमक निवासी सभक रक्षा करबाक आ राजा दाऊद जकाँ मजबूत बनेबाक वादा करैत छथि।

1. "प्रभु के बल: भगवान के रक्षा पर भरोसा"।

2. "प्रभुक शक्ति: विश्वास मे दृढ़तापूर्वक ठाढ़ रहब"।

1. भजन 91:2: "हम प्रभुक विषय मे कहब जे ओ हमर शरण आ किला छथि; हमर परमेश् वर; हम हुनका पर भरोसा करब।"

2. यशायाह 41:10: "डरब नहि, कारण हम अहाँक संग छी; निराश नहि होउ, कारण हम अहाँक परमेश् वर छी; हम अहाँ केँ बल देब, हम अहाँक सहायता करब, हम अहाँ केँ अपन धर्मी दहिना हाथ सँ सहारा देब।"

जकरयाह 12:9 ओहि दिन हम ओहि सभ जाति केँ नष्ट करबाक प्रयास करब जे यरूशलेम पर आबि जायत।

परमेश् वर यरूशलेम के रक्षा आरू रक्षा करै के वादा करै छै, जे सब ओकरा नष्ट करै के कोशिश करै छै।

1. परमेश् वर हमर सभक रक्षक छथि - जकरयाह 12:9

2. परमेश् वरक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब - जकरयाह 12:9

1. भजन 46:1-2 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़त।

2. यशायाह 41:10 तेँ नहि डेराउ, कारण हम अहाँक संग छी। त्रस्त नहि होउ, किएक तँ हम अहाँक परमेश् वर छी। हम अहाँकेँ मजबूत करब आ अहाँक सहायता करब; हम अपन धर्मात्मा दहिना हाथ सँ अहाँ केँ सहारा देब।

जकरयाह 12:10 हम दाऊदक घराना आ यरूशलेमक निवासी सभ पर अनुग्रह आ विनतीक आत् मा ढारि देब, आ ओ सभ हमरा दिस तकत, जकरा ओ सभ छेदने अछि, आ ओकरा लेल शोक करत, जेना शोक करैत अछि एकलौता बेटाक लेल, आ ओकरा लेल कटुता मे रहत, जेना जेठ बच्चाक लेल कटुता मे पड़ैत छैक।

यरूशलेम के निवासी सिनी कॅ अनुग्रह आरू विनती के आत् मा के अनुभव करतै, आरु यीशु के शोक करतै, जेकरा बेधलो गेलै, जेना कि एकलौता बेटा के शोक करै छै।

1. अनुग्रह आ विनती के आत्मा: यीशु दिस तकैत, जे छेदल गेल छल

2. यीशुक शोक: एकल पुत्रक लेल सच्चा दुःखक अनुभव होइत छैक

1. भजन 34:18 - प्रभु टूटल-फूटल हृदयक नजदीक छथि आ आत्मा मे कुचलल लोक केँ उद्धार करैत छथि।

2. यूहन्ना 19:37 - आ फेर एकटा आओर शास्त्र कहैत अछि जे, ओ सभ ओहि दिस तकत जकरा ओ सभ छेदने अछि।

जकरयाह 12:11 ओहि दिन यरूशलेम मे एकटा पैघ शोक होयत, जेना मेगिदोन घाटी मे हददरिमोन के शोक होयत।

यरूशलेम में बहुत शोक के तुलना मेगिदोन के घाटी में हददरिमोन के शोक से करलऽ जाय छै ।

1. शोकक लागत: हददरिमोनक शोकसँ सीखब

2. शोक मे आराम: मेगिदोन घाटी मे आशा भेटब

1. मत्ती 5:4 "धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ केँ सान्त्वना भेटतैक।"

2. विलाप 3:21-24 "तइयो हम ई बात मोन पाड़ैत छी आ तेँ हमरा आशा अछि: प्रभुक महान प्रेमक कारणेँ हम सभ समाप्त नहि होइत छी, कारण हुनकर करुणा कहियो खत्म नहि होइत अछि। ओ सभ भोरे- भोर नव होइत अछि; अहाँक विश्वास बहुत पैघ अछि। हम।" मने-मन कहैत छी, “प्रभु हमर भाग छथि, तेँ हम हुनकर प्रतीक्षा करब।”

जकरयाह 12:12 आ देश शोक करत, प्रत्येक परिवार अलग-अलग। दाऊदक वंशक वंशज अलग-अलग, आ हुनका सभक स् त्रीगण अलग-अलग। नाथनक घरक परिवार अलग-अलग, आ ओकर सभक पत्नी अलग-अलग।

यहूदा देश शोक करत, हर परिवार अलग-अलग शोक करतै।

1. शोकक भूमि मे रहब: शोकक समय मे शांति कोना भेटत

2. हानि के समय में भगवान के आराम: दुःख के समय में ताकत पाना

1. यशायाह 61:2-3 - प्रभुक अनुग्रहक वर्ष आ हमरा सभक परमेश् वरक प्रतिशोधक दिनक घोषणा करब। शोक करयवला सभ केँ सान्त्वना देबय लेल।

२ कोनो दुःख मे छी, जाहि सँ हम सभ परमेश् वर द्वारा सान्त्वना भेटैत अछि।

जकरयाह 12:13 लेवीक घरानाक वंश अलग-अलग, आ ओकर सभक पत्नी अलग-अलग। शिमेईक वंश अलग-अलग, आ ओकर सभक स् त्रीगण अलग-अलग।

भगवान् हमरा सब के अपन सम्मान के चक्कर में सांसारिक विकर्षण स अलग होबय लेल बजबैत छथि।

2170

1: पवित्रताक जीवन जीबाक लेल हमरा सभकेँ एहि संसारक वस्तु सभसँ अपनाकेँ अलग करबाक प्रयास करबाक चाही।

2: हमरा सभ केँ अपन प्रभु आ उद्धारकर्ताक आदर करबाक लेल अपन सांसारिक सम्पत्ति आ प्रतिबद्धता केँ एक कात राखय पड़त।

1: मत्ती 6:24 - कियो दू मालिकक सेवा नहि क’ सकैत अछि, कारण या त’ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत, या फेर एक केँ समर्पित रहत आ दोसर केँ तिरस्कार करत।

2: 1 यूहन्ना 2:15-17 - संसार आ संसारक वस्तु सभसँ प्रेम नहि करू। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि तँ पिताक प्रेम ओकरा मे नहि अछि। कारण संसार मे जे किछु अछि से शरीरक इच्छा आ आँखिक इच्छा आ सम्पत्ति मे घमंड पिता सँ नहि अपितु संसार सँ अछि। आ संसार अपन इच्छाक संग बीति रहल अछि, मुदा जे परमेश् वरक इच् छा करैत अछि से सदा-सदा धरि रहैत अछि।

जकरयाह 12:14 जे सभ परिवार बचल अछि, सभ परिवार अलग-अलग आ अपन पत्नी अलग-अलग।

जकरयाह 12:14 मे परिवार सभ केँ एक-दोसर सँ अलग रहबाक निर्देश देल गेल अछि।

1. "संगतिक लेल अलगाव: जकरयाह 12:14 केँ बुझब"।

2. "विरह के माध्यम स आत्मीयता के खेती: जकरयाह 12:14 के लागू करब"।

1. प्रेरितों के काम 2:42-47 - प्रारंभिक कलीसिया के अलगाव के माध्यम स संगति के उदाहरण।

2. इफिसियों 5:22-33 - अंतरंग विरह के उदाहरण के रूप में विवाह के बारे में पौलुस के निर्देश।

जकरयाह अध्याय 13 भविष्यवाणी के आगू बढ़ाबैत अछि आ एहि मे इस्राएल के देश स झूठ भविष्यवक्ता के शुद्ध करब, परिष्कृत करब आ हटाबय पर ध्यान देल गेल अछि। ई चरवाहा के दुख आरू अस्वीकृति के बात भी करै छै, जेकरा मसीह के रूप में पहचानलऽ जाय छै ।

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत एकटा फव्वारा के प्रतिज्ञा स होइत अछि जे दाऊद के घराना आ यरूशलेम के निवासी के लेल खोलल जायत जाहि स हुनका सब के पाप आ अशुद्धता स शुद्ध कयल जायत। एहि शुद्धि मे मूर्ति आ झूठ भविष्यवक्ता केँ देश सँ हटा देल जायत (जकराह 13:1-6)।

2 पैराग्राफ: अध्याय मे चरबाह के दुख आ अस्वीकृति के बात कयल गेल अछि, जकर पहचान मसीह के रूप मे कयल गेल अछि | चरबाह केँ मारि देल जायत, आ बरद सभ छिड़िया जायत। एहि दुःख सँ परमेश् वरक लोकक परिष्कार आ शुद्धि होयत। दू तिहाई लोक काटि क’ नष्ट भ’ जायत, जखन कि एक तिहाई परिष्कृत भ’ प्रभुक नाम पुकारत (जकराह 13:7-9)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय १३ इस्राएल के देश सँ झूठा भविष्यवक्ता सिनी कॅ शुद्ध करै, परिष्कृत करै आरू हटाबै पर केंद्रित छै। ई चरवाहा केरऽ दुख आरू अस्वीकृति के बात भी करै छै, जेकरा मसीह के रूप में पहचानलऽ जाय छै ।

दाऊद के घराना आरू यरूशलेम के निवासी सिनी के लेलऽ शुद्धिकरण के फव्वारा के प्रतिज्ञा। मूर्ति आ झूठ भविष्यवक्ता के देश स हटाबय के।
चरबाह के दुख, अस्वीकृति आ परिष्कार, जे परमेश् वर के लोक के शुद्धि के तरफ ले जाय छै।

जकरयाह के ई अध्याय के शुरुआत एगो फव्वारा के प्रतिज्ञा स॑ होय छै जे दाऊद के घरऽ आरू यरूशलेम के निवासी सिनी लेली खुललऽ जैतै ताकि ओकरा पाप आरू अशुद्धता स॑ शुद्ध करलऽ जाय सक॑ । तखन अध्याय मे इस्राएल देश सँ मूर्ति आ झूठ भविष्यवक्ता केँ हटाबय के बात कयल गेल अछि | अध्याय चरवाहा के दुख आरू अस्वीकृति के वर्णन में शिफ्ट होय जाय छै, जेकरा मसीह के रूप में पहचानलऽ जाय छै । चरबाह केँ मारि देल जायत, आ बरद सभ छिड़िया जायत। एहि दुःख सँ परमेश् वरक लोकक परिष्कार आ शुद्धि होयत। दू तिहाई लोक कटि क' नष्ट भ' जायत, जखन कि एक तिहाई परिष्कृत भ' प्रभुक नाम पुकारत। ई अध्याय झूठा भविष्यवक्ता सिनी कॅ शुद्ध करै,

2171

परिष्कृत करै आरू ओकरा हटाबै के साथ-साथ चरवाहा के दुख आरू अस्वीकार पर केंद्रित छै, जेकरा मसीह के रूप में पहचानलौ गेलौ छै।

जकरयाह 13:1 ओहि दिन दाऊदक घराना आ यरूशलेमक निवासी सभक लेल पाप आ अशुद्धताक लेल एकटा फव्वारा खुजल रहत।

भविष्य में दाऊद के घराना आरू यरूशलेम के निवासी के लेलऽ एगो फव्वारा खुलतै, जेकरा सें ओकरा सिनी के पाप आरू अशुद्धता सें शुद्ध होय जैतै।

1. क्षमा के शक्ति - भगवान के कृपा के फव्वारा हमरा सब के कोना पाप स साफ करैत अछि

2. बहाली के आशीर्वाद - भगवान के कृपा के फव्वारा के माध्यम स जीवन के नवीकरण के अनुभव करब

1. यशायाह 43:25 - हम, हमहीं छी जे अहाँक अपराध केँ मेटा दैत छी, हमरा लेल, आ अहाँक पाप केँ आब नहि मोन पाड़ैत छी।

2. इजकिएल 36:25-27 - तखन हम अहाँ पर शुद्ध पानि छिड़कि देब, आ अहाँ अपन सभ अशुद्धता सँ शुद्ध भ' जायब, आ अहाँक सभ मूर्ति सँ हम अहाँ केँ शुद्ध करब। हम अहाँकेँ नव हृदय देब आ नव आत् मा अहाँ सभक भीतर राखब। आ हम अहाँक शरीर सँ पाथरक हृदय हटा देब आ अहाँ केँ मांसक हृदय देब। हम अहाँ सभक भीतर अपन आत् मा राखब आ अहाँ सभ केँ अपन नियम मे चलब आ अपन नियमक पालन करबा मे सावधान रहब।

जकरयाह 13:2 सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे ओहि दिन हम ओहि देश मे मूर्ति सभक नाम केँ काटि देब, आ ओकरा सभ केँ आब नहि स्मरण कयल जायत आ अशुद्ध आत् मा देश सँ बाहर निकलि जाय।

प्रभु मूर्तिपूजा के काट देतै आरू भविष्यवक्ता आरू अशुद्ध आत्मा सिनी कॅ देश सें दूर करी देतै।

1. प्रभुक न्याय: पश्चाताप करबाक आह्वान

2. प्रभुक शक्ति: विश्वासक आह्वान

1. निर्गमन 20:3-5 - हमरा सँ पहिने अहाँक कोनो आन देवता नहि रहत। अहाँ अपना लेल कोनो नक्काशीदार मूर्ति वा कोनो उपमा नहि बनाउ जे ऊपर स्वर्ग मे अछि, वा नीचाँ पृथ्वी मे अछि आ पृथ्वीक नीचाँ पानि मे अछि। अहाँ हुनका सभक समक्ष प्रणाम नहि करू आ ने हुनकर सेवा करू, कारण हम अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु ईर्ष्यालु परमेश् वर छी।

2. यशायाह 55:6-7 - प्रभु के खोजू जाबत तक ओ भेटि सकैत छथि; जखन ओ लग मे अछि ताबत ओकरा बजाउ। दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ प्रभु लग घुरि जाय, जाहि सँ ओ हुनका पर आ हमरा सभक परमेश् वर पर दया करथि, किएक तँ ओ बहुत क्षमा करताह।”

जकरयाह 13:3 जखन कियो एखन धरि भविष्यवाणी करत तखन ओकर पिता आ ओकर माय ओकरा कहत जे, “अहाँ जीवित नहि रहब।” कारण, अहाँ परमेश् वरक नाम पर झूठ बाजैत छी।

जकरयाह के ई अंश वर्णन करै छै कि कोना एगो झूठा भविष्यवक्ता के माता-पिता ओकरा प्रभु के नाम पर झूठ बोलै के कारण ओकरा नकारतै आरू सजा देतै।

1. प्रभु के आलोक में अभिभावकत्व: अपन बच्चा सब स प्रेम आ सुरक्षा के की मतलब छै से सीखब

2. झूठा भविष्यवक्ता: प्रभु के नाम पर बजबाक खतरा

1. व्यवस्था 5:16-17 - "अपन पिता आ मायक आदर करू, जेना अहाँक परमेश् वर प्रभु अहाँ केँ आज्ञा देने छथि, जाहि सँ अहाँक दिन लंबा रहय आ अहाँ सभक परमेश् वर जे देश दऽ रहल छथि, ओहि देश मे अहाँक नीक भऽ जाय।" अहां."

2. यिर्मयाह 29:31-32 - " अपन दयाक याचना यहूदाक ओहि नगर सभ मे पठाउ, जाहि सँ अहाँ एतेक क्रोधित छलहुँ। किएक तँ अहाँ स्वयं कहलहुँ जे, हमरा सभ केँ मारल गेल, मुदा हम सभ ठीक भ' जायब। हम सभ ठीक भ' गेलहुँ।" बहुत अपमानित भेलहुँ, मुदा हमरा सभ केँ सान्त्वना भेटत।"

जकरयाह 13:4 ओहि दिन भविष्यवक्ता सभ अपन दर्शन पर लज्जित भ’ जेताह, जखन ओ भविष्यवाणी क’ लेताह। आ ने धोखा देबय लेल खुरदुरा वस्त्र पहिरताह।

प्रभु के दिन में झूठा भविष्यवक्ता सब लाज करतै आरू अब॑ अपनऽ झूठा भविष्यवाणी स॑ लोगऽ क॑ धोखा नै देतै ।

1. झूठा भविष्यवक्ता के खतरा

2. परमेश्वर के वचन के पालन के मूल्य

1. यिर्मयाह 23:25-32

2. 1 यूहन्ना 4:1-3

जकरयाह 13:5 मुदा ओ कहताह, “हम कोनो भविष्यवक्ता नहि छी, हम किसान छी। कारण मनुक्ख हमरा जवानीसँ मवेशी पोसब सिखबैत छल।

एक आदमी भविष्यवक्ता होय के इन्कार करै छै, एकरऽ बदला में दावा करै छै कि वू किसान छै, कैन्हेंकि ओकरा कम उम्र सें माल-जाल के देखभाल करना सिखालऽ गेलऽ छेलै ।

1. "हमर परवरिश के शक्ति: हमर बचपन के अनुभव हमर जीवन के कोना सूचित करैत अछि।"

2. "विनय के मूल्य: अपन सच्चा आह्वान के आत्मसात करब।"

1. नीतिवचन 22:6: "बच्चा केँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जाहि पर ओ जेबाक चाही। आ जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत।"

2. फिलिप्पियों 4:13: "हम मसीहक द्वारा सभ किछु क' सकैत छी जे हमरा मजबूत करैत छथि।"

जकरयाह 13:6 एक गोटे हुनका कहतनि जे, “अहाँक हाथ मे ई घाव की अछि?” तखन ओ उत्तर देताह, जाहि सँ हम अपन मित्रक घर मे घायल भेल छलहुँ।

ई अंश एक आदमी के बात करै छै जेकरा हाथऽ में घाव के बारे में पूछलऽ जाय छै, आरो वू जवाब दै छै कि वू घाव ओकरऽ दोस्तऽ द्वारा लगाय देलऽ गेलऽ छै ।

1. विश्वासघात के घाव: दर्दनाक अनुभव के कोना संसाधित क आगू बढ़ल जाय

2. क्षमाक शक्ति: हर्ष छोड़ब आ पुनः प्राप्त करब सीखब

1. रोमियो 12:17-21 - ककरो बुराईक बदला मे अधलाह नहि दियौक, बल् कि सभक नजरि मे जे उदात्त अछि, ताहि पर विचार करू।

2. लूका 6:27-38 - अपन दुश्मन सँ प्रेम करू, जे अहाँ सँ घृणा करैत अछि ओकर भलाई करू, जे अहाँ केँ गारि पढ़ैत अछि, ओकरा आशीर्वाद दियौक आ जे अहाँ सँ दुर्व्यवहार करैत अछि ओकर लेल प्रार्थना करू।

जकरयाह 13:7 हे तलवार, हमर चरबाह आ हमर संगी आदमीक विरुद्ध जागू, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, चरबाह केँ मारि दियौक, तखन भेँड़ा सभ तितर-बितर भ’ जायत।

जकरयाह केरऽ ई अंश परमेश् वर केरऽ अपनऽ लोगऽ पर न्याय के बारे में बात करै छै, आरू कोना वू अपनऽ तलवार के उपयोग करी क॑ चरवाहा क॑ मार॑ आरू भेड़ऽ क॑ छिड़ियाबै के कारण बनतै।

1. प्रभु न्यायी छथि: परमेश् वरक वचनक आज्ञा नहि मानबाक परिणाम
2173

2. भगवानक शक्ति: हुनक लोकक रक्षा आ ताकत

1. इजकिएल 34:11-12 - "किएक तँ प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे देखू, हम, हम अपन भेँड़ा सभ केँ खोजब आ ओकरा सभ केँ ताकब। जहिना चरबाह अपन भेँड़ा केँ ताकैत अछि, जाहि दिन ओ अपन भेँड़ाक बीच मे रहत।" जे बरद छिड़िया गेल अछि, तहिना हम अपन बरद सभ केँ ताकब, आ मेघ आ अन्हार दिन मे जतय ओ सभ छिड़िया गेल अछि, ओहि ठाम सँ ओकरा सभ केँ बचा देब।”

2. मत्ती 26:31-32 - "तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "आइ राति अहाँ सभ हमरा कारणेँ आहत होयब। किएक तँ लिखल अछि जे हम चरबाह केँ मारि देब आ भेँड़ाक भेँड़ा सभ तितर-बितर भऽ जायत। मुदा।" हम जीबि उठलाक बाद अहाँ सभ सँ पहिने गलील जायब।”

जकरयाह 13:8 प्रभु कहैत छथि जे पूरा देश मे दू भाग काटि कऽ मरि जायत। मुदा तेसर ओहि मे छोड़ि देल जायत।

ई अंश एकटा एहन समयक गप्प करैत अछि जखन जमीनक दू भाग काटि कऽ मरि जायत, मुदा तेसर भाग रहि जायत।

1. आस्थाक शक्ति: कठिन समय मे जीब

2. परमेश् वरक प्रबन्ध आ रक्षाक प्रतिज्ञा

1. यशायाह 43:1-3 - "डरब नहि, किएक तँ हम तोरा छुड़ा देने छी; हम तोरा नाम सँ बजौने छी, अहाँ हमर छी। जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। आ नदी सभक बीच सँ ओ सभ रहत।" अहाँ सभ पर भारी नहि पड़ब, जखन अहाँ आगि मे चलब तखन अहाँ नहि जरि जायब, आ लौ अहाँ केँ नहि भस्म करत।”

2. रोमियो 8:28 - "हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सँ प्रेम करयवला सभक लेल सभ किछु भलाईक लेल एक संग काज करैत अछि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल अछि।"

जकरयाह 13:9 हम तेसर भाग आगि मे आनि देब, आ ओकरा सभ केँ ओहिना शुद्ध करब जेना चानी केँ शुद्ध कयल जाइत छैक, आ ओकरा सभ केँ ओहिना परीक्षण करब जेना सोनाक परीक्षण कयल जाइत छैक। ई हमर लोक अछि, आ ओ सभ कहत जे, “प्रभु हमर परमेश् वर छथि।”

परमेश् वर अपन लोक सभ केँ परिष्कृत आ परखताह, आ एहि प्रक्रियाक माध्यमे ओ सभ हुनकर नाम पुकारताह आ ओ हुनका सभक बात सुनताह।

1: भगवानक परिष्कृत अग्नि - भगवानक परिष्कृत अग्नि हमरा सभ केँ कोना शुद्ध करत आ हुनका लग कोना आनत।

2: भगवान हमर ढाल छथि - भगवान हमरा सभक आवश्यकताक समय मे कोना रक्षा आ भरण-पोषण करताह।

1: यशायाह 43:2-3 - जखन अहाँ पानि मे सँ गुजरब तखन हम अहाँक संग रहब। नदी सभक बीच सँ ओ सभ अहाँ केँ उमड़ि नहि जायत। आ ने लौ तोरा पर प्रज्वलित होयत।

2: भजन 66:10-12 - किएक तँ हे परमेश् वर, अहाँ हमरा सभ केँ परखलहुँ, जेना चानीक परीक्षण कयल जाइत अछि, तहिना अहाँ हमरा सभ केँ परखलहुँ। अहाँ हमरा सभ केँ जाल मे अनलहुँ। अहाँ हमरा सभक कमर पर क्लेश राखि देलहुँ। अहाँ हमरा सभक माथ पर मनुक्ख केँ सवार क' देलहुँ। हम सभ आगि आ पानि मे गुजरलहुँ, मुदा अहाँ हमरा सभ केँ सम्पन्न स्थान मे अनलहुँ।

जकरयाह अध्याय 14 में यरूशलेम के आसपास के भविष्य के घटना आरू प्रभु के आबै के बारे में एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै । एहि मे अंतिम युद्ध, प्रभुक विजयी वापसी आ पृथ्वी पर हुनक राज्यक स्थापनाक वर्णन अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत भविष्य के एकटा दिन के चित्रण स होइत अछि जखन यरूशलेम पर राष्ट्र के हमला होयत। शहर पर कब्जा भ' जेतै, आ ओकर निवासी केँ बहुत कष्टक सामना करय पड़तैक। तथापि प्रभु हस्तक्षेप क' ओहि राष्ट्र सभक विरुद्ध लड़' लेल निकलताह। हुनकर पैर

जैतून के पहाड़ पर ठाढ़ भ’ जायत, आ पहाड़ दू भाग मे बँटि जायत, जाहि सँ हुनकर लोक सभ केँ बचबाक लेल एकटा घाटी बनत (जकराह 14:1-5)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे ओहि दिनक विशिष्ट आ परिवर्तनकारी प्रकृतिक वर्णन अछि | ई एहन दिन होयत जाहि मे इजोत आ अन्हार नहि होयत, मुदा प्रभुक ज्ञात निरंतर दिन होयत। यरूशलेम सँ जीवित पानि बहत, आ प्रभु समस्त पृथ्वी पर राजा हेताह। देश बदलि जायत, आ सभ जाति सँ लोक प्रभुक आराधना करबाक लेल आओत (जकराह 14:6-11)।

तृतीय पैराग्राफ: अध्याय के अंत में प्रभु के विरोध करय वाला पर जे न्याय पड़तै ओकर चित्रण छै। विपत्ति आ भ्रम हुनका सभक मांस पर आबि जायत आ आँखि आ जीह सड़ि जायत। जाति सँ बचि गेल लोक यरूशलेम मे प्रभुक आराधना करबाक लेल आ तम्बूक पर्व मनाबय लेल आओत (जकराह 14:12-21)।

संक्षेप मे, २.
जकरयाह अध्याय 14 में यरूशलेम के आसपास के भविष्य के घटना आरू प्रभु के आबै के बारे में एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करलऽ गेलऽ छै ।

यरूशलेम पर हमला आ प्रभु के हस्तक्षेप के भविष्यवाणी।
प्रभु के विजयी वापसी, जैतून के पहाड़ पर अपनऽ पैर खड़ा करी क॑ ।
पृथ्वी पर प्रभु के राज्य के स्थापना, जेकरा में यरूशलेम सें जीवित पानी बहलो आरू सब जाति के लोग हुनकऽ आराधना करै लेली आबै वाला छै।

जकरयाह केरऽ ई अध्याय के शुरुआत एगो भविष्य के दिन के बारे में भविष्यवाणी स॑ होय छै जब॑ यरूशलेम प॑ राष्ट्रऽ के हमला होतै आरू ओकरऽ निवासी सिनी क॑ कष्ट होतै । तथापि प्रभु हस्तक्षेप करताह, ओहि राष्ट्र सभक विरुद्ध लड़ताह आ अपन विजयी शासन स्थापित करताह। हुनकऽ पैर जैतून के पहाड़ पर खड़ा होय जैतै, जे दू भाग में बँटी जैतै, जेकरा स॑ हुनकऽ लोगऽ के लेलऽ पलायन के घाटी पैदा होय जैतै । तखन अध्याय मे ओहि दिनक परिवर्तनकारी प्रकृतिक वर्णन कयल गेल अछि, जाहि मे प्रभु केँ ज्ञात निरंतर प्रकाश, यरूशलेम सँ जीवित पानि बहैत अछि, आ प्रभु समस्त पृथ्वी पर राजा बनैत छथि | देश बदलि जायत, आ सभ जाति सँ लोक सभ प्रभुक आराधना करबाक लेल आओत। अध्याय के अंत में प्रभु के विरोध करै वाला सिनी पर जे न्याय आबै वाला छै, आरू यरूशलेम में हुनको आराधना करै लेली आरू तम्बू के पर्व मनाबै लेली आबै वाला जाति सिनी के बची गेलऽ लोगऽ के चित्रण के साथ होय छै। ई अध्याय यरूशलेम के आसपास के भविष्य के घटना आरू प्रभु के आगमन के बारे में एगो भविष्यवाणी प्रस्तुत करै छै।

जकरयाह 14:1 देखू, परमेश् वरक दिन आबि रहल अछि, आ अहाँक लूट-पाट अहाँक बीच मे बँटि जायत।

परमेश् वरक दिन आबि रहल अछि आ लोक सभक बीच विभाजन होयत।

1: हमरा सभकेँ अपन बीच विभाजन रहितो अपन आस्थामे लगनशील रहबाक चाही।

2: जखन हम सभ प्रभुक आगमनक प्रतीक्षा मे छी तखन एकताक लेल प्रयास करी।

1: रोमियो 15:5-7 सहनशक्ति आ प्रोत्साहन देनिहार परमेश् वर अहाँ सभ केँ मसीह यीशुक अनुरूप एक-दोसरक संग एहन सामंजस्य मे रहबाक अनुमति देथिन, जाहि सँ अहाँ सभ एक स्वर मे अपन प्रभु यीशु मसीहक परमेश् वर आ पिताक महिमा कऽ सकब।

2: फिलिप्पियों 2:2-4 एकहि विचारक, एकहि प्रेमक संग, पूर्णतापूर्वक आ एक विचारक रहि हमर आनन्द केँ पूरा करू। स्वार्थी महत्वाकांक्षा वा अहंकार सँ किछु नहि करू, मुदा विनम्रता मे दोसर केँ अपना सँ बेसी महत्वपूर्ण मानू।

जकरयाह 14:2 हम सभ जाति केँ यरूशलेम सँ युद्धक लेल जमा करब। शहर पकड़ल जायत, घर सभ पर राइफ मारल जायत, आ स्त्रीगण सभ केँ लूटल जायत। शहरक आधा भाग बंदी मे चलि जायत, आ लोकक शेष भाग नगर सँ नहि कटल जायत।

सब जाति यरूशलेम के खिलाफ लड़ाई के लेलऽ एक साथ जमा होय जैतै, जेकरा चलतें शहर क॑ ल॑ जाय क॑ लोगऽ क॑ भयंकर कष्ट के सामना करना पड़ी जैतै।

2175

1. युद्धक शक्ति: संघर्षक विनाशकारी परिणामक अन्वेषण

2. प्रतिकूलताक सामना मे एक संग ठाढ़ रहब: उत्पीड़नक बीच एकता केँ आत्मसात करब

1. रोमियो 12:18-21 - जँ संभव हो, अहाँ सभ मे जतेक अछि, सभ लोकक संग शान्तिपूर्वक रहू।

2. इफिसियों 4:1-3 - आत्मा के एकता के शांति के बंधन में रखै के प्रयास।

जकरयाह 14:3 तखन परमेश् वर बाहर निकलि कऽ ओहि जाति सभक विरुद्ध लड़ताह, जेना युद्धक दिन लड़ैत छलाह।

भगवान् अपन लोकक लेल ओकर शत्रु सभक विरुद्ध लड़ताह, ठीक ओहिना जेना पहिने करैत छलाह।

1. भगवान् सब दुश्मन के विरुद्ध हमर सबहक रक्षक हेताह।

2. हम सब प्रभु के शक्ति आ साहस पर भरोसा क सकैत छी जे सब युद्ध में जीत हासिल क सकैत छी।

1. भजन 46:1-3 - "परमेश् वर हमरा सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे बहुत उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ् वी बाट छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत, भले ओकर पानि।" गर्जना आ फेन, यद्यपि एकर सूजन पर पहाड़ काँपि उठैत अछि। सेलाह"।

2. यशायाह 40:31 - "मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, ओ सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत; ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त; ओ सभ दौड़त आ थाकि नहि जायत; ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत।"

जकरयाह 14:4 ओहि दिन ओकर पएर जैतूनक पहाड़ पर ठाढ़ होयत जे पूरब दिस यरूशलेम सँ आगू अछि आ जैतूनक पहाड़ ओकर बीच मे पूब आ पश्चिम दिस फाटि जायत आ एकटा बहुत पैघ घाटी; आ आधा पहाड़ उत्तर दिस हटि जायत आ आधा दक्षिण दिस।

प्रभुक दिन जैतूनक पहाड़ दू भाग मे बँटि जायत, जकर आधा भाग उत्तर दिस आ आधा दक्षिण दिस बढ़ि जायत, जाहि सँ एकटा पैघ घाटी बनत।

1. जैतून के पहाड़: परमेश् वर के प्रतिज्ञा पूरा करै में निष्ठा के निशानी

2. प्रभुक दिन: न्याय आ मोक्षक समय

1. प्रकाशितवाक्य 16:20, आ हर द्वीप भागि गेल, आ पहाड़ नहि भेटल।

2. भजन 46:2, तेँ हम सभ नहि डेराएब जे पृथ्वी छोड़ि देत, भले पहाड़ समुद्रक हृदय मे चलि जायत।

जकरयाह 14:5 अहाँ सभ पहाड़क घाटी मे भागि जायब। कारण, पहाड़क घाटी अजाल धरि पहुँचत, जेना यहूदाक राजा उजियाहक समय मे भूकम्प सँ पहिने भागि गेलहुँ।

प्रभु सब संत के साथ पहाड़ के घाटी में आबि रहल छैथ।

1. प्रभुक वापसी निकट अछि - जकरयाह 14:5

2. पहाड़क घाटी मे भागब - जकरयाह 14:5

1. यशायाह 64:1-3

2. प्रकाशितवाक्य 16:15-17

जकरयाह 14:6 ओहि दिन इजोत नहि साफ होयत आ ने अन्हार।

प्रभु के दिन इजोत आ अन्हार मे कोनो स्पष्ट भेद नहि होयत।

1: प्रभुक दिन नीक-बेजाय मे कोनो स्पष्ट भेद नहि होयत।

2: प्रभुक दिन राति आ दिन मे कोनो स्पष्ट भेद नहि होयत।

1: रोमियो 13:12 - राति बहुत दूर भ’ गेल अछि, दिन लग आबि गेल अछि, तेँ हम सभ अन्हारक काज सभ केँ फेकि कऽ इजोतक कवच पहिरि ली।

2: 2 कोरिन्थी 6:14 - अहाँ सभ अविश्वासी सभक संग असमान जुआ मे नहि बान्हल जाउ, किएक तँ धार्मिकता आ अधर्मक कोन संगति अछि? आ अन्हारक संग इजोत के कोन साझीदारी होइत छैक?

जकरयाह 14:7 मुदा एक दिन परमेश् वर केँ पता चलतनि, दिन आ राति नहि, मुदा साँझ मे इजोत होयत।

ई अंश एहि बात पर जोर दैत अछि जे प्रभु सब किछु जनैत छथि आ मनुक्खक समान सीमा सँ बान्हल नहि छथि |

1. परमेश् वरक अथाह ज्ञान - प्रभुक ज्ञान जे हम सभ बुझि सकैत छी ताहिसँ पैघ अछि तकर खोज करब।

2. भगवान् केर पारलौकिकता - भगवान् सब लौकिक बाधा सँ ऊपर हेबाक तरीका पर चर्चा करब।

1. अय्यूब 37:5 - "परमेश् वरक आवाज अद्भुत तरीका सँ गरजैत अछि; ओ हमरा सभक समझ सँ बाहर पैघ काज करैत अछि।"

2. भजन 147:5 - "हमर सभक प्रभु महान छथि आ शक्ति मे पराक्रमी छथि; हुनकर समझक कोनो सीमा नहि छनि।"

जकरयाह 14:8 ओहि दिन यरूशलेम सँ जीवित पानि निकलत। आधा पूर्वक समुद्र दिस, आ आधा पाछूक समुद्र दिस, गर्मी आ जाड़ मे होयत।

ओहि दिन परमेश् वर अपन लोक सभ केँ भरण-पोषण करबाक लेल यरूशलेम सँ जीवित पानि उपलब्ध कराओत।

1: भगवान् हमरा सभ केँ अपन उपस्थिति आ प्रचुर भोजन सँ आशीर्वाद दैत छथि।

2: हम सब भगवान पर भरोसा क सकैत छी जे ओ हमरा सब के ताजा आ जीवित राखथि।

1: यूहन्ना 4:14, मुदा जे कियो हम जे पानि देब से पीबैत अछि, से कहियो प्यास नहि लागत।
मुदा हम जे पानि ओकरा देबनि से हुनका मे जलक इनार बनत जे अनन्त जीवन मे उगैत अछि।

2: इजकिएल 47:1-2, तकर बाद ओ हमरा घरक दरबज्जा पर लऽ गेलाह। घरक दहलीजक नीचाँ सँ पूब दिस पानि निकलि रहल छल, कारण घरक अग्रभाग पूब दिस ठाढ़ छल आ घरक दहिना कात, वेदीक दक्षिण दिस सँ पानि नीचाँ सँ नीचाँ उतरैत छल। तखन ओ हमरा उत्तर दिसक फाटकक बाट सँ बाहर निकालि कऽ बाहरक बाट मे घुमा कऽ पूब दिस देखय बला बाट पर पूरा फाटक धरि पहुँचा देलथिन। देखू, दहिना कात पानि बहैत छल।

जकरयाह 14:9 परमेश् वर समस्त पृथ् वी पर राजा हेताह, ओहि दिन एकेटा परमेश् वर रहताह आ हुनकर नाम एक रहतनि।

प्रभु के दिन प्रभु ही एक आरू एकमात्र सच्चा राजा होतै, आरो ओकरो नाम एक होतै।

1. प्रभु मे एकता: एक होने की शक्ति

2. भगवानक सार्वभौमत्व: समस्त पृथ्वी पर राज करब

2177

1. यूहन्ना 17:21-23 - जाहि सँ ओ सभ एक भ’ सकय; जेना अहाँ हे पिता, अहाँ हमरा मे छी आ हम अहाँ मे छी, जाहि सँ ओहो सभ हमरा सभ मे एक भ’ जाय।

2. भजन 47:7 - किएक तँ परमेश् वर समस्त पृथ् वीक राजा छथि, अहाँ सभ बुद्धि सँ स्तुति गाउ।

जकरयाह 14:10 पूरा देश यरूशलेम सँ दक्षिण मे गेबा सँ रिमोन धरि मैदानक रूप मे बदलि जायत।
हनानीक बुर्ज सँ राजाक दारू-कुंड धरि।

जकरयाह १४:१० के ई अंश यरूशलेम आरू ओकरऽ आसपास के देशऽ के पुनर्स्थापन के चर्चा करै छै ।

1: भगवानक प्रतिज्ञा जे पुनर्स्थापन आ भविष्यक आशा।

2: परमेश्वरक पुनर्स्थापन आ नवीकरणक प्रतिज्ञा पर भरोसा करब।

1: यशायाह 40:1-2 - हमर लोक केँ सान्त्वना दिअ, अहाँक परमेश् वर कहैत छथि। यरूशलेम सँ कोमलता सँ बाजू, आ ओकरा सँ कानब जे ओकर युद्ध समाप्त भ’ गेलै, ओकर अपराध क्षमा भ’ गेलै।

2: इजकिएल 36:33-36 - प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि जे जाहि दिन हम अहाँ सभ केँ अहाँक सभ अधर्म सँ शुद्ध करब, हम ओहि नगर सभ मे आबाद करब, आ उजाड़ स्थान सभक पुनर्निर्माण होयत। जे जमीन उजाड़ छल, से ओहि उजाड़ होयबाक बदला मे खेती कयल जायत जे ओहि ठाम सँ गुजरय बला सभक नजरि मे छल।

जकरयाह 14:11 लोक ओहि मे रहत, आ आब पूर्ण विनाश नहि होयत। मुदा यरूशलेम मे सुरक्षित रहब।

यरूशलेम पर लोकक कब्जा रहत आ विनाश सँ सुरक्षित रहत।

1. परमेश् वरक रक्षा: यीशु हमरा सभ केँ कोना विनाश सँ बचाबैत छथि

2. यरूशलेम शहर मे निवास: हमरा सभक हृदय मे परमेश्वरक निवासक एकटा रूपक

1. भजन 46:1-3 परमेश् वर हमर सभक शरण आ सामर्थ् य छथि, विपत्ति मे सदिखन उपस्थित सहायक छथि। तेँ हम सभ डरब नहि, भले धरती बाट छोड़ि देत आ पहाड़ समुद्रक हृदय मे खसि पड़य, भले ओकर पानि गर्जैत आ फेन बजबैत अछि आ पहाड़ अपन उफान सँ काँपि जायत।

2. प्रकाशितवाक्य 21:3-4 तखन हम सिंहासन सँ एकटा जोरदार आवाज सुनलहुँ जे, “देखू! परमेश् वरक निवास स्थान आब लोकक बीच अछि, आ ओ हुनका सभक संग रहताह। ओ सभ ओकर लोक हेताह आ परमेश् वर स्वयं हुनका सभक संग रहताह आ हुनका सभक परमेश् वर बनताह। आँखिक एक-एक नोर पोछताह। आब मृत्यु नहि होयत आ ने शोक आ ने कानब आ ने पीड़ा, कारण पुरान क्रम बीति गेल अछि ।

जकरयाह 14:12 ई ओ विपत्ति होयत जाहि सँ परमेश् वर यरूशलेम सँ लड़निहार सभ लोक केँ मारि देताह। पएर पर ठाढ़ रहैत ओकर मांस भस्म भ’ जेतै, आँखि ओकर छेद मे खतम भ’ जायत आ ओकर जीह मुँह मे समाप्त भ’ जायत।

परमेश् वर यरूशलेम के विरुद्ध लड़ै वाला सिनी कॅ दंड देतै, ओकरा सिनी कॅ एगो ऐसनऽ महामारी के अनुभव कराबै छै जे ओकरोॅ मांस, आँख आरु जीभ के भस्म करी देतै।

1. परमेश् वरक क्रोध: यरूशलेमक विरुद्ध लड़बाक परिणाम

2. प्रभुक शक्ति: हुनकर इच्छाक विरोध करय बला सभक परमेश् वरक न्याय

1. यशायाह 30:12-14 - तेँ इस्राएलक पवित्र ई कहैत छथि, “किएक तँ अहाँ सभ एहि वचन केँ तुच्छ बुझैत छी, आ अत्याचार आ विकृतता पर भरोसा करैत छी आ ओहि पर रहैत छी बाहर एकटा ऊँच देबाल मे, जकर टूटब अचानक क्षणहि मे भ' जाइत छैक।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

जकरयाह 14:13 ओहि दिन हुनका सभक बीच परमेश् वरक दिस सँ बहुत पैघ हंगामा होयत। ओ सभ अपन-अपन पड़ोसीक हाथ पकड़ि लेत आ ओकर हाथ पड़ोसीक हाथ पर उठि जायत।

परमेश् वर लोक सभक बीच बहुत हंगामा करथिन। एतेक बँटल हेताह जे पड़ोसी एक दोसराक विरुद्ध भ’ जेताह।

1. विभाजन के खतरा: विवाद स कोना बचल जाय आ कोना दूर कयल जाय

2. मसीह के शरीर में एकता: राज्य के लेल एक संग काज करब

1. रोमियो 12:16-18: एक दोसराक संग तालमेल बैसा क’ रहू; घमंडी नहि होउ, बल् कि नीच लोकक संगति करू। अभिमान नहि करू।

2. नीतिवचन 15:18: गरम स्वभावक लोक झगड़ा भड़का दैत अछि, मुदा जे क्रोध मे देरी करैत अछि, ओ विवाद केँ शान्त करैत अछि।

जकरयाह 14:14 यहूदा सेहो यरूशलेम मे लड़त। चारू कातक समस्त जाति-जातिक सम्पत्ति, सोना- चानी आ परिधान-वस्त्रक प्रचुर मात्रा मे जमा कयल जायत।

यहूदा यरूशलेम के साथ-साथ लड़तै, आरो आसपास के सब जाति के धन-दौलत के भरमार जमा होय जैतै।

1. एकताक शक्ति: विश्वास मे एक संग ठाढ़ रहू

2. प्रचुरता के आशीर्वाद: भगवान के उदार उपहार प्राप्त करू

1. भजन 78:4-7 - हम सभ ओकरा सभ केँ ओकर बच्चा सभ सँ नहि नुका देब, बल् कि आबै बला पीढ़ी केँ परमेश् वरक गौरवशाली काज, हुनकर पराक्रम आ हुनकर कयल गेल चमत् कार सभ केँ कहब। ओ याकूब मे एकटा गवाही स्थापित कयलनि आ इस्राएल मे एकटा नियम निर्धारित कयलनि, जे ओ हमरा सभक पूर्वज केँ आज्ञा देलनि जे ओ अपन बच्चा सभ केँ सिखाबथि, जाहि सँ अगिला पीढ़ी हुनका सभ केँ, जे बच्चा सभ केँ एखन धरि जन्म नहि लेने छथि, हुनका सभ केँ चिन्ह सकय आ उठि कऽ अपन बच्चा सभ केँ कहि सकथि परमेश् वर पर आशा राखू आ परमेश् वरक काज केँ नहि बिसरब, बल् कि हुनकर आज्ञा सभक पालन करू।

2. 1 कोरिन्थी 16:13 - जागरूक रहू, विश्वास मे दृढ़ रहू, मनुष्य जकाँ काज करू, मजबूत रहू।

जकरयाह 14:15 घोड़ा, खच्चर, ऊँट आ गदहा आ एहि डेरा मे रहय बला सभ जानवरक विपत्ति एहि विपत्ति जकाँ होयत।

जकरयाह केरऽ ई अंश एगो ऐसनऽ महामारी के बात करै छै जे खाली मनुष्य ही नै, बल्कि जानवरऽ के भी प्रभावित करै छै ।

1. संकट के समय में भगवान के प्रभुत्व

2. विपत्तिक समय मे सृष्टिक देखभाल करब

1. भजन 91:3-4 "ओ अहाँ सभ केँ चिड़ै-चुनमुनीक जाल सँ आ खतरनाक महामारी सँ बचाओत। ओ अहाँ सभ केँ अपन पंख सँ झाँपि लेताह, आ अहाँ सभ अपन पाँखिक नीचाँ शरण मे रहब; हुनकर सत्य अहाँक ढाल बनत आ।" बकलर।"

2. गणना 16:46-48 "तखन मूसा हारून केँ कहलथिन, “एकटा धूप-पात्र लऽ कऽ वेदी सँ आगि लगाउ, ओहि पर धूप लगाउ आ जल्दी-जल्दी मंडली मे लऽ जाउ आ हुनका सभक प्रायश्चित करू, किएक तँ क्रोध बुझि गेल अछि।” प्रभु सँ विपत्ति शुरू भ’ गेल अछि। तेँ हारून मूसाक आज्ञानुसार ओकरा लऽ कऽ सभा मे दौड़ल गेलाह, आ लोक सभक बीच विपत्ति शुरू भ’ गेल छल।तखन ओ धूप लगा क’ लोक सभक प्रायश्चित कयलनि।”

जकरयाह 14:16 जखन यरूशलेम पर आयल सभ जाति मे सँ जे कियो बचल अछि, से सभ वर्ष-वर्ष राजा, सेना सभक प्रभुक आराधना करबाक लेल आ तम्बू सभक पर्व मनाबय लेल जाइत अछि.

जे जाति यरूशलेम पर आक्रमण केने छल, से सभ साल मे सेना सभक परमेश् वरक आराधना करबाक लेल आ तम्बू सभक पर्व मनाबय लेल चलि जायत।

1. विपत्तिक समय मे परमेश्वरक निष्ठा आ प्रावधान

2. प्रभु के पूजा आ पर्व मनाबय के महत्व

1. भजन 33:12, धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश्वर प्रभु छथि।

2. व्यवस्था 16:16-17, वर्ष मे तीन बेर अहाँक सभ पुरुष प्रभु अहाँक परमेश् वरक समक्ष ओहि स्थान पर उपस्थित होयत जे ओ चुनताह: अखमीरी रोटीक पर्व मे, सप्ताहक पर्व मे आ तम्बूक पर्व मे। ओ सभ खाली हाथ प्रभुक समक्ष नहि देखाओत।

जकरयाह 14:17 जँ पृथ् वीक सभ कुल मे सँ जे केओ यरूशलेम मे राजा, सेना सभक परमेश् वरक आराधना करबाक लेल नहि आओत, तकरा ओकरा सभ पर बरखा नहि होयत।

ई अंश प्रभु के आराधना करै लेली यरूशलेम में नै आबै वाला के लेलऽ एकरऽ परिणाम के बारे में बात करै छै।

1. "प्रभु आराधना करबाक आवश्यकता"।

2. "भगवानक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद"।

1. यूहन्ना 4:23-24 - "मुदा ओ समय आबि रहल अछि, आब आबि गेल अछि, जखन सत् य उपासक सभ आत् मा आ सत् य सँ पिताक आराधना करत ओकर पूजा करब ओकरा आत्मा आ सत्य सँ आराधना करबाक चाही।"

2. भजन 122:1 - "हमरा खुशी भेल जखन ओ सभ हमरा कहलक जे, हम सभ प्रभुक घर मे जाइ।"

जकरयाह 14:18 जँ मिस्रक वंशज नहि चढ़ल आ नहि आओत तँ ओकरा बरखा नहि होयत। ओतहि विपत्ति होयत, जाहि सँ परमेश् वर ओहि जाति सभ केँ मारि देताह जे तम्बूक पर्व मनाबय लेल नहि अबैत छथि।

अगर मिस्र के परिवार तम्बू के पर्व मनाबै लेली नै आबै छै, त परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ महामारी के सजा देतै।

1. आज्ञाकारिता के शक्ति: आज्ञाकारिता के परिणाम

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 28:1-14

2. इब्रानियों 11:7

जकरयाह 14:19 मिस्र केँ ई दंड होयत आ ओहि सभ जाति केँ जे तम्बूक पाबनि मनाबय लेल नहि अबैत अछि।

ई अंश मिस्र आरू अन्य राष्ट्रऽ के सजा के बात करै छै जे तम्बू के पर्व नै मनाबै छै ।

1. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करबाक महत्व

2. आज्ञा नहि मानबाक परिणाम

1. व्यवस्था 11:26-28 - देखू, हम आइ अहाँ सभक सोझाँ एकटा आशीर्वाद आ अभिशाप राखि रहल छी: आशीर्वाद, जँ अहाँ सभ प्रभु परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन करब, जे हम अहाँ सभ केँ आइ आज्ञा दैत छी, आ शाप, जँ अहाँ सभ पालन करब अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन नहि करू।

2. इब्रानी 10:26-31 - किएक तँ जँ हम सभ सत्यक ज्ञान पाबि जानि-बुझि कऽ पाप करैत रहब तँ आब पापक बलिदान नहि रहि जायत, बल् कि न्यायक भयावह आशा आ आगि केर क्रोध जे विरोधी सभ केँ भस्म कऽ देत.

जकरयाह 14:20 ओहि दिन घोड़ाक घंटी पर, प्रभुक लेल पवित्रता होयत। परमेश् वरक घर मे राखल घैल सभ वेदीक आगूक बासन जकाँ होयत।

एहि श्लोक जकरयाह 14:20 मे प्रभुक प्रशंसा कयल जा रहल अछि जे हुनकर पवित्रता आ हुनकर घर कोना श्रद्धा आ सम्मान सँ भरल रहत।

1. प्रभु के आदर करब: पवित्रता के शक्ति

2. पवित्रताक अर्थ: प्रभुक प्रति श्रद्धा

1. निर्गमन 19:10-11 - तखन प्रभु मूसा केँ कहलथिन, “लोक सभक लग जाउ आ आइ-काल्हि ओकरा सभ केँ पवित्र करू, आ ओकरा सभ केँ अपन वस्त्र धो कऽ तेसर दिनक लेल तैयार रहय। तेसर दिन परमेश् वर सिनै पहाड़ पर सभ लोकक नजरि मे उतरताह।

2. भजन 111:9 - ओ अपन लोक सभ केँ मोक्ष पठौलनि; ओ अपन वाचा केँ सदा-सदा लेल आज्ञा देने छथि। पवित्र आ भयानक अछि हुनकर नाम!

जकरयाह 14:21 हँ, यरूशलेम आ यहूदा मे हर घैल सेना सभक परमेश् वरक लेल पवित्रता होयत, आ बलिदान देनिहार सभ आबि कऽ ओकरा सभ मे सँ उबलत आ ओहि मे उबलत सेना सभक परमेश् वरक घर।

परमेश् वरक दिन यरूशलेम आ यहूदाक सभटा घैल आ बर्तन परमेश् वरक लेल पवित्र होयत आ बलिदान करयवला सभ ओहि मे सँ भोजन लऽ कऽ तैयार कऽ सकैत अछि। कनानी आब परमेश् वरक घर मे नहि रहत।

1. भगवानक पवित्रता: हमरा सभक लेल एकर की अर्थ अछि

2. प्रभु के दिन के शक्ति: ई हमरा सब के कोना परिवर्तित करैत अछि

1. यशायाह 60:21 - अहाँक लोक सभ धर्मी होयत; ओ सभ सदा-सदाक लेल ओहि भूमि पर कब्जा कऽ लेताह, जे हमर रोपनीक डारि, हमर हाथक काज अछि, जाहि सँ हम महिमामंडित भ’ सकब।

2. निष्कासन 19:6 - आ अहाँ हमरा लेल पुरोहितक राज्य आ पवित्र जाति बनब।

मलाकी अध्याय १ में लोगऽ के परमेश्वर के आराधना में श्रद्धा आरू भक्ति के कमी के मुद्दा के संबोधित करलऽ गेलऽ छै । एहि मे भगवान् केँ उचित सम्मान आ सम्मान देबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि |

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत परमेश् वर के तरफ सँ घोषणा सँ होइत अछि, जाहि मे इस्राएल के प्रति हुनकर प्रेम के वर्णन कयल गेल अछि। ओना लोक हुनकर प्रेम पर सवाल ठाढ़ करैत अछि आ पूछैत अछि जे ओ एकरा कोना देखौलनि अछि। परमेश् वर हुनका सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे ओ एसाव (एदोम) सँ बेसी याकूब (इस्राएल) केँ चुनने छथि आ इस्राएल पर अपन आशीष आ अनुग्रहक माध्यमे अपन प्रेमक प्रदर्शन केने छथि (मलाकी 1:1-5)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे लोकक अनादरपूर्ण पूजा प्रथा पर ध्यान देल गेल अछि | पुरोहितऽ के आलोचना करलऽ जाय छै कि वू दूषित बलि चढ़ै छै आरू परमेश् वर के नाम के तिरस्कार करै छै । कलंकित आ अस्वीकार्य पशु के बलिदान के रूप में अर्पित करैत छथि, जे हुनकर श्रद्धा आ भक्ति के कमी के दर्शाबैत अछि | परमेश् वर अपन नाराजगी व्यक्त करैत छथि आ कहैत छथि जे ओ एहन बलिदान ग्रहण करबा स ’ बेसी मन्दिरक दरबज्जा बंद करब पसिन करताह (मलाकी 1:6-14)।

संक्षेप मे, २.
मलाकी अध्याय १ में लोगऽ के परमेश्वर के आराधना में श्रद्धा आरू भक्ति के कमी के मुद्दा के संबोधित करलऽ गेलऽ छै ।

इस्राएल के प्रति परमेश् वर के प्रेम के घोषणा आरू अपनऽ चुनलऽ लोगऽ के याद दिलाना।
अशुद्ध बलि चढ़ाबय आ भगवानक नामक तिरस्कार देखाबय लेल पुरोहितक आलोचना।
अस्वीकार्य प्रसाद पर भगवान् के नाराजगी के अभिव्यक्ति आ पूजा में सच्चा श्रद्धा के इच्छा |

मलाकी केरऽ ई अध्याय परमेश्वर केरऽ घोषणा स॑ शुरू होय छै, जेकरा म॑ इस्राएल के प्रति हुनकऽ प्रेम व्यक्त करलऽ गेलऽ छै आरू ओकरा याद दिलाबै छै कि हुनी एसाव के बजाय याकूब क॑ चुनलकै । तखन अध्याय मे लोकक अनादरपूर्ण पूजा प्रथाक मुद्दा केँ संबोधित कयल गेल अछि | पुरोहितऽ के आलोचना करलऽ जाय छै कि वू दूषित बलि चढ़ै छै आरू परमेश् वर के नाम के तिरस्कार करै छै । कलंकित आ अस्वीकार्य पशु के बलिदान के रूप में अर्पित करैत छथि, जे हुनकर श्रद्धा आ भक्ति के कमी के दर्शाबैत अछि | भगवान् अपन नाराजगी व्यक्त करैत छथि आ कहैत छथि जे एहन प्रसाद ग्रहण करबा सँ बेसी हुनका मंदिरक दरबज्जा बंद करब नीक लागत। एहि अध्याय मे पूजा मे भगवान् केँ उचित सम्मान आ सम्मान देबाक महत्व पर जोर देल गेल अछि |

मलाकी 1:1 मलाकी द्वारा इस्राएल पर परमेश् वरक वचनक बोझ।

परमेश् वर मलाकी भविष्यवक्ता द्वारा इस्राएल सँ बात करैत छथि।

1. अपन पड़ोसीसँ ओहिना प्रेम करू जेना अपनासँ प्रेम करैत छी। (लेवीय 19:18)

2. सभ काज मे परमेश् वरक प्रति वफादार रहू। (यहोशू २४:१५) २.

1. नीतिवचन 15:1 - कोमल उत्तर क्रोध के दूर क दैत अछि, मुदा कठोर शब्द क्रोध के भड़का दैत अछि।

2. 1 कोरिन्थी 13:4-7 - प्रेम धैर्य आ दयालु होइत अछि; प्रेम ईर्ष्या आ घमंड नहि करैत अछि; ई अहंकारी आ अभद्र नहि अछि। अपन तरीका पर जोर नहि दैत अछि; ई चिड़चिड़ाहट वा आक्रोशित नहि होइत छैक; ओ अधलाह काज मे आनन्दित नहि होइत अछि, बल् कि सत्यक संग आनन्दित होइत अछि। प्रेम सब किछु सहैत अछि, सब बात पर विश्वास करैत अछि, सब किछु के आशा करैत अछि, सब किछु सहैत अछि।

मलाकी 1:2 हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ, प्रभु कहैत छथि। तैयो अहाँ सभ कहैत छी जे, “अहाँ हमरा सभ सँ प्रेम केलहुँ?” की एसाव याकूबक भाय नहि छलाह? परमेश् वर कहैत छथि, तैयो हम याकूब सँ प्रेम करैत छलहुँ।

प्रभु घोषणा करैत छथि जे ओ अपन लोक सभ सँ प्रेम करैत छथि, मुदा ओ सभ हुनका सँ हुनकर प्रेमक प्रमाण माँगैत छथि | ओ याकूब के प्रति अपन प्रेम के हवाला दैत जवाब दैत छथि, भले याकूब के एकटा भाई छल, एसाव।

1. परमेश्वरक प्रेम बिना शर्त अछि - एकटा अन्वेषण जे प्रभु हमरा सभसँ कोना प्रेम करैत छथि चाहे हमर परिस्थिति कोनो हो।

2. ईश्वरीय अनुग्रहक शक्ति - एकटा अन्वेषण जे भगवानक अनुग्रह हमरा सभ केँ कोना आशीर्वाद द' सकैत अछि जकर हम सभ हकदार नहि छी।

1. रोमियो 5:8 - "मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेम एहि तरहेँ देखाबैत छथि: जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।"

2. याकूब 2:5 - "हमर प्रिय भाइ-बहिन सभ सुनू: की परमेश् वर संसारक नजरि मे गरीब सभ केँ नहि चुनने छथि जे ओ विश् वास मे अमीर बनथि आ ओहि राज्यक उत्तराधिकारी बनथि जे ओ हुनका सँ प्रेम करय बला सभ केँ प्रतिज्ञा केने छलाह?"

मलाकी 1:3 हम एसाव सँ घृणा करैत छलहुँ आ ओकर पहाड़ आ ओकर धरोहर जंगलक अजगर सभक लेल उजाड़ क’ देलहुँ।

परमेश् वर एसाव के प्रति अपनऽ घृणा व्यक्त करै छै आरू जंगली जानवरऽ के प्रति ओकरऽ पहाड़ आरू धरोहर के नष्ट करी दै छै ।

1. परमेश् वरक क्रोध आ न्याय: एसावक उदाहरण

2. परमेश् वर पर कखन भरोसा करबाक चाही से जानब: एसावक कथा

1. रोमियो 9:13 - जेना कि लिखल अछि, हम याकूब सँ प्रेम केलहुँ, मुदा एसाव सँ हम घृणा केलहुँ।

2. भजन 2:1-2 - जाति सभ किएक क्रोधित होइत अछि आ लोक सभ व्यर्थ साजिश किएक करैत अछि? पृथ् वीक राजा सभ अपना केँ ठाढ़ करैत छथि, आ शासक सभ एक संग, प्रभु आ हुनकर अभिषिक्तक विरुद्ध परामर्श करैत छथि।

मलाकी 1:4 जखन कि एदोम कहैत अछि जे, “हम सभ गरीब छी, मुदा हम सभ घुरि कऽ उजाड़ जगह सभ केँ बना देब।” सेना सभक परमेश् वर ई कहैत छथि जे, “ओ सभ निर्माण करत, मुदा हम खसा देब।” ओ सभ ओकरा सभ केँ “दुष्टताक सीमा” आ ‘ओहि लोक सभ केँ कहत जकरा पर परमेश् वर अनन्त काल धरि क्रोध करैत छथि।

सेना केरऽ परमेश् वर एदोम क॑ ई सोचै लेली डांटै छै कि वू उजाड़ जगहऽ के पुनर्निर्माण करी सकै छै, ई घोषणा करी क॑ कि वू ओकरा नष्ट करी देतै ।

1. दुष्टक विरुद्ध परमेश् वरक क्रोध

2. आवश्यकताक समय मे प्रभु पर भरोसा करब

1. यशायाह 5:20-21 - धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि। जे इजोतक बदला अन्हार आ अन्हारक बदला इजोत राखैत अछि। जे मीठक बदला तीत, आ तीतक बदला मीठ!

2. उपदेशक 12:13-14 - आउ, एहि समस्त बातक निष्कर्ष सुनू: परमेश् वर सँ डेराउ आ हुनकर आज्ञा सभक पालन करू, किएक तँ ई मनुष् यक पूरा कर्तव्य अछि। कारण, परमेश् वर सभ काज केँ न् याय मे अनताह, सभ गुप्त बातक संग, चाहे ओ नीक हो वा अधलाह।

मलाकी 1:5 अहाँ सभक आँखि देखत आ अहाँ सभ कहब जे, “प्रभु इस्राएलक सीमा सँ महिमा भ’ जेताह।”

परमेश् वरक महिमा सभ देखि लेत, ओहो इस्राएलक दूर-दूर धरि।

1. प्रभु के आवर्धन - भगवान के शक्ति आ महिमा के कोना सब देखल आ स्वीकार करत।

2. इस्राएल के सीमा - परमेश् वर के दया आरू अनुग्रह हमरा सिनी के अपेक्षा स॑ परे कोना फैललऽ छै।

२ गैर-यहूदी सभ भीतर आबि जाउ।एहि तरहेँ समस्त इस्राएल उद्धार होयत।

2. भजन 24:7-10 - "हे फाटक सभ, अहाँ सभ अपन माथ ऊपर उठाउ; आ अहाँ सभ अनन्त दरबज्जा सभ, ऊपर उठब। आ महिमाक राजा भीतर आबि जेताह। ई महिमाक राजा के छथि? प्रभु बलवान आ पराक्रमी।" , युद्ध मे पराक्रमी परमेश् वर।हे फाटक सभ, माथ ऊपर उठाउ, हे अनन्त दरबज्जा सभ, ओकरा ऊपर उठाउ, तखन महिमाक राजा भीतर आबि जेताह महिमा के।"

मलाकी 1:6 बेटा अपन पिताक आदर करैत अछि, आ दास अपन मालिकक आदर करैत अछि, जँ हम पिता छी तँ हमर आदर कतय अछि? आ जँ हम मालिक छी तँ हमर डर कतय अछि? हे पुरोहित, जे हमर नाम केँ तिरस्कार करैत छी, सेना सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ कहैत छथि। अहाँ सभ कहैत छी जे, “हम सभ अहाँक नाम केँ किएक तिरस्कृत केलहुँ?”

सेना के प्रभु पुरोहित सब स बात करैत छथि, पूछैत छथि जे ओ सब हुनका पिता आ मालिक के रूप में सम्मान आ आदर किएक नै करैत छथि | पुरोहित सब जवाब दैत ई पूछैत छथि जे हुनकर नाम के कोन तरहे तिरस्कार केने छथि।

1. अपन पिता आ गुरु के आदर करबाक महत्व: मलाकी 1:6 के अध्ययन

2. परमेश् वरक नामक आदर करब: मलाकी 1:6 सँ आज्ञाकारिता सीखब

1. इफिसियों 6:5-7 सेवक सभ, मसीहक समान हृदय सँ भय आ काँपैत, जे सभ अहाँ सभक मालिक छथि, हुनकर आज्ञाकारी रहू। आँखिक सेवाक संग नहि, पुरुष प्रसन्न करयवला जकाँ; मुदा मसीहक सेवक जकाँ परमेश् वरक इच् छा केँ हृदय सँ पालन करैत छी। सद्भावना सँ सेवा करब, जेना प्रभुक, मनुक्खक नहि।

2. मत्ती 6:9-10 तेँ अहाँ सभ एहि तरहेँ प्रार्थना करू, “हमर सभक पिता जे स् वर्ग मे छी, अहाँक नाम पवित्र हो।” तोहर राज्य आऊ। जेना स्वर्ग मे होइत अछि तहिना पृथ्वी पर सेहो अहाँक इच्छा पूरा हो।

मलाकी 1:7 अहाँ सभ हमर वेदी पर दूषित रोटी चढ़बैत छी। अहाँ सभ कहैत छी जे, “हम सभ अहाँ केँ कोन तरहेँ अशुद्ध कयलहुँ?” अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभुक मेज तिरस्कृत अछि।”

परमेश् वर हुनका लेल देल गेल बलिदान सँ नाराज छथि, कारण ओ सभ दूषित अछि आ ओ परमेश् वरक मेज केँ तिरस्कृत बुझैत छथि।

1. सत्य पूजा सांसारिकता सँ अकलंकित अछि

2. भगवान् केँ शुद्ध आ निर्मल बलि कोना चढ़ाओल जाय

1. यशायाह 1:11-17 - अहाँ सभक बलिदानक भरमार हमरा लेल कोन काज लेल अछि? परमेश् वर कहैत छथि, “हम मेढ़क होमबलि आ पोसल जानवरक चर्बी सँ भरल छी। हम बैल, मेमना आ बकरीक खून मे आनन्दित नहि छी।

12 जखन अहाँ सभ हमरा सामने हाजिर होबऽ अबैत छी तँ हमर आँगन मे रौदबाक लेल अहाँ सभक हाथ सँ ई के माँग केलक अछि?

2. भजन 51:17 - परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि: एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।

मलाकी 1:8 जँ अहाँ सभ आन्हर केँ बलिदानक लेल चढ़बैत छी तँ की ई अधलाह नहि अछि? आ जँ अहाँ सभ लंगड़ा आ बीमार केँ चढ़बैत छी तँ की ई अधलाह नहि? आब एकरा अपन राज्यपाल केँ चढ़ाउ। की ओ अहाँ सँ प्रसन्न हेताह, आकि अहाँक व्यक्ति केँ स्वीकार करताह? सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना केरऽ परमेश् वर पूछै छै कि की ओकरा आन्हर, लंगड़ा या बीमार जानवर के बलिदान के रूप में चढ़ाना बुरा छै आरू लोगऽ के चुनौती दै छै कि ई विचार करै कि ओकरऽ राज्यपाल ऐसनऽ चढ़ावा स॑ खुश होतै कि नै ।

1. बलिदान: हृदयक बात - भगवान् लेल हमर सभक प्रसादक मात्रा वा गुण नहि, अपितु हमर सभक हृदयक मनोवृत्ति जेना हम सभ दैत छी।

2. प्रभु के अर्पण: गुण मायने रखैत अछि - हमरा सब के प्रभु के अपन सर्वश्रेष्ठ स कम किछु नै अर्पित करबाक चाही, कियाक त ओ हमर सब के बहुत नीक के योग्य छथि।

१.

2. इब्रानी 13:15-16 - अतः, यीशुक द्वारा, हम सभ परमेश् वर केँ निरंतर स्तुतिक बलिदान अर्पित करी--ओ ठोर सभक फल जे खुलि कऽ हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि। आ नीक काज करब आ दोसरक संग बाँटब नहि बिसरब, कारण एहन बलिदान सँ भगवान् प्रसन्न होइत छथि।

मलाकी 1:9 आब, हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे परमेश् वर सँ विनती करू जे ओ हमरा सभ पर कृपा करथि। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना सभक परमेश् वर पुछैत छथि जे की परमेश् वर हुनका सभ पर कृपा करताह, जेना हुनका सभक साधन सँ भेल छलनि।

1. परमेश् वरक दया: हुनक आशीर्वादक प्रति कृतज्ञता देखब

2. हमरऽ कर्म भगवान के साथ हमरऽ संबंध क॑ कोना प्रभावित करै छै

1. याकूब 1:17 - हर नीक आ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे स्वर्गीय इजोतक पिता सँ उतरैत अछि, जे बदलैत छाया जकाँ नहि बदलैत अछि।

2. फिलिप्पियों 4:6 - कोनो बातक चिन्ता नहि करू, मुदा हर परिस्थिति मे, प्रार्थना आ निहोरा द्वारा, धन्यवादक संग, अपन आग्रह परमेश् वरक समक्ष प्रस्तुत करू।

मलाकी 1:10 अहाँ सभ मे एहन के अछि जे दरबज्जा सभ केँ बेकार मे बंद क’ देत? आ ने अहाँ सभ हमर वेदी पर आगि बेकार मे जराबैत छी। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे हमरा अहाँ सभ मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि आ ने अहाँ सभक हाथ सँ बलिदान स्वीकार करब।

परमेश् वर इस्राएलक लोक द्वारा देल गेल बलिदान सँ प्रसन्न नहि छथि आ ओ ओकरा स्वीकार नहि करताह।

1. भगवान् अर्ध-हृदय प्रतिबद्धता सँ प्रसन्न नहि होइत छथि

2. यथार्थ पूजाक आवश्यकता

1. याकूब 5:16 - "तेँ एक-दोसर केँ अपन पाप स्वीकार करू आ एक-दोसरक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ ठीक भ' सकब। धर्मी व्यक्तिक प्रार्थना शक्तिशाली आ प्रभावी होइत अछि।"

2. इब्रानी 13:15-16 - "एहि लेल, यीशुक द्वारा, हम सभ सदिखन परमेश् वरक स्तुतिक बलिदान चढ़ाबी, जे ठोर खुलि कऽ हुनकर नाम स्वीकार करैत अछि। आ नीक करब आ दोसरो सभक संग बाँटब नहि बिसरब एहन बलिदान भगवान प्रसन्न होइत छथि।"

मलाकी 1:11 किएक तँ सूर्योदय सँ ल’ क’ अस्तन धरि गैर-यहूदी सभक बीच हमर नाम पैघ होयत। हमर नामक लेल सभ ठाम धूप आ शुद्ध बलि चढ़ाओल जायत, किएक तँ हमर नाम जाति-जाति मे पैघ होयत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

प्रभु घोषणा करै छै कि सूर्योदय स॑ ल॑ क॑ सूर्यास्त तक गैर-यहूदी सिनी के बीच हुनकऽ नाम महान होतै, आरू हर जगह हुनका धूप आरू शुद्ध बलिदान चढ़ैलऽ जैतै ।

1. परमेश्वर के नाम के जानना: मलाकी 1:11 के महत्व

2. प्रभु के लेल एकटा शुद्ध बलिदान: मलाकी 1:11 के अर्थ

1. निकासी 28:38 - हारूनक कपार पर हारून ओहि पवित्र वस्तुक अपराध केँ सहन करत, जकरा इस्राएलक सन्तान अपन सभ पवित्र वरदान मे पवित्र करत। ओकर कपार पर सदिखन रहत, जाहि सँ ओ सभ परमेश् वरक समक्ष ग्रहण कयल जाय।

2. भजन 50:7-15 - हे हमर लोक, सुनू, हम बाजब; हे इस्राएल, हम तोहर विरुद्ध गवाही देबौक, हम परमेश् वर छी, तोहर परमेश् वर। हम अहाँक बलि-बलि आ होमबलि लेल अहाँ केँ नहि डाँटब, जे अहाँ हमरा सोझाँ सदिखन रहलहुँ। हम अहाँक घर सँ कोनो बैल नहि निकालब आ ने ओ बकरी अहाँक झुंड मे सँ। कारण, जंगलक हरेक जानवर हमर अछि, आ हजार पहाड़ी पर मवेशी। हम पहाड़क सभ चिड़ै सभ केँ

2185

जनैत छी, आ खेतक जंगली जानवर सभ हमर अछि। जँ हम भूखल रहितहुँ तँ हम अहाँ केँ नहि कहितहुँ, किएक तँ संसार आ ओकर पूर्णता हमर अछि। हम बैल के मांस खायब, आकि बकरीक खून पीब? परमेश् वर केँ धन्यवादक अर्पित करू। आ परमेश् वरक प्रति अपन व्रत पूरा करू।

मलाकी 1:12 मुदा अहाँ सभ एकरा अपवित्र कएलहुँ जे अहाँ सभ कहैत छी जे, “प्रभुक मेज दूषित भ’ गेल अछि।” ओकर फल, ओकर भोजन तक, तिरस्कार योग्य अछि।

इस्राएल के लोग परमेश् वर के नाम के अपवित्र करी देलकै कि हुनी जे भोजन दै छै, वू तिरस्कार के लायक छै।

1. भगवानक प्रावधान हमरा सभक सभ आवश्यकताक लेल पर्याप्त अछि

2. भगवान जे किछु दैत छथि ताहि लेल हमरा सभ केँ कृतज्ञता देखाबय के चाही

1. फिलिप्पियों 4:19 - हमर परमेश् वर मसीह यीशु मे अपन महिमाक धनक अनुसार अहाँक सभ आवश्यकता केँ पूरा करताह।

2. कुलुस्सी 3:17 - आ अहाँ सभ जे किछु करब, चाहे ओ वचन मे हो वा कर्म मे, ओ सभ प्रभु यीशुक नाम पर करू, हुनका द्वारा पिता परमेश् वर केँ धन्यवाद दियौक।

मलाकी 1:13 अहाँ सभ सेहो कहलहुँ, “देखू, ई केहन थकान अछि! सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे अहाँ सभ एकरा धुँधला कएने छी। अहाँ सभ जे फाटल छल, लंगड़ा आ बीमार सभ केँ अनलहुँ। एहि तरहेँ अहाँ सभ प्रसाद अनलहुँ। प्रभु कहैत छथि।

भगवान् जे प्रसाद हुनका लग प्रस्तुत करैत अछि ताहि सँ नाराज छथि, ई पूछैत छथि जे की हुनका एकरा स्वीकार करबाक चाही।

1. "भगवान हमर सर्वोत्तम प्रसाद के हकदार छथि"।

2. "अपन वरदान स भगवान के सम्मान करू"।

२ एहि संसारक पैटर्नक अनुरूप नहि, अपितु अपन मनक नवीकरण सँ परिवर्तित भ' जाउ। तखन अहाँ परखि सकब आ अनुमोदन क' सकब जे भगवानक इच्छा हुनकर नीक, प्रसन्न आ सिद्ध इच्छा अछि।"

2. मत्ती 6:21 - "जतय अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक हृदय सेहो रहत।"

मलाकी 1:14 मुदा ओहि धोखेबाज केँ शापित कयल जाय, जे अपन भेँड़ा मे एकटा नर अछि, आ प्रण करैत अछि आ प्रभुक लेल एकटा भ्रष्ट वस्तुक बलिदान दैत अछि, किएक तँ हम एकटा पैघ राजा छी, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, आ हमर नाम लोक सभक बीच भयावह अछि विधर्मी।

भगवान् एकटा एहन महान राजा छथि जिनकर नाम जाति-जाति मे आदर-सत्कार होइत छनि, आ जे हुनका नीच गुणक प्रसाद सँ धोखा दैत छथि, हुनका शापित कयल जायत |

1. भगवानक नाम सभसँ ऊपर अछि

2. हीन प्रसाद भगवान् के स्वीकार्य नहि अछि

1. यशायाह 6:3 - एक गोटे दोसर केँ चिचिया उठल आ कहलक, “पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेना सभक प्रभु छथि।

2. भजन 9:2 - हम तोरा मे आनन्दित होयब आ आनन्दित होयब, हे परमात्मा, हम तोहर नामक स्तुति गाबब।

मलाकी अध्याय 2 में पुरोहित आरू ओकरऽ जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता के बारे में बात जारी छै। संगहि हुनका लोकनिक काजक परिणाम पर प्रकाश देल गेल अछि आ निष्ठा आ धर्मक महत्व पर जोर देल गेल अछि |

2186

पहिल पैराग्राफ: अध्याय के शुरुआत पुरोहित सब के एकटा कड़ा डांट स होइत अछि जे ओ सब परमेश्वर के नाम के सम्मान नै केलक आ हुनकर वाचा के पालन नै केलक। ओ सभ सही बाटसँ मुड़ि गेल छथि आ अपन शिक्षामे बहुतोकेँ ठोकर खा गेल छथि । परमेश् वर चेतावनी दैत छथि जे ओ हुनका सभ पर अभिशाप अनताह आ हुनकर सभक आशीष अभिशाप मे बदलि जायत (मलाकी 2:1-9)।

द्वितीय अनुच्छेद: अध्याय मे पुरोहितक बीच बेवफाई के मुद्दा के संबोधित कयल गेल अछि | विदेशी देवताक पूजा करय वाली, वाचा के उल्लंघन करय वाला आ लोक के भटकय वाला महिला के विवाह केने छथिन्ह. परमेश् वर हुनका सभ केँ सत् य विश् वास केँ बचाबऽ लेल हुनकर पवित्र कर्तव्यक याद दिलाबैत छथि आ हुनका सभ केँ अपन पत्नी आ वाचा मे वफादार रहबाक लेल आह्वान करैत छथि (मलाकी 2:10-16)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन धर्म के महत्व आरू परमेश्वर के भय के याद दिलाबै के साथ होय छै। परमेश् वर पुरोहित सभ केँ सत् यक नियम सिखाबऽ आ धार्मिकता मे चलबाक लेल प्रोत्साहित करैत छथि। ओ वादा करैत छथि जे जे हुनका सँ डरैत छथि आ हुनकर नामक आदर करैत छथि ओ हुनकर अनमोल सम्पत्ति बनताह आ हुनकर आशीर्वाद प्राप्त करताह (मलाकी 2:17-3:5)।

संक्षेप मे, २.
मलाकी अध्याय 2 में पुरोहित आरू ओकरऽ जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता के बारे में बात जारी छै।

परमेश् वर के नाम के आदर नै करै आरू हुनकऽ वाचा के पालन नै करै के कारण पुरोहित सिनी कॅ डाँटै।
हुनका लोकनिक कर्मक परिणाम आ हुनका लोकनिक आशीर्वादक अभिशाप मे परिणत।
पुरोहित के बीच बेवफाई के मुद्दा आरू धर्म के महत्व आरू भगवान के भय के संबोधित करना।

मलाकी के ई अध्याय के शुरुआत पुरोहित सिनी कॅ परमेश् वर के नाम के आदर नै करै आरू हुनको वाचा के पालन नै करै के कारण कड़ा डांट के साथ होय छै। ओ सभ सही बाटसँ मुड़ि गेल छथि आ अपन शिक्षामे बहुतोकेँ ठोकर खा गेल छथि । तखन अध्याय मे पुरोहित लोकनिक बीच बेवफाईक मुद्दा केँ संबोधित कयल गेल अछि, कारण ओ लोकनि विदेशी देवताक पूजा करय वाली महिला सँ विवाह क' लेने छथि, जे वाचा केर उल्लंघन करैत छथि आ लोक केँ भटकबैत छथि | परमेश् वर ओकरा सिनी कॅ सच्चा विश्वास के संरक्षण के पवित्र कर्तव्य के याद दिलाबै छै आरू ओकरा सिनी कॅ पत्नी के प्रति आरू वाचा के प्रति वफादार रहै के आह्वान करै छै। अध्याय के समापन धर्म आरू परमेश् वर के भय के महत्व के याद दिलाबै के साथ होय छै, जेकरा में पुरोहित सिनी कॅ सत् य के नियम सिखाबै लेली आरू धर्म में चलै लेली प्रोत्साहित करलऽ जाय छै। भगवान् वादा करै छै कि जे लोग हुनका स॑ डरै छै आरू हुनकऽ नाम के आदर करै छै, वू हुनकऽ अनमोल संपत्ति होतै आरू हुनकऽ आशीर्वाद भी मिलतै । ई अध्याय में पुरोहितऽ के काम के परिणाम, विश्वास के महत्व, आरू धर्म के आह्वान आरू परमेश्वर के भय पर जोर देलऽ गेलऽ छै ।

मलाकी 2:1 आब, हे पुरोहित सभ, ई आज्ञा अहाँ सभक लेल अछि।

मार्ग परमेश् वर पुरोहित सभ केँ आज्ञा दऽ रहल छथि जे हुनकर वचन पर ध्यान दियौक।

1. परमेश् वरक वचनक पालन सभ केँ करबाक चाही, ओहो अधिकारक पद पर बैसल लोक केँ।

2. परमेश् वरक वचन सुनबाक आ ओकर पालन करबाक महत्व।

1. निर्गमन 19:5-6 - "एखन जँ अहाँ सभ हमर बात मानब आ हमर वाचा केँ पालन करब तँ अहाँ सभ हमरा लेल सभ लोक सँ बेसी एकटा विशिष्ट खजाना बनि जायब। किएक तँ समस्त पृथ्वी हमर अछि। आ अहाँ सभ रहब।" हमरा लेल पुरोहितक राज्य आ पवित्र जाति।”

2. व्यवस्था 7:12 - "एहि लेल जँ अहाँ सभ एहि न्याय सभक बात सुनब आ ओकरा पालन करब आ ओकरा पालन करब तँ अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभक लेल ओहि वाचा आ दया केँ पालन करताह जे ओ अहाँक पूर्वज सभक संग शपथ देने छलाह।" " .

मलाकी 2:2 जँ अहाँ सभ नहि सुनब आ जँ अहाँ सभ हमर नामक महिमा करबाक लेल हृदय मे नहि राखब तँ सेना सभक प्रभु कहैत छथि, हम अहाँ सभ पर शाप तक पठा देब आ अहाँ सभक आशीर्वाद केँ श्राप देब , हम हुनका सभ केँ पहिने सँ गारि देने छी, कारण अहाँ सभ एकरा हृदय मे नहि राखैत छी।

सेना केरऽ प्रभु चेतावनी दै छै कि जे हुनकऽ वचन नै सुनतै आरू नै मानतै, ओकरा शाप मिलतै आरू ओकरऽ आशीर्वाद छीनी लेलऽ जैतै ।

1. परमेश् वरक वचन सुनबाक आ मानबाक महत्व

2. भगवान् के आज्ञा नै मानला के परिणाम

1. नीतिवचन 4:20-22 - हमर बेटा, हमर बात पर ध्यान दियौक। हमर बात पर कान झुकाउ। ओ सभ अहाँक आँखि सँ नहि हटय। ओकरा सभ केँ अपन हृदयक बीच मे राखू। किएक तँ ओ सभ ओकरा पाबि वला सभक लेल जीवन अछि आ ओकर सभ शरीरक लेल स्वास्थ्य अछि।

2. याकूब 1:22-25 - मुदा अहाँ सभ वचनक पालन करयवला बनू, मात्र सुननिहार नहि, अपना केँ धोखा दैत। जँ केओ वचन सुननिहार अछि आ करनिहार नहि अछि तँ ओ ओहिना अछि जेना काँच मे अपन स्वाभाविक मुँह देखैत अछि। मुदा जे केओ स्वतंत्रताक सिद्ध नियम दिस तकैत अछि आ ओहि मे टिकैत रहत, ओ बिसरनिहार सुननिहार नहि, बल् कि काज करयवला अछि, ओ अपन काज मे धन्य होयत।

मलाकी 2:3 देखू, हम अहाँक वंश केँ नाश क’ देब, आ अहाँक मुँह पर गोबर पसारि देब, जे अहाँ सभक भोज-भातक गोबर अछि। आ एकटा अहाँ सभ केँ अपना संग लऽ जायत।

परमेश् वर इस्राएली सभ केँ वफादारी के कमी के कारण ओकर बीज के भ्रष्ट कऽ कऽ ओकर सभक उत्सवक गोबर सँ ओकर मुँह झाँपि कऽ सजा देथिन।

1. अविश्वास के परिणाम: मलाकी 2:3 के अध्ययन

2. पवित्रता के जीवन जीना: अवज्ञा के प्रतिकूलता

1. नीतिवचन 6:16-19 - सात टा एहन चीज अछि जकरा प्रभु घृणा करैत छथि, आ घमंडी नजरि ओहि मे सँ एक अछि।

2. यशायाह 1:13-15 - निरर्थक प्रसाद आनब बंद करू! अहाँक धूप हमरा लेल घृणित अछि। अमावस्या, विश्राम-दिन आ दीक्षांत समारोह हम अहाँक दुष्ट सभा सभ केँ सहन नहि क' सकैत छी।

मलाकी 2:4 अहाँ सभ जनब जे हम ई आज्ञा अहाँ सभ केँ पठेने छी जाहि सँ हमर वाचा लेवीक संग हो, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर लोक सभ केँ ई सुनिश्चित करबाक आज्ञा देलनि जे लेवी सभक संग हुनकर वाचा केँ पूरा कयल जाय।

1: लेवी सभक संग परमेश् वरक वाचा केँ रक्षा आ आदर करबाक अछि।

2: हमरा सभ केँ लेवी सभक संग प्रभुक वाचाक आदर करबाक प्रयास करबाक चाही।

1: व्यवस्था 33:8-10 - लेवीक विषय मे ओ कहलनि, “तोहर थुम्मी आ उरीम अहाँक पवित्र लोकक संग रहय, जिनका अहाँ मसा मे परखलहुँ आ जिनका सँ अहाँ मरीबाक पानि मे झगड़ा केलहुँ। ओ अपन पिता आ माय केँ कहलथिन, “हम ओकरा नहि देखलहुँ। ने ओ अपन भाय सभ केँ चिन्हलनि आ ने अपन संतान केँ चिन्हलनि, किएक तँ ओ सभ अहाँक वचनक पालन करैत अछि आ अहाँक वाचा केँ पालन करैत अछि।

2: गणना 3:5-10 - तखन परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, “लेवीक गोत्र केँ लग आनि दियौक आ ओकरा सभ केँ हारून पुरोहितक समक्ष राखू जाहि सँ ओ सभ हुनकर सेवा करथि।” ओ सभ हुनकर आ सम् पूर्ण मंडली केँ सम्मिलन तम्बूक समक्ष राखि देताह जे तम्बूक सेवा करथि। ओ सभ मंडपक सभटा वाद्ययंत्र आ इस्राएलक सन् तान सभ केँ तम्बूक सेवा करबाक लेल राखत।

मलाकी 2:5 हमर वाचा हुनका संग जीवन आ शान्तिक छल। हम ओकरा सभ केँ ओहि डर सँ दऽ देलियैक जे ओ हमरा सँ डरैत छल आ हमर नाम सँ पहिने डरैत छल।

परमेश् वर अपन लोकक संग जीवन आ शान्तिक वाचा केलनि, जे हुनकर नामक डरक बदला मे देल गेल छल।

2188

1. प्रभुक भय: परमेश् वरक वाचाक आज्ञापालन मे कोना जीबी
2. जीवन आ शांति के आशीर्वाद: परमेश्वर के वाचा के अनुभव करब
1. व्यवस्था 10:12-13 - "आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभ सँ की माँगैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक।" पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ प्रभुक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दैत छी?
2. भजन 34:9 - "हे, हे ओकर पवित्र लोक सभ, प्रभु सँ डेरा जाउ, किएक त' जे हुनका सँ डरैत छथि हुनका सभ मे कोनो कमी नहि छनि!"
मलाकी 2:6 सत् य के नियम हुनकर मुँह मे छल, आ अधर्म हुनकर ठोर मे नहि भेटल छलनि, ओ हमरा संग शान्ति आ न्याय मे चललनि आ बहुतो केँ अधर्म सँ मुँह मोड़ि देलनि।
परमेश् वर चाहै छै कि हम्में सच बोलै आरू शांति आरू समानता के साथ चलै, दोसरो सिनी के अनुसरण करै लेली एगो उदाहरण बनाबै के।
1. "सत्यक शक्ति"।
2. "शांति आ समता मे चलब"।
1. नीतिवचन 12:17 - जे सत्य बजैत अछि, से धार्मिकता देखाबैत अछि, मुदा झूठ गवाह छल।
2. मत्ती 5:9 - धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक सन् तान कहल जायत।
मलाकी 2:7 किएक तँ पुरोहितक ठोर ज्ञान रखबाक चाही आ ओकर मुँह सँ व्यवस्थाक खोज करबाक चाही, किएक तँ ओ सेना सभक प्रभुक दूत छथि।
पुरोहित के भूमिका ज्ञान रखना आरू भगवान स॑ व्यवस्था के खोज करना छै ।
1. सब बात मे परमेश् वरक नियम आ ज्ञानक खोज करू
2. पुरोहित प्रभुक दूतक रूप मे
1. नीतिवचन 2:6-9 - कारण, प्रभु बुद्धि दैत छथि। ओकर मुँह सँ ज्ञान आ समझ निकलैत छैक।
2. यशायाह 2:3 - किएक तँ सियोन सँ व्यवस्था आ परमेश् वरक वचन यरूशलेम सँ निकलत।
मलाकी 2:8 मुदा अहाँ सभ बाट सँ हटि गेल छी। अहाँ सभ बहुतो केँ धर्म-नियम पर ठोकर मारि देलहुँ। अहाँ सभ लेवीक वाचा केँ बिगाड़ि देलहुँ, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।
सेना सभक परमेश् वर ओहि लोक सभक विरुद्ध बजैत छथि जे सभ धर्म-नियम सँ हटि कऽ लेवीक वाचा केँ बिगाड़ि देलनि।
1. परमेश् वरक नियमक प्रति सच्चा रहबाक महत्व
2. लेवीक वाचा केँ भ्रष्ट करबाक परिणाम
1. व्यवस्था 17:8-13 - परमेश् वरक नियमक पालन करबाक निर्देश
2. मत्ती 5:17-20 - व्यवस्थाक पूर्ति पर यीशु
मलाकी 2:9 तेँ हम अहाँ सभ केँ सभ लोकक समक्ष तिरस्कृत आ नीच बना देलहुँ, जेना अहाँ सभ हमर बाट नहि पालन केलहुँ, बल् कि धर्म-नियम मे पक्षपातपूर्ण रहलहुँ।

परमेश् वर लोक सभ केँ सभ लोकक समक्ष तिरस्कृत आ नीच बना देलनि अछि, कारण ओ सभ हुनकर बाट नहि रखलक आ कानून मे पक्षपातपूर्ण रहल अछि।

1. परमेश् वरक पवित्रता आ न्याय: आज्ञापालनक आवश्यकता

2. कानून मे पक्षपात के परिणाम

1. लेवीय 19:15 - "अहाँ न्यायालय मे कोनो अन्याय नहि करू। गरीबक प्रति पक्षपात नहि करू आ पैघ लोकक प्रति स्थगित नहि रहू, मुदा धार्मिकता मे अपन पड़ोसीक न्याय करब।"

2. याकूब 2:8-9 - "जँ अहाँ वास्तव मे शास्त्रक अनुसार राजकीय नियम केँ पूरा करब, तँ अहाँ अपन पड़ोसी केँ अपना जकाँ प्रेम करब, तँ अहाँ नीक क' रहल छी। मुदा जँ अहाँ पक्षपात करब तँ अहाँ पाप क' रहल छी आ दोषी ठहराओल गेल छी।" उल्लंघन के रूप में कानून।"

मलाकी 2:10 की हम सभ एक पिता नहि छी? एक परमेश् वर हमरा सभ केँ नहि बनौने छथि? हम सभ अपन पूर्वजक वाचा केँ अपवित्र कऽ कऽ अपन भाय पर धोखा किएक करैत छी?

हमरा सभकेँ एक दोसराक संग धोखा कए अपन पूर्वजक वाचा नहि तोड़बाक चाही।

1. हमर पिताक वाचा: विश्वासी भाईचारा के लेल एकटा आह्वान

2. वाचा पूरा करब: अपन भाइ आ अपन भगवानक आदर करब

1. रोमियो 12:10: "एक-दोसर सँ भाइ-बहिनक स्नेह सँ प्रेम करू। आदर करबाक लेल एक-दोसर सँ आगू बढ़ू।"

2. इब्रानी 13:1: "भाई-बहिनक प्रेम बनल रहय।"

मलाकी 2:11 यहूदा धोखाधड़ी केलक, आ इस्राएल आ यरूशलेम मे घृणित काज कयल गेल अछि। कारण, यहूदा परमेश् वरक पवित्रता केँ अपवित्र कऽ देलक, जकरा ओ प्रेम करैत छल, आ परदेशी देवताक बेटी सँ विवाह कऽ लेलक।

यहूदा परमेश् वरक संग परमेश् वरक संग पाप कएने अछि।

1. भगवान् अपन लोक मे निष्ठा आ निष्ठा चाहैत छथि।

2. समझौता आ गलत बाट पर चलबाक खतरा स सावधान रहू।

1. व्यवस्था 7:3-4 - अहाँ हुनका सभक संग विवाह नहि करू, अपन बेटी सभ केँ हुनका सभक बेटा केँ नहि दियौक आ ने हुनकर बेटी सभ केँ अपन बेटाक लेल नहि लिअ, किएक तँ ओ सभ अहाँक बेटा सभ केँ हमरा पाछाँ चलबा सँ आन देवताक सेवा करबाक लेल मोड़ि देत। तखन प्रभुक क्रोध अहाँ पर प्रज्वलित होइत।

2. नीतिवचन 7:26-27 - कारण ओ बहुतो घायल केँ नीचाँ खसा देने छथि, आ हुनकर द्वारा मारल गेल सभ बलवान छल। ओकर घर पाताल के बाट छै, जे मृत्यु के कोठरी में उतरी जाय छै।

मलाकी 2:12 परमेश् वर ई काज करनिहार, मालिक आ विद्वान केँ याकूबक तम्बू सभ सँ काटि देताह आ सेना सभक परमेश् वर केँ बलिदान देनिहार केँ।

जे हुनका प्रति उचित श्रद्धा नहि करैत छथि, हुनका गुरु आ विद्यार्थी दुनू केँ प्रभु दण्ड देथिन।

1. भगवान् की दया एवं न्याय: भगवान की पवित्रता

2. निष्ठावान सेवा के लेल एकटा आह्वान: परमेश्वर के पहिल स्थान पर राखब

2190

1. यूहन्ना 3:16-17 - किएक तँ परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन एकलौता पुत्र केँ दऽ देलनि, जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा नाश नहि हो, बल् कि अनन् त जीवन भेटय।

2. इफिसियों 2:8-9 - किएक तँ अहाँ सभ विश्वासक कारणेँ अनुग्रह सँ उद्धार पाबि गेल छी। आ से अहाँ सभ सँ नहि, ई परमेश् वरक वरदान अछि।

मलाकी 2:13 अहाँ सभ फेर ई काज केलहुँ, परमेश् वरक वेदी केँ नोर, कानब आ चिचियाहटि सँ झाँपि देलहुँ, जाहि सँ ओ आब बलिदान केँ परवाह नहि करैत छथि आ अहाँ सभक हाथ सँ सद्भावना सँ ग्रहण नहि करैत छथि।

जे भगवान् के सेवा करै छै, वू अपनऽ प्रसाद स॑ हुनकऽ सम्मान नै करलकै, बल्कि दुख आरू नोर के अभिव्यक्ति करलकै जेकरा भगवान अब॑ स्वीकार नै करै छै ।

1. बिना पूजा केने कानब: अपन हृदय आ प्रसाद मे भगवान् के आदर करब

2. करुणाक लागत: अपन दुखक बीच भगवानक प्रेमक स्मरण करब

1. लूका 18:9-14 - फरिसी आ कर वसूलीक दृष्टान्त

2. भजन 51:17 - टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय केँ हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब।

मलाकी 2:14 तइयो अहाँ सभ कहैत छी जे, किएक? कारण, परमेश् वर अहाँ आ अहाँक जवानीक पत्नीक बीच गवाह छथि, जिनका संग अहाँ विश्वासघात केलहुँ।

मलाकी के किताब के ई अंश वैवाहिक विश्वासघात के मुद्दा के संबोधित करै छै, कैन्हेंकि परमेश्वर बेवफा जीवनसाथी के काम के गवाह के रूप में प्रकट होय छै।

1. "विवाहक वाचा: प्रतिज्ञाक पालन"।

2. "वैवाहिक बेवफाई के परिणाम"।

1. इफिसियों 5:22-33 - पति-पत्नी के बीच वैवाहिक संबंध पर पौलुस के शिक्षा।

2. मत्ती 5:27-32 - विवाह मे विश्वासी रहबाक महत्व पर यीशुक शिक्षा।

मलाकी 2:15 की ओ एकटा नहि बनौलनि? तइयो हुनका लग आत्माक अवशेष छलनि। आ कियैक एकटा? जाहि सँ ओ कोनो ईश्वरीय बीज ताकय। तेँ अपन आत् मा पर सावधान रहू, आ कियो अपन युवावस्थाक पत्नीक संग विश्वासघात नहि करय।

भगवान् एक पुरुष आ एक स्त्री के बनाबै छै, आरू ओकरा सिनी सें ईश्वरीय बीज के खोज करै के अपेक्षा करै छै। अतः दंपति के अपन भावना के ध्यान राखबाक चाही आ जीवनसाथी के प्रति बेवफाई नहि करबाक चाही।

1. निष्ठा: विवाह मे परमेश्वरक वाचाक पालन करब

2. विवाह मे निष्ठा के आशीर्वाद

1. 1 कोरिन्थी 7:2-5 - मुदा व्यभिचारक प्रलोभनक कारणेँ प्रत्येक पुरुषक अपन पत्नी आ प्रत्येक स्त्री केँ अपन पति हेबाक चाही। पति केँ अपन पत्नी केँ ओकर दाम्पत्य अधिकार देबाक चाही, आ तहिना पत्नी केँ अपन पति केँ। किएक तँ पत्नी केँ अपन शरीर पर अधिकार नहि छैक, मुदा पतिक अधिकार छैक। तहिना पति के अपन शरीर पर अधिकार नै छै, मुदा पत्नी के छै। एक दोसरा के वंचित नै करू, सिवाय शायद सीमित समय के लेल सहमति के, ताकि अहाँ सब अपना के प्रार्थना में समर्पित क सकब; मुदा फेर एक ठाम आबि जाउ, जाहि सँ शैतान अहाँ सभक संयमक अभावक कारणेँ अहाँ सभ केँ प्रलोभन नहि देत।

2. उपदेशक 4:9-12 - एक सँ दू गोटे नीक अछि, कारण हुनका सभक मेहनतिक नीक फल भेटैत छनि। किएक तँ जँ ओ सभ खसि पड़त तँ केओ अपन संगीकेँ ऊपर उठाओत। मुदा धिक्कार अछि जे खसला पर असगर रहैत अछि आ ओकरा ऊपर उठयबाक लेल दोसर नहि अछि! पुनः दू गोटे एक संग पड़ल रहथि तऽ गरम रहैत छथि, मुदा असगरे कोना गरम रहत। आ असगर रहल आदमी पर भले जीत भ' जाय, मुदा दू गोटे ओकरा सहन करत तीन गुना डोरी जल्दी नहि टूटि जाइत छैक।

मलाकी 2:16 किएक तँ इस्राएलक परमेश् वर यहोवा कहैत छथि जे ओकरा छोड़बा सँ घृणा होइत छैक, किएक तँ केओ अपन वस्त्र सँ हिंसा केँ झाँपि लैत अछि, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

भगवान् घृणा करै छै जबे दंपति टूटी जाय छै आरू वू हमरा सिनी कॅ चेताबै छै कि बेवफा नै बनी जाय।

1. "भगवान तलाक स घृणा करैत छथि: रिश्ता मे बेवफाई स बचब"।

2. "कवरिंग के शक्ति: रिश्ता में झूठ गवाही कोना नै देल जाय"।

1. मत्ती 5:32 - "मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जे कियो अपन पत्नी केँ व्यभिचार छोड़ि कोनो कारण सँ तलाक दैत अछि, ओ व्यभिचार करैत अछि; आ जे कियो तलाकशुदा स्त्री सँ विवाह करैत अछि, ओ व्यभिचार करैत अछि।"

2. याकूब 5:12 - "मुदा हमर भाइ लोकनि, सभ सँ बेसी, स् वर्ग वा पृथ् वी वा कोनो आन शपथ सँ शपथ नहि करू। मुदा अहाँक हाँ हाँ, आ नहि, नहि हो, जाहि सँ अहाँ सभ न् याय मे नहि पड़ब।" " .

मलाकी 2:17 अहाँ सभ अपन वचन सँ प्रभु केँ थका देने छी। तैयो अहाँ सभ कहैत छी जे, “हमरा सभ हुनका कोन काज सँ थका देलहुँ?” जखन अहाँ सभ कहैत छी जे, “जे केओ अधलाह काज करैत अछि, से परमेश् वरक नजरि मे नीक होइत अछि, आ ओ ओकरा सभ मे आनन्दित होइत अछि।” वा, न्यायक परमेश् वर कतय छथि?

इस्राएल के लोग अपनऽ बातऽ स॑ प्रभु क॑ ई दावा करी क॑ क्रोधित करी देल॑ छै कि जे भी बुरा काम करै छै, वू हुनकऽ नजर म॑ स्वीकार्य छै ।

1. प्रभु न्याय आ न्यायक भगवान छथि

2. हमर सभक वचन भगवान् लेल मायने रखैत अछि

1. यशायाह 5:20-21, "धिक्कार अछि ओ सभ जे अधलाह केँ नीक आ नीक केँ अधलाह कहैत अछि; जे अन्हार केँ इजोत मे आ इजोत केँ अन्हार मे राखैत अछि; जे तीत केँ मीठ आ मीठ केँ तीत मे राखैत अछि!"

2. याकूब 3:8-10, "मुदा जीह केँ केओ वश मे नहि क' सकैत अछि; ई एकटा अशुद्ध दुष्ट अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि। हम सभ पिता परमेश् वर केँ एहि सँ आशीर्वाद दैत छी। आ एहि सँ हम सभ लोक सभ केँ श्राप दैत छी जे उपमाक अनुसार बनल छी।" भगवान् के।"

मलाकी अध्याय 3 परमेश् वर के लोग सिनी कॅ परिष्कृत आरू शुद्ध करै के विषय पर केंद्रित छै। ई प्रभु, हुनकऽ दूत के आबै के बात करै छै आरू पश्चाताप आरू विश्वासपूर्वक दान के जरूरत के बात करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रभु आरू दूत के आगमन के भविष्यवाणी स॑ होय छै जे हुनका लेली रास्ता तैयार करतै । दूत लेवीक वंशज, पुरोहित सभ केँ शुद्ध करत, आ ओकरा सभ केँ सोना-चानी जकाँ शुद्ध करत। तखन ओ सभ प्रभुक लेल स्वीकार्य बलिदान चढ़ा सकैत छथि (मलाकी 3:1-4)।

2nd पैराग्राफ: अध्याय में लोक के ओकर निष्ठा आ परमेश्वर के न्याय के बारे में पूछल गेल सवाल के संबोधित कयल गेल अछि। परमेश् वर हुनका सभ केँ दशमांश आ बलिदान रोकबा मे बेवफाईक कारणेँ डाँटैत छथि। ओ ओकरा सभ केँ चुनौती दैत छथि जे पूरा दसम भाग भंडार मे आनि क’ हुनका परखथि, हुनका सभ पर आशीर्वाद उझलि देबाक आ हुनका सभक लेल भक्षक केँ डाँटबाक वचन दैत छथि (मलाकी 3:5-12)।

तृतीय अनुच्छेद: अध्याय के समापन प्रभु के भय आ हुनकर नाम के ध्यान करय वाला के लेल भेद आ पुरस्कार के प्रतिज्ञा के संग होइत अछि | परमेश् वर हुनका सभ केँ न्यायक दिन अपन अनमोल सम्पत्तिक रूप मे बख्शताह। धर्मी आरू दुष्ट के बीच भेद करलऽ जैतै, आरू ओकरऽ अंतिम भाग्य प्रकट होय जैतै (मलाकी ३:१३-१८)।

संक्षेप मे, २.
मलाकी अध्याय 3 परिष्कार, शुद्धि, आरू निष्ठावान दान के विषय पर केंद्रित छै।

प्रभु आ पुरोहित के शुद्ध करय वाला दूत के आगमन के भविष्यवाणी।
दसवां भाग आ प्रसाद रोकबा मे अविश्वास के लेल डाँट दियौक।
प्रभु के भय आ हुनकर नाम के ध्यान करय वाला के लेल भेद आ पुरस्कार के प्रतिज्ञा |

मलाकी के ई अध्याय के शुरुआत प्रभु आरू दूत के आबै के भविष्यवाणी स॑ होय छै जे पुरोहित सिनी क॑ शुद्ध करतै । एकरऽ बाद अध्याय म॑ लोगऽ के दसवां भाग आरू बलिदान रोकै म॑ बेवफाई के बारे म॑ संबोधित करलऽ गेलऽ छै, जेकरा म॑ ओकरा सिनी क॑ परमेश् वर केरऽ प्रावधान प॑ भरोसा नै होला के कारण डांटलऽ गेलऽ छै । परमेश् वर हुनका सभ केँ चुनौती दैत छथि जे ओ पूरा दसम भाग भंडार मे आनि क' हुनकर परीक्षण करथि, बदला मे आशीर्वाद आ सुरक्षाक वादा करैत छथि। अध्याय के समापन प्रभु के भय आरू हुनकऽ नाम के ध्यान करै वाला के लेलऽ भेद आरू पुरस्कार के प्रतिज्ञा के साथ होय छै । परमेश् वर हुनका सभ केँ न्यायक दिन अपन अनमोल सम्पत्ति बनि बख्शताह, आ धर्मी आ दुष्ट मे स्पष्ट भेद कयल जायत। ई अध्याय पश्चाताप, निष्ठापूर्वक दान, आरू प्रभु स॑ डरै वाला के लेलऽ इनाम के महत्व प॑ जोर दै छै ।

मलाकी 3:1 देखू, हम अपन दूत केँ पठा देब, आ ओ हमरा सोझाँ बाट तैयार करत, आ प्रभु, जिनका अहाँ सभ ताकि रहल छी, अचानक अपन मंदिर मे आबि जेताह, ओ वाचाक दूत, जिनका मे अहाँ सभ प्रसन्न छी। ओ आबि जेताह, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना के प्रभु प्रतिज्ञा करै छै कि ओकरा सामने के रास्ता तैयार करै लेली एगो दूत भेजतै आरू अचानक ओकरोॅ मंदिर में ऐतै।

1. परमेश् वरक वादाक दूत केँ पठेबाक प्रतिज्ञा

2. प्रभुक आगमनक आनन्द

1. लूका 7:24-27 - यूहन्ना बपतिस्मा देबय वाला बाट तैयार करैत

2. इब्रानी 10:19-22 - यीशुक खूनक वाचा

मलाकी 3:2 मुदा ओकर आगमनक दिन के टिकत? जखन ओ प्रकट होयत तखन के ठाढ़ रहत? किएक तँ ओ रिफाइनरक आगि जकाँ अछि आ फुलरक साबुन जकाँ अछि।

मलाकी प्रभु के आबै के बात करै छै, ई पूछै छै कि के हुनका सहन करी सकै छै, कैन्हेंकि हुनी रिफाइनर के आगी आरू फुलर के साबुन दोनों के तरह छै।

1. प्रभुक आगमन: के ठाढ़ भ’ सकैत अछि?

2. प्रभुक सान्निध्य मे ठाढ़ रहब: अग्नि द्वारा परिष्कृत

१.

2. यशायाह 6:6-7 - "तखन एकटा सेराफिम हमरा लग उड़ि गेल, हाथ मे एकटा जीवित कोयला छल, जकरा ओ वेदी पर सँ चिमटा सँ ल' लेने छल। देखू, ई अहाँक ठोर केँ छूबि गेल अछि, आ अहाँक अधर्म दूर भ' गेल अछि, आ अहाँक पाप शुद्ध भ' गेल अछि।"

मलाकी 3:3 ओ चानी केँ शुद्ध करयवला आ शुद्ध करयवला जकाँ बैसत, आ लेवीक पुत्र सभ केँ शुद्ध करत आ सोना-चानी जकाँ शुद्ध करत, जाहि सँ ओ सभ धार्मिकता मे प्रभु केँ बलिदान चढ़ा सकय।

परमेश् वर लेवीक पुत्र सभ केँ शुद्ध आ परिष्कृत करैत छथि, जाहि सँ ओ सभ धार्मिक रूप सँ प्रभु केँ बलि चढ़ा सकथि।

1. भगवान् हमरा सभ केँ अपन महिमा लेल कोना परिष्कृत करैत छथि

2. भगवान् द्वारा शुद्ध होने का आशीर्वाद

1. रोमियो 8:28-29 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि। परमेश् वर पहिने सँ जनैत छलाह जे ओ अपन पुत्रक प्रतिरूपक रूप मे बनबाक लेल सेहो पूर्वनिर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ बहुतो भाइ-बहिन मे जेठ बनि जाय।

2. यशायाह 1:18-20 - आब आउ, आउ, एहि बातक निपटारा करी, प्रभु कहैत छथि। अहाँ सभक पाप भले लाल रंगक पाप जकाँ अछि, मुदा ओ बर्फ जकाँ उज्जर होयत। किरमिजी रंगक लाल रंगक रहितो ऊन जकाँ होयत। जँ अहाँ सभ इच्छुक आ आज्ञाकारी रहब तँ देशक नीक-नीक चीज खाएब। मुदा जँ अहाँ सभ विरोध करब आ विद्रोह करब तँ तलवारसँ खा गेल होयब। कारण, प्रभुक मुँह बाजल अछि।

मलाकी 3:4 तखन यहूदा आ यरूशलेमक बलिदान परमेश् वरक लेल नीक होयत, जेना पुरान समय मे आ पूर्व वर्ष मे।

परमेश् वर चाहैत छथि जे यहूदा आ यरूशलेमक बलिदान हुनका ओहिना चढ़ाओल जाय जेना पहिने छल।

1. भगवान चाहैत छथि जे हमर सभक पूजाक प्रसाद हृदय आ निश्छल हो।

2. विश्वास आ विनम्रताक संग भगवान् केँ अपन आराधना अर्पित करू।

२.

2. इब्रानी 13:15 - "एहि लेल, हम सभ यीशुक द्वारा परमेश् वर केँ स्तुतिक बलिदान दैत रहू, जे ठोर खुलि क' हुनकर नामक स्वीकार करैत अछि।"

मलाकी 3:5 हम न्यायक लेल अहाँक लग आबि जायब। हम जादूगर, व्यभिचारी, झूठ गारि पढ़निहार, भाड़ाक मजदूर केँ ओकर मजदूरी मे अत्याचार करयवला, विधवा आ अनाथ, आ परदेशी केँ ओकर दहिना दिस सँ हटाबयवला सभक विरुद्ध तेज गवाह बनब हमरा सँ डेराउ नहि, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर ओहि सभक न् याय करबाक लेल औताह जे गरीब, विधवा, अनाथ आ परदेशी पर अत्याचार करैत छथि।

1. परमेश् वरक न्यायक शक्ति

2. भगवान् के करुणा के महानता

1. निष्कासन 22:21-24

2. यशायाह 1:17-20

मलाकी 3:6 हम प्रभु छी, हम बदलैत नहि छी। तेँ अहाँ सभ याकूबक पुत्र सभ समाप्त नहि भेलहुँ।”

भगवान् अपरिवर्तनीय आ विश्वासी छथि जाहि कारणे हुनकर लोक विनाश सँ बचि गेल छथि |

1. भगवान् के अपरिवर्तनीय निष्ठा

2. बदलैत दुनिया मे एकटा अपरिवर्तनीय भगवान

1. याकूब 1:17 - "हर नीक वरदान आ सभ सिद्ध वरदान ऊपर सँ अछि, जे प्रकाशक पिता सँ उतरैत अछि, जिनका संग परिवर्तनक कारणेँ कोनो परिवर्तन वा छाया नहि अछि।"

2. इब्रानी 13:8 - "यीशु मसीह काल्हि आ आइ आ अनन्त काल धरि वैह छथि।"

मलाकी 3:7 अहाँ सभ अपन पूर्वजक समय सँ हमर नियम सभ सँ दूर भ’ गेलहुँ आ ओकरा नहि पालन केलहुँ। हमरा लग घुरि जाउ, हम अहाँ सभ लग घुरि जायब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि। मुदा अहाँ सभ कहलहुँ जे, “हम सभ कोन तरहेँ घुरब?”

सेना के परमेश् वर लोक सभ केँ आज्ञा दैत छथि जे ओ सभ अपन पूर्वज सभ छोड़ि देने छलाह, मुदा लोक सभ पुछैत छथि जे हुनका सभ केँ कोना घुरबाक चाही।

1. प्रभु के पश्चाताप के आह्वान

2. भगवान् के नियम के पालन करब

1. यशायाह 55:6-7 - जाबत धरि ओ भेटि सकैत छथि ताबत धरि प्रभु केँ ताकू; जाबत ओ लग मे छथि ताबत हुनका पुकारू। दुष्ट अपन बाट आ अधर्मी अपन विचार छोड़ि दियौक। ओ परमेश् वर लग घुरि जाथि, तखन ओ हुनका पर दया करताह।”

2. इजकिएल 33:11 - हुनका सभ केँ कहू जे, “हम जीबैत छी, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि, हमरा दुष्टक मृत्यु मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि, बल् कि दुष्ट अपन बाट सँ मुड़ि कऽ जीवित रहय। घुमू, अपन दुष्ट बाट सँ मुड़ू! हे इस्राएलक घराना, अहाँ सभ किएक मरब?

मलाकी 3:8 की मनुष् य परमेश् वर केँ लूटि लेत? तैयो अहाँ सभ हमरा लूटि लेलहुँ। मुदा अहाँ सभ कहैत छी जे, हम सभ अहाँ केँ कोन तरहेँ लूटि लेलहुँ? दशमांश आ प्रसाद मे।

परमेश् वरक लोक हुनका दसम भाग आ प्रसाद नहि दऽ हुनका सँ चोरी करैत आबि रहल अछि।

1. भगवान् केँ हुनक उचित देबाक महत्व

2. दशमांश देबासँ मना करबाक परिणाम

१.

2. नीतिवचन 3:9-10 - "अपन सम्पत्ति सँ आ अपन सभ उपजाक पहिल फल सँ प्रभुक आदर करू। तेना अहाँक कोठी सभ भरपूर भ' जायत, आ अहाँक कोठी सभ नव मदिरा सँ फटि जायत।"

मलाकी 3:9 अहाँ सभ शाप सँ शापित छी, किएक तँ अहाँ सभ हमरा लूटि लेलहुँ, ई समस्त जाति।

इस्राएल राष्ट्र परमेश् वर के दसवां भाग लूटला के कारण शापित होय गेलऽ छेलै।

1. भगवान् के डकैती के परिणाम

2. दसम भागक आशीर्वाद

1. व्यवस्था 28:1-14 - आज्ञापालन आ आज्ञा नहि मानबाक लेल परमेश् वरक आशीर्वाद आ अभिशाप

2. 2 कोरिन्थी 9:7 - प्रत्येक मनुष्य केँ अपन हृदय मे जे निर्णय कयल गेल अछि ताहि अनुसार देबाक चाही, अनिच्छा सँ वा मजबूरी मे नहि।

मलाकी 3:10 अहाँ सभ सभ दसम भाग भंडार मे आनि दियौक जाहि सँ हमर घर मे भोजन भ’ सकय, आ हमरा एखन एहि सँ परीक्षण करू, सेना सभक प्रभु कहैत छथि, जँ हम अहाँ सभ केँ स्वर्गक खिड़की नहि खोलब आ अहाँ सभ केँ क आशीर्वाद, जे एकरा प्राप्त करबाक लेल एतेक जगह नहि होयत।

2195

परमेश् वर अपनऽ लोग सिनी कॅ आज्ञा दै छै कि वू अपनऽ सब दसवां हिस्सा भंडार में लानै, आरू वादा करै छै कि अगर वू ऐसनऽ करतै त॑ वू स्वर्ग के खिड़की खोलतै आरू एतना बड़ऽ आशीष डालतै कि ओकरा सब के समेटै लेली एतना जगह नै होतै।

1. आज्ञाकारिता के आशीर्वाद: भगवान के प्रचुरता के प्रतिज्ञा

2. दसम भागक शक्ति: परमेश्वरक प्रावधान केँ मुक्त करब

१. अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ जे देबाक लेल अपन हृदय मे निर्णय कयल गेल अछि से देबाक चाही, अनिच्छा सँ वा मजबूरी मे नहि, कारण भगवान् हँसमुख दान करयवला सँ प्रेम करैत छथि। परमेश् वर अहाँ सभ केँ प्रचुर आशीष दऽ सकैत छथि, जाहि सँ अहाँ सभ केँ हर समय सभ किछु मे जे किछु चाही से अहाँ सभ केँ भेटि जायत।

2. रोमियो 8:31-32 - तखन एहि सभक प्रतिक्रिया मे हम सभ की कहब? जँ परमेश् वर हमरा सभक पक्ष मे छथि तँ हमरा सभक विरुद्ध के भऽ सकैत अछि? जे अपन पुत्र केँ नहि छोड़लनि, बल् कि हमरा सभक लेल हुनका छोड़ि देलनि, ओ हुनका संग हमरा सभ केँ सभ किछु कोना नहि देत?

मलाकी 3:11 हम अहाँक लेल भक्षक केँ डाँटब, आ ओ अहाँक जमीनक फल केँ नष्ट नहि करत। आ ने अहाँक बेल खेत मे समय सँ पहिने अपन फल नहि फेकत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

सेना केरऽ परमेश् वर इस्राएल केरऽ लोगऽ के जमीन आरू बेल के फल के नष्ट होय स॑ बचाबै के प्रतिज्ञा करै छै ।

1. प्रभुक भलाई: भगवान् कोना रक्षा आ प्रबंध करैत छथि

2. प्रभु पर भरोसा करब: हुनकर प्रतिज्ञा मे सुरक्षा भेटब

1. भजन 145:15-16 - सभक नजरि अहाँ दिस तकैत अछि, आ अहाँ हुनका सभक भोजन उचित समय पर दैत छी। अहाँ हाथ खोलू; अहाँ हर जीव के इच्छा के तृप्त करैत छी।

2. नीतिवचन 3:5-6 - पूरा मोन सँ प्रभु पर भरोसा करू, आ अपन समझ पर भरोसा नहि करू। अपन सभ रास्ता मे हुनका स्वीकार करू, आ ओ अहाँक बाट सोझ करताह।

मलाकी 3:12 सभ जाति अहाँ सभ केँ धन्य कहत, कारण अहाँ सभ एकटा आनन्ददायक देश होयब, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि।

परमेश् वर इस्राएल क॑ आशीर्वाद दै के वादा करै छै आरू ओकरा सब जाति के प्रशंसा करै लेली एगो आनन्ददायक भूमि बनाबै छै।

1. परमेश् वरक अपन लोकक लेल आशीर्वादक प्रतिज्ञा

2. भगवान् के प्रतिज्ञा के वैभव

1. भजन 33:12 - धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश्वर प्रभु छथि, ओ लोक जे ओ अपन उत्तराधिकारक लेल चुनलनि।

2. यशायाह 60:15 - जखन कि अहाँ केँ छोड़ि देल गेल आ घृणा कयल गेल, जाहि सँ अहाँ मे सँ कियो नहि गेल, हम अहाँ केँ अनन्त श्रेष्ठ बना देब, जे बहुतो पीढ़ीक आनन्दक विषय मे रहब।

मलाकी 3:13 परमेश् वर कहैत छथि जे अहाँक बात हमरा विरुद्ध कठोर अछि। तैयो अहाँ सभ कहैत छी जे, “हम सभ अहाँक विरोध मे एतेक की बाजलहुँ?”

भगवान् लोक पर आरोप लगबैत छथि जे ओ हुनका खिलाफ बजैत छथि, मुदा ओ सभ एहि बात सँ इनकार करैत छथि।

1. अपन पाप के चिन्हब आ स्वीकार करब सीखू

2196

2. भगवान् सँ दयालु आ आदरपूर्वक बात करू

1. भजन 145:18 - परमेश् वर हुनका पुकारनिहार सभक लग छथि, जे सभ हुनका सत् य पुकारैत छथि।

2. 1 पत्रुस 3:15 - मुदा अहाँ सभक हृदय मे मसीह केँ प्रभुक रूप मे आदर करू। जे कियो आशा के कारण बताबय लेल कहय छथिन्ह हुनका जवाब देबय लेल सदिखन तैयार रहु.

मलाकी 3:14 अहाँ सभ कहलहुँ जे, “परमेश् वरक सेवा करब व्यर्थ अछि, आ हमरा सभ हुनकर नियमक पालन कयलहुँ आ सेना सभक प्रभुक समक्ष शोकपूर्वक चलला सँ कोन फायदा?

लोक परमेश् वरक सेवा करबाक मूल्य पर संदेह करैत अछि आ पूछैत अछि जे हुनकर आज्ञाक पालन करबा सँ की फायदा होइत छैक।

1. आज्ञाकारिता के मूल्य: भगवान के अदृश्य पुरस्कार के साथ जीना सीखना

2. परमेश् वर पर भरोसा करब आ हुनकर बाट केँ अपनाब: निष्ठावान सेवाक लाभ देखब

1. व्यवस्था 10:12-13: आब, हे इस्राएल, अहाँ सभक परमेश् वर यहोवा अहाँ सभ सँ की चाहैत छथि, सिवाय अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ भय, हुनकर सभ बाट पर चलबाक, हुनका सँ प्रेम करबाक आ अहाँ सभक परमेश् वरक सेवा करबाक लेल पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आ परमेश् वरक आज्ञा आ नियमक पालन करबाक लेल, जे हम आइ अहाँ केँ अहाँक भलाईक लेल आज्ञा दऽ रहल छी?

2. इब्रानी 11:6: "बिना विश्वासक हुनका प्रसन्न करब असंभव अछि, किएक तँ जे परमेश् वर लग अबैत अछि ओकरा ई विश्वास करबाक चाही जे ओ छथि आ हुनका तकनिहार सभक पुरस्कृत छथि।"

मलाकी 3:15 आब हम सभ घमंडी केँ खुश कहैत छी। हँ, जे सभ दुष्टता करैत अछि, ओकरा सभ केँ ठाढ़ कयल गेल अछि। हँ, जे सभ परमेश् वर केँ परीक्षा दैत छथि, तकरा सभ मुक् त कयल जाइत छथि।

घमंडी के उत्सव मनाबै छै आरू दुष्टता करै वाला के फल मिलै छै, भगवान के प्रलोभन करै वाला भी बची जाय छै।

1. घमंड के खतरा

2. भगवान् के कृपा के शक्ति

1. याकूब 4:6 - परमेश् वर घमंडी लोकक विरोध करैत छथि मुदा विनम्र लोक पर अनुग्रह करैत छथि।

2. रोमियो 8:28 - आ हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर सभ बात मे ओहि सभक भलाईक लेल काज करैत छथि जे हुनका सँ प्रेम करैत छथि, जे हुनकर उद्देश्यक अनुसार बजाओल गेल छथि।

मलाकी 3:16 तखन जे सभ परमेश् वर सँ डरैत छल, ओ सभ बेर-बेर एक-दोसर सँ गप्प करैत छल, आ परमेश् वर सुनलनि आ सुनलनि आ हुनका सभक सोझाँ एकटा स्मरणक पुस्तक लिखल गेलनि जे परमेश् वर सँ डरैत छल आ हुनकर नाम पर विचार करैत छल।

विश्वासी लोकनि एक दोसरा सँ गप्प करैत छलाह आ प्रभु सुनैत छलाह आ हुनका लोकनिक नाम स्मरणक पुस्तक मे लिखैत छलाह |

1. समुदायक शक्ति: विश्वास मे संगतिक महत्व

2. हुनकर नाम स्मरण करब: प्रार्थना मे हुनकर नाम बजबाक आशीर्वाद

1. इब्रानी 10:24-25, "आउ, एक-दोसर केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाबी, एक-दोसर केँ प्रेम आ नीक काज मे कोना उकसाबी, जेना किछु लोकक आदति अछि, एक संग भेंट करबाक कोताही नहि करू, बल् कि एक-दोसर केँ प्रोत्साहित करी, आओर अहाँ सभ जकाँ बेसी।" देखू दिन नजदीक आबि रहल अछि।"

2. यशायाह 56:5, "हम हुनका सभ केँ अनन्त नाम देबनि जे नहि कटत।"

मलाकी 3:17 ओ सभ हमर होयत, सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि, ओहि दिन जखन हम अपन गहना बनाब। हम ओकरा सभ केँ दय देब, जेना कियो अपन सेवा करऽ वला बेटा केँ बख्शैत अछि।”

भगवान् अपन लोक केँ बख्शबाक वादा करैत छथि जेना पिता अपनहि बेटा पर दया करत।

1. पिताक दया: भगवानक अपन लोकक प्रति बिना शर्त प्रेम

2. भगवानक कृपा: संघर्षक बादो हम सब धन्य किएक छी

1. रोमियो 5:8 - मुदा परमेश् वर हमरा सभक प्रति अपन प्रेमक प्रदर्शन करैत छथि, जे जखन हम सभ पापी रही तखन मसीह हमरा सभक लेल मरि गेलाह।

2. इफिसियों 2:4-5 - मुदा परमेश् वर दया मे धनी रहलाह, अपन बहुत प्रेमक कारणे, जाहि सँ ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलनि, जखन कि हम सभ अपन अपराध मे मरि गेल रही, तखनो हमरा सभ केँ मसीहक संग जीवित कयलनि।

मलाकी 3:18 तखन अहाँ सभ घुरि कऽ धर्मी आ दुष्टक बीच भेद करब, जे परमेश् वरक सेवा करैत अछि आ जे हुनकर सेवा नहि करैत अछि।

मलाकी 3:18 सिखाबै छै कि धर्मी आरू दुष्ट अलग होय जैतै, आरू ओकरा सिनी के बीच के अंतर परमेश् वर के सेवा छै।

1. धर्मी आ दुष्टक बीचक अंतर: भगवानक सेवासँ सभ भेद कोना होइत अछि

2. मलाकी 3:18: परमेश् वरक सेवा करबाक लेल चुनब आ धार्मिकताक आशीष

1. मत्ती 25:31-46 - भेड़ आ बकरी के दृष्टान्त

2. याकूब 2:14-26 - बिना काजक विश्वास मरि गेल अछि

मलाकी अध्याय 4 पुस्तक के अंतिम अध्याय छै आरू प्रभु के आबै वाला दिन, दुष्ट के न्याय आरू धर्मी के पुनर्स्थापन के बारे में बात करै छै।

प्रथम अनुच्छेद: अध्याय के शुरुआत प्रभु के आबै वाला दिन के भविष्यवाणी स॑ होय छै, जेकरा दुष्टऽ के लेलऽ न्याय आरू विनाश के दिन के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै । भंडार जकाँ जरेबाक दिन होयत, आ अहंकारी आ दुष्कर्मी सभ ठूंठ जकाँ भस्म भ' जेताह। मुदा जे सभ प्रभु सँ डेराइत छथि, हुनका सभक लेल धार्मिकताक सूर्य अपन पाँखि मे चंगाईक संग उगताह (मलाकी 4:1-3)।

दोसर पैराग्राफ: अध्याय मे मूसाक व्यवस्था केँ मोन राखब आ ओकर पालन करबाक महत्व पर प्रकाश देल गेल अछि। परमेश् वर वचन दैत छथि जे प्रभुक महान आ भयावह दिन सँ पहिने एलियाह भविष्यवक्ता केँ पठा देताह जे पिताक हृदय केँ अपन संतान दिस आ संतानक हृदय केँ अपन पिता दिस घुमाबथि, जाहि सँ देश मे कोनो अभिशाप नहि लागय (मलाकी 4:4- 6)।

संक्षेप मे, २.
मलाकी अध्याय 4 में प्रभु के आबै वाला दिन, दुष्ट के न्याय आरू धर्मी के पुनर्स्थापन के बारे में बात करलऽ गेलऽ छै।

प्रभु के आबै वाला दिन के भविष्यवाणी, दुष्ट के लेलऽ न्याय आरू विनाश के दिन।
प्रभु के भय वाला के लेलऽ चंगाई आरू पुनर्स्थापन के वादा।
मूसा के व्यवस्था के याद करै आरू ओकरऽ पालन करै के महत्व।
एलियाह भविष्यवक्ता के आबै के वादा करू जे दिल घुमा देत आ कोनो अभिशाप के रोकत।

मलाकी केरऽ ई अंतिम अध्याय प्रभु केरऽ आबै वाला दिन के भविष्यवाणी स॑ शुरू होय छै, जेकरा दुष्टऽ लेली न्याय आरू विनाश के दिन के रूप म॑ वर्णित करलऽ गेलऽ छै । अध्याय में धर्मात्मा आरू दुष्ट के बीच के भेद पर जोर देलऽ गेलऽ छै, जेकरा में दुष्ट के ठूंठ के तरह विनाश के सामना करना पड़ै छै जबकि धर्मी के चंगाई आरू पुनर्स्थापना मिलै छै । अध्याय में मूसा के व्यवस्था के याद करै आरू ओकरो पालन करै के महत्व पर भी प्रकाश डाललऽ गेलऽ छै । परमेश् वर वादा करै छै कि प्रभु केरऽ महान आरू भयावह दिन स॑ पहल॑ एलियाह भविष्यवक्ता क॑ भेजलऽ जैतै कि वू पिता सिनी के दिल क॑ अपनऽ बच्चा के तरफ आरू बच्चा सिनी के दिल क॑ अपनऽ पिता के तरफ घुमाबै, ताकि ई देश प॑ अभिशाप नै पैदा होय सक॑ । ई अध्याय प्रभु के आबै वाला दिन, दुष्ट के न्याय, धर्मी के पुनर्स्थापन आरू परमेश् वर के नियम के पालन करै के महत्व के बारे में बात करै छै।

मलाकी 4:1 किएक तँ देखू, ओ दिन आबि रहल अछि जे भंडार जकाँ जरि जायत। सेना सभक परमेश् वर कहैत छथि जे, सभ घमंडी, हँ, आ जे सभ दुष्ट काज करैत अछि, से सभ कूड़ा-करकट भऽ जायत।

प्रभु केरऽ न्याय केरऽ दिन आबी रहलऽ छै आरू सब घमंडी आरू दुष्ट केरऽ नाश होय जैतै ।

1. परमेश् वरक लेल हुनकर आगामी न्यायक आलोक मे जीब

2. भगवान् के क्रोध के सामने विनम्रता के आवश्यकता

1. रोमियो 2:5-8 - मुदा अहाँक कठोर आ पश्चाताप नहि करय बला हृदयक कारणेँ अहाँ अपना लेल क्रोध ओहि क्रोधक दिन जमा क’ रहल छी जखन परमेश्वरक धार्मिक न्याय प्रकट होयत।

6 ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार प्रतिदान देत, 7 जे सभ धैर्यपूर्वक नीक काज करैत अछि, तकरा सभ केँ ओ अनन्त जीवन देथिन। 8 मुदा जे सभ स्वार्थी छथि आ सत्यक आज्ञा नहि मानैत छथि, बल् कि अधर्मक आज्ञा मानैत छथि, हुनका सभक लेल क्रोध आ क्रोध होयत।

2. याकूब 4:6-10 - मुदा ओ बेसी अनुग्रह दैत छथि। तेँ कहैत अछि जे भगवान घमंडी लोकक विरोध करैत छथि, मुदा विनम्र लोक पर कृपा करैत छथि | 7 तेँ परमेश् वरक अधीन रहू। शैतानक विरोध करू, तखन ओ अहाँ सभ सँ भागि जायत। 8 परमेश् वरक लग आबि जाउ, तँ ओ अहाँ सभक समीप आबि जेताह। हे पापी, अपन हाथ शुद्ध करू आ अपन हृदय केँ शुद्ध करू, हे दोहरी विचारक। 9 दयनीय रहू आ शोक करू आ कानू। अहाँक हँसी शोक मे बदलि जाय आ अहाँक आनन्द उदासी मे बदलि जाय। 10 प्रभुक समक्ष अपना केँ नम्र बनाउ, तखन ओ अहाँ सभ केँ ऊपर उठौताह।

मलाकी 4:2 मुदा अहाँ सभ जे हमर नाम सँ डरैत छी, हुनका लेल धार्मिकताक सूर्य अपन पाँखि मे चंगाईक संग उगताह। अहाँ सभ बाहर जा कऽ ठंढाक बछड़ा जकाँ बढ़ब।”

मलाकी के किताब के ई श्लोक एगो आबै वाला मसीहा के बारे में बात करै छै जे प्रभु के आदर करै वाला सिनी लेली चंगाई आरू धार्मिकता लानै छै।

1. धर्मक सूर्यक आगमन

2. प्रभुक श्रद्धा सँ चिकित्सा होइत छैक

1. यशायाह 30:26 - संगहि चानक इजोत सूर्यक इजोत जकाँ होयत आ सूर्यक इजोत सात दिनक इजोत जकाँ सात गुना होयत, जाहि दिन परमेश् वर जकर फाटल भाग केँ बान्हि देताह ओकर लोक केँ ओकर घाव केँ ठीक करैत छैक।

2. भजन 103:3 - जे तोहर सभ पाप केँ क्षमा करैत अछि। जे तोहर सभ रोग केँ ठीक करैत अछि।

मलाकी 4:3 अहाँ सभ दुष्ट केँ रौदब। हम जाहि दिन ई काज करब, ताहि दिन अहाँ सभक पएरक तलवाक नीचाँ ओ सभ राख भ’ जायत।”

सेना केरऽ परमेश् वर घोषणा करै छै कि दुष् ट लोगऽ क॑ दबाय देलऽ जैतै आरू धर्मी लोगऽ के पैरऽ के नीचें भस्म होय जैतै ।

1. सत्य जखन अलोकप्रिय हो तखनो बाजू

2199

2. परमेश् वरक वचनक सामर्थ् य

1. यशायाह 66:15-16 - कारण, देखू, प्रभु आगि ल’ क’ आ अपन रथ सभक संग बवंडर जकाँ आबि जेताह, जे हुनकर क्रोध केँ क्रोध सँ आ डाँट केँ आगि केर लौ सँ बदलि देथिन। कारण, प्रभु आगि आ तलवार सँ सभ प्राणी सँ निहोरा करताह।

2. रोमियो 12:19 - प्रिय प्रियतम, अपना सभक बदला नहि लिअ, बल् कि क्रोध केँ जगह दियौक। हम प्रतिफल देब, प्रभु कहैत छथि।

मलाकी 4:4 अहाँ सभ हमर सेवक मूसाक नियम केँ मोन पाड़ू, जे हम ओकरा पूरा इस्राएलक लेल होरेब मे आज्ञा देने रही।

परमेश् वर लोक सभ केँ मोन पाड़ैत छथि जे मूसाक नियम आ होरेब पहाड़ पर मूसा केँ देल गेल नियम आ न्याय केँ मोन राखू आ ओकर पालन करथि।

1. परमेश् वरक नियम सभ केँ मोन रखबाक महत्व

2. परमेश् वरक आज्ञाक पालन करब

1. व्यवस्था 4:1-4 - "हे इस्राएल, हम जे नियम आ नियम अहाँ सभ केँ सिखा रहल छी, से सुनू, आ ओकरा सभ केँ पूरा करू, जाहि सँ अहाँ सभ जीवित रहब आ ओहि देश केँ अपना मे समेटब, जे प्रभु परमेश् वर। अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ दऽ रहल छथि।हम जे वचन अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी, ताहि मे अहाँ सभ किछु नहि जोड़ब, आ ने ओहि मे सँ लऽ कऽ लेब, जाहि सँ अहाँ सभ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा सभक पालन कऽ सकब जे हम अहाँ सभ केँ आज्ञा दैत छी बाल-पीओर मे केलथिन, किएक तँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक बीच सँ सभ लोक केँ नष्ट कऽ देलनि जे बाल-पीओरक पाछाँ चलैत छल।

2. रोमियो 12:2 - एहि संसारक अनुरूप नहि बनू, बल् कि अपन मनक नवीकरण सँ बदलू, जाहि सँ अहाँ सभ ई बुझि सकब जे परमेश् वरक इच्छा की अछि, की नीक आ स्वीकार्य आ सिद्ध अछि।

मलाकी 4:5 देखू, हम अहाँ सभक लेल परमेश् वरक महान आ भयावह दिनक आगमन सँ पहिने एलियाह भविष्यवक्ता केँ पठा देब।

नया पाँति के सारांश: परमेश्वर वादा करै छै कि प्रभु के महान आरू भयानक दिन के आबै स॑ पहल॑ एलियाह भविष्यवक्ता क॑ भेजलऽ जैतै ।

1. परमेश् वरक प्रतिज्ञा: एलियाह आ महान आ भयावह दिन

2. एलियाह: एकटा परेशान दुनिया मे आशाक निशानी

1. यशायाह 40:31 - मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत। 2. याकूब 5:7-8 - तेँ भाइ लोकनि, प्रभुक आगमन धरि धैर्य राखू। देखू, किसान पृथ्वीक अनमोल फलक प्रतीक्षा करैत अछि आ ओकरा लेल बहुत दिन धरि धैर्य रखैत अछि जाबत धरि ओकरा भोरे-भोर आ बादक वर्षा नहि भेटैत छैक।

मलाकी 4:6 ओ बाप-पिताक मोन केँ बच्चा सभक दिस आ संतान सभक मोन केँ अपन बाप-दादा दिस घुमा देत, जाहि सँ हम नहि आबि क’ पृथ्वी केँ शाप सँ मारि देब।

भगवान् बाप-बच्चाक हृदय केँ एक-दोसर दिस घुमा देताह जाहि सँ हुनका धरती पर कोनो अभिशाप नहि आनय पड़य।

1. पारिवारिक एकता के महत्व: मलाकी 4:6 के आशीर्वाद

2. मेल-मिलाप के लेल एकटा आह्वान: मलाकी 4:6 टूटल संबंध के कोना बहाल क सकैत अछि

1. नीतिवचन 17:6 पोता-पोती वृद्धक मुकुट होइत छैक, आ बच्चा सभक महिमा ओकर पिता होइत छैक।

2. रोमियो 12:10 एक दोसरा सँ भाई-बहिनक स्नेह सँ प्रेम करू। इज्जत देखाबय मे एक दोसरा के मात देब।

2201